Language: हिन्दी, हिंदी

Book: Matthew

Matthew

Chapter 1

1 अब्राहम की सन्तान, दाऊद की सन्तान, यीशु मसीह* की वंशावली*। **2** अब्राहम से इसहाक उत्पन्न हुआ, इसहाक से याकूब उत्पन्न हुआ, और याकूब से यहूदा और उसके भाई उत्पन्न हुए। **3** यहूदा और तामार से पेरेस व जेरह उत्पन्न हुए, और पेरेस से हेस्रोन उत्पन्न हुआ, और हेस्रोन से एराम उत्पन्न हुआ। **4** एराम से अम्मीनादाब उत्पन्न हुआ, और अम्मीनादाब से नहशोन, और नहशोन से सलमोन उत्पन्न हुआ। (रूत 4:19-20) **5** सलमोन और राहाब से बोआज उत्पन्न हुआ, और बोआज और रूत से ओबेद उत्पन्न हुआ, और ओबेद से यिशै उत्पन्न हुआ। **6** और यिशै से दाऊद राजा उत्पन्न हुआ। और दाऊद से सुलैमान उस स्त्री से उत्पन्न हुआ जो पहले ऊरिय्याह की पत्नी थी। (2 शमू. 12:24) **7** सुलैमान से रहबाम उत्पन्न हुआ, और रहबाम से अबिय्याह उत्पन्न हुआ, और अबिय्याह से आसा उत्पन्न हुआ। **8** आसा से यहोशाफात उत्पन्न हुआ, और यहोशाफात से योराम उत्पन्न हुआ, और योराम से उज्जियाह उत्पन्न हुआ। **9** उज्जियाह से योताम उत्पन्न हुआ, योताम से आहाज उत्पन्न हुआ, और आहाज से हिजकिय्याह उत्पन्न हुआ। **10** हिजकिय्याह से मनश्शे उत्पन्न हुआ, मनश्शे से आमोन उत्पन्न हुआ, और आमोन से योशिय्याह उत्पन्न हुआ। **11** और बन्दी होकर बाबेल जाने के समय में योशिय्याह से यकुन्याह*, और उसके भाई उत्पन्न हुए। (यिर्म. 27:20) **12** बन्दी होकर बाबेल पहुँचाए जाने के बाद यकुन्याह से शालतियेल उत्पन्न हुआ, और शालतियेल से जरुब्बाबेल उत्पन्न हुआ। **13** जरुब्बाबेल से अबीहूद उत्पन्न हुआ, अबीहूद से एलयाकीम उत्पन्न हुआ, और एलयाकीम से अजोर उत्पन्न हुआ। **14** अजोर से सादोक उत्पन्न हुआ, सादोक से अखीम उत्पन्न हुआ, और अखीम से एलीहूद उत्पन्न हुआ। **15** एलीहूद से एलीआजार उत्पन्न हुआ, एलीआजार से मत्तान उत्पन्न हुआ, और मत्तान से याकूब उत्पन्न हुआ। **16** याकूब से यूसुफ उत्पन्न हुआ, जो मरियम का पति था, और मरियम से* यीशु उत्पन्न हुआ जो मसीह कहलाता है। **17** अब्राहम से दाऊद तक सब चौदह पीढ़ी हुई, और दाऊद से बाबेल को बन्दी होकर पहुँचाए जाने तक चौदह पीढ़ी, और बन्दी होकर बाबेल को पहुँचाए जाने के समय से लेकर मसीह तक चौदह पीढ़ी हुई।

18 अब यीशु मसीह का जन्म इस प्रकार से हुआ, कि जब उसकी माता मरियम की मंगनी यूसुफ के साथ हो गई, तो उनके इकट्ठे होने के पहले से वह पवित्र आत्मा की ओर से गर्भवती पाई गई। **19** अतः उसके पति यूसुफ ने जो धर्मी था और उसे बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से त्याग देने की मनसा की। **20** जब वह इन बातों की सोच ही में था तो परमेश्वर का स्वर्गदूत उसे स्वप्न में दिखाई देकर कहने लगा, “हे यूसुफ! दाऊद की सन्तान, तू अपनी पत्नी मरियम को अपने यहाँ ले आने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है। **21** वह पुत्र जनेगी और तू उसका नाम यीशु* रखना, क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।” **22** यह सब कुछ इसलिए हुआ कि जो वचन प्रभु ने भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा था, वह पूरा हो (यशा. 7:14) **23** “देखो, एक कुँवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र जनेगी, और उसका नाम इम्मानुएल रखा जाएगा,” जिसका अर्थ है - परमेश्वर हमारे साथ। **24** तब यूसुफ नींद से जागकर परमेश्वर के दूत की आज्ञा अनुसार अपनी पत्नी को अपने यहाँ ले आया। **25** और जब तक वह पुत्र न जनी तब तक वह उसके पास न गया: और उसने उसका नाम यीशु रखा।

Matthew 1:1

x
पद 1-17 में यीशु के पूर्वजों के नाम दिए गए हैं।

दाऊद की सन्तान, अब्राहम की सन्तान।
वैकल्पिक अनुवाद, "दाऊद का वंशज जो अब्राहम का वंशज था"। अब्राहम और उसके वंशज दाऊद के मध्य अनेक पीढ़ियाँ थी और दाऊद और उसके वंशज यीशु के मध्य अनेक पीढ़ियां रही हैं। "दाऊद का पुत्र" एक पदनाम स्वरूप काम में लिया गया है, तथा अन्य स्थानों में परन्तु यह केवल उसकी वंशावली को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।

अब्राहम इसहाक का पिता था।
वैकल्पिक अनुवाद, "अब्राहम इसहाक का पिता था" या अब्राहम का पुत्र था इसहाक"। इसमें से एक अनुवाद को काम में लेने से आपके पाठकों के लिए अधिक स्पष्ट होगा और इसी को शेष सूची में काम में लें।

तामार
जिस भाषा में इस शब्द के पुल्लिंग और स्त्रीलिंग दोनों शब्द है उसमें स्त्रीलिंग शब्द ही काम में लें।

Matthew 1:4

x
यीशु के पूर्वजों की सूची अभी समाप्त नहीं हुई है, आपने मत्ती .में जो शब्दावली काम में ली है उसी को आगे भी काम में लें।

सलमोन और राहाब से बोअज उत्पन्न हुआ।
"सलमोन बोअज का पिता था और बोअज की माता राहाब थी"। या "बोअज के माता-पिता राहाब और सलमोन थे"।

बोअज ओबेद का पिता था और माता रूत थी।
बोअज ओबेद का पिता था और माता रूत थी "या ओबेद के माता-पिता रूत और बोअज थे।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

राहाब..... रूत
जिन भाषाओं में इन शब्दों के पुल्लिंग और स्त्रीलिंग शब्द हैं। उनमें इन शब्दों के केवल स्त्रीलिंग रूप ही काम में लिए जाए।

उरिय्याह की पत्नी से सुलैमान दाऊद का पुत्र हुआ।
"दाऊद का पुत्र सुलैमान था और सुलैमान की माता उरिय्याह की पत्नी थी। या दाऊद और उरिय्याह की पत्नी सुलैमान के माता-पिता थे"।

उरिय्याह की पत्नी।
"उरिय्याह की विधवा।"

Matthew 1:7

x
यीशु के पूर्वजों की सूची अभी समाप्त नहीं हुई है, आपने मत्ती में जो शब्दावली काम में ली है उसी को आगे भी काम में लें।

आसा
कभी-कभी उसके नाम का अनुवाद "आसाप" किया जाता है।

योराम से उज्जियाह उत्पन्न हुआ।
योराम वास्तव में उज्जियाह के दादा का दादा था। अतः दादा के स्थान पर "पूर्वज" लिखा जा सकता है।(यू.डी.बी)

Matthew 1:9

x
यीशु के पूर्वजों की सूची अभी समाप्त नहीं हुई है, आपने मत्ती .में जो शब्दावली काम में ली है उसी को आगे भी काम में लें।

आमोन
कहीं-कहीं इसका अनुवाद आमोस किया गया है।

योशिय्याह यकुन्याह का पिता था।
योशिय्याह वास्तव में यकुन्याह का दादा था।(देखें: यू.डी.बी)

बेबीलोन जाने के समय।
जब वे बेबीलोन ले जाए गए। या "जब बेबीलोन की सेना ने उन्हें बेबीलोन में बसने पर विवश किया"। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट करना है कि कौन बेबीलोन ले जाए गए तो आप कह सकते हैं, "इस्राएली" या यहूदा के रहने वाले इस्राएली"।

Matthew 1:12

x
यीशु के पूर्वजों की सूची अभी समाप्त नहीं हुई है, आपने मत्ती .में जो शब्दावली काम में ली है उसी को आगे भी काम में लें।

बेबीलोन की बन्धुआई के बाद।
शब्दावली वही काम में ले जो में काम में ली गई है।

शालतिएल जरूब्बाबिल का पिता था।
शालतिएल वास्तव में जरूब्बाबिल का दादा था।(देखे: यू.डी.बी.)

Matthew 1:15

x
यीशु के पूर्वजों की सूची अभी समाप्त नहीं हुई है, आपने मत्ती में जो शब्दावली काम में ली है उसी को आगे भी काम में लें।

मरियम जिससे यीशु का जन्म हुआ।
मरियम जिससे यीशु का जन्म हुआ। इसका अनुवाद कर्तृवाच्य रूप में किया जा सकता है, "मरियम ने यीशु को जन्म दिया"।

बेबीलोन ले जाया जाना
शब्दावली वही काम में ले जो में काम में ली गई है।

Matthew 1:18

x
यहाँ उन घटनाओं का वर्णन है जो यीशु के जन्म से सम्बन्धित हैं। यदि आपकी भाषा में विषय परिवर्तन दिखाने की विधि है तो उसे यहाँ काम में लें।

मरिमय की मंगनी यूसुफ के साथ हो गई थी।
मरिमय की मंगनी यूसुफ के साथ हो गई थी। "विवाह की प्रतिज्ञा कर चुकी थी" (यू.डी.बी.) या "विवाह के लिए समर्पित की जा चुकी थी"। माता-पिता सामान्यतः सन्तान के विवाह का प्रबन्ध करते हैं।

उनके इकट्ठा होने से पहले।
इस शिष्टोक्ति का अर्थ है, "इससे पूर्व कि उनमें यौन सम्बन्ध होता"।

वह गर्भवती पाई गई।
"उन्हें पता चला कि वह शिशु को जन्म देने वाली है"।(देखें::)

पवित्र आत्मा से।
"पवित्र आत्मा ने मरियम को शिशु जनने योग्य किया"।

Matthew 1:20

x
यहाँ यीशु के जन्म से संबन्धित घटनाओं का वर्णन है।

प्रकट हुआ।
अचानक से ही एक स्वर्गदूत यूसुफ के पास आया।

जो उसके गर्भ में है वह पवित्र आत्मा की ओर से है।
"मरियम के गर्भ में जो शिशु है वह पवित्र आत्मा से है।"

वह पुत्र जनेगी।
क्योंकि परमेश्वर ने अपने स्वर्गदूत को भेजा था इसलिए वह जानता था कि वह शिशु पुत्र है।

तू उसका नाम रखना।
यह एक आज्ञा है: "तू उसका नाम रखना" या "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।

वह अपने लोगों का पाप से उद्धार करेगा।
"अपने लोगों का" यहूदियों से संदर्भ है।

Matthew 1:22

x
मत्ती उस भविष्यद्वाणी का संदर्भ देता है जिसे यीशु पूरी करेगा।

जो वचन प्रभु ने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा कहा था वह पूरा हो।
जो कर्तृवाच्य रूप में व्यक्त किया जा सकता है, "प्रभु ने भविष्यद्वक्ता यशायाह को बहुत पहले से लिखने को कहा था।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

देखो
वैकल्पिक अनुवाद, "देखो" या "सुनो" या "जो मैं कहने जा रहा हूँ उस पर ध्यान दो"।

एक कुंवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र जनेगी।
यह पद यशायाह का उद्धरण है।

Matthew 1:24

x
यह अंश यीशु के जन्म से संबन्धित घटनाओं की चर्चा करता है।

आज्ञा
स्वर्गदूत ने उसे आज्ञा दी कि वह मरियम को अपने यहाँ ले आए और उस पुत्र का नाम यीशु रखे। (पद 20-21)

वह उसके पास न गया।
उसके पास न गया "उसके साथ यौन सम्बन्ध नहीं बनाए"।

और उसका नाम यीशु रखा।
यूसुफ ने अपने पुत्र का नाम यीशु रखा।

Translation Questions

Matthew 1:1

मसीह यीशु की वंशावली कौन से दो पूर्वजों के महत्त्व को प्रकट करते हुए उनके नाम दिए गए हैं?
जिन दो पूर्वजों की सबसे पहले सूची दी गई है वे दाऊद और अब्राहम है।

Matthew 1:16

वंशावली के अन्त में किस पत्नी का नाम दिया गया है और उसका नाम क्यों दिया गया है?
मरियम, यूसुफ की पत्नी का नाम दिया गया है क्योंकि उसके द्वारा यीशु का जन्म हुआ था।

Matthew 1:18

यूसुफ के साथ सम्बन्ध बनाने से पूर्व मरियम के साथ क्या हुआ था?
यूसुफ के साथ सम्बन्ध बनाने से पूर्व मरियम पवित्र-आत्मा से गर्भवती हुई थी।

Matthew 1:19

यूसुफ कैसा मनुष्य था?
यूसुफ एक धर्मी जन था।

मरियम के गर्भवती होने की बात सुनकर यूसुफ ने क्या करने का निर्णय लिया?
यूसुफ ने गुप्त में मरियम के साथ मंगनी तोड़ देने की इच्छा की थी।

Matthew 1:20

यूसुफ के जीवन में ऐसी क्या घटना हुई कि उसने मरियम के साथ मंगनी न तोड़ने का विचार किया?
एक स्वर्गदूत ने यूसुफ को स्वप्न में दर्शन देकर कहा कि वह मरियम को अपना ले क्योंकि उसका गर्भ धारण पवित्र-आत्मा से है।

Matthew 1:21

यूसुफ से क्यों कहा गया कि वह अपने शिशु का नाम यीशु रखे?
यूसुफ से कहा गया कि वह शिशु का नाम यीशु रखे क्योंकि वह अपने लोगों का पाप से उद्धार करेगा।

Matthew 1:23

पुराने नियम की भविष्यद्वाणी में क्या कहा गया था जो इन घटनाओं में पूरा हुआ?
पुराने नियम की भविष्यद्वाणी थी कि एक कुंवारी पुत्र को जन्म देगी और वह इम्मानुएल कहलाएगा जिसका अर्थ है, "परमेश्वर हमारे साथ है।"

Matthew 1:25

जब तक मरियम ने यीशु को जन्म नहीं दिया तब तक यूसुफ ने किस बात में सावधानी रखी?
यीशु के जन्म तक यूसुफ अति सावधान रहा कि वह मरियम के निकट न जाए।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 हेरोदेस राजा के दिनों में जब यहूदिया के बैतलहम* में यीशु का जन्म हुआ, तब, पूर्व से कई ज्योतिषी यरूशलेम में आकर पूछने लगे, **2** “यहूदियों का राजा
जिसका जन्म हुआ है, कहाँ है? क्योंकि हमने पूर्व में उसका तारा देखा है और उसको झुककर प्रणाम करने आए हैं।” (गिन. 24:17) **3** यह सुनकर हेरोदेस
राजा और उसके साथ सारा यरूशलेम घबरा गया। **4** और उसने लोगों के सब प्रधान याजकों और शास्त्रियों* को इकट्ठा करके उनसे पूछा, “मसीह का जन्म
कहाँ होना चाहिए?” **5** उन्होंने उससे कहा, “यहूदिया के बैतलहम में; क्योंकि भविष्यद्वक्ता के द्वारा लिखा गया है :

6 “हे बैतलहम, यहूदा के प्रदेश, तू किसी भी रीति से यहूदा के अधिकारियों में सबसे छोटा नहीं; क्योंकि तुझ में से एक अधिपति निकलेगा, जो मेरी प्रजा
इस्राएल का चरवाहा बनेगा।” (मीका 5:2) **7** तब हेरोदेस ने ज्योतिषियों को चुपके से बुलाकर उनसे पूछा, कि तारा ठीक किस समय दिखाई दिया था। **8** और
उसने यह कहकर उन्हें बैतलहम भेजा, “जाकर उस बालक के विषय में ठीक-ठीक मालूम करो और जब वह मिल जाए तो मुझे समाचार दो ताकि मैं भी आकर
उसको प्रणाम करूँ।” **9** वे राजा की बात सुनकर चले गए, और जो तारा उन्होंने पूर्व में देखा था, वह उनके आगे-आगे चला; और जहाँ बालक था, उस जगह के
ऊपर पहुँचकर ठहर गया। **10** उस तारे को देखकर वे अति आनन्दित हुए। (लूका 2:20) **11** और उस घर में पहुँचकर उस बालक को उसकी माता मरियम के
साथ देखा, और दण्डवत् होकर बालक* की आराधना की, और अपना-अपना थैला खोलकर उसे सोना, और लोबान, और गन्धरस की भेंट चढ़ाई। **12** और
स्वप्न में यह चेतावनी पा कर कि हेरोदेस के पास फिर न जाना, वे दूसरे मार्ग से होकर अपने देश को चले गए।

13 उनके चले जाने के बाद, परमेश्वर के एक दूत ने स्वप्न में प्रकट होकर यूसुफ से कहा, “उठ! उस बालक को और उसकी माता को लेकर मिस्र देश को भाग
जा; और जब तक मैं तुझ से न कहूँ, तब तक वहीं रहना; क्योंकि हेरोदेस इस बालक को ढूँढ़ने पर है कि इसे मरवा डाले।” **14** तब वह रात ही को उठकर बालक
और उसकी माता को लेकर मिस्र को चल दिया। **15** और हेरोदेस के मरने तक वहीं रहा। इसलिए कि वह वचन जो प्रभु ने भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा था पूरा हो
“मैंने अपने पुत्र को मिस्र से बुलाया।” (होशे 11:1)

16 जब हेरोदेस ने यह देखा, कि ज्योतिषियों ने उसके साथ धोखा किया है, तब वह क्रोध से भर गया, और लोगों को भेजकर ज्योतिषियों से ठीक-ठीक पूछे हुए
समय के अनुसार बैतलहम और उसके आस-पास के स्थानों के सब लड़कों को जो दो वर्ष के या उससे छोटे थे, मरवा डाला। **17** तब जो वचन यिर्मयाह
भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हुआ

> **18** “रामाह में एक करुण-नाद सुनाई दिया,
> रोना और बड़ा विलाप,
> राहेल अपने बालकों के लिये रो रही थी;
> और शान्त होना न चाहती थी, क्योंकि वे अब नहीं रहे।” (यिर्म. 31:15)

19 हेरोदेस के मरने के बाद, प्रभु के दूत ने मिस्र में यूसुफ को स्वप्न में प्रकट होकर कहा, **20** “उठ, बालक और उसकी माता को लेकर इस्राएल के देश में चला
जा; क्योंकि जो बालक के प्राण लेना चाहते थे, वे मर गए।” (निर्ग. 4:19) **21** वह उठा, और बालक और उसकी माता को साथ लेकर इस्राएल के देश में आया।
22 परन्तु यह सुनकर कि अरखिलाउस* अपने पिता हेरोदेस की जगह यहूदिया पर राज्य कर रहा है, वहाँ जाने से डरा; और स्वप्न में परमेश्वर से चेतावनी पा
कर गलील प्रदेश में चला गया। **23** और नासरत नामक नगर में जा बसा, ताकि वह वचन पूरा हो, जो भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा कहा गया था: “वह नासरी*
कहलाएगा।” (लूका 18:7)

Matthew 2:1

x
इस अध्याय में यहूदियों के राजा के रूप में यीशु के जन्म का वर्णन है।

यहूदिया के बैतलहम में।
यहूदिया के बैतलहम में , "यहूदिया क्षेत्र के बैतलहम नगर में"।(यु.डी.बी)

ज्योतिषी
"ज्योतिषी - सितारों का ज्ञान रखने वाले"। (यू.डी.बी.)

हेरोदेस
हेरोदेस यह हेरोदेस महान है।

"यहूदियों का राजा जिसका जन्म हुआ है, कहाँ है"?
वे जानते थे कि जो राजा होगा उसका जन्म हो चुका है। वे जानने का प्रयत्न कर रहे थे कि वह कहाँ है। "एक शिशु जो यहूदियों का राजा होगा, उसका जन्म हुआ है, वह कहाँ है"?

उसका तारा।
"तारा जो उसके बारे में प्रकट करता है", या "उसके जन्म से संबन्धित तारा", उनके कहने का अर्थ यह नहीं था वह शिशु उस तारे का स्वामी है।

प्रणाम
इस शब्द के संभावित अर्थ हैं, (1) उनका प्रयोजन था कि उस दिव्य शिशु को प्रणाम करें", या (2) वे उसे मानवीय राजा के रूप में "सम्मान" देना चाहते थे। यदि आपकी भाषा में ऐसा शब्द है जिसका अर्थ इन दोनों अर्थों से निकलता है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

वह घबरा गया।
"वह चिन्तित हो गया" कि उसके स्थान पर किसी और को यहूदियों का राजा बनाया जायेगा।

सारा यरूशलेम
"यरूशलेम में अधिकांश जन" (यू.डी.बी.) भयभीत हो गये कि हेरोदेस अब क्या करेगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 2:4

x
यहाँ वर्णन है कि जब यीशु, यहूदियों के राजा का जन्म हुआ तब क्या हुआ।

यहूदिया के बैतलहम में।
वैकल्पिक अनुवाद "बैतलहम नगर में जो यहूदिया प्रदेश में है"।

भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा यों लिखा गया है।
इसे क्रियाशील रूप में व्यक्त किया जा सकता है, "भविष्यद्वक्ता ने लिखा है।"

भविष्यद्वक्ता के द्वारा यों लिखा गया है।
भविष्यद्वक्ता के द्वारा यों लिखा गया है , वैकल्पिक अनुवाद, "भविष्यद्वक्ता मीका द्वारा यह लिखा गया है"।

"हे बैतलहम, तू किसी भी रीति से यहूदा के अधिकारियों में सबसे छोटा नहीं।"
"तुम जो बैतलहम में निवास करते हो, तुम्हारा नगर निश्चय ही बहुत महत्त्वपूर्ण है।" (यू.डी.बी.) या "हे बैतलहम तू सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण नगरों में से एक है"। (देखें)

Matthew 2:7

x
यहाँ वर्णन है कि जब यीशु, यहूदियों के राजा का जन्म हुआ तब क्या हुआ।

हेरोदेस ने ज्योतिषियों को चुपके से बुलाकर पूछा।
इसका अर्थ है कि हेरोदेस ने ज्योतिषियों से अकेले में बात की।

बालक
बालक अर्थात शिशु यीशु।

प्रणाम
यहाँ अनुवाद में वही शब्द काम में लें जो आपने में काम में लिया है।

Matthew 2:9

x
यहाँ वर्णन है कि जब यीशु, यहूदियों के राजा का जन्म हुआ तब क्या हुआ।

राजा की बात सुन कर।
राजा की बात सुनकर , "तब" (यू.डी.बी.) या "राजा की बात सुनने के बाद ज्योतिषी"।

उनके आगे-आगे चल।
वैकल्पिक अनुवाद, "उनका मार्गदर्शन किया"।

ठहर गया।
ठहर गया, वैकल्पिक अनुवाद, "रूक गया"।

Matthew 2:11

x
यहाँ वर्णन है कि जब यीशु, यहूदियों के राजा का जन्म हुआ तब क्या हुआ।

उन्होंने
ज्योतिषियों ने

प्रणाम
यहाँ अनुवाद में वही शब्द काम में लें जो आपने में काम में लिया है।

Matthew 2:13

x
यहाँ वर्णन है कि जब यीशु, यहूदियों के राजा का जन्म हुआ तब क्या हुआ।

वे ..... चले गए।
"ज्योतिषी चले गए"।

उठ लेकर.... भाग जा .... तुझ .... रहना।
परमेश्वर यूसुफ से बात कर रहा है अत: ये एक वचन शब्द है ।

हेरोदेस के मरने तक वहीं रहा
जब तक हेरोदेस की मृत्यु नहीं हो जाती । इस वाक्य द्वारा उनके मिस्र में रहने का समय प्रकट होता है परन्तु यह नहीं कहा गया है कि इस समय हेरोदस की मृत्यु हुई।

मैंने अपने पुत्र को मिस्र से बुलाया।
यह होशे का उद्धरण है मत्ती में यूनानी अभिलेख के शब्द होशे की इब्रानी भाषा के शब्दों से भिन्न हैं क्योंकि यहाँ "मिस्र से" पर बल दिया गया है, अन्य किसी देश को नहीं: "मिस्र से ही मैंने अपने पुत्र को बुलाया।"

Matthew 2:16

x
यहाँ वर्णन है कि जब यीशु, यहूदियों के राजा का जन्म हुआ तब क्या हुआ।

जब हेरोदेस ने
यूसुफ मरियम और यीशु को लेकर चला गया तब हेरोदेस ने क्या किया, इसका यहाँ वर्णन है अब तक हेरोदेस की मृत्यु नहीं हुई है।

धोखा किया है।
"ज्योतिषियों ने उसे धोखा देकर क्रोधित किया"। (देखें यू.डी.बी.)

उसने सब बालकों को मरवा डाला।
उसने सब बालकों को मरवा डाला, वैकल्पिक अनुवाद: "उसने सब बालाकों की हत्या करने की आज्ञा दी" या "उसने सब बालकों को मार डालने के लिए सैनिक भेजे"(यू.डी.बी.)।

Matthew 2:17

यहाँ वर्णन है कि जब यीशु, यहूदियों के राजा का जन्म हुआ तब क्या हुआ।
पद 18 यिर्मयाह का उद्धरण है। मत्ती में यूनानी अभिलेख यिर्मयाह के इब्रानी अभिलेख से कुछ भिन्न है।

Matthew 2:19

x
यहाँ वर्णन है कि जब यीशु, यहूदियों के राजा का जन्म हुआ तब क्या हुआ।

देख
यह कहानी के अगले भाग का आरंभ है। इसमें पिछली घटना की अपेक्षा अन्य जन हैं। आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने का प्रावधान होगा।

जो बालक के प्राण लेना चाहते थे।
जो बालक के प्राण लेना चाहते थे - "जो उस बालक को मार डालना चाहते थे"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 2:22

x
यहाँ वर्णन है कि जब यीशु, यहूदियों के राजा का जन्म हुआ तब क्या हुआ।

परन्तु यह सुनकर।
परन्तु यह सुनकर, "परन्तु जब यूसुफ ने सुना"।

अपने पिता हेरोदेस
अपने पिता हेरोदेस अरखिलाउस का पिता

वहाँ जाने से डरा।
वहाँ जाने से डरा , यूसुफ का संदर्भ है।

वह नासरी कहलाएगा।
वह नासरी कहलाएगा , यहाँ "वह" अर्थात यीशु है।

Translation Questions

Matthew 2:1

यीशु का जन्म कहाँ हुआ था?
यीशु का जन्म यहूदिया के बैतलहम में हुआ था।

Matthew 2:2

पूर्वी क्षेत्र से आने वाले ज्योतिषियों ने यीशु को क्या उपाधि दी थी?
पूर्वी क्षेत्र से आने वाले ज्योतिषियों ने यीशु को "यहूदियों का राजा" उपाधि दी थी।

ज्योतिषियों को कैसे ज्ञात हुआ था कि यहूदियों के राजा का जन्म हुआ है?
ज्योतिषियों ने पूर्व में यहूदियों के राजा का तारा देखा था।

Matthew 2:3

ज्योतिषियों की बात सुनकर हेरोदेस ने कैसी प्रतिक्रिया दिखाई थी?
ज्योतिषियों से यह समाचार सुनकर राजा हेरोदेस परेशान हो गया था।

Matthew 2:5

महायाजकों और शास्त्रियों को कैसे पता था कि मसीह का जन्म बैतलहेम में होगा?
बैतलहम में मसीह के जन्म की भविष्यद्वाणी को वे जानते थे।

Matthew 2:9

ज्योतिषियों को यीशु के निवास स्थान का ज्ञान सही-सही कैसे मिला?
पूर्व में जो तारा दिखाई दिया था वह उनके आगे-आगे चला जब तक कि वह उस स्थान पर ठहर न गया जहाँ यीशु का जन्म हुआ था।

Matthew 2:11

जब ज्योतिषी आए तब यीशु कितने वर्ष का था?
जब ज्योतिषी यीशु के पास आए तब वह एक बालक था।

ज्योतिषियों ने यीशु को भेंट में क्या दिया था?
ज्योतिषियों ने यीशु को सोना, लोबान और गन्धरस भेंट में दिया।

Matthew 2:12

ज्योतिषी किस मार्ग से घर लौटे और उन्होंने वह मार्ग क्यों लिया?
ज्योतिषी दूसरे मार्ग से घर लौट गए क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें स्वप्न में सतर्क कर दिया था कि वे हेरोदेस के पास न जाएं।

Matthew 2:13

यूसुफ को स्वप्न में क्या चेतावनी दी गई?
यूसुफ को चेतावनी दी गई कि वह यीशु और मरियम को लेकर मिस्र चला जाए क्योंकि हेरोदेस यीशु की हत्या करने की खोज में था।

Matthew 2:15

यीशु के मिस्र लौट आने पर कौन सी भविष्यद्वाणी पूरी हुई थी?
बाद में जब यीशु मिस्र से लौटा तब यह भविष्यद्वाणी पूरी हुई, "मैंने अपने पुत्र को मिस्र से बुलवाया।"

Matthew 2:16

ज्योतिषियों के न लौटने पर हेरोदेस ने क्या किया?
हेरोदेस ने बैतलहेम में दो वर्ष और दो वर्ष से कम आयु के सब लडकों को मरवा दिया।

Matthew 2:19

हेरोदेस के मरने के बाद यूसुफ को स्वप्न में क्या निर्देश दिया गया था?
यूसुफ को स्वप्न में कहा गया कि वह इस्राएल लौट जाए।

Matthew 2:22

यूसुफ मरियम और यीशु के साथ कहाँ रहने लगा था?
यूसुफ मरियम और यीशु के साथ गलील के नासरत नामक नगर में रहने लगा।

Matthew 2:23

यूसुफ द्वारा एक नए स्थान में बस जाने पर कौन सी भविष्यद्वाणी पूरी हुई?
यह भविष्यद्वाणी कि मसीह नासरी कहलाएगा पूरी हुई।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 उन दिनों में यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला आकर यहूदिया के जंगल* में यह प्रचार करने लगा : **2** “मन फिराओ*, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है।” **3** यह वही है जिसके बारे में यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा था :

“जंगल में एक पुकारनेवाले का शब्द हो रहा है, कि प्रभु का मार्ग तैयार करो,
उसकी सड़कें सीधी करो।” (यशा. 40:3)

4 यह यूहन्ना ऊँट के रोम का वस्त्र पहने था, और अपनी कमर में चमड़े का कमरबन्द बाँधे हुए था, और उसका भोजन टिड्डियाँ और वनमधु था। (2 राजा. 1:8)
5 तब यरूशलेम के और सारे यहूदिया के, और यरदन के आस-पास के सारे क्षेत्र के लोग उसके पास निकल आए। **6** और अपने-अपने पापों को मानकर यरदन नदी में उससे बपतिस्मा लिया। **7** जब उसने बहुत से फरीसियों* और सदूकियों* को बपतिस्मा के लिये अपने पास आते देखा, तो उनसे कहा, “हे साँप के बच्चों, तुम्हें किसने चेतावनी दी कि आनेवाले क्रोध से भागो? **8** मन फिराव के योग्य फल लाओ; **9** और अपने-अपने मन में यह न सोचो, कि हमारा पिता अब्राहम है; क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि परमेश्वर इन पत्थरों से अब्राहम के लिये सन्तान उत्पन्न कर सकता है। **10** और अब कुल्हाड़ा पेड़ों की जड़ पर रखा हुआ है, इसलिए जो-जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा और आग में झोंका जाता है।

11 “मैं तो पानी से तुम्हें मन फिराव का बपतिस्मा देता हूँ, परन्तु जो मेरे बाद आनेवाला है, वह मुझसे शक्तिशाली है; मैं उसकी जूती उठाने के योग्य नहीं, वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा। **12** उसका सूप उसके हाथ में है, और वह अपना खलिहान अच्छी रीति से साफ करेगा, और अपने गेहूँ को तो खत्ते में इकट्ठा करेगा, परन्तु भूसी को उस आग में जलाएगा जो बुझने की नहीं।”

13 उस समय यीशु गलील से यरदन के किनारे पर यूहन्ना के पास उससे बपतिस्मा लेने आया। **14** परन्तु यूहन्ना यह कहकर उसे रोकने लगा, “मुझे तेरे हाथ से बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है, और तू मेरे पास आया है?” **15** यीशु ने उसको यह उत्तर दिया, “अब तो ऐसा ही होने दे, क्योंकि हमें इसी रीति से सब धार्मिकता को पूरा करना उचित है।” तब उसने उसकी बात मान ली। **16** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसके लिये आकाश खुल गया; और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और अपने ऊपर आते देखा। **17** और यह आकाशवाणी हुई, “यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं अत्यन्त प्रसन्न हूँ।”* (भज. 2:7)

Matthew 3:1

x
यह बाइबल अंश अनेक वर्ष बाद का वृत्तान्त है जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला व्यस्क हो गया था और उसने अपनी प्रचार सेवा आरंभ कर दी थी।

यह वही है।
सर्वनाम "वही" यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले की पहचान है।

यह वही है जिसकी चर्चा यशायाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा की गई।
वैकल्पिक अनुवाद, "यशायाह भविष्यद्वक्ता यूहन्ना ही के बारे में कह रहा था जब उसने कहा"।

प्रभु का मार्ग तैयार करो, उसकी सड़कें सीधी करो।
प्रभु का मार्ग तैयार करो, उसकी सड़कें सीधी करो। - यह यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के सन्देश में उदाहरण का प्रयोग है, वह लोगों को मन फिराव के लिए तैयार होने की पुकार करता था। वैकल्पिक अनुवाद, "अपनी जीवनशैली को बदलने के लिए तैयार हो जाओ कि तुम्हारा जीवन परमेश्वर को ग्रहण योग्य हो"।

Matthew 3:4

x
यूहन्ना की प्रचार सेवा आरंभ है।

उन्होंने .... उससे बपतिस्मा लिया।
उन्होंने उससे बपतिस्मा लिया, "यूहन्ना ने उन्हें बपतिस्मा दिया"।

वे
यरूशलेम, यहूदिया और यरदन नदी के आस-पास के क्षेत्र के लोग।

Matthew 3:7

x
यूहन्ना की प्रचार सेवा आरंभ है।

हे साँप के बच्चों।
यह एक उपमा है जहरीले साँप खतरनाक होते हैं और बुराई का प्रतीक हैं। वैकल्पिक अनुवाद, "तुम दुष्ट जहरीले सांपों" या "तुम जहरीले सांपों के समान दुष्ट हो"।

तुम्हें किसने जता दिया कि आने वाले क्रोध से भागो?
इस प्रश्न के द्वारा यूहन्ना उन लोगों को झिड़क रहा था क्योंकि वे उससे बपतिस्मा इसलिए लेना चाहते थे कि परमेश्वर उन्हें दण्ड न दे, परन्तु वे पाप करना छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे। "तुम इस प्रकार परमेश्वर के क्रोध से बच नहीं सकते", या "यह न सोचो कि बपतिस्मा लेकर तुम परमेश्वर के क्रोध से बच जाओगे"।

आने वाले क्रोध से
वैकल्पिक अनुवाद, "आने वाले दण्ड से" या "परमेश्वर के क्रोध से जिसे वह कार्य रूप देने वाला है"। यहाँ "क्रोध" शब्द को काम में लिया गया है जो परमेश्वर के दण्ड को दर्शाता है क्योंकि उसका क्रोध दण्ड से पहले है।

हमारा पिता अब्राहम है।
"अब्राहम हमारा पूर्वज है", या "हम अब्राहम का वंश हैं"।

परमेश्वर इन पत्थरों से अब्राहम के लिए सन्तान उत्पन्न कर सकता है।
"परमेश्वर इन पत्थरों से सन्तान उत्पन्न करके अब्राहम को दे सकता है"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 3:10

x
यूहन्ना की प्रचार सेवा आरंभ है।

कुल्हाड़ा पेड़ों की जड़ पर रखा है, इसलिए जो-जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा और आग में झोंका जाता है
कुल्हाड़ा पेड़ों की जड़ पर रखा है, इसलिए जो-जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा और आग में झोंका जाता है, - यह एक रूपक है जिसका अर्थ है, "परमेश्वर तुम्हें दण्ड देने के लिए तैयार है यदि तुम अपने पाप के व्यवहार से मन नहीं फिराओगे, जैसे मनुष्य जिस पेड़ को काटना चाहता है उसकी जड़ पर कुल्हाड़ा रखता है"।

मैं तो पानी से बपतिस्मा देता हूँ।
यूहन्ना मन फिराने वालों को बपतिस्मा देता था।

परन्तु जो मेरे बाद आने वाला है।
यीशु ही है जो यूहन्ना के बाद आनेवाला था।

वह पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा।
यह एक रूपक है जिसका अर्थ है, "परमेश्वर तुममें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास करायेगा और तुम्हें आग से लेकर चलेगा कि परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने वालों का न्याय करो और उनका शोधन करो"।

वह तुम्हें बपतिस्मा देगा।
यीशु तुम्हें बपतिस्मा देगा।

उसका सूप उसके हाथ में है और वह अपना खलिहान अच्छी रीति से साफ करेगा।
यह रूपक यीशु द्वारा धर्मियों और अधर्मियों को अलग करने की रीति की तुलना गेहूँ और भूसे को अलग करने से करती है। संबन्ध को स्पष्ट करने के लिए इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "मसीह उस मनुष्य के समान है जिसके हाथ में सूप है"।

उसका सूप उसके हाथ में है।
वैकल्पिक अनुवाद, "मसीह के हाथ में सूप है क्योंकि वह तैयार है।"

सूप
इससे गेहूँ को उछाला जाता है कि दाना भूसे से अलग हो। गेहूँ का दाना भारी होने के कारण नीचे गिर जाता है और भूसा हवा में उड़ जाता है। ये वैसा ही है जैसा लोहे का पंजा।

अपना खलिहान
भूसे से गेहूँ अलग करने का स्थान। वैकल्पिक अनुवाद, "उसका स्थल" या "वह स्थान जहाँ वह गेहूँ को भूसे से अलग करता है।"

गेहूँ को खत्ते में इकट्ठा करेगा परन्तु भूसी को उस अन्य में जलायेगा जो बुझने की नहीं।
गेहूँ को खत्ते में इकट्ठा करेगा परन्तु भूसी को उस आग में जलायेगा जो बुझने की नहीं। -यह एक रूपक है जिसके द्वारा सचित्र वर्णन किया जा रहा है कि परमेश्वर धर्मियों को अधर्मियों से कैसे अलग करेगा। धर्मी जन स्वर्ग में जाएगे जैसे गेहूँ किसान के खत्ते में सुरक्षित रख दिया जाए और परमेश्वर उन अधर्मियों को जिनकी तुलना भूसी से की गयी है, उन्हें अनंत आग में जलने के लिए डाल देगा।

Matthew 3:13

x
यहाँ यूहन्ना द्वारा यीशु के बपतिस्मे का वृत्तान्त है।

मुझे तो तेरे हाथ से बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है।
मुझे तो तेरे हाथ से बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है , "मुझे" यूहन्ना के लिए है और "तेरे" यीशु के लिए है।

तू मेरे पास आया है?
यह एक प्रश्न हैजिसके उत्तर की अपेक्षा नहीं की जा रही है। वैकल्पिक अनुवाद, "क्योंकि तू पापी नहीं है, इसलिए तुझे मेरे पास आने की आवश्यकता नहीं कि बपतिस्मा ले"। ध्यान दे कि "तू" यीशु के लिए काम में लिया गया है और "मेरे" यूहन्ना के लिए

Matthew 3:16

x
यहाँ यूहन्ना द्वारा यीशु के बपतिस्मे का वर्णन किया गया है।

यीशु बपतिस्मा लेकर.... ऊपर आया।
यीशु बपतिस्मा लेकर , इसका अनुवाद किया जा सकता है, "यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दे दिया तब"।

उसके लिए आकाश खुल गया।
वैकल्पिक अनुवाद, "उसने आकाश को खुला देखा" या उसने "उसने स्वर्ग को खुला देखा"

कबूतर के समान उतरते।
कबूतर समान उतरते, (1) यह एक सरल वाक्य हो सकता है कि परमेश्वर का आत्मा कबूतर के रूप में था। (2) यह एक उपमा हो सकती है कि आत्मा की तुलना कबूतर से की जाए जो यीशु पर बड़ी कोमलता से उतरा।

देखो
यह कहानी के अगले भाग का आरंभ है। इसमें पिछली घटना की अपेक्षा अन्य जन हैं। आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने का प्रावधान होगा।

Translation Questions

Matthew 3:2

जंगल में यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला क्या प्रचार करता था?
यूहन्ना प्रचार करता था, "मन फिराओ, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है।"

Matthew 3:3

यशायाह की भविष्यद्वाणी में यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को क्या करना था?
यूहन्ना के बारे में यह भविष्यद्वाणी की गई थी कि वह प्रभु का मार्ग तैयार करेगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 3:6

यूहन्ना से बपतिस्मा लेते समय लोग क्या करते थे?
बपतिस्मा लेते समय लोग अपने पापों का अंगीकार करते थे।

Matthew 3:8

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने फरीसियों और सदूकियों से क्या करने को कहा था?
यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने फरीसियों और सदूकियों से कहा कि वे मन-फिराव के योग्य फल लाएं।

Matthew 3:9

यूहन्ना ने फरीसियों और सदूकियों को किस भ्रम के विरुद्ध चेतावनी दी थी?
यूहन्ना ने फरीसियों और सदूकियों को चेतावनी दी कि वे इस भ्रम में न रहें कि उनका पिता अब्राहम है।

Matthew 3:10

यूहन्ना के अनुसार फल न लाने वाले प्रत्येक वृक्ष का क्या होता है?
यूहन्ना कहता था कि जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता वह काटा और आग में झोंका जाता है।

Matthew 3:11

यूहन्ना के बाद आने वाला बपतिस्मा कैसे देगा?
यूहन्ना के बाद जो आएगा वह पवित्र-आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा।

Matthew 3:15

यीशु ने यूहन्ना से क्या कहा कि यूहन्ना उसे बपतिस्मा देने को तैयार हो गया?
यीशु ने कहा कि यूहन्ना द्वारा उसका बपतिस्मा धार्मिकता को पूरा करने के लिए उचित है।

Matthew 3:16

पानी से बाहर आते ही यीशु ने क्या देखा?
नदी के पानी से बाहर आने पर यीशु ने परमेश्वर के आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उस पर आते देखा।

Matthew 3:17

यीशु के बपतिस्मे के बाद आकाशवाणी में क्या कहा गया था?
आकाशवाणी हुई, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं अत्यन्त प्रसन्न हूँ।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 तब उस समय आत्मा यीशु को एकांत में ले गया ताकि शैतान से उसकी परीक्षा हो।* **2** वह चालीस दिन, और चालीस रात, निराहार रहा, तब उसे भूख लगी। (निर्ग. 34:28) **3** तब परखनेवाले ने पास आकर उससे कहा, “यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो कह दे, कि ये पत्थर रोटियाँ बन जाएँ।” **4** यीशु ने उत्तर दिया, “लिखा है,

‘मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं,
परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा।’ ”

5 तब शैतान उसे पवित्र नगर में ले गया और मन्दिर के कंगूरे पर खड़ा किया। (लूका 4:9) **6** और उससे कहा, “यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है, ‘वह तेरे विषय में अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वे तुझे हाथों हाथ उठा लेंगे; कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे*।’ ” (भज. 91:11-12) **7** यीशु ने उससे कहा, “यह भी लिखा है, ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न कर।’ ” (व्य. 6:16) **8** फिर शैतान उसे एक बहुत ऊँचे पहाड़ पर ले गया और सारे जगत के राज्य और उसका वैभव दिखाकर **9** उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा*।” **10** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा, क्योंकि लिखा है: ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’ ” (व्य. 6:13) **11** तब शैतान उसके पास से चला गया, और स्वर्गदूत आकर उसकी सेवा करने लगे।

12 जब उसने यह सुना कि यूहन्ना पकड़वा दिया गया, तो वह गलील को चला गया। **13** और नासरत को छोड़कर कफरनहूम में जो झील के किनारे जबूलून और नप्ताली के क्षेत्र में है जाकर रहने लगा। **14** ताकि जो यशायाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो।

15 “जबूलून और नप्ताली के क्षेत्र,
झील के मार्ग से यरदन के पास अन्यजातियों का गलील-
16 जो लोग अंधकार में बैठे थे उन्होंने बड़ी ज्योति देखी; और जो मृत्यु के क्षेत्र और छाया में बैठे थे, उन पर ज्योति चमकी।”

17 उस समय से यीशु ने प्रचार करना और यह कहना आरम्भ किया, “मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आया है।”

18 उसने गलील की झील के किनारे फिरते हुए दो भाइयों अर्थात् शमौन को जो पतरस कहलाता है, और उसके भाई अन्द्रियास को झील में जाल डालते देखा; क्योंकि वे मछवे थे। **19** और उनसे कहा, “मेरे पीछे चले आओ, तो मैं तुम को मनुष्यों के पकड़नेवाले बनाऊँगा।” **20** वे तुरन्त जालों को छोड़कर उसके पीछे हो लिए। **21** और वहाँ से आगे बढ़कर, उसने और दो भाइयों अर्थात् जब्दी के पुत्र* याकूब और उसके भाई यूहन्ना को अपने पिता जब्दी के साथ नाव पर अपने जालों को सुधारते देखा; और उन्हें भी बुलाया। **22** वे तुरन्त नाव और अपने पिता को छोड़कर उसके पीछे हो लिए।

23 और यीशु सारे गलील में फिरता हुआ उनके आराधनालयों में उपदेश करता, और राज्य का सुसमाचार प्रचार करता, और लोगों की हर प्रकार की बीमारी और दुर्बलता को दूर करता रहा। **24** और सारे सीरिया देश में उसका यश फैल गया; और लोग सब बीमारों को, जो विभिन्न प्रकार की बीमारियों और दुःखों में जकड़े हुए थे, और जिनमें दुष्टात्माएँ थीं और मिर्गीवालों और लकवे के रोगियों को उसके पास लाए और उसने उन्हें चंगा किया। **25** और गलील, दिकापुलिस*, यरूशलेम, यहूदिया और यरदन के पार से भीड़ की भीड़ उसके पीछे हो ली।

Matthew 4:1

x
इस अंश में शैतान द्वारा यीशु की परीक्षा का वर्णन है।

परखने वाले ने (शैतान ने)
यह उसी व्यक्तित्व के संदर्भ में है, आपको दोनों अनुवाद में वही शब्द काम में लेने होंगे।

वह....निराहार रहा, तब उसे भूख लगी।
यह यीशु के संदर्भ में है।

यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो कह दे।
(1) यह अपने लाभ के लिए आश्चर्यकर्म करने की परीक्षा है, "तू परमेश्वर का पुत्र है इसलिए आज्ञा दे सकता है"। या (2) चुनौती या दोषारोपण, "आज्ञा देकर सिद्ध कर कि तू परमेश्वर का पुत्र है"। (देखें यू.डी.बी.) उत्तम तो यही होगा कि माना जाए कि शैतान जानता था कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है।

कह दे कि पत्थर रोटियाँ बन जाएं।
"इन पत्थरों से कह कि वे रोटियाँ बन जाएं।"

Matthew 4:5

x
शैतान द्वारा यीशु की परीक्षा की चर्चा चल रही है।

यदि तू परमेश्वर का पुत्र है तो अपने आपको नीचे गिरा दे।
(1) या तो यह उसके अपने लाभ के निमित्त आश्चर्यकर्म की परीक्षा है, "क्योंकि तू सच में परमेश्वर का पुत्र है तो अपने आपको नीचे गिरा सकता है", या (2) एक चुनौती या दोषारोपण है, "अपने आप को नीचे गिराकर परमेश्वर का सच्चा पुत्र होना सिद्ध कर"। (देखें यू.डी.बी.) यह मानना उत्तम होगा कि शैतान जानता था कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है।

नीचे
भूमि पर

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

वह.... आज्ञा देगा।
वह तेरे विषय में अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे"। या "परमेश्वर अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा कि तुझे संभाल लें।

Matthew 4:7

x
शैतान द्वारा यीशु की परीक्षा की चर्चा चल रही है।

यह भी लिखा है।
यह भी लिखा है , इसका अनुवाद यह भी हो सकता है, "मैं तुझ से फिर कहता हूँ कि धर्मशास्त्र में लिखा है"।

उससे कहा।
उससे कहा , "शैतान ने यीशु से कहा"।

मैं सब कुछ तुझे दे दूंगा।
मैं यह सब कुछ तुझे दे दूंगा , "मैं तुझे यह सब दे दूंगा"। परीक्षा लेने वाले का कहने का अर्थ है कि उसमें से कुछ भाग नहीं परन्तु पूरा का पूरा।

Matthew 4:10

शैतान द्वारा यीशु की परीक्षा की चर्चा चल रही है।
यह तीसरी बार है कि यीशु ने धर्मशास्त्र के संदर्भ से शैतान को झिड़का।

इबलीस
मत्ती शैतान के लिए एक भिन्न शब्द काम में लेता है परन्तु उसका अर्थ भी शैतान ही है।

देख
"देखो" शब्द यहाँ हमें सतर्क करता है कि आगे जो नई महत्त्वपूर्ण जानकारी दी गई है उस पर ध्यान दें।

Matthew 4:12

x
इस अंश में गलील क्षेत्र में यीशु की सेवा का वर्णन है।

यूहन्ना बन्दी बना लिया गया है।
"यूहन्ना बन्दी बना लिया गया है"।

Matthew 4:14

x
गलील क्षेत्र में यीशु के प्रचार सेवा ही की चर्चा कर रहा है।

Matthew 4:17

x
गलील क्षेत्र में यीशु के प्रचार सेवा ही की चर्चा कर रहा है।

स्वर्ग का राज्य निकट आया है।
इसका अनुवाद आप वैसे ही करेंगे जैसे आपने इस विचार का अनुवाद में किया है।

Matthew 4:18

x
गलील क्षेत्र में यीशु के प्रचार सेवा ही की चर्चा कर रहा है।

जाल डालते देखा।
"जाल डालते देखा।"

मेरे पीछे चले आओ।
यीशु ने अन्द्रियास और शमौन को अपने अनुसरण हेतु आंमन्त्रित किया कि उसके साथ रहें और उसके शिष्य बन जायें। वैकल्पिक अनुवाद, "मेरे शिष्य हो जाओ"।

मैं तुमको मनुष्यों के पकड़ने वाले बनाऊंगा।
वैकल्पिक अनुवाद, "जिस प्रकार तुम मछलियां पकड़ते हो वैसे ही मैं तुम्हें परमेश्वर के लिए मनुष्यों को लाना सिखाऊंगा"।

Matthew 4:21

x
गलील क्षेत्र में यीशु के प्रचार सेवा ही की चर्चा कर रहा है।

वे... अपने जालों को सुधार रहे थे।
वे... अपने जालों को सुधार रहे थे। "वे"अर्थात जबदी और उसके दो पुत्र या केवल ये दोनों भाई।

उसने उन्हें भी बुलाया।
"यीशु याकूब और यूहन्ना को बुलाता है", इस वाक्यांश का अर्थ भी यही है कि यीशु ने उन्हें अपने साथ रहकर और शिष्य बनने का निमंत्रण दिया।

तुरन्त
तुरन्त , "उसी पल"।

नाव छोड़कर उसके पीछे हो लिए।
यहाँ स्पष्ट किया जाता है कि यह जीवन परिवर्तन है। ये लोग अब मछुवे नहीं रहेंगे, अब वे अपने पारिवारिक व्यवसाय को त्याग कर आजीवन यीशु के अनुयायी होंगे।

Matthew 4:23

x
गलील क्षेत्र में यीशु के प्रचार सेवा ही की चर्चा कर रहा है।

हर प्रकार की बीमारी और दुर्बलता को दूर कर ले।
"हर प्रकार की बीमारी और दुर्बलता", "बीमारी" और "दुर्बलता" संबन्धित शब्द है परन्तु संभव हो तो इन्हें दो अलग-अलग शब्दों में ही अनुवाद करना है। "बीमारी" मनुष्य को रोगी बनाती है। दुर्बलता शारीरिक विकार या कष्ट है जो बीमारी के परिणाम स्वरूप होती है।

दिकापुलिस
"दस नगरों" (देखें यू.डी.बी.) गलील सागर के दक्षिण पूर्व में बसा एक क्षेत्र।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Matthew 4:1

जंगल में शैतान द्वारा परीक्षा के लिए यीशु को लेकर कौन गया था?
पवित्र-आत्मा यीशु को जंगल में ले गया कि शैतान उसकी परीक्षा ले।

Matthew 4:2

जंगल में यीशु ने कितने दिन उपवास किया था?
जंगल में यीशु ने चालीस दिन और चालीस रात उपवास किया।

Matthew 4:3

शैतान ने यीशु की पहली परीक्षा क्या ली थी?
शैतान ने यीशु की परीक्षा लेते हुए कहा कि वह पत्थर को रोटी बना दे।

Matthew 4:4

पहली परीक्षा का यीशु ने क्या उत्तर दिया था?
यीशु ने कहा कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा।

Matthew 4:5

शैतान ने यीशु की दूसरी परीक्षा क्या ली थी?
शैतान ने यीशु से कहा कि वह मंदिर के कंगूरे पर से स्वयं को गिरा दे।

Matthew 4:7

यीशु ने दूसरी परीक्षा के उत्तर में क्या कहा था?
यीशु ने उत्तर दिया, तू अपने प्रभु परमेश्वर की परीक्षा न कर।

Matthew 4:8

शैतान ने यीशु की तीसरी परीक्षा कैसे ली?
शैतान ने परीक्षा ली कि यीशु उसे दण्डवत् करके जगत का राज्य ले ले।

Matthew 4:10

यीशु ने तीसरी परीक्षा का क्या उत्तर दिया था?
यीशु ने कहा कि केवल प्रभु परमेश्वर की उपासना करना और उसकी ही सेवा करना अनिवार्य है।

Matthew 4:15

कफरनहूम में यीशु के जाने से कौन सी भविष्यद्वाणी पूरी हुई?
यशायाह की भविष्यद्वाणी पूरी हुई कि गलीलवासी अन्धकार में ज्योति देखेंगे।

Matthew 4:17

वहाँ यीशु ने क्या प्रचार करना आरंभ किया?
यीशु प्रचार करने लगा, "मन फिराओ क्योंकि परमेश्वर का राज्य निकट आया है।"

Matthew 4:18

पतरस, अन्द्रियास, याकूब और यूहन्ना की जीविका क्या थी?
पतरस, अन्द्रियास, याकूब और यूहन्ना सब मछुवारे थे।

Matthew 4:19

यीशु ने पतरस और अन्द्रियास से क्या कहा की वह उन्हें बनाएगा?
यीशु ने कहा था कि वह पतरस और अन्द्रियास को मनुष्यों के पकड़ने वाले बनाएगा।

Matthew 4:23

उस समय यीशु शिक्षा देने कहाँ जाता था?
यीशु गलील क्षेत्र के आराधनालयों में शिक्षा देता था।

Matthew 4:24

यीशु के पास कैसे लोगों को लाया गया और यीशु ने उनके साथ क्या किया?
सब रोगी और दुष्टात्माग्रस्त लोग यीशु के पास लाए गए और यीशु ने उन्हें चंगा किया।

Matthew 4:25

उस समय यीशु के पीछे कितने लोग थे?
उस समय विशाल जनसमूह यीशु के पीछे चलता गया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 वह इस भीड़ को देखकर, पहाड़ पर चढ़ गया; और जब बैठ गया तो उसके चेले उसके पास आए। **2** और वह अपना मुँह खोलकर उन्हें यह उपदेश देने लगा :

3 “धन्य हैं वे, जो मन के दीन हैं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है।
4 “धन्य हैं वे, जो शोक करते हैं, क्योंकि वे शान्ति पाएँगे।
5 “धन्य हैं वे, जो नम्र हैं, क्योंकि वे पृथ्वी के अधिकारी होंगे। (भज. 37:11)
6 “धन्य हैं वे, जो धार्मिकता के भूखे और प्यासे हैं, क्योंकि वे तृप्त किये जाएँगे।
7 “धन्य हैं वे, जो दयावन्त हैं, क्योंकि उन पर दया की जाएगी।
8 “धन्य हैं वे, जिनके मन शुद्ध हैं, क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे।
9 “धन्य हैं वे, जो मेल करवानेवाले हैं, क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र कहलाएँगे।
10 “धन्य हैं वे, जो धार्मिकता के कारण सताए जाते हैं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है।

11 “धन्य हो तुम, जब मनुष्य मेरे कारण तुम्हारी निन्दा करें और सताएँ और झूठ बोल बोलकर तुम्हारे विरोध में सब प्रकार की बुरी बात कहें। **12** आनन्दित और मगन होना क्योंकि तुम्हारे लिये स्वर्ग में बड़ा प्रतिफल है। इसलिए कि उन्होंने उन भविष्यद्वक्ताओं को जो तुम से पहले थे इसी रीति से सताया था।

13 “तुम पृथ्वी के नमक हो; परन्तु यदि नमक का स्वाद बिगड़ जाए, तो वह फिर किस वस्तु से नमकीन किया जाएगा? फिर वह किसी काम का नहीं, केवल इसके कि बाहर फेंका जाए और मनुष्यों के पैरों तले रौंदा जाए। **14** तुम जगत की ज्योति हो। जो नगर पहाड़ पर बसा हुआ है वह छिप नहीं सकता। **15** और लोग दिया जलाकर पैमाने के नीचे नहीं परन्तु दीवट पर रखते हैं, तब उससे घर के सब लोगों को प्रकाश पहुँचता है। **16** उसी प्रकार तुम्हारा उजियाला मनुष्यों के सामने चमके कि वे तुम्हारे भले कामों को देखकर तुम्हारे पिता की, जो स्वर्ग में हैं, बड़ाई करें।

17 “यह न समझो, कि मैं व्यवस्था* या भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षाओं को लोप करने आया हूँ, लोप करने नहीं, परन्तु पूरा करने आया हूँ। (रोम. 10:4) **18** क्योंकि मैं तुम से सच कहता हूँ, कि जब तक आकाश और पृथ्वी टल न जाएँ, तब तक व्यवस्था से एक मात्रा या बिन्दु भी बिना पूरा हुए नहीं टलेगा। **19** इसलिए जो कोई इन छोटी से छोटी आज्ञाओं में से किसी एक को तोड़े, और वैसा ही लोगों को सिखाए, वह स्वर्ग के राज्य में सबसे छोटा कहलाएगा; परन्तु जो कोई उनका पालन करेगा और उन्हें सिखाएगा, वही स्वर्ग के राज्य में महान कहलाएगा। **20** क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि यदि तुम्हारी धार्मिकता शास्त्रियों और फरीसियों की धार्मिकता से बढ़कर न हो, तो तुम स्वर्ग के राज्य में कभी प्रवेश करने न पाओगे।

21 “तुम सुन चुके हो, कि पूर्वकाल के लोगों से कहा गया था कि ‘हत्या न करना’, और ‘जो कोई हत्या करेगा वह कचहरी में दण्ड के योग्य होगा।’ (निर्ग. 20:13) **22** परन्तु मैं तुम से यह कहता हूँ, कि जो कोई अपने भाई पर क्रोध करेगा, वह कचहरी में दण्ड के योग्य होगा और जो कोई अपने भाई को निकम्मा* कहेगा वह महासभा में दण्ड के योग्य होगा; और जो कोई कहे ‘अरे मूर्ख’ वह नरक की आग के दण्ड के योग्य होगा। **23** इसलिए यदि तू अपनी भेंट वेदी पर लाए, और वहाँ तू स्मरण करे, कि मेरे भाई के मन में मेरी ओर से कुछ विरोध है, **24** तो अपनी भेंट वहीं वेदी के सामने छोड़ दे, और जाकर पहले अपने भाई से मेल मिलाप कर, और तब आकर अपनी भेंट चढ़ा। **25** जब तक तू अपने मुद्दई के साथ मार्ग में हैं, उससे झटपट मेल मिलाप कर ले कहीं ऐसा न हो कि मुद्दई तुझे न्यायाधीश को सौंपे, और न्यायाधीश तुझे सिपाही को सौंप दे और तू बन्दीगृह में डाल दिया जाए। **26** मैं तुम से सच कहता हूँ कि जब तक तू पाई-पाई चुका न दे तब तक वहाँ से छूटने न पाएगा।

27 “तुम सुन चुके हो कि कहा गया था, ‘व्यभिचार न करना।’ (व्य. 5:18, निर्ग. 20:14) **28** परन्तु मैं तुम से यह कहता हूँ, कि जो कोई किसी स्त्री पर कुदृष्टि डाले वह अपने मन में उससे व्यभिचार कर चुका। **29** यदि तेरी दाहिनी आँख तुझे ठोकर खिलाएँ, तो उसे निकालकर अपने पास से फेंक दे; क्योंकि तेरे लिये यही भला है कि तेरे अंगों में से एक नाश हो जाए और तेरा सारा शरीर नरक में न डाला जाए। **30** और यदि तेरा दाहिना हाथ तुझे ठोकर खिलाएँ, तो उसको काटकर अपने पास से फेंक दे, क्योंकि तेरे लिये यही भला है, कि तेरे अंगों में से एक नाश हो जाए और तेरा सारा शरीर नरक में न डाला जाए।

31 “यह भी कहा गया था, ‘जो कोई अपनी पत्नी को त्याग दे, तो उसे त्यागपत्र दे।’ (व्य. 24:1-14) **32** परन्तु मैं तुम से यह कहता हूँ कि जो कोई अपनी पत्नी को व्यभिचार के सिवा किसी और कारण से तलाक दे, तो वह उससे व्यभिचार करवाता है; और जो कोई उस त्यागी हुई से विवाह करे, वह व्यभिचार करता है।

33 “फिर तुम सुन चुके हो, कि पूर्वकाल के लोगों से कहा गया था, ‘झूठी शपथ न खाना, परन्तु परमेश्वर के लिये अपनी शपथ को पूरी करना।’ (व्य. 23:21) **34** परन्तु मैं तुम से यह कहता हूँ, कि कभी शपथ न खाना; न तो स्वर्ग की, क्योंकि वह परमेश्वर का सिंहासन है। (यशा. 66:1) **35** न धरती की, क्योंकि वह उसके पाँवों की चौकी है; न यरूशलेम की, क्योंकि वह महाराजा का नगर है। (यशा. 66:1) **36** अपने सिर की भी शपथ न खाना क्योंकि तू एक बाल को भी न उजला, न काला कर सकता है। **37** परन्तु तुम्हारी बात हाँ की हाँ, या नहीं की नहीं हो; क्योंकि जो कुछ इससे अधिक होता है वह बुराई से होता है।

38 “तुम सुन चुके हो, कि कहा गया था, कि आँख के बदले आँख, और दाँत के बदले दाँत। (व्य. 19:21) **39** परन्तु मैं तुम से यह कहता हूँ, कि बुरे का सामना न करना; परन्तु जो कोई तेरे दाहिने गाल पर थप्पड़ मारे, उसकी ओर दूसरा भी फेर दे। **40** और यदि कोई तुझ पर मुकद्दमा करके तेरा कुर्ता* लेना चाहे, तो उसे अंगरखा* भी ले लेने दे। **41** और जो कोई तुझे कोस भर बेगार में ले जाए तो उसके साथ दो कोस चला जा। **42** जो कोई तुझ से माँगे, उसे दे; और जो तुझ से उधार लेना चाहे, उससे मुँह न मोड़।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

43 “तुम सुन चुके हो, कि कहा गया था; कि अपने पड़ोसी से प्रेम रखना, और अपने बैरी से बैर। (लैव्य. 19:18) **44** परन्तु मैं तुम से यह कहता हूँ, कि अपने
बैरियों से प्रेम रखो और अपने सतानेवालों के लिये प्रार्थना करो। (रोम. 12:14) **45** जिससे तुम अपने स्वर्गीय पिता की सन्तान ठहरोगे क्योंकि वह भलों और
बुरों दोनों पर अपना सूर्य उदय करता है, और धर्मी और अधर्मी पर मेंह बरसाता है। **46** क्योंकि यदि तुम अपने प्रेम रखनेवालों ही से प्रेम रखो, तो तुम्हारे लिये
क्या लाभ होगा? क्या चुंगी लेनेवाले भी ऐसा ही नहीं करते?

47 “और यदि तुम केवल अपने भाइयों को ही नमस्कार करो, तो कौन सा बड़ा काम करते हो? क्या अन्यजाति भी ऐसा नहीं करते? **48** इसलिए चाहिये कि तुम
सिद्ध बनो, जैसा तुम्हारा स्वर्गीय पिता सिद्ध है। (लैव्य. 19:2)

Matthew 5:1

x
अध्याय 5-7 एक ही घटना है। यीशु एक पहाड़ पर चढ़कर अपने शिष्यों को शिक्षा देने के लिए बैठ गया।

अपना मुँह खोलकर।
"यीशु ने कहना आरंभ किया"।

उन्हें उपदेश देने लगा।
"उन्हें" अर्थात शिष्यों को।

मन के दीन।
"वे जो समझते थे कि उन्हें परमेश्वर की आवश्यकता है।"

जो लोग शोक करते हैं।
जो शोक करते थे क्योंकि (1) संसार पापी था या (2) उनके अपने पाप थे या (3) किसी की मत्यु। जब तक आपकी भाषा में शोक के कारण की आवश्यकता नहीं तब तक कारण स्पष्ट न करें।

वे शान्ति पाएंगे।
वैकल्पिक अनुवाद, "परमेश्वर उन्हें शान्ति देगा"।

Matthew 5:5

x
यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।

धर्म के भूखे और प्यासे।
"जितनी उन्हें भोजन-पानी की लालसा थी उतनी ही धर्मी जीवन की आवश्यकता थी।"

वे तृप्त किए जायेंगे।
"परमेश्वर उन्हें परिपूर्ण करेगा"।

जिनके मन शुद्ध हैं।
"जिन मनुष्यों के मन साफ हैं"।

वे परमेश्वर को देखेंगे।
"उन्हें परमेश्वर के साथ रहने की अनुमति दी जाएगी" या "परमेश्वर उनके साथ रहने की अनुमति देगा"।

Matthew 5:9

x
यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।

मेल कराने वाले।
ये वे लोग हैं जो मनुष्यों को आपस में मेल मिलाप से रहना सिखाते हैं।

परमेश्वर के पुत्र।
ये परमेश्वर की अपनी सन्तान हैं

जो सताए जाते हैं।
वैकल्पिक अनुवाद, "जिनके साथ मनुष्य अनुचित व्यवहार करता है।"

धर्म के कारण
"क्योंकि वे परमेश्वर की इच्छा पर चलते हैं।"

स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है।
"परमेश्वर उन्हें स्वर्ग के राज्य में रहने देगा"। वे स्वर्ग के राज्य के स्वामी तो नहीं हैं परन्तु परमेश्वर उन्हें अपनी उपस्थिति में रहने का अधिकार देता है।

Matthew 5:11

x
यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।

तुम्हारे विरोध में सब प्रकार की झूठी बातें कहें।
"जो तुम्हारे बारे में सच नहीं परन्तु मेरे अनुसरण के कारण" या मुझमें विश्वास करने की अपेक्षा तुम्हारा कोई दोष नहीं है।

आनन्दित और मगन होना।
"आनन्दित और मगन" का अर्थ लगभग एक ही है। यीशु चाहता था कि उसके अनुयायी आनन्दित ही नहीं कही अधिक आनन्दित हों।

Matthew 5:13

x
यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।

तुम पृथ्वी के नमक हो।
"तुम पृथ्वी के निवासियों के लिए नमक के समान हो"। या जैसा नमक भोजन में वैसा ही तुम संसार में हो"। इसके अर्थ हो सकते हैं (1) ठीक वैसे ही जैसे नमक भोजन को स्वादिष्ट बनाता है, तुम्हें संसार में लोगों को प्रभावित करना है कि वे भले मनुष्य हों" या (2) जिस प्रकार नमक भोजन को परिरक्षित करता है वैसे ही तुम भी मनुष्य को भ्रष्ट होने से बचाए रखो"।

यदि नमक का स्वाद बिगड़ जाए।
इसका अर्थ है "यदि नमक की नमकीन करने की क्षमता चली जाए" (जैसा यू.डी.बी. में है) या (2) यदि नमक अपने स्वाद से वंचित हो जाए"।

वह फिर किस वस्तु से नमकीन हो सकता है?
"वह उपयोगी कैसे किया जाए"? या "उसे उपयोगी बनाने का कोई उपाय नहीं"

बाहर फेंका जाए और मनुष्यों के पैरों तले रौंधा जाए।
"वह एक काम का रह जाता है कि सड़क पर फेंक दिया जाए जहाँ लोग चलते हैं"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुम जगत की ज्योति हो।
"तुम संसार में लोगों के लिए ज्योति के समान हो"।

जो नगर पहाड़ पर बसा है वह छिप नहीं सकता।
"पहाड़ पर बसे नगर की बत्तियां रात में छिप नहीं सकती है"। या "पहाड़ पर बसे नगर की बत्तियां सब देख सकते हैं"। (देखें: और)

Matthew 5:15

x
यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।

नाही मनुष्य दीया जलाते।
"मनुष्य दीया नहीं जलाते।"

दीया
यह एक छोटी कटोरी है जिसमें जैतून के तेल में एक बत्ती डूबी हुई रहती है। महत्त्वपूर्ण बात तो यह है कि वह प्रकाश देता है।

टोकरी के नीचे नहीं रखते।
"दीया टोकरी के नीचे रखें" यह एक कहावत है कि प्रकाश उत्पन्न करके उसे छिपाएँ कि लोग दीये का प्रकाश नहीं देख पाएँ।

Matthew 5:17

x
यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।

एक मात्रा या एक बिन्दु।
"छोटे से छोटा लिखित अक्षर या अक्षर का "छोटे से छोटा अंश" या "वे नियम जो महत्त्वहीन प्रतीत होते हैं"।

आकाश और पृथ्वी
"वह सब जो परमेश्वर ने सृजा है"।

बिना पूरा हुए नहीं टलेगा।
"व्यवस्था में जो कुछ लिखा था वह सब परमेश्वर ने कर दिया है"।

Matthew 5:19

x
यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।

जो कोई इन छोटी से छोटी आज्ञाओं में से किसी एक को तोड़े।
"जो एक भी आज्ञा तोड़े चाहे वह महत्त्व में सबसे कम क्यों न हो"।

सबसे छोटा कहलाएगा।
"परमेश्वर भी कहेगा कि वे सबसे कम महत्त्व के हैं।"

सबसे छोटा
"महत्त्व में सबसे कम"

उन्हें सिखाएगा।
परमेश्वर की कोई आज्ञा सिखाएगा।

महान
महत्त्वपूर्ण

तुम.... तुम्हारी... तुम्हें
ये शब्द बहुवचन हैं।

Matthew 5:21

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु लोगों के समूह से बातें कर रहा है कि उनके साथ व्यक्तिगत रूप में क्या होगा, "तुम सुन चुके हो", "मैं तुमसे कहता हूँ" ये वाक्यांश जनसमूह से कहे गए हैं अतः बहुवचन में हैं, "हत्या न करना" एक वचन है परन्तु आप इसे बहुवचन में अनुवाद कर सकते हैं।

परन्तु मैं तुमसे यह कहता हूँ।
यहाँ "मैं" पर बल दिया गया है अर्थात यीशु जो कह रहा है वह परमेश्वर की आज्ञाओं के बराबर महत्त्वपूर्ण है। अतः इस वाक्यांश को इस प्रकार अनुवाद करें कि यह बल उभर आए।

हत्या
यह शब्द हत्या करने के लिए है हत्या के हर एक रूप के लिए नहीं है।

भाई
यह शब्द सहविश्वासी के लिए है, न कि भाई या पड़ोसी के लिए है।

निकम्मा... मूर्ख
यह उन लोगों के लिए अपमान के शब्द हैं जो उचित रूप में सोच नहीं सकते "निकम्मा" शब्द निर्बुद्धि के निकट है जबकि "मूर्ख" में परमेश्वर की अवज्ञा का विचार है।

कचहरी
यह स्थानीय सभा है, न कि यरूशलेम की महासभा।

Matthew 5:23

x
यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।

तू
यीशु जनसमूह से कह रहा है कि व्यक्तिगत रूप से उनका क्या होगा। "तू" और "तेरा" सब शब्द एकवचन में हैं परन्तु आपकी भाषा में इन्हें बहुवचन में अनुवाद करने की आवश्यकता होगी।

अपनी भेंट वेदी पर लाएं।
"भेंट चढाएं" या "भेंट लेकर आएं"।

तू स्मरण करे
"वेदी के निकट खड़ा हो और तुझे याद आये।"

तेरे भाई के मन में तेरे लिए कुछ विरोध है।
"यदि किसी को तेरे द्वारा की गई हानि स्मरण हो"।

पहले अपने भाई से मेल मिलाप कर ले।
"अपनी भेंट चढ़ाने से पहले अपने भाई से मेल कर।"

Matthew 5:25

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से कह रहा है कि व्यक्तिगत रूप से उनका क्या होगा। "तू" और "तेरा" सब शब्द एकवचन में हैं परन्तु आपकी भाषा में इन्हें बहुवचन में अनुवाद करने की आवश्यकता होगी।

कहीं ऐसा न हो कि दोष लगानेवाला तुझे न्यायी को सौंपे।
"इसका परिणाम हो सकता है कि तेरा दोष लगानेवाला तुझे न्यायी को सौंप दे" या "क्योंकि तेरा दोष लगानेवाला तुझे पकड़वा दे"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

न्यायी को सौंपे
"तुझे न्यायालय में पेश करे"।

अधिकारी
हाकिम जिस व्यक्ति को न्यायाधीश के निर्णय लेने का अधिकार है।

वहाँ
बन्दीगृह।

Matthew 5:27

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप में उनके साथ क्या हो सकता है। "तुम सुन चुके हो" और "मैं तुम से यह कहता हूँ", बहुवचन में हैं। "न करना" एकवचन में है परन्तु आपको इसका अनुवाद बहुवचन में करने की आवश्यकता होगी।

करना
इस शब्द का अर्थ है कार्य रूप देना या कुछ करना।

परन्तु मैं तुमसे यह कहता हूँ।
यहाँ "मैं" पर बल दिया गया है, अर्थात यीशु जो कह रहा है वह परमेश्वर की आज्ञा के बराबर है। इस वाक्यांश को अपनी भाषा में इस प्रकार अनुवाद करें कि उसमें यह बल उभर आए। जैसा में है।

जो कोई किसी स्त्री पर कुदृष्टि डाले वह अपने मन में उससे व्यभिचार कर चुका है।
इस रूपक से प्रकट होता है कि किसी स्त्री पर कुदृष्टि डालने वाला पुरूष उतना ही दोषी है जितना कि वास्तव में व्यभिचार करने वाला।

स्त्री पर कुदृष्टि डाले
मन में अन्य स्त्री का लालच करने वाला।

Matthew 5:29

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप में उनके साथ क्या हो सकता है, "तुम" और "तू" के सब शब्द एकवचन हैं परन्तु आपकी भाषा में उनका अनुवाद बहुवचन में करने की आवश्यकता हो सकती है।

दाहिनी आँख .... दाहिना हाथ।
बाएँ हाथ या बाईं आँख की तुलना में दाहिनी आँख और हाथ अधिक महत्त्वपूर्ण है। आपको इसका अनुवाद करना होगा "दाहिना" या "सबसे अच्छा" या "एकमात्र"

यदि तेरी दाहिनी आँख तुझे ठोकर खिलाए।
"यदि तू जो देखता है, वह तुझे ठोकर खिलाए" या "यदि तू जो देखता है उसके कारण तू पाप करना चाहे"। ठोकर खाना एक रूपक है जो "पाप करने के लिए काम में लिया जाता है। यीशु यहाँ व्यंग का उपयोग कर रहा है क्योंकि मनुष्य ठोकर खाने से बचने के लिए आंखें काम में लेता है।

उसे निकालकर फेंक दे।
"उसे बलपूर्वक निकाल दे" या "उसे नष्ट कर दे" (देखें यू.डी.बी.) यदि दाहिनी आँख विशेष करके व्यक्त की जाए तो आपको अनुवाद करना होगा, "उसे निकाल दे", यदि "आँखों" शब्द काम में लिया गया है तो आपको अनुवाद करना होगा, "उन्हें निकाल दे"। (देखें यू.डी.बी.)

निकाल कर फेंक दे
"उससे छुटकारा पा ले"।

तेरे अंगों में से एक नष्ट हो जाए।
"तुझे अपनी देह का एक अंग नष्ट होने देना होगा"।

यदि तेरा दाहिना हाथ।
यह लाक्षणिक प्रयोग संपूर्ण व्यक्तित्व के कार्यों से हाथ का संबन्ध जताने के लिए हैं।

Matthew 5:31

x
यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।

यह भी कहा गया था।
परमेश्वर ने "कहा" था (देखें यू.डी.बी.) यीशु यहाँ कर्मवाच्य वाक्य काम में ले रहा है, वह स्पष्ट करना चाहता है कि न तो परमेश्वर से और न ही परमेश्वर के वचन के से असहमत है, इसकी अपेक्षा वह कह रहा है कि तलाक का कारण उचित है तो वह मान्य है। तलाक देना अन्याय है चाहे पुरूष ने लिखित रूप दिया हो।

वह अपनी पत्नी को तलाक दे दे।
यह तलाक के लिए शिष्टोक्ति है।

उसे देने दो।
यह एक आज्ञा है, "उसे देना है"।

परन्तु मैं तुमसे यह कहता हूँ।
यदि संकेत दे रहा है कि वह "जो कहा गया है" उससे अलग कुछ कहना चाहता है। यहाँ "मैं" पर बल दिया गया है क्योंकि वह दावा करता है कि वह उससे अधिक महत्त्वपूर्ण है जिसने पहले "कहा" है।

उससे व्यभिचार करवाता है।
जो पुरूष स्त्री को अनुचित तलाक देता है, वह "उससे व्यभिचार करवाता है" (यहाँ व्यभिचार के लिए वही शब्द काम में ले जो). में काम में लिए हैं। अनेक संस्कृतियों में उसके लिए दूसरे पुरूष से विवाह करना सामान्य बात है परन्तु यदि तलाक अनुचित है तो ऐसा पुनः विवाह व्यभिचार है। (देखें यू.डी.बी.)

Matthew 5:33

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप से उनका क्या हो सकता है। "तुम सुन चुके हो" में "तुम" और "मैं तुम से यह कहता हूँ" में "मैं" बहुवचन हैं।

तुम सुन चुके हो।
"तुम्हारे धर्मगुरूओं ने तुमसे कहा है, पूर्वकाल के लोगों से कहा गया था, झूठी शपथ न खाना, यीशु यहाँ कर्मवाच्य वाक्य काम में ले रहा है कि स्पष्ट कर दे कि वह न तो परमेश्वर न ही परमेश्वर के वचन से असहमत है। इसकी अपेक्षा वह अपने श्रोताओं को कह रहा है कि जो उनका नहीं उसे काम में लेने के लिए मनुष्यों को अपने शब्दों पर विश्वास दिलाएं।

कहा गया
कहा गया या इसका अनुवाद वैसा ही करें जैसा में किया गया है।

शपथ
इसका अर्थ है (1) परमेश्वर और मनुष्यों से कहें कि आप वही करेंगे जो परमेश्वर चाहता है (देखें: यू.डी.बी.) या (2) मनुष्यों से कहें कि परमेश्वर जानता है कि आपने जो देखा है उसके बारे में आप जो कह रहे हैं वह सच है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

परन्तु मैं तुमसे यह कहता हूँ।
परन्तु मैं तुमसे कहता हूँ , इसका अनुवाद वैसा ही करें जैसा आपने में किया है।

कभी शपथ न खाना न तो स्वर्ग की क्योंकि वह परमेश्वर का सिंहासन है, न धरती की क्योंकि वह उसके पाँवों की चौकी है... न यरूशलेम की क्योंकि वह महाराजा का नगर है।
और भ. से लिया गया यह रूपक परमेश्वर के लिए है कि वह "महाराजा" है जिस प्रकार यीशु के श्रोता नहीं सोच सकते कि सांसारिक राजा का सुन्दर सिंहासन या उसके पाँवों की चौकी या उसके निवासनगर को उसका अपना नहीं सोच सकते कि उसके शब्दों को महत्त्वपूर्ण बनाए, अतः उन्हें स्वर्ग या पृथ्वी या यरूशलेम की शपथ खाकर अपने शब्दों को विश्वासयोग्य बनाएं।

कभी शपथ न खाना।
यदि आपकी भाषा में आज्ञा का बहुवचन है तो उसे यहाँ काम में लें। "तू झूठी शपथ न खाना" (पद 33) इससे श्रोता को शपथ खाने की अनुमति है परन्तु झूठी शपथ की नहीं। "कभी शपथ न खाना" किसी भी शपथ का विरोध करता है।

शपथ न खाना।
इसका अनुवाद वैसा करें जैसा पद 33 में किया है।

Matthew 5:36

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप से उनके साथ क्या हो सकता है। यहाँ "तू" का उपयोग एकवचन में है परन्तु आपको इसका अनुवाद बहुवचन में करने की आवश्यकता हो सकती है, "तुम्हारी बात" में "तुम्हारी" शब्द बहुवचन है। में यीशु ने अपने श्रोताओं से कहा है कि परमेश्वर का सिंहासन, पाँवों की चौकी, उसका निवास स्थान उनका अपना नहीं कि उसकी शपथ खाएं। वह तो यहाँ तक कहता है कि हमारे सिर भी हमारे नहीं कि उनकी शपथ खाएं।

शपथ।
इसके अनुवाद में वही शब्द काम में ले जो में काम में लिया है।

तुम्हारी बात 'हाँ' की 'हाँ' या 'नहीं' की 'नहीं' हो।
"यदि तुम हाँ कहना चाहते हो तो "हाँ" कहो और यदि नहीं कहना चाहते हो तो "नहीं" कहो।

Matthew 5:38

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप में उनका क्या हो सकता है।

तुम सुन चुके हो कि कहा गया था।
इसका अनुवाद वैसा ही करे जैसा में किया है।

तुम सुन चुके हो।
यहाँ "तुम" एकवचन में है।

आँख के बदले आँख और दाँत के बदले दाँत।
उन्हें बदला लेने की अनुमति थी परन्तु हानि की सीमा तक ही।

परन्तु मैं तुमसे यह कहता हूँ।
इसका अनुवाद वैसा ही करे जैसा में किया है।

वो जो बुरा है
"बुरा जन" या "तुम्हें हानि पहुंचाने वाला"। (यू.डी.बी.)

जो तेरे दाहिने गाल पर थप्पड़ मारे।
यह सब बहुवचन में हैं।

तेरे दाहिने गाल पर थप्पड़ मारे।
यीशु की संस्कृति में किसी को थप्पड़ मारना अपमानजनक था। जिस प्रकार आँख और हाथ उपमा दी गई है उसी प्रकार दाहिना गाल रूपक स्वरूप अधिक महत्त्वपूर्ण गाल है और उस पर थप्पड़ मारना अत्यधिक संभावित अपमान था।

थप्पड़ मारे।
क्रिया शब्द से स्पष्ट होता है कि थप्पड़ हथेली के पीछे वाले भाग से मारा गया है।

उसकी ओर दूसरा भी फेर दे।
"उसे दूसरे गाल पर भी मारने दे"।

Matthew 5:40

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप से उनका क्या हो सकता है। "तुम" तुझ, "तेरे" आदि सब एकवचन हैं जैसे "दे" "जा" "मुँह न मोड़" परन्तु आपको इनका अनुवाद बहुवचन में करना होगा।

कुरता... दोहर
कुरता ऊपरी शरीर पर पहना जाता था जैसे शर्ट या बनियान। दोहर इन दोनों में अधिक कीमती थी जो कुर्ते के ऊपर पहना जाता था कि शरीर गर्म रहे, रात में गर्मी के लिए भी इसका उपयोग कम्बल स्वरूप किया जाता था।

ले लेने दे।
"उस मनुष्य को दे दे"।

जो कोई
जो कोई - कोई भी मनुष्य

कोस भर
कोस भर - एक हज़ार कदम, रोमी सैनिक को कानूनी अधिकार प्राप्त था कि किसी को भी अपना समान उठाकर एक कोस चलने के लिए विवश कर सकता था।

उसके साथ
वह जो किसी को समान उठाकर चलने के लिए विवश करता है ।

दो कोस चला था।
"एक मील चलने के लिए उसने तुझे विवश किया परन्तु एक मील और चला जा"।

Matthew 5:43

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना आरंभ में हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि उनके साथ क्या हो सकता है। "अपने पड़ोसी से प्रेम रखना और अपने बैरी से बैर" यह एकवचन में है परन्तु आपको इसका अनुवाद बहुवचन में करना होगा। "तुम" के सब उदाहरण तथा आज्ञाएं "प्रेम करना" "प्रार्थना करो", बहुवचन में हैं।

तुम सुन चुके हो कि कहा गया था।
इसका अनुवाद वैसा ही करे जैसा में किया है। यहाँ "पड़ोसी" शब्द का अर्थ है समुदाय के सदस्य या वह जनसमूह जिसके साथ उदारता प्रकट करने की इच्छा हो या सहायता करना आवश्यक हो। इसका संदर्भ पास में रहनेवालों से नहीं है। आपको इसका अनुवाद बहुवचन में करना होगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

परन्तु मैं तुमसे यह कहता हूँ।
परन्तु मैं तुमसे कहता हूँ , इसका अनुवाद वैसा ही करें जैसा आपने में किया है।

तुम अपने स्वर्गीय पिता की सन्तान ठहरोगे।
"तुम्हारा चरित्र अपने पिता का सा होगा"।

Matthew 5:46

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप में उनके साथ क्या हो सकता है। "तुम", "तुमसे" के सब उदाहरण बहुवचन में हैं।

नमस्कार करो।
यह एक सामान्य शब्द है जो श्रोता के कल्याण की मनोकामना प्रकट करता है। इन पदों में चार प्रश्न हैं। यू.डी.बी. में दिखाया गया है कि उन्हें अभिकथन कैसे बनाया गया है।

Translation Questions

Matthew 5:3

मन के दीन मनुष्य धन्य क्यों हैं?
मन के दीन जन धन्य हैं क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है।

Matthew 5:4

शोक करने वाले क्यों धन्य हैं?
शोक करने वाले धन्य हैं क्योंकि वे शान्ति पाएंगे।

Matthew 5:5

नम्र जन धन्य क्यों हैं?
नम्र जन धन्य हैं क्योंकि वे पृथ्वी के अधिकारी होंगे।

Matthew 5:6

धर्म के भूखे और प्यासे क्यों धन्य हैं?
धर्म के भूखे और प्यासे धन्य हैं क्योंकि वे तृप्त किए जाएंगे।

Matthew 5:11

यीशु के कारण निन्दित होने वाले और सताए जाने वाले क्यों धन्य हैं?
यीशु के कारण जिनकी निन्दा की जाए और उन्हें सताया जाए वे धन्य हैं क्योंकि उनके लिए स्वर्ग में बड़ा फल है।

Matthew 5:15

विश्वासी मनुष्यों के सामने अपना उजियाला कैसे चमकाएंगे?
विश्वासी भले कामों द्वारा मनुष्यों के सामने अपना उजियाला चमकाएं।

Matthew 5:17

यीशु पुराने नियम की व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं के साथ क्या करने आया था?
यीशु पुराने नियम की व्यवस्था और भविष्यवक्ताओं की वाणी को पूरा करने आया था।

Matthew 5:19

स्वर्ग के राज्य में बड़ा कौन कहलाएगा?
जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करेगा और उन्हें मनुष्यों को सिखाएगा वह स्वर्ग के राज्य में बड़ा कहलाएगा।

Matthew 5:21

यीशु ने शिक्षा दी कि हत्यारे ही नहीं परमेश्वर के दण्ड के भागी और कौन होंगे?
यीशु की शिक्षा थी कि हत्यारे ही नहीं, अपने भाई पर क्रोध करने वाले भी दण्ड पाने के संकट में हैं।

Matthew 5:23

यदि हमारे भाई के मन में हमारे विरुद्ध कुछ है तो यीशु की शिक्षा के अनुसार क्या करना चाहिए?
यीशु ने सिखाया कि यदि हमारे भाई के मन में हमारे विरुद्ध कुछ है तो हमें उससे मेल-मिलाप करना है।

Matthew 5:25

यीशु ने क्या सिखाया कि हम न्यायालय में जाने से पूर्व करें?
यीशु ने सिखाया कि हमें न्यायालय में जाने से पूर्व ही अपने आरोपी से समझौता कर लेना चाहिए।

Matthew 5:27

यीशु ने सिखाया कि व्यभिचार तो गलत है ही परन्तु और क्या है जो गलत है?
यीशु ने सिखाया कि व्यभिचार ही गलत नहीं स्त्री की लालसा करना भी अनुचित है।

Matthew 5:29

यीशु की शिक्षा के अनुसार हमें पाप के हर एक कारण के साथ क्या करना है?
यीशु ने सिखाया कि हमें उस हर एक बात से मुक्ति पाना है जो हमसे पाप करवाती है।

Matthew 5:32

यीशु ने तलाक की अनुमति क्यों दी थी?
यीशु ने व्यभिचार के कारण तलाक को स्वीकार किया था।

यदि पति अपनी पत्नी को अनुचित तलाक दे तो वह उसे क्या बनने पर विवश करता है?
यदि कोई पति अपनी पत्नी को अनुचित तलाक दे और वह पत्नी पुनर्विवाह कर लें तो वह उससे व्यभिचार करवाता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 5:33

स्वर्ग, पृथ्वी, यरूशलेम या अपने सिर की शपथ खाने की अपेक्षा हमें यीशु की शिक्षा के अनुसार क्या करना चाहिए?
यीशु का कहना था कभी किसी भी बात की शपथ नहीं खाना चाहिए परन्तु हमारी बात "हाँ" की "हाँ" और "नहीं" की "नहीं" हो।

Matthew 5:38

यीशु की शिक्षा के अनुसार हमें बुरा करने वाले के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?
यीशु ने सिखाया कि हमें बुरे का सामना नहीं करना चाहिए।

Matthew 5:43

यीशु की शिक्षा के अनुसार हमें अपने बैरियों और सताने वालों के साथ क्या करना चाहिए?
यीशु ने सिखाया कि हमें अपने बैरियों से प्रेम करना है और अपने सताने वालों के लिए प्रार्थना करना है।

Matthew 5:46

यीशु ने क्यों कहा कि हमें केवल अपने प्रेम करने वालों से ही नहीं अपने बैरियों से भी प्रेम करना है?
यीशु ने कहा कि यदि हम केवल अपने प्रेम करने वालों से ही प्रेम रखें तो हमें प्रतिफल नहीं मिलेगा क्योंकि हम वही करते हैं जो अन्य जातियाँ करती हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 6

1 “सावधान रहो! तुम मनुष्यों को दिखाने के लिये अपने धार्मिकता के काम न करो, नहीं तो अपने स्वर्गीय पिता से कुछ भी फल न पाओगे।

2 “इसलिए जब तू दान करे, तो अपना ढिंढोरा न पिटवा, जैसे कपटी*, आराधनालयों और गलियों में करते हैं, ताकि लोग उनकी बड़ाई करें, मैं तुम से सच कहता हूँ, कि वे अपना प्रतिफल पा चुके। **3** परन्तु जब तू दान करे, तो जो तेरा दाहिना हाथ करता है, उसे तेरा बायाँ हाथ न जानने पाए। **4** ताकि तेरा दान गुप्त रहे; और तब तेरा पिता जो गुप्त में देखता है, तुझे प्रतिफल देगा।

5 “और जब तू प्रार्थना करे, तो कपटियों के समान न हो क्योंकि लोगों को दिखाने के लिये आराधनालयों में और सड़कों के चौराहों पर खड़े होकर प्रार्थना करना उनको अच्छा लगता है। मैं तुम से सच कहता हूँ, कि वे अपना प्रतिफल पा चुके। **6** परन्तु जब तू प्रार्थना करे, तो अपनी कोठरी में जा; और द्वार बन्द कर के अपने पिता से जो गुप्त में है प्रार्थना कर; और तब तेरा पिता जो गुप्त में देखता है, तुझे प्रतिफल देगा। **7** प्रार्थना करते समय अन्यजातियों के समान बक-बक न करो; क्योंकि वे समझते हैं कि उनके बार-बार बोलने से उनकी सुनी जाएगी। **8** इसलिए तुम उनके समान न बनो, क्योंकि तुम्हारा पिता तुम्हारे माँगने से पहले ही जानता है, कि तुम्हारी क्या-क्या आवश्यकताएँ है।

9 “अतः तुम इस रीति से प्रार्थना किया करो:

‘हे हमारे पिता, तू जो स्वर्ग में हैं; तेरा नाम पवित्र* माना जाए। (लूका 11:2)
10 ‘तेरा राज्य आए*। तेरी इच्छा जैसे स्वर्ग में पूरी होती है, वैसे पृथ्वी पर भी हो।
11 ‘हमारी दिन भर की रोटी आज हमें दे।
12 ‘और जिस प्रकार हमने अपने अपराधियों को क्षमा किया है, वैसे ही तू भी हमारे अपराधों को क्षमा कर।
13 ‘और हमें परीक्षा में न ला, परन्तु बुराई से बचा; [क्योंकि राज्य और पराक्रम और महिमा सदा तेरे ही है।’ आमीन।]

14 “इसलिए यदि तुम मनुष्य के अपराध क्षमा करोगे, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी तुम्हें क्षमा करेगा। **15** और यदि तुम मनुष्यों के अपराध क्षमा न करोगे, तो तुम्हारा पिता भी तुम्हारे अपराध क्षमा न करेगा।

16 “जब तुम उपवास करो, तो कपटियों के समान तुम्हारे मुँह पर उदासी न छाई रहे, क्योंकि वे अपना मुँह बनाए रहते हैं, ताकि लोग उन्हें उपवासी जानें। मैं तुम से सच कहता हूँ, कि वे अपना प्रतिफल पा चुके। **17** परन्तु जब तू उपवास करे तो अपने सिर पर तेल मल और मुँह धो। **18** ताकि लोग नहीं परन्तु तेरा पिता जो गुप्त में है, तुझे उपवासी जाने। इस दशा में तेरा पिता जो गुप्त में देखता है, तुझे प्रतिफल देगा।

19 “अपने लिये पृथ्वी पर धन इकट्ठा न करो; जहाँ कीड़ा और काई बिगाड़ते हैं, और जहाँ चोर सेंध लगाते और चुराते हैं। **20** परन्तु अपने लिये स्वर्ग में धन इकट्ठा करो, जहाँ न तो कीड़ा, और न काई बिगाड़ते हैं, और जहाँ चोर न सेंध लगाते और न चुराते हैं। **21** क्योंकि जहाँ तेरा धन है वहाँ तेरा मन भी लगा रहेगा।

22 “शरीर का दीया आँख है: इसलिए यदि तेरी आँख अच्छी हो, तो तेरा सारा शरीर भी उजियाला होगा। **23** परन्तु यदि तेरी आँख बुरी हो, तो तेरा सारा शरीर भी अंधियारा होगा; इस कारण वह उजियाला जो तुझ में है यदि अंधकार हो तो वह अंधकार कैसा बड़ा होगा!

24 “कोई मनुष्य दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता, क्योंकि वह एक से बैर और दूसरे से प्रेम रखेगा, या एक से निष्ठावान रहेगा और दूसरे का तिरस्कार करेगा। तुम परमेश्वर और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते। **25** इसलिए मैं तुम से कहता हूँ, कि अपने प्राण के लिये यह चिन्ता न करना कि हम क्या खाएँगे, और क्या पीएँगे, और न अपने शरीर के लिये कि क्या पहनेंगे, क्या प्राण भोजन से, और शरीर वस्त्र से बढ़कर नहीं? **26** आकाश के पक्षियों को देखो! वे न बोते हैं, न काटते हैं, और न खत्तों में बटोरते हैं; तो भी तुम्हारा स्वर्गीय पिता उनको खिलाता है। क्या तुम उनसे अधिक मूल्य नहीं रखते? **27** तुम में कौन है, जो चिन्ता करके अपने जीवनकाल में एक घड़ी भी बढ़ा सकता है?

28 “और वस्त्र के लिये क्यों चिन्ता करते हो? सोसनों के फूलों पर ध्यान करो, कि वे कैसे बढ़ते हैं, वे न तो परिश्रम करते हैं, न काटते हैं। **29** तो भी मैं तुम से कहता हूँ, कि सुलैमान भी, अपने सारे वैभव में उनमें से किसी के समान वस्त्र पहने हुए न था। **30** इसलिए जब परमेश्वर मैदान की घास को, जो आज है, और कल भाड़ में झोंकी जाएगी, ऐसा वस्त्र पहनाता है, तो हे अल्पविश्वासियों, तुम को वह क्यों न पहनाएगा?

31 “इसलिए तुम चिन्ता करके यह न कहना, कि हम क्या खाएँगे, या क्या पीएँगे, या क्या पहनेंगे? **32** क्योंकि अन्यजाति इन सब वस्तुओं की खोज में रहते हैं, और तुम्हारा स्वर्गीय पिता जानता है, कि तुम्हें ये सब वस्तुएँ चाहिए। **33** इसलिए पहले तुम परमेश्वर के राज्य और धार्मिकता की खोज करो तो ये सब वस्तुएँ तुम्हें मिल जाएँगी। (लूका 12:31) **34** अतः कल के लिये चिन्ता न करो, क्योंकि कल का दिन अपनी चिन्ता आप कर लेगा; आज के लिये आज ही का दुःख बहुत है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 6:1

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप में उनके साथ क्या हो सकता है। "तुम", "तू", "तेरा" सब बहुवचन में हैं।

अपने आगे तुरही न बजवा।
अपने आगे तुरही न बजवा - आकर्षण का केन्द्र नहीं बनना जैसे भीड़ के बीच तुरही बजाने वाला करता है।

बड़ाई
वही शब्द काम में ले जो में काम में लिए हैं।

Matthew 6:3

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि उसके साथ व्यक्तिगत रूप में क्या हो सकता है। "तू", "तेरा" बहुवचन में हैं।

जो तेरा दाहिना हाथ करता है उसे तेरा बायाँ हाथ न जानने पाए।
यह पूर्ण गोपनीयता का रूपक है। जिस प्रकार कि हाथ एक साथ काम करते है और कहा जा सकता है कि वे सदैव एक दूसरे के काम जानते हैं। तुम्हें अपने निकटतम व्यक्ति पर भी प्रकट नहीं होने देना है कि तुम गरीबों को कब दान देते हो।

तेरा दान गुप्त रहे।
"तू गरीबों को दान दे तो कोई भी जान न पाए"।

Matthew 6:5

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि उनके साथ व्यक्तिगत रूप में क्या हो सकता है। पद 5 और 7 में "तू" "तुम" बहुवचन में हैं। पद 6 में वे एकवचन में है परन्तु आपको उनका अनुवाद बहुवचन में करने की आवश्यकता पड़ सकती है।

मैं तुमसे सच कहता हूँ।
वैकल्पिक अनुवाद, "मैं तुम्हें सत्य बताता हूँ"।

अपनी कोठरी में जा।
वैकल्पिक अनुवाद, "किसी एकान्तवास में जा" या "भीतरी कमरे में जा"

तेरा पिता जो गुप्त में देखता है।
इसका अनुवाद ऐसे किया जा सकता है, "तेरा पिता देखता है कि मनुष्य गुप्त में क्या करते हैं।"

बक बक न करो।
अर्थहीन शब्दों को दोहराना।

बहुत बोलने से।
"लम्बी प्रार्थनाएं" या "अनेक शब्द"

Matthew 6:8

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि उनके साथ व्यक्तिगत रूप में क्या हो सकता है। वह उनके साथ सामूहिक वार्तालाप कर रहा है, जहाँ तक "इस रीति से प्रार्थना करने का विषय है, "पिता" के साथ जुड़े "तुम्हारा" शब्द सब एकवचन में है।

तेरा नाम पवित्र माना जाए।
"हम चाहते हैं कि सबको ज्ञात हो कि तू पवित्र है"।

तेरा राज्य आए।
तेरा राज्य आए -देखना चाहते हैं कि तू सब मनुष्यों और सब वस्तुओं पर राज करे।

Matthew 6:11

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
"हम", "हमारे" के सब उपयोग उस जनसमूह से संदर्भित हैं जिनसे यीशु बातें कर रहा है। (देखें: :)

अपराध
अपराध के लिए "कर्ज़" शब्द को भी रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जबकि कर्ज़ का अर्थ है किसी से कुछ उधार लेना।

अपराधियों।
जो किसी का ऋणी है। पापियों के लिए रूपक है।

Matthew 6:14

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप से उनके साथ क्या हो सकता है। "तू" और "तेरा" के सब संदर्भ बहुवचन में हैं।

Matthew 6:16

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप में उनके साथ क्या हो सकता है। पद 17 और 18में "तू", "तेरा" तुझ के सब संदर्भ एकवचन है। आप संभवतः इनका अनुवाद बहुवचन में करना चाहेंगे कि पद 16 में "तुम" से सुसंगत हो।

इसके अतिरिक्त।
"यह भी।"

सिर पर तेल मल।
"वैसे ही दिखाई दो जैसे सामान्यतः दिखते थे"। तेल मलने का अर्थ है सामान्य रूप से केश संवारना। इसका अर्थ "मसीह" अर्थात "अभिषिक्त जन" से कुछ नहीं है।

Matthew 6:19

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप से उनके साथ क्या हो सकता है।"तेरा" एकवचन में है।

धन इकट्ठा करो।
धन मौलिक वस्तुएं है जिनसे हम प्रसन्न होते हैं।

Matthew 6:22

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप से उनके साथ क्या हो सकता है। "तेरी", "तेरा" एकवचन में है परन्तु आपको इनका अनुवाद बहुवचन में करने की आवश्यकता हो सकती है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शरीर का दीया आँख है।
"दीये के सदृश्य आँख आपको स्पष्ट देखने में सहायक होती है"।

यदि तेरी आँख निर्मल हो तो सारा शरीर भी उजियाला होगा।
यदि आपकी आंखें स्वस्थ हैं, यदि आप देख सकते है तो आपका संपूर्ण शरीर उचित रूप से काम करेगा, अर्थात आप चल सकते हैं, काम कर सकते हैं आदि। यह एक रूपक है जो परमेश्वर के समान देखने के लिए काम में लिया गया है, विशेष करके उदारता और लालसा के संबन्ध में। (देखें यू.डी.बी.)

आँख
इसका अनुवाद बहुवचन में करना होगा।

प्रकाश से भर जाओं।
यह समझ के लिए रूपक है।

यदि तेरी आँख बुरी है।
यह जादू नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद, "तू वैसे नहीं देख सकता जैसे परमेश्वर देखता है"। यह लालसा के लिए भी रूपक हो सकता है। देखें यू.डी.बी., "तू कैसा लालची हो गया" और).

जो ज्योति तुममें है वह वास्तव में अन्धकार है।
"जिसे तू ज्योति समझता है वह वास्तव में अन्धकार है।" यह एक रूपक है जिसका अभिप्राय है कि मनुष्य सोचता है कि उसका समझना ऐसा ही है जैसा परमेश्वर का समझना है जबकि वह वास्तव में वैसा समझता नहीं हैं।

वह अन्धकार कैसा बड़ा होगा?
अन्धकार में रहना बुरा है। अन्धकार में रहकर सोचना कि ज्योति में हैं तो वह और भी अधिक बुरा है।

वह एक से बैर और दूसरे से प्रेम रखेगा या एक के प्रति स्वामिभक्ति निभाएगा और दूसरे को तुच्छ जानेगा।
ये दो वाक्यांश एक ही बात का संदर्भ देते हैं, परमेश्वर और धन दोनों ही से प्रेम एवं भक्ति दिखाने में अयोग्य होना।

तुम परमेश्वर और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते।
"तुम परमेश्वर और धन दोनों की सेवा एक साथ नहीं कर सकते।"

Matthew 6:25

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप से उनके साथ क्या हो सकता है। "तुम" बहुवचन में है।

क्या प्राण भोजन से और शरीर वस्त्र से बढ़कर नहीं?
भोजन और वस्त्र जीवन में सर्वाधिक महत्त्व के नहीं हैं यह अलंकृत प्रश्न का अभिप्राय है, "तुम्हारा जीवन तुम्हारे खाने से और वेशभूषा से बढ़कर है"। वैकल्पिक अनुवाद, "जीवन भोजन से बढ़कर है, नहीं है क्या? और देह वेशभूषा से बढ़कर है, नहीं है क्या"?

खत्तों
फसल रखने का स्थान

क्या तुम उनसे अधिक मूल्य नहीं रखते?
इस अलंकृत प्रश्न का अभिप्राय है, "तुम आकाश के पक्षियों से अधिक मूल्यवान हो"। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम चिड़ियों से अधिक मूल्यवान हो, नहीं हो क्या"?

Matthew 6:27

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप में उनके साथ क्या हो सकता है। "तुम" बहुवचन में है।

तुममें कौन है जो चिन्ता करके अपनी आयु में एक घड़ी भी बढ़ा सकता है?
इस प्रश्न का अभिप्राय है कि मनुष्य चिन्ता करके अधिक नहीं जी सकता। देखें:

एक घड़ी
एक घड़ी यहाँ रूपक स्वरूप काम में ली गई है यह जीवन का समय बढ़ाने के लिए काम में लिया गया है। (देखें: और)

और वस्त्र के लिए क्यों चिंता करते हो?
इस प्रश्न का अभिप्राय है, "तुम्हें चिन्ता नहीं करना है कि क्या पहनेंगे।"

ध्यान दो।
"विचार करो"।

सोसनों
यह जंगल का एक फूल है

Matthew 6:30

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप में उनके साथ क्या हो सकता है। "तुम" बहुवचन में है।

घास
यदि आपकी भाषा में घास के लिए शब्द है और में आने सोसन के लिए जो शब्द काम में लिया है, उन्हें यहाँ काम में लें।

आग में झोंकी जायेगी।
यीशु के समय यहूदी खाना पकाने के लिए घास जलाते थे। (देखें यू.डी.बी.) वैकल्पिक अनुवाद "आग में डाली जायेगी" या "जलाई जायेगी"।

हे अल्प-विश्वासियों।
यीशु उन्हें झिड़क रहा था क्योंकि उनको परमेश्वर पर पूरा भरोसा नहीं था। वैकल्पिक अनुवाद, "तुम जिनका विश्वास ऐसा कम है“ या एक नया वाक्य, ”तुम्हारा विश्वास इतना कम क्यों है"?

इसलिए
वैकल्पिक अनुवाद "इन बातों के कारण"।

Matthew 6:32

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप में उनके साथ क्या हो सकता है। "तुम" बहुवचन में है।

क्योंकि.... इसलिए
प्रत्येक शब्द एक नये वाक्य का आरंभ करता है तो का वर्णन करता है। अर्थात अन्यजातीय इन सब वस्तुओं की खोज में रहते हैं, अतः "चिन्ता न करना", "तुम्हारा स्वर्गीय पिता जानता है कि तुम्हें इन सब वस्तुओं की आवश्यकता है "अतः चिन्ता न करना"।

इसलिए
वैकल्पिक अनुवाद "इन बातों के कारण"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

"कल का दिन अपनी चिन्ता आप कर लेगा।"
दिन का व्यक्तिवाचक संबोधन वास्तव में उस मनुष्य का प्रतीक है जो "कल के दिन के लिए जीता है।" (देखें यू.डी.बी.)

आज के लिए आज ही का दुःख बहुत है।
इसका अनुवाद ऐसे भी किया जा सकता है, "आज के दिन के लिए आज की परेशनियाँ ही बहुत हैं"।

Translation Questions

Matthew 6:1

हमें स्वर्गीय पिता से प्रतिफल पाने के लिए धार्मिकता के काम कैसे करना है?
हमें गुप्त में धार्मिकता के काम करना है।

Matthew 6:2

मनुष्यों को दिखाने के लिए किए गए कामों का प्रतिफल क्या है?
जो लोग मनुष्यों को दिखाने के लिए धार्मिकता के काम करते हैं उनका प्रतिफल मनुष्य की प्रशंसा है।

Matthew 6:5

मनुष्यों को दिखाने के लिए प्रार्थना करने वालों का प्रतिफल क्या है?
पाखंडी मनुष्यों को दिखाने के लिए प्रार्थना करते हैं तो उनका प्रतिफल मनुष्यों की प्रशंसा है।

Matthew 6:6

गुप्त में प्रार्थना करने वालों को प्रतिफल कौन देता है?
जो गुप्त में प्रार्थना करते हैं उनका प्रतिफल पिता से है।

Matthew 6:7

यीशु क्यों कहता है कि हमें व्यर्थ के शब्द दोहराए बिना प्रार्थना करना चाहिए?
यीशु ने कहा कि हमें व्यर्थ के शब्दों को दोहराते हुए प्रार्थना नहीं करना है क्योंकि स्वर्गीय पिता हमारे मांगने से पहले ही जानता है कि हमें क्या चाहिए।

Matthew 6:10

हमें कहाँ के लिए स्वर्गीय पिता की इच्छा पूरी होने की प्रार्थना करना है?
हमें स्वर्गीय पिता से प्रार्थना करना है कि जैसे उसकी इच्छा स्वर्ग में पूरी होती है वैसे ही पृथ्वी पर भी पूरी हो।

Matthew 6:15

यदि हम अपने अपराधियों को क्षमा नहीं करेंगे तो स्वर्गीय पिता क्या करेगा?
यदि हम किसी के अपराध क्षमा नहीं करेंगे तो स्वर्गीय पिता हमारे अपराध क्षमा नहीं करेगा।

Matthew 6:16

हमें स्वर्गीय पिता से प्रतिफल पाने के लिए कैसे उपवास करना चाहिए?
जब हम उपवास करें तो मुंह लटकाकर मनुष्यों के सामने प्रदर्शन न करें तो स्वर्गीय पिता हमें प्रतिफल देगा।

Matthew 6:19

हमें कहाँ धन एकत्र करना है और क्यों?
हमें स्वर्ग में धन एकत्र करना है, क्योंकि वहाँ न तो वह नष्ट होगा न ही चुराया जाएगा।

Matthew 6:21

जहाँ हमारा धन है वहाँ क्या होगा?
हमारा मन वहीं होगा जहाँ हमारा धन है।

Matthew 6:24

हमें कौन से दो स्वामियों में से चुनाव करना है?
हमें धन और परमेश्वर में से एक को अपना स्वामी बनाना है।

Matthew 6:25

हमें खाने, पीने और पहनने की चिन्ता क्यों नहीं करना है?
हमें खाने, पीने और पहनने की चिन्ता नहीं करना है क्योंकि हमारा स्वर्गीय पिता पक्षियों की भी सुधि लेता है और हम तो उनसे कहीं अधिक मूल्यवान हैं।

Matthew 6:27

यीशु हमें किस सत्य का स्मरण करवाता है कि हम चिन्ता करके उपलब्ध नहीं कर सकते हैं?
यीशु हमें स्मरण करवाता है कि हम चिन्ता करके अपने जीवन में एक घड़ी भी बढ़ा नहीं सकते।

Matthew 6:33

हमें अपनी सांसारिक आवश्यकताओं की पूर्ति से पूर्व किसकी खोज करना है?
हमें सर्वप्रथम परमेश्वर के राज्य की और उसकी धार्मिकता की खोज करना है तब हमारी सब सांसारिक आवश्यकताएं पूरी हो जाएंगी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 7

1 “दोष मत लगाओ, कि तुम पर भी दोष न लगाया जाए। **2** क्योंकि जिस प्रकार तुम दोष लगाते हो, उसी प्रकार तुम पर भी दोष लगाया जाएगा; और जिस
नाप से तुम नापते हो, उसी से तुम्हारे लिये भी नापा जाएगा।

3 “तू क्यों अपने भाई की आँख के तिनके को देखता है, और अपनी आँख का लट्ठा तुझे नहीं सूझता? **4** जब तेरी ही आँख में लट्ठा है, तो तू अपने भाई से कैसे
कह सकता है, ‘ला मैं तेरी आँख से तिनका निकाल दूँ?’ **5** हे कपटी, पहले अपनी आँख में से लट्ठा निकाल ले, तब तू अपने भाई की आँख का तिनका भली
भाँति देखकर निकाल सकेगा।

6 “पवित्र वस्तु कुत्तों को न दो, और अपने मोती सूअरों के आगे मत डालो; ऐसा न हो कि वे उन्हें पाँवों तले रौंदें और पलटकर तुम को फाड़ डालें।

7 “माँगो, तो तुम्हें दिया जाएगा; ढूँढ़ो, तो तुम पाओगे; खटखटाओ, तो तुम्हारे लिये खोला जाएगा। **8** क्योंकि जो कोई माँगता है, उसे मिलता है; और जो ढूँढ़ता
है, वह पाता है; और जो खटखटाता है, उसके लिये खोला जाएगा।

9 “तुम में से ऐसा कौन मनुष्य है, कि यदि उसका पुत्र उससे रोटी माँगे, तो वह उसे पत्थर दे? **10** या मछली माँगे, तो उसे साँप दे? **11** अतः जब तुम बुरे होकर,
अपने बच्चों को अच्छी वस्तुएँ देना जानते हो, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता अपने माँगनेवालों को अच्छी वस्तुएँ क्यों न देगा? (लूका 11:13) **12** इस कारण जो कुछ
तुम चाहते हो, कि मनुष्य तुम्हारे साथ करें, तुम भी उनके साथ वैसा ही करो; क्योंकि व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा यही है।

13 “सकेत फाटक से प्रवेश करो, क्योंकि चौड़ा है वह फाटक और सरल है वह मार्ग जो विनाश की ओर ले जाता है; और बहुत सारे लोग हैं जो उससे प्रवेश
करते हैं। **14** क्योंकि संकरा है वह फाटक और कठिन है वह मार्ग जो जीवन को पहुँचाता है, और थोड़े हैं जो उसे पाते हैं।

15 “झूठे भविष्यद्वक्ताओं से सावधान रहो, जो भेड़ों के भेष में तुम्हारे पास आते हैं, परन्तु अन्तर में फाड़नेवाले भेड़िए हैं। (यहे. 22:27) **16** उनके फलों से तुम
उन्हें पहचान लोगे। क्या झाड़ियों से अंगूर, या ऊँटकटारों से अंजीर तोड़ते हैं? **17** इसी प्रकार हर एक अच्छा पेड़ अच्छा फल लाता है और निकम्मा पेड़ बुरा फल
लाता है। **18** अच्छा पेड़ बुरा फल नहीं ला सकता, और न निकम्मा पेड़ अच्छा फल ला सकता है। **19** जो-जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा और आग में
डाला जाता है। **20** अतः उनके फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे।

21 “जो मुझसे, ‘हे प्रभु, हे प्रभु’ कहता है, उनमें से हर एक स्वर्ग के राज्य में प्रवेश न करेगा, परन्तु वही जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलता है। **22** उस
दिन बहुत लोग मुझसे कहेंगे; ‘हे प्रभु, हे प्रभु, क्या हमने तेरे नाम से भविष्यद्वाणी नहीं की, और तेरे नाम से दुष्टात्माओं को नहीं निकाला, और तेरे नाम से बहुत
अचम्भे के काम नहीं किए?’ **23** तब मैं उनसे खुलकर कह दूँगा, ‘मैंने तुम को कभी नहीं जाना, हे कुकर्म करनेवालों, मेरे पास से चले जाओ।’ (लूका 13:27)

24 “इसलिए जो कोई मेरी ये बातें सुनकर उन्हें मानता है वह उस बुद्धिमान मनुष्य के समान ठहरेगा जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया। **25** और बारिश और
बाढ़ें आईं, और आँधियाँ चलीं, और उस घर पर टक्करें लगीं, परन्तु वह नहीं गिरा, क्योंकि उसकी नींव चट्टान पर डाली गई थी। **26** परन्तु जो कोई मेरी ये बातें
सुनता है और उन पर नहीं चलता वह उस मूर्ख मनुष्य के समान ठहरेगा जिसने अपना घर रेत पर बनाया। **27** और बारिश, और बाढ़ें आईं, और आँधियाँ चलीं,
और उस घर पर टक्करें लगीं और वह गिरकर सत्यानाश हो गया।”

28 जब यीशु ये बातें कह चुका, तो ऐसा हुआ कि भीड़ उसके उपदेश से चकित हुई। **29** क्योंकि वह उनके शास्त्रियों के समान नहीं परन्तु अधिकारी के समान
उन्हें उपदेश देता था।

Matthew 7:1

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यकितगत रूप में उनके साथ क्या हो सकता है "तुम", "तुम्हारे" और आज्ञाएं बहुवचन में है।

तुम पर भी दोष लगाया जायेगा।
तुम पर भी दोष लगाया जायेगा, इसे कर्तृवाच्य रूप में व्यक्त किया जा सकता है, "परमेश्वर तुम पर दोष लगायेगा"। (यू.डी.बी.) या "मनुष्य तुम पर दोष लगायेंगे"।

क्योंकि
इससे सुनिश्चित होता है कि पाठक को समझना है कि पद 2 पद 1 पर निर्भर है।

नाप
इसका संदर्भ (1) दण्ड के परिमाण से (देखें यू.डी.बी.) या (2)दण्ड के मानदण्ड से हो सकता है।

Matthew 7:3

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप से उनके साथ क्या हो सकता है। "तू", "तेरी" एकवचन में हैं परन्तु आपको उनका अनुवाद बहुवचन में करना होगा।

तुम क्यों देखते हो ... कैसे कह सकता है?
यीशु उन्हें चुनौती दे रहा है कि पहले अपने ही दोष/पाप पर ध्यान दें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तिनका .... लट्ठा
ये दोनों रूपक है जो मनुष्य के छोटे से छोटे और बड़े से बड़े दोष के लिए काम में लिए गए हैं।

भाई
यह शब्द सहविश्वासी के लिए है, न कि भाई या पड़ोसी के लिए है।

आँख
यह रूपक जीवन के लिए काम में लिया गया है।

तिनका
"तिनका" (यू.डी.बी.) या "किरच" या "धूल" सामान्यतः आँख में जो कुछ चला जाता है उसका शब्द काम में लें।

लट्ठा
पेड़ का सबसे बड़ा भाग। एक ऐसी बड़ी वस्तु जो आँख में नहीं जा सकती।

Matthew 7:6

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप से उनके साथ क्या हो सकता है। "तुम" बहुवचन में है।

कुत्तों ..... सूअरों.... रौंदे .... पलटकर .... फाड़ डालें।
संभव है कि सूअर "रौदेगें" और कुत्ते "फाड़ डालेगे"(यू.डी.बी)

कुत्ते ..... सूअर।
इन जानवरों को अशुद्ध माना जाता था और परमेश्वर ने उन्हें खाना मना किया था। ये उन अधर्मियों के लिए रूपक है जो पवित्र वस्तुओं को मान प्रदान नहीं करते है। इन शब्दों को अनुवाद में ज्यों का त्यों रखना ही उचित होगा।

मोती
ये अनमोल नगीने हैं। ये परमेश्वर के ज्ञान (देखें यू.डी.बी.) या सामान्यतः बहुमूल्य वस्तुओं के लिए काम में लिए जाते हैं।

Matthew 7:7

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप में उनके साथ क्या हो सकता है। "तुम" बहुवचन में है।

मांगो.... ढूँढ़ो ....खटखटाओ
ये तीन रूपक लगातार प्रार्थना करने के लिए हैं। यदि आपकी भाषा में बार-बार करने के लिए कोई शब्द है तो उसका उपयोग करें।

मांगो
परमेश्वर से विनती करना (देखें यू.डी.बी.)

ढूँढ़ो
"अपेक्षा" (यू.डी.बी.) या "खोज करो"।

खटखटाओ
खटखटाना एक नम्र निवेदन है कि घर में उपस्थित जन द्वार खोल दे। यदि खटखटाना आपकी भाषा में अभद्र शब्द है तो आपकी भाषा में द्वार खोलने के नम्र निवेदन के लिए जो शब्द है उसे काम में ले या अनुवाद करें, "परमेश्वर से कहें कि आप उससे द्वार खोलने का निवेदन करते हैं"।

या .... या
यीशु अपनी बातों को दूसरे शब्दों में कहने जा रहा है इन्हें छोड़ा जा सकता है। (यू.डी.बी.)

तुममें ऐसा कौन मनुष्य है?
इस अलंकृत प्रश्न का अभिप्राय है कि "ऐसा कोई भी नहीं है" (देखें यू.डी.बी.)

रोटी .... पत्थर .... मछली .... साँप
इनको ज्यों का त्यों रखें।

रोटी
"भोजन"

Matthew 7:11

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप में उनके साथ क्या हो सकता है। "तुम" बहुवचन में है।

तुम चाहते हो कि मनुष्य तुम्हारे साथ करे।
"तुम अपने लिए मनुष्यों से जैसा व्यवहार चाहते हो"(यू.डी.बी.)।

Matthew 7:13

यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है कि व्यक्तिगत रूप में उनके साथ क्या हो सकता है। "तुम" बहुवचन में है। अनुवाद करने में "चौड़ा" और "बड़ा" के लिए उचित शब्दों का उपयोग करें जो "सकरा" के विपरीत हैं। यथासंभव इन दोनों फाटकों में गहन अन्तर को उभारें।

सकेत फाटक से प्रवेश करो।
आपके लिए इस वाक्यांश को पद 14 के अन्त में रखने की आवश्यकता हो सकती है, "इसलिए सकेत फाटक से प्रवेश करो"।

फाटक .... मार्ग
यह रूपक, अति संभव है कि उन मनुष्यों के लिए है जो "मार्ग" में चलकर "फाटक" तक पहुचते हैं और "जीवन" या "विनाश" में प्रवेश करते हैं (देखें यू.डी.बी.))। अतः आपको संभवतः अनुवाद इस प्रकार करना होगा, "चौड़ा मार्ग वह है जो विनाश की ओर ले जाता है और चौड़ा फाटक वह है जिससे होकर मनुष्य उसमें प्रवेश करता है"। कुछ लोग "फाटक" और "मार्ग" को hendiadys मानते हैं जिसके उल्लेख की आवश्यकता नहीं है।

चौड़ा है वह फाटक और सरल है वह मार्ग .... सकेत है वह फाटक और कठिन है वह मार्ग।
यू.एल.बी. में क्रियाओं से पहले विशेषणों का उपयोग किया गया है कि विशेषणों में विरोधाभास प्रकट हो। अपनी अनुवाद की रचना इस प्रकार करें कि आपकी भाषा में विशेषणों का विरोधाभास प्रकट हो।

विनाश
यह मनुष्यों के संहार के लिए एक सामान्य शब्द है। यहाँ संदर्भ के आधार पर यह वास्तव में शारीरिक मृत्यु है। (देखें यू.डी.बी.) जो सदाकालीन मृत्यु का रूपक है। यह शारीरिक "जीवन" का विलोम है, "जीवन" अनन्त जीवन का रूपक है।

Matthew 7:15

x
यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सावधान रहो।
"बचे रहो"

उनके फलों से
यीशु भविष्यद्वक्ताओं के कार्यों की तुलना पेड़ के फलों से करता है। वैकल्पिक अनुवाद "उनके कामों से"।

क्या लोग.....तोड़ते हैं?
"मनुष्य .... से नहीं तोड़ते हैं" यीशु जिन लोगों से बातें कर रहा है वे जानते हैं कि उसके प्रश्न का उत्तर "नहीं" है।

अच्छा पेड़ .... अच्छा फल लाता है।
यीशु फल के रूपक द्वारा सच्चे भविष्यद्वक्ताओं का चित्रण करता है जो अच्छे काम और अच्छे शब्द उत्पन्न करते हैं।

निकम्मा पेड़ बुरा फल लाता है।
यीशु फल के रूपक द्वारा ही झूठे भविष्यद्वक्ताओं के कामों और शब्दों का चित्रण प्रस्तुत करता है।

Matthew 7:18

x
यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।

जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता वह काटा और आग में डाला जाता है।
यीशु फल के वृक्ष की उपमा द्वारा झूठे भविष्यद्वक्ताओं का अनावरण करता है, यहाँ वह मात्र इतना ही कहता है कि निकम्मे वृक्ष का क्या होता है। यहाँ अभिप्राय अन्तर्निहित हे कि झूठे भविष्यद्वक्ताओं के साथ भी ऐसा ही होगा।

उनके फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे।
"उनके फलों से" या तो भविष्यद्वक्ता या पेड़ों के संदर्भ में है। इस रूपक का अभिप्राय है कि पेड़ों के फल और भविष्यद्वक्ताओं के काम दोनों ही से प्रकट होता है कि वे अच्छे हैं या बुरे। यदि संभव हो तो इसका अनुवाद इस प्रकार करें कि उसका संदर्भ दोनों ही से हो।

Matthew 7:21

x
यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।

जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलता है।
"मेरे पिता की इच्छा को पूरा करनेवाला"।

हम
इसमें यीशु नहीं है।

उस दिन
यीशु ने केवल "उस दिन" कहा क्योंकि उसके श्रोता समझते थे कि उसके कहने का अर्थ है, न्याय के दिन। आपको इस तथ्य को उजागर करना है (जैसा यू.डी.बी. में है) यदि आपके पाठक नहीं समझें कि यीशु के श्रोता समझते थे कि यीशु किस दिन की चर्चा कर रहा है।

Matthew 7:24

x
यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।

इसलिए
"इस कारण"

बुद्धिमान मनुष्य ने .... अपना घर चट्टान पर बनाया।
यीशु उसके वचनों पर चलने वालों की तुलना उस व्यक्ति से करता है जिसने पक्का घर बनाया। ध्यान दें कि वर्षा, आँधी और बाढ़ उस घर को ढा नहीं पाए।

चट्टान
भूमि की अपनी सतह के नीचे की ठोस पत्थरीली परत है, न कि एक चट्टान जो उभरी हुई हो।

Matthew 7:26

x
यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है, यह घटना में आरंभ हुई थी।

इस निर्बुद्धि मनुष्य के समान ठहरा जिसने अपना घर बालू पर बनाया।
यीशु उसी उपमा को काम में ले रहा है जो उसने में काम में ली है। वह उन लोगों की तुलना एक मूर्ख गृह निर्माता से कर रहा है जो उसके वचनों पर नहीं चलते। केवल एक मूर्ख ही बालू पर मकान खड़ा करेगा कि वर्षा, बाढ़, आंधी बालू को बहा ले जाए।

गिरकर सत्यानाश हो गया।
सामान्य उपयोग का शब्द काम में ले जो यह दर्शाता है कि मकान के गिर जाने पर क्या होता है।

सत्यानाश हो गया।
वर्षा, बाढ़ और आंधी से घर बिखर गया।

Matthew 7:28

ऐसा हुआ।
यदि आपकी भाषा में कहानी के नए मोड़ को दर्शाने का प्रवाधान है तो उसे यहाँ काम में लें। (देखें:TAlink:Discourse))

Translation Questions

Matthew 7:1

इससे पहले कि हम अपने भाई की सहायता के लिए स्पष्ट देख सकें, हमें क्या करना आवश्यक है?
अपने भाई की सहायता करने से पहले हमें अपने आपको देखकर अपनी आँख का लट्ठा निकालना है।

Matthew 7:6

यदि आप पवित्र वस्तुएं कुत्तों को देंगे तो क्या होगा?
आप कुत्तों को पवित्र वस्तुएं दे तो वे उसे रौंदेगे और आपको काट लेंगे।

Matthew 7:8

पिता से पाने के लिए हमें क्या करना होगा?
पिता से कुछ प्राप्त करने के लिए हमें मांगना है, ढूंढना है और खटखटाना है।

Matthew 7:11

पिता मांगने वालों को क्या देता है?
स्वर्गीय पिता मांगने वालों को भली वस्तुएं देता है।

Matthew 7:12

व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता मनुष्यों के साथ हमारे व्यवहार के बारे में क्या शिक्षा देते हैं?
व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता सिखाते हैं कि जैसा हम चाहते हैं कि मनुष्य हमारे साथ करे वैसा ही हम उनके साथ भी करें।

Matthew 7:13

चौड़ा रास्ता हमें कहाँ ले जाता है?
चौड़ा रास्ता विनाश की ओर ले जाता है।

Matthew 7:14

सकेत मार्ग हमें कहाँ ले जाता है?
सकेत मार्ग जीवन की ओर ले जाता है।

Matthew 7:15

झूठे भविष्यद्वक्ता कैसे पहचाने जाते हैं?
हम झूठे भविष्यद्वक्ताओं को उनके जीवन के फलों से पहचान सकते हैं।

Matthew 7:21

स्वर्ग के राज्य में कौन प्रवेश करेगा?
स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलने वाले स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करेंगे।

Matthew 7:22

यीशु के नाम में भविष्यद्वाणी करने वालों, दुष्टात्मा निकालने वालों और चमत्कार करने वालों से यीशु क्या कहेगा?
यीशु कहेगा, "मैंने तुम को कभी नहीं जाना, हे कुकर्म करनेवालों, मेरे पास से चले जाओ।"

Matthew 7:24

यीशु दो घर निर्माताओं का दृष्टांत सुनाता है, उनमें से बुद्धिमान मनुष्य कौन है?
यीशु की बातों को सुनकर उनका पालन करने वाला एक बुद्धिमान मनुष्य के समान है।

Matthew 7:26

गृह बनाने वालो के दृष्टांत में मूर्ख मनुष्य कौन है?
यीशु के शब्दों को सुनकर उनका पालन न करने वाला मूर्ख है।

Matthew 7:29

शास्त्रियों की शिक्षा देने की विधि के साथ तुलना में यीशु की शिक्षा कैसी थी?
यीशु शास्त्रियों के समान नहीं, पूरे अधिकार से शिक्षा देता था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 8

1 जब यीशु उस पहाड़ से उतरा, तो एक बड़ी भीड़ उसके पीछे हो ली। **2** और, एक कोढ़ी* ने पास आकर उसे प्रणाम किया और कहा, “हे प्रभु यदि तू चाहे, तो मुझे शुद्ध कर सकता है।” **3** यीशु ने हाथ बढ़ाकर उसे छुआ, और कहा, “मैं चाहता हूँ, तू शुद्ध हो जा” और वह तुरन्त कोढ़ से शुद्ध हो गया। **4** यीशु ने उससे कहा, “देख, किसी से न कहना, परन्तु जाकर अपने आप को याजक को दिखा और जो चढ़ावा मूसा ने ठहराया है उसे चढ़ा, ताकि उनके लिये गवाही हो।” (लैव्य. 14:2-32)

5 और जब वह कफरनहूम* में आया तो एक सूबेदार ने उसके पास आकर उससे विनती की, **6** “हे प्रभु, मेरा सेवक घर में लकवे का मारा बहुत दुःखी पड़ा है।” **7** उसने उससे कहा, “मैं आकर उसे चंगा करूँगा।” **8** सूबेदार ने उत्तर दिया, “हे प्रभु, मैं इस योग्य नहीं, कि तू मेरी छत के तले आए, पर केवल मुँह से कह दे तो मेरा सेवक चंगा हो जाएगा। **9** क्योंकि मैं भी पराधीन मनुष्य हूँ, और सिपाही मेरे हाथ में हैं, और जब एक से कहता हूँ, जा, तो वह जाता है; और दूसरे को कि आ, तो वह आता है; और अपने दास से कहता हूँ, कि यह कर, तो वह करता है।”

10 यह सुनकर यीशु ने अचम्भा किया, और जो उसके पीछे आ रहे थे उनसे कहा, “मैं तुम से सच कहता हूँ, कि मैंने इस्राएल में भी ऐसा विश्वास नहीं पाया। **11** और मैं तुम से कहता हूँ, कि बहुत सारे पूर्व और पश्चिम से आकर अब्राहम और इसहाक और याकूब के साथ स्वर्ग के राज्य में बैठेंगे। **12** परन्तु राज्य के सन्तान* बाहर अंधकार में डाल दिए जाएँगे: वहाँ रोना और दाँतों का पीसना होगा।” **13** और यीशु ने सूबेदार से कहा, “जा, जैसा तेरा विश्वास है, वैसा ही तेरे लिये हो।” और उसका सेवक उसी समय चंगा हो गया।

14 और यीशु ने पतरस के घर में आकर उसकी सास को तेज बुखार में पड़ा देखा। **15** उसने उसका हाथ छुआ और उसका ज्वर उतर गया; और वह उठकर उसकी सेवा करने लगी। **16** जब संध्या हुई तब वे उसके पास बहुत से लोगों को लाए जिनमें दुष्टात्माएँ थीं और उसने उन आत्माओं को अपने वचन से निकाल दिया, और सब बीमारों को चंगा किया। **17** ताकि जो वचन यशायाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था वह पूरा हो: “उसने आप हमारी दुर्बलताओं को ले लिया और हमारी बीमारियों को उठा लिया।” (1 पत. 2:24)

18 यीशु ने अपने चारों ओर एक बड़ी भीड़ देखकर झील के उस पार जाने की आज्ञा दी। **19** और एक शास्त्री ने पास आकर उससे कहा, “हे गुरु, जहाँ कहीं तू जाएगा, मैं तेरे पीछे-पीछे हो लूँगा।” **20** यीशु ने उससे कहा, “लोमड़ियों के भट और आकाश के पक्षियों के बसेरे होते हैं; परन्तु मनुष्य के पुत्र* के लिये सिर धरने की भी जगह नहीं है।” **21** एक और चेले ने उससे कहा, “हे प्रभु, मुझे पहले जाने दे, कि अपने पिता को गाड़ दूँ।” (1 राजा. 19:20-21) **22** यीशु ने उससे कहा, “तू मेरे पीछे हो ले; और मुर्दों को अपने मुर्दे गाड़ने दे*।”

23 जब वह नाव पर चढ़ा, तो उसके चेले उसके पीछे हो लिए। **24** और, झील में एक ऐसा बड़ा तूफान उठा कि नाव लहरों से ढँपने लगी; और वह सो रहा था। **25** तब उन्होंने पास आकर उसे जगाया, और कहा, “हे प्रभु, हमें बचा, हम नाश हुए जाते हैं।” **26** उसने उनसे कहा, “हे अल्पविश्वासियों, क्यों डरते हो?” तब उसने उठकर आँधी और पानी को डाँटा, और सब शान्त हो गया। **27** और लोग अचम्भा करके कहने लगे, “यह कैसा मनुष्य है, कि आँधी और पानी भी उसकी आज्ञा मानते हैं।”

28 जब वह उस पार गदरेनियों के क्षेत्र में पहुँचा, तो दो मनुष्य जिनमें दुष्टात्माएँ थीं कब्रों से निकलते हुए उसे मिले, जो इतने प्रचण्ड थे, कि कोई उस मार्ग से जा नहीं सकता था। **29** और, उन्होंने चिल्लाकर कहा, “हे परमेश्वर के पुत्र, हमारा तुझ से क्या काम? क्या तू समय से पहले हमें दुःख देने यहाँ आया है?” (लूका 4:34) **30** उनसे कुछ दूर बहुत से सूअरों का झुण्ड चर रहा था। **31** दुष्टात्माओं ने उससे यह कहकर विनती की, “यदि तू हमें निकालता है, तो सूअरों के झुण्ड में भेज दे।” **32** उसने उनसे कहा, “जाओ!” और वे निकलकर सूअरों में घुस गई और सारा झुण्ड टीले पर से झपटकर पानी में जा पड़ा और डूब मरा। **33** और चरवाहे भागे, और नगर में जाकर ये सब बातें और जिनमें दुष्टात्माएँ थीं; उनका सारा हाल कह सुनाया। **34** और सारे नगर के लोग यीशु से भेंट करने को निकल आए और उसे देखकर विनती की, कि हमारे क्षेत्र से बाहर निकल जा।

Matthew 8:1

x
यीशु द्वारा अनेकों की चमत्कारी चंगाई का वृत्तान्त यहाँ आरंभ होता है।

जब वह पहाड़ से उतरा तो एक बड़ी भीड़ उसके पीछे हो ली।
वैकल्पिक अनुवाद: "यीशु पहाड़ से उतर कर नीचे आ गया तो एक विशाल जनसमूह उसके पीछे चलने लगा"। यहाँ जनसमूह शब्द से अभिप्राय यह हो सकता है कि जो लोग पहाड़ पर उसके साथ थे और जो यहाँ नीचे थे सब उसके पीछे चलने लगे।

देखो
यह शब्द "देखो" कहानी में नए मोड़ की हमें सूचना देता है। आपकी भाषा में इसका प्रावधान होगा।

एक कोढ़ी
"कोढ़ रोग से पीड़ित मनुष्य" या "चर्म रोग से ग्रस्त मनुष्य" (यू.डी.बी.)

यदि तू चाहे
वैकल्पिक अनुवाद, "यदि तेरी इच्छा है" या "यदि तू उचित समझे"। वह रोगी जानता था कि यीशु में चंगाई का सामर्थ्य था परन्तु यीशु उसे स्पर्श करेगा उसका विश्वास उसे नहीं था।

मुझे शुद्ध कर सकता है।
वैकल्पिक अनुवाद, "मुझे निरोग कर सकता है" या "कृपया मेरा रोग निवारण कर"(यू.डी.बी.)।

तुरन्त
"तत्काल"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

कोढ़ से शुद्ध हो गया।
यीशु ने कहा, "शुद्ध हो जा" परिणाम स्वरूप वह रोग मुक्त हो गया। वैकल्पिक अनुवाद, "वह चंगा हो गया" या "उसका कोढ़ चला गया" या "कोढ़ का अन्त हो गया"।

Matthew 8:4

x
यह भी यीशु द्वारा कोढ़ी की चंगाई का वृत्तान्त है।

उससे
रोग मुक्त कोढ़ी से।

किसी से न कहना।
चढ़ावा चढ़ाते समय तो उसे याजकों से कहना ही था (देखें यू.डी.बी.) यीशु के कहने का अर्थ था सबको नहीं बताना। इसका अनुवाद ऐसा हो सकता है, "सार्वजनिक चर्चा नहीं करना" या "यह और किसी से नहीं नहीं कहना कि मैंने तुझे रोग मुक्त किया है"।

अपने आप को याजक को दिखला
यहूदियों की व्यवस्था के अनुसार रोग मुक्त मनुष्य याजक को अपनी त्वचा दिखाए जो उसे जन संपर्क की अनुमति दे।

जो चढ़ावा मूसा ने ठहराया है उसे चढ़ा कि लोगों के लिए गवाही हो।
मूसा की व्यवस्था में था कि जब मनुष्य कोढ़ से मुक्ति पाए तब वह याजक के पास धन्यवाद की बली चढ़ाए। याजक उस भेंट को स्वीकार करेगा तो सब जान लेंगे कि वह रोग मुक्त हो चुका है।

लोगों के लिए
यह (1) याजकों के लिए हो सकता है या (2) सबके लिए या (3) यीशु के आलोचकों के लिए। यदि संभव हो तो ऐसा सर्वनाम काम में लें जो वर्ग विशेष का द्योतक हो।

Matthew 8:5

x
यह यीशु द्वारा अनेकों की चंगाई का वृत्तान्त है।

उसके ... उससे
यीशु

लकवा
रोग के कारण असमर्थ

उसने उससे कहा "मैं आकर उसे चंगा करूँगा"।
"यीशु ने उस सूबेदार से कहा, "मैं तेरे घर आकर उसे निरोग करूँगा"।

Matthew 8:8

x
यह अनेकों की चंगाई का ही वृत्तान्त है।

मेरी छत तले आए।
"मेरे घर में प्रवेश करे"।

मुख से कह दे।
"आज्ञा दे दे"

सैनिक
"प्रशिक्षित योद्धा"

मैंने इस्राएल में भी ऐसा विश्वास नहीं पाया।
यीशु के श्रोता सोचते थे कि इस्राएल के यहूदी जो परमेश्वर की सन्तान होने का दावा करते थे, उनका विश्वास सबसे अधिक था। यीशु कहता है कि उनका सोचना गलत है, इस सूबेदार का विश्वास उनसे अधिक है।

Matthew 8:11

x
यह यीशु द्वारा रोमी सेना के सूबेदार के सेवक की रोग मुक्ति का ही वृत्तान्त है।

तू
यह यीशु के पीछे चल रहे लोगों के संदर्भ में है अतः बहुवचन है।

पूर्व और पश्चिम से
यह उक्ति एक रूपक है जो सम्पूर्णता को प्रकट करती है: हर जगह से,अर्थात दूर दूर से, न की पूर्व में किसी एक स्थान से और न पश्चिम में किसी एक स्थान से। इसका अनुवाद हो सकता है, "सब जगहों से" या "दूर-दूर से"।

राज्य में बैठेंगे।
उस संस्कृति में भोजन करते समय मनुष्य आधा लेटकर खाता था। यह प्रथा परिवार और मित्रों की घनिष्ठता को दर्शाने का लाक्षणिक शब्द है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "उसके साथ परिवार और घनिष्ठ मित्रों के समान रहेंगे"।

राज्य के सन्तान बाहर अन्धकार में डाल दिए जायेंगे।
"परमेश्वर राज्य के संतान को बाहर डाल देगा"।

राज्य की सन्तान
"के सन्तान" किसी के होने को दर्शाता है यहाँ परमेश्वर के राज्य के होने को दर्शाता है। यहाँ व्यंग भी है कि सन्तान बाहर की जा रही है और परदेशियों का स्वागत किया जा रहा है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "वे जिन्होंने परमेश्वर को अपने जीवन में राज करने दिया होता"

बाहर अन्धकार में
यह अभिव्यक्ति परमेश्वर को अस्वीकार करने वालों की अनन्त नियति को दर्शाती है। "परमेश्वर से अलग अन्धकार का स्थान"।

वैसा ही तेरे लिए हो।
"मैं वैसा ही तेरे लिए करता हूँ"।

उसका सेवक उसी घड़ी चंगा हो गया।
सेवक उसी घड़ी चंगा होगा, "यीशु ने उसे चंगा कर दिया"।

उसी घड़ी
"ठीक उसी पल जब यीशु ने कहा कि वह उसे चंगा करता है"।

Matthew 8:14

x
यह अनेकों की चंगाई का ही वृत्तान्त है।

यीशु जब पतरस के घर आया।
यीशु के साथ संभवतः उसके शिष्य थे (जिन्हें उसने "निर्देश दिए" देखें: यू.डी.बी.) यहाँ मुख्य बात है यीशु ने क्या कहा और किया, अतः शिष्यों का उल्लेख तब ही करें जब गलत अर्थ से बचना हो।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पतरस की सास
"पतरस की पत्नी की माता"

उसका ज्वर उतर गया।
यदि आपकी भाषा में इसका अर्थ यह समझा जाए कि ज्वर सोचने और करने की क्षमता रखता है तो इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "वह स्वस्थ हो गई" या "यीशु ने उसे चंगा किया"।

उठ कर
"बिस्तरा छोड़ कर"

Matthew 8:16

x
इसके साथ ही यीशु द्वारा अनेकों की चंगाई का वृत्तान्त समाप्त होता है।

जब संध्या हुई।
यू.डी.बी. अनुवाद में और से निष्कर्ष निकाला गया है कि जब यीशु कफरनहूम में आया तब वह सब्त का दिन था क्योंकि यहूदी उस दिन न तो काम करते थे और न ही यात्रा करते थे, वे शाम तक रूके रहे कि यीशु के पास रोमियों को लेकर आएं। आपका सब्त के दिन का उल्लेख नहीं करता है जब तक कि गलत अर्थ से बचना न हो।

उसने उन आत्माओं को अपने वचन से निकाल दिया।
यह अत्युक्ति है, यीशु ने एक से अधिक शब्दों का उपयोग किया होगा। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "यीशु को एक ही बार कहने की आवश्यकता पड़ी और दुष्टात्माएं निकल गईं"।

जो वचन यशायाह भविष्यद्वक्ता द्वारा कहा गया था वह पूरा हो।
"यीशु ने उस भविष्यद्वाणी को पूरा किया जो परमेश्वर ने यशायाह को इस्त्राएल पर प्रकट करने हेतु दी थी"।

यशायाह भविष्यद्वक्ता द्वारा कहा गया था।
"जो यशायाह ने कहा था"

हमारी दुर्बलताओं को ले लिया और हमारी बीमारियों को उठा लिया।
"मनुष्यों को रोगमुक्त किया और स्वाथ्य प्रदान किया"।

Matthew 8:18

x
यीशु अपने शिष्यों को समझाता है कि वह उनसे क्या अपेक्षा करता है।

वह, उसके
ये शब्द यीशु के लिए हैं, और

आज्ञा दी।
उसने उन्हें बताया कि क्या करना है।

तब
चेलों को आज्ञा देने के बाद परन्तु नाव में चढ़ने से पूर्व (देखें यू.डी.बी.)

जहाँ कहीं
"जिस जिस स्थान में"

लोमड़ियों के भट और आकाश के पक्षियों के बसेरे होते है।
कहने का अर्थ है कि सब पशु पक्षियों के अपने अपने घर होते है।

लोमड़ियों
लोमड़ियों, कुत्तों जैसी दिखती है और चिड़ियों के बच्चे तथा अन्य छोटे जानवरों को खाती हैं। यदि आपके यहाँ लोमड़ी नहीं हैं तो कुत्ते जैसे जानवर या अन्य किसी मांसाहारी छोटे जानवर का शब्द काम में लें।

भट
लोमड़ियाँ धरती में छेद करके उसमें रहती हैं। आप यदि लोमड़ियों के स्थान पर दूसरे कोई जानवर का नाम लिख रहें हैं तो उसके रहने के स्थान का नाम लिखें।

सिर धरने की जगह नहीं।
"सोने के लिए भी अपनी जगह नहीं"

Matthew 8:21

x
यीशु अपने शिष्यों से क्या अपेक्षा करता है उसी का वृत्तान्त चल रहा है।

मुझे पहले जाने दे कि अपने पिता को गाड़ दूं।
यह एक नम्र निवेदन है। यहूदियों की प्रथा में मृतक को उसी दिन गाड़ने की प्रथा थी। अतः उस पुरूष का पिता संभवतः जीवित था। अतः उसने "गाड़ देना" एक अस्पष्ट (या गोल मोल वचन) स्वरूप काम में लिया कि जब तक उसका पिता जीवित है, कुछ दिन या कुछ वर्ष तब तक उसकी सेवा करे। (देखें यू.डी.बी.) यदि उसका पिता मृतक होता तो वह कुछ ही समय की अनुमति मांगता। पिता के मरने या जीवित रहने का उल्लेख तब ही करें जब गलत अर्थ निकल रहा हो।

मुर्दों को अपने मुर्दे गाड़ने दे।
यह सार गर्भित है, पूर्ण कथन नहीं है। अत: कम से कम शब्दों को काम में लें और कम से कम व्याख्या करें। यहाँ "गाड़ने" के लिए वही शब्द काम में ले जो उस युवक के निवेदन में काम में लिया है।

अपने मुर्दे गाड़ने दे।
यह पिता की सेवा के उसके उत्तरदायित्व का इन्कार करने के प्रबल शब्द है। "मृतकों को गाड़ने दे" से भी अधिक प्रबल या "मृतकों को गाड़ने दे"। इसका अर्थ अधिक स्पष्टता में है, "मृतकों को किसी बात का चुनाव नहीं करने दे, केवल अपने मृतकों को स्वयं गाड़ें।"

मुरदों को अपने मुरदे गाड़ने दे
"मुरदों" परमेश्वर के राज्य से अलग जनों का रूपक है, उनके पास अनन्त जीवन नहीं है। "अपने मुरदे" का अर्थ है परमेश्वर के राज्य से अलग जनों के परिजन जो सचमुच में मर जाते हैं।

Matthew 8:23

x
अब यीशु द्वारा आंधी को शान्त करने का वृत्तान्त आरंभ होता है।

जब वह नाव पर चढ़ा।
जब वह नाव पर चढ़ा , "यीशु नाव में प्रवेश कर गया "

उसके चेले उसके पीछे हो लिए।
"शिष्य" और "पीछे हो लिए" के लिए वही शब्द काम में लें जो आपने और में काम में लिए हैं।

देखो
यह कहानी के अगले भाग का आरंभ है। इसमें पिछली घटना की अपेक्षा अन्य जन हैं। आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने का प्रावधान होगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

झील में एक ऐसा बड़ा तूफान उठा।
"झील में तूफान उठा"।

कि नाव लहरों से ढंकने लगी।
"कि लहरें नाव में आने लगी।"

चेलों ने ... उसे जगाया और कहा "हे प्रभु हमें बचा"
उन्होंने "हमें बचा" कह कर उसे नहीं जगाया था परन्तु जगा कर कहा, "हमें बचा"।

हम नष्ट हुए जाते हैं।
"हम मरने पर हैं।"

Matthew 8:26

x
यीशु द्वारा आँधी को शान्त करने का वृत्तान्त यहाँ समाप्त होता है।

उन्हें
चेले

तू ... तू
बहुवचन

क्यों डरते हो?
इस प्रश्न के द्वारा यीशु शिष्यों को झिड़क रहा था। इसका अर्थ है "तुम्हें डरने की आवश्यकता नहीं है"।

हे अल्प विश्वासियों
यह बहुवचन है। इसका अनुवाद भी वैसा ही करे जैसा में किया है।

यह कैसा मनुष्य है कि आंधी और पानी भी इसकी आज्ञा मानते हैं।
इस प्रश्न से प्रकट होता है कि शिष्य आश्चर्यचकित थे। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, यह कैसा मनुष्य है"? या "हमने ऐसा मनुष्य नहीं देखा"। कि आंधी पानी भी उसकी आज्ञा मानें"।

आंधी और पानी भी इस आज्ञा को मानते हैं।
मनुष्य और जानवर आज्ञा माने या न माने, आश्चर्य की बात नहीं है परन्तु आँधी और पानी आज्ञा माने, यह तो वास्तव में आश्चर्यजनक है। मानव फिर से प्राकृतिक बातों को मनुष्य के सदृश्य सुनने और आज्ञा मानने वाला दर्शाता है।

Matthew 8:28

x
अब दो दुष्टात्माग्रस्त मनुष्यों की चंगाई का वृत्तान्त आरंभ होता है।

उस पार
"गलील सागर के दूसरी ओर"

गदरेनियों के देश में,
गदरेनियों के देश में, गदरेनियों का अर्थ है गदारा नगर के निवासी।

वे इतने प्रचण्ड थे कि कोई उस मार्ग से जा नहीं सकता था।
उनमें अन्तर्वासी दुष्टात्माएं ऐसी भयंकर थी कि मनुष्यों का वहाँ से आना जाना असंभव हो गया था।

देखो
यह कहानी के अगले भाग का आरंभ है। इसमें पिछली घटना की अपेक्षा अन्य जन हैं। आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने का प्रावधान होगा।

हे परमेश्वर के पुत्र, हमारा तुझ से क्या काम?
यह पहला प्रश्न प्रतिरोधी है।

परमेश्वर के पुत्र
दुष्टात्माएं उसके इस नाम से प्रकट करती हैं कि यीशु का स्वागत नहीं है क्योंकि वह जो है सो है।

क्या तू समय से पहले हमें दुःख देने यहाँ आया है?
यह दूसरा प्रश्न भी विरोधी है जिसका अर्थ है "तू हमसे परमेश्वर द्वारा निर्धारित समय से पूर्व दण्ड देकर परमेश्वर की अवहेलना नहीं कर सकता"।

Matthew 8:30

x
यीशु द्वारा दो दुष्टात्मा ग्रस्त मनुष्यों की चंगाई का वृत्तान्त चल रहा है।

अब
इसका अर्थ है कि लेखक पाठकों को कहानी को आगे बढ़ाने से पूर्व कुछ जानकारी देना चाहता है। यीशु के आगमन से पूर्व वहाँ सूअर चर रहे थे।

यदि तू हमें निकालता है
इसका अर्थ यह भी हो सकता है, "क्योंकि तू हमें निकालने जा रहा है"

हमें
विशेषता सूचक शब्द

उन्हें
दुष्टात्माओं से जो उन मनुष्यों में थी।

वे निकल कर सुअरों में पैठ गई।
"दुष्टात्माएं उन पुरूषों में से निकल कर उन जानवरों में प्रवेश कर गई।"

देखो
यहाँ "देखो" शब्द हमें अग्रिम जानकारी के प्रति सचेत करता है।

सारा झुण्ड कड़ाड़े पर से झपटकर
"पहाड़ी ढलान पर से भागे"

डूब मरा
"डूब गया"।

Matthew 8:33

x
दुष्टात्मा ग्रस्त दोनों पुरूषों की मुक्ति का वृत्तान्त वहाँ समाप्त होता है।

उनके चरवाहे
"सूअरों को संभालने वाले सेवक"

जिनमें दुष्टात्माएं थी उनका सारा हाल कह सुनाया।
जिनमें दुष्टात्माएं थी उनका सारा हाल कह सुनाया , यीशु ने उन दुष्टात्माग्रस्त पुरूषों के साथ क्या किया।

देखो
यह कहानी के अगले भाग का आरंभ है। इसमें पिछली घटना की अपेक्षा अन्य जन हैं। आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने का प्रावधान होगा।

सारे नगर के लोग।
इसका अर्थ यह नहीं कि नगर का हर एक जन परन्तु यह कि अधिकांश जन।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सीमा
सीमा , "नगर और आसपास का क्षेत्र।"

Translation Questions

Matthew 8:4

यीशु ने क्यों कहा कि वह चंगाई प्राप्त कोढ़ी जाकर याजक को दिखाए और मूसा द्वारा ठहराया हुआ चढ़ावा चढ़ाए?
यीशु ने कोढ़ी को चंगा करके कहा कि वह जाकर याजक को दिखाए कि मनुष्यों में गवाही हो।

Matthew 8:7

सूबेदार ने जब यीशु से निवेदन किया कि वह उसके लकवाग्रस्त सेवक को चंगा करे तब यीशु ने उसको क्या कहा था?
यीशु ने कहा कि वह सूबेदार के घर जाकर उसके सेवक को चंगा करेगा।

Matthew 8:8

सूबेदार ने क्यों कहा कि यीशु उसके घर न आए?
उस सूबेदार ने कहा कि वह इस योग्य नहीं कि यीशु उसके पास आए, उसके मुख का वचन ही रोगहरण का कारण होगा।

Matthew 8:10

यीशु ने उस सूबेदार की प्रशंसा में क्या कहा था?
यीशु ने कहा कि संपूर्ण इस्राएल में उसने ऐसा विश्वासी नहीं देखा था।

Matthew 8:11

यीशु ने किस-किस के लिए कहा कि वे स्वर्ग के राज्य में बैठेंगे?
यीशु ने कहा कि पूर्व और पश्चिम दिशाओं से अनेक जन आकर स्वर्ग के राज्य में साथ बैठेंगे।

Matthew 8:12

यीशु के कथनानुसार कौन बाहर अन्धकार में डाल दिए जाएंगे जहाँ रोना और दांतों का पीसना होगा?
यीशु ने कहा कि राज्य के सन्तान बाहर अन्धकार में डाल दिए जाएंगे।

Matthew 8:14

पतरस के घर में यीशु ने किसको चंगा किया था?
पतरस के घर में यीशु ने उसकी सास को चंगा किया था।

Matthew 8:17

यीशु द्वारा सब दुष्टात्माग्रस्त और रोगियों को चंगा करने पर यशायाह की कौन सी भविष्यद्वाणी पूरी हुई थी?
यशायाह की यह भविष्यद्वाणी पूरी हुई, "उसने आप हमारी दुर्बलताओं को ले लिया और हमारी बीमारियों को उठा लिया।"

Matthew 8:20

यीशु ने उस साथी से क्या कहा जो उसका शिष्य बनना चाहता था?
यीशु ने कहा कि उसके पास अपना स्थाई आवास नहीं है।

Matthew 8:21

वह चेला अपने पिता का अन्तिम संस्कार करना चाहता था। यीशु ने उससे क्या कहा?
यीशु ने अपने चेले से कहा, मुरदों को अपने मुरदे गाड़ने दे, तू मेरे पीछे हो ले।

Matthew 8:24

झील में बड़ी आंधी उठते समय यीशु नाव में क्या कर रहा था?
झील में आंधी उठी, उस समय यीशु नाव में सो रहा था।

Matthew 8:26

शिष्य डूब कर मरने से डर रहे थे तो उन्होंने यीशु को जगाया, यीशु ने उनसे क्या कहा?
यीशु ने अपने शिष्यों से कहा, "हे अल्प-विश्वासियों क्यों डरते हो?"

Matthew 8:27

झील पर शान्ति देख शिष्य क्यों चकित हुए?
आंधी और पानी ने जब यीशु की आज्ञा मानी तो शिष्य यह देख दंग रह गए।

Matthew 8:28

यीशु गदरेनियों के देश में पहुंचा तो उसका सामना किससे हुआ?
दो उग्र स्वभाव दुष्टात्माग्रस्त पुरुषों का सामना यीशु से हुआ।

Matthew 8:29

उन मनुष्यों के माध्यम से बात करने वाली दुष्टात्माओं की चिन्ता का कारण क्या था?
दुष्टात्माएं परेशान हो गईं कि यीशु समय से पहले ही उन्हें दण्ड देने आ गया है।

Matthew 8:32

यीशु ने उनमें से दुष्टात्माएं निकालीं तो क्या हुआ?
यीशु ने उनमें से दुष्टात्माएं निकालीं तो वे सूअरों के झुंड में घुस गईं और सूअर झील में डूब मरे।

Matthew 8:34

नगर से आकर निवासियों ने यीशु से क्या निवेदन किया?
वहाँ के निवासियों ने यीशु से निवेदन किया कि वह चला जाए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 9

1 फिर वह नाव पर चढ़कर पार गया, और अपने नगर में आया। **2** और कई लोग एक लकवे के मारे हुए को खाट पर रखकर उसके पास लाए। यीशु ने उनका
विश्वास देखकर, उस लकवे के मारे हुए से कहा, “हे पुत्र, धैर्य रख; तेरे पाप क्षमा हुए।” **3** और कई शास्त्रियों ने सोचा, “यह तो परमेश्वर की निन्दा* करता है।”
4 यीशु ने उनके मन की बातें जानकर कहा, “तुम लोग अपने-अपने मन में बुरा विचार क्यों कर रहे हो? **5** सहज क्या है? यह कहना, ‘तेरे पाप क्षमा हुए’, या यह
कहना, ‘उठ और चल फिर।’ **6** परन्तु इसलिए कि तुम जान लो कि मनुष्य के पुत्र को पृथ्वी पर पाप क्षमा करने का अधिकार है।” उसने लकवे के मारे हुए से
कहा, “उठ, अपनी खाट उठा, और अपने घर चला जा।” **7** वह उठकर अपने घर चला गया। **8** लोग यह देखकर डर गए और परमेश्वर की महिमा करने लगे
जिसने मनुष्यों को ऐसा अधिकार दिया है।

9 वहाँ से आगे बढ़कर यीशु ने मत्ती* नामक एक मनुष्य को चुंगी की चौकी पर बैठे देखा, और उससे कहा, “मेरे पीछे हो ले।” वह उठकर उसके पीछे हो लिया।
10 और जब वह घर में भोजन करने के लिये बैठा तो बहुत सारे चुंगी लेनेवाले और पापी आकर यीशु और उसके चेलों के साथ खाने बैठे। **11** यह देखकर
फरीसियों ने उसके चेलों से कहा, “तुम्हारा गुरु चुंगी लेनेवालों और पापियों के साथ क्यों खाता है?” **12** यह सुनकर यीशु ने उनसे कहा, “वैद्य भले-चंगों को नहीं
परन्तु बीमारों के लिए आवश्यक है। **13** इसलिए तुम जाकर इसका अर्थ सीख लो, कि मैं बलिदान नहीं परन्तु दया चाहता हूँ; क्योंकि मैं धर्मियों को नहीं परन्तु
पापियों को बुलाने आया हूँ।” (होशे 6:6)

14 तब यूहन्ना के चेलों ने उसके पास आकर कहा, “क्या कारण है कि हम और फरीसी इतना उपवास करते हैं, पर तेरे चेले उपवास नहीं करते?” **15** यीशु ने
उनसे कहा, “क्या बाराती, जब तक दुल्हा उनके साथ है शोक कर सकते हैं? पर वे दिन आएँगे कि दूल्हा उनसे अलग किया जाएगा, उस समय वे उपवास करेंगे।
16 नये कपड़े का पैबन्द पुराने वस्त्र पर कोई नहीं लगाता, क्योंकि वह पैबन्द वस्त्र से और कुछ खींच लेता है, और वह अधिक फट जाता है। **17** और नया
दाखरस पुरानी मशकों में नहीं भरते हैं; क्योंकि ऐसा करने से मशकें फट जाती हैं, और दाखरस बह जाता है और मशकें नाश हो जाती हैं, परन्तु नया दाखरस
नई मशकों में भरते हैं और वह दोनों बची रहती हैं।”

18 वह उनसे ये बातें कह ही रहा था, कि एक सरदार ने आकर उसे प्रणाम किया और कहा, “मेरी पुत्री अभी मरी है; परन्तु चलकर अपना हाथ उस पर रख, तो
वह जीवित हो जाएगी।” **19** यीशु उठकर अपने चेलों समेत उसके पीछे हो लिया। **20** और देखो, एक स्त्री ने जिसके बारह वर्ष से लहू बहता था, उसके पीछे से
आकर उसके वस्त्र के कोने को छू लिया। (मत्ती 14:36) **21** क्योंकि वह अपने मन में कहती थी, “यदि मैं उसके वस्त्र ही को छू लूँगी तो चंगी हो जाऊँगी।” **22**
यीशु ने मुड़कर उसे देखा और कहा, “पुत्री धैर्य रख; तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है।” अतः वह स्त्री उसी समय चंगी हो गई। **23** जब यीशु उस सरदार के घर में
पहुँचा और बाँसुरी बजानेवालों और भीड़ को हुल्लड़ मचाते देखा, **24** तब कहा, “हट जाओ, लड़की मरी नहीं, पर सोती है।” इस पर वे उसकी हँसी उड़ाने लगे।
25 परन्तु जब भीड़ निकाल दी गई, तो उसने भीतर जाकर लड़की का हाथ पकड़ा, और वह जी उठी। **26** और इस बात की चर्चा उस सारे देश में फैल गई।

27 जब यीशु वहाँ से आगे बढ़ा, तो दो अंधे उसके पीछे यह पुकारते हुए चले, “हे दाऊद की सन्तान, हम पर दया कर।” **28** जब वह घर में पहुँचा, तो वे अंधे
उसके पास आए, और यीशु ने उनसे कहा, “क्या तुम्हें विश्वास है, कि मैं यह कर सकता हूँ?” उन्होंने उससे कहा, “हाँ प्रभु।” **29** तब उसने उनकी आँखें छूकर
कहा, “तुम्हारे विश्वास के अनुसार तुम्हारे लिये हो।” **30** और उनकी आँखें खुल गई और यीशु ने उन्हें सख्ती के साथ सचेत किया और कहा, “सावधान, कोई
इस बात को न जाने।” **31** पर उन्होंने निकलकर सारे क्षेत्र में उसका यश फैला दिया।

32 जब वे बाहर जा रहे थे, तब, लोग एक गूँगे को जिसमें दुष्टात्मा थी उसके पास लाए। **33** और जब दुष्टात्मा निकाल दी गई, तो गूंगा बोलने लगा। और भीड़ ने
अचम्भा करके कहा, “इस्राएल में ऐसा कभी नहीं देखा गया।” **34** परन्तु फरीसियों ने कहा, “यह तो दुष्टात्माओं के सरदार की सहायता से दुष्टात्माओं को
निकालता है।”

35 और यीशु सब नगरों और गाँवों में फिरता रहा और उनके आराधनालयों* में उपदेश करता, और राज्य का सुसमाचार प्रचार करता, और हर प्रकार की
बीमारी और दुर्बलता को दूर करता रहा। **36** जब उसने भीड़ को देखा तो उसको लोगों पर तरस आया, क्योंकि वे उन भेड़ों के समान जिनका कोई चरवाहा न
हो, व्याकुल और भटके हुए से थे। (1 राजा. 22:17) **37** तब उसने अपने चेलों से कहा, “फसल तो बहुत हैं पर मजदूर थोड़े हैं। **38** इसलिए फसल के स्वामी से
विनती करो कि वह अपने खेत में काम करने के लिये मजदूर भेज दे।”

Matthew 9:1

x
अब यीशु द्वारा लकवे के रोगी की चंगाई का वृत्तान्त आरंभ होता है।

यीशु नाव पर चढ़कर पार गया।
यीशु नाव पर चढ़कर सम्भवतः उसके चेले भी साथ थे।

नाव
वही नाव जो में थी। यदि उलझन दूर करना हो तब ही स्पष्ट करें।

अपने नगर में आया।
"जिस नगर में वह ठहरा हुआ था" (यू.डी.बी.)

देखो
यह कहानी के अगले भाग का आरंभ है। इसमें पिछली घटना की अपेक्षा अन्य जन हैं। आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने का प्रावधान होगा।

लोग.... रोगी को
जो लकवे के रोगी को यीशु के पास लाए। उनमें लकवे का रोगी भी था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हे पुत्र
वह यीशु का पुत्र नहीं था। यीशु उसके साथ कोमलता का व्यवहार कर रहा था। यदि इससे उलझन उत्पन्न हो तो अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मेरे मित्र", "हे युवक" या इसे छोड़ा भी जा सकता है।

तेरे पाप क्षमा हुए।
"परमेश्वर ने तेरे पाप क्षमा किए" या "मैंने तेरे पाप क्षमा किए"।

Matthew 9:3

x
यीशु द्वारा लकवे के रोगी की चंगाई का ही वृत्तान्त चल रहा है।

देखो
यह कहानी के अगले भाग का आरंभ है। इसमें पिछली घटना की अपेक्षा अन्य जन हैं। आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने का प्रावधान होगा।

अपने-अपने मन में।
इसका अर्थ है, "आपस में" अपने विचारों में या "एक दूसरे से" कहने लगे। यीशु का दावा प्रकट है कि वह ऐसे काम कर सकता है जो शास्त्रियों की समझ में केवल परमेश्वर ही करता है।

उनके मन की बातें जानकर
यीशु उनके मन की बातें दिव्य शक्ति से जान गया था या उनकी काना पूसी के कारण समझ गया था।

बुरा विचार क्यों कर रहे हो?
इस प्रश्न द्वारा यीशु शास्त्रियों को झिड़कता है।

तुम ... अपने
बहुवचन

बुरा
यह नैतिक बुराई या दुष्टता है न कि मात्र गलती।

सहज क्या है?
यीशु ने शास्त्रियों को स्मरण कराने के लिए यह प्रश्न पूछा था क्योंकि उनके विचार में वह अपने पापों के कारण रोगी हो गया था और पाप क्षमा द्वारा वह फिर से चलने फिरने लगेगा, अतः जब वह उस रोगी को चंगा करेगा तो शास्त्री जान लेंगे कि वह पाप भी क्षमा कर सकता है।

सहज क्या है? यह कहना, "तेरे पाप क्षमा हुए"। या यह कहना, उठ और चल फिर?
यह कहना आसान है, "तेरे पाप क्षमा हुए, या यह कहना, उठ और चल फिर"?

तेरे पाप क्षमा हुए।
इसका अर्थ हो सकता है (1) "मैं तेरे पाप क्षमा करता हूँ"। (यू.डी.बी.) या (2) "परमेश्वर तेरे पास क्षमा कर रहा है"।

परन्तु इसलिए कि तुम जान लो।
"मैं सिद्ध करता हूँ" "तुम" बहुवचन में है।

अपनी .... आपने
एकवचन

अपने घर चला जा।
यीशु उसे अन्य कहीं जाने से मना नहीं कर रहा है, वह उसे घर जाने का अवसर प्रदान कर रहा है।

Matthew 9:7

x
यह लकवे के रोगी की चंगाई के वृत्तान्त का अन्त है। यीशु चूंगी लेने वाले को अपना शिष्य होने के लिए बुलाता है।

बड़ाई
वही शब्द काम में ले जो में काम में लिए हैं।

ऐसा अधिकार
पाप क्षमा का अधिकार।

मत्ती .... वह .... उसके
कलीसिया की परम्परा के अनुसार यही मत्ती, मत्ती रचित सुसमाचार का लेखक है परन्तु अभिलेख में ऐसा कोई कारण प्रकट नहीं होता की "वह" और "उसके" को "मुझे" और "मै" में बदला गया है।

उससे कहा।
"यीशु ने मत्ती से कहा"।

यीशु वहाँ से आगे बढ़कर।
यहाँ इस वाक्यांश द्वारा घटना का आरंभ वैसे ही होता है जैसे "देखो" से होता है में। यदि आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने का प्रावधान है तो उसे यहाँ काम में लें।

आगे बढ़।
जाने के लिए कोई सामान्य उपयोग का शब्द काम में लें। यहाँ यह स्पष्ट नहीं है कि यीशु पहाड़ पर चढ़ रहा था या उतर रहा था या कफरनहूम की ओर जा रहा था या उसकी विपरीत दिशा में जा रहा था।

वह उठकर उसके पीछे हो लिया।
"मत्ती उठा और यीशु के पीछे चलने लगा", यीशु के शिष्य रूप में,(देखें यू.डी.बी) न कि उसके साथ तक कहीं जाने के लिए।

Matthew 9:10

x
यह घटना चूंगी लेने वाले मत्ती के घर की है।

घर
संभवतः मत्ती का घर (देखें यू.डी.बी.) परन्तु यह यीशु का घर भी हो सकता है (भोजन करने के लिए बैठा) आवश्यकता पड़ने पर ही स्पष्ट करें।

देख
यह शब्द "देखो" हमें कहानी में नए लोगों के प्रति सचेत करता है। आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने का प्रावधान हो सकता है। अंग्रेजी में है "देयर वॉज़ ए मॅन हू वज़..."

यह देखकर फरीसियों ने
वे "जब फरीसियो ने देखा कि यीशु चुंगी लेने वालों और पापियों के साथ भोजन कर रहा है"।

Matthew 9:12

x
यह घटना चूंगी लेने वाले मत्ती के घर की है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

यह सुनकर यीशु ने कहा।
"यह" अर्थात फरीसियों का प्रश्न सुनकर, चूंगी लेने वालों और पापियों के साथ भोजन करना।

भले चंगों
"स्वस्थ मनुष्यों"

वैद्य
डॉक्टर (यू.डी.बी.)

बीमारों के लिए आवश्यक है।
"रोगियों को डॉक्टर की आवश्यकता होती है।"

जाकर इसका अर्थ सीख लो।
"तुम्हारे लिए इसका अर्थ समझना आवश्यक है।"

तुम जाकर....
"तुम" सर्वनाम शब्द फरीसियों के लिए है।

Matthew 9:14

x
यूहन्ना के चेलों ने उसके पास आकर कहा, "तेरे चेले उपवास नहीं करते"।

क्या बराती ....शोक कर सकते हैं?
दुल्हें के साथ हाने पर कोई भी बरातियों से उपवास के लिए नहीं कहेगा।

बराती।
यीशु के शिष्यों के लिए एक रूपक का प्रयोग है।

जब तक दुल्हा उनके साथ है.... जब दुल्हा उनसे अलग किया जायेगा।
"दुल्हा" यीशु है, जीवित होने के कारण वह "उनके साथ है"।

जब दुल्हा उनसे अलग किया जायेगा।
"जब कोई दुल्हें को उनसे अलग कर देगा"। यह मारे जाने के लिए रूपक है।

शोकित हो
"विलाप करना... दुःख मनाना"। (यू.डी.बी.)

Matthew 9:16

x
यीशु यूहन्ना के शिष्यों द्वारा पूछे गए प्रश्न का ही उत्तर दे रहा है।

कोरे कपड़े का पैबन्द पुराने वस्त्र पर नहीं लगाता।
पुरानी परम्पराओं का पालन करने वाले नई परम्परा को स्वीकार करने के लालायित नहीं होते हैं।

वस्त्र
वस्त्र , "परिधान"

पैबन्द
"कपड़े का टुकड़ा, जो फटे कपड़े पर लगाया जाता है"।

Matthew 9:17

x
यीशु यूहन्ना के शिष्यों द्वारा पूछे गए प्रश्न का ही उत्तर दे रहा है।

लोग नया दाखरस पुरानी मशकों में नहीं भरते हैं।
यूहन्ना के शिष्यों के प्रश्न का उत्तर देने के लिए यह रूपक या दृष्टान्त का उपयोग है, हम और फरीसी इतना उपवास करते हैं पर तेरे चेले उपवास नहीं करते।

नहीं भरते।
"नहीं कोई.... मैं डालता हूँ" (यू.डी.बी.) "लोग नहीं डालते"।

नया दाखरस।
"अंगूर का रस" वह बस जिसका किंणवन नहीं हुआ है। यदि आपके क्षेत्र में अंगूर उगाए जाते हैं तो वहीं नाम काम में ले जो प्रचलित है।

पुरानी मशकें।
वे मशकें जो कई बार काम में ली जा चुकी हैं।

मशकें
ये पशुओं के चमड़े से बनी होती थी उन्हें "दाख रस के थैले" या "चमड़े के थैले"(यू.डी.बी.) भी कह सकते हैं।

मशकें नष्ट हो जाती है।
दाखरस जब किंणवन होता है तब वह फैलता है जिससे पुरानी मशकें जो और अधिक नहीं फैल सकती फट जाती है।

नष्ट हो जाती है।
"फट जाती है"। (यू.डी.बी)

नईं मशकें
"दाखरस के नये थेले" जो कभी काम में नहीं लिए गए।

Matthew 9:18

x
यहूदी सरदार की पुत्री की चंगाई के वृत्तान्त का आरंभ।

ये बातें
अर्थात यूहन्ना के शिष्यों को दिए गए उत्तर के बाद समय।

देख
"देखो" शब्द हमें कहानी में एक नए व्यक्ति को प्रवेश के प्रति सतर्क करता है। अपनी भाषा में इसे व्यक्त करने का प्रावधान होगा।

प्रणाम किया।
यह यहूदी संस्कृति में सम्मान प्रकट करने की रीति थी।

अपना हाथ उस पर रख तो वह जीवित हो जायेगी।
इसका अर्थ यह हुआ कि वह यहूदी उस पर विश्वास करता था कि यीशु उसकी पुत्री को पुनजीर्वित कर सकता है।

चेले।
यीशु के शिष्य।

Matthew 9:20

x
यहाँ यहूदी सरदार के घर जाते समय यीशु द्वारा एक स्त्री की चंगाई का वर्णन है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

देखो
"देखो" शब्द हमें कहानी में एक नए व्यक्ति को प्रवेश के प्रति सतर्क करता है। अपनी भाषा में इसे व्यक्त करने का प्रावधान होगा।

लहू बहने का रोग।
"उस का बहुत लहू बहता था" संभवतः लगातार मासिक धर्म का स्राव। कुछ संस्कृतियों में इसको व्यक्त करने की भद्र शब्दावली होगी। (देखें:)

यदि मैं उसके वस्त्र को छू लूंगी तो चंगी हो जाऊंगी।
उसका विश्वास वस्त्र में नहीं यीशु में था कि वह चंगा करेगा।

वस्त्र
"बागा"

परन्तु
"इसकी अपेक्षा" इस स्त्री ने जो सोचा था वैसा हुआ नहीं।

पुत्री
वह यीशु की पुत्री नहीं थी, यीशु उसको कोमलता दिखा रहा था। यदि इससे उलझन होती है तो "युवती" काम में लें या छोड़ दें।

Matthew 9:23

x
यहाँ भी यहूदी सरदार की पुत्री को जीवित करने का ही वृत्तान्त चल रहा है।

उस सरदार के घर।
यह उस यहूदी सरदार का घर है।

बाँसुरी
यह एक खोखले बांस का वाद्य यन्त्र है जिसको बजाने के लिए एक सिरे से हवा फूंकी जाती है।

बाँसुरी बजाने वाले।
" बाँसुरी बजाने वाले लोग"।

हट जाओ।
यीशु अनेकों से कह रहा है अतः बहुवचन काम में लें यदि आपकी भाषा में है।

लड़की मरी नहीं पर सोती है।
यीशु सोने का रूपक काम में ले रहा है क्योंकि उसकी मृत्यु अधिक है। वह उसे मृतकों में से जीवित करेगा।

Matthew 9:25

x
यीशु द्वारा यहूदी सरदार की पुत्री की चंगाई का वृत्तान्त इसके साथ समाप्त होता है

जब भीड़ निकाल दी गई।
"जब यीशु ने भीड़ को हटा दिया" या "जब परिवार वालों ने लोगों को बाहर भेज दिया"।

उठ कर
"बिस्तर छोड़ दिया" यह भावार्थ वही है जो में है।

इस बात की चर्चा उस सारे देश में फैल गई।
यहाँ चर्चा का मानवीकरण का अर्थ है कि जो वहाँ थे उन लोगों ने सबको बता दिया। "उस संपूर्ण क्षेत्र के निवासियों को इसका समाचार प्राप्त हुआ" (यू.डी.बी.) या "जिन लोगों ने उस बालिका को जीवित देखा जाकर उस क्षेत्र में सबको इसके बारे में सुनाया"।

Matthew 9:27

x
अब यीशु द्वारा दो अंधे मनुष्यों की चंगाई का वृत्तान्त आरंभ होता है।

वहाँ से आगे बढ़कर।
यीशु उस क्षेत्र से निकल रहा था।

आगे बढ़।
स्पष्ट नहीं है कि यीशु ऊपर की ओर जा रहा था या नीचे की ओर जा रहा था, इसलिए जाने के लिए साधारण शब्द का उपयोग करें।

हे दाऊद की सन्तान
यीशु यथार्थ में दाऊद का पुत्र नहीं था। अतः इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "हे दाऊद के वंशज" (यू.डी.बी.) परन्तु "दाऊद की सन्तान" यीशु को दिया गया पदनाम है। संभव है कि वे यीशु को इसी पदनाम से पुकार रहे थे।

जब वह घर में पहुंचा।
यह या तो यीशु का अपना घर था (यू.डी.बी.) या का घर था।

हाँ प्रभु।
"हाँ प्रभु, हमें विश्वास है कि तू हमें चंगा कर सकता है।"

Matthew 9:29

x
इसके साथ ही उन दोनों अंधों की चंगाई का वृत्तान्त समाप्त होता है।

उनकी आंखें छूकर कहा।
यहाँ स्पष्ट नहीं है कि उसने दोनों की आंखों को एक साथ स्पर्श किया या अपने दाहिने हाथ से एक को स्पर्श किया फिर दूसरे को, क्योंकि बायां हाथ अशुद्ध काम में लिया जाता था। अतः अति संभव है कि उसने केवल दाहिना हाथ काम में लिया। यह भी स्पष्ट नहीं है कि उसने उन्हें स्पर्श करते समय कहा या पहले स्पर्श किया फिर कहा।

उनकी आंखें खुल गई।
"परमेश्वर ने उनकी आंखें स्वस्थ कर दीं" या "वे दोनों अंधे देखने लगे"

परन्तु
"इसके विपरीत" उन्होंने यीशु के आदेशानुसार नहीं किया।

यश फैला दिया।
"बहुतों को बता दिया कि उनके साथ क्या हुआ"।

Matthew 9:32

x
यीशु द्वारा उसके अधिवास में चंगाई का वृत्तान्त चालू है।

देख
"देखो" शब्द हमें कहानी में एक नए व्यक्ति को प्रवेश के प्रति सतर्क करता है। अपनी भाषा में इसे व्यक्त करने का प्रावधान होगा।

गूंगा
जो बात नहीं कर सकता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

गूंगा बोलने लगा।
"वह गूंगा व्यक्ति बोलने लगा" या "वह व्यक्ति जो गूंगा था बोलने लगा" या "वह व्यक्ति जो अब गूंगा नहीं था बोलने लगा"।

भीड़ ने अचम्भा करके कहा।
"लोग अचम्भा करने लगे"।

इस्राएल में ऐसा कभी नहीं देखा गया।
इसका अर्थ हो सकता है, "ऐसा कभी नहीं हुआ" या "किसी ने ऐसा कभी नहीं किया"।

दुष्टात्माओं को निकालता है।
"वह दुष्टात्माओं को निकलने पर विवश करता है"। यहाँ सर्वनाम "वह" यीशु के लिए है।

Matthew 9:35

x
यह अंश गलील क्षेत्र में यीशु शिक्षा, उपदेश और चंगाई की सेवा का सारांश है।

सब नगरों
"अनेक नगरों में"

नगरों और गाँवों
"बड़े गाँवों और छोटे गाँवों" या "बड़े नगरों और छोटे नगरों"

हर प्रकार की बीमारी और दुर्बलता को दूर कर ले।
"हर प्रकार की बीमारी और दुर्बलता", "बीमारी" और "दुर्बलता" संबन्धित शब्द है परन्तु संभव हो तो इन्हें दो अलग-अलग शब्दों में ही अनुवाद करना है।

"बीमारी" मनुष्य को रोगी बनाती है। दुर्बलता शारीरिक विकार या कष्ट है जो बीमारी के परिणाम स्वरूप होती है।

वे उन भेड़ों के समान जिनका कोई रखवाला न हो .... थे।
"उन लोगों का कोई अगुआ न था"।

Matthew 9:37

x
यीशु कटनी रूपक द्वारा उन्हें समझाता है कि उन्हें पिछले अंश में दर्शाए गए लोगों की आवश्यकता के प्रति कैसा व्यवहार करना है।

खेत तो बहुत हैं पर मजदूर थोड़े हैं।
यह रूपक मनुष्यों की एक बहुत बड़ी संख्या को दर्शाता है, वे जो परमेश्वर में विश्वास करके उसके राज्य में प्रवेश करेंगे। ये लोग खेतों के सदृश्य हैं और जो परमेश्वर का प्रचार करते हैं वे मजदूर हैं। इस रूपक का अर्थ है कि इतने अधिक लोगों को परमेश्वर के बारे में बताने वाले बहुत कम हैं

खेत काटने के लिए
"पक्का फल एकत्र करने के लिए"

मजदूर
"कर्मी"

खेत के स्वामी से विनती करो।
खेत के स्वामी से विनती करो वही कर्ताधर्ता है।

Translation Questions

Matthew 9:2

शास्त्रियों ने क्यों सोचा कि यीशु परमेश्वर की निन्दा कर रहा है?
यीशु ने लकवे के रोगी से कहा कि उसके पाप क्षमा हुए तो शास्त्रियों ने सोचा कि यीशु परमेश्वर की निन्दा कर रहा है।

Matthew 9:5

यह कहने की अपेक्षा कि उठ और चल उसने उस लकवे के रोगी से क्यों कहा कि उसके पाप क्षमा हुए?
यीशु ने उस लकवे के रोगी से कहा कि उसके पाप क्षमा हुए क्योंकि वह दिखाना चाहता था कि उसे पृथ्वी पर पाप क्षमा करने का अधिकार है।

Matthew 9:8

उस लकवे को निरोग देखकर और उसके पापों को क्षमा करना देखकर लोगों ने परमेश्वर की महिमा क्यों की?
लोग यह देखकर डर गए और परमेश्वर की महिमा की कि मनुष्य को ऐसा अधिकार दिया है।

Matthew 9:9

शिष्य बनने से पूर्व मत्ती का व्यवसाय क्या था?
यीशु का चेला बनने से पूर्व मत्ती महसूल लेने वाला था।

Matthew 9:10

यीशु और उसके चेले किसके साथ भोजन कर रहे थे?
यीशु और उसके चेले महसूल लेने वालों और पापियों के साथ भोजन करते थे।

Matthew 9:13

यीशु किसको मन-फिराव के लिए बुलाने आया था?
यीशु ने कहा कि वह पापियों को मनफिराव के लिए बुलाने आया है।

Matthew 9:15

यीशु ने कहा, उसके चेले उपवास क्यों नहीं करते हैं?
यीशु ने कहा कि उसके चेले उपवास नहीं करते क्योंकि वह उनके साथ था।

यीशु ने चेलों के उपवास का समय कब बताया था?
यीशु ने कहा कि उसके चले जाने के बाद उसके चेले भी उपवास करेंगे।

Matthew 9:20

लहू के बहने वाली उस रोगी स्त्री ने क्या किया और क्यों किया?
एक स्त्री जिसे लहू बहने का रोग था, उसने यीशु के वस्त्र का छोर छू लिया क्योंकि उसको विश्वास था कि उसके वस्त्र के स्पर्श से ही उसका रोग दूर हो जाएगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 9:22

यीशु ने उस लहू बहने वाली रोगी स्त्री के लिए क्या कहा था?
यीशु ने कहा कि उस लहू बहने की रोगी स्त्री के विश्वास ने उसे चंगा किया।

Matthew 9:24

उस यहूदी अधिकारी के घर में यीशु के प्रवेश करने पर लोगों ने यीशु का ठट्ठा क्यों किया था?
यीशु ने उस मृतक बालिका के लिए कहा कि वह सोती है तो लोग उस पर हंसने लगे।

Matthew 9:26

यीशु ने उस बालिका को जीवित किया तो क्या हुआ था?
उस मृतक बालिका को जीवित करने का समाचार उस पुरे क्षेत्र में फैल गया।

Matthew 9:27

वे दो अंधे पुकार कर यीशु से क्या कह रहे थे?
दो अंधे पुरुष पुकार रहे थे, "हे दाऊद की सन्तान हम पर दया कर।"

Matthew 9:29

यीशु ने उन दोनों अंधों को कैसे चंगा किया था?
यीशु ने उन दोनों अंधों को उनके विश्वास के आधार पर चंगा किया था।

Matthew 9:34

उस गूंगे को चंगा करने पर फरीसियों ने यीशु को क्या दोष दिया?
फरीसी यीशु पर दोष लगाते थे कि वह दुष्टात्माओं के सरदार की सहायता से दुष्टात्मा निकालता है।

Matthew 9:36

यीशु को जनसमूह पर तरस क्यों आया था?
यीशु को जनसमूह पर तरस आया क्योंकि वे उन भेड़ों के समान थे जिनका कोई रखवाला न हो, व्याकुल और भटके हुए।

Matthew 9:38

यीशु ने शिष्यों से किस बात के लिए शीघ्र प्रार्थना को कहा?
यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि वे खेत के स्वामी से शीघ्रता से प्रार्थना करें वह खेत काटने के लिए मजदूर भेजे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 10

1 फिर उसने अपने बारह चेलों को पास बुलाकर, उन्हें अशुद्ध आत्माओं पर अधिकार दिया, कि उन्हें निकालें और सब प्रकार की बीमारियों और सब प्रकार की
दुर्बलताओं को दूर करें। **2** इन बारह प्रेरितों* के नाम ये हैं पहला शमौन, जो पतरस कहलाता है, और उसका भाई अन्द्रियास; जब्दी का पुत्र याकूब, और उसका
भाई यूहन्ना; **3** फिलिप्पुस और बरतुल्मै, थोमा, और चुंगी लेनेवाला मत्ती, हलफई का पुत्र याकूब और तद्दै। **4** शमौन कनानी*, और यहूदा इस्करियोती, जिसने
उसे पकड़वाया।

5 इन बारहों को यीशु ने यह निर्देश देकर भेजा, "अन्यजातियों की ओर न जाना, और सामरियों के किसी नगर में प्रवेश न करना। (यिर्म. 50:6) **6** परन्तु
इस्राएल के घराने ही की खोई हुई भेड़ों के पास जाना। **7** और चलते-चलते प्रचार करके कहो कि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है। **8** बीमारों को चंगा करो: मरे
हुओं को जिलाओ, कोढ़ियों को शुद्ध करो, दुष्टात्माओं को निकालो। तुम ने सेंत-मेंत पाया है, सेंत-मेंत दो। **9** अपने बटुवो में न तो सोना, और न रूपा, और न
तांबा रखना। **10** मार्ग के लिये न झोली रखो, न दो कुर्ता, न जूते और न लाठी लो, क्योंकि मजदूर को उसका भोजन मिलना चाहिए।

11 "जिस किसी नगर या गाँव में जाओ तो पता लगाओ कि वहाँ कौन योग्य है? और जब तक वहाँ से न निकलो, उसी के यहाँ रहो। **12** और घर में प्रवेश करते
हुए उसे आशीष देना। **13** यदि उस घर के लोग योग्य होंगे तो तुम्हारा कल्याण उन पर पहुँचेगा परन्तु यदि वे योग्य न हों तो तुम्हारा कल्याण तुम्हारे पास लौट
आएगा। **14** और जो कोई तुम्हें ग्रहण न करे, और तुम्हारी बातें न सुने, उस घर या उस नगर से निकलते हुए अपने पाँवों की धूल झाड़ डालो। **15** मैं तुम से सच
कहता हूँ, कि न्याय के दिन उस नगर की दशा से सदोम और अमोरा के नगरों की दशा अधिक सहने योग्य होगी।

16 "देखो, मैं तुम्हें भेड़ों की तरह भेड़ियों के बीच में भेजता हूँ इसलिए साँपों की तरह बुद्धिमान और कबूतरों की तरह भोले बनो। **17** परन्तु लोगों से सावधान
रहो, क्योंकि वे तुम्हें सभाओं में सौंपेंगे, और अपने आराधनालयों में तुम्हें कोड़े मारेंगे। **18** तुम मेरे लिये राज्यपालों और राजाओं के सामने उन पर, और
अन्यजातियों पर गवाह होने के लिये पेश किये जाओगे। **19** जब वे तुम्हें पकड़वाएँगे तो यह चिन्ता न करना, कि तुम कैसे बोलोगे और क्या कहोगे; क्योंकि जो
कुछ तुम को कहना होगा, वह उसी समय तुम्हें बता दिया जाएगा। **20** क्योंकि बोलनेवाले तुम नहीं हो परन्तु तुम्हारे पिता का आत्मा तुम्हारे द्वारा बोलेगा।

21 "भाई अपने भाई को और पिता अपने पुत्र को, मरने के लिये सौंपेंगे, और बच्चे माता-पिता के विरोध में उठकर उन्हें मरवा डालेंगे। (मीका 7:6) **22** मेरे नाम
के कारण सब लोग तुम से बैर करेंगे, पर जो अन्त तक धीरज धरेगा उसी का उद्धार होगा। **23** जब वे तुम्हें एक नगर में सताएँ, तो दूसरे को भाग जाना। मैं तुम से
सच कहता हूँ, तुम मनुष्य के पुत्र के आने से पहले इस्राएल के सब नगरों में से गए भी न होंगे।

24 "चेला अपने गुरु से बड़ा नहीं; और न ही दास अपने स्वामी से। **25** चेले का गुरु के, और दास का स्वामी के बराबर होना ही बहुत है; जब उन्होंने घर के
स्वामी को शैतान* कहा तो उसके घरवालों को क्यों न कहेंगे?

26 "इसलिए उनसे मत डरना, क्योंकि कुछ ढँका नहीं, जो खोला न जाएगा; और न कुछ छिपा है, जो जाना न जाएगा। **27** जो मैं तुम से अंधियारे में कहता हूँ,
उसे उजियाले में कहो; और जो कानों कान सुनते हो, उसे छतों पर से प्रचार करो। **28** जो शरीर को मार सकते है, पर आत्मा को मार नहीं सकते, उनसे मत
डरना; पर उसी से डरो, जो आत्मा और शरीर दोनों को नरक में नाश कर सकता है। **29** क्या पैसे में दो गौरैये नहीं बिकती? फिर भी तुम्हारे पिता की इच्छा के
बिना उनमें से एक भी भूमि पर नहीं गिर सकती। **30** तुम्हारे सिर के बाल भी सब गिने हुए हैं। (लूका 12:7) **31** इसलिए, डरो नहीं; तुम बहुत गौरैयों से बढ़कर
मूल्यवान हो।

32 "जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे मान लेगा, उसे मैं भी अपने स्वर्गीय पिता के सामने मान लूँगा। **33** पर जो कोई मनुष्यों के सामने मेरा इन्कार करेगा उसे मैं
भी अपने स्वर्गीय पिता के सामने इन्कार करूँगा।

34 "यह न समझो, कि मैं पृथ्वी पर मिलाप कराने को आया हूँ; मैं मिलाप कराने को नहीं, पर तलवार चलवाने आया हूँ। **35** मैं तो आया हूँ, कि मनुष्य को उसके
पिता से, और बेटी को उसकी माँ से, और बहू को उसकी सास से अलग कर दूँ। **36** मनुष्य के बैरी उसके घर ही के लोग होंगे।

37 "जो माता या पिता को मुझसे अधिक प्रिय जानता है, वह मेरे योग्य नहीं और जो बेटा या बेटी को मुझसे अधिक प्रिय जानता है, वह मेरे योग्य नहीं। (लूका
14:26) **38** और जो अपना क्रूस लेकर* मेरे पीछे न चले वह मेरे योग्य नहीं। **39** जो अपने प्राण बचाता है, वह उसे खोएगा; और जो मेरे कारण अपना प्राण
खोता है, वह उसे पाएगा।

40 "जो तुम्हें ग्रहण करता है, वह मुझे ग्रहण करता है; और जो मुझे ग्रहण करता है, वह मेरे भेजनेवाले को ग्रहण करता है। **41** जो भविष्यद्वक्ता को
भविष्यद्वक्ता जानकर ग्रहण करे, वह भविष्यद्वक्ता का बदला पाएगा; और जो धर्मी जानकर धर्मी को ग्रहण करे, वह धर्मी का बदला पाएगा। **42** जो कोई इन
छोटों में से एक को चेला जानकर केवल एक कटोरा ठण्डा पानी पिलाए, मैं तुम से सच कहता हूँ, वह अपना पुरस्कार कभी नहीं खोएगा।"

Matthew 10:1

उसने अपने बारह चेलों को बुलाकर
"अपने बारह चेलों को एकत्र किया"

x
यहाँ यीशु द्वारा शिष्यों को सेवा में भेजने का वृत्तान्त आरंभ होता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अधिकार दिया।
सुनिश्चित करें कि अनुवाद में यह अधिकार स्पष्ट हो (1) अशुद्ध आत्माओं को निकालना और (2) बीमारियों और दुर्बलताओं को चंगा करना।

उन्हें निकाले
अशुद्ध आत्माओं का निष्कासन करें

हर प्रकार की बीमारी और दुर्बलता को दूर कर ले।
"हर प्रकार की बीमारी और दुर्बलता", "बीमारी" और "दुर्बलता" संबन्धित शब्द है परन्तु संभव हो तो इन्हें दो अलग-अलग शब्दों में ही अनुवाद करना है। "बीमारी" मनुष्य को रोगी बनाती है। दुर्बलता शारीरिक विकार या कष्ट है जो बीमारी के परिणाम स्वरूप होती है।

Matthew 10:2

x
यीशु द्वारा अपनी सेवा के निमित्त बारह चेलों को भेजने का वृत्तान्त ही चल रहा है जिसका आरंभ में हुआ था।

पहला
क्रम में न कि पद में।

जेलोतेस (शमौन)
इसके संभावित अर्थ हैं (1) "जेलोतेस" या (2) "जोशीला"। जेलोतेस का अर्थ है कि वह उस समूह का सदस्य था जो यहूदियों को रोमी साम्राज्य से मुक्त करना चाहते थे। वैकल्पिक अनुवाद, "देशभक्त" या "राष्ट्रवादी" या "स्वतंत्रता सेनानी"। दूसरा अर्थ, "जोशीला" से समझ में आता है कि वह परमेश्वर के सम्मान के लिए जोशीला था, इसका वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है, "उत्साही"।

महसूल लेने वाला मत्ती
"मत्ती जो चूंगी लेनेवाला था"।

जिसने उसे पकड़वाया।
"जो यीशु के साथ विश्वासघात करेगा"।

Matthew 10:5

x
यीशु द्वारा अपनी सेवा के निमित्त बाहर शिष्यों के भेजने का वृत्तान्त चल रहा है।

इन बारहों को यीशु ने .... भेजा।
"यीशु ने इन बारह शिष्यों को भेजा", या "यीशु ने जिन बारहों शिष्यों को भेजा वे ये हैं"।

भेजा
यीशु ने इन बारहों को एक विशेष उद्देश्य से भेजा था। "भेजा" "प्रेरित" का क्रियारूप है जिस शब्द का उपयोग में किया गया है।

यीशु ने यह आज्ञा देकर
यीशु ने यह आज्ञा देकर ,"उसने उन्हें कहा कि उन्हें क्या करना होगा" इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है, "उसने उन्हें आदेश दिया"।

इस्राएल के घराने ही की खोई हुई भेड़ें।
यह एक रूपक है जो इस्राएल राष्ट्र की तुलना ऐसी भेड़ों से करता है जो चरवाहे से अलग होकर भटक गई हैं।

इस्राएल के घराने
यह निर्देश इस्त्राएल जाति से संबन्धित है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "इस्त्राएलियों" या "इस्राएलवंशियों"

चलते-चलते
यह बारह शिष्यों के संदर्भ में है।

स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है।
इसका अनुवाद आप वैसे ही करेंगे जैसे आपने इस विचार का अनुवाद में किया है।

Matthew 10:8

x
यीशु द्वारा अपने सेवाकार्य के निमित्त बारह शिष्यों को भेजने का वृत्तान्त ही चल रहा है जिसका आरंभ में हुआ है।

तुम.... तुम्हारा
अर्थात बारह प्रेरित (शिष्य)

न तो सोना, और न रूपा और न ताँबा रखना।
"सोना, चाँदी, ताँबा कुछ नहीं रखना"।

रखना
"प्राप्त करना", "ग्रहण करना" या "लेना”

न सोना, न चाँदी, न तांबा।
ये वे धातु थी जिनसे मुद्रा बनती थी। यह पैसों के लिए लाक्षणिक प्रयोग है। यदि आपके लिए ये धातुएं अनजान है तो इनका अनुवाद "पैसा" करें। (यू.डी.बी.)

पटुका
पटुका का अर्थ है "पैसा रखने वाले कमरबंध" या इसका अभिप्राय पैसा रखने की थैली से भी हो सकता है। "पटुका" कम में बांधने का कपड़े या चमड़े का पट्टा होता था। वह काफी चौड़ा होता था कि यदि उसे मोड़ लें तो उसमें पैसा रखा जा सकता था।

झोली
झोली , यात्रा में सामान लेकर चलने के लिए थैला या भोजन या पैसा मांगने के लिए झोली।

दो कुरते
यहाँ कुरते के लिए वही शब्द काम में ले जो में काम में लिया गया है।

मजदूर
"कर्मी"

भोजन
"आवश्यकता की वस्तुएं"

Matthew 10:11

x
यीशु द्वारा अपने सेवाकार्य के निमित्त बारह शिष्यों को भेजने का वृत्तान्त ही चल रहा है जिसका आरंभ में हुआ है।

तुम.... तुम्हारा
यह सर्वनाम प्रेरितों के लिए काम में लिया गया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जिस किसी नगर या गाँव में जाओ।
जिस किसी नगर या गाँव में आओ , "जब किसी नगर या गाँव में प्रवेश करो", या "उस हर एक नगर या गाँव जिसमें तुम प्रवेश करो"।

नगर.... गाँव
"बड़ा गाँव.... छोटा गाँव" या "बड़ा नगर.... छोटा नगर" ये शब्द वही हैं जिसको में काम में लिया गया है।

जब तक वहाँ से न निकलो उसी के यहाँ रहो।
"उसी मनुष्य के घर में रहना जब तक कि नगर या गाँव से प्रस्थान न करो"।

घर में प्रवेश करते हुए उसको आशिष देना।
"घर में प्रवेश करते ही वहाँ रहनेवालों को आशिष देना"। उस समय का प्रचलित आशीर्वाद था, "इस परिवार को शान्ति मिले"।

यदि उस घर के लोग योग्य होंगे।
"यदि उस घर के लोग तुम्हारा अच्छा स्वागत करें" (यू.डी.बी.) या "उस घर के लोग तुम्हारे साथ अच्छा व्यवहार करें"।

तो तुम्हारा कल्याण उन पर पहुँचेगा।
"उन्हें शान्ति मिलेगी" या "उस घर के लोग शान्ति में जीएंगे"।(देखें: यू.डी.बी.)

तुम्हारा कल्याण
वह शान्ति जिसके लिए प्रेरित परमेश्वर से विनती करें कि वह उस परिवार को दे।

यदि वे योग्य न हों।
"यदि वे तुम्हारा अच्छा स्वागत न करें" (यू.डी.बी.) या "यदि वे तुम्हारे साथ अच्छा व्यवहार न करें"।

तुम्हारा कल्याण तुम्हारे पास लौट आयेगा।
इसका अर्थ दो में से एक हो सकता है, (1) यदि वह परिवार योग्य न हुआ तो परमेश्वर अपनी शान्ति या आशिष उस परिवार से रोक लेगा, जैसा यू.डी.बी में व्यक्त किया गया है या (2) यदि वह परिवार योग्य न हुआ तो प्रेरितों से कुछ करने की अपेक्षा की गई है, जैसे, परमेश्वर से विनती करना कि उनका अभिवादन स्वीकार न करे। यदि आपकी भाषा में आशिष को वापस लेने का या उसके प्रभाव को निष्फल करने का शब्द है, जो उसे काम में लें।

Matthew 10:14

x
यीशु द्वारा अपने सेवाकार्य के निमित्त बारह शिष्यों को भेजने का वृत्तान्त ही चल रहा है जिसका आरंभ में हुआ है।

जो कोई तुम्हें ग्रहण न करे और तुम्हारी बातें न सुने।
"यदि उस नगर में तुम्हें कोई ग्रहण न करे या तुम्हारी बातें न सुने।"

तुम ... अपने
अर्थात बारह प्रेरित (शिष्य)

तुम्हारी बातें न सुने
"तुम्हारा सन्देश न सुने" (यू.डी.बी.) या "तुम्हें जो कहना है, न सुने"।

नगर
इसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

अपने पाँवों की धूल झाड़ डालो।
"उस घर या नगर की धूल अपने पाँवों में से झाड़ दो" यह एक चिन्ह है कि परमेश्वर ने उस घर या नगर के लोगों को त्याग दिया है। (देखें यू.डी.बी.)

अधिक सहने योग्य होगी।
पीड़ा कम होगी।

सदोम और अमोरा के देश
"सदोम और अमोरा के निवासियों से" जिन्हें परमेश्वर ने स्वर्ग से आग गिराकर भस्म कर दिया था।

उस नगर
जिस नगर के लोग प्रेरितों को ग्रहण न करें या उनका सन्देश न सुने।

Matthew 10:16

x
यीशु अपने बारह शिष्यों के उस सताव के बारे में चर्चा करता है जो अपने सेवाकार्य को करने के कारण उन्हें सहना होगा।

देखो
"देखो" शब्द यहाँ अग्रिम चर्चा पर बल डालता है, इसका वैकल्पिक अनुवाद होगा, "ध्यान दो" या "सुनो" या "जो मैं कहने जा रहा हूँ उस पर ध्यान दो"। (देखें यू.डी.बी.)

मैं तुम्हें .... भेजता हूँ।
यीशु उन्हें एक उद्देश्य विशेष के निमित्त भेज रहा है।

भेड़ों के समान भेड़ियों के बीच।
यीशु अपने शिष्यों को जिन्हें वह भेज रहा है उनकी तुलना असुरक्षित भेड़ों से करता है, जो ऐसी जगह जाएंगी जहाँ उन पर वन पशुओं के आक्रमण की संभावना है।

भेड़ों के समान
असुरक्षित

भेड़ियों के बीच
आप इस उपमा को स्पष्ट करके कह सकते है, "ऐसे मनुष्यों के मध्य जो खतरनाक भेड़ियें हैं"। या "ऐसे मनुष्यों के मध्य जो खतरनाक पशुओं का सा व्यवहार करते हैं", या सादृश्य व्यक्त करें "उन लोगों के मध्य जो तुम पर आक्रमण करेंगे।"

इसलिए सांपों के समान बुद्धिमान और कबूतरों के समान भोले बनो।
यहाँ इस उपमा को काम में नहीं लेना ही अच्छा है, "समझदारी और सावधानी से काम करना साथ ही साथ भोलेपन एवं सद्गुणों का प्रदर्शन करना"।

लोगों से सावधान रहो, क्योंकि वे तुम्हें महा सभाओं में सौंपेंगे।
"सावधान रहना क्योंकि वे तुम्हें पकड़वाएंगे"।

सावधान रहो।
"चौकस रहो", "सतर्क रहो",या "अत्यधिक सोच समझ कर चलना",

सौपेगें
यीशु के साथ यहूदा ने जो किया उसके लिए यही शब्द है (देखें यू.डी.बी.) वैकल्पिक अनुवादः "धोखे से पकड़वायेंगे" या "तुम्हें पकड़वायेंगे", या "तुम्हें बन्दी बनवाकर मुकदमा चलाएंगे"।

पंचायत
पंचायत , अर्थात स्थानीय धार्मिक अगुवे या जो अगुवे समुदाय में शान्ति बनाए रखते हैं। वैकल्पिक अनुवाद है, "न्यायालयों"।

कोड़े मारेंगे।
"कोड़ों से पीटेंगे"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पहुँचाए जाओगे।
"तुम्हें लाएंगे" या "तुम्हें घसीटेंगे"

मेरे लिए
"क्योंकि तुम मेरे हो" (यू.डी.बी.) या "क्योंकि तुम मेरा अनुकरण करते हो"।

उन पर और अन्य जातियो पर
सर्वनाम "उन" से अभिप्राय है "हाकिमों और राजाओं" या यहूदी दोष लगाने वाले। (10:17)

Matthew 10:19

x
यीशु अपने शिष्यों को उनके आने वाले सताव की चर्चा कर रहा है, इसका आरंभ में हुआ है।

जब वे तुम्हें पकड़वाएंगे।
"जब मनुष्य तुम्हें पकड़वाए" यहाँ वे अर्थात मनुष्य वही है जो में हैं।

पकड़वाएं
इसका अनुवाद वैसा ही करें जैसा में "पकड़वाने" का किया है।

तू
इस संपूर्ण गद्यांश में "तुम" और "तुम्हारे" का संदर्भ प्रेरितों से है।

चिन्ता न करना।
"विचलित न होना"

हम किस रीति से या क्या कहेंगे।
"तुम्हें कैसे और क्या कहना है; दोनों विचारों को जोड़ा जा सकता है", "तुम्हें क्या कहना होगा"।

उसी घड़ी
"उसी समय"

तुम्हारे पिता का आत्मा
यदि आवश्यक हो तो इसका अनुवाद हो सकता है, "तुम्हारे स्वर्गीय पिता की आत्मा" या पद-टिप्पणी लिखी जाए कि यह परमेश्वर पिता का पवित्र आत्मा है, न कि सांसारिक पिता की आत्मा।

तुम में
"तुम्हारे माध्यम से"

Matthew 10:21

x
यीशु अपने शिष्यों को उनके आने वाले सताव की चर्चा कर रहा है, इसका आरंभ में हुआ है।

भाई- भाई को और पिता पुत्र को घात के लिए सौंपेंगे।
वैकल्पिक अनुवाद "भाई-भाई को मरवाने के लिए पकड़वाएगा और पिता अपनी सन्तान को मरवाने के लिए पकड़वाएगा"।

सौंपेगे
इसका अनुवाद वैसा ही करना होगा जैसा में "सौपेंगे" का किया है।

विरोध में उठकर
"विद्रोह करेंगे" (यू.डी.बी.) या "विरूद्ध हो जायेंगे"

उन्हें मरवा डालेंगे।
"उन्हें घात करवाएंगे" या "अधिकारियों द्वारा उन्हें मृत्यु दण्ड दिलवाएंगे।"

सब लोग तुमसे बैर करेंगे।
वैकल्पिक अनुवाद, "सब तुमसे घृणा करेंगे" या "मनुष्य तुमसे घृणा करेंगे"।

तुम्हें.... तुम
अर्थात बारह प्रेरित (शिष्य)

मेरे नाम के कारण
"मेरे कारण" या "क्योंकि तुम मुझमें विश्वास करते हो"।(यू.डी.बी.)

जो धीरज धरे रहेगा
"जो विश्वासी बना रहेगा"।

उसी का उद्धार होगा।
वैकल्पिक अनुवाद, "परमेश्वर उसे बचा लेगा"।

दूसरे को भाग जाना।
"दूसरे नगर में चले जाना"

आ जायेगा
"पहुँच जायेगा"।

Matthew 10:24

x
यीशु अपने शिष्यों को उनके आने वाले सताव की चर्चा कर रहा है, इसका आरंभ में हुआ है।

चेला अपने गुरू से बड़ा नहीं होता।
यह एक सामान्य तथ्य है न कि किसी शिष्य विशेष या उसके गुरू के बारे में है। शिष्य अपने गुरू से अधिक महत्त्वपूर्ण नहीं होता है। इसका कारण है कि वह "गुरू से अधिक ज्ञान नहीं रखता है" या उसका "पद बड़ा नहीं है" या "अधिक उत्तम नहीं है"। वैकल्पिक अनुवाद है, "शिष्य सदैव ही गुरू से कम महत्त्वपूर्ण होता है" या "गुरू सदैव ही शिष्य से अधिक महत्त्वपूर्ण होता है।"

न दास अपने स्वामी से।
"दास अपने स्वामी पर अधिकारी नहीं होता है"यह भी एक सामान्य तथ्य है, न कि किसी दास विशेष या उसके स्वामी से संबन्धित है। दास अपने स्वामी से न तो "अधिक बड़ा" होता है न ही "अधिक महत्त्वपूर्ण" होता है। वैकल्पिक अनुवाद, "दास सदैव ही अपने स्वामी से कम महत्त्वपूर्ण होता है", या "स्वामी सदैव ही दास से अधिक महत्त्वपूर्ण होता है"।

दास
"दास"

स्वामी
"स्वामी"

चेले का गुरू के बराबर होना ही बहुत है।
"शिष्य" को अपने गुरू के जैसा होने में ही सन्तोष करना है"।

गुरु के समान
"अपने गुरु के तुल्य ज्ञानवान" या "जैसा गुरू वैसा चेला" होना ही पर्याप्त है।

दास का अपने स्वामी के बराबर।
.... और दास को अपने स्वामी के तुल्य महत्त्वपूर्ण होना ही पर्याप्त है"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उन्होंने घर के स्वामी को शैतान कहा तो उसके घरवालों को क्या कुछ न कहेंगे।
यीशु के साथ बुरा व्यवहार किया जा रहा था अतः यीशु के शिष्यों को भी वैसे ही व्यवहार वरन् उससे भी बुरे की अपेक्षा करना है।(देखें यू.डी.बी)

यदि उन्होंने.... कहा
वैकल्पिक अनुवाद, "क्योंकि उन्होंने... कहा है।"

घर के स्वामी को
यीशु "घर के स्वामी" को अपने लिए उपमा स्वरूप काम में ले रहा है।

शैतान
मूल भाषा में इसका अर्थ हो सकता है, (1) बालज़बूल (2) या इसका अभिप्रेत अर्थ शैतान होता है।

उसके घरवालों को
यीशु "घरवालों को" रूपक स्वरूप शिष्यों के लिए काम में ले रहा है।

Matthew 10:26

x
यीशु अपने शिष्यों को उनके आने वाले सताव की चर्चा कर रहा है, इसका आरंभ में हुआ है।

मनुष्यों से मत डरना।
"वे" सर्वनाम उन मनुष्यों का बोध करती है जो यीशु के शिष्यों को सताते थे।

कुछ ढका नहीं, जो खोला न जायेगा, और न कुछ छिपा है जो जाना न जायेगा।
इस सादृश्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "परमेश्वर मनुष्यों की गुप्त बातों को प्रकट कर देगा"। (देखें: :)

जो मैं तुमसे अन्धियारे में कहता हूँ, उसे तुम उजियाले में कहो, और जो कानों-कान सुनते हो, उसे छतों पर से प्रचार करो।
इस सादृश्य का अनुवाद हो सकता है, "मैं जो अन्धेरे में कहा उसका दिन में प्रचार करो और जो कान में धीमे स्वर में सुनते हो उसका छतों पर से प्रचार करो"।

जो मैं तुमसे अन्धियारे में कहता हूँ
“जो मैं तुमसे गुप्त रूप से कहता हूँ” या ”जो बातें मैं तुमसे अकेले में कहता हूँ” ।

उजियाले में कहो
"खुलकर कहो" या "सबको सुनाओं" (देखें यू.डी.बी.)

जो कानों में सुनते हो।
"मैं तुम्हारे कानों में जो मन्द स्वर में कहता हूँ।"

उसे छतों पर से प्रचार करो।
"सबको ऊंचे शब्दों में सुनाओ" यीशु के युग में घर की छतें समतल होती थी और यदि वहाँ से कोई कुछ कह ले सब सुन सकते थे।

Matthew 10:28

x
यीशु अपने शिष्यों को उनके आने वाले सताव की चर्चा कर रहा है, इसका आरंभ में हुआ है।

जो शरीर को घात करते हैं पर आत्मा को घात नहीं कर सकते उनसे मत डरना।
"मनुष्यों से मत डरना क्योंकि वे शरीर को घात करते हैं आत्मा को नहीं"।

शरीर को घात करते हैं।
शरीर को मार सकते हैं यदि ये शब्द अनुचित प्रतीत हों तो इसका अनुवाद हो सकता है, "जो तुम्हारी हत्या करते हैं" या "मनुष्यों की हत्या करते हैं"।

शरीर
मनुष्य का वह भाग जो हुआ जा सकता है।

आत्मा को घात नहीं कर सकते
मनुष्य के मरने के बाद हानि नहीं पहुंचा सकते।

आत्मा
मनुष्य का वह भाग जिसको स्पर्श नहीं किया जा सकता और जो मरणोपरान्त जीवित रहता है।

क्या पैसो में दो गौरैयें नहीं बिकतीं?
इस प्रश्न का अनुवाद हो सकता है, "गौरैयों को देखो। उनका मूल्य कितना कम है कि एक पैसे में दो खरीदी जा सकती हैं"(यू.डी.बी.)।

गौरैयें
इन छोटे दाना चुगने वाले पक्षियों को रूपक स्वरूप उन वस्तुओं के लिए काम में लिया जाता है जिन्हें महत्त्वहीन समझा जाता है।

पैसा
इसका अनुवाद लक्षित भाषा में सबसे छोटी मुद्रा के लिए किया जाए। यह एक ताँबे का सिक्का था जो मजदूर की एक दिन की मजदूरी सौलहवें भाग के बराबर था। इसका अनुवाद "बहुत कम पैसों में" भी हो सकता है।

तौभी तुम्हारे पिता की इच्छा के बिना उनमें से एक भी भूमि पर नहीं गिर सकती।
इस अभिव्यक्ति का अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, "उनमें से एक भी मरेगी तो पिता को उसकी जानकारी होगी"। या "केवल पिता की जानकारी से ही एक भी मरेगी"।

एक भी।
"एक भी गौरैया"

भूमि पर नहीं गिर सकती।
"नहीं मर सकती"

तुम्हारे सिर के बाल भी सब गिने हुए हैं।
"परमेश्वर जानता है कि तुम्हारे सिर पर कितने बाल हैं।"

गिने हुए हैं।
"गणना की हुई है"।

तुम बहुत गौरैयों से बढ़कर हो।
परमेश्वर तुम्हें बहुत अधिक गौरैयों से बढ़कर मानता है।

Matthew 10:32

x
यीशु अपने शिष्यों को उनके आने वाले सताव की चर्चा कर रहा है, इसका आरंभ में हुआ है।

जो कोई मनुष्यों के आगे मुझे मान लेगा।
“जो मनुष्यों के सामने प्रकट करे कि वह मेरा शिष्य है” या “जो कोई मनुष्यों के समक्ष मेरे प्रति स्वामि-भक्ति स्वीकार करेगा”।

मान लेगा।
"स्वीकार करेगा" (यू.डी.बी.)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मनुष्यों के सामने
"मनुष्यों के समक्ष" या "दूसरों के समक्ष"

अपने स्वर्गीय पिता
यीशु स्वर्गीय पिता परमेश्वर के बारे में कह रहा है।

जो कोई मनुष्यों के सामने मेरा इन्कार करेगा।
जो कोई मनुष्यों के सामने मेरा इंकार करेगा "जो कोई मनुष्यों के सामने मेरा त्याग करेगा" या "जो मनुष्यों के समक्ष तुमसे विमुख होगा" या "जो मनुष्य के समक्ष मेरा शिष्य होना स्वीकार नहीं करेगा" या "जो मेरे प्रति स्वामिभक्ति का इन्कार करेगा"।

Matthew 10:34

x
यीशु अपने शिष्यों से उनके आने वाले सताव की चर्चा कर रहा है, इसका आरंभ में हुआ है।

यह न समझो
"ऐसा नहीं सोचना" या "यह नहीं मानना"

तलवार
इस रूपक का अर्थ हो सकता है, (1) हिंसक मृत्यु (देखें क्रूस 10:37/10:38) या (2) विभाजन कारी कलह

कर दूँ।
"बदल दूँ", या "विभाजित कर दूं" या "पृथक कर दूँ"।

मनुष्य को उसके पिता से
"पुत्र को पिता के विरूद्ध"

मनुष्य के बैरी
मनुष्य के बैरी या "मनुष्य के सबसे बड़े दुश्मन"

उसके घर ही के लोग होंगे।
"उसके परिवार के अपने सदस्य"

Matthew 10:37

x
यीशु अपने शिष्यों को उनके आने वाले सताव की चर्चा कर रहा है, इसका आरंभ में हुआ है।

जो अपने माता-पिता को मुझसे अधिक प्रिय जानता है वह मेरे योग्य नहीं।
वैकल्पिक अनुवाद, "जो .... प्रिय जानते हैं वे .... योग्य नहीं" या "यदि तुम.... प्रेम करते हो तो .... योग्य नहीं।"

जो
इसका अनुवाद यह भी हो सकता है, "जो कोई" या "वह जो" या "जो मनुष्य"। (देखें यू.डी.बी.)

प्रिय जानते हैं।
यहाँ "प्रिय" का अर्थ है "भाईचारे का प्रेम" "या" "मित्र का प्रेम" इसका अनुवाद यह भी हो सकता है, "चिन्ता करता है" या "समर्पित है" या "लगाव रखता है"।

मेरे योग्य नहीं।
इसका अनुवाद यह भी हो सकता है, "मेरा होने के योग्य नहीं" या "मेरा होने के योग्य नहीं" या "मेरा शिष्य होने के योग्य नहीं" या "मेरा होने का नहीं"। (देखें यू.डी.बी.)

जो अपना क्रूस लेकर मेरे पीछे न चले।
वैकल्पिक अनुवाद, "जो अपना क्रूस न उठाएं वे .... योग्य नहीं" या "यदि तुम अपना क्रूस न उठाओ तो ...योग्य नहीं" या जब तक तुम अपना क्रूस न उठाओ तब तक ... योग्य नहीं"।

क्रूस लेकर मेरे पीछे न चले।
यह मरने के लिए तैयार रहने का रूपक है। आपको सामान उठाकर किसी के पीछे चलने का कोई साधारण शब्द काम में लेना होगा। (देखें: Metaphor)

उठाकर
"लेकर" या "उठाकर चलना"।

जो.... बचाता है .... खोएगा, जो खोता है वह उसे पायेगा।
इनका अनुवाद यथा संभव कम से कम शब्दों में करना होगा। वैकल्पिक अनुवादः "जो खोज में रहेंगे....खोएंगे और जो खोएंगे.... पाएंगे" या "यदि तुम खोजते हो तो खोओगे.... खोओगे तो .... पाओगे"।

पायेगा
यह "रखने" या "बचाने" के लिए लाक्षणिक प्रयोग है। इसका वैकल्पिक अनुवाद है, "रखने का प्रयास करता है" या "सुरक्षा करने का प्रयास करता है"।

खोएगा।
इसका अर्थ यह नहीं कि मनुष्य मर जायेगा। यह "सच्चा जीवन नहीं पाएगा" के लिए प्रयुक्त रूपक है।

खोता है।
वैकल्पिक अनुवाद हैः "त्यागता है" या "त्यागने के लिए तैयार हैं"।

मेरे लिए
"क्योंकि वह मुझ में विश्वास करता है" (देखें यू.डी.बी.) या "मेरे लिए", या "मेरे लिए"। यह वही विचार है जो में व्यक्त है।

उसे पाएगा
इस रूपक का अर्थ है "सच्चा जीवन पाएगा"

Matthew 10:40

x
यीशु अब अपने शिष्यों से कहना आरंभ करता है कि जब वे निकलेंगे तब उनकी सहायता करने वालों को वह प्रतिफल देगा।

वह जो
इसका अनुवाद हो सकता है, "जो कोई" या "हर एक जो" या "वह जो"। (देखें: यू.डी.बी.)

ग्रहण करता है।
यह वही शब्द है, जो में आया है, "ग्रहण" जिसका अर्थ है अतिथि स्वरूप ग्रहण करना।

तू
"तुम्हें" सर्वनाम का अर्थ है वे शिष्य जिनसे यीशु बातें कर रहा है।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मेरे भेजने वाले को ग्रहण करता है।
"मेरे पिता परमेश्वर को ग्रहण करता है जिसने मुझे भेजा है"।

Matthew 10:42

x
इसके साथ ही यीशु अपने प्रेरितों को ग्रहण करने वालों के प्रतिफल की चर्चा समाप्त करता है।

पिलाए
"जो कोई भी पिलाए"

इन छोटों में से एक को मेरा चेला जानकर एक कटोरा ठंडा पानी पिलाए।
इन छोटों में से एक को मेरा चेला जानकर एक कटोरा ठंडा पानी पिलाए । इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है, "क्योंकि वह मेरा शिष्य है इन छोटों में से किसी एक को भी" या "मेरे शिष्यों में छोटे से छोटे को भी ठंडा पानी पिलाए"।

वह किसी रीति से अपना प्रतिफल न खोएगा।
"वह मनुष्य निश्चय ही अपना प्रतिफल पाएगा"।

खोएगा।
"इन्कार किया जाएगा" अधिकार से इसका कोई संबन्ध नहीं है।

Translation Questions

Matthew 10:1

यीशु ने अपने बारह शिष्यों को क्या अधिकार दिया था?
यीशु ने अपने बाहर शिष्यों को अधिकार दिया कि वे अशुद्ध आत्माओं को निकालें और सब रोगों को चंगा करें।

Matthew 10:4

यीशु के साथ विश्वासघात करने वाले चेले का नाम क्या था?
यीशु के साथ विश्वासघात करने वाले चेले का नाम यहूदा इस्करियोती था।

Matthew 10:6

उस समय यीशु ने अपने चेलों को कहाँ भेजा था?
यीशु ने अपने चेलों को केवल इस्राएल के घराने की खोई हुई भेड़ों के पास भेजा था।

Matthew 10:9

क्या चेलों को पैसा और अधिक कपड़े साथ रखने थे?
चेलों को न पैसा न अधिक कपड़े साथ रखने थे।

Matthew 10:11

गाँव-गाँव भ्रमण करते समय चेलों को कहाँ ठहरना था?
चेले गांव में जब तक रहें वे किसी योग्य व्यक्ति के घर ठहरें।

Matthew 10:14

जिन नगरों ने चेलों को ग्रहण नहीं किया और उनका वचन नहीं सुना उनका क्या होगा?
जिन नगरों में चेलों को ग्रहण नहीं किया और उनके वचनों को नहीं सुना गया उनका दण्ड सदोम और अमोरा से अधिक बुरा होगा।

Matthew 10:17

यीशु के कथनानुसार मनुष्य चेलों के साथ कैसा व्यवहार करेंगे?
यीशु ने कहा था कि लोग चेलों को पकड़ कर सभाओं में सौंपेंगे, कोड़े मारेंगे और राजाओं और हाकिमों के सामने पहुंचाए जाएंगे।

Matthew 10:20

दोषारोपण के समय चेलों के मुख से बोलनेवाला वास्तव में कौन होगा?
उनके दोषारोपण के समय परमेश्वर का आत्मा उनके मुख से बोलेगा।

Matthew 10:22

यीशु के कथनानुसार अन्त में किसका उद्धार होगा?
यीशु ने कहा कि जो अन्त समय तक धीरज धरे रहेगा उसी का उद्धार होगा।

यीशु से घृणा करने वाले चेलों के साथ कैसा व्यवहार करेंगे?
यीशु के चेलों से लोग घृणा करेंगे क्योंकि उन्होंने यीशु से भी घृणा की थी।

Matthew 10:28

यीशु ने कहा, हमें किससे नहीं डरना है?
हमें देह को नष्ट करने वालों से नहीं डरना है क्योंकि वे आत्मा को नष्ट नहीं कर सकते।

यीशु के कहे अनुसार हमें किससे डरना है?
हमें उससे डरना है जो आत्मा और देह दोनों को नरक में नष्ट कर देगा।

Matthew 10:32

मनुष्यों के सामने उसे स्वीकार करने वालों के लिए यीशु क्या करेगा?
यीशु स्वर्ग में पिता के सामने उसे स्वीकार करेगा।

Matthew 10:33

मनुष्यों के सामने उसका इन्कार करने वालों के साथ यीशु क्या करेगा?
यीशु स्वर्ग में पिता के सामने उसका इन्कार करेगा।

Matthew 10:34

यीशु कैसा विभाजन करने आया था?
यीशु ने कहा कि वह तो परिवारों में भी विभाजन करने आया है।

Matthew 10:39

यीशु के लिए जान देने वाले को क्या मिलेगा?
यीशु के लिए जो जान दे देगा वह जीवन पाएगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 10:42

किसी छोटे से छोटे मनुष्य को ठंडा पानी पिलाने पर क्या होगा?
छोटे से छोटे को यीशु का चेला मानकर को एक कटोरा ठंडा पानी पिलाए तो उसे प्रतिफल अवश्य मिलेगा।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 11

1 जब यीशु अपने बारह चेलों को निर्देश दे चुका, तो वह उनके नगरों में उपदेश और प्रचार करने को वहाँ से चला गया। **2** यूहन्ना ने बन्दीगृह में मसीह के कामों
का समाचार सुनकर अपने चेलों को उससे यह पूछने भेजा, **3** "क्या आनेवाला तू ही है, या हम दूसरे की प्रतीक्षा करें?" **4** यीशु ने उत्तर दिया, "जो कुछ तुम
सुनते हो और देखते हो, वह सब जाकर यूहन्ना से कह दो। **5** कि अंधे देखते हैं और लँगड़े चलते फिरते हैं, कोढ़ी शुद्ध किए जाते हैं और बहरे सुनते हैं, मुर्दे
जिलाए जाते हैं, और गरीबों को सुसमाचार सुनाया जाता है। **6** और धन्य है वह, जो मेरे कारण ठोकर न खाए।"

7 जब वे वहाँ से चल दिए, तो यीशु यूहन्ना के विषय में लोगों से कहने लगा, "तुम जंगल में क्या देखने गए थे? क्या हवा से हिलते हुए सरकण्डे को? **8** फिर तुम
क्या देखने गए थे? जो कोमल वस्त्र पहनते हैं, वे राजभवनों में रहते हैं। **9** तो फिर क्यों गए थे? क्या किसी भविष्यद्वक्ता को देखने को? हाँ, मैं तुम से कहता हूँ,
वरन् भविष्यद्वक्ता से भी बड़े को। **10** यह वही है, जिसके विषय में लिखा है, कि

> 'देख, मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ,
> जो तेरे आगे तेरा मार्ग तैयार करेगा।' (मला. 3:1)

11 मैं तुम से सच कहता हूँ, कि जो स्त्रियों से जन्मे हैं, उनमें से यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले से कोई बड़ा नहीं हुआ; पर जो स्वर्ग के राज्य में छोटे से छोटा है वह
उससे बड़ा* है। **12** यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के दिनों से अब तक स्वर्ग के राज्य में बलपूर्वक प्रवेश होता रहा है, और बलवान उसे छीन लेते हैं। **13** यूहन्ना तक
सारे भविष्यद्वक्ता और व्यवस्था भविष्यद्वाणी करते रहे। **14** और चाहो तो मानो, एलिय्याह जो आनेवाला था, वह यही है*। (मला. 4:5) **15** जिसके सुनने के
कान हों, वह सुन ले।

16 "मैं इस समय के लोगों की उपमा किस से दूँ? वे उन बालकों के समान हैं, जो बाजारों में बैठे हुए एक दूसरे से पुकारकर कहते हैं। **17** कि हमने तुम्हारे लिये
बाँसुरी बजाई, और तुम न नाचे; हमने विलाप किया, और तुम ने छाती नहीं पीटी। **18** क्योंकि यूहन्ना न खाता आया और न ही पीता, और वे कहते हैं कि उसमें
दुष्टात्मा है। **19** मनुष्य का पुत्र खाता-पीता आया, और वे कहते हैं कि देखो, पेटू और पियक्कड़ मनुष्य, चुंगी लेनेवालों और पापियों का मित्र! पर ज्ञान अपने
कामों में सच्चा ठहराया गया है।"

20 तब वह उन नगरों को उलाहना देने लगा, जिनमें उसने बहुत सारे सामर्थ्य के काम किए थे; क्योंकि उन्होंने अपना मन नहीं फिराया था। **21** "हाय,
खुराजीन*! हाय, बैतसैदा! जो सामर्थ्य के काम तुम में किए गए, यदि वे सूर और सैदा में किए जाते, तो टाट ओढ़कर, और राख में बैठकर, वे कब के मन फिरा
लेते। **22** परन्तु मैं तुम से कहता हूँ; कि न्याय के दिन तुम्हारी दशा से सूर और सैदा की दशा अधिक सहने योग्य होगी। **23** और हे कफरनहूम, क्या तू स्वर्ग तक
ऊँचा किया जाएगा? तू तो अधोलोक तक नीचे जाएगा; जो सामर्थ्य के काम तुझ में किए गए है, यदि सदोम में किए जाते, तो वह आज तक बना रहता। **24** पर
मैं तुम से कहता हूँ, कि न्याय के दिन तेरी दशा से सदोम के नगर की दशा अधिक सहने योग्य होगी।"

25 उसी समय यीशु ने कहा, "हे पिता, स्वर्ग और पृथ्वी के प्रभु, मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ, कि तूने इन बातों को ज्ञानियों और समझदारों से छिपा रखा, और
बालकों पर प्रगट किया है। **26** हाँ, हे पिता, क्योंकि तुझे यही अच्छा लगा।

27 "मेरे पिता ने मुझे सब कुछ सौंपा है, और कोई पुत्र को नहीं जानता, केवल पिता; और कोई पिता को नहीं जानता, केवल पुत्र और वह जिस पर पुत्र उसे
प्रगट करना चाहे।

28 "हे सब परिश्रम करनेवालों और बोझ से दबे* लोगों, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूँगा। **29** मेरा जूआ* अपने ऊपर उठा लो; और मुझसे सीखो; क्योंकि
मैं नम्र और मन में दीन हूँ: और तुम अपने मन में विश्राम पाओगे। **30** क्योंकि मेरा जूआ सहज और मेरा बोझ हलका है।"

Matthew 11:1

x
यह भाग यूहन्ना के चेलों को दिए गए यीशु के उत्तर का वृत्तान्त है।

जब उसके बारे में आया
इस शब्द का उत्तरार्ध यह दिखाने के लिए है कि यह एक वृत्तान्त का आरंभ है। यदि आपकी भाषा में किसी वृत्तान्त को आरंभ करने का प्रावधान है तो उसका प्रयोग करें। इसका अनुवाद हो सकता है, "तब" या "इसके बाद"

आज्ञा
इस शब्द का अनुवाद "शिक्षा" या "आदेश" भी हो सकता है।

बारह चेलों को
यीशु के बारह चयनित शिष्य।

अब
"उस समय" इसको छोड़ा जा सकता है। (देखें यू.डी.बी.)

यूहन्ना ने बन्दीगृह में .... सुना।
वैकल्पिक अनुवाद, "यूहन्ना जो बन्दीगृह में था, उसने सुना कि" या "किसी ने यूहन्ना को बन्दीगृह में इसके बारे में बताया"।

उसने अपने चेलों को उससे यह पूछने भेजा।
यूहन्ना ने अपने शिष्यों को सन्देश के साथ यीशु के पास भेजा।

उससे यह पूछने भेजा।
"उससे" सर्वनाम यीशु के लिए काम में लिया गया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्या आनेवाला तू ही है?
अनुवाद कैसे भी करें, "आनेवाला" या "जिसकी हम प्रतीक्षा कर रहे हैं" यह मसीह (ख्रीस्त यू.डी.बी.) के लिए शिष्टोक्ति ही है।

बाट जोहें
"आशा करें" यहाँ सर्वनाम "हम" केवल यूहन्ना और उसके शिष्यों के लिए नहीं है परन्तु सब यहूदियों के लिए है।

Matthew 11:4

x
इसके साथ ही यूहन्ना के शिष्यों को दिया गया यीशु का उत्तर समाप्त होता है।

यूहन्ना से कह दो।
"यूहन्ना को सुना दो"।

Matthew 11:7

x
यीशु जनसमूह से यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के बारे में चर्चा करता है।

तुम जंगल में क्या देखने गए थे?
यीशु इस वाक्यांश को तीन प्रश्नों में व्यक्त करता है कि लोग सोचें कि यूहन्ना कैसा मनुष्य था। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "क्या तुम देखने गए थे कि...? कदापि नहीं"। या "निश्चय ही तुम... देखने नहीं गए थे"।

क्या हवा में हिलते हुए सरकण्डे को?
इसका अर्थ हो सकता है (1) यरदन नदी के किनारे पर उगने वाले पौधे (देखें यू.डी.बी.) या (2) मनुष्य के लिए एक रूपक, "एक मनुष्य जो सरकण्डे के समान हवा में हिलता था"। इस उपमा के दो संभावित अर्थ हैं, ऐसा मनुष्य (1) हवा द्वारा आसानी से हिलाया जा सकता है, आसानी से विचार बदलने वाला मनुष्य, या (2) हवा चलने पर बहुत आवाज करता है, महत्त्व की बात तो कम पर व्यर्थ की बातें अधिक करने वाला,

सरकण्डा
एक लम्बी घास

कोमल वस्त्र पहनते
"मंहगे वस्त्र पहने हुए" धनवान लोग ऐसे वस्त्र पहनते थे।

वास्तव में
इस शब्द का अनुवाद प्रायः "देखो" किया जाता है कि अग्रिम बात पर बल दिया जाए। वैकल्पिक अनुवाद होगा, "निश्चय ही"

Matthew 11:9

x
यीशु यूहन्ना जनसमूह से बपतिस्मा देने वाले ही की चर्चा करता है।

क्या देखने गए थे?
यहाँ भी यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले से संबन्धित प्रश्नों का क्रम चल रहा है।

क्या किसी भविष्यद्वक्ता को देखने को?
यहाँ सर्वनाम बहुवचन में है और जनसमूह के लिए है।

भविष्यद्वक्ता से भी बड़े को।
"एक साधारण भविष्यद्वक्ता को नहीं", या "एक साधारण भविष्यद्वक्ता से भी अधिक महत्त्वपूर्ण मनुष्य को"

यह वही है।
"यह" अर्थात यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला।

जिसके विषय में लिखा है।
यहाँ "जिसके" वह संदर्भ अगले वाक्यांश में "अपने दूत" से है।

देख मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ जो तेरे आगे तेरा मार्ग तैयार करेगा।
यीशु भविष्यद्वक्ता मलाकी का उद्धरण देते हुए कह रहा है यूहन्ना वही दूत है जिसकी चर्चा मलाकी की पुस्तक में की गई है ।

मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ।
यहाँ सर्वनाम "मैं" परमेश्वर के लिए काम में लिया गया है। पुराने नियम की भविष्यद्वाणी का लेखक परमेश्वर के शब्दों को ज्यों का त्यों व्यक्त कर रहा है।

तेरे आगे
"तेरे सामने" या "तुम से आगे चलने के लिए" यहाँ "तेरे" एक वचन में है क्योंकि परमेश्वर मसीह से बातें कर रहा है।

Matthew 11:11

x
यीशु यूहन्ना जनसमूह से बपतिस्मा देने वाले ही की चर्चा करता है।

जो स्त्रियों से जन्मे हैं।
"जितनों को स्त्रियों ने जन्म दिया है," उनमें या "जितने मनुष्य अब तक रहे हैं उनमें" (देखें यू.डी.बी.)

उनमें से यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले से कोई बड़ा नहीं हुआ।
वैकल्पिक अनुवाद, "यूहन्ना सबसे बड़ा है"।

स्वर्ग के राज्य में।
जिस राज्य की परमेश्वर स्थापना करेगा उसके एक भाग में वैकल्पिक अनुवाद होगा, "जो स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करेंगे"

वह उससे बड़ा है।
"वह यूहन्ना से भी अधिक महत्त्वपूर्ण हैं।"

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के दिनों से अब तक।
"जब से यूहन्ना ने प्रचार करना आरंभ किया है"

स्वर्ग के राज्य में बलपूर्वक प्रवेश होता रहा है।
इसके संभावित अर्थ हैं (1) उग्रवादी वहाँ निरंकुश व्यवहार करते हैं (देखें यू.डी.बी.) या (2) मनुष्य स्वर्ग के राज्य की प्रजा को सताते है, या (3) स्वर्ग के राज्य बल के साथ बढ़ रहा है और बलवान लोग उसमें प्रवेश करना चाहते हैं।

Matthew 11:13

x
यीशु यूहन्ना जनसमूह से बपतिस्मा देने वाले ही की चर्चा करता है।

व्यवस्था
व्यवस्था मूसा की व्यवस्था

यूहन्ना
यूहन्ना , यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला।

चाहो तो
यह जनसमूह के संदर्भ में है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

एलिय्याह यही है।
"यही" अर्थात यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला, यह वाक्य लाक्षणिक प्रयोग है कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला पुराने नियम में की गई एलिय्याह की भविष्यद्वाणी की पूर्ति है परन्तु वह यह नहीं कहता कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला ही एलिय्याह है।

जिसके सुनने के कान हो वह सुन ले।
कुछ भाषाओं में द्वितीय पुरूष काम में लेना अधिक स्वाभाविक होगा। "सुनने के लिए तुम्हारे पास काम हों तो सुन लो"।

जिसके सुनने के कान हों
"जो सुन सकता है" या "जो भी मेरी बात सुनता है"

वह सुन ले
"वह ध्यान से सुन ले" या "वह मेरी बात पर ध्यान दे"।

Matthew 11:16

x
यीशु यूहन्ना जनसमूह से बपतिस्मा देने वाले ही की चर्चा करता है।

उपमा किससे दूँ?
यह प्रश्न का आरंभ है। यीशु इससे अपने युग के मनुष्यों की तुलना करना आरंभ करता है और बाजार में बैठे हुए बालकों से करता है। वह प्रश्न पूछ कर आरंभ करता है (देखें)

वे उन बालकों के समान हैं जो बाजरों में बैठे हुए एक दूसरे से पुकार कर कहते हैं।
इस उपमा का अर्थ हो सकता है (1) यीशु ने बाँसुरी बजाई और यूहन्ना ने "विलाप किया" परन्तु "इस पीढ़ी न तो नाची और न विलाप किया, आज्ञाकारिता की आलोचना की कि वे व्यवस्था का पालन नहीं करते। व्यवस्था में जोड़े गए उनके अपने नियम

इस समय के लोगों
"आज जो लोग हैं", या "ये लोग", या "इस पीढ़ी के तुम लोग" (देखें यू.डी.बी.)

बाजार
यह एक खुला मैदान होता या जहाँ व्यापारी अपना सामान बेचने आते थे।

हमने तुम्हारे लिए बाँसुरी बजाई।
"हमने" अर्थात बाजार में बैठे बालक "तुम्हारे" अर्थात वह पीढ़ी या वह जनसमूह जो संगीत सुनकर प्रतिक्रिया नहीं दिखाता है।

बाँसुरी
यह एक लम्बा खोखला वा़द्य यन्त्र है जिसे एक सिरे से फूंक कर बजाया जाता था।

पर तुम न नाचे
"परन्तु तुम संगीत के अनुसार नहीं नाचे"

तुमने छाती नहीं पीटी।
"तुम हमारे साथ रोए नहीं"

Matthew 11:18

x
यीशु जनसमूह से यूहन्ना की चर्चा समाप्त करता है।

न खाता आया
"भोजन नहीं करता था", "बहुधा उपवास रखता था" या सामान्य उत्तम भोजन नहीं खाता था (यू.डी.बी.) इसका अर्थ यह नहीं कि यूहन्ना भोजन ही नहीं करता था।

वे कहते हैं "उसमें दुष्टात्मा है।"
यीशु यूहन्ना के विषय लोगों की बातों का उद्धरण दे रहा है इसका अनुवाद परोक्ष वाक्य में किया जा सकता है, "वे कहते हैं कि उसमें दुष्टात्मा है" या "वे उस पर दुष्टात्माग्रस्त होने का दोष लगाते हैं।"

उन्होंने
"वे" अर्थात वह पीढ़ी (पद 16)

मनुष्य का पुत्र
क्योंकि यीशु उन लोगों से अपेक्षा करता था कि वे उसे पहचान लें कि वह मनुष्य का पुत्र है, अतः इसका अनुवाद किया जा सकता है, "मैं, मनुष्य का पुत्र"।

वे कहते हैं देखो पेटू.... मनुष्य।
यीशु लोगों की बातों का उद्धरण दे रहा है कि वे उसके अर्थात मनुष्य के पुत्र के बारे में क्या कहते हैं। इसका अनुवाद परोक्ष वाक्य में किया जा सकता है, "वे कहते हैं कि वह पेटू मनुष्य है", या "वे उस पर खाते रहने का दोष लगाते हैं।" यदि आप "मनुष्य के पुत्र" का अनुवाद "मैं, मनुष्य का पुत्र" करते हैं तो परोक्ष उद्धरण को अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "वे कहते हैं कि मैं पेटू मनुष्य हूँ"।

वह पेटू मनुष्य है
"वह खाने का लालची है" या "वह स्वभाव से ही बहुत खाता है"।

पियक्कड़
"पियक्कड़" या "बहुत मदिरा पीने वाला"

पर ज्ञान अपने कामों से सच्चा ठहराया जाता है।
यह संभवत: एक नीतिवचन है जिसे यीशु इस परिस्थिति में प्रासंगिक बना रहा है क्योंकि जिन मनुष्यों ने यीशु को और यूहन्ना को ग्रहण नहीं किया वे बुद्धिमान नहीं हैं। इसका अनुवाद कर्तृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है जैसा यू.डी.बी. में है।

ज्ञान अपने कामों से सच्चा ठहराया जाता है।
ज्ञान को मानव रूप देने की इस अभिव्यक्ति का अभिप्राय यह नहीं कि ज्ञान परमेश्वर के समक्ष उचित ठहरे परन्तु इस अभिप्राय में कि वह सच्चा ठहराया जाता है। (देखें:))

अपने कामों से
"अपने" सर्वनाम शब्द के मानवीकरण के संदर्भ में है।

Matthew 11:20

x
यीशु उन नगरों की आलोचना करना आरंभ करता है जहाँ उसने पहले चमत्कार किए थे।

नगरों को उलाहना देने लगा।
यीशु लाक्षणिक प्रयोग द्वारा उन नगरों के निवासियों को गलत काम के विषय ठहराते हैं।

नगर
शहरी क्षेत्र

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जिनमें उसने बहुत से सामर्थ्य के काम किए।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है।

सामर्थ्य के काम।
इसका अनुवाद किया जा सकता है, "आश्चर्यकर्म" या "शक्ति प्रदर्शन के काम" या "चमत्कार" (यू.डी.बी.)

क्योंकि उन्होंने अपना मन नहीं फिराया।
"उन्होंने" उन लोगों के संदर्भ में है जिन्होंने उन नगरों में पश्चाताप नहीं किया था।

हाय, खुराजीन! हाय, बैतसैदा!
यीशु इस प्रकार बोल रहा है कि मानों खुराजीन और बैतसैदा के निवासी सुन रहे हों परन्तु वे वहाँ नहीं हैं।

खुराजीन.... बैतसैदा... सूर और सैदा
इन नगरों के नामों का लाक्षणिक प्रयोग किया गया है जो वास्तव में उनके निवासियों ने संदर्भ में है।

जो सामर्थ्य के काम तुम में किए गए, यदि वे सूर और सैदा में किए जाते।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य वाक्यों में किया जा सकता है, "यदि मैं सूर और सैदा में चमत्कार दिखाता"

हाय।
यहाँ एकवचन काम में लिया गया है।

वे कब के मन फिरा लेते।
"वे" सर्वनाम सूर और सैदा के लोगों के संदर्भ में है।

मन फिरा लेते
"वे पापों का दुःख प्रकट करते"

न्याय के दिन तेरी दशा से सदोम की दशा अधिक सहने योग्य होगी।
"न्याय के दिन परमेश्वर तुम्हारी अपेक्षा सूर और सैदा पर अधिक दया दिखाएगा" या "परमेश्वर, न्याय के दिन तुम्हें सूर और सैदा के निवासियों से अधिक दण्ड देगा" (देखें यू.डी.बी.) यहाँ सलंग्न जानकारी है, "क्योंकि तुमने मन फिराकर मुझमें विश्वास नहीं किया है जबकि तुमने तो मेरे चमत्कारों को देखा है"।

तेरी .... दशा से
"तेरी" सर्वनाम एक वचन में है और खुराजीन या बैतसैदा के लिए काम में लिया गया है।

Matthew 11:23

x
यीशु उन नगरों के विरोध में ही कह रहा है जिसमें उसने पहले चमत्कार दिखाए थे।

हे कफरनहूम
अब यीशु कफरनहूम के निवासियों को संबोधन कर रहा है जैसे कि मानों वे सुन रहे हैं परन्तु वे सुन नहीं रहे हैं। (देखें /उत्संबोधन) "तू" सर्वनाम यहाँ एकवचन में है और इन दोनों पदों में हर जगह कफरनहूम का बोध कराता है।

कफरनहूम .... सदोम
इन नगरों कें नाम लाक्षणिक प्रयोग हैं जिसका अर्थ है वहाँ के निवासी (देखें: / लाक्षणिक प्रयोग)

क्या तू स्वर्ग तक ऊंचा किया जायेगा?
इस प्रश्न के द्वारा यीशु कफरनहूम के निवासियों को उनके घमण्ड के लिए झिड़कता है। इसका अनुवाद कर्तृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है, "क्या तू स्वर्ग तक जायेगा"? या "क्या तू सोचता है कि परमेश्वर तुझे सम्मानित करेगा"?

ऊँचा किया जायेगा।
ऊँचा किया जायेगा "सम्मानित किया जायेगा"

तू तो अधोलोक तक नीचे जायेगा।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है, "परमेश्वर तुझे अधोलोक में गिराएगा"।

जो सामर्थ्य के काम तुझमें किए गए हैं, यदि सदोम में किए जाते
जो सामर्थ्य के काम तुझ में किए गए हैं, यदि सदोम में किए जाते इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, "यदि मैं उन सामर्थी कार्यों को करता जो मैंने तुझ में किए हैं"।

सामर्थ्य के काम।
सामर्थ्य के काम, "बड़े-बड़े काम", "शक्ति प्रदर्शन के काम" या "चमत्कार"। (यू.डी.बी.)

तो वह आज तक बना रहता।
"वह" सर्वनाम सदोम का बोध कराता है।

न्याय के दिन तेरी दशा से सदोम की दशा अधिक सहनेयोग्य होगी।
इसका अनुवाद हो सकता है, "न्याय के दिन परमेश्वर तेरी अपेक्षा सदोम को अधिक दया दिखाएगा" या "न्याय के दिन परमेश्वर तुझे सदोम के निवासियों से अधिक दण्ड देगा"

Matthew 11:25

x
जनसमूह के मध्य रहते हुए यीशु स्वर्गीय पिता से विनती करता है।

यीशु ने कहा।
इसका अर्थ हो सकता है, (1) 10:05/10:5 में यीशु ने जिन शिष्यों को भेजा था वे लौट आए (देखें 12:01/12:1) और यीशु उनमें से किसी की बात पर प्रतिक्रिया दिखा रहा है या (2) यीशु उन मन न फिराने वाले नगरों के दोषारोपण का समापन कर रहा है: उसी समय यीशु ने कहा।

हे पिता
हे पिता , यह पिता परमेश्वर है न कि उसका सांसारिक पिता।

स्वर्ग और पृथ्वी के पुत्र
इसका अनुवाद लाक्षणिक प्रयोग स्वरूप किया जा सकता है, "स्वर्ग और पृथ्वी की सब वस्तुओं के स्वामी" या स्वरूप "जगत के स्वामी",

तूने इन बातों को ज्ञानियों और समझदारों से छिपा रखा, और बालकों पर प्रकट किया है।
"इन बातों" से यीशु का तात्पर्य क्या था स्पष्ट नहीं है। यदि आपकी भाषा में इसका अर्थ स्पष्ट करने की आवश्यकता पड़े तो वैकल्पिक अनुवाद सर्वोत्तम होगा, "तूने अज्ञानियों पर उस सत्य का प्रकाशन किया है जो तूने ज्ञानियों और समझदारों को सीखने नहीं दिया"।

छिपा रखा
यह क्रिया "प्रकट" का विशेष शब्द है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

ज्ञानवान एवं समझदार
"जो मनुष्य ज्ञानवान और समझदार हैं" इसका वैकल्पिक अनुवाद है, "अपने आपको ज्ञानवान और समझदार मानने वाले"। (देखें यू.डी.बी.,)

प्रकट किया
"उन बातों को प्रकट किया।"

वे जो बालकों के सदृश्य अज्ञानी हैं।
संपूर्ण वाक्यांश में एक शब्द का अनुवाद किया गया है जिसका अर्थ है, "छोटे बच्चे", "अबोध" या "अज्ञानी", इसका वैकल्पिक अनुवाद है, "अबोध छोटे बच्चे"।

बालक (अबोध बालक स्वरूप)
बालक , यह उन लोगों के लिए उपमा का प्रयोग है जो स्वयं को ज्ञानवान और अधिक शिक्षित नहीं समझते हैं।

तुझे यही अच्छा लगा।
"क्योंकि तूने देखा कि ऐसा करना अच्छा है"।

मेरे पिता ने मुझे सब कुछ सौंपा है।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया से किया जा सकता है, "मेरे पिता ने सब कुछ मुझे सौंप दिया है" या "मेरे पिता ने सब कुछ मेरे हाथों में कर दिया है"।

कोई पुत्र को नहीं जानता केवल पिता।
"केवल पिता ही पुत्र को जानता है"।

पुत्र को जानता है।
व्यक्तिगत अनुभव से जानता है।

पुत्र
यीशु स्वयं के अन्य पुरूष के रूप में व्यक्त कर रहा है।

कोई पिता को नहीं जानता केवल पुत्र
केवल पुत्र ही पिता को जानता है।

पिता को ... जानता है।
"व्यक्तिगत" अनुभव से जानता है।

और वह जिसे पुत्र उस पर प्रकट करना चाहे।
वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य पिता को तब ही जान सकता है जब केवल पुत्र पिता को उस पर प्रकट करना चाहे"।

जिस पर पुत्र उसे प्रकट करना चाहे।
"उसे" पिता परमेश्वर के लिए काम में लिया गया सर्वनाम है।

Matthew 11:28

x
यीशु जनसमूह से बातें करना समाप्त करता है।

हे सब परिश्रम करने वालो और बोझ से दबे हुए लोगो।
यह रूपक यहूदियों की व्यवस्था में जूए का संदर्भ देता है

मैं तुम्हें विश्राम दूँगा।
"मैं तुम्हें तुम्हारे परिश्रम और बोझ से विश्राम करने दूँगा"।

"मेरा जुआ" अपने ऊपर उठा लो।
इस पद में सर्वनाम "अपने", "सब परिश्रम करनेवालों और बोझ से दबे हुए लोगों" का बोध कराता है। इस रूपक का अर्थ है, "जो काम मैं तुम्हें दूं उसे स्वीकार कर लो", (देखें यू.डी.बी.) या "मेरे साथ काम करो"।

मेरा बोझ हल्का है।
यहाँ "हल्का" शब्द भारी का विलोम शब्द है।

Translation Questions

Matthew 11:1

उपदेश के लिए नगरों में जाने से पूर्व यीशु ने क्या किया?
उपदेश के लिए जाने से पूर्व यीशु ने चेलों को निर्देश दिए थे।

Matthew 11:3

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यीशु के पास क्या सन्देश भेजा था?
यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने सन्देश भेजा, "क्या आने वाला तू ही है, या हम किसी दूसरे की बाट जोहें?"

Matthew 11:5

आने वाला वही है, इसके प्रमाण में यीशु ने क्या कहा था?
यीशु ने उत्तर दिया, रोगी चंगे किए जाते हैं, मुर्दे जिलाए जाते हैं और कंगालों को सुसमाचार सुनाया जाता है।

Matthew 11:6

जो यीशु के कारण ठोकर न खाएं उनके लिए यीशु ने क्या प्रतिज्ञा की?
जो यीशु के कारण ठोकर न खाए उनको यीशु ने धन्य कहा।

Matthew 11:9

यीशु के जीवन में यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले की भूमिका क्या थी?
यीशु ने कहा कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला वह दूत है जो आने वाले का मार्ग तैयार करेगा।

Matthew 11:14

यीशु के अनुसार यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला कौन था?
यीशु ने कहा कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला एलिय्याह है।

Matthew 11:18

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला न खाता था न पीता था अतः वह पीढ़ी उसे क्या कहती थी?
वह पीढ़ी कहती थी कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले में दुष्ट आत्मा थी।

Matthew 11:19

वह पीढ़ी यीशु के लिए क्या कहती थी क्योंकि वह खाता और पीता था?
वह पीढ़ी कहती थी कि यीशु पेटू और पियक्कड़ है और महसूल लेने वालों तथा पापियों के साथ भोजन करता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 11:20

जिन नगरों ने यीशु के महान काम देखकर भी मन नहीं फिराया उनके लिए यीशु ने क्या कहा था?
यीशु के महान कामों को देखकर भी कुछ नगरों ने मन नहीं फिराया तो यीशु ने उनके दण्ड की भविष्यद्वाणी की थी।

Matthew 11:25

यीशु ने किससे स्वर्ग का राज्य छिपाने के लिए परमेश्वर की प्रशंसा की थी?
ज्ञानियों और समझदारों से स्वर्ग के राज्य की बातों को छिपाने के कारण यीशु ने परमेश्वर की प्रशंसा की थी।

यीशु ने स्वर्ग का राज्य किस पर प्रकट करने के लिए परमेश्वर की प्रशंसा की थी?
यीशु ने परमेश्वर की प्रशंसा की कि उसने स्वर्ग का राज्य बालकों जैसे अज्ञानियों पर प्रकट किया है।

Matthew 11:27

यीशु के कथनानुसार पिता को कौन जानता है?
यीशु ने कहा कि वह स्वर्गीय पिता को जानता है और जिस पर चाहेगा उस पर प्रकट करेगा।

Matthew 11:28

यीशु ने विश्राम की प्रतिज्ञा किससे की है?
यीशु ने सब परिश्रम करने वालों और बोझ से दबे हुए लोगों के लिए विश्राम की प्रतिज्ञा की है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 12

1 उस समय यीशु सब्त के दिन खेतों में से होकर जा रहा था, और उसके चेलों को भूख लगी, और वे बालें तोड़-तोड़ कर खाने लगे। **2** फरीसियों ने यह देखकर उससे कहा, “देख, तेरे चेले वह काम कर रहे हैं, जो सब्त के दिन करना उचित नहीं।” **3** उसने उनसे कहा, “क्या तुम ने नहीं पढ़ा, कि दाऊद ने, जब वह और उसके साथी भूखे हुए तो क्या किया? **4** वह कैसे परमेश्वर के घर में गया, और भेंट की रोटियाँ* खाई, जिन्हें खाना न तो उसे और न उसके साथियों को, पर केवल याजकों को उचित था? **5** या क्या तुम ने व्यवस्था में नहीं पढ़ा, कि याजक सब्त के दिन मन्दिर में सब्त के दिन की विधि को तोड़ने पर भी निर्दोष ठहरते हैं? (गिन. 28:9-10, यूह. 7:22-23) **6** पर मैं तुम से कहता हूँ, कि यहाँ वह है, जो मन्दिर से भी महान है। **7** यदि तुम इसका अर्थ जानते कि मैं दया से प्रसन्न होता हूँ, बलिदान से नहीं, तो तुम निर्दोष को दोषी न ठहराते। (होशे 6:6) **8** मनुष्य का पुत्र तो सब्त के दिन का भी प्रभु है।” (मर. 2:28)

9 वहाँ से चलकर वह उनके आराधनालय में आया। **10** वहाँ एक मनुष्य था, जिसका हाथ सूखा हुआ था; और उन्होंने उस पर दोष लगाने के लिए उससे पूछा, “क्या सब्त के दिन चंगा करना* उचित है?” **11** उसने उनसे कहा, “तुम में ऐसा कौन है, जिसकी एक भेड़ हो, और वह सब्त के दिन गड्ढे में गिर जाए, तो वह उसे पकड़कर न निकाले? **12** भला, मनुष्य का मूल्य भेड़ से कितना बढ़ कर है! इसलिए सब्त के दिन भलाई करना उचित है।” **13** तब उसने उस मनुष्य से कहा, “अपना हाथ बढ़ा।” उसने बढ़ाया, और वह फिर दूसरे हाथ के समान अच्छा हो गया। **14** तब फरीसियों ने बाहर जाकर उसके विरोध में सम्मति की, कि उसे किस प्रकार मार डाले?

15 यह जानकर यीशु वहाँ से चला गया। और बहुत लोग उसके पीछे हो लिये, और उसने सब को चंगा किया। **16** और उन्हें चेतावनी दी, कि मुझे प्रगट न करना। **17** कि जो वचन यशायाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो:

18 “देखो, यह मेरा सेवक है, जिसे मैंने चुना है; मेरा प्रिय, जिससे मेरा मन प्रसन्न है: मैं अपना आत्मा उस पर डालूँगा; और वह अन्यजातियों को न्याय का समाचार देगा। **19** वह न झगड़ा करेगा, और न धूम मचाएगा;
और न बाजारों में कोई उसका शब्द सुनेगा।
20 वह कुचले हुए सरकण्डे को न तोड़ेगा;
और धूआँ देती हुई बत्ती को न बुझाएगा,
जब तक न्याय को प्रबल न कराए।
21 और अन्यजातियाँ उसके नाम पर आशा रखेंगी।”

22 तब लोग एक अंधे-गूँगे को जिसमें दुष्टात्मा थी, उसके पास लाए; और उसने उसे अच्छा किया; और वह गूँगा बोलने और देखने लगा। **23** इस पर सब लोग चकित होकर कहने लगे, “यह क्या दाऊद की सन्तान है?” **24** परन्तु फरीसियों ने यह सुनकर कहा, “यह तो दुष्टात्माओं के सरदार शैतान की सहायता के बिना दुष्टात्माओं को नहीं निकालता।” **25** उसने उनके मन की बात जानकर उनसे कहा, “जिस किसी राज्य में फूट होती है, वह उजड़ जाता है, और कोई नगर या घराना जिसमें फूट होती है, बना न रहेगा। **26** और यदि शैतान ही शैतान को निकाले, तो वह अपना ही विरोधी हो गया है; फिर उसका राज्य कैसे बना रहेगा? **27** भला, यदि मैं शैतान की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, तो तुम्हारे वंश किसकी सहायता से निकालते हैं? इसलिए वे ही तुम्हारा न्याय करेंगे। **28** पर यदि मैं परमेश्वर के आत्मा की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, तो परमेश्वर का राज्य तुम्हारे पास आ पहुँचा है। **29** या कैसे कोई मनुष्य किसी बलवन्त के घर में घुसकर उसका माल लूट सकता है जब तक कि पहले उस बलवन्त को न बाँध ले? और तब वह उसका घर लूट लेगा। **30** जो मेरे साथ नहीं, वह मेरे विरोध में है; और जो मेरे साथ नहीं बटोरता, वह बिखेरता है। **31** इसलिए मैं तुम से कहता हूँ, कि मनुष्य का सब प्रकार का पाप और निन्दा क्षमा की जाएगी, पर पवित्र आत्मा की निन्दा क्षमा न की जाएगी। **32** जो कोई मनुष्य के पुत्र के विरोध में कोई बात कहेगा, उसका यह अपराध क्षमा किया जाएगा, परन्तु जो कोई पवित्र आत्मा के विरोध में कुछ कहेगा, उसका अपराध न तो इस लोक में और न ही आनेवाले में क्षमा किया जाएगा।

33 “यदि पेड़ को अच्छा कहो, तो उसके फल को भी अच्छा कहो, या पेड़ को निकम्मा कहो, तो उसके फल को भी निकम्मा कहो; क्योंकि पेड़ फल ही से पहचाना जाता है। **34** हे साँप के बच्चों, तुम बुरे होकर कैसे अच्छी बातें कह सकते हो? क्योंकि जो मन में भरा है, वही मुँह पर आता है। **35** भला मनुष्य मन के भले भण्डार से भली बातें निकालता है; और बुरा मनुष्य बुरे भण्डार से बुरी बातें निकालता है। **36** और मैं तुम से कहता हूँ, कि जो-जो निकम्मी बातें मनुष्य कहेंगे, न्याय के दिन हर एक बात का लेखा देंगे। **37** क्योंकि तू अपनी बातों के कारण निर्दोष और अपनी बातों ही के कारण दोषी ठहराया जाएगा।”

38 इस पर कुछ शास्त्रियों और फरीसियों ने उससे कहा, “हे गुरु, हम तुझ से एक चिन्ह* देखना चाहते हैं।” **39** उसने उन्हें उत्तर दिया, “इस युग के बुरे और व्यभिचारी लोग चिन्ह ढूँढ़ते हैं; परन्तु योना भविष्यद्वक्ता के चिन्ह को छोड़ कोई और चिन्ह उनको न दिया जाएगा। **40** योना तीन रात-दिन महा मच्छ के पेट में रहा, वैसे ही मनुष्य का पुत्र तीन रात-दिन पृथ्वी के भीतर रहेगा। **41** नीनवे के लोग न्याय के दिन इस युग के लोगों के साथ उठकर उन्हें दोषी ठहराएँगे, क्योंकि उन्होंने योना का प्रचार सुनकर, मन फिराया और यहाँ वह है जो योना से भी बड़ा* है। **42** दक्षिण की रानी* न्याय के दिन इस युग के लोगों के साथ उठकर उन्हें दोषी ठहराएँगी, क्योंकि वह सुलैमान का ज्ञान सुनने के लिये पृथ्वी की छोर से आई, और यहाँ वह है जो सुलैमान से भी बड़ा है।

43 “जब अशुद्ध आत्मा मनुष्य में से निकल जाती है, तो सूखी जगहों में विश्राम ढूँढ़ती फिरती है, और पाती नहीं। **44** तब कहती है, कि मैं अपने उसी घर में जहाँ से निकली थी, लौट जाऊँगी, और आकर उसे सूना, झाड़ा-बुहारा और सजा-सजाया पाती है। **45** तब वह जाकर अपने से और बुरी सात आत्माओं को अपने साथ ले आती है, और वे उसमें पैठकर वहाँ वास करती है, और उस मनुष्य की पिछली दशा पहले से भी बुरी हो जाती है। इस युग के बुरे लोगों की दशा भी ऐसी ही होगी।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

46 जब वह भीड़ से बातें कर ही रहा था, तो उसकी माता और भाई बाहर खड़े थे, और उससे बातें करना चाहते थे। **47** किसी ने उससे कहा, “देख तेरी माता
और तेरे भाई बाहर खड़े हैं, और तुझ से बातें करना चाहते हैं।” **48** यह सुन उसने कहनेवाले को उत्तर दिया, “कौन हैं मेरी माता? और कौन हैं मेरे भाई?” **49**
और अपने चेलों की ओर अपना हाथ बढ़ा कर कहा, “मेरी माता और मेरे भाई ये हैं। **50** क्योंकि जो कोई मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चले, वही मेरा भाई,
और बहन, और माता है।”

Matthew 12:1

x
यीशु अपने शिष्यों को फरीसियों के आरोप से बचाता है क्योंकि उन्होंने भूख मिटाने के लिए सब्त के दिन गेहूँ की बालें तोड़कर खाई थी।

खेतों
गेहूँ उगने का स्थान। यदि गेहूँ अपरिचित है और "अन्न" अत्यधिक सामान्य शब्द है तो "रोटी के लिए काम में आनेवाले अन्न का खेत" काम में लें।

वे बालें तोड़कर खाने लगे.... तेरे चेले वह काम कर रहे हैं जो सब्त के दिन करना उचित नहीं।
किसी के खेत से गेहूँ तोड़कर खाना चोरी नहीं माना जाता था (देखें यू.डी.बी.) प्रश्न तो यह था कि यह विधि सम्मत कार्य सब्त के दिन एक विधि सम्मत काम है।

उन्हें
गेहूँ की बालें

गेहूँ की बालें
यह गेहूँ के पौधे का ऊपरी भाग है इसमें उस पौधे के बीज होते हैं, गेहूँ का पौधा बड़ी घास के जैसा होता है।

देख
वैकल्पिक अनुवाद, "देखो" या "सुनो" या "जो मैं कहने जा रहा हूँ उस पर ध्यान दो"।

Matthew 12:3

x
यीशु अपने शिष्यों को बचा रहा है जब फरीसी उन पर दोष लगा रहे थे कि वे सब्त के दिन गेहूँ कि बालें तोड़कर खा रहे थे।

उनसे ... तुम
फरीसियों से

क्या तुमने यह कभी नहीं पढ़ा
यीशु फरीसियों को कोमलता से झिड़क रहा है कि उन्होंने पढ़कर भी नहीं सीखा। वैकल्पिक अनुवाद, "तुमने जो पढ़ा है उससे सीखना तो आवश्यक है"।

वह ... उसके
दाऊद

भेंट की रोटी
जो रोटी परमेश्वर को चढ़ाई जाती थी और मेज पर रखी रहती थी(यू.डी.बी)

उसके साथी
"जो पुरूष दाऊद के साथ थे"।

केवल याजकों को उचित था।
"केवल याजक ही उन्हें खा सकते थे।"

Matthew 12:5

x
यीशु अपने शिष्यों को बचा रहा है जब फरीसी उन पर दोष लगा रहे थे कि वे सब्त के दिन गेहूँ कि बालें तोड़कर खा रहे थे।

तुम ... तुम
फरीसियों से

क्या तुमने व्यवस्था में नहीं पढ़ा?
"तुमने व्यवस्था पढ़ी है इसलिए तुम जानते हो कि वहाँ लिखा है"

विधि को तोड़ने पर
"सब्त के दिन दैनिक काम करना"

निर्दोष ठहरते हैं
"परमेश्वर उन्हें दण्ड नहीं देगा"

वह है जो मन्दिर से भी बड़ा है।
"वह जो मन्दिर से भी अधिक महत्त्वपूर्ण है" यीशु स्वयं को मन्दिर से भी बड़ा बता रहा है।

Matthew 12:7

x
यीशु अपने शिष्यों को बचा रहा है जब फरीसी उन पर दोष लगा रहे थे कि वे सब्त के दिन गेहूँ कि बालें तोड़कर खा रहे थे।

यदि तुम इसका अर्थ जानते,
"तुम नहीं जानते"

तुम ... तुम
फरीसियों से

मैं दया से प्रसन्न होता हूँ बलिदान से नहीं।
बलिदान अच्छे हैं पर दया अधिक अच्छी है।

इसका अर्थ क्या है?
"परमेश्वर ने धर्मशास्त्र में क्या कहा है"?

मैं .... प्रसन्न होता हूँ।
"मैं" परमेश्वर का संदर्भ देता है।

Matthew 12:9

x
यीशु की फरीसियों के प्रति प्रतिक्रिया क्योंकि वे सब्त के दिन यीशु द्वारा चंगाई के कार्य की आलोचना कर रहे थे।

वहाँ से चलकर वह
"यीशु खेतों से निकलकर"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उनके
उन फरीसियों के आराधनालय में जिनसे वह बातें कर रहा था।

देखो
यह शब्द "देखो" कहानी में नए मोड़ की हमें सूचना देता है। आपकी भाषा में इसका प्रावधान होगा।

हाथ सुखा हुआ था
"कुम्भलाया हुआ" या "मुड़ा हुआ"

Matthew 12:11

x
यीशु की फरीसियों के प्रति प्रतिक्रिया क्योंकि वे सब्त के दिन यीशु द्वारा चंगाई के कार्य की आलोचना कर रहे थे।

तुम में ऐसा कौन है... वह उसे पकड़ कर न निकाले।
"तुम्हारे मध्य ऐसा कोई है जो सब्त के दिन खड्डे में गिरी अपनी भेड़ को पकड़ कर बाहर न निकाले"? वैकल्पिक अनुवाद, "तुममें से हर एक ... उसे पकड़कर बाहर निकाले"।

उनसे ... तुम
फरीसियों से

जिसकी
"यदि उसके पास .... हो"

बाहर न निकले?
उसे पकड़ कर न निकाले?

सब्त के दिन भलाई करना उचित है।
"जो भलाई करते है वे सब्त की अवज्ञा नहीं करते" या "जो भलाई करते हैं वे सब्त पालन ही करते हैं"।

Matthew 12:13

x
यीशु की फरीसियों के प्रति प्रतिक्रिया क्योंकि वे सब्त के दिन यीशु द्वारा चंगाई के कार्य की आलोचना कर रहे थे।

उस मनुष्य से
वह मनुष्य जिसका हाथ सूखा हुआ था।

अपना हाथ बढ़ा।
"अपना हाथ उठा" या "अपना हाथ आगे कर"

उसने
उस मनुष्य से

वह
उसका हाथ

अच्छा हो गया
"पूरा चंगा हो गया" या "फिर से स्वस्थ होगा"

सम्मति की
"उसे घात करने की योजना बनाई"

उसे किस प्रकार
"मार्ग खोजने लगे"

उसे .... नष्ट करें
"यीशु को घात करें"

Matthew 12:15

x
इस वृत्तान्त में दर्शाया गया है कि यीशु के कामों से यशायाह की भविष्यद्वाणी कैसे पूरी हुई है।

यह
"कि फरीसी इसे घात करने की योजना बना रहे हैं।"

निकल गया
"प्रस्थान किया"

प्रगट न करना।
"उसके बारे में किसी से न कहना"।

ताकि जो वचन यशायाह भविष्यद्वक्ता द्वारा कहा गया था वह पूरा हो।
"यशायाह के लिखे हुए वचनों द्वारा परमेश्वर ने जो कहा था"।

Matthew 12:18

x
इस वृत्तान्त में भी वही दर्शाया गया है कि यीशु के कामों से भविष्यद्वक्ता यशायाह की एक भविष्यद्वाणी कैसे पूरी होती है। यशायाह ने परमेश्वर के शब्दों को ही लिखा था।

Matthew 12:19

x
इस वृत्तान्त में भी वही दर्शाया गया है कि यीशु के कामों से भविष्यद्वक्ता यशायाह की एक भविष्यद्वाणी कैसे पूरी होती है। यशायाह ने परमेश्वर के शब्दों को ही लिखा था।

वह .... उसके
"सेवक" .

वह कुचले हुए सरकण्डे को न कुचलेगा।
"वह दुर्बलों को तुच्छ न जानेगा।"

कुचले हुए
"थोड़ा टूटा या क्षतिग्रस्त"

धुआं देती हुई बत्ती
धुआं देती हुई बत्ती, बुझाने के बाद जब दीपक की बत्ती धुआं देती है। इसका अर्थ है जो मनुष्य असहाय और बदकिस्मत हैं

जब तक
इसके लिए एक नया वाक्य लिखा जा सकता है, "वह ऐसा ही करेगा जब तक"

न्याय को प्रबल कराए।
"वह मनुष्यों को विश्वास दिलाता है कि वह न्यायी है"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 12:22

x
फरीसियों द्वारा यीशु पर दोष लगाने का वृत्तान्त यहाँ से आरंभ होता है कि वह शैतान की सहायता से दुष्टात्मा निकालता है।

अंधे-गूंगे को
"जो न देख सकता था न बोल सकता था"।

सब लोग चकित होकर
"लोगों ने देखा कि यीशु ने उसे चंगा किया तो सब चकित हो गए।"

Matthew 12:24

x
फरीसियों द्वारा यीशु पर दोष लगाने का वृत्तान्त है कि वह शैतान की सहायता से दुष्टात्मा निकालता है।

इस पर (आश्चर्यकर्म)
अंधे गूंगे और दुष्टात्माग्रस्त मनुष्य की चंगाई का आश्चर्यकर्म

बालज़बूल की सहायता के बिना दुष्टात्माओं को नहीं निकाल सकता।
बालज़बूल की सहायता के बिना दुष्टात्माओं को नहीं निकाल सकता। यह बालज़बूल का सेवक होने के कारण ही दुष्टात्मा निकाल सकता है।

यह
फरीसी यीशु का नाम नहीं लेते थे कि उनके द्वारा यीशु का इन्कार प्रकट हो।

उनके .... उनसे
उनके .... उनसे .... फरीसियों

Matthew 12:26

x
फरीसियों द्वारा यीशु पर दोष लगाने का वृत्तान्त है कि वह शैतान की सहायता से दुष्टात्मा निकालता है।

शैतान ही शैतान को निकाले।
"यदि शैतान अपने ही राज्य के विरूद्ध काम करे"

उसका राज्य कैसे बना रहेगा?
"शैतान का राज्य कैसे स्थिर रहेगा" या "शैतान के राज्य का पतन हो जायेगा"।

निकाले
"बाहर निकलने पर विवश करे", या "बहिष्कार करे", या "निकाल दे", या "निष्काषित करे"।

तुम्हारे वंश किस की सहायता से निकालते हैं?
वैकल्पिक अनुवाद: बालज़बूल की ही सहायता से तुम्हारे वंश भी दुष्टात्माएं निकालते होंगे"। (देखें यू.डी.बी.)।

वे ही तुम्हारा न्याय करेंगे।
वैकल्पिक अनुवाद, "तुम्हारा वंश परमेश्वर के सामर्थ्य से दुष्टामाएं निकालता है तो वही तुम्हारा न्याय करे जब तुम कहते हो कि मैं बालज़बूल की सहायता से दुष्टात्माएं निकालता हूँ।"

Matthew 12:28

x
फरीसियों द्वारा यीशु पर दोष लगाने का वृत्तान्त है कि वह शैतान की सहायता से दुष्टात्मा निकालता है।

तुम्हारे पास
फरीसियों के पास

उस बलवन्त को न बाँध ले।
"उस बलवन्त मनुष्य को वंश में किए बिना।"

मेरे साथ नहीं।
"जो मेरा साथ नहीं देता" या "जो मेरे साथ काम नहीं करता"।

मेरे विरोध में है।
"मेरे विरूद्ध काम करता है" या "मेरा काम नष्ट करता है।"

बटोरता
यह फसल काटने के लिए एक प्रचलित शब्द था।

Matthew 12:31

x
फरीसियों द्वारा यीशु पर दोष लगाने का वृत्तान्त है कि वह शैतान की सहायता से दुष्टात्मा निकालता है।

तुम से
फरीसियों से

अपराध क्षमा किया जाएगा।
"परमेश्वर मनुष्य का हर एक पाप या निन्दा क्षमा करेगा" या "परमेश्वर हर पाप या निन्दा करने वाले हर एक मनुष्य को क्षमा कर देगा"।

पवित्र-आत्मा के विरोध में .... अपराध.... ... क्षमा नहीं किया जाएगा।
"परमेश्वर पवित्र आत्मा विरोधी पाप कभी क्षमा नहीं करेगा।"

मनुष्य पुत्र के विरोध में कोई बात कहेगा वह क्षमा किया जायेगा।
"मनुष्य के पुत्र का विरोध क्षमा किया जायेगा।"

न तो इस लोक में और न परलोक में।
वैकल्पिक अनुवाद, "इस समय.... आनेवाले समय में"

Matthew 12:33

x
फरीसियों द्वारा यीशु पर दोष लगाने का वृत्तान्त है कि वह शैतान की सहायता से दुष्टात्मा निकालता है।

यदि पेड़ को अच्छा कहो, तो उसके फल को भी अच्छा कहो, या पेड़ को निकम्मा कहो तो उसके फल को भी निकम्मा कहो।
"या तो कहो कि फल अच्छा है तो पेड़ अच्छा है, या यह कहो कि फल निकम्मा है तो पेड़ भी निकम्मा है"।

अच्छा .... निकम्मा
इसका अर्थ है (1) स्वस्थ ... अस्वस्थ या (2) खाने योग्य... खाने योग्य नहीं।

पेड़ अपने फल ही से पहचाना जाता है।
इसका अर्थ है, (1) मनुष्य फल को देखकर कह सकते हैं कि पेड़ स्वस्थ है या नहीं या (2) मनुष्य फल को देख कर पेड़ की प्रजाति को बता सकता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुम ....तुम
फरीसियों से

जो मन में भरा है वही मुँह पर आता है।
"मनुष्य वही कहता है जो उसके मन में है"

भले भण्डार.... बुरे भण्डार
भले भण्डार .... बुरे भण्डार ... अच्छे विचार .... बुरे विचार

Matthew 12:36

x
फरीसियों द्वारा यीशु पर दोष लगाने का वृत्तान्त है कि वह शैतान की सहायता से दुष्टात्मा निकालता है।

तुम.... उसका
फरीसियों से

लेखा देंगे।
"परमेश्वर उनसे पूछेगा" या "परमेश्वर महत्त्व का मूल्यांकन करेगा"

निकम्मा
"निकम्मा" वैकल्पिक अनुवाद "हानिकारक" (देखें: यू.डी.बी.)

उन्होंने
"मनुष्य"

निर्दोष .... दोषी
"परमेश्वर निर्दोष ठहराया .... परमेश्वर दोषी ठहराया।"

Matthew 12:38

x
यीशु अविश्वासी फरीसियों और शास्त्रियों को झिड़कता है, क्योंकि उन्होंने उस अंधे दुष्टात्माग्रस्त मनुष्य की चंगाई के बाद चिन्ह मांगा था।

इच्छा रखते हैं।
"ढूँढ़ते"

बुरे और व्यभिचारी लोग
"इस समय के लोग बुराई से प्रेम करते हैं और परमेश्वर के निष्ठावान नहीं हैं"।

चिन्ह उनको न दिया जाएगा।
"परमेश्वर इस समय के बुरे और व्यभिचारी लोगों को कोई चिन्ह नहीं देगा।"

योना के चिन्ह
इसका अनुवाद हो सकता है, "जो योना के साथ हुआ" या "परमेश्वर ने योना के साथ जो चमत्कार किया"

पृथ्वी के भीतर
कब्र के भीतर

Matthew 12:41

x
यीशु अविश्वासी फरीसियों और शास्त्रियों को झिड़कता है क्योंकि उन्होंने अंधे दुष्टात्माग्रस्त मनुष्य की चंगाई पर उससे चिन्ह माँगा।

नीनवे के लोग... इस युग के लोगों के साथ.... उन्हें दोषी ठहरायेंगे।
वैकल्पिक अनुवाद; "नीनवे के लोग इस पीढ़ी को दोष देंगे... और परमेश्वर उनका दोषारोपण सुनकर तुम्हें दण्ड देगा" या "परमेश्वर नीनवे के लोगों पर तथा इस पीढ़ी को पाप का दण्ड देगा परन्तु उन्होंने मन फिराया और तुमने नहीं इसलिए वह तुम्हें ही दण्ड देगा"।

इस समय के लोगों
यीशु के सेवाकाल के समय के लोग।

से भी बड़ा
"कोई अधिक महत्त्वपूर्ण"

Matthew 12:42

x
यीशु फरीसियों तथा शास्त्रियों को झिड़कता है क्योंकि उन्होंने उससे चिन्ह माँगा।

दक्षिण की रानी इस युग के लोगों के साथ उठकर उन्हें दोषी ठहरायेगी।
वैकल्पिक अनुवाद: "दक्षिण की रानी इस पीढ़ी को दोष देगी ... और परमेश्वर उसका दोषारोपण सुनकर तुम्हें दण्ड देगा"। या "परमेश्वर दक्षिण की रानी ... और उस पीढ़ी दोनों को पाप का दण्ड देगा परन्तु क्योंकि उसने सुलैमान के वचन सुने और तुमने मेरे वचन नहीं सुने, वह केवल तुम्हें दण्ड देगा"।

दक्षिण की रानी
वह शीबा की रानी थी, अन्य जाति राज्य की

पृथ्वी के छोर से आई
"वह बहुत दूर से आई थी" (देखें))

इस समय के लोगों
वे लोग जो यीशु के सेवाकाल के समय थे

से भी बड़ा
"कोई अधिक महत्त्वपूर्ण"

Matthew 12:43

x
यीशु फरीसियों तथा शास्त्रियों को झिड़कता है क्योंकि उन्होंने उससे चिन्ह मांगा।

सूखी जगहों
"निर्जन जगह" या "जहाँ लोग नहीं रहते"।(देखें यू.डी.बी)

पाती नहीं
"विश्राम नहीं पाती है"

कहती है
"वह दुष्टात्मा कहती है।"

झाड़ा-बुहारा और सजाया पाती है।
वैकल्पिक अनुवाद, "वह दुष्टात्मा देखती है कि किसी ने घर को साफ करके सब कुछ यथा स्थान सजा दिया है।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 12:46

x
यीशु के माता और भाइयों के आने पर उसे अपने आत्मिक परिवार को प्रकट करने का अवसर मिलता है।

उसकी माता
यीशु की सांसारिक माता

यीशु के भाई
इसका अर्थ हो सकता है, (1) उसी परिवार या कुटुम्ब के भाई (देखें यू.डी.बी.) या (2) इस्राएल में उसके मित्र या निकट संबन्धी।

चाहते हैं
"इच्छा रखते हैं"

Matthew 12:48

x
यीशु के माता और भाइयों के आने पर उसे अपने आत्मिक परिवार को प्रकट करने का अवसर मिलता है।

कहने वाले को
जिसने यीशु को सन्देश दिया कि उसकी माता और उसके भाई उससे मिलना चाहते हैं।

कौन है मेरी माता? और कौन है मेरा भाई?
वैकल्पिक अनुवाद, "मैं बताता हूँ कौन मेरी सच्ची माता है और कौन मेरा सच्चा भाई है"।

जो कोई
"वह हर एक जन"

Translation Questions

Matthew 12:2

फरीसियों ने यीशु के चेलों के किस काम की शिकायत की थी?
फरीसियों ने शिकायत की कि यीशु के चेले गेहूं की बालें तोड़कर खा रहे थे जो सब्त के दिन का उल्लंघन था।

Matthew 12:6

यीशु ने मन्दिर से बड़ा किसको बताया था?
यीशु ने कहा कि वह मन्दिर से भी बड़ा है।

Matthew 12:8

मनुष्य के पुत्र, यीशु को क्या अधिकार है?
मनुष्य का पुत्र, यीशु सब्त का प्रभु है।

Matthew 12:10

सूखे हुए हाथ के मनुष्य के समक्ष फरीसियों ने आराधनालय में यीशु से क्या पूछा?
फरीसियों ने यीशु से पूछा, "क्या सब्त के दिन चंगा करना उचित है?"

Matthew 12:12

यीशु के अनुसार सब्त के दिन कैसा काम उचित है?
यीशु ने कहा कि सब्त के दिन भलाई करना व्यवस्थापूर्ण है।

Matthew 12:14

उस सूखे हाथ वाले मनुष्य को यीशु ने चंगा किया तो फरीसियों ने क्या किया?
फरीसियों ने बाहर जाकर षड्यंत्र रचा कि उसे कैसे घात करें।

Matthew 12:18

यीशु पवित्र-आत्मा के द्वारा दुष्टात्माएं निकाल रहा था तो उसके अनुसार क्या हो रहा था?
यीशु ने कहा कि वह पवित्र-आत्मा के द्वारा दुष्टात्माएं निकालता है तो परमेश्वर का राज्य उनके पास आ पहुंचा है।

Matthew 12:19

यीशु के बारे में यशायाह की भविष्यद्वाणी के अनुसार यीशु क्या नहीं करेगा?
यीशु न झगड़ा करेगा, न धूम मचाएगा, न कुचले हुए सरकण्डे को तोड़ेगा, न धुआं देती हुई बत्ती को बुझाएगा।

Matthew 12:26

बालज़बूल की सहायता से दुष्टात्माएं निकालने के आरोप पर यीशु ने क्या प्रतिक्रिया दिखाई थी?
यीशु ने कहा यदि शैतान ही शैतान को बाहर करे तो उसका राज्य कैसे स्थिर रहेगा।

Matthew 12:31

यीशु के कथनानुसार कौन सा पाप क्षमा के योग्य है?
यीशु ने कहा कि पवित्र-आत्मा की निन्दा क्षमा के योग्य नहीं है।

Matthew 12:33

पेड़ कैसे पहचाना जाता है?
पेड़ अपने फलों से पहचाना जाता है।

Matthew 12:37

यीशु के अनुसार फरीसियों का न्याय और दण्ड कैसा होगा?
यीशु ने कहा कि फरीसी अपने शब्दों द्वारा न्याय पाएंगे और दण्ड भोगेंगे।

Matthew 12:39

यीशु ने उस पीढ़ी को क्या चिन्ह दिया?
यीशु ने कहा कि वह उस पीढ़ी को योना का चिन्ह देगा, तीन दिन-रात पृथ्वी के गर्भ में रहेगा।

Matthew 12:41

यीशु ने किसको योना से महान बनाया था?
यीशु ने कहा कि वह योना से अधिक महान है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

नीनवे के लोग और दक्षिण की रानी यीशु की पीढ़ी को दोषी क्यों ठहरायेंगे?
नीनवे के लोग और दक्षिण की रानी यीशु की पीढ़ी को दोषी ठहरायेंगे क्योंकि उन्होंने योना और सुलैमान से परमेश्वर का वचन ग्रहण किया था परन्तु यीशु की पीढ़ी ने योना और सुलैमान से बड़े के वचनों को ग्रहण नहीं किया।

Matthew 12:42

यीशु ने किसको सुलैमान से बड़ा कहा है?
यीशु ने कहा कि वह सुलैमान से भी बड़ा है।

Matthew 12:43

यीशु की पीढ़ी के लोगों की दशा कैसे मनुष्य जैसी होगी?
यीशु की पीढ़ी के लोग उस मनुष्य के तुल्य हैं जिसमें से अशुद्ध आत्मा निकाली गई परन्तु वह अन्य सात दुष्टात्माओं को लेकर लौट आई और उस मनुष्य की दशा पहले से भी अधिक बुरी हो गई।

Matthew 12:46

यीशु के भाई, बहन और माता कौन है?
यीशु ने कहा कि स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलने वाले उसके भाई, बहन और माता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 13

1 उसी दिन यीशु घर से निकलकर झील के किनारे जा बैठा। 2 और उसके पास ऐसी बड़ी भीड़ इकट्ठी हुई कि वह नाव पर चढ़ गया, और सारी भीड़ किनारे पर
खड़ी रही। 3 और उसने उनसे दृष्टान्तों* में बहुत सी बातें कही "एक बोनेवाला बीज बोने निकला। 4 बोते समय कुछ बीज मार्ग के किनारे गिरे और पक्षियों ने
आकर उन्हें चुग लिया। 5 कुछ बीज पत्थरीली भूमि पर गिरे, जहाँ उन्हें बहुत मिट्टी न मिली और नरम मिट्टी न मिलने के कारण वे जल्द उग आए। 6 पर सूरज
निकलने पर वे जल गए, और जड़ न पकड़ने से सूख गए। 7 कुछ बीज झाड़ियों में गिरे, और झाड़ियों ने बढ़कर उन्हें दबा डाला। 8 पर कुछ अच्छी भूमि पर गिरे,
और फल लाए, कोई सौ गुना, कोई साठ गुना, कोई तीस गुना। 9 जिसके कान हों वह सुन ले।"

10 और चेलों ने पास आकर उससे कहा, "तू उनसे दृष्टान्तों में क्यों बातें करता है?" 11 उसने उत्तर दिया, "तुम को स्वर्ग के राज्य के भेदों की समझ दी गई है,
पर उनको नहीं। 12 क्योंकि जिसके पास है, उसे दिया जाएगा; और उसके पास बहुत हो जाएगा; पर जिसके पास कुछ नहीं है, उससे जो कुछ उसके पास है,
वह भी ले लिया जाएगा। 13 मैं उनसे दृष्टान्तों में इसलिए बातें करता हूँ, कि वे देखते हुए नहीं देखते; और सुनते हुए नहीं सुनते; और नहीं समझते। 14 और
उनके विषय में यशायाह की यह भविष्यद्वाणी पूरी होती है:

'तुम कानों से तो सुनोगे, पर समझोगे नहीं; और आँखों से तो देखोगे, पर तुम्हें न सूझेगा।

15 क्योंकि इन लोगों के मन सुस्त हो गए है,

और वे कानों से ऊँचा सुनते हैं और उन्होंने अपनी आँखें मूंद लीं हैं;
कहीं ऐसा न हो कि वे आँखों से देखें,
और कानों से सुनें और मन से समझें,
और फिर जाएँ, और मैं उन्हें चंगा करूँ।'

16 "पर धन्य है तुम्हारी आँखें, कि वे देखती हैं; और तुम्हारे कान, कि वे सुनते हैं। 17 क्योंकि मैं तुम से सच कहता हूँ, कि बहुत से भविष्यद्वक्ताओं और धर्मियों
ने चाहा कि जो बातें तुम देखते हो, देखें पर न देखीं; और जो बातें तुम सुनते हो, सुनें, पर न सुनीं।

18 "अब तुम बोनेवाले का दृष्टान्त सुनो 19 जो कोई राज्य का वचन* सुनकर नहीं समझता, उसके मन में जो कुछ बोया गया था, उसे वह दुष्ट आकर छीन ले
जाता है; यह वही है, जो मार्ग के किनारे बोया गया था। 20 और जो पत्थरीली भूमि पर बोया गया, यह वह है, जो वचन सुनकर तुरन्त आनन्द के साथ मान लेता
है। 21 पर अपने में जड़ न रखने के कारण वह थोड़े ही दिन रह पाता है, और जब वचन के कारण क्लेश या उत्पीड़न होता है, तो तुरन्त ठोकर खाता है। 22 जो
झाड़ियों में बोया गया, यह वह है, जो वचन को सुनता है, पर इस संसार की चिन्ता और धन का धोखा वचन को दबाता है, और वह फल नहीं लाता। 23 जो
अच्छी भूमि में बोया गया, यह वह है, जो वचन को सुनकर समझता है, और फल लाता है कोई सौ गुना, कोई साठ गुना, कोई तीस गुना।"

24 यीशु ने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया, "स्वर्ग का राज्य उस मनुष्य के समान है जिसने अपने खेत में अच्छा बीज बोया। 25 पर जब लोग सो रहे थे तो उसका
बैरी आकर गेहूँ के बीच जंगली बीज बोकर चला गया। 26 जब अंकुर निकले और बालें लगी, तो जंगली दाने के पौधे भी दिखाई दिए। 27 इस पर गृहस्थ के
दासों ने आकर उससे कहा, 'हे स्वामी, क्या तूने अपने खेत में अच्छा बीज न बोया था? फिर जंगली दाने के पौधे उसमें कहाँ से आए?' 28 उसने उनसे कहा,
'यह किसी शत्रु का काम है।' दासों ने उससे कहा, 'क्या तेरी इच्छा है, कि हम जाकर उनको बटोर लें?' 29 उसने कहा, 'नहीं, ऐसा न हो कि जंगली दाने के पौधे
बटोरते हुए तुम उनके साथ गेहूँ भी उखाड़ लो। 30 कटनी तक दोनों को एक साथ बढ़ने दो, और कटनी के समय मैं काटनेवालों से कहूँगा; पहले जंगली दाने के
पौधे बटोरकर जलाने के लिये उनके गट्ठे बाँध लो, और गेहूँ को मेरे खत्ते में इकट्ठा करो।' "

31 उसने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया, "स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने लेकर अपने खेत में बो दिया। 32 वह सब बीजों से
छोटा तो है पर जब बढ़ जाता है तब सब साग-पात से बड़ा होता है; और ऐसा पेड़ हो जाता है, कि आकाश के पक्षी आकर उसकी डालियों पर बसेरा करते हैं।"

33 उसने एक और दृष्टान्त उन्हें सुनाया, "स्वर्ग का राज्य ख़मीर के समान है जिसको किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते-होते वह सब
ख़मीर हो गया।"

34 ये सब बातें यीशु ने दृष्टान्तों में लोगों से कहीं, और बिना दृष्टान्त वह उनसे कुछ न कहता था। 35 कि जो वचन भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा
हो: "मैं दृष्टान्त कहने को अपना मुँह खोलूँगा मैं उन बातों को जो जगत की उत्पत्ति से गुप्त रही हैं प्रगट करूँगा।"

36 तब वह भीड़ को छोड़कर घर में आया, और उसके चेलों ने उसके पास आकर कहा, "खेत के जंगली दाने का दृष्टान्त हमें समझा दे।" 37 उसने उनको उत्तर
दिया, "अच्छे बीज का बोनेवाला मनुष्य का पुत्र है। 38 खेत संसार है, अच्छा बीज राज्य के सन्तान, और जंगली बीज दुष्ट के सन्तान हैं। 39 जिस शत्रु ने उनको
बोया वह शैतान है; कटनी जगत का अन्त है: और काटनेवाले स्वर्गदूत हैं। 40 अतः जैसे जंगली दाने बटोरे जाते और जलाए जाते हैं वैसा ही जगत के अन्त में
होगा। 41 मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा, और वे उसके राज्य में से सब ठोकर के कारणों को और कुकर्म करनेवालों को इकट्ठा करेंगे। 42 और उन्हें
आग के कुण्ड* में डालेंगे, वहाँ रोना और दाँत पीसना होगा। 43 उस समय धर्मी अपने पिता के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे। जिसके कान हों वह सुन ले।

44 "स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने पा कर छिपा दिया, और आनन्द के मारे जाकर अपना सब कुछ बेचकर उस खेत
को मोल लिया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

45 “फिर स्वर्ग का राज्य एक व्यापारी के समान है जो अच्छे मोतियों की खोज में था। **46** जब उसे एक बहुमूल्य मोती मिला तो उसने जाकर अपना सब कुछ बेच डाला और उसे मोल ले लिया।

47 “फिर स्वर्ग का राज्य उस बड़े जाल के समान है, जो समुद्र में डाला गया, और हर प्रकार की मछलियों को समेट लाया। **48** और जब जाल भर गया, तो मछवे किनारे पर खींच लाए, और बैठकर अच्छी-अच्छी तो बरतनों में इकट्ठा किया और बेकार-बेकार फेंक दी। **49** जगत के अन्त में ऐसा ही होगा; स्वर्गदूत आकर दुष्टों को धर्मियों से अलग करेंगे, **50** और उन्हें आग के कुण्ड में डालेंगे। वहाँ रोना और दाँत पीसना होगा।

51 “क्या तुम ये सब बातें समझ गए?” चेलों ने उत्तर दिया, “हाँ।” **52** फिर यीशु ने उनसे कहा, “इसलिए हर एक शास्त्री जो स्वर्ग के राज्य का चेला बना है, उस गृहस्थ के समान है जो अपने भण्डार से नई और पुरानी वस्तुएँ निकालता है।”

53 जब यीशु ये सब दृष्टान्त कह चुका, तो वहाँ से चला गया। **54** और अपने नगर में आकर उनके आराधनालय में उन्हें ऐसा उपदेश देने लगा; कि वे चकित होकर कहने लगे, “इसको यह ज्ञान और सामर्थ्य के काम कहाँ से मिले? **55** क्या यह बढ़ई का बेटा नहीं? और क्या इसकी माता का नाम मरियम और इसके भाइयों के नाम याकूब, यूसुफ, शमौन और यहूदा नहीं? **56** और क्या इसकी सब बहनें हमारे बीच में नहीं रहती? फिर इसको यह सब कहाँ से मिला?”

57 इस प्रकार उन्होंने उसके कारण ठोकर खाई, पर यीशु ने उनसे कहा, “भविष्यद्वक्ता अपने नगर और अपने घर को छोड़ और कहीं निरादर नहीं होता।” **58** और उसने वहाँ उनके अविश्वास के कारण बहुत सामर्थ्य के काम नहीं किए।

Matthew 13:1

x
इस अध्याय में यीशु नाव पर चढ़कर प्रचार कर रहा है और जनसमूह के दृष्टान्तों द्वारा समझा रहा है कि परमेश्वर का राज्य क्या है और कैसा है।

उसी दिन
पिछले अध्याय की घटनाओं के ही दिन

घर से निकलकर
यह स्पष्ट नहीं है कि यीशु किसके घर में था।

नाव पर चढ़ गया।
यह संभवतः पाल वाली लकड़ी की नाव थी।

Matthew 13:3

x
यह वृत्तान्त वही है यीशु जन समूह को परमेश्वर के राज्य के बारे में सम्मान के लिए दृष्टान्त सुना रहा है।

उनसे दृष्टान्तों में बहुत सी बातें कहीं।
यीशु ने उन्हें बहुत सी बातें दृष्टान्तों में समझाई "यीशु ने उन्हें अनेक बाते दृष्टान्तों में सुनाई "

लोगों के लिए
जनसमूह से

देखो
वैकल्पिक अनुवाद, "देखो" या "सुनो", "मैं जो कहने जा रहा हूँ उसे ध्यान से सुनो"।

एक बोने वाला बीज बोने निकला।
"एक किसान खेत में बीज विसर्जन करने निकला"

बोते समय
"जब बीज बोने वाले ने बीज विसर्जन किया"

सड़क के किनारे
"खेत के किनारे मार्ग पर" वह मार्ग लोगों के चलने के कारण कठोर हो गया होगा।

उन्हें चुन लिया।
"बीजों को खा लिया"

पथरीली भूमि पर गिरे।
चट्टानों में जो थोड़ी बहुत मिट्टी थी उसमें

जल्द उग आए।
"अंकुर निकल आए"

सूर्य निकलने पर जल गए।
"सूर्य की गर्मी के कारण वे झुलस गए और गर्मी से जल गए"। (देखें: Active or Passive)

सूख गए
"अंकुर सूख कर नष्ट हो गए"।

Matthew 13:7

x
यीशु जनसमूह को दृष्टान्तों द्वारा परमेश्वर के राज्य के बारे में सिखा रहा है।

कुछ बीज झाड़ियों में गिरे।
जहाँ झाड़ियां उग रही थी वहाँ गिरे

उन्हें दबा दिया।
"नई पौध को दबा दिया" जंगली घास द्वारा पौधों के नष्ट हो जाने का शब्द काम में लें।

फल लाए
"फसल उगी", या "अधिकाधिक बीज उगे" या "फलदायी हुए"।

जिसके कान हो वह सुन ले।
कुछ भाषाओं में अधिक स्वाभाविक अनुवाद होगा द्वितीय पुरूष में, "तुम्हारे कान हों तो सुन लो।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जिसके कान हों
"जो सुन सकता है" या "जो भी मेरी बात सुनता है"

वह सुन ले।
"वह ध्यान से सुन ले" या "वह मेरी बात पर ध्यान दे"।

Matthew 13:10

x
यीशु जनसमूह को दृष्टान्तों द्वारा परमेश्वर के राज्य के बारे में सिखा रहा है।

लोगों के लिए
शिष्यों को

तुम को स्वर्ग के राज्य के भेदों की समझ दी गई है पर उनको नहीं।
इसका अनुवाद सलंग्न जानकारी के साथ कर्तृवाच्य क्रिया में किया जा सकता है, "परमेश्वर ने तुम्हें स्वर्ग के राज्य के भेद को समझने की बुद्धि दी है परन्तु परमेश्वर ने इन लोगों को नहीं दी है।" या "परमेश्वर ने तुम्हें स्वर्ग के भेद समझने योग्य बनाया है परन्तु उसने इन्हें इस योग्य नहीं बनाया है"

तुम्हें
चेले

भेद
जो सत्य अब तक छिपा हुआ था उसे यीशु अब प्रकट कर रहा है, वैकल्पिक अनुवादः "रहस्य" या "गुप्त सत्य" (देखें यू.डी.बी.)

जिसके पास
"जिसमें समझ है" या "जो मेरी शिक्षा ग्रहण करता है"।

उसे दिया जायेगा।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य वाक्य में किया जाए, "परमेश्वर उसे और समझ देगा",

उसके पास बहुत हो जाएगा।
"वह स्पष्ट समझ लेगा"।

जिसके पास कुछ नहीं है।
"जिसे समझ नहीं" या "जो मेरी शिक्षा को ग्रहण नहीं करता"

"जो कुछ उसके पास है वह भी ले लिया जाएगा"
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है। "परमेश्वर उससे वह भी ले लेगा जो उसके पास है"

Matthew 13:13

x
यीशु जनसमूह को दृष्टान्तों द्वारा परमेश्वर के राज्य के बारे में सिखा रहा है।

मैं उनसे... बातें करता हूँ।
"उनसे" इन दोनों पदों में जनसमूह के लिए प्रयुक्त सर्वनाम है।

वे देखते हुए नहीं देखते और सुनते हुए नहीं सुनते, यद्यपि वे देखते है परन्तु वास्तव में देख नहीं पाते और वे सुनते तो है परन्तु वास्तव में सुन नहीं पाते।
यीशु इस सदृश्यता द्वारा शिष्यों से कह रहा है कि जनसमूह समझने से इन्कार करता है।

वे देखते तो हैं परन्तु वास्तव में देख नहीं पाते।
"यद्यपि वे देखते हैं वे ग्रहण नहीं कर पाते" यदि क्रिया को "कर्म" की आवश्यकता हो तो अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, "यद्यपि वे वस्तुओं को देखते हैं वे उन्हें समझते नहीं"। या "यद्यपि वे घटनाओं को घटते देखते हैं, वे समझ नहीं पाते कि उनका अर्थ क्या है"।

सुनते हुए नहीं सुनते और नहीं समझते
"यद्यपि वे सुनते हैं वे समझ नहीं पाते" यदि क्रियाओं का "कर्म" की आवश्यकता है तो इसका अनुवाद होगा, "यद्यपि वे निर्देश सुनते हैं, वे सत्य को समझ नहीं पाते।"

तुम कानों से तो सुनोगे पर समझोगे नहीं। देखने से तो तुम देखोगे परन्तु ग्रहण नहीं कर पाओगे।
यह यशायाह भविष्यद्वक्ता द्वारा उद्धरण है जो उसके युग में अविश्वासी लोगों के लिए कहा गया था। यीशु इस उद्धरण द्वारा उसके श्रोताओं का वर्णन कर रहा है। यह एक और दृष्टांत है।

तुम सुनोगे परन्तु किसी भी प्रकार समझ नहीं पाओगे।
इसका अनुवाद हो सकता है, "तुम सुनोगे परन्तु समझोगे नहीं"। यदि क्रिया के लिए "कर्म" की आवश्यकता हो तो इसका अनुवाद इस प्रकार होगा, "तुम बातों को सुनोगे परन्तु उन्हें समझोगे नहीं"।

आँखों से तो देखोंगे पर तुम्हे न सूझेगा
"तुम देखोगे परन्तु ग्रहण नहीं कर पाओगे"। यदि क्रिया के लिए "कर्म" की आवश्यकता हो तो अनुवाद इस प्रकार होगा, "तुम बातों को देखोंगे परन्तु अंतर्ग्रहण नहीं कर पाओगे।"

Matthew 13:15

x
यीशु जनसमूह को दृष्टान्तों द्वारा परमेश्वर के राज्य की शिक्षा दे रहा है। वह में दिए गए यशायाह के उद्धरण को ही सुन रहा है।

इन लोगों का मन मोटा हो गया है।
"यह लोग अब सीख नहीं सकते" (देखें यू.डी.बी.)

वे कानों से ऊँचा सुनते हैं।
"वे सुनने की इच्छा ही नहीं रखते" (देखें यू.डी.बी.)

उन्होंने अपनी आँखें मूँद ली हैं।
"उन्होंने आँखें बंद कर ली हैं", या "वे देखने से इन्कार करते है"

कहीं ऐसा न हो कि वे आँखों से देखें और कानों से सुनें और मन से समझें और फिर जायें।
"कि वे आँखों से देख पाएं, कानों से सुन पाएं, मन से समझ पाएं और परिणाम यह हो कि वे मन फिराएँ"।

फिर जाएँ
"लौट आएँ" या "मन फिराएँ"

मैं उन्हें चंगा करूं।
"और मुझसे चंगाई पाएँ"। वैकल्पिक अनुवाद होगा, "और मैं उन्हें फिर से अपना लूँ"

Matthew 13:16

x
यीशु जनसमूह को दृष्टान्तों द्वारा परमेश्वर के राज्य के बारे में सिखा रहा है।

तुम्हारी .... तुम्हारे
यीशु अपने शिष्यों से बातें कर रहा है।

देखें
"कि वे देख पाएँ" या "वे देखने योग्य हों"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सुनें
"कि वे सुन पाएँ" या "वे सुनने योग्य हों"

जो बातें तुम देखते हो।
"बातें तुमने मुझे करते देखा।"

जो बातें तुम सुनते हो।
"जो बातें तुमने मुझे कहते सुनी"

Matthew 13:18

x
यीशु दृष्टान्तों द्वारा जनसमूह को परमेश्वर के राज्य की शिक्षा दे रहा है। यहाँ वह में सुनाए गा दृष्टान्त की व्याख्या कर रहा है।

उसके मन में जो कुछ बोया गया है उसे वह दुष्ट आकर छीन ले जाता है।
"शैतान उसे परमेश्वर के वचन को भूल जाने पर विवश करता है", जो उसने सुना।

छीन ले जाता है।
ऐसा शब्द काम में लेने का प्रयास करें जो किसी अधिकृत स्वामी से उसकी किसी वस्तु को छीनने को व्यक्त करता है।

उसके मन में जो कुछ बोया गया।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में भी किया जा सकता है, "परमेश्वर ने उसके मन में जो वचन बोया।" (देखें:

उसके मन में
श्रोता के मन में

यह वही है जो मार्ग के किनारे बोया गया।
यदि शाब्दिक अनुवाद से अर्थ स्पष्ट नहीं होता तो अनुवाद इस प्रकार करें, कि पाठक को स्पष्ट समझ में आए कि यीशु बीज बोने वालों और सुनने वाले मार्ग के किनारे की भूमि है। संभावित अनुवाद, "जो मार्ग के किनारे बोया गया वह ऐसा ही है"। (देखें: और)

मार्ग के किनारे
मार्ग के किनारे "मार्ग" या "पगडंडी" इसका अनुवाद वैसा ही करें जैसा में किया गया है।

Matthew 13:20

x
यीशु दृष्टान्तों द्वारा जनसमूह को परमेश्वर के राज्य की शिक्षा दे रहा है। यहाँ वह में सुनाए गा दृष्टान्त की व्याख्या कर रहा है।

पथरीली भूमि पर बोया गया, यह वह है।
यदि मूल अर्थ आधारित अनुवाद समझने में कठिन है तो अनुवाद इस प्रकार करें कि पाठकों को स्पष्ट समझ में आए कि यीशु बीज बोने वाला है और सन्देश बीज है और सुनने वाला पथरीली भूमि है। संभावित अनुवाद हैः "जो पथरीली भूमि में बोया गया वह ऐसा ही है"।

जड़ न रखने के कारण
"उसकी जड़ें गहराई में नहीं गई", या "वह इस अंकुर को जड़ें फैलाने का स्थान नहीं देता है"

वचन के कारण
"सन्देश के कारण"

वह तुरन्त ठोकर खाता है।
"वह तुरन्त ही पथभ्रष्ट हो जाता है" या "वह तुरन्त ही विश्वास का त्याग कर देता है"।

Matthew 13:22

x
यीशु दृष्टान्तों द्वारा जनसमूह को परमेश्वर के राज्य की शिक्षा दे रहा है। यहाँ वह में सुनाए गए दृष्टान्त की व्याख्या कर रहा है।

जो झाड़ियाँ में बोया गया ... जो अच्छी भूमि में बोया गया।
यदि मूल अर्थ आधारित अनुवाद समझने में कठिन हो तो अनुवाद इस प्रकार करें कि पाठक को समझ में आ जाए कि यीशु बीज बोने वाला है, सन्देश बीज है और श्रोता झाड़ियों वाली भूमि है। संभावित अनुवाद, "झाड़ियो में बोया गया बीज ऐसा ही है... अच्छी भूमि बोया गया बीज ऐसा ही है।" (देखें: और)

वचन
"सन्देश"

संसार की चिन्ता और धन का धोखा वचन को दबाता है और वह फल नहीं लाता।
इसका अनुवाद हो सकता है, "जिस प्रकार झाड़ियाँ अच्छे पौधे को बढ़ने नहीं देती उसी प्रकार सांसारिक चिन्ताएँ और धन का धोखा इस व्यक्ति को फल लाने से रोकते हैं"

संसार की चिन्ताएँ
"वे सांसारिक बातें जिनकी चिन्ता मनुष्य करता है।"

फल नहीं लाता है।
निष्फल हो जाता है।

यह वह है जो वचन को सुनकर समझता है और फल लाता है।
"ये वे लोग हें जो फलवन्त एवं उत्पादक होते हैं" या "स्वस्थ पौधों के समान अच्छा फल लाते हैं", ये लोग बहुत फलते हैं।

Matthew 13:24

x
यीशु जनसमूह को दृष्टान्तों द्वारा परमेश्वर के राज्य के बारे में सिखा रहा है।

यीशु ने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया।
यीशु ने जनसमूह को एक और दृष्टान्त सुनाया।

स्वर्ग का राज्य उस मनुष्य के समान है।
आपका अनुवाद स्वर्ग के राज्य को मनुष्य के तुल्य न दर्शाए, इसकी अपेक्षा स्वर्ग का राज्य उस परिस्थिति के अनुसार है जिसका वर्णन यहाँ किया गया है।

अच्छा बीज बोया
"भोज्य पदार्थों का अच्छा बीज" या "अन्न का अच्छा बीज"। जनसमूह ने सोचा कि यीशु गेहूँ के बीज की चर्चा कर रहा है।

उसके शत्रु आकर
उसका शत्रु खेत में आया

जंगली बीज
इसका अनुवाद "बुरे बीज" या "जंगली घास के बीज" किया जा सकता है। उगने पर वे एक से दिखते हैं परन्तु होते हैं विष।

जब अंकुर निकले और बालें लगी।
"जब गेहूँ के बीज उगे" या "जब पौधा निकले"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जब .... बालें लगी
"अन्न उत्पन्न हुआ" या "गेहूँ की उपज तैयार हुई"

जंगली दाने के पौधे भी दिखाई दिए।
वैकल्पिक अनुवाद होगा, "उन्होंने देखा कि खेत में जंगली पौधे भी हैं"।

Matthew 13:27

x
यीशु दृष्टान्तों द्वारा जनसमूह को परमेश्वर के राज्य की शिक्षा दे रहा है। इन पदों में जंगली पौधों का दृष्टान्त ही चल रहा है।

गृहस्थ
यह वही व्यक्ति है जिसने खेत में अच्छे बीज डाले थे।

क्या तू ने खेत में अच्छा बीज नहीं बोया था?
"तूने तो खेत में अच्छा बीज डाला था", खेत के स्वामी ने मजदूरों से अच्छा डलवाया था। (देखें: यू.डी.बी.)

उसने उनसे कहा
खेत के स्वामी ने मजदूरों से कहा

क्या तेरी इच्छा है कि हम
"हम" मजदूरों के संदर्भ में है।

उनको बटोर लें
"खरपतवार उखाड़ दें" कि फेंकी जाएँ।

Matthew 13:29

x
यीशु दृष्टान्तों द्वारा जनसमूह के परमेश्वर के राज्य की शिक्षा दे रहा है। इस पद के साथ जंगली पौधों का दृष्टान्त समाप्त होता है।

उसने कहा
"खेत के स्वामी ने मजदूरों से कहा"

मैं काटनेवालों से कहूगा कि पहले जंगली पौधों को बटोर कर जलाने के लिए उनके गट्ठे बांध लो।
इसका अनुवाद परोक्ष उद्धरण में रखा जा सकता है, "मैं कटनी करने वालों से कहूँगा कि वे पहले जंगली पौधों को एकत्र करके जलाने के लिए उनके गट्ठे बाँध लें और फिर गेहूँ को मेरे खत्तों में इकट्ठा करें।"

मेरे खत्तों में
खत्ता वह गोदाम है जहाँ अन्न रखा जाता है।

Matthew 13:31

x
यीशु जनसमूह को दृष्टान्तों द्वारा परमेश्वर के राज्य के बारे में सिखा रहा है।

यीशु ने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया।
"यीशु ने जनसमूह को एक और दृष्टान्त सुनाया"

स्वर्ग का राज्य।
देखें कि आपने में इसका अनुवाद कैसे किया है

राई के एक दाने
एक बहुत ही छोटा बीज जो बड़ा पौधा बनता है।

यह बीज निश्चय ही सबसे छोटा बीज है।
मूल श्रोताओं के लिए राई का दाना सबसे छोटा बीज था

जब बढ़ जाता है।
"परन्तु जब पौधा पूर्ण विकसित हो जाता है"

और पेड़ हो जाता है।
"एक बड़ी झाड़ी हो जाता है"

आकाश के पक्षी
चिड़िएं

Matthew 13:33

x
यीशु जनसमूह को दृष्टान्तों द्वारा परमेश्वर के राज्य के बारे में सिखा रहा है।

उसने एक और दृष्टान्त उन्हें सुनाया।
"यीशु ने जनसमूह को एक और दृष्टान्त सुनाया।"

स्वर्ग का राज्य...के समान है।
देखें कि आपने इसका अनुवाद में कैसे किया है। राज्य तो खमीर के समान नहीं है परन्तु उसका फैलना खमीर के समान है।

तीन पसेरी आटे में मिलाया
"बहुत से आटे में" या आपकी भाषा में इस नाप के लिए कोई शब्द है तो उसका प्रयोग करें। (देखें: यू.डी.बी.)

वह खमीरा हो गया
"जब आटा पूरा खमीर हो गया" यहाँ सलंग्न अर्थ है कि आटा तन्दूरी रोटी के लिए तैयार हो गया था। (:)

Matthew 13:34

x
यीशु जनसमूह को दृष्टान्तों द्वारा परमेश्वर के राज्य के बारे में सिखा रहा है।

ये सब बातें यीशु ने दृष्टान्तों में लोगों से कहीं और बिना दृष्टान्त वह उनसे कुछ न कहता था।
यहाँ क्रम है, "दृष्टान्तों .... कहीं.... दृष्टान्तों .... कहता था।

यह सब बातें
वे सब शिक्षाएं जो यीशु ने से देता आ रहा है।

बिना दृष्टान्त वह उनसे कुछ न कहता था।
"उसने उन्हें दृष्टान्तों के बिना कोई शिक्षा नहीं दी"। वैकल्पिक अनुवाद, "उनसे उन्हें जो भी शिक्षा दी वह केवल दृष्टान्तों के द्वारा थी"। (देखें:))

कि जो वचन भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो।
जो वचन भविष्यद्वक्ता द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो, इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया से किया जा सकता है, "उसने वह भविष्यवाणी सच सिद्ध कर दी जो एक भविष्यद्वक्ता ने बहुत पहले की थी"। (यू.डी.बी.)

द्वारा कहा गया था
"जो भविष्यद्वक्ता ने कहा था"।

उन बातों को जो .... गुप्त रहीं।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया से किया जा सकता है, "जिन बातों को परमेश्वर ने गुप्त रखा था"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जगत की उत्पत्ति से
"जगत के आरंभ से" या "जबसे परमेश्वर ने जगत की रचना की"।

Matthew 13:36

x
यीशु घर में आया कि अपने शिष्यों को परमेश्वर के राज्य के संबन्ध में सुनाए गए दृष्टान्तों का अर्थ समझाए।

घर में आया
"घर के भीतर गया" या "जिस घर में रह रहा था उसमें गया"।

अच्छे बीज का बोनेवाला मनुष्य का पुत्र है।
"बीज बोने वाला"

मनुष्य का पुत्र
यीशु स्वयं के सन्दर्भ में कह रहा है।

राज्य की सन्तान
"राज्य के लोग"

दुष्ट की सन्तान
"शैतान के लोग"

जिस शत्रु ने उनको बोया वह शैतान है।
जंगली बीज डालने वाला शैतान है।

जगत का अन्त
"युगों का अन्त"

Matthew 13:40

x
यीशु अपने शिष्यों के साथ घर के भीतर गया और उन्हें परमेश्वर के राज्य से संबन्धित दृष्टान्तों का अर्थ समझा रहा है।

जैसे जंगली दाने बटोरे और जलाए जायेगे।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है। "अतः जिस प्रकार मनुष्य जंगली पौधे को एकत्र करके जलाता है"।

जगत का अन्त
"युगों का अन्त"

मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा।
यीशु स्वयं के बारे में कह रहा है इसलिए इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मैं, मनुष्य का पुत्र, अपने स्वर्गदूतों को भेजूंगा"।

कुकर्म करने वालों को
"जो अव्यवस्था फैलाते है" या "दुष्ट जन"

आग के कुण्ड में
आग के कुण्ड में "आग के कुण्ड" का अनुवाद हो सकता है, "आग की भट्ठी"। यदि भट्ठी शब्द अपरिचित हो तो "आग" काम में लिया जा सकता है।

सूर्य के समान चमकेंगे।
"देखने में सूर्य के समान आसान होंगे"

जिसके कान हो वह सुन ले।
"कुछ भाषाओं में द्वितीय पुरूष काम में लेना अधिक आसान होगा", "तुम जो वचन रखते हो, सुनो" या "तुम्हारे वचन हैं तो सुनो"।

Matthew 13:44

x
यीशु घर के भीतर गया और अपने शिष्यों को परमेश्वर के राज्य से संबन्धित दृष्टान्तों के अर्थ समझाने लगा। इन दोनों दृष्टान्तों में यीशु दो उपमाओं के द्वारा अपने शिष्यों को समझा रहा है कि स्वर्ग का राज्य कैसा है।

स्वर्ग का राज्य...के समान है।
देखें कि आपने इसका अनुवाद में कैसे किया है। (देखें:))

खेत में छिपे हुए धन
धन अत्यधिक मूल्यवान एवं अनमोल वस्तु है या वस्तुओं का संग्रह है। इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया से किया जा सकता है, "किसी ने खेत में धन गाड़ कर छिपाया था।"

छिपा दिया
"उसे मिट्टी से ढांक दिया"

अपना सब कुछ बेच दिया।
यहाँ स्पष्ट जानकारी यह है कि वह मनुष्य छिपे हुए धन को प्राप्त करने के लिए अपना सब कुछ बेच देता है

व्यापारी
व्यापारी का अर्थ है दूर से समान लाने वाला विक्रेता।

अच्छे मोतियों की खोज
यहाँ स्पष्ट जानकारी यह है कि वह व्यापारी अनमोल मोतियों की खोज में था कि उन्हें खरीद ले।

बहुमूल्य मोती
इसका अनुवाद किया जा सकता है, "उत्तम मोती" या "सुन्दर मोती"। "मोती" एक चिकना, कठोर, चमकीला, सफेद या हल्के रंग का मोती होता है जो समुद्र में सीपियों में बनता है और नगीने के रूप में उसका मूल्य बहुत होता है, उससे मंहगे आभूषण बनते हैं।

Matthew 13:47

x
यीशु अपने शिष्यों के साथ घर के भीतर गया और उन्हें परमेश्वर के राज्य से संबन्धित दृष्टान्त का अर्थ समझाने लगा। इस दृष्टान्त में भी यीशु उपमा द्वारा ही अपने शिष्यों को समझा रहा है कि स्वर्ग का राज्य कैसा है।(देखें: Simile)

स्वर्ग वह राज्य ... के समान है
देखें कि आपने इसका अनुवाद में कैसे किया है। राज्य जाल के समान नहीं है परन्तु जाल के समान सब मनुष्यों को घेर लेता है।

बड़े जाल के समान है, जो समुद्र में डाला गया।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है, "जाल के समान जिसे मछुवे समुद्र में डालते हैं"।

जाल.. समुद्र में डाला गया।
"जाल जो झील में डाला गया"

हर प्रकार की मछलियों को समेट लाया।
"नाना प्रकार की मछलियाँ घेर लीं"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उसको किनारे पर खींच लाए।
"जाल को किनारे पर लाए" या "जाल खींचते हुए तट पर आए"।

अच्छी अच्छी
"अच्छी मछलियाँ"

निकम्मी-निकम्मी
निकम्मी-निकम्मी -"अयोग्य मछलियाँ" या "जो मछलियाँ खाने योग्य नहीं थी"।

फेंक दीं
"नहीं रखीं"

Matthew 13:49

x
यीशु अपने शिष्यों के साथ घर के भीतर गया और उन्हें परमेश्वर के राज्य से संबन्धित दृष्टान्तों का अर्थ समझा रहा है।

जगत का अन्त
"युगों का अन्त"

आकर
"निकल आएंगे" या "निकलेंगे" या "स्वर्ग से उतरेंगे"।

डालेंगे
"दुष्टों को डाल देंगे"

आग के कुण्ड में
इसका अनुवाद किया जा सकता है "आग की भट्ठी में" यह नरक की आग के लिए रूपक है जो पुराने नियम से दानिय्येल 3:6 से लिया गया है। यदि "भट्ठी" शब्द लक्षित भाषा में नहीं है तो "तन्दूर" शब्द काम में लिया जा सकता है।

जहाँ रोना और दांत पीसना होगा।
"वहाँ दुष्ट दांत पीसेंगे और रोएंगे"।

Matthew 13:51

x
यीशु अपने शिष्यों के साथ घर के भीतर गया और उन्हें परमेश्वर के राज्य से संबन्धित दृष्टान्तों का अर्थ समझा रहा है।

"क्या तुमने ये सब बातें समझीं"? "उन्होंने उससे कहा, हाँ"
आवश्यक हो तो इसे विरोधी उद्धरण में भी लिखा जा सकता है, "यीशु ने उनसे पूछा कि क्या वे इन सब बातों को समझ गए तो उन्होंने कहा कि वे समझ गए"।

चेला बना है
"सीख गया है"

भण्डार
भण्डार मूल्यवान एवं बहुमूल्य वस्तु है या वस्तुओं का संग्रह है। यहाँ उसका संदर्भ उनके भण्डार गृह से है, "कोषागार" या "गोदाम"।

Matthew 13:54

x
यीशु के निवास-स्थान के लोगों द्वारा उसके और उसकी शिक्षाओं के परित्याग का यह वृत्तान्त है, जब वह आराधनालय में शिक्षा दे रहा था।

अपने नगर
"निवास-स्थान" (देखें यू.डी.बी.)

उनके आराधनालयों में
"उनके" अर्थात वहाँ के लोगों का

वे चकित होकर
"वे विस्मित थे"

सामर्थ्य के काम
"उसे ऐसे चमत्कारों का सामर्थ्य कहाँ से मिला"।

क्या यह बढ़ई का बेटा नहीं?
बढ़ई अर्थात लकड़ी का सामान बनाने वाला। यदि आपकी भाषा में बढ़ई शब्द अपरिचित है तो "मिस्त्री" शब्द काम में ले सकते हैं।

Matthew 13:57

x
यीशु के निवास-स्थान के लोगों ने उनके आराधनालय में दी गई, यीशु की शिक्षाओं का त्याग किया था, उसका वृत्तान्त चल रहा है।

उन्होंने उसके कारण ठोकर खाई।
"यीशु के निवास-स्थान के लोगों ने यीशु के कारण ठोकर खाई" या "उसे ग्रहण नहीं किया"।

भविष्यद्वक्ता का .... निरादर नहीं होता है।
"भविष्यद्वक्ता सब जगह सम्मान पाता है" या "भविष्यद्वक्ता सर्वत्र सम्मानित होता है" या "मनुष्य हर जगह भविष्यद्वक्ता को सम्मान देते हैं"

अपने देश
"उसके अपने स्थान में" या "अपने ही निवास स्थान में"।

अपने घर
"अपने निवास-स्थान"

बहुत से सामर्थ्य के काम नहीं किए"
"यीशु ने अपने निवास-स्थान में अनेक आश्चर्यकर्म नहीं किए"।

Translation Questions

Matthew 13:4

बीज बोने वाले के दृष्टान्त में मार्ग के किनारे गिरे बीजों का क्या हुआ?
मार्ग के किनारे जो बीज गिरे उन्हें पक्षियों ने खा लिया।

Matthew 13:5

बीज बोने वाले के दृष्टान्त में पत्थरीली भूमि पर गिरने वाले बीजों का क्या हुआ?
पत्थरीली भूमि पर गिरने वाले बीज तुरन्त उगे परन्तु धूप में जल कर सूख गए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 13:7

यीशु के बीज बोने वाले दृष्टान्त में कुछ बीच झाड़ियों में गिरे थे, उनका क्या हुआ?
कुछ बीज कंटीली झाड़ियों में गिरे और शीघ्र ही झाड़ियों ने उन्हें दबा दिया।

Matthew 13:8

यीशु के इस दृष्टान्त में अच्छी भूमि में गिरने वाले बीजों का क्या हुआ था?
जो बीज अच्छी भूमि में गिरे थे वे सौ गुना, कोई साठ गुना, कोई तीस गुना फल लाए।

Matthew 13:14

यशायाह की भविष्यद्वाणी के अनुसार मनुष्य सुनेगा और देखेगा भी परन्तु क्या नहीं करेगा?
यशायाह ने भविष्यद्वाणी की थी कि मनुष्य सुनेंगे परन्तु बुझेंगे नहीं, वे देखेंगे तो परन्तु उन्हें समझेगा नहीं।

Matthew 13:15

जो लोग यीशु की बातें सुनते थे परन्तु समझते नहीं थे उनकी समस्या क्या थी?
यीशु की बातें सुनने वालों का मन मोटा हो गया था वे ऊंचा सुनते थे और उन्होंने आंखे मूंद ली थी।

Matthew 13:19

बीज बोने वाले के दृष्टांत में मार्ग के किनारे गिरा बीज किस प्रकार का मनुष्य है?
मार्ग के किनारे बीजों का गिरना उस मनुष्य के सदृश्य था जो राज्य का सुसमाचार सुनता है परन्तु समझता नहीं और शैतान आकर उससे वचन छीन कर ले जाता है।

Matthew 13:20

बीज बोने वाले के दृष्टांत में पत्थरीली भूमि में गिरा बीज किस मनुष्य के सदृश्य है?
पत्थरीली भूमि में गिरा बीज वह मनुष्य है जो वचन को सुनकर सर्हष ग्रहण करता है परन्तु सताव के कारण तुरन्त ठोकर खाता है।

Matthew 13:22

बीज बोने वाले के दृष्टान्त में झाड़ियों में गिरा बीज किस मनुष्य के सदृश्य है?
झाड़ियों में गिरे बीज, वह मनुष्य है जो वचन को सुनता है परन्तु सांसारिक चिन्ता और धन का धोखा वचन को दबा देते हैं।

Matthew 13:23

बीज बोने वाले के दृष्टांत में अच्छी भूमि में बोए गए बीज किस मनुष्य के सदृश्य है?
अच्छी भूमि में बोए गए बीज उस मनुष्य के सदृश्य हैं जो वचन को सुनकर उसे अन्तर्ग्रहण करता है और फल लाता है।

Matthew 13:28

जंगली बीज के दृष्टांत में खेत में किस ने जंगली बीज बोए थे?
एक बैरी ने खेत में जंगली बीज डाल दिए।

Matthew 13:30

खेत के स्वामी ने मजदूरों को गेहूं और जंगली पौधों के बारे में क्या निर्देश दिए थे?
खेत के स्वामी ने मजदूरों से कहा कि दोनों की कटनी तक उगने दें तब जंगली पौधों को जलाने के लिए और गेहूं को खत्तों में रखने के लिए अलग-अलग कर दें।

Matthew 13:31

यीशु द्वारा सुनाए गए राई के दाने के दृष्टान्त में राई के दाने का क्या होता है?
राई का पौधा सब साग-पात से बड़ा हो जाता है और चिड़ियें उसमें घोंसला बनाती हैं।

Matthew 13:33

यीशु ने स्वर्ग के राज्य को खमीर के सदृश्य क्यों कहा था?
यीशु ने कहा कि स्वर्ग का राज्य खमीर के जैसा है, जब वह तीन पसेरी आटे में मिलाया गया तो पूरा आटा खमीर हो गया।

Matthew 13:37

जंगली पौधों के दृष्टान्त में अच्छा बीज बोने वाला कौन है, खेत क्या है, अच्छे बीज कौन हैं, जंगली पौधे कौन हैं, जंगली पौधे किसने बोए?
अच्छा बीज बोने वाला मनुष्य का पुत्र है, खेत यह संसार है, अच्छे बीज राजा की सन्तान हैं, जंगली पौधे शैतान की सन्तान हैं और उनका बोने वाला शैतान है।

Matthew 13:39

जंगली पौधों के दृष्टान्त में कटनी करने वाले कौन हैं और कटनी क्या दर्शाती है?
फसल काटने वाले स्वर्गदूत हैं और कटनी संसार का अन्त है।

Matthew 13:42

जगत के अन्त में अपराधियों के साथ क्या किया जायेगा?
जगत के अन्त में अपराधी आग में झोंके जायेंगे।

Matthew 13:43

जगत के अन्त में धर्मियों का क्या होगा?
जंगल के अन्त में धर्मी जन सूर्य के समान चमकेंगे।

Matthew 13:44

यीशु के इस दृष्टान्त में जिस मनुष्य को खजाना मिल गया था जो स्वर्ग के राज्य का प्रतीक है वह क्या करता है?
एक मनुष्य को खजाना मिल जाता है तो वह अपना सब कुछ बेचकर उस खेत को मोल ले लेता है।

Matthew 13:45

यीशु के इस दृष्टांत में उस बहुमूल्य मोती को स्वर्ग के राज्य को मोल लेने के लिए क्या किया गया था?
एक व्यापारी को बहुमूल्य मोती मिल गया तो उसने अपना सब कुछ बेचकर उस मोती को खरीद लिया।

Matthew 13:47

मछली पकड़ने का जाल जगत के अन्त के तुल्य कैसे है?
जाल में पकड़ी गई हर प्रकार की मछलियों में से अच्छी मछलियां चुनकर निकम्मी फेंक दी जाती हैं इसी प्रकार जगत के अन्त में धर्मियों को अलग करके दुष्टों को अग्नि-कुण्ड में डाल दिया जायेगा।

Matthew 13:54

यीशु की शिक्षा को सुनकर उसके नगर के लोगों ने उसके बारे में क्या प्रश्न किया?
?

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 13:57

यीशु ने भविष्यद्वक्ता के साथ व्यवहार के बारे में क्या कहा था?
यीशु ने कहा कि भविष्यद्वक्ता अपने देश को छोड़ कहीं "निरादर नहीं" होता है।

Matthew 13:58

मनुष्यों के अविश्वास के कारण यीशु के अपने नगर में क्या हुआ?
मनुष्यों के अविश्वास के कारण यीशु ने अपने नगर में बहुत सामर्थ्य के काम नहीं किए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 14

1 उस समय चौथाई देश के राजा* हेरोदेस ने यीशु की चर्चा सुनी। **2** और अपने सेवकों से कहा, “यह यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला है: वह मरे हुओं में से जी उठा है, इसलिए उससे सामर्थ्य के काम प्रगट होते हैं।”

3 क्योंकि हेरोदेस ने अपने भाई फिलिप्पुस की पत्नी हेरोदियास के कारण, यूहन्ना को पकड़कर बाँधा, और जेलखाने में डाल दिया था। **4** क्योंकि यूहन्ना ने उससे कहा था, कि इसको रखना तुझे उचित नहीं है। **5** और वह उसे मार डालना चाहता था, पर लोगों से डरता था, क्योंकि वे उसे भविष्यद्वक्ता मानते थे। **6** पर जब हेरोदेस का जन्मदिन आया, तो हेरोदियास की बेटी ने उत्सव में नाच दिखाकर हेरोदेस को खुश किया। **7** इसलिए उसने शपथ खाकर वचन दिया, “जो कुछ तू माँगेगी, मैं तुझे दूँगा।” **8** वह अपनी माता के उकसाने से बोली, “यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले का सिर थाल में यहीं मुझे मँगवा दे।” **9** राजा दुःखित हुआ, पर अपनी शपथ के, और साथ बैठनेवालों के कारण, आज्ञा दी, कि दे दिया जाए। **10** और उसने जेलखाने में लोगों को भेजकर यूहन्ना का सिर कटवा दिया। **11** और उसका सिर थाल में लाया गया, और लड़की को दिया गया; और वह उसको अपनी माँ के पास ले गई। **12** और उसके चेलों ने आकर उसके शव को ले जाकर गाड़ दिया और जाकर यीशु को समाचार दिया।

13 जब यीशु ने यह सुना, तो नाव पर चढ़कर वहाँ से किसी सुनसान जगह को, एकान्त में चला गया; और लोग यह सुनकर नगर-नगर से पैदल उसके पीछे हो लिए। **14** उसने निकलकर एक बड़ी भीड़ देखी, और उन पर तरस खाया, और उसने उनके बीमारों को चंगा किया। **15** जब सांझ हुई, तो उसके चेलों ने उसके पास आकर कहा, “यह तो सुनसान जगह है और देर हो रही है, लोगों को विदा किया जाए कि वे बस्तियों में जाकर अपने लिये भोजन मोल लें।” **16** यीशु ने उनसे कहा, “उनका जाना आवश्यक नहीं! तुम ही इन्हें खाने को दो।” **17** उन्होंने उससे कहा, “यहाँ हमारे पास पाँच रोटी और दो मछलियों को छोड़ और कुछ नहीं है।” **18** उसने कहा, “उनको यहाँ मेरे पास ले आओ।” **19** तब उसने लोगों को घास पर बैठने को कहा, और उन पाँच रोटियों और दो मछलियों को लिया; और स्वर्ग की ओर देखकर धन्यवाद किया और रोटियाँ तोड़-तोड़कर चेलों को दीं, और चेलों ने लोगों को। **20** और सब खाकर तृप्त हो गए, और उन्होंने बचे हुए टुकड़ों से भरी हुई बारह टोकरियाँ उठाई। **21** और खानेवाले स्त्रियों और बालकों को छोड़कर* पाँच हजार पुरुषों के लगभग थे।

22 और उसने तुरन्त अपने चेलों को नाव पर चढ़ाया, कि वे उससे पहले पार चले जाएँ, जब तक कि वह लोगों को विदा करे। **23** वह लोगों को विदा करके, प्रार्थना करने को अलग पहाड़ पर चढ़ गया; और सांझ को वह वहाँ अकेला था। **24** उस समय नाव झील के बीच लहरों से डगमगा रही थी, क्योंकि हवा सामने की थी। **25** और वह रात के चौथे पहर* झील पर चलते हुए उनके पास आया। **26** चेले उसको झील पर चलते हुए देखकर घबरा गए, और कहने लगे, “वह भूत है,” और डर के मारे चिल्ला उठे। **27** यीशु ने तुरन्त उनसे बातें की, और कहा, “धैर्य रखो, मैं हूँ; डरो मत।” **28** पतरस ने उसको उत्तर दिया, “हे प्रभु, यदि तू ही है, तो मुझे अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे।” **29** उसने कहा, “आ!” तब पतरस नाव पर से उतरकर यीशु के पास जाने को पानी पर चलने लगा। **30** पर हवा को देखकर डर गया, और जब डूबने लगा तो चिल्लाकर कहा, “हे प्रभु, मुझे बचा।” **31** यीशु ने तुरन्त हाथ बढ़ाकर उसे थाम लिया, और उससे कहा, “हे अल्प विश्वासी, तूने क्यों सन्देह किया?” **32** जब वे नाव पर चढ़ गए, तो हवा थम गई। **33** इस पर जो नाव पर थे, उन्होंने उसकी आराधना करके कहा, “सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है।”

34 वे पार उतरकर गन्नेसरत प्रदेश में पहुँचे। **35** और वहाँ के लोगों ने उसे पहचानकर आस-पास के सारे क्षेत्र में कहला भेजा, और सब बीमारों को उसके पास लाए। **36** और उससे विनती करने लगे कि वह उन्हें अपने वस्त्र के कोने ही को छूने दे; और जितनों ने उसे छुआ, वे चंगे हो गए।

Matthew 14:1

x
यहाँ वर्णित घटनाओं से पूर्व की घटनाओं का वर्णन करता है।

उस समय
"उन दिनों" या "जब यीशु गलील में उपदेश करता था"।

चौथाई देश का राजा हेरोदेस
हेरोदेस एन्तिपास', चौथाई इस्राएल का शासक था (देखें:))

यीशु की चर्चा सुनी
"यीशु का समाचार सुना" या "यीशु की ख्याति सुनी"

कहा
"हेरोदेस ने कहा"

Matthew 14:3

x
यह हेरोदेस द्वारा यूहन्ना की हत्या का वृत्तान्त है।

यूहन्ना को पकड़कर बाँधा और जेलखाने में डाल दिया था।
हेरोदेस ने आज्ञा देकर ऐसा करवाया था।

हेरोदेस ने ... यूहन्ना को पकड़कर
"हेरोदेस ने यूहन्ना को पकड़वाया"।

क्योंकि यूहन्ना ने उससे कहा था कि इसको रखना तेरे लिए उचित नहीं।
"क्योंकि यूहन्ना ने उससे कहा था कि उसे रखना नियम विरोधी है"।

क्योंकि यूहन्ना ने उससे कहा था।
"क्योंकि यूहन्ना कहता था" (देखें यू.डी.बी.)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उचित नहीं
यू.डी.बी. के अनुसार हेरोदियास से हेरोदेस के विवाह के समय फिलिप्पुस जीवित था। मूसा की व्यवस्था के अनुसार भाई की पत्नी से विवाह करना वर्जित था।

Matthew 14:6

x
यह हेरोदेस द्वारा यूहन्ना की हत्या का वृत्तान्त है।

में
जन्मदिवस के उत्सव में उपस्थित अतिथियों के सामने"

Matthew 14:8

x
यह हेरोदेस द्वारा यूहन्ना की हत्या का वृत्तान्त है।

वह अपनी माता के उकसाने से बोली
वैकल्पिक अनुवाद, "उसकी माता की शिक्षा के कारण वह बोली"

उकसाने
"सिखाया"

किस की माँग रखूँ
इसका अनुवाद होगा "क्या मांगू" ये शब्द मूल यूनानी में नहीं हैं। ये शब्द स्पष्ट हैं।

वह... बोली
वह अर्थात हेरोदियास की पुत्री

थाल
"बड़ी थाली"

राजा दुःखी हुआ
"उसके आग्रह ने राजा को बहुत दुःखी किया"

राजा
चौथाई देश का राजा हेरोदेस एन्तिपास .

Matthew 14:10

x
यह हेरोदेस द्वारा यूहन्ना की हत्या का वृत्तान्त है।

उसका सिर थाल में लाया गया और उस लडकी को दिया गया।
"किसी ने कटा हुआ सिर लाकर उस लड़की को दे दिया"

थाल
यह एक बड़ी थाली है

लड़की
अविवाहित स्त्री, युवती के लिए शब्द काम में लें।

चेले।
"यूहन्ना के शिष्य"

शव
उसकी पार्थिव देह

यीशु को समाचार दिया।
"यूहन्ना के शिष्यों ने जाकर यीशु को बताया कि यूहन्ना के साथ क्या हुआ था"

Matthew 14:13

x
जब यीशु ने यह सुना तो नाव में चढ़कर वहाँ से किसी सुनसान जगह को एकान्त में चला गया।

यह सुना
"यूहन्ना के साथ जो हुआ उसे सुनकर" या "यूहन्ना के बारे में समाचार सुनकर"

एकान्त में चला गया
"वह लोगों से दूर चला गया"

वहाँ से
"उस स्थान से"

लोग यह सुनकर
"जब लोगों ने सुना कि वे कहाँ चले गए" (देखें यू.डी.बी.) या "जब लोगों ने सुना कि वे चले गए"।

लोग
"जनसमूह" या "जनता"

उसने निकलकर एक बड़ी भीड़ देखी
"जब यीशु किनारे पर पहुंचा तो एक विशाल जनसमूह वहाँ देखा"।

Matthew 14:15

x
इस निर्जन स्थान में उसके पीछे आने वाले को यीशु भोजन करवाता है।

चेलों ने उसके पास आकर
"यीशु के शिष्य उसके पास आए"

Matthew 14:16

x
इस निर्जन स्थान में उसके पीछे आने वाले को यीशु भोजन करवाता है।

आवश्यक नहीं
जनसमूह के लिए आवश्यक नहीं

तुम ही इन्हें खाने को दो
"तुम" बहुवचन सर्वनाम का संदर्भ शिष्यों से है

उन्होंने उससे कहा
"शिष्यों ने यीशु से कहा"

पाँच रोटी और दो मछलियाँ
"पांच रोटियाँ और दो मछलियाँ" (देखें:))

उनको यहाँ मेरे पास ले आओ।
"वे रोटियाँ और मछली यहाँ ले आओ"

Matthew 14:19

x
इस निर्जन स्थान में उसके पीछे आने वाले को यीशु भोजन करवाता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बैठने को कहा
"लेटने को कहा" आपकी संस्कृति में खाना खाते समय जैसे बैठते हैं, वैसे ही अभिव्यक्ति काम में लें।

को लिया
"अपने हाथों में लिया" चोरी नहीं की।

रोटियाँ
"रोटियों के टुकड़े" या "पूरी रोटियाँ"

देखकर
इसका अर्थ हो सकता है (1) देखते हुए या (2) देखने के बाद

उठाईं
"शिष्यों ने एकत्र किए"

खाने वाले
"जिन्होंने रोटी और मछली खाई थी"

Matthew 14:22

x
यीशु पानी पर चलता है।

तुरन्त
"पाँच हजार को भोजन कराने के तुरन्त बाद"

साँझ को
"अन्धेरा होने के समय" या "अन्धेरा हो जाने तक"

लहरों से डगमगा रही थी
"लहरे नाव को नियंत्रण से बाहर कर रही थी"

Matthew 14:25

x
यीशु पानी पर चलता है।

"वह झील के पानी पर चलकर आया"
"यीशु पानी के ऊपर चल कर आया"

घबरा गए
"शिष्य बहुत डर गए"

भूत
मृतक की आत्मा

Matthew 14:28

x
यीशु पानी पर चलता है।

पतरस ने उसको उत्तर दिया
"पतरस ने यीशु से कहा"

Matthew 14:31

x
यीशु पानी पर चलता है।

"हे अल्पविश्वासी"
देखें आप इसका अनुवाद कैसे करते हैं .

तूने क्यों सन्देह किया?
"तुझे सन्देह नहीं करना था"।

Matthew 14:34

x
उस निर्जन स्थान से लौट कर यीशु गलील में प्रचार कर रहा है।

पार उतरकर
"जब यीशु और उसके शिष्य झील के पार पहुंच गए"

गन्नेसरत में
गलील सागर के उत्तर-पश्चिमी छोर पर एक छोटा नगर

समाचार भेजा
"उस नगर के लोगों ने समाचार भेजा"

विनती करने लगे
"रोगियों ने उससे निवेदन किया"

वस्त्र
"बागा" या "जो भी वह पहने हुए था"।

Translation Questions

Matthew 14:2

हेरोदेस यीशु को क्या समझता था?
हेरोदेस सोचता था कि यीशु पुनर्जीवित यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला है।

Matthew 14:4

हेरोदेस ने व्यवस्था विरोधी कौन सा काम किया था कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने उसे दोषी ठहराया था?
हेरोदेस ने अपने भाई की पत्नी से विवाह कर लिया था।

Matthew 14:5

हेरोदेस यूहन्ना को तुरन्त नहीं मरवाया, क्यों?
हेरोदेस ने यूहन्ना की हत्या तुरन्त नहीं की थी क्योंकि वह लोगों से डर गया जो उसे भविष्यद्वक्ता मानते थे।

Matthew 14:7

हेरोदेस के जन्मदिन पर हेरोदियास की पुत्री के नृत्य से अति प्रसन्न होकर, हेरोदेस ने क्या किया था?
हेरोदेस ने शपथ खाकर कहा कि वह हेरोदियास की पुत्री को मुंह मांगा वर देगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 14:8

हेरोदियास ने क्या मांगा था?
हेरोदियास ने यूहन्ना को बपतिस्मा देनेवाले का सिर थाली में मांगा।

Matthew 14:9

हेरोदेस ने हेरोदियास का निवेदन क्यों स्वीकार किया?
हेरोदेस ने अपनी शपथ और अतिथियों के कारण हेरोदियास का निवेदन स्वीकार किया था।

Matthew 14:14

विशाल जन समूह को पीछे आते देख यीशु की प्रतिक्रिया क्या थी?
यीशु को उन पर तरस आया और उसने उनके रोगियों को चंगा किया।

Matthew 14:16

यीशु ने चेलों से क्या कहा कि वे उस जन समूह के लिए करें?
यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे उस जन समूह को भोजन करवाएं।

Matthew 14:19

चेले जब पांच रोटियां और दो मछलियां लेकर उसके पास आए तब यीशु ने क्या किया?
यीशु ने स्वर्ग की ओर दृष्टि करके रोटी को आशिष देकर तोड़ा और चेलों को दिया कि जन समूह में बांट दें।

Matthew 14:20

कितने लोगों ने भोजन किया और कितना भोजन बचा?
लगभग पांच हज़ार पुरूषों तथा स्त्रियों और बच्चों ने भोजन किया और बारह टोकरियां भरकर रोटियां बची।

Matthew 14:23

जन समूह को विदा करने के बाद यीशु ने क्या किया?
यीशु पहाड़ पर अकेले प्रार्थना करने चला गया।

Matthew 14:24

झील के मध्य चेलों के साथ क्या हो रहा था?
हवा और लहरों के कारण चेले नाव को संभाल नहीं पा रहे थे।

Matthew 14:25

यीशु चेलों के पास कैसे आया?
यीशु पानी पर चलकर चेलों के पास आया।

Matthew 14:27

चेलों ने यीशु को देखा तो यीशु ने उनसे क्या कहा?
यीशु ने चेलों से कहा ढाढ़स बांधो, डरो मत।

Matthew 14:29

यीशु ने पतरस से क्या करने को कहा?
यीशु ने पतरस से कहा कि वह पानी पर चलकर उसके पास आ जाए।

Matthew 14:30

पतरस पानी में क्यो डूबने लगा था?
पतरस डर कर पानी में डूबने लगा।

Matthew 14:32

यीशु और पतरस नाव में आ गए तो क्या हुआ?
जब यीशु और पतरस नाव में आ गये तब हवा बहना बन्द हुआ।

Matthew 14:33

इस घटना के कारण शिष्यों ने क्या किया?
यह देख कर चेलों ने यीशु को दण्डवत् करके कहा, "सचमुच तू परमेश्वर का पुत्र है"।

Matthew 14:35

यीशु और उसके चेले झील के पार उतरे तो लोगों ने क्या किया?
यीशु और उसके चेले जब झील के पार उतरे तब लोग अपने रोगियों को लेकर यीशु के पास आए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 15

1 तब यरूशलेम से कुछ फरीसी और शास्त्री यीशु के पास आकर कहने लगे, **2** “तेरे चेले प्राचीनों की परम्पराओं* को क्यों टालते हैं, कि बिना हाथ धोए रोटी
खाते हैं?” **3** उसने उनको उत्तर दिया, “तुम भी अपनी परम्पराओं के कारण क्यों परमेश्वर की आज्ञा टालते हो? **4** क्योंकि परमेश्वर ने कहा, ‘अपने पिता और
अपनी माता का आदर करना’, और ‘जो कोई पिता या माता को बुरा कहे, वह मार डाला जाए।’ **5** पर तुम कहते हो, कि यदि कोई अपने पिता या माता से कहे,
‘जो कुछ तुझे मुझसे लाभ पहुँच सकता था, वह परमेश्वर को भेंट चढ़ाई जा चुका’ **6** तो वह अपने पिता का आदर न करे, इस प्रकार तुम ने अपनी परम्परा के
कारण परमेश्वर का वचन टाल दिया। **7** हे कपटियों, यशायाह ने तुम्हारे विषय में यह भविष्यद्वाणी ठीक ही की है:

8 ‘ये लोग होंठों से तो मेरा आदर करते हैं,
पर उनका मन मुझसे दूर रहता है।
9 और ये व्यर्थ मेरी उपासना करते हैं,
क्योंकि मनुष्य की विधियों को धर्मोपदेश करके सिखाते हैं।’ ”

10 और उसने लोगों को अपने पास बुलाकर उनसे कहा, “सुनो, और समझो। **11** जो मुँह में जाता है, वह मनुष्य को अशुद्ध नहीं करता, पर जो मुँह से निकलता
है, वही मनुष्य को अशुद्ध करता है।” **12** तब चेलों ने आकर उससे कहा, “क्या तू जानता है कि फरीसियों ने यह वचन सुनकर ठोकर खाई?” **13** उसने उत्तर
दिया, “हर पौधा जो मेरे स्वर्गीय पिता ने नहीं लगाया, उखाड़ा जाएगा। **14** उनको जाने दो; वे अंधे मार्ग दिखानेवाले हैं और अंधा यदि अंधे को मार्ग दिखाए, तो
दोनों गड्ढे में गिर पड़ेंगे।”

15 यह सुनकर पतरस ने उससे कहा, “यह दृष्टान्त हमें समझा दे।” **16** उसने कहा, “क्या तुम भी अब तक नासमझ हो? **17** क्या तुम नहीं समझते, कि जो
कुछ मुँह में जाता, वह पेट में पड़ता है, और शौच से निकल जाता है? **18** पर जो कुछ मुँह से निकलता है, वह मन से निकलता है, और वही मनुष्य को अशुद्ध
करता है। **19** क्योंकि बुरे विचार, हत्या, परस्त्रीगमन, व्यभिचार, चोरी, झूठी गवाही और निन्दा मन ही से निकलती है। **20** यही हैं जो मनुष्य को अशुद्ध करती हैं,
परन्तु हाथ बिना धोए भोजन करना मनुष्य को अशुद्ध नहीं करता।”

21 यीशु वहाँ से निकलकर, सूर* और सैदा के देशों की ओर चला गया। **22** और देखो, उस प्रदेश से एक कनानी* स्त्री निकली, और चिल्लाकर कहने लगी, “हे
प्रभु! दाऊद के सन्तान, मुझ पर दया कर, मेरी बेटी को दुष्टात्मा बहुत सता रहा है।” **23** पर उसने उसे कुछ उत्तर न दिया, और उसके चेलों ने आकर उससे
विनती करके कहा, “इसे विदा कर; क्योंकि वह हमारे पीछे चिल्लाती आती है।” **24** उसने उत्तर दिया, “इस्राएल के घराने की खोई हुई भेड़ों को छोड़ मैं किसी
के पास नहीं भेजा गया।” **25** पर वह आई, और उसे प्रणाम करके कहने लगी, “हे प्रभु, मेरी सहायता कर।” **26** उसने उत्तर दिया, “लड़कों की* रोटी लेकर
कुत्तों के आगे डालना अच्छा नहीं।” **27** उसने कहा, “सत्य है प्रभु, पर कुत्ते भी वह चूरचार खाते हैं, जो उनके स्वामियों की मेज से गिरते हैं।” **28** इस पर यीशु
ने उसको उत्तर देकर कहा, “हे स्त्री, तेरा विश्वास बड़ा है; जैसा तू चाहती है, तेरे लिये वैसा ही हो” और उसकी बेटी उसी समय चंगी हो गई।

29 यीशु वहाँ से चलकर, गलील की झील के पास आया, और पहाड़ पर चढ़कर वहाँ बैठ गया। **30** और भीड़ पर भीड़ उसके पास आई, वे अपने साथ लँगड़ों,
अंधों, गूँगों, टुण्डों, और बहुतों को लेकर उसके पास आए; और उन्हें उसके पाँवों पर डाल दिया, और उसने उन्हें चंगा किया। **31** अतः जब लोगों ने देखा, कि
गूंगे बोलते और टुण्डे चंगे होते और लँगड़े चलते और अंधे देखते हैं, तो अचम्भा करके इस्राएल के परमेश्वर की बड़ाई की।

32 यीशु ने अपने चेलों को बुलाकर कहा, “मुझे इस भीड़ पर तरस आता है; क्योंकि वे तीन दिन से मेरे साथ हैं और उनके पास कुछ खाने को नहीं; और मैं उन्हें
भूखा विदा करना नहीं चाहता; कहीं ऐसा न हो कि मार्ग में थककर गिर जाएँ।” **33** चेलों ने उससे कहा, “हमें इस निर्जन स्थान में कहाँ से इतनी रोटी मिलेगी कि
हम इतनी बड़ी भीड़ को तृप्त करें?” **34** यीशु ने उनसे पूछा, “तुम्हारे पास कितनी रोटियाँ हैं?” उन्होंने कहा, “सात और थोड़ी सी छोटी मछलियाँ।” **35** तब
उसने लोगों को भूमि पर बैठने की आज्ञा दी। **36** और उन सात रोटियों और मछलियों को ले धन्यवाद करके तोड़ा और अपने चेलों को देता गया, और चेले लोगों
को। **37** इस प्रकार सब खाकर तृप्त हो गए और बचे हुए टुकड़ों से भरे हुए सात टोकरे उठाए। **38** और खानेवाले स्त्रियों और बालकों को छोड़ चार हजार पुरुष
थे। **39** तब वह भीड़ को विदा करके नाव पर चढ़ गया, और मगदन* क्षेत्र में आया।

Matthew 15:1

x
यीशु और धर्म गुरूओं में विवाद का आरंभ होता है।

पूर्वजों की परम्पराओं को क्यों टालते हैं?
"पूर्वकाल में धर्म के अगुओं द्वारा स्थापित नियमों का पालन नहीं करते है"

बिना हाथ धोए
"बिना हाथ धोए," - हमारी व्यवस्था में दी गई शोधन विधि के अनुसार हाथ नहीं धोते हैं।

Matthew 15:4

x
यीशु और शास्त्रिों तथा फरीसियों में विवाद चल रहा है।

जो कोई
"वह हर एक जो" या "यदि कोई"

पिता का आदर करना
"पिता की सुधि लेकर उसका आदर करना"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुमने अपनी परम्परा के कारण परमेश्वर का वचन टाल दिया।
वैकल्पिक अनुवाद, "तुमने परम्परा को परमेश्वर की वचन से बड़ा बना दिया"।

Matthew 15:7

x
यीशु तथा फरीसियों एवं शास्त्रियों में विवाद चल रहा है।

यशायाह: ने यह भविष्यद्वाणी ठीक ही की है।
वैकल्पिक अनुवाद, "यशायाह ने भविष्यद्वाणी में सच ही कहा है।"

द्वारा कहा गया था
वैकल्पिक अनुवाद, "जब उसने परमेश्वर का वचन सुनाया"

"ये लोग होठों से तो मेरा आदर करते हैं।"
वैकल्पिक अनुवाद, "ये लोग उचित शब्दों का उपयोग तो करते हैं।"

पर उनका मन मुझसे दूर रहता है।
वैकल्पिक अनुवाद, "ये मुझे सच में प्रेम नहीं करते हैं"

वे व्यर्थ मेरी उपासना करते हैं।
वैकल्पिक अनुवाद, "उनकी उपासना का मुझ पर प्रभाव नहीं पड़ता है" या "वे उपासना का केवल नाटक रचते हैं"।

"मनुष्यों की विधियों"
"मनुष्यों द्वारा बनाए गए नियम"

Matthew 15:10

x
यीशु दृष्टान्तों द्वारा शिक्षा देता है।

सुनो और समझो
यीशु अग्रिम अभिकथन का महत्त्व प्रकट कर रहा है।

Matthew 15:12

x
यीशु इस दृष्टान्त का अर्थ अपने शिष्यों को समझाता है,

फरीसियों ने यह वचन सुनकर ठोकर खाई?
वैकल्पिक अनुवाद, "यीशु की यह बात सुनकर फरीसी क्रोधित हुए"? या "इस कथन ने फरीसियों को नाराज़ किया"?

Matthew 15:15

x
यीशु अपने शिष्यों को इस दृष्टान्त का अर्थ समझा रहा है,

हमें
"हमें तेरे शिष्यों को"

जाता
"प्रवेश करता है"

सण्डास
मल त्याग के स्थान के लिए भद्र शब्द

Matthew 15:18

x
यीशु अपने शिष्यों को इस दृष्टान्त का अर्थ समझा रहा है, .

जो कुछ मुँह से निकलता है
"मनुष्य के मुख के द्वारा"

वह मन से निकलता है
"मनुष्य की सच्ची भावनाओं और विचारों का परिणाम हैं।"

हत्या
निर्दोषों की हत्या

निन्दा
"मनुष्यों को चुभने वाली बातें"

हाथ बिना धोए
विधिपूर्वक हाथ को नहीं धोना

Matthew 15:21

x
यीशु द्वारा एक कनानी स्त्री की पुत्री को रोग-मुक्त करने का वृत्तान्त अब आरंभ होता है।

उस प्रदेश से एक कनानी स्त्री निकली
उस स्त्री ने इस्राएली सीमा के बाहर अपने देश से आकर इस्राएल में प्रवेश किया और यीशु को खोजा।

कनानी स्त्री
कनान देश तो उस समय था नहीं, "कनानी समुदाय की एक स्त्री"

मेरी बेटी को दुष्टात्मा बहुत सता रही है।
"मेरी बेटी को दुष्टात्मा के उत्पीड़न से बहुत परेशान है"।

उसने कुछ उत्तर नहीं दिया।
"कुछ नहीं कहा"

Matthew 15:24

x
यीशु द्वारा उस कनानी स्त्री की पुत्री की चंगाई का वृत्तान्त चल रहा है।

वह आई
"वह कनानी स्त्री आई"

लड़कों की रोटी.... कुत्तों के आगे
"जो वास्तव में यहूदियों से कह रहा है.... अन्य जातियों को"

Matthew 15:27

x
यीशु द्वारा उस कनानी स्त्री की पुत्री की चंगाई का वृत्तान्त चल रहा है।

पर कुत्ते भी चूरचार खाते हैं जो उनके स्वामियों की मेज से गिरते हैं।
"अन्य जातियों को भी इस योग्य समझा जाए कि वे यहूदियों द्वारा त्यागी गईं भली वस्तुएँ पाएँ"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

और उसकी बेटी उसी घड़ी से चंगी हो गई।
"यीशु ने उसकी पुत्री को रोगमुक्त कर दिया" या "यीशु ने उसकी पुत्री को स्वस्थ कर दिया"

उसी घड़ी
"ठीक उसी समय" या "तुरन्त"

Matthew 15:29

x
यह गलील क्षेत्र में यीशु द्वारा जनसमूह में रोगियों की चंगाई का वृत्तान्त है।

गूंगे, टुण्डे, लंगड़े, अंधे
"जो लोग चल नहीं सकते थे, जो देख नहीं सकते थे, जो बोल नहीं सकते थे, और जिनके हाथ और पैर बेकार हो गए थे"। कुछ आरंभिक अभिलेखों में इनका क्रम भिन्न है।

उन्हें उसके पाँवों पर डाल दिया।
"जनसमूह रोगियों को यीशु के पास लाया"

Matthew 15:32

x
यह यीशु द्वारा गलील में जनसमूह को भोजन कराने का ही वृत्तान्त है।

मार्ग में थक कर रह जाएँ
संभावित अर्थ है: (1)"कहीं वे थककर बेहोश न हो जाएं" या (2) "कहीं वे निर्बल न हो जाएँ"

बैठने
लोग अब खाने के लिए आपके यहाँ कैसे बैठते हैं, टेबल न होने पर उसी शब्द का उपयोग करें, बैठकर या लेटना।

Matthew 15:36

x
यह यीशु द्वारा गलील में जनसमूह को भोजन कराने का ही वृत्तान्त है।

उसने किया
"यीशु ने लिया" इसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया गया है।

देता गया
"रोटी और मछलियाँ देता गया"

टोकरे उठाए
"शिष्यों ने एकत्र किए"

खाने वाले
"जिन मनुष्यों ने भोजन किया था"

सीमा में
"प्रदेश के एक भाग"

मगदन
कभी-कभी मगदाला भी कहलाता है

Translation Questions

Matthew 15:3

परम्परा द्वारा परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करने का उदाहरण यीशु ने क्या दिया?
फरीसियों ने "परमेश्वर को भेंट" चढ़ाने के बहाने सन्तानों को माता-पिता के दायित्व से मुक्त कर दिया था।

Matthew 15:7

यशायाह ने फरीसियों के मुख और हृदय के बारे में क्या भविष्यद्वाणी की थी?
यशायाह की भविष्यद्वाणी थी कि फरीसी होंठों से परमेश्वर का आदर करते थे परन्तु उनका मन उससे दूर था।

Matthew 15:9

परमेश्वर की आज्ञाओं के स्थान पर फरीसी धर्म की क्या शिक्षा देते थे?
फरीसी धर्म शिक्षा के नाम पर मनुष्य की परम्परा की शिक्षा देते थे।

Matthew 15:11

यीशु की शिक्षा के अनुसार मनुष्य किससे अशुद्ध होता है?
यीशु ने कहा कि मनुष्य के मुख से निकलने वाली बातें उसे अशुद्ध करती हैं।

Matthew 15:14

यीशु ने फरीसियों को क्या कहा और उनका भविष्य क्या बताया?
यीशु ने फरीसियों को अन्धे मार्गदर्शक कहा, और यह भी कि वे गड्ढे में गिरेंगे।

Matthew 15:19

मनुष्य के मन से उभरने वाली कौन सी बातें उसे अशुद्ध करती हैं?
मन से बुरे विचार, हत्या, व्यभिचार, परस्त्रीगमन, चोरी, झूठी गवाही और निन्दा उभरती है।

Matthew 15:23

जब उस कनानी स्त्री ने यीशु की दया दान के लिए पुकारा तब यीशु ने पहले क्या किया?
यीशु ने उसे उत्तर नहीं दिया।

Matthew 15:24

उस कनानी स्त्री को अनदेखा करने का कारण यीशु ने क्या बताया था?
यीशु ने कहा कि उसे केवल इस्राएल की खोई हुई भेड़ों के लिए भेजा गया है।

Matthew 15:28

उस स्त्री की दीनता पर यीशु ने उससे क्या कहा और उसके लिए क्या किया?
यीशु ने कहा कि उस स्त्री का विश्वास बड़ा है और उसकी इच्छा पूरी की।

Matthew 15:30

यीशु ने उस विशाल जन समूह के साथ क्या किया जो गलील क्षेत्र में उसके पास आए थे?
यीशु ने गूंगे, लंगड़े, टुण्डे और अंधे लोगों को चंगा किया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 15:34

चेलों के पास जन समूह को खिलाने के लिए कितनी रोटियां और मछलियां थी?
चेलों के पास सात रोटियां और कुछ मछलियां थी।

Matthew 15:36

यीशु ने रोटियों और मछलियों के साथ क्या किया?
यीशु ने रोटियां और मछलियां लेकर धन्यवाद दिया और रोटी तोड़कर चेलों को दीं।

Matthew 15:37

सबके खा लेने के बाद कितना भोजन बचा था?
सबको भोजन करने के बाद सात टोकरियां भर कर भोजन बच गया।

Matthew 15:38

कितने लोग रोटी और मछली खाकर तृप्त हुए थे?
चार हज़ार पुरुष और स्त्रियों तथा बच्चों ने भोजन किया और तृप्त हुए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 16

1 और फरीसियों और सदूकियों* ने पास आकर उसे परखने के लिये उससे कहा, “हमें स्वर्ग का कोई चिन्ह दिखा।” **2** उसने उनको उत्तर दिया, “सांझ को तुम कहते हो, कि मौसम अच्छा रहेगा, क्योंकि आकाश लाल है। **3** और भोर को कहते हो, कि आज आँधी आएगी क्योंकि आकाश लाल और धुमला है; तुम आकाश का लक्षण देखकर भेद बता सकते हो, पर समय के चिन्हों का भेद क्यों नहीं बता सकते? **4** इस युग के बुरे और व्यभिचारी लोग चिन्ह ढूँढ़ते हैं पर योना के चिन्ह को छोड़ कोई और चिन्ह उन्हें न दिया जाएगा।” और वह उन्हें छोड़कर चला गया।

5 और चेले झील के उस पार जाते समय रोटी लेना भूल गए थे। **6** यीशु ने उनसे कहा, “देखो, फरीसियों और सदूकियों के ख़मीर से सावधान रहना।” **7** वे आपस में विचार करने लगे, “हम तो रोटी नहीं लाए। इसलिए वह ऐसा कहता है।” **8** यह जानकर, यीशु ने उनसे कहा, “हे अल्पविश्वासियों, तुम आपस में क्यों विचार करते हो कि हमारे पास रोटी नहीं? **9** क्या तुम अब तक नहीं समझे? और उन पाँच हजार की पाँच रोटी स्मरण नहीं करते, और न यह कि कितनी टोकरियाँ उठाई थीं? **10** और न उन चार हजार की सात रोटियाँ, और न यह कि कितने टोकरे उठाए गए थे? **11** तुम क्यों नहीं समझते कि मैंने तुम से रोटियों के विषय में नहीं कहा? परन्तु फरीसियों और सदूकियों के ख़मीर से सावधान रहना।” **12** तब उनको समझ में आया, कि उसने रोटी के ख़मीर से नहीं, पर फरीसियों और सदूकियों की शिक्षा से सावधान रहने को कहा था।

13 यीशु कैसरिया फिलिप्पी* के प्रदेश में आकर अपने चेलों से पूछने लगा, “लोग मनुष्य के पुत्र को क्या कहते हैं?” **14** उन्होंने कहा, “कुछ तो यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला कहते हैं और कुछ एलिय्याह, और कुछ यिर्मयाह या भविष्यद्वक्ताओं में से कोई एक कहते हैं।” **15** उसने उनसे कहा, “परन्तु तुम मुझे क्या कहते हो?” **16** शमौन पतरस ने उत्तर दिया, “तू जीविते परमेश्वर का पुत्र मसीह है।” **17** यीशु ने उसको उत्तर दिया, “हे शमौन, योना के पुत्र, तू धन्य है; क्योंकि माँस और लहू ने नहीं, परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, यह बात तुझ पर प्रगट की है। **18** और मैं भी तुझ से कहता हूँ, कि तू पतरस* है, और मैं इस पत्थर पर अपनी कलीसिया बनाऊँगा, और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे। **19** मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुंजियाँ दूँगा: और जो कुछ तू पृथ्वी पर बाँधेगा, वह स्वर्ग में बँधेगा; और जो कुछ तू पृथ्वी पर खोलेगा, वह स्वर्ग में खुलेगा।” **20** तब उसने चेलों को चेतावनी दी, “किसी से न कहना! कि मैं मसीह हूँ।”

21 उस समय से यीशु अपने चेलों को बताने लगा, “मुझे अवश्य है, कि यरूशलेम को जाऊँ, और प्राचीनों और प्रधान याजकों और शास्त्रियों के हाथ से बहुत दुःख उठाऊँ; और मार डाला जाऊँ; और तीसरे दिन जी उठूँ।” **22** इस पर पतरस उसे अलग ले जाकर डाँटने लगा, “हे प्रभु, परमेश्वर न करे! तुझ पर ऐसा कभी न होगा।” **23** उसने फिरकर पतरस से कहा, “हे शैतान, मेरे सामने से दूर हो! तू मेरे लिये ठोकर का कारण है; क्योंकि तू परमेश्वर की बातें नहीं, पर मनुष्यों की बातों पर मन लगाता है।”

24 तब यीशु ने अपने चेलों से कहा, “यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो अपने आप का इन्कार करे और अपना क्रूस उठाए, और मेरे पीछे हो ले। **25** क्योंकि जो कोई अपना प्राण बचाना चाहे, वह उसे खोएगा; और जो कोई मेरे लिये अपना प्राण खोएगा, वह उसे पाएगा। **26** यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे, और अपने प्राण की हानि उठाए, तो उसे क्या लाभ होगा? या मनुष्य अपने प्राण के बदले में क्या देगा? **27** मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों के साथ अपने पिता की महिमा में आएगा, और उस समय ‘वह हर एक को उसके कामों के अनुसार प्रतिफल देगा।’ **28** मैं तुम से सच कहता हूँ, कि जो यहाँ खड़े हैं, उनमें से कितने ऐसे हैं, कि जब तक मनुष्य के पुत्र को उसके राज्य में आते हुए न देख लेंगे, तब तक मृत्यु का स्वाद कभी न चखेंगे।”

Matthew 16:1

x
यीशु और धर्म गुरूओं में विवाद का आरंभ होता है।

स्वर्ग .... आकाश
यहूदी अगुवे परमेश्वर से चिन्ह की माँग कर रहे थे यीशु ने उनसे कहा कि वे आकाश को देखें, दोनों ही शब्दों के लिए वही शब्द काम में ले जहाँ परमेश्वर वास करता है, आकाश शब्द तब ही काम में ले जब पाठक इन भिन्न अर्थों को समझ पाएं।

साँझ को
सूर्यास्त का समय

मौसम अच्छा होगा
स्वच्छ, शान्त मनभावन

आकाश लाल है
सूर्यास्त की लाल किरणों की लालिमा

Matthew 16:3

x
यह भी यीशु और धर्म-गुरुओं के मध्य विवाद का ही वृत्तान्त है।

आँधी आयेगी।
"बादल और आँधी का मौसम"

धुमला
"धूमिल और चिंताजनक"

चिन्ह उनको न दिया जाएगा।
वैकल्पिक अनुवाद, "परमेश्वर तुम लोगों को कोई चिन्ह नहीं देगा"

Matthew 16:5

x
यीशु धर्म-गुरुओं से विवाद के बाद अपने शिष्यों को सतर्क करता है।

खमीर
बुरे विचार और अनुचित शिक्षा

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

विचार करने लगे
"विवाद" या "मतभेद"

Matthew 16:9

x
यीशु धर्म-गुरुओं से विवाद के बाद अपने शिष्यों को सतर्क करता है।

क्या तुम अब तक नहीं समझे? क्या तुम्हें उन पाँच हजार की पाँच रोटियाँ स्मरण नहीं, और न यह कि तुमने कितनी टोकरियाँ उठायी थी? न उन चार हज़ार की सात रोटियाँ, और न यह कि तुमने कितने टोकरे उठाए थे?
यीशु उन्हें झिड़क रहा है। वैकल्पिक अनुवाद, "तुम्हें पांच हजार के लिए पाँच रोटियाँ और तुमने बचे टुकड़ों की कितनी टोकरियाँ उठाईं थी स्मरण रखना था। और चार हज़ार के लिए सात रोटियाँ और कितने टोकरे उठाए यह भी स्मरण रखना था।"

Matthew 16:11

x
यीशु धर्म-गुरुओं से विवाद के बाद अपने शिष्यों को सतर्क करता है।

तुम क्यों नहीं समझते कि मैंने तुमसे रोटियों के विषय में नहीं कहा?
"तुम्हें समझ लेना था कि मैं वास्तव में रोटी के बारे में नहीं कह रहा था"। (यू.डी.बी.)

खमीर
बुरे विचार और अनुचित शिक्षा

उनको
"शिष्यों को"

Matthew 16:13

x
पतरस मानता है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है।

तुम मुझे क्या कहते हो?
"परन्तु मैं तुमसे पूछ रहा हूँ, तुम मुझे क्या कहते हो"?

Matthew 16:17

x
यीशु पतरस के स्वीकरण पर कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है प्रतिक्रिया दिखाता है।

हे शमौन योना के पुत्र
"योना के पुत्र शमौन"

माँस और लहू ने नहीं
"यह बात मनुष्य ने प्रकट नहीं की है"

अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे।
संभावित अर्थ हैं: (1) "मृत्यु का सामर्थ्य जयवन्त नहीं होगा" (यू.डी.बी.) या (2) वह मृत्यु में सामर्थ्य को ऐसे ढा देगी जैसे सेना नगर में प्रवेश करती है

Matthew 16:19

x
यीशु पतरस के अंगीकार, कि वह परमेश्वर पुत्र है, अपनी प्रतिक्रिया दिखाता है।

स्वर्ग के राज्य की कुंजियाँ
मनुष्यों के परमेश्वर के लोग होने के लिए मार्ग तैयार करने की योग्यता, जैसे एक दास अपने स्वामी के घर में अतिथियों का स्वागत करता है।

पृथ्वी पर बाँधेगा वह स्वर्ग में बंधेगा।
मनुष्य को क्षमा देना या दण्ड देना जैसा वैसा ही स्वर्ग में होगा

Matthew 16:21

x
यीशु अपने शिष्यों को उसके अनुसरण का मूल्य समझाना आरंभ करता है।

उस समय से
जिस समय यीशु ने अपने शिष्यों को सतर्क किया कि वे किसी से न कहें कि वह मसीह है, उस समय वह उन्हें अपने बारे में परमेश्वर की योजना बताने लगा।

मार डाला जाऊँ
वैकल्पिक अनुवाद, "वे उसे मार डालेंगे"

तीसरे दिन जी उठूँ।
"तीसरे दिन फिर जीवित हो जाऊँ" या "तीसरे दिन परमेश्वर उसे फिर जीवित करेगा"।

Matthew 16:24

x
यीशु अपने शिष्यों को उसके अनुसरण का मूल्य समझा रहा है।

मेरे पीछे आना चाहे।
"मेरा शिष्य होने के लिए अनुसरण करना चाहता है"।

अपने आपका इन्कार करे।
"अपनी इच्छाओं के अधीन न रहें" या "अपनी इच्छाओं का त्याग करें।"

अपना क्रूस उठाए और मेरे पीछे हो ले।
"अपना क्रूस उठा कर उसे लेकर मेरे पीछे चले" यीशु के समान मरने के लिए तैयार हो जाए।

जो.... चाहे
"किस की इच्छा से"

सारे जगत को प्राप्त करे।
"संसार में जो कुछ है सब प्राप्त कर ले"

अपने प्राण की हानि उठाए।
"स्वयं नष्ट हो जाए या भटक जाए"

Matthew 16:27

x
यीशु अपने शिष्यों को उसके अनुसरण का मूल्य समझा रहा है।

जब तक मनुष्य के पुत्र को उसके राज्य में आते हुए न देख लेंगे तब तक मृत्यु का स्वाद कभी न चखेंगे।
"अपने मरने से पूर्व मनुष्य के पुत्र को उसके राज्य में आता देखेंगे"।

मृत्यु का स्वाद न चखेंगे।
"मृत्यु का अनुभव नहीं करेंगे" या "मरेंगे नहीं"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मनुष्य के पुत्र को उसके राज्य में आते हुए
"जब तक वे मुझे अपने राज्य में आते न देखेंगे"

Translation Questions

Matthew 16:1

फरीसी और सदूकी यीशु को परखने के लिए क्या देखना चाहते थे?
फरीसी और सदूकी यीशु से स्वार्गिक चिन्ह दिखाने की मांग कर रहे थे।

Matthew 16:4

यीशु ने फरीसियों और सदूकियों को क्या दिखाने को कहा?
यीशु ने कहा कि वह फरीसियों और सदूकियों को योना का चिन्ह देगा।

Matthew 16:6

यीशु ने अपने चेलों को किस बात से सावधान रहने को कहा था?
यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे फरीसियों और सदूकियों के खमीर से सावधान रहें।

Matthew 16:12

यीशु ने अपने चेलों को सावधान रहने के लिए कहा तब वह वास्तव में किस बात का संदर्भ दे रहा था?
यीशु अपने चेलों को फरीसियों और सदूकियों की शिक्षा से सावधान रहने को कह रहा था।

Matthew 16:13

यीशु जब कैसरिया फिलिप्पी के प्रदेश में आया तब उसने अपने चेलों से क्या पूछा?
यीशु ने अपने चेलों से पूछा, "लोग मनुष्य के पुत्र को क्या कहते हैं?"

Matthew 16:14

लोग यीशु को क्या समझते थे?
कुछ लोग सोचते थे कि यीशु यूहन्ना को बपतिस्मा देने वाला है, या एलिय्याह, या यिर्मयाह या भविष्यद्वक्ताओं में से एक है।

Matthew 16:16

पतरस ने यीशु के प्रश्न का क्या उत्तर दिया?
पतरस ने उत्तर दिया, "तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है"।

Matthew 16:17

पतरस ने यीशु के प्रश्न का उत्तर कैसे जाना?
पतरस यीशु के प्रश्न का उत्तर जानता था क्योंकि स्वर्गीय पिता ने उस पर यह प्रकट किया था।

Matthew 16:19

यीशु ने पतरस को पृथ्वी पर क्या अधिकार दिया?
यीशु ने पतरस को राज्य की कुंजी दी कि वह पृथ्वी पर जो बांधेगा वह स्वर्ग में बांधेगा और जो कुछ वह पृथ्वी पर खोलेगा वह स्वर्ग में खुलेगा।

Matthew 16:21

उस समय यीशु ने अपने चेलों से स्पष्ट क्या कहा?
यीशु अपने चेलों को बताने लगा कि उसे यरूशलेम जाना है, वह बहुत दु:ख उठाएगा और मार डाला जाएगा और तीसरे दिन जी उठेगा।

Matthew 16:23

पतरस ने यीशु द्वारा उसके सब होने वाली घटनाओं के वर्णन पर आपत्ति उठाई तो यीशु ने उससे क्या कहा था?
यीशु ने पतरस से कहा, "हे शैतान मेरे सामने से दूर हो।"

Matthew 16:24

यीशु के पीछे चलने के लिए मनुष्य को क्या करना आवश्यक है?
यीशु के पीछे आने वाले को अपने आपका इन्कार करना होगा और अपना क्रूस उठाना होगा।

Matthew 16:26

यीशु के अनुसार मनुष्य को किस बात से लाभ नहीं है?
?

Matthew 16:27

मनुष्य के पुत्र के आगमन का वर्णन यीशु ने कैसे किया?
यीशु ने कहा कि मनुष्य का पुत्र स्वर्गदूतों के साथ अपने पिता की महिमा में आयेगा।

मनुष्य का पुत्र जब आयेगा तब मनुष्य को कैसे प्रतिफल देगा?
मनुष्य का पुत्र जब आएगा तब वह हर एक को उसके कामों के अनुसार प्रतिफल देगा।

Matthew 16:28

यीशु ने किसके लिए कहा था कि वे मनुष्य के पुत्र को अपने राज्य में आता देखेंगे?
यीशु ने कहा कि कुछ लोग जो इस समय उसके साथ खड़े थे, मनुष्य के पुत्र को अपने राज्य में आता देखेंगे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 17

1 छः दिन के बाद यीशु ने पतरस और याकूब और उसके भाई यूहन्ना को साथ लिया, और उन्हें एकान्त में किसी ऊँचे पहाड़ पर ले गया। **2** और वहाँ उनके
सामने उसका रूपांतरण हुआ और उसका मुँह सूर्य के समान चमका और उसका वस्त्र ज्योति के समान उजला हो गया। **3** और मूसा और एलिय्याह* उसके
साथ बातें करते हुए उन्हें दिखाई दिए। **4** इस पर पतरस ने यीशु से कहा, “हे प्रभु, हमारा यहाँ रहना अच्छा है; यदि तेरी इच्छा हो तो मैं यहाँ तीन तम्बू बनाऊँ;
एक तेरे लिये, एक मूसा के लिये, और एक एलिय्याह के लिये।” **5** वह बोल ही रहा था, कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द
निकला, “यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं प्रसन्न हूँ: इसकी सुनो।” **6** चेले यह सुनकर मुँह के बल गिर गए और अत्यन्त डर गए। **7** यीशु ने पास आकर उन्हें
छुआ, और कहा, “उठो, डरो मत।” **8** तब उन्होंने अपनी आँखें उठाकर यीशु को छोड़ और किसी को न देखा। **9** जब वे पहाड़ से उतर रहे थे तब यीशु ने उन्हें
यह निर्देश दिया, “जब तक मनुष्य का पुत्र मरे हुओं में से न जी उठे, तब तक जो कुछ तुम ने देखा है किसी से न कहना।” **10** और उसके चेलों ने उससे पूछा,
“फिर शास्त्री क्यों कहते हैं, कि एलिय्याह का पहले आना अवश्य है?” **11** उसने उत्तर दिया, “एलिय्याह तो अवश्य आएगा और सब कुछ सुधारेगा। **12** परन्तु मैं
तुम से कहता हूँ, कि एलिय्याह आ चुका*; और उन्होंने उसे नहीं पहचाना; परन्तु जैसा चाहा वैसा ही उसके साथ किया। इसी प्रकार से मनुष्य का पुत्र भी उनके
हाथ से दुःख उठाएगा।” **13** तब चेलों ने समझा कि उसने हम से यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के विषय में कहा है।

14 जब वे भीड़ के पास पहुँचे, तो एक मनुष्य उसके पास आया, और घुटने टेककर कहने लगा। **15** “हे प्रभु, मेरे पुत्र पर दया कर! क्योंकि उसको मिर्गी आती
है, और वह बहुत दुःख उठाता है; और बार-बार आग में और बार-बार पानी में गिर पड़ता है। **16** और मैं उसको तेरे चेलों के पास लाया था, पर वे उसे अच्छा
नहीं कर सके।” **17** यीशु ने उत्तर दिया, “हे अविश्वासी और हठीले लोगों, मैं कब तक तुम्हारे साथ रहूँगा? कब तक तुम्हारी सहूँगा? उसे यहाँ मेरे पास लाओ।”
18 तब यीशु ने उसे डाँटा, और दुष्टात्मा उसमें से निकला; और लड़का उसी समय अच्छा हो गया।

19 तब चेलों ने एकान्त में यीशु के पास आकर कहा, “हम इसे क्यों नहीं निकाल सके?” **20** उसने उनसे कहा, “अपने विश्वास की कमी के कारण: क्योंकि मैं
तुम से सच कहता हूँ, यदि तुम्हारा विश्वास राई के दाने के बराबर* भी हो, तो इस पहाड़ से कह सकोगे, ‘यहाँ से सरककर वहाँ चला जा’, तो वह चला जाएगा;
और कोई बात तुम्हारे लिये अनहोनी न होगी। **21** [पर यह जाति बिना प्रार्थना और उपवास के नहीं निकलती।]”

22 जब वे गलील में थे, तो यीशु ने उनसे कहा, “मनुष्य का पुत्र मनुष्यों के हाथ में पकड़वाया जाएगा। **23** और वे उसे मार डालेंगे, और वह तीसरे दिन जी
उठेगा।” इस पर वे बहुत उदास हुए।

24 जब वे कफरनहूम में पहुँचे, तो मन्दिर के लिये कर लेनेवालों ने पतरस के पास आकर पूछा, “क्या तुम्हारा गुरु मन्दिर का कर नहीं देता?” **25** उसने कहा,
“हाँ, देता है।” जब वह घर में आया, तो यीशु ने उसके पूछने से पहले उससे कहा, “हे शमौन तू क्या समझता है? पृथ्वी के राजा चुंगी या कर किन से लेते हैं?
अपने पुत्रों से या परायों से?” **26** पतरस ने उनसे कहा, “परायों से।” यीशु ने उससे कहा, “तो पुत्र बच गए। **27** फिर भी हम उन्हें ठोकर न खिलाएँ, तू झील के
किनारे जाकर बंसी डाल, और जो मछली पहले निकले, उसे ले; तो तुझे उसका मुँह खोलने पर एक सिक्का मिलेगा, उसी को लेकर मेरे और अपने बदले उन्हें दे
देना।”

Matthew 17:1

x
यीशु तीन शिष्यों को अपनी महिमा दिखाता है।

पतरस और याकूब और उसके भाई यूहन्ना
"पतरस, याकूब और याकूब का भाई यूहन्ना"

उसका रूपान्तर हुआ
"परमेश्वर ने यीशु के रूप को पूर्णरूपेण बदल दिया था" या

वस्त्र
"कपड़े"

ज्योति के समान उजला हो गया।
"प्रकाश की नाईं चमकने लगा"।

Matthew 17:3

x
यह यीशु के तीनो शिष्यों पर उसकी महिमा के प्रदर्शन का ही वृत्तान्त है।

देखो
यह हमें सतर्क करने के लिए है कि अग्रिम जानकारी आश्चर्यजनक है।

लोगों के लिए
यीशु के साथ जो शिष्य थे

कहा
"कहा" पतरस किसी प्रश्न का उत्तर नहीं दे रहा है।

यहाँ रहना अच्छा है।
संभावित अर्थ: (1) "यह तो अच्छा है कि हम शिष्य यहाँ मूसा, एलिय्याह और तेरे साथ हैं" या (2) "यह अच्छा है कि तू, मूसा, एलिय्याह और शिष्य एक साथ हैं"

मण्डप
संभावित अर्थ: (1) मनुष्यों के लिए आकर आराधना करने के लिए (देखें यू.डी.बी.) या (2) मनुष्य के सोने के लिए अस्थाई स्थान।

Matthew 17:5

x
यह यीशु के तीनो शिष्यों पर उसकी महिमा के प्रदर्शन का ही वृत्तान्त है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

देख
यह पाठक को सतर्क करने के लिए है कि आगे आश्चर्यजनक जानकारी दी गई है।

मूँह के बल गिर गए।
"शिष्यों ने मुँह के बल गिरकर दण्डवत किया"।

Matthew 17:9

x
यह यीशु के तीनो शिष्यों पर उसकी महिमा के प्रदर्शन का ही वृत्तान्त है।

जब वे
"जब यीशु और उसके चेलों"

Matthew 17:11

x
यीशु द्वारा अपने तीन शिष्यों पर उसकी महिमा के प्रदर्शन का वृत्तान्त चल रहा है। यीशु के प्रश्न का उत्तर दे रहा है।

सब कुछ सुधारेगा
"व्यवस्थित करेगा"

उन्होंने...
सम्भावित अर्थ है : 1)यहूदी अगुवे (देखें:यू.डी.बी) या 2) सब यहूदी।

Matthew 17:14

x
यह यीशु द्वारा दुष्टात्माग्रस्त युवक की चंगाई का वृत्तान्त है।

मिर्गी आती है।
अचेत होकर अनियन्त्रित व्यवहार करने लगता है।

Matthew 17:17

x
यह यीशु द्वारा दुष्टात्माग्रस्त युवक की चंगाई ही का वृत्तान्त है

मैं कब तक तुम्हारे साथ रहूँगा? कब तक तुम्हारी सहूँगा?
यीशु उन लोगों से अप्रसन्न है। वैकल्पिक अनुवाद, "मैं तुम्हारे साथ रहते रहते थक चुका हूँ। मैं तुम्हारे अविश्वास और भ्रष्टाचार से ऊब गया हूँ"।

Matthew 17:19

x
यह यीशु द्वारा दुष्टात्माग्रस्त युवक की चंगाई ही का वृत्तान्त है

हम
बोलने वाले, न कि सुनने वाले (देखेः)

निकल गई
दुष्टात्मा को निकाल दिया

कोई बात तुम्हारे लिए असंभव न होगी
"तुम कुछ भी कर पाओगे"। (देखेः)

Matthew 17:22

x
यीशु गलील में अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है।

में थे
"शिष्य और यीशु गलील में थे"

मनुष्य का पुत्र.... पकड़वाया जायेगा।
वैकल्पिक अनुवाद, "कोई मनुष्य के पुत्र को पकड़वा देगा"

वे उसे मार डालेंगे
"अधिकारी मनुष्य के पुत्र को मरवा देंगे"।

वह .... जी उठेगा।
"परमेश्वर उसे जीवित करेगा" या "वह फिर जीवित हो जाएगा"

Matthew 17:24

x
यह यीशु द्वारा मन्दिर के कर भुगतान का वृत्तान्त है।

जब वे
जब यीशु और उसके शिष्य

अर्ध शेकेल कर (सिक्का)
सह यहूदी पुरूषों पर कर था जो पहले परमेश्वर के लिए भेंट चढ़ाया जाता था।

घर
यीशु के रहने का स्थान

पृथ्वी के राजा
सामान्यतः शासक

परायों से
शासक या राजा की प्रजा

Matthew 17:26

x
यह यीशु द्वारा मन्दिर के कर भुगतान का वृत्तान्त है।

परायों से
प्रजा से

उसके मुँह
"मछली का मुँह"

लेकर
"उस सिक्के को लेकर"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Matthew 17:1

यीशु के साथ पहाड़ पर कौन-कौन गये थे?
पतरस, याकूब और यूहन्ना यीशु के साथ एक ऊंचे पहाड़ पर गए।

Matthew 17:2

पहाड़ पर यीशु कैसा दिखने लगा था?
यीशु का वहाँ रूपान्तरण हुआ और उसका मुँह सूर्य के समान चमका तथा उसके वस्त्र ज्योति के समान चमकने लगे।

Matthew 17:3

वहाँ कौन प्रगट हुए कि यीशु से बात करें?
मूसा और एलिय्याह प्रकट हुए और यीशु से बातें करने लगे।

Matthew 17:4

पतरस ने क्या प्रस्ताव रखा था?
पतरस ने उन तीनों के लिए तीन मण्डप लगाने का प्रस्ताव रखा।

Matthew 17:5

बादल में से जो वाणी सुनाई दी वह क्या कहती है?
बादल में से एक वाणी सुनाई दी, “यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिस से मैं प्रसन्न हूँ: इस की सुनो।”

Matthew 17:9

जब वे पहाड़ से उतर रहे थे तब यीशु ने अपने चेलों को क्या आज्ञा दी थी?
यीशु ने अपने चेलों को आज्ञा दी कि उसके पुनरूत्थान तक दर्शन की इस घटना की चर्चा किसी से न करें।

Matthew 17:10

यीशु के अनुसार एलिय्याह कौन था जो आ चुका और उसके साथ कैसा व्यवहार किया गया?
यीशु ने कहा कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला एलिय्याह था जो पहले आया और उन्होंने उसके साथ जैसा चाहा वैसा व्यवहार किया।

Matthew 17:11

शास्त्री कहते थे कि एलिय्याह पहले आयेगा इस पर यीशु ने क्या उत्तर दिया?
यीशु ने कहा कि निश्चय ही एलिय्याह आकर सब बातों को सुधारेगा।

Matthew 17:14

चेले उस मिर्गी के रोगी युवक के लिए क्या नहीं कर पाए थे?
चेले एक मिर्गी के रोगी युवक को चंगा नहीं कर पाए थे।

Matthew 17:18

यीशु ने उस मिर्गी के रोगी युवक के लिए क्या किया?
यीशु ने उस दुष्टात्मा को झिड़का और वह युवक उसी पल चंगा हो गया।

Matthew 17:20

चेले उस मिर्गी के रोगी युवक को चंगा करने में सफल क्यों नहीं हुए थे?
यीशु ने कहा कि विश्वास की कमी के कारण वे उस युवक को चंगा करने में असफल रहे थे।

Matthew 17:22

यीशु ने चेलों से ऐसी क्या बात कही कि वे दुःखी हो गए थे?
यीशु ने जब अपने चेलों पर प्रकट किया कि वह पकड़वाया जाएगा और मारा जाएगा परन्तु तीसरे दिन फिर जी उठेगा।

Matthew 17:27

पतरस और यीशु ने मन्दिर का कर कैसे भरा?
यीशु ने पतरस से कहा कि वह झील में सहीं जाल डालकर मछली पकड़े, और उस मछली के मुंह में एक सिक्का होगा इससे कर चुका दिया जायेगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 18

1 उसी समय चेले यीशु के पास आकर पूछने लगे, “स्वर्ग के राज्य में बड़ा कौन है?” **2** इस पर उसने एक बालक को पास बुलाकर उनके बीच में खड़ा किया, **3** और कहा, “मैं तुम से सच कहता हूँ, यदि तुम न फिरो और बालकों के समान न बनो, तो स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं कर पाओगे। **4** जो कोई अपने आप को इस बालक के समान छोटा करेगा, वह स्वर्ग के राज्य में बड़ा होगा। **5** और जो कोई मेरे नाम से एक ऐसे बालक को ग्रहण करता है वह मुझे ग्रहण करता है।

6 “पर जो कोई इन छोटों में से जो मुझ पर विश्वास करते हैं एक को ठोकर खिलाएँ, उसके लिये भला होता, कि बड़ी चक्की का पाट उसके गले में लटकाया जाता, और वह गहरे समुद्र में डुबाया जाता। **7** ठोकरों के कारण संसार पर हाय! ठोकरों का लगना अवश्य है; पर हाय उस मनुष्य पर जिसके द्वारा ठोकर लगती है।

8 “यदि तेरा हाथ या तेरा पाँव तुझे ठोकर खिलाएँ, तो काटकर फेंक दे; टुण्डा या लँगड़ा होकर जीवन में प्रवेश करना तेरे लिये इससे भला है, कि दो हाथ या दो पाँव रहते हुए तू अनन्त आग में डाला जाए। **9** और यदि तेरी आँख तुझे ठोकर खिलाएँ, तो उसे निकालकर फेंक दे। काना होकर जीवन में प्रवेश करना तेरे लिये इससे भला है, कि दो आँख रहते हुए तू नरक की आग में डाला जाए।

10 “देखो, तुम इन छोटों में से किसी को तुच्छ न जानना; क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि स्वर्ग में उनके स्वर्गदूत मेरे स्वर्गीय पिता का मुँह सदा देखते हैं। **11** [क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को बचाने आया है।]

12 “तुम क्या समझते हो? यदि किसी मनुष्य की सौ भेड़ें हों, और उनमें से एक भटक जाए, तो क्या निन्यानवे को छोड़कर, और पहाड़ों पर जाकर, उस भटकी हुई को न ढूँढ़ेगा? **13** और यदि ऐसा हो कि उसे पाए, तो मैं तुम से सच कहता हूँ, कि वह उन निन्यानवे भेड़ों के लिये जो भटकी नहीं थीं इतना आनन्द नहीं करेगा, जितना कि इस भेड़ के लिये करेगा। **14** ऐसा ही तुम्हारे पिता की जो स्वर्ग में है यह इच्छा नहीं, कि इन छोटों में से एक भी नाश हो।

15 “यदि तेरा भाई तेरे विरुद्ध अपराध करे, तो जा और अकेले में बातचीत करके उसे समझा; यदि वह तेरी सुने तो तूने अपने भाई को पा लिया। **16** और यदि वह न सुने, तो और एक दो जन को अपने साथ ले जा, कि हर एक बात दो या तीन गवाहों के मुँह से ठहराई जाए। **17** यदि वह उनकी भी न माने, तो कलीसिया से कह दे, परन्तु यदि वह कलीसिया की भी न माने, तो तू उसे अन्यजाति और चुंगी लेनेवाले के जैसा जान।

18 “मैं तुम से सच कहता हूँ, जो कुछ तुम पृथ्वी पर बाँधोगे, वह स्वर्ग पर बँधेगा और जो कुछ तुम पृथ्वी पर खोलोगे, वह स्वर्ग में खुलेगा। **19** फिर मैं तुम से कहता हूँ, यदि तुम में से दो जन पृथ्वी पर किसी बात के लिये जिसे वे माँगें, एक मन के हों, तो वह मेरे पिता की ओर से जो स्वर्ग में है उनके लिये हो जाएगी। **20** क्योंकि जहाँ दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे होते हैं वहाँ मैं उनके बीच में होता हूँ।”

21 तब पतरस ने पास आकर, उससे कहा, “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं कितनी बार उसे क्षमा करूँ, क्या सात बार तक?” **22** यीशु ने उससे कहा, “मैं तुझ से यह नहीं कहता, कि सात बार, वरन् सात बार के सत्तर गुने* तक।

23 “इसलिए स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है, जिसने अपने दासों से लेखा लेना चाहा। **24** जब वह लेखा लेने लगा, तो एक जन उसके सामने लाया गया जो दस हजार तोड़े का कर्जदार था। **25** जब कि चुकाने को उसके पास कुछ न था, तो उसके स्वामी ने कहा, कि यह और इसकी पत्नी और बाल-बच्चे और जो कुछ इसका है सब बेचा जाए, और वह कर्ज चुका दिया जाए। **26** इस पर उस दास ने गिरकर उसे प्रणाम किया, और कहा, ‘हे स्वामी, धीरज धर, मैं सब कुछ भर दूँगा।’ **27** तब उस दास के स्वामी ने तरस खाकर उसे छोड़ दिया, और उसका कर्ज क्षमा किया।

28 “परन्तु जब वह दास बाहर निकला, तो उसके संगी दासों में से एक उसको मिला, जो उसके सौ दीनार* का कर्जदार था; उसने उसे पकड़कर उसका गला घोंटा और कहा, ‘जो कुछ तू धारता है भर दे।’ **29** इस पर उसका संगी दास गिरकर, उससे विनती करने लगा; कि धीरज धर मैं सब भर दूँगा। **30** उसने न माना, परन्तु जाकर उसे बन्दीगृह में डाल दिया; कि जब तक कर्ज को भर न दे, तब तक वहीं रहे। **31** उसके संगी दास यह जो हुआ था देखकर बहुत उदास हुए, और जाकर अपने स्वामी को पूरा हाल बता दिया। **32** तब उसके स्वामी ने उसको बुलाकर उससे कहा, ‘हे दुष्ट दास, तूने जो मुझसे विनती की, तो मैंने तो तेरा वह पूरा कर्ज क्षमा किया। **33** इसलिए जैसा मैंने तुझ पर दया की, वैसे ही क्या तुझे भी अपने संगी दास पर दया करना नहीं चाहिए था?’ **34** और उसके स्वामी ने क्रोध में आकर उसे दण्ड देनेवालों के हाथ में सौंप दिया, कि जब तक वह सब कर्जा भर न दे, तब तक उनके हाथ में रहे।

35 “इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है, तुम से भी वैसा ही करेगा।”

Matthew 18:1

x
यीशु शिष्यों को उदाहरण देने के लिए एक बच्चे को खड़ा करता है।

बालकों के समान बनो।
"बच्चों के समान सोच समझ न रखो" (देखें: और)

Matthew 18:4

x
यीशु शिष्यों के सामने बच्चों का उदाहरण ही रख रहा है।

इस बालक के समान छोटा करेगा।
"जो कोई इस बालक के सदृश्य दीन बनेगा"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बड़ी चक्की का पाट उसके गले में लटकाया जाता और वह गहरे समुद्र में डुबाया जाता।
"यदि वे उसके गले में चक्की का पाट बाँधकर उसे गहरे समुद्र में डाल दें"।

चक्की का पाट।
एक गोल बड़ा पत्थर जो गेहूँ पीसने के काम आता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत भारी पत्थर"

Matthew 18:7

x
यीशु शिष्यों के सामने बच्चों का उदाहरण ही रख रहा है।

तेरा हाथ
यीशु अपने श्रोताओं से इस प्रकार बात करता है कि मानो वे एक ही व्यक्ति हैं।

Matthew 18:9

x
यीशु शिष्यों के सामने बच्चों का उदाहरण ही रख रहा है।

निकाल कर फेंक दे
यह अविश्वास की गंभीरता और उससे हर कीमत पर बचने की आवश्यकता दर्शाता है।

जीवन में प्रवेश करना
"अनन्त जीवन में प्रवेश करना"

Matthew 18:10

x
यीशु शिष्यों के सामने बच्चों का उदाहरण ही रख रहा है।

तुच्छ न जानना
तुच्छ जानना , "प्रबल घृणा करना" या "महत्त्वहीन समझना"

उनके दूत
"बच्चों के स्वर्गदूत"

मुँह सदा देखते हैं
"सदैव निकट रहते हैं"।

Matthew 18:12

x
यीशु शिष्यों के सामने बच्चों का उदाहरण ही रख रहा है।

तुम क्या सोचते हो?
"मनुष्यों के व्यवहार के बारे में क्या सोचते हो? ("देखें:)

निन्यानवे को छोड़कर ... ढूंढ़ेगा?
"वह सदा ही निन्यानवे को छोड़ कर उसे खोजने निकलेगा"

निन्यानवे
निन्यानवे

तुम्हारे पिता की... यह इच्छा नहीं कि इन छोटों में से एक भी नष्ट हो।
"तुम्हारा स्वर्गीय पिता इन सब छोटों को जीवित देखना चाहता है।"

Matthew 18:15

x
यीशु मन फिराव और क्षमा की शिक्षा देना आरंभ करता है।

भाई को पा लिया
"तूने अपने भाई के साथ अच्छे संबन्ध बना लिए"।

मुँह से
"मुँह से निकली" गवाही

Matthew 18:17

x
यीशु मन फिराव और क्षमा की ही शिक्षा दे रहा है।

उनकी भी न माने।
गवाहों की बात भी न माने

इसे अन्य जाति और महसूल लेने वाले जैसा जान
"उसके द्वारा ऐसा व्यवहार कर जैसा अन्यजातियां चुंगी लेने वाले के साथ करती है।

Matthew 18:18

x
यीशु अपने शिष्यों को मन फिराव और क्षमा की शिक्षा दे रहा है।

बाँधोगे... बंधेगा... खोलोगे .... खुलेगा
देखें आपने इसका अनुवाद में कैसे किया है।

बंधेगा .... खुलेगा
वैकल्पिक अनुवाद, "परमेश्वर भी बांधेगा... परमेश्वर खोलेगा"।

उनको
"तुम में से दो"

दो या तीन
"दो या दो से अधिक" या "कम से कम दो"

इकट्ठा होते हैं
"इकट्ठा होते हैं"

Matthew 18:21

x
यीशु मन फिराव और क्षमा की ही शिक्षा दे रहा है।

सात बार
"7 बार"

सात बार के सत्तर गुने तक
संभावित अर्थ, (1) "7 का 70 बार" (यू.एल.बी.) या (2) 77 बार"(यू.डी.बी..) यदि आंकड़े काम में लेने से उलझन उत्पन्न हो तो आप कह सकते है, "जितना गिन सके उससे अधिक" (देखें यू.डी.बी. और)

Matthew 18:23

x
यीशु दृष्टान्त द्वारा मन फिराव और क्षमा की शिक्षा दे रहा है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

एक जन उसके सामने लाया गया।
वैकल्पिक अनुवाद, "किसी ने राजा के सेवकों में से एक को लाकर उसके समक्ष उपस्थित किया")

दस हज़ार तोड़े
"10,000 तोड़े" या इतना अधिक ऋण कि वह कभी चुका नहीं पाता"

उसके स्वामी ने कहा,"यह और .... जो कुछ इसका है सब बेचा जाए, और कर्जा चुका दिया जाए।
"राजा ने सेवको को आज्ञा दी कि उसे उस मनुष्य और उसका सब कुछ बेचकर उस पैसे से उसका ऋण चुकाया जाए"।

Matthew 18:26

x
यीशु दृष्टान्त द्वारा मन फिराव और क्षमा की शिक्षा दे रहा है।

गिरकर उसे प्रणाम किया।
"घुटनों पर गिरकर सिर झुकाया"

उसे
"राजा को"

छोड़ दिया
"उसे मुक्त कर दिया"

Matthew 18:28

x
यीशु दृष्टान्त द्वारा मन फिराव और क्षमा की शिक्षा दे रहा है।

सौ दीनार
"100 दीनार" या " सौ दिनों की मजदूरी"

पकड़कर
"पकड़ा" या "झपटा" (यू.डी.बी)

गिरकर ..... धीरज धर मैं सब कुछ भर दूँगा।
इसका अनुवाद वैसा ही करे जैसा गिरकर ... धीरज धर मैं सब कुछ भर दूँगा का अनुवाद . में किया गया है।

Matthew 18:30

x
यीशु दृष्टान्त द्वारा मन फिराव और क्षमा की शिक्षा दे रहा है।

Matthew 18:32

x
यीशु दृष्टान्त द्वारा मन फिराव और क्षमा की शिक्षा दे रहा है।

उसके स्वामी ने उसको बुलवाकर
"राजा ने उस पहले दास को बुलवाया"

तुझे भी ....दया करना नहीं चाहिए था?
"आवश्यक था कि तू भी दया करता"

Matthew 18:34

x
यीशु दृष्टान्त द्वारा मन फिराव और क्षमा की शिक्षा दे रहा है।

Translation Questions

Matthew 18:3

स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए यीशु ने किस बात को अनिवार्य कहा था?
यीशु ने कहा कि हमें मन फिराकर, बच्चों के समान होना है कि स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करें।

Matthew 18:4

यीशु ने किसको स्वर्ग के राज्य में बड़ा कहा?
यीशु ने कहा कि जो कोई अपने को एक छोटे बालक की नाई दीन बनाएगा वह स्वर्ग के राज्य में बड़ा होगा।

Matthew 18:6

यीशु में विश्वास करने वाले किसी भी छोटे मनुष्य से पाप करवाने वाले का क्या होना है?
यीशु में विश्वास करने वाले छोटे लोगों में से किसी के लिए पाप का कारण होने वाले मनुष्य के लिए उचित है कि चक्की का पाट उसके गले में बांध कर उसे गहरे समुन्द्र में डाल दिया जाए।

Matthew 18:8

यीशु की शिक्षा के अनुसार हमें ठोकर खिलाने वाली हर एक बात के साथ क्या करना चाहिए?
यीशु ने कहा कि ठोकर खिलाने वाली हर एक बात का हमें त्याग करना आवश्यक है।

Matthew 18:10

यीशु के अनुसार छोटों को तुच्छ न समझने का कारण क्या है?
हमें छोटों में से किसी को तुच्छ नहीं समझना है क्योंकि उनके स्वर्गदूत सदैव स्वर्गीय पिता का मुंह देखते रहते हैं।

Matthew 18:12

किसी भी खोई हुई भेड़ को खोजने वाला स्वर्गीय पिता के समान कैसे है?
यह स्वर्गीय पिता की इच्छा नहीं कि छोटों में से एक भी नष्ट हो।

Matthew 18:15

यदि आपका भाई आपके विरूद्ध अपराध करे तो आपको सबसे पहले क्या करना है?
पहले आप जाकर अकेले में अपने भाई को समझाए की उसका अपराध क्या है।

Matthew 18:16

यदि आपका भाई न सुने तो फिर आपको क्या करना है?
आप अपने साथ एक या दो भाई गवाह स्वरूप ले जाएं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 18:17

यदि आपका भाई फिर भी न सुने तो आपको क्या करना होगा?
अन्यथा, आप कलीसिया में इस बात को रखें।

यदि आपका भाई फिर भी न सुने तो क्या किया जाए?
अन्त में, यदि वह कलीसिया की भी बात न माने तो उसके साथ अन्यजाति या महसूल लेने वाले के समान व्यवहार किया जाए।

Matthew 18:20

उसके नाम में दो या तीन एकत्र होने पर यीशु ने क्या प्रतिज्ञा की है?
यीशु ने प्रतिज्ञा की है कि जहां दो या तीन उसके नाम से एकत्र हों वहाँ वह उपस्थित होगा।

Matthew 18:21

अपने भाई को क्षमा करने के विषय यीशु ने क्या कहा है?
यीशु ने कहा कि हमें अपने भाई को सत्तर गुना सात बार क्षमा करनी चाहिए।

Matthew 18:24

उस दास पर स्वामी का कितना उधार था और क्या वह उधार चुकाने में सक्षम था?
एक दास अपने स्वामी का दस हज़ार तोड़े का कर्जदार था और वह कर्ज चुकाने योग्य न था।

Matthew 18:27

स्वामी ने इस दास का कर्ज क्यों क्षमा किया?
उसके स्वामी ने तरस खाकर उसका कर्ज क्षमा कर दिया।

Matthew 18:28

इस दास ने सौ दीनार न चुकाने के कारण अपने साथी दास के साथ कैसा व्यवहार किया?
वही सेवक अपने साथी सेवक पर दयालु नहीं हुआ और उसे बन्दीगृह में डाल दिया।

Matthew 18:33

स्वामी ने उस दास से क्या कहा कि उसे अपने साथी दास के साथ करना आवश्यक था?
उसके स्वामी ने उससे कहा कि उसे भी अपने साथी दास पर दया करना आवश्यक था।

Matthew 18:34

तब स्वामी ने उस दास के साथ क्या किया ?
स्वामी ने क्रोध में आकर उसे दण्ड देने वालों के हाथ सौंप दिया।

Matthew 18:35

यदि हम अपने भाई को सच्चे मन से क्षमा न करें तो यीशु के अनुसार परमेश्वर पिता हमारे साथ कैसा व्यवहार करेगा?
यदि हम अपने भाई को सच्चे मन से क्षमा नहीं करेंगे तो परमेश्वर भी हमारे साथ वैसा ही व्यवहार करेगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 19

1 जब यीशु ये बातें कह चुका, तो गलील से चला गया; और यहूदिया के प्रदेश में यरदन के पार आया। **2** और बड़ी भीड़ उसके पीछे हो ली, और उसने उन्हें वहाँ चंगा किया। **3** तब फरीसी उसकी परीक्षा करने के लिये पास आकर कहने लगे, “क्या हर एक कारण से अपनी पत्नी को त्यागना उचित है?” **4** उसने उत्तर दिया, “क्या तुम ने नहीं पढ़ा, कि जिसने उन्हें बनाया, उसने आरम्भ से नर और नारी बनाकर कहा, **5** ‘इस कारण मनुष्य अपने माता पिता से अलग होकर अपनी पत्नी के साथ रहेगा और वे दोनों एक तन होंगे?’ **6** अतः वे अब दो नहीं, परन्तु एक तन हैं इसलिए जिसे परमेश्वर ने जोड़ा है, उसे मनुष्य अलग न करे।” **7** उन्होंने यीशु से कहा, “फिर मूसा ने क्यों यह ठहराया, कि त्यागपत्र देकर उसे छोड़ दे?” **8** उसने उनसे कहा, “मूसा ने तुम्हारे मन की कठोरता के कारण तुम्हें अपनी पत्नी को छोड़ देने की अनुमति दी, परन्तु आरम्भ में ऐसा नहीं था। **9** और मैं तुम से कहता हूँ, कि जो कोई व्यभिचार को छोड़ और किसी कारण से अपनी पत्नी को त्याग कर, दूसरी से विवाह करे, वह व्यभिचार करता है: और जो उस छोड़ी हुई से विवाह करे, वह भी व्यभिचार करता है।”

10 चेलों ने उससे कहा, “यदि पुरुष का स्त्री के साथ ऐसा सम्बन्ध है, तो विवाह करना अच्छा नहीं।” **11** उसने उनसे कहा, “सब यह वचन ग्रहण नहीं कर सकते, केवल वे जिनको यह दान दिया गया है। **12** क्योंकि कुछ नपुंसक ऐसे हैं जो माता के गर्भ ही से ऐसे जन्मे; और कुछ नपुंसक ऐसे हैं, जिन्हें मनुष्य ने नपुंसक बनाया: और कुछ नपुंसक ऐसे हैं, जिन्होंने स्वर्ग के राज्य के लिये अपने आप को नपुंसक बनाया है, जो इसको ग्रहण कर सकता है, वह ग्रहण करे।”

13 तब लोग बालकों को उसके पास लाए, कि वह उन पर हाथ रखे और प्रार्थना करे; पर चेलों ने उन्हें डाँटा। **14** यीशु ने कहा, “बालकों को मेरे पास आने दो, और उन्हें मना न करो, क्योंकि स्वर्ग का राज्य ऐसों ही का है।” **15** और वह उन पर हाथ रखकर, वहाँ से चला गया।

16 और एक मनुष्य ने पास आकर उससे कहा, “हे गुरु, मैं कौन सा भला काम करूँ, कि अनन्त जीवन पाऊँ?” **17** उसने उससे कहा, “तू मुझसे भलाई के विषय में क्यों पूछता है? भला तो एक ही है; पर यदि तू जीवन में प्रवेश करना चाहता है, तो आज्ञाओं को माना कर।” **18** उसने उससे कहा, “कौन सी आज्ञाएँ?” यीशु ने कहा, “यह कि हत्या न करना, व्यभिचार न करना, चोरी न करना, झूठी गवाही न देना; **19** अपने पिता और अपनी माता का आदर करना, और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखना*।” **20** उस जवान ने उससे कहा, “इन सब को तो मैंने माना है अब मुझ में किस बात की कमी है?” **21** यीशु ने उससे कहा, “यदि तू सिद्ध* होना चाहता है; तो जा, अपना सब कुछ बेचकर गरीबों को बाँट दे; और तुझे स्वर्ग में धन मिलेगा; और आकर मेरे पीछे हो ले।” **22** परन्तु वह जवान यह बात सुन उदास होकर चला गया, क्योंकि वह बहुत धनी था।

23 तब यीशु ने अपने चेलों से कहा, “मैं तुम से सच कहता हूँ, कि धनवान का स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करना कठिन है। **24** फिर तुम से कहता हूँ, कि परमेश्वर के राज्य में धनवान के प्रवेश करने से ऊँट का सूई के नाके में से निकल जाना सहज है।” **25** यह सुनकर, चेलों ने बहुत चकित होकर कहा, “फिर किस का उद्धार हो सकता है?” **26** यीशु ने उनकी ओर देखकर कहा, “मनुष्यों से तो यह नहीं हो सकता, परन्तु परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है।” **27** इस पर पतरस ने उससे कहा, “देख, हम तो सब कुछ छोड़ के तेरे पीछे हो लिये हैं तो हमें क्या मिलेगा?” **28** यीशु ने उनसे कहा, “मैं तुम से सच कहता हूँ, कि नई उत्पत्ति में जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा के सिंहासन पर बैठेगा, तो तुम भी जो मेरे पीछे हो लिये हो, बारह सिंहासनों पर बैठकर इस्राएल के बारह गोत्रों का न्याय करोगे। **29** और जिस किसी ने घरों या भाइयों या बहनों या पिता या माता या बाल-बच्चों या खेतों को मेरे नाम के लिये छोड़ दिया है, उसको सौ गुना मिलेगा, और वह अनन्त जीवन का अधिकारी होगा। **30** परन्तु बहुत सारे जो पहले हैं, पिछले होंगे; और जो पिछले हैं, पहले होंगे।

Matthew 19:1

x
यीशु गलील से प्रस्थान करके यहूदिया में शिक्षा दे रहा है।

और ऐसा हुआ
यदि आपकी भाषा में कहानी को नए मन का आरंभ करने का प्रावधान है तो उसे काम में लें।

ये बातें
के वचन

चला गया
"प्रस्थान किया" या "कूच किया"

प्रदेश
"क्षेत्र में"

Matthew 19:3

x
यीशु विवाह और तलाक के विषय में शिक्षा देना आरंभ करता है।

पास आकर
"यीशु के निकट आकर"

क्या तुमने नहीं पढ़ा?
यीशु फरीसियों को लज्जित करना चाहता था।

Matthew 19:5

x
यीशु विवाह और तलाक के बारे में ही शिक्षा दे रहा है।

इस कारण
यह के प्रश्न का ही अगला अंश है, "तुमने नहीं पढ़ा कि वह कहता है ...?"

पत्नी के साथ रहेगा
"पत्नी के निकट रहेगा"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

एक तन
"एक जीव"

Matthew 19:7

x
यीशु विवाह और तलाक के बारे में ही शिक्षा दे रहा है।

उन्होंने उससे कहा
"फरीसियों ने यीशु से कहा"

क्यों यह ठहराया
"हम यहूदियों को यह आज्ञा क्यों दी"

त्याग पत्र देकर
विवाह विच्छेद का वैध पत्र

परन्तु आरंभ से ऐसा नहीं था।
"जब परमेश्वर ने नर और नारी को बनाया था तब तलाक का योजना नहीं थी"

व्यभिचार को छोड़कर
"यौनाचार में अविश्वास को छोड़ कर"।

उस छोड़ी हुई से विवाह करे, वह भी व्यभिचार करता है
अनेक आरंभिक अभिलेखों में यह शब्द नहीं हैं।

Matthew 19:10

x
यीशु विवाह और तलाक के बारे में ही शिक्षा दे रहा है।

कुछ नपुंसक ऐसे हैं जो माता के गर्भ ही से ऐसे जन्मे हैं।
"यौन अंगों के बिना जन्मे पुरूष"

अपने आपको नपुंसक बनाया
संभावित अर्थ हैं, (1) "जिन्होंने अपना लिंग काट दिया" (2) "जो मनुष्य अविवाहित रहकर यौनाचार में शुद्ध रहना चाहते हैं।"

स्वर्ग के राज्य के लिए
"कि वे परमेश्वर की अधिक अच्छी सेवा कर पाएँ"

जो इसको ग्रहण कर सकता है, ग्रहण करे।
देखें कि आपने "इसको ग्रहण कर सकता है ग्रहण करे" का अनुवाद 19:11 में कैसे किया है।

Matthew 19:13

x
लोग बच्चों को यीशु के पास लाते हैं।

तब लोग बालकों को उसके पास लाए।
वैकल्पिक अनुवाद, "कुछ लोग बच्चों को लेकर यीशु के पास आए"

आने दो
"अनुमति दो"

मेरे पास आने दो और उन्हें मना न करो
"उन्हें मेरे पास आने से मत रोको"

क्योंकि स्वर्ग का राज ऐसों ही का है।
"स्वर्ग का राजा उन लोगों का है जो इनके समान हैं" या "केवल इन बच्चों के समान मनुष्य ही स्वर्ग के राज्य में प्रवेश कर सकते हैं"।

Matthew 19:16

x
यीशु संसार में धन और स्वर्ग में प्रतिफल की शिक्षा देना आरंभ करता है।

देखो
लेखक कहानी में एक नए चरित्र को ला रहा है। आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने का प्रावधान होगा।

भला काम
परमेश्वर के प्रसन्न करने वाला काम

भला तो एक ही है।
"केवल परमेश्वर की पूर्णरूपेण भला है"

Matthew 19:18

x
यीशु संसार में धन और स्वर्ग में प्रतिफल की शिक्षा दे रहा है।

Matthew 19:20

x
यीशु संसार में धन और स्वर्ग में प्रतिफल की शिक्षा दे रहा है।

इच्छा रखते हैं।
"ढूँढ़ते"

Matthew 19:23

x
यीशु संसार में धन और स्वर्ग में प्रतिफल की शिक्षा दे रहा है।

परमेश्वर के राज्य में धनवान के प्रवेश करने से ऊँट को सूई के नाके में से निकल जाना सहज है।
धनवानों के लिए परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना बहुत ही कठिन है

सूई के नाके
"सूई के पीछे का छिद्र जिसमें धागा डाला जाता है"।

Matthew 19:25

x
यीशु संसार में धन और स्वर्ग में प्रतिफल की शिक्षा दे रहा है।

चेलों ने बहुत चकित होकर
"शिष्य चकित हो गए"

फिर किसका उद्धार हो सकता है?
संभावित अर्थ, "वे उत्तर खोज रहे थे" या (2) वैकल्पिक अनुवाद, "फिर तो किसी का उद्धार संभव नहीं"

हम तो सब कुछ छोड़ के
"हमने तो अपनी संपूर्ण सम्पत्ति का त्याग कर दिया है" या "हमने अपना घर-बार सब छोड़ दिया है"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हमें क्या मिलेगा?
"परमेश्वर हमें क्या अच्छी वस्तु देगा"?

Matthew 19:28

x
यीशु अपने शिष्यों को संसार में धन और स्वर्ग में प्रतिफल की ही शिक्षा दे रहा है।

नई सृष्टि में
"जब सब कुछ नया हो जायेगा" या "नये युग में"

बारह सिंहासनों पर बैठ कर ..... न्याय करोगे
"उन पर राजा और न्यायी होगे"

Translation Questions

Matthew 19:3

यीशु की परीक्षा लेने के लिए फरीसियों ने उससे क्या पूछा?
फरीसियों ने यीशु से पूछा, "क्या हर एक कारण से अपनी पत्नी को त्यागना उचित है?"

Matthew 19:4

यीशु ने क्या कहा कि सृष्टि के आरंभ से सच है?
यीशु ने कहा कि सृष्टि के समय ही से परमेश्वर ने उन्हें नर और नारी बनाया है।

Matthew 19:5

क्योंकि परमेश्वर ने नर और नारी को बनाया तो यीशु ने कहा कि पुरुष को क्या करना है?
यीशु ने कहा कि पुरुष अपने माता पिता से अलग होकर, अपनी पत्नी के साथ रहेगा।

यीशु के कथनानुसार जब पति अपनी पत्नी के साथ रहता है तब क्या होता है?
यीशु ने कहा कि जब पति अपनी पत्नी के साथ रहेगा तो वे एक तन होंगे।

Matthew 19:6

यीशु ने कहा कि परमेश्वर ने जिसे जोड़ा है उसे मनुष्य क्या न करे?
यीशु ने कहा कि परमेश्वर ने जिसे जोड़ा है उसे मनुष्य अलग न करे।

Matthew 19:7

??
यीशु के अनुसार मूसा ने तलाक की आज्ञा क्यों दी थी।

Matthew 19:9

यीशु की शिक्षा के अनुसार व्यभिचार कौन करता है?
व्यभिचार को छोड़ अन्य किसी भी कारण से पुरूष अपनी पत्नी को तलाक देकर दूसरा विवाह करे तो वह व्यभिचार करता है और जो पुरूष उस त्यागी हुई स्त्री से विवाह करे वह भी व्यभिचार करता है।

Matthew 19:10

यीशु ने कहा, नपुंसक कौन हो सकता है?
यीशु ने कहा कि जो इसे ग्रहण करे वह नपुंसक होना ग्रहण कर ले।

Matthew 19:13

जब बच्चे यीशु के पास लाए जा रहे थे तब चेलों ने क्या किया?
जब छोटे बच्चों को यीशु के पास लाया जा रहा था तब चेलों ने उन्हे रोका।

Matthew 19:14

छोटे बच्चों को देखकर यीशु ने क्या कहा?
यीशु ने कहा बच्चों को मेरे पास आने दो उन्हें मना मत करो क्योंकि स्वर्ग का राज्य ऐसों का ही है।

Matthew 19:16

यीशु ने उस युवक को अनन्त जीवन पाने का कौन सा मार्ग बताया था?
यीशु ने उस युवक से कहा कि अनन्त जीवन पाने के लिए वह आज्ञाओं का पालन करे।

Matthew 19:20

उस युवक ने कहा कि वह इन सब आज्ञाओं का पालन करता है तो यीशु ने उससे क्या कहा?
इस युवक ने कहा कि वह सब आज्ञाओं को मानता है तो यीशु ने उससे कहा कि वह अपना सब कुछ बेच कर कंगालों में बांट दे।

Matthew 19:22

उस युवक ने यीशु की आज्ञा पर कैसी प्रतिक्रिया दिखाई जब यीशु ने उसको कहा कि वह अपना सब कुछ बेच दे?
वह युवक दु:खी होकर चला गया क्योंकि वह बहुत धनवान था।

Matthew 19:23

यीशु ने धनवान मनुष्य के स्वर्ग राज्य में प्रवेश के बारे में क्या कहा है?
यीशु ने कहा कि धनवान मनुष्य का स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करना कठिन है परन्तु परमेश्वर के लिए सब संभव है।

Matthew 19:28

यीशु ने अपने शिष्यों से क्या प्रतिज्ञा की थी?
यीशु ने अपने शिष्यों से प्रतिज्ञा की कि नये जन्म में वे बारह सिंहासनों पर बैठ कर इस्त्राएल के बारह गोत्रों का न्याय करेंगे।

Matthew 19:30

यीशु ने पहले और पिछलों के लिए क्या कहा है?
यीशु ने कहा कि जो इस समय पिछले हैं वे पहले होंगे और जो पहले हैं वो पिछले होंगे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 20

1 “स्वर्ग का राज्य किसी गृहस्थ के समान है, जो सवेरे निकला, कि अपने दाख की बारी में मजदूरों को लगाए। **2** और उसने मजदूरों से एक दीनार रोज पर ठहराकर, उन्हें अपने दाख की बारी में भेजा। **3** फिर पहर* एक दिन चढ़े, निकलकर, अन्य लोगों को बाजार में बेकार खड़े देखकर, **4** और उनसे कहा, ‘तुम भी दाख की बारी में जाओ, और जो कुछ ठीक है, तुम्हें दूँगा।’ तब वे भी गए। **5** फिर उसने दूसरे और तीसरे पहर के निकट निकलकर वैसा ही किया। **6** और एक घंटा दिन रहे फिर निकलकर दूसरों को खड़े पाया, और उनसे कहा ‘तुम क्यों यहाँ दिन भर बेकार खड़े रहे?’ उन्होंने उससे कहा, ‘इसलिए, कि किसी ने हमें मजदूरी पर नहीं लगाया।’ **7** उसने उनसे कहा, ‘तुम भी दाख की बारी में जाओ।’

8 “सांझ को दाख बारी के स्वामी ने अपने भण्डारी से कहा, ‘मजदूरों को बुलाकर पिछलों से लेकर पहलों तक उन्हें मजदूरी दे-दे।’ **9** जब वे आए, जो घंटा भर दिन रहे लगाए गए थे, तो उन्हें एक-एक दीनार मिला। **10** जो पहले आए, उन्होंने यह समझा, कि हमें अधिक मिलेगा; परन्तु उन्हें भी एक ही एक दीनार मिला। **11** जब मिला, तो वह गृह स्वामी पर कुड़कुड़ा के कहने लगे, **12** ‘इन पिछलों ने एक ही घंटा काम किया, और तूने उन्हें हमारे बराबर कर दिया, जिन्होंने दिन भर का भार उठाया और धूप सही?’ **13** उसने उनमें से एक को उत्तर दिया, ‘हे मित्र, मैं तुझ से कुछ अन्याय नहीं करता; क्या तूने मुझसे एक दीनार न ठहराया? **14** जो तेरा है, उठा ले, और चला जा; मेरी इच्छा यह है कि जितना तुझे, उतना ही इस पिछले को भी दूँ। **15** क्या यह उचित नहीं कि मैं अपने माल से जो चाहूँ वैसा करूँ? क्या तू मेरे भले होने के कारण बुरी दृष्टि से देखता है?’ **16** इस प्रकार जो अन्तिम हैं, वे प्रथम हो जाएँगे* और जो प्रथम हैं वे अन्तिम हो जाएँगे।”

17 यीशु यरूशलेम को जाते हुए बारह चेलों को एकान्त में ले गया, और मार्ग में उनसे कहने लगा। **18** “देखो, हम यरूशलेम को जाते हैं; और मनुष्य का पुत्र प्रधान याजकों और शास्त्रियों के हाथ पकड़वाया जाएगा और वे उसको घात के योग्य ठहराएँगे। **19** और उसको अन्यजातियों के हाथ सौंपेंगे, कि वे उसे उपहास में उड़ाएँ, और कोड़े मारें, और क्रूस पर चढ़ाएँ, और वह तीसरे दिन जिलाया जाएगा।”

20 जब जब्दी के पुत्रों की माता ने अपने पुत्रों के साथ उसके पास आकर प्रणाम किया, और उससे कुछ माँगने लगी। **21** उसने उससे कहा, “तू क्या चाहती है?” वह उससे बोली, “यह कह, कि मेरे ये दो पुत्र तेरे राज्य में एक तेरे दाहिने और एक तेरे बाएँ बैठे।” **22** यीशु ने उत्तर दिया, “तुम नहीं जानते कि क्या माँगते हो। जो कटोरा मैं पीने* पर हूँ, क्या तुम पी सकते हो?” उन्होंने उससे कहा, “पी सकते हैं।” **23** उसने उनसे कहा, “तुम मेरा कटोरा तो पीओगे पर अपने दाहिने बाएँ किसी को बैठाना मेरा काम नहीं, पर जिनके लिये मेरे पिता की ओर से तैयार किया गया, उन्हीं के लिये है।”

24 यह सुनकर, दसों चेले उन दोनों भाइयों पर क्रुद्ध हुए। **25** यीशु ने उन्हें पास बुलाकर कहा, “तुम जानते हो, कि अन्यजातियों के अधिपति उन पर प्रभुता करते हैं; और जो बड़े हैं, वे उन पर अधिकार जताते हैं। **26** परन्तु तुम में ऐसा न होगा; परन्तु जो कोई तुम में बड़ा होना चाहे, वह तुम्हारा सेवक बने; **27** और जो तुम में प्रधान होना चाहे वह तुम्हारा दास बने; **28** जैसे कि मनुष्य का पुत्र, वह इसलिए नहीं आया कि अपनी सेवा करवाए, परन्तु इसलिए आया कि सेवा करे और बहुतों के छुटकारे के लिये अपने प्राण दे।”

29 जब वे यरीहो* से निकल रहे थे, तो एक बड़ी भीड़ उसके पीछे हो ली। **30** और दो अंधे, जो सड़क के किनारे बैठे थे, यह सुनकर कि यीशु जा रहा है, पुकारकर कहने लगे, “हे प्रभु, दाऊद की सन्तान, हम पर दया कर।” **31** लोगों ने उन्हें डाँटा, कि चुप रहे, पर वे और भी चिल्लाकर बोले, “हे प्रभु, दाऊद की सन्तान, हम पर दया कर।” **32** तब यीशु ने खड़े होकर, उन्हें बुलाया, और कहा, “तुम क्या चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिये करूँ?” **33** उन्होंने उससे कहा, “हे प्रभु, यह कि हमारी आँखें खुल जाएँ।” **34** यीशु ने तरस खाकर उनकी आँखें छूई, और वे तुरन्त देखने लगे; और उसके पीछे हो लिए।

Matthew 20:1

x
यीशु मजदूरों को मजदूरी देने वाले के दृष्टान्त आरंभ करता है।

स्वर्ग का राज्य किसी गृहस्वामी के समान है।
परमेश्वर पर राज करता है जैसे गृहस्वामी अपनी भूमि पर राज करता है।

स्वर्ग का राज्य ... के समान है
देखें कि आपने में इसका अनुवाद कैसे किया है

ठहराकर
"जब गृहस्वामी सहमत हो गया"

एक दीनार
"एक दिन की मज़दूरी"

Matthew 20:3

x
यीशु गृहस्वामी द्वारा मज़दूरों को मजदूरी देने का दृष्टान्त सुना रहे है।

फिर .... निकल कर
"वह गृहस्वामी फिर गया"

बेकार खड़े देखा
"कुछ नहीं कर रहे थे" या "जिनके पास काम नहीं था"

Matthew 20:5

x
यीशु गृहस्वामी द्वारा मज़दूरों को मज़दूरी देने का दृष्टान्त सुना रहे है।

फिर .... निकलकर
"गृहस्वामी फिर बाहर गया"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बेकार खड़े देखा
"कुछ नहीं कर रहे थे" या "उनके पास काम नहीं था"

Matthew 20:8

x
यीशु गृहस्वामी द्वारा मजदूरों को मजदूरी देने का दृष्टान्त सुना रहे है।

उन्हें
"जिन्होंने दिन समाप्त होने से एक घंटा पहले आए थे"

एक दीनार
"एक दिन की मज़दूरी"

उन्होंने यह समझा
"जिन मज़दूरों ने सबसे अधिक काम किया था उन्होंने सोचा"

Matthew 20:11

x
यीशु गृहस्वामी द्वारा मज़दूरों को मज़दूरी देने का दृष्टान्त सुना रहे है।

जब मिला तो
"जब सबसे अधिक काम करने वाले मजदूरों को मज़दूरी मिली तो"

गृहस्वामी पर
"भू स्वामि पर" या "दाख की बारी के स्वामी पर"

दिन भर का भार उठाया और धूप सही
"हमने पूरा दिन धूप में काम किया"

Matthew 20:13

x
यीशु गृहस्वामी द्वारा मज़दूरों को मज़दूरी देने का दृष्टान्त सुना रहे है।

उनमें से एक
"पूरा दिन काम करने वाले मज़दूरों में से एक"

मित्र
किसी को कोमलता से झिड़कने का शब्द काम में लें।

क्या तूने ही मुझसे एक दीनार न ठहराया था?
वैकल्पिक अनुवाद, "हम सहमत थे कि मैं तुझे एक दीनार दूं।"

एक दीनार
"एक दिन की मज़दूरी"

मेरी इच्छा यह है
"मैं देने में प्रसन्न हूँ" या "मैं देकर प्रसन्न हूँ"

Matthew 20:15

x
यीशु गृहस्वामी द्वारा मज़दूरों को मज़दूरी देने का दृष्टान्त सुना रहे है।

क्या यह उचित ही नहीं कि मैं अपने माल से जो चाहूं सो करूं?
वैकल्पिक अनुवाद, "मैं अपने माल के साथ जैसा चाहूंगा वैसा ही करूंगा" कर सकता हूँ।

उचित
"विधि सम्मत" या "निष्पक्ष" या "सही"

क्या मेरे भले होने के कारण तू बुरी दृष्टि से देखता है?
"तुझे निराश नहीं होना चाहिए कि मैं उनके साथ भलाई कर रहा हूँ, जिन्होंने कमाया नहीं"।

Matthew 20:17

x
यरूशलेम की यात्रा के समय यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है

हम .... जाते हैं
यीशु शिष्यों को भी जोड़ रहा है।

मनुष्य का पुत्र .... पकड़वाया जाएगा।
वैकल्पिक अनुवाद, "कोई है जो मनुष्य के पुत्र को पकड़वायेगा"

उसको घात के योग्य ठहराएँगे और इसके अन्य जातियों के हाथ सौंपेगे कि उसे ठट्ठों में उडाएँ।
"महायाजक और शास्त्री उसे मृत्युदण्ड के योग्य कहकर अन्यजातियों के समक्ष रखेंगे जो उसका ठट्ठा करेंगे"।

वह .... जी उठेगा।
वैकल्पिक अनुवाद, "परमेश्वर उसे जीवित करेगा"

Matthew 20:20

x
दो शिष्यों की माता यीशु से एक निवेदन करती है

एक तेरे दाहिने ओर एक तेरे बाएँ बैठे।
अधिकार के स्थानों पर

Matthew 20:22

x
यीशु उन दोनों शिष्यों की माता को उत्तर देता है

तुम्हें
वे दोनों शिष्य और उनकी माता

पी सकते हो?
"क्या तुम्हारे लिए संभव है कि ..." यीशु केवल पुत्रों से कह रहा है

जो कटोरा मैं पीने पर हूँ क्या तुम पी सकते हो?
"जिस कष्ट को मैं उठाने जा रहा हूँ तुम उठा सकते हो"?

वे
दोनों शिष्यों ने

जिनके लिए मेरे पिता की ओर से तैयार किया गया है, उन्हीं के लिए है"
"मेरे साथ बैठने का सम्मान उन्हीं के लिए है जिनके लिए मेरे पिता ने यह सम्मान रखा है"

तैयार किया
"निश्चित किया है"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 20:25

x
यीशु ने उनकी माता से जो कहा उसके द्वारा शिष्यों को शिक्षा देता है

अन्य जातियों के शासक उन पर प्रभुता करते हैं
"अन्य जातियों के शासक उनसे अपनी इच्छा पूरी करवाते हैं"

बड़े हैं
जिन्हें शासकों ने अधिकार दिया है

अधिकार जताते हैं
"उनके नियंत्रण में रखते है"

चाहे
"इच्छा रखे" या "लालसा करे"

अपने प्राण दे
"मरने के लिए तैयार रहे"

Matthew 20:29

x
यीशु द्वारा वे अंधों को दृष्टि दान का वृत्तान्त आरंभ होता है।

निकल रहे थे
यह यीशु और उसके शिष्य के बारे में है

पीछे हो लो
"यीशु का अनुसरण करने लगी"

देखो
परमेश्वर पाठक का ध्यान आकर्षित करता है कि कोई विस्मयकारी जानकारी आगे है। आपकी भाषा में इसको व्यक्त करने का प्रावधान होगा।

जा रहा है
"उनके पास से निकल रहा है"

और भी चिल्लाकर बोले
"अंधों ने पहले से भी अधिक चिल्लाना आरंभ कर दिया" या "वे और ऊंचे शब्द में चिल्लाए"

Matthew 20:32

x
यीशु द्वारा दो अंधों को दृष्टि दान का वृत्तान्त चल रहा है।

उन्हें बुलाया
"उन अंधे मनुष्यों को बुलाया"

इच्छा रखते हैं।
"ढूँढ़ते"

हमारी आँखें खुल जाएं
वैकल्पिक अनुवाद, "हमारी इच्छा है कि तू हमें देखने योग्य बना दे" या "हम देखने के योग्य होना चाहते है"। (देखें:

तरस खाकर
"अनुकंपा से" या "उनके लिए करूणा से भरकर"

Translation Questions

Matthew 20:1

सुबह जो मजदूर लाए गए थे उन्हें उस स्वामी ने कितनी मजदूरी दी?
दाख की बारी के स्वामी ने सुबह लाए गये मजदूरों को एक दीनार पर ठहराया।

Matthew 20:4

तीसरे, छठवें, नौवें और ग्यारहवें घंटों में ठहराए गये मजदूरों को बारी के स्वामी ने कितनी मजदूरी देने का वचन दिया था?
बारी के स्वामी ने कहा कि वह उन्हें उचित मजदूरी देगा।

Matthew 20:9

ग्यारहवें घंटे में लाए गए मजदरों को कितनी मजदूरी मिली?
ग्यारहवें घंटे में लाए गए मजदूरों को एक दीनार मिला।

Matthew 20:11

सुबह काम पर लगाए गए मजदूरों ने क्या शिकायत की?
उन्होंने शिकायत की कि उन्होंने पूरा दिन काम किया और उन्हें उतना ही मिला जितना एक घंटे काम करने वाले को।

Matthew 20:13

बारी के स्वामी ने मजदूरों की शिकायत का क्या उत्तर दिया?
स्वामी ने उत्तर दिया कि सुबह काम पर लगाए गए मजदूरों को उसने ठहराई गई मजदूरी एक दीनार दी है और अन्य मजदूरों को भी उतनी ही मजदूरी देना उसकी अपनी इच्छा है।

Matthew 20:17

यरूशलेम जाते समय यीशु ने अपने शिष्यों को किस घटना की पूर्व जानकारी दी थी?
यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि वह महायाजकों और शास्त्रियों के हाथ पकड़वाया जायेगा और वे उसे मृत्यु दण्ड देंगे, और क्रूस पर चढ़ाएंगे परन्तु वह तीसरे दिन जी उठेगा।

Matthew 20:20

जबदी के पुत्रों की माता ने यीशु से क्या निवेदन किया था?
वह चाहती थी कि यीशु आज्ञा दे कि उसके पुत्र यीशु के राज्य में उसकी दाहिनी ओर एक और बाईं ओर दूसरा बैठे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 20:23

राज्य में उसकी दाहिनी और बाईं ओर किस को बैठना है किसके हाथ में है?
यीशु ने उसे उत्तर दिया, कि स्वर्गीय पिता ने इन स्थानों को उन्हीं के लिए रखा है जिन्हें उसने चुना है।

Matthew 20:26

यीशु ने क्या कहा कि चेलों में कोई बड़ा कैसे बन सकता है?
यीशु ने कहा कि जो बड़ा बनना चाहे वह सेवक बने।

Matthew 20:28

यीशु ने संसार में अपने आने का कारण क्या बताया था?
यीशु ने कहा कि वह सेवा करने और अनेकों की छुडौती के लिए अपने प्राण दे।

Matthew 20:30

सड़क के किनारे बैठे दो अंधे यीशु के आने पर क्या चिल्ला रहे थे?
दो अंधे पुकार रहे थे, "हे प्रभु, दाऊद की सन्तान, हम पर दया कर"।

Matthew 20:34

यीशु ने उन दोनों अंधों को क्यों चंगा किया?
यीशु ने उन दोनों अंधों को चंगा किया क्योंकि उसे उन पर तरस आ गया था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 21

1 जब वे यरूशलेम के निकट पहुँचे और जैतून पहाड़ पर बैतफगे के पास आए, तो यीशु ने दो चेलों को यह कहकर भेजा, 2 “अपने सामने के गाँव में जाओ,
वहाँ पहुँचते ही एक गदही बंधी हुई, और उसके साथ बच्चा तुम्हें मिलेगा; उन्हें खोलकर, मेरे पास ले आओ। 3 यदि तुम से कोई कुछ कहे, तो कहो, कि प्रभु को
इनका प्रयोजन है: तब वह तुरन्त उन्हें भेज देगा।” 4 यह इसलिए हुआ, कि जो वचन भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो:

5 “सिय्योन की बेटी से कहो,
‘देख, तेरा राजा तेरे पास आता है;
वह नम्र है और गदहे पर बैठा है;
वरन् लादू के बच्चे पर।’ ”

6 चेलों ने जाकर, जैसा यीशु ने उनसे कहा था, वैसा ही किया। 7 और गदही और बच्चे को लाकर, उन पर अपने कपड़े डाले, और वह उन पर बैठ गया। 8 और
बहुत सारे लोगों ने अपने कपड़े मार्ग में बिछाए, और लोगों ने पेड़ों से डालियाँ काटकर मार्ग में बिछाईं। 9 और जो भीड़ आगे-आगे जाती और पीछे-पीछे चली
आती थी, पुकार-पुकारकर कहती थी, “दाऊद के सन्तान को होशाना; धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है, आकाश में होशाना।” 10 जब उसने यरूशलेम में
प्रवेश किया, तो सारे नगर में हलचल मच गई; और लोग कहने लगे, “यह कौन है?” 11 लोगों ने कहा, “यह गलील के नासरत का भविष्यद्वक्ता यीशु है।”

12 यीशु ने परमेश्वर के मन्दिर* में जाकर, उन सब को, जो मन्दिर में लेन-देन कर रहे थे, निकाल दिया; और सर्राफों के मेज़ें और कबूतरों के बेचनेवालों की
चौकियाँ उलट दीं। 13 और उनसे कहा, “लिखा है, ‘मेरा घर प्रार्थना का घर कहलाएगा’; परन्तु तुम उसे लुटेरों का अड्डा बनाते हो।”

14 और अंधे और लँगड़े, मन्दिर में उसके पास आए, और उसने उन्हें चंगा किया। 15 परन्तु जब प्रधान याजकों और शास्त्रियों ने इन अद्भुत कामों को, जो उसने
किए, और लड़कों को मन्दिर में दाऊद की सन्तान को होशाना’ पुकारते हुए देखा, तो क्रोधित हुए, 16 और उससे कहने लगे, “क्या तू सुनता है कि ये क्या कहते
हैं?” यीशु ने उनसे कहा, “हाँ; क्या तुम ने यह कभी नहीं पढ़ा: ‘बालकों और दूध पीते बच्चों के मुँह से तूने स्तुति सिद्ध कराई?’ ” 17 तब वह उन्हें छोड़कर नगर
के बाहर बैतनिय्याह* को गया, और वहाँ रात बिताई।

18 भोर को जब वह नगर को लौट रहा था, तो उसे भूख लगी। 19 और अंजीर के पेड़ को सड़क के किनारे देखकर वह उसके पास गया, और पत्तों को छोड़
उसमें और कुछ न पा कर उससे कहा, “अब से तुझ में फिर कभी फल न लगे।” और अंजीर का पेड़ तुरन्त सुख गया। 20 यह देखकर चेलों ने अचम्भा किया,
और कहा, “यह अंजीर का पेड़ तुरन्त कैसे सूख गया?” 21 यीशु ने उनको उत्तर दिया, “मैं तुम से सच कहता हूँ; यदि तुम विश्वास रखो, और सन्देह न करो; तो
न केवल यह करोगे, जो इस अंजीर के पेड़ से किया गया है; परन्तु यदि इस पहाड़ से भी कहोगे, कि उखड़ जा, और समुद्र में जा पड़, तो यह हो जाएगा। 22
और जो कुछ तुम प्रार्थना में विश्वास से माँगोगे वह सब तुम को मिलेगा।”

23 वह मन्दिर में जाकर उपदेश कर रहा था, कि प्रधान याजकों और लोगों के प्राचीनों ने उसके पास आकर पूछा, “तू ये काम किस के अधिकार से करता है?
और तुझे यह अधिकार किस ने दिया है?” 24 यीशु ने उनको उत्तर दिया, “मैं भी तुम से एक बात पूछता हूँ; यदि वह मुझे बताओगे, तो मैं भी तुम्हें बताऊँगा कि
ये काम किस अधिकार से करता हूँ। 25 यूहन्ना का बपतिस्मा कहाँ से था? स्वर्ग की ओर से या मनुष्यों की ओर से था?” तब वे आपस में विवाद करने लगे,
“यदि हम कहें ‘स्वर्ग की ओर से’, तो वह हम से कहेगा की, ‘फिर तुम ने उसका विश्वास क्यों न किया?’ 26 और यदि कहें ‘मनुष्यों की ओर से’, तो हमें भीड़ का
डर है, क्योंकि वे सब यूहन्ना को भविष्यद्वक्ता मानते हैं।” 27 अतः उन्होंने यीशु को उत्तर दिया, “हम नहीं जानते।” उसने भी उनसे कहा, “तो मैं भी तुम्हें नहीं
बताता, कि ये काम किस अधिकार से करता हूँ।

28 “तुम क्या समझते हो? किसी मनुष्य के दो पुत्र थे; उसने पहले के पास जाकर कहा, ‘हे पुत्र, आज दाख की बारी में काम कर।’ 29 उसने उत्तर दिया, ‘मैं
नहीं जाऊँगा’, परन्तु बाद में उसने अपना मन बदल दिया और चला गया। 30 फिर दूसरे के पास जाकर ऐसा ही कहा, उसने उत्तर दिया, ‘जी हाँ जाता हूँ’, परन्तु
नहीं गया। 31 इन दोनों में से किस ने पिता की इच्छा पूरी की?” उन्होंने कहा, “पहले ने।” यीशु ने उनसे कहा, “मैं तुम से सच कहता हूँ, कि चुंगी लेनेवाले और
वेश्या तुम से पहले परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करते हैं। 32 क्योंकि यूहन्ना धार्मिकता के मार्ग से तुम्हारे पास आया, और तुम ने उस पर विश्वास नहीं किया: पर
चुंगी लेनेवालों और वेश्याओं ने उसका विश्वास किया: और तुम यह देखकर बाद में भी न पछताए कि उसका विश्वास कर लेते।

33 “एक और दृष्टान्त सुनो एक गृहस्थ था, जिसने दाख की बारी लगाई; और उसके चारों ओर बाड़ा बाँधा; और उसमें रस का कुण्ड खोदा; और गुम्मट बनाया;
और किसानों को उसका ठेका देकर परदेश चला गया। 34 जब फल का समय निकट आया, तो उसने अपने दासों को उसका फल लेने के लिये किसानों के पास
भेजा। 35 पर किसानों ने उसके दासों को पकड़ के, किसी को पीटा, और किसी को मार डाला; और किसी को पत्थराव किया। 36 फिर उसने और दासों को
भेजा, जो पहलों से अधिक थे; और उन्होंने उनसे भी वैसा ही किया। 37 अन्त में उसने अपने पुत्र को उनके पास यह कहकर भेजा, कि वे मेरे पुत्र का आदर
करेंगे। 38 परन्तु किसानों ने पुत्र को देखकर आपस में कहा, ‘यह तो वारिस है, आओ, उसे मार डालें: और उसकी विरासत ले लें।’ 39 और उन्होंने उसे पकड़ा
और दाख की बारी से बाहर निकालकर मार डाला।

40 इसलिए जब दाख की बारी का स्वामी आएगा, तो उन किसानों के साथ क्या करेगा?” 41 उन्होंने उससे कहा, “वह उन बुरे लोगों को बुरी रीति से नाश
करेगा; और दाख की बारी का ठेका और किसानों को देगा, जो समय पर उसे फल दिया करेंगे।” 42 यीशु ने उनसे कहा, “क्या तुम ने कभी पवित्रशास्त्र में यह
नहीं पढ़ा:

‘जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने बेकार समझा था,
वही कोने के सिरे का पत्थर हो गया?
यह प्रभु की ओर से हुआ, और हमारे
देखने में अद्भुत है।’

43 “इसलिए मैं तुम से कहता हूँ, कि परमेश्वर का राज्य तुम से ले लिया जाएगा; और ऐसी जाति को जो उसका फल लाए, दिया जाएगा। **44** जो इस पत्थर पर गिरेगा, वह चकनाचूर हो जाएगा: और जिस पर वह गिरेगा, उसको पीस डालेगा।” **45** प्रधान याजकों और फरीसी उसके दृष्टान्तों को सुनकर समझ गए, कि वह हमारे विषय में कहता है। **46** और उन्होंने उसे पकड़ना चाहा, परन्तु लोगों से डर गए क्योंकि वे उसे भविष्यद्वक्ता जानते थे।

Matthew 21:1

x
यीशु अपने शिष्यों के साथ यरूशलेम जा रहा है।

बैतफगे
एक गाँव

गदही का बच्चा
"युवा नर गधा"

Matthew 21:4

x
यह यीशु द्वारा गधे की सवारी करके यरूशलेम जाने का वृत्तान्त है

यह इसलिए हुआ कि जो वचन भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो।
"परमेश्वर ने वर्षों पूर्व अपने भविष्यद्वक्ता के माध्यम से कहा था कि ऐसा होगा"।

"जो वचन से पहले ही भविष्यद्वक्ता ने कह दिया था"
"जो होने से पहले ही भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था"

सिय्योन की बेटी
इस्राएल

गदेह
गरीबों की सवारी का पशु

गदही का बच्चा
युवा गधा

Matthew 21:6

x
यह यीशु द्वारा गधे की सवारी करके यरूशलेम जाने का वृत्तान्त है

वस्त्र
बाहरी वस्त्र या कुर्ता

वह उस पर बैठ गया
"यीशु उन कपड़ों पर बैठ गया जो गधे पर डाले गए थे।"

Matthew 21:9

x
यह यीशु द्वारा गधे की सवारी करके यरूशलेम जाने का वृत्तान्त है

होशाना
यह एक इब्रानी शब्द है जिसका अर्थ है, "हमें बचा" परन्तु अन्ततः इसका अर्थ हो गया, "याह की स्तुति करो"

सारे नगर में हलचल मच गई।
"नगर में हर एक जन उसे देखने के लिए उत्सुक था"

सारे नगर के लोग।
"नगर के बहुत से लोगों में" (देखें: और

Matthew 21:12

x
यह वृत्तान्त मन्दिर में यीशु के प्रवेश का है।

उसने उनसे कहा
"यीशु ने उनसे कहा जो पैसों का विनिमय कर रहे थे और लेन -देन कर रहे थे"।

प्रार्थना का घर
"लोगों के लिए प्रार्थना करने का स्थान"

डाकुओं की गुफा
"डाकुओं के छिपने का स्थान"

लंगड़े
वे जो चलने योग्य नहीं थे या जिनके पैर बेकार थे

Matthew 21:15

x
यह वृत्तान्त मन्दिर में यीशु की उपस्थिति का है।

होशाना
देखें आपने इसका अनुवाद में कैसे किया था।

हे दाऊद की सन्तान
देखें आपने इसका अनुवाद में कैसे किया था।

वे क्रोधित हुए
"वे यीशु से घृणा करके क्रोधित हुए"

क्या तू सुनता है कि ये क्या कहते हैं?
"तू लोगों को अपने लिए ऐसा कहने न दे"।

क्या तुमने यह कभी नहीं पढ़ा
"हाँ मैं सुन रहा हूँ परन्तु तुम्हें धर्मशास्त्र की पढ़ी हुई बातें स्मरण रखना है"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

वह उन्हें छोड़कर
"यीशु महायाजकों और शास्त्रियों को छोड़कर"

Matthew 21:18

x
यह वृत्तान्त यीशु द्वारा अंजीर के पेड़ को श्राप देने का है।

सूख गया
"मर गया"

Matthew 21:20

x
यीशु अंजीर के वृक्ष के श्राप की व्याख्या करता है।

सूख गया
सूख कर मर गया।

Matthew 21:23

x
धर्मगुरूओं द्वारा यीशु से प्रश्न करने के वृत्तान्त का आरंभ होता है।

Matthew 21:25

x
धर्मगुरूओं द्वारा यीशु से प्रश्न करने का वृत्तान्त चल रहा है।

स्वर्ग की ओर से
"स्वर्ग में परमेश्वर से"

वह हमसे कहेगा
"यीशु हमसे कहेगा"

हमें भीड़ का डर है
"हमें डर है कि भीड़ क्या कहेगी या हमारे साथ क्या करेगी"

वे सब यूहन्ना को भविष्यद्वक्ता मानते हैं
"उनको विश्वास था कि यूहन्ना एक भविष्यद्वक्ता था"

Matthew 21:28

x
यीशु एक दृष्टान्त द्वारा धर्मगुरूओं को उत्तर दे रहा है।

Matthew 21:31

x
यीशु धर्मगुरूओं को दृष्टान्त द्वारा उत्तर दे रहा है

उन्होंने कहा
"महायाजक और पुरनियों ने कहा"

यीशु ने उनसे कहा
"यीशु ने महायाजकों और पुरनियों से कहा"

यूहन्ना .... तुम्हारे पास आया
"यूहन्ना ने आकर धर्म-गुरूओं और साधारण जनता में प्रचार किया"

धर्म के मार्ग
यूहन्ना ने दिखाया कि मनुष्य परमेश्वर के प्रति कैसी प्रतिक्रिया दिखाए और जीवन जीए।

Matthew 21:33

x
यीशु एक और वृत्तान्त द्वारा धर्मगुरूओं को उत्तर दे रहा है

एक गृहस्वामी था जिसने दाख की बारी लगाई।
"एक भूस्वामी जिसके पास बहुत बड़ा खेत था"

किसानों को उसका ठेका देकर
"अपनी दाख की बारी किसानों की देखरेख में रखकर वह अब भी उसका स्वामी है।

किसान
जो दाखलता और दाख को संभालना जानते हैं

Matthew 21:35

x
यीशु एक और दृष्टान्त द्वारा धर्मगुरूओं को उत्तर दे रहा है।

दासों को
उस गृहस्वामी के सेवक"

Matthew 21:38

x
यीशु एक और दृष्टान्त द्वारा धर्मगुरूओं को उत्तर दे रहा है।

Matthew 21:40

x
यीशु एक और दृष्टान्त द्वारा धर्मगुरूओं को उत्तर दे रहा है।

उन्होंने उससे कहा
"श्रोताओं ने यीशु को उत्तर दिया"

Matthew 21:42

x
यीशु भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से उस दृष्टान्त का अर्थ समझाता है।

यीशु ने उनसे कहा
"यीशु ने श्रोताओं से कहा"

जिस पत्थर को राज मिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया था वही कोने के सिरे का पत्थर हो गया।
वैकल्पिक अनुवाद, "जिस पत्थर को राज मिस्त्रियों ने व्यर्थ कहा था वही सबसे महत्त्वपूर्ण ठहरा" अधिकारी यीशु का परित्याग करेंगे परन्तु परमेश्वर उसे अपने राज्य का सिर बनाएगा।

यह प्रभु की ओर से हुआ
"परमेश्वर ने इस महान परिवर्तन को किया"

Matthew 21:43

x
यीशु उस दृष्टान्त का अर्थ समझा रहा है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मैं तुम से कहता हूँ
यीशु महायाजकों एवं पुरनियों से कह रहा है।

उसका फल लाए
"जो सही है वह करे"

फल
"परमेश्वर के राज्य के फल"

जो इस पत्थर पर गिरेगा।
"जो इस पत्थर से टकराएगा" /रूपक

जिस पर वह गिरेगा
"जिस पर दण्ड आएगा" /रूपक

Matthew 21:45

x
धर्मगुरू यीशु का दृष्टान्त सुनकर प्रतिक्रिया दिखा रहे हैं।

उसके दृष्टान्त
"यीशु का दृष्टान्त"

पकड़ना चाहा
"बन्दी बनाना चाहा"

Translation Questions

Matthew 21:2

यीशु के कथनानुसार शिष्य सामने के गांव में क्या देखेंगे?
यीशु ने कहा कि वे एक गदही और उसके बच्चे को देखेंगे।

Matthew 21:4

इस घटना की क्या भविष्यद्वाणी थी?
भविष्यद्वाणी के अनुसार राजा गदहे वरन गदहे के बच्चे पर बैठ कर आयेगा।

Matthew 21:8

जन समूह ने यरूशलेम जाते समय यीशु के मार्ग में क्या किया था?
जन समूह ने मार्ग में अपने कपड़े और वृक्षों की टहनियां बिछा दीं।

Matthew 21:9

यीशु के चलते समय जनसमूह क्या चिल्ला रहा था?
जन समूह चिल्लाता था, "दाऊद की सन्तान को होशाना, धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है, आकाश में होशाना"।

Matthew 21:12

यरूशलेम में परमेश्वर के मन्दिर में प्रवेश करने पर यीशु ने क्या किया?
यीशु ने मन्दिर में से लेन-देन करने वालों को निकाल दिया और सर्राफों के पीढ़े और कबूतर बेचने वालों की चौकियाँ उलट दी।

Matthew 21:13

यीशु के शब्दों में व्यापरियों ने मन्दिर को क्या बना दिया था?
यीशु ने कहा कि व्यापारियों ने परमेश्वर के मन्दिर को डाकूओं की गुफा बना दिया है।

Matthew 21:15

फरीसियों और शास्त्रियों के द्वारा बच्चों के नारे पर आपत्ति उठाने पर यीशु ने उनसे क्या कहा था?
यीशु ने भविष्यद्वक्ता के संदर्भ से उत्तर दिया, बालकों और दूध पीते बच्चों के मुँह से तु ने स्तुति सिद्ध कराई?"

Matthew 21:18

यीशु ने अंजीर के पेड़ के साथ क्या किया और क्यों?
यीशु ने अंजीर के वृक्ष को श्राप दिया और वह सूख गया क्योंकि उसमें फल नहीं लगे थे।

Matthew 21:20

अंजीर के वृक्ष के सूख जाने से यीशु ने अपने शिष्यों को प्रार्थना के बारे क्या सिखाया?
यीशु ने अपने शिष्यों को शिक्षा दी कि यदि वे विश्वास से मांगेंगे तो उन्हें मिलेगा।

Matthew 21:23

यीशु जब शिक्षा दे रहा था तब महायाजकों और पुरनियों ने यीशु से क्या कहा?
महायाजक और पुरनियों ने यीशु से उसका अधिकार जानना चाहा।

Matthew 21:25

यीशु ने प्रतिउत्तर में महायाजकों और पुरनियों से क्या पूछा?
यीशु ने उनसे पूछा कि उनके विचार में यूहन्ना का बपतिस्मा स्वर्ग से था या मनुष्यों से।

महायाजक और पुरनियें क्यों नहीं कहना चाहते थे कि यूहन्ना का बपतिस्मा स्वर्ग से था?
वे समझ गए थे कि यीशु उनसे पूछेगा कि वे यूहन्ना पर विश्वास क्यों नहीं करते थे।

Matthew 21:26

महायाजक और पुरनिये यूहन्ना के बपतिस्में को मनुष्य का क्यों नहीं कहना चाहते थे?
वे जनसमूह से डरते थे क्योंकि जनसमूह यूहन्ना को भविष्यद्वक्ता मानता था।

Matthew 21:28

यीशु के दृष्टान्त में किस पुत्र ने पिता की आज्ञा का पालन किया?
पुत्र जिसने कहा है कि वह काम पर नहीं जायेगा और बाद में जाता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 21:31

यीशु ने क्यों कहा कि महसूल लेने वाले और वैश्याएं महायाजकों और शास्त्रियों से पहले परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करेंगे?
यीशु ने कहा कि वे राज्य में प्रवेश कर रहे हैं क्योंकि वे यूहन्ना में विश्वास रखते थे परन्तु महायाजक और पुरनिये यूहन्ना का विश्वास नहीं करते थे।

Matthew 21:35

दाख की बारी के स्वामी ने अपने दासों को भेजा, अपनी उपज का फल मंगवाया तो किसानों ने क्या किया?
दुष्ट किसानों ने दासों को मारा-पीटा, पत्थरवाह किया और मार डाला।

Matthew 21:37

अन्त में स्वामी ने किसानों के पास किसे भेजा?
स्वामी ने अन्त में अपने पुत्र को भेजा।

Matthew 21:38

किसानों ने इस अन्तिम व्यक्ति के साथ क्या किया जिसे स्वामी ने भेजा था?
किसानों ने स्वामी के पुत्र को मार डाला।

Matthew 21:40

उन्होंने क्या कहा कि स्वामी क्या करेगा?
उन्होंने उत्तर दिया कि स्वामी आयेगा और इन दुष्ट किसानों को नष्ट करके दूसरे किसानों को ठेका देगा।

Matthew 21:42

यीशु ने जिस धर्मशास्त्र का संदर्भ दिया उसमें राज-मिस्त्रियों द्वारा त्यागे गए पत्थर का क्या हुआ?
जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया था वही कोने का पत्थर था।

Matthew 21:43

यीशु ने धर्मशास्त्र का संदर्भ देते हुए कहा कि आगे क्या होगा?
यीशु ने कहा कि परमेश्वर का राजा महायाजकों और फरीसियों के हाथ से परमेश्वर राज्य ले लिया जायेगा। और उस जाति को दिया जायेगा जो फल लायेगा।

Matthew 21:46

महायाजकों और फरीसियों ने तुरन्त यीशु पर हाथ नहीं डाला, क्यों?
वे जनसमूह से डरते थे क्योंकि लोग यीशु को भविष्यद्वक्ता मानते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 22

1 इस पर यीशु फिर उनसे दृष्टान्तों में कहने लगा। **2** “स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है, जिसने अपने पुत्र का विवाह किया। **3** और उसने अपने दासों को भेजा, कि निमंत्रित लोगों को विवाह के भोज में बुलाएँ; परन्तु उन्होंने आना न चाहा। **4** फिर उसने और दासों को यह कहकर भेजा, ‘निमंत्रित लोगों से कहो: देखो, मैं भोज तैयार कर चुका हूँ, और मेरे बैल और पले हुए पशु मारे गए हैं और सब कुछ तैयार है; विवाह के भोज में आओ।’ **5** परन्तु वे उपेक्षा करके चल दिए: कोई अपने खेत को, कोई अपने व्यापार को। **6** अन्य लोगों ने जो बच रहे थे उसके दासों को पकड़कर उनका अनादर किया और मार डाला। **7** तब राजा को क्रोध आया, और उसने अपनी सेना भेजकर उन हत्यारों को नाश किया, और उनके नगर को फूँक दिया। **8** तब उसने अपने दासों से कहा, ‘विवाह का भोज तो तैयार है, परन्तु निमंत्रित लोग योग्य न ठहरे। **9** इसलिए चौराहों में जाओ, और जितने लोग तुम्हें मिलें, सब को विवाह के भोज में बुला लाओ।’ **10** अतः उन दासों ने सड़कों पर जाकर क्या बुरे, क्या भले, जितने मिले, सब को इकट्ठा किया; और विवाह का घर अतिथियों से भर गया।

11 “जब राजा अतिथियों के देखने को भीतर आया; तो उसने वहाँ एक मनुष्य को देखा, जो विवाह का वस्त्र नहीं पहने था*। **12** उसने उससे पूछा, ‘हे मित्र; तू विवाह का वस्त्र पहने बिना यहाँ क्यों आ गया?’ और वह मनुष्य चुप हो गया। **13** तब राजा ने सेवकों से कहा, ‘इसके हाथ-पाँव बाँधकर उसे बाहर अंधियारे में डाल दो, वहाँ रोना, और दाँत पीसना होगा।’ **14** क्योंकि बुलाए हुए तो बहुत है परन्तु चुने हुए थोड़े हैं।”

15 तब फरीसियों ने जाकर आपस में विचार किया, कि उसको किस प्रकार बातों में फँसाएँ। **16** अतः उन्होंने अपने चेलों को हेरोदियों के साथ उसके पास यह कहने को भेजा, “हे गुरु, हम जानते हैं, कि तू सच्चा है, और परमेश्वर का मार्ग सच्चाई से सिखाता है, और किसी की परवाह नहीं करता, क्योंकि तू मनुष्यों का मुँह देखकर बातें नहीं करता। **17** इसलिए हमें बता तू क्या समझता है? कैसर को कर देना उचित है, कि नहीं।” **18** यीशु ने उनकी दुष्टता जानकर कहा, “हे कपटियों, मुझे क्यों परखते हो? **19** कर का सिक्का मुझे दिखाओ।” तब वे उसके पास एक दीनार ले आए। **20** उसने, उनसे पूछा, “यह आकृति और नाम किस का है?” **21** उन्होंने उससे कहा, “कैसर का।” तब उसने उनसे कहा, “जो कैसर का है, वह कैसर को; और जो परमेश्वर का है, वह परमेश्वर को दो।” **22** यह सुनकर उन्होंने अचम्भा किया, और उसे छोड़कर चले गए।

23 उसी दिन सदूकी जो कहते हैं कि मरे हुओं का पुनरुत्थान है ही नहीं उसके पास आए, और उससे पूछा, **24** “हे गुरु, मूसा ने कहा था, कि यदि कोई बिना सन्तान मर जाए, तो उसका भाई उसकी पत्नी को विवाह करके अपने भाई के लिये वंश उत्पन्न करे। **25** अब हमारे यहाँ सात भाई थे; पहला विवाह करके मर गया; और सन्तान न होने के कारण अपनी पत्नी को अपने भाई के लिये छोड़ गया। **26** इसी प्रकार दूसरे और तीसरे ने भी किया, और सातों तक यही हुआ। **27** सब के बाद वह स्त्री भी मर गई। **28** अतः जी उठने पर वह उन सातों में से किसकी पत्नी होगी? क्योंकि वह सब की पत्नी हो चुकी थी।” **29** यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, “तुम पवित्रशास्त्र और परमेश्वर की सामर्थ्य नहीं जानते; इस कारण भूल में पड़ गए हो। **30** क्योंकि जी उठने पर विवाह-शादी न होगी; परन्तु वे स्वर्ग में दूतों के समान होंगे। **31** परन्तु मरे हुओं के जी उठने के विषय में क्या तुम ने यह वचन नहीं पढ़ा जो परमेश्वर ने तुम से कहा: **32** ‘मैं अब्राहम का परमेश्वर, और इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर हूँ?’ वह तो मरे हुओं का नहीं, परन्तु जीवितों का परमेश्वर है।” **33** यह सुनकर लोग उसके उपदेश से चकित हुए।

34 जब फरीसियों ने सुना कि यीशु ने सदूकियों का मुँह बन्द कर दिया; तो वे इकट्ठे हुए। **35** और उनमें से एक व्यवस्थापक ने परखने के लिये, उससे पूछा, **36** “हे गुरु, व्यवस्था में कौन सी आज्ञा बड़ी है?” **37** उसने उससे कहा, “तू परमेश्वर अपने प्रभु से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख*। **38** बड़ी और मुख्य आज्ञा तो यही है। **39** और उसी के समान यह दूसरी भी है, कि तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख। **40** ये ही दो आज्ञाएँ सारी व्यवस्था एवं भविष्यद्वक्ताओं* का आधार है।”

41 जब फरीसी इकट्ठे थे, तो यीशु ने उनसे पूछा, **42** “मसीह के विषय में तुम क्या समझते हो? वह किस की सन्तान है?” उन्होंने उससे कहा, “दाऊद की।” **43** उसने उनसे पूछा, “तो दाऊद आत्मा में होकर उसे प्रभु क्यों कहता है? **44** ‘प्रभु ने, मेरे प्रभु से कहा, मेरे दाहिने बैठ, जब तक कि मैं तेरे बैरियों को तेरे पाँवों के नीचे की चौकी न कर दूँ।’ **45** भला, जब दाऊद उसे प्रभु कहता है, तो वह उसका पुत्र कैसे ठहरा?” **46** उसके उत्तर में कोई भी एक बात न कह सका। परन्तु उस दिन से किसी को फिर उससे कुछ पूछने का साहस न हुआ।

Matthew 22:1

x
यीशु ने धर्मगुरूओं को विवाह भोज दृष्टान्त सुनाना आरंभ किया।

स्वर्ग का राज्य...के समान है।
देखें कि आपने में इसका अनुवाद कैसे किया है

निमंत्रित लोगों को
वैकल्पिक अनुवाद, "राजा के द्वारा आमंत्रित जन"

Matthew 22:4

x
यीशु धर्मगुरूओं को विवाह भोज का ही दृष्टान्त सुना रहा है।

देख
वैकल्पिक अनुवाद, "सुनो" या "देखो" या "मैं जो कहने जा रहा हूँ उस पर ध्यान दो"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 22:5

x
यीशु धर्मगुरूओं को विवाह भोज का ही दृष्टान्त सुना रहा है।

वे उपेक्षा करके चल दिए
"आमंत्रित अतिथि

निमन्त्रण का मान नहीं रखा
"उसकी निमन्त्रण को गम्भीरता से नहीं लिया"

Matthew 22:8

x
यीशु धर्मगुरूओं को विवाह भोज का ही दृष्टान्त सुना रहा है।

चौराहे
जहाँ दो रास्ते एक दूसरे को काटते हैं।

विवाह का घर
एक बड़ा कक्ष

Matthew 22:11

x
यीशु धर्मगुरूओं को विवाह भोज का ही दृष्टान्त सुना रहा है।

Matthew 22:13

x
यीशु धर्मगुरूओं को विवाह भोज का ही दृष्टान्त सुना रहा है।

Matthew 22:15

x
यहाँ धर्मगुरूओं द्वारा यीशु को फसाने के प्रयास का वृत्तान्त आरंभ होता है।

उसको किस प्रकार बातों में फसाएँ
"उससे कुछ ऐसा कहलवाएँ जिसे हम उसके विरूद्ध काम में ले पाएं"

हेरोदियों
यहूदी राजा हेरोदेस के कर्मचारी तथा अनुयायी, हेरोदेस को भी साम्राज्य का मित्र था।

तू मनुष्यों का मुँह देखकर बातें नहीं करता है।
"तू कुछ लोगों को विशेष मान प्रदान नहीं करता है" या "तू बड़े लोगों की चिन्ता नहीं करता है"।

Matthew 22:18

x
धर्मगुरू कर देने के संबन्ध में यीशु को फसाने का प्रयास करते हैं।

एक दीनार
रोमी सिक्का जो एक दिन की मज़दूरी था।

Matthew 22:20

x
धर्मगुरू कर देने के संबन्ध में यीशु को फसाने का प्रयास करते हैं।

जो कैसर का है
"जो वस्तुएं कैसर की हैं"

जो परमेश्वर का है।
"जो वस्तुएं परमेश्वर की हैं"

Matthew 22:23

x
यहूदी धर्मगुरू यीशु को तलाक के संबन्ध में फसाने का प्रयास कर रहे हैं।

"हे गुरू,मूसा ने कहा था ....."
वे उससे धर्मशास्त्र में मूसा के लेख के बारे में प्रश्न कर रहे थे। यदि आपकी भाषा में उद्धरण के भीतर उद्धरण देने का प्रावधान नहीं है तो आप परोक्ष वाक्य का उपयोग कर सकते हैं, "मूसा ने कहा है कि यदि कोई पुरूष ...." (देखें:

उसका भाई .... उसकी पत्नी .... भाई
उसका भाई ..... उसकी पत्नी .... उसका भाई मृतक का

Matthew 22:25

x
यहूदी धर्मगुरू यीशु को तलाक के संबन्ध में फसाने का प्रयास कर रहे हैं।

सबके बाद
"जब सब भाई उससे विवाह कर चुके" या "जब सब भाई मर गए"

Matthew 22:29

परमेश्वर की सामर्थ
"परमेश्वर जो कर सकता है" यहूदी धर्मगुरू यीशु को तलाक के संबन्ध में फसाने का प्रयास कर रहे हैं।

Matthew 22:31

x
यहूदी धर्मगुरू यीशु को तलाक के संबन्ध में फसाने का प्रयास कर रहे हैं।

क्या तुमने यह वचन नहीं पढ़ा .... याकूब।
क्या तुमने यह वचन नही पढ़ा .... याकूब , वैकल्पिक अनुवाद, "मैं जानता हूँ कि तुमने यह वचन पढ़ा है परन्तु तुम समझ नहीं पाए .... याकूब"।

जो परमेश्वर ने तुम से कहा
जो परमेश्वर ने तुम से कहा , वैकल्पिक अनुवाद, "परमेश्वर ने जो तुमसे कहा" (देखें: :)

परमेश्वर ने तुम से कहा, मैं ... याकूब का परमेश्वर हूँ?
यह उद्धरण में उद्धरण है, "परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह, परमेश्वर, अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर है"

Matthew 22:34

x
धर्मगुरू यीशु को व्यवस्था के संबन्धों में फसाने का प्रयास कर रहें हैं।

व्यवस्थापक
मूसा की व्यवस्था को समझने में योग्य फरीसी

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 22:37

x
धर्मगुरू यीशु को व्यवस्था के संबन्धों में फसाने का प्रयास कर रहें हैं।

Matthew 22:39

x
धर्मगुरू यीशु को व्यवस्था के संबन्धों में फसाने का प्रयास कर रहें हैं।

उसी के समान
उसी आज्ञा के समान .

Matthew 22:41

x
यीशु धर्मगुरूओं से मसीह के बारे में प्रश्न कर रहा है

Matthew 22:43

x
यीशु धर्मगुरूओं से मसीह के बारे में प्रश्न पूछ रहा है

मेरे दाहिने बैठ
मेरे दाहिने बैठ , दाहिनी ओर प्रायः सम्मान का स्थान दर्शाती है।

जब तक कि मैं तेरे बैरियों को तेरे पाँवों के नीचे न कर दूँ
"जब तक कि मैं तेरे बैरियों को जीत न लूं"

Matthew 22:45

x
यीशु धर्मगुरूओं से मसीह के बारे में प्रश्न पूछ रहा है

Translation Questions

Matthew 22:2

राजा के पुत्र के विवाहोत्सव में निमंत्रित जनों ने क्या किया जब सेवक निमंत्रण लेकर आये?
कुछ लोगों ने निमंत्रण को गंभीरता से स्वीकार नहीं किया और अपने अपने काम में लग गए, कुछ लोगों ने राजा के सेवकों को पकड़कर मार डाला।

Matthew 22:7

विवाहोत्सव में आमंत्रित उन पहले लोगों के साथ राजा ने क्या किया?
राजा ने अपनी सेना भेज कर उन हत्यारों का नाश किया और उनके नगर को फूंक दिया।

Matthew 22:9

राजा ने उस विवाहोत्सव में किस-किस को बुलवाया?
तदोपरान्त राजा ने सब भले-बुरे लोगों को भोज में बुलवाया।

Matthew 22:11

एक व्यक्ति विवाह का वस्त्र पहिने बिना भोज में आ गया तो राजा ने उसके साथ क्या किया?
राजा ने उसे बंधक कर बाहरी अन्धकार में फिंकवा दिया।

Matthew 22:15

फरीसी यीशु के साथ क्या करना चाहते थे?
फरीसी यीशु को उसके ही शब्दों में फंसाना चाहते थे।

Matthew 22:17

फरीसियों के चेलों ने यीशु से क्या प्रश्न पूछा?
उन्होंने यीशु से पूछा कि कैसर को कर देना उचित है या नहीं।

Matthew 22:21

यीशु ने फरीसियों के चेलों को क्या उत्तर दिया था?
यीशु ने कहा कैसर का कैसर को दो और परमेश्वर का परमेश्वर को दो।

Matthew 22:23

सदूकी पुनरुत्थान के बारे में क्या मानते थे?
सदूकियों का मानना था कि पुनरुत्थान नहीं है।

Matthew 22:24

सदुकियों की कहानी में उस स्त्री के कितने पति हुए थे?
एक स्त्री के सात पति हुए।

Matthew 22:29

यीशु ने कहा कि सदूकी दो बातें नहीं जानते थे कौन-कौन सी?
यीशु ने कहा कि सदूकी न तो धर्मशास्त्र को जानते थे और न ही परमेश्वर के सामर्थ्य को।

Matthew 22:30

यीशु ने पुनरुत्थान में विवाह के बारे में क्या कहा था?
यीशु ने कहा कि पुनरुत्थान में विवाह नहीं होता है।

Matthew 22:32

यीशु ने धर्मशास्त्र से कैसे सिद्ध किया कि पुनरुत्थान है?
यीशु ने धर्मशास्त्र का वह संदर्भ दिया जहां परमेश्वर कहता है कि वह अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर है, मरे हुओं का नहीं, परन्तु जीवितों का।

Matthew 22:36

व्यवस्थापक ने यीशु से कौन सा प्रश्न पूछा?
?

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 22:37

यीशु ने कौन सी दो बड़ी आज्ञाएं बताई?
यीशु ने उत्तर दिया, तू परमेश्वर अपने प्रभु से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख और तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।

Matthew 22:42

यीशु ने फरीसियों से कौन सा प्रश्न पूछा?
यीशु ने पूछा मसीह किसका पुत्र है।

फरीसियों ने यीशु को क्या उत्तर दिया था?
फरीसियों ने उत्तर दिया कि मसीह दाऊद का पुत्र है।

Matthew 22:43

यीशु ने फरीसियों से कौन सा दूसरा प्रश्न पूछा?
?

Matthew 22:46

फरीसियों ने यीशु को क्या उत्तर दिया था?
फरीसी यीशु को उत्तर नहीं दे पाए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 23

1 तब यीशु ने भीड़ से और अपने चेलों से कहा, **2** “शास्त्री और फरीसी मूसा की गद्दी पर बैठे हैं; **3** इसलिए वे तुम से जो कुछ कहें वह करना, और मानना, परन्तु उनके जैसा काम मत करना; क्योंकि वे कहते तो हैं पर करते नहीं। **4** वे एक ऐसे भारी बोझ को जिनको उठाना कठिन है, बाँधकर उन्हें मनुष्यों के कंधों पर रखते हैं*; परन्तु आप उन्हें अपनी उँगली से भी सरकाना नहीं चाहते। **5** वे अपने सब काम लोगों को दिखाने के लिये करते हैं वे अपने तावीजों* को चौड़े करते, और अपने वस्त्रों की झालरों को बढ़ाते हैं। **6** भोज में मुख्य-मुख्य जगहें, और आराधनालयों में मुख्य-मुख्य आसन, **7** और बाजारों में नमस्कार और मनुष्य में रब्बी* कहलाना उन्हें भाता है। **8** परन्तु तुम रब्बी न कहलाना, क्योंकि तुम्हारा एक ही गुरु है: और तुम सब भाई हो। **9** और पृथ्वी पर किसी को अपना पिता न कहना, क्योंकि तुम्हारा एक ही पिता है, जो स्वर्ग में है। **10** और स्वामी भी न कहलाना, क्योंकि तुम्हारा एक ही स्वामी है, अर्थात् मसीह। **11** जो तुम में बड़ा हो, वह तुम्हारा सेवक बने। **12** जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह छोटा किया जाएगा: और जो कोई अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।

13 “हे कपटी शास्त्रियों और फरीसियों तुम पर हाय! तुम मनुष्यों के विरोध में स्वर्ग के राज्य का द्वार बन्द करते हो, न तो आप ही उसमें प्रवेश करते हो और न उसमें प्रवेश करनेवालों को प्रवेश करने देते हो। **14** [हे कपटी शास्त्रियों और फरीसियों, तुम पर हाय! तुम विधवाओं के घरों को खा जाते हो, और दिखाने के लिए बड़ी देर तक प्रार्थना करते रहते हो: इसलिए तुम्हें अधिक दण्ड मिलेगा।]

15 “हे कपटी शास्त्रियों और फरीसियों तुम पर हाय! तुम एक जन को अपने मत में लाने के लिये सारे जल और थल में फिरते हो, और जब वह मत में आ जाता है, तो उसे अपने से दुगुना नारकीय बना देते हो।

16 “हे अंधे अगुओं, तुम पर हाय, जो कहते हो कि यदि कोई मन्दिर की शपथ खाए तो कुछ नहीं, परन्तु यदि कोई मन्दिर के सोने की सौगन्ध खाए तो उससे बन्ध जाएगा। **17** हे मूर्खों, और अंधों, कौन बड़ा है, सोना या वह मन्दिर जिससे सोना पवित्र होता है? **18** फिर कहते हो कि यदि कोई वेदी की शपथ खाए तो कुछ नहीं, परन्तु जो भेंट उस पर है, यदि कोई उसकी शपथ खाए तो बन्ध जाएगा। **19** हे अंधों, कौन बड़ा है, भेंट या वेदी जिससे भेंट पवित्र होती है? **20** इसलिए जो वेदी की शपथ खाता है, वह उसकी, और जो कुछ उस पर है, उसकी भी शपथ खाता है। **21** और जो मन्दिर की शपथ खाता है, वह उसकी और उसमें रहनेवालों की भी शपथ खाता है। **22** और जो स्वर्ग की शपथ खाता है, वह परमेश्वर के सिंहासन की और उस पर बैठनेवाले की भी शपथ खाता है।

23 “हे कपटी शास्त्रियों, और फरीसियों, तुम पर हाय! तुम पोदीने और सौंफ और जीरे का दसवाँ अंश देते हो, परन्तु तुम ने व्यवस्था की गम्भीर बातों अर्थात् न्याय, और दया, और विश्वास को छोड़ दिया है; चाहिये था कि इन्हें भी करते रहते, और उन्हें भी न छोड़ते। **24** हे अंधे अगुओं, तुम मच्छर को तो छान डालते हो, परन्तु ऊँट को निगल जाते हो।

25 “हे कपटी शास्त्रियों, और फरीसियों, तुम पर हाय! तुम कटोरे और थाली को ऊपर-ऊपर से तो माँजते हो परन्तु वे भीतर अंधेर असंयम से भरे हुए हैं। **26** हे अंधे फरीसी, पहले कटोरे और थाली को भीतर से माँज कि वे बाहर से भी स्वच्छ हों*।

27 “हे कपटी शास्त्रियों, और फरीसियों, तुम पर हाय! तुम चूना फिरी हुई कब्रों* के समान हो जो ऊपर से तो सुन्दर दिखाई देती हैं, परन्तु भीतर मुर्दों की हड्डियों और सब प्रकार की मलिनता से भरी हैं। **28** इसी रीति से तुम भी ऊपर से मनुष्यों को धर्मी दिखाई देते हो, परन्तु भीतर कपट और अधर्म से भरे हुए हो।

29 “हे कपटी शास्त्रियों, और फरीसियों, तुम पर हाय! तुम भविष्यद्वक्ताओं की कब्रें संवारते और धर्मियों की कब्रें बनाते हो। **30** और कहते हो, ‘यदि हम अपने पूर्वजों के दिनों में होते तो भविष्यद्वक्ताओं की हत्या में उनके सहभागी न होते।’ **31** इससे तो तुम अपने पर आप ही गवाही देते हो, कि तुम भविष्यद्वक्ताओं के हत्यारों की सन्तान हो। **32** अतः तुम अपने पूर्वजों के पाप का घड़ा भर दो। **33** हे साँपो, हे करैतों के बच्चों, तुम नरक के दण्ड से कैसे बचोगे? **34** इसलिए देखो, मैं तुम्हारे पास भविष्यद्वक्ताओं और बुद्धिमानों और शास्त्रियों को भेजता हूँ; और तुम उनमें से कुछ को मार डालोगे, और क्रूस पर चढ़ाओगे; और कुछ को अपनी आराधनालयों में कोड़े मारोगे, और एक नगर से दूसरे नगर में खदेड़ते फिरोगे। **35** जिससे धर्मी हाबिल से लेकर बिरिक्याह के पुत्र जकर्याह तक, जिसे तुम ने मन्दिर और वेदी के बीच में मार डाला था, जितने धर्मियों का लहू पृथ्वी पर बहाया गया है, वह सब तुम्हारे सिर पर पड़ेगा। **36** मैं तुम से सच कहता हूँ, ये सब बातें इस पीढ़ी के लोगों पर आ पड़ेंगी।

37 “हे यरूशलेम, हे यरूशलेम! तू जो भविष्यद्वक्ताओं को मार डालता है, और जो तेरे पास भेजे गए, उन्हें पत्थराव करता है, कितनी ही बार मैंने चाहा कि जैसे मुर्गी अपने बच्चों को अपने पंखों के नीचे इकट्ठा करती है, वैसे ही मैं भी तेरे बालकों को इकट्ठा कर लूँ, परन्तु तुम ने न चाहा। **38** देखो, तुम्हारा घर तुम्हारे लिये उजाड़ छोड़ा जाता है। **39** क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि अब से जब तक तुम न कहोगे, ‘धन्य है वह, जो प्रभु के नाम से आता है’ तब तक तुम मुझे फिर कभी न देखोगे।”

Matthew 23:1

x
यीशु अपने अनुयायियों को सतर्क करता है कि वह धर्मगुरूओं के जैसे न हों।

मूसा की गद्दी पर बैठे हैं
"उनके पास मूसा का अधिकार है" या "उन्हें मूसा की व्यवस्था का अर्थ समझाने का अधिकार है"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जो कुछ
"कुछ भी" या "सब कुछ"

Matthew 23:4

x
यीशु अपने अनुयायियों को सतर्क कर रहा है कि वे धर्मगुरूओं के समान न हों।

वे ऐसे भारी बोझ को जिनको उठाना कठिन है।
वे ऐसे भारी बोझ को जिनको उठाना कठिन है , "वे तुम पर अनेक नियम लागू करते हैं जिनका पालन करना कठिन है"

स्वयं अपनी उँगली से भी सरकाना नहीं चाहते।
"वह थोड़ी सी भी सहायता करना नहीं चाहते"

ताबीजों
छोटी-छोटी चमड़े की थैलियों में धर्मशास्त्र के पद को रखकर शरीर पर बाँधा जाता था

Matthew 23:6

x
यीशु अपने अनुयायियों को सतर्क कर रहा है कि धर्मगुरूओं के समान व्यवहार न करें।

Matthew 23:8

x
यीशु अपने अनुयायियों को सतर्क कर रहा है कि वे धर्मगुरूओं के समान न हों।

किसी को अपना पिता न कहना
"पृथ्वी पर किसी को भी पिता न कहना" या "कभी न कहें कि पृथ्वी पर कोई तुम्हारा पिता है"

Matthew 23:11

x
यीशु अपने अनुयायियों को सतर्क कर रहा है कि धर्मगुरूओं के समान व्यवहार न करें।

बड़ा हो
"अपने आपको महत्त्वपूर्ण बनाए"

बड़ा बनाएगा
"महत्त्व में ऊंचा उठेगा"

Matthew 23:13

x
यीशु धर्मगुरूओं को पाखंड के कारण उनके विरूद्ध कह रहा है।

न तो स्वयं उसमें प्रवेश करते हो
"तुम परमेश्वर को स्वयं पर अधिकार नहीं करने देता"

तुम विधवाओं के घरों को खा जाते हो
"जिन स्त्रियों के पास सुरक्षा हेतु पुरूष नहीं उन्हें तुम लूटते हो"

नरक पुत्र
"जो व्यक्ति नरक का है" या "जिस व्यक्ति को नरक जाना चाहिए"

Matthew 23:16

x
यीशु धर्मगुरूओं के पाखण्ड के कारण उनके विरूद्ध है।

अंधे अगुवो .... हे मूर्खों
यद्यपि अगुवे शरीर से अंधे नहीं थे, वे समझ नहीं सकते हैं कि वे गलत हैं।

उससे बंध जाएगा।
वैकल्पिक अनुवाद, "उसने जो प्रतिज्ञा की है उसे करना अनिवार्य है"

कौन बड़ा है, सोना या मन्दिर जिससे सोना पवित्र होता है।
यीशु इस प्रश्न द्वारा फरीसियों को झिड़कता है।

Matthew 23:18

x
यीशु धर्मगुरूओं के पाखण्ड के कारण उनके विरूद्ध है।

हे अंधों
आत्मिक अंधे

कौन बड़ा है, भेंट या वेदी जिससे भेंट पवित्र होती है?
यीशु इस प्रश्न से उस बात को प्रकट कर रहा है जिसे वे पहले से ही जानते हैं

भेंट
पशु की बलि या परमेश्वर के समक्ष लाया गया आटा जो वेदी पर रखने से पूर्व के हैं, एक बार वेदी पर रख दिए गए तो वे बलि होते हैं।

Matthew 23:20

x
यीशु धर्मगुरूओं के पाखण्ड के कारण उनके विरूद्ध है।

Matthew 23:23

x
यीशु धर्मगुरूओं के पाखण्ड के कारण उनके विरूद्ध है।

हाय।
देखें कि आपने इसका अनुवाद

पोदीने, सौंफ, जीरे
भोजन में स्वाद के लिए काम आने वाले पत्ते और बीज

हे अंधे अगुवों
ये लोग शरीर से तो अंधे नहीं है परन्तु यीशु आत्मिक अंधेपन की तुलना शारीरिक अंधेपन से करता है।

तुम मच्छर को तो छान डालते हो, परन्तु ऊँट को निगल जाते हो।
कम महत्त्व के नियमों के पालन में अत्यधिक सावधान रहना और अधिक महत्त्वपूर्ण नियमों को अनेदखा करना ऐसी मूर्खता है कि जैसे सबसे छोटे अशुद्ध पशु का मॉस खा लेना चाहे वह जानबूझ कर हो या अनजाने में हो। वैकल्पिक अनुवाद, "तुम उस मूर्ख के समान हो जो अपने पेय पदार्थ में गिरनेवाले कीट को तो सावधानीपूर्वक निकाल देता है, परन्तु ऊँट को निगल जाता है"। (देखें: और)

मच्छर को तो छान देते हो
कपड़ा लगाकर पीते हो कि मच्छर मुँह में न चला जाए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मच्छर
एक छोटा उड़ने वाला कीट

Matthew 23:25

x
यीशु धर्मगुरूओं के पाखण्ड के कारण उनके विरूद्ध है।

हाय।
देखें इसका अनुवाद में कैसे किया गया है।

तुम कटोरे और थाली के ऊपर से मांझते हो।
"शास्त्री" और "फरीसी" बाहर से बड़े पवित्र दिखाई देते हैं।

भीतर अंधेरे और असंयम से भरे हुए हो
"वे लोगों से उनकी वस्तुएं बलपूर्वक छीन लेते हैं कि उनके पास आवश्यकता से अधिक हो जाए।"

हे अंधे फरीसी
फरीसी सत्य को नहीं समझते। वे आँखों से तो अंधे नहीं हैं।

पहले कटोरे और थाली के भीतर से मांझ कि वे बाहर से भी स्वच्छ हों।
उनके मन परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में होंगे तो उनके जीवन से प्रकट होगा।

Matthew 23:27

x
यीशु धर्मगुरूओं के पाखण्ड के कारण उनके विरूद्ध है।

Matthew 23:29

x
यीशु धर्मगुरूओं के पाखण्ड के कारण उनके विरूद्ध है।

Matthew 23:32

x
यीशु धर्मगुरूओं के पाखण्ड के कारण उनके विरूद्ध है।

तुम अपने बाप-दादों के पाप का घड़ा पूरी तरह भर दो
"तुम अपने पूर्वजों के द्वारा आरंभ किए गए पाप को पूरा करते हो।"

हे साँपों, हे करैतों
"तुम खतरनाक एवं विषैले सर्पों के जैसे हो"

तुम नरक के दण्ड से कैसे बचोगे?
"नरक के दण्ड से बचने का तुम्हारे लिए कोई मार्ग नहीं है"

Matthew 23:34

x
यीशु धर्मगुरूओं के पाखण्ड के कारण उनके विरूद्ध है।

धर्मी हाबिल से लेकर .... जकरयाह तक
हाबिल हत्या का पहला शिकार था और ऐसा माना जाता है कि मन्दिर में घात किया जाने वाला जकरयाह अन्तिम था।

जकरयाह
यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का पिता नहीं

Matthew 23:37

x
यीशु कहता है कि यरूशलेमवासियों द्वारा उसके परित्याग के कारण वह दु:खी है।

हे यरूशलेम, हे यरूशलेम।
हे यरूशलेम, हे यरूशलेम यीशु यरूशलेमवासियों को नगर के नाम से संबोधित करता है (देखें: और)

तेरे बालकों को
संपूर्ण इस्राएल को

तुम्हारा घर तुम्हारे लिए उजाड़ छोड़ा जाता है
वैकल्पिक अनुवाद, "परमेश्वर तुम्हारे घर को त्याग देगा और वह उजड़ा पड़ा रहेगा"। (देखें:)

तुम्हारा घर
संभावित अर्थ: (1) यरूशलेम नगर (देखें यू.डी.बी.) या (2) मन्दिर (देखें:)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Matthew 23:2

क्योंकि शास्त्री और फरीसी मूसा की गद्दी पर बैठे थे तो यीशु ने लोगों को क्या परामर्श दिया था?
यीशु ने लोगों से कहा कि शास्त्री और फरीसी मूसा की गद्दी पर बैठकर जो कहते हैं उसका वे पालन करें।

Matthew 23:3

शास्त्रियों और फरीसियों के से काम करने को यीशु ने लोगों को क्यों मना किया?
यीशु ने कहा कि वे उनके से काम न करें क्योंकि वे कहते तो हैं परन्तु स्वयं करते नहीं।

Matthew 23:5

शास्त्री और फरीसी अपने काम क्यों करते थे?
शास्त्रियों और फरीसियों ने दिखाने के लिए ही सब काम किए थे।

Matthew 23:8

यीशु ने किसे हमारा एकमात्र पिता और गुरु कहा है?
यीशु ने कहा कि हमारा एकमात्र पिता स्वर्ग में है और एकमात्र गुरु मसीह है।

Matthew 23:12

परमेश्वर अभिमानी का और दीन जन का क्या करेगा?
परमेश्वर बड़े को छोटा करता है और छोटे को बड़ा बनाता है।

Matthew 23:13

यीशु शास्त्रियों और फरीसियों को बार-बार क्या कहता था जिससे उनका स्वभाव प्रकट होता था?
यीशु बार-बार शास्त्रियों और फरीसियों को पाखंडी कहता था।

Matthew 23:15

शास्त्रियों और फरीसियों द्वारा किसी को अपने मत में लाने पर क्या होता था?
शास्त्री और फरीसी जब किसी को अपने धर्म में लाते थे तब वे उसे अपने समान नरक की दोगुणा सन्तान बनाते थे।

Matthew 23:16

शपथ खाकर बंध जाने के बारे में यीशु ने शास्त्रियों और फरीसियों की शिक्षा को क्या कहा था?
यीशु ने शास्त्रियों और फरीसियों को अंधे अगुवे और मूर्ख एवं अन्धे कहा था।

Matthew 23:23

उन्होंने पोदीने सौंफ और जीरे का दसवां अंश बो दिया परन्तु शास्त्री और फरीसी किस बात से चूक गए?
शास्त्रियों और फरीसियों ने व्यवस्था की महत्त्वपूर्ण बातों को करने में चूक की थी, न्याय, दया और विश्वास।

Matthew 23:25

शास्त्री और फरीसी क्या साफ करने से चूक गए थे?
शास्त्री और फरीसी कटोरे को भीतर से साफ करने में चूक गए थे कि बाहरी भाग भी साफ ही रहता।

शास्त्री और फरीसी भीतर किन बातों से भरे हुए थे?
शास्त्री और फरीसी भीतर से अन्धेर, असंयम, पाखंड और अधर्म से भरे थे।

Matthew 23:29

शास्त्रियों और फरीसियों ने परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं के साथ क्या किया था?
शास्त्रियों और फरीसियों के पूर्वजों ने परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं को मारा था।

Matthew 23:33

शास्त्री और फरीसी कैसा दण्ड पायेंगे?
शास्त्री और फरीसी नरक का दण्ड भोगेंगे।

Matthew 23:34

यीशु ने क्या कहा कि वे शास्त्री और फरीसी भविष्यद्वक्ताओं, बुद्धिमानों और शास्त्रियों के साथ जिन्हें वह भेजेगा, क्या करेंगे?
यीशु ने कहा कि वे परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं में से कुछ को मार डालेंगे, क्रूस पर चढ़ायेंगे आराधनालय में कोड़े मारेंगे, एक नगर से दूसरे नगर में खदेड़ेगे।

Matthew 23:35

उनके दुर्व्यवहार के कारण शास्त्रियों और फरीसियों के सिर पर क्या पड़ेगा?
जितने धर्मियों का लहू पृथ्वी पर बहाया गया शास्त्रियों और फरीसियों के सिर पर पड़ेगा।

Matthew 23:36

यीशु के कथनानुसार किस पीढ़ी पर यह सब आ पड़ेगा?
यीशु ने कहा कि उनकी पीढ़ी पर यह सब कुछ आ पड़ेगा।

Matthew 23:37

यरूशलेम की सन्तान के लिए यीशु ने क्या चाहा परन्तु वह क्यों नहीं हुआ?
यीशु ने कहा कि वह यरूशलेम की सन्तान को एकत्र करना चाहता था परन्तु वे तैयार नहीं हुए।

Matthew 23:38

यरूशलेम का घर अब कैसे छोड़ा जाएगा?
यरूशलेम का घर उस उजाड़ में छोड़ा जाता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 24

1 जब यीशु मन्दिर से निकलकर जा रहा था, तो उसके चेले उसको मन्दिर की रचना दिखाने के लिये उसके पास आए। **2** उसने उनसे कहा, “क्या तुम यह सब नहीं देखते? मैं तुम से सच कहता हूँ, यहाँ पत्थर पर पत्थर भी न छूटेगा, जो ढाया न जाएगा।”

3 और जब वह जैतून पहाड़* पर बैठा था, तो चेलों ने अलग उसके पास आकर कहा, “हम से कह कि ये बातें कब होंगी? और तेरे आने का, और जगत के अन्त का क्या चिन्ह होगा?” **4** यीशु ने उनको उत्तर दिया, “सावधान रहो! कोई तुम्हें न बहकाने पाए। **5** क्योंकि बहुत से ऐसे होंगे जो मेरे नाम से आकर कहेंगे, ‘मैं मसीह हूँ’, और बहुतों को बहका देंगे। **6** तुम लड़ाइयों और लड़ाइयों की चर्चा सुनोगे; देखो घबरा न जाना क्योंकि इनका होना अवश्य है, परन्तु उस समय अन्त न होगा। **7** क्योंकि जाति पर जाति, और राज्य पर राज्य चढ़ाई करेगा, और जगह-जगह अकाल पड़ेंगे, और भूकम्प होंगे। **8** ये सब बातें पीड़ाओं का आरम्भ* होंगी। **9** तब वे क्लेश दिलाने के लिये तुम्हें पकड़वाएँगे, और तुम्हें मार डालेंगे और मेरे नाम के कारण सब जातियों के लोग तुम से बैर रखेंगे। **10** तब बहुत सारे ठोकर खाएँगे, और एक दूसरे को पकड़वाएँगे और एक दूसरे से बैर रखेंगे। **11** बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बहुतों को बहकाएँगे। **12** और अधर्म के बढ़ने से बहुतों का प्रेम ठण्डा हो जाएगा। **13** परन्तु जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा, उसी का उद्धार होगा। **14** और राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार* किया जाएगा, कि सब जातियों पर गवाही हो, तब अन्त आ जाएगा।

15 “इसलिए जब तुम उस उजाड़नेवाली घृणित वस्तु को जिसकी चर्चा दानिय्येल भविष्यद्वक्ता के द्वारा हुई थी, पवित्रस्थान में खड़ी हुई देखो, (जो पढ़े, वह समझे)। **16** तब जो यहूदिया में हों वे पहाड़ों पर भाग जाएँ। **17** जो छत पर हो, वह अपने घर में से सामान लेने को न उतरे। **18** और जो खेत में हो, वह अपना कपड़ा लेने को पीछे न लौटे।

19 “उन दिनों में जो गर्भवती और दूध पिलाती होंगी, उनके लिये हाय, हाय। **20** और प्रार्थना करो; कि तुम्हें जाड़े में या सब्त के दिन भागना न पड़े। **21** क्योंकि उस समय ऐसा भारी क्लेश होगा, जैसा जगत के आरम्भ से न अब तक हुआ, और न कभी होगा। **22** और यदि वे दिन घटाए न जाते, तो कोई प्राणी न बचता; परन्तु चुने हुओं के कारण वे दिन घटाए जाएँगे। **23** उस समय यदि कोई तुम से कहे, कि देखो, मसीह यहाँ हैं! या वहाँ है! तो विश्वास न करना।

24 “क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बड़े चिन्ह और अद्भुत काम दिखाएँगे, कि यदि हो सके तो चुने हुओं को भी बहका दें। **25** देखो, मैंने पहले से तुम से यह सब कुछ कह दिया है। **26** इसलिए यदि वे तुम से कहें, ‘देखो, वह जंगल में है’, तो बाहर न निकल जाना; ‘देखो, वह कोठरियों में हैं’, तो विश्वास न करना।

27 “क्योंकि जैसे बिजली पूर्व से निकलकर पश्चिम तक चमकती जाती है, वैसा ही मनुष्य के पुत्र का भी आना होगा। **28** जहाँ लाश हो, वहीं गिद्ध इकट्ठे होंगे।

29 “उन दिनों के क्लेश के बाद तुरन्त सूर्य अंधियारा हो जाएगा, और चाँद का प्रकाश जाता रहेगा, और तारे आकाश से गिर पड़ेंगे और आकाश की शक्तियाँ हिलाई जाएँगी। **30** तब मनुष्य के पुत्र का चिन्ह आकाश में दिखाई देगा, और तब पृथ्वी के सब कुलों के लोग छाती पीटेंगे; और मनुष्य के पुत्र को बड़ी सामर्थ्य और ऐश्वर्य के साथ आकाश के बादलों पर आते देखेंगे। **31** और वह तुरही के बड़े शब्द के साथ, अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा, और वे आकाश के इस छोर से उस छोर तक, चारों दिशा से उसके चुने हुओं को इकट्ठा करेंगे।

32 “अंजीर के पेड़ से यह दृष्टान्त सीखो जब उसकी डाली कोमल हो जाती और पत्ते निकलने लगते हैं, तो तुम जान लेते हो, कि ग्रीष्मकाल निकट है। **33** इसी रीति से जब तुम इन सब बातों को देखो, तो जान लो, कि वह निकट है, वरन् द्वार पर है। **34** मैं तुम से सच कहता हूँ, कि जब तक ये सब बातें पूरी न हो लें, तब तक इस पीढ़ी का अन्त नहीं होगा। **35** आकाश और पृथ्वी टल जाएँगे, परन्तु मेरे शब्द कभी न टलेंगी।

36 “उस दिन और उस घड़ी के विषय में कोई नहीं जानता, न स्वर्ग के दूतों, और न पुत्र, परन्तु केवल पिता। **37** जैसे नूह के दिन थे, वैसा ही मनुष्य के पुत्र का आना भी होगा। **38** क्योंकि जैसे जल-प्रलय से पहले के दिनों में, जिस दिन तक कि नूह जहाज पर न चढ़ा, उस दिन तक लोग खाते-पीते थे, और उनमें विवाह-शादी होती थी। **39** और जब तक जल-प्रलय आकर उन सब को बहा न ले गया, तब तक उनको कुछ भी मालूम न पड़ा; वैसे ही मनुष्य के पुत्र का आना भी होगा। **40** उस समय दो जन खेत में होंगे, एक ले लिया जाएगा और दूसरा छोड़ दिया जाएगा। **41** दो स्त्रियाँ चक्की पीसती रहेंगी, एक ले ली जाएगी, और दूसरी छोड़ दी जाएगी। **42** इसलिए जागते रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि तुम्हारा प्रभु किस दिन आएगा। **43** परन्तु यह जान लो कि यदि घर का स्वामी जानता होता कि चोर किस पहर आएगा, तो जागता रहता; और अपने घर में चोरी नहीं होने देता। **44** इसलिए तुम भी तैयार रहो*, क्योंकि जिस समय के विषय में तुम सोचते भी नहीं हो, उसी समय मनुष्य का पुत्र आ जाएगा।

45 “अतः वह विश्वासयोग्य और बुद्धिमान दास कौन है, जिसे स्वामी ने अपने नौकर-चाकरों पर सरदार ठहराया, कि समय पर उन्हें भोजन दे? **46** धन्य है, वह दास, जिसे उसका स्वामी आकर ऐसा ही करते पाए। **47** मैं तुम से सच कहता हूँ; वह उसे अपनी सारी संपत्ति पर अधिकारी ठहराएगा। **48** परन्तु यदि वह दुष्ट दास सोचने लगे, कि मेरे स्वामी के आने में देर है। **49** और अपने साथी दासों को पीटने लगे, और पियक्कड़ों के साथ खाए-पीए। **50** तो उस दास का स्वामी ऐसे दिन आएगा, जब वह उसकी प्रतीक्षा नहीं कर रहा होगा, और ऐसी घड़ी कि जिसे वह न जानता हो, **51** और उसे कठोर दण्ड देकर, उसका भाग कपटियों के साथ ठहराएगा: वहाँ रोना और दाँत पीसना होगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 24:1

x
यीशु अब अपने शिष्यों के साथ उसके पुनः आगमन की घटनाओं की चर्चा आरंभ करता है।

तुम यह सब देख रहे हो न!
संभावित अर्थः (1) यीशु मन्दिर के बारे में कह रहा है (वैकल्पिक अनुवाद, "इन इमारतों के बारे में मैं तुमसे कहता हूँ") या (2) यीशु अभी-अभी व्यक्त किए गए विनाश के संदर्भ में कह रहा है। ("तुम्हें समझ लेना था कि मैंने अभी-अभी तुम से क्या कहा था, परन्तु तुम नहीं समझे!") (देखेः)

Matthew 24:3

x
यीशु शिष्यों से अपने आगमन की चर्चा कर रहा है।

सावधान रहो कि कोई तुम्हें न भरमाने पाए।
"सावधान रहना कि कोई तुम्हें इन बातों के बारे में झूठ न कहे"।

Matthew 24:6

x
यीशु अपने शिष्यों से अन्त समय संबन्धित घटनाओं की चर्चा करता है।

घबरा न जाना
"ये घटनाएं तुम्हें परेशान न कर दें"

Matthew 24:9

x
यीशु शिष्यों से अन्त समय संबन्धित घटनाओं की ही चर्चा कर रहा है।

तुम्हें पकड़वाएंगे
तुम्हें पकड़वाएंगे "जो तुम्हें सताना चाहते है वे तुम्हें बन्दी बनवाएंगे"

पकड़वाएं
इसका अनुवाद वैसा ही करें जैसा में किया गया है।

Matthew 24:12

x
यीशु अपने शिष्यों से अन्त समय की घटनाओं की ही चर्चा कर रहा है।

बहुतों का प्रेम ठंडा पड़ जायेगा।
संभावित अर्थः (1) "लोग आपस में प्रेम नहीं रखेंगे" (देखें यू.डी.बी.) या (2) "अधिकांश जन परमेश्वर से प्रेम नहीं रखेंगे"।

सब जातियों पर
वैकल्पिक अनुवाद, "सब जगहों में सब लोग"

Matthew 24:15

x
यीशु शिष्यों से अपने आगमन की चर्चा कर रहा है।

जिसकी चर्चा दानिय्येल भविष्यद्वक्ता के द्वारा हुई थी
वैकल्पिक अनुवाद, "जिसके बारे में भविष्यद्वक्ता दानिय्येल ने लिखा है"।

Matthew 24:19

x
यीशु शिष्यों से अपने आगमन की चर्चा कर रहा है।

जो गर्भवती
जो गर्भवती "गर्भवती स्त्रियाँ"

जाड़े में
"शीत ऋतु"

प्राणी
लोग

Matthew 24:23

x
यीशु शिष्यों से अपने आगमन की चर्चा कर रहा है।

तो विश्वास न करना
"उनकी झूठी बातों पर विश्वास नहीं करना"

Matthew 24:26

x
यीशु शिष्यों से अपने आगमन की चर्चा कर रहा है।

जैसे बिजली पूर्व से निकलकर पश्चिम तक चमकती जाती है, वैसा ही मनुष्य के पुत्र का भी आना होगा।
उसका आगमन बड़ी तेजी से होगा और सब उसे देखेंगे।

जहाँ लोथ हो वहाँ गिद्ध इकट्ठे होंगे।
संभावित अर्थः (1) जब मनुष्य का पुत्र आयेगा तब सब उसे देखेंगे और जान लेंगे कि वह आ गया है। (देखें यू.डी.बी.) या (2) जहाँ आत्मिकता में मृतक हो, झूठे भविष्यद्वक्ता वहाँ अवश्य होंगे कि उन्हें झूठी बातें सुनाएँ (देखें

गिद्ध
मृतक मनुष्यों या जानवरों को खाने वाले बड़े पक्षी।

Matthew 24:29

x
यीशु शिष्यों से अपने आगमन की चर्चा कर रहा है।

शीघ्र ही
"तत्काल ही"

उन दिनों
में चर्चित दिन

सूर्य अन्धियारा हो जाएगा
"परमेश्वर सूर्य को अन्धेरा कर देगा।" (देखें: Active/Passive)

आकाश की शक्तियाँ हिलाई जायेंगी।
आकाश की शक्तियाँ हिलाई जायेंगी ।"परमेश्वर आकाश और उसके परे उथल-पुथल करेगा"।(देखें: Active/Passive)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 24:30

x
यीशु शिष्यों से अपने आगमन की चर्चा कर रहा है।

छाती पीटेंगे
वे आनेवाले दण्ड के भय से छाती पीटेंगे।

इकट्ठा करेंगे।
"उसके स्वर्गदूत चुने हुओं को एकत्र करेंगे"।

उसके चुने हुओं को
जिन्हें मनुष्य के पुत्र ने चुना है।

चारों दिशाओं से
वैकल्पिक अनुवाद, "पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण से" (देखें यू.डी.बी.) या "सब जगहों से" (देखें:)

Matthew 24:32

x
यीशु शिष्यों से अपने आगमन की चर्चा कर रहा है।

प्रवेश द्वारा के निकट है
आक्रमण करने वाली सेना के समान जो नगर में प्रवेश करने ही वाली है

Matthew 24:34

x
यीशु शिष्यों से अपने आगमन की चर्चा कर रहा है।

इस पीढ़ी का अन्त नहीं होगा।
"जो लोग इस समय हैं उनके मर जाने तक"

जब तक ये सब बातें पूरी न हों।
वैकल्पिक अनुवाद, "जब तक परमेश्वर यह सब न कर दे"

आकाश और पृथ्वी टल जायेंगे।
"आकाश और पृथ्वी भले ही न रहें"

Matthew 24:36

x
यीशु शिष्यों से अपने आगमन की चर्चा कर रहा है।

न पुत्र
"पुत्र भी नहीं"

Matthew 24:37

x
यीशु शिष्यों से अपने आगमन की चर्चा कर रहा है।

जैसे नूह के दिन थे वैसे ही मनुष्य के पुत्र का आना भी होगा।
वैकल्पिक अनुवाद, "जिस दिन मनुष्य के पुत्र पुन: आयेगा वह दिन ऐसा समय होगा जैसा नूह के दिनों में था" क्योंकि कोई नहीं जानता था कि विनाश आनेवाला है।

जैसे जल प्रलय से पहिले के दिनों में, ... लोग खाते-पीते थे, और उन में ब्याह-शादी होती थी। और जब तक जल प्रलय आकर उन सब को बहा न ले गया... वैसे ही मनुष्य के पुत्र का भी आना होगा।
वैकल्पिक अनुवाद, "मनुष्य के पुत्र के आने से पूर्व का समय वैसा ही होगा जैसा जल प्रलय से पूर्व का समय था जब सब खाते-पीते थे... सबको बहा न ले गया"।

Matthew 24:40

x
यीशु शिष्यों से अपने आगमन की चर्चा कर रहा है।

तब
जब मनुष्य का पुत्र आएगा

एक ले लिया जाएगा और दूसरा छोड़ दिया जाएगा।
संभावित अर्थ, (1) परमेश्वर एक को स्वर्ग ले जाएगा और दूसरे को दण्ड के लिए पृथ्वी पर छोड़ देगा। (देखें यू.डी.बी.) या (2) स्वर्गदूत एक को दण्ड के लिए ले जायेंगे और दूसरे को आशिष के लिए रख देंगे। .

चक्की पीसती
गेहूँ पीसने का साधन

इसलिए
"मैंने जो कहा है, इस कारण"

जागते रहो
"ध्यान दो"

Matthew 24:43

x
यीशु अपने शिष्यों को समझा रहा है कि उसके पुनः आगमन के लिए कैसे तैयार रहें।

चोर
यीशु के कहने का अर्थ है कि वह अचानक ही आयेगा, चोरी करने नहीं।

तो जागता रहता
"वह अपने घर की चौकसी करता" कि सुरक्षित रहे।

घर में सेंध लगने न देता
"वह चोरी के लिए किसी को भी घर में घुसने नहीं देता"।

Matthew 24:45

x
यीशु अपने शिष्यों को पुनः आगमन की तैयारी ही की शिक्षा दे रहा है।

अतः वह विश्वासयोग्य और बुद्धिमान सेवक कौन है?
वैकल्पिक अनुवाद, "विश्वासयोग्य और बुद्धिमान सेवक कौन है? जिसे स्वामी ने.... "

उन्हें भोजन दे
"अपने स्वामी के कुटुम्ब के सदस्यों को भोजन दे"।

Matthew 24:48

x
यीशु अपने शिष्यों को पुनः आगमन की तैयारी ही की शिक्षा दे रहा है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सोचने लगे
सोचने लगे "अपने मन में विचार करे"

भाग... ठहराएगा
"उसके साथ व्यवहार करेगा"

Translation Questions

Matthew 24:2

यरूशलेम के मन्दिर के बारे में यीशु ने क्या भविष्यद्वाणी की थी?
यीशु ने भविष्यद्वाणी की थी कि मन्दिर का पत्थर पर पत्थर भी न छूटेगा जो ढाया न जायेगा।

Matthew 24:3

मन्दिर के बारे में भविष्यवाणी सुनकर चेलों ने यीशु से क्या पूछा?
चेलों ने यीशु से पूछा कि ऐसा कब होगा और उसके पुनःआगमन तथा संसार के अन्त के चिन्ह क्या होंगे।

Matthew 24:5

यीशु ने कैसे लोगों के लिए कहा कि वे आकर अनेकों को भरमाएंगे?
यीशु ने कहा कि अनेक जन स्वयं को मसीह कहते हुए आएंगे और बहुतों को भरमाएंगे।

Matthew 24:6

??
यीशु ने पीड़ाओं के आरंभ की कौन सी घटनाएं बताई थी।

Matthew 24:9

उस समय विश्वासियों की जो दशा होगी इसका वर्णन यीशु ने क्या किया था?
यीशु ने कहा कि विश्वासी क्लेश भोगेंगे, कुछ विश्वासी ठोकर खाकर एक दूसरे से विश्वासघात करेंगे और बहुतों का प्रेम ठण्डा पड़ जाएगा।

Matthew 24:13

यीशु ने किसके उद्धार का संकेत दिया था?
यीशु ने कहा कि जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा उसी का उद्धार होगा।

Matthew 24:14

अन्त से पूर्व सुसमाचार का क्या होगा?
अन्त से पूर्व सुसमाचार संपूर्ण संसार में सुना दिया जायेगा।

Matthew 24:15

पवित्र स्थल में घृणित वस्तु देख यीशु की चेतावनी के अनुसार विश्वासियों को क्या करना होगा[24:15]?
यीशु ने कहा कि विश्वासी पहाड़ों में भाग जायेंगे।

Matthew 24:21

उस समय क्लेश कैसा महान होगा?
उस समय क्लेश ऐसा होगा, जैसे जगत के आरंभ से कभी नहीं हुआ है।

Matthew 24:24

झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को कैसे भरमाएंगे?
झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को भरमाने के लिए बड़े-बड़े चिन्ह और चमत्कार दिखायेंगे।

Matthew 24:27

मनुष्य के पुत्र का आगमन कैसे दिखाई देगा?
मनुष्य के पुत्र का आगमन ऐसा होगा जैसे पूर्व से पश्चिम तक बिजली चमकती है।

Matthew 24:29

उन दिनों के महाक्लेश के बाद सूर्य, चांद और तारों का क्या होगा?
सूर्य और चांद अन्धियारा हो जायेंगे और आकाश से तारे गिरेंगे।

Matthew 24:30

जब पृथ्वी के सब कुलों के लोग मनुष्य के पुत्र का सामर्थ्य और महान महिमा में आते देखेंगे तब वे क्या करेंगे?
उस समय पृथ्वी के सब कुलों के लोग छाती पीटेंगे।

Matthew 24:31

जब मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा कि चुने हुओं को एकत्र करें तब कैसी आवाज सुनाई देगी?
जब स्वर्गदूत चुने हुओं को एकत्र करेंगे तब तुरही की तीव्र ध्वनि सुनाई देगी।

Matthew 24:34

इन सब घटनाओं के होने तक यीशु ने किसके लिए कहा कि वह समाप्त नहीं होगी?
यीशु ने कहा कि यह सब घटनाएं होने तक वह पीढ़ी समाप्त नहीं होगी।

Matthew 24:35

यीशु ने किसके लिए कहा कि वह टल जाएंगे और क्या नहीं टलेगा?
यीशु ने कहा कि स्वर्ग और पृथ्वी टल जाएंगे परन्तु उसका वचन नहीं टलेगा।

Matthew 24:36

यह घटनाएं कब होंगी, कौन जानता है?
केवल पिता परमेश्वर जानता है कि ऐसा कब होगा।

Matthew 24:37

मनुष्य के पुत्र का आगमन जलप्रलय के पूर्व नूह के दिनों के सदृश्य कैसे होगा?
मनुष्य पीते-खाते होंगे, आनन्द मनाते होंगे और विवाह करते होंगे और आने वाले न्याय के बारे में अज्ञात होंगे कि अकस्मात ही वह आ जायेगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 24:42

यीशु के आगमन के बारे में उसके विश्वासियों को कैसा व्यवहार रखना है और क्यों?
यीशु ने कहा कि उसके विश्वासियों को सदा तैयार रहना है क्योंकि वे नहीं जानते यीशु किस दिन आ जायेगा।

Matthew 24:45

स्वामी की अनुपस्थिति में एक विश्वासयोग्य एवं बुद्धिमान दास क्या करता है?
एक विश्वासयोग्य और बुद्धिमान दास स्वामी के अनुपस्थिति में उसके घर की निष्ठापूर्वक देखरेख करता है।

Matthew 24:47

लौट आने पर स्वामी अपने विश्वासयोग्य एवं बुद्धिमान दास के साथ क्या करेगा?
लौट आने पर स्वामी इस विश्वासयोग्य एवं बुद्धिमान इसको अपनी सारी संपत्ति पर अधिकारी ठहरायेगा।

Matthew 24:48

स्वामी की अनुपस्थिति में दुष्ट दास क्या करता है?
दुष्ट दास अपने स्वामी की अनुपस्थिति में अपने साथी दासों को पीटता है और पियक्कड़ों के साथ खाता पीता है।

Matthew 24:51

स्वामी लौटने पर उस दुष्ट दास के साथ क्या करेगा?
उसका स्वामी उसे भारी ताड़ना देगा और उसे वहाँ डाल देगा जहां रोना और दांतों का पीसना होगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 25

1 “तब स्वर्ग का राज्य उन दस कुँवारियों के समान होगा जो अपनी मशालें लेकर दूल्हे से भेंट करने को निकलीं। **2** उनमें पाँच मूर्ख और पाँच समझदार थीं। **3** मूर्खों ने अपनी मशालें तो लीं, परन्तु अपने साथ तेल नहीं लिया। **4** परन्तु समझदारों ने अपनी मशालों के साथ अपनी कुप्पियों में तेल भी भर लिया। **5** जब दुल्हे के आने में देर हुई, तो वे सब उँघने लगीं, और सो गईं।

6 “आधी रात को धूम मची, कि देखो, दूल्हा आ रहा है, उससे भेंट करने के लिये चलो। **7** तब वे सब कुँवारियाँ उठकर अपनी मशालें ठीक करने लगीं। **8** और मूर्खों ने समझदारों से कहा, ‘अपने तेल में से कुछ हमें भी दो, क्योंकि हमारी मशालें बुझ रही हैं।’ **9** परन्तु समझदारों ने उत्तर दिया कि कही हमारे और तुम्हारे लिये पूरा न हो; भला तो यह है, कि तुम बेचनेवालों के पास जाकर अपने लिये मोल ले लो। **10** जब वे मोल लेने को जा रही थीं, तो दूल्हा आ पहुँचा, और जो तैयार थीं, वे उसके साथ विवाह के घर में चलीं गई और द्वार बन्द किया गया। **11** इसके बाद वे दूसरी कुँवारियाँ भी आकर कहने लगीं, ‘हे स्वामी, हे स्वामी, हमारे लिये द्वार खोल दे।’ **12** उसने उत्तर दिया, कि मैं तुम से सच कहता हूँ, मैं तुम्हें नहीं जानता। **13** इसलिए जागते रहो, क्योंकि तुम न उस दिन को जानते हो, न उस समय को।

14 “क्योंकि यह उस मनुष्य के समान दशा है जिसने परदेश को जाते समय अपने दासों को बुलाकर अपनी संपत्ति उनको सौंप दी। **15** उसने एक को पाँच तोड़, दूसरे को दो, और तीसरे को एक; अर्थात् हर एक को उसकी सामर्थ्य के अनुसार दिया, और तब परदेश चला गया। **16** तब, जिसको पाँच तोड़े मिले थे, उसने तुरन्त जाकर उनसे लेन-देन किया, और पाँच तोड़े और कमाए। **17** इसी रीति से जिसको दो मिले थे, उसने भी दो और कमाए। **18** परन्तु जिसको एक मिला था, उसने जाकर मिट्टी खोदी, और अपने स्वामी का धन छिपा दिए।

19 “बहुत दिनों के बाद उन दासों का स्वामी आकर उनसे लेखा लेने लगा। **20** जिसको पाँच तोड़े मिले थे, उसने पाँच तोड़े और लाकर कहा, ‘हे स्वामी, तूने मुझे पाँच तोड़े सौंपे थे, देख मैंने पाँच तोड़े और कमाए हैं।’ **21** उसके स्वामी ने उससे कहा, ‘धन्य हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा; मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊँगा। अपने स्वामी के आनन्द में सहभागी हो।’

22 “और जिसको दो तोड़े मिले थे, उसने भी आकर कहा, ‘हे स्वामी तूने मुझे दो तोड़े सौंपें थे, देख, मैंने दो तोड़े और कमाए।’ **23** उसके स्वामी ने उससे कहा, ‘धन्य हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा, मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊँगा अपने स्वामी के आनन्द में सहभागी हो।’

24 “तब जिसको एक तोड़ा मिला था, उसने आकर कहा, ‘हे स्वामी, मैं तुझे जानता था, कि तू कठोर मनुष्य है: तू जहाँ कहीं नहीं बोता वहाँ काटता है, और जहाँ नहीं छींटता वहाँ से बटोरता है।’ **25** इसलिए मैं डर गया और जाकर तेरा तोड़ा मिट्टी में छिपा दिया; देख, ‘जो तेरा है, वह यह है।’ **26** उसके स्वामी ने उसे उत्तर दिया, कि हे दुष्ट और आलसी दास; जब तू यह जानता था, कि जहाँ मैंने नहीं बोया वहाँ से काटता हूँ; और जहाँ मैंने नहीं छींटा वहाँ से बटोरता हूँ। **27** तो तुझे चाहिए था, कि मेरा धन सर्राफों को दे देता, तब मैं आकर अपना धन ब्याज समेत ले लेता। **28** इसलिए वह तोड़ा उससे ले लो, और जिसके पास दस तोड़े हैं, उसको दे दो। **29** क्योंकि जिस किसी के पास है, उसे और दिया जाएगा; और उसके पास बहुत हो जाएगा: परन्तु जिसके पास नहीं है, उससे वह भी जो उसके पास है, ले लिया जाएगा। **30** और इस निकम्मे दास को बाहर के अंधेरे में डाल दो, जहाँ रोना और दाँत पीसना होगा।

31 “जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा में आएगा, और सब स्वर्गदूत उसके साथ आएँगे तो वह अपनी महिमा के सिंहासन पर विराजमान होगा। **32** और सब जातियाँ उसके सामने इकट्ठी की जाएँगी; और जैसा चरवाहा भेड़ों को बकरियों से अलग कर देता है, वैसा ही वह उन्हें एक दूसरे से अलग करेगा। **33** और वह भेड़ों को अपनी दाहिनी ओर और बकरियों को बाईं ओर खड़ी करेगा*। **34** तब राजा अपनी दाहिनी ओर वालों से कहेगा, ‘हे मेरे पिता के धन्य लोगों, आओ, उस राज्य के अधिकारी हो जाओ, जो जगत के आदि से तुम्हारे लिये तैयार किया हुआ है। **35** क्योंकि मैं भूखा था, और तुम ने मुझे खाने को दिया; मैं प्यासा था, और तुम ने मुझे पानी पिलाया, मैं परदेशी था, तुम ने मुझे अपने घर में ठहराया; **36** मैं नंगा था, तुम ने मुझे कपड़े पहनाए; मैं बीमार था, तुम ने मेरी सुधि ली, मैं बन्दीगृह में था, तुम मुझसे मिलने आए।’

37 “तब धर्मी उसको उत्तर देंगे, ‘हे प्रभु, हमने कब तुझे भूखा देखा और खिलाया? या प्यासा देखा, और पानी पिलाया? **38** हमने कब तुझे परदेशी देखा और अपने घर में ठहराया या नंगा देखा, और कपड़े पहनाए? **39** हमने कब तुझे बीमार या बन्दीगृह में देखा और तुझ से मिलने आए?’ **40** तब राजा उन्हें उत्तर देगा, ‘मैं तुम से सच कहता हूँ, कि तुम ने जो मेरे इन छोटे से छोटे भाइयों में से* किसी एक के साथ किया, वह मेरे ही साथ किया।’ **41** “तब वह बाईं ओर वालों से कहेगा, ‘हे श्रापित लोगों, मेरे सामने से उस अनन्त आग* में चले जाओ, जो शैतान और उसके दूतों के लिये तैयार की गई है। **42** क्योंकि मैं भूखा था, और तुम ने मुझे खाने को नहीं दिया, मैं प्यासा था, और तुम ने मुझे पानी नहीं पिलाया; **43** मैं परदेशी था, और तुम ने मुझे अपने घर में नहीं ठहराया; मैं नंगा था, और तुम ने मुझे कपड़े नहीं पहनाए; बीमार और बन्दीगृह में था, और तुम ने मेरी सुधि न ली।’

44 “तब वे उत्तर देंगे, ‘हे प्रभु, हमने तुझे कब भूखा, या प्यासा, या परदेशी, या नंगा, या बीमार, या बन्दीगृह में देखा, और तेरी सेवा टहल न की?’ **45** तब वह उन्हें उत्तर देगा, ‘मैं तुम से सच कहता हूँ कि तुम ने जो इन छोटे से छोटों में से किसी एक के साथ नहीं किया, वह मेरे साथ भी नहीं किया।’ **46** और ये अनन्त दण्ड भोगेंगे परन्तु धर्मी अनन्त जीवन में प्रवेश करेंगे।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 25:1

x
यीशु बुद्धिमान और मूर्ख कुंवारियाँ का दृष्टान्त सुनाता है।

मशालें
मशालें , (1) बत्तियाँ (यू.डी.बी.) या (2) लकड़ी की छोर पर कपड़ा लपेट कर तेल में तर करके जलाई जानेवाली बत्ती।

उनमें से पांच
उनमें से पाँच "पाँच कुवारियाँ"

अपने साथ तेल नहीं लिया।
"उसके पास केवल मशालों में ही तेल था"

Matthew 25:5

x
यीशु बुद्धिमान और मूर्ख कुंवारियों ही का दृष्टान्त सुना रहा है।

वे सब ऊँघने लगीं
"दसों कुवारियां सोने लगी।"

Matthew 25:7

x
यीशु बुद्धिमान और मूर्ख कुंवारियों ही का दृष्टान्त सुना रहा है।

मशालें ठीक करने लगी
मशालें ठीक करने लगी "जलाने के लिए अपनी मशालों को ठीक किया कि अधिक प्रकाश दें"

मूर्खों ने समझदारों से कहा
"मूर्ख कुंवारियों ने बुद्धिमान कुंवारियों से कहा"

हमारी मशालें बुझी जा रही हैं।
"हमारी मशालें पूरी रोशनी नहीं दे रही हैं"

Matthew 25:10

x
यीशु अपने शिष्यों को बुद्धिमान और मूर्ख कुंवारियों का ही दृष्टान्त सुना रहा है।

जा रही थी
"पाँच मूर्ख कुंवारियां जब तेल लेने जा रही थी"

जो तैयार थी
"जिनके पास पूरा तेल था"

द्वार बन्द किया गया
वैकल्पिक अनुवाद, "किसी ने द्वार बन्द कर दिया"

हमारे लिए द्वार खोल दे
"द्वार खोल दे कि हम भीतर आ जाएँ"

मैं तुम्हें नहीं जानता
"मैं नहीं जानता कि तुम कौन हो"

Matthew 25:14

x
यीशु विश्वासयोग्य और विश्वासघाती दासों का दृष्टान्त सुनाता है।

की सी दशा है
"स्वर्ग का राज्य उसके समान है"

जाते समय
"जाने के लिए तैयार था" या "शीघ्र ही जाने वाला था"

अपनी सम्पत्ति उनको सौंप दी
"उन्हें अपनी सम्पत्ति का अधिकारी ठहराया"

अपनी सम्पत्ति
"अपनी सम्पदा"

पाँच तोड़े
एक "तोड़ा" लगभग बीस वर्ष की मजदूरी थी। इसे आज की मुद्रा में अनुवाद न करें। यह दृष्टान्त पांच, दो और एक की आपेक्षिक तुलना का है तथा बड़ी सम्पदा का। (देखें यू.डी.बी."सोने के पांच बोरे"))

तब परदेश चला गया।
"वह स्वामी यात्रा पर निकल गया"

पाँच तोड़े और कमाए
"पाँच तोड़े और कर लिए"

Matthew 25:17

x
यीशु विश्वासयोग्य और विश्वासघाती दासों का ही दृष्टान्त सुना रहा है।

दो और कमाए
"दो तोड़े और कमाए"

Matthew 25:19

x
यीशु विश्वासयोग्य और विश्वासघाती दासों का ही दृष्टान्त सुना रहा है।

मैंने पांच तोड़े और कमाए।
"मैंने पाँच और कर लिए"।

तोड़े
देखें आपने इसका अनुवाद में कैसे किया है।

धन्य है
धन्य है - "तूने अच्छा किया है" या "तूने सही काम किया है"। आपकी भाषा में प्रावधान होगा कि किसी स्वामी (या अधिकारी) द्वारा सेवक (या कनिष्ठ कर्मी) के काम की सराहना को व्यक्त कैसे करें।

Matthew 25:22

x
यीशु विश्वासयोग्य और विश्वासघाती दासों का ही दृष्टान्त सुना रहा है।

मैंने .... और कमाए
देखें आपने इसका अनुवाद में कैसे किया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

धन्य ..... आपने स्वामी के आनन्द
देखें आपने इसका अनुवाद में कैसे किया है

Matthew 25:24

x
यीशु विश्वासयोग्य और विश्वासघाती दासों का ही दृष्टान्त सुना रहा है।

तू जहाँ कहीं बोता वहाँ काटता है और जहाँ नहीं छोड़ता वहाँ से बटोरता है।
वैकल्पिक अनुवाद, "तू उस खेत से फल बटोरता है जहाँ तूने पैसा देकर बीज डलवाया है"।

छींटता
छींटता , उस युग में वे उपकरणों द्वारा बीज डालने की अपेक्षा बीजों को बिखेर दिया करते थे।

जो तेरा है वह यह है
"देख तूने जो दिया था वह यह है"।

Matthew 25:26

x
यीशु विश्वासयोग्य और विश्वासघाती दासों का ही दृष्टान्त सुना रहा है।

दुष्ट और आलसी दास
"तू एक दुष्ट सेवक है जो परिश्रम करना नहीं चाहता है"।

जहाँ मैंने नहीं बोया वहाँ से काटता हूँ, और जहाँ मैंने नहीं छींटा वहाँ से बटोरता हूँ।
देखें कि आपने इसका अनुवाद में कैसे किया है।

अपना धन ब्याज समेत ले लेता।
"अपना सोना ले लेता"

ब्याज
ब्याज , स्वामी के पैसों को काम में लेने का अतिरिक्त भुगतान

Matthew 25:28

x
यीशु विश्वासयोग्य और विश्वासघाती दासों का ही दृष्टान्त सुना रहा है।

बहुत हो जायेगा
"कहीं अधिक हो जायेगा"।

जहाँ रोना और दांत पीसना होगा।
"जहाँ मनुष्य रोता रहेगा और दांत पीसता रहेगा"

Matthew 25:31

x
यीशु अब अपने शिष्यों को बताना आरंभ करता है कि अन्त समय में वह कैसे न्याय करेगा।

सब जातियां उसके सामने इकट्ठा की जायेंगी
वैकल्पिक अनुवाद, "वह सब जातिया को एकत्र करेगा।"

उसके सामने
"उसके समक्ष"

सब जातियों पर
सब जातियाँ , "हर एक देश के लोग"

बकरियों
बकरियाँ भी भेड़ों के जैसी ही होती है, उन्हें भी भेड़ों के समान पाला जाता है।

खड़ा करेगा
"मनुष्य का पुत्र उन्हें खड़ा करेगा"।

Matthew 25:34

x
यीशु अपने शिष्यों को बता रहा है कि अन्त समय वह कैसे न्याय करेगा।

राजा
राजा "मनुष्य का पुत्र"

दाहिनी ओर वालों से
"भेड़ों से"

हे मेरे पिता के धन्य लोगों आओ
वैकल्पिक अनुवाद, "आओ, तुम्हें मेरे पिता ने आशिषित किया है"

उस राज्य के अधिकारी हो जाओ
वैकल्पिक अनुवाद, "परमेश्वर ने तुम्हारे लिए जो राज्य तैयार किया है उसके अधिकारी हो जाओ"

Matthew 25:37

x
यीशु अपने शिष्यों को बता रहा है कि अन्त समय वह कैसे न्याय करेगा

राजा
"परमेश्वर का पुत्र"

उनसे कहेगा।
"उसके दाहिनी ओर वालों से कहेगा"

भाइयों
यदि आपकी भाषा में स्त्री-पुरूष दोनों के लिए एक शब्द है तो यहाँ काम में लें।

वह मेरे ही साथ किया
"मैं उसे मेरी ही सेवा मानता हूँ"।

Matthew 25:41

x
यीशु अपने शिष्यों को बता रहा है कि अन्त समय वह कैसे न्याय करेगा।

हे श्रापित लोगों
"तुम, जिन्हें परमेश्वर ने श्राप दिया है"

अनन्तः भाग .... तैयार की गई है।
वैकल्पिक अनुवादः "अनन्त भाग जो परमेश्वर ने तैयार किया है"।

उसके दूतों के लिए
उसके सहायकों के लिए

तुमने मुझे कपड़े नहीं पहनाए
"तुमने मुझे पहनने के लिए कपड़े नहीं दिए"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बीमार और बन्दीगृह में था
"मैं बीमार था और बन्दीगृह में था"

Matthew 25:44

x
यीशु अपने शिष्यों को बता रहा है कि अन्त समय वह कैसे न्याय करेगा।

वे उत्तर देंगे।
"जो उसक बाई ओर हैं "वे भी कहेंगे" (देखें

इन छोटे से छोटों
"मेरे लोगों में सबसे कम महत्त्व के जन के साथ"

मेरे साथ भी नहीं किया
"मैं यही मानता हूँ कि तुमने मेरे साथ नहीं किया" या "जिसकी तुमने सहायता नहीं की वह वास्तव में मैं ही था"

अनन्त दण्ड
"दण्ड जिसका कभी अन्त नहीं होगा"।

धर्मी अनन्त जीवन में प्रवेश करेंगे
"धर्मी जन अनन्त जीवन में प्रवेश करेंगे"

Translation Questions

Matthew 25:3

दूल्हे से भेंट करने निकली मूर्ख कुंवारियों ने क्या नहीं किया था?
मूर्ख कुंवारियों ने अपनी मशालों के लिए तेल साथ नहीं लिया था।

Matthew 25:4

दूल्हे से भेंट करने जाते समय बुद्धिमान कुंवारियों ने क्या किया?
बुद्धिमान कुंवारियों ने अपने साथ तेल का पात्र भी ले लिया था।

Matthew 25:5

दूल्हा कब आया, क्या वह समय अपेक्षित था?
दूल्हे ने विलम्ब कर दिया और उसका आगमन मध्य रात्रि हुआ।

Matthew 25:8

दूल्हे के आने पर मूर्ख कुंवारियों के साथ क्या हुआ?
मूर्ख कुंवारियां तेल खरीदने गई और जब लौटकर आई तक भोजन कक्ष का द्वार बन्द हो चुका था।

Matthew 25:10

दूल्हे के आने पर बुद्धिमान कुंवारियों के साथ क्या हुआ?
बुद्धिमान कुंवारियां विवाह भोज में दुल्हे के साथ प्रवेश कर गई।

Matthew 25:13

कुंवारियों के दृष्टान्त से यीशु विश्वासियों को क्या सिखाना चाहता है?
यीशु ने कहा कि विश्वासियों को सतर्क रहना है, क्योंकि वे न उस दिन को जानते हैं न उस समय को।

Matthew 25:16

स्वामी जब यात्रा पर गया हुआ था तब इन दोनों दासों ने जिनके पास पांच और दो तोड़े थे क्या किया?
जिस दास के पास पांच तोड़े थे उसने पांच और कमाए और जिसके पास दो थे उसने दो और कमाएं।

Matthew 25:18

जब वह स्वामी यात्रा पर चला गया तब उस दास ने अपने एक तोड़े का क्या किया?
जिस दास को एक तोड़ा दिया गया था उसने उसे जमीन में दबा कर रख दिया।

Matthew 25:19

स्वामी अपनी यात्रा पर कितने समय रहा?
उनका स्वामी लम्बे समय तक बाहर रहा।

Matthew 25:20

??
जब स्वामी लौटकर आया तब उसने उन दोनों दासों के साथ क्या किया जिन्हें उसने पांच और दो तोड़े दिए थे।

Matthew 25:24

जब स्वामी लौटकर आया तब उसने उस दास के साथ कैसा व्यवहार किया जिसे उसने एक तोड़ा दिया था?
स्वामी ने उससे कहा, "हे दुष्ट और आलसी सेवक", उससे वह एक तोड़ा ले लिया और उसे बाहर के अंधेरे में डाल दिया।

Matthew 25:31

मनुष्य का पुत्र जब आकर अपने महिमामय सिंहासन पर बैठेगा तब वह क्या करेगा?
मनुष्य का पुत्र सब जातियों को एकत्र करेगा और वह मनुष्यों को एक दूसरे से अलग करेगा।

Matthew 25:34

राजा के दहिनी के मनुष्यों को क्या मिलेगा?
जो राजा के दहिनी ओर होंगे वे राज्य के अधिकारी होंगे जो उनके लिए जगत की नींव से ही तैयार किया गया है।

Matthew 25:35

राजा की दहिनी ओर के लोगों ने अपने जीवन में क्या किया था?
इसके दाहिनी ओर के मनुष्य वे लोग हैं जिन्होंने भूखों को खाना दिया, प्यासों को पानी पिलाया, परदेशियों की सेवा, नंगों को वस्त्र पहनाए, रोगियों की सेवा की और बन्दियों से भेंट की।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 25:41

राजा के बाई ओर के लोगों को क्या मिला?
राजा की बाई ओर के लोगों को अनन्त उपमा मिली जो शैतान और उसके दूतों के लिए तैयार की गई थी।

Matthew 25:42

राजा की बाई ओर के लोगों ने अपने जीवन में क्या नहीं किया था?
राजा के बाई ओर के लोगों ने भूखों को खाना नहीं खिलाया, प्यासों को पानी नहीं पिलाया, परदेशियों की सेवा नहीं की, नंगों को कपड़े नहीं पहनाए, रोगियों की सेवा नहीं की और बन्दियों से भेंट करने नहीं गए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 26

1 जब यीशु ये सब बातें कह चुका, तो अपने चेलों से कहने लगा। 2 “तुम जानते हो, कि दो दिन के बाद फसह* का पर्व होगा; और मनुष्य का पुत्र क्रूस पर
चढ़ाए जाने के लिये पकड़वाया जाएगा।” 3 तब प्रधान याजक और प्रजा के पुरनिए कैफा नामक महायाजक के आँगन में इकट्ठे हुए। 4 और आपस में विचार
करने लगे कि यीशु को छल से पकड़कर मार डालें। 5 परन्तु वे कहते थे, “पर्व के समय नहीं; कहीं ऐसा न हो कि लोगों में दंगा मच जाए।”

6 जब यीशु बैतनिय्याह में शमौन कोढ़ी के घर में था। 7 तो एक स्त्री* संगमरमर के पात्र में बहुमूल्य इत्र लेकर उसके पास आई, और जब वह भोजन करने बैठा
था, तो उसके सिर पर उण्डेल दिया। 8 यह देखकर, उसके चेले झुँझला उठे और कहने लगे, “इसका क्यों सत्यनाश किया गया? 9 यह तो अच्छे दाम पर बेचकर
गरीबों को बाँटा जा सकता था।” 10 यह जानकर यीशु ने उनसे कहा, “स्त्री को क्यों सताते हो? उसने मेरे साथ भलाई की है। 11 गरीब तुम्हारे साथ सदा रहते
हैं, परन्तु मैं तुम्हारे साथ सदैव न रहूँगा। 12 उसने मेरी देह पर जो यह इत्र उण्डेला है, वह मेरे गाड़े जाने के लिये किया है। 13 मैं तुम से सच कहता हूँ, कि सारे
जगत में जहाँ कहीं यह सुसमाचार प्रचार किया जाएगा, वहाँ उसके इस काम का वर्णन भी उसके स्मरण में किया जाएगा।”

14 तब यहूदा इस्करियोती ने, बारह चेलों में से एक था, प्रधान याजकों के पास जाकर कहा, 15 “यदि मैं उसे तुम्हारे हाथ पकड़वा दूँ, तो मुझे क्या दोगे?”
उन्होंने उसे तीस चाँदी के सिक्के तौलकर दे दिए। 16 और वह उसी समय से उसे पकड़वाने का अवसर ढूँढ़ने लगा।

17 अख़मीरी रोटी के पर्व के पहले दिन, चेले यीशु के पास आकर पूछने लगे, “तू कहाँ चाहता है कि हम तेरे लिये फसह खाने की तैयारी करें?” 18 उसने कहा,
“नगर में फलाने के पास जाकर उससे कहो, कि गुरु कहता है, कि मेरा समय निकट है, मैं अपने चेलों के साथ तेरे यहाँ फसह मनाऊँगा।” 19 अतः चेलों ने यीशु
की आज्ञा मानी, और फसह तैयार किया।

20 जब सांझ हुई, तो वह बारह चेलों के साथ भोजन करने के लिये बैठा। 21 जब वे खा रहे थे, तो उसने कहा, “मैं तुम से सच कहता हूँ, कि तुम में से एक मुझे
पकड़वाएगा।” 22 इस पर वे बहुत उदास हुए, और हर एक उससे पूछने लगा, “हे गुरु, क्या वह मैं हूँ?” 23 उसने उत्तर दिया, “जिसने मेरे साथ थाली में हाथ
डाला है, वही मुझे पकड़वाएगा। 24 मनुष्य का पुत्र तो जैसा उसके विषय में लिखा है, जाता ही है; परन्तु उस मनुष्य के लिये शोक है जिसके द्वारा मनुष्य का पुत्र
पकड़वाया जाता है: यदि उस मनुष्य का जन्म न होता, तो उसके लिये भला होता।” 25 तब उसके पकड़वानेवाले यहूदा ने कहा, “हे रब्बी, क्या वह मैं हूँ?”
उसने उससे कहा, “तू कह चुका।”

26 जब वे खा रहे थे, तो यीशु ने रोटी ली, और आशीष माँगकर तोड़ी, और चेलों को देकर कहा, “लो, खाओ; यह मेरी देह है।” 27 फिर उसने कटोरा लेकर
धन्यवाद किया, और उन्हें देकर कहा, “तुम सब इसमें से पीओ, 28 क्योंकि यह वाचा का मेरा वह लहू है, जो बहुतों के लिये पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता
है। 29 मैं तुम से कहता हूँ, कि दाख का यह रस उस दिन तक कभी न पीऊँगा, जब तक तुम्हारे साथ अपने पिता के राज्य में नया न पीऊँ।” 30 फिर वे भजन
गाकर जैतून पहाड़ पर गए।

31 तब यीशु ने उनसे कहा, “तुम सब आज ही रात को मेरे विषय में ठोकर खाओगे; क्योंकि लिखा है, ‘मैं चरवाहे को मारूँगा; और झुण्ड की भेड़ें तितर-बितर
हो जाएँगी।’ 32 परन्तु मैं अपने जी उठने के बाद तुम से पहले गलील को जाऊँगा।” 33 इस पर पतरस ने उससे कहा, “यदि सब तेरे विषय में ठोकर खाएँ तो
खाएँ, परन्तु मैं कभी भी ठोकर न खाऊँगा।” 34 यीशु ने उससे कहा, “मैं तुझ से सच कहता हूँ, कि आज ही रात को मुर्गे के बाँग देने से पहले, तू तीन बार मुझसे
मुकर जाएगा।” 35 पतरस ने उससे कहा, “यदि मुझे तेरे साथ मरना भी हो, तो भी, मैं तुझ से कभी न मुकरूँगा।” और ऐसा ही सब चेलों ने भी कहा।

36 तब यीशु ने अपने चेलों के साथ गतसमनी* नामक एक स्थान में आया और अपने चेलों से कहने लगा “यहीं बैठे रहना, जब तक कि मैं वहाँ जाकर प्रार्थना
करूँ।” 37 और वह पतरस और जब्दी के दोनों पुत्रों को साथ ले गया, और उदास और व्याकुल होने लगा। 38 तब उसने उनसे कहा, “मेरा मन बहुत उदास है,
यहाँ तक कि मेरे प्राण निकला जा रहा है। तुम यहीं ठहरो, और मेरे साथ जागते रहो।” 39 फिर वह थोड़ा और आगे बढ़कर मुँह के बल गिरकर, और यह प्रार्थना
करने लगा, “हे मेरे पिता, यदि हो सके, तो यह कटोरा* मुझसे टल जाए, फिर भी जैसा मैं चाहता हूँ वैसा नहीं, परन्तु जैसा तू चाहता है वैसा ही हो।” 40 फिर
चेलों के पास आकर उन्हें सोते पाया, और पतरस से कहा, “क्या तुम मेरे साथ एक घण्टे भर न जाग सके? 41 जागते रहो, और प्रार्थना करते रहो, कि तुम
परीक्षा में न पड़ो! आत्मा तो तैयार है, परन्तु शरीर दुर्बल है।” 42 फिर उसने दूसरी बार जाकर यह प्रार्थना की, “हे मेरे पिता, यदि यह मेरे पीए बिना नहीं हट
सकता तो तेरी इच्छा पूरी हो।” 43 तब उसने आकर उन्हें फिर सोते पाया, क्योंकि उनकी आँखें नींद से भरी थीं। 44 और उन्हें छोड़कर फिर चला गया, और
वही बात फिर कहकर, तीसरी बार प्रार्थना की। 45 तब उसने चेलों के पास आकर उनसे कहा, “अब सोते रहो, और विश्राम करो: देखो, समय आ पहुँचा है,
और मनुष्य का पुत्र पापियों के हाथ पकड़वाया जाता है। 46 उठो, चलें; देखो, मेरा पकड़वानेवाला निकट आ पहुँचा है।”

47 वह यह कह ही रहा था, कि यहूदा जो बारहों में से एक था, आया, और उसके साथ प्रधान याजकों और लोगों के प्राचीनों की ओर से बड़ी भीड़, तलवारें और
लाठियाँ लिए हुए आई। 48 उसके पकड़वानेवाले ने उन्हें यह पता दिया था: “जिसको मैं चूम लूँ वही है; उसे पकड़ लेना।” 49 और तुरन्त यीशु के पास आकर
कहा, “हे रब्बी, नमस्कार!” और उसको बहुत चूमा। 50 यीशु ने उससे कहा, “हे मित्र, जिस काम के लिये तू आया है, उसे कर ले।” तब उन्होंने पास आकर
यीशु पर हाथ डाले और उसे पकड़ लिया। 51 तब यीशु के साथियों में से एक ने हाथ बढ़ाकर अपनी तलवार खींच ली और महायाजक के दास पर चलाकर
उसका कान काट दिया। 52 तब यीशु ने उससे कहा, “अपनी तलवार म्यान में रख ले क्योंकि जो तलवार चलाते हैं, वे सब तलवार से नाश किए जाएँगे। 53 क्या
तू नहीं समझता, कि मैं अपने पिता से विनती कर सकता हूँ, और वह स्वर्गदूतों की बारह सैन्य-दल से अधिक मेरे पास अभी उपस्थित कर देगा? 54 परन्तु
पवित्रशास्त्र की वे बातें कि ऐसा ही होना अवश्य है, कैसे पूरी होंगी?” 55 उसी समय यीशु ने भीड़ से कहा, “क्या तुम तलवारें और लाठियाँ लेकर मुझे डाकू के

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

समान पकड़ने के लिये निकले हो? मैं हर दिन मन्दिर में बैठकर उपदेश दिया करता था, और तुम ने मुझे नहीं पकड़ा। **56** परन्तु यह सब इसलिए हुआ है, कि भविष्यद्वक्ताओं के वचन पूरे हों।" तब सब चेले उसे छोड़कर भाग गए।

57 और यीशु के पकड़नेवाले उसको कैफा नामक महायाजक के पास ले गए, जहाँ शास्त्री और पुरनिए इकट्ठे हुए थे। **58** और पतरस दूर से उसके पीछे-पीछे महायाजक के आँगन तक गया, और भीतर जाकर अन्त देखने को सेवकों के साथ बैठ गया। **59** प्रधान याजकों और सारी महासभा* यीशु को मार डालने के लिये उसके विरोध में झूठी गवाही की खोज में थे। **60** परन्तु बहुत से झूठे गवाहों के आने पर भी न पाई। अन्त में दो जन आए, **61** और कहा, "इसने कहा कि मैं परमेश्वर के मन्दिर को ढा सकता हूँ और उसे तीन दिन में बना सकता हूँ।"

62 तब महायाजक ने खड़े होकर उससे कहा, "क्या तू कोई उत्तर नहीं देता? ये लोग तेरे विरोध में क्या गवाही देते हैं?" **63** परन्तु यीशु चुप रहा। तब महायाजक ने उससे कहा "मैं तुझे जीविते परमेश्वर की शपथ देता हूँ*, कि यदि तू परमेश्वर का पुत्र मसीह है, तो हम से कह दे।" **64** यीशु ने उससे कहा, "तूने आप ही कह दिया; वरन् मैं तुम से यह भी कहता हूँ, कि अब से तुम मनुष्य के पुत्र को सर्वशक्तिमान की दाहिनी ओर बैठे, और आकाश के बादलों पर आते देखोगे।" **65** तब महायाजक ने अपने वस्त्र फाड़कर कहा, "इसने परमेश्वर की निन्दा की है, अब हमें गवाहों का क्या प्रयोजन? देखो, तुम ने अभी यह निन्दा सुनी है! **66** तुम क्या समझते हो?" उन्होंने उत्तर दिया, "यह मृत्यु दण्ड होने के योग्य है।" **67** तब उन्होंने उसके मुँह पर थूका और उसे घूँसे मारे, दूसरों ने थप्पड़ मार के कहा, **68** "हे मसीह, हम से भविष्यद्वाणी करके कह कि किस ने तुझे मारा?"

69 पतरस बाहर आँगन में बैठा हुआ था कि एक दासी ने उसके पास आकर कहा, "तू भी यीशु गलीली के साथ था।" **70** उसने सब के सामने यह कहकर इन्कार किया और कहा, "मैं नहीं जानता तू क्या कह रही है।" **71** जब वह बाहर द्वार में चला गया, तो दूसरी दासी ने उसे देखकर उनसे जो वहाँ थे कहा, "यह भी तो यीशु नासरी के साथ था।" **72** उसने शपथ खाकर फिर इन्कार किया, "मैं उस मनुष्य को नहीं जानता।" **73** थोड़ी देर के बाद, जो वहाँ खड़े थे, उन्होंने पतरस के पास आकर उससे कहा, "सचमुच तू भी उनमें से एक है; क्योंकि तेरी बोली तेरा भेद खोल देती है।" **74** तब वह कोसने और शपथ खाने लगा, "मैं उस मनुष्य को नहीं जानता।" और तुरन्त मुर्गे ने बाँग दी। **75** तब पतरस को यीशु की कही हुई बात स्मरण आई, "मुर्गे के बाँग देने से पहले तू तीन बार मेरा इन्कार करेगा।" और वह बाहर जाकर फूट-फूट कर रोने लगा।

Matthew 26:1

x
यीशु अब अपने शिष्यों को बताता है कि वह कैसे कष्ट उठाएगा और मरेगा।

और ऐसा हुआ
यदि आपकी भाषा में कहानी को नए मन का आरंभ करने का प्रावधान है तो उसे काम में लें।

ये सब बातें
की बातें

मनुष्य का पुत्र क्रूस पर चढ़ाए जाने के लिए पकड़वाया जायेगा।
"कुछ लोग मनुष्य के पुत्र को ऐसे लोगों को सौंपेगे जो उसे क्रूस पर चढ़ायेंगे"।

Matthew 26:3

x
यहूदी अगुवे यीशु को पकड़ने और घात करने का षड्यंत्र रच रहे हैं।

इकट्ठा हुए।
गुप्त रूप से

पर्व के समय
वार्षिक फसह के पर्व के समय

Matthew 26:6

x
यीशु की मृत्यु से पूर्व एक स्त्री यीशु का अभिषेक करती है।

भोजन करने बैठा
"वह अपने सहारे पर आधा लेटा था"। आपकी भाषा में भोजन करते समय जो भी आराम दायक होता है उसका शब्द काम में लें।

एक स्त्री.... उसके पास आई।
एक स्त्री यीशु के पास आई

संगमरमर के पात्र में
कोमल पत्थर का पात्र जो महंगा होता है

इत्र
"सुगन्धित द्रव्य"

इसका क्यों सत्यानाश किया गया?
"इस स्त्री ने इत्र को व्यर्थ गवांकर अच्छा नहीं किया"

Matthew 26:10

x
अपनी मृत्यु से पूर्व अभिषेक करने वाली स्त्री की यीशु प्रशंसा करता है।

स्त्री को क्यों सताते हो?
वैकल्पिक अनुवाद, "तुम्हें इस स्त्री को परेशान करने की आवश्यकता थी"

तुम्हारे... तुम.... तुम्हारे
चेले

Matthew 26:12

x
यीशु अपनी मृत्यु से पूर्व अभ्यंजन करने वाली स्त्री की प्रशंसा कर रहा है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 26:14

x
शिष्यों में से एक यहूदी अगुओं के हाथ यीशु को पकड़वाने में सहायता करने के लिए तैयार हो जाता है।

तुम्हारे हाथ पकड़वा दूँ
"यीशु को तुम्हारे हाथों में कर दूँ" या "यीशु को बन्दी बनाने में तुम्हारी सहायता करूं"

तीस चाँदी के सिक्के
क्योंकि ये शब्द वही है जो पुराने नियम की भविष्यद्वाणी में हैं इसलिए इसे ज्यों का त्यों रखें, आज की मुद्रा में नहीं बदलें।

उसे पकड़वाने का
"यीशु को महायाजकों के हाथों पकड़वाने के लिए"

Matthew 26:17

x
यीशु अपने शिष्यों के साथ फसह का भोज खाने की तैयारी कर रहा है।

उसने कहा, "नगर में आमुक व्यक्ति के पास जाकर उससे कहो, "गुरू कहता है कि मेरा समय निकट है। मैं अपने चेलों के साथ तेरे यहाँ पर्व मनाऊँगा"।
यीशु अपने शिष्यों के साथ किसी मनुष्य को सन्देश भिजवाता है। वैकल्पिक अनुवाद, "यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि नगर में एक व्यक्ति है उसके पास जाकर कहें कि गुरू कहता है, मेरा समय निकट आ गया है, मैं तेरे घर में अपने शिष्यों के साथ तेरे घर में फसह मनाऊँगा" "उसने अपने शिष्यों से कहा कि वे नगर में उस मनुष्य के पास जाकर कहें कि गुरू कहता है कि उसका समय निकट आ गया है और वह उसके घर में अपने शिष्यों के साथ पर्व मनाएगा"।

मेरा समय
संभावित अर्थ, (1) "जिस समय के बारे में मैंने तुमसे कहा था" (यू.डी.बी.) या (2) "परमेश्वर ने जो समय मेरे लिए ठहराया है"।

निकट है
निकट है , संभावित अर्थः (1) "निकट है" (यू.डी.बी.) या (2) "आ गया है"

पर्व मनाऊँ
"फसह का भोज खाऊँ" या "फसह का पर्व मनाने के लिए विशेष भोजन खाऊँ"

Matthew 26:20

x
फसह का भोज खाते समय यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है।

भोजन करने के लिए बैठा
यहाँ वही शब्द काम में ले जो आपकी संस्कृति में भोजन करते समय काम में लिया जाता है।

क्या वह मैं हूँ
"निश्चय ही वह मैं नहीं, प्रभु मैं हूँ क्या"?

Matthew 26:23

x
फसह के भोजन के समय यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है।

वही मुझे पकड़वाएगा।
"जो मनुष्य के पुत्र के साथ विश्वासघात करेगा"।

तू कह चुका है
"तूने कहा है, तू ही है" या "तूने अभी-अभी स्वीकार किया है"।

Matthew 26:26

x
फसह के भोजन के समय यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है।

रोटी ली और आशीष माँग कर तोड़ी
इसका अनुवाद वैसा ही करें जैसा में किया है।

Matthew 26:27

x
फसह के भोजन के समय यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है।

को लिया
इसका अनुवाद वैसा ही करें जैसा में किया है।

चेलों को देकर
"शिष्यों को दी"

वाचा का मेरा वह लहू है
"लहू जो वाचा के प्रभाव को सिद्ध करता है" या "लहू जो वाचा को संभव बनाता है"।

बहाया जाता है
"मृत्यु द्वारा बहाया जाता है" या "शीघ्र ही मेरी देह से बहेगा" या "मेरे मरते समय मेरे घावों से बहेगा"

दाख का यह रस
"दाख रस"

Matthew 26:30

x
यीशु जैतून पर्वत की ओर अग्रसर अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है।

भजन
भजन , परमेश्वर का स्तुतिगान

ठोकर खाओगे
ठोकर खाओगे , "मुझे छोड़ कर भाग जाओगे"

भेड़ें तितर-बितर हो जायेंगी
वैकल्पिक अनुवाद, (1) "वे झुण्ड की भेड़ों को तितर-बितर कर देंगे" या (2) "झुण्ड की भेड़ें चारों ओर भाग जायेंगी"।

झुण्ड की भेडें
शिष्य

अपने जी उठने के बाद
वैकल्पिक अनुवाद, "जब परमेश्वर मुझे जीवित करेगा तब"

मैं अपने जी उठने के बाद
वैकल्पिक अनुवाद, "परमेश्वर मुझे मृतकों में से जिलाएगा"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 26:33

x
यीशु जैतून पर्वत की ओर अग्रसर अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है।

ठोकर खाओगे
ठोकर खाओगे इसका अनुवाद जैसा ही करें।

मुर्गे की बाँग देने से पहले
वैकल्पिक अनुवाद, "सूर्योदय से पूर्व"

मुर्गे
सूर्योदय से पूर्व यह चिड़िया आवाज़ करती है।

बाँग
मुर्गे की आवाज़

Matthew 26:36

x
यीशु जैतून पर्वत की ओर अग्रसर अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है।

उदास
बहुत दुखी

Matthew 26:39

x
यह गतसमनी की वाटिका में यीशु की प्रार्थना का वृत्तान्त है।

मुँह के बल गिरा
मुँह के बल गिरा , प्रार्थना के लिए भूमि पर मुंह रखा

Matthew 26:42

x
गतसमनी की वाटिका में यीशु की प्रार्थना का वृत्तान्त चल रहा है।

जाकर
"यीशु ने जाकर"

मेरे पीए बिना
"जब तक मैं कष्ट का यह कटोरा न पी लूँ"

आँखें नींद से भरी थी
"वे बहुत नींद में थे"

Matthew 26:45

x
गतसमनी की वाटिका में यीशु की प्रार्थना का वृत्तान्त चल रहा है।

घड़ी आ पहुँची है।
"समय आ गया है"

पापियों के हाथ
"पापी लोगों के हाथ"

देखो
"ध्यान न दो कि मैं क्या कहने जा रहा हूँ"

Matthew 26:47

x
गतसमनी की वाटिका में यीशु की प्रार्थना का वृत्तान्त चल रहा है।

वह यह कह ही रहा था।
वह यह कह रहा था , "यीशु अभी बातें ही कर रहा था"

"जिसको मैं चूम लूँ वही है", उसे पकड़ लेना
"उसने कहा कि जिसे वह चूमे उसी को उन्हें पकड़ना है"

जिसको मैं चूम लूँ
"वह जिसे मैं चूमूँ" या "जिस व्यक्ति को मैं चूमूँगा" (यू.डी.बी.)

चूम लूँ,
चूम लूँ , अपने गुरू का सम्मान पूर्वक अभिवादन करना

Matthew 26:49

x
गतसमनी की वाटिका में यीशु को पकड़ने का वृत्तान्त

यीशु के पास आकर
यीशु के पास आकर , "यहूदा यीशु के पास आया"

उसको बहुत चूमा
उसको बहुत चूमा , "चूमकर उसका अभिवादन किया"

यीशु पर हाथ डाले
यीशु की हानि के लिए उसे पकड़ा

उसे पकड़ लिया
उसे बन्दी बना लिया

Matthew 26:51

x
गतसमनी की वाटिका में यीशु को बन्दी बनाने का वृत्तान्त

देखो
लेखक कहानी में एक नए चरित्र को ला रहा है। आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने का प्रावधान होगा।

क्या तू नहीं जानता कि मैं अपने पिता से विनती कर सकता हूँ और वह स्वर्गदूतों की बारह पलटन से अधिक मेरे पास अभी उपस्थित कर देगा।
क्या तू सोचता है कि मैं अपने पिता से कहूँ और वह स्वर्गदूतों की बारह पलटन से अधिक न भेजे? वैकल्पिक अनुवाद, "तू यह जान ले कि मैं अपने पिता से कह सकता हूँ और वह मेरे लिए स्वर्गदूतों की बारह पलटनों से अधिक भेज देगा"।

स्वर्गदूतों की बारह पलटन से अधिक
स्वर्गदूतों की बारह पलटन से अधिक - स्वर्गदूतों की यथार्थ संख्या महत्त्वपूर्ण नहीं है।

पलटन
रोमी सेना की एक ईकाई जिसमें छः हज़ार सैनिक होते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 26:55

x
गतसमनी की वाटिका में यीशु को बन्दी बनाने का वृत्तान्त

क्या तुम तलवारें और लाठियाँ लेकर मुझे डाकू के समान पकड़ने निकले हो?
वैकल्पिक अनुवाद, "तुम तो जानते हो कि मैं डाकू नहीं अतः तलवारें और लाठियाँ लेकर आना गलत है"।

लाठियाँ
लोगों पर वार करने के लिए बड़ी ठोस लकड़ी

उसे छोड़कर भाग गए।
यदि आपकी भाषा में कोई ऐसा शब्द है जो व्यक्त करे कि जब किसी के साथ होना चाहिए तब उसका साथ छोड़ दिया तो उस शब्द को यहाँ काम में लें।

Matthew 26:57

x
यहाँ महायाजक द्वारा यीशु से पूछ-ताछ करने का वृत्तान्त आरंभ होता है।

महायाजक के आंगन
महायाजक के घर के बाहर खुला स्थान

Matthew 26:59

x
महायाजकों द्वारा यीशु से पूछताछ का वृत्तान्त ही चल रहा है।

दो जन आए।
दो जन आए , "दो जन सामने आए" (यू.डी.बी.) या "दो गवाह उपस्थित हुए"

और कहा, "इसने कहा है कि मैं परमेश्वर के मन्दिर को ढा सकता हूँ और उसे तीन दिन में बना सकता हूँ"।
वैकल्पिक अनुवाद, "उन्होंने गवाही दी कि उन्होंने यीशु को कहते सुना है कि वह परमेश्वर के मन्दिर को ढा देने में और तीन दिन में उसका पुनः निर्माण करने में समर्थ है"।

इसने कहा
इसने कहा , "इसने, यीशु ने कहा"

Matthew 26:62

x
महायाजकों द्वारा यीशु से पूछताछ का वृत्तान्त ही चल रहा है।

ये लोग तेरे विरोध में क्या गवाही देते हैं।
ये लोग तेरे विरोध में क्या गवाही देते हैं , "ये गवाह तेरे विरूद्ध कह रहे हैं"।

यदि तू परमेश्वर का पुत्र मसीह है तो हमसे कह दे
यदि तू परमेश्वर का पुत्र मसीह है तो हमसे कह दे , "यदि तू मसीह है तो हमारे सामने कह"।

तू कह चुका है
"जैसा तूने कहा, मैं हूँ"। या "तूने अभी स्वयं स्वीकार किया है"।

वरन मैं तुमसे यह भी कहता हूँ कि अब से तुम
यीशु महायाजक एवं उपस्थित गण से कह रहा है।

अबसे तुम मनुष्य के पुत्र को .... देखोगे
अब से तुम परमेश्वर के पुत्र को ... देखोगे , संभावित अर्थः (1) वे मनुष्य के पुत्र को भविष्य में कभी देखेंगे (देखें यू.डी.बी.) या (2) "अब से" से यीशु का अर्थ है उसकी मृत्यु, उसका पुनरूत्थान और स्वर्गारोहण का समय।

सर्वशक्तिमान की दाहिनी ओर
"सर्वशक्तिमान परमेश्वर की दाहिनी ओर"

आकाश के बादलों पर आते
"आकाश के बादलों पर सवार पृथ्वी पर उतरते"

Matthew 26:65

x
महायाजकों द्वारा यीशु से पूछताछ का वृत्तान्त ही चल रहा है।

महायाजक ने अपने वस्त्र फाड़े
वस्त्र फाड़ना क्रोध और दुख का प्रतीक था।

उन्होंने उत्तर दिया
"यहूदी अगुओं ने उत्तर दिया"

Matthew 26:67

x
महायाजकों द्वारा यीशु से पूछताछ का वृत्तान्त ही चल रहा है।

तब उन्होंने
संभावित अर्थः (1) "कुछ लोगों ने" या "सैनिकों ने"

उसके मुँह पर थूका
अपमान करने के लिए

Matthew 26:69

x
पतरस द्वारा यीशु के इन्कार का वृत्तान्त है

मैं नहीं जानता तू क्या कह रही है
पतरस भली भांति समझ रहा था कि वह क्या कह रही थी, परन्तु उसने इन शब्दों द्वारा यीशु का इन्कार किया।

Matthew 26:71

x
यह पतरस द्वारा यीशु के इन्कार का वृत्तान्त चल रहा है।

जब वह
जब पतरस

डेवढ़ी
आँगन की दीवार का द्वार

Matthew 26:73

x
यह पतरस द्वारा यीशु के इन्कार का वृत्तान्त चल रहा है।

उनमें से एक
उनमें से एक "जो यीशु के साथ थे उनमें से एक"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्योंकि तेरी बोली तेरा भेद खोल देती है
क्योंकि तेरी बोली तेरा भेद खोल देती है तेरी बोली से हम निश्चित कह सकते है की तू गलीली है।

धिक्कारने लगा
धिक्कारने लगा "अपने आपको कोसने लगा"

शपथ खाने लगा: "मैं उस मनुष्य को नहीं जानता"
वैकल्पिक अनुवाद, "कि वह उस व्यक्ति को नहीं जानता है"

Translation Questions

Matthew 26:2

यीशु ने यहूदियों के कौन से पर्व के लिए कहा कि दो दिन में आने वाला है?
यीशु ने कहा कि फसह का पर्व दो दिन में आने वाला है।

Matthew 26:4

महायाजक के महल में महायाजक और पुरनिये क्या योजना बना रहे थे?
वे यीशु को छल से पकड़ कर मार डालने का षड्यंत्र रच रहे थे।

Matthew 26:5

महायाजक और पुरनिये किस बात से डरते थे?
उन्हें डर था कि पर्व के समय यदि वे यीशु को मार डालेंगे तो उपद्रव खड़ा हो जायेगा।

Matthew 26:6

जब उस स्त्री ने यीशु के सिर पर बहुमूल्य इत्र डाला तब चेलों की प्रतिक्रिया क्या थी?
चेले अप्रसन्न थे, वे जानना चाहते थे कि इत्र बेचकर कंगालों में पैसा क्यों नहीं बांटा गया।

Matthew 26:12

यीशु ने उस स्त्री के द्वारा इत्र डालने को क्या उपमा दी थी?
यीशु ने कहा कि उस स्त्री ने उस पर अन्तिम संस्कार का अभ्यंजन किया है।

Matthew 26:14

महायाजकों के हाथ यीशु को पकड़वाने के लिए यहूदा इस्करियोती को क्या दिया गया था?
यहूदा को चांदी के तीस सिक्के दिए गए थे कि वह यीशु को पकड़वा दे।

Matthew 26:21

यीशु ने संध्याकालीन भोज के समय अपने एक चेले के बारे में क्या कहा था?
यीशु ने कहा कि उसका एक चेला उसे पकड़वाएगा।

Matthew 26:24

यीशु ने अपने पकड़वाने वाले के भविष्य के बारे में क्या कहा था?
यीशु ने कहा कि इसके पकड़वाने वाले के लिए उत्तम होता कि वह पैदा ही नहीं हुआ होता।

Matthew 26:25

यहूदा ने पूछा कि क्या वह उसे पकड़वाएगा तो यीशु ने उससे क्या कहा?
यीशु ने उत्तर दिया "तू कह चुका है"।

Matthew 26:26

यीशु ने रोटी ली उसे आशीष दी, तोड़ी और अपने चेलों को दी तब क्या कहा?
यीशु ने कहा, "लो खाओ यह मेरी देह है"।

Matthew 26:28

यीशु ने क्या कहकर चेलों को वह कटोरा दिया?
यीशु ने कहा कि वह कटोरा वाचा का उसका लहू है जो अनेकों के पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है।

Matthew 26:30

जैतून के पर्वत पर यीशु ने अपने चेलों से क्या कहा कि उस रात वे सब करेंगे?
यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वह सब उस रात उसका साथ छोडकर तित्तर-बित्तर हो जाएगे।

Matthew 26:33

जब पतरस ने कहा कि वह यीशु को कभी नहीं छोड़ेगा तब यीशु ने क्या कहा कि वह उस रात करेगा?
यीशु ने कहा कि अब रात मुर्गे की बांग देने से पहले पतरस तीन बार यीशु का इन्कार करेगा।

Matthew 26:37

यीशु ने पतरस और जबदी के पुत्रों को क्या कहा कि वे करें जब वह प्रार्थना करता है?
यीशु ने उनसे कहा कि वे जागते रहें।

Matthew 26:39

यीशु ने अपनी नहीं किस बात की पूर्ति की प्रार्थना की थी?
यीशु ने प्रार्थना में कहा कि उसकी नहीं परमेश्वर पिता की इच्छा पूरी हो।

यीशु कितनी बार शिष्यों को छोड़कर प्रार्थना करने गया था?
यीशु ने तीन बार शिष्यों को छोड़ प्रार्थना करने गया।

Matthew 26:40

यीशु जब प्रार्थना करके लौटा तब चेले क्या कर रहे थे?
जब यीशु प्रार्थना करके लौटा तब चेले सो रहे थे।

Matthew 26:47

यहूदा ने उस भीड़ को यीशु को पहचानने के लिए क्या चिन्ह दिया था?
यहूदा ने यीशु को चूमा कि आने वाली भीड़ को पता चले कि उसी को पकड़ना है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 26:51

जब यीशु को पकड़ा गया तब उसके एक चेले ने क्या किया?
यीशु के चेलों में से एक ने तलवार से महायाजक के सेवक का कान काट दिया।

Matthew 26:53

अपनी रक्षा के लिए यीशु ने क्या कहा कि वह कर सकता है?
यीशु ने कहा कि परमेश्वर पिता से कहकर स्वर्गदूतों की बारह सेना बुलवा सकता है।

Matthew 26:54

यीशु ने इन घटनाओं द्वारा किसकी पूर्ति बताई थी?
यीशु ने कहा कि इन घटनाओं के द्वारा पवित्र शास्त्र पूरा हो रहा है।

Matthew 26:56

उस समय यीशु के चेलों ने क्या किया?
यीशु के सब चेलें उसे छोड़कर भाग गए।

Matthew 26:59

यीशु को मृत्यु दण्ड देने के लिए महायाजक और महासभा क्या खोजती थी?
वे यीशु को मृत्युदण्ड देने के लिए झूठे गवाहों की खोज कर रहे थे।

Matthew 26:63

जीवित परमेश्वर के नाम में महायाजक ने यीशु को क्या आज्ञा दी थी?
महायाजक ने यीशु से कहा कि वह कहे कि वह परमेश्वर का पुत्र मसीह है या नहीं।

Matthew 26:64

महायाजक की आज्ञा पर यीशु ने क्या प्रतिक्रिया दिखाई थी?
यीशु ने कहा, "तूने आप ही कह दिया"।

यीशु ने महायाजक से कहा कि वह क्या देखेंगे?
यीशु ने कहा कि महायाजक मनुष्य के पुत्र को सर्वशक्तिमान के दाहिनी ओर बैठे और आकाश के बादलों पर आता देखेगा।

Matthew 26:65

महायाजक ने यीशु पर क्या दोष लगाया था?
महायाजक ने यीशु को ईश-निन्दा का दोष दिया।

Matthew 26:67

यीशु पर दोष लगाने के बाद उन्होंने उसके साथ क्या किया?
उन्होंने यीशु के मुंह पर थूंका, उसे घूसे मारे और थप्पड़ मारे।

Matthew 26:70

पतरस को यीशु का साथी कहा गया तो उसने तीन बार क्या उत्तर दिया?
पतरस ने कहा कि वह यीशु को नहीं जानता है।

Matthew 26:74

पतरस द्वारा तीसरी बार यीशु का इन्कार करने पर क्या हुआ?
ज्यों ही पतरस तीसरी बार यीशु का इन्कार किया त्यों ही मुर्गे ने बांग दी।

Matthew 26:75

तीसरी बार यीशु का इन्कार करने पर पतरस को क्या स्मरण हुआ?
पतरस को स्मरण हुआ कि यीशु ने उससे कहा था, वह मूर्गे के बांग देने से पहले तीन बार यीशु का इन्कार करेगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 27

1 जब भोर हुई, तो सब प्रधान याजकों और लोगों के प्राचीनों ने यीशु के मार डालने की सम्मति की। **2** और उन्होंने उसे बाँधा और ले जाकर पिलातुस राज्यपाल के हाथ में सौंप दिया।

3 जब उसके पकड़वानेवाले यहूदा ने देखा कि वह दोषी ठहराया गया है तो वह पछताया और वे तीस चाँदी के सिक्के प्रधान याजकों और प्राचीनों के पास फेर लाया। **4** और कहा, "मैंने निर्दोषी को मृत्यु के लिये पकड़वाकर पाप किया है?" उन्होंने कहा, "हमें क्या? तू ही जाने।" **5** तब वह उन सिक्कों को मन्दिर में फेंककर चला गया, और जाकर अपने आप को फाँसी दी।

6 प्रधान याजकों ने उन सिक्कों को लेकर कहा, "इन्हें, भण्डार में रखना उचित नहीं, क्योंकि यह लहू का दाम है।" **7** अतः उन्होंने सम्मति करके उन सिक्कों से परदेशियों के गाड़ने के लिये कुम्हार का खेत मोल ले लिया। **8** इस कारण वह खेत आज तक लहू का खेत* कहलाता है। **9** तब जो वचन यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था वह पूरा हुआ "उन्होंने वे तीस सिक्के अर्थात् उस ठहराए हुए मूल्य को (जिसे इस्राएल की सन्तान में से कितनों ने ठहराया था) ले लिया। **10** और जैसे प्रभु ने मुझे आज्ञा दी थी वैसे ही उन्हें कुम्हार के खेत के मूल्य में दे दिया।"

11 जब यीशु राज्यपाल के सामने खड़ा था, तो राज्यपाल ने उससे पूछा, "क्या तू यहूदियों का राजा है?" यीशु ने उससे कहा, "तू आप ही कह रहा है।" **12** जब प्रधान याजक और पुरनिए उस पर दोष लगा रहे थे, तो उसने कुछ उत्तर नहीं दिया। **13** इस पर पिलातुस ने उससे कहा, "क्या तू नहीं सुनता, कि ये तेरे विरोध में कितनी गवाहियाँ दे रहे हैं?" **14** परन्तु उसने उसको एक बात का भी उत्तर नहीं दिया, यहाँ तक कि राज्यपाल को बड़ा आश्चर्य हुआ।

15 और राज्यपाल की यह रीति थी, कि उस पर्व में लोगों के लिये किसी एक बन्दी को जिसे वे चाहते थे, छोड़ देता था। **16** उस समय बरअब्बा नामक उन्हीं में का, एक नामी बन्धुआ था। **17** अतः जब वे इकट्ठा हुए, तो पिलातुस ने उनसे कहा, "तुम किसको चाहते हो, कि मैं तुम्हारे लिये छोड़ दूँ? बरअब्बा को, या यीशु को जो मसीह कहलाता है?" **18** क्योंकि वह जानता था कि उन्होंने उसे डाह से पकड़वाया है। **19** जब वह न्याय की गद्दी पर बैठा हुआ था तो उसकी पत्नी ने उसे कहला भेजा, "तू उस धर्मी के मामले में हाथ न डालना; क्योंकि मैंने आज स्वप्न में उसके कारण बहुत दुःख उठाया है।"

20 प्रधान याजकों और प्राचीनों ने लोगों को उभारा, कि वे बरअब्बा को माँग ले, और यीशु को नाश कराएँ। **21** राज्यपाल ने उनसे पूछा, "इन दोनों में से किस को चाहते हो, कि तुम्हारे लिये छोड़ दूँ?" उन्होंने कहा, "बरअब्बा को।" **22** पिलातुस ने उनसे पूछा, "फिर यीशु को जो मसीह कहलाता है, क्या करूँ?" सब ने उससे कहा, "वह क्रूस पर चढ़ाया जाए।" **23** राज्यपाल ने कहा, "क्यों उसने क्या बुराई की है?" परन्तु वे और भी चिल्ला-चिल्लाकर कहने लगे, "वह क्रूस पर चढ़ाया जाए।" **24** जब पिलातुस ने देखा, कि कुछ बन नहीं पड़ता परन्तु इसके विपरीत उपद्रव होता जाता है, तो उसने पानी लेकर भीड़ के सामने अपने हाथ धोए, और कहा, "मैं इस धर्मी के लहू से निर्दोष हूँ; तुम ही जानो।" **25** सब लोगों ने उत्तर दिया, "इसका लहू हम पर और हमारी सन्तान पर हो!"

26 इस पर उसने बरअब्बा को उनके लिये छोड़ दिया, और यीशु को कोड़े* लगवाकर सौंप दिया, कि क्रूस पर चढ़ाया जाए।

27 तब राज्यपाल के सिपाहियों ने यीशु को किले* में ले जाकर सारे सैनिक उसके चारों ओर इकट्ठी की। **28** और उसके कपड़े उतारकर उसे लाल चोगा पहनाया। **29** और काँटों का मुकुट गूँथकर उसके सिर पर रखा; और उसके दाहिने हाथ में सरकण्डा दिया और उसके आगे घुटने टेककर उसे उपहास में उड़ाने लगे, "हे यहूदियों के राजा नमस्कार!" **30** और उस पर थूका; और वही सरकण्डा लेकर उसके सिर पर मारने लगे। **31** जब वे उसका उपहास कर चुके, तो वह चोगा उस पर से उतारकर फिर उसी के कपड़े उसे पहनाए, और क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले चले।

32 बाहर जाते हुए उन्हें शमौन नामक एक कुरेनी मनुष्य मिला, उन्होंने उसे बेगार में पकड़ा कि उसका क्रूस उठा ले चले। **33** और उस स्थान पर जो गुलगुता* नाम की जगह अर्थात् खोपड़ी का स्थान कहलाता है पहुँचकर। **34** उन्होंने पित्त मिलाया हुआ दाखरस उसे पीने को दिया, परन्तु उसने चखकर पीना न चाहा। **35** तब उन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ाया; और चिट्ठियाँ डालकर उसके कपड़े बाँट लिए। **36** और वहाँ बैठकर उसका पहरा देने लगे। **37** और उसका दोषपत्र, उसके सिर के ऊपर लगाया, कि "यह यहूदियों का राजा यीशु है।" **38** तब उसके साथ दो डाकू एक दाहिने और एक बाएँ क्रूसों पर चढ़ाए गए। **39** और आने-जानेवाले सिर हिला-हिलाकर उसकी निन्दा करते थे। **40** और यह कहते थे, "हे मन्दिर के ढानेवाले और तीन दिन में बनानेवाले, अपने आप को तो बचा! यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो क्रूस पर से उतर आ।" **41** इसी रीति से प्रधान याजक भी शास्त्रियों और प्राचीनों समेत उपहास कर करके कहते थे, **42** "इसने दूसरों को बचाया, और अपने आप को नहीं बचा सकता। यह तो 'इस्राएल का राजा' है। अब क्रूस पर से उतर आए, तो हम उस पर विश्वास करें। **43** उसने परमेश्वर का भरोसा रखा है, यदि वह इसको चाहता है, तो अब इसे छुड़ा ले, क्योंकि इसने कहा था, कि 'मैं परमेश्वर का पुत्र हूँ।' " **44** इसी प्रकार डाकू भी जो उसके साथ क्रूसों पर चढ़ाए गए थे उसकी निन्दा करते थे।

45 दोपहर से लेकर तीसरे पहर तक उस सारे देश में अंधेरा छाया रहा। **46** तीसरे पहर के निकट यीशु ने बड़े शब्द से पुकारकर कहा, "एली, एली, लमा शबक्तनी*?" अर्थात् "हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया?" **47** जो वहाँ खड़े थे, उनमें से कितनों ने यह सुनकर कहा, "वह तो एलिय्याह को पुकारता है।" **48** उनमें से एक तुरन्त दौड़ा, और पनसोख्ता लेकर सिरके में डुबोया, और सरकण्डे पर रखकर उसे चुसाया। **49** औरों ने कहा, "रह जाओ, देखें, एलिय्याह उसे बचाने आता है कि नहीं।" **50** तब यीशु ने फिर बड़े शब्द से चिल्लाकर प्राण छोड़ दिए। **51** तब, मन्दिर का परदा* ऊपर से नीचे तक फट कर दो टुकड़े हो गया: और धरती डोल गई और चट्टानें फट गईं। **52** और कब्रें खुल गईं, और सोए हुए पवित्र लोगों के बहुत शव जी उठे। **53** और उसके जी उठने के बाद वे कब्रों में से निकलकर पवित्र नगर में गए, और बहुतों को दिखाई दिए। **54** तब सूबेदार और जो उसके साथ यीशु का पहरा दे रहे थे, भूकम्प और जो कुछ हुआ था, देखकर अत्यन्त डर गए, और कहा, "सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था!" **55** वहाँ बहुत सी स्त्रियाँ जो गलील से यीशु की सेवा करती हुईं उसके साथ आईं थीं, दूर से देख रही थीं। **56** उनमें मरियम मगदलीनी और याकूब और योसेस की माता मरियम और जब्दी के पुत्रों की माता थीं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

57 जब सांझ हुई तो यूसुफ नाम अरिमतियाह का एक धनी मनुष्य जो आप ही यीशु का चेला था, आया। **58** उसने पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा। इस पर पिलातुस ने दे देने की आज्ञा दी। **59** यूसुफ ने शव को लेकर उसे साफ़ चादर में लपेटा। **60** और उसे अपनी नई कब्र में रखा, जो उसने चट्टान में खुदवाई थी, और कब्र के द्वार पर बड़ा पत्थर लुढ़काकर चला गया। **61** और मरियम मगदलीनी और दूसरी मरियम वहाँ कब्र के सामने बैठी थीं।

62 दूसरे दिन जो तैयारी के दिन के बाद का दिन था, प्रधान याजकों और फरीसियों ने पिलातुस के पास इकट्ठे होकर कहा। **63** “हे स्वामी, हमें स्मरण है, कि उस भरमानेवाले ने अपने जीते जी कहा था, कि मैं तीन दिन के बाद जी उठूँगा। **64** अतः आज्ञा दे कि तीसरे दिन तक कब्र की रखवाली की जाए, ऐसा न हो कि उसके चेले आकर उसे चुरा ले जाएँ, और लोगों से कहने लगें, कि वह मरे हुओं में से जी उठा है: तब पिछला धोखा पहले से भी बुरा होगा।” **65** पिलातुस ने उनसे कहा, “तुम्हारे पास पहरेदार तो हैं जाओ, अपनी समझ के अनुसार रखवाली करो।” **66** अतः वे पहरेदारों को साथ लेकर गए, और पत्थर पर मुहर लगाकर कब्र की रखवाली की।

Matthew 27:1

x
यहाँ यीशु के अभियोग और मृत्यु का वृत्तान्त आरंभ होता है।

Matthew 27:3

x
लेखक ने यीशु को बन्दी बनाए जाने की कहानी में अन्तराल रखा कि यहूदा द्वारा आत्म हत्या का उल्लेख करे।(27:3-).

जब .... यहूदा ने देखा
यदि आपकी भाषा में कहानी के अन्तराल में किसी वृत्तान्त के आने को व्यक्त करने का प्रावधान है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

तीस चाँदी के सिक्के
यीशु के साथ विश्वासघात करने की कीमत जो उसे महायाजकों ने दी थी

निर्दोष को
"वह मनुष्य जो मृत्युदण्ड के योग्य नहीं"

Matthew 27:6

x
यह यहूदा द्वारा आत्महत्या करने का वृत्तान्त है

भण्डार में रखना उचित नहीं
उचित नहीं , "हमारी व्यवस्था इसे उचित नहीं ठहराती है"

रखना
इस चाँदी को रखना

लहू का दाम
मनुष्य को मरवाने की कीमत (देखें: और यू.डी.बी.)

कुम्हार का खेत
यह खेत यरूशलेम में मरने वाले परदेशियों के दफन के लिए हुआ (देखें यू.डी.बी.)

आज तक
लेखक द्वारा वृत्तान्त लिखने के समय तक

Matthew 27:9

x
यह यहूदा द्वारा आत्महत्या करने का वृत्तान्त है

जो वचन यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था।
"भविष्यद्वक्ता यिर्मयाह ने यह भविष्यद्वाणी की थी और वह सच हुई"।

इस्राएल की सन्तान
इस्राएल के धर्मगुरू

आज्ञा दी थी
"यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता को आज्ञा दी थी।"(27:9)

Matthew 27:11

x
अब रोमी शासक के समक्ष यीशु के अभियोग का आरंभ होता है ।

अब
यदि आपकी भाषा में कहानी अन्तराल के बाद पुनः आरंभ हो तो उसे व्यक्त करने के लिए आपकी भाषा में प्रावधान है तो उसका उपयोग यहाँ करें।

शासक
शासक - पिलातुस

तू आप ही कह रहा है।
"तू ही तो स्वीकार कर रहा है"

प्रधान याजक और पुरनिये उस पर दोष लगा रहे थे
वैकल्पिक अनुवाद, "जब महायाजक और पुरनियों उसका दोषारोपण कर रहे थे"

क्या तू नहीं सुनता कि ये तेरे विरोध में कितनी गवाहियाँ दे रहे हैं
"मुझे आश्चर्य हो रहा है कि तू इन लोगों को उत्तर नहीं दे रहा है जबकि ये तुझ पर बुरी-बुरी बातों का दोष लगा रहे हैं।"

एक बात का भी उत्तर नहीं दिया यहाँ तक कि हाकिम को बड़ा आश्चर्य हुआ।
एक बात का भी उत्तर नहीं दिया यहाँ तक कि शासक को बड़ा आश्चर्य हुआ । वैकल्पिक अनुवाद, "एक दोष का भी प्रतिवाद नहीं, इस पर प्रशासक चकित हुआ"।

Matthew 27:15

x
रोमी शासक के समक्ष यीशु के अभियोग का ही वृत्तान्त चल रहा है।

अब
यहाँ कहानी में अन्तराल है कि लेखक में आरंभ की दी गई जानकारी को समझने में पाठक की सहायता करे

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पर्व
जिस पर्व में फसह मनाया जाता था।

बन्दी को जिसे वे चाहते थे
वैकल्पिक अनुवाद, "जिस बन्दी को जनसमूह चुनें"

माना हुआ
कुख्यात

Matthew 27:17

x
रोमी प्रशासक के समक्ष यीशु के अभियोग का ही वृत्तान्त चल रहा है।

पकड़वाया है
यीशु को पिलातुस के समक्ष लाए कि वह उनका न्याय करे

जब वह न्याय की गद्दी पर बैठा हुआ था
"जब पिलातुस न्यायासन पर बैठा था"

न्याय की गद्दी पर बैठा था
अपने कर्तव्य का पालन करने के दायित्व से

कहला भेजा
"सन्देश भेजा"

Matthew 27:20

x
रोमी प्रशासक के समक्ष यीशु के अभियोग का ही वृत्तान्त चल रहा है।

उनसे पूछा
"जनसमूह से पूछा"

Matthew 27:23

x
रोमी प्रशासक के समक्ष यीशु के अभियोग का ही वृत्तान्त चल रहा है।

उसने क्या बुराई की है?
<उसने क्या बुराई की है? - "यीशु ने क्या बुराई की है"

वे चिल्ला-चिल्लाकर कहने लगे
"जनसमूह ने चिल्लाकर कहा"

लहू से
"मृत्यु"

Matthew 27:25

x
रोमी प्रशासक के समक्ष यीशु के अभियोग का ही वृत्तान्त चल रहा है।

उसका लहू हम पर और हमारी सन्तान पर हो
"हाँ, हम और हमारे वंशज उसकी हत्या के दोषी होने में प्रसन्न हैं"।

Matthew 27:27

x
अब रोमी सैनिकों द्वारा यीशु का ठट्ठा करने का वृत्तान्त आरंभ होता है।

किले में
संभावित अर्थ है, (1) सैनिकों के रहने के स्थान में (यू.डी.बी.) या (2) प्रशासक के निवास में

कपड़े उतार कर
"उसके वस्त्र खींच कर उतारे"

लाल रंग
गहरा लाल रंग

नमस्कार
"हम तेरा सम्मान करते हैं" या "दीर्घायु हो"

Matthew 27:30

x
रोमी सैनिको द्वारा यीशु का ठट्ठा करना चल रहा है।

वे
पिलातुस के सैनिक

उस .... उसके .... उसका .... उस
यीशु

Matthew 27:32

x
यहाँ यीशु के क्रूसीकरण का वृत्तान्त आरंभ होता है।

बाहर जाते हुए
"जब वे यरूशलेम से बाहर निकले"

बलपूर्वक पकड़ा कि उसका क्रूस उठा कर ले चले
"उसे विवश किया कि वह उनके साथ यीशु का क्रूस उठा कर चले।"

गुलगुता
"जिस स्थान को वहाँ के लोग गुलगुता कहते थे"।

पित्त
पीले रंग का कडवा द्रव्य जो पाचन क्रिया में काम में आता है

Matthew 27:35

x
यीशु के क्रुसीकरण का ही वृत्तान्त चल रहा है।

वस्त्र
जो वस्त्र यीशु पहना हुआ था

Matthew 27:38

x
यीशु का क्रूसीकरण और मृत्यु का वृत्तान्त चल रहा है।

उसके साथ दो डाकू भी क्रूस पर चढाये गये
वैकल्पिक अनुवाद: "सैनिकों ने दो डाकुओं को भी यीशु के साथ ही क्रूस पर चढाया"

सिर हिला हिला कर
यीशु का ठट्ठा करने के लिए

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 27:41

x
यीशु का क्रूसीकरण और मृत्यु का वृत्तान्त चल रहा है।

इसने औरों को बचाया और अपने आपको नहीं बचा सकता
संभावित अर्थ, (1) यहूदी अगुवे विश्वास नहीं करते थे कि यीशु ने मनुष्यों को बचाया था (देखें: और यू.डी.बी.) या वह स्वयं को बचा सकता है, या (2) वे मानते थे कि उसने मनुष्यों को बचाया परन्तु वे उसका ठट्ठा कर रहे थे कि वह अपने आपको नहीं बचा सकता था।

यह यहूदियों का राजा
अगुवे स्वीकार करने को तैयार नहीं थे कि यीशु इस्राएल का राजा है

Matthew 27:43

x
यीशु का क्रूसीकरण और मृत्यु का वृत्तान्त चल रहा है।

डाकू भी जो उसके साथ क्रूस पर चढ़ाए गए थे
"और जिन डाकूओं को सैनिकों ने यीशु के साथ क्रूस पर चढ़ाया था"

Matthew 27:45

x
यीशु का क्रूसीकरण और मृत्यु का वृत्तान्त चल रहा है।

बड़े शब्द से पुकार कर
"ऊँची आवाज में कहा" या "चिल्लाया"

एली, एली, लमा, शबकतनी
अनुवादक इन शब्दों को प्रायः मूल भाषा में ही रहने देते हैं

Matthew 27:48

x
यीशु का क्रूसीकरण और मृत्यु का वृत्तान्त चल रहा है।

उनमें से एक
संभावित अर्थ, (1) सैनिकों में से एक या 2) दर्शकों में से एक

स्पंज
समुद्री जीव का घर जिसे तरल पदार्थों को सोखने के लिए काम में लिया जाता था कि बाद में उसे निचोड़ कर निकाल लें।

उसे चुसाया
"यीशु को दिया"

Matthew 27:51

x
अब यीशु की मृत्यु के समय की घटनाओं का वृत्तान्त आरंभ होता है।

देखो
लेखक पाठक का ध्यान अग्रिम आश्चर्यजनक जानकारी की ओर आकर्षित कर रहा है।

कब्रें खुल गई और सोए हुए पवित्र लोगों के बहुत से शव जी उठे।
कब्रें खुल गई और सोए हुए पवित्र लोगों के बहुत से शव जी उठे । "परमेश्वर ने कब्रों को खोलकर अनेक पवित्र जनों को जो मर गए थे, मृतक देह को जीवित किया"।

सो गए थे
"मर गए थे"

कब्रें खुल गई ..... बहुतों को दिखाई दिए
घटनाओं का क्रम अस्पष्ट है। संभावित क्रम है: यीशु के मरने के बाद भूकम्प आया और कब्रें खुल गई (1) पवित्र जन जी उठे, यीशु जी उठा और पवित्र जन नगर में गए और अनेकों ने उन्हें देखा, या (2) यीशु जी उठा, पवित्र जन भी जी उठे, नगर में गए, अनेकों ने उन्हें देखा।

Matthew 27:54

x
यीशु की मृत्यु पर चमत्कारी घटनाओं का वृत्तान्त चल रहा है

Matthew 27:57

x
यीशु के दफन का वृत्तान्त आरंभ होता है

पिलातुस ने दे देने की आज्ञा दी
"पिलातुस ने सैनिकों को आज्ञा दी कि यीशु का शव यूसुफ को दे दें"

Matthew 27:59

x
यीशु के दफन का वृत्तान्त चल रहा है

चादर
चादर -महंगी चादर

कब्र के द्वार पर
"कब्र के सामने"

Matthew 27:62

x
यीशु दफन के बाद की घटनाओं का वृत्तान्त चल रहा है।

तैयारी का दिन
फसह के लिए तैयार होने का दिन

उस भरमाने वाले ने जब वह जीवित था
"जब भरमाने वाला, यीशु जीवित था"

Matthew 27:65

x
यीशु दफन के बाद की घटनाओं का वृत्तान्त चल रहा है।

रखवाली
4 से 16 रोमी सैनिक

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पत्थर पर मोहर लगाकर
संभावित अर्थ, (1) उन्होंने रस्सी लेकर पत्थर के चारों ओर से कब्र के द्वार की दोनों ओर की दीवारों पर जड़ दी (देखें यू.डी.बी.) या (2) उन्होंने पत्थर और कब्र के बीच मुहर लगा दी।

रखवाली की
"सैनिकों को ऐसे खड़ा किया कि वे किसी को कब्र के निकट न आने दें"

Translation Questions

Matthew 27:2

सुबह होने पर महायाजक और पुरनिए यीशु को किसके पास लग गए?
सुबह होने पर वे यीशु को पिलातुस हाकिम के पास ले गए।

Matthew 27:3

यहूदा इस्करियोती ने जब देखा कि यीशु दोषी ठहराया गया है तब उसने क्या किया?
यहूदा पछताया कि उसने एक निर्दोष के लहू के साथ विश्वासघात किया है और चांदी के सिक्के महायाजकों को लौटा दिए तथा फांसी लगा ली।

Matthew 27:6

उन तीस चांदी के सिक्कों से महायाजकों ने क्या किया?
उन्होंने उन सिक्कों से कुम्हार का खेत खरीदा कि वहाँ परदेशियों को दफन करें।

Matthew 27:9

इन घटनाओं से किसकी भविष्यद्वाणी पूरी हुई?
इन घटनाओं से यिर्मयाह की भविष्यद्वाणी पूरी हुई।

Matthew 27:11

पिलातुस ने यीशु से क्या पूछा और यीशु ने क्या उत्तर दिया?
पिलातुस ने यीशु से पूछा कि क्या वह यहूदियों का राजा है और यीशु ने उत्तर दिया, "तू आप ही कह रहा है"।

Matthew 27:12

महायाजकों और पुरनियों के द्वारा दोष लगाने पर यीशु ने क्या उत्तर दिया?
यीशु ने एक शब्द भी नहीं कहा।

Matthew 27:15

फसह के पर्व की प्रथा के अनुसार पिलातुस ने यीशु के साथ क्या करना चाहा था?
पिलातुस ने उस पर्व की प्रथा के अनुसार यीशु को छोड़ देना चाहा था।

Matthew 27:19

जब पिलातुस न्याय आसन पर बैठा था तब उसकी पत्नी ने क्या सन्देश भेजा?
उसने पिलातुस से कहा कि वह उस निर्दोष के साथ कुछ न करे।

Matthew 27:20

पर्व की प्रथा के अनुसार यीशु की अपेक्षा बरअब्बा क्यों छोड़ा गया?
महायाजकों और पुरनियों ने जनता को उभारा कि वे यीशु के स्थान पर बरअब्बा को मांग लें।

Matthew 27:22

जन समूह ने यीशु के लिए क्या पुकार की?
जन समूह चिल्लाने लगे कि यीशु को क्रूस पर चढ़ाया जाये।

Matthew 27:24

पिलातुस ने देखा कि जन समूह उपद्रव पर उतर आया है तो उसने क्या किया?
पिलातुस ने हाथ घोकर स्वयं को निर्दोष यीशु के लहू का दोषी न मानते हुए उसे जनसमूह को सौंप दिया।

Matthew 27:25

पिलातुस ने यीशु को जनसमूह के हाथों में सौंप दिया तो उन्होंने क्या कहा?
लोग पुकार कर कह रहे थे, "इसका लहू हम पर और हमारी सन्तान पर हो"।

Matthew 27:27

हाकिम के सिपाहियों ने यीशु के साथ क्या किया?
सिपाहियों ने यीशु को बैजिनी रंग का बागा पहनाया और उसके सिर पर कांटों का मुकुट रखा और उसका ठट्ठा किया, उस पर थूका और उसके सिर पर मारा और तब उसे क्रूस पर चढ़ाने ले गए।

Matthew 27:32

कुरेनी शमौन से बेगार में क्या काम करवाया गया?
उन्होंने शमौन को पकड़ा कि यीशु का क्रूस उठाए।

Matthew 27:33

वे यीशु को क्रूसीकरण के लिए कहाँ ले गए?
वे उसे गुलगुता अर्थात खोपड़ी के स्थान ले गए।

Matthew 27:35

यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के बाद सैनिकों ने क्या किया?
सिपाहियों ने यीशु के कपड़े बांटने के लिए चिट्ठियां डाली और बैठकर पहरा देने लगे।

Matthew 27:37

उन्होंने यीशु के सिर पर क्या लिखकर लटकाया?
उन्होंने एक दोष पत्र लिखा, "यह यहूदियों का राजा यीशु है"।

Matthew 27:38

यीशु के साथ किसको क्रूस पर लटकाया गया?
यीशु के बाई और दाहिनी ओर दो डाकू भी क्रूस पर लटकाए गए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 27:39

महायाजक शास्त्री और पुरनियों ने उसका ठट्ठा करके क्या कहा?
सब लोग यीशु को चुनौती दे रहे थे कि वह क्रूस से उतर कर अपने आपको बचा ले।

Matthew 27:45

छठवें घंटे से नौवें घंटे तक क्या हुआ?
छठवें घंटे से नौवे घंटे तक संपूर्ण देश में अंधेरा छा गया।

Matthew 27:46

नौवें घंटे यीशु ने पुकार कर क्या कहा?
?

Matthew 27:50

यीशु ने फिर उंचे शब्दों में पुकारा तब क्या हुआ?
यीशु ने प्राण त्याग दिये।

Matthew 27:51

यीशु के मरणोपरान्त मन्दिर में क्या हुआ?
यीशु के मरणोपरान्त मन्दिर का पर्दा ऊपर से नीचे तक फट गया।

Matthew 27:52

यीशु की मृत्यु के बाद कब्रों में क्या हुआ?
यीशु की मृत्यु के बाद अनेक मृतक पवित्रजन जी उठे और बहुतों को दिखाई दिए।

Matthew 27:54

घटनाओं को देखकर सूबेदार ने क्या गवाही दी?
सूबेदार ने गवाही दी, "सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था"।

Matthew 27:57

क्रूसीकरण के बाद यीशु का पार्थिव देह का क्या हुआ?
यीशु के एक धनवान शिष्य, यूसुफ ने पिलातुस से यीशु की पार्थिव देह मांगी और उसे चादर में लपेट कर अपनी नई कब्र में रख दिया।

Matthew 27:60

यीशु की कब्र के द्वार पर क्या रखा गया था?
जिस कब्र में यीशु को रखा गया था उस पर एक बड़ा पत्थर रखा गया।

Matthew 27:62

अगले दिन महायाजक और फरीसी पिलातुस के पास क्यो गए थे?
महायाजक और फरीसी सुनिश्चित करना चाहते थे कि यीशु की मृतक देह को कोई चुरा न ले।

Matthew 27:65

पिलातुस ने उन्हें कब्र पर क्या करने की अनुमति दी?
पिलातुस ने उनकी मांग पूरी करके पत्थर पर मुहर लगवा दी और कब्र पर रखवाली करवाई।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 28

1 सब्त के दिन के बाद सप्ताह के पहले दिन पौ फटते ही मरियम मगदलीनी और दूसरी मरियम कब्र को देखने आई। **2** तब एक बड़ा भूकम्प हुआ, क्योंकि परमेश्वर का एक दूत स्वर्ग से उतरा, और पास आकर उसने पत्थर को लुढ़का दिया, और उस पर बैठ गया। **3** उसका रूप बिजली के समान और उसका वस्त्र हिम के समान उज्ज्वल था। **4** उसके भय से पहरेदार काँप उठे, और मृतक समान हो गए। **5** स्वर्गदूत ने स्त्रियों से कहा, “मत डरो, मैं जानता हूँ कि तुम यीशु को जो क्रूस पर चढ़ाया गया था ढूँढ़ती हो। **6** वह यहाँ नहीं है, परन्तु अपने वचन के अनुसार* जी उठा है; आओ, यह स्थान देखो, जहाँ प्रभु रखा गया था। **7** और शीघ्र जाकर उसके चेलों से कहो, कि वह मृतकों में से जी उठा है; और देखो वह तुम से पहले गलील को जाता है, वहाँ उसका दर्शन पाओगे, देखो, मैंने तुम से कह दिया।” **8** और वे भय और बड़े आनन्द के साथ कब्र से शीघ्र लौटकर उसके चेलों को समाचार देने के लिये दौड़ गई।

9 तब, यीशु उन्हें मिला और कहा; “सुखी रहो” और उन्होंने पास आकर और उसके पाँव पकड़कर उसको दण्डवत् किया। **10** तब यीशु ने उनसे कहा, “मत डरो; मेरे भाइयों से जाकर कहो, कि गलील को चलें जाएँ वहाँ मुझे देखेंगे।”

11 वे जा ही रही थी, कि पहरेदारों में से कितनों ने नगर में आकर पूरा हाल प्रधान याजकों से कह सुनाया। **12** तब उन्होंने प्राचीनों के साथ इकट्ठे होकर सम्मति की, और सिपाहियों को बहुत चाँदी देकर कहा। **13** “यह कहना कि रात को जब हम सो रहे थे, तो उसके चेले आकर उसे चुरा ले गए। **14** और यदि यह बात राज्यपाल के कान तक पहुँचेगी, तो हम उसे समझा लेंगे और तुम्हें जोखिम से बचा लेंगे।” **15** अत: उन्होंने रुपये लेकर जैसा सिखाए गए थे, वैसा ही किया; और यह बात आज तक यहूदियों में प्रचलित है।

16 और ग्यारह चेले गलील में उस पहाड़ पर गए, जिसे यीशु ने उन्हें बताया था। **17** और उन्होंने उसके दर्शन पा कर उसे प्रणाम किया, पर किसी-किसी* को सन्देह हुआ। **18** यीशु ने उनके पास आकर कहा, “स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार* मुझे दिया गया है। **19** इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ; और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, **20** और उन्हें सब बातें जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग* हूँ।”

Matthew 28:1

x
अब यीशु के पुनरूत्थान का वृत्तान्त आरंभ होता है

सब्त के दिन के बाद सप्ताह के पहले दिन पौ फटते ही
"सब्त के दिन सप्ताह होने के बाद रविवाद सूर्योदय से पूर्व"

दूसरी मरियम
"मरियम नाम की एक और महिला" या "याकूब और यूसुफ और यूसुफ की माता मरियम"

देखो
लेखक पाठकों को सूचित कर रहा है कि कोई आश्चर्यजनक बात होने जा रही है, आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने की विधि होगी।

एक बड़ा भूकम्प हुआ, क्योंकि प्रभु का एक दूत स्वर्ग से उतरा और पास आकर उसने पत्थर को लुढ़का दिया।
संभावित अर्थ, (1) स्वर्गदूत ने आकर पत्थर को हटाया तो भूकम्प हुआ" (यू.डी.बी.) या (2) ये सब घटनाएं एक साथ हुई (यू.डी.बी.)

भूकम्प
भूकम्प अचानक ही भूमि हिलने लगी।

Matthew 28:3

x
यह भी यीशु के पुनरुत्थान का ही वृत्तान्त है

उसका रूप
उसका रूप "स्वर्गदूत का रूप"

बिजली का सा
"ऐसा चमत्कार की आकाश की बिजली से"

पाले के समान उज्जवल
"अत्यधिक श्वेत"

मृतक समान
"निश्चेष्ट"

Matthew 28:5

x
यह भी यीशु के पुनरुत्थान का ही वृत्तान्त है

स्त्रियों से
"मरियम मगदलीनी और दूसरी मरियम"

जो क्रूस पर चढ़ाया गया था
"जिसे लोगों ने और सैनिकों ने क्रूस पर चढ़ाया था"

जी उठा है
"परन्तु परमेश्वर ने उसे जीवित कर दिया है" (देखें: Active/Passive)

Matthew 28:8

x
यह भी यीशु के पुनरुत्थान का ही वृत्तान्त है

वे
वे - मरियम मगदलीनी और दूसरी मरियम

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

देखो
लेखक पाठकों को सूचित कर रहा है कि कोई आश्चर्यजनक बात होने जा रही है, आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने की विधि होगी।

उसके पाँव पकड़कर
उसके पाँव पकड़कर "अपने घुटनों पर गिरकर उसका चरण स्पर्श किया"।

मेरे भाइयों से
मेरे भाइयों से , "यीशु के शिष्यों से

Matthew 28:11

x
अब यीशु के पुनरूत्थान पर अधिकारियों की प्रतिक्रिया का आरंभ होता है।

स्त्रियों से
मरियम मगदनीनी और दूसरी मरियम

देख
कहानी में घटना के परिवर्तन का संकेत जो वर्णित घटनाओं के नामों से अलग अन्य नायकों का आने की सूचना देता है। आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने का प्रावधान होगा।

सम्मति की
"आपस में योजना बनाई" याजकों और पुरनियों ने सैनिकों को रिश्वत देने का निर्णय लिया।

यह कहना कि रात को जब हम सो रहे थे, तो चेले आकर उसे चुरा ले गए।
"यदि कोई पूछे तो कहना कि यीशु के शिष्यों ने आकर ... जब हम सो रहे थे"।

Matthew 28:14

x
अधिकारियों द्वारा सैनिकों को निर्देश का वृत्तान्त चल रहा है

शासक
पिलातुस

जैसा सिखाए गए थे वैसा ही किया
"जैसा याजकों ने कहा था वैसा ही किया"

आज तक
मत्ती द्वारा पुस्तक लिखे जाने तक

Matthew 28:16

x
पुनरूत्थान के बाद यीशु द्वारा शिष्यों से भेंट करने का वृत्तान्त आरंभ होता है।

Matthew 28:18

x
पुनरूत्थान के बाद यीशु द्वारा शिष्यों से भेंट का वृत्तान्त चल रहा है।

के नाम में
"के अधिकाराधीन"

Matthew 28:20

x
पुनरूत्थान के बाद यीशु द्वारा शिष्यों से भेंट का वृत्तान्त चल रहा है।

मानना सिखाओ
"जिन्हें तुम बपतिस्मा दोगे उन्हें सिखाना"

देखो
वैकल्पिक अनुवाद, "सुनो" या "देखो" या "मैं जो कहने जा रहा हूँ उस पर ध्यान दो"

Translation Questions

Matthew 28:1

मरियम मगदलीनी और दूसरी मरियम किस दिन और किस समय यीशु की कब्र पर गई?
सप्ताह के पहले दिन भोर होते-ही वे यीशु की कब्र पर गए।

Matthew 28:2

यीशु की कब्र पर से पत्थर कैसे हटाया गया था?
प्रभु का एक दूत आया और कब्र पर से पत्थर हटा दिया।

Matthew 28:4

स्वर्गदूतों को देखकर पहरेदारों की क्या दशा हुई?
स्वर्गदूत को देखकर पहरेदार कांपने लगे और मृतकों के सदृश्य हो गए।

Matthew 28:5

स्वर्गदूत ने उन दोनों स्त्रियों से यीशु के बारे में क्या कहा?
स्वर्गदूत ने कहा कि यीशु जी उठा है और उनसे पहले गलील जा रहा है।

Matthew 28:8

जब वे दोनों स्त्रियां शिष्यों को समाचार सुनाने जा रही थी तब क्या हुआ?
उन स्त्रियों को यीशु दिखाई दिया और उन्होंने उसके पांव पकड़कर उसकी उपासना की।

Matthew 28:11

जब सिपाहियों ने महायाजकों को घटना का समाचार दिया तब उन्होंने क्या किया?
महायाजकों ने सिपाहियों को बहुत चांदी देकर कहा कि वे अफवाह उड़ा दें कि यीशु के शिष्य उसकी देह को चुराकर ले गए।

Matthew 28:17

यीशु को गलील में देखकर चेलों ने क्या किया?
चेलों ने यीशु की उपासना की परन्तु कुछ ने सन्देह किया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Matthew 28:18

यीशु के कथनानुसार उसे क्या अधिकार दिया गया था?
यीशु ने कहा कि उसे स्वर्ग और पृथ्वी का पूरा अधिकार दिया गया है।

Matthew 28:19

यीशु के अपने चेलों को कौन सी तीन आज्ञाएं दी थी?
यीशु ने अपने चेलों को आज्ञा दी कि वे चेले बनाएं और उन्हें बपतिस्मा देकर यीशु की सब आज्ञाएं मानना सिखाएं।

यीशु ने अपने चेलों को किसके नाम से बपतिस्मा देने की आज्ञा दी है?
यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे पिता, पुत्र और पवित्र-आत्मा के नाम से बपतिस्मा दें।

Matthew 28:20

यीशु ने अपने चेलों से अन्तिम प्रतिज्ञा क्या की थी?
यीशु ने उनसे प्रतिज्ञा की कि वे जगत के अन्त तक उनके साथ रहेगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: Mark

Mark

Chapter 1

1 परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह के सुसमाचार का आरम्भ। 2 जैसे यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा है:

“देख, मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ,
जो तेरे लिये मार्ग सुधारेगा। (मत्ती 11:10, मला. 3:1)
3 जंगल में एक पुकारनेवाले का शब्द हो रहा है कि
प्रभु का मार्ग तैयार करो, और उसकी
सड़कें सीधी करो।” (यशा. 40:3)

4 यूहन्ना आया, जो जंगल में बपतिस्मा देता, और पापों की क्षमा के लिये मन फिराव के बपतिस्मा का प्रचार करता था। 5 सारे यहूदिया के, और यरूशलेम के सब रहनेवाले निकलकर उसके पास गए, और अपने पापों को मानकर यरदन नदी* में उससे बपतिस्मा लिया। 6 यूहन्ना ऊँट के रोम का वस्त्र पहने और अपनी कमर में चमड़े का कमरबन्द बाँधे रहता था और टिड्डियाँ और वनमधु खाया करता था। (2 राजा. 1:8, मत्ती 3:4) 7 और यह प्रचार करता था, “मेरे बाद वह आनेवाला है, जो मुझसे शक्तिशाली है; मैं इस योग्य नहीं कि झुककर उसके जूतों का फीता खोलूँ। 8 मैंने तो तुम्हें पानी से बपतिस्मा दिया है पर वह तुम्हें पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा।”

9 उन दिनों में यीशु ने गलील के नासरत से आकर, यरदन में यूहन्ना से बपतिस्मा लिया। 10 और जब वह पानी से निकलकर ऊपर आया, तो तुरन्त उसने आकाश को खुलते और आत्मा को कबूतर के रूप में अपने ऊपर उतरते देखा। 11 और यह आकाशवाणी हुई, “तू मेरा प्रिय पुत्र है, तुझ से मैं प्रसन्न हूँ।”

12 तब आत्मा ने तुरन्त उसको जंगल की ओर भेजा। 13 और जंगल में चालीस दिन तक शैतान ने उसकी परीक्षा की; और वह वन-पशुओं के साथ रहा; और स्वर्गदूत उसकी सेवा करते रहे।

14 यूहन्ना के पकड़वाए जाने के बाद यीशु ने गलील में आकर परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार प्रचार किया। 15 और कहा, “समय पूरा हुआ है, और परमेश्वर का राज्य निकट आ गया है*; मन फिराओ और सुसमाचार पर विश्वास करो।”

16 गलील की झील* के किनारे-किनारे जाते हुए, उसने शमौन और उसके भाई अन्द्रियास को झील में जाल डालते देखा; क्योंकि वे मछुवारे थे। 17 और यीशु ने उनसे कहा, “मेरे पीछे चले आओ; मैं तुम को मनुष्यों के पकड़नेवाले बनाऊँगा।” 18 वे तुरन्त जालों को छोड़कर उसके पीछे हो लिए। 19 और कुछ आगे बढ़कर, उसने जब्दी के पुत्र याकूब, और उसके भाई यूहन्ना को, नाव पर जालों को सुधारते देखा। 20 उसने तुरन्त उन्हें बुलाया; और वे अपने पिता जब्दी को मजदूरों के साथ नाव पर छोड़कर, उसके पीछे हो लिए।

21 और वे कफरनहूम में आए, और वह तुरन्त सब्त के दिन आराधनालय में जाकर उपदेश करने लगा। 22 और लोग उसके उपदेश से चकित हुए; क्योंकि वह उन्हें शास्त्रियों की तरह नहीं, परन्तु अधिकार के साथ उपदेश देता था। 23 और उसी समय, उनके आराधनालय में एक मनुष्य था, जिसमें एक अशुद्ध आत्मा थी। 24 उसने चिल्लाकर कहा, “हे यीशु नासरी, हमें तुझ से क्या काम? क्या तू हमें नाश करने आया है? मैं तुझे जानता हूँ, तू कौन है? परमेश्वर का पवित्र जन!” 25 यीशु ने उसे डाँटकर कहा, “चुप रह; और उसमें से निकल जा।” 26 तब अशुद्ध आत्मा उसको मरोड़कर, और बड़े शब्द से चिल्लाकर उसमें से निकल गई। 27 इस पर सब लोग आश्चर्य करते हुए आपस में वाद-विवाद करने लगे “यह क्या बात है? यह तो कोई नया उपदेश है! वह अधिकार के साथ अशुद्ध आत्माओं को भी आज्ञा देता है, और वे उसकी आज्ञा मानती हैं।” 28 और उसका नाम तुरन्त गलील के आस-पास के सारे प्रदेश में फैल गया।

29 और वह तुरन्त आराधनालय में से निकलकर, याकूब और यूहन्ना के साथ शमौन और अन्द्रियास के घर आया। 30 और शमौन की सास तेज बुखार से पीड़ित थी, और उन्होंने तुरन्त उसके विषय में उससे कहा। 31 तब उसने पास जाकर उसका हाथ पकड़ के उसे उठाया; और उसका ज्वर उस पर से उतर गया, और वह उनकी सेवा-टहल करने लगी। 32 संध्या के समय जब सूर्य डूब गया तो लोग सब बीमारों को और उन्हें, जिनमें दुष्टात्माएँ थीं, उसके पास लाए। 33 और सारा नगर द्वार पर इकट्ठा हुआ। 34 और उसने बहुतों को जो नाना प्रकार की बीमारियों से दुःखी थे, चंगा किया; और बहुत से दुष्टात्माओं को निकाला; और दुष्टात्माओं को बोलने न दिया, क्योंकि वे उसे पहचानती थीं।

35 और भोर को दिन निकलने से बहुत पहले, वह उठकर निकला, और एक जंगली स्थान में गया और वहाँ प्रार्थना करने लगा। 36 तब शमौन और उसके साथी उसकी खोज में गए। 37 जब वह मिला, तो उससे कहा; “सब लोग तुझे ढूँढ़ रहे हैं।” 38 यीशु ने उनसे कहा, “आओ; हम और कहीं आस-पास की बस्तियों में जाएँ, कि मैं वहाँ भी प्रचार करूँ, क्योंकि मैं इसलिए निकला हूँ।” 39 और वह सारे गलील में उनके आराधनालयों में जा जाकर प्रचार करता और दुष्टात्माओं को निकालता रहा।

40 एक कोढ़ी ने उसके पास आकर, उससे विनती की, और उसके सामने घुटने टेककर, उससे कहा, “यदि तू चाहे तो मुझे शुद्ध कर सकता है।” 41 उसने उस पर तरस खाकर हाथ बढ़ाया, और उसे छूकर कहा, “मैं चाहता हूँ, तू शुद्ध हो जा।” 42 और तुरन्त उसका कोढ़ जाता रहा, और वह शुद्ध हो गया। 43 तब उसने

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उसे कड़ी चेतावनी देकर तुरन्त विदा किया, **44** और उससे कहा, “देख, किसी से कुछ मत कहना, परन्तु जाकर अपने आप को याजक को दिखा, और अपने शुद्ध होने के विषय में जो कुछ मूसा ने ठहराया है उसे भेंट चढ़ा, कि उन पर गवाही हो।” (लैव्य. 14:1-32) **45** परन्तु वह बाहर जाकर इस बात को बहुत प्रचार करने और यहाँ तक फैलाने लगा, कि यीशु फिर खुल्लमखुल्ला नगर में न जा सका, परन्तु बाहर जंगली स्थानों में रहा; और चारों ओर से लोग उसके पास आते रहे।

Mark 1:1

तेरे... तेरे
एकवचन

प्रभु का मार्ग
इन दोनों आज्ञाओं का अर्थ एक ही है: "तैयार करो" अर्थात किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से भेंट करने की तैयारी करो। यदि आपकी भाषा में ये दोनों उक्तियाँ एक ही हैं तो आप दूसरी उक्ति को छोड़ सकते हैं जैसा यू.डी.बी. में किया गया है।

Mark 1:4

यूहन्ना आया
सुनिश्चित करें कि यह वही यूहन्ना है जिसकी चर्चा में की गई है।

उसके... उससे
यूहन्ना

सारे यहूदिया प्रदेश... और यरूशलेम
यहूदिया और यरूशलेम से बहुत से लोग

Mark 1:7

यह प्रचार करता था
यूहन्ना प्रचार करता था।

मैं इस योग्य नहीं कि झुककर उसके जूतों का बन्ध खोलूं।
यूहन्ना कहता है कि वह एक दास का सबसे तुच्छ कार्य करने योग्य भी नहीं है।

झुककर
"झुककर"

वह तुम्हें पवित्र-आत्मा से बपतिस्मा देगा।
पवित्र-आत्मा का बपतिस्मा मनुष्य को पवित्र-आत्मा के संपर्क में लाता है जैसे जल का बपतिस्मा मनुष्यों को पानी के संपर्क में लाता है।

Mark 1:12

उसको जंगल की ओर जाने को विवश किया
यीशु को जाने के लिए विवश किया।

वह वन पशुओं के साथ रहा
वह जंगल में रहा

चालीस दिन
"40 दिन"

के साथ
"के मध्य"

Mark 1:14

यूहन्ना के पकड़वाए जाने के बाद
"यूहन्ना के बन्दीगृह में डाले जाने के बाद" वैकल्पिक अनुवाद, "जब उन्होंने यूहन्ना को बन्दी बना लिया।"

परमेश्वर के राज्य के सुसमाचार का प्रचार किया।
"परमेश्वर से आने वाले सुसमाचार का प्रचार किया"

समय पूरा हुआ है
"अब समय आ गया है"

Mark 1:16

शमौन और उसके भाई अन्द्रियास ... देखा
"यीशु ने शमौन और अन्द्रियास को देखा"

जाल डालते
"जाल फैलाते"

क्योंकि वे मछुवे थे
"क्योंकि वे मछली पकड़ने वाले थे"

मेरे पीछे आओ
"मेरा अनुसरण करो"

मैं तुमको मनुष्यों के मछुवे बनाऊँगा।
वह उन्हें सिखाएगा कि मनुष्यों को कैसे एकत्र करें जैसे वे मछलियों को एकत्र करते हैं।

वे तुरन्त जालों को छोड़कर उसके पीछे हो लिए।
"उन्होंने अपने मछली पकड़ने के व्यवसाय का त्याग कर यीशु का अनुसरण किया।"

Mark 1:19

उनकी नाव पर
"उनकी नाव में"

जालों को सुधारते
"जाल सुधार रहे थे"

किराए के मजदूर
"उनके लिए काम करने वाले"

उसके पीछे हो लिए
"याकूब और यूहन्ना यीशु के साथ चले गए"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 1:23

आराधनालय
यीशु और शिष्य आराधनालय में गए, यह वही स्थान है जहाँ उसने उपदेश देना आरंभ किया था।

क्या तू हमें नष्ट करने आया है?
वैकल्पिक अनुवाद, "हमें नष्ट नहीं करना"

Mark 1:29

निकलकर
यीशु, शमौन और अन्द्रियास के प्रस्थान के बाद

उसका ज्वर उतर गया
वैकल्पिक अनुवाद, "शमौन की सास को ज्वर से चंगाई प्राप्त हुई"

वह उनकी सेवा टहल करने लगी
वैकल्पिक अनुवाद, "उसने उन्हें भोजन पानी करवाया"

Mark 1:32

उसके...उसने...उसे
यीशु

सारा नगर द्वार पर इकट्ठा था
"उस नगर के बहुत से लोग द्वार पर एकत्र थे"

Mark 1:35

सुनसान जगह
"एक ऐसा स्थान जहाँ वह अकेला रह सकता था"

सब लोग तुम्हें ढूंढ रहे हैं।
वैकल्पिक अनुवाद, "लोग तेरी प्रतीक्षा में हैं"

Mark 1:38

उसने...वह
यीशु

हम और कहीं... जाएं
"हमें कहीं और जाना चाहिए"

सारे गलील में
"वह गलील में अनेक स्थानों में गया"

Mark 1:40

एक कोढ़ी उसके पास आया, उसने विनती की और उसके सामने घुटने टेककर उससे कहा।
"एक कोढ़ी यीशु के पास आया, वह कोढ़ी घुटने टेककर यीशु से विनती करने लगा, उस कोढ़ी ने यीशु से कहा।"

यदि तू चाहे
"यदि तू मुझे शुद्ध करना चाहे"

मुझे शुद्ध कर सकता है।
"मुझे निरोग कर सकता है" कोढ़ियों को अशुद्ध माना जाता था। उन्हें समाज से बहिष्कृत किया गया था परन्तु रोग मुक्त होने पर वह समाज में रह सकता था।

मैं चाहता हूँ
"मैं तुझे शुद्ध करने की इच्छा रखता हूँ"

Mark 1:43

उससे...वह
उस कोढ़ी से जो शुद्ध हुआ था

अपने को दिखा
"अपनी त्वचा दिखा"

Mark 1:45

वह जाकर... प्रचार करने लगा
"वह मनुष्य बाहर गया और प्रचार किया"

प्रचार करने...वचन फैलाने लगा
"लोगों को वचन बताने लगा"

(हर एक से)
वह जिससे भी भेंट करता था

यीशु फिर खुल्लम-खुल्ला नगर में न जा सका
"जनसमूह ने यीशु का नगर प्रवेश कठिन कर दिया"

चारों ओर से
"संपूर्ण क्षेत्र से" (देखें: यू.डी.बी.)

Translation Questions

Mark 1:2

यशायाह की भविष्यद्वाणी के अनुसार प्रभु के आगमन से पूर्व क्या होना था?
यशायाह ने भविष्यद्वाणी की थी कि परमेश्वर एक दूत को भेजेगा- जंगल में पुकारने वाले का शब्द कि प्रभु का मार्ग तैयार किया जाए।

Mark 1:4

यूहन्ना क्या प्रचार करता था?
यूहन्ना पापों की क्षमा के लिए मनफिराव के बपतिस्में का प्रचार करता था।

Mark 1:5

यूहन्ना से बपतिस्मा पाते समय मनुष्य क्या करते थे?
यूहन्ना से बपतिस्मा पाते समय मनुष्य अपने पापों का अंगीकार करते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 1:6

यूहन्ना क्या खाता था?
यूहन्ना टिड्डियाँ और वन मधु खाता था।

Mark 1:8

यूहन्ना ने उसके बाद आने वाले के बपतिस्मे के बारे में क्या कहा था?
यूहन्ना कहता था कि उसके बाद आने वाला पवित्र-आत्मा का बपतिस्मा देगा।

Mark 1:10

यूहन्ना से बपतिस्मा लेकर जब यीशु पानी से बाहर आया तो उसने क्या देखा?
यूहन्ना से बपतिस्मा पाने के बाद यीशु ने आकाश को खुलते और आत्मा को कबूतर के रूप में उस पर उतरते देखा।

Mark 1:11

यीशु के बपतिस्मे के बाद आकाशवाणी में क्या कहा गया था?
तब आकाशवाणी हुई "तू मेरा प्रिय पुत्र है, तुझसे मैं प्रसन्न हूँ।"

Mark 1:12

यीशु को जंगल में कौन ले गया था?
आत्मा यीशु को जंगल में ले गया।

Mark 1:13

यीशु कितने दिन जंगल में रहा और वहाँ क्या हुआ?
यीशु चालीस दिन जंगल में रहा और शैतान ने उसकी परीक्षा ली।

Mark 1:15

यीशु क्या प्रचार करता था?
यीशु प्रचार करता था कि परमेश्वर का राज्य निकट आ गया है, मनुष्यों को मन फिराकर सुसमाचार ग्रहण करना है।

Mark 1:16

शमौन, अन्द्रियास, याकूब और यूहन्ना का व्यवसाय क्या था?
शमौन, अन्द्रियास, याकूब और यूहन्ना सब मछुवे थे।

Mark 1:17

यीशु ने क्या कहा कि वह शमौन और अन्द्रियास को बनाएगा?
यीशु ने कहा कि वह शमौन और अन्द्रियास को मनुष्यों का मछुवा बनाएगा।

Mark 1:22

आराधनालयों में यीशु की शिक्षा सुनकर लोग आश्चर्य क्यों करते थे?
यीशु की शिक्षा पर लोग आश्चर्य करते थे क्योंकि वह अधिकार के साथ शिक्षा देता था।

Mark 1:24

आराधनालय में अशुद्ध आत्मा ने यीशु को क्या पद दिया था?
आराधनालय में अशुद्ध आत्मा ने यीशु को परमेश्वर का पवित्र जन कहा था।

Mark 1:28

यीशु के बारे में समाचार कहाँ पहुँचा?
यीशु के बारे में समाचार सब स्थानों में कैसे फैल गया।

Mark 1:30

शमौन के घर में यीशु ने किसको चंगा किया था?
शमौन के घर में यीशु ने उसकी सास को चंगा किया।

Mark 1:32

संध्या समय वहाँ क्या हुआ?
संध्या समय लोग सब रोगियों और दुष्टात्माग्रस्त मनुष्यों को लाए और यीशु ने उन्हें चंगा किया।

Mark 1:35

सूर्योदय से पूर्व यीशु ने क्या किया था?
सूर्योदय से पूर्व यीशु एकान्तवास में प्रार्थना करने चला गया था।

Mark 1:38

यीशु ने शमौन से कहा कि वह क्या करने आया है?
यीशु ने कहा कि वह आसपास की बस्तियों में प्रचार करने आया है।

Mark 1:40

एक कोढ़ी ने यीशु से विनती की कि वह उसे चंगा करे तो उसके प्रति यीशु का स्वभाव कैसा था?
यीशु को उस कोढ़ी पर तरस आया और उसने उसे चंगा किया।

Mark 1:44

यीशु ने उस कोढ़ी से क्या करने को कहा और क्यों कहा?
यीशु ने उस कोढ़ी से कहा कि वह जाकर गवाही स्वरूप मूसा की आज्ञा के अनुसार चढ़ावा चढ़ाए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 कई दिन के बाद वह फिर कफरनहूम में आया और सुना गया, कि वह घर में है। **2** फिर इतने लोग इकट्ठे हुए, कि द्वार के पास भी जगह नहीं मिली; और वह उन्हें वचन सुना रहा था। **3** और लोग एक लकवे के मारे हुए को चार मनुष्यों से उठवाकर उसके पास ले आए। **4** परन्तु जब वे भीड़ के कारण उसके निकट न पहुँच सके, तो उन्होंने उस छत को जिसके नीचे वह था, खोल दिया और जब उसे उधेड़ चुके, तो उस खाट को जिस पर लकवे का मारा हुआ पड़ा था, लटका दिया। **5** यीशु ने, उनका विश्वास देखकर, उस लकवे के मारे हुए से कहा, “हे पुत्र, तेरे पाप क्षमा हुए।” **6** तब कई एक शास्त्री जो वहाँ बैठे थे, अपने-अपने मन में विचार करने लगे, **7** “यह मनुष्य क्यों ऐसा कहता है? यह तो परमेश्वर की निन्दा करता है! परमेश्वर को छोड़ और कौन पाप क्षमा कर सकता है?” (यशा. 43:25) **8** यीशु ने तुरन्त अपनी आत्मा में जान लिया, कि वे अपने-अपने मन में ऐसा विचार कर रहे हैं, और उनसे कहा, “तुम अपने-अपने मन में यह विचार क्यों कर रहे हो? **9** सहज क्या है? क्या लकवे के मारे से यह कहना कि तेरे पाप क्षमा हुए, या यह कहना, कि उठ अपनी खाट उठाकर चल फिर? **10** परन्तु जिससे तुम जान लो कि मनुष्य के पुत्र को पृथ्वी पर पाप क्षमा करने का भी अधिकार है।” उसने उस लकवे के मारे हुए से कहा, **11** “मैं तुझ से कहता हूँ, उठ, अपनी खाट उठाकर अपने घर चला जा।” **12** वह उठा, और तुरन्त खाट उठाकर सब के सामने से निकलकर चला गया; इस पर सब चकित हुए, और परमेश्वर की बड़ाई करके कहने लगे, “हमने ऐसा कभी नहीं देखा।”

13 वह फिर निकलकर झील के किनारे गया, और सारी भीड़ उसके पास आई, और वह उन्हें उपदेश देने लगा। **14** जाते हुए यीशु ने हलफई‌स के पुत्र लेवी को चुंगी की चौकी पर बैठे देखा, और उससे कहा, “मेरे पीछे हो ले।” और वह उठकर, उसके पीछे हो लिया।

15 और वह उसके घर में भोजन करने बैठा; और बहुत से चुंगी लेनेवाले और पापी भी उसके और चेलों के साथ भोजन करने बैठे, क्योंकि वे बहुत से थे, और उसके पीछे हो लिये थे। **16** और शास्त्रियों और फरीसियों ने यह देखकर, कि वह तो पापियों और चुंगी लेनेवालों के साथ भोजन कर रहा है, उसके चेलों से कहा, “वह तो चुंगी लेनेवालों और पापियों के साथ खाता पीता है!” **17** यीशु ने यह सुनकर, उनसे कहा, “भले चंगों को वैद्य की आवश्यकता नहीं, परन्तु बीमारों को है: मैं धर्मियों को नहीं, परन्तु पापियों को बुलाने आया हूँ*।”

18 यूहन्ना के चेले, और फरीसी उपवास करते थे; अतः उन्होंने आकर उससे यह कहा; “यूहन्ना के चेले और फरीसियों के चेले क्यों उपवास रखते हैं, परन्तु तेरे चेले उपवास नहीं रखते?” **19** यीशु ने उनसे कहा, “जब तक दुल्हा बारातियों के साथ रहता है क्या वे उपवास कर सकते हैं? अतः जब तक दूल्हा उनके साथ है, तब तक वे उपवास नहीं कर सकते। **20** परन्तु वे दिन आएँगे, कि दूल्हा उनसे अलग किया जाएगा; उस समय वे उपवास करेंगे। **21** नये कपड़े का पैबन्द पुराने वस्त्र पर कोई नहीं लगाता; नहीं तो वह पैबन्द उसमें से कुछ खींच लेगा, अर्थात् नया, पुराने से, और वह और फट जाएगा। **22** नये दाखरस को पुरानी मशकों में कोई नहीं रखता, नहीं तो दाखरस मशकों को फाड़ देगा, और दाखरस और मशकें दोनों नष्ट हो जाएँगी; परन्तु दाख का नया रस नई मशकों में भरा जाता है।”

23 और ऐसा हुआ कि वह सब्त के दिन खेतों में से होकर जा रहा था; और उसके चेले चलते हुए बालें तोड़ने लगे। (व्य. 23:25) **24** तब फरीसियों ने उससे कहा, “देख, ये सब्त के दिन वह काम क्यों करते हैं जो उचित नहीं?” **25** उसने उनसे कहा, “क्या तुम ने कभी नहीं पढ़ा, कि जब दाऊद को आवश्यकता हुई और जब वह और उसके साथी भूखे हुए, तब उसने क्या किया था? **26** उसने क्यों अबियातार महायाजक के समय, परमेश्वर के भवन में जाकर, भेंट की रोटियाँ खाई, जिसका खाना याजकों को छोड़ और किसी को भी उचित नहीं, और अपने साथियों को भी दीं?” **27** और उसने उनसे कहा, “सब्त का दिन मनुष्य के लिये बनाया गया है, न कि मनुष्य सब्त के दिन के लिये*। **28** इसलिए मनुष्य का पुत्र सब्त के दिन का भी स्वामी है।”

Mark 2:1

सुना गया कि वह घर में है
वहाँ लोगों ने सुना कि वह उस घर में है

जगह नहीं थी
"किसी के लिए भी स्थान नहीं था"

Mark 2:3

लकवे के रोगी को... उसके पास ले आए
"एक मनुष्य को लाए जो चलने में असमर्थ और उसके हाथ-पाव काम नहीं करते थे"

चार मनुष्यों
"4 मनुष्य"

उसके निकट न पहुंच सके
"यीशु जहाँ था वहाँ नहीं पहुंच सके"

Mark 2:5

उनका विश्वास देखकर
"यह देखकर कि उनमें विश्वास है" इसके अर्थ हो सकते हैं; (1) उस लकवे के रोगी को लाने वालों का विश्वास या (2) लकवे के रोगी और उसे लाने वालों का विश्वास।

लकवे के रोगी
"उस मनुष्य से जो चल नहीं सकता था"

हे पुत्र
यीशु एक पिता के समान सुधि लेते हुए जैसे एक पिता अपने बेटे की सुधि लेता है।

तेरे पाप क्षमा हुए
इसका अर्थ है, (1) परमेश्वर ने तेरे पाप क्षमा किए (देखें: 2:7) या (2) "मैंने तेरे पाप क्षमा किए"

मन में विचार करने लगे
"सोचने लगे"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

यह मनुष्य क्यों ऐसा कहता है?
"इस व्यक्ति को ऐसा नहीं कहना चाहिए"

परमेश्वर को छोड़ और कौन पाप क्षमा कर सकता है?
"केवल परमेश्वर पाप क्षमा कर सकता है"

Mark 2:8

वे अपने-अपने मन में ऐसा विचार कर रहे थे
शास्त्री एक-दूसरे से बातें नहीं कर रहे थे परन्तु अपने मनों में सोच रहे थे।

तुम अपने-अपने मन में यह विचार क्यों कर रहे हो?
यीशु शास्त्रियों को झिड़क रहा है क्योंकि उन्होंने उसके अधिकार पर सन्देह किया। वैकल्पिक अनुवाद, "तुम शास्त्रियों ने मेरे अधिकार पर प्रश्न उठाया।"

सहज क्या है?
यीशु ने यह प्रश्न इसलिए पूछा कि शास्त्रियों को स्मरण कराए कि उन्हें उस मनुष्य के लकवाग्रस्त होने का विश्वास था कि वह पाप का परिणाम है और यदि उसके पाप क्षमा हो जाएं तो चलने योग्य हो जाएगा अत: जब उसने उस लकवाग्रस्त मनुष्य को चंगा किया तो शास्त्रियों को समझ में आ जाए कि उसे पाप क्षमा करने का अधिकार है।

सहज क्या है?... यह कहना कि तेरे पाप क्षमा हुए "या यह कहना कि उठ अपनी खाट उठाकर चल फिर"?
"क्या यह कहना आसान है... 'तेरे पाप क्षमा हुए'? या यह कहना आसान है, 'उठ... चल फिर'?"

Mark 2:10

जिससे तुम जान लो
"मैं तुम पर सिद्ध करूंगा"

तुम
शास्त्री और जनसमूह

उसने लकवे के रोगी से कहा
"उसने उस मनुष्य से जो चलने योग्य न था, उससे कहा"

सबके सामने
"वहाँ उपस्थित जनसमूह की आँखों के सामने"

Mark 2:13

सारी भीड़ उसके पास आई
"लोग वहाँ आ गए जहाँ वह था"

Mark 2:15

लेवी के घर
"लेवी के घर"

बहुत से चुंगी लेने वाले और पापी यीशु और उसके चेलों के साथ भोजन करने बैठे क्योंकि वे बहुत से थे।
"अनेक चुंगी लेने वाले और पापी जन जो यीशु के पीछे आए थे, उसके और उसके शिष्यों के साथ भोजन करने बैठे थे।"

वह तो चुंगी लेने वालों और पापियों के साथ खाता-पीता है।
शास्त्री और फरीसी प्रकट कर रहे थे कि वे यीशु के इस कार्य को स्वीकार नहीं करते हैं।(देखें: वैकल्पिक अनुवाद, "उसे पापियों और चुंगी लेने वालों के साथ खाना-पीना नहीं चाहिए।"

Mark 2:17

उसने उनसे कहा
"उसने फरीसियों से कहा"

"भले चंगों को वैध की आवश्यकता नहीं; परन्तु बीमारों को है
यीशु एक रूपक काम में ले रहा है जिसकी व्याख्या वह अगले अध्याय में करेगा। यीशु उन लोगों के लिए आया है जो स्वीकार करते हैं कि वे पापी हैं, उनके लिए नहीं जो अपने आपको धर्मी मानते हैं।

मैं धर्मियों को नहीं परन्तु पापियों को बुलाने आया हूँ।
"मैं उन लोगों के लिए आया हूँ जो अपने को पापी मानते हैं, उनके लिए नहीं जो अपने को धर्मी मानते हैं।"

Mark 2:18

जब तक दूल्हा बरातियों के साथ रहता है, क्या वे उपवास कर सकते हैं?
यीशु अपने प्रश्न द्वारा कटाक्ष कर रहा है। "जब कोई पुरुष किसी स्त्री से ब्याह करता है तब उसके मित्र निश्चय ही भोजन का त्याग नहीं करेंगे, जब वह उनके साथ है।" (यू.डी.बी.)

Mark 2:20

जब दूल्हा उनसे अलग किया जाएगा।
यीशु अपनी मृत्यु, पुनरुत्थान और स्वर्गारोहण के संदर्भ में पूछ रहा है, परन्तु न तो उसके हत्यारे न ही उसे पुनर्जीवित करने वाला परमेश्वर जो उसे स्वर्ग ले जाएगा। दूल्हे को अलग करने वाले नहीं हैं। यदि आपकी भाषा में नायक को स्पष्ट करने की आवश्यकता है वो यथासंभव साधारण भाषा का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद, "वे दूल्हे को अलग कर देंगे" या "मनुष्य दूल्हे को ले जाएंगे" या "दूल्हा चला जाएगा।" (देखें: और)

उस समय वे
बराती

कोरे कपड़े का पैबन्द पुराने वस्त्र पर कोई नहीं लगाता है।
पुराने वस्त्र पर नए कपड़े का पैबन्द लगाने से वस्त्र और अधिक फट जाता है, यदि पैबन्द का कपड़ा पहले से सिकोड़ा हुआ न हो। पैबन्द और वस्त्र दोनों नष्ट हो जाएंगे।

Mark 2:22

नये दाखरस को पुरानी मशकों में कोई नहीं रखता है।
यह एक रूपक या दृष्टान्त है जो उनके प्रश्न का उत्तर देता है, "यूहन्ना के चेले और फरीसियों के चेले क्यों उपवास रखते हैं, परन्तु तेरे चेले उपवास नहीं रखते?" (; देखें:)

नये दाखरस को
"अंगूर के रस को" अर्थात जिस दाखरस का नहीं हुआ है यदि आपके यहाँ अंगूर हैं तो वही शब्द काम में लें।

पुरानी मशकों में
अर्थात जिन मशकों को पहले काम में लिया जा चुका है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मशकें
पशुओं के चमड़े से बनाए गए थैले। इन्हें दाखरस के थैले या "चमड़े के थैले" (यू.डी.बी.) भी कहा जा सकता है।

मशके... नष्ट हो जाएंगी।
जब नया दाखरस के कारण फैलता है तब वे फट जाएंगी। क्योंकि उनकी फैलने की क्षमता समाप्त हो चुकी है।

नष्ट हो जाएंगे
"व्यर्थ चले जाएंगे"(यू.डी.बी.)

नई मशकों में
"नए दाखरस के थैलों में" जिन मशकों को कभी काम में नहीं लिया गया है।

Mark 2:23

देखा, ये सब्त के दिन वह काम क्यों करते हैं जो उचित नहीं?
"देख वे सब्त के यहूदी कानून का उल्लंघन कर रहे हैं।"

बालें तोड़ने और खाने लगे जो सब्त के दिन उचित नहीं
किसी के खेत से गेहूं तोड़कर खाना चोरी नहीं मानी जाती थी (देखें यू.डी.बी.) परन्तु प्रश्न इस बात का था कि क्या सब्त के दिन ऐसा विधि-सम्मत काम किया जा सकता है।

ये
गेहूं की बालें

गेहूं की बालें
गेहूं के पौधे का सबसे ऊपर का भाग जिसमें उस पौधे के पके हुए बीज होते हैं।

देख
वैकल्पिक अनुवाद, "ध्यान दो कि मैं क्या कहने जा रहा हूँ"

Mark 2:25

x
यीशु शास्त्रियों और फरीसियों को सब्त के दिन के बारे में शिक्षा दे रहा है।

क्या तुमने यह कभी नहीं पढ़ा कि जब दाऊद और उसके साथी? उसने कैसे परमेश्वर के भवन में जाकर रोटियां खाई
यीशु जानता था कि शास्त्रियों और फरीसियों ने यह वृत्तान्त पढ़ा है। वह उन्हें दोष दे रहा है कि वे जानबूझकर इसे गलत समझ रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद "तुम्हें स्मरण है कि दाऊद...उसके साथी...जाकर" या "यदि तुम समझ गए कि दाऊद... उसके साथी- और वह कैसे मन्दिर में गया"

अबियातार
यहूदियों के इतिहास में दाऊद के युग में एक महायाजक था।

"उसने कैसे... परमेश्वर के भवन में जाकर
"दाऊद परमेश्वर के भवन में गया" (यू.डी.बी.)

Mark 2:27

x
यीशु शास्त्रियों और फरीसियों को सब्त के दिन के बारे में शिक्षा दे रहा था।

Translation Questions

Mark 2:1

उस लकवे के रोगी को लाने वाले चारों पुरुषों ने क्या किया?
लोगों ने छत हटाकर लकवे के रोगी को यीशु के पास नीचे उतारा।

Mark 2:5

यीशु ने उस लकवे के रोगी से क्या कहा था?
यीशु ने उससे कहा, "पुत्र तेरे पाप क्षमा हुए।"

Mark 2:6

शास्त्रियों ने यीशु पर आपत्ति क्यों उठाई थी?
शास्त्रियों में से कुछ सोचने लगे कि पाप क्षमा तो केवल परमेश्वर करता है, अतः यीशु परमेश्वर की निन्दा करता है।

Mark 2:8

यीशु ने पृथ्वी पर पाप क्षमा के अपने अधिकार का प्रदर्शन कैसे किया था?
यीशु ने लकवे के रोगी से कहा कि वह अपनी खाट उठाकर घर चला जाए, और उसने ऐसा ही किया।

Mark 2:13

जब यीशु ने लेवी को उसके पीछे आने को कहा तब वह क्या कर रहा था?
यीशु ने लेवी को चुंगी की चौकी पर बैठे देखा तो उसे बुलाया।

Mark 2:15

यीशु लेवी के घर में क्या कर रहा था जिससे फरीसियों को बुरा लगा?
यीशु पापियों और चुंगी लेने वालों के साथ भोजन कर रहा था।

Mark 2:17

यीशु ने कहा कि वह किसको बुलाने आया है?
यीशु ने कहा कि वह पापियों को बुलाने आया है।

Mark 2:18

कुछ लोगों ने उपवास के विषय यीशु से क्या पूछा?
उन्होंने यीशु से कहा कि यूहन्ना के चेले और फरीसियों के चेले उपवास रखते हैं परन्तु उसके चेले उपवास नहीं रखते, क्यों?

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 2:19

यीशु ने उपवास के विषय पूछे गए प्रश्न का क्या उत्तर दिया था?
यीशु ने कहा कि जब दूल्हा बारातियों के साथ होता है तब वे उपवास नहीं करते, जब दूल्हा चला जाएगा तब वे उपवास करेंगे।

Mark 2:23

यीशु के चेलों ने गेहूं के खेत में क्या किया जिस पर फरीसियों ने उंगली उठाई?
यीशु के चेलों ने सब्त के दिन गेहूं की बालें तोड़कर खाईं।

Mark 2:25

यीशु ने वर्जित रोटियों को खाने का क्या उदाहरण दिया था?
यीशु ने दाऊद का उदाहरण दिया कि उसने भेंट की रोटियां खाई थीं जबकि उन रोटियों को केवल याजक ही खा सकता था।

Mark 2:27

यीशु ने सब्त किसके लिए बताया था?
यीशु ने कहा कि सब्त मनुष्यों के लिए बनाया गया है।

Mark 2:28

यीशु ने किस अधिकार का दावा किया था?
यीशु ने कहा कि वह सब्त का प्रभु है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 और वह फिर आराधनालय में गया; और वहाँ एक मनुष्य था, जिसका हाथ सूख गया था। **2** और वे उस पर दोष लगाने के लिये उसकी घात में लगे हुए थे, कि देखें, वह सब्त के दिन में उसे चंगा करता है कि नहीं। **3** उसने सूखे हाथवाले मनुष्य से कहा, “बीच में खड़ा हो।” **4** और उनसे कहा, “क्या सब्त के दिन भला करना उचित है या बुरा करना, प्राण को बचाना या मारना?” पर वे चुप रहे। **5** और उसने उनके मन की कठोरता से उदास होकर, उनको क्रोध से चारों ओर देखा, और उस मनुष्य से कहा, “अपना हाथ बढ़ा।” उसने बढ़ाया, और उसका हाथ अच्छा हो गया। **6** तब फरीसी बाहर जाकर तुरन्त हेरोदियों के साथ उसके विरोध में सम्मति करने लगे, कि उसे किस प्रकार नाश करें।

7 और यीशु अपने चेलों के साथ झील की ओर चला गया: और गलील से एक बड़ी भीड़ उसके पीछे हो ली। **8** और यहूदिया, और यरूशलेम और इदूमिया से, और यरदन के पार, और सूर और सैदा के आस-पास से एक बड़ी भीड़ यह सुनकर, कि वह कैसे अचम्भे के काम करता है, उसके पास आई। **9** और उसने अपने चेलों से कहा, “भीड़ के कारण एक छोटी नाव मेरे लिये तैयार रहे ताकि वे मुझे दबा न सकें।” **10** क्योंकि उसने बहुतों को चंगा किया था; इसलिए जितने लोग रोग से ग्रसित थे, उसे छूने के लिये उस पर गिरे पड़ते थे। **11** और अशुद्ध आत्माएँ भी, जब उसे देखती थीं, तो उसके आगे गिर पड़ती थीं, और चिल्लाकर कहती थीं कि तू परमेश्वर का पुत्र है। **12** और उसने उन्हें कड़ी चेतावनी दी कि, मुझे प्रगट न करना।

13 फिर वह पहाड़ पर चढ़ गया, और जिन्हें वह चाहता था उन्हें अपने पास बुलाया; और वे उसके पास चले आए। **14** तब उसने बारह को नियुक्त किया, कि वे उसके साथ-साथ रहें, और वह उन्हें भेजे, कि प्रचार करें। **15** और दुष्टात्माओं को निकालने का अधिकार रखें। **16** और वे ये हैं शमौन जिसका नाम उसने पतरस रखा। **17** और जब्दी का पुत्र याकूब, और याकूब का भाई यूहन्ना, जिनका नाम उसने बुअनरगिस*, अर्थात् गर्जन के पुत्र रखा। **18** और अन्द्रियास, और फिलिप्पुस, और बरतुल्मै, और मत्ती, और थोमा, और हलफई का पुत्र याकूब; और तद्दै, और शमौन कनानी। **19** और यहूदा इस्करियोती, जिस ने उसे पकड़वा भी दिया।

20 और वह घर में आया और ऐसी भीड़ इकट्ठी हो गई, कि वे रोटी भी न खा सके। **21** जब उसके कुटुम्बियों ने यह सुना, तो उसे पकड़ने के लिये निकले; क्योंकि कहते थे, कि उसका सुध-बुध ठिकाने पर नहीं है। **22** और शास्त्री जो यरूशलेम से आए थे, यह कहते थे, “उसमें शैतान है,” और यह भी, “वह दुष्टात्माओं के सरदार की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता है।” **23** और वह उन्हें पास बुलाकर, उनसे दृष्टान्तों* में कहने लगा, “शैतान कैसे शैतान को निकाल सकता है? **24** और यदि किसी राज्य में फूट पड़े, तो वह राज्य कैसे स्थिर रह सकता है? **25** और यदि किसी घर में फूट पड़े, तो वह घर क्या स्थिर रह सकेगा? **26** और यदि शैतान अपना ही विरोधी होकर अपने में फूट डाले, तो वह क्या बना रह सकता है? उसका तो अन्त ही हो जाता है।

27 “किन्तु कोई मनुष्य किसी बलवन्त के घर में घुसकर उसका माल लूट नहीं सकता, जब तक कि वह पहले उस बलवन्त को न बाँध ले; और तब उसके घर को लूट लेगा।

28 “मैं तुम से सच कहता हूँ, कि मनुष्यों की सन्तान के सब पाप और निन्दा जो वे करते हैं, क्षमा की जाएगी। **29** परन्तु जो कोई पवित्र आत्मा के विरुद्ध निन्दा करे, वह कभी भी क्षमा न किया जाएगा: वरन् वह अनन्त पाप का अपराधी ठहरता है।” **30** क्योंकि वे यह कहते थे, कि उसमें अशुद्ध आत्मा है।

31 और उसकी माता और उसके भाई आए, और बाहर खड़े होकर उसे बुलवा भेजा। **32** और भीड़ उसके आस-पास बैठी थी, और उन्होंने उससे कहा, “देख, तेरी माता और तेरे भाई बाहर तुझे ढूँढ़ते हैं।” **33** यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, “मेरी माता और मेरे भाई कौन हैं?” **34** और उन पर जो उसके आस-पास बैठे थे, दृष्टि करके कहा, “देखो, मेरी माता और मेरे भाई यह हैं। **35** क्योंकि जो कोई परमेश्वर की इच्छा पर चले*, वही मेरा भाई, और बहन और माता है।”

Mark 3:1

वह फिर आराधनालय में गया।
"यीशु ने आराधनालय में प्रवेश किया।"

एक मनुष्य था जिसका हाथ सूख गया था
"हाथों से विकलांग एक मनुष्य"

वे... उसकी घात में लगे थे कि देखें, वह सब्त के दिन उसे चंगा करता है कि नहीं।
"फरीसी यीशु की प्रतीज्ञा में थे कि वह हाथों से विकलांग उस मनुष्य को चंगा करे"

Mark 3:3

अबके बीच में खड़ा हो
"भीड़ के बीच में खड़ा हो"

क्या... उचित है?
क्योंकि लेखक लिखता है कि वे चुप रहे, इसका अर्थ है कि यीशु उन्हें चुनौती देकर उत्तर की प्रतीक्षा में था। वैकल्पिक अनुवाद, "तुम्हें जानना है कि सब्त के दिन भलाई करना व्यवस्था-सम्मत है, जीवन बचाना, हत्या न करना।"

उचित है
मूसा की व्यवस्था के अनुसार उचित

Mark 3:5

"अपना हाथ बढ़ा"
"अपने हाथ आगे कर"

उसका हाथ अच्छा हो गया
"यीशु ने उसके हाथ को स्वस्थ कर दिया" या "यीशु ने उसका हाथ वैसा ही कर दिया जैसा पहले था"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हेरोदियों के साथ उसके विरोध में सम्मति करने लगे।
वैकल्पिक अनुवाद, "हेरोदियों के साथ सभा की" या "हेरोदियों से भेंट करके षड्यन्त्र रचा"

Mark 3:7

यह सुनकर
"यीशु द्वारा किए गए आश्चर्यकर्मों की चर्चा सुनकर।"

वे उनके पास आए
"जनसमूह वहाँ पहुंचा जहाँ यीशु था"

Mark 3:9

उस ने अपने चेलों से कहा, भीड़ के कारण एक छोटी नाव मेरे लिये तैयार रहे
यीशु ने शिष्यों से कहा, "मेरे लिए नाव तैयार करो"

भीड़ के कारण
"भीड़ उसका स्पर्श करने के लिए आगे आ रही थी।"

जितने लोग रोग-ग्रस्त थे...उस पर गिरे पड़ते थे।
"सब रोगी उसके स्पर्श हेतु धक्का दे रहे थे।"

Mark 3:11

दुष्टात्माएं भी
"दुष्टात्माग्रस्त मनुष्य भी"

Mark 3:13

कि वे उसके साथ-साथ रहें और वह उन्हें भेजे कि प्रचार करें
"कि वे उसके साथ रहेंगे और वह उन्हें प्रचार के लिए भेजेगा" या, "उसके साथ रहने और उसके द्वारा प्रचार के लिए भेजे जाने के लिए" (यू.डी.बी.)

Mark 3:20

"ऐसी भीड़ इकट्ठी हो गई कि वे रोटी भी न खा सके"
"भीड़ इतनी अधिक हो गई थी कि उन्हें भोजन करने का समय भी नहीं मिला" या "जहाँ वह रह रहा था वहाँ बहुत भीड़ एकत्र हो गई। लोगों ने उसे घेर लिया था। उसे और उसके चेलों को खाना खाने का समय भी नहीं मिला।" (यू.डी.बी.)

वे उसे पकड़ने के लिए निकले
"उसके परिजन उस स्थान पर गए जहाँ वह था कि उसे पकड़ कर घर ले आएं।"

Mark 3:23

शैतान कैसे शैतान को निकाल सकता है
"शैतान अपने आपको कैसे निकाल सकता है" या "शैतान अपनी ही दुष्टात्मा के विरुद्ध काम नहीं करेगा।"

Mark 3:31

उन्होंने उसे बुलवा भेजा
"यीशु की माता और छोटे भाइयों ने किसी को भीतर भेजा कि उससे कहें कि वे बाहर है और उसे उनके पास बाहर ले आएं।"

Translation Questions

Mark 3:1

वे सब्त के दिन यीशु पर दृष्टि क्यों रखे हुए थे?
वे प्रतीक्षा में थे कि यीशु सब्त के दिन चंगा करने का काम करे और वे उसे दोषी ठहराएं।

Mark 3:4

यीशु ने उनसे सब्त के विषय क्या प्रश्न किया था?
?

श्रोताओं ने यीशु के प्रश्न पर क्या प्रतिक्रिया दिखाई और फिर यीशु का स्वभाव उनके प्रति कैसा था?
वे चुप रहे तो यीशु को क्रोध आ गया।

Mark 3:6

उस मनुष्य को यीशु ने चंगा किया तो फरीसियों ने क्या योजना बनाई?
फरीसियों ने बाहर जाकर यीशु की हत्या का षड्यंत्र रचा।

Mark 3:7

जब यीशु झील की ओर जा रहा था तो उसके पीछे कितने लोग थे?
यीशु के पीछे चलने वाला एक विशाल जनसमूह था।

Mark 3:11

यीशु को देखकर दुष्टात्माओं ने चिल्लाकर क्या कहा?
दुष्टात्माओं ने चिल्लाकर कहा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है।

Mark 3:14

यीशु ने कितने चेले नियुक्त किए और उन्हें क्या करना था?
यीशु ने बारह चलों को नियुक्त किया कि उसके साथ रहें, प्रचार करें और दुष्टात्माओं को निकालने का अधिकार उन्हें दिया।

Mark 3:19

यीशु के साथ विश्वासघात करने वाला चेला कौन था?
यीशु के साथ विश्वासघात करने वाला चेला यहूदा था।

Mark 3:21

यीशु के परिवार ने जनसमूह और यीशु के पास की घटनाओं के बारे में क्या सोचा था?
यीशु के परिवार ने सोचा कि वह मानसिक सन्तुलन खो बैठा है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 3:22

शास्त्रियों ने यीशु पर क्या दोष लगाया?
शास्त्रियों ने यीशु पर दोष लगाया कि वह दुष्टात्माओं के सरदार की सहायता से दुष्टात्माएं निकालता है।

Mark 3:23

शास्त्रियों के दोषारोपण पर यीशु की प्रतिक्रिया क्या थी?
यीशु ने उनसे कहा कि विभाजित राज्य स्थिर नहीं रह सकता है।

Mark 3:28

यीशु ने किस पाप को क्षमा न करना कहा है?
यीशु ने कहा कि पवित्र-आत्मा की निन्दा ना क्षमा किया जानेवाला है।

Mark 3:33

यीशु ने किसको अपनी माता और अपने भाई कहा था?
यीशु ने कहा कि उसकी माता और उसके भाई वे हैं जो परमेश्वर की इच्छा पर चलते हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 यीशु फिर झील के किनारे उपदेश देने लगा: और ऐसी बड़ी भीड़ उसके पास इकट्ठी हो गई, कि वह झील में एक नाव पर चढ़कर बैठ गया, और सारी भीड़ भूमि पर झील के किनारे खड़ी रही। **2** और वह उन्हें दृष्टान्तों में बहुत सारी बातें सिखाने लगा, और अपने उपदेश में उनसे कहा, **3** “सुनो! देखो, एक बोनेवाला, बीज बोने के लिये निकला। **4** और बोते समय कुछ तो मार्ग के किनारे गिरा और पक्षियों ने आकर उसे चुग लिया। **5** और कुछ पत्थरीली भूमि पर गिरा जहाँ उसको बहुत मिट्टी न मिली, और नरम मिट्टी मिलने के कारण जल्द उग आया। **6** और जब सूर्य निकला, तो जल गया, और जड़ न पकड़ने के कारण सूख गया। **7** और कुछ तो झाड़ियों में गिरा, और झाड़ियों ने बढ़कर उसे दबा दिया, और वह फल न लाया। **8** परन्तु कुछ अच्छी भूमि पर गिरा; और वह उगा, और बढ़कर फलवन्त हुआ; और कोई तीस गुणा, कोई साठ गुणा और कोई सौ गुणा फल लाया।” **9** और उसने कहा, “जिसके पास सुनने के लिये कान हों वह सुन ले।”

10 जब वह अकेला रह गया, तो उसके साथियों ने उन बारह समेत उससे इन दृष्टान्तों के विषय में पूछा। **11** उसने उनसे कहा, “तुम को तो परमेश्वर के राज्य के भेद की समझ दी गई है, परन्तु बाहरवालों के लिये सब बातें दृष्टान्तों में होती हैं। **12** इसलिए कि

> “वे देखते हुए देखें और उन्हें दिखाई न पड़े
> और सुनते हुए सुनें भी और न समझें;
> ऐसा न हो कि वे फिरें, और क्षमा किए जाएँ।” (यशा. 6:9-10, यिर्म. 5:21)

13 फिर उसने उनसे कहा, “क्या तुम यह दृष्टान्त नहीं समझते? तो फिर और सब दृष्टान्तों को कैसे समझोगे? **14** बोनेवाला वचन* बोता है। **15** जो मार्ग के किनारे के हैं जहाँ वचन बोया जाता है, ये वे हैं, कि जब उन्होंने सुना, तो शैतान तुरन्त आकर वचन को जो उनमें बोया गया था, उठा ले जाता है। **16** और वैसे ही जो पत्थरीली भूमि पर बोए जाते हैं, ये वे हैं, कि जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते हैं। **17** परन्तु अपने भीतर जड़ न रखने के कारण वे थोड़े ही दिनों के लिये रहते हैं; इसके बाद जब वचन के कारण उन पर क्लेश या उपद्रव होता है, तो वे तुरन्त ठोकर खाते हैं। **18** और जो झाड़ियों में बोए गए ये वे हैं जिन्होंने वचन सुना, **19** और संसार की चिन्ता, और धन का धोखा, और वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर वचन को दबा देता है और वह निष्फल रह जाता है। **20** और जो अच्छी भूमि में बोए गए, ये वे हैं, जो वचन सुनकर ग्रहण करते और फल लाते हैं, कोई तीस गुणा, कोई साठ गुणा, और कोई सौ गुणा।”

21 और उसने उनसे कहा, “क्या दीये को इसलिए लाते हैं कि पैमाने या खाट के नीचे रखा जाए? क्या इसलिए नहीं, कि दीवट पर रखा जाए? **22** क्योंकि कोई वस्तु छिपी नहीं, परन्तु इसलिए कि प्रगट हो जाए; और न कुछ गुप्त है, पर इसलिए कि प्रगट हो जाए। **23** यदि किसी के सुनने के कान हों, तो सुन ले।”

24 फिर उसने उनसे कहा, “चौकस रहो, कि क्या सुनते हो? जिस नाप से तुम नापते हो उसी से तुम्हारे लिये भी नापा जाएगा, और तुम को अधिक दिया जाएगा। **25** क्योंकि जिसके पास है, उसको दिया जाएगा; परन्तु जिसके पास नहीं है उससे वह भी जो उसके पास है; ले लिया जाएगा।”

26 फिर उसने कहा, “परमेश्वर का राज्य ऐसा है, जैसे कोई मनुष्य भूमि पर बीज छींटे, **27** और रात को सोए, और दिन को जागे और वह बीज ऐसे उगें और बढ़े कि वह न जाने। **28** पृथ्वी आप से आप फल लाती है पहले अंकुर, तब बालें, और तब बालों में तैयार दाना। **29** परन्तु जब दाना पक जाता है, तब वह तुरन्त हँसिया लगाता है, क्योंकि कटनी आ पहुँची है।” (योए. 3:13)

30 फिर उसने कहा, “हम परमेश्वर के राज्य की उपमा किससे दें, और किस दृष्टान्त से उसका वर्णन करें? **31** वह राई के दाने के समान हैं; कि जब भूमि में बोया जाता है तो भूमि के सब बीजों से छोटा होता है। **32** परन्तु जब बोया गया, तो उगकर सब साग-पात से बड़ा हो जाता है, और उसकी ऐसी बड़ी डालियाँ निकलती हैं, कि आकाश के पक्षी उसकी छाया में बसेरा कर सकते हैं।” **33** और वह उन्हें इस प्रकार के बहुत से दृष्टान्त दे देकर उनकी समझ के अनुसार वचन सुनाता था। **34** और बिना दृष्टान्त कहे उनसे कुछ भी नहीं कहता था; परन्तु एकान्त में वह अपने निज चेलों को सब बातों का अर्थ बताता था।

35 उसी दिन जब सांझ हुई, तो उसने चेलों से कहा, “आओ, हम पार चलें।” **36** और वे भीड़ को छोड़कर जैसा वह था, वैसा ही उसे नाव पर साथ ले चले; और उसके साथ, और भी नावें थीं। **37** तब बड़ी आँधी आई, और लहरें नाव पर यहाँ तक लगीं, कि वह अब पानी से भरी जाती थी। **38** और वह आप पिछले भाग में गद्दी पर सो रहा था; तब उन्होंने उसे जगाकर उससे कहा, “हे गुरु, क्या तुझे चिन्ता नहीं, कि हम नाश हुए जाते हैं?” **39** तब उसने उठकर आँधी को डाँटा, और पानी से कहा, “शान्त रह, थम जा!” और आँधी थम गई और बड़ा चैन हो गया। **40** और उनसे कहा, “तुम क्यों डरते हो? क्या तुम्हें अब तक विश्वास नहीं?” (भज. 107:29) **41** और वे बहुत ही डर गए और आपस में बोले, “यह कौन है, कि आँधी और पानी भी उसकी आज्ञा मानते हैं?”

Mark 4:1

कि वह झील में एक नाव पर चढ़कर
"कि वह नाव में चढ़कर झील में चला गया"

बैठ गया
"नाव में बैठ गया"

Mark 4:3

x
उन्हें दृष्टान्तों में बहुत सी बातें सिखाने लगा

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 4:6

x
यीशु दृष्टान्त में सुना रहा था

सूर्य निकला, तो जल गया
"झुलस गया"

Mark 4:8

x
यीशु दृष्टान्त सुना रहा है

जिसके पास सुनने के लिए कान हों वह सुन ले
"जो ध्यान से सुनेगा वह इस दृष्टान्त का अर्थ समझेगा"

Mark 4:10

x
जब यीशु दृष्टान्त सुना चुका

तुम को... समझ दी गई है
"परमेश्वर ने तुम्हें समझ दी है" या "मैंने तुम्हें समझ दी है"

वे देखते हुए देखें और उन्हें सुझाई न पड़े
वे देखते तो हैं परन्तु अन्तर्ग्रहण नहीं करते "देखते हैं परन्तु देखना नहीं चाहते" या "वे देखते हैं परन्तु समझते नहीं"

Mark 4:13

x
यीशु अपने शिष्यों को उस दृष्टान्त का अर्थ समझाता है।

क्या तुम यह दृष्टान्त नहीं समझते? तो फिर और सब दृष्टान्तों को क्योंकर समझोगे?
"यदि तुम इस दृष्टान्त को समझ नहीं सकते तो अन्य दृष्टान्तों को भी नहीं समझ पाओगे।"

Mark 4:16

x
यीशु अपने शिष्यों को उस दृष्टान्त का अर्थ समझाता है।

Mark 4:18

x
यीशु अपने शिष्यों को उस दृष्टान्त का अर्थ समझाता है।

Mark 4:21

x
यीशु दृष्टान्त का अर्थ समझाना समाप्त करता है और उन्हें एक और दृष्टान्त सुनाता है।

क्या दीये को इसलिए लाते हैं कि पैमाने या खाट के नीचे रखा जाए?
"आप दीया घर में इसलिए नहीं लाते कि उसे पैमाने या खाट के नीचे रखें"

यदि किसी के सुनने के कान हों तो वह सुन ले
इसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे आपने में किया है।

Mark 4:24

x
यीशु अपने शिष्यों को दृष्टान्त सुना रहा है

जिस नाप से तुम नापते हो उसी से तुम्हारे लिए भी नापा जाएगा, और तुमको अधिक दिया जाएगा
तुम जिस नाप को काम में लेते हो उसी के अनुसार तुम प्राप्त करोगे वरन् अधिक पाओगे तुम जितना अधिक अच्छा सुनोगे, परमेश्वर उतनी ही अधिक समझ तुम्हें देगा।"

जिसके पास है
जिसके पास है "जिसने मेरे वचनों को समझ लिया है"

Mark 4:26

x
यीशु अपने शिष्यों को दृष्टान्त सुना रहा है

जैसे कोई मनुष्य भूमि पर बीज छींटे
"जैसे किसान बीज बोता है"

हंसिया
कटनी में काम में आने वाली अर्धचन्द्रकार कतरनी

Mark 4:30

x
यीशु अपने शिष्यों को दृष्टान्त सुना रहा है

हम परमेश्वर के राज्य की उपमा किससे दें और किस दृष्टान्त से उसका वर्णन करें?
"इस दृष्टान्त से मैं वर्णन कर सकता हूँ कि परमेश्वर का राज्य कैसा है।"

Mark 4:33

उनकी समझ के अनुसार वचन सुनाता है
"वे जितना समझ सकते थे उतना ही"

Mark 4:38

x
यीशु और उसके शिष्य झील पार कर रहे थे जब आंधी आई।

क्या तुझे चिन्ता नहीं कि हम नष्ट हुए जाते हैं?
"परिस्थिति पर ध्यान दें: हम मरने वाले हैं!"-

हम नष्ट हुए जाते हैं।
"हम" अर्थात यीशु और शिष्य

डांटा
"कठोरता से सुधारा" या "झिड़कना"

शान्त रह, थम जा
"शान्त रह" और "थम जा" समानार्थक शब्द है।

Mark 4:40

x
यीशु और उसके शिष्य झील पार कर रहे थे जब आंधी आई।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुम क्यों डरते हो?
"तुम्हें डरता हुआ देखकर मैं निराश हूँ"

यह कैसा है?
"हमें सावधानी-पूर्वक समझाना है कि यह मनुष्य है कौन!"

Translation Questions

Mark 4:1

यीशु उपदेश करने के लिए नाव पर क्यों चढ़ गया था?
यीशु उपदेश करने के लिए नाव पर चढ़ गया क्योंकि भीड़ विशाल थी।

Mark 4:4

सड़क के किनारे गिरे बीजों का क्या हुआ?
चिड़ियों ने उसे चुग लिया।

Mark 4:5

पथरीली भूमि में गिरे बीजों का क्या हुआ?
वे शीघ्र उगे और गहरी जड़ न होने के कारण सूख गए।

Mark 4:7

झाड़ियों में गिरे बीजों का क्या हुआ?
कंटीली झाड़ियों ने उन्हें दबा दिया।

Mark 4:8

अच्छी भूमि में बोए गए बीजों का क्या हुआ?
बीज तीस, साठ और सौ गुणा फल लाए।

Mark 4:11

यीशु के अनुसार बारहों को क्या दिया गया है जो अन्यों को नहीं दिया गया?
यीशु ने कहा कि परमेश्वर के राज्य का भेद चेलों पर प्रकट किया गया है, अन्यों पर नहीं।

Mark 4:14

यीशु के दृष्टांत में बीज क्या है?
बीज परमेश्वर का वचन है।

Mark 4:15

सड़क किनारे गिरे बीज क्या दर्शाते हैं?
ये वे लोग हैं जो वचन को सुनते तो हैं परन्तु शैतान वचन को उठा ले जाता है।

Mark 4:16

पथरीली भूमि में गिरे बीज क्या दर्शाते हैं?
ये वे लोग हैं जो सहर्ष वचन को सुनते हैं परन्तु सताव के समय वे ठोकर खाते हैं।

Mark 4:18

कंटीली झाड़ियों में गिरे बीज क्या दर्शाते हैं?
ये वे लोग हैं जो वचन को ग्रहण करते हैं परन्तु संसारिक चिन्ताएं उसे दबा देती हैं।

Mark 4:20

अच्छी भूमि में गिरे बीज क्या दर्शाते हैं?
ये वे लोग हैं जो वचन को सुनकर ग्रहण करते हैं और फल लाते हैं।

Mark 4:22

यीशु के अनुसार छिपी और गुप्त बातों का क्या होगा?
यीशु ने कहा कि छिपी और गुप्त बातें प्रकट हो जाएंगी।

Mark 4:26

परमेश्वर का राज्य किस प्रकार भूमि में डाले गए बीजों के समान है?
मनुष्य भूमि में बीज डालता है परन्तु बीजों का उगना और बढ़ना वह नहीं जानता, जब फसल तैयार हो जाती है तब वह कटनी करता है।

Mark 4:30

परमेश्वर का राज्य किस प्रकार राई के दाने के समान है?
राई का दाना सबसे छोटा होता है परन्तु उगकर वह एक बड़ा वृक्ष हो जाता है जिसमें पक्षी बसेरा करते हैं।

Mark 4:35

यीशु और चेले जब झील पार कर रहे थे तब क्या हुआ था?
झील में ऐसी बड़ी आंधी उठी कि पानी नाव में भरने लगा।

Mark 4:38

उस समय यीशु नाव में क्या कर रहा था?
यीशु सो रहा था।

चेलों ने यीशु से क्या कहा?
चेलों ने यीशु से कहा कि उसे चिन्ता नहीं कि वे डूब रहे हैं।

Mark 4:39

तब यीशु ने क्या किया?
यीशु ने आंधी को झिड़का और झील के पानी को शान्त किया।

Mark 4:41

यीशु के इस कार्य पर चेलों की क्या प्रतिक्रिया थी?
?

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 वे झील के पार गिरासेनियों के देश में पहुँचे, **2** और जब वह नाव पर से उतरा तो तुरन्त एक मनुष्य जिसमें अशुद्ध आत्मा, थी कब्रों से निकलकर उसे मिला। **3** वह कब्रों में रहा करता था और कोई उसे जंजीरों से भी न बाँध सकता था, **4** क्योंकि वह बार-बार बेड़ियों और जंजीरों से बाँधा गया था, पर उसने जंजीरों को तोड़ दिया, और बेड़ियों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे, और कोई उसे वश में नहीं कर सकता था। **5** वह लगातार रात-दिन कब्रों और पहाड़ों में चिल्लाता, और अपने को पत्थरों से घायल करता था। **6** वह यीशु को दूर ही से देखकर दौड़ा, और उसे प्रणाम किया। **7** और ऊँचे शब्द से चिल्लाकर कहा, “हे यीशु, परमप्रधान परमेश्वर के पुत्र, मुझे तुझ से क्या काम? मैं तुझे परमेश्वर की शपथ देता हूँ, कि मुझे पीड़ा न दे।” (मत्ती 8:29, 1 राजा. 17:18) **8** क्योंकि उसने उससे कहा था, “हे अशुद्ध आत्मा, इस मनुष्य में से निकल आ।” **9** यीशु ने उससे पूछा, “तेरा क्या नाम है?” उसने उससे कहा, “मेरा नाम सेना है*; क्योंकि हम बहुत हैं।” **10** और उसने उससे बहुत विनती की, “हमें इस देश से बाहर न भेज।” **11** वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। **12** और उन्होंने उससे विनती करके कहा, “हमें उन सूअरों में भेज दे, कि हम उनके भीतर जाएँ।” **13** अतः उसने उन्हें आज्ञा दी और अशुद्ध आत्मा निकलकर सूअरों के भीतर घुस गई और झुण्ड, जो कोई दो हजार का था, कड़ाड़े पर से झपटकर झील में जा पड़ा, और डूब मरा। **14** और उनके चरवाहों ने भागकर नगर और गाँवों में समाचार सुनाया, और जो हुआ था, लोग उसे देखने आए। **15** यीशु के पास आकर, वे उसको जिसमें दुष्टात्माएँ समाई थी, कपड़े पहने और सचेत बैठे देखकर, डर गए। **16** और देखनेवालों ने उसका जिसमें दुष्टात्माएँ थीं, और सूअरों का पूरा हाल, उनको कह सुनाया। **17** और वे उससे विनती कर के कहने लगे, कि हमारी सीमा से चला जा। **18** और जब वह नाव पर चढ़ने लगा, तो वह जिसमें पहले दुष्टात्माएँ थीं, उससे विनती करने लगा, “मुझे अपने साथ रहने दे।” **19** परन्तु उसने उसे आज्ञा न दी, और उससे कहा, “अपने घर जाकर अपने लोगों को बता, कि तुझ पर दया करके प्रभु ने तेरे लिये कैसे बड़े काम किए हैं।” **20** वह जाकर दिकापुलिस में इस बात का प्रचार करने लगा, कि यीशु ने मेरे लिये कैसे बड़े काम किए; और सब अचम्भा करते थे।

21 जब यीशु फिर नाव से पार गया, तो एक बड़ी भीड़ उसके पास इकट्ठी हो गई; और वह झील के किनारे था। **22** और याईर नामक आराधनालय के सरदारों* में से एक आया, और उसे देखकर, उसके पाँवों पर गिरा। **23** और उसने यह कहकर बहुत विनती की, “मेरी छोटी बेटी मरने पर है: तू आकर उस पर हाथ रख, कि वह चंगी होकर जीवित रहे।” **24** तब वह उसके साथ चला; और बड़ी भीड़ उसके पीछे हो ली, यहाँ तक कि लोग उस पर गिरे पड़ते थे। **25** और एक स्त्री, जिसको बारह वर्ष से लहू बहने का रोग था। **26** और जिस ने बहुत वैद्यों से बड़ा दुःख उठाया और अपना सब माल व्यय करने पर भी कुछ लाभ न उठाया था, परन्तु और भी रोगी हो गई थी। **27** यीशु की चर्चा सुनकर, भीड़ में उसके पीछे से आई, और उसके वस्त्र को छू लिया, **28** क्योंकि वह कहती थी, “यदि मैं उसके वस्त्र ही को छू लूँगी, तो चंगी हो जाऊँगी।” **29** और तुरन्त उसका लहू बहना बन्द हो गया; और उसने अपनी देह में जान लिया, कि मैं उस बीमारी से अच्छी हो गई हूँ। **30** यीशु ने तुरन्त अपने में जान लिया, कि मुझसे सामर्थ्य निकली है*, और भीड़ में पीछे फिरकर पूछा, “मेरा वस्त्र किसने छुआ?” **31** उसके चेलों ने उससे कहा, “तू देखता है, कि भीड़ तुझ पर गिरी पड़ती है, और तू कहता है; कि किसने मुझे छुआ?” **32** तब उसने उसे देखने के लिये जिस ने यह काम किया था, चारों ओर दृष्टि की। **33** तब वह स्त्री यह जानकर, कि उसके साथ क्या हुआ है, डरती और काँपती हुई आई, और उसके पाँवों पर गिरकर, उससे सब हाल सच-सच कह दिया। **34** उसने उससे कहा, “पुत्री, तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है: कुशल से जा, और अपनी इस बीमारी से बची रह।” (लूका 8:48) **35** वह यह कह ही रहा था, कि आराधनालय के सरदार के घर से लोगों ने आकर कहा, “तेरी बेटी तो मर गई; अब गुरु को क्यों दुःख देता है?” **36** जो बात वे कह रहे थे, उसको यीशु ने अनसुनी करके, आराधनालय के सरदार से कहा, “मत डर; केवल विश्वास रख।” **37** और उसने पतरस और याकूब और याकूब के भाई यूहन्ना को छोड़, और किसी को अपने साथ आने न दिया। **38** और आराधनालय के सरदार के घर में पहुँचकर, उसने लोगों को बहुत रोते और चिल्लाते देखा। **39** तब उसने भीतर जाकर उनसे कहा, “तुम क्यों हल्ला मचाते और रोते हो? लड़की मरी नहीं, परन्तु सो रही है।” **40** वे उसकी हँसी करने लगे, परन्तु उसने सब को निकालकर लड़की के माता-पिता और अपने साथियों को लेकर, भीतर जहाँ लड़की पड़ी थी, गया। **41** और लड़की का हाथ पकड़कर उससे कहा, “तलीता कूमी*”; जिसका अर्थ यह है “हे लड़की, मैं तुझ से कहता हूँ, उठ।” **42** और लड़की तुरन्त उठकर चलने फिरने लगी; क्योंकि वह बारह वर्ष की थी। और इस पर लोग बहुत चकित हो गए। **43** फिर उसने उन्हें चेतावनी के साथ आज्ञा दी कि यह बात कोई जानने न पाए और कहा; “इसे कुछ खाने को दो।”

Mark 5:3

बेड़ियों और सांकलों से बांधा गया था
"उसके पांवों को लोहे की जंजीर से बांधा गया"

वश में नहीं कर सकता था
"नियन्त्रण में रख सकता था"

Mark 5:7

ऊँचे शब्द से चिल्लाकर कहा
"उस दृष्टात्मा ने चिल्लाकर कहा।"

मुझे तुझसे क्या काम?
वैकल्पिक अनुवाद, "मुझे तुझसे कोई काम नहीं है"

मुझे पीड़ा न दे
"मुझे कष्ट मत दे"

Mark 5:9

उसने उससे कहा, "मेरा नाम सेना है, क्योंकि हम बहुत है"
उस मनुष्य में उपस्थित दुष्टात्मा ने यीशु से कहा कि उस मनुष्य में एक ही नहीं, अनेक दुष्टात्माएं हैं।

Mark 5:11

उसने उन्हें आज्ञा दे दी
"यीशु ने उन दुष्टात्माओं को अनुमति दे दी।"

कोई दो हजार का था
"लगभग 2000 सूअर थे।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 5:14

सचेत
"सामान्य मानसिक अवस्था"

Mark 5:16

जिसमें दुष्टात्माएं थीं
"जिस व्यक्ति पर दुष्टात्माओं का अधिकार था।"

Mark 5:18

दिकापुलिस
गलील सागर के दक्षिण पूर्व का क्षेत्र

Mark 5:25

बारह वर्ष से
"बारह वर्ष से"

Mark 5:30

तू कहता है कि किसने मुझे छुआ?
वैकल्पिक अनुवाद, "हमें आश्चर्य हो रहा है कि तू कहता है, किसने मुझे छुआ।"

Mark 5:33

पुत्री
यीशु उस विश्वासी स्त्री के लिए इस शब्द को रूपक स्वरूप काम में ले रहा है।

Mark 5:35

अब गुरु को क्यों दुःख देता है
वैकल्पिक अनुवाद, "हमें गुरु को अब कष्ट नहीं देना है"

Mark 5:36

रोते और चिल्लाते देखना
"दुःख के कारण विलाप करते देखा"

Mark 5:39

तुम क्यों हल्ला मचाते और रोते हो?
वैकल्पिक अनुवाद, "तुम्हें दुःखी नहीं होना है, न ही रोना है"

Mark 5:41

वह बारह वर्ष की थी
"वह 12 वर्ष की थी"

उसने उन्हें चिताकर आज्ञा दी
"उसने उन्हें कठोरता से कहा"

Translation Questions

Mark 5:1

वे गिरासेनियों के क्षेत्र में आए तो यीशु के सामने कौन आया?
एक दुष्टात्माग्रस्त मनुष्य यीशु के सामने आया।

Mark 5:3

वह मनुष्य क्या करता था?
वह मनुष्य कब्रों में रहता था, वह सांकलों को तोड़ देता था और अपने को पत्थरों से घायल करता था।

Mark 5:7

उस अशुद्ध आत्मा ने यीशु को क्या नाम दिया था?
उस अशुद्ध आत्मा ने यीशु को परम प्रधान परमेश्वर का पुत्र कहा।

Mark 5:8

यीशु ने उस मनुष्य से क्या कहा?
यीशु ने कहा, "अशुद्ध आत्मा इस मनुष्य में से निकल आ।"

Mark 5:9

उस अशुद्ध आत्मा का नाम क्या था?
उस अशुद्ध आत्मा का नाम सेना था क्योंकि वे बहुत थीं।

Mark 5:13

यीशु ने जब उस मनुष्य में से अशुद्ध आत्माएं निकाली तो क्या हुआ था?
दुष्टात्माएं उसमें से निकलकर सूअरों में घुस गई और वे झील में डूबकर मर गए।

Mark 5:15

अशुद्ध आत्माएं निकल जाने के बाद उस पुरुष की दशा कैसी थी?
वह पुरुष वस्त्र पहना यीशु के पास सचेत बैठा था।

वहाँ के लोगों ने इस घटना पर कैसी प्रतिक्रिया दिखाई और यीशु से क्या विनती की?
वे लोग बहुत डर गए और यीशु से चले जाने की विनती की।

Mark 5:19

यीशु ने उस मनुष्य से अब क्या करने के लिए कहा?
यीशु ने उस मनुष्य से कहा कि वह जाकर अपने लोगों को बताए कि प्रभु ने उसके लिए क्या किया है।

Mark 5:22

आराधनालय के सरदार, याईर ने यीशु से क्या विनती की थी?
याईर ने यीशु से विनती की कि वह उसके पुत्री पर हाथ रखे क्योंकि वह मरने पर है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 5:25

यीशु के वस्त्र को स्पर्श करने वाली स्त्री के साथ क्या समस्या थी?
वह स्त्री बारह वर्षों से रक्तस्राव से पीड़ित थी।

Mark 5:28

उस स्त्री ने यीशु का वस्त्र क्यों छुआ?
वह स्त्री सोचती थी कि यीशु के वस्त्र के स्पर्श मात्र से ही वह रोगमुक्त हो जायेगी।

Mark 5:30

जब उस स्त्री ने यीशु के वस्त्र को स्पर्श किया तब यीशु ने क्या किया?
यीशु को अपने में से सामर्थ्य बहने का बोध हुआ, अतः उसने देखा कि उसका स्पर्श किसने किया।

Mark 5:34

उस स्त्री ने यीशु को सच बता दिया तो यीशु ने उससे क्या कहा?
यीशु ने उससे कहा कि उसके विश्वास ने उसे चंगा किया है, वह कुशलता से जाए।

Mark 5:35

जब यीशु याईर के घर पहुंचा तब उसकी पुत्री किस अवस्था में थी?
याईर की पुत्री मर गई।

Mark 5:36

उस समय यीशु ने याईर से क्या कहा?
यीशु ने याईर से कहा, "मत डर केवल विश्वास रख"।

Mark 5:37

यीशु के साथ उस बालिका के कक्ष में कौन गए?
यीशु ने उस बालिका के माता-पिता और पतरस, याकूब, यूहन्ना को साथ लिया।

Mark 5:40

उस घर में लोग यीशु की बात सुनकर कि याईर की पुत्री सोती है, क्या करने लगे थे?
यीशु ने कहा कि याईर की पुत्री सोती है तो लोग उसका ठट्ठा करने लगे।

Mark 5:42

वह बालिका उठ खड़ी हुई तो लोगों की प्रतिक्रिया क्या थी?
इस घटना से लोग भयातुर और चकित थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 6

1 वहाँ से निकलकर वह अपने देश में आया, और उसके चेले उसके पीछे हो लिए। 2 सब्त के दिन वह आराधनालय में उपदेश करने लगा; और बहुत लोग
सुनकर चकित हुए और कहने लगे, “इसको ये बातें कहाँ से आ गई? और यह कौन सा ज्ञान है जो उसको दिया गया है? और कैसे सामर्थ्य के काम इसके हाथों
से प्रगट होते हैं? 3 क्या यह वही बढ़ई नहीं, जो मरियम का पुत्र, और याकूब और योसेस और यहूदा और शमौन का भाई है? और क्या उसकी बहनें यहाँ हमारे
बीच में नहीं रहतीं?” इसलिए उन्होंने उसके विषय में ठोकर खाई। 4 यीशु ने उनसे कहा, “भविष्यद्वक्ता का अपने देश और अपने कुटुम्ब और अपने घर को छोड़
और कहीं भी निरादर नहीं होता।” 5 और वह वहाँ कोई सामर्थ्य का काम न कर सका, केवल थोड़े बीमारों पर हाथ रखकर उन्हें चंगा किया। 6 और उसने उनके
अविश्वास पर आश्चर्य किया और चारों ओर से गाँवों में उपदेश करता फिरा।

7 और वह बारहों को अपने पास बुलाकर उन्हें दो-दो करके भेजने लगा; और उन्हें अशुद्ध आत्माओं पर अधिकार दिया। 8 और उसने उन्हें आज्ञा दी, कि “मार्ग
के लिये लाठी छोड़ और कुछ न लो; न तो रोटी, न झोली, न पटुके में पैसे। 9 परन्तु जूतियाँ पहनो और दो-दो कुर्ते न पहनो।” 10 और उसने उनसे कहा, “जहाँ
कहीं तुम किसी घर में उतरो, तो जब तक वहाँ से विदा न हो, तब तक उसी घर में ठहरे रहो। 11 जिस स्थान के लोग तुम्हें ग्रहण न करें, और तुम्हारी न सुनें, वहाँ
से चलते ही अपने तलवों की धूल झाड़ डालो, कि उन पर गवाही हो।” 12 और उन्होंने जाकर प्रचार किया, कि मन फिराओ, 13 और बहुत सी दुष्टात्माओं को
निकाला, और बहुत बीमारों पर तेल मलकर* उन्हें चंगा किया।

14 और हेरोदेस राजा ने उसकी चर्चा सुनी, क्योंकि उसका नाम फैल गया था, और उसने कहा, कि “यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला मरे हुओं में से जी उठा है,
इसलिए उससे ये सामर्थ्य के काम प्रगट होते हैं।” 15 और औरों ने कहा, “यह एलिय्याह है*”, परन्तु औरों ने कहा, “भविष्यद्वक्ता या भविष्यद्वक्ताओं में से
किसी एक के समान है।” 16 हेरोदेस ने यह सुन कर कहा, “जिस यूहन्ना का सिर मैंने कटवाया था, वही जी उठा है।” 17 क्योंकि हेरोदेस ने आप अपने भाई
फिलिप्पुस की पत्नी हेरोदियास के कारण, जिससे उसने विवाह किया था, लोगों को भेजकर यूहन्ना को पकड़वाकर बन्दीगृह में डाल दिया था। 18 क्योंकि यूहन्ना
ने हेरोदेस से कहा था, “अपने भाई की पत्नी को रखना तुझे उचित नहीं।” (लैव्य. 18:16, लैव्य. 20:21) 19 इसलिए हेरोदियास उससे बैर रखती थी और यह
चाहती थी, कि उसे मरवा डाले, परन्तु ऐसा न हो सका, 20 क्योंकि हेरोदेस यूहन्ना को धर्मी और पवित्र पुरुष जानकर उससे डरता था, और उसे बचाए रखता था,
और उसकी सुनकर बहुत घबराता था, पर आनन्द से सुनता था। 21 और ठीक अवसर पर जब हेरोदेस ने अपने जन्मदिन में अपने प्रधानों और सेनापतियों, और
गलील के बड़े लोगों के लिये भोज किया। 22 और उसी हेरोदियास की बेटी भीतर आई, और नाचकर हेरोदेस को और उसके साथ बैठनेवालों को प्रसन्न किया;
तब राजा ने लड़की से कहा, “तू जो चाहे मुझसे माँग मैं तुझे दूँगा।” 23 और उसने शपथ खाई, “मैं अपने आधे राज्य तक जो कुछ तू मुझसे माँगेगी मैं तुझे
दूँगा।” (एस्ते. 5:3,6, एस्ते. 7:2) 24 उसने बाहर जाकर अपनी माता से पूछा, “मैं क्या माँगूँ?” वह बोली, “यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले का सिर।” 25 वह तुरन्त
राजा के पास भीतर आई, और उससे विनती की, “मैं चाहती हूँ, कि तू अभी यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले का सिर एक थाल में मुझे मँगवा दे।” 26 तब राजा बहुत
उदास हुआ, परन्तु अपनी शपथ के कारण और साथ बैठनेवालों के कारण उसे टालना न चाहा। 27 और राजा ने तुरन्त एक सिपाही को आज्ञा देकर भेजा, कि
उसका सिर काट लाए। 28 उसने जेलखाने में जाकर उसका सिर काटा, और एक थाल में रखकर लाया और लड़की को दिया, और लड़की ने अपनी माँ को
दिया। 29 यह सुनकर उसके चेले आए, और उसके शव को उठाकर कब्र में रखा।

30 प्रेरितों ने यीशु के पास इकट्ठे होकर, जो कुछ उन्होंने किया, और सिखाया था, सब उसको बता दिया। 31 उसने उनसे कहा, “तुम आप अलग किसी एकान्त
स्थान में आकर थोड़ा विश्राम करो।” क्योंकि बहुत लोग आते जाते थे, और उन्हें खाने का अवसर भी नहीं मिलता था। 32 इसलिए वे नाव पर चढ़कर, सुनसान
जगह में अलग चले गए। 33 और बहुतों ने उन्हें जाते देखकर पहचान लिया, और सब नगरों से इकट्ठे होकर वहाँ पैदल दौड़े और उनसे पहले जा पहुँचे। 34
उसने उतर कर बड़ी भीड़ देखी, और उन पर तरस खाया, क्योंकि वे उन भेड़ों के समान थे, जिनका कोई रखवाला न हो; और वह उन्हें बहुत सी बातें सिखाने
लगा। (2 इति. 18:16, 1 राजा. 22:17) 35 जब दिन बहुत ढल गया, तो उसके चेले उसके पास आकर कहने लगे, “यह सुनसान जगह है, और दिन बहुत ढल
गया है। 36 उन्हें विदा कर, कि चारों ओर के गाँवों और बस्तियों में जाकर, अपने लिये कुछ खाने को मोल लें।” 37 उसने उन्हें उत्तर दिया, “तुम ही उन्हें खाने
को दो।” उन्होंने उससे कहा, “क्या हम सौ दीनार की रोटियाँ मोल लें, और उन्हें खिलाएँ?” 38 उसने उनसे कहा, “जाकर देखो तुम्हारे पास कितनी रोटियाँ हैं?”
उन्होंने मालूम करके कहा, “पाँच रोटी और दो मछली भी।” 39 तब उसने उन्हें आज्ञा दी, कि सब को हरी घास पर समूह में बैठा दो। 40 वे सौ-सौ और पचास-
पचास करके समूह में बैठ गए। 41 और उसने उन पाँच रोटियों को और दो मछलियों को लिया, और स्वर्ग की ओर देखकर धन्यवाद किया और रोटियाँ तोड़-तोड़
कर चेलों को देता गया, कि वे लोगों को परोसें, और वे दो मछलियाँ भी उन सब में बाँट दीं। 42 और सब खाकर तृप्त हो गए, 43 और उन्होंने टुकड़ों से बारह
टोकरियाँ भर कर उठाई, और कुछ मछलियों से भी। 44 जिन्होंने रोटियाँ खाई, वे पाँच हजार पुरुष थे।

45 तब उसने तुरन्त अपने चेलों को विवश किया कि वे नाव पर चढ़कर उससे पहले उस पार बैतसैदा को चले जाएँ, जब तक कि वह लोगों को विदा करे। 46
और उन्हें विदा करके पहाड़ पर प्रार्थना करने को गया। 47 और जब सांझ हुई, तो नाव झील के बीच में थी, और वह अकेला भूमि पर था। 48 और जब उसने
देखा, कि वे खेते-खेते घबरा गए हैं, क्योंकि हवा उनके विरुद्ध थी, तो रात के चौथे पहर के निकट वह झील पर चलते हुए उनके पास आया; और उनसे आगे
निकल जाना चाहता था। 49 परन्तु उन्होंने उसे झील पर चलते देखकर समझा, कि भूत है, और चिल्ला उठे, 50 क्योंकि सब उसे देखकर घबरा गए थे। पर
उसने तुरन्त उनसे बातें की और कहा, “धैर्य रखो : मैं हूँ; डरो मत।” 51 तब वह उनके पास नाव पर आया, और हवा थम गई: वे बहुत ही आश्चर्य करने लगे। 52
क्योंकि वे उन रोटियों के विषय में न समझे थे परन्तु उनके मन कठोर हो गए थे।

53 और वे पार उतरकर गन्नेसरत में पहुँचे, और नाव घाट पर लगाई। 54 और जब वे नाव पर से उतरे, तो लोग तुरन्त उसको पहचान कर, 55 आस-पास के
सारे देश में दौड़े, और बीमारों को खाटों पर डालकर, जहाँ-जहाँ समाचार पाया कि वह है, वहाँ-वहाँ लिए फिरे। 56 और जहाँ कहीं वह गाँवों, नगरों, या बस्तियों
में जाता था, तो लोग बीमारों को बाजारों में रखकर उससे विनती करते थे, कि वह उन्हें अपने वस्त्र के आँचल ही को छू लेने दे: और जितने उसे छूते थे, सब चंगे
हो जाते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 6:1

क्या यह वही बढ़ई नहीं जो मरियम का पुत्र, और याकूब, योसेस, यहूदा और शमौन का भाई है? क्या उसकी बहनें यहाँ हमारे बीच में नहीं रहतीं?
"यह तो एक साधारण बढ़ई है। हम तो इसे और इसके परिवार को जानते हैं! हम इसकी माता मरियम को जानते हैं। हम इसके छोटे भाइयों याकूब, योसेस, यहूदा और शमौन को भी तो जानते हैं! और इसकी छोटी बहनें यहाँ हमारे बीच में ही तो रहती हैं!" (यू.डी.बी.) यह सन्देह का प्रश्न है कि यीशु ऐसे काम कैसे कर सकता है।

Mark 6:4

भविष्यद्वक्ता अपने देश और अपने कुटुम्ब और अपने घर को छोड़ और कहीं भी निरादर नहीं होता।
"यह निश्चय ही सच है कि मनुष्य अन्य स्थानों में मेरा और अन्य भविष्यद्वक्ताओं का सम्मान करते हैं। परन्तु अपने ही जन्म-स्थान में नहीं करते! यहाँ तक कि हमारे परिजन और घर के सदस्य हमारा सम्मान नहीं करते" (यू.डी.बी.)

Mark 6:7

दो-दो करके
"एक साथ दो दो" या "जोड़े में"

दो-दो कुरते न पहनो
"अतिरिक्त कुरता भी नहीं लेना"

Mark 6:10

जब तक वहाँ से विदा न हो तब तक उसी घर में ठहरे रहो।
"उस नगर से प्रस्थान करने तक उसी घर में रहना।"

Mark 6:14

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मरे हुओं में से जी उठा है।
"परमेश्वर ने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को जीवित किया है।"

Mark 6:16

अपने भाई फिलिप्पुस की पत्नी
"उसके भाई फिलिप्पुस की पत्नी"

उससे बैर रखती थी
"उसके विरुद्ध थी"

Mark 6:18

उससे बैर रखती थी
"उसके विरुद्ध थी"

बहुत घबराता था
"वह विमूढ़ था"

Mark 6:23

एक थाल में
"एक परात में"

Mark 6:26

अपनी शपथ... और साथ बैठने वालों के कारण
"क्योंकि उसके अतिथियों ने उसे शपथ खाते सुना था"

थाल
"एक परात में"

Mark 6:37

पाँच रोटियों और दो मछलियाँ
"पाँच रोटियों और दो मछलियाँ"

Mark 6:39

सौ-सौ और पचास-पचास करके
"सौ और पचास की संख्या में"

उसने पाँच रोटियों को और दो मछलियों को लिया
"5 रोटियां और 2 मछलियाँ"

दो मछलियों को
"2 मछलियाँ"

Mark 6:42

बारह टोकरियाँ
"12 टोकरिया"

पाँच हजार पुरुष
वैकल्पिक अनुवाद: "पाँच हजार पुरुष और उनके परिवार"

Mark 6:45

बैतसैदा
गलील सागर के उत्तरी क्षेत्र में स्थित एक नगर

Mark 6:51

उनके मन कठोर हो गए थे।
"उन्हें समझना था कि वह कैसा सामर्थी है परन्तु वे समझ नहीं पाए।"

Mark 6:53

खाटों पर
"रोगियों को उठाकर लाने के लिए दरी"

Mark 6:56

वस्त्र के आंचल ही को
"उसके वस्त्र का छोर" या "उसके बागे का सिरा"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Mark 6:2

यीशु के अपने गांव के लोग उस के विषय में आश्चर्य क्यों करने लगे थे?
?

Mark 6:4

यीशु ने भविष्यद्वक्ता के निरादर का स्थान कौन सा बताया था?
यीशु ने कहा कि भविष्यद्वक्ता का अपने देश, और अपने कुटुम्ब, और अपने घर को छोड़ और कहीं भी निरादर नहीं होता है।

Mark 6:6

यीशु अपने देश में किस बात से चकित हुआ था?
यीशु अपने देश में लोगों के अविश्वास पर चकित था।

Mark 6:7

यीशु ने बारहों को भेजते समय क्या अधिकार दिया था?
यीशु ने बारहों को अशुद्ध आत्माओं पर अधिकार दिया।

Mark 6:8

बारहों ने यात्रा में अपने साथ क्या लिया था?
बारहों ने लाठी, जूते और एक ही वस्त्र साथ लिया।

Mark 6:11

यदि किसी गांव में उनका स्वागत नहीं किया जाए तो यीशु ने उनसे क्या करने को कहा?
यीशु ने बारहों से कहा कि यदि किसी गांव में उनका स्वागत न हो तो गवाही स्वरूप अपने जूतों की धूल वहाँ झाड़कर निकल जाएं।

Mark 6:14

लोग यीशु को क्या समझते थे?
लोग सोचते थे कि यीशु यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला या एलिय्याह या कोई भविष्यद्वक्ता है।

Mark 6:18

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने हेरोदेस को किस बात के लिए व्यवस्था विरोधी कहा था?
यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला ने हेरोदेस से कहा कि अपने भाई की पत्नी को रखना व्यवस्था विरोधी है।

Mark 6:20

यूहन्ना के प्रचार पर हेरोदेस की प्रतिक्रिया कैसी थी?
यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले की बातों से हेरोदेस परेशान तो होता था परन्तु फिर भी उसे सुनना उसे अच्छा लगता था।

Mark 6:23

हेरोदेस ने हेरोदियास की पुत्री से क्या शपथ खाई थी?
हेरोदेस ने शपथ खाकर कहा कि वह उसे मुंह मांगा वर देगा, अपना आधा राज्य भी दे देगा।

Mark 6:25

हेरोदियास ने क्या मांगा था?
हेरोदियास ने यूहन्ना का सिर थाल में मांगा।

Mark 6:26

हेरोदेस ने हेरोदियास के आग्रह पर कैसी प्रतिक्रिया दिखाई?
हेरोदेस दुखी तो हुआ परन्तु अतिथियों के समक्ष अपनी शपथ के कारण उसके आग्रह को ठुकरा नहीं पाया।

Mark 6:31

यीशु और उसके शिष्य विश्राम हेतु एकान्तवास में जा रहे थे तब क्या हुआ?
लोगों ने यीशु और उसके चेलों को पहचान लिया और उनसे पहले वहाँ पहुंच गए।

Mark 6:34

उनकी प्रतीक्षा करने वाले जन समूह के लिए यीशु का व्यवहार कैसा था?
यीशु को उन पर तरस आया क्योंकि वे बिना चरवाहे की भेड़ों के समान थे।

Mark 6:37

जब यीशु ने चेलों से जनसमूह को खाना खिलाने को कहा तब उन्होंने भोजन व्यवस्था के बारे में क्या सोचा था?
चेलों के विचार में उनके लिए रोटी खरीदने के लिए दो सौ दीनार की आवश्यकता थी।

Mark 6:38

चेलों के पास कितना भोजन था?
चेलों के पास पांच रोटियां और दो मछलियां ही थी।

Mark 6:41

यीशु ने रोटी और मछली के साथ क्या किया?
यीशु ने रोटियां और मछलियां लेकर स्वर्ग की ओर देखकर उन्हें आशीष दी और रोटी तोड़कर चेलों को दी।

Mark 6:43

सबके खा लेने के बाद कितना भोजन बच गया था?
सब खाकर तृप्त हो गए तब बचे हुए भोजन, रोटी और मछलियों से बारह टोकरियां भर गईं।

Mark 6:44

खाना खाने वालों में कितने पुरूष थे?
खाना खाने वालों में केवल पुरूष ही पांच हजार थे।

Mark 6:48

यीशु झील पर चेलों के पास कैसे आया था?
यीशु झील के पानी पर चलकर चेलों के पास आया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 6:50

चेलों ने जब यीशु को पानी पर देखा तब यीशु ने उनसे क्या कहा?
यीशु ने चेलों से कहा कि वे डरें नहीं ढाढ़स बांधें।

Mark 6:52

चेले रोटियों के चमत्कार को क्यों समझ नहीं पाये थे?
रोटियों के चमत्कार को चेले समझ नहीं पाए क्योंकि उनके मन कठोर हो गए थे।

Mark 6:55

उस क्षेत्र के लोगों ने यीशु को पहचाना तो क्या किया?
लोगों ने जब-जब यीशु के आने का समाचार सुना तब-तब वे अपने रोगियों को खाटों पर ले आए।

Mark 6:56

जिन रोगियों ने यीशु के वस्त्र का स्पर्श किया तो उनके साथ क्या हुआ?
जो रोगी यीशु के वस्त्र का स्पर्श करते थे वे रोग मुक्त हो जाते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 7

1 तब फरीसी और कुछ शास्त्री जो यरूशलेम से आए थे, उसके पास इकट्ठे हुए, **2** और उन्होंने उसके कई चेलों को अशुद्ध अर्थात् बिना हाथ धोए रोटी खाते
देखा। **3** (क्योंकि फरीसी और सब यहूदी, प्राचीन परम्परा का पालन करते है और जब तक भली भाँति हाथ नहीं धो लेते तब तक नहीं खाते; **4** और बाजार से
आकर, जब तक स्नान नहीं कर लेते, तब तक नहीं खाते; और बहुत सी अन्य बातें हैं, जो उनके पास मानने के लिये पहुँचाई गई हैं, जैसे कटोरों, और लोटों, और
तांबे के बरतनों को धोना-माँजना।) **5** इसलिए उन फरीसियों और शास्त्रियों ने उससे पूछा, "तेरे चेले क्यों पूर्वजों की परम्पराओं पर नहीं चलते, और बिना हाथ
धोए रोटी खाते हैं?" **6** उसने उनसे कहा, "यशायाह ने तुम कपटियों के विषय में बहुत ठीक भविष्यद्वाणी की; जैसा लिखा है:

'ये लोग होंठों से तो मेरा आदर करते हैं,
पर उनका मन मुझसे दूर रहता है। (यशा. 29:13)
7 और ये व्यर्थ मेरी उपासना करते हैं,
क्योंकि मनुष्यों की आज्ञाओं को धर्मोपदेश करके सिखाते हैं।' (यशा. 29:13)

8 क्योंकि तुम परमेश्वर की आज्ञा को टालकर मनुष्यों की रीतियों को मानते हो।" **9** और उसने उनसे कहा, "तुम अपनी रीतियों को मानने के लिये परमेश्वर
आज्ञा कैसी अच्छी तरह टाल देते हो! **10** क्योंकि मूसा ने कहा है, 'अपने पिता और अपनी माता का आदर कर;' और 'जो कोई पिता या माता को बुरा कहे, वह
अवश्य मार डाला जाए।' (निर्ग. 20:12, व्य. 5:16) **11** परन्तु तुम कहते हो कि यदि कोई अपने पिता या माता से कहे, 'जो कुछ तुझे मुझसे लाभ पहुँच सकता
था, वह कुरबान* अर्थात् संकल्प हो चुका।' **12** तो तुम उसको उसके पिता या उसकी माता की कुछ सेवा करने नहीं देते। **13** इस प्रकार तुम अपनी रीतियों से,
जिन्हें तुम ने ठहराया है, परमेश्वर का वचन टाल देते हो; और ऐसे-ऐसे बहुत से काम करते हो।"

14 और उसने लोगों को अपने पास बुलाकर उनसे कहा, "तुम सब मेरी सुनो, और समझो। **15** ऐसी तो कोई वस्तु नहीं जो मनुष्य में बाहर से समाकर उसे
अशुद्ध करे; परन्तु जो वस्तुएँ मनुष्य के भीतर से निकलती हैं, वे ही उसे अशुद्ध करती हैं। **16** यदि किसी के सुनने के कान हों तो सुन ले।" **17** जब वह भीड़ के
पास से घर में गया, तो उसके चेलों ने इस दृष्टान्त के विषय में उससे पूछा। **18** उसने उनसे कहा, "क्या तुम भी ऐसे नासमझ हो? क्या तुम नहीं समझते, कि जो
वस्तु बाहर से मनुष्य के भीतर जाती है, वह उसे अशुद्ध नहीं कर सकती? **19** क्योंकि वह उसके मन में नहीं, परन्तु पेट में जाती है, और शौच में निकल जाती
है?" यह कहकर उसने सब भोजन वस्तुओं को शुद्ध ठहराया। **20** फिर उसने कहा, "जो मनुष्य में से निकलता है, वही मनुष्य को अशुद्ध करता है। **21** क्योंकि
भीतर से, अर्थात् मनुष्य के मन से, बुरे-बुरे विचार, व्यभिचार, चोरी, हत्या, परस्त्रीगमन, **22** लोभ, दुष्टता, छल, लुचपन, कुदृष्टि, निन्दा, अभिमान, और मूर्खता
निकलती हैं। **23** ये सब बुरी बातें भीतर ही से निकलती हैं और मनुष्य को अशुद्ध करती हैं।"

24 फिर वह वहाँ से उठकर सूर और सैदा के देशों में आया; और एक घर में गया, और चाहता था, कि कोई न जाने; परन्तु वह छिप न सका। **25** और तुरन्त एक
स्त्री जिसकी छोटी बेटी में अशुद्ध आत्मा थी, उसकी चर्चा सुन कर आई, और उसके पाँवों पर गिरी। **26** यह यूनानी और सुरूफिनिकी जाति की थी; और उसने
उससे विनती की, कि मेरी बेटी में से दुष्टात्मा निकाल दे। **27** उसने उससे कहा, "पहले लड़कों को तृप्त होने दे, क्योंकि लड़को की रोटी लेकर कुत्तों के आगे
डालना उचित नहीं है।" **28** उसने उसको उत्तर दिया; "सच है प्रभु; फिर भी कुत्ते भी तो मेज के नीचे बालकों की रोटी के चूर चार खा लेते हैं।" **29** उसने उससे
कहा, "इस बात के कारण चली जा; दुष्टात्मा तेरी बेटी में से निकल गई है।" **30** और उसने अपने घर आकर देखा कि लड़की खाट पर पड़ी है, और दुष्टात्मा
निकल गई है।

31 फिर वह सूर और सैदा के देशों से निकलकर दिकापुलिस देश से होता हुआ गलील की झील पर पहुँचा। **32** और लोगों ने एक बहरे को जो हक्ला भी था,
उसके पास लाकर उससे विनती की, कि अपना हाथ उस पर रखे। **33** तब वह उसको भीड़ से अलग ले गया, और अपनी उँगलियाँ उसके कानों में डाली, और
थूककर उसकी जीभ को छुआ। **34** और स्वर्ग की ओर देखकर आह भरी, और उससे कहा, "इप्फत्तह*!" अर्थात् "खुल जा!" **35** और उसके कान खुल गए,
और उसकी जीभ की गाँठ भी खुल गई, और वह साफ-साफ बोलने लगा। **36** तब उसने उन्हें चेतावनी दी कि किसी से न कहना; परन्तु जितना उसने उन्हें
चिताया उतना ही वे और प्रचार करने लगे। **37** और वे बहुत ही आश्चर्य में होकर कहने लगे, "उसने जो कुछ किया सब अच्छा किया है; वह बहरों को सुनने की,
और गूँगों को बोलने की शक्ति देता है।"

Mark 7:2

तांबे के बरतनों को
खाते समय उस युग के यहूदी आधा लेटकर खाना खाते थे। वैकल्पिक अनुवाद, "पात्र और यहाँ तक कि खाने के लिए बैठने के आसन भी।"

Mark 7:5

क्यों पुरनियों की परम्परा पर नहीं चलते, और बिना हाथ धोए रोटी खाते हैं?
"तेरे शिष्य पूर्वजों की परम्परा पर नहीं चलते हैं। उन्हें हमारी रीति के अनुसार हाथ धोना चाहिए।"

रोटी
भोजन

Mark 7:6

"यशायाह ने तुम कपटियों के विषय में बहुत ठीक भविष्यद्वाणी की है।"
यशायाह के वचन...

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 7:8

अच्छी तरह
प्रभावी रूप से

बुरा कहे
मान-हर शब्दों का उपयोग करने वाला

Mark 7:11

जो कुछ तुझे मुझसे लाभ पहुंच सका था वह कुर्बान... हो चुका
शास्त्रियों की परम्परा के अनुसार मन्दिर को यदि कुछ भेंट कर दिया गया (पैसा या वस्तु) तो उसका उपयोग किसी और बात में नहीं किया जा सकता।

कुर्बान
लेखक चाहता था कि पाठक को इस शब्द का उच्चारण समझ में आए, अतः अपनी भाषा में इस शब्द के उच्चारण हेतु अक्षरों का उपयोग करें।

Mark 7:14

तुम सब मेरी सुनो, और समझो।
"सुनो" और "समझो" अर्थ में समरूप हैं, यीशु बल देने के लिए इन दोनों शब्दों का उपयोग करता है

जो वस्तुएं मनुष्य के भीतर से निकलती है
"यह मनुष्य का आन्तरिक व्यक्तित्व है" या "यह मनुष्य का सोचना, बोलना और करना है।"

पद 16: अनेक प्राचीन विद्वान इस अभिलेख की अन्तर्विष्टी करते हैं, "यदि किसी के सुनने के कान हों तो वह सुन ले"
इस वाक्य का उद्देश्य है यीशु के कट्टर सिद्धान्त के अधिकार को दर्शाने तथा प्रत्येक निष्ठावान अनुयायी उसके अभी-अभी सिखाई गई बात को समझने की अवश्यकरणीयता पर बल देता है।

Mark 7:17

क्या तुम अब भी ऐसे नासमझ हो?
वैकल्पिक अनुवाद, "मैंने जो कुछ कहा और किया, मैं तुमसे उसे समझने की अपेक्षा करता हूँ।"

Mark 7:24

उसके पांवों पर गिर पड़ी
"घुटने टेके"

सुरुफिनीकी जाति
वह सीरिया के फिनिके नगर में जन्मी थी।

Mark 7:27

पहले लड़कों को तृप्त होने दे
"बच्चों को पहले भोजन करना है" या "मुझे पहले बच्चों को भोजन देना है।"

बच्चों
यहूदियों को वैकल्पिक अनुवाद, "मुझे पहले यहूदियों की सेवा करना है।"

रोटी
भोजन

कुत्तों को
अन्य जातियों को

कुत्ते भी तो मेज़ के नीचे बालकों की रोटी का चूर-चार खा लेते थे।
"तू मुझ, अन्य जाति को इस प्रकार तुच्छ जानकर सेवा का पात्र बना दे"

चूरचार
रोटी के छोटे टुकड़े

Mark 7:31

होता हुआ
"से चलता हुआ"

दिकापुलिस
"दस नगर" (देखें: यू.डी.बी.) गलील सागर के दक्षिण-पूर्वक का क्षेत्र।

बहिरे को
"सुनने में असमर्थ था"

हकला भी था
"स्पष्ट बोल नहीं पाता था"

Mark 7:33

"इफ्फतह"
लेखक चाहता था कि पाठक इस शब्द का उच्चारण समझें। अतः अपनी भाषा के अक्षरों द्वारा इस शब्द का निकटतम् उच्चारण लिखें।

आह भरी
दु:ख के कारण लम्बी सांस लेना

जीभ की गांठ भी खुल गई
"उसकी जीभ में जो भी रुकावट का कारण था उसे यीशु ने दूर कर दिया" या "स्पष्ट बोलने में जो भी रुकावट का कारण था उसे यीशु ने चंगा किया।"

Translation Questions

Mark 7:2

यीशु के चेलों के किस काम पर फरीसियों और शास्त्रियों ने उंगली उठाई थी?
चेले बिना हाथ धोए भोजन करते थे।

Mark 7:3

हाथ, कटोरे, पात्र और भोजन की मेज़ को धोना किस की परम्परा थी?
पुरनियों की परम्परा के अनुसार, हाथ, कटोरे, पात्र, तांबे के बर्तन और भोजन की मेज़ को भोजन करने से पहले धोना आवश्यक था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 7:6

शोधन के बारे में फरीसियों और शास्त्रियों की शिक्षा के बारे में यीशु ने क्या कहा?
यीशु ने कहा कि फरीसी और शास्त्री पाखंडी थे कि वे परमेश्वर की आज्ञाओं को अनदेखा कर मनुष्यों की परम्परा सिखाते थे।

Mark 7:10

परमेश्वर की आज्ञा, अपने माता-पिता का आदर कर, फरीसी और शास्त्रियों द्वारा किस प्रकार टाली गई थी?
वे अपने माता-पिता के उत्तरदायित्व वहन के खर्चे को कुर्बान कह कर परमेश्वर की आज्ञा को टाल देते थे?

Mark 7:15

यीशु के अनुसार मनुष्य किससे अशुद्ध नहीं होता है?
यीशु ने कहा कि जो कुछ मनुष्य के पेट में जाता है वह उसे अशुद्ध नहीं करता है।

यीशु ने मनुष्य को अशुद्ध करने वाली क्या बात बताई?
यीशु ने कहा कि मनुष्य के मन से निकलने वाली बात उसे अशुद्ध करती है।

Mark 7:19

यीशु ने कौन-कौन से भोजन को शुद्ध कहा है?
यीशु ने सब भोजन वस्तुओं को शुद्ध कहा है।

Mark 7:21

यीशु ने मनुष्य के मन से निकलने वाली कौन सी तीन बातें बताई जो उसे अशुद्ध करती हैं?
यीशु ने कहा कि बुरे विचार, व्यभिचार, चोरी, हत्या, परस्त्रीगमन, लोभ, दुष्टता, छल, लुचपन, कुदृष्टि, निन्दा, अभिमान, और मूर्खता मनुष्य के मन से बाहर निकलती है।

Mark 7:25

वह स्त्री जिसकी पुत्री में अशुद्ध आत्मा थी वह यहूदी थी या यूनानी?
जिस स्त्री की पुत्री में अशुद्ध आत्मा थी वह यूनानी थी।

Mark 7:28

यीशु ने उस स्त्री से कहा कि बच्चों की रोटी कुत्तों को देना उचित नहीं तो उस स्त्री ने क्या उत्तर दिया?
उस स्त्री ने कहा कि कुत्ते भी बच्चों के गिरे टुकड़े खाते हैं।

Mark 7:29

अब स्त्री के लिए यीशु ने क्या किया?
यीशु ने उस स्त्री की पुत्री में से दुष्टात्मा निकाल दी।

Mark 7:33

वह व्यक्ति जो बहरा और हकला था उसके साथ यीशु ने क्या किया?
यीशु ने उस बहरे और गूंगे मनुष्य के कानों में उंगलियां डालीं और थूक कर उसकी जीभ को छुआ और स्वर्ग की ओर देखकर कहा, "खुल जा"।

Mark 7:36

यीशु ने लोगों से कहा कि उसके चंगाई के कार्यों की चर्चा न करे तो उन्होंने क्या किया?
यीशु ने लोगों को जितना अधिक चुप रहने को कहा उतना ही अधिक उन्होंने उसकी चर्चा की।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 8

1 उन दिनों में, जब फिर बड़ी भीड़ इकट्ठी हुई, और उनके पास कुछ खाने को न था, तो उसने अपने चेलों को पास बुलाकर उनसे कहा, **2** “मुझे इस भीड़ पर तरस आता है, क्योंकि यह तीन दिन से बराबर मेरे साथ हैं, और उनके पास कुछ भी खाने को नहीं। **3** यदि मैं उन्हें भूखा घर भेज दूँ, तो मार्ग में थककर रह जाएँगे; क्योंकि इनमें से कोई-कोई दूर से आए हैं।” **4** उसके चेलों ने उसको उत्तर दिया, “यहाँ जंगल में इतनी रोटी कोई कहाँ से लाए कि ये तृप्त हों?” **5** उसने उनसे पूछा, “तुम्हारे पास कितनी रोटियाँ हैं?” उन्होंने कहा, “सात।”

6 तब उसने लोगों को भूमि पर बैठने की आज्ञा दी, और वे सात रोटियाँ लीं, और धन्यवाद करके तोड़ी, और अपने चेलों को देता गया कि उनके आगे रखें, और उन्होंने लोगों के आगे परोस दिया। **7** उनके पास थोड़ी सी छोटी मछलियाँ भी थीं; और उसने धन्यवाद करके उन्हें भी लोगों के आगे रखने की आज्ञा दी। **8** अतः वे खाकर तृप्त हो गए और शेष टुकड़ों के सात टोकरे भरकर उठाए। **9** और लोग चार हजार के लगभग थे, और उसने उनको विदा किया। **10** और वह तुरन्त अपने चेलों के साथ नाव पर चढ़कर दलमनूता* देश को चला गया।

11 फिर फरीसी आकर उससे वाद-विवाद करने लगे, और उसे जाँचने के लिये उससे कोई स्वर्गीय चिन्ह माँगा। **12** उसने अपनी आत्मा में भरकर कहा, “इस समय के लोग क्यों चिन्ह ढूँढ़ते हैं? मैं तुम से सच कहता हूँ, कि इस समय के लोगों को कोई चिन्ह नहीं दिया जाएगा।” **13** और वह उन्हें छोड़कर फिर नाव पर चढ़ गया, और पार चला गया।

14 और वे रोटी लेना भूल गए थे, और नाव में उनके पास एक ही रोटी थी। **15** और उसने उन्हें चेतावनी दी, “देखो, फरीसियों के ख़मीर* और हेरोदेस के ख़मीर से सावधान रहो।” **16** वे आपस में विचार करके कहने लगे, “हमारे पास तो रोटी नहीं है।” **17** यह जानकर यीशु ने उनसे कहा, “तुम क्यों आपस में विचार कर रहे हो कि हमारे पास रोटी नहीं? क्या अब तक नहीं जानते और नहीं समझते? क्या तुम्हारा मन कठोर हो गया है? **18** क्या आँखें रखते हुए भी नहीं देखते, और कान रखते हुए भी नहीं सुनते? और तुम्हें स्मरण नहीं? **19** कि जब मैंने पाँच हजार के लिये पाँच रोटी तोड़ी थीं तो तुम ने टुकड़ों की कितनी टोकरियाँ भरकर उठाई?” उन्होंने उससे कहा, “बारह टोकरियाँ।” **20** उसने उनसे कहा, “और जब चार हजार के लिए सात रोटियाँ थी तो तुम ने टुकड़ों के कितने टोकरे भरकर उठाए थे?” उन्होंने उससे कहा, “सात टोकरे।” **21** उसने उनसे कहा, “क्या तुम अब तक नहीं समझते?”

22 और वे बैतसैदा में आए; और लोग एक अंधे को उसके पास ले आए और उससे विनती की कि उसको छूए। **23** वह उस अंधे का हाथ पकड़कर उसे गाँव के बाहर ले गया। और उसकी आँखों में थूककर उस पर हाथ रखे, और उससे पूछा, “क्या तू कुछ देखता है?” **24** उसने आँख उठाकर कहा, “मैं मनुष्यों को देखता हूँ; क्योंकि वे मुझे चलते हुए दिखाई देते हैं, जैसे पेड़।” **25** तब उसने फिर दोबारा उसकी आँखों पर हाथ रखे, और उसने ध्यान से देखा। और चंगा हो गया, और सब कुछ साफ-साफ देखने लगा। **26** और उसने उससे यह कहकर घर भेजा, “इस गाँव के भीतर पाँव भी न रखना।”

27 यीशु और उसके चेले कैसरिया फिलिप्पी के गाँवों में चले गए; और मार्ग में उसने अपने चेलों से पूछा, “लोग मुझे क्या कहते हैं?” **28** उन्होंने उत्तर दिया, “यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला; पर कोई-कोई, एलिय्याह; और कोई-कोई, भविष्यद्वक्ताओं में से एक भी कहते हैं।” **29** उसने उनसे पूछा, “परन्तु तुम मुझे क्या कहते हो?” पतरस ने उसको उत्तर दिया, “तू मसीह है।” **30** तब उसने उन्हें चिताकर कहा कि मेरे विषय में यह किसी से न कहना।

31 और वह उन्हें सिखाने लगा, कि मनुष्य के पुत्र के लिये अवश्य है, कि वह बहुत दुःख उठाए, और पुरनिए और प्रधान याजक और शास्त्री उसे तुच्छ समझकर मार डालें और वह तीन दिन के बाद जी उठे। **32** उसने यह बात उनसे साफ-साफ कह दी। इस पर पतरस उसे अलग ले जाकर डाँटने लगा। **33** परन्तु उसने फिरकर, और अपने चेलों की ओर देखकर पतरस को डाँटकर कहा, “हे शैतान, मेरे सामने से दूर हो; क्योंकि तू परमेश्वर की बातों पर नहीं, परन्तु मनुष्य की बातों पर मन लगाता है।”

34 उसने भीड़ को अपने चेलों समेत पास बुलाकर उनसे कहा, “जो कोई मेरे पीछे आना चाहे, वह अपने आप से इन्कार करे और अपना क्रूस उठाकर, मेरे पीछे हो ले। **35** क्योंकि जो कोई अपना प्राण बचाना चाहे वह उसे खोएगा, पर जो कोई मेरे और सुसमाचार के लिये अपना प्राण खोएगा, वह उसे बचाएगा। **36** यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे और अपने प्राण की हानि उठाए, तो उसे क्या लाभ होगा? **37** और मनुष्य अपने प्राण के बदले क्या देगा? **38** जो कोई इस व्यभिचारी और पापी जाति के बीच मुझसे और मेरी बातों से लजाएगा*, मनुष्य का पुत्र भी जब वह पवित्र स्वर्गदूतों के साथ अपने पिता की महिमा सहित आएगा, तब उससे भी लजाएगा।”

Mark 8:1

तीन दिन से
"3 दिन से"

बेहोश हो जाएंगे
संभावित अर्थ: (1) "वे बेहोश हो जाएंगे" या (2) "वे थककर चूर हो जाएंगे"

इतनी रोटी कहाँ से लाएं कि ये तृप्त हों?
चेले आश्चर्य व्यक्त कर रहे थे कि यीशु उसे इतने भोजन का प्रबन्ध करने के लिए कह रहा था। वैकल्पिक अनुवाद, "यह स्थान तो ऐसा निर्जन प्रदेश है कि हम इन लोगों के भोजन का प्रबन्ध कहाँ से करें!" (यू.डी.बी.)

Mark 8:5

बैठा दो
मेज़ न होने पर आपकी संस्कृति में लोग भोजन करने कैसे बैठते हैं, उसे व्यक्त करें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 8:7

दलमनूता
गलील सागर के उत्तर-पश्चिमी तट का प्रदेश

Mark 8:11

मांगा
"ढूंढते हैं"

आह भरी
देखें कि आपने इस अनुवाद में कैसे किया है।

इस समय के लोग क्यों चिन्ह ढूंढते हैं?
यीशु उनको झिड़क रहा है। वैकल्पिक अनुवाद, "इस पीढ़ी को चिन्ह खोजने की आवश्यकता नहीं है"

इस समय के लोगों को क्या?
"क्या तुम सबको"

Mark 8:14

"चौकस रहो
इसका उद्देश्य बल देना है।

फरीसियों के खमीर और हेरोदेस के खमीर
वैकल्पिक अनुवाद "फरीसियों की झूठी शिक्षा और हेरोदेस की झूठी शिक्षा।"(देखें:)

Mark 8:16

तुम क्यों आपस में यह विचार कर रहे हो कि हमारे पास रोटी नहीं है?
यीशु उनके न समझने के कारण निराश है। वैकल्पिक अनुवाद, "तुम यह न सोचो कि मैं रोटी के बारे में कह रहा हूँ।"

Mark 8:18

आँखें रखते हुए भी तुम नहीं देखते और कान रखते हुए भी नहीं सुनते? और तुम्हे स्मरण नहीं।
यीशु उनके न समझने के कारण निराश है। वैकल्पिक अनुवाद, "तुम्हारे पास आँखें है परन्तु तुम जो देखते हो उसे समझते नहीं! तुम्हारे पास कान हैं परन्तु तुम जो सुनते हो उसे नहीं समझते! तुम्हें स्मरण रखना है।"(देखें:

Mark 8:20

"क्या तुम अब तक नहीं समझते?"
वैकल्पिक अनुवाद, "तुम्हें अब तक समझने योग्य हो जाना था कि मैं रोटी के बारे में नहीं कर रहा हूँ।"(देखें: और)

Mark 8:22

बैतसैदा
यरदन नदी के पूर्व में स्थित एक नगर

Mark 8:31

मनुष्य के पुत्र के लिए अवश्य है कि वह बहुत दुःख उठाए, और पुरनियों और प्रधान-याजक, और शास्त्री उसे तुच्छ समझकर मार डालें, और वह तीन दिन के बाद जी उठे।
वैकल्पिक अनुवाद, "पुरनिये और प्रधानयाजक और शास्त्री मनुष्य के पुत्र को त्यागकर उसे मार डालें और परमेश्वर उसे फिर जीवित कर दे।"

तीन दिन से
"3 दिन से"

Mark 8:33

x
यीशु पतरस की भर्त्सना का उत्तर दे रहा है।

Mark 8:35

क्योंकि
यीशु अपने शिष्यों को कारण समझा रहा है कि उन्हें क्यों स्वयं को मृत्यु-दण्ड प्राप्त अपराधी के समान समझना है ।

Mark 8:38

x
यीशु ने अपने शिष्यों को और जनसमूह को अभी-अभी बताया है कि उसका अनुसरण करना संपूर्ण संसार से अधिक मूल्यवान क्यों है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Mark 8:1

यीशु ने अपने पीछे आने वाले जनसमूह के लिए क्या चिन्ता व्यक्त की?
यीशु ने कहा कि उसे चिन्ता इस बात की है कि जनसमूह ने भोजन नहीं किया है।

Mark 8:5

चेलों के पास कितनी रोटियां थी?
चेलों के पास सात रोटियां थी।

Mark 8:6

यीशु ने उन रोटियों का क्या किया?
यीशु ने धन्यवाद देकर रोटियां तोड़ी और चेलों को दीं कि लोगों में बांट दें।

Mark 8:8

सबके भोजन करने के बाद कितना भोजन बचा?
जब सब खा चुके तब सात टोकरे भोजन बचा।

Mark 8:9

कितने लोग भोजन करके तृप्त हुए थे?
खाने वालों में चार हजार पुरूष थे।

Mark 8:11

फरीसी यीशु को परखने के लिए यीशु से क्या मांग रहे थे?
फरीसी यीशु से स्वर्गिक चिन्ह मांग रहे थे।

Mark 8:15

फरीसियों के बारे में यीशु ने अपने चेलों को क्या चेतावनी दी थी?
यीशु ने अपने चेलों को फरीसियों के खमीर से सावधान रहने की शिक्षा दी।

Mark 8:16

चेलों ने क्या सोचा कि यीशु कह रहा है?
चेलों ने सोचा कि यीशु उनसे रोटी के बारे में कह रहा है क्योंकि वे रोटी लाना भूल गए थे।

Mark 8:19

अपना अर्थ समझाने के लिए यीशु ने उन्हें किस बात का स्मरण करवाया?
यीशु ने उन्हें पांच हज़ार और चार हज़ार पुरूषों को भोजन करवाने का स्मरण करवाया।

Mark 8:23

उस अंधे मनुष्य की पूर्ण चंगाई के निमित्त यीशु ने कौन से तीन काम किए थे?
यीशु ने पहले उसकी आंखों में थूका और उस पर हाथ रखे तब उसकी आंखों पर फिर हाथ रखा।

Mark 8:28

लोग यीशु को क्या कहते थे?
लोग कहते थे कि यीशु यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, एलिय्याह या कोई भविष्यद्वक्ता था।

Mark 8:29

पतरस ने यीशु को क्या कहा?
पतरस ने कहा कि यीशु मसीह है।

Mark 8:31

यीशु ने अपने चेलों को कौन सी होने वाली घटनाओं की जानकारी दी थी?
यीशु ने अपने चेलों को सिखाया कि मनुष्य के पुत्र के लिए अवश्य है कि वह बहुत दुःख उठाए, तुच्छ समझा जाए और मार डाला जाए और तीन दिन बाद जी उठे।

Mark 8:33

पतरस के झिड़कने पर यीशु ने उससे क्या कहा?
यीशु ने पतरस से कहा, "हे शैतान मेरे सामने से दूर हो क्योंकि तू परमेश्वर की बातों पर नहीं, परन्तु मनुष्य की बातों पर मन लगाता है"।

Mark 8:34

यीशु ने उसके पीछे आने वालों के लिए क्या कहा?
यीशु ने कहा कि जो उसके पीछे आना चाहता है वह स्वयं का इन्कार करे और अपना क्रूस उठाए।

Mark 8:36

यीशु ने संसार को प्राप्त करने की मनुष्य की लालसा के बारे में क्या कहा है?
यीशु ने कहा, "जो कोई अपना प्राण बचाना चाहे वह उसे खोएगा"।

Mark 8:38

यीशु उन लोगों के लिए क्या कहा जो उसके नाम और उसके वचन से लजाते हैं?
यीशु ने कहा कि उसके पुनः आगमन पर वह उन लोगों से लजाएगा जो इस संसार में उसके नाम से और उसके वचन से लजाते हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 9

1 और उसने उनसे कहा, “मैं तुम से सच कहता हूँ, कि जो यहाँ खड़े हैं, उनमें से कोई ऐसे हैं, कि जब तक परमेश्वर के राज्य को सामर्थ्य सहित आता हुआ न
देख लें, तब तक मृत्यु का स्वाद कदापि न चखेंगे।” **2** छः दिन के बाद यीशु ने पतरस और याकूब और यूहन्ना को साथ लिया, और एकान्त में किसी ऊँचे पहाड़
पर ले गया; और उनके सामने उसका रूप बदल गया। **3** और उसका वस्त्र ऐसा चमकने लगा और यहाँ तक अति उज्ज्वल हुआ, कि पृथ्वी पर कोई धोबी भी
वैसा उज्ज्वल नहीं कर सकता। **4** और उन्हें मूसा के साथ एलिय्याह* दिखाई दिया; और वे यीशु के साथ बातें करते थे। **5** इस पर पतरस ने यीशु से कहा, “हे
रब्बी, हमारा यहाँ रहना अच्छा है: इसलिए हम तीन मण्डप बनाएँ; एक तेरे लिये, एक मूसा के लिये, और एक एलिय्याह के लिये।” **6** क्योंकि वह न जानता था
कि क्या उत्तर दे, इसलिए कि वे बहुत डर गए थे। **7** तब एक बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला, “यह मेरा प्रिय पुत्र है; इसकी
सुनो।” (2 पत. 1:17, भज. 2:7) **8** तब उन्होंने एकाएक चारों ओर दृष्टि की, और यीशु को छोड़ अपने साथ और किसी को न देखा। **9** पहाड़ से उतरते हुए,
उसने उन्हें आज्ञा दी, कि जब तक मनुष्य का पुत्र मरे हुओं में से जी न उठे, तब तक जो कुछ तुम ने देखा है वह किसी से न कहना। **10** उन्होंने इस बात को
स्मरण रखा; और आपस में वाद-विवाद करने लगे, “मरे हुओं में से जी उठने का क्या अर्थ है?” **11** और उन्होंने उससे पूछा, “शास्त्री क्यों कहते हैं, कि
एलिय्याह का पहले आना अवश्य है?” **12** उसने उन्हें उत्तर दिया, “एलिय्याह सचमुच पहले आकर सब कुछ सुधारेगा, परन्तु मनुष्य के पुत्र के विषय में यह क्यों
लिखा है, कि वह बहुत दुःख उठाएगा, और तुच्छ गिना जाएगा? **13** परन्तु मैं तुम से कहता हूँ, कि एलिय्याह तो आ चुका, और जैसा उसके विषय में लिखा है,
उन्होंने जो कुछ चाहा उसके साथ किया।”

14 और जब वह चेलों के पास आया, तो देखा कि उनके चारों ओर बड़ी भीड़ लगी है और शास्त्री उनके साथ विवाद कर रहें हैं। **15** और उसे देखते ही सब बहुत
ही आश्चर्य करने लगे, और उसकी ओर दौड़कर उसे नमस्कार किया। **16** उसने उनसे पूछा, “तुम इनसे क्या विवाद कर रहे हो?” **17** भीड़ में से एक ने उसे उत्तर
दिया, “हे गुरु, मैं अपने पुत्र को, जिसमें गूंगी आत्मा समाई है, तेरे पास लाया था। **18** जहाँ कहीं वह उसे पकड़ती है, वहीं पटक देती है; और वह मुँह में फेन भर
लाता, और दाँत पीसता, और सूखता जाता है। और मैंने तेरे चेलों से कहा, कि वे उसे निकाल दें, परन्तु वे निकाल न सके।” **19** यह सुनकर उसने उनसे उत्तर
देके कहा, “हे अविश्वासी लोगों, मैं कब तक तुम्हारे साथ रहूँगा? और कब तक तुम्हारी सहूँगा? उसे मेरे पास लाओ।” **20** तब वे उसे उसके पास ले आए। और
जब उसने उसे देखा, तो उस आत्मा ने तुरन्त उसे मरोड़ा, और वह भूमि पर गिरा, और मुँह से फेन बहाते हुए लोटने लगा। **21** उसने उसके पिता से पूछा,
“इसकी यह दशा कब से है?” और उसने कहा, “बचपन से। **22** उसने इसे नाश करने के लिये कभी आग और कभी पानी में गिराया; परन्तु यदि तू कुछ कर
सके, तो हम पर तरस खाकर हमारा उपकार कर।” **23** यीशु ने उससे कहा, “यदि तू कर सकता है! यह क्या बात है? विश्वास करनेवाले के लिये सब कुछ हो
सकता है।” **24** बालक के पिता ने तुरन्त पुकारकर कहा, “हे प्रभु, मैं विश्वास करता हूँ; मेरे अविश्वास का उपाय कर।” **25** जब यीशु ने देखा, कि लोग दौड़कर
भीड़ लगा रहे हैं, तो उसने अशुद्ध आत्मा को यह कहकर डाँटा, कि “हे गूंगी और बहरी आत्मा, मैं तुझे आज्ञा देता हूँ, उसमें से निकल आ, और उसमें फिर कभी
प्रवेश न करना।” **26** तब वह चिल्लाकर, और उसे बहुत मरोड़ कर, निकल आई; और बालक मरा हुआ सा हो गया, यहाँ तक कि बहुत लोग कहने लगे, कि वह
मर गया। **27** परन्तु यीशु ने उसका हाथ पकड़ के उसे उठाया, और वह खड़ा हो गया। **28** जब वह घर में आया, तो उसके चेलों ने एकान्त में उससे पूछा, “हम
उसे क्यों न निकाल सके?” **29** उसने उनसे कहा, “यह जाति बिना प्रार्थना किसी और उपाय से निकल नहीं सकती।”

30 फिर वे वहाँ से चले, और गलील में होकर जा रहे थे, वह नहीं चाहता था कि कोई जाने, **31** क्योंकि वह अपने चेलों को उपदेश देता और उनसे कहता था,
“मनुष्य का पुत्र, मनुष्यों के हाथ में पकड़वाया जाएगा, और वे उसे मार डालेंगे; और वह मरने के तीन दिन बाद जी उठेगा।” **32** पर यह बात उनकी समझ में
नहीं आई, और वे उससे पूछने से डरते थे।

33 फिर वे कफरनहूम में आए; और घर में आकर उसने उनसे पूछा, “रास्ते में तुम किस बात पर विवाद कर रहे थे?” **34** वे चुप रहे क्योंकि, मार्ग में उन्होंने
आपस में यह वाद-विवाद किया था, कि हम में से बड़ा कौन है? **35** तब उसने बैठकर बारहों को बुलाया, और उनसे कहा, “यदि कोई बड़ा होना चाहे, तो सबसे
छोटा और सब का सेवक बने।” **36** और उसने एक बालक को लेकर उनके बीच में खड़ा किया, और उसको गोद में लेकर उनसे कहा, **37** “जो कोई मेरे नाम से
ऐसे बालकों में से किसी एक को भी ग्रहण करता है, वह मुझे ग्रहण करता है; और जो कोई मुझे ग्रहण करता, वह मुझे नहीं, वरन् मेरे भेजनेवाले को ग्रहण करता
है।” **38** तब यूहन्ना ने उससे कहा, “हे गुरु, हमने एक मनुष्य को तेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालते देखा और हम उसे मना करने लगे, क्योंकि वह हमारे पीछे
नहीं हो लेता था।” **39** यीशु ने कहा, “उसको मना मत करो; क्योंकि ऐसा कोई नहीं जो मेरे नाम से सामर्थ्य का काम करे, और आगे मेरी निन्दा करे, **40** क्योंकि
जो हमारे विरोध में नहीं, वह हमारी ओर है। **41** जो कोई एक कटोरा पानी तुम्हें इसलिए पिलाए कि तुम मसीह के हो तो मैं तुम से सच कहता हूँ कि वह अपना
प्रतिफल किसी तरह से न खोएगा।”

42 “जो कोई इन छोटों में से जो मुझ पर विश्वास करते हैं, किसी को ठोकर खिलाएँ तो उसके लिये भला यह है कि एक बड़ी चक्की का पाट उसके गले में
लटकाया जाए और वह समुद्र में डाल दिया जाए। **43** यदि तेरा हाथ तुझे ठोकर खिलाएँ तो उसे काट डाल टुण्डा होकर जीवन में प्रवेश करना, तेरे लिये इससे
भला है कि दो हाथ रहते हुए नरक के बीच उस आग में डाला जाए जो कभी बुझने की नहीं। **44** जहाँ उनका कीड़ा नहीं मरता और आग नहीं बुझती। **45** और
यदि तेरा पाँव तुझे ठोकर खिलाएँ तो उसे काट डाल। लँगड़ा होकर जीवन में प्रवेश करना तेरे लिये इससे भला है, कि दो पाँव रहते हुए नरक में डाला जाए। **46**
जहाँ उनका कीड़ा नहीं मरता और आग नहीं बुझती **47** और यदि तेरी आँख तुझे ठोकर खिलाएँ तो उसे निकाल डाल, काना होकर परमेश्वर के राज्य में प्रवेश
करना तेरे लिये इससे भला है, कि दो आँख रहते हुए तू नरक में डाला जाए। **48** जहाँ उनका कीड़ा नहीं मरता और आग नहीं बुझती। (यशा. 66:24) **49**
क्योंकि हर एक जन आग से नमकीन किया जाएगा। **50** नमक अच्छा है, पर यदि नमक का स्वाद बिगड़ जाए, तो उसे किससे नमकीन करोगे? अपने में नमक
रखो, और आपस में मेल मिलाप से रहो।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 9:1

x
यीशु अभी-अभी अपने शिष्यों और श्रोताओं से अपने अनुसरण की चर्चा कर रहा था।

उज्जवल
"बहुत अधिक श्वेत"

कोई धोबी भी वैसा उज्जवल नहीं कर सकता था।
कपड़ों पर से दाग हटाने और उन्हें उज्जवल बनाने के लिए एक रसायन काम में लिया जाता है। धोबी कपड़ों में से धाग को हटाता है।

Mark 9:4

बहुत डर गए
"अत्यधिक भयभीत हो गए"

Mark 9:7

x
यीशु पतरस, याकूब और यूहन्ना को अपने साथ एक ऊँचे पहाड़ पर ले गया जहाँ यीशु के वस्त्र उज्जवल हो गए थे।

Mark 9:9

x
यीशु पतरस, याकूब और यूहन्ना को एक ऊँचे पहाड़ पर ले गया जहाँ वह मूसा और एलिय्याह के साथ उज्जवल वस्त्रों में दिखाई देने लगा था।

उन्होंने इस बात को स्मरण रखा
उन्होंने इस घटना की चर्चा किसी से नहीं की, जिन्होंने इसे देखा नहीं था।

मरे हुओं में से जी उठने
"मरकर जी उठने तक"

Mark 9:11

x
यीशु पतरस, याकूब और यूहन्ना को एक ऊँचे पहाड़ पर ले गया जहाँ यीशु मूसा और एलिय्याह के साथ उज्जवल वस्त्रों में दिखाई देने लगा था।

एलिय्याह सचमुच... तुच्छ गिना जाएगा
भविष्यद्वाणी थी कि एलिय्याह फिर से स्वर्ग से उतरेगा तब मसीह, मनुष्य का पुत्र, राज करने आएगा। अन्य भविष्यद्वाणियां भी थी कि मनुष्य का पुत्र बहुत दुःख उठाएगा और तुच्छ गिना जाएगा। शिष्य विमूढ़ थे कि ये दोनों बातें कैसे होंगी।

एलिय्याह तो आ चुका है।
भविष्यद्वाणी में प्रायः दो पूर्तियां होती हैं।

Mark 9:14

x
यीशु पतरस, याकूब और यूहन्ना को एक ऊँचे पहाड़ पर ले गया जहाँ यीशु मूसा और एलिय्याह के साथ उज्जवल वस्त्रों में दिखाई देने लगा था।

विवाद
"तर्क-वितर्क", या "झगड़ा" या "पूछताछ करना"

Mark 9:17

x
यीशु वहां पहुंचता है जहां उसके अन्य शिष्य विधि शास्त्रियों के साथ विवाद में उलझे हुए थे।

इस दुष्टात्मा को निकाल दे
"मेरे पुत्र से इस दुष्टात्मा को निकाल दे", या "इस दुष्टात्मा को बाहर कर दे"।

मैं तब तक तुम्हारी सहूंगा?
"सहन करूंगा" या "तुम्हारे साथ निर्वाह करूंगा"।

Mark 9:20

x
उस बालक का पिता यीशु से कहता है कि उसके शिष्य उसके पुत्र को चंगा नहीं कर पाए।

तरस खाकर
"दया कर" या "कृपा कर"

Mark 9:23

यीशु ने उससे कहा, "यदि तू कर सकता है।"
यीशु उस मनुष्य के सन्देह की भर्त्सना कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद, "यीशु ने उससे कहा", तू क्यों कहता है, यदि तू कर सकता है?...विश्वास करने वाले के लिए सब कुछ हो सकता है" या "यीशु ने उससे कहा", तुझे ऐसा नहीं कहना था, यदि तू कर सकता है?.... सब कुछ संभव है।"

Mark 9:26

x
यीशु ने उस बालक में से अभी-अभी दुष्टात्मा को निकाला है।

बालक मरा हुआ सा हो गया।
"वह बालक मृतक सा प्रतीत होने लगा" या "वह बालक मरा हुआ सा हो गया"।

Mark 9:28

x
यीशु ने उस दुष्टात्माग्रस्त बालक को चंगा किया जिसे उसके शिष्य चंगा न कर पाये थे।

Mark 9:30

x
उस दुष्टात्माग्रस्त बालक को चंगा करने के बाद यीशु और उसके शिष्य उस स्थान से कूच करते हैं।

होकर जा रहे थे
"निकल रहे थे" या "आगे जा रहे थे"

तीन दिन से
"3 दिन से"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 9:33

x
यीशु और उसके शिष्य गलील से निकल आये कि वह उन्हें जनसमूह की अनुपस्थिति में शिक्षा दे पायें।

Mark 9:38

x
यीशु न अपने शिष्यों को शिक्षा दी कि वे स्वयं को उसमें विश्वास करने वाले बालकों से अधिक न समझें।

दुष्टात्माओं को निकालते देखा
"दुष्टात्माओं को बहिष्कृत करते देखा है।"

Mark 9:42

चक्की का पाट
अन्न का आटा पीसने वाली चक्की

आग नहीं बुझती
"आग बुझाई नहीं जा सकती"

9:44
कुछ प्राचीन लेखों में यह पद है परन्तु कुछ में नहीं है।

Mark 9:45

नरक में डाला जाये
"परमेश्वर तुझे नरक में डाले"।

9:46
कुछ प्राचीन लेखों में यह पद है परन्तु कुछ में नहीं है।

Mark 9:47

जहां उनका कीड़ा नहीं मरता
"उनकी मृतक देह को खाने वाले कीड़े"

Translation Questions

Mark 9:1

यीशु ने किसके लिए कहा कि वे परमेश्वर के राज्य को सामर्थ्य में आता देखेंगे?
यीशु ने कहा कि वहाँ खड़े हुए लोगों में ऐसे जन हैं जो परमेश्वर के राज्य को सामर्थ्य में आता देखे बिना मृत्यु का स्वाद नहीं चखेंगे।

Mark 9:2

जब पतरस, याकूब और यूहन्ना उसके साथ ऊंचे पहाड़ पर गए तब क्या हुआ?
यीशु का रूपान्तरण हुआ और उसके वस्त्र चमकने लगे।

Mark 9:4

पहाड़ पर यीशु के साथ कौन बातें कर रहे थे?
एलिय्याह और मूसा यीशु के साथ बातें कर रहे थे।

Mark 9:7

पहाड़ पर बादल से क्या सुनाई पड़ा?
वहाँ बादल में से ये शब्द निकले, “यह मेरा प्रिय पुत्र है; उसकी सुनो।”

Mark 9:9

चेलों ने पहाड़ पर जो देखा था उसके बारे में यीशु ने उन्हें क्या आज्ञा दी थी?
यीशु ने उनसे कहा कि मनुष्य के पुत्र के मृतकोत्थान तक किसी से कुछ न कहें।

Mark 9:11

यीशु ने एलिय्याह के आने के बारे में क्या कहा था?
यीशु ने कहा कि एलिय्याह सचमुच पहले आकर सब कुछ सुधारेगा और एलिय्याह आ चुका है।

Mark 9:17

चेले उस पिता और पुत्र के लिए क्या करने में असमर्थ थे?
चेले उस पिता के पुत्र में से दुष्टात्मा नहीं निकाल पाए थे।

Mark 9:22

दुष्टात्मा उस बालक को नष्ट करने के लिए उसे कहां-कहां गिराता था?
वह दुष्टात्मा उस बालक को कभी आग में कभी पानी में गिरा देता था कि वह नष्ट हो जाए।

Mark 9:23

यीशु ने उस बालक के पिता से कहा कि विश्वास करने वाले के लिए सब कुछ संभव है तो उस पिता की क्या प्रतिक्रिया थी?
उस बालक पुत्र ने कहा, "हे प्रभु, मैं विश्वास करता हूँ, मेरे अविश्वास का उपाय कर"।

Mark 9:28

चेले उस बालक में से गूंगी, बहरी आत्मा निकालने में असफल क्यों रहे थे?
चेले उस दुष्टात्मा को निकालने में असमर्थ रहे क्योंकि उसके लिए प्रार्थना की आवश्यकता थी।

Mark 9:31

यीशु ने अपने बारे में चेलों से क्या कहा था?
यीशु ने उनसे कहा कि वह मारा जायेगा परन्तु तीन दिन बाद फिर जी उठेगा।

Mark 9:33

मार्ग में चेले क्या विवाद कर रहे थे?
चेले आपस में विवाद कर रहे थे कि उनमें बड़ा कौन है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 9:35

यीशु ने किसको पहला बताया था?
यीशु ने कहा कि प्रथम वही है जो सबका सेवक हो।

Mark 9:36

किसी छोटे बालक को यीशु के नाम में ग्रहण करने पर मनुष्य और किसको ग्रहण करता है?
यदि कोई किसी छोटे बालक को यीशु के नाम में ग्रहण करे तो वह यीशु को और यीशु के भेजने वाले को ग्रहण करता है।

Mark 9:42

यीशु में विश्वास करने वाले किसी एक छोटे मनुष्य के लिए ठोकर का कारण होने वाले के लिए क्या उचित है?
इसके लिए उचित हो कि उसके गले में चक्की का पाट बांधकर उसे गहरे समुद्र में डाल दिया जाए।

Mark 9:43

ठोकर के हर एक कारण के साथ यीशु ने कैसा व्यवहार करने को कहा है?
यीशु ने कहा कि प्रत्येक ठोकर के कारण को दूर कर दें।

Mark 9:48

यीशु ने नरक की स्थिति कैसी वर्णन की?
यीशु ने कहा कि नरक में कीड़े नहीं मरते न ही आग कभी बुझती है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 10

1 फिर वह वहाँ से उठकर यहूदिया के सीमा-क्षेत्र और यरदन के पार आया, और भीड़ उसके पास फिर इकट्ठी हो गई, और वह अपनी रीति के अनुसार उन्हें फिर उपदेश देने लगा। **2** तब फरीसियों* ने उसके पास आकर उसकी परीक्षा करने को उससे पूछा, “क्या यह उचित है, कि पुरुष अपनी पत्नी को त्यागे?” **3** उसने उनको उत्तर दिया, “मूसा ने तुम्हें क्या आज्ञा दी है?” **4** उन्होंने कहा, “मूसा ने त्याग-पत्र लिखने और त्यागने की आज्ञा दी है।” (व्य. 24:1-3) **5** यीशु ने उनसे कहा, “तुम्हारे मन की कठोरता के कारण उसने तुम्हारे लिये यह आज्ञा लिखी। **6** पर सृष्टि के आरम्भ से, परमेश्वर ने नर और नारी करके उनको बनाया है। (उत्प. 1:27, उत्प. 5:2) **7** इस कारण मनुष्य अपने माता-पिता से अलग होकर अपनी पत्नी के साथ रहेगा, **8** और वे दोनों एक तन होंगे’; इसलिए वे अब दो नहीं, पर एक तन हैं। (उत्प. 2:24) **9** इसलिए जिसे परमेश्वर ने जोड़ा है, उसे मनुष्य अलग न करे।” **10** और घर में चेलों ने इसके विषय में उससे फिर पूछा। **11** उसने उनसे कहा, “जो कोई अपनी पत्नी को त्याग कर दूसरी से विवाह करे तो वह उस पहली के विरोध में व्यभिचार करता है। **12** और यदि पत्नी अपने पति को छोड़कर दूसरे से विवाह करे, तो वह व्यभिचार करती है।”

13 फिर लोग बालकों को उसके पास लाने लगे, कि वह उन पर हाथ रखे; पर चेलों ने उनको डाँटा। **14** यीशु ने यह देख क्रुद्ध होकर उनसे कहा, “बालकों को मेरे पास आने दो और उन्हें मना न करो, क्योंकि परमेश्वर का राज्य ऐसों ही का है। **15** मैं तुम से सच कहता हूँ, कि जो कोई परमेश्वर के राज्य को बालक की तरह ग्रहण न करे, वह उसमें कभी प्रवेश करने न पाएगा।” **16** और उसने उन्हें गोद में लिया, और उन पर हाथ रखकर उन्हें आशीष दी।

17 और जब वह निकलकर मार्ग में जाता था, तो एक मनुष्य उसके पास दौड़ता हुआ आया, और उसके आगे घुटने टेककर उससे पूछा, “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का अधिकारी होने के लिये मैं क्या करूँ?” **18** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे उत्तम क्यों कहता है? कोई उत्तम नहीं, केवल एक अर्थात् परमेश्वर। **19** तू आज्ञाओं को तो जानता है: ‘हत्या न करना, व्यभिचार न करना, चोरी न करना, झूठी गवाही न देना, छल न करना*, अपने पिता और अपनी माता का आदर करना।’ (निर्ग. 20:12-16, रोम. 13:9) **20** उसने उससे कहा, “हे गुरु, इन सब को मैं लड़कपन से मानता आया हूँ।” **21** यीशु ने उस पर दृष्टि करके उससे प्रेम किया, और उससे कहा, “तुझ में एक बात की घटी है; जा, जो कुछ तेरा है, उसे बेचकर गरीबों को दे, और तुझे स्वर्ग में धन मिलेगा, और आकर मेरे पीछे हो ले।” **22** इस बात से उसके चेहरे पर उदासी छा गई, और वह शोक करता हुआ चला गया, क्योंकि वह बहुत धनी था।

23 यीशु ने चारों ओर देखकर अपने चेलों से कहा, “धनवानों को परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना कैसा कठिन है!” **24** चेले उसकी बातों से अचम्भित हुए। इस पर यीशु ने फिर उनसे कहा, “हे बालकों, जो धन पर भरोसा रखते हैं, उनके लिए परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना कैसा कठिन है! **25** परमेश्वर के राज्य में धनवान के प्रवेश करने से ऊँट का सूई के नाके में से निकल जाना सहज है!” **26** वे बहुत ही चकित होकर आपस में कहने लगे, “तो फिर किस का उद्धार हो सकता है?” **27** यीशु ने उनकी ओर देखकर कहा, “मनुष्यों से तो यह नहीं हो सकता, परन्तु परमेश्वर से हो सकता है; क्योंकि परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है।” (अय्यू. 42:2, लूका 1:37) **28** पतरस उससे कहने लगा, “देख, हम तो सब कुछ छोड़कर तेरे पीछे हो लिये हैं।” **29** यीशु ने कहा, “मैं तुम से सच कहता हूँ, कि ऐसा कोई नहीं, जिस ने मेरे और सुसमाचार के लिये घर या भाइयों या बहनों या माता या पिता या बाल-बच्चों या खेतों को छोड़ दिया हो, **30** और अब इस समय* सौ गुणा न पाए, घरों और भाइयों और बहनों और माताओं और बाल-बच्चों और खेतों को, पर सताव के साथ और परलोक में अनन्त जीवन। **31** पर बहुत सारे जो पहले हैं, पिछले होंगे; और जो पिछले हैं, वे पहले होंगे।”

32 और वे यरूशलेम को जाते हुए मार्ग में थे, और यीशु उनके आगे-आगे जा रहा था : और चेले अचम्भा करने लगे और जो उसके पीछे-पीछे चलते थे वे डरे हुए थे, तब वह फिर उन बारहों को लेकर उनसे वे बातें कहने लगा, जो उस पर आनेवाली थीं। **33** “देखो, हम यरूशलेम को जाते हैं, और मनुष्य का पुत्र प्रधान याजकों और शास्त्रियों के हाथ पकड़वाया जाएगा, और वे उसको मृत्यु के योग्य ठहराएँगे, और अन्यजातियों के हाथ में सौंपेंगे। **34** और वे उसका उपहास करेंगे, उस पर थूकेंगे, उसे कोड़े मारेंगे, और उसे मार डालेंगे, और तीन दिन के बाद वह जी उठेगा।”

35 तब जब्दी के पुत्र याकूब और यूहन्ना ने उसके पास आकर कहा, “हे गुरु, हम चाहते हैं, कि जो कुछ हम तुझ से माँगे, वही तू हमारे लिये करे।” **36** उसने उनसे कहा, “तुम क्या चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिये करूँ?” **37** उन्होंने उससे कहा, “हमें यह दे, कि तेरी महिमा में हम में से एक तेरे दाहिने और दूसरा तेरे बाएँ बैठे।” **38** यीशु ने उनसे कहा, “तुम नहीं जानते, कि क्या माँगते हो? जो कटोरा मैं पीने पर हूँ, क्या तुम पी सकते हो? और जो बपतिस्मा मैं लेने पर हूँ, क्या तुम ले सकते हो?” **39** उन्होंने उससे कहा, “हम से हो सकता है।” यीशु ने उनसे कहा, “जो कटोरा मैं पीने पर हूँ, तुम पीओगे; और जो बपतिस्मा मैं लेने पर हूँ, उसे लोगे। **40** पर जिनके लिये तैयार किया गया है, उन्हें छोड़ और किसी को अपने दाहिने और अपने बाएँ बैठाना मेरा काम नहीं।” **41** यह सुनकर दसों याकूब और यूहन्ना पर रिसियाने लगे। **42** तो यीशु ने उनको पास बुलाकर उनसे कहा, “तुम जानते हो, कि जो अन्यजातियों के अधिपति समझे जाते हैं, वे उन पर प्रभुता करते हैं; और उनमें जो बड़े हैं, उन पर अधिकार जताते हैं। **43** पर तुम में ऐसा नहीं है, वरन् जो कोई तुम में बड़ा होना चाहे वह तुम्हारा सेवक बने; **44** और जो कोई तुम में प्रधान होना चाहे, वह सब का दास बने। **45** क्योंकि मनुष्य का पुत्र इसलिए नहीं आया, कि उसकी सेवा टहल की जाए, पर इसलिए आया, कि आप सेवा टहल करे, और बहुतों के छुटकारे के लिये अपना प्राण दे।”

46 वे यरीहो में आए, और जब वह और उसके चेले, और एक बड़ी भीड़ यरीहो से निकलती थी, तब तिमाई का पुत्र बरतिमाई एक अंधा भिखारी, सड़क के किनारे बैठा था। **47** वह यह सुनकर कि यीशु नासरी है, पुकार-पुकारकर कहने लगा “हे दाऊद की सन्तान, यीशु मुझ पर दया कर।” **48** बहुतों ने उसे डाँटा कि चुप रहे, पर वह और भी पुकारने लगा, “हे दाऊद की सन्तान, मुझ पर दया कर।” **49** तब यीशु ने ठहरकर कहा, “उसे बुलाओ।” और लोगों ने उस अंधे को बुलाकर उससे कहा, “धैर्य रख, उठ, वह तुझे बुलाता है।” **50** वह अपना कपड़ा फेंककर शीघ्र उठा, और यीशु के पास आया। **51** इस पर यीशु ने उससे कहा, “तू क्या चाहता है कि मैं तेरे लिये करूँ?” अंधे ने उससे कहा, “हे रब्बी, यह कि मैं देखने लगूँ।” **52** यीशु ने उससे कहा, “चला जा, तेरे विश्वास ने तुझे चंगा कर दिया है।” और वह तुरन्त देखने लगा, और मार्ग में उसके पीछे हो लिया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 10:1

x
यीशु और उसके शिष्यों ने कफरनहूम से कूच किया।

Mark 10:5

तुम्हारे मन की कठोरता के कारण
"तुम्हारे हठ के कारण"

Mark 10:7

वे अब दो नहीं पर एक तन होंगे।
यह रूपक पति-पत्नी की शारीरिक एकता को व्यक्त करता है।

Mark 10:17

तू मुझे उत्तम क्यों कहता है?
वैकल्पिक अनुवाद, "तेरे कहने का अभिप्राय क्या है उस पर ध्यान दे (या तेरे कहने का अभिप्राय है कि मैं परमेश्वर हूं), मुझे उत्तम कह रहा है, उत्तम तो केवल परमेश्वर ही है।" देखें:

Mark 10:23

परमेश्वर के राज्य में धनवान के प्रवेश करने से ऊंट का सूई के नाके में से निकल जाना सहज है!
ऊंट का सूई के छिद्र में से निकल जाना असंभव होता है। धनवानों के लिए अपने जीवन को परमेश्वर के अधीन रखना उतना ही कठिन है।

सूई के नाके
"सूई के नाके" अर्थात सूई के छिद्र।

Mark 10:26

तो फिर किसका उद्धार हो सकता है?
"तब तो किसी का भी उद्धार नहीं हो सकता"!

Mark 10:29

ऐसा कोई नहीं जिसने....छोड़ दिया हो...न पाए।
"जिसने भी छोड़ दिया है....वह पाएगा"।

मेरे....लिए
"मेरे लाभ के लिए" या "मेरे कारण"

घर या भाइयों या बहिनों या माता या पिता या बाल-बच्चों या खेतों को
"इस जीवन को" या "इस वर्तमान युग को"

परलोक
"आने वाले जीवन" या "आने वाले युग"

Mark 10:32

मनुष्य का पुत्र....पकड़वाया जायेगा
"लोग मनुष्य के पुत्र को पकड़वायेंगे" या "लोग मनुष्य के पुत्र को....हाथों में दे देंगे"।

Mark 10:39

x
याकूब और यूहन्ना ने यीशु से निवेदन किया कि जब वह पृथ्वी पर राज करे तब क्या वे उसे दाहिने बाएं बैठाएं जाएगे।

जो कटोरा मैं पीने पर हूं।
यीशु इस वाक्यांश में अपनी आने वाली पीड़ा का संदर्भ दे रहा है।

जो बपतिस्मा मैं लेने पर हूँ
यीशु इस वाक्यांश में अपनी आने वाली पीड़ा का संदर्भ दे रहा है।

Mark 10:41

हाकिम समझे जाते हैं
"वे जो शासक माने जाते हैं"

प्रभुता करते हैं
"अधीन रखते हैं" या "उन पर अधिकार होता है"

अधिकार जताते हैं।
"अधिकार का उपयोग करते हैं"

Mark 10:43

बड़ा होना चाहे
"सम्मान पाना चाहे" या "प्रशंसा पाना चाहे"

जो कोई
कोई भी

क्योंकि मनुष्य का पुत्र इसलिए नहीं आया कि उसकी सेवा टहल की जाए।
"क्योंकि मनुष्य का पुत्र इसलिए नहीं आया कि लोगों से अपनी सेवा करवाए।"

Mark 10:46

x
यीशु और उसके शिष्य यरूशलेम की ओर अग्रसर है।

बरतिमाई
एक व्यक्ति का नाम

तिमाई
उस अन्धे भिखारी का नाम

Mark 10:49

x
यीशु और उसके शिष्य यरूशलेम की ओर अग्रसर हैं और यरीहो के बाहर एक अंधा व्यक्ति यीशु को पुकारता है।

उसे बुलाओ
"उसे बुलाने के लिए लोगों से कहा"

ढाढ़स बाँध
"डर मत"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 10:51

x
यीशु और उसके शिष्य यरूशलेम के लिए अग्रसर हैं।

मैं देखने लगूं
"देखने की क्षमता प्राप्त करूं"

तुरन्त देखने लगा
"तत्काल" या "अविलम्ब"

Translation Questions

Mark 10:2

फरीसियों ने यीशु को परखने के लिए कौन सा प्रश्न पूछा था?
फरीसियों ने यीशु से पूछा कि पत्नी को तलाक देना क्या उचित है।

Mark 10:4

मूसा ने यहूदियों को तलाक के बारे में क्या आज्ञा दी थी?
तलाक पत्र देने की व्यवस्था मूसा ने की थी।

Mark 10:5

मूसा ने यहूदियों को तलाक की ऐसी आज्ञा क्यों दी थी?
मूसा ने उनके मनकी कठोरता के कारण ऐसी आज्ञा दी थी।

Mark 10:6

विवाह के बारे में परमेश्वर की मूल इच्छा को दर्शाने के लिए यीशु ने इतिहास में कब का संदर्भ दिया था?
यीशु ने विवाद के बारे में परमेश्वर की मूल व्यवस्था व्यक्त करने के लिए आरंभ में नर-नारी की सृष्टि का संदर्भ दिया।

Mark 10:7

यीशु के अनुसार विवाह में पति-पत्नी क्या होंगे?
यीशु ने कहा कि पति-पत्नी एक देह होंगे।

Mark 10:9

यीशु ने विवाह में परमेश्वर द्वारा जोड़े गए मनुष्यों के लिए क्या कहा है?
यीशु ने कहा कि परमेश्वर ने जिसे जोड़ा है उसे कोई अलग न करे।

Mark 10:13

जब चेलों ने बच्चों को यीशु के पास लाने वालों को झिड़का तब यीशु ने कैसी प्रतिक्रिया दिखाई थी?
यीशु चेलों पर क्रोधित हुआ और कहा कि बच्चों को उसके पास आने दें।

Mark 10:15

परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने के लिए उसे किस प्रकार ग्रहण करने के लिए यीशु ने कहा?
यीशु ने कहा कि परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने के लिए बालकों के सदृश्य उसे ग्रहण करना है।

Mark 10:19

यीशु ने उस व्यक्ति को अनन्त जीवन का मार्ग क्या बताया?
यीशु ने उससे कहा, हत्या न करना, व्यभिचार न करना, चोरी न करना, झूठी गवाही न देना, छल न करना अपने माता-पिता का आदर करना।

Mark 10:21

यीशु ने उस व्यक्ति को और क्या आज्ञा दी?
यीशु ने उससे कहा कि वह सब कुछ बेचकर उसके पीछे आ जाए।

Mark 10:22

यीशु की इस आज्ञा को सुनकर उस व्यक्ति की क्या प्रतिक्रिया थी और क्यों?
वह व्यक्ति दुखी होकर चला गया क्योंकि उसके पास बहुत धन संपदा थी।

Mark 10:23

यीशु ने किसके लिए परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना कठिन बताया है?
यीशु ने कहा कि धनवान का परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना कठिन है।

Mark 10:26

यीशु के अनुसार धनवान कैसे उद्धार पा सकता है?
यीशु ने कहा कि मनुष्यों के लिए तो असंभव है परन्तु परमेश्वर के लिए संभव है।

Mark 10:29

यीशु के लिए घर, परिवार, खेत आदि का त्याग करने वाले को यीशु ने कहा क्या मिलेगा?
यीशु ने कहा कि वे इस समय सौ गुना पाएंगे पर सताव के साथ और परलोक में अनन्त जीवन पाएंगे।

Mark 10:32

यीशु और उसके चेले किस मार्ग पर यात्रा कर रहे थे?
यीशु और उसके चेले यरूशलेम के मार्ग पर थे।

Mark 10:33

यीशु ने अपने चेलों को यरूशलेम में होने वाली कौन सी घटना की पूर्व सूचना दी थी?
यीशु ने अपने चेलों से कहा कि उसे घात किया जायेगा परन्तु वह तीन दिन बाद फिर जी उठेगा।

Mark 10:35

याकूब और यूहन्ना ने यीशु से क्या निवदेन किया था?
याकूब और यूहन्ना ने यीशु से निवेदन किया कि उसकी महिमा में वे उसके दहिनी ओर बाई ओर बैठाएं जाएं।

Mark 10:39

यीशु ने याकूब और यूहन्ना से क्या भोगने को कहा?
?

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 10:40

क्या यीशु ने याकूब और यूहन्ना का निवेदन स्वीकार किया था?
यीशु ने कहा कि उन्हें दहिनी और बाई ओर बैठाना यीशु का काम नहीं है।

Mark 10:42

यीशु के शब्दों में अन्यजाति शासक कैसे राज करते हैं?
यीशु ने कहा कि अन्यजाति के शासक अपनी प्रजा पर प्रभुता करते हैं।

Mark 10:43

चेलों में बड़ा होने वाले के लिए यीशु ने कैसी जीवनशैली बताई है?
यीशु ने कहा कि उसके चेलों में जो बड़ा होना चाहे वह सबका सेवक बने।

Mark 10:48

जब लोगों ने बरतिमाई को डांटा कि चुप रहे तो उसने क्या किया?
अंधा बरतिमाई और भी अधिक पुकारने लगा, "हे दाऊद की सन्तान, मुझ पर दया कर" |

Mark 10:52

यीशु ने उसके विश्वास के लिए क्या कहा?
यीशु ने कहा कि बरतिमाई के विश्वास ने उसे चंगा कर दिया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 11

1 जब वे यरूशलेम के निकट, जैतून पहाड़ पर बैतफगे* और बैतनिय्याह के पास आए, तो उसने अपने चेलों में से दो को यह कहकर भेजा, **2** “सामने के गाँव
में जाओ, और उसमें पहुँचते ही एक गदही का बच्चा, जिस पर कभी कोई नहीं चढ़ा, बंधा हुआ तुम्हें मिलेगा, उसे खोल लाओ। **3** यदि तुम से कोई पूछे, ‘यह
क्यों करते हो?’ तो कहना, ‘प्रभु को इसका प्रयोजन है,’ और वह शीघ्र उसे यहाँ भेज देगा।” **4** उन्होंने जाकर उस बच्चे को बाहर द्वार के पास चौक में बंधा हुआ
पाया, और खोलने लगे। **5** उनमें से जो वहाँ खड़े थे, कोई-कोई कहने लगे “यह क्या करते हो, गदही के बच्चे को क्यों खोलते हो?” **6** चेलों ने जैसा यीशु ने कहा
था, वैसा ही उनसे कह दिया; तब उन्होंने उन्हें जाने दिया। **7** और उन्होंने बच्चे को यीशु के पास लाकर उस पर अपने कपड़े डाले और वह उस पर बैठ गया। **8**
और बहुतों ने अपने कपड़े मार्ग में बिछाए और औरों ने खेतों में से डालियाँ काट-काट कर फैला दीं। **9** और जो उसके आगे-आगे जाते और पीछे-पीछे चले आते
थे, पुकार-पुकारकर कहते जाते थे, “होशाना*; धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है। (भज. 118:26) **10** हमारे पिता दाऊद का राज्य जो आ रहा है; धन्य
है! आकाश में होशाना।” (मत्ती 23:39) **11** और वह यरूशलेम पहुँचकर मन्दिर में आया, और चारों ओर सब वस्तुओं को देखकर बारहों के साथ बैतनिय्याह
गया, क्योंकि सांझ हो गई थी।

12 दूसरे दिन जब वे बैतनिय्याह से निकले तो उसको भूख लगी। **13** और वह दूर से अंजीर का एक हरा पेड़ देखकर निकट गया, कि क्या जाने उसमें कुछ पाए:
पर पत्तों को छोड़ कुछ न पाया; क्योंकि फल का समय न था। **14** इस पर उसने उससे कहा, “अब से कोई तेरा फल कभी न खाए।” और उसके चेले सुन रहे थे।

15 फिर वे यरूशलेम में आए, और वह मन्दिर में गया; और वहाँ जो लेन-देन कर रहे थे उन्हें बाहर निकालने लगा, और सर्राफों के मेज़ें और कबूतर के
बेचनेवालों की चौकियाँ उलट दीं।

16 और मन्दिर में से होकर किसी को बर्तन लेकर आने-जाने न दिया। **17** और उपदेश करके उनसे कहा, “क्या यह नहीं लिखा है, कि मेरा घर सब जातियों के
लिये प्रार्थना का घर कहलाएगा? पर तुम ने इसे डाकुओं की खोह बना दी है।” (लूका 19:46, यिर्म. 7:11) **18** यह सुनकर प्रधान याजक और शास्त्री उसके
नाश करने का अवसर ढूँढ़ने लगे; क्योंकि उससे डरते थे, इसलिए कि सब लोग उसके उपदेश से चकित होते थे। **19** और सांझ होते ही वे नगर से बाहर चले गए।

20 फिर भोर को जब वे उधर से जाते थे तो उन्होंने उस अंजीर के पेड़ को जड़ तक सूखा हुआ देखा। **21** पतरस को वह बात स्मरण आई, और उसने उससे
कहा, “हे रब्बी*, देख! यह अंजीर का पेड़ जिसे तूने श्राप दिया था सूख गया है।” **22** यीशु ने उसको उत्तर दिया, “परमेश्वर पर विश्वास रखो। **23** मैं तुम से सच
कहता हूँ कि जो कोई इस पहाड़ से कहे, ‘तू उखड़ जा, और समुद्र में जा पड़,’ और अपने मन में सन्देह न करे, वरन् विश्वास करे, कि जो कहता हूँ वह हो
जाएगा, तो उसके लिये वही होगा। **24** इसलिए मैं तुम से कहता हूँ, कि जो कुछ तुम प्रार्थना करके माँगो तो विश्वास कर लो कि तुम्हें मिल गया, और तुम्हारे लिये
हो जाएगा। **25** और जब कभी तुम खड़े हुए प्रार्थना करते हो, तो यदि तुम्हारे मन में किसी की ओर से कुछ विरोध हो, तो क्षमा करो: इसलिए कि तुम्हारा स्वर्गीय
पिता भी तुम्हारे अपराध क्षमा करे। **26** परन्तु यदि तुम क्षमा न करो तो तुम्हारा पिता भी जो स्वर्ग में है, तुम्हारा अपराध क्षमा न करेगा।”

27 वे फिर यरूशलेम में आए, और जब वह मन्दिर में टहल रहा था तो प्रधान याजक और शास्त्री और पुरनिए उसके पास आकर पूछने लगे। **28** “तू ये काम
किस अधिकार से करता है? और यह अधिकार तुझे किसने दिया है कि तू ये काम करे?” **29** यीशु ने उनसे कहा, “मैं भी तुम से एक बात पूछता हूँ; मुझे उत्तर
दो, तो मैं तुम्हें बताऊँगा कि ये काम किस अधिकार से करता हूँ। **30** यूहन्ना का बपतिस्मा क्या स्वर्ग की ओर से था या मनुष्यों की ओर से था? मुझे उत्तर दो।”
31 तब वे आपस में विवाद करने लगे कि यदि हम कहें ‘स्वर्ग की ओर से,’ तो वह कहेगा, ‘फिर तुम ने उसका विश्वास क्यों नहीं की?’ **32** और यदि हम कहें,
‘मनुष्यों की ओर से,’ तो लोगों का डर है, क्योंकि सब जानते हैं कि यूहन्ना सचमुच भविष्यद्वक्ता था। **33** तब उन्होंने यीशु को उत्तर दिया, “हम नहीं जानते।”
यीशु ने उनसे कहा, “मैं भी तुम को नहीं बताता, कि ये काम किस अधिकार से करता हूँ।”

Mark 11:1

x
यीशु और उसके शिष्य यरूशलेम के लिए अग्रसर हैं।

Mark 11:17

"क्या यह नहीं लिखा है कि मेरा घर सब जातियों के लिए प्रार्थना का घर कहलाएगा?"
"धर्मशास्त्र में लिखा है कि परमेश्वर ने कहा, "मैं चाहता हूँ कि मेरा घर वह स्थान कहलाए जहाँ सब जातियों के लोग प्रार्थना करने आ सकें, "परन्तु तुम डाकुओं ने इसे एक ऐसी गुफा बना दिया जहाँ तुम छिप सकते हो! तुम जानते ही हो।" (:)

Mark 11:20

उस अंजीर के पेड़ को जड़ तक सूखा हुआ देखा।
वैकल्पिक अनुवाद, "वह अंजीर का पेड़ जड़ तक सूख कर नष्ट हो गया था।"

Mark 11:27

तू ये काम किस अधिकार से करता है?
"ये काम" अर्थात यीशु द्वारा विक्रेताओं की चौकियां उलटना और उनके द्वारा सिखाई गई और की गई बातों के विरुद्ध बोलेगा।

तू ये काम किस अधिकार से करता है? और यह अधिकार तुझे किसने दिया है कि तू ये काम करे।
वैकल्पिक अनुवाद, "तुझे इसका अधिकार नहीं है क्योंकि हमने तुझे यह अधिकार नहीं दिया है।"

Mark 11:29

यूहन्ना का बपतिस्मा क्या स्वर्ग की ओर से था या मनुष्यों की ओर से था?
यद्यपि यीशु इस प्रश्न का उत्तर जानता था परन्तु वह धर्म-गुरुओं द्वारा उससे प्रश्न करने के तर्क को परखना चाहता था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Mark 11:2

यीशु ने सामने के गांव में अपने चेलों को क्या करने भेजा था?
यीशु ने उन्हें उसके लिए गदही का बच्चा लाने को कहा उस पर किसी ने सवारी नहीं की थी।

Mark 11:5

चेलों ने जब गदही के बच्चे को खोला तब क्या हुआ?
कुछ लोगों ने उनसे पूछा कि वे गदही के बच्चे को क्यों खोज रहे हैं तो उन्होंने वही कहा जो यीशु ने उनसे कहा था और लोगों ने उन्हें जाने दिया।

Mark 11:8

यीशु गदही के बच्चे पर सवार हुआ तो लोगों ने मार्ग में क्या बिछाया?
लोगों ने मार्ग में अपने कपड़े बिछाए और खेतों में से डालियां काट डालीं।

Mark 11:10

जब यीशु यरूशलेम की ओर बढ़ रहा था तब लोग क्या पुकार रहे थे?
लोग पुकारने लगे कि उनके पिता दाऊद का राज्य आ रहा है।

Mark 11:11

मन्दिर में प्रवेश करके यीशु ने क्या किया?
यीशु सब कुछ देखता हुआ बैतनिय्याह गया।

Mark 11:14

अंजीर के पेड़ में फल न पाकर यीशु ने क्या किया?
यीशु ने अंजीर के वृक्ष से कहा, "अब से कोई तेरा फल कभी न खाए"।

Mark 11:15

इस बार जब यीशु मन्दिर में आया तब उसने वहाँ क्या किया?
यीशु ने मन्दिर में से व्यापारियों को बाहर निकाला और किसी को सामान लेकर आने-जाने न दिया।

Mark 11:17

यीशु ने धर्मशास्त्र के अनुसार मन्दिर को क्या बताया?
यीशु ने कहा कि मन्दिर सब जातियों के लिए प्रार्थना का घर है।

महायाजकों और शास्त्रियों ने मन्दिर को यीशु के शब्दों में क्या बना दिया था?
यीशु ने कहा कि उन्होंने मन्दिर को डाकुओं की गुफा बना दिया है।

Mark 11:18

महायाजक और शास्त्री यीशु के साथ क्या करना चाहते थे?
महायाजक और शास्त्री यीशु की हत्या का षड्यंत्र रच रहे थे।

Mark 11:20

यीशु ने जिस अंजीर के वृक्ष को श्राप दिया था उसका क्या हुआ?
यीशु ने जिस अंजीर के पेड़ को श्राप दिया था वह जड़ से सूख गया था।

Mark 11:24

हम प्रार्थना में जो कुछ मांगते हैं उसके लिए यीशु ने क्या कहा है?
यीशु ने कहा कि हम प्रार्थना में जो भी मांगते है तो विश्वास करें कि वह मिल गया और ऐसा ही होगा।

Mark 11:25

यीशु ने हमें क्षमा के बारे में क्या सिखाया कि "हमें भी परमेश्वर क्षमा करे"?
यीशु ने कहा कि यदि किसी के लिए हमारे मन में विरोध है तो हम उसे क्षमा करें कि हमारा स्वर्गीय पिता भी हमारे अपराध क्षमा करें।

Mark 11:27

मन्दिर में महायाजक, शास्त्री और पुरनिये यीशु से क्या जानना चाहते थे?
?

Mark 11:30

यीशु ने महायाजकों, शास्त्रियों और पुरनियों से क्या पूछा?
यीशु ने उनसे पूछा कि यूहन्ना का बपतिस्मा स्वर्ग से था या मनुष्य से।

Mark 11:31

महायाजक, शास्त्री और पुरनिये यीशु के प्रश्न का उत्तर क्यों नहीं देना चाहते थे?
?

Mark 11:32

महायाजक, शास्त्री और पुरनिये यूहन्ना के बपतिस्में को मनुष्य का क्यों "नहीं" कहना चाहते थे?
वे उत्तर नहीं देना चाहते थे क्योंकि उन्हें मनुष्य का डर भी था जो उसे भविष्यद्वक्ता मानते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 12

1 फिर वह दृष्टान्तों में उनसे बातें करने लगा: “किसी मनुष्य ने दाख की बारी लगाई, और उसके चारों ओर बाड़ा बाँधा, और रस का कुण्ड खोदा, और गुम्मट
बनाया; और किसानों को उसका ठेका देकर परदेश चला गया। **2** फिर फल के मौसम में उसने किसानों के पास एक दास को भेजा कि किसानों से दाख की
बारी के फलों का भाग ले। **3** पर उन्होंने उसे पकड़कर पीटा और खाली हाथ लौटा दिया। **4** फिर उसने एक और दास को उनके पास भेजा और उन्होंने उसका
सिर फोड़ डाला और उसका अपमान किया। **5** फिर उसने एक और को भेजा, और उन्होंने उसे मार डाला; तब उसने और बहुतों को भेजा, उनमें से उन्होंने
कितनों को पीटा, और कितनों को मार डाला। **6** अब एक ही रह गया था, जो उसका प्रिय पुत्र था; अन्त में उसने उसे भी उनके पास यह सोचकर भेजा कि वे मेरे
पुत्र का आदर करेंगे। **7** पर उन किसानों ने आपस में कहा; ‘यही तो वारिस है; आओ, हम उसे मार डालें, तब विरासत हमारी हो जाएगी।’ **8** और उन्होंने उसे
पकड़कर मार डाला, और दाख की बारी के बाहर फेंक दिया।

9 “इसलिए दाख की बारी का स्वामी क्या करेगा? वह आकर उन किसानों का नाश करेगा, और दाख की बारी औरों को दे देगा। **10** क्या तुम ने पवित्रशास्त्र में
यह वचन नहीं पढ़ा:

‘जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया था,
वही कोने का सिरा* हो गया;
11 यह प्रभु की ओर से हुआ,
और हमारी दृष्टि में अद्भुत है’!” (भज. 118:23)

12 तब उन्होंने उसे पकड़ना चाहा; क्योंकि समझ गए थे, कि उसने हमारे विरोध में यह दृष्टान्त कहा है: पर वे लोगों से डरे; और उसे छोड़कर चले गए।

13 तब उन्होंने उसे बातों में फँसाने के लिये कई एक फरीसियों और हेरोदियों को उसके पास भेजा। **14** और उन्होंने आकर उससे कहा, “हे गुरु, हम जानते हैं,
कि तू सच्चा है, और किसी की परवाह नहीं करता; क्योंकि तू मनुष्यों का मुँह देखकर बातें नहीं करता, परन्तु परमेश्वर का मार्ग सच्चाई से बताता है। तो क्या
कैसर को कर देना उचित है, कि नहीं? **15** हम दें, या न दें?” उसने उनका कपट जानकर उनसे कहा, “मुझे क्यों परखते हो? एक दीनार मेरे पास लाओ, कि मैं
देखूँ।” **16** वे ले आए, और उसने उनसे कहा, “यह मूर्ति और नाम किस का है?” उन्होंने कहा, “कैसर का।” **17** यीशु ने उनसे कहा, “जो कैसर का है वह कैसर
को, और जो परमेश्वर का है परमेश्वर को दो।” तब वे उस पर बहुत अचम्भा करने लगे।

18 फिर सदूकियों* ने भी, जो कहते हैं कि मरे हुओं का जी उठना है ही नहीं, उसके पास आकर उससे पूछा, **19** “हे गुरु, मूसा ने हमारे लिये लिखा है, कि यदि
किसी का भाई बिना सन्तान मर जाए, और उसकी पत्नी रह जाए, तो उसका भाई उसकी पत्नी से विवाह कर ले और अपने भाई के लिये वंश उत्पन्न करे।
(उत्प. 38:8, व्य. 25:5) **20** सात भाई थे। पहला भाई विवाह करके बिना सन्तान मर गया। **21** तब दूसरे भाई ने उस स्त्री से विवाह कर लिया और बिना
सन्तान मर गया; और वैसे ही तीसरे ने भी। **22** और सातों से सन्तान न हुई। सब के पीछे वह स्त्री भी मर गई। **23** अतः जी उठने पर वह उनमें से किस की पत्नी
होगी? क्योंकि वह सातों की पत्नी हो चुकी थी।”

24 यीशु ने उनसे कहा, “क्या तुम इस कारण से भूल में नहीं पड़े हो कि तुम न तो पवित्रशास्त्र ही को जानते हो, और न परमेश्वर की सामर्थ्य को? **25** क्योंकि
जब वे मरे हुओं में से जी उठेंगे, तो उनमें विवाह-शादी न होगी; पर स्वर्ग में दूतों के समान होंगे। **26** मरे हुओं के जी उठने के विषय में क्या तुम ने मूसा की
पुस्तक* में झाड़ी की कथा में नहीं पढ़ा कि परमेश्वर ने उससे कहा: ‘मैं अब्राहम का परमेश्वर, और इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर हूँ?’ **27**
परमेश्वर मरे हुओं का नहीं, वरन् जीवितों का परमेश्वर है, तुम बड़ी भूल में पड़े हो।”

28 और शास्त्रियों में से एक ने आकर उन्हें विवाद करते सुना, और यह जानकर कि उसने उन्हें अच्छी रीति से उत्तर दिया, उससे पूछा, “सबसे मुख्य आज्ञा कौन
सी है?” **29** यीशु ने उसे उत्तर दिया, “सब आज्ञाओं में से यह मुख्य है: ‘हे इस्राएल सुन, प्रभु हमारा परमेश्वर एक ही प्रभु है। **30** और तू प्रभु अपने परमेश्वर से
अपने सारे मन से, और अपने सारे प्राण से, और अपनी सारी बुद्धि से, और अपनी सारी शक्ति से प्रेम रखना।’ **31** और दूसरी यह है, ‘तू अपने पड़ोसी से अपने
समान प्रेम रखना।’ इससे बड़ी और कोई आज्ञा नहीं।” **32** शास्त्री ने उससे कहा, “हे गुरु, बहुत ठीक! तूने सच कहा कि वह एक ही है, और उसे छोड़ और कोई
नहीं। (यशा. 45:18, व्य. 4:35) **33** और उससे सारे मन, और सारी बुद्धि, और सारे प्राण, और सारी शक्ति के साथ प्रेम रखना; और पड़ोसी से अपने समान
प्रेम रखना, सारे होमबलियों और बलिदानों से बढ़कर है।” (व्य. 6:4-5, लैव्य. 19:18, होशे 6:6) **34** जब यीशु ने देखा कि उसने समझ से उत्तर दिया, तो
उससे कहा, “तू परमेश्वर के राज्य से दूर नहीं।” और किसी को फिर उससे कुछ पूछने का साहस न हुआ।

35 फिर यीशु ने मन्दिर में उपदेश करते हुए यह कहा, “शास्त्री क्यों कहते हैं, कि मसीह दाऊद का पुत्र है? **36** दाऊद ने आप ही पवित्र आत्मा में होकर कहा है:

‘प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा, “मेरे दाहिने बैठ,
जब तक कि मैं तेरे बैरियों को तेरे पाँवों की चौकी न कर दूँ।”’ (भज. 110:1)

37 दाऊद तो आप ही उसे प्रभु कहता है, फिर वह उसका पुत्र कहाँ से ठहरा?” और भीड़ के लोग उसकी आनन्द से सुनते थे।

38 उसने अपने उपदेश में उनसे कहा, “शास्त्रियों से सावधान रहो, जो लम्बे वस्त्र पहने हुए फिरना और बाजारों में नमस्कार, **39** और आराधनालयों में मुख्य-
मुख्य आसन और भोज में मुख्य-मुख्य स्थान भी चाहते हैं। **40** वे विधवाओं के घरों को खा जाते हैं, और दिखाने के लिये बड़ी देर तक प्रार्थना करते रहते हैं, ये
अधिक दण्ड पाएँगे।”

41 और वह मन्दिर के भण्डार के सामने बैठकर देख रहा था कि लोग मन्दिर के भण्डार में किस प्रकार पैसे डालते हैं, और बहुत धनवानों ने बहुत कुछ डाला।
42 इतने में एक गरीब विधवा ने आकर दो दमड़ियाँ, जो एक अधेले के बराबर होती है, डाली। **43** तब उसने अपने चेलों को पास बुलाकर उनसे कहा, “मैं तुम से सच कहता हूँ कि मन्दिर के भण्डार में डालने वालों में से इस गरीब विधवा ने सबसे बढ़कर डाला है; **44** क्योंकि सब ने अपने धन की बढ़ती में से डाला है, परन्तु इसने अपनी घटी में से जो कुछ उसका था, अर्थात् अपनी सारी जीविका डाल दी है।”

Mark 12:1

किसानों को उसका ठेका देकर
उस स्वामी ने दाख को संभालने के लिए लोगों का प्रबन्ध किया।

Mark 12:8

इसलिए दाख की बारी का स्वामी क्या करेगा?
वैकल्पिक अनुवाद, "इसलिए मैं तुम्हें बताता हूँ कि दाख की बारी का स्वामी क्या करेगा..."

Mark 12:10

क्या तुमने पवित्र-शास्त्र में यह वचन नहीं पढ़ा?
वैकल्पिक अनुवाद, "अब इन शब्दों पर सावधानी-पूर्वक ध्यान दो, जिन्हें तुमने धर्मशास्त्र में पढ़ा है।"

Mark 12:13

तुम मुझे क्यों परखते हो?
"मैं जानता हूँ कि तुम मेरे मुंह से कुछ गलत निकलवाने का प्रयास कर रहे हो कि मुझ पर दोष लगा पाओ।"

दीनार
दिन भर की मजदूरी में मिलने वाला सिक्का।

Mark 12:20

जी उठने पर वह किसकी पत्नी होगी?
वैकल्पिक अनुवाद "पुनरूत्थान के समय जब वे फिर जी उठेंगे तब उसका सातों भाइयों की पत्नी होना संभव नहीं।"

Mark 12:24

क्या तुम इस कारण भूल में नहीं पड़े हो....परमेश्वर की सामर्थ्य को?
वैकल्पिक अनुवाद "तुम भ्रमित हो क्योंकि....परमेश्वर का सामर्थ्य"

Mark 12:26

मरे हुओं के जी उठने
"परमेश्वर उन्हें जीवित करेगा"

Mark 12:35

शास्त्री कैसे कहते हैं कि मसीह दाऊद का पुत्र है?
वैकल्पिक अनुवाद, "यहूदी व्यवस्था के ये शिक्षक यीशु को मात्र दाऊद का वंशज कहते हैं तो वे गलती करते हैं।"

दाऊद की सन्तान।
"पुत्र" शब्द यहां वंश के संदर्भ में काम में लिया गया है।

फिर वह उसका पुत्र कहां से ठहरा?
वैकल्पिक अनुवाद, "तो वह दाऊद का पुत्र नहीं हो सकता!"

Mark 12:41

दो दमड़ियां
"सबसे कम मूल्य के दो सिक्के"-मुद्रा में सबसे कम मूल्य के दो सिक्के

Mark 12:43

"मैं तुम से सच कहता हूं।"
देखें कि आपने इसका अनुवाद में कैसे किया है।

दान पात्र
यह मन्दिर का एक दान पात्र था जो सबके लिए था।

धन की बढ़ती में से
बहुतायात में से

दरिद्रता में से
"कमी" या "दरिद्रता में से"

Translation Questions

Mark 12:1

दाख की बारी लगाकर और किसानों को ठेका देकर उसके स्वामी ने क्या किया?
दाख की बारी लगाकर और ठेका देकर उसका स्वामी यात्रा पर चला गया।

Mark 12:3

स्वामी ने जब अपनी फसल का फल लेने के लिए दासों को भेजा तब किसानों ने क्या किया?
किसानों ने स्वामी के सेवकों को मारा पीटा और हत्या कर दी।

Mark 12:6

स्वामी ने अन्त में किसानों के पास किसे भेजा?
स्वामी ने अन्त में अपने प्रिय पुत्र को भेजा।

Mark 12:8

किसानों ने स्वामी के अन्तिम प्रतिनिधि के साथ क्या किया?
किसानों ने उसे पकड़ कर मार डाला और बाहर फेंक दिया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 12:9

उसका स्वामी किसानों के साथ क्या करेगा?
दाख की बारी का स्वामी आयेगा और उन किसानों का सर्वनाश करके अपनी बारी किसी और को दे देगा।

Mark 12:10

धर्मशास्त्र में राजमिस्त्रियों द्वारा त्यागे गए पत्थर का क्या हुआ था?
जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया था वही कोने का पत्थर हुआ।

Mark 12:14

फरीसियों और हेरोदियों ने यीशु से क्या पूछा?
उन्होंने यीशु से पूछा कि कैसर को कर देना क्या उचित है।

Mark 12:17

यीशु ने उनके प्रश्न का क्या उत्तर दिया?
यीशु ने उनसे कहा की जो कैसर का है वह कैसर को दो और जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर को दो।

Mark 12:18

सदूकी किसमें विश्वास नहीं करते थे?
सदूकी पुनरुत्थान में विश्वास नहीं करते थे।

Mark 12:22

सदूकियों के उदाहरण में उस स्त्री के कितने पति हुए थे?
उस स्त्री के सात पति हुए।

Mark 12:23

सदूकियों ने उस स्त्री के बारे में यीशु से क्या प्रश्न किया?
?

Mark 12:24

यीशु ने सदूकियों की भूल का कारण क्या बताया था?
यीशु ने कहा कि सदूकी न तो धर्मशास्त्र को जानते हैं और न ही परमेश्वर के सामर्थ्य को समझते हैं।

Mark 12:25

इस स्त्री के बारे में यीशु ने सदूकियों को क्या उत्तर दिया?
यीशु ने कहा कि पुनरुत्थान में मनुष्य विवाह नहीं करेंगे वे स्वर्गदूतों के समान होंगे।

Mark 12:26

यीशु ने धर्मशास्त्र से पुनरुत्थान को कैसे सिद्ध किया?
यीशु ने मूसा की पुस्तक का संदर्भ दिया जहां परमेश्वर स्वयं को अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर कहता है अर्थात वे जीवित हैं।

Mark 12:29

यीशु ने किस आज्ञा को सबसे बड़ी बताया है?
यीशु ने कहा कि सबसे बड़ी आज्ञा है, तू प्रभु अपने परमेश्वर से अपने सारे मन से, अपने सारे प्राण से और अपनी सारी बुद्धि से और अपनी सारी शक्ति से प्रेम रखना।

Mark 12:31

यीशु ने दूसरी आज्ञा कौन सी बताई?
यीशु ने कहा कि अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख, दूसरी आज्ञा है।

Mark 12:35

यीशु ने दाऊद के बारे में शास्त्रियों से क्या प्रश्न किया?
यीशु ने उनसे पूछा कि मसीह यदि दाऊद की सन्तान है तो दाऊद उसे प्रभु क्यों कहता है।

Mark 12:38

यीशु ने मनुष्यों को शास्त्रियों के किस आचरण से सावधान करवाया था?
यीशु ने कहा कि शास्त्री मनुष्यों से प्रशंसा पाना चाहते थे परन्तु वे विधवाओं के घरों को खा जाते हैं और दिखाने के लिए बड़ी देर तक प्रार्थना करते है।

Mark 12:44

अन्यों की तुलना में यीशु ने उस गरीब विधवा के दान को बड़ा क्यों कहा था?
यीशु ने कहा कि उसका दान बड़ा है क्योंकि उसने अपनी गरीबी में से दिया जबकि अन्यों ने अपनी बहुतायत में से दिया था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 13

1 जब वह मन्दिर से निकल रहा था, तो उसके चेलों में से एक ने उससे कहा, “हे गुरु, देख, कैसे-कैसे पत्थर और कैसे-कैसे भवन हैं!” **2** यीशु ने उससे कहा, “क्या तुम ये बड़े-बड़े भवन देखते हो: यहाँ पत्थर पर पत्थर भी बचा न रहेगा जो ढाया न जाएगा।”

3 जब वह जैतून के पहाड़ पर मन्दिर के सामने बैठा था, तो पतरस और याकूब और यूहन्ना और अन्द्रियास ने अलग जाकर उससे पूछा, **4** “हमें बता कि ये बातें कब होंगी? और जब ये सब बातें पूरी होने पर होंगी उस समय का क्या चिन्ह होगा?” **5** यीशु उनसे कहने लगा, “सावधान रहो* कि कोई तुम्हें न भरमाए। **6** बहुत सारे मेरे नाम से आकर कहेंगे, ‘मैं वही हूँ’ और बहुतों को भरमाएँगे। **7** और जब तुम लड़ाइयाँ, और लड़ाइयों की चर्चा सुनो, तो न घबराना; क्योंकि इनका होना अवश्य है, परन्तु उस समय अन्त न होगा। **8** क्योंकि जाति पर जाति, और राज्य पर राज्य चढ़ाई करेगा। और हर कहीं भूकम्प होंगे, और अकाल पड़ेंगे। यह तो पीड़ाओं का आरम्भ ही होगा। (यिर्म. 6:24)

9 “परन्तु तुम अपने विषय में सावधान रहो, क्योंकि लोग तुम्हें सभाओं में सौंपेंगे और तुम आराधनालयों में पीटे जाओगे, और मेरे कारण राज्यपालों और राजाओं के आगे खड़े किए जाओगे, ताकि उनके लिये गवाही हो। **10** पर अवश्य है कि पहले सुसमाचार सब जातियों में प्रचार किया जाए। **11** जब वे तुम्हें ले जाकर सौंपेंगे, तो पहले से चिन्ता न करना, कि हम क्या कहेंगे। पर जो कुछ तुम्हें उसी समय बताया जाए, वही कहना; क्योंकि बोलनेवाले तुम नहीं हो, परन्तु पवित्र आत्मा है। **12** और भाई को भाई, और पिता को पुत्र मरने के लिये सौंपेंगे, और बच्चे माता-पिता के विरोध में उठकर उन्हें मरवा डालेंगे। (लूका 21:16, मीका 7:6) **13** और मेरे नाम के कारण सब लोग तुम से बैर करेंगे; पर जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा, उसी का उद्धार होगा।

14 “अतः जब तुम उस उजाड़नेवाली घृणित वस्तु* को जहाँ उचित नहीं वहाँ खड़ी देखो, (पढ़नेवाला समझ ले) तब जो यहूदिया में हों, वे पहाड़ों पर भाग जाएँ। (दानि. 9:27, दानि. 12:11) **15** जो छत पर हो, वह अपने घर से कुछ लेने को नीचे न उतरे और न भीतर जाए। **16** और जो खेत में हो, वह अपना कपड़ा लेने के लिये पीछे न लौटे। **17** उन दिनों में जो गर्भवती और दूध पिलाती होंगी, उनके लिये हाय! हाय! **18** और प्रार्थना किया करो कि यह जाड़े में न हो। **19** क्योंकि वे दिन ऐसे क्लेश के होंगे, कि सृष्टि के आरम्भ से जो परमेश्वर ने रची है अब तक न तो हुए, और न कभी फिर होंगे। (मत्ती 24:21) **20** और यदि प्रभु उन दिनों को न घटाता, तो कोई प्राणी भी न बचता; परन्तु उन चुने हुओं के कारण जिनको उसने चुना है, उन दिनों को घटाया। **21** उस समय यदि कोई तुम से कहे, ‘देखो, मसीह यहाँ है!’ या ‘देखो, वहाँ है!’ तो विश्वास न करना। **22** क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और चिन्ह और अद्भुत काम दिखाएँगे कि यदि हो सके तो चुने हुओं को भी भरमा दें। (मत्ती 24:24) **23** पर तुम सावधान रहो देखो, मैंने तुम्हें सब बातें पहले ही से कह दी हैं।

24 “उन दिनों में, उस क्लेश के बाद सूरज अंधेरा हो जाएगा, और चाँद प्रकाश न देगा; **25** और आकाश से तारागण गिरने लगेंगे, और आकाश की शक्तियाँ हिलाई जाएँगी। (प्रका. 6:13, यशा. 34:4) **26** तब लोग मनुष्य के पुत्र को बड़ी सामर्थ्य और महिमा के साथ बादलों में आते देखेंगे। (दानि. 7:13, प्रका. 1:17) **27** उस समय वह अपने स्वर्गदूतों* को भेजकर, पृथ्वी के इस छोर से आकाश के उस छोर तक चारों दिशा से अपने चुने हुए लोगों को इकट्ठा करेगा। (व्य. 30:4, मत्ती 24:31)

28 “अंजीर के पेड़ से यह दृष्टान्त सीखो जब उसकी डाली कोमल हो जाती; और पत्ते निकलने लगते हैं; तो तुम जान लेते हो, कि ग्रीष्मकाल निकट है। **29** इसी रीति से जब तुम इन बातों को होते देखो, तो जान लो, कि वह निकट है वरन् द्वार ही पर है। **30** मैं तुम से सच कहता हूँ, कि जब तक ये सब बातें न हो लेंगी, तब तक यह लोग जाते न रहेंगे। **31** आकाश और पृथ्वी टल जाएँगे, परन्तु मेरी बातें कभी न टलेंगी। (यशा. 40:8, लूका 21:33)

32 “उस दिन या उस समय के विषय में कोई नहीं जानता, न स्वर्ग के दूत और न पुत्र; परन्तु केवल पिता। **33** देखो, जागते और प्रार्थना करते रहो; क्योंकि तुम नहीं जानते कि वह समय कब आएगा। **34** यह उस मनुष्य के समान दशा है, जो परदेश जाते समय अपना घर छोड़ जाए, और अपने दासों को अधिकार दे: और हर एक को उसका काम जता दे, और द्वारपाल को जागते रहने की आज्ञा दे। **35** इसलिए जागते रहो; क्योंकि तुम नहीं जानते कि घर का स्वामी कब आएगा, सांझ को या आधी रात को, या मुर्गे के बाँग देने के समय या भोर को। **36** ऐसा न हो कि वह अचानक आकर तुम्हें सोते पाए। **37** और जो मैं तुम से कहता हूँ, वही सबसे कहता हूँ: जागते रहो।”

Mark 13:1

कैसे भव्य भवन?
वैकल्पिक अनुवाद, "तू देख सकता है कि यह कैसे विशाल भवन हैं।"

Mark 13:7

चर्चा
"झूठा समाचार" या "इधर-उधर की बात"

Mark 13:14

उजाड़ने वाली की घृणित वस्तु
"घृणित मूर्ति पूजा" या "दुष्टता की निरर्थकता"

Mark 13:24

सूरज अन्धेरा हो जायेगा
"परमेश्वर सूर्य को अंधकारपूर्ण कर देगा"

आकाश की शक्तियां हिलाई जायेंगी
"परमेश्वर आकाश की शक्तियों को हिला देगा"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 13:30

मैं तुमसे सच कहता हूं।
यीशु बल देकर कह रहा है कि वह उन्हें जो भी शिक्षा दे रहा है, वह वास्तव में होकर रहेंगी, ठीक वैसे ही जैसा उसने वर्णन किया है।

टल जायेंगे
"समाप्त हो जायेंगे"

Mark 13:35

मुर्गे
सामान्यतः भोर के समय सबसे पहले बोलने वाली चिड़िया

बांग देने के समय
"बोलने के समय" "या"

Translation Questions

Mark 13:2

यीशु ने उन भव्य पत्थरों और मन्दिर के बारे में क्या भविष्यद्वाणी की थी?
यीशु ने कहा कि मन्दिर के पत्थरों में एक भी नहीं रहेगा जो ढाया न गया हो।

Mark 13:4

चेलों ने इस पर यीशु से क्या प्रश्न पूछा?
?

Mark 13:5

यीशु ने चेलों को किस बात से सावधान रहने को कहा?
यीशु ने चेलों से कहा कि वे सावधान रहें अन्यथा कोई उन्हें भरमाए।

Mark 13:7

पीड़ाओं का आरंभ यीशु ने क्या बताया?
यीशु ने कहा कि पीड़ाओं के आरंभ में युद्ध होंगे, युद्ध की चर्चा होगी, भूकंप होंगे और अकाल पड़ेंगे।

Mark 13:9

यीशु ने क्या कहा कि चेलों के साथ होगा?
यीशु ने कहा कि चेले महासभाओं में सौंपे जायेंगे, आराधनालयों में पीटे जायेंगे, हाकिमों और राजाओं के सामने खड़े किए जायेंगे कि उनके लिए गवाही हो।

Mark 13:10

यीशु ने किसका होना पहले बताया है?
यीशु ने कहा कि पहले सुसमाचार का सब जातियों में प्रचार होना आवश्यक है।

Mark 13:12

यीशु के कथनानुसार परिवारों के सदस्य क्या करेंगे?
यीशु ने कहा कि एक परिवार के सदस्य एक दूसरे को मरवा डालेंगे।

Mark 13:13

यीशु ने किसके उद्धार के लिए कहा?
यीशु ने कहा कि जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा उसी का उद्धार होगा।

Mark 13:14

घृणित वस्तु देखने पर यीशु ने यहूदिया स्त्रियों से क्या करने को कहा?
यीशु ने कहा कि घृणित वस्तु देख कर, यहूदियावासी पर्वतों पर भाग जाएं।

Mark 13:20

चुने हुओं के कारण यीशु ने क्या कहा कि परमेश्वर ने किया है?
यीशु ने कहा कि चुने हुओं के कारण परमेश्वर ने क्लेश का समय घटा दिया है।

Mark 13:22

यीशु ने मनुष्यों का भरमाने वालों के लिए क्या कहा?
यीशु ने कहा कि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को भरमाने आएंगे।

Mark 13:24

उन दिनों के महाक्लेश के बाद आकाश में क्या होगा?
सूर्य और चांद अन्धेरा हो जाएंगे आकाश से सितारे गिरेंगे और आकाश की शक्तियां हिलाई जायेंगी।

Mark 13:26

मनुष्य बादलों में क्या देखेंगे?
वे मनुष्य के पुत्र को महान सामर्थ्य और महिमा के साथ बादलों पर आता देखेंगे।

Mark 13:27

मनुष्य का पुत्र जब आयेगा तब वह क्या करेगा?
मनुष्य का पुत्र पृथ्वी के इस छोर से आकाश के उस छोर तक अपने चुने हुओं को इकट्ठा करेगा।

Mark 13:30

इन सब बातों के पूरा होने तक यीशु ने किसके लिए कहा कि वह समाप्त नहीं होंगे?
यीशु ने कहा कि जब तक ये सब बातें न हो लें तब तक यह पीढ़ी समाप्त नहीं होगी।

Mark 13:31

यीशु ने किस के लिए कहा कि कभी नहीं टलेगा?
यीशु ने कहा कि उसका वचन कभी नहीं टलेगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 13:32

यीशु ने इन सब बातों के होने का समय क्या बताया है?
यीशु ने कहा कि पिता को छोड़ उस दिन और समय को कोई नहीं जानता है।

Mark 13:33

यीशु ने अपने आगमन के संबन्ध में चेलों को क्या आज्ञा दी थी?
यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे जागते रहें और सावधान रहें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 14

1 दो दिन के बाद फसह* और अख़मीरी रोटी का पर्व होनेवाला था। और प्रधान याजक और शास्त्री इस बात की खोज में थे कि उसे कैसे छल से पकड़कर मार डालें। **2** परन्तु कहते थे, “पर्व के दिन नहीं, कहीं ऐसा न हो कि लोगों में दंगा मचे।”

3 जब वह बैतनिय्याह* में शमौन कोढ़ी के घर भोजन करने बैठा हुआ था तब एक स्त्री संगमरमर के पात्र में जटामांसी का बहुमूल्य शुद्ध इत्र लेकर आई; और पात्र तोड़ कर इत्र को उसके सिर पर उण्डेला। **4** परन्तु कुछ लोग अपने मन में झुँझला कर कहने लगे, “इस इत्र का क्यों सत्यनाश किया गया? **5** क्योंकि यह इत्र तो तीन सौ दीनार से अधिक मूल्य में बेचकर गरीबों को बाँटा जा सकता था।” और वे उसको झिड़कने लगे। **6** यीशु ने कहा, “उसे छोड़ दो; उसे क्यों सताते हो? उसने तो मेरे साथ भलाई की है। **7** गरीब तुम्हारे साथ सदा रहते हैं और तुम जब चाहो तब उनसे भलाई कर सकते हो; पर मैं तुम्हारे साथ सदा न रहूँगा। (व्य. 15:11) **8** जो कुछ वह कर सकी, उसने किया; उसने मेरे गाड़े जाने की तैयारी में पहले से मेरी देह पर इत्र मला है। **9** मैं तुम से सच कहता हूँ, कि सारे जगत में जहाँ कहीं सुसमाचार प्रचार किया जाएगा, वहाँ उसके इस काम की चर्चा भी उसके स्मरण में की जाएगी।”

10 तब यहूदा इस्करियोती जो बारह में से एक था, प्रधान याजकों के पास गया, कि उसे उनके हाथ पकड़वा दे। **11** वे यह सुनकर आनन्दित हुए, और उसको रुपये देना स्वीकार किया, और यह अवसर ढूँढ़ने लगा कि उसे किसी प्रकार पकड़वा दे।

12 अख़मीरी रोटी के पर्व के पहले दिन, जिसमें वे फसह का बलिदान करते थे, उसके चेलों ने उससे पूछा, “तू कहाँ चाहता है, कि हम जाकर तेरे लिये फसह खाने की तैयारी करे?” (निर्ग. 12:6, निर्ग. 12:15) **13** उसने अपने चेलों में से दो को यह कहकर भेजा, “नगर में जाओ, और एक मनुष्य जल का घड़ा उठाए हुए तुम्हें मिलेगा, उसके पीछे हो लेना। **14** और वह जिस घर में जाए उस घर के स्वामी से कहना: ‘गुरु कहता है, कि मेरी पाहुनशाला जिसमें मैं अपने चेलों के साथ फसह खाऊँ कहाँ है?’ **15** वह तुम्हें एक सजी-सजाई, और तैयार की हुई बड़ी अटारी दिखा देगा, वहाँ हमारे लिये तैयारी करो।” **16** तब चेले निकलकर नगर में आए और जैसा उसने उनसे कहा था, वैसा ही पाया, और फसह तैयार किया। **17** जब सांझ हुई, तो वह बारहों के साथ आया। **18** और जब वे बैठे भोजन कर रहे थे, तो यीशु ने कहा, “मैं तुम से सच कहता हूँ, कि तुम में से एक, जो मेरे साथ भोजन कर रहा है, मुझे पकड़वाएगा।” (भज. 41:9) **19** उन पर उदासी छा गई और वे एक-एक करके उससे कहने लगे, “क्या वह मैं हूँ?” **20** उसने उनसे कहा, “वह बारहों में से एक है, जो मेरे साथ थाली में हाथ डालता है। **21** क्योंकि मनुष्य का पुत्र तो, जैसा उसके विषय में लिखा है, जाता ही है; परन्तु उस मनुष्य पर हाय जिसके द्वारा मनुष्य का पुत्र पकड़वाया जाता है! यदि उस मनुष्य का जन्म ही न होता तो उसके लिये भला होता।”

22 और जब वे खा ही रहे थे तो उसने रोटी ली, और आशीष माँगकर तोड़ी, और उन्हें दी, और कहा, “लो, यह मेरी देह है।” **23** फिर उसने कटोरा लेकर धन्यवाद किया, और उन्हें दिया; और उन सब ने उसमें से पीया। **24** और उसने उनसे कहा, “यह वाचा का मेरा वह लहू है, जो बहुतों के लिये बहाया जाता है। (निर्ग. 24:8, जक. 9:11) **25** मैं तुम से सच कहता हूँ, कि दाख का रस उस दिन तक फिर कभी न पीऊँगा, जब तक परमेश्वर के राज्य में नया न पीऊँ।” **26** फिर वे भजन गाकर बाहर जैतून के पहाड़ पर गए।

27 तब यीशु ने उनसे कहा, “तुम सब ठोकर खाओगे, क्योंकि लिखा है: ‘मैं चरवाहे को मारूँगा, और भेड़ें तितर-बितर हो जाएँगी।’ **28** परन्तु मैं अपने जी उठने के बाद तुम से पहले गलील को जाऊँगा।” **29** पतरस ने उससे कहा, “यदि सब ठोकर खाएँ तो खाएँ, पर मैं ठोकर नहीं खाऊँगा।” **30** यीशु ने उससे कहा, “मैं तुझ से सच कहता हूँ, कि आज ही इसी रात को मुर्गे के दो बार बाँग देने से पहले, तू तीन बार मुझसे मुकर जाएगा।” **31** पर उसने और भी जोर देकर कहा, “यदि मुझे तेरे साथ मरना भी पड़े फिर भी तेरा इन्कार कभी न करूँगा।” इसी प्रकार और सब ने भी कहा।

32 फिर वे गतसमनी नाम एक जगह में आए; और उसने अपने चेलों से कहा, “यहाँ बैठे रहो, जब तक मैं प्रार्थना करूँ। **33** और वह पतरस और याकूब और यूहन्ना को अपने साथ ले गया; और बहुत ही अधीर और व्याकुल होने लगा, **34** और उनसे कहा, “मेरा मन बहुत उदास है, यहाँ तक कि मैं मरने पर हूँ: तुम यहाँ ठहरो और जागते रहो।” (भज. 42:5) **35** और वह थोड़ा आगे बढ़ा, और भूमि पर गिरकर प्रार्थना करने लगा, कि यदि हो सके तो यह समय मुझ पर से टल जाए। **36** और कहा, “हे अब्बा, हे पिता*, तुझ से सब कुछ हो सकता है; इस कटोरे को मेरे पास से हटा ले: फिर भी जैसा मैं चाहता हूँ वैसा नहीं, पर जो तू चाहता है वही हो।” **37** फिर वह आया और उन्हें सोते पा कर पतरस से कहा, “हे शमौन, तू सो रहा है? क्या तू एक घंटे भी न जाग सका? **38** जागते और प्रार्थना करते रहो कि तुम परीक्षा में न पड़ो। आत्मा तो तैयार है, पर शरीर दुर्बल है।” **39** और वह फिर चला गया, और वही बात कहकर प्रार्थना की। **40** और फिर आकर उन्हें सोते पाया, क्योंकि उनकी आँखें नींद से भरी थीं; और नहीं जानते थे कि उसे क्या उत्तर दें। **41** फिर तीसरी बार आकर उनसे कहा, “अब सोते रहो और विश्राम करो, बस, घड़ी आ पहुँची; देखो मनुष्य का पुत्र पापियों के हाथ पकड़वाया जाता है। **42** उठो, चलें! देखो, मेरा पकड़वानेवाला निकट आ पहुँचा है!”

43 वह यह कह ही रहा था, कि यहूदा जो बारहों में से था, अपने साथ प्रधान याजकों और शास्त्रियों और प्राचीनों की ओर से एक बड़ी भीड़ तलवारें और लाठियाँ लिए हुए तुरन्त आ पहुँची। **44** और उसके पकड़नेवाले ने उन्हें यह पता दिया था, कि जिसको मैं चूमूं वही है, उसे पकड़कर सावधानी से ले जाना। **45** और वह आया, और तुरन्त उसके पास जाकर कहा, “हे रब्बी!” और उसको बहुत चूमा। **46** तब उन्होंने उस पर हाथ डालकर उसे पकड़ लिया। **47** उनमें से जो पास खड़े थे, एक ने तलवार खींचकर महायाजक के दास पर चलाई, और उसका कान उड़ा दिया। **48** यीशु ने उनसे कहा, “क्या तुम डाकू जानकर मुझे पकड़ने के लिये तलवारें और लाठियाँ लेकर निकले हो? **49** मैं तो हर दिन मन्दिर में तुम्हारे साथ रहकर उपदेश दिया करता था, और तब तुम ने मुझे न पकड़ा: परन्तु यह इसलिए हुआ है कि पवित्रशास्त्र की बातें पूरी हों।” **50** इस पर सब चेले उसे छोड़कर भाग गए। (भज. 88:18) **51** और एक जवान अपनी नंगी देह पर चादर ओढ़े हुए उसके पीछे हो लिया; और लोगों ने उसे पकड़ा। **52** पर वह चादर छोड़कर नंगा भाग गया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

53 फिर वे यीशु को महायाजक के पास ले गए; और सब प्रधान याजक और पुरनिए और शास्त्री उसके यहाँ इकट्ठे हो गए। **54** पतरस दूर ही दूर से उसके पीछे-पीछे महायाजक के आँगन के भीतर तक गया, और प्यादों के साथ बैठ कर आग तापने लगा। **55** प्रधान याजक और सारी महासभा यीशु को मार डालने के लिये उसके विरोध में गवाही की खोज में थे, पर न मिली। **56** क्योंकि बहुत से उसके विरोध में झूठी गवाही दे रहे थे, पर उनकी गवाही एक सी न थी। **57** तब कितनों ने उठकर उस पर यह झूठी गवाही दी, **58** “हमने इसे यह कहते सुना है ‘मैं इस हाथ के बनाए हुए मन्दिर को ढा दूँगा, और तीन दिन में दूसरा बनाऊँगा, जो हाथ से न बना हो’।” **59** इस पर भी उनकी गवाही एक सी न निकली। **60** तब महायाजक ने बीच में खड़े होकर यीशु से पूछा; “तू कोई उत्तर नहीं देता? ये लोग तेरे विरोध में क्या गवाही देते हैं?” **61** परन्तु वह मौन साधे रहा, और कुछ उत्तर न दिया। महायाजक ने उससे फिर पूछा, “क्या तू उस परमधन्य का पुत्र मसीह है?” **62** यीशु ने कहा, “हाँ मैं हूँ: और तुम मनुष्य के पुत्र को सर्वशक्तिमान की दाहिनी ओर बैठे, और आकाश के बादलों के साथ आते देखोगे।” (दानि. 7:13, भज. 110:1) **63** तब महायाजक ने अपने वस्त्र फाड़कर कहा, “अब हमें गवाहों का क्या प्रयोजन है? (मत्ती 26:65) **64** तुम ने यह निन्दा सुनी। तुम्हारी क्या राय है?” उन सब ने कहा यह मृत्यु दण्ड के योग्य है। (लैव्य. 24:16) **65** तब कोई तो उस पर थूकने, और कोई उसका मुँह ढाँपने और उसे घूँसे मारने, और उससे कहने लगे, “भविष्यद्वाणी कर!” और पहरेदारों ने उसे पकड़कर थप्पड़ मारे।

66 जब पतरस नीचे आँगन में था, तो महायाजक की दासियों में से एक वहाँ आई। **67** और पतरस को आग तापते देखकर उस पर टकटकी लगाकर देखा और कहने लगी, “तू भी तो उस नासरी यीशु के साथ था।” **68** वह मुकर गया, और कहा, “मैं तो नहीं जानता और नहीं समझता कि तू क्या कह रही है”। फिर वह बाहर डेवढ़ी में गया; और मुर्गे ने बाँग दी। **69** वह दासी उसे देखकर उनसे जो पास खड़े थे, फिर कहने लगी, कि “यह उनमें से एक है।” **70** परन्तु वह फिर मुकर गया। और थोड़ी देर बाद उन्होंने जो पास खड़े थे फिर पतरस से कहा, “निश्चय तू उनमें से एक है; क्योंकि तू गलीली भी है।” **71** तब वह स्वयं को कोसने और शपथ खाने लगा, “मैं उस मनुष्य को, जिसकी तुम चर्चा करते हो, नहीं जानता।” **72** तब तुरन्त दूसरी बार मुर्गे ने बाँग दी पतरस को यह बात जो यीशु ने उससे कही थी याद आई, “मुर्गे के दो बार बाँग देने से पहले तू तीन बार मेरा इन्कार करेगा।” वह इस बात को सोचकर रोने लगा।

Mark 14:3

शमौन कोढ़ी
इस व्यक्ति को पहले कोढ़ था परन्तु अब वह स्वस्थ था।

संगमरमर
यह एक नर्म "सफेद पत्थर" होता है।

इस इत्र का क्यों सत्यानाश किया गया?
वैकल्पिक अनुवाद, "ऐसा बहुमूल्य इत्र को व्यर्थ गंवाने में तर्क की कोई बात नहीं है।"

इस इत्र को...बेचा जा सकता था।
"हम इस इत्र को बेच सकते थे" या "वह इसे बेच सकती थी"

Mark 14:6

उसे क्यों सताते हो?
वैकल्पिक अनुवाद, "तुम्हें उसे दुःख नहीं देना है।"

Mark 14:10

यहूदा इस्करियोती
देखें आपने इसका अनुवाद कैसे किया है।

Mark 14:17

जब वे बैठे भोजन कर रहे थे।
उनकी प्रथा में भोजन तख्त नीचे होते थे और अतिथियों के लिए भोजन करने हेतु आधा लेटने की स्थिति में गद्दियाँ रखी होती थी।

एक एक करके
अर्थात् प्रत्येक शिष्य ने एक के बाद एक उससे पूछा

क्या वह मैं हूँ?
"निश्चय ही वह मैं तो नहीं जो तुझे पकड़वाने में तेरे बैरियों की सहायता करेगा!" (देखें: और)

Mark 14:26

भजन गाकर
भजन भी एक गीत ही होता है। ऐसे समय पर भजन संहिता में से एक भजन गाना उनकी परम्परा थी।

Mark 14:35

x
जैतून पर्वत पर गतसमनी की वाटिका में यीशु पतरस, याकूब और यूहन्ना को सतर्क रहकर प्रार्थना के लिए छोड़ देता है।

हो सके तो यह घड़ी मुझ पर से टल जाए।
"उसे जिस कष्ट का अनुभव हो रहा था उसे सहन करने की शक्ति उसे मिले।"

हे अब्बा
"अब्बा" एक यूनानी शब्द है जिसका उपयोग बच्चे अपने पिता के लिए करते थे। यह घनिष्ठ सम्बन्ध को दर्शाता है। क्योंकि पिता ही को संबोधित करता है, इस यूनानी शब्द का ही उपयोग करना महत्वपूर्ण है, "अब्बा"

इस कटोरे को मेरे पास से हटा ले।
कटोरा परमेश्वर के प्रकोप का संदर्भ देता है जिसे यीशु को सहन करना है।

Mark 14:37

x
यीशु यहूदा को छोड़ अपने सब शिष्यों के साथ गतसमनी की वाटिका ही में है।

उन्हें सोते पाकर
"पतरस, याकूब और यूहन्ना को उसने सोते पाया।"

हे शमौन तू सो रहा है?
"शमौन, मैंने तुम्हें जागते रहने को कहा और तू सो रहा है"

तू एक घड़ी भी न जाग सका
"तू सजग न रह पाया।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

आत्मा तो तैयार है पर शरीर दुर्बल है।
"तुम्हारा शरीर तुम्हारे मन के अनुसार नहीं चल सकता है।"

शरीर
"देह"

Mark 14:40

x
यीशु यहूदा को छोड़ अपने सब शिष्यों के साथ गतसमनी की वाटिका ही में है।

सोते पाया
उन्हें देखा कि वे सो रहे हैं "पतरस, यूहन्ना और याकूब को सोते पाया।"

अब सोते रहो और विश्राम करो।
वैकल्पिक अनुवाद, "तुम अब भी सो रहे हो! विश्राम कर रहे हो।"

Mark 14:43

x
यीशु यहूदा को छोड़ अन्य सब शिष्यों के साथ गतसमनी में है।

उस पर हाथ डालकर उसे पकड़ लिया।
"बन्दी बना लिया"

Mark 14:47

x
महायाजक को, शास्त्रियों और फरीसियों द्वारा भेजी गई भीड़ ने यीशु को गतसमनी में पकड़ लिया है।

क्या तुम डाकू जानकर मुझे पकड़ने के लिए तलवारें और लाठियां लेकर निकले हो?
"तुम मुझे पकड़ने के लिए तलवारें और लाठियां लेकर आए हो जैसे कि किसी डाकू को पकड़ने आए हो।"

Mark 14:51

x
महायाजकों, शास्त्रियों और पुरनियों द्वारा भेजे गए दल ने यीशु को बन्दी बना लिया है।

चादर
सन की चादर

Mark 14:55

x
महायाजकों, शास्त्रियों और पुरनियों द्वारा भेजे गए दल ने यीशु को बन्दी बना लिया है।

Mark 14:57

x
यीशु बन्दी बनाकर यहूदी महायाजक के समक्ष उपस्थित किया गया।

हमने इसे यह कहते सुना है।
"हम" अर्थात वे जो यीशु के विरुद्ध झूठी गवाही दे रहे थे

Mark 14:60

x
यीशु को बन्दी बनाकर महायाजक के समक्ष लाया गया है।

बीच में खड़े होकर
"महायाजकों, शास्त्रियों और पुरनियों के मध्य खड़े होकर"

मैं हूं
पुराने नियम में परमेश्वर स्वयं को यही कहता था।

Mark 14:63

x
यीशु को बन्दी बनाकर महायाजक के समक्ष लाया गया है।

महायाजक ने अपने वस्त्र फाड़कर कहा
यीशु की बात सुनकर क्रोधित होने का संकेत- निन्दा समझा।

सबने कहा कि वह वध के योग्य है।
"महासभा के सब सदस्यों ने यीशु को दोषी ठहराया।"

Mark 14:66

x
यीशु को बन्दी बनाकर महायाजक के समक्ष लाया गया है।

Mark 14:69

x
अब तक पतरस एक बार यीशु का इन्कार कर चुका है।

उनमें से एक है
"शिष्यों में से एक"

Mark 14:71

x
आग में ताप रहे लोगों ने पतरस को देखकर कहा कि वह भी पतरस यीशु के साथ था।

रोने लगा
रोने का अर्थ है कि वह शोकातुर या "पूर्णतः सदमें में था"

Mark 14:80

मैं तुमसे सच कहता हूं।
देखें कि आपने इसका अनुवाद में कैसे किया है।

मुझसे मुकर जाएगा
"कहेगा कि मुझे नहीं जानता"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Mark 14:1

महायाजक और शास्त्री क्या षड्यंत्र रच रहे थे?
वे षड्यंत्र रच रहे थे कि यीशु को चुपचाप से पकड़ कर मार डालें।

Mark 14:2

महायाजक और शास्त्री अखमीरी रोटी के पर्व के समय ऐसा क्यों नहीं करना चाहते थे?
वे डरते थे कि लोगों में बलवा हो जायेगा।

Mark 14:3

शमौन कोढ़ी के घर में उस स्त्री ने यीशु के लिए क्या किया था?
एक स्त्री ने बहुमूल्य इत्र यीशु के सिर पर उण्डेला।

Mark 14:5

कुछ लोग उस स्त्री से रूष्ट क्यों थे?
कुछ लोग सोच रहे थे कि वह इस इत्र को बेचकर गरीबों में पैसा बांट देती तो अच्छा होता।

Mark 14:8

यीशु ने उस स्त्री के इस काम को क्या कहा?
यीशु ने कहा कि उसने यीशु की देह को दफ़न के लिए तैयार किया है।

Mark 14:9

यीशु ने उस स्त्री के काम के लिए क्या प्रतिज्ञा की थी?
यीशु ने उससे प्रतिज्ञा की कि संसार में जहां भी सुसमाचार प्रचार किया जायेगा, वहाँ उसके इस काम की चर्चा उसके स्मरण में की जायेगी।

Mark 14:10

यहूदा इस्करियोती महायाजकों के पास क्यों गया था?
यहूदा इस्करियोती महायाजकों के पास गया कि यीशु को पकड़वा दे।

Mark 14:12

चेलों ने फसह का भोज खाने का स्थान कैसे खोजा?
यीशु ने उनसे कहा, नगर में जाने पर वे एक मनुष्य को जल का घड़ा उठाए हुए देखेंगे, उससे पूछना कि अतिथि कक्ष कहाँ है कि वे फसह का भोज खाएं।

Mark 14:18

जब वे उसके साथ भोजन कर रहे थे तब यीशु ने क्या कहा?
यीशु ने कहा कि उसके साथ भोजन करने वालों में से एक उससे विश्वासघात करेगा।

Mark 14:20

यीशु ने किस चेले को विश्वासघाती बताया?
यीशु ने कहा कि उसके साथ कटोरे में रोटी डालने वाला उसे पकड़वायेगा।

Mark 14:21

यीशु ने विश्वासघाती चेले के भविष्य के लिए क्या कहा?
यीशु ने कहा कि वह जन्म ही न लेता तो अच्छा होता।

Mark 14:22

चेलों को रोटी तोड़कर देते समय यीशु ने क्या कहा?
यीशु ने कहा, "लो यह मेरी देह है"।

Mark 14:24

चेलों को कटोरा देते समय यीशु ने क्या कहा?
यीशु ने कहा, "यह वाचा का मेरा वह लहू है, जो बहुतों के लिए बहाया जाता है"।

Mark 14:25

यीशु ने दाख का रस फिर कब पीने के लिए कहा?
यीशु ने कहा कि वह दाख का रस उस दिन तक फिर कभी नहीं पीयेगा, जब तक परमेश्वर के राज्य में नया न पीए।

Mark 14:27

जैतून के पर्वत पर यीशु ने अपने चेलों से क्या भविष्यद्वाणी की थी?
यीशु ने भविष्यद्वाणी की कि उसके चेले सब उसे छोड़ कर भाग जायेंगे।

Mark 14:30

पतरस ने जब यीशु का इन्कार कभी न करने का दावा किया तब यीशु ने उससे क्या कहा?
यीशु ने पतरस से कहा कि मुर्गे के दो बार बाँग देने से पूर्व वह तीन बार उसका इन्कार करेगा।

Mark 14:32

यीशु प्रार्थना करने गया तो उसने उन तीन चेलों से क्या कहा?
यीशु ने उससे कहा कि वे वहाँ जागते रहें।

Mark 14:35

यीशु ने क्या प्रार्थना की?
यीशु ने प्रार्थना की कि हो सके तो वह समय टल जाए।

Mark 14:36

परमेश्वर से प्रार्थना के उत्तर में यीशु क्या स्वीकार करने के लिए तैयार था?
यीशु पिता की इच्छा पूरी करने को तत्पर था।

Mark 14:37

लौटने पर यीशु ने तीनों चेलों को कैसा पाया?
यीशु ने तीनों चेलों को सोता पाया।

Mark 14:40

यीशु प्रार्थना करके दूसरी बार लौटा तो उसने क्या देखा?
यीशु ने तीनों चेलों को सोता पाया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 14:41

यीशु प्रार्थना करे तीसरी बार लौटा तो क्या देखा?
यीशु ने तीनों चेलों को सोता पाया।

Mark 14:44

यहूदा ने पकड़ने वालों को यीशु की पहचान के लिए क्या बताया था?
यहूदा ने यीशु को चूम कर प्रकट किया कि वह यीशु है।

Mark 14:48

उसके पकड़े जाने में यीशु ने क्या कहा कि धर्मशास्त्र की बात पूरी होती है?
यीशु ने उनसे कहा, क्या तुम डाकू जानकर मुझे पकड़ने के लिए तलवारें और लाठी लेकर निकले हो? इससे धर्मशास्त्र पूरा होता है।

Mark 14:50

यीशु के पकड़े जाने पर उसके साथियों ने क्या किया?
यीशु के साथी उसे छोड़कर भाग खड़े हुए।

Mark 14:51

यीशु के पकड़े जाने के समय उस युवक ने क्या किया?
एक जवान अपनी चादर छोड़कर नंगा भाग गया।

Mark 14:53

यीशु जब महायाजक के पास लाया गया तब पतरस कहाँ था?
पतरस पहरेदारों के साथ आग तापने लगा।

Mark 14:55

महासभा में भी यीशु के विरूद्ध दी गई गवाहियों में क्या था?
यीशु के विरूद्ध की गई गवाहियां झूठी थी और एक सी नहीं थी।

Mark 14:61

महायाजक ने यीशु से उसके विषय क्या पूछा?
?

Mark 14:62

यीशु ने याजक को क्या उत्तर दिया?
यीशु ने कहा कि वह परमधन्य का पुत्र मसीह है।

Mark 14:64

यीशु का उत्तर सुनकर महायाजक ने यीशु को किस अपराध का दोषी ठहराया?
महायाजक ने कहा कि यीशु ईशनिन्दा का दोषी है।

Mark 14:65

यीशु को मृत्युदण्ड का दोषी ठहराने के बाद उन्होंने क्या किया?
उन्होंने उस पर थूका, थप्पड़ और उसे घूंसे मारे।

Mark 14:66

उस दासी ने पतरस को यीशु का साथी कहा तो पतरस ने क्या प्रतिक्रिया दिखाई?
पतरस ने कहा कि वह उस दासी के आरोप को न तो समझ रहा था और न ही जानता था।

Mark 14:71

पतरस से तीन बार कहा गया कि वह यीशु का चेला है तो उसने क्या प्रतिक्रिया दिखाई?
पतरस धिक्कारने और शपथ खाने लगा कि वह यीशु को नहीं जानता है।

Mark 14:72

पतरस ने तीसरी बार इन्कार किया तब क्या हुआ?
पतरस ने जब तीसरी बार इन्कार किया तब मुर्गे ने दूसरी बार बांग दी।

मुर्गे की बांग सुनकर पतरस ने क्या किया?
मुर्गे की बांग सुनकर पतरस रोने लगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 15

1 और भोर होते ही तुरन्त प्रधान याजकों, प्राचीनों, और शास्त्रियों ने वरन् सारी महासभा ने सलाह करके यीशु को बन्धवाया, और उसे ले जाकर पिलातुस के
हाथ सौंप दिया। **2** और पिलातुस ने उससे पूछा, “क्या तू यहूदियों का राजा है?” उसने उसको उत्तर दिया, “तू स्वयं ही कह रहा है।” **3** और प्रधान याजक उस
पर बहुत बातों का दोष लगा रहे थे। **4** पिलातुस ने उससे फिर पूछा, “क्या तू कुछ उत्तर नहीं देता, देख ये तुझ पर कितनी बातों का दोष लगाते हैं?” **5** यीशु ने
फिर कुछ उत्तर नहीं दिया; यहाँ तक कि पिलातुस को बड़ा आश्चर्य हुआ।

6 वह उस पर्व में किसी एक बन्धुए को जिसे वे चाहते थे, उनके लिये छोड़ दिया करता था। **7** और बरअब्बा नाम का एक मनुष्य उन बलवाइयों के साथ बन्धुआ
था, जिन्होंने बलवे में हत्या की थी। **8** और भीड़ ऊपर जाकर उससे विनती करने लगी, कि जैसा तू हमारे लिये करता आया है वैसा ही कर। **9** पिलातुस ने उनको
यह उत्तर दिया, “क्या तुम चाहते हो, कि मैं तुम्हारे लिये यहूदियों के राजा को छोड़ दूँ?” **10** क्योंकि वह जानता था, कि प्रधान याजकों ने उसे डाह से पकड़वाया
था। **11** परन्तु प्रधान याजकों ने लोगों को उभारा, कि वह बरअब्बा ही को उनके लिये छोड़ दे। **12** यह सुन पिलातुस ने उनसे फिर पूछा, “तो जिसे तुम यहूदियों
का राजा कहते हो, उसको मैं क्या करूँ?” **13** वे फिर चिल्लाए, “उसे क्रूस पर चढ़ा दे!” **14** पिलातुस ने उनसे कहा, “क्यों, इसने क्या बुराई की है?” परन्तु वे
और भी चिल्लाए, “उसे क्रूस पर चढ़ा दे।” **15** तब पिलातुस ने भीड़ को प्रसन्न करने की इच्छा से, बरअब्बा को उनके लिये छोड़ दिया, और यीशु को कोड़े
लगवाकर सौंप दिया, कि क्रूस पर चढ़ाया जाए।

16 सिपाही उसे किले के भीतर आँगन में ले गए जो प्रीटोरियुम कहलाता है, और सारे सैनिक दल को बुला लाए। **17** और उन्होंने उसे बैंगनी वस्त्र पहनाया और
काँटों का मुकुट गूँथकर उसके सिर पर रखा, **18** और यह कहकर उसे नमस्कार करने लगे, “हे यहूदियों के राजा, नमस्कार!” **19** वे उसके सिर पर सरकण्डे
मारते, और उस पर थूकते, और घुटने टेककर उसे प्रणाम करते रहे। **20** जब वे उसका उपहास कर चुके, तो उस पर बैंगनी वस्त्र उतारकर उसी के कपड़े
पहनाए; और तब उसे क्रूस पर चढ़ाने के लिये बाहर ले गए।

21 सिकन्दर और रूफुस का पिता शमौन, नाम एक कुरेनी* मनुष्य, जो गाँव से आ रहा था उधर से निकला; उन्होंने उसे बेगार में पकड़ा कि उसका क्रूस उठा ले
चले। **22** और वे उसे गुलगुता* नामक जगह पर, जिसका अर्थ खोपड़ी का स्थान है, लाए। **23** और उसे गन्धरस मिला हुआ दाखरस देने लगे, परन्तु उसने नहीं
लिया। **24** तब उन्होंने उसको क्रूस पर चढ़ाया*, और उसके कपड़ों पर चिट्ठियाँ डालकर, कि किस को क्या मिले, उन्हें बाँट लिया। (भज. 22:18) **25** और एक
पहर दिन चढ़ा था, जब उन्होंने उसको क्रूस पर चढ़ाया। **26** और उसका दोषपत्र लिखकर उसके ऊपर लगा दिया गया कि “यहूदियों का राजा”। **27** उन्होंने
उसके साथ दो डाकू, एक उसकी दाहिनी और एक उसकी बाईं ओर क्रूस पर चढ़ाए। **28** तब पवित्रशास्त्र का वह वचन कि वह अपराधियों के संग गिना गया,
पूरा हुआ। (यशा. 53:12) **29** और मार्ग में जानेवाले सिर हिला-हिलाकर और यह कहकर उसकी निन्दा करते थे, “वाह! मन्दिर के ढानेवाले, और तीन दिन में
बनानेवाले! (भज. 22:7, भज. 109:25) **30** क्रूस पर से उतर कर अपने आप को बचा ले।” **31** इसी तरह से प्रधान याजक भी, शास्त्रियों समेत, आपस में
उपहास करके कहते थे; “इसने औरों को बचाया, पर अपने को नहीं बचा सकता। **32** इस्राएल का राजा, मसीह, अब क्रूस पर से उतर आए कि हम देखकर
विश्वास करें।” और जो उसके साथ क्रूसों पर चढ़ाए गए थे, वे भी उसकी निन्दा करते थे।

33 और दोपहर होने पर सारे देश में अंधियारा छा गया, और तीसरे पहर तक रहा। **34** तीसरे पहर यीशु ने बड़े शब्द से पुकारकर कहा, “इलोई, इलोई, लमा
शबक्तनी?” जिसका अर्थ है, “हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया?” **35** जो पास खड़े थे, उनमें से कितनों ने यह सुनकर कहा, “देखो,
यह एलिय्याह को पुकारता है।” **36** और एक ने दौड़कर पनसोख्ता को सिरके में डुबोया, और सरकण्डे पर रखकर उसे चुसाया, और कहा, “ठहर जाओ; देखें,
एलिय्याह उसे उतारने के लिये आता है कि नहीं।” (भज. 69:21) **37** तब यीशु ने बड़े शब्द से चिल्लाकर प्राण छोड़ दिये। **38** और मन्दिर का परदा ऊपर से
नीचे तक फट कर दो टुकड़े हो गया। **39** जो सूबेदार उसके सामने खड़ा था, जब उसे यूँ चिल्लाकर प्राण छोड़ते हुए देखा, तो उसने कहा, “सचमुच यह मनुष्य,
परमेश्वर का पुत्र था!”

40 कई स्त्रियाँ भी दूर से देख रही थीं: उनमें मरियम मगदलीनी, और छोटे याकूब और योसेस की माता मरियम, और सलोमी थीं। **41** जब वह गलील में था तो
ये उसके पीछे हो लेती थीं और उसकी सेवा-टहल किया करती थीं; और भी बहुत सी स्त्रियाँ थीं, जो उसके साथ यरूशलेम में आई थीं।

42 जब संध्या हो गई, तो इसलिए कि तैयारी का दिन था, जो सब्त के एक दिन पहले होता है, **43** अरिमतियाह का रहनेवाला यूसुफ* आया, जो प्रतिष्ठित मंत्री
और आप भी परमेश्वर के राज्य की प्रतीक्षा में था। वह साहस करके पिलातुस के पास गया और यीशु का शव माँगा। **44** पिलातुस ने आश्चर्य किया, कि वह
इतना शीघ्र मर गया; और उसने सूबेदार को बुलाकर पूछा, कि “क्या उसको मरे हुए देर हुई?” **45** जब उसने सूबेदार के द्वारा हाल जान लिया, तो शव यूसुफ को
दिला दिया। **46** तब उसने एक मलमल की चादर मोल ली, और शव को उतारकर उस चादर में लपेटा, और एक कब्र में जो चट्टान में खोदी गई थी रखा, और
कब्र के द्वार पर एक पत्थर लुढ़का दिया। **47** और मरियम मगदलीनी और योसेस की माता मरियम देख रही थीं कि वह कहाँ रखा गया है।

Mark 15:1

तू आप ही कह रहा है।
"तू ने तो स्वयं ही कह दिया है"

Mark 15:9

छोड़ दूँ?
"मुक्त कर दूँ" या "क्षमा कर दूँ" या "जाने दूँ"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 15:16

किले
सैनिकों के ठहरने का स्थान

पलटन
"बहुत से सैनिक" या "अनेक सैनिक"

उन्होंने उसे बैंजनी वस्त्र पहनाया।
यह ठट्ठा करने का एक स्वांग था। बैंजनी वस्त्र राजसी वस्त्र था और यीशु को पहनाने का अभिप्राय था, उसका उपहास करना कि वह "यहूदियों का राजा है।"

और यह कहकर उसे नमस्कार करने लगे, "हे यहूदियों के राजा नमस्कार!"
सैनिक यीशु का ठट्ठा कर रहे थे क्योंकि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि वह यहूदियों का राजा है

Mark 15:25

डाकू
"हथियार-बन्द चोर"

Mark 15:36

खट्टा दाखरस
सिरका

मन्दिर का पर्दा ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया था।
परमेश्वर ने मन्दिर के पर्दे को दो भाग कर दिया।

Mark 15:39

सलोमी
x

Mark 15:45

एक कब्र जो चट्टानों में खोदी गई थी
"किसी ने एक कब्र को खोदा हुआ था।"

चादर
मलमल का कपड़ा (देखें इसका अनुवाद 14:51-52 में कैसे किया है)

वह कहाँ रखा गया है
यूसुफ और उसके साथ जो थे उन्होंने यीशु के शव को कहाँ रखा था।

Translation Questions

Mark 15:1

भोर होते ही महायाजकों ने यीशु के साथ क्या किया?
भोर होते ही उन्होंने यीशु को बंधवाया और पिलातुस के हाथ सौंप दिया।

Mark 15:5

महायाजक यीशु पर अनेक आरोप लगा रहे थे तब पिलातुस को किस बात पर आश्चर्य हुआ?
पिलातुस को आश्चर्य हुआ कि यीशु ने उसे कोई उत्तर नहीं दिया।

Mark 15:6

उस पर्व पर पिलातुस उनके लिए क्या करता था?
उस पर्व पर पिलातुस उनके लिए एक अपराधी को छोड़ देता था।

Mark 15:7

जनसमूह किसे छोड़ने की विनती करने लगा, वह बन्दीगृह में क्यों था?
जनसमूह ने विनती की बरअब्बा को छोड़ दिया जाए (वह एक हत्यारा था)।

Mark 15:10

पिलातुस यीशु को क्यों छोड़ देना चाहता था?
पिलातुस जानता था कि महायाजकों ने उसे डाह के कारण पकड़वाया है।

Mark 15:12

जनसमूह ने यहूदियों के राजा के साथ कैसे व्यवहार की पुकार की?
जनसमूह ने यहूदियों के राजा को क्रूस पर चढ़ाने की मांग की।

Mark 15:17

सैनिकों की पलटन ने यीशु को कैसे वस्त्र पहनाए?
सैनिकों ने यीशु को बैंजनी वस्त्र पहनाया और उसके सिर पर कांटों का ताज रखा।

Mark 15:21

यीशु का क्रूस किसने उठाया था?
एक यात्री, शमौन कुरेनी को यीशु का क्रूस उठाने के लिए विवश किया गया।

Mark 15:22

सैनिक यीशु को जहां क्रूस पर चढ़ाने ले गए उस स्थान का नाम क्या था?
उस स्थान का नाम गुलगुता था अर्थात खोपड़ी का स्थान था।

Mark 15:24

यीशु के वस्त्रों के साथ सैनिकों ने क्या किया?
सैनिकों ने यीशु के वस्त्रों के लिए चिटिठ्यां डालीं।

Mark 15:26

सैनिकों ने यीशु के दोष पत्र पर क्या लिखा?
सैनिकों ने एक दोष पत्र उसके उपर लगवा दिया जिस पर लिखा था, "यहूदियों का राजा"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 15:29

बटोहियों ने यीशु को क्या चुनौती दी?
आने जाने वालों ने उसकी निन्दा करते हुए कहा, क्रूस पर से उतर कर अपने आपको बचा ले।

Mark 15:31

महायाजकों ने यीशु पर विश्वास करने की क्या बातें रखी थी?
महायाजकों ने कहा कि वह क्रूस पर से उतर आए तो वे उसका विश्वास करेंगे।

Mark 15:32

यीशु की निन्दा करते समय महायाजकों ने यीशु को क्या पदनाम दिए?
महायाजकों ने यीशु को मसीह एवं इस्राएल का राजा कहा।

Mark 15:33

छठवें घंटे क्या हुआ?
छठवें घंटे संपूर्ण देश में अन्धकार हो गया था।

Mark 15:34

यीशु ने नौवें घंटे में चिल्लाकर क्या कहा था?
यीशु ने पुकार कर कहा, "हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया?"

Mark 15:37

मरने से पूर्व यीशु ने क्या किया?
मरने से पूर्व यीशु ने ऊंचे स्वर में पुकारा।

Mark 15:38

यीशु की मृत्यु पर मन्दिर में क्या हुआ?
यीशु की मृत्यु पर मन्दिर का पर्दा ऊपर से नीचे फटकर दो भाग हो गया।

Mark 15:39

यीशु की मृत्यु को देखकर सूबेदार ने क्या गवाही दी?
सूबेदार ने गवाही दी कि वह वास्तव में परमेश्वर का पुत्र था।

Mark 15:42

यीशु की मृत्यु किस दिन हुई थी?
यीशु सब्त से एक दिन पूर्व मर गया था।

Mark 15:43

यीशु के मरणोपरान्त अरिमतिया ने यूसुफ ने क्या किया?
अरिमतिया के यूसुफ ने पिलातुस से यीशु का पार्थिव देह मांगी और उसे क्रूस से उतारकर मलमल की चादर में लपेटकर कब्र में रखकर कब्र के द्वार पर एक पत्थर लुढ़का दिया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 16

1 जब सब्त का दिन बीत गया, तो मरियम मगदलीनी, और याकूब की माता मरियम, और सलोमी ने सुगन्धित वस्तुएँ मोल लीं, कि आकर उस पर मलें। **2** सप्ताह के पहले दिन बड़े भोर, जब सूरज निकला ही था, वे कब्र पर आईं, **3** और आपस में कहती थीं, “हमारे लिये कब्र के द्वार पर से पत्थर कौन लुढ़काएगा?” **4** जब उन्होंने आँख उठाई, तो देखा कि पत्थर लुढ़का हुआ है! वह बहुत ही बड़ा था। **5** और कब्र के भीतर जाकर, उन्होंने एक जवान को श्वेत वस्त्र पहने हुए दाहिनी ओर बैठे देखा, और बहुत चकित हुई। **6** उसने उनसे कहा, “चकित मत हो, तुम यीशु नासरी को, जो क्रूस पर चढ़ाया गया था, ढूँढ़ती हो। वह जी उठा है, यहाँ नहीं है; देखो, यही वह स्थान है, जहाँ उन्होंने उसे रखा था। **7** परन्तु तुम जाओ, और उसके चेलों और पतरस से कहो, कि वह तुम से पहले गलील को जाएगा; जैसा उसने तुम से कहा था, तुम वही उसे देखोगे।” **8** और वे निकलकर कब्र से भाग गईं; क्योंकि कँपकँपी और घबराहट उन पर छा गई थीं। और उन्होंने किसी से कुछ न कहा, क्योंकि डरती थीं।

9 सप्ताह के पहले दिन भोर होते ही वह जी उठ कर पहले-पहल मरियम मगदलीनी को जिसमें से उसने सात दुष्टात्माएँ निकाली थीं, दिखाई दिया। **10** उसने जाकर उसके साथियों को जो शोक में डूबे हुए थे और रो रहे थे, समाचार दिया। **11** और उन्होंने यह सुनकर कि वह जीवित है और उसने उसे देखा है, विश्वास न की।

12 इसके बाद वह दूसरे रूप में उनमें से दो को जब वे गाँव की ओर जा रहे थे, दिखाई दिया। **13** उन्होंने भी जाकर औरों को समाचार दिया, परन्तु उन्होंने उनका भी विश्वास न किया।

14 पीछे वह उन ग्यारहों को भी, जब वे भोजन करने बैठे थे दिखाई दिया, और उनके अविश्वास और मन की कठोरता पर उलाहना दिया, क्योंकि जिन्होंने उसके जी उठने के बाद उसे देखा था, इन्होंने उसका विश्वास न किया था। **15** और उसने उनसे कहा, “तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो। **16** जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परन्तु जो विश्वास न करेगा वह दोषी ठहराया जाएगा। **17** और विश्वास करनेवालों में ये चिन्ह होंगे कि वे मेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालेंगे; नई-नई भाषा बोलेंगे; **18** साँपों को उठा लेंगे, और यदि वे प्राणनाशक वस्तु भी पी जाएँ तो भी उनकी कुछ हानि न होगी; वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, और वे चंगे हो जाएँगे।”

19 तब प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया, और परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया। (1 पत. 3:22) **20** और उन्होंने निकलकर हर जगह प्रचार किया, और प्रभु उनके साथ काम करता रहा और उन चिन्हों के द्वारा जो साथ-साथ होते थे, वचन को दृढ़ करता रहा। आमीन।

Mark 16:5

वह जी उठा है
"वह जी उठा है" या "परमेश्वर ने उसे मृतकों में से जीवित कर दिया है" या "वह स्वयं जी उठा है"

Mark 16:9

सप्ताह के पहले दिन
"रविवार को"

Translation Questions

Mark 16:2

स्त्रियां यीशु की देह का अभ्यंजन करने कब्र पर कब गई?
सप्ताह के पहले दिन सूर्योदय के समय स्त्रियां यीशु की कब्र पर गई।

Mark 16:4

कब्र पर भारी पत्थर था तो फिर वे स्त्रियां कब्र में कैसे गई?
किसी ने कब्र पर से भारी पत्थर हटा दिया था।

Mark 16:5

कब्र में उन स्त्रियों ने क्या देखा?
उन स्त्रियों ने एक कब्र में एक जवान को श्वेत वस्त्र पहने हुए दाहिनी ओर बैठे देखा।

Mark 16:6

उस युवक ने यीशु के बारे में क्या कहा?
उस युवक ने कहा कि यीशु जी उठा है वह वहाँ नहीं है।

Mark 16:7

उस युवक ने कहाँ बताया कि चेले यीशु से भेंट करेंगे?
उस युवक ने कहा कि चेले गलील में यीशु से भेंट करेंगे।

Mark 16:9

पुनरुत्थान के बाद यीशु सबसे पहले किसे दिखाई दिया?
यीशु सबसे पहले मरियम मगदलीनी को दिखाई दिया।

Mark 16:11

मरियम ने चेलों से कहा कि उसने जीवित यीशु को देखा है तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी?
चेलों ने विश्वास नहीं किया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Mark 16:13

जब अन्य दो पुरूषों ने चेलों से पूछा कि उन्होंने जीवित यीशु से भेंट की तब चेलों की प्रतिक्रिया क्या थी?
चेलों ने विश्वास नहीं किया।

Mark 16:14

जब यीशु चेलों पर प्रकट हुआ तब उनके अविश्वास के लिए उसने क्या कहा?
यीशु ने चेलों को अविश्वास के लिए झिड़का।

Mark 16:15

यीशु ने चेलों को क्या आज्ञा दी?
यीशु ने चेलों को आज्ञा दी कि संपूर्ण विश्व में सुसमाचार सुनाएं।

Mark 16:16

यीशु ने किसके उद्धार के लिए कहा?
यीशु ने कहा कि विश्वास करके बपतिस्मा पाने वालों का उद्धार होगा।

यीशु ने किसको दण्ड का भागी बताया?
यीशु ने कहा कि विश्वास नहीं करने वाले दण्ड के भागी होंगे।

Mark 16:17

यीशु ने विश्वासियों को क्या चिन्ह बताए?
यीशु ने कहा कि विश्वास करने वाले दुष्टात्माएं निकालेंगे, अन्य भाषा बोलेंगे, प्राण नाशक वस्तुओं से भी उनको हानि नहीं होगी, वे बीमारों को चंगा करेंगे।

Mark 16:19

चेलों से बातें करने के बाद यीशु का क्या हुआ?
चेलों से बातें करने के बाद वह स्वर्ग में उठा लिया गया और परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।

Mark 16:20

उसके बाद चेलों ने क्या किया?
चेलों ने वहाँ से आकर हर जगह प्रचार किया।

यीशु ने तदोपरान्त क्या किया?
प्रभु उनके साथ काम करता रहा और चिन्ह के द्वारा वचन को दृढ़ करता रहा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: Luke

Luke

Chapter 1

1 बहुतों ने उन बातों का जो हमारे बीच में बीती हैं, इतिहास लिखने में हाथ लगाया है। 2 जैसा कि उन्होंने जो पहले ही से इन बातों के देखनेवाले और वचन के
सेवक थे हम तक पहुँचाया। 3 इसलिए हे श्रीमान थियुफिलुस मुझे भी यह उचित मालूम हुआ कि उन सब बातों का सम्पूर्ण हाल आरम्भ से ठीक-ठीक जाँच
करके उन्हें तेरे लिये क्रमानुसार लिखूँ। 4 कि तू यह जान ले, कि वे बातें जिनकी तूने शिक्षा पाई है, कैसी अटल हैं।

5 यहूदिया के राजा हेरोदेस के समय अबिय्याह के दल में जकर्याह नाम का एक याजक था, और उसकी पत्नी हारून के वंश की थी, जिसका नाम एलीशिबा
था। 6 और वे दोनों परमेश्वर के सामने धर्मी थे, और प्रभु की सारी आज्ञाओं और विधियों पर निर्दोष चलने वाले थे। 7 उनके कोई सन्तान न थी, क्योंकि
एलीशिबा बाँझ थी, और वे दोनों बूढ़े थे।।

8 जब वह अपने दल की पारी पर परमेश्वर के सामने याजक का काम करता था। 9 तो याजकों की रीति के अनुसार उसके नाम पर चिट्ठी निकली, कि प्रभु के
मन्दिर में जाकर धूप जलाए। (निर्ग. 30:7) 10 और धूप जलाने के समय लोगों की सारी मण्डली बाहर प्रार्थना कर रही थी। 11 कि प्रभु का एक स्वर्गदूत धूप
की वेदी की दाहिनी ओर खड़ा हुआ उसको दिखाई दिया। 12 और जकर्याह देखकर घबराया और उस पर बड़ा भय छा गया। 13 परन्तु स्वर्गदूत ने उससे कहा,
“हे जकर्याह, भयभीत न हो क्योंकि तेरी प्रार्थना सुन ली गई है और तेरी पत्नी एलीशिबा से तेरे लिये एक पुत्र उत्पन्न होगा, और तू उसका नाम यूहन्ना रखना। 14
और तुझे आनन्द और हर्ष होगा और बहुत लोग उसके जन्म के कारण आनन्दित होंगे। 15 क्योंकि वह प्रभु के सामने महान होगा; और दाखरस और मदिरा
कभी न पीएगा; और अपनी माता के गर्भ ही से पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाएगा। (इफि. 5:18, न्याय. 13:4-5) 16 और इस्राएलियों में से बहुतों को उनके
प्रभु परमेश्वर की ओर फेरेगा। 17 वह एलिय्याह की आत्मा और सामर्थ्य में होकर उसके आगे-आगे चलेगा, कि पिताओं का मन बाल-बच्चों की ओर फेर दे;
और आज्ञा न माननेवालों को धर्मियों की समझ पर लाए; और प्रभु के लिये एक योग्य प्रजा तैयार करे।” (मला. 4:5-6) 18 जकर्याह ने स्वर्गदूत से पूछा, “यह मैं
कैसे जानूँ? क्योंकि मैं तो बूढ़ा हूँ; और मेरी पत्नी भी बूढ़ी हो गई है।” 19 स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “मैं जिब्राईल* हूँ, जो परमेश्वर के सामने खड़ा रहता हूँ;
और मैं तुझ से बातें करने और तुझे यह सुसमाचार सुनाने को भेजा गया हूँ। (दानि. 8:16, दानि. 9:21) 20 और देख, जिस दिन तक ये बातें पूरी न हो लें, उस
दिन तक तू मौन रहेगा, और बोल न सकेगा, इसलिए कि तूने मेरी बातों की जो अपने समय पर पूरी होंगी, विश्वास न किया।” 21 लोग जकर्याह की प्रतीक्षा
करते रहे और अचम्भा करने लगे कि उसे मन्दिर में ऐसी देर क्यों लगी? 22 जब वह बाहर आया, तो उनसे बोल न सका अतः वे जान गए, कि उसने मन्दिर में
कोई दर्शन पाया है; और वह उनसे संकेत करता रहा, और गूँगा रह गया। 23 जब उसकी सेवा के दिन पूरे हुए, तो वह अपने घर चला गया। 24 इन दिनों के बाद
उसकी पत्नी एलीशिबा गर्भवती हुई; और पाँच महीने तक अपने आप को यह कह के छिपाए रखा। 25 “मनुष्यों में मेरा अपमान दूर करने के लिये प्रभु ने इन
दिनों में कृपादृष्टि करके मेरे लिये ऐसा किया है।” (उत्प. 30:23)

26 छठवें महीने में परमेश्वर की ओर से जिब्राईल स्वर्गदूत गलील के नासरत नगर में, 27 एक कुँवारी के पास भेजा गया। जिसकी मंगनी यूसुफ नाम दाऊद के
घराने के एक पुरुष से हुई थी: उस कुँवारी का नाम मरियम था। 28 और स्वर्गदूत ने उसके पास भीतर आकर कहा, “आनन्द और जय तेरी हो, जिस पर
परमेश्वर का अनुग्रह हुआ है! प्रभु तेरे साथ है!” 29 वह उस वचन से बहुत घबरा गई, और सोचने लगी कि यह किस प्रकार का अभिवादन है? 30 स्वर्गदूत ने
उससे कहा, “हे मरियम; भयभीत न हो, क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह तुझ पर हुआ है। 31 और देख, तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा; तू उसका
नाम यीशु रखना। (यशा. 7:14) 32 वह महान होगा; और परमप्रधान का पुत्र कहलाएगा; और प्रभु परमेश्वर उसके पिता दाऊद का सिंहासन उसको देगा।
(भज. 132:11, यशा. 9:6-7) 33 और वह याकूब के घराने पर सदा राज्य करेगा; और उसके राज्य का अन्त न होगा।” (2 शमू. 7:12,16, इब्रा. 1:8, दानि.
2:44) 34 मरियम ने स्वर्गदूत से कहा, “यह कैसे होगा? मैं तो पुरुष को जानती ही नहीं।” 35 स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा,
और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी; इसलिए वह पवित्र* जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा। 36 और देख, और तेरी कुटुम्बिनी
एलीशिबा के भी बुढ़ापे में पुत्र होनेवाला है, यह उसका, जो बाँझ कहलाती थी छठवाँ महीना है। 37 परमेश्वर के लिए कुछ भी असम्भव नहीं है।” (मत्ती 19:26,
यिर्म. 32:27) 38 मरियम ने कहा, “देख, मैं प्रभु की दासी हूँ, तेरे वचन के अनुसार मेरे साथ ऐसा हो।” तब स्वर्गदूत उसके पास से चला गया।

39 उन दिनों में मरियम उठकर शीघ्र ही पहाड़ी देश में यहूदा के एक नगर को गई। 40 और जकर्याह के घर में जाकर एलीशिबा को नमस्कार किया। 41 ज्योंही
एलीशिबा ने मरियम का नमस्कार सुना, त्योंही बच्चा उसके पेट में उछला, और एलीशिबा पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गई। 42 और उसने बड़े शब्द से पुकारकर
कहा, “तू स्त्रियों में धन्य है, और तेरे पेट का फल धन्य है! 43 और यह अनुग्रह मुझे कहाँ से हुआ, कि मेरे प्रभु की माता मेरे पास आई? 44 और देख ज्योंही तेरे
नमस्कार का शब्द मेरे कानों में पड़ा त्योंही बच्चा मेरे पेट में आनन्द से उछल पड़ा। 45 और धन्य है, वह जिस ने विश्वास किया कि जो बातें प्रभु की ओर से उससे
कही गई, वे पूरी होंगी।”

46 तब मरियम ने कहा,

“मेरा प्राण प्रभु की बड़ाई करता है।
47 और मेरी आत्मा मेरे उद्धार करनेवाले
परमेश्वर से आनन्दित हुई। (1 शमू. 2:1)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

48 क्योंकि उसने अपनी दासी की दीनता पर
दृष्टि की है;
इसलिए देखो, अब से सब युग-युग
के लोग मुझे धन्य कहेंगे। (1 शमू. 1:11, लूका 1:42, मला. 3:12)
49 क्योंकि उस शक्तिमान ने मेरे लिये बड़े-
बड़े काम किए हैं, और उसका नाम पवित्र है।
50 और उसकी दया उन पर,
जो उससे डरते हैं,
पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहती है। (भज. 103:17)
51 उसने अपना भुजबल दिखाया,
और जो अपने मन में घमण्ड करते थे,
उन्हें तितर-बितर किया। (2 शमू. 22:28, भज. 89:10)
52 उसने शासकों को सिंहासनों से
गिरा दिया;
और दीनों को ऊँचा किया। (1 शमू. 2:7, अय्यू. 5:11, भज. 113:7-8)
53 उसने भूखों को अच्छी वस्तुओं से
तृप्त किया,
और धनवानों को खाली हाथ निकाल दिया। (1 शमू. 2:5, भज. 107:9)
54 उसने अपने सेवक इस्राएल को सम्भाल
लिया कि अपनी उस दया को स्मरण करे, (भज. 98:3, यशा. 41:8-9)
55 जो अब्राहम और उसके वंश पर सदा रहेगी,
जैसा उसने हमारे पूर्वजों से कहा था।" (उत्प. 22:17, मीका 7:20)

56 मरियम लगभग तीन महीने उसके साथ रहकर अपने घर लौट गई।

57 तब एलीशिबा के जनने का समय पूरा हुआ, और वह पुत्र जनी। **58** उसके पड़ोसियों और कुटुम्बियों ने यह सुन कर, कि प्रभु ने उस पर बड़ी दया की है, उसके साथ आनन्दित हुए। **59** और ऐसा हुआ कि आठवें दिन वे बालक का खतना करने आए और उसका नाम उसके पिता के नाम पर जकर्याह रखने लगे। (उत्प. 17:12, लैव्य. 12:3) **60** और उसकी माता ने उत्तर दिया, "नहीं; वरन् उसका नाम यूहन्ना रखा जाए।" **61** और उन्होंने उससे कहा, "तेरे कुटुम्ब में किसी का यह नाम नहीं।" **62** तब उन्होंने उसके पिता से संकेत करके पूछा कि तू उसका नाम क्या रखना चाहता है? **63** और उसने लिखने की पट्टी मंगाकर लिख दिया, "उसका नाम यूहन्ना है," और सभी ने अचम्भा किया। **64** तब उसका मुँह और जीभ तुरन्त खुल गई; और वह बोलने और परमेश्वर की स्तुति करने लगा। **65** और उसके आस-पास के सब रहनेवालों पर भय छा गया; और उन सब बातों की चर्चा यहूदिया के सारे पहाड़ी देश में फैल गई। **66** और सब सुननेवालों ने अपने-अपने मन में विचार करके कहा, "यह बालक कैसा होगा?" क्योंकि प्रभु का हाथ उसके साथ था।

67 और उसका पिता जकर्याह पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गया, और भविष्यद्वाणी करने लगा।

68 "प्रभु इस्राएल का परमेश्वर धन्य हो,
कि उसने अपने लोगों पर दृष्टि की
और उनका छुटकारा किया है, (भज. 111:9, भज. 41:13)
69 और अपने सेवक दाऊद के घराने में
हमारे लिये एक उद्धार का सींग*
निकाला, (भज. 132:17, यिर्म. 30:9)
70 जैसे उसने अपने पवित्र भविष्यद्वक्ताओं
के द्वारा जो जगत के आदि से होते
आए हैं, कहा था,
71 अर्थात् हमारे शत्रुओं से, और हमारे सब
बैरियों के हाथ से हमारा उद्धार किया है; (भज. 106:10)
72 कि हमारे पूर्वजों पर दया करके अपनी
पवित्र वाचा का स्मरण करे,
73 और वह शपथ जो उसने हमारे पिता
अब्राहम से खाई थी, (उत्प. 17:7, भज. 105:8-9)
74 कि वह हमें यह देगा, कि हम अपने
शत्रुओं के हाथ से छूटकर,
75 उसके सामने पवित्रता और धार्मिकता
से जीवन भर निडर रहकर उसकी सेवा करते रहें।
76 और तू हे बालक, परमप्रधान का
भविष्यद्वक्ता कहलाएगा*,

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्योंकि तू प्रभु के मार्ग तैयार करने
के लिये उसके आगे-आगे चलेगा, (मला. 3:1, यशा. 40:3)
77 कि उसके लोगों को उद्धार का ज्ञान दे,
जो उनके पापों की क्षमा से प्राप्त होता है।
78 यह हमारे परमेश्वर की उसी बड़ी करुणा से होगा;
जिसके कारण ऊपर से हम पर भोर का प्रकाश उदय होगा।
79 कि अंधकार और मृत्यु की छाया में बैठनेवालों को ज्योति दे,
और हमारे पाँवों को कुशल के मार्ग में सीधे चलाए।" (यशा. 58:8, यशा. 60:1-2, यशा. 9:2)

80 और वह बालक यूहन्ना, बढ़ता और आत्मा में बलवन्त होता गया और इस्राएल पर प्रगट होने के दिन तक जंगलों में रहा।

Luke 1:1

इतिहास
"विवरण" या "वृत्तान्त" या "सच्ची कहानी"

हमारे
हमारे यहाँ "हमारे" में थियुफिलुस नहीं आता है परन्तु अभिलेख इसे स्पष्ट नहीं करता है।

इन बातों के देखने वाले
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है इन बातों को उसी समय देखा जब वे पहले-पहले हुई थी।

वचन के सेवक थे
इसके अन्य संभावित अर्थ हैं, "मनुष्यों में परमेश्वर का सन्देश सुनाने की सेवा की है" या "मनुष्यों को यीशु का शुभ सन्देश सुनाया है"

हम तक पहुंचाया
इस वाक्य में "हम" एक अलग शब्द है जो थियुफिलुस को समाहित नहीं करता है।

ठीक-ठीक जांच करके
अर्थात वह घटनाओं की यथा उचित जांच करने में अत्यधिक सावधान रहा है। उसने संभवत: अनेक अलग-अलग मनुष्यों से विचार-विमर्श किया, जिन्होंने इन घटनाओ को अपनी आंखों से देखा था, कि वह इन घटनाओं को लिखे तो वे सही हों। इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है, हर एक घटना की सावधानीपूर्वक खोज की है"।

"अति श्रेष्ठ"
लूका इस शब्द के उपयोग द्वारा थियुफिलुस के प्रति सम्मान एवं आदर व्यक्त कर रहा है। ऐसे संबोधन का अर्थ यह भी होता है कि थियुफिलुस एक महत्त्वपूर्ण सरकारी अधिकारी था। इसके अन्य अनुवाद हो सकते है, "माननीय" या "श्रेष्ठ" कुछ लोग ऐसे संबोधन को आरंभ में रखना अधिक उत्तम समझते है, "थियुफिलुस" या "प्रिय .... थियुफिलुस"।

थियुफिलुस
इस नाम का अर्थ है, "परमेश्वर का मित्र" इससे उसका चरित्र प्रकट होता है या यह वास्तव में उसका नाम रहा होगा। अधिकांश अनुवादों में इस शब्द को उसका नाम माना गया है।

Luke 1:5

यहूदिया के राजा हेरोदस के समय में
"जिस समय राजा हेरोदेस यहूदिया में राज कर रहा था"।

यहूदिया
इसका अनुवाद "यहूदिया के क्षेत्र में" किया जा सकता है या "यहूदिया प्रदेश" कुछ भाषाओं में अधिक उत्तम माना जाता है कि इसका अनुवाद "यहूदिया वासियों पर" किया जाता है।

एक .... था
"नाम का एक" या "एक.. था" यह एक विशिष्ट नायक को प्रवेश कराने की विधि है। आपकी भाषा में यह कैसे हो" उस पर ध्यान दें।

दल
इसको इस प्रकार अनुवाद कर सकते है "याजक मंडल" या "याजको का समूह"

अबिय्याह के दल में
"अबिय्याह के वंशजों में हो" अबिय्याह इस याजक समूह का पूर्वज था। वे सब हारून के वंशज थे। हारून इस्राएल का सर्वप्रथम याजक था।

उसकी पत्नी
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "जकरयाह की पत्नी"

के वंश की
"वह .... वंशजों में से एक थी" या "वह हारून की वंशज थी" या इसको इस प्रकार प्रस्तुत किया जा सकता है। "जकरयाह और उसकी पत्नी दोनों हारून के वंश के थे"।

परमेश्वर के सामने
"परमेश्वर की दृष्टि में" या "परमेश्वर के विचार में"

चलने वाले
"आज्ञाकारी"

प्रभु की सारी आज्ञाओ और विधियों
इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर की सब आज्ञाओं और अनिवार्यताओ"।

परन्तु
इस विषमतासूचक शब्द का अर्थ है कि आगे जो आनेवाला है वह अपेक्षा के विपरीत है। मनुष्यों का मानना था कि यदि वे परमेश्वर की दृष्टि में उचित जीवन रखेंगे तो परमेश्वर उन्हें सन्तान देगा परन्तु यह दम्पत्ति यद्यपि धर्मी था, उनके पास सन्तान नहीं थी।

Luke 1:8

परमेश्वर के सामने
"परमेश्वर की उपस्थिति में" स्पष्टता के लिए कुछ अनुवादक सलंग्न जानकारी भी जोड़ देते हैं, "यरूशलेम के मन्दिर में"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

रीति के अनुसार
“उनकी प्रथा के अनुसार” या “उनके द्वारा महत्त्वपूर्ण निर्णय लेने के अभ्यास के अनुसार”।

नाम पर चिट्ठी निकली
यह वास्तव में एक पत्थर होता था जिस पर निशान होते थे। निर्णय लेने के लिए उसे फर्श पर डाला जाता था। उनका मानना था कि वह पत्थर परमेश्वर के नियन्त्रण में रहता था कि जिस याजक को वह चाहता है वह उसके नाम पर गिरे।

सारी मण्डली
“बहुत लोग” या “लोगों की बड़ी संख्या”

बाहर
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मन्दिर के बाहर” या “मन्दिर के बाहर परिसर में”। मन्दिर के बाहर का घिरा हुआ भाग परिसर था।

Luke 1:11

प्रभु का
“प्रभु की ओर से” या “जो प्रभु की सेवा करे” या “जिसे परमेश्वर ने भेजा था”।

उसको दिखाई दिया
“अचानक ही उसके पास आया” या “अचानक ही जकरयाह के साथ प्रकट हुआ”।

“तेरी प्रार्थना सुन ली गई है”।
“तेरी प्रार्थना सुन ली गई है” -“तूने परमेश्वर से जो मांगा है वह स्वीकार किया गया है” इसका संलग्न अर्थ है, “और वह करेगा” इसे अनुवाद में जोड़ा जा सकता है। परमेश्वर ने जकरयाह की प्रार्थना सुनी ही नहीं पूरी की है।

उसका नाम यूहन्ना रखना
“उसे यूहन्ना नाम देगा” या “उसे यूहन्ना नाम से पुकारेगा”।

Luke 1:14

x
(स्वर्गदूत जकरयाह से बातें कर रहा है)

क्योंकि
“इसका कारण है” या “इसके अतिरिक्त” कुछ अनुवादों में यह शब्द नहीं होगा।

वह प्रभु के सामने महान होगा।
इसका अनुवाद हो सकता है, “वह परमेश्वर के लिए महत्त्वपूर्ण कार्य करेगा।"

मदिरा
“खमीर किया हुआ दाखरस” या “नशीला पेय” इसका संदर्भ उन पेय पदार्थों से है जिनसे नशा होता है।

पवित्र-आत्मा से परिपूर्ण हो जायेगा।
“पवित्र-आत्मा उसे शक्ति देगा” या यदि आप अनुवाद में व्यक्त करते हैं कि “पवित्र-आत्मा उसे वश में रखेगा” तो ध्यान रखें कि इसका अर्थ यह न निकले कि दुष्टात्मा के सदृश्य वशीभूत होगा।

माता के गर्भ ही से
“ही से” दर्शाता है कि यह एक विशेष आश्चर्य का समाचार है। मनुष्यों को पहले भी पवित्र-आत्मा मिला है परन्तु एक शिशु जिसका जन्म नहीं हुआ वह पवित्र-आत्मा से पूर्ण हो, कभी सुना नहीं गया है।

Luke 1:16

x
(स्वर्गदूत जकरयाह से बातें कर रहा है)

इस्राएलियों में से बहुतेरों को
यदि इससे अर्थ निकलता है कि जकरयाह उनमें से नहीं है तो इसका अनुवाद करें, “तुम इस्राएल के वंशजों में से अनेकों को” या “तुम परमेश्वर के लोगों में से अनेकों को यदि अनुवाद में द्वितीय पुरूष काम में ले रहे हैं तो सुनिश्चित करे कि” "उनके प्रभु" के स्थान पर "तुम्हारे (बहुवचन) प्रभु" का उपयोग करें।

उसके आगे आये
वह पहले से घोषणा करेगा कि प्रभु उनके मध्य रहने के लिए आएगा।

एलिय्याह की आत्मा और सामर्थ्य
“वही आत्मा और सामर्थ्य जो एलिय्याह में था”। आत्मा का अर्थ या तो यह है की वह परमेश्वर का आत्मा है या एलिय्याह का स्वभाव अथवा या विचार विधा। यहाँ सुनिश्चित करें कि "आत्मा" शब्द का अभिप्राय "प्रेत" या “दुष्टात्मा” न हो।

पितरों का मन बाल बच्चों की ओर
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “पिताओं को सन्तान की फिर से सुधि लेने के लिए प्रेरित करेगा” या “पिताओं को विवश” करेगा कि अपनी-अपनी सन्तान के साथ संबन्धों का पुनः स्थापन करें”, इसका संदर्भ माताओं से भी है परन्तु केवल पिताओं का उल्लेख किया गया है।

प्रभु के लिए.... तैयार करे
इसका अनुवाद हो सकता है “प्रभु का सन्देश सुनने के लिए तैयार करे” या “प्रभु की आज्ञा मानने के लिए तैयार करे”। (यह स्वर्गदूत की बातों का अन्त है)

Luke 1:18

मैं कैसे जानूं यह होगा?
इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं कैसे निश्चित जान सकता हूँ कि तूने जो कहा है अवश्य होगा”?

मेरी बातों की .... प्रतीति न की
“मेरा बातों का विश्वास नहीं किया”

अपने समय पर
“सही समय पर” या यह भी हो सकता है, “नियुक्त समय पर”।

Luke 1:21

बाट देखते रहे
इसका अनुवाद, "और" हो सकता है या “जब स्वर्गदूत और जकरयाह में वार्तालाप हो रहा था”।

अचम्भा करने लगे कि उसे मन्दिर में इतनी देर क्यों लगी।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “वे चकित थे वह मन्दिर में इतना समय क्यों लगा रहा है”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जब वह बाहर आया
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “जब वह मन्दिर से बाहर आया”

Luke 1:24

उसकी पत्नी
“जकरयाह की पत्नी”

गर्भवती हुई
“गर्भधारण किया” (यू.डी.बी.) यहाँ ऐसी अभिव्यक्ति काम में लें जो स्वीकार्य हो और मनुष्यों को लजाए नहीं।

प्रभु ने ... मेरे लिए ऐसा किया है।
यह अभिव्यक्ति इस तथ्य का संदर्भ देती है कि परमेश्वर उसे गर्भ धारण की अनुमति दी है।

कृपा-दृष्टि करके
एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, “मुझे दया का पात्र समझा है” या “मुझ पर दया की” या “मुझ पर तरस खाया”।

Luke 1:26

परमेश्वर की ओर से जिब्राइल स्वर्गदूत... भेजा गया।
इसे कर्तृवाच्य में अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर ने जिब्राईल स्वर्गदूत से कहा कि वह जाये।”

मंगनी
“विवाह करने की प्रतिज्ञा” या “शपथ” ली थी। अर्थात मरियम के माता पिता ने मरियम का विवाह युसूफ के साथ करने का वचन दे दिया था।

उसके पास भीतर आकर
“जहाँ मरियम थी वहां आया" या “जहाँ मरियम थी वहां गया”।

आनन्द और जय तेरी हो
“आनन्द” या “मगन हो” यह उस समय के सामान्य अभिवादन थे।

परमेश्वर का अनुग्रह हुआ है।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तू जो अनुग्रह में सर्वोच्च है” या “तू जिसे अनुग्रह प्राप्त हुआ है" या “तू जिसने दया प्राप्त की है”।

बहुत घबरा गई
“विचलित हुई” या “डर कर विमूढ़ हो गई”

यह किस प्रकार का अभिवादन है?
मरियम शब्दों का अर्थ तो समझती थी परन्तु वह समझ नहीं पा रही थी कि वह स्वर्गदूत ऐसा अभिवादन क्यों कर रहा है

Luke 1:30

परमेश्वर का अनुग्रह “तुम पर हुआ है”
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “परमेश्वर ने तुझ पर अनुग्रह करने का निर्णय लिया है” या “परमेश्वर तुझ पर अनुग्रहकारी है” या “परमेश्वर तुझ पर दया प्रकट कर रहा है”।

वह .... परम प्रधान का पुत्र कहलायेगा।
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “मनुष्य उसे परम प्रधान का पुत्र कहेंगे” या “मनुष्य स्वीकार करेंगे फिर वह परम प्रधान परमेश्वर का पुत्र है”।

उसके पिता दाऊद का सिंहासन उसे देगा।
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “उसके पूर्वज राजा दाऊद के समान राज करने का अधिकार देगा”। सिंहासन राजा के शासन का अधिकार प्रकट करता है

उसके पिता
बाइबल में पूर्वजों के लिए सामान्यतः “पिता” शब्द का उपयोग किया गया है और वंशजों के लिए “पुत्र” शब्द का”। उसके शब्द का संदर्भ मरियम के पुत्र से है।

Luke 1:34

यह कैसे होगा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यह कैसे संभव हो सकता है”, यदि मरियम को समझ में नहीं आया कि ऐसा कैसे होगा, उसने उस पर सन्देह नहीं किया।

तुम पर उतरेगा।
यह वाक्यांश और अगला भी यही अर्थ रखता है कि पवित्र-आत्मा अलौकिक कार्य द्वारा मरियम को कुंवारी होते हुए भी गर्भवती करेगा। यहाँ आपको स्पष्ट करना होगा कि यह एक चमत्कार था। इसमें किसी प्रकार का शारीरिक संबन्ध नहीं था।

सामर्थ्य
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है “उसके सामर्थ्य द्वारा”

छाया करेगा।
इसका अनुवाद हो सकता है “छाया के सदृश्य तुझे आच्छदित करेगा” या “तेरे साथ होगा” या “इसका कारण होगा”। यहाँ भी सावधान रहें कि शारीरिक संबन्ध भाव व्यक्त न हो।

वह पवित्र
“पवित्र शिशु” या “पवित्र बालक”

कहलाएगा
इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य कहेंगे कि वह है” या “मनुष्य स्वीकार करेंगे कि वह है”।

Luke 1:36

x
(स्वर्गदूत मरियम से बातें कर रहा है)

तेरी कुटुम्बिनी
यदि आप अधिक स्पष्ट व्यक्त करना चाहते हैं तो इलीशिबा मरियम की मौसी या नानी थी।

बुढ़ापे में पुत्र होने वाला है
“यद्यपि वह वृद्ध है उसने गर्भधारण किया है” या “यद्यपि वह वृद्ध है, उसने गर्भधारण किया है और पुत्र जनेगी”। यहाँ यह सुनिश्चित कीजिए कि पाठक को यह भ्रम न हो कि मरियम और इलीशिबा दोनों ही वृद्धावस्था में थी जब उन्होंने गर्भधारण किया था।

जो वचन परमेश्वर की ओर से होता है वह प्रभावरहित नहीं होता है।
इसका अनुवाद हो सकता है, “क्योंकि परमेश्वर कुछ भी कर सकता है। परमेश्वर ने इलीशिबा के लिए जो किया वह एक कारण है कि परमेश्वर कुछ भी कर सकता है और वह बिना किसी शारीरिक संबन्ध के मरियम के लिए भी गर्भधारण संभव कर सकता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मैं प्रभु की दासी हूँ।
इस वाक्यांश के लिए अपनी भाषा में ऐसे शब्दों को चयन करें जो उसकी दीनता एवं आज्ञाकारिता को स्पष्ट व्यक्त करें। वह परमेश्वर की दासी होने का घमण्ड नहीं कर रही थी।

तेरे वचन के अनुसार हो
“मेरे साथ ऐसा ही हो” मरियम स्वर्गदूत की भविष्यद्वाणी के प्रति अपना स्वीकरण व्यक्त कर रही थी।

Luke 1:39

अब
`इन शब्दों के द्वारा कहानी में एक नया मोड़ लाया गया है। आपकी भाषा में इसे प्रकट करने की अभिव्यक्ति पर विचार करें। कुछ अनुवादों में यहाँ “अब” का प्रयोग है तो कुछ में नहीं है।

उठकर
इसका अनुवाद हो सकता है “निकल पड़ी” या “तैयार होकर”

पहाड़ी देश
“पर्वतीय क्षेत्र” या “पहाड़ी प्रदेश” या “इस्राएल के पहाड़ी भाग में”।

वह कहाँ गईं
इसका अनुवाद हो सकता है “और वह गई” या “जब वह पहुंची, वह गई”

उछला
“अकस्मात ही हिला”

Luke 1:42

उसने
यहाँ इलीशिबा का नाम लेना अधिक स्पष्ट एवं स्वाभाविक होगा। यह निर्भर करेगा कि अपने पिछले पद का अनुवाद किस प्रकार किया है।

गर्भ का फल
इसका अनुवाद हो सकता है “तेरे गर्भ में जो शिशु है” या “वह शिशु जिसे तू जन्म देगी”। (यू.डी.बी) (देखे:)

यह अनुग्रह मुझे कहां से हुआ कि मेरे प्रभु की माता मेरे घर आई?
इसका अनुवाद हो सकता है, “यह कैसी अद्भुत बात है कि मेरे प्रभु की माता मेरे पास आई है”। इलिशिबा यहाँ जानकारी प्राप्त करने के लिए नहीं कह रही है।वह तो मरियम के आगमन पर चकित थी वरन अत्यधिक आनन्दित थी कि प्रभु की माता उसके पास आई।

मेरे प्रभु की माता
इसका अनुवाद हो सकता है, “तू मेरे प्रभु की माता” क्योंकि इसका संदर्भ मरियम से है।

उछला
“अकस्मात ही उछला” या “प्रबल गतिविधि दिखाई”

धन्य है वह जिसने विश्वास किया
इसका अनुवाद हो सकता है, “तूने विश्वास किया” इसलिए छाया है” या “क्योंकि तूने विश्वास किया है इसलिए तू आनन्दित होगी”।

जो बातें प्रभु की ओर से उससे कही गई
इसका अनुवाद हो सकता है, “प्रभु का जो सन्देश उसे दिया गया था” या “परमेश्वर ने तुझसे जो कहा”।

Luke 1:46

मेरा प्राण.... मेरी आत्मा
इसका अनुवाद हो सकता है, “ओह, मैं कैसे” या “मैं कैसे यहाँ गहरी भावनाएं व्यक्त की गई हैं। मरियम काव्य रूप में एक ही बात को दो भिन्न रूपों में व्यक्त कर रही है। “प्राण” और “आत्मा” दोनों मनुष्य के आत्मिक परिप्रेक्ष्य का संदर्भ देते हैं। उसके कहने का अर्थ है कि उसकी भक्ति उसके अन्तरतम भाग से उभर रही है। यदि संभव हो तो इनके अनुवाद में दो परस्पर भिन्न वस्तु संबन्धित शब्दों का उपयोग करे जिनका अर्थ एक ही हो।

बड़ाई करता है
“सर्वोच्च सम्मान देता है” या “अत्यधिक स्तुति करता है”।

आनन्दित हुई
“बहुत हर्षित हूँ” या “अत्याधिक प्रसन्न है”

मेरा उद्धार करने वाला परमेश्वर
“परमेश्वर जो मेरा मोक्षदाता है” या “मेरा मुक्तिदाता परमेश्वर”

Luke 1:48

x
(मरियम परमेश्वर की स्तुति कर रही है)

दीनता
“महत्त्वहीन” या “साधारण” या “सामान्य” या “दरिद्र” मरियम का सामाजिक स्तर ऊंचा नहीं था।

दृष्टि की है
“ध्यान दिया” या “स्मरण किया”, इसका अनुवाद यह भी हो सकता है “भूला नहीं” यहाँ परमेश्वर की स्मरण-शक्ति की बात नहीं है परन्तु यह कि उसने मरियम पर ध्यान देने का चुनाव किया।

अब से
“अब और भविष्य में”

उस शक्तिमान
यह परमेश्वर के संदर्भ में है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “परमेश्वर जो सर्व-शक्तिमान है”

उसका नाम
“वह”

Luke 1:50

x
(मरियम परमेश्वर की स्तुति कर रही है)

और
कुछ भाषाओं में इस संयोजक शब्द का उपयोग नहीं किया गया है जो निर्भर करता है कि पिछले पद का अनुवाद किस प्रकार किया गया है।

उसकी दया उन पर
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “परमेश्वर की दया उन पर” या “वह उन पर दया करता है” या “वह उन पर कृपालु है”

पीढ़ी से पीढ़ी तक
इसका अनुवाद इस प्रकार होता है, “उन मनुष्यों की हर एक पीढ़ी तक” या “सब पीढ़ियों के मनुष्यों पर” या “हर एक युग के मनुष्यों पर”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जो उससे डरते हैं।
इसका अर्थ मात्र भय से कही अधिक है। इसका अर्थ है, परमेश्वर का आदर करना, उसकी प्रतिष्ठा करना, उसकी आज्ञा मानना।

अपना भुजबल
“उसकी भुजा के द्वारा” यह एक रूपक है जो परमेश्वर के सामर्थ्य का संदर्भ देता है।

तितर-बितर किया
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “(उन्हें) विभिन्न दिशाओं में भागने पर विवश किया” या “उन्हें खदेड़ा”

Luke 1:52

x
(मरियम परमेश्वर की स्तुति कर रही है)

बलवानों को उनके सिंहासनों से गिरा दिया
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उसने राजाओं को उनके अधिकार से वंचित किया है” या “उसने शासकों को शासन करने से रोक दिया है”। सिंहासन राजा का आसन होता है और उसके अधिकार का द्योतक है। यदि किसी राजा को उसके सिंहासन से उतार दिया गया तो इसका अर्थ है कि उसके पास राज्य का अधिकार नहीं रहा”।

दीनों को ऊंचा किया।
इस रूपक का अर्थ है, महत्त्वपूर्ण मनुष्य कम महत्त्व के मनुष्यों से बड़े नहीं हैं। यदि आपकी भाषा में इसके तुल्य कोई रूपक नहीं तो इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है “विनम्र मनुष्यों को महत्त्व प्रदान किया” या “उन लोगों का सम्मान प्रदान किया जिन्हें मनुष्यों ने सम्मानित नहीं किया।”

अच्छी वस्तुओं से
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “अच्छे भोजन की बहुतायत”

Luke 1:54

x
(मरियम परमेश्वर की स्तुति कर रही है)

संभाल लिया
“परमेश्वर ने संभाल लिया”

अपने सेवक इस्राएल को
यहाँ “इस्राएल” का अर्थ है इस्राएल राष्ट्र या इस्राएल की प्रजा। यदि पाठक इसे एक मनुष्य इस्राएल समझने की भूल करें तो इसका अनुवाद इस प्रकार करें, “अपने सेवक इस्राएल राष्ट्र को” या “उसके सेवकों इस्राएल को”

अपनी उस दया को स्मरण करे
“क्योंकि उसने प्रतिज्ञा की थी”

उसके वंश
“अब्राहम के वंश” (यह मरियम के स्तुतिगान का अंत है)

Luke 1:56

अपने घर लौट आई
“मरियम अपने घर लौट आई”

पुत्र को जन्म दिया
“अपने शिशु को जन्म दिया” या “पुत्र उत्पन्न किया”

उसके पड़ोसियों और कुटुम्बियों
“इलीशिबा के पड़ोसियों और परिजनों”

Luke 1:59

आठवें दिन
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “शिशु के जन्म के आठ दिन बाद” या “जब शिशु आठ दिन का हो गया”

वे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जकरयाह और इलीशिबा के मित्र एवं परिजन” या केवल “लोग”

शिशु का खतना करना
“शिशु के खतने के लिए” या “शिशु के खतने के संस्कार के लिए” शिशु का खतना तो एक ही व्यक्ति करता था परन्तु परिवार के साथ आनन्द मनाने के लिए लोग उपस्थित होते थे।

नाम .... रखने लगे
“वे उसका नाम रखने लगे” या “वे उसे नाम देना चाहते थे”।

उसके पिता के नाम पर
“उसके पिता के जैसा नाम” या “उसके पिता के नाम के अनुसार”

यह नाम
इलीशिबा ने उसका नाम यूहन्ना बताया था इसलिए वे उससे कह रहे थे इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है “उस नाम से हो”

Luke 1:62

उन्होंने .... संकेत करके
“उन्होंने” अर्थात उन लोगों ने जो उसके खतना के समय वहां उपस्थित थे।

उसके पिता से
“शिशु के पिता से”

तू उसका नाम क्या रखना चाहता है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “कि जकरयाह शिशु का क्या नाम रखना चाहता है” या “वह अपने पुत्र को क्या नाम देना चाहता है”।

मंगा कर
“जकरयाह ने मांगी” उसने संकेत करके समझाया होगा।

लिखने की पट्टी
इसका अनुवाद इस प्रकार करें, “लिखने के लिए कुछ मंगाया” या कुछ अनुवादक यह भी जोड़ना चाहेंगे, “और जब उन्होंनें उसे वह दिया”

सभों को आश्चर्य हुआ
विस्मित हुए

Luke 1:64

तब उसका मुँह और जीभ तुरन्त खुल गए
ये मुहावरे हैं जिनका अर्थ है कि वह अब बोलने लगा था।

आसपास के सब लोगों पर भय छा गया।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जकर्याह और इलीशिबा के आसपास जितने लोग रहते थे सब पर भय छा गया” या “उनके आसपास रहने वाले सब लोग विस्मय एवं भय से अभिभूत हो गए” क्योंकि उन्होंने देखा

कि परमेश्वर सामर्थी है “उसके आसपास के सब रहनेवालों” का अर्थ उनके निकट पड़ोसियों से ही नहीं, उस क्षेत्र के सब लोगों से है।

उन सब बातों की चर्चा
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “सब लोग इन बातों की चर्चा कर रहे थे”।

सब सुनने वालों ने
सब सुनने वालों ने सुननेवालों का अर्थ है, जो कुछ वहां हुआ था उसे सुनकर

विचार करके
“सोचने लगे”

कहा
“सोचने लगे” या “पूछने लगे”

यह बालक कैसा होगा?
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “यह बालक बड़ा होकर कैसा महान मनुष्य होगा” या “यह बालक कैसा महान होगा।” इस प्रश्न से मनुष्यों का आश्चर्य व्यक्त होता है। उन्होंने शिशु के बारे में जो सुना उससे उन्हें यह अनुभूति हुई कि वह एक महापुरूष होगा।

प्रभु का हाथ उसके साथ था।
“परमेश्वर का सामर्थ्य उस पर था” या “परमेश्वर उसमें सशक्ति कार्य कर रहा था” यह लाक्षणिक प्रयोग का एक उदाहरण है जिन्हें परमेश्वर के सामर्थ्य के स्थान में “प्रभु का हाथ” उपयोग किया गया है।

Luke 1:67

भविष्यद्वाणी करने लगा।
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “भविष्यद्वाणी करके कहा” अपनी भाषा में अपरोक्ष कथनों को व्यक्त करने की विधि खोजें।

इस्राएल का परमेश्वर
“इस्राएल पर राज करने वाला परमेश्वर” या “जिस परमेश्वर की इस्राएल उपासना करता है” यहाँ इस्राएल से अभिप्राय है, इस्राएल राष्ट्र जकरयाह और वे सब जिससे वह बात कर रहा है सब इस्राएलवासी है।

हमारे पास आया
यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “हमारी सहायता के लिए आया”

अपने लोगों पर
“परमेश्वर के लोगों पर”

Luke 1:69

x
(जकरयाह भविष्यद्वाणी कर रहा है)

अपने सेवक दाऊद
अपने सेवक दाऊद “राजा दाऊद जो उसकी सेवा करता था”

(जैसा परमेश्वर ने कहा)
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “परमेश्वर ने यही करने की तो प्रतिज्ञा की थी”।

अपने पवित्र भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा
अर्थात “अपने पवित्र भविष्यद्वक्ताओं को प्रेरित किया कि कहें ”(यू.डी.बी.) जब परमेश्वर अपने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बातें करता था तब वाणी तो उनकी होती थी परन्तु सन्देश परमेश्वर देता था।

हमारे शत्रुओं से और हमारे सब बैरियों के हाथ से
इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ है, कि परमेश्वर के लोगों के विरोधी। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जो हमसे लड़ते और हमारी हानि करते हैं”।

हाथ से
“अधिपत्य” या “नियंत्रण” यहाँ “हाथ” शब्द परमेश्वर के लोगों की हानि के लिए काम में लिया जानेवाला सामर्थ्य या नियंत्रण।

Luke 1:72

x
(जकरयाह भविष्यद्वाणी कर रहा है)

दया करके
“के प्रति दयालु” या “अपनी दया के अनुसार काम करना”

स्मरण करे
यहाँ "स्मरण" का अर्थ यह नहीं कि वह भूला नहीं। इसका अर्थ है, “समर्पण को पूरा करना” या “किसी बात को निभाना”

शत्रुओं के हाथ से
“हमारे बैरियों के अधिपत्य से” या “हमारे बैरियों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने से या हमारे बैरियों द्वारा दासत्व में लिए जाने से”।

निडर रह कर
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “हमारे बैरियों के भय से रहित रह कर”।

पवित्रता और धार्मिकता से
“पवित्र और धार्मिकता के मार्गों से (यू.डी.बी.) या “जब हम पवित्र और धर्म के मार्गों का जीवन जीयेंगे” या “जब हम पवित्र जीवन जीयेंगे और उचित काम करेंगे”।

उसके सामने
“उसकी उपस्थिति में” या “उसकी इच्छा के अनुकूल”।

करते रहें
“संपूर्ण जीवन”

Luke 1:76

x
(जकरयाह भविष्यद्वाणी कर रहा है परन्तु अब वह अपने नवजात शिशु से सीधा कह रहा है।)

भविष्यद्वक्ता कहलायेगा।
वह वास्तव में एक भविष्यद्वक्ता होगा और लोग उसे भविष्यद्वक्ता मानेंगे भी। इसे स्पष्ट करने के लिए इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तू एक भविष्यद्वक्ता होगा”।

परम-प्रधान का
इसका अनुवाद होगा “जो सर्वोच्च परमेश्वर की सेवा करेगा” या “जो सर्वोच्च परमेश्वर का वक्ता होगा”।

उसने लोगों का उद्धार का ज्ञान दे जो उनके पापों की क्षमा से प्राप्त होता है।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “परमेश्वर उनके पाप क्षमा करके उनका उद्धार कैसे करेगा।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 1:78

x
(जकरयाह अपने नवजात शिशु से ही भविष्यद्वाणी कर रहा है)

बड़ी करूणा से
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “क्योंकि वह हम पर कृपालु और दयालु है”

परमेश्वर की
ध्यान दें कि इन सब पदों में “हमारे” और “हम” समाहित हैं।

जिसके कारण हम पर भोर का प्रकाश उदय होगा।
“उगते हुए सूर्य के समान” या “भोर के समान”

उदय होगा
यह एक उपमा है जिसका अर्थ है, “वह ज्ञान प्रदान करेगा”। उसका अनुवाद हो सकता है, “वह आत्मिक ज्योति प्रदान करेगा।”

अन्धकार में बैठनेवालों को
इस रूपक का अर्थ है, “सत्य से अनभिज्ञ जनों को”

मृत्यु की छाया में बैठने वालों को
इस पुस्तक का अर्थ है, “जो मरने पर है” या “जिन्हें भय है कि वे शीघ्र ही मर जायेंगे”।

मार्ग में सीधे चलायेगा
यह रूपक शिक्षा देने को व्यक्त करता है।

पाँवों को
यह एक अंग द्वारा दूसरे अंग का निर्देश है जो संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है, केवल पांव ही नहीं। इसका अनुवाद हो सकता है, “हमें”

कुशल के मार्ग में
इस रूपक का अर्थ है, “शान्ति के जीवन में” या “परमेश्वर के साथ मेल के जीवन में”। इसका अनुवाद हो सकता है, “शान्ति में लाने वाले मार्ग में चलायेगा” या “ऐसे जीवन में निर्वाह करायेगा जिसके कारण परमेश्वर से मेल होता है। सुनिश्चित करें कि आपका अनुवाद “हमारे पांवों” के अनुवाद से सुसंगत हो।

Luke 1:80

बढ़ता... गया
“आयु और शरीर में विकसित होता गया” (वयस्क हो गया) इसके अनुवाद में स्पष्ट करना होगा कि वह अब बालक नहीं था जब वह निर्जन स्थान में रह रहा था।

आत्मा में बलवन्त होता गया
“आत्मिकता में परिपक्व हो गया” या “दृढ़ नैतिक चरित्र का विकास किया” या “परमेश्वर के साथ संबन्ध में अधिकाधिक दृढ़ होता गया”

जब तक
इसका अर्थ यह नहीं कि यूहन्ना अब निर्जन स्थान में नहीं रह रहा था। अपनी सार्वजनिक सेवा आरंभ करने के बाद भी यूहन्ना निर्जन स्थान में ही रहता था। अतः अर्थ स्पष्ट करने के लिए इसका अनुवाद इस प्रकार करे, “के समय भी”

प्रगट होने के समय
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “सबके सामने आने तक” या “आम जनता में प्रचार करने के समय”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Luke 1:1

लूका जिन प्रत्यक्ष साक्षियों का उल्लेख करता है वे कौन थे?
"प्रत्यक्ष साक्षी" वे थे जो यीशु के साथ उसकी सेवा के आरंभ से थे।

Luke 1:2

कुछ प्रत्यक्ष साक्षियों ने यीशु को देखा था तो क्या किया?
उन्होंने यीशु के कामों का वृत्तान्त लिखा है।

Luke 1:4

लूका ने क्यों निर्णय लिया कि वह यीशु की बातों और कार्यों का वृत्तान्त स्वयं लिखे?
वह थियुफिलुस को उन बातों की सत्यता बताना चाहता था जो उसने सीखी थी।

Luke 1:6

परमेश्वर ने जकरयाह और इलीशिबा को धर्मी क्यों जाना था?
परमेश्वर उन्हें धर्मी ठहराया, क्योंकि उन्होंने उसकी आज्ञाएं मानी थी।

Luke 1:7

जकरयाह और इलीशिबा निःसन्तान क्यों थे?
वे निःसन्तान थे क्योंकि इलीशिबा बांझ थी और वे दोनों वृद्ध थे।

Luke 1:8

यरूशलेम के मन्दिर में जकरयाह क्या काम करता था?
जकरयाह एक याजक था।

Luke 1:9

मन्दिर में जकरयाह क्या काम करता था?
वह परमेश्वर के समक्ष धूप जलाता था।

Luke 1:10

जब जकरयाह मन्दिर में गया तब लोग क्या कर रहे थे?
सभी लोग बाहर आंगन में प्रार्थना कर रहे थे।

Luke 1:11

जब जकरयाह मन्दिर में था तब वहाँ कौन प्रकट हुआ?
मन्दिर में परमेश्वर का एक दूत जकरयाह के समक्ष प्रकट हुआ।

Luke 1:12

स्वर्गदूत को देखकर जकरयाह को क्या हुआ?
स्वर्गदूत को देखकर जकरयाह डर गया।

Luke 1:13

स्वर्गदूत ने जकरयाह से क्या कहा?
स्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा कि वह डरे नहीं उसकी पत्नी पुत्र जनेगी, उस पुत्र का नाम यूहन्ना होगा।

Luke 1:16

स्वर्गदूत के वचन के अनुसार यूहन्ना इस्राएल के वंशजों के लिए क्या करेगा?
स्वर्गदूत ने कहा कि यूहन्ना इस्राएल के वंशजों को उनके प्रभु परमेश्वर की ओर फेर लायेगा।

Luke 1:17

यूहन्ना का संपूर्ण कार्य कैसी प्रजा तैयार करेगा?
प्रभु के लिए तैयार किए गए लोग योग्य प्रजा होंगे।

Luke 1:19

उस स्वर्गदूत का नाम क्या था और वह कहाँ उपस्थित रहता था?
उस स्वर्गदूत का नाम जिब्राईल था वह परमेश्वर के सामने खड़ा रहता था।

Luke 1:21

स्वर्गदूत की बात पर विश्वास न करने पर जकरयाह के साथ क्या हुआ?
पुत्र के जन्म लेने तक जकरयाह बोलने योग्य न रहा।

Luke 1:27

इलीशिबा के गर्भधारण के छः महीने बाद परमेश्वर ने जिब्राईल को किसके पास भेजा?
मरियम नामक एक कुंवारी थी जिसकी मंगनी दाऊदवंशी यूसुफ के साथ हुई थी।

Luke 1:31

स्वर्गदूत ने मरियम से क्या कहा कि उसके साथ होगा?
स्वर्गदूत ने मरियम से कहा कि वह गर्भधारण करेगी।

उस बालक का नाम क्या होगा और वह क्या करेगा?
उस बालक का नाम यीशु होगा और वह याकूब के वंशजों पर सर्वदा राज करेगा।

Luke 1:35

क्योंकि मरियम कुंवारी थी इसलिए स्वर्गदूत ने क्या कहा कि ऐसा कैसे होगा?
स्वर्गदूत ने कहा कि पवित्र आत्मा मरियम पर उतरेगा और परम प्रधान का सामर्थ्य उस पर छाया करेगा।

इस पवित्र पुत्र को स्वर्गदूत ने किसका पुत्र कहा?
उस स्वर्गदूत ने कहा कि वह बालक परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।

स्वर्गदूत ने परमेश्वर के लिए क्या असंभव बताया?
कुछ नहीं।

Luke 1:41

जब मरियम ने इलीशिबा को नमस्कार किया तब इलीशिबा के शिशु ने क्या किया?
बच्चा उसके पेट में उछला।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 1:42

इलीशिबा ने किसको धन्य कहा?
इलीशिबा ने कहा कि मरियम और उसका शिशु धन्य है ।

Luke 1:54

मरियम ने कहा कि परमेश्वर के ये सामर्थी काम परमेश्वर की कौन सी प्रतिज्ञा को पूरा करेंगे?
अब्राहम और उसके वंशजों से की गई परमेश्वर की प्रतिज्ञाएं पूरी होंगी कि वह उन पर दयावान होगा और उन्हें संभालेगा।

Luke 1:59

खतना के दिन के समय से इलीशिबा के पुत्र का क्या नाम रखा जाएगा?
जकरयाह।

Luke 1:63

पुत्र का नाम जकरयाह से पूछने पर उसने क्या लिख कर दिया और फिर जकरयाह के साथ क्या हुआ?
जकरयाह ने लिखा, "इसका नाम यूहन्ना है" और तब बोलने लगा।

Luke 1:66

इन सब घटनाओं के कारण उन्होंने उस बालक के लिए क्या सोचा?
उन्हें समझ में आ गया कि प्रभु का हाथ उस पर है।

Luke 1:68

जकरयाह ने परमेश्वर की स्तुति की क्योंकि परमेश्वर ने अब क्या करने का विचार किया है?
परमेश्वर ने अपनी प्रजा को मुक्त करवाने का मार्ग ले लिया है।

Luke 1:77

जकरयाह ने भविष्यद्वाणी की कि उसका पुत्र यूहन्ना मनुष्यों को क्या समझने में सहायता करेगा?
यूहन्ना मनुष्यों को बताएगा कि वे अपने पापों की क्षमा द्वारा कैसे बचाए जायेंगे।

Luke 1:80

इस्राएल के समक्ष आने तक यूहन्ना कहाँ रहता था?
यूहन्ना बड़ा होकर जंगल में रहने लगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 उन दिनों में औगुस्तुस कैसर की ओर से आज्ञा निकली, कि सारे रोमी साम्राज्य के लोगों के नाम लिखे जाएँ। **2** यह पहली नाम लिखाई उस समय हुई, जब क्विरिनियुस* सीरिया का राज्यपाल था। **3** और सब लोग नाम लिखवाने के लिये अपने-अपने नगर को गए। **4** अतः यूसुफ भी इसलिए कि वह दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया। **5** कि अपनी मंगेतर मरियम के साथ जो गर्भवती थी नाम लिखवाए। **6** उनके वहाँ रहते हुए उसके जनने के दिन पूरे हुए। **7** और वह अपना पहलौठा पुत्र जनी और उसे कपड़े में लपेटकर चरनी में रखा; क्योंकि उनके लिये सराय में जगह न थी।

8 और उस देश में कितने गड़ेरिये थे, जो रात को मैदान में रहकर अपने झुण्ड का पहरा देते थे। **9** और परमेश्वर का एक दूत उनके पास आ खड़ा हुआ; और प्रभु का तेज उनके चारों ओर चमका, और वे बहुत डर गए। **10** तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, "मत डरो; क्योंकि देखो, मैं तुम्हें बड़े आनन्द का सुसमाचार सुनाता हूँ; जो सब लोगों के लिये होगा, **11** कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिये एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और वही मसीह प्रभु है। **12** और इसका तुम्हारे लिये यह चिन्ह है, कि तुम एक बालक को कपड़े में लिपटा हुआ और चरनी में पड़ा पाओगे।" **13** तब एकाएक उस स्वर्गदूत के साथ स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते दिखाई दिया,

14 "आकाश में परमेश्वर की महिमा और
पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है शान्ति हो।"

15 जब स्वर्गदूत उनके पास से स्वर्ग को चले गए, तो गड़ेरियों ने आपस में कहा, "आओ, हम बैतलहम जाकर यह बात जो हुई है, और जिसे प्रभु ने हमें बताया है, देखें।" **16** और उन्होंने तुरन्त जाकर मरियम और यूसुफ को और चरनी में उस बालक को पड़ा देखा। **17** इन्हें देखकर उन्होंने वह बात जो इस बालक के विषय में उनसे कही गई थी, प्रगट की। **18** और सब सुननेवालों ने उन बातों से जो गड़ेरियों ने उनसे कहीं आश्चर्य किया। **19** परन्तु मरियम ये सब बातें अपने मन में रखकर सोचती रही। **20** और गड़ेरिये जैसा उनसे कहा गया था, वैसा ही सब सुनकर और देखकर परमेश्वर की महिमा और स्तुति करते हुए लौट गए।

21 जब आठ दिन पूरे हुए, और उसके खतने का समय आया, तो उसका नाम यीशु रखा गया, यह नाम स्वर्गदूत द्वारा, उसके गर्भ में आने से पहले दिया गया था। (उत्प. 17:12, लैव्य. 12:3) **22** और जब मूसा की व्यवस्था के अनुसार मरियम के शुद्ध होने के दिन पूरे हुए तो यूसुफ और मरियम उसे यरूशलेम में ले गए, कि प्रभु के सामने लाएँ। (लैव्य. 12:6) **23** जैसा कि प्रभु की व्यवस्था में लिखा है: "हर एक पहलौठा प्रभु के लिये पवित्र ठहरेगा।" (निर्ग. 13:2,12) **24** और प्रभु की व्यवस्था के वचन के अनुसार, "पण्डुकों का एक जोड़ा, या कबूतर के दो बच्चे लाकर बलिदान करें।" (लैव्य. 12:8)

25 उस समय यरूशलेम में शमौन नामक एक मनुष्य था, और वह मनुष्य धर्मी और भक्त था; और इस्राएल की शान्ति की प्रतीक्षा कर रहा था, और पवित्र आत्मा उस पर था। **26** और पवित्र आत्मा के द्वारा प्रकट हुआ, कि जब तक तू प्रभु के मसीह को देख न लेगा, तब-तक मृत्यु को न देखेगा। **27** और वह आत्मा के सिखाने से मन्दिर में आया; और जब माता-पिता उस बालक यीशु को भीतर लाए, कि उसके लिये व्यवस्था की रीति के अनुसार करें, **28** तो उसने उसे अपनी गोद में लिया और परमेश्वर का धन्यवाद करके कहा:

29 "हे प्रभु, अब तू अपने दास को अपने
वचन के अनुसार शान्ति से विदा कर दे;
30 क्योंकि मेरी आँखों ने तेरे उद्धार को देख
लिया है।
31 जिसे तूने सब देशों के लोगों के सामने
तैयार किया है। (यशा. 40:5)
32 कि वह अन्यजातियों को सत्य प्रकट करने के
लिए एक ज्योति होगा,
और तेरे निज लोग इस्राएल की महिमा हो।" (यशा. 42:6, यशा. 49:6)

33 और उसका पिता और उसकी माता इन बातों से जो उसके विषय में कही जाती थीं, आश्चर्य करते थे। **34** तब शमौन ने उनको आशीष देकर, उसकी माता मरियम से कहा, "देख, वह तो इस्राएल में बहुतों के गिरने, और उठने के लिये, और एक ऐसा चिन्ह होने के लिये ठहराया गया है, जिसके विरोध में बातें की जाएँगी (यशा. 8:14-15) **35** (वरन् तेरा प्राण भी तलवार से आर-पार छिद जाएगा) इससे बहुत हृदयों के विचार प्रगट होंगे।"

36 और अशेर के गोत्र में से हन्नाह नामक फनूएल की बेटी एक भविष्यद्वक्तिन* थी: वह बहुत बूढ़ी थी, और विवाह होने के बाद सात वर्ष अपने पति के साथ रह पाई थी। **37** वह चौरासी वर्ष से विधवा थी: और मन्दिर को नहीं छोड़ती थी पर उपवास और प्रार्थना कर करके रात-दिन उपासना किया करती थी। **38** और वह उस घड़ी वहाँ आकर परमेश्वर का धन्यवाद करने लगी, और उन सभी से, जो यरूशलेम के छुटकारे की प्रतीक्षा कर रहे थे, उसके विषय में बातें करने लगी। (यशा. 52:9)

39 और जब वे प्रभु की व्यवस्था के अनुसार सब कुछ निपटा चुके तो गलील में अपने नगर नासरत को फिर चले गए। **40** और बालक बढ़ता, और बलवन्त होता, और बुद्धि से परिपूर्ण होता गया; और परमेश्वर का अनुग्रह उस पर था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

41 उसके माता-पिता प्रति वर्ष फसह के पर्व में यरूशलेम को जाया करते थे। (निर्ग. 12:24-27, व्य. 16:1-8) **42** जब वह बारह वर्ष का हुआ, तो वे पर्व की
रीति के अनुसार यरूशलेम को गए। **43** और जब वे उन दिनों को पूरा करके लौटने लगे, तो वह बालक यीशु यरूशलेम में रह गया; और यह उसके माता-पिता
नहीं जानते थे। **44** वे यह समझकर, कि वह और यात्रियों के साथ होगा, एक दिन का पड़ाव निकल गए: और उसे अपने कुटुम्बियों और जान-पहचान वालों में
ढूँढ़ने लगे। **45** पर जब नहीं मिला, तो ढूँढ़ते-ढूँढ़ते यरूशलेम को फिर लौट गए। **46** और तीन दिन के बाद उन्होंने उसे मन्दिर में उपदेशकों के बीच में बैठे, उनकी
सुनते और उनसे प्रश्न करते हुए पाया। **47** और जितने उसकी सुन रहे थे, वे सब उसकी समझ और उसके उत्तरों से चकित थे। **48** तब वे उसे देखकर चकित हुए
और उसकी माता ने उससे कहा, “हे पुत्र, तूने हम से क्यों ऐसा व्यवहार किया? देख, तेरा पिता और मैं कुढ़ते हुए तुझे ढूँढ़ते थे।” **49** उसने उनसे कहा, “तुम
मुझे क्यों ढूँढ़ते थे? क्या नहीं जानते थे, कि मुझे अपने पिता के भवन में* होना अवश्य है?” **50** परन्तु जो बात उसने उनसे कही, उन्होंने उसे नहीं समझा। **51**
तब वह उनके साथ गया, और नासरत में आया, और उनके वश में रहा; और उसकी माता ने ये सब बातें अपने मन में रखीं। **52** और यीशु बुद्धि और डील-डौल
में और परमेश्वर और मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ता गया। (1 शमू. 2:26, नीति. 3:4)

Luke 2:1

अब
इस वाक्यांश से प्रकट होता है कि केवल एक नये विषय का उल्लेख करने जा रहा है।

ऐसा हुआ
इस वाक्यांश का अर्थ है कि यह एक वृत्तान्त का आरंभ है। यदि आपकी भाषा में किसी नये वृत्तान्त को आरंभ करने का प्रावधान है, तो आप उसका उपयोग करें। कुछ अनुवादों में इसे काम में नहीं लिया गया है।

औगुस्तुस कैसर
“राजा औगस्तुस” या “सम्राट औगुस्तुस” औगुस्तुस रोम का सर्वप्रथम सम्राट था।

आज्ञा निकली
आज्ञा का अर्थ है आदेश या अध्यादेश निकाला इसका अनुवाद हो सकता है, राजाज्ञा निकाली” या “आदेश दिया” या “आज्ञा दी”

नाम लिखे जाएं
नाम लिखे जाएं अर्थात् सरकारी जनगणना। किसी क्षेत्र के सब लोगों के नाम लिखे जाएं कि कर भुगतान निर्धारित किया जाए।

सारे जगत के लोगों के नाम लिखे जाएं
सारे जगत के लोगों के नाम लिखे जाएं - इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है "सम्पूर्ण रोमी साम्राज्य के निवासियों का पंजीकरण किया जाए" या “रोमी साम्राज्य के सब लोगों की गणना करके लेखा तैयार किया जाए।”

रोमी साम्राज्य
इसका अनुवाद हो सकता है, “रोम के अधीन जो संसार था” या "रोमी सम्राट के अधीनस्थ देशों की जनता" या “रोमी साम्राज्य के”।

क्विरिनियुस
क्विरिनियुस को सीरिया का प्रशासक नियुक्त किया गया था।

सब लोग... गए
इसका अनुवाद हो सकता है, “हर एक जन निकल पड़ा” या “हर एक जन जा रहा था”

अपने अपने नगर को
“उसके पूर्वजों के नगर को”

नाम लिखवाने के लिए
“अपने अपने नाम का पंजीकरण करवाने के लिए” या “राजसी लेखे में नाम चढ़वाने के लिए”

Luke 2:4

यहूदिया में ..... बैतलहम को गया।
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “यहूदिया में बैतलहम नगर गया” बैतलहम नासरत से ऊंचे पर था।

दाऊद के नगर
दाऊद के नगर -बैतलहम को उसके महत्त्व के कारण नगर कहा जाता था न कि जनसंख्या के कारण। राजा दाऊद का जन्म वहां हुआ था और भविष्यद्वाणी थी कि मसीह का जन्म उस नगर में होगा। “दाऊद के नगर” का अनुवाद “राजा दाऊद के नगर” किया जा सकता है।

नाम लिखवाए
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “अपने नाम का पंजीकरण करवाने” या “जनगणना में लिखवाने”।

मरियम के साथ
मरियम नासरत से यूसुफ के साथ गई। यह एक संभावना है कि स्त्रियों पर भी कर लगाया जाता था। अतः आवश्यक था कि मरियम भी जाकर अपने नाम का पंजीकरण करवाएं।

अपनी मंगेतर के साथ
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “होने वाली पत्नी” या “जो उसके साथ वचनबद्ध थी” वहां मंगनी के बाद दम्पत्ति को वैधानिक रूप से विवाहित माना जाता था परन्तु उनमें शारीरिक संबन्ध नहीं था।

Luke 2:6

उनके वहां रहते हुए
“जब यूसुफ और मरियम बैतलहम में थे”

दिन पूरे हुए
“समय हो गया”

जनने के दिन पूरे हुए
“शिशु के जन्म देने का समय” प्रचलित अभिव्यक्ति काम में लें कि पाठकों को संकोच न हो।

कपड़े में लपेटकर
इसका अनुवाद किया जा सकता है “उसे सुविधापूर्वक चादर में लपेटा” या “उसको संभालकर चादर में लपेटा” यह कार्य नवजात शिशु के लिए प्रेम एवं चिन्ता की अभिव्यक्ति है।

चरनी
यह एक पात्र होता था जिसमें पशुओं को खाने के लिए घास डाला जाता था। अति संभव है कि वह स्वच्छ था और उसमें शिशु के लिए गद्दे का काम करने

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

के लिए सूखा चारा भी होगा। पशुओं को घर के पास ही रखा जाता था। कि वे सुरक्षित रहे और उन्हें चारा डालना आसान हो। स्पष्ट है कि यूसुफ और मरियम उस कक्ष में थे जहाँ पशुओं को रखा जाता था।

सराय
यह अतिथियों या यात्रियों के लिए एक पृथक स्थान होता था।

उनके लिए सराय में जगह न थी।
“उनके लिए धर्मशाला में ठहरने का स्थान नहीं था” इसका कारण था कि बैतलहम में जनगणना के लिए आने वाले लोगों की संख्या बहुत अधिक थी।

क्योंकि ... जगह न थी
यह स्पष्ट नहीं है कि मरियम ने अपने प्रभु को चरनी में क्यों रखा। आप सलंग्न जानकारी को स्पष्ट व्यक्त कर सकते हैं कि वे पशुशाला में ठहरे हुए थे और पद 7 में जानकारी का क्रम बदल सकते हैं, उनके लिए सराय में स्थान उपलब्ध नहीं था। इसलिए उन्हें पशुशाला में ठहरना पड़ा। जब मरियम ने अपने पहिलौठे पुत्र को जन्म दिया तब उसने उसे कपड़े में अच्छी तरह लपेटा और चरनी में रख दिया।

Luke 2:8

उस देश में
“उसके परिवेश में” या “बैतलहम के पास”

पहरा देते थे
“देखभाल कर रहे थे” या “उन्हें सुरक्षित रखने के लिए चौकसी कर रहे थे”।

भेड़ों का झुण्ड
“भेड़ों के समूह की”

रात को
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “सूर्यास्त के बाद जब अन्धेरा हो गया”।

प्रभु का एक दूत
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है “प्रभु की ओर से एक स्वर्गदूत” या “प्रभु का सेवक स्वर्गदूत” या “प्रभु का भेजा हुआ एक स्वर्गदूत”

पास आ खड़ा हुआ
“उनके निकट प्रकट हुआ”

Luke 2:10

मत डरो
“निडर रहो”

क्योंकि देखो मैं उन्हें बड़े आनन्द का समाचार सुनाता हूँ।
“क्योंकि मैं तुम्हारे लिये शुभ सन्देश लाया हूँ” या "मैं तुम्हे आनन्द का समाचार सुनाता हूँ।"

जो सब लोगों के लिए बड़े आनन्द का कारण होगा
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “जिसे सुनकर सब लोग अति आनन्दित होंगे।”

सब लोग
कुछ विचारकों के अनुसार इसका अर्थ है, “सब यहूदी” और कुछ के अनुसार “सब लोग”

दाऊद के नगर में
इसका अनुवाद हो सकता है, “दाऊद के नगर बैतलहम में”

यह चिन्ह है जो तुम्हें दिया गया है
इसका अनुवाद हो सकता है “परमेश्वर तुम्हें यह चिन्ह देता है” या “तुम परमेश्वर का यह चिन्ह देखोगे”।

चिन्ह
यह या तो स्वर्गदूत की बात को सत्य सिद्ध करने का पता है या शिशु की पहचान का पता है। इसका अनुवाद “प्रमाण” किया जा सकता है, पहली समझ के लिए और दूसरी समझ के लिए “विशिष्ट चिन्ह”।

कपड़े में लिपटा
इसका अनुवाद हो सकता है, “जिसे चादर में अच्छी तरह लपेटा गया है।"

Luke 2:13

स्वर्गदूतों का दल
इसका अर्थ “स्वर्गदूतों की सेना” या रूपक माने तो “व्यवस्थित समूह” हो सकता है।

परमेश्वर की स्तुति करते
इसका अनुवाद हो सकता है, “वे परमेश्वर का गुणगान कर रहे थे।"

आकाश में परमेश्वर की महिमा
इसके संभावित अर्थ हैं, (1) “सर्वोच्च स्थान में परमेश्वर की स्तुति करते” या (2) “परमेश्वर की सर्वोत्तम स्थान में चर्चा करो” या “परमेश्वर की सर्वोत्तम स्थान में चर्चा करो” या “परमेश्वर की सर्वोत्तम स्तुति करो”।

पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है उनमें शान्ति हो
“पृथ्वी पर जिन मनुष्यों से परमेश्वर प्रसन्न है उनमें शान्ति हो”

Luke 2:15

उनके पास से
“चरवाहों के पास से”

आपस में
“एक दूसरे से”

आओ, हम... हमें
चरवाहे एक दूसरे से बातें कर रहे हैं, अतः जिन भाषाओं में “हम” और “हमें” के समावेशी रूप हैं तो उन रूपों का यहाँ प्रयोग करें।

Luke 2:17

प्रगट की
“चरवाहों ने मनुष्यों में चर्चा की”

जो बातें (इस बालक के विषय में) उनसे कही गई थी
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “स्वर्गदूत ने उन चरवाहों से जो कहा था”।

इस बालक
“उस शिशु”

उन बातों से जो गड़ेरियों ने उनसे कही थी
“चरवाहे ने उन्हें जो बातें बताई थी”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मरियम ने सब बातें अपने मन में रखकर
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उन सब बातों को सावधानीपूर्वक स्मरण रखा” या “उन्हें आनन्दपूर्वक स्मरण रखा” मन में रखने का अर्थ है, कि वह बात अत्यधिक महत्त्वपूर्ण समझा था।

लौट गए
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “वे भेड़ों के चारागाहों में लौट गए”।

परमेश्वर की महिमा ... करते हुए
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “परमेश्वर की महानता का गुणगान करते हुए”

Luke 2:21

उसका नाम यीशु रखा गया
“उन्होंने उसे यीशु नाम दिया” या “उसे यीशु नाम से पुकारा”।

जो स्वर्गदूत ने ... कहा था।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है “स्वर्गदूत ने उसे जो नाम दिया था" या "स्वर्गदूत ने उसे यही नाम दिया था”।

Luke 2:22

दिन पूरे हुए
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “परमेश्वर ने जितने दिन निर्धारित किए थे वे पूरे हुए”

शुद्ध होने के
“धार्मिक संस्कार के अनुसार शुद्ध होने के” या “परमेश्वर द्वारा उन्हें शुद्ध स्वीकार करने के दिन”

प्रभु के सामने लाएं
“उसे प्रभु को समर्पित करें” या “उसे प्रभु की उपस्थिति में प्रस्तुत करें” यह एक संस्कार था जिसमें स्वीकार किया जाता था कि पहिलौठे पुत्र पर परमेश्वर का अधिकार है

व्यवस्था में लिखा है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उन्होंने ऐसा किया क्योंकि विधान में लिखा था।"

हर एक पहिलौठा
“पहला पुत्र” विधान के अनुसार मनुष्य हो या पशु सबकी प्रथम नर सन्तान, परन्तु यहाँ अनुवाद इस प्रकार करें, “पहला जन्मा पुत्र”

पंडुकों
ये साधारणतः पाये जाने वाले पक्षी है जो अन्न खाते हैं और खुले स्थानों में रहते हैं। वे छोटे होते हैं कि हाथों से पकड़ लिए जाए। वे खाए भी जाते हैं।

कबूतर के दो बच्चे
ये भी अन्न-भक्षी पक्षी हैं, और अधिकतर पर्वतों में रहते है। ये छोटे पक्षी होते हैं कि हाथों में आ जाए और खाए भी जाते हैं।

Luke 2:25

वह मनुष्य धर्मी और भक्त था
“परमेश्वर का भक्त” या “परमेश्वर का निष्ठावान”

इस्राएल का शांतिदाता
इसका अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल के शान्तिदाता” यह “मसीह” या “ख्रीस्त का दूसरा नाम है।

पवित्र-आत्मा उस पर था
“पवित्र आत्मा उसके साथ था”, परमेश्वर उसके साथ विशेष रूप से उपस्थित था और उसे जीवन में निर्देशन एवं बुद्धि देता था।

पवित्र-आत्मा द्वारा उस पर प्रगट हुआ।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “पवित्र-आत्मा ने उस पर प्रकट किया था” या “पवित्र-आत्मा ने उससे कहा था”।

जब तक वह प्रभु के मसीह को देख न लेगा, तब तक मृत्यु को न देखेगा।
इसका अनुवाद होगा “वह मरने से पहले परमेश्वर के मसीह को देखेगा” या “वह परमेश्वर के मसीह को देखने के बाद ही मरेगा”। यहाँ “प्रभु” शब्द परमेश्वर के लिए काम में लिया गया है।

Luke 2:27

आया
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “गया”

आत्मा के सिखाने से
इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के निर्देशानुसार” या “पवित्र-आत्मा की अगुवाई में”

माता-पिता
“यीशु के माता-पिता”

व्यवस्था की रीति के अनुसार
“परमेश्वर के विधान के अनुसार”

गोद में लिया
“उसे लिया”

अब तू अपने दास को .... विदा करता है
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “मैं तेरा दास हूँ, मुझे शान्तिपूर्वक विदा होने दे, शमौन अपने बारे में कह रहा था।

विदा
यह अलंकृत शैली है, विदा का अर्थ है मृत्यु।

अपने वचन के अनुसार
इसका अनुवाद हो सकता है, “जैसा तूने कहा है” या “क्योंकि तूने कहा है कि तू करेगा”

Luke 2:30

तेरे उद्धार को
इसका संदर्भ यीशु से है, यीशु के द्वारा परमेश्वर मनुष्यों का उद्धार करेगा।

तैयार किया है
“योजना बनाई है” या “होने का कारण बताया है”

लोगों के सामने
“संपूर्ण मानवजाति के देखने के लिए”

वह होगा
यह उद्धारकर्ता के संदर्भ में है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

प्रकाश देने के लिए ज्योति
इसका अनुवाद किया जा सकता है “यह बालक मनुष्यों को समर्थ बनायेगा कि वे परमेश्वर के सत्य को अति उचित ग्रहण करें जैसे ज्योति मनुष्य को देखने में समर्थ बनाती है।

इस्राएल की महिमा हो
इसका अनुवाद हो सकता है, “तेरी प्रजा इस्राएल में ज्योति के आगमन का कारण होगा”।

Luke 2:33

बहुतों के गिरने और उठने के लिए
इसका अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल में अनेकों को परमेश्वर से विमुख होने या परमेश्वर के निकट आने के लिए ठहराया गया है” इस रूपक में परमेश्वर से विमुख होने तथा परमेश्वर के निकट आने के विचार को “गिरने” तथा “उठने” द्वारा व्यक्त किया गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “उसके लिए परमेश्वर की योजना है कि वह कुछ को परमेश्वर से दूर तथा कुछ को परमेश्वर के निकट लाए”।

तेरा प्राण भी तलवार के वार से छिद जाएगा
यह भी एक रूपक है जो मरियम के अपार दुःख को दर्शाता है। इसका अनुवाद हो सकता है, “तेरी हार्दिक वेदना सहनशक्ति के परे होगी” या "तेरा दुःख ऐसा होगा जैसे तेरा हृदय तलवार से बेधा गया है" या “तेरा हृदय विदीर्ण होगा”।

बहुत हृदयों के विचार प्रगट होंगे
इसका अनुवाद हो सकता है, “बहुत लोगों के विचार प्रकट होंगे” या “परमेश्वर के बारे में मनुष्य जो सोचते हैं वह प्रकट हो जायेगा”

Luke 2:36

विवाह होने के बाद
“अपने विवाह के बाद”

चौरासी वर्ष से विधवा थी
इसके संभावित अर्थ हैं, (1) वह चौरासी वर्षों से विधवा थी, (2) वह चौरासी वर्ष की विधवा थी।

मन्दिर को नहीं छोड़ती थी
यह एक अतिशयोक्ति है कि वह मन्दिर में इतना समय रहती थी कि जैसे वह वहां से कहीं जाती ही नहीं थी। इसका अनुवाद हो सकता है, “वह सदैव मन्दिर में रहती थी” या अतिशयोक्ति-रहित अर्थ व्यक्त किया जा सकता है, “वह प्रायः मन्दिर में ही रहती थी”।

उवपास और प्रार्थना करके
“भोजन न करके प्रार्थना करती थी”

उस घड़ी वहां आकर
“उनके पास आई” या “मरियम और यूसुफ के पास आई”

यरूशलेम के छुटकारे
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “यरूशलेम को मुक्त कराने वाले की” या “यरूशलेम के लिए परमेश्वर की आशिषों और अनुग्रह को लौटा लाने वाले की” यहाँ “छुटकारा” शब्द उसके कर्ता के लिए काम में लिया गया है।

Luke 2:39

प्रभु की व्यवस्था के अनुसार सब कुछ पूरा कर चुके
इसके संभावित अर्थ हैं, (1) “परमेश्वर के विधान के अनुसार जो अनिवार्य था” या (2) “परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार उनके लिए जो आवश्यक था”।

बुद्धि से परिपूर्ण होता गया
“अधिकाधिक बुद्धिमान होता गया” या “बुद्धिमान होना सीखता गया”।

परमेश्वर का अनुग्रह उस पर था
इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने उसे आशीष दी” या “परमेश्वर उसके साथ विशेष रूप में था”।

Luke 2:41

उसके माता-पिता
“यीशु के माता-पिता”

जाया करते थे
यरूशलेम पहाड़ पर था, अतः उपासकों को ऊपर चढ़ना होता था।

उन दिनों को पूरा करके
“जब पर्व के दिन पूरे हो गए” या “पर्व के जितने दिन थे, उसके बाद”।

यह समझकर
“उन्होंने सोचा”

एक दिन का पड़ाव निकल गए
“एक दिन की यात्रा कर चुके” या “एक दिन की पद यात्रा तक आगे निकल गए”।

Luke 2:45

पर जब नहीं मिला
“जब मरियम और यूसुफ को यीशु नहीं मिला”

(और ऐसा हुआ कि)
इस उक्ति द्वारा कहानी में एक महत्त्वपूर्ण घटना का बोध करवाया गया है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

मन्दिर में
इसका अनुवाद हो सकता है, “मन्दिर परिसर में” या “मन्दिर के द्वार”

के बीच
इसका अर्थ उनके बीचों-बीच नहीं वरन “उनके साथ” या “उनकी संगति में” या “उनके मध्य” (यू.डी.बी.)

उपदेशकों
“धर्म के शिक्षकों” या “परमेश्वर की शिक्षा देने वालों”

उसकी समझ
इसका अनुवाद हो सकता है, “वह कितना अधिकार समझता था” या “कि वह परमेश्वर के बारे में इतनी समझ रखता है”।

उसके उत्तरों
इसका अनुवाद हो सकता है, “उसके उचित उत्तरों” या “वह उनके प्रश्नों के ऐसे उचित उत्तर देता था।”

Luke 2:48

उसे देख कर
“जब मरियम और यूसुफ ने यीशु को वहां देखा”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हमसे क्यों ऐसा व्यवहार किया?
इसका अनुवाद हो सकता है, “तू ऐसा कैसे कर सकता है” यह एक प्रकार की अप्रत्यक्ष डांट है क्योंकि वह घर लौटने में उनके साथ नहीं था।

तुम मुझे क्यों ढूंढ़ते थे?
इसका अनुवाद हो सकता है, “तुम मुझे अन्यत्र क्यों खोज रहे थे?”

(देखो)
यह शब्द एक नई घटना का सूचक है। इसके द्वारा कार्य का आरंभ भी दर्शाया जाता है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए शब्द है तो देखें कि उनका उपयोग स्वभाविक होगा।

क्या नहीं जानते थे?
यह एक ऐसा प्रश्न है, जो जानकारी के लिए नहीं, प्रभाव डालने के लिए पूछा जाता है। यीशु उनकी जानकारी नहीं चाहता था परन्तु उन पर कुछ प्रकट कर रहा था इसका अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें जानता था”।

अपने पिता के भवन में
इसके संभावित अर्थ हैं, (1) “मेरे पिता के भवन में” या (2) “मेरे पिता के काम में”, दोनों ही में यीशु जब कहता है, “मेरे पिता” तो वह परमेश्वर को संबोधित कर रहा है। “भवन” से उसका अभिप्राय था मन्दिर। “काम” से उसका तात्पर्य था, परमेश्वर प्रदत्त कार्य। क्योंकि अगले पद में कहा गया है कि उन्होंने उसे नहीं समझा इसलिए उचित होगा कि इसे व्यख्या द्वारा स्पष्ट करें।

Luke 2:51

वह उनके साथ गया
“यीशु मरियम और यूसुफ के साथ लौट गया”

उनके वश में रहा
“उनकी आज्ञा मानता रहा” या “उनका आज्ञाकारी बना रहा”।

मने में रखी
“सावधानीपूर्वक स्मरण रखा” या “आनन्द से विचार किया” मरियम ने अपने पुत्र के कामों और बातों को अत्यधिक महत्त्वपूर्ण समझा था।

“बुद्धि और डील-डौल में .... बढ़ता गया”
“अधिकाधिक बुद्धिमान और बलवन्त होता गया”

परमेश्वर और मनुष्य के अनुग्रह में बढ़ता गया
इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य उसे अधिकाधिक चाहने लगे थे और परमेश्वर भी उसे अधिकाधिक आशीष देता रहा था।

Translation Questions

Luke 2:3

लोग जनगणना के लिए कहाँ गये?
लोग नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने नगर को गए।

Luke 2:4

यूसुफ मरियम के साथ बैतलहम गया और वह किसका वंशज था?
यूसुफ और मरियम बैतलहम गए क्योंकि यूसुफ दाऊद का वंशज था।

Luke 2:7

शिशु को जन्म देकर मरियम ने उसे कहाँ रखा?
शिशु का जन्म होने पर मरियम ने उसे पशुओं की चरनी में रखा।

Luke 2:8

स्वर्गदूत किस पर प्रकट हुआ था?
अपनी भेड़ो की रखवाली कर रहे चरवाहों को स्वर्गदूत दिखाई दिया।

Luke 2:9

स्वर्गदूत को देखकर चरवाहों की क्या प्रतिक्रिया थी?
चरवाहे बहुत डर गए थे।

Luke 2:11

स्वर्गदूत ने चरवाहों को क्या शुभ सन्देश सुनाया था?
स्वर्गदूत ने उन चरवाहों से कहा कि उद्धारकर्ता जन्मा है, यही मसीह प्रभु है।

Luke 2:15

स्वर्गदूतों के प्रस्थान के बाद चरवाहों ने क्या किया?
चरवाहे उस नवजात बालक को देखने बैतलहम गए।

Luke 2:21

यीशु का खतना कब किया गया था?
जन्म के आठवें दिन यीशु का खतना किया गया।

Luke 2:22

यूसुफ और मरियम यीशु को यरूशलेम के मन्दिर में क्यों लाये?
वे उसे परमेश्वर को समर्पित करने और बलि चढ़ाने के लिए मन्दिर गए जो मूसा की व्यवस्था में एक आज्ञा थी।

Luke 2:26

पवित्र आत्मा ने शमौन से क्या कहा था?
पवित्र आत्मा ने शमौन से कहा था कि जब तक वह प्रभु के मसीह को न देख ले तब तक यह नहीं मरेगा।

Luke 2:32

शमौन ने यीशु के लिए क्या कहा था?
शमौन ने भविष्यद्वाणी की कि यीशु अन्यजातियों में सत्य प्रकाशन की ज्योति और परमेश्वर की प्रजा की महिमा होगा।

Luke 2:35

शमौन ने क्या कहा कि यीशु के कारण मरियम के साथ क्या होगा?
शमौन ने कहा कि उसका प्राण तलवार से छेदा जायेगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 2:38

भविष्द्धक्तिन हन्नाह ने मरियम, यूसुफ और यीशु को देख कर क्या किया?
हन्नाह परमेश्वर का धन्यवाद करने लगी और उस बालक के विषय में सबसे बातें करने लगी।

Luke 2:40

नासरत लौट आने पर यीशु का क्या हुआ?
यीशु बढ़ता और बलवन्त होता गया और परमेश्वर का अनुग्रह उस पर था।

Luke 2:43

यीशु के माता-पिता ने क्यों यह नहीं सोचा कि वह फसह के पर्व के समय यरूशलेम में रह गया है?
उन्हें इसका बोध नहीं था क्योंकि उन्होंने सोचा कि यीशु साथ चल रहे समूह में ही होगा।

Luke 2:46

यीशु के माता-पिता को वह कहाँ मिला, और वह क्या कर रहा था?
उसके माता-पिता ने उसे मन्दिर में पाया, वह मन्दिर में उपदेशकों की बातें सुन रहा था और उनसे प्रश्न पूछ रहा था।

Luke 2:49

मरियम ने यीशु से कहा कि वे बड़ी परेशानी से उसे ढूंढ़ रहे थे तब यीशु ने क्या उत्तर दिया?
"क्या नहीं जानते थे, कि मुझे अपने पिता के भवन में होना अवश्य है?"

Luke 2:51

नासरत में लौट आने पर यीशु का व्यवहार उसके माता-पिता के साथ कैसा था?
वह उनका आज्ञाकारी रहा।

Luke 2:52

बड़ा होते-होते यीशु कैसा था?
वह बुद्धि और शरीर में बढ़ता गया और परमेश्वर और मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ता गया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 तिबिरियुस कैसर के राज्य के पन्द्रहवें वर्ष में जब पुन्तियुस पिलातुस यहूदिया का राज्यपाल था, और गलील में हेरोदेस इतूरैया, और त्रखोनीतिस में, उसका
भाई फिलिप्पुस, और अबिलेने में लिसानियास चौथाई के राजा थे। **2** और जब हन्ना और कैफा महायाजक* थे, उस समय परमेश्वर का वचन जंगल में जकर्याह
के पुत्र यूहन्ना के पास पहुँचा। **3** और वह यरदन के आस-पास के सारे प्रदेश में आकर, पापों की क्षमा के लिये मन फिराव के बपतिस्मा का प्रचार करने लगा। **4**
जैसे यशायाह भविष्यद्वक्ता के कहे हुए वचनों की पुस्तक में लिखा है:

“जंगल में एक पुकारनेवाले का शब्द हो रहा है कि,
‘प्रभु का मार्ग तैयार करो, उसकी सड़कें सीधी करो।
5 हर एक घाटी भर दी जाएगी, और हर एक
पहाड़ और टीला नीचा किया जाएगा;
और जो टेढ़ा है सीधा, और जो ऊँचा नीचा
है वह चौरस मार्ग बनेगा।
6 और हर प्राणी परमेश्वर के उद्धार को देखेगा’।” (यशा. 40:3-5)

7 जो बड़ी भीड़ उससे बपतिस्मा लेने को निकलकर आती थी, उनसे वह कहता था, “हे साँप के बच्चों, तुम्हें किस ने चेतावनी दी, कि आनेवाले क्रोध से भागो। **8**
अतः मन फिराव के योग्य फल लाओ: और अपने-अपने मन में यह न सोचो, कि हमारा पिता अब्राहम है; क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि परमेश्वर इन पत्थरों से
अब्राहम के लिये सन्तान उत्पन्न कर सकता है। **9** और अब कुल्हाड़ा पेड़ों की जड़ पर रखा हुआ है, इसलिए जो-जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा और
आग में झोंका जाता है।” **10** और लोगों ने उससे पूछा, “तो हम क्या करें?” **11** उसने उन्हें उतर दिया, “जिसके पास दो कुर्ते हों? वह उसके साथ जिसके पास
नहीं हैं बाँट ले और जिसके पास भोजन हो, वह भी ऐसा ही करे।” **12** और चुंगी लेनेवाले भी बपतिस्मा लेने आए, और उससे पूछा, “हे गुरु, हम क्या करें?” **13**
उसने उनसे कहा, “जो तुम्हारे लिये ठहराया गया है, उससे अधिक न लेना।” **14** और सिपाहियों ने भी उससे यह पूछा, “हम क्या करें?” उसने उनसे कहा,
“किसी पर उपद्रव न करना, और न झूठा दोष लगाना, और अपनी मजदूरी पर सन्तोष करना।” **15** जब लोग आस लगाए हुए थे, और सब अपने-अपने मन में
यूहन्ना के विषय में विचार कर रहे थे, कि क्या यही मसीह तो नहीं है। **16** तो यूहन्ना ने उन सब के उत्तर में कहा, “मैं तो तुम्हें पानी से बपतिस्मा देता हूँ, परन्तु वह
आनेवाला है, जो मुझसे शक्तिशाली है; मैं तो इस योग्य भी नहीं, कि उसके जूतों का फीता खोल सकूँ, वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा। **17**
उसका सूप, उसके हाथ में है; और वह अपना खलिहान अच्छी तरह से साफ करेगा; और गेहूँ को अपने खत्ते में इकट्ठा करेगा, परन्तु भूसी को उस आग में जो
बुझने की नहीं जला देगा।” **18** अतः वह बहुत सी शिक्षा दे देकर लोगों को सुसमाचार सुनाता रहा।

19 परन्तु उसने चौथाई देश के राजा हेरोदेस को उसके भाई फिलिप्पुस की पत्नी हेरोदियास के विषय, और सब कुकर्मों के विषय में जो उसने किए थे, उलाहना
दिया। **20** इसलिए हेरोदेस ने उन सबसे बढ़कर यह कुकर्म भी किया, कि यूहन्ना को बन्दीगृह में डाल दिया।

21 जब सब लोगों ने बपतिस्मा लिया, और यीशु भी बपतिस्मा लेकर प्रार्थना कर रहा था, तो आकाश खुल गया। **22** और पवित्र आत्मा शारीरिक रूप में*
कबूतर के समान उस पर उतरा, और यह आकाशवाणी हुई “तू मेरा प्रिय पुत्र है, मैं तुझ से प्रसन्न हूँ।”

23 जब यीशु आप उपदेश करने लगा, तो लगभग तीस वर्ष की आयु का था और (जैसा समझा जाता था) यूसुफ का पुत्र था; और वह एली का, **24** और वह
मत्तात का, और वह लेवी का, और वह मलकी का, और वह यन्ना का, और वह यूसुफ का, **25** और वह मत्तित्याह का, और वह आमोस का, और वह नहूम का,
और वह असल्याह का, और वह नोगह का, **26** और वह मात का, और वह मत्तित्याह का, और वह शिमी का, और वह योसेख का, और वह योदाह का, **27**
और वह यूहन्ना का, और वह रेसा का, और वह जरुब्बाबेल का, और वह शालतियेल का, और वह नेरी का, (एज्रा 3:2, नहे. 12:1) **28** और वह मलकी का,
और वह अद्दी का, और वह कोसाम का, और वह इलमोदाम का, और वह एर का, **29** और वह येशू का, और वह एलीएजेर का, और वह योरीम का, और वह
मत्तात का, और वह लेवी का, **30** और वह शमौन का, और वह यहूदा का, और वह यूसुफ का, और वह योनान का, और वह एलयाकीम का, **31** और वह
मलेआह का, और वह मिन्नाह का, और वह मत्तता का, और वह नातान का, और वह दाऊद का, (2 शमू. 5:14) **32** और वह यिशै का, और वह ओबेद का,
और वह बोआज का, और वह सलमोन का, और वह नहशोन का, (रूत 4:20-22) **33** और वह अम्मीनादाब का, और वह अरनी का, और वह हेस्रोन का, और
वह पेरेस का, और वह यहूदा का, (1 इति. 2:1-14) **34** और वह याकूब का, और वह इसहाक का, और वह अब्राहम का, और वह तेरह का, और वह नाहोर
का, (उत्प. 21:3, उत्प. 25:26, 1 इति. 1:28,34) **35** और वह सरूग का, और वह रऊ का, और वह पेलेग का, और वह एबिर का, और वह शिलह का, **36**
और वह केनान का, वह अरफक्षद का, और वह शेम का, वह नूह का, वह लेमेक का, (उत्प. 11:10-26, 1 इति. 1:24-27) **37** और वह मथूशिलह का, और
वह हनोक का, और वह यिरिद का, और वह महललेल का, और वह केनान का, **38** और वह एनोश का, और वह शेत का, और वह आदम का, और वह
परमेश्वर का पुत्र था। (उत्प. 4:25-5:32, 1 इति. 1:1-4)

Luke 3:1

हन्ना और कैफा महायाजक थे
वे दोनों प्रधान पुरोहित का कार्यभार उठा रहे थे।

Luke 3:3

आकर
आकर "यूहन्ना ने वहां पहुचकर”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मन फिराव के बपतिस्मा का प्रचार
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “प्रचार करता था कि मनुष्यों को अपने पापों के त्याग के प्रमाण हेतु बपतिस्मा लेना आवश्यक है।”

पापों की क्षमा के लिए
“कि उनके पाप क्षमा हों” या “कि परमेश्वर उनके पाप क्षमा करे”, “मन फिराव” पापों की क्षमा के लिए था।

Luke 3:4

जैसे यशायाह भविष्यद्वक्ता के कहे वचनों की पुस्तक में लिखा है
इसका अनुवाद हो सकता है, “यह वैसा ही हुआ जैसा यशायाह भविष्यद्वक्ता ने अपनी पुस्तक में लिखा था”, पद 4-6 यशायाह की पुस्तक के उद्धरण हैं। .

मार्ग
“पथ” या “सड़क”

मार्ग तैयार करो, उसकी सड़के सीधी करो
यह अंश इब्रानी कविता का रूप है, जिसमें महत्त्वपूर्ण वाक्यांशों को पर्यायवाची शब्दों में दोहराया जाता है, अतः “प्रभु का मार्ग तैयार करो” को ही व्यक्त करने का दूसरा रूप है, “उसकी सड़के सीधी करो।” यहाँ मुख्य अन्तर है, पहला वाक्यांश प्रकट करता है कि ऐसा पहली बार हुआ है और दूसरा वाक्यांश प्रकट करता है कि ऐसा होते रहता है।

प्रभु का मार्ग तैयार करो
मार्ग के इस रूपक का अर्थ है, “पापों से विमुख होकर प्रभु के आगमन के लिए तैयार करो।”

उसकी सड़के सीधी करो
सड़क की यह उपमा भी एक रूपक है जिसका अर्थ है, “प्रभु के आगमन के लिए लगातार तैयारी करते रहो”।

Luke 3:5

x
(यशायाह की भविष्यद्वाणी का उद्धरण अभी समाप्त नहीं हुआ है)

हर एक घाटी भर दी जायेगी।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मार्ग का हर एक नीचा स्थान भर दिया जायेगा” एक महत्त्वपूर्ण व्यक्ति के आगमन की तैयारी में जब वे सड़के तैयार करते हैं तब ऊंचे नीचे स्थानों में मलवा डालकर सड़क को समतल कर दिया जाता है। यह उस रूपक का ही अंश है जिसका आरंभ पिछले पद में हुआ था।

हर एक पहाड़ और टीला नीचा किया जायेगा
इसका भी अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “वे हर एक पर्वत एवं टीले को समतल कर देंगे” या “वे मार्ग के हर एक ऊंचे भाग को सीधा कर देंगे”।

परमेश्वर के उद्धार को देखेगा
इसका अनुवाद होगा, “सीखेगा कि परमेश्वर मनुष्यों का कैसे उद्धार करता है”।

Luke 3:7

बपतिस्मा लेने को
“कि यूहन्ना उन्हें बपतिस्मा दे”

हे सांप के बच्चों
यह भी एक रूपक है। विषैले सर्प खतरनाक होते है और बुराई के प्रतीक हैं। इसका अनुवाद हो सकता है, “तुम दुष्ट विषैले सर्पों” या “तुम विषैले सर्पों के समान दुष्ट हो।”

तुम्हें किसने जता दिया
यूहन्ना यह आलंकारिक प्रश्न पूछ रहा है, “क्योंकि वे बपतिस्मा इसलिए ले रहे थे कि परमेश्वर उन्हें पापों का दण्ड न दे परन्तु वे पाप करना नहीं छोड़ रहे थे”, इसलिये वह उन्हें झिड़क रहा है। इस संपूर्ण प्रश्न का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तुम इस प्रकार परमेश्वर के हाथ से बच नहीं पाओगे” या “क्या तुम यह सोच रहे हो कि बपतिस्मा लेकर तुम परमेश्वर के क्रोध से बच जाओगे”?

आनेवाले क्रोध से
इसका अनुवाद हो सकता है, “आनेवाले दण्ड से” या “परमेश्वर के उस क्रोध से जिसे वह कार्य रूप देगा” या “क्योंकि परमेश्वर तुम्हें दण्ड देने वाला है” यहाँ “क्रोध” परमेश्वर के दण्ड का प्रतीक है क्योंकि दण्ड से पूर्व वह क्रोध करता है।

Luke 3:8

x
(यूहन्ना जनसमूह को संबोधित करके कह रहा है)

मन फिराव के योग्य फल लाओ
इसका अनुवाद ऐसे भी हो सकता है, “ऐसे फल लाओ कि तुम्हारा पाप त्याग प्रकट हो”, या “ऐसे भले काम करो जिससे प्रकट हो कि तुम पापों से विमुख हो गए थे” इस रूपक में मनुष्य के आचरण की तुलना फलों से की गई है। जिस प्रकार वृक्ष से अपेक्षा की जाती है कि वह अपने फल उत्पन्न करे, उसी प्रकार मनुष्य जो पापों से विमुख होने का दावा करता है उससे अपेक्षा की जाती है कि वह धार्मिकता का जीवन जीये।

अपने-अपने मन में यह न सोचो
“अपने आपसे यह न कहो” या “मन में यह न कहो” या “मत सोचो”

हमारा पिता अब्राहम है
“अब्राहम हमारा पूर्वज है” या “हम अब्राहम की सन्तान हैं” यह स्पष्ट नहीं कि वे ऐसा क्यों सोचेंगे, आप सलंग्न जानकारी व्यक्त कर सकते हैं, “कि परमेश्वर हमें दण्ड न दे”।

Luke 3:9

x
(यूहन्ना जनसमूह से बातें कर रहा है)

कुल्हाडा पेड़ों की जड़ पर धरा है
कुल्हाडा पेड़ों की जड़ों पर धरा है -, इस रूपक का अर्थ है कि दण्ड का आरंभ होने वाला है। इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “यह ऐसा है कि कुल्हाडा पेड़ों की जड़ो पर प्रहार के लिए तैयार है” या “परमेश्वर उस मनुष्य के समान है जो पेड़ को काटकर गिराने क लिए कुल्हाड़ा उठा चुका है”।

जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता वह काटा जाता है।
यह कर्मवाच्य वाक्य है। इसका अनुवाद कर्तृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है, “वह उस हर एक वृक्ष को काटकर गिरा देता है जो अच्छा फल नहीं लाता है।”

आग में झोंका जाता है
आग में झोंका जाता है - इसका अनुवाद कतृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है, “उसे आग में झोंकता है।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 3:10

उससे पूछा
"उससे प्रश्न किया" या "यूहन्ना से पूछा"

उसने उन्हें उत्तर दिया
"उनसे प्रत्युत्तर में कहा" या "उनसे कहा" या "कहा"

ऐसा ही करो
"इसी प्रकार करो" यहाँ इसका अनुवाद किया जा सकता है, "जिसके पास भोजन नहीं है उसे भोजन दो"।

Luke 3:12

बपतिस्मा लेने आए
"कि यूहन्ना उन्हें बपतिस्मा दे"

उससे अधिक न लेना
"अधिक वसूली मत करो" या "निर्धारित से अधिक कर न लो" चुंगी लेने वाले यथार्थ चुंगी से अधिक वसूल करते थे। उन्हें अपने पाप त्याग के परिणामस्वरूप ऐसा करना था।

ठहराया गया है
"जितना तुम्हें अधिकार दिया गया है"

Luke 3:14

सिपाहियों
"सेना में सेवारत"

हमारे बारे में क्या? हम क्या करें?
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "तूने लोगों को और चुंगी लेने वालो को तो बताया कि वे क्या करें परन्तु हम सैनिकों के बारे में क्या, हम क्या करें"? "हम" और "हमारे" में यूहन्ना नहीं आता है।

न झूठा दोष लगाना
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "इसी प्रकार किसी पर झूठा दोष लगाकर रिश्वत मत लो" या "किसी निर्दोष को अवैध काम का दोषी मत बनाओ" सैनिक झूठा दोष लगाकर रिश्वत लेते थे।

अपने वेतन पर सन्तोष करना
"अपने वेतन से सन्तुष्ट रहो" या "जो तुम्हें दिया जाता है उसी में सन्तोष करो"।

Luke 3:15

जब लोग
वही लोग जो यूहन्ना के पास आए थे। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "क्योंकि मनुष्य"।

मै तो तुम्हे पानी से बपतिस्मा देता हूँ
"मैं बपतिस्में के लिए पानी काम में लेता हूँ" या "मैं पानी के माध्यम से बपतिस्मा देता हूँ"

मैं तो इस योग्य भी नहीं कि उसके जूतों का बन्ध खोल सकूं।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मैं तो उसके जूतों का बन्ध खोलने के लिए भी महत्त्व नहीं रखता", जूतों का बन्ध खोलना दासों का काम होता था। यूहन्ना के कहने का तात्पर्य था कि वह ऐसा महान है कि यूहन्ना उसके लिए दास-योग्य भी नहीं।

जूतों
उनके जूते ऐसे होते थे जिनको बन्ध पांव को जूते से बांधते थे जैसे आज की सैंडल।

वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा
यह उपमा पानी के बपतिस्में की तुलना आत्मिक बपतिस्में से करते हैं जो मनुष्य को पवित्र-आत्मा और आग के संपर्क में लाता है।

Luke 3:17

x
(यूहन्ना मसीह के बारे में ही चर्चा कर रहा था।)

उसका सूप
इस रूपक द्वारा धर्मियों को अधर्मियों से चुन कर अलग करने की तुलना अन्न के दानों को भूसी से अलग करने के साथ की गई है। इसका अनुवाद उपमा रूप में किया जा सकता है कि संबन्ध को अधिक स्पष्ट व्यक्त किया जाए, "मसीह उस मनुष्य के सदृश्य है जिसके हाथ में ओसाई कांटा है"।

उसका सूप उसके हाथ में है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "वह ओसाई कांटा हाथ में लिए हुए है, क्योंकि वह तैयार है"।

सूप
यह मूल में ओसाई कांटा है जिसके द्वारा दांवनी किए हुए गेहूँ को हवा में उछाला जाता है, अन्न भारी होने के कारण नीचे गिरता है और भूसी हवा में उड़ जाती है।

खलिहान
यह वह स्थान है जहाँ किसान अन्न को भूसी से अलग करता है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "इसका स्थान" या "गेहूँ को भूसी से अलग करने का स्थान"।

गेहूँ को .... इकट्ठा करेगा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "तब वह अन्न एकत्र करेगा"

खत्ते
"कोठार" या "अनाज भण्डार" यहाँ अन्न को भावी उपयोग के लिए सुरक्षित रखा जाता है।

भूसी को आग में .... डाल देगा
भूसी किसी काम की नहीं होती थी इसलिए लोग उसे जला देते थे।

Luke 3:18

बहुत सी शिक्षा
इसका अनुवाद हो सकता है, "उसके प्रबल प्रबोधनों" या "यूहन्ना ने अनेक बार मनुष्यों को पाप त्याग का प्रोत्साहन देकर और..."

चौथाई देश का राजा हेरोदेस
"चौथाई क्षेत्र के राजा हेरोदेस को उसके पापों के बारे में बताया, हेरोदेस चौथाई प्रदेश का प्रशासक था, राजा नहीं। उसके हाथ में गलील का सीमित प्रशासन था।

उसके भाई फिलिप्पुस की पत्नी के विषय
"क्योंकि हेरोदेस ने अपने सगे भाई की पत्नी से विवाह किया था"।

यूहन्ना को बन्दीगृह में डाल दिया
"उसने अपने सैनिकों को आज्ञा देकर यूहन्ना को कारागार में डलवा दिया था।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 3:21

(अब ऐसा हुआ) जब
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

जब सब लोगों ने बपतिस्मा लिया
“सब लोगों का अर्थ है, यूहन्ना के साथ उपस्थित सब जन। इसका अनुवाद हो सकता है, “जब यूहन्ना सबको बपतिस्मा दे रहा था”

यीशु भी बपतिस्मा लेकर
इसका अनुवाद हो सकता है, “यूहन्ना ने यीशु को भी बपतिस्मा दिया”

आकाश खुल गया
“आकाश खुल गया” या “आकाश खुला हो गया” यह बादलों के हटने से कहीं अधिक है परन्तु इसका अर्थ स्पष्ट नहीं है। इसका संभावित अर्थ होगा, कि आकाश में एक छेद दिखाई दिया।

पवित्र आत्मा .... उस पर उतरा
“पवित्र आत्मा यीशु पर उतरा”

कबूतर
कबूतर एक छोटा पक्षी होता है जिसे वे मन्दिर में बलि चढ़ाने या खाने के काम में लेते थे। यह कबूतर जैसा है

शारीरिक रूप में कबूतर के समान
“कबूतर के सदृश्य शारीरिक रूप में”

Luke 3:23

अब
यहाँ कहानी में परिवर्तन आता है। यीशु की आयु और उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि दी गई है। इसका समापन लूका 3:37 में होता है यदि आपकी भाषा में प्रावधान है कि अग्रिम भाग पृष्ठभूमि आधारित जानकारी है तो उसका उपयोग करें।

यीशु आप
“यह यीशु” या “यह व्यक्ति यीशु”

(जैसा समझा जाता था) यूसुफ का पुत्र
“वह भी यूसुफ का पुत्र कहलाता था” या “उसे यूसुफ का पुत्र माना जाता था” लोगों की समझ में वह यूसुफ का पुत्र था”।

एली का(पुत्र)
कुछ अनुवादक यहाँ एक नया वाक्य आरंभ करना चाहेंगे, “यूसुफ एली का पुत्र था” या “एली यूसुफ का पिता था”।

वह एली का पुत्र और वह मतात का पत्र और वह लेवी का पुत्र
“का पुत्र” संलग्न जानकारी है। सलंग्न में मात्र यही लिखा है, “एली का .... वह मतात का और वह लेवी का.... इस सूची का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है,” वह एली का पुत्र था, और वह मतात का पुत्र था, और वह लेवी का पुत्र था....” या “यूसुफ एली का पुत्र था, एली मतात का पुत्र था, मतात लेवी का पुत्र था” या “एली का पिता मतात, मतात का पिता लेवी....” इस बात का ध्यान रखें कि आपकी भाषा में पूर्वजों की सूची कैसे बनाई जाती है। आप संपूर्ण सूची में वही भाषा काम में लें।

Luke 3:25

x
(यह यीशु के पूर्वजों की सूची है)

और वह मत्तियाह का, और वह आमोस का...
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “वह मत्तियाह का पुत्र था, और वह आमोस का पुत्र था ...” या “यूसुफ मत्तियाह का पुत्र और मत्तियाह आमोस का पुत्र था....” या "युसूफ का पिता मत्तियाह था, मत्तियाह का पिता आमोस..." शब्दावली वही काम में लें जो आपने पिछले पदों में काम में ली है।

Luke 3:27

x
(यह यीशु के पूर्वजों की सूची है)

और वह यूहन्ना का, और वह रेसा का ....
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “वह यूहन्ना का पुत्र था, और वह रेसा का पुत्र था.... “ या “योदाह यूहन्ना का पुत्र था, यूहन्ना रेसा का पुत्र था...” या “योह का पिता यूहन्ना था, यूहन्ना का पिता रेसा था....” शब्दावली वही काम में ले जो पिछले पदों में काम में ली है।

Luke 3:30

x
(यह यीशु के पूर्वजों की सूची है)

वह शमौन का और वह यहूदा का...
इसका अनुवाद हो सकता है, “वह शमौन का पुत्र था, और वह यहूदा का पुत्र था....” या “लेवी शमौन का पुत्र था, शमौन यहूदा का पुत्र था....” या “लेवी का पिता शमौन था, शमौन का पिता यहूदा था.....” शब्दावली वही काम में लें जो पिछले पदों में काम में ली है।

Luke 3:33

x
(यह यीशु के पूर्वजों की सूची है)

और वह अम्मीनादाब का, और वह अरनी का....
इसका अनुवाद हो सकता है, “वह अम्मीनादाब का पुत्र था और वह अरनी का पुत्र था....” या “लेवी (नहशोन) अम्मीनादाब का पुत्र था, अम्मीनादाब अरनी का पुत्र था....” या “नहशोन का पिता अम्मीनादाब था, अम्मीनादाब का पिता अरनी था....” शब्दावली वही काम में ले जो पिछले पदों में काम में ली है।

Luke 3:36

x
(यह यीशु के पूर्वजों की सूची है)

और वह कनान का, और वह अरफक्षद का...
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “वह कनान का पुत्र था और वह अरफक्षद का पुत्र था....” या लेवी केनान का पुत्र था और केनान अरफक्षद का पुत्र था....” या “शिलह का पिता केनान या और केनान का पिता अरफक्षद था....” शब्दावली वही काम में लें जो पिछले पदों में काम में ली है।

आदम का और वह परमेश्वर का पुत्र था।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “आदम परमेश्वर द्वारा सृजा गया था” या “आदम जो परमेश्वर से था” या “आदम, हम कह सकते हैं परमेश्वर का पुत्र था”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Luke 3:3

यरदन नदी के परिक्षेत्र में यूहन्ना क्या प्रचार करता था?
यूहन्ना पापों की क्षमा के लिए मन फिराव के बपतिस्में का प्रचार करता था।

Luke 3:4

यूहन्ना ने किसका मार्ग तैयार करने की चर्चा की?
यूहन्ना ने कहा कि वह प्रभु का मार्ग तैयार कर रहा था।

Luke 3:8

यूहन्ना ने उनसे कहा कि वे अब्राहम को पिता मानने पर गर्व न करें अपितु क्या करें?
यूहन्ना ने उससे कहा कि वे मन फिराने के योग्य फल लाएं।

Luke 3:9

यूहन्ना ने अच्छे फल न लानेवाले वृक्ष के लिए क्या कहा था?
यूहन्ना ने कहा कि वह काटकर आग में डाल दिया जाता है।

Luke 3:13

यूहन्ना ने चुंगी लेने वालों से क्या कहा कि उन्हें अपने सच्चे मन फिराव को दिखाने के लिए क्या करना चाहिए?
यूहन्ना ने कहा कि उन्हें वास्तविक राशी से अधिक कर नहीं लेना चाहिए।

Luke 3:16

यूहन्ना ने कहा कि वह तो पानी से बपतिस्मा देता है परन्तु आनेवाला कैसे बपतिस्मा देगा?
यूहन्ना ने कहा कि कोई आ रहा है, वह पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा।

Luke 3:19

यूहन्ना ने हेरोदेस को क्यों झिड़का था?
यूहन्ना ने हेरोदेस को झिड़का क्योंकि उसने अपने भाई की पत्नी से विवाह किया था और अनेक दुष्कर्म किये थे।

Luke 3:20

यूहन्ना को बन्दीगृह में किसने डलवाया था?
हेरोदेस ने यूहन्ना को बन्दीगृह में डलवा दिया था।

Luke 3:21

यूहन्ना से बपतिस्मा लेते ही यीशु के साथ क्या हुआ?
यीशु जब यूहन्ना से बपतिस्मा ले चुका तब आकाश खुल गया और पवित्र आत्मा कबूतर के रूप में उस पर उतरा।

Luke 3:22

आकाशवाणी में क्या कहा गया था?
आकाशवाणी में कहा गया, "तू मेरा प्रिय पुत्र है, मैं तुझसे प्रसन्न हूं"।

Luke 3:23

जब यीशु ने प्रचार करना आरंभ किया तब वह लगभग कितने वर्ष का था?
यीशु लगभग तीस वर्ष का था जब उसने प्रचार करना आरंभ किया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 फिर यीशु पवित्र आत्मा से भरा हुआ, यरदन से लौटा; और आत्मा की अगुआई से जंगल में फिरता रहा; **2** और चालीस दिन तक शैतान उसकी परीक्षा करता
रहा*। उन दिनों में उसने कुछ न खाया और जब वे दिन पूरे हो गए, तो उसे भूख लगी। **3** और शैतान ने उससे कहा, "यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो इस पत्थर
से कह, कि रोटी बन जाए।" **4** यीशु ने उसे उत्तर दिया, "लिखा है: 'मनुष्य केवल रोटी से जीवित न रहेगा'।" (व्य. 8:3) **5** तब शैतान उसे ले गया और उसको
पल भर में जगत के सारे राज्य दिखाए। **6** और उससे कहा, "मैं यह सब अधिकार, और इनका वैभव तुझे दूँगा, क्योंकि वह मुझे सौंपा गया है, और जिसे चाहता
हूँ, उसे दे सकता हूँ। **7** इसलिए, यदि तू मुझे प्रणाम करे, तो यह सब तेरा हो जाएगा।" **8** यीशु ने उसे उत्तर दिया, "लिखा है: 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम
कर; और केवल उसी की उपासना कर'।" (व्य. 6:13-14) **9** तब उसने उसे यरूशलेम में ले जाकर मन्दिर के कंगूरे पर खड़ा किया, और उससे कहा, "यदि तू
परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को यहाँ से नीचे गिरा दे। **10** क्योंकि लिखा है, 'वह तेरे विषय में अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, कि वे तेरी रक्षा करें' **11**
और 'वे तुझे हाथों हाथ उठा लेंगे ऐसा न हो कि तेरे पाँव में पत्थर से ठेस लगे'।" (भज. 91:11,12) **12** यीशु ने उसको उत्तर दिया, "यह भी कहा गया है: 'तू
प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना'।" (व्य. 6:16) **13** जब शैतान सब परीक्षा कर चुका, तब कुछ समय के लिये उसके पास से चला गया*।

14 फिर यीशु आत्मा की सामर्थ्य से भरा हुआ, गलील को लौटा, और उसकी चर्चा आस-पास के सारे देश में फैल गई। **15** और वह उन ही आराधनालयों में
उपदेश करता रहा, और सब उसकी बड़ाई करते थे।।

16 और वह नासरत में आया; जहाँ उसका पालन-पोषण हुआ था; और अपनी रीति के अनुसार सब्त के दिन आराधनालय में जाकर पढ़ने के लिये खड़ा हुआ।
17 यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक* उसे दी गई, और उसने पुस्तक खोलकर, वह जगह निकाली जहाँ यह लिखा था :

18 "प्रभु का आत्मा मुझ पर है,
इसलिए कि उसने कंगालों को सुसमाचार
सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया है,
और मुझे इसलिए भेजा है, कि बन्धुओं
को छुटकारे का
और अंधों को दृष्टि
पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और
कुचले हुओं को छुड़ाऊँ, (यशा. 58:6, यशा. 61:1,2)
19 और प्रभु के प्रसन्न रहने के वर्ष* का प्रचार करूँ।"

20 तब उसने पुस्तक बन्द करके सेवक के हाथ में दे दी, और बैठ गया: और आराधनालय के सब लोगों की आँखें उस पर लगी थी। **21** तब वह उनसे कहने
लगा, "आज ही यह लेख तुम्हारे सामने पूरा हुआ है।" **22** और सब ने उसे सराहा, और जो अनुग्रह की बातें उसके मुँह से निकलती थीं, उनसे अचम्भित हुए;
और कहने लगे, "क्या यह यूसुफ का पुत्र नहीं?" (लूका 2:42, भज. 45:2) **23** उसने उनसे कहा, "तुम मुझ पर यह कहावत अवश्य कहोगे, 'कि हे वैद्य, अपने
आप को अच्छा कर! जो कुछ हमने सुना है कि कफरनहूम में तूने किया है उसे यहाँ अपने देश में भी कर'।" **24** और उसने कहा, "मैं तुम से सच कहता हूँ, कोई
भविष्यद्वक्ता अपने देश में मान-सम्मान नहीं पाता। **25** मैं तुम से सच कहता हूँ, कि एलिय्याह के दिनों में जब साढ़े तीन वर्ष तक आकाश बन्द रहा, यहाँ तक कि
सारे देश में बड़ा आकाल पड़ा, तो इस्राएल में बहुत सी विधवाएँ थीं। (1 राजा. 17:1, 1 राजा. 18:1) **26** पर एलिय्याह को उनमें से किसी के पास नहीं भेजा
गया, केवल सैदा के सारफत में एक विधवा के पास। (1 राजा. 17:9) **27** और एलीशा भविष्यद्वक्ता के समय इस्राएल में बहुत से कोढ़ी थे, पर सीरिया वासी
नामान को छोड़ उनमें से काई शुद्ध नहीं किया गया।" (2 राजा. 5:1-14) **28** ये बातें सुनते ही जितने आराधनालय में थे, सब क्रोध से भर गए। **29** और उठकर
उसे नगर से बाहर निकाला, और जिस पहाड़ पर उनका नगर बसा हुआ था, उसकी चोटी पर ले चले, कि उसे वहाँ से नीचे गिरा दें। **30** पर वह उनके बीच में से
निकलकर चला गया।।

31 फिर वह गलील के कफरनहूम नगर में गया, और सब्त के दिन लोगों को उपदेश दे रहा था। **32** वे उसके उपदेश से चकित हो गए क्योंकि उसका वचन
अधिकार सहित था। **33** आराधनालय में एक मनुष्य था, जिसमें अशुद्ध आत्मा थी। **34** वह ऊँचे शब्द से चिल्ला उठा, "हे यीशु नासरी, हमें तुझ से क्या काम?
क्या तू हमें नाश करने आया है? मैं तुझे जानता हूँ तू कौन है? तू परमेश्वर का पवित्र जन है!" **35** यीशु ने उसे डाँटकर कहा, "चुप रह और उसमें से निकल
जा!" तब दुष्टात्मा उसे बीच में पटककर बिना हानि पहुँचाए उसमें से निकल गई। **36** इस पर सब को अचम्भा हुआ, और वे आपस में बातें करके कहने लगे,
"यह कैसा वचन है? कि वह अधिकार और सामर्थ्य के साथ अशुद्ध आत्माओं को आज्ञा देता है, और वे निकल जाती हैं।" **37** अतः चारों ओर हर जगह उसकी
चर्चा होने लगी।

38 वह आराधनालय में से उठकर शमौन के घर में गया और शमौन की सास को तेज बुखार था, और उन्होंने उसके लिये उससे विनती की। **39** उसने उसके
निकट खड़े होकर ज्वर को डाँटा और ज्वर उतर गया और वह तुरन्त उठकर उनकी सेवा-टहल करने लगी। **40** सूरज डूबते समय जिन-जिनके यहाँ लोग नाना
प्रकार की बीमारियों में पड़े हुए थे, वे सब उन्हें उसके पास ले आएँ, और उसने एक-एक पर हाथ रखकर उन्हें चंगा किया। **41** और दुष्टात्मा चिल्लाती और यह
कहती हुई, "तू परमेश्वर का पुत्र है," बहुतों में से निकल गई पर वह उन्हें डाँटता और बोलने नहीं देता था, क्योंकि वे जानती थी, कि यह मसीह है।

42 जब दिन हुआ तो वह निकलकर एक एकांत स्थान में गया, और बड़ी भीड़ उसे ढूँढ़ती हुई उसके पास आई, और उसे रोकने लगी, कि हमारे पास से न जा।
43 परन्तु उसने उनसे कहा, "मुझे और नगरों में भी परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार सुनाना अवश्य है, क्योंकि मैं इसलिए भेजा गया हूँ।" **44** और वह गलील
के आराधनालयों में प्रचार करता रहा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 4:1

फिर
अर्थात यूहन्ना द्वारा यीशु को बपतिस्मा देने के बाद। इसका अनुवाद हो सकता है, “फिर जब यीशु का बपतिस्मा हो गया”।

आत्मा के सिखाने में
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, “आत्मा उसे ले गया”

शैतान उसकी परीक्षा करता रहा।
इसका अनुवाद हो सकता है, “शैतान ने परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए उसे परखा”। स्पष्ट नहीं है कि संपूर्ण समय शैतान उसकी परीक्षा ले रहा था या केवल समय के अन्त में उसकी परीक्षा ली। इसका भी अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है। “वहां शैतान ने उसकी परीक्षा ली”।

उसने कुछ न खाया
“उसने” अर्थात यीशु ने।

Luke 4:3

यदि परमेश्वर का पुत्र है
शैतान संभव है कि यीशु को चुनौती दे रहा था कि वह स्वयं को परमेश्वर का पुत्र सिद्ध करके दिखाए।

इस पत्थर
शैतान या तो पत्थर हाथ में लिए हुए था या निकट में पड़े एक पत्थर की ओर संकेत कर रहा था।

लिखा है
“धर्मशास्त्र में लिखा है” या “धर्मशास्त्र कहता है” या “धर्मशास्त्र में परमेश्वर ने कहा है” यह उद्धरण व्यवस्थाविवरण की पुस्तक से है। .

मनुष्य केवल रोटी से जीवित न रहेगा।
इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य केवल रोटी ही से जीवित नहीं रहता है” या “मनुष्य को जीवित रहने के लिए भोजन मात्र की ही आवश्यकता नहीं है”। रोटी का अर्थ है भोजन। मुख्य बात यह है कि भोजन ही जीवन नही है कि मनुष्य का पोषण हो। मनुष्य को परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना है। यीशु धर्मशास्त्र के उद्धरण द्वारा कह रहा था कि वह पत्थर को रोटी क्यों नहीं बनाएगा।

Luke 4:5

उसे ले गया
“एक ऊंचे पर्वत पर ले गया”

पल भर में
“पलक झपकते ही” या “तत्काल ही”

इसलिए
“अत:”

यदि तू मुझे प्रणाम करे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यदि तू मेरे सामने घुटने टेके” या “यदि तू झुक कर मेरी उपासना करे” या “यदि तू मुझे दण्डवत करके मेरी उपासना करे”।

यह सब तेरा हो जायेगा
इसका अनुवाद हो सकता है,“मैं यह संपूर्ण साम्राज्य तुझे दे दूंगा”।

Luke 4:8

यीशु ने उसे उत्तर दिया
“प्रतिक्रिया में कहा” या “उसकी बात काटते हुए कहा”

लिखा है
इसका अनुवाद ऐसा हो सकता है, “धर्मशास्त्र में लिखा है।” या “धर्मशास्त्र कहता है” या “धर्मशास्त्र में परमेश्वर ने कहा है” यीशु व्यवस्थाविवरण की पुस्तक से उद्धरण प्रस्तुत कर रहा है।

तू अपने प्रभु परमेश्वर को प्रणाम कर
यीशु धर्मशास्त्र को एक विधान का संदर्भ दे रहा है, जो उसके लिए शैतान की उपासना न करने का कारण है।

तुम
तू अर्थात पुराने नियम के लोग जिन्हें परमेश्वर का विधि-विधान दिया गया था। आप “तू” को एकवचन में काम में लें क्योंकि विधान का पालन करना प्रत्येक जन के लिए अनिवार्य था।

उसी की
उसे अर्थात प्रभु परमेश्वर की

Luke 4:9

कंगूरे पर
यह मन्दिर की छत का कोना था यदि कोई वहां से गिरा या कूदा तो गंभीर रूप से घायल हो जाता या मर जाता।

यदि परमेश्वर का पुत्र है
शैतान संभव है कि यीशु को चुनौती दे रहा था कि वह स्वयं को परमेश्वर का पुत्र सिद्ध करके दिखाए।

यहाँ से नीचे गिरा दे
यहाँ से नीचे गिरा दे - “नीचे कूद जा”

लिखा है
इसका अनुवाद होगा, “धर्मशास्त्र में लिखा है” या “धर्मशास्त्र क्या है” या “परमेश्वर ने धर्मशास्त्र में कहा है” शैतान ने भजनसंहिता का आधा ही उद्धरण दिया था कि यीशु को कूदने पर विवश करे।

वह .... आज्ञा देगा
"वह" अर्थात परमेश्वर

Luke 4:12

यह भी कहा गया है
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “धर्मशास्त्र कहता है”, या “लिखा है” यीशु व्यवस्थाविवरण की पुस्तक का उद्धरण दे रहा था।

तू अपने प्रभु परमेश्वर की परीक्षा न करना।
इसका अनुवाद हो सकता है, “अपने प्रभु परमेश्वर को नहीं परखना” यीशु ने धर्मशास्त्र के संदर्भ से स्पष्ट कर दिया कि वह परमेश्वर को परखेगा नहीं कि नीचे कूद जाए। यह आज्ञा परमेश्वर के लोगों के लिए है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

कुछ समय के लिए
“किसी और अवसर तक के लिए”

Luke 4:14

आत्मा की सामर्थ्य से भरा हुआ
आत्मा की सामर्थ्य से भरा हुआ - इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “और आत्मा उसे सामर्थ्य प्रदान कर रहा था” परमेश्वर विशेष रूप में यीशु के साथ था और उसे ऐसे काम करने में समर्थ कर रहा था जो मनुष्य नहीं कर सकता था।

उसकी चर्चा आसपास के सारे देश में फैल गई
इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों ने यीशु की चर्चा चारों ओर की” या “लोगों ने सबको यीशु के बारे में बता दिया” या “उसकी जानकारी मनुष्य से मनुष्य को मिल गई” जिन्होंने यीशु की बातें सुनी उन्होंने दूसरों को उसके बारे में बताया और उन लोगों ने औरों को बताया।

आसपास के सारे देश में
गलील के परिक्षेत्र में सब स्थानों में

सब उसकी बड़ाई करते थे।
“सब उसके बारे में बड़ी-बड़ी बातें करते थे” या “सब उसके बारे में प्रशंसा करते थे”।

Luke 4:16

जहाँ पाला पोसा गया था
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “जहाँ उसके माता-पिता ने उसका पालन पोषण किया था” या “जहाँ वह बड़ा हुआ था” या “जहाँ उसका बाल्यकाल बीता था”।

अपनी रीति के अनुसार
“जैसा वह सामान्यत: करता था” सब्त के दिन आराधनालय में जाना उसका अभ्यास था।

यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक उसे दी गई।
उसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, “किसी ने उसे यशायाह की पुस्तक दी”

यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक
यशायाह ने वर्षों पूर्व अपनी भविष्यद्वाणियां लिखी थी जिनकी नकल कुंडलीग्रन्थ में की गई थी। अत: यह उक्ति उसी पुस्तक के सन्दर्भ में है।

वह जगह निकली जहाँ यह लिखा था।
“उस कुंडलीग्रन्थ में वह स्थान जहाँ लिखा था” या “कुडलीग्रन्थ में जहाँ ये शब्द लिखे थे”

Luke 4:18

x
(यीशु ने यशायाह की पुस्तक से पढ़ा)

प्रभु का आत्मा मुझ पर है
“परमेश्वर विशेष रूप में मेरे साथ है” किसी के द्वारा ऐसा कहने का अर्थ है कि परमेश्वर के वचनों का कहने का दावा करना।

बन्दियों को छुटकारे का
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “बन्दी मनुष्यों को मुक्ति का सन्देश सुनाने के लिए” या “युद्ध बंदियों को मुक्त कराने के लिए”

अन्धों को दृष्टि पाने का
“घोषणा करने के लिए कि अन्धे देखेंगे” या “अन्धों को दृष्टिदान करने के लिए” या “अन्धों को देखने योग्य बनाने के लिए”

कुचले हुओं को छुड़ाया
“अत्याचार सहनेवालों को मुक्ति दिलाने के लिए”

परमेश्वर के प्रसन्न रहने के वर्ष का प्रचार करूं
इसका अनुवाद हो सकता है, “यह घोषणा करूं कि यही वह वर्ष है, जब परमेश्वर अपनी दया प्रकट करेगा” या “सबको बताऊं, कि परमेश्वर लोगों को आशिष देने के लिए तैयार है”।

Luke 4:20

तब उसने पुस्तक बन्द करके
“तब यीशु ने कुंडलीग्रन्थ लपेट दिया”

सेवक
आराधनालयों में ऐसे सेवक होते थे, जो सुनिश्चित करते थे कि धर्मशास्त्र आदि पवित्र वस्तुओं को उचित देखरेख में रखा जाए।

सब लोगों की आंखें उस पर लगी थी।
“वे अपेक्षा से उसे देख रहे थे” या “उसे निहार रहे थे”

आज ही यह लेख तुम्हारे सामने पूरा हुआ है।
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “धर्मशास्त्र में जो भविष्यद्वाणी की गई है वह आज तुम्हारे सुनते-सुनते पूरी हो गई है। यीशु के कहने का अर्थ था कि वह अपने कामों तथा वचनों के द्वारा उस समय ही इस भविष्यद्वाणी को पूरा कर रहा था।

अनुग्रह की बातें उसके मुंह से निकली थी, उनसे अचम्भा किया
“उसकी अच्छी-अच्छी बातें सुनकर वे चकित थे”

क्या यह यूसुफ का पत्र नहीं?
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “यह यूसुफ का ही तो पुत्र है”। या “यह उस यूसुफ का पुत्र नहीं है क्या? या “इसका पिता यूसुफ ही तो है”। वे उसे मानवीय स्तर पर आंक रहे थे कि वह एक साधारण मनुष्य यूसुफ का पुत्र है। यूसुफ एक धर्मगुरू नहीं या अत: वे आश्चर्य कर रहे थे कि उसका पुत्र ऐसा वचन सुना सकता है ।

Luke 4:23

यहाँ अपने देश में
अर्थात नासरत में, उसके अधिवास में

भविष्यद्वक्ता अपने देश में सम्मान नहीं पाता है
यीशु उन पर कटाक्ष कर रहा था, क्योंकि उन्होंने उसे अपने साथ का एक साधारण मनुष्य समझ कर विश्वास नहीं किया था।

अपने देश में
इसका अनुवाद हो सकता है, “अपने नगर में” या “अपने गांव में”

Luke 4:25

x
(यीशु आराधनालय में उपासकों से बातें कर रहा है)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मैं तुमसे सच कहता हूँ
"मैं तुमसे यथातथ कहता हूँ" इस उक्ति का उपयोग कथा के महत्त्व, सत्य और यार्थता पर बल देने के लिये किया गया था।

विधवाएं
जिस स्त्री का पति मर गया तो वह विधवा कहलाती थी

एलिय्याह के दिनों में
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, "जब एलिय्याह इस्राएल में भविष्यद्वक्ता रूप में सेवा कर रहा था", यीशु के श्रोता जानते थे कि एलिय्याह परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था। यदि आपके पाठकों को एलिय्याह के बारे में समझ नहीं है तो इस अभिप्रेत जानकारी को स्पष्ट करे। जैसा कि यू.डी.बी. में किया गया है।

आकाश बन्द रहा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "जब आकाश से वर्षा नहीं हुई थी" या "जब वर्षा नहीं हुई थी" यह एक रूपक है जिसका अर्थ है कि आकाश बन्द कर दिया गया था और वर्षा का जल ऊपर रोक दिया गया था कि पृथ्वी पर न आए।

बड़ा अकाल पड़ा
"जब भोजन की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई थी" या "मनुष्य के पास खाने को भोजन नहीं था अकाल का अर्थ है फसल नष्ट हो जाना या फसल नहीं आना, जिसके परिणाम स्वरूप मनुष्य को भोजन की घटी हो जाती है।

सारफत में एक विधवा
सारफत नगर के लोग यहूदी नहीं थे। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, सारफल नगर की एक गैरयहूदी विधवा (यीशु के श्रोता जानते थे कि सारफल निवासी यहूदी नहीं थे।)

सीरियावासी नामान
सीरियावासी अर्थात सीरिया देश का नागरिक। सीरिया के नागरिक भी यहूदी नहीं थे। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "सीरिया देश का नामान नामक एक गैर यहूदी"

Luke 4:28

उसे नगर से बाहर निकाला।
अनुवाद हो सकता है, "उसे नगर छोड़ने पर विवश किया"

चोटी पर
"चट्टान के सिरे पर"

उनके बीच में से
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, "उनके मध्य से" या "जो उसे मार डालना चाहते थे उनके बीच में से"। इसका अर्थ है कि उसे कोई रोक नहीं पाया।

चला गया
"कूच कर गया" यीशु जहाँ जाना चाहता था, वहां चला गया, न कि वहां गया जहाँ वे उसे बलपूर्वक ले जाना चाहते थे।

Luke 4:31

कफरनहूम को गया
कफरनहूम नासरत से नीचे है अतः यीशु पहाड़ पर से उतर कर कफरनहूम आ गया।

गलील के कफरनूहम
यीशु गलील क्षेत्र ही में था। अतः यहाँ अनुवाद इस प्रकार किया जाए, "गलील के दूसरे नगर कफरनूहम"

चकित हो गए
"आश्चर्यचकित थे" या "प्रभावित हुए"

उसका वचन अधिकार सहित था
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "उसके वचन में एक अधिकार प्रगट होता था" या "वह अधिकार के साथ कहता था"।

Luke 4:33

जिनमें अशुद्ध आत्मा थी
"जो अशुद्ध आत्मा के वश में थे"

वह ऊंचे स्वर से चिल्ला उठा
"वह चिल्लाया" कुछ भाषाओं में इसके लिए मुहावरा भी है जैसे "दिल दहलाने वाली आवाज निकली"।

हमें तुझसे क्या काम
इसका अनुवाद हो सकता है, "हममें क्या मेल"? या "हमें तुमसे कुछ नहीं लेना देना" यह एक झगड़ालू प्रतिक्रिया है जिसका अर्थ है, "हमें परेशान करने का तुझे अधिकार नहीं है"

Luke 4:35

यीशु ने उसे डांटकर कहा
"यीशु ने उस दुष्टात्मा को झिड़कर कर कहा" या "यीशु ने उसे कठोर आज्ञा दी"

इसमें से निकल जा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "उसे अकेला छोड़ दे" या "उसे परेशान करना छोड़ दे"।

यह कैसा वचन है?
यह आलंकारिक प्रश्न है। लोग आश्चर्य व्यक्त कर रहे थे कि यीशु के पास दुष्टात्मा को निकल जाने की आज्ञा देने का अधिकार है। इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, "यह वचन आश्चर्यजनक है" या "उसका आदेश विस्मयकारी है"।

"वह अधिकार और सामर्थ्य के साथ अशुद्ध आत्माओं को आज्ञा देता है।
"उसके पास अशुद्ध आत्माओं को आज्ञा देने का अधिकार एवं सामर्थ्य है"।

चारों ओर, हर जगह उसकी चर्चा होने लगी
"यीशु का समाचार चारों और फैल गया" या "लोगों ने सर्वत्र उसकी चर्चा की"

Luke 4:38

ज्वर चढ़ा हुआ था
कुछ भाषाओं में कहा जाता है, "उसका शरीर तप रहा था"।

शमौन की सास
"शमौन की पत्नी की माता"

ज्वर को डांटा
"बुखार को कठोर आज्ञा दी" या "बुखार को उतर जाने की आज्ञा दी" (यू.डी.बी.) इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "आज्ञा दी कि

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उसके शरीर का ताप सामान्य हो जाए”, या “रोग को शरीर त्याग की आज्ञा दी”।

Luke 4:40

चिल्लाती
“ऊंचे स्वर में” या “ऊंची आवाज में”

वह उन्हें डांटता
“यह दुष्टात्माओं से कठोरता से कहता”

बोलने नहीं देता था
“उन्हें अनुमति नहीं देता था”

Luke 4:42

जब दिन हुआ
“सूर्योदय के समय” या “भोर के समय”

सुनसान जगह
“निर्जन स्थान में” या “जहाँ कोई नहीं रहता था” या “जहाँ मनुष्यों का आना जाना नहीं था”

अन्य नगरों में भी
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “अन्य नगरों में अनेक लोगों को”

मैं इसी लिए भेजा गया हूँ
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, “मुझे परमेश्वर ने इसी लिए भेजा है”

Translation Questions

Luke 4:1

यीशु को जंगल में कौन ले गया?
पवित्र आत्मा यीशु को लेकर जंगल में गया।

Luke 4:2

जंगल में शैतान ने यीशु की कितने दिन परीक्षा ली?
जंगल में चालीस दिन एक शैतान ने यीशु की परीक्षा ली।

Luke 4:3

शैतान ने यीशु को पत्थरों के साथ क्या करने की चुनौती दी?
शैतान ने यीशु से कहा कि वह पत्थरों को रोटी बना दे।

Luke 4:4

यीशु ने शैतान को क्या उत्तर दिया?
मनुष्य केवल रोटी से ही जीवित नहीं रहेगा।

Luke 4:5

उस ऊंचे स्थान पर से शैतान ने यीशु को क्या दिखाया?
शैतान ने यीशु को संसार का संपूर्ण राज्य दिखाया।

Luke 4:7

शैतान यीशु से क्या करवाना चाहता था?
शैतान चाहता था कि यीशु झुककर उसकी उपासना करे।

Luke 4:8

यीशु ने शैतान को क्या उत्तर दिया?
तू अपने प्रभु परमेश्वर ही की उपासना कर और उसी की सेवा करना।

Luke 4:9

जब शैतान यीशु को मन्दिर के कंगूरे पर ले गया तब उसने यीशु से क्या कहा?
उसने यीशु से कहा कि वह नीचे कूद जाए।

Luke 4:12

यीशु ने शैतान को क्या उत्तर दिया?
तू अपने प्रभु परमेश्वर की परीक्षा न करना।

Luke 4:13

यीशु ने मन्दिर से कूदने के लिए इन्कार किया तो शैतान ने क्या किया?
शैतान कुछ समय के लिए यीशु को छोड़कर चला गया।

Luke 4:17

आराधनालय में यीशु ने धर्मशास्त्र की किस पुस्तक से पढ़ा था?
यीशु ने यशायाह की पुस्तक से पढ़ा।

Luke 4:21

यीशु के अनुसार उस दिन क्या पूरा हुआ था?
यीशु ने कहा कि उसने यशायाह की पुस्तक से जो पढ़ा है वह उसी दिन पूरा हुआ।

Luke 4:24

यीशु ने भविष्यद्वक्ता का उसके देश में कैसे व्यवहार की चर्चा की?
यीशु ने कहा कि अपने देश में किसी भविष्यद्वक्ता को सम्मान नहीं मिलता है।

Luke 4:26

आराधनालय में यीशु ने लोगों को जो सबसे पहला उदाहरण दिया था उसमें परमेश्वर ने किस की सहायता के लिए एलिय्याह को कहाँ भेजा था?
परमेश्वर ने एलिय्याह को सैदा के सारफत में एक विधवा के पास भेजा था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 4:27

आराधनालय में यीशु ने जो दूसरा उदाहरण दिया था उसमें एलीशा के द्वारा परमेश्वर ने किस देश के मनुष्य की सहायता करवाई थी?
परमेश्वर ने एलीशा द्वारा सीरिया के नामान की सहायता की थी।

Luke 4:28

यीशु से ये उदाहरण सुनकर आराधनालय में एकत्र लोग क्या करना चाहते थे?
वे क्रोध से भर गए और उसे पहाड़ की चोटी पर से नीचे गिराना चाहते थे।

Luke 4:30

यीशु ने आराधनालय में उपस्थित लोगों से बचने के लिए क्या किया?
यीशु उनके मध्य से होकर चला गया।

Luke 4:34

आराधनालय में उस मनुष्य के मुख से दुष्टात्मा ने क्या कहा कि वह यीशु के बारे में जानता है?
दुष्टात्मा ने कहा कि वह जानता है कि यीशु परमेश्वर का पवित्र जन है।

Luke 4:36

यीशु ने जब दुष्टात्मा को निकाला तो लोगों की क्या प्रतिक्रिया थी?
लोग आश्चर्यचकित होकर आपस में बातें करने लगे।

Luke 4:40

यीशु ने उन रोगियों के साथ क्या किया जो उसके पास लाए गए थे?
यीशु ने उनमें से हर एक पर हाथ रखा और उन्हें चंगा किया।

Luke 4:41

निकाले जाने पर दुष्टात्मा क्या कहते थे और यीशु उन्हें बोलने क्यों नहीं देता था?
दुष्टात्मा कहते थे कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है और यीशु उन्हें बोलने नहीं देता था क्योंकि वे जानते थे कि वह मसीह है।

Luke 4:43

यीशु ने अपने भेजे जाने का क्या कारण बताया?
यीशु ने कहा कि वह परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार अनेक अन्य नगरों में सुनाने के लिए भेजा गया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 जब भीड़ उस पर गिरी पड़ती थी, और परमेश्वर का वचन सुनती थी, और वह गन्नेसरत की झील* के किनारे पर खड़ा था, तो ऐसा हुआ। **2** कि उसने झील के किनारे दो नावें लगी हुई देखीं, और मछवे उन पर से उतरकर जाल धो रहे थे। **3** उन नावों में से एक पर, जो शमौन की थी, चढ़कर, उसने उससे विनती की, कि किनारे से थोड़ा हटा ले चले, तब वह बैठकर लोगों को नाव पर से उपदेश देने लगा। **4** जब वह बातें कर चुका, तो शमौन से कहा, “गहरे में ले चल, और मछलियाँ पकड़ने के लिये अपने जाल डालो।” **5** शमौन ने उसको उत्तर दिया, “हे स्वामी, हमने सारी रात मेहनत की और कुछ न पकड़ा; तो भी तेरे कहने से जाल डालूँगा।” **6** जब उन्होंने ऐसा किया, तो बहुत मछलियाँ घेर लाए, और उनके जाल फटने लगे। **7** इस पर उन्होंने अपने साथियों को जो दूसरी नाव पर थे, संकेत किया, कि आकर हमारी सहायता करो: और उन्होंने आकर, दोनों नाव यहाँ तक भर लीं कि वे डूबने लगीं। **8** यह देखकर शमौन पतरस यीशु के पाँवों पर गिरा, और कहा, “हे प्रभु, मेरे पास से जा, क्योंकि मैं पापी मनुष्य हूँ!” **9** क्योंकि इतनी मछलियों के पकड़े जाने से उसे और उसके साथियों को बहुत अचम्भा हुआ; **10** और वैसे ही जब्दी के पुत्र याकूब और यूहन्ना को भी, जो शमौन के सहभागी थे, अचम्भा हुआ तब यीशु ने शमौन से कहा, “मत डर, अब से तू मनुष्यों को जीविता पकड़ा करेगा।” **11** और वे नावों को किनारे पर ले आए और सब कुछ छोड़कर उसके पीछे हो लिए।

12 जब वह किसी नगर में था, तो वहाँ कोढ़ से भरा हुआ एक मनुष्य आया, और वह यीशु को देखकर मुँह के बल गिरा, और विनती की, “हे प्रभु यदि तू चाहे तो मुझे शुद्ध कर सकता है।” **13** उसने हाथ बढ़ाकर उसे छुआ और कहा, “मैं चाहता हूँ, तू शुद्ध हो जा।” और उसका कोढ़ तुरन्त जाता रहा। **14** तब उसने उसे चिताया, “किसी से न कह, परन्तु जा के अपने आप को याजक को दिखा, और अपने शुद्ध होने के विषय में जो कुछ मूसा ने चढ़ावा ठहराया है उसे चढ़ा कि उन पर गवाही हो।” (लैव्य. 14:2-32) **15** परन्तु उसकी चर्चा और भी फैलती गई, और बड़ी भीड़ उसकी सुनने के लिये और अपनी बीमारियों से चंगे होने के लिये इकट्ठी हुई। **16** परन्तु वह निर्जन स्थानों में अलग जाकर प्रार्थना किया करता था।

17 और एक दिन ऐसा हुआ कि वह उपदेश दे रहा था, और फरीसी और व्यवस्थापक वहाँ बैठे हुए थे, जो गलील और यहूदिया के हर एक गाँव से, और यरूशलेम से आए थे; और चंगा करने के लिये प्रभु की सामर्थ्य उसके साथ थी। **18** और देखो कई लोग एक मनुष्य को जो लकवे का रोगी था, खाट पर लाए, और वे उसे भीतर ले जाने और यीशु के सामने रखने का उपाय ढूँढ़ रहे थे। **19** और जब भीड़ के कारण उसे भीतर न ले जा सके तो उन्होंने छत पर चढ़कर और खपरैल हटाकर, उसे खाट समेत बीच में यीशु के सामने उतार दिया। **20** उसने उनका विश्वास देखकर उससे कहा, “हे मनुष्य, तेरे पाप क्षमा हुए।” **21** तब शास्त्री और फरीसी विवाद करने लगे, “यह कौन है, जो परमेश्वर की निन्दा करता है? परमेश्वर को छोड़ कौन पापों की क्षमा कर सकता है?” **22** यीशु ने उनके मन की बातें जानकर, उनसे कहा, “तुम अपने मनों में क्या विवाद कर रहे हो? **23** सहज क्या है? क्या यह कहना, कि ‘तेरे पाप क्षमा हुए,’ या यह कहना कि ‘उठ और चल फिर?’ **24** परन्तु इसलिए कि तुम जानो कि मनुष्य के पुत्र को पृथ्वी पर पाप क्षमा करने का भी अधिकार है।” उसने उस लकवे के रोगी से कहा, “मैं तुझ से कहता हूँ, उठ और अपनी खाट उठाकर अपने घर चला जा।” **25** वह तुरन्त उनके सामने उठा, और जिस पर वह पड़ा था उसे उठाकर, परमेश्वर की बड़ाई करता हुआ अपने घर चला गया। **26** तब सब चकित हुए और परमेश्वर की बड़ाई करने लगे, और बहुत डरकर कहने लगे, “आज हमने अनोखी बातें देखी हैं।”

27 और इसके बाद वह बाहर गया, और लेवी नाम एक चुंगी लेनेवाले को चुंगी की चौकी पर बैठे देखा, और उससे कहा, “मेरे पीछे हो ले।” **28** तब वह सब कुछ छोड़कर उठा, और उसके पीछे हो लिया।

29 और लेवी ने अपने घर में उसके लिये एक बड़ा भोज* दिया; और चुंगी लेनेवालों की और अन्य लोगों की जो उसके साथ भोजन करने बैठे थे एक बड़ी भीड़ थी। **30** और फरीसी और उनके शास्त्री उसके चेलों से यह कहकर कुड़कुड़ाने लगे, “तुम चुंगी लेनेवालों और पापियों के साथ क्यों खाते-पीते हो?”

31 यीशु ने उनको उत्तर दिया, “वैद्य भले चंगों के लिये नहीं, परन्तु बीमारों के लिये अवश्य है। **32** मैं धर्मियों को नहीं, परन्तु पापियों को मन फिराने के लिये बुलाने आया हूँ।” **33** और उन्होंने उससे कहा, “यूहन्ना के चेले तो बराबर उपवास रखते और प्रार्थना किया करते हैं, और वैसे ही फरीसियों के भी, परन्तु तेरे चेले तो खाते-पीते हैं।” **34** यीशु ने उनसे कहा, “क्या तुम बारातियों से जब तक दूल्हा उनके साथ रहे, उपवास करवा सकते हो? **35** परन्तु वे दिन आएँगे, जिनमें दूल्हा उनसे अलग किया जाएगा, तब वे उन दिनों में उपवास करेंगे।” **36** उसने एक और दृष्टान्त* भी उनसे कहा: “कोई मनुष्य नये वस्त्र में से फाड़कर पुराने वस्त्र में पैबन्द नहीं लगाता, नहीं तो नया फट जाएगा और वह पैबन्द पुराने में मेल भी नहीं खाएगा। **37** और कोई नया दाखरस पुरानी मशकों में नहीं भरता, नहीं तो नया दाखरस मशकों को फाड़कर बह जाएगा, और मशकें भी नाश हो जाएँगी। **38** परन्तु नया दाखरस नई मशकों में भरना चाहिये। **39** कोई मनुष्य पुराना दाखरस पीकर नया नहीं चाहता क्योंकि वह कहता है, कि पुराना ही अच्छा है।”

Luke 5:1

तो ऐसा हुआ
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

जाल धो रहे थे
वे अपने जाल धो रहे थे कि मछली पकड़ने के लिए फिर से डालें।

किनारे से थोड़ा हटा ले
“पतरस से कहा कि नाव को झील में थोड़ा अन्दर कर ले”।

वह बैठकर लोगों को नाव पर से उपदेश देने लगा।
बैठकर उपदेश देना गुरू की उचित मुद्रा थी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

नाव पर से उपदेश देने लगा
“नाव में बैठकर लोगों को उपदेश दे रहा था” यीशु जिस नाव में बैठा था वह किनारे से कुछ ही दूर थी और जनसमूह किनारे पर खड़ा था।

Luke 5:4

जब वह बातें कर चुका,
“मनुष्यों को शिक्षा देने के बाद”

हे स्वामी
यहाँ "स्वामी" का अर्थ मूल भाषा यूनानी में मालिक नहीं है। इसका अर्थ है अधिकार संपन्न मनुष्य, न कि किसी का अधिकृत मालिक। आप इसका अनुवाद इस प्रकार भी कर सकते है, “साहब” या "अधिकर्मी" या किसी अधिकारी के लिए काम में लिया जानेवाला शब्द जैसे “श्रीमान जी”

तेरे कहने से
“तू कहता है तो” या “तेरी बात रखने के लिए”

संकेत किया
वे बहुत दूर थे अतः हाथ हिलाकर अन्य मछुवो को संकेत दिया कि नावें लाएं।

डूबने लगी
“नावें डूबने लगी” यदि समझने में कठिनाई हो तो सलंग्न जानकारी व्यक्त करें, “मछलियों के बोझ के कारण नावें डूबने लगी थी।

Luke 5:8

यीशु के पांवों पर गिरा
इसके संभावित अर्थ हैं (1) यीशु के चरणों में झुका” या (2) यीशु के चरणों में लेट गया या (3) “यीशु के सामने घुटने टेक दिए”। पतरस गिर नहीं गया था वह दीन होकर यीशु का सम्मान कर रहा था।

मैं पापी मनुष्य हूँ
यहाँ “मनुष्य” का अर्थ है, “वयस्क” न कि सामान्य मनुष्य।

मनुष्यों को जीवता पकड़ेगा।
यहाँ “पकड़ेगा” एक रूपक है जिसका अर्थ है मसीह के लिए मनुष्यों को प्रेरित करेगा। इसका अनुवाद भी रूपक द्वारा ही किया जा सकता है, “मनुष्यों का मछुवा” या रूपक रहित अनुवाद होगा, “तू मनुष्यों को एकत्र करेगा” या “तू मनुष्यों को लेकर आयेगा”।

Luke 5:12

कोढ़ से भरा हुआ एक मनुष्य था
यहाँ कहानी में एक नया मनुष्य आता है। आपकी भाषा में इसकी अभिव्यक्ति हो सकती है। "एक सर्वांग कोढ़ी वहां था।"

मुंह के बल गिरा
“उसने साष्टांग प्रणाम किया” (यू.डी.बी.) या “घुटने टेक कर भूमि पर माथा टेका”

विनती की
“उससे भीख मांगी” या “याचना की”(यू.डी.बी.)

यदि तू चाहे
“यदि तेरी इच्छा हो”

Luke 5:14

किसी से न कह
यहाँ सलंग्न जानकारी है, तू रोगमुक्त हो गया है अपने शुद्ध होने के विषय में .....चढ़ावा.... चढ़ा.

शोधन की बलि चढ़ा
यहूदी विधान के अनुसार कोढ़ी को शुद्ध होने पर विशेष बलि चढ़ाना होती थी कि वह सांसारिक रूप से शुद्ध माना जाए और धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागी हो पाए।

उन पर गवाही हो
“याजकों के लिए गवाही” या “याजक जान ले कि तू सच में शुद्ध हो गया है। मन्दिर में याजक इस तथ्य से अभिज्ञ होगा कि यीशु ने कोढ़ी को रोग मुक्त किया है।

Luke 5:15

उसकी चर्चा
“यीशु का समाचार” इसका अर्थ है, “उस कोढ़ी की रोग मुक्ति का समाचार” या “यीशु द्वारा रोगियों के निरोगीकरण का समाचार”

और भी फैलती गई
“उसका समाचार दूर-दूर तक फैल गया” या “मनुष्य विभिन्न स्थानों में यीशु की चर्चा करने लगे”।

जंगलों में
“निर्जन स्थानों में” या “शान्त स्थानों में” या “वहां कोई आता जाता नहीं था”

Luke 5:17

एक दिन ऐसा हुआ
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

Luke 5:18

लोग एक मनुष्य को ..... खाट पर लाये
ये कहानी में नए नायक है। आपकी भाषा में नए मनुष्यों के प्रवेश को दर्शाने की अभिव्यक्ति हो सकती है। “कुछ लोग एक मनुष्य को लेकर आए” या “... को उठाए हुए कुछ लोग आए”

खाट
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “बिस्तर सहित” या “चोखट पर” या “तखत पर”

लकवे का रोगी
“निष्क्रिय मनुष्य”

भीड़ के कारण उसे भीतर न ले जा सके
कुछ भाषाओं में इसका रचना रूप बदलना आवश्यक होगा, “मनुष्यों की भीड़ के कारण वे उसे रोगी को भीतर ले जाने में सफल नहीं हुए, अतः....”

छत पर चढ़ कर
उन घरों की छतें समतल होती थी और कुछ घरों की छत पर जाने के लिए बाहर सीढ़ियां होती थी।

यीशु के सामने
“सीधे यीशु के सामने” या “यीशु के समक्ष”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 5:20

हे मनुष्य
यह एक ऐसा संबोधन है जो अनजान मनुष्य के लिए काम में लिया जाता था। यह अशिष्ट शब्द तो नहीं है परन्तु सम्मान का शब्द भी नहीं है, कुछ भाषाओं में इसके स्थान में "मित्र" या "भाई" या "श्रीमान" शब्दों का प्रयोग होता है।

तेरे पाप क्षमा हुए
"तू क्षमा किया गया" या "मैं तेरे पाप क्षमा करता हूँ" (यू.डी.बी.)

विवाद करने लगे
"रोष प्रकट करने लगे" या "तर्क करके कहने लगे", इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "आपस में कहने लगे क्या यीशु को पाप क्षमा करने का अधिकार है"?

यह कौन है जो परमेश्वर की निन्दा करता है?
इस आलंकारिक प्रश्न से स्पष्ट होता है कि वे यीशु की इस बात पर कैसे विस्मित एवं क्रोधित थे। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "यह मनुष्य परमेश्वर की निन्दा करता है", या "यह अपने को क्या समझता है कि परमेश्वर की इस प्रकार निन्दा करे"?

परमेश्वर को छोड़ और कौन पाप क्षमा कर सकता है?
इस आलंकारिक प्रश्न का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "केवल परमेश्वर ही पाप क्षमा कर सकता है, अन्य कोई नहीं", या "पाप क्षमा करने वाला केवल परमेश्वर है, यहाँ संलग्न विचार यह है कि यदि मनुष्य पाप क्षमा करने का दावा कर रहा है तो वह परमेश्वर होने का स्वांग रच रहा है"।(देखें: .)

Luke 5:22

तुम अपने मन में क्या विवाद कर रहे हो?
इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है, "तुम्हें मन में ऐसा विचार नहीं करना चाहिए" या "तुम्हें सन्देह नहीं करना है कि मैं पाप क्षमा करने का अधिकार रखता हूँ"।

अपने मनों में
यह एक मुहावरा है जो मनुष्य के सोचने या विश्वास करने की इन्द्रियों की शक्ति का संदर्भ देता है। कुछ भाषाओं में इस उक्ति को काम में नहीं लेना और अधिक स्वाभाविक होता है।

सहज क्या है?
यीशु इस आलंकारिक प्रश्न द्वारा उन्हें तैयार कर रहा था कि वे पाप क्षमा के उसके अधिकार को उसके रोगमुक्ति के चमत्कार से जोड़ें। वह अब उस रोगी को स्वस्थ करेगा। यह संपूर्ण प्रश्न इस प्रकार अनुवाद किया जा सकता है, "यह कहना आसान है, तेरे पाप क्षमा किए गए, परन्तु परमेश्वर ही उस निश्चेष्ट मनुष्य को उठ कर चलने योग्य कर सकता है"।

कि तुम जानो
यीशु विधि-शास्त्रियों और फरीसियों से बातें कर रहा था। यहाँ "तुम" शब्द बहुवचन में है।

मनुष्य का पुत्र
यीशु अपरे बारे में कह रहा है

मैं तुम से कहता हूँ
यीशु उस निष्क्रिय मनुष्य को संबोधित कर रहा था। यहाँ "तुम" एकवचन है

Luke 5:25

तुरन्त
"तत्काल ही" या "उसी समय"

सब चकित हुए
"देखने वाले सब विस्मित हो गए"

बहुत डर कर
"भयातुर होकर" या "श्रद्धापूर्ण भय से भर कर"

अनोखी बातें
"आश्चर्यजनक बातें" या "विचित्र बातें"

Luke 5:27

इसके बाद
पिछले पदों में व्यक्त घटनाओं के बाद

एक चुंगी लेने वाले को .... देखा
"एक चुंगी लेने वाले पर ध्यान दिया" या "एक चुंगी लेने वाले को निहारा"

चुंगी की चौकी
चुंगी कक्ष में" या "चुंगी स्थल में", यह या तो एक प्रकार का कमरा था या सड़क के किनारे मेज़ लगा कर वे बैठा करते थे कि लोगों से सरकारी कर वसूल करें।

मेरे पीछे हो ले
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मेरा शिष्य हो जा" या "मुझे गुरू मान कर आजा"

सब कुछ छोड़कर
"चुंगी लेने का काम त्याग कर"

Luke 5:29

बड़ा भोज
यह इस प्रकार की दावत थी जिसमें अतिथियों के साथ खाना-पीना होता था।

अपने घर में
लेवी के घर में

भोजन करने बैठा
इसका अनुवाद हो सकता है, "भोजन हेतु आसन ग्रहण किया" या "भोजन आसन पर बैठा था।" यूनानी संस्कार में भोज में तखत पर बाई कोहनी के तकिए पर टिका कर आधा लेटकर भोजन किया जाता था।

कुड़कुड़ाने लगे
"शिकायत करने लगे" या "असन्तोष व्यक्त कर रहे थे"

उसके चेलों से
"यीशु के शिष्यों से"

क्यों खाते-पीते हो?
विधि-शास्त्रियों और फरीसियों ने यह आलंकारिक प्रश्न द्वारा अपनी असहमति प्रकट की क्योंकि वे पापियों के साथ भोजन कर रहे थे। यह "तुम" शब्द बहुवचन में है। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है। "तुम्हें पापियों के साथ भोजन नहीं करना है"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

वैद्य
“डाक्टर” या "हकीम"

Luke 5:33

उन्होंने उनसे कहा,
“धर्म गुरूओं ने यीशु से कहा”

क्या हम बरातियों से.... उपवास करवा सकते हो?
यीशु इस आलंकारिक प्रश्न द्वारा उनकी परिचित स्थिति पर विचार करवा रहा था। इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है, “दुल्हे के साथ विवाह में आनेवालों से उपवास करने के लिए कोई नहीं कहता है, क्योंकि दूल्हा उनके साथ है”।

बारातियों
“अतिथि” या “मित्र”। ये वे लोग है जो विवाह करने वाले पुरूष के साथी हैं।

परन्तु वे दिन आएंगे
“परन्तु एक दिन” (यू.डी.बी.) या “परन्तु शीघ्र ही”

दूल्हा उनसे अलग किया जायेगा
यह एक रूपक है। यीशु अपने बारे में कहता था। इसे स्पष्ट करने के लिए इसमें जोड़ा जा सकता है, “इसी प्रकार जब तक मैं उनके साथ हूँ वे उपवास नहीं कर सकते”।

Luke 5:36

कोई भी मनुष्य नये वस्त्र में से फाड़कर
“कोई नया वस्त्र काट कर” या “मनुष्य नया वस्त्र फाड़कर” (यू.डी.बी.)

पैबन्द नहीं लगाता
"सुधारता नहीं है"

मेल भी नहीं खाएगा
“उचित नहीं होगा” या “वैसा ही नहीं होगा”

Luke 5:37

x
(यीशु धर्मगुरूओं को एक और शिक्षाप्रद कथा सुनाता है।)

कोई .... नहीं भरता
“कोई.... नहीं रखता है” यू.डी.बी. या “मनुष्य कभी नहीं रखते”

नया दाखरस।
“अंगूर का ताजा रस” अर्थात जिस दाखरस का खमीर नहीं उठा है।

मशकों
ये पशुओं के चमड़े से बनी होती थी उन्हें "दाख रस के थैले" या "चमड़े के थैले"(यू.डी.बी.) भी कह सकते हैं।

नया दाखरस मशकों को फाड़ कर बह जायेगा।
“नया दाखरस खमीर होकर फैलेगा तो पुरानी मशकें लचीली न होने के कारण फट जायेंगी” यीशु के श्रोतागण को दाखरस के किणवन की प्रक्रिया की जानकारी थी कि वह फैलता है।

दाखरस .... बह जाएगा
“दाखरस मशकों से बाहर निकल जाएगा

नईं मशकें
“नई मशकों” अर्थात जिन्हें पहले काम में नहीं लिया गया है।

पुराना दाखरस
“जिस दाखरस का खमीर उठ गया है।

वह कहता है कि पुराना अच्छा है
यहाँ अतिरिक्त जानकारी देना सहायक सिद्ध होगा। “अत: वह नया दाखरस पीना नहीं चाहता है”। यह एक रूपक है जिसके माध्यम से धर्म-गुरूओं की पुरानी शिक्षा की तुलना यीशु की नई शिक्षा से की गई है। कहने का अर्थ यह है कि जो पुरानी शिक्षाओं के अभ्यास थे वे यीशु की शिक्षा को स्वीकार नहीं करते थे, क्योंकि वे नई थी।

Translation Questions

Luke 5:4

भीड़ को उपदेश सुनने के लिए शमौन की नाव काम में लेने के बाद यीशु ने उससे नाव कहाँ ले चलने को कहा था?
यीशु ने उससे कहा कि गहरे में नाव ले जाकर जाल डाले।

Luke 5:5

यद्यपि पतरस ने रात में कुछ नहीं पकड़ा था, उसने क्या किया?
उसने आज्ञा मानकर जाल डाला।

Luke 5:6

जब उन्होंने जाल डाले तब क्या हुआ?
उनके जाल में इतनी मछलियां आई कि जाल फटने लगे।

Luke 5:8

शमौन यीशु से क्या चाहता था और क्यों?
शमौन ने यीशु से चले जाने को कहा क्योंकि वह जानता था कि वह (शमौन) पापी मनुष्य है।

Luke 5:10

यीशु ने शमौन को उसके भावी कार्य के लिए क्या कहा था?
यीशु ने उससे कहा कि अब आगे से वह मनुष्यों को पकड़ेगा।

Luke 5:15

इस समय कितने लोग यीशु की शिक्षा सुनने और रोगों से मुक्ति पाने आ रहे थे?
यीशु के पास लोगों की भीड़ आ रही थी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 5:20

जिस मनुष्य को उसके साथियों ने छत में से यीशु के पास उतारा था उससे यीशु ने क्या कहा?
हे मनुष्य, तेरे पाप क्षमा हुए।

Luke 5:21

शास्त्रियों और फरीसियों ने यीशु की इस बात को ईशनिन्दा क्यों कहा?
क्योंकि परमेश्वर ही पाप क्षमा कर सकता है।

Luke 5:24

यीशु ने उस लकवे के रोगी को इस प्रकार चंगा किया कि क्या प्रकट करे कि उसे प्राप्त है?
यीशु ने उसे चंगा किया कि प्रकट करे कि उसे पृथ्वी पर पाप क्षमा करने का अधिकार है।

Luke 5:32

जब यीशु लेवी के घर में भोजन कर रहा था तब यीशु ने क्या कहा कि वह करने आया है?
वह पापियों को मन फिराव के लिए बुलाने आया है।

Luke 5:35

यीशु ने अपने चेलों के उपवास का क्या समय बताया?
यीशु के चले जाने के बाद उसके चेले उपवास करेंगे।

Luke 5:36

यीशु के दृष्टान्त में यदि पुराने वस्त्र पर नए कपड़े का पैबन्ध लगाया जाए तो क्या होगा?
नया कपड़ा पुराने कपड़े में नहीं लगेगा क्योंकि वह उसे फाड़ देगा।

Luke 5:37

यीशु के दूसरे दृष्टान्त में यदि पुरानी मशकों में नया दाखरस डाला गया तो क्या होगा?
पुरानी मशकें फट जायेंगी और दाखरस गिर जायेगा।

Luke 5:38

नए दाखरस को सुरक्षित रखने के लिए यीशु ने क्या कहा?
नया दाखरस नई मशकों में रखना चाहिए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 6

1 फिर सब्त के दिन वह खेतों में से होकर जा रहा था, और उसके चेले बालें तोड़-तोड़कर, और हाथों से मल-मल कर* खाते जाते थे। (व्य. 23:25) **2** तब
फरीसियों में से कुछ कहने लगे, “तुम वह काम क्यों करते हो जो सब्त के दिन करना उचित नहीं?” **3** यीशु ने उनको उत्तर दिया, “क्या तुम ने यह नहीं पढ़ा, कि
दाऊद ने जब वह और उसके साथी भूखे थे तो क्या किया? **4** वह कैसे परमेश्वर के घर में गया, और भेंट की रोटियाँ लेकर खाई, जिन्हें खाना याजकों को छोड़
और किसी को उचित नहीं, और अपने साथियों को भी दी?” (लैव्य. 24:5-9, 1 शमू. 21:6) **5** और उसने उनसे कहा, “मनुष्य का पुत्र सब्त के दिन का भी प्रभु
है।”

6 और ऐसा हुआ कि किसी और सब्त के दिन को वह आराधनालय में जाकर उपदेश करने लगा; और वहाँ एक मनुष्य था, जिसका दाहिना हाथ सूखा था। **7**
शास्त्री और फरीसी उस पर दोष लगाने का अवसर पाने के लिये उसकी ताक में थे, कि देखें कि वह सब्त के दिन चंगा करता है कि नहीं। **8** परन्तु वह उनके
विचार जानता था; इसलिए उसने सूखे हाथवाले मनुष्य से कहा, “उठ, बीच में खड़ा हो।” वह उठ खड़ा हुआ। **9** यीशु ने उनसे कहा, “मैं तुम से यह पूछता हूँ कि
सब्त के दिन क्या उचित है, भला करना या बुरा करना; प्राण को बचाना या नाश करना?” **10** और उसने चारों ओर उन सभी को देखकर उस मनुष्य से कहा,
“अपना हाथ बढ़ा।” उसने ऐसा ही किया, और उसका हाथ फिर चंगा हो गया। **11** परन्तु वे आपे से बाहर होकर आपस में विवाद करने लगे कि हम यीशु के
साथ क्या करें?

12 और उन दिनों में वह पहाड़ पर प्रार्थना करने को निकला, और परमेश्वर से प्रार्थना करने में सारी रात बिताई। **13** जब दिन हुआ, तो उसने अपने चेलों को
बुलाकर उनमें से बारह चुन लिए, और उनको प्रेरित कहा। **14** और वे ये हैं: शमौन जिसका नाम उसने पतरस भी रखा; और उसका भाई अन्द्रियास, और
याकूब, और यूहन्ना, और फिलिप्पुस, और बरतुल्मै, **15** और मत्ती, और थोमा, और हलफई का पुत्र याकूब, और शमौन जो जेलोतेस कहलाता है, **16** और
याकूब का बेटा यहूदा, और यहूदा इस्करियोती, जो उसका पकड़वानेवाला बना।

17 तब वह उनके साथ उतरकर चौरस जगह में खड़ा हुआ, और उसके चेलों की बड़ी भीड़, और सारे यहूदिया, और यरूशलेम, और सूर और सैदा के समुद्र के
किनारे से बहुत लोग, **18** जो उसकी सुनने और अपनी बीमारियों से चंगा होने के लिये उसके पास आए थे, वहाँ थे। और अशुद्ध आत्माओं के सताए हुए लोग भी
अच्छे किए जाते थे। **19** और सब उसे छूना चाहते थे, क्योंकि उसमें से सामर्थ्य निकलकर सब को चंगा करती थी।

20 तब उसने अपने चेलों की ओर देखकर कहा,

“धन्य हो तुम, जो दीन हो,
क्योंकि परमेश्वर का राज्य तुम्हारा है।
21 “धन्य हो तुम, जो अब भूखे हो;
क्योंकि तृप्त किए जाओगे।
“धन्य हो तुम, जो अब रोते हो,
क्योंकि हँसोगे। (मत्ती 5:4,5, भज. 126:5-6)
22 “धन्य हो तुम, जब मनुष्य के पुत्र के
कारण लोग तुम से बैर करेंगे,
और तुम्हें निकाल देंगे, और तुम्हारी निन्दा करेंगे,
और तुम्हारा नाम बुरा जानकर काट देंगे।

23 “उस दिन आनन्दित होकर उछलना, क्योंकि देखो, तुम्हारे लिये स्वर्ग में बड़ा प्रतिफल है। उनके पूर्वज भविष्यद्वक्ताओं के साथ भी वैसा ही किया करते थे।

24 “परन्तु हाय तुम पर जो धनवान हो,
क्योंकि तुम अपनी शान्ति पा चुके।
25 “हाय तुम पर जो अब तृप्त हो,
क्योंकि भूखे होंगे।
“हाय, तुम पर; जो अब हँसते हो,
क्योंकि शोक करोगे और रोओगे।
26 “हाय, तुम पर जब सब मनुष्य तुम्हें भला कहें,
क्योंकि उनके पूर्वज झूठे भविष्यद्वक्ताओं के साथ भी ऐसा ही किया करते थे।

27 “परन्तु मैं तुम सुननेवालों से कहता हूँ, कि अपने शत्रुओं से प्रेम रखो; जो तुम से बैर करें, उनका भला करो*। **28** जो तुम्हें श्राप दें, उनको आशीष दो; जो
तुम्हारा अपमान करें, उनके लिये प्रार्थना करो। **29** जो तेरे एक गाल पर थप्पड़ मारे उसकी ओर दूसरा भी फेर दे; और जो तेरी दोहर छीन ले, उसको कुर्ता लेने से
भी न रोक। **30** जो कोई तुझ से माँगे, उसे दे; और जो तेरी वस्तु छीन ले, उससे न माँग। **31** और जैसा तुम चाहते हो कि लोग तुम्हारे साथ करें, तुम भी उनके
साथ वैसा ही करो।

32 “यदि तुम अपने प्रेम रखनेवालों के साथ प्रेम रखो, तो तुम्हारी क्या बड़ाई? क्योंकि पापी भी अपने प्रेम रखनेवालों के साथ प्रेम रखते हैं। **33** और यदि तुम
अपने भलाई करनेवालों ही के साथ भलाई करते हो, तो तुम्हारी क्या बड़ाई? क्योंकि पापी भी ऐसा ही करते हैं। **34** और यदि तुम उसे उधार दो, जिनसे फिर

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पाने की आशा रखते हो, तो तुम्हारी क्या बड़ाई? क्योंकि पापी पापियों को उधार देते हैं, कि उतना ही फिर पाएँ। **35** वरन् अपने शत्रुओं से प्रेम रखो, और भलाई करो, और फिर पाने की आसन रखकर उधार दो; और तुम्हारे लिये बड़ा फल होगा; और तुम परमप्रधान के सन्तान ठहरोगे, क्योंकि वह उन पर जो धन्यवाद नहीं करते और बुरों पर भी कृपालु है। (लैव्य. 25:35-36, मत्ती 5:44-45) **36** जैसा तुम्हारा पिता दयावन्त है, वैसे ही तुम भी दयावन्त बनो।

37 “दोष मत लगाओ; तो तुम पर भी दोष नहीं लगाया जाएगा: दोषी न ठहराओ, तो तुम भी दोषी नहीं ठहराए जाओगे: क्षमा करो, तो तुम्हें भी क्षमा किया जाएगा। **38** दिया करो, तो तुम्हें भी दिया जाएगा: लोग पूरा नाम दबा-दबाकर और हिला-हिलाकर और उभरता हुआ तुम्हारी गोद में डालेंगे, क्योंकि जिस नाप से तुम नापते हो, उसी से तुम्हारे लिये भी नापा जाएगा।”

39 फिर उसने उनसे एक दृष्टान्त कहा: “क्या अंधा, अंधे को मार्ग बता सकता है? क्या दोनों गड्ढे में नहीं गिरेंगे? **40** चेला अपने गुरु से बड़ा नहीं, परन्तु जो कोई सिद्ध होगा, वह अपने गुरु के समान होगा। **41** तू अपने भाई की आँख के तिनके को क्यों देखता है, और अपनी ही आँख का लट्ठा तुझे नहीं सूझता? **42** और जब तू अपनी ही आँख का लट्ठा नहीं देखता, तो अपने भाई से कैसे कह सकता है, ‘हे भाई, ठहर जा तेरी आँख से तिनके को निकाल दूँ?’ हे कपटी*, पहले अपनी आँख से लट्ठा निकाल, तब जो तिनका तेरे भाई की आँख में है, भली भाँति देखकर निकाल सकेगा।

43 “कोई अच्छा पेड़ नहीं, जो निकम्मा फल लाए, और न तो कोई निकम्मा पेड़ है, जो अच्छा फल लाए। **44** हर एक पेड़ अपने फल से पहचाना जाता है; क्योंकि लोग झाड़ियों से अंजीर नहीं तोड़ते, और न झड़बेरी से अंगूर। **45** भला मनुष्य अपने मन के भले भण्डार से भली बातें निकालता है; और बुरा मनुष्य अपने मन के बुरे भण्डार से बुरी बातें निकालता है; क्योंकि जो मन में भरा है वही उसके मुँह पर आता है।

46 “जब तुम मेरा कहना नहीं मानते, तो क्यों मुझे ‘हे प्रभु, हे प्रभु,’ कहते हो? (मला. 1:6) **47** जो कोई मेरे पास आता है, और मेरी बातें सुनकर उन्हें मानता है, मैं तुम्हें बताता हूँ कि वह किसके समान है? **48** वह उस मनुष्य के समान है, जिस ने घर बनाते समय भूमि गहरी खोदकर चट्टान में नींव डाली, और जब बाढ़ आई तो धारा उस घर पर लगी, परन्तु उसे हिला न सकी; क्योंकि वह पक्का बना था। **49** परन्तु जो सुनकर नहीं मानता, वह उस मनुष्य के समान है, जिस ने मिट्टी पर बिना नींव का घर बनाया। जब उस पर धारा लगी, तो वह तुरन्त गिर पड़ा, और वह गिरकर सत्यानाश हो गया।”

Luke 6:1

(ऐसा हुआ कि)
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

खेतों में से
भूमि के खण्ड जहाँ गेहूँ के दाने विसर्जित किए जाते थे कि अधिक उपज हो।

बालें
यह गेहूँ के पौधे का ऊपरी भाग है इसमें उस पौधे के बीज होते हैं, गेहूँ का पौधा बड़ी घास के जैसा होता है।

तुम वह काम क्यों करते हो जो सब्त के दिन करना उचित नहीं”
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तुम सब्त के दिन गेहूँ क्यों दांवते हो? इस आलंकारिक प्रश्न का तात्पर्य है सब्त के दिन वर्जित कार्य करना। यह परमेश्वर के विधान के विरूद्ध है। “तुम” बहुवचन में है और यीशु के शिष्यों के संदर्भ में है।

Luke 6:3

क्या तुमने यह नहीं पढ़ा...?
यह आलंकारिक प्रश्न का आरंभ है। यीशु उन्हें मीठा कटाक्ष कर रहा है कि उन्होंने धर्मशास्त्र पढ़ कर भी नहीं सीखा। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “निश्चय ही तुमने पढ़ा है” (यू.डी.बी.) या “तुम्हें पढ़ कर तो सीखना है”।

भेंट की रोटियां
“पवित्र रोटियां” या “परमेश्वर को चढ़ाई हुई रोटियां”

मनुष्य का पुत्र
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मैं, मनुष्य का पुत्र हूँ”, यीशु अपने बारे में कह रहा था।

सब्त के दिन का भी प्रभु है
“सब्त का स्वामी है” इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “उसके पास अधिकार है कि सब्त के दिन मनुष्य के लिए निर्धारित करे कि उसे क्या करना है”(यू.डी.बी.)

Luke 6:6

(और ऐसा हुआ)
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

हाथ सूखा था।
उस मनुष्य का हाथ ऐसा क्षतिग्रस्त था कि वह उसे उठा नहीं सकता था। वह ऐसा मुड़ा हुआ था कि उसकी मुठ्ठी बन्द थी और सूखकर छोटा हो गया था।

ताक में थे
“यीशु पर दृष्टि गड़ाए हुए थे”

कि देखें
इसका अनुवाद इस प्रकार करें, “क्योंकि वे दोष खोजना चाहते थे।"

उठ, बीच में खड़ा हो
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “सबके सामने” (यू.डी.बी.) यीशु चाहता था कि वह ऐसे स्थान में खड़ा हो जहाँ सब उसे देख सकते थे।

Luke 6:9

उनसे
“फरीसियों से”

क्या उचित है
यह आलंकारिक प्रश्न का आरंभ है। यीशु फरीसियों को सोचने पर विवश कर रहा था कि वे स्वीकार करे कि किसी को सब्त के दिन रोगमुक्त करना उचित

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “नियमोचित क्या है? “भला करना” या “मूसा का विधान किस बात की अनुमति देता है”?

अपना हाथ बढ़ा
“अपना हाथ आगे कर” या “अपना हाथ उठा”

चंगा हो गया
“स्वस्थ हो गया”

Luke 6:12

(और ऐसा हुआ)
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

उन दिनों में
“उसके कुछ ही समय बाद” या “इसके बाद अधिक समय नहीं हुआ था” “तब ही एक दिन”

प्रार्थना करने गया
“यीशु प्रार्थना करने बाहर गया”

बारह चुन लिए
“उनमें से बारह को चुन लिया” या “शिष्यों में से बारह को चुन लिया”

उनको 'प्रेरित' कहा
“और उसने उन्हें प्रेरित कहा” या “जिन्हें उसने प्रेरित नियुक्त किया” या “जिन्हें उसने प्रेरित बनाया”

Luke 6:14

x
(यह उन बारहों की सूची है जिन्हें यीशु ने अपने शिष्य होने के लिए चुना था)

और वे ये हैं
नामों की यह सूची यू.एल.बी. में दी गई है कि सूची स्पष्ट की जाए। कुछ अनुवादक इसका उल्लेख करना आवश्क नहीं समझते।

इसका भाई अन्द्रियास
"शमौन का भाई अन्द्रियास"

जेलोतेस
इसके संभावित अर्थ हैं (1) जेलोतेस (2) जोशीला पहला अर्थ प्रकट करता है कि वह उस पंथ का सदस्य था जो यहूदियों को रोमी राज्य से मुक्त कराना चाहता था। इसका अनुवाद “देशभक्त” या “राष्ट्रवादी” किया जा सकता है। दूसरे का अर्थ है, वह परमेश्वर का सम्मान करने के लिए जोशीला था। इसका अनुवाद “उत्साही” किया जा सकता है।

पकड़वाने वाला बना
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “अपने साथी से विश्वासघात किया” या “अपने मित्र को बैरियों के हाथों पकड़वाया” या “बैरियों को उसकी जानकारी देकर अपने मित्र को संकट में डाल दिया”।

Luke 6:17

उनके साथ
“जिन बारहों को उसने चुना था उनके साथ” या “उसके बारह प्रेरितों के साथ”

चंगा होने के लिए
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, “यीशु के हाथों रोगमुक्ति हेतु” यदि आपके पाठकों के लिए इससे स्पष्ट न हो कि यीशु ने उन्हें वास्तव में रोगमुक्त किया तो आप स्पष्ट करके लिख सकते हैं कि यीशु ने उन्हें रोगमुक्त किया”।

अशुद्ध आत्माओं के सताए हुए
“अशुद्ध आत्माओं से परेशान” इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अशुद्ध आत्माग्रस्त” या “अशुद्ध आत्माओं के बन्धन में थे” कर्तृवाच्य में अनुवाद करने हेतु देखें यू.डी.बी.

अच्छे किए जाते थे।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, “यीशु ने उन्हें रोगमुक्त किया” अशुद्ध आत्माग्रस्त मनुष्यों के लिए “रोगमुक्त” शब्द का उपयोग अनुचित है इसलिए इसका अनुवाद इस प्रकार किया जाए, “यीशु ने उन्हें मुक्ति प्रदान की” या “यीशु ने अशुद्ध आत्माओं को निकाला”

सामर्थ्य निकल कर सब को चंगा करती थी
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उसमें लोगों को रोगमुक्त करने का सामर्थ्य था” जब यीशु में से सामर्थ्य प्रवाहित होता था तब वह सामर्थ्य में कम नहीं होता था।

Luke 6:20

धन्य हो तुम
यह उक्ति तीन बार दोहराई गई है, प्रत्येक बार इसका अर्थ है कि परमेश्वर किसी को अनुग्रह प्रदान कर रहा है या उनकी स्थिति कपटरहित है या अच्छी है।

धन्य हो तुम जो दीन हो
“तुम जो दीन हो परमेश्वर के अनुग्रहपात्र बनोगे” या “तुम जो दीन हो लाभ उठाओगे” या “तुम जो दीन हो, तुम्हारे लिए बहुत अच्छा है”।

परमेश्वर का राज्य तुम्हारा है।
“परमेश्वर का राज्य तुम्हारा है” इसके अर्थ हो सकते हैं, (1) तुम परमेश्वर के राज्य के हो” या (2) परमेश्वर के राज्य में तुम्हारे पास अधिकार होगा”। जिन भाषाओं में राज्य के लिए शब्द नहीं है, वे कह सकते हैं, “परमेश्वर तुम्हारा राजा होगा” या “परमेश्वर तुम पर राज करेगा”

हंसोगे
“तुम आनन्द से हंसोगे” या “तुम आनन्दित होंगे”

Luke 6:22

x
(यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है)

धन्य हो तुम
धन्य हो तुम, “तुम परमेश्वर के अनुग्रहपात्र होगे” या “तुम लाभ उठाओगे” या “तुम्हारे लिए कैसा भला है।”

तुम्हें निकाल देंगे
“तुम्हारा बहिष्कार करेंगे” या “तुम्हारा परित्याग करेंगे”

तुम्हारी निन्दा करेंगे
“तुम्हारा अपमान करके आलोचना करेंगे”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मनुष्य के पुत्र के कारण
“मनुष्य के पुत्र के नाम पर” या “क्योंकि तुम मनुष्य के पुत्र से संबन्धित हो” या “क्योंकि वे मनुष्य के पुत्र का त्याग करते हैं”।

उस दिन
“जब वे ऐसा करे” या “जब ऐसा हो”

बड़ा प्रतिफल
“अच्छा लाभ” या “इसके कारण अच्छा उपहार है”

Luke 6:24

x
(यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है)

हाय तुम पर
यह उक्ति तीन बार दोहराई गई है यह “धन्य हो तुम” के विपरीत है। हर बार यह प्रकट करती है कि परमेश्वर का क्रोध उन पर है या उनके लिए भविष्य में कुछ हानि या बुराई है।

हाय तुम पर जो धनवान हो
“तुम धनवालों का कैसा दुर्भाग्य है। या तुम धनवानों पर संकट आएगा, इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तुम धनवानों के लिए कैसी दुःख की बात है” या “तुम धनवानों को कैसा दुःख होगा”।

तुम ... पा चुके
“तुम्हें तो सब कुछ बहुतायत से मिल रहा है” या “तुम्हें तो सब कुछ मिल रहा है।”

अपनी शान्ति
“तुम्हें सुख देनेवाली बात” या “तुम्हें सन्तोष प्रदान करनेवाली बात” या “तुम्हारा आनन्द”

तृप्त हो
“जिनके पेट भरे हुए हैं”, या “वो जो खूब खाते हो”

अब हंसते हो
“अब आनन्दित हो”

Luke 6:26

x
(यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है)

हाय तुम पर
“तुम्हारा कैसा दुर्भाग्य है”। या “तुम पर विपत्ति आएगी” या “तुम्हें कैसा दुःखी होना पड़ेगा” या “तुम्हें कैसा दुःख होगा”।

जब मनुष्य
अर्थात “सब जन” या “हर एक जन”

झूठे भविष्यद्वक्ताओं के साथ भी ऐसा ही करते थे
झूठे भविष्यद्वक्ताओं की प्रशंसा करते थे।

Luke 6:27

x
(स्पष्ट है कि यीशु जनसमूह से बाते कर रहा है जिनमें वे थे जो उसके शिष्य नहीं)

प्रेम रखो ..... भला करो ..... आशीष दो.... प्रार्थना करो
इनमें से प्रत्येक आज्ञा को करते रहना है, न कि एक बार करके समाप्त कर दो।

अपने शत्रुओं से प्रेम रखो
“अपने बैरियों की सुधि लो” या “अपने बैरियों के लिए जो भला है वह करो”।

जो तुम्हें श्राप दे
“जिनमें तुम्हें श्राप देने का स्वभाव है”

जो तुम्हारा अपमान करें
“जिनमें तुम्हारा अपमान करने का स्वभाव है”

Luke 6:29

x
(यीशु जनसमूह को शिक्षा दे रहा है कि वे अपने बैरी से प्रेम रखें।)

जो तेरे एक गाल पर थप्पड़ मारे
“यदि कोई तेरे गाल पर मारे”

एक गाल पर
“चेहरे के एक ओर”

दूसरा भी फेर दे
इसका अनुवाद हो सकता है, “अपना चेहरा फेर दे कि वह दूसरी ओर भी मारे”।

न रोक
“उसे लेने से मत रोक”

जो कोई तुमसे मांगे उसे दे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यदि कोई कुछ भी मांगे तो उसे दे”

उससे न मांग
“उससे लौटाने को मत कह” या “मांग मत रख”

Luke 6:31

x
(यीशु जनसमूह को शिक्षा दे रहा है कि वे अपने बैरी से प्रेम रखें।)

जैसा तुम चाहते हो कि लोग तुम्हारे साथ करें तुम भी उनके साथ वैसा ही करो।
कुछ भाषाओं में इसके क्रम को विपरीत करना अधिक स्वाभाविक होता है, “तुम मनुष्यों के साथ वैसा ही व्यवहार करो जैसा तुम चाहते हो कि वे तुम्हारे साथ करें” या “मनुष्यों के साथ वैसा ही व्यवहार करो जैसा तुम उनसे चाहते हो कि वे तुम्हारे साथ करें”।

तुम्हारी क्या बड़ाई?
यह एक आलंकारिक प्रश्न है। इसे कथन रूप में अनुवाद किया जा सकता है, “तुम्हें इसके लिए बड़ाई नहीं मिलेगी” इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “ऐसा करके तुम्हें क्या प्रशंसा प्राप्त होगी”? या “क्या कोई कहेगा कि तुमने प्रशंसनीय काम किया है”। इसका एक और संभावित अर्थ है, “तुम्हें क्या प्रतिफल मिलेगा”?

Luke 6:35

x
(यीशु जनसमूह को शिक्षा दे रहा है कि वे अपने बैरी से प्रेम रखें।)

तुम्हारे लिए बड़ा फल होगा
“तुम्हें महान प्रतिफल मिलेगा”, या “तुम्हें अच्छा लाभ होगा” या “इस कारण तुम अच्छा उपहार पाओगे”।

परमप्रधान की सन्तान ठहरोगे
यहाँ “... की सन्तान” एक मुहावरा है, जिसका अर्थ है “” इसका तात्पर्य है कि अपने बैरियों से प्रेम करने वाले परमेश्वर के सदृश्य काम करते हैं। इसका अनुवाद हो सकता है, “तुम परमेश्वर प्रधान के पुत्रों के सदृश्य व्यवहार करोगे” या “तुम परम प्रधान परमेश्वर के जैसे होंगे”, सुनिश्चित करे कि यदि पुत्र शब्द काम में ले रह हैं तो वह बहुवचन में हो कि पाठक उसे “परमेश्वर का पुत्र” यीशु न समझें।

जो धन्यवाद नहीं करते और बुरों पर
“जो मनुष्य उसे धन्यवाद नहीं करते और जो बुरे हैं”

तुम्हारा पिता
अर्थात परमेश्वर। इसे अधिक स्पष्ट किया जा सकता है, “तुम्हारा स्वर्गीय पिता”।

Luke 6:37

x
(यीशु जनसमूह को शिक्षा दे रहा है कि वे दोष न लगाएं)

दोष मत लगाओ
“किसी पर दोष मत लगाओ” या “किसी की आलोचना मत करो”

तो
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “और परिणाम स्वरूप”

तुम पर भी दोष नहीं लगाया जाए
यीशु ने यह स्पष्ट नहीं किया कि कौन दोष नहीं लगायेगा। इसके संभावित अर्थ हैं (1) “परमेश्वर तुम पर दोष नहीं लगायेगा”, (2) कोई तुम पर दोष नहीं लगायेगा” दोनों ही अनुवाद स्पष्ट करते हैं कि कौन दोष नहीं लगायेगा।

दोषी न ठहराओ
“किसी को अपराधी मत ठहराओ”

तुम भी दोषी नहीं ठहराए जाओगे
यीशु ने यह स्पष्ट नहीं किया कि कौन दोषी नहीं ठहराएगा। इसके संभावित अर्थ हैं (1) “परमेश्वर तुम्हें अपराधी नहीं ठहराएगा”, (2) कोई भी तुम्हें अपराधी नहीं ठहराएगा। दोनों अनुवादों में स्पष्ट है कि कौन अपराधी नहीं ठहराएगा।

तुम्हें भी क्षमा किया जायेगा
यीशु ने स्पष्ट नहीं किया कि कौन क्षमा करेगा। इसके संभावित अर्थ हैं, (1) परमेश्वर क्षमा करेगा, (2) मनुष्य तुम्हें क्षमा करेंगे पहला अनुवाद स्पष्ट करता है कि कौन क्षमा करेगा।

Luke 6:38

x
(यीशु जनसमूह को शिक्षा दे रहा है कि दोष न लगाएं)

तुम्हें भी दिया जाएगा
यहाँ भी यीशु स्पष्ट नहीं करता है कि कौन तुम्हें देगा। इसके संभावित अर्थ हैं, (1) “कोई तुम्हें देगा”, या (2) “परमेश्वर तुम्हें देगा” इन दोनों अनुवादों में देने वाले स्पष्ट हैं।

दबा-दबा कर और हिला-हिलाकर
“बहुत अधिक मात्रा में”

उभरता हुआ तुम्हारी गोद में डालेंगे
इस वाक्य का क्रम बदला जा सकता है और कर्तृवाच्य रूप काम में लिया जा सकता है। “वे तुम्हारी गोद में इतना अधिक डालेंगे जो उन्होंने दबा-दबा कर और हिला-हिलाकर और उभरता हुआ डालेंगे”। यीशु ने अनाज भण्डार के एक व्यापारी की उदारता का रूपक काम में लिया है। इसका अनुवाद उपमा द्वारा भी किया जा सकता है, “एक अनाज के व्यापारी के सदृश्य जो अनाज को दबा-दबा कर और हिला-हिलाकर अधिक भरता है कि वह ऊपर से गिरने लगता है, वे तुम्हें बड़ी उदारता से देंगे।

उसी से तुम्हारे लिए भी नापा जायेगा।
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “वे तुम्हारे लिए भी इसी नाप से सब वस्तुएं नापेंगे” या “वे उसी मानक से तुम्हारे लिए भी वस्तुएं नापेंगे”।

Luke 6:39

x
(यीशु जनसमूह को शिक्षा दे रहा है कि दोष न लगाएं)

क्या अन्धा अन्धे को मार्ग बता सकता है?
यीशु इस आलंकारिक प्रश्न द्वारा श्रोताओं को इस चिरपरिचित बात पर विचार करने के लिए उत्प्रेरित करता है। इसका अनुवाद हो सकता है, “अच्छा मनुष्य दूसरे अन्धे मनुष्य का पथ प्रदर्शन नहीं कर सकता है, कर सकता है क्या”? या “यह तो सब ही जानते हैं कि अन्धा अन्धे को रास्ता नहीं दिखा सकता है”।

(यदि वह ऐसा करे)
कुछ भाषाओं के अनुवादक अधिक अच्छा समझते है कि इसका अनुवाद इस प्रकार करें, “यदि कोई करे”।

क्या दोनों गड्ढे में नहीं गिरेंगे?
यह एक और आलंकारिक प्रश्न है। इसका अनुवाद प्रकार किया जा सकता है, क्या वे दोनों खड्डे में नहीं गिरेंगे”? या "दोनों खड्ड में गिर जाएगे" (यू.डी.बी.)

चेला अपने गुरू से बड़ा नहीं होता
इसका अर्थ हो सकता है (1) “शिष्य को अपने गुरू से अधिक ज्ञान नहीं होता” या (2) शिष्य के पास अपने गुरू से अधिक अधिकार नहीं होता है। इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “शिष्य अपने गुरू से आगे नहीं निकल सकता है”।

परन्तु जो कोई सिद्ध होगा
“हर एक शिष्य जो उचित प्रशिक्षण पा चुका है” इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में भी किया जा सकता है, “हर एक शिष्य जिसने अपने प्रशिक्षण में लक्ष्य प्राप्ति कर ली है” या “वह हर एक शिष्य जिसके गुरू ने उसे पूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर दिया है”।

Luke 6:41

x
(यीशु जनसमूह को शिक्षा दे रहा है कि दोष न लगाएं)

क्यों देखता है
यह मनुष्यों पर उंगली उठाने या उनका दोष देखने के संबन्ध में एक रूपक है। इसका अनुवाद एक उपमा द्वारा किया जा सकता है जैसे यू.डी.बी. “तुम उंगली क्यो उठाते हो .... जैसे कि ....

तिनके
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “कण” या “लेश”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

भाई
अर्थात यहूदी भाई या “यीशु में विश्वासी भाई”

लट्ठा
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “डंडा” या “फलक”

Luke 6:43

x
(यीशु जनसमूह को शिक्षा दे रहा है कि दोष न लगाएं)

क्योंकि
यह एक तथ्य दर्शाता है कि हमारा चरित्र तर्क रूप में प्रकट किया जाएगा कि हमें अपने भाई पर दोष क्यों नहीं लगाना है।

अच्छा पेड़
“पोषित वृक्ष”

निकम्मा
"सड़ा गला", इसका अनुवाद हो सकता है, “बुरा”

प्रत्येक वृक्ष (अपने फल से) पहचाना जाता है।
“उसकी पहचान” इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, “मनुष्य वृक्ष को .... पहचानता है” या “मनुष्य .... वृक्ष को जान लेता है”।

अंजीर
एक मीठा फल होता है। इस वृक्ष में कांटे नहीं होते हैं।

झाड़ियों
“एक कंटीली झाड़ियां”

अंगूर
लता में लगने वाले छोटे-छोटे फलों का गुच्छा। इसमें भी कांटे नहीं होते।

झड़बेरी
कांटे वाली झाड़ी ये पद एक रूपक है जो मनुष्य के आचरण को व्यक्त करता है कि वे वास्तव में क्या है” (यदि आवश्यकता हो तो इसकी व्याख्या की जा सकती है, जैसी यू.डी.बी. के अन्तिम वाक्य में की गई है “उसी प्रकार”

Luke 6:45

x
ये पद एक रूपक है जो मनुष्य के विचारों की तुलना इस भण्डार (खजाने) से करता है जिसे मनुष्य छिपाकर सुरक्षित रखते हैं।

भला मनुष्य
“एक सदाचारी मनुष्य”, यहाँ “भला” शब्द का अर्थ है, धार्मिक या नैतिक अच्छाई, “मनुष्य” अर्थ स्त्री/पुरूष। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “सदाचारी मनुष्य” या “सदाचारी लोग”(यू.डी.बी)

मन के भले भण्डार से
“उसके मन में जो अच्छाई है” या “उसकी सदाचार संबन्धित मान्यताएं”

निकालता है
इसका अनुवाद रूपक रहित किया जा सकता है, “जीवन आचरण से” या “प्रकट करता है” या “दिखता है”(यू.डी.बी)

भली बातें
“सदाचार की बातें”

मन के भले भण्डार से भली बातें निकालता है
“इसके मन में जो है वही उसके मुंह से निकलता है” या “उसके मन में जो आचार संबन्धित मान्यताएं हैं वही उसके शब्दों को नियंत्रित करती है”। इसका अनुवाद “मन” और “मुंह” शब्दों के उपयोग के बिना भी किया जा सकता है। मनुष्य की बातें वही हैं जो उसके विचार हैं” या “उसके विचार उसके शब्दों पर प्रभाव डालते हैं”।

Luke 6:46

x
(यीशु जनसमूह को आज्ञाकारिता के महत्त्व की शिक्षा दे रहा है)

वह उस मनुष्य के समान है जिसने घर बनाते समय
यह रूपक दृढ़ नीव पर घर बनाने वाले मनुष्य की तुलना यीशु की शिक्षाओं का अनुसरण करने वाले मनुष्य से करता है।

नींव
“आधार” या “अवलंब”

चट्टान
यह भूमिगत एक बड़ी और दृढ़ चट्टान है।

चट्टान पर नींव डाली
“घर की नींव डालने के लिए ऐसी गहरी खुदाई की कि” या “ठोस चट्टान पर घर बनाया” कुछ संस्कृतियों में चट्टान पर घर बनाने का विचार प्रचलित न हो। ऐसी परिस्थिति में अनुवाद अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में किया जा सकता है, “घर की नींव ठोस भूमि में डाली”।

बाढ़ आई तो धारा
“जल का प्रबल प्रवाह” या “नदी”

इस पर लगी
“इससे टकराई”

क्योंकि वह पक्का बना था
“क्योंकि उस मनुष्य ने उसे दृढ़ता से बनाया था”

Luke 6:49

x
(यीशु जनसमूह को उसकी आज्ञाकारिता की शिक्षा दे रहा है)

उस मनुष्य के समान है जिसने .... घर बनाया

- यह रूपक नींव रहित मकान बनाने वाले की तुलना यीशु की शिक्षा का अनुकरण नहीं करने वाले से करता है।

नींव
“आधार” या “अवलंब”

बिना नींव
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उसने गहरी खुदाई करके नींव नहीं डाली”

बाढ़ आई तो धारा
“जल का प्रबल प्रवाह” या “नदी”

इस पर लगी
“इससे टकराई”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

गिर पड़ा
“टूट गया” या “बिखर गया”

Translation Questions

Luke 6:1

यीशु के चेले सब्त के दिन क्या कर रहे थे जिसे फरीसियों ने व्यवस्था विरोधी बताया?
वे गेहूं की बालों को तोड़कर उन्हें हाथ से रगड़कर खा रहे थे।

Luke 6:5

यीशु ने अपने लिए क्या दावा किया जिसने उसे अधिकार दिया कि वह कहे सब्त के दिन क्या करना व्यवस्था सम्मत है?
यीशु ने इस पद का दावा किया, "सब्त का प्रभु"।

Luke 6:11

यीशु ने सब्त के दिन सूखे हाथ वाले मनुष्य को चंगा किया तो शास्त्रियों और फरीसियों ने क्या प्रतिक्रिया दिखाई?
वे क्रोध से भर गए और विचार करने लगे कि यीशु के साथ क्या करें।

Luke 6:13

यीशु ने जिन बारह पुरूषों को पर्वत पर चुना था उन्हें क्या कहा?
यीशु ने उन्हें प्रेरित कहा।

Luke 6:20

यीशु ने किसको धन्यवाद कहा?
जो गरीब हैं, भूखे हैं, दु:खी हैं और मनुष्य के पुत्र के कारण सताए जाते हैं, वे धन्य हैं।

Luke 6:23

यीशु के अनुसार ऐसे मनुष्यों को आनन्दित होकर हर्ष से कूदना क्यों चाहिए?
क्योंकि स्वर्ग में उनका बड़ा प्रतिफल है।

Luke 6:27

यीशु ने कहा, उसके चेलों को बैरियों के साथ और उनसे घृणा करने वालों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?
उन्हें अपने बैरियों से प्रेम करना है और जो घृणा करे उनका भला करे।

Luke 6:35

जो धन्यवाद नहीं करते और जो बुरे हैं उनके प्रति परमेश्वर पिता का व्यवहार कैसा है?
वह उन पर दयालु और कृपालु है।

Luke 6:42

अपने भाई की आंख से तिनका निकालने से पूर्व यीशु ने हमसे क्या कहा कि हम करें?
पहले हमें अपनी आंख से लट्ठा निकालना होगा कि हम पाखंड़ी न हों।

Luke 6:45

एक भले मनुष्य के मन के भले भण्डार से क्या निकलता है?
एक भले मनुष्य के मन से भली बातें निकलती हैं।

बुरे मनुष्य के मन के बुरे भण्डार से क्या निकलता है?
बुरे मनुष्य के मन से बुराई निकलती है।

Luke 6:47

जो मनुष्य चट्टान पर अपना घर बनाता है, वह यीशु की बातें सुनकर क्या करता है?
वह यीशु की बातें सुनकर उनका पालन करता है।

Luke 6:49

जिसने बिना नींव का घर बनाया वह यीशु की बातों का क्या करता है?
वह जो यीशु की बातों को सुनकर पालन नहीं करता।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 7

1 जब वह लोगों को अपनी सारी बातें सुना चुका, तो कफरनहूम में आया। 2 और किसी सूबेदार का एक दास जो उसका प्रिय था, बीमारी से मरने पर था। 3 उसने यीशु की चर्चा सुनकर यहूदियों के कई प्राचीनों को उससे यह विनती करने को उसके पास भेजा, कि आकर मेरे दास को चंगा कर। 4 वे यीशु के पास आकर उससे बड़ी विनती करके कहने लगे, "वह इस योग्य है, कि तू उसके लिये यह करे, 5 क्योंकि वह हमारी जाति से प्रेम रखता है, और उसी ने हमारे आराधनालय को बनाया है।" 6 यीशु उनके साथ-साथ चला, पर जब वह घर से दूर न था, तो सूबेदार ने उसके पास कई मित्रों के द्वारा कहला भेजा, "हे प्रभु दुःख न उठा, क्योंकि मैं इस योग्य नहीं, कि तू मेरी छत के तले आए। 7 इसी कारण मैंने अपने आप को इस योग्य भी न समझा, कि तेरे पास आऊँ, पर वचन ही कह दे तो मेरा सेवक चंगा हो जाएगा। 8 मैं भी पराधीन मनुष्य हूँ; और सिपाही मेरे हाथ में हैं, और जब एक को कहता हूँ, 'जा,' तो वह जाता है, और दूसरे से कहता हूँ कि 'आ,' तो आता है; और अपने किसी दास को कि 'यह कर,' तो वह उसे करता है।" 9 यह सुनकर यीशु ने अचम्भा किया, और उसने मुँह फेरकर उस भीड़ से जो उसके पीछे आ रही थी कहा, "मैं तुम से कहता हूँ, कि मैंने इस्राएल में भी ऐसा विश्वास नहीं पाया।" 10 और भेजे हुए लोगों ने घर लौटकर, उस दास को चंगा पाया।

11 थोड़े दिन के बाद वह नाईन* नाम के एक नगर को गया, और उसके चेले, और बड़ी भीड़ उसके साथ जा रही थी। 12 जब वह नगर के फाटक के पास पहुँचा, तो देखो, लोग एक मुर्दे को बाहर लिए जा रहे थे; जो अपनी माँ का एकलौता पुत्र था, और वह विधवा थी: और नगर के बहुत से लोग उसके साथ थे। 13 उसे देखकर प्रभु को तरस आया, और उसने कहा, "मत रो।" 14 तब उसने पास आकर अर्थी को छुआ; और उठानेवाले ठहर गए, तब उसने कहा, "हे जवान, मैं तुझ से कहता हूँ, उठ!" 15 तब वह मुर्दा उठ बैठा, और बोलने लगा: और उसने उसे उसकी माँ को सौंप दिया। 16 इससे सब पर भय छा गया*; और वे परमेश्वर की बड़ाई करके कहने लगे, "हमारे बीच में एक बड़ा भविष्यद्वक्ता उठा है, और परमेश्वर ने अपने लोगों पर कृपादृष्टि की है।" 17 और उसके विषय में यह बात सारे यहूदिया और आस-पास के सारे देश में फैल गई।।

18 और यूहन्ना को उसके चेलों ने इन सब बातों का समाचार दिया। 19 तब यूहन्ना ने अपने चेलों में से दो को बुलाकर प्रभु के पास यह पूछने के लिये भेजा, "क्या आनेवाला तू ही है, या हम किसी और दूसरे की प्रतीक्षा करे?" 20 उन्होंने उसके पास आकर कहा, "यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने हमें तेरे पास यह पूछने को भेजा है, कि क्या आनेवाला तू ही है, या हम दूसरे की प्रतीक्षा करे?" 21 उसी घड़ी उसने बहुतों को बीमारियों और पीड़ाओं, और दुष्टात्माओं से छुड़ाया; और बहुत से अंधों को आँखें दी। 22 और उसने उनसे कहा, "जो कुछ तुम ने देखा और सुना है, जाकर यूहन्ना से कह दो; कि अंधे देखते हैं, लँगड़े चलते-फिरते हैं, कोढ़ी शुद्ध किए जाते हैं, बहरे सुनते है, और मुर्दे जिलाए जाते है, और कंगालों को सुसमाचार सुनाया जाता है। (यशा. 35:5-6, यशा. 61:1) 23 धन्य है वह, जो मेरे कारण ठोकर न खाए।"

24 जब यूहन्ना के भेजे हुए लोग चल दिए, तो यीशु यूहन्ना के विषय में लोगों से कहने लगा, "तुम जंगल में क्या देखने गए थे? क्या हवा से हिलते हुए सरकण्डे को? 25 तो तुम फिर क्या देखने गए थे? क्या कोमल वस्त्र पहने हुए मनुष्य को? देखो, जो भड़कीला वस्त्र पहनते, और सुख-विलास से रहते हैं, वे राजभवनों में रहते हैं। 26 तो फिर क्या देखने गए थे? क्या किसी भविष्यद्वक्ता को? हाँ, मैं तुम से कहता हूँ, वरन् भविष्यद्वक्ता से भी बड़े को। 27 यह वही है, जिसके विषय में लिखा है:

> 'देख, मैं अपने दूत को तेरे आगे-आगे भेजता हूँ, जो तेरे आगे मार्ग सीधा करेगा।' (मला. 3:1, यशा. 40:3)

28 मैं तुम से कहता हूँ, कि जो स्त्रियों से जन्मे हैं, उनमें से यूहन्ना से बड़ा कोई नहीं पर जो परमेश्वर के राज्य में छोटे से छोटा है, वह उससे भी बड़ा है।" 29 और सब साधारण लोगों ने सुनकर और चुंगी लेनेवालों ने भी यूहन्ना का बपतिस्मा लेकर परमेश्वर को सच्चा मान लिया। 30 पर फरीसियों और व्यवस्थापकों ने उससे बपतिस्मा न लेकर परमेश्वर की मनसा को अपने विषय में टाल दिया।

31 "अतः मैं इस युग के लोगों की उपमा किस से दूँ कि वे किस के समान हैं? 32 वे उन बालकों के समान हैं जो बाजार में बैठे हुए एक दूसरे से पुकारकर कहते हैं, 'हमने तुम्हारे लिये बाँसुरी बजाई, और तुम न नाचे, हमने विलाप किया, और तुम न रोए!' 33 क्योंकि यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला न रोटी खाता आया, न दाखरस पीता आया, और तुम कहते हो, उसमें दुष्टात्मा है। 34 मनुष्य का पुत्र खाता-पीता आया है; और तुम कहते हो, 'देखो, पेटू और पियक्कड़ मनुष्य, चुंगी लेनेवालों का और पापियों का मित्र।' 35 पर ज्ञान अपनी सब सन्तानों से सच्चा ठहराया गया है।"

36 फिर किसी फरीसी ने उससे विनती की, कि मेरे साथ भोजन कर; अतः वह उस फरीसी के घर में जाकर भोजन करने बैठा। 37 वहाँ उस नगर की एक पापिनी स्त्री यह जानकर कि वह फरीसी के घर में भोजन करने बैठा है, संगमरमर के पात्र में इत्र लाई। 38 और उसके पाँवों के पास, पीछे खड़ी होकर, रोती हुई, उसके पाँवों को आँसुओं से भिगाने और अपने सिर के बालों से पोंछने लगी और उसके पाँव बार-बार चूमकर उन पर इत्र मला। 39 यह देखकर, वह फरीसी जिस ने उसे बुलाया था, अपने मन में सोचने लगा, "यदि यह भविष्यद्वक्ता होता तो जान जाता, कि यह जो उसे छू रही है, वह कौन और कैसी स्त्री है? क्योंकि वह तो पापिन है।" 40 यह सुन यीशु ने उसके उत्तर में कहा, "हे शमौन, मुझे तुझ से कुछ कहना है।" वह बोला, "हे गुरु, कह।" 41 "किसी महाजन के दो देनदार थे, एक पाँच सौ, और दूसरा पचास दीनार देनदार था। 42 जब कि उनके पास वापस लौटाने को कुछ न रहा, तो उसने दोनों को क्षमा कर दिया। अतः उनमें से कौन उससे अधिक प्रेम रखेगा?" 43 शमौन ने उत्तर दिया, "मेरी समझ में वह, जिसका उसने अधिक छोड़ दिया।" उसने उससे कहा, "तूने ठीक विचार किया है।" 44 और उस स्त्री की ओर फिरकर उसने शमौन से कहा, "क्या तू इस स्त्री को देखता है? मैं तेरे घर में आया परन्तु तूने मेरे पाँव धोने के लिये पानी न दिया, पर इसने मेरे पाँव आँसुओं से भिगाए, और अपने बालों से पोंछा।" (उत्प. 18:4) 45 तूने मुझे चूमा न दिया, पर जब से मैं आया हूँ तब से इसने मेरे पाँवों का चूमना न छोड़ा। 46 तूने मेरे सिर पर तेल नहीं मला*; पर इसने मेरे पाँवों पर इत्र मला है। (भज. 23:5) 47 "इसलिए मैं तुझ से कहता हूँ; कि इसके पाप जो बहुत थे, क्षमा हुए, क्योंकि इसने बहुत प्रेम किया; पर जिसका थोड़ा क्षमा हुआ है, वह थोड़ा प्रेम करता है।" 48 और उसने स्त्री से कहा, "तेरे पाप क्षमा हुए।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

49 तब जो लोग उसके साथ भोजन करने बैठे थे, वे अपने-अपने मन में सोचने लगे, “यह कौन है जो पापों को भी क्षमा करता है?” **50** पर उसने स्त्री से कहा, “तेरे विश्वास ने तुझे बचा लिया है, कुशल से चली जा।”

Luke 7:1

लोगों से ये सारी बातें सुना चुका
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “श्रोताओं को” या "लोगो को" या “सुनने वाले लोगो को”

Luke 7:2

उसका प्रिय था
“जो उसके लिए मूल्यवान था” या “जिसे वह बहुत मानता था”

यीशु की चर्चा सुनाई
“उसने यीशु के बारे में सुना तो ....”

आकर मेरे दास को चंगा कर
“उसको मरने से बचा ले” या “कुछ कर कि वह न मरे”

इस योग्य है
“वह शतपति इस योग्य है”

हमारी जाति
“हमारे लोगों से” अर्थात यहूदियों से

Luke 7:6

दुख न उठा
“मरे घर आने का कष्ट न कर” इसका अनुवाद ऐसे भी हो सकता है, “मैं तुझे कष्ट देना नहीं चाहता” वह शतपति यीशु से विनम्र निवेदन कर रहा था।

मेरी छत तले आए
“मेरे घर में आए”, “छत तले आए” एक मुहावरा है। यदि आपकी भाषा में ऐसा कोई मुहावरा है तो यहाँ उसके उपयोग के औचित्य पर विचार करें।

वचन ही कह दे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “बस आज्ञा दे”। वह शतपति समझता था कि यीशु कह कर ही उसके सेवक को बचा सकता है।

मेरा सेवक चंगा हो जायेगा।
यहाँ जिस यूनानी शब्द का अनुवाद "सेवक" किया गया है उसका सामान्य अनुवाद “बालक” होता है। इसका अर्थ है कि वह सेवक या तो अल्पायु था या वह शतपति का अति प्रिय सेवक था।

दास (पद 8 ख)
यहाँ दास के मूल यूनानी शब्द का अर्थ “सेवक” है, जो अधीनस्थ काम करने वाले के लिए एक विशिष्ट शब्द है।

Luke 7:9

मैं तुम से कहता हूँ
यीशु यह कह कर अपनी आगे की आश्चर्यजनक बात पर बल दे रहा है।

मैंने इस्राएल में भी ऐसा विश्वास नहीं पाया
कहने का अभिप्राय यह है कि यीशु को इस्त्राएलियों में ऐसे विश्वास की आशा थी परन्तु उनमें ऐसा विश्वास नहीं था। गैरयहूदियों से तो उसे विश्वास की आशा ही नहीं थी परन्तु इस मनुष्य में वह विश्वास था। आपको यह अभिप्रेत जानकारी देने की आवश्यकता होगी जैसा यू.डी.बी. में किया गया है।

भेजे हुए लोगों ने
“वे लोग जिनसे सूबेदार ने यीशु के पास जाकर निवेदन करने का आग्रह किया था”।

Luke 7:11

(ऐसा हुआ कि)
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

तो देखो, लोग एक मुरदे को
“देखो” शब्द हमें सतर्क करता है कि कहानी में एक मृतक का उल्लेख किया जा रहा है। आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति हो सकती है।

नगर के फाटक
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “नगर के प्रवेश द्वार पर”

मां का एकलौता पुत्र
“उस स्त्री का एक ही पुत्र”

विधवा
उसका पति मर चुका था

तरस आया
“उसके लिए उसे बहुत दुःख हुआ”

पास आकर
कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद है, “आगे बढ़ कर” या “उस समूह के निकट आकर”

अर्थी
यह एक प्रकार का चौखटा होता है जिस पर शव को रखकर कब्रिस्तान ले जाते थे, यह शव को दफन करने की वस्तु नहीं थी।

मैं तुझ से कहता हूँ
यीशु अपने अधिकार को व्यक्त करने के लिए ऐसा कहा था। इसका अर्थ है, “सुन”।

मुरदा
“वह मनुष्य जो मर चुका था”, वह अब मृतक न रहा, वह अब जीवित था।

Luke 7:16

सब पर भय छा गया
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है “सब भयातुर हो गए” या “सब भयभीत हो गए”

बड़ा भविष्यद्वक्ता
वे यीशु के बारे में कह रहे थे न कि किसी अन्य भविष्यद्वक्ता के बारे में, अतः इसका अनुवाद होगा, “यह बड़ा भविष्यद्वक्ता”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उठा है
“हमारे साथ रहने आया है” या “हम पर प्रकट हुआ है” या “हमने आज देखा है”।

कृपा दृष्टि की है
हमारी सुधि ली है

यह बात
"यह वचन" या “यह संदेश” या “यह समाचार”

फैल गई
“पहुंच गई” या “प्रसारित हो गई”

उसके विषय में यह बात.... सारे देश में फैल गई
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “लोगों ने यीशु की इस बात को सबमें फैला दिया” या "लोगों ने सब लोगों में यीशु के इस काम की चर्चा की", "यह बात"अर्थात पद 16 में लोग यीशु के बारे में जो कह रहे थे।

Luke 7:18

समाचार दिया
“यूहन्ना को सुनाया”

इन सब बातों का
“यीशु के कामों का”

प्रभु के पास.... भेजा
(यूहन्ना ने) उन्हें प्रभु के पास भेजा और उनसे कहा कि वे (प्रभु से) पूछें।

तेरे पास पूछने भेजा है कि क्या आनेवाला तू ही है?
“(यूहन्ना) ने हमें तेरे पास भेजा है क्योंकि वह पूछता है, “क्या तू ही वह है जो आनेवाला है”? या “यूहन्ना ने हमें भेजा कि तुझसे पूछें 'क्या तू ही वह है जो आनेवाला है'”? (यू.डी.बी.)

किसी दूसरे की बाट देखें?
“किसी दूसरे की प्रतीक्षा करें” या “किसी दूसरे के आने की आशा रखें”

Luke 7:21

दुष्टात्माओं से छुड़ाया
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उसने दुष्टात्माग्रस्त मनुष्यों को मुक्ति दिलाई”

“दी”
“दिया”

कंगालो
“गरीब लोगों को”

यूहन्ना से कह दो
“यूहन्ना को बता दो”

धन्य है वह जो मेरे विषय में ठोकर न खाए
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उस मनुष्य का कैसा सौभाग्य है जो मेरे कामों के कारण मुझमें विश्वास करने से टलता नहीं”

वह
यह किसी मनुष्य विशेष के संदर्भ में नहीं है इसलिए इसका अनुवद होगा, “जो मनुष्य” या “जो कोई भी” या “जो भी”

Luke 7:24

x
(यीशु यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के बारे में जनसमूह से कह रहा है)

तुम जंगल में क्या देखने गए थे?
यीशु ने तीन आलंकारिक प्रश्न पूछे कि श्रोता यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के बारे में पूछें। इसका अनुवाद हो सकता है, “क्या तुम... देखने गए थे? कदापि नहीं”। या “तुम निश्चय ही देखने नहीं गए थे”।

हवा से हिलते हुए सरकण्डे को?
इस रूपक का अनुवाद उपमा द्वारा भी किया जा सकता है, “हवा से हिलते हुए सरकण्डे सदृश्य मनुष्य को” इसकी दो संभावित व्याख्याएं हैं, (1) सरकण्डे हवा में आसानी से हिलते हैं, अतःऐसा मनुष्य जो आसानी से मनोदशा बदल लेते हैं, (2) हवा में सरकण्डे सरसराहट उत्पन्न करते हैं, अतः वह मनुष्य जो अधिक बातें करे परन्तु उसकी बातों का महत्त्वपूर्ण परिणाम न हो ।

कोमल वस्त्र पहने हुए मनुष्य को
“मूल्यवान वस्त्र धारण किए हुए मनुष्य को”, धनवान मनुष्य ऐसे वस्त्र पहनते हैं।

राजभवनों में
राजभवन वह विशाल स्थान होता है जहाँ राजा रहता है।

परन्तु
तो फिर क्या देखने गए थे?

मैं तुझ से कहता हूँ
यीशु इस उक्ति द्वारा अपनी अगली बात के महत्त्व पर बल दे रहा है

भविष्यद्वक्ता से भी बड़े को
“साधारण भविष्यद्वक्ता को नहीं” या “एक भविष्यद्वक्ता से भी कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण मनुष्य को”।

Luke 7:27

x
(यीशु जनसमूह से यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के बारे में ही चर्चा कर रहा है)

यह वही है जिसके विषय में लिखा है
“इसी भविष्यद्वक्ता के विषय में भविष्यद्वक्ताओं ने लिखा था” या “यूहन्ना ही के बारे में वर्षों पूर्व भविष्यद्वक्ताओं ने लिखा था”

देख
उस पद में यीशु भविष्यद्वक्ता मलाकी का उद्धरण दे रहा है, और वह कह रहा है कि यूहन्ना ही वह व्यक्ति है, जिसके बारे में मलाकी ने भविष्यद्वाणी की थी।

तेरे आगे आगे
“तुमसे पहले” या “तेरे आगे चलने के लिए” या “तेरे” एकवचन में है क्योंकि इस भविष्यद्वाणी में परमेश्वर मसीह के बारे में कह रहा है।

मैं तुझ से कहता हूँ
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा था इसलिए यहाँ “तुम” बहुवचन है। इस उक्ति के उपयोग द्वारा यीशु अपनी अगली बात के महत्त्व पर बल दे रहा था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जो स्त्रियों से जन्मे हैं
"जिन्हें कभी किसी स्त्री ने जन्म दिया" यह एक अलंकार है जो सब मनुष्यों के संदर्भ में है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "जितने भी लोग इस दुनिया में आए है",

यूहन्ना से बड़ा कोई नहीं
इसका सकारात्मक अनुवाद किया जा सकता है, "यूहन्ना महानतम है"।

परमेश्वर के राज्य में छोटे से छोटा है
यह उस मनुष्य के संदर्भ में है जो परमेश्वर द्वारा स्थापित राज्य का सदस्य है। इसका अनुवाद हो सकता है, "जो परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कर चुका है।

उससे भी बड़ा है
"यूहन्ना से भी बड़े आत्मिक स्तर पर"

Luke 7:29

x
(इस पुस्तक का लेखक लूका यूहन्ना और यीशु के प्रति मनुष्यों की प्रतिक्रिया पर टिप्पणी कर रहा है।)

परमेश्वर को सच्चा मान लिया था।
"उन्होंने कहा कि परमेश्वर ने स्वयं को धर्मी सिद्ध कर दिया है" या "उन्होंने घोषणा की कि परमेश्वर ने अपनी धार्मिकता प्रकट की है"

यूहन्ना का बपतिस्मा ले कर
"जिन्हें यूहन्ना ने बपतिस्मा दिया था" या "जिनका बपतिस्मा यूहन्ना के हाथों हुआ था"

बपतिस्मा न लेकर
"जिन्हें यूहन्ना ने बपतिस्मा नहीं दिया था" या "जिन्होंने यूहन्ना से बपतिस्मा लेना स्वीकार नहीं किया था" या "जिन्होंने यूहन्ना के बपतिस्मे को तुच्छ जाना था"

परमेश्वर के अभिप्राय को
"उनके लिए परमेश्वर के उद्देश्य को" या "उनके लिए परमेश्वर की योजना को" या "उनके लिए परमेश्वर की इच्छा को"

परमेश्वर के अभिप्राय को अपने विषय में टाल दिया
"परमेश्वर की अवज्ञा की" या "परमेश्वर की इच्छा पर विश्वास न करने की ठानी"

उससे बपतिस्मा न लेकर परमेश्वर के अभिप्राय को अपने विषय में टाल दिया।
इसका सलंग्न अर्थ हो सकता है, क्योंकि उन्होंने यूहन्ना के बपतिस्में को तुच्छ समझा था, वे अपने लिए परमेश्वर की इच्छा को स्वीकार करने के लिए आत्मिक परिप्रेक्ष्य में तैयार नहीं थे।

Luke 7:31

x
(यीशु उन लोगों के बारे कह रहा है जिन्होंने उसे और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले को परित्याग किया है)

इस युग के लोगों की उपमा किससे दूं
यह आलंकारिक प्रश्न का आरंभ है। यीशु यह प्रश्न पूछ कर तुलना कर रहा था जिसका उल्लेख वह अगले पद में करेगा। इस संपूर्ण प्रश्न का अनुवाद इस प्रकार प्रकट किया जा सकता है, "मैं इस पीढ़ी की तुलना करते हुए कहता हूँ कि वे उन बालकों के जैसे हैं...."

इस युग के लोगों
"आज के लोग" या "ये लोग" या "तुम जो इस पीढ़ी के हो"।

वे उन बालकों के समान हैं
यह यीशु की तुलना का आरंभ है। यह एक उपमा है । यीशु कह रहा था कि उसकी पीढ़ी के लोग उन बालकों के सदृश्य हैं जो अन्य बालकों के खेल से सन्तुष्ट नहीं थे।

बाजार
यह एक खुला मैदान होता या जहाँ व्यापारी अपना सामान बैचने आते थे।

बांसुरी
यह एक लम्बा खोखला संगीत वाद्य़ है जिसमें एक सिरे से हवा फूंक कर बजाया जाता था।

पर तुम न नाचे
"तुमने संगीत पर नृत्य नहीं किया"

और तुम न रोए
"तुम हमारे साथ दुखी नहीं हुए"

Luke 7:33

x
(यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है। वह समझा रहा है कि उसने उनकी तुलना इन बालकों से क्यों की)

तुम कहते हो, उसमें दुष्टात्मा है
यीशु लोगों की बातों का उद्धरण दे रहा है कि वे यूहन्ना के लिए ऐसा कहते थे। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "तुम कहते हो कि उसमें दुष्टात्मा है," या "तुम उसे दुष्टात्मा ग्रस्त होने का दोष देते हो"।

न रोटी खाता आया
"खाना नहीं खाता था" इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "वह अधिकतर उपवास रखता था" इसका अर्थ यह नहीं कि यूहन्ना खाना ही नहीं खाता था।

मनुष्य का पुत्र
यीशु चाहता था कि उसके श्रोता जानें कि वह मनुष्य का पुत्र है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मैं, मनुष्य का पुत्र"।

तुम कहते हो, देखो, पेटू....
यीशु अपने मनुष्य के पुत्र के बारे में मनुष्यों की राय व्यक्त कर रहा है, इसका अनुवाद बिना उद्धरण चिन्ह के किया जा सकता है। "तुम कहते हो कि वह पेटू है" या "तुम उसे बहुत खाने का दोष देते हो"। यदि आप "मनुष्य के पुत्र" का "मैं, मनुष्य का पुत्र" लिखते हैं तो अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "तुम कहते हो कि मैं पेटू हूँ"

देखो पेटू,
"वह खाने का लोभी है", या "उसे बहुत खाने की आदत है"।

पियक्कड़ मनुष्य
"मद्यव्यसनी" या "पीने का आदि"

ज्ञान अपनी सब सन्तानों द्वारा सच्चा ठहराया गया है।
यह संभवतः एक लोकोक्ति है जिसे यीशु इस परिस्थिति में प्रासंगिक बना रहा था, क्योंकि उसका और यूहन्ना का परित्याग करने वाले बुद्धिमान नहीं थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 7:36

किसी फरीसी ने
यह एक नया वृत्तान्त का आरंभ है

भोजन करने बैठा
“भोजन के लिए तख्त पर आधा लेटा” उनकी प्रथा में आराम से आधा लेट कर भोजन किया जाता था।

पापिनी स्त्री
“जिसकी जीवनशैली पाप की थी” या “जिसकी छवि थी कि वह पापी है”। अति संभव है कि वह एक वैश्या थी।

यह जानकर
यह एक लम्बा वाक्य है, कुछ भाषाओं में अधिक स्वभाविक होगा कि इसके छोटे-छोटे वाक्य बनाए जाएं। जैसा यू.डी.बी. में किया गया है।

संगमरमर के पात्र में
“मुलायम पत्थर का पात्र” संगमरमर एक मुलायम सफेद चट्टान होती है जिसमें सुराही आदि जैसे बर्तन बनते थे और लोग उनमें बहुमूल्य पदार्थ रखते थे।

इत्र
“उसके सुगन्धित द्रव्य” इत्र एक तेल होता है जिसकी सुगन्ध मनमोहक होती हे। लोग उसे अपने शरीर पर या वस्त्रों में लगाते थे कि उनके आसपास अच्छी सुंगन्ध व्याप्त हो।

सिर के बालों से
“अपने केश से”

Luke 7:39

अपने मन में सोचने लगा
“अपने मन में कहा”

यदि यह भविष्यद्वक्ता होता तो जान जाता
उस फरीसी ने सोचा कि यीशु भविष्यद्वक्ता नहीं है क्योंकि वह उस पापी स्त्री को स्पर्श करने दे रहा है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “स्पष्ट है कि यीशु भविष्यद्वक्ता नहीं है यदि होता तो इस स्त्री को पहचान लेता”।

शमौन
यह इस फरीसी का नाम है जिसने यीशु को भोजन के लिए अपने घर में आमंत्रित किया था। वह शमौन पतरस नहीं था।

Luke 7:41

x
(यीशु ने शमौन फरीसी को क्षमा प्राप्त मनुष्यों की एक कहानी सुनाई।)

किसी महाजन के दो देनदार थे।
"एक महाजन के दो ऋणी थे"

पांच सौ दीनार
“पांच सौ दिन की मजदूरी” अर्थात एक "दीनार" प्रति दिन

पचास दीनार
"पचास दिन की मजदूरी"

पटाने को कुछ न रहा
“ऋण चुकाने के लिए कुछ न था”

उसने दोनों को क्षमा कर दिया।
उसने उनके ऋण क्षमा कर दिए।

मेरी समझ में
शमौन ने बड़ी सावधानी से उत्तर दिया था। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “संभवतः ....”

तूने ठीक विचार किया है
“तू सही कहता है”

Luke 7:44

उस स्त्री की ओर फिर कर
“उस स्त्री को देखकर”, उसकी ओर देखकर यीशु ने शमौन का ध्यान उसकी ओर आकर्षित किया।

मेरे पांव धोने के लिए पानी .... आंसुओं से भिगोए
अतिथि के लिए शिष्टाचार व्यक्त करने की कुछ मुख्य विधियां थी। (यीशु शमौन में शिष्टाचार की कमी की तुलना उस स्त्री की आभार व्यक्ति से कर रहा है।)

उसने मेरे पांवों को चूमना न छोड़ा
इसका सकारात्मक अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “वह मेरे पांवों को लगातार चूम रही है”

Luke 7:46

x
(यीशु शमौन ही से बातें कर रहा है)

मेरे सिर पर तेल नहीं मला
“मेरे सिर में तेल नहीं डाला” यह माननीय अतिथि के स्वागत की रीति थी। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मेरे सिर पर तेल मल कर मेरा स्वागत नहीं किया”

मेरे पांवों पर इत्र मला
यद्यपि यह एक आम अभ्यास नहीं था, उस स्त्री ने ऐसा करके यीशु को अति सम्मानित किया।

इसके पाप जो बहुत थे क्षमा हुए
उसका अनुवाद भी कर्तृवाच्य रूप में किया जा सकता है। “जिसने अधिक क्षमादान प्राप्त किया”, या “परमेश्वर ने उसके अधिक पाप क्षमा किया है”।

बहुत प्रेम किया
“इसे क्षमा करनेवाले से अधिक प्रेम किया है” या “परमेश्वर से अधिक प्रेम किया है”। कुछ भाषाओं में आवश्यकता होती है कि जिससे प्रेम किया गया उसका उल्लेख किया जाए।

जिसका थोड़ा क्षमा किया गया
“जिसे कम क्षमादान प्राप्त है” या “जिसे कम पाप क्षमा हुए”, इस वाक्य में यीशु एक सामान्य सिद्धान्त व्यक्त करता है। तथापि शमौन को समझ जाना था कि उसने यीशु से कम प्रेम किया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 7:48

तेरे पाप क्षमा हुए।
"तू क्षमा की गई है" इसे भी कर्तृवाच्य रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "मैं तेरे पाप क्षमा करता हूँ"।

तेरे विश्वास ने तुझे बचा लिया है
"तेरे विश्वास से तुझे उद्धार हुआ है", विश्वास को विचार को क्रिया रूप में भी व्यक्त किया जा सकता है, "क्योंकि तू विश्वास करती है, इसलिए तू उद्धार पाती है"।

कुशल से चली जा
यह अलविदा करने का एक रूप है जिसमें आशीर्वाद भी है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "जा और चिन्ता मत कर", या "जा परमेश्वर तुझे शांति दे"।(यू.डी.बी)

Translation Questions

Luke 7:3

जब उस सूबेदार ने यहूदियों के पुरनियों को यीशु के पास भेजा तब उसने उससे पहले क्या निवेदन किया था?
उसने यीशु से कहा कि वह उसके घर आकर उसके दास को चंगा करे।

Luke 7:6

उस सूबेदार ने यीशु के पास अपने मित्रों को भेजकर यीशु से क्यों कहा कि वह उसके घर न आएं?
उस सूबेदार ने कहा कि वह इस योग्य नहीं कि यीशु उसके घर आए।

Luke 7:7

वह सूबेदार कैसे चाहता था कि यीशु उसके दास को चंगा करे?
उस सूबेदार ने यीशु से निवेदन किया कि वह बस कह दे कि उसका दास चंगा हो जाएं।

Luke 7:9

यीशु ने उस सूबेदार के विश्वास के बारे में क्या कहा?
यीशु ने कहा कि उसने इस्राएल में किसी में ऐसा विश्वास नहीं देखा।

Luke 7:13

उस विधवा के प्रति यीशु का व्यवहार कैसा था जिसका एक ही पुत्र मर गया था?
उसे उस पर तरस आया।

Luke 7:16

जब यीशु ने उस विधवा के पुत्र को मृतक से जीवित किया तब लोगों ने क्या कहा?
उन्होंने कहा, हमारे बीच में एक बड़ा भविष्यद्वक्ता उठा है और परमेश्वर ने अपने लोगों पर कृपा दृष्टि की है।

Luke 7:22

यीशु ने यूहन्ना के शिष्यों पर कैसे प्रकट किया कि आने वाला वही है?
यीशु ने अंधों को, लंगड़ों को, कोढ़ियों को, बहरों को चंगा किया और मृतकों को जिलाया।

Luke 7:26

यीशु ने यूहन्ना को क्या बताया?
यीशु ने कहा कि यूहन्ना एक भविष्यद्वक्ता से भी बढ़कर है।

Luke 7:30

यूहन्ना से बपतिस्मा न लेकर फरीसियों और व्यवस्थापकों ने अपने लिए क्या किया?
उन्होंने परमेश्वर के अभिप्राय को टाल दिया।

Luke 7:33

यूहन्ना जो न तो रोटी खाता था और न दाखरस पीता था उसके लिए क्या करते थे?
उन्होंने कहा, उसमें दुष्टात्मा है।

Luke 7:34

यीशु खाता पीता आया तो वे उस पर क्या दोष लगाते थे?
वे यीशु को कहते थे कि वह पेटू और पियक्कड़ मनुष्य है।

Luke 7:38

उस फरीसी के घर में नगर की उस स्त्री ने क्या किया था?
उसने आंसुओं से यीशु के पांव धोए और अपने बालों से उन्हें पौंछा, उसके पावों को चूमकर उन पर इत्र मला।

Luke 7:47

यीशु ने कहा कि उसके बहुत पाप क्षमा हुए, इसलिए उसने क्या किया?
उसने बहुत प्रेम किया।

Luke 7:49

जब यीशु ने उस स्त्री से कहा कि उसके पाप क्षमा हुए तब साथ भोजन करने वालों ने क्या प्रतिक्रिया दिखाई?
?

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 8

1 इसके बाद वह नगर-नगर और गाँव-गाँव प्रचार करता हुआ, और परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार सुनाता हुआ, फिरने लगा, और वे बारह उसके साथ थे, **2** और कुछ स्त्रियाँ भी जो दुष्टात्माओं से और बीमारियों से छुड़ाई गई थीं, और वे यह हैं मरियम जो मगदलीनी कहलाती थी*, जिसमें से सात दुष्टात्माएँ निकली थीं, **3** और हेरोदेस के भण्डारी खोजा की पत्नी योअन्ना और सूसन्नाह और बहुत सी और स्त्रियाँ, ये तो अपनी सम्पत्ति से उसकी सेवा करती थीं।।

4 जब बड़ी भीड़ इकट्ठी हुई, और नगर-नगर के लोग उसके पास चले आते थे, तो उसने दृष्टान्त में कहा: **5** "एक बोनेवाला बीज बोने निकला: बोते हुए कुछ मार्ग के किनारे गिरा, और रौंदा गया, और आकाश के पक्षियों ने उसे चुग लिया। **6** और कुछ चट्टान पर गिरा, और उपजा, परन्तु नमी न मिलने से सूख गया। **7** कुछ झाड़ियों के बीच में गिरा, और झाड़ियों ने साथ-साथ बढ़कर उसे दबा लिया। **8** "और कुछ अच्छी भूमि पर गिरा, और उगकर सौ गुणा फल लाया।" यह कहकर उसने ऊँचे शब्द से कहा, "जिसके सुनने के कान हों वह सुन लें।"

9 उसके चेलों ने उससे पूछा, "इस दृष्टान्त का अर्थ क्या है?" **10** उसने कहा, "तुम को परमेश्वर के राज्य के भेदों की समझ दी गई है, पर औरों को दृष्टान्तों में सुनाया जाता है, इसलिए कि

> 'वे देखते हुए भी न देखें,
> और सुनते हुए भी न समझें।' (मत्ती 4:11, यशा. 6:9-10)

11 "दृष्टान्त का अर्थ यह है: बीज तो परमेश्वर का वचन है। **12** मार्ग के किनारे के वे हैं, जिन्होंने सुना; तब शैतान आकर उनके मन में से वचन उठा ले जाता है, कि कहीं ऐसा न हो कि वे विश्वास करके उद्धार पाएँ। **13** चट्टान पर के वे हैं, कि जब सुनते हैं, तो आनन्द से वचन को ग्रहण तो करते हैं, परन्तु जड़ न पकड़ने से वे थोड़ी देर तक विश्वास रखते हैं, और परीक्षा के समय बहक जाते हैं। **14** जो झाड़ियों में गिरा, यह वे हैं, जो सुनते हैं, पर आगे चलकर चिन्ता और धन और जीवन के सुख-विलास में फँस जाते हैं, और उनका फल नहीं पकता। **15** पर अच्छी भूमि में के वे हैं, जो वचन सुनकर भले और उत्तम मन में सम्भाले रहते हैं, और धीरज से फल लाते हैं।

16 "कोई दिया जला कर* बर्तन से नहीं ढाँकता, और न खाट के नीचे रखता है, परन्तु दीवट पर रखता है, कि भीतर आनेवाले प्रकाश पाएँ। **17** कुछ छिपा नहीं, जो प्रगट न हो; और न कुछ गुप्त है, जो जाना न जाए, और प्रगट न हो। **18** इसलिए सावधान रहो, कि तुम किस रीति से सुनते हो? क्योंकि जिसके पास है, उसे दिया जाएगा; और जिसके पास नहीं है, उससे वह भी ले लिया जाएगा, जिसे वह अपना समझता है।"

19 उसकी माता और उसके भाई पास आए, पर भीड़ के कारण उससे भेंट न कर सके। **20** और उससे कहा गया, "तेरी माता और तेरे भाई बाहर खड़े हुए तुझ से मिलना चाहते हैं।" **21** उसने उसके उत्तर में उनसे कहा, "मेरी माता और मेरे भाई ये ही है, जो परमेश्वर का वचन सुनते और मानते हैं।"

22 फिर एक दिन वह और उसके चेले नाव पर चढ़े, और उसने उनसे कहा, "आओ, झील के पार चलें।" अतः उन्होंने नाव खोल दी। **23** पर जब नाव चल रही थी, तो वह सो गया: और झील पर आँधी आई, और नाव पानी से भरने लगी और वे जोखिम में थे। **24** तब उन्होंने पास आकर उसे जगाया, और कहा, "स्वामी! स्वामी! हम नाश हुए जाते हैं।" तब उसने उठकर आँधी को और पानी की लहरों को डाँटा और वे थम गए, और शान्त हो गया। **25** और उसने उनसे कहा, "तुम्हारा विश्वास कहाँ था?" पर वे डर गए, और अचम्भित होकर आपस में कहने लगे, "यह कौन है, जो आँधी और पानी को भी आज्ञा देता है, और वे उसकी मानते हैं?"

26 फिर वे गिरासेनियों के देश में पहुँचे, जो उस पार गलील के सामने है। **27** जब वह किनारे पर उतरा, तो उस नगर का एक मनुष्य उसे मिला, जिसमें दुष्टात्माएँ थीं। और बहुत दिनों से न कपड़े पहनता था और न घर में रहता था वरन् कब्रों में रहा करता था। **28** वह यीशु को देखकर चिल्लाया, और उसके सामने गिरकर ऊँचे शब्द से कहा, "हे परमप्रधान परमेश्वर के पुत्र यीशु! मुझे तुझ से क्या काम? मैं तुझ से विनती करता हूँ, मुझे पीड़ा न दे।" **29** क्योंकि वह उस अशुद्ध आत्मा को उस मनुष्य में से निकलने की आज्ञा दे रहा था, इसलिए कि वह उस पर बार-बार प्रबल होती थी। और यद्यपि लोग उसे जंजीरों और बेड़ियों से बाँधते थे, तो भी वह बन्धनों को तोड़ डालता था, और दुष्टात्मा उसे जंगल में भगाए फिरती थी। **30** यीशु ने उससे पूछा, "तेरा क्या नाम है?" उसने कहा, "सेना," क्योंकि बहुत दुष्टात्माएँ उसमें समा गई थीं। **31** और उन्होंने उससे विनती की, "हमें अथाह गड्ढे में जाने की आज्ञा न दे।" **32** वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था, अतः उन्होंने उससे विनती की, "हमें उनमें समाने दे।" अतः उसने उन्हें जाने दिया। **33** तब दुष्टात्माएँ उस मनुष्य से निकलकर सूअरों में समा गई और वह झुण्ड कड़ाड़े पर से झपटकर झील में जा गिरा और डूब मरा।

34 चरवाहे यह जो हुआ था देखकर भागे, और नगर में, और गाँवों में जाकर उसका समाचार कहा। **35** और लोग यह जो हुआ था उसको देखने को निकले, और यीशु के पास आकर जिस मनुष्य से दुष्टात्माएँ निकली थीं, उसे यीशु के पाँवों के पास कपड़े पहने और सचेत बैठे हुए पा कर डर गए। **36** और देखनेवालों ने उनको बताया, कि वह दुष्टात्मा का सताया हुआ मनुष्य किस प्रकार अच्छा हुआ। **37** तब गिरासेनियों के आस-पास के सब लोगों ने यीशु से विनती की, कि हमारे यहाँ से चला जा; क्योंकि उन पर बड़ा भय छा गया था। अतः वह नाव पर चढ़कर लौट गया। **38** जिस मनुष्य से दुष्टात्माएँ निकली थीं वह उससे विनती करने लगा, कि मुझे अपने साथ रहने दे, परन्तु यीशु ने उसे विदा करके कहा। **39** "अपने घर में लौट जा और लोगों से कह दे, कि परमेश्वर ने तेरे लिये कैसे बड़े-बड़े काम किए हैं।" वह जाकर सारे नगर में प्रचार करने लगा, कि यीशु ने मेरे लिये कैसे बड़े-बड़े काम किए।

40 जब यीशु लौट रहा था, तो लोग उससे आनन्द के साथ मिले; क्योंकि वे सब उसकी प्रतीक्षा कर रहे थे। **41** और देखो, याईर नाम एक मनुष्य जो आराधनालय का सरदार था, आया, और यीशु के पाँवों पर गिरके उससे विनती करने लगा, "मेरे घर चल।" **42** क्योंकि उसके बारह वर्ष की एकलौती बेटी थी, और वह मरने पर थी। जब वह जा रहा था, तब लोग उस पर गिरे पड़ते थे। **43** और एक स्त्री ने जिसको बारह वर्ष से लहू बहने का रोग था, और जो अपनी सारी

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जीविका वैद्यों के पीछे व्यय कर चुकी थी और फिर भी किसी के हाथ से चंगी न हो सकी थी, **44** पीछे से आकर उसके वस्त्र के आँचल को छुआ, और तुरन्त उसका लहू बहना थम गया। **45** इस पर यीशु ने कहा, “मुझे किस ने छुआ?” जब सब मुकरने लगे, तो पतरस और उसके साथियों ने कहा, “हे स्वामी, तुझे तो भीड़ दबा रही है और तुझ पर गिरी पड़ती है।” **46** परन्तु यीशु ने कहा, “किसी ने मुझे छुआ है क्योंकि मैंने जान लिया है कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है।” **47** जब स्त्री ने देखा, कि मैं छिप नहीं सकती, तब काँपती हुई आई, और उसके पाँवों पर गिरकर सब लोगों के सामने बताया, कि मैंने किस कारण से तुझे छुआ, और कैसे तुरन्त चंगी हो गई। **48** उसने उससे कहा, “पुत्री तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है, कुशल से चली जा।” **49** वह यह कह ही रहा था, कि किसी ने आराधनालय के सरदार के यहाँ से आकर कहा, “तेरी बेटी मर गई: गुरु को दुःख न दे।” **50** यीशु ने सुनकर उसे उत्तर दिया, “मत डर; केवल विश्वास रख; तो वह बच जाएगी*।” **51** घर में आकर उसने पतरस, और यूहन्ना, और याकूब, और लड़की के माता-पिता को छोड़ और किसी को अपने साथ भीतर आने न दिया। **52** और सब उसके लिये रो पीट रहे थे, परन्तु उसने कहा, “रोओ मत; वह मरी नहीं परन्तु सो रही है।” **53** वे यह जानकर, कि मर गई है, उसकी हँसी करने लगे। **54** परन्तु उसने उसका हाथ पकड़ा, और पुकारकर कहा, “हे लड़की उठ!” **55** तब उसके प्राण लौट आए और वह तुरन्त उठी; फिर उसने आज्ञा दी, कि उसे कुछ खाने को दिया जाए। **56** उसके माता-पिता चकित हुए, परन्तु उसने उन्हें चेतावनी दी, कि यह जो हुआ है, किसी से न कहना।

Luke 8:1

(और ऐसा हुआ)
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

जो दुष्टात्मा से और बीमारियों से छुड़ाई गई थी।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य रूप में किया जा सकता है, “जिन्हें यीशु ने प्रेत मुक्ति और रोग मुक्ति दिलाई थी।

मरियम.... और .... बहुत सी अन्य स्त्रियां
तीन स्त्रियों के नामों का उल्लेख किया गया है, मरियम, योअन्ना और सूसन्नाह।

हेरोदेस के भण्डारी खुज़ा की पत्नी योअन्ना
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “यूहन्ना जो हेरोदेस के प्रबन्धक खुज़ा की पत्नी थी।" यूअन्ना खुजा की पत्नी थी और खुजा हेरोदेस का प्रबन्धक था।

Luke 8:4

एक बोने वाला बीज बोने निकला
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “एक किसान खेत में बीज डालने निकला”

मार्ग के किनारे
“मार्ग पर” या “पगडंडी पर” मनुष्यों के आवागमन के कारण वह भूमि कठोर हो गई थी।

रौंदा गया
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “पांवों तले दबते रहने के कारण उग नहीं पाए” या कतृवाच्य क्रिया द्वारा भी किया जा सकता है जैसा यू.डी.बी में है ।

पक्षियों ने उसे चुग लिया
“पक्षी उसे खा गए”

सूख गया
“पौधे सूख कर मर गए”

तरी न मिलने से
इसका अनुवाद हो सकता है, “भूमि सूखी होने के कारण”

Luke 8:7

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

झाड़ियों ने .... उसे दबा लिया
झाड़ियों ने खाद, पानी और सूर्य का प्रकाश लेकर उन्हें बढ़ने नहीं दिया”

उगकर
“फसल लाया” या “कई गुणा बीज लाया”

जिसके पास सुनने के लिए कान हों वह सुन ले
कुछ भाषाओं में द्वितीय पुरूष काम में लेना अधिक स्वाभाविक होता है।

जिसके सुनने के कान हों
“जो सुन रहा है” या “जो मेरी वाणी सुनता है”

वह सुन ले
"वह ध्यान से सुन ले" या "वह मेरी बात पर ध्यान दे"।

Luke 8:9

तुमको ...समझ दी गई है।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य रूप में तथा अभिप्रेत जानकारी के साथ किया जा सकता है, “परमेश्वर ने तुम्हें समझने का वरदान दिया है” या “परमेश्वर ने तुम्हें समझने की क्षमता दी है”।(देखें: और)

परमेश्वर के राज्य के भेदों
ये सत्य छिपे हुए थे परन्तु यीशु ने उन्हें प्रकट किया है।

वे देखते हुए भी न देखें
“यद्यपि वे देखते है, वे अंतर्ग्रहण नहीं कर पायंगे, यदि क्रिया को कर्म की आवश्यकता है तो उसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यद्यपि वे सब बातों को देखते हैं उन्हें समझेंगे नहीं” या “यद्यपि वे घटनाओं को देखेंगे, वे उनका अर्थ नहीं समझेंगे।”(देखें: the section about)

सुनते हुए भी न समझें
“यद्यपि वे सुनते हैं, वे समझेंगे नहीं, “यदि क्रिया को कर्म की आवश्यकता है तो इसकी रचना इस प्रकार की जाएगी, “यद्यपि वे निर्देशनों को सुनते हैं, वे सत्य को अंतर्ग्रहण नहीं कर पायेंगे”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 8:11

x
(यीशु अपने शिष्यों ही से बातें कर रहा है। वह उन्हें इस शिक्षाप्रद कथा का अर्थ समझा रहा है)

शैतान आकर उनके मन में से वचन उठा ले जाता है।
अर्थात उन्होंने परमेश्वर का वचन सुना परन्तु शैतान ने उनसे वह भुला दिया।

"उठा ले जाता है"
कथा में पक्षी द्वारा बीज चुगना एक रूपक है। अपनी भाषा में उन शब्दों का उपयोग करे जो इस रूपक को बनाए रखे।

कहीं ऐसा न हो कि वे विश्वास करके उद्धार पाएं
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है। "वे विश्वास करें और परमेश्वर उनका उद्धार करे। क्योंकि यह शैतान की युक्ति है। इसलिए इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "क्योंकि शैतान सोचता है, वे विश्वास न करें और उद्धार से वंचित हो जाएं"।

परीक्षा के समय बहक जाते हैं
"कठिनाइयों के समय वे विश्वास से विमुख हो जाते हैं" या "कठिनाइयां आने पर वे विश्वास करना छोड़ देते हैं।"

Luke 8:14

x
(यीशु इस शिक्षाप्रद कथा का ही अर्थ समझा रहा है)

चिन्ता... में फंस जाते हैं
"इस जीवन की चिन्ता, घर का लालच और सुखभोग उनके विश्वास को कुंठित कर देता है" या "जिस प्रकार झाड़ियां अच्छे पौधे को बढ़ने नहीं देती, उसी प्रकार चिन्ताए, धन, लोलुपता और विलासिता की चाह इन मनुष्यों को विश्वास में परिपक्व नहीं होने देते"।

चिन्ता
"जिन बातों के लिए मनुष्य परेशान होता है,"

जीवन के सुखविलास
"जीवन में मनुष्यों के सुख-भोग की बातें"

उनका फल नहीं पकता
"वे पक्का फल नहीं लाते", इस रूपक का अनुवाद उपमा द्वारा भी किया जा सकता है, "जैसे एक दृश्य परिपक्व होकर फल नहीं लाता, वे भी परिपक्व होकर भले काम नहीं करते"।

धीरज से फल लाते हैं
"धीरज से फल लाते हैं", इस रूपक का अनुवाद उपमा के उपयोग से भी किया जा सकता है, "ऐसे फल लाते हें जैसे एक अच्छा वृक्ष अच्छे फल लाता है, वे यत्न करके भले काम करते हैं"

Luke 8:16

x
(यीशु अपने शिष्यों को समझा रहा है)

दीया
यह एक छोटी कटोरी होती थी जिसमें वे जैतून का तेल डाल कर उनमें बत्ती लगाकर जलाते थे।

दीवट
"मेज" या "ताक"

कुछ छिपा नहीं जो प्रकट न हो
इसका अनुवाद सकारात्मक वाक्य में भी किया जा सकता है, "छिपी हुई हर एक बात प्रकट की जाएगी"

न कुछ गुप्त है जो जाना न जाए और प्रकट न हो
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "हर एक गुप्त बात जान ली जाएगी वरन प्रकाश में आएगी"।

किस रीति से सुनते हो
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "तुम मेरी बातों को किस प्रकार सुनते हो" या "तुम परमेश्वर के वचन को कैसे सुनते हो"।

जिसके पास है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "जिसमें समझ है" या "जो मेरी शिक्षाओं को ग्रहण करता है"।

उसे दिया जाएगा
"उसे और अधिक दिया जाएगा",इसका अनुवाद कतृवाच्य क्रिया में भी किया जा सकता है, "परमेश्वर उसे और अधिक देगा"।

जिसके पास नहीं है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "जिसमें समझ नहीं है" या "जो मेरी शिक्षा को ग्रहण नहीं करता है"।

Luke 8:19

उसके भाई
यीशु के अपने छोटे भाई

उससे कहा गया
"लोगों ने उससे कहा", या "किसी ने उससे कहा"

तुम से मिलना चाहते है
"तुझसे भेंट करने की प्रतीक्षा में हैं", या "वे तुझसे मिलना चाहते हैं"

मेरी माता और मेरे भाई ये ही हैं जो परमेश्वर का वचन सुनते और मानते हैं।
इस रूपक को उपमा देकर अनुवाद किया जा सकता है, "परमेश्वर का वचन सुनकर उसका पालन करनेवाले मेरे लिए माता और भाई स्वरूप हैं"। या "जो परमेश्वर के वचन को सुनकर उसका पालन करते वे मेरे लिए माता और भाई का स्थान रखते हैं"।

Luke 8:22

तो ऐसा हुआ
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

नाव चल रही थी
"जब वे नाव में जा रहे थे"

वह सो गया
"उसे नींद आ गई"

आंधी आई
"अकस्मात की प्रचण्ड आंधी चलने लगी"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 8:24

स्वामी
यहाँ "स्वामी" का अर्थ मूल भाषा यूनानी में मालिक नहीं है। इसका अर्थ है अधिकार संपन्न मनुष्य, न कि किसी का अधिकृत मालिक। आप इसका अनुवाद इस प्रकार भी कर सकते है, “साहब” या "अधिकर्मी" या किसी अधिकारी के लिए काम में लिया जानेवाला शब्द जैसे “श्रीमान जी”

डांटा
“कठोरता से कहा”

थम गए
“आंधी और विचलित पानी शान्त हो गए”।

तुम्हारा विश्वास कहां था?
यह एक आलंकारिक प्रश्न है, “यीशु उनकी मृदु ताड़ना कर रहा था क्योंकि उनमे विश्वास नहीं था कि वे उसके साथ सुरक्षित है। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “तुम्हें विश्वास करना था” या “तुम्हें मुझ पर तो विश्वास होना था”

यह कौन है?
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यह कैसा मनुष्य है”?

जो आंधी और पानी को भी आज्ञा देता है!
यह एक नये वाक्य का आरंभ हो सकता है, “यह आज्ञा देता है.....”

Luke 8:26

गिरासेनियों के देश में
गिरासेनी गिरासा नगर के निवासी थे

गलील के सामने
“झील के पार गलील को देखता हुआ”

इस नगर का एक मनुष्य
"गिरासा नगर का एक व्यक्ति"

जिसमें दुष्टातमाएं थी
“वह दुष्टात्माओं के वश में था”

न कपड़े पहनता था
“वह कपड़े नहीं पहनता था”

कब्रों
जहाँ वे अपने मृतक रखते थे। संभवतः गुफाएं। वह उनमें रहता था, तो इससे प्रकट होता है कि वे कब्र भूमिगत नहीं थी।

Luke 8:28

वह यीशु को देख कर
"जब उस दुष्टात्माग्रस्त मनुष्य ने यीशु को देखा।"

चिल्लाया
“उसने ऊंची आवाज में कहा” या “चिल्लाया”

गिरकर
“भूमि पर लेट गया” वह ठोकर खाकर नहीं गिरा था अपितु डर के कारण भूमि पर लेट गया था।

ऊंचे शब्द से कहा
"ऊंचे स्वर में बोला" या “पुकार कर कहा”

मुझे तुमसे क्या काम
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तू मुझे कष्ट क्यों देता है”?

उस पर बार-बार प्रबल होती थी
“वह उस व्यक्ति को वशीभूत करती थी” इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “वह उसे दबाती रहती थी” यह वाक्य और अगला वाक्य स्पष्ट करते हैं कि यीशु के साक्षात्कार से पूर्व उन दुष्टात्माओं ने उस मनुष्य के माध्यम से क्या-क्या किया था।

लोग उसे सांकलों और बेड़ियों से बान्धते थे
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “यद्यपि लोग उसे वश में करने के लिए जज़ीरों से बान्धते थे”

Luke 8:30

सेना
“इस शब्द का अनुवाद एक ऐसे शब्द से किया जाए जिसका अर्थ हो, बहुत संख्या में सैनिक या मनुष्य। इसका अनुवाद ऐसे भी किया जा सकता है, “सैन्य दल” या “टोली”

अथाह गड्ढे में जाने की आज्ञा न दे।
“उस व्यक्ति से निकल कर नरक में जाने की आज्ञा न दे”।

Luke 8:32

वहां पहाड़ पर सुअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था
“वहीं पास में पहाड़ पर बहुत से सुअर चर रहे थे”

झपटकर
“तेजी से दौड़कर”

Luke 8:34

भागे
“उन्होंने अतिशीघ्र जाकर”

जिस मनुष्य से दुष्टात्माएं निकली थी ..... सचेत बैठे हुए पाकर
“जिस व्यक्ति से दुष्टात्माएं निकली थी उसे देखा

कपड़े पहने
“वह कपड़े पहने हुए था”

सचेत
“वह उचित मानसिक अवस्था में था” या “उसका व्यवहार सामान्य था”

यीशु के पावों के पास
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “भूमि पर बैठा यीशु की बातें सुन रहा था”।

डर मत
“वे यीशु से डर गए”

Luke 8:36

देखनेवालों ने उनको बताया
ये वे लोग थे जो उस मनुष्य की प्रेत मुक्ति के समय वहां थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अच्छा हुआ
“बचाया गया” या “मुक्त किया गया” या “स्वस्थ किया गया”

गिरासेनियों के देश में
“उस क्षेत्र के” या “गिरासेनियों के क्षेत्र के”

बड़ा भय छा गया
“भयभीत हो गए”

Luke 8:38

जिस मनुष्य में से दुष्टात्माएं निकाली गई थी
कुछ अनुवादक इस वाक्य का आरंभ इस प्रकार करना चाहते हैं, “यीशु और उसके शिष्यों के प्रस्थान से पूर्व, उस मनुष्य ने” या “यीशु और उसके शिष्यों के नाव में सवार होने से पूर्व”

उसे विदा करके
“यीशु ने उसे घर भेज दिया”

अपने घर
“अपने परिवार में” या “अपने कुटुम्ब में”

Luke 8:40

लोग उससे आनन्द के साथ मिले
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जनसमूह ने बड़े आनन्द से उसका स्वागत किया”

इतने में याईर नामक एक मनुष्य
“इतने में” कहानी में एक नये नायक, याईर की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करता है। आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति हो सकती है।

आराधनालय का सरदार था
“स्थानीय आराधनालय का अगुआ” या “वहां के आराधनालय के सदस्यों का अगुआ”

यीशु के पावों पर गिर के
(1) यीशु को दण्डवत किया” या (2) यीशु के चरणों में लेट गया” वह ठोकर खाकर नहीं गिरा था। उसने दीनता और श्रद्धा के साथ ऐसा किया था।

वह मरने पर थी।
“वह मरनेवाली थी” या “वह मृत्यु के मुंह में थी”

जब वह जा रहा था
कुछ अनुवादों में आवश्यक होगा कि पहले कहा जाए, “यीशु उसके साथ जाने के लिए तैयार हो गया”

लोग उस पर गिरे पड़ते थे
"लोग यीशु को छूते हुए चल रहे थे"

Luke 8:43

x
(यह घटना उस समय की है जब यीशु याईर की पुत्री को रोग-मुक्त करने जा रहा था)।

लहू बहने का रोग
“रक्त बहता था” संभवतः लगातार रजोधर्म का स्राव। कुछ संस्कृतियों में इसके लिए मृदुभाषी शब्द होगा।

किसी के हाथ से चंगी ना हो सकी।
“कोई उसका सफल उपचार नहीं कर पाया”

उसके वस्त्र के आंचल को छुआ
“उसके चोगे के सिरे को छू लिया” यहूदी पुरूष अपने चोगे के सिरे पर झालन लगवाते थे जो उनके सांस्कारिक वस्त्र के द्योतक थे। यह परमेश्वर की ओर से आदेशित था। अति संभव है कि उसने वह झालन छू लिया था।

Luke 8:45

x
(यीशु याईर की पुत्री के रोगहरण हेतु जा रहा था)

स्वामी
यहाँ स्वामी का मूल शब्द है उसका अर्थ दास का स्वामी नहीं है। यह एक अधिकार संपन्न मनुष्य के लिए काम में लिया जाता था न कि किसी दास के मालिक के लिए। आप इसका अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं, “प्रधान जी” या “श्रीमान जी”

तुझे तो भीड़ दबा रही है और तुझ पर गिरी पडती है।
पतरस के कहने का अर्थ है कि सब तो उसका स्पर्श कर रहे हैं। यह निहितार्थ आवश्यकता के अनुसार व्यक्त किया जा सकता है जैसा यू.डी.बी. में किया गया है।

मुझमें से सामर्थ्य निकली है
“मुझे अपने में से रोगहरण सामर्थ्य का प्रवाह होता प्रतीत हुआ है, “इसका अर्थ यह नहीं कि यीशु सामर्थ्य में कम या दुर्बल हुआ था। उसके सामर्थ्य से वह स्त्री रोग-मुक्त हो गयी थी।

Luke 8:47

x
(यीशु याईर की पुत्री के रोगहरण हेतु जा रहा है)

उस स्त्री ने देखा कि मैं छिप नहीं सकती
“उसने देखा कि उसके द्वारा यीशु को स्पर्श करना छिपा नहीं रह सकता”

सब लोगों के सामने
“सबके समक्ष” या “सब के सुनते हुए” या “सबकी उपस्थिति में”

पावों पर गिरकर
इसके संभावित अर्थ हें, (1) “यीशु को दण्डवत करके या (2) “वह यीशु के चरणों में नतमस्तक हुई” यहाँ गिरने का अर्थ ठोकर खाकर गिरना नहीं है। यह दीनता और श्रद्धा का चिन्ह है।

पुत्री
यह किसी स्त्री को संबोधित करने का एक दया का शब्द था। आपकी भाषा में इस प्रकार के दयापूर्ण शब्द का पयार्यवाची शब्द हो सकता है।

तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है
“यह तेरा विश्वास है जिसने रोग को हर लिया है” यहाँ विश्वास का अनुवाद क्रिया रूप में किया जा सकता है, “क्योंकि तू विश्वास करती है इसलिए तू निरोग हो गई है”।

कुशल से चली जा
यह एक प्रकार से आशिषों के साथ विदा करना है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “निश्चिन्त होकर जा” या “जा परमेश्वर तुझे शान्ति दे”(यू.डी.बी)।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 8:49

x
(यीशु ने उस स्त्री को विदा किया ही था कि याईर के घर से एक सन्देशवाहक आया)

वह यह कह ही रहा था
“यीशु उस स्त्री से अन्तिम वचन कह ही रहा था”

आराधनालय के सरदार
अर्थात याईर के। वह स्थानीय आराधनालय के अगुवों में से एक था।

उसे उत्तर दिया
यीशु ने याईर से कहा- यीशु सन्देशवाहक से नहीं आराधनालय के अगुवे से कह रहा था।

वह बच जाएगी
“वह स्वस्थ होगी” “वह जिएगी”(यू.डी.बी)

Luke 8:51

x
(उसकी पुत्री के मरने का समाचार सुनकर भी यीशु उसके घर जा रहा है)

घर में आकर
यीशु के साथ अन्य लोग भी थे, अतः इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जब वे उसके घर पहुंचे तब यीशु .....”

पतरस, यूहन्ना, याकूब और लड़की के माता-पिता को छोड़कर
“उसने केवल पतरस, यूहन्ना और याकूब तथा उस मृतक लड़की के माता पिता को भीतर आने दिया”।

सब उसके लिए रो-पीट रहे थे
“सब लोग उस बालिका की मृत्यु पर दुःख मना रहे थे”

Luke 8:54

हे लड़की, उठ।
“हे बालिका उठ”

उसके प्राण लौट आए
“प्राण” का अनुवाद “सांसें” या “जीवन” भी किया जा सकता है। इस वाक्याँश का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “वह जीवित हो गई” या “उसमें जान आ गई”

Translation Questions

Luke 8:3

स्त्रियों का वह बड़ा समूह यीशु और उसके चेलों के लिए क्या करता था?
कुछ स्त्रियां अपनी सम्पत्ति से उसकी सेवा करती थी।

Luke 8:11

यीशु के दृष्टान्त में जो बीज बोया गया वह क्या था?
बीज परमेश्वर का वचन है।

Luke 8:12

जो बीज मार्ग के किनारे गिरे वे क्या हैं और उनका क्या होता है?
वे वचन को सुनते तो हैं परन्तु शैतान आकर उसे ले जाता है कि वे विश्वास करके बचाए न जाएं।

Luke 8:13

पथरीली भूमि में गिरने वाले बीज क्या हैं और उनका क्या होता है?
ये वे लोग है जो बड़े आनन्द से वचन को ग्रहण करते हैं परन्तु परीक्षा के समय विश्वास करना छोड़ देते हैं।

Luke 8:14

कंटीली झाड़ियां में गिरने वाले क्या हैं और उनका क्या होता है?
ये वे लोग हैं जो वचन को सुनते है परन्तु चिन्ता और धन और जीवन के सुख विलास के कारण वह दब जाते हैं और वे परिपक्व होकर फल नहीं लाते।

Luke 8:15

अच्छी भूमि पर गिरने वाले बीज क्या हैं और उनका क्या होता है?
ये वे लोग हे जो वचन को सुनकर उसे थामते हैं और यत्न से फल उत्पन्न करते हैं।

Luke 8:21

यीशु ने किसको अपनी माता और भाई कहा?
ये वे लोग हैं जो परमेश्वर का वचन सुनकर उस पर चलते हैं।

Luke 8:25

जब यीशु ने आंधी और पानी को शान्त किया तब चेलों ने क्या कहा?
वे आश्चर्य करने लगे कि "यह कौन है जो आंधी और पानी को भी आज्ञा देता है और वे उसकी मानते हैं?"

Luke 8:27

गिरासेनियों के देश में उस व्यक्ति से दुष्टात्माएं क्या करवाती थी?
वे उसे निर्वस्त्र कब्रों में रहने पर विवश करती थी और वह सांकलों और बेड़ियों को तोड़ देता था और वे उसे जंगलों में भगाती थी।

Luke 8:33

यीशु ने दुष्टात्माओं को उस व्यक्ति में से निकल जाने की आज्ञा दी तो उन्होंने क्या किया?
दुष्टात्माएं सूअरों के झुण्ड में चली गई और सूअर झील में डूब कर मर गए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 8:39

यीशु ने उस व्यक्ति से क्या करने को कहा?
यीशु ने उससे कहा कि वह घर जाकर बताए कि परमेश्वर ने उसके लिए कैसे महान काम किए।

Luke 8:48

यीशु के अनुसार उस रक्त बहने वाली स्त्री की चंगाई का कारण क्या था?
वह यीशु में विश्वास के कारण रोग मुक्त हो गई थी।

Luke 8:55

यीशु ने याईर के घर में क्या किया?
यीशु ने याईर की पुत्री को मृतक से जिलाया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 9

1 फिर उसने बारहों को बुलाकर उन्हें सब दुष्टात्माओं और बीमारियों को दूर करने की सामर्थ्य और अधिकार दिया। **2** और उन्हें परमेश्वर के राज्य का प्रचार करने, और बीमारों को अच्छा करने के लिये भेजा। **3** और उसने उनसे कहा, "मार्ग के लिये कुछ न लेना: न तो लाठी, न झोली, न रोटी, न रुपये और न दो-दो कुर्ते। **4** और जिस किसी घर में तुम उतरो, वहीं रहो; और वहीं से विदा हो। **5** जो कोई तुम्हें ग्रहण न करेगा उस नगर से निकलते हुए अपने पाँवों की धूल झाड़ डालो, कि उन पर गवाही हो।" **6** अतः वे निकलकर गाँव-गाँव सुसमाचार सुनाते, और हर कहीं लोगों को चंगा करते हुए फिरते रहे।

7 और देश की चौथाई का राजा हेरोदेस यह सब सुनकर घबरा गया, क्योंकि कितनों ने कहा, कि यूहन्ना मरे हुओं में से जी उठा है। **8** और कितनों ने यह, कि एलिय्याह दिखाई दिया है: औरों ने यह, कि पुराने भविष्यद्वक्ताओं में से कोई जी उठा है। **9** परन्तु हेरोदेस ने कहा, "यूहन्ना का तो मैंने सिर कटवाया अब यह कौन है, जिसके विषय में ऐसी बातें सुनता हूँ?" और उसने उसे देखने की इच्छा की।।

10 फिर प्रेरितों ने लौटकर जो कुछ उन्होंने किया था, उसको बता दिया, और वह उन्हें अलग करके बैतसैदा* नामक एक नगर को ले गया। **11** यह जानकर भीड़ उसके पीछे हो ली, और वह आनन्द के साथ उनसे मिला, और उनसे परमेश्वर के राज्य की बातें करने लगा, और जो चंगे होना चाहते थे, उन्हें चंगा किया। **12** जब दिन ढलने लगा, तो बारहों ने आकर उससे कहा, "भीड़ को विदा कर, कि चारों ओर के गाँवों और बस्तियों में जाकर अपने लिए रहने को स्थान, और भोजन का उपाय करें, क्योंकि हम यहाँ सुनसान जगह में हैं।" **13** उसने उनसे कहा, "तुम ही उन्हें खाने को दो।" उन्होंने कहा, "हमारे पास पाँच रोटियाँ और दो मछली को छोड़ और कुछ नहीं; परन्तु हाँ, यदि हम जाकर इन सब लोगों के लिये भोजन मोल लें, तो हो सकता है।" **14** (क्योंकि वहाँ पर लगभग पाँच हजार पुरुष थे।) और उसने अपने चेलों से कहा, "उन्हें पचास-पचास करके पाँति में बैठा दो।" **15** उन्होंने ऐसा ही किया, और सब को बैठा दिया। **16** तब उसने वे पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ लीं, और स्वर्ग की और देखकर धन्यवाद किया, और तोड़-तोड़कर चेलों को देता गया कि लोगों को परोसें। **17** अतः सब खाकर तृप्त हुए, और बचे हुए टुकड़ों से बारह टोकरियाँ भरकर उठाई। (2 राजा. 4:44)

18 जब वह एकान्त में प्रार्थना कर रहा था, और चेले उसके साथ थे, तो उसने उनसे पूछा, "लोग मुझे क्या कहते हैं?" **19** उन्होंने उत्तर दिया, "यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला, और कोई-कोई एलिय्याह, और कोई यह कि पुराने भविष्यद्वक्ताओं में से कोई जी उठा है।" **20** उसने उनसे पूछा, "परन्तु तुम मुझे क्या कहते हो?" पतरस ने उत्तर दिया, "परमेश्वर का मसीह*।" **21** तब उसने उन्हें चेतावनी देकर कहा, "यह किसी से न कहना।"

22 और उसने कहा, "मनुष्य के पुत्र के लिये अवश्य है, कि वह बहुत दुःख उठाए, और पुरनिए और प्रधान याजक और शास्त्री उसे तुच्छ समझकर मार डालें, और वह तीसरे दिन जी उठे।"

23 उसने सबसे कहा, "यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो अपने आप से इन्कार करे और प्रति-दिन अपना क्रूस उठाए हुए मेरे पीछे हो ले। **24** क्योंकि जो कोई अपना प्राण बचाना चाहेगा वह उसे खोएगा, परन्तु जो कोई मेरे लिये अपना प्राण खोएगा वही उसे बचाएगा। **25** यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे, और अपना प्राण खो दे, या उसकी हानि उठाए, तो उसे क्या लाभ होगा? **26** जो कोई मुझसे और मेरी बातों से लजाएगा; मनुष्य का पुत्र भी जब अपनी, और अपने पिता की, और पवित्र स्वर्गदूतों की, महिमा सहित आएगा, तो उससे लजाएगा। **27** मैं तुम से सच कहता हूँ, कि जो यहाँ खड़े हैं, उनमें से कोई-कोई ऐसे हैं कि जब तक परमेश्वर का राज्य न देख लें, तब तक मृत्यु का स्वाद न चखेंगे।"

28 इन बातों के कोई आठ दिन बाद वह पतरस, और यूहन्ना, और याकूब को साथ लेकर प्रार्थना करने के लिये पहाड़ पर गया। **29** जब वह प्रार्थना कर ही रहा था, तो उसके चेहरे का रूप बदल गया, और उसका वस्त्र श्वेत होकर चमकने लगा। **30** तब, मूसा और एलिय्याह*, ये दो पुरुष उसके साथ बातें कर रहे थे। **31** ये महिमा सहित दिखाई दिए, और उसके मरने की चर्चा कर रहे थे, जो यरूशलेम में होनेवाला था। **32** पतरस और उसके साथी नींद से भरे थे, और जब अच्छी तरह सचेत हुए, तो उसकी महिमा; और उन दो पुरुषों को, जो उसके साथ खड़े थे, देखा। **33** जब वे उसके पास से जाने लगे, तो पतरस ने यीशु से कहा, "हे स्वामी, हमारा यहाँ रहना भला है: अतः हम तीन मण्डप बनाएँ, एक तेरे लिये, एक मूसा के लिये, और एक एलिय्याह के लिये।" वह जानता न था, कि क्या कह रहा है। **34** वह यह कह ही रहा था, कि एक बादल ने आकर उन्हें छा लिया, और जब वे उस बादल से घिरने लगे, तो डर गए। **35** और उस बादल में से यह शब्द निकला, "यह मेरा पुत्र और मेरा चुना हुआ है, इसकी सुनो।" (2पत. 17-18, यशा. 42:1) **36** यह शब्द होते ही यीशु अकेला पाया गया; और वे चुप रहे, और जो कुछ देखा था, उसकी कोई बात उन दिनों में किसी से न कही।

37 और दूसरे दिन जब वे पहाड़ से उतरे, तो एक बड़ी भीड़ उससे आ मिली। **38** तब, भीड़ में से एक मनुष्य ने चिल्लाकर कहा, "हे गुरु, मैं तुझ से विनती करता हूँ, कि मेरे पुत्र पर कृपादृष्टि कर; क्योंकि वह मेरा एकलौता है। **39** और देख, एक दुष्टात्मा उसे पकड़ती है, और वह एकाएक चिल्ला उठता है; और वह उसे ऐसा मरोड़ती है, कि वह मुँह में फेन भर लाता है; और उसे कुचलकर कठिनाई से छोड़ती है। **40** और मैंने तेरे चेलों से विनती की, कि उसे निकालें; परन्तु वे न निकाल सके।" **41** यीशु ने उत्तर दिया, "हे अविश्वासी और हठीले लोगों, मैं कब तक तुम्हारे साथ रहूँगा, और तुम्हारी सहूँगा? अपने पुत्र को यहाँ ले आ।" **42** वह आ ही रहा था कि दुष्टात्मा ने उसे पटककर मरोड़ा, परन्तु यीशु ने अशुद्ध आत्मा को डाँटा और लड़के को अच्छा करके उसके पिता को सौंप दिया। **43** तब सब लोग परमेश्वर के महासामर्थ्य से चकित हुए। परन्तु जब सब लोग उन सब कामों से जो वह करता था, अचम्भा कर रहे थे, तो उसने अपने चेलों से कहा, **44** "ये बातें तुम्हारे कानों में पड़ी रहें, क्योंकि मनुष्य का पुत्र मनुष्यों के हाथ में पकड़वाया जाने को है।" **45** परन्तु वे इस बात को न समझते थे, और यह उनसे छिपी रही; कि वे उसे जानने न पाएँ, और वे इस बात के विषय में उससे पूछने से डरते थे।

46 फिर उनमें यह विवाद होने लगा, कि हम में से बड़ा कौन है? **47** पर यीशु ने उनके मन का विचार जान लिया, और एक बालक को लेकर अपने पास खड़ा किया, **48** और उनसे कहा, "जो कोई मेरे नाम से इस बालक को ग्रहण करता है, वह मुझे ग्रहण करता है; और जो कोई मुझे ग्रहण करता है, वह मेरे भेजनेवाले को ग्रहण करता है, क्योंकि जो तुम में सबसे छोटे से छोटा है, वही बड़ा है।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

49 तब यूहन्ना ने कहा, “हे स्वामी, हमने एक मनुष्य को तेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालते देखा, और हमने उसे मना किया, क्योंकि वह हमारे साथ होकर तेरे पीछे नहीं हो लेता।” **50** यीशु ने उससे कहा, “उसे मना मत करो; क्योंकि जो तुम्हारे विरोध में नहीं, वह तुम्हारी ओर है।”

51 जब उसके ऊपर उठाए जाने के दिन पूरे होने पर थे, तो उसने यरूशलेम को जाने का विचार दृढ़ किया। **52** और उसने अपने आगे दूत भेजे: वे सामरियों के एक गाँव में गए, कि उसके लिये जगह तैयार करें। **53** परन्तु उन लोगों ने उसे उतरने न दिया*, क्योंकि वह यरूशलेम को जा रहा था। **54** यह देखकर उसके चेले याकूब और यूहन्ना ने कहा, “हे प्रभु; क्या तू चाहता है, कि हम आज्ञा दें, कि आकाश से आग गिरकर उन्हें भस्म कर दे?” **55** परन्तु उसने फिरकर उन्हें डाँटा [और कहा, “तुम नहीं जानते कि तुम कैसी आत्मा के हो। क्योंकि मनुष्य का पुत्र लोगों के प्राणों को नाश करने नहीं वरन् बचाने के लिये आया है।”] **56** और वे किसी और गाँव में चले गए।

57 जब वे मार्ग में चले जाते थे, तो किसी ने उससे कहा, “जहाँ-जहाँ तू जाएगा, मैं तेरे पीछे हो लूँगा।” **58** यीशु ने उससे कहा, “लोमड़ियों के भट और आकाश के पक्षियों के बसेरे होते हैं, पर मनुष्य के पुत्र को सिर रखने की भी जगह नहीं।” **59** उसने दूसरे से कहा, “मेरे पीछे हो ले।” उसने कहा, “हे प्रभु, मुझे पहले जाने दे कि अपने पिता को गाड़ दूँ।” **60** उसने उससे कहा, “मरे हुओं को अपने मुर्दे गाड़ने दे, पर तू जाकर परमेश्वर के राज्य की कथा सुना।” **61** एक और ने भी कहा, “हे प्रभु, मैं तेरे पीछे हो लूँगा; पर पहले मुझे जाने दे कि अपने घर के लोगों से विदा हो आऊँ।” (1 राजा. 19:20) **62** यीशु ने उससे कहा, “जो कोई अपना हाथ हल पर रखकर पीछे देखता है, वह परमेश्वर के राज्य के योग्य नहीं।”

Luke 9:1

बारहों
बारहों - उसके बारह शिष्य जिन्हें उसने चुनकर अलग कर लिया था कि वे उसके प्रेरित हों।

सामर्थ्य और अधिकार
सामर्थ्य और अधिकार - इन दोनों शब्दों का उपयोग एक साथ इसलिए किया गया है कि उन बारहों को मनुष्यों के रोग हरण की क्षमता एवं अधिकार दिया गया था। इस वाक्यांश का अनुवाद इन दोनों शब्दों के अभिप्राय को एक साथ रख कर करें।

बिमारियों
बिमारियों का अर्थ है मनुष्यों को दुर्बल बनाने के कारण

भेजा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उन्हें विभिन्न स्थानों में भेजा” या “उनसे कहा कि वे जाएं”

Luke 9:3

इसने उनसे कहा
“यीशु ने उन बारहों से कहा”

कुछ न लेना
कुछ न लेना - इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “अपने साथ कुछ भी न लेना” या “कुछ भी साथ लेकर न चलना”

मार्ग के लिए
“अपनी प्रचार यात्रा में” या “जब तुम जाओ” जब तक वे यीशु के पास लौट कर न आ जाएं, उन्हें अपने गांव-गांव भ्रमण करने में कुछ भी पहले से साथ लेकर नहीं चलना था।

लाठी
लाठी - “डंडा” या “चलने के लिए लकड़ी” लाठी या डंडा ऊंचे-नीचे रास्तों पर चलने के लिए संतुलन बनाने हेतु और आत्मरक्षा के लिए साथ रखा जाता था।

जिस किसी घर में तुम उतरो
“जिस घर में प्रवेश करो”

वहीं रहो
"वहीं ठहरना" या "उसी परिवार का आतिथ्य स्वीकार करना"

वहां से
“उस शहर से” या “उस स्थान से”

Luke 9:5

x
(यीशु अपने शिष्यों को निर्देश दे रहा है)

जो तुम्हें ग्रहण न करे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जो लोग तुम्हारा स्वागत न करें उनके साथ जो व्यवहार तुम्हें करना है वह यह होगा.”

निकल कर
“जहाँ यीशु था वहां से प्रस्थान किया।”

फिरते रहे
“सर्वत्र भ्रमण किया”

Luke 9:7

चौथाई देश का राजा हेरोदेस
हेरोदेस एन्तिपास जो चौथाई इस्राएल का प्रशासक था।

घबरा गया
“परेशान हो गया” या “समाचार सुनकर बेचैन हो गया” या “विमूढ़ था”(यू.डी.बी)

यूहन्ना को तो मैंने सिर कटवाया
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “यूहन्ना का तो सिर मैंने ही अपने सैनिकों से कटवाया था”।

Luke 9:10

प्रेरितों
“जिन बारहों को यीशु ने भेजा था”।

लौट गए
“यीशु के पास लौटकर आए”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उसको बता दिया
“उन प्रेरितों ने यीशु को ब्योरा सुनाया”

जो कुछ उन्होंने किया था
विभिन्न स्थानों में उन्होंने जो शिक्षा दी और रोगियों को रोग-मुक्त किया, यह उसी के सन्दर्भ में है।

उन्हें अलग करके .... ले गया।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “वह उन्हें अकेले में ले गया”, यीशु और उसके शिष्य अकेले गए थे।

Luke 9:12

जब दिन ढलने लगा
“सूर्यास्त के समय” या “दिन के अन्त में” या “संध्या समय”

भीड़ को विदा कर
“जनसमूह को जाने दे”

जाकर इन लोगों के लिए भोजन मोल लें
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “या फिर हम जाकर भोजन मोल लें” या आप एक नया वाक्य रच सकते हैं, “यदि तू उन्हें भोजन करवाना चाहता है तो हमें जाकर भोजन मोल लेना पड़ेगा”।

वे लोग पांच हजार पुरूषों के लगभग थे
स्त्रियों और बच्चों को जो उनके साथ थे नहीं गिना गया था।

उन्हें .... बैठा दो
“उनसे बैठने के लिए कहो”

Luke 9:15

उन्होंने ऐसा ही किया
शिष्यों ने उन्हें पचास-पचास के समूह में बैठा दिया।

तब उसने
यीशु ने

रोटियां
ये सिकी हुई रोटियों की संख्या है,अर्थात “पूरी रोटियां”

स्वर्ग की ओर देखकर
“स्वर्ग की ओर देखते हुए” या “स्वर्ग को देखकर”

स्वर्ग की ओर
अर्थात आकाश की ओर देखकर। यहूदियों का मानना था कि स्वर्ग आकाश के पार है।

परोसें
“उनको दें” या “उनमें बांटें”

तृप्त हुए
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “पेट भर कर खा लिया”

Luke 9:18

(और ऐसा हुआ कि)
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

वह एकान्त में प्रार्थना कर रहा था
यह यीशु के सन्दर्भ में है

एकान्त में
शिष्य यीशु के साथ थे परन्तु यीशु अपनी निज प्रार्थना कर रहा था

उन्होंने उत्तर दिया
“उन्होंने उससे कहा”

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला
कुछ भाषाओं में कहा जाता है, “कुछ लोग कहते है”, “तू यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला है”

पुराने
“प्राचीन काल के”, “बहुत समय पहले का”

जी उठा है
“जीवित हुआ है”

Luke 9:20

उसने उनसे पूछा
“यीशु ने अपने शिष्यों से पूछा”

पतरस ने उत्तर दिया
“पतरस ने कहा” या “इसका उत्तर पतरस ने दिया”

चिता कर कहा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “परन्तु यीशु ने उन्हें चेतावनी देते हुए कहा” या “यीशु ने उन्हें कठोर चेतावनी दी” (यू.डी.बी.)

किसी से न कहना
“अपने तक ही रखना” या “किसी से कहने की आवश्यकता नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: परन्तु यीशु ने चेतावनी देते हुए कहा, 'किसी से इसकी चर्चा न करना'

मनुष्य के पुत्र के लिए आवश्यकता है कि वह बहुत दुःख उठाए
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “लोग मनुष्य के पुत्र को घोर पीड़ा देंगे” पद 22 का अनुवाद भी यू.डी.बी. के सदृश्य प्रथम पुरूष में किया जा सकता है।

वह तीसरे दिन जी उठे
“तीसरे दिन फिर जीवित हो”

तीसरे दिन
“मरने के तीन दिन बाद” या “मृत्यु के बाद तीसरे दिन”

Luke 9:23

उसने
यह यीशु के सन्दर्भ में है

सबसे
अर्थात यीशु के साथ जो शिष्य थे, उन सबसे।

मेरे पीछे आना चाहे
“मेरा अनुसरण करे” या “मेरा अनुयायी होना चाहता है” या “मेरे शिष्य होना चाहता है”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अपने आपका इन्कार करे।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “अपनी लालसाओं के अधीन न रहे” या “अपनी लालसाओं का त्याग करे”

प्रतिदिन अपना क्रूस उठाए
“अपना क्रूस उठाकर प्रतिदिन चले”, इसका अर्थ है, “प्रतिदिन दुःख उठाने को तैयार रहे”

मेरे पीछे हो ले
“मेरे साथ चले” या “मेरे पीछे-पीछे चले और चलता रहे”।

उसे क्या लाभ
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मनुष्य को क्या लाभ” यह आलंकारिक प्रश्न का एक भाग है। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “उससे मनुष्य को लाभ नहीं होता है”, या “मनुष्य की भलाई नहीं है”।

सारे जगत को प्राप्त करे
“वह संसार में सब कुछ पा ले”

अपना प्राण खो दे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “वह स्वयं ही भटक जाए या नष्ट हो जाए”।

Luke 9:26

x
(यीशु अपने शिष्यों को ही समझा रहा है)

मेरी बातों से
“सो मैं कहता हूँ उससे” या “मेरी शिक्षा से”

मनुष्य का पुत्र भी ... उससे लजाएगा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मनुष्य का पुत्र भी उससे लजाएगा”

मनुष्य का पुत्र
यीशु अपने बारे में कह रहा है इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मैं मनुष्य का पुत्र”

अपनी महिमा सहित आएगा
यीशु अपने लिए तृतीय पुरूष काम में ले रहा था। इसका अनुवाद प्रथम पुरूष में किया जा सकता है, “जब मैं अपनी महिमा में आऊंगा”।

जो यहाँ खड़े हैं उनमें से कुछ
यहाँ यीशु अपने श्रोताओं में से कुछ के लिए कह रहा है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तुम जो यहाँ खड़े हो उनमें से कुछ”।(यू.डी.बी)

जब तक परमेश्वर का राज्य न देख लें, तब तक मृत्यु का स्वाद न चखेंगे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मरने से पूर्व परमेश्वर का राज्य देखेंगे”।

मृत्यु का स्वाद न चखेंगे
“उनकी मृत्यु नहीं होगी” या “मरेंगे नहीं”।

जब तक परमेश्वर का राज्य न देख लें
आपका अनुवाद “कुछ” पर निर्भर करेगा। आप इसका अनुवाद इस प्रकार भी कर सकते हैं, “जब तक तुम परमेश्वर का राज्य न देख लो”

Luke 9:28

(और ऐसा हुआ)
इस उक्ति द्वारा कहानी में एक महत्त्वपूर्ण घटना का बोध करवाया गया है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

इन बातों के
अर्थात पिछले पद में यीशु ने अपने शिष्यों से जो कहा।

पहाड़ पर
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “पर्वत के ऊपर” यहाँ स्पष्ट नहीं है कि वह पर्वत पर कितना ऊपर गया था।

उसके चेहरे का रूप बदल गया
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उसके मुखमण्डल की उपमा बदल गई”।

श्वेत होकर चमकने लगा
“चमकीला सफेद और उज्जवल” या “चमकीला सफेद और बिजली की सी चमक का” (यू.डी.बी.)

Luke 9:30

और देखो ..... दो पुरूष उसके साथ बातें कर रहे थे
“देखो” शब्द का उपयोग हमें अग्रिम जानकारी के लिए सतर्क करता है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “अकस्मात ही वहां दो पुरूष बातें करते दिखाई दिए” या “दो पुरूष अकस्मात ही उसकी बातें करते दिखाई दिए”।

ये महिमा सहित दिखाई दिए।
यह संबन्धवाचक शब्द वाक्य मूसा और एलिय्याह के बारे में जानकारी देता है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “और वे महिमामय दिख रहे थे”

उसके मरने की
“इसके संसार से कूच करने की” या “वह इस संसार से कैसे कूच करेगा”, इसका अनुवाद किया जा सकता है, “उसकी मृत्यु की”

Luke 9:32

उसकी महिमा .... देखी
उसके चारों और उपस्थित तीव्र ज्योति। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उन्होंने यीशु से निकलनेवाली तीव्र ज्योति को देखा” या “उन्होंने यीशु से निकलने वाले तेज को देखा”

और उन दो पुरूषों को जो उसके साथ खड़े थे
यह मूसा और एलिय्याह हैं।

(और ऐसा हुआ कि)
यह उक्ति गतिविधियों का आरंभ दर्शाती है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसे यहाँ काम में लें

स्वामी
यहाँ "स्वामी" का मूल भाषा यूनानी शब्द सामान्यतः दासों के स्वामी के लिए काम में लिया जाने वाला सामान्य शब्द नहीं है यह शब्द अधिकार संपन्न मनुष्य के लिए काम में लिया जाता था न कि किसी दास के स्वामी के लिए। इसका अनुवाद “प्रधान जी” या “श्रीमान जी” किया जा सकता है या ऐसा शब्द काम में लिया जा सकता है जिसका अभिप्राय एक अधिकार सम्पन्न मनुष्य से हो जैसे "महोदय"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मण्डप
मण्डप -“तम्बू” या “झोपड़ी”

Luke 9:34

वह यह कह ही रहा था
“पतरस यह कह रही रहा था”

डर गए
ये वयस्क शिष्य बादल से नहीं डरे थे। इसका वाक्यांश से प्रकट होता है कि बादल के कारण उन पर विचित्र भय छा गया था। इसका अनुवाद, “भयभीत हो गए” हो सकता है।

बादल में से यह शब्द निकला
यदि आकाशवाणी को व्यक्त करना अस्वाभाविक हो तो इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “बादल में से परमेश्वर ने कहा”

मेरा चुना हुआ
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मेरा पुत्र, जिसे मैंने चुना है”, (यू.डी.बी.) या “मेरा पुत्र, मेरा चुना हुआ”। “चुना हुआ” शब्द परमेश्वर के पुत्र के बारे में अतिरिक्त जानकारी दे रहा है। इसका अर्थ यह नहीं कि परमेश्वर के पास एक से अधिक पुत्र हैं। (देखें: information about Adjectives on)

उन दिनों में
अर्थात पुनरुत्थान के बाद यीशु के स्वर्गारोहण तक या संभव है कि यीशु के कथन के बाद।

Luke 9:37

(ऐसा हुआ कि)
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

देखों भीड़ में से एक मनुष्य
“देखो” शब्द कहानी में एक नए मनुष्य का प्रवेश करवाता है। आपकी भाषा में इसके तुल्य कोई शब्द होगा। इस अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, "उस भीड़ में एक पुरुष था, उसने निवेदन किया"

और देख एक दुष्टात्मा
“देख” शब्द उस मनुष्य की कहानी में दुष्टात्मा का विषय लाता है। आपकी भाषा में इसके तुल्य कोई शब्द होगा। इस अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, "इसमें एक दुष्टात्मा है...."

कठिनाई से छोड़ती है
इसके संभावित अर्थ हैं (1) वह उसे कठिनाई से ही कभी छोड़ती है” (यू.डी.बी.) या (2) और जब वह उसे छोड़ती है तो मेरे पुत्र के लिए ऐसा कठिन हो जाता है कि”

मुंह में फेन भर लाता है
जब मनुष्य के शरीर में अकड़न आती है तब उसे सांस लेने और निगलने में कठिनाई होती है। इसके कारण मनुष्य के मुंह से झाग निकलता है, यदि आपकी भाषा में इस स्थिति का वर्णन करने के लिए शब्द है तो उनका उपयोग करें।

Luke 9:41

यीशु ने उत्तर दिया
“यीशु ने उन्हें संबोधित करके कहा”

हे अविश्वासी और हठीले लोगों
यीशु ने जनसमूह से कहा था, अपने शिष्यों से नहीं

मैं कब तक तुम्हारे साथ रहूंगा और तुम्हारी सहूंगा?
यह एक आलंकारिक प्रश्न है। यीशु को इसके उत्तर की अपेक्षा नहीं थी। इसका अर्थ है, “मैंने तुम्हारे लिए इतना कुछ किया परन्तु तुम विश्वास नहीं करते”।

अपने पुत्र को यहाँ ले आ
यहाँ यीशु उस दुष्टात्माग्रस्त युवक के पिता से कह रहा है।

वह आ ही रहा था
“यीशु के पास आते-आते” या “यीशु के निकट आते समय”

डांटा
“कठोरता से कहा”

Luke 9:43

सब लोग परमेश्वर के महा-सामर्थ्य से चकित हुए
प्रत्यक्ष में तो यीशु ने यह कार्य किया परन्तु दर्शकों ने समझ लिया था कि यह परमेश्वर का ही सामर्थ्य है।

वह करता था
“यीशु करता था”।

ये बातें तुम्हारी कानों में पड़ी रहे
यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, “ध्यान से सुनो और स्मरण रखो” या “भूलना नहीं”।

मनुष्य का पुत्र
यीशु स्वयं को तृतीय पुरूष में संबोधित कर रहा है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मैं मनुष्य का पुत्र”।

मनुष्य के हाथों में पकड़वाया जाने को है
“पकड़वाया” (यू.डी.बी.) इस संपूर्ण वाक्य का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मनुष्य, मनुष्य के पुत्र को अधिकारियों के हाथों में दे देगे”।

परन्तु वे... न समझते थे
परन्तु वे... न समझते थे , -इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है “वे समझ नहीं पाए थे कि वह अपनी मृत्यु के बारे में कह रहा है।

Luke 9:46

उनमें
“शिष्यों में”

उनके मन का विचार
“अपने-अपने मन में विचार करने लगे” या “सोच रहे थे”

मेरे भेजने वाले को
“परमेश्वर को जिसने मुझे भेजा है”(यू.डी.बी)

Luke 9:49

यूहन्ना ने कहा
“प्रति-उत्तर में यूहन्ना ने कहा” या “यूहन्ना ने यीशु से कहा” यीशु उन्हें समझा रहा था कि बड़ा कौन है तो यूहन्ना ने हस्तक्षेप करते हुए कहा। वह किसी प्रश्न का उत्तर नहीं दे रहा है वरन वह जानना चाहता था कि वह मनुष्य जो यीशु के नाम से दुष्टात्माएं निकाल रहा था, उसका शिष्यों में क्या स्थान है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

स्वामी
यहाँ "स्वामी" का अर्थ मूल भाषा यूनानी में मालिक नहीं है। इसका अर्थ है अधिकार संपन्न मनुष्य, न कि किसी का अधिकृत मालिक। आप इसका अनुवाद इस प्रकार भी कर सकते है, “साहब” या "अधिकर्मी" या किसी अधिकारी के लिए काम में लिया जानेवाला शब्द जैसे “श्रीमान जी”

जो तुम्हारे विरोध में नहीं वह तुम्हारी ओर है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जो तुम्हारे लिए बाधक नहीं वह सहायक जैसा है”, या “जो तुम्हारे विपरीत काम न करे वह तुम्हारे पक्ष में काम करता है”। कुछ आधुनिक भाषाओं में ऐसे शब्द हैं जिनका अर्थ यही है।

Luke 9:51

(और ऐसा हुआ कि)
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

उसके ऊपर उठाए जाने के दिन पूरे होने पर थे
“उसके ऊपर जाने का समय आ रहा था” या “उसके ऊपर जाने का समय लगभग निकट था”।

विचार दृढ़ किया
“संकल्प किया” या “इच्छा की”

(दिशा पकड़ी)
यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, “निश्चय किया” या “निर्णय लिया” या “दृढ़ संकल्प किया।”

जगह तैयार करें
उसके आगमन की तैयारी करें। संभवतः प्रचार के लिए, ठहरने और भोजन के लिए व्यवस्था करें।

उतरने न दिया
“उसका स्वागत नहीं किया” या “उसके ठहरने की इच्छा न की”

Luke 9:54

यह देखकर
“सामरियों का विरोध देख कर”

आकाश से आग गिरकर उन्हें भस्म कर दे
याकूब और यूहन्ना ने ऐसा सुझाव दिया क्योंकि वे जानते थे कि एलिय्याह ने परमेश्वर विरोधियों के साथ ऐसा ही किया था।

उसने फिरकर उन्हें डांटा
“यीशु ने याकूब और यूहन्ना को डांटा”। जैसा शिष्यों ने सोचा था, यीशु ने उसके विपरीत सामरियों को दोषी नहीं ठहराया।

Luke 9:57

किसी ने
शिष्यों में से किसी एक ने नहीं

लोमड़ियों के भट.... हैं परन्तु मनुष्य के पुत्र को सिर धरने की भी जगह नहीं”।
यीशु के कहने का तात्पर्य था कि यदि वह यीशु के साथ चलेगा तो वह भी बेघर जो जाएगा। यहाँ सलंग्न जानकारी स्पष्ट की जा सकती है, “यह आशा न कर कि तेरे पास घर होगा”।

लोमड़ियों
यह कुत्ते जैसे पशु होते हैं। वे भूमि में छेद करके उसमें रहते हैं।

आकाश के पक्षियों
“हवा में उड़ने वाले पक्षी”

मनुष्य का पुत्र
यीशु स्वयं को तृतीय पुरूष में संबोधित कर रहा है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मुझ, मनुष्य के पुत्र को”

सिर धरने की भी जगह नहीं
“सिर टिकाने को भी नहीं” या “सोने के लिए भी जगह नहीं” यह अतिशयोक्ति है। यीशु इस तथ्य को समझाने के लिए बढ़ा चढ़ाकर कह रहा है कि उसके रहने के लिए कहीं भी उसका स्वागत नहीं है।

Luke 9:59

मेरे पीछे हो ले
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मेरा अनुयायी हो जा” या “मेरा शिष्य होकर मेरे साथ चल”

मुझे पहले जाने दे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “इससे पहले कि में तेरे साथ चलूं मुझे जाकर ....” वह व्यक्ति यीशु से निवेदन कर रहा था।

मरे हुओं को अपने मुर्दे गाड़ने दे
“मुर्दे गाड़ने का काम मुर्दों के लिए छोड़ दे” मृतक तो कुछ करते नहीं अतः यहाँ अभिप्रेत अर्थ स्पष्ट दिया जा सकता है, “आत्मिकता में मृतकों को मृतक गाड़ने दे”

Luke 9:61

हे प्रभु मैं तेरे पीछे हो लूंगा
हे प्रभु मैं तेरे पीछे हो लूंगा - “मैं तेरा शिष्य बनूंगा” या “मैं तेरे साथ चलने को तैयार हूँ” या “मैं तेरे साथ चलने का प्रण करता हूँ”

अपने... लोगों से विदा हो आऊं
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तेरे साथ चलने से पहले में अपने परिजनों से विदा ले लूं”, या “मैं उन्हें बता दूं कि मैं तेरे साथ जा रहा हूँ”।

घर के लोगों से
“मेरे कुटुम्ब से” या “परिजनों से”

जो कोई ..... परमेश्वर के राज्य के योग्य नहीं
यीशु सबके लिए लागू होने वाला एक सामान्य सिद्धान्त व्यक्त कर रहा था, तथापि उस मनुष्य के लिए अभिप्रेत जानकारी यह है, “यदि तू मेरे अनुसरण की अपेक्षा अपने अतीत के लोगों पर ध्यान देगा तो तू मेरे राज्य के योग्य नहीं है”।

अपना हाथ हल पर रखकर
“खेत जोतना आरंभ करके”, किसान बीज डालने से पहले खेत में हल चलाते है। जिन समुदायों को खेती का ज्ञान नहीं उनके लिए अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “अपना खेत तैयार करना आरंभ कर दे और....”

पीछे देखता है
हल चलानेवाला यदि पीछे देखेगा तो वह हल को यथास्थान नहीं चला पाएगा और वह बैल के पांवों को भी चोट पहुंचायेगा। अतः उनका पूरा ध्यान आगे की ओर होना है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

योग्य
“कामना” या “उचित”

Translation Questions

Luke 9:2

यीशु ने बारहों को क्या करने भेजा था?
यीशु ने उन्हें परमेश्वर के राज्य का प्रचार करने और रोगियों को चंगा करने भेजा।

Luke 9:7

हेरोदेस ने यीशु के बारे में तीन बातें सुनी वे क्या थी?
कुछ लोग यीशु को पुनर्जीवित यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला कहते थे, कुछ लोग कहते थे कि एलिय्याह आया है, कुछ कहते थे कि प्राचीनकाल का कोई भविष्यद्वक्ता है।

Luke 9:13

चेलों के पास भीड़ को खिलाने के लिए कितना भोजन था?
उनके पास पांच रोटियां और दो मछलियां थी।

Luke 9:14

उस सुनसान जगह में यीशु के पीछे आने वाली जगह में लगभग कितने पुरुष थे?
वहाँ लगभग पांच हजार पुरुष थे।

Luke 9:16

यीशु ने पांच रोटियां और दो मछलियों के साथ क्या किया?
उसने स्वर्ग को निहार कर उन्हें आशिष दी और रोटी तोड़कर चेलों को देता गया कि भीड़ में बांटें।

Luke 9:17

बचे हुए भोजन की कितनी टोकरियां थी?
बचे हुए भोजन की बारह टोकरियां थी।

Luke 9:20

यीशु ने अपने चेलों से पूछा कि वह उसे क्या कहते हैं तब पतरस ने क्या कहा था?
उसने कहा, "परमेश्वर का मसीह"।

Luke 9:23

यीशु ने अपने अनुयायी के लिए क्या कहा था?
उसे अपने आपका इन्कार करके प्रतिदिन अपना क्रूस उठाकर यीशु का अनुसरण करना है।

Luke 9:29

पर्वत पर यीशु के रूप को क्या हो गया था?
उसका रूप बदल गया और उसके वस्त्र श्वेत होकर चमकने लगे।

Luke 9:30

यीशु के साथ वहाँ कौन दिखाई दिया?
मूसा और एलिय्याह यीशु के साथ दिखाई दिए।

Luke 9:35

उनके ऊपर छाये हुए बादल में से क्या सुनाई दिया?
वहाँ एक वाणी सुनाई दी, "यह मेरा पुत्र और मेरा चुना हुआ है, इसकी सुनो"।

Luke 9:39

इससे पूर्व कि यीशु उसके पुत्र में से दुष्टात्मा निकालता उसने उसकी क्या दशा की थी?
दुष्टात्मा ने चिल्लाने पर विवश किया, उसका शरीर ऐंठ कर उसके मुंह से फेंन निकाला।

Luke 9:44

यीशु ने चेलों से क्या कहा जिसका अर्थ वे नहीं समझे थे?
उसने कहा, "कि मनुष्य का पुत्र मनुष्यों के हाथों में पकड़वाया जायेगा।"

Luke 9:48

यीशु ने चेलों में सबसे बड़ा किसे कहा?
उनमें जो सबसे छोटा होगा वही सबसे बड़ा है।

Luke 9:51

यीशु के स्वर्ग में जाने के दिन निकट आ रहे थे तब यीशु ने क्या निश्चय किया?
उसने यरूशलेम जाने का निश्चय किया।

Luke 9:62

परमेश्वर के राज्य के योग्य होने के लिए मनुष्य को "हाथ हल पर रखकर" क्या नहीं करना है?
उसे पीछे मुड़कर नहीं देखना है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 10

1 और इन बातों के बाद प्रभु ने सत्तर और मनुष्य नियुक्त किए और जिस-जिस नगर और जगह को वह आप जाने पर था, वहाँ उन्हें दो-दो करके अपने आगे
भेजा। **2** और उसने उनसे कहा, “पके खेत बहुत हैं; परन्तु मजदूर थोड़े हैं इसलिए खेत के स्वामी से विनती करो, कि वह अपने खेत काटने को मजदूर भेज दे।
3 जाओ; देखों मैं तुम्हें भेड़ों के समान भेड़ियों के बीच में भेजता हूँ। **4** इसलिए न बटुआ, न झोली, न जूते लो; और न मार्ग में किसी को नमस्कार करो। (मत्ती
10:9, 2 राजा. 4:29) **5** जिस किसी घर में जाओ, पहले कहो, ‘इस घर पर कल्याण हो।’ **6** यदि वहाँ कोई कल्याण के योग्य होगा; तो तुम्हारा कल्याण उस पर
ठहरेगा, नहीं तो तुम्हारे पास लौट आएगा। **7** उसी घर में रहो, और जो कुछ उनसे मिले, वही खाओ-पीओ, क्योंकि मजदूर को अपनी मजदूरी मिलनी चाहिए;
घर-घर न फिरना। **8** और जिस नगर में जाओ, और वहाँ के लोग तुम्हें उतारें, तो जो कुछ तुम्हारे सामने रखा जाए वही खाओ। **9** वहाँ के बीमारों को चंगा करो:
और उनसे कहो, ‘परमेश्वर का राज्य तुम्हारे निकट आ पहुँचा है।’ **10** परन्तु जिस नगर में जाओ, और वहाँ के लोग तुम्हें ग्रहण न करें, तो उसके बाजारों में
जाकर कहो, **11** ‘तुम्हारे नगर की धूल भी, जो हमारे पाँवों में लगी है, हम तुम्हारे सामने झाड़ देते हैं, फिर भी यह जान लो, कि परमेश्वर का राज्य तुम्हारे निकट
आ पहुँचा है।’ **12** मैं तुम से कहता हूँ, कि उस दिन उस नगर की दशा से सदोम की दशा अधिक सहने योग्य होगी। (उत्प. 19:24-25)

13 “हाय खुराजीन! हाय बैतसैदा! जो सामर्थ्य के काम तुम में किए गए, यदि वे सूर और सैदा में किए जाते, तो टाट ओढ़कर और राख में बैठकर वे कब के मन
फिराते। **14** परन्तु न्याय के दिन तुम्हारी दशा से सूर और सैदा की दशा अधिक सहने योग्य होगी। (योए. 3:4-8, जक. 9:2-4) **15** और हे कफरनहूम, क्या तू
स्वर्ग तक ऊँचा किया जाएगा? तू तो अधोलोक तक नीचे जाएगा। (यशा. 14:13,15)

16 “जो तुम्हारी सुनता है, वह मेरी सुनता है, और जो तुम्हें तुच्छ जानता है, वह मुझे तुच्छ जानता है; और जो मुझे तुच्छ जानता है, वह मेरे भेजनेवाले को तुच्छ
जानता है।”

17 वे सत्तर आनन्द से फिर आकर कहने लगे, “हे प्रभु, तेरे नाम से दुष्टात्मा भी हमारे वश में है।” **18** उसने उनसे कहा, “मैं शैतान को बिजली के समान स्वर्ग से
गिरा हुआ देख रहा था। (प्रका. 12:7-9, यशा. 14:12) **19** मैंने तुम्हें साँपों और बिच्छुओं को रौंदने* का, और शत्रु की सारी सामर्थ्य पर अधिकार दिया है; और
किसी वस्तु से तुम्हें कुछ हानि न होगी। (भज. 91:13) **20** तो भी इससे आनन्दित मत हो, कि आत्मा तुम्हारे वश में हैं, परन्तु इससे आनन्दित हो कि तुम्हारे नाम
स्वर्ग पर लिखे हैं।”

21 उसी घड़ी वह पवित्र आत्मा में होकर आनन्द से भर गया, और कहा, “हे पिता, स्वर्ग और पृथ्वी के प्रभु, मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ, कि तूने इन बातों को
ज्ञानियों और समझदारों से छिपा रखा, और बालकों पर प्रगट किया हाँ, हे पिता, क्योंकि तुझे यही अच्छा लगा। **22** मेरे पिता ने मुझे सब कुछ सौंप दिया है; और
कोई नहीं जानता कि पुत्र कौन है, केवल पिता और पिता कौन है यह भी कोई नहीं जानता, केवल पुत्र के और वह जिस पर पुत्र उसे प्रकट करना चाहे।”

23 और चेलों की ओर मुड़कर अकेले में कहा, “धन्य हैं वे आँखें, जो ये बातें जो तुम देखते हो देखती हैं, **24** क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि बहुत से
भविष्यद्वक्ताओं और राजाओं ने चाहा, कि जो बातें तुम देखते हो देखें; पर न देखीं और जो बातें तुम सुनते हो सुनें, पर न सुनीं।”

25 तब एक व्यवस्थापक उठा; और यह कहकर, उसकी परीक्षा करने लगा, “हे गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिये मैं क्या करूँ?” **26** उसने उससे
कहा, “व्यवस्था में क्या लिखा है? तू कैसे पढ़ता है?” **27** उसने उत्तर दिया, “तू प्रभु अपने परमेश्वर से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी
शक्ति और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख; और अपने पड़ोसी से अपने जैसा प्रेम रख।” (मत्ती 22:37-40, व्य. 6:5, व्य. 10:12, यहो. 22:5) **28** उसने
उससे कहा, “तूने ठीक उत्तर दिया, यही कर तो तू जीवित रहेगा।” (लैव्य. 18:5) **29** परन्तु उसने अपने आप को धर्मी ठहराने* की इच्छा से यीशु से पूछा, “तो
मेरा पड़ोसी कौन है?” **30** यीशु ने उत्तर दिया “एक मनुष्य यरूशलेम से यरीहो को जा रहा था, कि डाकुओं ने घेरकर उसके कपड़े उतार लिए, और मार पीटकर
उसे अधमरा छोड़कर चले गए। **31** और ऐसा हुआ कि उसी मार्ग से एक याजक जा रहा था, परन्तु उसे देखकर कतराकर चला गया। **32** इसी रीति से एक
लेवी* उस जगह पर आया, वह भी उसे देखकर कतराकर चला गया। **33** परन्तु एक सामरी* यात्री वहाँ आ निकला, और उसे देखकर तरस खाया। **34** और
उसके पास आकर और उसके घावों पर तेल और दाखरस डालकर* पट्टियाँ बाँधी, और अपनी सवारी पर चढ़ाकर सराय में ले गया, और उसकी सेवा टहल की।
35 दूसरे दिन उसने दो दीनार निकालकर सराय के मालिक को दिए, और कहा, ‘इसकी सेवा टहल करना, और जो कुछ तेरा और लगेगा, वह मैं लौटने पर तुझे
दे दूँगा।’ **36** अब तेरी समझ में जो डाकुओं में घिर गया था, इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” **37** उसने कहा, “वही जिस ने उस पर तरस खाया।”
यीशु ने उससे कहा, “जा, तू भी ऐसा ही कर।”

38 फिर जब वे जा रहे थे, तो वह एक गाँव में गया, और मार्था नाम एक स्त्री ने उसे अपने घर में उतारा। **39** और मरियम नामक उसकी एक बहन थी; वह प्रभु
के पाँवों के पास बैठकर उसका वचन सुनती थी। **40** परन्तु मार्था सेवा करते-करते घबरा गई और उसके पास आकर कहने लगी, “हे प्रभु, क्या तुझे कुछ भी
चिन्ता नहीं कि मेरी बहन ने मुझे सेवा करने के लिये अकेली ही छोड़ दिया है? इसलिए उससे कह, मेरी सहायता करे।” **41** प्रभु ने उसे उत्तर दिया, “मार्था, हे
मार्था; तू बहुत बातों के लिये चिन्ता करती और घबराती है। **42** परन्तु एक बात अवश्य है, और उस उत्तम भाग को मरियम ने चुन लिया है: जो उससे छीना न
जाएगा।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 10:1

सत्तर
कुछ अनुवादों में “बहत्तर” का उल्लेख किया गया है। आपको इसके लिए पद टिप्पणी लिखनी होगी।

दो-दो करके
“दो को एक साथ” या “दो-दो के दल में”

उसने उनसे कहा
उनके प्रस्थान से पूर्व। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उसने उनसे जो कहा वह यह था” या “उनके प्रस्थान से पूर्व उसने उनसे कहा”।

पक्के खेत बहुत हैं पर मजदूर थोड़े हैं
“फसल तो बहुतायत से खड़ी है परन्तु काटने वालों की कमी है।” इस रूपक का अर्थ है कि परमेश्वर के राज्य में लाने के लिए बहुत लोग हैं।)

Luke 10:3

x
(यीशु उन सत्तर मनुष्यों को निर्देश दे रहा है जिन्हें वह भेजने पर है)।

जाओ
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “विभिन्न नगरों में जाओ” या “मनुष्यों में जाओ” या “जाकर मनुष्यों को लाओ”।

मैं तुम्हें भेड़ो के समान भेड़ियों के बीच में भेजता हूँ
यह एक आज्ञा है जिसका अर्थ है कि जिन मनुष्यों के मध्य यीशु उन्हें भेज रहा था, वे उनको हानि पहुंचा सकते हैं। इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “मैं तुम्हें भेज तो रहा हूँ परन्तु मनुष्य तुम्हें ऐसे हानि पहुंचा सकते हैं जैसे भेड़िये मेमनों को पहुंचाते हैं।

भेड़ों (मेमने)
“भेड़ के बच्चे” वे हिसंक पशुओं से अपनी रक्षा करने में समर्थ नहीं होते हैं।

भेड़ियों
भेड़िये जंगली कुत्तों के समान बड़े हिंसक मांसाहारी पशु होते है जो छोटे पशुओं को मारकर खाते हैं। “भेड़ियों” का अनुवाद उसी जाति के, “जंगली कुत्ते” या हिंसक कुत्ते किया जा सकता है या कुत्ते जैसे किसी विशेष पशु का नाम रखा जा सकता है, जिससे पाठक परिचित है, जैसे सियार”।

न बटुआ... लो
“अपने साथ पैसों की थैली नहीं रखता”

न मार्ग में किसी को नमस्कार करो
यीशु जिस बात पर बल देता है, वह है, कि वे शीघ्र-अतिशीघ्र नगरों में जाकर प्रचार करें, न कि किसी के साथ रूष्ठ व्यवहार करें।

Luke 10:5

x
(यीशु उन सत्तर मनुष्यों को निर्देश दे रहा है जिन्हें वह भेजने पर है)।

इस घर का कल्याण हो
“इस परिवार को शान्ति मिले” यह अभिवादन और आशीर्वाद दोनों है।

कोई कल्याण के योग्य
“शान्तिप्रिय मनुष्य” ऐसा मनुष्य परमेश्वर के साथ और मनुष्यों के साथ मेल करता है।

तुम्हारा कल्याण उस पर ठहरेगा
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “आपका आशीर्वाद उसे शान्ति दिलाएगा”

नहीं तो
“यदि वहां कोई शान्तिप्रिय नहीं है” या “यदि गृहस्वामी शान्तिप्रिय नहीं है”

तुम्हारे पास लौट आएगा
“वह शान्ति तुम्हारे पास ही रह जाएगी”

उसी घर में रहो
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “वहीं रातें बिताना” यीशु के कहने का अर्थ है कि दिन भर प्रचार करके वहीं “लौट आना, यह नहीं कि उस घर से बाहर नहीं जाना।

मजदूर को अपनी मजदूरी मिलनी चाहिए।
यीशु एक सामान्य सिद्धान्त अपने द्वारा भेजे जाने वालों पर लागू कर रहा था। क्योंकि वे उनको शिक्षा देंगे और रोगियों को रोगमुक्ति प्रदान करेंगे इसलिए उनके ठहरने और भोजन-पानी का उत्तरदायित्व उन लोगों का है।

घर-घर न फिरना
इसका अर्थ है कि हर रात एक नये परिवार में नहीं ठहरना।

Luke 10:8

x
(यीशु उन सत्तर मनुष्यों को निर्देश दे रहा है जिन्हें वह भेजने पर है)।

वहां के लोग तुम्हें उतारें
“यदि वे तुम्हारा स्वागत करें”

जो कुछ तुम्हारे सामने रखा जाए वही खाओ
“वे जैसा भी भोजन दें उसे खाना”

परमेश्वर का राज्य तुम्हारे निकट आ पहुंचा है
इसका संदर्भ इस तथ्य से है कि शिष्यों द्वारा रोगमुक्ति के कार्य तथा यीशु की शिक्षाओं के माध्यम से परमेश्वर के राज्य का कार्य सर्वत्र हो रहा है। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “तुम इसी समय अपने चारों ओर परमेश्वर के राज्य को देख सकते हो”।

Luke 10:10

x
(यीशु उन सत्तर मनुष्यों को निर्देश दे रहा है जिन्हें वह भेजने पर है)।

वहां के लोग तुम्हें ग्रहण करें
“यदि वे तुम्हारा तिरस्कार करें”

तुम्हारे नगर की धूल भी, जो हमारे पांवों में लगी है, हम तुम्हारे सामने झाड़ देते हैं।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जैसे तुम हमारा तिरस्कार करते हो वैसे ही हम भी तुम्हें पूर्णतः त्याग देते हैं। हम अपने पांवों से तुम्हारे नगर की धूल तक झाड़ रहे हैं, क्योंकि यीशु ने दो को साथ भेजा था इसलिए वे दोनों एक साथ कहेंगे। अतः जिन भाषाओं में प्रथम पुरूष (मैं) का द्विवचन है, उसका प्रयोग किया जाए।

तौभी यह जान लो कि परमेश्वर का राज्य तुम्हारे निकट आ पहुंचा है।
यह एक चेतावनी है जिसका अर्थ है, “यद्यपि तुम हमें स्वीकार नहीं इसका अर्थ यह नहीं कि परमेश्वर के राज्य के आ जाने के तथ्य का इन्कार होता है।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

परमेश्वर का राज्य तुम्हारे निकट आ पहुंचा है
“परमेश्वर का राज्य तुम्हारे चारों ओर है,”

मैं तुझ से कहता हूँ
यीशु उन सत्तर मनुष्यों से कह रहा था। जिन्हें वह भेज रहा था उसने ऐसा इसलिए कहा कि उसकी अग्रिम महत्त्वपूर्ण बात की ओर उनका ध्यान आकर्षित हो।

उस दिन
शिष्य समझ गए थे कि इसका संदर्भ "उस दिन" से है जब पापियों का न्याय किया जाएगा।

उस नगर की दशा से सदोम की दशा अधिक सहने योग्य होगी।
“सदोम को उस नगर के तुल्य कठोर दण्ड नहीं दिया जाएगा, “इसका अर्थ हुआ कि वह नगर सदोम से अधिक कठोर दण्ड पाएगा।

Luke 10:13

x
(यीशु अब अपने उन सत्तर शिष्यों से हट कर तीन नगरों के निवासियों से कह रहा है)

हाय खुराजीन। हाय बैतसैदा
यीशु इस प्रकार संबोधन कर रहा है कि मानों खुराजीन और बैतसदा के नगरवासी सुन रहे हैं जबकि वे सुन नहीं रहे थे।

इसी सामर्थ्य के काम तुममें किए गए।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है जैसा यू.डी.बी. में किया गया है, “जो सामर्थ्य के काम मैंने तुम्हारे मध्य किए”।

यदि वे सूर और सैदा में किए जाते
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है, “यदि सूर और सैदा में कोई ऐसे कार्य करता”

वे कब के मन फिरा लेते।
“वहां के दुष्ट निवासी अपने पापों का दुख प्रकट करते”(यू.डी.बी)

टाट ओढ़कर और राख में बैठकर
उस युग में दु:ख की अति को प्रकट करने के लिए लोग टाट के बने वस्त्र पहनते थे जो शरीर में चुभते थे और वे राख सिर में डालते थे वरन राख पर बैठते भी थे। जब उन्हें परमेश्वर के विरूद्ध पाप का बोध होता तब भी वे ऐसा ही करते थे।

तुम्हारी दशा से सूर और सैदा की दशा अधिक सहने योग्य होगी।
“परमेश्वर तुम्हें सूर और सैदा के निवासियों से अधिक दण्ड देगा” इसका कारण यू.डी.बी में अधिक स्पष्ट किया जा सकता है, “क्योंकि तुमने मेरे सामर्थ्य के काम देखकर भी मुझ में विश्वास नहीं किया”

न्याय के दिन
“उस दिन जब परमेश्वर सब मनुष्यों का न्याय करेगा”। (यू.डी.बी.)

हे कफरनहूम
अब यीशु कफरनहूम के निवासियों को संबोधित कर रहा है जैसे कि वे सुन रहें हों, जबकि यथास्थिति यह थी कि वे उसके समक्ष नहीं थे।

क्या तू स्वर्ग तक ऊंचा किया जाएगा?
यह एक आलंकारिक प्रश्न है, जिसके द्वारा यीशु कफरनूहम के निवासियों के घमण्ड पर कटाक्ष कर रहा है। इसका अनुवाद कर्तृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है, “क्या तू स्वर्ग तक ऊंचा उठेगा”? या “तू क्या सोचता है कि परमेश्वर तेरा मान रखेगा”?

ऊंचा किया जाएगा
“ऊंचा किया जाना एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, “प्रतिष्ठा पाना”।

Luke 10:16

x
(यीशु उन सत्तर मनुष्यों को शिक्षा देना समाप्त करता है।)

जो तुम्हारी सुनता है वह मेरी सुनता है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जो तुम्हारी बात सुने वह वास्तव में मेरी बात सुनता है”।

जो तुम्हें तुच्छ जानता है वह मुझे तुच्छ जानता है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “कोई तुम्हें तुच्छ समझे तो वह वास्तव में मुझे तुच्छ समझता है”।

जो मुझे तुच्छ जानता है वह मेरे भेजनेवाले को तुच्छ जानता है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मुझे तुच्छ जानने का अर्थ है परमेश्वर को तुच्छ जानना”

मेरे भेजने वाले को
अर्थात पिता परमेश्वर को। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “परमेश्वर को जिसने मुझे भेजा है”। (यू.डी.बी.)

Luke 10:17

x
(कुछ समय बाद वे सत्तर शिष्य यीशु के पास लौट आते है)

सत्तर
यहाँ आप पद टिप्पणी लिखना चाहोगे, “कुछ संस्करणों में सत्तर के स्थान पर बहत्तर हैं”।

वे सत्तर आनन्द करते हुए लौटे
कुछ भाषाओं में आवश्यक होगा कि पहले सत्तर शिष्यों के जाने का उल्लेख किया जाए जैसा यू.डी.बी. में किया गया है। यह एक अन्तर्निहित जानकारी है जिसे स्पष्ट करना आवश्यक है।

मैं शैतान को बिजली के समान स्वर्ग से गिरा हुआ देख रहा था।
यीशु उपमा देकर वर्णन कर रहा था कि जब वे सत्तर शिष्य प्रचार कर रहे थे तब परमेश्वर शैतान को हरा रहा था।

मैंने तुम्हें सांपों और बिच्छुओं को रौंदने का अधिकार दिया है।
“सांपों को कुचलने और बिच्छुओं को नष्ट करने का अधिकार। इसके संभावित अर्थ हैं (1) यथार्थ में सांपों और बिच्छुओं को रौंदने का अधिकार या (2) सांप और बिच्छु दुष्टातमाओं के लिए रूपक हैं। यू.डी.बी. में इससका अनुवाद दुष्टात्माओं को रौंदना किया गया है, “मैंने तुम्हें दुष्टात्माओं पर वार करने का अधिकार दिया है।

सांप और बिच्छुओं को रौंदना
इसका अभिप्राय है कि ऐसा करने पर उन्हें हानि नहीं होगी। आप इसे सुस्पष्ट कर सकते हें, “सांप और बिच्छुओं पर चल कर भी सुरक्षित रहोगे”।

शत्रु की सारी सामर्थ्य पर
“मैंने तुम्हें बैरी के सामर्थ्य का दमन करने का अधिकार दिया है” या “मैंने तुम्हें शत्रु को पराजित करने का अधिकार दे दिया है”बैरी शैतान है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

इससे आनन्दित मत हो
“इससे” अर्थात अगले वाक्यांश से, कि आत्मा तुम्हारे वश में हैं”।

तुम्हारे नाम स्वर्ग पर लिखे हैं
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में इस प्रकार किया जा सकता है, “परमेश्वर ने तुम्हारे नाम स्वर्ग में लिख लिए हैं” या “तुम्हारे नाम स्वर्ग के नागरिकों की सूची में हैं”।

Luke 10:21

x
(यीशु अपने शिष्यों की उपस्थिति में अपने स्वर्गीय पिता से बातें कर रहा है)

स्वर्ग और पृथ्वी के प्रभु
“स्वर्ग और पृथ्वी की सब वस्तुओं के स्वामी”

इन बातों को
इसका संदर्भ शिष्यों के अधिकार के संबन्ध में यीशु की पिछली शिक्षाओं से है। अति-उत्तम होगा कि मात्र यही कहा जाए, “इन बातों को” और पाठक पर इसका अर्थ निर्धारण छोड़ दिया जाए।

ज्ञानियों और समझदारों
“बुद्धिमान और समझ रखनेवालों से” इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उन लोगों से छिपा रखा है जो स्वयं को बुद्धिमान समझते हैं”

बालकों पर प्रकट किया
यूनानी भाषा में बालक का मूल शब्द छोटे लड़के का बोध कराता है। इसके संभावित अर्थ हैं, (1) “अशिक्षित बालक” (यू.डी.बी.) या (2) “जो तेरे सत्य को ज्यों का त्यों स्वीकार कर लेते हैं”।

बालकों
यह निर्बुद्धि एवं अज्ञानियों के लिए उपमा है, या वे मनुष्य जो जानते हैं कि वे बुद्धिमान एवं ज्ञानवान नहीं हैं।

क्योंकि तुझे यही अच्छा लगा
“क्योंकि तूने देखा कि यह अच्छा है”

Luke 10:22

x
(अब यीशु अपने शिष्यों से बातें कर रहा है) आपको यहाँ टिप्पणी करने की आवश्यकता होगी, (यीशु ने अपने शिष्यों से कहा) (यू.डी.बी.)

मेरे पिता ने सब कुछ मुझे सौंप दिया है
यह कर्तृवाच्य में अनुवाद किया जा सकता है:"मेरे पिता ने सारा अधिकार मुझे दे दिया"।

पुत्र
यीशु स्वयं को तृतीय पुरूष में व्यक्त कर रहा है।

नहीं जानता कि पुत्र कौन है
जिस शब्द का अनुवाद “जानता” किया गया है, उसका मूल अर्थ है व्यक्तिगत अनुभव द्वारा जानना। पिता परमेश्वर यीशु को ऐसी गहनता से जानता था।

केवल पिता
इसका अर्थ है कि केवल परमेश्वर पिता जानता है कि पुत्र कौन है।

पिता कौन है यह भी कोई नहीं जानता केवल पुत्र के
यहाँ जिस मूल शब्द का अनुवाद “जानता” किया गया है, इसका अर्थ है, व्यक्तिगत अनुभव से जानना। यीशु अपने पिता परमेश्वर को ऐसी गहनता में जानता था।

केवल पुत्र
इसका अर्थ है कि केवल पुत्र जानता है कि पिता कौन है।

और वह जिसे पुत्र उस पर प्रकट करना चाहे।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मनुष्य पिता परमेश्वर को तब ही जान सकते हैं जब पुत्र उन पर पिता को प्रकट करना चाहे”।

Luke 10:23

अकेले में कहा
“निजि रूप में कहा”, यह संभवतः कुछ समय बाद की बात है। यू.डी.बी. इसे स्पष्ट करती है, “जब उसके शिष्य उसके साथ अकेले थे”

धन्य हैं वे आंखें, जो ये बातें जो तुम देखते हो देखती हैं।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "कैसा अहोभाग्य उनका जो उन बातों को देखते हैं जिन्हें तुम देखते हो", संभवतः वे सब जो यीशु की शिक्षाओं को सुनने आते थे।

जो बातें तुम देखते हो।
"बातें तुमने मुझे करते देखा।"

जो बातें तुम सुनते हो।
“जो बातें तुमने मुझसे सुनी हैं”

Luke 10:24

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

उसने
उस धनवाद मनुष्य ने जो अब राजा बन गया था। इसका अनुवाद ऐसे शब्दों में करें कि आपके पाठक समझ पाएं।

जो लोग उसके निकट खड़े थे”
“जो लोग उसके पास खड़े थे”

मुहर
देखें इसका अनुवाद अपने 19:13 में इसका अनुवाद कैसे किया है।

Luke 10:25

देखो
यह कुछ समय बाद की घटना है। आप इसे पाठकों के लिए स्पष्ट कर सकते है। जैसा यू.डी.बी. में है। “एक दिन जब यीशु जनसमूह को शिक्षा दे रहा था”,

और देखो एक व्यवस्थापक
“देखो” शब्द हमारा ध्यान आकर्षित कराता है कि कहानी में एक नया मनुष्य है। आपकी भाषा में ऐसा शब्द या अभिव्यक्ति हो सकती है। इसका अनुवाद ऐसा भी हो सकता है," यहाँ एक विधिशास्त्री था..."

उसकी परीक्षा करने लगा
“यीशु को परखने का प्रयास किया”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

व्यवस्था में क्या लिखा है?
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “मूसा ने विधान में क्या लिखा है”? या “धर्मशास्त्र क्या कहता है”?

तू कैसे पढ़ता है?
“तूने उसमें क्या पढ़ा है”। या “तू उससे क्या-क्या समझता है”?

प्रेम रख
उस मनुष्य ने व्यवस्थाविवरण और लैव्यव्यवस्था की पुस्तकों का उद्धरण सुनाया।

अपने पड़ोसी
इसका संदर्भ समुदाय के सदस्य से है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “अपने स्वदेशी नागरिक से” या “अपने समुदाय के लोगों से”।

Luke 10:29

उसने अपने आपको धर्मी ठहराने की इच्छा से
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “परन्तु वह स्वयं को धर्मी सिद्ध करना चाहता था, अतः उसने कहा.....” या “धार्मिकता का स्वांग रचते हुए उसने कहा”,

यीशु ने उत्तर दिया
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “प्रतिक्रिया में यीशु ने उसे एक कहानी सुनाई”

डाकुओं ने घेर कर
“लुटेरों में घिर गया” इसका अनुवाद कर्तृवाच्य रूप में किया जा सकता है, “उस पर लुटेरों ने आक्रमण कर दिया”।

उसके कपड़े उतार लिए
“उसका सब कुछ लूट लिया” या “उसका सब कुछ चुरा लिया”।

Luke 10:31

x
(यीशु उसी मनुष्य के प्रश्न, "मेरा पड़ोसी कौन है?" के उत्तर में कहानी सुना रहा है)

ऐसा हुआ कि
इसका अर्थ है कि यह योजना के अनुसार नहीं था।

एक याजक
इस अभिव्यक्ति कहानी में किसी मनुष्य को लाती है परन्तु उसका नाम नहीं बताती है।

परन्तु उसे देख
“जब उस याजक ने इस घायल मनुष्य को देखा” याजक एक धर्मी जन होता है, इसलिए श्रोताओं का पूर्वानुमान था कि वह उस घायल मनुष्य की सहायता अवश्य करेगा। क्योंकि उसने उसकी सहायता नहीं की इसलिए इसका अनुवाद हो सकता है, “परन्तु जब उसने उसे देखा” अप्रत्याशित परिणाम की ओर ध्यान आकर्षित करने हेतु।

कतराकर चला गया
“वह मार्ग की दूसरी ओर होकर चला गया”

चला गया
निहितार्थ यह है कि उसने उस घायल मनुष्य की सहायता नहीं की। इसे स्पष्ट किया जा सकता है, “वह उस पागल मनुष्य की सहायता किए बिना चला गया”।

Luke 10:33

x
(यीशु उसी मनुष्य के प्रश्न, "मेरा पड़ोसी कौन है?" के उत्तर में कहानी सुना रहा है)

एक सामरी
कहानी में एक नया मनुष्य प्रवेश करता है। उसका भी नाम नहीं दिया गया है। हमें केवल यही बताया गया है कि वह एक सामरियावासी है। यहूदी सामरियों से घृणा करते थे अतः उन्होंने यही सोचा कि वह उस घायल यहूदी की सहायता नहीं करेगा।

उसे देख कर
“उस घायल व्यक्ति को देखकर उस सामरियावासी”

तरस खाया
“उसे देखकर उसे तरस आया”

उसके घावों पर तेल और दाखरस डालकर पट्टियां बांधी।
उसने पहले तेल और दाखरस डाला होगा, इसलिए इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उसने उस मनुष्य के घावों पर दाखरस डालकर और तेल लगाकर पट्टियां बान्धी” दाखरस संक्रमण से बचाने के लिए काम में लिया जाता था।

अपनी सवारी पर चढ़ा कर।
“अपनी सवारी के पशु पर” समान ढोने के लिए वह जिस पशु को लाया था, संभवतः गधा।

दो दीनार
दो दिन की मजदूरी के तुल्य पैसा देकर

भटियारे
“सराय का स्वामी” या “प्रबन्धक”

Luke 10:36

x
(यीशु उसी मनुष्य को कहानी सुना रहा है जिसने पूछा था, वे मेरा पड़ोसी कौन है)?

तेरी समझ में.... इन तीनों में से
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तेरे विचार में इन तीनों में से ....”

उसका पड़ोसी कौन ठहरा?
“किसने सच्चा पड़ोसी सिद्ध किया”?(यू.डी.बी)

जो डाकुओं में घिर गया था
“लुटेरों का शिकार होने वाले का”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 10:38

जब वे जा रहे थे
“जब यीशु और उसके शिष्य मार्ग में अग्रसर थे।” क्योंकि कहानी में नया परिदृश्य आता है इसलिए कुछ भाषाओं में “वे” को स्पष्ट करना अधिक स्वाभाविक होगा। आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति होगी जो प्रकट करे कि यह कहानी का नया परिदृश्य है।

एक गांव में गया
यहाँ गांव को एक नया स्थान दर्शाया गया है परन्तु उस गांव का नाम नहीं दिया गया है।

मार्था नामक एक स्त्री
यहाँ मार्था एक नई नायिका है। आपकी भाषा में नए मनुष्यों को दर्शाने के लिए अभिव्यक्तियां होंगी।

प्रभु के चरणों में बैठकर
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “फर्श पर बैठकर यीशु की शिक्षाप्रद बातें सुन रही थी”। उस युग में सीखने वाले के द्वारा ऐसा स्थान ग्रहण करना सम्मान प्रदर्शन की मुद्रा थी।

Luke 10:40

तुझे कुछ भी चिन्ता नहीं
मार्था शिकायत कर रही थी कि प्रभु मरियम को वहां बैठाकर उससे बातें करने के लिए मना नहीं कर रहा है जब कि उसे घर में कितना काम करना है। वह प्रभु का बहुत सम्मान करती थी, अतः उसने आलंकारिक प्रश्न पूछा कि उसकी शिकायत में विनम्रता आए। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “ऐसा लगता है कि तुझे ज्ञात नहीं कि....”

जो उससे छीना न जायेगा
इसके संभावित अर्थ हैं (1) “मैं उसे इस सौभाग्य से वंचित नहीं करूँगा” या (2) मेरी बातें सुनकर उसने जो लाभ उठाया है, वह कभी नहीं खोएगा”।

Translation Questions

Luke 10:4

उन सत्तर चेलों से यीशु ने क्या साथ न लेने को कहा?
वे न बटुआ, न झोली, न जूते लें।

Luke 10:9

यीशु ने उन सत्तर चेलों से प्रत्येक नगर में क्या करने के लिए कहा?
यीशु ने कहा कि वे रोगियों को चंगा करें और प्रचार करें कि परमेश्वर का राज्य निकट आ गया है।

Luke 10:12

यदि किसी नगर ने यीशु के उन चेलों को ग्रहण नहीं किया तो उस नगर की क्या दशा होगी?
उनकी दशा सदोम के दण्ड से भी अधिक बुरी होगी।

Luke 10:20

जब उन सत्तर चेलों ने लौटकर अति आनन्द के साथ यीशु को सुनाया कि वे दुष्टात्माओं को निकालने में सक्षम है तब यीशु ने उनसे क्या कहा था?
यीशु ने कहा, "इससे आनन्दित हो कि तुम्हारे नाम स्वर्ग में लिखे हैं।"

Luke 10:21

यीशु ने कहा कि पिता को परमेश्वर का राज्य किन पर प्रकट करना अच्छा लगा?
पिता परमेश्वर को यही अच्छा लगा कि उसने इन बातों को अबोध बालकों पर प्रकट किया।

Luke 10:27

यीशु के अनुसार यहूदी व्यवस्था अनन्तजीवन पाने के लिए क्या निर्देश देती है?
तू अपने प्रभु परमेश्वर से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और सारी शक्ति और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।

Luke 10:31

इस दृष्टान्त में यहूदियों के याजक ने उस घायल मनुष्य को देखकर क्या किया?
वह कतराकर चला गया।

Luke 10:32

उस व्यक्ति को देखकर लेवी ने क्या किया?
वह कतराकर चला गया।

Luke 10:34

उस व्यक्ति को देखकर सामरी मनुष्य ने क्या किया?
उसने उसके घावों पर पट्टी बांधी और पीठ पर चढ़ाया उसे एक सराय में लाया और उसकी सेवा की।

Luke 10:37

दृष्टान्त सुनने के बाद यीशु ने उस यहूदी व्यवस्थापक से क्या कहा?
जाकर दृष्टान्त के उस सामरी के सदृश्य कर।

Luke 10:39

उस समय मरियम क्या कर रही थी?
वह यीशु के चरणों में बैठ कर उसकी बातें सुन रही थी।

Luke 10:40

यीशु मार्था के घर में आया तब वह क्या करने लगी थी?
वह भोजन तैयार करने में अत्यधिक व्यस्त थी।

Luke 10:42

यीशु ने किसके लिए कहा कि उसने उत्तम भाग चुन लिया है?
यीशु ने कहा कि मरियम ने उत्तम भाग चुन लिया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 11

1 फिर वह किसी जगह प्रार्थना कर रहा था। और जब वह प्रार्थना कर चुका, तो उसके चेलों में से एक ने उससे कहा, “हे प्रभु, जैसे यूहन्ना ने अपने चेलों को
प्रार्थना करना सिखाया वैसे ही हमें भी तू सीखा दे*।”

2 उसने उनसे कहा, “जब तुम प्रार्थना करो, तो कहो:

‘हे पिता,
तेरा नाम पवित्र माना जाए,
तेरा राज्य आए।
3 ‘हमारी दिन भर की रोटी हर दिन हमें दिया कर।
4 ‘और हमारे पापों को क्षमा कर,
क्योंकि हम भी अपने हर एक अपराधी को क्षमा करते हैं*,
और हमें परीक्षा में न ला’।”

5 और उसने उनसे कहा, “तुम में से कौन है कि उसका एक मित्र हो, और वह आधी रात को उसके पास जाकर उससे कहे, ‘हे मित्र; मुझे तीन रोटियाँ दे। **6**
क्योंकि एक यात्री मित्र मेरे पास आया है, और उसके आगे रखने के लिये मेरे पास कुछ नहीं है।’ **7** और वह भीतर से उत्तर देता, कि मुझे दुःख न दे; अब तो द्वार
बन्द है, और मेरे बालक मेरे पास बिछौने पर हैं, इसलिए मैं उठकर तुझे दे नहीं सकता। **8** मैं तुम से कहता हूँ, यदि उसका मित्र होने पर भी उसे उठकर न दे, फिर
भी उसके लज्जा छोड़कर माँगने के कारण उसे जितनी आवश्यकता हो उतनी उठकर देगा। **9** और मैं तुम से कहता हूँ; कि माँगो, तो तुम्हें दिया जाएगा; ढूँढ़ो तो
तुम पाओगे; खटखटाओ, तो तुम्हारे लिये खोला जाएगा। **10** क्योंकि जो कोई माँगता है, उसे मिलता है; और जो ढूँढ़ता है, वह पाता है; और जो खटखटाता है,
उसके लिये खोला जाएगा। **11** तुम में से ऐसा कौन पिता होगा, कि जब उसका पुत्र रोटी माँगे, तो उसे पत्थर दे: या मछली माँगे, तो मछली के बदले उसे साँप
दे? **12** या अण्डा माँगे तो उसे बिच्छू दे? **13** अतः जब तुम बुरे होकर अपने बच्चों को अच्छी वस्तुएँ देना जानते हो, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता अपने माँगनेवालों
को पवित्र आत्मा क्यों न देगा।”

14 फिर उसने एक गूँगी दुष्टात्मा को निकाला; जब दुष्टात्मा निकल गई, तो गूँगा बोलने लगा; और लोगों ने अचम्भा किया। **15** परन्तु उनमें से कितनों ने कहा,
“यह तो दुष्टात्माओं के प्रधान शैतान की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता है।” **16** औरों ने उसकी परीक्षा करने के लिये उससे आकाश का एक चिन्ह माँगा।
17 परन्तु उसने, उनके मन की बातें जानकर, उनसे कहा, “जिस-जिस राज्य में फूट होती है, वह राज्य उजड़ जाता है; और जिस घर में फूट होती है, वह नाश
हो जाता है। **18** और यदि शैतान अपना ही विरोधी हो जाए, तो उसका राज्य कैसे बना रहेगा? क्योंकि तुम मेरे विषय में तो कहते हो, कि यह शैतान की सहायता
से दुष्टात्मा निकालता है। **19** भला यदि मैं शैतान की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, तो तुम्हारी सन्तान किस की सहायता से निकालते हैं? इसलिए वे
ही तुम्हारा न्याय चुकाएँगे। **20** परन्तु यदि मैं परमेश्वर की सामर्थ्य से दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, तो परमेश्वर का राज्य तुम्हारे पास आ पहुँचा। **21** जब बलवन्त
मनुष्य हथियार बाँधे हुए अपने घर की रखवाली करता है, तो उसकी संपत्ति बची रहती है। **22** पर जब उससे बढ़कर कोई और बलवन्त चढ़ाई करके उसे जीत
लेता है, तो उसके वे हथियार जिन पर उसका भरोसा था, छीन लेता है और उसकी संपत्ति लूटकर बाँट देता है। **23** जो मेरे साथ नहीं वह मेरे विरोध में है, और
जो मेरे साथ नहीं बटोरता वह बिखेरता है।

24 “जब अशुद्ध आत्मा मनुष्य में से निकल जाती है तो सूखी जगहों में विश्राम ढूँढ़ती फिरती है, और जब नहीं पाती तो कहती है, कि मैं अपने उसी घर में जहाँ
से निकली थी लौट जाऊँगी। **25** और आकर उसे झाड़ा-बुहारा और सजा-सजाया पाती है। **26** तब वह आकर अपने से और बुरी सात आत्माओं को अपने साथ
ले आती है, और वे उसमें समाकर वास करती हैं, और उस मनुष्य की पिछली दशा पहले से भी बुरी हो जाती है।” **27** जब वह ये बातें कह ही रहा था तो भीड़ में
से किसी स्त्री ने ऊँचे शब्द से कहा, “धन्य है वह गर्भ जिसमें तू रहा और वे स्तन, जो तूने चूसे।” **28** उसने कहा, “हाँ; परन्तु धन्य वे हैं, जो परमेश्वर का वचन
सुनते और मानते हैं।”

29 जब बड़ी भीड़ इकट्ठी होती जाती थी तो वह कहने लगा, “इस युग के लोग बुरे हैं; वे चिन्ह ढूँढ़ते हैं; पर योना के चिन्ह को छोड़ कोई और चिन्ह उन्हें न दिया
जाएगा। **30** जैसा योना नीनवे के लोगों के लिये चिन्ह ठहरा, वैसा ही मनुष्य का पुत्र भी इस युग के लोगों के लिये ठहरेगा। **31** दक्षिण की रानी न्याय के दिन इस
समय के मनुष्यों के साथ उठकर, उन्हें दोषी ठहराएगी, क्योंकि वह सुलैमान का ज्ञान सुनने को पृथ्वी की छोर से आई, और देखो यहाँ वह है जो सुलैमान से भी
बड़ा है। (1 राजा. 10:1-10, 2 इति. 9:1) **32** नीनवे के लोग न्याय के दिन इस समय के लोगों के साथ खड़े होकर, उन्हें दोषी ठहराएँगे; क्योंकि उन्होंने योना
का प्रचार सुनकर मन फिराया और देखो, यहाँ वह है, जो योना से भी बड़ा है। (योना 3:5-10)

33 “कोई मनुष्य दिया जला के तलघर में, या पैमाने के नीचे नहीं रखता, परन्तु दीवट पर रखता है कि भीतर आनेवाले उजियाला पाएँ। **34** तेरे शरीर का दिया
तेरी आँख है, इसलिए जब तेरी आँख निर्मल है, तो तेरा सारा शरीर भी उजियाला है; परन्तु जब वह बुरी है, तो तेरा शरीर भी अंधेरा है। **35** इसलिए सावधान
रहना, कि जो उजियाला तुझ में है वह अंधेरा न हो जाए। **36** इसलिए यदि तेरा सारा शरीर उजियाला हो, और उसका कोई भाग अंधेरा न रहे, तो सब का सब
ऐसा उजियाला होगा, जैसा उस समय होता है, जब दिया अपनी चमक से तुझे उजाला देता है।”

37 जब वह बातें कर रहा था, तो किसी फरीसी ने उससे विनती की, कि मेरे यहाँ भोजन कर; और वह भीतर जाकर भोजन करने बैठा। **38** फरीसी ने यह
देखकर अचम्भा किया कि उसने भोजन करने से पहले हाथ-पैर नहीं धोये। **39** प्रभु ने उससे कहा, “हे फरीसियों, तुम कटोरे और थाली को ऊपर-ऊपर तो

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

माँजते हो, परन्तु तुम्हारे भीतर अंधेर और दुष्टता भरी है। **40** हे निर्बुद्धियों, जिस ने बाहर का भाग बनाया, क्या उसने भीतर का भाग नहीं बनाया*? **41** परन्तु हाँ, भीतरवाली वस्तुओं को दान कर दो, तब सब कुछ तुम्हारे लिये शुद्ध हो जाएगा।।

42 “पर हे फरीसियों, तुम पर हाय! तुम पोदीने और सुदाब का, और सब भाँति के साग-पात का दसवाँ अंश देते हो, परन्तु न्याय को और परमेश्वर के प्रेम को टाल देते हो; चाहिए तो था कि इन्हें भी करते रहते और उन्हें भी न छोड़ते। (मत्ती 23:23, मीका 6:8, लैव्य. 27:30) **43** हे फरीसियों, तुम पर हाय! तुम आराधनालयों में मुख्य-मुख्य आसन और बाजारों में नमस्कार चाहते हो। **44** हाय तुम पर! क्योंकि तुम उन छिपी कब्रों के समान हो, जिन पर लोग चलते हैं, परन्तु नहीं जानते।”

45 तब एक व्यवस्थापक ने उसको उत्तर दिया, “हे गुरु, इन बातों के कहने से तू हमारी निन्दा करता है।” **46** उसने कहा, “हे व्यवस्थापकों, तुम पर भी हाय! तुम ऐसे बोझ जिनको उठाना कठिन है, मनुष्यों पर लादते हो परन्तु तुम आप उन बोझों को अपनी एक उँगली से भी नहीं छूते। **47** हाय तुम पर! तुम उन भविष्यद्वक्ताओं की कब्रें बनाते हो, जिन्हें तुम्हारे पूर्वजों ने मार डाला था। **48** अतः तुम गवाह हो, और अपने पूर्वजों के कामों से सहमत हो; क्योंकि उन्होंने तो उन्हें मार डाला और तुम उनकी कब्रें बनाते हो। **49** इसलिए परमेश्वर की बुद्धि ने भी कहा है, कि मैं उनके पास भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों को भेजूँगी, और वे उनमें से कितनों को मार डालेंगे, और कितनों को सताएँगे। **50** ताकि जितने भविष्यद्वक्ताओं का लहू जगत की उत्पत्ति से बहाया गया है, सब का लेखा, इस युग के लोगों से लिया जाए, **51** हाबिल की हत्या से लेकर जकर्याह की हत्या तक जो वेदी और मन्दिर के बीच में मारा गया: मैं तुम से सच कहता हूँ; उसका लेखा इसी समय के लोगों से लिया जाएगा। (उत्प. 4:8, 2 इति. 24:20-21) **52** हाय तुम व्यवस्थापकों पर! कि तुम ने ज्ञान की कुंजी* ले तो ली, परन्तु तुम ने आपही प्रवेश नहीं किया, और प्रवेश करनेवालों को भी रोक दिया।”

53 जब वह वहाँ से निकला, तो शास्त्री और फरीसी बहुत पीछे पड़ गए और छेड़ने लगे, कि वह बहुत सी बातों की चर्चा करे, **54** और उसकी घात में लगे रहे, कि उसके मुँह की कोई बात पकड़ें।

Luke 11:1

(और ऐसा हुआ)
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

जब वह प्रार्थना कर चुका
कुछ भाषाओं में सर्वनाम शब्द के स्थान में यीशु का नाम काम में लेना अधिक स्वाभाविक होगा कि “जब वह प्रार्थना कर चुका” से पहले कहा जाए, “यीशु प्रार्थना कर रहा था”। (देखें यू.डी.बी.)

Luke 11:2

उसने उनसे कहा
"यीशु ने अपने शिष्यों से कहा"

तेरा नाम पवित्र माना जाए
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मनुष्य तेरे नाम का सम्मान करें” या “हर एक तेरे नाम का सम्मान करें”। इसका अर्थ "हम चाहते है कि सब तेरे नाम का सम्मान करे"

तेरा राज्य आए
“अपना राज्य स्थापित कर” या “हम यह विनती करते हैं कि अपने लोगों पर राज कर”।

Luke 11:3

x
(यीशु अपने शिष्यों को प्रार्थना करना सिखा रहा है)

हमारी दिन भर की रोटी
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “हमारी दैनिक आवश्यकता का भोजन” रोटी मनुष्यों का दैनिक साधारण भोजन था। रोटी का अर्थ है भोजन।

हमारे पापों को क्षमा कर
“तेरे विरूद्ध हमारे पापों को क्षमा कर” या “हमारे पापों को क्षमा कर”

“क्योंकि हम भी अपने हर एक अपराधियों को क्षमा करते हैं”
“क्योंकि हम भी अपने हर एक अपराधी को क्षमा करते हैं”

अपने हर एक अपराधी को
“जिसने हमारे विरूद्ध पाप किया है” या “जिसने हमारी बुराई की है”

हमें परीक्षा में न ला
यह एक रूपक है जिसका अर्थ है, “हमें परीक्षा से बचा”

Luke 11:5

x
(यीशु अपने शिष्यों को प्रार्थना करना सिखा रहा है)

तुममें से कौन है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मान लो कि तुम्हारा” या “तुम में से किसी का”। यीशु आलंकारिक प्रश्न द्वारा मनुष्यों का ध्यान आकर्षित करवाता था कि वे किसी परिस्थिति में हो तो क्या होगा।

मुझे तीन रोटियां दे
“मुझे तीन रोटियां उधार दे” या “मुझे तीन रोटियां दे दे, मैं लौटा दूंगा”। उसके पास अपने अतिथि को खिलाने के लिए घर में भोजन तैयार नहीं है।

तीन रोटियां
यदि आपके पाठक को यह बात विचित्र लगे कि कोई रोटी मांग रहा है तो इस प्रकार अनुवाद करें, “पका हुआ भोजन” या “तैयार भोजन”

एक यात्री मित्र
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यात्रा करते हुए मेरे घर आया है”

उसके आगे रखने के लिए मेरे पास कुछ नहीं है
“परोसने के लिए भोजन तैयार नहीं है”

मै उठकर तुझे दे नहीं सकता
“मेरे लिए उठना आसान नहीं है”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मैं तुझ से कहता हूँ
यीशु अपने शिष्यों से बातें कर रहा है इसलिए “तुम” शब्द बहुवचन में है

उसे उठ कर देगा
यीशु अपने शिष्यों को इस प्रकार सम्बोधित कर रहा था कि जैसे वे ही रोटी मांगने के लिए गए। यदि आपके पाठकों को इससे उलझन उत्पन्न हो तो इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “मित्र होने के कारण उसे रोटी दे देगा”

लज्जा छोड़कर मांगने के कारण
इसका अर्थ है कि रोटी मांगने वाला इस तथ्य को अनदेखा कर रहा है कि उसके मित्र के लिए मध्य रात्रि के समय उठ कर उसे रोटियां देना कष्टकारी है।

Luke 11:9

x
(यीशु अपने शिष्यों को प्रार्थना करना सिखा रहा है)

मांगो.... ढूंढ़ो खटखटाओ
यीशु ने अपने शिष्यों को यह आज्ञा इसलिए दी कि वे लगातार प्रार्थना करने के लिए उत्साहित रहें। इस प्रसंग में तुम का सर्वाधिक उचित रूप काम में लें। . इन आज्ञाओं का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मांगते रहो.... ढूंढ़ते रहो..... खटखटाते रहो”

मांगो
कुछ भाषाओं में इस क्रिया के साथ अधिक जानकारी की आवश्यकता होगी। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “अपनी आवश्यकता परमेश्वर से मांगो”, “परमेश्वर से जो चाहते हो उसे ढूंढ़ो”, और “द्वार पर दस्तक दो”।

तुम्हें दिया जाएगा
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, “परमेश्वर तुम्हें देगा”, या “तुम प्राप्त करोगे।”

खटखटाओ
खटखटाने का अर्थ है, द्वारा पर आकर आवाज करना कि भीतर कोई सुन कर जान ले कि आप बाहर खड़े हैं, इसका अनुवाद आपकी संस्कृति के व्यवहार के अनुसार किया जा सकता है जैसे “पुकारना” या “खांसना” या “ताली बजाना”।

तुम्हारे लिए खोला जाएगा
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है, “परमेश्वर तुम्हारे लिए द्वार खोल देगा” या “परमेश्वर तुम्हें भीतर लेकर एकमत करेगा”

Luke 11:11

(यीशु अपने शिष्यों को प्रार्थना के बारे में ही शिक्षा दे रहा है)
यीशु एक अर्थ के तीन आलंकारिक प्रश्न पूछ रहा है। जिस प्रकार कि एक पिता अपनी सन्तान को मांगने पर भली वस्तु देता है, उसी प्रकार हम मांगते हैं तो परमेश्वर हमें भली वस्तु ही देगा। .

तुममें ऐसा कौन पिता है कि जब उसका पुत्र रोटी मांगे तो उसे पत्थर दे।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यदि तुम्हारा पुत्र रोटी मांगे तो क्या तुम उसे पत्थर दोगे”? या “यदि तुम्हारी सन्तान खाने को रोटी मांगे तो निश्चय ही तुम उसे पत्थर नहीं दोगे”!

रोटी
यदि आपके पाठक रोटी नहीं खाते हैं तो आप इसका अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं, “पका हुआ भोजन” या “सब्जी” यीशु एक परिस्थिति सुझा रहा है, वह रोटी की विशेष चर्चा नहीं कर रहा है।

मछली के बदले उसे सांप दे?
“या वह मछली मांगे तो क्या तुम उसे सांप दोगे”?

बिच्छू
बिच्छू मकड़ी से मिलता जुलता कीट है परन्तु उसकी पूंछ लम्बी होती है और उसकी पूंछ पर विषैला डंक होता है। यदि उनके स्थान में बिच्छू नहीं होते तो आप कह सकते हैं, “विषैली मकड़ी” या “काटनेवाली मकड़ी”

तुम बुरे होकर
“तुम बुरे होकर भी” या “तुम पापी होकर भी”

तो स्वर्गीय पिता अपने मांगने वालों को पवित्र-आत्मा क्यों न देगा?
“तो यह कितना और अधिक निश्चित है कि तुम्हारा स्वर्गीय पिता तुम्हें पवित्र-आत्मा देगा”। इस आलंकारिक प्रश्न का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “तुम निश्चित जान लो कि तुम्हारा पिता जो स्वर्ग में है, पवित्र-आत्मा देगा”।

Luke 11:14

फिर उसने एक गूंगी दुष्टात्मा को निकाला
“फिर यीशु ने एक मनुष्य से दुष्टात्मा को निकाला” या “और उसने एक मनुष्य से दुष्टात्मा निकाली”

गूंगी दुष्टात्मा
यह तो संभव नहीं कि दुष्टात्मा गूंगी थी। पाठक शायद यह समझें कि उस दुष्टात्मा में किसी को गूंगा बनाए रखने की क्षमता थी। आप इस अभिप्रेत जानकारी को स्पष्ट कर सकते हें। “उस दुष्टात्मा ने उस मनुष्य को बोलने की क्षमता से वंचित किया हुआ था”।

(और ऐसा हुआ कि)
इस शब्द के द्वारा मनुष्यों की प्रतिक्रिया का आरंभ होता है। यदि आपकी भाषा में यहाँ उपयुक्त अभिव्यक्ति लग सकती है तो उसे काम में लें। उस मनुष्य में से दुष्टात्मा के निकल जाने पर कुछ लोग यीशु की आलोचना करने लगे तो यीशु दुष्टात्माओं के बारे में शिक्षा देने पर विवश हुआ।

जब दुष्टात्मा निकल गई
“उस मनुष्य में से दुष्टात्मा के निष्कासन पर” या “दुष्टात्मा द्वारा उस मनुष्य को त्याग देने पर”

गूंगा बोलने लगा
“वह मनुष्य जो अब तक गूंगा था बोलने लगा”

शैतान..... दुष्टात्मा निकालता है
“वह बालजबूल, दुष्टात्माओं के प्रधान, की शक्ति से दुष्टात्माओं को निकालता है”।

Luke 11:16

औरों ने उसकी परीक्षा करने के लिए
“कुछ और भी लोग थे जिन्होंने यीशु को परखने के लिए”, वे परमेश्वर के अधिकार को सिद्ध करने के लिए उससे प्रमाण मांग रहे थे।

उससे आकाश का एक चिन्ह मांगा
“उससे अलौकिक चिन्ह मांगा” या “उससे कहा कि वह कोई स्वर्गीय चिन्ह दिखाए” वे चाहते थे कि यीशु अपने ईश्वरीय अधिकार को इस प्रकार सिद्ध करे

जिस-जिस राज्य में फूट होती है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जब किसी राज्य की प्रजा में गृह युद्ध करे”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

वह राज्य उजड़ जाता है
“तो वह नष्ट हो जाता है”

जिस घर में फूट होती है
“जिस परिवार के सदस्यों में आपसी कलह हो, वह विभाजित हो जाता है” या “जिस परिवार के सदस्य एक दूसरे से लड़ते रहें तो वह अखंड परिवार नहीं रहता है”। यहाँ “घर” का अर्थ है, “परिवार” या “घर के सदस्य”

नष्ट हो जाता है
“बिखर कर नष्ट हो जाता है” घर के नष्ट हो जाने की उपमा परिवार के विभाजन को दर्शाती है जब उसके सदस्य आपस में कलह करते हैं।

Luke 11:18

x
(यीशु जनसमूह को दुष्टात्माओं के बारे में भी शिक्षा दे रहा है)

यदि शैतान अपना ही विरोधी हो जाए
यदि शैतान और उसके राज्य की आत्माएं आपस में लड़ें”

तो उसका राज्य कैसे बना रहेगा?
यह एक आलंकारिक प्रश्न है। इसका अनुवाद सकारात्मक वाक्य में किया जा सकता है, “शैतान का राज्य स्थिर नहीं रह सकता है” या “शैतान का राज्य नष्ट हो जाएगा”।

यह शैतान की सहायता से दुष्टात्माएं निकालता है
“तुम कहते हो कि मैं बालजबूल की सहायता से दुष्टात्माएं निकालता हूँ”, विवाद का अगला चरण स्पष्ट व्यक्त किया जाए, “इसका अर्थ यह हुआ कि शैतान अपने ही विरोध में काम करता है”

तुम्हारी सन्तान किसकी सहायता से निकालते हैं?
“तुम्हारे अनुयायी किसकी सहायता से दुष्टात्माएं निकालते हैं? “यह एक आलंकारिक प्रश्न है जिसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तो तुम्हें मानना होगा कि तुम्हारे अनुयायी भी बाजजबूल की सहायता से दुष्टात्माएं निकालते हैं। इस कथन का अभिप्रेत मूल्यांकन स्पष्ट किया जाए, “हम जानते हैं कि यह सच नहीं है”।

वे ही तुम्हारा न्याय चुकाएंगे
तुम्हारे अनुयायी जो परमेश्वर के सामर्थ्य से दुष्टात्माएं निकालते हैं, मुझ पर बालजबूल की सहायता से दुष्टात्माएं निकालने के तुम्हारे दोष का न्याय करेंगे”।

परमेश्वर की सामर्थ्य
“परमेश्वर की सहायता से” (देखें Metonymy)

परमेश्वर का राज्य तुम्हारे पास आ पहुंचा है
“इसका अर्थ है कि परमेश्वर का राज्य तुम्हारे मध्य आ गया है”।

Luke 11:21

x
(यीशु जनसमूह को दुष्टात्माओं के बारे में भी शिक्षा दे रहा है)

जब एक बलवन्त मनुष्य
यह कहानी एक रूपक है। उस बलवन्त मनुष्य को जिस पर बाहर से आक्रमण करने की तुलना यीशु से की गई है जो दुष्टात्माएं निकालता है तो वह बाहर से शैतान पर आक्रमण करता है।

उसकी सम्पत्ति बची रहती है
“उसका सामान कोई चुरा नहीं सकता है”

उसकी सम्पत्ति लूट कर बांट लेता है
इसका अनुवादक इस प्रकार किया जा सकता है, “उसका सामान अपने अधिकार में कर लेता है” या “जो वह चाहता है ले जाता है”।

“जो मेरे साथ नहीं”
“जो मेरा सहयोगी नहीं” या “जो मेरा सहकर्मी नहीं”

“जो मेरे विरोध में है
“मेरे विरूद्ध है” यह उन लोगों के सदंर्भ में है, जो यीशु पर बालजबूल की सहायता से काम करने का दोष लगा रहे थे।

Luke 11:24

x
(यीशु जनसमूह को दुष्टात्माओं के बारे में भी शिक्षा दे रहा है)

सूखी जगहों में
अर्थात् निर्जन स्थानों में, जहाँ दुष्टात्मा भटकती है।

जब नहीं पाती
“जब वह दुष्टात्मा कहीं विश्राम नहीं पाती है”

मैं अपने उसी घर में जहाँ से मैं निकली थी
यह एक रूपक है जो उस मनुष्य का संदर्भ देता है जिसमें से वह दुष्टात्मा निकली थी। इसका अनुवाद होगा, “वह मनुष्य जिसमें मैं अन्तर्वास करती थी”। (यू.डी.बी. पद 26 को यू.डी.बी. में उपमा देकर अनुवाद किया गया है।

आकर उसे झाड़ा-बुहारा और सजा-सजाया पाती है।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है, “आकर देखते है कि किसी ने उस घर को झाड़कर साफ कर दिया है और सब कुछ यथास्थान में रखा हुआ है”

झाड़ा-बुहारा
“खा लो” यह रूपक उस मनुष्य को दर्शाता है जिसमें से दुष्टात्मा निकल गई थी परन्तु उसने उसमें पवित्र-आत्मा का अन्तर्वास नहीं होने दिया।

Luke 11:27

(और ऐसा हुआ कि)
इस उक्ति द्वारा कहानी में एक महत्त्वपूर्ण घटना का बोध करवाया गया है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

ऊँचे शब्द से कहा
“जनसमूह के कोलाहल से और भी ऊँचे स्वर में”

धन्य है वह गर्भ जिसमें तू रहा और वे स्तन जो तूने चूसे।
“सौभाग्य उस स्त्री का जिसने तुझे स्तनपान करवाया” “सौभाग्यवती है वह स्त्री जिसने तुझे जन्म दिया और दूध पिलाया”। कहने का अर्थ है कि वह स्त्री जो उसकी माता है। .

धन्य है
इसका अनुवाद किया जा सकता है, कैसी आनन्दित” या “परमेश्वर से आशिषित”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 11:29

इस युग के लोग
“इस समय के लोग” (यू.डी.बी.)

चिन्ह ढूंढ़ते हैं
“वे मुझसे चिन्ह देखना चाहते हैं” या “तुम में से अनेक जन चाहते हैं कि मैं चिन्ह दिखाऊं” वे कैसा चिन्ह देखना चाहते थे इसका अभिप्रेत जानकारी यू.डी.बी. के जैसे स्पष्ट की जा सकती है। (देखें:)

चिन्ह उनको न दिया जाएगा।
“परमेश्वर उन्हें कोई चिन्ह नहीं देगा”

योना के चिन्ह
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “योना के साथ जो हुआ” या “योना के लिए परमेश्वर ने जो चमत्कार किया” (यू.डी.बी.)

जैसा योना चिन्ह ठहरा.... वैसे ही
अर्थात उस युग के यहूदियों के लिए यीशु परमेश्वर का वही चिन्ह होगा जो योना नीनवे के लोगों के लिए परमेश्वर का चिन्ह था।

मनुष्य का पुत्र
यीशु स्वयं को संबोधित कर रहा है

Luke 11:30

दक्षिण की रानी
अर्थात् शीबा की रानी। शीबा इस्त्राएल के दक्षिण में एक राज्य था।

न्याय के दिन... उन्हें दोषी ठहराएगी
“खड़ी होकर उन्हें दोष देगी”

पृथ्वी की छोर से आई थी
“वह बहुत दूर से आई थी”। “पृथ्वी की छोर एक मुहावरा है जिसका अर्थ है “बहुत दूर से”।

सुलैमान से भी बड़ा है
यीशु उन्हें झिड़की द्वारा जो समझाना चाहता था, “परन्तु तुमने मेरी बातें नहीं सुनी”।

Luke 11:32

उन्होंने योना का प्रचार सुनकर उन्हें दोषी ठहराया
“नीनवे के लोगों ने पश्चाताप किया”

योना से भी बड़ा है
यीशु अपने बारे में कह रहा था।

यहाँ वह है जो योना से भी बड़ा है
यीशु उन्हें झिड़क रहा था, “परन्तु तुमने पश्चाताप नहीं किया”।

Luke 11:33

(यीशु जनसमूह को ही शिक्षा दे रहा है)
यीशु को जनसमूह में सबसे आशा नहीं थी कि वे यीशु की शिक्षा को समझें। अतः यही उचित है कि रूपकों की व्याख्या करने की अपेक्षा उनका ज्यों का त्यों अनुवाद किया जाए।

दीया
एक कटोरे में जैतून का तेल डालकर उसमें बत्ती लगाकर जलाया जाता था परन्तु यहाँ मुख्य बात यह है कि उससे प्रकाश फैलता था।

तल घर में या पैमाने के नीचे नहीं रखता
“छिपा कर नहीं रखता है”

दीवट पर
“दीपदान पर” या “मेज पर” या “उपले में”

दीया तेरी आँख है
इसके अनेक अलंकार हैं। आँख का लाक्षणिक उपयोग देखने के लिए भी किया जाता है जो समझ का रूपक है। देह मनुष्य के जीवन का भी द्योतक है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तेरी आँख का दीपक है”। (देखें और और) क्योंकि यीशु सबके लिए एक सत्य की चर्चा कर रहा था इसलिए इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “आँख मानवीय देह का दीपक है।

तेरी आँख निर्मल है
“जब तेरी दृष्टि उत्तम है” या “जब तू स्पष्ट देख सकता है”,

तेरा सारा शरीर भी उजियाला है।
उजियाला सत्य का रूपक है जिसका अर्थ है, “तेरा संपूर्ण जीवन सत्य ज्योति से पूर्ण है” या “उसका संपूर्ण जीवन सत्य से पूर्ण है”

वह बुरी है तो तेरा शरीर भी अन्धेरा है
अन्धेरा झूठ का रूपक है। इसका अर्थ है, “यदि तेरी दृष्टि अच्छी नहीं तो तेरा संपूर्ण जीवन झूठ से भरा है”।

Luke 11:37

भोजन करने बैठा
“भोजन तख्त पर बैठा” उनकी प्रथा में भोजन करते समय आधा लेटकर भोजन किया जाता था।

धोना
“हाथ नहीं धोए” या “संस्कारिक रीति से हाथ नहीं धोए”, फरीसियों का एक नियम था कि परमेश्वर के समक्ष संस्कारिक शुद्धता के लिए हाथ धोना आवश्यक है।

Luke 11:39

तुम कटोरे और थाली को ऊपर-ऊपर से मांझते हो
बर्तनों को बाहर से धोना फरीसियों का सांस्कारिक अभ्यास था।

परन्तु तुम्हारे भीतर अन्धेरा और दुष्टता भरी है
इस रूपक द्वारा पात्रों के भीतर की शुद्धता की तुलना उनके मन की दशा से की गई है।

जिसने बाहर का भाग बनाया क्या उसने भीतर का भाग नहीं बनाया?
यह एक अलंकारिक प्रश्न है। यीशु उस फरीसी को झिड़क रहा था कि वह समझता नहीं कि परमेश्वर मन को देखता है। इसका अनुवाद सकारात्मक वाक्य में किया जा सकता है जैसा यू.डी.बी. में किया गया है।

भीतर वाली वस्तुओं को दान कर दो
“भीतर जो है उसे गरीबों में बांट दो” इसका अर्थ है, “अपने भीतर के भाग को परमेश्वर पर केन्द्रित कर अपेक्षा इसके कि केवल बाहरी सफाई करे”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 11:42

x
(यीशु फरीसी ही से बातें कर रहा है)

तुम पोदीने और सुदाब का और सब भांति के साग-पात का दशमांश देते हो।
"तुम अपने पोदीने, ब्राहमी और सब्जियों का दसवां भाग परमेश्वर को देते हो"। यीशु एक उदाहरण दे रहा था कि फरीसी अपनी आय का दसवां भाग परमेश्वर को देने में कैसे कट्टर थे।

पोदीने और सुदाब
ये पत्ते हैं सुगन्ध के लिए भोजन में डाले जाते है। यदि आपके पाठक पोदीना और ब्राहमी नहीं जानते तो आप किसी मसाले के नाम काम में लें या केवल सुगन्धित पत्ते कहें।

सब भांति के साग-पात
इसके संभावित अर्थ हैं (1) हर एक सब्जी का" या (2) बगीचे के हर एक पौधे का"

उन्हें भी न छोड़ते
यह दोहरी नकारात्मकता को सकारात्मक वाक्य में अनुवाद किया जा सकता है, "अन्य उचित कार्य भी करते"

Luke 11:43

x
(यीशु फरीसियों ही से बातें कर रहा है)

मुख्य-मुख्य आसन
"सम्मानित स्थान"

छिपी कब्रों के समान हो जिन पर लोग चलते हैं परन्तु नहीं जानते
यह एक उपमा है। फरीसी छिपी हुई कब्रों के सदृश्य थे क्योंकि वे सांसारिक रूप से शुद्ध दिखते थे परन्तु उनके कारण मनुष्य अशुद्ध होता था। यह समानता यू.डी.बी. में अधिक स्पष्ट की गई है।

छिपी कब्रें ।
ये कब्रें भूमि में खोद कर मृतकों को गाड़ने की थी। उन्हें सफेद पत्थरों से ढांका नहीं जाता था कि लोग उन्हें देख पाएं। यदि कोई कब्र पर चढ़ जाए तो वह अशुद्ध हो जाता था।

Luke 11:45

तुम ऐसे बोझ.... मनुष्यों पर लादते हो
"तुम मनुष्यों पर ऐसा बोझ डालते हो कि वे उठा नहीं सकते, यह एक रूपक है। मनुष्यों को नियमों के अधीन करना ऐसा है जैसा उन पर भारी बोझ डालना। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "तुम मनुष्यों को पालन करने के लिए बहुत नियम देते हो"।

उन बोझों को एक उँगली से भी नहीं छूते
"परन्तु तुम उँगली लगा कर भी बोझ उठाने में उनकी सहायता नहीं करते"। इसका अर्थ है, "परन्तु उन नियमों का पालन करने में तुम मनुष्यों की लेशमात्र भी सहायता नहीं करते।

Luke 11:47

x
(यीशु विधि शिक्षकों से ही बातें कर रहा है)

(और यह भी)
इस उक्ति द्वारा भविष्यद्वक्ताओं के प्रति उनके सम्मान ओर उनके पूर्वजों द्वारा भविष्यद्वक्ताओं की हत्या के मध्य विषमता की ओर ध्यान आकर्षित करवाया गया है।

तुम गवाह हो और अपने बाप दादों के कामों से सहमत हो।
यहाँ झिड़की निहित है, "तुमने उनके कामों को अनुचित नहीं कहा"। वे भविष्यद्वक्ताओं की हत्याओं के बारे में जानते थे परन्तु उन्हें दोषी नहीं ठहराते थे।

Luke 11:49

x
(यीशु धर्म गुरूओं से ही बातें कर रहा है)

इसलिए
यह उंगली अभिव्यक्ति से संबन्धित है। परमेश्वर और भविष्यद्वक्ताओं को भेजेगा कि सिद्ध करे कि वह पीढ़ी अपने पूर्वजों के सदृश्य उनकी हत्या करेगी।

परमेश्वर की बुद्धि
"परमेश्वर ने अपनी बुद्धि के द्वारा कहा" या "परमेश्वर ने बुद्धिमानी से कहा"

"मैं.... भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों को भेजूंगा
"मैं" अपने लोगों में भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों को भेजूंगा"।

वे उनमें से कुछ को मार डालेंगे
"मेरे लोग कुछ भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों को मार डालेंगे"।

जितने भी भविष्यद्वक्ताओं का लहू.... बहाया गया है सब का लेखा इस युग के लोगों से लिया जाएगा।
लहू बहाने का संदर्भ भविष्यद्वक्ताओं की हत्या से है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "जितने भी भविष्यद्वक्ताओं की आज तक हत्या की गई है उनके लहू का लेखा लिया जाएगा।

जकर्याह
वह संभवतः 2 इतिहास में वर्णित भविष्यद्वक्ता है, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का पिता नहीं।

Luke 11:52

x
(यीशु विधि शिक्षकों से ठीक कह रहा है कि वे परमेश्वर के विरूद्ध कैसे पाप करते हैं।)

कुंजी ले तो ली
इस रूपक का अर्थ है, "तुमने मनुष्यों को परमेश्वर के सत्य में प्रवेश करने से बाधित किया है"। इसका अनुवाद उपमा देकर भी किया जा सकता है जैसे यू.डी.बी. में किया गया है।

कुंजी
यह पहुंचने का साधन दर्शाता है जैसे किसी घर में या भण्डारगृह में पहुँचना है।

आप ही प्रवेश नहीं किया
"तुम स्वयं ज्ञान ग्रहण करने हेतु प्रवेश नहीं करते" इस रूपक का अर्थ है, "तुम स्वयं ज्ञान का उपयोग करते हो।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 11:53

जब वह वहां से निकला
“जब यीशु उस फरीसी के घर से चला गया”

उसके मुंह की कोई बात पकड़ें
यह एक रूपक है। वे चाहते थे कि यीशु कोई अनुचित बात कहे और वे उस पर दोष लगाएं। इसका अनुवाद रूपक के बिना किया जा सकता है जैसा यू.डी.बी. में किया गया है।

Translation Questions

Luke 11:2

यीशु ने अपने चेलों को कौन सी प्रार्थना सिखाई थी?
यीशु ने प्रार्थना की, "हे पिता, तेरा नाम पवित्र माना जाए, तेरा राज्य आए, हमारी दिन भर की रोटी हर दिन हमें दिया कर और हमारे पापों को क्षमा कर, क्योंकि हम भी अपने हर एक अपराधी को क्षमा करते हैं, और हमें परीक्षा में न ला"।

Luke 11:8

यीशु के इस दृष्टान्त में उस मित्र ने मध्य रात्री उठ कर अपने मित्र को रोटी क्यों दी?
उसके मित्र के निर्लज दबाव के कारण।

Luke 11:13

स्वर्गीय पिता मांगने वालों को क्या देगा?
वह पवित्र आत्मा देगा।

Luke 11:15

यीशु को दुष्टात्माएं निकालते देख उस पर क्या दोष लगाया गया था?
उन्होंने यीशु पर दोष लगाया कि वह दुष्टात्माओं के सरदार बालजबूल की सहायता से दुष्टात्माएं निकालता है।

Luke 11:20

यीशु ने उत्तर दिया कि वह किसकी सहायता से दुष्टात्माएं निकालता है?
वह परमेश्वर के सामर्थ्य से दुष्टात्माएं निकालता था।

Luke 11:26

यदि कोई दुष्टात्मा मनुष्य को छोड़ कर चली जाए परन्तु पुनः आ जाए तो उस मनुष्य की अन्तिम दशा कैसी होगी?
अब मनुष्य की अन्तिम दशा पहले से भी बुरी हो जायेगी।

Luke 11:28

जब एक स्त्री ने ऊंचे शब्दों में यीशु की माता को धन्य कहा तब यीशु ने किसको धन्य कहा था?
वे जो परमेश्वर का वचन सुनते और मानते हैं।

Luke 11:31

पुराने नियम के कौन से दो नायकों से भी यीशु ने स्वयं को बड़ा बताया?
सुलैमान और योना।

Luke 11:39

यीशु ने फरीसियों के भीतर क्या भरा हुआ बताया?
यीशु ने कहा कि वे लालसा और दुष्टता से भरे थे।

Luke 11:42

यीशु ने फरीसियों द्वारा अनदेखी बात कौन सी बताई?
उन्होंने न्याय और परमेश्वर के प्रेम को अनदेखा किया था।

Luke 11:46

यीशु ने मनुष्यों के साथ शास्त्रियों के व्यवहार को कैसा बताया?
वे मनुष्यों पर भारी बोझ ला देते थे परन्तु स्वयं उसमें उंगली भी नहीं लगाते थे।

Luke 11:50

यीशु ने इस पीढ़ी को किस अपराध का दोषी ठहराया?
वे संसार के आरंभ से अब तक भविष्यद्वक्ताओं के लहू के दोषी ठहरेंगे।

Luke 11:54

यीशु की बातें सुनकर फरीसियों और शास्त्रियों ने क्या किया?
उन्होंने उसके साथ विवाद करके उसी के शब्दों में उसे फंसाने का प्रयास किया।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 12

1 इतने में जब हजारों की भीड़ लग गई, यहाँ तक कि एक दूसरे पर गिरे पड़ते थे, तो वह सबसे पहले अपने चेलों से कहने लगा, “फरीसियों के कपटरूपी ख़मीर
से सावधान रहना। 2 कुछ ढपा नहीं, जो खोला न जाएगा; और न कुछ छिपा है, जो जाना न जाएगा। 3 इसलिए जो कुछ तुम ने अंधेरे में कहा है, वह उजाले में
सुना जाएगा; और जो तुम ने भीतर के कमरों में कानों कान कहा है, वह छतों पर प्रचार किया जाएगा।

4 “परन्तु मैं तुम से जो मेरे मित्र हो कहता हूँ, कि जो शरीर को मार सकते हैं और उससे ज्यादा और कुछ नहीं कर सकते, उनसे मत डरो। 5 मैं तुम्हें चेतावनी देता
हूँ कि तुम्हें किस से डरना चाहिए, मारने के बाद जिसको नरक में डालने का अधिकार है, उसी से डरो; वरन् मैं तुम से कहता हूँ उसी से डरो। 6 क्या दो पैसे की
पाँच गौरैयाँ नहीं बिकती? फिर भी परमेश्वर उनमें से एक को भी नहीं भूलता। 7 वरन् तुम्हारे सिर के सब बाल भी गिने हुए हैं, अतः डरो नहीं, तुम बहुत गौरैयों से
बढ़कर हो।

8 “मैं तुम से कहता हूँ जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे मान लेगा उसे मनुष्य का पुत्र भी परमेश्वर के स्वर्गदूतों के सामने मान लेगा। 9 परन्तु जो मनुष्यों के सामने
मुझे इन्कार करे उसका परमेश्वर के स्वर्गदूतों के सामने इन्कार किया जाएगा।

10 “जो कोई मनुष्य के पुत्र के विरोध में कोई बात कहे, उसका वह अपराध क्षमा किया जाएगा। परन्तु जो पवित्र आत्मा की निन्दा करें, उसका अपराध क्षमा
नहीं किया जाएगा।

11 “जब लोग तुम्हें आराधनालयों और अधिपतियों और अधिकारियों के सामने ले जाएँ, तो चिन्ता न करना कि हम किस रीति से या क्या उत्तर दें, या क्या कहें।
12 क्योंकि पवित्र आत्मा उसी घड़ी तुम्हें सीखा देगा, कि क्या कहना चाहिए।”

13 फिर भीड़ में से एक ने उससे कहा, “हे गुरु, मेरे भाई से कह, कि पिता की संपत्ति मुझे बाँट दे*।” 14 उसने उससे कहा, “हे मनुष्य, किस ने मुझे तुम्हारा
न्यायी या बाँटनेवाला नियुक्त किया है?” (निर्ग. 2:14) 15 और उसने उनसे कहा, “सावधान रहो, और हर प्रकार के लोभ से अपने आप को बचाए रखो; क्योंकि
किसी का जीवन उसकी संपत्ति की बहुतायत से नहीं होता।”

16 उसने उनसे एक दृष्टान्त कहा, “किसी धनवान की भूमि में बड़ी उपज हुई। 17 “तब वह अपने मन में विचार करने लगा, कि मैं क्या करूँ, क्योंकि मेरे यहाँ
जगह नहीं, जहाँ अपनी उपज इत्यादि रखूँ। 18 और उसने कहा, ‘मैं यह करूँगा: मैं अपनी बखारियाँ तोड़ कर उनसे बड़ी बनाऊँगा; और वहाँ अपना सब अन्न
और संपत्ति रखूँगा; 19 ‘और अपने प्राण से कहूँगा, कि प्राण, तेरे पास बहुत वर्षों के लिये बहुत संपत्ति रखी है; चैन कर, खा, पी, सुख से रह।’ 20 परन्तु
परमेश्वर ने उससे कहा, ‘हे मूर्ख! इसी रात तेरा प्राण तुझ से ले लिया जाएगा; तब जो कुछ तूने इकट्ठा किया है, वह किसका होगा?’ 21 ऐसा ही वह मनुष्य भी
है जो अपने लिये धन बटोरता है, परन्तु परमेश्वर की दृष्टि में धनी नहीं।”

22 फिर उसने अपने चेलों से कहा, “इसलिए मैं तुम से कहता हूँ, अपने जीवन की चिन्ता न करो, कि हम क्या खाएँगे; न अपने शरीर की, कि क्या पहनेंगे। 23
क्योंकि भोजन से प्राण, और वस्त्र से शरीर बढ़कर है। 24 कौवों पर ध्यान दो; वे न बोते हैं, न काटते; न उनके भण्डार और न खत्ता होता है; फिर भी परमेश्वर
उन्हें खिलाता है। तुम्हारा मूल्य पक्षियों से कहीं अधिक है (भज. 147:9) 25 तुम में से ऐसा कौन है, जो चिन्ता करने से अपने जीवनकाल में एक घड़ी भी बढ़ा
सकता है? 26 इसलिए यदि तुम सबसे छोटा काम भी नहीं कर सकते, तो और बातों के लिये क्यों चिन्ता करते हो? 27 सोसनों पर ध्यान करो, कि वे कैसे बढ़ते
हैं; वे न परिश्रम करते, न काटते हैं; फिर भी मैं तुम से कहता हूँ, कि सुलैमान भी अपने सारे वैभव में, उनमें से किसी एक के समान वस्त्र पहने हुए न था। 28
इसलिए यदि परमेश्वर मैदान की घास को जो आज है, और कल भट्ठी में झोंकी जाएगी, ऐसा पहनाता है; तो हे अल्पविश्वासियों, वह तुम्हें अधिक क्यों न
पहनाएगा? 29 और तुम इस बात की खोज में न रहो, कि क्या खाएँगे और क्या पीएँगे, और न सन्देह करो। 30 क्योंकि संसार की जातियाँ इन सब वस्तुओं की
खोज में रहती हैं और तुम्हारा पिता जानता है, कि तुम्हें इन वस्तुओं की आवश्यकता है। 31 परन्तु उसके राज्य की खोज में रहो, तो ये वस्तुएँ भी तुम्हें मिल
जाएँगी।

32 “हे छोटे झुण्ड, मत डर; क्योंकि तुम्हारे पिता को यह भाया है, कि तुम्हें राज्य दे। 33 अपनी संपत्ति बेचकर* दान कर दो; और अपने लिये ऐसे बटुए बनाओ,
जो पुराने नहीं होते, अर्थात् स्वर्ग पर ऐसा धन इकट्ठा करो जो घटता नहीं, जिसके निकट चोर नहीं जाता, और कीड़ा नाश नहीं करता। 34 क्योंकि जहाँ तुम्हारा
धन है, वहाँ तुम्हारा मन भी लगा रहेगा।

35 “तुम्हारी कमर बंधी रहें, और तुम्हारे दीये जलते रहें। (निर्ग. 12:11, 2 राजा. 4:29, इफि. 6:14, मत्ती 5:16) 36 और तुम उन मनुष्यों के समान बनो, जो
अपने स्वामी की प्रतीक्षा कर रहे हों, कि वह विवाह से कब लौटेगा; कि जब वह आकर द्वार खटखटाएँ तो तुरन्त उसके लिए खोल दें। 37 धन्य हैं वे दास, जिन्हें
स्वामी आकर जागते पाए; मैं तुम से सच कहता हूँ, कि वह कमर बाँध कर उन्हें भोजन करने को बैठाएगा, और पास आकर उनकी सेवा करेगा। 38 यदि वह रात
के दूसरे पहर या तीसरे पहर में आकर उन्हें जागते पाए, तो वे दास धन्य हैं। 39 परन्तु तुम यह जान रखो, कि यदि घर का स्वामी जानता, कि चोर किस घड़ी
आएगा, तो जागता रहता, और अपने घर में सेंध लगने न देता। 40 तुम भी तैयार रहो; क्योंकि जिस घड़ी तुम सोचते भी नहीं, उस घड़ी मनुष्य का पुत्र आ
जाएगा।”

41 तब पतरस ने कहा, “हे प्रभु, क्या यह दृष्टान्त तू हम ही से या सबसे कहता है।” 42 प्रभु ने कहा, “वह विश्वासयोग्य और बुद्धिमान भण्डारी कौन है, जिसका
स्वामी उसे नौकर-चाकरों पर सरदार ठहराए कि उन्हें समय पर भोजन सामग्री दे। 43 धन्य है वह दास, जिसे उसका स्वामी आकर ऐसा ही करते पाए। 44 मैं
तुम से सच कहता हूँ; वह उसे अपनी सब संपत्ति पर अधिकारी ठहराएगा। 45 परन्तु यदि वह दास सोचने लगे, कि मेरा स्वामी आने में देर कर रहा है, और दासों

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

और दासियों को मारने-पीटने और खाने-पीने और पियक्कड़ होने लगे। **46** तो उस दास का स्वामी ऐसे दिन, जब वह उसकी प्रतीक्षा न कर रहा हो, और ऐसी घड़ी जिसे वह जानता न हो, आएगा और उसे भारी ताड़ना देकर उसका भाग विश्वासघाती के साथ ठहराएगा। **47** और वह दास जो अपने स्वामी की इच्छा जानता था*, और तैयार न रहा और न उसकी इच्छा के अनुसार चला, बहुत मार खाएगा। **48** परन्तु जो नहीं जानकर मार खाने के योग्य काम करे वह थोड़ी मार खाएगा, इसलिए जिसे बहुत दिया गया है, उससे बहुत माँगा जाएगा; और जिसे बहुत सौंपा गया है, उससे बहुत लिया जाएगा।

49 "मैं पृथ्वी पर आग* लगाने आया हूँ; और क्या चाहता हूँ केवल यह कि अभी सुलग जाती! **50** मुझे तो एक बपतिस्मा लेना है; और जब तक वह न हो ले तब तक मैं कैसी व्यथा में रहूँगा! **51** क्या तुम समझते हो कि मैं पृथ्वी पर मिलाप कराने आया हूँ? मैं तुम से कहता हूँ; नहीं, वरन् अलग कराने आया हूँ। **52** क्योंकि अब से एक घर में पाँच जन आपस में विरोध रखेंगे, तीन दो से दो तीन से। **53** पिता पुत्र से, और पुत्र पिता से विरोध रखेगा; माँ बेटी से, और बेटी माँ से, सास बहू से, और बहू सास से विरोध रखेगी।" (मीका 7:6)

54 और उसने भीड़ से भी कहा, "जब बादल को पश्चिम से उठते देखते हो, तो तुरन्त कहते हो, कि वर्षा होगी; और ऐसा ही होता है। **55** और जब दक्षिणी हवा चलती देखते हो तो कहते हो, कि लूह चलेगी, और ऐसा ही होता है। **56** हे कपटियों, तुम धरती और आकाश के रूप में भेद कर सकते हो, परन्तु इस युग के विषय में क्यों भेद करना नहीं जानते?

57 "तुम आप ही निर्णय क्यों नहीं कर लेते, कि उचित क्या है? **58** जब तू अपने मुद्दई के साथ न्यायाधीश के पास जा रहा है, तो मार्ग ही में उससे छूटने का यत्न कर ले ऐसा न हो, कि वह तुझे न्यायी के पास खींच ले जाए, और न्यायी तुझे सिपाही को सौंपे और सिपाही तुझे बन्दीगृह में डाल दे। **59** मैं तुम से कहता हूँ, कि जब तक तू पाई-पाई न चुका देगा तब तक वहाँ से छूटने न पाएगा।"

Luke 12:1

इतने में
जब वे षड्यंत्र रच रहे थे

हजारों की भीड़
"हजारों लोग" या "विशाल जनसमूह"

एक दूसरे पर गिरे पड़ते थे
यह एक अतिशयोक्ति है जो दर्शाती है कि वहां बहुत अधिक लोग थे। इसका अर्थ है कि वे धक्का-मुक्की कर रहे थे।

सबसे पहले अपने शिष्यों से कहने लगा
यीशु ने सबसे पहले अपने शिष्यों से कहा

चौकस रहना
"अनर्थ से सतर्क रहना" या "अपने को सुरक्षित रखना

फरीसियों के कपट रूपी खमीर से
यह एक रूपक है। इसका अनुवाद उपमा देकर भी किया जा सकता है, "फरीसियों के पाखंड से जो खमीर जैसा है"। जिस प्रकार कि खमीर संपूर्ण आटे में फैल जाता है उसी प्रकार उनका पाखंड भी संपूर्ण समुदाय में फैल रहा है इस संपूर्ण चेतावनी का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "सावधान रहो कि तुम भी फरीसियों के सदृश्य पाखंडी नहीं बन जाओ"। उनका कपटी व्यवहार सबको प्रभावित करता है जिस प्रकार कि खमीर आटे को पूर्णतः प्रभावित कर देता है"।

Luke 12:2

x
(यीशु अपने शिष्यों को पाखंड के प्रति चेतावनी दे रहा है)

कुछ ढका नहीं जो खोला न जाएगा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "हर एक छिपी वस्तु प्रगट होगी" या "मनुष्य के गुप्त कामों को लोग जान लेंगे"।

न कुछ छिपा है जो जाना न जाएगा
यह वाक्यांश भी वही बात कहता है जो उपरोक्त वाक्यांश में कही गई है, इसलिए कि उसके तथ्य का महत्त्व प्रकट हो।

कानों कान कहा है
अर्थात "कानों में फुसफुसाया गया है"

कोठरियों में
"बन्द कमरों में" इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "बन्द दरवाजों के पीछे" या "अकेले में" या "गुप्त रूप से"।

प्रचार किया जाएगा।
"चिल्ला-चिल्लाकर कहा जाएगा" या "मनुष्य उसका प्रचार करेंगे"।

छत पर
इस्त्राएल के घरों की छतें समतल होती थी। लोग वहां जाकर खड़े हो सकते थे। यदि पाठकों को इसकी कल्पना करने में असुविधा हो तो इसका अनुवाद अधिक सामान्य अभिव्यक्ति द्वारा किया जा सकता है, "ऊंचे स्थान से जहाँ से सबके लिए सुनना संभव हो"।

Luke 12:4

x
(यीशु अपने शिष्यों से ही बातें कर रहा है)

कुछ नहीं कर सकते
"उससे अधिक और कुछ नहीं कर सकते" या "वे इससे अधिक हानि नहीं पहुंचा सकते" या "वे तुम्हें और अधिक कष्ट नहीं दे सकते",

किससे डरना चाहिए
"परमेश्वर से डरो" या "जिसको" या "परमेश्वर से डरो क्योंकि"

घात करने के बाद
"तुम्हें मारने के बाद" या "किसी को मार डालने के बाद"

नरक में डालने का अधिकार है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "उसके पास मनुष्य को नरक में डालने का अधिकार है"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 12:6

x
(यीशु अपने शिष्यों को समझा रहा है)

क्या दो पैसे की पांच गौरेयां नहीं बिकती”
यह एक अलंकारिक प्रश्न है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “गौरेयों पर ध्यान दो। उनका मूल्य कितना कम है कि वे पैसे में पांच मिलती हैं”

गौरेयां
ये छोटी-छोटी दाना चुगने वाली चिड़ियाँ होती हैं।

परमेश्वर उनमें से एक को भी नहीं भूलता
“परमेश्वर उनमें से एक को भी नहीं भूलता है। (यू.डी.बी.) या “परमेश्वर एक भी गौरेया की सुधि लेने से नहीं चूकता है”

तुम्हारे सिर के बाल भी गिने हुए है
“परमेश्वर जानता है कि तुम्हारे सिर पर कितने बाल हैं”

इसलिए डरो नहीं
“इसलिए मनुष्यों से डरो नहीं” या “इसलिए तुम्हें हानि पहुंचाने वाले मनुष्यों से मत डरो”।

तुम बहुत गौरेयों से बढ़ कर हो
“परमेश्वर तुम्हें अनेक गौरेयों से अधिक मूल्यवान समझता है”।

Luke 12:8

x
(यीशु अपने शिष्यों को समझा रहा है)

जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे मान लेगा
“जो लोगों से कहेगा कि वह मेरा शिष्य है” या “जो कोई मनुष्यों के समक्ष मेरे प्रति स्वामी-भक्ति स्वीकार करेगा”।

मनुष्य का पुत्र
यीशु स्वयं को संबोधित कर रहा है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मैं, मनुष्य का पुत्र”

जो मनुष्यों के सामने मेरा इनकार करे
“जो मनुष्यों के समक्ष मेरा त्याग करे”, इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जो मनुष्यों के समक्ष मेरा शिष्य होना स्वीकार न करे” या “जो मेरे प्रति स्वामी-भक्ति से इन्कार करे”

इन्कार किया जायेगा
“त्याग किया जायेगा”। इसका अनुवाद इस प्रकार यिा जा सकता है, “परमेश्वर का पुत्र भी उसका इन्कार करेगा” या “मैं उसे अपना शिष्य स्वीकार नहीं करूंगा”

जो कोई मनुष्य के पुत्र के विरोध में कोई बात करे
“जो कोई मनुष्य के पुत्र की बुराई करे”

उसका वह अपराध क्षमा किया जाएगा।
“वह क्षमा किया जाएगा” या “परमेश्वर उसके लिए उसे क्षमा कर देगा”।

जो पवित्र-आत्मा की निन्दा करे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उसे पवित्र-आत्मा के विरूद्ध बुरी बात कहे” या पवित्र-आत्मा को दुष्ट कहे”।

Luke 12:11

x
(यीशु अपने शिष्यों से ही बातें कर रहा है)

सभाओं में
आराधनालयों में धर्म-गुरूओं के समक्ष पूछताछ के लिए” (यू.डी.बी.)

अधिकारियों
“देश में जो अधिकार के पद पर नियुक्त हैं”

तो
“उस समय” या “तब”

Luke 12:13

हे मनुष्य
कुछ अनुवाद इस व्यक्ति को एक अनजान मनुष्य को संबोधित करने की विधि मानते हैं। कुछ के विचार में यीशु किस विशेष मनुष्य को झिड़क रहा था। आपकी भाषा में इन दोनों अभिव्यक्तियों को व्यक्त करने के शब्द होंगे। कुछ लोग इसका अनुवाद ही नहीं करते हैं।

किसने मुझे तुम्हारा न्यायी नियुक्त किया है?
यह एक अलंकारिक प्रश्न है। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “मैं तुम्हारा न्यायी या मध्यस्थ नहीं हूँ। जिन भाषाओं में द्विवचन है, वे यहाँ इसका उपयोग करें।

बांटनेवाला
बांटनेवाला अर्थात् समस्या का समाधान खोजने वाला।

उसने उनसे पूछा
यहाँ “उनसे” का संदर्भ संभवत: जनसमूह से है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यीशु ने जनसमूह से कहा”

हर प्रकार के लोगों से अपने आप को बचाए रखो
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “सम्पदा प्राप्ति की लालसा मन में न आने दो” या “और अधिक पाने की लालसा के अधीन न हो जाओ”।

किसी का जीवन
यह एक सामान्य तथ्य है। यह किसी व्यक्ति विशेष का बोध नहीं कराता है। कुछ भाषाओं में इसे व्यक्त करने की उक्तियां हैं।

सम्पत्ति की बहुतायत
“उसके पास कितना है” या “उसके पास कितनी धन-सम्पदा है”।

Luke 12:16

उसने उनसे .... कहा
संभवत: यीशु अब भी जनसमूह से बातें कर रहा है

बड़ी उपज हुई
“बहुत अधिक फसल आई”

बखारियां
बखारियां वे पक्के गोदाम होते है यहाँ किसान अपनी फसल और भोजन की वस्तुएं सुरक्षित रखते हैं।

सम्पत्ति
“सब सामान”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अपने प्राण से कहूंगा
“अपने आपसे कहूंगा” (यू.डी.बी.)

Luke 12:20

x
(यीशु उसी धनवान मनुष्य की कहानी सुना रहा है)

इसी रात तेरा प्राण तुझसे ले लिया जाएगा।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तू आज रात ही मर जाएगा” या “तेरी जान आज रात तुझसे ले ली जाएगी”।

“वह किसका होगा”?
“तेरा धन संचय किसका होगा”? या “तेरा एकत्र किया हुआ किसके पास जाएगा”? इस अलंकारिक प्रश्न का उद्देश्य है कि उस मनुष्य को यह बोध हो कि उसकी धन-सम्पदा अन्ततः उसकी नहीं रहेगी।

जो अपने लिए धन बटोरता है
“मूल्यवान वस्तुएं एकत्र करता है”

धनी नहीं
“आशीष या “कृपया” या “उदारतारहित”

परमेश्वर की दृष्टि में
इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विचार में” या “परमेश्वर के संबध में, इसका अर्थ है कि उस मनुष्य ने परमेश्वर के लिए जो महत्त्वपूर्ण है उसमें निवेश नहीं किया है या परमेश्वर जिसका प्रतिफल देगा उसमें निवेश नहीं किया है।

Luke 12:22

इसलिए मैं तुमसे कहता हूँ
“अतः” या “इस कारण” या “इस कहानी की शिक्षा के द्वारा”

मैं तुझ से कहता हूँ
मैं तुम्हें एक महत्त्वपूर्ण बात बताता हूँ” या “तुम्हें ध्यान से सुनने की आवश्यकता है”

अपने प्राण की चिन्ता न करो कि हम क्या खाएंगे
इसका अनुवाद हो सकता है, “अपने प्राण और भोजन की चिन्ता न करो” या “जीने के लिए पर्याप्त भोजन की”

न शरीर की, कि क्या पहनेंगे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “अपने शरीर की और वस्त्रों की” या “शरीर के लिए वस्त्रों की”

Luke 12:24

x
(यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है)

कौवों
इसका संदर्भ या तो (1) कौवों से है जो दाना खाने वाली चिडियां हैं या (2) काले कौवों से है जो मृतकों का मांस खाते हैं। यीशु के श्रोता कौवों को व्यर्थ समझते थे क्योंकि उन्हें खाया नहीं जा सकता।

तुम्हारा मूल्य पक्षियों से कहीं अधिक है।
यह संबोधन कारक है जो इस तथ्य पर बल देता है कि परमेश्वर के लिए मनुष्य पक्षियों से अधिक मूल्यवान हैं।

एक घड़ी
“यह एक रूपक है। मनुष्य का जीवन बढ़ाया नहीं जा सकता है।

Luke 12:27

x
(यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है)

सोसनों
सोसन जंगलों में उगनेवाले जंगली फूल होते हैं। यदि आपकी भाषा में सोसन का फूल नहीं है तो आप इसी प्रकार के किसी और का नाम ले सकते हैं पर केवल “फूल” शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

न कातते
“ ना ही वे वस्त्र तैयार करने के लिए धागा बनाते हैं” या “वे धागा नहीं बनाते हैं।

सुलैमान भी अपने सारे वैभव में
“सुलैमान जो बहुत ही अधिक धनवान था” या “सुलैमान जो अनमोल वस्त्र पहनता था”।

यदि परमेश्वर मैदान की घास को .... ऐसा पहनाता है
“यदि परमेश्वर मैदान में उगने वाली घास को ऐसा विभूषित करता है” या “परमेश्वर मैदान की घास को ऐसा सुसज्जित करता है”। घास को पहनाना एक रूपक है जिसका अर्थ है “घास को सौंदर्य प्रदान करना”

वह तुम्हें क्यों न पहिनाएगा?
यह संबोधन कारक है कि परमेश्वर घास की तुलना में मनुष्य की अधिक सुधि लेगा

Luke 12:29

x
(यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है)

इस बात की खोज में न रहो कि क्या खाएंगे और क्या पीएंगे।
“खाने-पीने पर ध्यान मत दो” या “बहुत खाने पीने की लालसा मत करो”

संसार की जातियां
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “संसारिक लोग” या “संसार में अविश्वासी जातियां” यहाँ अविश्वासियों के लिए लाक्षणिक प्रयोग है।

Luke 12:31

x
(यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है)

उसके राज्य की खोज में रहो
“परमेश्वर के राज्य में ध्यान लगाओ या “परमेश्वर के राज्य की लालसा करो”।

ये वस्तुएं भी तुम्हें मिल जायेंगी
“ये सब कुछ तुम्हें मिल जाएगा”, “ये वस्तुएं” अर्थात भोजन ओर वस्त्र।

हे छोटे झुण्ड
यीशु अपने शिष्यों को भेड़ों का झुण्ड कह रहा था। भेड़ों के या बकरियों के झुण्ड की रखवाली चरवाहा करता है जिस प्रकार चरवाहा अपनी भेड़ों की रखवाली करता है उसी प्रकार परमेश्वर यीशु के शिष्यों की रखवाली करेगा। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “छोटे समूह” या “प्रिय समूह”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 12:33

x
(यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है)

दान कर दो
"अपनी सम्पत्ति को बेच कर जो धनराशि प्राप्त हो वह गरीबों में बांट दो"

अपने लिए ऐसे बटुए बनाओ.... अर्थात स्वर्ग पर ऐसा धन इकट्ठा करो।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "इस प्रकार तुम अपने लिए ऐसे बटुए बनाओगे...." स्वर्ग में बटुए और धन एक ही बात हैं। दोनों ही परमेश्वर की आशिषों को द्योतक हैं।

ऐसे बटुएं बनाओ जो पुराने नहीं होते
"जिन बटुओं में छेद नहीं होता है"

पुराने नहीं होते
"घटता नहीं" या "कम नहीं होता"

Luke 12:35

x
(यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है)

तुम्हारी कमरें बंधी रहें
वे लम्बा चोगा पहनते थे और काम करते समय उसे ऊपर करके कमर पर बान्ध लेते थे कि उससे रुकावट उत्पन्न न हो। इस निहितार्थ को स्पष्ट करने के लिए इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "सेवा में तत्पर रहने के लिए वस्त्रों को कमर में कस लो" या "वस्त्र धारण करके सेवा के लिए तैयार हो जाओ।

तुम्हारे दीये जलते रहें
"अपने दीये जलते हुए रखो"।

दीये
ये छोटे कटोरे होते थे जिनमें जैतून का तेल डालकर एक बत्ती लगाई जाती थी जिसे जलाते थे।

उन मनुष्यों के समान बनों जो अपने स्वामी की बाट देख रहे हैं।
यह एक उपमा है जो यीशु के शिष्यों को यीशु के पुनः आगमन के लिए तैयार रहने की तुलना उन सेवकों से करती है जो अपने स्वामी के लौटने की प्रतीक्षा में खड़े हैं। यह एक शिक्षाप्रद कथा का आरंभ है।

विवाह से कब लौटेगा
"विवाह उत्सव से कब लौटेगा"

Luke 12:37

x
(यीशु अपने शिष्यों को एक शिक्षाप्रद कथा सुना रहा है)

धन्य है
कैसा सौभाग्य है

जिन्हें स्वामी आकर जागते पाए
"अपने आगमन पर उनका स्वामी उनकी प्रतीक्षा कर रहा था" या "जो अपने स्वामी के लिए आगमन पर तैयार पाए जाएं"।

वह कमर बांध कर उन्हें भोजन करने को बैठाएगा
यह पिछले पद का विपरीत है। क्योंकि सेवक अपने स्वामी के प्रति निष्ठावान थे इसलिए उन पर स्वामी उन्हें अपनी सेवा द्वारा प्रतिफल देगा।

वह कमर बांध कर
इसके अनुवाद में निहितार्थ को स्पष्ट किया सकता है, "वह कमर कसकर उनकी सेवा करेगा" या "तैयार होकर उनकी सेवा करेगा"

रात के दूसरे पहर
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "रात में बहुत देर से" या "मध्य रात्री से कुछ ही समय पूर्व" दूसरा पहर रात 9 बजे से 12 बजे के बीच का होता था।

या तीसरे पहर
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "यदि वह रात में बहुत देर से आए" तीसरा यह रात 12 बजे से सुबह 3 बजे तक का होता था।

Luke 12:39

x
(यीशु अपने शिष्यों को एक शिक्षाप्रद कथा सुना रहा है)

तुम सोचते भी नहीं, उसी समय मनुष्य का पुत्र आ जाएगा।
एक चोर और मनुष्य के पुत्र में एकमात्र समानता यह है कि मनुष्य दोनों ही के आगमन के बारे में नहीं जानते हैं इसलिए उन्हें सदैव तैयार रहना है।

मनुष्य का पुत्र आ जायेगा
यीशु अपने बारे में कह रहा था। अतः इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, "जब मैं, मनुष्य का पुत्र आऊंगा

Luke 12:41

तू हम ही से या सबसे कहता है
यह अलंकारिक प्रश्न का आरंभ है। यीशु ने पतरस के प्रश्न का सीधा उत्तर नहीं दिया परन्तु यह अपेक्षा की कि जो विश्वासयोग्य प्रबन्धक होना चाहते थे वे इस शिक्षाप्रद कथा को समझें। इसका आरंभ एक सरकारी व्यवस्था से किया जा सकता है, "मैंने उन सबके लिए कहा जो ...."

विश्वासयोग्य और बुद्धिमान भण्डारी
यीशु एक और शिक्षाप्रद कथा सुनाता है कि सेवक को अपने स्वामी के आगमन की प्रतीक्षा में कैसा विश्वासयोग्य होना है।

जिसका स्वामी उसे नौकरों पर सरदार ठहराए
"जिसे उसका स्वामी अपने अन्य सेवकों का व्यवस्थापक नियुक्त करे"

धन्य है वह दास
"उस सेवक का कैसा सौभाग्य है"

जिसे उसका स्वामी आकर ऐसा ही करता पाए"
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "जिसका स्वामी उसे अपना कर्तव्य निष्ठापूर्वक निभाता पाएं"

Luke 12:45

x
(यीशु अपने शिष्यों को एक शिक्षाप्रद कथा सुना रहा है)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

वह दास
अर्थात जिस सेवक को उसके स्वामी ने अपने अन्य सेवकों पर व्यवस्थापक नियुक्त किया था।

मेरा स्वामी आने में देर कर रहा है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मेरा स्वामी तो शीघ्र नहीं लौटेगा"

दासों और दासियों को
इन शब्दों का मूल अर्थ है "लड़कों" और "लड़कियों" को अर्थात या तो वे युवा थे या स्वामी के प्रिय थे।

इसका भाग अविश्वासियों के साथ पाएगा
"इसे अविश्वासियों में रखेगा", या "उसे वहां भेज देगा जहाँ उसने अविश्वासियों को रखा है।

Luke 12:47

x
(यीशु अपने शिष्यों को एक शिक्षाप्रद कथा सुना रहा है)

बहुत मार खाएगा
"उसकी बहुत" पिटाई होगी" या "कोड़ों की मार खाएगा"

जिसे बहुत दिया गया है, उससे बहुत मांगा जाएगा
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है, "उसका स्वामी उसे बहुत मारेगा" या "उसका स्वामी उसे कठोर दण्ड देगा"।

जिसे बहुत सौंपा गया उससे बहुत लिया जाएगा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "स्वामी ने जिसे बहुत सौंपा है, उससे बहुत लेगा। यदि आपने पिछले वाक्य को कर्मवाच्य वाक्य में अनुवाद किया है तो यू.डी.बी. के अनुसार अनुवाद करने का विचार करें।

जिसे बहुत सौंपा गया है
"जिसे बहुत सम्पदा का उत्तरदायित्व सौंपा गया है" या "जिसको अधिक उत्तरदायित्व सौंपा गया है।

Luke 12:49

x
(यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है)

मैं पृथ्वी पर आग लगाने आया हूँ
"मैं पृथ्वी पर आग उगलने आया हूँ" या "मैं पृथ्वी पर आग लगाने आया हूँ"

चाहता हूँ.... कि अभी सुलग जाती
इस वाक्य से प्रकट होता है कि यीशु कैसा चाहता है कि ऐसा हो। इसका अनुवाद ऐसे किया जा सकता है, "मेरी गहन इच्छा है कि आग लग चुकी होती" या अधिक सामान्य रूप में कहें तो "मेरी तो बड़ी इच्छा है कि ऐसा हो चुका होता", (वाक्यों के प्रकार का अध्याय देखें)

मुझे तो एक बपतिस्मा लेना है
यहाँ बपतिस्मा, " कष्ट सहने" रूपक स्वरूप काम में लिया गया है। जिस प्रकार बपतिस्में में मनुष्य जल मग्न हो जाता है उसी प्रकार यीशु कष्टों में मग्न हो जाएगा। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मैं कष्टों का बपतिस्मा लूंगा" या उपमा देकर, "मुझे कष्ट ऐसे डुबा देंगे जैसे बपतिस्मे में पानी मनुष्य को डुब देता है"।

परन्तु
यहाँ "परन्तु" शब्द का अर्थ है कि वह अपने कष्टों के बपतिस्में के लिए पृथ्वी पर आग नहीं लगा पाएगा।

जब तक यह न हो ले, तब तक मैं कैसी व्यवस्था में रहूंगा
इस वाक्य में उसकी मनोदशा पर बल देता है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मैं अत्यधिक व्याकुल हूं और रहूंगा भी जब तक कि मेरे कष्ट पूरे न हों"।

Luke 12:51

x
(यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है)

क्या तुम समझते हो कि मैं पृथ्वी पर मिलाप कराने आया हूँ?
यह एक अलंकारिक प्रश्न है। मनुष्यों ने मसीह से अपेक्षा की थी कि वह उन्हें बैरियों से शान्ति दिलाए। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "तुम यह न सोचो कि मैं पृथ्वी पर शान्ति स्थापित करने आया हूँ।

वरन् अलग कराने आया हूँ
"इसकी अपेक्षा मैं विभाजन कराने आया हूँ"

दल
"विरोध" या "कलह"

एक घर में पाँच जन आपस में विरोध रखेंगे
यह एक उदाहरण है कि परिवारों में भी विभाजन होगा।

Luke 12:54

वर्षा होगी
"वर्षा होने वाली है" या "पानी बरसेगा" (यू.डी.बी.)

धरती और आकाश
मौसम को देखकर

इस युग के विषय में क्यों भेद करना नहीं चाहते।
यह अलंकारिक प्रश्न झिड़की के लिए है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "तुम्हें इस समय का भी अर्थ निर्धारण करना चाहिए"।

Luke 12:57

x
(यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है)

तुम आप ही निर्णय क्यों नहीं कर लेते कि उचित क्या है?
यह एक अलंकारिक प्रश्न है जो झिड़की है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "तुम्हें तो सत्य को स्वयं ही अन्तर्ग्रहण कर लेना चाहिए" यहाँ भी सत्य के विषय यीशु की शिक्षा आरंभ होती है।

आप ही
"स्वयं ही पहल करके" या "जब तुम्हारे पास समय है" (यू.डी.बी.) इसका सलंग्न अर्थ है कि श्रोताओं को अपनी रूचि एवं बुद्धि के आधार पर काम करना है कोई उन्हें विवश न करे।

जब तू अपने मुद्दई के साथ हाकिम के पास जा रहा है
यह एक नई शिक्षाप्रद कथा का आरंभ है। यीशु परमेश्वर के आनेवाले दण्ड के लिए एक काल्पनिक परिस्थिति रच रहा है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मार्ग ही में
यद्यपि यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है, ऐसी परिस्थिति में मनुष्य अकेला ही होता है। अतः आपकी भाषा में “तू” शब्द एकवचन में होना चाहिए।

छूटने का यत्न कर ले
“अपने विरोधी के साथ समझौता कर ले”

हाकिम
न्यायाधीश, परन्तु मूल शब्द अधिक विशिष्ट एवं भयावह है।

Translation Questions

Luke 12:3

यीशु के अनुसार अंधकार में की गई बातों का क्या होगा?
वह उजाले में सुना जाएगा।

Luke 12:5

यीशु ने किसका भय मानने के लिए कहा?
जिसको नरक में डालने का अधिकार है, उसी से डरो।

Luke 12:8

यीशु उन सबके साथ क्या करेगा जो मनुष्यों में उसके नाम का अंगीकार करते हैं?
यीशु परमेश्वर के स्वर्गदूतों के समक्ष उस व्यक्ति का नाम स्वीकार करेगा।

Luke 12:15

यीशु के अनुसार हमारा जीवन क्या नहीं है?
हमारा जीवन धन संपदा की बहुतायत से नहीं है।

Luke 12:18

यीशु के इस दृष्टान्त में वह धनवान की विपुल उपज के कारण क्या करेगा?
वह अपनी बुखारियां तोड़ कर बड़े-बड़े गोदाम बनायेगा और चैन से बैठ कर खायेगा, पीएगा और आनन्द करेगा।

Luke 12:20

परमेश्वर ने उस धनवान मनुष्य से क्या कहा?
परमेश्वर ने उससे कहा, "हे मूर्ख इसी रात तेरा प्राण तुझसे ले लिया जाएगा, तब जो कुछ तूने इकट्ठा किया है वह किसका होगा?

Luke 12:31

हमें जीवन की बातों की चिन्ता करने की अपेक्षा यीशु की आज्ञा के अनुसार क्या करना चाहिए?
हमें परमेश्वर के राज्य की खोज करनी है।

Luke 12:33

यीशु की आज्ञा के अनुसार हम अपना धन कहाँ एकत्र करें और क्यों?
हमें स्वर्ग में धन एकत्र करना है क्योंकि वहाँ न तो चोर आ सकते हैं और न ही उसमें कीड़े लगते हैं।

Luke 12:37

यीशु के अनुसार परमेश्वर के कैसे सेवक धन्य हैं?
जो यीशु के आगमन पर सतर्क एवं तैयार पाये जायें वे धन्य हैं।

Luke 12:40

क्या हम यीशु के आगमन का समय जानते हैं?
नहीं।

Luke 12:46

उस दास का क्या होगा जो अन्य दासों को मारता-पीटता है तथा स्वामी के लौटने के लिए तैयार नहीं रहता है?
भारी ताड़ना देकर उसका भाग अविश्वासियों के साथ ठहराएगा।

Luke 12:48

जिन्हें अधिक दिया गया उनसे क्या अपेक्षा की जायेगी?
उससे अधिक अपेक्षा की जाएगी।

Luke 12:52

यीशु के अनुसार वह पृथ्वी पर कैसा विभाजन लाएगा?
एक ही परिवार के सदस्य एक दुसरे के विरोधी होकर विभाजित हो जायेंगे।

Luke 12:58

यीशु की आज्ञा के अनुसार न्यायाधीश के सम्मुख उपस्थित किए जाने से पूर्व हमें अपने विरोधियों के साथ क्या कर लेना चाहिए?
हमें पहले ही समझौता करने का प्रयास करना है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 13

1 उस समय कुछ लोग आ पहुँचे, और उससे उन गलीलियों की चर्चा करने लगे, जिनका लहू पिलातुस ने उन ही के बलिदानों के साथ मिलाया था। **2** यह सुनकर यीशु ने उनको उत्तर में यह कहा, “क्या तुम समझते हो, कि ये गलीली बाकी गलीलियों से पापी थे कि उन पर ऐसी विपत्ति पड़ी?” **3** मैं तुम से कहता हूँ, कि नहीं; परन्तु यदि तुम मन न फिराओगे* तो तुम सब भी इसी रीति से नाश होंगे। **4** या क्या तुम समझते हो, कि वे अठारह जन जिन पर शीलोह का गुम्मट गिरा, और वे दबकर मर गए: यरूशलेम के और सब रहनेवालों से अधिक अपराधी थे? **5** मैं तुम से कहता हूँ, कि नहीं; परन्तु यदि तुम मन न फिराओगे तो तुम भी सब इसी रीति से नाश होंगे।”

6 फिर उसने यह दृष्टान्त भी कहा, “किसी की अंगूर की बारी* में एक अंजीर का पेड़ लगा हुआ था : वह उसमें फल ढूँढ़ने आया, परन्तु न पाया। (मत्ती 21:19-20, मर. 11:12-14) **7** तब उसने बारी के रखवाले से कहा, ‘देख तीन वर्ष से मैं इस अंजीर के पेड़ में फल ढूँढ़ने आता हूँ, परन्तु नहीं पाता, इसे काट डाल कि यह भूमि को भी क्यों रोके रहे?’ **8** उसने उसको उत्तर दिया, कि हे स्वामी, इसे इस वर्ष तो और रहने दे; कि मैं इसके चारों ओर खोदकर खाद डालूँ। **9** अतः आगे को फले तो भला, नहीं तो उसे काट डालना।”

10 सब्त के दिन वह एक आराधनालय में उपदेश दे रहा था। **11** वहाँ एक स्त्री थी, जिसे अठारह वर्ष से एक दुर्बल करनेवाली दुष्टात्मा लगी थी, और वह कुबड़ी हो गई थी, और किसी रीति से सीधी नहीं हो सकती थी। **12** यीशु ने उसे देखकर बुलाया, और कहा, “हे नारी, तू अपनी दुर्बलता से छूट गई।” **13** तब उसने उस पर हाथ रखे, और वह तुरन्त सीधी हो गई, और परमेश्वर की बड़ाई करने लगी। **14** इसलिए कि यीशु ने सब्त के दिन उसे अच्छा किया था*, आराधनालय का सरदार रिसियाकर लोगों से कहने लगा, “छः दिन हैं, जिनमें काम करना चाहिए, अतः उन ही दिनों में आकर चंगे हो; परन्तु सब्त के दिन में नहीं।” (निर्ग. 20:9-10, व्य. 5:13-14) **15** यह सुन कर प्रभु ने उत्तर देकर कहा, “हे कपटियों, क्या सब्त के दिन तुम में से हर एक अपने बैल या गदहे को थान से खोलकर पानी पिलाने नहीं ले जाता? **16** “और क्या उचित न था, कि यह स्त्री जो अब्राहम की बेटी है, जिसे शैतान ने अठारह वर्ष से बाँध रखा था, सब्त के दिन इस बन्धन से छुड़ाई जाती?” **17** जब उसने ये बातें कहीं, तो उसके सब विरोधी लज्जित हो गए, और सारी भीड़ उन महिमा के कामों से जो वह करता था, आनन्दित हुई।

18 फिर उसने कहा, “परमेश्वर का राज्य किसके समान है? और मैं उसकी उपमा किससे दूँ? **19** वह राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने लेकर अपनी बारी में बोया: और वह बढ़कर पेड़ हो गया; और आकाश के पक्षियों ने उसकी डालियों पर बसेरा किया।” (मत्ती 13:31-32, यहे. 31:6, दानि. 4:21) **20** उसने फिर कहा, “मैं परमेश्वर के राज्य कि उपमा किस से दूँ? **21** वह ख़मीर के समान है, जिसको किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिलाया, और होते-होते सब आटा ख़मीर हो गया।”

22 वह नगर-नगर, और गाँव-गाँव होकर उपदेश देता हुआ यरूशलेम की ओर जा रहा था। **23** और किसी ने उससे पूछा, “हे प्रभु, क्या उद्धार पानेवाले थोड़े हैं?” उसने उनसे कहा, **24** “सकेत द्वार से प्रवेश करने का यत्न करो, क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि बहुत से प्रवेश करना चाहेंगे, और न कर सकेंगे। **25** जब घर का स्वामी उठकर द्वार बन्द कर चुका हो, और तुम बाहर खड़े हुए द्वार खटखटाकर कहने लगो, ‘हे प्रभु, हमारे लिये खोल दे,’ और वह उत्तर दे कि मैं तुम्हें नहीं जानता, तुम कहाँ के हो? **26** तब तुम कहने लगोगे, ‘कि हमने तेरे सामने खाया-पीया और तूने हमारे बजारों में उपदेश दिया।’ **27** परन्तु वह कहेगा, मैं तुम से कहता हूँ, ‘मैं नहीं जानता तुम कहाँ से हो। हे कुकर्म करनेवालों, तुम सब मुझसे दूर हो।’ (भज. 6:8) **28** वहाँ रोना और दाँत पीसना होगा, जब तुम अब्राहम और इसहाक और याकूब और सब भविष्यद्वक्ताओं को परमेश्वर के राज्य में बैठे, और अपने आप को बाहर निकाले हुए देखोगे। **29** और पूर्व और पश्चिम; उत्तर और दक्षिण से लोग आकर परमेश्वर के राज्य के भोज में भागी होंगे। (यशा. 66:18, प्रका. 7:9, भज. 107:3, मला. 1:11) **30** यह जान लो, कितने पिछले हैं वे प्रथम होंगे, और कितने जो प्रथम हैं, वे पिछले होंगे।”

31 उसी घड़ी कितने फरीसियों ने आकर उससे कहा, “यहाँ से निकलकर चला जा; क्योंकि हेरोदेस तुझे मार डालना चाहता है।” **32** उसने उनसे कहा, “जाकर उस लोमड़ी से कह दो, कि देख मैं आज और कल दुष्टात्माओं को निकालता और बीमारों को चंगा करता हूँ और तीसरे दिन अपना कार्य पूरा करूँगा। **33** तो भी मुझे आज और कल और परसों चलना अवश्य है, क्योंकि हो नहीं सकता कि कोई भविष्यद्वक्ता यरूशलेम के बाहर मारा जाए।

34 “हे यरूशलेम! हे यरूशलेम! तू जो भविष्यद्वक्ताओं को मार डालता है, और जो तेरे पास भेजे गए उन्हें पत्थराव करता है; कितनी ही बार मैंने यह चाहा, कि जैसे मुर्गी अपने बच्चों को अपने पंखों के नीचे इकट्ठे करती है, वैसे ही मैं भी तेरे बालकों को इकट्ठे करूँ, पर तुम ने यह न चाहा। **35** देखो, तुम्हारा घर तुम्हारे लिये उजाड़ छोड़ा जाता है, और मैं तुम से कहता हूँ; जब तक तुम न कहोगे, ‘धन्य है वह, जो प्रभु के नाम से आता है,’ तब तक तुम मुझे फिर कभी न देखोगे।” (भज. 118:26, यिर्म. 12:7)

Luke 13:1

उस समय
इस उक्ति द्वारा यह घटना अध्याय 12 के अन्त से जोड़ी गई है जिसमें यीशु जनसमूह को शिक्षा दे रहा था।

जिनका लहू पिलातुस ने उन्हीं के बलिदानों के साथ मिला दिया था।
यह एक रूपक है जिसमें उनकी मृत्यु को लहू कहा गया है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जब जो बलिदान चढ़ाते समय पिलातुस द्वारा मार डाले गए थे”। पिलातुस ने स्वयं नहीं अपने सैनिकों को आज्ञा देकर उनकी हत्या करवाई थी। (देखें: Metonymy)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्या तुम समझते हो कि ये गलीली और सब गलातियों से अधिक पापी थे?
“क्या वे गलीलवासी अधिक पापी थे”? या “इससे क्या यह सिद्ध होता है कि ये गलीली अधिक पापी थे”? यह एक अलंकारिक प्रश्न है। यह सकारात्मक वाक्य में अनुवाद किया जा सकता है, “तुम सोचते हो कि ये गलीली अधिक पापी थे” या आदेशात्मक वाक्य में, “यह न सोचों कि ये गलीली अधिक पापी थे”।

मैं तुमसे कहता हूँ कि नहीं
यीशु ने कहा, “मैं तुमसे कहता हूँ” तो वह “नहीं” पर बल देने के लिए था। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “निश्चय ही नहीं”। इसके संभावित अर्थ है, “निश्चय ही वे अधिक पापी नहीं थे” या “उनका पीड़ित अन्त निश्चय ही सिद्ध नहीं करता कि वे पापी थे”। इसका अनुवाद हो सकता है, “तुम्हारा यह विचार अनुचित है।

तुम सब इसी रीति से नष्ट होगे
“तुम सब भी मरोगे”, यहाँ “इसी रीति से” का अर्थ है, “परिणाम यही होगा”, न कि “इसी रूप में घात किए जाओगे”

नष्ट होगें
“तुम्हारे जीवन का अन्त” या “मरोगे”

Luke 13:4

x
(यीशु जनसमूह से ही बातें कर रहा है)

या वे
यीशु ऐसे ही दुर्भाग्य का दूसरा उदाहरण दे रहा है। इसका आरंभ इस प्रकार हो सकता है, “या उन अठारह जनों को ही देख लो” या “उन अठारह जनों पर विचार करो” इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तुम सोचते हो कि वे अधिक पापी थे” या आदेशात्मक वाक्य में

“यह मत सोचो कि वे अधिक पापी थे”।
“क्या वे अधिक पापी थे” या “क्या यह सिद्ध होता है कि वे अधिक पापी है?” यह एक अलंकारिक प्रश्न है। यह एक कथन द्वारा अनुवाद किया जा सकता है: “आपको लगता है कि वे अधिक पापी है” या एक आदेश के रूप में “क्या आप को लगता है कि वे अधिक पापी है।”

यरूशलेम के सब रहनेवालों से
“अन्य नागरिकों से”

मैं तुमसे कहता कि कि नहीं
यहाँ यीशु, “मैं तुमसे कहता हूँ” कह कर “नहीं” पर बल डाल रहा है। इसका अनुवाद किया जा सकता है, “निश्चय ही नहीं”? इसके संभावित अर्थ हैं, “वे निश्चय ही अधिक पापी नहीं थे” या “उनका अनुवाद दुर्भाग्य निश्चय ही को सिद्ध नहीं करता है”, इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तुम ऐसा सोचते हो तो तुम गलत हो”।

नष्ट होगें
“तुम्हारे जीवन का अन्त” या “मरोगे”

Luke 13:6

x
(यीशु जनसमूह से ही बातें कर रहा है)

यीशु ने यह शिक्षाप्रद कथा सुनाई
यीशु ने पिछले पद में कही गई अपनी बात को समझाने के लिए यह कथा सुनाई कि वे या तो अपने पापों से विमुख हों या नष्ट हों।

यह भूमि को भी क्यों रोके
यह एक अलंकारिक प्रश्न है। इसका अनुवाद विधान वाचक वाक्य में किया जा सकता है जैसा यू.डी.बी. में किया गया है या आदेशात्मक वाक्य में, “इसे भूमि रोकने न दे”।

Luke 13:8

x
(यीशु शिक्षाप्रद कथा सुना रहा है)

रहने दे
“इस वृक्ष को अभी छोड़ दे”या “इसे अभी मत काट”

खाद डालूँ
“इसकी जड़ों की मिट्टी में खाद डालूँ” खाद पशुओं का गोबर होता था जिसे वे मिट्टी में मिलाते थे कि पेड़-पौधों का भोजन हो।

उसे काट डालना
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “तब मुझे काटने दे” या “तब मुझसे काटने को कहना। वह सेवक सुझाव दे रहा था। वह अपने स्वामी को आज्ञा नहीं दे रहा था।

Luke 13:10

सब्त के दिन
कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद “सब्त पर” किया गया है क्योंकि हम नहीं जानते कि वह सब्त कौन सा था।

देखो
यहाँ “देखो” कहानी में एक नए मनुष्य के प्रवेश की सूचना देता है। आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति हो सकती है।

दुर्बल करनेवाली दुष्टात्मा
“दुर्बल दुष्टात्मा ने उसे दुर्बल कर दिया था”

Luke 13:12

तू अपनी दुर्बलता से छूट गई
“तू विकारमुक्त हो गई” यह कह कर यीशु उसकी मुक्ति ला रहा था। इसका अनुवाद आदेशात्मक वाक्य या विधानवाचक वाक्य में किया जा सकता है। (यू.डी.बी.)

उसने उस पर हाथ रखे
“उसने उसे छुआ”

आराधनालय के सरदार रिसियाकर
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “आराधनालय का प्रधान कुपित हुआ “क्योंकि यीशु ने उपचार कार्य किया था”

लोगों से कहने लगा
“निर्देश दिया” या “प्रतिक्रिया दिखाई”

आकर चंगे हों
“उन दिनों में रोगमुक्ति हेतु आओ”

Luke 13:15

प्रभु ने उत्तर दिया
प्रभु ने आराधनालय के प्रधान से कहा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हर एक अपने ..... गदहे को स्थान से खोलकर
यह एक अलंकारिक प्रश्न का आरंभ है। यीशु ने इस प्रकार उनकी परिचित बात की और ध्यान आकर्षित करवाया। इसका अनुवाद विधानवाचक वाक्य में किया जा सकता है, "तुम अपना गधा खोलते हो।

अपने बैल या गधे को
ये पालतू पशु थे जिन्हें वे पानी पिलाने ले जाते थे।

अब्राहम की बेटी है
"अब्राहम की वंशज है"

जिसे शैतान ने बांध रखा था
यह एक रूपक है। इसका अर्थ है, "जिसे शैतान ने कूबड़ा करके रखा हुआ था"। रूपक के साथ अर्थ स्पष्ट किया जा सकता है।

अठारह वर्ष से
यीशु के कहने का तात्पर्य था कि अठारह वर्ष उसके कष्टों का बहुत लम्बा समय था। अन्यों भाषाओं में इस बात पर बल देने की अपनी-अपनी अभिव्यक्ति होगी।

क्या यह उचित न था
यह एक अलंकारिक प्रश्न है। यीशु ने यह प्रश्न इसलिए किया था कि श्रोता स्वीकार करें कि सब्त के दिन उसे स्वस्थ करने का कार्य उचित था। इसका अनुवाद विधानवाचक वाक्य में किया जा सकता है, "तुम निश्चय ही स्वीकार करोगे कि यह उचित है"

बन्धन से छुड़ाई जाती
यह एक रूपक है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "इसे शैतान से छुड़ाना या इस विकृति के बन्धन से मुक्त कराना"

Luke 13:17

जब उसने ये बातें कहीं
"जब यीशु ने ये बातें कहीं"

इस महिमा के कामों से
"इस महिमा के कामों से जो यीशु ने किए"

Luke 13:18

x
(यीशु आराधनालय में शिक्षा दे रहा है)

परमेश्वर का राज्य किसके समान है?
यह अलंकारिक प्रश्न यीशु के चर्चा विषय का आरंभ करता है। इसका अनुवाद विधानवाचक वाक्य में किया जा सकता है, "मैं तुम्हें बताता हूँ कि परमेश्वर का राज्य कैसा है"।

मैं उसकी उपमा किससे दूं?
यह प्रश्न भी पिछले प्रश्न जैसा ही है। यीशु इस प्रश्न द्वारा अपनी चर्चा का आरंभ करता है। कुछ भाषाओं में दोनों का उपयोग किया जा सकता है और कुछ में केवल एक का।

राई के एक दाने के समान है
राई का दाना बहुत ही छोटा होता है परन्तु इसका वृक्ष बहुत बड़ा होता है। यदि राई अपरिचित है तो किसी और बहुत छोटे बीज का नाम लिया जा सकता है या केवल "एक छोटा बीज" कहा जा सकता है।

अपनी बारी में बोया
"उसे उसने अपने बगीचे में डाला" लोग कभी-कभी बीजों को बोने के लिए उन्हें छित्तरा देते है कि वे भूमि में विसर्जित होकर उगें।

बढ़कर पेड़ हो गया
यह अतिशयोक्ति है। इसका अनुवाद किया जा सकता है, "वह झाड़ी बन गया"।

आकाश के पक्षियों ने
इसका अनुवाद किया जा सकता है, "आकाश में उड़ने वाले पक्षी या मात्र "पक्षियों ने"

Luke 13:20

x
(यीशु आराधनालय में ही शिक्षा दे रहा है)

मैं परमेश्वर के राज्य की उपमा किससे दूं?
यह भी एक अलंकारिक प्रश्न है जो प्रकट करता है कि यीशु इसके बारे में क्या कहेगा। इसका अनुवाद विधानवाचक वाक्य में किया जा सकता है, जैसा यू.डी.बी. में किया गया है।

वह खमीर के समान है
आटा कितना भी हो थोड़ा सा ही खमीर उसके लिए पर्याप्त होता है। इसे स्पष्ट किया जा सकता है जैसा यू.डी.बी. में किया गया है।

तीन पसेरी आटे में मिलाया
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "बहुत आटे में" या "आपकी संस्कृति में बहुत आटे को जो भी कहते हैं उसे लिखें।

Luke 13:22

सकेत द्वार से प्रवेश करने का यत्न करो
"संकीर्ण द्वार से प्रवेश करने के लिए परिश्रम करो" यह परमेश्वर के राज्य का रूपक है इस रूपक में परमेश्वर के राज्य के घर से तुलना की गई है। यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है, अतः "तुम" बहुवचन है।

सकेत द्वार
परमेश्वर के राज्य का नागरिक बनने का अर्थ है संकीर्ण द्वारा से प्रवेश करना। यह तथ्य कि द्वारा संकीर्ण है, बहुत ही कम मनुष्य एक बार में उसमें से प्रवेश कर पाएंगे। अतः इस सीमित अभिप्राय को व्यक्त करते हुए अनुवाद करें।

Luke 13:25

x
(यीशु परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने के बारे में ही चर्चा कर रहा है)

घर का स्वामी
यह परमेश्वर के संदर्भ में है इसलिए इसका अनुवाद "परमेश्वर" करें

बाहर खड़े हुए
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा था। अतः "तुम" शब्द बहुवचन में है। वह उनसे कह रहा है कि मानो वे उस द्वार से परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं करेंगे।

मुझ से दूर हो
"मेरे पास से चले जाओ"

कुकर्म करनेवालों
"अनुचित काम करनेवालों"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 13:28

x
(यीशु परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने के विषय पर ही आख्यान कर रहा है)

बाहर निकाले हुए देखोगे
"जब तुम स्वयं ही बाहर किए हुए होंगे"

लोग आकर
"मनुष्य राज्य में आकर"

कुछ पिछले हैं वे पहले होंगे
यह सम्मान और महत्त्व के बारे में है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "कुछ लोग जो महत्त्व में नगण्य है वे सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण होंगे" या "कुछ लोगों का यहाँ मान नहीं है उनका वहां सम्मान होगा"।

Luke 13:31

उसी घड़ी के बाद
"यीशु की बात समाप्त होने के शीघ्र बाद ही"

यहाँ से निकल कर चला जा क्योंकि हेरोदेस तुझे मार डालना चाहता है
इसका अनुवाद यीशु के लिए चेतावनी स्वरूप करें। वे उसे परामर्श दे रहे थे कि वह वहां से कहीं चला जाये कि सुरक्षित रहे।

हेरोदेस तुझे मार डालना चाहता है
"हेरोदेस तेरी हत्या करवाना चाहता है" या "हेरोदेस तेरी हत्या का आदेश देने जा रहा है"

उस लोमड़ी
यीशु हेरोदेस को लोमड़ी कह रहा था। लोमड़ी कुत्ते के समान एक छोटा जानवर होती है। यह एक रूपक है। इसके संभावित अर्थ हैं, (1) हेरोदेस की धमकी उसके लिए महत्त्वहीन थी। या (2) हेरोदेस धोखा करने वाला मनुष्य था।

हो नहीं सकता कि कोई भविष्यद्वक्ता यरूशलेम के बाहर मारा जाए।
यहूदियों ने भविष्यद्वक्ताओं को यरूशलेम में मारा था और यीशु जानता था कि उसकी हत्या भी यरूशलेम ही में होगी। इसके अनुवाद का एक विकल्प है, "यरूशलेम ही में यहूदी अगुवे परमेश्वर के सन्देश वाहकों को मार डालते हैं"।

Luke 13:34

x
(यीशु यरूशलेम जाने से पूर्व फरीसियों से बातें कर रहा है)

हे यरूशलेम, हे यरूशलेम।
यीशु इस प्रकार कह रहा है कि मानों यरूशलेमवासी सुन रहे हैं। यीशु ने दो बार यरूशलेम को पुकारा जिससे प्रकट होता है कि वह कितना दुःखी था।

तू जो भविष्यद्वक्ताओं को मार डालता है और .....पथराव करता है
यदि शहर का नाम लेना आपके पाठकों को असामान्य लगता है तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि यीशु उस शहर के निवासियों से कह रहा था, "तुम जो भविष्यद्वक्ताओं की हत्या करते हो ओर जिन्हें परमेश्वर के भेजे हुओं पर पथराव करते हो"

तेरे बालकों को इकट्ठा करूं
"तेरे निवासियों को इकट्ठा करूं" या "तुम्हें इकट्ठा करूं"

जैसे मुर्गी अपने बच्चों को अपने पंखों के नीचे इकट्ठा करती है।
यह रूप दर्शाता है कि मुर्गी अपने बच्चों को पंखों तले छिपा कर सुरक्षित करती है।

तुम्हारा घर तुम्हारे लिए उजाड़ छोड़ा जाता है।
इस रूपक के संभावित अर्थ हैं, (1) "परमेश्वर ने तुम्हें त्याग दिया है" या (2) तुम्हारा नगर निर्जन है"। इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने यरूशलेम की प्रजा की सुरक्षा त्याग दी है। आज बैरी उन पर आक्रमण करके उन्हें खदेड़ सकते हैं। यह एक अवश्यंभावी घटना की भविष्यद्वाणी है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "तुम्हारा घर त्यागा जाएगा" या "परमेश्वर तुम्हें त्याग देगा"

तुम मुझे फिर कभी न देखोगे
"तुम मुझे उस समय तक नहीं देखोगे जब तक कि तुम यह न कहोगे...." या "अगली बार जब तुम मुझे देखोगे तक कहोगे...."

Translation Questions

Luke 13:3

जिन गलीलियों की पिलातुस ने हत्या करवाई थी वे क्या अन्य गलीलियों से अधिक बड़े पापी थे कि उनके साथ ऐसा हुआ?
नहीं।

Luke 13:8

यीशु के इस दृष्टान्त में उस वृक्ष के साथ क्या किया गया जो तीन वर्ष से फल नहीं ला रहा था?
उस वृक्ष को अधिक खाद पानी दिया गया और एक और वर्ष का समय दिया कि वह फल लाए अन्यथा काट दिया जाए।

Luke 13:11

आराधनालय में उस स्त्री के अठारह वर्ष कुबड़ी रहने का कारण क्या था?
शैतान ने उसे अठारह वर्ष से एक दुर्बल करने वाली दुष्टात्मा से बांध रखा था।

Luke 13:14

उस स्त्री को यीशु ने चंगा किया तो आराधनालय का सरदार क्यों क्रोधित हुआ था?
क्योंकि यीशु ने उसे सब्त के दिन चंगा किया।

Luke 13:15

यीशु ने किस प्रकार प्रकट किया कि आराधनालय का सरदार पाखंड़ी था?
यीशु ने उसे स्मरण करवाया कि वह भी तो सब्त के दिन अपने गदहे को खोलकर पानी पिलाने ले जाता है तो वह यीशु द्वारा उस स्त्री को खोलने पर क्यों क्रोध करता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 13:19

परमेश्वर का राज्य राई के बीज के सदृश्य कैसे है?
वह एक छोटा सा दाना होता है परन्तु उग कर बड़ा हो जाता है और उसमें आकाश के पक्षियों के लिए डालियों पर बसेरा करने का स्थान होता है।

Luke 13:24

जब यीशु से पूछा गया कि उद्धार पाने वाले क्या थोड़े हैं तब यीशु ने क्या उत्तर दिया?
यीशु ने कहा, "सकेत द्वार से प्रवेश करने का यत्न करो", क्योंकि बहुत से प्रवेश करना चाहेंगे और न कर सकेंगे।

Luke 13:28

जब मनुष्यों को बाहर डाला जायेगा और वे परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर पायेंगे तब वे क्या करेंगे?
वे रोएंगे और दांत पीसेंगे।

परमेश्वर के साथ में भोजन तख्त पर कौन बैठेगा?
अब्राहम, इसहाक, याकूब और भविष्यद्वक्ता तथा पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण से अनेक मनुष्य।

Luke 13:33

यीशु ने अपनी मृत्यु का स्थान कहाँ बताया था?
वह यरूशलेम में मारा जायेगा।

Luke 13:34

यीशु ने यरूशलेम निवासियों के लिए क्या इच्छा रखी थी?
उसने उन्हें एकत्र करने की इच्छा की जैसे मुर्गी अपने बच्चों को अपने पंखो के नीचे इकट्ठा करती है।

यीशु की तो यह इच्छा थी परन्तु यरूशलेम के निवासियों की प्रतिक्रिया क्या थी?
उन्होंने उसका त्याग किया।

Luke 13:35

अतः यीशु ने यरूशलेम और वहाँ के निवासियों के लिए क्या भविष्यद्वाणी की थी?
उनका घर तब तक उजाड़ छोड़ा गया जब तक वे यह न कहेंगे, धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 14

1 फिर वह सब्त के दिन फरीसियों के सरदारों में से किसी के घर में रोटी खाने गया: और वे उसकी घात में थे। **2** वहाँ एक मनुष्य उसके सामने था, जिसे जलोदर का रोग* था। **3** इस पर यीशु ने व्यवस्थापकों और फरीसियों से कहा, “क्या सब्त के दिन अच्छा करना उचित है, कि नहीं?” **4** परन्तु वे चुपचाप रहे। तब उसने उसे हाथ लगाकर चंगा किया, और जाने दिया। **5** और उनसे कहा, “तुम में से ऐसा कौन है, जिसका पुत्र या बैल कुएँ में गिर जाए और वह सब्त के दिन उसे तुरन्त बाहर न निकाल ले?” **6** वे इन बातों का कुछ उत्तर न दे सके।

7 जब उसने देखा, कि आमन्त्रित लोग कैसे मुख्य-मुख्य जगह चुन लेते हैं तो एक दृष्टान्त देकर उनसे कहा, **8** “जब कोई तुझे विवाह में बुलाए, तो मुख्य जगह में न बैठना, कहीं ऐसा न हो, कि उसने तुझ से भी किसी बड़े को नेवता दिया हो। **9** और जिस ने तुझे और उसे दोनों को नेवता दिया है, आकर तुझ से कहे, ‘इसको जगह दे,’ और तब तुझे लज्जित होकर सबसे नीची जगह में बैठना पड़े। **10** पर जब तू बुलाया जाए, तो सबसे नीची जगह जा बैठ, कि जब वह, जिस ने तुझे नेवता दिया है आए, तो तुझ से कहे ‘हे मित्र, आगे बढ़कर बैठ,’ तब तेरे साथ बैठनेवालों के सामने तेरी बड़ाई होगी। (नीति. 25:6-7) **11** क्योंकि जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह छोटा किया जाएगा; और जो कोई अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

12 तब उसने अपने नेवता देनेवाले से भी कहा, “जब तू दिन का या रात का भोज करे, तो अपने मित्रों या भाइयों या कुटुम्बियों या धनवान पड़ोसियों को न बुला, कहीं ऐसा न हो, कि वे भी तुझे नेवता दें, और तेरा बदला हो जाए। **13** परन्तु जब तू भोज करे, तो कंगालों, टुण्डों, लँगड़ों और अंधों को बुला। **14** तब तू धन्य होगा, क्योंकि उनके पास तुझे बदला देने को कुछ नहीं, परन्तु तुझे धर्मियों के जी उठने* पर इसका प्रतिफल मिलेगा।”

15 उसके साथ भोजन करनेवालों में से एक ने ये बातें सुनकर उससे कहा, “धन्य है वह, जो परमेश्वर के राज्य में रोटी खाएगा।” **16** उसने उससे कहा, “किसी मनुष्य ने बड़ा भोज दिया और बहुतों को बुलाया। **17** जब भोजन तैयार हो गया, तो उसने अपने दास के हाथ आमन्त्रित लोगों को कहला भेजा, ‘आओ; अब भोजन तैयार है।’ **18** पर वे सब के सब क्षमा माँगने लगे, पहले ने उससे कहा, ‘मैंने खेत मोल लिया है, और अवश्य है कि उसे देखूँ; मैं तुझ से विनती करता हूँ, मुझे क्षमा कर दे।’ **19** दूसरे ने कहा, ‘मैंने पाँच जोड़े बैल मोल लिए हैं, और उन्हें परखने जा रहा हूँ; मैं तुझ से विनती करता हूँ, मुझे क्षमा कर दे।’ **20** एक और ने कहा, ‘मैंने विवाह किया है, इसलिए मैं नहीं आ सकता।’ **21** उस दास ने आकर अपने स्वामी को ये बातें कह सुनाईं। तब घर के स्वामी ने क्रोध में आकर अपने दास से कहा, ‘नगर के बाजारों और गलियों में तुरन्त जाकर कंगालों, टुण्डों, लँगड़ों और अंधों को यहाँ ले आओ।’ **22** दास ने फिर कहा, ‘हे स्वामी, जैसे तूने कहा था, वैसे ही किया गया है; फिर भी जगह है।’ **23** स्वामी ने दास से कहा, ‘सड़कों पर और बाड़ों की ओर जाकर लोगों को बरबस ले ही आ ताकि मेरा घर भर जाए। **24** क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि उन आमन्त्रित लोगों में से कोई मेरे भोज को न चखेगा*’।”

25 और जब बड़ी भीड़ उसके साथ जा रही थी, तो उसने पीछे फिरकर उनसे कहा। **26** “यदि कोई मेरे पास आए, और अपने पिता और माता और पत्नी और बच्चों और भाइयों और बहनों वरन् अपने प्राण को भी अप्रिय न जाने, तो वह मेरा चेला नहीं हो सकता; (मत्ती 10:37, यूह. 12:25, व्य. 33:9) **27** और जो कोई अपना क्रूस न उठाए; और मेरे पीछे न आए; वह भी मेरा चेला नहीं हो सकता।

28 “तुम में से कौन है कि गढ़ बनाना चाहता हो, और पहले बैठकर खर्च न जोड़े, कि पूरा करने की सामर्थ्य मेरे पास है कि नहीं? **29** कहीं ऐसा न हो, कि जब नींव डालकर तैयार न कर सके, तो सब देखनेवाले यह कहकर उसका उपहास करेंगे, **30** ‘यह मनुष्य बनाने तो लगा, पर तैयार न कर सका?’ **31** या कौन ऐसा राजा है, कि दूसरे राजा से युद्ध करने जाता हो, और पहले बैठकर विचार न कर ले कि जो बीस हजार लेकर मुझ पर चढ़ा आता है, क्या मैं दस हजार लेकर उसका सामना कर सकता हूँ, कि नहीं? **32** नहीं तो उसके दूर रहते ही, वह दूत को भेजकर मिलाप करना चाहेगा। **33** इसी रीति से तुम में से जो कोई अपना सब कुछ त्याग न दे, तो वह मेरा चेला नहीं हो सकता।

34 “नमक तो अच्छा है, परन्तु यदि नमक का स्वाद बिगड़ जाए, तो वह किस वस्तु से नमकीन किया जाएगा। **35** वह न तो भूमि के और न खाद के लिये काम में आता है: उसे तो लोग बाहर फेंक देते हैं। जिसके सुनने के कान हों वह सुन ले।”

Luke 14:1

रोटी खाने गया
“भोजन करने” या “खाना खाने गया” रोटी भोजन का मुख्य भाग होती है अतः इसका अर्थ है, भोजन।

वे उसकी घात में थे।
वे प्रतीक्षा में थे कि यीशु से कोई चूक हो और वे उस पर दोष लगाएं।

वहां एक मनुष्य उसके सामने था
कुछ भाषाओं में इस वाक्य के आरंभ में “देखो” शब्द है जिसका अभिप्राय है कि कहानी में एक नाम मनुष्य है। आपकी भाषा में भी ऐसी अभिव्यक्ति हो सकती है।

जिसे जलन्धर का रोग था।
जलन्धर एक ऐसा रोग है जिसमें शरीर का पानी विभिन्न अंगों में रुक जाता है और परिणामस्वरूप शरीर में सूजन आ जाती है। कुछ भाषाओं में इस विकार का निश्चित नाम है।

क्या सब्त के दिन अच्छा करना उचित है या नहीं?
“क्या मूसा का विधान हमें सब्त के दिन उपचार की अनुमति देता है”?

Luke 14:4

परन्तु वे चुपचाप रहे
धर्मगुरूओं ने यीशु को उत्तर नहीं दिया

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उसने उसे छूकर
"यीशु ने उसको स्पर्श किया"

तुममें से ऐसा कौन है जिसका गधा या बैल कुएं में गिर जाए और वह सब्त के दिन उसे तुरन्त बाहर न निकाले?
यह एक अलंकारिक प्रश्न था जिसके द्वारा यीशु उनसे स्वीकार करवाना चाहता था कि वे सब्त के दिन अपने पशु को कुएं से खींचकर निकालने में परिश्रम करते थे। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, यदि तुम में से किसी का बैल या गधा सब्त के दिन कुंएं में गिर जाए तो तुम अतिशीघ्र उसे खींचकर बाहर निकालोगे"

वे..... कुछ उत्तर न दे सके
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "उनके पास इसका प्रत्युत्तर नहीं था"। इसका अर्थ यह नहीं कि उनके पास यीशु के प्रश्न का उत्तर नहीं था, वे जानते थे कि यीशु का कहना सत्य है परन्तु वे अपने मुंह से कहना नहीं चाहते थे।

Luke 14:7

x
(यीशु उस फरीसी के घर में उपस्थित जनों से बातें कर रहा है)

मुख्य-मुख्य जगह
माननीय अतिथियों के स्थान

तुझे लज्जित होकर
"तब तुझे लज्जित होना पड़ेगा"

Luke 14:10

x
(यीशु उस फरीसी के घर में उपस्थित जनों से बातें कर रहा है)

सबसे नीची जगह
"जो स्थान एक नगण्य मुनष्य हो"

आगे बढ़कर बैठ
"सम्मानित स्थान पर बैठ"

जो अपने आपको बड़ा बनाएगा
"महत्त्वपूर्ण होना चाहेगा" या "जो महत्त्वपूर्ण स्थान लेगा"

वह छोटा किया जाएगा
"वह उसे महत्त्वहीन दर्शाया जाएगा" या "उसे महत्त्वहीन स्थान दिया जाएगा"

जो कोई अपने आपको छोटा बनाएगा
"जो स्वयं को दीन हीन बनाएगा" या "जो छोटा स्थान लेगा"

ऊंचा किया जाएगा
"वह सम्मानित किया जाएगा" या "उसे महत्त्वपूर्ण स्थान दिया जाएगा"

Luke 14:12

कहीं ऐसा न हो
"क्योंकि वे"

Luke 14:13

x
(यीशु उस फरीसी से कह रहा है जिसने उसे भोजन हेतु आमंत्रित किया था)

उनके पास तुझे बदलना देने को कुछ नहीं
वे बदले में तुझे अपने घर भोज हेतु आमंत्रित नहीं कर सकते हैं।

धर्मियों के जी उठने पर
"जब धर्मी मृतकों में से जी उठेंगे

Luke 14:15

धन्य है वह
वह किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं कह रहा था। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "धन्य है वह हर एक जन" या "कैसा सौभाग्यशाली है वह हर एक जन"

वह जो परमेश्वर के राज्य में रोटी खाए
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "वह जो परमेश्वर के राज्य में भोज पर बैठे"। यहाँ रोटी से अभिप्राय है, भोजन।

जब भोजन तैयार हो गया
"भोजन का समय हुआ तब" या "जब भोजन आरंभ करने का समय आया"

आमंत्रित लोगों को
"जिन्हें उसने भोज में आमंत्रित किया था"

Luke 14:18

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

क्षमा मांगने लगे
अर्थात वे भोज में न आने का कारण बताने लगे"

मैं तुझसे विनती करता हूँ, मुझे क्षमा कर
"कृपया मुझे क्षमा कर" या "कृपया मेरी क्षमायाचना स्वीकार कर"

पांच जोड़े बैल
बैल नर गाय होते हैं जो बोझ खींचने या कठिन काम करने के लिए काम में लिए जाते है और उन्हें सामान्यतः जोड़े में काम में लिया जाता है।

मैंने विवाह किया है
इसके लिए अपनी भाषा में कोई व्यावहारिक अभिव्यक्ति काम में लें। कुछ भाषाओं में कहा जाएगा, "मेरा विवाह हुआ है" या "पत्नी ब्याही है"

Luke 14:21

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

स्वामी ने क्रोध में आकर
"अपने अतिथियों से क्रोधित होकर"

दास ने फिर कहा
यहाँ सलंग्न जानकारी को स्पष्ट करना आवश्यक है कि उस सेवक ने अपने स्वामी की आज्ञा के अनुसार किया जैसा यू.डी.बी. में है, "सेवक ने जाकर वैसा ही किया और आकर अपने स्वामी से कहा",

Luke 14:23

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सड़कों पर और बाड़ों की ओर जा
इसका संदर्भ नगर को बाहर की सड़कों और पगडंडिओं से है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “नगर के बाहर मुख्य मार्गों और पगडंडियों में जा”

उन आमंत्रित लोगों में से
यहाँ लोगों शब्द का मूल अर्थ है “वयस्क पुरूष” न कि साधारण जनता।

आमंत्रित
“जिन्हें मैंने निमंत्रण भेजा था”

मेरे भोज को न चखेगा
“मेरे द्वारा तैयार किए गए भोजन का आनन्द नहीं लेने पाएगा”

Luke 14:28

x
(यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है)

तुममें से कौन है
यह एक अलंकारिक प्रश्न का आरंभ है। यीशु इस प्रश्न द्वारा श्रोताओं को सोचने पर विवश कर रहा था कि वे ऐसी परिस्थिति में क्या करेंगे। इसका अनुवाद विधानवाचयक वाक्य बनाकर भी किया जा सकता है, यदि तुममें से कोई गढ़ बनाना चाहे तो वह पहले बैठकर उसकी लागत का लेखा अवश्य तैयार करेगा”।

गढ़
यह संभवतः दाख की बारी में चौकीदारी का गुम्मट होगा। कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “ऊंची ईमारत” या “चौकसी का मचान”।

कहीं ऐसा न हो
“यदि वह पहले लागत को न गिने”

जब वह नींव डाल ले
“जब वह उसकी नींव तैयार कर ले” या “जब वह निर्माण कार्य आरंभ कर दे”

Luke 14:31

x
(यीशु जनसमूह से ही बातें कर रहा है)

या
यीशु इस शब्द के द्वारा दूसरी परिस्थिति का वर्णन कर रहा है जिसमें निर्णय लेने से पहले परिणाम सोचना पड़ता है।

कौन ऐसा राजा है.... पहले बैठकर विचार न कर ले।
यह एक और अलंकारिक प्रश्न है।इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “तुम जानते हो कि राजा ... पहले बैठता है और फिर विचार करता है

विचार कर ले
इसके संभावित अर्थ हैं (1) “सावधानीपूर्वक विचार करे” या (2) “अपने परामर्शदाताओं की बात पर ध्यान दें।

नहीं तो
उसे यह समझ में आ जाए कि वह शत्रु की सेना को नहीं हरा सकता” “वह यह मान ले कि उसकी सेना शत्रु की सेना का सामना नहीं कर सकती है। (यू.डी.बी.)

दूत
“सन्देशवाहक” या “प्रतिनिधि”

तुममें से जो कोई अपना सब कुछ त्याग दे
इसका अनुवाद विधानवाचक वाक्य में भी किया जा सकता है, “तुममें से जो अपना सब कुछ त्याग दे वही मेरा शिष्य हो सकता है”।

अपना सब कुछ त्याग दे
“अपना सर्वास्व छोड़ कर”

Luke 14:34

x
(यीशु अपने पीछे आ रहे जनसमूह से बातें कर रहा है)

नमक तो अच्छा है
“नमक उपयोगी है”

वह किस वस्तु से नमकीन किया जाएगा?
यह एक अलंकारिक प्रश्न है। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “वह फिर नमकीन नहीं किया जा सकता है” या “कोई नहीं है जो उसे फिर से नमकीन कर दे”।

वह न तो भूमि के और न खाद के काम में आता है
खाद का अनुवाद “कूड़े की खाद” या “उर्वरक” किया जा सकता है। खाद खेतों और बगीचों में डाली जाती थी। खाना खराब हो जाए तो उसे खाद में मिलाया जाता था परन्तु नमक के साथ ऐसा भी नहीं किया जा सकता है। वह पूर्णतः व्यर्थ है।

जिसके सुनने के काम हां वह सुन ले।
इसे आदेशसूचक वाक्य में बदला जा सकता है, “तुम्हारे पास सुनने के लिए कान हैं तो ध्यान से सुनो”। या “यदि तुम मेरी बात सुन रहे हो तो ध्यान दो”।

जिसके सुनने के कान हों
“जो सुन सकता है” जो मेरी बात सुन रहा है”

वह सुन ले
“वह ध्यान से सुने” या “मेरी बात पर ध्यान दे”,

Luke 14:35

यदि कोई मेरे पास आए और अपने पिता... को भी अप्रिय न जाने तो वह मेरा चेला नहीं हो सकता।
इसे विधानवाचक वाक्य में अनुवाद किया जा सकता है, यदि कोई मेरे पास आए तो वह मेरा शिष्य तब ही हो सकता है जब वह अपने पिता से लगाव न रखे”।

अप्रिय
यह एक अतिशयोक्ति है जो प्रकट करती है कि सबसे अधिक यीशु से प्रेम रखना कितना महत्त्वपूर्ण है। यदि इस अतिशयोक्ति को गलत समझा जाए तो इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यदि कोई मेरे पास आए और अपने पिता से अधिक मुझसे प्रेम न रखे तो वह मेरा शिष्य नहीं हो सकता है” या “यदि कोई मेरे पास आए तो वह मेरा शिष्य तब ही हो सकता है जब वह अपने पिता से अधिक मुझसे प्रेम रखे”।

वरन् अपने प्राण को भी अप्रिय जाने
“और अपने प्राण को भी”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

और जो कोई अपना क्रूस न उठाए और मेरे पीछे न आए, वह भी मेरा चेला नहीं हो सकता”
इसका विधानवाचक वाक्य बनाया जा सकता है, “यदि कोई मेरा शिष्य होना चाहता है तो उसे अपना क्रूस उठा कर मेरे साथ चलना होगा”

अपना क्रूस .... उठाए
इसका अर्थ है मरने के लिए तैयार रहे। उस युग में जिन्हें मृत्यु दण्ड दिया जाता था उन्हें अपना वह क्रूस उठाकर ले जाना होता था जिस पर उन्हें लटकाया जाना होता था। यीशु के अनुयायियों को भावी कष्टों को सहने के लिए तैयार होना था।

Translation Questions

Luke 14:3

यीशु ने वहाँ एक जलन्धर रोगी को देख व्यवस्थापकों और फरीसियों से क्या पूछा?
सब्त के दिन चंगा करना क्या व्यवस्था सम्मत है या नहीं।

Luke 14:4

व्यवस्थापकों और फरीसियों ने क्या उत्तर दिया?
वे चुप रहे।

Luke 14:5

उस पुरूष को चंगा करने के बाद यीशु ने व्यवस्थापकों और फरीसियों को कैसे पाखंडी सिद्ध किया?
?

Luke 14:11

बड़े बनने वालों के साथ यीशु के अनुसार क्या होगा?
वह छोटा किया जाएगा।

यीशु के अनुसार दीन जन के साथ क्या होगा?
वह बड़ा किया जाएगा।

Luke 14:14

यीशु के अनुसार कंगालों, टुण्डों, लंगड़ों और अन्धों को घर में आमंत्रित करने वालों को कैसा प्रतिफल मिलेगा?
वे धर्मियों के पुनरूत्थान पर अपना प्रतिफल पायेंगे।

Luke 14:18

यीशु के इस दृष्टान्त में भोज में निमंत्रित जनों ने क्या किया?
उन्होंने भोज में न आने के बहाने बताए।

Luke 14:21

तब स्वामी ने किसको भोज के लिए बुलवाया?
कंगालों, टुण्डों, अन्धों और लंगड़ों को ले आओ।

Luke 14:24

तब स्वामी ने मूल अतिथियों के लिए क्या कहा?
कोई भी भोज को न चखेगा।

Luke 14:26

यीशु के अनुसार उसके चेलों को क्या करना है?
यदि कोई अपने परिवार और प्राण को अप्रिय न जाने और अपना क्रूस न उठाए और उसके पीछे न आए, और सर्वस्व त्याग न दे तो वह यीशु का चेला नहीं हो सकता।

Luke 14:28

यीशु को इस उदाहरण में कि उसके अनुसरण में क्या अपनाया है, घर बनाने वाले को सबसे पहले क्या करना होता है?
मनुष्य को कुल व्यय गिनना है।

Luke 14:35

यदि नमक का स्वाद चला जाए तो क्या होता है?
वह फेंका जाता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 15

1 सब चुंगी लेनेवाले और पापी उसके पास आया करते थे ताकि उसकी सुनें। **2** और फरीसी और शास्त्री कुड़कुड़ाकर कहने लगे, “यह तो पापियों से मिलता है
और उनके साथ खाता भी है।” **3** तब उसने उनसे यह दृष्टान्त कहा: **4** “तुम में से कौन है जिसकी सौ भेड़ें हों, और उनमें से एक खो जाए तो निन्यानवे को मैदान
में छोड़कर, उस खोई हुई को जब तक मिल न जाए खोजता न रहे? (यहे. 34:11-12,16) **5** और जब मिल जाती है, तब वह बड़े आनन्द से उसे काँधे पर उठा
लेता है। **6** और घर में आकर मित्रों और पड़ोसियों को इकट्ठे करके कहता है, ‘मेरे साथ आनन्द करो, क्योंकि मेरी खोई हुई भेड़ मिल गई है।’ **7** मैं तुम से कहता
हूँ; कि इसी रीति से एक मन फिरानेवाले पापी के विषय में भी स्वर्ग में इतना ही आनन्द होगा, जितना कि निन्यानवे ऐसे धर्मियों के विषय नहीं होता, जिन्हें मन
फिराने की आवश्यकता नहीं।

8 “या कौन ऐसी स्त्री होगी, जिसके पास दस चाँदी के सिक्के हों, और उनमें से एक खो जाए; तो वह दिया जलाकर और घर झाड़-बुहारकर जब तक मिल न
जाए, जी लगाकर खोजती न रहे? **9** और जब मिल जाता है, तो वह अपने सखियों और पड़ोसिनियों को इकट्ठी करके कहती है, कि ‘मेरे साथ आनन्द करो,
क्योंकि मेरा खोया हुआ सिक्का मिल गया है।’ **10** मैं तुम से कहता हूँ; कि इसी रीति से एक मन फिरानेवाले पापी के विषय में परमेश्वर के स्वर्गदूतों के सामने
आनन्द होता है।”

11 फिर उसने कहा, “किसी मनुष्य के दो पुत्र थे। **12** उनमें से छोटे ने पिता से कहा ‘हे पिता, सम्पत्ति में से जो भाग मेरा हो, वह मुझे दे दीजिए।’ उसने उनको
अपनी संपत्ति बाँट दी। **13** और बहुत दिन न बीते थे कि छोटा पुत्र सब कुछ इकट्ठा करके एक दूर देश को चला गया और वहाँ कुकर्म में अपनी सम्पत्ति उड़ा दी।
(नीति. 29:3) **14** जब वह सब कुछ खर्च कर चुका, तो उस देश में बड़ा अकाल पड़ा, और वह कंगाल हो गया। **15** और वह उस देश के निवासियों में से एक के
यहाँ गया, उसने उसे अपने खेतों में सूअर चराने के लिये* भेजा। **16** और वह चाहता था, कि उन फलियों से जिन्हें सूअर खाते थे अपना पेट भरे; क्योंकि उसे
कोई कुछ नहीं देता था। **17** जब वह अपने आपे में आया, तब कहने लगा, ‘मेरे पिता के कितने ही मजदूरों को भोजन से अधिक रोटी मिलती है, और मैं यहाँ
भूखा मर रहा हूँ। **18** मैं अब उठकर अपने पिता के पास जाऊँगा और उससे कहूँगा कि पिता जी मैंने स्वर्ग के विरोध में और तेरी दृष्टि में पाप किया है। (भज.
51:4) **19** अब इस योग्य नहीं रहा कि तेरा पुत्र कहलाऊँ, मुझे अपने एक मजदूर के समान रख ले।’

20 “तब वह उठकर, अपने पिता के पास चला: वह अभी दूर ही था, कि उसके पिता ने उसे देखकर तरस खाया, और दौड़कर उसे गले लगाया, और बहुत चूमा।
21 पुत्र ने उससे कहा, ‘पिता जी, मैंने स्वर्ग के विरोध में और तेरी दृष्टि में पाप किया है; और अब इस योग्य नहीं रहा, कि तेरा पुत्र कहलाऊँ।’ **22** परन्तु पिता ने
अपने दासों से कहा, ‘झट अच्छे से अच्छा वस्त्र निकालकर उसे पहनाओ, और उसके हाथ में अँगूठी, और पाँवों में जूतियाँ पहनाओ, **23** और बड़ा भोज तैयार
करो ताकि हम खाएँ और आनन्द मनाए। **24** क्योंकि मेरा यह पुत्र मर गया था, फिर जी गया है: खो गया था*, अब मिल गया है।’ और वे आनन्द करने लगे।

25 “परन्तु उसका जेठा पुत्र खेत में था। और जब वह आते हुए घर के निकट पहुँचा, तो उसने गाने-बजाने और नाचने का शब्द सुना। **26** और उसने एक दास
को बुलाकर पूछा, ‘यह क्या हो रहा है?’ **27** “उसने उससे कहा, ‘तेरा भाई आया है, और तेरे पिता ने बड़ा भोज तैयार कराया है, क्योंकि उसे भला चंगा पाया
है।’ **28** यह सुनकर वह क्रोध से भर गया और भीतर जाना न चाहा: परन्तु उसका पिता बाहर आकर उसे मनाने लगा। **29** उसने पिता को उत्तर दिया, ‘देख; मैं
इतने वर्ष से तेरी सेवा कर रहा हूँ, और कभी भी तेरी आज्ञा नहीं टाली, फिर भी तूने मुझे कभी एक बकरी का बच्चा भी न दिया, कि मैं अपने मित्रों के साथ
आनन्द करता। **30** परन्तु जब तेरा यह पुत्र, जिस ने तेरी सम्पत्ति वेश्याओं में उड़ा दी है, आया, तो उसके लिये तूने बड़ा भोज तैयार कराया।’ **31** उसने उससे
कहा, ‘पुत्र, तू सर्वदा मेरे साथ है; और जो कुछ मेरा है वह सब तेरा ही है*। **32** परन्तु अब आनन्द करना और मगन होना चाहिए क्योंकि यह तेरा भाई मर गया
था फिर जी गया है; खो गया था, अब मिल गया है’।”

Luke 15:1

वह तो पापियों से मिलता है
“वह पापियों को पास आने देता है”, या “वह पापियों की संगति करता है”

यह
वे यीशु के बारे में कह रहे थे

उनके साथ खाता भी है
“भी” शब्द दर्शाता है कि उनके विचार में यीशु का पापियों से संपर्क रखना बहुत बुरा था और उनके साथ भोजन करना तो और भी बुरा था।

Luke 15:3

उसने उनसे यह दृष्टान्त कहा
उनसे अर्थात धर्म-गुरुओं से

तुममें से कौन है.... जो निन्यानवे को जंगल में छोड़कर उस खोई हुई को .... खोजता न रहे।
यह एक अलंकारिक प्रश्न है। यीशु उन्हें स्मरण करवा रहा है कि वे अपनी एक खोई हुई भेड़ को अवश्य खोजेंगे। इसका अनुवाद विधानवाचक वाक्य में किया जा सकता है जैसा यू.डी.बी. में किया गया है। कुछ भाषाओं में इस काल्पनिक परिस्थिति को व्यक्त करने का प्रावधान है। यह किसी मनुष्य की कहानी नहीं कि उसकी भेड़ खो गई है।

तुममें से कौन है जिसकी सौ भेड़ें हों
इस शिक्षाप्रद कथा का आरंभ होता है, “तुममें” से कौन है, “इसलिए कुछ भाषाओं में द्वितीय पुरूष ही काम में लिया गया है, “यदि तुम्हारे पास सौ भेड़ें हों”।

Luke 15:6

x
(यीशु वही शिक्षाप्रद कथा सुना रहा है)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

और घर में आकर
“जब वह चरवाहा घर पहुंचता है” या “जब तुम घर पहुंचों” (यू.डी.बी.) भेड़ के मालिक को वैसे ही संबोधित करें जैसे आपने पिछले पद में किया है।

मैं तुझ से कहता हूँ
यहाँ “मैं” यीशु के लिए है। वह जनसमूह से बातें कर रहा है इसलिए “तुम” शब्द बहुवचन में है।

इसी रीति से
“इसी प्रकार” या “जैसे वह चरवाहा ओर उसके मित्र एवं पड़ोसी उसके साथ आनन्द करते हैं”।

स्वर्ग में ऐसा ही आनन्द होगा
“स्वर्ग में हर एक प्राणी आनन्द करेगा”

निन्यानवे ऐसे धर्मियों.... जिन्हें मन फिराने की आवश्यकता नहीं
“निन्यानवे मनुष्य जो सोचते हैं कि वे धर्मी हैं और उन्हें मन परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है। “यीशु के कहने का अर्थ यह नहीं है कि कोई धर्मी जन है। इसकी अपेक्षा वह अर्थालंकार काम में ले रहा है या जिसे कटाक्ष कहते हैं क्योंकि उसके श्रोता स्वयं को धर्मी समझते थे जबकि वे थे नहीं।

Luke 15:8

x
(यीशु धर्म-गुरूओं ही से बातें कर रहा है)

कौन ऐसी स्त्री होगी... वह दीया जलाकर... जब तक मिल न जाएं जी लगाकर खोजती रहेगी।
यह एक अलंकारिक प्रश्न है। यीशु अपने श्रोताओं को स्मरण करवा रहा है कि उनका चांदी का सिक्का खो जाए तो वे किसी भी प्रकार उसे खोज कर ही सांस लेंगे। इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तुम जानते हो कि यदि कोई स्त्री अपने दस चांदी के सिक्कों में से एक को खो दे तो वह दीया जलाकर घर को पूर्णरूपेण झाड़कर उस सिक्के को खोज कर निकालेगी”।

कौन ऐसी होगी
यह एक काल्पनिक परिस्थिति है न कि किसी स्त्री की वास्तविक कहानी है। कुछ भाषाओं में इसे ज्यों का त्यों व्यक्त करने का प्रावधान होगा।

इसी रीति से
“इसी प्रकार” या जैसे लोग उसके साथ आनन्द मनाते हैं”।

एक मन फिराने वाले पापी
इसका अनुवाद होगा, “जब एक पापी पापों से विमुख होता है”

Luke 15:11

किसी मनुष्य के
यह एक शिक्षाप्रद कथा का आरंभ है। इसका अपनी भाषा में व्यावहारिक रूप में प्रस्तुतिकरण करें। कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद मात्र ऐसा होगा, “एक मनुष्य के .....”

मुझे दे दीजिए
पुत्र चाहता था कि उसका पिता उसका भाग उसी समय उसे दे दे। जिन भाषाओं में आज्ञासूचक वाक्य रचना हो कि किसी काम का तुरन्त किया जाना दर्शाया जाए तो उसका यहाँ उपयोग करें।

सम्पत्ति में से जो भाग मेरा है
“सम्पत्ति का वह भाग जो तू मरते समय मेरे नाम पर करेगा”

Luke 15:13

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

इकट्ठा करके
“अपना सामान बांध कर” या “झोले में अपना समान ले कर”।

कुकर्म में
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “अपना सारा पैसा व्यर्थ में गवां दिया”

उस देश में बड़ा अकाल पड़ा
“वहां भयंकर अकाल पड़ा” (यू.डी.बी.) या “भोजन की कमी हो गई”

अकाल
अकाल के समय भोजन की कमी हो जाती है। वर्षा की कमी और फसल नष्ट होने के कारण ऐसा होता है।

वह कंगाल हो गया
“आवश्यकता पूर्ति की कमी” या “कमी हो गई”

Luke 15:15

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

एक के यहाँ जा पड़ा
“वह” अर्थात वह युवक

जा पड़ा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उसने नौकरी पकड़ी” या “काम करने लगा”

एक के यहाँ
उस देश के एक नागरिक के पास

सूअर चराने के लिए
“सूअरों को खाना देने के लिए”

वह चाहता था कि उन फलियों से जिन्हें सुअर खाते थे अपना पेट भरे
“बहुत चाहता था कि उन फलियों को खाए

फलियों को
यह फलियों के छिलके थे। अतः इनका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “फलियों के छिलके” या “फलियों का भूसा”

Luke 15:17

x
(यीशु अपनी कहानी सुना रहा है)

अपने आपे में आया
“इसकी बुद्धि सही हुई” या “अपनी परिस्थिति को समझा” या “उसकी बुद्धि से पर्दा हटा”

मेरे पिता के कितने ही मजदूरों के भोजन से अधिक रोटी मिलती है।
यह संबोधन वाक्य है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मेरे पिता के सब मजदूरों को आवश्यकता से अधिक भोजन मिलता है”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

भूखा मर रहा हूँ
यह अतिशयोक्ति नहीं है। वह युवक वास्तव में भूखा मर रहा था।

मैंने स्वर्ग के विरोध में.... पाप किया है
“मैंने परमेश्वर के विरोध में पाप किया है” यहूदी परमेश्वर शब्द को जीभ पर लाना नहीं चाहते थे। इसलिए उसके स्थान पर स्वर्ग शब्द का उपयोग करते थे।

इस योग्य नहीं रहा कि तेरा पुत्र कहलाऊं
“मैं तेरा पुत्र कहलाने योगय नहीं” पुत्र को अपने पिता की धन-सम्पत्ति का उत्तराधिकार पाने का अधिकार था।

इस योग्य नहीं
“अब इस योग्य नहीं रहा” (यू.डी.बी.) इसका अर्थ है कि पहले तो वह था परन्तु अब नहीं है।

मुझे अपने एक मजदूर के समान रख ले
“मुझे कर्मी के समान नौकरी पर रख ले” या “मुझे एक नौकर की नौकरी दे दे”

Luke 15:20

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

जब वह उठकर अपने पिता के पास चला।
“उस देश से कूच करके वह अपने पिता के पास चल पड़ा”

तरस खाया
“उस पर दया आई” या “उसके दिल में गहरा प्रेम उभरा”

गले लगाया और बहुत चूमा
पिता के इस व्यवहार का अर्थ था कि पुत्र समझ ले कि पिता उससे प्रेम करता है और वह अति प्रसन्न है कि पुत्र घर लौट आया है। यदि पाठकों के विचार में पिता द्वारा पुत्र को गले लगाना और चूमना उचित नहीं तो आप अपनी संस्कृति में पुरूष द्वारा पुरूष के प्रति स्नेह प्रदर्शन की विधि का उपयोग करें, या आप इसका अधिक सामान्य अनुवाद कर सकते हैं, “इसका स्नेह पूर्ण स्वागत किया”।

मैंने स्वर्ग के विरोध मे .... पाप किया है
“परमेश्वर के विरूद्ध पाप किया है”

तेरी दृष्टि में
“तेरे सम्मुख” इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तूने देखा है कि मैंने पाप किया है” या “तू जानता है”।

Luke 15:22

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

अच्छा वस्त्र
“घर में जो सबसे अच्छा चोगा है” चोगा एक लम्बा वस्त्र होता था जो कपड़ों के ऊपर से पहना जाता था। जिन स्थानों में चोगा अपरिचित्र वस्त्र है, वहां अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “सर्वोत्तम वस्त्र”

हाथ में अंगूठी
अंगूठी अधिकार का प्रतीक थी जिसे पुरूष अपनी उंगली में पहनते थे।

जूतों
वे वास्तव में सैंडल पहनते थे परन्तु सैंडल अपरिचित हो तो जूतियां ही उचित है।

पाला हुआ बछड़ा
बछड़ा गाय का युवा नर बच्चा होता था। वे एक बछड़े को अच्छा भोजन खिलाकर मोटा करते थे कि जब विशेष भोज का अवसर आए तब उसे वध करें। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “सबसे अच्छा बछड़ा” या “जिस बछड़े को हमने विशेष तैयार किया है”।

“या” जिस बछड़े को हमने खूब खिलाया है मारो
यहाँ निहितार्थ स्पष्ट किया जा सकता है कि वे उसे पकाएंगे, “मारकर पकाओ”।

मेरा यह पुत्र मर गया था, फिर जी उठा है
यह एक रूपक है। इसका अनुवाद उपमा देकर किया जा सकता है, “जैसे कि मेरा पुत्र मर कर जी उठा, या “मुझको ऐसा लगा कि मेरा पुत्र मर गया परन्तु वह जीवित है”

खो गया था, अब मिल गया है
यह भी एक रूपक है। इसका अनुवाद उपमा देकर किया जा सकता है, “यह ऐसा है जैसे कि मेरा पुत्र खो गया था और अब मिल गया है” या “मुझे ऐसा लगा कि मेरा पुत्र खो गया है परन्तु वह मिल गया है”, या “मेरा पुत्र भटक गया था और अब घर लौट आया है”।

Luke 15:25

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

दास
जिस शब्द का अनुवाद यहाँ दास किया गया है उसका मूल अर्थ है, “बालक” इसका अर्थ है कि वह सेवक एक युवक था।

यह क्या हो रहा है?
“यह क्या हो रहा है”? (यू.डी.बी.)

पला हुआ बछड़ा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा कसता है, “सबसे अच्छा बछड़ा” या “बहुत चारा खिलाया हुआ बछड़ा” या “वह बछड़ा जिसे हम मोटा कर रहे थे”

Luke 15:28

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

कभी भी तेरी आज्ञा नहीं टाली
“सदैव तेरा आज्ञापालन किया है” या “तूने जो भी कहा वही किया है”।

आनन्द करता
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उत्सव मनाऊं”

तेरा यह पुत्र
“यह तेरा पुत्र”, बड़ा पुत्र इस प्रकार रोष प्रकट करता है।

तेरी सम्पत्ति वैश्याओं में उड़ा दी
“तेरी सारी सम्पत्ति वैश्याओं पर गवां दी” या “तेरी सारी सम्पत्ति वैश्याओं में लुटा दी”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पाला हुआ बछड़ा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा कसता है, “सबसे अच्छा बछड़ा” या “बहुत चारा खिलाया हुआ बछड़ा” या “वह बछड़ा जिसे हम मोटा कर रहे थे”

Luke 15:31

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

यह तेरा भाई
पिता बड़े पुत्र को स्मरण करवा रहा है कि घर लौट कर आने वाला उसका भाई है।

मर गया था, फिर जी उठा है
यह एक रूपक है। वह पुत्र बहुत समय तक घर से बाहर था इसलिए उसकी तुलना मृतक से की गई है ओर उसका घर लौट आना जी उठने के तुल्य है। इसका अनुवाद उपमा देकर किया जा सकता है जैसा यू.डी.बी. में है।

खो गया था अब मिल गया है
यह एक रूपक है। छोटा पुत्र लम्बे समय तक घर से बाहर था इसलिए उसकी तुलना खोए हुए मनुष्य से की गई है और उसका घर लौट आना ऐसा है कि जैसे खोया हुआ पुत्र मिल गया। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यह ऐसा है जैसे वह खो गया था और अब मिल गया है”, (यू.डी.बी.) या “वह खो गया था और अब घर लौट आया है”

Translation Questions

Luke 15:4

यीशु के इस दृष्टान्त में एक भेड़ के खोजने पर चरवाहा क्या करता है?
वह निन्यानवे भेड़ों को छोड़ कर एक खोई हुई भेड़ को खोज कर लाता है और आनन्द मनाता है।

Luke 15:7

एक पापी के मन फिराने पर स्वर्ग में क्या होता है?
परमेश्वर के स्वर्गदूतों की उपस्थिति में आनन्द मनाया जाता है।

Luke 15:8

यीशु के इस दृष्टान्त में वह स्त्री जिसने दस चांदी के सिक्कों में से एक खो दिया, क्या करती है?
वह उसे यत्न से खोज कर अपने मित्रों और पड़ोसियों के साथ आनन्द करती हैं।

Luke 15:12

यीशु के इस दृष्टान्त में छोटे पुत्र ने अपने पिता से क्या कहा?
जो मेरी संपदा होना है वह मुझे अभी दे दे।

Luke 15:13

छोटे पुत्र ने अपने उत्तराधिकार का क्या किया?
उसने निरंकुश जीवन जीने में अपनी सब सम्पत्ति उड़ा दी।

Luke 15:15

सब सम्पत्ति खर्च कर देने के बाद छोटे पुत्र ने जीवन निर्वाह के लिए क्या किया?
उसने किसी के सुअर संभालने की नौकरी की।

Luke 15:18

जब उसकी बुद्धि ठिकाने आई तब छोटे पुत्र ने क्या निर्णय किया?
उसने अपने पिता के पास जाकर अपना पाप स्वीकार करके सेवकों के सदृश्य काम करने का निर्णय लिया।

Luke 15:20

छोटे पुत्र को घर लौटते देख पिता ने क्या किया?
वह भागकर गया और उसे गले लगाकर चूमा।

Luke 15:22

पिता ने छोटे पुत्र के लिए अतिशीघ्र क्या किया?
पिता ने उसे बागा पहनाया, अंगूठी पहनाई, जूते दिए और भोज की व्यवस्था की।

Luke 15:28

जब बड़े पुत्र ने छोटे भाई के लौट आने की खुशी में भोज का समाचार सुना तो कैसी प्रतिक्रिया दिखाई?
वह क्रोध से भर गया और भोज में नहीं गया।

Luke 15:29

बड़े पुत्र ने पिता से क्या शिकायत की?
बड़े पुत्र ने शिकायत की कि उसने पिता की आज्ञा कभी नहीं टाली परन्तु उसके पिता ने उसे बकरी का बच्चा भी नहीं दिया कि मित्रों के साथ आनन्द मनाता।

Luke 15:31

बड़े पुत्र को पिता ने क्या उत्तर दिया?
पिता ने उससे कहा, "पुत्र तू सर्वदा मेरे साथ है और जो कुछ मेरा है वह सब तेरा ही है"।

Luke 15:32

पिता ने छोटे पुत्र के साथ आनन्द मनाना क्यों उचित समझा?
क्योंकि छोटा पुत्र खो गया था, अब मिल गया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 16

1 फिर उसने चेलों से भी कहा, “किसी धनवान का एक भण्डारी था, और लोगों ने उसके सामने भण्डारी पर यह दोष लगाया कि यह तेरी सब सम्पत्ति उड़ाए देता है। **2** अतः धनवान ने उसे बुलाकर कहा, ‘यह क्या है जो मैं तेरे विषय में सुन रहा हूँ? अपने भण्डारीपन का लेखा दे; क्योंकि तू आगे को भण्डारी नहीं रह सकता।’ **3** तब भण्डारी सोचने लगा, ‘अब मैं क्या करूँ? क्योंकि मेरा स्वामी अब भण्डारी का काम मुझसे छीन रहा है: मिट्टी तो मुझसे खोदी नहीं जाती; और भीख माँगने से मुझे लज्जा आती है। **4** मैं समझ गया, कि क्या करूँगा: ताकि जब मैं भण्डारी के काम से छुड़ाया जाऊँ तो लोग मुझे अपने घरों में ले लें।’ **5** और उसने अपने स्वामी के देनदारों में से एक-एक को बुलाकर पहले से पूछा, कि तुझ पर मेरे स्वामी का कितना कर्ज है? **6** उसने कहा, ‘सौ मन जैतून का तेल,’ तब उसने उससे कहा, कि अपनी खाता-बही ले और बैठकर तुरन्त पचास लिख दे। **7** फिर दूसरे से पूछा, ‘तुझ पर कितना कर्ज है?’ उसने कहा, ‘सौ मन गेहूँ,’ तब उसने उससे कहा, ‘अपनी खाता-बही लेकर अस्सी लिख दे।’

8 “स्वामी ने उस अधर्मी भण्डारी को सराहा, कि उसने चतुराई से काम किया है; क्योंकि इस संसार के लोग अपने समय के लोगों के साथ रीति-व्यवहारों में ज्योति के लोगों* से अधिक चतुर हैं। **9** और मैं तुम से कहता हूँ, कि अधर्म के धन से अपने लिये मित्र बना लो; ताकि जब वह जाता रहे, तो वे तुम्हें अनन्त निवासों में ले लें। **10** जो थोड़े से थोड़े में विश्वासयोग्य है, वह बहुत में भी विश्वासयोग्य है: और जो थोड़े से थोड़े में अधर्मी है, वह बहुत में भी अधर्मी है। **11** इसलिए जब तुम सांसारिक धन में विश्वासयोग्य न ठहरे, तो सच्चा धन तुम्हें कौन सौंपेगा? **12** और यदि तुम पराये धन में विश्वासयोग्य न ठहरे, तो जो तुम्हारा है, उसे तुम्हें कौन देगा?

13 “कोई दास दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता क्योंकि वह तो एक से बैर और दूसरे से प्रेम रखेगा; या एक से मिला रहेगा और दूसरे को तुच्छ जानेगा: तुम परमेश्वर और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते।”

14 फरीसी जो लोभी थे, ये सब बातें सुनकर उसका उपहास करने लगे। **15** उसने उनसे कहा, “तुम तो मनुष्यों के सामने अपने आप को धर्मी ठहराते हो, परन्तु परमेश्वर तुम्हारे मन को जानता है, क्योंकि जो वस्तु मनुष्यों की दृष्टि में महान है, वह परमेश्वर के निकट घृणित है।

16 “जब तक यूहन्ना आया, तब तक व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता प्रभाव में थे। उस समय से परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार सुनाया जा रहा है, और हर कोई उसमें प्रबलता से प्रवेश करता है। **17** आकाश और पृथ्वी का टल जाना व्यवस्था के एक बिन्दु के मिट जाने से सहज है।

18 “जो कोई अपनी पत्नी को त्याग कर दूसरी से विवाह करता है, वह व्यभिचार करता है, और जो कोई ऐसी त्यागी हुई स्त्री से विवाह करता है, वह भी व्यभिचार करता है।

19 “एक धनवान मनुष्य था जो बैंगनी कपड़े और मलमल पहनता और प्रति-दिन सुख-विलास और धूम-धाम के साथ रहता था। **20** और लाज़र* नाम का एक कंगाल घावों से भरा हुआ उसकी डेवढ़ी पर छोड़ दिया जाता था। **21** और वह चाहता था, कि धनवान की मेज पर की जूठन से अपना पेट भरे; वरन् कुत्ते भी आकर उसके घावों को चाटते थे। **22** और ऐसा हुआ कि वह कंगाल मर गया, और स्वर्गदूतों ने उसे लेकर अब्राहम की गोद में पहुँचाया। और वह धनवान भी मरा; और गाड़ा गया, **23** और अधोलोक* में उसने पीड़ा में पड़े हुए अपनी आँखें उठाई, और दूर से अब्राहम की गोद में लाज़र को देखा। **24** और उसने पुकारकर कहा, ‘हे पिता अब्राहम, मुझ पर दया करके लाज़र को भेज दे, ताकि वह अपनी उँगली का सिरा पानी में भिगोकर मेरी जीभ को ठंडी करे, क्योंकि मैं इस ज्वाला में तड़प रहा हूँ।’ **25** परन्तु अब्राहम ने कहा, ‘हे पुत्र स्मरण कर, कि तू अपने जीवनकाल में अच्छी वस्तुएँ पा चुका है, और वैसे ही लाज़र बुरी वस्तुएँ परन्तु अब वह यहाँ शान्ति पा रहा है, और तू तड़प रहा है। **26** ‘और इन सब बातों को छोड़ हमारे और तुम्हारे बीच एक बड़ी खाई ठहराई गई है कि जो यहाँ से उस पार तुम्हारे पास जाना चाहें, वे न जा सके, और न कोई वहाँ से इस पार हमारे पास आ सके।’ **27** उसने कहा, ‘तो हे पिता, मैं तुझ से विनती करता हूँ, कि तू उसे मेरे पिता के घर भेज, **28** क्योंकि मेरे पाँच भाई हैं; वह उनके सामने इन बातों की चेतावनी दे, ऐसा न हो कि वे भी इस पीड़ा की जगह में आएँ।’ **29** अब्राहम ने उससे कहा, ‘उनके पास तो मूसा और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें हैं, वे उनकी सुनें।’ **30** उसने कहा, ‘नहीं, हे पिता अब्राहम; पर यदि कोई मरे हुओं में से उनके पास जाए, तो वे मन फिराएँगे।’ **31** उसने उससे कहा, ‘जब वे मूसा और भविष्यद्वक्ताओं की नहीं सुनते, तो यदि मरे हुओं में से कोई भी जी उठे तो भी उसकी नहीं मानेंगे’।”

Luke 16:1

x
(यीशु श्रोताओं से ही बातें कर रहा है)

उसने चेलों से भी कहा
पिछला भाग फरीसियों और विधि-शास्त्रियों के लिए था जबकि यीशु के शिष्य भी श्रोताओं में थे।

दोष लगाया
“लोगों ने उस धनवान मनुष्य से शिकायत की”

तेरी सारी सम्पत्ति उड़ाए देता है
“तेरी सम्पत्ति को गवां रहा है” या “उस धनवान की सम्पत्ति को मूर्खता से व्यर्थ कर रहा है”

यह क्या है जो मैं तेरे विषय में सुन रहा हूँ
यह एक अलंकारिक प्रश्न है। उस धनवान के कहने का अर्थ था, “मैंने तेरे कामों के बारे में सुना है

अपने भण्डारीपन का लेखा दे
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अपना दायित्व दूसरे को सौंपने के लिए बही खाता तैयार कर ले” या “किसी और को लेखा देने के लिए तैयार हो जा” या “मेरी सम्पत्ति का लेखा बही तैयार कर”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 16:3

x
(यीशु शिक्षाप्रद कथा सुना रहा है)

अब मैं क्या करूं?
वह प्रबन्धक अपने आप से कह रहा है, अपने विकल्पों पर विचार करने के लिए।

मेरा स्वामी
वह धनवान मनुष्य इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "मेरा नियोजक" यह प्रबन्धक इसका दास नहीं था।

मिट्टी तो मुझसे खोदी नहीं जाती
"मुझमें गड्ढा खोदने की तो शक्ति नहीं है", या "मैं मजदूरी करने योग्य नहीं"

जब मैं भण्डारी के काम से छुड़ाया जाऊं
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "जब मेरा प्रबन्धन कार्य चला जाए"

Luke 16:5

x
(यीशु शिक्षाप्रद कथा सुना रहा है)

अपने स्वामी के देनदारों
"उसके स्वामी के जो ऋणी थे" या "जिन लोगों ने उसके स्वामी से समान उधार लिया था" यहाँ देनदार वे हैं जिन्होंने उसके स्वामी से तेल और अन्न उधार लिया था।

एक-एक करके बुलाया .... पूछा
"प्रबन्धक ने बुलाया" और "प्रबन्धक ने पूछा"

सौ मन तेल
"लगभग 340 लीटर जैतून का तेल"

उसने ..... उसने उससे कहा
"ऋणी ने कहा .... प्रबन्धक ने ऋणी से कहा"

सौ मन गेहूँ
"लगभग 22,000 सूखा लीटर गेहूँ"

उसने ....पूछा....उसने कहा....उसने ....कहा
प्रबन्धक ने पूछा... ऋणी ने कहा.... प्रबन्धक ने कहा

Luke 16:8

x
(यीशु शिक्षाप्रद कथा सुना रहा है)

स्वामी ने उस अधर्मी भण्डारी को सराहा
जिन ऋणियों के ऋण कम कर दिए गए थे, उन्होंने सोचा कि यह साहूकार का प्रबन्ध है अतः वे उस धनवान मनुष्य की प्रशंसा करते थे।

सराहा
"प्रशंसा की" या "इसके लिए अच्छी बातें की" या "अनुमोदन किया"

उसने चतुराई से काम किया
"उसने समझदारी से काम किया" या "उसने बुद्धिमानी का काम किया"

इस संसार के लोग
अर्थात परमेश्वर को न समझने और जानने वाले लोग जो उस धर्मी प्रबन्धक के जैसे हैं। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "इस संसार के लोग" या "सांसारिक जन"

ज्योति के लोगों
अर्थात धर्मी जन जो कुछ नहीं छिपाते। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "ज्योति की सन्तान" या "ज्योति में निर्वाह करने वाले मनुष्य"

मैं तुमसे कहता हूँ
"मैं" यीशु के लिए है। यीशु की कहानी समाप्त हो गई है। "मैं तुम से कहता हूँ" इस उक्ति द्वारा उसकी बात में परिवर्तन आता है। वह श्रोआतों को समझा रहा है कि इस कहानी की शिक्षा को अपने जीवन में कैसे प्रासंगिक बनाएं।

अधर्म के धन से
भौतिक सम्पदा से अर्थात वस्त्र, भोजन, पैसा, बहुमूल्य समान से

अनन्त निवासों में
इसका संदर्भ स्वर्ग से है जहाँ परमेश्वर रहता है।

Luke 16:10

x
(यीशु जनसमूह को शिक्षा दे रहा है)

इसलिए
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "जिससे कि" या "अतः इस सिद्धान्त के अनुसार"।

सच्चा धन तुम्हें कौन देगा
यह एक अलंकारिक प्रश्न है। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "सच्ची सम्पदा के लिए तुम पर कोई विश्वास नहीं करेगा" या "प्रबन्धन हेतु सच्ची सम्पदा तुम्हें कोई नहीं देगा"

जो तुम्हारा है, उसे तुम्हें कौन देगा
यह भी एक अलंकारिक प्रश्न है। "तुम्हारे अपने लिए तुम्हें सम्पदा कोई नहीं देगा"

Luke 16:13

x
(यीशु जनसमूह को ही शिक्षा दे रहा है)

कोई दास
इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है, "एक सेवक.... नहीं कर सकता है"

प्रेम रखेगा
"समर्पित होगा" "स्वामी-भक्ति दिखाएगा"।

तुच्छ जानेगा
"घृणा करेगा" या "मान में कम समझेगा" या "गिरा हुआ समझेगा"।

सेवा नहीं कर सकते
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है, इसलिए "तुम" शब्द बहुवचन में रखें।

सेवा
"दासता"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुच्छ जानेगा
वह सेवक घृणा करेगा”

Luke 16:14

लोभी थे
“वे धन के लालची थे” या “उन्हें धन सम्पदा को एकत्र करना आता था” या “धन लोभियों”

उसे ठट्ठो में उड़ाने लगे
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “फरीसियों ने यीशु का उपहास किया”

उसने उनसे पूछा
“यीशु ने फरीसियों से कहा”

तुम तो मनुष्यों के सामने अपने आपको धर्मी ठहराते हो
“तुम मनुष्यों की दृष्टि में अच्छे बनते हो”

परमेश्वर तुम्हारे मन को जानता है
“परमेश्वर तुम्हारी लालसाओं को जानता है” या “परमेश्वर तुम्हारे मनोरथ जानता है”

जो वस्तु मनुष्यों की दृष्टि में महान है
“मनुष्य की समझ में जो महत्त्वपूर्ण है”

परमेश्वर के निकट घृणित है
इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर घृणा करता है” या “परमेश्वर के लिए घृणित वस्तु है”।

Luke 16:16

x
(यीशु फरीसियों को उपदेश दे रहा है)

व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता
परमेश्वर का संपूर्ण लिखित वचन

यूहन्ना तक रहे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यूहन्ना के आगमन और प्रचार करने तक”

इस समय परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार सुनाया जा रहा था।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “हम मनुष्यों को परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश सुना रहे थे”।

हर कोई उसमें प्रबलता से प्रवेश करता है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “अनेक मनुष्य उसमें प्रवेश करने का यथासंभव प्रयास कर रहे थे”, ये उन मनुष्यों के बारे में है जो यीशु की शिक्षाओं को सुनकर उनका पालन करते थे।

आकाश और पृथ्वी का टल जाना.... सहज है
“तुम जानते हो कि आकाश और पृथ्वी नहीं टल सकते, अतः निश्चित जान लो”

व्यवस्था का एक बिन्दु
“व्यवस्था का छोटे से छोटा अंश भी” इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मूसा के विधान की सबसे छोटी बात”

मिट जाने
“विधान से हटना”

Luke 16:18

(यीशु जनसमूह से ही बातें कर रहा है)
क्योंकि यह एक नियम का उदाहरण है जो बदला नहीं है, इस पाठ का आरंभ इस प्रकार किया जा सकता है, “उदाहरणार्थ”

जो कोई अपनी पत्नी को त्याग कर
“जो पुरूष अपनी पत्नी से विवाह विच्छेद करके” या “अपनी पत्नी को तलाक देकर” या “यदि पुरूष अपनी पत्नी को तलाक देकर”

वह व्यभिचार करता है
वह व्यभिचार का दोषी है”

जो कोई ऐसी त्यागी हुई स्त्री से विवाह करता है
“ऐसी स्त्री से विवाह करनेवाला पुरूष” या “यदि कोई पुरूष ऐसी स्त्री से विवाह करे”

Luke 16:19

x
(यीशु का चर्चा विषय चल रहा है)

एक धनवान मनुष्य था
यहाँ स्पष्ट नहीं है कि वास्तव में ऐसा कोई पुरूष था या यीशु ने काल्पनिक कथा सुनाई थी कि उसकी बात समझ में आए।

जो बैंजनी कपड़े और मलमल पहनता
“वह बैंजनी रंग में रंगा हुआ उत्तम कोटी का मलमल पहनता था” या “वह बहुत कीमती वस्त्र पहनता था” बैंजनी रंग में रंगा हुआ मलमल बहुत मंहगा होता था।

प्रतिदिन सुख विलास और धूमधाम में रहता था
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उसका दैनिक भोजन उत्सव स्वरूप होता था” या “प्रतिदिन मंहगे भोजन का आनन्द होता था” या “अपनी लालसा पूर्ति के लिए बहुत पैसा खर्च करता था”।

लाजर नाम का एक कंगाल... उसकी डेवड़ी पर छोड़ दिया जाता था।
“लोग लाजर नामक एक कंगाल को उसे फाटक पर छोड़ जाते थे”

कंगाल
“भीख मांग कर भोजन खाने वाला गरीब मनुष्य”।

उसकी डेवड़ी पर
“उस धनवान के द्वार पर” या “उस धनवान के घर के फाटक पर”

घावों से भरा हुआ
“उसके पूरे शरीर पर घाव थे”

वह चाहता था कि .... पेट भरे
“खाना चाहता था” या “की लालसा करता था”

धनवान की मेज पर की जूठन
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “धनवान जब खाना खाता था तब जो चूरचार उसकी मेज से नीचे गिरता था” या “उस धनवान की मेज से जो बचा हुआ भोजन फेंका जाता था”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

यहाँ तक कि
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “इसके अतिरिक्त” या “यह भी कि”, इससे प्रकट होता है कि लाजर के लिए जो कहा गया है उससे भी बुरी दशा उसकी अब आगे है।

कुत्ते
कुत्तों को अशुद्ध माना जाता था। लाजर इतना दुर्बल एवं लाचार था कि वह कुत्तों को भगा भी नहीं पाता था।

Luke 16:22

x
(यीशु शिक्षाप्रद कथा सुना रहा है)

ऐसा हुआ कि
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

स्वर्गदूतों ने उसे लेकर अब्राहम की गोद में पहुंचाया
“स्वर्गदूत उसे ले गए और अब्राहम की गोद में डाल दिया”

अब्राहम की गोद
स्पष्ट है कि अब्राहम और लाजर भोज में एक दूसरे के संपर्क में थे और लाजर का सिर अब्राहम की छाती पर था। यह अतिथियों के भोज की यूनानी विधि थी। इस वाक्यांश का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अब्राहम के पास में” या “अब्राहम के ऊपर झुका हुआ” या “अब्राहम के साथ बैठा हुआ”

पीड़ा में पड़े हुए
“जब उसे अविराम पीड़ा हो रही थी” या “घोर पीड़ा में”

अपनी आंखें उठाई
यह एक रूपक है जिसका अर्थ है, “ऊपर देखा”

अब्राहम की गोद में लाजर को देखा
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “और लाजर को अब्राहम की छाती पर लेटे देखा”, या “और लाजर को उसके निकट बैठे देखा” या “ लाजर को उसके साथ देखा

Luke 16:24

x
(यीशु शिक्षाप्रद कथा सुना रहा है)

उसने पुकार कर कहा
“उस धनवान मनुष्य ने पुकारा” या “उसने अब्राहम से चिल्ला कर कहा”

मुझ पर दया कर
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “कृपया मुझ पर तरस खा” या “कृपया मुझ पर दया कर”

लाजर को भेज
“लाजर को भेज कर” या “कृपया लाजर को मेरे पास भेज दे” या “लाजर से कह कि वह मेरे पास आए”

अपनी उंगली का सिरा पानी में भिगोकर
इससे प्रकट होता है कि पानी की मात्रा कितनी कम थी। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “वह अपनी उंगली पानी में स्पर्श करके”।

मैं इस ज्वाला में तड़प रहा हूँ
"मैं इस आग में असहनीय पीड़ा भोग रहा हूँ" या "मैं इस आग में भयानक कष्ट उठा रहा हूँ"

Luke 16:25

x
(यीशु शिक्षाप्रद कथा सुना रहा है)

हे पुत्र
वह धनवान मनुष्य भी अब्राहम वंशज था।

अच्छी वस्तुएं
“सर्वोत्तम वस्तुएं” या “मनभावन वस्तुएं”

वैसे ही लाजर, बुरी वस्तुएं
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “लाजर को सब कुछ बुरा ही मिला” या “उसे वही मिला जिससे उसे कष्ट हुआ”।

तड़प
“घोर पीड़ा”

इन सब बातों को छोड़
“इस सत्य के अतिरिक्त”

एक भारी गड़हा ठहराया गया है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “परमेश्वर ने तुम्हारे और हमारे मध्य बहुत गहरी खाई रखी है” (यू.डी.बी.)

भारी गड़हा
“गहरी और चौड़ी खाई” या “बहुत बड़ा विभाजन” या “विशाल खाई”।

तुम्हारे पास जाना चाहें
“जो इस खाई को पार करना चाहे” या “यदि कोई पार आना जाना चाहे”

Luke 16:27

x
(यीशु शिक्षाप्रद कथा सुना रहा है)

उसे मेरे पिता के घर भेज
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “लाजर से कह कि वह मेरे पिता के परिवार में जाकर” या “कृपया उसे मेरे पिता के परिवार में भेज”

मेरे पिता के घर
“मेरे परिवार में”, यह ईमारत नहीं है। वह धनवान व्यक्ति चाहता था कि लाजर जाकर उसके परिजनों को चेतावनी दे यद्यपि वे एक ही आवास में नहीं रहते थे।

इन बातों की गवाही दे
“लाजर से कह कि उन्हें चेतावनी दे”

ऐसा न हो कि वे भी इस पीड़ा की जगह में आएं।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “कि वे भी यहाँ न आएं” (यू.डी.बी.) या “यदि उन्हें चेतावनी न दी गई तो वे भी यही आयेंगे”। यहाँ अभिप्रेत अर्थ है, कि यहाँ आने से बचने के लिए उन्हें पापों से विमुख होना है। इस अभिप्रेत अर्थ को स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है, “कि वे पापों से विमुख हो जाएं और यहाँ न आएं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

इस पीड़ा की जगह में
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यह स्थान जहाँ हमें पीड़ा होती है” या “यह स्थान जहाँ कष्ट असहनीय है” या “इस स्थान में जहाँ हमें पीड़ित किया जाता है”।

Luke 16:29

उनके पास तो मूसा और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें हैं
“तेरे भाइयों के पास मूसा और भविष्यद्वक्ताओं के लेख है” इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उन्होंने मूसा और भविष्यद्वक्ताओं के लेखों को सुना है”।

वे उनकी सुनें
“तेरे भाई मूसा और भविष्यद्वक्ताओं पर मनन करें”।

यदि कोई मरे हुओं में से उन के पास जाए
इसका अनुवाद हो सकता है,"यदि कोई मरे हुओं में से उन के पास जाए" या "यदि मरे हुओं में से उन्हें चेतावनी दे."

जब वे मूसा और भविष्यद्वक्ताओं की नहीं सुनते
"यदि वे मूसा और भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी बातों पर ध्यान न दे"

उन्हें पाप का बोध नहीं होगा
“ तौभी उसकी नहीं मानेंगे, वे विश्वास नहीं करेंगे”

Translation Questions

Luke 16:1

उस धनवान मनुष्य ने अपने भण्डारी के बारे में क्या सुना था?
उस धनवान मनुष्य से सुना कि उसका भण्डारी उसका धन उड़ा रहा है।

Luke 16:5

नौकरी से निकाले जाने से पूर्व उस भण्डारी ने क्या किया?
उस भण्डारी ने धनवान मनुष्य के देनदारों को एक-एक करके बुलवाया और उनका ऋण घटा दिया।

Luke 16:8

प्रबन्धक के कामों पर उसके स्वामी ने कैसी प्रतिक्रिया दिखाई?
उस धनवान मनुष्य ने अपने प्रबन्धक की प्रशंसा की क्योंकि उसने चतुराई से काम किया था।

Luke 16:9

इस कहानी के आधार पर यीशु ने मनुष्यों को क्या शिक्षा दी?
यीशु ने कहा, "अधर्म के धन से अपने लिये मित्र बना लो; ताकि जब वह जाता रहे, तो वे तुम्हें अनन्त निवासों में ले लें।

Luke 16:10

यीशु ने कहा कि जो थोड़े में विश्वासयोग्य है वह और किसमें विश्वासयोग्य होगा?
वह व्यक्ति अधिक में भी विश्वासयोग्य रहेगा।

Luke 16:13

यीशु के अनुसार हमें दो स्वामियों में से किसकी सेवा का चुनाव करना है?
हमें परमेश्वर और धन में चुनाव करना है।

Luke 16:16

यीशु के अनुसार यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के आगमन तक क्या प्रभावी था?
व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता यूहन्ना तक रहे।

यीशु के अनुसार अब क्या सुनाया जा रहा है?
परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार अब सुनाया जा रहा है।

Luke 16:18

यीशु के अनुसार अपनी पत्नी का त्याग करके दूसरी से विवाह करने वाला क्या है?
यह मनुष्य व्यभिचारी है।

Luke 16:22

यीशु की कहानी में भिखारी लाजर मरणोपरान्त कहाँ गया?
वह अब्राहम की गोद में शान्ति से था।

Luke 16:23

वह धनवान मनुष्य मरणोपरान्त कहाँ गया?
अधोलोग में कष्ट भोगने गया।

Luke 16:24

उस धनवान ने अब्राहम से प्रथम निवेदन क्या किया था?
उसने कहा, "मुझ पर दया करके लाजर को भेज दे, ताकि वह अपनी उंगली का सिरा पानी में भिगोकर मेरी जीभ को ठंडी करे, क्योंकि मैं इस ज्वाला में तड़प रहा हूं"।

Luke 16:26

उस धनवान मनुष्य को अब्राहम ने क्या उत्तर दिया?
अब्राहम ने कहा, "हमारे और तुम्हारे बीच एक भारी गड़हा ठहराया गया है"।

Luke 16:27

उस धनवान मनुष्य ने अब्राहम से और क्या निवेदन किया?
उसने कहा, "मैं तुम से विनती करता हूँ कि तू उसे मेरे पिता के घर भेज, इन बातों की गवाही दे"।

Luke 16:29

उस धनवान मनुष्य को अब्राहम ने क्या उत्तर दिया?
अब्राहम ने कहा, "उनके पास मूसा और भविष्यद्वक्ता हैं वे उनकी सुनें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 16:31

अब्राहम ने कहा कि यदि वे मूसा और भविष्यद्वक्ताओं की न सुने तो कोई क्या करे तौभी वे नहीं मानेंगे?
यदि कोई मर कर भी जी उठे तौभी वे विश्वास नहीं करेंगे।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 17

1 फिर उसने अपने चेलों से कहा, “यह निश्चित है कि वे बातें जो पाप का कारण है, आएँगे परन्तु हाय, उस मनुष्य पर जिसके कारण वे आती है! **2** जो इन छोटों में से किसी एक को ठोकर खिलाता है, उसके लिये यह भला होता कि चक्की का पाट उसके गले में लटकाया जाता, और वह समुद्र में डाल दिया जाता। **3** सचेत रहो; यदि तेरा भाई अपराध करे तो उसे डाँट, और यदि पछताए तो उसे क्षमा कर। **4** यदि दिन भर में वह सात बार तेरा अपराध करे और सातों बार तेरे पास फिर आकर कहे, कि मैं पछताता हूँ, तो उसे क्षमा कर।”

5 तब प्रेरितों ने प्रभु से कहा, “हमारा विश्वास बढ़ा।” **6** प्रभु ने कहा, “यदि तुम को राई के दाने के बराबर भी विश्वास होता, तो तुम इस शहतूत के पेड़ से कहते कि जड़ से उखड़कर समुद्र में लग जा, तो वह तुम्हारी मान लेता।

7 “पर तुम में से ऐसा कौन है, जिसका दास हल जोतता, या भेड़ें चराता हो, और जब वह खेत से आए, तो उससे कहे, ‘तुरन्त आकर भोजन करने बैठ’? **8** क्या वह उनसे न कहेगा, कि मेरा खाना तैयार कर: और जब तक मैं खाऊँ-पीऊँ तब तक कमर बाँधकर मेरी सेवा कर; इसके बाद तू भी खा पी लेना? **9** क्या वह उस दास का एहसान मानेगा, कि उसने वे ही काम किए जिसकी आज्ञा दी गई थी? **10** इसी रीति से तुम भी, जब उन सब कामों को कर चुके हो जिसकी आज्ञा तुम्हें दी गई थी, तो कहो, ‘हम निकम्मे दास हैं; कि जो हमें करना चाहिए था वही किया है’।”

11 और ऐसा हुआ कि वह यरूशलेम को जाते हुए सामरिया और गलील प्रदेश की सीमा से होकर जा रहा था। **12** और किसी गाँव में प्रवेश करते समय उसे दस कोढ़ी मिले। (लैव्य. 13:46) **13** और उन्होंने दूर खड़े होकर, ऊँचे शब्द से कहा, “हे यीशु, हे स्वामी, हम पर दया कर!” **14** उसने उन्हें देखकर कहा, “जाओ; और अपने आपको याजकों को दिखाओ*।” और जाते ही जाते वे शुद्ध हो गए। (लैव्य. 14:2-3) **15** तब उनमें से एक यह देखकर कि मैं चंगा हो गया हूँ, ऊँचे शब्द से परमेश्वर की बड़ाई करता हुआ लौटा; **16** और यीशु के पाँवों पर मुँह के बल गिरकर उसका धन्यवाद करने लगा; और वह सामरी* था। **17** इस पर यीशु ने कहा, “क्या दसों शुद्ध न हुए, तो फिर वे नौ कहाँ हैं? **18** क्या इस परदेशी को छोड़ कोई और न निकला, जो परमेश्वर की बड़ाई करता?” **19** तब उसने उससे कहा, “उठकर चला जा; तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है।”

20 जब फरीसियों ने उससे पूछा, कि परमेश्वर का राज्य कब आएगा? तो उसने उनको उत्तर दिया, “परमेश्वर का राज्य प्रगट रूप में नहीं आता। **21** और लोग यह न कहेंगे, कि देखो, यहाँ है, या वहाँ है। क्योंकि, परमेश्वर का राज्य तुम्हारे बीच में है।” **22** और उसने चेलों से कहा, “वे दिन आएँगे, जिनमें तुम मनुष्य के पुत्र के दिनों में से एक दिन को देखना चाहोगे, और नहीं देखने पाओगे। **23** लोग तुम से कहेंगे, ‘देखो, वहाँ है!’ या ‘देखो यहाँ है!’ परन्तु तुम चले न जाना और न उनके पीछे हो लेना। **24** क्योंकि जैसे बिजली आकाश की एक छोर से कौंधकर आकाश की दूसरी छोर तक चमकती है, वैसे ही मनुष्य का पुत्र भी अपने दिन में प्रगट होगा। **25** परन्तु पहले अवश्य है, कि वह बहुत दुःख उठाए, और इस युग के लोग उसे तुच्छ ठहराएँ। **26** जैसा नूह के दिनों में हुआ था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के दिनों में भी होगा। (इब्रा. 4:7, मत्ती 24:37-39, उत्प. 6:5-12) **27** जिस दिन तक नूह जहाज पर न चढ़ा, उस दिन तक लोग खाते-पीते थे, और उनमें विवाह-शादी होती थी; तब जल-प्रलय ने आकर उन सब को नाश किया। **28** और जैसा लूत के दिनों में हुआ था, कि लोग खाते-पीते लेन-देन करते, पेड़ लगाते और घर बनाते थे; **29** परन्तु जिस दिन लूत सदोम से निकला, उस दिन आग और गन्धक आकाश से बरसी और सब को नाश कर दिया। (2 पत. 2:6, यहू. 1:7, उत्प. 19:24) **30** मनुष्य के पुत्र के प्रगट होने के दिन भी ऐसा ही होगा।

31 “उस दिन जो छत पर हो; और उसका सामान घर में हो, वह उसे लेने को न उतरे, और वैसे ही जो खेत में हो वह पीछे न लौटे। **32** लूत की पत्नी को स्मरण रखो! (उत्प. 19:26, उत्प. 19:17) **33** जो कोई अपना प्राण बचाना चाहे वह उसे खोएगा, और जो कोई उसे खोए वह उसे बचाएगा। **34** मैं तुम से कहता हूँ, उस रात दो मनुष्य एक खाट पर होंगे, एक ले लिया जाएगा, और दूसरा छोड़ दिया जाएगा। **35** दो स्त्रियाँ एक साथ चक्की पीसती होंगी, एक ले ली जाएगी, और दूसरी छोड़ दी जाएगी। **36** [दो जन खेत में होंगे एक ले लिया जाएगा और दूसरा छोड़ा जाएगा।]” **37** यह सुन उन्होंने उससे पूछा, “हे प्रभु यह कहाँ होगा?” उसने उनसे कहा, “जहाँ लाश हैं, वहाँ गिद्ध इकट्ठे होंगे।” (अय्यू. 39:30)

Luke 17:1

हो नहीं सकता कि ठोकरें न लगें
इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य को पाप में ललचाने, बातें तो निश्चय ही होंगी” (यू.डी.बी.) या “परीक्षाओं को रोकना असंभव है” या पाप के प्रलोभनों को रोकना असंभव है”।

उस मनुष्य पर जिसके कारण वे आती हैं
“उस पर जिसके द्वारा परीक्षाएं आती हैं” या “उस हर एक मनुष्य पर जिसके द्वारा परीक्षाएं आती हैं।

भला होता कि चक्की का पाट उसके गले में लटकाया जाता और वह समुद्र में डाल दिया जाता।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है, “उसके गले में चक्की का पाट बान्धकर उसे समुद्र में डाल दिया जाता

चक्की का पाट
यह बहुत बड़ा चक्राकार पत्थर होता था जिससे गेहूँ पीसा जाता था। इसका अनुवाद हो सकता है, “बहुत भारी पत्थर”

इन छोटों में से
इसका अनुवाद हो सकता है, “छोटे बच्चों में से” या “इन छोटे विश्वास के मनुष्यों में से”।

ठोकर खिलाता है
इसका अनुवाद हो सकता है, “पाप करवाता है”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 17:3

तेरा भाई
सामान्यत: "तेरा विश्वासी" तथा "वास्तविक भाई" जो तेरे माता-पिता की सन्तान है।

इसे समझा
"उसे कठोर चेतावनी दे" या "दृढ़ता से उससे कह कि उसने अनुचित काम किया है" या "उसे सुधार"

अपराध करे
यह एक परिस्थिति आधारित वाक्य है जो संभवत: किसी भावी घटना की चर्चा करता है

सात बार तेरा अपराध करे
यह एक काल्पनिक भावी परिस्थिति है। ऐसा हो नहीं सकता परन्तु यदि हो तो यीशु कहता है क्षमा करो।

दिन भर में वह सात बार
इसका अनुवाद किया जा सकता है, "दिन में अनेक बार", बाइबल में संख्या 7 पूर्णता का प्रतीक है।

Luke 17:5

हमारा विश्वास बढ़ा
"कृपया हमारे विश्वास में बडोतरी कर" या कृपया हमारे विश्वास में अधिक विश्वास उत्पन्न कर"

यदि तुमको राई के दाने के बराबर भी विश्वास होता
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "यदि तुम्हारा विश्वास राई के दाने के बराबर थोड़ा सा हो" या "तुम्हारा विश्वास राई के दाने के बराबर हो परन्तु है नहीं"। वाक्य की रचना का सलंग्न अर्थ व्यक्त करती है कि उनका विश्वास वास्तव में राई के दाने के बाराबर भी नहीं था।

जड़ से उखाड़ कर समुद्र में लग जा
इसका अनुवाद हो सकता है, यहाँ से उखड़ जा और समुद्र में उग जा" या "भूमि से जड़ें उखाड़ कर समुद्र में जड़ पकड़ ले"

तो वह तुम्हारी मान ले
"वह वृक्ष तुम्हारी आज्ञा मानता" परिणाम शर्त आधारित है। ऐसा तब ही होगा जब उनमें विश्वास होगा।

Luke 17:7

x
(यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है)

तुममें से ऐसा कौन है
"तुम में ऐसा कोई है" या "परन्तु तुममें से कौन", यह आलंकारिक प्रश्न का आरंभ है। इसका अनुवाद विधानवाचक वाक्य में किया जा सकता है, "यदि तुम में से किसी का" या "मान लो कि तुममें से किसी का" इसके उदाहरण हेतु यू.डी.बी. देखें।

तुममें से ऐसा कौन है जिसका दास
यीशु जनसमूह से पूछ रहा था कि यदि ऐसी परिस्थिति आ जाए तो उनमें से कोई क्या करेगा। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "परन्तु तुममें ऐसा कौन है जिसका सेवक"

जिसका दास हल जोतता या भेड़ें चराता हो
"तुम्हारे खेत जोतने वाला या भेड़ों को चराने वाला सेवक"

हल जोतता
हल जोतने का अर्थ है खेत की मिट्टी को हल की सहायता से पलटना कि बीज डालने के लिए तैयार हो।

तो उससे कहे
यह एक आलंकारिक प्रश्न है। इसका अनुवाद हो सकता है, "इसकी अपेक्षा तुम उससे कहोगे"

कमर कस और मझे भोजन परोस
"कमर कस कर मुझे भोजन परोस" या "उचित वस्त्र पहन कर मेरी सेवा कर" वे अपने वस्त्र को उठाकर कमर पर बान्ध लेते थे कि काम करते समय वस्त्र बाधा उत्पन्न न करें।

इसके बाद
"मेरी सेवा करने के बाद"

Luke 17:9

x
(यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है)

क्या वह उस पाप का अहसान मानेगा?
पिछले दो पदों के अनुवाद के आधार पर इसका अनुवाद भी इस प्रकार होगा, "वह धन्यवाद नहीं कहेगा" या "तुम धन्यवाद नहीं कहोगे"।

जिसकी आज्ञा दी गई थी
"जो आज्ञा तुमने दी थी"

क्या उसका अहसान मानेगा?
इसका अनुवाद हो सकता है, "ठीक"? या "क्या यह सच नहीं । इस आलंकारिक प्रश्न के द्वारा यीशु अपने शिष्यों को स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित करता है कि उसने जो कहा वह स्पष्टत: सच है।

तुम भी
यीशु अपने शिष्यों से बातें कर रहा है इसलिए जिन भाषाओं में "तुम" शब्द बहुवचन में है, उसका उपयोग किया जाए।

तो कहो
"परमेश्वर से कहो"

हम निकम्मे दास हैं
इसका अनुवाद हो सकता है, "हम साधारण दास हैं" हम सेवक तेरी प्रशंसा के योग्य नहीं हैं"।

Luke 17:11

(और ऐसा हुआ कि)
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

वह यरूशलेम जाते हुए
"जब वे यरूशलेम के मार्ग पर जा रहे थे

उसे दस कोढ़ी मिले
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, "इसका साक्षात्कार दस पुरूषों से हुआ जो कोढ़ी थे" या "दस कोढ़ के रोगी उसे मिले"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उन्होंने.... ऊँचे शब्द से कहा
“उन्होंने पुकार कर कहा” या “वे चिल्लाए”

स्वामी
यहाँ "स्वामी" का मूल भाषा यूनानी शब्द सामान्यतः दासों के स्वामी के लिए काम में लिया जाने वाला सामान्य शब्द नहीं है यह शब्द अधिकार संपन्न मनुष्य के लिए काम में लिया जाता था न कि किसी दास के स्वामी के लिए। इसका अनुवाद “प्रधान जी” या “श्रीमान जी” किया जा सकता है या ऐसा शब्द काम में लिया जा सकता है जिसका अभिप्राय एक अधिकार सम्पन्न मनुष्य से हो जैसे "महोदय"।

हम पर दया कर
इसका अनुवाद हो सकता है, “कृपया रोग-मुक्त करने की दया हम पर कर”।

Luke 17:14

अपने आपको याजकों को दिखाओ
यहाँ निहितार्थ को स्पष्ट किया जा सकता है, “कि वे तुम्हारा परीक्षण करें”

(और ऐसा हुआ कि)
इस उक्ति द्वारा कहानी में एक महत्त्वपूर्ण बात का होना प्रकट होता है। इसका अनुवाद हो सकता है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसे यहाँ काम में लें।

वे शुद्ध हो गए
यही वह महत्त्वपूर्ण बात है जिसको प्रकट करने के लिए “और ऐसा हुआ कि” कहा गया है, इसका अनुवाद हो सकता है, “वे कोढ़ से रोगमुक्त होकर शुद्ध हो गए” या “वे कोढ़ से रोगमुक्त हो गए”

यह देखकर कि वह चंगा हो गया
“रोग मुक्ति देखकर” या “उसे यीशु द्वारा रोगमुक्ति की अनुभूति हुई”

लौटा
“वह फिर से यीशु के पास आया”

ऊँचे शब्द से परमेश्वर की बढ़ाई करता हुआ
“पुकार-पुकार कर परमेश्वर की स्तुति की”

यीशु के पावों पर मुँह के बल गिरकर
“वह यीशु के चरणों में नतमस्तक होकर” उसने यीशु को सम्मान में ऐसा किया था।

Luke 17:17

यीशु ने कहा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यीशु ने जनसमूह से कहा” यीशु ने .... उसके प्रतिक्रिया दिखाते हुए जनसमूह से कहा।

क्या दसों शुद्ध न हुए?
यह तीन आलंकारिक प्रश्नों में से कहता है। यीशु ने इन प्रश्नों द्वारा जनसमूह में विस्मय और निराशा प्रकट की कि दस में से एक ही परमेश्वर की स्तुति करने लौटा। इसका अनुवाद हो सकता है, “दस कोढ़ी रोग-मुक्त किए गए थे” या “परमेश्वर ने दस को रोगमुक्त किया है”

नौ कहाँ हैं?
इस आलंकारिक प्रश्न का अनुवाद किया जा सकता है, “अन्य नौ को भी तो आना था” या “अन्य नौ क्यों नहीं लौटे”?

क्या इस परदेशी को छोड़कर कोई और न निकला जो परमेश्वर की बड़ाई करता?
इस आलंकारिक प्रश्न का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “इस विजातीय पुरूष की अपेक्षा परमेश्वर की स्तुति के लिए अन्य कोई नहीं है? या “दस पुरूष रोगमुक्त किए गए परन्तु केवल यह परदेशी परमेश्वर की स्तुति करने लौटा है” या “क्या यह सब हो सकता है कि इस परदेशी पुरूष के अतिरिक्त परमेश्वर की स्तुति के लिए अन्य कोई नहीं लौटा”?

इस परदेशी
सामरियों के पूर्वज गैरयहूदी थे और उनकी परमेश्वर की आराधना विधि यहूदियों से भिन्न थी।

तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है
“तेरे विश्वास के कारण तेरा रोग दूर हुआ है” यहाँ विश्वास को क्रिया रूप में अनुवाद किया जा सकता है, “क्योंकि तू विश्वास करता है इसलिए तू रोग-मुक्त हो गया है”

Luke 17:20

जब फरीसियों ने उससे पूछा
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया में किया जा सकता है “फरीसियों ने यीशु से पूछा” यहाँ कहानी का नया वृत्तान्त आरंभ होता है। कुछ अनुवादक इसका आरंभ इस प्रकर करते हैं, “एक दिन” (यू.डी.बी.) या “एक बार”

परमेश्वर का राज्य कब आएगा
इसे उद्धरण चित्रों में रखा जा सकता है, “परमेश्वर का राज्य कब आएगा”?

परमेश्वर का राज्य दृष्य रूप में नहीं आता है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यदि तुम परमेश्वर के राज्य को प्रत्यक्ष रूप में देखना चाहते हो, परन्तु तुम देखोगे नहीं”। वे देखते नहीं थे कि यीशु राजा रूप में उनके मध्य उपस्थित है, क्योंकि वे एक सांसारिक राज्य की प्रतीक्षा में थे।

परमेश्वर का राज्य तुम्हारे बीच में है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “परमेश्वर का राज्य तो आ गया है” या “परमेश्वर ने तो तुम्हारे मध्य राज करना आरंभ कर दिया है।

Luke 17:22

वे दिन आयेंगे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “एक समय ऐसा आयेगा” या “एक दिन

देखना चाहोगे
“तुम देखने की लालसा करोगे” या “तुममें उसका अनुभव करने की मनोकामना होगी”। उसके शिष्य तो चाहते थे कि वह राज करे। परन्तु सताव का समय आएगा और वे यही चाहेंगे कि यीशु राज कर रहा हो।”

मनुष्य के पुत्र के दिनों में से एक दिन
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मनुष्य के पुत्र के राज के समय एक दिन”

उनके पीछे हो लेना
“उनका अनुसरण नहीं करना”

जैसे बिजली.... चमकती है
यह एक उपमा है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जैसे बिजली चमकती है तो सबको दिखाई देती है और” या “जिस प्रकार बिजली आकस्मात ही चमकती है”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

वैसै ही मनुष्य का पुत्र भी अपने दिन में
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "मनुष्य का पुत्र जब राज करने आएगा उस दिन भी ऐसा ही होगा"।

Luke 17:25

x
(यीशु अपने चेलों से ही बातें कर रहा है)

परन्तु पहले अवश्य है कि वह बहुत दुख उठाए
"परन्तु मनुष्य के पुत्र को पहले पीड़ित होना आवश्यक है" यीशु स्वयं को तृतीय पुरूष में संबोधित कर रहा है।

जैसा नूह के दिनों में हुआ था
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "नूह के दिनों में मनुष्य का जैसा जीवन था" या "नूह के जीवनकाल में जैसा लोग करते थे"। "नूह के दिनों में" अर्थात उस समय से पूर्व जब परमेश्वर ने संसार को दण्ड दिया था।

वैसा ही मनुष्य के पुत्र के दिनों में भी होगा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मनुष्य के पुत्र के समय भी लोग ऐसा ही जीवन जी रहे होंगे"। या "जब मनुष्य के पुत्र को पुन आगमन का समय होगा तब मनुष्यों का जीवन आचरण वैसा ही होगा"। "मनुष्य के पुत्र के दिनों में जब मनुष्य का पुत्र आनेवाला होगा।

लोग खाते-पीते थे, और उनमें विवाह होते थे
वे सामान्य जीवन जी रहे थे और परमेश्वर के आने वाले दण्ड की उन्हें चिन्ता नहीं थी।

जहाज़
"बड़ी नाव"

Luke 17:28

x
(यीशु बातें कर रहा है)

और जैसा लूत के दिनों में हुआ
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "एक और उदाहरण है, लूत के युग में जैसा था" या "लूत के जीवनकाल में लोगों पर जो व्यवहार था"। "लूत के दिनों में अर्थात सदोम और अमोरा नगरों पर परमेश्वर के दण्ड से पूर्व।

खाते-पीते
"सदोम के लोग खाते-पीते थे"

आग और गन्धक आकाश से बरसी
"आकाश से आग और गन्धक ऐसे गिरे जैसे बरसात"।

Luke 17:30

x
(यीशु बातें कर रहा है)

ऐसा ही होगा
अर्थात "ठीक ऐसा ही तब भी होगा" लूत के युग के लोग क्या करते थे स्पष्ट व्यक्त किया जाए जैसा यू.डी.बी. में है, "मनुष्य तैयार नहीं रहेगा"

मनुष्य के पुत्र के प्रकट होने के दिन
"जब मनुष्य का पुत्र प्रकट होगा" या "जब मनुष्य का पुत्र आएगा"

जो छत पर हो .... वह .... न उतरे
"जो घर की छत पर हो वह नीचे न आए" या "यदि कोई अपने घर की छत पर हो तो वह उतर कर नीचे न आए।

छत पर
उनके घरों की छतें समतल होती थी। मनुष्य वहां बैठ सकते थे।

उसका सामान
"उसकी सम्पदा" या "उसकी वस्तुएँ"

पीछे न लौटे
यहाँ अभिप्रेत अर्थ है कि वे घर लौटने की अपेक्षा जान बचाकर भागें, यू.डी.बी. में स्पष्ट व्यक्त किया गया है।

Luke 17:32

लूत की पत्नी को स्मरण रखो
यह एक चेतावनी है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "लूत की पत्नी जैसा मत करना"। उसने मुड़कर सदोम को देखा और सदोम की जनता के साथ दण्ड पाया"।

जे कोई अपना प्राण बचाना चाहे वे उसे खोएगा"।
"अपना जीवन सुरक्षित रखने की खोज करने वाले, अपने प्राण खो देंगे" या "जो अपनी पुरानी जीवनशैली को सुरक्षित रखना चाहेगा उसका प्राण जाएगा"

जो कोई उसे खोए वह उसे जीवित रखेगा।
"मनुष्य को अपना प्राण खाएँगे वे सुरक्षित रहेंगे"। या "जो अपनी पुरानी जीवनशैली का त्याग कर देगा वह जीवित रहेगा"।

Luke 17:34

x
(यीशु अपने चेलों से ही बातें कर रहा है)

उस रात
अर्थात, जिस रात मनुष्य का पुत्र आयेगा उस समय क्या होगा।

दो मनुष्य एक खाट पर होंगे
यह एक काल्पनिक परिस्थिति है कि उस समय दो मनुष्य क्या कर रहे होंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, "दो मनुष्य एक दीवान पर होंगे"।

खाट
"दीवान" या "पलंग"

एक ले लिया जाएगा दूसरा छोड़ दिया जाएगा
इसका अनुवाद कर्तवाच्य क्रियावाच्य क्रिया में किया जा सकता है, "परमेश्वर एक व्यक्ति को उठा लेगा और दूसरे को यही छोड़ देगा" या "स्वर्गदूत एक व्यक्ति को उठा लेंगे परन्तु दूसरे को छोड़ देंगे"।

दो स्त्रियाँ एक साथ चक्की पीसती होंगी
यह एक काल्पनिक दृश्य है कि दो स्त्रियाँ क्या कर रही होंगी। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "दो स्त्रियाँ एक साथ गेहूँ पीस रही होंगी"। कुछ संस्करणों में इस प्रकार अनुवाद किया गया है, "खेत में दो मनुष्य होंगे, एक उठा लिया जाएगा और दूसरा रह जाएगा"। यह वाक्य लूका रचित सुसमाचार के सर्वोत्तम अभिलेखों में नहीं है।

हे प्रभु, यह कहाँ होगा?
"हे प्रभु, ऐसा कहाँ होगा"? (यू.डी.बी.)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जहाँ लोथ है, वहां गिद्ध इकट्ठे होंगे
यह स्पष्टत: एक लोकोक्ति है जिसका अर्थ है, “यह स्पष्ट होगा”, या “जब ऐसा होगा तब तुम जान लोगे”। “यह अनुवाद उपमा देकर भी किया जा सकता है”, गिद्धों के आने से स्पष्ट है कि वहां शव है, इसी प्रकार इन बातों से प्रकट होगा कि मनुष्य का पुत्र प्रकट होने वाला है”।

गिद्ध
गिद्ध बड़े पक्षी हैं जो मृतक पशुओं का मांस खाते हैं। आप पक्षियों को इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं या आपके यहाँ ऐसे पक्षियों का नाम लिख सकते हैं।

Translation Questions

Luke 17:4

यीशु के अनुसार यदि हमारा भाई अपराध करके कहे, "मैं पछताता हूँ" तो हमें क्या करना चाहिए?
हमें उसे क्षमा करना है।

Luke 17:10

दास होने के कारण अपने स्वामी की आज्ञा के अनुसार सब काम करने के बाद हमें क्या कहना चाहिए?
हमें कहना है, "हम निकम्मे दास हैं, जो हमें करना चाहिए था, हमने केवल वहीं किया है"।

Luke 17:12

जब सामरिया और गलील के बीच से जा रहा था तब उसे कौन मिलें?
दस कोढ़ी उसके पास आए।

Luke 17:13

उन्होंने यीशु से क्या कहा?
उन्होंने कहा, "हे स्वामी हम पर दया कर"।

Luke 17:14

यीशु ने उनसे क्या करने को कहा?
यीशु ने उनसे कहा कि वे जाकर याजक को दिखाएं।

जब वे कोढ़ी चलने लगे तो क्या हुआ?
वे शुद्ध किए गए।

Luke 17:15

उन दस कोढ़ियों में से कितनों ने लौटकर आभार व्यक्त किया?
परन्तु लौटकर एक ही आया।

Luke 17:16

यीशु को आभार व्यक्त करने लौटा कोढ़ी कहाँ का निवासी था?
वह एक सामरी था।

Luke 17:21

जब यीशु से परमेश्वर के राज्य के आगमन का समय पूछा गया तब यीशु ने क्या उत्तर दिया?
परमेश्वर का राज्य तुम्हारे बीच में है।

Luke 17:24

यीशु के अनुसार अपने दिन उसका प्रकटीकरण कैसा होगा?
जैसे बिजली आकाश के एक छोर से कौंधकर आकाश के दूसरे छोर तक चमकती है, वैसे ही मनुष्य का पुत्र भी प्रकट होगा।

Luke 17:25

यीशु के अनुसार उसके साथ पहले क्या होना था?
अवश्य है कि वह बहुत दु:ख उठाए और वह पीढ़ी उसे तुच्छ ठहराए।

Luke 17:27

मनुष्य के पुत्र का दिन नूह और लूत के दिनों के सदृश्य कैसे होगा?
लोग खाएंगे-पीएंगे, विवाह करेंगे, लेन-देन करेंगे, पेड़ लगाएंगे, घर बनाएंगे, उन्हें विनाश के दिन के आगमन का बोध भी नहीं होगा।

Luke 17:31

हमें लूत की पत्नी के सदृश्य कैसे नहीं होना है?
?

Luke 17:37

यीशु के चेलों ने पूछा कि ऐसा कहाँ होगा तो यीशु ने प्रकृति का कौन सा उदाहरण दिया?
जहाँ लोथ हैं, वहाँ गिद्ध इकट्ठे होंगे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 18

1 फिर उसने इसके विषय में कि नित्य प्रार्थना करना और साहस नहीं छोड़ना चाहिए उनसे यह दृष्टान्त कहा: **2** “किसी नगर में एक न्यायी रहता था; जो न
परमेश्वर से डरता था और न किसी मनुष्य की परवाह करता था। **3** और उसी नगर में एक विधवा भी रहती थी: जो उसके पास आ आकर कहा करती थी, ‘मेरा
न्याय चुकाकर मुझे मुद्दई से बचा।’ **4** उसने कितने समय तक तो न माना परन्तु अन्त में मन में विचार कर कहा, ‘यद्यपि मैं न परमेश्वर से डरता, और न मनुष्यों
की कुछ परवाह करता हूँ; **5** फिर भी यह विधवा मुझे सताती रहती है, इसलिए मैं उसका न्याय चुकाऊँगा, कहीं ऐसा न हो कि घड़ी-घड़ी आकर अन्त को मेरी
नाक में दम करे’।”

6 प्रभु ने कहा, “सुनो, कि यह अधर्मी न्यायी क्या कहता है? **7** अतः क्या परमेश्वर अपने चुने हुओं का न्याय न चुकाएगा, जो रात-दिन उसकी दुहाई देते रहते;
और क्या वह उनके विषय में देर करेगा? **8** मैं तुम से कहता हूँ; वह तुरन्त उनका न्याय चुकाएगा; पर मनुष्य का पुत्र जब आएगा, तो क्या वह पृथ्वी पर विश्वास
पाएगा?”

9 और उसने उनसे जो अपने ऊपर भरोसा रखते थे, कि हम धर्मी हैं, और दूसरों को तुच्छ जानते थे, यह दृष्टान्त कहा: **10** “दो मनुष्य मन्दिर में प्रार्थना करने के
लिये गए; एक फरीसी था और दूसरा चुंगी लेनेवाला। **11** फरीसी खड़ा होकर अपने मन में यों प्रार्थना करने लगा, ‘हे परमेश्वर, मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ, कि मैं
और मनुष्यों के समान दुष्टता करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेनेवाले के समान हूँ। **12** मैं सप्ताह में दो बार उपवास करता हूँ; मैं
अपनी सब कमाई का दसवाँ अंश भी देता हूँ।’

13 “परन्तु चुंगी लेनेवाले ने दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँख उठाना भी न चाहा, वरन् अपनी छाती पीट-पीटकर* कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पापी पर दया
कर!’ (भज. 51:1) **14** मैं तुम से कहता हूँ, कि वह दूसरा नहीं; परन्तु यही मनुष्य धर्मी ठहरा और अपने घर गया; क्योंकि जो कोई अपने आप को बड़ा
बनाएगा, वह छोटा किया जाएगा; और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

15 फिर लोग अपने बच्चों को भी उसके पास लाने लगे, कि वह उन पर हाथ रखे; और चेलों ने देखकर उन्हें डाँटा। **16** यीशु ने बच्चों को पास बुलाकर कहा,
“बालकों को मेरे पास आने दो, और उन्हें मना न करो: क्योंकि परमेश्वर का राज्य ऐसों ही का है। **17** मैं तुम से सच कहता हूँ, कि जो कोई परमेश्वर के राज्य को
बालक के समान ग्रहण न करेगा वह उसमें कभी प्रवेश करने न पाएगा।”

18 किसी सरदार ने उससे पूछा, “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का अधिकारी होने के लिये मैं क्या करूँ?” **19** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे उत्तम क्यों कहता है?
कोई उत्तम नहीं, केवल एक, अर्थात् परमेश्वर। **20** तू आज्ञाओं को तो जानता है: ‘व्यभिचार न करना, हत्या न करना, चोरी न करना, झूठी गवाही न देना, अपने
पिता और अपनी माता का आदर करना’।” **21** उसने कहा, “मैं तो इन सब को लड़कपन ही से मानता आया हूँ।” **22** यह सुन, “यीशु ने उससे कहा, तुझ में
अब भी एक बात की घटी है, अपना सब कुछ बेचकर कंगालों को बाँट दे; और तुझे स्वर्ग में धन मिलेगा, और आकर मेरे पीछे हो ले।” **23** वह यह सुनकर बहुत
उदास हुआ, क्योंकि वह बड़ा धनी था।

24 यीशु ने उसे देखकर कहा, “धनवानों का परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना कितना कठिन है! **25** परमेश्वर के राज्य में धनवान के प्रवेश करने से ऊँट का सूई
के नाके में से निकल जाना सहज है।” **26** और सुननेवालों ने कहा, “तो फिर किस का उद्धार हो सकता है?” **27** उसने कहा, “जो मनुष्य से नहीं हो सकता, वह
परमेश्वर से हो सकता है।” **28** पतरस ने कहा, “देख, हम तो घर-बार छोड़कर तेरे पीछे हो लिये हैं।” **29** उसने उनसे कहा, “मैं तुम से सच कहता हूँ, कि ऐसा
कोई नहीं जिस ने परमेश्वर के राज्य के लिये घर, या पत्नी, या भाइयों, या माता-पिता, या बाल-बच्चों को छोड़ दिया हो। **30** और इस समय कई गुणा अधिक न
पाए; और परलोक में अनन्त जीवन।”

31 फिर उसने बारहों को साथ लेकर उनसे कहा, “हम यरूशलेम को जाते हैं, और जितनी बातें मनुष्य के पुत्र के लिये भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा लिखी गई हैं* वे
सब पूरी होंगी। **32** क्योंकि वह अन्यजातियों के हाथ में सौंपा जाएगा, और वे उसका उपहास करेंगे; और उसका अपमान करेंगे, और उस पर थूकेंगे। **33** और
उसे कोड़े मारेंगे, और मार डालेंगे, और वह तीसरे दिन जी उठेगा।” **34** और उन्होंने इन बातों में से कोई बात न समझी और यह बात उनसे छिपी रही, और जो
कहा गया था वह उनकी समझ में न आया।

35 जब वह यरीहो के निकट पहुँचा, तो एक अंधा सड़क के किनारे बैठा हुआ भीख माँग रहा था। **36** और वह भीड़ के चलने की आहट सुनकर पूछने लगा,
“यह क्या हो रहा है?” **37** उन्होंने उसको बताया, “यीशु नासरी जा रहा है।” **38** तब उसने पुकार के कहा, “हे यीशु, दाऊद की सन्तान, मुझ पर दया कर!” **39**
जो आगे-आगे जा रहे थे, वे उसे डाँटने लगे कि चुप रहे परन्तु वह और भी चिल्लाने लगा, “हे दाऊद की सन्तान, मुझ पर दया कर!” **40** तब यीशु ने खड़े होकर
आज्ञा दी कि उसे मेरे पास लाओ, और जब वह निकट आया, तो उसने उससे यह पूछा, **41** तू क्या चाहता है, “मैं तेरे लिये करूँ?” उसने कहा, “हे प्रभु, यह कि
मैं देखने लगूँ।” **42** यीशु ने उससे कहा, “देखने लग, तेरे विश्वास ने तुझे अच्छा कर दिया है।” **43** और वह तुरन्त देखने लगा; और परमेश्वर की बड़ाई करता
हुआ, उसके पीछे हो लिया, और सब लोगों ने देखकर परमेश्वर की स्तुति की।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 18:1

x
(यीशु अपने शिष्यों से ही बातें कर रहा है)

फिर उसने
"फिर यीशु ने"

कहा
"सुनाया" (यू.डी.बी.)

हियाव न छोड़ना चाहिए
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "प्रार्थना करने में क्लांत न हों"। या "विश्वास करना न छोड़ें"

किसी नगर में एक न्यायी रहता था
"किसी" शब्द का उपयोग घटना के वर्णन हेतु किया गया है जिसमें न तो न्यायी का नाम है और न नगर का नाम है।

न परमेश्वर से डरता था
"परमेश्वर का भय नहीं मानता था" (यू.डी.बी.)

न किसी मनुष्य की परवाह करता था
"न मनुष्यों का ही मान रखता था"

Luke 18:3

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

विधवा
विधवा वह स्त्री होती है जिसका पति मर गया। यीशु के शिष्य उसे आरक्षित नारी समझे होंगे।

मेरा न्याय चुका कर
इसका अनुवाद हो सकता है, "उसे दण्ड दे" या "मेरा बदला चुका"

मेरा विरोधी
"मेरे शत्रु से" या "मुझे हानि पहंुचाने वाले से" यह कोर्ट केस में बंधी है। यह स्पष्ट नहीं कि उसने इस विधवा पर केस डाला है या इस विधवा ने उस पर केस डाला है।

परमेश्वर से डरता
"परमेश्वर का भय नहीं मानता"

मनुष्यों
"सामान्यतः मनुष्य"

मुझे सताती रहती है
इसका अनुवाद हो सकता है, "मुझे परेशान करती है"

मेरी नाक में दम कर दे
"मेरा जीना दुश्वार कर दे"

घड़ी-घड़ी आकर
"बार-बार आकर"

Luke 18:6

x
(यीशु अपने शिष्यों को प्रार्थना करना सिखा रहा है)

सुनो, वह अधर्मी न्यायी क्या कहता है?
"विचार करो कि उस अधर्मी न्यायी क्या कहता है" इसका अनुवाद इस प्रकार करें कि पाठकों को समझ में आ जाए कि यीशु ने अपनी बात उस न्यायी के शब्दों में कह दी है।

क्या परमेश्वर.... न्याय न चुकाएगा?
यीशु ने इस आलंकारिक प्रश्न द्वारा यह संकेत दिया कि उसके श्रोताओं को उसकी शिक्षा को समझ लेना चाहिए। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "परमेश्वर निश्चय ही चुकाएगा" या "अतः तुम निश्चित जानो कि परमेश्वर न्याय चुकाएगा"

अपने चुने हुओं का
"जिन मनुष्यों को उसने चुन लिया है"

क्या वह उनके विषय में देर करेगा?
यीशु इस आलंकारिक प्रश्न द्वारा श्रोताओं को स्मरण कराना चाहता था कि परमेश्वर का यह गुण तो उन्हें पहले ही से जानना आवश्यक था। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "और तुम जानते हो कि वह उनके साथ देर नहीं करता है"।

मनुष्य का पुत्र
यीशु स्वयं को संबोधित कर रहा है

क्या वह पृथ्वी पर विश्वास पाएगा?
इस शिक्षाप्रद कथा का उद्देश्य था कि शिष्यों को विश्वास के साथ प्रार्थना करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। यीशु का यह एक और आलंकारिक प्रश्न है जिसके द्वारा यीशु नकारात्मक उत्तर पाना चाहता था। इस प्रश्न का अर्थ है, "मैं जानता हूँ कि जब मैं, मनुष्य का पुत्र लौटकर आऊंगा तब मैं ऐसे मनुष्यों को भी देखूंगा जो मुझ में विश्वास नहीं रखते हैं"।

Luke 18:9

फिर उसने
"फिर यीशु ने"

उनसे
"उन कुछ लोगों से"

जो अपने ऊपर भरोसा रखते थे कि हम धर्मी है
"जो पाखंडी थे" या "जो सोचते थे कि वे धर्मी है"

तुच्छ जानते थे
"हीन समझते थे"

मन्दिर में
"मन्दिर परिसर में"

Luke 18:11

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

फरीसी खड़ा होकर अपने मन में यों प्रार्थना करने लगा
इस वाक्यांश की मूल यूनानी भाषा स्पष्ट नहीं है। इसके संभावित अर्थ हैं, (1) फरीसी ने खड़े होकर अपने बारे में इस प्रकार प्रार्थना की" या (2) "फरीसी ने अकेले खड़े होकर प्रार्थना की"।

अन्धेर करनेवाला
अन्धेर करनेवाला मनुष्यों को विवश करके उनका समान ले लेता है, या "उन्हें डराकर"

उपवास
उपवास का अर्थ है, भोजन नहीं करना। फरीसी सप्ताह में दो दिन उपवास रखते थे।

कमाई का
आमदनी का

Luke 18:13

x
(यीशु जनसमूह से ही बातें कर रहा है)

स्वर्ग की ओर आँखें उठाना
यह एक रूपक है जिसका अर्थ है, "स्वर्ग की ओर देखना" या "ऊपर देखना"

अपनी छाती पीट-पीटकर
यह शोक प्रकट करने का प्रतीक है ओर उस मनुष्य के पश्चाताप एवं दीनता को दर्शाता है।

मुझ पापी पर दया कर
इसका अनुवाद हो सकता है, "हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं एक भयानक पापी हूँ"। या "हे परमेश्वर मुझ पर दया कर, में एक भयानक पापी हूँ"।

यही मनुष्य
"वह चुंगी लेनेवाला"

वह दूसरा नहीं
"उस पहले वाले की अपेक्षा" या "उसकी अपेक्षा" या "वह मनुष्य नहीं"
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "परन्तु वह दूसरा व्यक्ति धर्मी नहीं ठहराया गया"

क्योंकि जो कोई अपने आपको बड़ा बनाएगा,
इस वाक्यांश द्वारा यीशु कहानी से हटकर उस सामान्य सिद्धान्त पर आता है जो इस कहानी द्वारा दर्शाया गया है।

बड़ा किया जाएगा
"महान समझा जाएगा"

Luke 18:15

उन पर हाथ रखे, परन्तु
इसे एक अलग वाक्य में अनुवाद किया जा सकता है, "उन्हें छूएं परन्तु"

डांटा
शिष्यों ने उन माता-पिता के इस कार्य पर कठोर आपत्ति उठाई

आने दो
"उन्हें अनुमति दो"

बालकों
यह शब्द "शिशु" नहीं है। जिन बच्चों को लोग ला रहे थे, वे बालक थे अर्थात शिशु नहीं थे, उनसे बड़े थे।

उन्हें मना मत करो
"उन्हें बाधित मत करो" या "बच्चों को मत रोको"

ऐसों ही का है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "ऐसे मनुष्यों का है जो इन बच्चों के स्वभाव के हैं"।

मैं तुमसे सच कहता हूँ।
"मैं तुमसे निश्चय कहता हूँ" यीशु इस अभिव्यक्ति द्वारा अपने आगामी कथन के महत्त्व पर बल दे रहा था।

बालक के समान
यह एक उपमा है जिसके द्वारा परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करनेवालों के स्वभाव की तुलना बच्चों के स्वभाव से की गई है। समानता के विषय हैं, दीनता एवं विश्वास करना। इस उपमा का अर्थ है, वे परमेश्वर के राज्य को जिस विनम्रता से स्वीकार करते हैं वह ठीक वैसी ही है जैसी एक बच्चे में होती है और विश्वास भी।

प्रवेश
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "परमेश्वर के राज्य में प्रवेश"

Luke 18:18

उत्तम
"सुनने और आज्ञा मानने योग्य"

मैं क्या करूं?
"मुझे क्या करने की आवश्यकता है" या "मेरे लिए क्या आवश्यक है"?

उत्तराधिकार
"अधिकृत स्वामी होने के लिए" यह शब्द सामान्यतः किसी मृतक की सम्पदा के लिए काम में लिया जाता था। लूका इस उपमा के उपयोग द्वारा दर्शाना चाहता है कि वह प्रधान समझ गया था कि अनन्त जीवन कर्मों से नहीं है और हर एक जन को अनन्त जीवन प्राप्त नहीं है।

कोई उत्तम नहीं, केवल एक, अर्थात परमेश्वर,
इसका अनुवाद दो वाक्यों में किया जा सकता है। "मनुष्य तो कोई भी नहीं जो उत्तम हो सकता है। केवल परमेश्वर ही है जो उत्तम है।

हत्या न करना
"कत्ल न करना"

यह सब बातें
"इन सब आज्ञाओं को"

Luke 18:22

यह सुन यीशु ने
"यीशु ने उसकी यह बात सुनकर"

यीशु ने उससे कहा
"यीशु ने उसे उत्तर दिया"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुममें अब भी एक बात की घटी है।
“तुम्हें एक और काम करने की आवश्यकता है”। या “एक काम तूने अभी तक नहीं किया है”

अपना सब कुछ बेच कर
“अपनी संपूर्ण सम्पदा बेच कर” या “तेरे पास जो कुछ है सब बेच दे”

बांट दे
“दे दे”

कंगालों में बांट दे
“यह पैसा गरीबों को दे दे”

Luke 18:24

वह बहुत उदास हुआ
यह वाक्य अनेक यूनानी पुरालेखों में नहीं है, इसलिए अंग्रेजी अनुवादों में प्रायः इसे छोड़ दिया गया है।

ऊंट का सुई के नाके में से निकल जाना
ऊंट के लिए सूई के छिद्र से पार निकलना असंभव है। ऐसा प्रतीत होता है कि यीशु अतिशयोक्ति के उपयोग द्वारा यह कहना चाहता था कि “धनवान मनुष्य के लिए उद्धार पाना बहुत ही कठिन है”।

ऊंट
यह एक बहुत बड़ा पशु है, गाय और घोड़े से भी बड़ा

सूई के नाके
सूई का छिद्र जिसमें सिलाई करने का धागा डाला जाता है।

Luke 18:26

सुननेवालों ने
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यीशु की इस बात को सुननेवालों ने”

तो फिर किसका उद्धार हो सकता है?
संभव है कि वे उत्तर पाना चाहते थे। परन्तु अति संभव है कि यह एक अलंकारिक प्रश्न है जिसका अर्थ है, “तब तो किसी का भी उद्धार नहीं हो सकता है”।

उद्धार
“पापों से मुक्ति”

परमेश्वर से ही हो सकता है
“परमेश्वर ही है जो यह कर सकता है”

Luke 18:28

घर बार
“अपनी धन सम्पत्ति” या “अपना सब कुछ”

मैं तुमसे सच कहता हूँ
यीशु इस वाक्य द्वारा अपने अग्रिम बात पर बल दे रहा था।

ऐसा कोई नहीं जिसने .... कई गुणा अधिक न पाया हो
इसका अनुवाद सकारात्मक वाक्य में किया जा सकता है, “जिसने भी .... छोड़ दिया हो.... वह पाएगा।

आनेवाले युग में अनन्त जीवन
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “आने वाले संसार में अनन्त जीवन”

Luke 18:31

देख
यह शब्द यीशु की सेवा में गंभीर परिवर्तन दर्शाता है जब वह अन्तिम समय के लिए यरूशलेम जा रहा है।

भविष्यद्वक्ताओं
पुराने नियम के भविष्यद्वक्ता

सब पूरी होंगी
“अवश्य घटेंगी” या “होकर रहेंगी”

मनुष्य का पुत्र
यीशु स्वयं को मनुष्य का पुत्र कहता है या और अपने लिए “वह” सर्वनाम का उपयोग करता था।

तीसरे दिन
मरणोपरान्त तीसरे दिन। परन्तु शिष्यों की समझ में यह बात न आई। अतः इस पद के अनुवाद में इस व्याख्या को निहित न करना ही अच्छा है।

Luke 18:34

वह उनकी समझ में न आया
“वे कुछ भी समझ न पाए”

इन बातों को
यरूशलेम में यीशु के कष्टों और मृत्यु का वर्णन और तीसरे दिन उसका पुनरुत्थान।

ये बातें उनसे छिपी रही
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है, “परमेश्वर ने उन्हें यीशु की बातें समझने से रोक दिया” (यू.डी.बी.)

जो कहा गया था
इसका अनुवाद भी कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, “यीशु ने जो कहा था”

Luke 18:35

निकट पहुंचा
“पास आया”

एक अन्धा सड़क के किनारे बैठा
“वहां एक अंधा मनुष्य बैठा था” यहाँ केवल वह व्यक्ति महत्त्वपूर्ण है, उसका नाम जानने की आवश्यकता नहीं है।

भीख मांग रहा था.... सुनकर
इसका अनुवाद भी दो वाक्य में किया जा सकता है, “भीख मांग रहा था” जब उसने यीशु के चलने की आहट सुनी तो”

उन्होंने उसको बताया
लोगों ने उसे बताया

यीशु नासरी
यीशु नासरत का रहनेवाला था। नासरत गलील का एक नगर था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जा रहा है
“उसके पास से जा रहा है”

Luke 18:38

उसने पुकार के कहा
“चिल्लाया” या “पुरजोर आवाज दी”

दाऊद की सन्तान
यीशु दाऊद का वंशज था। दाऊद इस्राएल का सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण राज्य था।

मुझ पर दया कर
“मुझ पर तरस खा” या “मुझ पर कृपा कर”

आगे-आगे जा रहे थे
“जनसमूह में लोग”

चुप रहे
“शान्त रहे” या “चिल्लाए नहीं”

वह और भी चिल्लाने लगा
अर्थात वह और ऊँचे स्वर में चिल्लाने लगा या वह अविराम चिल्लाता जा रहा था।

Luke 18:42

तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मैंने तुझे दृष्टिदान दिया क्योंकि तूने मुझमें विश्वास किया है”।

उसके पीछे हो लिया
इसका अनुवाद हो सकता है, “उसके पीछे चलने लगा”

परमेश्वर की बड़ाई करता हुआ
“परमेश्वर की स्तुति करता हुआ” या “परमेश्वर को महान कहता हुआ”

Translation Questions

Luke 18:1

इस कहानी से यीशु अपने चेलों को प्रार्थना के बारे में क्या सिखाना चाहता था?
वह उन्हें सिखाना चाहता था कि वे प्रार्थना करते रहें, निराश न हों, परमेश्वर उन पुकारने वालों का न्याय चुकाता है।

Luke 18:3

उस विधवा ने अधर्मी न्यायधीश से क्या याचना की?
उसने अपने मुद्दई के विरूद्ध न्याय मांगा।

Luke 18:5

अन्ततः उस अधर्मी न्यायाधीश ने मन में क्या सोचा?
उसने कहा,"यह विधवा मुझे सताती रहती है इसलिए मैं इसका न्याय चुकाऊंगा"।

Luke 18:9

उस फरीसी का अपने बारे में अपने अन्य मनुष्यों की धार्मिकता के बारे में क्या विचार था?
वह सोचता था कि वह अन्य मनुष्यों से अधिक धर्मी है।

Luke 18:10

यीशु की इस कहानी में कौन से मनुष्य मन्दिर में प्रार्थना करने गए थे?
एक फरीसी और एक चूंगी लेने वाला मन्दिर में प्रार्थना करने गए।

Luke 18:13

मन्दिर में उस चूंगी लेने वाले ने क्या प्रार्थना की?
उसने प्रार्थना की, "हे परमेश्वर मुझ पापी पर दया कर"।

Luke 18:14

कौन परमेश्वर की दृष्टि में धर्मी ठहर कर घर गया?
वह चूंगी लेने वाला परमेश्वर के सम्मुख धर्मी ठहरा।

Luke 18:16

यीशु ने परमेश्वर का राज्य कैसों का बताया?
वह बच्चों जैसों का है।

Luke 18:22

यीशु ने उस सरदार से (जिसने अपनी युवावस्था में परमेश्वर की सब आज्ञाओं का पालन किया था) एकमात्र काम करने को कहा वह क्या था?
यीशु ने उससे कहा कि वह अपना सब कुछ बेच कर कंगालों में बांट दे।

Luke 18:23

उस सरदार ने यीशु की बात सुनकर कैसी प्रतिक्रिया दिखाई और क्यों?
वह बहुत दुःखी हुआ क्योंकि वह अत्यधिक धनवान था।

Luke 18:30

परमेश्वर के राज्य के लिए सांसारिक सम्पदा का त्याग करने वालों से यीशु ने क्या प्रतिज्ञा की?
यीशु ने उनसे इस संसार में बहुत कुछ देने की और आने वाले संसार में अनन्त जीवन देने की प्रतिज्ञा की।

Luke 18:32

यीशु के अनुसार पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं ने मनुष्य के पुत्र के बारे में क्या लिखा था?
वह अन्यजाति के हाथ में दिया जायेगा, उसे ठट्ठों में उड़ाया जायेगा, उसे लज्जित किया जायेगा, कोड़े मारे जायेंगे और मृत्यु दी जायेगी परन्तु वह तीसरे दिन मृतकों में से जी उठेगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 18:38

मार्ग के किनारे बैठे उस अन्धे मनुष्य ने यीशु से क्या कहा?
उसने कहा, "हे यीशु, दाऊद की सन्तान, मुझ पर दया कर"।

Luke 18:43

उस अंधे मनुष्य की चंगाई को देख मनुष्यों ने कैसी प्रतिक्रिया दिखाई?
उन्होंने परमेश्वर की महिमा और स्तुति की।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 19

1 वह यरीहो में प्रवेश करके जा रहा था। **2** वहाँ जक्कई* नामक एक मनुष्य था, जो चुंगी लेनेवालों का सरदार और धनी था। **3** वह यीशु को देखना चाहता था कि वह कौन सा है? परन्तु भीड़ के कारण देख न सकता था। क्योंकि वह नाटा था। **4** तब उसको देखने के लिये वह आगे दौड़कर एक गूलर के पेड़ पर चढ़ गया, क्योंकि यीशु उसी मार्ग से जानेवाला था। **5** जब यीशु उस जगह पहुँचा, तो ऊपर दृष्टि कर के उससे कहा, "हे जक्कई, झट उतर आ; क्योंकि आज मुझे तेरे घर में रहना अवश्य है।" **6** वह तुरन्त उतरकर आनन्द से उसे अपने घर को ले गया। **7** यह देखकर सब लोग कुड़कुड़ाकर कहने लगे, "वह तो एक पापी मनुष्य के यहाँ गया है।" **8** जक्कई ने खड़े होकर प्रभु से कहा, "हे प्रभु, देख, मैं अपनी आधी सम्पत्ति कंगालों को देता हूँ, और यदि किसी का कुछ भी अन्याय करके ले लिया है तो उसे चौगुना फेर देता हूँ।" (निर्ग. 22:1) **9** तब यीशु ने उससे कहा, "आज इस घर में उद्धार आया है, इसलिए कि यह भी अब्राहम का एक पुत्र* है। **10** क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को ढूँढ़ने और उनका उद्धार करने आया है।" (मत्ती 15:24, यहे. 34:16)

11 जब वे ये बातें सुन रहे थे, तो उसने एक दृष्टान्त कहा, इसलिए कि वह यरूशलेम के निकट था, और वे समझते थे, कि परमेश्वर का राज्य अभी प्रगट होनेवाला है। **12** अतः उसने कहा, "एक धनी मनुष्य दूर देश को चला ताकि राजपद पा कर लौट आए। **13** और उसने अपने दासों में से दस को बुलाकर उन्हें दस मुहरें दीं, और उनसे कहा, 'मेरे लौट आने तक लेन-देन करना।' **14** "परन्तु उसके नगर के रहनेवाले उससे बैर रखते थे, और उसके पीछे दूतों के द्वारा कहला भेजा, कि हम नहीं चाहते, कि यह हम पर राज्य करे।

15 "जब वह राजपद पा कर लौट आया, तो ऐसा हुआ कि उसने अपने दासों को जिन्हें रोकड़ दी थी, अपने पास बुलवाया ताकि मालूम करे कि उन्होंने लेन-देन से क्या-क्या कमाया। **16** तब पहले ने आकर कहा, 'हे स्वामी, तेरे मुहर से दस और मुहरें कमाई हैं।' **17** उसने उससे कहा, 'हे उत्तम दास, तू धन्य है, तू बहुत ही थोड़े में विश्वासयोग्य निकला अब दस नगरों का अधिकार रख।' **18** दूसरे ने आकर कहा, 'हे स्वामी, तेरी मुहर से पाँच और मुहरें कमाई हैं।' **19** उसने उससे कहा, 'तू भी पाँच नगरों पर अधिकार रख।' **20** तीसरे ने आकर कहा, 'हे स्वामी, देख, तेरी मुहर यह है, जिसे मैंने अँगोछे में बाँध रखा था। **21** क्योंकि मैं तुझ से डरता था, इसलिए कि तू कठोर मनुष्य है: जो तूने नहीं रखा उसे उठा लेता है, और जो तूने नहीं बोया, उसे काटता है।' **22** उसने उससे कहा, 'हे दुष्ट दास, मैं तेरे ही मुँह से* तुझे दोषी ठहराता हूँ। तू मुझे जानता था कि कठोर मनुष्य हूँ, जो मैंने नहीं रखा उसे उठा लेता, और जो मैंने नहीं बोया, उसे काटता हूँ; **23** तो तूने मेरे रुपये सर्राफों को क्यों नहीं रख दिए, कि मैं आकर ब्याज समेत ले लेता?' **24** और जो लोग निकट खड़े थे, उसने उनसे कहा, 'वह मुहर उससे ले लो, और जिसके पास दस मुहरें हैं उसे दे दो।' **25** उन्होंने उससे कहा, 'हे स्वामी, उसके पास दस मुहरें तो हैं।' **26** 'मैं तुम से कहता हूँ, कि जिसके पास है, उसे और दिया जाएगा; और जिसके पास नहीं, उससे वह भी जो उसके पास है ले लिया जाएगा। **27** परन्तु मेरे उन बैरियों को जो नहीं चाहते थे कि मैं उन पर राज्य करूँ, उनको यहाँ लाकर मेरे सामने मार डालो'।"

28 ये बातें कहकर वह यरूशलेम की ओर उनके आगे-आगे चला। **29** और जब वह जैतून नाम पहाड़ पर बैतफगे और बैतनिय्याह के पास पहुँचा, तो उसने अपने चेलों में से दो को यह कहके भेजा, **30** "सामने के गाँव में जाओ, और उसमें पहुँचते ही एक गदही का बच्चा जिस पर कभी कोई सवार नहीं हुआ, बन्धा हुआ तुम्हें मिलेगा, उसे खोलकर लाओ। **31** और यदि कोई तुम से पूछे, कि क्यों खोलते हो, तो यह कह देना, कि प्रभु को इसकी जरूरत है।"

32 जो भेजे गए थे, उन्होंने जाकर जैसा उसने उनसे कहा था, वैसा ही पाया। **33** जब वे गदहे के बच्चे को खोल रहे थे, तो उसके मालिकों ने उनसे पूछा, "इस बच्चे को क्यों खोलते हो?" **34** उन्होंने कहा, "प्रभु को इसकी जरूरत है।" **35** वे उसको यीशु के पास ले आए और अपने कपड़े उस बच्चे पर डालकर यीशु को उस पर बैठा दिया। **36** जब वह जा रहा था, तो वे अपने कपड़े मार्ग में बिछाते जाते थे। (2 राजा. 9:13) **37** और निकट आते हुए जब वह जैतून पहाड़ की ढलान पर पहुँचा, तो चेलों की सारी मण्डली उन सब सामर्थ्य के कामों के कारण जो उन्होंने देखे थे, आनन्दित होकर बड़े शब्द से परमेश्वर की स्तुति करने लगी: (जक. 9:9)

> **38** "धन्य है वह राजा, जो प्रभु के नाम से आता है!
> स्वर्ग में शान्ति और आकाश में महिमा हो!" (भज. 72:18-19, भज. 118:26)

39 तब भीड़ में से कितने फरीसी उससे कहने लगे, "हे गुरु, अपने चेलों को डाँट।" **40** उसने उत्तर दिया, "मैं तुम में से कहता हूँ, यदि ये चुप रहें, तो पत्थर चिल्ला उठेंगे।"

41 जब वह निकट आया तो नगर को देखकर उस पर रोया। **42** और कहा, "क्या ही भला होता, कि तू; हाँ, तू ही, इसी दिन में कुशल की बातें जानता, परन्तु अब वे तेरी आँखों से छिप गई हैं। (व्य. 32:29, यशा. 6:9-10) **43** क्योंकि वे दिन तुझ पर आएँगे कि तेरे बैरी मोर्चा बाँधकर तुझे घेर लेंगे, और चारों ओर से तुझे दबाएँगे। **44** और तुझे और तेरे साथ तेरे बालकों को, मिट्टी में मिलाएँगे, और तुझ में पत्थर पर पत्थर भी न छोड़ेंगे; क्योंकि तूने वह अवसर जब तुझ पर कृपादृष्टि की गई न पहचाना।"

45 तब वह मन्दिर में जाकर बेचनेवालों को बाहर निकालने लगा। **46** और उनसे कहा, "लिखा है; 'मेरा घर प्रार्थना का घर होगा,' परन्तु तुम ने उसे डाकुओं की खोह बना दिया है।" (यशा. 56:7, यिर्म. 7:11) **47** और वह प्रतिदिन मन्दिर में उपदेश देता था : और प्रधान याजक और शास्त्री और लोगों के प्रमुख उसे मार डालने का अवसर ढूँढ़ते थे। **48** परन्तु कोई उपाय न निकाल सके; कि यह किस प्रकार करें, क्योंकि सब लोग बड़ी चाह से उसकी सुनते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 19:1

एक मनुष्य था
अब कहानी में एक नया मनुष्य आता है, आपकी भाषा में किसी नए मनुष्य का प्रवेश व्यक्त करने की अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

Luke 19:3

वह यीशु को देखना चाहता था
“जक्कई देखना चाहता था कि यीशु कौन है”

गूलर के पेड़
गूलर एक छोटा गोल फल होता है, लगभग 2. से.मी. का। इसका अनुवाद केवल “अंजीर का वृक्ष” या “वृक्ष” मात्र ही किया जा सकता है।

वह नाटा था
“वह कद में छोटा था”

Luke 19:5

उस जगह
“उस वृक्ष के नीचे” या “जहाँ जक्कई था”

वह तो एक पापी मनुष्य के यहाँ जा उतरा है
“यीशु एक पापी के घर में गया है”

एक पापी
“एक प्रकट पापी” या “वास्तव में एक पापी” (यू.डी.बी.) या “एक सन्देहरहित पापी”

Luke 19:8

प्रभु
यह यीशु के सन्दर्भ में है

आज इस घर में उद्धार आया है
इस भाववाचक संज्ञा “उद्धार” का अनुवाद “उद्धार करना” क्रिया में किया जा सकता है, “परमेश्वर ने इस परिवार का उद्धार किया है”

इस घर में
यहाँ जिस शब्द का अनुवाद “घर” किया गया है उसका अर्थ है घर में रहने वाले लोग या परिवार (देखें: Metonymy)

यह भी
“यह मनुष्य भी” या “जक्कई भी”

अब्राहम का पुत्र
इसके संभावित अर्थ हैं, (1) “अब्राहम का वंशज” या (2) “जिस व्यक्ति का विश्वास अब्राहम के जैसा है”

खोए हुओं को
“परमेश्वर से दूर हो गए मनुष्यों को” या “जो पाप करके परमेश्वर से दूर हो गए हैं”

Luke 19:11

परमेश्वर का राज्य अभी प्रकट होनेवाला है
“कि यीशु उसी समय परमेश्वर के राज्य पर राज करेगा”

एक धनी मनुष्य
“शासक वर्ग का एक मनुष्य” या “किसी महत्त्वपूर्ण परिवार का एक सदस्य”। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “एक महत्त्वपूर्ण मनुष्य” या “ऊँचा पद रखनेवाला एक मनुष्य”

राज पद पाकर लौटे
“राजा बनकर” या “अपने प्रदेश का राजा बनकर”

Luke 19:13

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

उसने .... बुलाकर
उसने शब्द उस धनवान मनुष्य के लिए काम में लिया गया है।

दस मुहरें
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “एक-एक मुहर दी”

दस मुहरें
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “दस कीमती मुहरें” या “बहुत पैसा दिया”। एक मुहर लगभग चार महीनों की मजदूरी होती थी।

लेनदेन करना
“इससे व्यापार करना” या “इससे और अधिक धन कमाना”

नगर के रहने वाले
“उसके देश के नागरिक”

दूतों
“प्रतिनिधियों” या “सन्देशवाहकों”

(और ऐसा हुआ)
इस उक्ति द्वारा कहानी में एक महत्त्वपूर्ण घटना का बोध करवाया गया है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

राजपद पाकर
“राजा बन कर”

क्या-क्या कमाया
“उन्होंने कितना पैसा और बनाया”

Luke 19:16

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

पहले ने
“पहले सेवक ने”

आकर
इस धनवान मनुष्य के समक्ष आकर

मुहर
देखें इसका अनुवाद अपने 19:13 में इसका अनुवाद कैसे किया है।

धन्य
“तूने बहुत अच्छा काम किया है” आपकी भाषा में नियोजक अनुमोदन दर्शाने के शब्द काम में लेता होगा जैसे “अच्छा काम किया”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 19:18

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

तेरी मुहर से पाँच और मुहरें कमाई हैं
इसका अनुवाद किया जा सकता है “हे प्रभु तूने मुझे जो मुहरें दी थी उनसे मैंने पाँच और अधिक अर्जित की हैं।

मुहर
देखें इसका अनुवाद अपने 19:13 में इसका अनुवाद कैसे किया है।

तू पाँच नगरों पर हाकिम हो
“तू पाँच नगरों पर अधिकारी होगा”

Luke 19:20

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

मुहर
देखें इसका अनुवाद अपने 19:13 में इसका अनुवाद कैसे किया है।

तू कठोर मनुष्य है
“तू निर्दयी है” या “तू एक ऐसा मनुष्य है जो सेवकों से अनावश्यक अपेक्षा करता है”। या “एक निष्ठुर मनुष्य है” (यू.डी.बी.)

जो तूने नहीं रखा उसे उठा लेता है
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “तूने जहाँ निवेश नहीं किया वहां से पाना चाहता है” या “जो तेरा नहीं उसे पाना चाहता है” यह एक लोकोक्ति है जो लालची मनुष्य का चरित्र दर्शाती है।

काटता है
काटता है अर्थात “फसल उठाता है” या “एकत्र करता है” या “उठाता है”

जो तूने नहीं बोया उसे काटता है
“जो फसल तेरी नहीं, उसे काटता है” यह एक रूपक है। वह सेवक अपने स्वामी की तुलना एक ऐसे किसान से कर रहा था जो दूसरों की खेती से अपना भोजन लेता है।

Luke 19:22

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

तू कठोर मनुष्य है
“निष्ठुर मनुष्य”

कठोर मनुष्य हूँ... उठा लेता
वह अपने सेवक के शब्दों को दोहरा रहा था वह स्वीकार नहीं कर रहा था कि यह सत्य है।

तूने मेरे रुपये... क्यों नहीं रख दिए?
यह एक आलंकारिक प्रश्न है जो झिड़की के लिए है। इसका अनुवाद हो सकता है, “तुझे मेरी मुहर सर्राफों के पास क्यों नहीं रख दी”।

सर्राफों के पास क्यों नहीं रख दिए
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “बैंक में क्यों नहीं डाल दिया। जिन संस्कृतियों में बैंक नहीं है वहां अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “ब्याज पर क्यों नहीं चढ़ा दिया”?

सर्राफ
सर्राफ ब्याज पर पैसा चलाते हैं। वे आपके पैसों को किसी को ब्याज पर देंगे और ब्याज का एक भाग आपको दे देंगे

ब्याज समेत ले लेता
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मैं” आकर अपनी मुहरें और उसका ब्याज वसूल कर लेता” (यू.डी.बी.) या “मैं आकर उसका लाभ उठाता”

ब्याज
पैसों पर कमाया हुआ अतिरिक्त धन।

Luke 19:26

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

मैं तुझ से कहता हूँ
यह राजा के वचन हैं। कुछ अनुवादक इसका आरंभ इस प्रकार करते हैं, “और राजा ने कहा, “मैं तुमसे कहता हूँ”, या “परन्तु राजा ने कहा,मैं यह कहता हूँ”।

जिसके पास
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जो दी हुई सम्पत्ति का उचित उपयोग करता है” या “जो मेरी दी हुई सम्पत्ति लाभकारी उपयोग करता है”

उसे दिया जाएगा
इसका अनुवाद कर्तृवाय वाक्य में किया जा सकता है, “मैं उसे और दूंगा”

जिसके पास नहीं है
इसका अनुवाद हो सकता है, “जो दी हुई सम्पत्ति का लाभकारी उपयोग नहीं करता है”।

मेरे उन बैरियों को
क्योंकि उसके बैरी वहां उपस्थित नहीं हैं इसलिए कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद इस प्रकार किया गया है, “मेरे वे बैरी” (यह शिक्षाप्रद कथा का समापन है और जक्कई के घर में होने वाले संवाद का अनत है)।

Luke 19:28

ये बातें कह कर वह
“वह” यीशु के लिए प्रयुक्त सर्वनाम है न कि पिछले गद्यांश में राजा के लिए। कुछ अनुवादों में स्पष्ट किया गया है, “जब यीशु ये बातें कह चुका”

यरूशलेम की ओर उनके आगे-आगे चला।
यरूशलेम यरीहो से लगभग 975 मीटर की ऊंचाई पर है।

Luke 19:29

(और ऐसा हुआ कि)
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

पास पहुंचा
“वह” अर्थात यीशु। उसके शिष्य उसके साथ थे।

बैतफगे
बैतफगे जैतून पर्वत पर स्थित एक गांव था। जैतून पर्वत यरूशलेम से किद्रोन नाले के पास था।

जैतून नामक पहाड़
“जैतून पर्वत कहलाने वाला पर्वत” या “जैतून के पेड़ों का पर्वत”

Luke 19:32

जो भेजे गए थे
इसका कर्तृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है, “जिन्हें यीशु ने भेजा था” या “यीशु ने जिन दो शिष्यों को भेजा था”।

अपने -अपने कपड़े..... डालकर
“गधे के बच्चे पर अपने बाहरी वस्त्र डालकर”

अपने कपड़े मार्ग में बिछाते जाते थे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “लोगों ने अपने वस्त्र मार्ग में बिछाए” या “अन्य जनों ने अपने चोगे मार्ग में बिछाए”

Luke 19:37

निकट आते हुए
“जब यीशु निकट आ रहा था” या “जब यीशु पहुंच रहा था”, “यीशु के शिष्य उसके साथ चल रहे थे।

उन सब सामर्थ्य के कामों
इसका अनुवाद हो सकता है, “उन्होंने यीशु के उन आश्चर्य के कामों को देखा था”।

धन्य है वह राजा
वे यीशु के लिए ऐसा नारा लगा रहे थे

प्रभु
परमेश्वर

आकाश मण्डल में महिमा हो
इसका अनुवाद हो सकता है, “सर्वोच्च परमेश्वर की स्तुति हो”, या “परम-प्रधान की स्तुति हो”। इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है जिसमें कहा जा सकता है कि कौन स्तुति करेगा, जैसा यू.डी.बी में है।

Luke 19:39

अपने चेलों को डांट
इसका अनुवाद हो सकता है, “अपने अनुयायियों को ऐसा करने से रोक”।

मैं तुमसे कहता हूँ
यीशु ने अपनी अगली बात पर बल देने के लिए इस उक्ति का उपयोग किया था।

यदि ये चुप रहे
यह एक काल्पनिक परिस्थिति है। कुछ अनुवादकों के लिए आवश्यक होगा कि यीशु के अभिप्रेत अर्थ को प्रकट करें, “नहीं, मैं उन्हें डांटूँगा नहीं क्योंकि यदि ये चुप हो गए तो ....”

पत्थर चिल्ला उठेंगे
“पत्थर स्तुति करने लगेंगे”

Luke 19:41

जब वह निकट आया
“पहुंचा” या “पास में आया”

नगर
यरूशलेम नगर

उस पर रोया
“उस” यरूशलेम के लिए सर्वनाम है परन्तु इसका अभिप्राय वहां के नागरिकों से है। (देखें: Metonymy)

बातें जानता
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मैं कैसे चाहता हूँ कि तुम जानते” या “मैं अत्यधिक दुखी हूँ क्योंकि तुम नहीं जानते” यह एक दुहाई है। वह अपना दुःख प्रकट कर रहा था कि यरूशलेमवासी इन बातों को नहीं जानते थे। इस वाक्य के अन्त में सलंग्न जानकारी जोड़ी जा सकती हे, “तो तुम कुशल से रहते”।

तुम
यहाँ “तुम” शब्द एकवचन में है क्योंकि यीशु एक नगर से बातें कर रहा है परन्तु यदि आपकी भाषा में एकवचन सामान्य हो तो बहुवचन ही काम में लें जो नगरवासियों के संदर्भ में होगा।

वे तेरी आंखों से छिप गई हैं
इसका अनुवाद होगा, “तुम देख नहीं सकते”। या “तुम उसे समझने में असमर्थ हो”

Luke 19:43

x
(यीशु यरूशलेम नगर के बाहर बातें कर रहा है)

क्योंकि
आगे की बातें यीशु के दुःख का कारण प्रकट करेंगी।

वे दिन तुझ पर आएंगे
इससे उनके कठिन समय का बोध होता है। कुछ भाषाओं में आनेवाले समय को व्यक्त नहीं किया जा सकता है। अतः इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “भविष्य में तेरे साथ ऐसा होगा” या “तू शीघ्र ही कष्ट का समय देखेगा”।

तुम
“तुझे” एकवचन है क्योंकि यीशु एक नगर से बातें कर रहा है। परन्तु यदि आपकी भाषा में एकवचन असामान्य प्रतीत हो तो बहुवचन ही का उपयोग करें जो नगरवासियों के संदर्भ में होगा।

मोर्चा बांधकर
घेराव करके जिससे कि नगरवासियों का बाहर आना जाना बन्द हो जाए।

मिट्टी में मिलाएंगे
क्योंकि यीशु एक नगर से बातें कर रहा है इसलिए यह अपनी शहरपनाह और ईमारतों के संदर्भ में है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “वे तेरी शहरपनाह को नाश कर देंगे और तेरी ईमारतों को तेरे नगर को नष्ट कर देंगे।

तेरे बालकों को जो तुझ में हैं।
अर्थात नगरवासियों को। यदि आपने “तुझ” का बहुवचन काम में लिया है तो इसका अनुवाद होगा “वे नगर में तुम लोगों को घात करेंगे”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पत्थर पर पत्थर भी न छोड़ेंगे
यह अतिशयोक्ति है जिसके द्वारा उस पत्थरों के नगर का सर्वनाश की भविष्यद्वाणी की गई है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “वे स्वामी पत्थर यथास्थान नहीं रहने देंगे।”

तूने.... न पहचाना
“तूने समझा नहीं” या “तूने स्वीकार नहीं किया”।

Luke 19:45

बाहर निकालने लगा
“बाहर फेंकने लगा” या “खदेड़ने लगा” या “हटने पर विवश करने लगा”।

लिखा है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “धर्मशास्त्र कहता है” या “धर्मशास्त्र में भविष्यद्वक्ताओं ने लिखा है। यह यशायाह की पुस्तक का उद्धरण है।

मेरा घर
“मेरा” शब्द परमेश्वर के लिए है।

प्रार्थना का घर
“मनुष्यों के लिए मुझ से प्रार्थना करने का स्थान”

डाकुओं की खोह
“डाकुओं कि छिपने का स्थान” यह एक रूपक है। इसका अनुवाद उपमा देकर भी किया जा सकता है, “डाकुओं की गुफा के समान”

Luke 19:47

मन्दिर में
“मन्दिर परिसर में” या “मन्दिर

प्रधान याजक
“सबसे बड़ा पुरोहित” या “सर्व प्रतिष्ठित पुरोहित”

सब लोग बड़ी चाह से उसकी सुनते थे
“यीशु की बातों पर कान लगाते थे”

Translation Questions

Luke 19:2

यीशु को देखने के लिए कौन पेड़ पर चढ़ गया था, उसका व्यवसाय क्या था और समाज में उसका क्या स्थान था?
वह जक्कई था, एक धनवान चूंगी लेने वाला।

Luke 19:7

यीशु जक्कई के घर गया तो लोग क्या कहने लगे?
लोग कहने लगे, "वह तो एक पापी मनुष्य के यहां जा उतरा है"।

Luke 19:9

जक्कई ने गरीबों को दान देने का वचन दिया तो यीशु ने क्या कहा?
यीशु ने कहा, "आज इस घर में उद्धार आया है"।

Luke 19:11

यीशु के यरूशलेम प्रवेश के समय मनुष्य क्या सोच रहे थे?
वे सोचते थे कि परमेश्वर का राज्य उसी समय आएगा।

Luke 19:12

यीशु के इस दृष्टान्त में वह कुलीन मनुष्य यात्रा के लिए कहाँ जा रहा था?
वह राज्य प्राप्त करने दूर देश को जा रहा था, वह फिर लौटेगा।

Luke 19:17

यीशु ने मुहरों को बढ़ाने वालों को क्या दिया?
उसने उन्हें नगरों पर राज करने का अधिकार दिया।

Luke 19:21

उस दुष्ट सेवक के विचार में वह धनवान मनुष्य कैसा था?
उसने सोचा कि उसका स्वामी एक कठोर व्यक्ति है।

Luke 19:24

उसके स्वामी ने उसके साथ क्या किया?
उसने अपने दास से मुहर ले ली।

Luke 19:27

जो नहीं चाहते थे कि वह उन पर राज्य करे उसके साथ उसने क्या किया?
उसके स्वामी ने राज्य के विरोधियों को उसने सामने घात किया।

Luke 19:30

यरूशलेम में प्रवेश हेतु यीशु ने कैसे पशु की सवारी की थी?
गदही का बच्चा जिस पर कभी कोई सवार नहीं हुआ था।

Luke 19:38

यीशु जैतून के पर्वत पर से उतर रहा था तब जनसमूह क्या नारा लगा रहा था?
लोग ऊंचे शब्दों में कहने लगे, "धन्य है वह राजा जो प्रभु के नाम से आता है"।

Luke 19:40

??
यदि मनुष्य आनन्द से नारा लगाना छोड़ दे "तो यीशु ने कहा क्या होगा?"

Luke 19:41

नगर के निकट आने पर यीशु को क्या हुआ?
यीशु रोया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 19:44

यीशु की भविष्यद्वाणी के अनुसार वहाँ के निवासियों और उस नगर का क्या होगा?
यीशु ने कहा कि उसके बैरी निवासियों को घात करेंगे और वहाँ पत्थर पर पत्थर नहीं रहेगा।

Luke 19:47

यीशु मन्दिर में शिक्षा दे रहा था तो कौन उसकी हत्या करना चाहते थे?
महायाजक, शास्त्री अनेक पुरनिये यीशु को मार डालने का षड्यंत्र रचने लगे।

Luke 19:48

वे उस समय उसकी हत्या क्यों नहीं कर पाए?
क्योंकि लोग ध्यान लगाकर उसकी बातें सुनते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 20

1 एक दिन ऐसा हुआ कि जब वह मन्दिर में लोगों को उपदेश देता और सुसमाचार सुना रहा था, तो प्रधान याजक और शास्त्री, प्राचीनों के साथ पास आकर खड़े
हुए। **2** और कहने लगे, “हमें बता, तू इन कामों को किस अधिकार से करता है, और वह कौन है, जिसने तुझे यह अधिकार दिया है?” **3** उसने उनको उत्तर
दिया, “मैं भी तुम से एक बात पूछता हूँ; मुझे बताओ **4** यूहन्ना का बपतिस्मा स्वर्ग की ओर से था या मनुष्यों की ओर से था?” **5** तब वे आपस में कहने लगे,
“यदि हम कहें, ‘स्वर्ग की ओर से,’ तो वह कहेगा; ‘फिर तुम ने उस पर विश्वास क्यों नहीं किया?’ **6** और यदि हम कहें, ‘मनुष्यों की ओर से,’ तो सब लोग हमें
पत्थराव करेंगे, क्योंकि वे सचमुच जानते हैं, कि यूहन्ना भविष्यद्वक्ता था।” **7** अतः उन्होंने उत्तर दिया, “हम नहीं जानते, कि वह किस की ओर से था।” **8** यीशु ने
उनसे कहा, “तो मैं भी तुम्हें नहीं बताता कि मैं ये काम किस अधिकार से करता हूँ।”

9 तब वह लोगों से यह दृष्टान्त कहने लगा, “किसी मनुष्य ने दाख की बारी लगाई, और किसानों को उसका ठेका दे दिया और बहुत दिनों के लिये परदेश चला
गया। (मर. 12:1-12, मत्ती 21:33-46) **10** नियुक्त समय पर उसने किसानों के पास एक दास को भेजा, कि वे दाख की बारी के कुछ फलों का भाग उसे दें,
पर किसानों ने उसे पीटकर खाली हाथ लौटा दिया। **11** फिर उसने एक और दास को भेजा, ओर उन्होंने उसे भी पीटकर और उसका अपमान करके खाली हाथ
लौटा दिया। **12** फिर उसने तीसरा भेजा, और उन्होंने उसे भी घायल करके निकाल दिया। **13** तब दाख की बारी के स्वामी ने कहा, ‘मैं क्या करूँ? मैं अपने प्रिय
पुत्र को भेजूँगा, क्या जाने वे उसका आदर करें।’ **14** जब किसानों ने उसे देखा तो आपस में विचार करने लगे, ‘यह तो वारिस है; आओ, हम उसे मार डालें, कि
विरासत हमारी हो जाए।’ **15** और उन्होंने उसे दाख की बारी से बाहर निकालकर मार डाला: इसलिए दाख की बारी का स्वामी उनके साथ क्या करेगा? **16** वह
आकर उन किसानों को नाश करेगा, और दाख की बारी दूसरों को सौंपेगा।” यह सुनकर उन्होंने कहा, “परमेश्वर ऐसा न करे।” **17** उसने उनकी ओर देखकर
कहा, “फिर यह क्या लिखा है:

‘जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया था,
वही कोने का सिरा हो गया।’ (भज. 118:22, 23)

18 जो कोई उस पत्थर पर गिरेगा वह चकनाचूर हो जाएगा*, और जिस पर वह गिरेगा, उसको पीस डालेगा।” (दानि. 2:34,35)

19 उसी घड़ी शास्त्रियों और प्रधान याजकों ने उसे पकड़ना चाहा, क्योंकि समझ गए थे, कि उसने उनके विरुद्ध दृष्टान्त कहा, परन्तु वे लोगों से डरे। **20** और वे
उसकी ताक में लगे और भेदिये भेजे, कि धर्मी का भेष धरकर उसकी कोई न कोई बात पकड़ें, कि उसे राज्यपाल के हाथ और अधिकार में सौंप दें। **21** उन्होंने
उससे यह पूछा, “हे गुरु, हम जानते हैं कि तू ठीक कहता, और सिखाता भी है, और किसी का पक्षपात नहीं करता; वरन् परमेश्वर का मार्ग सच्चाई से बताता है।
22 क्या हमें कैसर को कर देना उचित है, कि नहीं?” **23** उसने उनकी चतुराई को ताड़कर उनसे कहा, **24** “एक दीनार मुझे दिखाओ। इस पर किसकी छाप
और नाम है?” उन्होंने कहा, “कैसर का।” **25** उसने उनसे कहा, “तो जो कैसर का है, वह कैसर को दो और जो परमेश्वर का है, वह परमेश्वर को दो।” **26** वे
लोगों के सामने उस बात को पकड़ न सके, वरन् उसके उत्तर से अचम्भित होकर चुप रह गए।

27 फिर सदूकी जो कहते हैं, कि मरे हुओं का जी उठना है ही नहीं, उनमें से कुछ ने उसके पास आकर पूछा। **28** “हे गुरु, मूसा ने हमारे लिये यह लिखा है, ‘यदि
किसी का भाई अपनी पत्नी के रहते हुए बिना सन्तान मर जाए, तो उसका भाई उसकी पत्नी से विवाह कर ले, और अपने भाई के लिये वंश उत्पन्न करे।’
(उत्प. 38:8, व्य. 25:5) **29** अतः सात भाई थे, पहला भाई विवाह करके बिना सन्तान मर गया। **30** फिर दूसरे, **31** और तीसरे ने भी उस स्त्री से विवाह कर
लिया। इसी रीति से सातों बिना सन्तान मर गए। **32** सब के पीछे वह स्त्री भी मर गई। **33** अतः जी उठने पर वह उनमें से किस की पत्नी होगी, क्योंकि वह सातों
की पत्नी रह चुकी थी।” **34** यीशु ने उनसे कहा, “इस युग के सन्तानों में तो विवाह-शादी होती है, **35** पर जो लोग इस योग्य ठहरेंगे, की उस युग को और मरे
हुओं में से जी उठना प्राप्त करें, उनमें विवाह-शादी न होगी। **36** वे फिर मरने के भी नहीं; क्योंकि वे स्वर्गदूतों के समान होंगे, और पुनरुत्थान की सन्तान होने से
परमेश्वर के भी सन्तान होंगे। **37** परन्तु इस बात को कि मरे हुए जी उठते हैं, मूसा ने भी झाड़ी की कथा में प्रगट की है, वह प्रभु को ‘अब्राहम का परमेश्वर, और
इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर’ कहता है। (निर्ग. 3:2, निर्ग. 3:6) **38** परमेश्वर तो मुर्दों का नहीं परन्तु जीवितों का परमेश्वर है: क्योंकि उसके
निकट सब जीवित हैं।” **39** तब यह सुनकर शास्त्रियों में से कितनों ने कहा, “हे गुरु, तूने अच्छा कहा।” **40** और उन्हें फिर उससे कुछ और पूछने का साहस न
हुआ*।

41 फिर उसने उनसे पूछा, “मसीह को दाऊद की सन्तान कैसे कहते हैं? **42** दाऊद आप भजन संहिता की पुस्तक में कहता है:

‘प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा,
43 मेरे दाहिने बैठ,
जब तक कि मैं तेरे बैरियों को तेरे पाँवों तले की चौकी न कर दूँ।’

44 दाऊद तो उसे प्रभु कहता है; तो फिर वह उसकी सन्तान कैसे ठहरा?”

45 जब सब लोग सुन रहे थे, तो उसने अपने चेलों से कहा। **46** “शास्त्रियों से सावधान रहो*, जिनको लम्बे-लम्बे वस्त्र पहने हुए फिरना अच्छा लगता है, और
जिन्हें बाजारों में नमस्कार, और आराधनालयों में मुख्य आसन और भोज में मुख्य स्थान प्रिय लगते हैं। **47** वे विधवाओं के घर खा जाते हैं, और दिखाने के लिये
बड़ी देर तक प्रार्थना करते रहते हैं, ये बहुत ही दण्ड पाएँगे।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 20:1

ऐसा हुआ कि
यह कहानी में नए मोड़ का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

Luke 20:3

उसने उनको उत्तर दिया
यीशु ने कहा

यूहन्ना का बपतिस्मा स्वर्ग की ओर से था या मनुष्यों की ओर से था?
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मनुष्यों को बपतिस्मा देने का अधिकार यूहन्ना को स्वर्ग से मिला था या मनुष्यों से? या "परमेश्वर ने यूहन्ना को बपतिस्मा देने के लिए कहा था या मनुष्यों ने"?

स्वर्ग से
"परमेश्वर से" यहूदी परमेश्वर का नाम, "यहोवा" अपने मुंह पर नहीं लाते थे। वे परमेश्वर के लिए स्वर्ग शब्द का उपयोग करते थे। (देखें: metonymy)

Luke 20:5

वे आपस में कहने लगे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "उन्होंने आपस में विचार किया" या "उन्होंने उत्तर खोजा"

स्वर्ग से
"परमेश्वर से", यह निर्भर करता है कि पिछले पद में प्रश्न का अनुवाद कैसे किया गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर ने दिया" या "परमेश्वर ने अधिकार दिया" कुछ भाषाओं में परोक्ष अभिव्यक्ति अधिक उचित होती हे। इस वाक्य के आरंभ का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "यदि हम कहते हैं कि परमेश्वर ने उसे अधिकार दिया है"।

वो वह कहेगा
"तो यीशु कहेगा"

पथराव करेंगे
"पत्थर मारकर हमारी हत्या कर देंगे। परमेश्वर के विधान में एक आज्ञा थी कि यदि कोई परमेश्वर की या उसके भविष्यद्वक्ताओं की निन्दा करे तो उसे पत्थरवाह किया जाए।

Luke 20:7

अतः उन्होंने उत्तर दिया
"प्रधान पुरोहित, विधि-शास्त्रियों तथा पुरनियों ने कहा"

हम नहीं जानते कि वह किसकी ओर से था
कुछ भाषाओं में अपरोक्ष उद्धरण उचित होता है, "उन्होंने कहा, हम नहीं जानते"

वह किसकी ओर से था
"यूहन्ना का बपतिस्मा किसके अधिकार से था" इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "यूहन्ना को बपतिस्मा देने का अधिकार किसने दिया था" या "यूहन्ना किसके अधिकर से बपतिस्मा देता था"।

मैं भी तुमको नहीं बताता
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मैं भी नहीं बताऊंगा" या "तुम मुझे बताना नहीं चाहते तो मैं भी तुम्हें नहीं बताऊंगा"।

Luke 20:9

किसानों को उसका ठेका दे दिया
"किसानों को किराए पर दे दिया" या "किसानों को सौंप दिया कि उसकी फसल संभालें ओर उसे लाभ का अंश दें"।

किसान
दाख की बारी को संभालने और दाख की उपज उठाने वाले लोग, "दाख उत्पादक"

दाख की बारी के कुछ फलों का भाग
"कुछ दाख" या "दाख की फसल का अंश" इसका अर्थ यह भी हो सकता है कि दाख का उत्पाद या उसकी आय का पैसा।

छूछे हाथ लौटा दिया
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "उसे कुछ नहीं दिया और भगा दिया" या "उसे दाख दिए बिना भेज दिया"।

Luke 20:11

x
(यीशु वही कथा सुना रहा है)

उसका आगमन करके
"उसके साथ बुरा व्यवहार करके"

घायल करके
"मार पीट कर"

तीसरा भेजा
यहाँ अनुवाद में "तौ भी" शब्द नहीं है जिसका अर्थ है कि उस दाख की बारी के स्वामी को दूसरा सेवक भेजने की आवश्यकता नहीं थी परन्तु उसने दूसरा ही नहीं तीसरा सेवक भी भेजा।

Luke 20:13

x
(यीशु वही शिक्षाप्रद कथा सुना रहा है)

किसानों ने उसे देखा
"जब उन किसानों ने स्वामी के पुत्र को देखा"

Luke 20:15

x
(यीशु वही शिक्षाप्रद कथा सुना रहा है)

दाख की बारी के बाहर निकाला
"किसानों ने उसके पुत्र को दाखकी बारी के बाहर ले जाकर मार डाला"

दाख की बारी का स्वामी उनके साथ क्या करेगा?
यीशु इस अलंकारिक प्रश्न द्वारा दाख की बारी के स्वामी की प्रतिक्रिया पर श्रोताओं का ध्यान आकर्षित करवाना चाहता था। इसका अनुवाद आज्ञा सूचक वाक्य में किया जा सकता है, "अब सुनो कि दाख की बारी का स्वामी उसके साथ क्या करेगा"।

परमेश्वर करे ऐसा न हो।
"परमेश्वर ऐसा न होने दे" या "ऐसा कभी न हो" श्रोता समझ गए थे कि परमेश्वर उन्हें यरूशलेम से विस्थापित करेगा क्योंकि उन्होंने मसीह को त्याग

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दिया था। अतः उन्होंने अपनी प्रबल इच्छा व्यक्त की कि ऐसा दुर्भाग्य उन पर आए।

Luke 20:17

x
(यीशु जनसमूह से ही बातें कर रहा है)

उसने उनकी ओर देख कर
"यीशु ने उन्हें घूर कर" या "सीधा उनकी ओर देखकर", यीशु ने ऐसा इसलिए किया कि वह उन्हें अपनी बात को समझने का लेखादायी माने।

फिर यह क्या लिखा है
इस अलंकारिक प्रश्न का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "धर्मशास्त्र का यह संदर्भ क्या अर्थ रखता है"? या "तुम्हें धर्मशास्त्र को समझना है"।

जिस पत्थर को राज-मिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया था वही कोने का सिरा हो गया।
यह रूपक भजनसंहिता की भविष्यद्वाणी है कि मनुष्य मसीह का परित्याग करेंगे।

जिस पत्थर को राज-मिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया।
"जिस पत्थर को राज-मिस्त्रियों ने किसी काम का नहीं" कहा या "उस युग में गृह-निर्माण के लिए पत्थर काम में आते थे।

कोने का सिरा
यह ईमारत को दृढ़ता प्रदान करने के लिए लगाया जाता था। इसका उनुवाद हो सकता है, "प्रमुख पत्थर" या "सबसे अधिक महत्वपूर्ण पत्थर"

जो कोई उस पत्थर पर गिरेगा
"जो भी उस पत्थर पर गिरेगा" यह एक रूपक भी एक भविष्यद्वाणी है कि मसीह का त्याग करनेवाले हर एक मनुष्य का क्या होगा।

चकनाचूर हो जायेगा
"टुकड़े-टुकड़ें हो जायेगा, "उस पत्थर पर गिरने का परिणाम ऐसा होगा।

जिस पर वह गिरेगा
यह मसीह का त्याग करनेवालों को दण्ड देने की भविष्यद्वाणी के लिए काम में लिया गया एक रूपक है।

Luke 20:19

उसे पकड़ना चाहा
"यीशु को बन्दी बनाने का उपाए खोजा" पकड़े का अर्थ है बन्दी बनाना।

उसी घड़ी
"तुरन्त"

लोगों से डरे
यीशु को उसी पल न पकड़ने का कारण यही था। लोग यीशु को मान प्रदान करते थे। जिसके कारण धर्म के अगुवे डरते थे कि यदि वे यीशु को बन्दी बनायेंगे तो जनता उसका क्या करेगी। कुछ अनुवादकों को इसे स्पष्ट करना होगा", उन्होंने उसे बन्दी नहीं बनाया क्योंकि वे जनता से डरते थे।

भेदिए भेजे
"विधि-शास्त्रियों और प्रधान पुरोहितों ने यीशु की गतिविधियों की निगरानी हेतु गुप्त में मनुष्य नियुक्त किए"

उसकी कोई न कोई बात पकड़ें
"वे यीशु की किसी ऐसी बात को पकड़े जो नियम विरोधी हो"।

ताकि उसे हाकिम के हाथ और अधिकार में सौंप दें।
"उसे प्रशासक के समक्ष उपस्थित करने हेतु" या "कि वे उसे प्रशासक को सौंप दें"

हाकिम के हाथ और अधिकार में
"हाथ" ओर "अधिकार" एक ही बात को कहने की दो विधियां हैं। इसके अनुवाद में एक ही रखें। यीशु को प्रशासक के समक्ष उपस्थित करने का कारण स्पष्ट करने की आवश्यकता है, "कि प्रशासक यीशु को दण्ड दे"।

Luke 20:21

तू ठीक कहता और सिखाता भी है
उस भेदिए ने यीशु के बारे में प्रचलित विचार व्यक्त किया

किसी का पक्षपात नहीं करता
इसके संभावित अर्थ हैं, (1) चाहे बड़े से बड़ा मनुष्य पसन्द न करे तू सच्ची बात ही बोलता है" (यू.डी.बी.) या "तू किसी एक का पक्ष नहीं लेता है"

क्या हमें कैसर को कर देना उचित है, या नहीं?
वे सोच रहे थे कि यीशु, "हाँ" कहेगा तो यहूदी उसके विरुद्ध हो जायेंगे कि वह विदेशी सरकार का समर्थ है। यदि वह "नहीं" कहेगा तो धर्मगुरू रोमियों से कह देंगे कि वह रोमी नियम तोड़ने के लिए लोगों को भड़काता है।

क्या उचित है
वे परमेश्वर के विधान के अनुसार उचित जानना चाहते थे कैसर के विधान के अनुसार नहीं। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "क्या हमारा विधान अनुमति देता है"?

कैसर
कैसर रोमी राज्य का सम्राट था। वे रोम के लिए मात्र कैसर का नाम लेते थे।

Luke 20:23

उसने उनकी चतुराई को ताड़ कर
"यीशु उनकी धूर्तता को समझ गया" या "यीशु समझ गया कि वे उसे फसाना चाहते थे"

एक दीनार
एक दिन की मजदूरी के बराबर मूल्य का एक सिक्का

छाप और नाम
"चित्र एवं नाम"

Luke 20:25

उसने उनसे कहा
यीशु ने उन भेदियों से कहा

कैसर
कैसर का अर्थ है रोमी सरकार

उसे पकड़ न सके
"उसकी बात में कोई गलती न पकड़ पाए"

अचम्भित होकर
"चकित हुए" या "हैरान हो गए" (यू.डी.बी.)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 20:27

जो कहते थे कि मरे हुओं का जी उठना है ही नहीं।
इस वाक्यांश से सदूकियों को यहूदियों का एक पंथ माना जाता है जो कहता था कि पुनरुत्थान नहीं होता है। इसका अर्थ यह नहीं समझा जाए कि सदूकियों में कुछ पुनरुत्थान को नहीं मानते थे और कुछ मानते थे।

किसी का भाई अपनी पत्नी के रहते बिना सन्तान मर जाए
"यदि किसी का भाई विवाह पश्चात निःसन्तान मर जाए"

बिना सन्तान
"सन्तान न उत्पन्न करने से पहले"

उसका भाई उसकी पत्नी से विवाह कर ले
"अपने मृतक भाई की पत्नी से विवाह करे"

Luke 20:29

x
(सदूकी यीशु को एक काल्पनिक कथा सुना रहे हैं)

सात भाई थे
ऐसा होना संभव था परन्तु यह संभवतः यीशु को परखने के लिए एक काल्पनिक कहानी थी।

बिना सन्तान मर गए
"निःसन्तान मर गए" या "मर गए परन्तु सन्तान उत्पन्न नहीं कर पाए"।

दूसरे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "दूसरे ने उससे विवाह किया और ऐसा ही हुआ" या "दूसरे ने अपने मृतक भाई की पत्नी से विवाह किया परन्तु वह भी निःसन्तान मर गया"।

तीसरे ने भी उस स्त्री से विवाह किया
"तीसरे भाई ने उस स्त्री से विवाह किया"

इसी रीति से सातों बिना सन्तान मर गए
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "इसी प्रकार सातों भाई उस स्त्री के पति होकर निःसन्तान मर गए"

जी उठने पर
"जब मृतक जी उठेंगे" (यू.डी.बी.) या "पुनरुत्थान के दिन" कुछ भाषाओं में सदूकियों द्वारा पुनरुत्थान में विश्वास न करने को और स्पष्ट किया गया है जैसे "तथाकथित पुनरुत्थान के दिन", (मृतकों का जी उठना माना जाता है)

Luke 20:34

इस युग की सन्तानों में
"इस संसार के लोगों में" या इस युग के मनुष्यों में" यह स्वर्गिक प्राणियों या पुनरूत्थान के बाद के मनुष्यों में अन्तर प्रकट करता है।

विवाह होता है
उस संस्कृति में कहा जाता था कि पुरूष स्त्री से विवाह करता है और स्त्री विवाह में पुरूष को दी जाती है। इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, "विवाह करते है"

जो लोग इस योग्य ठहरेंगे
"जिन्हें परमेश्वर ने योग्य स्वीकार किया है"

मरे हुओं के जी उठने को प्राप्त करें
"पुनरुत्थान प्राप्त करे" या "फिर जी उठें"।

वे न विवाह करेंगे ओर न विवाह में दिए जाएंगे
"विवाह नहीं करेंगे", यह पुनरूत्थान के बाद है

वे फिर मरने के भी नहीं
इसका अनुवाद हो सकता है, "वे फिर कभी नहीं मरेंगे", पुनरूत्थान के बाद।

परमेश्वर की भी सन्तान होंगे
"परमेश्वर की सन्तान"

पुनरुत्थान की सन्तान
"मृतकों में से जी उठे लोग"

पुनरुत्थान की सन्तान होने से परमेश्वर की भी सन्तान होंगे
इसका अनुवाद हो सकता है, "मृतकों में से जी उठने के द्वारा वे परमेश्वर की सन्तान होंगे"।

Luke 20:37

x
(यीशु अपने चेलों से ही बातें कर रहा है)

इस बात को कि मरे हुए जी उठते है, मूसा ने भी ... प्रकट की है।
"परन्तु मूसा ने भी सिद्ध किया है कि मृतक जी उठते है", यहाँ "भी" शब्द का उपयोग किया गया है क्योंकि सदूकियों के लिए धर्मशास्त्र में मृतकों के जी उठने का उल्लेख कोई आश्चर्य की बात नहीं थी परन्तु उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि मूसा ऐसा कुछ कहेगा।

झाड़ी की कथा में
"धर्मशास्त्र में जहाँ उसने जलती हुई भस्म न होने वाली झाड़ी का उल्लेख किया है" या "धर्मशास्त्र में अविनाशी जलती हुई झाड़ी की चर्चा करते समय"

परमेश्वर को प्रभु को
"जब मूसा परमेश्वर को"

अब्राहम का परमेश्वर, और इसहाक का परमेश्वर और याकूब का परमेश्वर कहता है
"अब्राहम, इसहाक और मूसा का परमेश्वर" कहता है"

परमेश्वर तो मुर्दों का नहीं
"परमेश्वर मृतकों का परमेश्वर नहीं है" या "परमेश्वर मृतकों का परमेश्वर नहीं" जिनकी आत्माएं मर चुकी हैं"।

जीवतों का परमेश्वर है
"जीवित मनुष्यों का परमेश्वर है" या "उन मनुष्यों का परमेश्वर है जिनकी आत्माएं अमर हैं"। यदि यह स्पष्ट न हो तो आपको संलग्न जानकारी व्यक्त करने की आवश्यकता होगी, "यद्यपि उनका शरीर मृतक है।

उसके निकट सब जीवित हैं
"क्योंकि परमेश्वर की दृष्टि में वे सब जीवित हैं" इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "क्योंकि परमेश्वर जानता है कि उनकी आत्माएं जीवित हैं"

Luke 20:39

शास्त्रियों में से कुछ ने यह कहा
"कुछ विधि-शास्त्रियों ने यीशु से कहा"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उससे कुछ और पूछने का हियाव न हुआ
“वे उससे पूछने में डरे” या “उससे पूछने का साहस न किया” प्रश्नों के उद्देश्य का निहितार्थ और प्रश्न न पूछने का कारण स्पष्ट किया जा सकता है, “उन्होंने उससे और अधिक चतुराई के प्रश्न नहीं पूछे क्योंकि उन्हें डर था कि उसके उत्तर उन्हें मूर्ख सिद्ध कर देंगे”।

Luke 20:41

वे कैसे कहते हैं
यह एक अलंकारिक प्रश्न है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “वे क्यों कहते हैं कि” या “मैं उनकी इस बात पर चर्चा करूंगा”

दाऊद की सन्तान
“राजा दाऊद का वंशज”, यहाँ सन्तान शब्द का अर्थ है, वंशज। यह परमेश्वर के राज्य में राज करनेवाले के विषय में कहा गया है।

प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “प्रभु परमेश्वर ने मेरे प्रभु कहा” या “परमेश्वर ने मेरे प्रभु से कहा। यह एक भजन का उद्धरण है, “यहोवा ने मेरे प्रभु से कहा, परन्तु यहूदी “यहोवा” शब्द का उपयोग नहीं करते थे। वे इसके स्थान में “प्रभु” शब्द का उपयोग करते थे।

मेरे प्रभु से
दाऊद मसीह को अपना प्रभु कह रहा हथा

मेरे दाहिने बैठ
दाहिनी ओर सम्मान का स्थान होता है। परमेश्वर मसीह को सम्मान देने के लिए कहता है, “मेरे दाहिने बैठ”

जब तक कि मैं तेरे बैरियों को तेरे पांवों के तले न कर दूँ।
यह एक रूपक है। इसका अनुवाद किया जा सकता है, “जब तक कि मैं तेरे बैरियों को तेरे पांवों की चौकी सा न कर दूँ”, या “जब तक कि मैं तेरे बैरियों को तेरे लिए जीत न लूँ”।

पाँवों के तले
“पाँवों के नीचे”

फिर वह उसका पुत्र कहां से ठहरा?
“तो मसीह दाऊद का वंशज कैसे हुआ”? यह एक अलंकारिक प्रश्न है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “इससे स्पष्ट होता है कि मसीह दाऊद की सन्तान मात्र नहीं है”।

Luke 20:45

चौकस रहो
“सावधान रहो”।

जिनको लम्बे-लम्बे वस्त्र पहने हुए फिरना अच्छा लगता है।
लम्बे वस्त्र उनके महत्त्व का प्रतीक थे। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जिनको सम्मानसूचक वस्त्र धारण करके बाहर निकलना अच्छा लगता है”।

वे विधवाओं के घर खोजते हैं
“वे विधवाओं के घर लूटते हैं”। यह एक रूपक है जिसका अर्थ है, “वे विधवाओं की सम्पदा हड़पते हैं”।

घर
यहाँ “घर” का अर्थ है, सम्पदा।

दिखाने के लिए बड़ी देर तक प्रार्थना करते हैं।
“वे धर्मी होने का ढोंग रखकर देर तक प्रार्थना की मुद्रा में रहते है” या “वे देर तक प्रार्थना की मुद्रा में खड़े रहते हैं कि लोग उन्हें धर्मी समझें।

दिखाने के लिए
“कि मनुष्य उन्हें वह समझे जो वे नहीं हैं” या “कि मनुष्य उन्हें अपने से अधिक अच्छा समझें”

वे बहुत ही दण्ड पाएंगे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “वे अन्यों से अधिक दण्ड पाएंगे” या “परमेश्वर उन्हें दूसरों की तुलना में अधिक कठोर दण्ड देगा”

Translation Questions

Luke 20:4

जब यहूदियों के अगुओं ने यीशु से पूछा कि वह किस अधिकार से मन्दिर में शिक्षा देता है तो यीशु ने उनसे क्या प्रश्न किया?
यीशु ने पूछा, "यूहन्ना का बपतिस्मा स्वर्ग से था या मनुष्यों से"?

Luke 20:5

यदि वे कहते, "स्वर्ग से" तो उन यहूदी अगुओं ने क्या सोचा यीशु उनसे कहेगा?
वे सोचने लगे कि यीशु पूछेगा कि उन्होंने उसमें विश्वास क्यों नहीं किया।

Luke 20:6

यदि वे कहते "मनुष्य से" तो उन्हें जनसमूह से क्या खतरा था?
वे सोचने लगे जन समूह उन पर पत्थराव करेगा।

Luke 20:10

यीशु को इस दृष्टान्त में जब दाख की बारी को स्वामी ने फल लेने के लिए दासों को भेजा तो किसानों ने क्या किया?
उन्होंने दासों को मारा-पीटा, उन्हें लज्जित किया और खाली हाथ लौटा दिया।

Luke 20:13

अन्त में स्वामी ने उन किसानों के पास किसको भेजा?
अन्त में उसने अपने प्रिय पुत्र को भेजा।

Luke 20:15

पुत्र के बारी में आने पर किसानों ने क्या दिया?
उन्होंने उसे दाख की बारी के बाहर करके उसकी हत्या कर दी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 20:16

दाख की बारी का स्वामी उन किसानों के साथ क्या करेगा?
वह उन किसानों को नष्ट करके किसी और को दाख की बारी दे देगा?

Luke 20:19

यीशु ने यह दृष्टान्त किसके लिए सुनाया था?
उसने शास्त्रियों और महायाजकों पर यह दृष्टान्त सुनाये थे?

Luke 20:25

कैसर को कर चुकाने के औचित्य के बारे में यीशु ने क्या कहा?
यीशु ने कहा जो कैसर का है वह कैसर को दो और जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर को दो।

Luke 20:27

सदूकी किस बात में विश्वास नहीं करते थे?
वे मृतकों के पुनरूत्थान में विश्वास नहीं करते थे।

Luke 20:34

यीशु ने इस संसार और अनन्त जीवन में विवाह के बारे में क्या कहा?
विवाह, इस संसार का है अनन्त जीवन का नहीं।

Luke 20:37

पुनरूत्थान के सत्य को सिद्ध करने के लिए यीशु ने पुराने नियम से क्या संदर्भ दिया था?
यीशु ने मूसा और जलती हुई झाड़ी का उदाहरण दिया जहां परमेश्वर को अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर और याकूब का परमेश्वर कहा गया है।

Luke 20:42

शास्त्रियों से पूछे गए प्रश्न के संबन्ध में यीशु ने भजनसंहिता से दाऊद का कौन सा अभिकथन संदर्भित किया था?
यीशु ने उद्धारण दिया, "प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा, मेरे दहिने ओर बैठ, जब तक कि मैं तेरे बैरियों को तेरे पांवों के तले न कर दूं"।

Luke 20:47

अपने धर्म के पाखंड के पीछे वे शास्त्री क्या कुकर्म करते थे?
वे विधवाओं के घरों को खा जाते थे और दिखाने के लिए बड़ी-बड़ी प्रार्थनाएं करते थे।

यीशु ने उन शास्त्रियों को क्या दण्ड बताया?
वे अधिक दण्ड पाएंगे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 21

1 फिर उसने आँख उठाकर धनवानों को अपना-अपना दान भण्डार में डालते हुए देखा। **2** और उसने एक कंगाल विधवा को भी उसमें दो दमड़ियाँ डालते हुए
देखा। **3** तब उसने कहा, "मैं तुम से सच कहता हूँ कि इस कंगाल विधवा ने सबसे बढ़कर डाला है। **4** क्योंकि उन सब ने अपनी-अपनी बढ़ती में से दान में कुछ
डाला है, परन्तु इसने अपनी घटी में से अपनी सारी जीविका डाल दी है।"

5 जब कितने लोग मन्दिर के विषय में कह रहे थे, कि वह कैसे सुन्दर पत्थरों और भेंट* की वस्तुओं से संवारा गया है, तो उसने कहा, **6** "वे दिन आएँगे, जिनमें
यह सब जो तुम देखते हो, उनमें से यहाँ किसी पत्थर पर पत्थर भी न छूटेगा, जो ढाया न जाएगा।"

7 उन्होंने उससे पूछा, "हे गुरु, यह सब कब होगा? और ये बातें जब पूरी होने पर होंगी, तो उस समय का क्या चिन्ह होगा?" **8** उसने कहा, "सावधान रहो, कि
भरमाए न जाओ, क्योंकि बहुत से मेरे नाम से आकर कहेंगे, कि मैं वही हूँ; और यह भी कि समय निकट आ पहुँचा है: तुम उनके पीछे न चले जाना। (1 यूह.
4:1, मर. 13:21-23) **9** और जब तुम लड़ाइयों और बलवों की चर्चा सुनो, तो घबरा न जाना; क्योंकि इनका पहले होना अवश्य है; परन्तु उस समय तुरन्त अन्त
न होगा।"

10 तब उसने उनसे कहा, "जाति पर जाति और राज्य पर राज्य चढ़ाई करेगा। (2 इति. 15:5-6, यशा. 19:2) **11** और बड़े-बड़े भूकम्प होंगे, और जगह-जगह
अकाल और महामारियाँ पड़ेंगी, और आकाश में भयंकर बातें और बड़े-बड़े चिन्ह प्रगट होंगे। **12** परन्तु इन सब बातों से पहले वे मेरे नाम के कारण तुम्हें पकड़ेंगे,
और सताएँगे, और आराधनालयों में सौंपेंगे, और बन्दीगृह में डलवाएँगे, और राजाओं और राज्यपालों के सामने ले जाएँगे। **13** पर यह तुम्हारे लिये गवाही देने
का अवसर हो जाएगा। **14** इसलिए अपने-अपने मन में ठान रखो कि हम पहले से उत्तर देने की चिन्ता न करेंगे। **15** क्योंकि मैं तुम्हें ऐसा बोल और बुद्धि दूँगा,
कि तुम्हारे सब विरोधी सामना या खण्डन न कर सकेंगे। **16** और तुम्हारे माता-पिता और भाई और कुटुम्ब, और मित्र भी तुम्हें पकड़वाएँगे; यहाँ तक कि तुम में
से कितनों को मरवा डालेंगे। **17** और मेरे नाम के कारण सब लोग तुम से बैर करेंगे। **18** परन्तु तुम्हारे सिर का एक बाल भी बाँका न होगा*। (मत्ती 10:30,
लूका 12:7) **19** "अपने धीरज से तुम अपने प्राणों को बचाए रखोगे।

20 "जब तुम यरूशलेम को सेनाओं से घिरा हुआ देखो, तो जान लेना कि उसका उजड़ जाना निकट है। **21** तब जो यहूदिया में हों वह पहाड़ों पर भाग जाएँ,
और जो यरूशलेम के भीतर हों वे बाहर निकल जाएँ; और जो गाँवों में हो वे उसमें न जाएँ। **22** क्योंकि यह पलटा लेने के ऐसे दिन होंगे, जिनमें लिखी हुई सब
बातें पूरी हो जाएँगी। (व्य. 32:35, यिर्म. 46:10) **23** उन दिनों में जो गर्भवती और दूध पिलाती होंगी, उनके लिये हाय, हाय! क्योंकि देश में बड़ा क्लेश और इन
लोगों पर बड़ी आपत्ति होगी। **24** वे तलवार के कौर हो जाएँगे, और सब देशों के लोगों में बन्धुए होकर पहुँचाए जाएँगे, और जब तक अन्यजातियों का समय पूरा
न हो, तब तक यरूशलेम अन्यजातियों से रौंदा जाएगा। (एज्रा 9:7, भज. 79:1, यशा. 63:18, यिर्म. 21:7, दानि. 9:26)

25 "और सूरज और चाँद और तारों में चिन्ह दिखाई देंगे, और पृथ्वी पर, देश-देश के लोगों को संकट होगा; क्योंकि वे समुद्र के गरजने और लहरों के कोलाहल
से घबरा जाएँगे। (भज. 46:2-3, भज. 65:7, यशा. 13:10, यशा. 24:19, यहे. 32:7, योए. 2:30) **26** और भय के कारण और संसार पर आनेवाली
घटनाओं की बाँट देखते-देखते लोगों के जी में जी न रहेगा* क्योंकि आकाश की शक्तियाँ हिलाई जाएँगी। (लैव्य. 26:36, हाग्गै 2:6, हाग्गै 2:21) **27** तब वे
मनुष्य के पुत्र को सामर्थ्य और बड़ी महिमा के साथ बादल पर आते देखेंगे। (प्रका. 1:7, दानि. 7:13) **28** जब ये बातें होने लगें, तो सीधे होकर अपने सिर ऊपर
उठाना; क्योंकि तुम्हारा छुटकारा निकट होगा।"

29 उसने उनसे एक दृष्टान्त भी कहा, "अंजीर के पेड़ और सब पेड़ों को देखो। **30** ज्यों ही उनकी कोंपलें निकलती हैं, तो तुम देखकर आप ही जान लेते हो, कि
ग्रीष्मकाल निकट है। **31** इसी रीति से जब तुम ये बातें होते देखो, तब जान लो कि परमेश्वर का राज्य निकट है। **32** मैं तुम से सच कहता हूँ, कि जब तक ये सब
बातें न हो लें, तब तक इस पीढ़ी का कदापि अन्त न होगा। **33** आकाश और पृथ्वी टल जाएँगे, परन्तु मेरी बातें कभी न टलेंगी।

34 "इसलिए सावधान रहो, ऐसा न हो कि तुम्हारे मन खुमार और मतवालेपन, और इस जीवन की चिन्ताओं से सुस्त हो जाएँ, और वह दिन तुम पर फन्दे के
समान अचानक आ पड़े। **35** क्योंकि वह सारी पृथ्वी के सब रहनेवालों पर इसी प्रकार आ पड़ेगा। (प्रका. 3:3, लूका 12:40) **36** इसलिए जागते रहो और हर
समय प्रार्थना करते रहो कि तुम इन सब आनेवाली घटनाओं से बचने, और मनुष्य के पुत्र के सामने खड़े* होने के योग्य बनो।"

37 और वह दिन को मन्दिर में उपदेश करता था; और रात को बाहर जाकर जैतून नाम पहाड़ पर रहा करता था। **38** और भोर को तड़के सब लोग उसकी सुनने
के लिये मन्दिर में उसके पास आया करते थे।

Luke 21:1

दान
"पैसों का दान"

भण्डार
"दान पात्र" या "मन्दिर में दान देने का पात्र" (यू.डी.बी.) यह मन्दिर में एक पात्र था जिसमें श्रद्धालु धन डालते थे।

दो दमड़ियाँ
"दो सबसे छोटे सिक्के" या "ताम्बे के दो सिक्के" उस समय की मुद्रा में इन सिक्कों का मूल्य सबसे कम था। इसका अनुवाद आपके पैसों में सबसे कम कीमत के सिक्कों में किया जा सकता है, जैसे दो पैसा"

मैं तुझ से कहता हूँ
यीशु अपने शिष्यों से कह रहा है इसलिए "तुम" शब्द बहुवचन है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सबने अपनी-अपनी बढ़ती में से दान में कुछ डाला है।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “अपनी बहुतायत में से थोड़ा डाला है”

उसने अपनी घटी में से “अपनी जीविका डाल दी है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उसके पास बहुत थोड़ा ही था और उसने वह सब डाल दिया है”

अपनी घटी में से
“अपनी आवश्यकता में से” या “उसके पास जो थोड़ा सा था उसमें से”

Luke 21:5

भेंट की वस्तुओं
“मनुष्यों ने जो परमेश्वर को जो भेंट चढ़ाई”

वे दिन आयेंगे
“एक समय ऐसा आयेगा” या “एक दिन”

पत्थर पर पत्थर भी छूटेगा
इसका अनुवाद सकारात्मक वाक्य में किया जा सकता है, “हर एक पत्थर उखाड़ा जाएगा” इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, “शत्रु पत्थर के ऊपर पत्थर नहीं रहने देंगे।

जो ढाया न जाएगा
इसका अनुवाद सकारात्मक वाक्य में किया जा सकता है, “पूर्णतः नाश किया जाएगा”, इसका अनुवाद सकारात्मक वाक्य में भी किया जा सकता है, “शत्रु एक पत्थर को उखाड़ फेंकेंगे”

Luke 21:7

उन्होंने उससे पूछा
“शिष्यों ने यीशु से पूछा” या “यीशु के शिष्यों से उससे पूछा”

इन बातों को
जिन बातों के विषय यीशु ने अभी-अभी कहा था। यीशु ने मन्दिर के विनाश के बारे में कहा था।

भरमाए न जाओ
“कि झूठ पर विश्वास न करो”, यीशु अपने शिष्यों से बातें कर रहा था, अतः “तुम” शब्द बहुवचन में है।

मेरे नाम से
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मेरे होने का दावा करेंगे” या “मेरे अधिकार का दावा करेंगे”।

समय निकट आ पहुंचा है
“संसार का अन्त” या “सब बातों का अन्त”

इस समय तुरन्त अन्त न होगा
“लड़ाइयों” और बलवों के समय तुरन्त अन्त न होगा”। संज्ञा शब्द “अन्त” का अनुवाद क्रिया रूप में भी किया जा सकता है, “इन बातों के साथ संसार समाप्त नहीं होगा”

Luke 21:10

तब उसने उनसे कहा
“तब यीशु ने अपने शिष्यों से कहा” क्योंकि यह पिछले पद में यीशु की बातों का ही अग्रिम भाग है इसलिए कुछ अनुवादक उचित समझते हैं कि इसका प्रस्तुतिकरण इस प्रकार किया जाए, “तब उसने उनसे कहा”।

जाति पर जाति चढ़ाई करेगा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “एक जाति दूसरी जाति पर आक्रमण करेगी”।

राज्य
यह देश नहीं जाति है।

राज्य पर राज्य
एक राज्य दूसरे राज्य के विरूद्ध उठेगा, या “एक राजा दूसरे पर आक्रमण करेगा”

अकाल और महामारियां
“अकाल पड़ेगे” और बीमारियां फैलेंगी” या “भूख से और बीमारियों से बहुत लोग मर जायेंगे”

भयंकर बातें
“मनुष्यों को भयभीत करने वाली बातें या “ऐसी घटनाएं घटेंगी कि मनुष्य डर से कांप उठेगा”

Luke 21:12

x
(यीशु अपने शिष्यों से भविष्यद्वाणी कर रहा है)

इन बातों को
यीशु ने जो भयानक भावी घटनाएं सुनाई।

तुम्हें पकड़ेंगे
“तुम्हें बन्दी बनाएंगे” या “तुम्हें दबोच लेंगे” कुछ भाषाओं में कर्ता का उल्लेख करना आवश्यक होता है, “लो तुम्हें बन्दी बनाएंगे” या “बैरी तुम्हें बन्दी बनाएंगे”

तुम
यीशु अपने शिष्यों से बातें कर रहा है इसलिए “तुम” शब्द बहुवचन में है।

पंचायतों में सौंपेगे
“तुम्हें आराधनालयों के अगुओं के हाथों में सौंपेगें”। आराधनालयों के अगुवे यीशु के शिष्यों से संबन्ध रखने से यहूदियों का संबन्ध विच्छेद करवा देंगे क्योंकि ये यीशु के शिष्य हैं।

बन्दीगृह में डलवाएंगे
“कारावास में डलवा देंगे” या “कारावास में डाल देंगे”

तुम्हारे लिए गवाही
“मेरे बारे में अपनी गवाही देने”

Luke 21:14

x
(यीशु अपने शिष्यों से भविष्यद्वाणी कर रहा है)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अपने-अपने मन में ठान लो
"निश्चय कर लो" या दृढ़ संकल्प कर लो"

हम पहले से उत्तर देने की चिन्ता न करेंगे
"आरोपों के लगाए जाने पर प्रतिवाद में अपनी सुरक्षा हेतु कुछ कहने के लिए समय से पूर्व चिन्ता नहीं करें"

बोल और बुद्धि
"बुद्धि के वचन" या "बुद्धिमानी की बातें"

मैं तुम्हें ऐसा बोल और बुद्धि दूंगा
"मैं तुम्हें बताऊंगा कि बुद्धि की कैसी बातें करो"

कि तुम्हारे सब विरोधी सामना या खण्डन न कर सकेंगे
इसका अर्थ है, "तुम्हारे विरोधी निरूत्तर हो जाएंगे या तुम्हारी बात को गलत सिद्ध नहीं कर पाएंगे।

Luke 21:16

x
(यीशु अपने शिष्यों से भविष्यद्वाणी कर रहा है)

तुम्हें पकड़वायेंगे
"तुम्हें अधिकारियों के हाथों में सौंपा जायेंगा" या "तुम्हारे साथ विश्वासघात किया जाएगा"।

कुछ को मरवा भी डालेंगे
"तुममें से कुछ को तो वे मार भी डालेंगे" इसके संभावित अर्थ हैं (1) अधिकारी तुममें से कुछ को मरवा डालेंगे" या (2) जो तुम्हें पकड़वाएंगे वे कुछ को तो मार ही डालेंगे", पहला अर्थ अधिक उचित है।

मेरे नाम के कारण
"मेरे कारण" या "क्योंकि तुम मेरे अनुयायी हो"

परन्तु तुम्हारे सिर का एक बाल भी बांका न होगा
इसका अनुवाद सकारात्मक वाक्य में किया जा सकता है, "तुम्हारे सिर का एक-एक बाल सुरक्षित रहेगा"। यह एक अलंकार है जिसका अर्थ है, "तुम्हें कोई हानि न होगी" मनुष्य के सबसे छोटे भाग का संदर्भ देते हुए इस बात पर बल दिया जाता है कि मनुष्य पूरा का पूरा सुरक्षित रहेगा। यीशु ने पहले ही कह दिया है कि कुछ को मार डाला जाएगा। अतः कुछ विचारकों का मानना है कि इसका अभिप्राय आत्मिक सुरक्षा से है जैसा "इनसे तुम्हें वास्तव में कोई हानि न होगी" में है।

अपने धीरज से
"दृढ़ रहने के द्वारा" इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "यदि तुमने विश्वास न किया"

अपने प्राणों को बचाए रखोगे
"तुम जीवन पाओगे" या "सदा जीवित रहोगे"।

Luke 21:20

x
(यीशु अपने शिष्यों से भविष्यद्वाणी कर रहा है)

जब तुम यरूशलेम को सेनाओं से घिरा हुआ देखो
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, "जब तुम देखो कि सेनाओं ने यरूशलेम को घेर लिया है"

तो जान लेना कि उसका उजड़ जाना निकट है
"कि वह शीघ्र ही उजड़ जाएगा" या "वे शीघ्र ही उसे नष्ट कर देंगे"।

भाग जाएं
"संकट से दूर भाग जाएं"

ये बदला लेने के ऐसे दिन होंगे
"यह दण्ड के दिन होंगे" या "उन दिनों में मनुष्य को दण्ड दिया जाएगा" या "उस समय परमेश्वर इस नगर को दण्ड देगा"।

लिखी हुई सब बातें
"धर्मशास्त्र में जो बातें लिखी है"।

Luke 21:23

x
(यीशु अपने शिष्यों से भविष्यद्वाणी कर रहा है)

देश में बड़ा क्लेश
इसके संभावित अर्थ हैं, (1) देशवासियों पर विपत्ति आएगी" या (2) देश में शारीरिक कष्ट का समय होगा"

इन लोगों पर बड़ा प्रकोप होगा
इन लोगों पर क्रोध उगला जाएगा, इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "ये लोग परमेश्वर के क्रोध का अनुभव करेंगे" या "परमेश्वर इन लोगों से बहुत क्रोधित होगा"। यहाँ दण्ड का सलंग्न अर्थ स्पष्ट किया जा सकता है, "इन लोगों को दण्ड दिया जाएगा" या "परमेश्वर इन लोगों को दण्ड देगा"

वे तलवार के कौर हो जाएंगे
"वे तलवार से मारे जाएंगे" शत्रु के सैनिक उन्हें मार डालेंगे।

सब देशों के लोगों में बन्दी बनाकर पहुंचाए जाएंगे।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है। उनके बैरी उन्हें बन्दी बनाकर अन्य देशों में ले जाएंगे।

यरूशलेम अन्य जातियों से रौंदा जाएगा
इसके संभावित अर्थ हैं, (1) अन्य जातियाँ यरूशलेम को जीतकर उसमें वास करेगी या (2) अन्य जातियां यरूशलेम के निवासियों को नष्ट कर देंगी।

Luke 21:25

x
(यीशु अपने शिष्यों से भविष्यद्वाणी कर रहा है)

देश-देश के लोगों को संकट होगा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "सब जातियों के लोगों पर विपत्ति आएगी" या "सब जातियों में जिज्ञासा उत्पन्न होगी"

वे समुद्र के गरजने से घबरा जाएंगे
"क्योंकि वे समुद्र की गर्जन और लहरों की ध्वनि से घबरा जाएंगे" या "वे समुद्र की प्रबल ध्वनि एवं लहरों की तीव्र गति देख कर डर से भर जाएंगे। यह समुद्री तूफान और विनाशकारी गति के संबन्ध में है।

संसार पर आनेवाली घटनाओं
"संसार में होने वाली घटनाओं" या "संसार पर घटनाओं के घटने के कारण"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

आकाश की शक्तियां हिलाई जाएंगी
“आकाश की शक्तिशाली वस्तुएं हिल जायेंगी” इसके संभावित अर्थ है, (1) सूर्य, चाँद, सितारे अपनी सामान्य गति से विचलित हो जाएंगे या (2) आकाश की शक्तिशाली आत्माएं घबरा जाएंगी। पहला अर्थ अधिक उत्तम है।

Luke 21:27

x
(यीशु अपने शिष्यों से भविष्यद्वाणी कर रहा है)

मनुष्य का पुत्र
यीशु स्वयं को संबोधित कर रहा है

बादल पर आते देखेंगे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “बादल पर सवार उतरते देखेंगे”

सामर्थ्य और महिमा के साथ
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “सामर्थ्य ओर महिमा से पूर्ण” या “वह सामर्थी एवं महिमामय होगा” यहाँ सामर्थ्य का अर्थ उसके अधिकार से है कि वह संसार का न्याय करेगा। “महिमा” का यहाँ अर्थ है, तीव्र प्रकाश से आवृत्त। परमेश्वर कभी-कभी अपनी महानता तीव्र प्रकाश द्वारा दर्शाता है।

सीधे होकर
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “आत्म-विश्वास के साथ खड़े होकर”। जब मनुष्य डरता है तब वह झुक कर खड़ा होता है कि देखा न जाए या क्षतिग्रस्त न हो। जब वे निडर होते है तब सीना तानकर खड़े होते हैं।

अपने सिर ऊपर उठाना
यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, “ऊपर देखना”। आप देखने पर उन्हें अपना उद्धारक आता दिखाई देगा।

तुम्हारा छुटकारा निकट होगा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तुम्हारा उद्धारक तुम्हारे पास आ रहा है” या “तुम शीघ्र ही बचाए जाओगे”।

Luke 21:29

ज्यों ही उनमें कोपले निकलती हैं।
“जब उनमें नए पत्ते आते है”

तुम देखकर आप ही जान लेते हो
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मनुष्य स्वयं ही देखकर समझ जाता है”,

ग्रीष्मकाल निकट है
“ग्रीष्मकाल का आरंभ होने वाला है”। इस्त्राएल में ग्रीष्मकाल बहुत सूखा होता है। अतः फसल ग्रीष्मकाल के आगमन से पूर्व ही काट ली जाती है। इसका अर्थ है, “कटनी का समय आ गया है” यह सलंग्न जानकारी है जो वे देखकर समझ जाते हैं।

परमेश्वर का राज्य निकट है।
परमेश्वर का राज्य शीघ्र ही स्थापित होगा” या “परमेश्वर अपने राज्य पर शासन करेगा”

Luke 21:32

इस पीढ़ी
इसके संभावित अर्थ हैं, (1) वह पीढ़ी जो यीशु द्वारा बताए गए चिन्हों में से पहला देखेगी या (2) जिस पीढ़ी से यीशु बातें कर रहा था। पहला अधिक संभव है।

आकाश और पृथ्वी टल जाएंगे
“आकाश और पृथ्वी का अन्त हो जाएगा” यहाँ आकाश का अर्थ है ब्रह्माण्ड और उसके परे सब कुछ”

मेरी बातें कभी न टलेंगी
“मैंने जो कहा है वह अटल है”, या “मेरे वचन अचूक हैं”। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “मेरा कहा पूरा होकर रहेगा” या “मैंने जो कह दिया वह अवश्य होगा”।

Luke 21:34

ऐसा न हो कि तुम्हारे मन सुस्त हो जाएं
“कि तुम व्यस्त न हो जाओ”

मतवालेपन
“असंयम भोग-विलास” या “अच्छी लगनेवाली बातों में लीन हो जाएं” इसका अनुवाद विशिष्ट उदाहरण देकर किया जा सकता है, जैसे अत्यधिक सुखभोग”।

जीवन की चिन्ताओं
“इस जीवन में बहुत चिन्ता करने में”

वह दिन.... अकस्मात आ पड़े
कुछ अनुवादकों को निहितार्थ व्यक्त करने की आवश्यकता पड़ेगी, “यदि तुम सतर्क नहीं रहे तो वह दिन अचानक आ जाएगा” जो सतर्क न रहें और प्रतीक्षारत न रहें उनके लिए वह दिन अचानक ही होगा।

वह दिन
इसका अनुवाद अधिक निश्चित रूप में किया जा सकता है, “वह दिन जब मनुष्य का पुत्र आएगा”

फन्दे के समान अचानक
यह एक उपमा है जिसका अर्थ है, जब तुम्हें उसकी आशा न हो जैसे कि फन्दा अचानक ही पशु को फंसा लेता है।

सब रहनेवालों पर इसी प्रकार आ पड़ेगा।
“वह सब पर प्रभावी होगा” या “उस दिन की घटनाएं सबके लिए होंगी।

सारी पृथ्वी पर
“संपूर्ण धरातल पर” या “संपूर्ण पृथ्वी पर”

Luke 21:36

इन सब आनेवाली घटनाए से बचने... योग्य हो
इसके संभावित अर्थ हैं, (1) इन सब बातों को सहने योग्य शक्तिशाली हो”, (2) इनसे बचने में सामर्थ हो”

इन सब आनेवाली घटनाओं से
“जो बातें होने वाली हैं” यीशु ने अभी-अभी उन्हें होनेवाली भयानक बातों के बारे में बताया जैसे सताव, युद्ध और बन्दीकरण।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मनुष्य के पुत्र के सामने खड़े होने के योग्य बनो
“मनुष्य के पुत्र के समक्ष आत्म-विश्वास से खड़े होने योग्य हो” यह संभवत‘ मनुष्य के पुत्र द्वारा सबका न्याय करने के संदर्भ में है। जो मनुष्य तैयार नहीं होगा वह मनुष्य के पुत्र से डरेगा और आत्म-विश्वास के साथ खड़ा नहीं होगा।

Luke 21:37

दिन को मन्दिर में उपदेश करता था
“दिन के समय वह मन्दिर में उपदेश देता था” आगे के पदों से ज्ञात होगा कि यीशु और अन्य लोग यीशु की मृत्यु से पूर्व उस सप्ताह प्रतिदिन क्या-क्या करते थे।

मन्दिर में
इसका अर्थ है, “मन्दिर परिसर में”

रात को बाहर जाकर
“रात में वह नगर से बाहर चला जाता था” या “प्रतिदिन रात में वह नगर से बाहर चला जाता था।

सब लोग
यह एक अतिशयोक्ति है। इसका अर्थ है “बहुत बड़ी संख्या में मनुष्य” या “लगभग सब ही”

भोर को तड़के
“दिन तड़के ही लोग आ जाते थे” या “प्रतिदिन सुबह भोर को ही”

उसकी सुनने
“उसकी शिक्षा सुनने”

Translation Questions

Luke 21:4

यीशु ने क्यों कहा कि उस गरीब विधवा ने सबसे अधिक दान दिया?
क्योंकि उसने अपनी गरीबी में से दिया जबकि अन्यों ने अपनी बहुतायत में से दिया था।

Luke 21:6

यीशु की भविष्यद्वाणी के अनुसार मन्दिर का क्या होना था?
यीशु ने कहा कि मन्दिर ध्वंस किया जायेगा और वहाँ पत्थर पर पत्थर नहीं रहेगा।

Luke 21:7

मन्दिर के बारे में लोगों ने कौन सी दो बातें पूछीं?
?

Luke 21:8

यीशु ने चिताया कि अनेक झूठे लोग प्रकट होंगे, ये झूठे लोग क्या कहेंगे?
वे कहेंगे, "मैं वही हूँ", और "समय निकट आ पहुंचा है"।

Luke 21:9

अन्त से पहले यीशु ने कौन से भयंकर चिन्ह बताए?
उस समय युद्ध होंगे, भूकम्प होंगे, अकाल पड़ेंगे, महामारियां होंगी, आकाश में भयंकर बातों के चिन्ह प्रकट होंगे।

Luke 21:13

विश्वासियों का सताव कैसे अवसर उत्पन्न करेगा?
इससे उनकी गवाही के लिए अवसर उत्पन्न होंगे।

Luke 21:16

यीशु के अनुयायियों से कौन घृणा करेगा?
माता-पिता, भाई, संबन्धी, मित्र और "हर एक जन" उनसे घृणा करेगा।

Luke 21:20

यरूशलेम के विनाश की संकेतक घटनाएं क्या होंगी?
जब यरूशलेम सेनाओं से घिर जाएगा तब उसका विनाश निकट होगा।

Luke 21:21

यरूशलेम का विनाश निकट देखकर वे यीशु के सुझाव के अनुसार क्या करें?
यीशु ने उनसे कहा कि वे पहाड़ों में भाग जाएं, नगर को त्याग दें और नगर में प्रवेश भी न करें।

Luke 21:22

यीशु ने यरूशलेम के विनाश के दिनों को क्या कहा?
यीशु ने उस समय को बदला लेने के दिन कहा जिनमें लिखी हुई सब बातें पूरी हो जायेंगी।

Luke 21:24

यरूशलेम कितने दिन तक अन्य जातियों द्वारा रौंदा जायेगा?
जब तक अन्य जातियों का समय पूरा न हो तब तक यरूशलेम अन्य जातियों से रौंदा जायेगा।

Luke 21:25

यीशु ने कहा कि जब वह सामर्थ्य और महिमा में आयेगा तब कौन-कौन से चिन्ह दिखाई देंगे?
यीशु ने कहा कि चांद, सूरज और तारों में चिन्ह दिखाई देंगे, पृथ्वी पर सब जातियों में क्लेश होगा।

Luke 21:30

यीशु ने कौन से उदाहरण से समझाया कि उसके श्रोता ऋतु के आगमन को पहचान लेते हैं?
यीशु ने अंजीर के वृक्ष का उदाहरण देकर कहा कि जब उसमें कोंपले निकलती हैं तो वे जान लेते हैं कि ग्रीष्मकाल निकट है।

Luke 21:33

यीशु ने किसको टल जाने की बात कही थी?
आकाश और पृथ्वी टल जायेंगे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्या कभी नहीं टलेगा?
यीशु की बातें कभी नहीं टलेंगी।

Luke 21:34

यीशु ने अपने श्रोताओं को क्या चेतावनी दी कि वे क्या न करें क्योंकि वह दिन अचानक आ जायेगा?
यीशु ने उन्हें चेतावनी दी कि उनके मन खुमार, मतवाले पन, और जीवन की चिन्ता से सुस्त न हो जाएं।

Luke 21:36

यीशु ने अपने श्रोताओं को किस बात की चेतावनी दी क्योंकि वह दिन अकस्मात ही आने वाला है?
यीशु ने उनसे कहा कि वे सावधान रह कर प्रार्थना करें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 22

1 अख़मीरी रोटी का पर्व जो फसह कहलाता है, निकट था। 2 और प्रधान याजक और शास्त्री इस बात की खोज में थे कि उसको कैसे मार डालें, पर वे लोगों से
डरते थे।

3 और शैतान यहूदा में समाया*, जो इस्करियोती कहलाता और बारह चेलों में गिना जाता था। 4 उसने जाकर प्रधान याजकों और पहरुओं के सरदारों के साथ
बातचीत की, कि उसको किस प्रकार उनके हाथ पकड़वाए। 5 वे आनन्दित हुए, और उसे रुपये देने का वचन दिया। 6 उसने मान लिया, और अवसर ढूँढ़ने लगा,
कि बिना उपद्रव के उसे उनके हाथ पकड़वा दे।

7 तब अख़मीरी रोटी के पर्व का दिन आया, जिसमें फसह का मेम्ना बलि करना अवश्य था। (निर्ग. 12:3,6,8,14) 8 और यीशु ने पतरस और यूहन्ना को यह
कहकर भेजा, "जाकर हमारे खाने के लिये फसह तैयार करो।" 9 उन्होंने उससे पूछा, "तू कहाँ चाहता है, कि हम तैयार करें?" 10 उसने उनसे कहा, "देखो,
नगर में प्रवेश करते ही एक मनुष्य जल का घड़ा उठाए हुए तुम्हें मिलेगा, जिस घर में वह जाए; तुम उसके पीछे चले जाना, 11 और उस घर के स्वामी से कहो,
'गुरु तुझ से कहता है; कि वह पाहुनशाला कहाँ है जिसमें मैं अपने चेलों के साथ फसह खाऊँ?' 12 वह तुम्हें एक सजी-सजाई बड़ी अटारी दिखा देगा; वहाँ
तैयारी करना। 13 उन्होंने जाकर, जैसा उसने उनसे कहा था, वैसा ही पाया, और फसह तैयार किया।

14 जब घड़ी पहुँची, तो वह प्रेरितों के साथ भोजन करने बैठा। 15 और उसने उनसे कहा, "मुझे बड़ी लालसा थी, कि दुःख-भोगने से पहले यह फसह तुम्हारे
साथ खाऊँ। 16 क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि जब तक वह परमेश्वर के राज्य में पूरा न हो तब तक मैं उसे कभी न खाऊँगा।" 17 तब उसने कटोरा लेकर
धन्यवाद किया और कहा, "इसको लो और आपस में बाँट लो। 18 क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि जब तक परमेश्वर का राज्य न आए तब तक मैं दाखरस अब
से कभी न पीऊँगा।" 19 फिर उसने रोटी ली, और धन्यवाद करके तोड़ी, और उनको यह कहते हुए दी, "यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिये दी जाती है: मेरे स्मरण
के लिये यही किया करो।" 20 इसी रीति से उसने भोजन के बाद कटोरा भी यह कहते हुए दिया, "यह कटोरा मेरे उस लहू में जो तुम्हारे लिये बहाया जाता है नई
वाचा है। (निर्ग. 24:8, 1 कुरि. 11:25, मत्ती 26:28, जक. 9:11) 21 पर देखो, मेरे पकड़वानेवाले का हाथ मेरे साथ मेज पर है। (भज. 41:9) 22 क्योंकि
मनुष्य का पुत्र तो जैसा उसके लिये ठहराया गया, जाता ही है, पर हाय उस मनुष्य पर, जिसके द्वारा वह पकड़वाया जाता है!" 23 तब वे आपस में पूछ-ताछ
करने लगे, "हम में से कौन है, जो यह काम करेगा?"

24 उनमें यह वाद-विवाद भी हुआ; कि हम में से कौन बड़ा समझा जाता है? 25 उसने उनसे कहा, "अन्यजातियों के राजा उन पर प्रभुता करते हैं; और जो उन
पर अधिकार रखते हैं, वे उपकारक कहलाते हैं। 26 परन्तु तुम ऐसे न होना; वरन् जो तुम में बड़ा है, वह छोटे के समान और जो प्रधान है, वह सेवक के समान
बने। 27 क्योंकि बड़ा कौन है; वह जो भोजन पर बैठा या वह जो सेवा करता है? क्या वह नहीं जो भोजन पर बैठा है? पर मैं तुम्हारे बीच में सेवक के समान हूँ।

28 "परन्तु तुम वह हो, जो मेरी परीक्षाओं में लगातार मेरे साथ रहे; 29 और जैसे मेरे पिता ने मेरे लिये एक राज्य ठहराया है, वैसे ही मैं भी तुम्हारे लिये ठहराता
हूँ। 30 ताकि तुम मेरे राज्य में मेरी मेज पर खाओ-पीओ; वरन् सिंहासनों पर बैठकर इस्राएल के बारह गोत्रों का न्याय करो।

31 "शमौन, हे शमौन, शैतान ने तुम लोगों को माँग लिया है कि गेंहूँ के समान फटके*। 32 परन्तु मैंने तेरे लिये विनती की, कि तेरा विश्वास जाता न रहे और जब
तू फिरे, तो अपने भाइयों को स्थिर करना।" 33 उसने उससे कहा, "हे प्रभु, मैं तेरे साथ बन्दीगृह जाने, वरन् मरने को भी तैयार हूँ।" 34 उसने कहा, "हे पतरस
मैं तुझ से कहता हूँ, कि आज मुर्गा बाँग देगा जब तक तू तीन बार मेरा इन्कार न कर लेगा कि मैं उसे नहीं जानता।"

35 और उसने उनसे कहा, "जब मैंने तुम्हें बटुए, और झोली, और जूते बिना भेजा था, तो क्या तुम को किसी वस्तु की घटी हुई थी?" उन्होंने कहा, "किसी वस्तु
की नहीं।" 36 उसने उनसे कहा, "परन्तु अब जिसके पास बटुआ हो वह उसे ले, और वैसे ही झोली भी, और जिसके पास तलवार न हो वह अपने कपड़े बेचकर
एक मोल ले। 37 क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि यह जो लिखा है, 'वह अपराधी के साथ गिना गया,' उसका मुझ में पूरा होना अवश्य है; क्योंकि मेरे विषय की
बातें पूरी होने पर हैं।" (गला. 3:13, 2 कुरि. 5:21, यशा. 53:12)

38 उन्होंने कहा, "हे प्रभु, देख, यहाँ दो तलवारें हैं।" उसने उनसे कहा, "बहुत हैं।"

39 तब वह बाहर निकलकर अपनी रीति के अनुसार जैतून के पहाड़ पर गया, और चेले उसके पीछे हो लिए। 40 उस जगह पहुँचकर उसने उनसे कहा, "प्रार्थना
करो, कि तुम परीक्षा में न पड़ो।" 41 और वह आप उनसे अलग एक ढेला फेंकने की दूरी भर गया, और घुटने टेककर प्रार्थना करने लगा। 42 "हे पिता यदि तू
चाहे तो इस कटोरे को मेरे पास से हटा ले, फिर भी मेरी नहीं परन्तु तेरी ही इच्छा पूरी हो।" 43 तब स्वर्ग से एक दूत उसको दिखाई दिया जो उसे सामर्थ्य देता
था*। 44 और वह अत्यन्त संकट में व्याकुल होकर और भी हार्दिक वेदना से प्रार्थना करने लगा; और उसका पसीना मानो लहू की बड़ी-बड़ी बूँदों के समान भूमि
पर गिर रहा था। 45 तब वह प्रार्थना से उठा और अपने चेलों के पास आकर उन्हें उदासी के मारे सोता पाया। 46 और उनसे कहा, "क्यों सोते हो? उठो, प्रार्थना
करो, कि परीक्षा में न पड़ो।"

47 वह यह कह ही रहा था, कि देखो एक भीड़ आई, और उन बारहों में से एक जिसका नाम यहूदा था उनके आगे-आगे आ रहा था, वह यीशु के पास आया,
कि उसका चूमा ले। 48 यीशु ने उससे कहा, "हे यहूदा, क्या तू चूमा लेकर मनुष्य के पुत्र को पकड़वाता है?" 49 उसके साथियों ने जब देखा कि क्या होनेवाला
है, तो कहा, "हे प्रभु, क्या हम तलवार चलाएँ?" 50 और उनमें से एक ने महायाजक के दास पर तलवार चलाकर उसका दाहिना कान उड़ा दिया। 51 इस पर
यीशु ने कहा, "अब बस करो।" और उसका कान छूकर उसे अच्छा किया। 52 तब यीशु ने प्रधान याजकों और मन्दिर के पहरुओं के सरदारों और प्राचीनों से,

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जो उस पर चढ़ आए थे, कहा, “क्या तुम मुझे डाकू जानकर तलवारें और लाठियाँ लिए हुए निकले हो? **53** जब मैं मन्दिर में हर दिन तुम्हारे साथ था, तो तुम ने मुझ पर हाथ न डाला; पर यह तुम्हारी घड़ी है, और अंधकार का अधिकार है।”

54 फिर वे उसे पकड़कर ले चले, और महायाजक के घर में लाए और पतरस दूर ही दूर उसके पीछे-पीछे चलता था। **55** और जब वे आँगन में आग सुलगाकर इकट्ठे बैठे, तो पतरस भी उनके बीच में बैठ गया। **56** और एक दासी उसे आग के उजियाले में बैठे देखकर और उसकी ओर ताक कर कहने लगी, “यह भी तो उसके साथ था।” **57** परन्तु उसने यह कहकर इन्कार किया, “हे नारी, मैं उसे नहीं जानता।” **58** थोड़ी देर बाद किसी और ने उसे देखकर कहा, “तू भी तो उन्हीं में से है।” पतरस ने कहा, “हे मनुष्य मैं नहीं हूँ।” **59** कोई घंटे भर के बाद एक और मनुष्य दृढ़ता से कहने लगा, “निश्चय यह भी तो उसके साथ था; क्योंकि यह गलीली है।” **60** पतरस ने कहा, “हे मनुष्य, मैं नहीं जानता कि तू क्या कहता है?” वह कह ही रहा था कि तुरन्त मुर्गे ने बाँग दी। **61** तब प्रभु ने घूमकर पतरस की ओर देखा, और पतरस को प्रभु की वह बात याद आई जो उसने कही थी, “आज मुर्गे के बाँग देने से पहले, तू तीन बार मेरा इन्कार करेगा।” **62** और वह बाहर निकलकर फूट-फूट कर रोने लगा।

63 जो मनुष्य यीशु को पकड़े हुए थे, वे उसका उपहास करके पीटने लगे; **64** और उसकी आँखें ढाँपकर उससे पूछा, “भविष्यद्वाणी करके बता कि तुझे किसने मारा।” **65** और उन्होंने बहुत सी और भी निन्दा की बातें उसके विरोध में कहीं।

66 जब दिन हुआ तो लोगों के पुरनिए और प्रधान याजक और शास्त्री इकट्ठे हुए, और उसे अपनी महासभा में लाकर पूछा, **67** “यदि तू मसीह है, तो हम से कह दे!” उसने उनसे कहा, “यदि मैं तुम से कहूँ तो विश्वास न करोगे। **68** और यदि पूछूँ, तो उत्तर न दोगे। **69** परन्तु अब से मनुष्य का पुत्र सर्वशक्तिमान परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठा रहेगा।” (मर. 14:62, भज. 110:1) **70** इस पर सब ने कहा, “तो क्या तू परमेश्वर का पुत्र है?” उसने उनसे कहा, “तुम आप ही कहते हो, क्योंकि मैं हूँ।” **71** तब उन्होंने कहा, “अब हमें गवाही की क्या आवश्यकता है; क्योंकि हमने आप ही उसके मुँह से सुन लिया है।”

Luke 22:1

अखमीरी रोटी का पर्व
इस पर्व को अखमीरी रोटी का पर्व इसलिए कहते हैं कि उस दिन यहूदी खमीर किए हुए आटे की रोटी नहीं खाते थे। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “वह पर्व का दिन जब वे अखमीरी रोटी खाते थे”

अखमीरी रोटी
जिस रोटी में आटे को फुलानेवाला खमीर नहीं मिलाया जाता थां इसे “खमीररहित रोटी” भी कह सकते हैं।

जब वह निकट आया
“आरंभ होने पर था”

उसको कैसे मार डालें
“वे यीशु को मार डालने का उपाय खोज रहे थे” याजकों और विधि-शास्त्रियों को अधिकार नहीं था कि यीशु की हत्या करें परन्तु वे उसकी हत्या करवाने के लिए किसी को खोज रहे थे।

वे लोगों से डरते थे
इसके संभावित अर्थ हैं, (1) मनुष्य क्या करेंगे, इसका उन्हें डर था। या (2) डरते थे कि लोग यीशु को राजा बनाएंगे।

Luke 22:3

शैतान यहूदा में समाया
यह लगभग दुष्टात्माग्रस्त होने जैसा था

प्रधान याजक
याजकों के प्रधान

पहरूओं के सरदारों
“मन्दिर के सुरक्षाकर्मियों के कप्तानों

उसको किस प्रकार उनके हाथ पकड़वाए
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यीशु को पकड़ने में कैसे उनकी सहायता कर सकता है”।

Luke 22:5

वे
“प्रधान पुरोहित और सुरक्षा अधिकारी”

उसे रुपये देने का वचन दिया
अर्थात यहूदा को

उसने मान लिया
“सहमत हो गया” यद्यपि यह आवृत्तिमय है।

उसे उनके हाथ पकड़वा दे
“यीशु को पकड़ने में उनकी सहायता करे”

जब भीड़ न हो
“अकेले में” या “जब वह भीड़ में न हो”

Luke 22:7

अखमीरी रोटी के पर्व का दिन
“खमीररहित रोटी का दिन” या “इस दिन यहूदी अपने घर में से खमीरी रोटी यहूदी अपने घर में से खमीरी रोटी का पूरा निशान मिटा देते थे तदोपरान्त सात दिन तक वे अखमीरी रोटी का पर्व मनाते थे।

फसह का मेम्ना बलि करना आवश्यक था।
“फसह के भोज के लिए मेम्ना वध करना आवश्यक था” प्रत्येक परिवार या कुछ लोग मिलकर एक मेमना मारकर एक साथ खाते थे, बहुत मेम्ने वध किए जाते थे।

हमारे खाने के लिए
हमारे अर्थात उस समय पतरस और यूहन्ना उसके साथ थे। पतरस और यूहन्ना यीशु के फसह भोज के सहभागियों में थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तैयार करो
यीशु के कहने का अर्थ यह नहीं था कि वे खाना पकाएं परन्तु यह कि उसकी तैयारी करें।

तू कहाँ चाहता है कि हम इसे तैयार करें
हममें यीशु सम्मिलित नहीं है। यीशु भोज तैयार करने वाले दल में नहीं था।

तैयारी करें
"भोज की तैयारी करें" या "भोज तैयार करें"।

Luke 22:10

उसने उनसे कहा
उसने अर्थात यीशु ने

एक मनुष्य जल का घड़ा उठाए हुए
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "तुम एक मनुष्य को जल का घड़ा लेकर जाते हुए देखोगे"

जल का घड़ा उठाए हुए
"पानी से भरा घड़ा लेकर जाते हुए" वह संभवतः अपने कंधे पर घड़ा उठाए हुए होगा

उसके पीछे चले जाना
इसका अनुवाद हो सकता है, "उसके पीछे-पीछे उस घर में चले जाना"

गुरू तुम से कहता है
शिष्यों को यीशु का निर्देश उद्धरणों में है। यू.डी.बी. में उद्धरणरहित रचना है, "हमारा गुरू कहता है कि हमें वह कक्ष दिखा"।

गुरू
यह यीशु के सन्दर्भ में है

फसह खाऊं
"फसह का भोज खाऊं"

Luke 22:12

x
(यीशु पतरस और यूहन्ना को निर्देश दे रहा है)

वह... दिखा देगा
"उस मकान का स्वामी तुम्हें दिखाएगा"

अटारी
"ऊपर का कक्ष" यदि आपके यहाँ घर के ऊपर कमरे नहीं होते है तो आपको शहरों के घरों का वर्णन करना होगा।

उन्होंने जाकर
"पतरस और यूहन्ना ने जाकर"

Luke 22:14

मुझे बड़ी लालसा थी कि
मुझे हार्दिक इच्छा थी कि" (यू.डी.बी.)

मैं तुमसे कहता हूँ
यह उक्ति यीशु की आगे की बात को महत्त्व पर बल देती है।

पूरा न हो
इसके संभावित अर्थ हैं, (1) जब तक फसह के पर्व का उद्देश्य पूरा न हो", (2) जब तक हम अन्तिम फसह भोज को न मनाएं", इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, "जब तक परमेश्वर इसे पूरा न करे" या "जब तक परमेश्वर फसह के पर्व का उद्देश्य पूरा न करे"

Luke 22:17

धन्यवाद किया
"उसने परमेश्वर को धन्यवाद दिया"

और कहा
"अपने शिष्यों से कहा"

आपस में बांट लो
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "इस दाखरस को आपस में बांट लो" या "सब इसमें से पीओ"

मैं तुमसे कहता हूँ
यह उक्ति यीशु की आगे की बात को महत्त्व पर बल देती है।

दाख का रस
"अंगूर का रस" अंगूर के रस को खमीर करके यह दाखरस बनाया जाता था।

जब तक परमेश्वर का राज्य न आए
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "जब तक परमेश्वर के राज्य की स्थापना न हो" या जब तक परमेश्वर अपना राज्य स्थापित न करे" या जब तक परमेश्वर अपने राज्य में शासन न करे"

Luke 22:19

रोटी
यह खमीररहित रोटी थी।

तोड़ी
उसके दो या अधिक टुकड़े किए होंगे और शिष्य में बांट दी। संभव हो तो दोनों ही परिस्थितियों को व्यक्त करने का प्रयास करें।

यह मेरी देह है
इसके संभावित अर्थ हैं, (1) यह रोटी मेरी देह है", या (2) यह रोटी मेरी देह का प्रतीक है"।

जो तुम्हारे लिए दी जाती है
"मेरी देह जो मैं तुम्हारे लिए दूंगा" या "मेरी देह जिसे मैं तुम्हारे लिए बलि चढ़ाऊंगा, जिन भाषाओं में प्राप्तिकर्ताओं को प्रकट करना आवश्यक हो, उनमें अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मेरी देह है जो मैं तुम्हारे लिए घात किए जाने हेतु अधिकारियों को देता हूँ"।

यही किया करो
"यह रोटी खाया करो"

मेरे स्मरण के लिए
"मुझे याद करने के लिए"

कटोरा
कटोरा अर्थात उसमें जो दाखरस था। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "इस कटोरे का दाखरस" या "यह दाखरस"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मेरे उस लहू में.... नई वाचा है
“नई वाचा जो मेरे लहू से प्रभावी होगी” या “नई वाचा जो मेरे लहू से विधिवत ठहरेगी”। या “उस नई वाचा का प्रतीक है जो जिसे परमेश्वर मेरे बहाए गए लहू से स्थापित करेगा”।

जो तुम्हारे लिए बहाया जाता है।
“मेरा लहू जो मेरी मृत्यु में तुम्हारे लिए बहाया जाएगा” या “मेरा लहू जो मेरे मरते समय मेरे घावों से तुम्हारे ही लिए बहेगा”।

Luke 22:21

x
(यीशु अपने शिष्यों से ही बातें कर रहा है)

मेरे पकड़वाने वाले का हाथ
“जो मुझसे विश्वासघात करेगा”

मनुष्य का पुत्र तो.... जाता ही है
“निःसन्देह मनुष्य का पुत्र तो जाएगा” या “मनुष्य का पुत्र तो मरेगा ही”

हाय उस मनुष्य पर जिसके द्वारा वह पकड़वाया जाता है
“परन्तु हाय उस पर जो मनुष्य के पुत्र के साथ विश्वासघात करे” या “मनुष्य के पुत्र से विश्वासघात करने वाले का कैसा दुर्भाग्य है”।

Luke 22:24

उनमें यह विवाद भी हुआ
“शिष्य आपस में विवाद करने लगे”

कौन बड़ा समझा जाता है
“सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण समझा जाता है”

उसने उनसे कहा
“यीशु ने अपने शिष्यों से कहा”

उन पर प्रभुता करते हैं
“उन पर कठोर निर्दयता से शासन करते हैं” या “उन पर अधिकार का उपयोग करना चाहते हैं”

कहलाते हैं
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “कहलाना चाहते हैं” या “स्वयं को कहते है।” मनुष्य ऐसे शासकों को संभवतः माननीय शासक नहीं समझते थे।

आधारक
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “संरक्षक” या “मनुष्यों के सहायक अगुवे”

Luke 22:26

x
(यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है)

तुम ऐसे न होना
“तुम्हारी मानसिकता ऐसी न हो”

छोटे के समान
“सबसे कम महत्त्व का” अगुवे अधिकतर आयु में अधिक होते थे जिन्हें “पुरनिये” कहते थे। “सबसे छोटा मनुष्य के लिए अगुआई के पद की संभावना सबसे कम थी”।

क्योंकि
यह संपूर्ण पद 26-27 में दी गई यीशु की आज्ञा से संबन्धित है। यहाँ मुख्य विचार है कि सबसे बड़ा सेवा करे क्योंकि मैं एक सेवक हूं। यीशु जो सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण मनुष्य था उसकी सेवा करता था, अतः उनमें जो सबसे बड़ा था उसे उन सबकी सेवा करना आवश्यक था।

वह जो सेवा करता है
“सेवक”

बड़ा कौन है?
“बड़ा कौन है” या “कौन अधिक महत्त्वपूर्ण है”? यीशु ने यह आलंकारिक प्रश्न पूछ कर परदेश में महानता के विषय में शिष्यों के प्रश्न का उत्तर दिया। इस आलंकारिक प्रश्न का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मैं चाहता हूं कि तुम विचार करो कि कौन बड़ा है”।

वह जो भोजन पर बैठा है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “वह जो भोजन कर रहा है”

वह जो सेवा करता है
“वह जो भोजन परोसता है” या “जो भोजन पर बैठनेवाले की सेवा करता है” यह सेवक का संदर्भ है।

क्या वह नहीं जो भोजन पर बैठा है?
यह भी एक आलंकारिक प्रश्न है। इसका संलग्न उत्तर है, “निश्चय ही जो भोजन पर बैठा है, वह सेवक से बड़ा है”।

परन्तु मैं तुम्हारे बीच में सेवक के समान हूं।
“परन्तु” शब्द यहाँ इसलिए है कि मनुष्य जो यीशु से अपेक्षा करते थे और जो वह वास्तव में थे दोनों में विषमता है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तथापि मैं तुम्हारी सेवा कर रहा हूं”।

Luke 22:28

x
(यीशु अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहा है)

मेरी परीक्षाओं में लगातार मेरे साथ रहें
“मेरे संघर्षों में सदा मेरे साथ रहें”

जैसे मेरे पिता ने मेरे लिए एक राज्य ठहराया है वैसे ही मैं भी तुम्हारे लिए ठहराता हूं।
कुछ भाषाओं में अनुवाद के लिए इसका क्रम बदलने की आवश्यकता होगी, “जैसे मेरे पिता ने मुझको एक राज्य दिया है, ठीक वैसे ही मैं भी तुम्हें एक राज्य देता हूं

मैं भी तुम्हारे लिए ठहराता हूं
“मैं तुम्हें परमेश्वर के राज्य के प्रशासक नियुक्त करता हूं”। (यू.डी.बी.) या “मैं तुम्हें इस राज्य में शासन करने का अधिकार देता हूं” या “मैं तुम्हें राजा बनाऊंगा”।

जैसे मेरे पिता ने मेरे लिए एक राज्य ठहराया है
“जिस प्रकार कि मेरे पिता ने मुझे अपने राज्य में राजा होकर राज करने का अधिकार दिया है”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सिंहासनों पर बैठकर
सिंहासनों पर बैठकर एक लाक्षणिक प्रयोग है जो राजा के उत्तरदायित्वों को निभाते के लिए उपयोग किया गया है। इसका अर्थ है, "तुम राजाओं का कार्यभार देखोगे" या राजाओं के सदृश्य काम करोगे"। (देखें: metonymy)

सिंहासनो
इसका अनुवाद हो सकता है, "राजाओं के आसन"

Luke 22:31

x
(यीशु अब सीधा शमौन से बात करता है)

शमौन, हे शमौन!
यीशु ने दो बार उसका नाम लिया जिसका अर्थ है कि यीशु जो कहने जा रहा है, वह अत्यधिक महत्त्वपूर्ण बात है।

तुम लोगों को माँग लिया है कि गेहूँ के समान काट के
"तुम" शब्द सब शिष्यों के लिए है। जिन भाषाओं में तुम के अलग-अलग वचन है उनमें बहुवचन काम में लिया जाए।

गेहूँ के समान कट के
यह एक रूपक है जिसका अर्थ है, "तुम्हें परख कर दोष निकाले" इसका अर्थ स्पष्ट किया जाए जैसा यू.डी.बी. में किया गया है, "तुम्हें परखे"। इसका अनुवाद उपमा देकर भी किया जा सकता है जैसा यू.डी.बी. में किया गया है "जैसे कोई सूप में गेहूँ फटकता है"

परन्तु मैंने तेरे लिए विनती की
यहाँ "तुम" शब्द केवल शमौन के लिए है। जिन भाषाओं में "तुम" के अलग-अलग वचन हैं, उनमें एकवचन काम में लिया जाए।

तेरा विश्वास जाता न रहे
इसका अनुवाद सकारात्मक वाक्य में किया जा सकता है, "कि तू विश्वास में बना रहे" या "तू मुझ में विश्वास करता रहे"

अपने भाइयों को
यह अन्य शिष्यों के संदर्भ में है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "तेरे सहविष्वासियों को" या "विश्वास में तेरे भाइयों को" या "अन्य शिष्यों को"

Luke 22:33

x
(यीशु के कथन पर कि शैतान उन्हें परखेगा, पतरस प्रतिक्रिया दिखाता है)

मुर्ग बांग न देगा
यहाँ मुर्ग का बांग देना दिन के एक निश्चित समय के लिए लाक्षणिक प्रयोग है। मुर्ग प्रायः भोर के समय बांग देता है।

मुर्ग बांग न देगा जब तक तू तीन बार मेरा इन्कार न कर लेगा।
इसका अनुवाद सकारात्मक वाक्य में किया जा सकता है, "मुर्ग के बांग देने से पूर्व तू तीन बार मेरा इन्कार कर चुका होगा" इसका क्रम बदला जा सकता है, "आज मुर्ग के बांग देने से पहले तू तीन बार कहेगा कि मुझे नहीं जानता"

आज
यहूदियों का नया दिन सूर्यास्त से आरंभ होता था। यीशु सूर्यास्त के बाद उनसे बातें कर रहा था। मुर्ग भोर के समय बांग देगा। भोर का समय उसी दिन का भाग था। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "आज रात" या "सुबह"

Luke 22:35

जब मैंने तुम्हें ..... भेजा था
यीशु अपने शिष्यों से बातें कर रहा है अतः जिस भाषाओं में "तुम्हें" बहुवचन में है उनमें "तुम्हें" का बहुवचन काम में लें।

बटुए
पैसे रखने का थैला परन्तु यहाँ इसका अर्थ है पैसा।

झोली
इसका अनुवाद, "यात्री की झोली" या "भोजन" किया जा सकता है क्योंकि यदि वे झोली लेंगे तो उसमें भोजन लेकर भी चलेंगे।

क्या तुमको किसी वस्तु की घटी हुई?
"क्या तुम्हें किसी भी वस्तु की आवश्यकता पड़ी थी कि वह तुम्हारे पास नहीं है"? यह एक अलंकारिक प्रश्न है कि शिष्य सोचें कि जहाँ वे गए उन्होंने उनकी कैसी सेवा की थी।

किसी वस्तु की नहीं
"हमें किसी बात की कमी नहीं हुई"

कपड़े
"वस्त्रों के ऊपर पहनने वाला चोगा

जिसके पास तलवार न हो वह अपने कपड़े बेचकर एक मोल ले ले।
यीशु किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं कह रहा था कि यदि उसके पास तलवार न हो तो वह एक खरीद ले। अतः इसका अनुवाद इस प्रकार किया जाए, "यदि किसी के पास तलवार नहीं है तो वह अपने वस्त्र बेचकर एक मोल ले ले"।

Luke 22:37

जो लिखा है
"मेरे बारे में भविष्यद्वक्ता ने धर्मशास्त्र में जो लिखा है" (यू.डी.बी.)

मुझमें पूरा होना अवश्य है
उसके शिष्य यह तो जानते थे कि धर्मशास्त्र में जो भी लिखा है, उसे परमेश्वर पूरा करेगा।

वह अपराधियों के साथ गिना गया।
"मनुष्यों ने उसे भी अपराधियों में से एक माना" कुछ भाषाओं में इसे स्पष्ट व्यक्त करने की आवश्यकता होगी, "धर्मशास्त्र में यह लिखा है, "वह अपराधियों में गिना गया"।

अपराधी
"नियमों का पालन नहीं करनेवाला" या "अपराधी"

मेरे विषय में लिखी बातें पूरी होने पर हैं
यूनानी अभिलेखों में यह वाक्य स्पष्ट नहीं है। इसका संभावित अर्थ है, "मेरे जीवन का अन्त होने को है"

उन्होंने कहा
यह कम से कम यीशु के दो शिष्यों के संदर्भ में है।

बहुत है
इसके संभावित अर्थ हैं, (1) इतनी तलवारें पर्याप्त हैं" या (2) इनके विषय इतना कहना भी बहुत है"। जब यीशु ने उनसे तलवारें खरीदने के लिए कहा था तो इसका अर्थ था कि उनके लिए अब संकट उत्पन्न होगा। वह वास्तव में तलवारें लेकर युद्ध करने का विचार नहीं कर रहा था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 22:39

वह बाहर निकल कर
फसह के भोजन खाने के बाद वहां से बाहर निकला

तुम परीक्षा में न पड़ो
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "तुम पर परीक्षा न आए" या "जब तुम पर परीक्षा आए तो पाप में न गिरो" या "तुम पर ऐसी घोर परीक्षा न आए कि पाप करो"

Luke 22:41

ढेला फेंकने की दूरी भर
यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, "इतनी दूर कि कोई वहां तक पत्थर फेंक दे"। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "कुछ ही दूर" या अनुमानित दूरी जैसे, "लगभग 30 मीटर दूर"। (यू.डी.बी.)

इस कटोरे को मेरे पास से हटा लो
यह एक रूपक है। यीशु अपने आनेवाले कष्टों के बारे में कह रहा है कि माना वह एक कटोरा है और उसमें भरे कष्ट उसे पीने पड़ेंगे। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "कष्टों का यह कटोरा मुझ से दूर कर दे"। या "मेरे इन कष्टों का निवारा कर" या "मुझे इन कष्टों से छुड़ा ले"।

तौभी मेरी नहीं परन्तु तेरी ही इच्छा पूरी हो
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "परन्तु मैं चाहता हूं कि मेरी नहीं तेरी ही इच्छा पूरी हो"

Luke 22:43

उसको दिखाई दिया
"यीशु को एक स्वर्गदूत दिखाई दिया"।

जो उसे सामर्थ्य देता था
"उसे ढाढ़स बँधाता था"

हार्दिक वेदना से प्रार्थना करने लगा
"मनोव्यथा में प्रार्थना करने लगा

उसका पसीना मानों लहू की बड़ी-बड़ी बूंदों के समान भूमि पर गिर रहा था।
"उसका पसीना भूमि पर इस प्रकार टपक रहा था कि जैसे लहू टपक रहा हो"।

Luke 22:45

तब वह प्रार्थना से उठा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "जब यीशु प्रार्थना करके उठा" या "प्रार्थना करने के बाद यीशु उठा और"

उदासी के मारे सोता पाया
"देखा कि वे सो रहे थे क्योंकि वे बहुत दुखी थे"

क्यों सोते हो?
यह एक आलंकारिक प्रश्न है जिसके संभावित अर्थ हैं, (1) तुम्हें ऐसे समय सोता हुआ देखकर मुझे आश्चर्य होता है", या (2) इस समय तो तुम्हें सोना नहीं चाहिए"।

परीक्षा में न पड़ो
"परीक्षा में न गिरो" या "परीक्षा में पाप न करो"

Luke 22:47

एक भीड़ आई
यहाँ कहानी में एक जनसमूह प्रवेश करता है। अपनी भाषा में ऐसे दृश्य परिवर्तन को व्यक्त करने के लिए शब्द होंगे।

उनके आगे-आगे आ रहा था
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "वह उनको लेकर यीशु के पास आ रहा था यहूदा उन्हें दिखा रहा था कि यीशु कहां है, वह उन्हें कार्य निर्देशन नहीं दे रहा था।

उसका चूमा ले
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "उसे चूम कर उसका अभिवादन करे" जब पुरूष अपने परिवार के पुरूषों या मित्रों से भेंट करते थे तब वे उन्हें एक गाल पर या दोनों गालों पर चूमते थे। यदि आपके पाठकों को पुरूषों द्वारा एक दूसरे को चूमने के वर्णन से कि कर्तव्य विमूढ़ हों तो इसका अनुवाद सामान्य अभिवादन में करें, "मित्रतापूर्ण अभिवादन करने आया"

मनुष्य का पुत्र
यीशु स्वयं के लिए इस उक्ति का उपयोग करता था।

क्या चूमा लेकर मनुष्य के पुत्र को पकड़वाता है?
यीशु इस आलंकारिक प्रश्न द्वारा यहूदा को झिड़क रहा है, "मनुष्य के प्रभु को पकड़वाने के लिए चूमा का दुरूपयोग कर रहा है"। यहूदा हाथ के संकेत से यह यह कहकर बता सकता था कि यीशु कौन है" वह जो उस चट्टान के पास खड़ा है वही यीशु है" परन्तु उसने प्रेम के प्रतीक चुम्बन को धोखे के लिए काम में लिया।

Luke 22:49

उसके साथियों ने
"यीशु के शिष्यों ने"

क्या होने वाला है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "याजक और सैनिक यीशु को बन्दी बनाने आए हैं"।

महायाजक के दास पर तलवार चलाकर उसका दाहिना कान उड़ा दिया।
"प्रधान पुरोहित के दास पर तलवार से वार किया तो उसका दाहिना कान कट गया"।

उसका कान छूकर उसे अच्छा किया
"उसका कटा हुआ कान छूकर अच्छा कर दिया"

Luke 22:52

क्या तुम मुझे डाकू जानकर तलवारें और लाठियां लिए हुए निकले हो
"तुम लोग तलवारें और लाठियां लेकर आए हो, क्या मैं डाकू हूं? "यह एक अलंकारिक प्रश्न है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "यह जानते हुए भी कि मैं डाकू नहीं तुम तलवार और लाठियां लेकर मेरे पास आए हो"।

जब मैं मन्दिर में हर दिन तुम्हारे साथ था
"मैं तो प्रतिदिन तुम्हारे बीच में रहाता था"

मन्दिर में
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मन्दिर परिसर में"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुमने मुझ पर हाथ न डाला
इस मुहावरे का अर्थ है, “मुझे बन्दी नहीं बनाया”

अन्धकार का अधिकार है।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “अन्धकार के शासक का समय” या “शैतान की इच्छा के अनुसार दुष्ट के कार्यों का पूरा करने का समय है”, (यू.डी.बी.) “अन्धकार का अधिकार एक लाक्षणिक प्रयोग है जिसका अर्थ है, दुष्ट शासक, शैतान।

Luke 22:54

पकड़कर ले चले
“यीशु को बन्दी बनाकर उस वाटिका से ले कर चले”

आग सुलगा कर
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “कुछ लोगों ने वहां आग जलाई हुई थी” गर्म करने के लिए आग जलाई थी।

आंगन में
यह प्रधान पुरोहित के महल का परिसर था।। चारों ओर दीवारें थी परन्तु छत नहीं थी।

Luke 22:56

उसकी ओर ताक कर कहने लगी
“पतरस को घूरकर देखा और लोगों से कहा।

यह भी तो उसके साथ था।
वह उपस्थित जनों को पतरस के बारे में कह रही थी। वह पतरस का नाम नहीं जानती थी।

उसने यह कह कर इन्कार किया
“परन्तु पतरस ने कहा, यह सच नहीं है”।

हे नारी, मैं उसे नहीं जानता
पतरस उस स्त्री का नाम नहीं जानता था वह उसे “नारी” कह कर उसका अपमान नहीं कर रहा था। आप अपनी संस्कृति में नारी शब्द के स्थान पर उपयुक्त शब्द का प्रयोग करें या इस शब्द को छोड़ दें।

हे मनुष्य मैं नहीं हूं
स्त्री शब्द के बारे में उपरोक्त टिप्पणी देखें

Luke 22:59

दृढ़ता से कहने लगा
“बलपूर्वक कहा” या “ऊंचे शब्द में कहा” (यू.डी.बी.)

निश्चय यह भी
यह अर्थात पतरस। वह संभवतः पतरस का नाम नहीं जानता था।

यह गलीली है
मत्ती लिखता है कि पतरस की भाषा-शैली से लोग समझ जाते थे कि वह गलीली है।

मैं नहीं जानता कि तू क्या कहता है
इस उक्ति का अभिप्राय है, घोर विरोध के साथ कहना, “तू जो कहता है वह कदापि सच नहीं है”। या “तू जो कह रहा है वह झूठ है”।

वह कह ही रहा था कि
“अभी पतरस की बात पूरी भी नहीं हुई थी कि”

Luke 22:61

प्रभु की वह बात याद आई
“यीशु के वचन” या “यीशु ने कहा था”

आज
यीशु ने पिछली रात पतरस से कहा था कि दिन तड़कने से पूर्व क्या होगा। अतः इसका अनुवाद “आज राज” किया जा सकता है।

Luke 22:63

आंखें ढांक कर
“उसकी आंखों पर कपड़ा बान्ध कर कि वह देख न पाए”

भविष्यद्वाणी करके बता कि तुझे किसने मारा है
सुरक्षाकर्मी विश्वास नहीं करते थे कि यीशु भविष्यद्वक्ता बिना देखे बता सकता था कि उसे किसने मारा है। वे यीशु को भविष्यद्वक्ता तो कहते थे परन्तु वे सिद्ध करना चाहते थे कि वह भविष्यद्वक्ता नहीं है। इसका दूसरा अनुवाद है, “हमें बता कि तुझे किसने मारा और सिद्ध कर कि तू भविष्यद्वक्ता है” या “हे भविष्यद्वक्ता तुझे किसने मारा है, बता”?

भविष्यद्वाणी करके
“परमेश्वर का वचन सुना” कहने का अर्थ है कि परमेश्वर बताएगा कि यीशु को किसने मारा है क्योंकि यीशु की आंखें तो बन्द थी।

Luke 22:66

यहाँ सभा में लाकर
इसके संभावित अर्थ हैं, (1) पुरनियों ने यीशु को परिषद में बुलवाया या (2) सुरक्षाकर्मी यीशु को पुरनियों की सभा में लाए। कुछ भाषाओं में कर्ताओं के लिए केवल सर्वनाम का उपयोग किया गया है, “वे लाए” या कर्मवाच्य वाक्य में अनुवाद किया गया है, “यीशु परिषद के सम्मुख लाया गया”

कहा
“पुरनियों ने पूछा यीशु से पूछा”

हमसे कह दे
यदि तू मसीह है

यदि मैं तुमसे कहूं तो प्रतीति न करोगे
यह यीशु के दो काल्पनिक कथनों में पहला है, यीशु ईश-निन्दा का दोषी कहलाने का अवसर उन्हें नहीं देना चाहता था। आपकी भाषा में ऐसी सांकेतिक अभिव्यक्ति होगी जिससे प्रकट हो कि कार्य वास्तव में हुआ नहीं।

यदि मैं पूछूँ तो उत्तर न दोगे
यह दूसरा काल्पनिक कथन है

कहूं तो.... पूछूं तो
यीशु के कहने का अर्थ था कि यदि वह स्वयं कुछ कहे या उनसे कहने को कहे तो भी कोई लाभ नहीं। वे सही उत्तर तो देंगे नहीं। यह दो वाक्य यीशु के विचारों को प्रकट करते हें कि उनकी परिषद सत्य की खोज में नहीं थी।

Luke 22:69

x
(यीशु पुरनियों की परिषद से बातें कर रहा है)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अब से
“आज से” या “आज से आरंभ करके”

मनुष्य का पुत्र
यीशु इस उक्ति द्वारा मसीह का संदर्भ दे रहा था। उसका अभिप्राय था कि वह स्वयं के बारे में कह रहा था परन्तु पुरनियों को पूछ कर पता लगाना था कि वह क्या वास्तव में यही कह रहा था।

सर्वशक्तिमान परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठा रहेगा।
यहूदी मानते थे कि कोई भी उस स्थान को ग्रहण नहीं कर सकता है। उनके लिए ऐसा कहने का अर्थ था “परमेश्वर के साथ परमेश्वर तुल्य होना”।

सर्वशक्तिमान परमेश्वर
“महाप्रतापी परमेश्वर”, यहाँ परमेश्वर के सर्वोच्च अधिकार का विचार है।

तो क्या तू परमेश्वर का पुत्र है
परिषद के सदस्यों ने यीशु से यह प्रश्न किया क्योंकि वे चाहते थे कि यीशु स्पष्ट कहे कि वह परमेश्वर का पुत्र है जैसा उन्होंने उसकी बातों से अनुमान लगाया था। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तूने ऐसा कहा तो क्या तू वास्तव में परमेश्वर का पुत्र है”?

तुम आप ही कहते हो, क्योंकि मैं हूं
“हां, ठीक वैसे ही जैसे तुम कहते हो”।

अब हमें गवाहों की क्या आवश्यकता है?
यह एक आलंकारिक प्रश्न है। इसका अर्थ है, “हमें और अधिक गवाही नहीं चाहिए।

उसके मुंह से सुन लिया है
इस मुहावरे में मनुष्य के लिए उसके एक अंग (मुंह) का उपयोग किया जाता है। इसका अर्थ है “सीधा उसी से” इससे इस तथ्य पर बात पर बल है कि यीशु ने स्वयं ही वह बात कह दी जिसका वे उस पर दोष लगा रहे थे।

Translation Questions

Luke 22:1

उस समय कौन सा यहूदी पर्व निकट था?
अखमीरी रोटी का पर्व फसह कहलाता था।

Luke 22:6

यहूदा महायाजकों के हाथ यीशु को पकड़वाने के लिए कैसा अवसर खोज रहा था?
वह अवसर की खोज में था कि यीशु कब जनसमूह से अलग हो।

Luke 22:10

यीशु और उसके शिष्यों ने फसह का भोजन कहाँ किया था?
उन्होंने यरूशलेम में एक बड़े सजे हुए कक्ष में फसह का भोजन किया।

Luke 22:16

यीशु ने फसह का भोज दोबारा खाने के विषय में क्या कहा था?
यीशु फसह का भोज अब उस समय तक खायेगा जब परमेश्वर के राज्य में पूरा होगा।

Luke 22:19

यीशु ने रोटी तोड़कर अपने चेलों को दी तब क्या कहा था?
यीशु ने कहा, "यह मेरी देह है जो तुम्हारे लिए दी जाती है, मेरे स्मरण के लिए यही किया करो।

Luke 22:20

चेलों को कटोरा देते हुए यीशु ने क्या कहा था?
यीशु ने कहा, "यह कटोरा मेरे उस लहू में जो तुम्हारे लिए बहाया जाता है नई वाचा है"।

Luke 22:22

क्या यह परमेश्वर की योजना थी कि यीशु पकड़वाया जायेगा?
हां।

Luke 22:23

क्या चेले जानते थे कि उसे कौन पकड़वायेगा?
नहीं।

Luke 22:26

यीशु ने अपने चेलों में सबसे बड़ा किसे बताया?
सबसे बड़ा वह है जो सेवा करता है।

Luke 22:27

यीशु चेलों के मध्य कैसा था?
वह एक सेवक का जीवन जी रहा था।

Luke 22:30

यीशु ने अपने चेलों को कहाँ बैठने की प्रतिज्ञा की?
यीशु ने कहा कि वे सिंहासन पर बैठ कर इस्राएल के बारहों गोत्रों का न्याय करेंगे।

Luke 22:34

यीशु ने पतरस के किस काम की भविष्यद्वाणी की थी?
यीशु ने कहा कि मुर्ग की बांग देने से पहले पतरस तीन बार उसका इन्कार करेगा।

Luke 22:37

इन घटनाओं में यीशु के बारे में कौन सी भविष्यद्वाणी पूरी हो रही थी?
धर्मशास्त्र में भविष्यद्वाणी है, "वह अपराधियों में गिना गया"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 22:40

जैतून के पर्वत पर यीशु ने शिष्यों से प्रार्थना करने को क्यों कहा?
यीशु चाहता था कि वे प्रार्थना करते रहें कि परीक्षा में न पड़ें।

Luke 22:42

जैतून के पर्वत पर यीशु ने क्या प्रार्थना की थी?
यीशु ने प्रार्थना की, "हे पिता, यदि तू चाहे तो इस कटोरे को मेरे पास से हटा ले। तौभी मेरी नहीं परन्तु तेरी ही इच्छा पूरी हो"।

Luke 22:45

यीशु प्रार्थना करके लौटा तब चेले क्या कर रहे थे?
वे सो रहे थे।

Luke 22:47

जनसमूह के समक्ष यहूदा ने यीशु को कैसे पकड़वाया?
उसने यीशु को चूम कर पकड़वाया।

Luke 22:51

यीशु ने उस व्यक्ति के साथ क्या किया जिसका कान काटा गया था?
यीशु ने उसके कान को छूकर चंगा किया।

Luke 22:53

यीशु ने कौन सा स्थान बताया कि वह वहाँ प्रतिदिन महायाजकों के निकट था?
वह मन्दिर में था।

Luke 22:54

यीशु को पकड़ कर वे कहाँ ले गए?
वे उसे महायाजक के आवास में ले गए।

Luke 22:57

इस दासी ने जब कहा कि पतरस भी यीशु के साथ था तब पतरस ने क्या कहा?
पतरस ने कहा, "हे नारी मैं उसे नहीं जानता"।

Luke 22:60

जब पतरस ने यीशु को जानने से तीन बार इन्कार कर किया तो तुरन्त ही क्या हुआ?
मुर्ग ने बांग दी।

Luke 22:62

यीशु ने पतरस को देखा तो उसने क्या किया?
वह बाहर जाकर फूट-फूट कर रोया।

Luke 22:63

यीशु को पकड़ने वालों ने उसके साथ कैसा व्यवहार किया?
उन्होंने उसका ठट्ठा किया उसे पीटा और उसकी निन्दा की।

Luke 22:67

महासभा ने कहा कि यीशु कहे कि वह मसीह है तो यीशु ने उनसे कहा कि यदि वह कहे तो वे क्या नहीं करेंगे?
वे विश्वास नहीं करेंगे।

Luke 22:71

??
महासभा ने क्यों कहा कि उन्होंने गवाहों की आवश्यकता नहीं कि सिद्ध करें कि यीशु स्वयं को मसीह कहता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 23

1 तब सारी सभा उठकर उसे पिलातुस के पास ले गई। **2** और वे यह कहकर उस पर दोष लगाने लगे, “हमने इसे लोगों को बहकाते और कैसर को कर देने से
मना करते, और अपने आप को मसीह, राजा कहते हुए सुना है।” **3** पिलातुस ने उससे पूछा, “क्या तू यहूदियों का राजा है?” उसने उसे उत्तर दिया, “तू आप ही
कह रहा है।” **4** तब पिलातुस ने प्रधान याजकों और लोगों से कहा, “मैं इस मनुष्य में कुछ दोष नहीं पाता।” **5** पर वे और भी दृढ़ता से कहने लगे, “यह गलील
से लेकर यहाँ तक सारे यहूदिया में उपदेश दे देकर लोगों को भड़काता है।” **6** यह सुनकर पिलातुस ने पूछा, “क्या यह मनुष्य गलीली है?” **7** और यह जानकर
कि वह हेरोदेस की रियासत* का है, उसे हेरोदेस के पास भेज दिया, क्योंकि उन दिनों में वह भी यरूशलेम में था।

8 हेरोदेस यीशु को देखकर बहुत ही प्रसन्न हुआ, क्योंकि वह बहुत दिनों से उसको देखना चाहता था : इसलिए कि उसके विषय में सुना था, और उसका कुछ
चिन्ह देखने की आशा रखता था। **9** वह उससे बहुत सारी बातें पूछता रहा, पर उसने उसको कुछ भी उत्तर न दिया। **10** और प्रधान याजक और शास्त्री खड़े हुए
तन मन से उस पर दोष लगाते रहे। **11** तब हेरोदेस ने अपने सिपाहियों के साथ उसका अपमान करके उपहास किया, और भड़कीला वस्त्र पहनाकर उसे
पिलातुस के पास लौटा दिया। **12** उसी दिन पिलातुस और हेरोदेस मित्र हो गए। इसके पहले वे एक दूसरे के बैरी थे।

13 पिलातुस ने प्रधान याजकों और सरदारों और लोगों को बुलाकर उनसे कहा, **14** “तुम इस मनुष्य को लोगों का बहकानेवाला ठहराकर मेरे पास लाए हो,
और देखो, मैंने तुम्हारे सामने उसकी जाँच की, पर जिन बातों का तुम उस पर दोष लगाते हो, उन बातों के विषय में मैंने उसमें कुछ भी दोष नहीं पाया है; **15** न
हेरोदेस ने, क्योंकि उसने उसे हमारे पास लौटा दिया है: और देखो, उससे ऐसा कुछ नहीं हुआ कि वह मृत्यु के दण्ड के योग्य ठहराया जाए। **16** इसलिए मैं उसे
पिटवाकर छोड़ देता हूँ।” **17** पिलातुस पर्व के समय उनके लिए एक बन्दी को छोड़ने पर विवश था। **18** तब सब मिलकर चिल्ला उठे, “इसका काम तमाम कर,
और हमारे लिये बरअब्बा को छोड़ दे।” **19** वह किसी बलवे के कारण जो नगर में हुआ था, और हत्या के कारण बन्दीगृह में डाला गया था। **20** पर पिलातुस ने
यीशु को छोड़ने की इच्छा से लोगों को फिर समझाया। **21** परन्तु उन्होंने चिल्लाकर कहा, “उसे क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर!” **22** उसने तीसरी बार उनसे कहा,
“क्यों उसने कौन सी बुराई की है? मैंने उसमें मृत्यु दण्ड के योग्य कोई बात नहीं पाई! इसलिए मैं उसे पिटवाकर छोड़ देता हूँ।” **23** परन्तु वे चिल्ला-चिल्लाकर
पीछे पड़ गए, कि वह क्रूस पर चढ़ाया जाए, और उनका चिल्लाना प्रबल हुआ। **24** अतः पिलातुस ने आज्ञा दी, कि उनकी विनती के अनुसार किया जाए। **25**
और उसने उस मनुष्य को जो बलवे और हत्या के कारण बन्दीगृह में डाला गया था, और जिसे वे माँगते थे, छोड़ दिया; और यीशु को उनकी इच्छा के अनुसार
सौंप दिया।

26 जब वे उसे लिए जा रहे थे, तो उन्होंने शमौन नाम एक कुरेनी को जो गाँव से आ रहा था, पकड़कर उस पर क्रूस को लाद दिया कि उसे यीशु के पीछे-पीछे ले
चले। **27** और लोगों की बड़ी भीड़ उसके पीछे हो ली: और बहुत सारी स्त्रियाँ भी, जो उसके लिये छाती-पीटती और विलाप करती थीं। **28** यीशु ने उनकी ओर
फिरकर कहा, “हे यरूशलेम की पुत्रियों, मेरे लिये मत रोओ; परन्तु अपने और अपने बालकों के लिये रोओ। **29** क्योंकि वे दिन आते हैं, जिनमें लोग कहेंगे,
‘धन्य हैं वे जो बाँझ हैं, और वे गर्भ जो न जने और वे स्तन जिन्होंने दूध न पिलाया।’

30 उस समय
‘वे पहाड़ों से कहने लगेंगे, कि हम पर गिरो,
और टीलों से कि हमें ढाँप लो।’

31 क्योंकि जब वे हरे पेड़ के साथ ऐसा करते हैं, तो सूखे के साथ क्या कुछ न किया जाएगा?” **32** वे और दो मनुष्यों को भी जो कुकर्मी थे उसके साथ मार
डालने को ले चले। **33** जब वे उस जगह जिसे खोपड़ी कहते हैं पहुँचे, तो उन्होंने वहाँ उसे और उन कुकर्मियों को भी एक को दाहिनी और दूसरे को बाईं और
क्रूसों पर चढ़ाया। **34** तब यीशु ने कहा, “हे पिता, इन्हें क्षमा कर*, क्योंकि ये जानते नहीं कि क्या कर रहें हैं?” और उन्होंने चिट्ठियाँ डालकर उसके कपड़े बाँट
लिए। (1 पत. 3:9, प्रका. 7:60, यशा. 53:12, भज. 22:18)

35 लोग खड़े-खड़े देख रहे थे, और सरदार भी उपहास कर-करके कहते थे, “इसने औरों को बचाया, यदि यह परमेश्वर का मसीह है, और उसका चुना हुआ है,
तो अपने आप को बचा ले।” (भज. 22:7) **36** सिपाही भी पास आकर और सिरका देकर उसका उपहास करके कहते थे। (भज. 69:21) **37** “यदि तू यहूदियों
का राजा है, तो अपने आप को बचा!” **38** और उसके ऊपर एक दोष पत्र भी लगा था : “यह यहूदियों का राजा है।”

39 जो कुकर्मी लटकाए गए थे, उनमें से एक ने उसकी निन्दा करके कहा, “क्या तू मसीह नहीं? तो फिर अपने आप को और हमें बचा!” **40** इस पर दूसरे ने उसे
डाँटकर कहा, “क्या तू परमेश्वर से भी नहीं डरता? तू भी तो वही दण्ड पा रहा है, **41** और हम तो न्यायानुसार दण्ड पा रहे हैं, क्योंकि हम अपने कामों का ठीक
फल पा रहे हैं; पर इसने कोई अनुचित काम नहीं किया।” **42** तब उसने कहा, “हे यीशु, जब तू अपने राज्य में आए, तो मेरी सुधि लेना।” **43** उसने उससे कहा,
“मैं तुझ से सच कहता हूँ कि आज ही तू मेरे साथ स्वर्गलोक* में होगा।”

44 और लगभग दोपहर से तीसरे पहर तक सारे देश में अंधियारा छाया रहा, **45** और सूर्य का उजियाला जाता रहा, और मन्दिर का परदा बीच से फट गया,
(आमो. 8:9, इब्रा.10:19) **46** और यीशु ने बड़े शब्द से पुकारकर कहा, “हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ।” और यह कहकर प्राण छोड़ दिए।
47 सूबेदार ने, जो कुछ हुआ था देखकर परमेश्वर की बड़ाई की, और कहा, “निश्चय यह मनुष्य धर्मी था।” **48** और भीड़ जो यह देखने को इकट्ठी हुई थी, इस
घटना को देखकर छाती पीटती हुई लौट गई। **49** और उसके सब जान पहचान, और जो स्त्रियाँ गलील से उसके साथ आई थीं, दूर खड़ी हुई यह सब देख रही
थीं। (भज. 38:11, भज. 88:8)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

50 और वहाँ, यूसुफ नामक महासभा का एक सदस्य था, जो सज्जन और धर्मी पुरुष था। **51** और उनके विचार और उनके इस काम से प्रसन्न न था; और वह यहूदियों के नगर अरिमतियाह का रहनेवाला और परमेश्वर के राज्य की प्रतीक्षा करनेवाला था। **52** उसने पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा, **53** और उसे उतारकर मलमल की चादर में लपेटा, और एक कब्र में रखा, जो चट्टान में खोदी हुई थी; और उसमें कोई कभी न रखा गया था। **54** वह तैयारी का दिन था, और सब्त का दिन आरम्भ होने पर था। **55** और उन स्त्रियों ने जो उसके साथ गलील से आई थीं, पीछे-पीछे, जाकर उस कब्र को देखा और यह भी कि उसका शव किस रीति से रखा गया हैं। **56** और लौटकर सुगन्धित वस्तुएँ और इत्र तैयार किया; और सब्त के दिन तो उन्होंने आज्ञा के अनुसार विश्राम किया। (निर्ग. 20:10, व्य. 5:14)

Luke 23:1

सारी सभा
"सब यहूदी अगुवे"

उठ कर
"खड़े होकर" या "अपने पांवों पर खड़े होकर"

पिलातुस के पास
"पिलातुस के समक्ष" इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "पितलातुस के सामने खड़ा किया"

लोगों को बहकाते
"हमारे लोगों को झूठ बोलकर समस्याएं उत्पन्न कर रहा है"

कैसर को कर देने से मना करने
"उनसे कहता है कि कैसर को कर मत दो"

Luke 23:3

पिलातुस ने उससे पूछा
"पिलातुस ने यीशु से पूछा"

तू आप ही कह रहा है।
इस मुहावरे का अर्थ है, "तू जो कहता है वह सच है"। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, " जो तू पूछता है वही है"

लोगों से
"जनसमूह से"

मैं इस मनुष्य में कोई दोष नहीं पाता
"मैं इसे किसी भी अपराध का दोषी नहीं पाता हूं

लोगों को भड़काता है
"समस्याएं उत्पन्न करता है"

गलील से लेकर यहाँ तक
"इसने गलील में समस्याएं उत्पन्न करना आरंभ किया था ओर अब यहाँ भी समस्याएं उत्पन्न कर रहा है"

Luke 23:6

यह सुनकर
"यह सुनकर कि यीशु ने गलील में शिक्षा देना आरंभ की"

क्या यह
"यदि यह"

मनुष्य
यह यीशु के सन्दर्भ में है

यह जानकर
"पिलातुस ने जब जाना कि"

हेरोदेस की रियासत
इस वाक्य में सलंग्न जानकारी नहीं दी गई है कि हेरोदेस गलील का प्रशासक था। आप इसे स्पष्ट व्यक्त कर सकते हैं, "यीशु हेरोदेस के न्यायिक क्षेत्र में था क्योंकि गलील पर हेरोदेस का प्रशासन था।

भेज दिया
पिलातुस ने भेज दिया

वह
अर्थात हेरोदेस

उन दिनों में
"फसह के पर्व के समय"

Luke 23:8

बहुत ही प्रसन्न हुआ
"हेरोदेस बहुत प्रसन्न हुआ"

उसे देखना चाहता था
"हेरोदेस यीशु को देखना चाहता था"

उसके विषय में सुना था।
"हेरोदेस ने यीशु के बारे में सुना था"

आशा रखता था
"हेरोदेस को आशा थी"

उससे कुछ चिन्ह
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है "वह उससे आश्चर्यकर्म देखना चाहता था"

उसने उसको कुछ भी उत्तर न दिया
"उत्तर नहीं दिया" (यू.डी.बी.) या "हेरोदेस को कोई उत्तर नहीं दिया"

खड़े हुए
"वहां खड़े होकर"

तन मन से उस पर दोष लगाते रहे
"प्रबलता से दोष लगा रहे थे" या "कड़वाहट भरे दोष लगा रहे थे"

Luke 23:11

भड़कीला वस्त्र पहनाकर
आपका अनुवाद इसे यीशु का सम्मान प्रकट न करे। उन्होंने यीशु का ठट्ठा करने और तमाशा बनाने के लिए ऐसा किया था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उसी दिन पिलातुस और हेरोदेस मित्र हो गए।
यहाँ संलग्न अर्थ है कि पिलातुस ने हेरोदेस को यीशु का न्याय करने का अवसर दिया जिससे हेरोदेस प्रसन्न था। आप इसे स्पष्ट कर सकते हैं, "और हेरोदेस और पिलातुस ने यीशु को न्याय के लिए हेरोदेस के पास भेजा था।

इससे पहले
"उस दिन से पूर्व"

Luke 23:13

प्रधान याजकों और सरदारों और लोगों को बुलाकर
"प्रधान पुरोहितो, प्रधानों ओर जनसमूह को एकत्र किया"।

मैंने तुम्हारे सामने इसकी जांच की
"मैंने तुम्हारे सामने यीशु से पूछताछ की" इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, "मैंने यीशु से पूछताछ की जिसके तुम भी गवाह हो"।

मैंने उसमें कुछ भी दोष नहीं पाया
"मेरे विचार में वह दोषी नहीं है", (यू.डी.बी.)

Luke 23:15

हेरोदेस ने
"हेरोदेस भी इसे दोषी नहीं मानता है" (यू.डी.बी.)

क्योंकि
"हम यह जानते हैं क्योंकि"

उसने उसे हमारे पास लौटा दिया है।
"हेरोदेस ने यीशु को हमारे पास पुनः भेज दिया है", "हमारे" शब्द विशिष्ट है। उसका संदर्भ पिता पुत्र और उसके सैनिकों से है, न कि याजकों और विधि-शास्त्रियों से, न ही जनसमूह से है जो हेरोदेस के पास गए थे।

उससे ऐसा कुछ नहीं हुआ कि मृत्यु-दण्ड के योग्य ठहराया जाए।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, "इसने मृत्यु-दण्ड योग्य कोई अपराध नहीं किया है"।

इसलिए मैं उसे पिटवा कर
पिलातुस ने यीशु में कोई दोष नहीं पाया इसलिए उसे यीशु को पिटाई किए बिना मुक्त कर देना चाहिए था। इस वाक्य के अनुवाद में तर्क सम्मत बनाने की आवश्यकता नहीं है। पिलातुस ने यीशु को कोड़े मारने का प्रस्ताव रखा। जबकि वह जानता था कि यीशु निर्दोष है क्योंकि वह जनसमूह से डरता था।

अब
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "पिलातुस ने ऐसा इसलिए कहा"

उनके लिए एक बन्दी को छोड़ने पर विवश था
यह एक राजनीतिक प्रथा थी। अतः इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है कि उसमें यह सलंग्न जानकारी दी जा सके, "वह प्रथा के कारण विवश था कि उनके लिए फसह के पर्व पर एक अपराधी को मुक्त करे"।

Luke 23:18

सब मिलकर चिल्ला उठे
"जनसमूह में से सब चिल्लाने लगे"

इसका काम तमाम कर
"इसे दूर कर" जनसमूह का अभिप्राय था "इसे ले जाकर मार डाल"

क्योंकि
"उसके अपराध में हाथ बटाने के कारण" या "के अपराध के कारण"

बलवे के कारण
"जनता को रोम के विरुद्ध भड़काने के कारण" (यू.डी.बी.)

Luke 23:20

फिर समझाया
"उनसे फिर कहा" या "जनसमूह को समझाया"

यीशु को छोड़ने की इच्छा से
"वह यीशु को मुक्त कर देना चाहता था"

उसने तीसरी बार उनसे कहा
"पिलातुस ने जनसमूह से तीसरी बार कहा"

Luke 23:23

पीछे पड़ गए
"जनसमूह बलपूर्वक चिल्लाने लगा"

चिल्ला-चिल्लाकर
"बहुत ऊंचे स्वर में"

वह क्रूस पर चढ़ाया जाए
"यीशु को क्रूस का दण्ड दे"

चिल्लाना प्रबल हुआ
"जनसमूह चिल्लाकर कह रहा था"

उनकी विनती के अनुसार
"जनसमूह की इच्छा पूरी की जाए"। (यू.डी.बी.)

उसने उस मनुष्य को.... छोड़ दिया
"पिलातुस ने जनसमूह की मांग के अनुसार बरअब्बा को छोड़ दिया"

यीशु को उनकी इच्छा के अनुसार सौंप दिया
"पिलातुस ने यीशु को जनसमूह की इच्छा के अनुसार सौंप दिया" या "पिलातुस ने यीशु को जनसमूह के निर्णय पर क्रूसीकरण हेतु दे दिया"

Luke 23:26

जब वे उसे लिए जा रहे थे
"जब सैनिक यीशु को पिलातुस की उपस्थिति से लेकर चले"

उन्होंने शमौन नामक एक कुरैनी को ....पकड़ कर
रोमी सैनिकों को अधिकार था कि वे किसी से भी अपना बोझ उठवा सकते थे। आपके अनुवाद से ऐसा प्रकट न हो कि शमौन कुरैनी को बन्दी बनाया गया था या उसने अपराध किया था।

एक
"एक मनुष्य जो कुरेनवासी था"

गांव से आ रहा था
"वह ग्रामीण क्षेत्र से यरूशलेम में आ रहा था "(यू.डी.बी)

उस पर क्रूस लाद दिया
"उसके कंधे पर क्रूस रख दिया"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 23:27

विलाप करती थी
“यीशु के लिए दुःख मना रही थी”

उसके पीछे हो ली
“यीशु के पीछे चल रही थी”

हे यरूशलेम की पुत्रियों
“तुम यरूशलेम की स्त्रियों”

मेरे लिए मत रोओ
“मेरी दशा पर मत रोओ”

अपने और अपने बालकों के लिए रोओ
“तुम्हारे और तुम्हारी सन्तान के साथ जो होने वाला है, उस पर रोओ”

Luke 23:29

जिनमें लोग कहेंगे
“सब लोग कहेंगे”

बांझ
“जिस स्त्री ने सन्तान को जन्म नहीं दिया”

फिर
“उस दिन”

पहाड़ों से कहने लगेंगे
“वे पहाड़ों से कहेंगे”

क्योंकि जब वे हरे पेड़ के साथ ऐसा करते हैं तो सूखे के साथ क्या कुछ न किया जाएगा?
यह एक अलंकारिक प्रश्न है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तुम देख सकते हो कि वे वृक्ष के हरे रहते हुए ऐसा बुरे काम कर सकते हैं तो निश्चय जान लो कि वृक्ष के सूख जाने पर वे कितना अधिक बुरा करेंगे। “इसका अर्थ है”, तुम देख सकते हो कि अच्छे समय में वे ऐसा बुरा काम कर रहे है तो निश्चय ही भविष्य में जब बुरा समय आएगा तब वे और कहीं अधिक बुरा करेंगे”।

हरे पेड़
हरा पेड़ वर्तमान में अच्छाई के लिए काम में लिया गया रूपक है। यदि आपकी भाषा में ऐसा कोई रूपक है तो उसे काम में लें।

सूखे
सूखी लकड़ी भावी बुराई के लिए प्रयुक्त रूपक है।

वे
अर्थात रोमी या यहूदी अगुवे या विशेष रूप में किसी के लिए नहीं।

Luke 23:32

अन्य दो मनुष्यों को जो कुकर्मी थे।
“दो अन्य मनुष्यों को जो अपराधी थे” (यू.डी.बी.)

उसके साथ घात करने ले चले
“यीशु को साथ लेकर चले” या “सैनिकों ने यीशु के साथ दो अपराधियों को भी लिया”।

घात करने के लिए
“मारने के लिए” या “मृत्युदण्ड हेतु”

Luke 23:33

जब वे उस जगह... पहुंचे
वे अर्थात सैनिक, अपराधी और यीशु

क्रूसों पर चढ़ाया
“सैनिकों ने उन्हें क्रूस पर चढ़ाया”

एक को दाहिनी
“एक अपराधी को यीशु के दाहिनी ओर क्रूस पर चढ़ाया”

दूसरे को बाईं ओर
“दूसरे अपराधी को यीशु की बाई ओर क्रूस पर चढ़ाया”।

इन्हें क्षमा कर
“इन्हें”, क्षमा कर”

ये जानते नहीं कि क्या कर रहे हैं
“क्योंकि उन्हें बोध नहीं कि वे क्या करते हैं”

चिट्ठियां डालकर
यह एक प्रकार का जुआ था। अतः इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उन्होंने जुआ खेला

उसके कपड़े बांट लिए
“कि कौन यीशु का कौन सा वस्त्र ले जाएगा”

Luke 23:35

खड़े हुए
“वहां खड़े होकर”

उसी की
यह यीशु के सन्दर्भ में है

अपने आपको बचा ले
“यीशु अपने आपको बचा ले” या “हम देखना चाहते हैं कि वह क्रूस पर से अपनी रक्षा करके सिद्ध करे कि वह कौन है”।

चुना हुआ
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “वह है जिसे परमेश्वर ने चुना है”

Luke 23:36

उसी की
“यीशु का”

पास आकर
“यीशु के निकट आकर”

सिरका देकर
“यीशु को पीने के लिए सिरका देकर”। अनेक बाइबल विद्वान मानते हैं कि सैनिक यीशु का ठट्ठा कर रहे थे। वे जानते थे क यीशु प्यासा है परन्तु वे सिरका उसके होंठों तक लाकर उसे चूसने नहीं देते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दोष पत्र
“यीशु के सिर के ऊपर क्रूस पर एक तख्ती पर लिखा था”।

Luke 23:39

उसकी निन्दा करके
“यीशु का ठट्ठा करते हुए”

क्या तू मसीह नहीं?
इस प्रश्न का उद्देश्य उत्तर पाना नहीं परन्तु यीशु के मसीह होने पर सन्देह प्रकट करना था।

दूसरे ने उसे डांट कर कहा
“दूसरे अपराधी ने कहा”

उसे डांट कर
“उस अपराधी को डांटकर कहा”

तू भी तो वही दण्ड पा रहा है
“तू इस दण्ड के योग्य ठहराया गया है” (यू.डी.बी.)

हम तो न्यायानुसार दण्ड पा रहे हैं
“हम तो इस दण्ड के योग्य है”।

वह मनुष्य
वह यीशु के बारे में कह रहा था

Luke 23:42

तब उसने कहा
“उस अपराधी ने कहा”

जब तू अपने राज्य में आए
“राजा होकर शासन करे” (यू.डी.बी.)

मैं तुमसे सच कहता हूं।
“सच कहता हूं” यीशु की बात पर बल देता है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता हे, “मैं चाहता हूं कि तू जान ले”

स्वर्गलोक
यह वह स्थान था जहाँ धर्मी जन मर कर जाते थे। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “आनन्द लोक में” या “धर्मियों के लोक में” या “सुखलोक में” यीशु उसे विश्वास दिला रहा था कि वह परमेश्वर के पास होगा और परमेश्वर उसे ग्रहण करेगा”

Luke 23:44

दोपहर से तीसरे पहर तक
“लगभग दोपहर के समय” यह उनके समय गिनने की विधि थी। उनका दिन का आरंभ सुबह छः बजे से गिना जाता था।

सारे देश में अन्धियारा छाया रहा
“संपूर्ण प्रदेश में अन्धेरा हो गया”

तीसरे पहर तक
“तीन बजे तक” वे सुबह छः बजे से दिन गिनते थे”

मन्दिर का पर्दा
“मन्दिर के भीतर जो पर्दा था”

बीच से फट गया
“फट कर दो भाग हो गया” इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “परमेश्वर ने मन्दिर के पर्दे को फाड़ कर दो भाग कर दिया”।

Luke 23:46

बड़े शब्द से पुकार कर
“चिल्लाकर”

“हे पिता मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूं”
“मैं अपनी आत्मा तेरी देखरेख में सौंपता हूं”, “इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में देता हूं और जानता हूं कि तू संभालेगा”।

यह कह कर
“यीशु ने यह कह कर”

प्राण छोड़ दिए
“यीशु मर गया”

जो कुछ हुआ था
“सब घटनाओं को”

Luke 23:48

लोगों से
“जनसमूह”

यह देखने को
“जो हो रहा था वह देखने को”

इकट्ठी हुई थी
“एकत्र थी”

इस घटना को
“सब घटनाओं को”

लौट गए
“घर चली गई”

छाती पीटती हुई
यह एक रूपक है जिसका अर्थ है, “दुःख प्रकट करने के लिए छाती पीटना”

जान पहचान
“जो यीशु को जानते थे” या “जिन्होंने यीशु से भेंट की थी”

उसके साथ
“यीशु के पीछे आई थी”

दूर खड़ी हुई
“यीशु से कुछ दूर खड़े होकर”

इन बातों को
“जो हो रहा था देख रही थी”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 23:50

देखो
यह शब्द कहानी में एक नये मनुष्य के आगमन का बोध कराता है। अपनी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका उपयोग करें।

महासभा का एक सदस्य था
“वह यहूदी परिषद का सदस्य था”

सज्जन और धर्मी पुरूष था
“वह एक भला एवं सदाचारी मनुष्य था”

उनकी योजना और उनके इस काम से प्रसन्न नहीं था
“यूसुफ परिषद के निर्णय से और उनके इस काम से कि यीशु को मृत्यु-दण्ड दिया जाए प्रसन्न नहीं था।

अरिमतिया का रहनेवाला
“यूसुफ अरिमतिया नामक यहूदी नगर का निवासी था

बाट जोहनेवाली
“यूसुफ प्रतीक्षारत था”

Luke 23:52

यह
यूसुफ ने

पिलातुस के पास जाकर
“पिलातुस के पास जाकर याचना की”

उसे उतार कर
“यीशु के शव को क्रूस से उतार कर”

मलमल की चादर में लपेटा
“यीशु के शव को उत्तम मलमल में लपेटा”

कब्र में रखा
“यीशु के शव को कब्र में रखा”

चट्टान में खुदी हुई थी
“किसी ने चट्टान काट कर कब्र बनाई थी”

उसमें कभी कोई न रखा गया था
“उस कब्र में कभी किसी ने शव नहीं रखा था”।

Luke 23:54

वह तैयारी का दिन था
“जिस दिन यहूदी अपने विश्राम दिवस सब्त के लिए तैयारी करते थे”

सब्त का दिन आरंभ होने पर था
“शीघ्र ही सूर्यास्त होने वाला था अर्थात सब्त का दिन आरंभ होने वाला था”। (यू.डी.बी.) यहूदियों का नया दिन सूर्यास्त से आरंभ होता था।

उसके साथ गलील से आई थी
“जो यीशु के साथ गलील से यात्रा करके आई थी”

पीछे-पीछे जाकर
यूसुफ और उसके साथ के लोगों के पीछे जाकर

कब्र को देखा
“उन स्त्रियों ने कब्र को देखा”

इसका शव किस रीति से रखा गया है
“उन स्त्रियों ने देखा कि उन पुरूषों ने यीशु का शव कब्र में कैसे रखा है”।

लौट कर
“वे जहाँ ठहरी हुई थी वहां लौट गईं”, (यू.डी.बी.)

सुगन्धित वस्तुएं और इत्र
“यीशु की देह के दफन हेतु तैयार सामग्री”

विश्राम किया
“उन स्त्रियों ने कोई काम नहीं किया”

आज्ञा के अनुसार
“यहूदी विधान के अनुसार” या यहूदी विधान की अनिवार्यता के अनुसार” या “मूसा द्वारा दिए गए विधान की अनिवार्यता के अनुसार”

Translation Questions

Luke 23:2

यहूदी अगुओं ने पिलातुस के समक्ष यीशु पर क्या दोष लगाये?
उन्होंने दोष लगाया कि यीशु लोगों को बहकाता है और कैसर को कर देने से मना करता है और स्वयं को मसीह, राजा कहता है।

Luke 23:4

यीशु से प्रश्न पूछने के बाद पिलातुस ने उसके बारे में क्या निर्णय दिया?
पिलातुस ने कहा, "मैं इस मनुष्य में कोई दोष नहीं पाता"।

Luke 23:8

हेरोदेस यीशु को क्यों देखना चाहता था?
हेरोदेस यीशु को देखना चाहता था कि उससे कोई चमत्कार देखे।

Luke 23:9

यीशु ने हेरोदेस के प्रश्नों का क्या उत्तर दिया?
यीशु ने कोई उत्तर नहीं दिया।

Luke 23:14

जब यीशु को पिलातुस के पास पुनः लाया गया तब पिलातुस ने क्या कहा?
पिलातुस ने कहा, "मैं इस मनुष्य में कोई दोष नहीं पाता"।

Luke 23:18

जनसमूह फसह के लिए किसे बन्दीगृह से मुक्त करवाना चाहते थे?
वे एक अपराधी , बरअब्बा को छुड़वाना चाहते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 23:21

जनसमूह ने चिल्लाकर यीशु के लिए क्या कहा?
लोगों ने चिल्ला कर कहा, "उसे क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर।"

Luke 23:22

पिलातुस ने तीसरी बार जनसमूह से यीशु के बारे में क्या कहा था?
पिलातुस ने कहा, "उससे ऐसा कुछ नहीं हुआ कि वह मृत्यु के दण्ड के योग्य ठहराया जाए"|

Luke 23:24

पिलातुस ने अन्त में जनसमूह की बात मान कर यीशु को क्रूस पर क्यों चढ़वाया।
क्योंकि वे चिल्लाकर प्रबलता से कह रहे थे।

Luke 23:26

यीशु का क्रूस उठाकर कौन चला था?
शमौन कुरेनी ने यीशु का क्रूस उठाया।

Luke 23:28

यीशु ने यरूशलेम की स्त्रियों से किसके लिए विलाप करने को कहा?
उन्हें अपने लिए और अपनी सन्तान के लिए विलाप करना है।

Luke 23:32

यीशु के साथ कौन क्रूस पर चढ़ाए गए थे?
यीशु के साथ दो और अपराधी क्रूस पर चढ़ाए गए थे।

Luke 23:34

उसे क्रूस पर चढ़ाने वालों के लिए यीशु ने क्या प्रार्थना की?
यीशु ने कहा, "हे पिता इन्हें क्षमा कर क्योंकि ये जानते नहीं कि क्या कर रहे हैं।"

Luke 23:35

लोगों ने, सैनिकों ने और उन दोनों अपराधियों में से एक ने यीशु को क्या चुनौती दी?
उन्होंने उसे चुनौती दी कि वह स्वयं की रक्षा करे।

Luke 23:38

यीशु के क्रूस पर दोष पत्र में क्या लिखा था?
उस पर लिखा था, "यह यहूदियों का राजा है"।

Luke 23:42

दूसरे अपराधी ने यीशु से क्या निवेदन किया था?
उसने यीशु से कहा, "जब तू अपने राज्य में आए, तो मेरी सुधि लेना"।

Luke 23:43

यीशु ने उस दूसरे अपराधी से क्या प्रतिज्ञा की?
यीशु ने उससे कहा, "आज ही तू मेरे साथ स्वर्गलोक में होगा"।

Luke 23:44

यीशु की मृत्यु के तुरन्त पूर्व ही कौन सी चमत्कारी घटना हुई थी?
संपूर्ण देश में अन्धकार छाया था और मन्दिर का पर्दा बीच में से फट गया।

Luke 23:47

सूबेदार ने यीशु की मृत्यु के बाद उसके लिए क्या कहा?
सूबेदार ने कहा, "निश्चय यह मनुष्य धर्मी था"।

Luke 23:52

यीशु के मरणोपरान्त अरिमतिया के यूसुफ ने क्या किया?
उसने पिलातुस से यीशु का पार्थिव शरीर मांगा और उसे कब्र में रखा।

Luke 23:54

जब यीशु को कब्र में रखा गया तब कौन सा दिन आरंभ होने वाला था?
सब्त का दिन आरंभ होने वाला था।

Luke 23:56

यीशु के साथ जो स्त्रियां थी उन्होंने सब्त के दिन क्या किया?
परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार उन्होंने विश्राम किया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 24

1 परन्तु सप्ताह के पहले दिन बड़े भोर को वे उन सुगन्धित वस्तुओं को जो उन्होंने तैयार की थी, लेकर कब्र पर आईं। **2** और उन्होंने पत्थर को कब्र पर से लुढ़का
हुआ पाया, **3** और भीतर जाकर प्रभु यीशु का शव न पाया। **4** जब वे इस बात से भौचक्की हो रही थीं तब, दो पुरुष झलकते वस्त्र पहने हुए उनके पास आ खड़े
हुए। **5** जब वे डर गईं, और धरती की ओर मुँह झुकाए रहीं; तो उन्होंने उनसे कहा, "तुम जीविते को मरे हुओं में क्यों ढूँढ़ती हो? (प्रका. 1:18, मर. 16:5-6) **6**
वह यहाँ नहीं, परन्तु जी उठा है। स्मरण करो कि उसने गलील में रहते हुए तुम से कहा था, **7** 'अवश्य है, कि मनुष्य का पुत्र पापियों के हाथ में पकड़वाया जाए,
और क्रूस पर चढ़ाया जाए, और तीसरे दिन जी उठे'।" **8** तब उसकी बातें उनको स्मरण आईं, **9** और कब्र से लौटकर उन्होंने उन ग्यारहों को, और अन्य सब को,
ये सब बातें कह सुनाई। **10** जिन्होंने प्रेरितों से ये बातें कहीं, वे मरियम मगदलीनी और योअन्ना और याकूब की माता मरियम और उनके साथ की अन्य स्त्रियाँ भी
थीं। **11** परन्तु उनकी बातें उन्हें कहानी के समान लगी और उन्होंने उन पर विश्वास नहीं किया। **12** तब पतरस उठकर कब्र पर दौड़ा गया, और झुककर केवल
कपड़े पड़े देखे, और जो हुआ था, उससे अचम्भा करता हुआ, अपने घर चला गया।

13 उसी दिन उनमें से दो जन इम्माऊस नामक एक गाँव को जा रहे थे, जो यरूशलेम से कोई सात मील की दूरी पर था। **14** और वे इन सब बातों पर जो हुईं
थीं, आपस में बातचीत करते जा रहे थे। **15** और जब वे आपस में बातचीत और पूछ-ताछ कर रहे थे, तो यीशु आप पास आकर उनके साथ हो लिया। **16** परन्तु
उनकी आँखें ऐसी बन्द कर दी गईं थी, कि उसे पहचान न सके*। **17** उसने उनसे पूछा, "ये क्या बातें हैं, जो तुम चलते-चलते आपस में करते हो?" वे उदास से
खड़े रह गए। **18** यह सुनकर, उनमें से क्लियुपास नामक एक व्यक्ति ने कहा, "क्या तू यरूशलेम में अकेला परदेशी है; जो नहीं जानता, कि इन दिनों में उसमें
क्या-क्या हुआ है?" **19** उसने उनसे पूछा, "कौन सी बातें?" उन्होंने उससे कहा, "यीशु नासरी के विषय में जो परमेश्वर और सब लोगों के निकट काम और
वचन में सामर्थी भविष्यद्वक्ता* था। **20** और प्रधान याजकों और हमारे सरदारों ने उसे पकड़वा दिया, कि उस पर मृत्यु की आज्ञा दी जाए; और उसे क्रूस पर
चढ़वाया। **21** परन्तु हमें आशा थी, कि यही इस्राएल को छुटकारा देगा, और इन सब बातों के सिवाय इस घटना को हुए तीसरा दिन है। **22** और हम में से कई
स्त्रियों ने भी हमें आश्चर्य में डाल दिया है, जो भोर को कब्र पर गई थीं। **23** और जब उसका शव न पाया, तो यह कहती हुई आईं, कि हमने स्वर्गदूतों का दर्शन
पाया, जिन्होंने कहा कि वह जीवित है। **24** तब हमारे साथियों में से कई एक कब्र पर गए, और जैसा स्त्रियों ने कहा था, वैसा ही पाया; परन्तु उसको न देखा।"
25 तब उसने उनसे कहा, "हे निर्बुद्धियों, और भविष्यद्वक्ताओं की सब बातों पर विश्वास करने में मन्दमतियों! **26** क्या अवश्य न था, कि मसीह ये दुःख उठाकर
अपनी महिमा में प्रवेश करे?" **27** तब उसने मूसा से और सब भविष्यद्वक्ताओं से आरम्भ करके सारे पवित्रशास्त्रों में से, अपने विषय में की बातों का अर्थ, उन्हें
समझा दिया। (यूह. 1:45, लूका 24:44, व्य. 18:15)

28 इतने में वे उस गाँव के पास पहुँचे, जहाँ वे जा रहे थे, और उसके ढंग से ऐसा जान पड़ा, कि वह आगे बढ़ना चाहता है। **29** परन्तु उन्होंने यह कहकर उसे
रोका, "हमारे साथ रह; क्योंकि संध्या हो चली है और दिन अब बहुत ढल गया है।" तब वह उनके साथ रहने के लिये भीतर गया। **30** जब वह उनके साथ
भोजन करने बैठा, तो उसने रोटी लेकर धन्यवाद किया, और उसे तोड़कर उनको देने लगा। **31** तब उनकी आँखें खुल गईं*; और उन्होंने उसे पहचान लिया, और
वह उनकी आँखों से छिप गया। **32** उन्होंने आपस में कहा, "जब वह मार्ग में हम से बातें करता था, और पवित्रशास्त्र का अर्थ हमें समझाता था, तो क्या हमारे
मन में उत्तेजना न उत्पन्न हुई?" **33** वे उसी घड़ी उठकर यरूशलेम को लौट गए, और उन ग्यारहों और उनके साथियों को इकट्ठे पाया। **34** वे कहते थे, "प्रभु
सचमुच जी उठा है, और शमौन को दिखाई दिया है।" **35** तब उन्होंने मार्ग की बातें उन्हें बता दीं और यह भी कि उन्होंने उसे रोटी तोड़ते समय कैसे पहचाना।

36 वे ये बातें कह ही रहे थे, कि वह आप ही उनके बीच में आ खड़ा हुआ; और उनसे कहा, "तुम्हें शान्ति मिले।" **37** परन्तु वे घबरा गए, और डर गए, और
समझे, कि हम किसी भूत को देख रहे हैं। **38** उसने उनसे कहा, "क्यों घबराते हो? और तुम्हारे मन में क्यों सन्देह उठते हैं? **39** मेरे हाथ और मेरे पाँव को देखो,
कि मैं वहीं हूँ; मुझे छूकर देखो; क्योंकि आत्मा के हड्डी माँस नहीं होता जैसा मुझ में देखते हो।"

40 यह कहकर उसने उन्हें अपने हाथ पाँव दिखाए। **41** जब आनन्द के मारे उनको विश्वास नहीं हो रहा था, और आश्चर्य करते थे, तो उसने उनसे पूछा, "क्या
यहाँ तुम्हारे पास कुछ भोजन है?" **42** उन्होंने उसे भुनी मछली का टुकड़ा दिया। **43** उसने लेकर उनके सामने खाया। **44** फिर उसने उनसे कहा, "ये मेरी वे बातें
हैं, जो मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए, तुम से कही थीं, कि अवश्य है, कि जितनी बातें मूसा की व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं और भजनों की पुस्तकों में, मेरे विषय
में लिखी हैं, सब पूरी हों।" **45** तब उसने पवित्रशास्त्र समझने के लिये उनकी समझ खोल दी। **46** और उनसे कहा, "यों लिखा है कि मसीह दुःख उठाएगा, और
तीसरे दिन मरे हुओं में से जी उठेगा, (यशा. 53:5, लूका 24:7) **47** और यरूशलेम से लेकर सब जातियों में मन फिराव का और पापों की क्षमा का प्रचार, उसी
के नाम से किया जाएगा। **48** तुम इन सब बातें के गवाह हो। **49** और जिसकी प्रतिज्ञा* मेरे पिता ने की है, मैं उसको तुम पर उतारूँगा और जब तक स्वर्ग से
सामर्थ्य न पाओ, तब तक तुम इसी नगर में ठहरे रहो।"

50 तब वह उन्हें बैतनिय्याह तक बाहर ले गया, और अपने हाथ उठाकर उन्हें आशीष दी; **51** और उन्हें आशीष देते हुए वह उनसे अलग हो गया और स्वर्ग पर
उठा लिया गया। (प्रेरि. 1:9, भज. 47:5) **52** और वे उसको दण्डवत् करके बड़े आनन्द से यरूशलेम को लौट गए। **53** और वे लगातार मन्दिर में उपस्थित
होकर परमेश्वर की स्तुति किया करते थे।

Luke 24:1

सप्ताह के पहले दिन बड़े भोर की
"रविवार को दिन तड़के ही"

कब्र पर आईं
"कब्र पर पहुंची" यू.एल.बी. इस प्रकार लिखी गई है कि जैसे लेखक कब्र पर ही था और स्त्रियों को वहां आते देख रहा था। यू.डी.बी. इस प्रकार लिखी गई

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

है कि जैसे लेखक स्त्रियों को उस नामरहित स्थान से कूच करके कब्र पर जाते देख रहा था।

कब्र
यह कब्र एक चट्टान काट कर बनाई गई थी।

पत्थर को कब्र पर से लुड़का हुआ देखा
एक बड़ा चट्टान का पत्थर, जो कब्र के द्वार को बन्द करने के लिए रखा गया था। उसे लुड़काने के लिए बहुत लोगों की आवश्यकता पड़ती थी।

Luke 24:4

(ऐसा हुआ कि)
इस उक्ति द्वारा कहानी में एक महत्त्वपूर्ण घटना का बोध करवाया गया है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

झलकते वस्त्र
“ज्योतिमय चमकते हुए वस्त्र” (यू.डी.बी.)

बहुत डर कर
“भयभीत हो गई”

जीवते को मरे हुओं में क्यों ढूंढ़ती हों?
यह एक आलंकारिक प्रश्न है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तुम जीवित मनुष्य को मृतकों में खोज रही हो” या “तुम्हें जीवित मनुष्य को मृतकों के स्थान में नहीं खोजना चाहिए”। (यू.डी.बी.)

“तुम ... क्यों ढूंढ़ती हो”?
यहाँ “तुम” बहुवचन है क्योंकि स्त्रियां एक से अधिक हैं।

Luke 24:6

x
(स्वर्गदूत उन स्त्रियों से बातें कर रहे हैं)

स्मरण करो
“स्मरण करो कि”

तुमसे कहा था
यीशु ने कम से कम एक सप्ताह पहले उससे कहा था।

तुमसे
“तुम” बहुवचन में है। तुम अर्थात ये स्त्रियां और शिष्य”

मनुष्य का पुत्र
यह परोक्ष उद्धरणों में है और इसका अनुवाद अपरोक्ष उद्धरणों में किया जा सकता है जैसा यू.डी.बी. में किया गया है।

अवश्य है कि मनुष्य का पुत्र
“मनुष्य के पुत्र के लिए आवश्यक था कि” यह निश्चित था क्योंकि परमेश्वर निर्णय ले चुका था।

हाथ में पकड़वाया जाए
“सौंपा जाए” या “दे दिया जाए” इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, “उन्हें मुझे, मनुष्य के पुत्र को पापी मनुष्यों के हाथों में सौंपना आवश्यक है”। (यू.डी.बी.) “कोई तो निश्चय ही पापियों के हाथों मनुष्य के पुत्र को पकड़वाएगा”

Luke 24:8

तब उसकी बातें उनको स्मरण आई
“तब यीशु की बातें उन्हें स्मरण आई”

कब्र से लौटकर
लेखक आ अवलोकन क्षेत्र कब्र और शिष्यों के मध्य का मार्ग है। (यू.डी.बी.) जबकि यू.डी.बी. का अवलोकन क्षेत्र कब्र के पास का है। अतः वह कहता है कि स्त्रियां लौट गई। दोनों ही परिस्थितियों में स्त्रियां कब्र से चलकर शिष्यों के पास गई।

अन्य सब
“ग्यारह शिष्यों के साथ जितने भी अनुयायी थे सब”

Luke 24:11

उनकी बातें उन्हें कहानी सी जान पड़ी”
“परन्तु शिष्यों ने सोचा कि उन स्त्रियों की बात तर्कहीन है”।

उठ कर
यह एक इब्रानी शब्द है जिसका अर्थ है क्रियाशील होना अब पतरस बैठा था या खड़ा था, महत्त्व नहीं रखता है। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “निकल पड़ा”

झुक कर
“कब्र में देखने के लिए झुका”

कपड़े पड़े देखे
“केवल मलमल की चादर पड़ी थी”

Luke 24:13

देखो
यह एक सर्वथा भिन्न घटना का आरंभ दर्शाता है, जो उन स्त्रियों और पतरस की घटना से भिन्न है।

उसी दिन
“उसी दिन” (यू.डी.बी.)

साठ मील
“ग्यारह किलोमीटर” (मूल भाषा में यह दूरी 60 स्टेडिया है। एक स्टेडियम, 185 मीटर का होता था”।

Luke 24:15

(और ऐसा हुआ कि)
इस उक्ति द्वारा कार्य का आरंभ होना दर्शाया गया है। यीशु के प्रकट होने से कार्य आरंभ होता है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

यीशु आप
“आप” शब्द यीशु पर और उसके प्रकट होने के विस्मय पर ध्यान केन्द्रित कराता है, क्योंकि अभी तक किसी ने पुनरूत्थित यीशु को नहीं देखा था उन स्त्रियों ने केवल स्वर्गदूतों को देखा था।

परन्तु उनकी आंखें ऐसी बन्द कर दी गई थी कि उसे पहचान न सके।
“उनकी आंखें यीशु को पहचानने से रोकी गई थी” उनकी क्षमता को उनकी आंखे कहा गया है। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “उसे

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पहचानने से उन्हें रोका गया" या "किसी रुकावट के कारण वे उसे पहचान न सके"।

Luke 24:17

क्या तू यरूशलेम में अकेला परदेशी है?
"तू" अर्थात यीशु (एकवचन) यह एक आलंकारिक प्रश्न का आरंभ है। क्लियोपास ने अपना आश्चर्य व्यक्त किया कि यीशु यरूशलेम की इस घटना से अनभिज्ञ था। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "तू ही एक ऐसा मनुष्य है"

Luke 24:19

कौन सी बातें?
"क्या हुआ है" या "क्या घटना घटी है"?

काम और वचन में सामर्थी
"सामर्थ्य के काम करता था और सामर्थी वचन सुनाता था"

परमेश्वर और सब लोगों के निकट काम और वचन में सामर्थी भविष्यद्वक्ता था।
इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने यीशु को सामर्थी बनाया और लोगों ने देखा कि वह सामर्थी था। इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर ने उसे महान कार्य करने और महान शिक्षा देने का सामर्थ्य दिया था। और मनुष्य अचम्भा करते थे"।

उसे पकड़वा दिया कि ... मृत्यु की आज्ञा दी जाए
उसे रोमी प्रशासक के समक्ष पकड़वा दिया कि उसे मृत्युदण्ड दिया जाए"।

Luke 24:21

यही इस्राएल को छुटकारा देगा
यहूदियों पर रोमियों का राज था। उन शिष्यों के कहने का अर्थ था कि वह रोमियों से स्वतंत्रता दिलाएगा, "इस्राएल को उनके बैरी, रोमियों से मुक्ति दिलाएगा"।

इस घटना को हुए
"उसकी मृत्यु के बाद"

Luke 24:22

ने भी
उन पुरूषों ने उन स्त्रियों के समाचार को एक अच्छी बात समझा था, न कि यीशु की मृत्यु के अतिरिक्त एक ओर बुरा समाचार।

जो भोर को कब्र पर गई थी
"ये स्त्रियां भोर के समय कब्र पर गई थी"

स्वर्गदूतों का दर्शन पाया
"स्वर्गदूत देखे"

Luke 24:25

यीशु ने उनसे कहा
"उनसे का द्विवचन काम में लें।

मन्दमतियों
"तुम्हारे मन सुस्त हो गए हैं और प्रतिक्रिया में मन्द है"

क्या यह अवश्य न था
यह एक आलंकारिक प्रश्न है। "यीशु का कष्ट उठाना उचित था। यदि वह कष्ट नहीं उठाता तो अनुचित होता"।

अपनी महिमा में प्रवेश करे
यह समय की बात है जब यीशु सबको अपना सौंदर्य और महानता दिखाएगा" और आदर और उपासना का पात्र होगा।

अर्थ उन्हें समझाया
"उनसे का द्विवचन काम में लें।

Luke 24:28

गाँव के पास पहुंचे
"जब वे उस गांव के निकट आए" (यू.डी.बी.)

उसके ढंग से ऐसा जान पड़ा कि वह आगे जाना चाहता है
वे दोनों शिष्य उसके व्यवहार से यही समझे कि वह आगे कहीं ओर जाना चाहता था। संभवतः जब वे गांव के द्वार में प्रवेश करने को मुड़े तब वह सीधा आगे जा रहा था क्योंकि यीशु के शब्दों से तो ऐसा कुछ प्रकट नहीं होता है।

उन्होंने यह कह कर उसे रोका
"रोका" के मूल यूनानी शब्द का अर्थ है शारीरिक बल देर तक लगाए रखना परन्तु यह एक अतिशयोक्ति प्रतीत होती है। उन्हें उसे विवश करने में समय लगा।

भीतर गया
"यीशु ने उनके घर में प्रवेश किया"

उनके साथ रहने के लिए
"उनसे का द्विवचन काम में लें।

Luke 24:30

(ऐसा हुआ कि)
इस उक्ति द्वारा कहानी में एक महत्त्वपूर्ण घटना का बोध करवाया गया है। यदि आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

उनकी आंखें खुल गई
"तब वे उसे पहचान गए" या "उन्हें समझ में आ गया"

रोटी
यह खमीररहित रोटी है, न कि साधारण भोजन है।

धन्यवाद किया
"रोटी के लिए धन्यवाद दिया" या "परमेश्वर को उसके लिए धन्यवाद दिया"

आंखों से छिप गया
विलोप हो गया। वह अदृश्य नहीं हुआ था।

क्या हमारे मन में उत्तेजना उत्पन्न हुई
"हमारे मन भीतर ही भीतर उत्तेजित हो रहे थे" (यू.डी.बी.) यह एक अलंकारिक प्रश्न है।

हमारे मन में उत्तेजना
यह एक रूपक है जो यीशु से बातें करते समय उनकी प्रबल भावनाओं का वर्णन करता है। इस प्रश्न का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "जब वह हमसे बातें कर रहा था तब हमारी भावनाएं कैसी विचलित हो रही थी"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हमारे मन में
वे दो जन बातें कर रहे हैं इसलिए "हमारे" को द्विवचन में रखें यदि आपकी भाषा में ऐसा अन्तर दर्शाया जा सकता है।

पवित्रशास्त्र का अर्थ हमें समझाता था
"जब वह धर्मशास्त्र की व्याख्या कर रहा था"

Luke 24:33

वे उसी घड़ी उठ कर
"वे" अर्थात वे दोनों शिष्य जिन भाषाओं में द्विवचन है, उनमें द्विवचन काम में लिया जाए।

उठ कर
"खड़े होकर"

ग्यारहों
यीशु के शिष्य जिनमें यहूदा नहीं था

वे कहते थे, प्रभु सचमुच जी उठा है
यीशु के ग्यारह शिष्य तथा उनके साथ जो अन्य अनुयायी थे यह कहते थे।

बता दी
"उन दोनों ने बताई"

मार्ग की बातें
जब वे इम्माऊस जा रहे थे तब यीशु के साक्षात्कार की चर्चा की।

उन्होंने उसे रोटी तोड़ते समय कैसे पहचाना
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, "उन्होंने यीशु को कैसे पहचाना"।

रोटी तोड़ते समय
"जब यीशु ने रोटी तोड़ी"

Luke 24:36

यीशु आप
"आप" यीशु के लिए और उन्हें वास्तव में दर्शन देने के आश्चर्य पर ध्यान केन्द्रित कराता है। उनमें से अधिकांश ने यीशु के पुनरुत्थान के बाद नहीं देखा था।

उनके बीच में
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "उन सबकी आंखों के सामने"।

तुम्हें शान्ति मिले
"तुम शान्ति पाओ"। या "परमेश्वर तुम्हें शान्ति दे"। (यू.डी.बी.) "तुम्हें" शब्द बहुवचन है।

वह घबरा गए और डर गए
"वे विस्मित होकर डर गए"।

समझे कि हम किसी भूत को देख रहे हैं।
उन्हें अभी तक यीशु के जीवित होने की बात समझ में नहीं आई थी।

भूत
यहाँ भूत का अर्थ है किसी मृतक की आत्मा

Luke 24:38

क्यों घबराते हो
यह एक अलंकारिक प्रश्न है जो उन्हें ढांढ़स बंधाने के लिए था। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मत डरो"।

तुम्हारे मन में क्यों सन्देह उठते हैं?
"तुम्हारे मन में शंका क्यों है"? यह आलंकारिक प्रश्न मृदु झिड़की है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मन में सन्देह न होने दो"। यीशु उनसे कह रहा था कि उसके जीवित होने पर सन्देह न करो। यह यू.डी.बी. में स्पष्ट किया जा सकता है।

हड्डी मांस
यह देह को सिद्ध करने के लिए था।

Luke 24:41

जब आनन्द के मारे
"वे तब भी विश्वास न कर पाए कि यह सच है"। वे अत्यधिक उत्साहित थे परन्तु साथ ही विश्वास नहीं कर पा रहे थे कि वह जीवित है।

आश्चर्य करते थे
"और विस्मित थे" (यू.डी.बी.) या "सोच रहे थे कि यह कैसे संभव है"।

उनके सामने
"उनकी आंखों के सामने" या "उनके देखते हुए"

Luke 24:44

तुम्हारे साथ रहते है
"पहले जब मैं तुम्हारे साथ था"।

मूसा की व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं और भजनों की पुस्तकों में मेरे विषय में लिखी हैं।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है।

सब पूरी हों
परमेश्वर सब बातें पूरी करेगा।

जितनी बातें... लिखी हैं
"मेरे विषय जो कुछ लिखा है सब"

Luke 24:45

उनकी समझ खोल दी
"उसने उन्हें समझने की बुद्धि दी" (यू.डी.बी.)

यों लिखा है
"वर्षों पूर्व लोगों ने यही लिखा था"

मन फिराव का और पापों की क्षमा का प्रचार
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, "मसीह के अनुयायी प्रचार करेंगे कि मनुष्यों को पापों से विमुख होकर परमेश्वर से पापों की क्षमा प्राप्त करना है"।

तीसरे दिन
"दो रातों के बाद"

सब जातियों में
"मनुष्यों की सब जातियों में" या "सब जनसमुदायों में"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 24:48

गवाह हो
“तुम्हें सबको बताना है कि तुमने मेरे बारे में जो कुछ देखा है, सब सच है। शिष्यों ने यीशु का जीवन उसकी मृत्यु और उसका पुनरूत्थान देखा था और उसने मनुष्यों के लिए क्या किया, इन सबका वर्णन करना है।

जिसकी प्रतिज्ञा मेरे पिता ने की है, मैं उसको तुम पर उतारूंगा
“मेरे पिता ने जो प्रतिज्ञा की है वह मैं तुम्हें दूंगा।

तब तक स्वर्ग से सामर्थ्य न पाओ
“सामर्थ्य से पूर्ण हो” या “सामर्थ्य प्राप्त करो” परमेश्वर का सामर्थ्य उन्हें वैसे ही ढाँप करेगा जैसे वस्त्र शरीर को करते हैं।

स्वर्ग से
“परमेश्वर से”

Luke 24:50

(ऐसा हुआ कि)
“यह हुआ कि”

उन्हें आशीष देते हुए
“यीशु उनकी भलाई के लिए परमेश्वर से कह रहा था”

उसे लिया गया
लूका नहीं बताता है कि यीशु को किसने स्वर्ग में उठा लिया। हम नहीं जानते कि वह परमेश्वर स्वयं था या एक स्वर्गदूत था या अनेक स्वर्गदूत थे। यदि आपकी भाषा में आवश्यक हो कि यीशु को स्वर्ग में उठाने वाले का नाम व्यक्त करें तो यू.डी.बी. के जैसा अनुवाद सर्वोत्तम है, “चला गया”

Luke 24:52

उसको दण्डवत करके
इसका अर्थ है, दीनता एवं श्रद्धा के साथ झुकना, या घुटने टेकना या किसी के चरणों में मुंह के बल लेटना।

लगातार मन्दिर में उपस्थित होकर
वे प्रतिदिन मन्दिर परिसर में जाते थे।

परमेश्वर की स्तुति किया करते थे
परमेश्वर की स्तुति उपासना करते थे। (यू.डी.बी.)

Translation Questions

Luke 24:1

स्त्रियां यीशु की कब्र पर कब आई?
सप्ताह के प्रथम दिन वे भोर के समय आई।

Luke 24:2

इन स्त्रियों ने कब्र में क्या देखा?
उन्होंने देखा कि पत्थर लुढ़काया हुआ है और यीशु वहाँ नहीं है।

Luke 24:6

??
झलकते वस्त्रधारी उन पुरूषों (स्वर्गदूतों) ने क्या कहा कि यीशु के साथ हुआ है।

Luke 24:11

जब स्त्रियों ने कब्र पर अपना अनुभव चेलों को सुनाया तब चेलों की प्रतिक्रिया कैसी थी?
उन्होंने इस समाचार को व्यर्थ की बात मानकर अनसुना कर दिया।

Luke 24:12

कब्र में पतरस ने क्या देखा?
उसने वहाँ केवल कपड़े पड़े देखें।

Luke 24:16

इम्माऊस के मार्ग पर चलने वाले उन दो चेलों ने यीशु को क्यों नहीं पहचाना जबकि वह उनके साथ था?
उसे पहचानने के लिए उनकी आंखें बन्द थी।

Luke 24:21

जब यीशु जीवित था तब चेलों को उससे क्या आशा थी?
वे इस आशा में थे कि यीशु इस्राएल को उसके बैरियों से छुड़वायेगा।

Luke 24:27

यीशु ने उन दोनों को धर्मशास्त्र से क्या समझाया था?
उसने अपने बारे में धर्मशास्त्र की बातें उन्हें समझाई।

Luke 24:30

उन दोनों ने यीशु को अन्त में कैसे पहचाना?
जब यीशु ने रोटी लेकर धन्यवाद किया, और उसे तोड़कर उनको देने लगा तब उन्होंने यीशु को पहचाना।

Luke 24:31

जब उन्होंने यीशु को पहचान लिया तब यीशु ने क्या किया?
वह उनकी आंखों से ओझल हो गया।

Luke 24:36

यरूशलेम में अपने चेलों पर पहली बार प्रकट होने पर यीशु ने क्या कहा?
यीशु ने कहा, "तुम्हें शान्ति मिले"।

Luke 24:39

यीशु ने कैसे सिद्ध किया कि वह केवल आत्मा नहीं है?
यीशु ने चेलो से कहा कि वे उसे छूकर देखें, उसके हाथ और पांव देखें और उनके सामने मछली खाई।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Luke 24:45

तब चेले धर्मशास्त्र समझने योग्य कैसे हुए?
यीशु ने उनकी बुद्धि खोल दी कि वे समझ पाएं।

Luke 24:47

यीशु ने सब जातियों में क्या प्रचार करने की आज्ञा दी?
मन फिराव और पापों की क्षमा का प्रचार सब जातियों में किया जाना था।

Luke 24:49

यीशु ने चेलों से किस की प्रतीक्षा करने के लिए कहा?
यीशु ने उनसे कहा कि स्वर्ग से सामर्थ्य पाने तक वे प्रतीक्षा करें।

Luke 24:51

बैतनिय्याह के निकट जब यीशु ने अपने शिष्यों को आशीष दी तब क्या हुआ था?
वह स्वर्ग में उठा लिया गया।

Luke 24:53

तदोपरान्त चेले कहाँ जाते थे और क्या करते थे?
वे लगातार मन्दिर में उपस्थित होकर परमेश्वर की स्तुति किया करते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: John

John

Chapter 1

1 आदि में* वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। **2** यही आदि में परमेश्वर के साथ था। **3** सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ
और जो कुछ उत्पन्न हुआ है, उसमें से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न न हुई। **4** उसमें जीवन था*; और वह जीवन मनुष्यों की ज्योति था। **5** और ज्योति
अंधकार में चमकती है; और अंधकार ने उसे ग्रहण न किया। **6** एक मनुष्य परमेश्वर की ओर से आ उपस्थित हुआ जिसका नाम यूहन्ना था। **7** यह गवाही देने
आया, कि ज्योति की गवाही दे, ताकि सब उसके द्वारा विश्वास लाएँ। **8** वह आप तो वह ज्योति न था, परन्तु उस ज्योति की गवाही देने के लिये आया था। **9**
सच्ची ज्योति जो हर एक मनुष्य को प्रकाशित करती है, जगत में आनेवाली थी। **10** वह जगत में था, और जगत उसके द्वारा उत्पन्न हुआ, और जगत ने उसे
नहीं पहचाना। **11** वह अपने घर में आया और उसके अपनों ने उसे ग्रहण नहीं किया। **12** परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने
का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं **13** वे न तो लहू से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, परन्तु परमेश्वर से उत्पन्न
हुए हैं। **14** और वचन देहधारी हुआ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया, और हमने उसकी ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के
एकलौते की महिमा। (1 यूह. 4:9) **15** यूहन्ना ने उसके विषय में गवाही दी, और पुकारकर कहा, “यह वही है, जिसका मैंने वर्णन किया, कि जो मेरे बाद आ रहा
है, वह मुझसे बढ़कर है, क्योंकि वह मुझसे पहले था।” **16** क्योंकि उसकी परिपूर्णता से हम सब ने प्राप्त किया अर्थात् अनुग्रह पर अनुग्रह। **17** इसलिए कि
व्यवस्था तो मूसा के द्वारा दी गई, परन्तु अनुग्रह और सच्चाई यीशु मसीह के द्वारा पहुँची। **18** परमेश्वर को किसी ने कभी नहीं देखा*, एकलौता पुत्र जो पिता
की गोद में हैं, उसी ने उसे प्रगट किया।

19 यूहन्ना की गवाही यह है, कि जब यहूदियों ने यरूशलेम से याजकों और लेवियों को उससे यह पूछने के लिये भेजा, “तू कौन है?” **20** तो उसने यह मान
लिया, और इन्कार नहीं किया, परन्तु मान लिया “मैं मसीह नहीं हूँ।” **21** तब उन्होंने उससे पूछा, “तो फिर कौन है? क्या तू एलिय्याह है?” उसने कहा, “मैं नहीं
हूँ।” “तो क्या तू वह भविष्यद्वक्ता है?” उसने उत्तर दिया, “नहीं।” **22** तब उन्होंने उससे पूछा, “फिर तू है कौन? ताकि हम अपने भेजनेवालों को उत्तर दें। तू
अपने विषय में क्या कहता है?” **23** उसने कहा, “जैसा यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा है, ‘मैं जंगल में एक पुकारनेवाले का शब्द हूँ कि तुम प्रभु का मार्ग सीधा
करो’।” (यशा. 40:3) **24** ये फरीसियों की ओर से भेजे गए थे। **25** उन्होंने उससे यह प्रश्न पूछा, “यदि तू न मसीह है, और न एलिय्याह, और न वह भविष्यद्वक्ता
है, तो फिर बपतिस्मा क्यों देता है?” **26** यूहन्ना ने उनको उत्तर दिया, “मैं तो जल से बपतिस्मा देता हूँ, परन्तु तुम्हारे बीच में एक व्यक्ति खड़ा है, जिसे तुम नहीं
जानते। **27** अर्थात् मेरे बाद आनेवाला है, जिसकी जूती का फीता मैं खोलने के योग्य नहीं।” **28** ये बातें यरदन के पार बैतनिय्याह में हुई, जहाँ यूहन्ना बपतिस्मा
देता था।

29 दूसरे दिन उसने यीशु को अपनी ओर आते देखकर कहा, “देखो, यह परमेश्वर का मेम्ना* है, जो जगत के पाप हरता है। (1 पत. 1:19, यशा. 53:7) **30**
यह वही है, जिसके विषय में मैंने कहा था, कि एक पुरुष मेरे पीछे आता है, जो मुझसे श्रेष्ठ है, क्योंकि वह मुझसे पहले था। **31** और मैं तो उसे पहचानता न था,
परन्तु इसलिए मैं जल से बपतिस्मा देता हुआ आया, कि वह इस्राएल पर प्रगट हो जाए।” **32** और यूहन्ना ने यह गवाही दी, “मैंने आत्मा को कबूतर के रूप में
आकाश से उतरते देखा है, और वह उस पर ठहर गया। **33** और मैं तो उसे पहचानता नहीं था, परन्तु जिस ने मुझे जल से बपतिस्मा देने को भेजा, उसी ने मुझसे
कहा, ‘जिस पर तू आत्मा को उतरते और ठहरते देखे; वही पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देनेवाला है।’ **34** और मैंने देखा, और गवाही दी है कि यही परमेश्वर का
पुत्र है।” (भज. 2:7)

35 दूसरे दिन फिर यूहन्ना और उसके चेलों में से दो जन खड़े हुए थे। **36** और उसने यीशु पर जो जा रहा था, दृष्टि करके कहा, “देखो, यह परमेश्वर का मेम्ना
है।” **37** तब वे दोनों चेले उसकी सुनकर यीशु के पीछे हो लिए। **38** यीशु ने मुड़कर और उनको पीछे आते देखकर उनसे कहा, “तुम किस की खोज में हो?”
उन्होंने उससे कहा, “हे रब्बी, (अर्थात् हे गुरु), तू कहाँ रहता है?” **39** उसने उनसे कहा, “चलो, तो देख लोगे।” तब उन्होंने आकर उसके रहने का स्थान देखा,
और उस दिन उसी के साथ रहे; और यह दसवें घंटे के लगभग था। **40** उन दोनों में से, जो यूहन्ना की बात सुनकर यीशु के पीछे हो लिए थे, एक शमौन पतरस
का भाई अन्द्रियास था। **41** उसने पहले अपने सगे भाई शमौन से मिलकर उससे कहा, “हमको ख्रिस्त अर्थात् मसीह मिल गया।” (यूह. 4:25) **42** वह उसे यीशु
के पास लाया: यीशु ने उस पर दृष्टि करके कहा, “तू यूहन्ना का पुत्र शमौन है, तू कैफा* अर्थात् पतरस कहलाएगा।”

43 दूसरे दिन यीशु ने गलील को जाना चाहा, और फिलिप्पुस से मिलकर कहा, “मेरे पीछे हो ले।” **44** फिलिप्पुस तो अन्द्रियास और पतरस के नगर बैतसैदा का
निवासी था। **45** फिलिप्पुस ने नतनएल से मिलकर उससे कहा, “जिसका वर्णन मूसा ने व्यवस्था में और भविष्यद्वक्ताओं ने किया है, वह हमको मिल गया; वह
यूसुफ का पुत्र, यीशु नासरी है।” (मत्ती 21:11) **46** नतनएल ने उससे कहा, “क्या कोई अच्छी वस्तु भी नासरत से निकल सकती है?” फिलिप्पुस ने उससे
कहा, “चलकर देख ले।” **47** यीशु ने नतनएल को अपनी ओर आते देखकर उसके विषय में कहा, “देखो, यह सचमुच इस्राएली है: इसमें कपट नहीं।” **48**
नतनएल ने उससे कहा, “तू मुझे कैसे जानता है?” यीशु ने उसको उत्तर दिया, “इससे पहले कि फिलिप्पुस ने तुझे बुलाया, जब तू अंजीर के पेड़ के तले था, तब
मैंने तुझे देखा था।” **49** नतनएल ने उसको उत्तर दिया, “हे रब्बी, तू परमेश्वर का पुत्र है; तू इस्राएल का महाराजा है।” **50** यीशु ने उसको उत्तर दिया, “मैंने जो
तुझ से कहा, कि मैंने तुझे अंजीर के पेड़ के तले देखा, क्या तू इसलिए विश्वास करता है? तू इससे भी बड़े-बड़े काम देखेगा।” (यूह. 11:40) **51** फिर उससे
कहा, “मैं तुम से सच-सच कहता हूँ कि तुम स्वर्ग को खुला हुआ, और परमेश्वर के स्वर्गदूतों को मनुष्य के पुत्र के ऊपर उतरते और ऊपर जाते देखोगे।” (उत्प.
28:12)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 1:1

आदि में
आकाश और पृथ्वी की रचना से भी बहुत पहले का समय

वचन
अर्थात यीशु। यदि संभव होता तो "यह वचन" अनुवाद करें यदि आपकी भाषा में "वचन" स्त्रीलिंग शब्द है तो इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "वह जो वचन कहलाता है"।

सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया में किया जा सकता है, "परमेश्वर ने सब कुछ उसके द्वारा उत्पन्न किया है"।

और जो कुछ उत्पन्न है उसमें से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न नहीं हुई।
"परमेश्वर ने उसके बिना कुछ नहीं सृजा" या "परमेश्वर ने सब कुछ उसके साथ सृजा है" (देखें: और)

John 1:4

उसमें जीवन था
"यह वही है जिसे वचन कहा गया है, वही है जिसने हर एक प्राणी को जीवन दिया"

वह जीवन मनुष्यों की ज्योति था
"वह हम पर परमेश्वर के सत्य को वैसे ही प्रकट करता है जैसे ज्योति अन्धकार की वस्तुओं को प्रकट करती है।"

ज्योति अन्धकार में चमकती है, और अन्धकार ने उसे ग्रहण न किया।
"मनुष्य नहीं चाहते कि वह उनकी बुराइयों को प्रकट करे, ठीक वैसे ही जैसे अन्धकार बुराई है, परन्तु जिस प्रकार कि अन्धकार ज्योति को दबा नहीं सकता उसी प्रकार दुष्ट उस ज्योति स्वरूप व्यक्ति को परमेश्वर के सत्य के प्रकटीकरण से रोक नहीं पाता है"।

John 1:9

प्रकाशित करती है
प्रकाशित करती है, "प्रकाश देती है"

John 1:10

वह जगत में था, और जगत उसके द्वारा उत्पन्न हुआ, और जगत ने उसे नहीं पहचाना।
"यद्यपि वह इस संसार में था और परमेश्वर ने यहाँ पर जो कुछ है वह सब कुछ उसी के द्वारा सृजा मनुष्यों ने फिर भी उसे स्वीकार नहीं किया"।

वह अपने घर आया और उसके अपनों ने उसे ग्रहण नहीं किया
"वह अपने ही स्वदेश-वासियों में आया और उसके अपने ही स्वदेश-वासियों ने भी उसे स्वीकार नहीं किया"।

John 1:12

उसने अधिकार दिया
"उसने उन्हें अधिकार दिया" या "उसने उनके लिए संभव कर दिया"।

John 1:14

अनुग्रह से परिपूर्ण
"हमसे सदैव दयालु व्यवहार करता है जिसके हम योग्य नहीं"।

John 1:16

परिपूर्णता
यह शब्द परमेश्वर के अनुग्रह के संदर्भ में है जिसका कोई अन्त नहीं।

वरदान पर वरदान
"आशिषों पर आशिषें"

एकमात्र मनुष्य, स्वयं परमेश्वर
एकमात्र मनुष्य, स्वयं परमेश्वर, इसका अर्थ हो सकता है, (1) "एकमात्र परमेश्वर" या (2) "एकमात्र पुत्र"

जो पिता की गोद में है
"जो सदैव पिता के पास रहता है", घनिष्ट संबन्ध का अभिप्राय प्रकट करता है। (देखे:)

John 1:19

और इन्कार नहीं किया
और उसने यह मान लिया, उसने उनसे सत्य कहा है और स्पष्ट व्यक्त किया। (देखें: और

तो फिर तू कौन है?
"यदि तू मसीह नहीं तो सच क्या है"? या "तो फिर से क्या रहा है"? या "तो फिर तू क्या कह रहा है"?

John 1:22

तब उन्होंने उससे पूछा?
"याजकों और लेवियों ने यूहन्ना से पूछा"

हम अपने
याजक और लेवी, यूहन्ना नहीं

उसने कहा
"यहून्ना ने कहा"

"मैं जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द हूँ"।
"मैं उसके जैसा हूँ जो ऐसे स्थान में घोषणा कर रहा है जहाँ उसकी वाणी कोई न सुने"।

"तुम प्रभु का मार्ग सीधा करो"
प्रभु के आगमन के लिए अपने आपको तैयार करो जैसे किसी महत्त्वपूर्ण व्यक्ति के आगमन के लिए लोग मार्ग तैयार करते हैं।

John 1:24

यह वही है जो मेरे पीछे आता है
"मेरे बाद यही तुम्हारे लिए प्रचार करेगा"।

जिसकी जूती का बन्ध मैं खोलने के योग्य नहीं
जिसकी जूती का बन्ध मैं खोलने के योग्य नहीं, यहून्ना कह रहा है कि वह एक सेवक का सबसे तुच्छ कार्य उसके लिए करना चाहे तो भी योग्य नहीं है।

John 1:29

एक पुरूष मेरे पीछे आता है जो मुझसे श्रेष्ठ है।
इसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 1:32

उतरना
"नीचे आते"

परमेश्वर का पुत्र
इस अभिलेख की कुछ प्रतिलिपियों में लिखा है, "परमेश्वर का पुत्र" और कुछ में लिखा है, "परमेश्वर का चुना हुआ"।

John 1:37

दसवें घंटे
दसों घंटे, यह समय दोपहर के बाद, अन्धेरा होने से पूर्व का है जो किसी दूसरे नगर जाने का समय नहीं था।

John 1:40

यूहन्ना
यह यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला नहीं पर यूहन्ना उनमें एक प्रचलित नाम था।

John 1:46

क्या कोई अच्छी वस्तु भी नासरत से निकल सकती है?
"नासरत से कोई भी अच्छी वस्तु नहीं निकल सकती है"

इसमें कपट नहीं
"एक पूर्णत: सत्यवादी मनुष्य है"

John 1:49

सच-सच
किसी महत्त्वपूर्ण एवं सत्य बात को व्यक्त करने के लिए आपकी भाषा में जो भी अभिव्यक्ति है उसका उपयोग यहाँ करें।

Translation Questions

John 1:1

आदि में क्या था?
आदि में वचन था।

वचन किसके साथ था?
वचन परमेश्वर के साथ था।

वचन क्या था?
वचन परमेश्वर था।

John 1:3

क्या वचन के बिना भी कुछ उत्पन्न हुआ है?
सब कुछ उसके द्वारा उत्पन्न हुआ और जो कुछ उत्पन्न हुआ है उसमें से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न नहीं हुई है।

John 1:4

वचन में क्या था?
उसमें जीवन था।

John 1:6

परमेश्वर ने जिस मनुष्य को भेजा उसका नाम क्या था?
उसका नाम यूहन्ना था।

John 1:7

यूहन्ना किस उद्देश्य से आया था?
वह गवाही देने आया कि ज्योति की गवाही दे ताकि सब उसके द्वारा विश्वास लाएं।

John 1:10

क्या जगत ने उस ज्योति को पहचाना और ग्रहण किया था जिसकी गवाही देने यूहन्ना आया था?
यूहन्ना जिस ज्योति की गवाही देने आया था उसे जगत ने नहीं पहचाना और इस ज्योति को अपनों ही ने उसे नहीं पहचाना।

John 1:13

ज्योति ने अपने में विश्वास करने वालों के लिए क्या किया?
जितनों ने उसे ग्रहण किया उन्हें उसने परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार दिया।

उसके नाम में विश्वास करने वाले परमेश्वर की सन्तान कैसे हो सकते हैं?
वे परमेश्वर से उत्पन्न होकर परमेश्वर की सन्तान बन जाते हैं।

John 1:14

क्या पिता परमेश्वर की ओर से आने वाले वचन के तुल्य कभी कोई हुआ है या कभी हुआ था?
नहीं, वचन ही एक अद्वैत व्यक्तित्व था जो पिता की ओर से आने वाले वचन के सदृश्य था।

John 1:16

हमने इस मनुष्य की परिपूर्णता से क्या प्राप्त किया, जिसकी गवाही यूहन्ना ने दी थी?
उसकी परिपूर्णता में से हम सब ने प्राप्त किया अर्थात अनुग्रह पर अनुग्रह।

John 1:17

मसीह यीशु के द्वारा क्या आया है?
अनुग्रह और सत्य मसीह यीशु से आया।

John 1:18

क्या किसी ने कभी परमेश्वर को देखा है?
"किसी भी मनुष्य ने परमेश्वर को कभी नहीं देखा है।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हम पर परमेश्वर को किसने प्रकट किया है?
एकलौते पुत्र ने जो पिता परमेश्वर की गोद में है, उसी ने उसे हम पर प्रकट किया है।

John 1:19

यरूशलेम से आने वाले याजकों एवं लेवियों को यूहन्ना ने क्या उत्तर दिया था?
उसने कहा, "जैसा यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा है, 'मैं जंगल में पुकारने वाले का शब्द हूँ कि तुम प्रभु का मार्ग सीधा करो'"।

John 1:29

यीशु को आते देख यूहन्ना ने क्या कहा था?
उसने कहा, "देखो, यह परमेश्वर का मेम्ना है जो जगत का पाप उठा ले जाता है।"

John 1:31

यूहन्ना पानी का बपतिस्मा क्यों देता था?
वह जल से बपतिस्मा देता हुआ आया, कि जगत का पाप उठा ले जाने वाला परमेश्वर का मेम्ना, मसीह यीशु इस्राएल पर प्रकट हो जाए।

John 1:32

यीशु को परमेश्वर का पुत्र मानने का यूहन्ना के लिए क्या चिन्ह था?
यूहन्ना जिस पर आकाश से आत्मा को उतर कर ठहरते देखेगा, वही पवित्र आत्मा का बपतिस्मा देने वाले का चिन्ह होगा।

John 1:35

यीशु को यूहन्ना ने "परमेश्वर का मेम्ना" कहा तो यूहन्ना के दो शिष्यों ने क्या किया?
वे यीशु के पीछे हो लिए।

John 1:40

उन दोनों ने जिन्होंने यूहन्ना की गवाही सुनकर यीशु का अनुकरण किया, एक का नाम क्या था?
इन दोनों में से एक का नाम अन्द्रियास था।

John 1:41

अन्द्रियास ने अपने भाई शमौन को यीशु के बारे में क्या कहा था?
अन्द्रियास ने शमौन से कहा, "हमको ख्रीस्त, अर्थात मसीह मिल गया है"।

John 1:42

यीशु ने शमौन से क्या कहा कि वह कहलाएगा?
यीशु ने कहा शमौन कैफा (अर्थात पतरस कहलाएगा)।

John 1:44

अन्द्रियास और पतरस किस नगर के निवासी थे?
अन्द्रियास और पतरस बैतसैदा के निवासी थे।

John 1:49

नतनएल ने यीशु के बारे में क्या कहा था?
नतनएल ने कहा, "हे रब्बी, तू परमेश्वर का पुत्र है, तू इस्राएल का महाराजा है"।

John 1:51

यीशु ने नतनएल से क्या कहा कि वह देखेगा?
यीशु ने नतनएल से कहा, कि वह स्वर्ग को खुला हुआ और परमेश्वर के स्वर्गदूतों को मनुष्य के पुत्र के ऊपर उतरते और ऊपर जाते देखेगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 फिर तीसरे दिन गलील के काना* में किसी का विवाह था, और यीशु की माता भी वहाँ थी। **2** यीशु और उसके चेले भी उस विवाह में निमंत्रित थे। **3** जब दाखरस खत्म हो गया, तो यीशु की माता ने उससे कहा, “उनके पास दाखरस नहीं रहा*।” **4** यीशु ने उससे कहा, “हे महिला मुझे तुझ से क्या काम? अभी मेरा समय* नहीं आया।” **5** उसकी माता ने सेवकों से कहा, “जो कुछ वह तुम से कहे, वही करना।” **6** वहाँ यहूदियों के शुद्धीकरण के लिए पत्थर के छः मटके रखे थे, जिसमें दो-दो, तीन-तीन मन समाता था। **7** यीशु ने उनसे कहा, “मटको में पानी भर दो।” तब उन्होंने उन्हें मुहाँमुहँ भर दिया। **8** तब उसने उनसे कहा, “अब निकालकर भोज के प्रधान के पास ले जाओ।” और वे ले गए। **9** जब भोज के प्रधान ने वह पानी चखा, जो दाखरस बन गया था और नहीं जानता था कि वह कहाँ से आया हैं; (परन्तु जिन सेवकों ने पानी निकाला था वे जानते थे), तो भोज के प्रधान ने दूल्हे को बुलाकर, उससे कहा **10** “हर एक मनुष्य पहले अच्छा दाखरस देता है, और जब लोग पीकर छक जाते हैं, तब मध्यम देता है; परन्तु तूने अच्छा दाखरस अब तक रख छोड़ा है।” **11** यीशु ने गलील के काना में अपना यह पहला चिन्ह दिखाकर अपनी महिमा प्रगट की और उसके चेलों ने उस पर विश्वास किया। **12** इसके बाद वह और उसकी माता, उसके भाई, उसके चेले, कफरनहूम को गए और वहाँ कुछ दिन रहे।

13 यहूदियों का फसह का पर्व निकट था, और यीशु यरूशलेम को गया। **14** और उसने मन्दिर में बैल, और भेड़ और कबूतर के बेचनेवालों ओर सर्राफों को बैठे हुए पाया। **15** तब उसने रस्सियों का कोड़ा बनाकर, सब भेड़ों और बैलों को मन्दिर से निकाल दिया, और सर्राफों के पैसे बिखेर दिये, और मेज़ें उलट दीं, **16** और कबूतर बेचनेवालों से कहा, “इन्हें यहाँ से ले जाओ। मेरे पिता के भवन को व्यापार का घर मत बनाओ।” **17** तब उसके चेलों को स्मरण आया कि लिखा है, “तेरे घर की धुन मुझे खा जाएगी*।” (भज. 69:9) **18** इस पर यहूदियों ने उससे कहा, “तू जो यह करता है तो हमें कौन सा चिन्ह दिखाता हैं?” **19** यीशु ने उनको उत्तर दिया, “इस मन्दिर को ढा दो, और मैं इसे तीन दिन में खड़ा कर दूँगा।” **20** यहूदियों ने कहा, “इस मन्दिर के बनाने में छियालीस वर्ष लगे हैं, और क्या तू उसे तीन दिन में खड़ा कर देगा?” **21** परन्तु उसने अपनी देह के मन्दिर के विषय में कहा था। **22** फिर जब वह मुर्दों में से जी उठा फिर उसके चेलों को स्मरण आया कि उसने यह कहा था; और उन्होंने पवित्रशास्त्र और उस वचन की जो यीशु ने कहा था, विश्वास किया।

23 जब वह यरूशलेम में फसह के समय, पर्व में था, तो बहुतों ने उन चिन्हों को जो वह दिखाता था देखकर उसके नाम पर विश्वास किया। **24** परन्तु यीशु ने अपने आप को उनके भरोसे पर नहीं छोड़ा, क्योंकि वह सब को जानता था, **25** और उसे प्रयोजन न था कि मनुष्य के विषय में कोई गवाही दे, क्योंकि वह आप जानता था कि मनुष्य के मन में क्या है?

John 2:3

महिला
पुत्र द्वारा अपनी माता को महिला कहना अभद्र प्रतीत होगा, अतः अपनी भाषा में ऐसा शब्द काम में लें जो विनम्र एवं औपचारिक हो।

मुझे तुमसे क्या काम?
"इसका मुझ से क्या संबन्ध" या "मुझे मत कह कि क्या करना है"।

अभी समय नहीं आया
"अभी समय नहीं है"।

John 2:6

दो-दो तीन-तीन मन
"80 से 120 लीटर" उनका जो नाप था टन वह लगभग 40 लीटर का होता था

मुँहामुँह
अर्थात मुँह का या पूरा भर दो

भोज के प्रधान
अर्थात भोजन पानी का प्रबन्धक

John 2:9

(परन्तु जिन सेवकों ने पानी निकाला था वे जानते थे)
यह अतिरिक्त जानकारी है।

छका हुआ
दाखमधु के प्रभाव के कारण अच्छी और घटिया मय में अन्तर नहीं पहचान पाते हैं।

John 2:12

वे गए
इसका मतलब यह है कि उन्होंने ऊँचे स्थान से नीचे स्थान की तरफ प्रस्थान किया। काना नगर कफरनहूम से ऊंचे पर स्थित था और दक्षिण-पश्चिम में था।

उसके भाई
इस शब्द में भाई-बहन सब है। यीशु के सब भाई बहन उससे कम आयु के थे।

John 2:13

यरूशलेम को
अर्थात वे नीचे से ऊपर की ओर गए यरूशलेम पहाड़ पर स्थित है।

मन्दिर में
यह मन्दिर का बाहरी आंगन है जहाँ गैर यहूदियों के लिए आराधना करने की व्यवस्था थी।

बेचने वालों को
"परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाने के लिए पशु बेचे जाते थे।"

सर्राफों
यहूदी अधिकारियों ने अनिवार्य किया हुआ था कि बाहर का पैसा मन्दिर के पैसों में बदल कर ही पशु-पक्षी खरीदे जाएं अतः सर्राफ मुद्रा विनिमय करते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 2:15

मेरे पिता के घर को
यीशु इस अभिव्यक्ति द्वारा मन्दिर का संदर्भ देता था।

John 2:17

तेरे घर
अर्थात परमेश्वर का मन्दिर-परमेश्वर का घर

खा जायेगी
अर्थात पूर्णतः अभिभूत कर देगी।

ये बातें
अर्थात मन्दिर के व्यापार को ध्वंस करता है

John 2:20

क्या तू उसे तीन दिन में खड़ा कर देगा है?
"तीन दिन में इसका पुनः निर्माण करना तेरे लिए संभव नहीं है"

यह वचन
इसका संदर्भ यूह. 02:17 में यीशु के वचन से है। 2:19

John 2:23

परन्तु
यह एक संयोजक शब्द है जो प्रकट करता है कि एक अनापेक्षित घटना आने वाली है, वैकल्पिक अनुवाद, "तथापि"

Translation Questions

John 2:1

गलील के काना नगर में विवाह के उत्सव में कौन था?
गलील के काना नगर में यीशु की माता और उसके शिष्य एक विवाह में आमंत्रित थे।

John 2:5

यीशु की माता ने उससे क्यों कहा कि दाखरस समाप्त हो गया है?
उसने यीशु को परिस्थिति से अवगत करवाया कि वह कुछ करे।

John 2:7

यीशु ने सेवकों को कौन से दो काम करने के लिए कहा था?
उसने कहा कि वे पानी के बर्तन पानी से भर दें, फिर उसने सेवकों से कहा कि वे उसमें से कुछ पानी लेकर भोज के प्रधान के पास ले जाए।

John 2:10

दाखरस में बदले जल को चख कर भोज के प्रधान ने क्या कहा?
भोज के प्रधान ने कहा, "हर एक मनुष्य पहले अच्छा दाखरस देता है, और जब लोग पीकर छक जाते है, तब मध्यम देता है; परन्तु तूने अच्छा दाखरस अब तक रख छोड़ा है"।

John 2:11

यह चमत्कारी चिन्ह देख कर, यीशु के शिष्यों की प्रतिक्रिया क्या थी?
यीशु के शिष्यों ने उसमें विश्वास किया।

John 2:14

यरूशलेम के मन्दिर में यीशु ने क्या देखा?
उसने मन्दिर में बैल, भेड़ और कबूतर के बेचने वाले और सर्राफों को बैठे देखा।

John 2:15

यीशु ने व्यापारियों और सर्राफों के साथ क्या किया?
उसने रस्सियों का कोड़ा बनाकर उन सबको मन्दिर से बाहर निकाला, भेड़ों और बैलों को भी, उसने सर्राफों के पैसे बिखेर दिए और उनके पीढ़ों को उलट दिया।

John 2:16

यीशु ने व्यापारियों से क्या कहा?
उसने कहा, "इन्हें यहां से ले जाओ, मेरे पिता के घर को व्यापार का घर मत बनाओ"।

John 2:19

यीशु ने यहूदा अगुओं को क्या उत्तर दिया?
उसने उत्तर दिया, "इस मन्दिर को ढा दो और तीन दिन में इसे खड़ा कर दूंगा"।

John 2:21

यीशु किस मन्दिर की बात कर रहा था?
यीशु अपनी देह को मन्दिर कह रहा था।

John 2:23

लोगों ने यीशु के नाम में विश्वास क्यों किया?
लोगों ने उसके द्वारा किए गए चमत्कारी चिन्हों को देख कर विश्वास किया।

John 2:24

यीशु ने स्वयं को मनुष्य के भरोसे पर क्यों नहीं छोड़ा?
यीशु ने स्वयं को उनके भरोसे पर नहीं छोड़ा, क्योंकि वह सबको जानता था और उसे आवश्यकता नहीं थी कि मनुष्य के विषय में गवाही दे।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 फरीसियों में से नीकुदेमुस नाम का एक मनुष्य था, जो यहूदियों का सरदार था*। **2** उसने रात को यीशु के पास आकर उससे कहा, “हे रब्बी, हम जानते हैं,
कि तू परमेश्वर की ओर से गुरु होकर आया है; क्योंकि कोई इन चिन्हों को जो तू दिखाता है, यदि परमेश्वर उसके साथ न हो, तो नहीं दिखा सकता।” **3** यीशु ने
उसको उत्तर दिया, “मैं तुझ से सच-सच कहता हूँ*, यदि कोई नये सिरे से न जन्मे तो परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता।” **4** नीकुदेमुस ने उससे कहा, “मनुष्य
जब बूढ़ा हो गया, तो कैसे जन्म ले सकता है? क्या वह अपनी माता के गर्भ में दूसरी बार प्रवेश करके जन्म ले सकता है?” **5** यीशु ने उत्तर दिया, “मैं तुझ से
सच-सच कहता हूँ, जब तक कोई मनुष्य जल और आत्मा से न जन्मे* तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता। **6** क्योंकि जो शरीर से जन्मा है, वह
शरीर है; और जो आत्मा से जन्मा है, वह आत्मा है। **7** अचम्भा न कर, कि मैंने तुझ से कहा, ‘तुझे नये सिरे से जन्म लेना अवश्य है।’ **8** हवा जिधर चाहती है
उधर चलती है, और तू उसकी आवाज़ सुनता है, परन्तु नहीं जानता, कि वह कहाँ से आती और किधर को जाती है? जो कोई आत्मा से जन्मा है वह ऐसा ही
है।” (सभो. 11:5) **9** नीकुदेमुस ने उसको उत्तर दिया, “ये बातें कैसे हो सकती हैं?” **10** यह सुनकर यीशु ने उससे कहा, “तू इस्राएलियों का गुरु होकर भी क्या
इन बातों को नहीं समझता? **11** मैं तुझ से सच-सच कहता हूँ कि हम जो जानते हैं, वह कहते हैं, और जिसे हमने देखा है उसकी गवाही देते हैं, और तुम हमारी
गवाही ग्रहण नहीं करते। **12** जब मैंने तुम से पृथ्वी की बातें कहीं, और तुम विश्वास नहीं करते, तो यदि मैं तुम से स्वर्ग की बातें कहूँ, तो फिर क्यों विश्वास करोगे?
13 कोई स्वर्ग पर नहीं चढ़ा, केवल वहीं जो स्वर्ग से उतरा, अर्थात् मनुष्य का पुत्र जो स्वर्ग में है। (यहू. 6:38) **14** और जिस तरह से मूसा ने जंगल में साँप को
ऊँचे पर चढ़ाया, उसी रीती से अवश्य है कि मनुष्य का पुत्र भी ऊँचे पर चढ़ाया जाए। (यूह. 8:28) **15** ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह अनन्त जीवन
पाए। **16** “क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त
जीवन पाए। **17** परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलिए नहीं भेजा, कि जगत पर दण्ड की आज्ञा दे, परन्तु इसलिए कि जगत उसके द्वारा उद्धार पाए। **18**
जो उस पर विश्वास करता है, उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती, परन्तु जो उस पर विश्वास नहीं करता, वह दोषी ठहराया जा चुका है; इसलिए कि उसने
परमेश्वर के एकलौते पुत्र के नाम पर विश्वास नहीं किया। (यूह. 5:10) **19** और दण्ड की आज्ञा का कारण यह है कि ज्योति जगत में आई है, और मनुष्यों ने
अंधकार को ज्योति से अधिक प्रिय जाना क्योंकि उनके काम बुरे थे। **20** क्योंकि जो कोई बुराई करता है, वह ज्योति से बैर रखता है, और ज्योति के निकट नहीं
आता, ऐसा न हो कि उसके कामों पर दोष लगाया जाए। **21** परन्तु जो सच्चाई पर चलता है, वह ज्योति के निकट आता है, ताकि उसके काम प्रगट हों कि वह
परमेश्वर की ओर से किए गए हैं।”

22 इसके बाद यीशु और उसके चेले यहूदिया देश में आए; और वह वहाँ उनके साथ रहकर बपतिस्मा देने लगा। **23** और यूहन्ना भी सालेम के निकट ऐनोन* में
बपतिस्मा देता था। क्योंकि वहाँ बहुत जल था, और लोग आकर बपतिस्मा लेते थे। **24** क्योंकि यूहन्ना उस समय तक जेलखाने में नहीं डाला गया था। **25** वहाँ
यूहन्ना के चेलों का किसी यहूदी के साथ शुद्धि के विषय में वाद-विवाद हुआ। **26** और उन्होंने यूहन्ना के पास आकर उससे कहा, “हे रब्बी, जो व्यक्ति यरदन के
पार तेरे साथ था, और जिसकी तूने गवाही दी है; देख, वह बपतिस्मा देता है, और सब उसके पास आते हैं।” **27** यूहन्ना ने उत्तर दिया, “जब तक मनुष्य को स्वर्ग
से न दिया जाए, तब तक वह कुछ नहीं पा सकता। **28** तुम तो आप ही मेरे गवाह हो, कि मैंने कहा, ‘मैं मसीह नहीं, परन्तु उसके आगे भेजा गया हूँ।’ (यूह.
1:20, मला. 3:1) **29** जिसकी दुल्हिन है, वही दूल्हा है: परन्तु दूल्हे का मित्र जो खड़ा हुआ उसकी सुनता है, दूल्हे के शब्द से बहुत हर्षित होता है; अब मेरा यह
हर्ष पूरा हुआ है। **30** अवश्य है कि वह बढ़े और मैं घटूँ।

31 “जो ऊपर से आता है, वह सर्वोत्तम है, जो पृथ्वी से आता है वह पृथ्वी का है; और पृथ्वी की ही बातें कहता है: जो स्वर्ग से आता है, वह सब के ऊपर है।
(यूह. 8:23) **32** जो कुछ उसने देखा, और सुना है, उसी की गवाही देता है; और कोई उसकी गवाही ग्रहण नहीं करता। **33** जिसने उसकी गवाही ग्रहण कर ली
उसने इस बात पर छाप दे दी कि परमेश्वर सच्चा है। **34** क्योंकि जिसे परमेश्वर ने भेजा है, वह परमेश्वर की बातें कहता है: क्योंकि वह आत्मा नाप नापकर नहीं
देता। **35** पिता पुत्र से प्रेम रखता है, और उसने सब वस्तुएँ उसके हाथ में दे दी हैं। **36** जो पुत्र पर विश्वास करता है, अनन्त जीवन उसका है; परन्तु जो पुत्र की
नहीं मानता, वह जीवन को नहीं देखेगा, परन्तु परमेश्वर का क्रोध उस पर रहता है।”

John 3:1

सदस्य
फरीसी समुदाय का एक सदस्य

यहूदी महासभा
महासभा, "सेनहेड्रिन" कहलाती थी जो एक यहूदी सभाओं में सर्वोपरि थी।

हम जानते हैं
यहां "हम" विशिष्ट शब्द है जो केवल नीकेदेमुस और महासभा के सदस्यों के लिए है।

John 3:3

सच-सच हूँ।
उसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

नये सिरे से जन्में
"स्वर्ग से जन्म ले" या "परमेश्वर से जन्म ले"

मनुष्य जब बूढ़ा हो गया तो कैसे जन्म ले सकता है?
उसने इस प्रश्न द्वारा इसकी असंभावना पर बल दिया था। वैकल्पिक अनुवाद, "मनुष्य वृद्धावस्था में फिर से जन्म कभी नहीं ले सकता है।"

क्या वह अपनी माता के गर्भ में दूसरी बार फिर से जन्म ले सकता है?
"वह निश्चय ही अपनी माता के गर्भ में प्रवेश नहीं कर सकता"।

दूसरी बार
"फिर से" या "पुनः"

गर्भ
स्त्री गर्भ के शरीर में भ्रूण विकास का स्थानं वैकल्पिक अनुवाद, "पेट"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 3:5

सच-सच
इसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया गया है।

जल और आत्मा से जन्मा हुआ
इसके तीन संभावित अर्थ हैं (1) पानी में बपतिस्मा लेना या (2) शारीरिक जन्म या (3) पवित्र आत्मा से जन्म लेना वैकल्पिक अनुवाद, "पवित्र आत्मा से आत्मिक जन्म लेना"।(देखें: और)

John 3:7

x
यीशु नीकुदेमुस से बातें कर रहा है।

तुझे नये सिरे से जन्म लेना अवश्य है।
"तुझे स्वार्गिक जन्म लेना है" या "परमेश्वर को तुझे जीवन दान देना है"। देखें पर टिप्पणी

हवा जिधर चाहती है उधर चलती है।
इसके दो अर्थ हैं। मूल भाषा में हवा और आत्मा के लिए एक ही शब्द है। वैकल्पिक अनुवाद, "पवित्र आत्मा एक जैसा है वह जहाँ चाहता है वहाँ जाता है"।

John 3:9

ये चीजे कैसे हो सकती हैं?
यह प्रश्न कथन पर बल देता है। वैकल्पिक अनुवाद "ऐसा नहीं हो सकता" या "ऐसा होना संभव नहीं है"।

तू इस्राएलियों का गुरू होकर भी क्या इन बातों को नहीं समझता?
यह प्रश्न उसके कथन को बल देने के लिए है। वैकल्पिक अनुवाद, "तू इस्राएलियों का शिक्षक है और मुझे आश्चर्य हो रहा है कि तू इन बातों को नहीं समझता।"

सच-सच
उसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

हम कहते हैं
जब यीशु ने कहा, "हम" तो उसमें वह नीकुदेमुस को नहीं गिन रहा है।

John 3:12

अगर तुमसे स्वर्ग की बातें कहूँ तो तुम कैसे विश्वास करोगे
दोनों जगह में "तुम" एकवचन में है

अगर स्वर्ग की बातें कहूँ तो तुम कैसे विश्वास करोगे?
"यदि मैं स्वर्ग की बातें कहूँगा" तो तुम निश्चय ही विश्वास नहीं करोगे"।

स्वर्ग की बातें
आत्मिक बातें

John 3:14

जिस रीति से मूसा ने जंगल में सांप को ऊंचे पर चढ़ाया
वह वास्तविक सांप नहीं था। ताबें का बना सांप था।

जंगल में
जंगल एक निर्जल, निर्जन स्थान था परन्तु यहाँ वह उस स्थान का उल्लेख कर रहा है जहां मूसा और इब्रानी 40 वर्ष तक जंगल में थे।

जिस रीति से मूसा ने जंगल में सांप को ऊंचे पर चढ़ाया था उसी रीति से अवश्य है कि मनुष्य का पुत्र भी ऊंचे पर चढ़ाया जाए।
x

John 3:16

परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा
जगत अर्थात संसार का वह हर एक जन जो यीशु में विश्वास रखता है न कि हर एक जन जो संसार में है।

एकलौता पुत्र
"एकमात्र पुत्र"

दण्ड की आज्ञा
"दण्ड"

John 3:19

उसके कामों पर दोष लगाया जाए।
वैकल्पिक अनुवाद "कि ज्योति उसके कामों को उजागर न कर दे" या "कि ज्योति उसके कामों को प्रकट न कर दे"। (देखें:)

वह जो करता है वह स्पष्ट दिखाई दे
वैकल्पिक अनुवाद, "मनुष्य इसके कामों को स्पष्ट देख पाएं" या "वह जो करता है वह स्पष्ट दिखाई दे"।

John 3:22

क्योंकि वहाँ जल बहुत था
"क्योंकि उस स्थान में जल के सोते अनेक थे"।

आएनोन
इसका अर्थ है जल का सोता

शालेम
यरदन के निकट एक नगर

बपतिस्मा लेते थे
"यूहन्ना उन्हें बपतिस्मा देता था" या "वह उन्हें बपतिस्मा देता था"।

John 3:25

तब यूहन्ना के चेलों का किसी यहूदी के साथ वाद-विवाद हुआ।
"तब यूहन्ना के शिष्यों में और एक यहूदी में विवाद होने लगा"।

विवाद हुआ
"विवाद आरंभ हुआ" या "होने लगा"

विवाद
"शब्दों का झगड़ा"

देख, वह बपतिस्मा देता है।
यहाँ "देख" शब्द एक आज्ञा है अर्थात "ध्यान दे" वैकल्पिक अनुवाद, ध्यान दे कि वह भी बपतिस्मा देता है" या "उसे तो देख, वह भी बपतिस्मा दे रहा है"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 3:27

जब तक उसे स्वर्ग से न दिया जाए तब तक वह कुछ नहीं पा सकता है।
"किसी में सामर्थ्य नहीं जब तक कि"

तुम तो आप ही
यहां "तुम" शब्द बहुवचन में है जिसका अर्थ है वे सब जिनसे यूहन्ना बातें कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद, "तुम सब" या "तुम सब के सब"।

उसके आगे भेजा गया हूँ।
"परमेश्वर ने मुझे पहले आने के लिए भेजा है"

John 3:29

जिसकी दुल्हिन है वही दुल्हा है
"दूल्हा दूल्हन से विवाह करता है" या "दूल्हे के पास ही दूल्हन होती है"

अब, मेरा यह, हर्ष पूरा हुआ है
"अतः मैं बहुत आनन्दित हूँ" या "मेरा आनन्द बहुत है"।

मेरा हर्ष
शब्द "मेरा" अर्थात यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, वह जो कह रहा है

वह बढ़े
"वह" अर्थात दुल्हा, यीशु

John 3:31

वह जो पृथ्वी से है
वैकल्पिक अनुवाद, "जो मनुष्य पृथ्वी पर है" या "पृथ्वी का मनुष्य"

जो स्वर्ग से आता है
"जो" यीशु के संदर्भ में है।

कोई उसकी गवाही ग्रहण नहीं करता
"बहुत कम लोग उसकी गवाही स्वीकार करते हैं"।

जिसने उसकी गवाही ग्रहण कर ली
"जिसने" उस व्यक्ति का संदर्भ देता है जो "यीशु की बातें सुनने वाला मनुष्य" है।

छाप लगा दी है
"सिद्ध करता है" या "सहमत होता है"

John 3:34

क्योंकि जिसे परमेश्वर ने भेजा है
"यह यीशु, जिसे परमेश्वर ने अपना प्रतिनिधि होने के लिए भेजा है"।

क्योंकि वह आत्मा नाप कर नहीं देता है।
"क्योंकि यह वही है जिसे परमेश्वर ने अपनी आत्मा का संपूर्ण सामर्थ्य दे दिया है"

जो विश्वास करता है
"जो विश्वास करता है" या "विश्वास करने वाला कोई भी"

परमेश्वर का क्रोध उस पर रहता है
"परमेश्वर का क्रोध उस पर बना रहता है"

Translation Questions

John 3:1

नीकुदेमुस कौन था?
नीकुदेमुस एक फरीसी था, यहूदी महासभा का सदस्य।

John 3:2

नीकुदेमुस ने यीशु के समक्ष क्या गवाही दी थी?
नीकुदेमुस ने यीशु से कहा, "हे रब्बी, हम जानते हैं कि तू परमेश्वर की ओर से गुरू होकर आया है, क्योंकि कोई इन चिन्हों को जो तू दिखाता है, यदि परमेश्वर उसके साथ न हो तो नहीं दिखा सकता"।

John 3:3

यीशु ने ऐसा क्या कहा कि नीकुदेमुस विस्मित होकर आश्चर्य में पड़ गया था?
यीशु ने नीकुदेमुस से कहा, "यदि कोई नये सिरे से "न जन्में" अर्थात "जल और आत्मा से न जन्में" तो परमेश्वर का राज्य नहीं देख सकता।

John 3:9

नीकुदेमुस के कौन से प्रश्न प्रकट करते हैं कि वह उलझन में पड़ गया था?
नीकुदेमुस ने कहा, "मनुष्य जब बूढ़ा हो गया तो कैसे जन्म ले सकता है? क्या वह अपनी माता के गर्भ में दूसरी बार प्रवेश करके जन्म ले सकता है"? उसने कहा, "ये बातें कैसे हो सकती है"?

John 3:10

यीशु ने नीकुदेमुस को क्यों झिड़की दी?
यीशु ने नीकुदेमुस को झिड़क कर कहा, "तू इस्राएलियों का गुरू होकर भी इन बातों को नहीं समझता"? "जब मैंने पृथ्वी की बातें कही और तुम विश्वास नहीं करते तो यदि मैं स्वर्ग की बातें कहूँ तो फिर कैसे विश्वास करोगे"?

John 3:13

स्वर्ग में कौन चढ़ा था?
कोई स्वर्ग पर नहीं चढ़ा, केवल वही जो स्वर्ग से उतरा, अर्थात मनुष्य का पुत्र।

John 3:14

मनुष्य के पुत्र को ऊँचे पर चढ़ाया जाना क्यों आवश्यक था?
अवश्य है कि मनुष्य का पुत्र भी ऊँचे पर चढ़ाया जाए; ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह अनन्त जीवन पाए।

John 3:16

परमेश्वर ने संसार के लिए अपना प्रेम कैसे प्रकट किया है?
परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 3:17

क्या परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत पर दण्ड की आज्ञा देने भेजा था?
नहीं, परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा, कि जगत उसके द्वारा उद्धार पाए।

John 3:19

मनुष्य दण्ड का भागी क्यों होता है?
दण्ड की आज्ञा का कारण है कि जगत में ज्योति आई और मनुष्यों ने अन्धकार को ज्योति से अधिक प्रिय जाना क्योंकि उनके काम बुरे थे।

John 3:20

बुराई करने वाले ज्योति में आना क्यों नहीं चाहते?
जो बुराई करता है वह ज्योति से बैर रखता है और ज्योति में नहीं आता है क्योंकि वह नहीं चाहता कि उसके काम प्रकट हों।

John 3:21

सत्य पर चलने वाले ज्योति में क्यों आ जाते हैं?
वह ज्योति में आता है ताकि उसके काम प्रगट हों कि वे परमेश्वर की आज्ञाओं के पालन के हैं।

John 3:26

यूहन्ना के शिष्यों ने जब शिकायत की कि यीशु बपतिस्मा दे रहा है और सब उसके पास जा रहे हैं तब यूहन्ना ने क्या उत्तर दिया?
यूहन्ना ने कहा, "अवश्य है कि वह बढ़े और मैं घटूं"।

John 3:33

जिन्होंने स्वर्ग से आने वाले की गवाही ग्रहण कर ली उन्होंने किस बात पर छाप लगा दी है?
उन्होंने सिद्ध कर दिया कि परमेश्वर सच्चा है।

John 3:35

पिता ने पुत्र के हाथ में क्या दे दिया है?
उसने सब वस्तुएं पुत्र के हाथ में दे दीं हैं।

John 3:36

पुत्र में विश्वास करने वालों में क्या है?
उनमे अनन्त जीवन है।

पुत्र की आज्ञा न मानने वालों के साथ क्या होता है?
वह जीवन को नहीं देखेगा, परमेश्वर का क्रोध उस पर रहता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 फिर जब प्रभु को मालूम हुआ कि फरीसियों ने सुना है कि यीशु यूहन्ना से अधिक चेले बनाता और उन्हें बपतिस्मा देता है। **2** (यद्यपि यीशु स्वयं नहीं वरन् उसके चेले बपतिस्मा देते थे), **3** तब वह यहूदिया को छोड़कर फिर गलील को चला गया, **4** और उसको सामरिया से होकर जाना अवश्य था। **5** इसलिए वह सूखार* नामक सामरिया के एक नगर तक आया, जो उस भूमि के पास है जिसे याकूब ने अपने पुत्र यूसुफ को दिया था। **6** और याकूब का कुआँ भी वहीं था। यीशु मार्ग का थका हुआ उस कुएँ पर यों ही बैठ गया। और यह बात लगभग दोपहर के समय हुई। **7** इतने में एक सामरी स्त्री जल भरने को आई। यीशु ने उससे कहा, "मुझे पानी पिला।" **8** क्योंकि उसके चेले तो नगर में भोजन मोल लेने को गए थे। **9** उस सामरी स्त्री ने उससे कहा, "तू यहूदी होकर मुझ सामरी स्त्री से पानी क्यों माँगता है?" क्योंकि यहूदी सामरियों के साथ किसी प्रकार का व्यवहार नहीं रखते। (प्रेरि. 108:28) **10** यीशु ने उत्तर दिया, "यदि तू परमेश्वर के वरदान को जानती, और यह भी जानती कि वह कौन है जो तुझ से कहता है, 'मुझे पानी पिला,' तो तू उससे माँगती, और वह तुझे जीवन का जल* देता।" **11** स्त्री ने उससे कहा, "हे स्वामी, तेरे पास जल भरने को तो कुछ है भी नहीं, और कुआँ गहरा है; तो फिर वह जीवन का जल तेरे पास कहाँ से आया? **12** क्या तू हमारे पिता याकूब से बड़ा है, जिस ने हमें यह कुआँ दिया; और आपही अपने सन्तान, और अपने पशुओं समेत उसमें से पीया?" **13** यीशु ने उसको उत्तर दिया, "जो कोई यह जल पीएगा वह फिर प्यासा होगा, **14** परन्तु जो कोई उस जल में से पीएगा जो मैं उसे दूँगा, वह फिर अनन्तकाल तक प्यासा न होगा; वरन् जो जल मैं उसे दूँगा*, वह उसमें एक सोता बन जाएगा, जो अनन्त जीवन के लिये उमड़ता रहेगा।" **15** स्त्री ने उससे कहा, "हे प्रभु, वह जल मुझे दे ताकि मैं प्यासी न होऊँ और न जल भरने को इतनी दूर आऊँ।" **16** यीशु ने उससे कहा, "जा, अपने पति को यहाँ बुला ला।" **17** स्त्री ने उत्तर दिया, "मैं बिना पति की हूँ।" यीशु ने उससे कहा, "तू ठीक कहती है, 'मैं बिना पति की हूँ।' **18** क्योंकि तू पाँच पति कर चुकी है, और जिसके पास तू अब है वह भी तेरा पति नहीं; यह तूने सच कहा है।" **19** स्त्री ने उससे कहा, "हे प्रभु, मुझे लगता है कि तू भविष्यद्वक्ता है। **20** हमारे पूर्वजों ने इसी पहाड़ पर भजन किया, और तुम कहते हो कि वह जगह जहाँ भजन करना चाहिए यरूशलेम में है।" (व्य. 11:29) **21** यीशु ने उससे कहा, "हे नारी, मेरी बात का विश्वास कर कि वह समय आता है कि तुम न तो इस पहाड़ पर पिता का भजन करोगे, न यरूशलेम में। **22** तुम जिसे नहीं जानते, उसका भजन करते हो; और हम जिसे जानते हैं, उसका भजन करते हैं; क्योंकि उद्धार यहूदियों में से है। (यशा. 2:3) **23** परन्तु वह समय आता है, वरन् अब भी है, जिसमें सच्चे भक्त पिता की आराधना आत्मा और सच्चाई से करेंगे, क्योंकि पिता अपने लिये ऐसे ही आराधकों को ढूँढ़ता है। **24** परमेश्वर आत्मा है, और अवश्य है कि उसकी आराधना करनेवाले आत्मा और सच्चाई से आराधना करें।" **25** स्त्री ने उससे कहा, "मैं जानती हूँ कि मसीह जो ख्रिस्त कहलाता है, आनेवाला है; जब वह आएगा, तो हमें सब बातें बता देगा।" **26** यीशु ने उससे कहा, "मैं जो तुझ से बोल रहा हूँ, वही हूँ।"

27 इतने में उसके चेले आ गए, और अचम्भा करने लगे कि वह स्त्री से बातें कर रहा है; फिर भी किसी ने न पूछा, "तू क्या चाहता है?" या "किस लिये उससे बातें करता है?" **28** तब स्त्री अपना घड़ा छोड़कर नगर में चली गई, और लोगों से कहने लगी, **29** "आओ, एक मनुष्य को देखो, जिस ने सब कुछ जो मैंने किया मुझे बता दिया। कहीं यही तो मसीह नहीं है?" **30** तब वे नगर से निकलकर उसके पास आने लगे। **31** इतने में उसके चेले यीशु से यह विनती करने लगे, "हे रब्बी, कुछ खा ले।" **32** परन्तु उसने उनसे कहा, "मेरे पास खाने के लिये ऐसा भोजन है जिसे तुम नहीं जानते।" **33** तब चेलों ने आपस में कहा, "क्या कोई उसके लिये कुछ खाने को लाया है?" **34** यीशु ने उनसे कहा, "मेरा भोजन यह है, कि अपने भेजनेवाले की इच्छा के अनुसार चलूँ और उसका काम पूरा करूँ। **35** क्या तुम नहीं कहते, 'कटनी होने में अब भी चार महीने पड़े हैं?' देखो, मैं तुम से कहता हूँ, अपनी आँखें उठाकर खेतों पर दृष्टि डालो, कि वे कटनी के लिये पक चुके हैं। **36** और काटनेवाला मजदूरी पाता, और अनन्त जीवन के लिये फल बटोरता है, ताकि बोनेवाला और काटनेवाला दोनों मिलकर आनन्द करें। **37** क्योंकि इस पर यह कहावत ठीक बैठती है: 'बोनेवाला और है और काटनेवाला और।' (मीका 6:15) **38** मैंने तुम्हें वह खेत काटने के लिये भेजा जिसमें तुम ने परिश्रम नहीं किया औरों ने परिश्रम किया और तुम उनके परिश्रम के फल में भागी हुए।"

39 और उस नगर के बहुत से सामरियों ने उस स्त्री के कहने से यीशु पर विश्वास किया; जिस ने यह गवाही दी थी, कि उसने सब कुछ जो मैंने किया है, मुझे बता दिया। **40** तब जब ये सामरी उसके पास आए, तो उससे विनती करने लगे कि हमारे यहाँ रह, और वह वहाँ दो दिन तक रहा। **41** और उसके वचन के कारण और भी बहुतों ने विश्वास किया। **42** और उस स्त्री से कहा, "अब हम तेरे कहने ही से विश्वास नहीं करते; क्योंकि हमने आप ही सुन लिया, और जानते हैं कि यही सचमुच में जगत का उद्धारकर्ता है।" **43** फिर उन दो दिनों के बाद वह वहाँ से निकलकर गलील को गया। **44** क्योंकि यीशु ने आप ही साक्षी दी कि भविष्यद्वक्ता अपने देश में आदर नहीं पाता। **45** जब वह गलील में आया, तो गलीली आनन्द के साथ उससे मिले; क्योंकि जितने काम उसने यरूशलेम में पर्व के समय किए थे, उन्होंने उन सब को देखा था, क्योंकि वे भी पर्व में गए थे।

46 तब वह फिर गलील के काना में आया, जहाँ उसने पानी को दाखरस बनाया था। वहाँ राजा का एक कर्मचारी था जिसका पुत्र कफरनहूम में बीमार था। **47** वह यह सुनकर कि यीशु यहूदिया से गलील में आ गया है, उसके पास गया और उससे विनती करने लगा कि चलकर मेरे पुत्र को चंगा कर दे: क्योंकि वह मरने पर था। **48** यीशु ने उससे कहा, "जब तक तुम चिन्ह और अद्भुत काम न देखोगे तब तक कदापि विश्वास न करोगे।" (दानि. 4:2) **49** राजा के कर्मचारी ने उससे कहा, "हे प्रभु, मेरे बालक की मृत्यु होने से पहले चल।" **50** यीशु ने उससे कहा, "जा, तेरा पुत्र जीवित है।" उस मनुष्य ने यीशु की कही हुई बात पर विश्वास किया और चला गया। **51** वह मार्ग में जा ही रहा था, कि उसके दास उससे आ मिले और कहने लगे, "तेरा लड़का जीवित है।" **52** उसने उनसे पूछा, "किस घड़ी वह अच्छा होने लगा?" उन्होंने उससे कहा, "कल सातवें घण्टे में उसका ज्वर उतर गया।" **53** तब पिता जान गया कि यह उसी घड़ी हुआ जिस घड़ी यीशु ने उससे कहा, "तेरा पुत्र जीवित है," और उसने और उसके सारे घराने ने विश्वास किया। **54** यह दूसरा चिन्ह था जो यीशु ने यहूदिया से गलील में आकर दिखाया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 4:1

जब प्रभु को मालूम हुआ
"जब" शब्द यहाँ कहानी में परिवर्तन का संकेतक है, कहानी में पूर्व के अध्याय में यूहन्ना के शब्दों से परिवर्तित होकर यीशु के कार्यों का वर्णन करती है।

यीशु स्वयं बपतिस्मा नहीं देते थे।
"असलमे यीशु लोगों को बपतिस्मा नहीं दे रहा था"। "स्वयं" शब्द यीशु पर बल देने के लिए है।

John 4:6

मुझे पानी पिला
एक विनम्र निवेदन है, आज्ञा नहीं।

John 4:9

किसी प्रकार का व्यवहार नहीं रखते हैं
"संबन्ध नहीं रखते हैं"।

John 4:11

क्या तू हमारे पिता याकूब से बड़ा है?
"तू हमारे पिता याकूब से बड़ा नहीं हो सकता"

John 4:19

मुझे लगता है कि तू भविष्यद्वक्ता है
"मैं समझ सकती हूं कि तू एक भविष्यद्वक्ता है"

John 4:21

हम जिसे जानते हैं, उसकी आराधना करते हैं, क्योंकि उद्धार यहूदियों में से है।
हम उसे जानते हैं "क्योंकि जो मनुष्यों को परमेश्वर के दण्ड से बचाएगा वह जन्म से यहूदी है"।

John 4:23

परन्तु, वह समय आता है, वरन् अब भी है
वैकल्पिक अनुवाद, "परन्तु समय आ चुका है, जब"

आराधना आत्मा से करेंगे।
"उसके आत्मा के निर्देशन में"

John 4:28

कहीं यही तो मसीह नहीं?
वैकल्पिक मनुष्य, "क्या यह मनुष्य मसीह हो सकता है"?

John 4:34

मेरा भोजन यह है कि अपने भेजने वाले वाले की इच्छा के अनुसार चलूं।
"जिस प्रकार भोजन भूखे मनुष्य को सन्तुष्ट करता है उसी प्रकार परमेश्वर की इच्छा का पालन करना मुझे सन्तुष्ट करता है"

क्या तुम नहीं कहते
"क्या यह तुम में प्रचलित कहावत नहीं"?

वे कटनी के लिए पक चुके हैं।
जिस प्रकार खेत में पकी हुई फसल कटनी के लिए तैयार होती है वैसे ही मनुष्य मेरा सन्देश स्वीकार करने के लिए तैयार हैं"

John 4:37

तुम उसके परिश्रम के फल के भागी हुए।
"तुम" शब्द "तुम" को पिछले उपयोग का फल प्रदान करने के लिए है। इसका अनुवाद अपनी भाषा में उस शब्द से करें जो किसी व्यक्ति को बल प्रदान करता है।

John 4:43

यीशु ने आप ही साक्षी दी
"आप" शब्द बल प्रदान करने के लिए काम में लिया गया है

Translation Questions

John 4:1

यीशु कब यहूदिया से गलील चला गया?
यह जानकर कि फरीसियों को समाचार मिल गया है कि यीशु यूहन्ना से अधिक बपतिस्मा दे रहा है और शिष्य बना रहा है तो वह यहूदिया को छोड़कर गलील चला गया।

John 4:5

गलील जाते समय यीशु किस स्थान में रूका था?
वह सूखार नामक सामरिया के एक नगर में याकूब के कुएँ के पास ठहर गया।

John 4:7

जब यीशु कुएं पर था तब वहाँ कौन आया?
उस कुएँ पर एक सामरी स्त्री पानी भरने आई।

यीशु ने उस सामरी स्त्री से क्या कहा?
यीशु ने उससे कहा, "मुझे पानी पिला"।

John 4:8

यीशु के शिष्य उस समय कहाँ थे?
वे नगर में भोजन लेने गए थे।

John 4:9

उस सामरी स्त्री को यीशु के इस व्यवहार पर आश्चर्य क्यों हुआ?
इस पर मुझे आश्चर्य हुआ क्योंकि यहूदी सामरियों से संबन्ध नहीं रखते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 4:10

यीशु ने वार्तालाप को परमेश्वर की बातों की ओर करने के लिए क्या कहा?
यीशु ने उससे कहा कि यदि वह परमेश्वर के वरदान को जानती और पानी मांगने वाले को पहचानती तो वह उससे मांगती और वह उसे जीवन का जल देता।

John 4:11

उस स्त्री की किस बात से प्रकट होता है कि वह यीशु की आत्मिक बात को समझ नहीं पाई थी?
उस स्त्री ने कहा, "हे प्रभु तेरे पास तो जल भरने को तो कुछ भी नहीं है और कुआं गहरा है, तो फिर वह जीवन का जल तेरे पास कहाँ से आया?"

John 4:15

यीशु उस स्त्री को अपने जल के बारे में क्या कहता है?
यीशु ने उस स्त्री से कहा कि जो उसके दिए हुए पानी को पीते हैं वे फिर कभी प्यासे नहीं होते और वह उनमें सोता बन जायेगा जो अनन्त जीवन के लिए उमड़ता रहेगा।

वह स्त्री अब इस जल को क्यों मांगती है जो यीशु देता है?
उसने वह जल मांगा कि उसे फिर प्यास न लगे और उसे पानी लेने कुएं के पास न आना पड़े।

John 4:16

यीशु चर्चा विषय बदलकर उस स्त्री से क्या कहता है?
यीशु ने उससे कहा, "जा अपने पति को यहां बुला ला"।

John 4:17

जब यीशु ने उससे कहा कि वह अपने पति को ले आए तब उस स्त्री का उत्तर क्या था?
उस स्त्री ने यीशु से कहा कि उसका पति नहीं है।

John 4:18

यीशु की किस बात से उस स्त्री को विश्वास हो गया कि यीशु एक भविष्यद्वक्ता है?
यीशु ने उससे कहा कि उसने पांच पति किए हैं और जिसके साथ वह रहती है, वह भी उसका पति नहीं है।

John 4:20

आराधना के बारे में उस स्त्री ने यीशु के समक्ष क्या मतभेद रखा था?
अब वह आराधना के स्थान पर उनमें जो मतभेद था उसका विषय ले आती है।

John 4:23

यीशु ने सच्चे भक्तों के बारे में उस स्त्री से क्या कहा जिन्हें पिता परमेश्वर खोजता है?
यीशु ने कहा कि परमेश्वर आत्मा है और सच्चे भक्त पिता की आराधना आत्मा और सच्चाई से करेंगे।

John 4:25

उस स्त्री ने यीशु से कहा कि मसीह आने वाला है जो सब बातें बताएगा तो यीशु ने उस पर क्या प्रकट किया?
यीशु ने उससे कहा कि वही मसीह है।

John 4:28

यीशु से बातें करने के बाद उस स्त्री ने क्या किया?
उस स्त्री ने पानी का बर्तन वहीं छोड़ा और नगर में जाकर लोगों से कहा, आओ एक मनुष्य को देखो, जिसने सब कुछ जो मैंने किया मुझे बता दिया। कहीं यही तो मसीह नहीं है?

John 4:30

उस स्त्री की बातें सुनकर नगरवासियों ने क्या किया?
वे सब नगर से निकल कर यीशु के पास आए।

John 4:34

यीशु ने अपना भोजन क्या बताया?
यीशु ने कहा, मेरा भोजन यह है कि अपने भेजने वाले की इच्छा के अनुसार चलूं और उसका काम पूरा करूं।

John 4:36

फसल काटने का क्या लाभ है?
काटने वाला मजदूरी पाता है और अनन्त जीवन के लिए फल बटोरता है, ताकि बोने वाला और काटने वाला दोनों मिलकर आनन्द करें।

John 4:39

वे कौन सी दो बातें थी जिनके कारण सामरियों ने यीशु में विश्वास किया?
उस स्त्री की बातें सुनकर उस नगर में अनेक सामरियों ने यीशु में विश्वास किया और उसके वचन के कारण और भी बहुतों ने विश्वास किया।

John 4:42

उन सामरियों में से अधिकांश ने यीशु के विषय क्या विश्वास किया?
उन्होंने कहा कि अब वे जान गए हैं कि यीशु निश्चय ही जगत का उद्धारकर्ता है।

John 4:45

गलील वासियों ने गलील में यीशु का स्वागत क्यों किया था?
उन्होंने उसका हार्दिक स्वागत किया क्योंकि उन्होंने पर्व के समय यरूशलेम में उसके द्वारा किए गए सब काम देखे थे।

John 4:46

यीशु यहूदिया से गलील आया तब किसने उससे विनती की, कि उसके पुत्र को चंगा करें?
राजा के एक कर्मचारी ने आकर विनती की, कि वह उसके घर आकर उसके पुत्र को चंगा करे।

John 4:48

यीशु ने राजा के उस कर्मचारी से चिन्ह चमत्कारों के बारे में क्या कहा था?
यीशु ने उससे कहा, कि मनुष्य चिन्ह चमत्कार देखे बिना विश्वास नहीं करेंगे।

John 4:50

यीशु ने उससे कहा, जा तेरा पुत्र जीवित है, तो उसने क्या किया?
उसने यीशु की बात पर विश्वास किया और घर लौट गया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 4:53

उस रोगी बालक के पिता से जब यीशु ने कहा, जा तेरा पुत्र जीवित है, एक दिन पहले सातवें घंटे उसका ज्वर उतर गया तो इसका परिणाम क्या हुआ?

परिणाम यह हुआ कि राजा के उस कर्मचारी ने और उसके पूरे घराने ने विश्वास किया।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 इन बातों के पश्चात् यहूदियों का एक पर्व हुआ, और यीशु यरूशलेम को गया। **2** यरूशलेम में भेड़-फाटक के पास एक कुण्ड है, जो इब्रानी भाषा में बैतहसदा कहलाता है, और उसके पाँच ओसारे हैं। **3** इनमें बहुत से बीमार, अंधे, लँगड़े और सूखे अंगवाले (पानी के हिलने की आशा में) पड़े रहते थे। **4** क्योंकि नियुक्त समय पर परमेश्वर के स्वर्गदूत कुण्ड में उतरकर पानी को हिलाया करते थे: पानी हिलते ही जो कोई पहले उतरता, वह चंगा हो जाता था, चाहे उसकी कोई बीमारी क्यों न हो। **5** वहाँ एक मनुष्य था, जो अड़तीस वर्ष से बीमारी में पड़ा था। **6** यीशु ने उसे पड़ा हुआ देखकर और यह जानकर कि वह बहुत दिनों से इस दशा में पड़ा है, उससे पूछा, "क्या तू चंगा होना चाहता है?" **7** उस बीमार ने उसको उत्तर दिया, "हे स्वामी, मेरे पास कोई मनुष्य नहीं, कि जब पानी हिलाया जाए, तो मुझे कुण्ड में उतारे; परन्तु मेरे पहुँचते-पहुँचते दूसरा मुझसे पहले उतर जाता है।" **8** यीशु ने उससे कहा, "उठ, अपनी खाट उठा और चल फिर।" **9** वह मनुष्य तुरन्त चंगा हो गया, और अपनी खाट उठाकर चलने फिरने लगा। **10** वह सब्त का दिन था। इसलिए यहूदी उससे जो चंगा हुआ था, कहने लगे, "आज तो सब्त का दिन है, तुझे खाट उठानी उचित नहीं।" (यिर्म. 17:21) **11** उसने उन्हें उत्तर दिया, "जिस ने मुझे चंगा किया, उसी ने मुझसे कहा, 'अपनी खाट उठाकर चल फिर'।" **12** उन्होंने उससे पूछा, "वह कौन मनुष्य है, जिस ने तुझ से कहा, 'खाट उठा और, चल फिर'?" **13** परन्तु जो चंगा हो गया था, वह नहीं जानता था कि वह कौन है; क्योंकि उस जगह में भीड़ होने के कारण यीशु वहाँ से हट गया था। **14** इन बातों के बाद वह यीशु को मन्दिर में मिला, तब उसने उससे कहा, "देख, तू तो चंगा हो गया है; फिर से पाप मत करना, ऐसा न हो कि इससे कोई भारी विपत्ति तुझ पर आ पड़े।" **15** उस मनुष्य ने जाकर यहूदियों से कह दिया, कि जिस ने मुझे चंगा किया, वह यीशु है। **16** इस कारण यहूदी यीशु को सताने लगे, क्योंकि वह ऐसे-ऐसे काम सब्त के दिन करता था। **17** इस पर यीशु ने उनसे कहा, "मेरा पिता अब तक काम करता है, और मैं भी काम करता हूँ।" **18** इस कारण यहूदी और भी अधिक उसके मार डालने का प्रयत्न करने लगे, कि वह न केवल सब्त के दिन की विधि को तोड़ता, परन्तु परमेश्वर को अपना पिता कहकर, अपने आप को परमेश्वर के तुल्य ठहराता था।

19 इस पर यीशु ने उनसे कहा, "मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, पुत्र आप से कुछ नहीं कर सकता, केवल वह जो पिता को करते देखता है, क्योंकि जिन-जिन कामों को वह करता है, उन्हें पुत्र भी उसी रीति से करता है। **20** क्योंकि पिता पुत्र से प्यार करता है* और जो-जो काम वह आप करता है, वह सब उसे दिखाता है; और वह इनसे भी बड़े काम उसे दिखाएगा, ताकि तुम अचम्भा करो। **21** क्योंकि जैसा पिता मरे हुओं को उठाता और जिलाता है, वैसा ही पुत्र भी जिन्हें चाहता है, उन्हें जिलाता है। **22** पिता किसी का न्याय भी नहीं करता, परन्तु न्याय करने का सब काम पुत्र को सौंप दिया है, **23** इसलिए कि सब लोग जैसे पिता का आदर करते हैं वैसे ही पुत्र का भी आदर करें; जो पुत्र का आदर नहीं करता, वह पिता का जिसने उसे भेजा है, आदर नहीं करता। **24** मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, जो मेरा वचन सुनकर मेरे भेजनेवाले पर विश्वास करता है, अनन्त जीवन उसका है, और उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है।

25 "मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, वह समय आता है, और अब है, जिसमें मृतक परमेश्वर के पुत्र का शब्द सुनेंगे, और जो सुनेंगे वे जीएँगे। **26** क्योंकि जिस रीति से पिता अपने आप में जीवन रखता है, उसी रीति से उसने पुत्र को भी यह अधिकार दिया है कि अपने आप में जीवन रखे; **27** वरन् उसे न्याय करने का भी अधिकार दिया है, इसलिए कि वह मनुष्य का पुत्र है। **28** इससे अचम्भा मत करो; क्योंकि वह समय आता है, कि जितने कब्रों में हैं, उसका शब्द सुनकर निकलेंगे। **29** जिन्होंने भलाई की है, वे जीवन के पुनरुत्थान के लिये जी उठेंगे और जिन्होंने बुराई की है, वे दण्ड के पुनरुत्थान के लिये जी उठेंगे। (दानि.12:2)

30 "मैं अपने आप से कुछ नहीं कर सकता; जैसा सुनता हूँ, वैसा न्याय करता हूँ, और मेरा न्याय सच्चा है; क्योंकि मैं अपनी इच्छा नहीं, परन्तु अपने भेजनेवाले की इच्छा चाहता हूँ। **31** यदि मैं आप ही अपनी गवाही दूँ; तो मेरी गवाही सच्ची नहीं। **32** एक और है जो मेरी गवाही देता है, और मैं जानता हूँ कि मेरी जो गवाही वह देता है, वह सच्ची है। **33** तुम ने यूहन्ना से पुछवाया और उसने सच्चाई की गवाही दी है। **34** परन्तु मैं अपने विषय में मनुष्य की गवाही नहीं चाहता*; फिर भी मैं ये बातें इसलिए कहता हूँ, कि तुम्हें उद्धार मिले। **35** वह तो जलता और चमकता हुआ दीपक था; और तुम्हें कुछ देर तक उसकी ज्योति में, मगन होना अच्छा लगा। **36** परन्तु मेरे पास जो गवाही है, वह यूहन्ना की गवाही से बड़ी है: क्योंकि जो काम पिता ने मुझे पूरा करने को सौंपा है अर्थात् यही काम जो मैं करता हूँ, वे मेरे गवाह हैं, कि पिता ने मुझे भेजा है। **37** और पिता जिस ने मुझे भेजा है, उसी ने मेरी गवाही दी है: तुम ने न कभी उसका शब्द सुना, और न उसका रूप देखा है; **38** और उसके वचन को मन में स्थिर नहीं रखते, क्योंकि जिसे उसने भेजा तुम उस पर विश्वास नहीं करते। **39** तुम पवित्रशास्त्र में ढूँढ़ते* हो, क्योंकि समझते हो कि उसमें अनन्त जीवन तुम्हें मिलता है, और यह वही है, जो मेरी गवाही देता है; **40** फिर भी तुम जीवन पाने के लिये मेरे पास आना नहीं चाहते। **41** मैं मनुष्यों से आदर नहीं चाहता। **42** परन्तु मैं तुम्हें जानता हूँ, कि तुम में परमेश्वर का प्रेम नहीं। **43** मैं अपने पिता के नाम से आया हूँ, और तुम मुझे ग्रहण नहीं करते; यदि कोई और अपने ही नाम से आए, तो उसे ग्रहण कर लोगे। **44** तुम जो एक दूसरे से आदर चाहते हो और वह आदर जो एकमात्र परमेश्वर की ओर से है, नहीं चाहते, किस प्रकार विश्वास कर सकते हो? **45** यह न समझो, कि मैं पिता के सामने तुम पर दोष लगाऊँगा, तुम पर दोष लगानेवाला तो है, अर्थात् मूसा है जिस पर तुम ने भरोसा रखा है। **46** क्योंकि यदि तुम मूसा पर विश्वास करते, तो मुझ पर भी विश्वास करते, इसलिए कि उसने मेरे विषय में लिखा है। (लूका 24:27) **47** परन्तु यदि तुम उसकी लिखी हुई बातों पर विश्वास नहीं करते, तो मेरी बातों पर क्यों विश्वास करोगे?"

John 5:1

इन बातों के पश्चात्
राजा के कर्मचारी के पुत्र को जीवित करने के बाद

यरूशलेम को गया
यरूशलेम पहाड़ पर बसा है। यरूशलेम का मार्ग छोटी पहाड़ियों पर ऊपर नीचे होता हुआ जाता है। यदि आपकी भाषा में ऐसा शब्द है जो समतल भूमि पर चलने की अपेक्षा पहाड़ पर चढ़ने को व्यक्त करता है तो उसका उपयोग करें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

कुण्ड
भूमि में पानी का गड्ढा

बैतहसदा
"बैतहसदा" का अर्थ है दया का घर

ओसारे
किसी इमारत से लगी छत जिसकी कम से कम एक दीवार नहीं होती है

बहुत से
अनेक

पद 4
कुछ प्राचीन अभिलेखों में यह पद है परन्तु अन्यों में नहीं है, अतः हमारा सुझाव है कि आप वहां रिक्त स्थान छोड़ने की अपेक्षा पद 3 और पद 4 को जोड़ दें जैसा यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में किया गया है।

John 5:5

वहाँ था
"बैतहसदा के कुण्ड के पास।"

अड़तीस वर्ष से
38 वर्षों से

यह जानकर
"वह समझ गया"

John 5:7

जब पानी हिलाया जाए
"जब स्वर्गदूत पानी हिलाए"

दूसरा मुझसे पहले उतर जाता है।
"मुझसे पहले कोई और ही कुण्ड में उतर जाता है" उस कुण्ड में जल तक पहुंचने के लिए सीढ़ियों से उतर कर जाना होता था।

उठ
"खड़ा हो"

अपनी खाट उठा
"अपना बिछौना उठा"

John 5:9

वह मनुष्य तुरन्त चंगा हो गया।
"वह मनुष्य फिर से स्वस्थ हो गया"

अब
अब मुख्य कहानी में अन्तराल आता है

John 5:10

जिसने मुझे चंगा किया
जिस मनुष्य ने मुझे स्वास्थ्य प्रदान किया

John 5:12

उन्होंने उससे पूछा
"यहूदी गुरूओं ने स्वास्थ्य लाभ उठाने वाले से पूछा"

John 5:14

वह यीशु को मिला
"यीशु को वह मनुष्य मिला जिसे उसने चंगा किया था"

देख
वैकल्पिक अनुवाद, "देख" या "सुन" या "मैं जो कहने जा रहा हूँ उस पर ध्यान दे"।

John 5:16

अब
यहाँ कहानी में अन्तराल आता है और यूहन्ना कहानी का एक नये परिदृश्य प्रस्तुत करता है।

अपने आप को परमेश्वर के तुल्य भी ठहराता है
"कहता है कि वह परमेश्वर के समान है" या "कहता है कि उसके पास परमेश्वर के समान अधिकार है"

John 5:19

x
यीशु यहूदी धर्म-गुरूओं से बातें कर रहा है .

सच-सच
उसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

तुम अचम्भा करोगे
"तुम चकित हो जाओगे" या "तुम भौंचक्के रह जाओगे"।

John 5:21

x
यीशु यहूदी धर्म-गुरूओं से ही बातें कर रहा है .

John 5:24

x
यीशु यहूदी धर्म-गुरूओं से ही बातें कर रहा है .

सच-सच
उसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

John 5:25

x
यीशु यहूदी धर्म-गुरूओं से बातें कर रहा है .

सच-सच
यह बल देने के लिए है। इसका अनुवाद अपनी भाषा में किसी बात पर बल देने के शब्दों में करें

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 5:26

x
यीशु यहूदी धर्म-गुरूओं से बातें कर रहा है .

John 5:28

x
यीशु यहूदी धर्म-गुरूओं से बातें कर रहा है .

उसका शब्द सुन कर
"मनुष्य के पुत्र की वाणी सुनकर"

John 5:30

x
यीशु यहूदी धर्म-गुरूओं से ही बातें कर रहा है .

कुछ नहीं कर सकता
इसका अनुवाद वैसा करें जैसा में किया है

John 5:33

x
यीशु यहूदी धर्म-गुरूओं से बातें कर रहा है .

मैं अपने विषय में मनुष्य की गवाही नहीं चाहता
"मुझे मनुष्यों की गवाही की आवश्यकता नहीं"

युहन्ना तो जलता और चमकता हुआ दीपक था
"यूहन्ना ने परमेश्वर की पवित्रता को इस प्रकार प्रकट किया जिस प्रकार दीपक ज्योति प्रकट करता है"।

John 5:36

x
यीशु यहूदी धर्म-गुरूओं से बातें कर रहा है .

उसके वचन को तुम में स्थिर नहीं रखते क्योंकि उसने भेजा है तुम उसका विश्वास नहीं करते।
"तुम उसमें विश्वास नहीं करते जिसे उसने भेजा है, इसी से मैं जानता हूं कि उसका वचन तुममे नहीं है।"

तुम में
"तुममें अवस्थित"

John 5:39

x
यीशु यहूदी धर्म-गुरूओं से बातें कर रहा है .

उसमें अनन्त जीवन तुम्हें मिलता है
"यदि तुम धर्मशास्त्र पढ़ो तो तुम्हें अनन्त जीवन प्राप्त होगा" या "धर्मशास्त्र तुम्हें अनन्त जीवन पाने का मार्ग दिखाएगा"।

John 5:41

x
यीशु यहूदी धर्म-गुरूओं से ही बातें कर रहा है .

मिलता है
"ग्रहण कर पाओगे"

तुममें परमेश्वर का प्रेम नहीं
इसके अर्थ हो सकते हैं (1) "तुम परमेश्वर से सच में प्रेम नहीं करते" (देखें यू.डी.बी.) या (2) "तुम्हें परमेश्वर का प्रेम वास्तव में मिला नहीं"

John 5:43

x
यीशु यहूदी धर्म-गुरूओं से ही बातें कर रहा है .

तुम जो एक दूसरे से आदर चाहते हो और वह आदर जो एकमात्र परमेश्वर की ओर से है, नहीं चाहते, किस प्रकार विश्वास कर सकते हो?
"तुम किसी भी प्रकार विश्वास नहीं कर सकते क्योंकि तुम एक दूसरे से प्रशंसा पाना चाहते हो .... एकमात्र परमेश्वर की ओर से है"

John 5:45

x
यीशु यहूदी धर्म-गुरूओं से बातें कर रहा है .

यदि तुम उसकी लिखी हुई बातों पर विश्वास नहीं करते, तो मेरी बातों पर कैसे विश्वास करोगे?
"तुम उसकी लिखी हुई बातों पर विश्वास करते नहीं तो मेरी बातों पर कैसे विश्वास करोगे"।

मेरी बातों पर
"जो मैं कहता हूं"

Translation Questions

John 5:2

भेड़ फाटक के पास उस कुण्ड का नाम क्या था जिसके पांच ओसारे थे?
इस कुण्ड का नाम बैतहसदा था।

John 5:3

बैतहसदा के पास कौन लोग रहते थे?
उस छत के नीचे बहुत से बीमार, अंधे, लंगड़े और सूखे अंग वाले पड़े रहते थे।

John 5:5

बैतहसदा के निकट यीशु ने किससे पूछा, "क्या तू चंगा होना चाहता है?
वहाँ अड़तीस वर्षों से एक रोगी पड़ा हुआ था यीशु ने उससे साक्षात्कार किया।

John 5:7

यीशु ने जब उससे पूछा, क्या तू चंगा होना चाहता है, तब उसने क्या उत्तर दिया?
उस रोगी ने कहा, "हे प्रभु मेरे पास कोई मनुष्य नहीं कि जब पानी हिलाया जाए, तो मुझे कुण्ड में उतारे; परन्तु मेरे पहुँचते-पहुँचते दूसरा मुझसे पहले उतर जाता है।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 5:8

यीशु ने उस रोगी से कहा, "अपनी खाट उठा और चल-फिर", तब क्या हुआ?
वह तुरन्त चंगा हो गया और अपनी खाट उठाकर चलने लगा।

John 5:9

उस रोगी को अपनी खाट उठाकर चलते हुए देख यहूदी अगुवे क्यों क्रोधित हुए?
यह देख वे क्रोधित हुए क्योंकि वह सब्त का दिन था और उसे अपनी खाट उठाने की अनुमति नहीं थी।

John 5:14

उस रोगी को जब यीशु ने मन्दिर में देखा तब उससे क्या कहा?
यीशु ने उससे कहा, "देख, तू चंगा हो गया है। फिर से पाप मत करना, ऐसा न हो कि इससे भारी विपत्ति तुम पर आ पड़े।"

John 5:15

जब यीशु ने उससे कहा, कि वह पाप करना छोड़ दे तब उस रोगी ने क्या किया?
उसने यहूदियों के अगुवों से कहा कि उसे चंगा करने वाला यीशु था।

John 5:17

सब्त के दिन यीशु चंगाई का काम करता था इसलिए यहूदी अगुवे उसे सताने लगे, तो यीशु ने उनसे क्या कहा?
यीशु ने उनसे कहा, "मेरा पिता अब तक काम करता है और मैं भी काम करता हूँ"।

John 5:18

यीशु ने यहूदियों के अगुवों से क्या कहा उसके कारण वे उसे मार डालने का प्रयत्न करने लगे?
यह इसलिए हुआ कि यीशु ने (उनके विचार में) सब्त के दिन का उल्लंघन ही नहीं किया, परमेश्वर को अपना पिता कहा अर्थात उसकी बराबरी की।

John 5:19

यीशु ने क्या किया?
उसने वही किया जो उसने पिता को करते देखा।

John 5:20

पिता ने पुत्र को कौन से महान कार्य दिखाए जिसे देख यहूदी अगुवें आश्चर्यचकित हुए?
पिता मरे हुओं को उठाता और जिलाता है, वैसा ही पुत्र भी जिन्हें चाहता है जिलाता है।

John 5:22

पिता ने न्याय का सब काम पुत्र को क्यों सौंप दिया है?
पिता ने न्याय करने का सब काम पुत्र को सौंप दिया है कि सब लोग जैसे पिता का आदर करते हैं वैसे ही पुत्र का भी आदर करें।

John 5:23

यदि कोई पुत्र का आदर न करे तो क्या होता है?
यदि कोई पुत्र का आदर नहीं करता तो वह भेजने वाले पिता का भी आदर नहीं करता है।

John 5:24

यदि कोई यीशु के वचनों में विश्वास करे और उसको भेजने वाले पिता में विश्वास करे तो उसका क्या होता है?
यदि ऐसा है तो अनन्त जीवन उसका है और उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है।

John 5:26

पिता ने जीवन के संबन्ध में पुत्र को क्या दिया है?
पिता ने पुत्र को अधिकार दिया है कि अपने आपमें जीवन रखे।

John 5:28

जब मृतक परमेश्वर पिता का शब्द सुनेंगे तब क्या होगा?
जिन्होंने भलाई की है, उनका पुनरूत्थान जीवन के लिए होगा और जिन्होंने बुराई की है, उनका पुनरूत्थान दण्ड के लिए होगा।

John 5:30

यीशु का न्याय सच्चा क्यों है?
उसका न्याय सच्चा है क्योंकि वह अपनी इच्छा पूरी नहीं करता परन्तु उसको भेजने वाले की इच्छा पूरी करता है।

John 5:34

यीशु की कौन सी दो गवाहियां हैं जो मनुष्य की नहीं हैं?
यीशु ने जो काम किया वह पिता ने उसे पूरा करने को सौंपा था, वे गवाही हैं कि पिता ने यीशु को भेजा है और पिता ही ने यीशु की गवाही दी है।

John 5:37

पिता का शब्द किसने नहीं सुना और किसने उसका रूप कभी नहीं देखा?
यहूदियों ने न तो कभी परमेश्वर का शब्द सुना न उसका रूप देखा।

John 5:39

यहूदियों के अगुवे धर्मशास्त्र में खोज क्यों करते थे?
वे धर्मशास्त्र में खोजते थे कि उन्हें अनन्त जीवन मिल जाए।

धर्मशास्त्र किसकी गवाही देते थे?
धर्मशास्त्र यीशु की गवाही देते थे।

John 5:44

यहूदियों के अगुवे किससे प्रशंसा नहीं खोजते थे?
एकमात्र आदर जो परमेश्वर की ओर से है उसे वे नहीं चाहते थे।

John 5:45

परमेश्वर पिता के समक्ष यहूदी अगुवों को कौन दोष देगा?
मूसा परमेश्वर के समक्ष यहूदी अगुवों पर दोष लगाएगा।

John 5:46

यीशु ने क्या कहा कि यहूदी अगुवे करेंगे यदि वे मूसा का विश्वास करें?
यीशु ने कहा कि यदि यहूदी अगुवे मूसा पर विश्वास करते तो उसका भी विश्वास करते क्योंकि उसने यीशु के विषय में लिखा था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 6

1 इन बातों के बाद यीशु गलील की झील अर्थात् तिबिरियुस की झील के पार गया। 2 और एक बड़ी भीड़ उसके पीछे हो ली क्योंकि जो आश्चर्यकर्म वह बीमारों
पर दिखाता था वे उनको देखते थे*। 3 तब यीशु पहाड़ पर चढ़कर अपने चेलों के साथ वहाँ बैठा। 4 और यहूदियों के फसह का पर्व निकट था। 5 तब यीशु ने
अपनी आँखें उठाकर एक बड़ी भीड़ को अपने पास आते देखा, और फिलिप्पुस से कहा, “हम इनके भोजन के लिये कहाँ से रोटी मोल लाएँ?” 6 परन्तु उसने
यह बात उसे परखने के लिये कही; क्योंकि वह स्वयं जानता था कि वह क्या करेगा। 7 फिलिप्पुस ने उसको उत्तर दिया, “दो सौ दीनार की रोटी भी उनके लिये
पूरी न होंगी कि उनमें से हर एक को थोड़ी-थोड़ी मिल जाए।” 8 उसके चेलों में से शमौन पतरस के भाई अन्द्रियास ने उससे कहा, 9 “यहाँ एक लड़का है,
जिसके पास जौ की पाँच रोटी और दो मछलियाँ हैं, परन्तु इतने लोगों के लिये वे क्या हैं।” 10 यीशु ने कहा, “लोगों को बैठा दो।” उस जगह बहुत घास थी। तब
वे लोग जो गिनती में लगभग पाँच हजार के थे, बैठ गए। 11 तब यीशु ने रोटियाँ लीं, और धन्यवाद करके बैठनेवालों को बाँट दी; और वैसे ही मछलियों में से
जितनी वे चाहते थे बाँट दिया। 12 जब वे खाकर तृप्त हो गए, तो उसने अपने चेलों से कहा, “बचे हुए टुकड़े बटोर लो, कि कुछ फेंका न जाए।” 13 इसलिए
उन्होंने बटोरा, और जौ की पाँच रोटियों के टुकड़े जो खानेवालों से बच रहे थे, उनकी बारह टोकरियाँ भरीं। 14 तब जो आश्चर्यकर्म उसने कर दिखाया उसे वे लोग
देखकर कहने लगे; कि “वह भविष्यद्वक्ता जो जगत में आनेवाला था निश्चय यही है।” (मत्ती 21:11) 15 यीशु यह जानकर कि वे उसे राजा बनाने के लिये
आकर पकड़ना चाहते हैं, फिर पहाड़ पर अकेला चला गया।

16 फिर जब संध्या हुई, तो उसके चेले झील के किनारे गए, 17 और नाव पर चढ़कर झील के पार कफरनहूम को जाने लगे। उस समय अंधेरा हो गया था, और
यीशु अभी तक उनके पास नहीं आया था। 18 और आँधी के कारण झील में लहरें उठने लगीं। 19 तब जब वे खेते-खेते तीन चार मील के लगभग निकल गए,
तो उन्होंने यीशु को झील पर चलते, और नाव के निकट आते देखा, और डर गए। 20 परन्तु उसने उनसे कहा, “मैं हूँ; डरो मत।” 21 तब वे उसे नाव पर चढ़ा
लेने के लिये तैयार हुए और तुरन्त वह नाव उसी स्थान पर जा पहुँची जहाँ वह जाते थे।

22 दूसरे दिन उस भीड़ ने, जो झील के पार खड़ी थी, यह देखा, कि यहाँ एक को छोड़कर और कोई छोटी नाव न थी, और यीशु अपने चेलों के साथ उस नाव
पर न चढ़ा, परन्तु केवल उसके चेले ही गए थे। 23 (तो भी और छोटी नावें तिबिरियुस से उस जगह के निकट आई, जहाँ उन्होंने प्रभु के धन्यवाद करने के बाद
रोटी खाई थी।) 24 जब भीड़ ने देखा, कि यहाँ न यीशु है, और न उसके चेले, तो वे भी छोटी-छोटी नावों पर चढ़ के यीशु को ढूँढ़ते हुए कफरनहूम को पहुँचे।

25 और झील के पार उससे मिलकर कहा, “हे रब्बी, तू यहाँ कब आया?” 26 यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, “मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, तुम मुझे इसलिए नहीं
ढूँढ़ते हो कि तुम ने अचम्भित काम देखे, परन्तु इसलिए कि तुम रोटियाँ खाकर तृप्त हुए। 27 नाशवान भोजन के लिये परिश्रम न करो*, परन्तु उस भोजन के
लिये जो अनन्त जीवन तक ठहरता है, जिसे मनुष्य का पुत्र तुम्हें देगा, क्योंकि पिता, अर्थात् परमेश्वर ने उसी पर छाप कर दी है।” 28 उन्होंने उससे कहा,
“परमेश्वर के कार्य करने के लिये हम क्या करें?” 29 यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, “परमेश्वर का कार्य यह है, कि तुम उस पर, जिसे उसने भेजा है, विश्वास करो।”
30 तब उन्होंने उससे कहा, “फिर तू कौन सा चिन्ह दिखाता है कि हम उसे देखकर तुझ पर विश्वास करें? तू कौन सा काम दिखाता है? 31 हमारे पूर्वजों ने
जंगल में मन्ना खाया; जैसा लिखा है, ‘उसने उन्हें खाने के लिये स्वर्ग से रोटी दी’।” (भज. 78:24) 32 यीशु ने उनसे कहा, “मैं तुम से सच-सच कहता हूँ कि
मूसा ने तुम्हें वह रोटी स्वर्ग से न दी, परन्तु मेरा पिता तुम्हें सच्ची रोटी स्वर्ग से देता है। 33 क्योंकि परमेश्वर की रोटी वही है, जो स्वर्ग से उतरकर जगत को जीवन
देती है।” 34 तब उन्होंने उससे कहा, “हे स्वामी, यह रोटी हमें सर्वदा दिया कर।” 35 यीशु ने उनसे कहा, “जीवन की रोटी मैं हूँ*: जो मेरे पास आएगा वह कभी
भूखा न होगा और जो मुझ पर विश्वास करेगा, वह कभी प्यासा न होगा। 36 परन्तु मैंने तुम से कहा, कि तुम ने मुझे देख भी लिया है, तो भी विश्वास नहीं करते।
37 जो कुछ पिता मुझे देता है वह सब मेरे पास आएगा, और जो कोई मेरे पास आएगा उसे मैं कभी न निकालूँगा। 38 क्योंकि मैं अपनी इच्छा नहीं, वरन् अपने
भेजनेवाले की इच्छा पूरी करने के लिये स्वर्ग से उतरा हूँ। 39 और मेरे भेजनेवाले की इच्छा यह है कि जो कुछ उसने मुझे दिया है, उसमें से मैं कुछ न खोऊँ
परन्तु उसे अन्तिम दिन फिर जिला उठाऊँ। 40 क्योंकि मेरे पिता की इच्छा यह है, कि जो कोई पुत्र को देखे, और उस पर विश्वास करे, वह अनन्त जीवन पाए;
और मैं उसे अन्तिम दिन फिर जिला उठाऊँगा।” 41 तब यहूदी उस पर कुड़कुड़ाने लगे, इसलिए कि उसने कहा था, “जो रोटी स्वर्ग से उतरी, वह मैं हूँ।” 42
और उन्होंने कहा, “क्या यह यूसुफ का पुत्र यीशु नहीं, जिसके माता-पिता को हम जानते हैं? तो वह क्यों कहता है कि मैं स्वर्ग से उतरा हूँ?” 43 यीशु ने उनको
उत्तर दिया, “आपस में मत कुड़कुड़ाओ। 44 कोई मेरे पास नहीं आ सकता, जब तक पिता, जिसने मुझे भेजा है, उसे खींच न ले; और मैं उसको अन्तिम दिन
फिर जिला उठाऊँगा। 45 भविष्यद्वक्ताओं के लेखों में यह लिखा है, ‘वे सब परमेश्वर की ओर से सिखाए हुए होंगे।’ जिस किसी ने पिता से सुना और सीखा है,
वह मेरे पास आता है। (यशा. 54:13) 46 यह नहीं, कि किसी ने पिता को देखा है परन्तु जो परमेश्वर की ओर से है, केवल उसी ने पिता को देखा है। 47 मैं तुम
से सच-सच कहता हूँ, कि जो कोई विश्वास करता है, अनन्त जीवन उसी का है। 48 जीवन की रोटी मैं हूँ। 49 तुम्हारे पूर्वजों ने जंगल में मन्ना खाया और मर गए।
50 यह वह रोटी है जो स्वर्ग से उतरती है ताकि मनुष्य उसमें से खाए और न मरे। 51 जीवन की रोटी जो स्वर्ग से उतरी मैं हूँ। यदि कोई इस रोटी में से खाए, तो
सर्वदा जीवित रहेगा; और जो रोटी मैं जगत के जीवन के लिये दूँगा, वह मेरा माँस है।” 52 इस पर यहूदी यह कहकर आपस में झगड़ने लगे, “यह मनुष्य कैसे
हमें अपना माँस खाने को दे सकता है?” 53 यीशु ने उनसे कहा, “मैं तुम से सच-सच कहता हूँ जब तक मनुष्य के पुत्र का माँस न खाओ, और उसका लहू न
पीओ, तुम में जीवन नहीं। 54 जो मेरा माँस खाता, और मेरा लहू पीता हैं, अनन्त जीवन उसी का है, और मैं अन्तिम दिन फिर उसे जिला उठाऊँगा। 55 क्योंकि
मेरा माँस वास्तव में खाने की वस्तु है और मेरा लहू वास्तव में पीने की वस्तु है। 56 जो मेरा माँस खाता और मेरा लहू पीता है, वह मुझ में स्थिर बना रहता है*,
और मैं उसमें। 57 जैसा जीविते पिता ने मुझे भेजा और मैं पिता के कारण जीवित हूँ वैसा ही वह भी जो मुझे खाएगा मेरे कारण जीवित रहेगा। 58 जो रोटी स्वर्ग
से उतरी यही है, पूर्वजों के समान नहीं कि खाया, और मर गए; जो कोई यह रोटी खाएगा, वह सर्वदा जीवित रहेगा।” 59 ये बातें उसने कफरनहूम के एक
आराधनालय में उपदेश देते समय कहीं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

60 इसलिए उसके चेलों में से बहुतों ने यह सुनकर कहा, “यह तो कठोर शिक्षा है; इसे कौन मान सकता है?” **61** यीशु ने अपने मन में यह जानकर कि मेरे चेले आपस में इस बात पर कुड़कुड़ाते हैं, उनसे पूछा, “क्या इस बात से तुम्हें ठोकर लगती है? **62** और यदि तुम मनुष्य के पुत्र को जहाँ वह पहले था, वहाँ ऊपर जाते देखोगे, तो क्या होगा? (भज. 47:5) **63** आत्मा तो जीवनदायक है, शरीर से कुछ लाभ नहीं। जो बातें मैंने तुम से कहीं हैं वे आत्मा है, और जीवन भी हैं। **64** परन्तु तुम में से कितने ऐसे हैं जो विश्वास नहीं करते।” क्योंकि यीशु तो पहले ही से जानता था कि जो विश्वास नहीं करते, वे कौन हैं; और कौन मुझे पकड़वाएगा। **65** और उसने कहा, “इसलिए मैंने तुम से कहा था कि जब तक किसी को पिता की ओर से यह वरदान न दिया जाए तब तक वह मेरे पास नहीं आ सकता।”

66 इस पर उसके चेलों में से बहुत सारे उल्टे फिर गए और उसके बाद उसके साथ न चले। **67** तब यीशु ने उन बारहों से कहा, “क्या तुम भी चले जाना चाहते हो?” **68** शमौन पतरस ने उसको उत्तर दिया, “हे प्रभु, हम किस के पास जाएँ? अनन्त जीवन की बातें तो तेरे ही पास हैं। **69** और हमने विश्वास किया, और जान गए हैं, कि परमेश्वर का पवित्र जन तू ही है।” **70** यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, “क्या मैंने तुम बारहों को नहीं चुन लिया? तो भी तुम में से एक व्यक्ति शैतान है।” **71** यह उसने शमौन इस्करियोती के पुत्र यहूदा के विषय में कहा, क्योंकि यही जो उन बारहों में से था, उसे पकड़वाने को था।

John 6:1

इन बातों के बाद
"इन बातों" अर्थात . की घटनाओं के बाद। वैकल्पिक अनुवाद, "कुछ समय बाद"।

यीशु चला गया
"यीशु पार गया" (यू.डी.बी.) या "यीशु चलकर पहुंचा"

एक बड़ी भीड़
"विशाल जनसमूह"

John 6:4

अब
यह शब्द का उपयोग करके अब मुख्य कहानी में अन्तराल आता है

(यहूदियों के फसह पर्व निकट था)
यूहन्ना कुछ समय कहानी को रोकता है कि कहानी की पृष्ठ भूमि की जानकारी दे कि वह क्या समय था जब ये सब घटनाएं हो रही थी।

(उसने यह बात उसको परखने के लिए कही थी, क्योंकि वह आप जानता था कि वह क्या करेगा।)
यूहन्ना कुछ समय के लिए कहानी की घटनाओं का क्रम रोक देता है कि यीशु द्वारा फिलिप्पुस से रोटी का प्रबन्ध करने की बात की व्याख्या करे।

वह आप जानता था।
यह शब्द "आप" स्पष्ट करता है कि "वह" शब्द यीशु के लिए काम में लिया गया है। यीशु जानता था कि वह क्या करेगा।

John 6:7

दो सौ दीनार की रोटी
दो सौ दिनों की मजदूरी के पैसों से खरीदी गई रोटी"

जौ की .... रोटी
जौ के आटे से बनी रोटी

इतने लोगों के लिए वे क्या हैं?
ये पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ इतने लोगों को भोजन कराने के लिए क्या हैं?

John 6:10

बैठा दो
"बैठा दो" आपकी भाषा में भोजन करने के लिए बैठने का शब्द काम में लें।

(उस जगह बहुत घास थी)
मनुष्यों के बैठने के लिए वह एक सुविधाजनक स्थान था

लोग .... पुरूष
जनसमूह

संख्या लगभग पांच हजार थी
जनसमूह में संभवतः स्त्रियां और बच्चे भी थे , परन्तु गणना केवल पुरूषों की है।

धन्यवाद करके
यीशु परमेश्वर से प्रार्थना करके रोटी और मछलियों के लिए उसे धन्यवाद दे रहा है।

बैठने वालों में बांट दीं।
यीशु ने रोटियाँ और मछलियाँ तोड़ी और अपने शिष्यों को दे दीं कि वे उन्हें लोगों में बांट दें।

John 6:13

उन्होंने बटोरा
"शिष्यों ने एकत्र किया"

बच रहे थे
जो भोजन किसी ने नहीं खाया था

यह आश्चर्यकर्म हैं
यीशु द्वारा पाँच हजार लोगों को पांच रोटियाँ और दो मछलियाँ से भोजन करने का।

John 6:16

(उस समय अन्धेरा हो गया था और यीशु अभी तक उनके पास आया नहीं था।)
अपनी भाषा की अभिव्यक्ति द्वारा इसे व्यक्त करें कि यह जानकारी पृष्ठभूमि की है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 6:19

शिष्य नाव खे रहे थे
नाव में प्रायः दो, चार, छः लोग पतवार चलाते थे। आपकी भाषा में पानी पर नाव चलाने के लिए भिन्न विधि हो सकती है।

तीन-चार मील
भूल भाषा का शब्द है "स्टेडियम" अर्थात 185 मीटर।

John 6:22

झील
गलील सागर

"तब अन्य नावें निकट आई, जहाँ उन्होंने प्रभु के धन्यवाद करने के बाद ...."
अपनी भाषा की अभिव्यक्ति द्वारा इसे व्यक्त करें कि यह जानकारी पृष्ठभूमि की है

नावें तिबरियास से उस जगह के निकट आई
शिष्यों के चले जाने के बाद नावें आई परन्तु इससे पूर्व कि लोग देखते कि "वहाँ कोई नांव न थी"।

John 6:26

मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ
उसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

John 6:32

x
यीशु लोगों से बातें कर रहा है .

मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ
उसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

जीवन की रोटी
यीशु अपनी तुलना रोटी से कर रहा है। जैसे हमारे शरीर के लिए रोटी आवश्यक है, वैसे ही यीशु हमारे आत्मिक जीवन के लिए आवश्यक है।

John 6:35

x
यीशु लोगों से बातें कर रहा है .

जीवन की रोटी मैं हूँ।
यीशु अपनी तुलना रोटी से कर रहा है। जैसे हमारे शरीर के लिए रोटी आवश्यक है, वैसे ही यीशु हमारे आत्मिक जीवन के लिए आवश्यक है।

जो कोई मेरे पास आयेगा उसे मैं कभी न निकालूँगा।
"जो मेरे पास आयेंगे उनमें से हर एक को मैं अपने पास रखूंगा"।

John 6:38

x
यीशु लोगों से बातें कर रहा है .

उसने जिसने मुझे भेजा
"मेरा पिता जिसने मुझे भेजा है"

John 6:41

x
यीशु जब लोगों से बातें कर रहा था तब यहूदी मनुष्यों ने विघ्न डाला .

कुड़कुड़ाने लगे
अप्रसन्न होकर कुड़कुड़ाना लगे

जो रोटी स्वर्ग से उतरी वह मैं हूँ
इसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

John 6:43

x
यीशु लोगों से बातें कर रहा है परन्तु यहूदी अगुवे भी हैं। .

खींच
इसके अर्थ हो सकते हैं, (1) "खींचता है" या (2) "आकर्षित करता है"

भविष्यद्वक्ता के लेखों में यह लिखा है
"भविष्यद्वक्ताओं ने लिखा है"

John 6:46

x
अब यीशु श्रोताओं से बातें कर रहा है .

यह नहीं कि किसी ने पिता को देखा है, ... उसी ने पिता को देखा है।
संभावित अर्थ, (1) यूहन्ना अपने शब्दों को जोड़ रहा है आप अपने शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं कि यह कहानी का महत्त्वपूर्ण भाग है। (देखें: [[rc://*/bible/team-info/training/quick-reference/discourse/background]]) यीशु यूह. 06:43/6:45) के संभावित भ्रम को दूर कर रहा है।

मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ
उसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

John 6:48

x
यीशु श्रोताओं से बातें कर रहा है।

जीवन की रोटी मैं हूँ।
इसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे .में किया है।

John 6:50

x
यीशु श्रोताओं से बातें कर रहा है। .

यह वह रोटी है
देखें .

जीवन की रोटी
इसके अर्थ हैं, (1) जैसा में जीवन की रोटी का है या (2) "रोटी जो जीवित है" जैसे मनुष्य और पशु जीवित है, मृतक का विपरित।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 6:52

x
यीशु सब श्रोताओं से बातें कर रहा है। (यूह. 06:32/6:32)

मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ
उसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

मनुष्य के पुत्र का मांस खाओ और उसका लहू पीओ
मनुष्य के पुत्र को विश्वास के द्वारा ग्रहण करना ऐसा है जैसे जीवनदायक भोजन-पानी पीना

John 6:54

x
यीशु सब श्रोताओं से बातें कर रहा है। (यूह. 06:32/6:32)

वास्तव में खाने की वस्तु .... वास्तव में पीने की वस्तु
यीशु को विश्वास के द्वारा ग्रहण करना अनन्त जीवन उसी प्रकार देता है जिस प्रकार भोजन-पानी शरीर का पोषण करते हैं।

John 6:57

x
यीशु सब श्रोताओं से बातें कर रहा है। (यूह. 06:32/6:32)

जीवते पिता
इसके अर्थ हो सकते हैं, (1) "पिता जो जीवन देता है" (देखें यू.डी.बी.) या (2) "पिता जो जीवित है" जैसे मनुष्य और पशु जीवित हैं। मृतक का विपरित। (यूह. 06:50/6:51)

John 6:60

x
यीशु सब श्रोताओं से बातें कर रहा है। (यूह. 06:32/6:32)

इसे कौन सुन सकता है?
"इसे कोई नहीं सुन सकता है" या "यह ग्रहण-योग्य नहीं"

क्या इस बात से तुम्हें ठोकर लगती है?
वैकल्पिक अनुवादः "मुझे आश्चर्य होता है कि इससे तुम्हें बुरा लगा"।

ठोकर लगी
"विश्वास त्याग करने पर विवश करता है"

John 6:62

x
यीशु सब श्रोताओं से बातें कर रहा है। (यूह. 06:32/6:32)

यदि तुम मनुष्य के पुत्र को जहाँ वह पहले था, वहां ऊपर जाते देखोगे, तो क्या होगा?
"संभवतः तुम मेरा सन्देश स्वीकार करोगे जब तुम मुझे, जो स्वर्ग से आया है, वहीं जाते देखोगे जहां मैं पहले था"।

बातें
"सन्देश" संभावित अर्थ है, (1) यूह. 06:32/6:32-58) में उसके वचन/ या (2) उसकी सब शिक्षाएं

वे आत्मा हैं और जीवन भी हैं
इन दोनों शब्दों का अर्थ अत्यधिक समान है। वैकल्पिक अनुवाद, "मैंने जो बातें तुमसे की हैं वे आत्मिक जीवन लाती हैं"।

John 6:64

x
यीशु सब श्रोताओं से बातें कर रहा है। (यूह. 06:32/6:32)

मेरे पास आओ
"मेरे पीछे आओ"

John 6:66

उसके चेलों
यहाँ चेलों से अर्थ है यीशु के पीछे चलने वालों का समूह

बारहों
ये 12 शिष्यों का एक विशिष्ट समूह था जो उसकी संपूर्ण सेवा में उसके साथ था। इसका अनुवाद किया जा सकता है, "12 शिष्य"

John 6:70

क्या मैंने तुम बारहों को नहीं चुना? तौभी तुममें से एक व्यक्ति शैतान का दास है।
"मैंने तुम सबको स्वयं चुना है, परन्तु एक शैतान का दास है"।

Translation Questions

John 6:1

गलील सागर का दूसरा नाम क्या था?
गलील सागर तिबिरियास की झील भी कहलाता था।

John 6:2

यीशु के पीछे बड़ी भीड़ क्यों रहती थी?
वे उसके पीछे चलते थे, क्योंकि वे रोगियों की चंगाई के चिन्ह देखते थे जो यीशु करता था।

John 6:4

यीशु जब अपने शिष्यों के साथ पहाड़ पर बैठा था तब उसने क्या देखा?
उसने एक विशाल जन समूह को आते देखा।

John 6:5

यीशु ने फिलिप्पुस से क्यों कहा, "हम इनके भोजन के लिए कहाँ से रोटी लाएँ?
यीशु ने फिलिप्पुस को परखने के लिए यह कहा था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 6:7

"हम इनके भोजन के लिए रोटी कहाँ से लाएं? यीशु के इस प्रश्न का फिलिप्पुस ने क्या उत्तर दिया?
फिलिप्पुस ने कहा, "दो सौ दीनार की रोटी भी उनके लिए पूरी न होगी कि उनमें से हर एक को थोड़ी-थोड़ी मिल जाए"।

John 6:8

"हम इनके भोजन के लिए कहाँ से रोटी मोल लाएं" यीशु के इस प्रश्न पर अन्द्रियास ने क्या कहा?
अन्द्रियास ने कहा, "यहाँ एक लड़का है जिसके पास जौ की पाँच रोटियां और दो मछलियाँ हैं परन्तु इतने लोगों के लिए वे क्या हैं?"

John 6:10

वहाँ लगभग कितने पुरूष थे?
वहाँ लगभग पुरूष ही पांच हजार थे।

John 6:11

यीशु ने उन रोटियों और मछलियों का क्या किया?
यीशु ने रोटियां लीं और धन्यवाद करके बैठने वालों को बांट दी, और वैसे ही मछलियां भी बांट दीं।

उन लोगों को खाने के लिए कितना मिला?
वे खाकर तृप्त हो गए।

John 6:13

भोजन करने के बाद रोटी के कितने टुकड़े उठाए गए?
शिष्यों ने रोटी के बचे हुए टुकड़े उठाए तो बारह टोकरियाँ भर गई थी।

John 6:14

यीशु अकेला पहाड़ों में क्यों चला गया था?
यीशु वहाँ से निकल गया क्योंकि वह जान गया था कि लोग इस चमत्कार(पांच हज़ार को भोजन से तृप्त करना) को देखकर उसे बल पूर्वक राजा बनाना चाहते हैं।

John 6:18

शिष्य नाव में चढ़कर कफरनहूम जाने लगे तो मौसम में क्या हुआ?
हवा तेज हो गई थी और झील में लहरें उठने लगी थी।

John 6:19

शिष्य क्यों डर गए?
यीशु पानी पर चल कर नाव के पास आया तो वे डर गए।

John 6:20

यीशु ने शिष्यों से क्या कहा कि उन्होंने उसे नाव में आने दिया?
यीशु ने कहा, "मैं हूँ, डरो मत"।

John 6:26

भीड़ द्वारा उसे खोजने का कारण यीशु ने क्या बताया था?
यीशु ने कहा कि वे आश्चर्यकर्मों के कारण उसे नहीं ढूंढ़ते परन्तु इसलिए कि वे रोटियां खाकर तृप्त हुए थे।

John 6:27

यीशु ने भीड़ से क्या करने को और क्या न करने को कहा?
यीशु ने उनसे कहा कि वे नाशमान भोजन के लिए नहीं परन्तु उस भोजन के लिए परिश्रम करें जो अनन्त जीवन तक ठहरता है।

John 6:29

यीशु ने जनसमूह को परमेश्वर के कामों की क्या परिभाषा दी?
यीशु ने उनसे कहा कि परमेश्वर का कार्य यह है कि तुम उस पर जिसे उसने भेजा है विश्वास करो।

John 6:30

लोग यीशु से स्वर्गिक रोटी जैसा चिन्ह मांग रहे थे जिसे उनके पितरों ने उन्हें खिलाई थी तो यीशु ने उनसे किस रोटी की चर्चा की?
यीशु ने परमेश्वर द्वारा दी गई स्वर्ग की सच्ची रोटी की चर्चा की जो जगत को जीवन देती है और जीवन की वह रोटी वह है।

John 6:37

यीशु के पास कौन आएगा?
स्वर्गीय पिता यीशु को जो कुछ देता है वह सब उसके पास आएगा।

John 6:39

यीशु को भेजने वाले स्वर्गीय पिता की इच्छा क्या थी?
यीशु के पिता की इच्छा थी कि जो कुछ उसने यीशु को दिया है उसमें से वह कुछ न खोए। जो कोई पुत्र को देखे, और उस पर विश्वास करे, वह अनन्त जीवन पाए; और मैं उसे अंतिम दिन फिर जिला उठाऊंगा।

John 6:44

मनुष्य यीशु के पास कैसे आ सकता है?
मनुष्य यीशु के पास तब ही आ सकता है जब पिता उसे खींचे।

John 6:46

पिता को किसने देखा है?
जो परमेश्वर की ओर से है, उसी ने पिता को देखा है।

John 6:51

जगत को जीवन के लिए यीशु कौन सी रोटी देगा?
यीशु जो रोटी देगा वह जगत के जीवन के लिए उसकी देह है।

John 6:53

अपने में जीवन पाने के लिए क्या करना है?
जब तक तुम मनुष्य के पुत्र का मांस न खाओ और उसका लहू न पीओ, तुम में जीवन नहीं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 6:56

यीशु में और यीशु हम में कैसे बने रह सकते हैं?
यीशु का मांस खाकर और उसका लहू पीकर हम उसमें स्थिर बने रहते हैं और वह हम में।

John 6:57

यीशु क्यों जीवित है?
यीशु स्वर्गीय पिता के कारण जीवित है।

John 6:60

यीशु का मांस खाने और उसका लहू पीने की बात सुनकर यीशु के अनुयायियों में से अनेकों की प्रतिक्रिया क्या थी?
उसके अनुयायियों में से बहुतों ने यह सुनकर कहा, "यह कठोर बात है, इसे कौन सुन सकता है?" और उनमे से बहुतों ने यीशु का अनुसरण त्याग दिया।

John 6:67

जब यीशु ने अपने बारह शिष्यों से कहा, "क्या तुम भी चले जाना चाहते हो"? तो किसने उत्तर दिया और उत्तर में क्या कहा?
शमौन पतरस ने कहा, "हे प्रभु, हम किसके पास जाए? अनन्त जीवन की बातें तो तेरे ही पास हैं और हमने विश्वास किया और जान गए हैं कि परमेश्वर का पवित्र जन तू ही है।"

John 6:70

यीशु ने जब कहा कि बारहों में से एक शैतान है तो उसका संकेत किसकी ओर था?
यीशु ने शमौन इस्करियोती के पुत्र यूहदा के विषय में कहा था, क्योंकि वह बारहों मे से एक था जो उसे पकड़वाने को था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 7

1 इन बातों के बाद यीशु गलील में फिरता रहा, क्योंकि यहूदी उसे मार डालने का यत्न कर रहे थे, इसलिए वह यहूदिया में फिरना न चाहता था। **2** और यहूदियों
का झोपड़ियों का पर्व निकट था। (लैव्य. 23:34) **3** इसलिए उसके भाइयों ने उससे कहा, "यहाँ से कूच करके यहूदिया में चला जा, कि जो काम तू करता है,
उन्हें तेरे चेले भी देखें। **4** क्योंकि ऐसा कोई न होगा जो प्रसिद्ध होना चाहे, और छिपकर काम करे: यदि तू यह काम करता है, तो अपने आप को जगत पर प्रगट
कर।" **5** क्योंकि उसके भाई भी उस पर विश्वास नहीं करते थे। **6** तब यीशु ने उनसे कहा, "मेरा समय अभी नहीं आया; परन्तु तुम्हारे लिये सब समय है। **7** जगत
तुम से बैर नहीं कर सकता*, परन्तु वह मुझसे बैर करता है, क्योंकि मैं उसके विरोध में यह गवाही देता हूँ, कि उसके काम बुरे हैं। **8** तुम पर्व में जाओ; मैं अभी
इस पर्व में नहीं जाता, क्योंकि अभी तक मेरा समय पूरा नहीं हुआ।" **9** वह उनसे ये बातें कहकर गलील ही में रह गया।

10 परन्तु जब उसके भाई पर्व में चले गए, तो वह आप ही प्रगट में नहीं, परन्तु मानो गुप्त होकर गया। **11** यहूदी पर्व में उसे यह कहकर ढूँढ़ने लगे कि "वह कहाँ
है?" **12** और लोगों में उसके विषय चुपके-चुपके बहुत सी बातें हुई कितने कहते थे, "वह भला मनुष्य है।" और कितने कहते थे, "नहीं, वह लोगों को भरमाता
है।" **13** तो भी यहूदियों के भय के मारे कोई व्यक्ति उसके विषय में खुलकर नहीं बोलता था।

14 और जब पर्व के आधे दिन बीत गए; तो यीशु मन्दिर में जाकर उपदेश करने लगा। **15** तब यहूदियों ने अचम्भा करके कहा, "इसे बिन पढ़े विद्या कैसे आ
गई?" **16** यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, "मेरा उपदेश मेरा नहीं, परन्तु मेरे भेजनेवाले का है। **17** यदि कोई उसकी इच्छा पर चलना चाहे*, तो वह इस उपदेश के
विषय में जान जाएगा कि वह परमेश्वर की ओर से है, या मैं अपनी ओर से कहता हूँ। **18** जो अपनी ओर से कुछ कहता है, वह अपनी ही बढ़ाई चाहता है; परन्तु
जो अपने भेजनेवाले की बड़ाई चाहता है वही सच्चा है, और उसमें अधर्म नहीं। **19** क्या मूसा ने तुम्हें व्यवस्था नहीं दी? तो भी तुम में से कोई व्यवस्था पर नहीं
चलता। तुम क्यों मुझे मार डालना चाहते हो?" **20** लोगों ने उत्तर दिया; "तुझ में दुष्टात्मा है! कौन तुझे मार डालना चाहता है?" **21** यीशु ने उनको उत्तर दिया,
"मैंने एक काम किया, और तुम सब अचम्भा करते हो। **22** इसी कारण मूसा ने तुम्हें खतने की आज्ञा दी है, यह नहीं कि वह मूसा की ओर से है परन्तु पूर्वजों से
चली आई है, और तुम सब्त के दिन को मनुष्य का खतना करते हो। (उत्प. 17:10-13, लैव्य. 12:3) **23** जब सब्त के दिन मनुष्य का खतना किया जाता है
ताकि मूसा की व्यवस्था की आज्ञा टल न जाए, तो तुम मुझ पर क्यों इसलिए क्रोध करते हो, कि मैंने सब्त के दिन एक मनुष्य को पूरी रीति से चंगा किया। **24**
मुँह देखकर न्याय न करो, परन्तु ठीक-ठीक न्याय करो।" (यशा. 11:3, यूह. 8:15)

25 तब कितने यरूशलेमवासी कहने लगे, "क्या यह वह नहीं, जिसके मार डालने का प्रयत्न किया जा रहा है? **26** परन्तु देखो, वह तो खुल्लमखुल्ला बातें करता
है और कोई उससे कुछ नहीं कहता; क्या सम्भव है कि सरदारों ने सच-सच जान लिया है; कि यही मसीह है? **27** इसको तो हम जानते हैं, कि यह कहाँ का है;
परन्तु मसीह जब आएगा, तो कोई न जानेगा कि वह कहाँ का है।" **28** तब यीशु ने मन्दिर में उपदेश देते हुए पुकार के कहा, "तुम मुझे जानते हो और यह भी
जानते हो कि मैं कहाँ का हूँ। मैं तो आप से नहीं आया परन्तु मेरा भेजनेवाला सच्चा है, उसको तुम नहीं जानते। **29** मैं उसे जानता हूँ; क्योंकि मैं उसकी ओर से हूँ
और उसी ने मुझे भेजा है।" **30** इस पर उन्होंने उसे पकड़ना चाहा तो भी किसी ने उस पर हाथ न डाला, क्योंकि उसका समय अब तक न आया था। **31** और
भीड़ में से बहुतों ने उस पर विश्वास किया, और कहने लगे, "मसीह जब आएगा, तो क्या इससे अधिक चिन्हों को दिखाएगा जो इसने दिखाए?"

32 फरीसियों ने लोगों को उसके विषय में ये बातें चुपके-चुपके करते सुना; और प्रधान याजकों और फरीसियों ने उसे पकड़ने को सिपाही भेजे। **33** इस पर यीशु
ने कहा, "मैं थोड़ी देर तक और तुम्हारे साथ हूँ; तब अपने भेजनेवाले के पास चला जाऊँगा। **34** तुम मुझे ढूँढ़ोगे, परन्तु नहीं पाओगे; और जहाँ मैं हूँ, वहाँ तुम
नहीं आ सकते।" **35** यहूदियों ने आपस में कहा, "यह कहाँ जाएगा कि हम इसे न पाएँगे? क्या वह उनके पास जाएगा जो यूनानियों में तितर-बितर होकर रहते
हैं, और यूनानियों को भी उपदेश देगा? **36** यह क्या बात है जो उसने कही, कि 'तुम मुझे ढूँढ़ोगे, परन्तु न पाओगे: और जहाँ मैं हूँ, वहाँ तुम नहीं आ सकते'?"

37 फिर पर्व के अन्तिम दिन, जो मुख्य दिन है, यीशु खड़ा हुआ और पुकारकर कहा, "यदि कोई प्यासा हो तो मेरे पास आए और पीए। (यशा. 55:1) **38** जो
मुझ पर विश्वास करेगा*, जैसा पवित्रशास्त्र में आया है, 'उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी'।" **39** उसने यह वचन उस आत्मा के विषय
में कहा, जिसे उस पर विश्वास करनेवाले पाने पर थे; क्योंकि आत्मा अब तक न उतरा था, क्योंकि यीशु अब तक अपनी महिमा को न पहुँचा था। (यशा. 44:3)
40 तब भीड़ में से किसी-किसी ने ये बातें सुन कर कहा, "सचमुच यही वह भविष्यद्वक्ता है।" (मत्ती 21:11) **41** औरों ने कहा, "यह मसीह है," परन्तु किसी ने
कहा, "क्यों? क्या मसीह गलील से आएगा? **42** क्या पवित्रशास्त्र में नहीं आया कि मसीह दाऊद के वंश से और बैतलहम गाँव से आएगा, जहाँ दाऊद रहता
था?" (यशा. 11:1, मीका 5:2) **43** अतः उसके कारण लोगों में फूट पड़ी। **44** उनमें से कितने उसे पकड़ना चाहते थे, परन्तु किसी ने उस पर हाथ न डाला। **45**
तब सिपाही प्रधान याजकों और फरीसियों के पास आए, और उन्होंने उनसे कहा, "तुम उसे क्यों नहीं लाए?"

46 सिपाहियों ने उत्तर दिया, "किसी मनुष्य ने कभी ऐसी बातें न की।" **47** फरीसियों ने उनको उत्तर दिया, "क्या तुम भी भरमाए गए हो? **48** क्या शासकों या
फरीसियों में से किसी ने भी उस पर विश्वास किया है? **49** परन्तु ये लोग जो व्यवस्था नहीं जानते, श्रापित हैं।" **50** नीकुदेमुस ने, (जो पहले उसके पास आया था
और उनमें से एक था), उनसे कहा, **51** "क्या हमारी व्यवस्था किसी व्यक्ति को जब तक पहले उसकी सुनकर जान न ले कि वह क्या करता है; दोषी ठहराती
है?" **52** उन्होंने उसे उत्तर दिया, "क्या तू भी गलील का है? ढूँढ़ और देख, कि गलील से कोई भविष्यद्वक्ता प्रगट नहीं होने का।" **53** तब सब कोई अपने-अपने
घर चले गए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 7:3

जगत
"सब लोग" या "हर एक जन"

John 7:8

तुम
बहुवचन

John 7:10

वह भी ऊपर चला गया
यरूशलेम ऊंचे पर स्थित है

John 7:14

उसे बिन पढ़े विद्या कैसे आई
"हो ही नहीं सकता कि वह धर्मशास्त्र का इतना ज्ञान रखे"।

मेरे भेजने वाले का है।
"उसका" अर्थात यीशु के स्वर्गीय पिता परमेश्वर का

John 7:17

परन्तु जो अपने भेजनेवाले की बड़ाई चाहता है वही सच्चा है और उसमें अधर्म नहीं।
"परन्तु मैं इसलिए ये काम करता हूं कि लोग मेरे भेजनेवाले का आदर करें, और मैं वही हूँ जो सच बोलता हूं। मैं कभी झूठ नहीं बोलता।"

John 7:19

"क्या मूसा ने तुम्हें व्यवस्था नहीं दी"
"वह मूसा ही तो था जिसने तुम्हें व्यवस्था दी"

तुम क्यों मुझे मार डालना चाहते हो
"तुम मुझे मार डालने की खोज में हो"।

तुममें दुष्टात्मा है
"तू पागल है"।

कौन तुझे मार डालना चाहता है?
"तुझे कोई भी मार डालना नहीं चाहता है"।

John 7:21

एक काम
"एक आश्चर्यकर्म" या "एक चिन्ह"

(यह नहीं कि वह मूसा की ओर से है परन्तु बाप दादों से चली आई है।)
यहाँ लेखक अतिरिक्त जानकारी दे रहा है।

John 7:23

तुम मुझ पर क्यों क्रोध करते हो इसलिए कि मैंने सब्त के दिन एक मनुष्य को पूरी रीति से चंगा किया।
"तुम्हें मुझसे क्रोधित नहीं होना है कि मैंने एक मनुष्य को सब्त के दिन स्वास्थ्य प्रदान किया"।

John 7:25

क्या यह वह नहीं जिसे मार डालने का प्रयत्न किया जा रहा है?
"यह यीशु है जिसे मार डालने की खोज में वे हैं"।

John 7:28

तुम मुझे जानते हो और यह भी जानते हो कि मैं कहां का हूं
"तुम" बहुवचन है

मेरा भेजनेवाला सच्चा है
"जिसने मुझे भेजा है वह सच्चा गवाह है"।

John 7:30

मसीह जब आयेगा तो क्या इससे अधिक आश्चर्यकर्म दिखायेगा, जो इसने दिखाए?
जब मसीह आयेगा तो क्या इससे अधिक आश्चर्यकर्म दिखायेगा, जो इसने दिखाए? "जब मसीह आयेगा तब वह इस मनुष्य द्वारा किए गए आश्चर्यकर्मों से अधिक चिन्ह नहीं दिखा पायेगा"।

John 7:37

अब
"अब" शब्द का उपयोग यहाँ मुख्य कहानी में अन्तराल है

महान दिन
यह "महान दिन" है क्योंकि यह पर्व का अन्तिम या सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण दिन है।

यदि कोई प्यासा हो
परमेश्वर की बातों की लालसा करता हो, जैसे मनुष्य पानी की लालसा करता है या प्यासा होता है।

मेरे पास आए और पीए
"कोई" शब्द का अर्थ है, "जो भी", "पीए" शब्द का अर्थ है, मसीह में आत्मिक पूर्ति पाना।

पवित्रशास्त्र
"पवित्रशास्त्र" मसीह के बारे में भविष्यद्वाणियों का द्योतक है। यह एक पुराने नियम के किसी एक गद्यांश का उद्धरण नहीं है।

जीवित जल की नदियां बह निकलेंगी।
मसीह आत्मिकता के प्यासों के लिए ऐसी राहत दिलाएगा कि वह प्रवाहित होकर आसपास के सब लोगों की सहायता करेगी।

जीवन के जल
इसके अर्थ हैं, (1) "पानी जो जीवन देता है" या "पानी जिससे मनुष्यों को जीवन मिलता है" या (2) सोते से बहनेवाला प्राकृतिक जल, कुएं से निकलने वाले जल से भिन्न।

John 7:39

लेकिन वह
“वह”यीशु को दर्शाता है

John 7:40

क्या, मसीह गलील में से आयेगा?
"मसीह गलील से नहीं आ सकता" (यू.डी.बी.)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्या पवित्र शास्त्र में यह नहीं आया, कि मसीह दाऊद के वंश से और बैतलहम गांव से आएगा जहां दाऊद रहता था?
"धर्मशास्त्र सिखाता है कि मसीह दाऊद के वंश से और बैतलहम गांव से आयेगा, दाऊद का गांव"।

क्या पवित्रशास्त्र में यह नहीं आया
"भविष्यद्वक्ताओं ने धर्मशास्त्र में लिखा है"

John 7:43

लोगों में फूट पड़ गई
यीशु कौन और क्या है, इस पर जनसमूह एकमत नहीं हो पाया।

परन्तु किसी ने उस पर हाथ न डाला
"परन्तु किसी ने उसे नहीं पकड़ा"

John 7:45

सिपाही
मन्दिर के सुरक्षाकर्मी

तुम उसे क्यों नहीं लाए?
तुम उसे क्यों नहीं लाए? "तुम" अर्थात मन्दिर के सुरक्षाकर्मी।

John 7:47

फरीसियों ने उनको उत्तर दिया
"उनको" अर्थात मन्दिर के सुरक्षाकर्मियों को।

क्या तुम भी भरमाए गए हो?
"तुम भी धोखा खा गए"

"भरमाए गए"
"भरमाए गए" - धोखा खा गए

"क्या सरदारों और फरीसियों में से किसी ने भी उस पर विश्वास किया है?
"एक भी सरदार या फरीसी ने उस पर विश्वास नहीं किया है"।

John 7:50

हमारी व्यवस्था किसी व्यक्ति को .... दोषी ठहराती है?
नीकुदेमुस के कहने का अर्थ था कि व्यवस्था के अनुसार चलने वाले अभियोग के बिना किसी पर दोष नहीं लगाते

क्या हमारी व्यवस्था... दोषी ठहराती है?
"हमारी व्यवस्था हमें अनुमति नहीं देती कि .... किसी को दण्ड दें"।

क्या तू भी गलील का है?
"तू भी गलील के घटिया लोगों में से होगा"।

John 7:53

07-53-8:11
8:11 कुछ आरंभिक अभिलेखों में ये पद हैं तो कुछ में नहीं है।

एक-एक करके
एक एक करके यह उन सब मनुष्यों के संदर्भ में है जिनका उल्लेख में किया गया है।

Translation Questions

John 7:1

यीशु यहूदिया में जाना क्यों नहीं चाहता था?
यीशु वहाँ नहीं जाना चाहता था क्योंकि यहूदी उसे मार डालना चाहते थे।

John 7:2

यीशु के भाइयों ने उससे क्यों आग्रह किया कि झोपिड़यों के पर्व में वह यहूदिया जाए?
उन्होंने उससे आग्रह किया कि वह यहूदिया को जाए कि वहाँ भी उसके अनुयायी उसके आश्चर्यकर्मों को देखें और संसार पर वह प्रगट हों।

John 7:6

उस पर्व में न जाने का कारण यीशु ने क्या बताया था?
यीशु ने अपने भाइयों से कहा कि उसका समय अभी नहीं आया है और उसका समय पूरा नहीं हुआ है।

John 7:7

संसार यीशु से क्यों घृणा करता था?
यीशु ने कहा कि संसार उससे घृणा करता है क्योंकि वह उसके विरोध में गवाही देता था कि उसके काम बुरे हैं।

John 7:10

यीशु कब और कैसे पर्व में गया था?
उसके भाइयों के यहूदिया प्रस्थान के बाद यीशु गुप्त रूप में वहाँ गया।

John 7:12

यीशु के बारे में जन समूह क्या-क्या कहता था?
कुछ ने कहा, "वह भला मनुष्य है", कुछ लोग कहते थे, "नहीं वह लोगों को भरमाता है"।

John 7:13

यीशु के विरूद्ध कुछ भी कहने का साहस किसी को नहीं हुआ, क्यों?
यहूदियों के भय के कारण किसी ने यीशु के विरूद्ध कुछ भी कहने का साहस नहीं किया।

John 7:14

यीशु ने मन्दिर में शिक्षा देना कब आरंभ किया?
पर्व के आधे दिन बीत जाने के बाद यीशु मन्दिर में जाकर उपदेश करने लगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 7:17

यीशु परमेश्वर की ओर से शिक्षा देता है या अपनी ओर से इसे पहचानने की वजह यीशु ने क्या बताई?
यीशु ने कहा यदि कोई यीशु को भेजने वाले की इच्छा पर चलना चाहे, तो वह इस उपदेश के बारे में जान जायेगा कि वह परमेश्वर की ओर से है।

John 7:18

जो मनुष्य यीशु को भेजने वाले की महिमा की खोज करता है उसके बारे में यीशु ने क्या कहा?
यीशु ने कहा कि वह मनुष्य सच्चा है और उसमें अधर्म नहीं है।

John 7:19

यीशु के अनुसार व्यवस्था का पालन करने वाला कौन है?
यीशु ने कहा, तुम में से कोई व्यवस्था पर नहीं चलता है।

John 7:22

सब्त के दिन किसी को चंगा करने के पक्ष में यीशु ने क्या तर्क प्रस्तुत किया था?
यीशु का तर्क था कि मूसा की व्यवस्था का पालन करने के लिए सब्त के दिन खतना कराना अनिवार्य है तो वे उसके द्वारा सब्त के दिन किसी को चंगा करने पर क्रोध क्यों करते थे।

John 7:24

यीशु ने कैसा न्याय करने के लिए कहा?
यीशु ने कहा, मुंह देखकर न्याय न करो, परन्तु ठीक-ठीक न्याय करो।

John 7:32

यीशु को पकड़ने के लिए किसने सैनिक भेजे थे?
महायाजक और फरीसियों ने यीशु को पकड़ने के लिए सैनिक भेजे।

John 7:39

यीशु ने कहा, "यदि कोई प्यासा हो तो मेरे पास आए और पीए। जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्रशास्त्र में आया है, उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियां बह निकलेंगी"। यहाँ यीशु के कहने का अभिप्राय क्या है?
यीशु ने पवित्र आत्मा के बारे में कहा था, जो उसमें विश्वास करने वालों को मिलना था।

John 7:45

यीशु को पकड़ने के लिए जब सिपाही लौट कर आए तब महायाजक और फरीसियों ने उनसे पूछा, "तुम उसे क्यों नहीं लाए?" तो उन्होंने क्या उत्तर दिया?
उन सैनिकों ने कहा, "किसी मनुष्य ने कभी ऐसी बातें नहीं की"।

John 7:50

फरीसियों ने जब यीशु को पकड़ने के लिए भेजे गए सिपाहियों से कहा, "क्या तुम भी भरमाए गए हो"? तब नीकुदेमुस ने उनसे क्या कहा था? क्या सरदारों या फरीसियों में से किसी ने भी उस पर विश्वास किया है?
नीकुदेमुस ने फरीसियों से कहा, "क्या हमारी व्यवस्था किसी व्यक्ति को, पहले उसकी सुनकर जान न ले कि वह क्या करता है, दोषी ठहराती है?"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 8

1 परन्तु यीशु जैतून के पहाड़* पर गया। 2 और भोर को फिर मन्दिर में आया, और सब लोग उसके पास आए; और वह बैठकर उन्हें उपदेश देने लगा। 3 तब
शास्त्री और फरीसी एक स्त्री को लाए जो व्यभिचार में पकड़ी गई थी, और उसको बीच में खड़ा करके यीशु से कहा, 4 "हे गुरु, यह स्त्री व्यभिचार करते पकड़ी
गई है। 5 व्यवस्था में मूसा ने हमें आज्ञा दी है कि ऐसी स्त्रियों को पत्थराव करें; अतः तू इस स्त्री के विषय में क्या कहता है?" (लैव्य. 20:10) 6 उन्होंने उसको
परखने के लिये यह बात कही ताकि उस पर दोष लगाने के लिये कोई बात पाएँ, परन्तु यीशु झुककर उँगली से भूमि पर लिखने लगा। 7 जब वे उससे पूछते रहे,
तो उसने सीधे होकर उनसे कहा, "तुम में जो निष्पाप हो, वही पहले उसको पत्थर मारे।" (रोम. 2:1) 8 और फिर झुककर भूमि पर उँगली से लिखने लगा। 9
परन्तु वे यह सुनकर बड़ों से लेकर छोटों तक एक-एक करके निकल गए, और यीशु अकेला रह गया, और स्त्री वहीं बीच में खड़ी रह गई। 10 यीशु ने सीधे होकर
उससे कहा, "हे नारी, वे कहाँ गए? क्या किसी ने तुझ पर दण्ड की आज्ञा न दी?" 11 उसने कहा, "हे प्रभु, किसी ने नहीं।" यीशु ने कहा, "मैं भी तुझ पर दण्ड
की आज्ञा नहीं देता; जा, और फिर पाप न करना।"

12 तब यीशु ने फिर लोगों से कहा, "जगत की ज्योति मैं हूँ; जो मेरे पीछे हो लेगा, वह अंधकार में न चलेगा, परन्तु जीवन की ज्योति पाएगा।" (यूह. 12:46)
13 फरीसियों ने उससे कहा; "तू अपनी गवाही आप देता है; तेरी गवाही ठीक नहीं।" 14 यीशु ने उनको उत्तर दिया, "यदि मैं अपनी गवाही आप देता हूँ, तो भी
मेरी गवाही ठीक है, क्योंकि मैं जानता हूँ, कि मैं कहाँ से आया हूँ* और कहाँ को जाता हूँ? परन्तु तुम नहीं जानते कि मैं कहाँ से आता हूँ या कहाँ को जाता हूँ।
15 तुम शरीर के अनुसार न्याय करते हो; मैं किसी का न्याय नहीं करता। 16 और यदि मैं न्याय करूँ भी, तो मेरा न्याय सच्चा है; क्योंकि मैं अकेला नहीं, परन्तु मैं
पिता के साथ हूँ, जिस ने मुझे भेजा है। 17 और तुम्हारी व्यवस्था में भी लिखा है; कि दो जनों की गवाही मिलकर ठीक होती है। 18 एक तो मैं आप अपनी
गवाही देता हूँ, और दूसरा पिता मेरी गवाही देता है जिस ने मुझे भेजा।" (व्य. 19:15) 19 उन्होंने उससे कहा, "तेरा पिता कहाँ है?" यीशु ने उत्तर दिया, "न तुम
मुझे जानते हो, न मेरे पिता को, यदि मुझे जानते, तो मेरे पिता को भी जानते।" 20 ये बातें उसने मन्दिर में उपदेश देते हुए भण्डार घर में कहीं, और किसी ने उसे
न पकड़ा; क्योंकि उसका समय अब तक नहीं आया था।

21 उसने फिर उनसे कहा, "मैं जाता हूँ, और तुम मुझे ढूँढ़ोगे और अपने पाप में मरोगे; जहाँ मैं जाता हूँ, वहाँ तुम नहीं आ सकते।" 22 इस पर यहूदियों ने कहा,
"क्या वह अपने आप को मार डालेगा, जो कहता है, 'जहाँ मैं जाता हूँ वहाँ तुम नहीं आ सकते'?" 23 उसने उनसे कहा, "तुम नीचे के हो, मैं ऊपर का हूँ; तुम
संसार के हो, मैं संसार का नहीं। 24 इसलिए मैंने तुम से कहा, कि तुम अपने पापों में मरोगे; क्योंकि यदि तुम विश्वास न करोगे कि मैं वही हूँ, तो अपने पापों में
मरोगे।" 25 उन्होंने उससे कहा, "तू कौन है?" यीशु ने उनसे कहा, "वही हूँ जो प्रारंभ से तुम से कहता आया हूँ। 26 तुम्हारे विषय में मुझे बहुत कुछ कहना और
निर्णय करना है परन्तु मेरा भेजनेवाला सच्चा है; और जो मैंने उससे सुना है, वही जगत से कहता हूँ।" 27 वे न समझे कि हम से पिता के विषय में कहता है। 28
तब यीशु ने कहा, "जब तुम मनुष्य के पुत्र को ऊँचे पर चढ़ाओगे, तो जानोगे कि मैं वही हूँ, और अपने आप से कुछ नहीं करता, परन्तु जैसे मेरे पिता ने मुझे
सिखाया, वैसे ही ये बातें कहता हूँ। 29 और मेरा भेजनेवाला मेरे साथ है; उसने मुझे अकेला नहीं छोड़ा; क्योंकि मैं सर्वदा वही काम करता हूँ, जिससे वह प्रसन्न
होता है।" 30 वह ये बातें कह ही रहा था, कि बहुतों ने उस पर विश्वास किया।

31 तब यीशु ने उन यहूदियों से जिन्होंने उस पर विश्वास किया था, कहा, "यदि तुम मेरे वचन में बने रहोगे, तो सचमुच मेरे चेले ठहरोगे। 32 और सत्य को
जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।" 33 उन्होंने उसको उत्तर दिया, "हम तो अब्राहम के वंश से हैं, और कभी किसी के दास नहीं हुए; फिर तू क्यों कहता है,
कि तुम स्वतंत्र हो जाओगे?" 34 यीशु ने उनको उत्तर दिया, "मैं तुम से सच-सच कहता हूँ कि जो कोई पाप करता है, वह पाप का दास है। 35 और दास सदा
घर में नहीं रहता; पुत्र सदा रहता है। (गला. 4:30) 36 इसलिए यदि पुत्र तुम्हें स्वतंत्र करेगा, तो सचमुच तुम स्वतंत्र हो जाओगे। 37 मैं जानता हूँ कि तुम अब्राहम
के वंश से हो; तो भी मेरा वचन तुम्हारे हृदय में जगह नहीं पाता, इसलिए तुम मुझे मार डालना चाहते हो। 38 मैं वही कहता हूँ, जो अपने पिता के यहाँ देखा है;
और तुम वही करते रहते हो जो तुम ने अपने पिता से सुना है।" 39 उन्होंने उसको उत्तर दिया, "हमारा पिता तो अब्राहम है।" यीशु ने उनसे कहा, "यदि तुम
अब्राहम के सन्तान होते, तो अब्राहम के समान काम करते। 40 परन्तु अब तुम मुझ जैसे मनुष्य को मार डालना चाहते हो, जिस ने तुम्हें वह सत्य वचन बताया
जो परमेश्वर से सुना, यह तो अब्राहम ने नहीं किया था। 41 तुम अपने पिता के समान काम करते हो" उन्होंने उससे कहा, "हम व्यभिचार से नहीं जन्मे, हमारा
एक पिता है अर्थात् परमेश्वर।" 42 यीशु ने उनसे कहा, "यदि परमेश्वर तुम्हारा पिता होता, तो तुम मुझसे प्रेम रखते; क्योंकि मैं परमेश्वर में से निकलकर आया
हूँ; मैं आप से नहीं आया, परन्तु उसी ने मुझे भेजा। 43 तुम मेरी बात क्यों नहीं समझते? इसलिए कि मेरा वचन सुन नहीं सकते। 44 तुम अपने पिता शैतान से
हो*, और अपने पिता की लालसाओं को पूरा करना चाहते हो। वह तो आरम्भ से हत्यारा है, और सत्य पर स्थिर न रहा, क्योंकि सत्य उसमें है ही नहीं; जब वह
झूठ बोलता, तो अपने स्वभाव ही से बोलता है; क्योंकि वह झूठा है, वरन् झूठ का पिता है। (प्रेरि. 13:10) 45 परन्तु मैं जो सच बोलता हूँ, इसलिए तुम मेरा
विश्वास नहीं करते। 46 तुम में से कौन मुझे पापी ठहराता है? और यदि मैं सच बोलता हूँ, तो तुम मेरा विश्वास क्यों नहीं करते? 47 जो परमेश्वर से होता है*, वह
परमेश्वर की बातें सुनता है; और तुम इसलिए नहीं सुनते कि परमेश्वर की ओर से नहीं हो।"

48 यह सुन यहूदियों ने उससे कहा, "क्या हम ठीक नहीं कहते, कि तू सामरी है, और तुझ में दुष्टात्मा है?" 49 यीशु ने उत्तर दिया, "मुझ में दुष्टात्मा नहीं; परन्तु
मैं अपने पिता का आदर करता हूँ, और तुम मेरा निरादर करते हो। 50 परन्तु मैं अपनी प्रतिष्ठा नहीं चाहता, हाँ, एक है जो चाहता है, और न्याय करता है। 51 मैं
तुम से सच-सच कहता हूँ, कि यदि कोई व्यक्ति मेरे वचन पर चलेगा, तो वह अनन्तकाल तक मृत्यु को न देखेगा।" 52 यहूदियों ने उससे कहा, "अब हमने जान
लिया कि तुझ में दुष्टात्मा है: अब्राहम मर गया, और भविष्यद्वक्ता भी मर गए हैं और तू कहता है, 'यदि कोई मेरे वचन पर चलेगा तो वह अनन्तकाल तक मृत्यु का
स्वाद न चखेगा।' 53 हमारा पिता अब्राहम तो मर गया, क्या तू उससे बड़ा है? और भविष्यद्वक्ता भी मर गए, तू अपने आप को क्या ठहराता है?" 54 यीशु ने
उत्तर दिया, "यदि मैं आप अपनी महिमा करूँ, तो मेरी महिमा कुछ नहीं, परन्तु मेरी महिमा करनेवाला मेरा पिता है, जिसे तुम कहते हो, कि वह हमारा परमेश्वर
है। 55 और तुम ने तो उसे नहीं जाना: परन्तु मैं उसे जानता हूँ; और यदि कहूँ कि मैं उसे नहीं जानता, तो मैं तुम्हारे समान झूठा ठहरूँगा: परन्तु मैं उसे जानता,
और उसके वचन पर चलता हूँ। 56 तुम्हारा पिता अब्राहम मेरा दिन देखने की आशा से बहुत मगन था; और उसने देखा, और आनन्द किया।" 57 यहूदियों ने

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उससे कहा, “अब तक तू पचास वर्ष का नहीं, फिर भी तूने अब्राहम को देखा है?” **58** यीशु ने उनसे कहा, “मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, कि पहले इसके कि अब्राहम उत्पन्न हुआ, मैं हूँ।” **59** तब उन्होंने उसे मारने के लिये पत्थर उठाए, परन्तु यीशु छिपकर मन्दिर से निकल गया।

John 8:1

07-53-8:11
8:11 कुछ आरंभिक अभिलेखों में ये पद हैं परन्तु कुछ में नहीं।

सब लोग
अनेक लोग

एक स्त्री .... व्यभिचार में पकड़ी गई थी
"उन्होंने एक स्त्री को व्यभिचार करते पकड़ा था"

John 8:4

07-53-8:11
8:11 कुछ आरंभिक अभिलेखों में ये पद हैं परन्तु कुछ में नहीं।

ऐसी स्त्रियों
"ऐसे मनुष्यों पर" या "जो ऐसे काम करते है"

अब व्यवस्था में
यहां पृष्ठभूमि आधारित जानकारी दी गई है जिसे यीशु और यहूदी अधिकारी समझते थे।

तू इस स्त्री के विषय में क्या कहता है?
इसका अनुवाद आदेश सूचक वाक्य में भी किया जा सकता है, "तू हमें बता कि इसके साथ क्या किया जाए"?

उसको परखने के लिए
"उसे फंसाने के लिए" इसका अर्थ है, छल का प्रश्न पूछना

ताकि उस पर दोष लगाने के लिए कोई बात पाएं।
कि उस पर दोष लगाने के लिए कोई विषय स्पष्ट सामने आए, जिससे कि वे उस पर किसी गलत बात का दोष लगा पाएं, या "जिससे कि वे उस पर मूसा की व्यवस्था या रोमी विधि के उल्लंघन का आरोप लगा पाएं"

John 8:7

07-53-8:11
8:11 कुछ आरंभिक अभिलेखों में ये पद हैं परन्तु कुछ में नहीं।

जब वे उससे पूछते ही रहे
"वे" का संदर्भ फरीसियों और शास्त्रियों से है (देखें यूह. 08:1/8:3)

तुममें जो निष्पाप हो।
"यदि तुममें कोई निष्पाप हो" या "तुम में से किसी ने कभी पाप न किया हो"

तुम में
यीशु शास्त्रियों और फरीसियों और संभवतः जनसमूह से भी कह रहा था।

उसे अनुमति दो
"वही व्यक्ति"

उसने झुक कर
"वह झुका कि भूमि पर ऊंगली से लिखे"

John 8:9

07-53-8:11
8:11 कुछ आरंभिक अभिलेखों में ये पद हैं परन्तु कुछ में नहीं।

एक एक करके
"एक के बाद एक"

हे नारी वे दोष लगानेवाले कहां गए?
यीशु ने उसे नारी कह कर पुकारा तो उसका अर्थ यह नहीं कि वह उसे तुच्छ समझ रहा था या उसे लज्जित करना चाहता था। यदि कोई यह समझे कि वह ऐसा कर रहा था तो "नारी" शब्द को हटा दें।

John 8:12

जगत की ज्योति मैं हूं।
देखें आपने "ज्योति" का अनुवाद यूह में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद, "मैं ही हूं जो जगत को ज्योति देता हूँ।"

जगत
"संसार के मनुष्यों"

जो मेरे पीछे हो लेगा
"वह हर एक जन जो मेरा अनुसरण करेगा" यह एक रूपक है जिसका अर्थ है, "वह हर एक जन जो मेरी शिक्षाओं पर चलता है“, या "मेरी आज्ञा मानने वाला हर एक जन"

वह अन्धकार में न चलेगा
अन्धकार में न चलेगा, यह पाप के जीवन के लिए एक रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद, "उसका जीवन ऐसा नहीं रहेगा कि मानो वह अन्धकार में जी रहा है"

तू अपनी गवाही आप देता है।
"तू तो अपनी ही प्रशंसा कर रहा है"।

तेरी गवाही ठीक नहीं
"तेरी गवाही उचित नहीं है", "तू स्वयं अपना गवाह नहीं हो सकता" या "जो तू अपने बारे में कहता है वह हो सकता है कि सच न हो"।

John 8:14

भले ही मैं अपनी गवाही आप देता हूं
"यद्यपि मैं ये बातें अपने पक्ष में कहता हूं"

शरीर
मानवीय मानकों और मनुष्य की व्यवस्था(यु.डी.बी)

मैं किसी का न्याय नहीं करता
संभावित अर्थ, (1) "मैं अभी किसी का न्याय नहीं करता हूं" या (2) "मैं इस समय किसी का न्याय नहीं कर रहा हूं"।

यदि मैं न्याय करूं
"यदि मैं मनुष्यों का न्याय करूं", संभावित अर्थ है, (1) "जब मैं मनुष्यों का न्याय करूंगा" (भविष्य में) या (2) "मैं जब भी मनुष्यों का न्याय करूंगा" (अब) या (3) "मैं जब भी मनुष्यों का न्याय करूं" (अभी)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मेरा न्याय सच्चा है
संभावित अर्थ हैं, (1) "मेरा न्याय उचित होगा या (2) मेरा न्याय सही है"।

मैं अकेला नहीं
यहाँ सलंग्न जानकारी है कि न्याय करने में वह अकेला नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद "मैं न्याय करने में अकेला नहीं हूं" या "मैं अकेला न्याय नहीं करता हूं"।

मै पिता के साथ हूँ
"पिता मेरे साथ न्याय करता है" या "जब मैं न्याय करता हूं तो पिता न्याय करता है"।

पिता है जिसने मुझे भेजा है
"जिसने मुझे भेजा है", पिता के बारे में अधिक जानकारी देता है। वैकल्पिक अनुवाद, "पिता ही है जिसने मुझे भेजा है"

John 8:17

x
यीशु फरीसियों तथा अन्यों से बातें कर रहा है।

हाँ, और तुम्हारी व्यवस्था में
"हाँ" यीशु ने पहले कहा है उसी संबन्ध में अब आगे कह रहा है

यह लिखा है
"मूसा ने लिखा है"

दो जनों की गवाही मिलकर ठीक होती है
"यदि दो मनुष्य एक ही बात कहे तो लोग मान लेते हैं कि वह सही है।"

एक तो मैं आप अपनी गवाही देता हूं
"मैं अपनी गवाही देता हूं" या "मैं अपने बारे में तुम्हारे समक्ष प्रमाण रखता हूं"(यु.डी.बी)

John 8:21

अपने पाप में मरोगे
"पाप की दशा में ही मरोगे" या "पाप करते-करते ही मर जाओगे"

तुम नहीं आ सकते
"तुम योग्य नहीं कि आओ"

क्या वह अपने आपको मार डालेगा?
इसका अनुवाद दो अलग-अलग प्रश्नों में किया जा सकता है। "क्या वह आत्म हत्या करेगा? उसने यही क्यों कहा क्या"?

John 8:23

x
यीशु श्रोताओं के प्रश्नों का उत्तर दे रहा है

यदि तुम विश्वास न करोगे कि मैं वही हूं, तो अपने पापों में मरोगे।
"यदि तुम विश्वास नहीं करोगें कि मैं हूं तो अपने पापों में मरोगे।"

मैं वही हूं
"कि मैं परमेश्वर हूं" (यू.डी.बी.)

John 8:25

उन्होंने कहा
"उन्होंने" अर्थात यहूदी अगुओं ने

पिता
"उसका पिता"

John 8:28

ऊंचे पर चढ़ाओगे
"जब तुम चढ़ाओगे", यह अभी तक नहीं हुआ है।

मेरे पिता ने मुझे सिखाया है
"वैसे ही जैसे मेरे पिता ने मुझे सिखाया है"

जो मेरा भेजने वाला
शब्द "वह" यीशु का पिता परमेश्वर

वह यह बातें कह ही रहा था
"जब यीशु बातें कर ही रहा था"

John 8:31

तुम मेरे वचन में बने रहोगे
"मैंने जो कहा है वैसा करोगे"।

सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।
सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा, "यदि तुम सत्य का पालन करोगे तो परमेश्वर तुम्हें स्वतंत्र करेगा"।

John 8:34

मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ
उसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

पाप का दास है
"पाप के दास के समान है" इसका अभिप्राय है कि पाप मनुष्य का स्वामि है

घर में
"परिवार में"

यदि पुत्र तुम्हें स्वतंत्र करेगा, तो सचमुच तुम स्वतंत्र हो जाओगे।
उनकी प्रथा के अनुसार जेठा पुत्र पारिवारिक दास को स्वतंत्र कर सकता था। इसी प्रकार परमेश्वर का पुत्र मनुष्यों को स्वतंत्र कर सकता है।

John 8:37

वचन
मेरी शिक्षाएं

John 8:39

ऐसा तो अब्राहम ने नहीं किया था।
वैकल्पिक अनुवाद, "अब्राहम ने परमेश्वर का सत्य सुनाने वाले को कभी घात नहीं किया था।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 8:42

तुम मेरी बात क्यों नहीं समझते?"
यीशु इस प्रश्न द्वारा मुख्यतः यहूदी अगुओं को झिड़क रहा है क्योंकि वे उसकी बात नहीं सुनते थे।

John 8:45

तुम में से कौन मुझे पापी ठहराता है?
"तुम में से कोई भी मुझे पापी नहीं कह सकता" यीशु ने इस प्रश्न द्वारा अपने निष्पाप होने पर बल दिया।

तुम मेरा विश्वास क्यों नहीं करते?
"मुझमें विश्वास न करने का तुम्हारे पास कोई कारण नहीं है"। यीशु इस प्रश्न द्वारा यहूदी अगुओं के अविश्वास को झिड़क रहा है।

John 8:50

मेरे वचन पर चलेगा
"मैं जो कहता हूं उसका पालन करेगा"

John 8:57

अब तक तू पचास वर्ष का नहीं, फिर भी तूने अब्राहम को देखा है?
"तू पचास वर्ष से कम आयु का है। तू अब्राहम को देख ही नहीं सकता"

मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ
उसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

Translation Questions

John 8:6

शास्त्रियों और फरीसियों द्वारा उस स्त्री को यीशु के पास लाने का मुख्य उद्देश्य क्या था?
उस स्त्री को यीशु के समक्ष लाने का उनका मुख्य उद्देश्य था कि यीशु को किसी प्रकार उसी की बातों में फंसाकर उस पर दोष लगाएँ।

John 8:7

शास्त्रियों और फरीसियों के उस प्रश्न पर यीशु ने क्या उत्तर दिया?
यीशु ने उनसे कहा, "तुम में जो निष्पाप हो वही पहले उसको पत्थर मारे।"

John 8:9

जब यीशु ने कहा कि जो निष्पाप हो वही उस स्त्री को पत्थर मारे तो उन्होंने क्या किया?
यीशु का उत्तर सुनकर बड़ों से लेकर छोटों तक सब एक-एक करके निकल गए।

John 8:11

यीशु ने व्यभिचार में पकड़ी गई उस स्त्री से क्या कहा?
यीशु ने उस स्त्री से कहा, "जा और फिर पाप न करना"।

John 8:17

यीशु ने अपनी गवाही को सत्य सिद्ध कैसे किया?
यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, "तुम्हारी व्यवस्था में भी लिखा है कि दो जनों की गवाही मिलकर ठीक होती है, एक तो मैं आप अपनी गवाही देता हूँ और दूसरा पिता मेरी गवाही देता है, जिसने मुझे भेजा है"।

John 8:23

फरीसी अपने पापों में मरेंगे, इस विषय यीशु ने अपनी बात किस तथ्य पर आधारित की?
यीशु ने उन्हीं के ज्ञान के आधार पर कहा, कि वे नीचे के हैं, और वह ऊपर का है, वे संसार के हैं और यीशु संसार का नहीं।

John 8:24

फरीसी पापों में मरने से कैसे बच सकते थे?
यीशु ने कहा कि वे अपने पापों में मरेंगे, यदि वे विश्वास करें कि यीशु "मैं ही हूं"।

John 8:26

यीशु संसार से क्या कहता था?
यीशु संसार से वही कहता था जो वह पिता से सुनता था।

John 8:29

यीशु को भेजने वाला परमेश्वर पिता उसके साथ क्यों रहता था, वह उसे अकेला क्यों नहीं छोड़ता था?
पिता परमेश्वर यीशु के साथ था, वह उसे अकेला नहीं छोड़ता था क्योंकि वह सर्वदा वही करता था जिससे परमेश्वर प्रसन्न होता था।

John 8:31

यीशु ने क्या कहा कि विश्वासी यहूदी उसके सच्चे शिष्य कैसे बन सकते है?
यदि कोई यीशु के वचन में बना रहे तो वह सच में उसका शिष्य है।

John 8:33

यीशु की बातें सुनकर क्या सोचा जब उसने कहा "तुम सत्य को जानोगे और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा?
यहूदियों ने सोचा कि यीशु मनुष्य का दास बनने के लिए कह रहा है।

John 8:34

जब यीशु ने कहा, "तुम सत्य को जानो और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा" तब उसका अभिप्राय क्या था?
यीशु पापों के दासत्व से स्वतंत्र होने के बारे में कह रहा था।

John 8:37

यीशु के अनुसार यहूदी उसे क्यों मार डालना चाहते थे?
वे उसे मार डालना चाहते थे क्योंकि उसके वचन का उनके हृदय में स्थान नहीं था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 8:39

यीशु ने क्यों कहा कि वे अब्राहम की सन्तान नहीं?
यीशु ने कहा कि वे अब्राहम की सन्तान नहीं क्योंकि उनके काम अब्राहम के समान नहीं थे। उन्होंने तो यीशु की हत्या करना चाहा।

John 8:42

यहूदियों ने जब दावा किया कि एकमात्र परमेश्वर ही उनका पिता है तो यीशु ने उनकी बात का खंडन कैसे किया?
यीशु ने उनसे कहा, "यदि परमेश्वर तुम्हारा पिता होता तो तुम मुझसे प्रेम रखते क्योंकि मैं परमेश्वर की ओर से आया हूँ। मै आप से नहीं आया हूँ, परन्तु उसी ने मुझे भेजा है।"

John 8:44

यीशु ने किसको यहूदियों का पिता कहा?
यीशु कहता है कि उनका पिता शैतान है।

यीशु ने शैतान के बारे में क्या कहा?
यीशु ने कहा कि शैतान आरंभ ही से हत्यारा है और सत्य पर स्थिर न रहा, क्योंकि सत्य उसमें है ही नहीं। शैतान झूठ बोलता है तो वह उसका स्वभाव है क्योंकि वह झूठा ही है वरन झूठ का पिता है।

John 8:47

परमेश्वर का वचन कौन सुनता है?
जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर का वचन सुनता है।

John 8:51

यीशु ने कहा कि उसके वचन को मानने वाले के साथ क्या होगा?
यीशु का वचन मानने वाला कभी मृत्यु न देखेगा।

John 8:52

यहूदी क्यों कहते थे, यीशु में दुष्टात्मा है?
उन्होंने इसलिए ऐसा कहा कि यीशु ने उनसे कहा था, "मैं तुम से सच-सच कहता हूँ कि यदि कोई मेरे वचन पर चलेगा, तो वह अनन्तकाल तक मृत्यु को न देखेगा"

यहूदियों के विचार में यीशु की बात विचित्र क्यों थी?
वे ऐसा सोचते थे क्योंकि उनकी समझ में मृत्यु केवल शारीरिक मृत्यु थी। अब्राहम और भविष्यद्वक्ता भी तो मर गए थे (शरीर से)।

John 8:56

यीशु कौन से कथन के द्वारा प्रकट करता है कि अब्राहम अब भी जीवित है और यीशु उससे बड़ा है?
यीशु ने कहा, "तुम्हारा पिता अब्राहम मेरा दिन देखने की आशा से बहुत मगन था और उसने देखा और आनन्द किया"। और "मैं तुमसे सच सच कहता हूँ, पहले इसके कि अब्राहम उत्पन्न हुआ, मैं हूँ"। (यीशु के इस कथन का अर्थ है कि अब्राहम जीवित है और मसीह यीशु उससे बड़ा है)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 9

1 फिर जाते हुए उसने एक मनुष्य को देखा, जो जन्म से अंधा था। **2** और उसके चेलों ने उससे पूछा, “हे रब्बी, किस ने पाप किया था* कि यह अंधा जन्मा, इस मनुष्य ने, या उसके माता पिता ने?” **3** यीशु ने उत्तर दिया, “न तो इसने पाप किया था, न इसके माता पिता ने परन्तु यह इसलिए हुआ, कि परमेश्वर के काम उसमें प्रगट हों। **4** जिस ने मुझे भेजा है; हमें उसके काम दिन ही दिन में करना अवश्य है। वह रात आनेवाली है जिसमें कोई काम नहीं कर सकता। **5** जब तक मैं जगत में हूँ, तब तक जगत की ज्योति हूँ।” (यूह. 8:12) **6** यह कहकर उसने भूमि पर थूका और उस थूक से मिट्टी सानी, और वह मिट्टी उस अंधे की आँखों पर लगाकर। **7** उससे कहा, “जा, शीलोह के कुण्ड में धो ले” (शीलोह का अर्थ भेजा हुआ है) अतः उसने जाकर धोया, और देखता हुआ लौट आया। (यशा. 35:5) **8** तब पड़ोसी और जिन्होंने पहले उसे भीख माँगते देखा था, कहने लगे, “क्या यह वही नहीं, जो बैठा भीख माँगा करता था?” **9** कुछ लोगों ने कहा, “यह वही है,” औरों ने कहा, “नहीं, परन्तु उसके समान है” उसने कहा, “मैं वही हूँ।” **10** तब वे उससे पूछने लगे, “तेरी आँखों कैसे खुल गई?” **11** उसने उत्तर दिया, “यीशु नामक एक व्यक्ति ने मिट्टी सानी, और मेरी आँखों पर लगाकर मुझसे कहा, ‘शीलोह में जाकर धो ले,’ तो मैं गया, और धोकर देखने लगा।” **12** उन्होंने उससे पूछा, “वह कहाँ है?” उसने कहा, “मैं नहीं जानता।”

13 लोग उसे जो पहले अंधा था फरीसियों के पास ले गए। **14** जिस दिन यीशु ने मिट्टी सानकर उसकी आँखें खोली थी वह सब्त का दिन था। **15** फिर फरीसियों ने भी उससे पूछा; तेरी आँखें किस रीति से खुल गई? उसने उनसे कहा, “उसने मेरी आँखों पर मिट्टी लगाई, फिर मैंने धो लिया, और अब देखता हूँ।” **16** इस पर कई फरीसी कहने लगे, “यह मनुष्य परमेश्वर की ओर से नहीं*, क्योंकि वह सब्त का दिन नहीं मानता।” औरों ने कहा, “पापी मनुष्य कैसे ऐसे चिन्ह दिखा सकता है?” अतः उनमें फूट पड़ी। **17** उन्होंने उस अंधे से फिर कहा, “उसने जो तेरी आँखें खोली, तू उसके विषय में क्या कहता है?” उसने कहा, “यह भविष्यद्वक्ता है।” **18** परन्तु यहूदियों को विश्वास न हुआ कि यह अंधा था और अब देखता है जब तक उन्होंने उसके माता-पिता को जिसकी आँखें खुल गई थी, बुलाकर **19** उनसे पूछा, “क्या यह तुम्हारा पुत्र है, जिसे तुम कहते हो कि अंधा जन्मा था? फिर अब कैसे देखता है?” **20** उसके माता-पिता ने उत्तर दिया, “हम तो जानते हैं कि यह हमारा पुत्र है, और अंधा जन्मा था। **21** परन्तु हम यह नहीं जानते हैं कि अब कैसे देखता है; और न यह जानते हैं, कि किस ने उसकी आँखें खोलीं; वह सयाना है; उसी से पूछ लो; वह अपने विषय में आप कह देगा।” **22** ये बातें उसके माता-पिता ने इसलिए कहीं क्योंकि वे यहूदियों से डरते थे; क्योंकि यहूदी एकमत हो चुके थे, कि यदि कोई कहे कि वह मसीह है, तो आराधनालय से निकाला जाए। **23** इसी कारण उसके माता-पिता ने कहा, “वह सयाना है; उसी से पूछ लो।” **24** तब उन्होंने उस मनुष्य को जो अंधा था दूसरी बार बुलाकर उससे कहा, “परमेश्वर की स्तुति कर; हम तो जानते हैं कि वह मनुष्य पापी है।” **25** उसने उत्तर दिया, “मैं नहीं जानता कि वह पापी है या नहीं मैं एक बात जानता हूँ कि मैं अंधा था और अब देखता हूँ।” **26** उन्होंने उससे फिर कहा, “उसने तेरे साथ क्या किया? और किस तरह तेरी आँखें खोली?” **27** उसने उनसे कहा, “मैं तो तुम से कह चुका, और तुम ने न सुना; अब दूसरी बार क्यों सुनना चाहते हो? क्या तुम भी उसके चेले होना चाहते हो?” **28** तब वे उसे बुरा-भला कहकर बोले, “तू ही उसका चेला है; हम तो मूसा के चेले हैं। **29** हम जानते हैं कि परमेश्वर ने मूसा से बातें की; परन्तु इस मनुष्य को नहीं जानते की कहाँ का है।” **30** उसने उनको उत्तर दिया, “यह तो अचम्भे की बात है कि तुम नहीं जानते की कहाँ का है तो भी उसने मेरी आँखें खोल दीं। **31** हम जानते हैं कि परमेश्वर पापियों की नहीं सुनता परन्तु यदि कोई परमेश्वर का भक्त हो, और उसकी इच्छा पर चलता है, तो वह उसकी सुनता है। (नीति. 15:29) **32** जगत के आरम्भ से यह कभी सुनने में नहीं आया, कि किसी ने भी जन्म के अंधे की आँखें खोली हों। **33** यदि यह व्यक्ति परमेश्वर की ओर से न होता, तो कुछ भी नहीं कर सकता।” **34** उन्होंने उसको उत्तर दिया, “तू तो बिलकुल पापों में जन्मा है, तू हमें क्या सिखाता है?” और उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया।

35 यीशु ने सुना, कि उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया है; और जब उससे भेंट हुई तो कहा, “क्या तू परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास करता है?” **36** उसने उत्तर दिया, “हे प्रभु, वह कौन है कि मैं उस पर विश्वास करूँ?” **37** यीशु ने उससे कहा, “तूने उसे देखा भी है; और जो तेरे साथ बातें कर रहा है वही है।” **38** उसने कहा, “हे प्रभु, मैं विश्वास करता हूँ*।” और उसे दण्डवत् किया। **39** तब यीशु ने कहा, “मैं इस जगत में न्याय के लिये आया हूँ, ताकि जो नहीं देखते वे देखें, और जो देखते हैं वे अंधे हो जाएँ।” **40** जो फरीसी उसके साथ थे, उन्होंने ये बातें सुन कर उससे कहा, “क्या हम भी अंधे हैं?” **41** यीशु ने उनसे कहा, “यदि तुम अंधे होते तो पापी न ठहरते परन्तु अब कहते हो, कि हम देखते हैं, इसलिए तुम्हारा पाप बना रहता है।

John 9:3

हमें
”हमें" का अर्थ है यीशु और उसके शिष्यों को जिनसे वह बातें कर रहा है।

दिन .... रात
दिन .... रात यीशु मनुष्यों द्वारा परमेश्वर के काम करने के समय की तुलना दिन से कर रहा है। यीशु उस समय की तुलना रात से कर रहा है जब हम परमेश्वर का काम नहीं कर सकते।

जगत की ज्योति हूं
"वह जो सत्य को उजागर करता है जैसे प्रकाश वास्तविकता को प्रकट करता है।"

John 9:10

आंखों पर लगाकर
देखें कि आपने इसका अनुवाद यूह. 09:06/9:6 में कैसे किया है।

John 9:16

वह सब्त का दिन मानता है
सब्त के दिन के नियम का उल्लंघन नहीं करता है

John 9:24

उन्होंने उस मनुष्य को .... बुलाया
यहूदियों ने उस मनुष्य को बुलाया (यूह. 09:16/9:18)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

वह मनुष्य
वे यीशु के लिए कह रहे हैं।

वह मनुष्य
वह मनुष्य जो पहले अंधा था।

वह पापी है या नहीं, मै नहीं जानता
"मैं नहीं जानता कि वह पापी है या नहीं"

John 9:26

x
यहूदी अगुवे यीशु के बारे में उस मनुष्य से पूछताछ कर रहे हैं जो जन्म से अंधा था (यूह. 09:16/9:18)

John 9:28

x
यहूदी अगुवे यीशु के बारे में उस मनुष्य से पूछताछ कर रहे हैं जो जन्म से अंधा था (यूह. 09:16/9:18)

हम मूसा के चेले हैं। हम जानते हैं .... इस मनुष्य को नहीं जानते...
यहूदी अगुवे केवल अपने ही बारे में बातें कर रहे हैं।

John 9:30

परमेश्वर पापियों की नहीं सुनता ... उसकी सुनता है
पापियों की प्रार्थना का उत्तर नहीं देता है ..... उसकी प्रार्थना का उत्तर देता है।

John 9:32

यह कभी सुनने में नहीं आया कि किसी ने जन्म के अंधे की आंखें खोली हों।
"किसी ने कभी नहीं सुना कि .... आंखें खोली हैं"

जन्म के अंधे की आंखे खोली हों
"दृष्टिदान दिया कि जन्म का अंधा देखने लगा हो"

तू तो बिलकुल पापों में जन्मा है, तू हमें क्या सिखाता है?
"तू तो पूर्णतः पापों में जन्मा है। तू हमें शिक्षा देने योग्य है ही नहीं"।

John 9:39

ताकि जो नहीं देखते वे देखें और जो देखते है वे अन्धे हो जाएं।
कि जो आंखों से नहीं देखते वे परमेश्वर को पहचानें और जो आंखों से देखते है वे परमेश्वर को नहीं पहचानें।

Translation Questions

John 9:2

उस मनुष्य के जन्म से अंधे होने का कारण शिष्यों की कल्पना में क्या था?
शिष्यों के विचार में या तो उस अंधे ने पाप किया था या उसके माता-पिता ने।

John 9:3

उसके अंधे होने का कारण यीशु ने क्या बताया?
यीशु ने कहा कि उसके अंधे होने का कारण था कि परमेश्वर के काम उसमें प्रकट हों।

John 9:6

यीशु ने उस अंधे के साथ क्या किया और उससे क्या कहा?
यीशु ने मिट्टी में थूक कर उसे गीला किया और उसकी आँखों पर लगाई और उससे कहा कि वह जाकर शीलोम के कुण्ड में धो ले।

John 9:7

शीलोम के कुण्ड में आंखें धोने के बाद उसका क्या हुआ?
वह लौटा तो वह देखता था।

John 9:9

जब यह विवाद चल रहा था कि यही वह अंधा मनुष्य है जो बैठ कर भीख मांगता था तब उस दृष्टि प्राप्त मनुष्य ने क्या गवाही दी?
उस मनुष्य ने गवाही दी कि वह अंधा भिखारी ही है।

John 9:13

इस पूर्वकालिक अंधे मनुष्य के साथियों ने क्या किया?
वे उस व्यक्ति को फरीसियों के पास ले गए।

John 9:14

उसकी चंगाई किस दिन हुई थी?
उस अंधे मनुष्य की चंगाई सब्त के दिन हुई थी।

John 9:16

फरीसियों में मतभेद का कारण क्या था?
कुछ फरीसियों ने कहा कि यीशु परमेश्वर की ओर से नहीं है, क्योंकि वह सब्त का पालन नहीं करता है (उसने सब्त के दिन चंगाई का काम किया है) अन्य फरीसियों ने कहा कि ऐसा पापी मनुष्य चिन्ह कैसे दिखा सकता है?

John 9:17

पूछने पर उस पूर्वकालिक अंधे मनुष्य ने क्या उत्तर दिया?
उस पूर्वकालिक अंधे ने कहा, "वह एक भविष्यद्वक्ता है।"

John 9:18

यहूदियों ने उस अंधे मनुष्य के माता-पिता को क्यों बुलवाया?
उन्होंने उसके माता-पिता को बुलवाया क्योंकि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि वह मनुष्य पहले से अंधा था।

John 9:20

उसके माता-पिता ने उसके बारे में क्या गवाही दी?
उसके माता पिता ने कहा कि वह निश्चय ही उनका पुत्र है और वह अन्धा ही जन्मा था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 9:21

उसके माता-पिता ने कैसी अनभिज्ञता प्रकट की?
उन्होंने कहा कि वे नहीं जानते कि वह कैसे देख सकता है और उसे किसने दृष्टि दान दिया है?

John 9:22

उसके माता-पिता ने क्यों कहा, "वह सयाना है, उसी से पूछ लो"?
उन्होंने इसलिए ऐसा कहा क्योंकि वे यहूदियों से डरते थे क्योंकि यहूदियों ने यह निर्णय लिया था, कि यीशु को मसीह कहने वाले को आराधनालय से बाहर कर दिया जायेगा।

John 9:24

जब फरीसियों ने उस पूर्वकालिक अंधे मनुष्य को दूसरी बार भीतर बुलवाया तब उससे क्या कहा?
उन्होंने उससे कहा, "परमेश्वर की स्तुति कर। हम तो जानते हैं कि वह मनुष्य पापी है।"

John 9:25

फरीसियों ने यीशु को पापी कहा तो उस पूर्वकालिक अंधे मनुष्य की प्रतिक्रिया कैसे थी?
उसने कहा, "मैं नहीं जानता कि वह पापी है या नहीं; मैं एक बात जानता हूँ कि मैं अंधा था और अब देखता हूँ"।

John 9:26

फरीसियों ने उस पूर्वकालिक अंधे का ठट्ठा क्यों किया?
फरीसियों ने उसका ठट्ठा किया क्योंकि उसने कहा था, "मैं तुमसे कह चुका हूँ और तुमने नहीं सुना, अब दूसरी बार क्यों सुनना चाहते हो? क्या तुम भी उसके चेले होना चाहते हो?"

John 9:30

फरीसियों द्वारा ठट्ठा करने पर उस व्यक्ति ने कैसी प्रतिक्रिया दिखाई?
उसने कहा, "यह तो आश्चर्य की बात है कि तुम नहीं जानते कि वह कहाँ का है, तौभी उसने मेरी आँखें खोल दीं। हम जानते हैं कि परमेश्वर पापियों की नहीं सुनता, परन्तु यदि कोई परमेश्वर का भक्त हो और उसकी इच्छा पर चलता है, तो वह उसकी सुनता है, जगत के आरंभ से यह कभी सुनने में नहीं आया कि किसी ने जन्म के अंधे की आँखे खोली हों। यदि यह व्यक्ति परमेश्वर की ओर से न होता, तो कुछ भी नहीं कर सकता"।

John 9:34

फरीसियों ने उस पूर्वकालिक अंधे की प्रतिक्रिया पर उसके साथ कैसा व्यवहार किया?
उन्होंने उससे कहा, तू तो बिल्कुल पापों में जन्मा है, तू हमें क्या सिखाता है? और उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया।

John 9:35

जब यीशु ने सुना कि वह मनुष्य आराधनालय के बाहर कर दिया गया है तब यीशु ने क्या किया?
यीशु ने उसको खोजा और उसे पा लिया।

यीशु ने जब उसे खोज लिया तब उससे क्या कहा?
यीशु ने उससे पूछा कि क्या वह मनुष्य के पुत्र में विश्वास करता है और फिर उससे कहा कि वही (यीशु) मनुष्य का पुत्र है।

John 9:38

यह जानकर कि यीशु ही मनुष्य का पुत्र है उस पूर्वकालिक अंधे ने कैसी प्रतिक्रिया दिखाई?
उस पूर्वकालिक अंधे मनुष्य ने यीशु से कहा, "हे प्रभु मैं विश्वास करता हूँ" और उसे दण्डवत किया।

John 9:41

यीशु ने फरीसियों के पापों के बारे में क्या कहा था?
यीशु ने उनसे कहा, "यदि तुम अंधे होते तो पापी न ठहरतेः परन्तु अब कहते हो कि हम देखते हैं, इसलिए तुम्हारा पाप बना रहता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 10

1 “मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, कि जो कोई द्वार से भेड़शाला में प्रवेश नहीं करता, परन्तु और किसी ओर से चढ़ जाता है, वह चोर और डाकू है*। **2** परन्तु जो द्वार से भीतर प्रवेश करता है* वह भेड़ों का चरवाहा है। **3** उसके लिये द्वारपाल द्वार खोल देता है, और भेड़ें उसका शब्द सुनती हैं, और वह अपनी भेड़ों को नाम ले लेकर बुलाता है और बाहर ले जाता है। **4** और जब वह अपनी सब भेड़ों को बाहर निकाल चुकता है, तो उनके आगे-आगे चलता है, और भेड़ें उसके पीछे-पीछे हो लेती हैं; क्योंकि वे उसका शब्द पहचानती हैं। **5** परन्तु वे पराये के पीछे नहीं जाएँगी, परन्तु उससे भागेंगी, क्योंकि वे परायों का शब्द नहीं पहचानती।” **6** यीशु ने उनसे यह दृष्टान्त कहा, परन्तु वे न समझे कि ये क्या बातें हैं जो वह हम से कहता है।

7 तब यीशु ने उनसे फिर कहा, “मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, कि भेड़ों का द्वार मैं हूँ। **8** जितने मुझसे पहले आए; वे सब चोर और डाकू हैं परन्तु भेड़ों ने उनकी न सुनी। (यिर्म. 23:1, यूह. 10:27) **9** द्वार मैं हूँ; यदि कोई मेरे द्वारा भीतर प्रवेश करे तो उद्धार पाएगा और भीतर बाहर आया-जाया करेगा और चारा पाएगा। (भज. 118:20) **10** चोर किसी और काम के लिये नहीं परन्तु केवल चोरी करने और हत्या करने और नष्ट करने को आता है। मैं इसलिए आया कि वे जीवन पाएँ, और बहुतायत से पाएँ। **11** अच्छा चरवाहा मैं हूँ; अच्छा चरवाहा भेड़ों के लिये अपना प्राण देता है। (भज. 23:1, यशा. 40:11, यहे. 34:15) **12** मजदूर जो न चरवाहा है, और न भेड़ों का मालिक है, भेड़िए को आते हुए देख, भेड़ों को छोड़कर भाग जाता है, और भेड़िया उन्हें पकड़ता और तितर-बितर कर देता है। **13** वह इसलिए भाग जाता है कि वह मजदूर है, और उसको भेड़ों की चिन्ता नहीं। **14** अच्छा चरवाहा मैं हूँ; मैं अपनी भेड़ों को जानता हूँ*, और मेरी भेड़ें मुझे जानती हैं। **15** जिस तरह पिता मुझे जानता है, और मैं पिता को जानता हूँ। और मैं भेड़ों के लिये अपना प्राण देता हूँ। **16** और मेरी और भी भेड़ें हैं, जो इस भेड़शाला की नहीं; मुझे उनका भी लाना अवश्य है, वे मेरा शब्द सुनेंगी; तब एक ही झुण्ड और एक ही चरवाहा होगा। (यशा. 56:8, यहे. 34:23, यहे. 37:24) **17** पिता इसलिए मुझसे प्रेम रखता है, कि मैं अपना प्राण देता हूँ, कि उसे फिर ले लूँ। **18** कोई उसे मुझसे छीनता नहीं*, वरन् मैं उसे आप ही देता हूँ। मुझे उसके देने का अधिकार है, और उसे फिर लेने का भी अधिकार है। यह आज्ञा मेरे पिता से मुझे मिली है।” **19** इन बातों के कारण यहूदियों में फिर फूट पड़ी। **20** उनमें से बहुत सारे कहने लगे, “उसमें दुष्टात्मा है, और वह पागल है; उसकी क्यों सुनते हो?” **21** औरों ने कहा, “ये बातें ऐसे मनुष्य की नहीं जिसमें दुष्टात्मा हो। क्या दुष्टात्मा अंधों की आँखें खोल सकती है?”

22 यरूशलेम में स्थापन पर्व हुआ, और जाड़े की ऋतु थी। **23** और यीशु मन्दिर में सुलैमान के ओसारे में टहल रहा था। **24** तब यहूदियों ने उसे आ घेरा और पूछा, “तू हमारे मन को कब तक दुविधा में रखेगा? यदि तू मसीह है, तो हम से साफ कह दे।” **25** यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, “मैंने तुम से कह दिया, और तुम विश्वास करते ही नहीं, जो काम मैं अपने पिता के नाम से करता हूँ वे ही मेरे गवाह हैं। **26** परन्तु तुम इसलिए विश्वास नहीं करते, कि मेरी भेड़ों में से नहीं हो। **27** मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं, और मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरे पीछे-पीछे चलती हैं। **28** और मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूँ, और वे कभी नाश नहीं होंगी, और कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन न लेगा। **29** मेरा पिता, जिस ने उन्हें मुझ को दिया है, सबसे बड़ा है, और कोई उन्हें पिता के हाथ से छीन नहीं सकता। **30** मैं और पिता एक हैं।” **31** यहूदियों ने उसे पत्थराव करने को फिर पत्थर उठाए। **32** इस पर यीशु ने उनसे कहा, “मैंने तुम्हें अपने पिता की ओर से बहुत से भले काम दिखाए हैं, उनमें से किस काम के लिये तुम मुझे पत्थराव करते हो?” **33** यहूदियों ने उसको उत्तर दिया, “भले काम के लिये हम तुझे पत्थराव नहीं करते, परन्तु परमेश्वर की निन्दा के कारण और इसलिए कि तू मनुष्य होकर अपने आप को परमेश्वर बनाता है।” (लैव्य. 24:16) **34** यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, “क्या तुम्हारी व्यवस्था में नहीं लिखा है कि ‘मैंने कहा, तुम ईश्वर हो’? (भज. 82:6) **35** यदि उसने उन्हें ईश्वर कहा जिनके पास परमेश्वर का वचन पहुँचा (और पवित्रशास्त्र की बात लोप नहीं हो सकती।) **36** तो जिसे पिता ने पवित्र ठहराकर जगत में भेजा है, तुम उससे कहते हो, ‘तू निन्दा करता है,’ इसलिए कि मैंने कहा, ‘मैं परमेश्वर का पुत्र हूँ।’ **37** यदि मैं अपने पिता का काम नहीं करता, तो मेरा विश्वास न करो। **38** परन्तु यदि मैं करता हूँ, तो चाहे मेरा विश्वास न भी करो, परन्तु उन कामों पर विश्वास करो, ताकि तुम जानो, और समझो, कि पिता मुझ में है, और मैं पिता में हूँ।” **39** तब उन्होंने फिर उसे पकड़ने का प्रयत्न किया परन्तु वह उनके हाथ से निकल गया। **40** फिर वह यरदन के पार उस स्थान पर चला गया, जहाँ यूहन्ना पहले बपतिस्मा दिया करता था, और वहीं रहा। **41** और बहुत सारे उसके पास आकर कहते थे, “यूहन्ना ने तो कोई चिन्ह नहीं दिखाया, परन्तु जो कुछ यूहन्ना ने इसके विषय में कहा था वह सब सच था।” **42** और वहाँ बहुतों ने उस पर विश्वास किया।

John 10:1

x
यीशु फरीसियों से बातें कर रहा है

मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ
उसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

भेड़शाला
बाड़ा लगा हुआ वह सुरक्षित स्थान जहाँ चरवाहा भेड़ों को रखता है।

चोर और डाकू
चोर और डाकू, इन दोनों शब्दों का अर्थ एक ही है परन्तु यह बल देने के लिए काम में लिए गए हैं।

John 10:5

वे न समझे
संभावित अर्थ (1) "शिष्य नहीं समझे" या 2)"जनसमूह नहीं समझा" अतः इसे ऐसे ही रहने दे तो ठीक होगा।

John 10:7

x
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है

मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ
उसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

भेड़ों का द्वार मैं हूँ
"मुझ से होकर भेड़ें भेड़शाला में प्रवेश करती हैं," यीशु के कहने का अर्थ है कि वह प्रवेश की अनुमति देता है। यहां "भेड़" शब्द परमेश्वर के लोगों के लिए काम में लिया गया है।

जितने मुझसे पहले आए वे सब चोर और डाकू हैं।
जितने मुझसे पहले आए वे सब चोर और डाकू है, "जितने मुझ से पहले आए", यह उक्ति उन उपदेशकों के संदर्भ में है जिन्होंने यीशु से पहले आकर शिक्षा दी। यीशु उन्हें "चोर और डाकू" कहता है। क्योंकि उनकी शिक्षा झूठी थी और वे परमेश्वर के लोगों को, सत्य की समझ से रहित होकर, पथभ्रष्ट करते थे।

John 10:9

x
यीशु जनसमूह से बातें कर रहा है

द्वार मैं हूँ
स्वयं को "द्वार" कहने में यीशु का अभिप्राय है कि वह सच्चा मार्ग दिखाता है कि भेड़शाला जिसका प्रतीक है वहां कैसे पहुंचे।

चारा
चारा वह हरी घास है जिसे भेड़ें खाती है।

वे जीवन पाएं
"वे" शब्द भेड़ों के संदर्भ में है, "जीवन" अर्थात अनन्त जीवन

John 10:11

x
यीशु अच्छे चरवाहे का दृष्टान्त ही सुना रहा है।

अच्छा चरवाहा मैं हूँ
"मैं एक अच्छे चरवाहे के जैसा हूँ"।

अपना प्राण देता है
अपना प्राण देता है //-// किसी बात को देने का अर्थ है उसको अपने वश से जाने देना। यह मृत्यु के लिए प्रयुक्त एक कोमल शब्द है, वैकल्पिक अनुवाद "मर जाता है"।

John 10:14

x
यीशु अच्छे चरवाहे का दृष्टान्त ही सुना रहा है।

अच्छा चरवाहा मैं हूँ
"मैं एक अच्छे चरवाहे के जैसा हूं"।

मैं अपनी भेड़ों के लिए अपना प्राण देता हूँ
यह यीशु द्वारा कोमलता से कहता है कि वह अपनी भेड़ों की रक्षा करते हुए मर जायेगा। वैकल्पिक अनुवाद, मैं अपनी भेड़ों के लिए मर जाऊंगा"।

भेड़शाला
चरवाहे की भेड़ों का वृंद। भेड़शाला का अर्थ है, भेड़ों के रहने का स्थान।

John 10:17

x
यीशु जनसमूह से ही बातें कर रहा है।

मैं अपना प्राण देता हूँ कि इसे फिर से ले लूँ
यह यीशु के कोमल शब्द हैं जिनके द्वारा वह कह रहा है कि वह मर जायेगा और फिर स्वयं को मरने दूंगा कि फिर स्वयं को जीवित करूं"।

John 10:19

तुम उसकी क्यों सुनते हो?
वैकल्पिक अनुवाद, "उसकी बातें मत सुनो"।

क्या दुष्टात्मा अंधों की आंखें खोल सकती है?
वैकल्पिक अनुवाद, "दुष्टात्मा अंधे को दृष्टिदान नहीं दे सकती है।"

John 10:22

स्थापन पर्व
यह आठ दिवसीय शीतकालीन अवकाश था। उसमें यहूदी परमेश्वर के चमत्कार को स्मरण करते थे कि परमेश्वर ने आठ दिन तक दीपों में तेल समाप्त होने न दिया, जब तक कि वे और तेल का प्रबन्ध करते थे। दीपदान इसलिए जलते थे कि परमेश्वर के लिए लोगों का समर्पण दर्शाएं। किसी वस्तु के समर्पण का अर्थ है कि उसे किसी विशेष उद्देश्य के निमित्त ही में लिया जाए।

ओसारे
ओसारे- इमारत से जुड़ी दीवार रहित छत

John 10:25

वे ही मेरे गवाह हैं
चमत्कार उसके लिए प्रमाण प्रस्तुत करते हैं जिस प्रकार कि न्यायालय में गवाह प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, "ये चमत्कार मेरे लिए प्रमाण प्रस्तुत करते हैं"।

मेरी भेड़ों
वैकल्पिक अनुवाद "मेरे अनुयायी नहीं" या "मेरे शिष्य नहीं" या मेरे लोग नहीं।

John 10:29

पिता के हाथ
"हाथ" का अर्थ है पिता की सम्पदा या उसका नियंत्रण एवं सुरक्षा

John 10:32

स्वयं को परमेश्वर बनाता है
"परमेश्वर होने का दावा करता है"

John 10:34

तुम ईश्वर हो
"ईश्वर" शब्द प्रायः झूठे देवी-देवताओं के लिए काम में लिया जाता है। सच्चे परमेश्वर के लिए अंग्रेजी में बड़ा "जी" लगता है। यहां यीशु धर्मशास्त्र के संदर्भ द्वारा दर्शाता है कि परमेश्वर ने अपने अनुयायियों को ईश्वर कहता है क्योंकि उसने पृथ्वी पर उसके प्रति निधित्व हेतु उन्हें चुना है।

क्या .... नहीं लिखा है?
यीशु ने यह प्रश्न इसलिए पूछा कि उस जानकारी के उजागर करे जिसे यहूदी धर्मगुरूओं के लिए जानना आवश्यक था, "लिखा है"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पवित्रशास्त्र की बात असत्य नहीं हो सकती।
पवित्रशास्त्र की बात असत्य नहीं हो सकती, यह वाक्य धर्मशास्त्र को हमारा नियंत्रक दर्शाता है और वह नियंत्रण तोड़ा नहीं जा सकता या नियंत्रण मुक्त नहीं किया जा सकता कि हम उसके सत्यवचन से बच पाएं। वैकल्पिक अनुवाद, "धर्मशास्त्र की किसी भी बात को झूठा नहीं कहा जा सकता है" (यू.डी.बी.) या "धर्मशास्त्र सत्य है"।

John 10:37

x
यीशु अपने विरोधी यहूदी धर्मगुरूओं के समक्ष प्रतिवाद प्रस्तुत कर रहा है।

John 10:40

निस्संदेह
यह शब्द जो सच है उसे दर्शाने को उपयोग किया गया है, वैकल्पिक अनुवाद-"सत्यता में" अथवा "सच-सच"

Translation Questions

John 10:1

यीशु के अनुसार चोर और डाकू कौन है?
जो भेड़शाला में द्वार से प्रवेश नहीं करता परन्तु किसी दूसरी ओर से चढ़ जाता है तो वह चोर और डाकू है।

John 10:2

भेड़शाला में द्वार से प्रवेश करने वाला कौन है?
जो द्वार से भेड़शाला में प्रवेश करे वह उन भेड़ों का चरवाहा है।

John 10:3

पुकारने पर भेड़ें चरवाहे के पीछे क्यों जाती हैं?
भेड़ें चरवाहे के पीछे जाती हैं क्योंकि वह उसका शब्द पहचानती हैं।

John 10:5

क्या भेड़ें पराये के पीछे जाती हैं?
नहीं, भेड़ें पराये के पीछे नहीं जाती हैं।

John 10:7

यीशु से पहले आने वाले सब लोग क्या थे?
जो यीशु से पहले आए वे सब चोर और डाकू थे और भेड़ों ने उनकी न सुनी।

John 10:9

यीशु ने कहा "द्वार मैं हूँ" द्वार से प्रवेश करने वालों का क्या होगा?
जो यीशु रूपी द्वार से प्रवेश करते हैं वे उद्धार पाएंगे और भीतर बाहर आया जाया करेंगे और चारा पाएंगे।

John 10:11

यीशु एक अच्छे चरवाहे ने भेड़ों के लिए क्या करना चाहा और किया भी?
अच्छे चरवाहे यीशु अपनी भेड़ों के लिए जान देने को तैयार है।

John 10:16

क्या यीशु की और भी भेड़ें हैं, उनका क्या होगा?
यीशु ने कहा कि उसकी और भी भेड़ें हैं जो उस भेड़शाला की नहीं हैं, उनका लाना भी उसके लिए आवश्यक है कि एक ही भेड़शाला हो और एक ही चरवाहा हो।

John 10:17

परमेश्वर पिता यीशु से प्रेम क्यों करता है?
परमेश्वर पिता यीशु से प्रेम करता है क्योंकि यीशु अपनी जान देता है वरन उसे फिर ले लेने का अधिकार भी उसे है।

John 10:18

क्या कोई यीशु से जान छीन सकता है?
नहीं, वह स्वयं ही जान देता है।

यीशु को जान देने और उसे फिर से लेने का अधिकार कहाँ से मिला?
यीशु ने यह आज्ञा परमेश्वर पिता से प्राप्त की थी।

John 10:19

यीशु की बातों के बारे में यहूदी क्या कहते थे?
अनेक लोग कहने लगे, "उसमें दुष्टात्मा है और वह पागल है उसकी क्यों सुनते हो?" अन्यों ने कहा, "ये बातें ऐसे मनुष्य की नहीं जिसमें दुष्टात्मा हो, क्या दुष्टात्मा अंधों की आंखे खोल सकती हैं?"

John 10:24

सुलैमान के ओसारे में मन्दिर में उसे घेर कर यहूदियों ने यीशु से क्या कहा?
उन्होंने कहा, "तू हमारे मन को कब तक दुविधा में रखेगा? यदि तू मसीह है तो हमसे साफ-साफ कह दे।"

John 10:25

सुलैमान के ओसारे में यीशु ने यहूदियों से क्या कहा था?
यीशु ने कहा कि उसने तो पहले ही कह दिया था (कि वह मसीह है) परन्तु उन्होंने विश्वास नहीं किया क्योंकि वे उसकी भेड़ें नहीं थे।

John 10:28

यीशु अपनी भेड़ों की देखरेख और सुरक्षा के बारे में क्या कहता है?
यीशु ने कहा कि वह अपनी भेड़ों को अनन्त जीवन देता है, वे कभी नष्ट नहीं होंगी और उन्हें उसके हाथ से कोई छीन नहीं सकता।

John 10:29

यीशु को भेड़ें किसने दी थी?
पिता परमेश्वर ने यीशु को भेड़ें दी थी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्या पिता परमेश्वर से बड़ा भी कोई है?
परमेश्वर पिता सबसे महान है।

John 10:30

यीशु ने कहा, "मैं और मेरा पिता एक हैं"। तब यहूदियों ने उसे पत्थरवाह करने के लिए पत्थर क्यों उठाए थे?
क्योंकि उनका मानना था कि यीशु ईश्वर की निंदा कर रहा था और स्वयं को परमेश्वर के बराबर बताता था जबकि वह मात्र एक मनुष्य था।

John 10:34

ईशनिन्दा के आक्षेप का यीशु का प्रतिवाद क्या था?
यीशु स्वयं की रक्षा में कहता है, "क्या तुम्हारी व्यवस्था में नहीं लिखा है, मैंने कहा, तुम ईश्वर हो? यदि उसने उन्हें ईश्वर कहा जिनके पास परमेश्वर का वचन पहुंचा और पवित्रशास्त्र की बात असत्य नहीं हो सकती, तो जिसे पिता ने पवित्र ठहरा कर जगत में भेजा है, तुम उससे कहते हो, "तू निन्दा करता है“ इसलिए कि मैंने कहा, "मैं परमेश्वर का पुत्र हूँ"?

John 10:37

यीशु यहूदियों से क्या कहता है कि उसमें विश्वास करने या न करने के लिए उन्हें क्या करना होगा?
यीशु ने यहूदियों से कहा कि वे उसके कामों को देखें, यदि यीशु अपने पिता के काम नहीं कर रहा है तो उस पर विश्वास नहीं करें। यदि वह अपने पिता के काम कर रहा है तो उस पर विश्वास करें।

John 10:38

यीशु ने यहूदियों से क्या कहा कि वे समझेंगे और जानेंगे भी यदि वे यीशु के कामों में विश्वास करें?
यीशु ने कहा कि वे जान सकते हैं और समझ सकते हैं कि पिता परमेश्वर यीशु में है और यीशु परमेश्वर में है।

John 10:39

यीशु की बातों की यहूदियों में क्या प्रतिक्रिया हुई जब उसने कहा कि वह पिता में है और पिता उसमें है?
यहूदियों ने फिर उसे पकड़ने का प्रयत्न किया।

John 10:40

इस घटना के बाद यीशु कहाँ चला गया?
यीशु फिर यरदन पार उस स्थान में चला गया जहाँ यूहन्ना पहले बपतिस्मा देता था।

John 10:41

बहुत से लोग जो यीशु के पास आए उन्होंने क्या कहा और किया?
लोग उसके पास आकर कहते थे, "यूहन्ना ने तो कोई चिन्ह नहीं दिखाया, परन्तु जो कुछ यूहन्ना ने इसके विषय में कहा था, वह सब सच था"। अनेक मनुष्यों ने वहाँ यीशु में विश्वास किया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 11

1 मरियम और उसकी बहन मार्था के गाँव बैतनिय्याह का लाज़र नाम एक मनुष्य बीमार था। **2** यह वही मरियम थी जिस ने प्रभु पर इत्र डालकर उसके पाँवों को
अपने बालों से पोंछा था, इसी का भाई लाज़र बीमार था। **3** तब उसकी बहनों ने उसे कहला भेजा, “हे प्रभु, देख, जिससे तू प्यार करता है*, वह बीमार है।” **4**
यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं, परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है, कि उसके द्वारा परमेश्वर के पुत्र की महिमा हो।” **5** और यीशु मार्था
और उसकी बहन और लाज़र से प्रेम रखता था। **6** जब उसने सुना, कि वह बीमार है, तो जिस स्थान पर वह था, वहाँ दो दिन और ठहर गया। **7** फिर इसके बाद
उसने चेलों से कहा, “आओ, हम फिर यहूदिया को चलें।” **8** चेलों ने उससे कहा, “हे रब्बी, अभी तो यहूदी तुझे पत्थराव करना चाहते थे, और क्या तू फिर भी
वहीं जाता है?” **9** यीशु ने उत्तर दिया, “क्या दिन के बारह घंटे नहीं होते? यदि कोई दिन को चले, तो ठोकर नहीं खाता, क्योंकि इस जगत का उजाला देखता है।
10 परन्तु यदि कोई रात को चले, तो ठोकर खाता है, क्योंकि उसमें प्रकाश नहीं।” **11** उसने ये बातें कहीं, और इसके बाद उनसे कहने लगा, “हमारा मित्र लाज़र
सो गया है, परन्तु मैं उसे जगाने जाता हूँ।” **12** तब चेलों ने उससे कहा, “हे प्रभु, यदि वह सो गया है, तो बच जाएगा।” **13** यीशु ने तो उसकी मृत्यु के विषय में
कहा था : परन्तु वे समझे कि उसने नींद से सो जाने के विषय में कहा। **14** तब यीशु ने उनसे साफ कह दिया, “लाज़र मर गया है। **15** और मैं तुम्हारे कारण
आनन्दित हूँ कि मैं वहाँ न था जिससे तुम विश्वास करो। परन्तु अब आओ, हम उसके पास चलें।” **16** तब थोमा ने जो दिदुमुस कहलाता है, अपने साथ के चेलों
से कहा, “आओ, हम भी उसके साथ मरने को चलें।”

17 फिर यीशु को आकर यह मालूम हुआ कि उसे कब्र में रखे चार दिन हो चुके हैं। **18** बैतनिय्याह यरूशलेम के समीप कोई दो मील की दूरी पर था। **19** और
बहुत से यहूदी मार्था और मरियम के पास उनके भाई के विषय में शान्ति देने के लिये आए थे। **20** जब मार्था यीशु के आने का समाचार सुनकर उससे भेंट करने
को गई, परन्तु मरियम घर में बैठी रही। **21** मार्था ने यीशु से कहा, “हे प्रभु, यदि तू यहाँ होता, तो मेरा भाई कदापि न मरता। **22** और अब भी मैं जानती हूँ, कि
जो कुछ तू परमेश्वर से माँगेगा, परमेश्वर तुझे देगा।” **23** यीशु ने उससे कहा, “तेरा भाई जी उठेगा।” **24** मार्था ने उससे कहा, “मैं जानती हूँ, अन्तिम दिन में
पुनरुत्थान के समय वह जी उठेगा।” (प्रेरि. 24:15) **25** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ*, जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर
भी जाए, तो भी जीएगा। **26** और जो कोई जीवित है, और मुझ पर विश्वास करता है, वह अनन्तकाल तक न मरेगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?” **27**
उसने उससे कहा, “हाँ, हे प्रभु, मैं विश्वास कर चुकी हूँ, कि परमेश्वर का पुत्र मसीह जो जगत में आनेवाला था, वह तू ही है।”

28 यह कहकर वह चली गई, और अपनी बहन मरियम को चुपके से बुलाकर कहा, “गुरु यहीं है, और तुझे बुलाता है।” **29** वह सुनते ही तुरन्त उठकर उसके
पास आई। **30** (यीशु अभी गाँव में नहीं पहुँचा था, परन्तु उसी स्थान में था जहाँ मार्था ने उससे भेंट की थी।) **31** तब जो यहूदी उसके साथ घर में थे, और उसे
शान्ति दे रहे थे, यह देखकर कि मरियम तुरन्त उठके बाहर गई है और यह समझकर कि वह कब्र पर रोने को जाती है, उसके पीछे हो लिये। **32** जब मरियम वहाँ
पहुँची जहाँ यीशु था, तो उसे देखते ही उसके पाँवों पर गिरके कहा, “हे प्रभु, यदि तू यहाँ होता तो मेरा भाई न मरता।” **33** जब यीशु ने उसको और उन यहूदियों
को जो उसके साथ आए थे रोते हुए देखा, तो आत्मा में बहुत ही उदास और व्याकुल हुआ, **34** और कहा, “तुम ने उसे कहाँ रखा है?” उन्होंने उससे कहा, “हे
प्रभु, चलकर देख ले।” **35** यीशु रोया*। **36** तब यहूदी कहने लगे, “देखो, वह उससे कैसा प्यार करता था।” **37** परन्तु उनमें से कितनों ने कहा, “क्या यह जिस
ने अंधे की आँखें खोली, यह भी न कर सका कि यह मनुष्य न मरता?” **38** यीशु मन में फिर बहुत ही उदास होकर कब्र पर आया, वह एक गुफा थी, और एक
पत्थर उस पर धरा था। **39** यीशु ने कहा, “पत्थर को उठाओ।” उस मरे हुए की बहन मार्था उससे कहने लगी, “हे प्रभु, उसमें से अब तो दुर्गन्ध आती है, क्योंकि
उसे मरे चार दिन हो गए।” **40** यीशु ने उससे कहा, “क्या मैंने तुझ से न कहा था कि यदि तू विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी।” **41** तब उन्होंने
उस पत्थर को हटाया, फिर यीशु ने आँखें उठाकर कहा, “हे पिता, मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि तूने मेरी सुन ली है। **42** और मैं जानता था, कि तू सदा मेरी
सुनता है, परन्तु जो भीड़ आस-पास खड़ी है, उनके कारण मैंने यह कहा, जिससे कि वे विश्वास करें, कि तूने मुझे भेजा है।” **43** यह कहकर उसने बड़े शब्द से
पुकारा, “हे लाज़र, निकल आ!” **44** जो मर गया था, वह कफन से हाथ पाँव बंधे हुए निकल आया और उसका मुँह अँगोछे से लिपटा हुआ था। यीशु ने उनसे
कहा, “उसे खोलकर जाने दो।”

45 तब जो यहूदी मरियम के पास आए थे, और उसका यह काम देखा था, उनमें से बहुतों ने उस पर विश्वास किया। **46** परन्तु उनमें से कितनों ने फरीसियों के
पास जाकर यीशु के कामों का समाचार दिया। **47** इस पर प्रधान याजकों और फरीसियों ने मुख्य सभा के लोगों को इकट्ठा करके कहा, “हम क्या करेंगे? यह
मनुष्य तो बहुत चिन्ह दिखाता है। **48** यदि हम उसे यों ही छोड़ दे, तो सब उस पर विश्वास ले आएँगे और रोमी आकर हमारी जगह और जाति दोनों पर अधिकार
कर लेंगे।” **49** तब उनमें से कैफा नाम एक व्यक्ति ने जो उस वर्ष का महायाजक था, उनसे कहा, “तुम कुछ नहीं जानते; **50** और न यह सोचते हो, कि तुम्हारे
लिये यह भला है, कि लोगों के लिये एक मनुष्य मरे, और न यह, कि सारी जाति नाश हो।” **51** यह बात उसने अपनी ओर से न कही, परन्तु उस वर्ष का
महायाजक होकर भविष्यद्वाणी की, कि यीशु उस जाति के लिये मरेगा; **52** और न केवल उस जाति के लिये, वरन् इसलिए भी, कि परमेश्वर की तितर-बितर
सन्तानों को एक कर दे। **53** अतः उसी दिन से वे उसके मार डालने की सम्मति करने लगे। **54** इसलिए यीशु उस समय से यहूदियों में प्रगट होकर न फिरा; परन्तु
वहाँ से जंगल के निकटवर्ती प्रदेश के एप्रैम नाम, एक नगर को चला गया; और अपने चेलों के साथ वहीं रहने लगा। **55** और यहूदियों का फसह निकट था, और
बहुत सारे लोग फसह से पहले दिहात से यरूशलेम को गए कि अपने आप को शुद्ध करें। (2 इति. 30:17) **56** वे यीशु को ढूँढ़ने और मन्दिर में खड़े होकर
आपस में कहने लगे, “तुम क्या समझते हो? क्या वह पर्व में नहीं आएगा?” **57** और प्रधान याजकों और फरीसियों ने भी आज्ञा दे रखी थी, कि यदि कोई यह
जाने कि यीशु कहाँ है तो बताए, कि उसे पकड़ लें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 11:3

जिससे तू प्रीति रखता है।
यह वाक्यांश लाजर के साथ यीशु के घनिष्ठ संबन्ध को दर्शाता है।

यह बीमारी मृत्यु की नहीं
"इस बीमारी का उद्देश्य उसकी मृत्यु नहीं है"

John 11:8

हे रब्बी, अभी तो यहूदी तुझ पर पत्थराव करना चाहते थे, और क्या तू फिर भी वहीं जाता है?
वैकल्पिक अनुवाद, "गुरू तू निश्चय ही वहां नहीं जाना चाहता है क्योंकि यहूदी तुझे पत्थराव करना चाहते हैं"।

यीशु ने उत्तर दिया
"यीशु ने दृष्टान्त के द्वारा उत्तर दिया"

क्या दिन के बारह घंटे नहीं होते?
वैकल्पिक अनुवाद, "दिन में प्रकाश के बारह घंटे होते हैं।"

John 11:10

क्योंकि उसमें प्रकाश नहीं
संभावित अर्थ है, (1) "वह देख नहीं सकता" (यू.डी.बी.) या (2) "उसके पास प्रकाश नहीं"।

हमारा मित्र लाजर सो गया है
"लाजर मर गया है, परन्तु कुछ समय के लिए"

मैं उसे जगाने जाता हूँ
यीशु लाजर को जीवित करने का विचार व्यक्त कर रहा है।

John 11:15

x
यीशु अपने शिष्यों से बैतनिय्याह जाने ही की बात कर रहा है

तुम्हारे कारण
"तुम्हारे लाभ के लिए"

दिद्युस कहलाता है
दिद्युस एक पुलिंग शब्द है, अर्थात जुड़वा

John 11:17

दो मील
"लगभग तीन किलोमीटर"। मूल भाषा में यह दूरी "स्टेडियम" में व्यक्त की गई है। एक स्टेडियम 185 मीटर का होता था।

John 11:24

जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह अनन्तकाल तक न मरेगा।
वैकल्पिक अनुवाद, "जो मुझ में विश्वास रखते है वे परमेश्वर से सदा के लिए अलग नहीं होंगे"।

John 11:30

उसके पांवों पर गिर पड़ी
मरियम ने यीशु के चरणों में घुटने टेके, सम्मान का प्रतीक।

John 11:36

क्या यह जिसने अंधे की आँखें खोली, यह भी न कर सका कि यह मनुष्य न मरता?
वैकल्पिक अनुवाद, "यह एक अंधे को दृष्टिदान दे सकता है तो यह लाज़र को भी चंगा कर सकता था कि वह मरता नहीं"।

आँखें खोली
चंगा किया

John 11:38

क्या मैंने तुझसे नहीं कहा था कि यदि तू विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?
वैकल्पिक अनुवाद, "स्मरण रख कि मैंने तुझ से कहा है, यदि तू मुझ में विश्वास रखेगी तो देखेगी कि परमेश्वर कैसा महान है"।

John 11:43

कफन से हाथ पांव बंधे हुए निकल गया
उस समय की प्रथा थी कि शव को कपड़े की पट्टियों से बांधा जाए।

यीशु ने उन से कहा
"उनसे" शब्द चमत्कार को देखने वालों के लिए है।

John 11:49

तुम कुछ भी नहीं जानते
काइफा ने ऐसा इसलिए नहीं कहा कि वे अज्ञानी थे परन्तु इसलिए कि उसके समाधान से वे अनभिज्ञ थे। वैकल्पिक अनुवाद, "तुम तो ऐसे बातें कर रहे हो कि तुम जानते ही नहीं कि क्या करना चाहिए"।

John 11:51

यह बात उसने कही
काइफा की योजना को भविष्यद्वाणी माना एवं समझा जा रहा था जबकि काइफा को स्वयं यह बोध नहीं था कि वह भविष्यद्वाणी कर रहा है। यह पृष्ठभूमि संबन्धित जानकारी है। इसे अपनी भाषा में स्पष्ट करने के लिए जो भी शब्द आवश्यक है उनका उपयोग करें।

उस जाति के लिए मरेगा
"जाति" से अभिप्राय है संपूर्ण इस्राएल जाति।

John 11:54

x
यीशु यरूशलेम के निकट के गाँव बैतनिय्याह से कूच करता है

John 11:56

x
यदि पद 57 का पद 56 से पहले होने का तथ्य आपके पाठकों को उलझन में डाल देगा तो आप दोनों पदों को संयोजित करके पद 57 के पाठ को पद 56 के पहले लिखें।

वे यीशु को ढूंढ़ने लगे।
"वे" अर्थात यरूशलेम आने वाले यहूदी धर्मगुरू

प्रधान याजको
यह जानकारी पृष्ठभूमि आधारित है कि यहूदी आराधनालों द्वारा यीशु के मन्दिर में आने के विचार की व्याख्या की जाए। यदि आपकी भाषा में ऐसी पृष्ठभूमि

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

गर्मित जानकारी को व्यक्त करने की विधि है तो उसे काम में लें। उसने आसपास के लोगों से उसका विचार पूछा। वैकल्पिक अनुवाद, "तुम्हारे विचार में क्या यीशु पर्व में आने से डरेगा"।

तुम क्या सोचते हो? क्या वह पर्व में नहीं आयेगा?
तुम क्या सोचते हो? क्या वह पर्व में नहीं आयेगा? - व्यक्ता विमूढ़ था कि यीशु पर्व में आयेगा या नहीं क्योंकि उसे वहां बन्दी बनाए जाने का खतरा था। उसने अन्य साथियों की राय जानना चाहा। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारे विचार में क्या यीशु पर्व में आने से नहीं डरेगा"

Translation Questions

John 11:1

लाजर कौन था?
लाजर बैतनिय्याह का निवासी था। मार्था और मरियम उसकी बहनें थी। यह वहीं मरियम थी जिसने यीशु पर इत्र डालकर अपने बालों से उसके पांव पोंछे थे।

John 11:4

लाजर की रोगावस्था के बारे में सुनकर यीशु ने लाजर और उसके रोग के बारे में क्या कहा था?
यीशु ने कहा, "यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिए है कि आपके द्वारा परमेश्वर के पुत्र की महिमा हो"।

John 11:6

लाजर के रोगाव्यस्था के बारे में सुनकर यीशु ने क्या कहा?
यीशु जहां था वहीं दो दिन और रूक गया।

John 11:8

यीशु ने अपने शिष्यों से कहा, "आओ, हम फिर यहूदिया को चलें" तो उन्होंने क्या उत्तर दिया?
शिष्यों ने यीशु से कहा, "हे रब्बी, अभी तो यहूदी तुझ पर पत्थरवाह करना चाहते थे, और क्या तू फिर वहीं जाना चाहता है"?

John 11:9

दिन और रात में चलने के बारे में यीशु ने क्या कहा था?
यीशु ने कहा यदि कोई दिन के उजियाले में चले तो ठोकर नहीं खाता है क्योंकि वह इस जगत का उजाला देखता है, परन्तु यदि कोई रात में चले तो ठोकर खाता है क्योंकि उसमें उजाला नहीं।

John 11:11

यीशु ने कहा कि लाजर सो गया है और वह उसे जगाने जाता है तो शिष्यों ने उसका क्या अर्थ समझा?
शिष्यों ने सोचा कि वह प्राकृतिक नींद के बारे में कह रहा है क्योंकि उन्होंने कहा, "हे प्रभु, यदि वह सो गया है तो वह स्वस्थ हो जायेगा"।

John 11:13

यीशु ने कहा, लाजर सो गया है, तो उसके कहने का अर्थ क्या था?
यीशु ने कहा, लाजर सो गया है तो उसके कहने का अर्थ था कि वह मर गया है।

John 11:15

यीशु ने क्यों कहा, कि वह आनन्दित है कि लाजर की मृत्यु के समय वहाँ नहीं था क्यों?
यीशु ने कहा, "मैं तुम्हारे कारण आनन्दित हूँ कि मैं वहाँ न था जिससे तुम विश्वास करो"।

John 11:16

थोमा के विचार में यदि वे वहाँ गए तो क्या होगा?
थोमा ने सोचा था कि वे सब मारे जायेंगे।

John 11:17

यीशु के आगमन पर लाजर को कितने दिन हो गए थे?
लाजर को कब्र में रखे चार दिन हो गए थे।

John 11:20

यीशु के आगमन का समाचार सुनकर मार्था ने क्या किया?
यीशु के आगमन का समाचार सुनकर मार्था उससे भेंट करने निकली।

John 11:22

मार्था क्या सोचती थी की परमेश्वर, यीशु के लिए क्या कर सकता था?
मार्था ने कहा, "मैं जानती हूँ कि जो कुछ तू परमेश्वर से मांगेगा, परमेश्वर तुझे देगा"।

John 11:24

जब यीशु ने मार्था से कहा "तेरा भाई फिर जी उठेगा" तो उसकी प्रतिक्रिया क्या थी?
उसने यीशु से कहा, "मैं जानती हूँ कि अन्तिम दिन पुनरूत्थान के समय वह फिर जी उठेगा"।

John 11:25

यीशु के कथनानुसार उसमें विश्वास करने वालों का क्या होगा?
यीशु ने कहा कि जो कोई उसमें विश्वास करेगा वह मर भी जाए तौभी जीएगा और जो कोई जीवित है और उसमें विश्वास करता है, वह अनन्तकाल तक न मरेगा।

John 11:27

यीशु के बारे में मार्था की क्या गवाही थी?
मार्था ने यीशु से कहा, "मैं विश्वास करती हूँ कि परमेश्वर का पुत्र मसीह जो जगत में आने वाला था, वह तू ही है"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 11:29

मरियम कहाँ जा रही थी?
मरियम यीशु से भेंट करने जा रही थी।

John 11:31

मरियम को तुरन्त जाते देख वहाँ उपस्थित यहूदियों ने क्या सोचा और क्या किया?
मार्था के घर में उपस्थित यहूदियों ने सोचा कि मरियम कब्र पर रोने जा रही है तो वे उसके साथ चल पड़े।

John 11:33

यीशु के आत्मा में उदास और व्याकुल होकर रोने का कारण क्या था?
यीशु ने मरियम और अन्य यहूदियों को रोते देखा तो आत्मा में बहुत ही उदास और व्याकुल हुआ और यीशु रोया।

John 11:36

यीशु को रोता देख यहूदियों ने क्या निष्कर्ष निकाला?
उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि यीशु लाजर से प्रेम रखता था।

John 11:39

यीशु द्वारा दी गई गुफा से पत्थर हटाने की आज्ञा सुन मार्था ने क्या कहा?
मार्था ने कहा, "हे प्रभु, उसमें से अब तो दुर्गन्ध आती होगी क्योंकि उसे मरे अब चार दिन हो गए हैं"।

John 11:40

मार्था ने कब्र पर से पत्थर हटाने का विरोध किया तो यीशु ने उससे क्या कहा?
यीशु ने मार्था से कहा, "क्या मैंने तुम से नहीं कहा था कि यदि तू विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी"?

John 11:41

जब कब्र से पत्थर हटाया गया तब यीशु ने तुरन्त क्या किया?
यीशु ने स्वर्ग की ओर आंखें उठाकर अपने पिता से प्रार्थना की।

John 11:42

यीशु ने अपने पिता से जो कहा उसे ऊंचे शब्द में कहने का कारण क्या था?
उसने ऊंचे शब्दों में प्रार्थना की कि वहाँ उपस्थित जन विश्वास करें कि परमेश्वर ने उसे भेजा है।

John 11:44

जब यीशु ने पुकार कर कहा, "हे लाजर निकल आ" तो क्या हुआ?
वह कफ़न से हाथ पांव बन्धे हुए निकल आया और उसका मुंह अंगोछे से लिपटा हुआ था।

John 11:45

लाज़र को कब्र से बाहर आता देख यहूदियों की क्या प्रतिक्रिया थी?
अनेक यहूदियों ने यीशु का यह काम देखकर उसमें विश्वास किया परन्तु कुछ ने जाकर फरीसियों को यीशु के इस काम का समाचार सुनाया।

John 11:50

महायाजकों और फरीसियों की सभा में कैफा ने क्या भविष्यद्वाणी की?
महायाजक कैफा ने कहा, "तुम्हारे लिए यह भला है कि हमारे लोगों के लिए एक मनुष्य मरे और सारी जाति नष्ट न हो"।

John 11:53

उस दिन से महासभा ने क्या योजना बनाई?
उन्होंने यीशु की हत्या की योजना बनाई।

John 11:54

लाजर को जीवित करने के बाद यीशु ने क्या किया?
यीशु अब यहूदियों में प्रकट होकर नहीं रहा, वह बैतनिय्याह से निकल कर पास के जंगल के इफ्राईम नाम एक नगर को चला गया और अपने शिष्यों के साथ वहीं रहने लगा।

John 11:57

महायाजकों और फरीसियों ने क्या आज्ञा दी?
उन्होंने यह उपदेश दिया कि यदि कोई यह जाने कि यीशु कहाँ है तो बताए ताकि वे उसे पकड़ें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 12

1 फिर यीशु फसह से छः दिन पहले बैतनिय्याह में आया, जहाँ लाज़र था; जिसे यीशु ने मरे हुओं में से जिलाया था। **2** वहाँ उन्होंने उसके लिये भोजन तैयार
किया, और मार्था सेवा कर रही थी, और लाज़र उनमें से एक था, जो उसके साथ भोजन करने के लिये बैठे थे। **3** तब मरियम ने जटामांसी का आधा सेर
बहुमूल्य इत्र लेकर यीशु के पाँवों पर डाला, और अपने बालों से उसके पाँव पोंछे, और इत्र की सुगंध से घर सुगन्धित हो गया। **4** परन्तु उसके चेलों में से यहूदा
इस्करियोती नाम एक चेला जो उसे पकड़वाने पर था, कहने लगा, **5** "यह इत्र तीन सौ दीनार में बेचकर गरीबों को क्यों न दिया गया?" **6** उसने यह बात इसलिए
न कही, कि उसे गरीबों की चिन्ता थी, परन्तु इसलिए कि वह चोर था और उसके पास उनकी थैली रहती थी, और उसमें जो कुछ डाला जाता था, वह निकाल
लेता था। **7** यीशु ने कहा, "उसे मेरे गाड़े जाने के दिन के लिये रहने दे। **8** क्योंकि गरीब तो तुम्हारे साथ सदा रहते हैं, परन्तु मैं तुम्हारे साथ सदा न रहूँगा।" (मर.
14:7)

9 यहूदियों में से साधारण लोग जान गए, कि वह वहाँ है, और वे न केवल यीशु के कारण आए परन्तु इसलिए भी कि लाज़र को देखें, जिसे उसने मरे हुओं में से
जिलाया था। **10** तब प्रधान याजकों ने लाज़र को भी मार डालने की सम्मति की। **11** क्योंकि उसके कारण बहुत से यहूदी चले गए, और यीशु पर विश्वास किया।

12 दूसरे दिन बहुत से लोगों ने जो पर्व में आए थे, यह सुनकर, कि यीशु यरूशलेम में आ रहा है। **13** उन्होंने खजूर की डालियाँ लीं, और उससे भेंट करने को
निकले, और पुकारने लगे, "होशाना! धन्य इस्राएल का राजा, जो प्रभु के नाम से आता है।" (भज. 118:25-26) **14** जब यीशु को एक गदहे का बच्चा मिला,
तो वह उस पर बैठा, जैसा लिखा है,

15 "हे सिय्योन की बेटी,
मत डर;
देख, तेरा राजा गदहे के बच्चे पर चढ़ा
हुआ चला आता है।"

16 उसके चेले, ये बातें पहले न समझे थे; परन्तु जब यीशु की महिमा प्रगट हुई, तो उनको स्मरण आया, कि ये बातें उसके विषय में लिखी हुई थीं; और लोगों ने
उससे इस प्रकार का व्यवहार किया था। **17** तब भीड़ के लोगों ने जो उस समय उसके साथ थे यह गवाही दी कि उसने लाज़र को कब्र में से बुलाकर, मरे हुओं में
से जिलाया था। **18** इसी कारण लोग उससे भेंट करने को आए थे क्योंकि उन्होंने सुना था, कि उसने यह आश्चर्यकर्म दिखाया है। **19** तब फरीसियों ने आपस में
कहा, "सोचो, तुम लोग कुछ नहीं कर पा रहे हो; देखो, संसार उसके पीछे हो चला है।"

20 जो लोग उस पर्व में आराधना करने आए थे उनमें से कई यूनानी थे। **21** उन्होंने गलील के बैतसैदा के रहनेवाले फिलिप्पुस के पास आकर उससे विनती की,
"श्रीमान हम यीशु से भेंट करना चाहते हैं।" **22** फिलिप्पुस ने आकर अन्द्रियास से कहा; तब अन्द्रियास और फिलिप्पुस ने यीशु से कहा। **23** इस पर यीशु ने
उनसे कहा, "वह समय आ गया है*, कि मनुष्य के पुत्र कि महिमा हो। **24** मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, कि जब तक गेहूँ का दाना भूमि में पड़कर मर नहीं
जाता, वह अकेला रहता है परन्तु जब मर जाता है, तो बहुत फल लाता है। **25** जो अपने प्राण को प्रिय जानता है, वह उसे खो देता है; और जो इस जगत में
अपने प्राण को अप्रिय जानता है; वह अनन्त जीवन के लिये उसकी रक्षा करेगा। **26** यदि कोई मेरी सेवा करे, तो मेरे पीछे हो ले; और जहाँ मैं हूँ वहाँ मेरा सेवक
भी होगा; यदि कोई मेरी सेवा करे, तो पिता उसका आदर करेगा।

27 "अब मेरा जी व्याकुल हो रहा है*। इसलिए अब मैं क्या कहूँ? 'हे पिता, मुझे इस घड़ी से बचा?' परन्तु मैं इसी कारण इस घड़ी को पहुँचा हूँ। **28** हे पिता
अपने नाम की महिमा कर।" तब यह आकाशवाणी हुई, "मैंने उसकी महिमा की है, और फिर भी करूँगा।" **29** तब जो लोग खड़े हुए सुन रहे थे, उन्होंने कहा;
कि बादल गरजा, औरों ने कहा, "कोई स्वर्गदूत उससे बोला।" **30** इस पर यीशु ने कहा, "यह शब्द मेरे लिये नहीं परन्तु तुम्हारे लिये आया है। **31** अब इस जगत
का न्याय होता है, अब इस जगत का सरदार* निकाल दिया जाएगा। **32** और मैं यदि पृथ्वी पर से ऊँचे पर चढ़ाया जाऊँगा, तो सब को अपने पास खीचूँगा।"
33 ऐसा कहकर उसने यह प्रगट कर दिया, कि वह कैसी मृत्यु से मरेगा। **34** इस पर लोगों ने उससे कहा, "हमने व्यवस्था की यह बात सुनी है, कि मसीह सर्वदा
रहेगा, फिर तू क्यों कहता है, कि मनुष्य के पुत्र को ऊँचे पर चढ़ाया जाना अवश्य है? यह मनुष्य का पुत्र कौन है?" (दानि. 7:14) **35** यीशु ने उनसे कहा,
"ज्योति अब थोड़ी देर तक तुम्हारे बीच में है, जब तक ज्योति तुम्हारे साथ है तब तक चले चलो; ऐसा न हो कि अंधकार तुम्हें आ घेरे; जो अंधकार में चलता है
वह नहीं जानता कि किधर जाता है। **36** जब तक ज्योति तुम्हारे साथ है, ज्योति पर विश्वास करो कि तुम ज्योति के सन्तान बनो।" ये बातें कहकर यीशु चला
गया और उनसे छिपा रहा।

37 और उसने उनके सामने इतने चिन्ह दिखाए, तो भी उन्होंने उस पर विश्वास न किया; **38** ताकि यशायाह भविष्यद्वक्ता का वचन पूरा हो जो उसने कहा:

"हे प्रभु, हमारे समाचार पर किस ने विश्वास किया है?
और प्रभु का भुजबल किस पर प्रगट हुआ?" (यशा. 53:1)

39 इस कारण वे विश्वास न कर सके, क्योंकि यशायाह ने यह भी कहा है:

40 "उसने उनकी आँखें अंधी,
और उनका मन कठोर किया है;
कहीं ऐसा न हो, कि आँखों से देखें,
और मन से समझें,

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

और फिरें, और मैं उन्हें चंगा करूँ।” (यशा. 6:10)

41 यशायाह ने ये बातें इसलिए कहीं, कि उसने उसकी महिमा देखी; और उसने उसके विषय में बातें की। **42** तो भी सरदारों में से भी बहुतों ने उस पर विश्वास किया, परन्तु फरीसियों के कारण प्रगट में नहीं मानते थे, ऐसा न हो कि आराधनालय में से निकाले जाएँ। **43** क्योंकि मनुष्यों की प्रशंसा उनको परमेश्वर की प्रशंसा से अधिक प्रिय लगती थी।

44 यीशु ने पुकारकर कहा, “जो मुझ पर विश्वास करता है, वह मुझ पर नहीं, वरन् मेरे भेजनेवाले पर विश्वास करता है। **45** और जो मुझे देखता है, वह मेरे भेजनेवाले को देखता है। **46** मैं जगत में ज्योति होकर आया हूँ ताकि जो कोई मुझ पर विश्वास करे, वह अंधकार में न रहे। **47** यदि कोई मेरी बातें सुनकर न माने, तो मैं उसे दोषी नहीं ठहराता, क्योंकि मैं जगत को दोषी ठहराने के लिये नहीं, परन्तु जगत का उद्धार करने के लिये आया हूँ। **48** जो मुझे तुच्छ जानता है* और मेरी बातें ग्रहण नहीं करता है उसको दोषी ठहरानेवाला तो एक है: अर्थात् जो वचन मैंने कहा है, वह अन्तिम दिन में उसे दोषी ठहराएगा। **49** क्योंकि मैंने अपनी ओर से बातें नहीं की, परन्तु पिता जिस ने मुझे भेजा है उसी ने मुझे आज्ञा दी है, कि क्या-क्या कहूँ और क्या-क्या बोलूँ? **50** और मैं जानता हूँ, कि उसकी आज्ञा अनन्त जीवन है इसलिए मैं जो बोलता हूँ, वह जैसा पिता ने मुझसे कहा है वैसा ही बोलता हूँ।”

John 12:1

आध सेर
यहां मूल भाषा का शब्द है, "लितरा" जो भार का माप है, रोम का एक पाऊंड लगभग बारह आऊंस या 327.5 ग्राम होता है।

इत्र
सुगन्धित पौधों से प्राप्त तेल से बना द्रव्य

जटामांसी
यह घंटी के आकार के गुलाबी रंग के फूलों से प्राप्त इत्र है, जो नेपाल, चीन और भारत में उगता है।

घर सुगंधित हो गया
"इत्र की सुगन्ध संपूर्ण घर में फैल गई"।

John 12:4

x
जब मरियम यीशु के चरणों पर इत्र लगा रही थी तब वह भोजन हेतु आसीन था।

जो उसे पकड़वाने पर था
वैकल्पिक अनुवाद, "जिसने आगे चलकर यीशु को बन्दी बनाने में उसके बैरियों की सहायता की थी"

इसलिए कि वह चोर था ..... वह निकाल लेता था।
यूहन्ना यहूदा के इस सुझाव का भेद खोलता है। इस पृष्ठभूमि गर्मित जानकारी को अपने ही प्रकार से अनुवाद करे यदि प्रबन्ध है।

John 12:9

x
बैतनिय्याह में यीशु भोजन कर रहा है

अब
यहाँ मुख्य कहानी में रूकावट है। यूहन्ना कहानी में एक नए समूह का प्रवेश करता है।

प्रधान याजकों ने...सम्मति की
"प्रधान याजकों ने विचार विमर्श किया" या "प्रधान याजकों ने सुझाव खोजे"।

उसके कारण
लाज़र के जी उठने के कारण अनेकों ने यीशु पर विश्वास किया था।

John 12:12

होशाना
अर्थात "परमेश्वर बचाए"।

जो प्रभु के नाम में आता है
किसी के नाम में आने का अर्थ है कि उसके अधिकार और सामर्थ्य के साथ आना, या उनका प्रतिनिधि या सन्देशवाहक होना। वैकल्पिक अनुवाद, "परमेश्वर के प्रतिनिधि रूप में आता है।"

John 12:14

हे सिय्योन की बेटी
"सिय्योन की बेटी", इस्त्राएल को व्यक्त करने का रूपक है, "इस्त्राएल की सन्तान" या "यरूशलेम के लोग"

John 12:16

x
लेखक पृष्ठभूमि गर्भित जानकारी देता है।

जब यीशु की महिमा प्रगट हुई
वैकल्पिक अनुवाद, "जब परमेश्वर ने यीशु को महिमान्वन किया"

उन्हें स्मरण आया कि ये बातें उसके विषय में लिखी हुई थी।
लेखक, यूहन्ना यहाँ व्याख्या द्वारा पाठक को बताता है कि यह पृष्ठभूमि आधारित जानकारी है कि शिष्य इसे बाद में समझे।

John 12:17

संसार उसके पीछे हो चला है
वैकल्पिक अनुवाद, “ऐसा प्रतीत होता है कि सब ही उसके अनुयायी हो गए हैं”

John 12:23

मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ
मैं तुम से सच-सच कहता हूँ कि जब तक गेहूं का दाना भूमि में पड़कर मर नहीं जाता, वह अकेला रहता है, परन्तु जब मर जाता है, तो बहुत फल लाता है, वैकल्पिक अनुवाद, "इस दृष्टान्त पर ध्यान दो जो मैं तुम्हें सुनाता हूं। मेरा जीवन एक बीज के सदृश्य है जो भूमि में डाला गया और मर गया। जब तक वह बोया न जाए वह मात्र एक ही बीज रहता है, परन्तु जब उसे बोया जाता है तब वह बदलकर अनेक बीजों की फसल देने के लिए विकसित होता है।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 12:25

जो इस जगत में अपने प्राण को प्रिय जानता है, वह उसे खो देता है और जो इस जगत में अपने प्राण को अप्रिय जानता है,वह अनन्त जीवन के लिए उसकी रक्षा करेगा।
जो इस जगत में अपने प्राण को प्रिय जानता है, वह उसे खो देता है और जो इस जगत में अपने प्राण को अप्रिय जानता है,वह अनन्त जीवन के लिए उसकी रक्षा करेगा। - वैकल्पिक अनुवाद, "इसी प्रकार जो अपनी इच्छा को प्रिय जानता है वह उसे नष्ट करता है और जो अपनी इच्छा को अनदेखा करता है, क्योंकि वह मेरे अधीन होता है, वह सदा परमेश्वर के साथ रहेगा"।

John 12:27

अब मैं क्या कहूँ। हे पिता मुझे इस घड़ी से बचा।
"मैं प्रार्थना में यह नहीं कहूँगा, हे पिता मुझे ऐसे समय में बचा ले"।

John 12:32

सबको अपने पास खींचूगा
"मैं सब कुछ बाँध लूँगा... कि मैं सदा के लिए राज करूं"

उसने यह प्रगट कर दिया कि वह कैसी मृत्यु मरेगा।
x

John 12:34

यीशु ने उससे कहा, "ज्योति अब थोड़ी देर तक तुम्हारे बीच में है। जब तक ज्योति तुम्हारे साथ है तब तक चले चलो, ऐसा न हो कि अन्धकार तुम्हें आ घेरे; जो अन्धकार में चलता है वह नहीं जानता कि किधर जाता है?"
वैकल्पिक अनुवाद, तब यीशु ने उन्हें यह दृष्टान्त सुनाया, "मेरे वचन तुम्हारे लिए ज्योति के समान हैं, कि समझने में तुम्हारी सहायता करें कि परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीओ। अब मैं अधिक समय तक तुम्हारे साथ नहीं रहूँगा। आवश्यक है कि जब तक मैं हूँ, तुम मेरे निर्देशों का पालन करो। यदि तुम मेरे वचनों को अस्वीकार करते हो तो वह ऐसा है जैसे अन्धकार अकस्मात ही तुम पर छा गया और तुम नहीं जानते कि कहाँ जा रहे हो"।

John 12:37

"हे प्रभु हमारे समाचार का किसने विश्वास किया है? और प्रभु का भुजबल किस पर प्रकट हुआ है"?
"हे प्रभु हमारे समाचार का किसने विश्वास किया है? और प्रभु का भुजबल किस पर प्रकट हुआ है"? -वैकल्पिक अनुवाद, "हे प्रभु हमारा सन्देश किसी ने नहीं सुना जबकि उन्होंने देखा है कि तू उन्हें सामथ्र्य के साथ बचाने में योग्य है"।

प्रभु का भुजबल
परमेश्वर की उद्धारक पराक्रमी क्षमता के बारे में है।

John 12:41

आराधनालय में से निकाले जाएं
"आराधनालय में उनका प्रवेश निषेध हो जाए"

John 12:44

जो मुझे देखता है, वह मेरे भेजनेवाले को देखता है।
वैकल्पिक अनुवाद, "जो मुझे देखता है वह मेरे भेजनेवाले परमेश्वर को देखता है"।

John 12:46

मैं जगत में ज्योति होकर आया हूँ
यीशु यहाँ भी स्वयं की तुलना संसार की अन्धकार विरोधी ज्योति से करता है।

अन्धकार में रहे
"आत्मिक अन्धेपन में रहे"

यदि कोई मेरी बातें सुनकर न माने तो मैं उसे दोषी नहीं ठहराता, क्योंकि मैं जगत को दोषी ठहराने के लिए नहीं, परन्तु जगत का उद्धार करने के लिए आया हूं।
वैकल्पिक अनुवाद, "यदि कोई मेरी शिक्षा को सुनकर अस्वीकार करे तो मुझे उसको दोष देने की आवश्यकता नहीं है। मेरी शिक्षा ही ने उसे दोषी ठहरा दिया है क्योंकि उसने उसे अस्वीकार किया। यहां तक मेरी बात है, मैं दोषी ठहराने नहीं, परन्तु मेरे विश्वासियों का उद्धार करने आया हूं"।

John 12:48

पिछले दिन
पिछले दिन, "जब परमेश्वर मनुष्यों को पापों का न्याय करेगा"।

उसकी आज्ञा अनन्तजीवन है।
"मैं जानता हूं कि उसने मुझे जिन वचनों के आख्यान की आज्ञा दी है, वे अनन्तजीवन दायक वचन हैं।

Translation Questions

John 12:1

यीशु फिर बैतनिय्याह कब लौटा?
फसह के पर्व के छः दिन पूर्व वह बैतनिय्याह आया।

John 12:3

यीशु के लिए बनाए गए भोज के समय मरियम ने क्या किया?
मरियम ने जटामांसी का आधा सेर इत्र लेकर यीशु के पावों पर डाला और अपने बालों से उसके पांव पोंछे।

John 12:4

यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा ने क्यों शिकायत की कि वह इत्र बेचकर कंगालों में पैसा बांटा जा सकता था?
यहूदा ने इसलिए नहीं कहा कि उसे गरीबों की चिन्ता थी परन्तु इसलिए कि वह चोर था, उसके पास उनकी थैली रहती थी और जो कुछ उसमें डाला जाता था, वह निकाल लेता था।

John 12:7

यीशु ने जटामांसी का इत्र डालने के लिए मरियम का पक्ष कैसे लिया?
यीशु ने कहा, "उसे रहने दो। उसे यह मेरे गाड़े जाने के दिन के लिए रखने दो। कंगाल तो सदैव तुम्हारे साथ रहेंगे परन्तु मैं तुम्हारे साथ सदा नहीं रहूंगा।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 12:9

बैतनिय्याह में भीड़ क्यों लग गई थी?
यीशु की वहाँ उपस्थिति का समाचार सुनकर यहूदियों की बड़ी भीड़ यीशु को ही नहीं लाजर को भी देखने आई जिसे यीशु ने जीवित किया था।

John 12:10

महायाजक लाजर को क्यों मार डालना चाहते थे?
वे लाजर को मार डालना चाहते थे क्योंकि उसके कारण अनेक यहूदी यीशु में विश्वास करने लगे थे।

John 12:13

यीशु के आगमन का समाचार सुनकर पर्व में आने वालों की भीड़ ने क्या किया?
उन्होंने खजूर की डालियां लीं और यह पुकारते हुए उससे भेंट करने निकले, "होशाना! धन्य इस्राएल का राजा, जो प्रभु के नाम से आता है"।

यीशु के शिष्यों को जो बात पहले समझ में नहीं आई थी परन्तु यीशु की महिमा प्रकट होने पर उन्हें स्मरण आया कि उसके बारे में ऐसा ही लिखा है और लोगों ने उसके साथ वैसा ही व्यवहार किया था। वह बात क्या थी?
शिष्यों को स्मरण हुआ कि यीशु के बारे में लिखा है, "हे सिय्योन की बेटी, मत डर, देख, तेरा राजा गदहे के बच्चे पर चढ़ा हुआ चला आता है।"

John 12:17

पर्व में आने वाले यीशु से भेंट करने क्यों निकले?
वे यीशु से भेंट करने निकले क्योंकि उन्होंने सुना था कि यीशु ने लाजर को जिलाया था।

John 12:18

यीशु ने प्रार्थना की, "हे पिता अपने आप की महिमाकर" तब क्या हुआ?
तब यह आकाशवाणी हुई, "मैंने उसकी महिमा की है और फिर भी करूंगा"।

John 12:23

जब अन्द्रियास और फिलिप्पुस ने यीशु से कहा कि कुछ यूनानी उससे भेंट करना चाहते हैं तो यीशु ने क्या कहा?
यीशु ने कहा, "वह समय आ गया हे कि मनुष्य के पुत्र की महिमा हो"।

John 12:24

यीशु के अनुसार गेहूं का दाना भूमि में गिरकर मर जाता है तब क्या होता है?
यीशु ने कहा कि मरने के बाद वह बहुत फल लाता है।

John 12:25

जो इस संसार में अपने प्राण से प्रेम करे और जो उससे घृणा करे उनका क्या होगा?
यीशु ने कहा कि जो अपने प्राण से प्रेम रखेगा वह उसे खोएगा और जो इस संसार में अपने जीवन से घृणा करेगा वह अनन्त जीवन के लिए होगा।

John 12:26

यीशु की सेवा करने वाले का क्या होगा?
पिता परमेश्वर उसका आदर करेगा।

John 12:30

यीशु ने उस आकाशवाणी का कारण क्या बताया?
यीशु ने कहा, "यह शब्द मेरे लिए नहीं परन्तु तुम्हारे लिए आया है"।

John 12:31

यीशु के अनुसार क्या होने वाला था?
यीशु ने कहा, "अब संसार का न्याय होता है, अब इस संसार का सरदार निकाल दिया जायेगा"।

John 12:33

यीशु ने क्यों कहा, "मैं यदि पृथ्वी पर से ऊंचे पर चढ़ाया जाऊंगा, तो सबको अपने पास खींचूगा।"
यीशु ने कहा कि यह उसकी मृत्यु के बारे में है कि वह कैसी होगी।

John 12:35

लोगों ने उससे पूछा, "तू क्यों कहता है कि मनुष्य के पुत्र को ऊंचे पर चढ़ाया जाना अवश्य है? यह मनुष्य का पुत्र कौन है?" क्या यीशु ने इस प्रश्न का उन्हें सीधा उत्तर दिया था?
नहीं, उसने उनके प्रश्नों का सीधा उत्तर नहीं दिया।

John 12:36

यीशु ने ज्योति के विषय में क्या कहा?
यीशु ने कहा, "ज्योति अब थोड़ी देर तक तुम्हारे बीच में है। जब तक ज्योति तुम्हारे साथ है चले चलो," ऐसा न हो कि अन्धकार तुम्हें आ घेरे.... "ज्योति पर विश्वास करो कि तुम ज्योति की सन्तान बनो"।

John 12:39

वे यीशु में विश्वास करने योग्य क्यों नहीं थे?
वे विश्वास करने योग्य नहीं थे क्योंकि यशायाह ने कहा था, "उसने उनकी आंखें अंधी और उनका मन कठोर कर दिया है, कहीं ऐसा न हो कि वे आंखों से देखें और मन से समझें, और फिरें और मैं उन्हें चंगा करूं"।

John 12:41

यशायाह ने ऐसा क्यों कहा था?
उसने यह कहा क्योंकि उसने यीशु की महिमा देखी थी।

John 12:42

यीशु में विश्वास करने वाले अधिकारी उसका अंगीकार क्यों नहीं करते थे?
उन्होंने यीशु में विश्वास का अंगीकार नहीं किया क्योंकि वे फरीसियों से डरते थे कि उन्हें आराधनालय से बहिष्कृत न कर दें, वे परमेश्वर की अपेक्षा मनुष्यों की प्रशंसा चाहते थे।

John 12:44

यीशु अपने और अपने पिता के बारे क्या कहता है?
यीशु ने कहा, "जो मुझ पर विश्वास करता है वह मुझ पर नहीं वरन् मेरे भेजनेवाले पर विश्वास करता है, जो मुझे देखता है वह मेरे भेजने वाले को देखता है।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 12:47

यीशु संसार के लिए क्या करने आया था?
यीशु ने कहा कि वह संसार का उद्धार करने आया है।

John 12:48

जो यीशु का त्याग करते और उसके वचनों को ग्रहण नहीं करते उनका क्या होगा?
यीशु के द्वारा कहा गया वचन अस्वीकार करने वालों का अन्तिम दिन में न्याय किया जायेगा।

John 12:49

क्या यीशु अपने आप ही बोलता था?
नहीं, पिता जिसने यीशु को भेजा उसी ने उसे आज्ञा दी कि क्या करे और क्या बोले।

John 12:50

यीशु क्यों ठीक वहीं कहता था जो पिता ने उसे आज्ञा दी थी?
यीशु ने वह सब किया क्योंकि वह जानता था कि उसके पिता की आज्ञा अनन्त जीवन है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 13

1 फसह के पर्व से पहले जब यीशु ने जान लिया, कि मेरा वह समय आ पहुँचा है कि जगत छोड़कर पिता के पास जाऊँ, तो अपने लोगों से, जो जगत में थे, जैसा प्रेम वह रखता था, अन्त तक वैसा ही प्रेम रखता रहा। **2** और जब शैतान शमौन के पुत्र यहूदा इस्करियोती के मन में यह डाल चुका था, कि उसे पकड़वाए, तो भोजन के समय **3** यीशु ने, यह जानकर कि पिता ने सब कुछ उसके हाथ में कर दिया है और मैं परमेश्वर के पास से आया हूँ, और परमेश्वर के पास जाता हूँ। **4** भोजन पर से उठकर अपने कपड़े उतार दिए, और अँगोछा लेकर अपनी कमर बाँधी।

5 तब बर्तन में पानी भरकर चेलों के पाँव धोने* और जिस अँगोछे से उसकी कमर बंधी थी उसी से पोंछने लगा। **6** जब वह शमौन पतरस के पास आया तब उसने उससे कहा, “हे प्रभु, क्या तू मेरे पाँव धोता है?” **7** यीशु ने उसको उत्तर दिया, “जो मैं करता हूँ, तू अभी नहीं जानता, परन्तु इसके बाद समझेगा।” **8** पतरस ने उससे कहा, “तू मेरे पाँव कभी न धोने पाएगा!” यह सुनकर यीशु ने उससे कहा, “यदि मैं तुझे न धोऊँ, तो मेरे साथ तेरा कुछ भी भाग नहीं।” **9** शमौन पतरस ने उससे कहा, “हे प्रभु, तो मेरे पाँव ही नहीं, वरन् हाथ और सिर भी धो दे।” **10** यीशु ने उससे कहा, “जो नहा चुका है, उसे पाँव के सिवा और कुछ धोने का प्रयोजन नहीं; परन्तु वह बिलकुल शुद्ध है: और तुम शुद्ध हो; परन्तु सब के सब नहीं।” **11** वह तो अपने पकड़वानेवाले को जानता था इसलिए उसने कहा, “तुम सब के सब शुद्ध नहीं।”

12 जब वह उनके पाँव धो चुका और अपने कपड़े पहनकर फिर बैठ गया तो उनसे कहने लगा, “क्या तुम समझे कि मैंने तुम्हारे साथ क्या किया? **13** तुम मुझे गुरु, और प्रभु, कहते हो, और भला कहते हो, क्योंकि मैं वहीं हूँ। **14** यदि मैंने प्रभु और गुरु होकर तुम्हारे पाँव धोए; तो तुम्हें भी एक दूसरे के पाँव धोना चाहिए। **15** क्योंकि मैंने तुम्हें नमूना दिखा दिया है, कि जैसा मैंने तुम्हारे साथ किया है, तुम भी वैसा ही किया करो। **16** मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, दास अपने स्वामी से बड़ा नहीं; और न भेजा हुआ* अपने भेजनेवाले से। **17** तुम तो ये बातें जानते हो, और यदि उन पर चलो, तो धन्य हो। **18** मैं तुम सब के विषय में नहीं कहता: जिन्हें मैंने चुन लिया है, उन्हें मैं जानता हूँ; परन्तु यह इसलिए है, कि पवित्रशास्त्र का यह वचन पूरा हो, ‘जो मेरी रोटी खाता है, उसने मुझ पर लात उठाई।’ (भज. 41:9) **19** अब मैं उसके होने से पहले तुम्हें जताए देता हूँ कि जब हो जाए तो तुम विश्वास करो कि मैं वहीं हूँ। (यूह. 14:29) **20** मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, कि जो मेरे भेजे हुए को ग्रहण करता है, वह मुझे ग्रहण करता है, और जो मुझे ग्रहण करता है, वह मेरे भेजनेवाले को ग्रहण करता है।”

21 ये बातें कहकर यीशु आत्मा में व्याकुल हुआ और यह गवाही दी, “मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, कि तुम में से एक मुझे पकड़वाएगा।” **22** चेले यह संदेह करते हुए, कि वह किस के विषय में कहता है, एक दूसरे की ओर देखने लगे। **23** उसके चेलों में से एक जिससे यीशु प्रेम रखता था, यीशु की छाती की ओर झुका हुआ बैठा था। **24** तब शमौन पतरस ने उसकी ओर संकेत करके पूछा, “बता तो, वह किस के विषय में कहता है?” **25** तब उसने उसी तरह यीशु की छाती की ओर झुककर पूछा, “हे प्रभु, वह कौन है?” यीशु ने उत्तर दिया, “जिसे मैं यह रोटी का टुकड़ा डुबोकर दूँगा, वही है।” **26** और उसने टुकड़ा डुबोकर शमौन के पुत्र यहूदा इस्करियोती को दिया। **27** और टुकड़ा लेते ही शैतान उसमें समा गया: तब यीशु ने उससे कहा, “जो तू करनेवाला है, तुरन्त कर।” **28** परन्तु बैठनेवालों में से किसी ने न जाना कि उसने यह बात उससे किस लिये कही। **29** यहूदा के पास थैली रहती थी, इसलिए किसी-किसी ने समझा, कि यीशु उससे कहता है, कि जो कुछ हमें पर्व के लिये चाहिए वह मोल ले, या यह कि गरीबों को कुछ दे। **30** तब वह टुकड़ा लेकर तुरन्त बाहर चला गया, और रात्रि का समय था।

31 जब वह बाहर चला गया तो यीशु ने कहा, “अब मनुष्य के पुत्र की महिमा हुई, और परमेश्वर की महिमा उसमें हुई; **32** और परमेश्वर भी अपने में उसकी महिमा करेगा, वरन् तुरन्त करेगा। **33** हे बालकों, मैं और थोड़ी देर तुम्हारे पास हूँ: फिर तुम मुझे ढूँढ़ोगे, और जैसा मैंने यहूदियों से कहा, ‘जहाँ मैं जाता हूँ, वहाँ तुम नहीं आ सकते,’ वैसा ही मैं अब तुम से भी कहता हूँ। **34** मैं तुम्हें एक नई आज्ञा देता हूँ*, कि एक दूसरे से प्रेम रखो जैसा मैंने तुम से प्रेम रखा है, वैसा ही तुम भी एक दूसरे से प्रेम रखो। **35** यदि आपस में प्रेम रखोगे तो इसी से सब जानेंगे, कि तुम मेरे चेले हो।”

36 शमौन पतरस ने उससे कहा, “हे प्रभु, तू कहाँ जाता है?” यीशु ने उत्तर दिया, “जहाँ मैं जाता हूँ, वहाँ तू अब मेरे पीछे आ नहीं सकता; परन्तु इसके बाद मेरे पीछे आएगा।” **37** पतरस ने उससे कहा, “हे प्रभु, अभी मैं तेरे पीछे क्यों नहीं आ सकता? मैं तो तेरे लिये अपना प्राण दूँगा।” **38** यीशु ने उत्तर दिया, “क्या तू मेरे लिये अपना प्राण देगा? मैं तुझ से सच-सच कहता हूँ कि मुर्गा बाँग न देगा जब तक तू तीन बार मेरा इन्कार न कर लेगा।

John 13:1

अब फसह के पर्व से पहले
यह वाक्यांश परिदृश्य प्रकट करने के लिए पृष्ठभूमिगर्मित जानकारी है। आपकी भाषा में पृष्ठभूमिगर्मित जानकारी को व्यक्त करने के लिए जैसा भी प्रावधान है, उसका उपयोग करें।

शमौन के पुत्र यहूदा इस्करियोती
वैकल्पिक अनुवाद, "शमौन का पुत्र, कारियोथ निवासी यहूदा"

John 13:3

भोजन पर से उठ कर अपने ऊपरी कपड़े उतार दिए
वह स्थान धूल से भरा था इसलिए अतिथि सत्कार करने वाले को आन्तुकों के पांव धोने के लिए एक सेवक रखना होता था।

John 13:6

हे प्रभु, क्या तू मेरे पांव धोता है?
वैकल्पिक अनुवाद, "हे प्रभु तू निश्चय ही मेरे पांव नहीं धोएगा"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 13:10

तुम .... सब के सब नहीं
"तुम" अर्थात शिष्य?

तुम सब के सब शुद्ध नहीं।
वैकल्पिक अनुवाद, "तुम सब के सब अपराध से शुद्ध नहीं हो"

John 13:12

क्या तुम समझे कि मैंने तुम्हारे साथ क्या किया है?
वैकल्पिक अनुवाद, "तुम्हें समझना है कि मैंने तुम्हारे साथ क्या किया है"।

John 13:19

मैं वही हूँ (मैं हूँ)
परमेश्वर ने मूसा को अपना यही नाम बताया था। यह परमेश्वर का पवित्र नाम है जिसे सब यहूदी जानते थे।

John 13:21

आत्मा में व्याकुल हुआ
"परेशान, चिन्तित हुआ"

John 13:23

मेज पर छाती की ओर झुका हुआ था
उस संस्कृति में लोग अपने पाश्र्व पर आधा लेट कर भोजन करते थे।

यीशु की छाती
यीशु के सीने की ओर

यीशु की छाती
यीशु के सीने की ओर

जिससे यीशु प्रेम रखता था।
यह यूहन्ना था

John 13:26

इस्करियोती
कारियोथ गांव का

John 13:28

कि वह कंगालों को कुछ दे
इसका कर्तृवाच्य में अनुवाद किया जा सकता है, "जाकर गरीबों को कुछ दान दे"

John 13:31

हे बालकों
यीशु "हे बालकों" का उपयोग करता है कि वह व्यक्त करे कि वह अपने शिष्यों से बच्चों के समान प्रेम करता था।

John 13:34

सब लोग
"सब" अर्थात शिष्यों के पारस्परिक प्रेम को देखने वाले सब लोग।

John 13:36

अपना प्राण भी दे दूँगा
"जान दे दूँगा" या "मर जाउँगा"

क्या तू मेरे लिए अपना प्राण देगा?
वैकल्पिक अनुवाद, "तू कहता है कि तू मेरे लिए मर भी जायेगा" देखें:)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

John 13:1

यीशु ने कब तक अपनों से प्रेम रखा?
वह अन्त तक अपने लोगों से आरंभ का सा ही प्रेम रखता रहा।

John 13:2

शैतान ने यहूदा इस्करियोती के मन में क्या डाल दिया था?
शैतान ने यहूदा इस्करियोती के मन में डाला कि वह यीशु को पकड़वाए।

John 13:3

पिता परमेश्वर ने यीशु के हाथ में क्या कुछ दे दिया था?
पिता परमेश्वर ने यीशु के हाथ में सब कुछ कर दिया था।

यीशु कहाँ से आया था और कहाँ जा रहा था?
यीशु परमेश्वर के पास से आया था और वही लौट कर जा रहा था।

John 13:4

भोजन से उठने के बाद यीशु ने क्या किया?
यीशु ने अपने ऊपरी वस्त्र उतार दिए और अंगोछा लेकर अपनी कमर बांधी। तब बर्तन में पानी लेकर शिष्यों के पांव धोने और जिस अंगोछे से कमरकस रखी थी उससे पोंछने लगा।

John 13:8

पतरस के इन्कार करने पर यीशु ने उससे क्या कहा?
यीशु ने कहा, "यदि मैं तुझे न धोऊं तो मेरे साथ तेरा कुछ भी सांझा नहीं"।

John 13:11

यीशु ने अपने शिष्यों से क्यों कहा, "तुम शुद्ध हो परन्तु सब के सब नहीं"?
यीशु ने इसलिए पूछा कि वह जानता था कौन उसे पकड़वाएगा।

John 13:14

यीशु ने अपने शिष्यों के पांव क्यों धोए?
यीशु ने अपने शिष्यों के पांव धोए कि उनके लिए एक उदाहरण हो कि वे भी ऐसा ही करें।

John 13:16

क्या सेवक अपने स्वामी की और भेजा गया अपने भेजने वाले से बड़ा होता है?
सेवक अपने स्वामी से बड़ा नहीं होता और जो भेजा गया वह भेजनेवाले से बड़ा नहीं होता है।

John 13:18

यीशु के साथ विश्वासघात किसने किया?
जिसने यीशु की रोटी खाई उसी ने विश्वासघात किया।

John 13:19

यीशु ने शिष्यों से क्यों कहा कि उनमें से सब शुद्ध नहीं और कि "जो मेरे साथ रोटी खाता है उसने मुझ पर लात उठाई"?
यीशु ने होने से पहले उन्हें बता दिया था कि वे विश्वास करें कि यीशु "मैं हूँ" है।

John 13:20

यदि कोई यीशु को ग्रहण करता है वह किसे ग्रहण करता है?
यीशु ने कहा जो मेरे भेजे हुए को ग्रहण करता है वह मुझे ग्रहण करता है; और जो मुझे ग्रहण करता है वह मेरे भेजनेवाले को ग्रहण करता है।

John 13:24

जब यीशु ने कहा कि शिष्यों में से एक उसे पकड़वाएगा तब पतरस ने क्या किया?
शमौन पतरस ने यीशु के प्रिय शिष्य की ओर संकेत करके पूछा, "बता तो वह किसके विषय में कहता है"?

John 13:25

जब यीशु के प्रिय शिष्य ने उससे पूछा कि कौन उसे पकड़वाएगा तब यीशु ने क्या किया?
यीशु ने कहा, "जिसे मैं यह रोटी का टुकड़ा डुबोकर दूंगा वही है।" उस ने टुकड़ा डुबोकर शमौन के पुत्र यहूदा इस्करियोती को दिया।

John 13:27

यीशु ने यहूदा को रोटी दी तब उसमें क्या हुआ और उसने क्या किया?
रोटी खाते ही यहूदा में शैतान समा गया और वह तुरन्त चला गया।

John 13:31

परमेश्वर का महिमान्वन कैसे होने वाला था?
मनुष्य के पुत्र में परमेश्वर की महिमा होने वाली थी। जब मनुष्य के पुत्र का महिमान्वन हुआ तो वह परमेश्वर का महिमान्वन था।

John 13:34

यीशु ने अपने शिष्यों को कौन सी नई आज्ञा दी थी?
नई आज्ञा यह थी कि वे आपस में प्रेम रखें जैसे यीशु ने उनसे प्रेम किया था।

John 13:35

यीशु के अनुसार यदि शिष्य आपस में यीशु का सा प्रेम रखेंगे तो क्या होगा?
यीशु ने कहा कि यदि वे आपस में प्रेम रखेंगे तो सब जानेंगे कि वे उसके शिष्य हैं।

John 13:36

यीशु ने उससे कहा, जहां मैं जाता हूँ वहाँ तू अभी मेरे पीछे आ नहीं सकता", तो क्या पतरस समझ पाया था?
नहीं, शमौन पतरस नहीं समझा था क्योंकि उसने यीशु से पूछा था, "हे प्रभु तू कहाँ जाता है"?

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 13:38

पतरस ने यीशु से कहा, "मैं तो तेरे लिए अपना प्राण भी दे दूंगा", तब यीशु ने उससे क्या कहा?
यीशु ने कहा, "क्या तू मेरे लिए अपना प्राण देगा? मैं तुझसे सच-सच कहता हूँ
कि मुर्ग बांग न देगा जब तक कि तू तीन बार मेरा इन्कार न कर लेगा"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 14

1 “तुम्हारा मन व्याकुल न हो*, तुम परमेश्वर पर विश्वास रखते हो मुझ पर भी विश्वास रखो। **2** मेरे पिता के घर में बहुत से रहने के स्थान हैं, यदि न होते, तो मैं
तुम से कह देता क्योंकि मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने जाता हूँ। **3** और यदि मैं जाकर तुम्हारे लिये जगह तैयार करूँ, तो फिर आकर तुम्हें अपने यहाँ ले
जाऊँगा, कि जहाँ मैं रहूँ वहाँ तुम भी रहो।

4 और जहाँ मैं जाता हूँ तुम वहाँ का मार्ग जानते हो।” **5** थोमा ने उससे कहा, “हे प्रभु, हम नहीं जानते कि तू कहाँ जाता है; तो मार्ग कैसे जानें?” **6** यीशु ने
उससे कहा, “मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूँ*; बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता। **7** यदि तुम ने मुझे जाना होता, तो मेरे पिता को भी
जानते, और अब उसे जानते हो, और उसे देखा भी है।”

8 फिलिप्पुस ने उससे कहा, “हे प्रभु, पिता को हमें दिखा दे: यही हमारे लिये बहुत है।” **9** यीशु ने उससे कहा, “हे फिलिप्पुस, मैं इतने दिन से तुम्हारे साथ हूँ,
और क्या तू मुझे नहीं जानता? जिस ने मुझे देखा है उसने पिता को देखा है: तू क्यों कहता है कि पिता को हमें दिखा? **10** क्या तू विश्वास नहीं करता, कि मैं
पिता में हूँ, और पिता मुझ में हैं? ये बातें जो मैं तुम से कहता हूँ, अपनी ओर से नहीं कहता, परन्तु पिता मुझ में रहकर अपने काम करता है। **11** मेरा ही विश्वास
करो, कि मैं पिता में हूँ; और पिता मुझ में है; नहीं तो कामों ही के कारण मेरा विश्वास करो।

12 “मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, कि जो मुझ पर विश्वास रखता है, ये काम जो मैं करता हूँ वह भी करेगा, वरन् इनसे भी बड़े काम करेगा, क्योंकि मैं पिता के
पास जाता हूँ। **13** और जो कुछ तुम मेरे नाम से माँगोगे, वही मैं करूँगा कि पुत्र के द्वारा पिता की महिमा हो। **14** यदि तुम मुझसे मेरे नाम से कुछ माँगोगे, तो मैं
उसे करूँगा।

15 “यदि तुम मुझसे प्रेम रखते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे। **16** और मैं पिता से विनती करूँगा, और वह तुम्हें एक और सहायक देगा, कि वह सर्वदा तुम्हारे
साथ रहे। **17** अर्थात् सत्य की आत्मा, जिसे संसार ग्रहण नहीं कर सकता, क्योंकि वह न उसे देखता है और न उसे जानता है: तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह
तुम्हारे साथ रहता है, और वह तुम में होगा।

18 “मैं तुम्हें अनाथ न छोड़ूँगा, मैं तुम्हारे पास वापस आता हूँ। **19** और थोड़ी देर रह गई है कि संसार मुझे न देखेगा, परन्तु तुम मुझे देखोगे, इसलिए कि मैं
जीवित हूँ, तुम भी जीवित रहोगे। **20** उस दिन तुम जानोगे, कि मैं अपने पिता में हूँ, और तुम मुझ में, और मैं तुम में। **21** जिसके पास मेरी आज्ञा है, और वह
उन्हें मानता है, वही मुझसे प्रेम रखता है, और जो मुझसे प्रेम रखता है, उससे मेरा पिता प्रेम रखेगा, और मैं उससे प्रेम रखूँगा, और अपने आप को उस पर प्रगट
करूँगा।” **22** उस यहूदा ने जो इस्करियोती न था, उससे कहा, “हे प्रभु, क्या हुआ कि तू अपने आप को हम पर प्रगट करना चाहता है, और संसार पर नहीं?”
23 यीशु ने उसको उत्तर दिया, “यदि कोई मुझसे प्रेम रखे, तो वह मेरे वचन को मानेगा, और मेरा पिता उससे प्रेम रखेगा, और हम उसके पास आएँगे, और
उसके साथ वास करेंगे। **24** जो मुझसे प्रेम नहीं रखता, वह मेरे वचन नहीं मानता, और जो वचन तुम सुनते हो, वह मेरा नहीं वरन् पिता का है, जिस ने मुझे
भेजा।

25 “ये बातें मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम से कही। **26** परन्तु सहायक अर्थात् पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा, वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा, और
जो कुछ मैंने तुम से कहा है, वह सब तुम्हें स्मरण कराएगा।”

27 मैं तुम्हें शान्ति दिए जाता हूँ*, अपनी शान्ति तुम्हें देता हूँ; जैसे संसार देता है, मैं तुम्हें नहीं देता: तुम्हारा मन न घबराए और न डरे। **28** तुम ने सुना, कि मैंने
तुम से कहा, ‘मैं जाता हूँ, और तुम्हारे पास फिर आता हूँ’ यदि तुम मुझसे प्रेम रखते, तो इस बात से आनन्दित होते, कि मैं पिता के पास जाता हूँ क्योंकि पिता
मुझसे बड़ा है। **29** और मैंने अब इसके होने से पहले तुम से कह दिया है, कि जब वह हो जाए, तो तुम विश्वास करो। **30** मैं अब से तुम्हारे साथ और बहुत बातें
न करूँगा, क्योंकि इस संसार का सरदार आता है, और मुझ पर उसका कुछ अधिकार नहीं। **31** परन्तु यह इसलिए होता है कि संसार जाने कि मैं पिता से प्रेम
रखता हूँ, और जिस तरह पिता ने मुझे आज्ञा दी, मैं वैसे ही करता हूँ। उठो, यहाँ से चलें।

John 14:8

"हे फिलिप्पुस, मैं इतने दिन से तुम्हारे साथ हूँ और क्या तू मुझे नहीं जानता?"
वैकल्पिक अनुवाद, "मैं तुम्हारे (बहुवचन) साथ पहले ही बहुत समय रह चुका हूँ और प्रकट है कि तुम (एकवचन) मुझे नहीं जानते, फिलिप्पुस"।

तू क्यों कहता है कि पिता को हमें दिखा?
वैकल्पिक अनुवाद, "अतः तुझे (एकवचन) कहने की आवश्यकता नहीं, "पिता को हमें दिखा"

John 14:10

क्या तू विश्वास नहीं करता
"क्या तू (एकवचन) विश्वास नहीं करता"

ये बातें जो मैं तुमसे कहता हूँ
"जो बातें मैं तुम से (बहुवचन) कहता हूँ"।

ये बातें जो मैं तुम से कहता हूं, अपनी ओर से नहीं कहता।
"मेरे ये सन्देश जो मैं तुम्हें सुनाता हूँ, अपनी ओर से नहीं सुनाता हूँ।"

John 14:15

सहायक
पवित्र आत्मा, "वह जो सहायता हेतु निकट आता है" या "जो ढ़ाढस बंधाता है" या "जो सहायता करता है"

सत्य का आत्मा
पवित्र आत्मा

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जगत
वे लोग जो यीशु में विश्वास नहीं करते

John 14:18

जगत
"जो परमेश्वर के लोग नहीं"

John 14:28

मुझसे बड़ा है
"मुझसे अधिक अधिकार संपन्न है"

John 14:80

इस संसार का राजकुमार
यह शैतान का नाम है

Translation Questions

John 14:1

शिष्यों का मन व्याकुल क्यों नहीं होना था?
उनका मन व्याकुल न होना था क्योंकि यीशु उनके लिए जगह तैयार करने जा रहा था और वह आकर उन्हें अपने यहां ले जायेगा कि जहां वह रहे वहाँ वे भी रहें।

John 14:2

पिता के घर में क्या है?
मेरे पिता के घर में बहुत से रहने के स्थान हैं।

John 14:3

यीशु शिष्यों के लिए क्या करने जा रहा था?
यीशु उनके लिए जगह तैयार करने जा रहा था।

John 14:6

पिता के पास आने का एकमात्र मार्ग क्या है?
पिता के पास आने का एकमात्र मार्ग यीशु है।

John 14:8

फिलिप्पुस ने यीशु से क्या करने को कहा जो शिष्यों के लिए बहुत होगा?
फिलिप्पुस ने यीशु से कहा, "हे प्रभु पिता को हमें दिखा दे, यही हमारे लिए बहुत है"।

John 14:10

क्या यीशु शिष्यों से अपनी ओर से कुछ कहता था?
यीशु ने कहाँ, जो वह कहता है वह अपनी ओर से नहीं कहता परन्तु पिता उसमें रहकर अपने काम करता है।

John 14:11

यीशु ने क्यों कहा कि शिष्य विश्वास क्यों करें कि वह पिता में है और पिता उसमें है?
यीशु ने उनसे कहा कि वे इस बात में विश्वास करें कुछ नहीं तो उसके कामों पर ही विश्वास करें।

John 14:12

यीशु ने क्यों कहा कि शिष्य उससे भी बड़े काम करेंगे?
यीशु ने कहा कि शिष्य उससे भी महान कार्य करेंगे क्योंकि वह पिता के पास जा रहा है।

John 14:13

क्या कारण है कि शिष्य यीशु के नाम से जो कुछ मांगेगे वह देगा?
यीशु ऐसा करेगा जिससे कि पुत्र के द्वारा पिता की महिमा हो।

John 14:15

यीशु ने कहा कि हम उससे प्रेम करेंगे तो हम क्या करेंगे?
यीशु ने कहा कि उसकी आज्ञाओं को मानने का अर्थ है कि हम उससे प्रेम करते हैं।

John 14:17

यीशु ने उस सहायक को क्या कहा जो पिता उसके शिष्यों को देगा कि सदा उसके साथ रहे?
यीशु उसे सत्य का आत्मा कहता है।

संसार सत्य के आत्मा को ग्रहण क्यों नहीं कर सकता है?
संसार सत्य के आत्मा को ग्रहण नहीं कर सकता क्योंकि वह न तो उसे देख सकता है और न ही उसे जान सकता है।

यीशु ने सत्य के आत्मा का अन्तर्वास किस मे बताया?
यीशु ने कहा कि उसके शिष्यों में सत्य का आत्मा होगा।

John 14:21

जो यीशु की आज्ञाओं को मानकर उन पर चले तो उसके साथ क्या होगा?
यीशु ने कहा, जो मुझसे प्रेम रखता है, उससे मेरा पिता प्रेम रखेगा, और मैं उससे प्रेम रखूंगा और अपने आपको उस पर प्रकट करूंगा।

John 14:26

जब पिता पवित्र आत्मा को भेजेगा तब वह क्या करेगा?
वह सहायक, पवित्र आत्मा शिष्यों को सब कुछ बातें सिखाएगा और यीशु ने जो कुछ कहा है सब स्मरण कराएगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 14:28

यीशु के चले जाने पर शिष्यों को आनन्दित क्यों होना है?
यीशु ने कहा कि उन्हें आनन्दित होना है क्योंकि यीशु पिता के पास जा रहा है और पिता यीशु से बड़ा है।

John 14:30

शिष्यों से और भी अधिक बातें न करने का कारण यीशु ने क्या बताया था?
यीशु ने कहा कि इसका कारण है कि इस संसार का सरदार आता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 15

1 “सच्ची दाखलता मैं हूँ; और मेरा पिता किसान है। **2** जो डाली मुझ में है*, और नहीं फलती, उसे वह काट डालता है, और जो फलती है, उसे वह छाँटता है ताकि और फले। **3** तुम तो उस वचन के कारण जो मैंने तुम से कहा है, शुद्ध हो। **4** तुम मुझ में बने रहो*, और मैं तुम में जैसे डाली यदि दाखलता में बनी न रहे, तो अपने आप से नहीं फल सकती, वैसे ही तुम भी यदि मुझ में बने न रहो तो नहीं फल सकते। **5** मैं दाखलता हूँ: तुम डालियाँ हो; जो मुझ में बना रहता है, और मैं उसमें, वह बहुत फल फलता है, क्योंकि मुझसे अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते*। **6** यदि कोई मुझ में बना न रहे, तो वह डाली के समान फेंक दिया जाता, और सूख जाता है; और लोग उन्हें बटोरकर आग में झोंक देते हैं, और वे जल जाती हैं। **7** यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरी बातें तुम में बनी रहें तो जो चाहो माँगो और वह तुम्हारे लिये हो जाएगा। **8** मेरे पिता की महिमा इसी से होती है, कि तुम बहुत सा फल लाओ, तब ही तुम मेरे चेले ठहरोगे। **9** जैसा पिता ने मुझसे प्रेम रखा, वैसे ही मैंने तुम से प्रेम रखा, मेरे प्रेम में बने रहो। **10** यदि तुम मेरी आज्ञाओं को मानोगे, तो मेरे प्रेम में बने रहोगे जैसा कि मैंने अपने पिता की आज्ञाओं को माना है, और उसके प्रेम में बना रहता हूँ। **11** मैंने ये बातें तुम से इसलिए कही हैं, कि मेरा आनन्द तुम में बना रहे, और तुम्हारा आनन्द पूरा हो जाए।

12 “मेरी आज्ञा यह है, कि जैसा मैंने तुम से प्रेम रखा, वैसा ही तुम भी एक दूसरे से प्रेम रखो। **13** इससे बड़ा प्रेम किसी का नहीं, कि कोई अपने मित्रों के लिये अपना प्राण दे। **14** जो कुछ मैं तुम्हें आज्ञा देता हूँ, यदि उसे करो, तो तुम मेरे मित्र हो। **15** अब से मैं तुम्हें दास न कहूँगा, क्योंकि दास नहीं जानता, कि उसका स्वामी क्या करता है: परन्तु मैंने तुम्हें मित्र कहा है, क्योंकि मैंने जो बातें अपने पिता से सुनीं, वे सब तुम्हें बता दीं। **16** तुम ने मुझे नहीं चुना* परन्तु मैंने तुम्हें चुना है और तुम्हें ठहराया ताकि तुम जाकर फल लाओ; और तुम्हारा फल बना रहे, कि तुम मेरे नाम से जो कुछ पिता से माँगो, वह तुम्हें दे। **17** इन बातों की आज्ञा मैं तुम्हें इसलिए देता हूँ, कि तुम एक दूसरे से प्रेम रखो।

18 “यदि संसार तुम से बैर रखता है, तो तुम जानते हो, कि उसने तुम से पहले मुझसे भी बैर रखा। **19** यदि तुम संसार के होते, तो संसार अपनों से प्रेम रखता, परन्तु इस कारण कि तुम संसार के नहीं वरन् मैंने तुम्हें संसार में से चुन लिया है; इसलिए संसार तुम से बैर रखता है। **20** जो बात मैंने तुम से कही थी, ‘दास अपने स्वामी से बड़ा नहीं होता,’ उसको याद रखो यदि उन्होंने मुझे सताया, तो तुम्हें भी सताएँगे; यदि उन्होंने मेरी बात मानी, तो तुम्हारी भी मानेंगे। **21** परन्तु यह सब कुछ वे मेरे नाम के कारण तुम्हारे साथ करेंगे क्योंकि वे मेरे भेजनेवाले को नहीं जानते। **22** यदि मैं न आता और उनसे बातें न करता, तो वे पापी न ठहरते परन्तु अब उन्हें उनके पाप के लिये कोई बहाना नहीं। **23** जो मुझसे बैर रखता है, वह मेरे पिता से भी बैर रखता है। **24** यदि मैं उनमें वे काम न करता, जो और किसी ने नहीं किए तो वे पापी नहीं ठहरते, परन्तु अब तो उन्होंने मुझे और मेरे पिता दोनों को देखा, और दोनों से बैर किया। **25** और यह इसलिए हुआ, कि वह वचन पूरा हो, जो उनकी व्यवस्था में लिखा है, ‘उन्होंने मुझसे व्यर्थ बैर किया।’ (भज. 69:4, भज. 109:3) **26** परन्तु जब वह सहायक आएगा, जिसे मैं तुम्हारे पास पिता की ओर से भेजूँगा, अर्थात् सत्य का आत्मा जो पिता की ओर से निकलता है, तो वह मेरी गवाही देगा। **27** और तुम भी गवाह हो क्योंकि तुम आरम्भ से मेरे साथ रहे हो।

John 15:1

ले लेता है
अधिकांश संस्करणों में इसका अर्थ व्यक्त किया गया है, "काट कर निकाल देता है" (यू.डी.बी.) एक अल्प संख्यक विचार यह भी है कि डालियों को भूमि से ऊपर उठाता है कि वे फल लाएं।

John 15:3

तुम
इस संपूर्ण गद्यांश "तुम" शब्द बहुवचन है और यीशु के शिष्यों का संदर्भ देता है।

तुम तो उस वचन के कारण जो मैंने तुमसे कहा है, स्वच्छ हो।
वैकल्पिक अनुवाद, "यह ऐसा है कि मानों तुम पहले ही छांटे जा चुके हो और शुद्ध डालियां हो क्योंकि तुमने मेरी शिक्षाओं का अनुसरण किया है"।

John 15:5

मैं दाखलता हूँ, तुम डालियाँ हो
वैकल्पिक अनुवाद, "मैं दाखलता स्वरूप हूँ और तुम शाखाओं के स्वरूप हो"।

वह डाली के समान फेंक दिया जाता है।
"किसान उसे डाली के समान फेंक देता है" (देखें: और)

John 15:8

तुम मेरे चेले ठहरोगे
"दिखाओगे कि मेरे शिष्य हो" या "प्रकट करोगे कि मेरे शिष्य हो"।

मेरे प्रेम में बने रहोगे
"मैं कितना प्रेम करता हूँ इसका बोध सदा तुम्हें रहेगा।"

John 15:10

यदि तुम मेरी आज्ञाओं को मानोगे, तो मेरे प्रेम में बने रहोगे; जैसा कि मैंने अपने पिता की आज्ञाओं को माना है, और उसके प्रेम में बना रहता हूँ।
यदि तुम मेरी शिक्षाओं का अनुसरण करोगे तो तुम्हें मेरे प्रेम का बोध होता रहेगा, ठीक वैसे ही जैसे मैं अपने पिता की आज्ञाओं का पालन करता हूँ और उसके प्रेम का बोध मुझे सदा होता रहता है“।

John 15:18

यदि संसार तुमसे बैर रखता है ..... इसलिए संसार तुमसे बैर रखता है।
यीशु इस पद में "संसार" शब्द का उपयोग उन लोगों के संदर्भ में करता है जो परमेश्वर के नहीं हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 15:23

वचन पूरा हो
"भविष्यद्वाणी पूरी हो"

John 15:26

सहायक
पवित्र आत्मा, "प्रोत्साहन देने वाला" या जो "सहायता करता है"

Translation Questions

John 15:1

सच्ची दाखलता कौन है?
सच्ची दाखलता यीशु है।

किसान कौन है?
पिता परमेश्वर किसान है।

John 15:2

जो डालियां मसीह में हैं उनके साथ पिता क्या करता है?
जो डाली यीशु में है और नहीं फलती उसे वह काट डालता है और जो फलती है उसे वह छांटता है ताकि और फले।

John 15:3

शिष्य शुद्ध क्यों हैं?
वे यीशु के वचन के द्वारा शुद्ध हैं।

John 15:4

फल लाने के लिए हमें क्या करना है?
फल लाने के लिए हमें यीशु में बने रहना है।

John 15:5

डालियां कौन हैं?
हम डालियां हैं।

John 15:6

यदि आप यीशु में बने न रहें तो क्या होगा?
जो यीशु में बना नहीं रहता तो वह डाली के समान फेंक दिया जाता है।

John 15:7

हम जो भी मांगे वह पूरा हो तो हमें उसके लिए क्या करना होगा?
हमें यीशु में और उसके वचन को हममे बने रहना है। तब हम जो भी चाहें मांग सकते हैं और वह हमें दिया जायेगा।

John 15:8

पिता की महिमा प्रकट करने की दो विधियां क्या हैं?
हम बहुत फल लाते हैं तो वह पिता की महिमा है और हम यीशु के शिष्य हैं।

John 15:10

यीशु के प्रेम में बने रहने के लिए हमें क्या करना है?
हमें उसकी आज्ञाएं मानना है।

John 15:13

मनुष्य के लिए सबसे बड़ा प्रेम क्या है?
इससे बड़ा प्रेम किसी का नहीं कि कोई अपने मित्र के लिए प्राण दे।

John 15:14

हम कैसे जानेंगे कि हम यीशु के मित्र हैं?
यदि हम वह करें जो यीशु ने आज्ञा दी है तो हम यीशु के मित्र हैं।

John 15:15

यीशु ने अपने शिष्यों को मित्र क्यों कहा था?
उसने उन्हें मित्र कहा क्योंकि उसने उन्हें वह सब बता दिया जो उसने पिता से सुना था।

John 15:19

यीशु के अनुयायियों से संसार क्यों घृणा करता है?
संसार यीशु के अनुयायियों से घृणा करता है क्योंकि वे इस संसार के नहीं है क्योंकि यीशु ने उन्हें उस संसार में से चुन लिया है।

John 15:22

संसार के पास पाप के लिए बहाना क्यों नहीं है?
उनके पास पाप के लिए कोई बहाना नहीं है क्योंकि यीशु ने उनसे बातें की हैं और उनके मध्य ऐसे काम किए जो अन्य कोई नहीं कर सकता है।

John 15:24

संसार के पास पाप के लिए बहाना क्यों नहीं है?
उनके पास पाप के लिए कोई बहाना नहीं है क्योंकि यीशु ने उनसे बातें की हैं और उनके मध्य ऐसे काम किए जो अन्य कोई नहीं कर सकता है।

John 15:26

यीशु की गवाही कौन देगा?
सहायक अर्थात सत्य का आत्मा और यीशु के शिष्य उसकी गवाही देंगे।

John 15:27

शिष्य यीशु की गवाही क्यों देंगे?
वे यीशु के गवाह होंगे क्योंकि वे आरंभ ही से यीशु के साथ रहे थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 16

1 “ये बातें मैंने तुम से इसलिए कहीं कि तुम ठोकर न खाओ। **2** वे तुम्हें आराधनालयों में से निकाल देंगे, वरन् वह समय आता है, कि जो कोई तुम्हें मार डालेगा
यह समझेगा कि मैं परमेश्वर की सेवा करता हूँ। **3** और यह वे इसलिए करेंगे कि उन्होंने न पिता को जाना है और न मुझे जानते हैं। **4** परन्तु ये बातें मैंने इसलिए
तुम से कहीं, कि जब उनके पूरे होने का समय आए तो तुम्हें स्मरण आ जाए, कि मैंने तुम से पहले ही कह दिया था,

“मैंने आरम्भ में तुम से ये बातें इसलिए नहीं कहीं क्योंकि मैं तुम्हारे साथ था। **5** अब मैं अपने भेजनेवाले के पास जाता हूँ और तुम में से कोई मुझसे नहीं पूछता,
‘तू कहाँ जाता हैं?’ **6** परन्तु मैंने जो ये बातें तुम से कही हैं, इसलिए तुम्हारा मन शोक से भर गया। **7** फिर भी मैं तुम से सच कहता हूँ, कि मेरा जाना तुम्हारे लिये
अच्छा है, क्योंकि यदि मैं न जाऊँ, तो वह सहायक तुम्हारे पास न आएगा, परन्तु यदि मैं जाऊँगा, तो उसे तुम्हारे पास भेज दूँगा। **8** और वह आकर संसार को
पाप और धार्मिकता और न्याय के विषय में निरुत्तर करेगा। **9** पाप के विषय में इसलिए कि वे मुझ पर विश्वास नहीं करते; **10** और धार्मिकता के विषय में
इसलिए कि मैं पिता के पास जाता हूँ, और तुम मुझे फिर न देखोगे; **11** न्याय के विषय में इसलिए कि संसार का सरदार दोषी ठहराया गया है। (यूह. 12:31)

12 “मुझे तुम से और भी बहुत सी बातें कहनी हैं, परन्तु अभी तुम उन्हें सह नहीं सकते। **13** परन्तु जब वह अर्थात् सत्य का आत्मा आएगा, तो तुम्हें सब सत्य
का मार्ग बताएगा, क्योंकि वह अपनी ओर से न कहेगा, परन्तु जो कुछ सुनेगा, वही कहेगा, और आनेवाली बातें तुम्हें बताएगा। **14** वह मेरी महिमा करेगा,
क्योंकि वह मेरी बातों में से लेकर तुम्हें बताएगा। **15** जो कुछ पिता का है, वह सब मेरा है; इसलिए मैंने कहा, कि वह मेरी बातों में से लेकर तुम्हें बताएगा।

16 “थोड़ी देर में तुम मुझे न देखोगे, और फिर थोड़ी देर में मुझे देखोगे।” **17** तब उसके कितने चेलों ने आपस में कहा, “यह क्या है, जो वह हम से कहता है,
‘थोड़ी देर में तुम मुझे न देखोगे, और फिर थोड़ी देर में मुझे देखोगे?’ और यह ‘इसलिए कि मैं पिता के पास जाता हूँ’?” **18** तब उन्होंने कहा, “यह ‘थोड़ी देर’
जो वह कहता है, क्या बात है? हम नहीं जानते, कि क्या कहता है।” **19** यीशु ने यह जानकर, कि वे मुझसे पूछना चाहते हैं, उनसे कहा, “क्या तुम आपस में
मेरी इस बात के विषय में पूछ-ताछ करते हो, ‘थोड़ी देर में तुम मुझे न देखोगे, और फिर थोड़ी देर में मुझे देखोगे’? **20** मैं तुम से सच-सच कहता हूँ; कि तुम
रोओगे और विलाप करोगे, परन्तु संसार आनन्द करेगा: तुम्हें शोक होगा, परन्तु तुम्हारा शोक आनन्द बन जाएगा। **21** जब स्त्री जनने लगती है तो उसको शोक
होता है, क्योंकि उसकी दुःख की घड़ी आ पहुँची, परन्तु जब वह बालक को जन्म दे चुकी तो इस आनन्द से कि जगत में एक मनुष्य उत्पन्न हुआ, उस संकट को
फिर स्मरण नहीं करती। (यशा. 26:17, मीका 4:9) **22** और तुम्हें भी अब तो शोक है, परन्तु मैं तुम से फिर मिलूँगा और तुम्हारे मन में आनन्द होगा; और
तुम्हारा आनन्द कोई तुम से छीन न लेगा। **23** उस दिन* तुम मुझसे कुछ न पूछोगे; मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, यदि पिता से कुछ माँगोगे, तो वह मेरे नाम से
तुम्हें देगा। **24** अब तक तुम ने मेरे नाम से कुछ नहीं माँगा; माँगो तो पाओगे* ताकि तुम्हारा आनन्द पूरा हो जाए।।

25 “मैंने ये बातें तुम से दृष्टान्तों में कही हैं, परन्तु वह समय आता है, कि मैं तुम से दृष्टान्तों में और फिर नहीं कहूँगा परन्तु खोलकर तुम्हें पिता के विषय में
बताऊँगा। **26** उस दिन तुम मेरे नाम से माँगोगे, और मैं तुम से यह नहीं कहता, कि मैं तुम्हारे लिये पिता से विनती करूँगा। **27** क्योंकि पिता तो स्वयं ही तुम से
प्रेम रखता है, इसलिए कि तुम ने मुझसे प्रेम रखा है, और यह भी विश्वास किया, कि मैं पिता कि ओर से आया। **28** मैं पिता कि ओर से जगत में आया हूँ, फिर
जगत को छोड़कर पिता के पास वापस जाता हूँ।” **29** उसके चेलों ने कहा, “देख, अब तो तू खुलकर कहता है, और कोई दृष्टान्त नहीं कहता। **30** अब हम जान
गए, कि तू सब कुछ जानता है, और जरूरत नहीं की कोई तुझ से प्रश्न करे, इससे हम विश्वास करते हैं, कि तू परमेश्वर की ओर से आया है।” **31** यह सुन यीशु
ने उनसे कहा, “क्या तुम अब विश्वास करते हो? **32** देखो, वह घड़ी आती है वरन् आ पहुँची कि तुम सब तितर-बितर होकर अपना-अपना मार्ग लोगे, और मुझे
अकेला छोड़ दोगे, फिर भी मैं अकेला नहीं क्योंकि पिता मेरे साथ है। (यूह. 8:29) **33** मैंने ये बातें तुम से इसलिए कही हैं, कि तुम्हें मुझ में शान्ति मिले; संसार में
तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढ़स बाँधो, मैंने संसार को जीत लिया है*।”

John 16:5

उसे तुम्हारे पास भेजूंगा
सहायक या पवित्र आत्मा

John 16:8

धार्मिकता के विषय में इसलिए कि मैं पिता के पास जाता हूँ और तुम मुझे फिर न देखोगे।
"वह मनुष्यों से ऐसा कहेगा क्योंकि मैं पिता के पास लौट रहा हूं, और तुम मुझे अब नहीं देखोगे, तुम जान लोगे कि मैं ही हूं जो सच्चा धर्मी हूँ"।

संसार का सरदार
शैतान, संसार में भ्रष्ट बातों का शासक। इस "संसार का राजकुमार", का अनुवाद वैसे ही करना होगा जैसा)में किया है।

John 16:19

क्या तुम आपस में मेरी इस बात के विषय में पूछताछ करते हो?
यीशु ने यह प्रश्न इसलिए पूछा कि अपने शिष्यों का ध्यान उन बातों पर केन्द्रित करे जो उसने अभी-अभी उनसे की हैं कि वह और भी समझाए। वैकल्पिक अनुवाद, "तुम आपस में यह पूछ रहो हो कि मैंने जो कहा उसका अर्थ क्या है"।

John 16:22

मेरे नाम से
"मेरे अधिकार से" या "मेरी ओर से"

John 16:29

क्याँ तुम अब विश्वास करते हो?
वैकल्पिक अनुवाद, "अब तुम अन्ततः मुझमें विश्वास करने लगे हो"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 16:32

मैंने संसार को जीत लिया है
"मैंने परमेश्वर के विरोधियों को हरा दिया है"।

Translation Questions

John 16:1

यीशु ने शिष्यों से यह सब बातें क्यों कहीं थी?
यीशु ने उनसे ये बातें इसलिए कहीं कि वे ठोकर न खाएँ।

John 16:3

लोग यीशु के शिष्यों का आराधनालयों से क्यों निकालेंगे और कुछ को मार भी डालेंगे?
वे ऐसा इसलिए करेंगे क्योंकि उन्होंने न तो पिता को और न ही यीशु को जाना है।

John 16:4

यीशु ये बातें आरंभ में शिष्यों से क्यों नहीं कही थी?
यीशु ने उनसे आरंभ ये बातें नहीं कही थी क्योंकि वह उनके साथ था।

John 16:7

यीशु का जाना क्यों अच्छा था?
यीशु का जाना शिष्यों के लिए अच्छा था क्योंकि यदि वह नहीं जायेगा तो सहायक उनके पास नहीं आयेगा।

John 16:8

सहायक संसार को कौन सी बातों ने निरूत्तर करेगा?
सहायक आकर संसार को पाप और धार्मिकता और न्याय के विषय में निरूत्तर करेगा।

John 16:13

सत्य का आत्मा जब आयेगा तब वह शिष्यों के लिए क्या करेगा?
वह शिष्यों को पूर्ण सत्य में लेकर चलेगा क्योंकि वह अपनी ओर से नहीं कहेगा परन्तु जो कुछ सुनेगा वही कहेगा और आनेवाली बातें बताएगा।

John 16:14

सत्य का आत्मा यीशु की महिमा कैसे प्रकट करेगा?
वह यीशु की बातें शिष्यों को बताएगा।

John 16:15

सत्य का आत्मा यीशु की कौन सी बातें बतायेगा?
सत्य का आत्मा पिता की सब बातें बतायेगा, पिता का सब कुछ यीशु का है।

John 16:16

यीशु की कौन सी बातें शिष्यों के समझ में नहीं आई थी?
शिष्यों को समझ में नहीं आया जब यीशु ने कहा, "थोड़ी देर में तुम मुझे न देखोगे और फिर थोड़ी देर में मुझे देखोगे" और "यह इसलिए कि मैं पिता के पास जाता हूं"।

John 16:20

शिष्यों के दुःख का क्या होगा?
आनन्द में बदल जायेगा।

John 16:22

शिष्यों के आनन्द का कारण क्या होगा?
वे यीशु को फिर से देखेंगे और उनका मन प्रफुल्लित होगा।

John 16:24

यीशु ने शिष्यों से क्यों कहा कि मांगो और पाओ?
यीशु ने कहा मांगोगे तो तुम्हारा आनन्द पूरा हो जायेगा।

John 16:27

क्या कारण था कि पिता यीशु के शिष्यों से प्रेम करता था?
पिता शिष्यों से प्रेम करता है क्योंकि शिष्यों ने यीशु से प्रेम किया और विश्वास किया कि वह पिता के पास से आया था।

John 16:28

यीशु कहाँ से आया था और कहाँ जा रहा था?
यीशु पिता के पास से संसार में आया था और अब वह संसार को छोड़ कर पिता के पास जा रहा था।

John 16:32

यीशु ने शिष्यों के बारे में क्या कहा था कि वे उस समय करेंगे?
यीशु ने कहा कि शिष्य तितर-बितर होकर अपना-अपना मार्ग लेंगे और यीशु को अकेला छोड़ देंगे।

शिष्यों के तितर-बितर होने के बाद भी यीशु के साथ कौन होगा?
पिता तब भी यीशु के साथ होगा।

John 16:33

संसार में क्लेश भोगने के उपरान्त भी यीशु ने शिष्यों को ढाढ़स बांधने के लिए क्यों कहा था?
यीशु ने उनसे कहा कि वे ढाढ़स बांधे क्योंकि उसने संसार को जीत लिया है।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 17

1 यीशु ने ये बातें कहीं और अपनी आँखें आकाश की ओर उठाकर कहा, “हे पिता, वह घड़ी आ पहुँची, अपने पुत्र की महिमा कर, कि पुत्र भी तेरी महिमा करे*, **2** क्योंकि तूने उसको सब प्राणियों पर अधिकार दिया, कि जिन्हें तूने उसको दिया है, उन सब को वह अनन्त जीवन दे। **3** और अनन्त जीवन यह है, कि वे तुझ अद्वैत सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तूने भेजा है, जाने। **4** जो काम तूने मुझे करने को दिया था, उसे पूरा करके मैंने पृथ्वी पर तेरी महिमा की है। **5** और अब, हे पिता, तू अपने साथ मेरी महिमा उस महिमा से कर जो जगत की सृष्टि पहले, मेरी तेरे साथ थी।

6 “मैंने तेरा नाम उन मनुष्यों पर प्रगट किया जिन्हें तूने जगत में से मुझे दिया। वे तेरे थे और तूने उन्हें मुझे दिया और उन्होंने तेरे वचन को मान लिया है। **7** अब वे जान गए हैं, कि जो कुछ तूने मुझे दिया है, सब तेरी ओर से है। **8** क्योंकि जो बातें तूने मुझे पहुँचा दीं, मैंने उन्हें उनको पहुँचा दिया और उन्होंने उनको ग्रहण किया और सच-सच जान लिया है, कि मैं तेरी ओर से आया हूँ, और यह विश्वास किया है की तू ही ने मुझे भेजा। **9** मैं उनके लिये विनती करता हूँ, संसार के लिये विनती नहीं करता हूँ परन्तु उन्हीं के लिये जिन्हें तूने मुझे दिया है, क्योंकि वे तेरे हैं। **10** और जो कुछ मेरा है वह सब तेरा है; और जो तेरा है वह मेरा है; और इनसे मेरी महिमा प्रगट हुई है। **11** मैं आगे को जगत में न रहूँगा, परन्तु ये जगत में रहेंगे, और मैं तेरे पास आता हूँ; हे पवित्र पिता, अपने उस नाम से जो तूने मुझे दिया है, उनकी रक्षा कर, कि वे हमारे समान एक हों। **12** जब मैं उनके साथ था, तो मैंने तेरे उस नाम से, जो तूने मुझे दिया है, उनकी रक्षा की, मैंने उनकी देख-रेख की और विनाश के पुत्र को छोड़ उनमें से कोई नाश न हुआ, इसलिए कि पवित्रशास्त्र की बात पूरी हो। (यूह. 18:9) **13** परन्तु अब मैं तेरे पास आता हूँ, और ये बातें जगत में कहता हूँ, कि वे मेरा आनन्द अपने में पूरा पाएँ। **14** मैंने तेरा वचन उन्हें पहुँचा दिया है, और संसार ने उनसे बैर किया, क्योंकि जैसा मैं संसार का नहीं, वैसे ही वे भी संसार के नहीं। **15** मैं यह विनती नहीं करता, कि तू उन्हें जगत से उठा ले, परन्तु यह कि तू उन्हें उस दुष्ट से बचाए रख। **16** जैसे मैं संसार का नहीं, वैसे ही वे भी संसार के नहीं। **17** सत्य के द्वारा उन्हें पवित्र कर*: तेरा वचन सत्य है। **18** जैसे तूने जगत में मुझे भेजा, वैसे ही मैंने भी उन्हें जगत में भेजा। **19** और उनके लिये मैं अपने आप को पवित्र करता हूँ ताकि वे भी सत्य के द्वारा पवित्र किए जाएँ।

20 “मैं केवल इन्हीं के लिये विनती नहीं करता, परन्तु उनके लिये भी जो इनके वचन के द्वारा मुझ पर विश्वास करेंगे, **21** कि वे सब एक हों; जैसा तू हे पिता मुझ में हैं, और मैं तुझ में हूँ, वैसे ही वे भी हम में हों, इसलिए कि जगत विश्वास करे, कि तू ही ने मुझे भेजा। **22** और वह महिमा जो तूने मुझे दी, मैंने उन्हें दी है कि वे वैसे ही एक हों जैसे कि हम एक हैं। **23** मैं उनमें और तू मुझ में कि वे सिद्ध होकर एक हो जाएँ, और जगत जाने कि तू ही ने मुझे भेजा, और जैसा तूने मुझसे प्रेम रखा, वैसा ही उनसे प्रेम रखा। **24** हे पिता, मैं चाहता हूँ कि जिन्हें तूने मुझे दिया है, जहाँ मैं हूँ, वहाँ वे भी मेरे साथ हों कि वे मेरी उस महिमा को देखें जो तूने मुझे दी है, क्योंकि तूने जगत की उत्पत्ति से पहले मुझसे प्रेम रखा। (यूह. 14:3) **25** हे धार्मिक पिता, संसार ने मुझे नहीं जाना, परन्तु मैंने तुझे जाना और इन्होंने भी जाना कि तू ही ने मुझे भेजा। **26** और मैंने तेरा नाम उनको बताया और बताता रहूँगा कि जो प्रेम तुझको मुझसे था, वह उनमें रहे और मैं उनमें रहूँ*।”

John 17:3

x
यीशु प्रार्थना कर रहा है

वे तुझे एकमात्र परमेश्वर को..... जानें
परमेश्वर को अपने अनुभव से "जानें" न कि परमेश्वर के बारे में बातों को जानें"।

जो कार्य तूने मुझे करने को दिया था
अर्थात यीशु संपूर्ण सांसारिक सेवा जिसमें उसने सुसमाचार सुनाया।

John 17:6

जगत में से
परमेश्वर में विश्वास न करनेवाले सब लोग।

तेरे वचन को मान लिया है
"तेरी शिक्षाओं का अनुसरण किया है"।

John 17:12

की पवित्रशास्त्र की बाते पूरी हो
धर्मशास्त्र में लिखी हुई बातें

John 17:18

जगत में
संपूर्ण संसार में हर एक जगह और हर एक मनुष्य के पास।

उनके लिए
"उनके लाभ के लिए" या "उनकी भलाई के लिए"

John 17:25

संसार ने मुझे (तुझे) नहीं जाना, परन्तु मैंने तुझे जाना और इन्होंने भी जाना कि तू ही ने मुझे भेजा है।
संसार ने तुझे नहीं पहचाना परन्तु मैंने तुझे जाना और इन्होंने भी जाना कि तूने मुझे भेजा है। - "इस संसार को तुझे जानने का मेरे जैसा अनुभव नहीं है; और इन शिष्यों ने जान लिया है कि तूने मुझे भेजा है"

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

John 17:2

पिता परमेश्वर ने यीशु को सब प्राणियों पर अधिकार क्यों दिया था?
पिता ने यह इसलिए किया कि यीशु उन सबको अनन्त जीवन दे जिन्हें परमेश्वर ने यीशु को सौंपा है।

John 17:3

अनन्त जीवन क्या है?
अनन्त जीवन यह है कि वे एकमात्र सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को जिसे परमेश्वर ने भेजा है जानें।

John 17:4

यीशु ने परमेश्वर की महिमा पृथ्वी पर कैसे प्रकट की?
उसने पिता द्वारा सौंपे गए काम को पूरा करके यह किया।

John 17:5

यीशु कैसी महिमा चाहता था?
यीशु चाहता था कि परमेश्वर उसकी वही महिमा प्रकट करे जो जगत की सृष्टि से पहले उसके साथ उसकी थी।

John 17:6

यीशु ने पिता का नाम किस पर प्रकट किया था?
पिता ने इस संसार में से जितने लोग यीशु को दिए थे उन पर उसने पिता का नाम प्रकट किया था।

John 17:8

पिता ने यीशु को जो लोग दिए थे उन्होंने यीशु के वचनों पर कैसी प्रतिक्रिया दिखाई थी?
उन्होंने यीशु के वचनों को ग्रहण किया और सच में जाना कि यीशु पिता के पास से आया था और उन्होंने विश्वास किया कि पिता ने यीशु को भेजा।

John 17:9

यीशु ने कहा कि वह किसके लिए विनती नहीं करता है?
यीशु ने कहा कि वह संसार के लिए विनती नहीं करता है।

John 17:11

संक्षेप में यीशु ने उन लोगों के लिए क्या मांगा जिन्हें पिता ने यीशु को सौंपा था?
यीशु पिता से प्रार्थना करता है कि वह अपने नाम से उनकी रक्षा करे कि वे एक हों और पिता उन्हें उस दुष्ट से बचाए और सत्य के द्वारा उन्हें पवित्र करे, वे पिता और पुत्र दोनों में बने रहें और जहां यीशु है वहाँ वे भी उसके साथ रहें।

John 17:12

जब यीशु संसार में था तब उसने उन लोगों के साथ क्या किया था जिन्हें पिता ने उसे सौंपा था?
यीशु ने उनकी रक्षा की थी।

John 17:19

यीशु ने स्वयं को पवित्र क्यों किया था?
यीशु ने स्वयं को पवित्र किया कि वे भी सत्य के द्वारा पवित्र किए जाएं।

John 17:20

यीशु ने और किसके लिए भी विनती की थी?
यीशु ने उनके लिए भी विनती की जो उसके शिष्यों के वचनों के द्वारा उसमें विश्वास करेंगे।

John 17:23

पिता उनसे कैसा प्रेम करता है जिन्हें उसने यीशु को सौंपा है?
पिता उनसे भी वैसा ही प्रेम करता है जैसा वह यीशु से प्रेम करता है।

John 17:26

पिता ने जिन्हें यीशु को सौंपा है उन पर यीशु ने पिता का नाम क्यों प्रकट किया और करेगा?
यीशु ने प्रकट किया और करेगा भी कि जिस प्रेम से पिता ने यीशु को प्रेम किया वह उनमें हो और यीशु उनमें हों।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 18

1 यीशु ये बातें कहकर अपने चेलों के साथ किद्रोन के नाले के पार गया, वहाँ एक बारी थी, जिसमें वह और उसके चेले गए। **2** और उसका पकड़वानेवाला यहूदा भी वह जगह जानता था, क्योंकि यीशु अपने चेलों के साथ वहाँ जाया करता था। **3** तब यहूदा सैन्य-दल को और प्रधान याजकों और फरीसियों की ओर से प्यादों को लेकर दीपकों और मशालों और हथियारों को लिए हुए वहाँ आया। **4** तब यीशु उन सब बातों को जो उस पर आनेवाली थीं, जानकर निकला, और उनसे कहने लगा, “किसे ढूँढ़ते हो?” **5** उन्होंने उसको उत्तर दिया, “यीशु नासरी को।” यीशु ने उनसे कहा, “मैं हूँ।” और उसका पकड़वानेवाला यहूदा भी उनके साथ खड़ा था। **6** उसके यह कहते ही, “मैं हूँ,” वे पीछे हटकर भूमि पर गिर पड़े। **7** तब उसने फिर उनसे पूछा, “तुम किस को ढूँढ़ते हो।” वे बोले, “यीशु नासरी को।” **8** यीशु ने उत्तर दिया, “मैं तो तुम से कह चुका हूँ कि मैं हूँ, यदि मुझे ढूँढ़ते हो तो इन्हें जाने दो*।” **9** यह इसलिए हुआ, कि वह वचन पूरा हो, जो उसने कहा था: “जिन्हें तूने मुझे दिया, उनमें से मैंने एक को भी न खोया।” **10** शमौन पतरस ने तलवार, जो उसके पास थी, खींची और महायाजक के दास पर चलाकर, उसका दाहिना कान काट दिया, उस दास का नाम मलखुस था। **11** तब यीशु ने पतरस से कहा, “अपनी तलवार काठी में रख। जो कटोरा पिता ने मुझे दिया है क्या मैं उसे न पीऊँ?”

12 तब सिपाहियों और उनके सूबेदार और यहूदियों के प्यादों ने यीशु को पकड़कर बाँध लिया, **13** और पहले उसे हन्ना के पास ले गए क्योंकि वह उस वर्ष के महायाजक कैफा का ससुर था। **14** यह वही कैफा था, जिसने यहूदियों को सलाह दी थी कि हमारे लोगों के लिये एक पुरुष का मरना अच्छा है।

15 शमौन पतरस और एक और चेला भी यीशु के पीछे हो लिए। यह चेला महायाजक का जाना पहचाना था और यीशु के साथ महायाजक के आँगन में गया। **16** परन्तु पतरस बाहर द्वार पर खड़ा रहा, तब वह दूसरा चेला जो महायाजक का जाना पहचाना था, बाहर निकला, और द्वारपालिन से कहकर, पतरस को भीतर ले आया। **17** उस दासी ने जो द्वारपालिन थी, पतरस से कहा, “क्या तू भी इस मनुष्य के चेलों में से है?” उसने कहा, “मैं नहीं हूँ।” **18** दास और प्यादे जाड़े के कारण कोयले धधकाकर खड़े आग ताप रहे थे और पतरस भी उनके साथ खड़ा आग ताप रहा था।

19 तब महायाजक ने यीशु से उसके चेलों के विषय में और उसके उपदेश के विषय में पूछा। **20** यीशु ने उसको उत्तर दिया, “मैंने जगत से खुलकर बातें की; मैंने आराधनालयों और मन्दिर में जहाँ सब यहूदी इकट्ठा हुआ करते हैं सदा उपदेश किया और गुप्त में कुछ भी नहीं कहा*। **21** तू मुझसे क्यों पूछता है? सुननेवालों से पूछ: कि मैंने उनसे क्या कहा? देख वे जानते हैं; कि मैंने क्या-क्या कहा।” **22** जब उसने यह कहा, तो प्यादों में से एक ने जो पास खड़ा था, यीशु को थप्पड़ मारकर कहा, “क्या तू महायाजक को इस प्रकार उत्तर देता है?” (लूका 22:63, मीका 5:1) **23** यीशु ने उसे उत्तर दिया, “यदि मैंने बुरा कहा, तो उस बुराई पर गवाही दे; परन्तु यदि भला कहा, तो मुझे क्यों मारता है?” **24** हन्ना ने उसे बंधे हुए कैफा महायाजक के पास भेज दिया।

25 शमौन पतरस खड़ा हुआ आग ताप रहा था। तब उन्होंने उससे कहा; “क्या तू भी उसके चेलों में से है?” उसने इन्कार करके कहा, “मैं नहीं हूँ।” **26** महायाजक के दासों में से एक जो उसके कुटुम्ब में से था, जिसका कान पतरस ने काट डाला था, बोला, “क्या मैंने तुझे उसके साथ बारी में न देखा था?” **27** पतरस फिर इन्कार कर गया और तुरन्त मुर्गे ने बाँग दी।

28 और वे यीशु को कैफा के पास से किले को ले गए और भोर का समय था, परन्तु वे स्वयं किले के भीतर न गए ताकि अशुद्ध न हों परन्तु फसह खा सके। **29** तब पिलातुस उनके पास बाहर निकल आया और कहा, “तुम इस मनुष्य पर किस बात का दोषारोपण करते हो?” **30** उन्होंने उसको उत्तर दिया, “यदि वह कुकर्मी न होता तो हम उसे तेरे हाथ न सौंपते।” **31** पिलातुस ने उनसे कहा, “तुम ही इसे ले जाकर अपनी व्यवस्था के अनुसार उसका न्याय करो।” यहूदियों ने उससे कहा, “हमें अधिकार नहीं कि किसी का प्राण लें।” **32** यह इसलिए हुआ, कि यीशु की वह बात पूरी हो जो उसने यह दर्शाते हुए कही थी, कि उसका मरना कैसा होगा। **33** तब पिलातुस फिर किले के भीतर गया और यीशु को बुलाकर, उससे पूछा, “क्या तू यहूदियों का राजा है*?” **34** यीशु ने उत्तर दिया, “क्या तू यह बात अपनी ओर से कहता है या औरों ने मेरे विषय में तुझ से कही?” **35** पिलातुस ने उत्तर दिया, “क्या मैं यहूदी हूँ? तेरी ही जाति और प्रधान याजकों ने तुझे मेरे हाथ सौंपा, तूने क्या किया है?” **36** यीशु ने उत्तर दिया, “मेरा राज्य इस जगत का नहीं, यदि मेरा राज्य इस जगत का होता, तो मेरे सेवक लड़ते, कि मैं यहूदियों के हाथ सौंपा न जाता: परन्तु अब मेरा राज्य यहाँ का नहीं।” **37** पिलातुस ने उससे कहा, “तो क्या तू राजा है?” यीशु ने उत्तर दिया, “तू कहता है, कि मैं राजा हूँ; मैंने इसलिए जन्म लिया, और इसलिए जगत में आया हूँ कि सत्य पर गवाही दूँ जो कोई सत्य का है, वह मेरा शब्द सुनता है।” (1 यूह. 4:6) **38** पिलातुस ने उससे कहा, “सत्य क्या है?” और यह कहकर वह फिर यहूदियों के पास निकल गया और उनसे कहा, “मैं तो उसमें कुछ दोष नहीं पाता।

39 पर तुम्हारी यह रीति है कि मैं फसह में तुम्हारे लिये एक व्यक्ति को छोड़ दूँ। तो क्या तुम चाहते हो, कि मैं तुम्हारे लिये यहूदियों के राजा को छोड़ दूँ?” **40** तब उन्होंने फिर चिल्लाकर कहा, “इसे नहीं परन्तु हमारे लिये बरअब्बा को छोड़ दे।” और बरअब्बा डाकू था।

John 18:4

किसे ढूंढ़ते हो?
"तुम किसकी खोज में हो"?

मैं हूँ
यहाँ "वही" शब्द अभिलेख में नहीं है परन्तु उसका अभिप्राय यहां है। वैकल्पिक अनुवाद, "मैं ही वह हूं" या "वह व्यक्ति मैं हूँ"।

John 18:6

मैं हूँ
मूल लेख में "वही" शब्द नहीं है परन्तु अभिप्राय वही है। वैकल्पिक अनुवाद, "मैं ही वही हूँ" या "वह व्यक्ति मैं हूँ"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 18:10

मयान में
कटार या तलवार को रखने का उपकरण कि रखनेवाले को चोट न लगे।

कटोरा
इसका संदर्भ हो सकता है, (1) यीशु को जो कष्ट उठाना है उसका परिणाम (देखें: यू.डी.बी.) या (2) परमेश्वर का प्रकोप जिसे उसके लोगों की मुक्ति के निमित्त यीशु को भोगना था।

क्या मैं उसे न पीऊं?
यीशु इस प्रश्न के द्वारा कष्टों पर बल दे रहा है कि उसे निश्चय ही कष्ट भोगने हैं। वैकल्पिक अनुवाद, "मुझे पीना ही है"।

John 18:15

एक और चेला भी... यह चेला
यह प्रेरित यूहन्ना है जो इस पुस्तक का लेखक है

John 18:17

कहीं तू भी इस मनुष्य के चेलों में से तो नहीं।
वैकल्पिक अनुवाद, "तू भी तो इस मनुष्य के शिष्यों में से एक है"।

John 18:19

महायाजक
यह काइफा था

मैंने संसार में खुलकर बातें की हैं।
यीशु ने सार्वजनिक सेवा की थी।

यह लोग
वे लोग जिन्होंने यीशु के उपदेश सुने थे

John 18:22

क्या तू महायाजक को इस प्रकार उत्तर देता है?
वैकल्पिक अनुवाद, "तुझे महायाजक को इस प्रकार उत्तर नहीं देना है"।

बुराई की गवाही दे
"बता कि मैंने जो कहा उसमें क्या बुराई है"?

यदि भला कहा, तो मुझे क्यों मारता है?
"यदि मैं सच कहा है तो मुझे मारने की आवश्यकता नहीं है"

John 18:28

यदि यह कुकर्मी नहीं होता तो हम उसे तेरे हाथ सौंपते।
"यह मनुष्य कुकर्मी है और हमें इसे निश्चय ही दण्ड के लिए तेरे पास लाना है"

John 18:38

सत्य क्या है?
"कोई नहीं जान सकता कि सत्य क्या है"। और

Translation Questions

John 18:1

इन बातों को कहने के बाद यीशु कहाँ गया था?
ये बातें कह कर यीशु अपने शिष्यों के साथ किद्रोन के नाले के पार एक वाटिका में गया।

John 18:2

यहूदा को उस वाटिका की जानकारी कैसे थी?
यह स्थान यीशु का परिचित था क्योंकि वह शिष्यों के साथ प्रायः वहाँ जाता था।

John 18:3

दीपकों और मशालों और हथियारों को लेकर वहाँ कौन आया?
यहूदा सैनिकों के एक दल और प्रधान याजकों और फरीसियों की ओर से प्यादों को लेकर वहाँ आया।

John 18:6

उन लोगों ने कहा कि वे यीशु नासरी को खोजते हैं तब यीशु ने कहा, "मैं हूँ" तो उनका क्या हुआ?
उनके साथ सैनिक पीछे हटकर भूमि पर गिर पड़े।

John 18:8

यीशु ने क्यों कहा, "मैं तुम से कह चुका हूँ कि मैं हूँ, यदि मुझे ढूंढ़ते हो, तो इन्हें जाने दो"?
यह इसलिए हुआ कि वह वचन पूरा हो जो उसने कहा था; "जिन्हें तूने मुझे दिया था उनमें से मैंने एक को भी न खोया"।

John 18:10

पतरस ने तलवार चलाकर महायाजक के दास का कान काट दिया तो यीशु ने उससे क्या कहा था?
यीशु ने पतरस से कहा, "अपनी तलवार म्यान में रख। जो कटोरा पिता ने मुझे दिया है, क्या मैं उसे न पीऊं?"

John 18:13

सैनिक और सूबेदार और महायाजक के प्यादों ने यीशु को बांध कर किसके सामने खड़ा किया?
वे पहले यीशु को हन्ना के पास ले गए।

हन्ना कौन था?
हन्ना उस वर्ष के महायाजक काइफा का ससुर था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 18:16

पतरस महायाजक के परिसर में कैसा गया?
एक शिष्य महायाजक का परिचित था वह द्वारपालिन से कह कर पतरस को भीतर ले आया।

John 18:17

पतरस से किसने पूछा कि वह यीशु के साथ था या उसका शिष्य था?
एक स्त्री परिसर के द्वार की चौकसी कर रही थी और दास और प्यादे कोयले जलाकर आग ताप रहे थे और महायाजक के उस दास का एक परिजन जिसका कान पतरस ने काट दिया था, सबने पूछा कि क्या पतरस भी यीशु के साथ था या उसका शिष्य तो नहीं।

John 18:19

महायाजक ने यीशु से उसके शिष्यों और उसके आदेशों के बारे में पूछा तो यीशु ने उसे क्या उत्तर दिया?
यीशु ने महायाजक को उत्तर दिया "मैंने संसार में खुलकर बातें की, सुनने वालों से पूछ कि मैंने उनसे क्या कहा?"

John 18:24

यीशु से प्रश्न पूछने के बाद हन्ना ने उसे कहाँ भेज दिया?
हन्ना ने यीशु को महायाजक काइफा के पास भेज दिया।

John 18:27

जब पतरस ने तीसरी बार यीशु का इन्कार किया तब क्या हुआ?
पतरस ने जब तीसरी बार यीशु का इन्कार किया तब तुरन्त ही मुर्ग ने बांग दी।

John 18:28

जो लोग यीशु को किले में ले गए थे उन्होंने भीतर प्रवेश क्यों नहीं किया?
वे किले के भीतर नहीं गए कि अशुद्ध न हों और फसह खा सकें।

John 18:29

पिलातुस ने पूछा, "तुम इस मनुष्य पर किस बात का आरोप लगाते हो"? तो यीशु पर दोष लगाने वालों ने क्या उत्तर दिया?
उन्होंने पिलातुस को उत्तर दिया, "यदि वह कुकर्मी न होता तो हम उसे तेरे हाथ न सौंपेते"।

John 18:31

यीशु को स्वयं दण्ड देने की अपेक्षा वे उसे पिलातुस के पास क्यों ले गए?
यहूदी यीशु को मार डालना चाहते थे परन्तु रोमी राज्य की अनुमति के बिना वे ऐसा नहीं कर सकते थे।

John 18:33

पिलातुस ने यीशु से क्या पूछा?
पिलातुस ने यीशु से पूछा कि क्या वह यहूदियों का राजा है, उसने यीशु से यह भी पूछा कि उसने क्या किया है।

John 18:35

पिलातुस ने यीशु से क्या पूछा?
पिलातुस ने यीशु से पूछा कि क्या वह यहूदियों का राजा है, उसने यीशु से यह भी पूछा कि उसने क्या किया है।

John 18:36

यीशु ने पिलातुस को अपने राज्य के बारे में क्या कहा?
यीशु ने उत्तर दिया, "मेरा राज्य इस संसार का नहीं।" और न ही यहाँ का है।

John 18:37

यीशु का जन्म क्यों हुआ था?
यीशु का जन्म राजा होने के लिए हुआ था।

John 18:38

यीशु से प्रश्न पूछने के बाद पिलातुस ने क्या निर्णय लिया?
पिलातुस ने यहूदियों से कहा, "मैं तो उसमें कुछ दोष नहीं पाता"।

John 18:39

पिलातुस ने यीशु को मुक्त करने का प्रस्ताव दिया तो यहूदियों ने चिल्लाकर क्या कहा?
यहूदियों ने चिल्लाकर कहा, "इसे नहीं, परन्तु हमारे लिए बरअब्बा को छोड़ दे"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 19

1 इस पर पिलातुस ने यीशु को लेकर कोड़े लगवाए। **2** और सिपाहियों ने काँटों का मुकुट गूँथकर उसके सिर पर रखा, और उसे बैंगनी वस्त्र पहनाया, **3** और उसके पास आ आकर कहने लगे, “हे यहूदियों के राजा, प्रणाम!” और उसे थप्पड़ मारे। **4** तब पिलातुस ने फिर बाहर निकलकर लोगों से कहा, “देखो, मैं उसे तुम्हारे पास फिर बाहर लाता हूँ; ताकि तुम जानो कि मैं कुछ भी दोष नहीं पाता।”

5 तब यीशु काँटों का मुकुट और बैंगनी वस्त्र पहने हुए बाहर निकला और पिलातुस ने उनसे कहा, “देखो, यह पुरुष।” **6** जब प्रधान याजकों और प्यादों ने उसे देखा, तो चिल्लाकर कहा, “उसे क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर!” पिलातुस ने उनसे कहा, “तुम ही उसे लेकर क्रूस पर चढ़ाओ; क्योंकि मैं उसमें दोष नहीं पाता।” **7** यहूदियों ने उसको उत्तर दिया, “हमारी भी व्यवस्था है और उस व्यवस्था के अनुसार वह मारे जाने के योग्य है क्योंकि उसने अपने आप को परमेश्वर का पुत्र* बताया।” (लैव्य. 24:16) **8** जब पिलातुस ने यह बात सुनी तो और भी डर गया। **9** और फिर किले के भीतर गया और यीशु से कहा, “तू कहाँ का है?” परन्तु यीशु ने उसे कुछ भी उत्तर न दिया। **10** पिलातुस ने उससे कहा, “मुझसे क्यों नहीं बोलता? क्या तू नहीं जानता कि तुझे छोड़ देने का अधिकार मुझे है और तुझे क्रूस पर चढ़ाने का भी मुझे अधिकार है।” **11** यीशु ने उत्तर दिया, “यदि तुझे ऊपर से न दिया जाता, तो तेरा मुझ पर कुछ अधिकार न होता; इसलिए जिस ने मुझे तेरे हाथ पकड़वाया है, उसका पाप अधिक है।”

12 इससे पिलातुस ने उसे छोड़ देना चाहा*, परन्तु यहूदियों ने चिल्ला चिल्लाकर कहा, “यदि तू इसको छोड़ देगा तो तू कैसर का मित्र नहीं; जो कोई अपने आप को राजा बनाता है वह कैसर का सामना करता है।” **13** ये बातें सुनकर पिलातुस यीशु को बाहर लाया और उस जगह एक चबूतरा था, जो इब्रानी में ‘गब्बता*’ कहलाता है, और न्याय आसन पर बैठा। **14** यह फसह की तैयारी का दिन था और छठे घंटे के लगभग था : तब उसने यहूदियों से कहा, “देखो, यही है, तुम्हारा राजा!” **15** परन्तु वे चिल्लाए, “ले जा! ले जा! उसे क्रूस पर चढ़ा!” पिलातुस ने उनसे कहा, “क्या मैं तुम्हारे राजा को क्रूस पर चढ़ाऊँ?” प्रधान याजकों ने उत्तर दिया, “कैसर को छोड़ हमारा और कोई राजा नहीं।” **16** तब उसने उसे उनके हाथ सौंप दिया ताकि वह क्रूस पर चढ़ाया जाए।

17 तब वे यीशु को ले गए। और वह अपना क्रूस उठाए हुए उस स्थान तक बाहर गया, जो ‘खोपड़ी का स्थान’ कहलाता है और इब्रानी में ‘गुलगुता’। **18** वहाँ उन्होंने उसे और उसके साथ और दो मनुष्यों को क्रूस पर चढ़ाया, एक को इधर और एक को उधर, और बीच में यीशु को। **19** और पिलातुस ने एक दोष-पत्र लिखकर क्रूस पर लगा दिया और उसमें यह लिखा हुआ था, “यीशु नासरी यहूदियों का राजा।” **20** यह दोष-पत्र बहुत यहूदियों ने पढ़ा क्योंकि वह स्थान जहाँ यीशु क्रूस पर चढ़ाया गया था नगर के पास था और पत्र इब्रानी और लतीनी और यूनानी में लिखा हुआ था। **21** तब यहूदियों के प्रधान याजकों ने पिलातुस से कहा, “‘यहूदियों का राजा’ मत लिख परन्तु यह कि ‘उसने कहा, मैं यहूदियों का राजा हूँ’।” **22** पिलातुस ने उत्तर दिया, “मैंने जो लिख दिया, वह लिख दिया।” **23** जब सिपाही यीशु को क्रूस पर चढ़ा चुके, तो उसके कपड़े लेकर चार भाग किए, हर सिपाही के लिये एक भाग और कुर्ता भी लिया, परन्तु कुर्ता बिन सीअन ऊपर से नीचे तक बुना हुआ था; **24** इसलिए उन्होंने आपस में कहा, “हम इसको न फाड़े, परन्तु इस पर चिट्ठी डालें कि वह किस का होगा।” यह इसलिए हुआ, कि पवित्रशास्त्र की बात पूरी हो, “उन्होंने मेरे कपड़े आपस में बाँट लिए और मेरे वस्त्र पर चिट्ठी डाली।” (भज. 22:18)

25 अतः सिपाहियों ने ऐसा ही किया। परन्तु यीशु के क्रूस के पास उसकी माता और उसकी माता की बहन मरियम, क्लोपास की पत्नी और मरियम मगदलीनी खड़ी थी। **26** यीशु ने अपनी माता और उस चेले को जिससे वह प्रेम रखता था पास खड़े देखकर अपनी माता से कहा, “हे नारी, देख, यह तेरा पुत्र है।” **27** तब उस चेले से कहा, “यह तेरी माता है।” और उसी समय से वह चेला, उसे अपने घर ले गया।

28 इसके बाद यीशु ने यह जानकर कि अब सब कुछ हो चुका; इसलिए कि पवित्रशास्त्र की बात पूरी हो कहा, “मैं प्यासा हूँ।” **29** वहाँ एक सिरके से भरा हुआ बर्तन धरा था, इसलिए उन्होंने सिरके के भिगोए हुए पनसोख्ता को जूफे पर रखकर उसके मुँह से लगाया। (भज. 69:21) **30** जब यीशु ने वह सिरका लिया, तो कहा, “पूरा हुआ”; और सिर झुकाकर प्राण त्याग दिए। (लूका 23:46, मर. 15:37)

31 और इसलिए कि वह तैयारी का दिन था, यहूदियों ने पिलातुस से विनती की, कि उनकी टाँगें तोड़ दी जाएँ और वे उतारे जाएँ ताकि सब्त के दिन वे क्रूसों पर न रहें, क्योंकि वह सब्त का दिन बड़ा दिन था। (मर. 15: 42, व्य. 21:22-23) **32** इसलिए सिपाहियों ने आकर पहले की टाँगें तोड़ी तब दूसरे की भी, जो उसके साथ क्रूसों पर चढ़ाए गए थे। **33** परन्तु जब यीशु के पास आकर देखा कि वह मर चुका है, तो उसकी टाँगें न तोड़ी। **34** परन्तु सिपाहियों में से एक ने बरछे से उसका पंजर बेधा और उसमें से तुरन्त लहू और पानी निकला। **35** जिस ने यह देखा, उसी ने गवाही दी है, और उसकी गवाही सच्ची है; और वह जानता है, कि सच कहता है कि तुम भी विश्वास करो। **36** ये बातें इसलिए हुईं कि पवित्रशास्त्र की यह बात पूरी हो, “उसकी कोई हड्डी तोड़ी न जाएगी।” (निर्ग. 12:46, गिन. 9:12, भज. 34:20) **37** फिर एक और स्थान पर यह लिखा है, “जिसे उन्होंने बेधा है, उस पर दृष्टि करेंगे।” (जक. 12:10)

38 इन बातों के बाद अरिमतियाह के यूसुफ ने, जो यीशु का चेला था, (परन्तु यहूदियों के डर से इस बात को छिपाए रखता था), पिलातुस से विनती की, कि मैं यीशु के शव को ले जाऊँ, और पिलातुस ने उसकी विनती सुनी, और वह आकर उसका शव ले गया। **39** नीकुदेमुस भी जो पहले यीशु के पास रात को गया था पचास सेर के लगभग मिला हुआ गन्धरस और एलवा ले आया। **40** तब उन्होंने यीशु के शव को लिया और यहूदियों के गाड़ने की रीति के अनुसार उसे सुगन्ध द्रव्य के साथ कफन में लपेटा। **41** उस स्थान पर जहाँ यीशु क्रूस पर चढ़ाया गया था, एक बारी थी; और उस बारी में एक नई कब्र थी; जिसमें कभी कोई न रखा गया था। **42** अतः यहूदियों की तैयारी के दिन के कारण, उन्होंने यीशु को उसी में रखा, क्योंकि वह कब्र निकट थी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 19:1

हे यहूदियों के राजा, प्रणाम
मूल भाषा में "चिरंजीव" शब्द है जो केवल हाथ उठाकर कैसर के लिए कहा जाता था। सैनिकों ने कांटों का मुकुट और बैंगनी वस्त्र पहनाकर यीशु का आहावन किया था, वे वास्तव में उसे राजा नहीं मान रहे थे।

John 19:7

तू कहाँ का है?
"तू कहाँ का है"? पिलातुस ने यीशु से उसकी पहचान पूछी। आपकी भाषा/संस्कृति में किसी की पहचान पूछने की विशेष रीति हो सकती है।

John 19:10

मुझसे क्यों नहीं बोलता?
पिलातुस को आश्चर्य हुआ कि यीशु अपना प्रतिवाद का अवसर खो रहा है। "मुझे उत्तर दे"।

John 19:12

अपने आपको राजा बनाता है
राजा होने का दावा करता है

यीशु को बाहर लाया
सैनिकों को आज्ञा दी कि यीशु को जनता के सामने बाहर लाएं।

बैठा दिया
महत्त्वपूर्ण लोग बैठते थे जबकि साधारण जनता खड़ी रहती थी।

न्याय के आसन पर
अधिकारिक निर्णय देने के लिए महत्त्वपूर्ण मनुष्य जिस आसन पर बैठता था। आपकी संस्कृति में इस कृत्य के लिए विशेष अभिव्यक्तियां होंगी।

एक चबूतरा था
पत्थर का विशेष मंच जहाँ केवल महत्त्वपूर्ण लोग ही जा सकते थे। उसकी संस्कृति में ऐसे विशिष्ट स्थान होंगे।

John 19:14

तब उसने यहूदियों से कहा
वैकल्पिक अनुवाद, "पिलातुस ने यहूदी अगुओं से कहा।"

John 19:25

उस चेले को जिससे वह प्रेम रखता था
इस सुसमाचार का लेखक यूहन्ना

हे नारी, देख यह तेरा पुत्र है
वैकल्पिक अनुवाद, "हे नारी, देख इस व्यक्ति को अपने पुत्र जैसा स्वीकार कर"।

यह तेरी माता है
वैकल्पिक अनुवाद, "इस नारी को अपनी माता स्वरूप ग्रहण कर"।

John 19:28

सिरका
दाखरस जिसे बहुत समय किण्वन के लिए रखा जाता था।

उन्होंने..... पर रखकर
"रोमी सैनिकों ने रखकर"

स्पंज
तरल पदार्थ को सोखने की वस्तु

प्राण त्याग दिए
यीशु ने अपनी आत्मा परमेश्वर को दे दी और देह को मरने दिया।

John 19:31

तैयारी
फसह के पूर्व का समय जब भोजन तैयार किया जाता था।

John 19:34

जिसने यह देखा
यह वाक्य कहानी से अलग है। लेखक (प्रेरित यूहन्ना) हमें बताता है कि वह कहां था और हम विश्वास कर सकते हैं कि जो उसने लिखा वह सच है।

John 19:38

यहूदियों के डर से
"यहूदी अगुवों के डर से"

सेर
देखें कि में आपने उसका अनुवाद कैसे किया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

John 19:2

पिलातुस ने यीशु को कोड़े लगवाए फिर सैनिकों ने उसके साथ क्या किया?
सैनिकों ने कांटों का मुकुट गूंथकर उसके सिर पर रखा और उसे बैंजनी वस्त्र पहनाया और उसके पास आकर कहने लगे, "हे यहूदियों के राजा, प्रणाम"। और उसे थप्पड़ भी मारे।

John 19:4

पिलातुस यीशु को सबके सामने क्यों लाया था?
पिलातुस यीशु को बाहर लाया कि लोगों पर प्रकट हो कि पिलातुस ने उसमें कोई दोष नहीं पाया।

John 19:5

पिलातुस उसे बाहर लाया तब वह क्या पहने हुए था?
यीशु कांटों का मुकुट और बैंजनी वस्त्र धारण किए हुए था।

John 19:6

यीशु को देखकर महायाजकों और उसके प्यादों ने चिल्लाकर क्या कहा?
उन्होंने चिल्लाकर कहा "उसे क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर"।

John 19:7

यहूदियों की किस बात से पिलातुस और भी डर गया?
यहूदियों ने पिलातुस से कहा, "हमारी भी व्यवस्था है और उस व्यवस्था के अनुसार वह मारे जाने के योग्य है क्योंकि उसने अपने आपको परमेश्वर का पुत्र बताया"।

John 19:9

पिलातुस ने यीशु से पूछा कि वह कहाँ का है तो यीशु ने क्या उत्तर दिया?
यीशु ने उत्तर नहीं दिया।

John 19:11

यीशु के शब्दों में पिलातुस को किसने अधिकार दिया था?
यीशु ने कहा, "यदि तुझे ऊपर से न दिया जाता तो तेरा मुझ पर कोई अधिकार न होता"।

John 19:12

पिलातुस यीशु को छोड़ना चाहता था परन्तु यहूदियों की किस बात ने उसे ऐसा करने से रोका?
यहूदी नारा लगा रहे थे, "यदि तू इसको छोड़ देगा तो तेरी भक्ति कैसर की ओर नहीं। जो कोई अपने आपको राजा बताता है वह कैसर का सामना करता है"।

John 19:15

इससे पहले कि पिलातुस यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए उनके हाथों में देता, महायाजकों ने अन्तिम बात क्या कही?
महायाजकों ने कहा, "कैसर को छोड़ हमारा और कोई राजा नहीं"।

John 19:17

उन्होंने यीशु को कहाँ क्रूस पर चढ़ाया?
उन्होंने यीशु को गुलगुता अर्थात खोपड़ी का स्थान में क्रूस पर चढ़ाया।

John 19:18

क्या उस दिन केवल यीशु ही क्रूस पर चढ़ाया गया था?
नहीं यीशु के साथ दो और अपराधी उसके दहिनी और बाई ओर क्रूस पर चढ़ाए गये।

John 19:19

पिलातुस ने यीशु के क्रूस लगाने वाले दोष पत्र पर क्या लिखा था?
उसके दोष पत्र पर लिखा था, "यीशु नासरी यहूदियों का राजा"।

John 19:20

यीशु का दोष पत्र कौन-कौन सी भाषाओं में लिखा था?
वह दोष इब्रानी, लतीनी और यूनानी में लिखा था।

John 19:23

यीशु के वस्त्रों के साथ सैनिकों ने क्या किया?
सैनिकों ने यीशु के वस्त्रों को चार भागों में बांट लिया, हर एक सैनिक के लिए एक भाग, परन्तु उन्होंने उसका बागा जो ऊपर से नीचे तक बिना जोड़ का था उसे फाड़ा नहीं, उस पर चिट्ठी डाली।

यीशु के वस्त्रों के साथ सैनिकों ने जो किया वह क्यों हुआ?
ऐसा इसलिए हुआ कि धर्मशास्त्र की बात पूरी हो, "उन्होंने मेरे कपड़े आपस में बांट लिए और मेरे वस्त्र पर चिट्ठी डाली"।

John 19:25

यीशु के क्रूस के पास कौन खड़ा था?
यीशु की माता और उसकी माता की बहन और क्लोपास की पत्नी मरियम, मरियम मगदलीनी और वह शिष्य जिसे यीशु प्रेम करता था क्रूस के पास खड़े थे।

John 19:26

यीशु ने अपनी माता और प्रिय शिष्य को निकट खड़ा देखकर क्या कहा?
यीशु ने कहा, "हे नारी, देख, यह तेरा पुत्र है"।

John 19:27

यीशु ने अपने प्रिय शिष्य से कहा, "यह तेरी माता है", तब उसने क्या किया?
उसी समय से वह चेला उसे अपने घर ले गया।

John 19:28

यीशु ने क्यों कहा, "मैं प्यासा हूं"।
यीशु ने यह धर्मशास्त्र की पूर्ति के निमित्त कहा था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 19:29

उसके मुंह के निकट लाए गए सिरके को पीकर यीशु ने क्या किया?
सिरका लेकर यीशु ने कहा, "पूरा हुआ", और सिर झुकाकर प्राण त्याग दिया।

John 19:31

यहूदियों ने पिलातुस से क्यों निवेदन किया कि दण्डित अपराधियों की टांगे तोड़ दी जाएं?
वह तैयारी का दिन था और सब्त के दिन पार्थिव देह क्रूस पर न रहे, यहूदियों ने पिलातुस से निवेदन किया कि अपराधियों की टांगे तोड़ कर उन्हें उतार लिया जाए।

John 19:33

सैनिकों ने यीशु की टांगे क्यों नहीं तोड़ी?
यीशु की टांगे नहीं तोड़ी गई क्योंकि वह मर चुका था।

John 19:34

यीशु को मृतक जानने के बाद भी एक सैनिक ने क्या किया?
एक सैनिक ने यीशु की पसलियों में भाला मारा।

John 19:35

यीशु के क्रूसीकरण की संपूर्ण घटना को जिसने देखा उसने क्यों गवाही दी?
जिस ने यह देखा, उसी ने गवाही दी है, और उस की गवाही सच्ची है कि तुम विश्वास करो।

John 19:36

यीशु की टांगे क्यों नहीं तोड़ी गई थी और उसे क्यों बेधा गया था?
यह सब इसलिए हुआ कि धर्मशास्त्र की बात पूरी हो, "उसकी कोई हड्डी तोड़ी न जाएगी" और यह भी लिखा है, "जिसे उन्होंने बेधा है उस पर वे दृष्टि करेंगे"।

John 19:38

यीशु के शव को ले जाने का निवदेन किसने किया था?
अरमतियाह के यूसुफ ने पिलातुस से निवदेन किया कि वह यीशु के शव को ले जाना चाहता है।

John 19:39

यीशु का शव लेने के लिए यूसुफ के साथ कौन आया था?
नीकुदेमुस भी अरमतियाह के यूसुफ के साथ आया था।

यीशु के शव के साथ अरमतियाह के यूसुफ और नीकुदेमुस ने क्या किया?
उन्होंने यीशु के शव को पचास सेर के लगभग गन्धरस और एल्वा लगाकर कपड़े में लपेट दिया और वहाँ निकट स्थित एक बारी की कब्र में रखा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 20

1 सप्ताह के पहले दिन मरियम मगदलीनी भोर को अंधेरा रहते ही कब्र पर आई, और पत्थर को कब्र से हटा हुआ देखा। **2** तब वह दौड़ी और शमौन पतरस और उस दूसरे चेले के पास जिससे यीशु प्रेम रखता था आकर कहा, “वे प्रभु को कब्र में से निकाल ले गए हैं; और हम नहीं जानतीं, कि उसे कहाँ रख दिया है।” **3** तब पतरस और वह दूसरा चेला निकलकर कब्र की ओर चले। **4** और दोनों साथ-साथ दौड़ रहे थे, परन्तु दूसरा चेला पतरस से आगे बढ़कर कब्र पर पहले पहुँचा। **5** और झुककर कपड़े पड़े देखे: तो भी वह भीतर न गया। **6** तब शमौन पतरस उसके पीछे-पीछे पहुँचा और कब्र के भीतर गया और कपड़े पड़े देखे। **7** और वह अँगोछा जो उसके सिर पर बन्धा हुआ था, कपड़ों के साथ पड़ा हुआ नहीं परन्तु अलग एक जगह लपेटा हुआ देखा। **8** तब दूसरा चेला भी जो कब्र पर पहले पहुँचा था, भीतर गया और देखकर विश्वास किया। **9** वे तो अब तक पवित्रशास्त्र की वह बात न समझते थे, कि उसे मरे हुओं में से जी उठना होगा। (भज. 16:10) **10** तब ये चेले अपने घर लौट गए।

11 परन्तु मरियम रोती हुई कब्र के पास ही बाहर खड़ी रही और रोते-रोते कब्र की ओर झुककर, **12** दो स्वर्गदूतों को उज्ज्वल कपड़े पहने हुए एक को सिरहाने और दूसरे को पैताने बैठे देखा, जहाँ यीशु का शव पड़ा था। **13** उन्होंने उससे कहा, “हे नारी, तू क्यों रोती है?” उसने उनसे कहा, “वे मेरे प्रभु को उठा ले गए और मैं नहीं जानती कि उसे कहाँ रखा है।” **14** यह कहकर वह पीछे फिरी और यीशु को खड़े देखा और न पहचाना कि यह यीशु है*। **15** यीशु ने उससे कहा, “हे नारी तू क्यों रोती है? किस को ढूँढ़ती है?” उसने माली समझकर उससे कहा, “हे श्रीमान, यदि तूने उसे उठा लिया है तो मुझसे कह कि उसे कहाँ रखा है और मैं उसे ले जाऊँगी।” **16** यीशु ने उससे कहा, “मरियम!” उसने पीछे फिरकर उससे इब्रानी में कहा, “रब्बूनी*!” अर्थात् ‘हे गुरु।’ **17** यीशु ने उससे कहा, “मुझे मत छू क्योंकि मैं अब तक पिता के पास ऊपर नहीं गया, परन्तु मेरे भाइयों के पास जाकर उनसे कह दे, कि मैं अपने पिता, और तुम्हारे पिता, और अपने परमेश्वर और तुम्हारे परमेश्वर के पास ऊपर जाता हूँ।” **18** मरियम मगदलीनी ने जाकर चेलों को बताया, “मैंने प्रभु को देखा और उसने मुझसे बातें कहीं।”

19 उसी दिन जो सप्ताह का पहला दिन था, संध्या के समय जब वहाँ के द्वार जहाँ चेले थे, यहूदियों के डर के मारे बन्द थे, तब यीशु आया और बीच में खड़ा होकर उनसे कहा, “तुम्हें शान्ति मिले।” **20** और यह कहकर उसने अपना हाथ और अपना पंजर उनको दिखाए: तब चेले प्रभु को देखकर आनन्दित हुए। **21** यीशु ने फिर उनसे कहा, “तुम्हें शान्ति मिले; जैसे पिता ने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं भी तुम्हें भेजता हूँ।” **22** यह कहकर उसने उन पर फूँका और उनसे कहा, “पवित्र आत्मा लो। **23** जिनके पाप तुम क्षमा करो* वे उनके लिये क्षमा किए गए हैं; जिनके तुम रखो, वे रखे गए हैं।”

24 परन्तु बारहों में से एक व्यक्ति अर्थात् थोमा जो दिदुमुस कहलाता है, जब यीशु आया तो उनके साथ न था। **25** जब और चेले उससे कहने लगे, “हमने प्रभु को देखा है,” तब उसने उनसे कहा, “जब तक मैं उसके हाथों में कीलों के छेद न देख लूँ, और कीलों के छेदों में अपनी उँगली न डाल लूँ, तब तक मैं विश्वास नहीं करूँगा।”

26 आठ दिन के बाद उसके चेले फिर घर के भीतर थे, और थोमा उनके साथ था, और द्वार बन्द थे, तब यीशु ने आकर और बीच में खड़ा होकर कहा, “तुम्हें शान्ति मिले।” **27** तब उसने थोमा से कहा, “अपनी उँगली यहाँ लाकर मेरे हाथों को देख और अपना हाथ लाकर मेरे पंजर में डाल और अविश्वासी नहीं परन्तु विश्वासी हो।” **28** यह सुन थोमा ने उत्तर दिया, “हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेश्वर!” **29** यीशु ने उससे कहा, “तूने तो मुझे देखकर विश्वास किया है? धन्य हैं वे जिन्होंने बिना देखे विश्वास किया।”

30 यीशु ने और भी बहुत चिन्ह चेलों के सामने दिखाए, जो इस पुस्तक में लिखे नहीं गए। **31** परन्तु ये इसलिए लिखे गए हैं, कि तुम विश्वास करो, कि यीशु ही परमेश्वर का पुत्र मसीह है: और विश्वास करके उसके नाम से जीवन पाओ।

John 20:1

x
यीशु के दफन के बाद यह तीसरा दिन है

सप्ताह के पहले दिन
वैकल्पिक अनुवाद, "रविवार के दिन"

दूसरे चेलें के पास जिससे यीशु प्रेम रखता था
यह वाक्यांश, यूहन्ना द्वारा संपूर्ण पुस्तक में उसके स्वयं के बारे में कहने की विधि है।

वे प्रभु को कब्र से निकाल ले गए
"किसी ने प्रभु को कब्र से निकाल लिया"

John 20:3

x
मरियम ने पतरस और यूहन्ना को बताया कि किसी ने यीशु का शव कब्र से निकाल लिया है।

दूसरा चेला
स्पष्ट है कि यूहन्ना अपना नाम लिखने की अपेक्षा स्वयं को इस प्रकार करता है तो वह उसकी विनम्रता है।

कपड़े पड़े देखे
यह यीशु का कफन था। दफन के लिए शव पर लपेटे गए कपड़े।

John 20:6

x
मरियम ने पतरस और यूहन्ना को अभी-अभी बताया कि यीशु का शव कब्र में नहीं है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मलमल के कपड़े
देखें कि आपने "कपड़े" का अनुवाद में कैसे किया है।

अंगोछा
सामान्यतः चेहरे पर से पसीना पोंछने का कपड़ा परन्तु इससे मृतक का मुंह भी ढांका जाता था।

John 20:8

x
पतरस और यूहन्ना आकर देखते हैं कि कब्र खाली है।

दूसरा चेला
यूहन्ना स्वयं का नाम लिखने की अपेक्षा इस प्रकार संबोधित करता है वो यह उसकी विनम्रता है।

देखा
पतरस ने देखा

John 20:11

x
पतरस और यूहन्ना घर लौट आए।

John 20:14

x
पतरस और यूहन्ना के प्रस्थान के बाद मरियम मगदलीनी वहीं थी।

उसे उठा लिया है
उसे अर्थात यीशु के शव को

John 20:16

रब्बूनी
रब्बूनी का अर्थ रब्बी या गुरू ही है। यह मरियम की भाषा का शब्द है जो अरामी मिश्रित इब्रानी थी।

John 20:19

उसी दिन जो सप्ताह का पहला दिन था।
यह रविवार था

तुम्हें शान्ति मिले
यह एक सामान्य अभिवादन था।

अपना हाथ और अपना पंजर उन्हें दिखाया
"उसने उन्हें अपने हाथ और पसलियों के घाव दिखाए"।

John 20:21

तुम्हें शान्ति मिले
की टिप्पणियां देखें

उनके लिए क्षमा किए गए हैं
"परमेश्वर क्षमा कर देगा"।

वे रखे गए हैं
"परमेश्वर क्षमा नहीं करेगा"

John 20:24

दिद्युस
दिद्युस - देखें इसका नाम का अनुवाद कैसे किया गया है,

जब अन्य चेले उससे कहने लगे
उससे अर्थात थोमा से

उसके हाथों में
उसके अर्थात यीशु के

John 20:26

चेले फिर
उसके अर्थात यीशु के

तुम्हें शान्ति मिले
की टिप्पणियां देखें

अविश्वासी
"विश्वास रहित" या "विश्वास से वंचित"

John 20:28

तुमने विश्वास किया है।
वैकल्पिक अनुवाद, "तूने विश्वास किया कि मैं जीवित हूं"

बिन देखे
वैकल्पिक अनुवाद, "जिन्होंने मुझे जीवित नहीं देखा है"

John 20:30

उसके नाम में जीवन
वैकल्पिक अनुवाद, "यीशु के द्वारा तुम्हें जीवन मिले"

Translation Questions

John 20:1

मरियम मगदलीनी यीशु की कब्र पर कब आई?
वह सप्ताह के पहले दिन यीशु की कब्र पर आई।

कब्र पर पहुंचकर मरियम मगदलीनी ने क्या देखा?
उसने देखा कि कब्र पर से पत्थर हटा हुआ है।

John 20:2

मरियम मगदलीनी ने उन दोनों शिष्यों से क्या कहा?
उसने कहा "वे प्रभु को कब्र से निकाल ले गए और हम नहीं जानते कि उसे कहाँ रखा है।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 20:3

मरियम मगदलीनी की बात पर पतरस और दूसरे चेले ने क्या किया?
वे दोनों भाग कर कब्र पर आए।

John 20:5

शमौन पतरस और उस दूसरे शिष्य ने कब्र में क्या देखा?
उन्होंने कपड़े वहाँ पड़े हुए देखे और जो अंगोछा सिर पर बंधा था वह अलग एक जगह लिपटा हुआ रखा देखा।

John 20:8

कब्र में उन्होंने जो देखा उस पर दूसरे शिष्य की क्या प्रतिक्रिया थी?
उसने देखा और विश्वास किया।

John 20:12

मरियम ने कब्र में झांक कर क्या देखा?
उसने वहाँ श्वेत वस्त्रों में दो स्वर्गदूत देखे एक उस स्थान के शीर्ष की ओर बैठा था और दूसरा वस्त्रों की ओर जहां यीशु का शव रखा था।

John 20:13

स्वर्गदूतों ने मरियम से क्या कहा?
उन्होंने उससे पूछा हे नारी तू क्यों रोती है?

John 20:14

मरियम ने मुड़कर देखा तो वहाँ कौन था?
उसने वहाँ यीशु को खड़ा देखा परन्तु पहचाना नहीं।

John 20:15

मरियम ने यीशु को क्या समझा?
उसने सोचा कि वह माली है।

John 20:16

मरियम ने यीशु को कब पहचाना?
उसने यीशु को तब पहचाना जब उसने उसका नाम लिया, "मरियम"।

John 20:17

यीशु ने मरियम को स्पर्श हेतु मना क्यों किया?
यीशु ने मरियम से कहा कि वह उसे न छूए क्योंकि वह अभी पिता के पास नहीं गया है।

यीशु ने मरियम के हाथ अपने भाइयों के लिए क्या सन्देश भेजा?
यीशु ने मरियम से कहा, "मेरे भाइयों के पास जाकर कह दे कि मैं अपने पिता और तुम्हारे पिता और अपने परमेश्वर और तुम्हारे परमेश्वर के पास ऊपर जाता हूं"।

John 20:19

सप्ताह के प्रथम दिन संध्या समय शिष्य एकत्र थे तब क्या हुआ?
यीशु आकर उनके मध्य खड़ा हो गया।

John 20:20

यीशु ने शिष्यों को क्या दिखाया?
उसने उन्हें अपने हाथ और पसलियां दिखाई।

John 20:21

यीशु ने अपने शिष्यों के साथ क्या किया?
यीशु ने कहा कि वह शिष्यों को वैसे ही भेज रहा है जैसे उसके पिता ने उसे भेजा था।

John 20:22

शिष्यों पर पवित्र आत्मा फूंकने के बाद यीशु ने अपने शिष्यों से क्या कहा?
यीशु ने उनसे कहा, "पवित्र आत्मा लो" जिनके पाप तुम क्षमा करो वे उनके लिए क्षमा किए गए है, जिनके तुम रखो, वे रखे गए हैं"।

John 20:24

जब शिष्यों के मध्य यीशु प्रकट हुआ तब एक शिष्य वहाँ नहीं था, वह कौन था?
थोमा जो दिदुमुस कहलाता है वह उस समय उनके साथ नहीं था, जब यीशु आया।

John 20:25

थोमा ने क्या कहा कि वह विश्वास करने के लिए करेगा?
थोमा ने कहा, "जब तक मैं उनके हाथों में कीलों के छेद न देख लूं और कीलों के छेदों में अपनी उंगली न डाल लूं और उसके पंजर में अपना हाथ न डाल लूं तब तक मैं विश्वास न करूंगा?

John 20:26

थोमा ने यीशु को कब देखा?
आठ दिन बाद चेले फिर घर के भीतर थे और थोमा उनके साथ था तब यीशु बन्द द्वार से प्रवेश करके उनके मध्य उपस्थित हुआ।

John 20:27

यीशु ने थोमा से क्या करने को कहा?
यीशु ने थोमा से कहा, "अपनी उंगली यहां लाकर मेरे हाथों को देख और अपना हाथ लाकर मेरे पंजर में डाल और अविश्वासी नहीं परन्तु विश्वासी हो"।

John 20:28

थोमा ने यीशु से क्या कहा?
थोमा ने कहा, "हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेश्वर"।

John 20:29

यीशु ने किसको धन्य कहा?
यीशु ने कहा, "धन्य हैं वे जिन्होंने बिना देखे विश्वास किया"।

John 20:30

क्या यीशु ने वे चिन्ह भी दिखाए जो इस पुस्तक में नहीं लिखे हैं?
जी हां, यीशु ने शिष्यों की उपस्थिति में और भी अनेक चिन्ह दिखाए जो यूहन्ना की पुस्तक में नहीं लिखे गए हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 20:31

इस पुस्तक में चिन्हों की चर्चा क्यों की गई है?
वे इसलिए लिखे गए हैं कि तुम विश्वास करो कि यीशु ही परमेश्वर का पुत्र मसीह है।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 21

1 इन बातों के बाद यीशु ने अपने आप को तिबिरियुस झील के किनारे चेलों पर प्रगट किया और इस रीति से प्रगट किया। **2** शमौन पतरस और थोमा जो दिदुमुस कहलाता है, और गलील के काना नगर का नतनएल और जब्दी के पुत्र, और उसके चेलों में से दो और जन इकट्ठे थे। **3** शमौन पतरस ने उनसे कहा, “मैं मछली पकड़ने जाता हूँ।” उन्होंने उससे कहा, “हम भी तेरे साथ चलते हैं।” इसलिए वे निकलकर नाव पर चढ़े, परन्तु उस रात कुछ न पकड़ा। **4** भोर होते ही यीशु किनारे पर खड़ा हुआ; फिर भी चेलों ने न पहचाना कि यह यीशु है। **5** तब यीशु ने उनसे कहा, “हे बालकों, क्या तुम्हारे पास कुछ खाने को है?” उन्होंने उत्तर दिया, “नहीं।” **6** उसने उनसे कहा, “नाव की दाहिनी ओर जाल डालो, तो पाओगे।” तब उन्होंने जाल डाला, और अब मछलियों की बहुतायत के कारण उसे खींच न सके। **7** इसलिए उस चेले ने जिससे यीशु प्रेम रखता था पतरस से कहा, “यह तो प्रभु है*।” शमौन पतरस ने यह सुनकर कि प्रभु है, कमर में अंगरखा कस लिया, क्योंकि वह नंगा था, और झील में कूद पड़ा। **8** परन्तु और चेले डोंगी पर मछलियों से भरा हुआ जाल खींचते हुए आए, क्योंकि वे किनारे से अधिक दूर नहीं, कोई दो सौ हाथ पर थे। **9** जब किनारे पर उतरे, तो उन्होंने कोयले की आग, और उस पर मछली रखी हुई, और रोटी देखी। **10** यीशु ने उनसे कहा, “जो मछलियाँ तुम ने अभी पकड़ी हैं, उनमें से कुछ लाओ।” **11** शमौन पतरस ने डोंगी पर चढ़कर एक सौ तिरपन बड़ी मछलियों से भरा हुआ जाल किनारे पर खींचा, और इतनी मछलियाँ होने पर भी जाल न फटा। **12** यीशु ने उनसे कहा, “आओ, भोजन करो।” और चेलों में से किसी को साहस न हुआ, कि उससे पूछे, “तू कौन है?” क्योंकि वे जानते थे कि यह प्रभु है। **13** यीशु आया, और रोटी लेकर उन्हें दी, और वैसे ही मछली भी। **14** यह तीसरी बार है, कि यीशु ने मरे हुओं में से जी उठने के बाद चेलों को दर्शन दिए।

15 भोजन करने के बाद यीशु ने शमौन पतरस से कहा, “हे शमौन, यूहन्ना के पुत्र, क्या तू इनसे बढ़कर मुझसे प्रेम रखता है?” उसने उससे कहा, “हाँ प्रभु; तू तो जानता है, कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूँ।” उसने उससे कहा, “मेरे मेम्नों को चरा।” **16** उसने फिर दूसरी बार उससे कहा, “हे शमौन यूहन्ना के पुत्र, क्या तू मुझसे प्रेम रखता है?” उसने उनसे कहा, “हाँ, प्रभु तू जानता है, कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूँ।” उसने उससे कहा, “मेरी भेड़ों* की रखवाली कर।” **17** उसने तीसरी बार उससे कहा, “हे शमौन, यूहन्ना के पुत्र, क्या तू मुझसे प्रीति रखता है?” पतरस उदास हुआ, कि उसने उसे तीसरी बार ऐसा कहा, “क्या तू मुझसे प्रीति रखता है?” और उससे कहा, “हे प्रभु, तू तो सब कुछ जानता है: तू यह जानता है कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूँ।” यीशु ने उससे कहा, “मेरी भेड़ों को चरा। **18** मैं तुझ से सच-सच कहता हूँ, जब तू जवान था, तो अपनी कमर बाँधकर जहाँ चाहता था, वहाँ फिरता था; परन्तु जब तू बूढ़ा होगा, तो अपने हाथ लम्बे करेगा, और दूसरा तेरी कमर बाँधकर जहाँ तू न चाहेगा वहाँ तुझे ले जाएगा।” **19** उसने इन बातों से दर्शाया कि पतरस कैसी मृत्यु से परमेश्वर की महिमा करेगा; और यह कहकर, उससे कहा, “मेरे पीछे हो ले।”

20 पतरस ने फिरकर उस चेले को पीछे आते देखा, जिससे यीशु प्रेम रखता था, और जिस ने भोजन के समय उसकी छाती की और झुककर पूछा “हे प्रभु, तेरा पकड़वानेवाला कौन है?” **21** उसे देखकर पतरस ने यीशु से कहा, “हे प्रभु, इसका क्या हाल होगा?” **22** यीशु ने उससे कहा, “यदि मैं चाहूँ कि वह मेरे आने तक ठहरा रहे, तो तुझे क्या? तू मेरे पीछे हो ले।” **23** इसलिए भाइयों में यह बात फैल गई, कि वह चेला न मरेगा; तो भी यीशु ने उससे यह नहीं कहा, कि यह न मरेगा, परन्तु यह कि “यदि मैं चाहूँ कि यह मेरे आने तक ठहरा रहे, तो तुझे इससे क्या?”

24 यह वही चेला है, जो इन बातों की गवाही देता है* और जिस ने इन बातों को लिखा है और हम जानते हैं, कि उसकी गवाही सच्ची है। **25** और भी बहुत से काम हैं, जो यीशु ने किए; यदि वे एक-एक करके लिखे जाते, तो मैं समझता हूँ, कि पुस्तकें जो लिखी जातीं वे जगत में भी न समातीं।

John 21:4

भोर होते ही
"उजाला होने लगा था"

John 21:7

(क्योंकि वह नंगा था)
यह अतिरिक्त जानकारी है।

(वे किनारे से अधिक दूर नहीं थे कोई दो सौ हाथ पर थे।)
यह अतिरिक्त जानकारी है।

दो सौ हाथ
"नब्बे मीटर" एक हाथ आधे मीटर से कुछ कम होता है।

John 21:15

मेरे मेमनों को चरा
वैकल्पिक अनुवाद, "मेरे लोगों को जिनकी मैं सुधि लेता हूं, उनका पोषण कर"।

मेरी भेड़ों की रखवाली कर
वैकल्पिक अनुवाद "जिन लोगों की मैं सुधि लेता हूं उनकी रखवाली कर"

John 21:17

मेरी भेड़ों को चरा
वैकल्पिक अनुवाद "जिन लोगों की मैं सुधि लेता हूं उनकी रखवाली कर"

मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ
उसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

John 21:20

भोजन के समय
अन्तिम भोज के समय (देखें: यूह.)

उसे पतरस ने देखा
"उसे" अर्थात जिस शिष्य से यीशु प्रेम रखता था उसे देखकर

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 21:22

वह ..... ठहरे रहे
यूह. 21:20 में "वह" अर्थात जिस शिष्य से यीशु प्रेम करता था।

मेरे आने तक
यीशु का पुनः आगमन स्वर्ग से उसका लौट आना

तुझे इससे क्या
वैकल्पिक अनुवाद, "तू इसकी चिन्ता न कर"

John 21:24

यह वही चेला है जो इन बातों की गवाही देता है और जिसने इन बातों को लिखा है।
शिष्य यूहन्ना

हम जानते हैं
हम कलीसिया में जानते हैं

पुस्तकें जो लिखी जाती हैं वे संसार में न समाती
x

Translation Questions

John 21:1

यीशु जब फिर से शिष्यों पर प्रकट हुआ तब शिष्य कहाँ थे?
शिष्य तिबिरियास की झील पर थे तब यीशु उन पर फिर प्रकट हुआ।

John 21:2

तिबिरियास की झील पर कौन-कौन थे?
शमौन पतरस, थोमा जो दिदुमुस कहलाता था और गलील के काना नगर का नतनएल और जबदी के पुत्र और उसके चेलों में से दो और तिबिरियास झील पर थे।

John 21:3

शिष्य क्या कर रहे थे?
वे पूरी रात व्यर्थ में मछली पकड़ते रहे।

John 21:6

यीशु ने शिष्यों से क्या करने को कहा?
यीशु ने उनसे कहा कि वे नाव की दाहिनी ओर जाल डालें तो पाएंगे।

शिष्यों ने जाल डाला तो क्या हुआ?
मछलियों की बहुतायत के कारण वे जाल को खींच नहीं पाए।

John 21:7

यीशु के प्रिय शिष्य ने कहा कि वह यीशु है तो पतरस ने क्या किया?
उसने अंगरखा कमर में बांधा और झील में कूद पड़ा।

John 21:8

अन्य शिष्यों ने क्या किया?
अन्य शिष्य डोंगी पर मछलियों से भरा जाल खींचते हुए आए।

John 21:10

यीशु ने शिष्यों से कौन से दो काम करने को कहे?
यीशु ने शिष्यों से कहा कि पकड़ी हुई मछलियों में से कुछ लेकर आएं और उसके साथ नाश्ता करें।

John 21:12

यीशु ने शिष्यों से कौन से दो काम करने को कहे?
यीशु ने शिष्यों से कहा कि पकड़ी हुई मछलियों में से कुछ लेकर आएं और उसके साथ नाश्ता करें।

John 21:14

पुनरूत्थान के बाद जब यीशु यहां शिष्यों पर प्रकट हुआ तो वह कितनी बार हुआ था?
पुनरूत्थान के बाद यहां तीसरी बार यीशु शिष्यों पर प्रकट हुआ था?

John 21:15

नाश्ते के बाद यीशु ने पतरस से क्या पूछा था?
यीशु ने पतरस से पूछा, "हे शमौन यूहन्ना के पुत्र क्या तू इनसे बढ़कर मुझ से प्रेम रखता है और उसने दो बार और उससे पूछा, ”क्या तू मुझसे प्रेम रखता है"?

John 21:17

हर बार जब यीशु ने पतरस से पूछा कि वह उससे प्रेम करता है तब पतरस का उत्तर क्या था?
हर एक प्रश्न का उत्तर पतरस ने यही दिया, "हां प्रभु, तू जानता है कि मैं तुझसे प्रीति रखता हूं"।

हर बार पतरस यीशु के प्रश्न का सकारात्मक उत्तर देता है तो यीशु हर बार उससे क्या कहता है?
पहली बार यीशु ने पतरस से कहा, "मेरे मेमनों को चराए" दूसरी बार यीशु ने कहा, "मेरी भेड़ों की रखवाली करना" और तीसरी बार यीशु ने कहा, "मेरी भेड़ों को चरा"।

John 21:18

यीशु ने पतरस से क्या कहा कि उसकी वृद्धावस्था में उसके साथ होगा?
यीशु ने पतरस से कहा कि जब वह वृद्ध हो जायेगा तब वह हाथ फैलाएगा और दूसरा उसकी कमर बांधकर जहां वह नहीं चाहेगा वहाँ उसे ले जायेगा।

John 21:19

यीशु ने पतरस की वृद्धावस्था की चर्चा क्यों की थी?
इन बातों से यीशु ने संकेत दिया कि पतरस की मृत्यु कैसी होगी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

John 21:20

इस पुस्तक का लेखक कौन है और वह किसकी गवाही देता है?
जिस शिष्य से यीशु प्रेम रखता था उसने यह पुस्तक लिखी है और गवाही देता है कि इसमें व्यक्त सब घटनाएं सच हैं।

John 21:22

यीशु जिस शिष्य से प्रेम रखता था उसके बारे में पतरस ने यीशु से क्या पूछा?
पतरस ने यीशु से पूछा, "हे प्रभु इसका क्या हाल होगा"?

"हे प्रभु इसका क्या हाल होगा"? पतरस के इस प्रश्न पर यीशु ने पतरस से क्या कहा?
यीशु ने पतरस से कहा, "तू मेरे पीछे होले"।

John 21:24

इस पुस्तक का लेखक कौन है और वह किसकी गवाही देता है?
जिस शिष्य से यीशु प्रेम रखता था उसने यह पुस्तक लिखी है और गवाही देता है कि इसमें व्यक्त सब घटनाएं सच हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: Acts

Acts

Chapter 1

1 हे थियुफिलुस, मैंने पहली पुस्तिका उन सब बातों के विषय में लिखी, जो यीशु ने आरम्भ किया और करता और सिखाता रहा, **2** उस दिन तक जब वह उन
प्रेरितों को जिन्हें उसने चुना था, पवित्र आत्मा के द्वारा आज्ञा देकर ऊपर उठाया न गया। **3** और उसने दुःख उठाने के बाद बहुत से पक्के प्रमाणों से अपने आप
को उन्हें जीवित दिखाया, और चालीस दिन तक वह उन्हें दिखाई देता रहा, और परमेश्वर के राज्य की बातें करता रहा।

4 और चेलों से मिलकर उन्हें आज्ञा दी, "यरूशलेम को न छोड़ो, परन्तु पिता की उस प्रतिज्ञा के पूरे होने की प्रतीक्षा करते रहो, जिसकी चर्चा तुम मुझसे सुन चुके
हो। (लूका 24:49) **5** क्योंकि यूहन्ना ने तो पानी में बपतिस्मा दिया है परन्तु थोड़े दिनों के बाद तुम पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाओगे।" (मत्ती 3:11)

6 अतः उन्होंने इकट्ठे होकर उससे पूछा, "हे प्रभु, क्या तू इसी समय इस्राएल का राज्य पुनः स्थापित करेगा?" **7** उसने उनसे कहा, "उन समयों या कालों को
जानना, जिनको पिता ने अपने ही अधिकार में रखा है, तुम्हारा काम नहीं। **8** परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ्य पाओगे*; और यरूशलेम
और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होंगे।"

9 यह कहकर वह उनके देखते-देखते ऊपर उठा लिया गया, और बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। (भज. 47:5) **10** और उसके जाते समय जब वे
आकाश की ओर ताक रहे थे, तब, दो पुरुष श्वेत वस्त्र पहने हुए उनके पास आ खड़े हुए। **11** और कहने लगे, "हे गलीली पुरुषों, तुम क्यों खड़े स्वर्ग की ओर देख
रहे हो? यही यीशु, जो तुम्हारे पास से स्वर्ग पर उठा लिया गया है, जिस रीति से तुम ने उसे स्वर्ग को जाते देखा है उसी रीति से वह फिर आएगा।" (1 थिस्स.
4:16)

12 तब वे जैतून नामक पहाड़ से जो यरूशलेम के निकट एक सब्त के दिन की दूरी पर है, यरूशलेम को लौटे। **13** और जब वहाँ पहुँचे तो वे उस अटारी पर
गए, जहाँ पतरस, यूहन्ना, याकूब, अन्द्रियास, फिलिप्पुस, थोमा, बरतुल्मै, मत्ती, हलफई का पुत्र याकूब, शमौन जेलोतेस और याकूब का पुत्र यहूदा रहते थे।
14 ये सब कई स्त्रियों और यीशु की माता मरियम और उसके भाइयों के साथ एक चित्त होकर* प्रार्थना में लगे रहे।

15 और उन्हीं दिनों में* पतरस भाइयों के बीच में जो एक सौ बीस व्यक्ति के लगभग इकट्ठे थे, खड़ा होकर कहने लगा। **16** "हे भाइयों, अवश्य था कि
पवित्रशास्त्र का वह लेख पूरा हो, जो पवित्र आत्मा ने दाऊद के मुख से यहूदा के विषय में जो यीशु के पकड़ने वालों का अगुआ था, पहले से कहा था। (भज.
41:9)

17 क्योंकि वह तो हम में गिना गया, और इस सेवकाई में भी सहभागी हुआ। **18** (उसने अधर्म की कमाई से एक खेत मोल लिया; और सिर के बल गिरा, और
उसका पेट फट गया, और उसकी सब अंतड़ियाँ निकल गईं। **19** और इस बात को यरूशलेम के सब रहनेवाले जान गए, यहाँ तक कि उस खेत का नाम उनकी
भाषा में 'हकलदमा' अर्थात् 'लहू का खेत' पड़ गया।)

20 क्योंकि भजन संहिता में लिखा है,

'उसका घर उजड़ जाए,
और उसमें कोई न बसे'
और 'उसका पद कोई दूसरा ले ले।' (भज. 69:25, भज. 109:8)

21 इसलिए जितने दिन तक प्रभु यीशु हमारे साथ आता जाता रहा, अर्थात् यूहन्ना के बपतिस्मा से लेकर उसके हमारे पास से उठाए जाने तक, जो लोग बराबर
हमारे साथ रहे, **22** उचित है कि उनमें से एक व्यक्ति हमारे साथ उसके जी उठने का गवाह हो जाए।" **23** तब उन्होंने दो को खड़ा किया, एक यूसुफ को, जो
बरसब्बास कहलाता है, जिसका उपनाम यूस्तुस है, दूसरा मत्तियाह को।

24 और यह कहकर प्रार्थना की, "हे प्रभु, तू जो सब के मन को जानता है, यह प्रगट कर कि इन दोनों में से तूने किस को चुना है, **25** कि वह इस सेवकाई और
प्रेरिताई का पद ले, जिसे यहूदा छोड़कर अपने स्थान को गया।" **26** तब उन्होंने उनके बारे में चिट्ठियाँ डाली, और चिट्ठी मत्तियाह के नाम पर निकली, अतः वह
उन ग्यारह प्रेरितों के साथ गिना गया।

Acts 1:1

हे थियुफिलुस, मैंने अपनी पहली पुस्तिका
पहली पुस्तिका का आशय लूका रचित सुसमाचार से है।

हे थियुफिलुस
यह पुस्तिका लूका ने थियुफिलुस नामक व्यक्ति को लिखी थी। उसे संबोधित करने के लिए उसने "हे" शब्द का प्रयोग किया है। कुछ अनुवादों में संस्कृति उपयुक्त संबोधनों का प्रयोग करते हुए वाक्य के आरम्भ में "प्रिय थियुफिलुस" जैसे संबोधन का प्रयोग किया गया है। थियुफिलुस का शाब्दिक अर्थ "परमेश्वर का मित्र" होता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उस दिन तक जब वह ....ऊपर न उठाया गया
इसका आशय यीशु मसीह के स्वर्गारोहण से है।

पवित्र आत्मा के द्वारा आज्ञा देकर
विशिष्ट कार्यों में शिष्यों की अगुवाई के निमित्त पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था।

उसने दुःख उठाने के बाद
यह क्रूस पर उठाये गए यीशु के कष्टों व उसकी मृत्यु के विषय में है।

अपने आप को उन्हें जीवित दिखाया
12 मूल शिष्यों के अतिरिक्त यीशु बहुत से अन्य लोगों पर भी प्रकट हुआ था।

Acts 1:4

और उनसे मिलकर..
अर्थात यीशु जब उनसे मिला।

उनसे मिलकर...
"उनसे" का आशय यहाँ पर 11 शिष्यों से है।

उसने उन्हें यरूशलेम न छोड़ने की आज्ञा दी।
"और उनसे मिलकर उन्हें आज्ञा दी, यरुशलेम को न छोडो।" इसे हम सीधे उद्धरण के समान भी अनुदित कर सकते हैं, जैसा कि यूडीबी में किया गया है।

पिता की उस प्रतिज्ञा
इसका आशय पवित्र आत्मा से है।

पानी से बपतिस्मा दिया.....पवित्रात्मा से बपतिस्मा
यीशु यहाँ यूहन्ना द्वारा दिए जानेवाले पानी के बपतिस्मे की तुलना परमेश्वर द्वारा दिए जाने वाले बपतिस्मे से करते हैं जो कि पवित्र आत्मा के साथ दिया जाएगा।

यूहन्ना ने तो पानी में बपतिस्मा दिया
जिन भाषाओं में "बपतिस्मा" को किसी वस्तु के साथ दिया जाना होता है, वहाँ हम ऐसे भी लिख सकते हैं कि, "यूहन्ना ने लोगों को पानी के साथ बपतिस्मा दिया" अथवा, "यूहन्ना ने उन्हें पानी से बपतिस्मा दिया।"

बपतिस्मा पाओगे
अनुवाद करते समय इसे सक्रिय क्रिया के साथ भी अनूदित किया जा सकता है: "परमेश्वर तुम्हे बप्तिस्मा देगा।"

Acts 1:6

क्या तू इसी समय इस्राएल राज्य को फेर देगा
क्या तू इसी समय इस्राएल राज्य को फेर देगा -"क्या तू इस्राएल को फिर से एक सामर्थी राज्य बना देगा?"

समय या कालों
"समय या दिनों"

तब तुम सामर्थ्य पाओगे
"तुम आत्मिक रूप से दृढ़ किये जाओंगे।"

मेरे गवाह होगे
यह सामर्थ पाने का परिणाम है। इसका अनुवाद करते समय "मेरे गवाह होने के लिए" भी लिख सकते हैं और बता सकते हैं कि सामर्थ पाने का उद्देश्य यही था।

पृथ्वी के छोर तक
"पूरे संसार में" अथवा "पृथ्वी के सुदूर प्रदेशों में भी"।

Acts 1:9

उनके देखते-देखते
"उसके शिष्य आकाश की ओर देख रहे थे कि"

बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया
"वह बादलों में चला गया, और एक बादल ने उसे छिपा लिया और उसे आँखों से ओझल कर दिया।"

वे आकाश की ओर ताक रहे थे
"आकाश की ओर टकटकी लगाये थे" अथवा "वे आकाश की ओर एकटक देख रहे थे"

हे गलीली पुरुषों
विशेषकर "तुम शिष्यों।" हालाँकि स्वर्गदूतों ने बातचीत शिष्यों से की थी, लेकिन अन्य पदों से इस बात के संकेत मिलते हैं कि इस घटना के समय दूसरे स्त्री व पुरुष भी मौजूद थे।

तुम क्यों खड़े स्वर्ग की ओर देख रहे हो?
यूडीबी के समान इस आलंकारिक प्रश्न को एक कथन के रूप में अभी अनूदित किया जा सकता है।

Acts 1:12

तब वे..... लौटे गए
अर्थात "तब शिष्य.....लौटे गए"

एक सब्त के दिन की दूरी पर है
सब्त के दिन लोगों को काम करने से रोकने हेतु फरीसियों द्वारा बनाया गया नियम।

जब वहाँ पहुंचे
"जब वे यरूशलेम में स्थित अपने गंतव्य स्थान पर पहुंचे"

ऊपरी कोठरी
घर में ऊपर की सतह पर बनाया गया कमरा।

शमौन जेलोतेस
'शमौन देशभक्त।" उस समय बहुत से जेलोतेस थे, लेकिन शमौन ही केवल अकेला ऐसा शिष्य था जो कि जेलोतेस था। जेलोतेस इस्राएल पर रोमियों का शासन समाप्त करना चाहते थे।

उनमें एकता थी।
उनका दल एक था और उनमे किसी प्रकार का कोई मतभेद या मनमुटाव नहीं था।

एक चित्त होकर प्रार्थना करने लगे
"स्वयं को प्रार्थना के लिए समर्पित कर दिया"

Acts 1:15

उन्हीं दिनों
"यीशु मसीह के स्वर्ग में जाने के कुछ ही दिनों बाद"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

भाइयों के बीच में
“भाइयों” शब्द का प्रयोग अधिकतर संगी विश्वासियों के लिए होता है और इसमें स्त्री व पुरुष दोनों शामिल हैं।

अवश्य था कि पवित्र शास्त्र का वह लेख पूरा हो
पतरस यहाँ विशेष रूप से यहूदा से जुड़ी भविष्यद्वाणियों के विषय में कह रहा है।

दाऊद के मुख से
“दाऊद के शब्दों से।” “मुख” शब्द यहाँ “शब्दों” के लिए प्रयुक्त हुआ है हालाँकि दाऊद ने उन्हें लिखा था।

Acts 1:17

x
में शुरू की गयी अपनी बात को पतरस आगे बढाता है

उसकी अधर्म की
अर्थात “यीशु के शत्रुओं द्वारा उसे पकड़वाने का अधर्म से भरा कार्य।” इससे यह स्पष्ट हो जायेगा कि कौन से “अधर्म” की बात हो रही है।

और सिर के बल गिरा, और उसका पेट फट गया, और उसकी सब अंतड़ियां निकल पड़ी।
और इसी खेत पर यहूदा घातक रूप से सिर के बल गिरा और उसका शरीर फट कर खुल गया। वचन के दूसरे हिस्सों में उसके द्वारा फांसी लगा कर आत्महत्या करने के उल्लेख हैं।

इस बात को यरूशलेम के सब रहनेवाले जान गए यह लहू का खेत।
इस मृत्यु के कारण लोग उस खेत को नए नाम से संबोधित करने लगे।

Acts 1:20

x
में शुरू की गयी अपनी बात को पतरस आगे बढाता है

क्योंकि भजन संहिता में लिखा है
यहूदा की इस घटना का विस्तृत ब्यौरा देते समय पतरस को भजन संहिता के कुछ पद याद आ रहे हैं जो कि उसके अनुसार वर्तमान स्थिति से सम्बंधित है।

भजन संहिता
अनुवाद करते समय हम “भजन पुस्तिका” अथवा “गीत-संहिता” भी लिख सकते हैं। यह पुस्तक वचन का एक हिस्सा है।

उसका घर उजड़ जाए
घर उजड़ने का आशय यहाँ घर के मालिक की मृत्यु से है।

और उसमें कोई न बसे
अर्थात, यह भूमि अशुद्ध है; रहने के योग्य नहीं है।

और उसका पद कोई दूसरा ले ले
“उसका पद किसी दूसरे को मिल जाए”

Acts 1:21

x
में शुरू की गयी अपनी बात को पतरस आगे बढाता है

इसलिए...
पतरस यहाँ बतानेवाला है कि भजन संहिता के उन पदों का सन्दर्भ उसने क्यों दिया था और उसके विषय में अब उन्हें क्या करना चाहिए।

जो लोग बराबर हमारे साथ रहे, उचित है कि उनमें से एक व्यक्ति हमारे साथ उसके जी उठने का गवाह हो जाए
पतरस यहाँ यहूदा के स्थान पर प्रेरित नियुक्त होनेवाले व्यक्ति की अपेक्षित योग्यताओं के विषय में कह रहा है।

तब उन्होंने दो को खड़ा किया
यहूदा के स्थान पर नियुक्ति करते समय उन्हें दो योग्य व्यक्ति मिलते हैं।

एक युसूफ को, जो बर-सबा कहलाता है, जिसका उपनाम यूस्तुस है
युसूफ को बर-सबा व यूस्तुस के नाम से भी जाना जाता था।

Acts 1:24

और यह कह कर प्रार्थना की
“तब विश्वासियों ने प्रार्थना की”

हे प्रभु, तू जो सबके मन को जानता है
अर्थात, “हे प्रभु, तू जो सबके भीतर की प्रेरणाओं और विचारों को जानता है”

यह प्रगट कर कि इन दोनों में से तूने किस को चुना है कि वह इस सेवकाई और प्रेरिताई का पद ले
यह प्रगट कर कि इन दोनों में तूने किसको चुना है कि वह इस सेवकाई और प्रेरिताई का पद ले - “इसलिए, हे परमेश्वर, हमें दिखा कि प्रेरितों के बीच खाली हुए इस स्थान के लिए तूने किसे चुना है।”

जिसे यहूदा छोड़ कर अपने स्थान को गया
यीशु को धोखा देकर, भाग जाने और मर जाने के बाद खाली हुए यहूदा के स्थान को भरने के लिए

उनके बारे में चिट्ठियाँ डाली
ऐसा उन्होंने युसूफ और मत्तियाह के बीच चुनाव करने के लिए किया।

चिट्ठी मत्तियाह के नाम पर निकली
चिट्ठी ने संकेत दिया कि मत्तियाह को चुना जाना चाहिए।

अतः वह उन ग्यारह प्रेरितों के साथ गिना गया।
“प्रेरितों ने उसे भी एक प्रेरित गिना”

Translation Questions

Acts 1:1

नये नियम की कौन सी दो पुस्तकें लूका ने लिखीं?
लूका ने लूका रचित सुसमाचार और प्रेरितों के कार्य लिखीं।

Acts 1:3

दुख उठाने के बाद यीशु ने चालीस दिन तक क्या किया?
चालीस दिन तक वह प्रेरितों को जीवित दिखाई देता रहा, और परमेश्वर के राज्य की बातें करता रहा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 1:4

यीशु ने प्रेरितों को किस बात की बाट जोहते रहने की आज्ञा दी?
यीशु ने प्रेरितों को पिता की प्रतिज्ञा की बाट जोहते रहने की आज्ञा दी।

Acts 1:5

थोड़े दिनों में प्रेरितों को किससे बपतिस्मा मिलने वाला था?
प्रेरितों को पवित्र-आत्मा से बपतिस्मा मिलने वाला था।

Acts 1:7

जब प्रेरितों ने राज्य को फेर देने की बात का समय पूछा तो यीशु ने उनको किस प्रकार उत्तर दिया?
यीशु ने उनको उत्तर दिया कि उसे समयों या कालों को जानना उनका काम नहीं।

Acts 1:8

यीशु ने प्रेरितों से क्या कहा कि वे पवित्र-आत्मा से क्या पायेंगे?
यीशु ने प्रेरितों से कहा कि वे पवित्र-आत्मा से सामर्थ्य पायेंगे।

यीशु ने कहाँ तक बताया की प्रेरित उसके गवाह होंगे?
यीशु ने कहा की उसके प्रेरित यहूदिया, सामरिया और पृथ्वी की छोर तक उसके गवाह होंगे।

Acts 1:9

यीशु अपने प्रेरितों से किस प्रकार अलग हुआ?
यीशु को ऊपर उठा लिया गया और बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

Acts 1:11

स्वर्गदूतों ने क्या कहा कि यीशु फिर से पृथ्वी पर कैसे आयेगा?
स्वर्गदूतों ने कहा कि यीशु उसी रीति से फिर से आयेगा जैसे वह स्वर्ग को गया है।

Acts 1:14

अटारी पर प्रेरित, स्त्रियाँ, मरियम और यीशु के भाई क्या कर रहे थे?
वे एक चित्त होकर प्रार्थना कर रहे थे।

Acts 1:16

यहूदा जिसने यीशु के साथ विश्वासघात किया, उसके जीवन से क्या बात पूरी हुई थी?
यहूदा द्वारा पवित्र-शास्त्र का लेख पूरा हुआ।

Acts 1:18

यीशु के साथ विश्वासघात करने के लिए रुपए पाने के बाद यहूदा का क्या हुआ?
यहूदा ने एक खेत मोल लिया, सिर के बल गिरा, उसका पेट फट गया और उसकी सब अन्तड़ियाँ बाहर निकल पड़ीं।

Acts 1:20

भजनसंहिता की पुस्तक के अनुसार यहूदा की अगुवाई के पद का क्या होना चाहिए?
भजनसंहिता में लिखा है कि यहूदा की अगुवाई का पद किसी और को ले लेना चाहिए।

Acts 1:21

वह व्यक्ति जो यहूदा की अगुवाई का पद लेगा उसके लिए क्या आवश्यक था?
पद लेने वाला व्यक्ति यूहन्ना के बपतिस्मा लेने के समय से प्रेरितों के साथ रहा हो और यीशु के जी उठने का गवाह रहा हो।

Acts 1:24

प्रेरितों ने किस प्रकार तय किया कि दो उम्मीदवारों में से किसको यहूदा का पद लेना चाहिए?
प्रेरितों ने प्रार्थना की कि परमेश्वर अपना चुनाव प्रगट करे और फिर उन्होंने चिट्ठियाँ डालीं।

Acts 1:26

फिर किसको ग्यारह प्रेरितों के साथ गिना गया?
मत्तियाह ग्यारह प्रेरितों के साथ गिना गया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 जब पिन्तेकुस्त का दिन* आया, तो वे सब एक जगह इकट्ठे थे। (लैव्य. 23:15-21, व्य. 16:9-11) **2** और अचानक आकाश से बड़ी आँधी के समान
सनसनाहट का शब्द हुआ, और उससे सारा घर जहाँ वे बैठे थे, गूँज गया। **3** और उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ
ठहरी। **4** और वे सब पवित्र आत्मा से भर गए*, और जिस प्रकार आत्मा ने उन्हें बोलने की सामर्थ्य दी, वे अन्य-अन्य भाषा बोलने लगे।

5 और आकाश के नीचे की हर एक जाति में से भक्त-यहूदी यरूशलेम में रहतें थे। **6** जब वह शब्द सुनाई दिया, तो भीड़ लग गई और लोग घबरा गए, क्योंकि हर
एक को यही सुनाई देता था, कि ये मेरी ही भाषा में बोल रहे हैं। **7** और वे सब चकित और अचम्भित होकर कहने लगे, "देखो, ये जो बोल रहे हैं क्या सब गलीली
नहीं?

8 तो फिर क्यों हम में से हर एक अपनी-अपनी जन्मभूमि की भाषा सुनता है? **9** हम जो पारथी, मेदी, एलाम लोग, मेसोपोटामिया, यहूदिया, कप्पदूकिया,
पुन्तुस और आसिया, **10** और फ्रूगिया और पंफूलिया और मिस्र और लीबिया देश जो कुरेने के आस-पास है, इन सब देशों के रहनेवाले और रोमी प्रवासी, **11**
अर्थात् क्या यहूदी, और क्या यहूदी मत धारण करनेवाले, क्रेती और अरबी भी हैं, परन्तु अपनी-अपनी भाषा में उनसे परमेश्वर के बड़े-बड़े कामों की चर्चा सुनते
हैं।"

12 और वे सब चकित हुए, और घबराकर एक दूसरे से कहने लगे, "यह क्या हो रहा है?" **13** परन्तु दूसरों ने उपहास करके कहा, "वे तो नई मदिरा के नशे में
हैं।"

14 पतरस उन ग्यारह के साथ खड़ा हुआ और ऊँचे शब्द से कहने लगा, "हे यहूदियों, और हे यरूशलेम के सब रहनेवालों, यह जान लो और कान लगाकर मेरी
बातें सुनो। **15** जैसा तुम समझ रहे हो, ये नशे में नहीं है, क्योंकि अभी तो तीसरा पहर ही दिन चढ़ा है। **16** परन्तु यह वह बात है, जो योएल भविष्यद्वक्ता के
द्वारा कही गई है:

> **17** 'परमेश्वर कहता है, कि अन्त के दिनों में ऐसा होगा, कि
> मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उण्डेलूँगा और
> तुम्हारे बेटे और तुम्हारी बेटियाँ भविष्यद्वाणी करेंगी,
> और तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे,
> और तुम्हारे वृद्ध पुरुष स्वप्न देखेंगे।
> **18** वरन् मैं अपने दासों और अपनी दासियों पर भी उन दिनों
> में अपने आत्मा उण्डेलूँगा, और वे भविष्यद्वाणी करेंगे।
> **19** और मैं ऊपर आकाश में अद्भुत काम*,
> और नीचे धरती पर चिन्ह, अर्थात्
> लहू, और आग और धुएँ का बादल दिखाऊँगा।
> **20** प्रभु के महान और तेजस्वी दिन* के आने से पहले
> सूर्य अंधेरा
> और चाँद लहू सा हो जाएगा।
> **21** और जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वही उद्धार पाएगा।' (योए. 2:28-32)

22 "हे इस्राएलियों, ये बातें सुनो कि यीशु नासरी एक मनुष्य था जिसका परमेश्वर की ओर से होने का प्रमाण उन सामर्थ्य के कामों और आश्चर्य के कामों और
चिन्हों से प्रगट है, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखलाए जिसे तुम आप ही जानते हो। **23** उसी को, जब वह परमेश्वर की ठहराई हुई योजना
और पूर्व ज्ञान के अनुसार पकड़वाया गया, तो तुम ने अधर्मियों के हाथ से उसे क्रूस पर चढ़वाकर मार डाला। **24** परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से
छुड़ाकर जिलाया: क्योंकि यह अनहोना था कि वह उसके वश में रहता। (2 शमू. 22:6, भज. 18:4, भज. 116:3)

25 क्योंकि दाऊद उसके विषय में कहता है,

> 'मैं प्रभु को सर्वदा अपने सामने देखता रहा
> क्योंकि वह मेरी दाहिनी ओर है, ताकि मैं डिग न जाऊँ।
> **26** इसी कारण मेरा मन आनन्दित हुआ, और मेरी जीभ मगन हुई;
> वरन् मेरा शरीर भी आशा में बना रहेगा।
> **27** क्योंकि तू मेरे प्राणों को अधोलोक में न छोड़ेगा;
> और न अपने पवित्र जन को सड़ने देगा!
> **28** तूने मुझे जीवन का मार्ग बताया है;
> तू मुझे अपने दर्शन के द्वारा आनन्द से भर देगा।' (भज. 16:8-11)

29 "हे भाइयों, मैं उस कुलपति दाऊद के विषय में तुम से साहस के साथ कह सकता हूँ कि वह तो मर गया और गाड़ा भी गया और उसकी कब्र आज तक
हमारे यहाँ वर्तमान है। (1 राजा. 2:10) **30** वह भविष्यद्वक्ता था, वह जानता था कि परमेश्वर ने उससे शपथ खाई है, "मैं तेरे वंश में से एक व्यक्ति को तेरे
सिंहासन पर बैठाऊँगा।" (2 शमू. 7:12-13, भज. 132:11) **31** उसने होनेवाली बात को पहले ही से देखकर मसीह के जी उठने के विषय में भविष्यद्वाणी की,

कि न तो उसका प्राण अधोलोक में छोड़ा गया, और न उसकी देह सड़ने पाई। (भज. 16:10)

32 इसी यीशु को परमेश्वर ने जिलाया, जिसके हम सब गवाह हैं। **33** इस प्रकार परमेश्वर के दाहिने हाथ से सर्वोच्च पद पा कर, और पिता से वह पवित्र आत्मा प्राप्त करके जिसकी प्रतिज्ञा की गई थी, उसने यह उण्डेल दिया है जो तुम देखते और सुनते हो।

34 क्योंकि दाऊद तो स्वर्ग पर नहीं चढ़ा; परन्तु वह स्वयं कहता है,

'प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा; मेरे दाहिने बैठ,
35 जब तक कि मैं तेरे बैरियों को तेरे पाँवों तले की चौकी न कर दूँ।' (भज. 110:1)

36 अतः अब इस्राएल का सारा घराना निश्चय जान ले कि परमेश्वर ने उसी यीशु को जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया, प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।"

37 तब सुननेवालों के हृदय छिद गए, और वे पतरस और अन्य प्रेरितों से पूछने लगे, "हे भाइयों, हम क्या करें?" **38** पतरस ने उनसे कहा, "मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने-अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। **39** क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम, और तुम्हारी सन्तानों, और उन सब दूर-दूर के लोगों के लिये भी है जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा।" (योए. 2:32)

40 उसने बहुत और बातों से भी गवाही दे देकर समझाया कि अपने आप को इस टेढ़ी जाति से बचाओ। (व्य. 32:5, भज. 78:8) **41** अतः जिन्होंने उसका वचन ग्रहण किया उन्होंने बपतिस्मा लिया; और उसी दिन तीन हजार मनुष्यों के लगभग उनमें मिल गए।

42 और वे प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने में और रोटी तोड़ने में और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।

43 और सब लोगों पर भय छा गया, और बहुत से अद्भुत काम और चिन्ह प्रेरितों के द्वारा प्रगट होते थे। **44** और वे सब विश्वास करनेवाले इकट्ठे रहते थे, और उनकी सब वस्तुएँ साझे की थीं। **45** और वे अपनी-अपनी सम्पत्ति और सामान बेच-बेचकर जैसी जिसकी आवश्यकता होती थी बाँट दिया करते थे।

46 और वे प्रतिदिन एक मन होकर मन्दिर में इकट्ठे होते थे, और घर-घर रोटी तोड़ते हुए आनन्द और मन की सिधाई से भोजन किया करते थे। **47** और परमेश्वर की स्तुति करते थे, और सब लोग उनसे प्रसन्न थे; और जो उद्धार पाते थे, उनको प्रभु प्रतिदिन उनमें मिला देता था।

Acts 2:1

वे सब एक जगह इकट्ठे थे
"वे" से यहाँ पर आशय संभवत:120 विश्वासियों के दल से था जो लूका 1: 15-26 में इकठ्ठे थे। इसमें बारह प्रेरित भी शामिल थे।

एकाएक आकाश से एक बड़ी आंधी के सनसनाहट का शब्द हुआ
"आकाश से आता एक शोर सुनाई दिया"

आंधी की सनसनाहट
"तेज़ वेग से चल रही हवा का स्वर" अथवा "तेज़ी से बह रही हवा का स्वर"

सारा घर
यह घर या बड़ी ईमारत हो सकता है.

आग की सी जीभें
संभावित आशय हैं 1) आग से बनी जीभें, अथवा 2) जीभ की शक्ल में आग की छोटी लपटें। लैंप जैसी छोटी जगह में जलते समय आग की लपटें जीभ की शक्ल में लापटती दिखाई दे सकती हैं।

अन्य-अन्य भाषाओँ में बोलने लगे
वे भाषाओँ जिनका पहले से उन्हें कोई ज्ञान न था।

Acts 2:4

भक्त
परमेश्वर को आदर देनेवाले और उसकी आराधना करनेवाले लोग

आकाश के नीचे की हर एक जाति में से
"संसार की हर एक जाति"

जब वह शब्द सुनाई दिया
इसका आशय आंधी के स्वर है। इसका अनुवाद एक सक्रिय क्रियापद के रूप में किया जा सकता है: "जब उन्होंने आंधी का शब्द सुना।"

भीड़
अर्थात "बहुत से लोगों का विशाल समूह"

गलीली
अनुवाद करते समय इसे "गलीलवासी" भी लिख सकते हैं।

Acts 2:8

तो फिर क्यों हम में से हर एक अपनी-अपनी जन्मभूमि की भाषा सुनता है
अनुवाद करते समय इसे 1) लोगों द्वारा असल में पूछे गए प्रश्न की भांति व्यक्त कर सकते हैं, या फिर 2) इसे लोगों के आश्चर्य को प्रकट करनेवाले एक आलंकारिक प्रश्न की भांति अनूदित कर सकते हैं।

पारथी और मेदी और एलामी
अर्थात "पार्थिया, मेदिया और एलाम के लोग।"

यहूदी मत धारण करनेवाले
"ऐसे गैर यहूदी लोग जो अब यहूदी हो गए हैं" अथवा "वे लोग जिन्होंने अपना धर्मत्याग के द्वारा यहूदी हो गए हैं" अथवा "यहूदी आस्था को अपना चुके लोग।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 2:12

सब चकित हुए, और घबरा कर
सब चकित हुए, और घबरा कर - लोगों को समझ नहीं आ रहा था कि वहाँ आखिर हो क्या रहा था (यूडीबी)। अनुवाद करते समय इसे “विस्मित और विमूढ़ हो गए” भी लिख सकते हैं।

यह क्या हो रहा है?
कुछ लोगों ने इस घटना को गंभीरता से लिया।

परन्तु दूसरों ने ठट्ठा करके कहा
“लेकिन दूसरों ने तिरस्कार करते हुए कहा” अथवा “उनका अपमान करते हुए”

वे तो नयी मदिरा के नशे में हैं
अनुवाद करते समय इसे “नशे में धुत” लिख सकते हैं। कुछ लोगों ने इस आश्चर्यकर्म पर विश्वास न कर, प्रेरितों का मज़ाक उड़ाने का चुनाव किया।

नयी मदिरा
सामान्य मदिरा से अधिक नशीली मदिरा

Acts 2:14

ग्यारह के साथ खड़ा हुआ
पतरस की कही बात का समर्थन सभी प्रेरितों ने किया।

पहर ही दिन चढ़ा है
“अभी तो सुबह के नौ ही बजे हैं” (यूडीबी)। पतरस अपने सुननेवालों से यह जानने की आशा रखता था कि सुबह-सुबह कोई नशे में धुत नहीं होता। यह जानकारी अन्तर्निहित थी, जिसे ज़रुरत पड़ने पर स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता था।

पहर ही दिन
“सुबह के नौ बजे” (यूडीबी)।

Acts 2:16

x
में शुरू की गयी अपनी बात को पतरस आगे बढाता है

परन्तु यह वह बात है, जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गयी
“यही वह बात है जो परमेश्वर ने कही और योएल नबी से लिखने को कहा” अथवा “परमेश्वर द्वारा कही गयी इन्हीं बातों को योएल नबी ने लिखा था।”

कही गयी
इसे सक्रिय क्रियापद के रूप में भी लिखा जा सकता है: “जो परमेश्वर ने कही थी” या फिर “जिस विषय में परमेश्वर ने कहा था।”

अंत के दिनों में
अनुवाद के समय इसे हम “अंतिम दिनों में” भी लिख सकते हैं। जो बातें अब वह बतानेवाला है, वे अंतिम दिनों में घटेंगी। यह परमेश्वर की कही बात का पहला हिस्सा है। यूडीबी के समान, “परमेश्वर कहता है” शब्द को वाक्य में आरम्भ में लगाया गया है।

अपना आत्मा...उंडेलूँगा
यह व्यक्त करने के लिए कि परमेश्वर किस प्रकार सभी लोगों को अपना आत्मा देगा, यहाँ आलंकारिक भाषा का प्रयोग किया गया है

सब मनुष्यों पर
“सब लोगों पर।”

Acts 2:18

x
में शुरू किये यहूदियों के संबोधन में भविष्यद्वक्ता योएल की बात को पतरस आगे बढाता है

मैं अपना आत्मा ...उंडेलूँगा
परमेश्वर अपना आत्मा पूरी भरपूरी के साथ देता है।

भविष्यद्वाणी
परमेश्वर उन्हें परमेश्वर से जुड़े सत्य बोलने की प्रेरणा देता है

धूएँ
"धूएं" का आशय यहाँ"धुंध अथवा "कोहरे" से है

उंडेलूँगा
यह किसी घड़े यह बाल्टी के पानी को तेज़ी से खाली करने के समान है। इसका अनुवाद भी पिछली बार की तरह करें।

Acts 2:20

x
में शुरू किये यहूदियों के संबोधन में भविष्यद्वक्ता योएल की बात को पतरस आगे बढाता है

सूर्य अँधेरा और चाँद लहू सा हो जाएगा
इस पद का सटीक आशय स्पष्ट नहीं है, इसलिए अपनी भाषा में इसका सशब्द अनुवाद ही करें।

नाम लेगा
अर्थात प्रार्थना या फिर विनती करेगा

Acts 2:22

x
में शुरू किये यहूदियों के संबोधन को पतरस आगे बढाता है

परमेश्वर की ठहराई हुई योजना और पूर्व ज्ञान
परमेश्वर की ठहराई हुई योजना और पूर्व ज्ञान -मसीह की मृत्यु परमेश्वर की पूर्व योजना व पूर्वज्ञान के अनुसार थी।

तुम ने
यह तुम्हारे का बहुवचन रूप है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए कोई विशिष्ट शब्द हो तो कृपया उसी का प्रयोग करें।

पकड़वाया गया
“लोगों ने उसे पकड़वाया,” “तुमने उसे पकड़वा दिया”

छुड़ाकर
रस्सी के बंधन को खोलने के समान बंधनमुक्त किया

मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया
मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया -“मृत्यु की पीढा के बंधन से मुक्त किया।”

वश
मृत्यु अंततः यीशु को बाँध कर न रख सकी

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 2:24

x
में शुरू किये यहूदियों के संबोधन को पतरस आगे बढाता है

मैंने देखा
घटनाओं के होने से पूर्व दाऊद ने परमेश्वर को अपने जीवन में कार्य करते देखा

अपने सामने
अपने सम्मुख, अपने साथ

मेरी दाहिनी ओर
दाहिने पक्ष को मज़बूत माना जाता था। दाहिनी ओर का व्यक्ति या तो सबसे मज़बूत सेवक, या फिर सबसे मज़बूत सहायक समझा जाता था।

मेरा मन आनन्दित हुआ, और मेरी जीभ मगन हुई
भीतरी आनंद को बाह्य रूप से अभिव्यक्त किया गया है

मेरा शरीर भी आशा में बना रहेगा
“मैं जीवन भर परमेश्वर से आशा बांधे रहूँगा”

Acts 2:27

x
में शुरू किये यहूदियों के संबोधन को, पतरस भजन संहिता में निहित दाऊद के उद्धरणों के साथ आगे बढाता है

अपने पवित्र जन
“अपने अभिषिक्त अथवा चुने हुओं को”

सड़ने
उसका शरीर मृत न बना रहेगा कि वह सड़ने लगे। अनुवाद करते समय “सड़ने का अनुभव” भी लिख सकते हैं।

जीवन के मार्ग
“जीवनदायी सत्य”

Acts 2:29

x
में प्रारम्भ किये यहूदियों के संबोधन को पतरस आगे बढाता है

कुलपति
पिता, पूर्वज पिता

शपथ
उद्घोषणा का गंभीर कथन

शपथ खाई है
बात की सत्यता को प्रमाणित करने के लिए एक गंभीर कथन कहना

भाइयों
अर्थात भाइयों और बहनों

वह जानता था
प्रेरितों 1:27-28 में दाऊद ने पहले ही मसीह को देख लिया था और उसके विषय में कहा था

Acts 2:32

x
में प्रारम्भ किये यहूदियों के संबोधन को पतरस आगे बढाता है

परमेश्वर के दाहिने हाथ से
“विश्वसनीयता, आदर, अनुमोदन, विश्वास, भरोसे, सामर्थ और परमेश्वर के विशेषाधिकारों का स्थान।”

Acts 2:34

x
में शुरू किये यहूदियों के संबोधन को पतरस आगे बढाता है

प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा
“प्रभु (परमेश्वर) ने मेरे प्रभु (मसीह) से कहा”

मेरे दाहिने बैठ
मेरे पास “आदर, विश्वास, विशेषाधिकारों और सामर्थ का स्थान ग्रहण कर”,

जब तक कि मैं तेरे बैरियों को तेरे पांवों तले की चौकी न कर दूं
“जब ताकि मैं तेरे बैरियों को ठिकाने न लगा दूं, या फिर, हरा न दूं”

Acts 2:37

सुननेवालों के हृदय छिद गए
यह बताने के लिए कि सुननेवालों के लिए इस बात को सुनना कितना कष्टदायी था, लूका आलंकारिक भाषा का प्रयोग करता है।

यह प्रतिज्ञा तुम, और तुम्हारी संतानों...के लिए भी है
“यह प्रतिज्ञा तुम्हारे, और संतानों के लिए है”

Acts 2:40

अपने आप को .....बचाओ
अपने आप को .....से अलग करो

टेढ़ी जाति से बचाओ
नैतिक और आत्मिक रूप से भ्रष्ट जाति से बचाओ

ग्रहण किया
विश्वास किया, स्वीकार किया

उन्होंने बपतिस्मा लिया
यीशु के शिष्यों ने उन्हें बपतिस्मा दिया

Acts 2:43

उनकी सब वस्तुएं साझे की थी
“उन्होंने अपनी सब वस्तुएं सबके साथ, आपस में बाँट ली”

बाँट दिया करते थे
वस्तुएं दे देते थे, या कि उसे बेचने से मिले धन को बाँट लेते थे, या फिर उस धन को दे देते थे

भय
भय -श्रृद्धापूर्ण भय

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

इकट्ठे रहते थे
विश्वास में एक होकर इकट्ठे रहते थे

जिसकी आवश्यकता होती थी
जब कोई विश्वासी अपनी आवश्यकता प्रकट करता था, या कि उसकी आवश्यकता दिखाई देती थी तो अन्य विश्वासी उस आवश्यकता को पूरा करते थे

Acts 2:46

एक मन होकर
“एक मनसा”

वे लगातार यही करते थे
अर्थात “विश्वासी प्रतिदिन....एक मन होकर मन्दिर में इकट्ठे होते थे”

रोटी तोड़ते
भोजन आपस में बाँटते थे, परभू भोज साँझा करते थे (यूडीबी)।

मन की सीधे से
बिना किसी घमंड के, सरल भाव के साथ, बिना किसी औपचारिकता के, बिना किसी पद या विशेषाधिकार के भाव के

सब लोग उनसे प्रसन्न थे
सब लोग उनका सम्मान करते थे

Translation Questions

Acts 2:1

किस यहूदी पर्व के दिन सारे शिष्य (प्रेरित) इकट्ठे थे?
पिन्तेकुस्त के दिन प्रेरित इकट्ठे थे।

Acts 2:4

जब पवित्र-आत्मा घर के अन्दर उतरा तब शिष्यों ने क्या करना प्रारम्भ कर दिया?
शिष्य अन्य-अन्य भाषा बोलने लगे।

Acts 2:5

यरूशलेम में इस समय यहूदी भक्त कहाँ के थे?
यहूदी भक्त आकाश के नीचे के हर राष्ट्र से थे।

Acts 2:6

शिष्यों का प्रचार सुनकर भीड़ क्यों विस्मित हो गई थी?
भीड़ विस्मित हो गई थी क्योंकि हर एक उन्हें अपनी भाषा में बोलते हुए सुनाई दे रहा था।

Acts 2:11

मार्ग में शिष्य क्या चर्चा कर रहे थे?
शिष्य परमेश्वर के बड़े-बड़े कार्यों के बारे में चर्चा कर रहे थे।

Acts 2:13

कुछ जो शिष्यों का ठट्ठा कर रहे थे, उन्होंने क्या सोचा?
जो शिष्यों का ठट्ठा कर रहे थे, उन्होंने सोचा कि वे नई मदिरा के नशे में हैं।

Acts 2:16

पतरस ने क्या कहा कि इस समय क्या बात पूरी हो रही है?
पतरस ने कहा कि योएल की भविष्यद्वाणी पूरी हो रही थी, क्योंकि परमेश्वर ने कहा था कि वह अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उण्डेलेगा।

Acts 2:21

योएल की भविष्यद्वाणी के अनुसार उद्धार पानेवाला कौन हैं?
योएल की भविष्यद्वाणी के अनुसार हर एक जो प्रभु का नाम लेता है, उद्धार पाया हुआ है।

Acts 2:22

यीशु की सेवकाई किस प्रकार परमेश्वर ने कैसे प्रमाणित की?
यीशु की सेवकाई का प्रमाण सामर्थ्य के कामों और आश्चर्य के कर्मों और चिन्हों से प्रगट है जो परमेश्वर ने उसके द्वारा किये।

Acts 2:23

यह किसकी योजना थी कि यीशु को क्रूस पर चढ़ाया जाए?
परमेश्वर की निर्धारित योजना के अनुसार ही यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया था।

Acts 2:25

पुराने नियम की पुस्तक में राजा दाऊद ने परमेश्वर के पवित्र जन के बारे में क्या भविष्यद्वाणी की?
राजा दाऊद ने भविष्यवाणी की कि परमेश्वर अपने पवित्र जन का नाश नहीं होने देगा।

Acts 2:30

परमेश्वर ने राजा दाऊद से उसके वंश के बारे में क्या शपथ खाई?
परमेश्वर ने राजा दाऊद से शपथ खाई कि उसके वंश में से एक सिंहासन पर बैठेगा।

Acts 2:32

??
परमेश्वर का वह पवित्र जन कौन था जिसने नाश नहीं देखा और जिसके लिए सिंहासन पर बैठने की भविष्यवाणी की गई?यीशु वह पवित्र जन था जिसके लिए भविष्यद्वाणी की गई थी कि वह राजा होगा।

Acts 2:36

पतरस ने परमेश्वर द्वारा यीशु को दी गई किन दो उपाधियों का प्रचार किया?
परमेश्वर ने यीशु को प्रभु और मसीह दोनों बताया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 2:37

जब भीड़ ने पतरस का प्रचार सुना तो उस पर क्या प्रतिक्रिया हुई?
भीड़ ने पूछा कि वे क्या करें।

Acts 2:38

पतरस ने भीड़ को क्या करने को कहा?
पतरस ने भीड़ से मन फिराने और अपने-अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लेने को कहा।

Acts 2:39

पतरस ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा किसके लिए बताई?
पतरस ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा भीड़, उनकी सन्तानों और सब दूर-दूर के लोगों के लिए बताई।

Acts 2:41

उस दिन कितने लोगों को बपतिस्मा दिया गया?
करीब तीन हजार लोगों को बपतिस्मा दिया गया।

Acts 2:42

बपतिस्मा पाये लोग किस बात में लौलीन रहे?
वे प्रेरितों से शिक्षा पाने और संगति रखने में और रोटी तोड़ने में और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।

Acts 2:44

वे जिन्होंने विश्वास किया उन्होंने जरूरतमन्दों की सहायता किस प्रकार की?
उन्होंने अपनी-अपनी सम्पत्ति और सामान बेचा और जैसी जिसको आवश्यकता होती थी, उनको बाँट दी।

Acts 2:46

इस समय विश्वासी कहाँ इकट्ठे हो रहे थे?
विश्वासी मन्दिर में जा रहे थे।

Acts 2:47

विश्वासियों के समूह में कौन किसको प्रतिदिन मिलाता जाता था?
प्रभु उद्धार पाये हुए लोगों को प्रतिदिन उनमें मिला देता था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 पतरस और यूहन्ना तीसरे पहर प्रार्थना के समय मन्दिर में जा रहे थे। **2** और लोग एक जन्म के लँगड़े को ला रहे थे, जिसको वे प्रतिदिन मन्दिर के उस द्वार पर
जो 'सुन्दर' कहलाता है, बैठा देते थे, कि वह मन्दिर में जानेवालों से भीख माँगे। **3** जब उसने पतरस और यूहन्ना को मन्दिर में जाते देखा, तो उनसे भीख माँगी।

4 पतरस ने यूहन्ना के साथ उसकी ओर ध्यान से देखकर कहा, "हमारी ओर देख!" **5** अतः वह उनसे कुछ पाने की आशा रखते हुए उनकी ओर ताकने लगा। **6**
तब पतरस ने कहा, "चाँदी और सोना तो मेरे पास है नहीं; परन्तु जो मेरे पास है, वह तुझे देता हूँ; यीशु मसीह नासरी के नाम से चल फिर।"

7 और उसने उसका दाहिना हाथ पकड़ के उसे उठाया; और तुरन्त उसके पाँवों और टखनों में बल आ गया। **8** और वह उछलकर खड़ा हो गया, और चलने-
फिरने लगा; और चलता, और कूदता, और परमेश्वर की स्तुति करता हुआ उनके साथ मन्दिर में गया।

9 सब लोगों ने उसे चलते-फिरते और परमेश्वर की स्तुति करते देखकर, **10** उसको पहचान लिया कि यह वही है, जो मन्दिर के 'सुन्दर' फाटक पर बैठ कर
भीख माँगा करता था; और उस घटना से जो उसके साथ हुई थी; वे बहुत अचम्भित और चकित हुए।

11 जब वह पतरस और यूहन्ना को पकड़े हुए था, तो सब लोग बहुत अचम्भा करते हुए उस ओसारे में जो सुलैमान का कहलाता है, उनके पास दौड़े आए। **12**
यह देखकर पतरस ने लोगों से कहा, "हे इस्राएलियों, तुम इस मनुष्य पर क्यों अचम्भा करते हो, और हमारी ओर क्यों इस प्रकार देख रहे हो, कि मानो हमने
अपनी सामर्थ्य या भक्ति से इसे चलने-फिरने योग्य बना दिया।

13 अब्राहम और इसहाक और याकूब के परमेश्वर*, हमारे पूर्वजों के परमेश्वर ने अपने सेवक यीशु की महिमा की, जिसे तुम ने पकड़वा दिया, और जब
पिलातुस ने उसे छोड़ देने का विचार किया, तब तुम ने उसके सामने यीशु का तिरस्कार किया। **14** तुम ने उस पवित्र और धर्मी* का तिरस्कार किया, और चाहा
की, एक हत्यारे को तुम्हारे लिये छोड़ दिया जाए।

15 और तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, जिसे परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया; और इस बात के हम गवाह हैं।

16 और उसी के नाम ने, उस विश्वास के द्वारा जो उसके नाम पर है, इस मनुष्य को जिसे तुम देखते हो और जानते भी हो सामर्थ्य दी है; और निश्चय उसी
विश्वास ने जो यीशु के द्वारा है, इसको तुम सब के सामने बिलकुल भला चंगा कर दिया है। **17** "और अब हे भाइयों, मैं जानता हूँ कि यह काम तुम ने अज्ञानता
से किया, और वैसा ही तुम्हारे सरदारों ने भी किया। **18** परन्तु जिन बातों को परमेश्वर ने सब भविष्यद्वक्ताओं के मुख से पहले ही बताया था, कि उसका मसीह
दुःख उठाएगा; उन्हें उसने इस रीति से पूरा किया।

19 इसलिए, मन फिराओ और लौट आओ कि तुम्हारे पाप मिटाएँ जाएँ, जिससे प्रभु के सम्मुख से विश्रान्ति के दिन आएँ। **20** और वह उस यीशु को भेजे जो
तुम्हारे लिये पहले ही से मसीह ठहराया गया है।

21 अवश्य है कि वह स्वर्ग में उस समय तक रहे जब तक कि वह सब बातों का सुधार* न कर ले जिसकी चर्चा प्राचीनकाल से परमेश्वर ने अपने पवित्र
भविष्यद्वक्ताओं के मुख से की है। **22** जैसा कि मूसा ने कहा, 'प्रभु परमेश्वर तुम्हारे भाइयों में से तुम्हारे लिये मुझ जैसा एक भविष्यद्वक्ता उठाएगा, जो कुछ वह
तुम से कहे, उसकी सुनना।' (व्य.18:15-18)

23 परन्तु प्रत्येक मनुष्य जो उस भविष्यद्वक्ता की न सुने, लोगों में से नाश किया जाएगा। (लैव्य. 23:29, व्य. 18:19)

24 और शमूएल से लेकर उसके बाद वालों तक जितने भविष्यद्वक्ताओं ने बात कहीं उन सब ने इन दिनों का सन्देश दिया है। **25** तुम भविष्यद्वक्ताओं की सन्तान
और उस वाचा के भागी हो, जो परमेश्वर ने तुम्हारे पूर्वजों से बाँधी, जब उसने अब्राहम से कहा, 'तेरे वंश के द्वारा पृथ्वी के सारे घराने आशीष पाएँगे।' (उत्प.
12:3, उत्प. 18:18, उत्प. 22:18, उत्प. 26:4)

26 परमेश्वर ने अपने सेवक को उठाकर पहले तुम्हारे पास भेजा, कि तुम में से हर एक को उसकी बुराइयों से फेरकर आशीष दे।"

Acts 3:1

मंदिर में
"मंदिर क्षेत्र में" या फिर, "मंदिर की ओर।" वे भीतरी भवन में नहीं गए थे, क्योंकि वहां केवल याजक जा सकते थे।

तीसरे पहर
"दोपहर तीन बजे" (यूडीबी)।

भीख
"भीख" का आशय उन पैसों से है जो लोग गरीबों को देते हैं। व्यक्ति गरीब था और अपने लिए पैसे मांग रहा था।

Acts 3:4

ध्यान से देख कर
"एकटक होकर देख कर" या फिर "उसे ध्यान से देख कर"

उनकी ओर ताकने लगा
"लंगड़ा व्यक्ति उन्हें गौर से देखने लगा"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

चाँदी और सोना
इन्हें वाक्य की शुरुआत में यह बताने के लिए रखा गया है कि उस लंगड़े व्यक्ति को बस इन्हीं चीज़ों की आस थी, जो कि पतरस के पास नहीं थी, और पतरस के पास जो वस्तु थी, उससे इसकी तुलना दिखाने के लिए भी ऐसा किया गया है।

Acts 3:7

मंदिर में गया
इसका आशय मंदिर के प्रांगण से होगा। मंदिर के असल भवन के भीतर जाने की अनुमति केवल याजकों को थी।

Acts 3:9

द्वार जो 'सुन्दर' कहलाता है
"सुन्दर कहलाने वाले द्वार"

पहचान लिया
"देख लिया" अथवा "वे जान गए कि" अथवा "देखा"

अचंभित और चकित हुए
"बहुत हैरान हुए" (यूडीबी) या फिर "आश्चर्य और विस्मय से भर उठे"

Acts 3:11

जब
"जिस समय"

उस ओसारे में जो सुलैमान का कहलाता है
"सुलैमान के ओसारे में।" सुलैमान, बहुत समय पहले हुए इस्राएल के एक राजा का नाम था। ओसारे का आशय स्तंभों की पंक्ति से है जिनके ऊपर एक छत भी होती है, और केवल एक तरफ से खुला होता है। अनुवाद करते समय इसे "सुलैमान का आँगन" भी लिख सकते हैं। सुलैमान का ओसारा बहुत विशाल था।

बहुत अचम्भा करते हुए
"अचम्भे से भरे हुए" या फिर "चकित होकर" या फिर "विस्मय से भर कर"

यह देखकर पतरस
"बढ़ती हुई भीड़ को देख कर पतरस ने" अथवा "लोगों को देख कर पतरस" (यूडीबी)

हे इस्राएलियों
"हे मेरे संगी इस्राएलियों" (यूडीबी)। पतरस भीड़ को संबोधित कर रहा था, "इस्राएलियों" का आशय वहाँ मौजूद सभी इस्राएलियों से था।

तुम....क्यों अचम्भा करते हो...?
यह आलंकारिक प्रश्न है। अनुवाद के समय यूं भी लिख सकते हैं कि "तुम्हे अचंभित नहीं होना चाहिए" यूडीबी।

क्यों इस प्रकार देख रहे हो
इस आलंकारिक प्रश्न का अनुवाद इस तरह भी किया जा सकता है कि, "तुम्हें हम पर यूं दृष्टि लगाने की आवश्यकता नहीं हैं" या फिर, "हमें इस तरह टकटकी लगा कर देखने का कोई कारण नहीं है।"

हमारी
"हमारी" को यहाँ पतरस व यूहन्ना दोनों के लिए एक साथ और व्यक्तिगत रूप से प्रयुक्त किया गया है।

हम
"हम" को यहाँ पतरस व यूहन्ना दोनों के लिए एक साथ और व्यक्तिगत रूप से प्रयुक्त किया गया है।

मानो हम ही ने अपनी सामर्थ्य या भक्ति से इसे चलने-फिरने योग्य बना दिया
यह एक आलंकारिक प्रश्न है। अनुवाद करते समय हम यूं भी लिख सकते हैं कि "हमने इसे अपनी सामर्थ्य या भक्ति से नहीं चलाया।" नोट: मूल हिंदी अनुवाद में "चलने-फिरने के योग्य" लिखना बेहतर होगा। कृपया "के" शब्द का भी प्रयोग करें।

Acts 3:13

x
में शुरू किये यहूदियों के संबोधन को पतरस आगे बढाता है

जिसे तुमने पकड़वा दिया
"जिसे तुम पीलातुस के पास ले गए"

तब तुम ने उसके सामने उसका इनकार किया
"तब तुमने पीलातुस के आगे उसका इनकार किया"

जब पिलातुस ने उसे छोड़ने का विचार किया,
"जब पीलातुस ने यीशु को मुक्त करने का निर्णय लिया"

एक हत्यारे को तुम्हारे लिए छोड़ दिया जाए
इसे सक्रिय क्रियापद की भांति अनूदित किया जा सकता है: "कि पीलातुस तुम्हें एक हत्यारा दे दे।"

तुम्हारे लिए छोड़ दिया जाए
"तुम्हे दे दे।" इसका आशय "कृपा के रूप में देने" से है। यहाँ बंधन से "मुक्त" करने का भाव नहीं है।

Acts 3:15

x
में शुरू किये यहूदियों के संबोधन को पतरस आगे बढाता है

जीवन का राजकुमार
"जीवन के कर्ता" (यू.डी.बी)या "जीवन का शासक"

इस मनुष्य को .....सामर्थ्य दी है
"इस मनुष्य को....जिसे तुम देखते जानते भी हो

उस विश्वास के द्वारा जो उसके नाम पर है
कुछ भाषाओँ में "विश्वास" शब्द संज्ञा रूप में नहीं होता, ऐसे में उसे क्रिया रूप में व्यक्त करने की ज़रुरत हो सकती है। यदि वाक्य में कर्ता को लिखना ज़रूरी हो, तो "हम' शब्द के उपयुक्त रूप का प्रयोग करें।

Acts 3:17

x
में शुरू किये यहूदियों के संबोधन को पतरस आगे बढाता है

Acts 3:19

x
में शुरू किये यहूदियों के संबोधन को पतरस आगे बढाता है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मन फिराओ
“परमेश्वर की ओर फिरो”

जिस से प्रभु के सम्मुख से विश्रांति के दिन आएं
“जिस से प्रभु तुम्हें सामर्थ्य दे।”

तुम्हारे पाप मिटाए
“दूर किये” अथवा “रद्द कर दिए”

Acts 3:21

x
में शुरू किये यहूदियों के संबोधन को पतरस आगे बढाता है

स्वर्ग में उस समय तक रहे...
जैसा कि पहले ही उल्लिखित था कि यीशु स्वर्ग में रहेगा।

जब तक कि वह सब बातों का सुधार न कर ले
“जब तक कि परमेश्वर सभी बातों का सुधार न कर ले”

जिसकी चर्चा प्राचीन काल से परमेश्वर ने अपने पवित्र भविष्यद्वक्ताओं के मुख से की है
“परमेश्वर ने अपने पवित्र भविष्यद्वक्ताओं से सुधार के विषय बोलने को कहा”

प्राचीन काल से परमेश्वर ने अपने उसके पवित्र भविष्द्धक्ताओं
“बहुत समय पहले हुए पवित्र भविष्यद्वक्ताओं”

एक भविष्यद्वक्ता उठाएगा
“किसी को भविष्यद्वक्ता होने के लिए चुनेगा” अथवा “किसी को भविष्यद्वक्ता होने का अधिकार देगा”

नाश किया जाएगा
“हटा दिया जाएगा” या कि “दूर किया जाएगा” अथवा “निकाल दिया जाएगा”

Acts 3:24

x
में शुरू किये यहूदियों के संबोधन को पतरस आगे बढाता है

उसके बाद वालों
“शमूएल के बाद हुए भविष्यद्वक्ता”

इन दिनों
“इस समय” अथवा “इस समय जो हो रहा है” या फिर “जो बातें हो रही हैं”

तुम भविष्यद्वक्ताओं की संतान....हो
“तुम भविष्यद्वक्ताओं के वारिस हो।” अनुवाद करते समय हम यूं भी लिख सकते हैं, कि “अपने भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की है, वे तुम्हें मिलेगी।”

वाचा के भागी
“वाचा की संतान” या फिर, “वाचा के वारिस।” अनुवाद करते समय इसे यूं भी लिख सकते हैं, कि “परमेश्वर ने अपनी वाचा में जिसकी प्रतिज्ञा की है, वे तुम पाओगे।”

तेरे वंश
“तेरी संतान के कारण”

परमेश्वर ने अपने सेवक को उठाकर
“परमेश्वर द्वारा अपने सेवक को चुनने के बाद” अथवा “परमेश्वर द्वारा अपने सेवक को अधिकार दिए जाने के बाद”

अपने सेवक
यहाँ पर आशय परमेश्वर के मसीह से है।

Translation Questions

Acts 3:2

मन्दिर के रास्ते पर मन्दिर जाते हुए पतरस और यूहन्ना ने किसको देखा?
पतरस और यूहन्ना ने मंदिर के द्वार पर एक जन्म के लंगड़े को उनसे भीख माँगते देखा।

Acts 3:6

पतरस ने उस आदमी को क्या नहीं दिया?
पतरस ने उस आदमी को चाँदी और सोना नहीं दिया।

पतरस ने उस आदमी को क्या दिया?
पतरस ने उस आदमी को चलने-फिरने की सामर्थ्य दी।

Acts 3:8

जो कुछ पतरस ने उस आदमी को दिया, उसके प्रति उस आदमी को क्या प्रतिक्रिया हुई?
वह मन्दिर में चलते, कूदते और परमेश्वर की स्तुति करते हुए गया।

Acts 3:10

उन लोगों की क्या प्रतिक्रिया हुई, जिन्होंने उस आदमी को मन्दिर में देखा?
लोग बहुत चकित और अचम्भित हुए।

Acts 3:13

पतरस ने लोगों को क्या याद दिलाया कि उन्होंने यीशु के साथ क्या किया?
पतरस ने लोगों को याद दिलाया कि उन्होंने यीशु को पीलातुस के लिए पकड़वा दिया, उसका इन्कार किया और उसको मार डाला।

Acts 3:16

पतरस ने क्या कहा कि उस आदमी को किसने अच्छा किया?
पतरस ने कहा कि यीशु के नाम में उस आदमी के विश्वास ने उसको भला-चंगा कर दिया।

Acts 3:19

पतरस ने लोगों को क्या करने को कहा?
पतरस ने लोगों को मन फिराने के लिए कहा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 3:21

पतरस ने कहा कि किस समय तक यीशु स्वर्ग में रहे?
पतरस ने कहा कि वह स्वर्ग में उस समय तक रहे जब तक कि सब बातों का सुधार न कर ले।

Acts 3:22

मूसा ने यीशु के बारे में क्या कहा?
मूसा ने कहा कि प्रभु परमेश्वर उस जैसा एक भविष्यद्वक्ता उठाएगा, जिसको लोग सुनेंगे।

Acts 3:23

जो मनुष्य यीशु की न सुने उसके साथ क्या किया जाएगा?
जो मनुष्य यीशु की न सुने वह पूर्ण रूप से नाश किया जाएगा।

Acts 3:25

पुराने नियम की किस वाचा की बात पतरस ने लोगों को याद दिलाई?
पतरस ने लोगों को याद दिलाया कि वे भविष्यद्वक्ताओं की सन्तान और उस वाचा के भागी हैं जिसे परमेश्वर ने अब्राहम से बाँधा जब परमेश्वर ने कहा, "तेरे वंश के द्वारा पृथ्वी के सारे घराने आशीष पाएंगे।"

Acts 3:26

परमेश्वर ने किस प्रकार यहूदियों को आशीष देना चाहा?
परमेश्वर ने यहूदियों को आशीष देने की चाहत पहले यीशु को उनके पास भेजकर की ताकि वे अपनी बुराइयों से फिरें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 जब पतरस और यूहन्ना लोगों से यह कह रहे थे, तो याजक और मन्दिर के सरदार और सदूकी उन पर चढ़ आए। **2** वे बहुत क्रोधित हुए कि पतरस और यूहन्ना
यीशु के विषय में सिखाते थे और उसके मरे हुओं में से जी उठने का प्रचार करते थे। **3** और उन्होंने उन्हें पकड़कर दूसरे दिन तक हवालात में रखा क्योंकि संध्या
हो गई थी। **4** परन्तु वचन के सुननेवालों में से बहुतों ने विश्वास किया, और उनकी गिनती पाँच हजार पुरुषों के लगभग हो गई।

5 दूसरे दिन ऐसा हुआ कि उनके सरदार और पुरनिए और शास्त्री। **6** और महायाजक हन्ना और कैफा और यूहन्ना और सिकन्दर और जितने महायाजक के
घराने के थे, सब यरूशलेम में इकट्ठे हुए। **7** और पतरस और यूहन्ना को बीच में खड़ा करके पूछने लगे, "तुम ने यह काम किस सामर्थ्य से और किस नाम से
किया है?"

8 तब पतरस ने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर उनसे कहा, **9** "हे लोगों के सरदारों और प्राचीनों*, इस दुर्बल मनुष्य के साथ जो भलाई की गई है, यदि आज
हम से उसके विषय में पूछ-ताछ की जाती है, कि वह कैसे अच्छा हुआ। **10** तो तुम सब और सारे इस्राएली लोग जान लें कि यीशु मसीह नासरी के नाम से जिसे
तुम ने क्रूस पर चढ़ाया, और परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया, यह मनुष्य तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।

11 यह वही पत्थर है जिसे तुम राजमिस्त्रियों ने तुच्छ जाना* और वह कोने के सिरे का पत्थर हो गया। (भज. 118:22-23, दानि. 2:34, 35) **12** और किसी
दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं; क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सके।"

13 जब उन्होंने पतरस और यूहन्ना का साहस देखा, और यह जाना कि ये अनपढ़ और साधारण मनुष्य हैं, तो अचम्भा किया; फिर उनको पहचाना, कि ये यीशु
के साथ रहे हैं।

14 परन्तु उस मनुष्य को जो अच्छा हुआ था, उनके साथ खड़े देखकर, यहूदी उनके विरोध में कुछ न कह सके।

15 परन्तु उन्हें महासभा के बाहर जाने का आज्ञा देकर, वे आपस में विचार करने लगे, **16** "हम इन मनुष्यों के साथ क्या करें? क्योंकि यरूशलेम के सब
रहनेवालों पर प्रगट है, कि इनके द्वारा एक प्रसिद्ध चिन्ह दिखाया गया है; और हम उसका इन्कार नहीं कर सकते। **17** परन्तु इसलिए कि यह बात लोगों में और
अधिक फैल न जाए, हम उन्हें धमकाएँ, कि वे इस नाम से फिर किसी मनुष्य से बातें न करें।" **18** तब पतरस और यूहन्ना को बुलाया और चेतावनी देकर यह
कहा, "यीशु के नाम से कुछ भी न बोलना और न सिखाना।"

19 परन्तु पतरस और यूहन्ना ने उनको उत्तर दिया, "तुम ही न्याय करो, कि क्या यह परमेश्वर के निकट भला है, कि हम परमेश्वर की बात से बढ़कर तुम्हारी
बात मानें? **20** क्योंकि यह तो हम से हो नहीं सकता, कि जो हमने देखा और सुना है, वह न कहें।"

21 तब उन्होंने उनको और धमकाकर छोड़ दिया, क्योंकि लोगों के कारण उन्हें दण्ड देने का कोई कारण नहीं मिला, इसलिए कि जो घटना हुई थी उसके कारण
सब लोग परमेश्वर की बड़ाई करते थे। **22** क्योंकि वह मनुष्य, जिस पर यह चंगा करने का चिन्ह दिखाया गया था, चालीस वर्ष से अधिक आयु का था।

23 पतरस और यूहन्ना छूटकर अपने साथियों के पास आए, और जो कुछ प्रधान याजकों और प्राचीनों ने उनसे कहा था, उनको सुना दिया। **24** यह सुनकर,
उन्होंने एक चित्त होकर ऊँचे शब्द से परमेश्वर से कहा, "हे प्रभु, तू वही है जिसने स्वर्ग और पृथ्वी और समुद्र और जो कुछ उनमें है बनाया। (निर्ग. 20:11, भज.
146:6) **25** तूने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने सेवक हमारे पिता दाऊद के मुख से कहा,

'अन्यजातियों ने हुल्लड़ क्यों मचाया?
और देश-देश के लोगों ने क्यों व्यर्थ बातें सोची?
26 प्रभु और उसके अभिषिक्त के विरोध में पृथ्वी के राजा खड़े हुए, और हाकिम एक साथ इकट्ठे हो गए।' (भज. 2:1,2)

27 क्योंकि सचमुच तेरे पवित्र सेवक यीशु के विरोध में, जिसे तूने अभिषेक किया, हेरोदेस और पुन्तियुस पिलातुस भी अन्यजातियों और इस्राएलियों के साथ
इस नगर में इकट्ठे हुए, (यशा. 61:1) **28** कि जो कुछ पहले से तेरी सामर्थ्य और मति से ठहरा था वही करें।

29 अब हे प्रभु, उनकी धमकियों को देख; और अपने दासों को यह वरदान दे कि तेरा वचन बड़े साहस से सुनाएँ। **30** और चंगा करने के लिये तू अपना हाथ
बढ़ा कि चिन्ह और अद्भुत काम तेरे पवित्र सेवक यीशु के नाम से किए जाएँ।" **31** जब वे प्रार्थना कर चुके, तो वह स्थान जहाँ वे इकट्ठे थे हिल गया*, और वे
सब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गए, और परमेश्वर का वचन साहस से सुनाते रहे।

32 और विश्वास करनेवालों की मण्डली एक चित्त और एक मन के थे यहाँ तक कि कोई भी अपनी सम्पत्ति अपनी नहीं कहता था, परन्तु सब कुछ साझे का था।
33 और प्रेरित बड़ी सामर्थ्य से प्रभु यीशु के जी उठने की गवाही देते रहे और उन सब पर बड़ा अनुग्रह था।

34 और उनमें कोई भी दरिद्र न था, क्योंकि जिनके पास भूमि या घर थे, वे उनको बेच-बेचकर, बिकी हुई वस्तुओं का दाम लाते, और उसे प्रेरितों के पाँवों पर
रखते थे। **35** और जैसी जिसे आवश्यकता होती थी, उसके अनुसार हर एक को बाँट दिया करते थे।

36 और यूसुफ नामक, साइप्रस का एक लेवी था जिसका नाम प्रेरितों ने बरनबास अर्थात् (शान्ति का पुत्र) रखा था। **37** उसकी कुछ भूमि थी, जिसे उसने बेचा,
और दाम के रुपये लाकर प्रेरितों के पाँवों पर रख दिए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 4:1

मंदिर के सरदार
मंदिर के मुख्य पहरेदार

उन पर चढ़ आये
“उनके पास गए” अथवा “उनके पास पहुँच गए”

वे बहुत क्रोधित
पतरस ने यीशु और उसके पुनरुत्थान के विषय में उपदेश दिया था। इस बात ने सदूकियों में क्रोध भर दिया था क्योंकि वे यीशु के पुनरुत्थान पर विश्वास नहीं करते थे।

उनकी गिनती
विशेषकर पुरुषों की संख्या।

क्योंकि संध्या हो गयी थी
उन दिनों शाम के समय लोगों से तर्क-वितर्क न करने की परंपरा थी।

पांच हज़ार पुरुषों के लगभग हो गयी थी
“पुरुषों की संख्या लगभग पांच हज़ार हो गयी थी” अथवा “पुरुषों की संख्या बढ़ कर लगभग पांच हज़ार हो गयी थी।”

Acts 4:5

तुमने यह काम किस सामर्थ्य से
“तुम्हें यह काम करने की सामर्थ्य किसने दी” (यूडीबी) अथवा “तुम्हें यह काम करने की सामर्थ्य कहाँ से मिली।” उन्हें यह मालूम था कि पतरस व यूहन्ना अपनी सामर्थ्य से उस व्यक्ति को चंगाई नहीं दे सकते थे।

किस नाम से
“किसके सामर्थ देने से”

Acts 4:8

इस्राएली लोग
इस्राएलवासियों

Acts 4:11

x
में शुरू किये यहूदियों के संबोधन को पतरस आगे बढाता है

कोने के सिरे का पत्थर
कोने के सिरे का पत्थर - यहाँ पर रूपक अलंकार का प्रयोग है। जिस प्रकार कोने को बुनियाद में लगाया जाता है और आगे के निर्माण के लिए उसे आधार की तरह लिया जाता है। यीशु हमारे उद्धार की एकमात्र बुनियाद है।

Acts 4:13

जब उन्होंने....हियाव देखा
“उन्होंने” का आशय समूह के अगुओं से है।

यह जाना
“समझ गए” अथवा “जान गए”

ये अनपढ़ साधारण मनुष्य
“ये” का आशय यहाँ पतरस व यूहन्ना से है

अनपढ़
“प्रशिक्षित” अथवा “औपचारिक शिक्षा से रहित”

Acts 4:15

हम इसका इन्कार नहीं कर सकते
“हम इस आश्चर्यकर्म को नकार नहीं सकते।” यरूशलेम का हर व्यक्ति उस व्यक्ति की चंगाई के बारे में जान गया था।।

उन्हें
अर्थात पतरस व पौलुस

किसी मनुष्य से बात न करें
“किसी से और कुछ न कहें”

Acts 4:19

हम से हो नहीं सकता कि .....वह न कहें
हम विवश हैं कि ....वह कहें.

परमेश्वर के निकट भला है
परमेश्वर के समक्ष भला है और उसे आदर देता है

Acts 4:21

उन्हें दंड देने का कोई दांव नहीं मिला
अगुओं यह समझ नहीं आया कि जो लोग उस व्यक्ति की चंगाई के गवाह थे, उनके बीच बिना किसी उपद्रव के वे किस प्रकार पतरस और यूहन्ना को दंड दें

और धमकाकर छोड़ दिया
अगुओं ने उन्हें आगे और दंड देने की धमकी डी

वह मनुष्य.....चालीस वर्ष से अधिक आयु का था
यह बात सभी जानते थे कि वह एक अपाहिज था और उसे हाल ही में चंगाई मिली थी।

Acts 4:23

अपने साथियों के पास आए
अपने साथियों के पास आए -वे अन्य विश्वासियों के पास गए

एक चित्त होकर ऊँचें शब्द से परमेश्वर से कहा
एक चित्त होकर ऊँचें शब्द से परमेश्वर से कहा -वे मन-सबुद्धि से एक थे

व्यर्थ बातें सोंची
बेकार की बातें, अवास्तविक बातें

Acts 4:26

x
में, भजन संहिता में निहित राजा दाऊद पर शुरु किये अपने उद्धरण को पतरस आगे बढाता है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

एक साथ इकट्ठे हो गए
वे साथ हो लिए। उन्होंने अपनी सेनायें मिला ली।

Acts 4:27

x
विश्वासी जन में शुरू की अपनी प्रार्थना को आगे बढ़ाते हैं

हेरोदेस और पुन्तियुस पीलातुस भी अन्य जातियों और इस्राएलियों के साथ इस नगर में इकट्ठे हुए
दाऊद ने केवल गैर-यहूदी जातियों को शामिल किया था, लेकिन पतरस में इस्राएल और उसके शासकों को भी मसीह के विरोधियों में गिना

इस नगर में
अर्थात यरूशलेम में

Acts 4:29

x
विश्वासी जन में शुरू की अपनी प्रार्थना को आगे बढ़ाते हैं

उनकी धमकियों को देख कर
उनकी धमकियों को देख कर -इसी कारण से शिष्यों को परमेश्वर का वचन बोलने का हियाव दिया गया था।

तेरा वचन बड़े हियाव से सुनाएँ
यह शिष्यों का पवित्र आत्मा से भरने का परिणाम था

Acts 4:32

और विश्वास करनेवालों की मंडली
“विश्वास करनेवालों बहुत से लोग...”

उन सब पर बड़ा अनुग्रह था
इसका आशय है कि 1)परमेश्वर बहुत से विश्वासियों पर बहुत से वरदान और हियाव उंडेल रहा था या फिर 2) यरूशलेम के अन्य सभी लोग विश्वासियों को आदर की दृष्टि से देखते थे।

Acts 4:34

बेच-बेचकर बिकी हुई वस्तुओं का.....दाम लाते थे और उसे प्रेरितों के पावों पर रखते थे और अपनी आवश्यकता के अनुसार ...हर एक को बाँट दिया करते थे
बहुत से विश्वासियों ने ऐसा एक बार नहीं, वरन बार-बार ऐसा किया

प्रेरितों के पांवों पर रखते थे
ऐसा करने के द्वारा विश्वासी यह वयक्त करते थे कि : 1) उनका मन-पर्तिवर्तन हो चुका है और यह कि 2) वरदानों को बांटने का अधिकार वे प्रेरितों को दे रहे थे

जैसे जिसे आवश्यकता होती थी
ऐसा लगता है कि विश्वासियों की आवश्यकताओं पर नज़र रखी जाती थी; बस किसी के कहने भर से उनसे सामान नहीं दिया जाता था।

Acts 4:36

युसूफ नामक, साइप्रस का एक लेवी था
कहानी के इस अंश में बरनबास का प्रवेश होता है। आगे चल कर वह लूका रचित प्रेरितों के कार्य की पुस्तक में बड़ी भूमिका निभाता है। कहानी में इस नए व्यक्ति के प्रवेश को व्यक्त करते समय अपनी भाषा में शब्दों के चुनाव पर विशेष ध्यान दें।

प्रेरितों के पांवों पर रख दिए
इस प्रकार देना विश्वासियों के मध्य आम प्रथा थी, और यह इस बात का प्रतीक थी कि उपहार को अपने अनुसार प्रयोग करने का अधिकार प्रेरितों को सौंप दिया गया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Acts 4:2

पतरस और यूहन्ना मंदिर में लोगों को क्या शिक्षा दे रहे थे?
पतरस और यूहन्ना यीशु और उसके मरे हुओं में से जी उठने के बारे में शिक्षा दे रहे थे।

Acts 4:3

मंदिर के याजकों, पुरनियों और शास्त्रियों पर पतरस और यूहन्ना की शिक्षा का क्या असर हुआ?
उन्होंने पतरस और यूहन्ना को गिरफ्तार कर लिया और जेल में डाल दिया।

Acts 4:4

लोगों पर पतरस और यूहन्ना की शिक्षा का क्या असर हुआ?
करीब पाँच हजार (बहुत से) लोगों ने विश्वास किया।

Acts 4:9

फिलिप्पुस सुसमाचार प्रचारक के विषय में हम क्या जानते हैं?
फिलिप्पुस की चार कुंवारी पुत्रियाँ थीं जो भविष्यद्वाणी करतीं थीं।

Acts 4:10

पतरस ने क्या कहा कि मन्दिर में उस मनुष्य को उसने किस सामर्थ्य या नाम से चंगा किया?
पतरस ने उत्तर दिया कि उसने यीशु मसीह के नाम से उस मनुष्य को मन्दिर में चंगा किया।

Acts 4:12

पतरस ने क्या कहा कि कौन सा एक अकेला तरीका है जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकते हैं?
पतरस ने कहा कि यीशु के अलावा और कोई दूसरा नाम नहीं, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें।

Acts 4:14

पतरस और यूहन्ना के खिलाफ यहूदी अगुवे कुछ क्यों न कह सके?
अगुवे कुछ न कह सके क्योंकि जिस मनुष्य को चंगा किया गया था, वह पतरस और यूहन्ना के साथ खड़ा था।

Acts 4:18

यहूदी अगुवे ने पतरस और यूहन्ना को क्या न करने की चेतावनी दी?
यहूदी अगुवे ने पतरस और यूहन्ना को चेतावनी दी कि यीशु के विषय में न बोलें और न सिखलाएं।

Acts 4:20

पतरस और यूहन्ना ने यहूदी अगुवों को किस प्रकार उत्तर दिया?
पतरस और यूहन्ना ने उत्तर दिया कि यह तो उनसे हो नहीं सकता कि जो बातें उन्होंने सुनी और देखी है, वह न कहें।

Acts 4:29

विश्वासियों को यहूदी अगुवों की चेतावनी से जो प्रतिक्रिया हुई उसके लिए परमेश्वर से क्या माँगा?
विश्वासियों ने मांगा कि वे यीशु के नाम में बड़े हियाव से वचन को सुना सकें, और चिन्ह और अद्भुत काम कर सकें।

Acts 4:31

जब विश्वासी अपनी प्रार्थना कर चुके तो क्या हुआ?
जब विश्वासी अपनी प्रार्थना समाप्त कर चुके तो वह स्थान जहाँ वे इकट्ठे थे हिल गया, वे सब पवित्र-आत्मा से भर गए और परमेश्वर का वचन हियाव से सुनाते रहे।

Acts 4:32

विश्वासियों की आवश्यकताएं कैसे पूरी होती थीं?
विश्वासियों का सब कुछ साझे का था, और जिनके पास सम्पत्ति थी उन्होंने उसे बेचा और उसका दाम लाकर प्रेरितों को दे दिया ताकि आवश्यकता के अनुसार उसे बाँट दिया जाए।

Acts 4:36

वह मनुष्य जिसने अपनी भूमि बेच दी और रुपया प्रेरितों को दे दिया उसको नया नाम क्या दिया गया जिसका अर्थ है "शांति का पुत्र"?
बरनबास नामक व्यक्ति का अर्थ है "शान्ति का पुत्र" ।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 हनन्याह नामक एक मनुष्य, और उसकी पत्नी सफीरा ने कुछ भूमि बेची। **2** और उसके दाम में से कुछ रख छोड़ा; और यह बात उसकी पत्नी भी जानती थी, और उसका एक भाग लाकर प्रेरितों के पाँवों के आगे रख दिया।

3 परन्तु पतरस ने कहा, “हे हनन्याह! शैतान ने तेरे मन में यह बात क्यों डाली है कि तू पवित्र आत्मा से झूठ बोले, और भूमि के दाम में से कुछ रख छोड़े? **4** जब तक वह तेरे पास रही, क्या तेरी न थी? और जब बिक गई तो क्या तेरे वश में न थी? तूने यह बात अपने मन में क्यों सोची? तूने मनुष्यों से नहीं, परन्तु परमेश्वर से झूठ बोला है।” **5** ये बातें सुनते ही हनन्याह गिर पड़ा*, और प्राण छोड़ दिए; और सब सुननेवालों पर बड़ा भय छा गया। **6** फिर जवानों ने उठकर उसकी अर्थी बनाई और बाहर ले जाकर गाड़ दिया।

7 लगभग तीन घंटे के बाद उसकी पत्नी, जो कुछ हुआ था न जानकर, भीतर आई। **8** तब पतरस ने उससे कहा, “मुझे बता क्या तुम ने वह भूमि इतने ही में बेची थी?” उसने कहा, “हाँ, इतने ही में।”

9 पतरस ने उससे कहा, “यह क्या बात है, कि तुम दोनों प्रभु के आत्मा की परीक्षा के लिए एक साथ सहमत हो गए? देख, तेरे पति के गाड़नेवाले द्वार ही पर खड़े हैं, और तुझे भी बाहर ले जाएँगे।” **10** तब वह तुरन्त उसके पाँवों पर गिर पड़ी, और प्राण छोड़ दिए; और जवानों ने भीतर आकर उसे मरा पाया, और बाहर ले जाकर उसके पति के पास गाड़ दिया। **11** और सारी कलीसिया पर और इन बातों के सब सुननेवालों पर, बड़ा भय छा गया।

12 प्रेरितों के हाथों से बहुत चिन्ह और अद्भुत काम लोगों के बीच में दिखाए जाते थे, और वे सब एक चित्त होकर सुलैमान के ओसारे में इकट्ठे हुआ करते थे। **13** परन्तु औरों में से किसी को यह साहस न होता था कि, उनमें जा मिलें; फिर भी लोग उनकी बड़ाई करते थे।

14 और विश्वास करनेवाले बहुत सारे पुरुष और स्त्रियाँ प्रभु की कलीसिया में और भी अधिक आकर मिलते रहे*। **15** यहाँ तक कि लोग बीमारों को सड़कों पर ला-लाकर, खाटों और खटोलों पर लिटा देते थे, कि जब पतरस आए, तो उसकी छाया ही उनमें से किसी पर पड़ जाए। **16** और यरूशलेम के आस-पास के नगरों से भी बहुत लोग बीमारों और अशुद्ध आत्माओं के सताए हुओं को ला-लाकर, इकट्ठे होते थे, और सब अच्छे कर दिए जाते थे।

17 तब महायाजक और उसके सब साथी जो सदूकियों के पंथ के थे, ईर्ष्या से भर कर उठे। **18** और प्रेरितों को पकड़कर बन्दीगृह में बन्द कर दिया।

19 परन्तु रात को प्रभु के एक स्वर्गदूत ने बन्दीगृह के द्वार खोलकर उन्हें बाहर लाकर कहा, **20** “जाओ, मन्दिर में खड़े होकर, इस जीवन की सब बातें लोगों को सुनाओ।” **21** वे यह सुनकर भोर होते ही मन्दिर में जाकर उपदेश देने लगे। परन्तु महायाजक और उसके साथियों ने आकर महासभा को और इस्राएलियों के सब प्राचीनों को इकट्ठा किया, और बन्दीगृह में कहला भेजा कि उन्हें लाएँ।

22 परन्तु अधिकारियों ने वहाँ पहुँचकर उन्हें बन्दीगृह में न पाया, और लौटकर संदेश दिया, **23** “हमने बन्दीगृह को बड़ी सावधानी से बन्द किया हुआ, और पहरेवालों को बाहर द्वारों पर खड़े हुए पाया; परन्तु जब खोला, तो भीतर कोई न मिला।”

24 जब मन्दिर के सरदार और प्रधान याजकों ने ये बातें सुनीं, तो उनके विषय में भारी चिन्ता में पड़ गए कि उनका क्या हुआ! **25** इतने में किसी ने आकर उन्हें बताया, “देखो, जिन्हें तुम ने बन्दीगृह में बन्द रखा था, वे मनुष्य मन्दिर में खड़े हुए लोगों को उपदेश दे रहे हैं।”

26 तब सरदार, अधिकारियों के साथ जाकर, उन्हें ले आया, परन्तु बलपूर्वक नहीं, क्योंकि वे लोगों से डरते थे, कि उन पर पत्थराव न करें। **27** उन्होंने उन्हें फिर लाकर महासभा के सामने खड़ा कर दिया और महायाजक ने उनसे पूछा, **28** “क्या हमने तुम्हें चिताकर आज्ञा न दी थी, कि तुम इस नाम से उपदेश न करना? फिर भी देखो, तुम ने सारे यरूशलेम को अपने उपदेश से भर दिया है और उस व्यक्ति का लहू हमारी गर्दन पर लाना चाहते हो।”

29 तब पतरस और, अन्य प्रेरितों ने उत्तर दिया, “मनुष्यों की आज्ञा से बढ़कर परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना ही हमारा कर्त्तव्य है। **30** हमारे पूर्वजों के परमेश्वर ने यीशु को जिलाया, जिसे तुम ने क्रूस पर लटकाकर मार डाला था। (व्य. 21:22-23) **31** उसी को परमेश्वर ने प्रभु और उद्धारकर्ता ठहराकर, अपने दाहिने हाथ से सर्वोच्च किया, कि वह इस्राएलियों को मन फिराव और पापों की क्षमा प्रदान करे। (लूका 24:47) **32** और हम इन बातों के गवाह हैं, और पवित्र आत्मा भी, जिसे परमेश्वर ने उन्हें दिया है, जो उसकी आज्ञा मानते हैं।”

33 यह सुनकर वे जल उठे, और उन्हें मार डालना चाहा। **34** परन्तु गमलीएल* नामक एक फरीसी ने जो व्यवस्थापक और सब लोगों में माननीय था, महासभा में खड़े होकर प्रेरितों को थोड़ी देर के लिये बाहर कर देने की आज्ञा दी।

35 तब उसने कहा, “हे इस्राएलियों, जो कुछ इन मनुष्यों से करना चाहते हो, सोच समझ के करना। **36** क्योंकि इन दिनों से पहले थियूदास यह कहता हुआ उठा, कि मैं भी कुछ हूँ; और कोई चार सौ मनुष्य उसके साथ हो लिए, परन्तु वह मारा गया; और जितने लोग उसे मानते थे, सब तितर-बितर हुए और मिट गए। **37** उसके बाद नाम लिखाई के दिनों में यहूदा गलीली उठा, और कुछ लोग अपनी ओर कर लिए; वह भी नाश हो गया, और जितने लोग उसे मानते थे, सब तितर-बितर हो गए।

38 इसलिए अब मैं तुम से कहता हूँ, इन मनुष्यों से दूर ही रहो और उनसे कुछ काम न रखो; क्योंकि यदि यह योजना या काम मनुष्यों की ओर से हो तब तो मिट जाएगा; **39** परन्तु यदि परमेश्वर की ओर से है, तो तुम उन्हें कदापि मिटा न सकोगे; कहीं ऐसा न हो, कि तुम परमेश्वर से भी लड़नेवाले ठहरो।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

40 तब उन्होंने उसकी बात मान ली; और प्रेरितों को बुलाकर पिटवाया; और यह आज्ञा देकर छोड़ दिया, कि यीशु के नाम से फिर बातें न करना। **41** वे इस बात से आनन्दित होकर महासभा के सामने से चले गए, कि हम उसके नाम के लिये निरादर होने के योग्य तो ठहरे। **42** इसके बाद हर दिन, मन्दिर में और घर-घर में, वे लगातार सिखाते और प्रचार करते थे कि यीशु ही मसीह है।

Acts 5:1

अब
अथवा ''लेकिन अब''। कहानी में आये नए मोड़ का संकेत देने के लिए इन शब्दों का प्रयोग किया गया है। हमें अपनी भाषोचित अभिव्यक्ति का प्रयोग करना है।

एक मनुष्य
यह उस मनुष्य का परिचय देने का एक तरीका है। ध्यान दें कि कहानी में किसी नए व्यक्ति के प्रवेश को आपकी भाषा में किस प्रकार व्यक्त किया जाता है।

उसके दाम में से कुछ रख छोड़ा
बेच कर प्राप्त हुई रकम के विषय में उसने प्रेरितों से झूठ बोला। इसमें अन्तर्निहित जानकारी को उभार कर इस प्रकार भी लिख सकते हैं: “बेच कर प्राप्त हुई रकम में से उसने कुछ राशि चुपके से अपने पास रख ली।”

प्रेरितों के पांवों पर रख दिए
इस प्रकार देना विश्वासियों के मध्य आम प्रथा थी, और यह इस बात का प्रतीक थी कि उपहार को अपने अनुसार प्रयोग करने का अधिकार प्रेरितों को सौंप दिया गया है।

उसकी पत्नी भी जानती थी
उसकी पत्नी भी जानती थी -अनुवाद करते समय हम यह भी लिख सकते हैं कि, “उसकी पत्नी को यह बात मालूम थी और वह ऐसा करने के लिए तैयार हो गयी।”

Acts 5:3

शैतान ने तेरे मन में यह बात क्यों डाली
पतरस ने भाषाडम्बर से भरा यह प्रश्न हनन्याह को फटकारने के लिए पूछा था

क्या तेरी न थी....क्या तेरे वश में न थी
इस प्रश्न को पूछने के द्वारा पतरस हनन्याह को यह याद दिलाना चाहता है कि : पैसे तब भी हनन्याह के ही थे और वे तब भी हनन्याह के वश में ही थे।

तूने यह बात अपने मन में क्यों विचारी?
इस प्रश्न के द्वारा पतरस हनन्याह को फटकार लगा रहा है।

फिर जवानों ने उठकर
यहाँ पर शाब्दिक अर्थ का प्रयोग है, अर्थात “जवान उठ कर आये...” यह किसी काम को करने की पहल को व्यक्त करता है।

उसकी अर्थी बनाई और बाहर ले जाकर गाड़ दिया
किसी की मृत्यु पर शव को अंतिम गाड़ने से पहले तैयार किया जाता था। ऐसा प्रतीत होता है कि हनन्याह के मामले में ऐसा नहीं किया गया।

Acts 5:7

जो कुछ हुआ था
यह कि उसके पति की मृत्यु हो चुकी है

मुझे बता
पतरस ने उसे हाँ या ना में जवाब देने का आदेश दिया

भूमि इतने ही में बेची थी
यह कहानी हनन्याह के छल के विषय में है, न कि लेखा देने के विषय में। लूका ने भूमि के असल दाम का उल्लेख नहीं किया है।

Acts 5:9

यह क्या बात है, कि तुम दोनों ने प्रभु के आत्मा की परिक्षा के लिए एका किया है
यह वास्तविक प्रश्न नहीं है। इसे इस तरह भी अनूदित किया जा सकता है, कि “तुम दोनों ने आत्मा की परीक्षा लेने का एका किया है।”

और प्राण छोड़ दिए
यह “और वह मर गयी” के लिए शिष्टोक्ति है।

उनके पांवों पर
यह आलंकारिक भाषा है। वह हनन्याह को गाड़नेवाले के पैरों पर गिर पड़ी।

Acts 5:12

बहुत चिन्ह और अद्भुत काम लोगों के बीच में दिखाए जाते थे
“बहुत से आश्चर्यकर्म हो रहे थे” (यूडीबी देखें)

औरों में से किसी को
अर्थात, “जो भी कलीसिया का हिस्सा थे, उनमे से किसी को”

सुलैमान के ओसारे
यह मंदिर प्रांगण के भीतर स्थित था

बड़ाई करते थे
“बहुत सम्मान व आदर देते थे”

Acts 5:14

उसकी छाया ही उनमें से किसी पर पड़ जाए
अर्थात, पतरस की छाया पड़ने पर वे चंगे हो जाएँ

Acts 5:17

तब
यहाँ से कहानी में बदलाव आता है। इस बदलाव को दिखाते समय अपनी भाषा का एकदम सटीक और सही प्रयोग करें।

डाह
“ईर्ष्या” या कि “आक्रोश।” सदूकियों की ईर्ष्या का मुख्य कारण था प्रेरितों को मिल रही ख्याति।

प्रेरितों को पकड़कर
अर्थात “प्रेरितों को बंदी बना कर।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 5:19

उन्हें बाहर लाकर कहा
“उन्हें जेल से बाहर निकाल कर कहा”

भोर होते ही
रात में मंदिर बंद रहता था। प्रेरितों ने स्वर्गदूत की बात पर यथासम्भव तेज़ी से अमल किया।

Acts 5:22

x
(वचन के इस हिस्से के लिए कोई नोट्स नहीं है।)

Acts 5:24

भारी चिंता में पड़ गए
“वे समझ नहीं पाए” या कि “वे विमूढ़ हो गए”

ये बातें सुनीं
अर्थात “वे जो उन्होंने अभी-अभी सुनी थी” (कि प्रेरित जेल में नहीं थे)

जिन्हें तुमने
‘तुमने’ यहाँ बहुवचन में है

Acts 5:26

कि हम पर पथराव न करें
कि हम पर पथराव न करें -अनुवाद करते समय इसे यूं भी लिखा जा सकता है कि, “कि मंदिर के रक्षकों पर पथराव न करें।”

उस व्यक्ति का लहू हमारी गर्दन पर लाना चाहते हो
“उस व्यक्ति की मृत्यु के लिए हमें ज़िम्मेदार ठहराना चाहते हों”

आज्ञा
आज्ञा -आज्ञा (बहु.)

तुमने....भर दिया है
तुमने....भर दिया है -तुमने (बहु.)

Acts 5:29

इस्राएलियों को मन फिराव की शकित और पापों की क्षमा प्रदान करें
इस्राएलियों को मन फिराव की शकित और पापों की क्षमा प्रदान करें -अनुवाद करते समय यूं भी लिखा सकते हैं,कि “इस्राएलियों को अपने पापों से मन फिराने और अपने पापों की क्षमा प्राप्त करने का अवसर दिया।”

और पवित्र आत्मा भी
और पवित्र आत्मा भी -पवित्र आत्मा को एक व्यक्ति के रूप में संबोधित किया गया है जो यीशु के आश्चर्यकर्म के कार्यों को प्रमाणित कर सकता है।

Acts 5:33

वे जल गए
प्रेरितों द्वारा फटकारे जाने से परिषद् के सदस्यों को बहुत अधिक क्रोध आया।

Acts 5:34

सोच समझ के करना
“इस विषय में ध्यान से सोंचना” (यूडीबी), या फिर, “इस विषय में सावधान रहना”

Acts 5:38

x
में शुरू की अपनी बात को गमलीएल आगे बढाता है।

Acts 5:40

योग्य तो ठहरे
यीशु के लिए कष्ट भोगना एक सौभाग्य था।

Translation Questions

Acts 5:1

हनन्याह और सफीरा ने क्या पाप किया?
हनन्याह और सफीरा ने यह कहकर झूठ बोला कि वे अपनी सम्पत्ति को बेचकर पूरा दाम दे रहे थे जबकि उन्होंने उसके दाम का एक ही भाग दिया।

Acts 5:3

पतरस ने पूछा हनन्याह और सफीरा ने किससे झूठ बोला?
पतरस ने बताया कि हनन्याह और सफीरा ने पवित्र-आत्मा से झूठ बोला।

Acts 5:5

परमेश्वर ने हनन्याह और सफीरा का क्या न्याय किया?
परमेश्वर ने हनन्याह और सफीरा दोनों को मार दिया।

Acts 5:11

कलीसिया और उन सबने जिसने हनन्याह और सफीरा के बारे में सुना, उनकी क्या प्रतिक्रिया हुई?
कलीसिया में हनन्याह और सफीरा के बारे में सुनने वालों पर बड़ा भय छा गया।

Acts 5:15

कुछ लोग बीमार को चंगाई दिलवाने के लिए क्या कर रहे थे?
कुछ लोग बीमारों को सड़कों पर ले जा रहे थे, ताकि पतरस की छाया ही उन पर पड़ जाए, और दूसरे लोग दूसरे शहरों से यरूशलेम में बीमारों को ला रहे थे।

Acts 5:17

यरूशलेम में बीमार चंगाई पा रहे थे, इसके प्रति सदूकियों की क्या प्रतिक्रिया थी?
सब सदूकी डाह से भर उठे और प्रेरितों को बन्दीगृह में बन्द कर दिया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 5:19

किस प्रकार से सब प्रेरित बन्दीगृह से बाहर निकले?
एक स्वर्गदूत आया और उसने बन्दीगृह के द्वार खोलकर उन्हें बाहर निकाला।

Acts 5:23

जब महायाजकों के प्यादे बन्दीगृह गये तो उन्होंने क्या पाया?
प्यादों में उन्हें बन्दीगृह में न पाया जबकि बन्दीगृह बड़ी चौकसी से बन्द किया गया था और पहरेदार द्वारों पर खड़े हुए थे।

Acts 5:26

प्यादे क्यों प्रेरितों को महायाजकों के पास ले आए किन्तु बलपूर्वक नहीं?
प्यादे डरते थे कि कहीं लोग उन्हें पत्थरवाह न करें।

Acts 5:29

प्रेरितों ने क्या कहा जब उनसे पूछा गया कि वे क्यों चेतावनी दिये जाने पर भी यीशु नाम से उपदेश दे रहे थे?
प्रेरितों ने उत्तर दिया, "हमें मनुष्यों की आज्ञा से बढ़कर परमेश्वर की आज्ञा माननी चाहिए।"

Acts 5:30

प्रेरितों ने किसे यीशु को मार डालने का उत्तरदायी ठहराया?
प्रेरितों ने उत्तर दिया कि महायाजक और महासभा के सदस्य यीशु को मार डालने के उत्तरदायी थे।

Acts 5:33

महासभा के सदस्यों पर इस कथन का कि वे यीशु को मार डालने के उत्तरदायी थे, क्या प्रतिक्रिया हुई?
महासभा के सदस्य यह सुनकर जल गये और उन्हें मार डालना चाहा।

Acts 5:38

गमलीएल ने महासभा को क्या सलाह दी?
गमलीएल ने महासभा को प्रेरितों को अकेला छोड़ देने की सलाह दी।

Acts 5:39

गमलीएल ने महासभा को क्या चेतावनी दी कि उन्हें प्रेरितों को उखाड़ फेंकने की कोशिश समाप्त करनी होगी?
गमलीएल ने महासभा को चेतावनी दी कि वे परमेश्वर से लड़ाई करना छोड़ दें।

Acts 5:40

उसके स्वामी ने उसके साथ क्या किया?
महासभा ने प्रेरितों को पीटा और उन्हें यीशु के नाम से बातें न करने की आज्ञा देकर जाने दिया।

Acts 5:41

प्रेरितों पर महासभा से प्राप्त बर्ताव की क्या प्रतिक्रिया हुई?
प्रेरित इस बात से आनन्दित हुए कि वे यीशु के नाम के लिए निरादर के योग्य ठहरे।

Acts 5:42

महासभा से मिलने के बाद प्रेरितों ने प्रतिदिन क्या किया?
प्रेरितों ने प्रतिदिन उपदेश दिया और सुसमाचार सुनाया कि यीशु ही मसीह है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 6

1 उन दिनों में जब चेलों की संख्या बहुत बढ़ने लगी, तब यूनानी भाषा बोलनेवाले इब्रानियों पर कुड़कुड़ाने लगे, कि प्रतिदिन की सेवकाई में हमारी विधवाओं की सुधि नहीं ली जाती।

2 तब उन बारहों ने चेलों की मण्डली को अपने पास बुलाकर कहा, “यह ठीक नहीं कि हम परमेश्वर का वचन छोड़कर खिलाने-पिलाने की सेवा में रहें। **3** इसलिए हे भाइयों, अपने में से सात सुनाम पुरुषों को जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हो, चुन लो, कि हम उन्हें इस काम पर ठहरा दें। **4** परन्तु हम तो प्रार्थना में और वचन की सेवा में लगे रहेंगे।”

5 यह बात सारी मण्डली को अच्छी लगी, और उन्होंने स्तिफनुस नामक एक पुरुष को जो विश्वास और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण था, फिलिप्पुस, प्रुखुरुस, नीकानोर, तीमोन, परमिनास और अन्ताकिया* वासी नीकुलाउस को जो यहूदी मत में आ गया था, चुन लिया। **6** और इन्हें प्रेरितों के सामने खड़ा किया और उन्होंने प्रार्थना करके उन पर हाथ रखे।

7 और परमेश्वर का वचन फैलता गया* और यरूशलेम में चेलों की गिनती बहुत बढ़ती गई; और याजकों का एक बड़ा समाज इस मत के अधीन हो गया।

8 स्तिफनुस अनुग्रह और सामर्थ्य से परिपूर्ण होकर लोगों में बड़े-बड़े अद्भुत काम और चिन्ह दिखाया करता था। **9** तब उस आराधनालय में से जो दासत्व-मुक्त कहलाती थी, और कुरेनी और सिकन्दरिया और किलिकिया और आसिया के लोगों में से कई एक उठकर स्तिफनुस से वाद-विवाद करने लगे।

10 परन्तु उस ज्ञान और उस आत्मा का जिससे वह बातें करता था, वे सामना न कर सके। **11** इस पर उन्होंने कई लोगों को उकसाया जो कहने लगे, “हमने इसे मूसा और परमेश्वर के विरोध में निन्दा* की बातें कहते सुना है।”

12 और लोगों और प्राचीनों और शास्त्रियों को भड़काकर चढ़ आए और उसे पकड़कर महासभा में ले आए। **13** और झूठे गवाह खड़े किए, जिन्होंने कहा, “यह मनुष्य इस पवित्रस्थान और व्यवस्था के विरोध में बोलना नहीं छोड़ता। (यिर्म. 26:11) **14** क्योंकि हमने उसे यह कहते सुना है, कि यही यीशु नासरी इस जगह को ढा देगा, और उन रीतियों को बदल डालेगा जो मूसा ने हमें सौंपी हैं।” **15** तब सब लोगों ने जो महासभा में बैठे थे, उसकी ओर ताक कर उसका मुख स्वर्गदूत के समान देखा*।

Acts 6:1

उन दिनों में
यहाँ एक नए प्रकरण की शुरुआत हो रही है। अपनी भाषा के अनुसार उपयुक्त शब्दों का चुनाव करें।

संख्या बहुत बढ़ने लगी
“संख्या में बहुत वृद्धि होने लगी”

यूनानी भाषा बोलनेवाले
ये वे यहूदी थे जिन्होंने अपना लगभग पूरा जीवन इस्राएल से बाहर, रोमी साम्राज्य में कहीं बिताया था, और वे यूनानी भाषा बोलते हुए बड़े हुए थे। उनकी भाषा और संस्कृति भी इस्राएल के मूल यहूदियों से थोड़ी अलग थी। नोट: यहाँ पर “यूनानी भाषा बोलनेवाले यहूदी” लिखना बेहतर होगा।

इब्रानियों
ये इस्राएल में पले-बड़े अरामी बोलनेवाले यहूदी थे। इस समय तक कलीसिया में केवल यहूदी और यहूदी मत में आनेवाले लोगों को गिना जाता था।

विधवाओं
सही मायनों में विधवा वह स्त्री है जिसके पति की मृत्यु हो चुकी है, आयु ढलने के कारण शादी नहीं कर सकती, और जिसकी देखभाल करनेवाला कोई सगा-सम्बन्धी न हो।

प्रतिदिन की सेवकाई
प्रेरितों को दी जानेवाली रकम का एक हिस्सा प्रारंभिक कलीसिया की विधवाओं के लिए भोजन खरीदने में लगाया जाता था।

सुधि नहीं ली जाती
“अवहेलना की गयी” या फिर, “भुला दिया गया।” इतने सारे ज़रूरतमंदों के बीच कभी-कभार ज़रूरतमंद छूट जाते थे।

Acts 6:2

खिलाने-पिलाने
इसका आशय लोगों को भोजन कराने से है।

सात सुनाम पुरुषों को जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हो
इसके संभावित अर्थ हैं, 1) उन लोगों में तीन गुण हों--अच्छी प्रतिष्ठा, आत्मा की भरपूरी, और बुद्धि की भरपूरी, अथवा 2) लोग अपने दो गुणों के लिए जाने जाते हों---आत्मा की परिपूर्णता, और बुद्धि की परिपूर्णता (यूडीबी)।

सुनाम
“लोग जिन्हें अच्छा मानते हों” अथवा “लोग जिन पर विश्वास करते थे”

अपने में से
उपयुक्त स्थान में अपनी भाषा की विशिष्ट अभिव्यक्ति का प्रयोग करें

चुन लो
उपयुक्त स्थान में अपनी भाषा में बहुवचन के लिए प्रयुक्त होनेवाले शब्दों का प्रयोग करें

Acts 6:4

यह बात सारी मंडली को अच्छी लगी
यह बात साड़ी मंडली को मंज़ूर/स्वीकार्य थी

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

स्तिफनुस,..और फिलिप्पुस और पृखुरुस,नीकानोर, तीमोन, परमिनास, और अन्ताकियावासी नीकुलाउस
ये सभी यूनानी नाम हैं जिससे इस बात का संकेत मिलता है कि चुने गए अधिकतर अथवा सभी लोग यूनानी-यहूदी विश्वासियों में से थे।

जो यहूदी मत में आ गया था
अर्थात यहूदी मत को धारण करनेवाला एक गैर-यहूदी व्यक्ति

उन पर हाथ रखे
सात लोगों को आशीष दिया और उन्हें कार्य करने का उत्तरदायित्व व अधिकार दिया

Acts 6:7

परमेश्वर का वचन फैलता गया
इसका प्रभाव और अधिक फैलता गया

चेलों की गिनती
अर्थात यीशु के आज्ञापालकों व अनुयायियों की गिनती

इस मत के अधीन हो गया
अर्थात "इस नए मत के मार्ग का अनुकरण किया"

Acts 6:8

आराधनालय से जो लिबिरतीनों की कहलाती थी
आराधनालय से जो लिबिरतीनों की कहलाती थी -:संभवतः ये अलग-अलग स्थान के पूर्व दास थे। यह स्पष्ट नहीं है कि आराधनालय में मौजूद बाकी लोग उस आराधनालय का हिस्सा थे या कि बस स्तिफनुस से वाद-विवाद का हिस्सा थे।

स्तिफनुस से वाद-विवाद करने लगे
स्तिफनुस से वाद-विवाद करने लगे -"स्तिफनुस से तर्क करने लगे" (यूडीबी) अथवा "स्तिफनुस से चर्चा करने लगे"

Acts 6:10

वे सामना न कर सके
"वे उससे बहस न कर सके"

आत्मा
अर्थात पवित्र आत्मा

कई लोगों को उभारा
अर्थात "कई लोगों को इस बात के लिए राज़ी किया कि वे"

परमेश्वर के विरोध में निंदा
अनुवाद करते समय इसे यूं भी लिख सकते हैं कि, "परमेश्वर और मूसा की व्यवस्था के विरोध में"

Acts 6:12

भड़काकर
गुस्सा भड़काकर

पकड़कर
"दबोच कर"

उसकी ओर ताककर
"उसे एकटक देखा।" यहाँ पर आलंकारिक भाषा का प्रयोग है।

उसका मुखड़ा स्वर्गदूत का सा देखा
यहाँ उपमा का प्रयोग है जिसका आशय "दमकता देखा" से है, जो कि यहाँ उल्लिखित नहीं है। अनुवाद करते समय यूं भी लिख सकते हैं कि, "उसका चेहरा स्वर्गदूत के चेहरे सा दमक रहा था" (यूडीबी)।

Translation Questions

Acts 6:1

इब्रानियों के विरोध में यूनानी भाषा बोलने वालों ने क्या कुड़कुड़ाया?
यूनानी भाषा बोलने वालों ने शिकायत की कि दैनिक भोजन वितरण में उनकी विधवाओं की सुधि नहीं ली जाती।

Acts 6:3

किसने सात मनुष्यों को खिलाने-पिलाने की सेवा के लिए चुना?
चेलों (विश्वासियों) ने सात मनुष्य इस काम के लिए चुने।

इन सात मनुष्यों के चुने जाने के लिए इनकी क्या विशेषताएं थीं?
इन सात मनुष्यों को सुनाम वाला, पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण होना था।

Acts 6:4

प्रेरित किस कार्य में लगे रहे?
प्रेरित प्रार्थना में और वचन की सेवा में लगे रहे।

Acts 6:6

जब विश्वासी उन सात मनुष्यों को लाए तो प्रेरितों ने क्या किया?
प्रेरितों ने प्रार्थना की और उनके सिर पर हाथ रखे।

Acts 6:7

यरूशलेम में चेलों के साथ क्या हो रहा था?
यरूशलेम में चेलों की गिनती याजकों समेत बहुत बढ़ती गई।

Acts 6:10

अविश्वासी यहूदियों और स्तिफनुस के वाद-विवाद में कौन जीत रहा था?
अविश्वासी यहूदी उस ज्ञान और आत्मा से जिससे स्तिफनुस बातें करता था, सामना न कर सके।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 6:14

झूठे गवाहों द्वारा स्तिफनुस पर क्या दोष लगाए गए?
झूठे गवाहों ने दावा किया कि स्तिफनुस ने कहा कि यीशु नासरी इस जगह को ढा देगा और मूसा की रीतियों को बदल डालेगा।

Acts 6:15

जब सब लोगों ने जो सभा में बैठे थे, स्तिफनुस की ओर ताका तो उन्होंने क्या देखा?
उन्होंने उसका मुखड़ा एक स्वर्गदूत का सा देखा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 7

1 तब महायाजक ने कहा, "क्या ये बातें सत्य है?" **2** उसने कहा,

"हे भाइयों, और पिताओं सुनो, हमारा पिता अब्राहम हारान में बसने से पहले जब मेसोपोटामिया में था; तो तेजोमय परमेश्वर ने उसे दर्शन दिया। **3** और उससे कहा, 'तू अपने देश और अपने कुटुम्ब से निकलकर उस देश में चला जा, जिसे मैं तुझे दिखाऊँगा।' (उत्प. 12:1)

4 तब वह कसदियों के देश से निकलकर हारान में जा बसा; और उसके पिता की मृत्यु के बाद परमेश्वर ने उसको वहाँ से इस देश में लाकर बसाया जिसमें अब तुम बसते हो, (उत्प. 12:5) **5** और परमेश्वर ने उसको कुछ विरासत न दी, वरन् पैर रखने भर की भी उसमें जगह न दी, यद्यपि उस समय उसके कोई पुत्र भी न था। फिर भी प्रतिज्ञा की, 'मैं यह देश, तेरे और तेरे बाद तेरे वंश के हाथ कर दूँगा।' (उत्प. 13:15, उत्प. 15:18, उत्प. 16:1, उत्प. 24:7, व्य. 2:5, व्य. 11:5)

6 और परमेश्वर ने यों कहा, 'तेरी सन्तान के लोग पराये देश में परदेशी होंगे, और वे उन्हें दास बनाएँगे, और चार सौ वर्ष तक दुःख देंगे।' (उत्प. 15:13-14, निर्ग. 2:22) **7** फिर परमेश्वर ने कहा, 'जिस जाति के वे दास होंगे, उसको मैं दण्ड दूँगा; और इसके बाद वे निकलकर इसी जगह मेरी सेवा करेंगे।' (उत्प. 15:14, निर्ग. 3:12) **8** और उसने उससे खतने की वाचा* बाँधी; और इसी दशा में इसहाक उससे उत्पन्न हुआ; और आठवें दिन उसका खतना किया गया; और इसहाक से याकूब और याकूब से बारह कुलपति उत्पन्न हुए। (उत्प. 17:10-11, उत्प. 21:4)

9 "और कुलपतियों ने यूसुफ से ईर्ष्या करके उसे मिस्र देश जानेवालों के हाथ बेचा; परन्तु परमेश्वर उसके साथ था। (उत्प. 37:11, उत्प. 37:28, उत्प. 39:2-3, उत्प. 45:4) **10** और उसे उसके सब क्लेशों से छुड़ाकर मिस्र के राजा फ़िरौन के आगे अनुग्रह और बुद्धि दी, उसने उसे मिस्र पर और अपने सारे घर पर राज्यपाल ठहराया। (उत्प. 39:21, उत्प. 41:40, उत्प. 41:43, उत्प. 41:46, भज. 105:21)

11 तब मिस्र और कनान के सारे देश में अकाल पड़ा; जिससे भारी क्लेश हुआ, और हमारे पूर्वजों को अन्न नहीं मिलता था। (उत्प. 41:54, 55, उत्प. 42:5) **12** परन्तु याकूब ने यह सुनकर, कि मिस्र में अनाज है, हमारे पूर्वजों को पहली बार भेजा। (उत्प. 42:2) **13** और दूसरी बार यूसुफ अपने भाइयों पर प्रगट हो गया, और यूसुफ की जाति फ़िरौन को मालूम हो गई। (उत्प. 45:1, उत्प. 45:3, उत्प. 45:16)

14 तब यूसुफ ने अपने पिता याकूब और अपने सारे कुटुम्ब को, जो पचहत्तर व्यक्ति थे, बुला भेजा। (उत्प. 45:9-11, उत्प. 45:18-19, निर्ग. 1:5, व्य. 10:22) **15** तब याकूब मिस्र में गया; और वहाँ वह और हमारे पूर्वज मर गए। (उत्प. 45:5,6, उत्प. 49:33, निर्ग. 1:6) **16** उनके शव शेकेम में पहुँचाए जाकर उस कब्र में रखे गए, जिसे अब्राहम ने चाँदी देकर शेकेम में हामोर की सन्तान से मोल लिया था। (उत्प. 23:16-17, उत्प. 33:19, उत्प. 49:29-30, उत्प. 50:13, यहो. 24:32)

17 "परन्तु जब उस प्रतिज्ञा के पूरे होने का समय निकट आया, जो परमेश्वर ने अब्राहम से की थी, तो मिस्र में वे लोग बढ़ गए; और बहुत हो गए। **18** तब मिस्र में दूसरा राजा हुआ जो यूसुफ को नहीं जानता था। (निर्ग. 1:7-8) **19** उसने हमारी जाति से चतुराई करके हमारे बाप-दादों के साथ यहाँ तक बुरा व्यवहार किया, कि उन्हें अपने बालकों को फेंक देना पड़ा कि वे जीवित न रहें। (निर्ग. 1:9-10, निर्ग. 1:18, निर्ग. 1:22) **20** उस समय मूसा का जन्म हुआ; और वह परमेश्वर की दृष्टि में बहुत ही सुन्दर था; और वह तीन महीने तक अपने पिता के घर में पाला गया। (निर्ग. 2:2) **21** परन्तु जब फेंक दिया गया तो फ़िरौन की बेटी ने उसे उठा लिया, और अपना पुत्र करके पाला। (निर्ग. 2:5, निर्ग. 2:10) **22** और मूसा को मिस्रियों की सारी विद्या पढ़ाई गई, और वह वचन और कामों में सामर्थी था।

23 "जब वह चालीस वर्ष का हुआ, तो उसके मन में आया कि अपने इस्राएली भाइयों से भेंट करे। (निर्ग. 2:11) **24** और उसने एक व्यक्ति पर अन्याय होते देखकर, उसे बचाया, और मिस्री को मारकर सताए हुए का पलटा लिया। (निर्ग. 2:12) **25** उसने सोचा, कि उसके भाई समझेंगे कि परमेश्वर उसके हाथों से उनका उद्धार करेगा, परन्तु उन्होंने न समझा।

26 दूसरे दिन जब इस्राएली आपस में लड़ रहे थे, तो वह वहाँ जा पहुँचा; और यह कहके उन्हें मेल करने के लिये समझाया, कि हे पुरुषों, 'तुम तो भाई-भाई हो, एक दूसरे पर क्यों अन्याय करते हो?' **27** परन्तु जो अपने पड़ोसी पर अन्याय कर रहा था, उसने उसे यह कहकर धक्का दिया, 'तुझे किस ने हम पर अधिपति और न्यायाधीश ठहराया है? **28** क्या जिस रीति से तूने कल मिस्री को मार डाला मुझे भी मार डालना चाहता है?' (निर्ग. 2:13-14)

29 यह बात सुनकर, मूसा भागा और मिद्यान देश में परदेशी होकर रहने लगा: और वहाँ उसके दो पुत्र उत्पन्न हुए। (निर्ग. 2:15-22, निर्ग. 18:3-4)

30 "जब पूरे चालीस वर्ष बीत गए, तो एक स्वर्गदूत ने सीनै पहाड़ के जंगल में उसे जलती हुई झाड़ी की ज्वाला में दर्शन दिया। (निर्ग. 3:1) **31** मूसा ने उस दर्शन को देखकर अचम्भा किया, और जब देखने के लिये पास गया, तो प्रभु की यह वाणी सुनाई दी, (निर्ग. 3:2-3) **32** "मैं तेरे पूर्वज, अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर हूँ।" तब तो मूसा काँप उठा, यहाँ तक कि उसे देखने का साहस न रहा। **33** तब प्रभु ने उससे कहा, 'अपने पाँवों से जूती उतार ले, क्योंकि जिस जगह तू खड़ा है, वह पवित्र भूमि है। (निर्ग. 3:5) **34** मैंने सचमुच अपने लोगों की दुर्दशा को जो मिस्र में है, देखी है; और उनकी आहें और उनका रोना सुन लिया है; इसलिए उन्हें छुड़ाने के लिये उतरा हूँ। अब आ, मैं तुझे मिस्र में भेजूँगा। (निर्ग. 2:24, निर्ग. 3:7-10)

35 "जिस मूसा को उन्होंने यह कहकर नकारा था, 'तुझे किस ने हम पर अधिपति और न्यायाधीश ठहराया है?' उसी को परमेश्वर ने अधिपति और छुड़ानेवाला ठहराकर, उस स्वर्गदूत के द्वारा जिस ने उसे झाड़ी में दर्शन दिया था, भेजा। (निर्ग. 2:14, निर्ग. 3:2) **36** यही व्यक्ति मिस्र और लाल समुद्र और जंगल में

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

चालीस वर्ष तक अद्भुत काम और चिन्ह दिखा दिखाकर उन्हें निकाल लाया। (निर्ग. 7:3, निर्ग. 14:21, गिन. 14:33) **37** यह वही मूसा है, जिस ने इस्राएलियों
से कहा, 'परमेश्वर तुम्हारे भाइयों में से तुम्हारे लिये मेरे जैसा एक भविष्यद्वक्ता उठाएगा।' (व्य. 18:15-18)

38 यह वही है, जिस ने जंगल में मण्डली के बीच उस स्वर्गदूत के साथ सीनै पहाड़ पर उससे बातें की, और हमारे पूर्वजों के साथ था, उसी को जीवित वचन
मिले, कि हम तक पहुँचाए। (निर्ग. 19:1-6, निर्ग. 20:1-17, व्य. 5:4-22, व्य. 9:10-11) **39** परन्तु हमारे पूर्वजों ने उसकी मानना न चाहा; वरन् उसे
ठुकराकर अपने मन मिस्र की ओर फेरे, (निर्ग. 23:20-21, गिन. 14:3-4) **40** और हारून से कहा, 'हमारे लिये ऐसा देवता बना, जो हमारे आगे-आगे चलें;
क्योंकि यह मूसा जो हमें मिस्र देश से निकाल लाया, हम नहीं जानते उसे क्या हुआ?' (निर्ग. 32:1, निर्ग. 32:23)

41 उन दिनों में उन्होंने एक बछड़ा बनाकर, उसकी मूरत के आगे बलि चढ़ाया; और अपने हाथों के कामों में मगन होने लगे। (निर्ग. 32:4,6) **42** अतः परमेश्वर
ने मुँह मोड़कर उन्हें छोड़ दिया*, कि आकाशगण पूजें, जैसा भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तक में लिखा है,

'हे इस्राएल के घराने,
क्या तुम जंगल में चालीस वर्ष तक पशु बलि और अन्नबलि मुझ ही को
चढ़ाते रहे? (यिर्म. 7:18, यिर्म. 8:2, यिर्म. 19:13)
43 और तुम मोलेक* के तम्बू
और रिफान देवता के तारे को लिए फिरते थे,
अर्थात् उन मूर्तियों को जिन्हें तुम ने दण्डवत् करने के लिये बनाया था।
अतः मैं तुम्हें बाबेल के परे ले जाकर बसाऊँगा।' (आमो. 5:25-26)

44 "साक्षी का तम्बू जंगल में हमारे पूर्वजों के बीच में था; जैसा उसने ठहराया, जिस ने मूसा से कहा, 'जो आकार तूने देखा है, उसके अनुसार इसे बना।' (निर्ग.
25:1-40, निर्ग. 25:40, निर्ग. 27:21, गिन. 1:50) **45** उसी तम्बू को हमारे पूर्वजों ने पूर्वकाल से पा कर यहोशू के साथ यहाँ ले आए; जिस समय कि उन्होंने
उन अन्यजातियों पर अधिकार पाया, जिन्हें परमेश्वर ने हमारे पूर्वजों के सामने से निकाल दिया, और वह दाऊद के समय तक रहा। (यहो. 3:14-17, यहो.
18:1, यहो. 23:9, यहो. 24:18) **46** उस पर परमेश्वर ने अनुग्रह किया; अतः उसने विनती की, कि मैं याकूब के परमेश्वर के लिये निवास स्थान बनाऊँ। (2
शमू. 7:2-16, 1 राजा. 8:17-18, 1 इति. 17:1-14, 2 इति. 6:7-8, भज. 132:5)

47 परन्तु सुलैमान ने उसके लिये घर बनाया। (1 राजा. 6:1,2, 1 राजा. 6:14, 1 राजा. 8:19-20, 2 इति. 3:1, 2 इति. 5:1, 2 इति. 6:2, 2 इति. 6:10)

48 परन्तु परमप्रधान हाथ के बनाए घरों में नहीं रहता, जैसा कि भविष्यद्वक्ता ने कहा,

49 'प्रभु कहता है, स्वर्ग मेरा सिंहासन
और पृथ्वी मेरे पाँवों तले की चौकी है,
मेरे लिये तुम किस प्रकार का घर बनाओगे?
और मेरे विश्राम का कौन सा स्थान होगा?
50 क्या ये सब वस्तुएँ मेरे हाथ की बनाई नहीं?' (यशा. 66:1-2)

51 "हे हठीले, और मन और कान के खतनारहित लोगों, तुम सदा पवित्र आत्मा का विरोध करते हो। जैसा तुम्हारे पूर्वज करते थे, वैसे ही तुम भी करते हो।
(निर्ग. 32:9, निर्ग. 33:3-5, लैव्य. 26:41, गिन. 27:14, यशा. 63:10, यिर्म. 6:10, यिर्म. 9:26) **52** भविष्यद्वक्ताओं में से किसको तुम्हारे पूर्वजों ने नहीं
सताया? और उन्होंने उस धर्मी के आगमन का पूर्वकाल से सन्देश देनेवालों को मार डाला, और अब तुम भी उसके पकड़वानेवाले और मार डालनेवाले हुए (2
इति. 36:16) **53** तुम ने स्वर्गदूतों के द्वारा ठहराई हुई व्यवस्था तो पाई, परन्तु उसका पालन नहीं किया।"

54 ये बातें सुनकर वे जल गए और उस पर दाँत पीसने लगे। (अय्यू. 16:9, भज. 35:16, भज. 37:12, भज. 112:10) **55** परन्तु उसने पवित्र आत्मा से
परिपूर्ण होकर स्वर्ग की ओर देखा और परमेश्वर की महिमा को* और यीशु को परमेश्वर की दाहिनी ओर खड़ा देखकर **56** कहा, "देखों, मैं स्वर्ग को खुला
हुआ, और मनुष्य के पुत्र को परमेश्वर के दाहिनी ओर खड़ा हुआ देखता हूँ।"

57 तब उन्होंने बड़े शब्द से चिल्लाकर कान बन्द कर लिए, और एक चित्त होकर उस पर झपटे। **58** और उसे नगर के बाहर निकालकर पत्थराव करने लगे, और
गवाहों ने अपने कपड़े शाऊल नामक एक जवान के पाँवों के पास उतार कर रखे।

59 और वे स्तिफनुस को पत्थराव करते रहे, और वह यह कहकर प्रार्थना करता रहा, "हे प्रभु यीशु, मेरी आत्मा को ग्रहण कर।" (भज. 31:5) **60** फिर घुटने
टेककर ऊँचे शब्द से पुकारा, "हे प्रभु, यह पाप उन पर मत लगा।" और यह कहकर सो गया।

Acts 7:1

हे भाइयों और पितरों सुनों
परिषद् के सदस्यों को अपने परिवार के सदस्यों के सामन अभिनन्दन देकर स्तिफनुस उनके प्रति अपना आदर व्यक्त कर रहा था।

हमारा पिता
"हमारा पिता अब्राहम" कहने के द्वारा स्तिफनुस अपने सुननेवालों को भी शामिल कर रहा था

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अपने देश और अपने कुटुंब से निकलकर
“अपने” का आशय अब्राहम से है (एकवचन)।

Acts 7:4

x
में शुरू किये परिषद् के संबोधन और बचाव को स्तिफनुस आगे बढ़ाता है

जिसमें अब तुम बसते हो
“तुम” का आशय यहूदी परिषद् के सदस्यों और सभी सुननेवालों से है

तेरे और तेरे बाद तेरे वंश के हाथ कर दूंगा
वह भूमि सदा अब्राहम की रहेगी

Acts 7:6

x
स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में आगे कहता है कि

और वे उन्हें दास बनायेंगे
तेरे वंशज उनके दास होंगे”

इसी दशा में इसहाक उससे उत्पन्न हुआ
कहानी अब्राहम की ओर मुड़ती है

Acts 7:9

x
स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में आगे कहता है कि

कुलपतियों
“याकूब के ज्येष्ठ पुत्र” अथवा “युसूफ के बड़े भाई”

Acts 7:11

x
स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में आगे कहता है कि

अकाल पड़ा
“एक अकाल पड़ा,” भूमि ने कुछ न उपजा

बापदादों
“युसूफ के बड़े भाई”

अन्न
अनुवाद करते समय इसे “भोजन” लिख सकते हैं

प्रगट हो गया
प्रगट हो गया -युसूफ ने स्वयं को अपने भाइयों पर ज़ाहिर कर दिया।

Acts 7:14

x
स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में आगे कहता है कि

वह और हमारे बापदादे
वह और हमारे बापदादे -अर्थात “याकूब और उसके बेटे, और हमारे बापदादे”

उनके शव शकेम में पहुचाएं जाकर
उनके शव शकेम में पहुंचाए जाकर - अर्थात “याकूब के वंशज, याकूब और उसके बेटों के शव को शकेम लेकर गए”

चांदी देकर
धन देकर

Acts 7:17

x
स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में आगे कहता है कि

प्रतिज्ञा के पूरे होने का समय निकट आया
परमेश्वर द्वारा अब्राहम के साथ की प्रतिज्ञा को पूरे करने का समय निकट आया

युसूफ को नहीं जानता था
यह आलंकारिक भाषा है। “युसूफ” का आशय यहाँ असल में युसूफ द्वारा किये कार्यों से है।

हमारी जाति
“हमारी” से आशय स्तिफनुस और उसके सुननेवालों से भी है।

बुरा व्यवहार किया
“बुरा बर्ताव किया” अथवा, “शोषण किया”

अपने बालकों को फेंक देना
अपने बालको को फेंक दिया ताकि वे मर जाएँ।

Acts 7:20

x
स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में आगे कहता है कि

उस समय
इन शब्दों का प्रयोग कहानी में नए व्यक्ति, मूसा के प्रवेश की भूमिका के रूप में हुआ है।

परमेश्वर की दृष्टि में बहुत ही सुन्दर था
“परमेश्वर की दृष्टि में” का प्रयोग अतिश्योक्ति के रूप में हुआ है।

जब फेंक दिया गया
अर्थात “जब उसे फिरौन के आदेश पर फेंक दिया गया”

उसे उठा लिया
अर्थात “उसे लेपालक पुत्र बना लिया” (संभवतः यह आधिकारिक रूप से नहीं किया गया था)

अपना पुत्र करके पाला
“अपने पुत्र की तरह पाला”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 7:22

x
स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में आगे कहता है कि

मूसा को.....सारी विद्या सिखाई गयी
मूसा को....सारी विद्या सिखाई गयी अर्थात "मिस्रियों ने मूसा को सारी विद्या सिखाई"।

मिस्रियों की सारी विद्या
यहाँ पर अतिश्योक्ति का प्रयोग है। इसका आशय है कि कि "मिस्रियों की बहुत सी विद्या सिखाई गयी।

वह बातों और कामों में सामर्थी था
अर्थात 'उसकी बातें और काम बहुत प्रभावी थे," या फिर, "उसकी बातों और कामों में बहुत सामर्थ था" (यूडीबी), अथवा "उसकी बातों और कार्यों में बहुत प्रभाव था"

अपने इस्राएली भाइयों
उनके रहन-सहन के विषय में पता लगाऊं

मिस्री को मारकर
मूसा ने उस मिस्री को इतनी ज़ोर से मारा कि उसकी मृत्यु हो गयी

उसने सोचा
उसने विचारा

मेरे हाथों से
मेरे द्वारा

उनका उद्धार करेगा
अनुवाद करते समय यूं भी लिख सकते हैं कि, "उनका उद्धार कर रहा है"

Acts 7:26

x
स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में आगे कहता है कि

हे पुरुषों, तुम तो भाई-भाई हो
यह लड़ते हुए दो इस्राएली पुरुषों से कही गयी बात है

अन्याय
अन्याय का आशय व्यक्ति से किया गया दुर्व्यवहार और बेईमानी से है

तुझे किसने हम पर हाकिम और न्यायी ठहराया
यह वास्तविक प्रश्न नहीं है। इसका आशय है कि "तुम्हे बीच में आने का कोई अधिकार नहीं है"।

हम पर तुम्हें .....न्यायी ठहराया है?
ऐसा कह हर उस इस्राएली ने मूसा को बहार का घोषित किया है।

Acts 7:29

x
स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में आगे कहता है कि

यह बात सुनकर
इससे ज्ञात होता है कि, "मूसा ने सुन लिया था कि इस्राएली पुरुष जानते थे कि एक दिन पहले उसने एक मिस्री की ह्त्या की थी।"

उसके दो पुत्र उत्पन्न हुए
यहाँ यह स्पष्ट है कि स्तिफनुस के सामने बैठे लोग जानते थे कि मूसा ने एक मिद्यानी स्त्री विवाह किया था।

जब पूरे चालीस वर्ष बीत गए
"मूसा के मिस्र से भागने चालीस सालों के बाद

Acts 7:31

x
स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में आगे कहता है कि

दर्शन को देखकर अचम्भा किया
मूसा यह देख कर हैरान था कि झाड़ी में आग होने के बावजूद वह भस्म नहीं हो रही थी। यह बात स्तिफनुस के सुननेवालों को पहले से ज्ञात थी।

जब देखने के लिए पास गया....उसे देखने का हियाव न हुआ
इसका संभावित अर्थ यह है कि मूसा पहले तो देखने के लिए उसके पास गया, लेकिन फिर भय के कारण पीछे हट गया

मूसा काँप उठा
मूसा भयभीत हो गया

Acts 7:33

x
स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में आगे कहता है कि

जिस जगह तू खड़ा है, वह पवित्र भूमि है
इसका आशय है कि परमेश्वर वहां उपस्थित है, और परमेश्वर के आसपास की सारी भूमि को परमेश्वर पवित्र जानता है, या कि, परमेश्वर की उपस्थिति से भूमि पवित्र हो गयी।

मैंने सचमुच अपने लोगों को देखा है
"देखने" पर ज़ोर दिया गया है

अपने लोगों
अब्राहम, इसहाक, और याकूब के वंशज

उन्हें छुड़ाने के लिए उतरा हूँ
मैं स्वय उनके छुटकारे पर दृष्टि रखूंगा

Acts 7:35

स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में आगे कहता है कि
35-38 तक, वचन में मूसा के विषय में आपस में सम्बंधित वाक्यों की श्रृंखला है। हर वाक्य की शुरुआत "जिस मूसा" या "यह वही मूसा", अथवा यह वही है" जैसे शब्दों से होती है। संभव हो तो मूसा को उजागर करने के लिए ऐसे ही कथनों का प्रयोग करें।

जिस मूसा को उन्होंने यह कह कर नकारा था
यहाँ पर में घटित हुई घटना का सन्दर्भ है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुझे किसने हम पर हाकिम और न्यायी ठहराया?
इसका अनुवाद करते समय में किये अनुवाद का सन्दर्भ लें

हाकिम और छुड़ानेवाला ठहराकर
“उन पर शासन करने और उन्हें दासत्व से छुडाने”

उस स्वर्गदूत के द्वारा
“स्वर्गदूत के माध्यम से”

चालीस वर्ष तक
“बीहड़ में इस्राएलियों के चालीस सालों के वास के दौरान”

तुम्हारे भाइयों में से
“तुम्हारे अपने लोगों में से” (यूडीबी)

Acts 7:38

स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में आगे कहता है कि
यह खंड में मूसा पर ज़ोर देने के लिए कहे गए वाक्यों को आगे बढ़ाता है

यह वही है जिसे जंगल में कलीसिया के बीच
“यह वही मूसा है जो जंगल में इस्राएलियों के बीच” (यूडीबी)

उसी को जीवित वचन मिले, कि हम तक पहुंचाए
अनुवाद करते समय इसे सक्रिय रूप में ऐसे भी लिख सकते हैं कि, “उसी से परमेश्वर ने जीवित वचन हमें देने के लिए कहे।”

जीवित वचन
संभावित आशय हैं, 1)“अखंड सन्देश” या फिर 2) “जीवनदायी शब्द।”

उसे हटाकर अपने मिस्र की ओर फेरे
यह अलंकार मूसा को नकारे जाने पर ज़ोर देता है। अनुवाद करते समय हम यूं भी लिख सकते हैं को, “उसकी अगुआई को नकार कर”

उन दिनों
“जब उन्होंने मिस्र की ओर लौटने का निर्णय किया”

Acts 7:41

x
स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में आगे कहता है कि

उन्होंने एक बछड़ा बना कर
“उन्होंने बछड़े की एक मूरत बनायी”

कि आकाशगण पूजे
“आकाश की ज्योतियों को पूजे”

हे इस्राएल के घराने
यहाँ अलंकार का प्रयोग है, और आशय इस्राएल की समस्त जाति/देश से है।

क्या तुम.... पशुबलि और अन्नबलि मुझ ही को चढ़ाते रहे
यह एक आलंकारिक प्रश्न है जो यह कह रहा है कि वे सारी बालियाँ परमेश्वर को नहीं चढ़ाई गयी थीं। अनुवाद करते समय हम यूं भी लिख सकते हैं कि “वो पशुबलि व अन्नबलि तुमने मुझे नहीं चढ़ाई।”

Acts 7:43

x
स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में अपनी बात जारी रखता है। स्तिफनुस यहाँ आमोस के उस उद्धरण को आगे बढाता है जिसकी शुरुआत उसने में की थी

मोलेक के तम्बू
झूठे देवता मोलेक के तम्बू

रिफान देवता के तारे
रिफान देवता के प्रतीक तारे

उन मूर्तियों को जिन्हें तुमने दंडवत करने के लिए बनाया था
उन्होंने पूजने के लिए मोलेक और रिफान देवताओं की मूर्तियाँ बनाईं थी।

मैं तुम्हें बाबुल के परे ले जाकर
“मैं तुम्हें बाबुल से हटा दूंगा”

Acts 7:44

x
स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में अपनी बात जारी रखता है।

साक्षी का तम्बू
10 आज्ञाएं खुदी पत्थर की तख्तियों वाला वाचा का संदूक

अन्य जातियों पर अधिकार पाया
इसमें अन्य जातियों की भूमि, भवन, फसल, पशु और बाकी सभी तरह की संपत्ति शामिल है जिन पर इस्राएल जय प्राप्त कर रहा था।

दाऊद के समय तक रहा
वाचा का वह संदूक, इस्राएल के राजा दाऊद के समय तक तम्बू में रहा था

याकूब के परमेश्वर के लिए निवास स्थान बनाऊं
दाऊद चाहता था कि वाचा का संदूक यरूशलेम में रहे, न कि इस्राएल का चक्कर लगाते तम्बू में।

Acts 7:47

x
स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में अपनी बात जारी रखता है।

हाथ के बनाए घरों में
अर्थात “लोगों द्वारा बनाए गए घरों में।”

स्वर्ग मेरा सिंहासन और पृथ्वी मेरे पांवों तले की पीढी है
परमेश्वर की उपस्थिति की महानता और विशालता का बखान करते समय भविष्यद्वक्ता कहता है कि पूरा विश्व उसका सिंहासन है, और एक मनुष्य के इतने इतने विराट और महान परमेश्वर का निवास स्थान बनाना असंभव है क्योंकि यह पृथ्वी तो बस उसके पैरों की पीढी जितनी बड़ी है।

मेरे लिए तुम किस प्रकार का घर बनाओगे?
मेरे लिए तुम किस प्रकार का घर बनाओगे यह कोई वास्तविक प्रश्न नहीं, वरन भाषा का आलंकारिक प्रयोग है। असल में इसका आशय है कि “तुम मेरे योग्य घर नहीं बना सकते”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मेरे विश्राम का कौन सा स्थान होगा?
अर्थात “मेरे विश्राम के योग्य स्थान कहीं नहीं है!”

क्या ये सब वस्तुएं मेरे हाथ की बनाई नहीं?
यह वास्तविक प्रश्न नहीं वरन भाषा का आलंकारिक प्रयोग है। असल में इसका आशय है कि “इन सभी वस्तुएं स्वयं मैं ही ने बनाई हैं।”

Acts 7:51

x
स्तिफनुस में शुरू किये परिषद् के संबोधन और अपने मत के पक्ष में अपनी बात जारी रखता है।

हे हठीले...
यहाँ स्तिफनुस उन यहूदी अगुओं को झिडकी दे रहा है।

मन ....के खतनारहित लोगों
“मन से अवज्ञाकारी लोगों।” शायद स्तिफनुस यहाँ उनकी तुलना गैर-यहूदियों से कर रहा है, जो उन्हें अपमानजनक लगता हो।

भविष्यद्वक्ताओं में से किसको तुम्हारे बापदादों ने नहीं सताया?
यह वास्तविक प्रश्न न होकर भाषा का आलंकारिक प्रयोग है। इसका आशय असल में यह है कि “तुम्हारे बापदादों ने हरेक भविष्यद्वक्ता को सताया है।”

उस धर्मी
इसका आशय यीशु मसीह से है।

मार डालनेवाले
“उस धर्मी के हत्यारे” अथवा, “मसीह के हत्यारे।”

Acts 7:54

वे जल गए
“वे अत्यंत क्रोधित हो उठे” के लिए भाषोक्ति का प्रयोग किया गया है।

ये बातें सुनकर
ये बातें सुनकर -यहाँ कहानी में एक मोड़ है; इस बिंदु पर उपदेश समाप्त होता है और परिषद् प्रतिक्रिया करती है।

दांत पीसने लगे
दांत पीसने लगे - यह एक मुहावरा है, जिसका प्रयोग भड़के हुए क्रोध के चरम यह घृणा को व्यक्त करता है। अनुवाद करते समय हम यूं भी लिख सकते हैं कि, “वे क्रोध में भड़क उठे और दांत पीसने लगे।”

स्वर्ग की ओर देखा
“ऊपर आकाश की ओर देखा।” ऐसा प्रतीत होता है कि स्तिफ्नुस के आलावा और किसी को यह दर्शन नहीं दिखाई दिया था।

यीशु को परमेश्वर की दाहिनी ओर खड़ा देखकर
ध्यान दें कि यीशु परमेश्वर की दाहिनी ओर “बैठे” नहीं वरन “खड़े” थे। राजा का इस प्रकार किसी अतिथि के लिए खड़ा होना एक सम्मानजनक बात थी।

परमेश्वर की महिमा
प्रकाश के समान परमेश्वर की महिमा अथवा तेज/भव्यता। अनुवाद करते समय हम यूं भी लिख सकते हैं कि, “परमेश्वर की ओर से एक तेज़ प्रकाश।”

मनुष्य का पुत्र
स्तिफनुस यहाँ यीशु को “मनुष्य के पुत्र” की उपाधि से जोड़ रहा है।

Acts 7:57

अपने कान बंद कर लिए
उन्होंने अपने कान बंद कर लिए ताकि उन्हें स्तिफनुस की बातें न सुनाई दें।

उसे नगर के बाहर निकालकर
“परिषद् ने स्तिफनुस को पकड़ कर जबरन नगर के बाहर ले गए”

अपने कपड़े
कपड़ों से आशय जैकेट अथवा कोट के समान ऊपर पहननेवाले अंगरखों और लबादों से है।

पांवों के पास
रखवाली के लिए कपड़े “सामने” रख दिए।

Acts 7:59

मेरी आत्मा को ग्रहण कर
“मेरी आत्मा को ले”

सो गया
“मर गया” को कोमलता से अभिव्यक्त किया गया है।

Translation Questions

Acts 7:2

स्तिफनुस ने यहूदी लोगों के इतिहास के बारे में समीक्षा करते हुए प्रारम्भ में परमेश्वर की जो प्रतिज्ञा बताई वह किससे की गई थी?
स्तिफनुस ने अपना इतिहास परमेश्वर के अब्राहम को दिए गए वायदे से प्रारम्भ करते हुए बताना शुरु किया।

Acts 7:5

परमेश्वर की अब्राहम से क्या प्रतिज्ञा थी?
परमेश्वर ने अब्राहम और उसके बाद उसके वंश को वह देश देने की प्रतिज्ञा की थी।

परमेश्वर की अब्राहम को दी गई प्रतिज्ञा पूरी होने में असम्भव क्यों लगती थी?
परमेश्वर की प्रतिज्ञा असम्भव इसलिए लगती थी, क्योंकि अब्राहम के पास कोई सन्तान न थी।

Acts 7:6

परमेश्वर ने क्या कहा कि, पहले अब्राहम के वंशजों के साथ चार सौ वर्ष तक क्या होगा?
परमेश्वर ने कहा अब्राहम के वंशज पराये देश में चार सौ वर्ष तक दास रहेंगे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 7:8

परमेश्वर ने अब्राहम से क्या वाचा बाँधी?
परमेश्वर ने अब्राहम से खतने की वाचा बाँधी।

Acts 7:9

यूसुफ किस प्रकार मिस्र में एक दास बन गया?
उसके भाई उससे डाह करते थे और उसके मिस्र देश जाने वालों के हाथ बेच दिया।

Acts 7:10

यूसुफ किस प्रकार मिस्र देश पर हाकिम ठहराया गया?
परमेश्वर ने फिरौन को अनुग्रह और बुद्धि दी और उसने यूसुफ को मिस्र देश पर हाकिम ठहरा दिया।

Acts 7:12

जब कनान में अकाल पड़ा तो याकूब ने क्या किया?
याकूब ने अपने पुत्रों को मिस्र में भेजा क्योंकि उसने सुना कि वहाँ अनाज था।

Acts 7:14

याकूब और उसके कुटुम्बी मिस्र को क्यों चले गए?
यूसुफ ने अपने भाइयों द्वारा याकूब को मिस्र आने के लिए कहला भेजा था।

Acts 7:17

जब उस प्रतिज्ञा के पूरे होने का समय निकट आ गया जो परमेश्वर ने अब्राहम से की थी, तो मिस्र में इस्राएलियों की संख्या को क्या हुआ?
मिस्र में इस्राएलियों की संख्या बढ़ गयी और वे बहुत हो गये।

Acts 7:19

मिस्र के नये राजा ने किस प्रकार इस्राएलियों की संख्या को कम किया?
मिस्र के नये राजा ने इस्राएलियों को अपने नवजात शिशुओं को फेंक देने की जबरदस्ती की ताकि वे जीवित न रहें।

Acts 7:21

फेंक दिये जाने पर मूसा कैसे जीवित रहा?
फिरौन की बेटी ने उसे उठा लिया और अपने बेटे की तरह उसे पाला।

Acts 7:22

मूसा की पढ़ाई कैसे हुई?
मूसा को मिस्रियों की सारी विद्या पढ़ाई गई।

Acts 7:24

जब मूसा चालीस वर्ष का हुआ तो उसने एक इस्राएली पर अन्याय होता देखकर क्या किया?
मूसा ने इस्राएली को बचाया और मिस्री को मार दिया।

Acts 7:29

मूसा भागकर कहाँ गया था?
मूसा वहां से भाग कर मिद्यान देश को चला गया।

Acts 7:30

अब मूसा अस्सी वर्ष का हुआ, तो उसने क्या देखा?
मूसा ने जलती हुई झाड़ी की ज्वाला में एक स्वर्गदूत को देखा।

Acts 7:34

प्रभु ने मूसा को कहाँ जाने की आज्ञा दी और वहाँ परमेश्वर क्या करने जा रहा था?
परमेश्वर ने मूसा को मिस्र जाने की आज्ञा दी क्योंकि परमेश्वर इस्राएलियों को बचाने जा रहा था।

Acts 7:36

मूसा ने जंगल में इस्राएलियों की कब तक अगुवाई की?
मूसा ने जंगल में इस्राएलियों की अगुवाई चालीस वर्ष तक की।

Acts 7:37

मूसा ने इस्राएलियों से क्या भविष्यवाणी की?
मूसा ने इस्राएलियों से भविष्यद्वाणी की कि 'परमेश्वर तुम्हारे भाइयों में से तुम्हारे लिए मुझसा भविष्यद्वक्ता उठाएगा।

Acts 7:41

किस प्रकार इस्राएलियों ने अपना मन वापिस मिस्र की ओर लगाया?
इस्राएलियों ने एक बछड़ा बनाया और उसकी मूरत के आगे बलि चढ़ाया।

Acts 7:42

परमेश्वर ने उन इस्राएलियों से कैसी प्रतिक्रिया दिखाई जो उससे मुँह मोड़कर चले गए थे?
परमेश्वर ने उनसे मुँह मोड़ लिया और उन्हें छोड़ दिया कि आकाशगण पूजें।

Acts 7:43

परमेश्वर ने इस्राएलियों को कहाँ ले जाकर बसाने के लिए कहा?
परमेश्वर ने इस्राएलियों को बाबुल के परे ले जाकर बसाने के लिए कहा।

Acts 7:44

परमेश्वर ने इस्राएलियों को जंगल में क्या बनाने को कहा जिसे वे बाद में अपने साथ इस देश में ले गए?
इस्राएलियों ने जंगल में साक्षी का तंबू बनाया।

Acts 7:45

किसने अन्य जातियों को इस्राएलियों से पहले निकाल दिया?
परमेश्वर ने अन्य जातियों को इस्राएलियों के साम्हने से निकाल दिया।

Acts 7:46

किसने परमेश्वर के लिए निवास स्थान बनाने को कहा और किसने सचमुच में परमेश्वर के लिए घर बनाया?
दाऊद ने परमेश्वर के लिए निवास-स्थान बनाने को कहा और सुलैमान ने परमेश्वर के लिए एक घर बनाया।

Acts 7:49

परम प्रधान का सिंहासन कहाँ है?
परम-प्रधान का सिंहासन स्वर्ग है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 7:51

स्तिफनुस ने लोगों पर अपने बाप-दादाओं की तरह किस बात को सदा करते रहने का आरोप लगाया?
स्तिफनुस ने लोगों पर पवित्र-आत्मा का विरोध करने का आरोप लगाया।

Acts 7:52

स्तिफनुस ने लोगों को धर्मी जन के बारे में क्या दोषी ठहराया?
स्तिफनुस ने लोगों से कहा कि उन्होंने उस धर्मी जन के साथ विश्वासघात करके पकड़वा दिया और मार डाला।

Acts 7:54

स्तिफनुस के दोषारोपण पर महासभा के सदस्यों की क्या प्रतिक्रिया हुई?
महासभा के सदस्य जल गये और स्तिफनुस पर दाँत पीसने लगे।

Acts 7:55

स्तिफनुस ने क्या कहा कि उसने स्वर्ग की ओर देखने पर क्या देखा?
स्तिफनुस ने कहा कि उसने यीशु को परमेश्वर के दाहिनी ओर खड़ा हुआ देखा।

Acts 7:57

तब महासभा के सदस्यों ने स्तिफनुस को क्या किया?
महासभा के सदस्य एक चित्त होकर उस पर झपटे, और उसे नगर से बाहर निकालकर पत्थरवाह करने लगे।

Acts 7:58

गवाहों ने स्तिफनुस को पत्थरवाह किये जाते समय अपने बाहरी कपड़े कहाँ रख दिए?
गवाहों ने अपने बाहरी कपड़े शाऊल नामक एक जवान के पाँव के पास रख दिए।

Acts 7:60

मरने से पहले स्तिफनुस ने आखिरी माँग क्या की?
स्तिफनुस ने परमेश्वर से कहा कि यह पाप उन पर मत लगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 8

1 शाऊल उसकी मृत्यु के साथ सहमत था।

उसी दिन यरूशलेम की कलीसिया पर बड़ा उपद्रव होने लगा और प्रेरितों को छोड़ सब के सब यहूदिया और सामरिया देशों में तितर-बितर हो गए। **2** और भक्तों
ने स्तिफनुस को कब्र में रखा; और उसके लिये बड़ा विलाप किया। **3** पर शाऊल कलीसिया को उजाड़ रहा था; और घर-घर घुसकर पुरुषों और स्त्रियों को
घसीट-घसीट कर बन्दीगृह में डालता था।

4 मगर जो तितर-बितर हुए थे, वे सुसमाचार सुनाते हुए फिरे। **5** और फिलिप्पुस* सामरिया नगर में जाकर लोगों में मसीह का प्रचार करने लगा।

6 जो बातें फिलिप्पुस ने कहीं उन्हें लोगों ने सुनकर और जो चिन्ह वह दिखाता था उन्हें देख-देखकर, एक चित्त होकर मन लगाया। **7** क्योंकि बहुतों में से अशुद्ध
आत्माएँ बड़े शब्द से चिल्लाती हुई निकल गई, और बहुत से लकवे के रोगी और लँगड़े भी अच्छे किए गए। **8** और उस नगर में बड़ा आनन्द छा गया।

9 इससे पहले उस नगर में शमौन* नामक एक मनुष्य था, जो जादू-टोना करके सामरिया के लोगों को चकित करता और अपने आप को कोई बड़ा पुरुष बनाता
था। **10** और सब छोटे से लेकर बड़े तक उसका सम्मान कर कहते थे, "यह मनुष्य परमेश्वर की वह शक्ति है, जो महान कहलाती है।" **11** उसने बहुत दिनों से
उन्हें अपने जादू के कामों से चकित कर रखा था, इसलिए वे उसको बहुत मानते थे।

12 परन्तु जब उन्होंने फिलिप्पुस का विश्वास किया जो परमेश्वर के राज्य और यीशु मसीह के नाम का सुसमाचार सुनाता था तो लोग, क्या पुरुष, क्या स्त्री
बपतिस्मा लेने लगे। **13** तब शमौन ने स्वयं भी विश्वास किया और बपतिस्मा लेकर फिलिप्पुस के साथ रहने लगा और चिन्ह और बड़े-बड़े सामर्थ्य के काम होते
देखकर चकित होता था।

14 जब प्रेरितों ने जो यरूशलेम में थे सुना कि सामरियों ने परमेश्वर का वचन मान लिया है तो पतरस और यूहन्ना को उनके पास भेजा। **15** और उन्होंने जाकर
उनके लिये प्रार्थना की ताकि पवित्र आत्मा पाएँ। **16** क्योंकि पवित्र आत्मा अब तक उनमें से किसी पर न उतरा था, उन्होंने तो केवल प्रभु यीशु के नाम में
बपतिस्मा लिया था। **17** तब उन्होंने उन पर हाथ रखे और उन्होंने पवित्र आत्मा पाया।

18 जब शमौन ने देखा कि प्रेरितों के हाथ रखने से पवित्र आत्मा दिया जाता है, तो उनके पास रुपये लाकर कहा, **19** "यह शक्ति मुझे भी दो, कि जिस किसी
पर हाथ रखूँ, वह पवित्र आत्मा पाए।"

20 पतरस ने उससे कहा, "तेरे रुपये तेरे साथ नाश हों, क्योंकि तूने परमेश्वर का दान रुपयों से मोल लेने का विचार किया। **21** इस बात में न तेरा हिस्सा है, न
भाग; क्योंकि तेरा मन परमेश्वर के आगे सीधा नहीं। (भज. 78:37) **22** इसलिए अपनी इस बुराई से मन फिराकर प्रभु से प्रार्थना कर, सम्भव है तेरे मन का
विचार क्षमा किया जाए।

23 क्योंकि मैं देखता हूँ, कि तू पित्त की कड़वाहट और अधर्म के बन्धन में पड़ा है।" (व्य. 29:18, विला. 3:15) **24** शमौन ने उत्तर दिया, "तुम मेरे लिये प्रभु से
प्रार्थना करो कि जो बातें तुम ने कहीं, उनमें से कोई मुझ पर न आ पड़े।"

25 अतः पतरस और यूहन्ना गवाही देकर और प्रभु का वचन सुनाकर, यरूशलेम को लौट गए, और सामरियों के बहुत से गाँवों में सुसमाचार सुनाते गए।

26 फिर प्रभु के एक स्वर्गदूत ने फिलिप्पुस से कहा, "उठकर दक्षिण की ओर उस मार्ग पर जा, जो यरूशलेम से गाज़ा को जाता है। यह रेगिस्तानी मार्ग है। **27**
वह उठकर चल दिया, और तब, कूश देश का एक मनुष्य आ रहा था, जो खोजा* और कूशियों की रानी कन्दाके का मंत्री और खजांची था, और आराधना करने
को यरूशलेम आया था।

28 और वह अपने रथ पर बैठा हुआ था, और यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक पढ़ता हुआ लौटा जा रहा था। **29** तब आत्मा ने फिलिप्पुस से कहा, "निकट
जाकर इस रथ के साथ हो ले।" **30** फिलिप्पुस उसकी ओर दौड़ा और उसे यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक पढ़ते हुए सुना, और पूछा, "तू जो पढ़ रहा है क्या
उसे समझता भी है?" **31** उसने कहा, "जब तक कोई मुझे न समझाए तो मैं कैसे समझूँ?" और उसने फिलिप्पुस से विनती की, कि चढ़कर उसके पास बैठे।

32 पवित्रशास्त्र का जो अध्याय वह पढ़ रहा था, वह यह था :

"वह भेड़ के समान वध होने को पहुँचाया गया,
और जैसा मेम्ना अपने ऊन कतरनेवालों के सामने चुपचाप रहता है, वैसे ही
उसने भी अपना मुँह न खोला,
33 उसकी दीनता में उसका न्याय होने नहीं पाया,
और उसके समय के लोगों का वर्णन कौन करेगा?
क्योंकि पृथ्वी से उसका प्राण उठा लिया जाता है।" (यशा. 53:7-8)

34 इस पर खोजे ने फिलिप्पुस से पूछा, "मैं तुझ से विनती करता हूँ, यह बता कि भविष्यद्वक्ता यह किस के विषय में कहता है, अपने या किसी दूसरे के विषय
में?" **35** तब फिलिप्पुस ने अपना मुँह खोला, और इसी शास्त्र से आरम्भ करके उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

36 मार्ग में चलते-चलते वे किसी जल की जगह पहुँचे, तब खोजे ने कहा, “देख यहाँ जल है, अब मुझे बपतिस्मा लेने में क्या रोक है?” **37** फिलिप्पुस ने कहा, “यदि तू सारे मन से विश्वास करता है तो ले सकता है।” उसने उत्तर दिया, “मैं विश्वास करता हूँ कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है।” **38** तब उसने रथ खड़ा करने की आज्ञा दी, और फिलिप्पुस और खोजा दोनों जल में उतर पड़े, और उसने उसे बपतिस्मा दिया।

39 जब वे जल में से निकलकर ऊपर आए, तो प्रभु का आत्मा फिलिप्पुस को उठा ले गया, और खोजे ने उसे फिर न देखा, और वह आनन्द करता हुआ अपने मार्ग चला गया। (1 राजा. 18:12) **40** पर फिलिप्पुस अश्दोद में आ निकला, और जब तक कैसरिया में न पहुँचा, तब तक नगर-नगर सुसमाचार सुनाता गया।

Acts 8:1

शाऊल उसके वध में सहमत था
लूका यहाँ पर कहानी को स्तिफनुस से शाऊल की ओर मोड़ रहा है। इस मोड़ को व्यक्त करने के लिए अनुवाद के समय अपनी भाषा के उपयुक्त शब्दों का चुनाव करें।

घसीट-घसीट कर
उन्हें बलपूर्वक ले जाया गया

उसी दिन
अर्थात स्तिफनुस की मृत्यु के दिन

सब के सब ....तितर-बितर हो गए
यरुशलेम में रहनेवाले बहुत से अथवा अधिकाँश विश्वासी तितर-बितर हो गए को अतिश्योक्ति के साथ व्यक्त किया गया है।

प्रेरितों को छोड़
इसका आशय ही कि प्रेरित वहीँ यरूशलेम में ही बने रहे और वे इस बड़े सताव से बच गए थे।

भक्तों ने
“परमेश्वर का भय रखनेवाले लोगों ने” अथवा, “वे जो परमेश्वर का भय रखते थे”

उसके लिए बड़ा विलाप किया
“उसके लिए बहुत शोक मनाया” (यूडीबी)

घर-घर घुसकर
शाऊल द्वारा कई घरों में घुसने की बात को यहाँ अतिश्योक्ति के साथ व्यक्त किया गया है। उसके पास यरूशलेम के हर घर में घुसने की अनुमति नहीं थी।

पुरुषों और स्त्रियों को घसीट-घसीट कर
शाऊल ने यहूदी विश्वासियों को उनके घर से बलपूर्वक निकाल कर उन्हें जेल में डाल दिया।

Acts 8:4

जो तित्तर-बित्तर हुए थे
“वे जो बड़े सताव के कारण तितर-बितर हुए थे।” तितर-बितर होने का कारण वह सताव था जिसके विषय में पहले बताया जा चुका है।

सामरिया नगर
सामरिया नगर : यह स्पष्ट नहीं है कि यहाँ सामरिया के एक नगर (यूएलबी) की बात हो रही है या कि सामरिया नगर (यूडीबी) की ही बात हो रही है। इसलिए, अनुवाद करते समय “सामरिया नगर” लिखना ही सही रहेगा।

Acts 8:6

बहुतों में से
“सामरिया नगर के बहुत से लोगों में से।” स्थान की स्थिति पहले ही स्पष्ट की जा चुकी है।

लोगों ने सुनकर
फिलिप्पुस के माध्यम से होनेवाली चंगाइयों के चलते लोग सुनने लगे थे। इस बात को समझ लेना चाहिए।

और उस नगर में बड़ा आनन्द छा गया
लोगों के आनंद का कारण फिलिप्पुस के द्वारा मिलनेवाली चंगाइयां थी।

Acts 8:9

शमौन नामक एक मनुष्य था
“शमौन नाम का एक मनुष्य था” में इन शब्दों के साथ ही कहानी में एक नए पात्र का प्रवेश है। आपको इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि आपकी भाषा में नए पात्रों का प्रवेश दिखाने के लिए कौन से शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

उस नगर
अर्थात “सामरिया नगर”

सामरिया के लोगों
यहाँ पर आशय सामरिया के सभी लोगों से प्रतीत होता है, लेकिन यह अतिश्योक्ति है। इसका आशय है “सामरिया के बहुत से लोगों” से है।

यह मनुष्य परमेश्वर की वह शक्ति है, जो महान कहलाती है
लोग कहते थे कि शमौन “महान शक्ति” नाम की अलौकिक शक्ति है।

Acts 8:12

बपतिस्मा लेने लगे
बपतिस्मा लेने लगे -फिलिप्पुस ने नए विश्वासियों को बपतिस्मा दिया।

चिन्ह और बड़े-बड़े सामर्थ के काम होते देखकर चकित होता था
“फिलिप्पुस को चिन्ह और महान आश्चर्यकर्म करते देख आकर अचंभित होता था।”

Acts 8:14

सामरियों ने
सामरियों ने -सामरिया प्रदेश के बहुत से लोगों (यूडीबी) के स्थान पर “सामरियों ने” का प्रयोग किया गया है। आलंकारिक भाषा।

और उन्होंने जाकर
अर्थात “पतरस व यूहन्ना ने जाकर”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उनके लिए प्रार्थना की
“पतरस और यूहन्ना ने जाकर सामरिया के विश्वासियों के लिए प्रार्थना की”

कि पवित्र आत्मा पाएं
“कि सामरिया के विश्वासी लोग पवित्र आत्मा पा सकें।”

उन्होंने तो....बपतिस्मा लिया था
“फिलिप्पुस ने सामरिया के विश्वासियों को बस बपतिस्मा दिया था।”

तब उन्होंने उन पर हाथ रखे
तब उन्होंने उन पर हाथ रखे - अर्थात, स्तिफनुस द्वारा दिए सुसमाचार के उपदेश पर विश्वास करनेवालों पर हाथ रखे।

Acts 8:18

...कि प्रेरितों के हाथ रखने से पवित्र आत्मा दिया जाता है....
.....कि प्रेरितों के हाथ रखने से पवित्र आत्मा मिलता है.....

कि जिस किसी पर हाथ रखूँ, वह पवित्र आत्मा पाए
“कि जब मैं लोगों पर अपना हाथ रखूँ, तो उन्हें पवित्र आत्मा मिल जाए”

Acts 8:20

तेरे...तेरे...तूने
ये सभी सर्वनाम शमौन के लिए प्रयोग किये गए हैं

तेरा मन परमेश्वर के आगे सीधा नहीं
“तेरे विचार सही नहीं हैं”

परमेश्वर का दान
अर्थात् लोगों पर हाथ रखने के द्वारा पवित्र आत्मा देने का दान

विचार किया
अर्थात “पवित्र आत्मा देने के दान को खरीदने का विचार”

पित्त की सी कड़वाहट
उपमा अलंकार का प्रयोग। इसका आशय “बहुत अधिक डाह करने” से है। (यूडीबी)

अधर्म के बंधन
“पाप का दास” अथवा “केवल पाप कर सकता है”

Acts 8:24

जो बातें तुमने कहीं, उनमें से कोई
जो बातें तुमने कहीं, उनमें से कोई -यहाँ सन्दर्भ पतरस की झिड़की का है, “तेरी चांदी तेरे साथ नाश हो।”

जो तुमने कहीं
“तुमने” का आशय पतरस व यूहन्ना से है।

Acts 8:25

वे गवाही देकर
पतरस व यूहन्ना ने सामरियों को वही बताया था जो वे यीशु के बारे में व्यक्तिगत तौर पर जानते थे।

प्रभु का वचन सुनाकर
पतरस व यूहन्ना ने सामरियों को बताया कि यीशु के विषय में वचन के कहता है

और सामरियों के बहुत से गाँवों में
अर्थात “सामरिया के कई गाँवों के निवासियों को”

Acts 8:26

फिर
कहानी में नयी घटना का प्रारंभ।

और देखो
ये शब्द कहानी में किसी नए पात्र के आगमन का संकेत देते हैं। अनुवाद करते समय अपनी भाषा के यथोचित शब्दों का चुनाव करें।

खोजा
यहाँ पर ज़ोर उस व्यक्ति के नपुंसक होने पर नहीं, वरन उसके इथियोपिया के उच्च अधिकारी होने पर है।

कन्दाके
जिस प्रकार मिस्र के राजाओं को फिरौन कहते थे, वैसे ही इथियोपिया की रानी को कन्दाके की उपाधि से संबोधित किया जाता था।

रथ
यहाँ पर “घोड़ागाड़ी” शब्द का प्रयोग अधिक उपयुक्त है। रथ को प्रायः युद्ध के सन्दर्भ में इस्तेमाल किया जाता था, न कि यातायात के वाहन के सन्दर्भ में।

यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक पढ़ता हुआ
अनुवाद करते समय यूं भी लिख सकते हैं कि, “यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में से पढ़ रहा था।” यह पुस्तक बाइबिल के पुराने नियम में है।

Acts 8:29

तू जो पढ़ रहा है क्या उसे समझता भी है?
अनुवाद करते समय यूं भी लिख सकते हैं, कि “तू जो पढ़ रहा है, क्या तुझे उसका अर्थ भी मालूम है?” इथियोपिया का वह वासी पढ़ सकता था और बुद्धिमान था। यहाँ पर आत्मिक समझ की बात हो रही है।

“जब तक कोई मुझे न समझाए तो मैं कैसे समझूं?”
यह कोई वास्तविक प्रश्न नहीं है, वरन आलंकारिक भाषा का प्रयोग है। उसके कहने का आशय है कि “जब तक कोई मेरा मार्गदर्शन नहीं करेगा, तब तक मैं इसे नहीं समझ सकता।”

उसने फिलिप्पुस से विनती की कि चढ़ कर मेरे पास बैठ।
इसका आशय यह भी है कि फिलिप्पुस ने उसके साथ यात्रा करना स्वीकार कर लिया था।

Acts 8:32

जैसा मेम्ना अपने ऊन कतरनेवालों के सामने चुपचाप रहता है
जैसा मेम्ना अपने ऊन कतरनेवालों के सामने चुपचाप रहता है -ऊन कतरनेवाला व्यक्ति भेड़ के ऊन कतरता है ताकि उसका तरह-तरह से प्रयोग किया जा सके।

उसकी दीनता में उसका न्याय होने नहीं पाया
“उसका अपमान किया गया और उसका उचित न्याय नहीं किया”

Acts 8:34

उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया
“उस खोजे को यीशु के सुसमाचार की शिक्षा दी”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 8:36

अब मुझे बपतिस्मा लेने में क्या रोक है।
यह कोई वास्तविक प्रश्न नहीं है। इसका आशय है कि, “अब मुझे बपतिस्मा देने से तुझे कोई नहीं रोक सकता।”

37वां वचन
यह पद हटा दिया गया है क्योंकि कुछ प्राचीन, और अधिक विश्वसनीय शास्त्रों में यह पद नहीं है।

Acts 8:39

खोजे ने उसे फिर न देखा
“खोजे ने दोबारा कभी फिलिप्पुस को न देखा”

फिलिप्पुस अश्दोद में आ निकला
इस बात के कोई संकेत नहीं मिलते कि जहाँ फिलिप्पुस उस इथियोपियावासी से मिला था, वहां से लेकर अश्दोद तक वह यात्रा करके गया था। गाजा के ओर जाते मार्ग में वह अचानक ही अदृश्य हुआ और अश्दोद में दोबारा से दिखाई दिया।

जब तक कैसरिया में न पहुंचा
फिलिप्पुस की कहानी यहाँ कैसरिया में समाप्त होती है

Translation Questions

Acts 8:1

शाऊल ने स्तिफनुस के पत्थरवाह किये जाने के बारे में क्या सोचा?
शाऊल स्तिफनुस के वध से सहमत था।

स्तिफनुस के पत्थरवाह किये जाने के दिन क्या होने लगा?
जिस दिन स्तिफनुस को पत्थरवाह किया गया उस दिन यरूशलेम की कलीसिया पर बड़ा उपद्रव होने लगा।

यरूशलेम में विश्वासियों ने क्या किया?
यरूशलेम में विश्वासी यहूदिया और सामरिया देशों में तितर-बितर हो गये और सुसमाचार सुनाते हुए फिरे।

Acts 8:6

फिलिप्पुस ने जो कुछ कहा उस पर सामरिया के लोगों ने एक चित्त होकर मन क्यों लगाया?
जब चेलों ने फिलिप्पुस द्वारा किए गए चिन्हों को देखा तो लोगों ने एक चित्त होकर मन लगाया।

Acts 8:9

सामरिया के लोगों ने शमौन पर एक चित्त होकर मन क्यों लगाया?
जब उन्होंने उसका जादू-टोना देखा तो एक चित्त होकर मन लगाया।

Acts 8:13

जब शमौन ने फिलिप्पुस का सुसमाचार सुना तो उसने क्या किया?
शमौन ने भी विश्वास किया और बपतिस्मा लिया।

Acts 8:17

जब पतरस और यूहन्ना ने सामरिया में विश्वासियों पर अपने हाथ रखे तब क्या हुआ?
सामरिया में विश्वासियों ने पवित्र-आत्मा पाया।

Acts 8:18

शमौन ने प्रेरितों को क्या दिया?
शमौन ने प्रेरितों को रुपए दिए ताकि उसके बदले में उसको हाथ रखकर पवित्र-आत्मा देने का वरदान मिले।

Acts 8:23

जब शमौन ने प्रेरितों को रुपए दिए तो पतरस ने उसकी आत्मिक-दशा के बारे में क्या कहा?
पतरस ने कहा कि शमौन पित्त की सी कड़वाहट और अधर्म के बन्धन में पड़ा है।

Acts 8:26

एक स्वर्गदूत ने फिलिप्पुस को क्या करने को कहा?
एक स्वर्गदूत ने फिलिप्पुस को दक्षिण की ओर रेगिस्तानी मार्ग पर जाने को कहा जो गाजा को जाता है।

Acts 8:27

फिलिप्पुस किससे मिला और वह मनुष्य क्या कर रहा था?
फिलिप्पुस कूश देश से अपने रथ पर बैठकर और यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक पढ़कर आते हुए एक महान अधिकारी खोजा से मिला।

Acts 8:30

फिलिप्पुस ने उस मनुष्य से क्या प्रश्न पूछा?
फिलिप्पुस ने उस मनुष्य से पूछा, "तू जो पढ़ रहा है क्या उसे समझता भी है?"

Acts 8:31

उस मनुष्य ने फिलिप्पुस को क्या करने को कहा?
उस मनुष्य ने फिलिप्पुस को रथ में आकर वह समझाने को कहा जो वह पढ़ रहा था।

Acts 8:32

पवित्रशास्त्र से यशायाह पुस्तक के अध्याय से पढ़े जा रहे अध्याय में जिस मनुष्य का वर्णन हो रहा था, उसको क्या होता है?
वह मनुष्य भेड़ के समान वध होने को पहुंचाया जाता है, किन्तु अपना मुंह नहीं खोलता।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 8:34

धर्मशास्त्र से वह जो पढ़ रहा था उसके विषय में उस मनुष्य ने फिलिप्पुस से क्या प्रश्न पूछा?
उस मनुष्य ने फिलिप्पुस से पूछा कि क्या वह भविष्यद्वक्ता अपने विषय में कह रहा है या किसी दूसरे मनुष्य के विषय में।

Acts 8:35

फिलिप्पुस क्या बताता है कि धर्मशास्त्र के यशायाह अध्याय में वह मनुष्य कौन था?
फिलिप्पुस ने समझाया कि धर्मशास्त्र के यशायाह में वह मनुष्य यीशु था।

Acts 8:38

तब फिलिप्पुस ने उस मनुष्य को क्या किया?
फिलिप्पुस और खोजा दोनों पानी में उतरे और फिलिप्पुस ने उसे बपतिस्मा दिया।

Acts 8:39

फिलिप्पुस को क्या हुआ जब वह पानी से बाहर निकला?
जब फिलिप्पुस पानी से बाहर आया तो प्रभु का आत्मा फिलिप्पुस को उठा ले गया।

खोजा ने क्या किया जब वह पानी से बाहर आया?
जब खोजा पानी से बाहर आया तो वह आनन्द करते हुए अपने मार्ग पर चला गया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 9

1 शाऊल* जो अब तक प्रभु के चेलों को धमकाने और मार डालने की धुन में था, महायाजक के पास गया। **2** और उससे दमिश्क* के आराधनालयों के नाम
पर इस अभिप्राय की चिट्ठियाँ माँगी, कि क्या पुरुष, क्या स्त्री, जिन्हें वह इस पंथ पर पाए उन्हें बाँधकर यरूशलेम में ले आए।

3 परन्तु चलते-चलते जब वह दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, **4** और वह भूमि पर गिर पड़ा, और यह शब्द
सुना, "हे शाऊल, हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?"

5 उसने पूछा, "हे प्रभु, तू कौन है?" उसने कहा, "मैं यीशु हूँ; जिसे तू सताता है। **6** परन्तु अब उठकर नगर में जा, और जो तुझे करना है, वह तुझ से कहा
जाएगा।" **7** जो मनुष्य उसके साथ थे, वे चुपचाप रह गए; क्योंकि शब्द तो सुनते थे, परन्तु किसी को देखते न थे।

8 तब शाऊल भूमि पर से उठा, परन्तु जब आँखें खोलीं तो उसे कुछ दिखाई न दिया और वे उसका हाथ पकड़ के दमिश्क में ले गए। **9** और वह तीन दिन तक न
देख सका, और न खाया और न पीया।

10 दमिश्क में हनन्याह नामक एक चेला था, उससे प्रभु ने दर्शन में कहा, "हे हनन्याह!" उसने कहा, "हाँ प्रभु।" **11** तब प्रभु ने उससे कहा, "उठकर उस गली
में जा, जो 'सीधी' कहलाती है, और यहूदा के घर में शाऊल नामक एक तरसुस वासी को पूछ ले; क्योंकि वह प्रार्थना कर रहा है, **12** और उसने हनन्याह नामक
एक पुरुष को भीतर आते, और अपने ऊपर हाथ रखते देखा है; ताकि फिर से दृष्टि पाए।"

13 हनन्याह ने उत्तर दिया, "हे प्रभु, मैंने इस मनुष्य के विषय में बहुतों से सुना है कि इसने यरूशलेम में तेरे पवित्र लोगों के साथ बड़ी-बड़ी बुराइयाँ की हैं; **14**
और यहाँ भी इसको प्रधान याजकों की ओर से अधिकार मिला है, कि जो लोग तेरा नाम लेते हैं, उन सब को बाँध ले।" **15** परन्तु प्रभु ने उससे कहा, "तू चला
जा; क्योंकि यह, तो अन्यजातियों और राजाओं, और इस्राएलियों के सामने मेरा नाम प्रगट करने के लिये मेरा चुना हुआ पात्र है। **16** और मैं उसे बताऊँगा, कि
मेरे नाम के लिये उसे कैसा-कैसा दुःख उठाना पड़ेगा।"

17 तब हनन्याह उठकर उस घर में गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "हे भाई शाऊल, प्रभु, अर्थात् यीशु, जो उस रास्ते में, जिससे तू आया तुझे
दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है, कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" **18** और तुरन्त उसकी आँखों से छिलके से गिरे, और वह
देखने लगा और उठकर बपतिस्मा लिया; **19** फिर भोजन करके बल पाया।

वह कई दिन उन चेलों के साथ रहा जो दमिश्क में थे।

20 और वह तुरन्त आराधनालयों में यीशु का प्रचार करने लगा, कि वह परमेश्वर का पुत्र है। **21** और सब सुननेवाले चकित होकर कहने लगे, "क्या यह वही
व्यक्ति नहीं है जो यरूशलेम में उन्हें जो इस नाम को लेते थे नाश करता था, और यहाँ भी इसलिए आया था, कि उन्हें बाँधकर प्रधान याजकों के पास ले जाए?"
22 परन्तु शाऊल और भी सामर्थी होता गया, और इस बात का प्रमाण दे-देकर कि यीशु ही मसीह है, दमिश्क के रहनेवाले यहूदियों का मुँह बन्द करता रहा।

23 जब बहुत दिन बीत गए, तो यहूदियों ने मिलकर उसके मार डालने की युक्ति निकाली। **24** परन्तु उनकी युक्ति शाऊल को मालूम हो गई: वे तो उसके मार
डालने के लिये रात दिन फाटकों पर घात में लगे रहे थे। **25** परन्तु रात को उसके चेलों ने उसे लेकर टोकरे में बैठाया, और शहरपनाह पर से लटकाकर उतार
दिया।

26 यरूशलेम में पहुँचकर उसने चेलों के साथ मिल जाने का उपाय किया परन्तु सब उससे डरते थे, क्योंकि उनको विश्वास न होता था, कि वह भी चेला है। **27**
परन्तु बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनसे कहा, कि इसने किस रीति से मार्ग में प्रभु को देखा, और उसने इससे बातें की; फिर दमिश्क में
इसने कैसे साहस से यीशु के नाम का प्रचार किया।

28 वह उनके साथ यरूशलेम में आता-जाता रहा। **29** और निधड़क होकर प्रभु के नाम से प्रचार करता था; और यूनानी भाषा बोलनेवाले यहूदियों के साथ
बातचीत और वाद-विवाद करता था; परन्तु वे उसे मार डालने का यत्न करने लगे। **30** यह जानकर भाइयों ने उसे कैसरिया में ले आए, और तरसुस को भेज
दिया।

31 इस प्रकार सारे यहूदिया, और गलील, और सामरिया में कलीसिया को चैन मिला, और उसकी उन्नति होती गई; और वह प्रभु के भय और पवित्र आत्मा की
शान्ति में चलती और बढ़ती गई।

32 फिर ऐसा हुआ कि पतरस हर जगह फिरता हुआ, उन पवित्र लोगों के पास भी पहुँचा, जो लुद्दा* में रहते थे।

33 वहाँ उसे ऐनियास नामक लकवे का मारा हुआ एक मनुष्य मिला, जो आठ वर्ष से खाट पर पड़ा था। **34** पतरस ने उससे कहा, "हे ऐनियास! यीशु मसीह
तुझे चंगा करता है। उठ, अपना बिछौना उठा।" तब वह तुरन्त उठ खड़ा हुआ। **35** और लुद्दा और शारोन के सब रहनेवाले उसे देखकर प्रभु की ओर फिरे।

36 याफा* में तबीता अर्थात् दोरकास नामक एक विश्वासिनी रहती थी, वह बहुत से भले-भले काम और दान किया करती थी। **37** उन्हीं दिनों में वह बीमार
होकर मर गई; और उन्होंने उसे नहलाकर अटारी पर रख दिया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

38 और इसलिए कि लुद्दा याफा के निकट था, चेलों ने यह सुनकर कि पतरस वहाँ है दो मनुष्य भेजकर उससे विनती की, “हमारे पास आने में देर न कर।” **39** तब पतरस उठकर उनके साथ हो लिया, और जब पहुँच गया, तो वे उसे उस अटारी पर ले गए। और सब विधवाएँ रोती हुई, उसके पास आ खड़ी हुई और जो कुर्ते और कपड़े दोरकास ने उनके साथ रहते हुए बनाए थे, दिखाने लगीं।

40 तब पतरस ने सब को बाहर कर दिया, और घुटने टेककर प्रार्थना की; और शव की ओर देखकर कहा, “हे तबीता, उठ।” तब उसने अपनी आँखें खोल दी; और पतरस को देखकर उठ बैठी। **41** उसने हाथ देकर उसे उठाया और पवित्र लोगों और विधवाओं को बुलाकर उसे जीवित और जागृत दिखा दिया। **42** यह बात सारे याफा में फैल गई; और बहुतों ने प्रभु पर विश्वास किया। **43** और पतरस याफा में शमौन नामक किसी चमड़े के धन्धा करनेवाले के यहाँ बहुत दिन तक रहा।

Acts 9:1

शाऊल जो अब तक
कहानी पर फिलिप्पुस से हट कर शाऊल में केन्द्रित हो जाती है। “इस बीच शाऊल” (यूडीबी)

अब तक प्रभु के चेलों को धमकाने और घात करने की धुन में था
“घात” के स्थान पर हम यूं भी लिख सकते हैं : “अब बी प्रभु के चेलों को धमका रहा था, और उन्हें घात भी कर रहा था”।

उससे....चिट्ठियां माँगी
“महा याजक से अनुमोदन की चिट्ठियां मांगीं”

जिन्हें वह इस पंथ पर पाए उन्हें बांधकर यरूशलेम ले आये
“वह” का आशय शाऊल से है।

जिन्हें वह इस पंथ पर पाए
अर्थात “जिन्हें भी वह यीशु मसीह की शिक्षाओं का अनुकरण करते पाता”

बांधकर यरूशलेम ले आये
“वह उन्हें यरूशलेम में बंधक बना कर ले आये।” पौलुस के उद्देश्य को स्पष्ट करने के लिए हम यह भी जोड़ सकते हैं कि, “ताकि यहूदी अगुवें उनका न्याय करें और दंड दे सकें।”

Acts 9:3

x
(महा याजक द्वारा चिट्ठियाँ देने के बाद , वह दमिश्क के लिए निकल पड़ा)

परन्तु चलते-चलते
शाऊल इस समय दमिश्क की ओर यात्रा कर रहा है

तो एकाएक
कहानी में अचानक आनेवाले बदलाव को व्यक्त करने के लिए इन शब्दों का प्रयोग किया गया है।

आकाश से ....ज्योति चमकी
आकाश से

वह भूमि पर गिर पड़ा
यह सपष्ट नहीं है कि 1)”शाऊल स्वयं भूमि पर गिर पड़ा” या कि 2) “उस ज्योति के कारण वह भूमि पर गिर गया था” या 3) “शाऊल बेसुध सा होकर गिर पड़ा था।” यह तो स्पष्ट है कि शाऊल का गिरना संयोग नहीं था।

तू मुझे क्यों सताता है?
इस प्रश्न के द्वारा शाऊल को प्रभु झिड़की दे रहे थे। अनुवाद करते समय हम ऐसे भी लिख सकते हैं, कि “तू मुझे सता रहा है।”

Acts 9:5

“हे प्रभु, तू कौन है?”
“प्रभु” का आशय यहाँ 1) प्रभु, अथवा 2)स्वामी या कि “महोदय” हो सकता है, क्योंकि इस समय तक शाऊल को यह ज्ञात नहीं था कि उसका सामना यीशु मसीह से हुआ है।

परन्तु अब उठ कर नगर में जा....
“उठ और दमिश्क के नगर में जा....”

वह तुझ से कहा जाएगा
कोई तुझे बता देगा

तू....तू....तुझे
ये सभी एकवचन हैं।

किसी को देखते न थे
ज्योति का अनुभव केवल शाऊल को हुआ था।

Acts 9:8

न देख सका
शाऊल अँधा हो गया था

और न खाया और न पीया
“उसने न खाने और पीने का फैसला किया” अथवा, “वह न खा सका और न पी सका”, क्योंकि उसे “भूख न थी।”

Acts 9:10

अब वहाँ.....था
कहानी में एक नए पात्र के प्रवेश को दर्शाने के लिए इन शब्दों का प्रयोग किया गया है।

हनन्याह
यीशु का एक चेला जिसने यीशु की आज्ञा मानते हुए शाऊल के पास गया, और उस पर हाथ रख कर उसे चंगाई दी।

प्रभु ने उससे कहा
“प्रभु ने हनन्याह से कहा”

यहूदा के घर
यहूदा दमिश्क में उस घर का मालिक था जहां हनन्याह रुका था। हालाँकि नए नियम में बहुत से हनन्याह हैं, लेकिन संभव है कि यह हनन्याह हमें दोबारा दिखाई नहीं देता।

एक तरसुसवासी
“तरसुस के नगर का एक वासी”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 9:13

महायाजकों की ओर से अधिकार मिला है
यह स्पष्ट है कि इस समय तक शाऊल का अधिकार केवल यहूदियों तक सीमित था।

मेरा चुना हुआ पात्र है
“चुना हुआ पात्र” का आशय सेवा के लिए अलग किया है। अनुवाद करते समय ऐसे भी लिख सकते हैं, कि “मैंने इसे अपनी सेवा के लिए चुना है।”

मेरा नाम प्रगट करने के लिए
“मेरा नाम प्रगट करने के लिए” का आशय यीशु के लिए बोलने और उससे जुड़ना है। अनुवाद करते समय हम “मेरे बारे में बोलने के लिए” भी लिख सकते हैं।

मेरे नाम के लिए
अर्थात “लोगों के मेरे विषय में बताने के लिए।”

Acts 9:17

उस पर अपना हाथ रखकर कहा
हनन्याह ने शाऊल पर अपना हाथ रखकर कहा

जो...तुझे दिखाई दिया
हालाँकि यात्रा के दौरान शाऊल के साथ और लोग भी थे, लेकिन “तुझे” का आशय केवल शाऊल (एकवचन) से है।

उसी ने मुझे भेजा है, कि तू फिर से दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए
इसे सक्रिय वाक्यांश के रूप में भी लिख सकते हैं, “उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर से देखने लगे और पवित्र आत्मा तुझमे भर जाए।”

उसकी आँखों से छिलके से गिरे
“मछली के शरीर के छिलके जैसे कुछ गिरे”

और उठकर बप्तिस्मा लिया
अनुवाद करते समय ऐसे भी लिख सकते हैं, कि “वह उठा और हनन्याह ने उसे बप्तिस्मा दिया।”

Acts 9:20

और वह तुरंत आरधनालयों में यीशु का प्रचार करने लगा
“वह” अर्थात शाऊल

कि वह परमेश्वर का पुत्र है
“वह” अर्थात यीशु।

सब सुननेवाले
अतिशयोक्ति का प्रयोग है। “सब” के स्थान पर “सुननेवाले कई लोगों” लिख सकते हैं।

क्या यह वही व्यक्ति नहीं है जो यरूशलेम में उन्हें जो इस नाम को लेते थे, नाश करता था...?
यह वास्तविक प्रश्न नहीं वरन भाषा का आलंकारिक प्रयोग है। यहाँ पूरा ज़ोर इस बात पर है कि विश्वासियों को सताने वाला शाऊल ही था। इसे यूं भी लिख सकते हैं, कि “यह वही है जिसने यीशु का नाम लेनेवालों को यरूशलेम में नाश किया था।

Acts 9:23

यहूदियों ने मिलकर उसे मार डालने के लिए
“उसे” का आशय शाऊल से है।

परन्तु उनकी युक्ति शाऊल को मालूम हो गयी
इसे सक्रिय वाक्यांश के रूप में लिख सकते हैं, जैसे कि, “लेकिन किसी ने शाऊल को इस युक्ति की जानकारी दे दी।”

रात दिन फाटकों पर लगे रहे थे
इस नगर के चारो ओर एक दीवार थी। आने-जाने के लिए लोगों को नगर के फाटक का इस्तेमाल करना होता था।

उसके चेलों
यीशु के विषय में शाऊल के उपदेश पर विश्वास करने और उसकी शिक्षा को माननेवाले लोग।

Acts 9:26

परन्तु सब उससे डरते थे
“सब” एक अतिशयोक्ति है। इसका आशय बहुत से या अधिकाँश से है। अनुवाद करते समय हम यूं लिख सकते हैं, कि “लगभग सभी उससे डरते थे।”

परन्तु बरनबास ने उसे अपने साथ
“परन्तु बरनबास ने शाऊल को साथ लिया और”

कैसे हियाव से यीशु के नाम का प्रचार किया
अर्थात शाऊल ने यीशु के सुसमाचार की शिक्षा दी।

Acts 9:28

वह उनके साथ
“शाऊल प्रेरितों के साथ मिला और”

प्रभु के नाम से प्रचार करता था
अर्थात यीशु मसीह के सुसमाचार के सन्देश का।

यूनानी भाषा बोलनेवाले यहूदियों के साथ बातचीत और वाद-विवाद करता था
शाऊल ने यूनानी भाषा बोलनेवाले यहूदियों से तर्क-वितर्क किया

कैसरिया में ले आये
यरूशलेम से कैसरिया को जानेवाले मार्ग में ऊंचाई का अंतर था। लेकिन बोलते समय ऐसा कहना सामान्य बात थी कि ऊपर यरूशलेम की और मंदिर की ओर जा रहे है, और दूसरी ओर यरूशलेम से दूर जाते समय कहते थे कि यरूशलेम से नीचे की ओर।

Acts 9:31

उसकी उन्नति होती गयी
परमेश्वर ने उन्हें उन्नति दी

प्रभु के भय और....में बढ़ती चली जाती थी
“प्रभु को आदर व सम्मान देती रही”

पवित्र आत्मा की शांति में
“पवित्र आत्मा उन्हें सामर्थ व प्रोत्साहन देता था”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

इस प्रकार सारे यहूदिया, और गलील, सामरिया में
“सारे” शब्द के प्रयोग में संभवत: अतिशयोक्ति का प्रयोग है। इसका आशय “अधिकाँश” से हो सकता है।

पवित्र लोगों के पास
यह यीशु मसीह के सुसमाचार पर विश्वास करनेवाले लोगों के लिए प्रयुक्त हुआ आलंकारिक शब्द है।

लुदिया
लुदिया यह याफा नगर के दक्षिणपूर्व में लगभग 18 किमी। पर स्थित था। पुराने नियम में, और आधुनिक इस्राएल में यह लोद कहलाता था।

Acts 9:33

वहाँ उसे ऐनियास नामक लकवे का मारा हुआ एक मनुष्य मिला
“वहां पतरस को ऐनियास नामक लकवे का मारा हुआ एक मनुष्य मिला।” यह स्पष्ट है कि पतरस उससे मिलने की मंशा से नहीं गया था।

लकवे का मारा हुआ
वह चल-फिर नहीं सकता था, शायद कमर से नीचे से उसका शरीर लाचार था

अपना बिछौना बिछा
अर्थात “अपनी चटाई उठा” (यूडीबी)

...के सब रहनेवाले
यह “बहुत से लोगों” को अतिशयोक्तिपूर्ण दिखाया गया है

Acts 9:36

याफा में
यहाँ पतरस की कहानी में नया अध्याय जुड़ता है

तबीता अर्थात दोरकास नाम एक विश्वासिनी
तबीता उस विश्वासिनी का अरामी और दोरकास यूनानी भाषा में नाम था। दोनों ही नाम का अर्थ है “हिरन” है।

बहुत से भले-भले काम
अर्थ सुस्पष्ट है

उन्हीं दिनों में
अर्थात जिन दिनों पतरस लुदिया में था। यह अन्तर्निहित जानकारी है।

Acts 9:38

दो मनुष्य भेजकर उसे विनती की
शिष्यों ने दो लोग पतरस के पास भेजे

विधवाएं
अर्थात जिनके पतियों की मृत्यु हो चुकी है

उनके साथ रहते हुए
अर्थात "जब वह जीवित थी और प्रेरितों के साथ थी” (यूडीबी)

Acts 9:40

सबको बाहर कर दिया
अकेले में तबीता के लिए प्रार्थना करने के लिए पतरस ने सभी को बाहर कर दिया था।

यह बात सारे याफा में फ़ैल गयी
पतरस द्वारा तबीता को जिलाए जाने के आश्चर्यकर्म की बात

प्रभु पर विश्वास किया
अर्थात “प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार पर विश्वास किया”।

पतरस.....यहाँ बहुत दिन तक रहा
ऐसा हुआ कि पतरस.....यहाँ बहुत दिन तक रहा

Translation Questions

Acts 9:1

शाऊल ने यरूशलेम में महायाजक से क्या करने की आज्ञा माँगी?
शाऊल ने महायाजक से दमिश्क आराधनालयों के नाम पर चिट्ठियाँ माँगी ताकि वह दमिश्क की यात्रा से इस पंथ के प्रत्येक को बाँधकर ला सके।

Acts 9:3

जब शाऊल दमिश्क के पास पहुँचा, उसने क्या देखा?
जब शाऊल दमिश्क के पास पहुँचा, उसने आकाश से अपने चारों ओर ज्योति चमकते हुए देखी।

Acts 9:4

आवाज ने शाऊल से क्या कहा?
आवाज ने शाऊल से कहा, "हे शाऊल, हे शाऊल तू मुझे क्यों सताता है? "

Acts 9:5

जब शाऊल ने पूछा, उससे कौन बोल रहा है, तो क्या उत्तर था?
उत्तर था, "मैं यीशु हूँ; जिसे तू सताता है।"

Acts 9:8

जब शाऊल भूमि पर से उठा तो उसे क्या हुआ?
जब शाऊल भूमि पर से उठा तो उसे कुछ दिखाई न दिया।

Acts 9:9

तब शाऊल कहाँ गया और उसने क्या किया?
तब शाऊल दमिश्क को गया और तीन दिन तक न खाया न पिया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 9:11

प्रभु ने हनन्याह से क्या करने को कहा?
प्रभु ने हनन्याह से कहा, जा और शाऊल पर हाथ रख ताकि शाऊल फिर से दृष्टि पाए।

Acts 9:13

प्रभु के लिए हनन्याह ने क्या परवाह दिखाई?
हनन्याह को परवाह थी, कि शाऊल दमिश्क में उन सबको बाँधकर ले जाने आया है, जो प्रभु का नाम लेते हैं।

Acts 9:15

प्रभु के पास शाऊल के लिए कौन सा विशेष कार्य था, जिसके लिए उसने कहा कि वह उसका चुना हुआ पात्र है?
प्रभु ने कहा कि शाऊल उसके नाम को अन्य जातियों, राजाओं और इस्राएलियों के सामने प्रगट करने के लिए उसका चुना हुआ पात्र है।

Acts 9:16

क्या प्रभु ने कहा शाऊल का विशेष कार्य आसान या कठिन होगा?
प्रभु ने कहा कि शाऊल को उसके नाम के खातिर बहुत दुख उठाना पढ़ेगा।

Acts 9:19

शाऊल के ऊपर हनन्याह के हाथ रखने के बाद क्या हुआ?
शाऊल के ऊपर हनन्याह के हाथ रखने के बाद शाऊल ने दृष्टि पायी, बपतिस्मा लिया और खाया।

Acts 9:20

शाऊल ने तुरन्त क्या करना प्रारम्भ कर दिया?
शाऊल ने तुरन्त आराधनालयों में यह प्रचार करना प्रारम्भ कर दिया कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है।

Acts 9:25

जब यहूदियों ने आखिरकार शाऊल को मारने की योजना बनाई तो उसने क्या किया?
जब यहूदियों ने शाऊल को मार डालने की योजना बनाई तो वह भाग निकला। उसको एक टोकरे में उसके चेलों ने बैठाकर शहरपनाह पर से लटकाकर उसे उतार दिया।

Acts 9:26

जब शाऊल यरूशलेम आया तो शिष्य उससे कैसे मिले?
यरूशलेम में शिष्य उससे डरते थे।

Acts 9:27

तब कौन शाऊल को प्रेरितों के पास लाया और समझाया कि दमिश्क में उसके साथ क्या हुआ?
तब बरनबास शाऊल को प्रेरितों के पास लाया और समझाया कि दमिश्क में उसके साथ क्या हुआ।

Acts 9:29

शाऊल ने यरूशलेम में क्या किया?
शाऊल ने निधड़क होकर यीशु के नाम का प्रचार किया।

Acts 9:31

जब शाऊल को तरसुस भेज दिया गया तो यहूदिया, गलील और सामरिया में कलीसिया की दशा कैसी थी?
यहूदिया, गलील और सामरिया में कलीसिया को चैन मिला, उसकी बढ़ोत्तरी होती गई और संख्या बढ़ती गई।

Acts 9:33

लुद्दा में ऐसा क्या हुआ कि वहाँ के सब लोग प्रभु की ओर फिरे?
लुद्दा में पतरस ने एक लकवे के मारे हुए मनुष्य से बात की जिसे यीशु ने चंगा किया था।

Acts 9:36

याफा में क्या हुआ कि बहुत से लोग प्रभु की ओर फिरे?
पतरस ने याफा में तबीता नाम की मरी हुई स्त्री के लिए प्रार्थना की और उसे जिंदा कर दिया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 10

1 कैसरिया में कुरनेलियुस* नामक एक मनुष्य था, जो इतालियानी नाम सैन्य-दल का सूबेदार था। **2** वह भक्त* था, और अपने सारे घराने समेत परमेश्वर से
डरता था, और यहूदी लोगों को बहुत दान देता, और बराबर परमेश्वर से प्रार्थना करता था।

3 उसने दिन के तीसरे पहर के निकट दर्शन में स्पष्ट रूप से देखा कि परमेश्वर का एक स्वर्गदूत उसके पास भीतर आकर कहा, "हे कुरनेलियुस।" **4** उसने उसे
ध्यान से देखा और डरकर कहा, "हे स्वामी क्या है?" उसने उससे कहा, "तेरी प्रार्थनाएँ और तेरे दान स्मरण के लिये परमेश्वर के सामने पहुँचे हैं। **5** और अब
याफा में मनुष्य भेजकर शमौन को, जो पतरस कहलाता है, बुलवा ले। **6** वह शमौन, चमड़े के धन्धा करनेवाले के यहाँ अतिथि है, जिसका घर समुद्र के किनारे
हैं।"

7 जब वह स्वर्गदूत जिसने उससे बातें की थी चला गया, तो उसने दो सेवक, और जो उसके पास उपस्थित रहा करते थे उनमें से एक भक्त सिपाही को बुलाया, **8**
और उन्हें सब बातें बताकर याफा को भेजा।

9 दूसरे दिन जब वे चलते-चलते नगर के पास पहुँचे, तो दोपहर के निकट पतरस छत पर प्रार्थना करने चढ़ा। **10** उसे भूख लगी और कुछ खाना चाहता था,
परन्तु जब वे तैयार कर रहे थे तो वह बेसुध हो गया। **11** और उसने देखा, कि आकाश खुल गया; और एक बड़ी चादर, पात्र के समान चारों कोनों से लटकाया
हुआ, पृथ्वी की ओर उतर रहा है। **12** जिसमें पृथ्वी के सब प्रकार के चौपाए और रेंगनेवाले जन्तु और आकाश के पक्षी थे।

13 और उसे एक ऐसी वाणी सुनाई दी, "हे पतरस उठ, मार और खा।" **14** परन्तु पतरस ने कहा, "नहीं प्रभु, कदापि नहीं; क्योंकि मैंने कभी कोई अपवित्र या
अशुद्ध वस्तु नहीं खाई है।" (लैव्य. 11:1-47, यहे. 4:14) **15** फिर दूसरी बार उसे वाणी सुनाई दी, "जो कुछ परमेश्वर ने शुद्ध ठहराया है*, उसे तू अशुद्ध मत
कह।" **16** तीन बार ऐसा ही हुआ; तब तुरन्त वह चादर आकाश पर उठा लिया गया।

17 जब पतरस अपने मन में दुविधा में था, कि यह दर्शन जो मैंने देखा क्या है, तब वे मनुष्य जिन्हें कुरनेलियुस ने भेजा था, शमौन के घर का पता लगाकर द्वार
पर आ खड़े हुए। **18** और पुकारकर पूछने लगे, "क्या शमौन जो पतरस कहलाता है, यहाँ पर अतिथि है?"

19 पतरस जो उस दर्शन पर सोच ही रहा था, कि आत्मा ने उससे कहा, "देख, तीन मनुष्य तुम्हें खोज रहे हैं। **20** अतः उठकर नीचे जा, और निःसंकोच उनके
साथ हो ले; क्योंकि मैंने ही उन्हें भेजा है।" **21** तब पतरस ने नीचे उतरकर उन मनुष्यों से कहा, "देखो, जिसको तुम खोज रहे हो, वह मैं ही हूँ; तुम्हारे आने का
क्या कारण है?"

22 उन्होंने कहा, "कुरनेलियुस सूबेदार जो धर्मी और परमेश्वर से डरनेवाला और सारी यहूदी जाति में सुनाम मनुष्य है, उसने एक पवित्र स्वर्गदूत से यह निर्देश
पाया है, कि तुझे अपने घर बुलाकर तुझ से उपदेश सुने। **23** तब उसने उन्हें भीतर बुलाकर उनको रहने की जगह दी।

और दूसरे दिन, वह उनके साथ गया; और याफा के भाइयों में से कुछ उसके साथ हो लिए।

24 दूसरे दिन वे कैसरिया में पहुँचे, और कुरनेलियुस अपने कुटुम्बियों और प्रिय मित्रों को इकट्ठे करके उनकी प्रतीक्षा कर रहा था।

25 जब पतरस भीतर आ रहा था, तो कुरनेलियुस ने उससे भेंट की, और उसके पाँवों पर गिरकर उसे प्रणाम किया। **26** परन्तु पतरस ने उसे उठाकर कहा,
"खड़ा हो, मैं भी तो मनुष्य ही हूँ।"

27 और उसके साथ बातचीत करता हुआ भीतर गया, और बहुत से लोगों को इकट्ठे देखकर **28** उनसे कहा, "तुम जानते हो, कि अन्यजाति की संगति करना या
उसके यहाँ जाना यहूदी के लिये अधर्म है, परन्तु परमेश्वर ने मुझे बताया है कि किसी मनुष्य को अपवित्र या अशुद्ध न कहूँ। **29** इसलिए मैं जब बुलाया गया तो
बिना कुछ कहे चला आया। अब मैं पूछता हूँ कि मुझे किस काम के लिये बुलाया गया है?"

30 कुरनेलियुस ने कहा, "चार दिन पहले, इसी समय, मैं अपने घर में तीसरे पहर को प्रार्थना कर रहा था; कि एक पुरुष चमकीला वस्त्र पहने हुए, मेरे सामने आ
खड़ा हुआ। **31** और कहने लगा, 'हे कुरनेलियुस, तेरी प्रार्थना सुन ली गई है और तेरे दान परमेश्वर के सामने स्मरण किए गए हैं। **32** इसलिए किसी को याफा
भेजकर शमौन को जो पतरस कहलाता है, बुला। वह समुद्र के किनारे शमौन जो, चमड़े का धन्धा करनेवाले के घर में अतिथि है। **33** तब मैंने तुरन्त तेरे पास
लोग भेजे, और तूने भला किया जो आ गया। अब हम सब यहाँ परमेश्वर के सामने हैं, ताकि जो कुछ परमेश्वर ने तुझ से कहा है उसे सुनें।"

34 तब पतरस ने मुँह खोलकर कहा,

अब मुझे निश्चय हुआ, कि परमेश्वर किसी का पक्ष नहीं करता, (व्य. 10:17, 2 इति. 19:7) **35** वरन् हर जाति में जो उससे डरता और धार्मिक काम करता है,
वह उसे भाता है।

36 जो वचन उसने इस्राएलियों के पास भेजा, जब कि उसने यीशु मसीह के द्वारा जो सब का प्रभु है, शान्ति का सुसमाचार सुनाया। (भज. 107:20, भज.
147:18, यशा. 52:7, नहू. 1:15) **37** वह वचन तुम जानते हो, जो यूहन्ना के बपतिस्मा के प्रचार के बाद गलील से आरम्भ होकर सारे यहूदिया में फैल गया:
38 परमेश्वर ने किस रीति से यीशु नासरी को पवित्र आत्मा और सामर्थ्य से अभिषेक किया; वह भलाई करता, और सब को जो शैतान के सताए हुए थे, अच्छा
करता फिरा, क्योंकि परमेश्वर उसके साथ था। (यशा. 61:1)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

39 और हम उन सब कामों के गवाह हैं; जो उसने यहूदिया के देश और यरूशलेम में भी किए, और उन्होंने उसे काठ पर लटकाकर मार डाला। (व्य. 21:22-23) **40** उसको परमेश्वर ने तीसरे दिन जिलाया, और प्रगट भी कर दिया है। **41** सब लोगों को नहीं वरन् उन गवाहों को जिन्हें परमेश्वर ने पहले से चुन लिया था, अर्थात् हमको जिन्होंने उसके मरे हुओं में से जी उठने के बाद उसके साथ खाया पीया;

42 और उसने हमें आज्ञा दी कि लोगों में प्रचार करो और गवाही दो, कि यह वही है जिसे परमेश्वर ने जीवितों और मरे हुओं का न्यायी ठहराया है। **43** उसकी सब भविष्यद्वक्ता गवाही देते है कि जो कोई उस पर विश्वास करेगा, उसको उसके नाम के द्वारा पापों की क्षमा मिलेगी। (यशा. 33:24, यशा. 53:5-6, यिर्म. 31:34, दानि. 9:24)

44 पतरस ये बातें कह ही रहा था कि पवित्र आत्मा वचन के सब सुननेवालों पर उतर आया*। **45** और जितने खतना किए हुए विश्वासी पतरस के साथ आए थे, वे सब चकित हुए कि अन्यजातियों पर भी पवित्र आत्मा का दान उण्डेला गया है।

46 क्योंकि उन्होंने उन्हें भाँति-भाँति की भाषा बोलते और परमेश्वर की बड़ाई करते सुना। इस पर पतरस ने कहा, **47** "क्या अब कोई इन्हें जल से रोक सकता है कि ये बपतिस्मा न पाएँ, जिन्होंने हमारे समान पवित्र आत्मा पाया है?" **48** और उसने आज्ञा दी कि उन्हें यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दिया जाए। तब उन्होंने उससे विनती की, कि कुछ दिन और हमारे साथ रह।

Acts 10:1

कैसरिया में कुरनेलियुस नाम एक मनुष्य था
कहानी में कुरनेलियुस नाम के एक नए पात्र का प्रवेश होता है।

जो इतालियानी नाम पलटन का सूबेदार था
"उसका नाम कुनेलियुस था। वह रोमी सेना के इतालवी खंड के 100 सिपाहियों के ऊपर प्रभारी-अधिकारी था।"

वह भक्त था, और अपने सारे घराने समेत परमेश्वर से डरता था,
अर्थात, "वह परमेश्वर में आस्था रखता था और अपने जीवन में परमेश्वर को आदर देता था और उसकी आराधना करता था।"

अपने सारे घराने समेत
"अपने पूरे परिवार के साथ"

यहूदी लोगों को बहुत दान देता
अर्थात "गरीब यहूदी लोगों को।" परमेश्वर के प्रति अपने भय को प्रकट करने का उसका यह एक तरीका था।

Acts 10:3

उसने दिन के तीसरे पहर
यहूदियों के दोपहर की प्रार्थना का नियमित समय।

स्पष्ट रूप से देखा
अर्थात "कुरनेलियुस ने स्पष्ट रूप से देखा"

चमड़े के धंधा करनेवाले के यहाँ
अर्थात चर्मकार के यहाँ

Acts 10:7

जब वह स्वर्गदूत जिसने उससे बातें की थी चला गया
अर्थात "कुरनेलियुस को मिले दर्शन के समाप्त होने पर"

उन्हें सब बातें बताकर
अर्थात कुरनेलियुस ने अपने दो सेवकों और सिपाही को अपने दर्शन बताया

याफा भेजा
अपने दो सेवकों और सिपाही को याफा भेजा।

Acts 10:9

जब वे चलते-चलते नगर के पास पहुंचें
कुरनेलियुस के दो सेवक और सिपाही कुरनेलियुस की आज्ञा पर याफा की ओर यात्रा कर रहे थे।

वह बेसुध हो गया
यह वह दशा थी जिसमें दर्शन पाते समय पतरस भी था।

और उसने देखा कि आकाश खुल गया
यह पतरस के दर्शन की शुरुआत थी

एक पात्र बड़ी चादर के समान
उस बड़े पात्र का आकार एक बड़ी चादर के समान था

जिसमें हर प्रकार के....जंतु और आकाश के पंछी थे
अर्थात उस पात्र के भीतर बहुत तरह के जंतु थे

Acts 10:13

और उसे एक ऐसा शब्द सुनाई दिया
वक्ता स्पष्ट नहीं है। लेकिन यह स्पष्ट है कि बोलनेवाला परमेश्वर की ओर से था, न कि शैतान की ओर से।

प्रभु
पतरस ने आदरपूर्वक इस शब्द का प्रयोग किया है।

मैंने कभी कोई अपवित्र या अशुद्ध वस्तु नहीं खाई है
यह स्पष्ट है कि पात्र में जो जीव-जंतु थे जो मूसा की व्यवस्था के अनुसार अशुद्ध थे और जिन्हें खाना वर्जित था।

Acts 10:17

द्वार पर आ खड़े हुए
अर्थात "घर के द्वार पर आ खड़े हुए।" स्पष्ट है कि घर में एक दीवार और प्रवेश के लिए एक बाड़ा लगा गेट था।

और पुकारकर पूछने लगे
कुरनेलियुस के लोग द्वार के बाहर से ही पतरस के बारे में पूछताछ कर रहे थे।

जो पतरस कहलाता है
अर्थ स्पष्ट है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 10:19

पतरस जो उस दर्शन पर सोच ही रहा था
पतरस जो उस दर्शन पर सोच ही रहा था “पतरस जब उस दर्शन पर विचार कर ही रहा था।”

आत्मा
“पवित्र आत्मा”

देख, तीन मनुष्य
“सावधान, तीन मनुष्य” या फिर, “जा, तीन मनुष्य”

जिसकी खोज....तुम्हारे आने का कारण क्या है?
जिसकी खोज तुम.....तुम्हारे आने का कारण क्या है? “तुम” और “तुम्हारे” का आशय कुरनेलियुस द्वारा भेजे गए तीन लोगों से है.

Acts 10:22

उन्होंने कहा
कुरनेलियुस द्वारा भेजे गए तीन संदेशवाहकों ने पतरस से कहा

कुरनेलियुस....सारी यहूदी जाति में सुनाम मनुष्य है
अर्थात बहुत से यहूदी लोग कुरनेलियुस के विषय में भली बातें कहते थे।

सारी यहूदी जाति
यहाँ बहुत से यहूदी लोग कुरनेलियुस के विषय में भली बातें कहते थे को अतिशयोक्ति के साथ व्यक्त किया गया है।

कि तुझे अपने घर बुलाकर
“तुझे” अर्थात पतरस को।

Acts 10:24

दूसरे दिन वे
“वे” अर्थात पतरस, याफा से पतरस के साथ आया व्यक्ति, और कुरनेलियुस के तीन सेवक

अपने कुटुम्बियों और प्रिय मित्रों को इकट्ठे करके
“अपने” का आशय कुरनेलियुस से है।

Acts 10:25

उसके पांवों पर गिर कर उसे
पांवों पर गिरना यहाँ केवल आदर व्यक्त करने की नहीं, वरन आराधना की क्रिया है (यूडीबी)।

“खड़ा हो, मैं भी तो मनुष्य हूँ।”
यहाँ पर पतरस की आराधना करने पर कुरनेलियुस को हल्की सी झिड़की दी गयी है।

Acts 10:27

उसके साथ बातचीत करता हुआ
अर्थात कुरनेलियुस से बातचीत करता हुआ

बहुत से लोगों को इकट्ठे देखकर
“बहुत से गैर यहूदी लोगों को इकट्ठे देखकर।” यह स्पष्ट है कि कुरनेलियुस ने जिन्हें बुलाया था वे गैर यहूदी थे।

यहूदी के लिए अधर्म है
“यहूदी के लिए वर्जित है”

तुम जानते हो
पतरस यहाँ कुरनेलियुस और आमंत्रित लोगों को संबोधित कर रहा है।

मुझे किस काम के लिए बुलाया गया है?”
पतरस यहाँ कुरनेलियुस और उपस्थित सभी गैर-यहूदियों से पूछ रहा है।

Acts 10:30

पूरे चार दिन हुए
बाइबिल पर आधारित संस्कृति में वर्तमान दिन को भी शामिल किया जाता है। आज के अनुसार “तीन दिन पहले” लिखा जाएगा।

तीसरे पहर की प्रार्थना
परमेश्वर से प्रार्थना करने का यहूदियों का समय।

अपने घर में तीसरे पहर की प्रार्थना
कुछ प्राचीन प्रमाणित लेख “उपवास और प्रार्थना...” कहते हैं

तेरी प्रार्थना
यहाँ आशय केवल कुरनेलियुस (एकवचन) से है।

तेरे दान परमेश्वर के सामने स्मरण किये गए
अर्थात “तेरे दान पर परमेश्वर का ध्यान लगाया है”

शमौन को जो पतरस कहलाता है, बुला
“पतरस कहलानेवाले शमौन से आने के लिए कह”

तेरे पास लोग भेजे
“तेरे” का आशय केवल पतरस (एकवचन) से है।

हम सब यहाँ
“हम” का आशय उन लोगों से है जिन्हें कुरनेलियुस ने पतरस को सुनने के लिए बुलाया था।

Acts 10:34

तब पतरस ने मुंह खोलकर कहा
“तब पतरस ने उन्हें संबोधित करना शुरू किया” (यूडीबी)

जो उससे डरता और धर्म के काम करता है,वह उसे भाता है
“उसका भय रखनेवाले और धर्म के काम करनेवाला हर व्यक्ति उसे भाता है”

Acts 10:36

x
(पतरस अपनी बात आगे बढाता है)

वह वचन तुम जानते हो
“वचन” का आशय “वचन” से ही है

जो सब का प्रभु है
इसमें यहूदी और गैर-यहूदी सभी लोग शामिल हैं।

तुम जानते हो
आशय कुरनेलियुस और उसके पाहुनों से है (बहुवचन)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

वह वचन तुम जानते हो
अर्थात “उसके सभी काम जानते हो”

Acts 10:39

x
(पतरस अपनी बात आगे बढ़ाता है)

हम.....गवाह हैं
“हम प्रेरित....गवाह हैं.” इस संबोधन में पतरस ने अपने सुननेवालों को शामिल नहीं किया है।

जो उसने.....में भी किये
“जो यीशु ने....में भी किये”

उसे...मार डाला
“जिसे यहूदी अगुओं ने मार डाला”

उसको
“यीशु को”

उसको परमेश्वर ने तीसरे दिन जिलाया
परमेश्वर ने यीशु को फिर से जीवित किया

और प्रगट भी कर दिया
परमेश्वर ने उसे स्वयं को प्रगट करने की अनुमति दी

Acts 10:42

x
(पतरस अपनी बात आगे बढ़ाता है)

उसने हमें आज्ञा दी
परमेश्वर ने हम प्रेरितों को आज्ञा दी। इस “यहाँ” शब्द में पतरस को सुननेवाले शामिल नहीं हैं।

यह वही है जिसे परमेश्वर ने .....ठहराया है
कि यीशु ही वही है जिसे परमेश्वर ने ....ठहराया है.

जीवतों और मरे हुओं का
वे जो अब भी जीवित हैं और वे जो मर चुके हैं

उसकी सब भविष्यद्वक्ता गवाही देते हैं
सब भविष्यद्वक्ता यीशु की गवाही देते हैं

Acts 10:44

वचन के सब सुननेवालों पर उतर आया
वचन के सब सुननेवालों पर उतर आया “सब” का आशय संभवतः घर में मौजूद सब गैर-यहूदियों से है जो पतरस पर विश्वास रखते थे।

दान
“मुफ्त का वरदान”

पवित्र आत्मा का दान उंडेला गया है
परमेश्वर ने पवित्र आत्मा का दान उंडेला है

Acts 10:46

उन्होंने उन्हें भांति-भांति की भाषा बोलते और परमेश्वर की बड़ाई करते सुना
ये लोगों द्वारा बोली जानेवाली भाषाएँ थीं जिससे यहुदियों को यह पता चल पाया कि “उन्हें” अर्थात अन्यजातीय लोग सचमुच परमेश्वर की बड़ाई कर रथे थे।

क्या कोई जल की रोक कर सकता है कि....
यह वास्तविक प्रश्न न होकर भाषा का आलंकारिक प्रयोग है। इसका आशय है कि “किसी को उन्हें जल से दूर नहीं रखना चाहिए।”

कि ये बप्तिस्मा न पाएं
पतरस यहाँ पर आलंकारिक भाषा का प्रयोग कर रहा है और प्रश्न वास्तविक न होकर केवल आलंकारिक है। कहने का आशय असल में है कि ये लोग बप्तिस्मा पाने के योग्य हैं।

और उसने आज्ञा दी कि उन्हें ....बप्तिस्मा दिया जाए
“पतरस ने उन्हें अन्यजतीय लोगों को बप्तिस्मा देने की आज्ञा दी” (निष्क्रिय) अथवा “पतरस ने यहूदी मसीहियों को गैर-यहूदी विश्वासियों को बप्तिस्मा देने की आज्ञा दी”

तब उन्होंने उससे विनती की
“तब अन्यजातियों ने पतरस से विनती की”

Translation Questions

Acts 10:2

कुरनेलियुस किस प्रकार का व्यक्ति था?
कुरनेलियुस धर्मी और परमेश्वर से डरने वाला, दयावान और सदैव परमेश्वर से प्रार्थना करने वाला व्यक्ति था।

Acts 10:4

स्वर्गदूत ने क्या कहा कि परमेश्वर ने कुरनेलियुस को याद किया?
स्वर्गदूत ने कहा कि कुरनेलियुस की प्रार्थनाओं और निर्धनों को दिये गये दानों ने परमेश्वर को कुरनेलियुस का स्मरण कराया।

Acts 10:5

स्वर्गदूत ने कुरनेलियुस को क्या करने को कहा?
स्वर्गदूत ने कुरनेलियुस से पतरस को याफा से लाने के लिए आदमी भेजने को कहा।

Acts 10:11

दूसरे दिन जब पतरस छत पर प्रार्थना कर रहा था, तो उसने क्या देखा?
पतरस ने एक बहुत बड़ी चादर सब प्रकार के चौपायों, रेंगने वाले जन्तुओं और आकाश के पक्षियों से भरी हुई देखी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 10:13

जब पतरस ने वह दर्शन देखा, तो उसे क्या आवाज सुनाई दी?
आवाज ने पतरस से कहा, "हे पतरस उठ, मार और खा।"

Acts 10:14

पतरस की आवाज के प्रति क्या प्रतिक्रिया थी?
पतरस ने यह कहकर खाने से मना किया कि उसने कभी कोई अशुद्ध और अपवित्र वस्तु नहीं खाई है।

Acts 10:15

इसके बाद आवाज ने पतरस से क्या कहा?
आवाज ने कहा, "जो कुछ परमेश्वर ने शुद्ध ठहराया है, उसे तू अशुद्ध मत कर।"

Acts 10:20

जब कुरनेलियुस के भेजे हुए मनुष्य घर पर पहुंचे तो आत्मा ने पतरस से क्या कहा?
पतरस से आत्मा ने नीचे जाने और भेजे हुए मनुष्यों के साथ हो लेने को कहा।

Acts 10:22

कुरनेलियुस के पास से आए हुए मनुष्यों ने पतरस को कुरनेलियुस के घर आकर क्या करने की उम्मीद की?
कुरनेलियुस के पास से आए हुए मनुष्यों ने कुरनेलियुस के घर आकर पतरस से वचन सुनाने की उम्मीद की।

Acts 10:26

जब कुरनेलियुस ने पतरस के पाँवों पर गिरकर उसे प्रणाम किया तो पतरस ने क्या कहा?
पतरस ने कुरनेलियुस को खड़ा होने को कहा क्योंकि वह एक मनुष्य ही था।

Acts 10:28

पतरस क्या कर रहा था जिसे पूर्वकाल में यहूदियों को करने की आज्ञा न थी और अब वह उसको क्यों कर रहा था?
पतरस अन्य जाति के लोगों से संगति कर रहा था क्योंकि परमेश्वर ने उसे बताया था कि किसी मनुष्य को अपवित्र या अशुद्ध न कहे।

Acts 10:35

पतरस ने किसके लिए कहा कि वह परमेश्वर को स्वीकृत है?
पतरस ने कहा कोई भी जो परमेश्वर से डरता और धार्मिक कार्य करता है, वह परमेश्वर को स्वीकृत है।

Acts 10:38

कुरनेलियुस के घर आये हुए लोगों ने यीशु के बारे में कौन सा संदेश पहले ही सुन रखा था?
लोगों ने पहले ही सुन रखा था कि यीशु का पवित्र-आत्मा और सामर्थ्य से अभिषेक हुआ था और उसने उन सबको चंगा किया था जो सताए हुए थे, क्योंकि परमेश्वर उसके साथ था।

Acts 10:40

पतरस ने किस बात की गवाही दी की कि यीशु के साथ उसकी मृत्यु के बाद क्या हुआ और पतरस इस बात को कैसे जानता था?
पतरस ने गवाही दी कि परमेश्वर ने यीशु को तीसरे दिन जिलाया और पतरस ने उसके जी उठने के बाद उसके साथ खाया।

Acts 10:42

पतरस ने क्या कहा कि यीशु ने उनको लोगों को प्रचार करने की आज्ञा दी है?
पतरस ने कहा, यीशु ने उनको आज्ञा दी है कि प्रचार करो कि यीशु को परमेश्वर ने जीवतों और मरे हुओं का न्यायी ठहराया है।

Acts 10:43

पतरस ने किस चीज के लिए कहा कि प्रत्येक जो यीशु पर विश्वास करेगा, पायेगा?
पतरस ने कहा कि प्रत्येक जो यीशु पर विश्वास करता है उसे पापों की क्षमा मिलेगी।

Acts 10:44

उन लोगों को क्या हुआ जो पतसर को जो अभी भी वचन सुना रहा था, सुन रहे थे?
उन सभी पर जो पतरस से वचन को सुन रहे थे, पवित्र-आत्मा उतरा।

Acts 10:45

वे विश्वासी जो खतना किए हुए समूह के थे, चकित क्यों हुए?
वे विश्वासी जो खतना किए हुए समूह के थे चकित इसलिए हुए क्योंकि पवित्र-आत्मा का वरदान अन्य जातियों पर भी उण्डेला गया।

Acts 10:46

वे लोग ऐसा क्या कर रहे थे जिससे दिखाई दे कि पवित्र-आत्मा उन पर उतरा है?
वे लोग अन्य भाषाओं में बोल रहे थे और परमेश्वर की स्तुति कर रहे थे जिससे दिखाई दे रहा था कि पवित्र-आत्मा उन पर उतरा है।

Acts 10:48

यह देखकर कि लोगों को पवित्र-आत्मा मिला है, पतरस ने क्या आज्ञा दी कि उनके साथ किया जाए?
पतरस ने आज्ञा दी कि उन लोगों को यीशु के नाम में बपतिस्मा दिया जाए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 11

1 और प्रेरितों और भाइयों ने जो यहूदिया में थे सुना, कि अन्यजातियों ने भी परमेश्वर का वचन मान लिया है। **2** और जब पतरस यरूशलेम में आया, तो खतना
किए हुए लोग उससे वाद-विवाद करने लगे, **3** "तूने खतनारहित लोगों के यहाँ जाकर उनके साथ खाया।"

4 तब पतरस ने उन्हें आरम्भ से क्रमानुसार कह सुनाया; **5** "मैं याफा नगर में प्रार्थना कर रहा था, और बेसुध होकर एक दर्शन देखा, कि एक बड़ी चादर, एक
पात्र के समान चारों कोनों से लटकाया हुआ, आकाश से उतरकर मेरे पास आया। **6** जब मैंने उस पर ध्यान किया, तो पृथ्वी के चौपाए और वन पशु और
रेंगनेवाले जन्तु और आकाश के पक्षी देखे;

7 और यह आवाज़ भी सुना, 'हे पतरस उठ मार और खा।' **8** मैंने कहा, 'नहीं प्रभु, नहीं; क्योंकि कोई अपवित्र या अशुद्ध वस्तु मेरे मुँह में कभी नहीं गई।' **9**
इसके उत्तर में आकाश से दूसरी आवाज़ आई, 'जो कुछ परमेश्वर ने शुद्ध ठहराया है, उसे अशुद्ध मत कह।' **10** तीन बार ऐसा ही हुआ; तब सब कुछ फिर
आकाश पर खींच लिया गया।

11 तब तुरन्त तीन मनुष्य जो कैसरिया से मेरे पास भेजे गए थे, उस घर पर जिसमें हम थे, आ खड़े हुए। **12** तब आत्मा ने मुझसे उनके साथ बेझिझक हो लेने
को कहा, और ये छः भाई भी मेरे साथ हो लिए; और हम उस मनुष्य के घर में गए। **13** और उसने बताया, कि मैंने एक स्वर्गदूत को अपने घर में खड़ा देखा,
जिसने मुझसे कहा, 'याफा में मनुष्य भेजकर शमौन को जो पतरस कहलाता है, बुलवा ले। **14** वह तुझ से ऐसी बातें कहेगा, जिनके द्वारा तू और तेरा सारा
घराना उद्धार पाएगा।'

15 जब मैं बातें करने लगा, तो पवित्र आत्मा उन पर उसी रीति से उतरा, जिस रीति से आरम्भ में हम पर उतरा था। **16** तब मुझे प्रभु का वह वचन स्मरण आया;
जो उसने कहा, 'यूहन्ना ने तो पानी से बपतिस्मा दिया, परन्तु तुम पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाओगे।'

17 अतः जब कि परमेश्वर ने उन्हें भी वही दान दिया, जो हमें प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करने से मिला; तो मैं कौन था जो परमेश्वर को रोक सकता था?" **18**
यह सुनकर, वे चुप रहे, और परमेश्वर की बड़ाई करके कहने लगे, "तब तो परमेश्वर ने अन्यजातियों को भी जीवन के लिये मन फिराव का दान दिया है।"

19 जो लोग उस क्लेश के मारे जो स्तिफनुस के कारण पड़ा था, तितर-बितर हो गए थे, वे फिरते-फिरते फीनीके और साइप्रस और अन्ताकिया में पहुँचे; परन्तु
यहूदियों को छोड़ किसी और को वचन न सुनाते थे। **20** परन्तु उनमें से कुछ साइप्रस वासी और कुरेनी* थे, जो अन्ताकिया में आकर यूनानियों को भी प्रभु यीशु
का सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। **21** और प्रभु का हाथ उन पर था, और बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे।

22 तब उनकी चर्चा यरूशलेम की कलीसिया के सुनने में आई, और उन्होंने बरनबास* को अन्ताकिया भेजा। **23** वह वहाँ पहुँचकर, और परमेश्वर के अनुग्रह
को देखकर आनन्दित हुआ; और सब को उपदेश दिया कि तन मन लगाकर प्रभु से लिपटे रहें। **24** क्योंकि वह एक भला मनुष्य था; और पवित्र आत्मा और
विश्वास से परिपूर्ण था; और बहुत से लोग प्रभु में आ मिले।

25 तब वह शाऊल को ढूँढ़ने के लिये तरसुस को चला गया। **26** और जब उनसे मिला तो उसे अन्ताकिया में लाया, और ऐसा हुआ कि वे एक वर्ष तक
कलीसिया के साथ मिलते और बहुत से लोगों को उपदेश देते रहे, और चेले सबसे पहले अन्ताकिया ही में मसीही कहलाए।

27 उन्हीं दिनों में कई भविष्यद्वक्ता यरूशलेम से अन्ताकिया में आए। **28** उनमें से अगबुस* ने खड़े होकर आत्मा की प्रेरणा से यह बताया, कि सारे जगत में
बड़ा अकाल पड़ेगा, और वह अकाल क्लौदियुस के समय में पड़ा।

29 तब चेलों ने निर्णय किया कि हर एक अपनी-अपनी पूँजी के अनुसार यहूदिया में रहनेवाले भाइयों की सेवा के लिये कुछ भेजे। **30** और उन्होंने ऐसा ही
किया; और बरनबास और शाऊल के हाथ प्राचीनों के पास कुछ भेज दिया।

Acts 11:1

और....
कहानी को आगे बढाने के लिए प्रयुक्त

जो यहूदिया में थे
"जो यहूदिया प्रांत में थे"

परमेश्वर का वचन मान लिया
यह यीशु मसीह के सुसमाचार पर अन्यजातियों द्वारा विश्वास करने, उन पर पवित्र आत्मा के उतरने व उनके द्वारा बप्तिस्मा लेने को व्यक्त करने के लिए प्रयुक्त की गयी अभिव्यक्ति है।

और जब पतरस यरूशलेम में आया
यरूशलेम पहाड़ी पर स्थित है

खतना किये हुए लोग
ऐसे यहूडी लोग जो यह सिखाते थे कि मसीह के अनुयायियों को खतना करवाना चाहिए और मूसा की व्यवस्था को पालन करना चाहिए

उससे वाद-विवाद करने लगे
"वे उसके समक्ष मुद्दा उठा रहे थे"

उनके साथ खाया
यहूदी व्यवस्था के अनुसार खतना किये लोगों का उन लोगों के साथ भोजन करना वर्जित था जिन्होंने खतना नहीं किया है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 11:4

तब पतरस ने उन्हें .....कह सुनाया
तब पतरस ने उन्हें.....कह सुनाया - पतरस ने यहूदी विश्वासियों की निंदा नहीं की वरन उन्हें मैत्रीपूर्ण रीति से समझाया था

पृथ्वी के चौपाए
चौपाए से आशय शायद पालतू जानवरों से है।

वनपशु
इसका आशय शायद जंगली जानवरों से था जिन्हें लोग पालतू नहीं बनाते अथवा नहीं बना सकते हैं।

रेंगनेवाले जंतु
अर्थात सरीसृप

Acts 11:7

x
(पतरस अपना बोलना जारी रखता है)

कोई अपवित्र या अशुद्ध वस्तु मेरे मुंह में कभी नहीं गयी
स्पष्ट है कि पात्र में वे जानवर थे जिन्हें यहूदी व्यवस्था के अनुसार खाना वर्जित था।

कोई अपवित्र या अशुद्ध
कोई अपवित्र या अशुद्ध यहाँ भोजन की "अपवित्र या अशुद्ध" वस्तुओं की बात हो रही है।

मेरे मुंह में कभी नहीं गयी
मेरे मुंह में कभी नहीं गयी अर्थात "मैंने कभी नहीं खाई।"

जो कुछ परमेश्वर ने शुद्ध ठहराया है, उसे अशुद्ध मत कह
अर्थात "जो पशु परमेश्वर ने शुद्ध ठहराए हैं, उन्हें अशुद्ध मत कह।"

अशुद्ध
पुराने नियम की यहूदी व्यवस्था के अनुसार एक व्यक्ति कई तरह से अशुद्ध हो जाता था, जैसे कि वर्जित जानवरों को खाना आदि।

Acts 11:11

x
(पतरस अपनी बात को आगे बढाता है)

और देखो
"और तुरंत ही" या फिर "बस उसी पल" (यूडीबी)। इससे मूल कहानी में एक नये प्रकरण की शुरुआत का संकेत मिलता है। आप यहाँ अपनी भाषा में उपलब्ध उचित शब्दों का प्रयोग करें।

उनके साथ बेखटके हो लेने को कहा
अर्थात "यहूदी और गैर-यहूदी का भेदभाव किये बिना साथ हो लेने को कहा"

लेने को कहा
किसी ने उन्हें भेजा था।

छ: भाई
"छ: यहूदी विश्वासी"

शमौन को जो पतरस कहलाता है, बुलवा ले
"पतरस कहलानेवाले शमौन को बुलवा ले"

उद्धार पाएगा
"परमेश्वर द्वारा बचाया जाएगा"

Acts 11:15

x
(पतरस अपनी बात जारी रखता है।)

तो पवित्र आत्मा उन पर उसी रीति से उतरा, जिस रीति से आरम्भ में हम पर उतरा था
"पवित्र आत्मा अन्यजातियों पर उसी रीति से उतरा, जिस रीति से पिन्तेकुस्त के दिन यहूदी विश्वासियों पर उतरा था।"

आरम्भ में हम पर
"हम" का आशय यहाँ पतरस और उन यहूदी विश्वासियों से है जो आरम्भ में थे, लेकिन कमरे में मौजूद सभी लोग शुरू से मौजूद नहीं थे।

आरम्भ में
आरम्भ में पतरस का आशय यहाँ पिन्तेकुस्त के दिन से है।

तुम पवित्र आत्मा से बप्तिस्मा पाओगे
"परमेश्वर तुम्हें पवित्र आत्मा से बप्तिस्मा देगा"

Acts 11:17

x
(17वें पद में पतरस अपना संबोधन समाप्त करता है)

परमेश्वर ने उन्हें....दिया
"उन्हें" का आशय यहाँ कुरनेलियुस और उसके संपर्क में आये गैर-यहूदी लोगों की कहानी से है। लेकिन, यरूशलेम में यहूदी विश्वासियों को वृत्तान्त सुनाते समय पतरस उन्हें गैर-यहूदी कह कर संबोधित नहीं करता

वही वरदान
पतरस यहाँ पवित्र आत्मा के वरदान के विषय में कह रहा है

मैं कौन था, जो परमेश्वर को रोक सकता था?
मैं परमेश्वर का विरोध नहीं कर सकता।

यह सुनकर, वे चुप रहे
यह सुनकर, वे चुप रहे - "वे" का आशय खतना हुए लोगों से है जो पतरस की आलोचना कर रहे थे।

जीवन के लिए मन फिराव का दान दिया है
"जीवन की ओर ले जानेवाला मन फिराव का दान दिया है"

Acts 11:19

जो लोग उस क्लेश के मारे जो स्तिफनुस के कारण पड़ा था, तितर-बितर हो गए
प्रेरितो के कार्य के 8वें अध्याय का सारांश कहानी में एक नए प्रकरण के प्रवेश की भूमिका बनाने के लिए है।

जो लोग उस क्लेश के मारे जो स्तिफनुस के कारण पड़ा था, तितर-बितर हो गए
"यहूदी अगुवों द्वारा स्तिफनुस की हत्या के बाद बहुत से विश्वासी क्लेश झेलने लगे। ये विश्वासी यरूशलेम छोड़ कर दूसरी जगह चले गए....."

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

परन्तु यहूदियों को छोड़ किसी और को
वे सोचते थे कि परमेश्वर का वचन केवल यहूदियों के लिए है, गैर- यहूदियों (यूनानियों) के लिए नहीं।

प्रभु का हाथ
अर्थात "परमेश्वर बहुत सामर्थी रीति से उन्हें समर्थ बना रहा था"।

Acts 11:22

तब उनकी चर्चा
"उनकी" का आशय अन्ताकिया के नए विश्वासियों से है

कलीसिया के सुनने में आई
अर्थात "यरूशलेम के विश्वासियों ने सुना।"

उन्होंने बरनबास को अन्ताकिया भेजा
यरूशलेम की कलीसिया के विश्वासियों ने भेजा

परमेश्वर के अनुग्रह को देखकर
"विश्वासियों के प्रति परमेश्वर की दया देखकर" (यूडीबी)

सब को उपदेश दिया
"सब को उपदेश देता रहा"

प्रभु से लिपटे रहो
"प्रभु के विश्वासयोग्य बने रहो"

तन मन लगाकर
""प्रभु के प्रति पूरी तरह समर्पित रहो" अथवा "प्रभु पर सम्पूर्ण रीति से आस्था रखो"(यूडीबी)

पवित्र आत्मा और विश्वास से परिपूर्ण था
पवित्र आत्मा की आज्ञापालन करते समय स्तिफनुस पवित्र आत्मा के वश में था

बहुत से लोग प्रभु में आ मिले
अर्थात "बहुत से लोगों ने प्रभु में विश्वास किया।"

Acts 11:25

तरसुस को चला गया
अर्थात "तरसुस नगर को चला गया"

और जब उनसे मिला तो उसे अन्ताकिया में लाया
"शाऊल से मिलने पर बरनबास शाऊल को ले आया"

वे एक वर्ष तक कलीसिया के साथ मिलते
अर्थात "बरनबास और शाऊल एक वर्ष तक कलीसिया के साथ मिलते" अथवा "बरनबास और शाऊल एक वर्ष तक नियमित रूप से कलीसिया से मिलते"

चेले सबसे पहले अन्ताकिया में मसीही कहलाए
चेले सबसे पहले अन्ताकिया में मसीही कहलाए - "अन्ताकियावासियों ने सबसे पहले चेलों को मसीही नाम से बुलाया"

Acts 11:27

उन्हीं दिनों में
कहानी में नए प्रकरण की शुरुआत

यरूशलेम से अन्ताकिया आये
यरूशलेम से अन्ताकिया दोनों अलग स्तर पर थे। ऐसा प्रतीत होता है कि यरूशलेम, विशेषकर कि मंदिर की बहुत महत्ता है।

सारे जगत में बड़ा अकाल पड़ा
"अन्न की भारी कमी हो गयी"

सारे जगत में
यहाँ अतिशयोक्ति का प्रयोग है। असल में "जगत" का आशय रोमी साम्राज्य से है।

Acts 11:29

हर एक अपनी अपनी पूंजी के अनुसार
हर एक अपनी अपनी पूँजी के अनुसार - अर्थात धनी लोगों ने अधिक भेजा और गरीब लोगों ने अपनी हैसियत के अनुसार कम

उन्होंने ऐसा ही किया
के पास कुछ भेज दिया<"अन्ताकिया के विश्वासियों ने धन-दान में दिया और उन्होंने धन भेज दिया..."

बरनबास और शाऊल के हाथ
बरनबास और शाऊल के हाथ --अर्थात "यरूशलेम की कलीसिया के प्राचीनो के पास स्वयं बरनबास और शाऊल धन लेकर आये"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Acts 11:1

क्या समाचार प्रेरितों और भाइयों ने यहूदिया में सुना?
प्रेरितों और भाइयों ने यहूदिया में सुना कि अन्य जातियों ने भी परमेश्वर का वचन मान लिया है।

Acts 11:2

पतरस के खिलाफ़ यरूशलेम में ख़तना किए समूह के लोगों ने क्या आलोचना की थी?
ख़तना किए समूह के लोगों ने पतरस की खतनारहित लोगों के साथ खाने के लिए आलोचना की।

Acts 11:4

पतरस ने अपने खिलाफ़ आलोचना का उत्तर कैसे दिया?
पतरस ने आलोचना का उत्तर चादर के दर्शन और अन्यजातियों के आत्मा से बपतिस्मे की व्याख्या कर के दिया।

Acts 11:18

ख़तना हुए समूह के लोगों के पतरस का उत्तर सुनने के बाद क्या निचोड़ निकाला?
उन्होंने परमेश्वर की बड़ाई की और यह कहकर समाप्त किया कि परमेश्वर ने अन्यजातियों को भी जीवन के लिए मन फिराव का दान दिया है।

Acts 11:19

स्तिफनुस की मृत्यु के पश्चात् जो तित्तर-बित्तर हो गए थे उनमें से अधिकतर विश्वासियों ने क्या किया?
अधिकतर तित्तर-बित्तर हो गए विश्वासियों ने यहूदियों के इलावा किसी अन्य को यीशु के विषय में वचन नहीं सुनाया।

Acts 11:20

क्या हुआ जब तित्तर-बित्तर हुए विश्वासियों में से कुछ ने यूनानियों को प्रभु यीशु का सुसमाचार सुनाया?
जब उन्होंने प्रभु यीशु का सुसमाचार यूनानियों को सुनाया, तो बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे।

Acts 11:22

यरूशलेम के बरनबास के अन्ताकिया में यूनानी विश्वासियों को क्या बताया?
बरनबास ने यूनानियों को मन से प्रभु यीशु मसीह से लिपटे रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

Acts 11:26

किसने अन्ताकिया की कलीसिया में एक वर्ष व्यतीत किया?
बरनबास और शाऊल ने अन्ताकिया की कलीसिया में एक वर्ष व्यतीत किया।

चेलों ने सर्वप्रथम अन्ताकिया में क्या नाम प्राप्त किया?
चेले सबसे पहले अन्ताकिया में ही मसीही कहलाए।

Acts 11:28

अगबुस नाम के भविष्यवक्ता ने क्या भविष्यवाणी की?
अगबुस ने भविष्यवाणी की कि सारे जगत में बड़ा अकाल पड़ेगा।

Acts 11:29

चेलों ने अगबुस की भविष्यवाणी पर क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की?
चेलों ने बरनबास और शाऊल के हाथों यहूदिया में रहने वाले भाइयों के लिए कुछ मदद भेजी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 12

1 उस समय हेरोदेस राजा* ने कलीसिया के कई एक व्यक्तियों को दुःख देने के लिये उन पर हाथ डाले। **2** उसने यूहन्ना के भाई याकूब को तलवार से मरवा
डाला।

3 जब उसने देखा, कि यहूदी लोग इससे आनन्दित होते हैं, तो उसने पतरस को भी पकड़ लिया। वे दिन अख़मीरी रोटी के दिन थे। **4** और उसने उसे पकड़कर
बन्दीगृह में डाला, और रखवाली के लिये, चार-चार सिपाहियों के चार पहरों में रखा, इस मनसा से कि फसह के बाद उसे लोगों के सामने लाए।

5 बन्दीगृह में पतरस की रखवाली हो रही थी; परन्तु कलीसिया उसके लिये लौ लगाकर परमेश्वर से प्रार्थना कर रही थी। **6** और जब हेरोदेस उसे उनके सामने
लाने को था, तो उसी रात पतरस दो जंजीरों से बंधा हुआ, दो सिपाहियों के बीच में सो रहा था; और पहरेदार द्वार पर बन्दीगृह की रखवाली कर रहे थे।

7 तब प्रभु का एक स्वर्गदूत आ खड़ा हुआ और उस कोठरी में ज्योति चमकी, और उसने पतरस की पसली पर हाथ मार कर उसे जगाया, और कहा, “उठ,
जल्दी कर।” और उसके हाथ से जंजीरें खुलकर गिर पड़ीं। **8** तब स्वर्गदूत ने उससे कहा, “कमर बाँध, और अपने जूते पहन ले।” उसने वैसा ही किया, फिर
उसने उससे कहा, “अपना वस्त्र पहनकर मेरे पीछे हो ले।”

9 वह निकलकर उसके पीछे हो लिया; परन्तु यह न जानता था कि जो कुछ स्वर्गदूत कर रहा है, वह सच है, बल्कि यह समझा कि मैं दर्शन देख रहा हूँ। **10** तब
वे पहले और दूसरे पहरे से निकलकर उस लोहे के फाटक पर पहुँचे, जो नगर की ओर है। वह उनके लिये आप से आप खुल गया, और वे निकलकर एक ही गली
होकर गए, इतने में स्वर्गदूत उसे छोड़कर चला गया।

11 तब पतरस ने सचेत होकर कहा, “अब मैंने सच जान लिया कि प्रभु ने अपना स्वर्गदूत भेजकर मुझे हेरोदेस के हाथ से छुड़ा लिया, और यहूदियों की सारी
आशा तोड़ दी।” **12** और यह सोचकर, वह उस यूहन्ना की माता मरियम के घर आया, जो मरकुस कहलाता है। वहाँ बहुत लोग इकट्ठे होकर प्रार्थना कर रहे थे।

13 जब उसने फाटक की खिड़की खटखटाई तो रूदे* नामक एक दासी सुनने को आई। **14** और पतरस का शब्द पहचानकर, उसने आनन्द के मारे फाटक न
खोला; परन्तु दौड़कर भीतर गई, और बताया कि पतरस द्वार पर खड़ा है। **15** उन्होंने उससे कहा, “तू पागल है।” परन्तु वह दृढ़ता से बोली कि ऐसा ही है: तब
उन्होंने कहा, “उसका स्वर्गदूत होगा।”

16 परन्तु पतरस खटखटाता ही रहा अतः उन्होंने खिड़की खोली, और उसे देखकर चकित रह गए*। **17** तब उसने उन्हें हाथ से संकेत किया कि चुप रहें; और
उनको बताया कि प्रभु किस रीति से मुझे बन्दीगृह से निकाल लाया है। फिर कहा, “याकूब और भाइयों को यह बात कह देना।” तब निकलकर दूसरी जगह चला
गया।

18 भोर को सिपाहियों में बड़ी हलचल होने लगी कि पतरस कहाँ गया। **19** जब हेरोदेस ने उसकी खोज की और न पाया, तो पहरुओं की जाँच करके आज्ञा दी
कि वे मार डाले जाएँ: और वह यहूदिया को छोड़कर कैसरिया में जाकर रहने लगा।

20 हेरोदेस सूर और सैदा के लोगों से बहुत अप्रसन्न था। तब वे एक चित्त होकर उसके पास आए और बलास्तुस को जो राजा का एक कर्मचारी था, मनाकर मेल
करना चाहा; क्योंकि राजा के देश से उनके देश का पालन-पोषण होता था। (1 राजा. 5:11, यहे. 27:17) **21** ठहराए हुए दिन हेरोदेस राजवस्त्र पहनकर
सिंहासन पर बैठा; और उनको व्याख्यान देने लगा।

22 और लोग पुकार उठे, “यह तो मनुष्य का नहीं ईश्वर का शब्द है।” **23** उसी क्षण प्रभु के एक स्वर्गदूत ने तुरन्त उसे आघात पहुँचाया, क्योंकि उसने परमेश्वर
की महिमा नहीं की और उसके शरीर में कीड़े पड़ गए और वह मर गया। (दानि. 5:20)

24 परन्तु परमेश्वर का वचन बढ़ता और फैलता गया*।

25 जब बरनबास और शाऊल अपनी सेवा पूरी कर चुके तो यूहन्ना को जो मरकुस कहलाता है, साथ लेकर यरूशलेम से लौटे।

Acts 12:1

Now
Now - this begins a new part of the story

उस समय
उस समय जब यहूदिया के भाइयों की मदद के लिए अन्ताकिया के शिष्यों ने धन भेजा था

उन पर हाथ डाले
अर्थात “पकड़वाने के लिए सिपाही भेजे” अथवा “उन्हें पकड़ कर कैद में डलवाने के लिए सिपाही भेजे।”

कलीसिया के कई एक व्यक्तियों को
स्पष्ट है कि यहाँ कलीसिया के अगुओं की बात हो रह है। अनुवाद करते समय यूं भी लिख सकते हैं, कि “सभा के अगुओं”, अथवा “विश्वासियों की सभा के अगुओं।” नोट: “उन पर हाथ डाले” में व्याकरणिक अशुद्धि है। इसे एकवचन में लिखेंगे, कि “उन पर हाथ डाला।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दुःख देने के लिए
“उन्हें कष्ट देने के लिए”

उसने .....मरवा डाला
अर्थात “हेरोदेस राजा ने....मरवा डाला” या फिर, “हेरोदेस ने ....मरवाने का आदेश दिया”

उसने यूहन्ना के भाई याकूब को तलवार से मरवा डाला
यहाँ स्पष्ट किया जा रहा है कि याकूब की किस रीति से हत्या की गयी थी

Acts 12:3

जब उसने देखा, कि यहूदी लोग इससे आनंदित होते हैं
“जब हेरोदेस को पता चला कि याकूब की मृत्यु से यहूदी अगुवे प्रसन्न होते हैं”

यहूदी लोग इससे आनंदित होते है
“यहूदी लोग खुश होते हैं”

तो उसने पतरस को भी पकड़ लिया
“हेरोदेस ने पतरस को भी पकड़ने के आदेश दे दिए”

वे दिन
अर्थात “जब ऐसा हुआ” या फिर, “हेरोदेस ने ऐसा किया”

उसने उसे पकड़ कर बंदीगृह में डाला
“सिपाहियों द्वारा पतरस को पकड़वाकर, हेरोदेस ने पतरस को बंदीगृह में डलवा दिया’

चार-चार सिपाहियों के चार पहरों में रखा
“सिपाहियों के चार दल” (यूडीबी देखें)। हर दल में चार सिपाही थे और एक समय में चार सिपाहियों का एक दल पतरस पर नज़र रखता था। दो सिपाही दो तरफ, और बाकी के दो प्रवेश द्वार पर।

पहरों में रखा
अर्थात “पतरस को पहरों में रखा”

इस मनसा से कि फसह के बाद उसे लोगों के सामने लाए
“हेरोदेस ने योजना बनाई थी कि पतरस का न्याय वह लोगों के सामने करेगा” या फिर, “हेरोदेस ने यहूदी लोगों के सामने पतरस का न्याय करने की योजना बनाई”

Acts 12:5

बंदीगृह में पतरस की रखवाली हो रही थी
बंदीगृह में पतरस की रखवाली हो रही थी -वे लगातार उस पर नज़र रखे थे

लौ लगाकर
अर्थात “पूरी निष्ठा से लगातार” अथवा, “समर्पण भाव के साथ बिना रुके”

कलीसिया
यरूशलेम के विश्वासी प्रार्थना कर रहे थे, या फिर, यरूशलेम की कलीसिया प्रार्थना कर रही थी

उसके लिए
“पतरस के लिए”

जब हेरोदेस उसे उनके सामने लाने को था
“जब हेरोदेस पतरस को मृत्यु दंड देने के लिए बाहर लाने को था”

पतरस दो जंजीरों से बंधा था
“पतरस दो जंजीरों में जकड़ा हुआ था”

रखवाली कर रहे थे
“पहरा दे रहे थे”

Acts 12:7

तो देखो
“तो देखो” में सहसा हुई किसी घटना का संकेत मिलता है।

आ खड़ा हुआ
“पतरस की बगल में आ खड़ा हुआ”

उस कोठरी में
उस कोठरी में - “बंदीगृह के उस कक्ष में”

उसने पतरस की पसली पर हाथ मार कर उसे जगाया
“स्वर्गदूत ने पतरस थपथपा कर जगाया”

उसे जगाया
“पतरस को जगाया”

उसके हाथ से जंजीरें खुलकर गिर पड़ी
स्वर्गदूत ने पतरस की जंजीरों को छूए बिना ही उन्हें खोल कर गिराया था। अनुवाद करते समय हम यूं लिख सकते हैं, कि “पतरस की जंजीरें आप ही खुल कर गिर पडीं”

उससे कहा
अर्थात "पतरस से कहा"

उसने वैसा ही किया
“पतरस ने स्वर्गदूत के कहे अनुसार किया” या फिर, “पतरस ने उनकी आज्ञा मान ली”

स्वर्गदूत ने उससे कहा
“स्वर्गदूत ने पतरस से कहा”

मेरे पीछे हो ले
मेरे पीछे हो ले -यहाँ कहने का आशय यह है कि वहाँ से निकलते समय पतरस को अपना ध्यान पतरस पर लगाए रखना था।

Acts 12:9

परन्तु यह न जानता था
“पतरस यह न जानता था” या फिर, “पतरस यह नहीं समझा कि”

जो कुछ स्वर्गदूत कर रहा है, सच है
जो कुछ स्वर्गदूत कर रहा है, सच है- “स्वर्गदूत सचमुच में वह सब कर रहा है” या फिर, “स्वर्गदूत द्वारा किये कार्य, सचमुच घटित हो रहे थे।”

यह समझा कि मैं दर्शन देख रहा हूँ
यह समझा कि मैं दर्शन देख रहा हूँ- “पतरस यह समझा कि वह दर्शन देख रहा था।”

तब वे पहले
“तब स्वर्गदूत और पतरस”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

निकलकर...पर पहुंचे
“निकलकर...गए”

पहले
“पहले पहरे”

पहुंचे
“पतरस और स्वर्गदूत....पहुँच गए”

जो नगर की ओर है
“जो नगर की ओर खुलता है”

वह उनके लिए आप से आप खुल गया
वह उनके लिए आप से आप खुल गया - “उनके लिए अपने आप खुल गया” या फिर, “उनके लिए स्वयं खुल गया”

और वे निकलकर
“और स्वर्गदूत व पतरस द्वार से होते हुए निकल गए”

एक ही गली होकर गए
“एक गली के किनारे-किनारे चले गए”

उसे छोड़ कर चला गया
“पतरस को अचानक से छोड़ दिया” या फिर, “अचानक अदृश्य हो गया”

Acts 12:11

तब पतरस ने सचेत होकर कहा
“जब पतरस को पूरी तरह होश आया” या फिर, “जब पतरस को यह समझ आया कि जो कुछ भी हुआ, वह सच था”

मुझे हेरोदेस के हाथ से छुड़ा लिया
‘हेरोदेस के हाथ से छुड़ा लिया” का आशय “हेरोदेस की योजना से बचा लिया” है।

यहूदियों की सारी आशा
“यहूदी जो मेरे साथ होते देखना चाहते थे”

मैं सच जान लिया
“अर्थात मैंने यह सच जान लिया है”

उस यूहन्ना की माता मरियम के घर आया, जो मरकुस कहलाता है
“.....जो मरकुस भी कहलाता है”

Acts 12:13

खिड़की खटखटाई
“पतरस ने खिड़की खटखटाई”। घर के भीतर आने से पहले दरवाज़े पर खटखटाना यहूदियों की एक सामान्य रीति थी।

फाटक की खिड़की
“बाहर के दरवाज़े की खिड़की” या फिर, “आँगन से गली की ओर खुलनेवाले प्रवेश द्वार की खिड़की खटखटाई”

सुनने को आई
अर्थात “खटखटाने वाले को देखने आई”

पतरस का शब्द पहचानकर
“रूदे ने पतरस की आवाज़ पहचान ली”

आनंद के मारे
“वह इतनी आनंदित हो गयी कि” या फिर, “उत्साह के चलते”

द्वार पर खड़ा है
अर्थात “द्वार के उस ओर खड़ा है।” इस समय तक पतरस दरवाज़े के बाहर ही था।

उन्होंने उससे कहा
“घर के भीतर मौजूद विश्वासियों ने रूदे से कहा”

तू पागल है
लोगों को उसकी बात पर विश्वास नही हो रहा था, और उसे पागल कह कर डांट दिया। अनुवाद करते समय हम “तू पागल तो नहीं है” भी लिख सकते हैं।

परन्तु वह दृढ़ता से बोली कि ऐसा ही है
“रूदे ने ज़ोर देकर कहा कि वह सच बोल रही है”

तब उन्होंने कहा
अर्थात “घर के भीतर मौजूद विश्वासियों ने उत्तर दिया”

उसका स्वर्गदूत होगा
“तुमने पतरस का स्वर्गदूत देखा होगा।” कुछ यहूदी संरक्षक दूतों पर विश्वास करते थे और शायद सोंचते होंगे कि पतरस का दूत उनसे मिलने आया है।

Acts 12:16

परन्तु पतरस खटखटाता ही रहा
परन्तु पतरस खटखटाता ही रहा - अर्थात जितने समय लोग घर के भीतर बातें कर रहे थे, उन पूरे दौरान पतरस खटखटाता रहा।

अतः उन्होंने खिड़की खोली, और उसे देखकर चकित रह गए
“दरवाज़ा खोलने पर घर के भीतर बैठे लोग पतरस को देख कर हैरान रह गए”

हाथ से संकेत किया कि चुप रहें
पतरस ने घर के भीतर के लोगों को हाथ से संकेत देकर चुप रहने को कहा

यह बात कह देना
“ये बातें कह देना”

चला गया
“पतरस चला गया”

Acts 12:18

भोर को
यहाँ पर कहानी में कुछ रोक आया है जो आगे चलकर कहानी को फिर आरम्भ करेगा, इसलिए अनुवाद इस प्रकार होना है, “अब जब भोर हुई, तब....”

बड़ी हलचल
यहाँ पर ज़ोर दिया गया है। अनुवाद करते समय यहाँ “बहुत हलचल” लिख सकते हैं।

बड़ी हलचल
“हलचल” में यहाँ चरम दुःख, उत्कंठा, भय या भ्रम नकारात्मक भाव है।

का क्या हुआ
“के साथ क्या हुआ”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जब हेरोदेस ने उसकी खोज की और न पाया
इसे यूं भी कह सकते हैं कि “जब हेरोदेस ने पतरस की खोज की और पतरस को न खोज सका।”

जब हेरोदेस ने उसकी खोज की
संभावित अर्थ इस प्रकार हैं, 1) “जब हेरोदेस ने सुना कि पतरस वहां नहीं था, वह स्वयं कैदखाने में उसे खोजने गया” या फिर, 2) “जब हेरोदेस ने सुना कि पतरस गायब था, उसने बंदीगृह की तलाशी लेने सिपाही भेजे।”

तो पहरूओं की जांच करके आज्ञा दी कि वे मार डाले जाएं
“हेरोदेस ने पहरूओं से पूछताछ की और सिपाहियों को आज्ञा दी कि उन पहरूओं को मार डाले

और वह यहूदिया छोड़ कर
“तब हेरोदेस यहूदिया छोड़ कर”। यरूशलेम की ओर यात्रा करते समय रास्ते में आनेवाले स्थान निचली सतह पर स्थित माने जाते हैं, क्योंकि यरूशलेम पहाडी पर स्थित है।

Acts 12:20

लेकिन
‘अब उस समय’ का प्रयोग कहानी में आये बदलाव को दर्शाने के लिए किया जाता है। वैकल्पिक अनुवाद:"उस समय"

सो वे .....उसके पास गए
“हेरोदेस से बातचीत करने के लिए सूर और सैदा से आये प्रतिनिधि लोग मिलकर गए।”

एक चित्त होकर उसके पास गए
“ये लोग आपस में सलाह करके उसके पास गए”

बलास्तुस
बलास्तुस हेरोदेस राजा का सहायक अथवा राजमहल का बड़ा अधिकारी था।

मेल करवाना चाहा
“इन लोगों ने शान्ति की विनती की”

ठहराए हुए दिन
बैठक के लिए “नियत दिनों में”

उनको व्याख्यान देने लगा
“हेरोदेस ने उन लोगों को भाषण दिया” या फिर, “हेरोदेस ने उन लोगों से कहा”।

सिंहासन पर बैठा
हेरोदेस अपना औपचारिक संबोधन यहीं से देता था। “हेरोदेस अपने सिंहासन पर बैठा।” (यूडीबी)

Acts 12:22

यह तो ....परमेश्वर का शब्द है
“यह शब्द तो परमेश्वर का शब्द है” अथवा, “यह मनुष्य नहीं परमेश्वर बोल रहा है” (यूडीबी)

तुरंत
तुरंत जबकि लोग हेरोदेस की प्रशंसा कर ही रहे थे कि

उसे मारा
“हेरोदेस को मारा” अथवा “हेरोदेस को बीमार कर दिया”

उसने परमेश्वर की महिमा नहीं की
परमेश्वर की बजाय हेरोदेस ने उन लोगों को अपनी आराधना करने दी। “हेरोदेस ने परमेश्वर को महिमा नहीं दी।”

उसके शरीर में कीड़े पड़ गए
“हेरोदेस के शरीर को कीड़ों ने खा लिया और उसकी मृत्यु हो गयी।”

Acts 12:24

परमेश्वर का वचन बढ़ता और फैलता गया
यहाँ पर आशय “यीशु के उद्धार के उपदेश के फैलने और इस उपदेश पर विश्वास रखनेवालों की संख्या में वृद्धि” से है। अनुवाद करते समय ऐसे भी लिख सकते हैं कि, “परमेश्वर का वचन फैलता गया और विश्वासियों की संख्या बढ़ती चली गयी”।

अपनी सेवा पूरी कर चुके तो....
अर्थात “यरूशलेम की कलीसिया के अगुओं को धन सौंप कर”

लौटे
“बरनबास और अन्ताकिया को शाऊल लौटे”

यूहन्ना को....साथ लेकर
“बरनबास और शाऊल, यूहन्ना को अपने साथ लेकर”

जो मरकुस कहलाता है
“जिसे मरकुस बुलाते हैं”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Acts 12:2

हेरोदेस राजा ने यूहन्ना के भाई याकूब के साथ क्या किया?
हेरोदेस राजा ने यूहन्ना के भाई याकूब को तलवार से मरवा डाला।

Acts 12:3

हेरोदेस राजा ने पतरस के साथ क्या किया?
हेरोदेस ने पतरस को पकड़ कर जेल में डाल दिया ताकि फसह के बाद उसे लोगों के सामने लाए।

Acts 12:5

कलीसिया पतरस के लिए क्या कर रही थी?
कलीसिया लौ लगा कर पतरस के लिए प्रार्थना कर रही थी।

Acts 12:7

पतरस जेल से बाहर कैसे निकला?
प्रभु का एक स्वर्गदूत उसे दिखाई पड़ा, उसकी जंजीरें गिर पड़ीं, और वह स्वर्गदूत के पीछे जेल से बाहर हो लिया।

Acts 12:13

जब पतरस उस घर में पहुँचा जहाँ विश्वासी प्रार्थना कर रहे थे, किसने दरवाज़ा खोला और उसने क्या किया?
रूदे नाम की एक दासी सुनने को आई और दौड़कर भीतर गई और बताया कि पतरस दरवाज़े पर खड़ा है।

Acts 12:15

देमेत्रियुस की चिंता पर लोगों ने क्या प्रतिक्रिया जताई?
पहले उन्होंने सोचा कि वह पागल हो गई है, पर फिर उन्होंने दरवाज़ा खोला और पतरस को देखा।

Acts 12:17

विश्वासियों को बताने के बाद कि उसके साथ क्या हुआ, पतरस ने उन्हें क्या करने के लिए कहा?
पतरस ने उन्हें ये बातें याकूब और उसके भाइयों को बताने के लिए कहा।

Acts 12:19

उन पहरूओं का क्या हुआ जो पतरस की निगरानी कर रहे थे?
हेरोदेस ने पहरूओं की जांच करके आज्ञा दी कि वे मार डाले जाएं।

Acts 12:22

जब हेरोदेस ने व्याख्यान देना शुरू किया तब लोगों ने क्या कहा?
तब लोग पुकार उठे, "यह मनुष्य का नहीं, परमेश्वर का शब्द है"!

Acts 12:23

हेरोदेस के व्याख्यान के बाद उसे क्या हुआ, और क्यों?
क्योंकि हेरोदेस ने परमेश्वर की महिमा नहीं की, परमेश्वर के स्वर्गदूत ने उसे मारा और उसे कीड़े पड़ गए।

Acts 12:24

इस दौरान परमेश्वर के वचन के साथ क्या हो रहा था?
परमेश्वर का वचन बढ़ता और फैलता गया।

Acts 12:25

बरनबास और शाऊल अपने साथ किसे ले गए?
बरनबास और शाऊल, यूहन्ना जो मरकुस कहलाता है उसे अपने साथ ले गए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 13

1 अन्ताकिया की कलीसिया में कई भविष्यद्वक्ता और उपदेशक थे; अर्थात् बरनबास और शमौन जो नीगर* कहलाता है; और लूकियुस कुरेनी, और चौथाई देश
के राजा हेरोदेस का दूधभाई मनाहेम और शाऊल। **2** जब वे उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा, "मेरे लिये बरनबास और
शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिसके लिये मैंने उन्हें बुलाया है।" **3** तब उन्होंने उपवास और प्रार्थना करके और उन पर हाथ रखकर उन्हें विदा
किया।

4 अत: वे पवित्र आत्मा के भेजे हुए सिलूकिया को गए; और वहाँ से जहाज पर चढ़कर साइप्रस को चले। **5** और सलमीस* में पहुँचकर, परमेश्वर का वचन
यहूदियों के आराधनालयों में सुनाया; और यूहन्ना उनका सेवक था।

6 और उस सारे टापू में से होते हुए, पाफुस तक पहुँचे। वहाँ उन्हें बार-यीशु* नामक एक जादूगर मिला, जो यहूदी और झूठा भविष्यद्वक्ता था। **7** वह हाकिम
सिरगियुस पौलुस के साथ था, जो बुद्धिमान पुरुष था। उसने बरनबास और शाऊल को अपने पास बुलाकर परमेश्वर का वचन सुनना चाहा। **8** परन्तु एलीमास
जादूगर ने, (क्योंकि यही उसके नाम का अर्थ है) उनका सामना करके, हाकिम को विश्वास करने से रोकना चाहा।

9 तब शाऊल ने जिसका नाम पौलुस भी है, पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर उसकी ओर टकटकी लगाकर कहा, **10** "हे सारे कपट और सब चतुराई से भरे हुए
शैतान की सन्तान, सकल धार्मिकता के बैरी, क्या तू प्रभु के सीधे मार्गों को टेढ़ा करना न छोड़ेगा? (नीति. 10:9, होशे 14:9)

11 अब देख, प्रभु का हाथ तुझ पर पड़ा है; और तू कुछ समय तक अंधा रहेगा और सूर्य को न देखेगा।" तब तुरन्त धुंधलापन और अंधेरा उस पर छा गया, और
वह इधर-उधर टटोलने लगा ताकि कोई उसका हाथ पकड़कर ले चले। **12** तब हाकिम ने जो कुछ हुआ था, देखकर और प्रभु के उपदेश से चकित होकर विश्वास
किया।

13 पौलुस और उसके साथी पाफुस से जहाज खोलकर पंफूलिया के पिरगा में* आए; और यूहन्ना उन्हें छोड़कर यरूशलेम को लौट गया। **14** और पिरगा से
आगे बढ़कर पिसिदिया के अन्ताकिया में पहुँचे; और सब्त के दिन आराधनालय में जाकर बैठ गए। **15** व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तक से पढ़ने के बाद
आराधनालय के सरदारों ने उनके पास कहला भेजा, "हे भाइयों, यदि लोगों के उपदेश के लिये तुम्हारे मन में कोई बात हो तो कहो।"

16 तब पौलुस ने खड़े होकर और हाथ से इशारा करके कहा, "हे इस्राएलियों, और परमेश्वर से डरनेवालों, सुनो **17** इन इस्राएली लोगों के परमेश्वर ने हमारे
पूर्वजों को चुन लिया, और जब ये मिस्र देश में परदेशी होकर रहते थे, तो उनकी उन्नति की; और बलवन्त भुजा से निकाल लाया। (निर्ग. 6:1, निर्ग. 12:51) **18**
और वह कोई चालीस वर्ष तक जंगल में उनकी सहता रहा, (निर्ग. 16:35, गिन. 14:34, व्य. 1:31)

19 और कनान देश में सात जातियों का नाश करके उनका देश लगभग साढ़े चार सौ वर्ष में इनकी विरासत में कर दिया। (व्य. 7:1, यहो. 14:1) **20** इसके बाद
उसने शमूएल भविष्यद्वक्ता तक उनमें न्यायी ठहराए। (न्याय. 2:16, 1 शमू. 2:16)

21 उसके बाद उन्होंने एक राजा माँगा; तब परमेश्वर ने चालीस वर्ष के लिये बिन्यामीन के गोत्र में से एक मनुष्य अर्थात् कीश के पुत्र शाऊल को उन पर राजा
ठहराया। (1 शमू. 8:5,1 शमू. 8:19,1 शमू. 10:20-21, 1 शमू. 10:24, 1 शमू. 11:15)

22 फिर उसे अलग करके दाऊद को उनका राजा बनाया; जिसके विषय में उसने गवाही दी, 'मुझे एक मनुष्य, यिशै का पुत्र दाऊद, मेरे मन के अनुसार मिल
गया है। वही मेरी सारी इच्छा पूरी करेगा।' (1 शमू. 13:14, 1 शमू. 16:12-13, भज. 89:20, यशा. 44:28)

23 उसी के वंश में से परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार इस्राएल के पास एक उद्धारकर्ता, अर्थात् यीशु को भेजा। (2 शमू. 7:12-13, यशा. 11:1) **24**
जिसके आने से पहले यूहन्ना ने सब इस्राएलियों को मन फिराव के बपतिस्मा का प्रचार किया। **25** और जब यूहन्ना अपनी सेवा पूरी करने पर था, तो उसने कहा,
'तुम मुझे क्या समझते हो? मैं वह नहीं! वरन् देखो, मेरे बाद एक आनेवाला है, जिसके पाँवों की जूती के बन्ध भी मैं खोलने के योग्य नहीं।'

26 "हे भाइयों, तुम जो अब्राहम की सन्तान हो; और तुम जो परमेश्वर से डरते हो, तुम्हारे पास इस उद्धार का वचन भेजा गया है। **27** क्योंकि यरूशलेम के
रहनेवालों और उनके सरदारों ने, न उसे पहचाना, और न भविष्यद्वक्ताओं की बातें समझी; जो हर सब्त के दिन पढ़ी जाती हैं, इसलिए उसे दोषी ठहराकर उनको
पूरा किया।

28 उन्होंने मार डालने के योग्य कोई दोष उसमें न पाया, फिर भी पिलातुस से विनती की, कि वह मार डाला जाए। **29** और जब उन्होंने उसके विषय में लिखी
हुई सब बातें पूरी की, तो उसे क्रूस पर से उतार कर कब्र में रखा।

30 परन्तु परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, **31** और वह उन्हें जो उसके साथ गलील से यरूशलेम आए थे, बहुत दिनों तक दिखाई देता रहा; लोगों के
सामने अब वे ही उसके गवाह हैं।

32 और हम तुम्हें उस प्रतिज्ञा के विषय में जो पूर्वजों से की गई थी, यह सुसमाचार सुनाते हैं, **33** कि परमेश्वर ने यीशु को जिलाकर, वही प्रतिज्ञा हमारी सन्तान
के लिये पूरी की; जैसा दूसरे भजन में भी लिखा है,

'तू मेरा पुत्र है; आज मैं ही ने तुझे जन्माया है।' (भज. 2:7) **34** और उसके इस रीति से मरे हुओं में से जिलाने के विषय में भी, कि वह कभी न सड़े, उसने
यों कहा है,

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

‘मैं दाऊद पर की पवित्र और अटल कृपा तुम पर करूँगा।’ (यशा. 55:3)

35 इसलिए उसने एक और भजन में भी कहा है,

‘तू अपने पवित्र जन को सड़ने न देगा।’ (भज. 16:10) **36** क्योंकि दाऊद तो परमेश्वर की इच्छा के अनुसार अपने समय में सेवा करके सो गया, और अपने पूर्वजों में जा मिला, और सड़ भी गया। (न्याय. 2:10, 1 राजा. 2:10) **37** परन्तु जिसको परमेश्वर ने जिलाया, वह सड़ने नहीं पाया।

38 इसलिए, हे भाइयों; तुम जान लो कि यीशु के द्वारा पापों की क्षमा का समाचार तुम्हें दिया जाता है। **39** और जिन बातों से तुम मूसा की व्यवस्था के द्वारा निर्दोष नहीं ठहर सकते थे, उन्हीं सबसे हर एक विश्वास करनेवाला उसके द्वारा निर्दोष ठहरता है।

40 इसलिए चौकस रहो, ऐसा न हो, कि जो भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तक में लिखित है, तुम पर भी आ पड़े:

41 ‘हे निन्दा करनेवालों, देखो, और चकित हो, और मिट जाओ;
क्योंकि मैं तुम्हारे दिनों में एक काम करता हूँ;
ऐसा काम, कि यदि कोई तुम से उसकी चर्चा करे, तो तुम कभी विश्वास न करोगे’।” (हब. 1:5)

42 उनके बाहर निकलते समय लोग उनसे विनती करने लगे, कि अगले सब्त के दिन हमें ये बातें फिर सुनाई जाएँ। **43** और जब आराधनालय उठ गई तो यहूदियों और यहूदी मत में आए हुए भक्तों में से बहुत से पौलुस और बरनबास के पीछे हो लिए; और उन्होंने उनसे बातें करके समझाया, कि परमेश्वर के अनुग्रह में बने रहो।

44 अगले सब्त के दिन नगर के प्रायः सब लोग परमेश्वर का वचन सुनने को इकट्ठे हो गए। **45** परन्तु यहूदी भीड़ को देखकर ईर्ष्या से भर गए, और निन्दा करते हुए पौलुस की बातों के विरोध में बोलने लगे।

46 तब पौलुस और बरनबास ने निडर होकर कहा, “अवश्य था, कि परमेश्वर का वचन पहले तुम्हें सुनाया जाता; परन्तु जब कि तुम उसे दूर करते हो, और अपने को अनन्त जीवन के योग्य नहीं ठहराते, तो अब, हम अन्यजातियों की ओर फिरते हैं। **47** क्योंकि प्रभु ने हमें यह आज्ञा दी है,

‘मैंने तुझे अन्यजातियों के लिये ज्योति ठहराया है,
ताकि तू पृथ्वी की छोर तक उद्धार का द्वार हो’।” (यशा. 49:6)

48 यह सुनकर अन्यजाति आनन्दित हुए, और परमेश्वर के वचन की बड़ाई करने लगे, और जितने अनन्त जीवन के लिये ठहराए गए थे, उन्होंने विश्वास किया। **49** तब प्रभु का वचन उस सारे देश में फैलने लगा।

50 परन्तु यहूदियों ने भक्त और कुलीन स्त्रियों को और नगर के प्रमुख लोगों को भड़काया, और पौलुस और बरनबास पर उपद्रव करवाकर उन्हें अपनी सीमा से बाहर निकाल दिया। **51** तब वे उनके सामने अपने पाँवों की धूल झाड़कर इकुनियुम को चले गए। **52** और चेले आनन्द से और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होते रहे।

Acts 13:1

अन्ताकिया की कलीसिया में
“उस समय अन्ताकिया की कलीसिया में”

शमौन जो नीगर कहलाता है; और लूकियुस कुरेनी, और चौथाई देश के राजा हेरोदेस का दूधभाई मनाहेम और शाऊल
(देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें)

हेरोदेस का दूधभाई
मनाहेम संभवतः हेरोदेस का संगी या साथ पला-बड़ा मित्र था

मेरे लिए...अलग करो
“मेरी सेवा के लिए....नियुक्त’’ अथवा “शुद्ध” करो

मैंने उन्हें बुलाया है
मैंने उन्हें बुलाया है बुलाने से आशय परमेश्वर द्वारा इस कार्य के चुनने से है

तब उन्होंने
अर्थात तब “सभा ने” या फिर, “विश्वासियों की सभा ने”

उन पर हाथ रखकर
“परमेश्वर की सेवा के लिए अलग किये उन लोगों पर अपने हाथ रखकर।” यहाँ पर हाथ रखने के द्वारा आत्मा के वरदान देने का उल्लेख नहीं है। यह बरनबास और शाऊल पर पवित्र आत्मा की बुलाहट की पुष्टि करने के लिए प्राचीनों द्वारा निभाई गयी रीति थी।

उन्हें विदा किया
“उन लोगों को विदा किया” या फिर, “उन लोगों को पवित्र आत्मा द्वारा बताये गए कार्य को करने के लिए विदा किया”

Acts 13:4

अतः वे
अर्थात “बरनबास और शाऊल”

सिलूकिया को गए
सिलूकिया को गए - शायद यहाँ सतह की ऊँचाई में अंतर था

सिलूकिया
सिलूकिया सागर तट के किनारे बसा नगर था

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सलमीस
सलमीस नगर कुप्रुस द्वीप में था

यहूदियों के आरधनालयों में
संभावित अर्थ हैं: 1) “बरनबास और शाऊल ने सलमीस नगर में उपदेश दिए थे और वहां बहुत से यहूदी आराधनालय थे” या फिर 2) “बरनबास और शाऊल ने उपदेश देने की शुरुआत सलमीस नगर से की और कुप्रुस द्वीप में यात्रा करते हुए बाकी यहूदी आराधनालयों में गए।”

Acts 13:6

...से होते हुए, पाफुस था पहुंचे
अर्थात बरनबास,शाऊल और यूहन्ना मरकुस पहुंचे

सारे टापू
वे टापू की एक छोर से दूसरी छोर तक गए। हो सकता है कि वे टापू के हर नगर में न गए हों। लेकिन अपने रास्ते में आनेवाले हर नगर में उन्होंने सुसमाचार का प्रचार किया होगा।

पाफुस
कुप्रुस टापू का एक मुख्य नगर जहाँ प्रांत का गवर्नर रहता था

एक जादूगर मिला
“मिला” से आशय अचानक हुई भेंट से है। अनुवाद करते समय हम “संयोगवश उनकी भेंट एक जादूगर से हुई।”

एक जादूगर
“जादू-टोना करनेवाला व्यक्ति” अथवा “पारलौकिक और जादूई कला का अभ्यास करनेवाला व्यक्ति।”

बार-यीशु नामक
यूनानी भाषा में इसका अर्थ है “यीशु का बेटा। लेकिन इस व्यक्ति का यीशु मसीह से कोई लेना-देना नहीं था। ‘यीशु’ उन दिनों बहुत आम नाम था।

के साथ था
“अकसर ...के साथ था” या फिर, “अकसर...उनकी संगति में रहता था”

हाकिम
रोमी प्रान्त का गवर्नर अधिकारी। अनुवाद करते समय “गवर्नर” भी लिख सकते हैं

जो बुद्धिमान पुरुष था
अर्थात "सरगियुस पौलुस"

इलीमास टोन्हे ने
अर्थात जादूगर बार-यीशु ने

(इसका नाम इसी तरह अनूदित है)
“यूनानी भाषा में वह इसी नाम से बुलाया जाता था”

उनका सामना करके; विश्वास करने से रोकना चाहा
“उन्हें रोकने के लिए उनसे आमना-सामना किया”

चाहा
“सरगियुस पौलुस ....ने वचन सुनना चाहा”

चाहा
“इलिमास ने....चाहा”

हाकिम को विश्वास करने से रोकना चाहा
“हाकिम को सुसमाचार के सन्देश पर विश्वास करने से रोकना चाहा”

Acts 13:9

तब शाऊल ने जिसका नाम पौलुस भी है
“जिसे लोग पौलुस भी बुलाते थे” या फिर “जो स्वयं को पौलुस भी कहता था”

उसकी ओर टकटकी लगाकर कहा
“शाऊल ने इलिमास टोन्हे को घूर कर देखा”

हे....शैतान की संतान
यहाँ आलंकारिक संबोधन है। अनुवाद करते समय आप 1) “शैतान के बच्चे” या फिर 2) “शैतान के समान” अथवा 3) “हे शैतान जैसे काम करनेवाले” भी लिख सकते हैं।

सारे कपट और सब चतुराई से भरे हुए
सारे कपट और सब चतुराई से भरे हुए - “मक्कारी और हमेशा गलत काम करने के द्वारा तू हमेशा दूसरों को झूठी बातों पर विश्वास दिलाना चाहता है”

चतुराई से भरे
यहाँ इसका आशय परमेश्वर की व्यवस्था का निष्ठापूर्वक पालन करने में आलस करना और उसे निष्ठापूर्वक नहीं करने से है।

क्या तू प्रभु के सीधे मार्गों को टेढ़ा करना न छोड़ेगा?
शैतान का अनुकरण करने को लेकर पौलुस उस जादूगर को झिड़की दे रहा है। अनुवाद करते समय हम इसे “तू यह कहना बंद कर कि प्रभु परमेश्वर का सत्य झूठा है”। (यूडीबी) (देखें आलंकारिक प्रश्न)

प्रभु के सीधे मार्गों को
“प्रभु के विषय में जो सत्य है” को आलंकारिक भाषा के प्रयोग द्वारा व्यक्त किया गया है। प्रभु के विषय में जो सत्य है, उन्हें झूठा बटाने के लिए पौलुस उस जादूगर को झिड़की दे रहा है।

Acts 13:11

x
(11वें पद में इलिमास के साथ शुरू हुई बातचीत को पौलुस आगे बढाता है।)

प्रभु का हाथ तुझ पर लगा है
अर्थात परमेश्वर की सामर्थ्य तुझे दंड देने को तैयार है”। अनुवाद करते समय हम इसे “परमेश्वर तुझे दंड देगा” भी लिख सकते हैं।

तू.....अंधा रहेगा
“परमेश्वर तुझे अँधा बना देगा”

और सूर्य को न देखेगा
इलिमास पूरी तरह से अँधा हो जाएगा। यहाँ तक कि उसे सूर्य की रोशनी भी नहीं दिखेगी

कुछ समय तक
“कुछ अवधि के लिए” या फिर “परमेश्वर द्वारा नियत समय के लिए”

तब तुरंत अंधापन और अँधेरा छा गया
“तब इलिमास पर एक धुंध और अँधेरा छा गया” या फिर, “एक अंधियारी धुंध इलिमास की आँखों पर छा गयी” या फिर, “तब इलिमास की दृष्टि धुंधली हो गयी और फिर उनमे अँधियारा छा गया” या फिर, “इलिमास की दृष्टि धुंधली हो गयी और फिर उसे दिखना बंद हो गया”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

और वह इधर-उधर टटोलने लगा
“इलिमास भटकने लगा” या फिर, “इलिमास इधर-उधर छू-छूकर चलने लगा”

हाकिम
रोमी प्रान्त का अधिकारी। अनुवाद करते समय इसे “अधिकारी” भी लिख सकते हैं।

विश्वास किया
“हाकिम ने विश्वास किया” या फिर, “हाकिम ने यीशु पर विश्वास किया”

उपदेश से चकित होकर
“हाकिम उपदेश से चकित हुआ और” या फिर, “हाकिम को बहुत आश्चर्य हुआ”

Acts 13:13

लेकिन
कहानी में आये नए मोड़ यहाँ प्रकट हो रहा है।

पौलुस और उसके साथी पाफुस से जहाज खोलकर ....में आए
“पौलुस और उसके साथी जहाज के द्वारा ....पहुंचे.” ये साथी बरनबास और यूहन्ना मरकुस थे.

और यूहन्ना उन्हें छोड़ कर...को लौट गया
“लेकिन यूहन्ना पौलुस व बरनबास को छोड़ कर....को लौट गया”

पम्फूलिया के पिरगा में आए
“पम्फूलिया स्थित पिरगा में आए”

व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तक से पढने के बाद
अर्थात “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें पढ़ी जाने के बाद”

उनके पास कहला भेजा
“किसी के द्वारा पौलुस और उसके साथियों को कहा”

यदि लोगों के उपदेश के लिए तुम्हारे मन में कोई बात हो तो कहो
“यदि तुम्हारे में से किसी के पास उपदेश का कोई शब्द हो तो कहो”

तो कहो
“तो कृपया कहें” या फिर, “तो कृपया हमें बताएं”

Acts 13:16

हाथ से सैन करके कहा
अपने हाथों को हिलाकर संकेत बनाते हुए कहा कि वह बोलने को तैयार है। अनुवाद करते समय हम यूं भी लिख सकते हैं कि, “अपने हाथों से इशारा करके बताया कि वह बोलनेवाला है”।

हे....परमेश्वर से डरनेवालों
यहाँ पर आशय उन गैर-यहूदियों से है जिन्होंने परमेश्वर की आराधना करने और उस पर विश्वास किया था। अनुवाद करते समय ऐसे भी लिख सकते हैं, कि “तुम जो इस्राएल के तो नहीं हो, लेकिन परमेश्वर की आराधना करते हो।”

सुनो
मेरी बात सुनों” या फिर, “मैं जो कहनेवाला हूँ, उसे सुनो”

इस्राएली लोगों के परमेश्वर ने
“इस्राएल के लोगों के परमेश्वर ने”

हमारे बापदादों को चुन लिया
यहाँ “हमारे” सर्वनाम का प्रयोग विशिष्ट है और केवल पौलुस व उसके संगी यहूदियों के विषय में है। यहाँ हम “यहूदी लोगों को चुन लिया” भी लिख सकते हैं।

जब ये मिस्र देश में ....रहते थे
“जब इस्राएल के लोग मिस्र देश में....रहते थे”

निकाल लाया
“परमेश्वर इस्राएलियों को मिस्र देश से निकाल लाया”

सहता रहा
“परमेश्वर ने उन्हें सहन किया” या फिर “परमेश्वर ने उनकी अवज्ञाओं को सहन किया”

Acts 13:19

x
(पौलुस अपनी बात जारी रखता है)

नाश करके
अर्थात नाश करने के बाद

इनकी मीरास
“परमेश्वर ने पौलुस के लोगों की मीरास कर दिया”

उन का देश
“इस्राएल के लोगों का देश”

कोई साढ़े चार सौ वर्ष में
“साढ़े चार सौ साल पहले”

मीरास कर दिया
परमेश्वर ने इस्राएल के लोगों को दे दिया

शमूएल भविष्यद्वक्ता तक
शमूएल भविष्यद्वक्ता तक - “शमूएल भविष्यद्वक्ता के होने तक”

Acts 13:21

x
(पौलुस अपनी बात जारी रखता है)

तब परमेश्वर ने चालीस वर्ष के लिए
“तब परमेश्वर चालीस साल की अवधि के लिए”

दाऊद को उनका राजा बनाया
“परमेश्वर ने दाऊद को उनका राजा चुना”

उनका राजा
अर्थात “इस्राएल का राजा” अथवा “इस्राएलवासियों पर राजा ठहराया”

जिसके विषय में उनसे गवाही दी
“जिसके बारे में परमेश्वर ने कहा”

मुझे एक मनुष्य, यिशै का पुत्र दाऊद,...मिल गया है
“मैं ने पाया है कि यिशै का बेटा दाऊद...”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मेरे मन के अनुसार
मेरे मन के अनुसार अर्थात "एक ऐसा मनुष्य है, जो वही चाहता है जो मैं चाहता हूँ" (यूडीबी)।

Acts 13:23

x
(पौलुस अपनी बात जारी रखता है)

इसी के वंश से
"दाऊद के वंश से"

अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार
"परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार"

मन फिराव के बपतिस्मा
"मन फिराव को व्यक्त करनेवाला बपतिस्मा"

तुम मुझे क्या समझते हो?
लोगों को उपदेश देते समय बप्तिस्मा देनेवाले यूहन्ना ने उनसे यह प्रश्न क्या था। इसे "सोचों, मैं कौन हूँ" भी लिख सकते हैं।

जिसके पांवों की जूती भी मैं खोलने के योग्य नहीं
"मैं तो उसके पैरों की जूतियाँ तक खोलने के योग्य नहीं"

Acts 13:26

x
(पौलुस अपनी बात जारी रखता है)

तुम जो अब्राहम की संतान हो
"अब्राहम के वंशज हो" (यूडीबी)

तुम्हारे पास इस उद्धार का वचन
यहाँ "तुम्हारे" का आशय पौलुस और आराधनालय में उपस्थित सभी लोगों से है।

न उसे पहचाना
"यीशु को न जाना"

तुम्हारे पास उद्धार का वचन भेजा गया
"परमेश्वर ने उद्धार का वचन भेजा गया"

न भविष्यद्वक्ताओं की बातें समझी
यहाँ पर आशय "भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों अथवा उनकी लिखी बातों" से है।

इसलिए उसे दोषी ठहराकर उनको पूरा किया
"इसलिए यरूशलेम के अगुओं ने असल में ठीक वही किया जो भविष्यद्वक्ताओं ने कहा था कि वे करेंगे"

जो हर सब्त के दिन पढ़ी जाती हैं
"जिन्हें हर सब्त के दिन पढ़ा जाता है"।

Acts 13:28

x
(पौलुस अपनी बात जारी रखता है)

उन्होंने
अर्थात यहूदी अगुओं ने

उसमें
अर्थात यीशु में

कोई दोष उसमें न पाया
यहूदी अगुवे बस किसी तरह यीशु को मार डालना चाहते थे। अनुवाद करते समय हम यूं लिख सकते अहिं, कि "यहूदी अगुवों को यीशु को मरवाने का कोई कारण न मिला"

तौभी पीलातुस से विनती की
नोट: "विनती" के स्थान पर "मांग की" अधिक उपयुक्त है, क्योंकि उन्होंने पीलातुस पर ऐसा करने के लिए दबाव डाला था।

जब उन्होंने उसके विषय में लिखी हुई बातें पूरी की
जब उन्होंने उसके विषय में लिखी हुई बातें पूरी की "जब यहूदी अगुओं ने भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों में यीशु की मृत्यु के विषय में लिखी हुई बातें पूरी की"

तो उसे क्रूस पर से उतार कर कब्र में रखा
"कुछ अगुओं ने यीशु के मरने के पश्चात उसे क्रूस पर से उतार लिया"

Acts 13:30

x
(पौलुस अपनी बात जारी रखता है)

परन्तु परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया
"परन्तु परमेश्वर ने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया"

बहुत दिनों तक दिखाई दिया
"यीशु बहुत दिनों तक दिखाई दिया"

लोगों के सामने अब वे ही उसके गवाह हैं
"लोगों के सामने अब वे ही यीशु की गवाही दे रहे हैं"

Acts 13:32

x
(पौलुस अपनी बात जारी रखता है)

उस प्रतिज्ञा के विषय में जो बापदादों से की गयी थी
"परमेश्वर की उस प्रतिज्ञा के विषय में जो परमेश्वर ने हमारे बापदादों से की थी"

वही प्रतिज्ञा हमारी संतान के लिए पूरी की
"परमेश्वर ने वह प्रतिज्ञा हमारी संतान के लिए पूरी कि"

हमारी संतान के लिए
"हम, संतानों के लिए"

कि परमेश्वर ने यीशु को जिला कर
"कि परमेश्वर ने यीशु को जिलाने के द्वारा"

जिलाने के विषय में भी
"जिलाने का सत्य भी"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मरे हुओं में से जिलाने के विषय में भी, कि वह कभी न सड़े, उसने यों कहा है
मरे हुओं में से जिलाने के विषय में ही, कि वह कभी न सड़े, उसने यों कहा है - परमेश्वर ने यीशु के जिलाने के विषय में कहा है ताकि यीशु की देह कभी न सड़े"

पवित्र और अटल कृपा
"पवित्र और नियत कृपा"

Acts 13:35

x
(पौलुस अपनी बात जारी रखता है)

इसलिए उसने एक और भजन में
इसलिए उसने एक और भजन में - -"इसलिए दाऊद एक और भजन में"

तू अपने पवित्र जन को
दाऊद यहाँ परमेश्वर से बातें कर रहा है

सड़ने न देगा
"के शरीर को सड़ने न देगा"

अपने समय में
"अपने जीवनकाल में"

सेवा करके
"परमेश्वर की सेवा की" अथवा, "परमेश्वर को प्रसन्न किया"

सो गया
सो गया - "वह मर गया"

और अपने बापदादों में जा मिला
-"और उसे अपने पूर्वजों के साथ मिटटी में गाड़ दिया गया"

परन्तु...वह सड़ने न पाया
"परन्तु...यीशु की देह सड़ने न पायी"

सड़ने न पाया
"उसकी देह सड़ने न पाई"

Acts 13:38

x
(पौलुस अपनी बात जारी रखता है)

तुम जान लो कि
"तुम्हारे लिए जानना ज़रूरी है कि"

इसी के पापों की क्षमा का सुसमाचार तुम्हें दिया जाता है
"हम तुम्हे यह बताया जाता है कि यीशु मसीह के द्वारा तुम्हारे पाप क्षमा हो सकते हैं"

इसी के द्वारा
"यीशु के द्वारा"

जिन बातों से
"पापों से"

Acts 13:40

x
(पौलुस अपनी बात जारी रखता है)

जो भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तक में आया है
"ताकि जो बातें भविष्यद्वक्ताओं ने कही हैं"

तुम पर भी आ पड़े
"तुम" का आशय आराधनालय में उपस्थित लोगों से है

'हे निंदा करनेवालों, देखो"
"हे तिरस्कार से भरे लोगों, सावधान", अथवा, "मेरा ठट्ठा करनेवालों, सावधान"

मिट जाओ
"मर जाओ"

मैं तुम्हारे दिनों में
"मैं" का आशय परमेश्वर से है

एक काम करता हूँ
"कुछ कर रहा हूँ"

तुम्हारे दिनों में
"तुम्हारे जीवनकाल में"

ऐसा काम
"मैं कुछ ऐसा काम कर रहा हूँ जो"

यदि कोई तुमसे उसकी चर्चा करे
"यदि कोई तुम्हे उसके विषय में बताये"

Acts 13:42

उनके (पौलुस और बरनबास के) बाहर निकलते समय
"जब पौलुस और बरनबास बाहर जा रहे थे"

उनसे विनती करने लगे, कि
"उनसे बहुत आग्रह किया कि"

यहूदी मत में आये हुए भक्तों में
ये यहूदी मत को ग्रहण करनेवाले गैर-यहूदी लोग थे

उन्होंने उनसे बात करके समझाया
"पौलुस और बरनबास ने उन लोगों से बात करके समझाया"

कि परमेश्वर के अनुग्रह में बने रहो
"कि परमेश्वर के अनुग्रह में अपनी आस्था बनाए रखो"

Acts 13:44

नगर के प्रायः सब लोग
सशब्द अर्थ

नगर के प्रायः सब लोग
"सब लोग" अतिशयोक्ति प्रतीत होई है, लेकिन "प्रायः" शब्द से बात स्पष्ट हो जाती है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

यहूदी
अर्थात “यहूदी अगुवे”

डाह से भर गए
“यहूदी अगुवे डाह से भर उठे” या फिर, “यहूदी अगुवों को जलन होने लगी”

और निंदा करते हुए
“और पौलुस की निंदा करते हुए”

Acts 13:46

परमेश्वर का वचन पहले तुम्हें सुनाया जाता
“कि परमेश्वर का वचन पहले तुम्हे सुनाया जाए”

पहले तुम्हें सुनाया जाता
“पहले तुम यहूदियों को सुनाया जाता”

जब कि तुम उसे दूर करते हो
“जब कि तुम यहूदी परमेश्वर के वचन को नकारते हो”

अपने को अनंत जीवन के योग्य नहीं ठहराते
यहूदी लोगों ने यीशु मसीह के माध्यम से अनंत जीवन के पौलुस द्वारा दिए सन्देश को ठुकरा दिया था

की ओर फिरते हैं
की ओर फिरते हैं “हम” का आशय पौलुस व बरनबास से है न कि भीड़ से।

मैंने तुझे अन्यजातियों के लिए ज्योति ठहराया है
यह कथन पुराने नियम से उद्धृत है जहाँ “मैंने” का आशय परमेश्वर से और “तुझे” का आशय मूल रूप से यीशु मसीह से था। पौलुस बताता है कि किस प्रकार यह कथन उस पर और बरनबास पर भी लागू होती है और वे अन्यजातियों में वचन बांटते हैं।

Acts 13:48

जितने अनंत जीवन के लिए ठहराए गए थे
“वे सब जिन्हें परमेश्वर ने अनंत जीवन के लिए चुना था”

अनंत जीवन के लिए ठहराए गए थे
“परमेश्वर ने अनंत जीवन के लिए चुना था”

तब प्रभु का वचन उस सारे देश में फैलने लगा
तब जिन्होंने विश्वास किया, वे जाकर यीशु मसीह के वचन को दूसरों में बांटने लगे

Acts 13:50

परन्तु यहूदियों ने
“परन्तु यहूदी अगुओं ने”

भड़काया
“उकसाया” अथवा “मनाया”

उपद्रव करवाकर
“इन कुलीन स्त्री-पुरुषों ने सताव को भड़काया”

उन्हें अपने सीमा से बाहर निकाल दिया
“पौलुस व बरनबास को अपने नगर से निकाल दिया” या फिर, “पौलुस व बरनबास को अपने क्षेत्र से निष्कासित कर दिया”

वे उनके सामने अपने पांवों की धूल झाड़ कर
प्रतीकात्मक रूप से किया गया कार्य जो यह व्यक्त करता है कि परमेश्वर ने उन्हें नकार दिया है और उन्हें दंड देगा।

वे.....चले गए
“पौलुस व बरनबास.....चले गए”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Acts 13:2

अन्ताकिया की कलीसिया उस समय क्या कर रही थी जब पवित्र आत्मा ने उनसे बातचीत की?
अन्ताकिया की कलीसिया उपवास सहित प्रभु की आराधना कर रहे थे जब पवित्र आत्मा ने उनसे बात की।

पवित्र-आत्मा ने उन्हें क्या करने के लिए कहा?
पवित्र आत्मा ने उनसे कहा कि बरनबास और शाऊल को उस काम के लिए अलग करने के लिए ।

Acts 13:3

कलीसिया ने पवित्र आत्मा का कहा सुन कर क्या किया?
कलीसिया ने उपवास और प्रार्थना कर के, बरनबास और शाऊल पर हाथ रख कर उन्हें विदा किया।

Acts 13:5

जब बरनबास और शाऊल सलमीस गए, तो उनके साथ कौन गया?
सलमीस में, यूहन्ना मरकुस उनका सेवक था।

Acts 13:6

बार-यीशु कौन था?
बार-यीशु एक झूठा यहूदी भविष्यवक्ता था और हाकिम के सम्पर्क में था।

Acts 13:7

हाकिम ने बरनबास और शाऊल को क्यों बुलाया?
हाकिम ने बरनबास और शाऊल को इसलिए बुलाया क्योंकि वह परमेश्वर का वचन सुनना चाहता था।

Acts 13:9

शाऊल किस अन्य नाम से भी जाना जाता था?
शाऊल को पौलुस के नाम से भी जाना जाता था।

Acts 13:10

पौलुस ने क्या किया जब बार-यीशु ने हाकिम को विश्वास करने से रोकना चाहा?
पौलुस ने बार-यीशु से कहा कि वह शैतान की संतान है और वह कुछ समय के लिए अंधा हो जाएगा।

Acts 13:12

बार-यीशु का परिणाम देख कर हाकिम ने क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की?
हाकिम ने विश्वास किया।

Acts 13:13

जब पौलुस और उसके साथी जहाज़ से पिरगा आए तो यूहन्ना मरकुस ने क्या किया?
यूहन्ना मरकुस उन्हें छोड़कर यरूशलेम को लौट गया।

Acts 13:15

पिसदिया के अन्ताकिया में कहाँ पौलुस को बोलने के लिए कहा गया था?
पिसदिया के अन्ताकिया में, पौलुस को यहूदियों के आराधनालय में बोलने के लिए कहा गया था।

Acts 13:17

अपने उपदेश में पौलुस ने किस ऐतिहासिक घटना का वर्णन किया?
पौलुस ने अपने उपदेश में इस्राएलियों के इतिहास का वर्णन किया।

Acts 13:23

परमेश्वर ने किसके द्वारा इस्राएलियों को उद्धारकर्ता दिया?
राजा दाऊद के द्वारा परमेश्वर ने इस्राएलियों को उद्धारकर्ता दिया।

Acts 13:24

पौलुस के अनुसार किसने आने वाले उद्धारकर्ता के लिए मार्ग तैयार किया था?
पौलुस ने कहा कि यूहन्ना बप्तिस्मा देने वाले ने आने वाले उद्धारकर्ता के लिए मार्ग तैयार किया।

Acts 13:27

किस प्रकार लोगों और यरूशलेम के सरदारों ने भविष्यवक्ताओं की बातें पूरी कीं?
लोगों और यरूशलेम के सरदारों के भविष्यवक्ताओं की कही बातें यीशु को मृत्यु के लिए दोषी ठहराकर पूरी कीं।

Acts 13:31

अब लोगों में यीशु के गवाह कौन थे?
जिन लोगों ने यीशु को मर कर जी उठने के पश्चात् देखा वही अब उसकी गवाही थे।

Acts 13:33

परमेश्वर ने किस प्रकार दिखाया कि उसने यहूदियों से किया अपना वायदा पूरा किया है?
परमेश्वर ने यीशु को मरे हुओं में से जिलाकर दिखाया कि उसने यहूदियों से अपना वायदा निभाया है।

Acts 13:35

परमेश्वर ने भजन संहिता में पवित्र जन से क्या वायदा किया?
परमेश्वर ने वायदा किया कि वह अपने पवित्र जन को सड़ने न देगा।

Acts 13:38

पौलुस ने हर एक विश्वास करने वाले के विषय में क्या घोषणा की?
पौलुस ने हर एक विश्वास करने वाले के लिए पापों की क्षमा की घोषणा की।

Acts 13:40

पौलुस ने अपने सुनने वालों को क्या चेतावनी दी?
पौलुस ने अपने सुनने वालों को चेतावनी दी कि उन लोगों जैसे न बनें जिनका वर्णन भविष्यवक्ताओं की पुस्तक में है,जो चर्चा सुन कर भी, विश्वास नहीं करते।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 13:44

अन्ताकिया में, अगले दिन सब्त के दिन परमेश्वर का वचन सुनने कौन आया?
अगले दिन प्राय: सब लोग सब्त के दिन परमेश्वर का वचन सुनने आए।

Acts 13:45

यहूदियों ने भीड़ को देख कर क्या प्रतिक्रिया की?
यहूदी डाह से भर गए और पौलुस के उपदेश के विरोध में बोलने लगे, उसकी निन्दा करते हुए।

Acts 13:46

पौलुस ने क्या कहा कि यहूदी परमेश्वर के वचन के साथ कर रहे थे जिसे परमेश्वर ने उनसे कहा था?
परमेश्वर ने कहा कि यहूदी परमेश्वर के वचन को दूर कर रहे थे जिसे परमेश्वर ने उनसे कहा था।

Acts 13:48

जब अन्यजातियों ने देखा कि पौलुस उनकी ओर मुड़ रहा था तो उनकी क्या प्रतिक्रिया थी?
अन्यजातीय आनन्दित हुए और परमेश्वर के वचन की बड़ाई करने लगे।

कितने अन्यजातीयों ने विश्वास किया?
जितने अनन्त जीवन के लिए ठहराए गए थे उन्होंने विश्वास किया।

Acts 13:50

फिर यहूदियों ने पौलुस और बरनबास के साथ क्या किया?
यहूदियों ने पौलुस और बरनबास के खिलाफ़ लोगों को भड़काया और नगर से बाहर फिकवा दिया।

Acts 13:51

पौलुस और बरनबास ने इकुनियुम जाने से पहले क्या किया?
पौलुस और बरनबास ने अन्ताकिया के लोगों के खिलाफ़ अपने पांवों की धूल को झाड़ा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 14

1 इकुनियुम में ऐसा हुआ कि पौलुस और बरनबास यहूदियों की आराधनालय में साथ-साथ गए, और ऐसी बातें की, कि यहूदियों और यूनानियों दोनों में से बहुतों ने विश्वास किया। **2** परन्तु विश्वास न करनेवाले यहूदियों ने अन्यजातियों के मन भाइयों के विरोध में भड़काए, और कटुता उत्पन्न कर दी।

3 और वे बहुत दिन तक वहाँ रहे, और प्रभु के भरोसे पर साहस के साथ बातें करते थे: और वह उनके हाथों से चिन्ह और अद्भुत काम करवाकर अपने अनुग्रह के वचन पर गवाही देता था। **4** परन्तु नगर के लोगों में फूट पड़ गई थी; इससे कितने तो यहूदियों की ओर, और कितने प्रेरितों की ओर हो गए।

5 परन्तु जब अन्यजाति और यहूदी उनका अपमान और उन्हें पत्थराव करने के लिये अपने सरदारों समेत उन पर दौड़े। **6** तो वे इस बात को जान गए, और लुकाउनिया* के लुस्त्रा और दिरबे नगरों में, और आस-पास के प्रदेशों में भाग गए। **7** और वहाँ सुसमाचार सुनाने लगे।

8 लुस्त्रा में एक मनुष्य बैठा था, जो पाँवों का निर्बल था। वह जन्म ही से लँगड़ा था, और कभी न चला था। **9** वह पौलुस को बातें करते सुन रहा था और पौलुस ने उसकी ओर टकटकी लगाकर देखा कि इसको चंगा हो जाने का विश्वास है। **10** और ऊँचे शब्द से कहा, “अपने पाँवों के बल सीधा खड़ा हो।” तब वह उछलकर चलने फिरने लगा।

11 लोगों ने पौलुस का यह काम देखकर लुकाउनिया भाषा में ऊँचे शब्द से कहा, “देवता मनुष्यों के रूप में होकर हमारे पास उतर आए हैं।” **12** और उन्होंने बरनबास को ज्यूस, और पौलुस को हिर्मेस कहा क्योंकि वह बातें करने में मुख्य था। **13** और ज्यूस के उस मन्दिर का पुजारी जो उनके नगर के सामने था, बैल और फूलों के हार फाटकों पर लाकर लोगों के साथ बलिदान करना चाहता था।

14 परन्तु बरनबास और पौलुस प्रेरितों ने जब सुना, तो अपने कपड़े फाड़े, और भीड़ की ओर लपक गए, और पुकारकर कहने लगे, **15** “हे लोगों, तुम क्या करते हो? हम भी तो तुम्हारे समान दुःख-सुख भोगी मनुष्य हैं, और तुम्हें सुसमाचार सुनाते हैं, कि तुम इन व्यर्थ वस्तुओं से अलग होकर जीविते परमेश्वर की ओर फिरो, जिसने स्वर्ग और पृथ्वी और समुद्र और जो कुछ उनमें है बनाया। (निर्ग. 20:11, भज. 146:6) **16** उसने बीते समयों में सब जातियों को अपने-अपने मार्गों में चलने दिया।

17 तो भी उसने अपने आप को बे-गवाह न छोड़ा; किन्तु वह भलाई करता रहा, और आकाश से वर्षा और फलवन्त ऋतु देकर तुम्हारे मन को भोजन और आनन्द से भरता रहा।” (भज. 147:8, यिर्म. 5:24) **18** यह कहकर भी उन्होंने लोगों को बड़ी कठिनाई से रोका कि उनके लिये बलिदान न करें।

19 परन्तु कितने यहूदियों ने अन्ताकिया और इकुनियुम से आकर लोगों को अपनी ओर कर लिया, और पौलुस को पत्थराव किया, और मरा समझकर उसे नगर के बाहर घसीट ले गए। **20** पर जब चेले उसकी चारों ओर आ खड़े हुए, तो वह उठकर नगर में गया और दूसरे दिन बरनबास के साथ दिरबे को चला गया।

21 और वे उस नगर के लोगों को सुसमाचार सुनाकर, और बहुत से चेले बनाकर, लुस्त्रा और इकुनियुम और अन्ताकिया को लौट आए। **22** और चेलों के मन को स्थिर करते रहे और यह उपदेश देते थे कि विश्वास में बने रहो; और यह कहते थे, “हमें बड़े क्लेश उठाकर परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना होगा।”

23 और उन्होंने हर एक कलीसिया में उनके लिये प्राचीन ठहराए, और उपवास सहित प्रार्थना करके उन्हें प्रभु के हाथ सौंपा जिस पर उन्होंने विश्वास किया था। **24** और पिसिदिया से होते हुए वे पंफूलिया में पहुँचे; **25** और पिरगा में वचन सुनाकर अत्तलिया में आए।

26 और वहाँ से जहाज द्वारा अन्ताकिया गये, जहाँ वे उस काम के लिये जो उन्होंने पूरा किया था परमेश्वर के अनुग्रह में सौंपे गए। **27** वहाँ पहुँचकर, उन्होंने कलीसिया इकट्ठी की और बताया, कि परमेश्वर ने हमारे साथ होकर कैसे बड़े-बड़े काम किए! और अन्यजातियों के लिये विश्वास का द्वार खोल दिया*। **28** और वे चेलों के साथ बहुत दिन तक रहे।

Acts 14:1

इकुनियुम में ऐसा हुआ
“इकुनियुम में भी ऐसा ही हुआ”

परन्तु विश्वास न करनेवाले यहूदियों ने अन्यजातियों के मन भाइयों के विरोध में भड़काए
“परन्तु अवज्ञाकारी यहूदियों ने अन्यजातियों को विश्वासियों के विरुद्ध कर दिया’

Acts 14:3

और वे बहुत दिनों तक वहाँ रहे
पौलुस व बरनबास कई दिनों तक इकुनियुम में रहे। यदि “और” शब्द के प्रयोग से भ्रम पैदा होता हो, तो उसे हटाया जा सकता है।

अपने अनुग्रह के वचन पर गवाही देता था
“प्रभु अपने अनुग्रह के वचन पर.....”

अपने अनुग्रह के
अर्थात “प्रभु के अनुग्रह के”

वचन पर गवाही देता था
“वचन की सत्यता की गवाही देता था”

वह उनके हाथों से
अर्थात पौलुस व बरनबास के हाथों से।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

चिन्ह और अद्भुत काम करवाकर
यीशु ने पौलुस व बरनबास को चिन्ह व अद्भुत कार्य करने की सामर्थ दी। अनुवाद करते समय यूँ भी लिख सकते हैं कि, "चिन्ह और अद्भुत काम करने की सामर्थ दी" (यूडीबी)

कितने तो ...की ओर, और कितने....की ओर हो गए
"की ओर हो गए" का आशय है "के पक्ष में हो गए"

प्रेरितों की ओर
यहाँ लूका ने पौलुस व बरनबास को प्रेरित कहते हुए, उन्हें यीशु के बारह चेलों की बराबरी देता है।

Acts 14:5

अपने सरदारों समेत
"इकुनियुम के सरदारों समेत"

तो वे इस बात को जान गए
"तब पौलुस व बरनबास उन्हें चोट पहुंचाने के लिए बनाई गयी उनकी योजना को जान गए"

लुकाउनिया
एशिया माइनर का एक जिला

लुस्त्रा
इकुनियुम के दक्षिण और दिरबे के उत्तर में स्थित एशिया माइनर का एक नगर

दिरबे
इकुनियुम और लुस्त्रा के दक्षिण में स्थित एशिया माइनर का एक नगर

और वहाँ सुसमाचार सुनाने लगे
"और पौलुस व बरनबास वहाँ सुसमाचार सुनाने लगे"

Acts 14:8

और ऊंचे शब्द से कहा
"पौलुस ने उस लंगड़े व्यक्ति से कहा"

वह जन्म ही से लंगड़ा था, और कभी न चला था
"वह पैदाइशी लंगड़ा था, और चलने से लाचार था"

पौलुस ने उसकी ओर टकटकी लगा कर देखा
"पौलुस ने सीधा उसे देखा"

कि इस को
"कि इस लंगड़े व्यक्ति को"

चंगा हो जाने का
"चंगाई पाने का"

Acts 14:11

ऊँचें शब्द से कहा
"जोश से चिल्लाया" (यूडीबी)

देवता मनुष्यों के रूप में होकर हमारे पास उतर आये हैं
बहुत लोगों को लगता था कि पौलुस व बरनबास उनके देवता है जो आकाश या स्वर्ग से उतर कर उनके पास आये थे। अनुवाद करते समय हम यूं भी लिख सकते हैं कि, "देवता स्वर्ग से उतर कर हमारे पास आये हैं।"

मनुष्यों के रूप में
लोगों को लगता था कि देवता लोग पूरी तरह से मनुष्य नहीं दिखते होंगे।

क्योंकि वह बातें करने में
"क्योंकि पौलुस बातें करने में"

बैल और फूलों के हार
बलि के लिए जानवर, और पौलुस व बरनबास अथवा बलि के जानवर के लिए फूलों के हार।

मंदिर का पुजारी..... लोगों के साथ
"मंदिर का पुजारी...और भीड़" (यूडीबी)

Acts 14:14

प्रेरितों ने जब
लूका यहाँ पौलुस व बरनबास को "प्रेरित" कह रहा है और यीशु के 12 मूल चेलों के साथ उनकी बराबरी कर रहा है।

हे लोगों, तुम क्या करते हो?
जब लोग पौलुस और बरनबास के लिए बलिदान देना चाहते थे, तब पौलुस और बरनबास ने उन्हें झिड़की दी। इस हम इस प्रकार भी लिख सकते हैं, कि "हे लोगों, तुम्हे ये सब नहीं करना चाहिए!"

हम भी तो तुम्हारे समान
अनुवाद करते समय यूं भी लिख सकते हैं, कि "हम भी तुम्हारी तरह"

इन व्यर्थ की वस्तुओं से अलग होकर
"इन बेकार की मूरतों की आराधना बंद करों" या फिर, "इन झूठे देवताओं की आराधना बंद कर"

जीवते परमेश्वर
"बजाय इसके, जीवते परमेश्वर की आराधना करो"

अपने-अपने मार्गों में चलने दिया
"अपने अनुसार जीने दिया"

Acts 14:17

x
(पौलुस व बरनबास अपना उपदेश जारी रखते हैं)

उसने अपने आप को
"परमेश्वर ने स्वयं को"

किन्तु
अनुवाद करते समय "उस पर भी" का प्रयोग भी कर सकते हैं।

तुम्हारे मन को....भरता रहा
"तुम्हारे" से पौलुस का आशय सभी सुननेवालों से है

तुम्हारे मन को भोजन और आनंद से भरता रहा
"तुम्हे खाने को पर्याप्त भोजन और आनंददायक वस्तुएं देता रहा"

उन्होंने लोगों को बड़ी कठिनाई से रोका कि उनके लिए बलिदान न करें
भीड़ ने पौलुस व बरनबास के लिए बैल को लगभग बलि कर ही दिया था

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 14:19

लोगों को अपनी ओर कर लिया
“लोगों को पौलुस के विरोध में कर दिया”

वह उठकर
पौलुस के विषय में है

नगर में गया
“पौलुस फिर से विश्वासियों के साथ लुस्त्रा में गया”

दिरबे चला गया
“पौलुस दिरबे चला गया”

Acts 14:21

वे ....लोगों को सुसमाचार सुनाकर....चेले बनाकर...लौट आये
यहाँ पौलुस व बरनाबास के विषय में बात हो रही है

उस नगर
अर्थात “दिरबे”

चेलों के मन को स्थिर करते रहे
पौलुस व बरनबास ने विश्वासियों को दृढ़ बनाया और सुसमाचार के सत्य में और अधिक मज़बूत बनाया

यह उपदेश देते थे कि विश्वास में बने रहो
पौलुस व बरनबास लोगों को यीशु में विश्वास बनाए रखने का प्रोत्साहन दे रहे थे

और यह कहते थे कि, “हमें बड़े क्लेश उठाकर परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना होगा।”
यह प्रत्यक्ष भाष्य है। अनुवाद करते समय हम इसे कर्मप्रधान भी बना सकते हैं। जैसे कि, “उन्होंने बताया कि वे उन्हें क्लेश उठाकर परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना था।”

यह कहते थे
अर्थात "पौलुस व बरनबास लुस्त्रा, इकुनियुम और अन्ताकिया के विश्वासियों से कहते थे"

प्रवेश करना होगा
पौलुस यहाँ बरनबास, विश्वासियों और स्वयं के विषय में भी कह रहा है।

Acts 14:23

और उन्होंने.....प्राचीन ठहराए
“पौलुस और बरनबास ने.... विश्वासियों की नयी सभाओं के लिए अगुवे नियुक्त किये”

प्रभु के हाथ सौंपा
“पौलुस और बरनबास ने नियुक्त किये प्राचीनों को प्रभु के हाथ सौंपा”

जिस पर उन्होंने विश्वास किया था
“जिस पर नए विश्वासियो ने विश्वास किया था”

जहां वे उस काम के लिए जो उन्होंने
“वे” और “उन्होंने” का आशय पौलुस व बरनबास से है

जहां वे उस काम के लिए जो उन्होंने पूरा किया था परमेश्वर के अनुग्रह में सौपें गए थे
“जहां अन्ताकिया के लोगों ने प्रार्थना की थी कि परमेश्वर पौलुस व बरनबास की देखरेख और रक्षा करे”

Acts 14:27

वहाँ पहुंचकर, उन्होंने
“वहां पहुंचकर पौलुस व बरनबास ने”

परमेश्वर ने हमारे साथ कैसे बड़े-बड़े काम किए
“परमेश्वर ने पौलुस व बरनबास के साथ कैसे बड़े-बड़े काम किए”

परमेश्वर ने.....कैसे
परमेश्वर ने....किस प्रकार

और अन्यजातियों के लिए विश्वास का द्वार खोल दिया
यहाँ पर अलंकार का प्रयोग है। कहने का आशय है कि “परमेश्वर ने अन्यजातियों के लिए विश्वास का एक मार्ग बना दिया” या फिर, “परमेश्वर ने अन्यजातियों को भी विश्वास का अवसर दिया”। जिस प्रकार व्यक्ति बंद दरवाज़े से नहीं गुज़र सकता, वैसे ही अन्यजातीय लोगों के लिए भी परमेश्वर पर विश्वास करना तब तक असंभव है जब तक कि परमेश्वर उनके लिए यह संभव न बनाए।

वे चेलों के साथ
अर्थात पौलुस व बरनबास

Translation Questions

Acts 14:1

जब इकुनियुम में पौलुस और बरनबास के प्रचार को सुनकर बहुतों ने विश्वास किया तो विश्वास न करने वाले यहूदियों ने क्या किया?
विश्वास न करने वाले लोगों ने अन्यजातियों के मन भाईयों के विरोध में भड़काए और उनके मन में कटुता उत्पन्न कर दी।

Acts 14:3

परमेश्वर ने अपने अनुग्रह के वचन पर गवाही कैसे दी?
परमेश्वर ने पौलुस और बरनबास के हाथों से चिन्ह और अद्भुत काम करवाकर अपने अनुग्रह की गवाही दी।

Acts 14:5

पौलुस और बरनबास ने इकुनियुम क्यों छोड़ा?
कुछ अन्यजातीय और यहूदियों ने अपने सरदारों को भड़का कर पौलुस और बरनबास पर पथराव करने और उनका अपमान करने की कोशिश की।

Acts 14:8

पौलुस ने ऐसा क्या किया जिसके कारण लुस्त्रा में कोलाहल मच गया ?
पौलुस ने जन्म से लंगड़े आदमी को चंगा कर दिया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 14:11

लुस्त्रा के लोग पौलुस और बरनबास के लिए क्या करना चाहते थे?
वे लोग ज्यूस के पुजारी के द्वारा पौलुस और बरनबास को बलिदान चढ़ाना चाहते थे।

Acts 14:14

बरनबास और पौलुस ने लोगों की इच्छा जानकार किस प्रकार की प्रतिक्रिया व्यक्त की?
बरनबास और पौलुस ने अपने कपड़े फाड़े और, भीड़ की ओर लपक गए और पुकारकर कहने लगे कि उन्हें इन व्यर्थ वस्तुओं से अलग होकर जीवते परमेश्वर की ओर फिरना चाहिए।

Acts 14:16

पौलुस और बरनबास ने क्या बताया जो परमेश्वर ने बीते समय में अपने मार्गों में चलने वाली जातियों के लिए भी किया?
परमेश्वर उन्हें वर्षा और फलवन्त ऋतु दे कर, उनके मन को भोजन और आनन्द से भरता रहा।

Acts 14:19

लुस्त्रा की भीड़ ने पौलुस के साथ बाद में क्या किया?
लुस्त्रा की भीड़ ने बाद में पौलुस पर पथराव कर उसे घसीट कर नगर के बाहर छोड़ दिया।

Acts 14:20

जब चेले पौलुस के आस-पास खड़े थे तो उसने क्या किया?
पौलुस उठा और नगर में चला गया।

Acts 14:22

क्या करके पौलुस के अनुसार चेले परमेश्वर के राज्य में प्रवेश पा सकते थे?
पौलुस के अनुसार बड़ा क्लेश उठाकर चेलों को परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना चाहिए।

Acts 14:23

पौलुस और बरनबास ने जाने से पहले विश्वासियों की प्रत्येक कलीसिया में क्या किया?
हर एक कलीसिया में, पौलुस और बरनबास ने प्राचीन ठहराए, और उपवास सहित प्रार्थना करके उन्हें प्रभु के हाथों में सौंपा।

Acts 14:27

पौलुस और बरनबास ने अन्ताकिया वापिस आकर क्या किया?
और जब वे अन्ताकिया लौटे, उन्होंने कलीसिया को बताया कि परमेश्वर ने कैसे उनके साथ होकर बड़े-बड़े काम किए,और कैसे अन्यजातियों के लिए विश्वास का द्वार खोला।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 15

1 फिर कुछ लोग यहूदिया से आकर भाइयों को सिखाने लगे: "यदि मूसा की रीति पर तुम्हारा खतना न हो तो तुम उद्धार नहीं पा सकते।" (लैव्य. 12:3) **2** जब पौलुस और बरनबास का उनसे बहुत मतभेद और विवाद हुआ तो यह ठहराया गया, कि पौलुस और बरनबास, और उनमें से कुछ व्यक्ति इस बात के विषय में प्रेरितों और प्राचीनों के पास यरूशलेम को जाएँ।

3 अतः कलीसिया ने उन्हें कुछ दूर तक पहुँचाया; और वे फीनीके और सामरिया से होते हुए अन्यजातियों के मन फिराने का समाचार सुनाते गए, और सब भाइयों को बहुत आनन्दित किया। **4** जब वे यरूशलेम में पहुँचे, तो कलीसिया और प्रेरित और प्राचीन उनसे आनन्द के साथ मिले, और उन्होंने बताया कि परमेश्वर ने उनके साथ होकर कैसे-कैसे काम किए थे।

5 परन्तु फरीसियों के पंथ में से जिन्होंने विश्वास किया था, उनमें से कितनों ने उठकर कहा, "उन्हें खतना कराने और मूसा की व्यवस्था को मानने की आज्ञा देनी चाहिए।" **6** तब प्रेरित और प्राचीन इस बात के विषय में विचार करने के लिये इकट्ठे हुए।

7 तब पतरस ने बहुत वाद-विवाद हो जाने के बाद खड़े होकर उनसे कहा,

"हे भाइयों, तुम जानते हो, कि बहुत दिन हुए, कि परमेश्वर ने तुम में से मुझे चुन लिया, कि मेरे मुँह से अन्यजातियाँ सुसमाचार का वचन सुनकर विश्वास करें।" **8** और मन के जाँचने वाले परमेश्वर ने उनको भी हमारे समान पवित्र आत्मा देकर उनकी गवाही दी; **9** और विश्वास के द्वारा उनके मन शुद्ध करके हम में और उनमें कुछ भेद न रखा।

10 तो अब तुम क्यों परमेश्वर की परीक्षा करते हो। कि चेलों की गर्दन पर ऐसा जूआ रखो, जिसे न हमारे पूर्वज उठा सकते थे और न हम उठा सकते है। **11** हाँ, हमारा यह तो निश्चय है कि जिस रीति से वे प्रभु यीशु के अनुग्रह से उद्धार पाएँगे*; उसी रीति से हम भी पाएँगे।"

12 तब सारी सभा चुपचाप होकर बरनबास और पौलुस की सुनने लगी, कि परमेश्वर ने उनके द्वारा अन्यजातियों में कैसे-कैसे बड़े चिन्ह, और अद्भुत काम दिखाए।

13 जब वे चुप हुए, तो याकूब कहने लगा,

"हे भाइयों, मेरी सुनो। **14** शमौन ने बताया, कि परमेश्वर ने पहले पहल अन्यजातियों पर कैसी कृपादृष्टि की, कि उनमें से अपने नाम के लिये एक लोग बना ले।

15 और इससे भविष्यद्वक्ताओं की बातें भी मिलती हैं, जैसा लिखा है,

16 'इसके बाद मैं फिर आकर दाऊद का गिरा हुआ डेरा उठाऊँगा,
और उसके खंडहरों को फिर बनाऊँगा,
और उसे खड़ा करूँगा, (यिर्म. 12:15)
17 इसलिए कि शेष मनुष्य, अर्थात् सब अन्यजाति जो मेरे नाम के कहलाते हैं, प्रभु को ढूँढें,
18 यह वही प्रभु कहता है जो जगत की उत्पत्ति से इन बातों का समाचार देता आया है।' (आमो. 9:9-12, यशा. 45:21)

19 इसलिए मेरा विचार यह है, कि अन्यजातियों में से जो लोग परमेश्वर की ओर फिरते हैं, हम उन्हें दुःख न दें; **20** परन्तु उन्हें लिख भेजें, कि वे मूरतों की अशुद्धताओं* और व्यभिचार और गला घोंटे हुओं के माँस से और लहू से परे रहें। (उत्प. 9:4, लैव्य. 3:17, लैव्य. 17:10-14) **21** क्योंकि पुराने समय से नगर-नगर मूसा की व्यवस्था के प्रचार करनेवाले होते चले आए है, और वह हर सब्त के दिन आराधनालय में पढ़ी जाती है।"

22 तब सारी कलीसिया सहित प्रेरितों और प्राचीनों को अच्छा लगा, कि अपने में से कुछ मनुष्यों को चुनें, अर्थात् यहूदा, जो बरसब्बास कहलाता है, और सीलास को जो भाइयों में मुखिया थे; और उन्हें पौलुस और बरनबास के साथ अन्ताकिया को भेजें। **23** और उन्होंने उनके हाथ यह लिख भेजा: "अन्ताकिया और सीरिया और किलिकिया के रहनेवाले भाइयों को जो अन्यजातियों में से हैं, प्रेरितों और प्राचीन भाइयों का नमस्कार!

24 हमने सुना है, कि हम में से कुछ ने वहाँ जाकर, तुम्हें अपनी बातों से घबरा दिया; और तुम्हारे मन उलट दिए हैं परन्तु हमने उनको आज्ञा नहीं दी थी। **25** इसलिए हमने एक चित्त होकर ठीक समझा, कि चुने हुए मनुष्यों को अपने प्रिय बरनबास और पौलुस के साथ तुम्हारे पास भेजें। **26** ये तो ऐसे मनुष्य हैं, जिन्होंने अपने प्राण हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम के लिये जोखिम में डाले हैं।

27 और हमने यहूदा और सीलास को भेजा है, जो अपने मुँह से भी ये बातें कह देंगे। **28** पवित्र आत्मा को, और हमको भी ठीक जान पड़ा कि इन आवश्यक बातों को छोड़; तुम पर और बोझ न डालें; **29** कि तुम मूरतों के बलि किए हुओं से, और लहू से, और गला घोंटे हुओं के माँस से, और व्यभिचार से दूर रहो। इनसे दूर रहो तो तुम्हारा भला होगा। आगे शुभकामना।" (उत्प. 9:4, लैव्य. 3:17, लैव्य. 17:10-14)

30 फिर वे विदा होकर अन्ताकिया में पहुँचे, और सभा को इकट्ठी करके उन्हें पत्री दे दी। **31** और वे पढ़कर उस उपदेश की बात से अति आनन्दित हुए। **32** और यहूदा और सीलास ने जो आप भी भविष्यद्वक्ता थे, बहुत बातों से भाइयों को उपदेश देकर स्थिर किया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

33 वे कुछ दिन रहकर भाइयों से शान्ति के साथ विदा हुए कि अपने भेजनेवालों के पास जाएँ। **34** (परन्तु सीलास को वहाँ रहना अच्छा लगा।) **35** और पौलुस और बरनबास अन्ताकिया में रह गए: और अन्य बहुत से लोगों के साथ प्रभु के वचन का उपदेश करते और सुसमाचार सुनाते रहे।

36 कुछ दिन बाद पौलुस ने बरनबास से कहा, “जिन-जिन नगरों में हमने प्रभु का वचन सुनाया था, आओ, फिर उनमें चलकर अपने भाइयों को देखें कि कैसे हैं।” **37** तब बरनबास ने यूहन्ना को जो मरकुस कहलाता है, साथ लेने का विचार किया। **38** परन्तु पौलुस ने उसे जो पंफूलिया में उनसे अलग हो गया था, और काम पर उनके साथ न गया, साथ ले जाना अच्छा न समझा।

39 अतः ऐसा विवाद उठा कि वे एक दूसरे से अलग हो गए; और बरनबास, मरकुस को लेकर जहाज से साइप्रस को चला गया।

40 परन्तु पौलुस ने सीलास को चुन लिया, और भाइयों से परमेश्वर के अनुग्रह में सौंपा जाकर वहाँ से चला गया। **41** और कलीसियाओं को स्थिर करता हुआ, सीरिया और किलिकिया से होते हुए निकला।

Acts 15:1

कुछ लोग
अर्थ स्पष्ट है

यहूदिया से आये
“ऊपर यहूदिया से आये” (अन्ताकिया की अपेक्षा यहूदिया अधिक ऊँचाई पर स्थित है)। यहूदी लोग यरूशलेम व मंदिर की और जाने को “ऊपर जाना” कहते थे, और यरूशलेम व मंदिर से दूर जाने को “नीचे जाना”

भाइयों को सिखाने लगे
“अन्ताकिया के विश्वासियों को सिखाने लगे” या फिर, “अन्ताकिया में विश्वासियों को सिखाने लगे”

की रीति
“रिवायत के अनुसार” या फिर, “शिक्षा के अनुसार”

उनसे बहुत बड़ा
अर्थात “यहूदिया के लोगों से बहुत बड़ा”

यरूशलेम को
(ऊपर दिए गए टिप्पणी देखे: "यरूशलेम की और")

इस बात के विषय
“इस मुद्दे के विषय”

Acts 15:3

अतः कलीसिया ने उन्हें कुछ दूर तक पहुँचाया
इसे परोक्ष कथन के रूप में इस प्रकार भी लिख सकते हैं कि “अतः पौलुस, बरनबास और कुछ अन्य विश्वासी लोग कलीसिया द्वारा कुछ दूर तक पहुंचाए गए।”

...से होते हुए.....समाचार सुनाते गए
“से होते हुए” और “समाचार सुनाते गए” इस बात का संकेत देते हैं कि परमेश्वर के कार्यों का बखान करते हुए वे जगह-जगह गए।

अन्यजातियों के मन फिराने
बहुत से अन्यजातीय लोग यूनानी व रोमी देवताओं को छोड़ यीशु में विश्वास करने लगे थे।

कलीसिया और प्रेरित उनसे आनंद के साथ मिले
अर्थात “कलीसिया के सदस्यो और प्रेरितों ने उनका स्वागत किया..”

उनके साथ होकर
“उनके माध्यम से”

Acts 15:5

परन्तु कैसे?
लूका विश्वासियों के दो समूहों की तुलना करता है, पहले वे जो “केवल यीशु के द्वारा उद्धार” में विश्वास रखते हैं, और दूसरे वे फरीसी जो यीशु में विश्वास तो रखते हैं लेकिन यह भी मानते हैं कि “उद्धार के लिए खतना करवाना भी अनिवार्य है।”

उन्हें खतना कराने और मूसा की व्यवस्था को मानने की आज्ञा देनी चाहिए
“उन्हें” का आशय खतराहित गैर-यहूदी विश्वासियों से हैं।

व्यवस्था को मानने के लिए
“व्यवस्था का पालन करने के लिए”

इस बात के विषय में विचार करने के लिए
“विश्वास से जुड़े इस अंतर पर विचार करने के लिए।” अर्थात, पौलुस द्वारा दिए जानेवाले उद्धार के उपदेश (यीशु द्वारा उद्धार) और फरीसियों के सुसमाचार (खतना और व्यवस्था द्वारा उद्धार) के बीच के अंतर पर बहस करने के लिए इकट्ठे हों।

Acts 15:7

खड़े होकर उनसे कहा
“खड़े होकर उपस्थित प्रेरितों, प्राचीनों और अन्य विश्वासियों से कहा”

हे भाइयों
पतरस यहाँ उपस्थित पुरुषों को संबोधित कर रहा है

बहुत दिन हुए
“बहुत दिन पहले” (यूडीबी)

तुम में से मुझे
यहूदी विश्वासियों के बीच में से मुझे

कि मेरे मुंह से
पतरस यहाँ अपने विषय में कह रहा है।

अन्यजातिय सुसमाचार का वचन सुनकर
“अन्यजातिय सुसमाचार का वचन सुनें”

उनकी गवाही दी
“अन्यजातीय की गवाही दी”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

and he made
"and God made"

हम में और उनमें कुछ भेद न रखा
परमेश्वर ने यहूदी विश्वासियों और गैर-यहूदी विश्वासियों के बीच कोई अंतर न रखा

हम में और उनमें
“हम में” में पतरस स्वयं को भी शामिल कर रहा है, और “उनमें” का आशय गैर-यहूदियों से है।

Acts 15:10

x
(पतरस अपनी बात जारी रखता है।)

तुम क्यों परमेश्वर की परीक्षा करते हो? कि चेलों की गर्दन पर ऐसा जूआ रखो, जिसे न हमारे बापदादे उठा सकते थे और न हम उठा सकते हैं?
यह वास्तविक प्रश्न है जहाँ पतरस यहूदी विश्वासियों से यह कह रहा है कि गैर-यहूदी विश्वासियों को मूसा की व्यवस्था और विशेषकर खतना कराने की ज़रुरत नहीं थी। इसे यूं भी लिख सकते हैं, कि “जिस बोझ को हम यहूदी ही न उठा सके, उस बोझ को अन्यजातिय विश्वासियों पर लाद कर परमेश्वर की परीक्षा न लो!”

न हमारे बापदादे...और न हम
पतरस यहाँ “हमारे” और “हम” शब्द में अपने सुननेवालों को भी शामिल कर रहा है।

हमारा तो यह निश्चय है कि जिस रीति से वे प्रभु यीशु के अनुग्रह से उद्धार पाएंगे, उसी रीति से हम भी पाएंगे।
पतरस यहाँ अपने यहूदी श्रोताओं के साथ स्वयं को शामिल कर रहा है।

जिस रीति से वे...
“जिस रीति से गैर-यहूदी...”

Acts 15:12

तब सारी सभा
अर्थात प्रेरित, प्राचीन, और उपस्थित दूसरे विश्वासी

परमेश्वर ने ....काम दिखाए
“परमेश्वर ने.....काम किये”

उनके द्वारा
“उनके” का आशय पौलुस व बरनबास से है

Acts 15:13

जब वे चुप हो गए
“जब बरनबास और पौलुस ने बोलना बंद किया”

एक लोग
”लोगों का समूह”

उनमें से
“उनके बीच से”

अपने नाम के लिए
यह शब्द स्वयं के लिए प्रयोग किया है। अनुवाद करते समय इसे “स्वयं अपने लिए” भी लिख सकते हैं।

Acts 15:15

x
(याकूब अपने बात जारी रखता है)

बातें भी मिलती हैं
“इस सत्य की पुष्टि करती हैं”

मैं इसके बाद फिर आकर....फिर बनाउंगा, और उसे खड़ा करूँगा
“मैं” आशय परमेश्वर से है जो भविष्यद्वक्ताओं के शब्दों के माध्यम से बोल रहा है

मैं फिर आकर दाऊद का गिरा हुआ डेरा उठाऊंगा
इसका आशय परमेश्वर द्वारा दाऊद के वंशजों में से एक राजा को चुनने से है। (यूडीबी)

उसके खंडहरों को फिर बनाऊंगा, और उसे खड़ा करूँगा, इसलिए कि शेष मनुष्य ....प्रभु को ढूंढें
“मैं राजा दाऊद के वंशजो से एक राजा बनाऊंगा और उसे खड़ा करूँगा, ताकि शेष लोग....प्रभु को ढूढें”

उसके खंडहरों को फिर बनाऊंगा
“खंडहरों” से आशय ईमारतों, दीवारों, और पीछे छोड़ गयी संपत्ति से है जो नगर के तबाह होने पर, कई वर्षों के दौरान पड़े-पड़े खराब हो जाती हैं।

जो जगत की उत्पत्ति से इन बातों का समाचार देता आया है
“जो प्राचीनकाल से इन बातों का समाचार देता आया है”

Acts 15:19

x
(याकूब अपने बात जारी रखता है)

अन्यजातियों में से जो लोग परमेश्वर की ओर फिरते हैं, हम उन्हें दुःख न दें
“हमें अन्यजातीय लोगों का खतना करने और मूसा की व्यवस्था को मानने को नहीं कहना चाहिए”

उन्हें दुःख न दें
“हम” में याकूब प्रेरितों, प्राचीनों और खतना हुए लोगों को शामिल कर रहा है।

मूरतों की अशुद्धताओं और व्यभिचार और गला घोंटे हुओं के मांस....और लहू
अशुद्धताएं, जानवरों का गला घोंटना, और लहू पीना अकसर इन मूरतों और झूठे देवताओं की आराधना का हिस्सा होते थे।

पुराने समय से....मूसा की व्यवस्था
मूसा की व्यवस्था का आशय परमेश्वर द्वारा मूसा को दी गयी व्यवस्था से है।

प्रचार करनेवाले
अर्थात व्यवस्था का प्रचार करनेवाले लोग

Acts 15:22

तब सारी कलीसिया
यह व्यक्त करता है कि कलीसिया के सभी सदस्य प्रेरितों और प्राचीनोंसे सहमत थे। अनुवाद करते समय हम यूं भी लिख सकते हैं, कि “यरूशलेम की पूरी कलीसिया।”

यहूदा, जो बरसब्बा कहलाता है
यरूशलेम की कलीसिया का एक अगुआ

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सिलास
यरूशलेम की कलीसिया का एक अगुआ

अन्ताकिया को भेजें
“यहूदा और सीलास को अन्ताकिया भेजे”

उनके हाथ यह लिख भेजा
“प्रेरितों, दूसरे प्राचीनों और यरूशलेम के विश्वासियों ने यह लिखा”

किलिकिया
कुप्रुस टापू में, एशिया माइनर उत्तर का एक प्रांत

Acts 15:24

x
(यरूशलेम की कलीसिया से अन्ताकिया के गैर-यहूदी विश्वासियों को लिखे पत्र में आगे है.....)

हम में से कुछ ने
“हम में से कुछ लोगों ने”

हम ने उनको आज्ञा नहीं दी थी
हम ने उनको ये सब प्रचार करने को नहीं कहा था

ठीक समझा
सहमत हुए

अपने प्रिय बरनबास और पौलुस
यह स्नेहपूर्ण संबोधन है। “जिन्हें हम इतना स्नेह करते हैं” (यूडीबी)

Acts 15:27

x
(यरूशलेम की कलीसिया से अन्ताकिया के गैर-यहूदी विश्वासियों को लिखे पत्र में आगे है.....)

हम ने यहूदा और सीलास को भेजा है
“इसलिए हम ने यहूदा और सीलास को भेजा है” या फिर, “इस कारण हमने.....”

जो अपने मुंह से भी ये बातें कह देंगे
“जो स्वयं ही ये बातें के देंगे”

लहू से
जानवरों के लहू का सेवन करने के विषय में है।

गला घोंटे हुओं
मारा गया जानवर जिसका लहू नहीं बहाया गया हिया

आगे शुभ
पत्र के अंत में लिखा जानेवाला अभिनन्दन। इसे “अलविदा” भी लिख सकते है।

Acts 15:30

और वे विदा होकर
“वे” का आशय यहूदा, सिलास, पौलुस और बरनबास से है

और वे विदा होकर
अर्थात “जाने की अनुमति दे दी गयी” या फिर, “उन्हें विदा किया”

अन्ताकिया में पहुंचे
“अन्ताकिया पहुंचे।” यरूशलेम से किसी भी अन्य नगर जाने की बात को यहूदी नीचे उतरना कहते थे।

वे पढ़कर उस उपदेश की बात से अति आनंदित हुए
“वे” का आशय अन्ताकिया के विश्वासियों से है

भाइयों को उपदेश देकर स्थिर किया
“अन्ताकिया के विश्वासियों को उपदेश देकर स्थिर किया”

आप भी भविष्यद्वक्ता
भविष्यद्वक्ता होने के कारण परमेश्वर से मिलनेवाले अधिकार का विशेष रीति से प्रयोग किया. अनुवाद करते समय यूं लिखा जा सकता है कि “क्योंकि वे भविष्यद्वक्ता थे” या फिर, “भविष्यद्वक्ता होने के कारण” (यूडीबी).

Acts 15:33

वे कुछ दिन रह कर...विदा हुए
“वे” अर्थात यहूदा और सिलास

कुछ दिन
“कुछ अवधि” या फिर “कई सप्ताह तक”

भाइयों से शांति के साथ विदा हुए
“विदा लेते समय विश्वासियों ने अभिनन्दन दिया”

भाइयों से शांति के साथ
भाइयों से शांति के साथ अन्ताकिया की कलीसिया से मित्रों के समान

अपने भेजनेवालों
“यहूदा और सीलास को भेजनेवाली यरूशलेम की कलीसिया के पास”

पौलुस और बरनबास अन्ताकिया में रह गए
“जबकि पौलुस और बरनबास अन्ताकिया में ही रहे”

कुछ प्राचीन लेख
प्राचीन हस्तलेखों में यहाँ कुछ अंतर है।

Acts 15:36

आओ, फिर....देखें कि कैसे हैं
यहाँ सुझाव का भाव है

चलकर अपने भाइयों को देखें
“चलकर” अर्थात उनके पास “जाकर”

देखें कि कैसे हैं
“अपने भाइयों के वर्तमान हालात का पता लगाए और देखें कि जो सत्य उन्हें दिया गया था, वे उसे कैसे निबाह रहे हैं।”

यूहन्ना को जो मरकुस कहलाता है, साथ लेने का विचार किया
“पौलुस और अपने (बरनबास) साथ यूहन्ना को जो मरकुस कहलाता है, साथ लेने का विचार किया”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 15:39

ऐसा विवाद उठा
पौलुस और बरनबास एकमत अथवा सहमत न हो सके

वे एक दूसरे से अलग हो गए
“पौलुस व बरनबास एक दूसरे से अलग हो गए”

और बरनबास, मरकुस को लेकर .....चला गया
“और बरनबास ने मरकुस को साथ लिया, और वहां से रवाना हो गए”

भाइयों से
“अन्ताकिया के विश्वासियों से”

सीरिया और किलिकिया से होते हुए निकला
सीरिया और किलिकिया से होते हुए निकल ये एशिया माइनर स्थित जगहें थी।

कलीसियाओं को स्थिर करता हुआ
“कलीसियाओं को आत्मिक रूप से मज़बूत बनाता हुआ”

Translation Questions

Acts 15:1

यहूदिया से आए कुछ लोगों ने भाईयों को क्या सिखाया?
यहूदिया से आए कुछ लोगों के भाइयों को सिखाया कि यदि उन्होंने मूसा की रीति से ख़तना न किया हो तो वे उद्धार नहीं पा सकते।

Acts 15:2

भाइयों ने इस प्रश्न का किस प्रकार हल ढूँढने का निर्णय किया?
भाइयों ने निश्चित किया कि पौलुस और बरनबास और कुछ और लोग यरूशलेम में प्रेरितों और प्राचीनों के पास जाएं।

Acts 15:3

फीनीके और सामरिया से होते हुए, पौलुस और अन्यों ने क्या समाचार सुनाया?
पौलुस और अन्यों ने अन्यजातीयों के मन फिराने का समाचार सुनाया।

Acts 15:5

विश्वासियों के कौन से पंथ का विश्वास था कि अन्यजातियों को खतना करना चाहिए और मूसा की व्यवस्था का पालन करना चाहिए?
फरीसियों के पंथ का विश्वास था कि अन्यजातियों को खतना कराना और मूसा की व्यवस्था का पालन करना चाहिए।

Acts 15:8

पतरस के अनुसार परमेश्वर ने अन्यजातियों के लिए क्या किया और उन्हें क्या दिया था?
पतरस ने कहा परमेश्वर ने अन्यजातियों को पवित्र आत्मा दिया और विश्वास के द्वारा उनके मन को शुद्ध किया।

Acts 15:11

पतरस के अनुसार यहूदियों और अन्यजातीयों ने किस प्रकार उद्धार पाया?
पतरस ने कहा कि यहूदी और अन्यजाति दोनों ने प्रभु यीशु के अनुग्रह द्वारा उद्धार पाया।

Acts 15:12

पौलुस और बरनबास ने कलीसिया को क्या बताया?
पौलुस और बरनबास ने बताया कि किस प्रकार परमेश्वर ने अन्यजातियों में कैसे-कैसे बड़े चिन्ह और अद्भुत काम कर दिखाए।

Acts 15:13

याकूब की भविष्यद्वाणी के अनुसार परमेश्वर किस चीज़ का पुनर्निर्माण करने वाला था और इसमें कौन-कौन शामिल होने वाले थे?
भविष्यद्वाणी के अनुसार परमेश्वर दाऊद का गिरा हुआ डेरा उठाएगा और इसमें अन्यजातीय शामिल होंगे।

Acts 15:20

याकूब ने मन फिराने वाले अन्यजातीयों को क्या आज्ञा दी?
याकूब ने आज्ञा दी कि मन फिराने वाले अन्यजातियों को मूरतों की अशुदधता और व्यभिचार और गला घोटे हुओं के मांस और लहू से परे रहना चाहिए।

Acts 15:28

अन्यजातियों को लिखे पत्र में, कौन इस निर्णय से सहमत कहा जाता है कि अन्यजातियों को केवल कुछ आवश्यक आज्ञाएँ दी जानी चाहियें?
पत्र के लेखकों और पवित्र आत्मा ने इस निर्णय से सहमति जताई।

Acts 15:31

अन्यजातियों ने यरूशलेम से आए पत्र पर कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की?
अन्यजातियों ने पत्र के प्रोत्साहन से अत्यन्त आनन्द उठाया।

Acts 15:35

पौलुस और बरनबास ने अन्ताकिया में रहकर क्या किया?
पौलुस और बरनबास ने परमेश्वर के वचन से उपदेश सुनाया और सिखाया।

Acts 15:36

पौलुस ने बरनबास को क्या बताया कि वह क्या करना चाहता है?
पौलुस ने बरनबास से कहा कि जिन-जिन नगरों में उन्होंने परमेश्वर का वचन सुनाया था वहां वापिस लौटकर भाइयों को देखें कि कैसे हैं।

Acts 15:37

पौलुस और बरनबास ने अलग-अलग दिशाओं में यात्रा करने का निश्चय क्यों किया?
बरनबास मरकुस को साथ ले जाना चाहता था, पर पौलुस ने उसको साथ ले जाना अच्छा न समझा।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 16

1 फिर वह दिरबे और लुस्त्रा में भी गया, और वहाँ तीमुथियुस नामक एक चेला था। उसकी माँ यहूदी विश्वासी थी, परन्तु उसका पिता यूनानी था। **2** वह लुस्त्रा
और इकुनियुम के भाइयों में सुनाम था। **3** पौलुस की इच्छा थी कि वह उसके साथ चले; और जो यहूदी लोग उन जगहों में थे उनके कारण उसे लेकर उसका
खतना किया, क्योंकि वे सब जानते थे, कि उसका पिता यूनानी था।

4 और नगर-नगर जाते हुए वे उन विधियों को जो यरूशलेम के प्रेरितों और प्राचीनों ने ठहराई थीं, मानने के लिये उन्हें पहुँचाते जाते थे। **5** इस प्रकार कलीसियाएँ
विश्वास में स्थिर होती गईं और गिनती में प्रतिदिन बढ़ती गई।

6 और वे फ्रूगिया और गलातिया प्रदेशों में से होकर गए, क्योंकि पवित्र आत्मा ने उन्हें आसिया में वचन सुनाने से मना किया। **7** और उन्होंने मूसिया* के निकट
पहुँचकर, बितूनिया में जाना चाहा; परन्तु यीशु के आत्मा ने उन्हें जाने न दिया। **8** अतः वे मूसिया से होकर त्रोआस* में आए।

9 वहाँ पौलुस ने रात को एक दर्शन देखा कि एक मकिदुनी पुरुष खड़ा हुआ, उससे विनती करके कहता है, “पार उतरकर मकिदुनिया में आ, और हमारी
सहायता कर।” **10** उसके यह दर्शन देखते ही हमने तुरन्त मकिदुनिया जाना चाहा, यह समझकर कि परमेश्वर ने हमें उन्हें सुसमाचार सुनाने के लिये बुलाया है।

11 इसलिए त्रोआस से जहाज खोलकर हम सीधे सुमात्राके और दूसरे दिन नियापुलिस में आए। **12** वहाँ से हम फिलिप्पी* में पहुँचे, जो मकिदुनिया प्रान्त का
मुख्य नगर, और रोमियों की बस्ती है; और हम उस नगर में कुछ दिन तक रहे। **13** सब्त के दिन हम नगर के फाटक के बाहर नदी के किनारे यह समझकर गए
कि वहाँ प्रार्थना करने का स्थान होगा; और बैठकर उन स्त्रियों से जो इकट्ठी हुई थीं, बातें करने लगे।

14 और लुदिया नाम थुआतीरा नगर की बैंगनी कपड़े बेचनेवाली एक भक्त स्त्री सुन रही थी, और प्रभु ने उसका मन खोला, ताकि पौलुस की बातों पर ध्यान
लगाए। **15** और जब उसने अपने घराने समेत बपतिस्मा लिया, तो उसने विनती की, “यदि तुम मुझे प्रभु की विश्वासिनी समझते हो, तो चलकर मेरे घर में रहो,”
और वह हमें मनाकर ले गई।

16 जब हम प्रार्थना करने की जगह जा रहे थे, तो हमें एक दासी मिली, जिसमें भावी कहनेवाली आत्मा थी; और भावी कहने से अपने स्वामियों के लिये बहुत
कुछ कमा लाती थी। **17** वह पौलुस के और हमारे पीछे आकर चिल्लाने लगी, “ये मनुष्य परमप्रधान परमेश्वर के दास हैं, जो हमें उद्धार के मार्ग की कथा सुनाते
हैं।” **18** वह बहुत दिन तक ऐसा ही करती रही, परन्तु पौलुस परेशान हुआ, और मुड़कर उस आत्मा से कहा, “मैं तुझे यीशु मसीह के नाम से आज्ञा देता हूँ, कि
उसमें से निकल जा और वह उसी घड़ी निकल गई।”

19 जब उसके स्वामियों ने देखा, कि हमारी कमाई की आशा जाती रही, तो पौलुस और सीलास को पकड़कर चौक में प्रधानों के पास खींच ले गए। **20** और
उन्हें फौजदारी के हाकिमों के पास ले जाकर कहा, “ये लोग जो यहूदी हैं, हमारे नगर में बड़ी हलचल मचा रहे हैं; (1 राजा. 18:17) **21** और ऐसी रीतियाँ बता
रहे हैं, जिन्हें ग्रहण करना या मानना हम रोमियों के लिये ठीक नहीं।

22 तब भीड़ के लोग उनके विरोध में इकट्ठे होकर चढ़ आए, और हाकिमों ने उनके कपड़े फाड़कर उतार डाले, और उन्हें बेंत मारने की आज्ञा दी। **23** और बहुत
बेंत लगवाकर उन्होंने उन्हें बन्दीगृह में डाल दिया और दरोगा को आज्ञा दी कि उन्हें सावधानी से रखे। **24** उसने ऐसी आज्ञा पा कर उन्हें भीतर की कोठरी में रखा
और उनके पाँव काठ में ठोंक दिए।

25 आधी रात के लगभग पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे, और कैदी उनकी सुन रहे थे। **26** कि इतने में अचानक एक बड़ा
भूकम्प हुआ, यहाँ तक कि बन्दीगृह की नींव हिल गईं, और तुरन्त सब द्वार खुल गए; और सब के बन्धन खुल गए।

27 और दरोगा जाग उठा, और बन्दीगृह के द्वार खुले देखकर समझा कि कैदी भाग गए, अतः उसने तलवार खींचकर अपने आपको मार डालना चाहा। **28**
परन्तु पौलुस ने ऊँचे शब्द से पुकारकर कहा, “अपने आप को कुछ हानि न पहुँचा, क्योंकि हम सब यहीं हैं।”

29 तब वह दिया मँगवाकर भीतर आया और काँपता हुआ पौलुस और सीलास के आगे गिरा;

30 और उन्हें बाहर लाकर कहा, “हे सज्जनों, उद्धार पाने के लिये मैं क्या करूँ?” **31** उन्होंने कहा, “प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना
उद्धार पाएगा।”

32 और उन्होंने उसको और उसके सारे घर के लोगों को प्रभु का वचन सुनाया। **33** और रात को उसी घड़ी उसने उन्हें ले जाकर उनके घाव धोए, और उसने
अपने सब लोगों समेत तुरन्त बपतिस्मा लिया। **34** और उसने उन्हें अपने घर में ले जाकर, उनके आगे भोजन रखा और सारे घराने समेत परमेश्वर पर विश्वास
करके आनन्द किया।

35 जब दिन हुआ तब हाकिमों ने सिपाहियों के हाथ कहला भेजा कि उन मनुष्यों को छोड़ दो। **36** दरोगा ने ये बातें पौलुस से कह सुनाई, “हाकिमों ने तुम्हें छोड़
देने की आज्ञा भेज दी है, इसलिए अब निकलकर कुशल से चले जाओ।”

37 परन्तु पौलुस ने उससे कहा, “उन्होंने हमें जो रोमी मनुष्य हैं, दोषी ठहराए बिना लोगों के सामने मारा और बन्दीगृह में डाला, और अब क्या चुपके से निकाल
देते हैं? ऐसा नहीं, परन्तु वे आप आकर हमें बाहर ले जाएँ।” **38** सिपाहियों ने ये बातें हाकिमों से कह दीं, और वे यह सुनकर कि रोमी हैं, डर गए, **39** और
आकर उन्हें मनाया, और बाहर ले जाकर विनती की, कि नगर से चले जाएँ।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

40 वे बन्दीगृह से निकलकर लुदिया के यहाँ गए, और भाइयों से भेंट करके उन्हें शान्ति दी, और चले गए।

Acts 16:1

और देखो
ये शब्द कहानी में किसी नए पात्र के आगमन का संकेत देते हैं। अनुवाद करते समय अपनी भाषा के यथोचित शब्दों का चुनाव करें।

किसी विश्वासिनी यहूदिनी का पुत्र था
“मसीह पर विश्वास रखनेवाली एक यहूदी स्त्री का पुत्र था”

वह.....सुनाम था
“तीमुथियुस की साख अच्छी थी” अथवा, “विश्वासी उसके विषय में भली बातें कहते थे”

पौलुस की इच्छा थी कि यह मेरे साथ चले
“पौलुस चाहता था कि तीमुथियुस उसके साथ चले” अत: पौलुस ने तीमुथियुस को साथ ले लिया इस सब गद्यांश में उत्तम पुरुष सर्वनाम है वे सब तीमुथियुस के संदर्भ में है|

उसका पिता यूनानी था
एक यूनानी होने के नाते तीमुथियुस का खतना कराने पिता स्वयं नहीं गया होगा; इसलिए पौलुस ने खतना कर दिया। खतना की रस्म अकसर एक यहूदी धर्मगुरु करता था।

Acts 16:4

और नगर-नगर जाते हुए वे
“वे” सर्वनाम यहाँ पौलुस, सीलास, और तीमुथियुस के लिए प्रयुक्त हुआ है

उनके मानने के लिए
“कलीसिया के सदस्यों द्वारा मानने के लिए” अथवा “विश्वासियों द्वारा मानने के लिए”

जो यरूशलेम के प्रेरितों और प्राचीनों ने ठहराई थीं
“जो यरूशलेम के प्रेरितों और प्राचीनों ने लिखी हैं”

कलीसियाएं विश्वास में स्थिर होती गयी
“पौलुस, सिलास, और तीमुथियुस द्वारा कलीसियाएँ विश्वास में स्थिर होती गयी”

Acts 16:6

फ्रूगीया और गलातिया
एशिया के प्रांत।

मूसिया....बितूनिया
ये भी एशिया के दो और प्रांत हैं

पवित्र आत्मा ने उन्हें....मना किया
“पवित्र आत्मा ने उन्हें...रोका” या फिर, “पवित्र आत्मा ने उन्हें...अनुमति नहीं दी”

यीशु के आत्मा
“पवित्र आत्मा”

Acts 16:9

पौलुस ने रात को एक दर्शन देखा
यह सपना नहीं दर्शन था

उससे विनती करके
“पौलुस से निवेदन कर रहा है”

हमारी सहायता कर
“हमारी” में सभी शामिल नहीं हैं।

हमने तुरंत
सर्वनाम “हमने” का आशय पौलुस व उसके साथियों से है। प्रेरितों के कार्य की पुस्तक का लेखक, लूका, इस समय पौलुस के साथियों में से एक था।

परमेश्वर ने हमें .....बुलाया है
सर्वनाम “हमने” का आशय पौलुस व उसके साथियों से है। प्रेरितों के कार्य की पुस्तक का लेखक, लूका, इस समय पौलुस के साथियों में से एक था।

उन्हें सुसमाचार सुनाने के लिए
“मकदूनिया के लोगों को सुसमाचार सुनाने के लिए”

Acts 16:11

हम सीधे
सर्वनाम “हमने” का आशय पौलुस व उसके साथियों से है। प्रेरितों के कार्य की पुस्तक का लेखक, लूका, इस समय पौलुस के साथियों में से एक था।

सुमात्रा....नियापुलिस
फिलिप्पी के तटीय नगर।

रोमियों की बस्ती है
रोमियों द्वारा जीती गयी जगह जहां विशेषकर उनके सैनिक रहते थे

Acts 16:14

लुदिया...एक भक्त स्त्री
लुदिया नाम की .....एक भक्त स्त्री

बैंजनी कपड़े बेचनेवाली
“बैंजनी रंग के कपड़ों की व्यपारिन”

भक्त स्त्री
भक्त से तात्पर्य उन गैर-यहूदियों से है जो परमेश्वर की प्रशंसा व स्तुति और उसका अनुकरण तो करते थे, लेकिन यहूदी व्यवस्था को सम्पूर्ण रीति से नहीं मानते थे।

सुन रही थी
उनकी बातें सुन रही थी

पौलुस की बातों पर चित्त लगाए
“पौलुस के कही बातों पर चित्त लगाए”

अपने घराने समेत बप्तिस्मा लिया
“जब उन्होंने लुदिया और उसके घराने को बप्तिस्मा दिया”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 16:16

एक दासी मिली
“वहाँ एक दासी मिली”

भावी कहनेवाली आत्मा
एक दुष्टात्मा उसे लोगों के निकट भविष्य में होनेवाली घटनाएं बताती थी

उसी घड़ी निकल गयी
“और वह आत्मा तुरंत उसमें से निकल गयी”

परन्तु पौलुस दुखित हुआ
“परन्तु पौलुस को उससे बहुत परेशानी होती थी” अथवा “उसके ऐसा करने से पौलुस को बहुत परेशानी होती थी”

मुंह फेरकर
“पौलुस मुड़ा और’ या फिर, “मुड़ कर स्त्री से कहा”

Acts 16:19

उसके स्वामियों
उस दासी के मालिक

हमारी कमाई की आशा
दासी में मौजूद भावी की आत्मा थी और लोग उसे भविष्य बताने के लिए धन देते थे

खींच ले गए
केवल पौलुस व सीलास को खींच कर ले गए थे, लूका व तीमुथियुस के दल के बाकी सदस्यों को नही।

प्रधानों के पास
“प्रधानों के समक्ष” या फिर, “प्रधानों के पास उनका न्याय कराने के लिए”

उन्हें फौजदारी के हाकिमों के पास ले जाकर कहा
“पौलुस व सीलास को फौजदारी के हाकिमों के पास ले जाकर दासी के स्वामियों ने कहा”

ऐसी रीतियाँ बता रहे हैं
“पौलुस व सीलास ऐसी रीतियाँ बता रहे हैं”

जिन्हें मानना हम रोमियों के लिए ठीक नहीं
दासी के स्वामी रोमी थे, इसलिए अधिकारियों को अपने पक्ष में मान रहे थे।

Acts 16:22

हाकिमों ने उनके कपड़े फाड़कर उतार डाले
हाकिमों ने पौलुस व सीलास के कपड़े फाड़ डाले

उन्हें बेंत मारने की आज्ञा दी
उन्हें बेंत मारने की आज्ञा दी “हाकिम ने सिपाहियों को पौलुस व सिलास को बेंत मारने की आज्ञा दी।”

बंदीगृह में डलवा दिया
“हाकिमों ने पौलुस व सीलास को बंदीगृह में डलवा दिया” या फिर, “हाकिमों ने सिपाहियों को आज्ञा दी कि वे पौलुस व सीलास को बंदीगृह में डाल दें।”

आज्ञा दी कि उन्हें चौकसी में रखें
“दरोगा को यह पक्का करने की आज्ञा दी कि वे बंदीगृह से बाहर न जाएँ।” बंदीगृह अथवा जेल में मौजूद सब लोगों की ज़िम्मेदारी दरोगा पर होती है।

कोठरी में रखा
कोठरी में बंद कर दिया

काठ में ठोंक
“काठ” का आशय लकड़ी के गुटके से है जिसके बीच में कैदी के पैर दाल कर कसने के लिए छेद होता है ताकि वो भाग न सके (यूडीबी)

Acts 16:25

उनकी सुन रहे थे
“उनकी” का आशय पौलुस व सीलास से है, जो उस समय प्रार्थना व स्तुति गान में लगे थे।

यहाँ तक कि बंदीगृह की नींव हिल गयी
“जिस कारण बंदीगृह की नींव हिल गयी”

सब के बंधन खुल पड़े
“सब के बंधन खुल गए”

Acts 16:27

उसने....अपने आपको
ये सभी सर्वनाम दरोगा के लिए प्रयुक्त हुए हैं।

मार डालना चाहा
“मार डालना चाहा।” कैदियों के भागने की सजा भुगतने की अपेक्षा दरोगा आत्महत्या करना चाहता था।

हम सब यहीं हैं
“हम” का आशय पौलुस, सिलास और बाकी के कैदी से भी है।

Acts 16:29

भीतर लपका
“तेज़ी से भीतर गया”

पौलुस और सीलास के आगे गिरा
पौलुस और सीलास के आगे दरोगा विनीत हुआ और उनके आगे गिरा

उन्हें बाहर लाकर
उन्हें जेल से बाहर लाया

Acts 16:32

x
पौलुस और सीलास ने दरोगा के परिवार से अपना संपर्क बनाए रखा

उन्हें ले जाकर
“उन्हें ले जाकर।” पौलुस और सीलास को दरोगा अपने घर ले गया।

अपने सब लोगों समेत तुरंत बपतिस्मा लिया
इस कथन को हम यूं भी लिख सकते हैं कि, “पौलुस व सिलास ने दरोगा व उसके परिवार के सदस्यों को बप्तिस्मा दिया।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उसने अपने
ये दोनों सर्वनाम दरोगा के लिए प्रयुक्त हुए हैं।

परमेश्वर पर विश्वास करके
“दरोगा के परिवार के सभी सदस्यों ने परमेश्वर पर विश्वास किया और....”

Acts 16:35

जब दिन हुआ,
अर्थात “अगली सुबह” (यूडीबी)। यहाँ नए प्रकरण की शुरुआत है

कहला भेजा
“सन्देश भेजा” यह फिर “आज्ञा भेजी”

उन मनुष्यों को छोड़ दो
“उन लोगों को जाने दो”

अब निकलकर
“अब जेल से बाहर निकल कर”

Acts 16:37

पौलुस ने उससे कहा
“पौलुस ने सिपाहियों से कहा”

लोगों के सामने
“हाकिम ने लोगों के सामने”

उन्होंने हमें.....मारा और बंदीगृह में डाला
“हमें” का आशय केवल पौलुस व सीलास से है।

ऐसा नहीं
“ऐसा कभी न होगा।” हालाँकि पौलुस यहाँ बात दरोगा से कर रहा है, लेकिन उसका आशय नगर के हाकिमों या फिर अगुओं से है।

रोमी
रोमी से आशय रोम साम्राज्य के कानूनी तौर पर नागिरक लोगों से है। उनके अधिकारों में स्वतंत्र रहने और सुनवाई का अधिकार शामिल है। नगर के अगुवों को डर था कि यदि रोम को पौलुस व सीलास के साथ हुए दुर्व्यवहार की खबर हो गई तो क्या होगा।

वे आप आकर
“नगर के हाकिम खुद आकर उनसे विनती करें”

और आकर उन्हें मनाया
“हाकिमों ने आकर पौलुस व सीलास को मनाया”

बाहर ले जाकर
“पौलुस व सीलास को बाहर ले जाकर”

Acts 16:40

लुदिया के यहाँ
“लुदिया के घर”

उन्हें शान्ति दी
“पौलुस व सीलास ने उन भाइयों को शांति दी” या फिर, “पौलुस व सीलास ने विश्वासियों को शांति दी”

Translation Questions

Acts 16:3

पौलुस ने तीमुथियुस को यात्रा पर साथ ले जाने से पहले उसके साथ क्या किया और क्यों?
पौलुस ने तीमुथियुस का खतना किया क्योंकि उन जगहों में जो यहूदी थे वे जानते थे कि तीमुथियुस का पिता यूनानी था।

Acts 16:4

पौलुस ने मार्ग में आनेवाली कलीसियाओं को क्या निर्देश दिए?
पौलुस ने उन विधियों को जो यरूशलेम के प्रेरितों और प्राचीनों ने ठहराईं थीं मानने के लिए निर्देशित किया।

Acts 16:9

पौलुस को कैसे ज्ञात हुआ कि परमेश्वर ने उसे मकिदुनिया में सुसमाचार प्रचार के लिए बुलाया है?
पौलुस ने दर्शन देखा कि मकिदुनी पुरुष खड़ा हुआ उसे सहायता के लिए पुकार रहा है।

Acts 16:13

सब्त के दिन, पौलुस फिलिप्पी के दरवाज़े के बाहर, नदी के किनारे क्यों गए?
पौलुस ने सोचा कि वहां प्रार्थना करने का स्थान होगा।

Acts 16:14

पौलुस के बोलने के द्वारा परमेश्वर ने लुदिया नामक स्त्री के लिए क्या किया?
प्रभु ने लुदिया का मन खोला ताकि पौलुस की बातों पर चित्त लगाए।

Acts 16:15

पौलुस के नदी पर बोलने के पश्चात किसका बप्तिस्मा हुआ?
पौलुस के बोलने के पश्चात् लुदिया और उसके घराने ने बप्तिस्मा लिया।

Acts 16:16

दासी जिसमें आत्मा थी अपने स्वामियों के लिए किस प्रकार धन कमा कर लाती थी?
वह अपने स्वामियों के लिए भविष्य बता कर धन कमाती थी।

Acts 16:17

दासी के कई दिनों तक अपना पीछा करने के पश्चात् पौलुस ने क्या किया?
पौलुस ने मुँह फेरकर उस आत्मा से कहा मैं तुझे यीशु मसीह के नाम से आज्ञा देता हूँ उसमें से निकल जा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 16:21

दासी के स्वामियों ने पौलुस और सीलास के खिलाफ़ क्या आरोप लगाया?
उन्होंने पौलुस और सीलास पर आरोप लगाया कि वे ऐसी रीतियाँ बता रहे हैं जिन्हें करना या मानना रोमियों के लिए ठीक नहीं।

Acts 16:22

पौलुस और सीलास को हाकिमों ने क्या दण्ड दिया?
उन्हें बेंत मारने की आज्ञा दी, बंदीग्रह में डाल दिया और उनके पाँव काठ में ठोक दिए।

Acts 16:25

पौलुस और सीलास आधी रात को बंदीग्रह में क्या कर रहे थे?
वह प्रार्थना कर रहे और परमेश्वर के भजन गा रहे थे।

Acts 16:26

ऐसा क्या हुआ जिसके कारण दरोगा अपने आप को मार डालने की तैयारी करने लगा?
एक बड़ा भूकम्प आया, बंदीग्रह के सारे द्वार खुल गए, और सबके बंधन भी खुल गए।

Acts 16:30

पौलुस और सीलास से दरोगा ने क्या प्रश्न पूछा?
दरोगा ने पौलुस और सीलास से पूछा,"सज्जनों, मैं उद्धार पाने के लिए क्या करूँ" ।

Acts 16:31

पौलुस और सीलास ने दरोगा को क्या उत्तर दिया?
पौलुस और सीलास ने उत्तर दिया, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा”।

Acts 16:33

उस रात किसका बप्तिस्मा हुआ?
उस रात दरोगा और उसके घराने का बप्तिस्मा हुआ।

Acts 16:35

किन बातों से डर कर हाकिमों ने पौलुस और सीलास को छोड़ देने की आज्ञा भेजी?
हाकिम डरे हुए थे क्योंकि उन्हें यह बोध हो गया था कि उन्होंने दो निर्दोष रोमी नागरिकों को लोगों के सामने मारा है।

Acts 16:40

हाकिमों के नगर छोड़ कर चले जाने के आग्रह के पश्चात्, पौलुस और सीलास ने क्या किया?
पौलुस और सीलास लुदिया के घर गए, भाईयों को शान्ति दी, और फिलिप्पी छोड़ कर चले गए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 17

1 फिर वे अम्फिपुलिस* और अपुल्लोनिया होकर थिस्सलुनीके में आए, जहाँ यहूदियों का एक आराधनालय था। **2** और पौलुस अपनी रीति के अनुसार उनके
पास गया, और तीन सब्त के दिन पवित्रशास्त्रों से उनके साथ वाद-विवाद किया;

3 और उनका अर्थ खोल-खोलकर समझाता था कि मसीह का दुःख उठाना, और मरे हुओं में से जी उठना, अवश्य था; "यही यीशु जिसकी मैं तुम्हें कथा सुनाता
हूँ, मसीह है।" **4** उनमें से कितनों ने, और भक्त यूनानियों में से बहुतों ने और बहुत सारी कुलीन स्त्रियों ने मान लिया, और पौलुस और सीलास के साथ मिल गए।

5 परन्तु यहूदियों ने ईर्ष्या से भरकर बाजारू लोगों में से कई दुष्ट मनुष्यों को अपने साथ में लिया, और भीड़ लगाकर नगर में हुल्लड़ मचाने लगे, और यासोन के
घर पर चढ़ाई करके उन्हें लोगों के सामने लाना चाहा। **6** और उन्हें न पा कर, वे यह चिल्लाते हुए यासोन और कुछ भाइयों को नगर के हाकिमों के सामने खींच
लाए, "ये लोग जिन्होंने जगत को उलटा पुलटा कर दिया है, यहाँ भी आए हैं।

7 और यासोन ने उन्हें अपने यहाँ ठहराया है, और ये सब के सब यह कहते हैं कि यीशु राजा है, और कैसर की आज्ञाओं का विरोध करते हैं।" **8** जब भीड़ और
नगर के हाकिमों ने ये बातें सुनीं, तो वे परेशान हो गये। **9** और उन्होंने यासोन और बाकी लोगों को जमानत पर छोड़ दिया।

10 भाइयों ने तुरन्त रात ही रात पौलुस और सीलास को बिरीया में भेज दिया, और वे वहाँ पहुँचकर यहूदियों के आराधनालय में गए। **11** ये लोग तो
थिस्सलुनीके के यहूदियों से भले थे और उन्होंने बड़ी लालसा से वचन ग्रहण किया, और प्रतिदिन पवित्रशास्त्रों में ढूँढ़ते रहे कि ये बातें ऐसी ही हैं कि नहीं। **12**
इसलिए उनमें से बहुतों ने, और यूनानी कुलीन स्त्रियों में से और पुरुषों में से बहुतों ने विश्वास किया।

13 किन्तु जब थिस्सलुनीके के यहूदी जान गए कि पौलुस बिरीया में भी परमेश्वर का वचन सुनाता है, तो वहाँ भी आकर लोगों को भड़काने और हलचल मचाने
लगे। **14** तब भाइयों ने तुरन्त पौलुस को विदा किया कि समुद्र के किनारे चला जाए; परन्तु सीलास और तीमुथियुस वहीं रह गए। **15** पौलुस के पहुँचाने वाले
उसे एथेंस तक ले गए, और सीलास और तीमुथियुस के लिये यह निर्देश लेकर विदा हुए कि मेरे पास अति शीघ्र आओ।

16 जब पौलुस एथेंस में उनकी प्रतीक्षा कर रहा था, तो नगर को मूरतों से भरा हुआ देखकर उसका जी जल उठा। **17** अतः वह आराधनालय में यहूदियों और
भक्तों से और चौक में जो लोग मिलते थे, उनसे हर दिन वाद-विवाद किया करता था।

18 तब इपिकूरी* और स्तोईकी दार्शनिकों में से कुछ उससे तर्क करने लगे, और कुछ ने कहा, "यह बकवादी क्या कहना चाहता है?" परन्तु दूसरों ने कहा, "वह
अन्य देवताओं का प्रचारक मालूम पड़ता है," क्योंकि वह यीशु का और पुनरुत्थान का सुसमाचार सुनाता था।

19 तब वे उसे अपने साथ अरियुपगुस* पर ले गए और पूछा, "क्या हम जान सकते हैं, कि यह नया मत जो तू सुनाता है, क्या है? **20** क्योंकि तू अनोखी बातें
हमें सुनाता है, इसलिए हम जानना चाहते हैं कि इनका अर्थ क्या है?" **21** (इसलिए कि सब एथेंस वासी और परदेशी जो वहाँ रहते थे नई-नई बातें कहने और
सुनने के सिवाय और किसी काम में समय नहीं बिताते थे।)

22 तब पौलुस ने अरियुपगुस के बीच में खड़ा होकर कहा,

"हे एथेंस के लोगों, मैं देखता हूँ कि तुम हर बात में देवताओं के बड़े माननेवाले हो। **23** क्योंकि मैं फिरते हुए तुम्हारी पूजने की वस्तुओं को देख रहा था, तो एक
ऐसी वेदी भी पाई, जिस पर लिखा था, 'अनजाने ईश्वर के लिये।' इसलिए जिसे तुम बिना जाने पूजते हो, मैं तुम्हें उसका समाचार सुनाता हूँ।

24 जिस परमेश्वर ने पृथ्वी और उसकी सब वस्तुओं को बनाया, वह स्वर्ग और पृथ्वी का स्वामी होकर हाथ के बनाए हुए मन्दिरों में नहीं रहता। (1 राजा. 8:27,
2 इति. 6:18, भज. 146:6) **25** न किसी वस्तु की आवश्यकता के कारण मनुष्यों के हाथों की सेवा लेता है, क्योंकि वह तो आप ही सब को जीवन और श्वांस
और सब कुछ देता है। (यशा. 42:5, भज. 50:12, भज. 50:12)

26 उसने एक ही मूल से मनुष्यों की सब जातियाँ सारी पृथ्वी पर रहने के लिये बनाई हैं; और उनके ठहराए हुए समय और निवास के सीमाओं को इसलिए बाँधा
है, (व्य. 32:8) **27** कि वे परमेश्वर को ढूँढ़े, और शायद वे उसके पास पहुँच सके, और वास्तव में, वह हम में से किसी से दूर नहीं हैं। (यशा. 55:6, यिर्म.
23:23)

28 क्योंकि हम उसी में जीवित रहते, और चलते-फिरते, और स्थिर रहते हैं; जैसे तुम्हारे कितने कवियों ने भी कहा है,

"हम तो उसी के वंश भी हैं।" **29** अतः परमेश्वर का वंश होकर हमें यह समझना उचित नहीं कि ईश्वरत्व, सोने या चाँदी या पत्थर के समान है, जो मनुष्य की
कारीगरी और कल्पना से गढ़े गए हों। (उत्प. 1:27, यशा. 40:18-20, यशा. 44:10-17)

30 इसलिए परमेश्वर ने अज्ञानता के समयों पर ध्यान नहीं दिया, पर अब हर जगह सब मनुष्यों को मन फिराने की आज्ञा देता है। **31** क्योंकि उसने एक दिन
ठहराया है, जिसमें वह उस मनुष्य के द्वारा धार्मिकता से जगत का न्याय करेगा, जिसे उसने ठहराया है और उसे मरे हुओं में से जिलाकर, यह बात सब पर
प्रमाणित कर दी है।" (भज. 9:8, भज. 72:2-4, भज. 96:13, भज. 98:9, यशा. 2:4)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

32 मरे हुओं के पुनरुत्थान की बात सुनकर कितने तो उपहास करने लगे, और कितनों ने कहा, “यह बात हम तुझ से फिर कभी सुनेंगे।” **33** इस पर पौलुस उनके बीच में से चला गया। **34** परन्तु कुछ मनुष्य उसके साथ मिल गए, और विश्वास किया; जिनमें दियुनुसियुस जो अरियुपगुस का सदस्य था, और दमरिस नाम एक स्त्री थी, और उनके साथ और भी कितने लोग थे।

Acts 17:1

फिर वे अम्फिपुलिस
“वे” का आशय पौलुस व सीलास से है। लूका व तीमुथियुस उनके साथ नहीं हैं।

होकर...में आये
अर्थात “ये यात्रा करते हुए.....में आये”

फिर वे अम्फिपुलिस और अपुल्लोनिया
ये मकदूनिया के तटीय नगर थे।

अपनी रीति के अनुसार
“अपनी आदत के अनुसार” या फिर, “सामान्य अभ्यास के अनुसार।” पौलुस अकसर यहूदी आराधनालयों में सब्त के दिन जाता था जब वहां यहूदी लोग मौजूद होते थे।

उनके पास गया
“उनके” का आशय यहूदी आराधनालय और उसमें मौजूद यहूदियों से था

उनके साथ वाद-विवाद किया
“आराधनालय में मौजूद यहूदियों से तर्क-वितर्क किया” या फिर, “आरधनालयों के यहूदियों से चर्चा की”

Acts 17:3

उन का अर्थ खोल-खोलकर समझाता था
संभावित अर्थ : 1) “पौलुस वचन की विस्तार से व्याख्या देता था ताकि लोगों को उसके उपदेश समझ आ सकें” या फिर 2) “पौलुस वचन की पुस्तक या कि स्क्रॉल खोल रहा था”

अवश्य था
“योजना का हिस्सा था” या फिर, “तो होना ही था”

मरे हुओं में से जी उठना
“मर कर दोबारा जी उठाना”

यहूदियों ने मान लिया
“....ने विश्वास कर लिया” या फिर, “.....को विश्वास में जीत लिया”

पौलुस और सीलास के साथ मिल गए
“पौलुस और सिलास के साथी बन गए”

भक्त यूनानियों में से
वे जो परमेश्वर की आराधना करते थे लेकिन खतना कराने के द्वारा यहूदी मत में नहीं आये थे

और भीड़ लगाकर
“और एक बड़ी भीड़ बनाकर”

Acts 17:5

डाह से भरकर
“डाह के कारण”

कई दुष्ट मनुष्यों को
“कुछ बुरे लोगों को।” यहाँ “मनुष्यों” का आशय विशिष्ट रूप से पुरुषों से है।

बजार से
“चीज़ों, मवेशियों, अथवा सेवाओं की ख़रीद-फरोख्त की जगह के लोग” (यूडीबी)

नगर में हुल्लड़ मचाने लगे
“नगर में हुल्लड़ करने लगे”

के घर पर चढ़ाई
“के घर पर हिंसात्मक कार्यवाही”

लाना चाहा
यह सर्वनाम बाजार के अविश्वासी यहूदी और दुष्ट पुरुष को दर्शाता है।

लोगों के सामने
“सार्वजनिक तौर पर निर्णय लेने के लिए सरकारी अथवा कानूनी तौर पर नागरिक लोगों के सामने”

नगर के हाकिमों के सामने
“नगर के हाकिमों की उपस्थित में”

ये लोग जिन्होंने
“ये लोग” से यहूदी लोगों का आशय पौलुस व सीलास से था।

उल्टा-पुल्टा कर दिया है
“उल्टा-पुल्टा करना” एक मुहावरा है, जिसका आशय “अस्त-व्यस्त करने से है” (यूडीबी)। पौलुस व सिलास के उपदेशों के प्रभाव को यहूदी अगुवे बढ़ा-चढ़ा कर बता रहे थे।

यासोन ने उन्हें अपने यहाँ उतारा
यहाँ पर संकेत मिलता है कि प्रेरितों के उपदेश से यासोन सहमत था..

Acts 17:8

सुनाकर घबरा दिया
“चिंता में डाल दिया” या फिर “मानसिक तनाव में डाल दिया”

पैसे लेकर
“ज़मानत” अथवा “धरोहर” या कि “शुल्क” (यूडीबी)। यह अच्छे बर्ताव की प्रतिज्ञा राशि थी, जो अच्छे बर्ताव करने पर वापित कर दी जाती थी, या फिर बुरे बर्ताव से होनेवाले नुकसान की भरपाई के लिए प्रयुक्त हो जाती थी।

और बाकी लोगों को
“यासोन के अतिरिक्त अन्य विश्वासी”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

और उन्होंने.....उन्हें छोड़ दिया
"और अधिकारियों ने यासोन और बाकी बंदी बनाए गए अन्य विश्वासियों को छोड़ दिया"

Acts 17:10

से भले थे
यहाँ "भले" होने का आशय उनकी ग्रहणशीलता व "खुले मन से सुनने की तत्परता" से है। "खुले मन से सुनने की तत्परता" शिक्षित एवं उच्च वर्ग के परिवारों का लक्षण होता है जहाँ विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया जाता है

वचन ग्रहण किया
"उपदेशों को सुना"

बड़ी लालसा से
बिरीया के लोग पौलुस के उपदेशों को वचन की कसौटी पर परखने को तैयार थे

प्रतिदिन पवित्र शास्त्रों में ढूंढते थे
"वे पवित्र शास्त्र के पदों का हर दिन गहराई से मूल्यांकन करते थे"

Acts 17:13

जब ...यहूदी जान गए कि
"जब..... यहूदियों को बताया गया" या फिर, "जब....यहूदियों ने सुना कि..." (यूडीबी)

वहां भी आकर लोगों को भड़काने लगे
"वहाँ भी आकर लोगों को उत्तेजित करने लगे" या फिर, "वहाँ भी आकर लोगों के मन में संदेह पैदा करने लगे"

हलचल मचाने लगे
"लोगों में संदेह और भय पैदा करने लगे"

पौलुस के पहुंचाने वाले
"पौलुस के साथ जाने वाले" या फिर, "वे लोग जो पौलुस के साथ थे"

Acts 17:16

उसका जी जल गया
"वह बहुत परेशान हो उठा" या फिर, "वह बहुत अशांत हो गया" या फिर, "वह बहुत दुखी हो गया" (यूडीबी)

अतः वह .....वाद-विवाद किया करता था
"इसलिए उसने.....तर्क किया" या फिर, "इसलिए उसने..... चर्चा किया करता था". यहाँ इस बात के संकेत हैं कि वह उपदेश की तुलना में यहाँ लोगों से अधिक सवाल-जवाब होता था।

और चौंक पर जो
व्यापार करने की जगह, जहां वस्तुओं, मवेशियों और सेवाओं की खरीद-फरोख्त होती थी; "सार्वजनिक चौक" (यूडीबी)

Acts 17:18

इपिकूरी.....दार्शनिकों
वे लोग जो यह मानते हैं कि सभी चीज़ों का अस्तित्व संयोग से हुआ है। वे यह भी मानते थे कि देवता स्वयं अपने में ही संतुष्ट और खुश हैं, और उन्हें विश्व के संचालन की चिंता नही है। वे पुनरुत्थान को नहीं मानते थे।

स्तोईकी दार्शनिक
इन लोगों का मानना था कि स्वयं को भाग्य के हवाले कर देने से ही मुक्ति मिलती है। वे जीवते परमेश्वर और पुनरुत्थान को नहीं मानते थे।

उससे तर्क करने लगे
"पौलुस से तर्क करने लगे"

और कुछ ने कहा
"और कुछ दार्शनिकों ने कहा"

यह बकवादी क्या कहना चाहता है
"बकवादी" कहने से आशय उलटी-पुलती बातें कहने से है। यह "वक्ता" के लिए प्रयुक्त होनेवाला एक नकारात्मक शब्द है। दार्शनिकों कहते थे कि पौलुस अधूरे-कच्चे ज्ञान की बातें कर रहा है जिसे सुनना बेकार है।

परन्तु दूसरों ने कहा
"परन्तु दार्शनिकों के अतिरिक्त अन्य लोगों ने कहा"

वह.....प्रचारक मालूम पड़ता है
"वह..... उद्घोषणा करनेवाला लगता है" या फिर, "ऐसा लगता है कि वह..... सन्देश को बांटने के मिशन पर निकला हैके विश्वासियों ने धन-दान में दिया और उन्होंने धन भेज दिया..."

अन्य देवताओं
"अन्य" से तात्पर्य दूसरे लोगों के देवताओं से है; गैर-यहूदी/गैर रोमी देवताओं से है।

Acts 17:19

तब वे उसे अपने साथ
"तब इपिकूरी और स्तोईकी दार्शनिक पौलुस को अपने साथ"

अरियुपगुस पर ले गए
एथेंस की एक पहाडी पर ले गए जहां एथेंस का सर्वोच्च न्यायलय रहा होगा।

हम जानना चाहते हैं कि इन का अर्थ क्या है
"हम" का आशय यहाँ केवल दार्शनिकों से है। अनुवाद करते समय हम यह भी लिख सकते हैं कि "इन चीज़ों के जो होने का तू दावा कर रहा है, हम उसके आधार पर न्याय करना चाहते हैं। "

सब एथेंस वासी
मकदूनिया (आधुनिक यूनान) के एक तटीय नगर एथेंस के बाशिंदे।

और परदेशी
अर्थात एथेंस वासियों के समुदाय में एक नया व्यक्ति

किसी काम में समय नहीं बिताते थे
समय बिताने से आशय समय लगाने, अथवा समय का इस्तेमाल करने से है

नयी-नयी बातें कहने और सुनने के सिवाय
"नए-नए दार्शनिक विचारों पर चर्चा करने के सिवाय" (यूडीबी)

Acts 17:22

देवताओं के बड़े माननेवाले हो
पौलुस यहाँ एथेंसवासियों द्वारा प्रार्थना, वेदियों और बलिदानों के द्वारा अपने देवताओं के प्रति अपनी निष्ठा के सार्वजनिक प्रदर्शन के विषय में कह रहा है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्योंकि मैं फिरते हुए
“क्योंकि मैंने घूमते हुए”

अनजाने ईश्वर के लिये
संभावित आशय: 1) “किसी विशिष्ट अनजाने ईश्वर के लिए” या फिर, 2) “किसी भी अनजाने ईश्वर के लिए”

Acts 17:24

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

पृथ्वी का स्वामी होकर
यहाँ पौलुस उन अनजाने प्रभु परमेश्वर के बारे में बता रहा है. अनुवाद करते समय यह भी लिख सकते हैं कि, “क्योंकि वह पृथ्वी का स्वामी है...”

हाथ के बनाए हुए
“लोगों के बनाए हुए”

मनुष्यों के हाथों की सेवा
“सेवा” का आशय यहाँ उपचार-सेवा से है। वैकल्पिक अनुवाद: “देखरेख।”

मनुष्यों के हाथों
“लोगों के हाथों”

क्योंकि वह तो आप ही
“क्योंकि वह स्वयं”

Acts 17:26

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

एक ही मूल
संभावित अर्थ: 1) परमेश्वर द्वारा रचित पहला आदम 2) इसमें आदम और हव्वा दोनों भी शामिल हो सकते हैं

मनुष्यों की सब जातियां ....बनाई हैं
“मनुष्यों की सब जातियां.....परमेश्वर, सृष्टिकर्ता ने बनाई है”

उनके ठहराए हुए.....कि वे
यहाँ पर “उनके” और “वे” का आशय पृथ्वी पर मौजूद सभी मनुष्यों से है

परमेश्वर को ढूंढें
“परमेश्वर को खोजे”

उसे टटोलकर पाएं
“उसकी ज़रुरत को महसूस करें”

हम में से किसी से
इसमें पौलुस अपने श्रोताओं के साथ स्वयं को भी शामिल कर रहा है।

Acts 17:28

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

क्योंकि हम उसी में
“क्योंकि हम परमेश्वर में”

हम उसी में जीवित, और चलते-फिरते हैं
पौलुस यहाँ अपने श्रोताओं के साथ स्वयं को भी शामिल कर रहा है।

उसी के वंश के हैं
उसी के वंशज है। “उसी” सर्वनाम का संज्ञा मूल यहाँ स्पष्ट नहीं है।

कि ईश्वरत्व
परमेश्वर की प्रकृति अथवा गुण

Acts 17:30

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

अज्ञानता
संभावित अर्थ: 1) “किसी बात के विषय में जानकारी न होना” या फिर, 2) “स्वयं इंकार करना”।

उस मनुष्य के द्वारा.....जिसे उनसे ठहराया है
“उस मनुष्य के द्वारा.....जिसे परमेश्वर ने ठहराया है”

यह बात सब पर प्रमाणित कर दी है
“अपने चुनाव को परमेश्वर ने सबके समक्ष प्रकट किया है”

Acts 17:32

बात सुनकर
इस बात को सुननेवाले लोग एथेंस से थे

कितने तो ठट्ठा करने लगे
“कितनों ने पौलुस का ठट्ठा उड़ाया” या “कुछ लोगों ने पौलुस की हंसी उड़ाई।” उन्हें इस बात का विश्वास नहीं था कि कोई मरने के बाद जीवन में लौट सकता है।

हम तुझ से फिर कभी सुनेंगे
“हम” का आशय यहाँ पौलुस को सुनने की इच्छा रखनेवाले एथेंसवासियों से है। वे पौलुस से बात कर रहे थे लेकिन उसे अपने समूह का हिस्सा नहीं मानते थे।

दियुनुसियुस जो अरियुपगुस का सदस्य था, और दमरिस नाम एक स्त्री
दियुनुसियुस एक पुरुष का नाम था और दमरिस एक स्त्री का।

Translation Questions

Acts 17:1

थिस्सलुनीके में आकर, पौलुस सबसे पहले यीशु के विषय में वचन बताने कहाँ गया?
पौलुस यहूदियों के आराधनालय यीशु के विषय में वचन बताने गया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 17:1

थिस्सलुनीके में आकर, पौलुस सबसे पहले यीशु के विषय में वचन बताने कहाँ गया?
पौलुस यहूदियों के आराधनालय यीशु के विषय में वचन बताने गया।

Acts 17:3

पौलुस के अनुसार वचन में क्या आवश्यक था?
पौलुस ने समझाया कि यीशु के लिए दुःख उठाना और मरे हुओं में से जी उठना आवश्यक था।

Acts 17:7

नगर के हाकिमों को पौलुस और सीलास के खिलाफ़ क्या दोष लगाया गया?
पौलुस और सीलास पर आरोप लगाया गया कि वे कैसर की आज्ञाओं का विरोध करते हैं और कहते हैं कि एक और राजा है-यीशु।

Acts 17:10

बिरीया आकर पौलुस और सीलास कहाँ गए?
पौलुस और सीलास यहूदियों के आराधनालय गए।

Acts 17:11

बिरीया के लोगों ने पौलुस का सन्देश सुन कर क्या किया?
बिरीया के लोगों ने वचन ग्रहण किया और पवित्र शास्त्रों में ढूँढ़ते थे कि ये बातें यूं हैं कि नहीं।

Acts 17:13

पौलुस को बिरीया क्यों छोड़ना पड़ा, फिर वह कहाँ गया?
पौलुस को बिरिया छोड़ना पड़ा क्योंकि थिस्सलुनीके के यहूदियों ने लोगों को भड़काया और इसलिए पौलुस एथेंस चला गया।

Acts 17:17

एथेंस आकर पौलुस कहाँ गया?
पौलुस यहूदी आराधनालय में गया और चौक में ताकि परमेश्वर के वचन से वाद-विवाद कर सके।

Acts 17:19

आगे पौलुस को सिखाने के लिए कहाँ ले जाया गया?
पौलुस को अरियुपगुस लाया गया ताकि आगे सिखा सके।

Acts 17:23

एथेंस में पौलुस ने कौन सी वेदी पाई, जिसकी व्याख्या वह लोगों को करना चाहता था?
पौलुस ने एक ऐसी वेदी पाई जिस पर लिखा था, अनजाने ईश्वर के लिए, जिसकी व्याख्या वह लोगों को करना चाहता था।

Acts 17:25

पौलुस के अनुसार सृष्टिकर्ता परमेश्वर लोगों को क्या देता है?
पौलुस ने कहा जिस परमेश्वर ने सब वस्तुओं को बनाया, वह ही सबको जीवन, श्वास और सब कुछ देता है।

Acts 17:26

किस मूल से परमेश्वर ने सब लोगों की जातियां बनाईं हैं?
एक ही मूल से परमेश्वर ने मनुष्य की सब जातियां बनाईं।

Acts 17:27

पौलुस के अनुसार परमेश्वर किसी से भी कितनी दूरी पर था?
पौलुस ने कहा परमेश्वर किसी से भी दूर नहीं था।

Acts 17:29

पौलुस के अनुसार हमें परमेश्वर के विषय में क्या नहीं समझना चाहिए?
पौलुस ने कहा कि हमें परमेश्वर को मनुष्य द्वारा सोने, चांदी या पत्थर से मनुष्य की कारीगरी से बनाया नहीं समझना चाहिए।

Acts 17:30

परमेश्वर हर जगह अब मनुष्यों को क्या करने की आज्ञा देता है?
परमेश्वर अब हर जगह मनुष्यों को मन फिराने की आज्ञा देता है।

Acts 17:31

परमेश्वर ने किसके लिए एक दिन ठहराया है?
परमेश्वर ने एक दिन ठहराया है जिसमें वह धर्म से जगत का न्याय करेगा।

परमेश्वर ने इस बात का क्या प्रमाण दिया है कि यीशु जगत के न्यायी के रूप में चुना गया है?
परमेश्वर ने यीशु को मरे हुओं में से जिलाकर प्रमाणित कर दिया है कि यीशु धर्म से जगत का न्याय करेगा।

Acts 17:32

पौलुस के मरे हुओं के पुनरुत्थान के विषय में सुन कर कुछ लोगों ने क्या किया?
मरे हुओं के पुनरुत्थान के विषय में सुन कर कुछ लोगों ने पौलुस का ठट्ठा किया।

Acts 17:34

क्या पौलुस की बात पर किसी ने विश्वास किया?
हाँ, कुछ लोगों ने पौलुस का विश्वास किया और उनके साथ कई अन्य भी थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 18

1 इसके बाद पौलुस एथेंस को छोड़कर कुरिन्थुस में आया। **2** और वहाँ अक्विला नामक एक यहूदी मिला, जिसका जन्म पुन्तुस में हुआ था; और अपनी पत्नी प्रिस्किल्ला के साथ इतालिया से हाल ही में आया था, क्योंकि क्लौदियुस ने सब यहूदियों को रोम से निकल जाने की आज्ञा दी थी, इसलिए वह उनके यहाँ गया। **3** और उसका और उनका एक ही व्यापार था; इसलिए वह उनके साथ रहा, और वे काम करने लगे, और उनका व्यापार तम्बू बनाने का था।

4 और वह हर एक सब्त के दिन आराधनालय में वाद-विवाद करके यहूदियों और यूनानियों को भी समझाता था। **5** जब सीलास और तीमुथियुस मकिदुनिया से आए, तो पौलुस वचन सुनाने की धुन में लगकर यहूदियों को गवाही देता था कि यीशु ही मसीह है। **6** परन्तु जब वे विरोध और निन्दा करने लगे, तो उसने अपने कपड़े झाड़कर उनसे कहा, “तुम्हारा लहू तुम्हारी सिर पर रहे! मैं निर्दोष हूँ। अब से मैं अन्यजातियों के पास जाऊँगा।”

7 और वहाँ से चलकर वह तीतुस यूस्तुस नामक परमेश्वर के एक भक्त के घर में आया, जिसका घर आराधनालय से लगा हुआ था।

8 तब आराधनालय के सरदार क्रिस्पुस* ने अपने सारे घराने समेत प्रभु पर विश्वास किया; और बहुत से कुरिन्थवासी ने सुनकर विश्वास किया और बपतिस्मा लिया। **9** और प्रभु ने रात को दर्शन के द्वारा पौलुस से कहा, “मत डर, वरन् कहे जा और चुप मत रह; **10** क्योंकि मैं तेरे साथ हूँ, और कोई तुझ पर चढ़ाई करके तेरी हानि न करेगा; क्योंकि इस नगर में मेरे बहुत से लोग हैं।” (यशा. 41:10, यशा. 43:5, यिर्म. 1:8) **11** इसलिए वह उनमें परमेश्वर का वचन सिखाते हुए डेढ़ वर्ष तक रहा।

12 जब गल्लियो अखाया देश का राज्यपाल था तो यहूदी लोग एका करके पौलुस पर चढ़ आए, और उसे न्याय आसन के सामने लाकर कहने लगे, **13** “यह लोगों को समझाता है, कि परमेश्वर की उपासना ऐसी रीति से करें, जो व्यवस्था के विपरीत है।”

14 जब पौलुस बोलने पर था, तो गल्लियो ने यहूदियों से कहा, “हे यहूदियों, यदि यह कुछ अन्याय या दुष्टता की बात होती तो उचित था कि मैं तुम्हारी सुनता। **15** परन्तु यदि यह वाद-विवाद शब्दों, और नामों, और तुम्हारे यहाँ की व्यवस्था के विषय में है, तो तुम ही जानो; क्योंकि मैं इन बातों का न्यायी बनना नहीं चाहता।”

16 और उसने उन्हें न्याय आसन के सामने से निकलवा दिया। **17** तब सब लोगों ने आराधनालय के सरदार सोस्थिनेस को पकड़ के न्याय आसन के सामने मारा। परन्तु गल्लियो ने इन बातों की कुछ भी चिन्ता न की।

18 अतः पौलुस बहुत दिन तक वहाँ रहा, फिर भाइयों से विदा होकर किंख्रिया में इसलिए सिर मुण्डाया, क्योंकि उसने मन्नत मानी थी और जहाज पर सीरिया को चल दिया और उसके साथ प्रिस्किल्ला और अक्विला थे। (गिन. 6:18) **19** और उसने इफिसुस* में पहुँचकर उनको वहाँ छोड़ा, और आप ही आराधनालय में जाकर यहूदियों से विवाद करने लगा।

20 जब उन्होंने उससे विनती की, “हमारे साथ और कुछ दिन रह।” तो उसने स्वीकार न किया; **21** परन्तु यह कहकर उनसे विदा हुआ, “यदि परमेश्वर चाहे तो मैं तुम्हारे पास फिर आऊँगा।” तब इफिसुस से जहाज खोलकर चल दिया;

22 और कैसरिया में उतर कर (यरूशलेम को) गया और कलीसिया को नमस्कार करके अन्ताकिया में आया।

23 फिर कुछ दिन रहकर वहाँ से चला गया, और एक ओर से गलातिया और फ्रूगिया में सब चेलों को स्थिर करता फिरा।

24 अपुल्लोस नामक एक यहूदी जिसका जन्म सिकन्दरिया* में हुआ था, जो विद्वान पुरुष था और पवित्रशास्त्र को अच्छी तरह से जानता था इफिसुस में आया। **25** उसने प्रभु के मार्ग की शिक्षा पाई थी, और मन लगाकर यीशु के विषय में ठीक-ठीक सुनाता और सिखाता था, परन्तु वह केवल यूहन्ना के बपतिस्मा की बात जानता था। **26** वह आराधनालय में निडर होकर बोलने लगा, पर प्रिस्किल्ला और अक्विला उसकी बातें सुनकर, उसे अपने यहाँ ले गए और परमेश्वर का मार्ग उसको और भी स्पष्ट रूप से बताया।

27 और जब उसने निश्चय किया कि पार उतरकर अखाया को जाए तो भाइयों ने उसे ढाढ़स देकर चेलों को लिखा कि वे उससे अच्छी तरह मिलें, और उसने पहुँचकर वहाँ उन लोगों की बड़ी सहायता की जिन्होंने अनुग्रह के कारण विश्वास किया था। **28** अपुल्लोस ने अपनी शक्ति और कौशल के साथ यहूदियों को सार्वजनिक रूप से अभिभूत किया, पवित्रशास्त्र से प्रमाण दे देकर कि यीशु ही मसीह है।

Acts 18:1

इस के बाद
“एथेन्स में हुई इन घटनाओं के बाद”

एक यहूदी मिला
संभावित आशय : 1) “वह संयोगवश उससे मिला” 2) “स्वयं पौलुस उससे जाकर मिला।”

जिसका जन्म पुन्तुस हुआ था
कृष्ण सागर के दक्षिण तट पर स्थित एक प्रान्त

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हाल ही में आया था
शायद पिछले साल आया हो।

क्लौदियुस ने.....आज्ञा दी थी
वर्तमान रोमी सम्राट।

सब यहूदियों को .....आज्ञा दी थी
“आदेश दिया था”

Acts 18:4

वह .....वाद-विवाद करके
“वह” अर्थात पौलुस और “वाद-विवाद” का आशय दो व्यक्तियों के बीच आमने-सामने की चर्चा से है. वैकल्पिक अनुवाद “ “इसलिए पौलुस.....तर्क-वितर्क किया” या फिर, “इसलिए पौलुस ने चर्चा की.”

समझाता था
अनुवाद करते समय “समझाने का प्रयास करता रहा” भी लिख सकते हैं।

अपने कपड़े झाड़कर
पौलुस इस संकेत द्वारा यह व्यक्त कर रहा था कि अविश्वासी यहूदियों से वह अपना नाता तोड़ रहा था और उन्हें परमेश्वर के न्याय पर छोड़ रहा था।

“तुम्हारा लहू तुम्हारी गर्दन पर रहे
यहाँ आलंकारिक भाषा का प्रयोग हुआ है। इसका अर्थ है कि मन फिराव से इनकार करने और अपनी ढीठाई के कारण स्वयं पर पडनेवाले न्याय के लिए यहूदी स्वयं ज़िम्मेदार हैं।

Acts 18:7

और वहां से चलकर
“और तब पौलुस वहां से चला गया और ...”

तितुस युस्तुस
एक यहूदी विश्वासी।

आराधनालय के सरदार
“आराधनालय के प्रशासन व उसे सहायता देनेवाला व्यक्ति

सरदार क्रिस्पुस
एक और यहूदी विश्वासी।

अपने सारे घराने
“उसके साथ रहनेवाले परिवार के सभी सदस्य और रिश्तेदार”

बहुत से कुरिन्थ वासी
बहुत से कुरिन्थ वासी जो यहूदी नहीं थे

Acts 18:9

चुप मत रह
“सुसमाचार के प्रचार को बंद मत कर”

क्योंकि मैं
“मैं” अर्थात प्रभु, जो उस समय पौलुस से बातें कर रहा था

तेरे साथ हूँ
“तेरे” का आशय पौलुस से है जिसके साथ परमेश्वर एक दर्शन में बातचीत कर रहा था

इस नगर में मेरे बहुत से लोग हैं
“इस नगर में बहुत से लोग मुझ पर विश्वास करते हैं”

Acts 18:12

गल्लियो अखाया
अखाया एक रोमी प्रान्त था और कुरिन्थ इसका हिस्सा था, जो कि अब आज दक्षिण यूनान में है।

उसे न्याय आसन के सामने लाकर
यहूदी लोग पौलुस को जबरन न्यायालय ले गए। वैकल्पिक अनुवाद : “अधिकारी द्वारा उसका न्याय करवाने के लिए उसके समक्ष ले गए।”

जो व्यवस्था के विपरीत है
यहूदी लोग जानबूझ कर पौलुस पर यहूदी व्यवस्था और रीतियों के विरोध में होने का दोष लगा रहे थे, और उसे रोमी व्यवस्था का विरोधी दिखाने का प्रयास कर रहे थे।

Acts 18:14

गल्लियों ने यहूदियों से कहा
प्रान्त के रोमी हाकिम ने यहूदियों से कहा

तुम्हारे यहाँ की व्यवस्था के विषय में है
यह मूसा की व्यवस्था और पौलुस के समय की यहूदी रीतियों के विषय में है

मैं इन बातों का न्यायी बनना नहीं चाहता
“मैं इन बातों का न्याय करने से इनकार करता हूँ।”

Acts 18:16

तब सब लोगों ने
“सब लोगों” या फिर “तब सभी ने।” यहाँ अतिशयोक्ति है क्योंकि भीड़ का हरेक जन का उसे पकड़ना संभव नहीं है।

सरदार सोस्थिनेस
कुरिन्थ की आराधनालय का एक यहूदी सरदार।

सामने मारा
“सामने पीटा” या फिर, “सामने लात-घुसें लगाए।” सोस्थिनेस की पिटाई की गयी थी।

Acts 18:18

उसके साथ प्रिस्किल्ला और अक्विला थे
पौलुस जहाज के द्वारा सीरिया गया। प्रिस्किल्ला और अक्विला भी उसके साथ गए

किन्ख्रिया
किन्ख्रिया एक बंदरगाह था जो कि कुरिन्थ नगर का हिस्सा था।

उसने मन्नत मानी थी
अर्थात परमेश्वर के लिए कुछ करने का प्रण लिया। इसके द्वारा लेवियों के बाहर के लोग भी परमेश्वर की सेवा कर सकते थे।

इफिसुस पहुंचकर
“पौलुस, प्रिस्किल्ला और अक्विवल के इफिसुस पहुँचने पर”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

विवाद करने लगा
“चर्चा करने लगा” या कि “तर्क-वितर्क करने लगा”

Acts 18:20

जब उन्होंने....विनती की
“जब यहूदियों ने....विनती की”

उनसे विदा हुआ
“उनसे विदा लेकर”

Acts 18:22

कैसरिया में उतर कर
“कैसरिया पहुंचा”

यरूशलेम को गया
“पौलुस यरूशलेम को गया”

कलीसिया को नमस्कार करके
“यरूशलेम की कलीसिया के सदस्यों को नमस्कार करके”

अन्ताकिया को गया
यरूशलेम से अन्ताकिया को गया।

वहाँ से चला गया
“पौलुस वहाँ से चला गया”

गलातिया और फ्रुगिया में
एशिया के प्रान्त जो आज टर्की में है।

सब चेलों को स्थिर करता फिरा
“सब चेलों को मज़बूत किया”

Acts 18:24

जिसका जन्म सिकंदरिया में हुआ था
“सिकंदरिया नगर में पैदा हुआ व्यक्ति।” संभावित अर्थ : 1) “मिस्र में उत्तर तट पर स्थित सिकंदरिया” या फिर, 2) “एशिया में पश्चिम तट पर स्थित सिकंदरिया।”

और मन लगा कर
पूरे जोश के साथ

यूहन्ना के बपतिस्मे
“यूहन्ना द्वारा दिए गए बपतिस्मे”

उसकी बातें सुनकर
उसकी वाक्पटुता देखकर

और भी ठीक-ठीक
“और भी सम्पूर्णता के साथ”

Acts 18:27

और जब उसने
“और जब अपुल्लोस ने”

पार उतर कर अखाया को जाए
अखाया एक रोमी प्रान्त है जो आधुनिक यूनान के दक्षिण खंड में स्थित था।

चेलों को लिखा
“अखाया के मसीहियों को पत्र लिखा”

और उसने पहुंचकर
“और अपुल्लोस ने पहुँच कर”

बड़ी प्रबलता से यहूदियों को सबके सामने निरुत्तर करता रहा
अपुल्लोस ने यहूदियों को सबके सामने वाद-विवाद में हराया

Translation Questions

Acts 18:3

पौलुस ने अपनी उपजीविका के लिए क्या किया?
पौलुस ने अपनी उपजीविका के लिए तम्बू बनाने का काम किया।

Acts 18:5

पौलुस ने कुरिन्थुस में यहूदियों को क्या गवाही दी?
पौलुस ने यहूदियों को यीशु के ही मसीह होने की गवाही दी।

Acts 18:6

जब यहूदियों ने पौलुस को अस्वीकार कर दिया तो उसने क्या किया?
पौलुस ने यहूदियों को कहा कि तुम्हारा लहू तुम्हारी गर्दन पर रहे, और फिर वह अन्यजातियों की ओर चला गया।

Acts 18:9

पौलुस ने कुरिन्थुस में परमेश्वर से क्या प्रोत्साहन प्राप्त किया?
परमेश्वर ने पौलुस से कहा कि चुप मत रह, क्योंकि वहाँ उसे कोई भी हानि नहीं पहुँचाएगा।

Acts 18:12

यहूदियों ने पौलुस के विरोध में हाकिम के सामने क्या दोष लगाए?
यहूदियों ने आरोप लगाया कि पौलुस लोगों को समझाता है कि परमेश्वर की उपासना इस रीति से करें जो व्यवस्था के विपरीत है।

Acts 18:15

हाकिम ने पौलुस पर लगाए गए दोषों पर क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की?
हाकिम ने कहा यदि उनका वाद-विवाद उनकी व्यवस्था के विषय में है तो वह न्यायी नहीं बनना चाहता।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 18:18

कौन से पति-पत्नी पौलुस के साथ इफिसुस गए?
अक्विला और प्रिस्किल्ला पौलुस के साथ इफिसुस गए।

Acts 18:22

इफिसुस छोड़ने के बाद सबसे पहले पौलुस किन दो स्थानों पर गया?
इफिसुस छोड़ने के बाद पौलुस यरूशलेम और फिर अन्ताकिया गया।

Acts 18:25

अपुल्लोस किन शिक्षाओं को अच्छी तरह से जानता था, और किन शिक्षाओं में उसे और दिशानिर्देश की आवश्यकता थी?
अपुल्लोस यीशु के विषय में ठीक से जानता था, परन्तु वह केवल यूहन्ना के बपतिस्मे की बात जानता था।

Acts 18:26

अपुल्लोस के लिए अक्विला और प्रिस्किल्ला ने क्या किया?
प्रिस्किल्ला और अक्विला उसे अपने साथ ले गए और परमेश्वर का मार्ग उसे और भी ठीक-ठीक बताया।

Acts 18:28

अपुल्लोस अपनी वाक्पटुता और पवित्र शास्त्र के ज्ञान से क्या करने में सक्षम था?
अपुल्लोस सबके सामने बड़ी प्रबलता से पवित्र शास्त्र से प्रमाण दे कर कि यीशु ही मसीह है, निरुत्तर करता रहा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 19

1 जब अपुल्लोस कुरिन्थुस में था, तो पौलुस ऊपर के सारे देश से होकर इफिसुस में आया और वहाँ कुछ चेले मिले। **2** उसने कहा, “क्या तुम ने विश्वास करते
समय पवित्र आत्मा पाया*?” उन्होंने उससे कहा, “हमने तो पवित्र आत्मा की चर्चा भी नहीं सुनी।”

3 उसने उनसे कहा, “तो फिर तुम ने किसका बपतिस्मा लिया?” उन्होंने कहा, “यूहन्ना का बपतिस्मा।” **4** पौलुस ने कहा, “यूहन्ना ने यह कहकर मन फिराव का
बपतिस्मा दिया, कि जो मेरे बाद आनेवाला है, उस पर अर्थात् यीशु पर विश्वास करना।”

5 यह सुनकर उन्होंने प्रभु यीशु के नाम का बपतिस्मा लिया। **6** और जब पौलुस ने उन पर हाथ रखे, तो उन पर पवित्र आत्मा उतरा, और वे भिन्न-भिन्न भाषा
बोलने और भविष्यद्वाणी करने लगे। **7** ये सब लगभग बारह पुरुष थे।

8 और वह आराधनालय में जाकर तीन महीने तक निडर होकर बोलता रहा, और परमेश्वर के राज्य के विषय में विवाद करता और समझाता रहा। **9** परन्तु जब
कुछ लोगों ने कठोर होकर उसकी नहीं मानी वरन् लोगों के सामने इस पंथ को बुरा कहने लगे, तो उसने उनको छोड़कर चेलों को अलग कर लिया, और प्रतिदिन
तुरन्नुस की पाठशाला में वाद-विवाद किया करता था। **10** दो वर्ष तक यही होता रहा, यहाँ तक कि आसिया के रहनेवाले क्या यहूदी, क्या यूनानी सब ने प्रभु का
वचन सुन लिया।

11 और परमेश्वर पौलुस के हाथों से सामर्थ्य के अद्भुत काम दिखाता था। **12** यहाँ तक कि रूमाल और अँगोछे उसकी देह से स्पर्श कराकर बीमारों पर डालते
थे, और उनकी बीमारियाँ दूर हो जाती थी; और दुष्टात्माएँ उनमें से निकल जाया करती थीं।

13 परन्तु कुछ यहूदी जो झाड़ा फूँकी करते फिरते थे, यह करने लगे कि जिनमें दुष्टात्मा हों उन पर प्रभु यीशु का नाम यह कहकर फूँकने लगे, “जिस यीशु का
प्रचार पौलुस करता है, मैं तुम्हें उसी की शपथ देता हूँ।” **14** और स्किवा* नाम के एक यहूदी प्रधान याजक के सात पुत्र थे, जो ऐसा ही करते थे।

15 पर दुष्टात्मा ने उत्तर दिया, “यीशु को मैं जानती हूँ, और पौलुस को भी पहचानती हूँ; परन्तु तुम कौन हो?” **16** और उस मनुष्य ने जिसमें दुष्ट आत्मा थी; उन
पर लपककर, और उन्हें काबू में लाकर, उन पर ऐसा उपद्रव किया, कि वे नंगे और घायल होकर उस घर से निकल भागे। **17** और यह बात इफिसुस के रहनेवाले
यहूदी और यूनानी भी सब जान गए, और उन सब पर भय छा गया; और प्रभु यीशु के नाम की बड़ाई हुई।

18 और जिन्होंने विश्वास किया था, उनमें से बहुतों ने आकर अपने-अपने बुरे कामों को मान लिया और प्रगट किया। **19** और जादू टोना करनेवालों में से बहुतों
ने अपनी-अपनी पोथियाँ इकट्ठी करके सब के सामने जला दीं; और जब उनका दाम जोड़ा गया, जो पचास हजार चाँदी के सिक्कों के बराबर निकला। **20** इस
प्रकार प्रभु का वचन सामर्थ्यपूर्वक फैलता गया और प्रबल होता गया।

21 जब ये बातें हो चुकी तो पौलुस ने आत्मा में ठाना कि मकिदुनिया और अखाया* से होकर यरूशलेम को जाऊँ, और कहा, “वहाँ जाने के बाद मुझे रोम को
भी देखना अवश्य है।” **22** इसलिए अपनी सेवा करनेवालों में से तीमुथियुस और इरास्तुस को मकिदुनिया में भेजकर आप कुछ दिन आसिया में रह गया।

23 उस समय उस पन्थ के विषय में बड़ा हुल्लड़ हुआ। **24** क्योंकि दिमेत्रियुस नाम का एक सुनार अरतिमिस के चाँदी के मन्दिर बनवाकर, कारीगरों को बहुत
काम दिलाया करता था। **25** उसने उनको और ऐसी वस्तुओं के कारीगरों को इकट्ठे करके कहा, “हे मनुष्यों, तुम जानते हो कि इस काम से हमें कितना धन
मिलता है। **26** और तुम देखते और सुनते हो कि केवल इफिसुस ही में नहीं, वरन् प्रायः सारे आसिया में यह कह कहकर इस पौलुस ने बहुत लोगों को समझाया
और भरमाया भी है, कि जो हाथ की कारीगरी है, वे ईश्वर नहीं। **27** और अब केवल इसी एक बात का ही डर नहीं कि हमारे इस धन्धे की प्रतिष्ठा जाती रहेगी;
वरन् यह कि महान देवी अरतिमिस का मन्दिर तुच्छ समझा जाएगा और जिसे सारा आसिया और जगत पूजता है उसका महत्व भी जाता रहेगा।”

28 वे यह सुनकर क्रोध से भर गए और चिल्ला-चिल्लाकर कहने लगे, “इफिसियों की अरतिमिस, महान है!” **29** और सारे नगर में बड़ा कोलाहल मच गया और
लोगों ने गयुस और अरिस्तर्खुस, मकिदुनियों को जो पौलुस के संगी यात्री थे, पकड़ लिया, और एक साथ होकर रंगशाला में दौड़ गए।

30 जब पौलुस ने लोगों के पास भीतर जाना चाहा तो चेलों ने उसे जाने न दिया। **31** आसिया के हाकिमों में से भी उसके कई मित्रों ने उसके पास कहला भेजा
और विनती की, कि रंगशाला में जाकर जोखिम न उठाना। **32** वहाँ कोई कुछ चिल्लाता था, और कोई कुछ; क्योंकि सभा में बड़ी गड़बड़ी हो रही थी, और बहुत
से लोग तो यह जानते भी नहीं थे कि वे किस लिये इकट्ठे हुए हैं।

33 तब उन्होंने सिकन्दर को, जिसे यहूदियों ने खड़ा किया था, भीड़ में से आगे बढ़ाया, और सिकन्दर हाथ से संकेत करके लोगों के सामने उत्तर देना चाहता था।

34 परन्तु जब उन्होंने जान लिया कि वह यहूदी है, तो सब के सब एक स्वर से कोई दो घंटे तक चिल्लाते रहे, “इफिसियों की अरतिमिस, महान है।” **35** तब
नगर के मंत्री ने लोगों को शान्त करके कहा, “हे इफिसियों, कौन नहीं जानता, कि इफिसियों का नगर बड़ी देवी अरतिमिस के मन्दिर, और आकाश से गिरी हुई
मूरत का रखवाला है। **36** अतः जब कि इन बातों का खण्डन ही नहीं हो सकता, तो उचित है, कि तुम शान्त रहो; और बिना सोचे-विचारे कुछ न करो। **37**
क्योंकि तुम इन मनुष्यों को लाए हो, जो न मन्दिर के लूटनेवाले है, और न हमारी देवी के निन्दक हैं।

38 यदि दिमेत्रियुस और उसके साथी कारीगरों को किसी से विवाद हो तो कचहरी खुली है, और हाकिम भी हैं; वे एक दूसरे पर आरोप लगाए। **39** परन्तु यदि
तुम किसी और बात के विषय में कुछ पूछना चाहते हो, तो नियत सभा में फैसला किया जाएगा। **40** क्योंकि आज के बलवे के कारण हम पर दोष लगाए जाने
का डर है, इसलिए कि इसका कोई कारण नहीं, अतः हम इस भीड़ के इकट्ठा होने का कोई उत्तर न दे सकेंगे।” **41** और यह कह के उसने सभा को विदा किया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 19:1

और जब.....वहां कुछ चेले मिले
“ऐसा हुआ कि जब.....वहां कुछ चेले मिले”

सारे देश से होकर
सारे देश में यात्रा करते हुए

ऊपर के सारे से होकर
अर्थात एशिया (आधुनिक टर्की) में स्थित एक क्षेत्र जो इफिसुस और सिकंदरिया त्रोआस और भीतरी क्षेत्र के पूर्व की ओर था।

पवित्र आत्मा पाया
पवित्र आत्मा ग्रहण किया

हम ने तो पवित्र आत्मा की चर्चा भी नहीं सुनी
“हमने पवित्र आत्मा की चर्चा नहीं सुनी थी”

Acts 19:3

x
पौलुस इफिसुस के नए विश्वासियों के साथ अपनी चर्चा जारी रखता है

तो फिर तुमने किसका बपतिस्मा लिया?
“तो फिर तुमने किसके नाम से बपतिस्मा लिया?”

उन्होंने कहा
“चेलों ने कहा”

यूहन्ना का बपतिस्मा
“यूहन्ना के बपतिस्मा से”

मन फिराव का बपतिस्मा
“अपने पापों से मन फिराते समय लोग जो बपतिस्मा लेते हैं।”

जो मेरे बाद आनेवाला
“जो बपतिस्मा देनेवाले यूहन्ना के बाद आनेवाला”

Acts 19:5

जब पौलुस ने उन पर
जब पौलुस ने उससे बातचीत कर रहे इफिसुस के विश्वासियों पर

हाथ रखे
“प्रार्थना करते समय उनके सिर पर हाथ रखे” (यूडीबी)

वे भिन्न-भिन्न भाषा बोलने लगे और भविष्यद्वाणी करने लगे
इस बात के संकते नहीं दिए गए हैं कि उनकी बातें कितनो को समझ आई होगी।

ये सब लगभग बारह पुरुष थे
“ ...पौलुस से बपतिस्मा लेकर पवित्र आत्मा पाने वाले लगभग 12 लोग थे” (यूडीबी)...(देखें: [[rc://*/ta/संस्क1/अनुवाद/अंजीर-स्पष्ट]]

Acts 19:8

और वह आराधनालय में जाकर तीन महीने तक निडर होकर बोलता रहा
अनुवाद कते समय यूं भी लिख सकते हैं, कि “तीन महीने तक पौलुस आराधनालय जाता रहा और हियाव के साथ बोलता रहा।”

और समझाता रहा
“लोगों को बोले गए सत्य का विश्वास दिलाता रहा”

कुछ लोगों ने कठोर होकर उसकी नहीं मानी
“कुछ यहूदियों ने ढीठाई के साथ उपदेश को स्वीकारने से मना कर दिया”

को बुरा कहने लगे
“के बारे में बुरा-बुरा कहने लगे”

यीशु के मार्ग को
अर्थात “यीशु मसीह के द्वारा उद्धार की बात को”

चेलों को अलग किया
“विश्वासियों को अलग किया”

आसिया के रहनेवाले....सुन लिया
संभावित अर्थ: 1) “पौलुस ने पूरे आसिया में कई लोगों के साथ सुसमाचार बांटा” या फिर, 2) “सारे आसिया से इफिसुस में आनेवाले यात्रियों के द्वारा पौलुस का उपदेश इफिसुस से पूरे आसिया में फैल गया।”

Acts 19:11

पौलुस के हाथों
“पौलुस के द्वारा”

यहाँ तक कि रुमाल और अंगोछे उसकी देह से स्पर्श कराकर बीमारों पर डालते थे
अनुवाद करते समय यूं भी लिख सकते हैं, कि “यहाँ तक कि पौलुस द्वारा स्पर्श किये रुमाल और अंगोछे बीमारों पर डालते थे”

Acts 19:13

कुछ यहूदी झाड़-फूंकी
लोगों व जगहों से बुरी आत्माएं निकालनेवाले लोग

प्रभु यीशु का नाम यह कहकर फूंके
हालाँकि वे यीशु पर विश्वास नहीं करते थे, लेकिन वे उसके नाम को जादूई शब्द की तरह इस्तेमाल करने का प्रयास करते थे

जिनमें दुष्टात्मा हों
“बुरी आत्मा से ग्रस्त लोग”

यह कह कर फूंके
“उन पर नाम फूंकते थे”

Acts 19:15

यीशु को मैं जानती हूँ, और पौलुस को भी जानती हूँ
“मैं यीशु और पौलुस को तो जानती हूँ;” या फिर, “मैंने यीशु और पौलुस के बारे में तो सुना है”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुम कौन हो?
यह वास्तविक प्रश्न नहीं है; यह कथन असल में बुरी आत्मा पर उनके अधिकार को लेकर संदेह को व्यक्त करता है। अनुवाद करते समय हम यूं भी लिख सकते हैं, कि "तुम्हारे पास कौन सा अधिकार है?" या फिर, "तुम्हारा को अधिकार नहीं है।"

उन पर लपककर
अर्थात "उन झाड़ा फूंकी करनेवालों" पर लपक कर। यहाँ पर उसी शब्द का प्रयोग करने जिसका प्रयोग आप पहले 13वें पद में किया है

वे नंगे और घायल होकर ....निकल भागे
वे झाड़ा-फूंकी करनेवालों के कपड़े तार-तार हो गए और वे भागे

उन सब पर भय छा गया
"इफिसुस के यहूदी और यूनानी लोग बहुत डर गए"

Acts 19:18

अपनी-अपनी पोथियाँ इकट्ठी करके
जादूई तंत्रों-मन्त्रों वाली किताबें और स्क्रॉल

सब के सामने
"सब के आगे"

चांदी के सिक्कों
चांदी के एक सिक्के का दाम एक दैनिक मजदूर की एक दिन की दिहाड़ी के बराबर था।

इस प्रकार प्रभु का वचन बल पूर्वक फैलता गया और प्रबल होता गया
"प्रभु से सम्बंधित उपदेश इतना प्रभावी था कि वह फैलता गया और पहले अधिक प्रभावशाली होता गया।"

Acts 19:21

जब ये बातें हो चुकी तो पौलुस ने
अर्थात इफिसुस में अपनी सेवा करने के बाद पौलुस ने

मकदूनिया और अखाया
आधुनिक यूनान के प्रांत

पौलुस ने आत्मा में ठाना
संभावित अर्थ: 1) पौलुस ने पवित्र आत्मा की मदद से निर्णय लिया" या फिर, 2) पौलुस की अपनी आत्मा ने निर्णय लेने में उसकी अगुवाई की।

मुझे रोम को भी देखना अवश्य है
"मुझे रोम की भी यात्रा करनी ज़रूरी है"

आप कुछ दिन आसिया में रह गया
आगामी पदों में स्पष्ट हो जाएगा कि पौलुस इफिसुस में रुका था

Acts 19:23

बड़ा हुल्लड़ हुआ
उपद्रव जैसी स्थिति

उस पंथ
मसीहत के लिए इस्तेमाल किया जानेवाला शब्द

एक सुनार
सोने-चांदी की आकृतियाँ आदि गढ़नेवाला कारीगर

देमेत्रियुस नाम का
इफिसुस का एक सुनार पौलुस व स्थानीय कलीसिया के विरोध में था।

अरतिमिस के चांदी के मंदिर
इफिसुस में अरतिमिस को समर्पित एक विशाल मंदिर था

बहुत काम दिलाया करता था
वे चाँदी से बनी अरतिमिस की कई मूरतें बेचता था

Acts 19:26

x
देमेत्रियुस नाम का एक सुनार अपने कारीगरों से बातचीत जारी रखता है

तुम देखते और सुनते हो
"तुम जानते-बूझते हो"

बहुत लोगों को समझाया
"बहुत से लोगों को स्थानीय देवताओं की पूजा न करने और मसीह की ओर मुड़ने का विश्वास दिलाया है"

उसका महत्व भी जाता रहेगा
अरतिमिस की महानता केवल लोगों की सोच से है

जिसे सारा आसिया और जगत पूजता है नोट: "जिसे" के स्थान पर हिंदी संस्करण में "जिस" लिखा हुआ है। कृपया इसे सुधार लें।
यहाँ अतिशयोक्ति का प्रयोग है। बहुत से लोग पूजते हैं की जगह सारा आसिया और जगत पूजता है कहा गया है।

Acts 19:28

वे यह सुनकर
"कारगर यह सुनकर"

क्रोध से भर गए
"बहुत क्रोधित हो उठे"

और चिल्ला-चिल्ला कर कहने लगे
"और ज़ोर से चिल्ला कर बोलने लगे"

जो पौलुस के संगी यात्री थे, पकड़ लिया
"लोगों ने पौलुस के साथियों को पकड़ लिया"

और एक साथ होकर रंगशाला में दौड़ गए
यह दंगे-फसाद जैसे स्थिति हो गयी थी

रंगशाला में
इफिसुस की रंगशाला प्रयोग जनता के मनोरंजन हेतु नाटक व संगीत आदि के लिए होता था

मकदूनियों को
गयुस व अरिस्तर्खुस मकदूनिया से आये थे और उस समय इफिसुस में पौलुस के साथ कार्य कर रहे थे

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 19:30

रंगशाला
अर्ध-गोलाकार की आकृति वाली जगह जहाँ लोगों के बैठने के लिए बेंच लगे होते हैं, और इसमे हज़ारों की तादात में लोग आ सकते हैं।

Acts 19:33

तब उन्होंने सिकंदर को आगे बढ़ाया
सिकंदर को लेकर पौलुस तीमुथियुस को चेतावनी दे रहा है

हाथ से संकेत करके
“देखनेवालों की तरफ संकेत किया”

उत्तर देना चाहता था
वह अपने बचावे में कुछ कहना चाहता था, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वह क्या कहना चाहता था।

Acts 19:35

कौन नहीं जानता, कि इफिसियों का नगर बड़ी देवी अरतिमिस के मंदिर, और ज्यूस की ओर से गिरी हुई मूरत का टहलुआ है
यह वास्तविक प्रश्न नहीं वरन भाषा का आलंकारिक प्रयोग है. अनुवाद करते समय हम यूं भी लिख सकते हैं कि “हर कोई जानता है कि.....”

टहलुआ
इफिसुस के लोग अरतिमिस के मंदिर की देखरेख और सुरक्षा करते थे

ज्यूस की ओर से गिरी हुई मूरत
अरतिमिस के मंदिर में देवी की एक मूरत थी जो उल्कापिंड पर गढ़ी गए थी, और उल्कापिंड सीधे ज्यूस से भेजा माना जाता था

Acts 19:38

x
भीड़ को संबोधन जारी रहता है

देमेत्रियुस
इफिसुस का एक सुनार जो पौलुस व स्थानीय कलीसिया का विरोधी था

हाकिम
गवर्नर अथ्वास शासक के लिए प्रोकंसल्स शब्द है।

Translation Questions

Acts 19:2

जिन चेलों को पौलुस इफिसुस में मिला उन्होंने जब विश्वास किया तो किस विषय में सुना नहीं हुआ था?
चेलों ने पवित्र आत्मा के विषय में नहीं सुना था।

Acts 19:4

यूहन्ना का बप्तिस्मा किस का बप्तिस्मा था?
यूहन्ना का बप्तिस्मा मन फिराव का बप्तिस्मा था।

यूहन्ना ने लोगों को किस पर विश्वास करने के लिए कहा था?
यूहन्ना ने लोगों को कहा था कि जो मेरे बाद आने वाला है उस पर विश्वास करना।

Acts 19:5

पौलुस इफिसुस के चेलों को किसके नाम में बप्तिस्मा दिया?
पौलुस ने उन्हें प्रभु यीशु के नाम का बप्तिस्मा दिया।

Acts 19:6

बप्तिस्मा पाने वाले और जिन पर पौलुस ने हाथ रखा था उन लोगों का क्या हुआ?
उन पर पवित्र आत्मा ठहरा और वे भिन्न-भिन्न भाषाएँ बोलने और भविष्यद्वाणी करने लगे।

Acts 19:9

जब कुछ यहूदी लोगों ने उसकी नहीं मानी और यीशु के मार्ग को बुरा कहने लगे तो पौलुस ने क्या किया?
पौलुस ने उनको छोड़कर चेलों को अलग कर लिया और तुरन्नुस की पाठशाला में वाद-विवाद करने लगा।

Acts 19:12

पौलुस के हाथों परमेश्वर ने कौन सा विशेष आश्चर्यकर्म किया?
जब पौलुस से रूमाल और अंगोछे लेकर, बीमारों को चंगा और दुष्टात्माओं को निकाला जाता था।

Acts 19:16

झाड़-फूंक करने वाले सात यहूदी जिन्होंने प्रभु यीशु के नाम पर दुष्टात्मा निकालने की कोशिश की उनका क्या हुआ?
दुष्टात्मा ने उन्हें वश में लाकर ऐसा उपद्रव किया कि वे नंगे और घायल होकर घर से निकल भागे।

Acts 19:19

इफिसुस में अनेक जादू करने वालों ने क्या किया?
जादू करने वालों में से बहुतों ने अपनी पोथियाँ सबके सामने जला दीं।

Acts 19:21

यरूशलेम जाने के बाद पौलुस ने क्या बताया कि वह कहाँ जाएगा?
पौलुस ने कहा कि यरूशलेम जाने के बाद वह रोम जाएगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 19:26

सुनार अरतिमिस ने अन्य कारीगरों को एकत्रित कर के क्या चिंता जताई?
देमेत्रियुस की चिन्ता का विषय यह था कि पौलुस लोगों को सिखा रहा था कि जो हाथ की कारीगरी है वह ईश्वर नहीं, और यह कि अरतिमिस देवी को भी तुच्छ माना जाएगा।

Acts 19:28

देमेत्रियुस की चिंता पर लोगों ने क्या प्रतिक्रिया जताई?
लोग क्रोध से भर गए और चिल्ला-चिल्ला कर कहने लगे कि अरतिमिस महान है,और सारे नगर में कोलाहल मच गया।

Acts 19:30

पौलुस ने चाहते हुए भी भीड़ को सम्बोधित क्यों नहीं किया?
चेलों और कुछ हाकिमों ने पौलुस से विनती की कि वहां न जाए।

Acts 19:38

नगर के मन्त्री ने लोगों को दंगा करने की बजाए क्या करने को कहा?
नगर के मन्त्री ने लोगों को कचहरी में अपना विवाद लाने को कहा।

Acts 19:40

नगर के मन्त्री के अनुसार लोग किस संकट में थे?
नगर के मन्त्री ने कहा कि लोग बलवे के कारण उन पर दोष लगाए जाने का डर है और इस भीड़ के इकट्ठा होने का कोई उत्तर नहीं है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 20

1 जब हुल्लड़ थम गया तो पौलुस ने चेलों को बुलवाकर समझाया, और उनसे विदा होकर मकिदुनिया की ओर चल दिया। **2** उस सारे प्रदेश में से होकर और
चेलों को बहुत उत्साहित कर वह यूनान में आया। **3** जब तीन महीने रहकर वह वहाँ से जहाज पर सीरिया की ओर जाने पर था, तो यहूदी उसकी घात में लगे,
इसलिए उसने यह निश्चय किया कि मकिदुनिया होकर लौट जाए।

4 बिरीया के पुरूर्स का पुत्र सोपत्रुस और थिस्सलुनीकियों में से अरिस्तर्खुस और सिकुन्दुस और दिरबे का गयुस, और तीमुथियुस और आसिया का तुखिकुस
और त्रुफिमुस आसिया तक उसके साथ हो लिए। **5** पर वे आगे जाकर त्रोआस में हमारी प्रतीक्षा करते रहे। **6** और हम अख़मीरी रोटी के दिनों के बाद फिलिप्पी
से जहाज पर चढ़कर पाँच दिन में त्रोआस में उनके पास पहुँचे, और सात दिन तक वहीं रहे।

7 सप्ताह के पहले दिन जब हम रोटी तोड़ने के लिये इकट्ठे हुए, तो पौलुस ने जो दूसरे दिन चले जाने पर था, उनसे बातें की, और आधी रात तक उपदेश देता
रहा। **8** जिस अटारी पर हम इकट्ठे थे, उसमें बहुत दीये जल रहे थे।

9 और यूतुखुस नाम का एक जवान खिड़की पर बैठा हुआ गहरी नींद से झुक रहा था, और जब पौलुस देर तक बातें करता रहा तो वह नींद के झोके में तीसरी
अटारी पर से गिर पड़ा, और मरा हुआ उठाया गया। **10** परन्तु पौलुस उतरकर उससे लिपट गया*, और गले लगाकर कहा, “घबराओ नहीं; क्योंकि उसका प्राण
उसी में है।” (1 राजा. 17:21)

11 और ऊपर जाकर रोटी तोड़ी और खाकर इतनी देर तक उनसे बातें करता रहा कि पौ फट गई; फिर वह चला गया।

12 और वे उस जवान को जीवित ले आए, और बहुत शान्ति पाई।

13 हम पहले से जहाज पर चढ़कर अस्सुस को इस विचार से आगे गए, कि वहाँ से हम पौलुस को चढ़ा लें क्योंकि उसने यह इसलिए ठहराया था, कि आप ही
पैदल जानेवाला था। **14** जब वह अस्सुस में हमें मिला तो हम उसे चढ़ाकर मितुलेने* में आए।

15 और वहाँ से जहाज खोलकर हम दूसरे दिन खियुस के सामने पहुँचे, और अगले दिन सामुस में जा पहुँचे, फिर दूसरे दिन मीलेतुस में आए। **16** क्योंकि
पौलुस ने इफिसुस के पास से होकर जाने की ठानी थी, कि कहीं ऐसा न हो, कि उसे आसिया में देर लगे; क्योंकि वह जल्दी में था, कि यदि हो सके, तो वह
पिन्तेकुस्त के दिन यरूशलेम में रहे।

17 और उसने मीलेतुस से इफिसुस में कहला भेजा, और कलीसिया के प्राचीनों को बुलवाया। **18** जब वे उसके पास आए, तो उनसे कहा,

“तुम जानते हो, कि पहले ही दिन से जब मैं आसिया में पहुँचा, मैं हर समय तुम्हारे साथ किस प्रकार रहा। **19** अर्थात् बड़ी दीनता से, और आँसू बहा-बहाकर,
और उन परीक्षाओं में जो यहूदियों के षड़यंत्र के कारण जो मुझ पर आ पड़ी; मैं प्रभु की सेवा करता ही रहा। **20** और जो-जो बातें तुम्हारे लाभ की थीं, उनको
बताने और लोगों के सामने और घर-घर सिखाने से कभी न झिझका। **21** वरन् यहूदियों और यूनानियों को चेतावनी देता रहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराए,
और हमारे प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करे।

22 और अब, मैं आत्मा में बंधा हुआ* यरूशलेम को जाता हूँ, और नहीं जानता, कि वहाँ मुझ पर क्या-क्या बीतेगा, **23** केवल यह कि पवित्र आत्मा हर नगर में
गवाही दे-देकर मुझसे कहता है कि बन्धन और क्लेश तेरे लिये तैयार है। **24** परन्तु मैं अपने प्राण को कुछ नहीं समझता कि उसे प्रिय जानूँ, वरन् यह कि मैं
अपनी दौड़ को, और उस सेवा को पूरी करूँ, जो मैंने परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार पर गवाही देने के लिये प्रभु यीशु से पाई है।

25 और अब मैं जानता हूँ, कि तुम सब जिनमें मैं परमेश्वर के राज्य का प्रचार करता फिरा, मेरा मुँह फिर न देखोगे। **26** इसलिए मैं आज के दिन तुम से गवाही
देकर कहता हूँ, कि मैं सब के लहू से निर्दोष हूँ। **27** क्योंकि मैं परमेश्वर की सारी मनसा को तुम्हें पूरी रीति से बताने से न झिझका। **28** इसलिए अपनी और पूरे
झुण्ड की देख-रेख करो; जिसमें पवित्र आत्मा ने तुम्हें अध्यक्ष ठहराया है कि तुम परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली करो, जिसे उसने अपने लहू से मोल लिया
है। (भज. 74:2) **29** मैं जानता हूँ, कि मेरे जाने के बाद फाड़नेवाले भेड़िए तुम में आएँगे, जो झुण्ड को न छोड़ेंगे। **30** तुम्हारे ही बीच में से भी ऐसे-ऐसे मनुष्य
उठेंगे, जो चेलों को अपने पीछे खींच लेने को टेढ़ी-मेढ़ी बातें कहेंगे।

31 इसलिए जागते रहो, और स्मरण करो कि मैंने तीन वर्ष तक रात दिन आँसू बहा-बहाकर, हर एक को चितौनी देना न छोड़ा। **32** और अब मैं तुम्हें परमेश्वर
को, और उसके अनुग्रह के वचन को सौंप देता हूँ; जो तुम्हारी उन्नति कर सकता है, और सब पवित्र किये गये लोगों में सहभागी होकर विरासत दे सकता है।

33 मैंने किसी के चाँदी, सोने या कपड़े का लालच नहीं किया। (1 शमू. 12:3) **34** तुम आप ही जानते हो कि इन्हीं हाथों ने मेरी और मेरे साथियों की
आवश्यकताएँ पूरी की। **35** मैंने तुम्हें सब कुछ करके दिखाया, कि इस रीति से परिश्रम करते हुए निर्बलों को सम्भालना, और प्रभु यीशु की बातें स्मरण रखना
अवश्य है, कि उसने आप ही कहा है: ‘लेने से देना धन्य है’।”

36 यह कहकर उसने घुटने टेके और उन सब के साथ प्रार्थना की। **37** तब वे सब बहुत रोए और पौलुस के गले लिपट कर उसे चूमने लगे। **38** वे विशेष करके
इस बात का शोक करते थे, जो उसने कही थी, कि तुम मेरा मुँह फिर न देखोगे। और उन्होंने उसे जहाज तक पहुँचाया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 20:1

जब हुल्लड़ थम गया तो
“हुल्लड़ के थमने के बाद”

पौलुस....उनसे विदा होकर
एक-दूसरे से विदा ली

चेलों को बहुत उत्साहित कर
“चेलों का उत्साह बढाने के लिए बहुत सी बातें कहीं”

तीन महीने रह कर
“तीन महीने रहने के बाद”

यहूदी उसकी घात में लगे
“यहूदियों ने उसके विरुद्ध षड्यंत्र किया”

उसकी घात में लगे
“उसके विरुद्ध एक गुप्त योजना बना ली’

सीरिया की ओर जाने पर था
“सीरिया की ओर जाने को तैयार था”

Acts 20:4

उसके साथ हो लिए
“पौलुस के साथ यात्रा कर रहे हैं”

हमारी बाट जोहते रहें
प्रेरितों का लेखक,लूका, दल में फिर से शामिल हो गया है। वैकल्पिक अनुवाद: हमसे आगे यात्रा की है।

Acts 20:7

सप्ताह के पहले दिन
“रविवार को”

जब हम रोटी तोड़ने के लिए
प्रभु भोज के दौरान रोटी तोड़ी और खाई गयी (यूडीबी)

बातें करता रहा
“बातें करता रहा”

अटारी
यह शायद घर की मंजिल का तीसरा तल था।

Acts 20:9

गहरी नींद से झुक रहा था
वह गहरी नींद में सोया हुआ था

तीसरी अटारी
“भूतल से दो तल ऊपर”

मरा हुआ उठाया गया
मारा हुआ उठाया गया - जब वे उसे नीचे उठाने गए तो देख कि वह मर चुका है।

गले लगाकर
गले लगाकर - “छाती से लगाकर”(यूडीबी)

गले लगाकर कहा
गले लगाकर कहा - “गले लगाकर पौलुस ने कहा”

उसका प्राण उसी में है
“युतुखुस अभी जीवित है”

Acts 20:11

ऊपर जाकर
“पौलुस ऊपर गया”

रोटी तोड़ी
“सबके साथ भोजन किया।” रोटी तोड़कर सबमे बांटना इसी में शामिल है।

फिर वह चला गया
“वह वहाँ से चला गया”

उस लड़के को
संभावित अर्थ: 1) 14 साल से बड़ा लड़का (यूडीबी), 2) सेवक या दास, 3) या फिर 9-14 के बीच की उम्र का कोई लड़का.

Acts 20:13

हम पहले से
यहाँ ये शब्द बताते हैं कि लूका और सहयात्रियों को पौलुस से अलग करता है, जो जहाज से नहीं गया था।

वह आप ही पैदल जानेवाला था
“वह पैदल जाना चाहता था”

जब वह अस्सुस में
आधुनिक बेहराम, तुर्की के ठीक नीचे, एजियन समुद्र के तट पर स्थित एक नगर है।

हम उसे चढ़ाकर मितुलेने में आए
“हम” शब्द का आशय लूका और उसके सहयात्रियों से है, लेकिन इसमें पौलुस शामिल नहीं है।

मितुलेने में आए
एजियन समुद्र के तट पर आधुनिक मितिलिनी, तुर्की में स्थित एक नगर।

Acts 20:15

हम दूसरे दिन
“हम” का आशय पौलुस, लूका, और उनके सहयात्रियों से है।

खियुस के सामने पहुंचें
खियुस एजियन समुद्र से घिरे आधुनिक तुर्की के तट से दूर स्थित टापू।

सामुस में जा लगे
खियुस के दक्षिण में स्थित टापू। वैकल्पिक अनुवाद: “हम सामुस टापू पर पहुंचें”

मीलेतुस में आये
मीलेतुस, पश्चिम एशिया माइनर में मीऐनडर नदी के मुहाने पर स्थित एक बंदरगाह है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पौलुस ने इफिसुस के पास से होकर जाने की ठानी थी
पौलुस इफिसुस से होते हुए आगे दक्षिण में मीलेतुस की ओर गया

Acts 20:17

मीलेतुस से
प्रेरितों में मीलेतुस के अनुवाद का सन्दर्भ

जब मैं आसिया आया
आसिया में आते ही - "आसिया में प्रवेश करते ही"

बड़ी दीनता के साथ
"नम्रता" अथवा "विनय के साथ"

आंसू बहा-बहा कर
प्रभु की सेवा करते हुए मैं कई बार रोया

न झिझका
"न कतराया" अथवा "स्वयं को न रोका"

घर-घर सिखाने
घर-घर सिखाने -अर्थात, उसने लोगों को उनके घरों में जाकर व्यक्तिगत रूप से सिखाया।

परमेश्वर की ओर मन फिराना
"अपने पाप से फिर कर परमेश्वर की ओर आना"

Acts 20:22

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

आत्मा में बंधा हुआ यरूशलेम को जाता हूँ
"पवित्र आत्मा द्वारा विवश होकर यरूशलेम को जाता हूँ"

पवित्र आत्मा हर नगर में गवाही दे देकर मुझसे कहता है
"पवित्र आत्मा ये चेतावनियाँ मुझे देता है"

बंधन और क्लेश तेरे लिए तैयार है
"कि मैं बंधनों में जकड़ कर कैद में डाला जानेवाला और शारीरिक कष्ट भोगनेवाला हूँ"

अपनी दौड़ को.....पूरा करूं
"परमेश्वर के दिए काम पूरे करूं"

गवाही देकर
"गवाह हूँ"

Acts 20:25

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

मैं जानता हूँ कि तुम सब
"मैं जानता हूँ कि तुम सभी"

जिनमे मैं परमेश्वर के राज्य का प्रचार करता फिरा
"जिन्हें मैंने परमेश्वर के राज्य का उपदेश दिया"

मेरा मुंह फिर न देखोगे
"अब मुझे फिर न देखोगे"

मैं सबके लहू से निर्दोष हूँ
"परमेश्वर द्वारा किसी को अपराधी ठहराए जाने पर मुझे दोष नहीं दिया जा सकता"

Acts 20:28

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

पूरे झुण्ड की
यह एक आलंकारिक अभिव्यक्ति है। जिस प्रकार एक गडरिया भेडियों से अपनी भेड़ों की रक्षा करता है, वैसे ही कलीसिया के अगुओं को अपनी अगुवाई के अंतर्गत आनेवाले लोगों की देखरेख व शत्रु से रक्षा करनी चाहिए।

जिसे उसे अपने लहू से मोल लिया है
"क्रूस पर अपने लहू को बहा कर मसीह ने जिन्हें मोल लिया है।

जो चेलों को अपने पीछे खींच लेने को
"मसीह का अनुकरण करनेवालों को अपनी, झूठी शिक्षा का विश्वास दिलाने का प्रयास करेंगे"

Acts 20:31

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

इसलिए जागते रहो
"सावधान और सचेत रहो" या फिर, "रखवाली करते रहो" (यूडीबी)

और स्मरण करो
"और लगातार याद करों" या फिर, "भूलो मत"

इसलिए जागते रहो, और समरण करो
इसे यूं भी लिख सकते हैं कि : 1) "सतर्क रहो और याद करो" या फिर, 2) "याद करते समय जागते रहो" अथवा 3) याद करो और सतर्क रहो

मैंने तीन वर्ष तक .....हर एक को चेतावनी देना न छोड़ा
पौलुस ने उन्हें तीन सालों तक लगातार शिक्षा नहीं दी थी, वरन तीन सालों के दौरान बीच-बीच में शिक्षा दी थी

चेतावनी देना न छोड़ा
संभावित अर्थ: 1) "चेताना न छोड़ा" या फिर 2) "मैंने सुधार करना और प्रोत्साहन देना न छोड़ा।"

Acts 20:33

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

मैंने किसी के चाँदी का लालच नहीं किया
"मैंने किसी की चांदी की इच्छा नहीं की" या फिर, "मुझे किसी की चांदी नहीं चाहिए"

किसी की चाँदी, सोने या कपड़े का लालच नहीं किया
कपड़ों को निधि समझा जाता था; जितने अधिक कपड़े आपके पास हैं, आप उतने ही अमीर है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुम, आप ही
“आप ही” को बात में प्रभाव उत्पन्न करने के लिए इस्तेमाल किया गया है।

इन्हीं हाथों ने मेरी.....आवश्यकताएं पूरी की हैं
" मैं अपने हाँथों से काम करके पैसा कमाते है और अपना कर्चा उठाते हूँ।"

परिश्रम करते हुए निर्बलों को संभालना
“कड़ा परिश्रम करो ताकि उन लोगों की मदद कर सकों जो लाचार हैं”

लेने से देना धन्य है
देने से व्यक्ति को पमरेश्वर के अनुग्रह एवं आनंद का अधिक अनुभव होता है।

Acts 20:36

पौलुस के गले लिपट कर
“पौलुस से गले लग कर” या फिर, “पौलुस से गले मिले”

उसे चूमने लगे
मध्यपूर्व में किसी को चूमना उसके प्रति भाईचारा और स्नेह व्यक्त करने का तरीका है।

तुम मेरा मुंह फिर न देखोगे
"वे पौलुस को पृथ्वी पर फिर नहीं देख पाएगा" “ मुंह” पौलुस के सन्दर्भ में है

Translation Questions

Acts 20:3

सीरिया के लिए जल यात्रा करने की अपेक्षा पौलुस अपनी योजना बदलकर मकिदुनिया होते हुए लौट आने के लिए क्यों विवश हुआ?
सीरिया की ओर जाने पर था, तो यहूदी उसकी घात में लगे, इसलिये उस ने यह सलाह की कि मकिदुनिया होकर लौट आए।

Acts 20:7

सप्ताह के कौन से दिन पौलुस और अन्य विश्वासी रोटी तोड़ने के लिए एकत्रित होते थे?
सप्ताह के पहले दिन पौलुस और अन्य विश्वासी रोटी तोड़ने के लिए इकट्ठे हुए।

Acts 20:9

उस जवान का क्या हुआ जो खिड़की से गिर गया जब कि पौलुस बात कर रहा था?
जवान तीसरी अटारी पर से गिर पड़ा और मरा हुआ उठाया गया, पर पौलुस उतरकर उससे लिपट गया और लड़का जीवित हो गया।

Acts 20:16

पौलुस को यरूशलेम जाने की जल्दी क्यों थी?
पौलुस को यरूशलेम जाने की जल्दी थी क्योंकि वह वहां पिन्तेकुस्त के दिन रहना चाहता था।

Acts 20:18

किस विषय में पौलुस के अनुसार उसने यहूदियों और यूनानियों को चेतावनी दे दी थी जब उसने आसिया में प्रवेश किया?
पौलुस ने कहा कि उसने यहूदियों और यूनानियों दोनों को मन फिराने और प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करने की चेतावनी दी।

Acts 20:23

यरूशलेम जाते समय पवित्र आत्मा किस विषय में पौलुस को गवाही दे रही थी?
पवित्र आत्मा पौलुस को गवाही दे रही थी कि बन्धन और क्लेश तेरे लिए तैयार है।

Acts 20:24

प्रभु यीशु से पौलुस ने क्या सेवकाई प्राप्त की थी?
पौलुस की सेवकाई सुसमाचार पर गवाही देने के लिए जो उसने प्रभु यीशु से पाई है थी।

Acts 20:27

पौलुस ने क्यों कहा कि वह किसी भी मनुष्य के लहू से निर्दोष है?
पौलुस ने कहा कि वह किसी भी मनुष्य के लहू से निर्दोष है क्योंकि उसने परमेश्वर के सारे अभिप्राय उन्हें पूरी रीति से बताए थे।

Acts 20:28

पौलुस ने इफिसियों के प्राचीनों को उसके जाने के बाद क्या ध्यानपूर्वक करने का निर्देश दिया?
पौलुस ने प्राचीनों को पूरे झुंड की चौकसी से निगरानी करने का निर्देश दिया।

Acts 20:30

पौलुस के अनुसार उसके जाने के बाद इफिसियों के प्राचीनो के बीच में क्या होगा?
पौलुस ने कहा कि कुछ प्राचीन चेलों को अपने पीछे खींचने के लिए टेढ़ी-मेढ़ी बातें करेंगे।

Acts 20:32

पौलुस ने इफिसियों के प्राचीनों को किसको सौंपा?
पौलुस ने इफिसियों के प्राचीनों को परमेश्वर के हाथों में सौंपा।

Acts 20:34

पौलुस ने काम को लेकर इफिसियों के सामने क्या उदाहरण पेश किया?
पौलुस ने अपनी और अपने साथियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने हाथों से काम किया और निर्बलों की सहायता की।

Acts 20:38

इफिसियों के प्राचीनों को किस बात ने सबसे अधिक शोकित किया?
इफिसियों के प्राचीनों ने सबसे अधिक इस बात का शोक किया कि पौलुस ने उनसे कहा कि तुम मेरा मुँह फिर न देखोगे।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 21

1 जब हमने उनसे अलग होकर समुद्री यात्रा प्रारंभ किया, तो सीधे मार्ग से कोस में आए, और दूसरे दिन रूदुस में, और वहाँ से पतरा में; **2** और एक जहाज फीनीके को जाता हुआ मिला, और हमने उस पर चढ़कर, उसे खोल दिया।

3 जब साइप्रस दिखाई दिया, तो हमने उसे बाएँ हाथ छोड़ा, और सीरिया को चलकर सूर में उतरे; क्योंकि वहाँ जहाज का बोझ उतारना था। **4** और चेलों को पा कर हम वहाँ सात दिन तक रहे। उन्होंने आत्मा के सिखाए पौलुस से कहा कि यरूशलेम में पाँव न रखना।

5 जब वे दिन पूरे हो गए, तो हम वहाँ से चल दिए; और सब स्त्रियों और बालकों समेत हमें नगर के बाहर तक पहुँचाया और हमने किनारे पर घुटने टेककर प्रार्थना की। **6** तब एक दूसरे से विदा होकर, हम तो जहाज पर चढ़े, और वे अपने-अपने घर लौट गए।

7 जब हम सूर से जलयात्रा पूरी करके पतुलिमयिस* में पहुँचे, और भाइयों को नमस्कार करके उनके साथ एक दिन रहे। **8** दूसरे दिन हम वहाँ से चलकर कैसरिया में आए, और फिलिप्पुस सुसमाचार प्रचारक के घर में जो सातों में से एक था, जाकर उसके यहाँ रहे। **9** उसकी चार कुँवारी पुत्रियाँ थीं; जो भविष्यद्वाणी करती थीं। (योए. 2:28)

10 जब हम वहाँ बहुत दिन रह चुके, तो अगबुस नामक एक भविष्यद्वक्ता यहूदिया से आया। **11** उसने हमारे पास आकर पौलुस का कमरबन्द लिया, और अपने हाथ पाँव बाँधकर कहा, “पवित्र आत्मा यह कहता है, कि जिस मनुष्य का यह कमरबन्द है, उसको यरूशलेम में यहूदी इसी रीति से बाँधेंगे, और अन्यजातियों के हाथ में सौंपेंगे।”

12 जब हमने ये बातें सुनी, तो हम और वहाँ के लोगों ने उससे विनती की, कि यरूशलेम को न जाए। **13** परन्तु पौलुस ने उत्तर दिया, “तुम क्या करते हो, कि रो-रोकर मेरा मन तोड़ते हो? मैं तो प्रभु यीशु के नाम के लिये यरूशलेम में न केवल बाँधे जाने ही के लिये वरन् मरने के लिये भी तैयार हूँ।” **14** जब उसने न माना तो हम यह कहकर चुप हो गए, “प्रभु की इच्छा पूरी हो।”

15 उन दिनों के बाद हमने तैयारी की और यरूशलेम को चल दिए। **16** कैसरिया के भी कुछ चेले हमारे साथ हो लिए, और मनासोन नामक साइप्रस के एक पुराने चेले को साथ ले आए, कि हम उसके यहाँ टिकें।

17 जब हम यरूशलेम में पहुँचे, तो भाई बड़े आनन्द के साथ हम से मिले। **18** दूसरे दिन पौलुस हमें लेकर याकूब के पास गया, जहाँ सब प्राचीन इकट्ठे थे। **19** तब उसने उन्हें नमस्कार करके, जो-जो काम परमेश्वर ने उसकी सेवकाई के द्वारा अन्यजातियों में किए थे, एक-एक करके सब बताया।

20 उन्होंने यह सुनकर परमेश्वर की महिमा की, फिर उससे कहा, “हे भाई, तू देखता है, कि यहूदियों में से कई हजार ने विश्वास किया है; और सब व्यवस्था के लिये धुन लगाए हैं। **21** और उनको तेरे विषय में सिखाया गया है, कि तू अन्यजातियों में रहनेवाले यहूदियों को मूसा से फिर जाने को सिखाता है, और कहता है, कि न अपने बच्चों का खतना कराओ ओर न रीतियों पर चलो।

22 तो फिर क्या किया जाए? लोग अवश्य सुनेंगे कि तू यहाँ आया है। **23** इसलिए जो हम तुझ से कहते हैं, वह कर। हमारे यहाँ चार मनुष्य हैं, जिन्होंने मन्नत मानी है। **24** उन्हें लेकर उसके साथ अपने आप को शुद्ध कर; और उनके लिये खर्चा दे, कि वे सिर मुँड़ाएँ। तब सब जान लेंगे, कि जो बातें उन्हें तेरे विषय में सिखाई गईं, उनकी कुछ जड़ नहीं है परन्तु तू आप भी व्यवस्था को मानकर उसके अनुसार चलता है। (गिन. 6:5, गिन. 6:13-18, गिन. 6:21)

25 परन्तु उन अन्यजातियों के विषय में जिन्होंने विश्वास किया है, हमने यह निर्णय करके लिख भेजा है कि वे मूर्तियों के सामने बलि किए हुए माँस से, और लहू से, और गला घोंटे हुओं के माँस से, और व्यभिचार से, बचे रहें।” **26** तब पौलुस उन मनुष्यों को लेकर, और दूसरे दिन उनके साथ शुद्ध होकर मन्दिर में गया, और वहाँ बता दिया, कि शुद्ध होने के दिन, अर्थात् उनमें से हर एक के लिये चढ़ावा चढ़ाए जाने तक के दिन कब पूरे होंगे। (गिन. 6:13-21)

27 जब वे सात दिन पूरे होने पर थे, तो आसिया के यहूदियों ने पौलुस को मन्दिर में देखकर सब लोगों को भड़काया, और यों चिल्ला-चिल्लाकर उसको पकड़ लिया, **28** “हे इस्राएलियों, सहायता करो; यह वही मनुष्य है, जो लोगों के, और व्यवस्था के, और इस स्थान के विरोध में हर जगह सब लोगों को सिखाता है, यहाँ तक कि यूनानियों को भी मन्दिर में लाकर उसने इस पवित्रस्थान को अपवित्र किया है।” **29** उन्होंने तो इससे पहले इफिसुस वासी त्रुफिमुस* को उसके साथ नगर में देखा था, और समझते थे कि पौलुस उसे मन्दिर में ले आया है।

30 तब सारे नगर में कोलाहल मच गया, और लोग दौड़कर इकट्ठे हुए, और पौलुस को पकड़कर मन्दिर के बाहर घसीट लाए, और तुरन्त द्वार बन्द किए गए। **31** जब वे उसे मार डालना चाहते थे, तो सैन्य-दल के सरदार को सन्देश पहुँचा कि सारे यरूशलेम में कोलाहल मच रहा है।

32 तब वह तुरन्त सिपाहियों और सूबेदारों को लेकर उनके पास नीचे दौड़ आया; और उन्होंने सैन्य-दल के सरदार को और सिपाहियों को देखकर पौलुस को मारना-पीटना रोक दिया। **33** तब सैन्य-दल के सरदार ने पास आकर उसे पकड़ लिया; और दो जंजीरों से बाँधने की आज्ञा देकर पूछने लगा, “यह कौन है, और इसने क्या किया है?”

34 परन्तु भीड़ में से कोई कुछ और कोई कुछ चिल्लाते रहे और जब हुल्लड़ के मारे ठीक सच्चाई न जान सका, तो उसे गढ़ में ले जाने की आज्ञा दी। **35** जब वह सीढ़ी पर पहुँचा, तो ऐसा हुआ कि भीड़ के दबाव के मारे सिपाहियों को उसे उठाकर ले जाना पड़ा। **36** क्योंकि लोगों की भीड़ यह चिल्लाती हुई उसके पीछे पड़ी, “उसका अन्त कर दो।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

37 जब वे पौलुस को गढ़ में ले जाने पर थे, तो उसने सैन्य-दल के सरदार से कहा, “क्या मुझे आज्ञा है कि मैं तुझ से कुछ कहूँ?” उसने कहा, “क्या तू यूनानी जानता है? **38** क्या तू वह मिस्री नहीं, जो इन दिनों से पहले बलवाई बनाकर चार हजार हथियारबंद लोगों को जंगल में ले गया?”

39 पौलुस ने कहा, “मैं तो तरसुस का यहूदी मनुष्य हूँ! किलिकिया के प्रसिद्ध नगर का निवासी हूँ। और मैं तुझ से विनती करता हूँ, कि मुझे लोगों से बातें करने दे।” **40** जब उसने आज्ञा दी, तो पौलुस ने सीढ़ी पर खड़े होकर लोगों को हाथ से संकेत किया। जब वे चुप हो गए, तो वह इब्रानी भाषा में बोलने लगा:

Acts 21:1

जब हमने.....अलग होकर
"हमने" का आशय लुका, पौलुस और उनके सहयात्रियों से है।

सीधे मार्ग से कोस में आए
“सीधे कोस में आये” या फिर, “हम सीधे कोस नगर में गए”

कोस
कोस एक यूनानी द्वीप दक्षिण एजियन सागर क्षेत्र में आधुनिक दीन के तुर्की के तट पर है।

रुदुस में
रुदुस एक यूनानी टापू है जो आधुनिक तुर्की के तट से दूर दक्षिण एजियन समुद्र क्षेत्र, कोस के दक्षिण व क्रेते के उत्तरपूर्व में है.

पतरा
पतरा भूमध्यसागर के क्षेत्र में एजियन समुद्र के दक्षिण में आधुनिक तुर्की के दक्षिण पश्चिमी तट पर स्थित है

Acts 21:3

में उतरे
“उतरे” शब्द में बहुवचन का संकेत है जिसका आशय लूका, पौलुस और उनके सहयात्रियों से है

बाएँ हाथ छोड़ा
“टापू की बाईं ओर से गए”

उन्होंने आत्मा के सिखाए पौलुस से कहा
“उन्होंने (चेलों ने) पौलुस को बताया कि परमेश्वर ने उन पर क्या उद्घाटित किया है"

Acts 21:5

जब वे दिन पूरे हो गए
“जब चलने/प्रस्थान करने का समय आया”

और सब
“सब” का आशय सूर के विश्वासियों से है। लूका आगे कहता है कि “सब” स्त्रियों और बालकों समेत

एक दूसरे से विदा होकर
मित्रों से विदाई ली

Acts 21:7

जब हम सूर से जलयात्रा पूरी करके
“हम” शब्द से आशय लूका, पौलुस और उनके सहयात्रियों से है

तुलिमयिस में पहुंचे
तुलिमयिस दक्षिण के सूर, लेबनान के एक शहर था। आधुनिक दिन एकड़ इस्राएल है

सातों में से एक था
प्रेरितों के पिछले अध्यायों में विधवाओं में भोजन व सहायता बांटने के लिए चुने गए सात लोगों में से एक

उसके यहाँ रहे
"फिलिप्पुस"

चार कुंवारी पुत्रियाँ थीं; जो भविष्यद्वाणी करती थीं
"चार कुंवारी बेटियाँ थीं, जो परमेश्वर से उसके सन्देश को प्राप्त कर लोगों को सुनाने के लिए जानी जाती थीं।"

Acts 21:10

एक भविष्यद्वक्ता
यह व्यक्ति परमेश्वर से सन्देश प्राप्त कर उसे लोगों को सुनाने के लिए जाना जाता था।

अगबुस नामक
अगबुस यहूदिया का निवासी था।

पौलुस का कटिबंध लिया
“पौलुस की कमर से उसका कटिबंध निकला”

और अपने हाथ पाँव बांधकर
अर्थात “पौलुस की कटिबंध से”

के हाथ में सौपेंगे
“के आगे डाल देंगे” या फिर, “के हाथों में दे देंगे”

के हाथ में
“कानूनी हिरासत में”। अन्यजातीय लोग पौलुस को गिरफ्तार कर अपनी हिरासत में ले लेंगे।

Acts 21:15

हमने तैयारी की और
"हमने" शब्द लूका, पौलुस और उसके साथ के लोग के सन्दर्भ में है।

को साथ ले आये
को साथ ले आये में बहुवचन का संकेत है। साथ लानेवाले ये लोग कैसरिया के चेले थे

नासोन नामक साइप्रस
नासोन साइप्रस द्वीप का एक मनुष्य था।

एक पुराने चेले
“विश्वासियों के प्रथम समूह से एक विश्वासी”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 21:17

भाई बड़े आनंद के साथ हम से मिले
बड़े सताव के बाद यरूशलेम में रह गए यहूदी विश्वासी लोग।

तब उसने उन्हें नमस्कार करके.....एक-एक करके सबको बताया
“प्राचीनों का अभिनन्दन करने के बाद पौलुस ने...एक-एक करके सबको बताया” या फिर, “प्राचीनों का अभिनन्दन करने के बात, पौलुस ने बताया”

उसकी सेवकाई
“पौलुस ने अपनी सेवकाई”

एक-एक करके सबको बताया
“पौलुस ने परमेश्वर द्वारा किये कार्यों का विस्तार से ब्यौरा दिया”

Acts 21:20

उन्होंने यह सुनकर परमेश्वर की महिमा की, फिर उससे कहा
“यह सुनकर प्राचीनों ने परमेश्वर की महिमा कि, और पौलुस से बोले”

सब व्यवस्था के लिए धुन लगाए हैं
“यहूदी विश्वासी धुन लगाए हैं”

उनको तेरे विषय में सिखाया गया है
"लोगों ने यहूदी विश्वसिओं को बताया"

कि तू....सिखाता है
“कि तू.....से कहता है कि”

Acts 21:22

x
यरूशलेम के प्राचीन पौलुस से अपनी बात कहना जारी रखते हैं।

चार मनुष्य है, जिन्होंने मन्नत मानी है
यह किसी निश्चित अवधि के लिए शराब न पीने या बाल न काटने की मन्नत थी. वैकल्पिक अनुवाद: “चार मनुष्य हैं, जिन्होंने परमेश्वर से मन्नत मानी थी”

उनके लिए खर्चा दें
नर और मादा मेम्नें, एक मेंढा, और अन्न व पेय बलिदान की खरीद पर होने वाले खर्च के लिए. वैकल्पिक अनुवाद: “उनकी ज़रुरत की खरीद के भुगतान के लिए”

व्यवस्था को मान कर
“मूसा की व्यवस्था और यहूदी रीतियों के अनुसार जीवन को जीता है”

Acts 21:25

x
यरूशलेम के प्राचीन पौलुस से अपनी बातचीत जारी रखते हैं।

हमने यह निर्णय लिख भेजा है
"हमने" पुरनियों से है।

गला घोंटे हुओं के मांस से
“वे जानवर जिन्हें खाने के लिए उनका रक्त बहाए बिना ही मारा गया है”

उनके साथ शुद्ध होकर
मंदिर के प्रांगण में प्रवेश करने से पहले यहूदियों को विधिपूर्वक स्वयं की शुद्धि करनी होती थी। यह गैर-यहूदियों से संपर्क से शुद्धि थी।

शुद्ध होने के दिन
यह लोगों की मन्नतों से जुड़ी शुद्धिकरण की प्रक्रिया थी, और यह मंदिर प्रांगण में प्रवेश से पूर्व विधिपूर्वक की जानेवाली शुद्धि से बिलकुल थी।

चढ़ाव चढ़ाए जाने तक
“उनके द्वारा चढ़ावे में जानवर की भेंट चढ़ाए जाने तक”

Acts 21:27

सब लोगों को भड़काया
“एक बड़ी भीड़ द्वारा विरोध शुरू करवाया”

उसको पकड़ लिया
“उसे हाथों से पकड़ लिया”

यहाँ तक कि यूनानियों को भी मंदिर में ले आये
मंदिर के भीतरी गृह में जाने की अनुमति केवल यहूदी पुरुषों को थी।

त्रुफिमुस
यह एक यूनानी था जिसे मंदिर के भीतरी गृह में लाने का दोष पौलुस पर लगा था

Acts 21:30

तब सारे नगर में कोलाहल मच गया
“तब नगर के बहुत से लोग पौलुस पर क्रोधित हो उठे”

तुरंत द्वार बंद कर दिए गए
"पौलुस के बाहर निकने के बाद निकलने के बाद रखवालों ने मन्दिर का द्वारा तुरंत बंद कर दिया। "यहूदियों ने मन्दिर का द्वार तुरंत बंद कर दिया।"

पलटन के सरदार
लगभग 600 सैनिकों पर सेना का अधिकारी

यरूशलेम में कोलाहल मच रहा है
“यरूशलेम के बहुत से लोग कोलाहल मचा रहे हैं।” घटना से उत्पन्न हुए तनाव को व्यक्त करने के लिए अतिशयोक्ति का प्रयोग किया गया ही।

Acts 21:32

तब वह तुरंत
तब पलटन का सरदार तुरंत

नीचे दौड़ आया
गढ़ से नीचे गृह की ओर जाती हुई सीढियां हैं

पलटन के सरदार
लगभग 600 सैनिकों पर सेना का अधिकारी

ने पास आकर उसे पकड़ लिया
“पौलुस को अपनी गिरफ्त में ले लिया” या फिर, “पौलुस को गिरफ्तार कर लिया”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 21:34

पलटन के सरदार
लगभग 600 सैनिकों पर सेना का अधिकारी

उसे गढ़ ले जाने की
गढ़ सेना द्वारा सुरक्षित ईमारत को कहते हैं

जब वह सीढ़ी पर पहुंचा,
"जब पौलुस पर पहुंचा तो सिपाहियों उसे ले गए"

उसका अंत कर दो
"उसे मार डाला।" भीड़ ने विनम्र भाषा में पौलुस की मृत्यु की मांग की।

Acts 21:37

जब वे पौलुस को गढ़ में ले जाने पर थे
"जब सिपाहियों पौलुस को ला रहे थे

गढ़
जैसा आपने पूर्व पद में किया है

पलटन के सरदार
लगभग 600 सैनिकों पर सेना का अधिकारी

“क्या तू यूनानी जानता है? क्या तू वह मिस्री तो नहीं, जो इन दिनों से पहले बलवाई बनाकर चार हज़ार कटिबंध लोगों को जंगल में ले गया?
"सेना का सरदार इन प्रश्नों द्वारा अपने आश्चर्यता को प्रकट करता है। पौलुस ओ नहीं है जो वह समझता हैं।

क्या तू वह मिस्री नहीं
पौलुस के आगमन से कुछ समय पहले एक अज्ञात मिस्री व्यक्ति ने यरूशलेम में रोम के विरुद्ध द्रोह की शुरुआत की थी। बाद में वह “जंगल में भाग गया था, और सरदार सोच रहा था कि कहीं पौलुस ही वह व्यक्ति तो नहीं।

चार हज़ार कटिबंध
“4000 लोग जिन्होंने अपने से भिन्न मत रखनेवालों को मार डालते थे।”

Acts 21:39

मैं तुझसे विनती करता हूँ
"मेरा तुझसे विनती है" or "“मेरा तुझसे निवेदन है”"

करने दे
“कृपया मुझे.....करने दे”

पलटन के सरदार
अर्थात पलटन के सरदार ने।

पौलुस ने सीढ़ी पर खड़े होकर
अर्थात गढ़ की सीढ़ियों पर खड़े होकर

Translation Questions

Acts 21:4

पौलुस को सूर के चेलों ने पवित्र आत्मा के द्वारा क्या कहा?
चेलों ने आत्मा के सिखाए पौलुस को कहा कि वहां पाँव मत रखना।

Acts 21:11

अगबुस नामक भविष्यद्वक्ता ने पौलुस को क्या कहा?
अगबुस ने बताया कि यरूशलेम में यहूदी पौलुस को बांधेंगे और उसे अन्यजातियों के हवाले कर देंगे।

Acts 21:13

जब हर एक ने पौलुस से यरूशलेम न जाने की विनती की तो पौलुस ने क्या कहा?
पौलुस ने कहा कि वह प्रभु यीशु मसीह के नाम के लिए यरूशलेम में न केवल बांधे जाने वरन मरने के लिए भी तैयार है।

Acts 21:18

यरूशलेम में आकर पौलुस किसे को मिला?
पौलुस याकूब और प्राचीनों से मिला।

Acts 21:21

पौलुस के विरोध में यहूदियों ने क्या आरोप लगाए थे?
यहूदियों ने पौलुस पर अन्यजातियों के मध्य रहते यहूदियों को मूसा से फिर जाने का आरोप लगाया।

Acts 21:24

याकूब और प्राचीनों ने पौलुस को जिन चार मनुष्यों ने मन्नत मांगी थी उनके साथ जाकर अपने आप को शुद्ध करने के लिए क्यों कहा?
वे चाहते थे कि सब जान जाएं कि पौलुस एक यहूदी के रूप में व्यवस्था को मानकर उसके अनुसार चलता है।

Acts 21:25

याकूब के अनुसार विश्वासी अन्यजातियों को क्या करना चाहिए था?
याकूब ने कहा कि अन्यजातियों को मूर्तियों के सामने बलि किए हुए मांस से, और लहू से, गला घोंटे हुओं के मांस से,और व्यभिचार से बचे रहें।

Acts 21:28

आसिया के कुछ यहूदियों ने पौलुस के विरोध में मंदिर में क्या आरोप लगाए?
यहूदियों ने पौलुस को व्यवस्था के विपरीत और यूनानियों को मन्दिर में ला कर मन्दिर को अपवित्र करने का आरोप लगाया।

Acts 21:31

आरोप लगाने के पश्चात् यहूदियों ने पौलुस के साथ क्या किया?
यहूदी पौलुस को मंदिर के बाहर घसीट कर लाए और उसे मारने की कोशिश की।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 21:33

जब पलटन के सरदार के पास सन्देश पंहुचा कि सारे यरूशलेम में कोलाहल मच गया है तो उसने क्या किया?
पलटन के सरदार ने पौलुस को पकड़ लिया और उसे दो जंजीरों से बाँधने की आज्ञा देकर पूछने लगा कि यह कौन है और इसने क्या किया है।

Acts 21:36

जब सिपाही पौलुस को गढ़ में ले जाने लगे तो भीड़ क्या चिल्ला रही थी?
भीड़ चिल्ला रही थी,"उसका अन्त कर दो!"

Acts 21:39

पौलुस ने पलटन के सरदार से क्या विनती की?
पौलुस ने विनती की कि उसे लोगों से बात करने की आज्ञा दी जाए।

Acts 21:40

पौलुस ने यरूशलेम के लोगों से किस भाषा में बात की?
पौलुस ने इब्रानी भाषा में यरूशलेम के लोगों से बात की।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 22

1 “हे भाइयों और पिताओं, मेरा प्रत्युत्तर सुनो, जो मैं अब तुम्हारे सामने कहता हूँ।”

2 वे यह सुनकर कि वह उनसे इब्रानी भाषा में बोलता है, वे चुप रहे। तब उसने कहा:

3 “मैं तो यहूदी शिक्षा पाए हूँ, जो किलिकिया के तरसुस में जन्मा; परन्तु इस नगर में गमलीएल* के पाँवों के पास बैठकर शिक्षा प्राप्त की, और पूर्वजों की व्यवस्था भी ठीक रीति पर सिखाया गया; और परमेश्वर के लिये ऐसी धुन लगाए था, जैसे तुम सब आज लगाए हो। **4** मैंने पुरुष और स्त्री दोनों को बाँधकर, और बन्दीगृह में डालकर, इस पंथ को यहाँ तक सताया, कि उन्हें मरवा भी डाला। **5** स्वयं महायाजक और सब पुरनिए गवाह हैं; कि उनमें से मैं भाइयों के नाम पर चिट्ठियाँ लेकर दमिश्क को चला जा रहा था, कि जो वहाँ हों उन्हें दण्ड दिलाने के लिये बाँधकर यरूशलेम में लाऊँ।

6 “जब मैं यात्रा करके दमिश्क के निकट पहुँचा, तो ऐसा हुआ कि दोपहर के लगभग अचानक एक बड़ी ज्योति आकाश से मेरे चारों ओर चमकी। **7** और मैं भूमि पर गिर पड़ा: और यह वाणी सुना, ‘हे शाऊल, हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?’ **8** मैंने उत्तर दिया, ‘हे प्रभु, तू कौन है?’ उसने मुझसे कहा, ‘मैं यीशु नासरी हूँ, जिसे तू सताता है।’

9 और मेरे साथियों ने ज्योति तो देखी, परन्तु जो मुझसे बोलता था उसकी वाणी न सुनी। **10** तब मैंने कहा, ‘हे प्रभु, मैं क्या करूँ?’ प्रभु ने मुझसे कहा, ‘उठकर दमिश्क में जा, और जो कुछ तेरे करने के लिये ठहराया गया है वहाँ तुझे सब बता दिया जाएगा।’ **11** जब उस ज्योति के तेज के कारण मुझे कुछ दिखाई न दिया, तो मैं अपने साथियों के हाथ पकड़े हुए दमिश्क में आया।

12 “तब हनन्याह नाम का व्यवस्था के अनुसार एक भक्त मनुष्य, जो वहाँ के रहनेवाले सब यहूदियों में सुनाम था, मेरे पास आया, **13** और खड़ा होकर मुझसे कहा, ‘हे भाई शाऊल, फिर देखने लग।’ उसी घड़ी मेरी आँखें खुल गई और मैंने उसे देखा।

14 तब उसने कहा, ‘हमारे पूर्वजों के परमेश्वर ने तुझे इसलिए ठहराया है कि तू उसकी इच्छा को जाने, और उस धर्मी को देखे, और उसके मुँह से बातें सुने। **15** क्योंकि तू उसकी ओर से सब मनुष्यों के सामने उन बातों का गवाह होगा, जो तूने देखी और सुनी हैं। **16** अब क्यों देर करता है? उठ, बपतिस्मा ले, और उसका नाम लेकर*अपने पापों को धो डाल।’ (योए. 2:32)

17 “जब मैं फिर यरूशलेम में आकर मन्दिर में प्रार्थना कर रहा था, तो बेसुध हो गया। **18** और उसको देखा कि मुझसे कहता है, ‘जल्दी करके यरूशलेम से झट निकल जा; क्योंकि वे मेरे विषय में तेरी गवाही न मानेंगे।’

19 मैंने कहा, ‘हे प्रभु वे तो आप जानते हैं, कि मैं तुझ पर विश्वास करनेवालों को बन्दीगृह में डालता और जगह-जगह आराधनालय में पिटवाता था। **20** और जब तेरे गवाह स्तिफनुस का लहू बहाया जा रहा था तब भी मैं वहाँ खड़ा था, और इस बात में सहमत था, और उसके हत्यारों के कपड़ों की रखवाली करता था।’ **21** और उसने मुझसे कहा, ‘चला जा: क्योंकि मैं तुझे अन्यजातियों के पास दूर-दूर भेजूँगा’।”

22 वे इस बात तक उसकी सुनते रहे; तब ऊँचे शब्द से चिल्लाए, “ऐसे मनुष्य का अन्त करो; उसका जीवित रहना उचित नहीं!” **23** जब वे चिल्लाते और कपड़े फेंकते और आकाश में धूल उड़ाते थे*; **24** तो सैन्य-दल के सूबेदार ने कहा, “इसे गढ़ में ले जाओ; और कोड़े मारकर जाँचो, कि मैं जानूँ कि लोग किस कारण उसके विरोध में ऐसा चिल्ला रहे हैं।”

25 जब उन्होंने उसे तसमों से बाँधा तो पौलुस ने उस सूबेदार से जो उसके पास खड़ा था कहा, “क्या यह उचित है, कि तुम एक रोमी मनुष्य को, और वह भी बिना दोषी ठहराए हुए कोड़े मारो?” **26** सूबेदार ने यह सुनकर सैन्य-दल के सरदार के पास जाकर कहा, “तू यह क्या करता है? यह तो रोमी मनुष्य है।”

27 तब सैन्य-दल के सरदार ने उसके पास आकर कहा, “मुझे बता, क्या तू रोमी है?” उसने कहा, “हाँ।” **28** यह सुनकर सैन्य-दल के सरदार ने कहा, “मैंने रोमी होने का पद बहुत रुपये देकर पाया है।” पौलुस ने कहा, “मैं तो जन्म से रोमी हूँ।” **29** तब जो लोग उसे जाँचने पर थे, वे तुरन्त उसके पास से हट गए; और सैन्य-दल का सरदार भी यह जानकर कि यह रोमी है, और उसने उसे बाँधा है, डर गया।

30 दूसरे दिन वह ठीक-ठीक जानने की इच्छा से कि यहूदी उस पर क्यों दोष लगाते हैं, इसलिए उसके बन्धन खोल दिए; और प्रधान याजकों और सारी महासभा को इकट्ठे होने की आज्ञा दी, और पौलुस को नीचे ले जाकर उनके सामने खड़ा कर दिया।

Acts 22:1

x
पौलुस भीड़ को संबोधित करता है

हे भाइयों और पितरों
अपने बराबर और अपने से बड़े पुरुषों को आदरपूर्वक संबोधित कर रहा है

मेरा प्रत्युत्तर सुनो
“कृपया मेरा प्रत्युत्तर सुनो”

जो मैं अब तुम्हारे सामने कहता हूँ
“जो मैं अब तुम्हारे सामने रखता हूँ”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

इब्रानी भाषा में
“उनकी इब्रानी भाषा में”

Acts 22:3

x
पौलुस भीड़ से अपनी बात जारी रखता है।

इस नगर में गमलीएल के पांवों के बैठकर पढ़ाया गया
“यरूशलेम में गमलीएल रब्बी का विद्यार्थी था”

बापदादों की व्यवस्था भी ठीक रीति पर सिखाया गया
"उन्होंने मुझे हमारे पूर्वजों के व्यवस्था के सख्त तरीके के अनुसार निर्देश दिए" या "जो निर्देश सटीक रूप से बापदादों की व्यवस्था से था।"

परमेश्वर के लिए ऐसी धुन लगाए था
“परमेश्वर की इच्छा के प्रति मैं अपने मन में बहुत गहराई से महसूस करता हूँ और उसके अनुसार करता हूँ” या फिर, “मैं परमेश्वर की सेवक को तत्पर हूँ”

जैसे तुम सब आज लगाए हो
“जिस रीति से आज तुम सब रहते हो” या फिर, “जैसे कि आज तुम हो।” पौलुस यहाँ स्वयं की तुलना भीड़ से कर रहा है।

इस पंथ को
पिन्तेकुस्त के बाद यरूशलेम में विश्वासियों की स्थानीय देह को “पंथ” का नाम दिया गया था।

मरवा भी डाला
पौलुस पंथ के अनुयायियों को मार डालने को भी तैयार था

गवाही देकर
“पुरनिये इसकी गवाही देते हैं” या “प्रमाणित करते हैं”

भाइयों के नाम पर चिट्ठियाँ लेकर
“महा याजक और प्राचीनों से चिट्ठियां लेकर”

बांधकर यरूशलेम वापिस ले आऊं
“मुझे आदेश था कि मैं उन्हें कड़ियों में बाँध कर यरूशलेम वापिस ले आऊँ”

Acts 22:9

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

यह शब्द सुना
“यीशु की आवाज़ सुनी”

उस ज्योति के तेज के कारण कुछ दिखाई न दिया
“ज्योति के तेज़ के कारण मैं अँधा हो गया।”

Acts 22:12

x
गढ़ की सीढ़ियों पर खड़ी यहूदियों की भीड़ से पौलुस अपनी बात जारी रखता है

व्यवस्था के अनुसार एक भक्त मनुष्य
परमेश्वर की व्यवस्था का हनन्याह बहुत गंभीरता से पालन करता था

सुनाम था
“लोगों के बीच उसकी छवि बहुत अच्छी थी”

उसी घड़ी
“तुरंत ही” या फिर, “तभी के तभी।” यह एक मुहावरा है जिसका मतलब है जो कुछ तुरंत होता है

Acts 22:14

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

तब उसने कहा
“तब हनन्याह ने कहा”"

उसकी इच्छा
“परमेश्वर की इच्छा को”

अब क्यों देर करता है?
वैकल्पिक अनुवाद: "इंतजार नहीं करना!" या " "देरी मत करो!" (यू.डी.बी). यह एक आलंकारिक प्रश्न है.

पापों को धो डाल
जैसे अपने शरीर को धोने से शरीर की बहरी गंदगी हो हटाता है, यीशु मसीह का नाम पाप की क्षमा के लिए पुकारने से आंतरिक शुद्धिकरण होता है।" अपने पापों के लिए क्षमा मांगे"

Acts 22:17

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

बेसुध हो गया
“मुझे एक दर्शन दिखाई दिया” या फिर, “परमेश्वर ने मुझे एक दर्शन दिखाया”

और उसको देखा कि मुझसे कहता है
“और यीशु को देखा जो मुझसे कहता था कि”

वे.....न मानेंगे
“यरूशलेम वासी .....न मानेंगे”

Acts 22:19

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

वे तो आप ही जानते हैं
यरूशलेम के अविश्वासी यहूदी तो स्वयं जानते हैं

पिटवाता था
“उन्हें कोड़े पड़वाने की सज़ा करवाता था”

जगह-जगह आराधनालय में
पौलुस, यरूशलेम के हर आराधनालय में उपस्थित यहूदी विश्वासियों को ढूंढता फिरता था

स्तिफनुस का लहू बहाया जा रहा था
किसी को निर्मम रीति से तब तक पीटना जब तक कि उसकी मृत्यु न हो जाए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 22:22

ऐसे मनुष्य का अंत करो
“इसे मार डालो”

इसे गढ़ में ले जाओ
"सिपाहियों को निर्देश दिए की पौलुस को लाए"(देखें: [[rc://*/ta/संस्क2/अनुवाद/अंजीर-सक्रियनिष्क्रिय]]

गढ़
पिछले अनुवाद का सन्दर्भ लें

कि मैं जानूं
“कि सूबेदार स्वयं जान ले कि”

Acts 22:25

तसमों में
ये चमड़े और जानवर के भीतरी अंगों से बनी पट्टियां थीं

“क्या यह उचित है कि तुम एक रोमी मनुष्य को, और वह भी बिना दोषी ठहराए हुए कोड़े मारो?”
यह वास्तविक प्रश्न न होकर भाषा का आलंकारिक प्रयोग है, जिसके द्वारा सरदार को पौलुस को कोड़े लगवाने की आज्ञा पर विचार करने को प्रेरित किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद : “यह उचित नहीं है कि तुम एक रोमी, और वह भी बिना दोषी ठहराए कोड़े मारो!”

“तू यह क्या करता है?”
यह वास्तविक प्रश्न न होकर भाषा का आलंकारिक प्रयोग है, जिसके द्वारा सरदार को पौलुस को कोड़े लगवाने की आज्ञा पर विचार करने को प्रेरित किया गया है। इसका आशय है, “तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए!”

Acts 22:27

उससे कहा
सरदार ने पौलुस से कहा

मैंने रोमी होने का पद बहुत रुपये देकर पाया है”
“मैंने रोमी नागरिकता बहुत रूपये देकर पाई है” या फिर, “मैं बहुत रुपये देकर रोमी नागरिक हुआ हूँ।”

“मैं तो जन्म से रोमी हूँ”
“मैं तो रोमी नागरिकों के परिवार में जन्मा हूँ, इसलिए जन्म से रोमी हूँ।”

जो लोग उसे जांचने पर थे
“जो लोग उसे जांचने की सोंच रहे थे” या कि, “जो लोग उसे जांचने की तैयारी कर रहे थे”

Acts 22:30

पलटन के सरदार
लगभग 600 सैनिकों पर सेना का अधिकारी

और पौलुस को नीचे ले जाकर
गढ़ से नीचे मंदिर के प्रांगण की ओर सीढियां जाती हैं।

Translation Questions

Acts 22:2

जब भीड़ ने पौलुस को इब्रानी में बात करते सुना, तो उन्होंने क्या किया?
पौलुस को इब्रानी भाषा में बोलते देख वे चुप हो गए।

Acts 22:3

पौलुस ने अपनी शिक्षा कहाँ पाई थी, उसका शिक्षक कौन था?
पौलुस ने यरूशलेम में शिक्षा पाई, और गमलीएल उसका शिक्षक था।

Acts 22:4

पौलुस ने व्यवस्था पर चलने वाले लोगों के साथ कैसा बर्ताव किया?
पौलुस ने व्यवस्था पर चलने वालों को सताव करके मरवा डाला और बंदीगृह में भिजवाया।

Acts 22:7

दमिश्क के निकट पौलुस को आकाश से चमकती ज्योति ने क्या कहा?
आवाज ने शाऊल से कहा, "हे शाऊल, हे शाऊल तू मुझे क्यों सताता है? "

Acts 22:8

पौलुस किसे सताया करता था?
पौलुस यीशु नासरी को सताया करता था।

Acts 22:11

पौलुस देख क्यों नहीं पा रहा था?
पौलुस उस ज्योति के तेज के कारण जो उसने दमिश्क के निकट आते हुए देखी थी, कुछ नहीं देख पा रहा था।

Acts 22:12

पौलुस को अपनी आँखों की ज्योति कैसे वापिस मिली?
हनन्याह नाम का व्यवस्था के अनुसार का एक भक्त आया और खड़ा होकर उससे कहा,“हे भाई शाऊल, फिर देखने लग”।

Acts 22:16

हनन्याह ने पौलुस को उठ कर क्या करने के लिए कहा और क्यों?
हनन्याह ने पौलुस को उठ कर बप्तिस्मा लेने और अपने पापों को धो डालने के लिए कहा।

Acts 22:18

जब यीशु ने पौलुस से मंदिर में बात की, तो उसने क्या बताया कि यहूदी पौलुस की यीशु के विषय में गवाही पर क्या प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे?
यीशु ने कहा कि यहूदी यीशु के विषय में पौलुस की गवाही पर विश्वास नहीं करेंगे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 22:21

यीशु ने पौलुस को किस के पास भेजा?
यीशु ने पौलुस को अन्यजातियों के पास भेजा।

Acts 22:23

पौलुस को अन्यजातियों के विषय में बात करते सुन कर लोगों ने क्या प्रतिक्रिया की?
लोग चिल्लाते और कपड़े फेंकते, आकाश में धूल उड़ाते थे।

Acts 22:25

इससे पूर्व कि वे पौलुस को कोड़े मारते उसने उनसे क्या प्रश्न किया?
पौलुस ने उनसे कहा, "क्या यह उचित है, कि तुम एक रोमी मनुष्य को, और वह भी बिना दोषी ठहराए हुए कोड़े मारो?"

Acts 22:28

पौलुस रोमी नागरिक कैसे बना था?
पौलुस जन्म से रोमी था।

Acts 22:30

यह जानने के पश्चात् कि पौलुस एक रोमी नागरिक है पलटन के सरदार ने क्या किया?
पलटन के सरदार ने उसके सारे बन्धन खोल दिए, और महायाजकों की सारी महासभा इकट्ठी होने की आज्ञा दी,और पौलुस को उनके मध्य खड़ा कर दिया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 23

1 पौलुस ने महासभा की ओर टकटकी लगाकर देखा, और कहा, “हे भाइयों, मैंने आज तक परमेश्वर के लिये बिलकुल सच्चे विवेक से जीवन बिताया है।” **2** हनन्याह महायाजक ने, उनको जो उसके पास खड़े थे, उसके मुँह पर थप्पड़ मारने की आज्ञा दी। **3** तब पौलुस ने उससे कहा, “हे चूना फिरी हुई भीत, परमेश्वर तुझे मारेगा। तू व्यवस्था के अनुसार मेरा न्याय करने को बैठा है, और फिर क्या व्यवस्था के विरुद्ध मुझे मारने की आज्ञा देता है?” (लैव्य. 19:15, यहे. 13:10-15)

4 जो पास खड़े थे, उन्होंने कहा, “क्या तू परमेश्वर के महायाजक को बुरा-भला कहता है?” **5** पौलुस ने कहा, “हे भाइयों, मैं नहीं जानता था, कि यह महायाजक है; क्योंकि लिखा है,

> ‘अपने लोगों के प्रधान को बुरा न कह’।” (निर्ग. 22:28)

6 तब पौलुस ने यह जानकर, कि एक दल सदूकियों और दूसरा फरीसियों का हैं, महासभा में पुकारकर कहा, “हे भाइयों, मैं फरीसी और फरीसियों के वंश का हूँ, मरे हुओं की आशा और पुनरुत्थान के विषय में मेरा मुकद्दमा हो रहा है।” **7** जब उसने यह बात कही तो फरीसियों और सदूकियों में झगड़ा होने लगा; और सभा में फूट पड़ गई। **8** क्योंकि सदूकी तो यह कहते हैं, कि न पुनरुत्थान है, न स्वर्गदूत और न आत्मा है; परन्तु फरीसी इन सबको मानते हैं।

9 तब बड़ा हल्ला मचा और कुछ शास्त्री जो फरीसियों के दल के थे, उठकर यों कहकर झगड़ने लगे, “हम इस मनुष्य में कुछ बुराई नहीं पाते; और यदि कोई आत्मा या स्वर्गदूत उससे बोला है तो फिर क्या?” **10** जब बहुत झगड़ा हुआ, तो सैन्य-दल के सरदार ने इस डर से कि वे पौलुस के टुकड़े-टुकड़े न कर डालें, सैन्य-दल को आज्ञा दी कि उतरकर उसको उनके बीच में से जबरदस्ती निकालो, और गढ़ में ले आओ।

11 उसी रात प्रभु ने उसके पास आ खड़े होकर कहा, “हे पौलुस, धैर्य रख; क्योंकि जैसी तूने यरूशलेम में मेरी गवाही दी, वैसी ही तुझे रोम में भी गवाही देनी होगी।”

12 जब दिन हुआ, तो यहूदियों ने एका किया, और शपथ खाई कि जब तक हम पौलुस को मार न डालें, यदि हम खाएँ या पीएँ तो हम पर धिक्कार। **13** जिन्होंने यह शपथ खाई थी, वे चालीस जन से अधिक थे।

14 उन्होंने प्रधान याजकों और प्राचीनों के पास आकर कहा, “हमने यह ठाना है कि जब तक हम पौलुस को मार न डालें, तब तक यदि कुछ भी खाएँ, तो हम पर धिक्कार है। **15** इसलिए अब महासभा समेत सैन्य-दल के सरदार को समझाओ, कि उसे तुम्हारे पास ले आए, मानो कि तुम उसके विषय में और भी ठीक से जाँच करना चाहते हो, और हम उसके पहुँचने से पहले ही उसे मार डालने के लिये तैयार रहेंगे।”

16 और पौलुस के भांजे ने सुना कि वे उसकी घात में हैं, तो गढ़ में जाकर पौलुस को सन्देश दिया। **17** पौलुस ने सूबेदारों में से एक को अपने पास बुलाकर कहा, “इस जवान को सैन्य-दल के सरदार के पास ले जाओ, यह उससे कुछ कहना चाहता है।”

18 अतः उसने उसको सैन्य-दल के सरदार के पास ले जाकर कहा, “बन्दी पौलुस ने मुझे बुलाकर विनती की, कि यह जवान सैन्य-दल के सरदार से कुछ कहना चाहता है; इसे उसके पास ले जा।” **19** सैन्य-दल के सरदार ने उसका हाथ पकड़कर, और उसे अलग ले जाकर पूछा, “तू मुझसे क्या कहना चाहता है?”

20 उसने कहा, “यहूदियों ने एका किया है, कि तुझ से विनती करें कि कल पौलुस को महासभा में लाए, मानो तू और ठीक से उसकी जाँच करना चाहता है। **21** परन्तु उनकी मत मानना, क्योंकि उनमें से चालीस के ऊपर मनुष्य उसकी घात में हैं, जिन्होंने यह ठान लिया है कि जब तक वे पौलुस को मार न डालें, तब तक न खाएँगे और न पीएँगे, और अब वे तैयार हैं और तेरे वचन की प्रतीक्षा कर रहे हैं।”

22 तब सैन्य-दल के सरदार ने जवान को यह निर्देश देकर विदा किया, “किसी से न कहना कि तूने मुझ को ये बातें बताई हैं।”

23 उसने तब दो सूबेदारों को बुलाकर कहा, “दो सौ सिपाही, सत्तर सवार, और दो सौ भालैत को कैसरिया जाने के लिये तैयार कर रख, तू रात के तीसरे पहर को निकलना।” **24** और पौलुस की सवारी के लिये घोड़े तैयार रखो कि उसे फेलिक्स राज्यपाल* के पास सुरक्षित पहुँचा दें।”

25 उसने इस प्रकार की चिट्ठी भी लिखी:

26 “महाप्रतापी फेलिक्स राज्यपाल को क्लौदियुस लूसियास को नमस्कार; **27** इस मनुष्य को यहूदियों ने पकड़कर मार डालना चाहा, परन्तु जब मैंने जाना कि वो रोमी है, तो सैन्य-दल लेकर छुड़ा लाया।

28 और मैं जानना चाहता था, कि वे उस पर किस कारण दोष लगाते हैं, इसलिए उसे उनकी महासभा में ले गया। **29** तब मैंने जान लिया, कि वे अपनी व्यवस्था के विवादों के विषय में उस पर दोष लगाते हैं, परन्तु मार डाले जाने या बाँधे जाने के योग्य उसमें कोई दोष नहीं। **30** और जब मुझे बताया गया, कि वे इस मनुष्य की घात में लगे हैं तो मैंने तुरन्त उसको तेरे पास भेज दिया; और मुद्दइयों को भी आज्ञा दी, कि तेरे सामने उस पर आरोप लगाए।”

31 अतः जैसे सिपाहियों को आज्ञा दी गई थी, वैसे ही पौलुस को लेकर रातों-रात अन्तिपत्रिस में लाए। **32** दूसरे दिन वे सवारों को उसके साथ जाने के लिये छोड़कर आप गढ़ को लौटे। **33** उन्होंने कैसरिया में पहुँचकर राज्यपाल को चिट्ठी दी; और पौलुस को भी उसके सामने खड़ा किया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

34 उसने पढ़कर पूछा, “यह किस प्रदेश का है?” **35** और जब जान लिया कि किलिकिया का है; तो उससे कहा, “जब तेरे मुद्दई भी आएँगें, तो मैं तेरा मुकद्दमा करूँगा।” और उसने उसे हेरोदेस के किले में, पहरे में रखने की आज्ञा दी।

Acts 23:1

हे चूना फिरी हुई भीत
दीवारों को सफ़ेद रंग से रंगने का अभ्यास ताकि वे साफ़-सुथरी दिखें। जिस प्रकार दीवार की सुन्दरता बढाने के लिए उसे रंगा जाता है, उसी प्रकार, एक व्यक्ति भीतर से बुरा होते हुए भी बाहर से भला दिख सकता है।

मुझे मारने की आज्ञा देता है
“लोगों के मुझे मारने की आज्ञा देता है” या फिर, “इन लोगों से मुझे मारने को कहता है”

Acts 23:4

क्या तू परमेश्वर के महायाजक बुरा-भला कहता है
लोगों ने पौलुस को उसकी कही बातों के कारण फटकारते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर के महायाजक का अपमान न करों!”

हे भाइयों, मैं नहीं जानता था, कि यह महायाजक है
संभावित अर्थ: 1) “पौलुस को मालूम नहीं था कि यह एक महायाजक था क्योंकि वह महायाजक की भांति पेश नहीं आ रहा था” या फिर, 2) “पौलुस बहुत समय से यरूशलेम से दूर रहा था, और शायद इस दौरान नए महायाजक की नियुक्ति हो गयी थी और पौलुस को यह नहीं पता था।”

Acts 23:6

मेरा मुकद्दमा हो रहा है
“तुम मुझ पर मुकद्दमा करते हो”

सभा में फूट पड़ गयी
“सभा के सदस्यों में आपस में असहमति हो गयी”

न पुनरुत्थान है, न स्वर्गदूत और न आत्मा है
संभावित अर्थ: 1) वे पुनरुत्थान, स्वर्गदूत या आत्मा में विश्वास नहीं करते थे या फिर, 2) उनका मानना था कि परमेश्वर लोगों को न तो स्वर्गदूत और न ही आत्मा के रूप में जिलाएगा

Acts 23:9

“और यदि कोई आत्मा या स्वर्गदूत उससे बोला है तो फिर क्या?”
आत्मा और स्वर्गदूतों के होने की पुष्टि करने के द्वारा फरीसी लोग सदूकियों को फटकार रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद : “शायद आत्मा या स्वर्गदूत उससे बोला है।”

वे पौलुस के टुकड़े-टुकड़े न कर डालें
“वे पौलुस को गंभीर रूप से घायल न कर दें”

जबरदस्ती निकालो
“पौलुस को बलपूर्वक ले गए”

गढ़ में ले आओ
यहसैनिक शक्ति और महत्व् की ईमारत है,जहाँ अकसर सिपाही रहते है, (यूडीबी)। पिछले अनुवाद का सन्दर्भ लें

Acts 23:11

गवाही देकर
संभावित अर्थ: 1) “बोला” या “अपने उद्धार की गवाही दी या फिर, 2) उद्धार का उपदेश दिया

Acts 23:12

एका किया
“औपचारिक रूप से सहमत हुए”

चालीस जन
40 लोग

Acts 23:14

उन्होंने.....आकर कहा
“चालीस यहूदियों ने.....आकर कहा”

उसे तुम्हारे पास ले आए
“पौलुस को गढ़ से यहाँ मंदिर में परिषद के सदस्यों से मिलने के लिए ले आए”

Acts 23:16

उसकी घात में हैं
उसकी घात में हैं -वे लोग, जिन्होंने पौलुस की हत्या करने का प्रण लिया है, वे उस पर घात लगाए बैठे थे।

यह उससे कुछ कहना चाहता है
पलटन के सरदार से वह युवा कुछ कहना चाहता है

गढ़
जैसा आपने पूर्व पद में किया है

Acts 23:18

बंदी पौलुस ने मुझे बुलाकर विनती की
“बंदी पौलुस ने मुझे आकर उससे बात करने को कहा”

जवान
पलटन के सरदार ने उस जवान का हाथ पकड़ा था, इससे प्रतीत होता है कि पौलुस का वह रिश्तेदार कम उम्र का ही रहा होगा। शायद 12 से 15 साल का।

Acts 23:20

चालीस के ऊपर
“40 लोग”

उसकी घात में हैं
“पौलुस को घात करने की ताक में हैं”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 23:22

दो सूबेदारों ने
दो सूबेदारों ने

सत्तर सवार
सत्तर घुड़सवार

दो सौ भालैत
भालों से लैस 200 सिपाही

पहर रात बीते
यह लगभग रात के 9:00 बजे हैं।

फेलिक्स हाकिम
फेलिक्स रोमन हाकिम है जो कैसरिया के क्षेत्र में रहता है।

Acts 23:25

फेलिक्स हाकिम
फेलिक्स पुरे क्षेत्र का रोमन हाकिम है।

मार डालना चाहा
यहूदी पौलुस मारने को तैयार थे।

पलटन लेकर छुड़ा लिया
अर्थात “पलटन लेकर उनके पास गया और उन्हें छुड़ा लिया”

Acts 23:28

x
क्लौदियुस का पत्र जारी है नोट: 26वें पद में “कौल्दियुस का” लिखा जाना चाहिए। कृपया सुधार करें

मैं जानना चाहता था
“मैं” का आशय क्लौदियुस लूसियास से है।

वे उस पर किस कारण दोष लगाते हैं
“यहूदी किस कारण पौलुस पर दोष लगाते हैं”

तब मैंने जान लिया
"बाद में मुझे पता चल गया"

Acts 23:31

अन्तिपत्रिस
हेरोदेस द्वारा उसके पिता अन्तिपतेर के सम्मान में बसाया गया नगर। यह मध्य इस्राएल में स्थित था।

Acts 23:34

और जब जान लिया कि किलिकिया का है
“जब हाकिम को पता चला कि पौलुस किलिकिया से है”

पहरे में रखने की आज्ञा दी
पहरे में रखने की आज्ञा दी -“सिपाहियों को उसे पहरे में रखने की आज्ञा दी” या फिर, “सिपाहियों को उसे अधीन रखने की आज्ञा दी”

Translation Questions

Acts 23:1

महायाजक ने जो उसके पास खड़े थे उन्हें उसके चेहरे पर थप्पड़ मारने की आज्ञा क्यों दी?
महायाजक गुस्से में था क्योंकि पौलुस ने कहा कि उसने परमेश्वर के लिए बिल्कुल सच्चे विवेक से जीवन बिताया है।

Acts 23:6

किस कारण पौलुस ने सभा में कहा कि उसका मुक़दमा हो रहा है?
पौलुस ने कहा कि पुनरुत्थान पर उसके भरोसे के कारण उसका मुक़दमा हो रहा है।

Acts 23:7

जब पौलुस ने अपने ऊपर मुक़दमा होने का कारण बताया तो सभा में किस बात को लेकर वाद-विवाद आरम्भ हुआ?
सभा में झगड़ा होने लगा क्योंकि फरीसियों का मानना है कि पुनरुत्थान है पर सदूकी कहते हैं कि पुनरुत्थान नहीं है।

Acts 23:10

पलटन का सरदार पौलुस को सभा से गढ़ वापिस क्यों ले गया?
पलटन के सरदार को इस बात का डर था कि कहीं सभा के सदस्य उसके टुकड़े-टुकड़े न कर दें।

Acts 23:11

उसी रात परमेश्वर ने पौलुस को क्या वचन दिया?
परमेश्वर ने पौलुस को ढांढस बंधने को कहा क्योंकि उसे अभी यरूशलेम की तरह रोम में भी गवाही देनी थी।

Acts 23:12

कुछ यहूदियों ने पौलुस के सम्बन्ध में क्या शपथ खाई?
लगभग चालीस यहूदी जनों ने शपथ खाई कि जब तक वे पौलुस को मार न डालें वे न कुछ खाएँगे और न पीएंगे।

Acts 23:14

चालीस यहूदियों ने महायाजकों और पुरनियों के पास आकर क्या योजना बताई?
उन्होंने महायाजकों और पुरनियों को कहा कि पौलुस को महासभा में लेकर आएं ताकि वे उसे यहाँ पहुँचने से पहले ही मार डालें।

Acts 23:16

पलटन के सरदार को चालीस यहूदियों की योजना के विषय में कैसे ज्ञात हुआ?
पौलुस के भांजे ने योजना सुनी और जाकर पलटन के सरदार को इसके विषय में बताया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 23:23

पलटन के सरदार की चालीस यहूदियों की योजना जानने के पश्चात् क्या प्रतिक्रिया थी?
पलटन के सरदार ने दो सूबेदारों को बुलाकर, बड़ी संख्या में पहरेदारों के साथ पौलुस को फेलिक्स हाकिम के पास कुशलता से रात के तीसरे पहर जाने की आज्ञा दी।

Acts 23:29

फेलिक्स हाकिम को लिखी चिट्ठी में, पलटन के सरदार ने पौलुस के विरोध में लगे आरोपों के विषय में क्या कहा?
पलटन के सरदार ने कहा कि व्यवस्था के विवादों के विषय में उस पर दोष लगे हैं परन्तु मारे डाले जाने या बांधे जाने योग्य उसमें कोई दोष नहीं।

Acts 23:35

फेलिक्स ने कब पौलुस के मुक़दमे का निर्णय करना निश्चित किया?
फेलिक्स ने कहा कि जब पौलुस के मुद्दई भी आ जाएँगे तो वह उसका मुक़दमा सुनेगा।

मुकदमें की सुनवाई तक पौलुस को कहाँ रखा गया?
पौलुस को हेरोदेस के किले में मुक़दमे की सुनवाई तक रखा गया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 24

1 पाँच दिन के बाद हनन्याह महायाजक कई प्राचीनों और तिरतुल्लुस नामक किसी वकील को साथ लेकर आया; उन्होंने राज्यपाल के सामने पौलुस पर
दोषारोपण किया। **2** जब वह बुलाया गया तो तिरतुल्लुस उस पर दोष लगाकर कहने लगा, “हे महाप्रतापी फेलिक्स, तेरे द्वारा हमें जो बड़ा कुशल होता है; और
तेरे प्रबन्ध से इस जाति के लिये कितनी बुराइयाँ सुधरती जाती हैं।

3 इसको हम हर जगह और हर प्रकार से धन्यवाद के साथ मानते हैं।

4 परन्तु इसलिए कि तुझे और दुःख नहीं देना चाहता, मैं तुझ से विनती करता हूँ, कि कृपा करके हमारी दो एक बातें सुन ले। **5** क्योंकि हमने इस मनुष्य को
उपद्रवी और जगत के सारे यहूदियों में बलवा करानेवाला, और नासरियों के कुपंथ का मुखिया पाया है। **6** उसने मन्दिर को अशुद्ध करना चाहा*, और तब हमने
उसे बन्दी बना लिया। [हमने उसे अपनी व्यवस्था के अनुसार दण्ड दिया होता;

7 परन्तु सैन्य-दल के सरदार लूसियास ने आकर उसे बलपूर्वक हमारे हाथों से छीन लिया, **8** और इस पर दोष लगाने वालों को तेरे सम्मुख आने की आज्ञा दी।]
इन सब बातों को जिनके विषय में हम उस पर दोष लगाते हैं, तू स्वयं उसको जाँच करके जान लेगा।” **9** यहूदियों ने भी उसका साथ देकर कहा, ये बातें इसी
प्रकार की हैं।

10 जब राज्यपाल ने पौलुस को बोलने के लिये संकेत किया तो उसने उत्तर दिया: “मैं यह जानकर कि तू बहुत वर्षों से इस जाति का न्याय करता है, आनन्द से
अपना प्रत्युत्तर देता हूँ।, **11** तू आप जान सकता है, कि जब से मैं यरूशलेम में आराधना करने को आया, मुझे बारह दिन से ऊपर नहीं हुए। **12** उन्होंने मुझे न
मन्दिर में, न आराधनालयों में, न नगर में किसी से विवाद करते या ना भीड़ लगाते पाया; **13** और न तो वे उन बातों को, जिनके विषय में वे अब मुझ पर दोष
लगाते हैं, तेरे सामने उन्हें सच प्रमाणित कर सकते हैं।

14 परन्तु यह मैं तेरे सामने मान लेता हूँ, कि जिस पंथ को वे कुपंथ कहते हैं, उसी की रीति पर मैं अपने पूर्वजों के परमेश्वर* की सेवा करता हूँ; और जो बातें
व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों में लिखी है, उन सब पर विश्वास करता हूँ। **15** और परमेश्वर से आशा रखता हूँ जो वे आप भी रखते हैं, कि धर्मी और
अधर्मी दोनों का जी उठना होगा। (दानि. 12:2) **16** इससे मैं आप भी यत्न करता हूँ, कि परमेश्वर की और मनुष्यों की ओर मेरा विवेक सदा निर्दोष रहे।

17 बहुत वर्षों के बाद मैं अपने लोगों को दान पहुँचाने, और भेंट चढ़ाने आया था। **18** उन्होंने मुझे मन्दिर में, शुद्ध दशा में, बिना भीड़ के साथ, और बिना दंगा
करते हुए इस काम में पाया। परन्तु वहाँ आसिया के कुछ यहूदी थे - और उनको उचित था, **19** कि यदि मेरे विरोध में उनकी कोई बात हो तो यहाँ तेरे सामने
आकर मुझ पर दोष लगाते है।

20 या ये आप ही कहें, कि जब मैं महासभा के सामने खड़ा था, तो उन्होंने मुझ में कौन सा अपराध पाया? **21** इस एक बात को छोड़ जो मैंने उनके बीच में खड़े
होकर पुकारकर कहा था, ‘मरे हुओं के जी उठने के विषय में आज मेरा तुम्हारे सामने मुकद्दमा हो रहा है’।”

22 फेलिक्स ने जो इस पंथ की बातें ठीक-ठीक जानता था, उन्हें यह कहकर टाल दिया, “जब सैन्य-दल का सरदार लूसियास आएगा, तो तुम्हारी बात का
निर्णय करूँगा।” **23** और सूबेदार को आज्ञा दी, कि पौलुस को कुछ छूट में रखकर रखवाली करना, और उसके मित्रों में से किसी को भी उसकी सेवा करने से न
रोकना।

24 कुछ दिनों के बाद फेलिक्स अपनी पत्नी द्रुसिल्ला* को, जो यहूदिनी थी, साथ लेकर आया और पौलुस को बुलवाकर उस विश्वास के विषय में जो मसीह
यीशु पर है, उससे सुना। **25** जब वह धार्मिकता और संयम और आनेवाले न्याय की चर्चा कर रहा था, तो फेलिक्स ने भयभीत होकर उत्तर दिया, “अभी तो जा;
अवसर पा कर मैं तुझे फिर बुलाऊँगा।”

26 उसे पौलुस से कुछ धन मिलने की भी आशा थी; इसलिए और भी बुला-बुलाकर उससे बातें किया करता था। **27** परन्तु जब दो वर्ष बीत गए, तो पुरकियुस
फेस्तुस, फेलिक्स की जगह पर आया, और फेलिक्स यहूदियों को खुश करने की इच्छा से पौलुस को बन्दी ही छोड़ गया।

Acts 24:1

पांच दिन के बाद
रोमी सिपाहियों द्वारा पौलुस को कैसरिया ले जाने के पांच दिन बाद।

हनन्याह महायाजक
पिछले अनुवाद का सन्दर्भ लें

लेकर आया
“लेकर केसरिया गया, जहाँ पौलुस था”

किसी वकील
“अदालत में बोलनेवाला व्यक्ति।” वैकल्पिक अनुवाद: “विधिवक्ता”

तिरतुल्लुस
एक व्यक्ति का नाम है।

जब वह बुलाया गया तो
“जब पौलुस हाकिम के सामने, जो कि अदालत में न्यायी था, पेश किया गया”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उन पर दोष लगाकर कहने लगा
“उसके विरोध में कहने लगा” या फिर, “उस पर रोमी व्यवस्था का विरोधी होने का दोष लगाने लगा” नोट: यहाँ अनुवाद में “उन पर” के स्थान पर “उस पर” होना चाहिए क्योंकि यहाँ एकवचन है।

तेरे द्वारा
“तेरे” का आशय हाकिम से है।

हमें जो बड़ा कुशल होता है
“तेरी प्रजा में बड़ी शान्ति है।”

हे महाप्रतापी फेलिक्स
पिछले अनुवाद का सन्दर्भ लें

Acts 24:4

x
तिरतुल्लुस अपनी बात फेलिक्स के आगे जारी रखता है।

तुझे और दुःख देना नहीं चाहता
संभावित अर्थ: 1) इसलिए मैं आपका अधिक समय नहीं लूँगा (यूडीबी) या फिर, 2) “इसलिए मैं आपको अधिक कष्ट नहीं दूंगा”

एक दो बातें सुन ले
“मेरी छोटी सी बात सुन ले”

हम ने इस मनुष्य को.....पाया है
“हम ने इस मनुष्य को.....देखा है”. “हम ने” से आशय हनन्याह, कुछ अगुवे और तिरतुल्लुस से है

जगत के सारे यहूदियों
“जगत के बहुत से यहूदियों”

मंदिर को अशुद्ध करना चाहा
“मदिर की धार्मिकता का अपमान करना चाहा”

पद 6 ब-8 अ
6ब पद से 8अ तक - कुछ प्राचीन हस्तलिपियों में इनमे भिन्नता है। "[6ब]और हम अपनी व्यवस्था के अनुसार इसका न्याय करना चाहते थे। "[7]लेकिन पलटन का सरदार लूसियास आया, और जबरन इसे हमारे हाथों से ले गया। "[8ब] तब उसने इस पर दोष लगानेवालों को तेरे सामने पेश होने की आज्ञा दी।”

Acts 24:7

x
तिरतुल्लुस फेलिक्स के आगे अपनी बात को जारी रखता है.

परन्तु पलटन के सरदार लूसियास
“लूसियास” के लिए पिछले अनुवाद का सन्दर्भ लें

उसे बलपूर्वक हमारे हाथों से छीन लिया
“उसे” अर्थात “पौलुस को”। “सिपाहियों ने आकर पौलुस को हमारे हाथों से बलपूर्वक छीन लिया।” "बलपूर्वक" का आशय यहाँ पूरी ताकत के ज़ोर से है।

उसको जांच करके
“पौलुस से पूछताछ करके”या “उससे न्यायालय में पूछताछ करके”

जिन के विषय में हम उस पर दोष लगाते हैं
“पौलुस पर दोष लगते है” या “जिन के विषय में हम पौलुस पर दोष लगाते हैं”

Acts 24:10

जब हाकिम ने पौलुस को बोलने का संकेत किया
“जब हाकिम ने पौलुस को बोलने का इशारा किया”

अपना प्रत्युत्तर देता हूँ
“अपनी बात समझाता हूँ”

तू आप जानता है
“तू आप यह परख सकता है”

बारह दिन से
“बारह दिन से”

न नगर में विवाद करते ....पाया
“न नगर की शांति भंग करते.....पाया” या फिर, “न नगर को भड़काते...पाया”

दोष
“गलत काम करने के आरोप” या फिर, “अपराध के आरोप”

Acts 24:14

x
हाकिम फेलिक्स के सामने पौलुस अपनी बात जारी रखता है।

यह मैं तेरे सामने मान लेता हूँ
“मैं यह तेरे सामने स्वीकारता हूँ” या कि “मैं तेरे आगे अंगीकार करता हूँ”

जिस पंथ को वे कुपंथ कहते हैं
“वे जिसे अधर्म कहते हैं”

“अपने बापदादों के परमेश्वर”
इसका आशय यह है कि पौलुस एक प्राचीन धर्म का पालन करने का दावा कर रहा है, और इसलिए यह एक नया, बदनाम “कुपंथ” नही है।

धर्मी
“धर्मी लोग”

यत्न करता हूँ
"मैं व्यायाम करता हूं" या “मैं अभ्यास करता हूँ”

परमेश्वर की... और
"परमेश्वर की .....उपस्थिति में"

Acts 24:17

x
हाकिम फेलिक्स के सामने पौलुस अपनी बात जारी रखता है।

अपने लोगों को दान पहुंचाने और भेंट चढ़ाने
“अपने लोगों को दान और पैसों की भेंट चढाने”

बिना भीड़ के साथ
“मैंने किसी गलत रीति से भीड़ नहीं जमा की”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उनकी कोई बात
“एशिया के यहूदियों की”

कोई बात हो
“कुछ कहना हो”

Acts 24:20

x
हाकिम फेलिक्स के सामने पौलुस अपनी बात जारी रखता है।

उन्होंने
कैसरिया में हो रही पौलुस की सुनवाई में मौजूद परिषद् के सदस्य।

Acts 24:22

जब पलटन का सरदार लूसियास आएगा
“लूसियास जब भी आएगा” या फिर, “लूसियास के आने पर”

तुम्हारी बात का निर्णय करूँगा
“तेरे विरुद्ध लगाए दोषों का निर्णय करूँगा” या फिर, “मैं न्याय करूँगा कि तू दोषी है या नहीं।”

कुछ छूट में
पौलुस को कैद में थोड़ी छूट दी गयी जो अन्यथा कैदियों को नहीं दी जाती।

Acts 24:24

कुछ दिनों के बाद
“बहुत दिनों बाद”

फेलिक्स....आया
फेलिक्स के अनुवाद के लिए पिछले अनुवाद का सन्दर्भ लें

पत्नी द्रुसिल्ला
पत्नी द्रुसिल्ला एक स्त्री का नाम।

फेलिक्स ने भयभीत होकर
फेलिक्स को संभवतः अपने पापों को लेकर अपराधबोध हो रहा हो

अभी तो जा
“अभी के लिए तो जा” या "तब तक"

Acts 24:26

उसे पौलुस से कुछ रुपये मिलने की आशा थी
“पौलुस फेलिक्स को कुछ धन देगा।” फेलिक्स को आशा थी कि पौलुस छूटने के लिए उसे कुछ घूंस वगैरह देगा।

इसलिए और भी बुला-बुलाकर उससे बातें किया करता था
“इसलिए फेलिक्स अकसर पौलुस को बुलाकर उससे बातें किया करता था”

पुरकियुस फेस्तुस
ये फेलिक्स के बदले आया न्य रोमन हकीम है

Translation Questions

Acts 24:5

यहूदियों ने पौलुस के विरोध में हाकिम के सामने क्या दोष लगाए?
तिरतुल्लुस ने पौलुस पर यहूदियों से बलवा करवाने और मन्दिर को अशुद्ध करने के आरोप लगाए।

तिरतुल्लुस के अनुसार पौलुस किस पंथ का मुखिया था?
तिरतुल्लुस ने कहा कि पौलुस नासरियों के कुपन्थ का मुखिया था।

Acts 24:12

पौलुस के अनुसार उसने मन्दिर, आराधनालय, और नगर में क्या किया?
पौलुस ने कहा कि उसने न तो किसी के साथ विवाद किया और न ही भीड़ लगाई।

Acts 24:14

किस विषय में पौलुस ने कहा कि वह विश्वासयोग्य था?
पौलुस ने कहा कि वह जो बातें व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों में लिखी है वे उन सब पर विश्वास करता है।

Acts 24:15

पौलुस ने यहूदियों को जो उस पर दोष लगाते थे क्या आशा दी?
वे परमेश्वर पर धर्मी और अधर्मी दोनों के जी उठने के विषय में समान दृढविश्वास रखते हैं।

Acts 24:17

पौलुस के अनुसार वह यरूशलेम क्यों आया था?
पौलुस के अनुसार वह अपने लोगों को दान पंहुचाने और भेंट चढ़ाने आया था।

Acts 24:18

पौलुस के अनुसार जब उसे आसिया के कुछ यहूदियों ने मन्दिर में पाया तो वह वहां क्या कर रहा था?
पौलुस ने कहा कि वह मन्दिर में शुद्धिकरण समारोह में था जब उसे वहां पाया गया।

Acts 24:22

फेलिक्स हाकिम को किस विषय में पहले से अच्छी तरह पता था?
फेलिक्स हाकिम इस पंथ के विषय में अच्छे से जानता था।

फेलिक्स ने कब पौलुस के मुक़दमे का निर्णय करना निश्चित किया?
फेलिक्स ने कहा कि जब पलटन का सरदार लुसियास यरूशलेम से आएगा तब वह पौलुस के मुक़दमे का निर्णय करेगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 24:24

कुछ दिनों के पश्चात् पौलुस ने फेलिक्स को किस विषय में बताया?
पौलुस ने फेलिक्स को यीशु मसीह में विश्वास, धर्म, संयम और आने वाले न्याय के विषय में बताया।

Acts 24:25

पौलुस की बात पर फेलिक्स ने क्या प्रतिक्रिया की?
फेलिक्स ने भयभीत हो कर उसे उस समय जाने के लिए कहा।

Acts 24:27

दो वर्ष के पश्चात्, जब नया हाकिम आया तो फेलिक्स पौलुस को बन्दी ही क्यों छोड़ गया?
फेलिक्स पौलुस को बन्दी ही छोड़ गया क्योंकि वह यहूदियों को खुश करना चाहता था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 25

1 फेस्तुस उस प्रान्त में पहुँचकर तीन दिन के बाद कैसरिया से यरूशलेम को गया। **2** तब प्रधान याजकों ने, और यहूदियों के प्रमुख लोगों ने, उसके सामने पौलुस पर दोषारोपण की; **3** और उससे विनती करके उसके विरोध में यह चाहा कि वह उसे यरूशलेम में बुलवाए, क्योंकि वे उसे रास्ते ही में मार डालने की घात* लगाए हुए थे।

4 फेस्तुस ने उत्तर दिया, "पौलुस कैसरिया में कैदी है, और मैं स्वयं जल्द वहाँ जाऊँगा।" **5** फिर कहा, "तुम से जो अधिकार रखते हैं, वे साथ चलें, और यदि इस मनुष्य ने कुछ अनुचित काम किया है, तो उस पर दोष लगाएँ।"

6 उनके बीच कोई आठ दस दिन रहकर वह कैसरिया गया: और दूसरे दिन न्याय आसन पर बैठकर पौलुस को लाने की आज्ञा दी। **7** जब वह आया, तो जो यहूदी यरूशलेम से आए थे, उन्होंने आस-पास खड़े होकर उस पर बहुत से गम्भीर दोष लगाए, जिनका प्रमाण वे नहीं दे सकते थे। **8** परन्तु पौलुस ने उत्तर दिया, "मैंने न तो यहूदियों की व्यवस्था के और न मन्दिर के, और न कैसर के विरुद्ध कोई अपराध किया है।"

9 तब फेस्तुस ने यहूदियों को खुश करने की इच्छा से पौलुस को उत्तर दिया, "क्या तू चाहता है कि यरूशलेम को जाए; और वहाँ मेरे सामने तेरा यह मुकद्दमा तय किया जाए?"

10 पौलुस ने कहा, "मैं कैसर के न्याय आसन के सामने खड़ा हूँ; मेरे मुकद्दमें का यहीं फैसला होना चाहिए। जैसा तू अच्छी तरह जानता है, यहूदियों का मैंने कुछ अपराध नहीं किया।

11 यदि अपराधी हूँ और मार डाले जाने योग्य कोई काम किया है, तो मरने से नहीं मुकरता; परन्तु जिन बातों का ये मुझ पर दोष लगाते हैं, यदि उनमें से कोई बात सच न ठहरे, तो कोई मुझे उनके हाथ नहीं सौंप सकता। मैं कैसर की दोहाई देता हूँ।" **12** तब फेस्तुस ने मंत्रियों की सभा के साथ विचार करके उत्तर दिया, "तूने कैसर की दोहाई दी है, तो तू कैसर के पास ही जाएगा।"

13 कुछ दिन बीतने के बाद अग्रिप्पा राजा* और बिरनीके ने कैसरिया में आकर फेस्तुस से भेंट की। **14** उनके बहुत दिन वहाँ रहने के बाद फेस्तुस ने पौलुस के विषय में राजा को बताया, "एक मनुष्य है, जिसे फेलिक्स बन्दी छोड़ गया है। **15** जब मैं यरूशलेम में था, तो प्रधान याजकों और यहूदियों के प्राचीनों ने उस पर दोषारोपण किया और चाहा, कि उस पर दण्ड की आज्ञा दी जाए। **16** परन्तु मैंने उनको उत्तर दिया, कि रोमियों की यह रीति नहीं, कि किसी मनुष्य को दण्ड के लिये सौंप दें, जब तक आरोपी को अपने दोष लगाने वालों के सामने खड़े होकर दोष के उत्तर देने का अवसर न मिले।

17 अतः जब वे यहाँ उपस्थित हुए, तो मैंने कुछ देर न की, परन्तु दूसरे ही दिन न्याय आसन पर बैठकर, उस मनुष्य को की आज्ञा दी। **18** जब उसके मुद्दई खड़े हुए, तो उन्होंने ऐसी बुरी बातों का दोष नहीं लगाया, जैसा मैं समझता था। **19** परन्तु अपने मत के, और यीशु नामक किसी मनुष्य के विषय में जो मर गया था, और पौलुस उसको जीवित बताता था, विवाद करते थे। **20** और मैं उलझन में था, कि इन बातों का पता कैसे लगाऊँ? इसलिए मैंने उससे पूछा, 'क्या तू यरूशलेम जाएगा, कि वहाँ इन बातों का फैसला हो?'

21 परन्तु जब पौलुस ने दोहाई दी, कि मेरे मुकद्दमें का फैसला महाराजाधिराज के यहाँ हो; तो मैंने आज्ञा दी, कि जब तक उसे कैसर के पास न भेजूँ, उसकी रखवाली की जाए।" **22** तब अग्रिप्पा ने फेस्तुस से कहा, "मैं भी उस मनुष्य की सुनना चाहता हूँ। उसने कहा, "तू कल सुन लेगा।"

23 अतः दूसरे दिन, जब अग्रिप्पा और बिरनीके बड़ी धूमधाम से आकर सैन्य-दल के सरदारों और नगर के प्रमुख लोगों के साथ दरबार में पहुँचे। तब फेस्तुस ने आज्ञा दी, कि वे पौलुस को ले आएँ। **24** फेस्तुस ने कहा, "हे महाराजा अग्रिप्पा, और हे सब मनुष्यों जो यहाँ हमारे साथ हो, तुम इस मनुष्य को देखते हो, जिसके विषय में सारे यहूदियों ने यरूशलेम में और यहाँ भी चिल्ला-चिल्लाकर मुझसे विनती की, कि इसका जीवित रहना उचित नहीं।

25 परन्तु मैंने जान लिया कि उसने ऐसा कुछ नहीं किया कि मार डाला जाए; और जब कि उसने आप ही महाराजाधिराज की दोहाई दी, तो मैंने उसे भेजने का निर्णय किया। **26** परन्तु मैंने उसके विषय में कोई ठीक बात नहीं पाई कि महाराजाधिराज को लिखूँ*, इसलिए मैं उसे तुम्हारे सामने और विशेष करके हे राजा अग्रिप्पा तेरे सामने लाया हूँ, कि जाँचने के बाद मुझे कुछ लिखने को मिले। **27** क्योंकि बन्दी को भेजना और जो दोष उस पर लगाए गए, उन्हें न बताना, मुझे व्यर्थ समझ पड़ता है।"

Acts 25:1

फेस्तुस उन प्रान्त में पहुंचकर
संभावित अर्थ: 1) "फेस्तुस बस वहां पहुँच गया" या फिर, 2) "फेस्तुस अपने शासन की शुरुआत करने वहां पहुंचा।" (यूडीबी)

कैसरिया से यरूशलेम
मूल भाषा में "केसरिया से (ऊपर) यरूशलेम की ओर" जैसा भाव है, जिसके संभावित आशय हैं कि 1) यरूशलेम को ऊंचा स्थान प्राप्त था; या फिर 2) यरूशलेम ऊंचे स्थान पर स्थित था।

पौलुस की नालिश की
अदालत में औपचारिक तौर पर आरोप दायर किये गए। वैकल्पिक अनुवाद: "पौलुस पर व्यवस्था का उल्लंघन करने का आरोप लगाया,"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

और उससे विनती की
“और फेस्तुस से विनती की” या फिर, “उन्होंने फेस्तुस से आग्रह किया”

कि वह उसे यरूशलेम में बुलवाए.....वे उसे...मार डाले
“कि फेस्तुस पौलुस को यरूशलेम में बुलवाए, क्योंकि वे उसे रास्ते ही में मार डालने की घात लगाए हुए थे"

यरूशलेम में बुलवाए
“यरूशलेम में भिजवाए”

वे उसे रास्ते ही में मार डालने की घात लगाये हुए थे
वे रस्ते ही में पौलुस को मार डालने वाले थे

Acts 25:4

पौलुस कैसरिया में पहरे में है
पौलुस कैसरिया में पहरे में है - वैकल्पिक अनुवाद: “पौलुस कैसरिया में बंदी है, और मैं स्वयं भी जल्द ही वहाँ लौटूंगा।”

इस मनुष्य ने कुछ अनुचित काम किया है
“यदि पौलुस ने कुछ अनुचित काम किया है या नहीं”

उस पर दोष लगाए
“उस पर आरोप लगाए” या फिर, “उस पर व्यवस्था का उल्लंघन करने का दोष लगाए”

Acts 25:6

कोई आठ दस दिन रहकर
“कोई आठ दस दिन रह कर फेस्तुस”

न्याय-आसन पर बैठकर
“न्यायी की भूमिका निभाने न्याय-आसन पर बैठा”

पौलुस को लाने की आज्ञा दी
“पौलुस को लाने को कहा”

और उसने पहुंचकर
“पौलुस के आने पर वह फेस्तुस के समक्ष खड़ा हुआ”

न तो यहूदियों की व्यवस्था का
"यहूदियों की व्यवस्था" यूडीबी के अनुसार

और न मंदिर का ....कोई अपराध किया है
इसका आशय यह है कि यरूशलेम के मंदिर में प्रवेश को लेकर उसने कोई अपराध नहीं किया है।

Acts 25:9

यहूदियों को खुश करने की इच्छा से
“यहूदियों को खुश करना चाहता था”

मेरे सामने तेरा मुकद्दमा तय किया जाए?
“जहाँ मैं तुझ पर लगे आरोपों का न्याय करूँगा”

मेरे मुकद्दमे का फैसला यहीं होना चाहिए
"यह स्थान कौन सा है जहाँ मेरा न्याय होना है।"

Acts 25:11

x
फेस्तुस के समक्ष पौलुस अपने बचाव में बोलना जारी रखता है।

यदि अपराधी हूँ और मार डाले जाने योग्य कोई काम किया है
“यदि मैंने कोई ऐसा अपराध किया है जिसके लिए मुझे मृत्यु दंड मिलना चाहिए”

परन्तु जिन बातों का वे मुझ पर दोष लगाते हैं, यदि उनमें से कोई सच न निकले”
“परन्तु यदि मुझ पर लगाए गए आरोप सच न निकलें”

तो कोई मुझे उनके हाथ नहीं सौंप सकता
संभावित आशय: 1)फेस्तुस के पास पौलुस को इन झूठे आरोप लगानेवालों को सौंपने का कानूनी अधिकार नहीं है, अथवा 2) पौलुस कह रहा था कि उसने कोई गलत काम नहीं किया है, और हाकिम को उसे यहूदियों के हाथों नहीं सौंपना चाहिए।

मैं कैसर की दोहाई देता हूँ
“मैं कैसर के सामने पेश होने की दुहाई देता हूँ”

तब फेस्तुस ने मंत्रियों की सभा के साथ बात करके
“तब फेस्तुस ने अपने सलाहकारों से बातचीत की”

Acts 25:13

अग्रिप्पा राजा और बिरनीके ने
अग्रिप्पा वर्तमान राज करने वाला राजा था और बिरनीके उसकी बहन थी।

फेस्तुस से भेंट की
“आधिकारिक बातों के विषय में फेस्तुस से भेंट की”

एक मनुष्य है, जिसे फेलिक्स बंदी छोड़ गया है
कार्यकाल पूरा होने पर कार्यालय छोड़ते समय उसने एक व्यक्ति को बंदीगृह में छोड़ दिया था।

Acts 25:17

x
फेस्तुस अपनी बात जारी रखता है

जब वे यहाँ इकट्ठे हुए
“जब यहूदी अगुवे मुझसे मिलने यहाँ आये”

न्याय-आसन पर बैठकर
“न्यायी के पद पर आसीन होकर”

उस मनुष्य को लाने की आज्ञा दी
“मैं ने सिपाहियों से पौलुस को मेरे समक्ष लाने की आज्ञा दी”

परन्तु अपने मत के
“मत” का आशय जीवन व आलौकिक बातों के प्रति लोगों की आस्था से है।

कि वहाँ इन बातों का फैसला हो
“कि यहूदी परिषद् इन बातों का फैसला करे”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 25:21

x
21वें पद में फेस्तुस अपनी बात जारी रखता है।

तो मैंने आज्ञा दी ... उसे हिरासत में रखा जाए.
“तो आज्ञा दी.....उसे कैद में ही रखा जाए।”

तू कल सुन लेगा
अर्थात “तू कल पौलुस को सुन लेगा”

Acts 25:23

जब अग्रिप्पा और बिरनीके बड़ी धूमधाम से आये
नामों के अनुवाद के लिए पिछले अनुवाद का सन्दर्भ लें।

वे पौलुस को ले आये
उन्होंने पौलुस को अपने सम्मुख पेश किया।

चिल्ला-चिल्लाकर मुझसे विनती की
“ऊंची आवाज़ में मुझसे विनती की”

Acts 25:25

इसलिए मैं उसे तुम्हारे सामने और विशेष करके हे राजा अग्रिप्पा तेरे सामने लाया हूँ
“इसलिए मैं पौलुस को तुम सबके सामने, और विशेषकर, हे राजा अग्रिप्पा, तेरे सामने लाया हूँ”

जांचने के बाद मुझे कुछ लिखने को मिले
“जांचने के बाद मेरे पास कुछ लिखने को हो” अथवा, “जांचने के बाद मुझे पता चल सके कि मुझे क्या लिखना है”

जो उस पर दोष लगाए
संभावित आशय: 1) यहूदी अगुओं द्वारा लगाए गए आरोप अथवा, 2) रोमी व्यवस्था के अंतर्गत आरोप लगाए

Translation Questions

Acts 25:3

महायाजक और यहूदियों के प्रमुख ने फेस्तुस से क्या विनती की?
उन्होंने फेस्तुस से विनती की कि पौलुस को यरूशलेम बुलाए ताकि वे उसे रास्ते में ही मार डालें।

Acts 25:5

फेस्तुस ने महायाजक और यहूदियों के प्रमुख को क्या करने के लिए कहा?
फेस्तुस ने उन्हें कैसरिया जाने के लिए कहा, जहाँ फेस्तुस स्वयं जा रहा था, ताकि वे वहां पौलुस पर दोष लगा सकें।

Acts 25:9

पौलुस का कैसरिया में मुक़दमा सुनते हुए, फेस्तुस ने पौलुस से क्या प्रश्न पूछा?
फेस्तुस ने पूछा कि क्या वह चाहता है कि उसे यरूशलेम ले जाकर उसका निर्णय किया जाए।

पौलुस से फेस्तुस ने यह प्रश्न क्यों पूछा?
फेस्तुस ने पौलुस से यह प्रश्न यहूदियों को खुश करने की इच्छा से पूछा।

Acts 25:10

फेस्तुस के प्रश्न पर पौलुस की क्या प्रतिक्रिया थी?
पौलुस ने कहा कि उस ने यहूदियों का कुछ अपराध नहीं किया है, और उसने कैसर के द्वारा न्याय किए जाने की दुहाई दी।

Acts 25:12

फेस्तुस ने पौलुस के मुक़दमे के साथ क्या करने का निर्णय लिया?
फेस्तुस ने निर्णय सुनाया कि यदि पौलुस कैसर के पास ही जाना चाहता है तो उसे कैसर के पास ही ले जाया जाएगा।

Acts 25:16

फेस्तुस ने दण्ड देने के लिए किस रोमी रीति के विषय में बताया?
फेस्तुस ने कहा कि रोमी, अपराधियों को उस पर दोष लगाने वालों के द्वारा लगाए दोषों के लिए आमने-सामने खड़े होकर अपना पक्ष रखने का अवसर देते हैं।

Acts 25:19

फेस्तुस के अनुसार यहूदियों ने पौलुस पर क्या दोष लगाए थे?
फेस्तुस ने कहा कि जो दोष उसपर लगाए गए है वे उनके मत के और यीशु नामक किसी मनुष्य के विषय में जो मर गया था और जिसके जीवित होने का पौलुस दावा करता था, विषय में विवाद था।

Acts 25:26

फेस्तुस पौलुस को राजा अग्रिप्पा के सामने पेश करने क्यों लाया?
फेस्तुस राजा अग्रिप्पा की सहायता चाहता था कि कैसर के सामने पौलुस के मुक़दमे के विषय में कुछ तर्कसंगत लिखने को मिले।

Acts 25:27

फेस्तुस के अनुसार कैसर के पास भेजते समय क्या करना उसे व्यर्थ जान पड़ा?
फेस्तुस ने कहा कि पौलुस के खिलाफ़ जो दोष लगाएं हैं उन्हें न बताना व्यर्थ जान पड़ता है।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 26

1 अग्रिप्पा ने पौलुस से कहा, “तुझे अपने विषय में बोलने की अनुमति है।” तब पौलुस हाथ बढ़ाकर उत्तर देने लगा,

2 “हे राजा अग्रिप्पा, जितनी बातों का यहूदी मुझ पर दोष लगाते हैं, आज तेरे सामने उनका उत्तर देने में मैं अपने को धन्य समझता हूँ, **3** विशेष करके इसलिए कि तू यहूदियों के सब प्रथाओं और विवादों को जानता है*। अतः मैं विनती करता हूँ, धीरज से मेरी सुन ले।

4 “जैसा मेरा चाल-चलन आरम्भ से अपनी जाति के बीच और यरूशलेम में जैसा था, यह सब यहूदी जानते हैं। **5** वे यदि गवाही देना चाहते हैं, तो आरम्भ से मुझे पहचानते हैं, कि मैं फरीसी होकर अपने धर्म के सबसे खरे पंथ के अनुसार चला।

6 और अब उस प्रतिज्ञा की आशा के कारण जो परमेश्वर ने हमारे पूर्वजों से की थी, मुझ पर मुकद्दमा चल रहा है। **7** उसी प्रतिज्ञा के पूरे होने की आशा लगाए हुए, हमारे बारहों गोत्र अपने सारे मन से रात-दिन परमेश्वर की सेवा करते आए हैं। हे राजा, इसी आशा के विषय में यहूदी मुझ पर दोष लगाते हैं। **8** जब कि परमेश्वर मरे हुओं को जिलाता है*, तो तुम्हारे यहाँ यह बात क्यों विश्वास के योग्य नहीं समझी जाती?

9 “मैंने भी समझा था कि यीशु नासरी के नाम के विरोध में मुझे बहुत कुछ करना चाहिए। **10** और मैंने यरूशलेम में ऐसा ही किया; और प्रधान याजकों से अधिकार पा कर बहुत से पवित्र लोगों को बन्दीगृह में डाला, और जब वे मार डाले जाते थे, तो मैं भी उनके विरोध में अपनी सम्मति देता था। **11** और हर आराधनालय में मैं उन्हें ताड़ना दिला-दिलाकर यीशु की निन्दा करवाता था, यहाँ तक कि क्रोध के मारे ऐसा पागल हो गया कि बाहर के नगरों में भी जाकर उन्हें सताता था।

12 “इसी धुन में जब मैं प्रधान याजकों से अधिकार और आज्ञा-पत्र लेकर दमिश्क को जा रहा था; **13** तो हे राजा, मार्ग में दोपहर के समय मैंने आकाश से सूर्य के तेज से भी बढ़कर एक ज्योति, अपने और अपने साथ चलनेवालों के चारों ओर चमकती हुई देखी। **14** और जब हम सब भूमि पर गिर पड़े, तो मैंने इब्रानी भाषा में, मुझसे कहते हुए यह वाणी सुनी, ‘हे शाऊल, हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है? पैने पर लात मारना तेरे लिये कठिन है।’

15 मैंने कहा, ‘हे प्रभु, तू कौन है?’ प्रभु ने कहा, ‘मैं यीशु हूँ, जिसे तू सताता है। **16** परन्तु तू उठ, अपने पाँवों पर खड़ा हो; क्योंकि मैंने तुझे इसलिए दर्शन दिया है कि तुझे उन बातों का भी सेवक और गवाह ठहराऊँ, जो तूने देखी हैं, और उनका भी जिनके लिये मैं तुझे दर्शन दूँगा। (यहे. 2:1) **17** और मैं तुझे तेरे लोगों से और अन्यजातियों से बचाता रहूँगा, जिनके पास मैं अब तुझे इसलिए भेजता हूँ। (1 इति. 16:35) **18** कि तू उनकी आँखें खोले, कि वे अंधकार से ज्योति की ओर*, और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर फिरें; कि पापों की क्षमा, और उन लोगों के साथ जो मुझ पर विश्वास करने से पवित्र किए गए हैं, विरासत पाएँ।’ (व्य. 33:3-4, यशा. 35:5-6, यशा. 42:7, यशा. 42:16, यशा. 61:1)

19 अतः हे राजा अग्रिप्पा, मैंने उस स्वर्गीय दर्शन की बात न टाली, **20** परन्तु पहले दमिश्क के, फिर यरूशलेम के रहनेवालों को, तब यहूदिया के सारे देश में और अन्यजातियों को समझाता रहा, कि मन फिराओ और परमेश्वर की ओर फिर कर मन फिराव के योग्य काम करो। **21** इन बातों के कारण यहूदी मुझे मन्दिर में पकड़कर मार डालने का यत्न करते थे।

22 परन्तु परमेश्वर की सहायता से मैं आज तक बना हूँ और छोटे बड़े सभी के सामने गवाही देता हूँ, और उन बातों को छोड़ कुछ नहीं कहता, जो भविष्यद्वक्ताओं और मूसा ने भी कहा कि होनेवाली हैं, **23** कि मसीह को दुःख उठाना होगा, और वही सबसे पहले मरे हुओं में से जी उठकर, हमारे लोगों में और अन्यजातियों में ज्योति का प्रचार करेगा।” (यशा. 42:6, यशा. 49:6)

24 जब वह इस रीति से उत्तर दे रहा था, तो फेस्तुस ने ऊँचे शब्द से कहा, “हे पौलुस, तू पागल है। बहुत विद्या ने तुझे पागल कर दिया है।” **25** परन्तु उसने कहा, “हे महाप्रतापी फेस्तुस, मैं पागल नहीं, परन्तु सच्चाई और बुद्धि की बातें कहता हूँ। **26** राजा भी जिसके सामने मैं निडर होकर बोल रहा हूँ, ये बातें जानता है, और मुझे विश्वास है, कि इन बातों में से कोई उससे छिपी नहीं, क्योंकि वह घटना तो कोने में नहीं हुई।

27 हे राजा अग्रिप्पा, क्या तू भविष्यद्वक्ताओं का विश्वास करता है? हाँ, मैं जानता हूँ, कि तू विश्वास करता है।” **28** अब अग्रिप्पा ने पौलुस से कहा, “क्या तू थोड़े ही समझाने से मुझे मसीही बनाना चाहता है?” **29** पौलुस ने कहा, “परमेश्वर से मेरी प्रार्थना यह है कि क्या थोड़े में, क्या बहुत में, केवल तू ही नहीं, परन्तु जितने लोग आज मेरी सुनते हैं, मेरे इन बन्धनों को छोड़ वे मेरे समान हो जाएँ।”

30 तब राजा और राज्यपाल और बिरनीके और उनके साथ बैठनेवाले उठ खड़े हुए; **31** और अलग जाकर आपस में कहने लगे, “यह मनुष्य ऐसा तो कुछ नहीं करता, जो मृत्यु-दण्ड या बन्दीगृह में डाले जाने के योग्य हो*। **32** अग्रिप्पा ने फेस्तुस से कहा, “यदि यह मनुष्य कैसर की दोहाई न देता, तो छूट सकता था।”

Acts 26:1

पौलुस अपना हाथ बढ़ा कर
“भीड़ का ध्यान खींचने के लिए पौलुस ने उनकी तरफ हाथ बढ़ा कर”

उत्तर देने लगा
“स्वयं पर लगे आरोपों से अपना बचाव करने लगा”

मैं अपने को धन्य समझता हूँ
अग्रिप्पा के समक्ष प्रस्तुत होने को पौलुस धन्य समझता था क्योंकि वह उसे सुसमाचार के विषय में बोलने का अवसर मानता था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 26:4

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

सब यहूदी
संभावित आशय: 1) पौलुस के साथ पले-बढे फरीसी उसे एक फरीसी के रूप में जानते थे, या फिर, 2) “पहले एक जोशीले फरीसी और अब एक विश्वासी के रूप में पौलुस विख्यात था”

अपनी जाति
संभावित आशय: 1) संभावित रूप से यहाँ सभी यहूदियों की बात न होकर, उसके अपने यहूदी लोगों का सन्दर्भ हो, या फिर, 2) समस्त इस्राएल जाति से है।

Acts 26:6

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

मुझ पर मुकद्दमा चल रहा है
“मैं यहाँ पर हूँ, जहां मुझ पर मुकद्दमा चलाया जा रहा है”

उसी प्रतिज्ञा के पूरे होने आशा के कारण जो परमेश्वर ने हमारे बापदादों से की थी
पौलुस को मसीह के आने की आशा है

उसी प्रतिज्ञा के पूरे होने की आशा लगाए हुए
“परमेश्वर द्वारा की गयी प्रतिज्ञा के पूरे होने की आशा लगाए हुए”

जब कि परमेश्वर मरे हुओं को जिलाता है, तो तुम्हारे यहाँ यह बात क्यों विश्वास के योग्य नहीं समझी जाती
ऐसा कहते हुए पौलुस परमेश्वर द्वारा लोगों को जिलाने की बात से जुडी अग्रिप्पा की आस्था से अपने द्वारा कही जा रही बातों को जोड़ने का प्रयास कर रहा है लो

Acts 26:9

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

यीशु नासरी के नाम के विरोध में
“यीशु के अनुयायियों के विरोध में”

उन्हें ताड़ना दिला-दिला कर
संभावित आशय: 1) पौलुस ने कुछ विश्वासियों को कई बार दण्डित किया या फिर, 2) पौलुस ने बहुत से विश्वासियों को सताया

अपनी सम्मति देता था
“उन्हें ताड़ना देनेवालों को अपनी सम्मति देता था”

Acts 26:12

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

अधिकार और आज्ञा-पत्र
पौलुस के पास यहूदी अगुओं द्वारा जारी किये गए अधिकार पत्र थे जो उसे यहूदी विश्वासियों को ताड़ना देने की अनुमति देते थे।

पैने पर लात मारना तेरे लिए कठिन है
पौलुस द्वारा परमेश्वर की योजना के विरोध की तुलना परमेश्वर किसान के बैल द्वारा छड़ी को लात मारने से करते हैं। यूडीबी देखें। इसका आशय है कि पौलुस के लिए परमेश्वर की योजना से बचना विकट है।

Acts 26:15

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

पवित्र किये गए हैं
“मेरे बनाए गए हैं” (यूडीबी) या फिर, “मेरे लिए अभिषिक्त किये गए हैं”

विश्वास करने से
यहाँ पर आशय परमेश्वर द्वारा अलग किये गए लोगों के परमेश्वर में विश्वास से है

Acts 26:19

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

मैंने उस स्वर्गीय दर्शन की बात न टाली
“मैंने उस स्वर्गीय दर्शन में दिए सन्देश का पालन किया।”

Acts 26:22

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

जो भविष्यद्वक्ताओं
यहाँ पौलुस का आशय पुराने नियम में भविष्यदवक्ताओं द्वारा लिखी गयी सभी बातों से है।

कि मसीह को दुःख उठाना होगा
“कि मसीह को दुःख उठाकर मरना होगा”

ज्योति का प्रचार करेगा
अर्थात “सुसमाचार का प्रचार करेगा”

Acts 26:24

तू पागल है
“तू बकवास कर रहा है” या फिर, “तू पगला गया है”

बुद्धि की
“गंभीर बातें” अथवा “गंभीर विषय की”

मैं निडर होकर बोल रहा हूँ
“मैं राजा अग्रिप्पा से खुल कर बोल रहा हूँ”

वह घटना तो कोने में नहीं हुई
इसे सर्वविदित कर दिया गया। वैकल्पिक अनुवाद: “वह घटना चोरी-चुपके से नहीं हुई।”

Acts 26:27

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्या तू भविष्यद्वक्ताओं का विश्वास करता है?
ऐसा पूछते हुए पौलुस अग्रिप्पा को याद दिलाना चाहता है कि अग्रिप्पा को तो पहले से भविष्यद्वक्ताओं की कही बातों का विश्वास करता है। इसलिए अग्रिप्पा को यीशु के विषय में कही बातों का भी विश्वास करना चाहिए।

तू थोड़े ही समझाने से मुझे मसीही बनाना चाहता है?
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

Acts 26:30

तब राजा और हाकिम
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

Translation Questions

Acts 26:3

पौलुस राजा अग्रिप्पा के सामने अपना प्रतिवाद रखने में क्यों प्रसन्न था?
पौलुस राजा अग्रिप्पा के सामने अपना प्रतिवाद प्रस्तुत करने इ लिए बहुत खुश था क्योंकि अग्रिप्पा यहूदी व्यवहारों और विवादों को जानता था।

Acts 26:5

यरूशलेम में पौलुस का जीवन आरम्भ ही से कैसे रहा?
पौलुस अपने धर्म के सबसे कट्टर पंथ, फरीसी आचरण के अनुसार चला।

Acts 26:6

परमेश्वर की कौन सी प्रतिज्ञा की आशा के कारण पौलुस के अनुसार वह और यहूदी आशा लगाए हैं?
पौलुस के अनुसार वह और यहूदी पुनरुत्थान की प्रतिज्ञा पर आशा लगाए बैठे हैं।

Acts 26:9

मन फिराने से पहले, पौलुस यीशु नासरी के नाम के विरोध में क्या कर रहा था?
पौलुस बहुत से पवित्र सन्तों को बंदीगृह में डालता, उनके मारे जाने पर उनके विरोध में सम्मति देता और यहाँ तक कि बाहर के नगरों में जाकर भी उनको ताड़ना देता।

Acts 26:13

पौलुस ने दमिश्क के मार्ग में क्या देखा?
पौलुस ने मार्ग में सूर्य के तेज से भी बढ़कर एक ज्योति देखी।

Acts 26:14

पौलुस ने दमिश्क के मार्ग में क्या सुना?
पौलुस ने सुना,“हे शाऊल, हे शाऊल! तू मुझे क्यों सताता है?”

Acts 26:15

पौलुस से दमिश्क के मार्ग में कौन बात कर रहा था?
पौलुस से दमिश्क के मार्ग में यीशु बात कर रहा था।

Acts 26:16

पौलुस को यीशु ने क्या नियुक्त किया?
यीशु ने पौलुस को सेवक और अन्यजातियों के लिए गवाह नियुक्त किया।

Acts 26:18

यीशु अन्यजातियों को क्या ग्रहण करवाना चाहता था?
यीशु ने कहा वह चाहता था कि अन्यजातियाँ अपने पापों की क्षमा और परमेश्वर से मीरास पाएं।

Acts 26:20

पौलुस के अनुसार कौन सी दो बातों का उसने जहाँ भी गया प्रचार किया?
पौलुस के अनुसार उसने लोगों से मन फिराने और परमेश्वर की ओर मुड़ने के लिए, और मन फिराव के योग्य काम करने के लिए कहा।

Acts 26:22

भविष्यद्वक्ताओं और मूसा ने क्या कहा था जो होने वाला है?
भविष्यद्वक्ताओं और मूसा ने कहा था कि मसीह को दुःख उठाना होगा, मरे हुओं में से जी कर उठेगा और यहूदियों और अन्यजातियों में ज्योति का प्रचार करेगा।

Acts 26:24

पौलुस की सफाई सुन कर फेस्तुस ने क्या सोचा?
फेस्तुस ने सोचा कि पौलुस पागल हो गया था।

Acts 26:28

पौलुस की राजा अग्रिप्पा के लिए क्या इच्छा थी?
पौलुस की इच्छा थी कि राजा अग्रिप्पा मसीही हो जाए।

Acts 26:31

अग्रिप्पा, फेस्तुस और बिरनीके पौलुस पर लगे आरोपों के विषय में किस निर्णय पर पहुंचे?
वे सब इस बात पर सहमत थे कि उसने ऐसा कुछ नहीं किया जो मृत्यु दण्ड, या बन्दीग्रह में डालने योग्य हो, यदि यह कैसर की दुहाई न देता तो छूट सकता था।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 27

1 जब यह निश्चित हो गया कि हम जहाज द्वारा इतालिया जाएँ, तो उन्होंने पौलुस और कुछ अन्य बन्दियों को भी यूलियुस नामक औगुस्तुस की सैन्य-दल के एक
सूबेदार के हाथ सौंप दिया। **2** अद्रमुत्तियुम* के एक जहाज पर जो आसिया के किनारे की जगहों में जाने पर था, चढ़कर हमने उसे खोल दिया, और अरिस्तर्खुस
नामक थिस्सलुनीके का एक मकिदूनी हमारे साथ था।

3 दूसरे दिन हमने सैदा में लंगर डाला और यूलियुस ने पौलुस पर कृपा करके उसे मित्रों के यहाँ जाने दिया कि उसका सत्कार किया जाए। **4** वहाँ से जहाज
खोलकर हवा विरुद्ध होने के कारण हम साइप्रस की आड़ में होकर चले; **5** और किलिकिया और पंफूलिया के निकट के समुद्र में होकर लूसिया* के मूरा में
उतरे। **6** वहाँ सूबेदार को सिकन्दरिया का एक जहाज इतालिया जाता हुआ मिला, और उसने हमें उस पर चढ़ा दिया।

7 जब हम बहुत दिनों तक धीरे-धीरे चलकर कठिनता से कनिदुस के सामने पहुँचे, तो इसलिए कि हवा हमें आगे बढ़ने न देती थी, हम सलमोने के सामने से
होकर क्रेते की आड़ में चले; **8** और उसके किनारे-किनारे कठिनता से चलकर 'शुभलंगरबारी' नामक एक जगह पहुँचे, जहाँ से लसया नगर निकट था।

9 जब बहुत दिन बीत गए, और जलयात्रा में जोखिम इसलिए होती थी कि उपवास के दिन अब बीत चुके थे, तो पौलुस ने उन्हें यह कहकर चेतावनी दी, **10** "हे
सज्जनों, मुझे ऐसा जान पड़ता है कि इस यात्रा में विपत्ति और बहुत हानि, न केवल माल और जहाज की वरन् हमारे प्राणों की भी होनेवाली है।" **11** परन्तु
सूबेदार ने कप्तान और जहाज के स्वामी की बातों को पौलुस की बातों से बढ़कर माना।

12 वह बन्दरगाह जाड़ा काटने के लिये अच्छा न था; इसलिए बहुतों का विचार हुआ कि वहाँ से जहाज खोलकर यदि किसी रीति से हो सके तो फीनिक्स* में
पहुँचकर जाड़ा काटें। यह तो क्रेते का एक बन्दरगाह है जो दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम की ओर खुलता है।

13 जब दक्षिणी हवा बहने लगी, तो उन्होंने सोचा कि उन्हें जिसकी जरूरत थी वह उनके पास थी, इसलिए लंगर उठाया और किनारे के किनारे, समुद्र तट के
पास चल दिए।

14 परन्तु थोड़ी देर में जमीन की ओर से एक बड़ी आँधी उठी, जो 'यूरकुलीन' कहलाती है। **15** जब आँधी जहाज पर लगी, तब वह हवा के सामने ठहर न
सका, अतः हमने उसे बहने दिया, और इसी तरह बहते हुए चले गए। **16** तब कौदा* नामक एक छोटे से टापू की आड़ में बहते-बहते हम कठिनता से डोंगी को
वश में कर सके।

17 फिर मल्लाहों ने उसे उठाकर, अनेक उपाय करके जहाज को नीचे से बाँधा, और सुरतिस के रेत पर टिक जाने के भय से पाल और सामान उतार कर बहते
हुए चले गए। **18** और जब हमने आँधी से बहुत हिचकोले और धक्के खाए, तो दूसरे दिन वे जहाज का माल फेंकने लगे;

19 और तीसरे दिन उन्होंने अपने हाथों से जहाज का साज-सामान भी फेंक दिया। **20** और जब बहुत दिनों तक न सूर्य न तारे दिखाई दिए, और बड़ी आँधी चल
रही थी, तो अन्त में हमारे बचने की सारी आशा जाती रही।

21 जब वे बहुत दिन तक भूखे रह चुके, तो पौलुस ने उनके बीच में खड़ा होकर कहा, "हे लोगों, चाहिए था कि तुम मेरी बात मानकर, क्रेते से न जहाज खोलते
और न यह विपत्ति आती और न यह हानि उठाते।

22 परन्तु अब मैं तुम्हें समझाता हूँ कि ढाढ़स बाँधो, क्योंकि तुम में से किसी के प्राण की हानि न होगी, पर केवल जहाज की। **23** क्योंकि परमेश्वर जिसका मैं हूँ,
और जिसकी सेवा करता हूँ, उसके स्वर्गदूत ने आज रात मेरे पास आकर कहा, **24** 'हे पौलुस, मत डर! तुझे कैसर के सामने खड़ा होना अवश्य है। और देख,
परमेश्वर ने सब को जो तेरे साथ यात्रा करते हैं, तुझे दिया है।' **25** इसलिए, हे सज्जनों, ढाढ़स बाँधो; क्योंकि मैं परमेश्वर पर विश्वास करता हूँ, कि जैसा मुझसे
कहा गया है, वैसा ही होगा। **26** परन्तु हमें किसी टापू पर जा टिकना होगा।"

27 जब चौदहवीं रात हुई, और हम अद्रिया समुद्र में भटक रहे थे, तो आधी रात के निकट मल्लाहों ने अनुमान से जाना कि हम किसी देश के निकट पहुँच रहे हैं।
28 थाह लेकर उन्होंने बीस पुरसा गहरा पाया और थोड़ा आगे बढ़कर फिर थाह ली, तो पन्द्रह पुरसा पाया। **29** तब पत्थरीली जगहों पर पड़ने के डर से उन्होंने
जहाज की पीछे चार लंगर डाले, और भोर होने की कामना करते रहे।

30 परन्तु जब मल्लाह जहाज पर से भागना चाहते थे, और गलही से लंगर डालने के बहाने डोंगी समुद्र में उतार दी; **31** तो पौलुस ने सूबेदार और सिपाहियों से
कहा, "यदि ये जहाज पर न रहें, तो तुम भी नहीं बच सकते।" **32** तब सिपाहियों ने रस्से काटकर डोंगी गिरा दी।

33 जब भोर होने पर थी, तो पौलुस ने यह कहकर, सब को भोजन करने को समझाया, "आज चौदह दिन हुए कि तुम आस देखते-देखते भूखे रहे, और कुछ
भोजन न किया। **34** इसलिए तुम्हें समझाता हूँ कि कुछ खा लो, जिससे तुम्हारा बचाव हो; क्योंकि तुम में से किसी के सिर का एक बाल भी न गिरेगा।" **35** और
यह कहकर उसने रोटी लेकर सब के सामने परमेश्वर का धन्यवाद किया और तोड़कर खाने लगा।

36 तब वे सब भी ढाढ़स बाँधकर भोजन करने लगे। **37** हम सब मिलकर जहाज पर दो सौ छिहत्तर जन थे। **38** जब वे भोजन करके तृप्त हुए, तो गेंहूँ को समुद्र
में फेंककर जहाज हलका करने लगे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

39 जब दिन निकला, तो उन्होंने उस देश को नहीं पहचाना, परन्तु एक खाड़ी देखी जिसका चौरस किनारा था, और विचार किया कि यदि हो सके तो इसी पर जहाज को टिकाएँ। **40** तब उन्होंने लंगरों को खोलकर समुद्र में छोड़ दिया और उसी समय पतवारों के बन्धन खोल दिए, और हवा के सामने अगला पाल चढ़ाकर किनारे की ओर चले। **41** परन्तु दो समुद्र के संगम की जगह पड़कर उन्होंने जहाज को टिकाया, और गलही तो धक्का खाकर गड़ गई, और टल न सकी; परन्तु पिछली लहरों के बल से टूटने लगी।

42 तब सिपाहियों का यह विचार हुआ कि बन्दियों को मार डालें; ऐसा न हो कि कोई तैर कर निकल भागे। **43** परन्तु सूबेदार ने पौलुस को बचाने की इच्छा से उन्हें इस विचार से रोका, और यह कहा, कि जो तैर सकते हैं, पहले कूदकर किनारे पर निकल जाएँ। **44** और बाकी कोई पटरों पर, और कोई जहाज की और वस्तुओं के सहारे निकल जाए, और इस रीति से सब कोई भूमि पर बच निकले।

Acts 27:1

निश्चित हो गया
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

इटली जाएँ
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

हम जहाज द्वारा इटली जाएं
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

यूलियुस नामक .....एक सूबेदार
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

औगुस्तुस की पलटन के
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

अद्रमुत्तियुम के एक जहाज पर
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

जाने पर था
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

उसे खोल दिया
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

अरिस्तर्खुस नामक थिस्लुनीके का एक मकदूनी
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

Acts 27:3

यूल्लियुस ने पौलुस पर कृपा करके
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

मित्रों के यहाँ जाने दिया कि उसका सत्कार किया जाए
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

हवा विरुद्ध होने के कारण हम साइप्रस की आड़ में होकर चले
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

और पम्फूलिया
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

लूसिया के मूरा में उतरे
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

लूसिया
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

सिकंदरिया का एक जहाज
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

इटली जाता हुआ
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

Acts 27:7

कनिदुस के सामने
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

लसया नगर निकट था
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

सलमोने के सामने
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

शुभ लंगरबारी
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

Acts 27:9

जब बहुत दिन बीत गए
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उपवास के दिन अब बीत चुके थे
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

Acts 27:12

वह बंदरगाह जाड़ा काटने के लिए अच्छा न था
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

फीनिक्स
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

लंगर उठाया
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

Acts 27:14

जमीन की ओर से एक आंधी आयी
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

टापू की आड़ में
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

कौदा नामक एक छोटे टापू
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

Acts 27:17

मल्लाहों ने उसे उठाकर
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

सुरतिस के चोरबालू
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

बहते चले गए
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

Acts 27:19

हमारे बचने की आशा न रही
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

Acts 27:21

उनके बीच खड़ा होकर कहा
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

क्रेते से जहाज न खोलते और न यह विपत्ति आती और न यह हानि उठाते
अग्रिप्पा स्पष्ट कर रहा है कि इतने संक्षिप्त भाषण के द्वारा पौलुस उसके भीतर मसीह के लिए विश्वास पैदा नहीं कर सकता।

Acts 27:23

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

सब को जो तेरे साथ यात्रा करते हैं, तुझे दिया है
“सब को जो तेरे साथ यात्रा करते हैं, जीवित रहने दिया है”

हमें किसी टापू पर जा टिकना होगा
हमें किसी टापू पर जा टिकना होगा “हमें अपना जहाज किसी टापू पर ले जाना होगा”

Acts 27:27

अद्रिया समुद्र
अद्रिया समुद्र - इटली और यूनान के बीच स्थित समुद्र।

उन्होंने थाह लेकर
समुद्र के पानी की गहराई माप कर। (यूडीबी)

बीस पुरसा गहरा पाया
“20 बिरसा गहरा पाया” या फिर, “40 मीटर गहरा पाया)। बिरसा मापने की इकाई है।

पंद्रह पुरसा पाया
“पंद्रह पुरसा पाया” या फिर “तीस मीटर पाया”

जहाज की पिछाडी
“जहाज के पिछले हिस्से से”

Acts 27:33

सिर का एक बाल भी न गिरेगा
“सब लोग इस से बिना किसी हानि के बच निकलेंगे।”

रोटी .....तोड़कर खाने लगा
अर्थात “रोटी.....उसके टुकड़े करके खाने लगा” अथवा “रोटी.....का एक टुकड़ा तोडा”

Acts 27:36

दो सौ छिहत्तर जन थे
“276 लोग”

Acts 27:39

उस देश को नहीं पहचाना
“उस जगह को पहचान नहीं पाए”

उन्होंने लंगरों को खोल कर समुद्र में छोड़ दिया
“रस्सियाँ काट कर लंगर को पीछे छोड़ दिया”

किनारे की ओर चले
“जहाज को किनारे पर ले गए”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 27:42

तब सिपाहियों का विचार हुआ कि
“तब सिपाही योजना बना रहे थे कि”

कूदकर किनारे पर निकल जाएं
“जहाज से पानी में कूद कर किनारे पर निकल जाएं”

Translation Questions

Acts 27:3

सूबेदार यूलियुस ने रोम की यात्रा के आरम्भ में पौलुस से किस प्रकार का बर्ताव किया?
यूलियुस ने पौलुस पर कृपा कर के उसे मित्रों के यहाँ जाने दिया कि उसका सत्कार किया जाए।

Acts 27:7

किस टापू के आस-पास पौलुस का जहाज़ को मुश्किल का सामना करना पड़ा?
जहाज़ को क्रेते के टापू के पास चलने में कठिनाई हुई।

Acts 27:10

सूबेदार यूलियुस ने यात्रा जारी रखने के विषय में पौलुस द्वारा दी गई चेतावनी की ओर ध्यान क्यों नहीं दिया?
यूलियुस ने पौलुस की चेतावनी की ओर इसलिए ध्यान नहीं दिया क्योंकि उसने जहाज़ के स्वामी की बातों को बढ़कर माना।

Acts 27:14

समुंद्री यात्रा की अच्छी शुरुआत के बाद किस हवा ने जहाज़ को थपेड़े मारना शुरू कर दिया?
अच्छी शुरुआत के पश्चात्, यूरकुलीन कहलाने वाली हवा ने जहाज़ पर लगना शुरू कर दिया।

Acts 27:20

कई दिनों के पश्चात्, जहाज़ के मल्लाहों ने आशा छोड़ दी?
कई दिनों के पश्चात्, मल्लाहों ने बचने की सारी आशाएं छोड़ दीं।

Acts 27:22

परमेश्वर के स्वर्गदूत ने जहाज़ यात्रा के विषय में क्या सन्देश दिया?
परमेश्वर के स्वर्गदूत ने कहा कि वह और सारे मल्लाह बच जाएंगे, पर जहाज़ टूट जाएगा।

Acts 27:27

चौदहवीं रात को आधी रात में, मल्लाहों के क्या अनुमान लगाया कि जहाज़ को क्या हो रहा है **?**
मल्लाहों ने अनुमान लगाया कि वे किसी देश के निकट पहुँच रहे हैं।

Acts 27:30

मल्लाह क्या करने की सोच रहे थे?
मल्लाह जहाज़ छोड़कर भागना चाहते थे।

Acts 27:31

पौलुस ने सूबेदार और सिपाहियों को मल्लाहों के विषय में क्या बताया?
पौलुस ने सूबेदार और सिपाहियों को बताया कि ये जहाज़ पर न रहें तो तुम भी नहीं बच सकते।

Acts 27:33

जब भोर होने को था तो पौलुस ने क्या करने के लिए हर किसी को समझाया?
पौलुस ने हर किसी को भोजन करने के लिए समझाया।

Acts 27:39

मल्लाहों के दल ने जहाज़ को किस प्रकार समुंद्र तट पर लगाने का निर्णय किया, और क्या हुआ?
मल्लाहों के दल ने सीधे समुंद्र तट की ओर जहाज़ ले जाने का निर्णय किया, पर जहाज़ का गलही तो धक्का खाकर गड गई और टल न सकी परन्तु पिछाड़ी लहरों के बल से टूटने सी लगी।

Acts 27:42

इस समय सिपाही बन्दियों के साथ क्या करने जा रहे थे?
सिपाही बन्दियों को मार डालने का विचार करने लगे ताकि उनमे से कोई बच न निकले।

Acts 27:43

सूबेदार ने सिपाहियों की योजना को क्यों रोका?
सूबेदार ने सिपाहियों की योजना को रोका क्योंकि वह पौलुस को बचाना चाहता था।

Acts 27:44

जहाज़ के सब लोग किस प्रकार सुरक्षित ज़मीन पर आए?
जो कोई तैर सकते थे पहले किनारे पर गए, फिर बाकी कोई पटरों और जहाज़ की अन्य वस्तुओं के द्वारा भूमि पर बच निकले।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 28

1 जब हम बच निकले, तो पता चला कि यह टापू माल्टा* कहलाता है। **2** और वहाँ के निवासियों ने हम पर अनोखी कृपा की; क्योंकि मेंह के कारण जो बरस
रहा था और जाड़े के कारण, उन्होंने आग सुलगाकर हम सब को ठहराया।

3 जब पौलुस ने लकड़ियों का गट्ठा बटोरकर आग पर रखा, तो एक साँप* आँच पा कर निकला और उसके हाथ से लिपट गया। **4** जब उन निवासियों ने साँप
को उसके हाथ में लटके हुए देखा, तो आपस में कहा, "सचमुच यह मनुष्य हत्यारा है, कि यद्यपि समुद्र से बच गया, तो भी न्याय ने जीवित रहने न दिया।"

5 तब उसने साँप को आग में झटक दिया, और उसे कुछ हानि न पहुँची। **6** परन्तु वे प्रतीक्षा कर रहे थे कि वह सूज जाएगा, या एकाएक गिरके मर जाएगा,
परन्तु जब वे बहुत देर तक देखते रहे और देखा कि उसका कुछ भी नहीं बिगड़ा, तो और ही विचार कर कहा, "यह तो कोई देवता है।"

7 उस जगह के आस-पास पुबलियुस नामक उस टापू के प्रधान की भूमि थी: उसने हमें अपने घर ले जाकर तीन दिन मित्रभाव से पहुनाई की। **8** पुबलियुस के
पिता तेज बुखार और पेचिश से रोगी पड़ा था। अतः पौलुस ने उसके पास घर में जाकर प्रार्थना की, और उस पर हाथ रखकर उसे चंगा किया। **9** जब ऐसा हुआ,
तो उस टापू के बाकी बीमार आए, और चंगे किए गए। **10** उन्होंने हमारा बहुत आदर किया, और जब हम चलने लगे, तो जो कुछ हमारे लिये आवश्यक था,
जहाज पर रख दिया।

11 तीन महीने के बाद हम सिकन्दरिया के एक जहाज पर चल निकले, जो उस टापू में जाड़े काट रहा था, और जिसका चिन्ह दियुसकूरी था। **12** सुरकूसा* में
लंगर डाल करके हम तीन दिन टिके रहे।

13 वहाँ से हम घूमकर रेगियुम* में आए; और एक दिन के बाद दक्षिणी हवा चली, तब दूसरे दिन पुतियुली में आए। **14** वहाँ हमको कुछ भाई मिले, और उनके
कहने से हम उनके यहाँ सात दिन तक रहे; और इस रीति से हम रोम को चले। **15** वहाँ से वे भाई हमारा समाचार सुनकर अप्पियुस के चौक और तीन-सराए
तक हमारी भेंट करने को निकल आए, जिन्हें देखकर पौलुस ने परमेश्वर का धन्यवाद किया, और ढाढ़स बाँधा।

16 जब हम रोम में पहुँचे, तो पौलुस को एक सिपाही के साथ जो उसकी रखवाली करता था, अकेले रहने की आज्ञा हुई।

17 तीन दिन के बाद उसने यहूदियों के प्रमुख लोगों को बुलाया, और जब वे इकट्ठे हुए तो उनसे कहा, "हे भाइयों, मैंने अपने लोगों के या पूर्वजों की प्रथाओं के
विरोध में कुछ भी नहीं किया, फिर भी बन्दी बनाकर यरूशलेम से रोमियों के हाथ सौंपा गया। **18** उन्होंने मुझे जाँच कर छोड़ देना चाहा, क्योंकि मुझ में मृत्यु के
योग्य कोई दोष न था।

19 परन्तु जब यहूदी इसके विरोध में बोलने लगे, तो मुझे कैसर की दोहाई देनी पड़ी; यह नहीं कि मुझे अपने लोगों पर कोई दोष लगाना था। **20** इसलिए मैंने
तुम को बुलाया है, कि तुम से मिलूँ और बातचीत करूँ; क्योंकि इस्राएल की आशा के लिये मैं इस जंजीर से जकड़ा हुआ हूँ।"

21 उन्होंने उससे कहा, "न हमने तेरे विषय में यहूदियों से चिट्ठियाँ पाई, और न भाइयों में से किसी ने आकर तेरे विषय में कुछ बताया, और न बुरा कहा। **22**
परन्तु तेरा विचार क्या है? वही हम तुझ से सुनना चाहते हैं, क्योंकि हम जानते हैं, कि हर जगह इस मत के विरोध में लोग बातें करते हैं।"

23 तब उन्होंने उसके लिये एक दिन ठहराया, और बहुत से लोग उसके यहाँ इकट्ठे हुए, और वह परमेश्वर के राज्य की गवाही देता हुआ, और मूसा की व्यवस्था
और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों से यीशु के विषय में समझा-समझाकर भोर से सांझ तक वर्णन करता रहा। **24** तब कुछ ने उन बातों को मान लिया, और कुछ
ने विश्वास न किया।

25 जब आपस में एकमत न हुए, तो पौलुस के इस एक बात के कहने पर चले गए, "पवित्र आत्मा ने यशायाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा तुम्हारे पूर्वजों से ठीक ही
कहा, **26** 'जाकर इन लोगों से कह,

कि सुनते तो रहोगे, परन्तु न समझोगे,
और देखते तो रहोगे, परन्तु न बुझोगे;
27 क्योंकि इन लोगों का मन मोटा,
और उनके कान भारी हो गए है,
और उन्होंने अपनी आँखें बन्द की हैं,
ऐसा न हो कि वे कभी आँखों से देखें,
और कानों से सुनें,
और मन से समझें
और फिरें,
और मैं उन्हें चंगा करूँ।' (यशा. 6:9-10)

28 अतः तुम जानो, कि परमेश्वर के इस उद्धार की कथा अन्यजातियों के पास भेजी गई है, और वे सुनेंगे।" (भज. 67:2, भज. 98:3, यशा. 40:5)

29 जब उसने यह कहा तो यहूदी आपस में बहुत विवाद करने लगे और वहाँ से चले गए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

30 और पौलुस पूरे दो वर्ष अपने किराये के घर में रहा, **31** और जो उसके पास आते थे, उन सबसे मिलता रहा और बिना रोक-टोक बहुत निडर होकर* परमेश्वर के राज्य का प्रचार करता और प्रभु यीशु मसीह की बातें सिखाता रहा।

Acts 28:1

पता चला
"लोगों से पता चला" या फिर, "हमें वहां के निवासियों से पता चला कि"। यहाँ पौलुस और प्रेरितों के कार्य के लेखक, लूका की बात हो रही है।

यह टापू माल्टा कहलाता है
"माल्टा," आधुनिक सिसीली द्वीप के दक्षिण में स्थित एक टापू है।

वहां के निवासियों
"निवासियों" का आशय उन लोगों से है जो न तो यूनानी भाषा में बोलते हैं और न ही उन्होंने यूनानी संस्कृति को अपनाया है।

अनोखी कृपा
"बहुत बड़ी कृपा"

आग सुलगाकर
"टहनियों और शाखाओं को इकठ्ठा करके जलाया"

हम सबको ठहराया
संभावित आशय: 1) "जहाज के सभी लोगों का स्वागत किया" या फिर, 2) "पौलुस और उसके सभी साथियों का स्वागत किया।"

Acts 28:3

एक सांप आंच पाकर निकला
"एक ज़हरीला सांप लकडियों के ढेर से निकल आया"

उसक हाथ से लिपट गया
"पौलुस के हाथ को काट कर वही लिपट गया"

सचमुच यह मनुष्य हत्यारा है
"अवश्य ही, यह आदमी एक हत्यारा है" या फिर, "यह मनुष्य निश्चय ही एक हत्यारा है"

तौभी न्याय ने जीवित रहने न दिया
"न्याय की देवी ने उसे मृत्यु से बचने न दिया"

Acts 28:5

तब उसने सांप को आग में झटक दिया
"तब उसने अपना हाथ झटक कर सांप को आग में फ़ेंक दिया"

वह सूज जाएगा
संभावित आशय : 1) "तेज़ बुखार हो जाएगा" या फिर, 2) "सूजन हो जाएगी।"

यह तो कोई देवता है
ऐसा माना जाता था कि यदि ज़हरीले सांप द्वारा डसे जाने के बाद भी यदि कोई जीवित रहता है तो वह व्यक्ति एक देवता है

Acts 28:7

उस जगह के आसपास
कहानी में नए व्यक्ति का आगमन होता है।

प्रधान
संभावित आशय: 1) जन समुदाय का मुख्य अगुआ या फिर, 2) टापू का सबसे अमीर व प्रभावशाली व्यक्ति

हमें अपने घर ले जाकर मित्रभाव से पहुनाई की
"पौलुस व उसके साथियों का स्वागत किया और पहुनाई की"

पहुनाई की
"हम अजनबियों के प्रति मित्रभाव से पहुनाई की"

रोगी पड़ा था
"का रोगी था"

ज्वर और आंव लहू पड़ा था
"आंव लहू (पेचिश) आंतो का एक संक्रामक रोग है"

उस पर हाथ रखकर
"अपने हाथों से छूकर"

और चंगे किये गए
"और वे भी चंगे किये गए"

Acts 28:11

सिकंदरिया के एक जहाज
संभावित आशय: 1) "सिकंदरिया की ओर से आया जहाज" या फिर, 2) "सिकंदरिया में पंजीकृत और वहाँ का लाइसेंसधारी जहाज। नाम के अनुवाद के लिए पिछले अनुवाद का सन्दर्भ लें।

जिसका चिन्ह दियुसकूरी था
"दियुसकूरी" से आशय यूनानी देवता ज़ीअस के जुड़वाँ बेटों, कास्टर व पोलक्स से है। वे जहाज़ों के रक्षक माने जाते the।

सुरकूसा
आधुनिक सिसीली द्वीप के दक्षिणपूर्वी तट पर, इटली के बस दक्षिणपश्चिम पर स्थित एक नगर।

Acts 28:13

रेगियुम
इटली के दक्षिणपश्चिमी छोर पर स्थित एक बंदरगाह नगर।

दक्षिणी हवा चली
"दक्षिण की ओर से हवा चलने लगी"

पुतियुली
"पुतियुली" आधुनिक नेपल्स में इटली के दक्षिणी किनारे पर स्थित है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

इसी रीति से हम रोम को चले गए
“उनके साथ सात दिन बिताने के बाद, हम रोम चले गए।” पुतियुली में पहुँचने के बाद की सारी यात्रा भूमि पर की गयी यात्रा है।

तीन-सराए
रोम के दक्षिण में 50किमी पर अप्पियन वे नामक राजमार्ग पर स्थित के आरामगाह।

Acts 28:16

जब हम रोम पहुंचें, तो पौलुस को....की आज्ञा हुई
“जब हम रोम पहुंचे, तो राज्य ने पौलुस को....अनुमति दी”

यहूदियों के प्रमुख लोगों
रोम में मौजूद यहूदियों के नागरिक अथवा धार्मिक अगुवे

मुझमें मृत्यु के योग्य कोई दोष न था
“मैंने मृत्यु दंड के योग्य कोई कार्य नहीं किया था”

Acts 28:19

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

जब यहूदी इसके विरोध में बोलने लगे
“यरूशलेम के यहूदी इसके विरोध बोलने लगे”

इसके विरोध में बोलने लगे
“रोमी अगुओं की इच्छा के विरुद्ध बोलने लगे”

मुझे कैसर की दोहाई देनी पडी
“मेरे पास कैसर को दोहाई देने के अतिरिक्त कोई विकल्प न बचा।”

इस्राएल की आशा
कि परमेश्वर इस्राएल में मसीह को भेजेगा

Acts 28:21

परन्तु तेरा विचार क्या है?
अर्थात, “इस स्वतंत्र समुदाय के विषय में तेरा क्या विचार है”

हर जगह इस मत के विरोध में लोग बातें करते हैं
रोमी साम्राज्य में रहनेवाले वे यहूदी, जो सुसमाचार के सन्देश को नकार चुके थे, वे लोग “पंथ” की बुराई करते थे। रोम के यहूदियों को इन्हीं लोगों से सूचनाएं मिल रही थी।

Acts 28:23

यीशु के विषय में समझा-समझकर
वह ये बातें यहूदी अगुओं से कह रहा था

कुछ मान गए
“पौलुस ने कुछ लोगों को विश्वास दिला दिया”

Acts 28:27

x
पौलुस यशायाह से बोलना जारी रखता है

Acts 28:28

x
पौलुस अपनी बात जारी रखता है

और वे सुनेंगे
“और उनमें से कुछ अवश्य सुनेंगे”

29वां पद
“और उसके ऐसा कहने के बाद, आपस में बहस करते हुए चले गए।” इस पद को शामिल नहीं किया गया था क्योंकि कुछ प्राचीन लेखों में यह नहीं है।

Translation Questions

Acts 28:2

माल्टा टापू के निवासियों ने पौलुस और उसके जहाज़ के सवारों के साथ कैसा व्यवहार किया?
वहां के निवासियों ने उन पर अनोखी कृपा की।

Acts 28:4

जब लोगों ने पौलुस के हाथ में सांप लटकता हुआ देखा तो क्या सोचा?
लोगों ने सोचा कि पौलुस हत्यारा है जिसे न्याय के कारण जीवित न रहने दिया।

Acts 28:6

जब लोगों ने देखा कि सांप ने पौलुस को नहीं काटा तो उन्होंने क्या सोचा?
लोगों ने सोचा कि पौलुस कोई देवता है।

Acts 28:8

जब पौलुस ने पुबलियुस के पिता को ठीक कर दिया जो टापू का प्रधान था तो फिर क्या हुआ?
उस टापू के अन्य लोग जो बीमार थे आए और चंगाई पाई।

Acts 28:11

पौलुस और अन्य माल्टा नामक टापू पर कितने दिन रहे?
पौलुस और अन्य सदस्य माल्टा नामक टापू पर तीन माह तक रहे।

Acts 28:15

पौलुस ने रोमी भाइयों को देखकर क्या किया जो उसे मिलने आए थे?
जब उसने भाइयों को देखा, उसने परमेश्वर का धन्यवाद किया और ढाढस बांधा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Acts 28:16

रोम में बन्दी के रूप में पौलुस के रहन-सहन की क्या व्यवस्था थी?
पौलुस को एक सिपाही के साथ जो उसकी रखवाली करता था अकेले रहने की आज्ञा हुई।

Acts 28:20

पौलुस ने रोम में यहूदियों के प्रमुख को अपने जंजीरों में जकड़े होने का क्या कारण बताया?
पौलुस ने यहूदियों के प्रमुख को बताया कि उसे इस्राएल की आशा के लिए उसे जंजीरों में जकड़ा हुआ है।

Acts 28:22

रोम में यहूदियों के प्रमुख इसाई मत के विषय में क्या जानते थे?
रोम में यहूदियों के प्रमुख जानते थे कि हर जगह लोग इस मत के विरोध में बातें करते हैं।

Acts 28:23

जब यहूदियों के प्रमुख पौलुस को उसके रहने के स्थान पर मिलने आए, तो पौलुस ने सुबह से शाम क्या करने की कोशिश की?
पौलुस ने उन्हें मूसा की व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों से समझा-समझा कर भोर से सांझ तक वर्णन करता रहा।

Acts 28:24

पौलुस की प्रस्तुति पर यहूदियों के प्रमुख की क्या प्रतिक्रिया थी?
कुछ यहूदी प्रमुखों ने उन बातों को मान लिया, जबकि अन्यों ने विश्वास न किया।

Acts 28:25

पौलुस द्वारा पवित्र शास्त्र से दिए गए अंतिम हवाले में उसने उन यहूदी प्रमुखों को क्या कहा जिन्होंने विश्वास नहीं किया था?
पवित्र शास्त्र से पौलुस द्वारा दिए गए अंतिम हवाले के अनुसार वे जिन्होंने विश्वास नहीं किया उन्होंने परमेश्वर के वचन की ओर से कान बंद और आँखे मूँद लीं हैं।

Acts 28:28

पौलुस के अनुसार परमेश्वर का उद्धार का सन्देश कहाँ भेजा गया है और उस पर क्या प्रतिक्रिया होगी?
पौलुस ने कहा कि परमेश्वर के उद्धार का सन्देश अन्यजातियों के पास भेजा गया है और वे सुनेगें।

Acts 28:31

पौलुस जब रोम में बन्दी था तो क्या करता था?
पौलुस ने परमेश्वर के राज्य का प्रचार किया और प्रभु यीशु मसीह के विषय में निडर होकर सिखाया।

पौलुस जब रोम में दो वर्ष तक बन्दी था तो उसे किसने प्रचार करने और सिखाने से रोका?
उसे किसी ने भी नहीं रोका।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: Romans

Romans

Chapter 1

1 पौलुस* की ओर से जो यीशु मसीह का दास है, और प्रेरित होने के लिये बुलाया गया, और परमेश्वर के उस सुसमाचार के लिये अलग किया गया है **2** जिसकी उसने पहले ही से अपने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा पवित्रशास्त्र में, **3** अपने पुत्र हमारे प्रभु यीशु मसीह के विषय में प्रतिज्ञा की थी, जो शरीर के भाव से तो दाऊद के वंश से उत्पन्न हुआ।

4 और पवित्रता की आत्मा के भाव से मरे हुओं में से जी उठने के कारण सामर्थ्य के साथ परमेश्वर का पुत्र ठहरा है। **5** जिसके द्वारा हमें अनुग्रह और प्रेरिताई मिली कि उसके नाम के कारण सब जातियों के लोग विश्वास करके उसकी मानें, **6** जिनमें से तुम भी यीशु मसीह के होने के लिये बुलाए गए हो।

7 उन सब के नाम जो रोम में परमेश्वर के प्यारे हैं और पवित्र होने* के लिये बुलाए गए है: हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे। (इफि. 1:2)

8 पहले मैं तुम सब के लिये यीशु मसीह के द्वारा अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ, कि तुम्हारे विश्वास की चर्चा सारे जगत में हो रही है। **9** परमेश्वर जिसकी सेवा मैं अपनी आत्मा से उसके पुत्र के सुसमाचार के विषय में करता हूँ, वही मेरा गवाह है, कि मैं तुम्हें किस प्रकार लगातार स्मरण करता रहता हूँ, **10** और नित्य अपनी प्रार्थनाओं में विनती करता हूँ, कि किसी रीति से अब भी तुम्हारे पास आने को मेरी यात्रा परमेश्वर की इच्छा से सफल हो।

11 क्योंकि मैं तुम से मिलने की लालसा करता हूँ, कि मैं तुम्हें कोई आत्मिक वरदान दूँ जिससे तुम स्थिर हो जाओ, **12** अर्थात् यह, कि मैं तुम्हारे बीच में होकर तुम्हारे साथ उस विश्वास के द्वारा जो मुझ में, और तुम में है, शान्ति पाऊँ।

13 और हे भाइयों, मैं नहीं चाहता कि तुम इससे अनजान रहो कि मैंने बार-बार तुम्हारे पास आना चाहा, कि जैसा मुझे और अन्यजातियों में फल मिला, वैसा ही तुम में भी मिले, परन्तु अब तक रुका रहा। **14** मैं यूनानियों और अन्यभाषियों का, और बुद्धिमानों और निर्बुद्धियों का कर्जदार हूँ। **15** इसलिए मैं तुम्हें भी जो रोम में रहते हो, सुसमाचार सुनाने को भरसक तैयार हूँ।

16 क्योंकि मैं सुसमाचार से नहीं लज्जाता, इसलिए कि वह हर एक विश्वास करनेवाले के लिये, पहले तो यहूदी, फिर यूनानी के लिये, उद्धार के निमित्त परमेश्वर की सामर्थ्य है। (2 तीमु. 1:8) **17** क्योंकि उसमें परमेश्वर की धार्मिकता विश्वास से और विश्वास के लिये प्रगट होती है; जैसा लिखा है, "विश्वास से धर्मी जन जीवित रहेगा।" (हब. 2:4, गला. 3:11)

18 परमेश्वर का क्रोध तो उन लोगों की सब अभक्ति और अधर्म पर स्वर्ग से प्रगट होता है, जो सत्य को अधर्म से दबाए रखते हैं। **19** इसलिए कि परमेश्वर के विषय का ज्ञान उनके मनों में प्रगट है, क्योंकि परमेश्वर ने उन पर प्रगट किया है।

20 क्योंकि उसके अनदेखे गुण*, अर्थात् उसकी सनातन सामर्थ्य और परमेश्वरत्व, जगत की सृष्टि के समय से उसके कामों के द्वारा देखने में आते है, यहाँ तक कि वे निरुत्तर हैं। (अय्यू. 12:7-9, भज. 19:1) **21** इस कारण कि परमेश्वर को जानने पर भी उन्होंने परमेश्वर के योग्य बड़ाई और धन्यवाद न किया, परन्तु व्यर्थ विचार करने लगे, यहाँ तक कि उनका निर्बुद्धि मन अंधेरा हो गया।

22 वे अपने आप को बुद्धिमान जताकर मूर्ख बन गए, (यिर्म. 10:14) **23** और अविनाशी परमेश्वर की महिमा को नाशवान मनुष्य, और पक्षियों, और चौपायों, और रेंगनेवाले जन्तुओं की मूरत की समानता में बदल डाला। (व्य. 4:15-19, भज. 106:20)

24 इस कारण परमेश्वर ने उन्हें उनके मन की अभिलाषाओं के अनुसार अशुद्धता के लिये छोड़ दिया, कि वे आपस में अपने शरीरों का अनादर करें। **25** क्योंकि उन्होंने परमेश्वर की सच्चाई को बदलकर झूठ बना डाला, और सृष्टि की उपासना और सेवा की, न कि उस सृजनहार की जो सदा धन्य है। आमीन। (यिर्म. 13:25, यिर्म. 16:19)

26 इसलिए परमेश्वर ने उन्हें नीच कामनाओं के वश में छोड़ दिया; यहाँ तक कि उनकी स्त्रियों ने भी स्वाभाविक व्यवहार को उससे जो स्वभाव के विरुद्ध है, बदल डाला। **27** वैसे ही पुरुष भी स्त्रियों के साथ स्वाभाविक व्यवहार छोड़कर आपस में कामातुर होकर जलने लगे, और पुरुषों ने पुरुषों के साथ निर्लज्ज काम करके अपने भ्रम का ठीक फल पाया। (लैव्य. 18:22, लैव्य. 20:13)

28 और जब उन्होंने परमेश्वर को पहचानना न चाहा, इसलिए परमेश्वर ने भी उन्हें उनके निकम्मे मन पर छोड़ दिया; कि वे अनुचित काम करें।

29 वे सब प्रकार के अधर्म, और दुष्टता, और लोभ, और बैर-भाव से भर गए; और डाह, और हत्या, और झगड़े, और छल, और ईर्ष्या से भरपूर हो गए, और चुगलखोर, **30** गपशप करनेवाले, निन्दा करनेवाले, परमेश्वर से घृणा करनेवाले, हिंसक, अभिमानी, डींगमार, बुरी-बुरी बातों के बनानेवाले, माता पिता की आज्ञा का उल्लंघन करनेवाले, **31** निर्बुद्धि, विश्वासघाती, प्रेम और दया का आभाव है और निर्दयी हो गए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

32 वे तो परमेश्वर की यह विधि जानते हैं कि ऐसे-ऐसे काम करनेवाले मृत्यु के दण्ड के योग्य हैं, तो भी न केवल आप ही ऐसे काम करते हैं वरन् करनेवालों से प्रसन्न भी होते हैं।

Romans 1:1

पौलुस
पौलुस की ओर से आपकी भाषा में पत्र के लेखक का अपना परिचय देने की अपनी ही विधि होगी। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, मैं पौलुस इस पत्र को लिख रहा हूँ। आपको यह भी दर्शाने की आवश्यकता हो सकती है कि पत्र किसे लिखा जा रहा है। (देखें यू.डी.बी

प्रेरित होने के लिए बुलाया गया और परमेश्वर के उस सुसमाचार के लिए अलग किया गया है।
इसका अनुवाद एक नये वाक्य में कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है। “परमेश्वर ने मुझे एक प्रेरित होने के लिए बुलाया और मनुष्यों में शुभ सन्देश सुनाने के लिए मुझे चुन लिया है”।

जिसको उसने पहले ही से अपने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा पवित्रशास्त्र में
परमेश्वर ने अपनी प्रजा से प्रतिज्ञा की थी कि वह अपना राज्य स्थापित करेगा। उसने भविष्यद्वक्ताओं से कह दिया था कि वे इन प्रतिज्ञाओं को धर्मशास्त्र में लिख लें।

अपने पुत्र के विषय में।
यह “परमेश्वर के शुभ सन्देश” के संदर्भ में है। शुभ सन्देश यह है कि परमेश्वर अपने पुत्र को इस संसार में भेजने पर था।

वह शरीर के भाव से तो राजा दाऊद के वंश में जन्म लेगा।
यहाँ “शरीर” का अर्थ है यह पार्थिव शरीर। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जो प्राकृतिक रूप से दाऊद का वंशज होगा” या “जिसका जन्म दाऊद के परिवार में होगा”।

Romans 1:4

वह घोषित हुआ था।
“वह” अर्थात मसीह यीशु। “ठहरा” को कर्तृवाच्य क्रिया में व्यक्त किया जा सकता है”। परमेश्वर ने उसे घोषित किया है।

पवित्रता की आत्मा
अर्थात पवित्र आत्मा से

मरे हुओं में से जी उठने के कारण
“मरने के बाद उसे फिर जीवित करने के द्वारा”

हमें अनुग्रह और प्रेरिताई मिली
“परमेश्वर ने अति करूणामय होकर मुझे एक वरदान दिया कि मुझे प्रेरित नियुक्त करे”। वैकल्पिक अनुवाद, “परमेश्वर ने मुझे प्रेरित होने का यह करूणामय वरदान दिया है”। यहाँ “हमें” का अर्थ है, पौलुस और यीशु के 12 शिष्य। इसमें रोम की कलीसिया को नहीं गिना गया है।

सब जातियों के लोग विश्वास करके उसकी मानें
पौलुस यीशु के लिए “नाम” शब्द भी काम में लेता है। वैकल्पिक अनुवाद, “कि सब जातियों को उसमें विश्वास करने के कारण आज्ञा मानना सिखाएं”।

Romans 1:7

उन सब के नाम जो रोम में परमेश्वर के प्यारे हैं और पवित्र होने के लिए बुलाए गए हैं।
उन सबके नाम जो रोम में परमेश्वर के प्यारे हैं और पवित्र होने के लिए बुलाए गए हैं। - इसका अनुवाद एक नए वाक्य में कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है, “मैं तुम सबको जो रोम में है यह पत्र लिख रहा हूँ, क्योंकि परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और तुम्हें अपने लोग होने के लिए चुन लिया है”।

तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे
तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे इसका अनुवाद एक नए वाक्य में किया जाता है “मेरा अनुग्रह और शान्ति तुम्हें मिलती रहे”।

Romans 1:8

सारा जगत
यह अतिशयोक्ति है जिसका अर्थ है उनका परिचित संसार अर्थात रोमी साम्राज्य

परमेश्वर मेरा गवाह है
पौलुस इस बात पर बल देता है कि वह उनके लिए सच्चे दिल से प्रार्थना करता है और परमेश्वर उसे प्रार्थना करते हुए देखता भी है, यहाँ “क्योंकि” शब्द के अनुवाद में प्रार्थना को छोड़ दिया है।

मैं तुम्हें जिस प्रकार लगातार स्मरण करता रहता हूँ
“मैं तुम्हारे लिए परमेश्वर से बातें करता हूँ”।

और नित्य अपनी प्रार्थनाओं में विनती करता हूँ कि किसी रीति से अब तुम्हारे पास आने की यात्रा परमेश्वर की इच्छा से सफल हो
“मैं जब भी प्रार्थना करता हूँ तब परमेश्वर से यही माँगता हूँ कि मेरा तुम्हारे पास आना संभव हो जाए”।

किसी रीति से
“परमेश्वर कैसे भी करे”

अब
“अन्ततः”, अन्त में” या “अन्ततोगत्वा”

परमेश्वर की इच्छा से
“क्योंकि परमेश्वर चाहता है”

Romans 1:11

तुमसे मिलने की लालसा करता हूँ
“क्योंकि मैं तुमसे भेंट करने की उत्कट अभिलाषा रखता हूँ”

इसलिए

यहां “क्योंकि” को “अतः” अनुवाद करना चाहिए ".
- तुम्हें कोई आत्मिक वरदान मिले जिससे तुम बलवन्त और स्थिर हो जाओ।

अर्थात तुम्हारे साथ एक दूसरे को आपसी विश्वास के द्वारा- तुम्हारे और मेरे विश्वास के द्वारा- प्रोत्साहित करें।
“मेरे कहने का अर्थ है कि हम यीशु में विश्वास के अनुभवों को बाँटते हुए एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।”

Romans 1:13

मैं नहीं चाहता कि तुम इससे अनभिज्ञ रहो
पौलुस उन्हें यह जानकारी देने पर बल देता है वैकल्पिक अनुवाद “मैं चाहता हूँ कि तुम निम्नलिखित बातें जान लो:

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

परन्तु अब तक रोका गया
“कोई न कोई बात मुझे रोकती रही”

वैसा ही (फल) तुम में भी मिले
"फल" से पौलुस का अभिप्राय है रोम के निवासी जिन्हें पौलुस शुभ सन्देश में विश्वास करने के लिए प्रेरित करना चाहता था।

जैसा मुझे दूसरी अन्यजातियों से फल मिला
"जैसा अन्य स्थानों में विजातीय लोगों ने शुभ सन्देश में विश्वास किया।"

मे दोनों का कर्जदार हूँ
“मुझे शुभ सन्देश सुनाना है”

Romans 1:16

मैं लजाता नहीं
पौलुस रोम में शुभ सन्देश सुनाने का कारण बताता है।

मैं सुसमाचार से नहीं लजाता
इसका अनुवाद ऐसे भी किया जा सकता है, “चाहे कितने भी लोग मेरे द्वारा सुनाए गए इस सन्देश का तिरस्कार कर दें, मैं आत्म-विश्वास के साथ सुनाता हूँ।”)

इसलिए कि वह
पौलुस समझता है कि वह आत्म-विश्वास से शुभ सन्देश क्यों सुनाता है।

“वह हर एक विश्वास करने वालों के लिए उद्धार के निमित्त परमेश्वर की सामर्थ्य है।
“शुभ सन्देश के द्वारा परमेश्वर मसीह में विश्वास करने वाले हर एक मनुष्य का बड़े सामर्थ्य से उद्धार करता है”।

पहले तो यहूदी फिर यूनानी
“यहूदियों को” और यूनानियों को”

पहले
यूनानियों से पूर्व यहूदियों को यह शुभ सन्देश सुनाया गया था। अतः यहाँ इसका मूल हो सकता है, 1) समय के क्रम में पूर्व परन्तु इसका अर्थ यह भी हो सकता है, 2) “अत्यधिक महत्त्व में”।

परमेश्वर की धार्मिकता विश्वास से और विश्वास के लिए प्रगट होती है।
“परमेश्वर ने प्रकट कर दिया है कि आरंभ से अन्त तक विश्वास ही के द्वारा मनुष्य धर्मी ठहरता है”। दूसरा अनुवाद, “परमेश्वर ने अपनी न्यायनिष्ठा विश्वास करनेवाले पर प्रकट की है और इसका परिणाम यह हुआ कि उनका विश्वास और अधिक हो गया है”। या “क्योंकि परमेश्वर विश्वासयोग्य है, वह अपनी धार्मिकता प्रकट करता है जिससे मनुष्यों का विश्वास बढ़ता है”।

विश्वास से धर्मी जन जीवित रहेगा।
“परमेश्वर में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर अपने साथ उचित संबन्ध में मानता है और वे सदा जीवित रहेंगे”।

Romans 1:18

प्रकोप के लिए
पौलुस समझाता है कि मनुष्य को यह शुभ समाचार सुनना क्यों आवश्यक है।

परमेश्वर का क्रोध...प्रकट होता है
दूसरा अनुवाद, “परमेश्वर अपना क्रोध प्रकट करता है,

विरुद्ध में
“के लिए”

लोगों की सब अभक्ति और अधर्म
वैकल्पिक अनुवाद, “मनुष्य जो भी अभक्ति और अधर्म के काम करते हैं”।

सत्य को.... दबाए रखते हैं
वैकल्पिक अनुवाद: “वे परमेश्वर के बारे में सच्ची जानकारी को छिपाते हैं”।

परमेश्वर के विषय का ज्ञान उनके मनों में प्रकट है,
वैकल्पिक अनुवाद, “वे परमेश्वर को जान सकते हैं क्योंकि वे देख सकते हैं”

इसलिए कि परमेश्वर
पौलुस स्पष्ट करता है कि ये लोग परमेश्वर का ज्ञान कैसे रखते हैं।

क्योंकि परमेश्वर ने उन पर प्रगट किया।
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर ने उन्हें दिखाया है”

Romans 1:20

(क्योंकि)
पौलुस समझाता है कि परमेश्वर स्वयं को मनुष्यों पर कैसे प्रकट किया है।

उसके अनदेखे गुण देखने में आते हैं
“अनदेखे” का अर्थ जो दिखाई देता है वह सब “देखने में आते हैं” क्योंकि मनुष्य अब समझ गए हैं कि दिखाई न देते हुए भी वे हैं।

संसार
आकाश और पृथ्वी एवं सब कुछ जो उनमें है।

दैविक स्वभाव
वैकल्पिक अनुवाद, “परमेश्वर के सब गुण एवं लक्षण” या "परमेश्वर की वे बातें जो उसे परमेश्वर बताता है।”

सृष्टि को ... देखने से समझ में आता है
विकल्प, “मनुष्य परमेश्वर की सृष्टि को देखकर उसके बारे में ज्ञान ग्रहण कर सकता है”।

वे निरूत्तर हैं
वैकल्पिक अनुवाद: “वे कभी नहीं कह सकते कि वे नहीं जानते।

वे
“मानवजाति”

व्यर्थ विचार करने लगे
“मूर्खता की बातों में मन लगाया” (यू.डी.बी.)

उनका निर्बुद्धि मन अन्धेरा हो गया।
इस अभिव्यक्ति में मन का अन्धेरा होने का अर्थ है उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई, विकल्प, “उनके मन में समझ ही नहीं रही”।

Romans 1:22

अपने आप को बुद्धिमान जता कर, मूर्ख बन गए
“बुद्धिमान होने का दावा करके, वे वास्तव में मूर्ख ही बने।”

अपने आपको ... (वे)
“मानवजाति”

अविनाशी परमेश्वर की महिमा को ... बदल ड़ाला
वैकल्पिक अनुवाद, “परमेश्वर महिमा से पूर्ण है और अविनाशी है इस सत्य को बदल डाला” या “परमेश्वर को महिमामय एवं अविनाशी मानना त्याग दिया”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

समानता के अनुरूप
वैकल्पिक अनुवाद, “इसकी अपेक्षा मूर्तियों की उपासना करने का चुनाव किया ... जैसी दिखती थी”

नाशवान मनुष्य
“कुछ मनुष्य मर जायेंगे”

Romans 1:24

इस कारण
इसके लिए

परमेश्वर ने उन्हें....छोड़ दिया
“परमेश्वर ने उन्हें करने दिया” (देखें: “परमेश्वर ने अनुमति दे दी)

उन्हें उनके .... वे.... अपने
“मानवजाति”

उनके मन की अभिलाषाओं के अनुसार अशुद्धता के लिए
“जिन अनैतिक बातों की उनके मन में अभिलाषा थी”

वे आपस में अपने शरीरों का अनादर करें
“उन्होंने यौन संबन्धित अनाचार एवं अनादर के काम किए”

इसके बदले
इसके संभावित अर्थ हैं, 1) “कि अपेक्षा” या “अन्यथा” या 2.) “इसके साथ”

Romans 1:26

(इस)
“मूर्तिपूजा और यौन संबन्धित पाप”।

परमेश्वर ने उन्हें ... छोड़ दिया
“परमेश्वर ने उन्हें अनुमति दी”

नीच कामनाओं
“लज्जाजनक यौन अभिलाषाएँ”

यहाँ तक कि उनकी स्त्रियों ने भी
“उनकी स्त्रियों ने भी”

उनकी स्त्रियाँ
मनुष्यों की स्त्रियाँ

स्वाभाविक व्यवहार को उससे जो स्वभाव के विरुद्ध है, बदल डाला
“यौनाचार को वैसा बना दिया जैसा परमेश्वर ने नहीं रचा था।

कामातुर होकर जलने लगे
“यौन वासना से जलने लगे”

भ्रम
“अपमानजनक” या “लज्जाजनक” या “पापी”

अपने भ्रम का ठीक फल पाया
इसे एक नए वाक्य में अनुवाद किया जा सकता है, “उन्होंने अपने इस भ्रष्टाचार का परमेश्वर से उचित दण्ड पाया है”

बिगाड़
व्यवहार जो बुरा और घृणित हो

Romans 1:28

उन्होंने परमेश्वर को पहचानना न चाहा
“उन्होंने परमेश्वर को मानना उचित नहीं समझा”

उन्होंने... उन्हें.... उनके
“मानवजाति”

उनके निकम्मे मन पर छोड़ दिया
उनके निकम्मे मन पर छोड़ दिया “परमेश्वर ने उनके मन को अनाचार से भर जाने के लिए छोड़ दिया”

अनुचित
“नीच” या “निर्लज्ज” या “पापी”

Romans 1:29

वह भर गए
“उनके मन में उत्कट अभिलाषाएं भरी हुई थी” या “ऐसे काम करने की लालसा में लिप्त थे”।

वे
“मानवजाति”

Romans 1:32

वे तो परमेश्वर की यह विधि जानते हैं
वे जानते हैं कि परमेश्वर उनसे धर्मनिष्ठा की अपेक्षा करता है

ऐसे काम करने वाले
“दुष्टता के काम करने वाले”

मृत्यु के दण्ड के योग्य
“वह मृत्यु के योग्य है”

न केवल आप ही ऐसे काम करते हैं
इसे एक नए वाक्य में अनुवाद किया जा सकता है, “परन्तु वे ही ऐसे काम करते हैं।”

Translation Questions

Romans 1:1

पौलुस के समय से पूर्व परमेश्वर ने किस माध्यम से सुसमाचार की प्रतिज्ञा की थी?
परमेश्वर ने पवित्र धर्मशास्त्र में अपने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा सुसमाचार की पूर्व प्रतिज्ञा की थी।

Romans 1:3

शरीर के अनुसार परमेश्वर का पुत्र किसके वंशजों में जन्मा था?
शरीर के अनुसार परमेश्वर का पुत्र दाऊद के वंशजों में जन्मा था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 1:4

किस घटना के द्वारा मसीह यीशु को परमेश्वर का पुत्र घोषित किया गया था?
मसीह यीशु पुनरुत्थान के द्वारा परमेश्वर का पुत्र कहलाया।

Romans 1:5

पौलुस ने मसीह से अनुग्रह और प्रेरिताई किस उद्देश्य के निमित्त प्राप्त की थी?
सब जातियों में आज्ञाकारिता और विश्वास के लिए पौलुस को अनुग्रह और प्रेरिताई मिली।

Romans 1:8

रोम के विश्वासियों के बारे में पौलुस किस बात के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करता है?
पौलुस परमेश्वर का धन्यवाद करता है कि उनके विश्वास की चर्चा संपूर्ण जगत में हो रही थी।

Romans 1:11

पौलुस रोम के विश्वासियों से क्यों भेंट करना चाहता था?
पौलुस उनसे भेंट करने की कामना करता है कि वह उन्हें कोई आत्मिक वरदान दे जिससे वे स्थिर हो जाएं।

Romans 1:13

पौलुस अब तक रोम के विश्वासियों से भेंट क्यों नहीं कर पाया था?
पौलुस उनसे भेंट नहीं कर पाया था क्योंकि उसके मार्ग में अब तक बाधाएं आ रही थीं।

Romans 1:16

पौलुस सुसमाचार को क्या कहता है?
पौलुस कहता है कि हर एक विश्वासी के लिए सुसमाचार उद्धार के निमित्त परमेश्वर का सामर्थ्य है।

Romans 1:17

धर्मी जन के जीवित रहने के लिए पौलुस धर्मशास्त्र से क्या उद्धरण देता है?
पौलुस धर्मशास्त्र का उद्धरण देता है, "विश्वास से धर्मी जन जीवित रहेगा।"

Romans 1:18

परमेश्वर का ज्ञान जानते हुए भी अभक्त और अधर्मी जन क्या करते हैं?
अभक्त और अधर्मी सत्य को दबाए रहते हैं जबकि परमेश्वर का ज्ञान उनके मनों में प्रकट किया जा चुका है।

Romans 1:20

परमेश्वर के बारे में अप्रत्यक्ष बातें कैसे सृष्टि से स्पष्ट प्रकट हैं?
परमेश्वर के बारे में अप्रत्यक्ष बातें सृजित वस्तुओं से स्पष्ट प्रकट है।

परमेश्वर के कौन से गुण स्पष्ट प्रकट हैं?
परमेश्वर का अनन्त सामर्थ्य और उसका दिव्य स्वभाव स्पष्ट प्रकट है।

Romans 1:21

जो परमेश्वर का महिमान्वन नहीं करते और न धन्यवाद देते हैं उनके विचारों और मन का क्या होता है?
जो परमेश्वर का महिमान्वन नहीं करते और न ही उसका धन्यवाद करते हैं, अपने विचारों में मूर्ख बनते हैं और उनके मन अन्धकारपूर्ण होते हैं।

Romans 1:23

परमेश्वर ऐसे मनुष्यों के साथ क्या करता है जो उसकी महिमा को नाशवान मनुष्यों और पशुओं की समानता में बदल देते है?
परमेश्वर ने उन्हें अशुद्धता के लिए उनके मन की अभिलाषा के अनुसार छोड़ दिया कि वे आपस में अपने शरीरों का अनादर करें।

Romans 1:26

स्त्री और पुरुष किस निर्लज काम के लिए जलने लगे थे?
स्त्रियां एक-दूसरे के लिए और पुरुष एक-दूसरे के लिए कामातुर होने लगे।

Romans 1:28

परमेश्वर ऐसे लोगों के साथ क्या करता है जो परमेश्वर को पहचानना नहीं चाहते हैं?
परमेश्वर उन्हें उनके भ्रष्ट मन पर छोड़ दिया कि वे अनुचित काम करें।

Romans 1:29

जिनके मन भ्रष्ट हैं उनके कुछ लक्षण क्या हैं?
जिनके मन भ्रष्ट हैं वे डाह, हत्या, झगड़े और छल और सब बुरी अभिलाषाओं से घिरे रहते हैं।

Romans 1:32

भ्रष्ट मन वाले परमेश्वर की अनिवार्यता के बारे में क्या जानते हैं?
जिनके मन भ्रष्ट हैं वे जानते हैं कि ऐसे काम करने वाले मृत्यु दण्ड के योग्य हैं।

भ्रष्ट मन वाले परमेश्वर की अनिवार्यता को जानते हुए भी क्या करते हैं?
वे फिर भी अधर्म के काम करते हैं और ऐसे काम करने वालों को मान्यता प्रदान करते हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 इसलिए हे दोष लगानेवाले, तू कोई क्यों न हो, तू निरुत्तर है*; क्योंकि जिस बात में तू दूसरे पर दोष लगाता है, उसी बात में अपने आप को भी दोषी ठहराता है, इसलिए कि तू जो दोष लगाता है, स्वयं ही वही काम करता है। **2** और हम जानते हैं कि ऐसे-ऐसे काम करनेवालों पर परमेश्वर की ओर से सच्चे दण्ड की आज्ञा होती है।

3 और हे मनुष्य, तू जो ऐसे-ऐसे काम करनेवालों पर दोष लगाता है, और स्वयं वे ही काम करता है; क्या यह समझता है कि तू परमेश्वर की दण्ड की आज्ञा से बच जाएगा? **4** क्या तू उसकी भलाई, और सहनशीलता, और धीरजरूपी धन* को तुच्छ जानता है? और क्या यह नहीं समझता कि परमेश्वर की भलाई तुझे मन फिराव को सिखाती है?

5 पर अपनी कठोरता और हठीले मन के अनुसार उसके क्रोध के दिन के लिये, जिसमें परमेश्वर का सच्चा न्याय प्रगट होगा, अपने लिये क्रोध कमा रहा है। **6** वह हर एक को उसके कामों के अनुसार बदला देगा। (भज. 62:12, नीति. 24:12) **7** जो सुकर्म में स्थिर रहकर महिमा, और आदर, और अमरता की खोज में हैं, उन्हें वह अनन्त जीवन देगा;

8 पर जो स्वार्थी हैं और सत्य को नहीं मानते, वरन् अधर्म को मानते हैं, उन पर क्रोध और कोप पड़ेगा। **9** और क्लेश और संकट हर एक मनुष्य के प्राण पर जो बुरा करता है आएगा, पहले यहूदी पर फिर यूनानी पर;

10 परन्तु महिमा और आदर और कल्याण हर एक को मिलेगा, जो भला करता है, पहले यहूदी को फिर यूनानी को। **11** क्योंकि परमेश्वर किसी का पक्ष नहीं करता। (व्य. 10:17, 2 इति. 19:7) **12** इसलिए कि जिन्होंने बिना व्यवस्था पाए पाप किया, वे बिना व्यवस्था के नाश भी होंगे, और जिन्होंने व्यवस्था पा कर पाप किया, उनका दण्ड व्यवस्था के अनुसार होगा;

13 क्योंकि परमेश्वर के यहाँ व्यवस्था के सुननेवाले धर्मी नहीं, पर व्यवस्था पर चलनेवाले धर्मी ठहराए जाएँगे। **14** फिर जब अन्यजाति लोग जिनके पास व्यवस्था नहीं, स्वभाव ही से व्यवस्था की बातों पर चलते हैं, तो व्यवस्था उनके पास न होने पर भी वे अपने लिये आप ही व्यवस्था हैं।

15 वे व्यवस्था की बातें अपने-अपने हृदयों में लिखी हुई दिखाते हैं और उनके विवेक भी गवाही देते हैं, और उनकी चिन्ताएँ परस्पर दोष लगाती, या उन्हें निर्दोष ठहराती है। **16** जिस दिन परमेश्वर मेरे सुसमाचार के अनुसार यीशु मसीह के द्वारा मनुष्यों की गुप्त बातों का न्याय करेगा।

17 यदि तू स्वयं को यहूदी कहता है, व्यवस्था पर भरोसा रखता है, परमेश्वर के विषय में घमण्ड करता है, **18** और उसकी इच्छा जानता और व्यवस्था की शिक्षा पा कर उत्तम-उत्तम बातों को प्रिय जानता है; **19** यदि तू अपने पर भरोसा रखता है, कि मैं अंधों का अगुआ, और अंधकार में पड़े हुओं की ज्योति, **20** और बुद्धिहीनों का सिखानेवाला, और बालकों का उपदेशक हूँ, और ज्ञान, और सत्य का नमूना, जो व्यवस्था में है, मुझे मिला है।

21 क्या तू जो औरों को सिखाता है, अपने आप को नहीं सिखाता? क्या तू जो चोरी न करने का उपदेश देता है, आप ही चोरी करता है? (मत्ती 23:3) **22** तू जो कहता है, "व्यभिचार न करना," क्या आप ही व्यभिचार करता है? तू जो मूरतों से घृणा करता है, क्या आप ही मन्दिरों को लूटता है?

23 तू जो व्यवस्था के विषय में घमण्ड करता है, क्या व्यवस्था न मानकर, परमेश्वर का अनादर करता है? **24** "क्योंकि तुम्हारे कारण अन्यजातियों में परमेश्वर का नाम अपमानित हो रहा है," जैसा लिखा भी है। (यशा. 52:5, यहे. 36:20)

25 यदि तू व्यवस्था पर चले, तो खतने से लाभ तो है, परन्तु यदि तू व्यवस्था को न माने, तो तेरा खतना* बिन खतना की दशा ठहरा। (यिर्म. 4:4) **26** तो यदि खतनारहित मनुष्य व्यवस्था की विधियों को माना करे, तो क्या उसकी बिन खतना की दशा खतने के बराबर न गिनी जाएगी? **27** और जो मनुष्य शारीरिक रूप से बिन खतना रहा यदि वह व्यवस्था को पूरा करे, तो क्या तुझे जो लेख पाने और खतना किए जाने पर भी व्यवस्था को माना नहीं करता है, दोषी न ठहराएगा?

28 क्योंकि वह यहूदी नहीं जो केवल बाहरी रूप में यहूदी है; और न वह खतना है जो प्रगट में है और देह में है। **29** पर यहूदी वही है, जो आंतरिक है; और खतना वही है, जो हृदय का और आत्मा में है; न कि लेख का; ऐसे की प्रशंसा मनुष्यों की ओर से नहीं, परन्तु परमेश्वर की ओर से होती है। (फिलि. 3:3)

Romans 2:1

x
पौलुस यहाँ एक काल्पनिक यहूदी से विवाद करता है

इसलिए वे निरूत्तर हैं
यहाँ मूल भाषा में "अतः" का जो शब्द है वह एक नया अंश का आरंभ दर्शाता है साथ ही जो कहा जा चुका है उसका समाप्त भी दर्शाता है वैकल्पिक अनुवाद"क्योंकि परमेश्वर पाप करने वाले को दण्ड देता है, इसलिए वह निश्चय ही तेरे पापों को क्षमा नहीं करेगा"।

तू
यहाँ "तू" शब्द एक वचन में है। पौलुस यहां किसी वास्तविक मनुष्य से बातें नहीं कर रहा है, परन्तु वह विवाद करने वाले एक काल्पनिक मनुष्य से प्रतिवाद कर रहा है। पौलुस अपने श्रोतागण को सिखाने के लिए ऐसा विवाद कर रहा है कि परमेश्वर पाप करने वाले को अवश्य दण्ड देता है, वह चाहे यहूदी हो या अन्यजाति

तू जो दूसरों पर दोष लगाता है
यहाँ मूल भाषा में "तू" के स्थान में है मनुष्य तू जो उसकी झिड़की का संकेत देता है क्योंकि मनुष्य परमेश्वर का स्थान लेकर मनुष्य पर दोष लगाता है। इसका अनुवाद एक नए वाक्य में किया जा सकता है, "तू केवल एक मनुष्य

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

है, परन्तु तू फिर भी मनुष्यों का न्याय करके कहता है कि वे परमेश्वर के दण्ड के योग्य हैं।"

जिस बात में तू दूसरे पर दोष लगाता है उसी बात में अपने आप को भी दोषी ठहराता है।
यहाँ एक नया वाक्य आरंभ किया जा सकता है, "सच तो यह है कि तू इस प्रकार अपना ही न्याय करता है क्योंकि तू भी तो वैसे ही दुष्टता के काम करता है"।

हम जानते हैं
यहाँ "हम" में मसीही विश्वासी एवं अविश्वासी यहूदी दोनों आते हैं।

परमेश्वर का सच्चा न्याय प्रगट होगा।
"परमेश्वर सच्चा एवं निष्कपट न्याय करता है"

ऐसे-ऐसे काम करने वाले
"जो दुष्टता के ऐसे काम करते हैं"

Romans 2:3

x
पौलुस एक काल्पनिक यहूदी से विवाद कर रहा है, जिसे वह प्रभावजनक प्रश्नों के द्वारा झिड़कता है।

तो
"अतः" (यू.डी.बी.)

समझाता है
"विचार कर कि मैं क्या कह रहा हूँ"

हे मनुष्य
यहाँ मनुष्य के लिए सामान्य शब्द का उपयोग करें।वैकल्पिक अनुवाद, "तू जो भी है"

तू जो ऐसे-ऐसे काम करने वालों पर दोष लगाता है और आप वे ही काम करता है।
"जो ऐसा कहता है कि कोई परमेश्वर" जो किसी को परमेश्वर के दण्ड का दोषी ठहराता है परन्तु स्वयं ही ऐसे काम करता है"।

तू परमेश्वर के दण्ड से क्या बच सकता है?
वैकल्पिक अनुवाद, "तू भी परमेश्वर के दण्ड से नहीं बचेगा"।

क्या तू उसकी कृपा और सहनशीलता और धीरज रूपी धन को तुच्छ जानता है?
वैकल्पिक अनुवाद, "तू तो ऐसा दिखाता है जैसे परमेश्वर का भला होना अर्थहीन है और कि वह दण्ड देने से पहले बहुत प्रतीक्षा करता है।

उसकी कृपा और सहनशीलता और धीरज रूपी धन
"उनके धन .... धीरज को महत्त्वहीन समझता है" या "उनको किसी काम का नहीं समझता"

क्या यह नहीं समझता कि परमेश्वर की कृपा तुझे मन फिराव को सिखाती है।
यहाँ एक नया वाक्य आरंभ किया जा सकता है, "तुझे समझ लेना है कि परमेश्वर तुझे दिखाता है कि वह भला है जिससे कि तू पापों से विमुख हो जाए"।

Romans 2:5

x
पौलुस का विवाद एक काल्पनिक यहूदी से ही चल रहा है।

तू अपनी कठोरता और हठीले मन के कारण
पौलुस परमेश्वर की वाणी नहीं सुनने वाले और उसकी आज्ञा नहीं मानने वाले की तुलना एक कठोर पत्थर से करता है। मन संपूर्ण व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। वैकल्पिक अनुवाद, "क्योंकि तू सुनना नहीं चाहता, पापों से विमुख होना नहीं चाहता है"।

अपने लिए क्रोध कमा रहा है
"कमा रहा है" अर्थात धन सम्पदा एकत्र करके सुरक्षित करना। पौलुस के कहने का अर्थ है धन-संग्रह के स्थान पर परमेश्वर के दण्ड का भण्डारण करना। वे मन फिराव में जितना विलम्ब करेंगे उतना ही अधिक उनका दण्ड कठोर होता जाएगा, वैकल्पिक अनुवाद , "तू अपने दण्ड को अधिकाधिक कठोर बनाता जा रहा है"।

क्रोध के दिन के लिए जिसमें परमेश्वर का सच्चा न्याय प्रकट होगा।
ये एक ही दिन होगा विकल्प, "जब परमेश्वर सब पर प्रकट करेगा कि वह क्रोधित है और सबका निष्पक्ष न्याय करेगा" (यू.डी.बी.)

बदला देगा
"निष्पक्षता के साथ प्रतिफल देगा या दण्ड देगा"

हर एक को उसके कामों के अनुसार
"मनुष्यों ने जैसे काम किए हैं उसके अनुसार हर एक को बदला देगा"।

जो सुकामों में स्थिर रहकर महिमा और आदर और अमरता की खोज में हैं
"जिन्होंने सदैव भले कामों के द्वारा दर्शाया है कि वे महिमा, प्रतिष्ठा और शाश्वत जीवन के खोजी है, उन्हें वह सदा का जीवन देगा"।

खोज में हैं
इसका अर्थ है कि उनके काम ऐसे हैं कि न्याय के दिन उनके लिए परमेश्वर का निर्णय सकरात्मक होगा।

महिमा, और आदर और अमरता
वे परमेश्वर से सुनाम और महिमा पाना चाहते हैं, तथा अमर हो जाना चाहते हैं।

अमरता
शारीरिक अनश्वरता, न कि नैतिक, क्षय

Romans 2:8

x
उसी काल्पनिक यहूदी से पौलुस का विवाद चल रहा है।

खुदगर्ज़
"स्वार्थी" या "केवल अपनी प्रसन्नता के खोजी हैं"

क्रोध और कोप पड़ेगा
परमेश्वर के क्रोध को व्यक्त करने के दो रूप हैं वैकल्पिक अनुवाद, "परमेश्वर अपना भयानक क्रोध प्रकट करेगा

और क्लेश और संकट
यहाँ भी दो रूपों में एक ही बात कही गई है कि परमेश्वर के अति भयानक क्रोध को प्रकट करे। इसका अनुवाद एक नए वाक्य में किया जा सकता है, "और अतिभयानक क्रोध दण्ड दिया जायेगा"

हर एक मनुष्य के प्राण पर
यहाँ पौलुस संपूर्ण मनुष्य को दर्शाने के लिए "प्राण" शब्द का उपयोग करता है विकल्प "प्रत्येक मनुष्य"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जो बुरा करता है
“जो सदैव बुराई में लिप्त रहता है”

पहले यहूदी को, फिर यूनानी को
एक नए वाक्य में दूसरा अनुवाद: "परमेश्वर यहूदियों को पहले दण्ड देगा तदोपरान्त गैर यहूदियों को"

पहले
क्योंकि शुभ सन्देश अन्यजातियों से पूर्व यहूदियों को सुनाया गया था। यहाँ मूल अर्थ है, 1) समय के क्रम में प्रथम, या 2) “निश्चय ही” (यू.डी.बी.)

Romans 2:10

x
पौलुस का विवाद एक काल्पनिक यहूदी से ही चल रहा है।

परन्तु महिमा और आदर और कल्याण
“परन्तु परमेश्वर की महिमा, सम्मान और शान्ति के पात्र होंगे

जो भला करता है
“जो भलाई करने से चूकता नहीं है”

पहले यहूदी को, फिर यूनानी को
यह एक नया वाक्य बनाया जा सकता है, “परमेश्वर पहले यहूदियों को प्रतिफल देगा उसके बाद अन्यजातियों को प्रतिफल मिलेगा”।

पहले
इसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे

परमेश्वर किसी का पक्षपात नहीं करता
“परमेश्वर एक जाति को दूसरी जाति से बड़ा या छोटा नहीं मानता है” विकल्प, “परमेश्वर सबके साथ समता का व्यवहार करता है”

जिन्होंने ... पाप किए
इसका अनुवाद एक नए वाक्य में किया जा सकता है, “क्योंकि जिन्होंने... पाप किए”।

जिन्होंने बिना व्यवस्था पाए पाप किया, वे बिना व्यवस्था के नष्ट होंगे”
“बिना व्यवस्था “ पौलुस इसे दोहराता इसलिए है कि वे परमेश्वर प्रदत्त मूसा के नियमों को नहीं जानते हैं। यदि वे पाप करेंगे तब परमेश्वर उन्हें भी दण्ड देगा। विकल्प, “मूसा द्वारा दिए गए नियमों को नहीं जानने वाले फिर भी आत्मिक मृत्यु के वारिस होते हैं।”

और जिन्होंने व्यवस्था पाकर पाप किया है
इसका अनुवाद एक नए वाक्य में किया जा सकता है, “और वे सब जिन्होंने मूसा के नियमों के रहते हुए पाप किया”

व्यवस्था पाकर पाप किया उनका दण्ड व्यवस्था के अनुसार होगा।
“जो मूसा के नियमों को जानते हैं, उनका न्याय उन नियमों के पालन के आधार पर किया जाएगा।”

Romans 2:13

x
पौलुस का विवाद एक काल्पनिक यहूदी से ही चल रहा है।

(क्योंकि)
“अत:” यदि आपकी भाषा में पद 14 का आरंभ दर्शाने की विधि है और पौलुस के प्रमुख विवाद की व्यवस्था करने में, पाठक को अतिरिक्त जानकारी देने का प्रावधान है। हो सकता है कि आपको 2:14-15 या तो 2:13 के पहले या 2:16 के बाद व्यक्त करने की आवश्यकता हो।

व्यवस्था के सुननेवाले नहीं
“मूसा के नियमों को सुननेवाले नहीं”

कौन हैं जो परमेश्वर के सामने धर्मी ठहराए जाएंगे
“जो परमेश्वर को प्रसन्न करेंगे”

पर व्यवस्था पर चलने वाले
“परन्तु मूसा प्रदत्त नियमों का पालन करने वाले”

जो धर्मी ठहराए जाएंगे
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है, “परमेश्वर उन्हें ग्रहण करेगा” (देखें:

अपने लिए आप ही व्यवस्था है
“उनके मन में परमेश्वर प्रदत्त नियम रहते हैं”

Romans 2:15

x
पौलुस का विवाद एक काल्पनिक यहूदी से ही चल रहा है।

दिखाते हैं
“स्वभाविक रूप से ही वे जो नियम दर्शाते हैं उनका पालन करते हैं”

नियमों का पालन करना उनके मन में अंकित है
वैकल्पिक अनुवाद, “परमेश्वर ने उनके मन में अंकित कर दिया है कि नियमों का कैसे पालन करें” या “वे भलिभांति जानते हैं कि नियम उन्हें क्या करने की आज्ञा देते हैं”।

विवेक भी गवाही देते हैं
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया से ही किया जाए, “नियम अनिवार्यता प्रकट करते है” या “नियमों के अनुसार परमेश्वर क्या चाहता है”

गवाही देते हैं, और उनके विचार पर परस्पर दोष लगाते या उन्हें निर्दोष ठहराते हैं।
“उनके मन विवेक में प्रकट करते हैं कि वे गलत कर रहे हैं या सही”

जिस दिन परमेश्वर न्याय करेगा
यहाँ पौलुस के विचारों का अन्त होता है एक नए वाक्य में किया जा सकता है, “जिस दिन परमेश्वर न्याय करेगा तब ऐसा होगा”।

Romans 2:17

x
पौलुस का विवाद एक काल्पनिक यहूदी से ही चल रहा है।

यदि तू यहूदी कहलाता है
अब इस पत्र का एक नया भाग आरंभ होता है। यहाँ “यदि” का अर्थ यह नहीं है कि पौलुस को सन्देह है या वह अनिश्चित है। वह इस कथन की यर्थाथता पर बल दे रहा है। वैकल्पिक अनुवाद, “तुम स्वयं को यहूदी समुदाय का सदस्य मानते हो”

व्यवस्था पर भरोसा रखता है, और यहोवा के विषय में घमण्ड करता है।
“और तू मूसा प्रदत्त नियमों पर निर्भर करता है तथा परमेश्वर पर घमण्ड करता है।”

उसकी इच्छा जानता है
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “पथ-भ्रष्ट किए गए थे”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

व्यवस्था की शिक्षा पाकर
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है, “क्योंकि तू जानता है कि मूसा ने जो नियम दिए उनकी शिक्षा क्या है”

अगर अपने पर भरोसा रखता है... और सत्य का भी
यदि आपकी भाषा में 2:19-20 को पौलुस का मुख्य विचार दर्शाने की सुविधा है तो इसका यहाँ उपयोग करें। 2:17/17/18 और 02:21 (21) हो सकता है कि आपके अनुवाद में 2:19-20 को 2:17 के पहले रखने की आवश्यकता हो।

अगर भरोसा रखता है
“तू निश्चय है”

कि तू अपने आप अंधों का अगुवा और अंधकार में पड़े हुओं की ज्योति है
इन दोनों उक्तियों का तात्पर्य एक ही है। एक यहूदी किसी को जो देख नहीं सकता, सहायता के लिए उसे यहूदी नियम बताता है। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “तू उस मार्गदर्शक के तुल्य है जो किसी अंधे मनुष्य को मार्ग दिखाता है, और तू अन्धकार में भटके हुए मनुष्य के लिए प्रकाश जैसा है।

बुद्धिहीनों का सिखाने वाला
इसका अनुवाद एक नये वाक्य में किया जा सकता है, “तू अनुचित कार्य करने वालों को सुधारता है”

बालकों का शिक्षक
परमेश्वर प्रदत्त मूसा के नियमों के अज्ञानियों को पौलुस बालक कहता है। वैकल्पिक अनुवाद, “तू उनको शिक्षा देता है जो मूसा द्वारा लाए गए नियमों को नहीं जानते हैं।”

और ज्ञान और सत्य का नमूना जो व्यवस्था में है
“क्योंकि तुझे विश्वास है कि तू मूसा द्वारा लाए गए नियमों में निहित सत्य को समझता है।”

Romans 2:21

x
पौलुस एक काल्पनिक यहूदी से विवाद कर रहा है जिसे वह प्रभावजनक प्रश्नों के द्वारा झिड़कता है।

अत: क्या तू दूसरों को सिखाता है, अपने आपको नहीं सिखाता?
पौलुस अपने श्रोता को झिड़कने के लिए इस प्रश्न का उपयोग कर रहा है। इसका अनुवाद एक नए वाक्य में किया जा सकता है, “परन्तु तू दूसरों को शिक्षा देता है स्वयं को क्यों नहीं सिखा पाता”

तू जो चोरी न करने का उपदेश देता है क्या आप ही चोरी करता है?
पौलुस अपने श्रोता को प्रश्न के माध्यम से झिड़कता है। इसका अनुवाद एक नए वाक्य में किया जा सकता है, “तू चोरी न करने की शिक्षा देकर स्वयं चोरी करता है”।

तू जो कहता है, “व्यभिचार न करना”, क्या आप ही व्यभिचार करता है?
पौलुस अपने श्रोता को झिड़कने के लिए प्रश्न का उपयोग कर रहा है। इसका अनुवाद एक नए वाक्य में किया जा सकता है, “तू व्यभिचार न करने की शिक्षा देकर स्वयं व्यभिचार करता है”।

तू जो मूरतों से घृणा करता है, आप ही मन्दिरों को लूटता है।
पौलुस अपने श्रोता को प्रश्न के माध्यम से झिड़कता है। इसके अनुवाद में एक नया वाक्य बनाया जा सकता है, “तू कहता है कि तुझे मूर्तियों से घृणा है परन्तु स्वयं मन्दिरों में चोरी करता है।”

मन्दिरों को लूटता है
इसके संभावित अर्थ हैं, 1) “स्थानीय मन्दिरों का सामान चुराकर बेचता है।" 2) "यरूशलेम के मन्दिर में जो पैसा परमेश्वर के लिए है उसे पूरा नहीं भेजता है।" 3)“स्थानीय देवताओं का उपहास करता है”

Romans 2:23

x
पौलुस एक काल्पनिक यहूदी से विवाद कर रहा है जिसे वह प्रभावजनक प्रश्नों द्वारा झिड़कता है।

तू जो व्यवस्था के विषय में घमण्ड करता है, क्या व्यवस्था न मानकर परमेश्वर का अनादर करता है?
पौलुस प्रश्न के माध्यम से अपने श्रोता को झिड़कता है। “तू व्यवस्था पर घमण्ड करता है तो वह तेरी दुष्टता है क्योंकि तू उसका उल्लंघन करके अन्यजातियों के मन में परमेश्वर के लिए लज्जा उत्पन्न करवाता है।

क्योंकि तुम्हारे कारण अन्य जातियों में परमेश्वर के नाम की निन्दा होती है।
यहाँ “नाम” शब्द परमेश्वर की पूर्णता का प्रतीक है केवल नाम का ही नहीं। इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है, “तुम्हारे ऐसी दुष्टता के काम अन्यजातियों के मन में परमेश्वर के लिए निन्दा उत्पन्न करते हैं।

Romans 2:25

x
पौलुस एक काल्पनिक यहूदी से विवाद कर रहा है जिसे वह प्रभावजनक प्रश्नों द्वारा झिड़कता है।

खतने से लाभ हो
“मैं यह सच कहता हूँ, क्योंकि खतना करवाना निश्चय ही तुझे लाभ पहुँचाता है।”

यदि तू व्यवस्था को न माने
यदि तू व्यवस्था न माने - “यदि तू उन नियमों का पालन करे जो विधान में निहित हैं”

तो तेरा खतना, बिना खतना की दशा ठहरा
यह नियमों के उल्लंघन करनेवाले की तुलना उस मनुष्य से करता है जिसका शारीरिक खतना हो गया परन्तु वह इस विधि को विपरीत कर देता है। वह चाहे यहूदी हो, वह वास्तव में एक अन्यजाति ही हुआ। “यह तो ऐसा है जैसे तेरा खतना नहीं हुआ”

खतनारहित मनुष्य
“जिस मनुष्य का खतना नहीं हुआ”

व्यवस्था की विधियों को माना करे
“विधान में जो आज्ञाएं हैं उनका पालन करे”

तो क्या उसकी बिना खतना की दशा खतने के बराबर नहीं गिनी जायेगी?
पौलुस इस प्रश्न के द्वारा इस बात पर बल दे रहा है कि खतना अपने आप में मनुष्य को परमेश्वर के समक्ष धर्मी नहीं बनाता है। इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया में भी किया जा सकता है, “परमेश्वर तो उसे खतना किया हुआ ही मानेगा, “जिनका खतना नहीं हुआ वह तुझे... दोषी ठहराएगा”।

जो लेखा पाने और खतना किए जाने पर भी व्यवस्था को माना नहीं करता है।
“जिसके पास लिखित धर्मशास्त्र है और जिसका खतना भी हुआ है परन्तु नियमों का पालन नहीं करता”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 2:28

प्रगट में
अर्थात् दिखाई देने वाली यहूदी विधियों द्वारा

प्रगट में है
यह पुरूष के गुप्त अंग पर एक चिन्ह है जो एक धार्मिक संसार है।

यहूदी वही है जो मन में है और खतना वही है जो हृदय और आत्मा में है
यह दो प्रमाण हैं कि "जो मन से यहूदी है वही सच्चा यहूदी है। इससे इस उक्ति की परिभाषा समझ में आ जाती है, "खतना वही है जो हृदय का है।"

आंतरिक रीती से
यह परमेश्वर द्वारा परिवर्तित मनुष्य के मान और अभिप्रेरणा को प्रकट करता है।

आत्मा में है
यह संभवतः मनुष्य के भीतर उसके आत्मिक मनुष्यत्व का संदर्भ देता है, बाहरी "विधान" की तुलना में। तथापि यह भी संभत है कि इसका संदर्भ पवित्र आत्मा से है (देखें यू.डी.बी.)

न कि लेखक का
यहाँ "लेखा" से अभिप्राय है लिखित धर्मशास्त्र। वैकल्पिक अनुवाद, "पवित्र आत्मा के कार्य के अनुसार न कि नियमों की जानकारी के अनुसार"।

Translation Questions

Romans 2:1

कुछ लोग दोष लगाने में क्यों निरुत्तर हैं?
दोष लगाने वाले निरुत्तर हैं क्योंकि वे जिस बात का दोष लगाते हैं उसी के वे भी दोषी हैं।

Romans 2:2

अधर्म के काम करने वालों का न्याय परमेश्वर किस आधार पर करता है?
परमेश्वर जब अधर्म के काम करने वालों का न्याय करता है तब वह सत्य के आधार पर ऐसा करता है।

Romans 2:4

परमेश्वर का धीरज और भलाई का क्या उद्देश्य है?
परमेश्वर का धीरज और उसकी भलाई मनुष्य के मन फिराने के उद्देश्य से है।

Romans 2:5

परमेश्वर के प्रति कठोर और हठीला मन रखकर मनुष्य अपने लिए क्या कर रहा है?
कठोर और हठीले मन वाले लोग परमेश्वर के धर्मी न्याय के दिन के लिए क्रोध कमा रहे हैं।

Romans 2:7

जिन्होंने लगातार अच्छे काम किए हैं उन्हें क्या मिलेगा?
जो लगातार अच्छे काम करते हैं उन्हें अनन्त जीवन का दान मिलेगा।

Romans 2:8

अधर्म को मानने वालों का क्या होगा?
जो अधर्म को मानते हैं उन पर क्रोध और कोप और क्लेश और संकट आ पड़ेगा।

Romans 2:12

परमेश्वर यहूदी और यूनानी के मध्य निष्पक्षता कैसे दिखाता है?
परमेश्वर पक्षपात नहीं करता है, यहूदी हो या यूनानी पाप करने वाला नष्ट ही होगा।

Romans 2:13

परमेश्वर के समक्ष कौन धर्मी ठहराया जाएगा?
व्यवस्था पालन करने वाले परमेश्वर के सम्मुख धर्मी ठहराए जाएंगे।

Romans 2:14

अन्य जाति मनुष्य कैसे दिखाता है कि व्यवस्था की अनिवार्यताएं उसके मन में लिखी हैं?
अन्य जाति व्यवस्था की बातों को पूरा करके दिखाते है कि व्यवस्था की अनिवार्यताएं उसके मन में लिखी हैं।

Romans 2:17

पौलुस व्यवस्था पालन यहूदियों को क्या चुनौती देता है जब वे अन्यों को व्यवस्था की शिक्षा देते हैं?
पौलुस उन्हें चुनौती देता है कि जब वे किसी को व्यवस्था सिखाते हैं तो वे स्वयं को भी सिखाएं।

Romans 2:21

पौलुस कौन-कौन से पापों का उल्लेख करता है जिनका त्याग यहूदी शिक्षकों को करना आवश्यक है?
पौलुस चोरी और व्यभिचार और मन्दिर लूटने के पापों का उल्लेख करता है।

Romans 2:23

व्यवस्था के यहूदी शिक्षकों द्वारा अन्य जातियों में परमेश्वर के नाम की निन्दा क्यों हो रही है?
परमेश्वर के नाम की निन्दा होती है क्योंकि व्यवस्था के यहूदी शिक्षक व्यवस्था का उल्लंघन करते हैं।

Romans 2:25

किसी यहूदी का खतना पौलुस के विचार में खतनारहित कैसे हो जाता है?
पौलुस कहता है कि यदि कोई यहूदी व्यवस्था का उल्लंघन करे तो उसका खतना खतनारहित हो सकता है।

Romans 2:26

पौलुस के विचार में किसी खतनारहित मनुष्य को खतनाधारी कैसे कहा जा सकता है?
पौलुस कहता है कि अन्य जाति मनुष्य को खतनाधारी माना जा सकता है यदि वह व्यवस्था की अनिवार्यताओं को पूरा करता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 2:28

पौलुस सच्चा यहूदी किसे कहता है?
पौलुस कहता है कि एक सच्चा यहूदी मन से यहूदी होता है, उसके मन का खतना होता है।

Romans 2:29

सच्चा यहूदी किससे प्रशंसा पाता है?
एक सच्चा यहूदी परमेश्वर से प्रशंसा पाता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 फिर यहूदी की क्या बड़ाई, या खतने का क्या लाभ? **2** हर प्रकार से बहुत कुछ। पहले तो यह कि परमेश्वर के वचन उनको सौंपे गए। (रोम. 9:4)

3 यदि कुछ विश्वासघाती निकले भी तो क्या हुआ? क्या उनके विश्वासघाती होने से परमेश्वर की सच्चाई व्यर्थ ठहरेगी? **4** कदापि नहीं! वरन् परमेश्वर सच्चा
और हर एक मनुष्य झूठा ठहरे, जैसा लिखा है,

"जिससे तू अपनी बातों में धर्मी ठहरे
और न्याय करते समय तू जय पाए।" (भज. 51:4, भज. 116:11)

5 पर यदि हमारा अधर्म परमेश्वर की धार्मिकता ठहरा देता है, तो हम क्या कहें? क्या यह कि परमेश्वर जो क्रोध करता है अन्यायी है? (यह तो मैं मनुष्य की रीति
पर कहता हूँ)। **6** कदापि नहीं! नहीं तो परमेश्वर कैसे जगत का न्याय करेगा?

7 यदि मेरे झूठ के कारण परमेश्वर की सच्चाई उसकी महिमा के लिये अधिक करके प्रगट हुई, तो फिर क्यों पापी के समान मैं दण्ड के योग्य ठहराया जाता हूँ?
8 "हम क्यों बुराई न करें कि भलाई निकले*?" जैसा हम पर यही दोष लगाया भी जाता है, और कुछ कहते हैं कि इनका यही कहना है। परन्तु ऐसों का दोषी
ठहराना ठीक है।

9 तो फिर क्या हुआ? क्या हम उनसे अच्छे हैं? कभी नहीं; क्योंकि हम यहूदियों और यूनानियों दोनों पर यह दोष लगा चुके हैं कि वे सब के सब पाप के वश में
हैं। **10** जैसा लिखा है:

"कोई धर्मी नहीं, एक भी नहीं। (सभो. 7:20)
11 कोई समझदार नहीं;
कोई परमेश्वर को खोजनेवाला नहीं।
12 सब भटक गए हैं, सब के सब निकम्मे बन गए;
कोई भलाई करनेवाला नहीं, एक भी नहीं। (भज. 14:3, भज. 53:1)
13 उनका गला खुली हुई कब्र है:
उन्होंने अपनी जीभों से छल किया है:
उनके होंठों में साँपों का विष है। (भज. 5:9, भज. 140:3)
14 और उनका मुँह श्राप और कड़वाहट से भरा है। (भज. 10:7)
15 उनके पाँव लहू बहाने को फुर्तीले हैं।
16 उनके मार्गों में नाश और क्लेश है।
17 उन्होंने कुशल का मार्ग नहीं जाना। (यशा. 59:8)
18 उनकी आँखों के सामने परमेश्वर का भय नहीं।" (भज. 36:1)

19 हम जानते हैं, कि व्यवस्था जो कुछ कहती है उन्हीं से कहती है, जो व्यवस्था के अधीन हैं इसलिए कि हर एक मुँह बन्द किया जाए, और सारा संसार
परमेश्वर के दण्ड के योग्य ठहरे। **20** क्योंकि व्यवस्था के कामों* से कोई प्राणी उसके सामने धर्मी नहीं ठहरेगा, इसलिए कि व्यवस्था के द्वारा पाप की पहचान
होती है। (भज. 143:2)

21 पर अब बिना व्यवस्था परमेश्वर की धार्मिकता प्रगट हुई है, जिसकी गवाही व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता देते हैं, **22** अर्थात् परमेश्वर की वह धार्मिकता, जो
यीशु मसीह पर विश्वास करने से सब विश्वास करनेवालों के लिये है। क्योंकि कुछ भेद नहीं;

23 इसलिए कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा* से रहित है, **24** परन्तु उसके अनुग्रह से उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह यीशु में है, सेंत-मेंत धर्मी
ठहराए जाते हैं।

25 उसे परमेश्वर ने उसके लहू के कारण एक ऐसा प्रायश्चित ठहराया, जो विश्वास करने से कार्यकारी होता है, कि जो पाप पहले किए गए, और जिन पर
परमेश्वर ने अपनी सहनशीलता से ध्यान नहीं दिया; उनके विषय में वह अपनी धार्मिकता प्रगट करे। **26** वरन् इसी समय उसकी धार्मिकता प्रगट हो कि जिससे
वह आप ही धर्मी ठहरे, और जो यीशु पर विश्वास करे, उसका भी धर्मी ठहरानेवाला हो।

27 तो घमण्ड करना कहाँ रहा? उसकी तो जगह ही नहीं। कौन सी व्यवस्था के कारण से? क्या कर्मों की व्यवस्था से? नहीं, वरन् विश्वास की व्यवस्था के कारण।
28 इसलिए हम इस परिणाम पर पहुँचते हैं, कि मनुष्य व्यवस्था के कामों के बिना विश्वास के द्वारा धर्मी ठहरता है।

29 क्या परमेश्वर केवल यहूदियों का है? क्या अन्यजातियों का नहीं? हाँ, अन्यजातियों का भी है।

30 क्योंकि एक ही परमेश्वर है, जो खतनावालों को विश्वास से और खतनारहितों को भी विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराएगा। **31** तो क्या हम व्यवस्था को विश्वास
के द्वारा व्यर्थ ठहराते हैं? कदापि नहीं! वरन् व्यवस्था को स्थिर करते हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 3:1

x
पौलुस उस काल्पनिक यहूदी के साथ विवाद में ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे रहा है जो वह पूछ सकता है।

यहूदी की क्या बड़ाई या खतने का क्या लाभ
वैकल्पिक अनुवाद, “अतः यहूदियों को परमेश्वर की वाचा का कोई लाभ नहीं जबकि परमेश्वर तो लाभ की प्रतिज्ञा की थी”

इस प्रकार से बहुत कुछ
“लाभ तो बहुत है”

पहले
वैकल्पिक अनुवाद, “समय के क्रम में पहले” या “अति निश्चित रूप से” (देखें यू.डी.बी.) या “आवश्यक रूप से”

Romans 3:3

x
पौलुस उस काल्पनिक यहूदी के साथ विवाद कर रहा है और ऐसे मनुष्य द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों का उत्तर दे रहा है।

कुछ विश्वासघाती निकले भी तो क्या हुआ?
पौलुस प्रभावोत्पादक प्रश्नों द्वारा मनुष्यों को सोचने पर विवश करता है। कुछ यहूदियों के साथ स्वामिभक्ति नहीं निभाते तो कुछ का कहना था कि परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा पूरी नहीं करेगा।

कदापि नहीं
“असंभव है”। या “निश्चय ही नहीं” यह अभिव्यक्ति दृढ़ता से इन्कार करती है कि ऐसा होने की संभावना है। आप अपनी भाषा में ऐसी ही अभिव्यक्ति को काम में लेना चाहेंगे।

वरन्
“इसकी अपेक्षा हमें कहना है”

जैसा लिखा है
“यहूदी धर्मशास्त्र भी मेरी बात से सहमत है”

Romans 3:5

x
पौलुस उस काल्पनिक यहूदी के साथ विवाद कर रहा है और ऐसे मनुष्य द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों का उत्तर दे रहा है।

यदि हमारा अधर्म परमेश्वर की धार्मिकता ठहरा देता है तो हम क्या कहें?
पौलुस इन शब्दों को उस काल्पनिक यहूदी के मुँह में रख रहा है जिससे वह बात कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद, “क्योंकि हमारी ईश्वर-भक्ति दर्शाती है कि परमेश्वर न्यायोचित है मैं एक प्रश्न पूछता हूँ”

क्या यह कि परमेश्वर जो क्रोध करता है, अन्यायी है?
यदि आप यह वैकल्पिक अनुवाद काम में ले रहे हैं तो सुनिश्चित करें कि पाठक को समझ में आ जाए कि इसका उत्तर “नहीं” है। क्या परमेश्वर जो मनुष्यों पर क्रोध करता है, वह न्यायोचित नहीं है”?

यह मैं मनुष्य की रीति पर कहता हूँ
“मैं एक अलग मनुष्य के सदृश्य कह रहा हूँ,

नहीं तो परमेश्वर कैसे जगत का न्याय करेगा?
पौलुस इस प्रभावोत्पाद प्रश्न द्वारा दर्शाता है कि मसीही शुभ सन्देश के विरूद्ध विवाद करना बेतुका है, क्योंकि सब यहूदियों का मानना है कि परमेश्वर मुनष्यों का न्याय कर सकता है वरन करता भी है और हम सब जानते हैं कि परमेश्वर वास्तव के संसार का न्याय करेगा”।

Romans 3:7

x
पौलुस उस काल्पनिक यहूदी के साथ विवाद कर रहा है और ऐसे मनुष्य द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों का उत्तर दे रहा है।

यदि मेरे झूठ के कारण परमेश्वर की सच्चाई उसकी महिमा के लिए, अधिक करके प्रगट हुई तो फिर क्यों पापी के समान मैं दण्ड के योग्य ठहराया जाता हूँ?
यहाँ पौलुस कल्पना करता है कि एक मनुष्य मसीही सुसमाचार का परित्याग करता है; तो बैरी विवाद करता है कि परमेश्वर उसे न्याय के दिन पापी न ठहराए यदि उदाहरणार्थ उसने झूठ कहा है।

हम क्यों बुराई न करें कि ....?
यह पौलुस का अपना प्रश्न है जो दर्शाता है कि उसके काल्पनिक विरोधों का विवाद कैसा बेतुका है, वैकल्पिक अनुवाद, “उचित तो यह होगा कि मैं कहूँ कि हम बुरे काम करें कि परिणामस्वरूप भलाई उत्पन्न हो”।

जैसा हम पर यही दोष लगाया भी जाता है।
वैकल्पिक अनुवाद

परन्तु ऐसों का दोषी ठहरना ठीक है।
परमेश्वर, पौलुस के इन बैरियों को जब दण्ड देगा तब वह न्यायनिष्ठ ही होगा, क्योंकि वे पौलुस की शिक्षा के बारे में झूठी बातें कहते हैं।

Romans 3:9

x
पौलुस उस काल्पनिक यहूदी के साथ विवाद कर रहा है और ऐसे मनुष्य द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों का उत्तर दे रहा है।

तो फिर क्या हुआ? हम उनसे अच्छे हैं?
इसके संभावित अर्थ हैं, 1) हम विश्वासी जन उन दुष्टता के कामों को नहीं छिपाते जिनके लिए हमें कहा जाता है कि हम करते हैं। या 2) हम यहूदियों को कल्पना करने की आवश्यकता नहीं कि हम परमेश्वर क दण्ड से बच जाएंगे क्योंकि हम यहूदी हैं। (यू.डी.बी.)

कभी नहीं
ये शब्द मात्र “नहीं” से अधिक प्रबल हैं परन्तु इतने प्रबल भी नहीं जितने “कदापि नहीं” होते हैं।

Romans 3:11

कोई समझदार नहीं
“कोई भी परमेश्वर के सत्य को नहीं समझता है”

कोई परमेश्वर को खोजने वाला नहीं
“कोई भी नहीं है जो परमेश्वर के साथ न्यायोचित संबन्ध बनाने का प्रयास करता है”

सब भटक गए हैं
“सबने परमेश्वर का त्याग करके उस धर्मपराण्यता इच्छा तिरस्कार किया है”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सब निकम्मे बन गए हैं
“जहाँ तक उनके लिए परमेश्वर की इच्छा का प्रश्न है, सब निकम्मे हो गए हैं”

Romans 3:13

उनका ... उन्होंने
“यहूदियों और यूनानियों”

उनका गला खुली हुई कब्र है
पौलुस एक अलंकार द्वारा दर्शा रहा है कि मनुष्य की हर एक बात धर्मविरोधी एवं घृणाजन्य है

उन्होंने अपनी जीभों से छल किया है
“मनुष्य झूठ बोलते हैं”

उनका मुख पाप और कड़वाहट से भरा है।
“मनुष्य जो भी कहता है वह हानिकारक है और अन्यों की हानि के अभिप्राय से होता है”।

Romans 3:15

उनके ....उनके....उन्होंने ... उनकी
“यहूदी और यूनानी”

उनके पाँव लहू बहाने को फुर्तीले हैं
“वे मनुष्यों को हानि पहुंचाने और उनकी हत्या करने के लिए विलम्ब नहीं करते हैं”।

उनके मार्गों में नाश और क्लेश है
“हर एक मनुष्य की जीवनशैली ऐसी है कि वे जानबूझ अन्यों को नाश करना चाहते हैं और उन्हें कष्ट पहुँचाना चाहते हैं।

कुशल का मार्ग
“मार्ग” अर्थात “रास्ता”, “पथ” इसका वैकल्पिक अनुवाद है, “अन्यों के साथ मेल-मिलाप से कैसे रहना है” (देखें:

उनकी आँखों के सामने परमेश्वर का भय नहीं
“परमेश्वर को उसके योग्य सम्मान अर्पित करने से सब इन्कार करते है”

Romans 3:19

व्यवस्था जो कुछ कहती है, उन्हीं से कहती है
“मनुष्यों के लिए नियमों के पालन की जो भी अनिवार्यता है वह उनके लिए ही है” या “मूसा ने विधान में जितनी भी आज्ञाएँ दी है, वे उनके लिए है”

इसलिए कि हर एक मुंह बन्द किया जाए
“कि कोई भी अपने प्रतिवाद में कुछ भी न कहने पाए जो उचित हो” कर्तृवाच्य वाक्य में इसका अनुवाद हो सकता है, इस प्रकार परमेश्वर मनुष्य को इस योग्य नहीं छोड़ता है कि वह कहे, “मैं निर्दोष हूँ”

इसलिए
इसके अर्थ हो सकते हैं, 1) “कि” या 2) “और इस प्रकार” या 3) “वरन”

व्यवस्था के द्वारा पाप की पहचान होती है
“जब मनुष्य को परमेश्वर के नियमों का ज्ञान होता है तो उसे यह बोध हो जाता है कि धार्मिकता नहीं, परमेश्वर की दृष्टि में पापी है”

Romans 3:21

परन्तु
पौलुस अपनी प्रस्तावना समाप्त करके अब अपना प्रमुख विचार व्यक्त करना चाहता है।

अब
“अब” शब्द उस समय के संदर्भ में है जब से यीशु इस पृथ्वी पर आया।

व्यवस्था से अलग परमेश्वर की वह धार्मिकता प्रगट हुई है
इसका अनुवाद एक सक्रिय क्रिया के रूप में किया जा सकता है : "परमेश्वर ने प्रगट नहीं किया"

व्यवस्था से अलग
इसका संबन्ध “न्यायोचित होने” से है, न कि “ऐसी विधि प्रकट की है” से है।

जिसकी गवाही व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता देते हैं
“व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” यहूदी धर्मशास्त्र के उस अंश को दर्शाते हैं जिसकी रचना मूसा और भविष्यद्वक्ताओं ने की है जिस प्रकार कि कोई न्यायालय में गवाही देने जा रहा है। इसका वैकल्पिक अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा भी किया जा सकता है, “मूसा और भविष्यद्वक्ताओं ने जो कहा वह इसको सत्यापित करते हैं

व्यवस्थारहित धार्मिकता मसीह में विश्वास के द्वारा सब विश्वासियों के लिए परमेश्वर की धार्मिकता है।
इसका अनुवाद एक नए वाक्य में किया जा सकता है, “मैं इस धार्मिकता के विषय में कह रहा हूँ जो परमेश्वर हमें देता है जब हम मसीह यीशु में विश्वास करते है”।

क्योंकि कुछ भेद नहीं
“क्योंकि परमेश्वर की दृष्टि में यहूदी और अन्यजाति बराबर हैं”

Romans 3:23

परन्तु उसके अनुग्रह से उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह यीशु में है
उसके अनुग्रह उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह यीशु में है - इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है। “परमेश्वर ने अपनी करूणा के द्वारा उन्हें न्यायोचित ठहराया है क्योंकि मसीह यीशु ने उन्हें मुक्ति दिलाई है।

Romans 3:25

सेंत मेंत धर्मी ठहराए जाते हैं
इसके अर्थ हो सकते हैं, 1) अनदेखा करना, या 2) क्षमा करना।

जो विश्वास करने से इस समय परमेश्वर की न्यायनिष्ठा के प्रदर्शन हेतु है कि वह स्वयं को न्यायोचित सिद्ध करे और प्रकट करे कि वह हर एक मनुष्य को यीशु में विश्वास के कारण न्यायोचित ठहराता है।
“उसने इस समय अपनी न्यायनिष्ठा को प्रकट करने के लिए ऐसा किया वह दर्शाता है कि वह न्यायनिष्ठ है और यीशु में विश्वास करने वाले हर एक मनुष्य को न्यायोचित ठहराता है।

Romans 3:27

x
पौलुस प्रभावोत्पादक प्रश्नों का उत्तर देकर प्रबलता-पूर्वक दर्शाना चाहता है कि वह जो बात कह रहा है वह निश्चय ही सच है।

कहां रहा?
“किस कारण से? या “घमण्ड का निराकरण क्यों?” या “हम घमण्ड क्यों नहीं कर सकते हैं”?

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्या कर्मों की व्यवस्था से?
“घमण्ड का निराकरण क्या नियमों के पालन करने के कारण है”

विश्वास की व्यवस्था के कारण
“क्योंकि हम यीशु में विश्वास करते हैं”

अलग ही
“पृथक होकर”

Romans 3:29

x
पौलुस प्रभावोत्पादक प्रश्नों का ही उत्तर दे रहा है कि उसके द्वारा कही गई बात का महत्त्व प्रकट हो।

क्या परमेश्वर केवल यहूदियों का ही है?
“यदि परमेश्वर केवल उसके नियमों का पालन करनेवालों ही को धर्मी ठहराता है तो क्या वह केवल यूहदियों का ही परमेश्वर नहीं हुआ”?

Romans 3:31

x
पौलुस प्रभावोत्पादक प्रश्नों का ही उत्तर दे रहा है कि उसके द्वारा कही गई बात का महत्त्व प्रकट हो।

क्या हम व्यवस्था को विश्वास के द्वारा व्यर्थ ठहराते हैं? विधान का निराकरण करें?
वैकल्पिक अनुवाद, “क्या हम विश्वास के कारण नियमों के विधान का निराकरण करें?

कदापि नहीं।
“यह तो सच हो ही नहीं सकता”। या “ऐसा कभी नहीं हो सकता”
(यू.डी.बी.) यह उक्ति पूर्व व्यक्त प्रभावोत्पादक प्रश्न की अति प्रबल नकारात्मक अभिव्यक्ति है। आप अपनी भाषा में ऐसी ही अभिव्यक्ति काम में लेना चाहेंगे।

व्यवस्था को स्थिर करते हैं
वैकल्पिक अनुवाद, “हम नियमों का पालन करते हैं”।

हम
इस सर्वनाम का संदर्भ पौलुस से, अन्य विश्वासियों से तथा पाठकों से है।

Translation Questions

Romans 3:1

यहूदियों के सौभाग्यों में सबसे पहले क्या है?
यहूदियों के सौभाग्यों में सबसे पहला है, उन्हें परमेश्वर का प्रकाशन सौंपा गया है।

Romans 3:4

सब झूठे हैं और परमेश्वर क्या पाया गया है?
यद्यपि हर एक मनुष्य झूठा है, परमेश्वर सच्चा है।

Romans 3:5

परमेश्वर धर्मी होने के कारण किसके योग्य है?
क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, वह संसार का न्याय करने योग्य है।

Romans 3:8

जो कहते हैं कि बुराई करने से भलाई निकलती है उनका क्या होगा?
जो कहता है, "हम क्यों बुराई न करें कि भलाई निकले" वे दोषी ठहराए जाएंगे।

Romans 3:9

धर्मशास्त्र में यहूदी और यूनानी सबकी धार्मिकता के बारे में क्या लिखा है?
लिखा है, कोई धर्मी नहीं, एक भी नहीं।

Romans 3:11

धर्मशास्त्र के लेख के अनुसार कौन समझदार है और कौन परमेश्वर को खोजता है?
जो लिखा है उसके अनुसार कोई समझदार नहीं, कोई परमेश्वर का खोजने वाला नहीं।

Romans 3:20

व्यवस्था के कामों से किसका न्याय होगा?
व्यवस्था के कामों से कोई धर्मी नहीं ठहरेगा।

व्यवस्था से क्या होता है?
पाप का बोध व्यवस्था से होता है।

Romans 3:21

अब व्यवस्थारहित धार्मिकता किसके द्वारा प्रकट हुई है?
व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की गवाही द्वारा व्यवस्थारहित धार्मिकता प्रकट हुई है।

Romans 3:22

व्यवस्थारहित धार्मिकता कौन सी है जो प्रकट की गई है?
व्यवस्थारहित धार्मिकता मसीह में विश्वास के द्वारा सब विश्वासियों के लिए परमेश्वर की धार्मिकता है।

Romans 3:24

मनुष्य परमेश्वर के समक्ष धर्मी कैसे ठहरता है?
मनुष्य मसीह यीशु में निहित उद्धार के द्वारा परमेश्वर के सम्मुख उसके अनुग्रह से निर्मोल धर्मी ठहरता है।

Romans 3:25

परमेश्वर ने मसीह यीशु को किस उद्देश्य के निमित्त भेजा?
परमेश्वर ने विश्वास के द्वारा मसीह के लहू के कारण प्रायश्चित्त ठहराया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 3:26

यीशु के द्वारा जो कुछ भी हुआ उससे परमेश्वर क्या दर्शाता है?
परमेश्वर ने प्रकट किया कि वही है जो किसी को भी यीशु में विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराता है।

Romans 3:28

धर्मी ठहराए जाने में व्यवस्था के कामों की क्या भूमिका है?
मनुष्य व्यवस्था के कामों के बिना विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराया जाता है।

Romans 3:30

परमेश्वर खतना वाले यहूदी और खतनारहित अन्य जाति को कैसे धर्मी ठहराता है?
परमेश्वर दोनों को विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराता है।

Romans 3:31

हम विश्वास के द्वारा व्यवस्था का क्या करते हैं?
हम विश्वास के द्वारा व्यवस्था को स्थिर करते हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 तो हम क्या कहें, कि हमारे शारीरिक पिता अब्राहम को क्या प्राप्त हुआ? **2** क्योंकि यदि अब्राहम कामों से धर्मी ठहराया जाता*, तो उसे घमण्ड करने का
कारण होता है, परन्तु परमेश्वर के निकट नहीं। (उत्प. 15:6) **3** पवित्रशास्त्र क्या कहता है? यह कि "अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और यह उसके
लिये धार्मिकता गिना गया।"

4 काम करनेवाले की मजदूरी देना दान नहीं, परन्तु हक़ समझा जाता है।

5 परन्तु जो काम नहीं करता वरन् भक्तिहीन के धर्मी ठहरानेवाले पर विश्वास करता है, उसका विश्वास उसके लिये धार्मिकता गिना जाता है।

6 जिसे परमेश्वर बिना कर्मों के धर्मी ठहराता है, उसे दाऊद भी धन्य कहता है:

7 "धन्य वे हैं, जिनके अधर्म क्षमा हुए,
और जिनके पाप ढांपे गए।
8 धन्य है वह मनुष्य जिसे परमेश्वर पापी न ठहराए।" (भज. 32:2)

9 तो यह धन्य वचन, क्या खतनावालों ही के लिये है, या खतनारहितों के लिये भी? हम यह कहते हैं, "अब्राहम के लिये उसका विश्वास धार्मिकता गिना गया।"
10 तो वह कैसे गिना गया? खतने की दशा में या बिना खतने की दशा में? खतने की दशा में नहीं परन्तु बिना खतने की दशा में।

11 और उसने खतने का चिन्ह* पाया, कि उस विश्वास की धार्मिकता पर छाप हो जाए, जो उसने बिना खतने की दशा में रखा था, जिससे वह उन सब का पिता
ठहरे, जो बिना खतने की दशा में विश्वास करते हैं, ताकि वे भी धर्मी ठहरें; (उत्प. 17:11) **12** और उन खतना किए हुओं का पिता हो, जो न केवल खतना किए
हुए हैं, परन्तु हमारे पिता अब्राहम के उस विश्वास के पथ पर भी चलते हैं, जो उसने बिन खतने की दशा में किया था।

13 क्योंकि यह प्रतिज्ञा कि वह जगत का वारिस होगा, न अब्राहम को, न उसके वंश को व्यवस्था के द्वारा दी गई थी, परन्तु विश्वास की धार्मिकता के द्वारा मिली।
14 क्योंकि यदि व्यवस्थावाले वारिस हैं, तो विश्वास व्यर्थ और प्रतिज्ञा निष्फल ठहरी। **15** व्यवस्था तो क्रोध उपजाती है और जहाँ व्यवस्था नहीं वहाँ उसका
उल्लंघन भी नहीं।

16 इसी कारण प्रतिज्ञा विश्वास पर आधारित है कि अनुग्रह की रीति पर हो, कि वह सब वंश के लिये दृढ़ हो, न कि केवल उसके लिये जो व्यवस्थावाला है, वरन्
उनके लिये भी जो अब्राहम के समान विश्वासवाले हैं वही तो हम सब का पिता है **17** जैसा लिखा है, "मैंने तुझे बहुत सी जातियों का पिता ठहराया है" उस
परमेश्वर के सामने जिस पर उसने विश्वास किया* और जो मरे हुओं को जिलाता है, और जो बातें हैं ही नहीं, उनका नाम ऐसा लेता है, कि मानो वे हैं। (उत्प.
17:15)

18 उसने निराशा में भी आशा रखकर विश्वास किया, इसलिए कि उस वचन के अनुसार कि "तेरा वंश ऐसा होगा," वह बहुत सी जातियों का पिता हो। **19** वह
जो एक सौ वर्ष का था, अपने मरे हुए से शरीर और सारा के गर्भ की मरी हुई की सी दशा जानकर भी विश्वास में निर्बल न हुआ, (इब्रा. 11:11)

20 और न अविश्वासी होकर परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर संदेह किया, पर विश्वास में दृढ़ होकर परमेश्वर की महिमा की, **21** और निश्चय जाना कि जिस बात की
उसने प्रतिज्ञा की है, वह उसे पूरा करने में भी सामर्थी है। **22** इस कारण, यह उसके लिये धार्मिकता गिना गया।

23 और यह वचन, "विश्वास उसके लिये धार्मिकता गिना गया," न केवल उसी के लिये लिखा गया*, **24** वरन् हमारे लिये भी जिनके लिये विश्वास धार्मिकता
गिना जाएगा, अर्थात् हमारे लिये जो उस पर विश्वास करते हैं, जिसने हमारे प्रभु यीशु को मरे हुओं में से जिलाया। **25** वह हमारे अपराधों के लिये पकड़वाया
गया, और हमारे धर्मी ठहरने के लिये जिलाया भी गया। (यशा. 53:5, यशा. 53:12)

Romans 4:1

x
पौलुस प्रभावोत्पादक प्रश्नों का ही उत्तर दे रहा है कि उसके द्वारा कही गई बात का महत्त्व प्रकट हो।

हम क्या कहें हमारे शारीरिक पिता अब्राहम, हमारा आदि पिता को क्या प्राप्त हुआ?
"हमारे पूर्वज अब्राहम ने यही तो पाया। पौलुस पाठकों का ध्यानाकर्षित करने हेतु प्रश्न पूछ कर एक नई बात कहता है।

पवित्र शास्त्र अब्राहम की धार्मिकता के बारे में क्या कहता है?
" हम इसे पवित्र शास्त्र में देख सकते है"

और वह उसके लिए धार्मिकता गिना गया
"और परमेश्वर अब्राहम को धर्मी कहा"।

Romans 4:6

जिसे परमेश्वर बिना कर्मों के धर्मी ठहराता है, उसे दाऊद भी धन्य कहता है।
वैकल्पिक अनुवाद: इसी कारण दाऊद भी उस मनुष्य को आशीषित कहता है जिसे परमेश्वर कर्मों बिना धर्मी कहता है"।

जिनके धर्म क्षमा हुए... जिनके पाप ढांपे गए... जिसे परमेश्वर पापी न ठहराए।
वैकल्पिक अनुवाद, "जिसके अपराध परमेश्वर ने ढाँप दिए... जिनके पापों का लेखा परमेश्वर ने मिटा दिया"। यहाँ एक ही विचार को तीन विभिन्न

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अभिव्यक्तियों में प्रकट किया गया है, दो भिन्नार्थक शब्द तीन भिन्नार्थक शब्द होते हैं।

Romans 4:9

तो यह धन्य वचन, क्या खतना वालों ही के लिए है या खतनारहितों के लिए भी?
वैकल्पिक अनुवाद, "क्या परमेश्वर केवल उनको ही आशीष देता है जिनका खतना हुआ है या जिनका खतना नहीं हुआ है उनको भी।

हम कहते हैं
पौलुस यहूदियों और गैर यहूदियों दोनों ही के लिए कहता है।

अब्राहम के लिए उसका विश्वास धार्मिकता गिना गया
वैकल्पिक अनुवाद, "परमेश्वर ने अब्राहम के विश्वास को धर्मी माना था"।

Romans 4:11

उसने खतने का चिन्ह पाया कि उस विश्वासी की धार्मिकता पर छाप हो।
"खतना एक प्रकट चिन्ह था कि परमेश्वर ने उसे खतना करवाने से पहले परमेश्वर में विश्वास करने के कारण न्यायोचित ठहरा दिया था।

जो बिना खतने की दशा में
वैकल्पिक अनुवाद, "उन्होंने खतना नहीं करवाया तौभी"

ताकि वे भी धर्मी ठहरें।
वैकल्पिक अनुवाद, "कि परमेश्वर उन्हें धर्मी माने।

Romans 4:13

क्योंकि यह प्रतिज्ञा थी कि वह जगत का वारिस होगा, न अब्राहम को, न उसके वंश को व्यवस्था के द्वारा दी गई थी।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है, "परमेश्वर उन्हें ग्रहण करेगा" (देखें:

"परन्तु विश्वास की धार्मिकता के द्वारा मिली"
परन्तु विश्वास की धार्मिकता के द्वारा मिली इस वाक्य में परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की, छोड़ दिया गया है क्योंकि वह समझा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, "परन्तु परमेश्वर ने इसमें विश्वास ही के कारण यह प्रतिज्ञा की थी जिसे वह न्यायोचित मानता है"।

यदि व्यवस्था वाले वारिस हैं
वैकल्पिक अनुवाद, यदि परमेश्वर प्रदत्त मूसा के नियमों का पालन करनेवाले पृथ्वी के अधिकारी होंगे।

तो विश्वास व्यर्थ और प्रतिज्ञा निष्फल रही
तो विश्वास का कोई अर्थ नहीं और प्रतिज्ञा व्यर्थ हो गई"।

जहाँ व्यवस्था नहीं वहाँ उसका उल्लंघन भी नहीं
"परन्तु यदि नियम न हों तो उनके उल्लंघन का प्रश्न ही नहीं उठता है। इसका अनुवाद सकारात्मक वाक्य में भी किया जा सकता है, मनुष्य नियमों का उल्लंघन तब ही करता है जब नियम हों"।

Romans 4:16

इसी कारण प्रतिज्ञा विश्वास पर आधारित है कि अनुग्रह की रीति पर हो।
"परमेश्वर में विश्वास करने पर हमें आशिष पाने का कारण है कि वह उपहार हो"।

कि वह उसके सब वंशजों के लिए दृढ़ हो।
"कि अब्राहम का संपूर्ण वंश निश्चय ही प्रतिज्ञाओं के वारिस हों।

न कि केवल उसके लिए जो व्यवस्था करता है
अर्थात यहूदी जो परमेश्वर प्रदत्त मूसा के नियमों को मानते हैं।

अब्राहम के समान विश्वास वाले हैं
वे जो अब्राहम के सदृश्य विश्वास रखते हैं अर्थात उसके खतने से पूर्व का विश्वास ।

वही तो हम सबका पिता है
यहाँ "हम" का अभिप्राय पौलुस तथा सब विश्वासी चाहे वे यहूदी हैं या गैर यहूदी। अब्राहम यहूदियों का शारीरिक पूर्वज था परन्तु वह मसीह के विश्वासियों का आत्मिक पिता है।

जैसा लिखा है
जहाँ लिखा है वह स्पष्ट किया जा सकता है: "जैसा धर्मशास्त्र में लिखा है"

मैंने तुझे... ठहराया
यहाँ "तू" शब्द एक वचन है और अब्राहम का बोध करवाता है

उस परमेश्वर के सामने जिस पर उसने विश्वास किया
इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है, "अब्राहम परमेश्वर की उपस्थिति में था जिस पर उसने विश्वास किया था और वह मृतकों को जीवन दान देता है"

Romans 4:18

जो बातें हैं ही नहीं
इसका पूर्ण अर्थ स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है, "यद्यपि इसके लिए वंश उत्पन्न करना असंभव था"

वह बहुत सी जातियों का पिता होगा।
इसका अनुवाद एक नए वाक्य में किया जा सकता है, "और अब्राहम द्वारा विश्वास करने का परिणाम यह हुआ कि वह अनेक जातियों का पिता हुआ"।

उस वचन के अनुसार
"ठीक उसी बात पर जो परमेश्वर ने उससे कहीं थी"

"तेरा वंश ऐसा होगा"
यहाँ परमेश्वर की पूरी प्रतिज्ञा को स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है, "तेरा वंश अनगिनत होगा"

विश्वास में निर्बल न हुआ
वैकल्पिक अनुवाद, "विश्वास में दृढ़ रहा"

वह जो एक सौ वर्ष का था अपने मरे हुए से शरीर और सारा के गर्भ की मरी हुई दशा
यहाँ अब्राहम की वृद्धावस्था और सन्तानोत्पत्ति में सारा को अक्षम होने को मृतक तुल्य माना गया है। इसका बल इस बात पर है कि उनके लिए सन्तान उत्पन्न करना असंभव था। वैकल्पिक अनुवाद, "अब्राहम जानता था कि वह बहुत वृद्ध था और सारा सन्तान उत्पन्न नहीं कर सकती थी।

Romans 4:20

न अविश्वासी होकर परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर सन्देह किया
"सन्देह कभी नहीं किया"

विश्वास में दृढ़ होकर
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है, परन्तु उसका विश्वास दृढ़ होता गया"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

परमेश्वर की महिमा की
“और परमेश्वर की स्तुति की”

निश्चय जाना
“अब्राहम को पूर्ण निश्चय था”

वह उसे पूरा करने में समर्थ है।
“परमेश्वर में उसे पूरा करने की सामर्थ्य है

वह उसके लिए धार्मिक गिना गया
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है, “परमेश्वर ने अब्राहम के विश्वास को धर्मी कहा” या “परमेश्वर ने अब्राहम को धर्मी कहा क्योंकि उसने विश्वास किया था।

Romans 4:23

और
इस शब्द के द्वारा पत्र के एक नए भाग का आरंभ होता है। पौलुस अब्राहम के बारे में बातें करने से हट कर अब मसीह के विश्वासियों के बारे में बातें करेगा।

न केवल उसी के लिए
“न केवल अब्राहम के लिए”

इस कारण .... उसके लिए धार्मिकता गिना गया
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया में किया जा सकता है, “परमेश्वर ने उसे धर्मी माना” या “परमेश्वर ने उसे धर्मी गिना”

हमारे लिए भी
“हमारे” का अभिप्राय है पौलुस और सब विश्वासी

वरन् हमारे लिए भी जिनके लिए विश्वास धार्मिकता गिना जाएगा।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा एक नए वाक्य में किया जा सकता है, “यह हमारे लाभ के लिए भी था क्योंकि परमेश्वर हमें भी धर्मी कहेगा यदि हम विश्वास करें”।

मरे हुओं में से जिलाया
“परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया”

यीशु हमारे पापों के लिए पकड़वाया गया
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है, “परमेश्वर ने उसे उसके हत्यारों के हाथों में दे दिया था”।

हमारे धर्मी ठहरने के लिए जिलाया भी गया।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है, “जिसे परमेश्वर ने पुनः जीवित किया कि हम परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में हो जाएं”।

Translation Questions

Romans 4:2

अब्राहम के पास गर्व करने का क्या कारण होता?
यदि अब्राहम कामों द्वारा धर्मी ठहरता तो उसके पास गर्व करने का कारण होता।

Romans 4:3

पवित्र शास्त्र अब्राहम की धार्मिकता के बारे में क्या कहता है?
पवित्र शास्त्र स्पष्ट कहता है कि अब्राहम ने परमेश्वर में विश्वास किया और वह उसके लिए धार्मिकता गिना गया।

Romans 4:5

परमेश्वर कैसे लोगों को धर्मी ठहराता है?
परमेश्वर अधर्मी को धर्मी ठहराता है।

Romans 4:6

दाऊद के अनुसार मनुष्य किस रीति से परमेश्वर द्वारा धन्य हुआ?
दाऊद कहता है कि धन्य है वह मनुष्य जिसके अधर्म क्षमा हुए और धन्य है वह मनुष्य जिसे परमेश्वर पापी न ठहराए।

Romans 4:9

अब्राहम को विश्वास द्वारा धर्मी ठहराया गया तो वह उसके खतने से पूर्व या बाद में था?
अब्राहम के खतने से पूर्व वह विश्वास द्वारा धर्मी ठहराया गया था।

Romans 4:11

अब्राहम किस समूह का पिता है?
अब्राहम सब विश्वासियों का पिता है चाहे वे धर्मी खतना वाले हों या खतनारहित हों।

Romans 4:13

विश्वास की धार्मिकता द्वारा अब्राहम और उसके वंशजों से क्या प्रतिज्ञा की गई थी?
अब्राहम और उसके वंशजों से प्रतिज्ञा की गई थी कि वे संसार के उत्तराधिकारी होंगे।

Romans 4:14

यदि अब्राहम से की गई प्रतिज्ञा व्यवस्था के कारण थी तो क्या बात सच होती?
यदि प्रतिज्ञा व्यवस्था द्वारा आई थी तो विश्वास व्यर्थ और प्रतिज्ञा निष्फल ठहरी।

Romans 4:16

विश्वास के कारण प्रतिज्ञा करने के क्या कारण हैं?
प्रतिज्ञा विश्वास के कारण दी गई थी कि वह अनुग्रह के कारण हो वह सच हो।

Romans 4:17

पौलुस कौन सी दो बातें कहता है कि परमेश्वर करता है?
पौलुस कहता है कि परमेश्वर मृतकों में जान डालता है और जो नहीं है उसे अस्तित्व में लाता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 4:18

कौन सी बाहरी परिस्थितियों ने अब्राहम को परमेश्वर की प्रतिज्ञा में विश्वास करने से रोका कि वह जातियों का पिता होगा?
जब परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी तब वह सौ वर्ष का था और सारा का गर्भ मरा हुआ था।

ऐसी बाहरी परिस्थितियों के उपरान्त भी अब्राहम ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा में कैसे विश्वास किया?
अब्राहम परमेश्वर पर लगातार विश्वास करता रहा और अविश्वास में संकोच नहीं किया।

Romans 4:23

अब्राहम की यह बात किसके लिए लिखी गई थी?
यह वचन अब्राहम ही के लिए नहीं परन्तु हमारे लिए भी लिखा गया है।

Romans 4:25

हम क्या मानते हैं कि परमेश्वर ने हमारे लिए किया?
हम विश्वास करते हैं कि परमेश्वर ने यीशु को मृतकों में से जिलाया, वह हमारे पापों के लिए पकड़वाया गया था और हमें धर्मी ठहराने के लिए जिलाया भी गया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 क्योंकि हम विश्वास से धर्मी ठहरे, तो अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ मेल रखें, **2** जिसके द्वारा विश्वास के कारण उस अनुग्रह तक जिसमें
हम बने हैं, हमारी पहुँच* भी हुई, और परमेश्वर की महिमा की आशा पर घमण्ड करें।

3 केवल यही नहीं, वरन् हम क्लेशों में भी घमण्ड करें, यही जानकर कि क्लेश से धीरज, **4** और धीरज से खरा निकलना, और खरे निकलने से आशा उत्पन्न
होती है; **5** और आशा से लज्जा नहीं होती, क्योंकि पवित्र आत्मा जो हमें दिया गया है उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे मन में डाला गया है।

6 क्योंकि जब हम निर्बल ही थे, तो मसीह ठीक समय पर भक्तिहीनों के लिये मरा। **7** किसी धर्मी जन* के लिये कोई मरे, यह तो दुर्लभ है; परन्तु क्या जाने
किसी भले मनुष्य के लिये कोई मरने का धैर्य दिखाए।

8 परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा। **9** तो जब कि हम, अब उसके
लहू के कारण धर्मी ठहरे, तो उसके द्वारा परमेश्वर के क्रोध से क्यों न बचेंगे?

10 क्योंकि बैरी होने की दशा में उसके पुत्र की मृत्यु के द्वारा हमारा मेल परमेश्वर के साथ हुआ, फिर मेल हो जाने पर उसके जीवन के कारण हम उद्धार क्यों न
पाएँगे? **11** और केवल यही नहीं, परन्तु हम अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा, जिसके द्वारा हमारा मेल हुआ है, परमेश्वर में आनन्दित होते है।

12 इसलिए जैसा एक मनुष्य के द्वारा पाप जगत में आया, और पाप के द्वारा मृत्यु आई, और इस रीति से मृत्यु सब मनुष्यों में फैल गई, क्योंकि सब ने पाप
किया। (1 कुरि. 15:21-22) **13** क्योंकि व्यवस्था के दिए जाने तक पाप जगत में तो था, परन्तु जहाँ व्यवस्था नहीं, वहाँ पाप गिना नहीं जाता।

14 तो भी आदम से लेकर मूसा तक मृत्यु ने उन लोगों पर भी राज्य किया*, जिन्होंने आदम की आज्ञाकारिता के समान पाप नहीं किया, जो उस आनेवाले का
चिन्ह है।

15 पर जैसी अपराध की दशा है, वैसी अनुग्रह के वरदान की नहीं, क्योंकि जब एक मनुष्य के अपराध से बहुत लोग मरे, तो परमेश्वर का अनुग्रह और उसका
जो दान एक मनुष्य के, अर्थात् यीशु मसीह के अनुग्रह से हुआ बहुत से लोगों पर अवश्य ही अधिकाई से हुआ।

16 और जैसा एक मनुष्य के पाप करने का फल हुआ, वैसा ही दान की दशा नहीं, क्योंकि एक ही के कारण दण्ड की आज्ञा का फैसला हुआ, परन्तु बहुत से
अपराधों से ऐसा वरदान उत्पन्न हुआ कि लोग धर्मी ठहरे। **17** क्योंकि जब एक मनुष्य के अपराध के कारण मृत्यु ने उस एक ही के द्वारा राज्य किया, तो जो
लोग अनुग्रह और धर्मरूपी वरदान बहुतायत से पाते हैं वे एक मनुष्य के, अर्थात् यीशु मसीह के द्वारा अवश्य ही अनन्त जीवन में राज्य करेंगे।

18 इसलिए जैसा एक अपराध सब मनुष्यों के लिये दण्ड की आज्ञा का कारण हुआ, वैसा ही एक धार्मिकता का काम भी सब मनुष्यों के लिये जीवन के निमित्त
धर्मी ठहराए जाने का कारण हुआ। **19** क्योंकि जैसा एक मनुष्य के आज्ञा न मानने से बहुत लोग पापी ठहरे, वैसे ही एक मनुष्य के आज्ञा मानने से बहुत लोग
धर्मी ठहरेंगे।

20 व्यवस्था* बीच में आ गई कि अपराध बहुत हो, परन्तु जहाँ पाप बहुत हुआ, वहाँ अनुग्रह उससे भी कहीं अधिक हुआ, **21** कि जैसा पाप ने मृत्यु फैलाते हुए
राज्य किया, वैसा ही हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा अनुग्रह भी अनन्त जीवन के लिये धर्मी ठहराते हुए राज्य करे।

Romans 5:1

अतः
“इस कारण”

हम... अपने
"हम और अपना" यह दो शब्द सब विश्वासियों के लिए हैं और समाविष्ट करना हैं

अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा
“अपने प्रभु यीशु मसीह के कारण”

जिसके द्वारा विश्वास के कारण उस अनुग्रह तक जिसमें हम बने हैं।
पौलुस कृपा प्राप्त विश्वासियों की तुलना उस मनुष्य से करता है जो एक राजा के सम्मुख खड़ा होने के योग्य होता है। क्योंकि हम यीशु में विश्वास करते हैं परमेश्वर के कृपापात्र होकर उसके समक्ष उपस्थित हो सकते हैं।

परमेश्वर की महिमा की आशा पर ध्यान करें।
“हम आनन्द करते है क्योंकि हमें परमेश्वर की महिमा के अनुभव की आशा है।”

Romans 5:3

केवल यही नहीं
“यह” शब्द उन विचारों के संदर्भ में है जिनके वर्णन में किया गया है।

हम... हमारा... हमारे
"हम हमारा हमारे" शब्द सब विश्वासियों का संदर्भ देते हैं और आवश्यक है कि वे समावेशी हैं

मान्य करना
अर्थात् परमेश्वर कहे, “अच्छा है”

आत्मविश्वास
वैकल्पिक अनुवाद, “आशा”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 5:6

हम
“हम” शब्द सब विश्वासियों के लिए है अतः इसे समावेशी होना है,

Romans 5:8

प्रगट करता है
वैकल्पिक अनुवाद, “दर्शाता है” या “सिद्ध करता है”

हम... हमारे
“हम” और “हमारे”, ये सब शब्द समस्त विश्वासियों के लिए है। अतः इन्हें समावेश होना है।

बहुतायत से, हम जब उस के लहू के द्वारा धर्मी ठहरे
वैकल्पिक अनुवाद, “अब क्योंकि हम उसके लहू के द्वारा धर्मी ठहरे तो वह हमारे लिए अब कितना अधिक कुछ करेगा”।

Romans 5:10

“हम” ... “अपने”
“हम” के सब रूप विश्वासियों का संदर्भ देते है, इसलिए इन्हें समावेश होना आवश्यक है।

उसके पुत्र .... उसके जीवन
“परमेश्वर के पुत्र... परमेश्वर के पुत्र के जीवन”

हमारा मेल हो चुका है
“अब क्योंकि हम पुनः उसके मित्र हैं” “वैकल्पिक अनुवाद, “अब क्योंकि परमेश्वर हमें पुनः अपना मित्र मानता है”

Romans 5:12

वैसे ही
अग्रिम शब्द पौलुस के पिछला विवाद पर आधारित हैं कि सब विश्वासी विश्वास के द्वारा धर्मी माने जाते हैं। (यू.डी.बी.)

एक मनुष्य के द्वारा पाप जगत में आया और पाप के द्वारा मृत्यु आई
पौलुस “पाप” को एक घातक बात कहता है, जिसका आगमन “एक मनुष्य” आदम द्वारा स्थान देने से हुआ और “पाप” एक ऐसा द्वार बन गया जिसके द्वारा एक घातक बात, “मृत्यु” ने संसार में प्रवेश किया। (देखें:)

Romans 5:14

फिर भी
“तथापि” या “आदम के समय से लेकर मूसा तक लिखित नियमावली नहीं थी परन्तु”

तौभी आदम से लेकर मूसा तक मृत्यु ने उन लोगों पर भी राज किया।
पौलुस मृत्यु की तुलना एक राजा से करता है . वैकल्पिक अनुवाद, “मनुष्य तो आदम के समय से लेकर मूसा के समय तक उनके पापों के परिणामस्वरूप मर रहे थे”।

जिन्होंने उस आदम.... के अपराध समान पाप न किया
“जिन मनुष्यों के पाप आदम के पाप जैसे न थे वे भी मर रहे थे”।

जो उस आने वाले का चिन्ह है
आदम मसीह का प्रतिरूप था, मसीह जो बहुत बाद में आया। इसमें उसकी बहुत समानता थी।

पर... बहुत लोग मरे तो परमेश्वर का अनुग्रह और उसका जो दान... अधिकाई से हुआ।
“बहुत लोग मरे” महत्त्वपूर्ण है परन्तु “अनुग्रह और इसका जो दान... अधिकाई से हुआ और भी अधिक महत्त्वपूर्ण है।

अनुग्रह और ... दान... अधिकाई से हुआ
“अनुग्रह” और “दान” “पापों” से अधिक महान एवं प्रबल हैं।

Romans 5:16

जैसा एक मनुष्य के पाप करने का फल हुआ, वैसा ही दान की दशा नहीं
“दान आदम के पाप का परिणाम नहीं है”

क्योंकि एक और
“क्योंकि एक ओर”

क्योंकि एक मनुष्य के अपराध के कारण... तो
“क्योंकि” और “तो” किसी एक ही बात पर विचार करने की दो धाराएं हैं। इसका वैकल्पिक अनुवाद है, “एक मनुष्य के कारण दण्ड का निर्णय लिया गया, तो”

क्योंकि बहुत से अपराधों के कारण
“अनेकों के पापों के कारण”

एक मनुष्य के अपराध
आदम के अपराध

मृत्यु ने उस एक ही के द्वारा राज्य किया
“हर एक मनुष्य मरा”

एक मनुष्य के .... अनन्त जीवन
“मसीह यीशु के जीवन द्वारा”

Romans 5:18

एक अपराध के कारण
आदम के एक ही पाप के द्वारा। वैकल्पिक अनुवाद, “आदम के पाप के कारण”

एक... काम
मसीह यीशु का बलिदान

एक मनुष्य के आज्ञा न मानने से
आदम की अवज्ञा

एक मनुष्य के आज्ञा मानने से
यीशु की आज्ञाकारिता के कारण

Romans 5:20

व्यवस्था बीच में आ गई
“नियमों ने प्रवेश किया” (देखें:

अपराध बहुत हों
इसके अर्थ दोनों हो सकते हैं, “मनुष्य को अपने पाप के भयानक होने का बोध हो” (यू.डी.बी.) और “मनुष्य अधिक पाप करे”

बहुत
“प्रचुर”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जैसा पाप ने मृत्यु फैलाते हुए राज किया
“जैसे पाप ने मृत्यु द्वारा राज किया”

अनुग्रह भी अनन्त जीवन के लिए मसीह में धर्मी ठहराते हुए राज करे
“हमारे प्रभु यीशु मसीह की पवित्रता के द्वारा कृपा मनुष्यों को अनन्त जीवन प्रदान करती है”

हमारे प्रभु
'हमारे' अर्थात पौलुस के इस पत्र के पाठक और सब विश्वासी

Translation Questions

Romans 5:1

विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराए जाने के कारण विश्वासियों को क्या प्राप्त है?
क्योंकि विश्वासी विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराए जाते हैं, प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर से उनका मेल है।

Romans 5:3

क्लेश कौन से तीन गुण उत्पन्न करते हैं?
क्लेश, धीरज, खराई और आशा उत्पन्न होती है।

Romans 5:8

परमेश्वर हमारे लिए अपना प्रेम कैसे सिद्ध करता है?
परमेश्वर हम पर अपना प्रेम इस रीति से प्रकट करता है कि हम जब पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिए मरा।

Romans 5:9

मसीह के लहू से धर्मी ठहराए जाकर हम किस बात से बचे हैं?
मसीह के लहू द्वारा धर्मी ठहराए जाकर विश्वासी परमेश्वर के क्रोध से बचाए गए हैं।

Romans 5:10

मसीह यीशु के द्वारा परमेश्वर से मेल करने से पूर्व अविश्वासियों का सम्बन्ध परमेश्वर के साथ कैसा है?
मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ मेल करवाने से पहले अविश्वासी परमेश्वर के बैरी है।

Romans 5:12

एक मनुष्य के पाप के कारण क्या हुआ?
एक मनुष्य के पाप करने के कारण पाप संसार में आ गया और पाप के द्वारा मृत्यु आई और मृत्यु सब लोगों में फैल गई।

Romans 5:14

वह एक मनुष्य कौन था जिसके द्वारा पाप संसार में आया?
आदम वह एक मनुष्य था जिसके द्वारा पाप संसार में आया।

Romans 5:15

परमेश्वर का वदान्य अनुग्रह आदम के अपराध से किस प्रकार भिन्न है?
आदम के अपराध से बहुत लोग मरे परन्तु परमेश्वर को वदान्य अनुग्रह बहुतों पर बहुतायत से हुआ।

Romans 5:16

आदम के पाप का परिणाम क्या हुआ और परमेश्वर के वदान्य वरदान का परिणाम क्या हुआ?
आदम के पाप के कारण दण्ड की आज्ञा हुई। परन्तु परमेश्वर के वरदान के कारण लोग धर्मी ठहरे।

Romans 5:17

आदम के पाप का परिणाम क्या हुआ और परमेश्वर के वदान्य वरदान का परिणाम क्या हुआ?
आदम के अपराध के कारण मृत्यु ने राज किया, परन्तु जो परमेश्वर के वदान्य को पाते हैं वे मसीह यीशु के जीवन के द्वारा राज्य करेंगे।

Romans 5:19

आदम के आज्ञा न मानने के कारण मनुष्यों का क्या हुआ था और मसीह की धार्मिकता के द्वारा बहुतों का क्या होगा?
आदम की अवज्ञा के कारण अनेक जन पापी हुए परन्तु मसीह की आज्ञाकारिता के द्वारा अनेक जन धर्मी ठहराए जायेंगे।

Romans 5:20

व्यवस्था बीच में क्यों आई?
व्यवस्था बीच में आ गई कि अपराध बहुत हो।

पाप से अधिक क्या हुआ?
परमेश्वर का अनुग्रह पाप से अधिक हुआ।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 6

1 तो हम क्या कहें? क्या हम पाप करते रहें कि अनुग्रह बहुत हो? **2** कदापि नहीं! हम जब पाप के लिये मर गए* तो फिर आगे को उसमें कैसे जीवन बिताएँ? **3** क्या तुम नहीं जानते कि हम सब जितनों ने मसीह यीशु का बपतिस्मा लिया तो उसकी मृत्यु का बपतिस्मा लिया?

4 इसलिए उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नये जीवन के अनुसार चाल चलें। **5** क्योंकि यदि हम उसकी मृत्यु की समानता में उसके साथ जुट गए हैं, तो निश्चय उसके जी उठने की समानता में भी जुट जाएँगे।

6 क्योंकि हम जानते हैं कि हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया, ताकि पाप का शरीर नाश हो जाए, ताकि हम आगे को पाप के दासत्व में न रहें। **7** क्योंकि जो मर गया, वह पाप से मुक्त हो गया है।

8 इसलिए यदि हम मसीह के साथ मर गए, तो हमारा विश्वास यह है कि उसके साथ जीएँगे भी, **9** क्योंकि हम जानते है कि मसीह मरे हुओं में से जी उठा और फिर कभी नहीं मरेगा। मृत्यु उस पर प्रभुता नहीं करती।

10 क्योंकि वह जो मर गया तो पाप के लिये एक ही बार मर गया; परन्तु जो जीवित है, तो परमेश्वर के लिये जीवित है। **11** ऐसे ही तुम भी अपने आप को पाप के लिये तो मरा, परन्तु परमेश्वर के लिये मसीह यीशु में जीवित समझो।

12 इसलिए पाप तुम्हारे नाशवान शरीर में राज्य न करे, कि तुम उसकी लालसाओं के अधीन रहो। **13** और न अपने अंगों को अधर्म के हथियार होने के लिये पाप को सौंपो, पर अपने आपको मरे हुओं में से जी उठा हुआ जानकर परमेश्वर को सौंपो, और अपने अंगों को धार्मिकता के हथियार होने के लिये परमेश्वर को सौंपो। **14** तब तुम पर पाप की प्रभुता न होगी, क्योंकि तुम व्यवस्था के अधीन नहीं वरन् अनुग्रह के अधीन हो।

15 तो क्या हुआ? क्या हम इसलिए पाप करें कि हम व्यवस्था के अधीन नहीं वरन् अनुग्रह के अधीन हैं? कदापि नहीं! **16** क्या तुम नहीं जानते कि जिसकी आज्ञा मानने के लिये तुम अपने आप को दासों के समान सौंप देते हो उसी के दास हो: चाहे पाप के, जिसका अन्त मृत्यु है, चाहे आज्ञा मानने के, जिसका अन्त धार्मिकता है?

17 परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, कि तुम जो पाप के दास थे अब मन से उस उपदेश के माननेवाले हो गए, जिसके साँचे में ढाले गए थे, **18** और पाप से छुड़ाए जाकर* धार्मिकता के दास हो गए।

19 मैं तुम्हारी शारीरिक दुर्बलता के कारण मनुष्यों की रीति पर कहता हूँ। जैसे तुम ने अपने अंगों को अशुद्धता और कुकर्म के दास करके सौंपा था, वैसे ही अब अपने अंगों को पवित्रता के लिये धार्मिकता के दास करके सौंप दो। **20** जब तुम पाप के दास थे, तो धार्मिकता की ओर से स्वतंत्र थे। **21** तो जिन बातों से अब तुम लज्जित होते हो, उनसे उस समय तुम क्या फल पाते थे? क्योंकि उनका अन्त तो मृत्यु है।

22 परन्तु अब पाप से स्वतंत्र होकर और परमेश्वर के दास बनकर तुम को फल मिला जिससे पवित्रता प्राप्त होती है, और उसका अन्त अनन्त जीवन है। **23** क्योंकि पाप की मजदूरी* तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है।

Romans 6:1

तो हम क्या कहें? क्या हम पाप करते रहें कि अनुग्रह बहुत हो?
पौलुस ने कृपा (अनुग्रह) के बारे में जो लिखा है उस पर एक प्रश्न की कल्पना करता है कि कोई पूछ सकता है।

हम.... हमारे
सर्वनाम “हम” का संदर्भ पौलुस उसके पाठकों और अन्य सब से है।

बहुत हो
इसका अनुवाद ऐसे भी किया जा सकता है, “बढ़ता जाए”

Romans 6:4

मृत्यु के बपतिस्मा के साथ गाढ़ दिया
यह विश्वासी के पानी के बपतिस्मे की तुलना यीशु की मृत्यु और उसके दफन से की गई है। यहाँ इस बात को बल दिया गया है मसीह में विश्वास करने वाला मसीह की मृत्यु का लाभार्थी है। इसका अर्थ है कि पाप को अब विश्वासी पर अधिकार नहीं।

जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से परमेश्वर की महिमा में जिलाया गया वैसे ही हम नये जीवन के नएपन में चले।
यहाँ विश्वासी के आत्मिक पुनर्जीवन की तुलना यीशु के पुनः जीवित होने से की गई है। विश्वासी का यह नया जीवन आत्मिक जीवन विश्वासी को परमेश्वर का आज्ञाकारी बनाता है। वैकल्पिक अनुवाद, में कर्तृवाच्य क्रिया का उपयोग किया जा सकता है, “जिस प्रकार पिता परमेश्वर ने यीशु के मरणोपरान्त पुनः जीवित किया, उसी प्रकार हमें भी नया आत्मिक जीवन मिलता है कि हम परमेश्वर की आज्ञाकारिता में रहें।

क्योंकि हम उसकी मृत्यु की समानता में उसके साथ जुट गए हैं, तो निश्चय ही उसके जी उठने की समानता में जुट जाएं।
“हम उसकी मृत्यु की समानता में हो गए तो, मरणोपरान्त जीवन में भी उसकी समानता में होंगे।

Romans 6:6

हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया है।
यहाँ पौलुस कहता है कि विश्वासी यीशु के विश्वास में आने से पूर्व एक मनुष्य होता है तो विश्वास में आने के बाद वह एक सर्वथा भिन्न मनुष्य होता है। “पुराना मनुष्यत्व” अर्थात मसीह को ग्रहण करने से पूर्व का अविश्वासी मनुष्य वास्तव में आत्मिकता में मृतक होता है और मृत्यु के आधीन रहता है। पौलुस

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

कहता है कि हमारा यह पापी मनुष्यत्व मसीह में विश्वास करने पर उसके साथ मर जाता है। वैकल्पिक अनुवाद, “हमारा पापी मनुष्यत्व यीशु के साथ क्रूस पर चढ़ाया जा चुका है”।

पुराना मनुष्यत्व
“मनुष्य का पूर्वकालिक जीवन”, मनुष्य जैसा पहले था वैसा अब नहीं है।

पाप का शरीर
संपूर्ण पापी मनुष्य

व्यर्थ हो जाए
“मर जाए”

हम आगे को पाप के दासत्व में न रहें
पौलुस मनुष्य पर पाप की प्रभुता की तुलना एक स्वामी से करता है जो दास पर स्वामित्व दर्शाती है। पवित्र आत्मा से रहित मनुष्य सदैव पाप का चुनाव करता है। वह परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले कामों का चुनाव नहीं कर सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, “हमें अब पाप के दास नहीं रहना है”

जो मर गया वह पापों से छुटकर धर्मी ठहरा
वैकल्पिक अनुवाद, कर्तृवाच्य क्रिया के उपयोग से भी किया जा सकता है, “जो पाप की प्रभुता के लिए मर गया उसे परमेश्वर धर्मी ठहराता है”

Romans 6:8

हम मसीह के साथ मर गए
यद्यपि मसीह की शारीरिक मृत्यु हुई परन्तु विश्वासियों की मृत्यु से उसका अर्थ है पाप के प्रति आत्मिक मृत्यु। वैकल्पिक अनुवाद, “हम मसीह की मृत्यु के साथ आत्मिकता में मर गए”।

हम जानते हैं कि मसीह मरे हुओं में से जी उठा है
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया में भी किया जा सकता है, “परमेश्वर ने यीशु को मरने के बाद फिर जीवित किया”

उस पर फिर मृत्यु की प्रभुता नहीं होनी थी
यहाँ “मृत्यु” को एक राजा या शासक स्वरूप व्यक्त किया गया है जो मनुष्यों पर प्रभुता करती है, इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है, “वह फिर कभी नहीं मरेगा”

Romans 6:10

वह जो मर गया तो पाप के लिए एक ही बार मर गया।
“एक ही बार” इस उक्ति का अर्थ है, किसी बात का सदा के लिए अन्त कर देना। इसका परिपूर्ण अर्थ स्पष्ट किया जा सकता है: “क्योंकि जब मरा तब उसने पाप की प्रभुता का सदा के लिए अन्त कर दिया” (देखें: और)

ऐसे ही तुम भी समझो
“इसी प्रकार तुम भी.... समझो” या “इस प्रकार तुम भी समझो”

तुम भी अपने आपको समझो
“स्वयं को समझो” या “ऐसा मान लो कि तुम भी”

पाप के लिए मरा
यहाँ “पाप” का अर्थ है, वह व्यक्ति जो हम में निहित है और हमें पाप करने के लिए विवश करता है। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “पाप की शक्ति के लिए मरा हुआ”

पाप के लिए तो मरा परन्तु परमेश्वर के लिए जीवित समझो।
यहाँ “परन्तु” एक ही विचारधारा को विभाजित करके प्रकट करता है। इसका वैकल्पिक अनुवाद है, “पाप के लिए मृतक परन्तु परमेश्वर के लिए जीवित”

परमेश्वर के लिए मसीह यीशु में जीवित
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर की आज्ञाकारिता के लिए मसीह यीशु के सामर्थ्य द्वारा जीवित।”

Romans 6:12

पाप ... राज न करे कि तुम उसकी लालसाओं के अधीन रहो
“पाप” .... को यहाँ मनुष्य का राजा या स्वामी जैसा दर्शाया गया है

अपनी मरणहार देह
यह उक्ति मनुष्य के शारीरिक अंगों के बारे में कहती है। जो वह मर जाएंगी। इसका वैकल्पिक अनुवाद है, “अपने को”

और न .... पाप को सौंपो
स्वामी “पाप” चाहता है कि पापी उसके स्वामी की आज्ञा मानकर बुरे काम करे”।

विश्वासी के लिए आवश्यक है वह अपने अंगों को धार्मिकता के साधन होने के लिए परमेश्वर के हाथों में दे दे।
यहाँ परिदृश्य यह है कि पापी अपनी देह के अंग उसके स्वामी के अधीन करता है। वैकल्पिक अनुवाद, “अपने आप को पाप के अधीन मत करो कि जो उचित नहीं है वह करो”।

परन्तु अपने आपको मरे हुओं में से जी उठा जानकर परमेश्वर को सौंपा।
“परन्तु स्वयं को परमेश्वर के अधीन करो क्योंकि उसने तुम्हें नया आत्मिक जीवन दिया है”।

और अपने अंगों को धर्म का हथियार होने के लिए परमेश्वर को सौंपा।
“परमेश्वर जिन बातों से प्रसन्न होता है उसके लिए अपनी देह को काम में आने दो”।

तुम पर पाप की प्रभुता न होगी।
“पाप की अभिलाषाएं तुम पर प्रभुता करके तुमसे काम न कराने पाए” या “जिन पाप की बातों को तुम करना चाहते हो उन्हें मत होने दो”।

क्योंकि तुम व्यवस्था के अधीन नहीं
इसका संपूर्ण अर्थ स्पष्ट किया जा सकता है, “क्योंकि तुम मूसा प्रदत्त विधान के अधीन नहीं जो तुम्हें पाप से बचने का सामर्थ्य प्रदत्त नहीं कर सकता है।

वरन् अनुग्रह के अधीन हो
इसका पूर्ण अर्थ उजागर किया जा सकता है, “परन्तु तुम परमेश्वर की कृपा से बन्धे हो जो तुम्हें पाप से बचने का सामर्थ्य प्रदान करती है”।

Romans 6:15

x
पौलुस दासत्व को एक रूपक स्वरूप काम में लेता है कि परमेश्वर की आज्ञा पालन एवं अवज्ञा को स्पष्ट कर पाए।

तो क्या हुआ? क्या हम इसलिए पाप करें कि हम व्यवस्था के अधीन नहीं? कदापि नहीं।
पौलुस यह प्रश्न पूछ कर इस बात को महत्त्व प्रदान करता है कि कृपा पाकर जीने का अर्थ यह नहीं कि पाप करते रहें। वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है, “तथापि, मूसा प्रदत्त विधान की अपेक्षा परमेश्वर की कृपा के अधीन होने का अर्थ निश्चय ही यह नहीं कि हमें पाप करने की छूट है”

कदापि नहीं।
“हम कभी नहीं चाहेंगे कि ऐसा हो” या “या परमेश्वर मेरी सहायता करे कि ऐसा न करूं”। इस अभिव्यक्ति से एक अत्यधिक प्रबल इच्छा प्रकट होती है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

कि ऐसा न हो। अपनी भाषा में भी ऐसी ही अभिव्यक्ति काम में लेना चाहेंगा देखें कि अपने यहाँ कैसा अनुवाद किया है।

क्या तुम नहीं जानते हो कि जिसकी आज्ञा मानने के लिए तुम अपने आपको दासों के समान सौंप देते हो उसी के दास हो?
पौलुस इस प्रश्न के द्वारा उस हर एक मनुष्य को झिड़कता है जो परमेश्वर की कृपा को पाप करते रहने का कारण बनाता है। वैकल्पिक अनुवाद, "तुम्हें इस तथ्य का ज्ञान होना चाहिए कि तुम जिसे स्वामी की आज्ञा मानने का चुनाव करते हो, उसके दास हो जाते हो।

चाहे पाप के .... चाहे आज्ञाकारिता के
यहाँ "पाप" और "आज्ञाकारिता" को दास के स्वामियों की उपमा दी गई है। इसका अनुवाद एक नए वाक्य में किया जा सकता है, "तुम या तो पाप के दास हो, जिससे आत्मिक मृत्यु होती है, या तुम आज्ञाकारिता के दास हो जिससे परमेश्वर तुम्हें धार्मिकता कहता है।

Romans 6:17

x
पौलुस दासत्व की उपमा देकर परमेश्वर के आज्ञापालन एवं अवज्ञा पर चर्चा करता है।

परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो
"परन्तु मैं परमेश्वर का आभारी हूँ"

तुम जो पाप के दास थे
यहाँ पाप को एक स्वामी-स्वरूप दिखाया गया है। जिसकी दास सेवा करते हैं। यह भी कि "पाप" एक शक्ति है जो हम में वास करती है जो हमें पाप करने पर विवश करती है। वैकल्पिक अनुवाद, "तुम जो पाप की शक्तियों के अधीन दास बन कर जी रहे थे"। (देखें:

मन से उस आदेश के माननेवाले
यहाँ "मन" से अभिप्राय है काम को करने के लिए सच्ची एवं निष्ठावान अभिप्रेरणा। वैकल्पिक अनुवाद, "परन्तु तुमने सच में आज्ञा मानी"।

उस प्रकार का उपदेश जो तुम्हें दिया गया है।
यहाँ "उस उपदेश" का अर्थ है धर्मनिष्ठा की ओर ले जाने वाला आचरण एवं जीवनशैली। विश्वासी अपनी पुरानी जीवनशैली को बदल कर इस नई जीवन शैली के अनुरूप हो जाता है जिसकी शिक्षा उन्हें मसीही अगुवे देते है। इसका वैकल्पिक अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया से किया जा सकता है, "मसीही अगुओं ने जो तुम्हें शिक्षा दी"। (देखें:

पाप से छुड़ाएं जाकर
कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा वैकल्पिक अनुवाद, "मसीह ने तुम्हें पाप की प्रभुता से मुक्त करा लिया।

धर्म के दास हो गए
"अब तुम उचित कामों को करने के लिए दास हो"

Romans 6:19

x
पौलुस परमेश्वर की आज्ञापालन और अवज्ञा के लिए दासत्व की उपमा दे रहा है।

मनुष्यों की रीति पर कहता हूँ
पौलुस "पाप" और "आज्ञा पालन" को "दासत्व" के रूप में व्यक्त कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद, "मैं दासता की चर्चा करके पाप और आज्ञापान को समझाने का प्रयास कर रहा हूँ।

अपने अंगों की कुकर्म के लिए विवशता के कारण
पौलुस प्रायः "अंग" शब्द को आत्मा के विपरीत काम में लेता है। वैकल्पिक अनुवाद, "क्योंकि तुम आत्मिक बातों को पूर्णतः समझ नहीं पाते"।

अपने अंगों को कुकर्म के लिए और बुराई को सौप दिया।
यहाँ "अंगों" से अर्थ है संपूर्ण मनुष्यत्व। वैकल्पिक अनुवाद, "स्वयं को दास बनाकर हर एक बुरी एवं परमेश्वर को प्रसन्न न करने वाली बात।

अब अपने अंगों को पवित्रता के लिए धर्म के दास करके सौंपो।
"स्वामी को उचित काम के लिए परमेश्वर के समक्ष दास बनाओ जिससे कि वह तुम्हें पृथक करके उसकी सेवा के लिए सामर्थ्य प्रदान करे"।

अतः जिन बातों से अब तुम लज्जित होते हो, उनसे उस समय तुम क्या फल पाते थे।
अतः जिन बातों से अब तुम लज्जित होते हो, उनसे उस समय तुम क्या फल पाते थे? - पौलुस इस प्रश्न द्वारा इस बात पर बल देता है कि पाप का परिणाम भलाई कभी नहीं होता है। वैकल्पिक अनुवाद, "तुमने उन बातों को करने में जिनसे अब तुम लज्जित होते हो कुछ भी लाभ प्राप्त नहीं किया।

Romans 6:22

परन्तु अब पाप से स्वतंत्र होकर और परमेश्वर के दास बनकर
इसका वैकल्पिक अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया के साथ पूर्ण वाक्य में होगा, "परन्तु अब मसीह ने तुम्हें पाप से मुक्त करा दिया और परमेश्वर का दास बना दिया"

उसका फल अनन्त जीवन है
"इसका परिणाम है कि तुम परमेश्वर के साथ सदा जीवित रहोगे"।

क्योंकि पाप की मज़दूरी तो मृत्यु है
यहाँ "मज़दूरी" का अभिप्रायः है काम करने का परिश्रमिक। वैकल्पिक अनुवाद "यदि तुम दास की सेवा करोगे तो तुम्हारा परिश्रमिक सदा के लिए मृत्यु है" या "यदि तुम पाप करते रहोगे तो परमेश्वर तुम्हें आत्मिक मृत्यु का दण्ड देगा।

परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है।
"परन्तु परमेश्वर हमारे प्रभु यीशु मसीह के विश्वासियों को अनमोल अनन्त जीवन दान देता है।

Translation Questions

Romans 6:1

क्या विश्वासी पाप करते रहे कि परमेश्वर का अनुग्रह बहुत हो?
कदापि नहीं।

Romans 6:3

मसीह यीशु का बपतिस्मा लेने वाले ने वास्तव में किसमें बपतिस्मा लिया है?
जिन्होंने मसीह का बपतिस्मा लिया है उन्होंने उसकी मृत्यु में बपतिस्मा लिया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 6:4

मसीह यीशु मृतकों में से जी उठा है तो विश्वासियों को क्या करना चाहिए?
विश्वासियों को नये जीवन की चाल चलना है।

Romans 6:5

विश्वासी बपतिस्मे के द्वारा दो प्रकार से मसीह की समानता में हैं वे क्या है?
विश्वासी मसीह की मृत्यु और पुनरूत्थान में मसीह के साथ एक होंगे।

Romans 6:6

हमारे लिये क्या किया गया था कि हमें अब पाप के दास नहीं रहना है?
हमारा पुराना मनुष्यत्व मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया जा चुका है कि हम आगे को पाप के बन्दी न रहें।

Romans 6:9

हम कैसे जानते हैं कि मसीह पर मृत्यु की प्रभुता नहीं है?
हम जानते हैं कि मसीह पर मृत्यु की प्रभुता नहीं है क्योंकि मसीह मृत्तकों में से जी उठा है।

Romans 6:10

मसीह कितनी बार मरा और कितने लोगों के लिए मरा?
मसीह मरा तो एक ही बार मरा।

विश्वासी पाप के संबन्ध में स्वयं को क्या समझे?
विश्वासी स्वयं को पाप के लिए मरा हुआ समझे।

विश्वासी अपना जीवन किसके लिए जी रहा है?
विश्वासी परमेश्वर के लिए जी रहा है।

Romans 6:13

विश्वासी अपनी देह के अंग किसके हाथ दे और क्यों?
विश्वासी के लिए आवश्यक है वह अपने अंगों को धार्मिकता के साधन होने के लिए परमेश्वर के हाथों में दे दे।

Romans 6:14

विश्वासी किसके अधीन है जिनसे वह पाप पर प्रभुता करता है?
विश्वासी अनुग्रह के अधीन हैं जिससे वह पाप पर प्रभुता करता है।

Romans 6:16

जो मनुष्य स्वयं को पाप का दास होने के लिए दे देता है, उसका अन्त क्या होता है?
जो मनुष्य स्वयं को पाप का दास होने के लिए दे देता है, उसका अन्त मृत्यु है।

जो मनुष्य परमेश्वर का दास हो जाता है उसका फल क्या होता है?
जो मनुष्य स्वयं को परमेश्वर का दास होने के लिए दे देता है उसका फल धार्मिकता है।

Romans 6:22

परमेश्वर के दासों का फल क्या है?
परमेश्वर के दास होने का फल पवित्रता है।

Romans 6:23

पाप की मजदूरी क्या है?
पाप की मजदूरी मृत्यु है।

परमेश्वर का निर्मोल वरदान क्या है?
परमेश्वर का निर्मोल वरदान अनन्त जीवन है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 7

1 हे भाइयों, क्या तुम नहीं जानते (मैं व्यवस्था के जाननेवालों से कहता हूँ) कि जब तक मनुष्य जीवित रहता है, तब तक उस पर व्यवस्था की प्रभुता रहती है?

2 क्योंकि विवाहित स्त्री व्यवस्था के अनुसार अपने पति के जीते जी उससे बंधी है, परन्तु यदि पति मर जाए, तो वह पति की व्यवस्था से छूट गई। **3** इसलिए यदि पति के जीते जी वह किसी दूसरे पुरुष की हो जाए, तो व्यभिचारिणी कहलाएगी, परन्तु यदि पति मर जाए, तो वह उस व्यवस्था से छूट गई, यहाँ तक कि यदि किसी दूसरे पुरुष की हो जाए तो भी व्यभिचारिणी न ठहरेगी।

4 तो हे मेरे भाइयों, तुम भी मसीह की देह के द्वारा व्यवस्था के लिये मरे हुए बन गए, कि उस दूसरे के हो जाओ, जो मरे हुओं में से जी उठा: ताकि हम परमेश्वर के लिये फल लाएँ। **5** क्योंकि जब हम शारीरिक थे, तो पापों की अभिलाषाएँ जो व्यवस्था के द्वारा थीं, मृत्यु का फल उत्पन्न करने के लिये हमारे अंगों में काम करती थीं।

6 परन्तु जिसके बन्धन में हम थे उसके लिये मर कर, अब व्यवस्था से ऐसे छूट गए, कि लेख की पुरानी रीति पर नहीं, वरन् आत्मा की नई रीति पर सेवा करते हैं।

7 तो हम क्या कहें? क्या व्यवस्था पाप है*? कदापि नहीं! वरन् बिना व्यवस्था के मैं पाप को नहीं पहचानता व्यवस्था यदि न कहती, “लालच मत कर” तो मैं लालच को न जानता। (रोम. 3:20) **8** परन्तु पाप ने अवसर पा कर आज्ञा के द्वारा मुझ में सब प्रकार का लालच उत्पन्न किया, क्योंकि बिना व्यवस्था के पाप मुर्दा है।

9 मैं तो व्यवस्था बिना पहले जीवित था, परन्तु जब आज्ञा आई, तो पाप जी गया, और मैं मर गया। **10** और वही आज्ञा जो जीवन के लिये थी*, मेरे लिये मृत्यु का कारण ठहरी। (लैव्य. 18:5)

11 क्योंकि पाप ने अवसर पा कर आज्ञा के द्वारा मुझे बहकाया, और उसी के द्वारा मुझे मार भी डाला। (रोम. 7:8) **12** इसलिए व्यवस्था पवित्र है, और आज्ञा पवित्र, धर्मी, और अच्छी है।

13 तो क्या वह जो अच्छी थी, मेरे लिये मृत्यु ठहरी? कदापि नहीं! परन्तु पाप उस अच्छी वस्तु के द्वारा मेरे लिये मृत्यु का उत्पन्न करनेवाला हुआ कि उसका पाप होना प्रगट हो, और आज्ञा के द्वारा पाप बहुत ही पापमय ठहरे। **14** क्योंकि हम जानते हैं कि व्यवस्था तो आत्मिक है, परन्तु मैं शारीरिक हूँ और पाप के हाथ बिका हुआ हूँ।

15 और जो मैं करता हूँ उसको नहीं जानता, क्योंकि जो मैं चाहता हूँ वह नहीं किया करता, परन्तु जिससे मुझे घृणा आती है, वही करता हूँ। **16** और यदि, जो मैं नहीं चाहता वही करता हूँ, तो मैं मान लेता हूँ कि व्यवस्था भली है।

17 तो ऐसी दशा में उसका करनेवाला मैं नहीं, वरन् पाप है जो मुझ में बसा हुआ है। **18** क्योंकि मैं जानता हूँ, कि मुझ में अर्थात् मेरे शरीर में कोई अच्छी वस्तु वास नहीं करती, इच्छा तो मुझ में है, परन्तु भले काम मुझसे बन नहीं पड़ते। (उत्प. 6:5)

19 क्योंकि जिस अच्छे काम की मैं इच्छा करता हूँ, वह तो नहीं करता, परन्तु जिस बुराई की इच्छा नहीं करता, वही किया करता हूँ। **20** परन्तु यदि मैं वही करता हूँ जिसकी इच्छा नहीं करता, तो उसका करनेवाला मैं न रहा, परन्तु पाप जो मुझ में बसा हुआ है। **21** तो मैं यह व्यवस्था पाता हूँ कि जब भलाई करने की इच्छा करता हूँ, तो बुराई मेरे पास आती है।

22 क्योंकि मैं भीतरी मनुष्यत्व से तो परमेश्वर की व्यवस्था से बहुत प्रसन्न रहता हूँ। **23** परन्तु मुझे अपने अंगों में दूसरे प्रकार की व्यवस्था दिखाई पड़ती है, जो मेरी बुद्धि की व्यवस्था से लड़ती है और मुझे पाप की व्यवस्था के बन्धन में डालती है जो मेरे अंगों में है।

24 मैं कैसा अभागा मनुष्य हूँ! मुझे इस मृत्यु की देह से कौन छुड़ाएगा*? **25** हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर का धन्यवाद हो। इसलिए मैं आप बुद्धि से तो परमेश्वर की व्यवस्था का, परन्तु शरीर से पाप की व्यवस्था का सेवन करता हूँ।

Romans 7:1

जब तक मनुष्य जीवित रहता है, तब तक उस पर व्यवस्था की प्रभुता रहती है।
पौलुस इसका उदाहरण में देता है।

Romans 7:2

x
पौलुस ने जो सिद्धान्त प्रस्तुत किया है उसका उद्धरण में देता है।

वह व्यभिचारिणी कहलाएगी
कौन उसे व्यभिचारिणी कहता है, स्पष्ट नहीं है अत: यथासंभव सामान्य अभिव्यक्ति करें, “वे उसे व्यभिचारिणी कहेंगे”। वैकल्पिक अनुवाद है, “मनुष्य उसे व्यभिचारिणी कहते हैं”। या “परमेश्वर उसे व्यभिचारिणी कहता है।

Romans 7:4

इसलिए
इसका संबन्ध पूर्वोक्ति से है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हम परमेश्वर के लिए फल लाएं
परमेश्वर के लिए फल लाए - “हम ऐसे काम कर पाएंगे जिनसे परमेश्वर प्रसन्न होता है”।

Romans 7:6

हम
यह सर्वनाम पौलुस और विश्वासियों के स्थान पर है।

लेख
मूसा द्वारा लाया गया विधान

Romans 7:7

तो हम क्या कहें?
पौलुस ने एक नया प्रसंग छेड़ा है

कदापि नहीं।
“निश्चय ही यह असत्य है”। पूर्वोक्त प्रभावोत्पादक प्रश्न का इस उक्ति द्वारा यथा संभव अतिप्रबल नकारात्मक उत्तर है। आप यहाँ अपनी भाषा में भी ऐसी ही उक्ति का उपयोग करना चाहेंगे। देखें कि आपने में इसका अनुवाद कैसे किया है।

बिना व्यवस्था के मैं पाप को नहीं पहचानता, परन्तु पाप ने अवसर पाकर... सब प्रकार का लालच उत्पन्न किया।
पौलुस पाप की तुलना एक सक्रिय मनुष्य से करता है

पाप ने अवसर पाकर आज्ञा के द्वारा मुझ में सब प्रकार का लालच उत्पन्न किया।
परमेश्वर के विधान में हमें कुछ करना मना है तो इसका अर्थ है कि हम कुछ करना चाहते हैं जो वर्जित है और हम उसे अधिक करने की कामना करते हैं। “पाप ने मुझे उस आज्ञा का स्मरण कराया जो किसी न किसी अनुचित बात के लिए मना करती है, अतः मैं पहले से भी अधिक उस अनुचित काम की लालसा करता हूँ” या “क्योंकि मैं ने पाप करने की इच्छा की इसलिए जब मैंने अनुचित काम की लालसा को वर्जित पाया तब मैंने तुझ में लालसा उत्पन्न हुई”।

पाप
“पाप की मेरी अभिलाषा”

लालच
इस शब्द में पराई वस्तुओं का लालच (यू.डी.बी.) और यौन लालसा दोनों हैं।

बिना व्यवस्था पाप मुर्दा है
“यदि विधान नहीं होता तो नियमों के उल्लंघन का प्रश्न ही नहीं उठता और पाप नहीं होता”।

Romans 7:9

पाप जी गया
इसका अर्थ हो सकता है, 1) “मुझे पाप का बोध हुआ”।

और वही आज्ञा जो जीवन के लिए थी मेरे लिए मृत्यु का कारण ठहरी।
पौलुस वास्तव में मरा नहीं। वैकल्पिक अनुवाद “परमेश्वर ने तो मुझसे जीवित रहने के लिए आज्ञा दी थी परन्तु उसने मेरी हत्या कर दी”

Romans 7:11

पाप ने अवसर पाकर आज्ञा के द्वारा मुझे बहकाया और उसी के द्वारा मुझे मार भी डाला।
जैसा में है पौलुस पाप को एक व्यक्तिस्वरूप दर्शा रहा है जो तीन काम कर सकता है, अवसर पाना, बहकाना, और हत्या करना। “क्योंकि मैं पाप करना चाहता था मैंने यह विचार करके स्वयं को धोखा दिया कि मैं पाप भी कर सकता हूँ और आज्ञा का पालन भी कर सकता हूँ परन्तु परमेश्वर ने मुझे अवज्ञा का दण्ड दिया जो उनसे पृथक होने का था।

पाप
“पाप करने की मेरी लालसा”

पाप ने अवसर पाकर आज्ञा के द्वारा
देखें कि आपने इसका अनुवाद कैसे किया है।

उसी के द्वारा मुझे मार भी डाला
“परमेश्वर से मेरा संबन्ध विच्छेद कर दिया” (देखें यू.डी.बी.)

इसीलिए
क्योंकि व्यवस्था पाप को धोखा देने वाला और हत्यारा कहता है

Romans 7:13

तो क्या
पौलुस एक नया प्रसंग छेड़ रहा है।

वह जो अच्छी थी
परमेश्वर का विधान

मेरे लिए मृत्यु ठहरी
“मेरे लिए मृत्यु का कारण हुई”

कदापि नहीं।
“निश्चय ही यह असत्य है” यह उक्ति पूर्वोक्त प्रश्न का प्रबल नकारात्मक उत्तर है। आप यहां अपनी भाषा में ऐसी ही उक्ति काम में लेना चाहेंगे।

पाप ... मेरे लिए मृत्यु का उत्पन्न करने वाला हुआ
पौलुस पाप को एक कर्ता के रूप में दर्शा रहा है

मृत्यु को उत्पन्न करने वाला हुआ
“परमेश्वर से मेरा संबंध विच्छेद कर दिया।”

आज्ञा के अनुसार
“क्योंकि मैंने आज्ञा का उल्लंघन किया”

Romans 7:15

जो मैं करता हूँ उसको नहीं जानता
“मुझे समझ में नहीं आता कि कुछ काम मैं करता हूँ तो क्यों करता हूँ”

इसलिए
“मैं समझ नहीं पाता कि मैं जो करता हूँ क्यों करता हूँ, क्योंकि”

जिससे मुझे घृणा आती है वही करता हूँ
वैकल्पिक अनुवाद, “जिन बातों को में जानता हूँ कि उचित नहीं हैं, उन्हीं को करता हूँ”

परन्तु
“तथापि”

मैं मान लेता हूँ कि व्यवस्था भली है
वैकल्पिक अनुवाद, “मैं जानता हूँ कि परमेश्वर प्रदत्त विधान उत्तम हैं

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 7:17

पाप है जो मुझ में बसा हुआ है
पौलुस पाप को एक जीवन्त वस्तु कहता है जिसमें उसे प्रभावित करने का सामर्थ्य है।

मेरे शरीर में
“मेरे मानवीय स्वभाव में”

Romans 7:19

अच्छी वस्तुं
“भले काम” या “उचित काम”

बुराई
“बुरे काम” या “अनुचित कार्य”

Romans 7:22

भीतरी मनुष्यत्व में
शरीर की मृत्यु के बाद जो बचता है

मुझे अपने अंगों में दूसरे प्रकार की व्यवस्था दिखाई पड़ती है, जो मेरी बुद्धि की व्यवस्था से लड़ती है और मुझे दास बनाती है
“मैं वही कर पाता हूँ जो मेरा पुराना मनुष्यत्व कहता है, न कि आत्मा द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलता हूँ”।

अपने अंगों में दूसरे प्रकार की व्यवस्था
पुराना मनुष्यत्व, मनुष्य जन्म से जैसा होता है

वह नया सिद्धांत
आत्मिकता का जीवित नया स्वभाव

पाप की व्यवस्था जो मेरे अंगों में है
“मेरा पापी स्वभाव, जिसको लेकर मेरा जन्म हुआ है”

Romans 7:24

मैं कैसा आभागा मनुष्य हूँ। मुझे इस मृत्यु की देह से कौन छुड़ायेगा?
“मेरी तो यही इच्छा है कि कोई मुझे मेरे शरीर की अभिलाषाओं से मुक्ति दिलाए”। (यू.डी.बी.) यदि आपकी भाषा में विस्मय और प्रश्न दोनों को सर्वोच्च भावनात्मक दर्शाने का प्रावधान है, तो उसका उपयोग अवश्य करें।

उस एकमात्र परमेश्वर और हमारे उद्धारकर्ता को , हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा
यह 7:24 के प्रश्न का उत्तर है।(देखे: यू.डी.बी.)

मैं आप बुद्धि से तो परमेश्वर की व्यवस्था का, परन्तु शरीर से पाप की व्यवस्था का सेवन करता हूँ”।
वैकल्पिक अनुवाद, “मेरा मन तो परमेश्वर को प्रसन्न करने का चुनाव करता है, परन्तु मेरा शरीर पाप की आज्ञा मानने का चुनाव करता है”। यहाँ मन और शरीर के उपयोग द्वारा दर्शाया गया है कि वे कैसे परमेश्वर के नियमों या पाप की आज्ञाओं का पालन करना चाहते हैं। मन या समझ के द्वारा तो मनुष्य परमेश्वर के आज्ञापालन का चुनाव करता है परन्तु शरीर या शारीरिक प्रकृति से पाप की सेवा करना चाहता है।

Translation Questions

Romans 7:1

व्यवस्था कब तक मनुष्य पर प्रभुता करती है?
मनुष्य जब तक जीवित रहता है उस पर व्यवस्था की प्रभुता रहती है।

Romans 7:2

एक विवाहित स्त्री व्यवस्था के अनुसार कब तक अपने पति से बंधी होती है?
एक विवाहित स्त्री पति की मृत्यु तक विवाह की व्यवस्था के अनुसार उससे बंधी है।

Romans 7:3

विवाह की व्यवस्था से मुक्त होकर एक स्त्री क्या कर सकती है?
जब वह विवाह की व्यवस्था से मुक्त हो गई तो पुनर्विवाह कर सकती है।

Romans 7:4

विश्वासी व्यवस्था के लिए कैसे मर गए हैं?
विश्वासी मसीह की देह के द्वारा व्यवस्था के लिए मर गए हैं।

व्यवस्था के लिए मर जाने से विश्वासी किस योग्य हो जाते हैं?
व्यवस्था के लिए मर जाने से विश्वासी मसीह के साथ एक होते हैं।

Romans 7:7

व्यवस्था का क्या कार्य है?
व्यवस्था पाप का बोध करवाती है।

व्यवस्था पाप है या पवित्र है?
व्यवस्था पवित्र है, आज्ञा पवित्र, धर्मी और अच्छी है।

Romans 7:8

पाप व्यवस्था की आज्ञाओं के द्वारा क्या करता है?
व्यवस्था की आज्ञाओं के माध्यम से पाप मनुष्य में लालच उत्पन्न करता है।

Romans 7:13

पौलुस के अनुसार पाप उसमें क्या करता है?
पौलुस कहता है कि पाप व्यवस्था के माध्यम से उसमें मृत्यु लाता है।

Romans 7:16

व्यवस्था के साथ पौलुस को सहमत होने का कारण क्या है कि व्यवस्था भली है?
जब पौलुस वह काम करता है जिसे वह करना नहीं चाहता तो मान लेता है कि व्यवस्था भली है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 7:17

पौलुस जो काम नहीं करना चाहता उसका करवाने वाला कौन है?
पौलुस में जो पाप है वह उससे अनिच्छा के काम करवाता है।

Romans 7:18

पौलुस की देह में क्या है?
पौलुस की देह में कुछ भी अच्छा नहीं है।

Romans 7:21

पौलुस अपनी देह में एक सिद्धान्त को कार्य करता देखता है वह क्या है?
पौलुस अपनी देह में एक सिद्धान्त देखता है, वह भले काम तो करना चाहता है परन्तु उसकी देह में केवल बुराई वास करती है।

Romans 7:23

पौलुस अपनी अन्तरात्मा में और अपनी देह के अंगों में कौन सा सिद्धान्त प्रभावी देखता है?
पौलुस को यह बोध होता है कि उसकी अन्तरात्मा परमेश्वर की व्यवस्था से प्रसन्न है परन्तु उसकी देह के अंग पाप के बन्दी बने हुए है।

Romans 7:25

पौलुस को इस मृत्यु की देह से कौन छुड़ाएगा?
पौलुस मसीह यीशु के द्वारा उसकी युक्ति के लिए परमेश्वर को धन्यवाद चढ़ाता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 8

1 इसलिए अब जो मसीह यीशु में हैं, उन पर दण्ड की आज्ञा नहीं*। **2** क्योंकि जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने मसीह यीशु में मुझे पाप की, और मृत्यु की
व्यवस्था से स्वतंत्र कर दिया।

3 क्योंकि जो काम व्यवस्था शरीर के कारण दुर्बल होकर न कर सकी*, उसको परमेश्वर ने किया, अर्थात् अपने ही पुत्र को पापमय शरीर की समानता में, और
पाप के बलिदान होने के लिये भेजकर, शरीर में पाप पर दण्ड की आज्ञा दी। **4** इसलिए कि व्यवस्था की विधि हम में जो शरीर के अनुसार नहीं वरन् आत्मा के
अनुसार चलते हैं, पूरी की जाए। **5** क्योंकि शारीरिक व्यक्ति शरीर की बातों पर मन लगाते हैं; परन्तु आध्यात्मिक आत्मा की बातों पर मन लगाते हैं।

6 शरीर पर मन लगाना तो मृत्यु है, परन्तु आत्मा पर मन लगाना जीवन और शान्ति है। **7** क्योंकि शरीर पर मन लगाना तो परमेश्वर से बैर रखना है, क्योंकि न तो
परमेश्वर की व्यवस्था के अधीन है, और न हो सकता है। **8** और जो शारीरिक दशा में हैं, वे परमेश्वर को प्रसन्न नहीं कर सकते।

9 परन्तु जब कि परमेश्वर का आत्मा तुम में बसता है, तो तुम शारीरिक दशा में नहीं, परन्तु आत्मिक दशा में हो। यदि किसी में मसीह का आत्मा नहीं तो वह
उसका जन नहीं। **10** यदि मसीह तुम में है, तो देह पाप के कारण मरी हुई है; परन्तु आत्मा धार्मिकता के कारण जीवित है।

11 और यदि उसी का आत्मा जिसने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया तुम में बसा हुआ है; तो जिस ने मसीह को मरे हुओं में से जिलाया, वह तुम्हारी मरनहार
देहों को भी अपने आत्मा के द्वारा जो तुम में बसा हुआ है जिलाएगा।

12 तो हे भाइयों, हम शरीर के कर्जदार नहीं, कि शरीर के अनुसार दिन काटें। **13** क्योंकि यदि तुम शरीर के अनुसार दिन काटोगे, तो मरोगे, यदि आत्मा से देह
की क्रियाओं को मारोगे, तो जीवित रहोगे।

14 इसलिए कि जितने लोग परमेश्वर के आत्मा के चलाए चलते हैं, वे ही परमेश्वर के पुत्र* हैं। **15** क्योंकि तुम को दासत्व की आत्मा नहीं मिली, कि फिर
भयभीत हो परन्तु लेपालकपन की आत्मा मिली है, जिससे हम हे अब्बा, हे पिता कहकर पुकारते हैं।

16 आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ गवाही देता है, कि हम परमेश्वर की सन्तान हैं। **17** और यदि सन्तान हैं, तो वारिस भी, वरन् परमेश्वर के वारिस*
और मसीह के संगी वारिस हैं, जब हम उसके साथ दुःख उठाए तो उसके साथ महिमा भी पाएँ।

18 क्योंकि मैं समझता हूँ, कि इस समय के दुःख और क्लेश उस महिमा के सामने, जो हम पर प्रगट होनेवाली है, कुछ भी नहीं हैं। **19** क्योंकि सृष्टि बड़ी
आशाभरी दृष्टि से परमेश्वर के पुत्रों के प्रगट होने की प्रतीक्षा कर रही है।

20 क्योंकि सृष्टि अपनी इच्छा से नहीं पर अधीन करनेवाले की ओर से व्यर्थता के अधीन इस आशा से की गई। **21** कि सृष्टि भी आप ही विनाश के दासत्व से
छुटकारा पा कर, परमेश्वर की सन्तानों की महिमा की स्वतंत्रता प्राप्त करेगी। **22** क्योंकि हम जानते हैं, कि सारी सृष्टि अब तक मिलकर कराहती और पीड़ाओं
में पड़ी तड़पती है।

23 और केवल वही नहीं पर हम भी जिनके पास आत्मा का पहला फल है, आप ही अपने में कराहते हैं; और लेपालक होने की, अर्थात् अपनी देह के छुटकारे
की प्रतीक्षा करते हैं। **24** आशा के द्वारा तो हमारा उद्धार हुआ है परन्तु जिस वस्तु की आशा की जाती है जब वह देखने में आए, तो फिर आशा कहाँ रही?
क्योंकि जिस वस्तु को कोई देख रहा है उसकी आशा क्या करेगा? **25** परन्तु जिस वस्तु को हम नहीं देखते, यदि उसकी आशा रखते हैं, तो धीरज से उसकी
प्रतीक्षा भी करते हैं।

26 इसी रीति से आत्मा भी हमारी दुर्बलता में सहायता करता है, क्योंकि हम नहीं जानते, कि प्रार्थना किस रीति से करना चाहिए; परन्तु आत्मा आप ही ऐसी
आहें भर भरकर जो बयान से बाहर है, हमारे लिये विनती करता है। **27** और मनों का जाँचनेवाला जानता है, कि आत्मा की मनसा क्या है? क्योंकि वह पवित्र
लोगों के लिये परमेश्वर की इच्छा के अनुसार विनती करता है।

28 और हम जानते हैं, कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उनके लिये सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती है; अर्थात् उन्हीं के लिये जो उसकी
इच्छा के अनुसार बुलाए हुए हैं। **29** क्योंकि जिन्हें उसने पहले से जान लिया है उन्हें पहले से ठहराया भी है कि उसके पुत्र के स्वरूप में हों ताकि वह बहुत
भाइयों में पहलौठा ठहरे। **30** फिर जिन्हें उनसे पहले से ठहराया, उन्हें बुलाया भी, और जिन्हें बुलाया, उन्हें धर्मी भी ठहराया है, और जिन्हें धर्मी ठहराया, उन्हें
महिमा भी दी है।

31 तो हम इन बातों के विषय में क्या कहें? यदि परमेश्वर हमारी ओर है, तो हमारा विरोधी कौन हो सकता है? (भज. 118:6) **32** जिस ने अपने निज पुत्र को
भी न रख छोड़ा, परन्तु उसे हम सब के लिये दे दिया, वह उसके साथ हमें और सब कुछ क्यों न देगा?

33 परमेश्वर के चुने हुओं पर दोष कौन लगाएगा? परमेश्वर वह है जो उनको धर्मी ठहरानेवाला है। **34** फिर कौन है जो दण्ड की आज्ञा देगा? मसीह वह है जो
मर गया वरन् मुर्दों में से जी भी उठा, और परमेश्वर की दाहिनी ओर है, और हमारे लिये निवेदन भी करता है।

35 कौन हमको मसीह के प्रेम से अलग करेगा? क्या क्लेश, या संकट, या उपद्रव, या अकाल, या नंगाई, या जोखिम, या तलवार? **36** जैसा लिखा है, "तेरे लिये
हम दिन भर मार डाले जाते हैं; हम वध होनेवाली भेड़ों के समान गिने गए हैं।" (भज. 44:22)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

37 परन्तु इन सब बातों में हम उसके द्वारा जिस ने हम से प्रेम किया है, विजेता से भी बढ़कर हैं। **38** क्योंकि मैं निश्चय जानता हूँ, कि न मृत्यु, न जीवन, न स्वर्गदूत, न प्रधानताएँ, न वर्तमान, न भविष्य, न सामर्थ्य, न ऊँचाई, **39** न गहराई और न कोई और सृष्टि, हमें परमेश्वर के प्रेम से, जो हमारे प्रभु मसीह यीशु में है, अलग कर सकेगी।

Romans 8:1

अतः
“इस कारण” या “क्योंकि जो मैं अभी-अभी कहता हूँ वह सच है”

व्यवस्था... व्यवस्था
यहाँ “व्यवस्था” का संदर्भ स्वाभाविक क्रिया से है, मानवीय नियमों से इसका कोई अभिप्राय नहीं है ।

Romans 8:3

क्योंकि जो काम व्यवस्था शरीर के कारण दुर्बल होकर न कर सकी, उसको परमेश्वर ने किया है।
यहाँ परमेश्वर के विधान को एक कर्ता के रूप में दर्शाया गया है जो पाप की शक्ति से टकरा नहीं पाया। वैकल्पिक अनुवाद, “क्योंकि विधान में सामर्थ्य न था कि हमें पाप करने से रोक ले क्योंकि हम में जो पाप की शक्ति थी वह अत्यधिक प्रबल थी। परन्तु परमेश्वर ने हमें पाप करने से रोक लिया”।

शरीर की समानता में
“मनुष्यों के पापी स्वभाव के कारण”

पाप, भय शरीर की समानता में
वैकल्पिक अनुवाद, नया वाक्य आरंभ करके “वह किसी भी पापी मनुष्य के स्वरूप दिखता था”

पाप बलि होने के लिए
“कि वह हमारे पापों के लिए मरे”।

शरीर में पाप पर दण्ड की आज्ञा दी
वैकल्पिक अनुवाद, “परमेश्वर ने अपने पुत्र के शरीर के द्वारा पाप की शक्ति को निरस्त किया”।

व्यवस्था की विधि हममें... पूरी की जाए
कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा वैकल्पिक अनुवाद, “हम परमेश्वर के विधान की अनिवार्यता पूरी करें”

हम जो शरीर के अनुसार नहीं
“हम जो अपनी पापी अभिलाषाओं की पूर्ति नहीं करते”

परन्तु आत्मा के अनुसार चलते हैं
“परन्तु पवित्र आत्मा की आज्ञा मानते हें”

Romans 8:6

शरीर के अनुसार... आत्मा के अनुसार
“पापियों की मानसिकता... पवित्र आत्मा के आज्ञाकारियों की मानसिकता”

Romans 8:9

शारीरिक दशा में नहीं परन्तु आत्मिक दशा में
देखें कि इन वाक्यांशों का अनुवाद में कैसे किया गया है

आत्मा... परमेश्वर का आत्मा .... मसीह का आत्मा
ये सब पवित्र आत्मा के संदर्भ में है

यदि यह सच है कि
इसका अर्थ यह नहीं कि पौलुस सन्देह में है कि किसी में परमेश्वर का आत्मा नहीं है। पौलुस उन्हें बोध कराना चाहता था कि उन सबमें परमेश्वर का आत्मा है। वैकल्पिक अनुवाद, “मान लो कि किसी में”

यदि मसीह तुम में है
मसीह किसी में अन्तर्वास कैसे करता है स्पष्ट किया जा सकता है, “यदि मसीह पवित्र आत्मा के द्वारा तुम में वास करता है,

एक ओर शरीर पाप के मृतक है, किन्तु दूसरी ओर
"एक ओर" और "किन्तु दूसरी ओर" व्यख्यांश द्वारा दो अलग-अलग तारीके पेश किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: " देह पाप के कारण मरी हुई है; परन्तु ."

देह पाप के कारण मरी हुई है।
संभावित अर्थ है 1) मनुष्य आत्मिक रूप से मृतक है। या 2) पार्थिव देह तो पाप के कारण मरेगी ही।

आत्मा धर्म के कारण जीवित है।
इसके संभावित अर्थ हें 1) मनुष्य आत्मिक रूप से जीवन्त होकर परमेश्वर प्रदत्त सामर्थ्य में भले काम करता है। या 2) परमेश्वर विश्वासी को मरणोपरान्त पुनजीर्वित करेगा क्योंकि परमेश्वर, धर्मनिष्ठ है और विश्वासी को अनन्त जीवन देता है।

Romans 8:11

यदि उसी का आत्मा.... तुममें बसा हुआ है
पौलुस यह मानता है कि उसके पाठकों में पवित्र-आत्मा का अन्तर्वास है। वैकल्पिक अनुवाद, “क्योंकि उसका ही आत्मा... तुममें अन्तर्वासी है”

उसी का आत्मा जिसने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया
“परमेश्वर का आत्मा जिसने उसे मृतकों में से जिलाया।

नश्वर देहों को
“पार्थिव शरीर” या “मरणहार शरीर”

Romans 8:12

इसलिए
“क्योंकि मैंने तुमसे अभी-अभी जो कहा वह सच है”

भाइयों
“सहविश्वासियों में”

हम कर्जदार
पौलुस आज्ञापालन की तुलना ऋण चुकाने से कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद, “हमें आज्ञा मानना है” (देखें:

शरीर के कर्जदार नहीं कि शरीर के अनुसार जीएं
“हमें अपनी पापी अभिलाषाओं का पालन नहीं करना है”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्योंकि यदि तुम शरीर के अनुसार दिन काटोगे
"क्योंकि यदि तुम केवल अपनी पापी अभिलाषाओं को पूरा करने के लिए जीओगे"

तो मरोगे
"तो तुम निश्चय ही परमेश्वर से अलग हो जाओगे"

यदि आत्मा से देह की क्रियाओं को मरोगे
वैकल्पिक अनुवाद, एक नया वाक्य, "यदि पवित्र-आत्मा के सामर्थ्य से तुम अपनी पापी अभिलाषाओं का दमन करोगे"

Romans 8:14

जितने लोग परमेश्वर के आत्मा के चलाए चलते हैं
कर्तृवाच्य क्रिया के साथ वैकल्पिक अनुवाद, "जिन्हें परमेश्वर ने चुन लिया है"।

क्योंकि तुम को दासत्व की आत्मा नहीं मिली कि डरे
"क्योंकि परमेश्वर ने तुम्हें वह आत्मा नहीं दी जो तुम्हें फिर से पाप का दास बनाए और परमेश्वर के दण्ड से डरनेवाला बनाए।"

जिससे हम पुकारते हैं
"जो हमें पुकारने की प्रेरणा देती है"

हे अब्बा, हे पिता
अरामी भाषा में अब्बा का अर्थ है पिता

Romans 8:16

यदि सन्तान हैं तो वारिस भी
इन वाक्यांशों मे क्रिया का उपयोग नहीं किया गया है क्योंकि वह समझा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद है, "यदि हम परमेश्वर की सन्तान हैं तो उसके उत्तराधिकारी भी हैं"।

वरन् परमेश्वर के वारिस और मसीह के संगी वारिस
वैकल्पिक अनुवाद, "परमेश्वर के वारिस तो हैं ही, साथ में मसीह के सहवारिस भी हैं"।

उसके साथ महिमा भी पाएं
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया के साथ भी किया जा सकता है, "उसके साथ हमारी भी महिमान्वित करे।

Romans 8:18

क्योंकि
"क्योंकि" शब्द द्वारा "मैं समझता हूँ" पर बल दिया गया है। इसका अर्थ सामान्य "क्योंकि" न समझें

मैं समझता हूँ....कुछ भी नहीं हैं
मेरा तो मानना है कि.... तुलना के योग्य भी नहीं है।

प्रगट होने की
कर्तृवाच्य क्रिया के साथ वैकल्पिक अनुवाद होगा, "परमेश्वर प्रकट करेगा" या "जब परमेश्वर का अनावरण करेगा"।

सृष्टि बड़ी आशा भरी दृष्टि से
परमेश्वर ने जो कुछ भी बनाया है वह बड़ी जिज्ञासा से, एक मनुष्य के सदृश्य, प्रतिज्ञा कर रहा है।

परमेश्वर के पुत्रों के प्रगट होने
"जिस समय परमेश्वर अपने पुत्रों को प्रकट करेगा"

Romans 8:20

क्योंकि सृष्टि... व्यर्थता के अधीन
कर्तृवाच्य क्रिया के साथ वैकल्पिक अनुवाद होगा, "क्योंकि परमेश्वर ने जो कुछ भी बनाया है उसे उस उद्देश्य प्राप्ति में अयोग्य कर दिया है जिसके उद्देश्य से उसकी रचना की गई थी।

अपनी इच्छा से नहीं पर अधीन करने वाले की ओर से
यहाँ "सृष्टि को एक इच्छा रखने वाले मनुष्य का मान दिया गया है। इसका वैकल्पिक अनुवाद होगा, "इसलिए नहीं कि सृजित वस्तुएं स्वयं चाहती थी "परन्तु इसलिए कि परमेश्वर चाहता था"।

कि सृष्टि आप ही विनाश के दासत्व से छुटकारा पाए।
वैकल्पिक अनुवाद में कर्तृवाच्य क्रिया के साथ एक नया वाक्य रचा जा सकता है, "तथापि सृजित वस्तुएं पूर्णत: आश्वस्त है कि परमेश्वर उनका उद्धार करेगा।

विनाश के दासत्व से
पौलुस सृष्टि की हर एक वस्तु को उसके स्वामी के दासत्व में तथा "विनाश" के अधीन मानता है। वैकल्पिक अनुवाद, "क्षय एवं अपक्षय से"

परमेश्वर की सन्तानों की महिमा की स्वतंत्रता
"जब वह अपनी सन्तानों का महिमान्वन करेगा तब वह उन्हें स्वतंत्र कर देगा।"

क्योंकि हम जानते हैं किसकी सृष्टि अब तक कराहती और पीड़ाओं में पड़ी तड़पती है।
सृष्टि की तुलना एक स्त्री से की गई है जो प्रसव पीड़ा में है, "क्योंकि हम जानते है कि संपूर्ण सृष्टि इस समय भी पीड़ा के कारण कहराती है"

Romans 8:23

जिनके पास आत्मा का पहला फल है
पौलुस विश्वासियों की तुलना द्वारा पवित्र आत्मा पाने की तुलना ऋतु के पहले फल तथा फसल से करता है।

लेपालक होने की अर्थात अपने देह के छुटकारे की बाट जोहते हैं
स्पष्ट किया जा सकता है कि परमेश्वर हमें किससे छुटकारा दिलाएगा। "परमेश्वर के परिवार के पूर्ण सदस्य होने की प्रतिज्ञा में है कि वह हमारी देह को क्षय और मृत्यु से मुक्ति दिलाएगा।

इस आशा के द्वारा हमारा उद्धार हुआ है
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है, "क्योंकि हमें विश्वास है कि परमेश्वर ने हमारा उद्धार किया है

क्योंकि जिस वस्तु को कोई देख रहा है उसकी आशा क्या करेगा?
पौलुस प्रश्न पूछ कर अपने पाठकों को समझाता है कि "आशा" क्या है। इसका वैकल्पिक अनुवाद है, "परन्तु यदि हमें आशा है तो इसका अर्थ है कि हमें अभी तक वह वस्तु प्राप्त नहीं हुई है जिसकी हम आशा करते हैं। यदि किसी के पास कुछ है तो वह उसकी आशा नहीं करता है"।

Romans 8:26

ऐसी आहें भर-भर कर
"इसकी आहों को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 8:28

लोगों जो बुलाए गए है
कर्तृवाच्य क्रिया के साथ वैकल्पिक अनुवाद, “जिन्हें परमेश्वर ने चुन लिया है”।

जिन्हें उसने पहले ही से जान लिया है
“जिन्हें उसने उनके सृजन से पहले से जान लिया है”।

उन्हें पहले से ठहराया भी है
“उसने उनकी नियति निर्धारित कर दी है” या “पहले ही से उनके लिए योजना बना ली है”।

कि उसके पुत्र के स्वरूप में हों
इसका अनुवाद एक सक्रिय क्रिया के रूप में किया जा सकता है : "परमेश्वर ने प्रगट नहीं किया"

पहिलौठा ठहरे
“कि उसका पुत्र पहिलौठा हो”

बहुत भाइयों में
इसका अर्थ पूर्णतः स्पष्ट किया जा सकता है, “परमेश्वर के परिवार के अनेक भाइयों-बहनों में”

जिन्हें उसने पहले से ठहराया
“जिनके लिए परमेश्वर ने पहले से योजना बनाई है”

उन्हें महिमा भी दी
यहां “महिमा” को भूतकाल में रखा गया है कि इसका होना निश्चित हो। वैकल्पिक अनुवाद, “उन्हें वह निश्चय ही महिमान्वित करेगा”।

Romans 8:31

अतः हम इन बातों के विषय में क्या कहें? यदि परमेश्वर हमारी ओर है तो हमारा विरोधी कौन हो सकता है?
पौलुस जब प्रश्न पूछता है तो वह अपनी पूर्वोक्त बात को महत्त्व देना चाहता है। वैकल्पिक अनुवाद, “इन सब बातों से हम यही निष्कर्ष निकालते हैं कि परमेश्वर हमारी ओर है तो हमें कौन पराजित कर सकता है।

परन्तु उसे दे दिया
“उसके बैरियों के हाथों में कर दिया”

हमें और सब कुछ क्यों न देगा?
यहाँ भी पौलुस बल देने के लिए प्रश्न पूछ रहा है। वैकल्पिक अनुवाद, “वह हमें सब कुछ निश्चय ही और बहुतायत से देगा”

Romans 8:33

परमेश्वर के चुने हुओं पर दोष कौन लगाएगा? परमेश्वर ही है जो उनको धर्मी ठहराने वाला है।
यहाँ भी पौलुस बल देने के लिए प्रश्न पूछता है। वैकल्पिक अनुवाद, “परमेश्वर के समक्ष हमें कोई दोष नहीं दे सकता, क्योंकि परमेश्वर हमें न्यायोचित ठहराता है”।

फिर कौन है जो दण्ड की आज्ञा देगा? मसीह ही है जो मर गया वरन् जो मुर्दो में से जी भी उठा।
पौलुस बल देने ही का प्रश्न पूछता है। वैकल्पिक अनुवाद, “हमें कोई दोष नहीं दे सकता क्योंकि मसीह यीशु ही है... और हमारी मध्यस्थता भी करता है”

वरन् जो मुर्दों में से जी भी उठा
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा भी किया जा सकता है, “जिसे परमेश्वर ने अति विशिष्टता में मृतकों में से पुनजीर्वित किया” या “जो अति विशिष्ट रूप में मर कर जी उठा”

Romans 8:35

क्या क्लेश, या संकट या उपद्रव या अकाल या नंगाई, या जोखिम या तलवार?
वैकल्पिक अनुवाद, “यदि कोई हमें कष्ट देना चाहे, हमें हानि पहुँचाना चाहे, हमें वस्त्र, भोजन विहीन कर दे या हत्या भी कर दे, तो यह संभव नहीं”

क्लेश या संकट
इन दोनों शब्दों का अर्थ एक ही है।

तुम्हारे लाभ के लिए
यहाँ तुम्हारे”एक वचन में है और परमेश्वर के लिए काम में लिया गया है, वैकल्पिक अनुवाद, “तेरे लिए”

हम दिन भर घात किए जाते हैं
यहाँ “हम” धर्मशास्त्र के इस अंश के लेखक को संबोधित करता है और उसके साथ परमेश्वर के सब भक्तों को समाहित करता है, “दिन भर” यह उक्ति एक अतिशयोक्ति है जो इनके संकट को उजागर करती है। यहाँ पौलुस दर्शाना चाहता है कि जो परमेश्वर के हैं उन्हें विषम परिस्थितियों की अपेक्षा करता है आवश्यक है। इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया से भी किया जा सकता है, “हमारे बैरी हमारी हत्या करने की खोज में लगे रहते हैं।”

हम वध होने वाली भेड़ों के समान गिने गए हैं
परमेश्वर के भक्त जिन्हें लोग मार डालते हैं उनकी तुलना बलि के पशुओं से भी गई हे। इसका वैकल्पिक अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है, “हमारा जीवन तो उनके लिए ऐसा है जैसा भेड़ें जिन्हें वे वध करते हैं"

Romans 8:37

जयवन्त से भी बढ़कर है।
“हमें पूर्ण विजय प्राप्त है”।

जिसने हमसे प्रेम किया
यीशु ने हमसे जो प्रेम किया वह स्पष्ट किया जा सकता है, “यीशु के द्वारा जिसने हमसे इतना अधिक प्रेम किया कि हमारे लिए मर भी गया”।

मैं निश्चय जानता हूँ
“मुझे पूरा विश्वास है” या “मैं आश्वस्त हूँ”

कोई और सृष्टि
इसके संभावित अर्थ हैं 1) दुष्टात्माएं (यू.डी.बी.) या मानवीय राजा एवं प्रशासक

न सामर्थ्य
इसके संभावित अर्थ हैं 1) सामर्थी आत्माएं या 2) सामर्थी मनुष्य

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Romans 8:2

पाप और मृत्यु की व्यवस्था से पौलुस को किसने मुक्ति दिलाई है?
मसीह यीशु में जीवन की आत्मा के सिद्धान्त ने पौलुस को पाप और मृत्यु की व्यवस्था से मुक्ति दिला दी है।

Romans 8:3

पाप और मृत्यु के सिद्धान्त से मुक्ति दिलाने में व्यवस्था अक्षम क्यों थी?
व्यवस्था अक्षम थी क्योंकि देह के कारण वह दुर्बल थी।

Romans 8:4

आत्मा के अनुसार चलने वाले किसमें मन लगाते हैं?
जो आत्मा के अनुसार चलते हैं वे आत्मा की बातों में मन लगाते हैं।

Romans 8:7

देह का परमेश्वर और व्यवस्था के साथ कैसा संबन्ध है?
देह परमेश्वर की विरोधी है इसलिए वह व्यवस्था के अधीन नहीं हो सकती है।

Romans 8:9

जो परमेश्वर के नहीं उनमें किस बात की कमी होती है?
जो मनुष्य परमेश्वर के नहीं अन्तर्वासी मसीह की आत्मा से वंचित होते हैं।

Romans 8:11

परमेश्वर विश्वासी की नश्वर देह को जीवन कैसे देता है?
परमेश्वर विश्वासी में अन्तर्वासी अपनी आत्मा के द्वारा उसकी नश्वर देह को जीवन देता है।

Romans 8:13

परमेश्वर के पुत्र जीवन के लिए कैसे चलाए जाते हैं?
परमेश्वर के पुत्र परमेश्वर की आत्मा द्वारा चलाए जाते हैं।

Romans 8:15

विश्वासी परमेश्वर के परिवार का सदस्य कैसे होता है?
विश्वासी परमेश्वर के परिवार में लेपालक है।

Romans 8:17

परमेश्वर की सन्तान होने के कारण विश्वासियों को और क्या लाभ हैं?
परमेश्वर की सन्तान होने के कारण विश्वासी परमेश्वर के उत्तराधिकारी वरन् मसीह के सह उत्तराधिकारी है।

विश्वासियों के लिए वर्तमान कष्ट भोगना आवश्यक क्यों है?
वर्तमान कष्टों को सहना आवश्यक है जिससे कि विश्वासी परमेश्वर के पुत्रों के प्रकट होने पर मसीह के साथ महिमान्वित हों।

Romans 8:21

वर्तमान में सृष्टि कैसे दासत्व में है?
वर्तमान में सृष्टि विनाश के दासत्व में है।

सृष्टि कैसे स्वतंत्रता प्राप्त करेगी?
सृष्टि परमेश्वर की सन्तानों की महिमा की स्वतंत्रता प्राप्त करेगी।

Romans 8:23

विश्वासियों को देह के छुटकारे की कैसे प्रतीक्षा करना है?
विश्वासियों को विश्वास और धीरज धर कर देह के छुटकारे की प्रतीक्षा करना है।

Romans 8:26

पवित्र जनों की दुर्बलता में सहायता हेतु आत्मा स्वयं क्या करती है?
आत्मा स्वयं ही परमेश्वर की इच्छा के अनुसार पवित्रजनों की ओर से मध्यस्थता करती है।

Romans 8:28

परमेश्वर सब बातों को मिलाकर इससे प्रेम करनेवालों और उसकी इच्छा के अनुसार बुलाए गए मनुष्यों के लिए कैसे क्या करती है?
परमेश्वर अपने प्रेम करने वालों के लिए सब बातों को मिलाकर भलाई ही को उत्पन्न करता है अर्थात जो उसकी इच्छा के अनुसार बुलाए गए हैं उनके लिए।

Romans 8:29

परमेश्वर ने जिन्हें पहले से जान लिया है उनके लिए क्या नियति ठहराई है?
क्योंकि परमेश्वर ने जिन्हें पहले से जान लिया है उन्हें पहले से निश्चित भी कर लिया है कि वे उसके पुत्र के स्वरूप में हों।

Romans 8:30

परमेश्वर ने जिन्हें पहले से निश्चित किया उनके लिए क्या किया है?
जिन्हें उसने पहले से निश्चित कर लिया है उन्हें बुलाया और धर्मी ठहराया और महिमा दी है।

Romans 8:32

विश्वासी कैसे जानते हैं कि परमेश्वर उन्हें सब कुछ वदान्य देगा?
विश्वासी जानते हैं कि परमेश्वर उन्हें सब कुछ वदान्य देगा क्योंकि उसने विश्वासियों के लिए अपना निज पुत्र दे दिया है।

Romans 8:34

मसीह यीशु परमेश्वर की दाहिनी ओर उपस्थित होकर क्या करता है?
मसीह परमेश्वर की दाहिनी ओर उपस्थित पवित्र जनों के लिए मध्यस्था करता है।

Romans 8:35

विश्वासी सताव क्लेश, या मृत्यु पर भी जयवन्त से बढ़कर कैसे हैं?
विश्वासी उसके द्वारा जो उनसे प्रेम करता है, जयवन्त से भी बढ़कर हैं।

Romans 8:39

पौलुस को किस बात का विश्वास है कि सृजित वस्तु नहीं कर सकती?
पौलुस को पूर्ण विश्वास है कि कोई भी सृजित वस्तु विश्वासी को परमेश्वर के प्रेम से अलग नहीं कर सकती।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 9

1 मैं मसीह में सच कहता हूँ, झूठ नहीं बोलता और मेरा विवेक भी पवित्र आत्मा में गवाही देता है। **2** कि मुझे बड़ा शोक है, और मेरा मन सदा दुःखता रहता है।

3 क्योंकि मैं यहाँ तक चाहता था, कि अपने भाइयों, के लिये जो शरीर के भाव से मेरे कुटुम्बी हैं, आप ही मसीह से श्रापित और अलग हो जाता। (निर्ग. 32:32) **4** वे इस्राएली हैं, लेपालकपन का हक़, महिमा, वाचाएँ, व्यवस्था का उपहार, परमेश्वर की उपासना, और प्रतिज्ञाएँ उन्हीं की हैं। (भज. 147:19) **5** पूर्वज भी उन्हीं के हैं, और मसीह भी शरीर के भाव से उन्हीं में से हुआ, जो सब के ऊपर परम परमेश्वर युगानुयुग धन्य है। आमीन।

6 परन्तु यह नहीं, कि परमेश्वर का वचन टल गया, इसलिए कि जो इस्राएल के वंश हैं, वे सब इस्राएली नहीं; **7** और न अब्राहम के वंश होने के कारण सब उसकी सन्तान ठहरे, परन्तु (लिखा है) "इसहाक ही से तेरा वंश कहलाएगा।" (इब्रा. 11:18)

8 अर्थात् शरीर की सन्तान परमेश्वर की सन्तान नहीं, परन्तु प्रतिज्ञा के सन्तान वंश गिने जाते हैं। **9** क्योंकि प्रतिज्ञा का वचन यह है, "मैं इस समय के अनुसार आऊँगा, और सारा का एक पुत्र होगा।" (उत्प. 18:10, उत्प. 21:2)

10 और केवल यही नहीं, परन्तु जब रिबका भी एक से अर्थात् हमारे पिता इसहाक से गर्भवती थी। (उत्प. 25:21) **11** और अभी तक न तो बालक जन्मे थे, और न उन्होंने कुछ भला या बुरा किया था, इसलिए कि परमेश्वर की मनसा जो उसके चुन लेने के अनुसार है, कर्मों के कारण नहीं, परन्तु बुलानेवाले पर बनी रहे। **12** उसने कहा, "जेठा छोटे का दास होगा।" (उत्प. 25:23) **13** जैसा लिखा है, "मैंने याकूब से प्रेम किया, परन्तु एसाव को अप्रिय जाना।" (मला. 1:2-3)

14 तो हम क्या कहें? क्या परमेश्वर के यहाँ अन्याय है? कदापि नहीं! **15** क्योंकि वह मूसा से कहता है, "मैं जिस किसी पर दया करना चाहूँ, उस पर दया करूँगा, और जिस किसी पर कृपा करना चाहूँ उसी पर कृपा करूँगा।" (निर्ग. 33:19) **16** इसलिए यह न तो चाहनेवाले की, न दौड़नेवाले की परन्तु दया करनेवाले परमेश्वर की बात है।

17 क्योंकि पवित्रशास्त्र में फ़िरौन से कहा गया, "मैंने तुझे इसलिए खड़ा किया है, कि तुझ में अपनी सामर्थ्य दिखाऊँ, और मेरे नाम का प्रचार सारी पृथ्वी पर हो।" (निर्ग. 9:16) **18** तो फिर, वह जिस पर चाहता है, उस पर दया करता है; और जिसे चाहता है, उसे कठोर कर देता है।

19 फिर तू मुझसे कहेगा, "वह फिर क्यों दोष लगाता है? कौन उसकी इच्छा का सामना करता हैं?" **20** हे मनुष्य, भला तू कौन है, जो परमेश्वर का सामना करता है? क्या गढ़ी हुई वस्तु गढ़नेवाले से कह सकती है, "तूने मुझे ऐसा क्यों बनाया है?" **21** क्या कुम्हार को मिट्टी पर अधिकार नहीं, कि एक ही लोंदे में से, एक बर्तन आदर के लिये, और दूसरे को अनादर के लिये बनाए? (यशा. 64:8)

22 कि परमेश्वर ने अपना क्रोध दिखाने और अपनी सामर्थ्य प्रगट करने की इच्छा से क्रोध के बरतनों की, जो विनाश के लिये तैयार किए गए थे बड़े धीरज से सही। (नीति. 16:4) **23** और दया के बरतनों पर जिन्हें उसने महिमा के लिये पहले से तैयार किया, अपने महिमा के धन को प्रगट करने की इच्छा की? **24** अर्थात् हम पर जिन्हें उसने न केवल यहूदियों में से वरन् अन्यजातियों में से भी बुलाया। (इफि. 3:6, रोम. 3:29)

25 जैसा वह होशे की पुस्तक में भी कहता है,

"जो मेरी प्रजा न थी, उन्हें मैं अपनी प्रजा कहूँगा,
और जो प्रिया न थी, उसे प्रिया कहूँगा; (होशे 2:23)
26 और ऐसा होगा कि जिस जगह में उनसे यह कहा गया था, कि तुम मेरी प्रजा नहीं हो,
उसी जगह वे जीविते परमेश्वर की सन्तान कहलाएँगे।"

27 और यशायाह इस्राएल के विषय में पुकारकर कहता है, "चाहे इस्राएल की सन्तानों की गिनती समुद्र के रेत के बराबर हो, तो भी उनमें से थोड़े ही बचेंगे। (यहे. 6:8) **28** क्योंकि प्रभु अपना वचन पृथ्वी पर पूरा करके, धार्मिकता से शीघ्र उसे सिद्ध करेगा।" **29** जैसा यशायाह ने पहले भी कहा था,

"यदि सेनाओं का प्रभु हमारे लिये कुछ वंश न छोड़ता,
तो हम सदोम के समान हो जाते,
और अमोरा के सरीखे ठहरते।" (यशा. 1:9)

30 तो हम क्या कहें? यह कि अन्यजातियों ने जो धार्मिकता की खोज नहीं करते थे, धार्मिकता प्राप्त की अर्थात् उस धार्मिकता को जो विश्वास से है; **31** परन्तु इस्राएली; जो धार्मिकता की व्यवस्था की खोज करते हुए उस व्यवस्था तक नहीं पहुँचे।

32 किस लिये? इसलिए कि वे विश्वास से नहीं, परन्तु मानो कर्मों से उसकी खोज करते थे: उन्होंने उस ठोकर के पत्थर पर ठोकर खाई। **33** जैसा लिखा है,

"देखो मैं सिय्योन में एक ठेस लगने का पत्थर, और ठोकर खाने की चट्टान रखता हूँ,
और जो उस पर विश्वास करेगा, वह लज्जित न होगा।" (यशा. 28:16)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 9:1

मेरा विवेक भी पवित्र आत्मा में गवाही देता है
यह वाक्यांश एक नए वाक्य में रचा जा सकता है, “पवित्र आत्मा मेरे विवेक को नियंत्रित करती है और जो मैं कहता हूँ उसके सत्यापित करती है”।

मुझे बड़ा शोक है और मेरा मन सदा दुखता रहता है
यह एक अलग वाक्य बनाया जा सकता है, “मुझे वास्तव में बहुत गहरा दु:ख है”। यदि उस व्यक्ति की चर्चा की जाए जिसके पौलुस को गहरा दु:ख है तो यू.डी.बी. अनुवाद को देखें

Romans 9:3

क्योंकि मैं यहाँ तक चाहता था कि अपने भाइयों के लिए जो शरीर के भाव से मेरे कुटुम्बी हैं, स्वयं ही मसीह से शापित हो जाता।
वैकल्पिक अनुवाद, “मैं तो यह भी चाहता हूँ कि परमेश्वर शापित ठहराए और मसीह से सदा के लिए अलग कर दे यदि इससे मेरे इस्त्राएली भाइयों को, मेरी अपनी जाति को मसीह में विश्वास करने में सहायता मिले।”

वे इस्राएली हैं
वे, मेरे सदृश्य, इस्त्राएली हैं। परमेश्वर ने उन्हें याकूब के वंशज चुना है। (यू.डी.बी.)

पुरखे भी उन्हीं के हैं और मसीह भी शरीर के भाव से उन्हीं में से हुआ।
“यही वह वंश है जिसमें मसीह के मानव रूप धारण करके जन्म लिया”।

मसीह, सबके ऊपर, परम परमेश्वर युगानुयुग धन्य है
इसका अनुवाद एक अलग वाक्य में किया जा सकता है, “मसीह सर्वेसर्वा है और परमेश्वर ने उसे सदा के लिए आशिषित किया है।

Romans 9:6

परन्तु यह नहीं कि परमेश्वर का वचन टल गया
“परन्तु परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञाओं में चूकता नहीं है”।

जो इस्त्राएल के वंश के हैं, वे सब इस्त्राएली नहीं है।
“परमेश्वर ने इस्राएल (याकूब) के सब वंशओं से प्रतिज्ञा नहीं की है। उसने इसके आत्मिक वंशजों से ही प्रतिज्ञा की है अर्थात उनसे जिन्हें यीशु में विश्वास है।

और न अब्राहम के वंश होने के कारण सब उसकी सन्तान ठहरे
“नहीं वे सब अब्राहम की सन्तान होने के कारण परमेश्वर की सन्तान हैं।

Romans 9:8

शरीर की सन्तान
यह अब्राहम के शारीरिक वंश के संदर्भ में है।

परमेश्वर की सन्तान
ये वे लोग हैं जो यीशु में विश्वास के द्वारा आत्मिक वंश हैं

प्रतिज्ञा की सन्तान
अर्थात वे लोग जो प्रतिज्ञा के उत्तराधिकारी होंगे

“सारा का पुत्र होगा”
“मैं सारा को एक पुत्र दूँगा”

Romans 9:10

हमारे पिता इसहाक.... अभी तक
हो सकता है कि आपको 9:17, 9:12 के बाद रखना हो, “हमारे पिता इसहाक, उसने कहा, जेठा छोटे का दास होगा। अभी तक न तो बालक जन्मे थे... बुलाने वाले के कारण है”

हमारे पिता
इसहाक पौलुस और रोम के विश्वासियों का पूर्वज था।

उत्पन्न हुए
“गर्भवती हुई”

अभी तक न तो बालक जन्में थे और न उन्होंने कुछ भला या बुरा किया था।
“सन्तान के जन्म से पूर्व और अच्छा या बुरा करने से पूर्व”

परमेश्वर की मनसा जो उसके चुन लेने के अनुसार है... बनी रहे।
“फिर परमेश्वर के चुनाव के अनुसार जो होना है वह होकर रहे”।

अभी तक न तो बालक जन्मे थे
“सन्तानोत्पत्ति से पूर्व”

न उन्होंने कुछ भला या बुरा किया था
“नही उनके कर्मो के कारण”

उसके कारण
परमेश्वर के कारण

उस से कहा गया, “जेठा छोटे का दास होगा”
परमेश्वर ने रिबका से कहा, “बड़ा पुत्र छोटे की सेवा करेगा”

“मैंने याकूब से प्रेम किया परन्तु एसाव को अप्रिय जाना”
परमेश्वर ने एसाव को अप्रिय जाना अर्थात याकूब से प्रेम करने की तुलना में। (देखें:)

Romans 9:14

इसलिए हम क्या कहें?
पौलुस उनसे उत्तर की खोज नहीं कर रहा है वह प्रश्न पूछने के द्वारा वह उस भ्रम को दूर कर रहा है कि परमेश्वर धर्मी नहीं है।

कदापि नहीं।
“असंभव है”। या “निश्चय ही नहीं” यह अभिव्यक्ति दृढ़ता से इन्कार करती है कि ऐसा होने की संभावना है। आप अपनी भाषा में ऐसी ही अभिव्यक्ति को काम में लेना चाहेंगे।

क्योंकि वह मूसा से कहता है
“क्योंकि परमेश्वर ने मूसा से कहा है”

अतः यह न तो चाहने वाले की, न दौड़ने वाले की
“यह मनुष्यों के चाहने या उनके कठोर परिश्रम से नहीं”।

न दौड़ने वाले की
पौलुस एक धावक की तुलना लक्ष्य प्राप्ति के लिए कठोर परिश्रम करनेवाले से करता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 9:17

क्योंकि पवित्रशास्त्र में कहा गया
यहाँ धर्मशास्त्र को मानव रूप दिया गया है जैसे परमेश्वर फिरौन से बात कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद, "धर्मशास्त्र में परमेश्वर ने कहा"

मैं.... अपनी
परमेश्वर अपने बारे में कहता है

तुझे
एकवचन

मेरे नाम का प्रचार सारी पृथ्वी पर हो
"कि मनुष्य संपूर्ण पृथ्वी पर मेरा नाम ले"

जिसे चाहता है, कठोर कर देता है
"परमेश्वर जिसे चाहे हठीला बना देता है"

Romans 9:19

तू
पौलुस उसकी शिक्षा के आलोचकों को संबोधित कर रहा है, वह एक मनुष्य से बात कर रहा है। आपको संभवतः बहुवचन काम में लेने की आवश्यकता हो सकती है।

वह...उसकी
परमेश्वर की

क्या गढ़ी हुई वस्तु कहेंगी.... प्रतिदिन के लिए बनाए?
पौलुस तुम्हारे अधिकार का उदाहरण दे रहा है कि वह जैसा पात्र चाहे मिट्टी से बनाता है जो सृजनहार के अधिकार का एकरूपक है कि वह अपनी सृष्टि के साथ जैसा चाहे वैसा कर सकता है।

Romans 9:22

वह... उसकी
परमेश्वर.... परमेश्वर का/की

क्रोध के बर्तनों... दया के बर्तनों
"क्रोध भाजक मनुष्य... दयापात्र मनुष्य"

महिमा के धन
"उसकी महिमा जो अपार है"।

जिन्हें उसने महिमा के लिए पहले से तैयार किया
"जिन्हें उसने समय से पहले महिमान्वन के लिए तैयार किया है"

हम को भी
पौलुस तथा उसके सहविश्वासी भाई

Romans 9:25

जैसा वह होशे की पुस्तक में भी कहता है
"जैसा परमेश्वर होशे रचित पुस्तक में भी कहता है"

होशे
होशे भविष्यद्वक्ता है

"जो मेरी प्रजा नहीं थी, उन्हें मैं अपनी प्रजा नहीं कहूँगा"
"मैं उन लोगों को चुन कर अपने लोग बना लूँगा जो मेरे लोग न थे"

और जो प्रिय न थे उसे प्रिय कहूँगा
"और मैं उसे चुनकर अपनी प्रिय बनाऊँगा जो मेरी प्रिय न थी"।

जीवते परमेश्वर की सन्तान
"जीवते" का अर्थ है कि परमेश्वर ही एकमात्र "सच्चा" परमेश्वर है, झूठी मूर्तियों के सदृश्य नहीं। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "सच्चे परमेश्वर की सन्तान"। (यू.डी.बी.)

Romans 9:27

यशायाह पुकार कर कहता है
"सार्वजनिक घोषणा करता है"

समुद्र के बालू के बराबर हो
असंख्य

बचेंगे
यहाँ "बचेंगे" आत्मिक अभिप्राय में है। मनुष्य बचाया जाता है तो वह क्रूस पर यीशु की मृत्यु के द्वारा है। परमेश्वर ने उसे क्षमा कर दिया और उसके पापों के दण्ड से बचा लिया।

वचन
सब कुछ जो परमेश्वर ने कहा और आज्ञा दी।

हम... हमारे
अर्थात यशायाह और इस्राएली

हम सदोम के समान हो जाते, और अमोरा के सदृश्य हो गये है
आप और अधिक स्पष्ट रूप से समझा सकते हैं कि इस्त्राएली सदोम और अमोरा के सदृश्य कैसे हो सकते थे, "हम सब का ठीक वैसे सर्वनाश हो जाता जैसे सदोम और अमोरा का हुआ था। (यू.डी.बी.)

Romans 9:30

तो हम क्या कहें?
"अतः हमें यही कहना होगा"

यह कि अन्यजातियाँ
"हम कहेंगे कि अन्यजातियाँ"

जो धार्मिकता की खोज नहीं करते थे
"जो परमेश्वर को प्रसन्न करने का प्रयास नहीं करते थे"

धार्मिकता प्राप्त की अर्थात उस धार्मिकता को जो विश्वास से हैं
"परमेश्वर के पुत्र मे विश्वास करके परमेश्वर को प्रसन्न किया"

उस व्यवस्था तक नहीं पहुँचे
"नियमों के पालन से न्यायोचित अवस्था को प्राप्त नहीं किया"।

Romans 9:32

किस लिए? (क्यों नहीं पहुँचे)?
"वे न्यायोचित अवस्था को प्राप्त क्यों नहीं कर पाए"?

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

कर्मों से
“परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले कामों से” (देखें यू.डी.बी.) या “विधान के नियमों का पालन करके”।

ठोकर के पत्थर
“पत्थर जिससे लोगों को ठोकर लगती है”

जैसा लिखा है
“जैसा भविष्यद्वक्ता यशायाह ने लिखा है”।

सिय्योन
यह वहाँ एक स्थान का नाम है

जो उस पर विश्वास करेगा
यह पत्थर एक मनुष्य के स्थान में आया है (देखें यू.डी.बी.) अत: आपके इस प्रकार अनुवाद करना होगा, “जो उस में विश्वास करेगा”

Translation Questions

Romans 9:1

पौलुस को मन में शोक और अविराम दु:ख क्यों है?
पौलुस को शरीर के भाव से अपने भाइयों, इस्राएलियों के लिए शोक और दु:ख है।

Romans 9:4

इस्रालियों के इतिहास में उनके पास क्या है?
?

Romans 9:6

सब इस्राएलियों और अब्राहम के वंशजों के साथ कौन सी एक बात सच नहीं है?
पौलुस कहता है कि इस्राएल में हर एक जन परमेश्वर का नहीं है और अब्राहम के वंशज उसकी सच्ची सन्तान नहीं है।

Romans 9:8

परमेश्वर की सन्तान में कौन नहीं गिने जाते हैं?
शरीर से उत्पन्न परमेश्वर की सन्तान नहीं गिनी जाती है।

परमेश्वर की सन्तान कौन गिने जाते हैं?
प्रतिज्ञा की सन्तान को परमेश्वर की सन्तान गिना जाता है।

Romans 9:10

??
सन्तानोत्पत्ति से पूर्व ही रिबका से कहा गया था, "जेठा छोटे का दास होगा," रिबका से कही गई इस बात में निहित उद्देश्य क्या था?"

Romans 9:14

परमेश्वर की दया और अनुकंपा के वरदान का कारण क्या है?
परमेश्वर की दया और उसकी अनुकंपा के वरदान का कारण उसका चुनाव है।

Romans 9:16

परमेश्वर की दया और अनुकंपा में निहित कारण क्या नहीं है?
परमेश्वर की दया और अनुकंपा के वरदान में निहित कारण वरदान प्राप्त करनेवालों की इच्छा और कार्य नहीं हैं।

Romans 9:20

पौलुस ने उन लोगों को क्या उत्तर दिया कि जो पूछते हैं कि मनुष्य में दोष देखने के कारण क्या परमेश्वर धर्मी हो गया?
पौलुस उत्तर देता है, "भला तू कौन है, जो परमेश्वर का साम्हना करता है?"

Romans 9:22

परमेश्वर ने विनाश के लिए तैयार किए गए मनुष्यों के साथ क्या किया?
परमेश्वर ने विनाश के लिए तैयार किए गए मनुष्यों को अत्यधिक धीरज धर कर सहन किया है।

Romans 9:23

जो महिमा के लिए तैयार किए गए हैं उनके साथ परमेश्वर ने क्या किया है?
परमेश्वर ने उन पर अपनी महिमा का धन प्रकट किया है।

Romans 9:24

परमेश्वर ने अपनी दया के पात्रों को कौन से मनुष्यों में से बुलाया है?
परमेश्वर ने यहूदियों और अन्य जातियों दोनों में से उनको बुलाया है जिन पर उसकी दया है।

Romans 9:27

इस्राएल की सन्तानों में से कितने बचे रहेंगे?
इस्राएल की सन्तानों में से कुछ शेष जन बचे रहेंगे।

Romans 9:30

अन्यजाति जो धार्मिकता की खोज नहीं करते थे धार्मिकता कैसे प्राप्त की?
अन्यजातियों ने विश्वास के द्वारा धार्मिकता से उसे प्राप्त किया।

Romans 9:31

धार्मिकता की व्यवस्था का पालन करने पर भी इस्राएलियों को धार्मिकता प्राप्त क्यों नहीं हुई?
इस्राएली धार्मिकता प्राप्त नहीं कर पाए क्योंकि उन्होंने विश्वास से नहीं कर्मों से धार्मिकता की खोज की।

Romans 9:32

इस्राएलियों ने किससे ठोकर खाई थी?
इस्राएलियों ने ठोकर खाने के पत्थर और ठोकर खाने की चट्टान से ठोकर खाई थी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 9:33

जो ठोकर नहीं खाते, विश्वास करते हैं उनका क्या होगा?
जो ठोकर नहीं खाते, विश्वास करते है लज्जित नहीं होंगे।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 10

1 हे भाइयों, मेरे मन की अभिलाषा और उनके लिये परमेश्वर से मेरी प्रार्थना है, कि वे उद्धार पाएँ*। **2** क्योंकि मैं उनकी गवाही देता हूँ, कि उनको परमेश्वर के
लिये धुन रहती है, परन्तु बुद्धिमानी के साथ नहीं। **3** क्योंकि वे परमेश्वर की धार्मिकता* से अनजान होकर, अपनी धार्मिकता स्थापित करने का यत्न करके,
परमेश्वर की धार्मिकता के अधीन न हुए।

4 क्योंकि हर एक विश्वास करनेवाले के लिये धार्मिकता के निमित्त मसीह व्यवस्था का अन्त है। **5** क्योंकि मूसा व्यवस्था से प्राप्त धार्मिकता के विषय में यह
लिखता है: "जो व्यक्ति उनका पालन करता है, वह उनसे जीवित रहेगा।" (लैव्य. 18:5)

6 परन्तु जो धार्मिकता विश्वास से है, वह यों कहती है, "तू अपने मन में यह न कहना कि स्वर्ग पर कौन चढ़ेगा?" (अर्थात् मसीह को उतार लाने के लिये), **7** या
"अधोलोक में कौन उतरेगा?" (अर्थात् मसीह को मरे हुओं में से जिलाकर ऊपर लाने के लिये!)

8 परन्तु क्या कहती है? यह, कि

> "वचन तेरे निकट है,
> तेरे मुँह में और तेरे मन में है,"

यह वही विश्वास का वचन है, जो हम प्रचार करते हैं। **9** कि यदि तू अपने मुँह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे, कि परमेश्वर
ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा। (प्रेरि. 16:31) **10** क्योंकि धार्मिकता के लिये मन से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिये मुँह
से अंगीकार* किया जाता है।

11 क्योंकि पवित्रशास्त्र यह कहता है, "जो कोई उस पर विश्वास करेगा, वह लज्जित न होगा।" (यिर्म. 17:7) **12** यहूदियों और यूनानियों में कुछ भेद नहीं,
इसलिए कि वह सब का प्रभु है; और अपने सब नाम लेनेवालों के लिये उदार है। **13** क्योंकि "जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।" (प्रेरि. 2:21,
योए. 2:32)

14 फिर जिस पर उन्होंने विश्वास नहीं किया, वे उसका नाम क्यों लें? और जिसकी नहीं सुनी उस पर क्यों विश्वास करें? और प्रचारक बिना क्यों सुनें? **15** और
यदि भेजे न जाएँ, तो क्यों प्रचार करें? जैसा लिखा है, "उनके पाँव क्या ही सुहावने हैं, जो अच्छी बातों का सुसमाचार सुनाते हैं!" (यशा. 52:7, नहू. 1:15)

16 परन्तु सब ने उस सुसमाचार पर कान न लगाया। यशायाह कहता है, "हे प्रभु, किस ने हमारे समाचार पर विश्वास किया है?" (यशा. 53:1) **17** इसलिए
विश्वास सुनने से, और सुनना मसीह के वचन से होता है।

18 परन्तु मैं कहता हूँ, "क्या उन्होंने नहीं सुना?" सुना तो सही क्योंकि लिखा है,

> "उनके स्वर सारी पृथ्वी पर,
> और उनके वचन जगत की छोर तक पहुँच गए हैं।" (भज. 19:4)

19 फिर मैं कहता हूँ। क्या इस्राएली नहीं जानते थे? पहले तो मूसा कहता है,

> "मैं उनके द्वारा जो जाति नहीं, तुम्हारे मन में जलन उपजाऊँगा,
> मैं एक मूर्ख जाति के द्वारा तुम्हें रिस दिलाऊँगा।" (व्य. 32:21)

20 फिर यशायाह बड़े साहस के साथ कहता है,

> "जो मुझे नहीं ढूँढ़ते थे, उन्होंने मुझे पा लिया;
> और जो मुझे पूछते भी न थे, उन पर मैं प्रगट हो गया।"

21 परन्तु इस्राएल के विषय में वह यह कहता है "मैं सारे दिन अपने हाथ एक आज्ञा न माननेवाली और विवाद करनेवाली प्रजा की ओर पसारे रहा।" (यशा.
65:1-2)

Romans 10:1

मेरे मन की अभिलाषा
"मेरी उत्कट अभिलाषा है"

वे उनके लिए, उनके उद्धार के लिए
"परमेश्वर यहूदियों का उद्धार करे"

Romans 10:4

मसीह व्यवस्था का अन्त है
"क्योंकि मसीह ने विधान के नियमों का पूर्णतः पालन किया"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हर एक विश्वास करनेवाले के लिए धार्मिकता के निमित्त।
“कि वह उसमें विश्वास करनेवाले हर एक मनुष्य को परमेश्वर के समक्ष न्यायोचित बना दे”।

धार्मिकता पर जो व्यवस्था से है
“जैसे विधान के नियम मनुष्य को परमेश्वर के समक्ष न्यायोचित ठहराते हैं”

“जो मनुष्य उस धार्मिकता पर जो व्यवस्था से है, चलता है, वह उसी से जीवित रहेगा”।
“विधान के नियमों के पालन में सिद्ध मनुष्य जीवित रहेगा, क्योंकि नियम उसे परमेश्वर के समक्ष न्यायोचित ठहराएंगे”

जीवित रहेगा
इसका संदर्भ 1) अनन्त जीवन से (यू.डी.बी.) या 2) परमेश्वर की संगति में नैतिक जीवन से है।

Romans 10:6

परन्तु जो धार्मिकता विश्वास से है, वह यह कहती है
यहाँ “धार्मिकता के एक व्यक्ति की संज्ञा दी गई है कि वह बोलती है। वैकल्पिक अनुवाद, “परन्तु मूसा लिखता है कि विश्वास मनुष्य को कैसे परमेश्वर के समक्ष न्यायोचित ठहराता है”।

“तू अपने मन में यह न कहना”
“तू यह न सोचना”, मूसा जनसमूह को एक वचन में संबोधित कर रहा है।

स्वर्ग पर कौन चढ़ेगा?
मूसा ऐसा प्रश्न पूछ कर अपने श्रोतागण को कुछ सिखाना चाहता है। इसका पूर्वाक्त निर्देश, मन में यह न कहना, को नकारात्क उत्तर की आवश्यकता है, वैकल्पिक अनुवाद, “स्वर्ग जाने का प्रयास कोई न करे”।

अर्थात मसीह को उतार लाने के लिए
“कि वे मसीह को पृथ्वी पर ले आएं”

अधोलोक में कौन उतरेगा?
मूसा अपने श्रोतागण को सिखाने के लिए प्रश्न पूछता है। उसकी पूर्वोक्त उक्ति, “तू अपने मन में कहना” को नकारात्मक उत्तर की आवश्यकता है। वैकल्पिक अनुवाद, “जहाँ मृतकों की आत्माएं हैं वह किसी को उतरने की आवश्यकता नहीं है”

अर्थात्, मसीह को मरे हुओं में से जिलाकर ऊपर लाने के लिए
“कि वे मसीह को मृतकों में से ऊपर ले आएं”

Romans 10:8

परन्तु वह क्या कहती है?
“वह” अर्थात धर्मनिष्ठा 10:6 यहां पौलुस धर्मनिष्ठा को एक मनुष्य के रूप में व्यक्त कर रहा है, जो बोल सकता है। पौलुस प्रश्न पूछ कर जो उत्तर देगा उस पर बल देता है। वैकल्पिक अनुवाद, “परन्तु मूसा जो कहता है, वह है कि”

वचन तेरे निकट है
“सन्देश ठीक यही है”

तेरे मुँह में
“मूँह” का अर्थ होता है शब्दोच्चारण। इसका अनुवाद एक नए वाक्य में किया जा सकता है, “वचन तेरे शब्दोच्चारण में है”।

और तेरे मन में है
“मन” से अभिप्राय है, मनुष्य का मस्तिष्क या उसका सोचना। वैकल्पिक अनुवाद, “और वह तेरे सोचने में है”

यदि तू अपने मुँह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे
“यदि तू स्वीकार करे कि यीशु प्रभु है”

मन से विश्वास करे
“सच माने”

तू निश्चय उद्धार पाएगा
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा भी किया जा सकता है, “परमेश्वर तेरा उद्धार करेगा”

क्योंकि धार्मिकता के लिए मन से विश्वास किया जाता है और उद्धार के लिए मुँह से अंगीकार किया जाता है
“क्योंकि मन से विश्वास करके मनुष्य परमेश्वर के समक्ष न्यायोचित ठहरता है और मुँह से वह स्वीकरण करता है तो परमेश्वर उसे न्यायोचित ठहराता है”

Romans 10:11

जो कोई उस पर विश्वास करेगा वह लज्जित न होगा
“उसमें विश्वास करनेवाला कोई भी मनुष्य लज्जित नहीं होगा”। इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जाता है, “परमेश्वर उसमें विश्वास करनेवाले किसी भी मनुष्य को लज्जित नहीं होने देगा”। वैकल्पिक अनुवाद, “परमेश्वर उसमें विश्वास करनेवाले हर एक मनुष्य को महिमान्वित करेगा”।

यहूदियों और यूनानियों में कुछ भेद नहीं
“इस प्रकार, परमेश्वर यहूदियों और गैर यहूदियों के साथ समता का व्यवहार करता है”। (यू.डी.बी.)

सब नाम लेने वालों के लिए उद्धार है
“वह सब विश्वासियों को विपुल आशिषें देता है”

जो कोई प्रभु का नाम लेगा वह उद्धार पाएगा
“नाम” का अभिप्राय संपूर्ण व्यक्ति से है। इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है, “परमेश्वर उसमें विश्वास करनेवाले हर एक मनुष्य का उद्धार करेगा”।

Romans 10:14

फिर जिस पर उन्होंने विश्वास नहीं किया, वे उसका नाम कैसे लें?
पौलुस प्रश्न पूछने के द्वारा मसीह का शुभ सन्देश उन लोगों तक पहुँचाने के महत्त्व पर बल देता है, जिन्होंने अब तक शुभ सन्देश ही सुना है। यहां “वे” उन लोगों के संदर्भ में है जो परमेश्वर के लोग नहीं हैं। वैकल्पिक अनुवाद, “जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करते उसका नाम नहीं ले सकते हैं”

और जिसके विषय सुना नहीं उस पर कैसे विश्वास करें?
पौलुस उसी कारण के निमित्त एक और प्रश्न पूछता है। वैकल्पिक अनुवाद, “और वे उसमें विश्वास नहीं कर पाते। “या” यदि उन्होंने उसका सन्देश नहीं सुना होता”। या “यदि उन्होंने उसका सन्देश नहीं सुना तो उसमें विश्वास करना संभव नहीं”।

और प्रचारक बिना कैसे सुनें?
पौलुस फिर उसी कारण प्रश्न पूछता है। वैकल्पिक अनुवाद, “और यदि कोई सुनाए नहीं तो वे सन्देश नहीं सुन पाएंगे”

और यदि भेजे न जाएं तो कैसे प्रचार करें?
पौलुस फिर उसी कारण से प्रश्न पूछता है। यह परमेश्वर के लोगों के संबन्ध में कहा गया है। इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है, “और वे शुभ सन्देश सुना नहीं सकते यदि कोई उन्हें भेजे नहीं”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उनके पांव क्या ही सुहावने हें जो अच्छी बातों का सुसमाचार सुनाते हैं।
पौलुस का अभिप्राय “पांव” से है कि अमनशील प्रचारक उन लोगों में शुभ सन्देश सुनाते हैं, जिन्होंने कभी शुभ सन्देश नहीं सुना। वैकल्पिक अनुवाद, “यह अति मनोहर बात है कि सन्देशवाहक आकर हमें शुभ सन्देश सुनाते हैं”।

Romans 10:16

परन्तु सबने उस सुसमाचार पर कान नहीं लगाया
“परन्तु सब यहूदियों ने शुभ सन्देश सुनना नहीं चाहा”

हे प्रभु किसने हमारे समाचार पर विश्वास किया है?
पौलुस इस प्रश्न के संदर्भ द्वारा इस बात पर बल दे रहा है कि यशायाह ने धर्मशास्त्र में अपनी भविष्यद्वाणी लिख दी है कि अनेक यहूदी यीशु में विश्वास नहीं करेंगे। यहां “हमारे” परमेश्वर और यशायाह का बोध करवाता है। वैकल्पिक अनुवाद, “हे प्रभु, उनमें से कितने हैं जो हमारे सन्देश पर विश्वास नहीं करते हैं।

Romans 10:18

परन्तु मैं कहता हूँ, क्या उन्होंने नहीं सुना? सुना तो सही
मैं कहता हूँ, क्या उन्होंने नहीं सुना? सुना तो सही , पौलुस बल देने के लिए प्रश्न करता है। वैकल्पिक अनुवाद, “परन्तु मैं कहता हूँ कि यहूदियों ने निश्चय ही मसीह का शुभ सन्देश सुना है

उनके स्वर सारी पृथ्वी पर और उनके वचन जगत की छोर तक पहुँच गए है।
इन दोनों कथनों का अर्थ एक ही है और महत्त्व उजागर करने के लिए हैं। “उनके सूर्य, चाँद और सितारों के लिए काम में लिया गया है। यहाँ उन्हें मानवीय सन्देशवाहक के रूप में व्यक्त किया गया है जो मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाते हैं। इसका अर्थ है कि उनका अस्तित्व परमेश्वर के सामर्थ्य और उसकी महिमा की गवाही देता है। स्पष्ट किया जा सकता है कि यहां पौलुस धर्मशास्त्र का संदर्भ दे रहा है। वैकल्पिक अनुवाद, “जैसा धर्मशास्त्र में लिखा है, सूर्य, चाँद, और सितारे परमेश्वर के सामर्थ्य और उसकी महिमा का प्रमाण हैं और संसार में हर एक जन उन्हें देखकर परमेश्वर के सत्य को जान पाता है”। (देखें: और और)

Romans 10:19

मैं फिर कहता हूँ, “क्या इस्राएली नहीं जानते थे”?
पौलुस महत्त्व उजागर करने के लिए ही प्रश्न का उपयोग कर रहा है। “इस्राएल शब्द उन लोगों के लिए है जो इस्राएल देश के निकले हैं, वैकल्पिक अनुवाद, “मैं पुनः कहता हूँ कि इस्राएलवासी निश्चय ही शुभ सन्देश का ज्ञान रखते थे”। (देखें: और)

पहले तो मूसा कहता है, "मैं... जलन उपजाऊंगा... रिस दिलाऊंगा।"
इसका अर्थ है मूसा परमेश्वर की वाणी को लिख रहा था। “मैं” अर्थात परमेश्वर और “तुम्हारे” अर्थात इस्त्राएली। वैकल्पिक अनुवाद, “पहले तो मूसा कहता है कि परमेश्वर तुम्हें उपदेश दिलाता है.... परमेश्वर तुम्हें उत्तेजित करता है... ”

जो जाति नहीं
“जो एक जाति नहीं माने जाते हैं”। (यू.डी.बी.) या “उन लोगों के द्वारा जो किसी जाति के नहीं”।

एक मूढ़ जाति के द्वारा
“उस जाति के लोगों के द्वारा जो मुझे या मेरी आज्ञाओं को नहीं जानते”।

तुम्हें रिस दिलाऊंगा
“मैं तुम्हें क्रोध करने पर विवश करूँगा”।

Romans 10:20

फिर यशायाह बड़े हियाव के साथ कहता है
इसका अर्थ है कि यशायाह ने परमेश्वर के वचन लिखे।

जो मुझे नहीं ढांपते थे उन्होंने मुझे पा लिया।
“मुझे” अर्थात परमेश्वर को। इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा भी किया जा सकता है, “यद्यपि अन्य जातियाँ मेरी खोज में नहीं थी, उन्होंने मुझे पा लिया”। भविष्यद्वक्ता भविष्य की बातों की इस प्रकार लिखते थे कि मानों वे हो रही हैं। यह भविष्यद्वाणी की सत्य पूर्ति पर बल देता है। वैकल्पिक अनुवाद, “यद्यपि अन्य जातियों मेरी खोज नहीं करेंगी। वे मुझे पा लेंगी”

मैं प्रगट हो गया
“मैंने अपनी उपस्थिति का बोध करवाया” वैकल्पिक अनुवाद, “मैं अपनी उपस्थिति दर्शाऊंगा”

वह यह कहता है
परमेश्वर यशायाह के माध्यम से कहता है

सारा दिन
इस उक्ति द्वारा परमेश्वर को लगातार प्रयास पर बल दिया गया है। वैकल्पिक अनुवाद, “लगातार”

मैं सारे दिन अपने हाथ एक आज्ञा न मानने वाली और विवाद करने वाली प्रजा की ओर पसारे रहा।
वैकल्पिक अनुवाद, “मैं तुम्हारा स्वागत करने और तुम्हारी सहायता करने का प्रयास किया, परन्तु तुमने मेरी सहायता से इन्कार करके आज्ञा नहीं मानते रहे। “मैं” अर्थात परमेश्वर

Translation Questions

Romans 10:1

पौलुस के मन में अपने भाइयों, इस्राएलियों, के लिए क्या इच्छा थी?
पौलुस इस्राएलियों के उद्धार की इच्छा रखता था।

Romans 10:3

इस्राएली किसका यत्न करते थे?
इस्राएली अपनी धार्मिकता स्थापित करने का यत्न करते थे।

इस्राएली किस बात से अनजान हैं?
इस्राएली परमेश्वर की धार्मिकता से अनजान हैं।

Romans 10:4

मसीह ने व्यवस्था के क्षेत्र में क्या किया है?
मसीह सब विश्वासियों के लिए धार्मिकता की व्यवस्था की पूर्ति है।

Romans 10:8

पौलुस जिस विश्वास के वचन का प्रचार करता था वह कहां है?
विश्वास का वचन निकट है, मुंह और मन में है।

Romans 10:9

मनुष्य के उद्धार के लिए पौलुस क्या कहता है?
पौलुस कहता है कि मनुष्य अपने मुंह से मसीह को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन में विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मृतकों में से जिलाया है।

Romans 10:13

मनुष्य कैसे उद्धार पायेगा?
मसीह का नाम लेने वाला हर एक जन उद्धार पायेगा।

Romans 10:14

पौलुस मनुष्य तक सुसमाचार पहुंचाने के चरणों की कौन सी श्रृंखला बताता है कि मनुष्य प्रभु का नाम ले?
पौलुस कहता है पहले प्रचारक भेजा जाता है तब सुसमाचार सुना जाता है और उस पर विश्वास किया जाता है जिससे कि मनुष्य मसीह का नाम लेता है।

Romans 10:17

विश्वास उत्पन्न करने के लिए क्या सुना जाता है?
मसीह का वचन सुना जाता है और विश्वास उत्पन्न करता है।

Romans 10:18

क्या इस्राएल ने सुसमाचार सुना और जाना था?
हां, इस्राएल ने सुसमाचार सुना था और जानते थे।

Romans 10:19

परमेश्वर ने इस्राएल को रिस दिलाने के लिए अपने किस काम की चर्चा की थी?
परमेश्वर ने कहा कि वह उन लोगों पर प्रकट होकर इस्राएल को रिस दिलाएगा जो उसे पूछते भी नहीं थे।

Romans 10:21

जब परमेश्वर ने इस्राएल की ओर हाथ फैलाये तो क्या पाया?
परमेश्वर ने इस्राएल की ओर हाथ फैलाए तो देखा कि वह आज्ञा न मानने वाली और हठीली प्रजा है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 11

1 इसलिए मैं कहता हूँ, क्या परमेश्वर ने अपनी प्रजा को त्याग दिया? कदापि नहीं! मैं भी तो इस्राएली हूँ; अब्राहम के वंश और बिन्यामीन के गोत्र में से हूँ। **2** परमेश्वर ने अपनी उस प्रजा को नहीं त्यागा, जिसे उसने पहले ही से जाना: क्या तुम नहीं जानते, कि पवित्रशास्त्र एलिय्याह की कथा में क्या कहता है; कि वह इस्राएल के विरोध में परमेश्वर से विनती करता है। (भज. 94:14) **3** "हे प्रभु, उन्होंने तेरे भविष्यद्वक्ताओं को मार डाला, और तेरी वेदियों को ढा दिया है; और मैं ही अकेला बच रहा हूँ, और वे मेरे प्राण के भी खोजी हैं।" (1 राजा. 19:10, 1 राजा. 19:14)

4 परन्तु परमेश्वर से उसे क्या उत्तर मिला "मैंने अपने लिये सात हजार पुरुषों को रख छोड़ा है जिन्होंने बाल के आगे घुटने नहीं टेके हैं।" (1 राजा. 19:18) **5** इसी रीति से इस समय भी, अनुग्रह से चुने हुए कुछ लोग बाकी हैं*।

6 यदि यह अनुग्रह से हुआ है, तो फिर कर्मों से नहीं, नहीं तो अनुग्रह फिर अनुग्रह नहीं रहा। **7** फिर परिणाम क्या हुआ? यह कि इस्राएली जिसकी खोज में हैं, वह उनको नहीं मिला; परन्तु चुने हुओं को मिला और शेष लोग कठोर किए गए हैं। **8** जैसा लिखा है, "परमेश्वर ने उन्हें आज के दिन तक* मंदता की आत्मा दे रखी है और ऐसी आँखें दी जो न देखें और ऐसे कान जो न सुनें।" (व्य. 29:4, यशा. 6:9-10, यशा. 29:10, यहे. 12:2)

9 और दाऊद कहता है,

"उनका भोजन उनके लिये जाल, और फन्दा,
और ठोकर, और दण्ड का कारण हो जाए।
10 उनकी आँखों पर अंधेरा छा जाए ताकि न देखें,
और तू सदा उनकी पीठ को झुकाए रख।" (भज. 69:23)

11 तो मैं कहता हूँ क्या उन्होंने इसलिए ठोकर खाई, कि गिर पड़ें? कदापि नहीं परन्तु उनके गिरने के कारण अन्यजातियों को उद्धार मिला, कि उन्हें जलन हो। (व्य. 32:21) **12** अब यदि उनका गिरना जगत के लिये धन और उनकी घटी अन्यजातियों के लिये सम्पत्ति का कारण हुआ, तो उनकी भरपूरी से कितना न होगा।

13 मैं तुम अन्यजातियों से यह बातें कहता हूँ। जब कि मैं अन्यजातियों के लिये प्रेरित हूँ, तो मैं अपनी सेवा की बड़ाई करता हूँ, **14** ताकि किसी रीति से मैं अपने कुटुम्बियों से जलन करवाकर उनमें से कई एक का उद्धार कराऊँ।

15 क्योंकि जब कि उनका त्याग दिया जाना* जगत के मिलाप का कारण हुआ, तो क्या उनका ग्रहण किया जाना मरे हुओं में से जी उठने के बराबर न होगा? **16** जब भेंट का पहला पेड़ा पवित्र ठहरा, तो पूरा गुँधा हुआ आटा भी पवित्र है: और जब जड़ पवित्र ठहरी, तो डालियाँ भी ऐसी ही हैं।

17 और यदि कई एक डाली तोड़ दी गई, और तू जंगली जैतून होकर उनमें साटा गया, और जैतून की जड़ की चिकनाई का भागी हुआ है। **18** तो डालियों पर घमण्ड न करना; और यदि तू घमण्ड करे, तो जान रख, कि तू जड़ को नहीं, परन्तु जड़ तुझे सम्भालती है।

19 फिर तू कहेगा, "डालियाँ इसलिए तोड़ी गई, कि मैं साटा जाऊँ।" **20** भला, वे तो अविश्वास के कारण तोड़ी गई, परन्तु तू विश्वास से बना रहता है इसलिए अभिमानी न हो, परन्तु भय मान, **21** क्योंकि जब परमेश्वर ने स्वाभाविक डालियाँ न छोड़ी, तो तुझे भी न छोड़ेगा।

22 इसलिए परमेश्वर की दयालुता और कड़ाई को देख! जो गिर गए, उन पर कड़ाई, परन्तु तुझ पर दयालुता, यदि तू उसमें बना रहे, नहीं तो, तू भी काट डाला जाएगा।

23 और वे भी यदि अविश्वास में न रहें, तो साटे जाएँगे क्योंकि परमेश्वर उन्हें फिर साट सकता है। **24** क्योंकि यदि तू उस जैतून से, जो स्वभाव से जंगली है, काटा गया और स्वभाव के विरुद्ध* अच्छी जैतून में साटा गया, तो ये जो स्वाभाविक डालियाँ हैं, अपने ही जैतून में साटे क्यों न जाएँगे।

25 हे भाइयों, कहीं ऐसा न हो, कि तुम अपने आप को बुद्धिमान समझ लो; इसलिए मैं नहीं चाहता कि तुम इस भेद से अनजान रहो, कि जब तक अन्यजातियाँ पूरी रीति से प्रवेश न कर लें, तब तक इस्राएल का एक भाग ऐसा ही कठोर रहेगा।

26 और इस रीति से सारा इस्राएल उद्धार पाएगा; जैसा लिखा है,

"छुड़ानेवाला सिय्योन से आएगा,
और अभक्ति को याकूब से दूर करेगा। (यशा. 59:20)
27 और उनके साथ मेरी यही वाचा होगी,
जब कि मैं उनके पापों को दूर कर दूँगा।" (यशा. 27:9, यशा. 43:25)

28 वे सुसमाचार के भाव से तो तुम्हारे लिए वे परमेश्वर के बैरी हैं, परन्तु चुन लिये जाने के भाव से पूर्वजों के कारण प्यारे हैं। **29** क्योंकि परमेश्वर अपने वरदानों से, और बुलाहट से कभी पीछे नहीं हटता।

30 क्योंकि जैसे तुम ने पहले परमेश्वर की आज्ञा न मानी परन्तु अभी उनके आज्ञा न मानने से तुम पर दया हुई। **31** वैसे ही उन्होंने भी अब आज्ञा न मानी कि तुम पर जो दया होती है इससे उन पर भी दया हो। **32** क्योंकि परमेश्वर ने सब को आज्ञा न मानने के कारण बन्द कर रखा ताकि वह सब पर दया करे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

33 अहा, परमेश्वर का धन और बुद्धि और ज्ञान क्या ही गम्भीर है! उसके विचार कैसे अथाह, और उसके मार्ग कैसे अगम हैं!

34 “प्रभु कि बुद्धि को किस ने जाना?
या कौन उनका सलाहकार बन गया है? (अय्यू. 15:8, यिर्म. 23:18)
35 या किस ने पहले उसे कुछ दिया है
जिसका बदला उसे दिया जाए?” (अय्यू. 41:11)

36 क्योंकि उसकी ओर से, और उसी के द्वारा, और उसी के लिये सब कुछ है: उसकी महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन।

Romans 11:1

इसलिए मैं कहता हूँ
“इसलिए मैं पौलुस कहता हूँ”

क्या परमेश्वर ने अपनी प्रजा को त्याग दिया?
पौलुस यह प्रश्न इसलिए पूछता है कि यहूदियों के प्रश्नों का उत्तर दे क्योंकि वे अन्यजातियों के परमेश्वर के लोग होने से अप्रसन्न थे और उनके हृदय कठोर हो गए थे।

कदापि नहीं।
“यह संभव नहीं”। या “निश्चय ही नहीं”। इस उक्ति से प्रबल इन्कार होता है कि ऐसा होगा। आप उसकी भाषा में समानार्थक अभिव्यक्ति यहाँ काम में लेना चाहेंगे। देखें कि आपने इसका अनुवाद में कैसे किया है।

बिन्यामीन के गोत्र में से हूँ
परमेश्वर ने इस्राएल को बारह गोत्रों में विभाजित किया था उनमें से एक गोत्र अर्थात बिन्यामीन का वंशज हूँ।

उसने पहले ही से जाना
“वह समय से पहले ही उसे जानता था”।

क्या तुम नहीं जानते कि पवित्रशास्त्र एलिय्याह के विषय में क्या कहता है...?
“निश्चय ही तुम जानते हो कि धर्मशास्त्र में लिखा है कि एलिय्याह ने इस्त्राएल के विरूद्ध परमेश्वर से विनती की थी

पवित्रशास्त्र क्या कहता है?
पौलुस धर्मशास्त्र का संदर्भ दे रहा है

उन्होंने ....घात किया
इस्त्रालियों ने घात किया

मैं ही अकेला बचा हूँ
यहाँ सर्वनाम “मैं” एलिय्याह के लिए है।

Romans 11:4

परमेश्वर कैसे उत्तर क्या ?
पौलुस इस प्रश्न के द्वारा पाठकों को अपनी अगली बात पर ला रहा है

परमेश्वर उसे क्या कहता है?
“परमेश्वर कैसे उत्तर देता है”?

उसे
“उसे” अर्थात एलिय्याह को

सात हजार पुरूषों
“7,000 पुरूष”

Romans 11:6

यदि यह अनुग्रह से हुआ है
पौलुस समझा रहा है कि परमेश्वर की दया कैसे काम करती है। “परन्तु क्योंकि परमेश्वर की दया अनुग्रह से कार्य करती है”।

तो फिर?
“हमें क्या निष्कर्ष निकालना होगा? वैकल्पिक अनुवाद, “हमें यह स्मरण रखना है”

परमेश्वर ने उन्हें .... भारी नींद में डाल रखा है और ऐसी आँखें दी जो न देखें और ऐसे कान जो न सुनें
यह उनकी आत्मिक कठोरता के लिए प्रयुक्त एक रूपक है। वे आत्मिक सत्य को न तो देख सके और न ही सुन सके।

ऐसी आँखे दी जो न देखेंउत्तर दिया
आँख से देखने का अर्थ है, समझ प्राप्त करना।

ऐसे कान जो न सुनें
कानों से सुनना आज्ञापालन के लिए प्रयुक्त रूपक है

Romans 11:9

उनका भोजन उनके लिए जाल और फंदा
“भोजन” अर्थात उनकी दावतें और “जाल और फंदा” अर्थात दण्ड”। “हे परमेश्वर उन्हें पकड़ कर उनकी दावतों में ही उन्हें फंसा दे”।

ठोकर ... का कारण
“पाप का कारण”

और दण्ड का कारण
“ऐसा कारण कि उनसे तू बदला ले”

तू सदा उनकी पीठ को झुकाए रख
दाऊद परमेश्वर से याचना करता है कि वह उसके बैरियों को दास बना दे जो सदा अपनी पीठ पर भारी बोझ उठाए रहते हैं।

Romans 11:11

क्या उन्होंने इसलिए ठोकर खाई कि गिर पड़ें?
“क्या परमेश्वर ने उनके पापों के कारण उनका सदा के लिए त्याग कर दिया?”

कदापि नहीं।
“यह संभव नहीं”। या “निश्चय ही नहीं” इस उक्ति से ऐसा होना प्रबलता से इन्कार किया गया है। आपकी भाषा में यहाँ काम में लेने हेतु समानार्थक उक्ति हो सकती है। देखें आने अनुवाद कैसे किया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

कि उन्हें जलन हो
इसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

Romans 11:13

जलन करवा कर
इसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

Romans 11:15

उनका
यह सर्वनाम यहूदी अविश्वासियों के स्थान पर है।

मरे हुओं में से जी उठने के बराबर
“तो जब वे मसीह में विश्वास करेंगे तो परमेश्वर उन्हें कैसे ग्रहण करेगा? यह ऐसा होगा जैसे वे मर कर जी उठे”।

भेंट का पहला पेड़ा पवित्र ठहरा तो पूरा गूंधा हुआ आटा भी पवित्र है।
पौलुस अब्राहम, इसहाक और याकूब इस्त्राएलियों के पूर्वजों की तुलना कर रहा है कि वे फसल का पहला फल थे और उनके वंशज इस्त्राएली बाद की गेहूँ की फसल का आटा हैं।

जब जड़ पवित्र ठहरी तो डालियां भी ऐसी हैं
पौलुस इस्त्राएलियों के पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब की तुलना जड़ से कर रहा है और उनके वंशजों, इस्त्राएलियों की तुलना डालियों से कर रहा है।

पवित्र
पवित्र लोग परमेश्वर के हैं और परमेश्वर की सेवा एवं महिमान्वन के लिए अलग कर दिए गए हैं।

Romans 11:17

x
पौलुस अन्यजाति विश्वासियों को इस प्रकार संबोधित कर रहा है कि वे मानों एक ही व्यक्ति हैं

और तू जंगली जैतून होकर
“तू” सर्वनाम शब्द और “जंगली जैतून” यीशु के द्वारा उद्धार प्राप्त करने वाले अन्य जाति विश्वासी हैं।

उनमें से साटा गया
“अन्य शाखाओं के साथ वृक्ष में रोपित किया गया”

जैतून की जड़ की चिकनाई का भागी हुआ
परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं का भागी हुआ

तो डालियों पर घमण्ड न करना
“यह नहीं कहना कि तू परमेश्वर के परित्यक्त यहूदियों से उत्तम है”।

तू जड़ को नहीं परन्तु जड़ तुझे संभालती है
“तू परमेश्वर से आशिष पाता है परमेश्वर तुझ से नहीं”

Romans 11:19

x
पौलुस अन्यजाति विश्वासियों को इस प्रकार संबोधित कर रहा है कि वे मानों एक ही व्यक्ति हैं

डालियाँ इसलिए तोड़ी गई
यह उक्ति यहूदियों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने त्याग दिया। इसको कर्तृवाच्य में बदला जा सकता है, “परमेश्वर ने शाखाओं को तोड़ दिया

मैं साटा जाऊं
यह उक्ति अन्यजाति विश्वासियों के संदर्भ मे है जिन्हें परमेश्वर ने स्वीकार कर लिया है। इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में भी किया जा सकता है, “कि वह मुझे रोपित करे”।

वे तोड़े गये
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया में भी किया जा सकता है, “उसने उन्हें तोड़”

वे
अर्थात विश्वास न करने वाले यहूदी

तू विश्वास से बना रहता है
“परन्तु अपने विश्वास के कारण जुड़ा हुआ है”।

जब परमेश्वर ने स्वाभाविक डालियों को न छोड़ा तो तुझे भी न छोड़ेगा।
“क्योंकि यदि परमेश्वर स्वाभाविक शाखाओं को नहीं छोड़ता है तो तुझे भी नहीं छोड़ेगा”

स्वाभाविक डालियों
अर्थात यहूदी जनों

Romans 11:22

x
पौलुस अन्यजाति विश्वासियों को इस प्रकार संबोधित कर रहा है कि वे मानों एक ही व्यक्ति हैं

परमेश्वर की कृपा और कड़ाई
पौलुस अन्यजाति विश्वासियों को स्मरण करवा रहा है कि परमेश्वर यद्यपि उनके साथ दया का व्यवहार करे वह उनका न्याय करने और उन्हें दण्ड देने में संकोच नहीं करेगा।

नहीं तो तू भी काट डाला जाएगा।
“अन्यथा परमेश्वर तुझे भी काट देगा”

Romans 11:23

x
पौलुस अन्यजाति विश्वासियों को इस प्रकार संबोधित कर रहा है कि वे मानों एक ही व्यक्ति हैं

वे भी यदि अविश्वासी न रहें
“यदि यहूदी मसीह में विश्वास कर लें”

तो साटे जाएंगे
“परमेश्वर उन्हें पुनः रोपित कर देगा”

साटे
यह एक प्रक्रिया है जिसमें एक वृक्ष की टहनी दूसरे वृक्ष में प्रत्यारोपित की जाती है कि वह उसमें उगने लगे।

यदि तू उस जैतून से जो स्वभाव से जंगली है, काटा गया और स्वभाव के विरूद्ध अच्छे जैतून में साटा गया तो वे जो स्वाभाविक डालियाँ हैं अपने ही जैतून में क्यों न सांटे जाएंगे।
पौलुस परमेश्वर के लोगों की तुलना वृक्ष की डालियों से कर रहा है वैकल्पिक अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया में, “यदि परमेश्वर तुम्हें उस जैतून के वृक्ष में से काट

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

कर निकाल लिया जो स्वभाव से जंगली है और प्रकृति के विरूद्ध तुम्हें अच्छे जैतून के वृक्ष में प्रत्यरोपित कर दिया है तो वह इन यहूदियों को कितना अधिक अपने ही जैतून के वृक्ष में रोपित करेगा जो स्वभाव से उसकी अपनी टहनियाँ हैं।

वे... अपने
अर्थात यहूदी

Romans 11:25

मैं
"मैं" सर्वनाम पौलुस के लिए है।

तुम...तुम... तुम्हारा
अर्थात अन्यजाति विश्वासी

तुम अपने आपको बुद्धिमान समझ लो
"कि तुम अपने आपको आवश्यकता से अधिक बुद्धिमान न समझो" अन्यजाति विश्वासी स्वयं को अविश्वासी यहूदियों से अधिक बुद्धिमान समझने की भूल कर सकते थे

तुम अपने आपको बुद्धिमान समझ लो
कुछ यहूदियों ने मसीह के द्वारा उद्धार को ग्रहण करना स्वीकार नहीं किया था।

जब तक अन्य जातियाँ पूरी रीति से प्रवेश न कर लें
"जब तक" का यहाँ अर्थ है कि जब परमेश्वर अन्य जातियों को कलीसिया में ले आयेगा तब अनेक यहूदी विश्वास करेंगे।

Romans 11:26

इस रीति से सारा इस्राएल उद्धार पायेगा
इस वाक्य का अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया में किया जा सकता है, "इस प्रकार परमेश्वर संपूर्ण इस्त्राएल का उद्धार करेगा"।

सारा इस्राएल उद्धार पायेगा
यह एक अतिशयोक्ति है। अनेक यहूदी उद्धार पायेंगे।

Romans 11:28

एक ओर...दूसरी ओर
यह एक ही विषय के दो तथ्यों की तुलना हेतु है। पौलुस इसके द्वारा यह दिखाना चाहता है कि परमेश्वर ने यहूदियों का परित्याग तो किया है परन्तु वह अब भी उनसे प्रेम करता है।

वह तुम्हारे कारण बैरी बने है
परमेश्वर तुम अन्यजाति विश्वासियों के कारण यहूदियों से घृणा करता है। परमेश्वर ने अन्य जातियों से इतना अधिक प्रेम किया कि यहूदियों के लिए उसका प्रेम घृणा सा प्रतीत हाने लगा।

क्योंकि परमेश्वर के वरदान और बुलाहट अटल है।
"क्योंकि परमेश्वर के वरदान और उसकी बुलाहट बदल नहीं सकते है"।

Romans 11:30

जैसे तुमने पहले परमेश्वर की आज्ञा न मानी
"पहले तो तुम आज्ञा माननेवाले न थे"। "तुम सर्वनाम शब्द अन्यजाति विश्वासियों के लिए बहुवचन में है।

परमेश्वर ने सबको... अनाज्ञाकारिता में चुप कर दिया।
इसका अर्थ यह भी हो सकता है, कि परमेश्वर ने सबको उसकी आज्ञा न मानने में अक्षम बना कर रखा है, जैसे बन्दी कारागार से बचकर नहीं निकल सकते। "परमेश्वर ने सब को उनकी अवज्ञा का बन्दी बनाकर रखा है"।

Romans 11:33

परमेश्वर का धन और बुद्धि और ज्ञान क्या ही गंभीर हैं
"परमेश्वर की बुद्धि और उसके ज्ञान दोनों ही की गहराई का धन कैसा अद्भुत है"।

और उसका न्याय समझ से परे है उसके विचार कैसे अथाह ...है।
"हम उसके निर्णयों को समझने में पूर्णतः अक्षम हैं और वह हमारे लिए कैसे काम करता है उसके मार्ग जानने में सक्षम नहीं"

Romans 11:35

उसे
11:35 में सर्वनाम "उसे" उस व्यक्ति के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर को देता है।

जिसका बदला उसे दिया जाए
"कि परमेश्वर उसे बदला चुकाए"

उसे
11:36 में "उसे" अर्थात परमेश्वर को

Translation Questions

Romans 11:1

तो क्या परमेश्वर ने इस्राएल को त्याग दिया है?
कदापि नहीं।

Romans 11:5

क्या पौलुस कहता है कि विश्वासी इस्राएली बचे हैं, और यदि हैं तो वे सुरक्षित कैसे किए गए हैं?
पौलुस कहता है कि इस्राएल के परमेश्वर के शेष जन है, जो अनुग्रह के चुनाव से सुरक्षित किए जाते हैं।

Romans 11:7

इस्राएलियों में किसका उद्धार हुआ और शेष का क्या हुआ?
इस्राएलियों में जो चुने गए थे उनका उद्धार हो गया शेष जन कठोर हो गए।

Romans 11:8

परमेश्वर द्वारा उन्हें नींद में रखने का परिणाम सुसमाचार ग्रहण करने वालों का क्या हुआ?
नींद के कारण उनकी आंखें देख नहीं पाई और उनके कान सुन नहीं पाए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 11:11

इस्राएल ने सुसमाचार ग्रहण करने से इन्कार किया तो उससे क्या भलाई उत्पन्न हुई?
अन्य जातियों का उद्धार हुआ।

अन्य जातियों के उद्धार से इस्राएल पर क्या प्रभाव पड़ा?
अन्य जातियों का उद्धार इस्राएलियों के मन में ईर्ष्या उत्पन्न करेगा।

Romans 11:13

पौलुस द्वारा जैतून के वृक्ष की जड़े और जंगली डालियों की उपमा में जड़ कौन है और डालियां कौन है?
इस्राएल जड़ है और अन्य जातियां डालियां हैं।

Romans 11:18

पौलुस कहता है कि जंगली डालियों को किस स्वभाव से बचना है?
पौलुस कहता है कि जंगली डालियां को उन प्राकृतिक डालियों के विरुद्ध घमण्ड नहीं करना है।

Romans 11:20

पौलुस जंगली डालियों को क्या चेतावनी देता है?
पौलुस जंगली डालियों को चेतावनी देता है कि परमेश्वर ने अविश्वास के लिए स्वाभाविक डालियों को नहीं छोड़ा तो वह जंगली डालियों को भी नहीं छोड़ेगा।

Romans 11:23

स्वभाविक डालियां यदि अविश्वास में न रहें तो परमेश्वर उनके साथ क्या कर सकता है?
परमेश्वर उन स्वभाविक डालियों को अविश्वास में नहीं रहें पुनः जैतून के वृक्ष में रोपित कर सकता है।

Romans 11:25

इस्राएल का एक भाग कब तक कठोर बना रहेगा?
इस्राएल का एक भाग कब तक कठोर बना रहेगा जब तक अन्य जातियां इसी रीति से प्रवेश कर लें।

Romans 11:28

उनकी अवज्ञा के उपरान्त भी परमेश्वर इस्राएल से क्यों अब तक प्रेम करता है?
परमेश्वर इस्राएलियों को प्रेम अब भी करता है, उनके पूर्वजों के कारण क्योंकि वह बदलता नहीं।

Romans 11:30

परमेश्वर ने यहूदी और इस्राएली दोनों ही को क्या कहा है?
यहूदी और अन्य जाति दोनों ही ने आज्ञा नहीं मानी है।

परमेश्वर ने अवज्ञाकारों को क्या दिखाई है?
परमेश्वर ने यहूदी और अन्य जाति दोनों ही के अवज्ञाकारियों पर दया की है।

Romans 11:33

परमेश्वर के निर्णयों को समझने और उसे परामर्श देने का काम क्या कोई कर सकता है?
परमेश्वर के निर्णयों को कौन समझ सकता है और कौन उसे परामर्श दे सकता है?

Romans 11:36

कैसे तीन रूपों में सब कुछ परमेश्वर से संबन्धित है?
सब कुछ उसी की ओर से, उसी के द्वारा और उसी के लिए है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 12

1 इसलिए हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिलाकर विनती करता हूँ, कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ
बलिदान करके चढ़ाओ; यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है।

2 और इस संसार के सदृश न बनो*; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नये हो जाने से तुम्हारा चाल-चलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की भली, और भावती,
और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।

3 क्योंकि मैं उस अनुग्रह के कारण जो मुझ को मिला है, तुम में से हर एक से कहता हूँ, कि जैसा समझना चाहिए, उससे बढ़कर कोई भी अपने आप को न
समझे; पर जैसा परमेश्वर ने हर एक को परिमाण के अनुसार बाँट दिया है, वैसा ही सुबुद्धि के साथ अपने को समझे।

4 क्योंकि जैसे हमारी एक देह में बहुत से अंग हैं, और सब अंगों का एक ही जैसा काम नहीं; **5** वैसा ही हम जो बहुत हैं, मसीह में एक देह होकर आपस में एक
दूसरे के अंग हैं।

6 और जब कि उस अनुग्रह के अनुसार जो हमें दिया गया है, हमें भिन्न-भिन्न वरदान मिले हैं, तो जिसको भविष्यद्वाणी का दान मिला हो, वह विश्वास के परिमाण
के अनुसार भविष्यद्वाणी करे। **7** यदि सेवा करने का दान मिला हो, तो सेवा में लगा रहे, यदि कोई सिखानेवाला हो, तो सिखाने में लगा रहे; **8** जो उपदेशक हो,
वह उपदेश देने में लगा रहे; दान देनेवाला उदारता से दे, जो अगुआई करे, वह उत्साह से करे, जो दया करे, वह हर्ष से करे।

9 प्रेम निष्कपट हो; बुराई से घृणा करो; भलाई में लगे रहो। (आमो. 5:15) **10** भाईचारे के प्रेम* से एक दूसरे पर स्नेह रखो; परस्पर आदर करने में एक दूसरे से
बढ़ चलो।

11 प्रयत्न करने में आलसी न हो; आत्मिक उन्माद में भरे रहो; प्रभु की सेवा करते रहो। **12** आशा के विषय में, आनन्दित; क्लेश के विषय में, धैर्य रखें; प्रार्थना
के विषय में, स्थिर रहें। **13** पवित्र लोगों को जो कुछ अवश्य हो, उसमें उनकी सहायता करो; पहुनाई करने में लगे रहो।

14 अपने सतानेवालों को आशीष दो; आशीष दो श्राप न दो। **15** आनन्द करनेवालों के साथ आनन्द करो, और रोनेवालों के साथ रोओ। (भज. 35:13) **16**
आपस में एक सा मन रखो; अभिमानी न हो; परन्तु दीनों के साथ संगति रखो; अपनी दृष्टि में बुद्धिमान न हो। (नीति. 3:7, यशा. 5:21)

17 बुराई के बदले किसी से बुराई न करो; जो बातें सब लोगों के निकट भली हैं, उनकी चिन्ता किया करो। **18** जहाँ तक हो सके, तुम भरसक सब मनुष्यों के
साथ मेल मिलाप रखो*।

19 हे प्रियों अपना बदला न लेना; परन्तु परमेश्वर को क्रोध का अवसर दो, क्योंकि लिखा है, “बदला लेना मेरा काम है, प्रभु कहता है मैं ही बदला दूँगा।” (व्य.
32:35)

> **20** परन्तु “यदि तेरा बैरी भूखा हो तो उसे खाना खिला,
> यदि प्यासा हो, तो उसे पानी पिला;
> क्योंकि ऐसा करने से तू उसके सिर पर आग के अंगारों का ढेर लगाएगा।” (नीति. 25:21-22)

21 बुराई से न हारो परन्तु भलाई से बुराई को जीत लो।

Romans 12:1

इसलिए हे भाइयों, मैं तुमसे परमेश्वर की दया स्मरण दिलाकर विनती करता हूँ
“मेरे विश्वासी भाइयों, परमेश्वर ने तुम पर जो महान दया दर्शाई है, मैं चाहता हूँ”

अपने शरीरों को जीवित... बलिदान करके चढ़ाओ
यहाँ पौलुस “शरीरों” शब्द के उपयोग द्वारा संपूर्ण व्यक्तित्व का संदर्भ दे रहा है। पौलुस मसीही विश्वासी परमेश्वर का आज्ञाकारी की तुलना एक बलि पशु से करता है जिसे यहूदी परमेश्वर को चढ़ाते थे। वैकल्पिक अनुवाद, “जीवित रहते समय ही अपने आपको परमेश्वर को बलिदान कर दो जैसे कि तुम मन्दिर की वेदी पर एक मृतक बलि हो”। (देखें: और)

पवित्र और परमेश्वर को भावता हुआ
इसके अर्थ हो सकते हैं 1) नैतिकता में परिशुद्ध, “परमेश्वर को भावता “ या 2) “परमेश्वर ही को समर्पित एवं उसे ग्रहणयोग्य”

यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है।
उसके संभावित अर्थ है, 1) परमेश्वर की उपासना की उचित विधि”, या 2) इस प्रकार तुम अपनी आत्मा में परमेश्वर” की उपासना करते हैं।

इस संसार के सदृश्य न बनो
इसके अर्थ हो सकते हैं, 1) “संसार के जैसा आचरण मत रखो” (देखें यू.डी.बी.) या 2) “संसार के जैसी मानसिकता मत रखो”।

सदृश्य न बनो
इसके अर्थ हो सकते हैं, 1) “संसार के जैसा आचरण मत रखो” (देखें यू.डी.बी.) या 2) “संसार के जैसी मानसिकता मत रखो”।

इस संसार
इस संसार के अविश्वासियों के

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुम्हारे मन के नए हो जाने से
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा भी किया जा सकता है, “परन्तु परमेश्वर को अपनी मानसिकता बदलने दो” या “परमेश्वर को अपना आचरण बदलने दो, अपनी मानसिकता के परिवर्तन द्वारा”।

Romans 12:3

उस अनुग्रह के कारण जो मुझ को मिला है
यहाँ “अनुग्रह” से पौलुस का अभिप्राय है परमेश्वर द्वारा पौलुस का प्रेरित होना और कलीसिया का अगुवा होना चुना जाना। वैकल्पिक अनुवाद, “क्योंकि परमेश्वर ने मुझे प्रेरित होने के लिए अनमोल चुना है”

जैसा समझना चाहिए उससे बढ़कर कोई भी अपने को न समझे।
“कि कोई यह न समझे कि वह दूसरे से बढ़कर है”।

सुबुद्धि के साथ अपने को समझे
इसका अनुवाद नए वाक्य में किया जा सकता है, “परन्तु तुम अपने को क्या समझते हो बुद्धि से समझो”।

जैसा परमेश्वर ने हर एक को विश्वास परिमाण के अनुसार बाँट दिया है
“क्योंकि परमेश्वर ने तुम्हें उचित समझने के लिए विश्वास का परिमाण दिया है।”

Romans 12:4

क्योंकि
पौलुस यह समझा रहा है कि मसीही विश्वासी स्वयं को किसी से बड़ा क्यों न समझें।

जैसे हमारी एक देह में बहुत से अंग हैं
पौलुस सब मसीही विश्वासियों की तुलना देह के अंगों से करता है। यह इस बात पर बल देता है कि विश्वासी विभिन्न रूपों में मसीह की सेवा करें, प्रत्येक विश्वासी मसीह का है और उसकी सेवा महत्त्वपूर्ण है।

अंग
जैसे आँख, पेट और हाथ

आपस में एक दूसरे के अंग हैं।
"प्रत्येक विश्वासी दुसरे विश्वासी की देह का अंग है। (देखें: \ ) वैकल्पिक अनुवाद, "प्रत्येक विश्वासी अन्य सब विश्वासियों से जुड़ा है।

Romans 12:6

इस अनुग्रह के अनुसार जो हमें दिया गया है हमें भिन्न-भिन्न वरदान मिले हैं।
“परमेश्वर ने हममें से हर एक को अनमोल योग्यता प्रदान की है कि उसके लिए विभिन्न कार्य करें”।

विश्वास के परिणाम के अनुसार ... करें।
इसके संभावित अर्थ हैं 1) “वह परमेश्वर प्रदत्त विश्वास के परिमाण के परे की भविष्यद्वाणी न करे “ या 2) वह हमारी विश्वास की शिक्षा से सुसंगत भविष्यद्वाणी करे”।

दान देने वाला उदारता से दान दे
इसका अर्थ स्पष्ट किया जा सकता है, “यदि किसी को पैसा या वस्तुएं देने का वरदान मिला है”

Romans 12:9

प्रेम निष्कपट हो
वैकल्पिक अनुवाद, “प्रेम सत्यनिष्ठ हो” या “प्रेम सच्चा हो”।

भाईचारे के प्रेम से एक दूसरे से स्नेह रखो
पौलुस 9 बातों की सूची देता है और विश्वासियों को समझाता है कि उन्हें किस प्रकार के लोग होना है। आपको कुछ बातों का अनुवाद, “की बात है... तो करो” सूची है।

भाईचारे का प्रेम
“तुम अपने विश्वासी भाइयों से ऐसा प्रेम रखो”

स्नेह रखो
वैकल्पिक अनुवाद, “परिवार के सदस्यों की नाई” निष्ठावान बने रहो”

आदर करने में एक दूसरे से बढ़ चलो
“एक दूसरे का सम्मान एवं आदर करो” या एक नया वाक्य बनाएं “तुम्हें अपने विश्वासी भाई का सम्मान कैसे करना है उसका आदर करो”

Romans 12:11

x
पौलुस विश्वासियों को समझा रहा है कि उन्हें किस प्रकार के मनुष्य होना चाहिएं। सूची का आरंभ में हुआ है।

प्रयत्न करने में आलसी न हो
“अपने कर्तव्य पालन में आलसी न हो परन्तु आत्मा के अनुसरण के जिज्ञासु होकर प्रभु की सेवा करो”।

हियाव करो, आनन्दित रहो
“आनन्द करो कि हमारी हियाव परमेश्वर में है”

क्लेश में स्थिर रहो
यह एक नया वाक्य हो सकता है, “कठिन समयों में धीरज रखो”।

प्रार्थना में नित्य लगे रहो
यह एक नया वाक्य हो सकता है, “सदा प्रार्थना में लगे रहना मत भूलो”।

पवित्र लोगों को जो कुछ आवश्यक हो उसमें उनकी सहायता करो।
यह उस सूची की अन्तिम बात है जो में आरंभ हुई, “पवित्र जनों की आवश्यकता में उनके साथ बाँटों” या “जहाँ तक... “ या “जब विश्वासी भाई परेशानी में हों तो उनकी आवश्यकता में सहायता करो।

पहुंनाई करने में लगे रहो
“जब उन्हें ठहरने का स्थान चाहिए तो अपने घरों में उनका स्वागत करो”

Romans 12:14

आपस में एक सा मन रखो
वैकल्पिक अनुवाद, “आपस में सहमति रखो” या “एक दूसरे के साथ मेल-मिलाप से रहो”

अभिमानी न हो
“अपने आप को दूसरे से बड़ा न समझो”

दीनों के साथ संगति रखो
“जो लोग महत्त्वपूर्ण प्रतीत न हों उनका सम्मान करो”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अपनी दृष्टि में बुद्धिमान न हो
“स्वयं को सबसे अधिक बुद्धिमान न समझो”।

Romans 12:17

x
12:17 - में पौलुस विश्वासियों को समझाता हूँ कि बुराई करने वालों के साथ कैसा व्यवहार करें।

बुराई के बदले किसी से बुराई न करो
“तुम्हारे साथ जिसने बुराई की है उसके साथ बुराई मत करो”।

जो बातें सब लोगों के निकट भली हैं उनकी चिन्ता किया करो।
“ऐसे काम करो जिन्हें सब लोग अच्छा मानते हैं”

तुम भरसक सब मनुष्यों के साथ मेल मिलाप रखो
“यथासंभव प्रयास करके सबके साथ मेल मिलाप रखो”

जहाँ तक हो सके
“जितना तुम्हारे वश में है”

Romans 12:19

x
पौलुस विश्वासियों को समझा रहा है कि बुराई करनेवालों के साथ कैसा व्यवहार करें में आरंभ हुआ है।

बदला लेना मेरा काम है, प्रभु कहता है, मैं ही बदला दूँगा”
इन दोनों उक्तियों का एक ही अर्थ है और इनको दो बार कहना महत्त्व उजागर करने के लिए है। वैकल्पिक अनुवाद, “मैं निश्चय ही तुम्हारा बदला लूँगा”

तेरा बैरी भूखा हो तो उसे खाना खिला यदि प्यासा है तो उसे पानी पिला... क्योंकि ऐसा करने से....ढेर लगाएगा....बुराई से न हारो परन्तु भलाई से बुराई को जीत लो।
“तुम और तेरा” एक ही शक्ति को संबोधित किए गए हैं

यदि तेरा बैरी भूखा हो.... उसके सिर पर
12:20 में पौलुस धर्मशास्त्र के एक और अंश का उद्धरण देता है। वैकल्पिक अनुवाद, “क्योंकि लिखा है, यदि तेरा बैरी भूखा हो.... उसके सिर पर

उसे खाना खिला
उसे खाना खिला - “उसे भोजन दो”

उसके सिर पर आग के अंगार का ढेर लगायेगा
पौलुस बैरियों के दण्ड की तुलना आग के अंगारों के ढेर से करता है जो उनके सिर पर डाला जाएगा। इसके संभावित अर्थ हैं, 1) “तुम्हारे साथ दुर्व्यवहार करने वाले को उसके बुरे काम का बोध हो” या 2) “परमेश्वर को अवसर दो कि वह तुम्हारे बैरी को कठोर दण्ड दे।

बुराई से न हारो, परन्तु भलाई से बुराई को जीत लो।
पौलुस “बुराई” की चर्चा इस प्रकार कर रहा है कि मानों वह एक जीवित प्राणी हो। इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा भी किया जा सकता है। “बुरे मनुष्यों को अपने पर विजयी न होने दो, परन्तु भलाई के द्वारा बुरे मनुष्य को जीत लो”। (देखें: और)

Translation Questions

Romans 12:1

विश्वासी के लिए परमेश्वर को चढ़ाने वाला बलिदान क्या है?
विश्वासी की आत्मिक सेवा है कि वह परमेश्वर को स्वयं का जीवित बलिदान चढ़ाए।

Romans 12:2

विश्वासी में नया मन उसे किस योग्य बनाता है?
मन नया हो जाने से विश्वासी परमेश्वर की भली, भावती और सिद्ध इच्छा अनुभव से ज्ञात कर लेते हैं।

Romans 12:3

विश्वासी स्वयं को क्या न समझे?
विश्वासी को जैसा स्वयं को समझना है उससे बढ़कर वह स्वयं को न समझे।

Romans 12:4

विश्वासी मसीह में एक दूसरे से कैसे संबन्धित हैं?
विश्वासी सब मसीह में एक देह हैं और व्यक्तिगत रूप से एक दूसरे के सदस्य हैं।

Romans 12:6

हर एक विश्वासी परमेश्वर प्रदत्त वरदान का क्या करे?
प्रत्येक विश्वासी को विश्वास के परिमाण के अनुसार वरदानों का उपयोग करना है।

Romans 12:10

विश्वासी परस्पर कैसा व्यवहार करें?
विश्वासी एक दूसरे से प्रेम रखें और एक दूसरे का सम्मान करें।

Romans 12:13

विश्वासियों को पवित्र जनों की आवश्यकताओं के लिए क्या करना चाहिए?
विश्वासियों को पवित्र जनों की आवश्यकता में हाथ बंटाना चाहिए।

Romans 12:14

विश्वासी अपने सताने वालों के लिए क्या करें?
विश्वासी अपने सताने वालों को कोसे नहीं; आशीर्वाद दें।

Romans 12:16

विश्वासी दीनों के साथ कैसा व्यवहार करें?
विश्वासी दीनों को ग्रहण करें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 12:18

विश्वासी भरसक प्रयास करके क्या करें?
यथासंभव सब मनुष्यों के साथ विश्वासी मेल रखें।

Romans 12:19

विश्वासियों को बदला क्यों नहीं लेना चाहिए?
विश्वासी बदला न लें क्योंकि बदला लेना परमेश्वर का काम है।

Romans 12:21

विश्वासी बुराई को कैसे जीतें?
विश्वासी भलाई से बुराई को जीत लें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 13

1 हर एक व्यक्ति प्रधान अधिकारियों के अधीन रहे; क्योंकि कोई अधिकार ऐसा नहीं, जो परमेश्वर की ओर से न हो; और जो अधिकार हैं, वे परमेश्वर के ठहराए
हुए हैं। (तीतु. 3:1) **2** इसलिए जो कोई अधिकार का विरोध करता है, वह परमेश्वर की विधि का विरोध करता है, और विरोध करनेवाले दण्ड पाएँगे।

3 क्योंकि अधिपति अच्छे काम के नहीं, परन्तु बुरे काम के लिये डर का कारण हैं; क्या तू अधिपति से निडर रहना चाहता है, तो अच्छा काम कर* और उसकी
ओर से तेरी सराहना होगी; **4** क्योंकि वह तेरी भलाई के लिये परमेश्वर का सेवक है। परन्तु यदि तू बुराई करे, तो डर; क्योंकि वह तलवार व्यर्थ लिए हुए नहीं
और परमेश्वर का सेवक है*; कि उसके क्रोध के अनुसार बुरे काम करनेवाले को दण्ड दे। **5** इसलिए अधीन रहना न केवल उस क्रोध से परन्तु डर से अवश्य है,
वरन् विवेक भी यही गवाही देता है।

6 इसलिए कर भी दो, क्योंकि शासन करनेवाले परमेश्वर के सेवक हैं, और सदा इसी काम में लगे रहते हैं। **7** इसलिए हर एक का हक़ चुकाया करो; जिसे कर
चाहिए, उसे कर दो; जिसे चुंगी चाहिए, उसे चुंगी दो; जिससे डरना चाहिए, उससे डरो; जिसका आदर करना चाहिए उसका आदर करो।

8 आपस के प्रेम को छोड़ और किसी बात में किसी के कर्जदार न हो; क्योंकि जो दूसरे से प्रेम रखता है, उसी ने व्यवस्था पूरी की है। **9** क्योंकि यह कि
“व्यभिचार न करना, हत्या न करना, चोरी न करना, लालच न करना,” और इनको छोड़ और कोई भी आज्ञा हो तो सब का सारांश इस बात में पाया जाता है,
“अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।” (निर्ग. 20:13-16, लैव्य. 19:18) **10** प्रेम पड़ोसी की कुछ बुराई नहीं करता, इसलिए प्रेम रखना व्यवस्था को पूरा
करना है।

11 और समय को पहचान कर ऐसा ही करो, इसलिए कि अब तुम्हारे लिये नींद से जाग उठने की घड़ी आ पहुँची है; क्योंकि जिस समय हमने विश्वास किया था,
उस समय की तुलना से अब हमारा उद्धार निकट है। **12** रात* बहुत बीत गई है, और दिन निकलने पर है; इसलिए हम अंधकार के कामों को तजकर ज्योति के
हथियार बाँध लें।

13 जैसे दिन में, वैसे ही हमें उचित रूप से चलना चाहिए; न कि लीलाक्रीड़ा, और पियक्कड़पन, न व्यभिचार, और लुचपन में, और न झगड़े और ईर्ष्या में। **14**
वरन् प्रभु यीशु मसीह को पहन लो, और शरीर की अभिलाषाओं को पूरा करने का उपाय न करो।

Romans 13:1

हर एक व्यक्ति अधीनता स्वीकारे
“प्रत्येक विश्वासी आज्ञा माने” (देखें यू.डी.बी.) या “प्रत्येक जन आज्ञा माने”।

शासकीय अधिकारियों
“राजकीय अधिकारियों”

क्योंकि
“क्योंकि”

कोई अधिकार ऐसा नहीं जो परमेश्वर की ओर से न हो
“अधिकारियों को परमेश्वर ने वह स्थान दिया है, इसलिए वे वहाँ हैं”

कोई अधिकार
“वह राजकीय अधिकारी”

जो कोई अधिकार का विरोध करता है
“जो राजकीय अधिकार का विरोध करते हैं”

Romans 13:3

इसलिए
इसलिए - पौलुस समझाता है और यदि सरकार किसी को दोषी ठहराए तो क्या होगा।

हाकिम डर का कारण है नहीं है
शासक भले मनुष्य के लिए डर का कारण नहीं है

अच्छा काम कर.... यदि तू बुराई करे
मनुष्य अच्छे कामों या बुरे कामों से पहचाना जाता है

यदि तू हाकिम से निडर रहना चाहता है
वैकल्पिक अनुवाद, “मैं बताता हूँ कि तुम सरकार से निडर कैसे रह सकते हो”।

सराहना होगी
भलाई करनेवालों की सरकार भी प्रशंसा करेगी

वह तलवार व्यर्थ लिए हुए नहीं है
“उसके हाथ में दण्ड देने का अधिकार है और वह मनुष्यों को दण्ड देगा”।

तलवार लिए हुए है
रोमी प्रशासक अपने अधिकार के प्रतीक स्वरूप एक छोटी तलवार रखते थे।

क्रोध के अनुसार बदला लेनेवाला
“बुराई के प्रति सरकार के क्रोध को व्यक्त करने के लिए जो व्यक्ति मनुष्य को दण्ड देता है”।

न केवल उस क्रोध के डर से आवश्यक है वरन् विवेक भी यही गवाही देता है।
“इसलिए ही नहीं कि सरकार तुम्हें दण्ड दे परन्तु परमेश्वर के समक्ष अपना विवेक स्वच्छ रखने के लिए भी”।

Romans 13:6

इसलिए
“क्योंकि सरकार बुरा करने वाले को दण्ड देती है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

इसलिए हर एक का हक्क चुकाया करो
पौलुस विश्वासियों से बातें कर रहा है

इसलिए
“इसलिए जिसे कर चाहिए उसे कर दो”

ध्यान रखों
“सेवा करे” या “काम करो”

महसूल
“अधिकारी कर”

Romans 13:8

किसी के कर्ज़दार न बनो
“अपना संपूर्ण ऋण चुका दो चाहे सरकार का या मनुष्यों” पौलुस विश्वासियों को पत्र लिख रहा है।

कोई
नया वाक्य: “विश्वासियों से प्रेम करना एक ऐसा ऋण है जिसके अधीन तुम रह सकते हो”

क्योंकि “तुम नहीं करना”
पौलुस अब प्रकट करेगा कि प्रेम परमेश्वर की संपूर्ण अनिवार्यताओं को पूरा करता है।

करना
यहाँ 13:9 में द्वितीय पुरूष एक वचन में है वक्ता जनसमूह को ऐसे संबोधित कर रहा है कि वह एक वचन है। अतः आपको यहाँ बहुवचन शब्द के उपयोग की आवश्यकता होगी।

लालच
किसी ऐसी वस्तु की लालसा करना जो मनुष्य के पास नहीं है और उसे हथियाना उसके लिए वर्जित है।

प्रेम बुराई नहीं करता
यह उक्ति प्रेम को एक व्यक्तिस्वरूप दर्शाती है जो मनुष्यों के साथ दयालु है

इसीलिए
“क्योंकि प्रेम बुराई नहीं करता”

Romans 13:11

रात बहुत बीत गई है
“पाप का वर्तमान समय लगभग पूरा हो गया है”

दिन निकलने पर है
“मसीह शीघ्र ही आ जायेगा”

अन्धकार के कामों को
मनुष्य रात में जो कार्य करना उचित समझते हैं जब कोई उन्हें देखता न हो।

ज्योति के हथियार बाँध लें
“हमें ऐसे कामों को करना चाहते है जो कि मनुष्य हमें करते देखे, परमेश्वर की सुरक्षा के अधीन होना है”

Romans 13:13

सीधी चाल चलें
पौलुस अपने पाठकों और अन्य विश्वासियों को अपने साथ गिनता है।

जैसा दिन को शोभा देता है
“प्रत्यक्ष रूप में” या “यह जानकर कि सब देखते हैं”

झगड़ा
“किसी के विरुद्ध षड्यंत्र रचने या लोगों से विवाद करने”

डाह
“किसी की सफलता या लाभ के प्रति ईर्ष्या”

परन्तु प्रभु यीशु मसीह को पहन लो
अर्थात मसीह का नैतिक स्वभाव ऐसे अपना लो जैसे कि वह हमारा बाहरी वस्त्र है जिसे लोग देख सकते हैं।

पहिन लो
यदि आपकी भाषा में आज्ञाओं का बहुवचन है तो उसे यहाँ काम में लें।

शरीर की अभिलाषाओं को पूरा करने का उपाय न करो
“अपने पुराने बुरे मन को दुष्टता के काम करने का अवसर मत दो”

Translation Questions

Romans 13:1

सांसारिक अधिकारियों को अधिकार कहां से प्राप्त होता है?
सांसारिक अधिकारी परमेश्वर की ओर से नियुक्त हैं।

Romans 13:2

सांसारिक अधिकारियों का विरोध करने वालों को क्या मिलेगा?
जो सांसारिक अधिकारियों का विरोध करते हैं वे दण्ड पायेंगे।

Romans 13:3

अधिकारियों से निर्भय रहने के लिए पौलुस विश्वासियों को क्या निर्देश देता है?
पौलुस विश्वासियों से कहता है कि वे भलाई करें जिससे कि वे अधिकारियों से निर्भय रहें।

Romans 13:4

परमेश्वर ने बुराई का दमन करने के लिए शासकों को क्या अधिकार दिया है?
परमेश्वर ने शासकों को तलवार उठाने का अधिकार दिया है कि बुरा करने वालों को क्रोध के अनुसार दण्ड दे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 13:6

पैसों के बारे में परमेश्वर ने शासकों को क्या अधिकार दिया है?
परमेश्वर ने शासकों को कर वसूलने का अधिकार दिया है।

Romans 13:8

वह एकमात्र ऋण क्या है जिसके अधीन विश्वासी रहें?
पौलुस कहता है कि वे प्रेम के ऋणी बनें।

विश्वासी व्यवस्था पूरी कैसे करता है?
विश्वासी अपने पड़ोसी से प्रेम करके व्यवस्था पूरी करता है।

Romans 13:9

पौलुस कौन सी आज्ञाओं को व्यवस्था कहता है?
पौलुस व्यभिचार न करना, हत्या न करना, लालच न करना व्यवस्था बताता है।

Romans 13:12

पौलुस विश्वासियों से क्या त्यागने और क्या अपनाने के लिए कहता है?
पौलुस कहता है कि विश्वासी अन्धकार के काम त्याग कर ज्योति के हथियार बान्ध लें।

Romans 13:13

विश्वासियों को कौन-कौन से काम नहीं करने हैं?
विश्वासियों को लीला क्रीड़ा, पियक्कड़पन, व्यभिचार, लुचपन, झगड़े और डाह में न पड़ें।

Romans 13:14

शरीर अभिलाषा के प्रति विश्वासी का व्यवहार कैसा हो?
विश्वासी शारीरिक अभिलाषा को स्थान न दें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 14

1 जो विश्वास में निर्बल है*, उसे अपनी संगति में ले लो, परन्तु उसकी शंकाओं पर विवाद करने के लिये नहीं। **2** क्योंकि एक को विश्वास है, कि सब कुछ खाना उचित है, परन्तु जो विश्वास में निर्बल है, वह साग-पात ही खाता है।

3 और खानेवाला न-खानेवाले को तुच्छ न जाने, और न-खानेवाला खानेवाले पर दोष न लगाए; क्योंकि परमेश्वर ने उसे ग्रहण किया है। **4** तू कौन है जो दूसरे के सेवक पर दोष लगाता है? उसका स्थिर रहना या गिर जाना उसके स्वामी ही से सम्बन्ध रखता है, वरन् वह स्थिर ही कर दिया जाएगा; क्योंकि प्रभु उसे स्थिर रख सकता है।

5 कोई तो एक दिन को दूसरे से बढ़कर मानता है, और कोई सब दिन एक सा मानता है: हर एक अपने ही मन में निश्चय कर ले। **6** जो किसी दिन को मानता है, वह प्रभु के लिये मानता है: जो खाता है, वह प्रभु के लिये खाता है, क्योंकि वह परमेश्वर का धन्यवाद करता है, और जो नहीं खाता, वह प्रभु के लिये नहीं खाता और परमेश्वर का धन्यवाद करता है।

7 क्योंकि हम में से न तो कोई अपने लिये जीता है, और न कोई अपने लिये मरता है। **8** क्योंकि यदि हम जीवित हैं, तो प्रभु के लिये जीवित हैं*; और यदि मरते हैं, तो प्रभु के लिये मरते हैं; फिर हम जीएँ या मरें, हम प्रभु ही के हैं। **9** क्योंकि मसीह इसलिए मरा और जी भी उठा कि वह मरे हुओं और जीवितों, दोनों का प्रभु हो।

10 तू अपने भाई पर क्यों दोष लगाता है? या तू फिर क्यों अपने भाई को तुच्छ जानता है? हम सब के सब परमेश्वर के न्याय सिंहासन के सामने खड़े होंगे। **11** क्योंकि लिखा है,

> “प्रभु कहता है, मेरे जीवन की सौगन्ध कि हर एक घुटना मेरे सामने टिकेगा,
> और हर एक जीभ परमेश्वर को अंगीकार करेगी।” (यशा. 45:23, यशा. 49:18)

12 तो फिर, हम में से हर एक परमेश्वर को अपना-अपना लेखा देगा।

13 इसलिए आगे को हम एक दूसरे पर दोष न लगाएँ पर तुम यही ठान लो कि कोई अपने भाई के सामने ठेस या ठोकर खाने का कारण न रखे।

14 मैं जानता हूँ, और प्रभु यीशु से मुझे निश्चय हुआ है, कि कोई वस्तु अपने आप से अशुद्ध नहीं, परन्तु जो उसको अशुद्ध समझता है, उसके लिये अशुद्ध है। **15** यदि तेरा भाई तेरे भोजन के कारण उदास होता है, तो फिर तू प्रेम की रीति से नहीं चलता; जिसके लिये मसीह मरा उसको तू अपने भोजन के द्वारा नाश न कर।

16 अब तुम्हारी भलाई की निन्दा न होने पाए। **17** क्योंकि परमेश्वर का राज्य खाना-पीना नहीं; परन्तु धार्मिकता और मिलाप और वह आनन्द है जो पवित्र आत्मा से होता है।

18 जो कोई इस रीति से मसीह की सेवा करता है, वह परमेश्वर को भाता है और मनुष्यों में ग्रहणयोग्य ठहरता है। **19** इसलिए हम उन बातों का प्रयत्न करें जिनसे मेल मिलाप और एक दूसरे का सुधार हो।

20 भोजन के लिये परमेश्वर का काम* न बिगाड़; सब कुछ शुद्ध तो है, परन्तु उस मनुष्य के लिये बुरा है, जिसको उसके भोजन करने से ठोकर लगती है।

21 भला तो यह है, कि तू न माँस खाए, और न दाखरस पीए, न और कुछ ऐसा करे, जिससे तेरा भाई ठोकर खाए।

22 तेरा जो विश्वास हो, उसे परमेश्वर के सामने अपने ही मन में रख*। धन्य है वह, जो उस बात में, जिसे वह ठीक समझता है, अपने आप को दोषी नहीं ठहराता। **23** परन्तु जो सन्देह कर के खाता है, वह दण्ड के योग्य ठहर चुका, क्योंकि वह विश्वास से नहीं खाता, और जो कुछ विश्वास से नहीं, वह पाप है।

Romans 14:1

x
पौलुस विश्वासियों को उचित जीवन के निर्देश दे रहा है।

जो विश्वास में निर्बल हैं
यह उन लोगों के संदर्भ में है जो खाने और पीने के विषय संकोच करते थे।

उसकी शंकाओं पर विवाद करने के लिए नहीं
“इसलिए नहीं कि इन बातों पर उनसे विवाद करो”

एक को विश्वास है कि सब कुछ खाना उचित है परन्तु ... सागपात ही खाता है
यहाँ एक ही बात को व्यक्त करने के दो रूप है, वैकल्पिक अनुवाद, “एक को सब कुछ खाने का विश्वास है, परन्तु”

Romans 14:3

x
पौलुस विश्वासियों को उचित जीवन के निर्देश दे रहा है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तू कौन है जो दूसरे के सेवक पर दोष लगाता है?
पौलुस इस प्रश्न द्वारा उन लोगों को डाँटता है जो दूसरों का न्याय करते थे। वैकल्पिक अनुवाद: "तू परमेश्वर नहीं है कि किसी के सेवक का न्याय करने का तुझे अधिकार हो"

तू ... तू
एकवचन

उसका स्थिर रहना या गिर जाना उसके स्वामी ही से सम्बन्ध रखता है,
वैकल्पिक अनुवाद: "केवल उसका स्वामी ही इस बात का निर्णय लेगा की वह उस सेवक को ग्रहण करे या नहीं।"

वरन वह स्थिर ही कर दिया जाएगा
क्योंकि प्रभु उसे स्थिर रख सकता है।

Romans 14:5

कोई तो एक दिन को दूसरे से बढ़कर मानता है और कोई सब दिनों को एक समान मानता है।
"कोई तो" और "और कोई" इन दोनों व्याक्यांशों से यह एक ही बात को कहने के दो रूप समझ में आते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, “एक मनुष्य के विचार में एक दिन अन्य दिनों से बड़ा है परन्तु दूसरा सोचता है कि सब दिन समान हैं”

हर एक अपने ही मन में निश्चय कर ले
इसका पूर्ण अर्थ स्पष्ट किया जा सकता है, “प्रत्येक मनुष्य निश्चित कर ले कि वह प्रभु के महिमान्वन के लिए क्या कर रहा है”।

जो किसी दिन को मानता है वह प्रभु के लिए मानता है
“जो किसी दिन को विशेष मानकर आराधना करता है तो वह वास्तव में प्रभु ही की आराधना करता है”

और जो खाता है वह प्रभु के लिए खाता है
“और जो कैसा भी भोजन खाता है, वह प्रभु के सम्मान देने के लिए वह भोजन खाता है”

और जो नहीं खाता, वह प्रभु के लिए नहीं खाता
“और जो किसी प्रकार का भोजन नहीं खाता है, वह भी प्रभु ही के सम्मान के निमित्त ऐसा करता है”

Romans 14:7

“हमारा” ... “हम”
इस सर्वनाम शब्दों द्वारा पौलुस अपने पाठकों को संबोधित करता है।

मृतक और जीवित
वैकल्पिक अनुवाद, “जो मर चुके हैं और जो जीवित हैं

Romans 14:10

x
पौलुस विश्वासियों को उचित जीवन के निर्देश दे रहा है।

तू जो दोष लगाता है.... तुच्छ जानता है...
पौलुस दिखा रहा है कि वह अपने पाठकों को किस प्रकार झिडकना आवश्यक होगा वैकल्पिक अनुवाद, “किसी को दोष देना उचित नहीं” ... किसी को तुच्छ समझना उचित नहीं”। (देखें यू.डी.बी.) या “दोष लगाना छोड़ दो.... किसी को तुच्छ समझना छोड़ दो”

हम सब के सब परमेश्वर के न्याय सिंहासन के सामने खड़े होंगे।
“न्याय सिंहासन” अर्थात परमेश्वर का न्याय करने का अधिकार। वैकल्पिक अनुवाद है, “क्योंकि परमेश्वर हम सब का न्याय करेगा”

मेरे जीवन की सौगन्ध
यह एक शपथ या गंभीर प्रतिज्ञा है। वैकल्पिक अनुवाद होगा, “निश्चय जान लो कि यह सच है”

हर एक घुटना मेरे सामने टिकेगा और हर एक जीभ परमेश्वर को अंगीकार करेगी।
“घुटना” और “जीभ” द्वारा पौलुस संपूर्ण मनुष्यत्व का संदर्भ दे रहा है, और परमेश्वर ही “परमेश्वर” शब्द का उपयोग कर रहा है जो उसी के लिए है। वैकल्पिक अनुवाद होगा, “प्रत्येक मनुष्य मेरे सामने झुक कर मेरी स्तुति करेगा”। (देखें: और)

Romans 14:12

परमेश्वर को अपना-अपना लेखा देगा
“हमें परमेश्वर के समक्ष अपने कर्मों का स्पष्टीकरण देना होगा”

अपने भाई के सामने ठेस या ठोकर खाने का कारण न रखे
यहाँ इन दोनों शब्दों “ठेस”, “ठोकर का कारण” का अर्थ एक ही है। वैकल्पिक अनुवाद होगा, “सुनिश्चित करो कि न तो ऐसा कुछ करो और न ही कहो कि उसके परिणाम स्वरूप किसी विश्वासी भाई पर पाप करने की परीक्षा आए।

Romans 14:14

मैं जानता हूँ और प्रभु यीशु में मुझे निश्चय हुआ है
“मैं प्रभु यीशु के साथ अपने संबन्धों के कारण निश्चित जानता हूँ”

कोई वस्तु अपने आप से अशुद्ध नहीं परन्तु जो उसको अशुद्ध समझता है उसके लिए अशुद्ध है।
इसका अनुवाद एक नए वाक्य में किया जा सकता है, “यदि मनुष्य किसी वस्तु को अशुद्ध समझे तो वह उस मनुष्य के लिए अशुद्ध है। अतः उसे उससे दूर रहना चाहिए”।

यदि तेरा भाई तेरे भोजन के कारण उदास होता है
यहाँ “तेरा” अर्थात विश्वास में दृढ़ भाई और “अपने भाई” अर्थात जिसका विश्वास दुर्बल है।

तू प्रेम की रीति नहीं चाहता
“तो तू प्रेम प्रदर्शन नहीं करता है”

Romans 14:16

तुम्हारे लिए जो भला है उसकी निन्दा न होने दे
वैकल्पिक अनुवाद, “यदि तुम किसी बात को भला मानते हो और मनुष्य उसे बुरा कहें तो उसे मत करो”।

जो भला है
दृढ़ विश्वास रखने वालों के काम

मनुष्य
प्रसंग से अति संभव है कि यह शब्द अन्य विश्वासियों के संदर्भ में है। (यू.डी.बी.)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्योंकि परमेश्वर का राज्य खाना-पीना नहीं परन्तु धर्म और मेल मिलाप और वह आनन्द जो पवित्र-आत्मा से होता है।
"परमेश्वर ने अपने राज्य की स्थापना इसलिए नहीं की कि हमारे खाने पीने पर राज करने। उसने राज्य की स्थापना इसलिए की है कि हम उसके साथ उचित संबन्ध में रहें और पवित्र आत्मा हमें शान्ति एवं आनन्द दे"।

Romans 14:18

जो कोई इस रीति से मसीह की सेवा करता है,
"इस प्रकार मसीह की सेवा करता है"

मनुष्यों में ग्रहण-योग्य ठहरता है
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया में किया जा सकता है, "मनुष्य उसे स्वीकार करेंगे" या "मनुष्य उसका सम्मान करेंगे"

इसलिए हम उन बातों में लगे रहें जिनसे मेल मिलाप और एक दूसरे का सुधार हो
"हम परस्पर शान्ति के जीवन तथा विश्वास में अधिकाधिक दृढ़ता के जीवन का यत्न करें"।

Romans 14:20

"तू न मांस खाए न दाखरस पीए... जिससे तेरा भाई ठोकर खाए।
"उचित तो यह है कि अपने विश्वासी भाई को ठोकर खाने से बचाने के लिए मांस, मदिरा एवं ठोकरदायक कर्मों का त्याग कर दो" यहा "तू" दृढ़ विश्वासी के लिए तथा "भाई" विश्वास में दुर्बल जन के लिए है।

Romans 14:22

तेरा जो विश्वास हो
यह भी पिछले पद में खाने-पीने के संबन्ध में है।

तेरा... अपने...वह
सब एक वचन में हें। क्योंकि पौलुस विश्वासियों को संबोधित कर रहा है, इसलिए उनका अनुवाद बहुवचन में किया जाए

धन्य है वह...जिसे वह ठीक समझता है, अपने आपको दोषी नहीं ठहराए।
"धन्य है वह" वे जो कुछ करते हैं तो स्वयं को दोषी न समझें।

जो सन्देह करके खाता है, वह दण्ड के योग्य ठहर चुका।
इसका अनुवाद, "परमेश्वर कहेगा कि मनुष्य को किसी बात का निश्चय नहीं तो उसका वह काम अनुचित है जैसे भोजन पर सन्देह करने के उपरान्त भी उसे खा लेना"। (यू.डी.बी.) या "यदि किसी को भोजन पर सन्देह हो, परन्तु वह उसे खा ले तो उसका विवेक उसे दोषी ठहराएगा"

क्योंकि वह विश्वास से नहीं खाता है
इसका अनुवाद एक नए वाक्य में किया जा सकता है, "परमेश्वर उसे अनुचित कहेगा क्योंकि वह उस भोजन को खा रहा है जिसे उसका विवेक कहता है कि परमेश्वर को स्वीकार्य नहीं है"

जो कुछ विश्वास से नहीं वह पाप है
"यदि आपकी समझ में आप परमेश्वर की इच्छा के विरुद्ध कुछ करते हैं तो वह पाप है"।

Translation Questions

Romans 14:1

भोजन के बारे में मतभेद रखने वालो विश्वासियों का व्यवहार एक दूसरे के प्रति कैसा होना चाहिए?
भोजन के बारे में मतभेद रखने वाले विश्वासी एक दूसरे का न्याय न करें।

Romans 14:2

विश्वास में दृढ़ जन क्या खाता है और जो विश्वास में दृढ़ नहीं वह क्या खाता है?
विश्वास में दृढ़ मनुष्य कुछ भी खा लेता है परन्तु जिसका विश्वास दृढ़ नहीं वह केवल सब्जियां खाता है।

Romans 14:3

जो सब कुछ खाता है और जो केवल सब्जी खाता है उसे किसने ग्रहण किया है?
परमेश्वर ने सब कुछ खाने वाले को और केवल सब्जी खाने वाले दोनों को ग्रहण किया है।

Romans 14:5

ऐसे और कौन से विषय हैं जिन्हें पौलुस व्यक्तिगत मान्यता कहता है?
किसी दिन को दूसरे से बड़ा मानता या सब दिनों को बराबर मानना पौलुस के विचार में व्यक्तिगत विश्वास है।

Romans 14:7

विश्वासी किसके लिए जीते और किसके लिए मरते हैं?
विश्वासी प्रभु के लिए जीते हैं और प्रभु के लिए मरते हैं।

Romans 14:10

अन्त में सब विश्वासी कहां खड़े होंगे और उन्हें क्या करना होगा?
अन्त में सब विश्वासी परमेश्वर के न्याय आसन के समक्ष खड़े होकर अपना-अपना लेखा देंगे।

Romans 14:13

व्यक्तिगत मान्यता के कारण एक विश्वासी का व्यवहार दूसरे विश्वासी के साथ कैसा होना चाहिये?
व्यक्तिगत मान्यताओं के कारण भाई किसी भाई के लिए ठोकर का कारण न बने या फन्दा न बने।

Romans 14:14

प्रभु यीशु में पौलुस का मानना है कि कौन सा भोजन अशुद्ध है?
पौलुस का मानना है कि कोई भी भोजन अपने आप में अशुद्ध नहीं है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 14:17

परमेश्वर का राज्य क्या है?
परमेश्वर का राज्य धर्म और मेल-मिलाप और वह आनंद है जो पवित्र आत्मा से होता है।

Romans 14:21

शाकाहारी या मदिरा पान नहीं करने वाले के समक्ष पौलुस विश्वासी को क्या परामर्श देता है?
पौलुस का कहना है कि अन्य भाई के सामने मांस न खायें और मदिरा न पीये तो अच्छा है।

Romans 14:23

यदि कोई विश्वास के काम नहीं करता तो उसका परिणाम क्या है?
विश्वास के काम नहीं करना पाप है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 15

1 निदान हम बलवानों को चाहिए, कि निर्बलों की निर्बलताओं में सहायता करे, न कि अपने आप को प्रसन्न करें। **2** हम में से हर एक अपने पड़ोसी को उसकी
भलाई के लिये सुधारने के निमित्त प्रसन्न करे।

3 क्योंकि मसीह ने अपने आप को प्रसन्न नहीं किया, पर जैसा लिखा है, "तेरे निन्दकों की निन्दा मुझ पर आ पड़ी।" (भज. 69:9) **4** जितनी बातें पहले से
लिखी गईं, वे हमारी ही शिक्षा के लिये लिखी गईं हैं कि हम धीरज और पवित्रशास्त्र के प्रोत्साहन के द्वारा आशा रखें।

5 धीरज, और प्रोत्साहन का दाता परमेश्वर तुम्हें यह वरदान दे, कि मसीह यीशु के अनुसार आपस में एक मन रहो। **6** ताकि तुम एक मन* और एक स्वर होकर
हमारे प्रभु यीशु मसीह के पिता परमेश्वर की स्तुति करो।

7 इसलिए, जैसा मसीह ने भी परमेश्वर की महिमा के लिये तुम्हें ग्रहण किया है, वैसे ही तुम भी एक दूसरे को ग्रहण करो।

8 मैं कहता हूँ, कि जो प्रतिज्ञाएँ पूर्वजों को दी गई थीं, उन्हें दृढ़ करने के लिये मसीह, परमेश्वर की सच्चाई का प्रमाण देने के लिये खतना किए हुए लोगों का
सेवक बना। (मत्ती 15:24) **9** और अन्यजाति भी दया के कारण परमेश्वर की स्तुति करो, जैसा लिखा है,

> "इसलिए मैं जाति-जाति में तेरी स्तुति करूँगा,
> और तेरे नाम के भजन गाऊँगा।" (2 शमू. 22:50, भज. 18:49)

10 फिर कहा है,

> "हे जाति-जाति के सब लोगों, उसकी प्रजा के साथ आनन्द करो।"

11 और फिर,

> "हे जाति-जाति के सब लोगों, प्रभु की स्तुति करो;
> और हे राज्य-राज्य के सब लोगों; उसकी स्तुति करो।" (भज. 117:1)

12 और फिर यशायाह कहता है,

> "यिशै की एक जड़* प्रगट होगी,
> और अन्यजातियों का अधिपति होने के लिये एक उठेगा,
> उस पर अन्यजातियाँ आशा रखेंगी।" (यशा. 11:11)

13 परमेश्वर जो आशा का दाता है तुम्हें विश्वास करने में सब प्रकार के आनन्द और शान्ति से परिपूर्ण करे, कि पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से तुम्हारी आशा बढ़ती
जाए।

14 हे मेरे भाइयों; मैं आप भी तुम्हारे विषय में निश्चय जानता हूँ, कि तुम भी आप ही भलाई से भरे और ईश्वरीय ज्ञान से भरपूर हो और एक दूसरे को समझा
सकते हो।

15 तो भी मैंने कहीं-कहीं याद दिलाने के लिये तुम्हें जो बहुत साहस करके लिखा, यह उस अनुग्रह के कारण हुआ, जो परमेश्वर ने मुझे दिया है। **16** कि मैं
अन्यजातियों के लिये मसीह यीशु का सेवक होकर परमेश्वर के सुसमाचार की सेवा याजक के समान करूँ; जिससे अन्यजातियों का मानो चढ़ाया जाना, पवित्र
आत्मा से पवित्र बनकर ग्रहण किया जाए।

17 इसलिए उन बातों के विषय में जो परमेश्वर से सम्बन्ध रखती हैं, मैं मसीह यीशु में बड़ाई कर सकता हूँ। **18** क्योंकि उन बातों को छोड़ मुझे और किसी बात
के विषय में कहने का साहस नहीं, जो मसीह ने अन्यजातियों की अधीनता के लिये वचन, और कर्म। **19** और चिन्हों और अद्भुत कामों की सामर्थ्य से, और
पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से मेरे ही द्वारा किए। यहाँ तक कि मैंने यरूशलेम से लेकर चारों ओर इल्लुरिकुम तक मसीह के सुसमाचार का पूरा-पूरा प्रचार किया।

20 पर मेरे मन की उमंग यह है, कि जहाँ-जहाँ मसीह का नाम नहीं लिया गया, वहीं सुसमाचार सुनाऊँ; ऐसा न हो, कि दूसरे की नींव पर घर बनाऊँ। **21** परन्तु
जैसा लिखा है, वैसा ही हो,

> "जिन्हें उसका सुसमाचार नहीं पहुँचा, वे ही देखेंगे
> और जिन्होंने नहीं सुना वे ही समझेंगे।" (यशा. 52:15)

22 इसलिए मैं तुम्हारे पास आने से बार-बार रुका रहा। **23** परन्तु अब इन देशों में मेरे कार्य के लिए जगह नहीं रही, और बहुत वर्षों से मुझे तुम्हारे पास आने की
लालसा है।

24 इसलिए जब इसपानिया को जाऊँगा तो तुम्हारे पास होता हुआ जाऊँगा क्योंकि मुझे आशा है, कि उस यात्रा में तुम से भेंट करूँ, और जब तुम्हारी संगति से
मेरा जी कुछ भर जाए, तो तुम मुझे कुछ दूर आगे पहुँचा दो। **25** परन्तु अभी तो पवित्र लोगों की सेवा करने के लिये यरूशलेम को जाता हूँ।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

26 क्योंकि मकिदुनिया और अखाया के लोगों को यह अच्छा लगा, कि यरूशलेम के पवित्र लोगों के कंगालों के लिये कुछ चन्दा करें। **27** अच्छा तो लगा, परन्तु वे उनके कर्जदार भी हैं, क्योंकि यदि अन्यजाति उनकी आत्मिक बातों में भागी हुए, तो उन्हें भी उचित है, कि शारीरिक बातों में उनकी सेवा करें।

28 इसलिए मैं यह काम पूरा करके और उनको यह चन्दा सौंपकर तुम्हारे पास होता हुआ इसपानिया को जाऊँगा। **29** और मैं जानता हूँ, कि जब मैं तुम्हारे पास आऊँगा, तो मसीह की पूरी आशीष के साथ आऊँगा।

30 और हे भाइयों; मैं यीशु मसीह का जो हमारा प्रभु है और पवित्र आत्मा के प्रेम का स्मरण दिलाकर, तुम से विनती करता हूँ, कि मेरे लिये परमेश्वर से प्रार्थना करने में मेरे साथ मिलकर लौलीन रहो। **31** कि मैं यहूदिया के अविश्वासियों से बचा रहूँ, और मेरी वह सेवा जो यरूशलेम के लिये है, पवित्र लोगों को स्वीकार्य हो। **32** और मैं परमेश्वर की इच्छा से तुम्हारे पास आनन्द के साथ आकर तुम्हारे साथ विश्राम पाऊँ।

33 शान्ति का परमेश्वर तुम सब के साथ रहे। आमीन।

Romans 15:1

अतः
इसके स्थान पर वह शब्द काम में लें जो आपकी भाषा में नया विवाद आरंभ करने का प्रतीक है।

हम वह जो बलवानों
“हम जो विश्वास में दृढ़ हैं” यहां सर्वनाम “हम” पौलुस उसके पाठकों तथा एक विश्वासियों के लिए है

निर्बलों
“विश्वास में दुर्बल भाइयों”

उसकी उन्नति हो
“उसका विश्वास दृढ़ हो”

Romans 15:3

तेरे निन्दकों की निन्दा मुझ पर आ पड़ी
परमेश्वर के निन्दकों की निन्दा मसीह पर गिरी”

जितनी बातें पहले से लिखी गई, वे हमारी ही शिक्षा के लिए लिखी गई हैं।
“धर्मशास्त्र में जो कुछ लिख दिया गया था, वह हमारी जानकारी के लिए है”

“हमारी”... “हम”
पौलुस के पाठक तथा अन्य सब विश्वासी

Romans 15:5

परमेश्वर तुम्हें यह वरदान दे
वैकल्पिक अनुवाद, “मैं प्रार्थना करता हूँ कि... परमेश्वर करे कि...”

आपस में एक मन रहो
“परस्पर सहमत रहो” “या” संगठित रहो”

एक स्वर में.... स्तुति करो
वैकिल्पक अनुवाद, “इस प्रकार स्तुति करो कि एक ही मुख से निकल रही है”।

Romans 15:8

इसलिए मैं कहता हूँ
“मैं” अर्थात पौलुस

मसीह... खतना किए हुए लोगों का सेवक बना
“मसीह यीशु यहूदियों की सेवा के लिए आया था”

परमेश्वर की सच्चाई का प्रमाण देने
“कि परमेश्वर यहूदियों के पूर्वजों से की गई प्रतिज्ञाओं की पुष्टि करे”

जैसा लिखा है
“जैसा धर्मशास्त्र में लिखा है”

जाति-जाति में
“और मसीह अन्य जातियों का सेवक बना”

Romans 15:10

फिर कहा है
“मूसा फिर कहता है”

उसकी प्रजा के साथ
“परमेश्वर के लोगों के साथ”

उसे सराहो
“परमेश्वर की स्तुति करो”

Romans 15:12

यिशै की जड़
वैकल्पिक अनुवाद, “यिशै के वंशज” यिशै राजा दाऊद का संसारिक पिता था

Romans 15:13

सब प्रकार के आनन्द और शान्ति से परिपूर्ण करे
“तुम्हें महान आनन्द और शान्ति प्रदान करे”

तुम्हारी आशा बढ़ती जाए
“तुम आशा से उभरते जाओ”

Romans 15:14

ईश्वरीय ज्ञान से भरपूर हो
“परमेश्वर के अनुसरण हेतु पर्याप्त ज्ञान प्राप्त करो”

एक दूसरे को चित करते रहे
“एक दूसरे को शिक्षा दे सकते हो”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 15:15

अनुग्रह के कारण हुआ जो परमेश्वर ने मुझे दिया
“परमेश्वर ने मुझे जो वरदान दिया” यह वरदान उसकी प्रेरिताई का है जब कि वह पूर्वकाल में विश्वासियों को सताने वाला था।

अन्य जातियों का मानो चढ़ाया जाना.... ग्रहण किया जाए
“अन्य जातियों के आज्ञा पालन से परमेश्वर प्रसन्न हो” (यू.डी.बी.)

Romans 15:17

मैं मसीह यीशु में बड़ाई कर सकता हूँ
“अत: मेरे पास परमेश्वर प्रदत्त सेवा के लिए मसीह यीशु में घमण्ड करने का कारण है”।

क्योंकि उन बातों को छोड़, मुझे और किसी बात के विषय में कहने का साहस नहीं, जो मसीह ने अन्य जातियों की अधीनता के लिए वचन और कर्म और चिन्हों और अद्भुत कामों की सामर्थ्य से मेरे ही द्वारा किए।
“अन्य जातियों के आज्ञापालन के विषय में तो वही कहूँगा जो मसीह ने मेरे द्वारा किया है अर्थात मेरे शब्दों, कार्यों तथा चमत्कारों एवं आश्चर्यकर्मों द्वारा जो केवल पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से हुए हैं।”

यहाँ तक कि मैंने यरूशलेम से लेकर चारों ओर इल्लुरिकुम तक
यरूशलेम से लेकर इल्लुरिकुम (इटली देश के निकट) तक प्रचार किया।

Romans 15:20

पर मेरे मन की उमंग यह है कि जहाँ-जहाँ मसीह का नाम नहीं लिया गया वहीं सुसमाचार सुनाऊं।
वैकल्पिक अनुवाद, “मेरी एक ही लालसा है कि उन सब स्थानों में शुभ सन्देश सुनाऊं जहां मसीह का प्रचार नहीं किया गया”।

जहां मसीह का नाम नहीं लिया गया
“जिन्हें किसी ने मसीह के बारे में नहीं सुनाया है”

Romans 15:22

बार-बार रूका रहा
पौलुस की वाचा का वर्णन करना महत्त्वपूर्ण नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद, “उन्होंने बाधा उत्पन्न की” या “मनुष्यों ने मुझे रोका”

Romans 15:24

होता हुआ
“रोम से होकर” या “मार्ग में”

तुम्हारी संगति से मेरा जी कुछ भर जाए
“तुम्हारे साथ समय बिताने का आनन्द लूं” या “तुमसे भेंट करने का आनन्द मिले”

स्पेन
देखें: और

Romans 15:26

यह अच्छा लगा
वैकल्पिक अनुवाद, “मकिदुनिया और अखया के विश्वासी प्रसन्न हुए कि...” या “.... ऐसा करके आनन्द प्राप्त हुआ”

वे उनके कर्ज़दार भी हैं
“नि:सन्देह मकिदुनिया और अखया के विश्वासी यरूशलेम के विश्वासियों के ऋणी हैं”

यदि अन्य जातियाँ उनकी आत्मिक बातों में भागी हुए तो उन्हें भी उचित है कि शारीरिक बातों में उनकी सेवा करें।
“क्योंकि अन्य जातियों ने यरूशलेम के विश्वासियों की आत्मिकता बाँटी इसलिए अन्यजाति विश्वासी यरूशलेम के विश्वासियों की सेवा के निमित्त ऋणी हैं।”

Romans 15:28

काम पूरा करके
“सुरक्षित सौंपकर”

चन्दा
पैसा और

मसीह की पूरी आशिष के साथ आऊँगा।
वैकल्पिक अनुवाद, “मैं मसीह की आशिष की परिपूर्णता में आऊँगा”

Romans 15:30

कि
यदि आपकी भाषा में ऐसा प्रावधान है कि पौलुस जिन अच्छी बातों की चर्चा कर अन्त करके अब उसके संकटों की चर्चा आरंभ कर रहा है तो उसका यहाँ उपयोग करें।

तुमसे विनती करता हूँ
“तुम्हें प्रोत्साहित करता हूँ”

लौलीन रहो
“परिश्रम करो” या “संघर्ष करो”

उसी ने हमें...छुड़ाकर
“सुरक्षित रहूँ” या “बचाया जाऊं”

Translation Questions

Romans 15:1

विश्वास में दृढ़ भाई का व्यवहार विश्वास में दुर्बल भाई की ओर कैसा होना चाहिये?
विश्वास में दृढ़ जन विश्वास में दुर्बल भाई को सह ले कि उसका निर्माण हो।

Romans 15:3

आत्म संतोष की अपेक्षा लोगों की सेवा करने के लिए पौलुस किसका उदाहरण देता है?
मसीह स्वयं को प्रसन्न करने के लिए नहीं, लोगों की सेवा करने के लिए जीता था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 15:4

पूर्वकाल के पवित्र शास्त्र के लिखे जाने का एक उद्देश्य क्या था?
जो पवित्र शास्त्र हमारे लिए पहले लिखे गये थे वे हमारे निर्देश के लिए थे।

Romans 15:5

पौलुस विश्वासियों से क्या चाहता है कि वे धीरज और पारस्परिक प्रोत्साहन के द्वारा करें?
पौलुस की मनोकामना है कि विश्वासी आपस में एक मन रहें।

Romans 15:10

पवित्र शास्त्र क्या कहता है कि परमेश्वर की करूणा के कारण अन्य जाति क्या करेंगी?
पवित्र शास्त्र कहता है कि अन्य जातियां आनन्द करेंगी और प्रभु की स्तुति करेंगी, उसमें विश्वास के साथ।

Romans 15:13

पौलुस क्या कहता है कि विश्वासी पवित्रआत्मा के सामर्थ्य से करने योग्य होंगे।
विश्वासी आनन्द और शान्ति से पूर्ण विश्वास में परिपूर्ण होंगे।

Romans 15:16

परमेश्वर ने पौलुस को क्या वरदान दिया जो उसका दूतकार्य था?
पौलुस का दूतकार्य है, अन्य जातियों में भेजा गया मसीह यीशु का सेवक बने।

Romans 15:18

अन्य जातियों की आज्ञाकारिता के निमित्त मसीह ने पौलुस के माध्यम से कैसे काम किए?
मसीह ने शब्दों एवं कार्यों द्वारा पौलुस के माध्यम से चिन्ह और चमत्कारों द्वारा, पवित्रआत्मा के सामर्थ्य ही काम किया है।

Romans 15:20

पौलुस सुसमाचार कहां सुनाना चाहता था?
पौलुस वहां सुसमाचार सुनाना चाहता था जहां मसीह का नाम नहीं सुना था।

Romans 15:24

पौलुस कहां जाना चाहता था कि मार्ग में रोम में रूकें?
पौलुस स्पेन की यात्रा की योजना बना रहा था कि मार्ग में रोम जा पाए।

Romans 15:25

इस समय पौलुस यरूशलेम क्यों जा रहा था?
पौलुस इस समय यरूशलेम जा रहा था कि वहां के पवित्र जनों के लिए अन्यजातियों द्वारा एकत्र किया गया दान उन्हें सौंप दे।

Romans 15:27

पौलुस क्यों कहता है कि अन्यजाति यहूदी विश्वासियों के भौतिक वस्तुओं के ऋणी हैं?
अन्यजाति यहूदी विश्वासियों के भौतिक वस्तुओं में ऋणी हैं क्योंकि वे यहूदी विश्वासियों की आत्मिक बातों में सहभागी हुए हैं।

Romans 15:31

पौलुस किससे बचाया जाना चाहता था?
पौलुस की मनोकामना है कि यहूदिया में वह अवज्ञाकारियों से बचाया जाए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 16

1 मैं तुम से फीबे के लिए, जो हमारी बहन और किंख्रिया की कलीसिया की सेविका है, विनती करता हूँ। **2** कि तुम जैसा कि पवित्र लोगों को चाहिए, उसे प्रभु में ग्रहण करो; और जिस किसी बात में उसको तुम से प्रयोजन हो, उसकी सहायता करो; क्योंकि वह भी बहुतों की वरन् मेरी भी उपकारिणी हुई है।

3 प्रिस्का* और अक्विला को जो यीशु में मेरे सहकर्मी हैं, नमस्कार। **4** उन्होंने मेरे प्राण के लिये अपना ही सिर दे रखा था और केवल मैं ही नहीं, वरन् अन्यजातियों की सारी कलीसियाएँ भी उनका धन्यवाद करती हैं। **5** और उस कलीसिया को भी नमस्कार जो उनके घर में है। मेरे प्रिय इपैनितुस को जो मसीह के लिये आसिया का पहला फल है, नमस्कार।

6 मरियम को जिस ने तुम्हारे लिये बहुत परिश्रम किया, नमस्कार। **7** अन्द्रुनीकुस और यूनियास को जो मेरे कुटुम्बी हैं, और मेरे साथ कैद हुए थे, और प्रेरितों में नामी हैं, और मुझसे पहले मसीही हुए थे, नमस्कार। **8** अम्पलियातुस को, जो प्रभु में मेरा प्रिय है, नमस्कार।

9 उरबानुस को, जो मसीह में हमारा सहकर्मी है, और मेरे प्रिय इस्तखुस को नमस्कार। **10** अपिल्लेस को जो मसीह में खरा निकला, नमस्कार। अरिस्तुबुलुस के घराने को नमस्कार। **11** मेरे कुटुम्बी हेरोदियोन को नमस्कार। नरकिस्सुस के घराने के जो लोग प्रभु में हैं, उनको नमस्कार। **12** त्रूफैना और त्रूफोसा* को जो प्रभु में परिश्रम करती हैं, नमस्कार। प्रिय पिरसिस को जिस ने प्रभु में बहुत परिश्रम किया, नमस्कार। **13** रूफुस को जो प्रभु में चुना हुआ है, और उसकी माता को जो मेरी भी है, दोनों को नमस्कार। **14** असुंक्रितुस और फिलगोन और हर्मास, पत्रुबास, हिर्मेस और उनके साथ के भाइयों को नमस्कार। **15** फिलुलुगुस और यूलिया और नेर्युस और उसकी बहन, और उलुम्पास और उनके साथ के सब पवित्र लोगों को नमस्कार। **16** आपस में पवित्र चुम्बन से नमस्कार करो: तुम को मसीह की सारी कलीसियाओं की ओर से नमस्कार।

17 अब हे भाइयों, मैं तुम से विनती करता हूँ, कि जो लोग उस शिक्षा के विपरीत जो तुम ने पाई है, फूट डालने, और ठोकर खिलने का कारण होते हैं, उन्हें ताड़ लिया करो; और उनसे दूर रहो। **18** क्योंकि ऐसे लोग हमारे प्रभु मसीह की नहीं, परन्तु अपने पेट की सेवा करते है; और चिकनी चुपड़ी बातों से सीधे सादे मन के लोगों को बहका देते हैं।

19 तुम्हारे आज्ञा मानने की चर्चा सब लोगों में फैल गई है; इसलिए मैं तुम्हारे विषय में आनन्द करता हूँ; परन्तु मैं यह चाहता हूँ, कि तुम भलाई के लिये बुद्धिमान, परन्तु बुराई के लिये भोले बने रहो। **20** शान्ति का परमेश्वर* शैतान को तुम्हारे पाँवों के नीचे शीघ्र कुचल देगा।

हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम पर होता रहे। (उत्प. 3:15)

21 तीमुथियुस मेरे सहकर्मी का, और लूकियुस और यासोन और सोसिपत्रुस मेरे कुटुम्बियों का, तुम को नमस्कार। **22** मुझ पत्री के लिखनेवाले तिरतियुस का प्रभु में तुम को नमस्कार।

23 गयुस का जो मेरी और कलीसिया का पहुनाई करनेवाला है उसका तुम्हें नमस्कार: इरास्तुस जो नगर का भण्डारी है, और भाई क्वारतुस का, तुम को नमस्कार। **24** हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम पर होता रहे।

25 अब जो तुम को मेरे सुसमाचार अर्थात् यीशु मसीह के विषय के प्रचार के अनुसार स्थिर कर सकता है, उस भेद* के प्रकाश के अनुसार जो सनातन से छिपा रहा। **26** परन्तु अब प्रगट होकर सनातन परमेश्वर की आज्ञा से भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों के द्वारा सब जातियों को बताया गया है, कि वे विश्वास से आज्ञा माननेवाले हो जाएँ।

27 उसी एकमात्र अद्वैत बुद्धिमान परमेश्वर की यीशु मसीह के द्वारा युगानुयुग महिमा होती रहे। आमीन।

Romans 16:1

x
पौलुस रोम के विश्वासियों में अनेकों के नाम लेकर नमस्कार कह रहा है। (देखें: और)

फीबे के लिए... विनती करता हूँ
“फीबे के सम्मान का निवेदन करता हूँ”

फीबे
एक स्त्री का नाम है

हमारी बहन
“मसीह में हमारी बहन”, यहां “हमारी” अर्थात पौलुस और सब विश्वासियों की

किंख्रिया
यूनान का एक बन्दरगाह

उसे प्रभु में ग्रहण करो
उसे ग्रहण करो क्योंकि हम सब प्रभु के हैं”

जैसा कि पवित्र लोगों को चाहिए
“जैसे विश्वासियों को अन्य विश्वासियों का स्वागत करना चाहिए”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उसकी सहायता करो
इसका अनुवाद एक नये वाक्य में किया जा सकता है, “मैं यह भी चाहता हूँ कि तुम उसकी सहायता करो”।

वह भी बहुतों की वरन् मेरा भी उपकार करने वाली रही है।
“उसने अनेकों की सहायता की है, मेरी भी सहायता की है”।

Romans 16:3

x
पौलुस रोम की कलीसिया में अनेक विश्वासियों के नाम लेकर नमस्कार कह रहा है। (देखें: और)

प्रिस्का और अक्विला
प्रिस्का को प्रिस्किल्ला भी कहा गया है। वह अक्विला की पत्नी थी।

मसीह यीशु में मेरे सहकर्मी
“वे मेरे साथ मसीह यीशु के प्रचार में सेवारत हैं”

उस कलीसिया को भी नमस्कार जो उनके घर में हैं
“उनकी आवासीय कलीसिया को भी नमस्कार कहना”

इपैनितुस
एक पुरूष का नाम

आसिया का पहला फल है
अर्थात वह आसिया में प्रथम विश्वासी था।

Romans 16:6

x
पौलुस रोम की कलीसिया में अनेक विश्वासियों के नाम लेकर नमस्कार कह रहा है। (देखें: और

मरियम
एक स्त्री का नाम है

यूनियास
यह या तो 1)यूनिया, एक स्त्री या 2) यूनिआस, एक पुरूष हो सकता है।

अन्द्रनीकुस...अम्पलियातुस
ये पुरूषों के नाम हैं

प्रभु में मेरे प्रिय
“मेरे प्रिय मित्र, एवं विश्वासी भाई”

Romans 16:9

उरबानुस.... इस्तखुस.... अपिल्लेस.... अरिस्तुबुलुस.... हेरोदियोन....नरकिस्सुस
ये सब विश्वासी पुरूष थे

जे लोग प्रभु में हैं
“जिन्हें मसीह ने स्वीकार किया है।” यहां “प्रभु में हैं” का अर्थ है, परख कर सच्चा पाया गया मनुष्य

Romans 16:12

x
पौलुस रोम की कलीसिया में अनेक विश्वासियों का नाम लेकर नमस्कार कर रहा है (देखें: और)

त्रूफैना... त्रूफोसा.... पिरसिस
स्त्रियों के नाम हैं

रुफुस... असुंक्रितुस... फिलगोन.... हिर्मेस... पत्रुबास.... हिर्मास
ये पुरूषों के नाम हैं

प्रभु में चुना हुआ है
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा भी किया जा सकता है, “जिसे प्रभु ने विशेष गुणों के कारण चुन लिया है”। (यू.डी.बी.)

उसकी माता को जो मेरी भी माता है
“मैं उसकी माता को अपनी माता भी मानता हूँ”

Romans 16:15

x
पौलुस रोम की कलीसिया में अनेक विश्वासियों के नाम लेकर नमस्कार कह रहा है। (देखें: और)

फिलुलुगुस... नेर्युस.... उलुम्पास
ये पुरूषों के नाम हैं

यूलिया
यह एक स्त्री का नाम है। वह संभवतः फिलुलुगुस की पत्नी थी।

Romans 16:17

सोच लिया करो
“उनके प्रति सतर्क रहो”

फूट डालने और ठोकर खिलाने का कारण होते हैं
“आपसी मतभेद और परमेश्वर में विश्वास के परित्याग का कारण होते हैं”

उस शिक्षा के विपरीत जो तुमने पाई है
इसका एक नया वाक्य बनाया जा सकता है। “वे ऐसी शिक्षा देते हैं जो तुम्हारे द्वारा सीखे गए सत्य के विरूद्ध है”

उनसे दूर रहो
“उनसे बच कर रहो”

परन्तु अपने पेट की
यहाँ “पेट” का अर्थ भौतिक लालसाएं। वैकल्पिक अनुवाद, “परन्तु वे अपनी स्वार्थ की पूर्ति करना चाहते हैं”।

चिकनी चुपड़ी बातों से
चिकनी चुपड़ी का अर्थ एक ही है। पौलुस उन्हें समझा रहा है कि वे कैसे विश्वासियों को छलते हैं, वैकल्पिक अनुवाद, “वे ऐसी बातों के द्वारा.... छलते हैं जो कर्णभावन एवं सत्य प्रतीत होते हैं।”

सीधे सादे मन के लोगों को
अबोध, अनुभवहीन तथा नवदीक्षित। वैकल्पिक अनुवाद, “जो निष्कपट विश्वास कर लेते है” या “वे जो समझ नहीं पाते कि ऐसे प्रचारक उन्हें मूर्ख बनाते हैं”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 16:19

तुम्हारे आज्ञा मानने की चर्चा सब लोगों में फैल गई है
“तुम यीशु की आज्ञाओं को मानते हो और यह तथ्य सब विश्वासियों में चर्चित है”।

परमेश्वर शैतान को तुम्हारे पापों से शीघ्र कुचलवा देगा।
“पांवों से.... कुचल देगा” वैरी पर पूर्ण विजय का द्योतक हैं। वैकल्पिक अनुवाद, “परमेश्वर तुम्हें शीघ्र ही शैतान पर पूर्ण विजय प्रदान करेगा”।

भोले बने रहो
“बुराई के भ्रम में न पड़ो”

Romans 16:21

लूकियुस.... यासोन....सोसिपत्रुस.... तिरतियुस
ये पुरूषों के नाम है।

मुझे पत्री के लिखने वाले तिरतियुस
तिरतियुस पौलुस का लिपित था

प्रभु में तुमको नमस्कार
“प्रभु में विश्वासी भाई को नमस्कार”

Romans 16:23

गयुस... इरास्तुस....क्वारतुस
ये पुरूषों के नाम है।

पहुनाई करने वाला
इससे प्रकट होता है कि विश्वासी उसके घर में आराधना करते थे।

भण्डारी
किसी समूह के पैसों का लेखा रखनेवाला

16:24
यह पद छोड़ा गया है क्योंकि कुछ अधिक पुराने अधिक विश्वसनीय अभिलेखों में यह पद नहीं है

Romans 16:25

अब
“अब” शब्द पत्र के अन्तिम भाग का समापन दर्शाता है।

स्थिर कर सकता है
वैकल्पिक अनुवाद, “तुम्हारे विश्वास को दृढ़ कर सकता है”

मेरे सुसमाचार अर्थात यीशु मसीह के सन्देश के प्रचार के अनुसार
“मेरे द्वारा सुनाए गए मसीह यीशु के शुभ सन्देश के अनुसार”

उस भेद के प्रकाश के अनुसार जो सनातन से छिपा रहा
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया द्वारा भी किया जा सकता है, “क्योंकि परमेश्वर ने हम विश्वासियों पर उस रहस्य को प्रकट किया जो वह वर्षों से गुप्त रखे हुए था”।

अब प्रगट होकर सनातन परमेश्वर की आज्ञा से भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों के द्वारा सब जातियों को बताया गया है।
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य क्रिया में भी किया जा सकता है, “परन्तु अब अनादि परमेश्वर ने धर्मशास्त्र द्वारा यह स्पष्ट कर दिया है”।

सब जातियों को बताया गया कि वे विश्वास से आज्ञा माननेवाले हो जाएं
“कि सब जातियां परमेश्वर में विश्वास के कारण उसकी आज्ञाकारी हो जाएं”।

Romans 16:27

x
यह समापन अभिकथन.

Translation Questions

Romans 16:1

बहन फीबे पौलुस के लिए क्या थी?
बहन फीबे पौलुस और अनेक अन्य विश्वासियों की सहायक रही है।

Romans 16:4

प्रिस्का और अक्विला ने पूर्वकाल में पौलुस के लिए क्या किया था?
प्रिस्का और अक्विला ने पहले पौलुस के लिए अपनी जान जोखिम में डाली थी।

Romans 16:5

रोम में वह कौन सा एक स्थान था जहां विश्वासी एकत्र होते थे?
रोम के विश्वासी प्रिस्का और अक्विला के घर में एकत्र होते थे।

Romans 16:7

अन्द्रुनीकुस और यूनियास ने पहले पौलुस के साथ कैसा अनुभव प्राप्त किया था?
अन्द्रुनीकुस और यूनियास पूर्वकाल में पौलुस के साथ बन्दी बनाए गए थे।

Romans 16:16

विश्वासी एक दूसरे को कैसे नमस्कार करें?
वे आपस में एक दूसरे को पवित्र चुम्बन से नमस्कार करें।

Romans 16:17

उनमें फूट डालने और ठोकर का कारण होने के लिए कुछ लोग क्या कर रहे थे?
कुछ लोग शिक्षा के विपरीत चल रहे थे और सीधे-सादे मनवाले विश्वासियों को बहका रहे थे।

पौलुस फूट डालने वालों और ठोकर का कारण होने वालों के साथ कैसा व्यवहार करने के लिए कहता है?
पौलुस उन्हें निर्देश देता है कि वे फूट डालने वालों और ठोकर का कारण होने वालों से दूर रहें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Romans 16:19

भलाई और बुराई के प्रति पौलुस के परामर्श में विश्वासियों का स्वभाव कैसा हो?
पौलुस विश्वासियों को चेतावनी देता है कि वे भलाई के लिए बुद्धिमान और बुराई के लिए भोले बने रहें।

Romans 16:20

शान्ति का परमेश्वर शीघ्र ही क्या करवायेगा?
शान्ति का परमेश्वर शैतान को शीघ्र ही उनके पांवों से कुचलवा देगा।

Romans 16:22

इस पत्र को वास्तव में किसने लिखा था?
तिरतियुस इस पत्र का लेखक है।

Romans 16:23

विश्वासी इरास्तुस का क्या उत्तरदायित्व था?
इरास्तुस उस कलीसिया का भण्डारी था।

Romans 16:25

जिस प्रकाशन को दीर्घकाल से गुप्त रखा गया था वह क्या है जिसका पौलुस प्रचार कर रहा था?
पौलुस मसीह यीशु के सुसमाचार के प्रकाशन का प्रचार कर रहा है।

Romans 16:26

पौलुस के प्रचार करने का उद्देश्य क्या था?
पौलुस अन्य जातियों में आज्ञा मानने के लिए प्रचार करता था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: 1 Corinthians

1 Corinthians

Chapter 1

1 पौलुस की ओर से जो परमेश्वर की इच्छा* से यीशु मसीह का प्रेरित होने के लिये बुलाया गया और भाई सोस्थिनेस की ओर से। **2** परमेश्वर की उस
कलीसिया के नाम जो कुरिन्थुस में है, अर्थात् उनके नाम जो मसीह यीशु में पवित्र किए गए, और पवित्र होने के लिये बुलाए गए हैं; और उन सब के नाम भी जो
हर जगह हमारे और अपने प्रभु यीशु मसीह के नाम से प्रार्थना करते हैं। **3** हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती
रहे।

4 मैं तुम्हारे विषय में अपने परमेश्वर का धन्यवाद सदा करता हूँ, इसलिए कि परमेश्वर का यह अनुग्रह तुम पर मसीह यीशु में हुआ। **5** कि उसमें होकर तुम हर
बात में अर्थात् सारे वचन और सारे ज्ञान में धनी किए गए। **6** कि मसीह की गवाही तुम में पक्की निकली।

7 यहाँ तक कि किसी वरदान में तुम्हें घटी नहीं, और तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रगट होने की प्रतीक्षा करते रहते हो। **8** वह तुम्हें अन्त तक दृढ़ भी करेगा, कि
तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह के दिन में निर्दोष ठहरो। **9** परमेश्वर विश्वासयोग्य है*; जिस ने तुम को अपने पुत्र हमारे प्रभु यीशु मसीह की संगति में बुलाया है। (व्य.
7:9)

10 हे भाइयों, मैं तुम से यीशु मसीह जो हमारा प्रभु है उसके नाम के द्वारा विनती करता हूँ, कि तुम सब एक ही बात कहो और तुम में फूट न हो, परन्तु एक ही
मन और एक ही मत होकर मिले रहो। **11** क्योंकि हे मेरे भाइयों, खलोए के घराने के लोगों ने मुझे तुम्हारे विषय में बताया है, कि तुम में झगड़े हो रहे हैं।

12 मेरा कहना यह है, कि तुम में से कोई तो अपने आप को “पौलुस का,” कोई “अपुल्लोस का,” कोई “कैफा का,” कोई “मसीह का” कहता है। **13** क्या
मसीह बँट गया? क्या पौलुस तुम्हारे लिये क्रूस पर चढ़ाया गया? या तुम्हें पौलुस के नाम पर बपतिस्मा मिला?

14 मैं परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ, कि क्रिस्पुस और गयुस को छोड़, मैंने तुम में से किसी को भी बपतिस्मा नहीं दिया। **15** कहीं ऐसा न हो, कि कोई कहे, कि
तुम्हें मेरे नाम पर बपतिस्मा मिला। **16** और मैंने स्तिफनास के घराने को भी बपतिस्मा दिया; इनको छोड़, मैं नहीं जानता कि मैंने और किसी को बपतिस्मा दिया।

17 क्योंकि मसीह ने मुझे बपतिस्मा देने को नहीं, वरन् सुसमाचार सुनाने को भेजा है, और यह भी मनुष्यों के शब्दों के ज्ञान के अनुसार नहीं, ऐसा न हो कि
मसीह का क्रूस व्यर्थ ठहरे।

18 क्योंकि क्रूस की कथा नाश होनेवालों के निकट मूर्खता है, परन्तु हम उद्धार पानेवालों के निकट परमेश्वर की सामर्थ्य है। **19** क्योंकि लिखा है,

> “मैं ज्ञानवानों के ज्ञान को नाश करूँगा,
> और समझदारों की समझ को तुच्छ कर दूँगा।” (यशा. 29:14)

20 कहाँ रहा ज्ञानवान? कहाँ रहा शास्त्री? कहाँ रहा इस संसार का विवादी? क्या परमेश्वर ने संसार के ज्ञान को मूर्खता नहीं ठहराया? (रोम. 1:22) **21** क्योंकि
जब परमेश्वर के ज्ञान के अनुसार संसार ने ज्ञान से परमेश्वर को न जाना तो परमेश्वर को यह अच्छा लगा, कि इस प्रचार की मूर्खता के द्वारा विश्वास करनेवालों
को उद्धार दे।

22 यहूदी तो चिन्ह चाहते हैं, और यूनानी ज्ञान की खोज में हैं, **23** परन्तु हम तो उस क्रूस पर चढ़ाए हुए मसीह का प्रचार करते हैं जो यहूदियों के निकट ठोकर
का कारण, और अन्यजातियों के निकट मूर्खता है;

24 परन्तु जो बुलाए हुए हैं क्या यहूदी, क्या यूनानी, उनके निकट मसीह परमेश्वर की सामर्थ्य, और परमेश्वर का ज्ञान है। **25** क्योंकि परमेश्वर की मूर्खता*
मनुष्यों के ज्ञान से ज्ञानवान है; और परमेश्वर की निर्बलता मनुष्यों के बल से बहुत बलवान है।

26 हे भाइयों, अपने बुलाए जाने को तो सोचो, कि न शरीर के अनुसार बहुत ज्ञानवान, और न बहुत सामर्थी, और न बहुत कुलीन बुलाए गए। **27** परन्तु
परमेश्वर ने जगत के मूर्खों* को चुन लिया है, कि ज्ञानियों को लज्जित करे; और परमेश्वर ने जगत के निर्बलों को चुन लिया है, कि बलवानों को लज्जित करे।

28 और परमेश्वर ने जगत के नीचों और तुच्छों को, वरन् जो हैं भी नहीं उनको भी चुन लिया, कि उन्हें जो हैं, व्यर्थ ठहराए। **29** ताकि कोई प्राणी परमेश्वर के
सामने घमण्ड न करने पाए।

30 परन्तु उसी की ओर से तुम मसीह यीशु में हो, जो परमेश्वर की ओर से हमारे लिये ज्ञान ठहरा अर्थात् धार्मिकता, और पवित्रता, और छुटकारा। (इफि. 1:7,
रोम. 8:1) **31** ताकि जैसा लिखा है, वैसा ही हो, “जो घमण्ड करे वह प्रभु में घमण्ड करे।” (2 कुरि. 10:17)

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 1:1

भाई सोस्थिनेस
इससे प्रकट होता है कि कुरिन्थ के विश्वासी और पौलुस दोनों ही सोस्थिनेस से परिचित थे। वैकल्पिक अनुवाद: “सोस्थिनेस जिसे तुम और मैं दोनों ही जानते हैं”।

पवित्र होने के लिए बुलाए गए हैं।
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर ने उन्हें पवित्र जन होने के लिए बुलाया है”

उन सब के नाम भी
सब विश्वासियों के साथ। वै.अ. “के साथ”

हमारे और अपने प्रभु यीशु मसीह
प्रभु यीशु पौलुस का, कुरिन्थ की कलीसिया का और सब कलीसियाओं का प्रभु है।

तुम्हें
कुरिन्थ नगर के विश्वासी

1 Corinthians 1:4

परमेश्वर का धन्यवाद सदा करता हूं
वैकल्पिक अनुवाद: “मैं पौलुस परमेश्वर को आभार व्यक्त करता हूं”।

परमेश्वर का यह अनुग्रह तुम पर मसीह यीशु में हुआ।
“तुम जो मसीह यीशु में परमेश्वर के अनुग्रह के पात्र हो”

धनी किए गए
संभावित अर्थ है 1) “मसीह ने तुम्हें समृद्ध किया” या 2) “परमेश्वर ने तुम्हे संपन्न बनाया है”।

हर बात में धनी किया
“अनेक आत्मिक आशिषों से समृद्ध किया”

सारे वचन में
परमेश्वर ने तुम्हें अनेक प्रकार से मनुष्यों में परमेश्वर का वचन सुनाने योग्य किया है।

सारे ज्ञान में
परमेश्वर ने तुम्हें उसका सन्देश अनेक प्रकार से समझने योग्य किया है।

कि मसीह की गवाही तुम में पक्की निकले
“मसीह का सन्देश”

पक्की निकली
वैकल्पिक अनुवाद: “तुम्हारे जीवन स्पष्ट रूप से बदल गए”

1 Corinthians 1:7

यहां तक कि
“परिणाम स्वरूप”

किसी वरदान की तुम्हें घटी नहीं
“तुम्हारे पास हर एक आत्मिक वरदान है”।

हमारे प्रभु यीशु के प्रगट होने
संभावित अर्थ हैं 1) “जिस समय परमेश्वर मसीह यीशु को प्रगट करेगा” या 2) “जिस समय हमारा प्रभु यीशु मसीह प्रकट होगा”।

निर्दोष ठहरो
“तुम्हें दोषी ठहराने का परमेश्वर के पास कोई कारण न हो”।

जिसने तुमको.... मसीह की संगति में बुलाया है
परमेश्वर ने तुम्हें अपने पुत्र, मसीह यीशु की संगति में बुलाया है

1 Corinthians 1:10

तुम सब एक ही बात करो
“कि तुम परस्पर सामंजस्य में रहो”

तुम में फूट न हो
“कि तुम में विभाजन न हो”

एक ही मन और एक ही मत में मिले रहो
“एकता में”

खलोए के घराने के लोगों
परिवार के सदस्य, खलोए के कुटुम्ब के दास आदि सब, उनकी मुखिया एक स्त्री है।

तुम में झगड़े हो रहे हैं।
“तुम लोग अलग-अलग गुट बनाकर झगड़ते हो”

1 Corinthians 1:12

तुम में से कोई तो.... कहता है
पौलुस विभाजन की एक सामान्य मानसिकता व्यक्त कर रहा है

क्या मसीह बंट गया
पौलुस तथ्य पर बल दे रहा है कि मसीह विभाजित नहीं है वह एक है। “तुम जैसा व्यवहार करते हो उसके अनुसार मसीह को भी विभाजित करना संभव नहीं है”।

क्या पौलुस तुम्हारे लिए क्रूस पर चढ़ाया गया?
पौलुस इस तथ्य पर बल देना चाहता है कि न पौलुस न अपुल्लोस क्रूस पर चढ़ाया गया, मसीह ही था जो क्रूस पर चढ़ाया गया। "उन्होंने तुम्हारे उद्धार के लिए पौलुस को क्रूस की मृत्यु नहीं दी थी।"

क्या तुम्हें पौलुस के नाम पर बपतिस्मा मिला?
पौलुस इस बात पर बल देता है कि हम सब ने मसीह के नाम में बपतिस्मा पाया है। "तुम्हे पौलुस के नाम में बपतिस्मा नहीं दिया गया है।"

1 Corinthians 1:14

मै परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ
पौलुस कुछ बड़ा चड़ा कर ही कह रहा है कि वह अत्यधिक आभारी है कि उसने कुरिन्थ की कलीसिया में अधिक लोगों को बपतिस्मा नहीं दिया।

क्रिस्पुस
वह यहूदी आराधनालय का सरदार था जिसने मसीह को ग्रहण कर लिया था।

गयुस
वह पौलुस के साथ यात्रा करके आया था।

कहीं ऐसा न हो, कि कोई कहे, कि तुम्हें मेरे नाम पर बपतिस्मा मिला।
"मैने अधिक लोगों को बपतिस्मा देने से अपने आप को रोका क्योंकि मैं डरता था कि वे आगे चलकर घमंड से कहे कि मैने उन्हें बपतिस्मा दिया था।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

स्तिफनास के घराने
स्तिफनास के घराने का अभिप्राय है, उसके परिवार के सदस्य और उसके दास

1 Corinthians 1:17

मसीह ने मुझे बपतिस्मा देने को नहीं... भेजा है।
इसका अर्थ है कि बपतिस्मा देना पौलुस की मसीही सेवा का मुख्य लक्ष्य नहीं था।

शब्दों के ज्ञान के अनुसार
"केवल मानवीय ज्ञान के शब्द"

ऐसा न हो कि मसीह का क्रूस व्यर्थ ठहरे
वैकल्पिक अनुवाद: "मानवीय ज्ञान मसीह के क्रूस को सामर्थ्य से वंचित न कर दे।"

1 Corinthians 1:18

क्रूस की कथा
"मसीह के क्रूसीकरण का प्रचार" या "मसीह की क्रूस पर मृत्यु के बारे में संदेश"(यू.डी.बी.)

मूर्खता है
"निर्बुद्धि" या "मतिहीन"

नाश होने वालों के निकट
नाश होने वालों के निकट - "नाश" का अर्थ है आत्मिक मृत्यु"

परमेश्वर की सामर्थ है
"परमेश्वर हम में सामर्थ्य का काम कर रहा है"

ज्ञानवानों के ज्ञान को नाश करूंगा
ज्ञानवानों के ज्ञान को नाश करूंगा - वैकल्पिक अनुवाद: "ज्ञानवानों को उलझन में डाल दूंगा" या "बुद्धिमानों की योजना को पूर्णत: व्यर्थ कर दूंगा"

1 Corinthians 1:20

कहा रहा ज्ञानवान? कहा रहा शास्त्री?कहा रहा इस संसार का विवादी?
पौलुस इस बात पर बल दे रहा है कि सच्चे ज्ञानवान मनुष्य कही नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: सुसमाचार की तुलना में कोई भी मनुष्य, ज्ञानवान नहीं है, चाहे कोई विद्वान हो या विवाद करने वाला हो।

शास्त्री
वह व्यक्ति जिसने बहुत अधिक अध्ययन किया हो

विवादी
वह व्यक्ति जो अपने ज्ञान के आधार पर विवद करता है या जो विवाद करने में दक्ष हो

क्या परमेश्वर ने संसार के ज्ञान को मूर्खता नहीं ठहराया?
पौलुस इस प्रश्न द्वारा बल देना चाहता है कि परमेश्वर ने इस संसार के ज्ञान का क्या कर दिया है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने निश्चय ही इस संसार के ज्ञान को मुर्खता ठहरा दिया है" या "परमेश्वर उस संदेश से प्रसन्न हुआ जिसे उन लोगो ने मुर्खता समझा था"(यू.डी.बी.)

विश्वास करनेवालों
इसके संभावित अर्थ है 1) "वे सब जो विश्वास करते है" (UDB) या 2) "जो उस मे विश्वास करते है"

1 Corinthians 1:22

हम... प्रचार करते है
यहाँ "हम" शब्द का अर्थ है पौलुस और अन्य सुसमाचार प्रचारक।

क्रूस पर चढ़ाए हुए मसीह का
"मसीह के बारे में जो क्रूस पर मर गया था"(यू.डी.बी.)

ठोकर का कारण
ठीक वैसे ही जैसे मनुष्य मार्ग में किसी पत्थर से ठोकर खाता है, यहूदियों के लिए क्रूस पर चढ़ाये गए मसीह के द्वारा उद्धार का संदेश भी ठोकर का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: "अस्वीकार्य" या "रोषकारी"।

1 Corinthians 1:24

जो बुलाए हुए हैं
“जिन्हें परमेश्वर ने बुलाया”

हम मसीह का प्रचार करते हैं
वैकल्पिक अनुवाद: “हम मसीह की शिक्षा देते हैं “ या “हम मनुष्यों में मसीह का सन्देश सुनाते हैं”।

मसीह परमेश्वर की सामर्थ और परमेश्वर का ज्ञान है
“मसीह ही है जिसके द्वारा परमेश्वर अपना सामर्थ्य और ज्ञान प्रकट करता है”

परमेश्वर की मूर्खता.... परमेश्वर की निर्बलता
यह परमेश्वर के स्वभाव और मनुष्य के स्वभाव में अन्तर है। यद्यपि परमेश्वर मूर्खता करे या दुर्बलता दिखाए तौभी वह मनुष्य के सर्वोत्तम स्वभाव से कहीं अधिक श्रेष्ठ होगी।

1 Corinthians 1:26

अपने बुलाए जाने को
“परमेश्वर ने तुम्हें पवित्र जन होने के लिए कैसे बुलाया है”

न बहुत.... बुलाए गए हैं
“तुम में बहुत ही कम”

शरीर के अनुसार
“मनुष्यों के विचार में” या “भलाई के विषय में मनुष्यों की समझ के अनुसार”

कुलीन
“परिवार के महत्वपूर्ण होने” या “राजसी” होने के द्वारा

परमेश्वर ने मूर्खों को चुन लिया कि ज्ञानवालों को लज्जित करें
परमेश्वर ने उन दीन जनों को चुन लिया जिन्हें यहूदी नगण्य मानते थे कि परमेश्वर की दृष्टि में उन जनमान्य अगुओं का महत्व नगण्य ठहरे।

परमेश्वर ने जगत के निर्बलों को चुन लिया है कि बलवानों को लज्जित करे
यह पिछले वाक्य के विचार को दूसरे शब्दों में व्यक्त करना है।

1 Corinthians 1:28

नीचों और तुच्छों
संसार के परित्यक्त जन, वैकल्पिक अनुवाद: “दीन एवं त्यागे हुए लोग”

वरन जो है भी नहीं
“जिन्हें मनुष्य अमान्य समझता है” (देखें:Active/Passive)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

व्यर्थ ठहराए
“उनका महत्व समाप्त कर दे”

जो हैं
“जिन्हें मनुष्य मूल्यवान मानता है” या “जिन्हें मनुष्य खरीदने योग्य या सम्मान के योग्य समझता है”

चुन लिया
“परमेश्वर ने चुन लिया”

1 Corinthians 1:30

परमेश्वर की ओर से
अर्थात क्रूस पर मसीह का कार्य

हमारे लिए
“हमारे” में पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों को भी समाहित करता है।

तुम मसीह यीशु में हो
“तुम ने मसीह यीशु के द्वारा उद्धार पा लिया है”

मसीह यीशु में हो, जो परमेश्वर की ओर से ज्ञान ठहरा।
“मसीह यीशु ने हम पर स्पष्ट प्रकट कर दिया कि परमेश्वर कितना बुद्धिमान है”। (यू.डी.बी.)

“जो घमण्ड करे वह प्रभु में घमण्ड करे”
वैकल्पिक अनुवाद: “यदि कोई घमण्ड करे तो वह प्रभु की महानता पर घमण्ड करे”

Translation Questions

1 Corinthians 1:1

पौलुस को किसने बुलाया और किस काम के लिए बुलाया?
मसीह यीशु ने पौलुस को प्रेरित होने के लिए बुलाया था।

1 Corinthians 1:3

पौलुस कुरिन्थ नगर की कलीसिया के लिए पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह से क्या कामना करता है?
पौलुस कामना करता है कि हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से इस कलीसिया को अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।

1 Corinthians 1:5

परमेश्वर ने कुरिन्थ की कलीसिया को कैसा धनी बनाया है?
परमेश्वर ने उन्हें सारे वचन और सारे ज्ञान में धनी बनाया है।

1 Corinthians 1:7

कुरिन्थ की कलीसिया में किस बात की घटी नहीं थी?
उन्हें किसी भी आत्मिक वरदान में घटी नहीं थी।

1 Corinthians 1:8

परमेश्वर कुरिन्थ की कलीसिया को अन्त तक दृढ़ क्यों करेगा?
वह तुम्हें अन्त तक दृढ़ भी करेगा, कि तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह के दिन में निर्दोष ठहरो।

1 Corinthians 1:10

पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया से क्या अनुग्रह करता है?
पौलुस उनसे आग्रह करता है कि वे सब एक मन और एकमत होकर रहें और उनमें फूट न हो और एक चित्त तथा एक ही उद्देश्य के निमित्त संगठित होकर रहें।

1 Corinthians 1:11

खलोए के परिजनों ने कुरिन्थ की कलीसिया के बारे में पौलुस को क्या समाचार सुनाया था?
खलोए के घराने के लोगों ने पौलुस को समाचार दिया था कि उनमें झगड़े हो रहे थे।

1 Corinthians 1:12

फूट से पौलुस का क्या अर्थ था?
पौलुस के कहने का अर्थ था कि उनमें से कुछ लोग कहते थे कि वे पौलुस के दल के हैं; कुछ कहते थे कि वे अपुल्लोस के दल के हैं, तो कुछ कैफा के दल के तो कुछ मसीह के हैं।

1 Corinthians 1:14

पौलुस परमेश्वर का धन्यवाद क्यों करता है कि उसने क्रिस्पुस और गयुस को छोड़ और किसी को बपतिस्मा नहीं दिया?
पौलुस परमेश्वर का धन्यवाद करता है कि ऐसा समय नहीं आया कि कोई कहे कि उसने पौलुस के नाम में बपतिस्मा लिया है।

1 Corinthians 1:17

मसीह ने पौलुस को वहां क्या करने भेजा था?
मसीह ने पौलुस को सुसमाचार सुनाने भेजा था।

1 Corinthians 1:18

नाश होने वालों के लिए क्रूस का सन्देश कैसा है?
क्रूस का सन्देश नाश होने वालों के लिए मूर्खता है।

उद्धार पाने वालों के लिए क्रूस का सन्देश क्या है?
यह उद्धार पाने वालों के लिए परमेश्वर का सामर्थ्य है।

1 Corinthians 1:20

परमेश्वर ने सांसारिक ज्ञान को क्या बना दिया है?
परमेश्वर ने सांसारिक ज्ञान को मूर्खता बना दिया है।

1 Corinthians 1:21

जो प्रचार की मूर्खता के द्वारा विश्वास करते हैं उससे परमेश्वर क्यों प्रसन्न है?
परमेश्वर इससे प्रसन्न हुआ क्योंकि संसार ने अपने ज्ञान के कारण परमेश्वर को नहीं जाना।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 1:26

शरीर के अनुसार ज्ञानवानों, सामर्थियों और कुलीन जनों में से कितनों को परमेश्वर ने बुलाया है?
परमेश्वर ने ऐसे अनेकों को नहीं बुलाया है।

1 Corinthians 1:27

परमेश्वर ने मूर्खों और निर्बलों को क्यों चुना?
परमेश्वर ने ऐसा इसलिये किया कि ज्ञानवान और बलवानों को लज्जित करे।

1 Corinthians 1:28

परमेश्वर ने ऐसा क्या किया कि उसके समक्ष किसी के पास गर्व करने का कारण न हो?
परमेश्वर ने नीचों और तुच्छों को वरन् जो हैं भी नहीं उनको भी चुन लिया।

1 Corinthians 1:30

विश्वासी मसीह में क्यों थे?
वे मसीह में थे क्योंकि परमेश्वर ने ऐसा किया।

मसीह यीशु हमारे लिए क्या बन गया?
मसीह परमेश्वर की ओर से हमारे लिए ज्ञान ठहरा अर्थात धार्मिकता, और पवित्रता और छुटकारा।

1 Corinthians 1:31

यदि हम घमण्ड करें तो किसमें घमण्ड करें?
जो घमण्ड करे वह प्रभु में घमण्ड करे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 हे भाइयों, जब मैं परमेश्वर का भेद सुनाता हुआ तुम्हारे पास आया, तो वचन या ज्ञान की उत्तमता के साथ नहीं आया। **2** क्योंकि मैंने यह ठान लिया था, कि
तुम्हारे बीच यीशु मसीह, वरन् क्रूस पर चढ़ाए हुए मसीह को छोड़ और किसी बात को न जानूँ।

3 और मैं निर्बलता और भय के साथ, और बहुत थरथराता हुआ तुम्हारे साथ रहा। **4** और मेरे वचन, और मेरे प्रचार में ज्ञान की लुभानेवाली बातें नहीं*; परन्तु
आत्मा और सामर्थ्य का प्रमाण था, **5** इसलिए कि तुम्हारा विश्वास मनुष्यों के ज्ञान पर नहीं, परन्तु परमेश्वर की सामर्थ्य पर निर्भर हो।

6 फिर भी सिद्ध लोगों में हम ज्ञान सुनाते हैं परन्तु इस संसार का और इस संसार के नाश होनेवाले हाकिमों का ज्ञान नहीं; **7** परन्तु हम परमेश्वर का वह गुप्त
ज्ञान, भेद की रीति पर बताते हैं, जिसे परमेश्वर ने सनातन से हमारी महिमा के लिये ठहराया।

8 जिसे इस संसार के हाकिमों में से किसी ने नहीं जाना, क्योंकि यदि जानते, तो तेजोमय प्रभु को क्रूस पर न चढ़ाते। (प्रेरि. 13:27) **9** परन्तु जैसा लिखा है,

> “जो आँख ने नहीं देखी*,
> और कान ने नहीं सुनी,
> और जो बातें मनुष्य के चित्त में नहीं चढ़ी वे ही हैं,
> जो परमेश्वर ने अपने प्रेम रखनेवालों के लिये तैयार की हैं।” (यशा. 64:4)

10 परन्तु परमेश्वर ने उनको अपने आत्मा के द्वारा हम पर प्रगट किया; क्योंकि आत्मा सब बातें, वरन् परमेश्वर की गूढ़ बातें भी जाँचता है। **11** मनुष्यों में से
कौन किसी मनुष्य की बातें जानता है, केवल मनुष्य की आत्मा जो उसमें है? वैसे ही परमेश्वर की बातें भी कोई नहीं जानता, केवल परमेश्वर का आत्मा। (नीति.
20:27)

12 परन्तु हमने संसार की आत्मा* नहीं, परन्तु वह आत्मा पाया है, जो परमेश्वर की ओर से है, कि हम उन बातों को जानें, जो परमेश्वर ने हमें दी हैं। **13**
जिनको हम मनुष्यों के ज्ञान की सिखाई हुई बातों में नहीं, परन्तु पवित्र आत्मा की सिखाई हुई बातों में, आत्मा, आत्मिक ज्ञान से आत्मिक बातों की व्याख्या
करती है।

14 परन्तु शारीरिक मनुष्य परमेश्वर के आत्मा की बातें ग्रहण नहीं करता, क्योंकि वे उसकी दृष्टि में मूर्खता की बातें हैं, और न वह उन्हें जान सकता है क्योंकि
उनकी जाँच आत्मिक रीति से होती है। **15** आत्मिक* जन सब कुछ जाँचता है, परन्तु वह आप किसी से जाँचा नहीं जाता।

> **16** “क्योंकि प्रभु का मन किस ने जाना है, कि उसे सिखाए?”
>
> परन्तु हम में मसीह का मन है। (यशा. 40:13)

---

1 Corinthians 2:1

शब्दों के ज्ञान की उत्तमता के साथ
“विवश कराने वाले उत्तम शब्दों के साथ नहीं”

और किसी बात को न जानूं
पौलुस का मुख्य विचार मानवीय ज्ञान की अपेक्षा मसीह के क्रूसीकरण पर था। “और किसी बात को न जानूं” अर्थात संपूर्ण एकाग्रता मसीह पर ही

1 Corinthians 2:3

तुम्हारे साथ रहा
“जब तुम्हारे मध्य रहा”

निर्बलता
संभावित अर्थ हैं 1) “शारीरिक दुर्बलता”(देखें यू.डी.बी.), 2) “अपूर्ण शक्ति के बोध के साथ”

लुभानेवाली बातें
आश्वस्त कराने वाली या मनुष्य को कुछ करने या विश्वास करने के लिए विवश करने वाली बातें।

मेरे वचन और मेरे प्रचार
पौलुस का प्रचार और शुभ सन्देश

1 Corinthians 2:6

ज्ञान सुनाते हैं
“ज्ञान की बातें सुनाते है”

सिद्ध लोगों में
वैकल्पिक अनुवाद:“परिपक्व विश्वासियों में”

हमारी महिमा के लिए
“हमारी भावी महिमा सुनिश्चित करने के लिए”

1 Corinthians 2:8

तेजोमय प्रभु
“यीशु महिमामय प्रभु”

आंखों ने नहीं देखी और कान ने नहीं सुनी, ...चित्त में नहीं चढ़ी।
यहाँ मनुष्यत्व की इन तीन ईन्द्रीयों पर बल देने का अभिप्राय यह है कि कोई भी मनुष्य परमेश्वर द्वारा तैयार की गई बातों को कभी समझ नहीं पाया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

परमेश्वर ने अपने प्रेम करनेवालों के लिए जिन बातों को तैयार किया है।
परमेश्वर ने अपने प्रेमियों के लिए स्वर्ग में अद्भुत आश्चर्य की बातें रखी है

1 Corinthians 2:10

उन को
यीशु और उसके क्रूस के सत्य

कौन किसी मनुष्य की बातें जानता है, केवल मनुष्य की आत्मा?
पौलुस इस प्रश्न द्वारा इस तथ्य पर बल दे रहा है कि विचार करनेवाले को छोड़ और कोई उसके विचार नहीं जान सकता है या मनुष्य की अपनी आत्मा के अतिरिक्त कोई नहीं जो उसके विचारों को जान पाए"।

केवल मनुष्य की आत्मा
ध्यान दें, "आत्मा" मनुष्य की अशुद्ध एवं दुष्ट आत्मा का संदर्भ है जो परमेश्वर के आत्मा से भिन्न है।

1 Corinthians 2:12

परन्तु हम
"हम" अर्थात पौलुस एवं उसके पाठक

परमेश्वर की ओर से है
"परमेश्वर ने हमें बिना मोल दिया है" या "परमेश्वर ने हमें मुझ में दिया है"।

आत्मिक बातें आत्मिक बातों से मिलाकर सुनाते हैं
पवित्र आत्मा अपने ही शब्दों में मिलकर विश्वासी तक परमेश्वर का सत्य पहुंचाता है और उन्हें अपना ज्ञान प्रदान करता है।

1 Corinthians 2:14

शारीरिक मनुष्य
अविश्वासी मनुष्य जिसने आत्मा नहीं पाया है

उनकी जांच आत्मिक रीति से होती है
"क्योंकि इन बातों को स्वीकरण आत्मा की सहायता की आवश्यकता है"।

आत्मिक जन
वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मा पाया हुआ विश्वासी"

प्रभु का मन किसने जाना है कि उसे सिखाए
प्रभु का मन किसने जाना है कि उसे सिखाए पौलुस इस प्रश्न के द्वारा इस तथ्य पर बल दे रहा है कि प्रभु का मन किसी ने नहीं जाना है? वैकल्पिक अनुवाद:"प्रभु का मन कोई नहीं जान सकता। अतः कोई उसे ऐसी बात नहीं सिखा सकता जो वह पहले से नहीं जानता है"।

Translation Questions

1 Corinthians 2:1

परमेश्वर के सत्य के भेद को सुनाने के लिए पौलुस किस क्षमता में कुरिन्थ आया था?
पौलुस परमेश्वर का भेद सुनाने के लिए शब्दों और ज्ञान की उत्तमता के साथ नहीं आया था।

1 Corinthians 2:2

भण्डारियों के लिए एक अनिवार्यता क्या है?
भण्डारियों को विश्वास योग्य होना चाहिये।

1 Corinthians 2:4

पौलुस के वचन और उसका प्रचार ज्ञान के द्वारा प्रेरित करने की अपेक्षा आत्मा और सामर्थ्य पर निर्भर क्यों था?
यह इसलिए कि उनका विश्वास मनुष्यों के ज्ञान पर नहीं परन्तु परमेश्वर के सामर्थ्य पर निर्भर हो।

1 Corinthians 2:7

पौलुस और उसके साथियों ने कौन सा ज्ञान बताया था?
उन्होंने गुप्त सत्यों में निहित परमेश्वर के ज्ञान को भेद की नीति पर बताया। गुप्त ज्ञान जिसे परमेश्वर ने सनातन से हमारी महिमा के लिए ठहराया।

1 Corinthians 2:8

यदि पौलुस के युग के हाकिम परमेश्वर के उस ज्ञान को जानते तो वे क्या नहीं करते?
यदि हाकिम उस ज्ञान को जान पाते तो वे तेजोमय प्रभु को क्रूस पर न चढ़ाते।

1 Corinthians 2:10

पौलुस और उसके साथियों ने परमेश्वर के उस ज्ञान को कैसे पाया था?
परमेश्वर ने आत्मा के द्वारा उन पर यह प्रकट किया था।

1 Corinthians 2:11

परमेश्वर की गूढ़ बातें कौन जांचता है?
आत्मा परमेश्वर की गूढ़ बातें भी जांचता है।

1 Corinthians 2:12

पौलुस और उसके साथियों ने परमेश्वर से आत्मा क्यों पाया था?
उन्होंने आत्मा पाया जो परमेश्वर की ओर से है जिससे कि वे उन बातों को समझें जो परमेश्वर ने हमें दी हैं।

1 Corinthians 2:14

शारीरिक मनुष्य परमेश्वर के आत्मा की बातें ग्रहण क्यों नहीं कर पाता है या समझ क्यों नहीं पाता है?
शारीरिक मनुष्य परमेश्वर की आत्मा की बातें ग्रहण नहीं करता है क्योंकि वे उसकी दृष्टि में मूर्खता की बातें हैं और न वह उन्हें जान सकता है क्योंकि उनकी जांच आत्मिक रीति से होती है।

1 Corinthians 2:16

पौलुस के अनुसार यीशु में विश्वास करने वालों में किसका मन है?
पौलुस कहता है कि उनमें मसीह का मन है।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 हे भाइयों, मैं तुम से इस रीति से बातें न कर सका, जैसे आत्मिक लोगों से परन्तु जैसे शारीरिक लोगों से, और उनसे जो मसीह में बालक हैं। **2** मैंने तुम्हें दूध पिलाया*, अन्न न खिलाया; क्योंकि तुम उसको न खा सकते थे; वरन् अब तक भी नहीं खा सकते हो,

3 क्योंकि अब तक शारीरिक हो। इसलिए, कि जब तुम में ईर्ष्या और झगड़ा है, तो क्या तुम शारीरिक नहीं? और मनुष्य की रीति पर नहीं चलते? **4** इसलिए कि जब एक कहता है, “मैं पौलुस का हूँ,” और दूसरा, “मैं अपुल्लोस का हूँ,” तो क्या तुम मनुष्य नहीं?

5 अपुल्लोस कौन है? और पौलुस कौन है? केवल सेवक, जिनके द्वारा तुम लोगों ने विश्वास किया, जैसा हर एक को प्रभु ने दिया।

6 मैंने लगाया, अपुल्लोस ने सींचा, परन्तु परमेश्वर ने बढ़ाया। **7** इसलिए न तो लगानेवाला कुछ है, और न सींचनेवाला, परन्तु परमेश्वर जो बढ़ानेवाला है।

8 लगानेवाला और सींचनेवाला दोनों एक हैं; परन्तु हर एक व्यक्ति अपने ही परिश्रम के अनुसार अपनी ही मजदूरी पाएगा। **9** क्योंकि हम परमेश्वर के सहकर्मी हैं; तुम परमेश्वर की खेती और परमेश्वर की रचना हो। **10** परमेश्वर के उस अनुग्रह के अनुसार, जो मुझे दिया गया, मैंने बुद्धिमान राजमिस्त्रि के समान नींव डाली, और दूसरा उस पर रद्दा रखता है। परन्तु हर एक मनुष्य चौकस रहे, कि वह उस पर कैसा रद्दा रखता है। **11** क्योंकि उस नींव को छोड़ जो पड़ी है, और वह यीशु मसीह है, कोई दूसरी नींव नहीं डाल सकता। (यशा. 28:16)

12 और यदि कोई इस नींव पर सोना या चाँदी या बहुमूल्य पत्थर या काठ या घास या फूस का रद्दा रखे, **13** तो हर एक का काम प्रगट हो जाएगा; क्योंकि वह दिन उसे बताएगा; इसलिए कि आग के साथ प्रगट होगा और वह आग हर एक का काम परखेगी कि कैसा है।

14 जिसका काम उस पर बना हुआ स्थिर रहेगा, वह मजदूरी पाएगा। **15** और यदि किसी का काम जल जाएगा, तो वह हानि उठाएगा; पर वह आप बच जाएगा परन्तु जलते-जलते।

16 क्या तुम नहीं जानते, कि तुम परमेश्वर का मन्दिर हो, और परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता है? **17** यदि कोई परमेश्वर के मन्दिर को नाश करेगा तो परमेश्वर उसे नाश करेगा; क्योंकि परमेश्वर का मन्दिर पवित्र है, और वह तुम हो।

18 कोई अपने आप को धोखा न दे। यदि तुम में से कोई इस संसार में अपने आप को ज्ञानी समझे, तो मूर्ख बने कि ज्ञानी हो जाए। **19** क्योंकि इस संसार का ज्ञान परमेश्वर के निकट मूर्खता है, जैसा लिखा है,

> “वह ज्ञानियों को उनकी चतुराई में फँसा देता है,” (अय्यू. 5:13)

20 और फिर, “प्रभु ज्ञानियों के विचारों को जानता है, कि व्यर्थ हैं।” (भज. 94:11)

21 इसलिए मनुष्यों पर कोई घमण्ड न करे, क्योंकि सब कुछ तुम्हारा है। **22** क्या पौलुस, क्या अपुल्लोस, क्या कैफा, क्या जगत, क्या जीवन, क्या मरण, क्या वर्तमान, क्या भविष्य, सब कुछ तुम्हारा है, **23** और तुम मसीह के हो, और मसीह परमेश्वर का है।

---

1 Corinthians 3:1

आत्मिक लोगों से
आत्मा के सामर्थ्य से पूर्ण लोगों से

शारीरिक लोगों से
अपनी अभिलाषाओं के अनुसार चलने वालों में से

मसीह में बालक है
कुरिन्थ के विश्वासियों की उन बालकों से तुलना की गई है जो आयु में बहुत कम और अबोध हैं, जैसे मसीह में बहुत कम आयु के विश्वासी।

मैंने तुम्हें दूध पिलाया, अन्न खिलाया
कुरिन्थ के विश्वासी नवजात शिशुओं के सदृश्य केवल दूध जैसे सत्य ही को ग्रहण कर सकते थे। वे विकसित बालकों की नाई ठोस आहार सदृश्य सत्य को अन्तर्ग्रहण नहीं कर सकते थे।

नहीं खा सकते हो
“तुम मसीह के अनुसरण की कठिन बातों को ग्रहण करने योग्य नहीं हो”

1 Corinthians 3:3

अब तब शारीरिक थे
अब तब पापी या सांसारिक अभिलाषाओं के दास हो

क्या तुम शारीरिक नहीं?
पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों को उनकी पापी प्रकृति के लिए झिड़कता है। “तुम अपने पापी स्वभाव के अनुसार जीवन जी रहे हो”।

क्या मनुष्य की रीति पर नहीं चलते?
पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों को मानवीय मानकों के अनुसार जीवन निर्वाह हेतु झिड़कता है। वैकल्पिक अनुवाद: “तुम मानवीय मानकों पर जीवन आचरण रखते हो”।

क्या तुम मनुष्य नहीं?
पौलुस उन्हें पवित्र आत्मा रहित मनुष्यों का सा जीवन जीने के लिए झिड़कता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अपुल्लोस क्या है? और पौलुस क्या है?
पौलुस जिस बात पर बल दे रहा है, वह है कि वह और अपुल्लोस सुसमाचार के मूल स्रोत नहीं हैं, अतः विश्वासियों के प्रचारक समूहों को सुसमाचार का स्रोत न बनाए। वैकल्पिक अनुवाद:"यह उचित नहीं कि विश्वासी पौलुस या अपुल्लोस के कारण अलग-अलग दल बनाकर सुसमाचार को विभाजित करे"

केवल सेवक जिनके द्वारा तुम ने विश्वास किया
पौलुस स्वयं ही अपने प्रश्न का उत्तर देता है कि वे दोनों ही परमेश्वर के सेवक हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तुम ने पौलुस और अपुल्लोस की शिक्षाओं द्वारा शुभ सन्देश में विश्वास किया है”।

जैसा हर एक को प्रभु ने दिया
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर ने पौलुस को और अपुल्लोस को अपना-अपना काम दिया है”।

1 Corinthians 3:6

मैंने लगाया
परमेश्वर के ज्ञान की तुलना एक बीज से की गई है, जिसे विकसित होने के लिए बोना आवश्यक है।

सींचा
जैसे बीज को विकसित होने के लिए पानी की आवश्यकता होती है वैसे ही विश्वास की उन्नति करने के लिए शिक्षा की आवश्यकता होती है।

बढ़ाया
जिस प्रकार पौधे विकसित होकर बढ़ते हैं उसी प्रकार विश्वास और परमेश्वर का ज्ञान विकसित होकर गहरा और अधिक दृढ़ होता है।

इसलिए न तो लगानेवाला कुछ है... परमेश्वर ही सब कुछ है जो बढ़ानेवाला है।
पौलुस बल देकर कह रहा है कि विश्वासियों के आत्मिक विकास के लिए न तो उस और न ही अप्पुलोस को श्रेय जाता है परन्तु केवल परमेश्वर ही का कार्य है।

1 Corinthians 3:8

लगानेवाला और सींचनेवाला दोनों एक हैं
लगाए और सींचना दोनों एक ही काम हैं जिसकी तुलना पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया में मसीह सेवा निमित्त उसके और अप्पुलोस के कामों से करता है।

हर एक व्यक्ति अपने ही परिणाम के अनुसार अपनी मजदूरी पाएगा।
मजदूर की मजदूरी उसके काम के अनुसार दी जाती है।

हमें
पौलुस और अप्पुलोस, कुरिन्थ की कलीसिया नहीं

परमेश्वर के सहकर्मी हैं
परमेश्वर के सहकर्मी हैं पौलुस अप्पुलोस को और स्वयं को परमेश्वर का सहकर्मी मानता है साथ काम करने वाले।

परमेश्वरी की खेती
परमेश्वर कुरिन्थ की कलीसिया की बागवानी करता है जैसे मनुष्य बगीचे की बागवानी करके उसे फल देने योग्य बनाते हैं।

परमेश्वर की रचना ही
परमेश्वर ने कुरिन्थ की कलीसिया को रूप देकर रचा है जैसे मनुष्य एक भवन का निर्माण करता है

1 Corinthians 3:10

परमेश्वर के इस अनुग्रह के अनुसार जो मुझे दिया गया
“उस दायित्व के अनुसार जो परमेश्वर ने मुझे अनुग्रह करके दिया”।

मैंने....नींव डाली
पौलुस विश्वास और मसीह यीशु में उद्धार की अपनी शिक्षा की तुलना एक भवन की नींव डालने से करता है।

दूसरा उस पर रद्दा रखता है
दूसरा प्रचारक इन विश्वासियों को आत्मिक सहायता प्रदान करते हुए कलीसिया में सुसमाचार प्रचार का निर्माण ही करता है।

हर एक मनुष्य
सामान्य रूप में परमेश्वर के सेवक। वैकल्पिक अनुवाद:“परमेश्वर की सेवा करनेवाला हर एक मनुष्य”

उस नींव को छोड़ जो पड़ी है
नींव पर निर्माण हो जाने के बाद वह बदली नहीं जा सकती है। यहां मसीह रूपी नींव पर कुरिन्थ की कलीसिया का निर्माण जो पौलुस द्वारा किया गया है। “मुझ पौलुस ने जो नींव डाली उसके अतिरिक्त”

1 Corinthians 3:12

कोई इस नींव पर सोना या चांदी या बहुमूल्य पत्थर या काठ या घास या फूस का रद्दा रखे।
किसी भवन का नवनिर्माण सामग्री की तुलना उन आत्मिक बातो से की जा रही है जिनके द्वारा मनुष्य के संपूर्ण जीवन का व्यवहार एवं कार्य ढाले जाते हैं। “मनुष्य बहुमूल्य स्थाई सामग्री काम में लेता है या घटिया ज्वलनशील सामग्री काम में लेता है”

बहुमूल्य पत्थर
“मूल्यवान पत्थर”

हर एक काम प्रकट हो जाएगा क्योंकि वह दिन उसे बताएगा।
“जिस प्रकार दिन का प्रकाश निर्माण में काम करने वाले के परिश्रम को प्रकट करता है उसी प्रकार परमेश्वर की उपस्थिति का प्रकाश मनुष्य के परिश्रम एवं कार्य की गुणवत्ता को प्रकट करेगा। “दिन का प्रकाश उसके काम की गुणवत्ता को प्रकट करेगा”।

आग हर एक के कामों की गुणवत्ता प्रकट करेगी।
“जिस प्रकार दिन का प्रकाश निर्माण में काम करने वाले के परिश्रम को प्रकट करता है उसी प्रकार परमेश्वर की उपस्थिति का प्रकाश मनुष्य के परिश्रम एवं कार्य की गुणवत्ता को प्रकट करेगा।वैकल्पिक अनुवाद “दिन का प्रकाश उसके काम की गुणवत्ता को प्रकट करेगा”।

1 Corinthians 3:14

स्थिर रहेगा
“नष्ट न होगा” या “ज्यों का त्यों रहेगा”। (यू.डी.बी.)

किसी का काम जल जाएगा
“यदि आग किसी का काम भस्म कर देगी” या “किसी का काम आग में जल कर नष्ट हो गया”

“किसी का”, “वह” “वह आप”
ये शब्द उस मनुष्य से संदर्भित है जो सेवा करता है, वैकल्पिक अनुवाद “वह व्यक्ति” या “वह”(यू.डी.बी.)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

वह हानि उठाएगा पर वह आप बच जाएगा
“वह उस काम से वंचित हो जाएगा और उस प्रतिफल से भी जो अग्नि परीक्षा के बाद उसके काम के स्थिर रहने पर उसे मिलता, परन्तु परमेश्वर उसे बचा लेगा”

1 Corinthians 3:16

क्या तुम नहीं जानते कि तुम परमेश्वर का मन्दिर हो, और परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता है।
वैकल्पिक अनुवाद: “तुम परमेश्वर का मन्दिर हो और परमेश्वर की आत्मा तुम में वास करता है”।

नष्ट करेगा
“नष्ट करेगा” या “क्षतिग्रस्त करेगा”

परमेश्वर उसका नाश करेगा क्योंकि परमेश्वर का मन्दिर पवित्र है और वह तुम हो।
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर उसका सर्वनाश करेगा क्योंकि परमेश्वर का मन्दिर पवित्र है और तुम भी पवित्र हो”।

1 Corinthians 3:18

कोई अपने आप को धोखा न दे
कोई इस भ्रम में न रहे कि वही इस संसार में बुद्धिमान है

इस संसार में
“इस समय”

मूर्ख बने कि ज्ञानी हो जाए
“वह इस संसार द्वारा निर्धारित मूर्खता का अपनाए कि परमेश्वर का सच्चा ज्ञान प्राप्त करे”।

"वह ज्ञानियों को उनकी चतुराई में फंसा देता है"
“वह ज्ञानियों को उनकी चतुराई में फंसा देता है और उन्हीं की योजनाओं को उनके लिए जाल बना देता है।

प्रभु ज्ञानियों के विचारों को जानता है।
वैकल्पिक अनुवाद: “जो सोचते हैं कि वे बुद्धिमान है परन्तु परमेश्वर उनकी योजनाओं को जानता है”। या “परमेश्वर बुद्धिमानों की सब योजनाओं को सुनता है”। (यू.डी.बी.)

व्यर्थ हैं
“व्यर्थ”, वैकल्पिक अनुवाद: “निकम्मी”, या “निरर्थक”

1 Corinthians 3:21

मनुष्यों पर कोई घमण्ड न करे
पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया को निर्देश दे रहा है। वैकल्पिक अनुवाद, “घमण्ड करना छोड़ दो कि हमारा अगुआ दूसरे से अधिक ज्ञानी है”।

घमण्ड
“अत्यधिक गर्व करना” कुरिन्थ की कलीसिया में विभाजित दल मसीह यीशु की उपासना की अपेक्षा अपने नायकों पर गर्व करते थे।

तुम मसीह के हो और मसीह परमेश्वर का है
“तुम मसीह के हो और मसीह परमेश्वर का है”

Translation Questions

1 Corinthians 3:1

पौलुस क्यों कहता है कि वह कुरिन्थ के विश्वासियों के साथ आत्मिक मनुष्यों की नाईं बातें नहीं कर सकता था?
पौलुस उनसे आत्मिक मनुष्यों की नाईं बातें नहीं कर सकता था क्योंकि वे शारीरिक थे, उनमें डाह और झगड़े थे।

1 Corinthians 3:5

पौलुस कौन था और अपुल्लोस कौन था?
जिनके माध्यम से कुरिन्थ की कलीसिया ने मसीह में विश्वास किया वे परमेश्वर के सहकर्मी और सेवक थे।

1 Corinthians 3:7

बढ़ाने वाला कौन है?
परमेश्वर बढ़ाता है।

1 Corinthians 3:11

नींव क्या है?
मसीह यीशु नींव है।

1 Corinthians 3:12

नींव जो मसीह यीशु है उस पर निर्माण करने वाले के कामों का क्या होगा?
उसके काम दिन के प्रकाश में और आग से प्रकट होंगे।

1 Corinthians 3:13

मनुष्य के काम को आग क्या करेगी?
आग हर एक के कामों की गुणकारिता प्रकट करेगी।

1 Corinthians 3:14

किसी का काम आग में से बच कर निकले तो क्या होगा?
वह प्रतिफल पायेगा।

1 Corinthians 3:15

जिस मनुष्य के काम आग में भस्म हो जायेंगे उसका क्या होगा?
वह मनुष्य हानि तो उठाएगा पर वह आप बच जायेगा परन्तु जलते-जलते।

1 Corinthians 3:16

हम, मसीह के विश्वासी क्या है और हम में कौन अन्तर्वास करता है?
हम परमेश्वर के मन्दिर हैं और परमेश्वर का आत्मा हममें वास करता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 3:17

परमेश्वर के मंदिर को नष्ट करने वाले का क्या होगा?
परमेश्वर के मंदिर को नष्ट करने वालों को परमेश्वर नष्ट करेगा।

1 Corinthians 3:18

जो इस युग में स्वयं को ज्ञानवान समझता है उससे पौलुस क्या कहता है?
पौलुस कहता है, मनुष्य ".....मूर्ख बने कि ज्ञानी हो जाये।"

1 Corinthians 3:20

प्रभु ज्ञानियों के विचारों को क्या समझता है?
प्रभु ज्ञानियों के विचारों को जानता है कि वे व्यर्थ हैं।

1 Corinthians 3:21

पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया से क्यों कहता है कि वे घमण्ड करना त्याग दें?
उसने उनसे कहा कि घमण्ड करना छोड़ दें, "क्योंकि सब कुछ तुम्हारा है" क्योंकि "तुम मसीह के हो और मसीह परमेश्वर का है"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 मनुष्य हमें मसीह के सेवक और परमेश्वर के भेदों के भण्डारी समझे। **2** फिर यहाँ भण्डारी में यह बात देखी जाती है, कि विश्वासयोग्य निकले।

3 परन्तु मेरी दृष्टि में यह बहुत छोटी बात है, कि तुम या मनुष्यों का कोई न्यायी मुझे परखे, वरन् मैं आप ही अपने आप को नहीं परखता। **4** क्योंकि मेरा मन मुझे किसी बात में दोषी नहीं ठहराता, परन्तु इससे मैं निर्दोष नहीं ठहरता, क्योंकि मेरा परखनेवाला प्रभु है। (भज. 19:12)

5 इसलिए जब तक प्रभु न आए, समय से पहले किसी बात का न्याय न करो: वही तो अंधकार की छिपी बातें* ज्योति में दिखाएगा, और मनों के उद्देश्यों को प्रगट करेगा, तब परमेश्वर की ओर से हर एक की प्रशंसा होगी।

6 हे भाइयों, मैंने इन बातों में तुम्हारे लिये अपनी और अपुल्लोस की चर्चा दृष्टान्त की रीति पर की है, इसलिए कि तुम हमारे द्वारा यह सीखो,

कि लिखे हुए से आगे न बढ़ना,

और एक के पक्ष में और दूसरे के विरोध में गर्व न करना। **7** क्योंकि तुझ में और दूसरे में कौन भेद करता है? और तेरे पास क्या है जो तूने (दूसरे से) नहीं पाया और जब कि तूने (दूसरे से) पाया है, तो ऐसा घमण्ड क्यों करता है, कि मानो नहीं पाया?

8 तुम तो तृप्त हो चुके; तुम धनी हो चुके, तुम ने हमारे बिना राज्य किया; परन्तु भला होता कि तुम राज्य करते कि हम भी तुम्हारे साथ राज्य करते। **9** मेरी समझ में परमेश्वर ने हम प्रेरितों को सब के बाद उन लोगों के समान ठहराया है, जिनकी मृत्यु की आज्ञा हो चुकी हो; क्योंकि हम जगत और स्वर्गदूतों और मनुष्यों के लिये एक तमाशा ठहरे हैं।

10 हम मसीह के लिये मूर्ख है*; परन्तु तुम मसीह में बुद्धिमान हो; हम निर्बल हैं परन्तु तुम बलवान हो। तुम आदर पाते हो, परन्तु हम निरादर होते हैं। **11** हम इस घड़ी तक भूखे-प्यासे और नंगे हैं, और घूसे खाते हैं और मारे-मारे फिरते हैं;

12 और अपने ही हाथों के काम करके परिश्रम करते हैं। लोग बुरा कहते हैं, हम आशीष देते हैं; वे सताते हैं, हम सहते हैं। **13** वे बदनाम करते हैं, हम विनती करते हैं हम आज तक जगत के कूड़े और सब वस्तुओं की खुरचन के समान ठहरे हैं। (विला. 3:45)

14 मैं तुम्हें लज्जित करने के लिये ये बातें नहीं लिखता, परन्तु अपने प्रिय बालक जानकर तुम्हें चिताता हूँ। **15** क्योंकि यदि मसीह में तुम्हारे सिखानेवाले दस हजार भी होते, तो भी तुम्हारे पिता बहुत से नहीं, इसलिए कि मसीह यीशु में सुसमाचार के द्वारा मैं तुम्हारा पिता हुआ। **16** इसलिए मैं तुम से विनती करता हूँ, कि मेरी जैसी चाल चलो।

17 इसलिए मैंने तीमुथियुस को जो प्रभु में मेरा प्रिय और विश्वासयोग्य पुत्र है, तुम्हारे पास भेजा है, और वह तुम्हें मसीह में मेरा चरित्र स्मरण कराएगा, जैसे कि मैं हर जगह हर एक कलीसिया में उपदेश करता हूँ। **18** कितने तो ऐसे फूल गए हैं, मानो मैं तुम्हारे पास आने ही का नहीं।

19 परन्तु प्रभु चाहे तो मैं तुम्हारे पास शीघ्र ही आऊँगा, और उन फूले हुओं की बातों को नहीं, परन्तु उनकी सामर्थ्य को जान लूँगा। **20** क्योंकि परमेश्वर का राज्य बातों में नहीं, परन्तु सामर्थ्य में है। **21** तुम क्या चाहते हो? क्या मैं छड़ी लेकर तुम्हारे पास आऊँ या प्रेम और नम्रता की आत्मा के साथ?

---

1 Corinthians 4:1

(इस सम्बन्ध में)
वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि हम भण्डारी हैं”

भण्डारी में यह बात देखी जाती है कि
वैकल्पिक अनुवाद: “हमारे लिए अनिवार्य है कि”

1 Corinthians 4:3

यह बहुत छोटी बात है कि तुम पर मनुष्यों का कोई न्यायी मुझे परखे
पौलुस मनुष्य के न्याय और परमेश्वर के न्याय में तुलना कर रहा है। परमेश्वर मनुष्य का न्याय करता है तब उसके सामने मनुष्य द्वारा किया गया न्याय कोई अर्थ नहीं रखता है।

मेरा मन मुझे किसी बात का दोषी नहीं ठहराता
वैकल्पिक अनुवाद: “मैंने अपने ऊपर कोई दोष लगाया गया नहीं सुना है”।

इससे मैं निर्दोष नहीं ठहरता, क्योंकि मेरा परखनेवाला प्रभु है।
दोष न होना मेरी निर्दोषिता को सिद्ध नहीं करता है। केवल प्रभु जानता है कि मैं निर्दोष हूं या दोषी।

1 Corinthians 4:5

इसलिए.... किसी बात का न्याय न करो
प्रभु जब आएगा तक वह न्याय करेगा, हमें न्याय करने की आवश्यकता नहीं है

जब तक प्रभु न आए
प्रभु के पुनः आगमन तक

मनों के अभिप्रायों को
“मनुष्यों के आन्तरिक उद्देश्यों को”

वही अन्धकार की छिपी बातें ज्योति में दिखायेगा और मनों के अभिप्रायों को प्रगट करेगा।
परमेश्वर मनुष्य के मन के विचार और उद्देश्यों को सामने लाएगा। प्रभु के समक्ष कुछ भी छिपा नहीं है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 4:6

तुम्हारे कारण
"तुम्हारे लाभ के लिए"

लिखे हुए से आगे न बढ़ना
"धर्मशास्त्र में जो लिखा है उसके विपरीत कुछ न करना"

एक के पक्ष में और दूसरे के विरोध में गर्व न करना
पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों को झिड़क रहा है क्योंकि वे सोचते थे कि पौलुस या अप्पुलोस द्वारा शुभ सन्देश सुनने के कारण वे दूसरों से अधिक अच्छे हैं। वैकल्पिक अनुवाद, "तुम अन्य मनुष्यों से श्रेष्ठ नहीं"।

तेरे पास क्या है, जो तूने (दूसरे से) नहीं पाया?
पौलुस बल देकर कहता है कि उनके पास जो है वह परमेश्वर ने उन्हें अनर्जित दिया है, वैकल्पिक अनुवाद, "तुम्हारे पास जो कुछ भी है, वह परमेश्वर ने तुम्हें दिया है"

तो ऐसा घमण्ड क्यों करता है कि मानो नहीं पाया?
पौलुस उन्हें झिड़क रहा है कि क्योंकि वे अपनी सम्पदा पर घमण्ड करते थे, "तुम्हें घमण्ड करने का अधिकार नहीं है" या "घमण्ड कभी नहीं करना"

1 Corinthians 4:8

हो चुके
पौलुस उपहास द्वारा अपनी बात समझाता है

परमेश्वर ने हम प्रेरितों को... एक तमाशा ठहरे
परमेश्वर ने हम प्रेरितों को.... एक तमाशा ठहरे परमेश्वर दो प्रकार से व्यक्त करता है कि परमेश्वर ने संसार में प्रेरितों का प्रदर्शन कैसे किया।

तमाशा ठहरे हैं
रोमी सैनिक जुलूस के अन्त में बन्दियों को मृत्युदण्ड से पूर्व अपमानित किया जाता था वैसे ही परमेश्वर ने प्रेरितों के साथ किया है।

उन लोगों के समान.... जिनकी मृत्यु की आज्ञा हो चुकी है
परमेश्वर ने प्रेरितों को मृत्युदण्ड प्राप्त मनुष्यों के सदृश्य प्रदर्शन में रख दिया है।

स्वर्गदूतों और मनुष्यों के लिए
अलौकिक और लौकिक दोनों के लिए

1 Corinthians 4:10

हम मसीह के लिए मूर्ख हैं, परन्तु तुम मसीह में बुद्धिमान हो
पौलुस संसारिक दृष्टिकोण और मसीह में विश्वास के मसीही दृष्टिकोण में विषमता दर्शाता है।

हम निर्बल है, परन्तु तुम बलवान हो
मसीह में विश्वास करने के दृष्टिकोण और संसारिक दृष्टिकोण की विषमता पौलुस प्रकट करता है

तुम आदर करते हो
"मनुष्य तुम कुरिन्थवासियों को सम्मान देते है"

हम निरादर होते हैं
"मनुष्य हम प्रेरितों का अनादर करते हैं"

हम इस घड़ी तक
वैकल्पिक अनुवाद: "अब तक" या "आज भी"

घूसे खाते हैं
वैकल्पिक अनुवाद: "हमें कठोरता से पीटा जाता है"

1 Corinthians 4:12

लोग हमें बुरा कहते हैं, हम आशीष देते हैं
"जब लोग हमारी निन्दा करते हैं तब हम उन्हें आशीर्वाद देते हैं"

बुरा
वैकल्पिक अनुवाद: "ठट्ठा" संभवतः "अपशब्द" या "कोसते हैं" (यू.डी.बी.)

जब वे सताते हैं
"जब मनुष्य हमें सताते हैं"

वे बदनाम करते हैं
"जब लोग अनुचित रूप से हमें बुरा करने वाला कहते हैं"

हम आज तक जगत का कूड़ा
हम आज तक जगत का कूड़ा "हम तो हो ही गए है और लोग हमें आज तक संसार का कूड़ा कहते है"।

1 Corinthians 4:17

अब
पौलुस उनके अभिमानी स्वभाव को झिड़कने पर ध्यान देता है

1 Corinthians 4:19

आऊंगा
"मैं तुम्हारे मध्य उपस्थित होऊंगा"

बातों में नहीं
वैकल्पिक अनुवाद: "शब्दों का जाल नहीं है" या "तुम्हारे कहने ही से नहीं है"। (यू.डी.बी.)

तुम क्या चाहते हो?
पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों को उनकी चूक पर झिड़कते हुए अन्तिम बार आग्रह कर रहा है। "मुझे बताओ कि तुम अब क्या कहते हो कि किया जाए"।

क्या मैं छड़ी लेकर तुम्हारे पास आऊं या प्रेम और नम्रता की आत्मा के साथ
पौलुस उनसे कह रहा है कि जब उनके मध्य आए तो दो से एक व्यवहार करे। "क्या तुम चाहते हो कि जब मैं आऊं तो कठोरता के साथ शिक्षा दूं या तुम चाहते हो कि तुम से तुम्हारे साथ प्रेम का सा नम्रता का व्यवहार करूं"?

नम्रता की आत्मा
वैकल्पिक अनुवाद: "दया" या "कोमलता"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

1 Corinthians 4:1

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया को उन्हें क्या समझने को कहा?
वे उन्हें सेवक और परमेश्वर के भेद के भण्डारी समझें।

1 Corinthians 4:4

पौलुस किसे अपना न्यायकर्ता मानता है?
पौलुस कहता है कि प्रभु उसका न्याय करता है।

1 Corinthians 4:5

प्रभु आयेगा तब क्या करेगा?
वह अंधकार की बातों को प्रकाश में लाकर मन के उद्देश्यों को उजागर करेगा।

1 Corinthians 4:6

पौलुस ने स्वयं के लिए और अपुल्लोस के लिए इन सिद्धान्तों को लागू क्यों किया था?
पौलुस ने कुरिन्थ के विश्वासियों के लिए यह उदाहरण दिया कि वे उनसे सीखें कि लिखे हुए से आगे नहीं बढ़ना चाहिये, कि एक के पक्ष में और दूसरे के विरोध में गर्व न करें।

1 Corinthians 4:8

पौलुस ने ऐसी कामना क्यों की कि कुरिन्थ के विश्वासी राज्य करें?
पौलुस कहता है, "भला होता कि राज्य करते कि हम भी तुम्हारे साथ राज्य करते।"

1 Corinthians 4:10

पौलुस कौन सी तीन बातों में अपनी और अपने साथियों की तुलना कुरिन्थ की कलीसिया से करता है?
पौलुस कहता है, "हम मसीह के लिए मूर्ख हैं परन्तु तुम मसीह में बुद्धिमान हो, हम निर्बल हैं परन्तु तुम बलवान हो, तुम आदर पाते हो परन्तु हम निरादर होते हैं।"

1 Corinthians 4:11

पौलुस ने प्रेरितों की शारीरिक दशा का कैसे वर्णन किया?
पौलुस ने कहा कि वे भूखे, प्यासे और नंगे रहे, घूसे खाते रहे और मारे-मारे फिरते रहे।

1 Corinthians 4:12

पौलुस और उसके साथियों की प्रतिक्रिया दुर्व्यवहार में कैसी थी?
जब उनकी निन्दा की गई तो उन्होंने आशिष दी, उन्हें सताया गया तो उन्होंने सहन किया, उन्हें बदनाम किया गया तो उन्होंने विनती की।

1 Corinthians 4:14

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया को ये बातें क्यों लिखीं?
उसने उन्हें प्रिय बालकों की नाईं सुधारने के लिए यह पत्र लिखा।

1 Corinthians 4:16

पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया को कैसी चाल चलने के लिए कहता है?
पौलुस उनसे कहता है कि उसकी सी चाल चलें।

1 Corinthians 4:17

पौलुस ने तीमुथियुस को कुरिन्थ किस बात पर उन्हें स्मरण करवाने के लिए भेजा?
पौलुस ने तीमुथियुस को कुरिन्थ भेजा कि उन्हें मसीह में पौलुस का जो चरित्र है उसका स्मरण कराए।

1 Corinthians 4:18

कुरिन्थ की कलीसिया के कुछ विश्वासियों का व्यवहार कैसा था?
उनमें से कुछ तो ऐसे घमण्डी हो गए थे कि मानो पौलुस वहाँ कभी नहीं जाएगा।

1 Corinthians 4:20

परमेश्वर का राज्य किसमें है?
परमेश्वर का राज्य सामर्थ्य में है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 यहाँ तक सुनने में आता है, कि तुम में व्यभिचार होता है, वरन् ऐसा व्यभिचार जो अन्यजातियों में भी नहीं होता, कि एक पुरुष अपने पिता की पत्नी को
रखता है। (लैव्य. 18:8, व्य. 22:30) **2** और तुम शोक तो नहीं करते, जिससे ऐसा काम करनेवाला तुम्हारे बीच में से निकाला जाता, परन्तु घमण्ड करते हो।

3 मैं तो शरीर के भाव से दूर था, परन्तु आत्मा के भाव से तुम्हारे साथ होकर, मानो उपस्थिति की दशा में ऐसे काम करनेवाले के विषय में न्याय कर चुका हूँ। **4**
कि जब तुम, और मेरी आत्मा, हमारे प्रभु यीशु की सामर्थ्य के साथ इकट्ठे हों, तो ऐसा मनुष्य, हमारे प्रभु यीशु के नाम से। **5** शरीर के विनाश के लिये शैतान को
सौंपा जाए, ताकि उसकी आत्मा प्रभु यीशु के दिन में उद्धार पाए।

6 तुम्हारा घमण्ड करना अच्छा नहीं; क्या तुम नहीं जानते, कि थोड़ा सा ख़मीर* पूरे गुँधे हुए आटे को ख़मीर कर देता है। **7** पुराना ख़मीर निकालकर, अपने
आप को शुद्ध करो कि नया गूँधा हुआ आटा बन जाओ; ताकि तुम अख़मीरी हो, क्योंकि हमारा भी फसह जो मसीह है, बलिदान हुआ है। **8** इसलिए आओ हम
उत्सव में आनन्द मनायें, न तो पुराने ख़मीर से और न बुराई और दुष्टता के ख़मीर से, परन्तु सिधाई और सच्चाई की अख़मीरी रोटी से।

9 मैंने अपनी पत्री में तुम्हें लिखा है*, कि व्यभिचारियों की संगति न करना। **10** यह नहीं, कि तुम बिलकुल इस जगत के व्यभिचारियों, या लोभियों, या अंधेर
करनेवालों, या मूर्तिपूजकों की संगति न करो; क्योंकि इस दशा में तो तुम्हें जगत में से निकल जाना ही पड़ता।

11 मेरा कहना यह है; कि यदि कोई भाई कहलाकर, व्यभिचारी, या लोभी, या मूर्तिपूजक, या गाली देनेवाला, या पियक्कड़, या अंधेर करनेवाला हो, तो उसकी
संगति मत करना; वरन् ऐसे मनुष्य के साथ खाना भी न खाना। **12** क्योंकि मुझे बाहरवालों का न्याय करने से क्या काम*? क्या तुम भीतरवालों का न्याय नहीं
करते? **13** परन्तु बाहरवालों का न्याय परमेश्वर करता है:

इसलिए उस कुकर्मी को अपने बीच में से निकाल दो।

---

1 Corinthians 5:1

अन्यजातियों में भी नहीं होता
“अन्यजाति लोग भी ऐसा व्यवहार स्वीकार नहीं करते हैं”।

रखता है
“यौन संबन्ध रखता है”

पिता की पत्नी
उसके पिता की पत्नी जो संभवतः उसकी माता नहीं है

तुम शोक तो नहीं करते
यह प्रभावोत्पादक प्रश्न उन्हें झिड़कने के लिए है, “इसकी अपेक्षा तुम्हें क्या शोक नहीं करना चाहिए”?

ऐसा काम करने वाला तुम्हारे बीच में से निकाला जाता।
“उसे तुम अपनी संगति से बहिष्कृत कर दो”

1 Corinthians 5:3

आत्मा के भाव से
पौलुस के मन में सदैव उनका विचार था। “मैं अपने विचारों में तुम्हारे मध्य था”।

ऐसे काम करनेवाले के विषय में यह आज्ञा दे चुका हूं
“मैंने उसे दोषी पाया है”

इकट्ठे हो
“सभा करें”

प्रभु यीशु की सामर्थ्य के साथ
मसीह यीशु की आराधना में एकत्र होने के लिए यह एक मुहावरा है।

शैतान को सौंपा जाए
उस मनुष्य को परमेश्वर के लोगों से अलग कर दिया जाए कि वह शैतान के राज्य में वास करे, कलीसिया के बाहर के संसार में।

शरीर के विनाश के लिए
कि वह रोग ग्रस्त हो जाए, परमेश्वर से पाप का दण्ड पाए।

1 Corinthians 5:6

क्या तुम नहीं जानते कि थोड़ा सा खमीर पूरे गूंधे हुए आटे को खमीर कर देता है?
जिस प्रकार कि थोड़ा सा खमीर पूरे गूंधे हुए आटे को खमीर कर देता है उसी प्रकार एक छोटा पाप भी संपूर्ण मसीही सहभागिता को दूषित कर देता है”।

बलिदान हुआ
“प्रभु परमेश्वर ने मसीह यीशु की बलि चढ़ाई”

हमारा भी फसह जो मसीह है, बलिदान हुआ
जिस प्रकार फसह का मेमना इस्राएल के पापों को ढांप देता था विश्वास के द्वारा प्रतिवर्ष उसी प्रकार मसीह की मृत्यु मसीह में विश्वास करनेवालों के पाप अनन्तकाल के लिए ढांप देती है।

1 Corinthians 5:9

व्यभिचारियों
वे लोग जो मसीह में विश्वास का दावा करके ऐसी व्यवस्था करते हैं।

इस जगत के व्यभिचारियों
अविश्वासी जो अनैतिक जीवन जी रहें हैं।

लोभियों
“लालची लोग” या “दूसरों के पास जो है उसकी लालसा करते है”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अन्धेर करनेवालों
अंधेर करने वालों अर्थात वे लोग जो पैसे या सम्पदा के लिए धोखा करते हैं।

पौलुस का अभिप्राय संसार के भौतिक लोगों से नहीं था क्योंकि ऐसे में तो उन्हें संसार से बाहर चले जाना होगा।
संसार में ऐसे व्यवहार से बचा कोई स्थान नहीं है, वैकल्पिक अनुवाद: “इससे बचने के लिए तुम्हें सब मनुष्यों से बचना होगा”

1 Corinthians 5:11

भाई कहला कर
जो स्वयं को मसीह का विश्वासी कहे

मुझे बाहर वालों का न्याय करने से क्या काम?
वैकल्पिक अनुवाद: “मैं कलीसिया से बाहर के मनुष्य का न्याय नहीं करता हूं”।

क्या तुम भीतरवालों का न्याय नहीं करते
“तुम्हें कलीसिया के सदस्यों का न्याय करना है”। (देखे:)

Translation Questions

1 Corinthians 5:1

पौलुस को कुरिन्थ की कलीसिया का क्या समाचार मिला था?
पौलुस को समाचार मिला था कि वहां व्यभिचार था, एक मनुष्य ने अपने पिता की पत्नी को रखा था।

1 Corinthians 5:2

पिता की पत्नी के साथ पाप करने वाले के लिए पौलुस ने क्या कहा?
उसने अपने पिता की पत्नी के साथ पाप किया उसे कलीसिया से निकाल दिया जाए।

1 Corinthians 5:4

पिता की पत्नी के साथ पाप करने वाले उस मनुष्य को कैसे और क्यों निकाला जाए?
जब कुरिन्थ की कलीसिया प्रभु यीशु के नाम में एकत्र हो तब वे उस पाप करने वाले मनुष्य को देह के विनाश हेतु शैतान को सौंप दें जिससे कि प्रभु के दिन के लिए उसकी आत्मा बच जाए।

1 Corinthians 5:8

दुष्कर्म और दुष्टता की तुलना पौलुस किससे करता है?
पौलुस उनकी तुलना खमीर से करता है।

पौलुस विश्वासयोग्यता और सत्य की उपमा किससे देता है?
पौलुस अखमीरी रोटी को विश्वासयोग्यता और सत्य की उपमा स्वरूप काम में लेता है।

1 Corinthians 5:9

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया को लिखा कि वे किसके साथ संबन्ध नहीं रखें?
पौलुस ने उन्हें लिखा कि व्यभिचारियों से संबन्ध न रखें।

1 Corinthians 5:10

क्या पौलुस के कहने का अर्थ यह था कि वे संसार में व्यभिचारियों से संबन्ध न रखें?
पौलुस का अभिप्राय संसार के भौतिक लोगों से नहीं था क्योंकि ऐसे में तो उन्हें संसार से बाहर चले जाना होगा।

??
पौलुस के कहने का अर्थ क्या था कि कुरिन्थ के विश्वासी किसकी संगति न करें।

1 Corinthians 5:12

विश्वासियों से न्याय करने की अपेक्षा क्यों की जाती है?
उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे कलीसिया के सदस्यों का न्याय करें।

1 Corinthians 5:13

कलीसिया से बाहर वालों का न्याय कौन करता है?
बाहर वालों का न्याय परमेश्वर करता है।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 6

1 क्या तुम में से किसी को यह साहस है, कि जब दूसरे के साथ झगड़ा* हो, तो फैसले के लिये अधर्मियों के पास जाए; और पवित्र लोगों के पास न जाए? **2** क्या तुम नहीं जानते, कि पवित्र लोग* जगत का न्याय करेंगे? और जब तुम्हें जगत का न्याय करना है, तो क्या तुम छोटे से छोटे झगड़ों का भी निर्णय करने के योग्य नहीं? (दानि. 7:22) **3** क्या तुम नहीं जानते, कि हम स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे? तो क्या सांसारिक बातों का निर्णय न करे?

4 यदि तुम्हें सांसारिक बातों का निर्णय करना हो, तो क्या उन्हीं को बैठाओगे जो कलीसिया में कुछ नहीं समझे जाते हैं? **5** मैं तुम्हें लज्जित करने के लिये यह कहता हूँ। क्या सचमुच तुम में से एक भी बुद्धिमान नहीं मिलता, जो अपने भाइयों का निर्णय कर सके? **6** वरन् भाई-भाई में मुकद्दमा होता है, और वह भी अविश्वासियों के सामने।

7 सचमुच तुम में बड़ा दोष तो यह है, कि आपस में मुकद्दमा करते हो। वरन् अन्याय क्यों नहीं सहते? अपनी हानि क्यों नहीं सहते? **8** वरन् अन्याय करते और हानि पहुँचाते हो, और वह भी भाइयों को।

9 क्या तुम नहीं जानते, कि अन्यायी लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे? धोखा न खाओ, न वेश्यागामी, न मूर्तिपूजक, न परस्त्रीगामी, न लुच्चे, न पुरुषगामी। **10** न चोर, न लोभी, न पियक्कड़, न गाली देनेवाले, न अंधेर करनेवाले परमेश्वर के राज्य के वारिस होंगे। **11** और तुम में से कितने ऐसे ही थे, परन्तु तुम प्रभु यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर के आत्मा से धोए गए, और पवित्र हुए और धर्मी ठहरे।

12 सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित तो हैं, परन्तु सब वस्तुएँ लाभ की नहीं, सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित हैं, परन्तु मैं किसी बात के अधीन न हूँगा। **13** भोजन पेट के लिये, और पेट भोजन के लिये है, परन्तु परमेश्वर इसको और उसको दोनों को नाश करेगा, परन्तु देह व्यभिचार के लिये नहीं, वरन् प्रभु के लिये; और प्रभु देह के लिये है।

14 और परमेश्वर ने अपनी सामर्थ्य से प्रभु को जिलाया, और हमें भी जिलाएगा। **15** क्या तुम नहीं जानते, कि तुम्हारी देह मसीह के अंग हैं? तो क्या मैं मसीह के अंग लेकर उन्हें वेश्या के अंग बनाऊँ? कदापि नहीं।

16 क्या तुम नहीं जानते, कि जो कोई वेश्या से संगति करता है, वह उसके साथ एक तन हो जाता है क्योंकि लिखा है, “वे दोनों एक तन होंगे।” (मर. 10:8) **17** और जो प्रभु की संगति में रहता है*, वह उसके साथ एक आत्मा हो जाता है।

18 व्यभिचार से बचे रहो जितने और पाप मनुष्य करता है, वे देह के बाहर हैं, परन्तु व्यभिचार करनेवाला अपनी ही देह के विरुद्ध पाप करता है।

19 क्या तुम नहीं जानते, कि तुम्हारी देह पवित्र आत्मा का मन्दिर है*; जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है, और तुम अपने नहीं हो? **20** क्योंकि दाम देकर मोल लिये गए हो, इसलिए अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो।

---

1 Corinthians 6:1

झगड़ा
वैकल्पिक अनुवाद: “मतभेद” या “विवाद”

अधर्मियों के पास
न्यायालय जहां न्यायाधीश अभियोग के निर्णय देता है

क्या तुम में से किसी को यह हियाव है कि.... फैसले के लिए अधर्मियों के पास जाए?
पौलुस कहता है कि विश्वासियों को अपने झगड़े स्वयं निपटा लेना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने विश्वासी भाई पर लगाया गया आरोप एक अविश्वासी न्यायधीश के पास न ले जाएं। विश्वासी भाइयों को अपने झगड़े स्वयं निपटा लेना चाहिए।”

क्या तुम नहीं जानते कि पवित्र लोग जगत का न्याय करेंगे?
पौलुस संसार के न्याय के भावी परिप्रेक्ष्य की चर्चा कर रहा है।

जब तुम्हें जगत का न्याय करना है तो क्या तुम छोटे से छोटे झगड़े का भी निर्णय करने के योग्य नहीं?
पौलुस कहता है कि भविष्य में उन्हें संपूर्ण संसार का न्याय करने का उत्तरदायित्व एवं योग्यता प्रदान की जायेगी। इस कारण उन्हें वर्तमान के छोटे मोटे झगड़े आपस ही में निपटा लेने चाहिए। “तुम भविष्य में संसार का न्याय करोगे, अतः इन छोटी-छोटी बातो का न्याय उस समय स्वयं ही करो”।

सांसारिक बातों
“मतभेद” या “विवाद”

क्या तुम नहीं जानते कि हम स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे?
“तुम जानते हो कि हम स्वर्गदूतो का न्याय करेंगे”

हम
पौलुस और कुरिन्थ की कलीसिया

तो क्या सांसारिक बातों का निर्णय न करें
वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि हमें स्वर्गदूतों का न्याय करने का उत्तरदायित्व एवं योग्यता प्रदान की जाएगी इसलिए हम निश्चय ही इस जीवन की बातों का न्याय कर सकते हैं”।

1 Corinthians 6:4

यदि तुम्हें सांसारिक बातों का निर्णय करना हो
वैकल्पिक अनुवाद: “यदि तुम्हें दैनिक जीवन की बातों का निर्णय करना हो” या “तुम्हें इस जीवन के विषयों के संबन्ध में निर्णय लेना हो”। (यू.डी.बी.)

क्या उन्हीं को बैठाओगे
“तुम्हें ऐसे लोगों को नहीं बैठाना है”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

कलीसिया में कुछ नहीं समझे जाते
पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया को झिड़क रहा है कि वे इन बातों का कैसे न्याय कर रहे है"। इसके संभावित अर्थ हैं, 1) "तुम्हें अपने विषय कलीसिया में उचित निर्णय लेने में अयोग्य मनुष्यों के समक्ष नहीं रखना चाहिए 2) "तुम्हें कलीसिया के बाहर के लोगों के समक्ष अपने विषय नहीं रखने चाहिए"। 3) "तुम इन विषयों को कलीसिया के उन सदस्यों के समक्ष भी रख सकते हो जिनका मान कलीसिया में नहीं है"।

तुम्हें लज्जित करने के लिए
वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारे अपमान के लिए" या "तुम पर प्रकट करने के लिए कि तुम कैसे चूक गए हो"(यू.डी.बी)।

क्या सचमुच तुम में एक भी बुद्धिमान नहीं मिलता जो अपने भाइयों का निर्णय कर सके?
"तुम्हें एक बुद्धिमान विश्वासी को खोजकर विश्वासियों के विवाद सुलझाना चाहिए"।

झगड़ा
"विवाद" या "मतभेद"

वह भी
वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा हो रहा है" या "इसकी अपेक्षा" (यू.डी.बी.)

भाई-भाई में मुकद्दमा होता है और वह भी अविश्वासियों के सामने
वैकल्पिक अनुवाद: "आपस में झगड़ने वाले विश्वासी अविश्वासी न्यायधीशों के पास न्याय के लिए जाते है"।

मुकद्दमा होता है
"विश्वासी मुकद्दमा करता है"

1 Corinthians 6:7

अपनी हानि
वैकल्पिक अनुवाद: "विफलता" या "क्षति"

अन्याय
वैकल्पिक अनुवाद: "धूर्तता" या "धोखा"

अन्याय क्यों नहीं सहते? हानि क्यों नहीं सहते
वैकल्पिक अनुवाद: उचित तो यह है कि न्यायालय में जाने की अपेक्षा अन्याय सह लो, हानि उठा लो।

भाइयों को
सब मसीही विश्वासी आपस में भाई-बहन हैं,वैकल्पिक अनुवाद: "साथी विश्वासियों को"

1 Corinthians 6:12

"सब वस्तुएं मेरे लिए उचित तो हैं"
वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ लोग कहते हैं, मैं कुछ भी कर सकता हूं" या "मुझे कुछ भी करने की अनुमति है"।

परन्तु सब वस्तुएं लाभ की नहीं
"परन्तु मेरे लिए सब लाभकारी नहीं है"

मैं किस बात के अधीन हूंगा
वैकल्पिक अनुवाद: "मुझ पर कुछ भी स्वामी होकर प्रभुता नहीं करे"।

"भोजन पेट के लिए और पेट भोजन के लिए है, परन्तु परमेश्वर...दोनों को नष्ट करेगा।"
परमेश्वर दोनों का अन्त कर देगा "कुछ का कहना है, भोजन पेट के लिए और पेट भोजन के लिए, परन्तु परमेश्वर भोजन और पेट दोनों का अन्त कर देगा।

पेट
शरीर का अंग पेट

नष्ट कर देगा
"अन्त कर देगा"

1 Corinthians 6:14

प्रभु को जिलाया
"यीशु को पुर्नजीवित किया"

क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारी देह मसीह के अंग हैं?
जिस प्रकार हमारे हाथ और पैर हमारी देह के अंग हैं उसी प्रकार हमारी देह मसीह की देह अर्थात कलीसिया का अंग है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारी देह मसीह का अंग है"।

तो क्या मैं मसीह के अंग लेकर वैश्या के अंग बनाऊं?
वैकल्पिक अनुवाद:"तुम मसीह की देह का अंग हो, मैं तुम्हें वैश्या से जुड़ने नहीं दूंगा"?

कदापि नहीं
वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा कभी ना हो"

1 Corinthians 6:16

क्या तुम नहीं जानते
"तुम जानते हो"। पौलुस इस तथ्य पर बल दे रहा है कि वे उस बात को जानते है।

जो प्रभु की संगति में रहता है, वह उसके साथ एक आत्मा हो जाता है
वैकल्पिक अनुवाद: "जो प्रभु के साथ जुड़ता है, वह उसके साथ आत्मा में एक हो जाता है"।

1 Corinthians 6:18

बचे रहो
मनुष्य वैसे संकट से दूर भागता है वैसे ही पाप से भागने का भाव यहां व्यक्त है। "दूर हो जाओ"।

पाप मनुष्य करता है
वैकल्पिक अनुवाद: "करता है" या "भागी होता है"

वे देह के बाहर हैं, परन्तु व्यभिचार करनेवाला अपनी ही देह के विरूद्ध पाप करता है।
व्यभिचार का पाप का परिणाम मनुष्य के शरीर को रोग ग्रस्त करता है, परन्तु अन्य पाप उसके अपने शरीर को ऐसी हानि नहीं पंहुचाते है।

1 Corinthians 6:19

क्या तुम नहीं जानते
"तुम जानते हो" पौलुस बल देकर कहता है कि वे इस सत्य से अभिज्ञ हैं।

देह
प्रत्येक विश्वासी का शरीर पवित्र आत्मा का निवास स्थान है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पवित्र आत्मा का मन्दिर
मन्दिर अलौकिक शक्ति को समर्पित किया जाता है और वह उसमें वास करती है। इसी प्रकार कुरिन्थ के प्रत्येक विश्वासी की देह एक मन्दिर है, जिसमें पवित्र आत्मा वास करता है।

दाम देकर मोल लिए गए हो
परमेश्वर ने कुरिन्थ के विश्वासियों को दाम देकर पाप के दासत्व में से निकाल लिया था।। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने तुम्हारी स्वतंत्रता के लिए कीमत दी है"

इस कारण
वैकल्पिक अनुवाद: "अतः" या "क्योंकि यह सच है इसलिए...." या "इस सत्य के कारण"

Translation Questions

1 Corinthians 6:1

पौलुस के अनुसार कुरिन्थ के विश्वासियों को किसका न्याय करने योग्य होना चाहिए?
पौलुस कहता है कि उन्हें आपसी झगड़े बाहर नहीं ले जाने चाहिए स्वयं ही न्याय करें।

1 Corinthians 6:2

पवित्र जन किसका न्याय करेंगे?
पवित्र जन जगत का और स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे।

1 Corinthians 6:6

कुरिन्थ के विश्वासी आपसी झगड़ों को कैसे निपटाते है?
विश्वासी विश्वासी के विरूद्ध न्यायलय में जाता है, वहां एक अविश्वासी न्यायधीश है।

1 Corinthians 6:7

कुरिन्थ के विश्वासियों में झगड़े किस बात का संकेत देते हैं?
यह उनकी पराजय का संकेत है।

1 Corinthians 6:9

परमेश्वर के राज्य के वारिस कौन नहीं होंगे?
अधर्मी; वेश्यागामी, मूर्तिपूजक, परस्त्रीगामी, लुच्चे, पुरूषगामी, चोर, लोभी, पियक्कड़, गाली देने वाले, अन्धेर करने वाले परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं होंगे।

1 Corinthians 6:11

कुरिन्थ के विश्वासियों में जो पहले अधर्मी थे उनके साथ क्या हुआ?
वे यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर के आत्मा से धोए गए और पवित्र हुए और धर्मी ठहरे।

1 Corinthians 6:12

पौलुस कौन सी बातों के अधीन नहीं होगा?
पौलुस कहता है कि वह भोजन और यौनाचार के अधीन नहीं होगा।

1 Corinthians 6:15

विश्वासियों की देह किसके अंग हैं?
विश्वासियों की देह मसीह के अंग हैं।

विश्वासी क्या वैश्याओं से संबन्ध बनाएं?
नहीं कदापि नहीं।

1 Corinthians 6:16

वैश्या से संबन्ध बनाने पर क्या होता है?
वह आपके साथ एक तन हो जाता है।

1 Corinthians 6:17

प्रभु के साथ संबन्ध बनाने पर क्या होता है?
वह उसके साथ एक आत्मा हो जाता है।

1 Corinthians 6:18

व्यभिचार करने वाला किसके विरूद्ध पाप करता है?
व्यभिचार अपनी ही देह के विरूद्ध पाप है।

1 Corinthians 6:19

विश्वासियों को अपनी देह से परमेश्वर की महिमा क्यों प्रकट करनी है?
अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो क्योंकि वह पवित्र आत्मा का मन्दिर है और हम दाम देकर मोल लिए गए हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 7

1 उन बातों के विषय में जो तुम ने लिखीं, यह अच्छा है, कि पुरुष स्त्री को न छूए। **2** परन्तु व्यभिचार के डर से हर एक पुरुष की पत्नी, और हर एक स्त्री का पति हो।

3 पति अपनी पत्नी का हक़ पूरा करे; और वैसे ही पत्नी भी अपने पति का। **4** पत्नी को अपनी देह पर अधिकार नहीं पर उसके पति का अधिकार है; वैसे ही पति को भी अपनी देह पर अधिकार नहीं, परन्तु पत्नी को।

5 तुम एक दूसरे से अलग न रहो; परन्तु केवल कुछ समय तक आपस की सम्मति* से कि प्रार्थना के लिये अवकाश मिले, और फिर एक साथ रहो; ऐसा न हो, कि तुम्हारे असंयम के कारण शैतान तुम्हें परखे।

6 परन्तु मैं जो यह कहता हूँ वह अनुमति है न कि आज्ञा। **7** मैं यह चाहता हूँ, कि जैसा मैं हूँ, वैसा ही सब मनुष्य हों; परन्तु हर एक को परमेश्वर की ओर से विशेष वरदान* मिले हैं; किसी को किसी प्रकार का, और किसी को किसी और प्रकार का।

8 परन्तु मैं अविवाहितों और विधवाओं के विषय में कहता हूँ, कि उनके लिये ऐसा ही रहना अच्छा है, जैसा मैं हूँ। **9** परन्तु यदि वे संयम न कर सके, तो विवाह करें; क्योंकि विवाह करना कामातुर रहने से भला है।

10 जिनका विवाह हो गया है, उनको मैं नहीं, वरन् प्रभु आज्ञा देता है, कि पत्नी अपने पति से अलग न हो। **11** (और यदि अलग भी हो जाए, तो बिना दूसरा विवाह किए रहे; या अपने पति से फिर मेल कर ले) और न पति अपनी पत्नी को छोड़े।

12 दूसरों से प्रभु नहीं, परन्तु मैं ही कहता हूँ, यदि किसी भाई की पत्नी विश्वास न रखती हो, और उसके साथ रहने से प्रसन्न हो, तो वह उसे न छोड़े। **13** और जिस स्त्री का पति विश्वास न रखता हो, और उसके साथ रहने से प्रसन्न हो; वह पति को न छोड़े। **14** क्योंकि ऐसा पति जो विश्वास न रखता हो, वह पत्नी के कारण पवित्र ठहरता है, और ऐसी पत्नी जो विश्वास नहीं रखती, पति के कारण पवित्र ठहरती है; नहीं तो तुम्हारे बाल-बच्चे अशुद्ध होते, परन्तु अब तो पवित्र हैं।

15 परन्तु जो पुरुष विश्वास नहीं रखता, यदि वह अलग हो, तो अलग होने दो, ऐसी दशा में कोई भाई या बहन बन्धन में नहीं; परन्तु परमेश्वर ने तो हमें मेल-मिलाप के लिये बुलाया है। **16** क्योंकि हे स्त्री, तू क्या जानती है, कि तू अपने पति का उद्धार करा लेगी? और हे पुरुष, तू क्या जानता है कि तू अपनी पत्नी का उद्धार करा लेगा?

17 पर जैसा प्रभु ने हर एक को बाँटा है, और जैसा परमेश्वर ने हर एक को बुलाया है*; वैसा ही वह चले: और मैं सब कलीसियाओं में ऐसा ही ठहराता हूँ। **18** जो खतना किया हुआ बुलाया गया हो, वह खतनारहित न बने: जो खतनारहित बुलाया गया हो, वह खतना न कराए। **19** न खतना कुछ है, और न खतनारहित परन्तु परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना ही सब कुछ है।

20 हर एक जन जिस दशा में बुलाया गया हो, उसी में रहे। **21** यदि तू दास की दशा में बुलाया गया हो तो चिन्ता न कर; परन्तु यदि तू स्वतंत्र हो सके, तो ऐसा ही काम कर। **22** क्योंकि जो दास की दशा में प्रभु में बुलाया गया है, वह प्रभु का स्वतंत्र किया हुआ है और वैसे ही जो स्वतंत्रता की दशा में बुलाया गया है, वह मसीह का दास है। **23** तुम दाम देकर मोल लिये गए हो, मनुष्यों के दास न बनो। **24** हे भाइयों, जो कोई जिस दशा में बुलाया गया हो, वह उसी में परमेश्वर के साथ रहे।

25 कुँवारियों के विषय में प्रभु की कोई आज्ञा मुझे नहीं मिली, परन्तु विश्वासयोग्य होने के लिये जैसी दया प्रभु ने मुझ पर की है, उसी के अनुसार सम्मति देता हूँ। **26** इसलिए मेरी समझ में यह अच्छा है, कि आजकल क्लेश के कारण मनुष्य जैसा है, वैसा ही रहे।

27 यदि तेरे पत्नी है, तो उससे अलग होने का यत्न न कर: और यदि तेरे पत्नी नहीं, तो पत्नी की खोज न कर: **28** परन्तु यदि तू विवाह भी करे, तो पाप नहीं; और यदि कुँवारी ब्याही जाए तो कोई पाप नहीं; परन्तु ऐसों को शारीरिक दु:ख होगा, और मैं बचाना चाहता हूँ।

29 हे भाइयों, मैं यह कहता हूँ, कि समय कम किया गया है, इसलिए चाहिए कि जिनके पत्नी हों, वे ऐसे हों मानो उनके पत्नी नहीं। **30** और रोनेवाले ऐसे हों, मानो रोते नहीं; और आनन्द करनेवाले ऐसे हों, मानो आनन्द नहीं करते; और मोल लेनेवाले ऐसे हों, कि मानो उनके पास कुछ है नहीं। **31** और इस संसार के साथ व्यवहार करनेवाले ऐसे हों, कि संसार ही के न हो लें; क्योंकि इस संसार की रीति और व्यवहार बदलते जाते हैं।

32 मैं यह चाहता हूँ, कि तुम्हें चिन्ता न हो। अविवाहित पुरुष प्रभु की बातों की चिन्ता में रहता है, कि प्रभु को कैसे प्रसन्न रखे। **33** परन्तु विवाहित मनुष्य संसार की बातों की चिन्ता में रहता है, कि अपनी पत्नी को किस रीति से प्रसन्न रखे। **34** विवाहिता और अविवाहिता में भी भेद है: अविवाहिता प्रभु की चिन्ता में रहती है, कि वह देह और आत्मा दोनों में पवित्र हो, परन्तु विवाहिता संसार की चिन्ता में रहती है, कि अपने पति को प्रसन्न रखे।

35 यह बात तुम्हारे ही लाभ के लिये कहता हूँ, न कि तुम्हें फँसाने के लिये, वरन् इसलिए कि जैसा उचित है; ताकि तुम एक चित्त होकर प्रभु की सेवा में लगे रहो।

36 और यदि कोई यह समझे, कि मैं अपनी उस कुँवारी का हक़ मार रहा हूँ, जिसकी जवानी ढल रही है, और प्रयोजन भी हो, तो जैसा चाहे, वैसा करे, इसमें पाप नहीं, वह उसका विवाह होने दे। **37** परन्तु यदि वह मन में फैसला करता है, और कोई अत्यावश्यकता नहीं है, और वह अपनी अभिलाषाओं को नियंत्रित

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

कर सकता है, तो वह विवाह न करके अच्छा करता है। **38** तो जो अपनी कुँवारी का विवाह कर देता है, वह अच्छा करता है और जो विवाह नहीं कर देता, वह और भी अच्छा करता है।

39 जब तक किसी स्त्री का पति जीवित रहता है, तब तक वह उससे बंधी हुई है, परन्तु जब उसका पति मर जाए, तो जिससे चाहे विवाह कर सकती है, परन्तु केवल प्रभु में। **40** परन्तु जैसी है यदि वैसी ही रहे, तो मेरे विचार में और भी धन्य है, और मैं समझता हूँ, कि परमेश्वर का आत्मा मुझ में भी है।

---

1 Corinthians 7:1

अब
पौलुस अपनी शिक्षा में एक नया प्रसंग आरंभ करता है।

उन बातों के विषय जो तुमने लिखी
उन्होंने कुछ बातों के बारे में पौलुस से पत्र लिखकर पूछा था

पुरूष
यहाँ कहने का अर्थ है पति

यह अच्छा है
वैकल्पिक अनुवाद: “यह उचित एवं स्वीकार्य है”

स्त्री को न छूए
“पति का पत्नी के साथ यौन संबन्ध नहीं बनाना भी कभी उचित होता है”।

व्यभिचार के डर से
वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि मनुष्य यौनाचार के पाप की परीक्षा में गिर सकता है”।

हर एक पुरूष की पत्नी और हर एक स्त्री का पति हो
इसे बहु विवाह की संस्कृति के लिए इसे स्पष्ट करता है। “प्रत्येक पुरूष की एक ही पत्नी हो और प्रत्येक स्त्री का एक ही पति हो”।

1 Corinthians 7:3

पत्नी का हक
पति-पत्नी दोनों ही परस्पर यौन दायित्व पूरा करें।

1 Corinthians 7:5

एक दूसरे से अलग न रहो
वैकल्पिक अनुवाद: “अपने जीवन साथी को यौनतुष्टि से वंचित मत करो”।

प्रार्थना के लिए अवकाश मिले
आपसी सहमति से यौनाचार से वंचित होना उचित है परन्तु केवल गहन प्रार्थना के लिए यहूदियों में यह अवकाश 1-2 सप्ताह का होता था।

फिर एक साथ रहो
“समर्पित रहो”

फिर एक साथ रहो
“यौन संबन्धों में लौट आओ”

तुम्हारे असंयम के कारण
वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि कुछ समय पश्चात तुम्हारी वासना वश में नहीं रहेगी”।

मैं जो यह कहता हूं यह अनुमति है न कि आज्ञा है
पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों को परामर्श देता है कि प्रार्थना ही के लिए वे यौन संबन्ध में अन्तराल रखें परन्तु यह एक अलग बात है, एक सतत् अनिवार्यता नहीं है।

जैसा मैं हूं
पौलुस के सदृश्य अविवाहित (या तो पूर्वकालिक विवाहित या अविवाहित)

हर एक को परमेश्वर की ओर से विशेष वरदान मिले हैं, किसी को किसी प्रकार और किसी को किसी और प्रकार का
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर ने एक मनुष्य को एक योग्यता से संवारा है तो दूसरे को दूसरी से”

1 Corinthians 7:8

अविवाहितों
“जो इस समय विवाह के बंधन में नहीं हैं” इसमें अविवाहित और विवाह विच्छेदित एवं विधुर सब हैं।

विधवाओं
जिस स्त्री का पति मर गया है,

अच्छा है
अच्छा है - यहां “अच्छा शब्द का अर्थ उचित एवं स्वीकार्य है। वैकल्पिक अनुवाद: “उचित एवं स्वीकार्य है”।

विवाह
पति-पत्नी हो जाएं

कामातुर
कामातुर - लगातार यौन वासना के वश में रहने से”

1 Corinthians 7:10

विवाह
जीवनसाथी से (पति या पत्नी)

अलग न हो
अधिकांश यूनानी शब्द स्पष्ट नहीं करते कि वैध विवाह विच्छेद न हो मात्र अलग हों। अधिकांश दम्पतियों के लिए अलग रहने का अर्थ था विवाह विच्छेद।

छोड़े
इसका अर्थ भी विवाह विच्छेद से ही है। उपरोक्त टिप्पणी देखें। इसका तात्पर्य वैध विवाह विच्छेद या मात्र अलग रहने से है।

मेल कर ले
“वह अपने पति से समझौता करके लौट आए”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 7:12

प्रसन्न हो
“इच्छुक हो” या “सन्तुष्ट है”

पवित्र ठहरता है
“परमेश्वर ने उस अविश्वासी पति को पवित्र कर दिया है”

पत्नी.... पवित्र ठहरती है
“परमेश्वर ने इस अविश्वासी पत्नी को पवित्र कर दिया है”)

पवित्र हैं
परमेश्वर ने उन्हें पवित्र कर दिया है।

1 Corinthians 7:15

ऐसी दशा में कोई भाई या बहिन बंधन में नहीं
“ऐसी स्थिति में विश्वासी पति/पत्नी पर विवाह का बन्धन नहीं है”

हे स्त्री, तू क्या जानती है कि तू अपने पति का उद्धार करा लेगी?
“तू नहीं जानती कि अपने अविश्वासी पति का उद्धार करा पाएगी या नहीं”?

हे पुरूष, तू क्या जानता है कि अपनी पत्नी का उद्धार करा पाएगा?
“तू नहीं जानता कि अपनी अविश्वासी पत्नी का उद्धार करा पाएगा या नहीं”।

1 Corinthians 7:17

हर एक को
“प्रत्येक विश्वासी को”

सब कलीसियाओं में ऐसा ही ठहराता हूं
पौलुस सब कलीसियाओं में विश्वासियों को ऐसी ही आचरण की शिक्षा दे रहा था।

खतना किया हुआ बुलाया गया हो वह खतना रहित न बने।
पौलुस खतना वालों (यहूदियों से कह रहा है) जिन्होंने खतना करा लिया था वे बुलाहट के समय खतना की दशा में थे।

जो खतना रहित बुलाया गया हो वह खतना न करवाए
अब पौलुस खतनारहितों को कह रहा है। “खतनारहितों परमेश्वर ने जब तुम्हें बुलाया था तब तुम्हारा खतना नहीं हुआ था।”

1 Corinthians 7:20

जिस दशा में बुलाया गया हो उसी में रहे
यहां “बुलाया गया” का संदर्भ सेवावृत्ति या सामाजिक स्तर से है जिसमें आप थे “वैसे ही रहो और काम करो जैसे थे”।(यू.डी.बी)

यदि तू दास की दशा में बुलाया गया?
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर की बुलाहट के समय दास था”

प्रभु का स्वतंत्र किया हुआ
यह स्वतंत्रता प्रभु की देन है, अतः शैतान और पाप से मुक्त है

तुम दाम देकर मोल लिए गए हो
वैकल्पिक अनुवाद: “मसीह ने अपनी जान देकर तुम्हें मोल लिया है

बुलाया गया
“जब परमेश्वर ने हमें बुलाया कि उसमें विश्वास करें”

(हमारे-हम)
सब विश्वासी

1 Corinthians 7:25

कुँवारियों के विषय में प्रभु की कोई आज्ञा मुझे नहीं मिली
कुँवारियों के विषय में प्रभु की कोई आज्ञा मुझे नहीं मिली - ऐसी स्थिति के बारे में पौलुस को प्रभु की शिक्षा स्मरण नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: “जिन्होंने कभी विवाह नहीं किया उनके लिए मुझे प्रभु से कोई आज्ञा प्राप्त नही है”

मेरी समझ में
पौलुस स्पष्टीकरण देता है कि विवाह संबन्धित ये निर्देशन उसके विचार से हैं, प्रभु की आज्ञाएं नहीं हैं।

इस कारण
वैकल्पिक अनुवाद: “अतः” या “ इस कारण”

क्लेश के कारण
वैकल्पिक अनुवाद: “आनेवाले विनाश के कारण”

1 Corinthians 7:27

यदि तेरे पत्नी है
पौलुस विवाहित पुरूषों से कह रहा है, वैकल्पिक अनुवाद: “यदि तू विवाहित है”।

अलग होने का यत्न न कर
वैकल्पिक अनुवाद: “विवाह के बन्धन से मुक्त होने का प्रयास मत कर”

यदि तेरे पत्नी नहीं
अब पौलुस अविवाहितों से कह रहा है, वैकल्पिक अनुवाद: “यदि इस समय तुम पत्नी रहित हो”

“पत्नी की खोज न कर”
वैकल्पिक अनुवाद: “विवाह का विचार मत कर”

(समर्पित)
“किया” या “सहभागी”

मैं बचाना चाहता हूं
वैकल्पिक अनुवाद: “मैं नहीं चाहता कि...”

1 Corinthians 7:29

समय कम किया गया है
वैकल्पिक अमुवाद: “समय बहुत कम है” या “समय लगभग समाप्त हो गया है”

रोते
वैकल्पिक अनुवाद: “रोएं” या “आंसू बहाकर दुःखी हों”

उनके पास कुछ भी नहीं
वैकल्पिक अनुवाद: “उनके पास सम्पदा है ही नहीं”

संसार के साथ व्यवहार करने वाले
वैकल्पिक अनुवाद:“जो प्रतिदिन अविश्वासियों के साथ लेन-देन करते है"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

संसार में निर्वाह करनेवालों को ऐसा व्यवहार क्यों करना है कि मानों उन्हें संसार से कोई सरोकार नहीं?
वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे कि उन्होंने अविश्वासियों के साथ कोई व्यवहार नहीं किया”

संसार की रीति और व्यवहार बदलते जाते हैं
क्योंकि संसार पर शैतान का राज शीघ्र ही समाप्त होगा

1 Corinthians 7:32

चिन्ता न हो
वैकल्पिक अनुवाद: “शान्ति मिले” या “निश्चिन्त रहो”

चिन्ता में रहता है
वैकल्पिक अनुवाद: “ध्यान में रहता है”

संसार की बातों की
वैकल्पिक अनुवाद:“परमेश्वर को और अपनी पत्नी दोनों को प्रसन्न करना चाहता है”

1 Corinthians 7:35

फंसने के लिए
वैकल्पिक अनुवाद: “बोझ डालने के लिए” या “बन्धन में रखने के लिए”

सेवा में
वैकल्पिक अनुवाद: “प्रभु में ध्यान लगाए रहो”

1 Corinthians 7:36

हक मार रहा हूं
“कठोरता का व्यवहार कर रहा हूं” या “मान प्रदान नहीं करता”

कुंवारी
इसके संभावित अर्थ हैं, 1) “जिसे उसे मैंने उसे विवाह का वचन दिया है।” 2)“उसकी कुंवारी पुत्री”

विवाह होने दे
संभावित अर्थ है, 1)“वह अपनी मंगेतर से विवाह करे।” 2) “अपनी पुत्री का विवाह कर दे।”

1 Corinthians 7:39

जब तक... पति जीवित रहता है
“जब तक वह मर न जाए”

जिस से चाहे
वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी इच्छा से”

केवल प्रभु में
वैकल्पिक अनुवाद: “यदि उसका दूसरा पति विश्वासी है”

मेरे विचार में
“परमेश्वर के वचन की मेरी समझ में”

और भी धन्य है
“अधिक आनन्दित है” या “अधिक संतुष्टि पाएगी”

जैसे है वैसी ही रहे
वैकल्पिक अनुवाद:“अविवाहित रहे”

Translation Questions

1 Corinthians 7:2

प्रत्येक पुरूष की अपनी पत्नी और प्रत्येक स्त्री का अपना पति होना क्यों आवश्यक है?
व्यभिचार के डर से प्रत्येक पुरूष की अपनी पत्नी हो और प्रत्येक स्त्री का अपना पुरूष हो।

1 Corinthians 7:4

पति या पत्नी को क्या अपनी देह पर अधिकार है?
नहीं, पति को अपनी पत्नी की देह पर अधिकार है और पत्नी को अपने पति की देह पर अधिकार है।

1 Corinthians 7:5

पति-पत्नी के लिए एक दूसरे को शारीरिक संबन्ध से वंचित करना कब उचित है?
उचित तो यह है कि पति-पत्नी आपसी सहमति से निश्चित समय निकाल कर केवल प्रार्थना के लिए एक दूसरे से अलग हों।

1 Corinthians 7:8

विधवाओं और अविवाहितों के लिए पौलुस क्या उचित बताता है?
पौलुस कहता है कि अविवाहित रहना उचित है।

1 Corinthians 7:9

अविवाहितों और विधवाओं को किस परिस्थिति में विवाह कर लेना चाहिए?
यदि वे संयम न रख पायें और कामातुर हो तो विवाह करना ही उचित है।

1 Corinthians 7:10

प्रभु विवाहितों को क्या आज्ञा देता है?
पत्नी पति से अलग न हो, यदि पत्नी अलग हो तो या तो वह पुनः विवाह न करे और यदि करना चाहे तो अपने ही पति से मेल कर ले। पति भी अपनी पत्नी को तलाक न दे।

1 Corinthians 7:12

विश्वासी पति/पत्नी अपने जीवन साथी को क्या तलाक दे?
यदि अविश्वासी पति या पत्नी अपने जीवन साथी के साथ रहने से सन्तुष्ट है तो विश्वासी पक्ष अविश्वासी को तलाक न दे।

1 Corinthians 7:15

यदि अविश्वासी जीवन साथी अलग होना चाहे तो क्या करें?
विश्वासी अविश्वासी जीवन साथी को जाने दे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 7:17

पौलुस हर एक कलीसिया के लिए कौन सा नियम निर्धारित किया था?
नियम यह है: प्रत्येक जीवन परमेश्वर प्रदत्त जीवन जीए, जैसी परमेश्वर की बुलाहट है।

1 Corinthians 7:18

पौलुस खतना वालों और खतनारहितों को क्या परामर्श देता है?
जो खतना किया हुआ बुलाया गया है वह खतनारहित न बने और जो खतनारहित बुलाया गया है वह खतना न कराए।

1 Corinthians 7:21

पौलुस दासों के लिए क्या कहता है?
यदि परमेश्वर ने किसी दास को बुलाया है तो वह चिन्ता न करे, परन्तु यदि वह स्वतंत्र हो सके तो ऐसा ही करे क्योंकि दास परमेश्वर के लिए स्वतंत्र है, उन्हें मनुष्य का दास नहीं होना है।

1 Corinthians 7:26

पौलुस क्यों सोचता था कि जिस पुरूष ने विवाह नहीं किया है वह उसके जैसा अविवाहित रहे?
पौलुस के अपने विचार में आनेवाले क्लेश के कारण मनुष्य के लिए अविवाहित रहना ही उचित है।

1 Corinthians 7:27

विवाह की शपथ में बंधे हुए विश्वासी पुरूषों को क्या करना चाहिए?
विवाहित पुरूषों को पत्नी से अलग होने का यत्न नहीं करना है।

1 Corinthians 7:28

??
पौलुस अविवाहितों और पत्नीरहितों से क्यों कहता है, "पत्नी की खोज न कर"?उसने ऐसा इसलिए कहा कि वह उन्हें उन अनेक समस्याओं से बचाना चाहता था जो विवाहितों पर आती हैं।

1 Corinthians 7:31

संसार में निर्वाह करनेवालों को ऐसा व्यवहार क्यों करना है कि मानों उन्हें संसार से कोई सरोकार नहीं?
उन्हें ऐसा व्यवहार करना है क्योंकि इस संसार का तौर तरीका समाप्त हो जाता है।

1 Corinthians 7:33

विवाहितों के लिए प्रभु की अखंड भक्ति में रहना कठिन क्यों है?
यह कठिन है क्योंकि विश्वासी पति या पत्नी सांसारिक चिन्ता में लगे रहते हैं कि अपनी पत्नी या अपने पति को प्रसन्न कैसे करें।

1 Corinthians 7:38

अपनी मंगेतर से विवाह करने वाले से अधिक अच्छा कौन करता है?
जो अविवाहित रहने का चुनाव करे वह और भी अच्छा काम करता है।

1 Corinthians 7:39

कोई स्त्री कब तक अपने पति से बंधी रहती है?
वह जब तक जीवित है अपने पति से बंधी है।

??
यदि एक विश्वासी स्त्री का पति मर जाए तो वह किससे पुनः विवाह कर सकती है?वह जिससे चाहे विवाह कर सकती है परन्तु केवल उससे जो प्रभु में विश्वास रखता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 8

1 अब मूरतों के सामने बलि की हुई* वस्तुओं के विषय में हम जानते हैं, कि हम सब को ज्ञान है: ज्ञान घमण्ड उत्पन्न करता है, परन्तु प्रेम से उन्नति होती है। **2** यदि कोई समझे, कि मैं कुछ जानता हूँ, तो जैसा जानना चाहिए वैसा अब तक नहीं जानता। **3** परन्तु यदि कोई परमेश्वर से प्रेम रखता है*, तो उसे परमेश्वर पहचानता है।

4 अतः मूरतों के सामने बलि की हुई वस्तुओं के खाने के विषय में हम जानते हैं, कि मूरत जगत में कोई वस्तु नहीं*, और एक को छोड़ और कोई परमेश्वर नहीं। (व्य. 4:39) **5** यद्यपि आकाश में और पृथ्वी पर बहुत से ईश्वर कहलाते हैं, (जैसा कि बहुत से ईश्वर और बहुत से प्रभु हैं)।

6 तो भी हमारे निकट तो एक ही परमेश्वर है:
अर्थात् पिता जिसकी ओर से सब वस्तुएँ हैं, और हम उसी के लिये हैं,
और एक ही प्रभु है, अर्थात् यीशु मसीह
जिसके द्वारा सब वस्तुएँ हुई, और हम भी उसी के द्वारा हैं। (यूह. 1:3, रोम. 11:36)

7 परन्तु सब को यह ज्ञान नहीं; परन्तु कितने तो अब तक मूरत को कुछ समझने के कारण मूरतों के सामने बलि की हुई को कुछ वस्तु समझकर खाते हैं, और उनका विवेक निर्बल होकर अशुद्ध होता है।

8 भोजन हमें परमेश्वर के निकट नहीं पहुँचाता, यदि हम न खाएँ, तो हमारी कुछ हानि नहीं, और यदि खाएँ, तो कुछ लाभ नहीं। **9** परन्तु चौकस रहो, ऐसा न हो, कि तुम्हारी यह स्वतंत्रता कहीं निर्बलों के लिये ठोकर का कारण हो जाए। **10** क्योंकि यदि कोई तुझ ज्ञानी को मूरत के मन्दिर में भोजन करते देखे, और वह निर्बल जन हो, तो क्या उसके विवेक में मूरत के सामने बलि की हुई वस्तु के खाने का साहस न हो जाएगा।

11 इस रीति से तेरे ज्ञान के कारण वह निर्बल भाई जिसके लिये मसीह मरा नाश हो जाएगा। **12** तो भाइयों का अपराध करने से और उनके निर्बल विवेक को चोट देने से तुम मसीह का अपराध करते हो। **13** इस कारण यदि भोजन मेरे भाई को ठोकर खिलाएँ, तो मैं कभी किसी रीति से माँस न खाऊँगा, न हो कि मैं अपने भाई के ठोकर का कारण बनूँ।

---

1 Corinthians 8:1

अब मूर्तियों.... के विषय में
पौलुस इस अभिव्यक्ति द्वारा कुरिन्थ की कलीसिया द्वारा पूछे गए अगले प्रश्न पर आता है

मूर्तियों के सामने बलि की हुई वस्तुओं
विजातियां अपने देवताओं को अन्न, मछली, मुर्गी या मांस चढ़ाते थे। पुजारी वेदी पर उसका एक अंश जला देता था परन्तु जो भाग शेष रहता था वह उपासक को लौटा दिया जाता था या बाजार में बेचा जाता था। पौलुस इसी के बारे में चर्चा कर रहा है।

हम जानते हैं कि हम सब को ज्ञान है
पौलुस कुछ कुरिन्थ वासियों द्वारा की गई युक्ति का उद्धरण दे रहा है, वैकल्पिक अनुवाद: “हम सब जानते है, जैसा तुम स्वयं कहना चाहते हो कि” हम सब को ज्ञान है”।

घमण्ड उत्पन्न करता है
“मनुष्य को घमण्डी बनाता है” या “मनुष्य जो वास्तव में है नहीं उससे अधिक स्वयं को समझे”।

यदि कोई समझे कि मैं कुछ जानता हूं
“अपने विचार में कुछ बातों का सर्वज्ञानी है”

परमेश्वर उसे पहचानता है
“परमेश्वर उसे जानता है”

1 Corinthians 8:4

हमें
पौलुस और कुरिन्थ के विश्वासी

पौलुस कुरिन्थ के कुछ विश्वासियों द्वारा प्रयुक्त व्यवस्था ही का उपयोग कर रहा है।
“हम सब जानते हें, जैसा तुम स्वयं जानना चाहते हो, वैकल्पिक अनुवाद: “मूर्ति हमारे लिए असमर्थ एवं निरर्थक हैं”

मूर्ति जगत में कोई वस्तु नहीं
वैकल्पिक अनुवाद: “संसार में मूर्ति कुछ भी नहीं है”

बहुत से ईश्वर और बहुत से प्रभु
बहुत से ईश्वर और बहुत से प्रभु - पौलुस बहुदेववाद में विश्वास नहीं करता था परन्तु वह स्वीकार करता है कि विजातियों की यह मान्यता थी।

हम
पौलुस और कुरिन्थ के विश्वासी

हमारे लिए
“हम विश्वास करते हैं”

1 Corinthians 8:7

सबको... कुछ तो
“सब मनुष्यों को... कुछ मनुष्य तो”

अशुद्ध
“नष्ट” या “क्षतिग्रस्त”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 8:8

भोजन हमें परमेश्वर के निकट नहीं पहुंचाता
“भोजन हमें परमेश्वर का अनुग्रह पात्र नहीं बनाता” या “हमारा भोजन परमेश्वर को प्रसन्न नहीं करता है”।

यदि हम नहीं खाए तो हमारी कुछ हानि नहीं और यदि खाएं तो हमें कुछ लाभ नहीं।
“यदि हम खाएं तो हमें कोई हानि नहीं और खाएं तो कोई लाभ नहीं।”

साहस न हो जाएगा
“प्रोत्साहन न मिलेगा”

निर्बल भाई
“विश्वास में अस्थिर भाई”

भोजन करते
“भोज में” या “खाते देखें”(यू.डी.बी)

1 Corinthians 8:11

निर्बल भाई.... नष्ट हो जाएगा
“भाई बहन जो विश्वास में दृढ़ नहीं वह पाप में गिरेगा/गिरेगी या विश्वास से भटक जाएगा/जाएगी”

इस कारण
“इस अन्तिम सिद्धान्त के कारण”

यदि भोजन... ठोकर खिलाए
“यदि भोजन करने से” या “भोजन के प्रोत्साहन से”

Translation Questions

1 Corinthians 8:1

अध्याय में पौलुस का चर्चा का विषय क्या है?
पौलुस मूर्तियों को चढ़ाए हुए भोजन के बारे में कहता है।

ज्ञान और प्रेम के परिणाम क्या होते हैं?
ज्ञान घमण्ड उत्पन्न करता है परन्तु प्रेम से उन्नति होती है।

1 Corinthians 8:4

क्या मूर्ति परमेश्वर हो सकती है?
नहीं, मूर्ति जगत में कोई वस्तु नहीं, एक को छोड़ और कोई परमेश्वर नहीं।

1 Corinthians 8:6

एकमात्र परमेश्वर कौन है?
केवल एक ही परमेश्वर पिता है, उसी से सब कुछ है और हम उसी के लिए हैं।

एकमात्र प्रभु कौन है?
एक ही प्रभु है अर्थात यीशु मसीह, जिसके द्वारा सब कुछ अस्तित्व में है और हम भी उसी के द्वारा हैं।

1 Corinthians 8:7

जब कोई मूर्ति मान कर उसको चढ़ाई हुई वस्तुओं को कुछ समझ कर खाता है तो क्या होता है?
उनका विवेक निर्बल होने के कारण अशुद्ध हो जाता है।

1 Corinthians 8:8

क्या भोजन हमें परमेश्वर के समक्ष उचित तथा अनुचित ठहराता है?
भोजन हमें परमेश्वर के निकट नहीं पहुंचाता है, यदि हम नहीं खाएं तो कोई हानि नहीं और यदि खाएं तो कोई लाभ नहीं।

1 Corinthians 8:9

हमें किस बात से सावधान रहना है कि हमारी स्वतंत्रता से ऐसा न हो?
हमें सावधान अवश्य रहना है कि हमारी स्वतंत्रता विश्वास में दुर्बल जन के लिए ठोकर का कारण न हो।

1 Corinthians 8:10

मूर्तियों को चढ़ाए हुए भोजन के प्रति दुर्बल विवेक के भाई या बहन हमें देखकर मूर्तियों को चढ़ाया हुआ भोजन खाएं तो क्या होगा?
हमारी स्वतंत्रता विश्वास में दुर्बल भाई या बहन के लिए विनाशक होती है।

1 Corinthians 8:11

अपने भाई या बहन के दुर्बल विवेक के लिए ठोकर का कारण होकर हम किसके विरूद्ध अपराध करते हैं?
हमारे कारण भाई या बहन ठोकर खाए तो हम उनके विरूद्ध अपराध करते हैं और मसीह के विरूद्ध अपराधी ठहरते है।

1 Corinthians 8:13

यदि भोजन उसके भाई बहन के लिए ठोकर का कारण हो तो पौलुस क्या नहीं करेगा?
पौलुस कहता है कि यदि उसका मांसाहारी होना भाई या बहन के लिए ठोकर का कारण हो तो वह कभी मांस नहीं खाएगा।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 9

1 क्या मैं स्वतंत्र नहीं*? क्या मैं प्रेरित नहीं? क्या मैंने यीशु को जो हमारा प्रभु है, नहीं देखा? क्या तुम प्रभु में मेरे बनाए हुए नहीं? **2** यदि मैं औरों के लिये प्रेरित नहीं, फिर भी तुम्हारे लिये तो हूँ; क्योंकि तुम प्रभु में मेरी प्रेरिताई पर छाप हो।

3 जो मुझे जाँचते हैं, उनके लिये यही मेरा उत्तर है। **4** क्या हमें खाने-पीने का अधिकार नहीं? **5** क्या हमें यह अधिकार नहीं, कि किसी मसीही बहन को विवाह कर के साथ लिए फिरें, जैसा अन्य प्रेरित और प्रभु के भाई और कैफा करते हैं? **6** या केवल मुझे और बरनबास को ही जीवन-निर्वाह के लिए काम करना चाहिए।

7 कौन कभी अपनी गिरह से खाकर सिपाही का काम करता है? कौन दाख की बारी लगाकर उसका फल नहीं खाता? कौन भेड़ों की रखवाली करके उनका दूध नहीं पीता? **8** क्या मैं ये बातें मनुष्य ही की रीति पर बोलता हूँ?

9 क्या व्यवस्था भी यही नहीं कहती? क्योंकि मूसा की व्यवस्था में लिखा है "दाँवते समय चलते हुए बैल का मुँह न बाँधना।" क्या परमेश्वर बैलों ही की चिन्ता करता है? (व्य. 25:4) **10** या विशेष करके हमारे लिये कहता है। हाँ, हमारे लिये ही लिखा गया, क्योंकि उचित है, कि जोतनेवाला आशा से जोते, और दाँवनेवाला भागी होने की आशा से दाँवनी करे। **11** यदि हमने तुम्हारे लिये आत्मिक वस्तुएँ बोई, तो क्या यह कोई बड़ी बात है, कि तुम्हारी शारीरिक वस्तुओं की फसल काटें।

12 जब औरों का तुम पर यह अधिकार है, तो क्या हमारा इससे अधिक न होगा? परन्तु हम यह अधिकार काम में नहीं लाए; परन्तु सब कुछ सहते हैं, कि हमारे द्वारा मसीह के सुसमाचार की कुछ रोक न हो। **13** क्या तुम नहीं जानते कि जो मन्दिर में सेवा करते हैं, वे मन्दिर में से खाते हैं; और जो वेदी की सेवा करते हैं; वे वेदी के साथ भागी होते हैं? (लैव्य. 6:16, लैव्य. 6:26, व्य. 18:1-3) **14** इसी रीति से प्रभु ने भी ठहराया, कि जो लोग सुसमाचार सुनाते हैं, उनकी जीविका सुसमाचार से हो।

15 परन्तु मैं इनमें से कोई भी बात काम में न लाया, और मैंने तो ये बातें इसलिए नहीं लिखीं, कि मेरे लिये ऐसा किया जाए, क्योंकि इससे तो मेरा मरना ही भला है; कि कोई मेरा घमण्ड व्यर्थ ठहराए। **16** यदि मैं सुसमाचार सुनाऊँ, तो मेरा कुछ घमण्ड नहीं; क्योंकि यह तो मेरे लिये अवश्य है; और यदि मैं सुसमाचार न सुनाऊँ, तो मुझ पर हाय!

17 क्योंकि यदि अपनी इच्छा से यह करता हूँ, तो मजदूरी मुझे मिलती है, और यदि अपनी इच्छा से नहीं करता, तो भी भण्डारीपन मुझे सौंपा गया है। **18** तो फिर मेरी कौन सी मजदूरी है? यह कि सुसमाचार सुनाने में मैं मसीह का सुसमाचार सेंत-मेंत कर दूँ; यहाँ तक कि सुसमाचार में जो मेरा अधिकार है, उसको मैं पूरी रीति से काम में लाऊँ।

19 क्योंकि सबसे स्वतंत्र होने पर भी मैंने अपने आप को सब का दास बना दिया* है; कि अधिक लोगों को खींच लाऊँ। **20** मैं यहूदियों के लिये यहूदी बना कि यहूदियों को खींच लाऊँ, जो लोग व्यवस्था के अधीन हैं उनके लिये मैं व्यवस्था के अधीन न होने पर भी व्यवस्था के अधीन बना, कि उन्हें जो व्यवस्था के अधीन हैं, खींच लाऊँ।

21 व्यवस्थाहीनों के लिये मैं (जो परमेश्वर की व्यवस्था से हीन नहीं, परन्तु मसीह की व्यवस्था के अधीन हूँ) व्यवस्थाहीन सा बना, कि व्यवस्थाहीनों को खींच लाऊँ। **22** मैं निर्बलों के लिये* निर्बल सा बना, कि निर्बलों को खींच लाऊँ, मैं सब मनुष्यों के लिये सब कुछ बना हूँ, कि किसी न किसी रीति से कई एक का उद्धार कराऊँ। **23** और मैं सब कुछ सुसमाचार के लिये करता हूँ, कि औरों के साथ उसका भागी हो जाऊँ।

24 क्या तुम नहीं जानते, कि दौड़ में तो दौड़ते सब ही हैं, परन्तु इनाम एक ही ले जाता है? तुम वैसे ही दौड़ो, कि जीतो। **25** और हर एक पहलवान सब प्रकार का संयम करता है, वे तो एक मुरझानेवाले मुकुट को पाने के लिये यह सब करते हैं, परन्तु हम तो उस मुकुट के लिये करते हैं, जो मुरझाने का नहीं। **26** इसलिए मैं तो इसी रीति से दौड़ता हूँ, परन्तु बेठिकाने नहीं, मैं भी इसी रीति से मुक्कों से लड़ता हूँ, परन्तु उसके समान नहीं जो हवा पीटता हुआ लड़ता है। **27** परन्तु मैं अपनी देह को मारता कूटता, और वश में लाता हूँ; ऐसा न हो कि औरों को प्रचार करके, मैं आप ही किसी रीति से निकम्मा ठहरूँ।

---

1 Corinthians 9:1

क्या मैं स्वतंत्र नहीं?
इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा पौलुस उन्हें अपने अधिकार स्मरण कराता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं स्वतंत्र हूं"।

क्या मैं प्रेरित नहीं?
इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा पौलुस उन्हें अपने प्रेरित होने का और अपने अधिकार का स्मरण कराता है, "मैं एक प्रेरित हूं"।

क्या मैंने यीशु को... नहीं देखा?
इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा पौलुस उन्हें स्मरण कराता है कि वह कौन है। "मैंने अपने प्रभु यीशु को देखा है"।

क्या तुम प्रभु में मेरे बनाए हुए नहीं?
इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा पौलुस उन्हें उसके साथ उसके संबन्धों का स्मरण कराता है। "मसीह में तुम्हारा विश्वास मेरी मसीही सेवा का परिणाम है।"

छाप हो
वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह में तुम्हारा विश्वास पुष्टि करता है"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 9:3

क्या हमें खाने पीने का अधिकार नहीं?
वैकल्पिक अनुवाद: "हमें पूरा अधिकार है कि हम कलीसियाओं से भोजन-पानी लें"

हम
अर्थात पौलुस और बरनबास

क्या हमें यह अधिकार नहीं कि किसी मसीही बहन के साथ विवाह करके उसे लिए फिरें जैसा अन्य प्रेरित और प्रभु के भाई और कैफा करते हैं?
"यदि हमारे पास विश्वासी पत्नियां हों तो हमें अधिकार है कि उन्हें साथ लेकर यात्रा करें क्योंकि अन्य प्रेरित भी ऐसा ही करते हें, प्रभु का भाई और कैफा"

या केवल मुझे और बरनबास को ही अधिकार नहीं, कि कमाई करना छोड़ें?
वैकल्पिक अनुवाद: "बरनबास और मुझे अधिकार है कि काम करना छोड़ दें" या "परन्तु तुम बरनबास और मुझ से अपेक्षा करते हो कि पैसा कमाने के लिए काम करें"।

1 Corinthians 9:7

कौन कभी गिरह से खाकर सिपाही का काम करता है?
"सैनिक अपने पैसे से सेवा नहीं करता है"

कौन दाख की बारी लगाकर उसका फल नहीं खाता?
वैकल्पिक अनुवाद: "दाख की बारी लगाने वालों निश्चय ही उसका फल खाएगा" या "दाख की बारी लगानेवाले से कोई भी उसका फल न खाने की अपेक्षा नहीं करता है"।)

कौन भेड़ों का रखवाली करके उसका दूध नहीं पीता?
"भेड़ों का रखवाला उनका ही दूध पीता है" या "भेड़ों को रखवाले से कोई अपेक्षा भी करता है कि उनका दूध न पीए"।

क्या मैं ये बातें मनुष्य ही की रीति पर बोलता हूं?
"मैं ये बातें मानवीय अभ्यास पर आधारित नहीं करता हूं"।

क्या व्यवस्था भी यही नहीं कहती है?
"मूसा के विधान में भी यही लिखा है"

1 Corinthians 9:9

क्या परमेश्वर बैलों ही की चिन्ता करता है?
"परमेश्वर केवल बैल ही की चिन्ता सबसे अधिक नहीं करता है"।

या विशेष करके हमारे लिए कहता है?
वैकल्पिक अनुवाद:"परमेश्वर निश्चय ही हमारे बारे में कह रहा है")

हमारे लिए
"हमारे" अर्थात पौलुस और बरनबास

तो क्या यह कोई बड़ी बात है कि तुम्हारी शारीरिक वस्तुओं की फसल काटें?
"तुम से भौतिक सहायता लेना हमारे लिए कोई अनहोनी बात नहीं है"।

1 Corinthians 9:12

जब दूसरों का
"शुभ सन्देश सुनाने वाले अन्य सेवकों को"

यह अधिकार है
पौलुस जिस अधिकार की बात कर रहा है वह है कि कुरिन्थ की कलीसिया पौलुस की जीविका का बोझ उठाए क्योंकि उन्हें सर्वप्रथम शुभ सन्देश सुनानेवाला वही था।

तो क्या हमारा इससे अधिक न होगा?
"हमारा" अर्थात पौलुस और बरनबास का "हमारा अधिकार और भी अधिक है"। (देखें:

रूकावट न हो
"बोझ न हो" या "प्रचार में बाधा न हो"

जो सुसमाचार सुनाते हैं उनकी जीविका सुसमाचार से हो
"शुभ सन्देश सुनाने के द्वारा दैनिक सहयोग प्राप्त करे"

1 Corinthians 9:15

मैं इनमें से कोई भी बात काम में न लाया
वैकल्पिक अनुवाद: "ये लाभ" या "जिनके हम योग्य हैं"

मेरे लिए ऐसा किया जाए
वैकल्पिक अनवाद: "तुमसे कुछ प्राप्त करूं" या "तुम मेरे लिए दैनिक प्रबन्ध करो"

व्यर्थ ठहराए
वैकल्पिक अनुवाद: "वंचित करे" या "पहुंचने न दे"

यह तो मेरे लिए अवश्य है
"मुझे शुभ सन्देश सुनाना अनिवार्य है"

तो मुझ पर हाय
वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा भाग्य फूटे"

1 Corinthians 9:17

यदि अपनी इच्छा से यह करता हूं
"यदि स्वैच्छा से शुभ सन्देश सुनाता हूं"

अपनी इच्छा से
वैकल्पिक अनुवाद: "सहर्ष" या "अपनी इच्छा पर निर्भर"

भण्डारीपन मुझे सौंपा गया है
वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे यह काम करना है क्योंकि परमेश्वर ने इसे संपन्न करने के लिए मुझ पर भरोसा किया है"

मेरी कौन सी मजदूरी है?
वैकल्पिक अनुवाद: "यह मेरा प्रतिफल है"

यह कि सुसमाचार सुनाने में मैं मसीह का सुसमाचार सेंत मेंत कर दूं, यहां तक कि सुसमाचार में मेरा जो अधिकार है उसको भी मैं पूरी रीति से काम में न लाऊं।
वैकल्पिक अनुवाद: "शुभ सन्देश सुनाने के मेरा जो प्रतिफल है वह है कि मैं किसी के भी आभार से मुक्त शुभ सन्देश सुना सकता हूं"

सुसमाचार सुनाने में
वैकल्पिक अनुवाद: "शुभ सन्देश सुनाने के निमित्त"

सुसमाचार में जो मेरा अधिकार है
वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी प्रचार यात्राओं के लिए विश्वासियों से आर्थिक सहयोग लूं"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 9:19

अधिक लोगों को खींच लाऊं
“मनुष्यों को विश्वास करने के लिए प्रेरित करूं” या “मनुष्यों को मसीह में विश्वास करने में सहायता करूं”

यहूदी बना
वैकल्पिक अनुवाद: “मैंने यहूदियों का सा व्यवहार किया” या “यहूदियों की परम्परा का पालन किया”

व्यवस्था के अधीन बना
वैकल्पिक अनुवाद:“यहूदी अगुओं की आज्ञा के अधीन रहा और वे धर्मशास्त्र की जैसी भी व्याख्या करते थे, उसे स्वीकार किया”।

1 Corinthians 9:21

व्यवस्थाहीनों के लिए
वे लोग मूसा प्रदत्त नियमों का पालन नहीं करते थे अर्थात अन्य जातियों के लिए, वैकल्पिक अनुवाद: “यहूदियों के विधि-विधान से मुक्त मनुष्यों के लिए”।

1 Corinthians 9:24

क्या तुम नहीं जानते कि दौड़ में तो दौड़ते सब ही है, परन्तु इनाम एक ही ले जाता है।
इस प्रश्न के तथ्यों की समझ की प्रतिक्रिया अपेक्षित है, “हां, मैं जानता हूं कि दौड़ प्रतियोगिता में अनेक प्रतिद्वंदी होते हैं, परन्तु इनाम पाने वाला एक ही होता है”।

दौड़ में तो दौड़ते सब ही हैं
पौलुस मसीही जीवन और परमेश्वर की सेवा की तुलना दौड़ और धावक से करता है। जैसे दौड़ का अनुशासन कठोर होता है उसी प्रकार मसीही जीवन और सेवा में भी कठोर अनुशासन तथा एक ही लक्ष्य होता है।

इनाम एक ही ले जाता है
एक समर्पण के साथ दौड़ना कि सफलता प्राप्त हो, इसकी तुलना उस सेवा से की गई है जो परमेश्वर हमसे चाहता है।

मुकुट
मुकुट सफलता का प्रतीक है जो उस कार्यक्रम के अधिकारी द्वारा दिया जाता है। यह रूपक परमेश्वर को सम्मान प्रदान करने के जीवन की एक उपमा है। परमेश्वर उद्धार का प्रतीक मुकुट देता है।

आप ही किसी रीति से निकम्मा ठहरूं
इसका कर्तृवाच्य अनुवाद होगा, “न्यायी कहीं मुझे अयोग्य न घोषित कर दे”

Translation Questions

1 Corinthians 9:1

पौलुस अपनी प्रेरिताई का प्रमाण किसको कहता है?
पौलुस कहता है कि कुरिन्थ के विश्वासी प्रभु में उसके बनाए हुए हैं और वे प्रभु में उसकी प्रेरिताई पर छाप है।

1 Corinthians 9:4

पौलुस ने प्रेरितों, प्रभु के भाईयों और कैफा के अधिकारों की सूची में क्या व्यक्त किया है?
पौलुस कहता है कि उन्हें खाने-पीने का और विश्वासी पत्नी ब्याहने का अधिकार है।

1 Corinthians 9:7

काम की मजदूरी पाने वालों में पौलुस किसका उदाहरण देता है?
मजदूरी पाने के उदाहरणों में पौलुस सैनिकों, किसानों तथा चरवाहों का उदाहरण देता है।

1 Corinthians 9:9

पौलुस ने काम की मजदूरी पाने के लिए मूसा की व्यवस्था से कौन सा उदाहरण प्रस्तुत किया था?
पौलुस एक आज्ञा का उदहारण देता है कि अपने विवाद का पक्षपोषण करे, "दांवते समय चलते हुए बैल का मुंह न बांधना"।

1 Corinthians 9:11

यद्यपि पौलुस और उसके सहकर्मियों ने किसी भी अधिकार का दावा नहीं किया, उन्हें कुरिन्थ की कलीसिया में क्या अधिकार था?
पौलुस और उसके सहकर्मियों को कुरिन्थ की कलीसिया से शारीरिक वस्तुओं की फसल काटने का अधिकार है क्योंकि उन्होंने उनके लिए आत्मिक वस्तुएं बोई थी।

1 Corinthians 9:14

सुसमाचार प्रचारकों के लिए प्रभु की क्या आज्ञा है?
प्रभु ने आज्ञा दी है कि सुसमाचार प्रचारकों को सुसमाचार से ही जीविका चलाना है।

1 Corinthians 9:16

पौलुस को किस बात का घमण्ड नहीं करना है, उसे घमण्ड क्यों नहीं करना है?
पौलुस कहता है कि सुसमाचार सुनाना उसके लिए घमण्ड की बात नहीं है, वह तो उसके लिए अनिवार्य है।

1 Corinthians 9:19

पौलुस सबका सेवक क्यों बना?
पौलुस सबका सेवक बना कि अधिकाधिक मनुष्यों को परमेश्वर के पास खींच लाए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 9:20

अधिकाधिक मनुष्यों को उद्धार कराने के लिए पौलुस क्या-क्या बना?
पौलुस यहूदियों के लिए यहूदी बना, व्यवस्था के अधीन होने वालों के लिए वह व्यवस्था के अधीन हुआ, व्यवस्था से बाहर वालों के लिए वह व्यवस्थाहीन सा बना कि सब मनुष्यों के लिए सब कुछ बनकर बहुतों का उद्धार कराए।

1 Corinthians 9:23

पौलुस ने सुसमाचार के लिए सब कुछ क्यों किया?
उसने ऐसा इसलिए किया कि वह सुसमाचार की आशिषों का भागी हो।

1 Corinthians 9:24

पौलुस ने कैसी दौड़ दौड़ने के लिए कहा?
पौलुस ने कहा कि जीतने के लिए दौड़ो।

1 Corinthians 9:25

पौलुस कैसा मुकुट पाने के लिए दौड़ रहा था?
पौलुस दौड़ रहा था कि अविनाशी मुकुट पाए।

1 Corinthians 9:27

पौलुस ने अपनी देह को वश में क्यों रखा था?
पौलुस इसलिए ऐसा करता था कि औरों को प्रचार करके स्वयं निकम्मा न ठहरे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 10

1 हे भाइयों, मैं नहीं चाहता, कि तुम इस बात से अज्ञात रहो, कि हमारे सब पूर्वज बादल के नीचे थे, और सब के सब समुद्र के बीच से पार हो गए। (निर्ग. 14:29) **2** और सब ने बादल में, और समुद्र में, मूसा का बपतिस्मा लिया। **3** और सब ने एक ही आत्मिक भोजन किया। (निर्ग. 16:35, व्य. 8:3) **4** और सब ने एक ही आत्मिक जल पीया, क्योंकि वे उस आत्मिक चट्टान से पीते थे, जो उनके साथ-साथ चलती थी; और वह चट्टान मसीह था। (निर्ग. 17:6, गिन. 20:11)

5 परन्तु परमेश्वर उनमें से बहुतों से प्रसन्न ना था, इसलिए वे जंगल में ढेर हो गए। (इब्रा. 3:17) **6** ये बातें हमारे लिये दृष्टान्त ठहरी, कि जैसे उन्होंने लालच किया, वैसे हम बुरी वस्तुओं का लालच न करें।

7 और न तुम मूरत पूजनेवाले बनो; जैसे कि उनमें से कितने बन गए थे, जैसा लिखा है, “लोग खाने-पीने बैठे, और खेलने-कूदने उठे।” **8** और न हम व्यभिचार करें; जैसा उनमें से कितनों ने किया और एक दिन में तेईस हजार मर गये। (गिन. 25:1, गिन. 25:9)

9 और न हम प्रभु को परखें; जैसा उनमें से कितनों ने किया, और साँपों के द्वारा नाश किए गए। (गिन. 21:5-6) **10** और न तुम कुड़कुड़ाओ, जिस रीति से उनमें से कितने कुड़कुड़ाए, और नाश करनेवाले के द्वारा नाश किए गए।

11 परन्तु ये सब बातें, जो उन पर पड़ी, दृष्टान्त की रीति पर थीं; और वे हमारी चेतावनी के लिये जो जगत के अन्तिम समय में रहते हैं लिखी गईं हैं। **12** इसलिए जो समझता है, “मैं स्थिर हूँ,” वह चौकस रहे; कि कहीं गिर न पड़े। **13** तुम किसी ऐसी परीक्षा में नहीं पड़े, जो मनुष्य के सहने के बाहर है: और परमेश्वर विश्वासयोग्य है: वह तुम्हें सामर्थ्य से बाहर परीक्षा में न पड़ने देगा, वरन् परीक्षा के साथ निकास भी करेगा; कि तुम सह सको। (2 पत. 2:9)

14 इस कारण, हे मेरे प्यारों मूर्ति पूजा से बचे रहो*। **15** मैं बुद्धिमान जानकर, तुम से कहता हूँ: जो मैं कहता हूँ, उसे तुम परखो। **16** वह धन्यवाद का कटोरा*, जिस पर हम धन्यवाद करते हैं, क्या वह मसीह के लहू की सहभागिता नहीं? वह रोटी जिसे हम तोड़ते हैं, क्या मसीह की देह की सहभागिता नहीं? **17** इसलिए, कि एक ही रोटी है तो हम भी जो बहुत हैं, एक देह हैं क्योंकि हम सब उसी एक रोटी में भागी होते हैं।

18 जो शरीर के भाव से इस्राएली हैं, उनको देखो: क्या बलिदानों के खानेवाले वेदी के सहभागी नहीं? **19** फिर मैं क्या कहता हूँ? क्या यह कि मूर्ति का बलिदान कुछ है, या मूरत कुछ है?

20 नहीं, बस यह, कि अन्यजाति जो बलिदान करते हैं, वे परमेश्वर के लिये नहीं, परन्तु दुष्टात्माओं के लिये बलिदान* करते हैं और मैं नहीं चाहता, कि तुम दुष्टात्माओं के सहभागी हो। (व्य. 32:17) **21** तुम प्रभु के कटोरे, और दुष्टात्माओं के कटोरे दोनों में से नहीं पी सकते! तुम प्रभु की मेज और दुष्टात्माओं की मेज दोनों के सहभागी नहीं हो सकते। (मत्ती 6:24) **22** क्या हम प्रभु को क्रोध दिलाते हैं? क्या हम उससे शक्तिमान हैं? (व्य. 32:21)

23 सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित तो हैं, परन्तु सब लाभ की नहीं। सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित तो हैं, परन्तु सब वस्तुओं से उन्नति नहीं। **24** कोई अपनी ही भलाई को न ढूँढ़े वरन् औरों की।

25 जो कुछ कस्साइयों के यहाँ बिकता है, वह खाओ और विवेक के कारण कुछ न पूछो। **26** “क्योंकि पृथ्वी और उसकी भरपूरी प्रभु की है।” (भज. 24:1) **27** और यदि अविश्वासियों में से कोई तुम्हें नेवता दे, और तुम जाना चाहो, तो जो कुछ तुम्हारे सामने रखा जाए वही खाओ: और विवेक के कारण कुछ न पूछो।

28 परन्तु यदि कोई तुम से कहे, “यह तो मूरत को बलि की हुई वस्तु है,” तो उसी बतानेवाले के कारण, और विवेक के कारण न खाओ। **29** मेरा मतलब, तेरा विवेक नहीं, परन्तु उस दूसरे का। भला, मेरी स्वतंत्रता दूसरे के विचार से क्यों परखी जाए? **30** यदि मैं धन्यवाद करके सहभागी होता हूँ, तो जिस पर मैं धन्यवाद करता हूँ, उसके कारण मेरी बदनामी क्यों होती है?

31 इसलिए तुम चाहे खाओ, चाहे पीओ, चाहे जो कुछ करो, सब कुछ परमेश्वर की महिमा के लिये करो। **32** तुम न यहूदियों, न यूनानियों, और न परमेश्वर की कलीसिया के लिये ठोकर के कारण* बनो। **33** जैसा मैं भी सब बातों में सब को प्रसन्न रखता हूँ, और अपना नहीं, परन्तु बहुतों का लाभ ढूँढ़ता हूँ, कि वे उद्धार पाएँ।

---

1 Corinthians 10:1

हमारे बाप-दादे
पौलुस निर्गमन की पुस्तक में मूसा के समय की बात कर रहा है जब वे मिस्री सेना के भय से लाल सागर पार कर रहे थे। यहां “हमारे” समाविष्ट है “सब यहूदियों के पूर्वज”

सब ने ... मूसा का बपतिस्मा लिया
वैकल्पिक अनुवाद: “सब मूसा को समर्पित उसका अनुसरण कर रहे थे”

समुद्र के बीच से पार हो गए
“मिस्र से पलायन करने के बाद उन सब ने लाल सागर पार किया”

बादल में
दिन में उनकी अगुआई करनेवाला बादल परमेश्वर की उपस्थिति का प्रतीक था।

वह चट्टान मसीह था
“चट्टान” मसीह की अभेद्य शक्ति का प्रतीक है जो संपूर्ण यात्रा उनके साथ था। वे उसकी सुरक्षा एवं शान्ति पर निर्भर कर सकते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 10:5

प्रसन्न न हुआ
“अप्रसन्न” या “क्रोधित” (यू.डी.बी.)

बहुतों से
इस्राएलियों के पूर्वजों से

जंगल में
मिस्र और इस्राएल के मध्य का जंगल जिसमें वे 40 वर्ष भटक रहे थे।

दृष्टान्त
इस्राएलियों के लिए शिक्षा या उदाहरण

बुरी वस्तुओं का लालच
परमेश्वर का सम्मान न करने वाली बातों की लालसा करना

1 Corinthians 10:7

मूर्तिपूजक
“मूर्तियों की पूजा करने वाले”

खाने-पीने बैठे
“भोज के लिए बैठे”

एक दिन में तेईस हजार मर गए
“परमेश्वर ने एक ही दिन में तेईस हजार लोगों को मार डाला”

इसलिए
वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि उन्होंने अवैध यौनाचार किया”

1 Corinthians 10:9

न तुम कुड़कुड़ाओ
शिकायत करना और रोष प्रकट करना”

नष्ट करने वाले के द्वारा नष्ट किए गए
“मृत्यु के स्वर्गदूत ने उन्हें नष्ट किया”

नष्ट किया जाए
वैकल्पिक अनुवाद:“मार डाला”

1 Corinthians 10:11

ये सब बातें जो उन पर पड़ीं
कुकर्मों के परिणाम स्वरूप दण्ड

दृष्टान्त की रीति पर थी और हमारी...
“हमारी” अर्थात सब विश्वासियों

जग के अन्तिम समय
“अन्तिम दिनों”

कहीं गिर पड़े
पाप न करे या परमेश्वर का सम्मान करें

तुम किसी ऐसी परीक्षा में नहीं पड़े, जो मनुष्य के सहने से बाहर है
वैकल्पिक अनुवाद“तुम पर जो परीक्षाएं आती हैं, वे सब पर ही आती है”)

सहने से
तुम्हारी शारीरिक और मानसिक शक्ति से परे नहीं

1 Corinthians 10:14

मूर्तिपूजा से बचे रहो
“मूर्तिपूजा से निश्चित रूप से अलग रहो”

धन्यवाद का कटोरा
पौलुस इस अभिव्यक्ति द्वारा दाखरस के कटोरे का संकेत देता है जो प्रभु भोज में काम में आता है।

क्या मसीह के लहू की सहभागिता नहीं?
जिस दाखरस के कटोरे में हम सहभागिता करते हैं वह मसीह के लहू में सहभागिता का प्रतीक है। “हम मसीह के लहू में सहभागी होते हैं”।

वह रोटी जिसे हम तोड़ते हैं, क्या वह मसीह की देह की सहभागिता नहीं ?
वह रोटी जिसे हम तोड़ते है, क्या वह मसीह की देह की सहभागिता नहीं? - वैकल्पिक अनुवाद: “रोटी में सहभागी होते समय हम मसीह की देह में सहभागी होते हैं”)

सहभागिता
“उसमें भागीदार होना” या “सब के साथ बराबर की हिस्सेदारी करना”

रोटी
पक्की हुई संपूर्ण रोटी जिसे बांटने के लिए तोड़ा जाता है

1 Corinthians 10:18

क्या बलिदानों के खाने वाले वेदी के सहभागी नहीं?
वैकल्पिक अनुवाद: जो बलि के भोज्य पदार्थों को खाते हैं वे वेदी के भागीदार होते हैं।

फिर मैं क्या कहता हूं?
वैकल्पिक अनुवाद: “मैं अपनी बात दोहराता हूं” या “मेरे कहने का अर्थ यह है”

मूर्ति कुछ है?
वैकल्पिक अनुवाद: “मूर्ति वास्तव में कुछ नहीं है” या “मूर्ति का कोई महत्व नहीं है”।

मूर्तियों के सामने बलि की हुई वस्तुओं
वैकल्पिक अनुवाद: “मूर्ति पर चढ़ाया गया भोजन यह महत्व नहीं रखता है” या “मूर्ति को भेंट चढ़ाया हुआ भोजन अर्थहीन है”

1 Corinthians 10:20

कटोरे में से नहीं पी सकते
किसी के द्वारा दिए गए कटोरे की सहभागिता प्रायः उसके पेय पदार्थ का संदर्भ देती है। यह “एक ही मान्यताओं की सहभागिता” के लिए एक रूपक है।

तुम प्रभु की मेज और दुष्टात्माओं की मेज दोनों के सांझी नहीं हो सकते
वैकल्पिक अनुवाद: “यदि तुम प्रभु की उपासना के साथ-साथ दुष्टात्माओं की उपासना करते हो तो प्रभु की तुम्हारी उपासना निष्ठावान नहीं है”।

क्रोध दिलाते हो
वैकल्पिक अनुवाद: “रोष दिलाते हो” या “भड़काते हो”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्या हम उस से शक्तिमान हैं
वैकल्पिक अनुवाद: “हम दुष्टात्माओं की संगति कर सकते हैं जबकि परमेश्वर नहीं करता है” या “हम परमेश्वर से अधिक शक्तिशाली नहीं हैं”

1 Corinthians 10:23

“सब वस्तुएं मेरे लिए उचित तो हैं
पौलुस कुछ कुरिन्थ वासियों की लोकोक्ति का उद्धारण दे रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं जो चाहूं वह कर सकता हूं”।

कोई अपनी ही भलाई की नहीं वरन दूसरों की भलाई को ढूंढ़े
अपना ही नहीं दूसरों का भी भला करो

भलाई
वैकल्पिक अनुवाद: “लाभ”

1 Corinthians 10:25

कसाईयों के यहाँ
मांस बेचने वालों की दुकान में

पृथ्वी और उसकी भरपूरी प्रभु की है
परमेश्वर ने पृथ्वी और उसकी सब वस्तुओं को सृजा है

विवेक के द्वारा कुछ न पूछो
अपने विवेक के कारण मत पूछो कि भोजन कहां से आया है यह मान लो कि भोजन परमेश्वर देता है चाहे वह मूर्ति को चढ़ाया गया हो या नहीं

1 Corinthians 10:28

मेरी स्वतंत्रता दूसरे के विचार से क्यों परखी जाए
वैकल्पिक अनुवाद: “मेरी अपनी पसन्द किसी के सही या गलत मानने से क्यों बदली जाए।

मैं साझी होता हूं
यहां “मैं” पौलुस के लिए नहीं उनके लिए काम में लिया गया है जो धन्यवाद देकर मांस खाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यदि मनुष्य.... सहभागी हो” या “जब मनुष्य खाए”

धन्यवाद करके
इसके संभावित अर्थ हैं, 1) “परमेश्वर की सराहना एवं धन्यवाद के साथ” 2) अतिथि सत्कार करने वाले की सराहना एवं धन्यवाद के साथ”।

जिस पर मैं धन्यवाद करता हूं उसके कारण मेरी बदनामी क्यों होती है?
“जब मैंने भोजन के लिए धन्यवाद किया तो तुम मेरी निन्दा क्यों करते हो? “वैकल्पिक अनुवाद, “मैं किसी को मुझ पर दोष लगाने नहीं दूंगा”

1 Corinthians 10:31

तुम.... न ... होकर का कारण बनो
वैकल्पिक अनुवाद: “अप्रसन्न मत करो” या “ठोकर लगने का कारण मत बनो”

सबको प्रसन्न रखता हूं
वैकल्पिक अनुवाद: “सब मनुष्यों को स्वीकार्य हूं”

अपना ही नहीं बहुतों का लाभ ढूंढ़ता हूं
वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी ही लालसा पूर्ति नहीं करता हूं”

बहुतों
यथा संभव अधिकाधिक

Translation Questions

1 Corinthians 10:1

मूसा के समय बाप दादों का कौन सा अनुभव सर्वनिष्ठ था?
सब बाप दादे बादल के नीचे थे सबके सब समुद्र के बीच से पार हो गए, सबने बादल में और समुद्र में मूसा का बपतिस्मा लिया और सबने एक ही आत्मिक भोजन किया, और सबने एक ही आत्मिक जल पीया।

1 Corinthians 10:4

उनके बाप दादों के साथ चलनेवाली आत्मिक चट्टान कौन थी?
जो चट्टान उनके साथ चलती थी वह मसीह था।

1 Corinthians 10:5

उनके बाप दादों को दण्ड देने के लिए परमेश्वर ने क्या किया?
वे अनेक कारणों द्वारा मारे गए, कुछ सांपों के काटने से, कुछ नष्ट करने वाले मृत्यु के दूत से, उनके शव जंगल में बिखराए गए।

1 Corinthians 10:6

मूसा के समय परमेश्वर उनके बाप दादों से प्रसन्न क्यों नहीं था?
परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं हुआ क्योंकि उन्होंने लालच किया, व्यभिचार किया, उन्होंने प्रभु को परखा और कुड़कुड़ाए।

1 Corinthians 10:8

उनके बाप दादों को दण्ड देने के लिए परमेश्वर ने क्या किया?
वे अनेक कारणों द्वारा मारे गए, कुछ सांपों के काटने से, कुछ नष्ट करने वाले मृत्यु के दूत से, उनके शव जंगल में बिखराए गए।

1 Corinthians 10:11

यह सब क्यों हुआ और वह लिखी क्यों गई?
यह सब हमारे लिए दृष्टान्त की रीति पर और हमारी चेतावनी के लिये लिखी गईं हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 10:13

क्या हम पर कोई अद्वैत परीक्षा आई है?
हम पर ऐसी कोई परीक्षा नहीं आई है जो सहने से बाहर मनुष्य के लिए असाधारण है।

परमेश्वर ने क्या किया कि हम परीक्षा सह सकें?
उसने परीक्षा से बचने का मार्ग भी उपलब्ध करवाया है कि हम परीक्षा का सामना कर सकें।

1 Corinthians 10:14

??
पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों को किससे बचने की चेतावनी देता है।

1 Corinthians 10:16

धन्यवाद का कटोरा और रोटी जिसे विश्वासी तोड़ते हैं वे क्या हैं?
कटोरा मसीह के लहू और रोटी मसीही की देह की सहभागिता है।

1 Corinthians 10:20

अन्यजातियां किसे बलिदान चढ़ाती हैं?
वे दुष्टात्माओं के लिए बलिदान चढ़ाते हैं परमेश्वर के लिए नहीं।

पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों द्वारा दुष्टात्माओं की सहभागिता नहीं चाहता था इसलिए वह उन्हें किस काम को करने से मना करता है?
पौलुस उनसे कहता है कि वे प्रभु के कटोरे और दुष्टात्माओं के कटोरे से एक साथ पी नहीं सकते और प्रभु की मेज और दुष्टात्माओं की मेज के एक साथ साझी नहीं हो सकते।

1 Corinthians 10:22

यदि हम विश्वासी होने के कारण दुष्टात्माओं की सहभागिता करें तो हम कैसे जोखिम उठाते हैं?
हम प्रभु को क्रोध दिलाने का जोखिम उठाते हैं।

1 Corinthians 10:24

क्या हमें अपना ही स्वार्थ सिद्ध करना है?
नहीं, हर एक को अपने पड़ोसी की भलाई की खोज में रहना है।

1 Corinthians 10:27

यदि कोई अविश्वासी भोजन हेतु आमंत्रित करे और आप उसके घर जाएं तो क्या करें?
विवेक के कारण कुछ न पूछो बस खा लो।

1 Corinthians 10:28

यदि आपका अविश्वासी अतिथ्य करने वाला कहे कि भोजन मूर्ति को चढ़ाया हुआ है तो उसे खाना उचित क्यों नहीं?
यदि वह कहे कि वह भोजन मूर्ति को चढ़ाया हुआ है तो उसके कारण और विवेक के कारण मत खाओ।

1 Corinthians 10:31

हमें परमेश्वर की महिमा के निमित्त क्या करना है?
हमें सब काम, खाना-पीना भी परमेश्वर की महिमा के निमित्त करना है।

1 Corinthians 10:32

हमें यहूदियों, यूनानियों या परमेश्वर की कलीसिया के लिए ठोकर का कारण क्यों नहीं होना है?
कलीसिया के लिए ठोकर का कारण न बनो कि वे उद्धार पाएं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 11

1 तुम मेरी जैसी चाल चलो जैसा मैं मसीह के समान चाल चलता हूँ।

2 मैं तुम्हें सराहता हूँ, कि सब बातों में तुम मुझे स्मरण करते हो; और जो व्यवहार मैंने तुम्हें सौंप दिए हैं, उन्हें धारण करते हो। **3** पर मैं चाहता हूँ, कि तुम यह जान लो, कि हर एक पुरुष का सिर मसीह है: और स्त्री का सिर पुरुष है: और मसीह का सिर परमेश्वर है। **4** जो पुरुष सिर ढाँके हुए प्रार्थना या भविष्यद्वाणी करता है, वह अपने सिर का अपमान करता है।

5 परन्तु जो स्त्री बिना सिर ढके प्रार्थना या भविष्यद्वाणी करती है, वह अपने सिर का अपमान करती है, क्योंकि वह मुण्डी होने के बराबर है। **6** यदि स्त्री ओढ़नी न ओढ़े, तो बाल भी कटा ले; यदि स्त्री के लिये बाल कटाना या मुण्डाना लज्जा की बात है, तो ओढ़नी ओढ़े।

7 हाँ पुरुष को अपना सिर ढाँकना उचित नहीं, क्योंकि वह परमेश्वर का स्वरूप और महिमा है; परन्तु स्त्री पुरुष की शोभा है। (1 कुरि. 11:3) **8** क्योंकि पुरुष स्त्री से नहीं हुआ, परन्तु स्त्री पुरुष से हुई है। (उत्प. 2:21-23)

9 और पुरुष स्त्री के लिये नहीं सिरजा गया*, परन्तु स्त्री पुरुष के लिये सिरजी गई है। (उत्प. 2:18) **10** इसलिए स्वर्गदूतों के कारण स्त्री को उचित है, कि अधिकार अपने सिर पर रखे।

11 तो भी प्रभु में न तो स्त्री बिना पुरुष और न पुरुष बिना स्त्री के है। **12** क्योंकि जैसे स्त्री पुरुष से है*, वैसे ही पुरुष स्त्री के द्वारा है; परन्तु सब वस्तुएँ परमेश्वर से हैं।

13 तुम स्वयं ही विचार करो, क्या स्त्री को बिना सिर ढके परमेश्वर से प्रार्थना करना उचित है? **14** क्या स्वाभाविक रीति से भी तुम नहीं जानते, कि यदि पुरुष लम्बे बाल रखे, तो उसके लिये अपमान है। **15** परन्तु यदि स्त्री लम्बे बाल रखे; तो उसके लिये शोभा है क्योंकि बाल उसको ओढ़नी के लिये दिए गए हैं। **16** परन्तु यदि कोई विवाद करना चाहे, तो यह जाने कि न हमारी और न परमेश्वर की कलीसियाओं की ऐसी रीति है।

17 परन्तु यह निर्देश देते हुए, मैं तुम्हें नहीं सराहता, इसलिए कि तुम्हारे इकट्ठे होने से भलाई नहीं, परन्तु हानि होती है। **18** क्योंकि पहले तो मैं यह सुनता हूँ, कि जब तुम कलीसिया में इकट्ठे होते हो, तो तुम में फूट होती है और मैं कुछ-कुछ विश्वास भी करता हूँ। **19** क्योंकि विधर्म भी तुम में अवश्य होंगे, इसलिए कि जो लोग तुम में खरे निकले हैं, वे प्रगट हो जाएँ।

20 जब तुम एक जगह में इकट्ठे होते हो* तो यह प्रभु भोज खाने के लिये नहीं। **21** क्योंकि खाने के समय एक दूसरे से पहले अपना भोज खा लेता है, तब कोई भूखा रहता है, और कोई मतवाला हो जाता है। **22** क्या खाने-पीने के लिये तुम्हारे घर नहीं? या परमेश्वर की कलीसिया को तुच्छ जानते हो, और जिनके पास नहीं है उन्हें लज्जित करते हो? मैं तुम से क्या कहूँ? क्या इस बात में तुम्हारी प्रशंसा करूँ? मैं प्रशंसा नहीं करता।

23 क्योंकि यह बात मुझे प्रभु से पहुँची, और मैंने तुम्हें भी पहुँचा दी; कि प्रभु यीशु ने जिस रात पकड़वाया गया रोटी ली, **24** और धन्यवाद करके उसे तोड़ी, और कहा, “यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिये है: मेरे स्मरण के लिये यही किया करो।”

25 इसी रीति से उसने बियारी के बाद कटोरा भी लिया, और कहा, “यह कटोरा मेरे लहू में नई वाचा है: जब कभी पीओ, तो मेरे स्मरण के लिये यही किया करो।” (लूका 22:20) **26** क्योंकि जब कभी तुम यह रोटी खाते, और इस कटोरे में से पीते हो, तो प्रभु की मृत्यु को जब तक वह न आए, प्रचार करते हो।

27 इसलिए जो कोई अनुचित रीति से प्रभु की रोटी खाए, या उसके कटोरे में से पीए, वह प्रभु की देह और लहू का अपराधी ठहरेगा। **28** इसलिए मनुष्य अपने आप को जाँच ले और इसी रीति से इस रोटी में से खाए, और इस कटोरे में से पीए। **29** क्योंकि जो खाते-पीते समय प्रभु की देह को न पहचाने, वह इस खाने और पीने से अपने ऊपर दण्ड लाता है। **30** इसी कारण तुम में बहुत से निर्बल और रोगी हैं, और बहुत से सो भी गए।

31 यदि हम अपने आप को जाँचते, तो दण्ड न पाते। **32** परन्तु प्रभु हमें दण्ड देकर हमारी ताड़ना करता है इसलिए कि हम संसार के साथ दोषी न ठहरें।

33 इसलिए, हे मेरे भाइयों, जब तुम खाने के लिये इकट्ठे होते हो, तो एक दूसरे के लिये ठहरा करो। **34** यदि कोई भूखा हो, तो अपने घर में खा ले जिससे तुम्हारा इकट्ठा होना दण्ड का कारण न हो। और शेष बातों को मैं आकर ठीक कर दूँगा।

---

1 Corinthians 11:1

स्मरण करते हो
वैकल्पिक अनुवाद:“विचार करते हो” या “ध्यान देते हो”

मैं चाहता हूं
इसके संभावित अर्थ हैं, 1) इस कारण मैं चाहता हूं” या 2) “तथापि, मैं चाहता हूं”

सिर ढांके हुए
“अपने पर कपड़ा डाल कर”

अपने सिर का अपमान करता है
इसके संभावित अर्थ हैं, 1) “अपना अपमान करता है” (यू.डी.बी.) या 2) “मसीह जो हमारा सिर है उसका अपमान करता है”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 11:5

उघाड़े सिर
परदा जो केवल मुंह खुला रखता है

अपने सिर का अपमान करती है
इसके संभावित अर्थ हैं, 1) “अपना अपमान करती है” या 2) “अपने पति के अपमान का कारण होती है”

मुण्डी
सिर के बाल मुंडाने के जैसी

यदि स्त्री के लिए.... मुण्डन कराना लज्जा की बात है
आज से भिन्न स्त्री के लिए सिर के बाल कटाना या मुण्डन करवाना लज्जा की बात थी।

ओढ़नी ओढ़े
“सिर पर कपड़ा डाले या सिर ढांके"

1 Corinthians 11:7

पुरूष को अपना सिर ढकना उचित नहीं
वैकल्पिक अनुवाद: “अपने सिर पर टोपी का कपड़ा न डाले”

पुरूष की महिमा है
जिस प्रकार पुरूष परमेश्वर की महिमा प्रकट करता है उसी प्रकार स्त्री पुरूष की महिमा प्रकट करती है।

क्योंकि पुरूष स्त्री से नहीं हुआ, परन्तु स्त्री पुरूष से हुई।
स्त्री के सृजन के समय परमेश्वर ने पुरूष की एक पसली निकाल कर स्त्री को सृजा था।

1 Corinthians 11:9

अधिकार अपने सिर पर रखे
इसके संभावित अर्थ हैं 1) “पुरूष को उसका सिर प्रकट करने के लिए” या 2) “प्रार्थना या भविष्यद्वाणी के अधिकार के प्रतीक स्वरूप”

1 Corinthians 11:11

केवल प्रभु में
इसके संभावित अर्थ हैं 1) “मसीह के विश्वासियों में 2) “परमेश्वर के सृजित संसार में”

सब वस्तुएं परमेश्वर से हैं
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर ने सब कुछ सृजा है”

1 Corinthians 11:13

आप ही विचार करो
वैकल्पिक अनुवाद: “इस बात को स्थानीय संस्कृति और कलीसियाई आज्ञाओं के अनुसार देखे”

क्या स्त्री का उघाड़े सिर परमेश्वर से प्रार्थना करना शोभा देता है?
“स्त्री परमेश्वर के सम्मान के लिए सिर ढांक कर प्रार्थना करे” (देखें:

क्या
वाक्य की शेष विषय वस्तु के संदर्भ हेतु

क्या स्वाभाविक रीति से भी तुम नहीं जानते?
वैकल्पिक अनुवाद: “प्रकृति स्वयं सिखाती है”

स्वाभाविक रीति से
अर्थात सामाजिक व्यवस्था के अनुसार। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन बातों को आप जानते है कि संसार में ऐसा होता है" या "समाज का जो विचार मान्यता रखती है"

बाल उसको... दिए गए है?
“परमेश्वर ने स्त्री को बालों के साथ सृजा है

कोई विवाद करना चाहे
“शब्दों में असहमत हो”

1 Corinthians 11:17

आज्ञा
वैकल्पिक अनुवाद: “निर्देश” या “नीति”

तुम्हारे इकट्ठे होने से
वैकल्पिक अनुवाद: “एकत्र होने से”

तुम में फूट होती है
तुम में विभिन्न वर्ग हैं। एक वर्ग माननीय है (धनवानों का) तो दूसरा नगण्य (गरीबों का)

जो लोग तुम में खरे है। प्रगट हो जाएंगे
इसके संभावित अर्थ हैं 1) “तुम में सर्व प्रतिष्ठित विश्वासियों को लोग जान लें” या 2) “ कि मनुष्य उनमें उपस्थित अन्य जनों को स्वीकृति प्रदान करें”।

खरे
अधिकारी द्वारा स्वीकृत या कलीसिया द्वारा

1 Corinthians 11:20

यह प्रभु भोज खाने के लिए नहीं
वैकल्पिक अनुवाद: “तुम्हारे लिए प्रभु भोज का स्मरण हो सकता है परन्तु तुम उसके लिए आवश्यक सम्मान प्रदान नहीं करते हो”।

इकट्ठे होते हो
“एकत्र होते हो”

खाने पीने के लिए
वैकल्पिक अनुवाद: “भोजन मात्र के लिए”

तुच्छ जानते हो
घृणा करते या अपमान और अनादर करते हो

जिनके पास नहीं है उन्हें लज्जित करते हो
कलीसिया में उन्हें अपमानित करते, छोटा दिखाते हो।

1 Corinthians 11:23

यह बात मुझे प्रभु से पहुंची
वैकल्पिक अनुवाद: “प्रभु ने मुझे यह जानकारी दी और मैं तुम्हें सुनाता हूं”

प्रभु यीशु ने जिस रात वह पकड़वाया गया
“जिस रात कुरिन्थ वासी यहूदा ने यीशु को पकड़वाया”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

रोटी ली और धन्यवाद करके उसे तोड़ी
वैकल्पिक अनुवाद: “यीशु ने रोटी हाथों में लेकर परमेश्वर को धन्यवाद दिया और उसे तोड़ा”।

यह मेरी देह है
वैकल्पिक अनुवाद: “यह रोटी मेरी देह है”

1 Corinthians 11:25

कटोरा भी लिया
वैकल्पिक अनुवाद: “उसने दाखरस का कटोरा भी लिया”

जब कभी पियो तो मेरे स्मरण के लिए यही किया करो
“तुम जब-जब इसे पियो”

प्रभु की मृत्यु को.... प्रचार करते हो
“तुम प्रभु की मृत्यु की वास्तविकता की शिक्षा देते हो”। यीशु की मृत्यु सामान्यत: उसके क्रूसीकरण और पुनरूत्थान के संदर्भ में प्रयोग किया जाता है।

जब तक वह न आए
वैकल्पिक अनुवाद: “जब तक यीशु पृथ्वी पर पुनः न आए”

1 Corinthians 11:27

रोटी खाए या उसके कटोरे में से पीए
वैकल्पिक अनुवाद: “प्रभु भोज में सहभागी हो”

अपने आपको जांच ले
“अपने आपको परखो” या “निरीक्षण करे”

प्रभु की देह को न पहचाने
इसके संभावित अर्थ हैं 1) “न पहचाने कि कलीसिया मसीह की देह है। 2) “यह न समझे कि वह प्रभु की देह को स्पर्श करता है”। (यू.डी.बी)

1 Corinthians 11:31

यदि हम अपने आप को जांचते
“हम अपने व्यवहार एवं कामों को आंकने पर निकट ध्यान देते”

1 Corinthians 11:33

जब तुम खाने के लिए एकत्र होते हो
प्रभु भोज से पूर्व खाने के लिए एकत्र होते हो।

एक दूसरे के लिए ठहरा करो
“भोजन आरंभ करने से पूर्व दूसरे सदस्यों के आने की प्रतीक्षा किया करो”

अपने घर में खा लिया करें
वैकल्पिक अनुवाद: “वह सभा में आने से पूर्व घर में खा कर आए”

दण्ड का कारण न हो
वैकल्पिक अनुवाद: “आत्मसंयम की कमी के कारण सभा दण्ड का कारण उत्पन्न न करे”।

शेष बातों को और आकर ठीक करूंगा
इससे स्पष्ट होता है कि पौलुस उन प्रश्नों का उत्तर दे रहा था और उन विषयों पर चर्चा कर रहा था जो कुरिन्थ की कलीसिया ने पत्र में उसे लिखे थे।

Translation Questions

1 Corinthians 11:1

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया से किसका अनुकरण करने के लिए कहा?
पौलुस ने उनसे कहा कि वे उसकी सी चाल चलें।

पौलुस किसकी सी चाल चलता था?
पौलुस मसीह की सी चाल चलता था।

1 Corinthians 11:2

पौलुस ने कुरिन्थ के विश्वासियों की प्रशंसा क्यों की?
पौलुस उनकी प्रशंसा करता है कि वे सब बातों में उसे स्मरण करते थे और जो परम्पराएं उसने उन्हें सौंपी थी उनका ज्यों का त्यों दृढता से पालन कर रहे थे।

1 Corinthians 11:3

मसीह का सिर कौन है?
परमेश्वर मसीह का सिर है।

पुरूष का सिर कौन है?
मसीह हर एक पुरूष का सिर है।

स्त्री का सिर कौन है?
पुरूष स्त्री का सिर है।

1 Corinthians 11:4

पुरूष सिर ढांक कर प्रार्थना करे तो क्या होता है?
यदि वह सिर ढांक कर प्रार्थना करे तो वह अपने सिर का अपमान करता है।

1 Corinthians 11:5

स्त्री सिर ढांके बिना प्रार्थना करे तो क्या होता है?
स्त्री सिर ढांके बिना प्रार्थना करती है तो वह अपने सिर का अपमान करती है ।

1 Corinthians 11:7

पुरुष के लिए सिर ढांकना उचित क्यों नहीं है?
पुरूष को सिर ढांकना उचित नहीं क्योंकि वह परमेश्वर का स्वरूप और महिमा है।

1 Corinthians 11:9

स्त्री किसके लिए सृजी गई है?
स्त्री पुरूष के लिए सृजी गई है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 11:10

स्त्रियों द्वारा प्रार्थना करने में पौलुस उसके साथियों और परमेश्वर की कलीसियाओं का अभ्यास क्या था?
उनका पारम्परिक अभ्यास था कि स्त्री सिर ढांक कर प्रार्थना करे।

1 Corinthians 11:11

स्त्री और पुरूष एक दूसरे पर निर्भर क्यों हैं?
स्त्री पुरूष से है तो पुरूष स्त्री के द्वारा है ।

1 Corinthians 11:19

कुरिन्थ के विश्वासियों में विभाजन क्यों था?
उनमें विभाजन रहा होगा, जो खरे हैं वे प्रकट हो जाएं, उनमें पहचाने जाएं।

1 Corinthians 11:21

कुरिन्थ की कलीसिया जब भोज के लिए एकत्र होती थी तब क्या होता था?
वे खाने के समय एक दूसरे से पहले भोजन खा लेते थे, इस कारण कोई तो भूखा रहता था और कोई मतवाला हो जाता था।

1 Corinthians 11:23

जिस रात प्रभु यीशु पकड़वाया गया उस रात उसने रोटी तोड़कर क्या कहा?
यीशु ने कहा, "यह मेरी देह है जो तुम्हारे लिए है, मेरे स्मरण के लिए यही किया करो"।

1 Corinthians 11:25

भोजन के बाद कटोरा लेकर यीशु ने क्या कहा था?
यीशु ने कहा, "यह कटोरा मेरे लहू में नई वाचा है जब कभी पीओ तो मेरे स्मरण के लिये यही किया करो"।

1 Corinthians 11:26

रोटी खाते समय और कटोरा पीते समय तुम क्या करते हो?
तुम प्रभु के आने तक उसकी मृत्यु का प्रचार करते हो।

1 Corinthians 11:27

प्रभु की रोटी और उसके कटोरे की अनुचित सहभागिता क्यों नहीं करना है?
अनुचित रीति से प्रभु भोज की रोटी खाना और उसके कटोरे में से पीना प्रभु की देह और उसके लहू का अपराध है।

1 Corinthians 11:30

उचित रीति से प्रभु भोज की रोटी खाने और कटोरे से पीने के कारण अनेक कुरिन्थ विश्वासियों का क्या हुआ था?
उनमें से अनेक निर्बल और रोगी थे और बहुत से मर भी गए थे।

1 Corinthians 11:33

कुरिन्थ के विश्वासी जन भोजन के लिए एकत्र हों तो पौलुस उन्हें क्या करने के लिए कहता है?
पौलुस उनसे कहता है कि वे एक दूसरे की प्रतीक्षा करें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 12

1 हे भाइयों, मैं नहीं चाहता कि तुम आत्मिक वरदानों* के विषय में अज्ञात रहो। **2** तुम जानते हो, कि जब तुम अन्यजाति थे, तो गूंगी मूरतों के पीछे जैसे चलाए
जाते थे वैसे चलते थे। (गला. 4:8) **3** इसलिए मैं तुम्हें चेतावनी देता हूँ कि जो कोई परमेश्वर की आत्मा की अगुआई से बोलता है, वह नहीं कहता कि यीशु
श्रापित है; और न कोई पवित्र आत्मा के बिना कह सकता है कि यीशु प्रभु है।

4 वरदान तो कई प्रकार के हैं, परन्तु आत्मा एक ही है। **5** और सेवा भी कई प्रकार की है, परन्तु प्रभु एक ही है। **6** और प्रभावशाली कार्य कई प्रकार के हैं, परन्तु
परमेश्वर एक ही है, जो सब में हर प्रकार का प्रभाव उत्पन्न करता है।

7 किन्तु सब के लाभ पहुँचाने के लिये हर एक को आत्मा का प्रकाश दिया जाता है। **8** क्योंकि एक को आत्मा के द्वारा बुद्धि की बातें दी जाती हैं; और दूसरे को
उसी आत्मा के अनुसार ज्ञान की बातें।

9 और किसी को उसी आत्मा से विश्वास; और किसी को उसी एक आत्मा से चंगा करने का वरदान दिया जाता है। **10** फिर किसी को सामर्थ्य के काम करने की
शक्ति; और किसी को भविष्यद्वाणी की; और किसी को आत्माओं की परख, और किसी को अनेक प्रकार की भाषा; और किसी को भाषाओं का अर्थ बताना।
11 परन्तु ये सब प्रभावशाली कार्य वही एक आत्मा करवाता है, और जिसे जो चाहता है वह बाँट देता है।

12 क्योंकि जिस प्रकार देह तो एक है और उसके अंग बहुत से हैं, और उस एक देह के सब अंग, बहुत होने पर भी सब मिलकर एक ही देह हैं, उसी प्रकार
मसीह भी है। **13** क्योंकि हम सब ने क्या यहूदी हो, क्या यूनानी, क्या दास, क्या स्वतंत्र एक ही आत्मा के द्वारा* एक देह होने के लिये बपतिस्मा लिया, और हम
सब को एक ही आत्मा पिलाया गया।

14 इसलिए कि देह में एक ही अंग नहीं, परन्तु बहुत से हैं। **15** यदि पाँव कहे: कि मैं हाथ नहीं, इसलिए देह का नहीं, तो क्या वह इस कारण देह का नहीं? **16**
और यदि कान कहे, “मैं आँख नहीं, इसलिए देह का नहीं,” तो क्या वह इस कारण देह का नहीं? **17** यदि सारी देह आँख ही होती तो सुनना कहाँ से होता? यदि
सारी देह कान ही होती तो सूँघना कहाँ होता?

18 परन्तु सचमुच परमेश्वर ने अंगों को अपनी इच्छा के अनुसार एक-एक करके देह में रखा है। **19** यदि वे सब एक ही अंग होते, तो देह कहाँ होती? **20** परन्तु
अब अंग तो बहुत से हैं, परन्तु देह एक ही है।

21 आँख हाथ से नहीं कह सकती, “मुझे तेरा प्रयोजन नहीं,” और न सिर पाँवों से कह सकता है, “मुझे तुम्हारा प्रयोजन नहीं।” **22** परन्तु देह के वे अंग जो
औरों से निर्बल* देख पड़ते हैं, बहुत ही आवश्यक हैं। **23** और देह के जिन अंगों को हम कम आदरणीय समझते हैं उन्हीं को हम अधिक आदर देते हैं; और
हमारे शोभाहीन अंग और भी बहुत शोभायमान हो जाते हैं, **24** फिर भी हमारे शोभायमान अंगों को इसका प्रयोजन नहीं, परन्तु परमेश्वर ने देह को ऐसा बना
दिया है, कि जिस अंग को घटी थी उसी को और भी बहुत आदर हो।

25 ताकि देह में फूट न पड़े, परन्तु अंग एक दूसरे की बराबर चिन्ता करें। **26** इसलिए यदि एक अंग दुःख पाता है, तो सब अंग उसके साथ दुःख पाते हैं; और
यदि एक अंग की बड़ाई होती है, तो उसके साथ सब अंग आनन्द मनाते हैं। **27** इसी प्रकार तुम सब मिलकर मसीह की देह हो, और अलग-अलग उसके अंग
हो।

28 और परमेश्वर ने कलीसिया में अलग-अलग व्यक्ति नियुक्त किए हैं; प्रथम प्रेरित, दूसरे भविष्यद्वक्ता, तीसरे शिक्षक, फिर सामर्थ्य के काम करनेवाले, फिर
चंगा करनेवाले, और उपकार करनेवाले, और प्रधान, और नाना प्रकार की भाषा बोलनेवाले। **29** क्या सब प्रेरित हैं? क्या सब भविष्यद्वक्ता हैं? क्या सब
उपदेशक हैं? क्या सब सामर्थ्य के काम करनेवाले हैं?

30 क्या सब को चंगा करने का वरदान मिला है? क्या सब नाना प्रकार की भाषा बोलते हैं? **31** क्या सब अनुवाद करते हैं? तुम बड़े से बड़े वरदानों की धुन में
रहो! परन्तु मैं तुम्हें और भी सबसे उत्तम मार्ग बताता हूँ।

---

1 Corinthians 12:1

मैं नहीं चाहता कि तुम... अनजान रहो
वैकल्पिक अनुवाद: “मैं चाहता हूं कि तुम जान लो”

गूंगी मूर्तियों के पीछे जैसे चलाए जाते थे
“लोगों ने तुम्हें मूक मूर्तियों की उपासना हेतु भ्रष्ट किया था” (देखें: और)

चलाए जाते थे
वैकल्पिक अनुवाद: “उन्होंने तुम्हे भ्रष्ट किया”

जो कोई परमेश्वर के आत्मा की अगुवाई में बोलता है वह नहीं कहता
उसके संभावित अर्थ हैं 1) कोई भी विश्वासी जिन्हें परमेश्वर का आत्मा वही कह सकता है”, 2) “जो परमेश्वर के आत्मा की सामर्थ्य से भविष्यद्वाणी करता है नहीं कह सकता”

1 Corinthians 12:4

सब में
अर्थात वे सब विभिन्न वरदान को उन विश्वासियों को प्राप्त थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 12:7

हर एक को
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर हर एक को देता है”

1 Corinthians 12:9

अनेक प्रकार की भाषा
अर्थात अलग-अलग भाषाएं बोलना

भाषाओं का अर्थ बताना
“भाषाओं के अनुवाद की क्षमता”

1 Corinthians 12:12

एक देह होने के लिए बपतिस्मा लिया
“पवित्र आत्मा ने हम सब को बपतिस्मा दिया”

सब को एक ही आत्मा दिया गया
परमेश्वर ने सबको एक ही आत्मा दिया और हम सब उस एक ही आत्मा में सहभागी हैं जैसे लोग एक ही पेय पदार्थ पीते हैं (देखें: और)

1 Corinthians 12:14

सुनना कहां होता? ... सूंघना कहां होता?
वैकल्पिक अनुवाद: “तुम कुछ नहीं सुन पाते....तुम सूंघने योग्य नहीं रहते”

1 Corinthians 12:18

यदि सब एक ही अंग होते
यदि हर एक अंग-पांव होता तो भुजा, हाथ, छाती या सिर जो सब मिलकर देह की रचना करते है, नहीं होते और हम एक पांव ही होते, देह नहीं।

देह कहां होती
वैकल्पिक अनुवाद: “देह तो होती ही नहीं”

अब अंग तो बहुत हैं
वैकल्पिक अनुवाद: “अतः अंग तो बहुत हैं परन्तु”

1 Corinthians 12:21

दुर्बल हैं
“जो कम महत्व के हैं”।

शोभाहीन अंग
संभवतः गुप्त अंग जो सदैव ढंके रहते हैं।

1 Corinthians 12:25

ताकि देह में फूट न पड़े
वैकल्पिक अनुवाद: “कि देह संगठित हो और

एक अंग की बड़ाई होती है
वैकल्पिक अनुवाद: “एक अंग को सम्मानित किया जाता है”

इसी प्रकार तुम
“इसी प्रकार” द्वारा आनेवाली महत्वपूर्ण बात पर ध्यानकर्षित किया गया है।

1 Corinthians 12:28

प्रथम प्रेरित
इसके संभावित अर्थ हैं 1) “पहले मैं प्रेरित का नाम लेता हूं” या 2) “जो वरदान महत्वपूर्ण में प्रथम है, वह प्रेरित हैं”।

आकर करने वाले
वैकल्पिक अनुवाद: “वे जो अन्य विश्वासियों की सेवा करते हैं”

प्रबन्ध करने वाले
वैकल्पिक अनुवाद: “कलीसिया की व्यवस्था करने वाले”

नाना प्रकार की भाषा बोलने वाले
भाषा सीखे बिना अनजान भाषा बोलने वाले

क्या सब प्रेरित हैं?.... क्या सब सामर्थ्य के काम करने वालें हैं?
वैकल्पिक अनुवाद“हर एक विश्वासी तो प्रेरित नहीं है.... सामर्थ्य के काम करने वाले भी कुछ ही हैं”। (यू.डी.बी.)

1 Corinthians 12:30

क्या सबको चंगा करने का वरदान मिला है?
वैकल्पिक अनुवाद: “सबके पास रोगहरण का वरदान तो नहीं है”)

बड़ें से बड़े वरदानों की धुन में लगे रहो
इसके संभावित अर्थ हैं 1) “तुम कलीसिया की सर्वोत्तम भलाई के लिए परमेश्वर से वरदान प्राप्ति की खोज में लगे रहो”। या 2) “तुम अपनी समझ के अनुसार उन वरदानों की खोज में रहते हो जिन्हें तुम अधिक महत्वपूर्ण समझते हो क्योंकि तुम्हारे विचार में वे अधिक उत्साहजनक हैं”।

Translation Questions

1 Corinthians 12:1

पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों को किस बात के प्रति सचेत करना चाहता था?
पौलुस चाहता है कि वे आत्मिक वरदानों के बारे में अनजान न रहें।

1 Corinthians 12:3

जो परमेश्वर के आत्मा की अगुवाई में बोलता है तो वह क्या नहीं कहेगा?
वह नहीं कहता कि यीशु श्रापित है।

कोई प्रभु यीशु को प्रभु कैसे कह सकता है?
यह भी कि पवित्र आत्मा के बिना कोई नहीं कह सकता कि यीशु प्रभु है।

1 Corinthians 12:4

परमेश्वर विश्वासियों में कैसे प्रभाव उत्पन्न करता है?
वह विश्वासियों को विभिन्न वरदान, विभिन्न सेवाएं और कई प्रकार के प्रभावशाली कार्य देता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 12:7

आत्मा को बाहरी प्रदर्शन क्यों दिया जाता है?
सबको लाभ पहुंचाने के लिए हर एक को आत्मा का प्रकाश दिया जाता है।

1 Corinthians 12:8

पवित्र आत्मा के कुछ वरदान क्या हैं?
किसी को आत्मा के द्वारा बुद्धि की बातें, किसी को ज्ञान की बातें, किसी को विश्वास, किसी को चंगा करने का वरदान, किसी को सामर्थ्य के काम करने की शक्ति, किसी को भविष्यद्वाणी, किसी को आत्माओं की परख, किसी को अनेक प्रकार की भाषा और किसी को भाषाओं का अर्थ बताने का वरदान है।

1 Corinthians 12:11

वरदान देने का चुनाव कौन करता है?
पवित्र आत्मा जिसे जो वरदान देना चाहता है, वह बांट देता है।

1 Corinthians 12:13

सब विश्वासियों का बपतिस्मा किस में हुआ है?
सबसे एक ही आत्मा के द्वारा एक देह होने के लिए बपतिस्मा लिया है और सबको एक ही आत्मा पिलाया गया है।

1 Corinthians 12:18

देह के प्रत्येक अंग को बनाकर यथास्थान किसने रखा है?
परमेश्वर ने देह के अंगों को जैसा बनाया है वैसा ही उसे अपने स्थान में रखा है।

1 Corinthians 12:22

क्या हम दुर्बल अंगों के बिना निर्वाह कर सकते हैं?
नहीं, देह के वे अंग जो दूसरों से निर्बल प्रतीत होते हैं बहुत ही आवश्यक हैं।

1 Corinthians 12:24

परमेश्वर ने देह के अंगों के लिए, दुर्बल अंगों के लिए भी क्या किया है?
परमेश्वर ने देह को ऐसा बनाया है कि जिस अंग का आदर कम था उसी को अधिक आदर मिले।

1 Corinthians 12:25

परमेश्वर ने आदर की घटी वाले अंगों को अधिक आदर क्यों दिया?
उसने ऐसा इसलिए किया कि देह में फूट न पड़े परन्तु अंग एक दूसरे के लिए अनुराग सहित बराबर चिन्ता करें।

1 Corinthians 12:28

परमेश्वर ने कलीसिया में किस को नियुक्त किया है?
कलीसिया में परमेश्वर ने पहले प्रेरित, फिर भविष्यद्वक्ता, फिर शिक्षक नियुक्त किए, फिर सामर्थ्य के काम करने वाले, फिर चंगा करने वाले और उपकार करनेवाले और प्रबन्ध करने वाले, और नाना प्रकार की भाषा बोलने वाले।

1 Corinthians 12:31

पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों को किसकी खोज का परामर्श देता है?
वह उनसे आग्रह करता है कि वे बड़े से बड़े वरदान की धुन में रहें।

पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों को क्या बताने के लिए कहता है?
वह कहता है कि वह उन्हें और भी सबसे उत्तम मार्ग बताएगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 13

1 यदि मैं मनुष्यों, और स्वर्गदूतों की बोलियां बोलूँ, और प्रेम न रखूँ, तो मैं ठनठनाता हुआ पीतल, और झंझनाती हुई झाँझ हूँ। **2** और यदि मैं भविष्यद्वाणी कर सकूँ, और सब भेदों और सब प्रकार के ज्ञान को समझूँ, और मुझे यहाँ तक पूरा विश्वास हो, कि मैं पहाड़ों को हटा दूँ, परन्तु प्रेम न रखूँ, तो मैं कुछ भी नहीं*। **3** और यदि मैं अपनी सम्पूर्ण संपत्ति कंगालों को खिला दूँ, या अपनी देह जलाने के लिये दे दूँ, और प्रेम न रखूँ, तो मुझे कुछ भी लाभ नहीं।

4 प्रेम धीरजवन्त है, और कृपालु है; प्रेम डाह नहीं करता; प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता, और फूलता नहीं। **5** अशोभनीय व्यवहार नहीं करता, वह अपनी भलाई नहीं चाहता, झुँझलाता नहीं, बुरा नहीं मानता। **6** कुकर्म से आनन्दित नहीं होता, परन्तु सत्य से आनन्दित होता है। **7** वह सब बातें सह लेता है, सब बातों पर विश्वास करता है, सब बातों की आशा रखता है*, सब बातों में धीरज धरता है। (1 कुरि. 13:4)

8 प्रेम कभी टलता नहीं; भविष्यद्वाणियाँ हों, तो समाप्त हो जाएँगी, भाषाएँ मौन हो जाएँगी; ज्ञान हो, तो मिट जाएगा। **9** क्योंकि हमारा ज्ञान अधूरा है, और हमारी भविष्यद्वाणी अधूरी। **10** परन्तु जब सर्वसिद्ध* आएगा, तो अधूरा मिट जाएगा।

11 जब मैं बालक था, तो मैं बालकों के समान बोलता था, बालकों के समान मन था बालकों सी समझ थी; परन्तु सयाना हो गया, तो बालकों की बातें छोड़ दी। **12** अब हमें दर्पण में धुँधला सा दिखाई देता है; परन्तु उस समय आमने-सामने देखेंगे, इस समय मेरा ज्ञान अधूरा है; परन्तु उस समय ऐसी पूरी रीति से पहचानूँगा, जैसा मैं पहचाना गया हूँ। **13** पर अब विश्वास, आशा, प्रेम ये तीनों स्थायी* है, पर इनमें सबसे बड़ा प्रेम है।

---

1 Corinthians 13:1

स्वर्गदूतों की बोलियां
इसके संभावित अर्थ हैं 1) “पौलुस प्रभाव डालने के लिए अतिशयोक्ति काम में ले रहा है परन्तु उसके विचार में मनुष्य स्वर्गदूतों की भाषा नहीं बोल सकते। या 2) “पौलुस के विचार में कुछ लोग जो अन्य भाषा बोलते हैं, स्वर्गदूतों की भाषा बोलते हैं।

मैं ठनठनाता हुआ पीतल और झनझनाती हुई झांझ हूं।
“मैं उन संगीत वाद्यों के सदृश्य हूं जो क्रोध दिलानेवाली ध्वनि उत्पन्न करते हैं

अपनी देह जलाने के लिए दे दूं
प्राचीनतम अभिलेख में इस प्रकार लिखा है, “कि मैं गर्व से कह सकूं”।

1 Corinthians 13:4

प्रेम धीरजवन्त है और कृपालु है
यहां पौलुस प्रेम को एक मनुष्य स्वरूप प्रस्तुत कर रहा है।

1 Corinthians 13:11

अभी हमें दर्पण में धुंधला सा दिखाई देता है।
यह प्रथम शताब्दी का दर्पण है जो धातु को चमका कर बनाया जाता था कांच को नहीं, जिसमें चेहरा स्पष्ट दिखाई देता है।

आमने-सामने देखेंगे
इसका अर्थ है कि हम मसीह के साथ सदेह उपस्थित होंगे

जैसा मैं पहचाना गया हूं
वैकल्पिक अनुवाद: “ठीक वैसे ही जैसे मसीह ने मुझे पूर्णतः पहचाना है”

Translation Questions

1 Corinthians 13:1

पौलुस कहता है कि यदि वह मनुष्यों और स्वर्गदूतों की बोलियां बोले और प्रेम न रखे तो क्या है?
वह ठनठनाता हुआ पीतल और झनझनाती हुई झांझ है।

1 Corinthians 13:2

यदि वह भविष्यद्वाणी करे और पहाड़ों को हटा देने का दृढ़ विश्वास हो, और सब भेदों और सब प्रकार के ज्ञान को समझे परन्तु प्रेम न रखे तो वह क्या है?
वह कुछ भी नहीं।

1 Corinthians 13:3

पौलुस अपनी संपूर्ण संपत्ति कंगालों में बांट दे और अपनी देह जलाने के लिए दे दे और फिर भी उसे कोई लाभ न हो तो इसका कारण क्या है?
यदि वह प्रेम न रखे तो उसे कुछ भी लाभ नहीं चाहे उसने अन्य सब परोपकार किए हों।

1 Corinthians 13:4

प्रेम के कुछ लक्षण क्या हैं?
प्रेम धीरजवन्त है, कृपालु है, प्रेम डाह नहीं करता, प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता, और फूलता नहीं, वह अनरीति नहीं चलता, वह भलाई नहीं चाहता, झुंझलाता नहीं, बुरा नहीं मानता, कुकर्म से आनन्दित नहीं होता परन्तु सत्य से आनन्दित होता है, वह सब बातें सह लेता है, सब बातों की प्रतीति करता है, सब बातों की आशा रखता है, सब बातों में धीरज धरता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 13:8

मिट जाने वाली और समाप्त होने वाली बातें क्या हैं?
भविष्यद्वाणियां समाप्त हो जायेंगी, भाषाएं जाती रहेंगी, ज्ञान मिट जायेगा, क्योंकि हमारा ज्ञान अधूरा है और हमारी भविष्यद्वाणियां अधूरी हैं।

कभी न टलने वाला क्या है?
प्रेम कभी टलता नहीं।

1 Corinthians 13:11

पौलुस ने व्यस्क होने पर क्या त्याग दिया?
पौलुस कहता है कि जब वह व्यस्क हो गया तब उसने बालकों की बातें छोड़ दीं।

1 Corinthians 13:13

कौन सी तीन बातें स्थायी हैं और इनमें सबसे बड़ा क्या है?
विश्वास, आशा, प्रेम ये तीनों स्थायी हैं, पर इनमें सबसे बड़ा प्रेम है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 14

1 प्रेम का अनुकरण करो*, और आत्मिक वरदानों की भी धुन में रहो विशेष करके यह, कि भविष्यद्वाणी करो। **2** क्योंकि जो अन्य भाषा* में बातें करता है; वह
मनुष्यों से नहीं, परन्तु परमेश्वर से बातें करता है; इसलिए कि उसकी बातें कोई नहीं समझता; क्योंकि वह भेद की बातें आत्मा में होकर बोलता है। **3** परन्तु जो
भविष्यद्वाणी करता है, वह मनुष्यों से उन्नति, और उपदेश, और शान्ति की बातें कहता है। **4** जो अन्य भाषा में बातें करता है, वह अपनी ही उन्नति करता है;
परन्तु जो भविष्यद्वाणी करता है, वह कलीसिया की उन्नति करता है।

5 मैं चाहता हूँ, कि तुम सब अन्य भाषाओं में बातें करो, परन्तु अधिकतर यह चाहता हूँ कि भविष्यद्वाणी करो: क्योंकि यदि अन्य भाषा बोलनेवाला कलीसिया
की उन्नति के लिये अनुवाद न करे तो भविष्यद्वाणी करनेवाला उससे बढ़कर है।

6 इसलिए हे भाइयों, यदि मैं तुम्हारे पास आकर अन्य भाषा में बातें करूँ, और प्रकाश, या ज्ञान, या भविष्यद्वाणी, या उपदेश की बातें तुम से न कहूँ, तो मुझसे
तुम्हें क्या लाभ होगा? **7** इसी प्रकार यदि निर्जीव वस्तुएँ भी, जिनसे ध्वनि निकलती है जैसे बाँसुरी, या बीन, यदि उनके स्वरों में भेद न हो तो जो फूँका या बजाया
जाता है, वह क्यों पहचाना जाएगा? **8** और यदि तुरही का शब्द साफ न हो तो कौन लड़ाई के लिये तैयारी करेगा? **9** ऐसे ही तुम भी यदि जीभ से साफ बातें न
कहो, तो जो कुछ कहा जाता है? वह क्यों समझा जाएगा? तुम तो हवा से बातें करनेवाले ठहरोगे।

10 जगत में कितने ही प्रकार की भाषाएँ क्यों न हों, परन्तु उनमें से कोई भी बिना अर्थ की न होगी।

11 इसलिए यदि मैं किसी भाषा का अर्थ न समझूँ, तो बोलनेवाले की दृष्टि में परदेशी ठहरूँगा; और बोलनेवाला मेरी दृष्टि में परदेशी ठहरेगा। **12** इसलिए तुम भी
जब आत्मिक वरदानों की धुन में हो, तो ऐसा प्रयत्न करो, कि तुम्हारे वरदानों की उन्नति से कलीसिया की उन्नति हो। **13** इस कारण जो अन्य भाषा बोले, तो वह
प्रार्थना करे, कि उसका अनुवाद भी कर सके। **14** इसलिए यदि मैं अन्य भाषा में प्रार्थना करूँ, तो मेरी आत्मा प्रार्थना करती है, परन्तु मेरी बुद्धि काम नहीं देती।

15 तो क्या करना चाहिए? मैं आत्मा से भी प्रार्थना करूँगा, और बुद्धि से भी प्रार्थना करूँगा; मैं आत्मा से गाऊँगा, और बुद्धि से भी गाऊँगा। **16** नहीं तो यदि तू
आत्मा ही से धन्यवाद करेगा, तो फिर अज्ञानी तेरे धन्यवाद पर आमीन क्यों कहेगा? इसलिए कि वह तो नहीं जानता, कि तू क्या कहता है?

17 तू तो भली भाँति से धन्यवाद करता है, परन्तु दूसरे की उन्नति नहीं होती। **18** मैं अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ, कि मैं तुम सबसे अधिक अन्य भाषा
में बोलता हूँ। **19** परन्तु कलीसिया में अन्य भाषा में दस हजार बातें कहने से यह मुझे और भी अच्छा जान पड़ता है, कि औरों के सिखाने के लिये बुद्धि से पाँच
ही बातें कहूँ।

20 हे भाइयों, तुम समझ में बालक न बनो: फिर भी बुराई में तो बालक रहो, परन्तु समझ में सयाने बनो। **21** व्यवस्था में लिखा है,

कि प्रभु कहता है,

> “मैं अन्य भाषा बोलनेवालों के द्वारा, और पराए मुख के द्वारा
> इन लोगों से बात करूँगा
> तो भी वे मेरी न सुनेंगे।” (यशा. 28:11-12)

22 इसलिए अन्य भाषाएँ विश्वासियों के लिये नहीं, परन्तु अविश्वासियों के लिये चिन्ह हैं, और भविष्यद्वाणी अविश्वासियों के लिये नहीं परन्तु विश्वासियों के लिये
चिन्ह हैं। **23** तो यदि कलीसिया एक जगह इकट्ठी हो, और सब के सब अन्य भाषा बोलें, और बाहरवाले या अविश्वासी लोग भीतर आ जाएँ तो क्या वे तुम्हें
पागल न कहेंगे?

24 परन्तु यदि सब भविष्यद्वाणी करने लगें, और कोई अविश्वासी या बाहरवाले मनुष्य भीतर आ जाए, तो सब उसे दोषी ठहरा देंगे और परख लेंगे। **25** और
उसके मन के भेद प्रगट हो जाएँगे, और तब वह मुँह के बल गिरकर परमेश्वर को दण्डवत् करेगा, और मान लेगा, कि सचमुच परमेश्वर तुम्हारे बीच में है।

26 इसलिए हे भाइयों क्या करना चाहिए? जब तुम इकट्ठे होते हो, तो हर एक के हृदय में भजन, या उपदेश, या अन्य भाषा, या प्रकाश, या अन्य भाषा का अर्थ
बताना रहता है: सब कुछ आत्मिक उन्नति के लिये होना चाहिए। **27** यदि अन्य भाषा में बातें करनी हों, तो दो-दो, या बहुत हो तो तीन-तीन जन बारी-बारी बोलें,
और एक व्यक्ति अनुवाद करे*। **28** परन्तु यदि अनुवाद करनेवाला न हो, तो अन्य भाषा बोलनेवाला कलीसिया में शान्त रहे, और अपने मन से, और परमेश्वर से
बातें करे।

29 भविष्यद्वक्ताओं में से दो या तीन बोलें, और शेष लोग उनके वचन को परखें। **30** परन्तु यदि दूसरे पर जो बैठा है, कुछ ईश्वरीय प्रकाश हो, तो पहला चुप हो
जाए।

31 क्योंकि तुम सब एक-एक करके भविष्यद्वाणी कर सकते हो ताकि सब सीखें, और सब शान्ति पाएँ। **32** और भविष्यद्वक्ताओं की आत्मा भविष्यद्वक्ताओं के
वश में है। **33** क्योंकि परमेश्वर गड़बड़ी का नहीं*, परन्तु शान्ति का कर्ता है;

जैसा पवित्र लोगों की सब कलीसियाओं में है। **34** स्त्रियाँ कलीसिया की सभा में चुप रहें, क्योंकि उन्हें बातें करने की अनुमति नहीं, परन्तु अधीन रहने की आज्ञा
है: जैसा व्यवस्था में लिखा भी है। **35** और यदि वे कुछ सीखना चाहें, तो घर में अपने-अपने पति से पूछें, क्योंकि स्त्री का कलीसिया में बातें करना लज्जा की
बात है। **36** क्यों परमेश्वर का वचन तुम में से निकला? या केवल तुम ही तक पहुँचा है?

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

37 यदि कोई मनुष्य अपने आप को भविष्यद्वक्ता या आत्मिक जन समझे, तो यह जान ले, कि जो बातें मैं तुम्हें लिखता हूँ, वे प्रभु की आज्ञायें हैं। **38** परन्तु यदि कोई न माने, तो न माने।

39 सो हे भाइयों, भविष्यद्वाणी करने की धुन में रहो और अन्य भाषा बोलने से मना न करो। **40** पर सारी बातें सभ्यता और क्रमानुसार की जाएँ।

---

1 Corinthians 14:1

प्रेम का अनुकरण करो
"प्रेम के पीछे चलो" या "प्रेम का मार्ग अपनाओ"

विशेष करके यह कि भविष्यद्वाणी करो
पौलुस अपना विवाद प्रस्तुत करता है कि भविष्यद्वाणी अन्य भाषा बोलने से अधिक उत्तम क्यों है?

1 Corinthians 14:5

भविष्यद्वाणी करनेवाला उससे बढ़कर है
पौलुस बल देकर कहता है कि भविष्यद्वाणी करना अन्य भाषाएं बोलने से अधिक श्रेष्ठ वरदान है वैकल्पिक अनुवाद: "जो भविष्यद्वाणी करता है उसका वरदान अधिक महान है"।

मुझ से तुम्हें क्या लाभ होगा?
वैकल्पिक अनुवाद: "मैं तुम्हें लाभ नहीं पहुंचा पाऊंगा")

1 Corinthians 14:7

निर्जीव वस्तुएं भी जिनसे ध्वनि निकलती है... वह कैसे पहचाना जाएगा?
"कोई नहीं बता पाएगा कि कौन सा वाद्य बजाया जा रहा है"। (यू.डी.बी.) और)

1 Corinthians 14:12

आत्मिक वरदानों की धुन
यह वाक्यांश आत्मिक वरदानों के संदर्भ में है

मेरी बुद्धि काम नहीं करती
अर्थात मैं अपने ही शब्दों को समझ नहीं पाता हूं

1 Corinthians 14:15

अतः क्या करना चाहिए?
वैकल्पिक अनुवाद: "अतः मैं यह करूंगा"

मैं आत्मा से भी प्रार्थना .... करूंगा और बुद्धि से भी गाऊंगा
अर्थात अन्य भाषा में प्रार्थना करना एवं स्तुति करना

बुद्धि से
समझने योग्य शब्दों से

आत्मा से गाऊंगा.... धन्यवाद करेगा... क्या कहता है
यहां एकवचन काम में लिया गया है परन्तु पौलुस उन सबसे कह रहा है जो केवल आत्मा में प्रार्थना करते हें बुद्धि अर्थात स्पष्ट शब्दों में नहीं

अज्ञानी
वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरा व्यक्ति"

1 Corinthians 14:17

कलीसिया में
अर्थात आराधना के समय। वैकल्पिक अनुवाद: "कलीसियाई सभा में"

दस हजार बातें
वैकल्पिक अनुवाद: "10,000 शब्द"

1 Corinthians 14:20

अपरिचित भाषा बोलने वालों के द्वारा और पराए मुख द्वारा
इन दोनों अभिव्यक्तियों का अर्थ एक ही है परन्तु बल देने के लिए काम में ली गई

1 Corinthians 14:22

क्या वे तुम्हें पागल न कहेंगे?
वैकल्पिक अनुवाद: "वे कहेंगे कि तुम पागल हो"

1 Corinthians 14:24

सब उसे दोषी ठहरा देंगे और परख लेंगे
पौलुस एक बात को दो रूपों में व्यक्त करके जोर देता है

उस के मन के भेद प्रगट हो जायेंगे
वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उसके मन की बातों को प्रकट कर देगा"

1 Corinthians 14:26

एक व्यक्ति अनुवाद करे
वैकल्पिक अनुवाद: "जो वे कहते है उसका अनुवाद करे"

1 Corinthians 14:29

भविष्यद्वक्ताओं में से दो या तीन बोलें
इसके संभावित अर्थ हैं 1) " प्रार्थना सभा में दो या तीन भविष्यद्वक्ता बोलें या 2) "दो या तीन भविष्यद्वक्ता तुरन्त बोलें।

वचन
वैकल्पिक अनुवाद:"जो वे कहते हैं"

ईश्वरीय प्रकाश हो
भविष्यद्वक्ता की बातों से संबन्धित यदि किसी आराधक को परमेश्वर प्रकाशन प्रदान करता है

1 Corinthians 14:31

सब एक-एक करके भविष्यद्वाणी कर सकते हो
एक समय में एक ही मनुष्य भविष्यद्वाणी करे

सब सीखें और सब शान्ति पाएं
वैकल्पिक अनुवाद: "तुम सबको प्रोत्साहित करो"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

परमेश्वर गड़बड़ी का नहीं
अर्थात परमेश्वर सबको एक साथ प्रेरित करके अव्यवस्था उत्पन्न नहीं करता है

1 Corinthians 14:34

चुप रहे
इसके संभावित अर्थ हैं 1) बोलना छोड़ दें, 2) जब कोई भविष्यद्वाणी कर रहा है तब चुप रहें, 3) आराधना में पूर्णतः शान्त रहें।

क्या परमेश्वर का वचन तुम में से निकला है? या केवल तुम ही तक पहुंचा है?
पौलुस बल देकर कहता है कि कुरिन्थ के विश्वासी ही नहीं हैं जो समझते हैं कि परमेश्वर विश्वासियों से क्या करने की अपेक्षा करता है। "कुरिन्थ नगर में परमेश्वर का वचन तुम्हारे द्वारा नहीं लाया गया था। तुम ही एकमात्र परमेश्वर के लोग नहीं जो परमेश्वर की इच्छा को समझते हो"।

तुम में से निकला
"तुम" शब्द बहुवचन में है और कुरिन्थ के विश्वासियों के लिए है।

1 Corinthians 14:37

यह जान ले
पौलुस झूठे और सच्चे भविष्यद्वक्ता के लिए एक परख प्रस्तुत करता है, उसके पत्र का स्वीकरण!

उसकी भी न मानो
"अन्य विश्वासी भी उसे मान्यता प्रदान न करें"

1 Corinthians 14:39

अन्य भाषा बोलने से मना न करो
पौलुस स्पष्ट कहता है कि आराधना में अन्य भाषा बोलना वर्जित नहीं वरन् स्वीकार्य है।

पर सारी बातें शालीनता एवं व्यवस्थित रूप से की जाएं
पौलुस गंभीरता से कहता है कि कलीसियाई सभाओं में सुव्यस्था हो।वैकल्पिक अनुवाद: "सब बातें शिष्ट एवं व्यवस्थित रूप में होना हैं" या "सब कुछ सुव्यवथित एवं उचित रूप में हो"।

Translation Questions

1 Corinthians 14:1

पौलुस ने किस आत्मिक वरदान की धुन में रहने का प्रोत्साहन दिया है?
पौलुस ने कहा कि हमें विशेष करके भविष्यद्वाणी की धुन में रहना है।

1 Corinthians 14:2

अन्य भाषा बोलनेवाला किससे बातें करता है?
वह परमेश्वर से बातें करता है।

1 Corinthians 14:3

भविष्यद्वाणी करने वाला अन्य भाषा बोलने वाले से महान क्यों है?
अन्य भाषा बोलने वाला अपनी ही उन्नति करता है परन्तु भविष्यद्वाणी करने वाला कलीसिया की उन्नति करता है, इस कारण भविष्यद्वाणी करने वाला अधिक महान है।

1 Corinthians 14:7

पौलुस समझ में न आनेवाली भाषा की तुलना किससे करता है?
वह अन्य भाषा की तुलना बांसुरी या बीन से करता है जिनके स्वर स्पष्ट न हों और तुरही से भी जिसका शब्द निश्चित न हो।

1 Corinthians 14:12

पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों को किस बात की लालसा करने को कहता है?
पौलुस कहता है कि उन्हें कलीसिया की उन्नति की लालसा करना है।

1 Corinthians 14:13

अन्य भाषा बोलने वाला क्या प्रार्थना करे?
अन्य भाषा बोलने वाला प्रार्थना करे कि उसकी भाषा का अनुवाद किया जाए।

1 Corinthians 14:14

पौलुस कहता है कि अन्य भाषा बोलने में उसकी आत्मा क्या करती है और उसकी बुद्धि कैसी होती है?
पौलुस कहता है कि अन्य भाषा बोलने में उसकी आत्मा प्रार्थना करता है परन्तु उसकी बुद्धि काम नहीं करती है।

1 Corinthians 14:15

पौलुस प्रार्थना करने और भजन गाने के लिए क्या कहता है?
पौलुस कहता है कि वह आत्मा से प्रार्थना करेगा और भजन गायेगा परन्तु सुबोधता के साथ।

1 Corinthians 14:19

पौलुस कहता है कि दस हजार शब्दों की अपेक्षा क्या कहना उत्तम है?
पौलुस कहता है दूसरों को सिखाने के लिए पांच ही बातें कहना उत्तम है।

1 Corinthians 14:22

अन्य भाषा और भविष्यद्वाणी किस-किस के लिए चिन्ह हैं?
अन्य भाषा अविश्वासियों के लिए चिन्ह है परन्तु भविष्यद्वाणी विश्वासियों के लिए चिन्ह है।

1 Corinthians 14:23

यदि पूरी कलीसिया अन्य भाषा बोल रही हो और अविश्वासी वहां आ जाएं तो क्या कहेंगे?
वे कहेंगे कि विश्वासी पागल हैं।

1 Corinthians 14:24

यदि पूरी कलीसिया भविष्यद्वाणी कर रही हो और अविश्वासी या बाहरी जन प्रवेश करे तो क्या होगा?
पौलुस कहता है कि अविश्वासी या बाहरी मनुष्य सुनकर दोषी ठहरेगा ओर जो कुछ कहा गया है उससे उसका न्याय होगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 14:25

यदि भविष्यद्वाणी करने वाले आगन्तुक अविश्वासी या बाहरी जन के मन का भेद प्रकट कर दें तो वह क्या करेगा?
वह मुंह के बल गिरकर परमेश्वर को दण्डवत करेगा और मान लेगा कि सच में परमेश्वर वहां उपस्थित है।

1 Corinthians 14:27

जब विश्वासी एकत्र हों तो अन्य भाषा बोलने वाले के लिए पौलुस के निर्देश क्या हैं?
पौलुस कहता है कि यदि अन्य भाषा बोलना हो तो दो या अधिक से अधिक तीन जन बारी-बारी से बोलें और एक व्यक्ति अनुवाद करे यदि अनुवादक न हो तो अन्य भाषा बोलने वाला कलीसिया में शान्त रहे।

1 Corinthians 14:29

कलीसिया जब एकत्र हो तो भविष्यद्वक्ताओं के लिए पौलुस क्या निर्देश देता है?
पौलुस कहता है कि भविष्यवक्ताओं में से दो या तीन बोलें और शेष लोग उनके वचन को परखें और यदि किसी और पर ईश्वरीय प्रकाश हो तो पहला चुप हो जाए क्योंकि भविष्यद्वाणी एक-एक करके की जा सकती है।

1 Corinthians 14:33

पौलुस के अनुसार कौन सी कलीसियाओं में स्त्रियों को चुप रहना है?
पौलुस कहता है कि जैसा पवित्र लोगों की सब कलीसियाओं में है स्त्रियां कलीसिया की सभा में चुप रहें।

1 Corinthians 14:35

पौलुस जिज्ञासु स्त्रियों को क्या परामर्श देता है?
पौलुस कहता है कि वे घर में अपने पति से पूछें।

कलीसिया में बोलने वाली स्त्री को लोग क्या समझते हैं?
कलीसिया में बातें करना लज्जा की बात है।

1 Corinthians 14:37

जो स्वयं को भविष्यद्वक्ता या आत्मिक जन समझते हैं उन्हे किस बात को स्वीकार करना है?
पौलुस कहता है कि जो बातें वह कुरिन्थ की कलीसिया को लिखता है उन्हें वे प्रभु की आज्ञाएं मानें।

1 Corinthians 14:40

कलीसिया में सब बातें कैसे की जाएं?
सब बातें शालीनता और व्यवस्थित रूप से की जाएं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 15

1 हे भाइयों, मैं तुम्हें वही सुसमाचार बताता हूँ जो पहले सुना चुका हूँ, जिसे तुम ने अंगीकार भी किया था और जिसमें तुम स्थिर भी हो। **2** उसी के द्वारा तुम्हारा उद्धार भी होता है, यदि उस सुसमाचार को जो मैंने तुम्हें सुनाया था स्मरण रखते हो; नहीं तो तुम्हारा विश्वास करना व्यर्थ हुआ।

3 इसी कारण मैंने सबसे पहले तुम्हें वही बात पहुँचा दी, जो मुझे पहुँची थी, कि पवित्रशास्त्र के वचन के अनुसार यीशु मसीह हमारे पापों के लिये मर गया*। **4** और गाड़ा गया; और पवित्रशास्त्र के अनुसार तीसरे दिन जी भी उठा। (होशे 6:2)

5 और कैफा को तब बारहों को दिखाई दिया। **6** फिर पाँच सौ से अधिक भाइयों को एक साथ दिखाई दिया, जिनमें से बहुत सारे अब तक वर्तमान हैं पर कितने सो गए। **7** फिर याकूब को दिखाई दिया तब सब प्रेरितों को दिखाई दिया।

8 और सब के बाद मुझ को भी दिखाई दिया, जो मानो अधूरे दिनों का जन्मा हूँ। **9** क्योंकि मैं प्रेरितों में सबसे छोटा हूँ, वरन् प्रेरित कहलाने के योग्य भी नहीं, क्योंकि मैंने परमेश्वर की कलीसिया को सताया था।

10 परन्तु मैं जो कुछ भी हूँ, परमेश्वर के अनुग्रह से हूँ। और उसका अनुग्रह जो मुझ पर हुआ, वह व्यर्थ नहीं हुआ परन्तु मैंने उन सबसे बढ़कर परिश्रम भी किया तो भी यह मेरी ओर से नहीं हुआ परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह से जो मुझ पर था। **11** इसलिए चाहे मैं हूँ, चाहे वे हों, हम यही प्रचार करते हैं, और इसी पर तुम ने विश्वास भी किया।

12 सो जब कि मसीह का यह प्रचार किया जाता है, कि वह मरे हुओं में से जी उठा, तो तुम में से कितने क्यों कहते हैं, कि मरे हुओं का पुनरुत्थान है ही नहीं? **13** यदि मरे हुओं का पुनरुत्थान ही नहीं, तो मसीह भी नहीं जी उठा। **14** और यदि मसीह नहीं जी उठा, तो हमारा प्रचार करना भी व्यर्थ है; और तुम्हारा विश्वास भी व्यर्थ है।

15 वरन् हम परमेश्वर के झूठे गवाह ठहरे; क्योंकि हमने परमेश्वर के विषय में यह गवाही दी कि उसने मसीह को जिला दिया यद्यपि नहीं जिलाया, यदि मरे हुए नहीं जी उठते। **16** और यदि मुर्दे नहीं जी उठते, तो मसीह भी नहीं जी उठा। **17** और यदि मसीह नहीं जी उठा, तो तुम्हारा विश्वास व्यर्थ है; और तुम अब तक अपने पापों में फँसे हो।

18 वरन् जो मसीह में सो गए हैं, वे भी नाश हुए। **19** यदि हम केवल इसी जीवन में मसीह से आशा रखते हैं तो हम सब मनुष्यों से अधिक अभागे हैं।

20 परन्तु सचमुच मसीह मुर्दों में से जी उठा है, और जो सो गए हैं, उनमें पहला फल हुआ। **21** क्योंकि जब मनुष्य के द्वारा मृत्यु आई*; तो मनुष्य ही के द्वारा मरे हुओं का पुनरुत्थान भी आया।

22 और जैसे आदम में सब मरते हैं, वैसा ही मसीह में सब जिलाए जाएँगे। **23** परन्तु हर एक अपनी-अपनी बारी से; पहला फल मसीह; फिर मसीह के आने पर उसके लोग।

24 इसके बाद अन्त होगा; उस समय वह सारी प्रधानता और सारा अधिकार और सामर्थ्य का अन्त करके राज्य को परमेश्वर पिता के हाथ में सौंप देगा। (दानि. 2:44) **25** क्योंकि जब तक कि वह अपने बैरियों को अपने पाँवों तले न ले आए, तब तक उसका राज्य करना अवश्य है। (भज. 110:1) **26** सबसे अन्तिम बैरी जो नाश किया जाएगा वह मृत्यु है*।

27 क्योंकि "परमेश्वर ने सब कुछ उसके पाँवों तले कर दिया है," परन्तु जब वह कहता है कि सब कुछ उसके अधीन कर दिया गया है तो स्पष्ट है, कि जिस ने सब कुछ मसीह के अधीन कर दिया, वह आप अलग रहा। (भज. 8:6) **28** और जब सब कुछ उसके अधीन हो जाएगा, तो पुत्र आप भी उसके अधीन हो जाएगा जिस ने सब कुछ उसके अधीन कर दिया; ताकि सब में परमेश्वर ही सब कुछ हो।

29 नहीं तो जो लोग मरे हुओं के लिये बपतिस्मा लेते हैं, वे क्या करेंगे? यदि मुर्दे जी उठते ही नहीं तो फिर क्यों उनके लिये बपतिस्मा लेते हैं? **30** और हम भी क्यों हर घड़ी जोखिम में पड़े रहते हैं?

31 हे भाइयों, मुझे उस घमण्ड की शपथ जो हमारे मसीह यीशु में मैं तुम्हारे विषय में करता हूँ, कि मैं प्रतिदिन मरता हूँ। **32** यदि मैं मनुष्य की रीति पर इफिसुस में वन-पशुओं से लड़ा, तो मुझे क्या लाभ हुआ? यदि मुर्दे जिलाए नहीं जाएँगे, "तो आओ, खाएँ-पीएँ, क्योंकि कल तो मर ही जाएँगे।" (यशा. 22:13)

33 धोखा न खाना, "बुरी संगति अच्छे चरित्र को बिगाड़ देती है।"

34 धार्मिकता के लिये जाग उठो और पाप न करो; क्योंकि कितने ऐसे हैं जो परमेश्वर को नहीं जानते, मैं तुम्हें लज्जित करने के लिये यह कहता हूँ।

35 अब कोई यह कहेगा, "मुर्दे किस रीति से जी उठते हैं, और किस देह के साथ आते हैं?" **36** हे निर्बुद्धि, जो कुछ तू बोता है, जब तक वह न मरे जिलाया नहीं जाता।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

37 और जो तू बोता है, यह वह देह नहीं जो उत्पन्न होनेवाली है, परन्तु निरा दाना है, चाहे गेहूँ का, चाहे किसी और अनाज का। **38** परन्तु परमेश्वर अपनी इच्छा के अनुसार उसको देह देता है; और हर एक बीज को उसकी विशेष देह। (उत्प. 1:11) **39** सब शरीर एक समान नहीं, परन्तु मनुष्यों का शरीर और है, पशुओं का शरीर और है; पक्षियों का शरीर और है; मछलियों का शरीर और है।

40 स्वर्गीय देह है, और पार्थिव देह भी है: परन्तु स्वर्गीय देहों का तेज और हैं, और पार्थिव का और। **41** सूर्य का तेज और है, चाँद का तेज और है, और तारागणों का तेज और है, क्योंकि एक तारे से दूसरे तारे के तेज में अन्तर है।

42 मुर्दों का जी उठना भी ऐसा ही है। शरीर नाशवान दशा में बोया जाता है, और अविनाशी रूप में जी उठता है। **43** वह अनादर के साथ बोया जाता है, और तेज के साथ जी उठता है; निर्बलता के साथ बोया जाता है; और सामर्थ्य के साथ जी उठता है। **44** स्वाभाविक देह बोई जाती है, और आत्मिक देह जी उठती है: जब कि स्वाभाविक देह है, तो आत्मिक देह भी है।

45 ऐसा ही लिखा भी है, “प्रथम मनुष्य, अर्थात् आदम, जीवित प्राणी बना” और अन्तिम आदम, जीवनदायक आत्मा बना। **46** परन्तु पहले आत्मिक न था, पर स्वाभाविक था, इसके बाद आत्मिक हुआ।

47 प्रथम मनुष्य धरती से अर्थात् मिट्टी का था; दूसरा मनुष्य स्वर्गीय है। (यूह. 3:31) **48** जैसा वह मिट्टी का था वैसे ही वे भी हैं जो मिट्टी के हैं; और जैसा वह स्वर्गीय है, वैसे ही वे भी स्वर्गीय हैं। **49** और जैसे हमने उसका रूप जो मिट्टी का था धारण किया वैसे ही उस स्वर्गीय का रूप भी धारण करेंगे। (1 यूह. 3:2)

50 हे भाइयों, मैं यह कहता हूँ कि माँस और लहू परमेश्वर के राज्य के अधिकारी नहीं हो सकते, और न नाशवान अविनाशी का अधिकारी हो सकता है। **51** देखो, मैं तुम से भेद की बात कहता हूँ: कि हम सब तो नहीं सोएँगे, परन्तु सब बदल जाएँगे।

52 और यह क्षण भर में, पलक मारते ही अन्तिम तुरही फूँकते ही होगा क्योंकि तुरही फूँकी जाएगी और मुर्दे अविनाशी दशा में उठाए जाएँगे, और हम बदल जाएँगे। **53** क्योंकि अवश्य है, कि वह नाशवान देह अविनाश को पहन ले, और यह मरनहार देह अमरता को पहन ले।

54 और जब यह नाशवान अविनाश को पहन लेगा, और यह मरनहार अमरता को पहन लेगा, तब वह वचन जो लिखा है, पूरा हो जाएगा,

> “जय ने मृत्यु को निगल लिया। (यशा. 25:8)
> **55** हे मृत्यु तेरी जय कहाँ रहीं?
> हे मृत्यु तेरा डंक कहाँ रहा?” (होशे 13:14)

56 मृत्यु का डंक पाप है; और पाप का बल व्यवस्था है। **57** परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है*।

58 इसलिए हे मेरे प्रिय भाइयों, दृढ़ और अटल रहो, और प्रभु के काम में सर्वदा बढ़ते जाओ, क्योंकि यह जानते हो, कि तुम्हारा परिश्रम प्रभु में व्यर्थ नहीं है। (गला. 6:9)

---

1 Corinthians 15:1

स्मरण रखते हो
“स्मरण रखने में सहायक है”।

स्थिर भी हो
“टलते नहीं”

उसी के द्वारा तुम्हारा उद्धार भी होता है
“उसी से परमेश्वर तुम्हारा उद्धार करेगा”

1 Corinthians 15:3

यीशु मसीह हमारे पापों के लिए मर गया
“मसीह ने हमारे पापों के कारण मरना स्वीकार किया”

पवित्रशास्त्र के वचन के अनुसार
पौलुस पुराने नियम का संदर्भ दे रहा है

1 Corinthians 15:5

दिखाई दिया
“स्वयं को प्रकट किया”

पांच सौ से अधिक
500

1 Corinthians 15:8

सब के बाद
वैकल्पिक अनुवाद: “सबको दिखाई देने के बाद”

मानों अधूरे दिनों का जन्मा हूं
यह एक मुहावरा है जो उस मनुष्य पर लागू होता है जो कि कुछ विशेष घटनाओं को देखना चाहता है जिन्हें पहले लोग देख चुके हैं। पौलुस यीशु की सांसारिक सेवा में उसके साथ नहीं था जैसे अन्य प्रेरित थे, वैकल्पिक अनुवाद: “जो अन्यों के अनुभव से चूक गया”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 15:10

मैं जो कुछ भी हूं परमेश्वर के अनुग्रह से हूं
पौलुस अब जो कुछ भी है परमेश्वर के अनुग्रह या उसकी दया से है।

वह व्यर्थ नहीं हुआ
पौलुस ने परमेश्वर की दया के अनुकूल जीवन जीना सिखाया

परमेश्वर के अनुग्रह से जो मुझ पर हुआ
पौलुस अपने जीवन का श्रेय उस पर हुई परमेश्वर की दया को देता है।

1 Corinthians 15:12

तुममें से कितने कैसे कहते हो कि मरे हुओं का पुनरूत्थान है ही नहीं
मृतकों का पुनरूत्थान नहीं तो मसीह के पुनरूत्थान का पौलुस द्वारा प्रचार एक विपरीत बात है।वैकल्पिक अनुवाद: “तुम नहीं कह सकते कि मृतकों को पुनरूत्थान नहीं है”।

यदि मुर्दे नहीं जी उठते तो मसीह भी नहीं जी उठा
यह कहना कि मृतकों का पुनरूत्थान नहीं है तो इसका अर्थ यह हुआ कि मसीह मर कर जी नहीं उठा”।

1 Corinthians 15:15

x
पौलुस उस झूठ का ही खण्डन कर रहा है कि मसीह मर कर जी नहीं उठा

हम परमेश्वर के झूठे गवाह ठहरे
पौलुस का विवाद है कि मसीह मर कर जी नहीं उठा तो उनकी गवाही झूठी है और वे मसीह के पुनरूत्थान की झूठी कहानी सुनाते हैं।

तुम्हारा विश्वास व्यर्थ है और तुम अब तक अपने पापों में फंसे हो
पौलुस कहता है कि उनका विश्वास मसीह के पुनरूत्थान पर आधारित है और यदि मसीह जी नहीं उठा तो उनका विश्वास निरर्थक है।

1 Corinthians 15:18

सब मनुष्यों से
“सब अर्थात विश्वासियों तथा अविश्वासियों से”

अभागे हैं
वैकल्पिक अनुवाद: “सबसे अधिक दयनीय हैं”

1 Corinthians 15:24

उसका राज्य करना अवश्य है
मसीह का राज्य करना

अपने बैरियों को अपने पांव तले ले न आए
यह उस तथ्य को दर्शाता है कि मसीह सब बैरियों को जीत लेगा। “जब तक परमेश्वर मसीह के सब बैरियों को उसके सामने झुका न दिया हो”

नष्ट किया
"पराजित किया जाए"

1 Corinthians 15:27

“परमेश्वर ने सब कुछ उसके पांवों तले कर दिया है”।
पिता परमेश्वर ने सब कुछ मसीह की प्रभुता के अधीन कर दिया है।

1 Corinthians 15:29

जो लोग मरे हुओं के लिए बपतिस्मा लेते हैं वे क्या करेंगे?
वैकल्पिक अनुवाद: “तो फिर विश्वासियों द्वारा मरे हुओं के लिए बपतिस्मा लेना व्यर्थ है”।

मरे हुओं के लिए बपतिस्मा लेते हैं
“मृतकों के स्थान में बपतिस्मा लेते”

हम भी क्यों हर घड़ी जोखिम में पड़े रहते
यदि मसीह जी नहीं उठा तो पौलुस और अन्य विश्वासियों को अपने विश्वास और शिक्षाओं के लिए संकट मोल लेने में क्या औचित्य है।

1 Corinthians 15:31

मैं प्रतिदिन मरता हूं
पौलुस पाप की अभिलाषा के लिए मरने की बात करता है

इफिसुस में वन पशुओं से लड़ा
इसके संभावित अर्थ हैं 1) पौलुस अन्यजाति विद्वानों से विवाद करने की उपमा दे रहा है या 2) वह हिंसक पशुओं से लड़ने के लिए अखाड़े में डाला गया था।

तो आओ खाएं पीएं क्योंकि कल तो मर ही जाएंगे
पौलुस निष्कर्ष निकालता है, यदि मरने के बाद जीवन नहीं तो उचित है कि हम यथासंभव इस जीवन का आनन्द लें क्योंकि हमारा जीवन भावी आशा के बिना कल समाप्त हो ही जाएगा।

1 Corinthians 15:33

बुरी संगति अच्छे चरित्र को बिगाड़ ही देती है
बुरे लोगों के साथ रहकर तुम उनका सा व्यवहार करोगे

धर्म के लिए जाग उठो
वैकल्पिक अनुवाद: “इस बात पर गंभीरता से विचार करो”

तुम्हें लज्जित करने के लिए
वैकल्पिक अनुवाद: “तुम्हें अपमान या लज्जा का बोध होना चाहिए”

कुछ ऐसे हैं जो परमेश्वर को नहीं जानते
कलीसिया से जुड़े कुछ लोग वास्तव में विश्वासी नहीं हैं। वे शुभ सन्देश से अनभिज्ञ हैं।

1 Corinthians 15:35

अब कोई यह कहेगा, “मुर्दे किस रीति से जी उठते हैं और कैसी देह के साथ आते हैं?
“कोई कह सकता है कि मृतकों का परमेश्वर द्वारा जिलाया जाना और पुनरूत्थान बाद परमेश्वर द्वारा उन्हें देह देना उनकी कल्पना के परे है”।

कोई
वैकल्पिक अनुवाद: "पुनरूत्थान पर सन्देह करनेवाला कोई भी"

कैसी देह
किस प्रकार का देह: आत्मिक या भौतिक देह या रूप रंग और शरीर के भौतिक तत्व

हे निर्बुद्धि
वैकल्पिक अनुवाद: “तू इस बारे में कुछ नहीं जानता”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जो कुछ तू बोता है जब तक वह न मरे जिलाया नहीं जाता
बीज जब तक भूमि में दफन नहीं किया जाता तब तक वह अंकुरित नहीं होता है। इसी प्रकार, मनुष्य को पुनरूत्थान से पहले मरना आवश्यक है।

1 Corinthians 15:37

जो तू बोता है यह वह देह नहीं जो उत्पन्न होने वाली है
यहां बीज की उपमा फिर दी गई है जिसका अभिप्राय है कि विश्वासी का पुनरूत्थान होगा और जैसा वह था वैसा दिखाई नहीं देगा।

परमेश्वर अपनी इच्छा के अनुसार उसको देह देता है
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर ही निश्चित करेगा कि देह कैसी हो”

1 Corinthians 15:40

स्वर्गीय देह है
इसके संभावित अर्थ हैं 1) सूर्य, चांद, सितारे या अन्य प्रकाशमान आकाशीय पिण्ड 2) स्वर्गिक प्राणी जैसे स्वर्गदूत या अन्य अलौकिक प्राणी।

पार्थिव देह
मानवीय देह के सन्दर्भ में है।

स्वर्गिक देह का तेज और है और पार्थिव देह का और।
वैकल्पिक अनुवाद:“स्वर्गिक देह की महिमा मानवीय महिमा से सर्वथा भिन्न है”

तेज
यहां तेज का अर्थ है आकाशीय पिंडों की मानवीय आंखों में तुलनात्मक चमक।

1 Corinthians 15:45

पहले आत्मिक न था पर स्वाभाविक था
वैकल्पिक अनुवाद: "प्राकृतिक मनुष्य पहले आया तब बाद में आत्मिक मनुष्य आया जो परमेश्वर से था"।

स्वभाविक
प्राकृतिक रचना जो परमेश्वर से अभी जुड़ी नहीं है

1 Corinthians 15:47

धरती से अर्थात मिट्टी का था
“क्योंकि परमेश्वर ने उसे पृथ्वी की मिट्टी से बनाया था”

मिट्टी
वैकल्पिक अनुवाद: “पृथ्वी से प्राप्त आधारभूत पूर्ण”

दूसरा मनुष्य स्वर्गीय है
मसीह यीशु

स्वर्गीय
“मसीह में विश्वास करने वाले”

धारण करेंगे
“ग्रहण करके प्रकट करेंगे”

1 Corinthians 15:50

मांस और लहू परमेश्वर के राज्य के अधिकारी नहीं हो सकते
पौलुस उनके बारे में कह रहा है जिनका नया जन्म नहीं हुआ या जो नई सृष्टि नहीं हैं

न नाशवान अविनाशी का अधिकारी हो सकता है
पौलुस कहता है कि हमारी ये देह नष्ट हो जाएंगी और हम अविनाशी देह धारण करेंगे

सब बदल जायेंगे
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर हम सब को बदल देगा”

1 Corinthians 15:52

हम बदल जायेंगे
“परमेश्वर हमारा रूपान्तरण कर देगा” (देखें: :)

पलक मारते ही
इतना शीघ्र जितना मनुष्य को पलक झपकने में समय लगता है।

अन्तिम तुरही फूंकते ही होगा
तुरही का फूंका जाना किसी प्रमुख घटना के पूर्व ही होता है यहां वह इस पृथ्वी की अन्तिम महान घटना होगी जिसकी चर्चा पौलुस कर रहा है।

यह नाशवान देह अविनाश को पहिन ले
परमेश्वर हमारी मरणहार देह को अमरत्व में बदल देगा

1 Corinthians 15:54

हे मृत्यु तेरी जय कहां रही? हे मृत्यु तेरा डंक कहां रहा?
हे मृत्यु तेरी जय कहां रही? हे मृत्यु तेरा डंक कहां रहा? - पौलुस मृत्यु के सामर्थ्य का उपहास करते हुए कहता है क्योंकि मसीह ने उसे पराजित कर दिया। “मृत्यु की न तो विजय रही न ही उसका डंक रहा”।

1 Corinthians 15:56

मृत्यु का डंक पाप है
पाप ही के कारण हम मरते हैं

पाप का बल व्यवस्था है
मूसा प्रदत्त परमेश्वर का विधान पाप की व्याख्या करता है और दिखता है कि हम परमेश्वर के समक्ष कैसे पाप करते हैं।

हमें जयवन्त करता है
“हमारे लिए उसने मृत्यु को पराजित किया”

1 Corinthians 15:58

दृढ और अटल रहो और प्रभु के काम में सर्वदा बढ़ते जाओ
वैकल्पिक अनुवाद: “दृढ़ संकल्प होकर प्रभु के लिए निष्ठापूर्वक काम करो”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

1 Corinthians 15:1

पौलुस भाइयों और बहनों को क्या स्मरण करवाता है?
पौलुस उन्हें उसी सुसमाचार का स्मरण करवाता है जो उसने उन्हें पहले सुनाया था।

1 Corinthians 15:2

यदि कुरिन्थ के विश्वासी पौलुस द्वारा सुनाए गए सुसमाचार से उद्धार पाना चाहते हैं तो उनके लिए किस शर्त को मानना आवश्यक है?
पौलुस ने उन्हें लिखा कि यदि वे उसके द्वारा प्रचार किए गए वचन पर दृढ़ता से स्थिर रहें तो उनका उद्धार निश्चित है।

1 Corinthians 15:3

सुसमाचार के कौन से अंश प्राथमिक महत्त्व के हैं?
पहली बात तो यह है कि पवित्रशास्त्र के वचन के अनुसार यीशु मसीह हमारे पापों के लिए मर गया और गाड़ा गया, और पवित्रशास्त्र के अनुसार तीसरे दिन जी भी उठा।

1 Corinthians 15:8

पुनरूत्थान के बाद मसीह किसको दिखाई दिया था?
पुनरूत्थान के बाद मसीह कैफा को और तब बारहों को दिखाई दिया, फिर वह पांच सौ से अधिक भाइयों को एक साथ दिखाई दिया, फिर याकूब को तब सब प्रेरितों को ओर अन्त में पौलुस को।

1 Corinthians 15:9

पौलुस क्यों कहता है कि वहा प्रेरितों में सबसे छोटा है, वह ऐसा क्यों चाहता है?
क्योंकि उसने परमेश्वर की कलीसिया को सताया था।

1 Corinthians 15:12

पौलुस के अभिप्रेत अर्थ में कुरिन्थ के कुछ विश्वासियों की अवधारणा क्या थी?
पौलुस के शब्दों में निहितार्थ है कि कुछ लोगों का कहना था कि पुनरुत्थान नहीं है।

1 Corinthians 15:13

यदि मृतकों का पुनरुत्थान नहीं है तो पौलुस के अनुसार फिर क्या सत्य है?
पौलुस कहता है कि ऐसा है तो मसीह भी मृतकों में से जी नहीं उठा तो पौलुस उसके अन्य साथी प्रचारकों का सुसमाचार व्यर्थ है और कुरिन्थ की कलीसिया का विश्वास भी व्यर्थ है।

1 Corinthians 15:18

यदि मसीह मृतकों में से जी नहीं उठा तो जो मर गए उनका क्या हुआ?
वे नष्ट हुए।

1 Corinthians 15:19

यदि हम इसी जीवन में मसीह से आशा रखते हैं तो पौलुस किस बात को सच कहता है?
यदि ऐसा है तो पौलुस कहता है कि हम सब मनुष्यों से अधिक अभागे हैं।

1 Corinthians 15:20

पौलुस मसीह से क्या कहता है?
पौलुस मसीह को कहता है "जो सो गए है उनमें वह पहला फल हुआ"।

1 Corinthians 15:21

किस मनुष्य के द्वारा संसार में मृत्यु आई और किसके द्वारा मृतकों का पुनरूत्थान आया?
आदम संसार में मृत्यु लाया तो मसीह के द्वारा सब जिलाए जायेंगे, पुनरूत्थान होगा।

1 Corinthians 15:23

मसीह के विश्वासी कब जिलाए जायेंगे?
ऐसा मसीह के पुनः आगमन पर होगा।

1 Corinthians 15:24

अन्त में क्या होगा?
मसीह पिता परमेश्वर के हाथ में राज्य सौप देगा, उस समय वह सारी प्रधानता और सारा अधिकार और सामर्थ्य का अन्त कर देगा।

1 Corinthians 15:25

मसीह को कब तक राज्य करना अवश्य है?
जब तक वह अपने बैरियों को अपने पावों तले न ले आए तब तक उसका राज्य करना अवश्य है।

1 Corinthians 15:26

वह अन्तिम बैरी जिसको नष्ट किया जायेगा वह कौन है?
सबसे अन्तिम बैरी जो नष्ट किया जायेगा वह मृत्यु है।

1 Corinthians 15:27

जब वह कहता है, "उसने सब कुछ उसके पावों तले कर दिया" तो उसमें कौन नहीं है?
जिसने सब कुछ पुत्र (स्वयं) के अधीन कर दिया वह पुत्र के अधीन होने वालों में नहीं हैं।

1 Corinthians 15:28

पुत्र क्या करेगा कि पिता परमेश्वर ही सब कुछ हो?
पुत्र स्वयं उसके अधीन होगा जिसने सब कुछ उसके अधीन कर दिया है।

1 Corinthians 15:34

पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों को क्या आज्ञा देता है?
पौलुस उन्हें आज्ञा देता है कि वे धोखा न खाएं, धर्म के लिए जाग उठें और पाप न करें।

पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों को लज्जित करने के लिए क्या कहता है?
पौलुस कहता है कि उनमें से कुछ परमेश्वर को नहीं जानते।

1 Corinthians 15:35

पौलुस मृतकों के पुनरूत्थान की तुलना किससे करता है?
वह बीज से तुलना करता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 15:36

उगने से पहले बीज का क्या होता है?
उसे मरना पड़ता है।

1 Corinthians 15:37

क्या बीज उस देह के सदृश्य होता है जो उगती है?
जो बोया जाता है वह उत्पन्न होने वाली देह नहीं है।

1 Corinthians 15:39

क्या सबके शरीर एक समान हैं?
सबकी देह एक जैसी नहीं है, मनुष्य का शरीर, पशुओं का शरीर, पक्षियों का शरीर, मछलियों का शरीर सब अलग-अलग हैं।

1 Corinthians 15:40

क्या देह के और भी प्रकार हैं?
स्वर्गीय देह और पार्थिव देह भी हैं।

1 Corinthians 15:41

सूर्य, चांद और सितारे क्या सब एक ही सा तेज रखते हैं?
सूर्य का तेज और है, चांद का तेज और है, और तारागणों का तेज और है। (एक तारे से दूसरे तारे के तेज में अन्तर है)।

1 Corinthians 15:42

हमारी नाशवान देह कैसे बोई जाती है?
शरीर नाशमान दशा में अनादर और निर्बलता में बोया जाता है।

हमारे पुनरूत्थान में हमारी दशा कैसी होती है?
जो जी उठता है वह अविनाशी आत्मिक देह होती है, वह महिमा और सामर्थ्य में होती है।

1 Corinthians 15:45

प्रथम मनुष्य आदम क्या बना?
वह जीवत प्राणी बना।

अन्तिम आदम क्या बना?
वह जीवनदायक आत्मा बना।

1 Corinthians 15:47

प्रथम आदम और दूसरा आदम कहां से आए थे?
प्रथम मनुष्य धरती से अर्थात मिट्टी का था। दूसरा मनुष्य स्वर्गीय है।

1 Corinthians 15:49

हमने किसका रूप धारण किया है और हम किसका रूप धारण करेंगे?
जैसे हम ने उसका रूप जो मिट्टी का था धारण किया वैसे ही उस स्वर्गीय का रूप भी धारण करेंगे।

1 Corinthians 15:50

परमेश्वर के राज्य के अधिकारी कौन नहीं हो सकते?
मांस और लहू परमेश्वर के राज्य के अधिकारी नहीं हो सकते।

1 Corinthians 15:51

हम सबका क्या होगा?
हम सब बदल जायेंगे।

1 Corinthians 15:52

हम कब और कितने समय में बदल जायेंगे?
वह क्षण भर में पलक मारते ही अन्तिम तुरही फूंकते ही होगा।

1 Corinthians 15:54

जब यह नाशवान देह अविनाशी देह पहन ले और यह मरनसार देह अमरण देह को पहन ले तब क्या होगा?
जय मृत्यु को निगल लेगी।

1 Corinthians 15:56

मृत्यु का डंक पाप है और पाप का बल क्या है?
मृत्यु का डंक पाप है और पाप का बल व्यवस्था है।

1 Corinthians 15:57

परमेश्वर हमें किसके द्वारा विजय दिलाता है?
परमेश्वर हमें प्रभु यीशु मसीह के द्वारा विजय दिलाता है।

1 Corinthians 15:58

कुरिन्थ के भाई-बहन को दृढ़ और अटल रहने तथा प्रभु के काम में सर्वदा बढ़ते जाने का प्रोत्साहन देने का कारण पौलुस क्या मानता है?
पौलुस उनसे ऐसा आग्रह करता है क्योंकि वे स्वयं जानते हैं कि प्रभु में उनका परिश्रम व्यर्थ नहीं है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 16

1 अब उस चन्दे के विषय में जो पवित्र लोगों के लिये किया जाता है, जैसा निर्देश मैंने गलातिया की कलीसियाओं को दी, वैसा ही तुम भी करो। **2** सप्ताह के पहले दिन तुम में से हर एक अपनी आमदनी के अनुसार कुछ अपने पास रख छोड़ा करे, कि मेरे आने पर चन्दा न करना पड़े।

3 और जब मैं आऊँगा, तो जिन्हें तुम चाहोगे उन्हें मैं चिट्ठियाँ देकर भेज दूँगा, कि तुम्हारा दान यरूशलेम पहुँचा दें। **4** और यदि मेरा भी जाना उचित हुआ, तो वे मेरे साथ जाएँगे।

5 और मैं मकिदुनिया होकर तुम्हारे पास आऊँगा, क्योंकि मुझे मकिदुनिया होकर जाना ही है। **6** परन्तु सम्भव है कि तुम्हारे यहाँ ही ठहर जाऊँ और शरद ऋतु तुम्हारे यहाँ काटूँ, तब जिस ओर मेरा जाना हो, उस ओर तुम मुझे पहुँचा दो।

7 क्योंकि मैं अब मार्ग में तुम से भेंट करना नहीं चाहता; परन्तु मुझे आशा है, कि यदि प्रभु चाहे तो कुछ समय तक तुम्हारे साथ रहूँगा। **8** परन्तु मैं पिन्तेकुस्त तक इफिसुस में रहूँगा। **9** क्योंकि मेरे लिये एक बड़ा और उपयोगी द्वार खुला है, और विरोधी बहुत से हैं।

10 यदि तीमुथियुस आ जाए, तो देखना, कि वह तुम्हारे यहाँ निडर रहे; क्योंकि वह मेरे समान प्रभु का काम करता है। **11** इसलिए कोई उसे तुच्छ न जाने, परन्तु उसे कुशल से इस ओर पहुँचा देना, कि मेरे पास आ जाए; क्योंकि मैं उसकी प्रतीक्षा करता रहा हूँ, कि वह भाइयों के साथ आए। **12** और भाई अपुल्लोस से मैंने बहुत विनती की है कि तुम्हारे पास भाइयों के साथ जाए; परन्तु उसने इस समय जाने की कुछ भी इच्छा न की, परन्तु जब अवसर पाएगा, तब आ जाएगा।

13 जागते रहो, विश्वास में स्थिर रहो, पुरुषार्थ करो, बलवन्त हो। (इफि. 6:10) **14** जो कुछ करते हो प्रेम से करो।

15 हे भाइयों, तुम स्तिफनास के घराने को जानते हो, कि वे अखाया के पहले फल हैं, और पवित्र लोगों की सेवा के लिये तैयार रहते हैं। **16** इसलिए मैं तुम से विनती करता हूँ कि ऐसों के अधीन रहो, वरन् हर एक के जो इस काम में परिश्रमी और सहकर्मी हैं।

17 और मैं स्तिफनास और फूरतूनातुस और अखइकुस के आने से आनन्दित हूँ, क्योंकि उन्होंने तुम्हारी घटी को पूरी की है। **18** और उन्होंने मेरी और तुम्हारी आत्मा को चैन दिया है* इसलिए ऐसों को मानो।

19 आसिया की कलीसियाओं की ओर से तुम को नमस्कार; अक्विला और प्रिस्का का और उनके घर की कलीसिया का भी तुम को प्रभु में बहुत-बहुत नमस्कार। **20** सब भाइयों का तुम को नमस्कार: पवित्र चुम्बन से आपस में नमस्कार करो।

21 मुझ पौलुस का अपने हाथ का लिखा हुआ नमस्कार: यदि कोई प्रभु से प्रेम न रखे तो वह श्रापित हो। **22** हमारा प्रभु आनेवाला है। **23** प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम पर होता रहे। **24** मेरा प्रेम मसीह यीशु में* तुम सब के साथ रहे। आमीन।

---

1 Corinthians 16:1

पवित्र लोगों
पौलुस अपनी कलीसियाओं से दान एकत्र कर रहा था कि यरूशलेम और यहूदिया के विश्वासियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

जैसी आज्ञा मैंने ... दी
“जैसे निश्चित निर्देश मैंने दिए”

अपने पास रख छोड़ो
इसके संभावित अर्थ हैं 1) “घर में बचाकर रखो” या 2) “कलीसिया में जमा करा दो”।

कि मेरे आने पर चन्दा न करना पड़े
वैकल्पिक अनुवाद: “कि जब मैं वहां आऊंगा तब चन्दा न करना पड़े”

1 Corinthians 16:3

जिन्हें तुम चाहोगे
पौलुस उनसे कहता है कि वे किसी एक मनुष्य को चुन लें कि वह उनका आर्थिक सहयोग लेकर यरूशलेम जाए। वैकल्पिक अनुवाद: “तुम जिसे भी नियुक्त करोगे”।

मैं चिट्ठियां देकर भेज दूंगा
मैं चिट्ठियां देकर भेज दूंगा - इसके सम्भावित अर्थ हो सकते है 1)"जो पत्र मै लिखूंगा उसके हाथ भेज दूंगा"। या 2)"तुम्हारे लिखे हुए पत्र के साथ भेज दूंगा"

1 Corinthians 16:5

तुम मुझे पहुंचा देना
संभवतः पौलुस और उसके साथियों के लिए आर्थिक सहयोग या भौतिक सहयोग।

1 Corinthians 16:7

मैं अब मार्ग में तुम से भेंट करना नहीं चाहता
पौलुस के कहने का अर्थ है कि इस समय वह आएगा तो समय कम होगा परन्तु बाद में वह अधिक समय के लिए वहां ठहरेगा।

पिन्तेकुस्त तक
इस उत्सव तक पौलुस इफिसुस में रहेगा। (मई या जून माह तक) बाद में मकिदुनिया होकर नवम्बर माह में कुरिन्थ पहुंचेगा, शीतऋतु से पूर्व।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बड़ा और उपयोगी द्वार खुला है
अर्थात परमेश्वर ने उसे मनुष्यों में शुभ सन्देश सुनाने का सुनहरा अवसर दिया है

1 Corinthians 16:10

देखना कि वह तुम्हारे यहां निडर रहे
वैकल्पिक अनुवाद: "सुनिश्चित करता है कि उसे तुम से भयभीत होने का कोई कारण न हो"

कोई उसे तुच्छ न जाने
तीमुथियुस पौलुस से बहुत कम आयु का था इसलिए संभव था कि उसे पौलुस और अप्पुल्लौस के तुल्य सेवक का सम्मान न दिया जाए।

भाई अप्पुल्लोस
पौलुस अप्पुल्लोस के साथ विश्वासी भाई तथा मसीह के सेवक का सा सम्मानित व्यवहार करता था और कुरिन्थ में सेवा हेतु उसके लौट आने के पक्ष में था।

1 Corinthians 16:13

जागते रहो
पौलुस चाहता था कि वे समझें कि मसीह का प्रचार करने वाले सब लोग मसीह में नहीं हैं।

विश्वास में स्थिर रहो
पौलुस प्रबोधन करता है कि वे झूठे शिक्षकों के भ्रम जाल में न पड़ जाएं और न विश्वास से डगमगा जाएं।

पुरूषार्थ करो, बलवन्त होओ
पौलुस उन्हें मसीह में परिपक्व होने के लिए प्रोत्साहित करता है

1 Corinthians 16:15

स्तिफनास के घराने
स्तिफनास उस कलीसिया का सर्वप्रथम विश्वासी था।

ऐसों के अधीन रहो
पौलुस उनसे आग्रह करता है कि वे वहां विश्वासियों की सेवा करने वालों का सम्मान करें धर्मवृद्ध स्वरूप मानकर उनके अधीन रहें।

1 Corinthians 16:17

स्तिफनास और फूरतूनातुस और अखइकुस
वे पुरूष या तो उस कलीसिया के प्रथम विश्वासी थे या कलीसिया के धर्मवृद्ध थे पौलुस के घनिष्ठ संबन्ध में थे।

फूरतूनातुस और अखइकुस
ये पुरूषों के नाम है।

उन्होंने मेरी आत्मा.... को चैन दिया
पौलुस उनके आने से आनन्दित एवं प्रसन्न था।

1 Corinthians 16:19

आसिया की कलीसियाओं
अधिकांश कलीसियाएं कुरिन्थ के दूसरी ओर ऐजियन सागर के पूर्वी तट पर थी।

अक्विला और प्रिस्का
यह दम्पत्ति रोम का विश्वासी था जिन्होंने अप्पुल्लोस को मसीह के मार्ग में निर्देशन दिया था।

1 Corinthians 16:21

मुझ पौलुस का अपने हाथ का लिखा
पौलुस स्पष्ट करता है कि इस पत्र के निर्देश उसी के थे जबकि उसके इस पत्र का अधिकांश भाग उसके किसी सहकर्मी ने लिखा था।

वह शापित हो
वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उसे श्राप दे"

Translation Questions

1 Corinthians 16:1

पवित्र जनों के लिए मेरे एकत्र करने के बारे में पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया के तुल्य और किसको प्रोत्साहित किया?
पौलुस ने गलातिया की कलीसियाओं को भी ऐसे ही प्रोत्साहित किया था जैसे कुरिन्थ की कलीसिया को।

वह दान किसके पास पहुंचना था?
वह यरूशलेम के पवित्र जनों के लिए था।

1 Corinthians 16:2

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया को दान एकत्र करने के बारे में क्या निर्देश दिया था?
पौलुस ने उन्हें निर्देश दिया कि सप्ताह के पहले दिन उनमें से हर एक अपनी आमदनी के अनुसार कुछ अपने पास रख छोड़ा करे कि पौलुस की उपस्थिति में चन्दा न करना पड़े।

1 Corinthians 16:5

पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया से कब भेंट करने की योजना बना रहा था?
पौलुस ने उनसे कहा कि मकिदुनिया से होकर जाते समय वह उनसे भेंट करेगा।

1 Corinthians 16:6

क्या कारण था कि पौलुस तत्काल ही कुरिन्थ की कलीसिया के पास कुछ ही समय के लिए आना नहीं चाहता था?
पौलुस उनके पास बहुत समय ठहरना चाहता था, संभवतः पूरी शरद ऋतु।

1 Corinthians 16:8

पौलुस इफिसुस में पिन्तेकुस्त तक क्यों रुकना चाहता था?
पौलुस इफिसुस की कलीसिया में रूक गया था क्योंकि वहां उसके लिए एक बड़ा और उपयोगी द्वार खुला था और उसके विरोधी भी वहां अनेक थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Corinthians 16:10

तीमुथियुस क्या करता था?
वह तो पौलुस के जैसे ही सेवा कर रहा था।

पौलुस ने उन्हें तीमुथियुस के साथ कैसा व्यवहार करने का निर्देश दिया था?
पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि तीमुथियुस उनके मध्य निडर रहे और वे उसे तुच्छ न जाने तथा उसे सकुशल उसके पास पहुंचा दे।

1 Corinthians 16:12

पौलुस ने अपुल्लोस से किस बात का आग्रह किया था?
पौलुस ने अपुल्लोस से भी बहुत आग्रह किया कि कुरिन्थ के पवित्र जनों के पास जाए।

1 Corinthians 16:15

कुरिन्थ के विश्वासियों में पवित्र जनों की सेवा में कौन समर्पित था?
स्तिफनास का घराना पवित्र जनों की सेवा में समर्पित था।

1 Corinthians 16:16

पौलुस ने स्तिफनास के घराने के लिए कुरिन्थ के विश्वासियों से क्या करने के लिए कहा?
पौलुस ने उनसे कहा कि ऐसे सेवकों के अधीन रहें।

1 Corinthians 16:17

स्तिफनास फूरतूनातुस और अखइकुस ने पौलुस के लिए क्या किया था?
उन्होंने कुरिन्थ के विश्वासियों की घटी को पूरा करके पौलुस को आनन्दित किया था।

1 Corinthians 16:19

कुरिन्थ की कलीसिया को किसने नमस्कार भेजा था?
आसिया की कलीसियाओं का, अक्विला और प्रिस्का तथा सब भाई बहन उन्हें नमस्कार कहते हैं।

1 Corinthians 16:22

जो प्रभु से प्रेम नहीं रखते उनके लिए पौलुस ने क्या कहा?
पौलुस ने कहा, "यदि कोई प्रभु से प्रेम न करे तो वह शापित हो"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: 2 Corinthians

2 Corinthians

Chapter 1

1 पौलुस की ओर से जो परमेश्वर की इच्छा से मसीह यीशु का प्रेरित है, और भाई तीमुथियुस की ओर से परमेश्वर की उस कलीसिया के नाम जो कुरिन्थुस में है, और सारे अखाया के सब पवित्र लोगों के नाम: **2** हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।

3 हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर, और पिता का धन्यवाद हो, जो दया का पिता, और सब प्रकार की शान्ति का परमेश्वर है। **4** वह हमारे सब क्लेशों में शान्ति देता है; ताकि हम उस शान्ति के कारण जो परमेश्वर हमें देता है, उन्हें भी शान्ति दे सके, जो किसी प्रकार के क्लेश में हों।

5 क्योंकि जैसे मसीह के दुःख* हमको अधिक होते हैं, वैसे ही हमारी शान्ति में भी मसीह के द्वारा अधिक सहभागी होते है। **6** यदि हम क्लेश पाते हैं, तो यह तुम्हारी शान्ति और उद्धार के लिये है और यदि शान्ति पाते हैं, तो यह तुम्हारी शान्ति के लिये है; जिसके प्रभाव से तुम धीरज के साथ उन क्लेशों को सह लेते हो, जिन्हें हम भी सहते हैं। **7** और हमारी आशा तुम्हारे विषय में दृढ़ है*; क्योंकि हम जानते हैं, कि तुम जैसे दुःखों के वैसे ही शान्ति के भी सहभागी हो।

8 हे भाइयों, हम नहीं चाहते कि तुम हमारे उस क्लेश से अनजान रहो, जो आसिया में हम पर पड़ा, कि ऐसे भारी बोझ से दब गए थे, जो हमारी सामर्थ्य से बाहर था, यहाँ तक कि हम जीवन से भी हाथ धो बैठे थे। **9** वरन् हमने अपने मन में समझ लिया था, कि हम पर मृत्यु की सजा हो चुकी है कि हम अपना भरोसा न रखें, वरन् परमेश्वर का जो मरे हुओं को जिलाता है। **10** उसी ने हमें मृत्यु के ऐसे बड़े संकट से बचाया, और बचाएगा; और उससे हमारी यह आशा है, कि वह आगे को भी बचाता रहेगा।

11 और तुम भी मिलकर प्रार्थना के द्वारा हमारी सहायता करोगे, कि जो वरदान बहुतों के द्वारा हमें मिला, उसके कारण बहुत लोग हमारी ओर से धन्यवाद करें।

12 क्योंकि हम अपने विवेक की इस गवाही पर घमण्ड करते हैं, कि जगत में और विशेष करके तुम्हारे बीच हमारा चरित्र परमेश्वर के योग्य ऐसी पवित्रता और सच्चाई सहित था, जो शारीरिक ज्ञान से नहीं, परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह के साथ था। **13** हम तुम्हें और कुछ नहीं लिखते, केवल वह जो तुम पढ़ते या मानते भी हो, और मुझे आशा है, कि अन्त तक भी मानते रहोगे। **14** जैसा तुम में से कितनों ने मान लिया है, कि हम तुम्हारे घमण्ड का कारण है; वैसे तुम भी प्रभु यीशु के दिन हमारे लिये घमण्ड का कारण ठहरोगे।

15 और इस भरोसे से मैं चाहता था कि पहले तुम्हारे पास आऊँ; कि तुम्हें एक और दान मिले। **16** और तुम्हारे पास से होकर मकिदुनिया को जाऊँ, और फिर मकिदुनिया से तुम्हारे पास आऊँ और तुम मुझे यहूदिया की ओर कुछ दूर तक पहुँचाओ।

17 इसलिए मैंने जो यह इच्छा की थी तो क्या मैंने चंचलता दिखाई? या जो करना चाहता हूँ क्या शरीर के अनुसार करना चाहता हूँ, कि मैं बात में 'हाँ, हाँ' भी करूँ; और 'नहीं, नहीं' भी करूँ? **18** परमेश्वर विश्वासयोग्य है, कि हमारे उस वचन में जो तुम से कहा 'हाँ' और 'नहीं' दोनों पाए नहीं जाते।

19 क्योंकि परमेश्वर का पुत्र यीशु मसीह जिसका हमारे द्वारा अर्थात् मेरे और सिलवानुस और तीमुथियुस के द्वारा तुम्हारे बीच में प्रचार हुआ; उसमें 'हाँ' और 'नहीं' दोनों न थी; परन्तु, उसमें 'हाँ' ही 'हाँ' हुई। **20** क्योंकि परमेश्वर की जितनी प्रतिज्ञाएँ* हैं, वे सब उसी में 'हाँ' के साथ हैं इसलिए उसके द्वारा आमीन भी हुई, कि हमारे द्वारा परमेश्वर की महिमा हो।

21 और जो हमें तुम्हारे साथ मसीह में दृढ़ करता है, और जिस ने हमें अभिषेक* किया वही परमेश्वर है। **22** जिस ने हम पर छाप भी कर दी है और बयाने में आत्मा को हमारे मनों में दिया।

23 मैं परमेश्वर को गवाह करता हूँ, कि मैं अब तक कुरिन्थुस में इसलिए नहीं आया, कि मुझे तुम पर तरस आता था। **24** यह नहीं, कि हम विश्वास के विषय में तुम पर प्रभुता जताना चाहते हैं; परन्तु तुम्हारे आनन्द में सहायक हैं क्योंकि तुम विश्वास ही से स्थिर रहते हो।

---

2 Corinthians 1:1

पौलुस
"पौलुस की ओर से" आपकी भाषा में पत्र लिखने वाले के परिचय की अपनी विधि होगी। "मैं, पौलुस यह पत्र लिख रहा हूं"

भाई
नये नियम में प्रेरित "भाई" शब्द का उपयोग करते थे जिसका अर्थ होता था सब विश्वासी क्योंकि मसीह में विश्वास करने वाले सब जन एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य थे जिनका स्वार्गिक पिता परमेश्वर है।

अखया
यह एक रोमन प्रान्त का नाम है जो आज के यूनान का दक्षिण भाग है।

तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे
"तुम्हें" का सन्दर्भ कुरिन्थ की कलीसिया के सदस्यों से है वरन् उस क्षेत्र के सब विश्वासियों से। यह पौलुस के पत्रों में प्रयुक्त एक सामान्य अभिवादन है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

2 Corinthians 1:3

x
पौलुस और तीमुथियुस इस पत्र की प्रस्तावना ही में है।

परमेश्वर और पिता
"परमेश्वर जो हमारा पिता है"

दया का पिता और सब प्रकार की शान्ति का परमेश्वर है।
ये वाक्यांश एक ही बात को व्यक्त करने की अभिन्न विधियाँ है। "पिता" और "परमेश्वर" शब्दों द्वारा "दाता" या "स्रोत" का वर्णन किया गया है जो हमारा परमेश्वर है, क्योंकि परमेश्वर ही तो सब बातों का स्रोत है। वैकल्पिक अनुवाद: "सम्पूर्ण दया एवं अनुकम्पा का स्रोत"

वह हमारे सब क्लेशों में शांति देता है
"हमारे"

2 Corinthians 1:5

x
पौलुस और तीमुथियुस कुरिन्थ की कलीसिया को प्रोत्साहित करते हैं।

जैसे मसीह के दु:ख हमारे निमित अधिक है
"ठीक वैसे ही जैसे मसीह ने हमारे लिए बहुत कष्ट उठाया है

यदि हम क्लेश पाते है
कुरिन्थ की कलीसिया तो कष्ट उठा रही थी परन्तु पौलुस अपने और अपने साथियों के सन्दर्भ में भी कह रहा है।

जिसके कार्य से
"जिसका तुम अनुभव करके"

2 Corinthians 1:8

x
पौलुस और तीमुथियुस पत्र लिख रहे हैं।

हम नहीं चाहते की तुम... अनजान रहो
"हम चाहते है कि तुम्हें इसका बोध हो जाए"

बोझ से दब गये
"दब गये", इन शब्दों का सन्दर्भ घोर निराशा की अनुभूति से है। वैकल्पिक अनुवाद: "पूर्णत: हताश"

हमारी सामर्थ से बाहर था
पौलुस और तीमुथियुस अपनी हताशा की भावनाओं के सन्दर्भ में कह रहे है कि वह एक बहुत भारी बोझ के समान थी।

हम पर मृत्यु की आज्ञा हो चुकी है
पौलुस और तीमुथियुस के मन में हताशा ने ऐसा स्थान बना लिया था कि जैसे मानों किसी ने उन्हें मृत्यु दण्ड सुना दिया है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम ऐसे हताश हो चुके थे जैसे मृत्यु दण्ड पाने वाले की मानसिक दशा हो जाती है"

वरन परमेश्वर
"अपना भरोसा" इस वाक्य में नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु हुआ यह की हमने परमेश्वर ही में भरोसा रखा"

जो मरे हुओं को जिलाता है
"जो मृतकों को पुन: जीवन देता है"

बड़ी मृत्यु
पौलुस और तीमुथियुस अपनी हताशा को मृत्यु के संकट या विनाश बड़ी संकट की तुलना में प्रकट कर रहे है(यू.डी.बी)। वैकल्पिक अनुवाद: "हताशा"

2 Corinthians 1:11

तुम भी मिलकर प्रार्थना के द्वारा हमारी सहायता करोगे
"जब तुम, कुरिन्थ की कलीसिया हमारे लिए प्रार्थना करती है तो परमेश्वर संकटों से हमारा निवारण करता है"

2 Corinthians 1:12

अपने विवेक की गवाही
यह प्रमाण पौलुस और तीमुथियुस अपने विवेक से अपने कामों के विषय में है।

सांसारिक ज्ञान
“मानवीय ज्ञान”

हम तुम्हें और कुछ नहीं लिखते, केवल वह जो पढ़ते मानते भी हो, वैसे ही/ तुम भी....हमारे लिए, वैसे ही तुम भी।
“हम जो कुछ भी तुम्हें लिखते है, उसे तुम पढ़कर समझ सकते हो”

वैसे ही तुम भी हमारे लिए
“ठीक वैसे तुम भी हमारे लिए गर्व का कारण होगे”।

2 Corinthians 1:15

इसी भरोसे से
यह पिछले पदों में कुरिन्थ की कलीसिया के बारे में पौलुस की टिप्पणियों के संदर्भ में है।

तुम मुझे यहूदिया की ओर कुछ दूर तक पहुंचाओ
“यहूदिया जाने में मेरी सहायता करना”

2 Corinthians 1:17

इसलिए मैंने जो यह इच्छा की थी तो क्या मैंने चंचलता दिखाई?
पौलुस और तीमुथियुस इस प्रश्न द्वारा अपने निर्णय की निश्चितता प्रकट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब मैं ऐसा सोच रहा था तो मैं अपने निर्णय में अटका था।”

क्या मैंने चंचलता दिखाई?
“क्या मैं डांवाडोल था”

या क्या मै मानवीय मानकों के आधार पर कोई बात कह रहा हूँ कि मै कहूँ "हाँ, हाँ" और "नहीं, नहीं;" दोनों एक साथ?
पौलुस अपनी एकनिष्ठा का प्रतिवाद प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं परमेश्वर की इच्छा के अनुसार योजना बनाता हूं। मैं “हां” या “नहीं” तब ही कहता हूँ जब मुझे यह बोध हो कि मेरा उत्तर सत्य है”।

2 Corinthians 1:19

नहीं है
पौलुस और तीमुथियुस यीशु द्वारा किसी अनुरोध का संदर्भ में दे रहे है। वैकल्पिक अनुवाद: उत्तर नहीं देता है।

उसमें “हां”
यहां “हां” उस मनुष्य के संदर्भ में है जिसे विश्वास है कि परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार उद्धार करेगा”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उसी में “हां” के साथ हैं
“उसी में” अर्थात् मसीह यीशु में

2 Corinthians 1:21

x
पौलुस और तीमुथियुस कुरिन्थ की कलीसिया को ही पत्र लिख रहे हैं।

हम पर छाप भी कर दी
“छाप” का अभिप्राय है, “परमेश्वर द्वारा अनुमोदन”। वैकल्पिक अनुवाद:“हमें मान्यता प्रदान की”

2 Corinthians 1:23

मैं परमेश्वर को गवाह करके
“गवाह करके” यह उक्ति उस मनुष्य के संदर्भ में है जो आंखों देखी और स्वयं सुनी हुई बात की चर्चा करता है कि विवाद का निर्णय निश्चित हो “मैं परमेश्वर से विनती करता हूँ कि मेरी बात को सत्यता सिद्ध करे”।

विश्वास ही से स्थिर रहते हो
“स्थिर” अर्थात अपरिवर्तनीय बात। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने विश्वास में दृढ़ रहो”।

Translation Questions

2 Corinthians 1:1

यह पत्र किसने लिखा था?
यह पत्र पौलुस और तीमुथियुस ने लिखा था।

यह पत्र किसके लिए था?
यह पत्र कुरिन्थ नगर में परमेश्वर की कलीसिया और अखया के सब पवित्र जनों के लिए था।

2 Corinthians 1:3

पौलुस परमेश्वर के लिए क्या कहता है?
पौलुस परमेश्वर को हमारे प्रभु मसीह का पिता, दया का पिता और सब प्रकार की शान्ति का परमेश्वर है।

2 Corinthians 1:4

परमेश्वर हमारे क्लेशों में हमें शान्ति क्यों दिलाता है?
वह हमें शान्ति दिलाता है कि हम भी उन लोगों को शान्ति दे पायें जो क्लेश में है, यह वह शान्ति है जो परमेश्वर ने हमें दी है।

2 Corinthians 1:8

आसिया में पौलुस और उसके साथियों पर कैसा क्लेश था?
वे अपनी सहनशक्ति से परे क्लेश में थे। उन पर मृत्यु की आज्ञा हो चुकी थी।

2 Corinthians 1:9

पौलुस और उसके साथियों पर मृत्यु की आज्ञा का कारण क्या था?
मृत्यु की इस आज्ञा के कारण उन्होंने सीखा कि अपने ऊपर नहीं परमेश्वर के ऊपर भरोसा रखें।

2 Corinthians 1:11

पौलुस के अनुसार कुरिन्थ की कलीसिया उनकी सहायता कैसे कर सकती थी?
पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया से निवेदन किया कि वे उनके लिए प्रार्थना करें।

2 Corinthians 1:12

पौलुस और उसके साथी किस बात पर घमण्ड करते थे?
पौलुस और उसके साथी अपने विवेक की गवाही पर घमण्ड करते थे कि जगत में और विशेष करके कुरिन्थ की कलीसिया के साथ उनका व्यवहार पवित्रता और सत्यनिष्ठा था जो परमेश्वर से था अर्थात शारीरिक ज्ञान से नहीं परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह से।

2 Corinthians 1:14

पौलुस को प्रभु के दिन के लिए किस बात की आशा थी?
पौलुस को आशा थी कि पौलुस और उसके साथी प्रभु के दिन कुरिन्थ के पवित्र जनों के लिए घमण्ड का कारण ठहरेंगे।

2 Corinthians 1:15

पौलुस कितनी बार कुरिन्थ की कलीसिया के पास जाना चाहता था?
वह उनसे भेंट करने के लिए दो बार आना चाहता था।

2 Corinthians 1:22

वह एक कारण क्या है कि मसीह ने हमें बयाने में पवित्र आत्मा दिया है?
परमेश्वर ने हमारे भावी भाग के बयाने में हमें पवित्र आत्मा दिया है।

2 Corinthians 1:23

पौलुस कुरिन्थ क्यों नहीं आया था?
वह कुरिन्थ इसलिए नहीं आया था कि उसे उन पर तरस आता था।

2 Corinthians 1:24

पौलुस ने क्या कहा कि वह और तीमुथियुस कुरिन्थ की कलीसिया के साथ क्या करते थे और क्या नहीं करते थे?
पौलुस कहता है कि वह विश्वास के विषय में उन पर प्रभुता जताना नहीं चाहता था परन्तु उनके आनंद के लिए क्रियाशील था।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 मैंने अपने मन में यही ठान लिया था कि फिर तुम्हारे पास उदास होकर न आऊँ। **2** क्योंकि यदि मैं तुम्हें उदास करूँ, तो मुझे आनन्द देनेवाला कौन होगा, केवल वही जिसको मैंने उदास किया?

3 और मैंने यही बात तुम्हें इसलिए लिखी, कि कहीं ऐसा न हो, कि मेरे आने पर जिनसे मुझे आनन्द मिलना चाहिए, मैं उनसे उदास होऊँ; क्योंकि मुझे तुम सब पर इस बात का भरोसा है, कि जो मेरा आनन्द है, वही तुम सब का भी है। **4** बड़े क्लेश, और मन के कष्ट* से, मैंने बहुत से आँसू बहा बहाकर तुम्हें लिखा था इसलिए नहीं, कि तुम उदास हो, परन्तु इसलिए कि तुम उस बड़े प्रेम को जान लो, जो मुझे तुम से है।

5 और यदि किसी ने उदास किया है, तो मुझे ही नहीं वरन् (कि उसके साथ बहुत कड़ाई न करूँ) कुछ-कुछ तुम सब को भी उदास किया है। (गला. 4:12) **6** ऐसे जन के लिये यह दण्ड जो भाइयों में से बहुतों ने दिया, बहुत है। **7** इसलिए इससे यह भला है कि उसका अपराध क्षमा करो; और शान्ति दो, न हो कि ऐसा मनुष्य उदासी में डूब जाए। (इफि. 4:32)

8 इस कारण मैं तुम से विनती करता हूँ, कि उसको अपने प्रेम का प्रमाण दो। **9** क्योंकि मैंने इसलिए भी लिखा था, कि तुम्हें परख लूँ, कि तुम सब बातों के मानने के लिये तैयार हो, कि नहीं।

10 जिसका तुम कुछ क्षमा करते हो उसे मैं भी क्षमा करता हूँ, क्योंकि मैंने भी जो कुछ क्षमा किया है, यदि किया हो, तो तुम्हारे कारण मसीह की जगह में होकर क्षमा किया है। **11** कि शैतान* का हम पर दाँव न चले, क्योंकि हम उसकी युक्तियों से अनजान नहीं।

12 और जब मैं मसीह का सुसमाचार, सुनाने को त्रोआस में आया, और प्रभु ने मेरे लिये एक द्वार खोल दिया। **13** तो मेरे मन में चैन न मिला, इसलिए कि मैंने अपने भाई तीतुस को नहीं पाया; इसलिए उनसे विदा होकर मैं मकिदुनिया को चला गया।

14 परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो मसीह में सदा हमको जय के उत्सव में लिये फिरता है, और अपने ज्ञान की सुगन्ध हमारे द्वारा हर जगह फैलाता है। **15** क्योंकि हम परमेश्वर के निकट उद्धार पानेवालों, और नाश होनेवालों, दोनों के लिये मसीह की सुगन्ध हैं।

16 कितनों के लिये तो मरने के निमित्त मृत्यु की गन्ध, और कितनों के लिये जीवन के निमित्त जीवन की सुगन्ध, और इन बातों के योग्य कौन है? **17** क्योंकि हम उन बहुतों के समान नहीं, जो परमेश्वर के वचन में मिलावट करते हैं; परन्तु मन की सच्चाई से, और परमेश्वर की ओर से परमेश्वर को उपस्थित जानकर मसीह में बोलते हैं*।

---

2 Corinthians 2:1

x
पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया को पत्र लिख रहा है।

मैंने अपने मन में यही ठान लिया
"मैंने निर्णय ले लिया"

तुम्हारे पास उदास करने न आऊं
वैकल्पिक अनुवाद: "जब तुम ऐसे काम करते हो जिसका मैं प्रबल विरोध करता हूं"।

यदि मैं तुम्हें उदास करूं तो मुझे आनन्द देने वाला कौन होगा? केवल वही जिसको मैंने उदास किया है
पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया से कहता है कि वे उसे प्रसन्न करते हैं परन्तु यदि वह उन्हें आहत करे तो दोनों ही को दुःख होगा। "यदि मैंने तुम्हें दुःख दिया तो तुम्हारे दुःख से मुझे भी दुःख होगा"।

2 Corinthians 2:3

मैं उनके द्वारा दुःखी न होऊं
पौलुस वहां के कुछ विश्वासियों के व्यवहार के बारे में कह रहा है जिनके द्वारा उसे मानसिक वेदना हुई। वैकल्पिक अनुवाद:"मैं उनके कामों से दुःखी न हो जाऊं"।

बड़े क्लेश और मन के कष्ट से मैंने बहुत से आंसू बहा बहाकर
इन शब्दों में पौलुस का महा दुःख प्रकट है और उसने बड़ी कठिनाई से यह पत्र कुरिन्थ की कलीसिया को लिखा है क्योंकि वह उनसे प्रेम करता था, वैकल्पिक अनुवाद: "बड़े दुःख के कारण जो तुम लोगों की चिन्ता से मेरे मन को हुआ मैं बड़ी परेशानी से लिख रहा हूं"।

2 Corinthians 2:5

कुछ-कुछ डावांडोल
"कुछ अंश तक"

बहुत है
"दयारहित"

उदासी में डूब जाए
यह बहुत अधिक दुःख की मानसिक प्रतिक्रिया है।

2 Corinthians 2:8

x
पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया को प्रोत्साहित करता है जिस सदस्य को उन्होंने दण्ड दिया था, उसे क्षमा कर दें।

उसको अपने प्रेम का प्रमाण दो।
अर्थात् उसे विश्वासियों की संगति में पुनः ले लो। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी सामूहिक सभा घोषणा करो कि तुम अब भी उससे प्रेम करते हो जैसे परिवार के सदस्यों को"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सब बातों को मानने के लिए तैयार हो
इसका संदर्भ दोनों ही बातों से है दोषी को दण्ड देना और फिर उसे क्षमा करना। वैकल्पिक अनुवाद: “तुम्हें मैंने जो कुछ सिखाया तुम उसका आज्ञापालन करते हो”।

2 Corinthians 2:10

तुम्हारे कारण ...क्षमा किया
इसके संभावित अर्थ हैं 1) “तुम्हारे लिए मेरे प्रेम के कारण क्षमा करता हूं”। (यू.डी.बी.) या 2) “तुम्हारे लाभ के निमित्त क्षमा किए गए”।

हम उसकी युक्तियों से अनजान नहीं
“क्योंकि हम उसकी योजनाओं को जानते हैं”।(देखें:)

2 Corinthians 2:12

प्रभु ने मेरे लिए एक द्वार खोला
जिस प्रकार कि एक खुला हुआ द्वार किसी को पार जाने देता है, उसी प्रकार पौलुस को भी त्रोआस में शुभ सन्देश सुनाने का अवसर प्राप्त हुआ था।

मेरे भाई तीतुस
पौलुस उसकी सेवा में सहभागी सब मनुष्यों को मसीह में अपना भाई कहता था।

उनसे विदा होकर
“अतः मैं त्रोआस के विश्वासियों के पास से चलकर”

2 Corinthians 2:14

जय के उत्सव में लिए फिरता है
पौलुस मसीह को एक सैनिक अगुवा कहता है, जो सैनिकों को विजय दिलाता है। वैकल्पिक अनुवाद: “हमें विजय दिलाता है”।)

और अपने ज्ञान की सुगन्ध.... हर जगह फैलाता है।
“अपने ज्ञान का सौरभ” पौलुस इस उक्ति, “ज्ञान की सुगन्ध” उस ज्ञान के संदर्भ में कहता है जो मनमोहक है” वैकल्पिक अनुवाद: “मनमोहक ज्ञान”

मसीह की सुगन्ध हैं
“मसीह का सौरभ” पौलुस इस उक्ति द्वारा मन मोहक ज्ञान के विषय कह रहा है”।

2 Corinthians 2:16

मृत्यु की गन्ध
यहां “गन्ध” का अभिप्राय है, मसीह का ज्ञान। आत्मिकता में मृतकों के लिए, मसीह का ज्ञान मृतक शरीर की दुर्गन्ध जैसा है। “मृतकों के लिए मृत्यु का ज्ञान”।

जीवन की सुगन्ध
“सुगन्ध” का तात्पर्य मसीह के ज्ञान से है। आत्मिकता में जीवित मनुष्यों के लिए मसीह का ज्ञान एक प्रकार से मनमोहक सुगन्ध है। वैकल्पिक अनुवाद: “जीवितों के लिए जीवन का ज्ञान”।

भला इन बातों के योग्य कौन है?
पौलुस इस प्रश्न के द्वारा मसीह के ज्ञान को परमेश्वर का वरदान प्रकट करता है जिसके योग्य कोई नहीं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके योग्य कोई नहीं है”।

मन की सच्चाई से
“सत्यनिष्ठा में”

मसीह में बोलते हैं
“मसीह में हमारे विश्वास से हम कहते हैं”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

2 Corinthians 2:1

कुरिन्थ न आने में पौलुस कौन सी परिस्थितियों से बचना चाहता था?
पौलुस दुखदायी परिस्थितियों में कुरिन्थ की कलीसिया के पास आने से बच रहा था।

2 Corinthians 2:3

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया को लिखे पिछले पत्र में ऐसा क्यों लिखा था?
उसने यह इसलिए लिखा कि उसने वहां आने पर जिनसे उसे आनन्द मिलना था उनसे उन्हें उदास होना पड़े।

2 Corinthians 2:4

कुरिन्थ की कलीसिया को यह पत्र लिखने से पूर्व पौलुस की मानसिक स्थिति कैसी थी?
पौलुस बड़े क्लेश और मन के कष्ट में था।

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया को यह पत्र क्यों लिखा?
उसने यह पत्र इसलिए लिखा कि वे उसके प्रेम की गहराई को समझें जो उसके मन में उनके लिए थी।

2 Corinthians 2:6

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया को क्या कहा कि उस व्यक्ति के साथ करें जिसे उन्होंने दण्ड दिया है?
पौलुस कहता है कि उस व्यक्ति को क्षमा करके शान्ति दी जाये।

2 Corinthians 2:7

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया को क्यों कहा कि उस व्यक्ति को क्षमा करके शान्ति दें जिसे उन्होंने दण्ड दिया था?
यह इसलिए कि वह मनुष्य बहुत दुखी न हो।

2 Corinthians 2:9

इस पत्र को लिखने का एक और कारण क्या था?
पौलुस द्वारा इस पत्र को लिखने का एक और कारण यह भी था कि उनकी आज्ञाकारिता को परखे।

2 Corinthians 2:11

कुरिन्थ की कलीसिया के लिए यह जानना महत्वपूर्ण क्यों था कि वे जिसको भी क्षमा करते हैं उसे पौलुस भी मसीह के समक्ष क्षमा करता है?
यह इसलिए कि शैतान का उन पर दांव न चले।

2 Corinthians 2:13

त्रोआस में आकर पौलुस का मन अशान्त क्यों हुआ?
पौलुस का मन अशान्त था क्योंकि उसने त्रोआस में तीतुस को नहीं पाया था।

2 Corinthians 2:14

पौलुस और उसके साथियों द्वारा परमेश्वर क्या कर रहा था?
पौलुस और उसके साथियों के द्वारा परमेश्वर अपने ज्ञान की सुगन्ध हर जगह फैलाता है।

2 Corinthians 2:17

पौलुस ने अपने आप को और अपने साथियों को उन प्रचारकों से भिन्न कैसे बताया जो व्यक्तिगत लाभ के लिए परमेश्वर के वचन का दुरूपयोग करते थे?
पौलुस और उसके साथी मन की सच्चाई से और परमेश्वर की ओर से परमेश्वर को उपस्थित जानकर मसीह में बोलते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 क्या हम फिर अपनी बड़ाई करने लगे? या हमें कितनों के समान सिफारिश की पत्रियाँ तुम्हारे पास लानी या तुम से लेनी हैं? **2** हमारी पत्री तुम ही हो*, जो
हमारे हृदयों पर लिखी हुई है, और उसे सब मनुष्य पहचानते और पढ़ते है। **3** यह प्रगट है, कि तुम मसीह की पत्री हो, जिसको हमने सेवकों के समान लिखा;
और जो स्याही से नहीं, परन्तु जीविते परमेश्वर के आत्मा से पत्थर की पटियों पर नहीं, परन्तु हृदय की माँस रूपी पटियों पर लिखी है। (निर्ग. 24:12, यिर्म.
31:33, यहे. 11:19-20)

4 हम मसीह के द्वारा परमेश्वर पर ऐसा ही भरोसा रखते हैं। **5** यह नहीं, कि हम अपने आप से इस योग्य हैं, कि अपनी ओर से किसी बात का विचार कर सके;
पर हमारी योग्यता परमेश्वर की ओर से है। **6** जिस ने हमें नई वाचा के सेवक होने के योग्य भी किया, शब्द के सेवक नहीं वरन् आत्मा के; क्योंकि शब्द मारता
है, पर आत्मा जिलाता है। (निर्ग. 24:8, यिर्म. 31:31, यिर्म. 32:40)

7 और यदि मृत्यु की यह वाचा जिसके अक्षर पत्थरों पर खोदे गए थे, यहाँ तक तेजोमय हुई, कि मूसा के मुँह पर के तेज के कारण जो घटता भी जाता था,
इस्राएल उसके मुँह पर दृष्टि नहीं कर सकते थे। **8** तो आत्मा की वाचा और भी तेजोमय क्यों न होगी?

9 क्योंकि जब दोषी ठहरानेवाली वाचा तेजोमय थी, तो धर्मी ठहरानेवाली वाचा और भी तेजोमय क्यों न होगी? **10** और जो तेजोमय था, वह भी उस तेज के
कारण जो उससे बढ़कर तेजोमय था, कुछ तेजोमय न ठहरा। (निर्ग. 34:29-30) **11** क्योंकि जब वह जो घटता जाता था तेजोमय था, तो वह जो स्थिर रहेगा,
और भी तेजोमय क्यों न होगा?

12 इसलिए ऐसी आशा रखकर हम साहस के साथ बोलते हैं। **13** और मूसा के समान नहीं, जिस ने अपने मुँह पर परदा डाला था ताकि इस्राएली उस घटनेवाले
तेज के अन्त को न देखें। (निर्ग. 34:33,35)

14 परन्तु वे मतिमन्द हो गए, क्योंकि आज तक पुराने नियम के पढ़ते समय उनके हृदयों पर वही परदा पड़ा रहता है; पर वह मसीह में उठ जाता है। **15** और
आज तक जब कभी मूसा की पुस्तक पढ़ी जाती है, तो उनके हृदय पर परदा पड़ा रहता है। **16** परन्तु जब कभी उनका हृदय प्रभु की ओर फिरेगा, तब वह परदा
उठ जाएगा। (निर्ग. 34:34, यशा. 25:7)

17 प्रभु तो आत्मा है: और जहाँ कहीं प्रभु का आत्मा है वहाँ स्वतंत्रता है। **18** परन्तु जब हम सब के उघाड़े चेहरे* से प्रभु का प्रताप इस प्रकार प्रगट होता है,
जिस प्रकार दर्पण में, तो प्रभु के द्वारा जो आत्मा है, हम उसी तेजस्वी रूप में अंश-अंश कर के बदलते जाते हैं।

---

2 Corinthians 3:1

क्या हम फिर अपनी बड़ाई करने लगे?
पौलुस कहना चाहता है कि वे अन्यों से उत्तम होने का दम नहीं भर रहे।

अन्य लोगों के समान सिफारिश की पत्रियां तुम्हारे पास लानी या तुमसे लेनी हैं?
पौलुस के कहने का अर्थ है कि कुरिन्थ के विश्वासी उसकी और तीमुथियुस की साख को जानते थे।

सिफारिश की पत्रियां
कुरिन्थ की कलीसिया के लिए पौलुस और तीमुथियुस के प्रेम की तुलना सिफारिश के पत्र से की गई है जिससे कलीसिया पर प्रकट होता है कि पौलुस और तीमुथियुस पर भरोसा किया जा सकता है।

तुम मसीह की पत्री से, जिसको हमने .... लिखा ... जीवते परमेश्वर के आत्मा से... हृदय पर लिखी है।
तुम मसीह की पत्री हो हमने ... लिखा... जीवते परमेश्वर के आत्मा से... हृदय पर लिखी है। - पौलुस कह रहा है कि कुरिन्थ की कलीसिया एक पत्र के सदृश्य है जो उनके उदहारण को प्रकट करता है यह भी प्रकट करता है कि पौलुस और तीमुथियुस ने मसीह का जो सुसमाचार उनके साथ बाटा है उसमे पवित्र आत्मा के द्वारा सामर्थ्य निवेश किया गया था कि उनके जीवनों को बदल दे।

पत्थर के पट्टियों पर नहीं, परन्तु हृदय की मांस रूपी पट्टियों पर लिखी हैं।
“पत्थर” अर्थात् अपरिवर्तनीय बात और “हृदय” शब्द का प्रयोग इस लिए किया गया है कि उनमे परिवर्तन के लिए हृदय की कोमलता और मानवीय क्षमता थी।

पट्टियों
प्राचीनकाल में प्रयुक्त पत्थर या मिट्टी के चौकोर समतल टुकड़े जिन पर लिखा जाता था।

2 Corinthians 3:4

x
पौलुस और तीमुथियुस कुरिन्थ की कलीसिया को ही पत्र लिख रहे हैं।

ऐसा ही भरोसा है
"ऐसा" शब्द पौलुस और तीमुथियुस की समझ का बोध करता है कि मसीह के ज्ञान के द्वारा कुरिन्थ की कलीसिया के विश्वासियों के जीवन में परिवर्तन आया।

हमारी योग्यता
“स्वयं में इस योग्य हैं”

होने के योग्य
“हमें योग्य ठहराया”

शब्द के सेवक नहीं परन्तु आत्मा के
पौलुस “शब्द” के उपयोग द्वारा पुराने नियम के विधान को संदर्भित करता है क्योंकि वाक्यों की रचना शब्दों ही से होती है। शब्द से अर्थ है, पुराने नियम के विधान के नियमों का प्रत्येक अंश। वैकल्पिक अनुवाद: “विधान के पालन द्वारा नहीं, परन्तु पवित्रआत्मा के वरदान द्वारा”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्योंकि शब्द मारता है
इस वाक्य का अर्थ है, पुराने नियम के विधान की सिद्धता में पालन जिससे चूकने का अर्थ है आत्मिक मृत्यु। (देखें:

2 Corinthians 3:7

यदि.... तो आत्मा और भी अधिक तेजोमय क्यों न होगी?
पौलुस इस प्रश्न द्वारा दर्शाता है कि उत्तर को समझना आसान क्यों है। "यदि.... आत्मा की सेवा और भी अधिक महिमामय होगी"।

अक्षर पत्थरों पर खोदे गए थे
"उत्कीर्ण लेख"

मृत्यु की वह वाचा... तो आत्मा की वाचा।
पौलुस "वाचा" शब्द द्वारा यह दर्शाता है कि परमेश्वर ने हमारे लिए विधान द्वारा आत्मिक मृत्यु या आत्मा के द्वारा शाश्वत जीवन का प्रावधान किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत्यु का मार्ग... आत्मा का मार्ग उपलब्ध करवाया है"।

2 Corinthians 3:9

x
पौलुस मूसा प्रदत्त विधान की तुलना मसीही सेवा से कर रहा है।

दोषी ठहराने वाली वाचा
अर्थात् मूसा प्रदत्त परमेश्वर का विधान। जिसके द्वारा परमेश्वर के समक्ष मनुष्य दोषी ही ठहराया जाता है और इस प्रकार वह मनुष्य को मृत्युदण्ड ही देता है।

धर्मी ठहराने वाली वाचा
यह उक्ति मसीह यीशु द्वारा प्रस्तुत क्षमा के सन्देश के संदर्भ में है। यह क्षमा तथा नया जीवन देती है जो विधान से भिन्न है, क्योंकि वह केवल मृत्युदण्ड देता है।

और भी तेजोमय क्यों न होगा?
मसीह की न्यायोचित ठहराने की सेवा विधान से कहीं अधिक महिमामय है जबकि विधान तो महिमामय था ही।

जो तेजोमय था.... क्योंकि जब तक वह
"वह" अर्थात मूसा प्रदत्त विधान

इसलिए
"इस प्रकार"

और भी
"उससे अधिक उत्तम"

घटता जाता था
"अपने उद्देश्य को पूरा कर चुका था"

2 Corinthians 3:12

घटने वाले तेज को
मूसा के चेहरे पर परमेश्वर की महिमा का प्रकाश था। वह चेहरे पर पर्दा डालता था कि इस्त्राएली उस प्रकाश के विलोपन को देख न पाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की महिमा जो मूसा के चेहरे पर से विलोप होती जा रही थी"।

2 Corinthians 3:14

उनके
"इस्राएलियों के"

वही पर्दा
जिस प्रकार कि पर्दा चेहरे को छिपा देता है, उसी प्रकार पौलुस कहता है कि यहूदियों पर आत्मिक पर्दा पड़ा है जो उन्हें परमेश्वर के सन्देशों को समझने से बाधित करता है ।

मूसा की पुस्तक पढ़ी जाती है
अर्थात् मूसा द्वारा लिखी गई पुस्तकें बाइबल थी। वैकल्पिक अनुवाद: "जब भी मूसा के लेख पढ़े जाते हैं"।

प्रभु की ओर फिरेगा
"फिरेगा" अर्थात स्वभाव में परिवर्तन होगा। वैकल्पिक अनुवाद:"स्वयं पर भरोसा रखने की अपेक्षा परमेश्वर पर भरोसा रखना"।

तब वह पर्दा उठ जायेगा
"पर्दा" अर्थात परमेश्वर का सन्देश समझने की उनकी क्षमता। "उठना" अर्थात उन्हें अब अंतर्ग्रहण करने की क्षमता प्रदान की जा चुकी है।

2 Corinthians 3:17

उघाड़े चेहरे से प्रभु का प्रकाश
इन दोनों उक्तियों का अर्थ है, परमेश्वर के सन्देश समझने की क्षमता।

उघाड़े चेहरे से प्रभु का प्रकाश
चेहरे का उघाड़ा जाना दृष्टि को स्पष्टता प्रदान करता है और इसका अर्थ समझने की क्षमता भी है। "प्रगट" का अर्थ है किसी बात को समझने योग्य होना।

प्रभु का प्रताप इस प्रकार प्रगट होता है।
प्रभु की महिमा के सदृश्य था परमेश्वर की महिमा को प्रगट करने वाली बात।

अंश अंश करके
"महिमा के एक अंश से दूसरे अंश तक"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

2 Corinthians 3:2

पौलुस और उसके साथियों की सिफारिश की पत्री क्या थी?
कुरिन्थ की कलीसिया उनकी सिफारिश की पत्री थे जिसे सब मनुष्य पहचानते और पढ़ते थे।

2 Corinthians 3:4

मसीह के द्वारा परमेश्वर में पौलुस और उसके साथियों को क्या भरोसा था?
उनका भरोसा अपनी योग्यता पर नहीं परमेश्वर की पूर्णता पर था।

2 Corinthians 3:6

इस नई वाचा का आधार क्या है जिसके योग्य परमेश्वर ने पौलुस और उसके साथियों को बनाया था?
नई वाचा जीवनदायक आत्मा पर निर्भर है न कि शब्द पर जो मारता है।

2 Corinthians 3:7

इस्राएली मूसा के मुंह को क्यों नहीं देख पाते थे?
वे उसके मुंह को देख नहीं पाते थे क्योंकि वह तेजोमय था परन्तु वह तेज घटता जा रहा था।

2 Corinthians 3:8

किसका तेज अधिक है, मृत्यु लाने वाली और दोषी ठहराने वाली अस्थाई वाचा या आत्मा और धार्मिकता की सेवा जो स्थायी वाचा?
आत्मा की सेवा और भी अधिक तेजोमय है, धर्मी ठहराने वाली वाचा कहीं अधिक तेजोमय है। जो स्थिर रहता है वह और भी अधिक तेजोमय है।

2 Corinthians 3:14

इस्राएलियों के मन कैसे खुलेंगे और उनके हृदयों पर से परदा कैसे उठेगा?
जब इस्राएल प्रभु यीशु की ओर फिरेगा तब वह परदा उठ जायेगा, और उनके हृदय खुल जायेंगे।

2 Corinthians 3:15

मूसा की वाचा पढ़ते समय इस्राएलियों के साथ क्या समस्या है?
उनकी समस्या थी कि वे मन्दमति थे और उनके हृदयों पर पर्दा पड़ा रहता था।

2 Corinthians 3:17

प्रभु के आत्मा के साथ क्या है?
जहां प्रभु का आत्मा है वहां स्वतंत्रता है।

2 Corinthians 3:18

प्रभु का तेज देखने वाले अंश-अंश करके किसमें बदलते जाते हैं?
हम उसी के तेजस्वी रूप में अंश-अंश करके बदलते जाते हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 इसलिए जब हम पर ऐसी दया हुई, कि हमें यह सेवा मिली, तो हम साहस नहीं छोड़ते। **2** परन्तु हमने लज्जा के गुप्त कामों को त्याग दिया*, और न चतुराई से चलते, और न परमेश्वर के वचन में मिलावट करते हैं, परन्तु सत्य को प्रगट करके, परमेश्वर के सामने हर एक मनुष्य के विवेक में अपनी भलाई बैठाते हैं।

3 परन्तु यदि हमारे सुसमाचार पर परदा पड़ा है, तो यह नाश होनेवालों ही के लिये पड़ा है। **4** और उन अविश्वासियों के लिये, जिनकी बुद्धि को इस संसार के ईश्वर* ने अंधी कर दी है, ताकि मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरूप है, उसके तेजोमय सुसमाचार का प्रकाश उन पर न चमके।

5 क्योंकि हम अपने को नहीं, परन्तु मसीह यीशु को प्रचार करते हैं, कि वह प्रभु है; और उसके विषय में यह कहते हैं, कि हम यीशु के कारण तुम्हारे सेवक हैं। **6** इसलिए कि परमेश्वर ही है, जिस ने कहा, "अंधकार में से ज्योति चमके," और वही हमारे हृदयों में चमका, कि परमेश्वर की महिमा की पहचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाशमान हो। (यशा. 9:2)

7 परन्तु हमारे पास यह धन मिट्टी के बरतनों में रखा है, कि यह असीम सामर्थ्य हमारी ओर से नहीं, वरन् परमेश्वर ही की ओर से ठहरे। **8** हम चारों ओर से क्लेश तो भोगते हैं, पर संकट में नहीं पड़ते; निरुपाय तो हैं, पर निराश नहीं होते। **9** सताए तो जाते हैं; पर त्यागे नहीं जाते; गिराए तो जाते हैं, पर नाश नहीं होते। **10** हम यीशु की मृत्यु को अपनी देह में हर समय लिये फिरते हैं*; कि यीशु का जीवन भी हमारी देह में प्रगट हो।

11 क्योंकि हम जीते जी सर्वदा यीशु के कारण मृत्यु के हाथ में सौंपे जाते हैं कि यीशु का जीवन भी हमारे मरनहार शरीर में प्रगट हो। **12** इस कारण मृत्यु तो हम पर प्रभाव डालती है और जीवन तुम पर।

13 और इसलिए कि हम में वही विश्वास की आत्मा है, "जिसके विषय में लिखा है, कि मैंने विश्वास किया, इसलिए मैं बोला"। (भज. 116:10) अतः हम भी विश्वास करते हैं, इसलिए बोलते हैं।

14 क्योंकि हम जानते हैं, जिस ने प्रभु यीशु को जिलाया, वही हमें भी यीशु में भागी जानकर जिलाएगा, और तुम्हारे साथ अपने सामने उपस्थित करेगा। **15** क्योंकि सब वस्तुएँ तुम्हारे लिये हैं, ताकि अनुग्रह बहुतों के द्वारा अधिक होकर परमेश्वर की महिमा के लिये धन्यवाद भी बढ़ाए।

16 इसलिए हम साहस नहीं छोड़ते; यद्यपि हमारा बाहरी मनुष्यत्व नाश भी होता जाता है, तो भी हमारा भीतरी मनुष्यत्व दिन प्रतिदिन नया होता जाता है। **17** क्योंकि हमारा पल भर का हलका सा क्लेश हमारे लिये बहुत ही महत्वपूर्ण और अनन्त महिमा उत्पन्न करता जाता है। **18** और हम तो देखी हुई वस्तुओं को नहीं परन्तु अनदेखी वस्तुओं को देखते रहते हैं, क्योंकि देखी हुई वस्तुएँ थोड़े ही दिन की हैं, परन्तु अनदेखी वस्तुएँ सदा बनी रहती हैं।

---

2 Corinthians 4:1

हम
"हम" शब्द के संभावित अर्थ हैं 1) पौलुस और उसका प्रचार का दल। 2) पौलुस तथा अन्य प्रचारक। 2) पौलुस और कुरिन्थ के मसीही विश्वासी।

उन पर ऐसी दया हुई कि हमें यह सेवा मिली
इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ है कि परमेश्वर हमारी कैसी सुधि लेता है और हमें अपने स्वरूप में बदलकर दया दर्शाता है।

त्याग दिया
"हमने इन्कार कर दिया है"।

लज्जा के गुप्त कामों को
इन दोनों शब्दों में एक ही विचार निहित है। वैकल्पिक अनुवाद: "लज्जा गर्मित")

न चतुराई से चलते
"छल का आचरण नहीं करते"

न परमेश्वर के वचन में मिलावट करते
इस वाक्यांश में एक सकारात्मक विचार को व्यक्त करने के लिए दो नकारात्मक अभिव्यक्तियों का उपयोग किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम परमेश्वर के वचन का सही उपयोग करते है"।

परमेश्वर के सामने
लेखक के सत्यवादिता को परमेश्वर द्वारा समझने को इस प्रकार व्यक्त किया गया है कि मानों परमेश्वर देख रहा है।

2 Corinthians 4:3

हमारे सुसमाचार पर पर्दा पड़ा है।
"पर्दा" अर्थात समझ से परे। जब किसी बात पर पर्दा पड़ा हो तो वह समझ में नहीं आता है। दिखाई नहीं देने को नहीं समझना माना जाता है।

इस संसार के ईश्वर ने
अर्थात् शैतान ने। हमे अपने सच्चे परमेश्वर में और झूठे परमेश्वर में अंतर दर्शाना आवश्यक है।

अंधी कर दी है
वैकल्पिक अनुवाद: "समझने में बाधा उत्पन्न की हुई है")

प्रकाश
यहां "प्रकाश" का अर्थ है, सत्य

2 Corinthians 4:5

यीशु के कारण तुम्हारे सेवक हैं
यह इब्रानियों के लेखक की घोषणा के संदर्भ में है। "परन्तु हम मसीह यीशु को प्रभु कह कर प्रचार करते है, और हम घोषणा करते हैं कि हम तुम्हारे लाभ के निमित्त कार्य करेंगे"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

यीशु के कारण
वैकल्पिक अनुवाद: “यीशु के सम्मान हेतु”

“अन्धकार में से ज्योति चमके”
ज्योति समझ की द्योतक है। वैकल्पिक अनुवाद:“मनुष्य पहले जिस बात को नहीं समझते थे उस बात को अब वे समझ पाते है।"

हमारे हृदयों में चमका
यहां “चमका” का अर्थ है प्रकाश उत्पन्न करना और परमेश्वर द्वारा समझ प्रदान करना। “हृदयों” का अर्थ है मनुष्य में वह स्थानजिसके द्वारा वह किसी बात को सत्य मानकर विश्वास करता है। वैकल्पिक अनुवाद: उसने समझने की शक्ति प्रधान कर दी है"

हमारे हृदयों में
“हृदय” से तात्पर्य है सत्य को अंतर्ग्रहण करने का आन्तरिक भाग। वैकल्पिक अनुवाद: “हमारे लिए”

2 Corinthians 4:7

धन
लेखक “मसीह यीशु के समक्ष परमेश्वर की महिमा के ज्ञान” के संदर्भ में कह रहा है।

मिट्टी के बर्तनों में
अर्थात मनुष्य के शरीर में

हम चारों ओर से क्लेश तो भोगते हैं, पर संकट में नहीं पड़ते, निरूपाय तो हैं पर निराश नहीं होते, सताये तो जाते हैं, पर त्यागे नहीं जाते, गिराए तो जाते हें पर नष्ट नहीं होते।
ये सब उक्तियां मनुष्यों द्वारा चुनौतियों का सामना करने के बारे में हैं, परन्तु वह हिम्मत नहीं हारता है।

यीशु का जीवन भी हमारी देह में प्रकट हो
“हमारी देह में अर्थात यीशु के विश्वासी का जीवन आचरण”। यीशु का जीवन हमारे जीवन से प्रकट हो”।

2 Corinthians 4:11

हम जीते जी
पौलुस हम सबके संदर्भ में कह रहा है जो मसीह में विश्वास करते और उसका प्रचार करते हैं, जो अभी मरे नहीं हैं।

मृत्यु के हाथ में सौंपे जाते हैं
“के संकट में हैं”

यीशु का जीवन भी हमारे मरणहार शरीर में प्रकट हो
यह वाक्यांश यीशु के सत्त जीवन को और इब्रानियो के लेखक एवं सब विश्वासियों के लिए इसका जो अर्थ है उसके संदर्भ में है, क्योंकि वे यीशु को अपना प्रभु मानने के कारण मृत्यु के संकट में थे। “हमारा विश्वास है कि यीशु मृतकों में से जी उठा और हमसे अविनाशी जीवन की प्रतिज्ञा की, सिद्ध हो”।

हमारी देह में प्रगट हो
इस वाक्यांश का संदर्भ है कि विश्वासी कैसा जीवन जी रहा है या कैसे चुनाव कर रहा है।

मृत्यु तो हम पर प्रभाव डालती है।
पौलुस मृत्यु को ऐसा प्रकट करता है कि जैसे वह कार्यशील है। कहने का अर्थ है कि जिन विश्वासियों को मृत्यु का भय दर्शाया जाता है, वे अन्यों पर सकारात्मक प्रभाव डालें।

जीवन तुम में कार्य करता है
यहाँ भी पौलुस जीवन को क्रियाशील दर्शाता है। कहने का अर्थ है कि अनन्त जीवन का ज्ञान यहूदी विश्वासियों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

2 Corinthians 4:13

x
पौलुस और तीमुथियुस कुरिन्थ की कलीसिया को पत्र लिख रहे हैं।

हममें वही विश्वास
“हम” अर्थात पौलुस, तीमुथियुस तथा कुरिन्थ की कलीसिया।

वही विश्वास की आत्मा
“विश्वास की वही मनोवृत्ति”। “आत्मा” अर्थात मनुष्य का सोचना और निर्णय लेना। पौलुस और तीमुथियुस ने कहा है कि परमेश्वर में विश्वास करने की उनकी मनोवृत्ति भी कुरिन्थ के विश्वासियों की सी ही है।

मैंने विश्वास किया इसलिए मैं बोला।
यह राजा दाऊद का उद्धरण है

हमें भी
तुम्हारे साथ यहां “हमें भी” कुरिन्थ के विश्वासियों से अलग करता है।

धन्यवाद
कृपालु परमेश्वर ने जो उपकार किए उन्हें उसे समझना और उसका धन्यवाद करना।

2 Corinthians 4:16

x
पौलुस और तीमुथियुस अपने विषम परिस्थितियों में लिख रहे हैं।

हम हियाव नहीं छोड़ते हैं।
वैकल्पिक अनुवाद: “हमारे द्वारा हिम्मत बांधे रहने का यही कारण है”।

हमारा बाहरी मनुष्यत्व नष्ट होता जाता है
अर्थात पौलुस और तीमुथियुस का बाहरी रूप। “नष्ट होता जाता है” अर्थात शरीर का स्वस्थ रूप समाप्त होना।

भीतरी मनुष्यत्व.... नया होता जाता है।
अर्थात आन्तरिक मानव-मनुष्य के सोचने की क्षमता। “नया होता जाता है अर्थात विचार सकारात्मक होते जाते हैं।

महत्त्वपूर्ण और अनन्त महिमा उत्पन्न करता है।
पौलुस और तीमुथियुस की महिमा को ऐसा भारी बोझ कहा गया है जिसे आंका नहीं जा सकता है। दूसरे शब्दों में, वे अपने सेवा कार्यों के लिए महान सम्मान पाएंगे। वैकल्पिक अनुवाद: “स्वर्ग में सदा का सम्मान पाएंगे”।

देखते रहते हैं
इस उक्ति का अर्थ है कि मनुष्य किसी बात के होने की इच्छा एवं आशा में है। वैकल्पिक अनुवाद:“आशा करते हैं”।

देखी हुई वस्तुओं के लिए
अर्थात सांसारिक वस्तुओं को नहीं जो जीवन में प्राप्त की जा सकती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सम्पदा को नहीं”।

अनदेखी वस्तुओं को
स्वर्गीय प्रतिफल। वैकल्पिक अनुवाद: “स्वर्ग में महान प्रतिफल को” पिछले वाक्यांश से स्पष्ट है कि पौलुस और तीमुथियुस इसी की आशा में हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

2 Corinthians 4:1

पौलुस और उसके साथी हताश क्यों नहीं थे?
उन्होंने हियाव नहीं छोड़ा क्योंकि उन्हें दया के कारण ऐसी सेवा मिली।

2 Corinthians 4:2

पौलुस और उसके साथियों ने क्या त्याग दिया था?
उन्होंने लज्जा के गुप्त कामों को त्याग दिया, वे न तो चतुराई करते थे और न ही परमेश्वर के वचन में मिलावट करते थे।

पौलुस और उसके साथी परमेश्वर की दृष्टि में हर एक मनुष्य के विवेक में अपनी भलाई कैसे बैठाते थे?
वे सत्य को प्रकट करते थे।

2 Corinthians 4:3

सुसमाचार पर किसके लिए परदा पड़ा है?
यदि उनके द्वारा सुनाये जाने वाले सुसमाचार पर परदा पड़ा है तो वह नष्ट होने वालों के लिए ही है।

2 Corinthians 4:4

नष्ट होने वालों के लिए सुसमाचार पर परदा क्यों पड़ा है?
अविश्वासियों की बुद्धि इस संसार के ईश्वर ने अंधी कर दी है ताकि मसीह के सुसमाचार का प्रकाश उन पर न पड़े।

2 Corinthians 4:5

पौलुस और उसके साथी यीशु का क्या प्रचार करते थे और अपने बारे में क्या कहते थे?
वे मसीह यीशु का प्रचार करते थे और यीशु के कारण उनके सेवक थे।

2 Corinthians 4:7

पौलुस और उसके साथियों ने यीशु के बारे में और अपने बारे में क्या प्रचार किया?
उनका यह धन मिट्टी के बरतनों में रखा था कि वह असीम सामर्थ्य उनकी ओर से नहीं वरन् परमेश्वर की ओर से ठहरे।

2 Corinthians 4:10

पौलुस और उसके साथी यीशु की मृत्यु को अपनी देह में क्यों लिए फिरते थे?
वे यीशु की मृत्यु को अपनी देह में हर समय लिए फिरते थे कि यीशु का जीवन उनकी देह से प्रकट हो।

2 Corinthians 4:14

यीशु को जिलाने वाले की उपस्थिति में कौन लाये जायेंगे?
पौलुस और उसके साथी तथा कुरिन्थ के विश्वासी उनके सामने उपस्थित किये जायेंगे जिसने प्रभु यीशु को जिलाया।

2 Corinthians 4:15

बहुतों के द्वारा अधिक अनुग्रह होकर क्या करेगा?
अनुग्रह बहुतों के द्वारा अधिक होकर परमेश्वर की महिमा के लिए धन्यवाद भी बढ़ायेगा।

2 Corinthians 4:16

पौलुस और उसके साथियों का निराश होने का कारण क्या था?
वे हियाव नहीं छोड़ते थे यद्यपि उनका बाहरी मनुष्यत्व नष्ट होता जाता था।

पौलुस और उसके साथी हताश क्यों नहीं थे?
वे हताश नहीं हुए क्योंकि उनका भीतरी मनुष्यत्व दिन प्रतिदिन नया होता जाता था और फिर उनका पल भर का हलका सा क्लेश बहुत ही महत्वपूर्ण और अनन्त महिमा उत्पन्न करता जाता था और अन्त में वे अनदेखी वस्तुओं को देख रहे थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 क्योंकि हम जानते हैं, कि जब हमारा पृथ्वी पर का डेरा सरीखा घर* गिराया जाएगा तो हमें परमेश्वर की ओर से स्वर्ग पर एक ऐसा भवन मिलेगा, जो हाथों से
बना हुआ घर नहीं परन्तु चिरस्थाई है। (इब्रा. 9:11, अय्यू. 4:19) **2** इसमें तो हम कराहते, और बड़ी लालसा रखते हैं; कि अपने स्वर्गीय घर को पहन लें। **3** कि
इसके पहनने से हम नंगे न पाए जाएँ।

4 और हम इस डेरे में रहते हुए बोझ से दबे कराहते रहते हैं; क्योंकि हम उतारना नहीं, वरन् और पहनना चाहते हैं, ताकि वह जो मरनहार है जीवन में डूब जाए।
5 और जिस ने हमें इसी बात के लिये तैयार किया है वह परमेश्वर है, जिस ने हमें बयाने में आत्मा भी दिया है।

6 इसलिए हम सदा ढाढ़स बाँधे रहते हैं और यह जानते हैं; कि जब तक हम देह में रहते हैं, तब तक प्रभु से अलग हैं। **7** क्योंकि हम रूप को देखकर नहीं, पर
विश्वास से चलते हैं। **8** इसलिए हम ढाढ़स बाँधे रहते हैं, और देह से अलग होकर प्रभु के साथ रहना और भी उत्तम समझते हैं।

9 इस कारण हमारे मन की उमंग यह है, कि चाहे साथ रहें, चाहे अलग रहें पर हम उसे भाते रहें। **10** क्योंकि अवश्य है, कि हम सब का हाल मसीह के न्याय
आसन के सामने खुल जाए, कि हर एक व्यक्ति अपने-अपने भले बुरे कामों का बदला जो उसने देह के द्वारा किए हों, पाए। (इफि. 6:8, मत्ती 16:27, सभो.
12:14)

11 इसलिए प्रभु का भय मानकर हम लोगों को समझाते हैं और परमेश्वर पर हमारा हाल प्रगट है; और मेरी आशा यह है, कि तुम्हारे विवेक पर भी प्रगट हुआ
होगा। **12** हम फिर भी अपनी बड़ाई तुम्हारे सामने नहीं करते वरन् हम अपने विषय में तुम्हें घमण्ड करने का अवसर देते हैं, कि तुम उन्हें उत्तर दे सको, जो मन
पर नहीं, वरन् दिखावटी बातों पर घमण्ड करते हैं।

13 यदि हम बेसुध हैं, तो परमेश्वर के लिये; और यदि चैतन्य हैं, तो तुम्हारे लिये हैं। **14** क्योंकि मसीह का प्रेम हमें विवश कर देता है; इसलिए कि हम यह
समझते हैं, कि जब एक सब के लिये मरा तो सब मर गए। **15** और वह इस निमित्त सब के लिये मरा, कि जो जीवित हैं, वे आगे को अपने लिये न जीएँ परन्तु
उसके लिये जो उनके लिये मरा और फिर जी उठा।

16 इस कारण अब से हम किसी को शरीर के अनुसार न समझेंगे, और यदि हमने मसीह को भी शरीर के अनुसार जाना था, तो भी अब से उसको ऐसा नहीं
जानेंगे। **17** इसलिए यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गईं। (यशा. 43:18-19)

18 और सब बातें परमेश्वर की ओर से हैं*, जिस ने मसीह के द्वारा अपने साथ हमारा मेल मिलाप कर लिया, और मेल मिलाप की सेवा हमें सौंप दी है। **19**
अर्थात् परमेश्वर ने मसीह में होकर अपने साथ संसार का मेल मिलाप कर लिया, और उनके अपराधों का दोष उन पर नहीं लगाया और उसने मेल मिलाप का
वचन हमें सौंप दिया है।

20 इसलिए हम मसीह के राजदूत हैं; मानो परमेश्वर हमारे द्वारा समझाता है: हम मसीह की ओर से निवेदन करते हैं, कि परमेश्वर के साथ मेल मिलाप कर लो।
(इफि. 6:10, मला. 2:7) **21** जो पाप से अज्ञात था, उसी को उसने हमारे लिये पाप ठहराया, कि हम उसमें होकर परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएँ।

---

2 Corinthians 5:1

पृथ्वी का डेरा
हमारी पार्थिव देह

गिराया जायेगा
गिराया जायेगा - जब हमारा यह पार्थिव देह नष्ट हो जायेगी।

परमेश्वर की ओर से स्वर्ग पर एक ऐसा भवन मिलेगा जो हाथों का बना हुआ घर नहीं है।
परमेश्वर की ओर से स्वर्ग पर एक ऐसा भवन मिलेगा जो हाथों का बना हुआ घर नहीं है"। - परमेश्वर हमारे लिए एक अविनाशी देह उपलब्ध करवाएगा।

इसमें तो हम कराहते
इसमें तो हम कराहते - इस पार्थिव देह में हम संघर्षरत हैं।

कि इसके पहनने से हम नंगे ना पाए जाएं।
इसके संभावित अर्थ हैं 1) हम परमेश्वर की पवित्रता पहन लेंगे। 2) परमेश्वर हमारे लिए नई देह एवं वस्त्र उपलब्ध करवाएगा।

2 Corinthians 5:4

पौलुस क्यों कहता है कि हम इस डेरे में कराहते हैं?
"अपने इस सांसारिक शरीर में"

बोझ से दबे कराहते हैं
वैकल्पिक अनुवाद: "हम पाप से संघर्षरत रहते है"।

उतारना नहीं
वैकल्पिक अनुवाद: "मरना नहीं"

पहनना चाहते हैं
वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी अविनाशी देह में रहना चाहते हैं"

जो मरणहार है जीवन में डूब जाए
वैकल्पिक अनुवाद: "हमारी सांसारिक देह हमारी नई स्वर्गिक देह में बदल जायेगी"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

2 Corinthians 5:6

जब तक हम देह में रहते हैं।
वैकल्पिक अनुवाद: “जब हम इस सांसारिक देह में रहते है”।

तब तक प्रभु से अलग हैं
वैकल्पिक अनुवाद: “हम प्रभु के साथ नहीं हैं” या “हम स्वर्ग में प्रभु के साथ नहीं हैं”।

पौलुस इस देह में रहना उचित समझता है या प्रभु के साथ?
वैकल्पिक अनुवाद: “स्वर्ग में प्रभु के साथ रहते हैं”।

2 Corinthians 5:9

साथ रहें चाहे अलग रहें
वैकल्पिक अनुवाद: “पृथ्वी पर अपनी सांसारिक देह में रहेगें या स्वर्ग में”

मसीह के न्याय आसन के सामने
“न्याय के लिऐ मसीह के समक्ष”

हर एक व्यक्ति... प्रतिफल.... पाए
वैकल्पिक अनुवाद: “बदला या प्रतिफल पाए”

देह के द्वारा किए हों
देह के द्वारा किए हों -वैकल्पिक अनुवाद: “इस सांसारिक देह में रहते हुए जो काम किऐ हैं”।

भले बुरे कामों
“भले कामों का या बुरे कामों का”

2 Corinthians 5:11

प्रभु का भय मानकर
वैकल्पिक अनुवाद: “यह जानते हुए कि परमेश्वर पापों से घृणा करता है और हमें पाप का दण्ड देगा”।

तुम्हारे विवेक पर भी प्रगट हुआ होगा
वैकल्पिक अनुवाद: “तुम भी यह जानते हो”

हम नहीं है
पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों से पृथक अपने प्रचार दल के विषय में कह रहा है।

2 Corinthians 5:13

मसीह का प्रेम हमें विवश कर देता है
“मसीह का जो प्रेम हमारे लिए है हमें प्रेरित करता है”

एक सबके लिए मरा तो सब मर गए
सब मृतक स्वरूप हुए

वह इस निमित्त सबके लिए मरा
मसीह हर एक मनुष्य के लिए मरा

उनके लिए
उनकी पापी अभिलाषाओं के लिए

परन्तु उसके लिए जो.... मरा और फिर जी उठा।
“परन्तु उसके लिए जीवन जीएं जो मरकर जी उठा”

2 Corinthians 5:16

यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है।
वैकल्पिक अनुवाद: “जो भी मसीह में विश्वास करता है”

वह नई सृष्टि है
वैकल्पिक अनुवाद: “उसका स्वभाव नया है”

पुरानी बातें बीत गई हैं
वैकल्पिक अनुवाद: “जीवन आचरण एवं सोचने विचारने की पुरानी रीति समाप्त हो गई है”।

सब बातें नई हो गई हैं
वैकल्पिक अनुवाद: “अब हम मसीह को ग्रहण करने से पूर्व के आचरण और सोचने विचारने में भिन्न हो गए हैं।

2 Corinthians 5:18

जिसने अपने साथ हमारा मेल मिलाप कर लिया
“जो हमें लौटा लाया”

मेल मिलाप की सेवा हमें सौंप दी
मसीह के साथ संबन्ध स्थापित करने के लिए मनुष्यों की अगुआई करने की सेवा

परमेश्वर ने मसीह में होकर अपने साथ संसार का मेल मिलाप कर लिया।
क्रूस पर मसीह की मृत्यु के द्वारा परमेश्वर मनुष्यों को अपने पास लौटा लाता है।

और मेल मिलाप का वचन हमें सौंप दिया है।
परमेश्वर के साथ मनुष्यों के संबन्ध के पुनः स्थापन के प्रयास हेतु परमेश्वर के सन्देश को प्रसारित करने का उत्तरदायित्व परमेश्वर ने पौलुस को सौंपा था।

2 Corinthians 5:20

परमेश्वर के साथ मेल मिलाप कर लो
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर के पास लौट आओ”

हमारे लिए पाप ठहराया
उसी को उसने हमारे लिए पाप ठहराया - “परमेश्वर ने क्रूस पर मसीह की मृत्यु को स्वीकार्य बलि बनाया”।

कि हम उसमें होकर परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएं
वैकल्पिक अनुवाद: “कि हममें मसीह की धार्मिकता आ जाए”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

2 Corinthians 5:1

पृथ्वी पर का डेरा सरीखा घर जब गिराया जायेगा तब पौलुस क्या कहता है कि हमें मिलेगा?
पौलुस का कहना था कि उन्हें परमेश्वर की ओर से स्वर्ग पर एक ऐसा भवन मिलेगा जो हाथों का बना हुआ नहीं, चिरस्थाई है।

2 Corinthians 5:4

पौलुस क्यों कहता है कि हम इस डेरे में कहराते हैं?
पौलुस के कहने का अर्थ है कि इस घर में हम कहरते हैं और बड़ी लालसा रखते हैं कि अपने स्वर्गीय घर को पहन लें कि जो मरनहार है वह जीवन में डूब जाए।

2 Corinthians 5:5

परमेश्वर ने हमें इस भावी बात के लिए बयाने में क्या दिया है?
परमेश्वर ने हमें इसी बात के लिए तैयार किया है और बयाने में आत्मा भी दिया है।

2 Corinthians 5:8

पौलुस इस देह में रहना उचित समझता है या प्रभु के साथ?
पौलुस कहता है, "हम ढ़ांढ़स बांधे रहते हैं कि और देह से अलग होकर प्रभु के साथ रहना और भी उत्तम समझते हैं।"

2 Corinthians 5:9

पौलुस का लक्ष्य क्या था?
पौलुस ने प्रभु को प्रसन्न करने का लक्ष्य साधा था।

2 Corinthians 5:10

पौलुस ने प्रभु को प्रसन्न करना अपना लक्ष्य क्यों बनाया था?
पौलुस ने ऐसा लक्ष्य साधा था क्योंकि हम सबको मसीह के न्याय आसन के समक्ष उपस्थित होना है और अपने-अपने कामों का लेखा देना है, चाहे वे अच्छे हों या बुरे।

2 Corinthians 5:11

पौलुस और उसके साथी लोगों को क्या समझाते थे?
यही कारण था कि वे प्रभु का भय मानकर लोगों को समझते हैं।

2 Corinthians 5:12

पौलुस ने कहा कि वे उनके समक्ष अपनी बढ़ाई नहीं करते थे, तो वे क्या करते थे?
वे कुरिन्थ के विश्वासियों को उनके विषय घमण्ड करने का अवसर देते थे कि वे उन्हें उत्तर दे सकें जो मन पर नहीं परन्तु दिखावटी बातों पर घमण्ड करते थे।

2 Corinthians 5:15

क्योंकि मसीह सबके लिए मरा तो जो जीवित है उन्हें क्या करना चाहिये?
वे आगे को अपने लिए न जीयें परन्तु उसके लिए जो उनके लिए मरा और फिर जी उठा।

पौलुस क्यों कहता है कि अब हम किसी को भी शरीर के अनुसार न समझेंगे?
यह इसलिए कि मसीह सबके लिए मरा और हम अब स्वयं के लिए नहीं परन्तु मसीह के लिए जीवित हैं।

2 Corinthians 5:17

जो मसीह में है उसके साथ क्या होता है?
पुरानी बात बीत गई है; देखो सब बातें नई हो गई हैं।

2 Corinthians 5:19

जब परमेश्वर मसीह के द्वारा मनुष्यों का अपने से मेल करता है तब वह उनके लिए क्या करता है?
परमेश्वर ने मसीह में होकर अपने साथ संसार का मेल-मिलाप कर लिया और उनके अपराधों का दोष उन पर नहीं लगाया।

2 Corinthians 5:20

प्रभु के नियुक्त प्रतिनिधि होने के कारण पौलुस और उसके साथी कुरिन्थ की कलीसिया से क्या कहते हैं?
वे कुरिन्थ की कलीसिया से आग्रह करते हैं कि वे मसीह के कारण परमेश्वर से मेल कर लें।

2 Corinthians 5:21

परमेश्वर ने मसीह को हमारे पापों के लिए प्रायश्चित क्यों ठहराया?
परमेश्वर ने ऐसा इसलिए किया कि मसीह में हम परमेश्वर की धार्मिकता बन जायें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 6

1 हम जो परमेश्वर के सहकर्मी हैं यह भी समझाते हैं, कि परमेश्वर का अनुग्रह जो तुम पर हुआ, व्यर्थ न रहने दो। **2** क्योंकि वह तो कहता है,

"अपनी प्रसन्नता के समय मैंने तेरी सुन ली,
और उद्धार के दिन* मैंने तेरी, सहायता की।"

देखो; अभी प्रसन्नता का समय है; देखो, अभी उद्धार का दिन है। (यशा. 49:8)

3 हम किसी बात में ठोकर खाने का कोई भी अवसर नहीं देते, कि हमारी सेवा पर कोई दोष न आए।

4 परन्तु हर बात में परमेश्वर के सेवकों के समान अपने सद्गुणों को प्रगट करते हैं, बड़े धैर्य से, क्लेशों से, दरिद्रता से, संकटों से, **5** कोड़े खाने से, कैद होने से, हुल्लड़ों से, परिश्रम से, जागते रहने से, उपवास करने से, **6** पवित्रता से, ज्ञान से, धीरज से, कृपालुता से, पवित्र आत्मा से। **7** सच्चे प्रेम से, सत्य के वचन से, परमेश्वर की सामर्थ्य से; धार्मिकता के हथियारों से जो दाहिने, बाएँ हैं,

8 आदर और निरादर से, दुर्नाम और सुनाम से, यद्यपि भरमानेवालों के ऐसे मालूम होते हैं तो भी सच्चे हैं। **9** अनजानों के सदृश्य हैं; तो भी प्रसिद्ध हैं; मरते हुओं के ऐसे हैं और देखों जीवित हैं; मार खानेवालों के सदृश हैं परन्तु प्राण से मारे नहीं जाते। (1 कुरि. 4:9, भज. 118:18) **10** शोक करनेवालों के समान हैं, परन्तु सर्वदा आनन्द करते हैं, कंगालों के ऐसे हैं, परन्तु बहुतों को धनवान बना देते हैं*; ऐसे हैं जैसे हमारे पास कुछ नहीं फिर भी सब कुछ रखते हैं।

11 हे कुरिन्थियों, हमने खुलकर तुम से बातें की हैं, हमारा हृदय तुम्हारी ओर खुला हुआ है। **12** तुम्हारे लिये हमारे मन में कुछ संकोच नहीं, पर तुम्हारे ही मनों में संकोच है। **13** पर अपने बच्चे जानकर तुम से कहता हूँ, कि तुम भी उसके बदले में अपना हृदय खोल दो।

14 अविश्वासियों के साथ असमान जूए में न जुतो*, क्योंकि धार्मिकता और अधर्म का क्या मेल जोल? या ज्योति और अंधकार की क्या संगति? **15** और मसीह का बलियाल के साथ क्या लगाव? या विश्वासी के साथ अविश्वासी का क्या नाता? **16** और मूरतों के साथ परमेश्वर के मन्दिर का क्या सम्बन्ध? क्योंकि हम तो जीविते परमेश्वर के मन्दिर हैं; जैसा परमेश्वर ने कहा है

"मैं उनमें बसूँगा और उनमें चला फिरा करूँगा;
और मैं उनका परमेश्वर हूँगा,
और वे मेरे लोग होंगे।" (लैव्य. 26:11-12, यिर्म. 32:38, यहे. 37:27)

17 इसलिए प्रभु कहता है,

"उनके बीच में से निकलो
और अलग रहो;
और अशुद्ध वस्तु को मत छूओ,
तो मैं तुम्हें ग्रहण करूँगा; (यशा. 52:11, यिर्म. 51:45)
18 और तुम्हारा पिता हूँगा,
और तुम मेरे बेटे और बेटियाँ होंगे;

यह सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर का वचन है।" (2 शमू. 7:14, यशा. 43:6, होशे 1:10)

---

2 Corinthians 6:1

सहकर्मी हैं
"परमेश्वर के साथ काम करते हैं" पौलुस कहता है कि वह और तीमुथियुस परमेश्वर के साथ काम कर रहे हैं।

यह भी समझते हैं कि उसका अनुग्रह जो तुम पर हुआ, उसे व्यर्थ न जाने दो।
पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों को उत्प्रेरित करता है कि वे परमेश्वर के अनुग्रह को उनके जीवनों से प्रकट होने दें।

"अपनी प्रसन्नता के समय मैने तेरी सुन ली।
वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने एक ही समय पर तेरी विनती सुनी है"।

देखो अभी वह प्रसन्नता का समय है, देखो अभी वह उद्धार का दिन है।
वैकल्पिक अनुवाद: "निःसन्देह अभी सही समय है और उद्धार का दिन भी यही है"।

हम किसी भी बात में ठोकर खाने का कोई भी अवसर नहीं देते ताकि हमारी सेवा पर कोई दोष ना आए।
वैकल्पिक अनुवाद: हमारा जीवन हम ऐसा रखते हैं कि हमारे द्वारा कोई ठोकर ना खाए या हमारी सेवा में दोष देखे"।

2 Corinthians 6:4

हम
अर्थात पौलुस और तीमुथियुस।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हर बात में परमेश्वर के सेवकों के समान अपने सद्गुणों को प्रगट करते हैं।
हर बात में परमेश्वर के सेवकों के समान अपने सद्गुणों को प्रगट करते हैं - वैकल्पिक अनुवाद: “हम अपने जीवन एवं अपनी बातों से प्रकट करते हैं कि हम परमेश्वर के सेवक हैं।”

सत्य के वचन से
“सत्य के निष्ठावान प्रचार द्वारा”

धार्मिकता के हथियारों से जो दाहिने-बाएं हाथों में हैं
पौलुस के कहने का अर्थ है कि सब परिस्थितियों में परमेश्वर द्वारा आत्मिक सामर्थ्य से परिपूर्ण।

2 Corinthians 6:8

हम सेवा करते हैं
“हम” अर्थात पौलुस और तीमुथियुस

आदर और निरादर से
दो पराकाष्ठाएं है कि मनुष्य पौलुस की सेवा को कैसा समझते हैं।

दुर्नाम और सुनाम से
ये दो पराकाष्ठाएं हैं कि मनुष्य पौलुस की सेवा के बारे में क्या कहते हैं।

मरते हुओं के समान हैं और देखों जीवित हैं
मरते हुओं के समान है और देखो जीवित हैं वैकल्पिक अनुवाद: “मरते हुए तो हैं तौभी जीवित हैं जैसा तुम देखते हो”

परन्तु सर्वदा आनन्द करते हैं
वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु मसीह यीशु के शुभ सन्देश के कारण सदा आनन्दित रहते हैं”।

कंगालों के समान हैं परन्तु बहुतों को धनवान बना देते हैं
वैकल्पिक अनुवाद: “हमारे पास कुछ भी नहीं है परन्तु परमेश्वर की संपूर्ण सम्पदा हमारी है”।

2 Corinthians 6:11

हमने खुलकर तुमसे बातें की हैं
“तुमसे निष्कपट बातें की हैं”।

हमारा हृदय तुम्हारी ओर से खुला हुआ है
वैकल्पिक अनुवाद: “हम तुमसे निर्बोध प्रेम करते हैं”

तुम्हारे लिए हमारे मन में कोई संकोच नहीं है
वैकल्पिक अनुवाद: “तुम्हारे लिए हमारे प्रेम में कमी नहीं हैं”

तुम्हारे ही मनों में संकोच है
वैकल्पिक अनुवाद: “तुम किसी कारण से तो हमसे प्रेम करने में चूक रहे हो”।

अपने बच्चे जानकर तुमसे कहता हूं, तुम भी उसके बदले में अपना हृदय खोल दो
वैकल्पिक अनुवाद: “बच्चे के अबोध शब्दों में कहता हूं कि तुम भी हम पर अपना प्रेम प्रकट करो तो निष्पक्षता ही होगी”।

2 Corinthians 6:14

न जुतो
“संगति करो” या “घनिष्ठ संबन्ध रखो”

विश्वासी के साथ अविश्वासी का क्या नाता?
विश्वासी के जीवन में अविश्वासी की सी मान्यताएं नहीं होती हैं, वैकल्पिक अनुवाद: “विश्वासी अविश्वासी के साथ जीवन के मूल्यों की क्या समानता रख सकता है”?

ज्योति और अन्धकार की क्या संगति?
ज्योति और अन्धकार की क्या संगति? - ज्योति और अन्धकार दोनों एक साथ उपस्थित नहीं हो सकते। ज्योति के आते ही अंधकार मिट जाता है।

बलियाल के साथ
बलियाल शैतान का दूसरा नाम है

विश्वासी की अविश्वासी के साथ क्या सहभागिता?
विश्वासियों और अविश्वासियों के जीवनों में मान्यताएं सर्वदा भिन्न होती हैं जो परस्पर विरोधी होती हैं।

हम जीवते परमेश्वर के मन्दिर हैं
पौलुस सब विश्वासियों को परमेश्वर के निवास हेतु मन्दिर कहता है। वैकल्पिक अनुवाद: “हममें परमेश्वर का पवित्र आत्मा वास करता है”।

2 Corinthians 6:17

अशुद्ध वस्तु को मत छुओ
मूसा प्रदत्त विधान में चर्चा की गई है कि कौन-कौन सी वस्तुएं हैं जिनके स्पर्श से मनुष्य अशुद्ध हो जाता है।

मैं तुम्हारा पिता हूंगा
मैं तुम्हारा पिता हूंगा - “मैं तुम्हें ऐसे संभालूंगा जैसे एक प्रेम करने वाला पिता अपनी सन्तान को सम्भालता है”।देखें: (Metaphor)

तुम मेरे बेटे और बेटियां होंगे
“और तुम मेरी सन्तान होगे”

Translation Questions

2 Corinthians 6:1

पौलुस और उसके साथियों ने कुरिन्थ की कलीसिया से क्या अनुरोध किया था?
वे कुरिन्थ की कलीसिया से आग्रह करते थे कि वे परमेश्वर के उस अनुग्रह को जो उन पर हुआ व्यर्थ न जाने दें।

2 Corinthians 6:2

प्रसन्नता का समय कब है? उद्धार का दिन कौन सा है?
अभी वह प्रसन्नता का समय है, अभी वह उद्धार का दिन है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

2 Corinthians 6:3

पौलुस और उसके साथियों ने ठोकर खाने का कोई अवसर नहीं छोड़ा था, क्यों?
उन्होंने किसी बात में ठोकर खाने का कोई अवसर नहीं दिया जिससे कि उनकी सेवा पर कोई दोष न आए।

2 Corinthians 6:4

पौलुस और उसके साथियों के काम क्या प्रकट करते हैं?
उनके कामों से सिद्ध होता था कि वे परमेश्वर के दास है।

पौलुस और उसके साथियों ने क्या-क्या सहा था?
क्लेशों से, दरिद्रता से, संकटों से, कोड़े खाने से, कैद होने से, हुल्ल्डों से, परिश्रम से, जागते रहने से, उपवास करने से उन्होंने बड़े धीरज के साथ निर्वाह किया था।

2 Corinthians 6:8

सत्यवादी होने के उपरान्त भी पौलुस और उसके साथियों पर क्या आरोप लगाया गया था?
उन्हें भरमाने वाले कहा गया।

2 Corinthians 6:11

पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया के साथ कैसा विनिमय चाहता था?
पौलुस कहता है कि उनका हृदय कुरिन्थ की कलीसिया की ओर खुला है और पौलुस चाहता था कि निष्पक्ष प्रतिकार में वे भी उनके प्रति अपना हृदय खोल दें।

2 Corinthians 6:14

पौलुस क्या कारण प्रकट करता है कि कुरिन्थ के पवित्र जनों को अविश्वासियों से मेल-जोल नहीं रखना है?
पौलुस निम्नलिखित कारण बताता है: धार्मिकता और अधर्म का क्या मेल-जोल? ज्योति और अंधकार की क्या संगति है? मसीह का बलियाल के साथ क्या लगाव? विश्वासी के साथ अविश्वासी का क्या नाता? मूर्तियों के साथ परमेश्वर के मंदिर का क्या संबंध?

2 Corinthians 6:17

जो उनके बीच से निकलकर अलग हो जायेंगे और अशुद्ध वस्तु को नहीं छुऐंगे, उनके लिए प्रभु क्या कहता है?
प्रभु कहता है कि वे उन्हें ग्रहण करेगा और उनका पिता होगा वे उनके बेटे-बेटियां होंगे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 7

1 हे प्यारों जब कि ये प्रतिज्ञाएँ हमें मिली हैं, तो आओ, हम अपने आप को शरीर और आत्मा की सब मलिनता से शुद्ध करें, और परमेश्वर का भय रखते हुए पवित्रता को सिद्ध करें।

2 हमें अपने हृदय में जगह दो: हमने न किसी से अन्याय किया, न किसी को बिगाड़ा, और न किसी को ठगा। **3** मैं तुम्हें दोषी ठहराने के लिये यह नहीं कहता* क्योंकि मैं पहले ही कह चूका हूँ, कि तुम हमारे हृदय में ऐसे बस गए हो कि हम तुम्हारे साथ मरने जीने के लिये तैयार हैं। **4** मैं तुम से बहुत साहस के साथ बोल रहा हूँ, मुझे तुम पर बड़ा घमण्ड है: मैं शान्ति से भर गया हूँ; अपने सारे क्लेश में मैं आनन्द से अति भरपूर रहता हूँ।

5 क्योंकि जब हम मकिदुनिया में आए, तब भी हमारे शरीर को चैन नहीं मिला, परन्तु हम चारों ओर से क्लेश पाते थे; बाहर लड़ाइयाँ थीं, भीतर भयंकर बातें थी। **6** तो भी दीनों को शान्ति देनेवाले परमेश्वर ने तीतुस के आने से हमको शान्ति दी। **7** और न केवल उसके आने से परन्तु उसकी उस शान्ति से भी, जो उसको तुम्हारी ओर से मिली थी; और उसने तुम्हारी लालसा, और तुम्हारे दु:ख और मेरे लिये तुम्हारी धुन का समाचार हमें सुनाया, जिससे मुझे और भी आनन्द हुआ।

8 क्योंकि यद्यपि मैंने अपनी पत्री से तुम्हें शोकित किया, परन्तु उससे पछताता नहीं जैसा कि पहले पछताता था क्योंकि मैं देखता हूँ, कि उस पत्री से तुम्हें शोक तो हुआ परन्तु वह थोड़ी देर के लिये था। **9** अब मैं आनन्दित हूँ पर इसलिए नहीं कि तुम को शोक पहुँचा वरन् इसलिए कि तुम ने उस शोक के कारण मन फिराया, क्योंकि तुम्हारा शोक परमेश्वर की इच्छा के अनुसार था, कि हमारी ओर से तुम्हें किसी बात में हानि न पहुँचे। **10** क्योंकि परमेश्वर-भक्ति का शोक* ऐसा पश्चाताप उत्पन्न करता है; जिसका परिणाम उद्धार है और फिर उससे पछताना नहीं पड़ता: परन्तु सांसारिक शोक मृत्यु उत्पन्न करता है।

11 अत: देखो, इसी बात से कि तुम्हें परमेश्वर-भक्ति का शोक हुआ; तुम में कितनी उत्साह, प्रत्युत्तर, रिस, भय, लालसा, धुन और पलटा लेने का विचार उत्पन्न हुआ? तुम ने सब प्रकार से यह सिद्ध कर दिखाया, कि तुम इस बात में निर्दोष हो। **12** फिर मैंने जो तुम्हारे पास लिखा था, वह न तो उसके कारण लिखा, जिस ने अन्याय किया, और न उसके कारण जिस पर अन्याय किया गया, परन्तु इसलिए कि तुम्हारी उत्तेजना जो हमारे लिये है, वह परमेश्वर के सामने तुम पर प्रगट हो जाए।

13 इसलिए हमें शान्ति हुई;

और हमारी इस शान्ति के साथ तीतुस के आनन्द के कारण और भी आनन्द हुआ क्योंकि उसका जी तुम सब के कारण हरा भरा हो गया है। **14** क्योंकि यदि मैंने उसके सामने तुम्हारे विषय में कुछ घमण्ड दिखाया, तो लज्जित नहीं हुआ, परन्तु जैसे हमने तुम से सब बातें सच-सच कह दी थीं, वैसे ही हमारा घमण्ड दिखाना तीतुस के सामने भी सच निकला।

15 जब उसको तुम सब के आज्ञाकारी होने का स्मरण आता है, कि कैसे तुम ने डरते और काँपते हुए उससे भेंट की; तो उसका प्रेम तुम्हारी ओर और भी बढ़ता जाता है। **16** मैं आनन्द करता हूँ, कि तुम्हारी ओर से मुझे हर बात में भरोसा होता है।

---

2 Corinthians 7:1

हे प्रियों
पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया को संबोधित कर रहा है।

हम अपने आपको शुद्ध करें
पौलुस के कहने का अर्थ है कि हम किसी भी प्रकार के पाप से दूर रहें कि परमेश्वर के साथ हमारे संबन्ध पर कुप्रभाव न पड़े।

पवित्रता को सिद्ध करें।
पवित्र जीवन जीने की खोज करें

परमेश्वर का भय रखते हुए
परमेश्वर के समक्ष दीन होकर

2 Corinthians 7:2

जगह दो
“अपने जीवन में हमें स्थापित कर लो”

मै यह नहीं कहता
यह नहीं कहता - वैकल्पिक अनूवाद: मैं तुम पर आरोप नहीं लगाता”

तुम हमारे हृदय में ऐसे बस गए हो कि हम तुम्हारे साथ मरने जीने के लिए तैयार हैं।
वैकल्पिक अनुवाद: “हम तुम से इतना प्रेम करते हैं कि तुम्हारे लिए जान दे सकते हैं और तुम्हारे लिए ही रहे हैं”।

अपने सारे क्लेश में
वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी सब कठिनाइयों के बाद भी”

2 Corinthians 7:5

शरीर को चैन नहीं मिला
वैकल्पिक अनुवाद: “हम बहुत थक गए थे” या “हम कलान्त हो चुके थे।”

हम उसकी उस शान्ति से भी जो उसको तुम्हारी ओर से मिली थी।
वैकल्पिक अनुवाद: उसने कुरिन्थ के विश्वासियों का जो समाचार प्राप्त किया था उससे प्रोत्साहित हुआ।

उसने तुम्हारी लालसा, तुम्हारे दुख और मेरे लिए तुम्हारी धुन का समाचार हमें सुनाया।
वैकल्पिक अनुवाद: “उसने मेरे प्रति तुम्हारे प्रेम की चर्चा की, और जो हुआ उसके लिए तुम्हारे दुख और मेरे कल्याण की तुम्हारी गहन चिन्ता का उल्लेख किया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मुझे और भी आनन्द हुआ
वैकल्पिक अनुवाद: “मैं आनन्द से भर गया”

2 Corinthians 7:8

शोक तो हुआ परन्तु वह थोड़ी देर के लिए
वैकल्पिक अनुवाद:: "परन्तु कुछ ही समय के लिए दु:खी थे"

तुम को शोक पहुँचा
ईश भक्ति का शोक मन फिराव की और लाता है।

ईश भक्ति का शोक ऐसा पश्चाताप उत्पन्न करता है
ईश भक्ति का शोक हमे पाप से दूर ले जाता है।

उद्धार प्राप्त होना है
उद्धार है - वैकल्पिक अनुवाद: "उद्धार की और ले जाता है"

संसारी शोक मृत्यु उत्पन्न करता है
वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु सांसारिक शोक से मन फिराव नहीं होता है, वह हमें आत्मिक मृत्यु की ओर ले जाता है।"

सो देखो ... कैसी निश्चयता
"समझों की यह कैसी बड़ी निश्चयता है"

2 Corinthians 7:11

उत्पन्न हुआ तुम ने सब प्रकार से यह सिद्ध कर दिखाया, कि तुम इस बात में निर्दोष हो।
वैकल्पिक अनुवाद: "तुम मे उत्पन्न हुआ कि सिद्ध करो की तुम निर्दोष हो"

कितनी ... रिस
"कैसा रोष"

और भय
और भय - वैकल्पिक अनुवाद': "कैसी व्याकुलता" या "कैसी हलचल"

और लालसा
"मुझे देखने की कैसी व्याकुलता"

और धुन
और धुन1 - "उद्देश्य की कैसी प्रबलता"

परन्तु इसलिये कि तुम्हारी उत्तेजना जो हमारे लिये है, वह परमेश्वर के साम्हने तुम पर प्रगट हो जाए।
परन्तु इसलिये कि तुम्हारी उत्तेजना जो हमारे लिये है, वह परमेश्वर के साम्हने तुम पर प्रगट हो जाए। - वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु इसलिए कि तुम्हारी उत्तेजना है वह तुम जानते हो और परमेश्वर भी जानता है, हम पर प्रकट हो जाए"

हमे ...और भी अधिक उत्साह मिला
वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के प्रति और हमारे प्रति तुम्हारे इस उचित व्यवहार से हमे प्रोत्साहन मिला है"

2 Corinthians 7:13

यदि मैं ने उसके सामने तुम्हारे विषय में कुछ घमण्ड दिखाया,
"उसके सामने तुम्हारे विषय में मैने घमण्ड किया"

मुझे लज्ज़ित होना नहीं पड़ा
तो लज्ज़ित नहीं हुआ. - वैकल्पिक अनुवाद "और तुमने मुझे निराश होने नहीं दिया"

के सामने भी सच निकला।
"तुमने प्रकट कर दिया की यह सच है"

उसका प्रेम तुम्हारी ओर और भी बढ़ता जाता है।
वैकल्पिक अनुवाद: "अब तीतुस पहले से कही अधिक तुम्हारी चिंता करता है"

2 Corinthians 7:15

उस को तुम सब के आज्ञाकारी होने का स्मरण आता है
वैकल्पिक अनुवाद: "उसे स्मरण आता है कि तुम सब कैसे आज्ञाकारी रहे हो"

क्योंकि तुम ने डरते और कांपते हुए उस से भेंट की
कयोंकि तुम ने डरते और कांपते हुए उस से भेंट की - वैकल्पिक अनुवाद: "जब तुमने उसका स्वागत किया और भी एवं कापते हुए उसकी आज्ञा मानी" या "जब तुमने बड़े सम्मान के साथ उसका स्वागत किया"

परमेश्वर के उस अनुग्रह
परमेश्वर का अनर्जित अनुग्रह

Translation Questions

2 Corinthians 7:1

पौलुस के कहे अनुसार हमें स्वयं को किससे शुद्ध करना है?
हमें उस हर एक बात से स्वयं को शुद्ध करना है जो हमें देह और आत्मा में अशुद्ध करती है।

2 Corinthians 7:2

पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया से क्या चाहता था कि वे उसके और उसके साथियों के लिए करें?
पौलुस ने उनके समक्ष अपनी इच्छा प्रकट की, "हमें अपने हृदय में जगह दो।"

2 Corinthians 7:3

कुरिन्थ के पवित्र जनों के लिए पौलुस के प्रोत्साहनदायक वचन क्या थे?
पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों से कहता है कि वे उसके और उसके साथियों के मन में वास करते हैं और वे उनके साथ मरने जीने के लिए तैयार हैं।

2 Corinthians 7:6

मकिदुनिया में उन्हें चैन नहीं मिला, उनके बाहर लड़ाइयां थीं और मन में अनेक भयंकर बातें
परन्तु परमेश्वर ने उसे और उसके साथियों को किस प्रकार शान्ति दी?
तीतुस के आने से परमेश्वर ने उन्हें शक्ति दी क्योंकि तीतुस ने उन्हें कुरिन्थ की कलीसिया के बारे में शुभ सन्देश सुनाया था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

2 Corinthians 7:8

पौलुस के पिछले पत्र ने कुरिन्थ की कलीसिया में कैसा प्रभाव डाला?
कुरिन्थ के विश्वासियों ने पौलुस का पत्र पढ़ा तो उन्हें दुख हुआ और उनका शोक परमेश्वर की इच्छा के अनुसार था।

2 Corinthians 7:9

कुरिन्थ के विश्वासियों में ईश्वर भक्ति के शोक का परिणाम क्या हुआ था?
परमेश्वर भक्ति के शोक ने उनमें पश्चाताप उत्पन्न किया और उन्होंने स्वयं को सिद्ध करने का दृढ संकल्प किया।

2 Corinthians 7:12

पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया को पत्र लिखने का कारण क्या बताता है?
पौलुस ने कहा कि उसके द्वारा पत्र लिखने का उद्देश्य था कि उनका उत्साह जो पौलुस और उसके साथियों के लिए था परमेश्वर के समक्ष उन पर प्रकट हो।

2 Corinthians 7:13

तीतुस किस बात से आनन्दित था?
वह आनन्दित हुआ क्योंकि कुरिन्थ के सब विश्वासियों के कारण उसका मन हरा-भरा हो गया था।

2 Corinthians 7:15

कुरिन्थ की कलीसिया के लिए तीतुस का प्रेम और अधिक क्यों हो गया था?
कुरिन्थ की कलीसिया के लिए तीतुस का प्रेम और भी बढ़ गया था जब उसने उनकी आज्ञाकारिता को स्मरण किया कि उन्होंने कैसे डरते और कांपते हुए उससे भेंट की।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 8

1 अब हे भाइयों, हम तुम्हें परमेश्वर के उस अनुग्रह का समाचार देते हैं, जो मकिदुनिया की कलीसियाओं पर हुआ है। **2** कि क्लेश की बड़ी परीक्षा में उनके बड़े आनन्द* और भारी कंगालपन के बढ़ जाने से उनकी उदारता बहुत बढ़ गई।

3 और उनके विषय में मेरी यह गवाही है, कि उन्होंने अपनी सामर्थ्य भर वरन् सामर्थ्य से भी बाहर मन से दिया। **4** और इस दान में और पवित्र लोगों की सेवा में भागी होने के अनुग्रह के विषय में हम से बार-बार बहुत विनती की। **5** और जैसी हमने आशा की थी, वैसी ही नहीं, वरन् उन्होंने प्रभु को, फिर परमेश्वर की इच्छा से हमको भी अपने आपको दे दिया।

6 इसलिए हमने तीतुस को समझाया, कि जैसा उसने पहले आरम्भ किया था, वैसा ही तुम्हारे बीच में इस दान के काम को पूरा भी कर ले। **7** पर जैसे हर बात में अर्थात् विश्वास, वचन, ज्ञान और सब प्रकार के यत्न में, और उस प्रेम में, जो हम से रखते हो, बढ़ते जाते हो, वैसे ही इस दान के काम में भी बढ़ते जाओ।

8 मैं आज्ञा की रीति पर तो नहीं*, परन्तु औरों के उत्साह से तुम्हारे प्रेम की सच्चाई को परखने के लिये कहता हूँ। **9** तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह जानते हो, कि वह धनी होकर भी तुम्हारे लिये कंगाल बन गया ताकि उसके कंगाल हो जाने से तुम धनी हो जाओ।

10 और इस बात में मेरा विचार यही है: यह तुम्हारे लिये अच्छा है; जो एक वर्ष से न तो केवल इस काम को करने ही में, परन्तु इस बात के चाहने में भी प्रथम हुए थे। **11** इसलिए अब यह काम पूरा करो; कि जिस प्रकार इच्छा करने में तुम तैयार थे, वैसा ही अपनी-अपनी पूँजी के अनुसार पूरा भी करो। **12** क्योंकि यदि मन की तैयारी हो तो दान उसके अनुसार ग्रहण भी होता है जो उसके पास है न कि उसके अनुसार जो उसके पास नहीं।

13 यह नहीं कि औरों को चैन और तुम को क्लेश मिले। **14** परन्तु बराबरी के विचार से इस समय तुम्हारी बढ़ती उनकी घटी में काम आए, ताकि उनकी बढ़ती भी तुम्हारी घटी में काम आए, कि बराबरी हो जाए। **15** जैसा लिखा है,

> “जिसने बहुत बटोरा उसका कुछ अधिक न निकला
> और जिस ने थोड़ा बटोरा उसका कुछ कम न निकला।” (निर्ग. 16:18)

16 परमेश्वर का धन्यवाद हो, जिसने तुम्हारे लिये वही उत्साह तीतुस के हृदय में डाल दिया है। **17** कि उसने हमारा समझाना मान लिया वरन् बहुत उत्साही होकर वह अपनी इच्छा से तुम्हारे पास गया है।

18 और हमने उसके साथ उस भाई को भेजा है जिसका नाम सुसमाचार के विषय में सब कलीसिया में फैला हुआ है; **19** और इतना ही नहीं, परन्तु वह कलीसिया द्वारा ठहराया भी गया कि इस दान के काम के लिये हमारे साथ जाए और हम यह सेवा इसलिए करते हैं, कि प्रभु की महिमा और हमारे मन की तैयारी प्रगट हो जाए।

20 हम इस बात में चौकस रहते हैं, कि इस उदारता के काम के विषय में जिसकी सेवा हम करते हैं, कोई हम पर दोष न लगाने पाए। **21** क्योंकि जो बातें केवल प्रभु ही के निकट नहीं, परन्तु मनुष्यों के निकट भी भली हैं हम उनकी चिन्ता करते हैं।

22 और हमने उसके साथ अपने भाई को भेजा है, जिसको हमने बार-बार परख के बहुत बातों में उत्साही पाया है; परन्तु अब तुम पर उसको बड़ा भरोसा है, इस कारण वह और भी अधिक उत्साही है। **23** यदि कोई तीतुस के विषय में पूछे, तो वह मेरा साथी, और तुम्हारे लिये मेरा सहकर्मी है, और यदि हमारे भाइयों के विषय में पूछे, तो वे कलीसियाओं के भेजे हुए और मसीह की महिमा हैं। **24** अतः अपना प्रेम और हमारा वह घमण्ड जो तुम्हारे विषय में है कलीसियाओं के सामने उन्हें सिद्ध करके दिखाओ।

---

2 Corinthians 8:1

भारी कंगालपन के बढ़ जाने से उन की उदारता बहुत बढ़ गई।
यद्यपि मकिदुनिया की कलीसियाएं कष्ट और गरीबी में थी परमेश्वर के अनुग्रह से वे यरूशलेम के विश्वासियों के लिए आर्थिक सहयोग एकत्र करने के योग्य हुई

उन्होंने... दे दिया
ये मकिदुनिया के कलिसियाँ के सन्दर्भ में है

2 Corinthians 8:3

स्वतंत्र इच्छा से दिया
"स्वेच्छा"

पवित्र लोगों
यहं पौलुस यरूशलेम के विश्वासियों के सन्दर्भ में कह रहा है

और ... अपने आप को दे दिया
"और तब उन्होंने अपने आप को भी हमारे लिए दे दिया"

जैसा उस ने पहिले ही तुम्हारे साथ कार्य प्रारंभ किया
पौलुस यरूशलेम के विश्वासियों के लिए कुरिन्थ की कलीसिया के द्वारा दान एकत्र के सन्दर्भ कह रहा है. वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा पहले उसने दान देने के विषय तुम्हे प्रोत्साहित किया था। ".

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

2 Corinthians 8:6

वैसा ही तुम्हारे बीच में इस दान के काम को पूरा भी कर ले।
वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारे मध्य लौट कर इस दानं की सेवा को पूरा करने के लिए तुम्हे प्रोत्साहित करता रहे वैसा ही तुम्हारे बीच में इस दान के काम को पूरा भी कर ले।"

परन्तु जैसे तुम सब बातों में बढते जाते हो
वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि तुम कई मायनो में अपेक्षा से अधिक अच्छा करते हो"

विश्वास में
वैकल्पिक अनुवाद "परमेश्वर और हमारे प्रति तुम्हारी निष्ठा में"

वचन में
वैकल्पिक अनुवाद: "जिस तरह तुम विचारों का आदान प्रदान करते हो"

ज्ञान में
वैकल्पिक अनुवाद: "समझने में" या "अंतर्ग्रहण"

समझ में
वैकल्पिक अनुवाद: "उत्साह में" या "अथक प्रयास"

और उस प्रेम में जो हम से रखते हो
वैकल्पिक अनुवाद: "और जिस प्रकार तुम अपना प्रेम हम पर प्रकट करते हो"

वैसे ही इस दान के काम में भी बड़ते जाओं
वैकल्पिक अनुवाद: "सुनिश्चित करो कि तुम यरूशलेम के पीड़ित पवित्र जनों को आर्थिक सहायता पहुचाने में आत्मत्याग के साथ एक भला काम करते हो

हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह
वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु का प्रेम और अनर्जित अनुग्रह"

2 Corinthians 8:8

वह धनी होकर भी
वैकल्पिक अनुवाद: "वह सब वस्तुओं का मालिक है और अधिकारी है"

तुम्हारे लिए कंगाल बन गया
तुम्हारे लिए कंगाल बन गया .- वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारे कारण उसने अपना स्वर्गिक आवास और विशेषताओं को त्याग कर पृथ्वी पर मानव रूप में आया,"

ताकि उसके कंगाल हो जाने से तुम धनी हो जाओं.
वैकल्पिक अनुवाद: "उसके दीनता के जीवन और विनीत भाव के द्वारा तुम धनी और बहुतायत से आशीषित हो जाओं"

इस बात
"इस बात" अर्थात् यरूशलेम के विश्वासियों के लिए दान एकत्र करना

2 Corinthians 8:10

इस काम को
वैकल्पिक अनुवाद: "दान देने के लिए तुमसे निवेदन करना"

2 Corinthians 8:13

बराबरी के विचार से
वैकल्पिक अनुवाद: "बराबरी में विषमता न आये"

उन की बढ़ती भी तुम्हारी घटी में काम आए,
वैकल्पिक अनुवाद: "आगे चलकर कभी जब तुम आवश्यकता में हो तब तुम्हारे साथ बाटने के लिए उनके पास पर्याप्त संसाधन हो"

जेसा लिखा है,
"जैसा धर्मशास्त्र में लिखा है"

वही उत्साह पूर्ण चिंता
"वही उत्साह" या "वही गहन चिंता"

2 Corinthians 8:16

कि उस ने न सिर्फ हमारा समझाना मान लिया,
वैकल्पिक अनुवाद: "उसने हमारे निवेदन को स्वीकार किया की वह तुमसे पुन: भेंट करे,"

वरन बहुत उत्साही होकर,
वैकल्पिक अनुवाद: "और वह तुमसे भेट करने के लिए बहुत अधिक उत्सुक है"

उसके साथ
"तीतुस के साथ"

2 Corinthians 8:18

और इतना ही नहीं, परन्तु वह कलीसिया द्वारा ठहराया भी गया
वैकल्पिक अनुवाद:"मसीह में यह भाई नियुक्त किया गया है"

कि इस दान के काम के लिये हमारे साथ जाए
की इस दान को लेकर यरूशलेम जाए. वैकल्पिक अनुवाद: "उदारता के इस काम को करने के लिए"

महिमा के लिए
वैकल्पिक अनुवाद: "ये सेवा हम प्रभु की महिमा के निमित्त करते है"

कोई हम पर दोष न लगाने पाए।
वैकल्पिक अनुवाद: "आलोचना के कारण"

2 Corinthians 8:20

इस उदारता के काम के विषय में
वैकल्पिक अनुवाद: "इस उदारता के इस दान के साथ हम ऐसा व्यवहार कर रहे है"

हम इस बात में चौकस रहते हैं
वैकल्पिक अनुवाद:: "हम इस दान को बड़े मान सम्मान के साथ भिजवा रहे है ,"

जो बातें केवल प्रभु ही के निकट नहीं,
जो बातें केवल प्रभु ही के निकट नहीं, - जिससे की पौलुस का कार्य प्रभु के समक्ष माननीय ठहरे

परन्तु मनुष्यों के निकट भी
जिससे की मनुष्यों पर यह प्रकट हो जाए कि पौलुस विश्वासयोग्य है

और हम ने उसके साथ
"उसके साथ" इसका सन्दर्भ तीतुस से है जिसके साथ कलीसिया द्वारा नियुक्त किया गया वह भाई दान लेकर जा रहा था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

2 Corinthians 8:22

तो वह मेरा साथी, और तुम्हारे लिये मेरा सहकर्मी है,
तो वह मेरा साथी, और तुम्हारे लिये मेरा सहकर्मी है, - वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारी सहायता के निमित्त मेरा सहकर्मी"

हमारे भाइयों के विषय में
"हमारे अन्य भाइयों के बारे में"

अखया
पौलुस दक्षिणी यूनान के एक क्षेत्र की चर्चाकर रहा है जिसमे कुरिन्थ और आसपास के प्रदेश है

Translation Questions

2 Corinthians 8:1

पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया के भाइयों और बहनों को क्या समाचार सुनाना चाहता था?
पौलुस उन्हें मकिदुनिया की कलीसियाओं पर हुए परमेश्वर के अनुग्रह का समाचार सुनाना चाहता था।

2 Corinthians 8:2

मकिदुनिया की कलीसियाओं ने क्लेश की बड़ी परीक्षा और भारी कंगालपन के उपरान्त भी क्या किया?
उनकी उदारता बहुत बढ़ गई थी, उन्होंने अपनी सामर्थ वरन् सामर्थ से बढ़कर मन से दिया था।

2 Corinthians 8:6

पौलुस ने तीतुस से क्या आग्रह किया था?
पौलुस ने तीतुस से आग्रह किया था कि जैसा उसने पहले आरंभ किया था, वैसा ही इस दान के काम को पूरा भी करे।

2 Corinthians 8:7

??
पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया से क्यों कहा, "दान के काम में भी बढ़ते जाओ।"?पौलुस ने यह इसलिए लिखा कि वे अपने प्रेम की सत्यता को अन्य विश्वासियों के यत्न की तुलना में रखें।

2 Corinthians 8:12

पौलुस किस बात को अच्छी एवं ग्रहणयोग्य बताता है?
पौलुस कहता है कि कुरिन्थ के पवित्र जनों के लिए यह अच्छा वरन् ग्रहणयोग्य है कि उस काम में वे प्रथम हों।

2 Corinthians 8:13

क्या पौलुस इस काम के द्वारा कुरिन्थ की कलीसिया को क्लेश और अन्यों को चैन दिलाना चाहता था?
नहीं, पौलुस कहता है कि उस समय कुरिन्थ के विश्वासियों की बहुतायत उस समय अन्य पवित्र जनों की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकती थी कि उनकी बहुतायत कुरिन्थ के पवित्र जनों की आवश्यकता पूरी करे कि बराबरी हो जाए।

2 Corinthians 8:16

जब परमेश्वर ने तीतुस के मन में कुरिन्थ की कलीसिया के लिए वही उत्साह डाला जो पौलुस के मन में था तब उसने क्या किया?
तीतुस ने पौलुस की बात मानी और अपनी इच्छा से कुरिन्थ की कलीसिया में गया।

2 Corinthians 8:18

पौलुस और अन्य पवित्र जनों ने क्या किया कि इस दान की सेवा में दोषारोपण से बचें?
पौलुस और अन्य पवित्र जनों ने तीतुस को ही नहीं एक और भाई को वहाँ भेजा जो सुसमाचार की सेवा में सब कलीसियाओं में प्रशंसा का पात्र था। वह कलीसिया द्वारा ठहराया भी गया था कि इस दान के काम के लिए उनके साथ जाए।

2 Corinthians 8:24

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया को उन अन्य कलीसियाओं से आने वाले भाइयों के साथ कैसा व्यवहार करने को कहा?
पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया से कहा कि वे उन पर अपना प्रेम प्रकट करें और सिद्ध कर दें कि पौलुस अन्य कलीसियाओं में कुरिन्थ की कलीसिया और घमण्ड क्यों करता था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 9

1 अब उस सेवा के विषय में जो पवित्र लोगों के लिये की जाती है, मुझे तुम को लिखना अवश्य नहीं। **2** क्योंकि मैं तुम्हारे मन की तैयारी को जानता हूँ, जिसके
कारण मैं तुम्हारे विषय में मकिदुनियों के सामने घमण्ड दिखाता हूँ, कि अखाया के लोग एक वर्ष से तैयार हुए हैं, और तुम्हारे उत्साह ने और बहुतों को भी उभारा
है।

3 परन्तु मैंने भाइयों को इसलिए भेजा है, कि हमने जो घमण्ड तुम्हारे विषय में दिखाया, वह इस बात में व्यर्थ न ठहरे; परन्तु जैसा मैंने कहा; वैसे ही तुम तैयार हो
रहो। **4** ऐसा न हो, कि यदि कोई मकिदुनी मेरे साथ आए, और तुम्हें तैयार न पाए, तो क्या जानें, इस भरोसे के कारण हम (यह नहीं कहते कि तुम) लज्जित हों।
5 इसलिए मैंने भाइयों से यह विनती करना अवश्य समझा कि वे पहले से तुम्हारे पास जाएँ, और तुम्हारी उदारता का फल जिसके विषय में पहले से वचन दिया
गया था, तैयार कर रखें, कि यह दबाव से नहीं परन्तु उदारता के फल की तरह तैयार हो।

6 परन्तु बात तो यह है, कि जो थोड़ा बोता है वह थोड़ा काटेगा भी; और जो बहुत बोता है, वह बहुत काटेगा। (नीति. 11:24, नीति. 22:9) **7** हर एक जन जैसा
मन में ठाने वैसा ही दान करे; न कुढ़-कुढ़ के, और न दबाव से, क्योंकि परमेश्वर हर्ष से देनेवाले से प्रेम रखता है। (व्य. 18:10, नीति. 22:9, नीति. 11:25)

8 परमेश्वर सब प्रकार का अनुग्रह तुम्हें बहुतायत से दे सकता है*। जिससे हर बात में और हर समय, सब कुछ, जो तुम्हें आवश्यक हो, तुम्हारे पास रहे, और हर
एक भले काम के लिये तुम्हारे पास बहुत कुछ हो। **9** जैसा लिखा है,

> “उसने बिखेरा, उसने गरीबों को दान दिया,
> उसकी धार्मिकता सदा बनी रहेगी।” (भज. 112:9)

10 अत: जो बोनेवाले को बीज, और भोजन के लिये रोटी देता है वह तुम्हें बीज देगा, और उसे फलवन्त करेगा; और तुम्हारे धार्मिकता के फलों को बढ़ाएगा।
(यशा. 55:10, होशे 10:12) **11** तुम हर बात में सब प्रकार की उदारता के लिये जो हमारे द्वारा परमेश्वर का धन्यवाद करवाती है, धनवान किए जाओ।

12 क्योंकि इस सेवा के पूरा करने से, न केवल पवित्र लोगों की घटियाँ पूरी होती हैं, परन्तु लोगों की ओर से परमेश्वर का बहुत धन्यवाद होता है। **13** क्योंकि इस
सेवा को प्रमाण स्वीकार कर वे परमेश्वर की महिमा प्रगट करते हैं*, कि तुम मसीह के सुसमाचार को मान कर उसके अधीन रहते हो, और उनकी, और सब की
सहायता करने में उदारता प्रगट करते रहते हो। **14** और वे तुम्हारे लिये प्रार्थना करते हैं; और इसलिए कि तुम पर परमेश्वर का बड़ा ही अनुग्रह है*, तुम्हारी
लालसा करते रहते हैं। **15** परमेश्वर को उसके उस दान के लिये जो वर्णन से बाहर है, धन्यवाद हो।

---

2 Corinthians 9:1

भाइयों को
यह तीतुस और उन दो भाइयों के बारे में जिनके नामों की चर्चा नहीं की गई हैं

2 Corinthians 9:3

भाइयों का तुम्हारे पास आना है
"इन भाइयों को तुम्हारे पास आना है"

कि जो थोड़ा बोता है वह थोड़ा काटेगा भी; और जो बहुत बोता है, वह बहुत काटेगा।
पौलुस एक किसान के बीज बोने की उपमा के द्वारा कुरिन्थ की कलीसिया के दान की तुलना करता है। जिस प्रकार एक किसान जितना अधिक बीज बोता है उतना ही अधिक उपज प्राप्त करता है उसी प्रकार परमेश्वर की आशीषे भी कम या अधिक होंगी जो निर्भर करता है कि कुरिन्थ की कलीसिया कितना दान देती है।

2 Corinthians 9:6

परमेश्वर हर्ष से देने वाले से प्रेम रखता है।
परमेश्वर चाहता है कि उसके लोग स्वेच्छा से दें वरन सहर्ष से दें कि हर स्थान में उनके सह विश्वासियों की आवश्यकताओं की पूर्ति के निमित्त सहयोग प्रदान हो।

परमेश्वर सब प्रकार का अनुग्रह तुम्हें बहुतायत से दे सकता है
पौलुस के कहने का अर्थ है कि जिस प्रकार कोई अन्य विश्वासी को आर्थिक सहयोग प्रदान करता है परमेश्वर भी देनेवाले को अधिक अनुग्रह प्रदान करता है कि उसे घटी न हो।

2 Corinthians 9:8

जो बोने वाले को बीज, और भोजन के लिये रोटी देता है
पौलुस इस उपमा द्वारा अपने लोगों के मुक्ति के लिए परमेश्वर के प्रावधान का सन्दर्भ दे रहा है - .

2 Corinthians 9:10

वह तुम्हें बीज देगा, और उसे फलवन्त करेगा;
वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारे संसाधन"

और तुम्हारे धर्म के फलों को बढ़ाएगा।
"तुम्हारी धार्मिकता का फल"

जो हमारे द्वारा परमेश्वर का धन्यवाद करवाती है,
जो हमारे द्वारा परमेश्वर का धन्यवाद करवाती है, - वैकल्पिक अनुवाद: "और जब तुम्हारा दान उन लोगों को देंगे जिन्हें इनकी आवश्यकता है, परमेश्वर को बहुत धन्यवाद करेंगे"

क्योंकि इस सेवा के पूरा करने से
क्योंकि इस सेवा के पूरा करने से - वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारे दान देने की सेवा के लिए"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

2 Corinthians 9:12

पवित्र लोगों की आवश्यकता पूरी होती हैं,
"यरूशलेम के पवित्र लोगों की आवश्यकताएं"

परन्तु लोगों की ओर से परमेश्वर का भी बहुत धन्यवाद होता है।
वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु इसके कारण अनेक जन परमेश्वर को धन्यवाद देने कि प्रेरणा पाते है"

इस सेवा से तुम प्रमाणित किए गए हो
इस सेवा से प्रमाण लेकर वे परमेश्वर की महिमा प्रगट करते हैं, - वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारी उदारता ने तुम्हारी आज्ञाकारिता और प्रेम को सिद्ध कर दिया है।"

कि तुम मसीह के सुसमाचार को मान कर उसके आधीन रहते हो, और उन की, और सब की सहायता करने में उदारता प्रगट करते रहते हो।
कि तुम मसीह के सुसमाचार को मान कर उसके आधीन रहते हो, और उन की, और सब की सहायता करने में उदारता प्रगट करते रहते हो। l .-
वैकल्पिक अनुवाद "तुम अपनी आज्ञाकारिता और उदारता से ही नहीं परन्तु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करके भी परमेश्वर की महिमा प्रकट करते हो"

उसके उस दान के लिये जो वर्णन से बाहर है,
वैकल्पिक अनुवाद: "उस दान अर्थात् मसीह यीशु का वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता है"

तुम को मसीह की नम्रता
"तुम को मसीह से प्राप्त नम्रता में"

Translation Questions

2 Corinthians 9:1

पौलुस किस बात के लिए कहता है कि कुरिन्थ की कलीसिया को लिखने की आवश्यकता नहीं है?
पौलुस कहता है कि पवित्र जनों के लिए सेवा के बारे में लिखना आवश्यक नहीं है।

2 Corinthians 9:3

पौलुस ने भाइयों को कुरिन्थ क्यों भेजा?
उसने भाइयों को भेजा कि कुरिन्थ के विश्वासियों के विषय में उसका घमण्ड करना व्यर्थ न हो और कि कुरिन्थ की कलीसिया तैयार हो जैसा पौलुस ने कहा कि वे रहेंगे।

2 Corinthians 9:4

पौलुस ने क्यों आवश्यक समझा कि भाइयों से कुरिन्थ जाने का आग्रह करे और कलीसिया द्वारा प्रतिज्ञात दान की व्यवस्था पहले से करवाए?
पौलुस ने इसे आवश्यक समझा जिससे कि पौलुस के साथ यदि कोई आधुनिक विश्वासी आए तो कुरिन्थ की कलीसिया को तैयार न पाए और पौलुस और उसके साथियों को लज्जित होना पड़े।

2 Corinthians 9:6

पौलुस उनके दान के बारे में मुख्य बात क्या कहता है?
पौलुस कहता है कि मुख्य बात यह है, "जो थोड़ा बोता है, वह थोड़ा काटेगा भी, और जो बहुत बोता है, वह बहुत काटेगा।"

2 Corinthians 9:7

हर एक को कैसे दान देना है?
हर एक जैसा मन में ठाने वैसा ही दान करे, न कुढ़कुढ़ के और न दबाव से कि उसे देते समय दुःख हो।

2 Corinthians 9:10

जो बोने वाले को बीज और भोजन के लिए रोटी देता है, कुरिन्थ के पवित्र जनों के लिए क्या करेगा?
जो बोने वाले को बीज और भोजन के लिए रोटी देता है, वह तुम्हें बीज देगा और उसे फलवन्त करेगा; और तुम्हारे धर्म के फलों को बढ़ाएगा।

2 Corinthians 9:13

कुरिन्थ के पवित्र जनों ने परमेश्वर के महिमान्वन के लिए क्या किया था?
उन्होंने मसीह के सुसमाचार को मानकर उसकी अधीनता स्वीकार की और सबकी सहायता करने में उदारता प्रकट करके परमेश्वर की महिमा प्रकट की।

2 Corinthians 9:14

पवित्र जन कुरिन्थ की कलीसिया के लिए प्रार्थना करके कैसी लालसा करते थे?
उन्होंने कुरिन्थ की कलीसिया पर परमेश्वर का बड़ा अनुग्रह था वे उनकी लालसा करते रहते थे।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 10

1 मैं वही पौलुस जो तुम्हारे सामने दीन हूँ, परन्तु पीठ पीछे तुम्हारी ओर साहस करता हूँ; तुम को मसीह की नम्रता, और कोमलता* के कारण समझाता हूँ। **2** मैं यह विनती करता हूँ, कि तुम्हारे सामने मुझे निर्भय होकर साहस करना न पड़े; जैसा मैं कितनों पर जो हमको शरीर के अनुसार चलनेवाले समझते हैं, वीरता दिखाने का विचार करता हूँ।

3 क्योंकि यद्यपि हम शरीर में चलते फिरते हैं, तो भी शरीर के अनुसार नहीं लड़ते। **4** क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं।

5 हम कल्पनाओं को, और हर एक ऊँची बात को, जो परमेश्वर की पहचान के विरोध में उठती है, खण्डन करते हैं; और हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते हैं। **6** और तैयार रहते हैं कि जब तुम्हारा आज्ञा मानना पूरा हो जाए, तो हर एक प्रकार के आज्ञा न मानने का पलटा लें।

7 तुम इन्हीं बातों को देखते हो, जो आँखों के सामने हैं, यदि किसी का अपने पर यह भरोसा हो, कि मैं मसीह का हूँ, तो वह यह भी जान ले, कि जैसा वह मसीह का है, वैसे ही हम भी हैं। **8** क्योंकि यदि मैं उस अधिकार के विषय में और भी घमण्ड दिखाऊँ, जो प्रभु ने तुम्हारे बिगाड़ने के लिये नहीं पर बनाने के लिये हमें दिया है, तो लज्जित न हूँगा।

9 यह मैं इसलिए कहता हूँ, कि पत्रियों के द्वारा तुम्हें डरानेवाला न ठहरूँ। **10** क्योंकि वे कहते हैं, “उसकी पत्रियाँ तो गम्भीर और प्रभावशाली हैं; परन्तु जब देखते हैं, तो कहते है वह देह का निर्बल और वक्तव्य में हलका जान पड़ता है।”

11 इसलिए जो ऐसा कहता है, कि वह यह समझ रखे, कि जैसे पीठ पीछे पत्रियों में हमारे वचन हैं, वैसे ही तुम्हारे सामने हमारे काम भी होंगे।

12 क्योंकि हमें यह साहस नहीं कि हम अपने आप को उनके साथ गिनें, या उनसे अपने को मिलाएँ, जो अपनी प्रशंसा करते हैं, और अपने आप को आपस में नाप तौलकर एक दूसरे से तुलना करके मूर्ख ठहरते हैं।

13 हम तो सीमा से बाहर घमण्ड कदापि न करेंगे, परन्तु उसी सीमा तक जो परमेश्वर ने हमारे लिये ठहरा दी है, और उसमें तुम भी आ गए हो और उसी के अनुसार घमण्ड भी करेंगे। **14** क्योंकि हम अपनी सीमा से बाहर अपने आप को बढ़ाना नहीं चाहते, जैसे कि तुम तक न पहुँचने की दशा में होता, वरन् मसीह का सुसमाचार सुनाते हुए तुम तक पहुँच चुके हैं।

15 और हम सीमा से बाहर औरों के परिश्रम पर घमण्ड नहीं करते; परन्तु हमें आशा है, कि ज्यों-ज्यों तुम्हारा विश्वास बढ़ता जाएगा त्यों-त्यों हम अपनी सीमा के अनुसार तुम्हारे कारण और भी बढ़ते जाएँगे। **16** कि हम तुम्हारी सीमा से आगे बढ़कर सुसमाचार सुनाएँ, और यह नहीं, कि हम औरों की सीमा के भीतर बने बनाए कामों पर घमण्ड करें।

17 परन्तु जो घमण्ड करे, वह प्रभु पर घमण्ड करें। (1 कुरि. 1:31, यिर्म. 9:24)

18 क्योंकि जो अपनी बड़ाई करता है, वह नहीं, परन्तु जिसकी बड़ाई प्रभु करता है, वही ग्रहण किया जाता है।

---

2 Corinthians 10:1

समझते है
"जो ऐसा समझते है"

हम शरीर के अनुसार चल रहे हैं
वैकल्पिक अनुवाद: "हम मानवीय मनसा के अनुसार काम करते है"

शरीर के अनुसार लड़ते है
वैकल्पिक अनुवाद: "मानवीय हथियारों से लड़ना"

2 Corinthians 10:3

हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं
वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि हम परमेश्वर के सामर्थी हथियारों से लड़ते है, सांसारिक हथियारों से नहीं"

पर गढ़ों को ढा देने के लिए परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं
पर गढ़ों को ढा देने के लिए परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं - "उनमे दिव्य शक्ति है की गढ़ों को गिरा दे"

हर एक ऊची बात
वैकल्पिक अनुवाद: "मानवीय तर्क वितर्क के दंभी विचार" या "प्रत्येक झूठा विवाद."

2 Corinthians 10:5

परमेश्वर की पहचान के विरोध में उठती है
"परमेश्वर के विरुद्ध कही जाती है"

हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकरी बना देता है
हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकरी बना देता है - वैकल्पिक अनुवाद: "हम प्रत्येक भावना को मसीह की आज्ञाकारी बना देते है" या "हम प्रत्येक विद्रोही विचार को बंदी बनाकर मसीह का आज्ञापालन सिखाते है।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुम इन्ही बातों को देखते हो जो आँखों के सामने है
वैकल्पिक अनुवाद: "उसी बात पर मनन करो जो तुम्हारे लिए अति स्पष्ट है."

2 Corinthians 10:7

तो वह यह भी जान ले
तो वह यह भी जान ले - "वह स्मरण रखे"

जैसा वह मसीह का है वैसे ही हम भी है
वैकल्पिक अनुवाद:"हम मसीह के है जिनका वह भी है"

तुम्हें उठाने के लिए
"मसीह के अनुयायी होने के कारण तुम्हारी उन्नति को बढ़ावा दे'" या "मसीह के अनुयायी होकर उन्नति करने में तुम्हारी सहायता करे"

मैं तुम्हें डरानेवाला न ठहरूँ
"मैं तुम्हे डराने का प्रयास नहीं कर रहा हूँ "

2 Corinthians 10:9

गम्भीर और प्रभावशाली,
"विवशकारी और व्यग्र,"

वक्तव्य में हल्का जान पड़ता है
"सुनने में कठिन"

जो हम कहते हैं
"हमारे" अर्थात् पौलुस का प्रचारक दल.

2 Corinthians 10:11

पत्रियों में हमारे वचन है, वैसे ही तुम्हारे सामने हमारे काम भी होंगे
पौलुस कहता है जो निर्देशन उसने लिखे है वह उनके ही अनुसार जीवन जीने का प्रयास करता है

साथ गिने या उनसे अपने को मिलाए
साथ गिने या उनसे अपने को मिलाए - "उनकी बराबरी करना या उनसे तुलना करना"

जानकारी न मिली
"अपना अज्ञान प्रकट करते है" या "विवेक की कमी दर्शाते है."

सीमा से बाहर
"हमारे अधिकार क्षेत्र के बाहर किये गए काम"

2 Corinthians 10:13

उसी सीमा तक जो परमेश्वर ने हमारे लिये ठहरा दी है
उसी सीमा तक जो परमेश्वर ने हमारे लिये ठहरा दी है - वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के काम की सीमाएं"

क्योंकि हम अपनी सीमा से बाहर अपने आप को बढ़ाना नहीं चाहते
वैकल्पिक अनुवाद: "इन सीमाओं के पार नहीं बड़े"

तुम तक पहुंच चुके हैं।
तुम तक पहुंच चुके हैं। - AT: "कुरिन्थ तक साथ गया"

हम सीमा से बाहर ... घमण्ड नहीं करते
के बारे में श्रेय का दावा.

2 Corinthians 10:15

अपनी सीमा के अनुसार
वैकल्पिक अनुवाद: "जिससे की तुम्हारे मध्य हमारे कार्य की सीमाएं"

औरों की सीमा
वैकल्पिक अनुवाद: "किसी और का अपना क्षेत्र."

"परन्तु जो घमण्ड करे, वह प्रभु पर घमण्ड करें।"
केवल प्रभु मैं ही है कि किसी प्रकार का गर्व किया जाएं.

2 Corinthians 10:17

ग्रहण किया जाता है
"सहन करना"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

2 Corinthians 10:2

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया से क्या विनती की थी?
पौलुस ने उनसे विनती की कि उनके सामने निर्भय होकर साहस करना न पड़े।

पौलुस केसे अवसर पर निर्भय होकर साहस करने का विचार करता था?
पौलुस उन लोगों पर साहस दिखाने का विचार करता था जो उन्हें शरीर के अनुसार चलने वाले समझते थे।

2 Corinthians 10:4

पौलुस और उसके साथी लड़ते समय कौन सा हथियार काम में लेते थे?
पौलुस और उसके साथी शरीर के अनुसार नहीं लड़ते थे।

पौलुस द्वारा काम में लिए गए हथियार में कैसी शक्ति थी?
पौलुस जिन हथियारों को काम में लेता था उनमें गढ़ों को ढा देने का दिव्य सामर्थ था।

2 Corinthians 10:8

परमेश्वर ने पौलुस और उसके साथियों को क्यों अधिकार दिया था?
परमेश्वर ने पौलुस और उसके साथियों को अधिकार दिया कि वे कुरिन्थ के पवित्र जनों को बिगाड़ने के लिए नहीं बनाएं।

2 Corinthians 10:10

कुछ लोग पौलुस और उसके पत्रों के बारे में क्या कहते थे?
कुछ का कहना था कि पौलुस के पत्र तो गंभीर और प्रभावशाली हैं परन्तु वह देह का निर्बल और वक्तव्य में सुनने योग्य नहीं हैं।

2 Corinthians 10:11

पौलुस ने उन लोगों को क्या उत्तर दिया जो कहते थे कि वह व्यक्तिगत रूप से वैसा नहीं था जैसा उसके पत्रों से प्रकट होता है?
पौलुस ने कहा कि उसने दूर रहकर पत्र में जैसा लिखा वैसा ही वह कुरिन्थ की कलीसिया के मध्य उपस्थित रहने पर करेगा भी।

2 Corinthians 10:12

जो अपनी प्रशंसा करते थे अपनी मूर्खता प्रकट करने के लिए क्या करते थे?
वे एक-दूसरे के साथ नाप-तौल कर और एक-दूसरे के मिलान करके मूर्ख ठहरते हैं।

2 Corinthians 10:13

पौलुस के घमण्ड की सीमा क्या थी?
पौलुस कहता है कि वे अपनी सीमा से बाहर घमण्ड कदापि न करेंगे, परन्तु उसी सीमा तक जो परमेश्वर ने उनके लिए ठहरा दी है। वे सीमा से बाहर दूसरों के परिश्रम पर घमण्ड नहीं करते थे।

2 Corinthians 10:18

ग्रहण कौन किया जाता है?
जिसकी बड़ाई प्रभु करता है वही ग्रहण किया जाता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 11

1 यदि तुम मेरी थोड़ी मूर्खता सह लेते तो क्या ही भला होता; हाँ, मेरी सह भी लेते हो। **2** क्योंकि मैं तुम्हारे विषय में ईश्वरीय धुन लगाए रहता हूँ, इसलिए कि मैंने एक ही पुरुष से तुम्हारी बात लगाई है, कि तुम्हें पवित्र कुँवारी के समान मसीह को सौंप दूँ।

3 परन्तु मैं डरता हूँ कि जैसे साँप ने अपनी चतुराई से हव्वा को बहकाया, वैसे ही तुम्हारे मन उस सिधाई और पवित्रता से जो मसीह के साथ होनी चाहिए कहीं भ्रष्ट न किए जाएँ। (1 थिस्स. 3:5, उत्प. 3:13) **4** यदि कोई तुम्हारे पास आकर, किसी दूसरे यीशु को प्रचार करे, जिसका प्रचार हमने नहीं किया या कोई और आत्मा तुम्हें मिले; जो पहले न मिला था; या और कोई सुसमाचार जिसे तुम ने पहले न माना था, तो तुम्हारा सहना ठीक होता।

5 मैं तो समझता हूँ, कि मैं किसी बात में बड़े से बड़े प्रेरितों से कम नहीं हूँ। **6** यदि मैं वक्तव्य में अनाड़ी हूँ, तो भी ज्ञान में नहीं; वरन् हमने इसको हर बात में सब पर तुम्हारे लिये प्रगट किया है।

7 क्या इसमें मैंने कुछ पाप किया; कि मैंने तुम्हें परमेश्वर का सुसमाचार सेंत-मेंत सुनाया; और अपने आप को नीचा किया, कि तुम ऊँचे हो जाओ? **8** मैंने और कलीसियाओं को लूटा अर्थात् मैंने उनसे मजदूरी ली, ताकि तुम्हारी सेवा करूँ। **9** और जब तुम्हारे साथ था, और मुझे घटी हुई, तो मैंने किसी पर भार नहीं डाला, क्योंकि भाइयों ने, मकिदुनिया से आकर मेरी घटी को पूरी की: और मैंने हर बात में अपने आप को तुम पर भार बनने से रोका, और रोके रहूँगा।

10 मसीह की सच्चाई मुझ में है, तो अखाया देश में कोई मुझे इस घमण्ड से न रोकेगा। **11** किस लिये? क्या इसलिए कि मैं तुम से प्रेम नहीं रखता? परमेश्वर यह जानता है।

12 परन्तु जो मैं करता हूँ, वही करता रहूँगा; कि जो लोग दाँव ढूँढ़ते हैं, उन्हें मैं दाँव पाने न दूँ, ताकि जिस बात में वे घमण्ड करते हैं, उसमें वे हमारे ही समान ठहरें। **13** क्योंकि ऐसे लोग झूठे प्रेरित, और छल से काम करनेवाले, और मसीह के प्रेरितों का रूप धरनेवाले हैं।

14 और यह कुछ अचम्भे की बात नहीं क्योंकि शैतान आप भी ज्योतिर्मय स्वर्गदूत का रूप धारण करता है। **15** इसलिए यदि उसके सेवक भी धार्मिकता के सेवकों जैसा रूप धरें, तो कुछ बड़ी बात नहीं, परन्तु उनका अन्त उनके कामों के अनुसार होगा।

16 मैं फिर कहता हूँ, कोई मुझे मूर्ख न समझे; नहीं तो मूर्ख ही समझकर मेरी सह लो, ताकि थोड़ा सा मैं भी घमण्ड कर सकूँ। **17** इस बेधड़क में जो कुछ मैं कहता हूँ वह प्रभु की आज्ञा के अनुसार* नहीं पर मानो मूर्खता से ही कहता हूँ। **18** जब कि बहुत लोग शरीर के अनुसार घमण्ड करते हैं, तो मैं भी घमण्ड करूँगा।

19 तुम तो समझदार होकर आनन्द से मूर्खों की सह लेते हो। **20** क्योंकि जब तुम्हें कोई दास बना लेता है*, या खा जाता है, या फँसा लेता है, या अपने आप को बड़ा बनाता है, या तुम्हारे मुँह पर थप्पड़ मारता है, तो तुम सह लेते हो। **21** मेरा कहना अनादर की रीति पर है, मानो कि हम निर्बल से थे; परन्तु जिस किसी बात में कोई साहस करता है, मैं मूर्खता से कहता हूँ तो मैं भी साहस करता हूँ।

22 क्या वे ही इब्रानी हैं? मैं भी हूँ। क्या वे ही इस्राएली हैं? मैं भी हूँ; क्या वे ही अब्राहम के वंश के हैं? मैं भी हूँ। **23** क्या वे ही मसीह के सेवक हैं? (मैं पागल के समान कहता हूँ) मैं उनसे बढ़कर हूँ! अधिक परिश्रम करने में; बार-बार कैद होने में; कोड़े खाने में; बार-बार मृत्यु के जोखिमों में।

24 पाँच बार मैंने यहूदियों के हाथ से उनतालीस कोड़े खाए। **25** तीन बार मैंने बेंतें खाई; एक बार पत्थराव किया गया; तीन बार जहाज जिन पर मैं चढ़ा था, टूट गए; एक रात दिन मैंने समुद्र में काटा। **26** मैं बार-बार यात्राओं में; नदियों के जोखिमों में; डाकुओं के जोखिमों में; अपने जातिवालों से जोखिमों में; अन्यजातियों से जोखिमों में; नगरों में के जोखिमों में; जंगल के जोखिमों में; समुद्र के जोखिमों में; झूठे भाइयों के बीच जोखिमों में रहा;

27 परिश्रम और कष्ट में; बार-बार जागते रहने में; भूख-प्यास में; बार-बार उपवास करने में; जाड़े में; उघाड़े रहने में। **28** और अन्य बातों को छोड़कर जिनका वर्णन मैं नहीं करता सब कलीसियाओं की चिन्ता प्रतिदिन मुझे दबाती है। **29** किस की निर्बलता से मैं निर्बल नहीं होता? किस के पाप में गिरने से मेरा जी नहीं दुःखता?

30 यदि घमण्ड करना अवश्य है, तो मैं अपनी निर्बलता की बातों पर घमण्ड करूँगा। **31** प्रभु यीशु का परमेश्वर और पिता जो सदा धन्य है, जानता है, कि मैं झूठ नहीं बोलता।

32 दमिश्क में अरितास राजा की ओर से जो राज्यपाल था, उसने मेरे पकड़ने को दमिश्कियों के नगर पर पहरा बैठा रखा था। **33** और मैं टोकरे में खिड़की से होकर दीवार पर से उतारा गया, और उसके हाथ से बच निकला।

---

2 Corinthians 11:1

तुम मेरी थोड़ी मूर्खता
वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी और अधिक मुर्खता थे"

सह लेते तो क्या ही भला होता; हां, मेरी सह भी लेते हो।
वैकल्पिक अनुवाद: "नि:सन्देह तुम हो!"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मैं ने एक ही पुरूष से तुम्हारी बात लगाई है, कि तुम्हें पवित्र कुंवारी की नाईं मसीह को सौंप दूं।
वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने तुम्हें एक ही पति मसीह को एक शुद्ध कुंवारी के समान प्रस्तुत करने का प्रयास किया है।"

परन्तु मैं डरता हूं कि जैसे ... कहीं भ्रष्ट न किए जाएं।
वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु मुझे डर इस बात का है कि किसी प्रकार तुम्हारे विचार ..मसीह की भक्ति जिस प्रकार सर्प ने अपनी चतुराई से हव्वा को धोखा दिया।"

2 Corinthians 11:3

यदि कोई तुम्हारे पास आकर
"जब कोई"

या कोई और आत्मा तुम्हें मिले; जो पहिले न मिला था; या और कोई सुसमाचार जिसे तुम ने पहिले न माना था,
वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र आत्मा की आपेक्षा अन्य कोई आत्मा या जो सुसमाचार तुमने हमसे सुना उसकी अपेक्षा अन्य सन्देश "

तो तुम्हारा सहना ठीक होता।
वैकल्पिक अनुवाद: "तुम उसे ग्रहण करते हो!"

"बड़े से बड़े प्रेरितों "
वैकल्पिक अनुवाद: "झूठे शिक्षक जो सोचते हैं कि वे विशिष्ट हैं"

2 Corinthians 11:5

यदि मैं वक्तव्य में अनाड़ी हूं,
यदि मैं वक्तव्य में अनाड़ी हूं, वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैं भाषण देने में प्रशिक्षित नहीं हूँ।".

मैं ने तुम्हें परमेश्वर का
वैकल्पिक अनुवाद: बदले में तुमसे कुछ पाने की आशा के बिना परमेश्वर का ?

2 Corinthians 11:7

मैं ने और कलीसियाओं को लूटा
वैकल्पिक अनुवाद: " मैं ने अन्य कलीसियाओं से आर्थिक सहयोग स्वीकार किया है।"

मैं ने उन से मजदूरी ली,
वैकल्पिक अनुवाद: "कलीसियाएं ताकि"

ताकि तुम्हारी सेवा करूं।
वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निर्मोल तुम्हारी सेवा कर सकता हूँ"

और मैं ने हर बात में अपने आप को तुम पर भार होने से रोका,
वैकल्पिक अनुवाद: "मैं तुम पर आर्थिक बोझ नहीं बना।"

और रोके रहूंगा।
वैकल्पिक अनुवाद: "और न ही कभी होऊँगा।"

कोई मुझे इस घमण्ड से न रोकेगा।
पौलुस संपूर्ण अखाया प्रदेश में गर्व से चर्चा करेगा – अखाया आज का दक्षिणी यूनान है।

2 Corinthians 11:10

किस लिये? क्या इसलिये कि मैं तुम से प्रेम नहीं रखता?
किस लिये? क्या इसलिये कि मैं तुम से प्रेम नहीं रखता? - वैकल्पिक अनुवाद: "मैं तुम्हें अपनी आवश्यकताओं के लिए आर्थिक सहयोग देने से रोकता रहूंगा क्योंकि इससे लोग जानेंगे कि मैं तुमसे प्रेम करता हूँ।"

कि जो लोग दांव ढूंढ़ते हैं,
दावा रोकने या व्यर्थ करने के लिए

2 Corinthians 11:12

जिस बात में वे घमण्ड करते हैं, उस में वे हमारे ही समान ठहरें।
कि ये लोग गर्व करना चाहते हैं कि उनका काम भी पौलुस के जैसा ही है।

क्योंकि ऐसे लोग -
वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग"

छल से काम करने वाले,
"या अनिष्ठ कार्यकर्ता"

मसीह के प्रेरितों का रूप धरने वाले हैं।
ये लोग मसीह के प्रेमी होने का स्वांग रचते हैं।

और यह कुछ अचम्भे की बात नहीं
"मेरे लिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है।"

2 Corinthians 11:14

शैतान आप भी ज्योतिमर्य स्वर्गदूत का रूप धारण करता है।
"शैतान ज्योति वा स्वर्गदूत होने का दिखावा करता है।"

तो कुछ बड़ी बात नहीं
"इससे अर्थ निकलता है कि"

कोई मुझे मूर्ख न समझे;
पौलुस द्वारा कुछ मुर्खता पर गर्व करना और धोखा खाने वाले मुर्ख में जिसे धोखा दिया जा सके, अन्तर है।

2 Corinthians 11:16

मूर्ख ही समझकर मेरी सह लो
पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया के लिए गर्व करने के क्षण भर की इच्छा व्यक्त करता है।

ताकि थोड़ा सा मैं भी घमण्ड करूं।
वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैं कुछ गर्व करूं ।"

इस बेधड़क घमण्ड से बोलने में जो कुछ मैं कहता हूं वह प्रभू की आज्ञा के अनुसार
वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा गर्व करना मसीह को स्वीकार्य नहीं,"

शरीर के अनुसार,
शरीर के अनुसार, - वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी मानवीय उपलब्धियों के बारे में।"

आनन्द से मूर्खों की सह लेते हो।
"क्योंकि तुम मूर्खों को सहन करने में आनन्दित होते हो।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

2 Corinthians 11:19

तुम तो समझदार होकर
वैकल्पिक अनुवाद: "सोचते हो कि तुम बुद्धिमान हो!"

फँसा लेता है
मनुष्य में परस्पर असहमति लाकर ।

या तुम्हारे मुंह पर थप्पड़ मारता है
"और वह थप्पड़ मारता है"

मेरा कहना अनादर की रीति पर है, मानो कि हम निर्बल से थे;
वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे स्वीकार करते हुए लज्जा आती है कि हम तुम्हारे साथ ऐसा व्यवहार करने के लिए निर्भीक नहीं हैं।"

परन्तु जिस किसी बात में कोई हियाव करता है
वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके बारे में कोई भी कुछ गर्व करे।"

तो मैं भी हियाव करता हूं।
वैकल्पिक अनुवाद: "मैं भी गर्व करने का साहस करता हूँ ।"

क्या वे ही इब्रानी हैं? मैं भी हूं: क्या वे ही इस्राएली हैं? मैं भी हूँ: क्या वे ही अब्राहम के वंश के हैं ?मैं भी हूं: क्या वे ही मसीह के सेवक हैं?
क्या वे ही इब्रानी हैं? मैं भी हूं: क्या वे ही इस्राएली हैं? मैं भी हूँ: क्या वे ही अब्राहम के वंश के हैं ?मैं भी हूं: क्या वे ही मसीह के सेवक हैं? - इब्रानी इस्राएली अब्राहम के वंशज भी कहलाते थे। See (Parallelism)

2 Corinthians 11:22

मैं पागल के समान कहता है
"जैसे कि मैं पागल व्यक्ति हूँ।"

मैं उनसे बढ़कर हूँ
वैकल्पिक अनुवाद: "मैं उनसे अधिक मसीह का सेवक हूँ "

अधिक परिश्रम करने में
वैकल्पिक अनुवाद: "मैं ने अधिक परिश्रम किया है"

बार-बार कैद होने में
बार-बार कैद होने में - वैकल्पिक अनुवाद: "मैं कई बार बन्दीगृह में रहा हूँ"

कोड़े खाने में
वैकल्पिक अनुवाद: "अनेक बार मुझे मारा भी गया।"

बार- बार मृत्यु के जोखिमों में
वैकल्पिक अनुवाद: "और अनेक बार मौत से बचा।"

उन्तालीस उन्तालीस कोड़े खाए।
यह 39 कोढ़ेखाने की एक सामान्य अभिव्यक्ति थी। माना जाता था कि 40 कोढ़े खाने से मनुष्य मर सकता है

2 Corinthians 11:24

एक रात दिन मैं ने समुद्र में काटा।
पौलुस जहाज़ टूट जाने के बाद पानी पर तैर रहा था।

झूठे भाइयों के बीच जोखिमों में
वैकल्पिक अनुवाद: "और मसीह में भाई होने का दावा करके धोखा देने वाले भाइयों के खतरे में"

उघाड़े रहने में।
वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे शरीर को गर्म रखने के लिए अधिक वस्त्रों से रहित"

2 Corinthians 11:27

कौन कहता है कि वह निर्बल और मैं नहीं
वैकल्पिक अनुवाद: "जब कोई दुर्बल हो तो मुझे उसकी दुर्बलता का बोध होता है"

किस के ठोकर खाने से
वैकल्पिक अनुवाद: "जब कोई किसी भाई को पाप में गिराता है।"

मेरा जी नहीं दुखता?
वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे क्रोध आता है।"

मैं अपनी निर्बलता की बातें करूंगा।
वैकल्पिक अनुवाद: "मैं कैसा दुर्बल हूँ"

2 Corinthians 11:30

दमिश्कियों के नगर पर पहरा बैठा रखा था।
दमिश्कियों के नगर पर पहरा बैठा रखा था। - "नगर के द्वार की रक्षा करते हुए।"

2 Corinthians 11:32

उस ने मेरे पकड़ने के लिए
उस ने मेरे पकड़ने को, - वैकल्पिक अनुवाद: "कि वे मुझे पकड़ कर बन्दी बना लें"

शहरपनाह पर से उतारा गया, और उसके हाथ से बच निकलाा।
"दीवार और मैं बच निकला"

चर्चा करूंगा
"मैं संकोच से आगे कहता हूँ "

Translation Questions

2 Corinthians 11:2

पौलुस कुरिन्थ पवित्र जनों के लिए कौन सी एक ही धुन लगाए रहता था?
उसने एक ही पुरुष से उनकी बात लगाई है कि उन्हें पवित्र कुंवारी के समान मसीह को सौंप दे।

2 Corinthians 11:3

कुरिन्थ के पवित्र जनों के लिए पौलुस के मन में क्या भय था?
पौलुस को भय इस बात का था कि उनका मन मसीह की निष्ठावान एवं पवित्र भक्ति से भटक न जाए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

2 Corinthians 11:4

कुरिन्थ के विश्वासी क्या सह लेते थे?
वे पौलुस और उसके साथियों द्वारा सुनाए गए सुसमाचार की अपेक्षा अन्य किसी के द्वारा दूसरे यीशु का सुसमाचार को सह लेते थे।

2 Corinthians 11:7

पौलुस ने कुरिन्थ में कैसे सुसमाचार सुनाया था?
पौलुस ने कुरिन्थ में परमेश्वर का सुसमाचार सेंत-मेंत में सुनाया था।

2 Corinthians 11:8

पौलुस ने अन्य कलीसियाओं को कैसे "लूटा" था?
उसने उनकी सेवा के निमित्त अन्य कलीसियाओं को "लूटा" था।

2 Corinthians 11:13

पौलुस उन लोगों के बारे में क्या कहता है जो पौलुस और उसके साथियों के साथ बराबरी करने का घमण्ड करते थे?
पौलुस ऐसे लोगों को शैतान के सेवक, झूठे प्रेरित, छल से काम करने वाले और मसीह के प्रेरितों का रूप करने वाले कहता था।

2 Corinthians 11:14

शैतान कैसा रूप धारण करता है?
वह ज्योति के स्वर्गदूत का छद्मवेश धारण करता है।

2 Corinthians 11:16

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया से क्यों कहा कि उसे मूर्ख समझ कर ही ग्रहण कर लें?
पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया से कहता है कि उसे मूर्ख समझ कह ही सह लें कि थोड़ा सा वह भी घमण्ड कर ले।

2 Corinthians 11:19

पौलुस किसके लिए कहता है कि कुरिन्थ की कलीसिया ने उन्हें सहर्ष स्वीकार किया था?
पौलुस कहता है कि उसने सहर्ष मूर्खों को सह लिया- जिसने उन्हें दास बना लिया, जिसने उनमें विभाजन करवा दिया, जिसने उन्हें खा लिया, जिसने अपने आपको बड़ा बनाया था जिसने उनके मुंह पर थप्पड़ मारा।

2 Corinthians 11:22

पौलुस उन लोगों से स्वयं की तुलना करते हुए, जो पौलुस की बराबरी का घमण्ड करते थे, क्या कहता है?
पौलुस कहता है कि वह भी इब्रानी है, इस्राएली है, अब्राहम का वंश है, वह दूसरों से बढ़कर मसीह का सेवक है- अधिक परिश्रम करने में, बार-बार कैद होने में, कोड़े खाने में, बार-बार मृत्यु के जोखिमों में।

2 Corinthians 11:24

पौलुस ने कौन-कौन से जोखिम उठाए थे?
पौलुस ने यहूदियों के हाथों पांच बार उन्तालीस-उन्तालीस कोड़े खाए, तीन बार उसने बेंतें खाईं, एक बार उस पर पथराव किया गया, तीन बार जिन जहाजों पर वह यात्रा करता था, टूटे, उसने एक रात-दिन समुद्र में काटा, वह नदियों के जोखिमों में, डाकुओं के जोखिमों में, अपनी जाति वालों के जोखिमों, अन्य जाति वालों से जोखिमों में, नगरों के जोखिमों में, जंगल के जोखिमों में, समुद्र के जोखिमों में, झूठे भाइयों के बीच जोखिमों में रहा, पौलुस दमिश्क के राजा के जोखिम में भी रहा था।

2 Corinthians 11:29

किस बात से पौलुस ने कहा कि उसका जी दुखता था?
कोई किसी को ठोकर खिलाए तो पौलुस का जी दुखता था।

2 Corinthians 11:30

यदि घमण्ड करना हो तो पौलुस किस बात पर घमण्ड करना चाहता था?
पौलुस कहता है कि वह उसकी दुर्बलता की बातों पर घमण्ड करता था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 12

1 यद्यपि घमण्ड करना तो मेरे लिये ठीक नहीं, फिर भी करना पड़ता है; पर मैं प्रभु के दिए हुए दर्शनों और प्रकशनों की चर्चा करूँगा। **2** मैं मसीह में एक मनुष्य को जानता हूँ, चौदह वर्ष हुए कि न जाने देहसहित, न जाने देहरहित, परमेश्वर जानता है, ऐसा मनुष्य तीसरे स्वर्ग तक उठा लिया गया।

3 मैं ऐसे मनुष्य को जानता हूँ न जाने देहसहित, न जाने देहरहित परमेश्वर ही जानता है। **4** कि स्वर्गलोक पर उठा लिया गया, और ऐसी बातें सुनीं जो कहने की नहीं; और जिनका मुँह में लाना मनुष्य को उचित नहीं। **5** ऐसे मनुष्य पर तो मैं घमण्ड करूँगा, परन्तु अपने पर अपनी निर्बलताओं को छोड़, अपने विषय में घमण्ड न करूँगा।

6 क्योंकि यदि मैं घमण्ड करना चाहूँ भी तो मूर्ख न हूँगा, क्योंकि सच बोलूँगा; तो भी रुक जाता हूँ, ऐसा न हो, कि जैसा कोई मुझे देखता है, या मुझसे सुनता है, मुझे उससे बढ़कर समझे।

7 और इसलिए कि मैं प्रकशनों की बहुतायत से फूल न जाऊँ, मेरे शरीर में एक काँटा चुभाया गया अर्थात् शैतान का एक दूत कि मुझे घूँसे मारे ताकि मैं फूल न जाऊँ। (गला. 4:13, अय्यू. 2:6)

8 इसके विषय में मैंने प्रभु से तीन बार विनती की, कि मुझसे यह दूर हो जाए। **9** और उसने मुझसे कहा, “मेरा अनुग्रह तेरे लिये बहुत है; क्योंकि मेरी सामर्थ्य निर्बलता में सिद्ध होती है।*” इसलिए मैं बड़े आनन्द से अपनी निर्बलताओं पर घमण्ड करूँगा, कि मसीह की सामर्थ्य मुझ पर छाया करती रहे। **10** इस कारण मैं मसीह के लिये निर्बलताओं, और निन्दाओं में, और दरिद्रता में, और उपद्रवों में, और संकटों में, प्रसन्न हूँ; क्योंकि जब मैं निर्बल होता हूँ, तभी बलवन्त होता हूँ।

11 मैं मूर्ख तो बना, परन्तु तुम ही ने मुझसे यह बरबस करवाया: तुम्हें तो मेरी प्रशंसा करनी चाहिए थी, क्योंकि यद्यपि मैं कुछ भी नहीं, फिर भी उन बड़े से बड़े प्रेरितों से किसी बात में कम नहीं हूँ। **12** प्रेरित के लक्षण भी तुम्हारे बीच सब प्रकार के धीरज सहित चिन्हों, और अद्भुत कामों, और सामर्थ्य के कामों से दिखाए गए। **13** तुम कौन सी बात में और कलीसियाओं से कम थे, केवल इसमें कि मैंने तुम पर अपना भार न रखा मेरा यह अन्याय क्षमा करो।

14 अब, मैं तीसरी बार तुम्हारे पास आने को तैयार हूँ, और मैं तुम पर कोई भार न रखूँगा; क्योंकि मैं तुम्हारी सम्पत्ति नहीं, वरन् तुम ही को चाहता हूँ। क्योंकि बच्चों को माता-पिता के लिये धन बटोरना न चाहिए, पर माता-पिता को बच्चों के लिये। **15** मैं तुम्हारी आत्माओं के लिये बहुत आनन्द से खर्च करूँगा, वरन् आप भी खर्च हो जाऊँगा क्या जितना बढ़कर मैं तुम से प्रेम रखता हूँ, उतना ही घटकर तुम मुझसे प्रेम रखोगे?

16 ऐसा हो सकता है, कि मैंने तुम पर बोझ नहीं डाला, परन्तु चतुराई से तुम्हें धोखा देकर फँसा लिया। **17** भला, जिन्हें मैंने तुम्हारे पास भेजा, क्या उनमें से किसी के द्वारा मैंने छल करके तुम से कुछ ले लिया? **18** मैंने तीतुस को समझाकर उसके साथ उस भाई को भेजा, तो क्या तीतुस ने छल करके तुम से कुछ लिया? क्या हम एक ही आत्मा के चलाए न चले? क्या एक ही लीक पर न चले?

19 तुम अभी तक समझ रहे होंगे कि हम तुम्हारे सामने प्रत्युत्तर दे रहे हैं, हम तो परमेश्वर को उपस्थित जानकर मसीह में बोलते हैं, और हे प्रियों, सब बातें तुम्हारी उन्नति ही के लिये कहते हैं।

20 क्योंकि मुझे डर है, कहीं ऐसा न हो, कि मैं आकर जैसा चाहता हूँ, वैसा तुम्हें न पाऊँ; और मुझे भी जैसा तुम नहीं चाहते वैसा ही पाओ, कि तुम में झगड़ा, डाह, क्रोध, विरोध, ईर्ष्या, चुगली, अभिमान और बखेड़े हों। **21** और कहीं ऐसा न हो कि जब मैं वापस आऊँगा, मेरा परमेश्वर मुझे अपमानित करे और मुझे बहुतों के लिये फिर शोक करना पड़े, जिन्होंने पहले पाप किया था, और उस गंदे काम, और व्यभिचार, और लुचपन से, जो उन्होंने किया, मन नहीं फिराया।

---

2 Corinthians 12:1

प्रभु के दिए हुए... प्रकाशों
बुद्धि, ज्ञान या समझ प्रभु से है।

मैं मसीह में एक मनुष्य को जानता हूं, चौदह वर्ष
पौलुस वास्तव में अपने बारे में वर्णन कर रहा है जिसे वह शीघ्र ही प्रकट करेगा ।

न जाने देह सहित, न जाने देह रहित,
न जाने देह सहित, न जाने देह रहित, - पौलुस अपने ही बारे में कहता जा रहा है परन्तु इस प्रकार कि वह तृतीय पुरुष है, वैकल्पिक अनुवाद, “ मैं नहीं जानता कि वह पुरुष अपने शरीर में था या आत्मिक देह में ।”

परमेश्वर जानता है,
वैकल्पिक अनुवाद: "केवल परमेश्वर जानता है।"

तीसरे स्वर्ग तक
इसका अभिप्राय परमेश्वर के निवास स्थान से है न कि आकाश या अन्तरिक्ष से ।

मैं ऐसे मनुष्य को जानता हूं —
"और मैं जानता हूँ कि यह पुरुष "

2 Corinthians 12:3

उठा लिया गया,
“ उठा लिया गया ”

स्वर्ग लोक
"स्वर्ग लोक " स्वर्ग या तो तीसरे स्वर्ग का पर्यायवाची शब्द है या स्वर्ग में कोई विशिष्ट स्थान है ।."

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

और ऐसी बातें सुनीं
"और ऐसी बातें सुनीं"

ऐसे मनुष्य पर
"उस व्यक्ति पर "

मुझे उस से बढ़कर समझे।
"जो दिखाई देता है उससे अधिक श्रेय मुझे दे।"

2 Corinthians 12:6

और इसलिये कि मैं प्रकाशों की बहुतायत से फूल न जाऊं,
और इसलिये कि मैं प्रकाशों की बहुतायत से फूल न जाऊं, - "मुझे घमण्ड करने से दूर रखने के लिए"

मेरे शरीर में एक कांटा चुभाया गया
"कोई कष्ट" या "शारीरिक समस्या"

शैतान का एक दूत
"शैतान का सेवक"

मुझे घूँसे मारे
"मुझे पीड़ा पहुँचाने के लिए"

इस के विषय में मैं ने प्रभु से,
वैकल्पिक अनुवाद: "जिस शारीरिक समस्याओं के बारे में प्रभु से," या "इस पीड़ा के बारे में प्रभु से"

2 Corinthians 12:8

"मेरा अनुग्रह तेरे लिये बहुत है,
"'मेरा अनुग्रह ही है जो तुझे चाहिए"

मेरी सामर्थ निर्बलता में सिद्ध होती है"
वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि मेरा सामर्थ्य तभी प्रकट होता है जब तू दुर्बल होता है.'"

इस कारण मैं मसीह ...में, प्रसन्न हूं;
वैकल्पिक अनुवाद: "यह ही कारण है कि मैं अपनी दुर्बलताओं को सौभग्य समझता हूँ"

संकटों में,
वैकल्पिक अनुवाद: "संकट जिन्हें मैं मसीह के लिए उठाता हूँ,"

क्योंकि जब मैं निर्बल होता हूं, तभी बलवन्त होता हूं॥
वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि मेरी दुर्बलता में मसीह का सामर्थ्य अति प्रबल हो जाता है"

मैं मूर्ख तो बना,
"मूर्खों का सा काम तो किया"

2 Corinthians 12:11

तुम ही ने मुझ यह करने के लिए विवश किया
वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हें मेरे कामों की खुल कर प्रशंसा करनी चाहिए"

किसी बात में कम नहीं हूं।
किसी बात में कम नहीं हूं। - वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि मैं उनसे कुछ भी कम नहीं"

"बड़े से बड़े प्रेरितों"
"झूठे दंभी शिक्षक"

तुम कौन सी बात में अन्य कलीसियाओं से कम थें
वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी अन्य कलीसियाओं और तुममे जो अंतर है "

केवल इस में कि मैं ने तुम पर अपना भार न रखा
केवल इस में कि मैं ने तुम पर अपना भार न रखा - वैकल्पिक अनुवाद: "बस इसकी अपेक्षा कि मैने तुमसे पैसा नहीं मांगता"

मेरा यह अन्याय क्षमा करो
पौलुस उनसे आर्थिक सहयोग की मांग न करने की क्षमा याचना करता है

तुम ही को चाहता हूं
वैकल्पिक अनुवाद: "जो में चाहता हूँ वह है, मसीह में तुम्हारा प्रेम और स्वीकरण"

2 Corinthians 12:14

मैं तुम्हारी आत्माओं के लिये बहुत आनन्द से खर्च करूंगा, वरन आप भी खर्च हो जाऊंगा:
पौलुस उनकी आवश्यकता पूर्ति- सांसारिक या आत्मिक- के विषय में कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद:"मेरे पास जो कुछ है तुम पर खर्च कर दूंगा वरन स्वयं ही खर्च हो जाऊंगा."

क्या जितना बढ़कर मैं तुम से प्रेम रखता हूं, उतना ही घटकर तुम मुझ से प्रेम रखोगे?
वैकल्पिक अनुवाद: " चाहे ऐसा ही क्यों न प्रतीत हो कि मैं तुमसे अधिक प्रेम करता हूँ और तुम मुझसे कम करते हो।"

परन्तु चतुराई से तुम्हें धोखा देकर फंसा लिया।
वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु लोग तो यही सोचते है कि मैंनें तुम्हे धोका दिया है और तुम्हारे साथ चाल चली है।"

2 Corinthians 12:16

भला, जिन्हें मैं ने तुम्हारे पास भेजा, क्या उन में से किसी के द्वारा मैं ने छल करके तुम से कुछ ले लिया?
वैकल्पिक अनुवाद: "मैनें जिसे भी तुम्हारे पास भेजा क्या उसने तुमसे अनुचित लाभ उठाया है?" (देखें

क्या तीतुस ने छल करके तुम से कुछ लिया?
वैकल्पिक अनुवाद:" क्या तीतुस ने अनुचित लाभ उठाया है?

क्या हम एक ही आत्मा के चलाए न चले?
वैकल्पिक अनुवाद: "हमारा सबका स्वभाव क्या एक सा नहीं और जीवन भी एक सा नहीं?"

क्या एक ही लीक पर न चले?
वैकल्पिक अनुवाद: "हम सब की कार्य पद्धति क्या एक सी नहीं?"

तुम अभी तक समझ रहे होगे कि हम तुम्हारे सामने प्रत्युत्तर दे रहे हैं,
पौलुस स्पष्ट करता है कि वह उनके सामने किसी प्रकार का स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं कर रहा है वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हें यह भ्रम न हो कि हम अपनी बुराइयों पर परदा डाल रहें है"

2 Corinthians 12:19

सब बातें तुम्हारी उन्नति ही के लिये कहते हैं।
वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारी आत्मिक उन्नति के लिए ही कहते आ रहे है."

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मैं आकर जैसे चाहता हूं, वैसे तुम्हें न पाऊं
वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैं देखूं वह सम्भव है कि मुझे पसन्द न आये"

2 Corinthians 12:20

मुझे भी जैसा तुम चाहते वैसा ही पाओ
वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी प्रतिक्रिया तुम्हे भी पसन्द आये."

कहीं ऐसा हो,
वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आशा करता हूँ कि ऐसा हो"

मुझे बहुतों के लिये फिर शोक करना पड़े, जिन्हों ने पहिले पाप किया था,
वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे दुःख इस बात का होगा की तुम में से अनेकों ने अपने पूर्वकालिक पापी स्वभाव से मन नहीं फिराया"

और उस गन्दे काम, और व्यभिचार, और लुचपन से, जो उन्होंने किया, मन नहीं फिराया॥
वैकल्पिक अनुवाद:: "और अपने यौनाचार के पाप से विमुख नहीं हुए"

बचे हुओं के लिए
इस अभिव्यक्ति का अर्थ यहि जो बचे हुए है या उनमे से हर एक जन।
वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य सब."

Translation Questions

2 Corinthians 12:1

पौलुस किस बात पर घमण्ड करने की बात करता है?
पौलुस प्रभु के दिए हुए दर्शनों और प्रकाशनों पर घमण्ड करना चाहता था।

2 Corinthians 12:2

मसीह में उस मनुष्य के साथ चौदह वर्ष पूर्व क्या हुआ था?
वह तीसरे स्वर्ग तक उठा लिया गया था और ऐसी बातें खुलीं जो कहने की नहीं।

2 Corinthians 12:6

पौलुस क्या कहता है कि यदि वह घमण्ड करे तो वह मूर्खता नहीं होगी?
पौलुस कहता है कि उसके लिए घमण्ड करना मूर्खता नहीं क्योंकि वह सच कहता है।

2 Corinthians 12:7

पौलुस फूल न जाए तो उसके लिए क्या किया गया?
पौलुस की देह में एक कांटा चुभाया गया अर्थात शैतान का एक दूत कि उसे घूंसे मारे।

2 Corinthians 12:9

पौलुस ने प्रभु से उस देह के कांटे को निकालने के लिए कहा तो प्रभु ने उससे क्या कहा?
प्रभु ने पौलुस से कहा, "मेरा अनुग्रह तेरे लिए बहुत है, क्योंकि मेरी सामर्थ्य निर्बलता में सिद्ध होती है।"

पौलुस क्यों कहता है कि दुर्बलता पर घमण्ड करना अधिक उत्तम है?
पौलुस कहता है कि ऐसा होना अधिक उत्तम है जिससे कि प्रभु का सामर्थ्य उस पर छाया करे।

2 Corinthians 12:12

उनके मध्य संपूर्ण धीरज के साथ क्या दिखाए गए थे?
उनके मध्य चिन्हों और अद्भुत कामों और सामर्थ्य के कामों द्वारा प्रेरित के लक्षण उसने दिखाए थे।

2 Corinthians 12:14

पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया से क्यों कहा कि वह उन पर बोझ नहीं बनना चाहता था?
पौलुस ने कहा कि वह उनकी सम्पत्ति नहीं उनको चाहता था।

2 Corinthians 12:15

पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया के लिए बड़े आनन्द से क्या करना और होना चाहता था?
पौलुस कहता है कि वह उनकी आत्माओं के लिए बड़े आनन्द से खर्च करेगा वरन् आप भी खर्च हो जाएगा।

2 Corinthians 12:19

पौलुस ने कुरिन्थ के विश्वासियों से यह सब किस उद्देश्य से कहा?
पौलुस ने यह सब कुरिन्थ के विश्वासियों के निर्माण हेतु कहा था।

2 Corinthians 12:20

कुरिन्थ की कलीसिया से भेंट करने पर पौलुस के मन में कैसी शंका थी?
पौलुस को डर था कि उनमें झगड़ा, डाह, क्रोध, विरोध, ईर्ष्या, चुगली, अभिमान और बखेड़े न हों।

2 Corinthians 12:21

पौलुस को किस बात का डर था कि परमेश्वर उसके साथ न करे?
पौलुस को डर था कि परमेश्वर उस पर दबाव न डाले।

पौलुस क्यों सोचता है कि उसके पूर्वकाल में पाप करने वालों के लिए फिर शोक करना पड़े?
पौलुस को डर था कि उन्होंने पाप, गन्दे काम, व्यभिचार और लुचपन से मन न फिराया हो।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 13

1 अब तीसरी बार तुम्हारे पास आता हूँ: दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्य. 19:15) **2** जैसे मैं जब दूसरी बार तुम्हारे साथ था, वैसे
ही अब दूर रहते हुए उन लोगों से जिन्होंने पहले पाप किया, और अन्य सब लोगों से अब पहले से कहे देता हूँ, कि यदि मैं फिर आऊँगा, तो नहीं छोड़ूँगा।

3 तुम तो इसका प्रमाण चाहते हो, कि मसीह मुझ में बोलता है, जो तुम्हारे लिये निर्बल नहीं; परन्तु तुम में सामर्थी है। **4** वह निर्बलता के कारण क्रूस पर चढ़ाया
तो गया, फिर भी परमेश्वर की सामर्थ्य से जीवित है, हम भी तो उसमें निर्बल हैं; परन्तु परमेश्वर की सामर्थ्य से जो तुम्हारे लिये है, उसके साथ जीएँगे।

5 अपने आप को परखो, कि विश्वास में हो कि नहीं; अपने आप को जाँचो*, क्या तुम अपने विषय में यह नहीं जानते, कि यीशु मसीह तुम में है? नहीं तो तुम
निकम्मे निकले हो। **6** पर मेरी आशा है, कि तुम जान लोगे, कि हम निकम्मे नहीं।

7 और हम अपने परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं, कि तुम कोई बुराई न करो*; इसलिए नहीं, कि हम खरे देख पड़ें, पर इसलिए कि तुम भलाई करो, चाहे हम
निकम्मे ही ठहरें। **8** क्योंकि हम सत्य के विरोध में कुछ नहीं कर सकते, पर सत्य के लिये ही कर सकते हैं।

9 जब हम निर्बल हैं, और तुम बलवन्त हो, तो हम आनन्दित होते हैं, और यह प्रार्थना भी करते हैं, कि तुम सिद्ध हो जाओ। **10** इस कारण मैं तुम्हारे पीठ पीछे ये
बातें लिखता हूँ, कि उपस्थित होकर मुझे उस अधिकार के अनुसार जिसे प्रभु ने बिगाड़ने के लिये नहीं पर बनाने के लिये मुझे दिया है, कड़ाई से कुछ करना न
पड़े।

11 निदान, हे भाइयों, आनन्दित रहो; सिद्ध बनते जाओ; धैर्य रखो; एक ही मन रखो; मेल से रहो*, और प्रेम और शान्ति का दाता परमेश्वर तुम्हारे साथ होगा।
12 एक दूसरे को पवित्र चुम्बन से नमस्कार करो।

13 सब पवित्र लोग तुम्हें नमस्कार कहते हैं।

14 प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह और परमेश्वर का प्रेम और पवित्र आत्मा की सहभागिता तुम सब के साथ होती रहे।

---

2 Corinthians 13:1

पहिले से कहे देता हूं,
"और मैं फिर कहता हूँ"

तौभी परमेश्वर की सामर्थ से जीवित है,
परमेश्वर हमे सामर्थ्य और क्षमता प्रदान करता है कि उसमें और उसके साथ जीवन जिए

2 Corinthians 13:3

नहीं तो तुम जाँच में निकम्मे निकले हो।
वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास के द्वारा तुम्हारा उद्धार नहीं हुआ है"

2 Corinthians 13:5

हम निकम्मे नहीं।
पौलुस गवाही देता है कि वह और उसका प्रचारक दल मसीह यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाया हुआ है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम जाँच में निक्कमे नहीं निकले है।"

तुम कोई बुराई न करो
"कि तुम पाप न करों" या "कि तुम उचित काम करों"

2 Corinthians 13:7

कि हम खरे दीख पड़े,
कि हम खरे दीख पड़े, - वैकल्पिक अनुवाद: "कि हम शिक्षक हो और सत्य का जीवन जिए,"

योंकि हम सत्य के विरोध में कुछ नहीं कर सकते
वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के सत्य का विरोध करने के योग्य नहीं"

पर सत्य के लिये ही कर सकते हैं।
वैकल्पिक अनुवाद: "सत्य के लिए दृढ़ता से खड़ा होना आवश्यक है"

सिद्ध हो जाओं
वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मिकता में परिपक्व हो जाओं."

2 Corinthians 13:9

तुम्हारे पीठ पीछे ये बातें लिखता हूं, कि उपस्थित होकर
तुम्हारे पीठ पीछे ये बातें लिखता हूं, कि उपस्थित होकर - वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारे लिए. मैं उपयोग करने की इच्छा रखता हूँ"

पुन: बनाने के लिये
वैकल्पिक अनुवाद: "परिपक्वता लाने का काम करता हूँ"

2 Corinthians 13:11

मेल से रहो
वैकल्पिक अनुवाद: "एक दुसरे के साथ मेलमिलाप का जीवन बनाए रखों "

पवित्र चुम्बन से नमस्कार करो।
"मसीही प्रेम से"

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

2 Corinthians 13:1

दूसरा पत्र लिखने तक पौलुस कितनी बार कुरिन्थ की कलीसिया में जा चुका था?
कुरिन्थ की कलीसिया को दूसरा पत्र लिखने तक पौलुस दोबारा उनके पास जा चुका था।

2 Corinthians 13:3

??
पौलुस ने वहाँ पाप करने वालों वरन् सबसे क्यों कहा कि जब आएगा तब वह उन्हें नहीं छोड़ेगा?पौलुस ने उनसे ऐसा इसलिए कहा कि कुरिन्थ के कुछ विश्वासी प्रभाव खोज रहे थे कि प्रभु यीशु पौलुस के द्वारा बातें करता था।

2 Corinthians 13:5

पौलुस ने कुरिन्थ के विश्वासियों से निरीक्षण करके परखने को क्यों कहा?
पौलुस ने उनसे कहा कि वे स्वयं का निरीक्षण करके एवं परख कर देखें कि वे विश्वास में में स्थिर हैं या नहीं।

2 Corinthians 13:6

पौलुस को क्या विश्वास था कि कुरिन्थ के विश्वासी उनमें पाएंगे?
पौलुस को पूर्ण विश्वास था कि कुरिन्थ के विश्वासी उनको निकम्मा नहीं पाएंगे।

2 Corinthians 13:8

पौलुस ने क्या कहा कि वह और उसके साथ नहीं कर पाएंगे?
पौलुस ने कहा कि वे सत्य के विरुद्ध कुछ नहीं कर पाएंगे।

2 Corinthians 13:10

कुरिन्थ की कलीसिया से दूर रहकर पौलुस ने उन्हें ये सब बातें क्यों लिखीं?
पौलुस ने ये बातें इसलिए लिखीं कि जब वह उनके मध्य उपस्थित हो तो उसे उनके साथ कठोरता का व्यवहार न करना पड़े।

कुरिन्थ के पवित्र जनों पर अपना परमेश्वर प्रदत्त अधिकार कैसे काम में लेना चाहता था?
पौलुस परमेश्वर प्रदत्त अपने अधिकार को कुरिन्थ के विश्वासियों को बिगाड़ने के लिए नहीं परन्तु बनाने के लिए काम में लेना चाहता था।

2 Corinthians 13:11

अन्त में पौलुस क्या चाहता था कि कुरिन्थ के विश्वासी करें?
पौलुस चाहता था कि वे आनन्दित रहें, सिद्ध बनते जाएं, एक ही मन रखें, मेल से रहें, एक-दूसरे को पवित्र चुम्बन से नमस्कार करें।

2 Corinthians 13:14

पौलुस कुरिन्थ के सब विश्वासियों के लिए क्या चाहता था?
पौलुस चाहता था प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह और परमेश्वर का प्रेम और पवित्र-आत्मा की सहभागिता उन सब के साथ होती रहे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: Galatians

Galatians

Chapter 1

1 पौलुस की, जो न मनुष्यों की ओर से, और न मनुष्य के द्वारा, वरन् यीशु मसीह और परमेश्वर पिता के द्वारा, जिस ने उसको मरे हुओं में से जिलाया, प्रेरित है। **2** और सारे भाइयों की ओर से, जो मेरे साथ हैं; गलातिया की कलीसियाओं के नाम।

3 परमेश्वर पिता, और हमारे प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे। **4** उसी ने अपने आप को हमारे पापों के लिये दे दिया, ताकि हमारे परमेश्वर और पिता की इच्छा के अनुसार हमें इस वर्तमान बुरे संसार से छुड़ाए। **5** उसकी महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन।

6 मुझे आश्चर्य होता है, कि जिस ने तुम्हें मसीह के अनुग्रह से बुलाया उससे तुम इतनी जल्दी फिर कर और ही प्रकार के सुसमाचार की ओर झुकने लगे। **7** परन्तु वह दूसरा सुसमाचार है ही नहीं पर बात यह है, कि कितने ऐसे हैं, जो तुम्हें घबरा देते, और मसीह के सुसमाचार को बिगाड़ना चाहते हैं।

8 परन्तु यदि हम या स्वर्ग से कोई दूत भी उस सुसमाचार को छोड़ जो हमने तुम को सुनाया है, कोई और सुसमाचार तुम्हें सुनाए, तो श्रापित हो। **9** जैसा हम पहले कह चुके हैं, वैसा ही मैं अब फिर कहता हूँ, कि उस सुसमाचार को छोड़ जिसे तुम ने ग्रहण किया है, यदि कोई और सुसमाचार सुनाता है, तो श्रापित हो। **10** अब मैं क्या मनुष्यों को मानता हूँ या परमेश्वर को? क्या मैं मनुष्यों को प्रसन्न करना चाहता हूँ? यदि मैं अब तक मनुष्यों को ही प्रसन्न करता रहता*, तो मसीह का दास न होता।

11 हे भाइयों, मैं तुम्हें जताए देता हूँ, कि जो सुसमाचार मैंने सुनाया है, वह मनुष्य का नहीं। **12** क्योंकि वह मुझे मनुष्य की ओर से नहीं पहुँचा*, और न मुझे सिखाया गया, पर यीशु मसीह के प्रकाशन से मिला।

13 यहूदी मत में जो पहले मेरा चाल-चलन था, तुम सुन चुके हो; कि मैं परमेश्वर की कलीसिया को बहुत ही सताता और नाश करता था। **14** और मैं यहूदी धर्म में अपने साथी यहूदियों से अधिक आगे बढ़ रहा था और अपने पूर्वजों की परम्पराओं में बहुत ही उत्तेजित था।

15 परन्तु परमेश्वर की जब इच्छा हुई, उसने मेरी माता के गर्भ ही से मुझे ठहराया* और अपने अनुग्रह से बुला लिया, (यशा. 49:1,5, यिर्म. 1:5) **16** कि मुझ में अपने पुत्र को प्रगट करे कि मैं अन्यजातियों में उसका सुसमाचार सुनाऊँ; तो न मैंने माँस और लहू से सलाह ली; **17** और न यरूशलेम को उनके पास गया जो मुझसे पहले प्रेरित थे, पर तुरन्त अरब को चला गया और फिर वहाँ से दमिश्क को लौट आया।

18 फिर तीन बरस के बाद मैं कैफा से भेंट करने के लिये यरूशलेम को गया, और उसके पास पन्द्रह दिन तक रहा। **19** परन्तु प्रभु के भाई याकूब को छोड़ और प्रेरितों में से किसी से न मिला। **20** जो बातें मैं तुम्हें लिखता हूँ, परमेश्वर को उपस्थित जानकर कहता हूँ, कि वे झूठी नहीं।

21 इसके बाद मैं सीरिया और किलिकिया के देशों में आया। **22** परन्तु यहूदिया की कलीसियाओं ने जो मसीह में थी, मेरा मुँह तो कभी नहीं देखा था। **23** परन्तु यही सुना करती थीं, कि जो हमें पहले सताता था, वह अब उसी विश्वास का सुसमाचार सुनाता है, जिसे पहले नाश करता था। **24** और मेरे विषय में परमेश्वर की महिमा करती थीं।

Galatians 1:1

जिसने उसको मरे हुओं में से जिलाया
"जिसने मसीह यीशु को पुनःजीवित किया"

पौलुस....प्रेरित
इसका अनुवाद हो सकता है, "प्रेरित पौलुस की ओर से" या "यह पत्र पौलुस की ओर से है जो एक प्रेरित है"।

Galatians 1:3

हमारे पापों के लिए
"हमारे पापों का जो दण्ड हमारे लिए था उसे सहने के लिए"

कि वह इस वर्तमान बुरे संसार से छुड़ाए
इस वर्तमान बुरे संसार से छुड़ाए -कि वह हमें आज के संसार में क्रियाशील बुरी शक्तियों से बचाए"।

हमारे परमेश्वर और पिता
अर्थात "हमारे पिता परमेश्वर" वह हमारा परमेश्वर है और हमारा पिता भी है।

Galatians 1:6

मुझे आश्चर्य होता है कि तुम इतनी जल्दी फिर गए
इसका एक और संभावित अर्थ है, "मुझे आश्चर्य होता है कि तुम इतनी शीघ्र कैसे.... बदल गए"।

मुझे आश्चर्य होता है कि
"यह देखकर मै चकित हूँ"

तुम फिर रहे हो
फिर रहे हो -इसके संभावित अर्थ हैं, 1) "तुम अपना मन बदलने लगे"। 2) "तुम अपनी स्वामिभक्ति बदलने लगे"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जिसने तुम्हें बुलाया
“परमेश्वर जिसने तुम्हें बुलाया”

मसीह के अनुग्रह में
मसीह के अनुग्रह में - इसका अनुवाद हो सकता है, “मसीह के अनुग्रह के द्वारा” या “मसीह की अनुग्रहपूर्ण बलिदान के कारण”

पुरुष
“मनुष्य”

Galatians 1:8

सुसमाचार तुम्हें सुनाए
“सुनाए” या “सुनाता हो” अर्थात यह कि ऐसा नहीं हुआ है और होना भी नहीं चाहिए।

कोई और सुसमाचार तुम्हें सुनाए
“शुभ सन्देश के अतिरिक्त” या “हमारे सन्देश के अतिरिक्त”

उसे शापित होना चाहिए
“परमेश्वर झूठा सन्देश सुनाने वाले को सदा का दण्ड दे” (यू.डी.बी.) यदि आपकी भाषा में किसी को श्राप देने की विधि है तो उसका यहां उपयोग करें।

मैं क्या मनुष्यों को मनाता हूं या परमेश्वर को? या मैं मनुष्य को प्रसन्न करना चाहता हूँ?
इन प्रभावोत्पादक प्रश्नों से अपेक्षा की गई है कि उत्तर नकारात्मक हो। इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं मनुष्यों का नहीं” परमेश्वर का अनुमोदन खोजता हूं। मैं मनुष्यों को प्रसन्न करने की खोज में नहीं हूं”।

यदि मैं अब तक मनुष्यों को ही प्रसन्न करता रहता तो मसीह का दास न होता।
“यदि” और “तो” दोनों ही तथ्यों के विपरीत है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं अब तक मनुष्यों को प्रसन्न करने का प्रयास नहीं कर रहा हूं, मैं मसीह का सेवक हूं” या “यदि मैं मनुष्यों को प्रसन्न कर रहा हूं तो निश्चय ही मसीह का सेवक नहीं हूं”।

Galatians 1:11

वह मुझे मनुष्यों की ओर से नहीं पहुंचा और न मुझे सिखाया गया।
“मैंने न तो सुसमाचार सुना और ना ही मनुष्यों ने मुझे उसकी शिक्षा दी”।

यह मुझे यीशु मसीह के प्रकाशन से मिला।
इसका अर्थ हो सकता हैं 1) मसीह यीशु ने स्वयं मुझे यह शुभ सन्देश सौंपा” या 2) “परमेश्वर ने जब मुझे मसीह यीशु का दर्शन दिखाया तब उसने मुझे इस शुभ सन्देश से अवगत कराया।

मनुष्य की ओर से
“मानवीय मूल से”

Galatians 1:13

बढ़ता जाता था।
“उन्नति करता जा रहा था” या “आगे निकल रहा था” इस रूपक में पूर्व यहूदी होना है। पौलुस अपने युग के यहूदियों से आगे बढ़ता हुआ उस परिपूर्णता के स्थान की ओर अग्रसर था।

पहले का जीवन
“एक समय का व्यवहार” या “पूर्व का जीवन” या “पूर्वकालिक जीवन”।

बहुत अधिक
“अत्यधिक” या “अत्यन्त” या “सीमा के परे”

नष्ट करता था।
“विनाश कर रहा था”

जातिवालों
“समकालीन यहूदियों”

बाप दादों
या “पूर्वजों”

Galatians 1:15

उसने मुझे अपने अनुग्रह से बुला लिया
संभावित अर्थ “परमेश्वर ने मुझे सेवा हेतु बुलाया क्योंकि वह अनुग्रहकारी है” या 2) “अपने अनुग्रह के कारण मुझे बुलाया है”।

मुझ में अपने पुत्र को प्रगट करे
संभावित अर्थ 1) “अपने पुत्र के ज्ञान की मुझे अनुभूति दे” या 2)“मेरे द्वारा संसार पर प्रकट करे कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है”।

उसका सुसमाचार सुनाऊं
“परमेश्वर के पुत्र की घोषणा करूं” या “परमेश्वर के पुत्र का शुभ सन्देश सुनाऊं”।

तो न मैंने मांस और लहू से सलाह ली
“शुभ सन्देश को समझने में मनुष्यों की सहायता नहीं ली”

चला गया
“यात्रा की”

Galatians 1:18

देखो, परमेश्वर को उपस्थित जानकर
पौलुस गलातिया की कलीसियाओं पर स्पष्ट करना चाहता था कि वह पूर्णतः गंभीर है और कि परमेश्वर उसकी बातें सुन रहा है और यदि वह सत्य का बखान न करे तो दण्ड पायेगा।

जो बातें मैं तुम्हें लिखता हूं... वो झूठी नहीं
“मैं जो लिख रहा हूं उसमें कुछ भी झूठ नहीं है”

Galatians 1:21

प्रान्तों में आया
“उस समय के संसार में आया”

फिर भी
"उस समय"

वे केवल यही सुना करते थे
“परन्तु वे दूसरों से मेरे बारे में सुनते थे”

मेरा मुंह कभी नहीं देखा था
“उन कलीसियाओं में किसी ने मुझे नहीं देखा था”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Galatians 1:1

पौलुस प्रेरित कैसे बना?
पौलुस यीशु मसीह और परमेश्वर पिता के द्वारा प्रेरित बनाया गया।

Galatians 1:4

मसीह यीशु में विश्वास रखनेवाले किससे छुडाएं गए हैं?
मसीह यीशु में विश्वास करनेवाले इस वर्तमान बुरे संसार से छुडाएं गए हैं।

Galatians 1:6

गलातियां की कलीसिया के लिए पौलुस किस बात पर आश्चर्य करता है?
पौलुस को आश्चर्य हुआ कि वे अतिशीघ्र और ही प्रकार के सुसमाचार की ओर झुकने लगे थे।

Galatians 1:7

सच्चे सुसमाचार कितने हैं?
सच्चा सुसमाचार एक ही है, मसीह का सुसमाचार।

Galatians 1:8

मसीह यीशु के सुसमाचार को छोड़ अन्य कोई भी सुसमाचार सुनानेवाले के लिए पौलुस क्या कहता है?
पौलुस कहता है कि यदि कोई और सुसमाचार सुनाता है तो शापित है।

Galatians 1:10

मसीह के दास को किसे प्रसन्न करना आवश्यक है?
मसीह के दास को पहले परमेश्वर को प्रसन्न करना है।

Galatians 1:12

पौलुस को मसीह के सुसमाचार का ज्ञान कैसे प्राप्त हुआ था?
पौलुस ने मसीह के सुसमाचार को सीधा मसीह के प्रकाशन से स्वयं प्राप्त किया था।

Galatians 1:13

मसीह के सुसमाचार का प्रकाशन प्राप्त करने पूर्व पौलुस का जीवन कैसा था?
पौलुस यहूदी धर्म के पालन में बहुत ही उत्साही था, अत: वह परमेश्वर की कलीसिया को सता रहा था।

Galatians 1:15

परमेश्वर ने पौलुस को अपना प्रेरित होने के लिए कब बुलाया था?
परमेश्वर ने पौलुस को माता के गर्भ से ही चुनकर अपने अनुग्रह से बुला लिया था।

Galatians 1:16

परमेश्वर ने पौलुस को किस उद्देश्य के निमित्त प्रेरित चुना?
परमेश्वर ने पौलुस को अन्यजातियों में मसीह का सुसमाचार सुनाने के लिए अपना प्रेरित चुना था।

Galatians 1:19

पौलुस ने कुछ प्रेरितों से कहां भेंट की थी?
अन्त में पौलुस ने यरूशलेम जाकर प्रेरित कैफा और याकूब से भेंट की।

Galatians 1:22

यहूदिया की कलीसियाएं पौलुस के बारे में क्या सुन रही थीं?
यहूदिया की कलीसियाओं को समाचार मिल रहा था कि पौलुस जो कभी मसीह की कलीसियाओं को सताता था अब मसीह में विश्वास की घोषणा कर रहा है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 चौदह वर्ष के बाद मैं बरनबास के साथ यरूशलेम को गया और तीतुस को भी साथ ले गया। **2** और मेरा जाना ईश्वरीय प्रकाश के अनुसार हुआ* और जो सुसमाचार मैं अन्यजातियों में प्रचार करता हूँ, उसको मैंने उन्हें बता दिया, पर एकान्त में उन्हीं को जो बड़े समझे जाते थे, ताकि ऐसा न हो, कि मेरी इस समय की, या पिछली भाग-दौड़ व्यर्थ ठहरे।

3 परन्तु तीतुस भी जो मेरे साथ था और जो यूनानी है; खतना कराने के लिये विवश नहीं किया गया। **4** और यह उन झूठे भाइयों के कारण हुआ, जो चोरी से घुस आए थे, कि उस स्वतंत्रता का जो मसीह यीशु में हमें मिली है, भेद कर, हमें दास बनाएँ। **5** उनके अधीन होना हमने एक घड़ी भर न माना, इसलिए कि सुसमाचार की सच्चाई तुम में बनी रहे।

6 फिर जो लोग कुछ समझे जाते थे वे चाहे कैसे भी थे, मुझे इससे कुछ काम नहीं, परमेश्वर किसी का पक्षपात नहीं करता उनसे मुझे कुछ भी नहीं प्राप्त हुआ। (2 कुरि. 11:5, व्य. 10:17) **7** परन्तु इसके विपरीत उन्होंने देखा, कि जैसा खतना किए हुए लोगों के लिये सुसमाचार का काम पतरस को सौंपा गया वैसा ही खतनारहितों के लिये मुझे सुसमाचार सुनाना सौंपा गया*। **8** क्योंकि जिस ने पतरस से खतना किए हुओं में प्रेरिताई का कार्य बड़े प्रभाव सहित करवाया, उसी ने मुझसे भी अन्यजातियों में प्रभावशाली कार्य करवाया।

9 और जब उन्होंने उस अनुग्रह को जो मुझे मिला था जान लिया, तो याकूब, और कैफा, और यूहन्ना ने जो कलीसिया के खम्भे समझे जाते थे, मुझ को और बरनबास को संगति का दाहिना हाथ देकर संग कर लिया, कि हम अन्यजातियों के पास जाएँ, और वे खतना किए हुओं के पास। **10** केवल यह कहा, कि हम कंगालों की सुधि लें, और इसी काम को करने का मैं आप भी यत्न कर रहा था।

11 पर जब कैफा अन्ताकिया में आया तो मैंने उसके मुँह पर उसका सामना किया, क्योंकि वह दोषी ठहरा था। (गला.2:14) **12** इसलिए कि याकूब की ओर से कुछ लोगों के आने से पहले वह अन्यजातियों के साथ खाया करता था, परन्तु जब वे आए, तो खतना किए हुए लोगों के डर के मारे उनसे हट गया और किनारा करने लगा। (प्रेरि. 10:28, प्रेरि. 11:2-3)

13 और उसके साथ शेष यहूदियों ने भी कपट किया, यहाँ तक कि बरनबास भी उनके कपट में पड़ गया। **14** पर जब मैंने देखा, कि वे सुसमाचार की सच्चाई पर सीधी चाल नहीं चलते, तो मैंने सब के सामने कैफा से कहा, “जब तू यहूदी होकर अन्यजातियों के समान चलता है, और यहूदियों के समान नहीं तो तू अन्यजातियों को यहूदियों के समान चलने को क्यों कहता है?”

15 हम जो जन्म के यहूदी हैं, और पापी अन्यजातियों में से नहीं। **16** तो भी यह जानकर कि मनुष्य व्यवस्था के कामों से नहीं, पर केवल यीशु मसीह पर विश्वास करने के द्वारा धर्मी ठहरता है, हमने आप भी मसीह यीशु पर विश्वास किया, कि हम व्यवस्था के कामों से नहीं पर मसीह पर विश्वास करने से धर्मी ठहरें; इसलिए कि व्यवस्था के कामों से कोई प्राणी धर्मी न ठहरेगा। (रोम. 3:20-22, फिलि. 3:9)

17 हम जो मसीह में धर्मी ठहरना चाहते हैं, यदि आप ही पापी निकलें, तो क्या मसीह पाप का सेवक है? कदापि नहीं! **18** क्योंकि जो कुछ मैंने गिरा दिया, यदि उसी को फिर बनाता हूँ, तो अपने आप को अपराधी ठहराता हूँ। **19** मैं तो व्यवस्था के द्वारा व्यवस्था के लिये मर गया, कि परमेश्वर के लिये जीऊँ।

20 मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ, और अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है: और मैं शरीर में अब जो जीवित हूँ तो केवल उस विश्वास से जीवित हूँ, जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिस ने मुझसे प्रेम किया, और मेरे लिये अपने आप को दे दिया। **21** मैं परमेश्वर के अनुग्रह को व्यर्थ नहीं ठहराता, क्योंकि यदि व्यवस्था के द्वारा धार्मिकता होती, तो मसीह का मरना व्यर्थ होता।

Galatians 2:1

गया
“यात्रा की” यरूशलेम एक पहाड़ी प्रदेश है। यहूदी भी यरूशलेम को ऐसा स्थान मानते थे जो स्वर्ग के निकटतम है। अतः पौलुस अलंकृत भाषा काम में ले रहा है।

मुझे जाना चाहिए
“यरूशलेम जाना” या “वहां जाना”

जो बड़े समझे जाते थे
“विश्वासियो के अति महत्त्वपूर्ण अगुवे (यू.डी.बी.)

व्यर्थ
“लाभ की न हो” या “निरर्थक परिश्रम” (यू.डी.बी.)

Galatians 2:3

झूठे भाइयों के कारण हुआ जो चोरी से घुस आये थे
“मसीही विश्वास का स्वांग रचते हुए गुप्त रूप से हानि करने आये थे”।

भेदिए
“हानि पहुचाने के उद्देश्य से विश्वासियों की गतिविधियों का निरीक्षण करें।

स्वतंत्रता
“मुक्त जीवन” (यू.डी.बी.)

व्यवस्था के दास बनाने के लिए
“हमें विधान पालन के लिए विवश करें” यहां “विधान” का अर्थ है यहूदी रीति-रिवाज, विशेष करके खतना करवाना

एक घड़ी उनके अधीन होना
“उनकी बात सुनना” या “उनकी शिक्षा के अधीन होना”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुममें बनी रहे
“तुम में अविनाशी रहे” या “तुम्हारे लिए अपरिवर्तनीय रहे”।

तुम्हारे लिए
बहुवचन

वे चाहते थे
“इन भेदियों की इच्छा थी” या “इन झूठे भाइयों की मनोकामना थी”

Galatians 2:6

बजाए इसके वे
“बजाए, अगुवे”।

“मुझे सौंपा गया”
इसका अनुवाद कतृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है “परमेश्वर ने मुझे सौंपा”(देखें:)

सुसमाचार सुनाने के लिए
“शुभ सन्देश प्रसारण के लिए”

Galatians 2:9

संगति का दाहिना हाथ दिया
“सहकर्मियों का स्वागत किया” या “सम्मानसहित स्वागत किया”

दाहिना हाथ
इसका अनुवाद बहुवचन में किया जाए और स्पष्ट किया जाए कि किसके दाहिने हाथ, “उनके दाहिने हाथ”

कंगालों की सुधि लें
“गरीबों की आवश्यकताओं की पूर्ति करें”

Galatians 2:11

उसके मुंह पर उसका सामना किया
“व्यक्तिगत रूप में उसका सामना किया” या “मैंने स्वयं उसके कामों की आलोचना की”

पहले
समय के परिप्रेक्षय में

वह पीछे हट गया
“उनके साथ खाना खाना छोड़ दिया”

उनके डरके मारे
“वह डरता था कि वे लोग उस पर अनुचित काम करने का दोष लगायेंगे” या “वह डरता था कि उसे गलत काम करने का दोष दिया जायेगा।

खतना किए हुए लोगों
यहूदी

किनारा करने लगा
“दूर हो गया” या “टालने लगा”

Galatians 2:13

अन्य जाति को यहूदियों के समान चलने को तुम कैसे कह सकते हो?
“अन्यजाति विश्वासियों को यहूदियों की प्रथाओं का पालन करने के लिए कहने में तू गलत है”।

विवश करता है
कहता है

Galatians 2:15

शब्दों से
(कुछ अनुवादकों के विचार में ये पद भी उस समय पौलुस द्वारा पतरस की आलोचना है)।

यीशु मसीह पर विश्वास करने के द्वारा
"मसीह में विश्वास करके"

कोई प्राणी
“कोई मनुष्य”

Galatians 2:17

कदापि नहीं
“ऐसा कभी नहीं हो सकता” यह वाक्य पूर्वोक्त प्रभावोत्पादक प्रश्न का प्रबल नकारात्मक उत्तर देता है। आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो उसका उपयोग करें।

Galatians 2:20

व्यर्थ नहीं ठहराता
“मैं निराकरण नहीं करता” (यू.डी.बी.) या “निरर्थक नहीं ठहराता”

यदि व्यवस्था के द्वारा धार्मिकता होती तो मसीह का मरना व्यर्थ होता
अर्थात धार्मिकता विधान से नहीं प्राप्त होती है, इसलिए मसीह का मरना व्यर्थ नहीं है।

मसीह का मरना व्यर्थ होता
“मसीह मर कर कुछ भी उपलब्ध नहीं कर पाता”

Translation Questions

Galatians 2:1

चौदह वर्ष बाद पौलुस यरूशलेम गया और वहां प्रेरितों से क्या बात की?
पौलुस ने वरिष्ठ प्रेरितों को एकान्त में अपने सुसमाचार के बारे में बताया।

Galatians 2:3

एक अन्यजाति विश्वासी, तीतुस को किस बात की आवश्यक्ता नहीं थी?
तीतुस को खतना करवाने की आवश्यक्ता नहीं थी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Galatians 2:4

पाखंडी भाईयों ने क्या करने की इच्छा की थी?
पाखंडी भाई पौलुस और उसके साथियों को व्यवस्था का दास बनाना चाहते थे।

Galatians 2:6

यरूशलेम की कलीसिया के अगुवों ने क्या पौलुस के सुसमाचार विषय में परिवर्तन किया था?
नहीं; उन्होने पौलुस के सन्देश में कुछ परिवर्तन नहीं किया।

Galatians 2:7

पौलुस मुख्यतः किसके मध्य सुसमाचार सुनाने भेजा गया था?
पौलुस मुख्यतः खतना रहित मनुष्यों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा गया था।

पतरस मुख्यतः किसके मध्य सुसमाचार सुनाने भेजा गया था?
पतरस मुख्यतः खतना वालों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा गया था।

Galatians 2:9

यरूशलेम के अगुवों ने पौलुस की सेवा का अनुमोदन कैसे किया?
यरूशलेम के अगुवों ने पौलुस और बरनबास को संगती का दाहिना हाथ देकर स्वीकार कर लिया।

Galatians 2:11

अन्ताकिया में पतरस से क्या चुक हुई थी?
पतरस ने अन्यजातियों के साथ बैठकर भोजन करना त्याग दिया क्योंकि वह खतनावालों से डरता था।

Galatians 2:14

पौलुस ने सबके सामने कैफा से क्या कहा?
पौलुस ने कैफा से पूछा कि वह अन्यजाति विश्वासियों को यहूदी प्रथाओं का पालन करने के लिए विवश क्यों करता है जब वह स्वयं अन्यजातियों के सदृश्य आचरण रखता है।

Galatians 2:16

पौलुस के अनुसार किस बात से धर्मी नहीं ठहरा जा सकता है?
पौलुस कहता था कि व्यवस्था के आधार पर कोई धर्मी नहीं ठहरेगा।

मनुष्य परमेश्वर की दृष्टि में धर्मी ठहरता है?
मनुष्य मसीह यीशु में विश्वास के द्वारा ही धर्मी ठहरता है।

Galatians 2:18

मसीह में विश्वास करने के बाद भी यदि कोई व्यवस्था का पालन करता है तो पौलुस उसे क्या कहता है?
पौलुस अपने आप को वास्तव में व्यवस्था का अपराधी ठहरता है।

Galatians 2:20

पौलुस किसके लिए कहता है कि उसमें, कौन वास करता है?
पौलुस कहता है कि अब मसीह उसमे वास करता है।

पौलुस क्या कहता है कि परमेश्वर के पुत्र ने उसके लिए किया?
पौलुस कहता है कि परमेश्वर के पुत्र ने उससे प्रेम किया और अपने आप को उसके लिए दे दिया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 हे निर्बुद्धि गलातियों*, किस ने तुम्हें मोह लिया? तुम्हारी तो मानो आँखों के सामने यीशु मसीह क्रूस पर दिखाया गया! **2** मैं तुम से केवल यह जानना चाहता हूँ, कि तुम ने आत्मा को, क्या व्यवस्था के कामों से, या विश्वास के समाचार से पाया? (गला. 3:5, प्रेरि. 15:8-10) **3** क्या तुम ऐसे निर्बुद्धि हो, कि आत्मा की रीति पर आरम्भ करके* अब शरीर की रीति पर अन्त करोगे?

4 क्या तुम ने इतना दुःख व्यर्थ उठाया? परन्तु कदाचित् व्यर्थ नहीं। **5** इसलिए जो तुम्हें आत्मा दान करता और तुम में सामर्थ्य के काम करता है, वह क्या व्यवस्था के कामों से या विश्वास के सुसमाचार से ऐसा करता है?

6 "अब्राहम ने तो परमेश्वर पर विश्वास किया और यह उसके लिये धार्मिकता गिनी गई।" (उत्प. 15:6) **7** तो यह जान लो, कि जो विश्वास करनेवाले हैं, वे ही अब्राहम की सन्तान हैं। **8** और पवित्रशास्त्र ने पहले ही से यह जानकर, कि परमेश्वर अन्यजातियों को विश्वास से धर्मी ठहराएगा, पहले ही से अब्राहम को यह सुसमाचार सुना दिया, कि "तुझ में सब जातियाँ आशीष पाएँगी।" (उत्प. 12:3, उत्प. 18:18) **9** तो जो विश्वास करनेवाले हैं, वे विश्वासी अब्राहम के साथ आशीष पाते हैं।

10 अतः जितने लोग व्यवस्था के कामों पर भरोसा रखते हैं, वे सब श्राप के अधीन हैं, क्योंकि लिखा है, "जो कोई व्यवस्था की पुस्तक में लिखी हुई सब बातों के करने में स्थिर नहीं रहता, वह श्रापित है।" (याकू. 2:10,12, व्य. 27:26) **11** पर यह बात प्रगट है, कि व्यवस्था के द्वारा परमेश्वर के यहाँ कोई धर्मी नहीं ठहरता क्योंकि धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा। **12** पर व्यवस्था का विश्वास से कुछ सम्बन्ध नहीं; पर "जो उनको मानेगा, वह उनके कारण जीवित रहेगा।" (लैव्य. 18:5)

13 मसीह ने जो हमारे लिये श्रापित बना, हमें मोल लेकर व्यवस्था के श्राप से छुड़ाया* क्योंकि लिखा है, "जो कोई काठ पर लटकाया जाता है वह श्रापित है।" (व्य. 21:23) **14** यह इसलिए हुआ, कि अब्राहम की आशीष* मसीह यीशु में अन्यजातियों तक पहुँचे, और हम विश्वास के द्वारा उस आत्मा को प्राप्त करें, जिसकी प्रतिज्ञा हुई है।

15 हे भाइयों, मैं मनुष्य की रीति पर कहता हूँ, कि मनुष्य की वाचा भी जो पक्की हो जाती है, तो न कोई उसे टालता है और न उसमें कुछ बढ़ाता है। **16** निदान, प्रतिज्ञाएँ अब्राहम को, और उसके वंश को दी गईं; वह यह नहीं कहता, "वंशों को," जैसे बहुतों के विषय में कहा, पर जैसे एक के विषय में कि "तेरे वंश को" और वह मसीह है। (मत्ती 1:1)

17 पर मैं यह कहता हूँ कि जो वाचा परमेश्वर ने पहले से पक्की की थी, उसको व्यवस्था चार सौ तीस बरस के बाद आकर नहीं टाल सकती, कि प्रतिज्ञा व्यर्थ ठहरे। (निर्ग. 12:40) **18** क्योंकि यदि विरासत व्यवस्था से मिली है, तो फिर प्रतिज्ञा से नहीं, परन्तु परमेश्वर ने अब्राहम को प्रतिज्ञा के द्वारा दे दी है।

19 तब फिर व्यवस्था क्या रही? वह तो अपराधों के कारण बाद में दी गई, कि उस वंश के आने तक रहे, जिसको प्रतिज्ञा दी गई थी, और व्यवस्था स्वर्गदूतों के द्वारा एक मध्यस्थ के हाथ ठहराई गई। **20** मध्यस्थ तो एक का नहीं होता, परन्तु परमेश्वर एक ही है।

21 तो क्या व्यवस्था परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं के विरोध में है? कदापि नहीं! क्योंकि यदि ऐसी व्यवस्था दी जाती जो जीवन दे सकती, तो सचमुच धार्मिकता व्यवस्था से होती। **22** परन्तु पवित्रशास्त्र ने सब को पाप के अधीन कर दिया, ताकि वह प्रतिज्ञा जिसका आधार यीशु मसीह पर विश्वास करना है, विश्वास करनेवालों के लिये पूरी हो जाए।

23 पर विश्वास के आने से पहले व्यवस्था की अधीनता में हम कैद थे, और उस विश्वास के आने तक जो प्रगट होनेवाला था, हम उसी के बन्धन में रहे। **24** इसलिए व्यवस्था मसीह तक पहुँचाने के लिए हमारी शिक्षक हुई है, कि हम विश्वास से धर्मी ठहरें। **25** परन्तु जब विश्वास आ चुका, तो हम अब शिक्षक के अधीन न रहे।

26 क्योंकि तुम सब उस विश्वास करने के द्वारा जो मसीह यीशु पर है, परमेश्वर की सन्तान हो।

27 और तुम में से जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है उन्होंने मसीह को पहन लिया है। **28** अब न कोई यहूदी रहा और न यूनानी; न कोई दास, न स्वतंत्र; न कोई नर, न नारी; क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो। **29** और यदि तुम मसीह के हो, तो अब्राहम के वंश और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस भी हो।

Galatians 3:1

किसने तुम्हें मोह लिया?
पौलुस कटाक्ष और प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा कह रहा है कि ऐसा प्रतीत होता है कि किसी ने उन पर जादू कर दिया है। वह यह तो नहीं मानता है कि किसी ने उन पर जादू कर दिया है।

मोह लिया
यह शब्द मूल भाषा में जादू टोने और जादू करने का शब्द है। यहां इसे एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है। (यदि आपकी भाषा में जादू करने का अन्य कोई शब्द है तो यहां काम में लें।)

तुम्हारी मानों आंखों के सामने यीशु मसीह क्रूस पर दिखाया गया।
यह भी एक प्रभावोत्पादक प्रश्न है। "मैंने तुम्हें स्पष्ट बताया कि उन्होंने मसीह यीशु को कैसे क्रूस पर चढ़ाया था"। (यू.डी.बी.)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मैं तुमसे केवल यह जानना चाहता हूं
यह पद 1 का कटाक्ष है। पौलुस जो प्रभावोत्पादक पूछने जा रहा है, उसका उत्तर वह जानता है अपने अनुवाद में “यह” पर और केवल - पर बदल दें क्योंकि ये दो शब्द वाक्य में अत्यधिक महत्त्वपूर्ण शब्द हैं।

यह
अग्रिम तीन प्रश्नों के संदर्भ में है

तुमने आत्मा को क्या व्यवस्था के कामों से या विश्वास के द्वारा पाया?
“तुमने विधान का पालन करके नहीं परन्तु जो सुना उस पर विश्वास करके आत्मा पाया है” इस प्रश्न का अनुवाद यथासंभव एक प्रश्न ही में करें क्योंकि पाठक यहां एक प्रश्न पूछे जाने ही की अपेक्षा करेगा और यह भी सुनिश्चित करें कि पाठक जानता है कि इसका उत्तर है “जो सुना उस पर विश्वास करके” "न कि विधान का पालन करके।"

क्या तुम ऐसे निर्बुद्धि हो?
इस प्रभावोत्पादक प्रश्न में यही नहीं कहा गया है, “तुम (बहुवचन) बड़े मूर्ख हो” (यू.डी.बी.) वरन यह भी कि पौलुस उनकी मूर्खता पर चकित एवं क्रोधित है।

शरीर की रीति पर
“अपने कामों पर”

Galatians 3:4

क्या तुमने इतना दुःख व्यर्थ ही उठाया
पौलुस उस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा गलातिया के विश्वासियों को उनके द्वारा कष्ट सहन कर स्मरण कराता है

इतना दुःख
इसका अनुवाद हो सकता है, 1) “तुम्हारा संपूर्ण अनुभव अच्छा या बुरा” (यू.डी.बी.) 2) “इतना कष्ट सहा” क्योंकि मसीह को समर्पित हुए थे”। 3) “विधान के पालन में ऐसा परिश्रम किया”।

परन्तु कदाचित व्यर्थ नहीं
इसका अनुवाद हो सकता है, 1) “किसी काम का नहीं, यदि तुम मसीह में विश्वास नहीं करते।”(यू.डी.बी.) 2) यह मानकर कि गलातिया प्रदेश के विश्वासी विधान पालन में परिश्रम करते थे, “यदि तुम्हारे काम निष्फल रहे” अर्थात वे कर्मों पर निर्भर थे मसीह पर नहीं, और परमेश्वर उन्हें विश्वासी नहीं मानेगा।

वह क्या व्यवस्था के कामों से या सुसमाचार पर विश्वास करने से ऐसा करता है।
पौलुस गलातिया प्रदेश के विश्वासियों को पवित्र आत्मा ग्रहण करने का स्मरण कराते हुए एक और प्रभावोत्पादक प्रश्न पूछता है। “विधान पालन से नहीं विश्वास से सुनने के द्वारा ऐसा करता है”।

व्यवस्था के कामों से
“अर्थात विधान में जो कहा गया है उसे करके”

विश्वास के समाचार से
“जब हम शुभ सन्देश सुनकर यीशु में विश्वास करते हैं।

Galatians 3:6

उसके लिए धार्मिकता गिना गया
परमेश्वर ने उसमें अब्राहम के विश्वास को देखा अतः उसे धार्मिकता ठहराया।

जो विश्वास करने वाले हैं
“जो मनुष्य विश्वास करते हैं”

अब्राहम की सन्तान हैं।
“अब्राहम के वंशज हैं” उससे उत्पन्न नहीं परन्तु अब्राहम के तुल्य धर्मनिष्ठ हैं।

पहले ही से
“पूर्वज्ञान से” या “घटने से पूर्व देखा” क्योंकि परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की और उन्होंने उसे लिख लिया, इससे पूर्व की प्रतिज्ञा मसीह में पूरी हो। धर्मशास्त्र उस मनुष्य के सदृश्य है जो भावी घटना के होने से पहले जान लेता है।

तुझ में
“तूने जो किया उसके कारण” (यू.डी.बी.) या “क्योंकि मैंने तुझे आशिष दी है”।

सब जातियां
“संसार की सब जातियों” (यू.डी.बी.) परमेश्वर इस बात पर बल दे रहा था कि वह केवल यहूदियों को ही नहीं उसके चुने हुओं को ही नहीं अनुग्रह प्रदान कर रहा है। उसके उद्धार की योजना यहूदियों और अन्यजाति सब के लिए होगी।

विश्वास करने वाले हैं
परमेश्वर पर विश्वास

Galatians 3:10

जितने लोग व्यवस्था के कामों पर भरोसा रखते है, वे सब श्राप के अधीन हैं।
विधान पर आधारित जीवन जीने वालों को सबको परमेश्वर सदाकालीन का दण्ड देगा।

यह बात प्रगट है कि व्यवस्था के द्वारा परमेश्वर के यहां कोई धर्मी नहीं ठहरता।
“परमेश्वर ने स्पष्ट कह दिया है कि वह दण्ड देगा”।

वे
“मनुष्य”

व्यवस्था के कामों को
परमेश्वर के विधान

का पालन करेगा
“के अनुसार जीवन जीएगा” या “उसके अधीन रहेगा” “निष्ठावान रहेगा” या “पालन करेगा” या “अनिवार्यता पूरी करेगा”

यह सब करने के लिए
“संपूर्ण विधान की प्रत्येक आज्ञा मान लेगा”

धर्मी
“मनुष्य जिन्हें परमेश्वर धर्मी मानता है” या “धर्मी मनुष्य”

विधान की बातें
“विधान में लिखी हुई बातें”

उनके कारण जीवित रहेगा
अर्थात 1) प्रत्येक बात का पालन करना था (यू.डी.बी.) 2) वह जीवित रहेगा क्योंकि वह विधान की अनिवार्यताओं का पालन करता है।

Galatians 3:13

हमारे लिए शापित बना
“परमेश्वर ने हमारे स्थान पर उसे दण्ड दिया”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जो कोई काठ पर लटकाया जाता है
अर्थात जो मर गया उसे एक विशेष वृक्ष पर लटकाया जाता था। पौलुस अपने पाठकों से अपेक्षा करता था कि वे उसकी बात को समझ पाएं कि वह क्रूस पर लटकाया गए यीशु के विषय में कह रहा है।

हो चुके
हो

हम
समावेश, पौलुस स्वयं को भी अन्यजातियों के साथ गिन रहा था।

Galatians 3:15

मनुष्य की रीति पर
“मनुष्य के विचार से” या “व्यक्ति रूप में” या “एक मनुष्य होने के नाते”

वंशों को
“अनेक वंशजों को”

अब
पौलुस एक सामान्य बात कह कर एक विशिष्ट बात कहता है।

Galatians 3:17

जो वाचा परमेश्वर ने पहले से पक्की की थी उसकी व्यवस्था चार सौ तीस वर्ष के बाद आकर नहीं टाल सकती कि प्रतिज्ञा व्यर्थ ठहरे।
“परमेश्वर ने वाचा बांधने के 430 वर्षों बाद विधान दिया परन्तु उसके द्वारा वाचा व्यर्थ नहीं हुई और इसी कारण प्रतिज्ञा अप्रभावी नहीं रही”।

से मिली
“के माध्यम से” या “के द्वारा मिली”

Galatians 3:19

तब फिर व्यवस्था क्यों दी गई?
“तो विधान क्यों दिया गया” या “फिर परमेश्वर को विधान स्थापित करने की क्या आवश्यकता थी”?

बाद में दी गई
“परमेश्वर ने बाद में दिया”

उस वंश
“उन मनुष्यों”

वह स्वर्गदूतों के द्वारा एक मध्यस्थ के हाथ से ठहराई गयी।
“स्वर्गदूत विधान लेकर आए और एक मध्यस्थ ने उसे कार्यकारी किया”।

बल से ठहराई गयी
कार्यकारी करने का मार्ग तैयार किया

मध्यस्थ
मूसा

मध्यस्थ में और लोग भी होते हैं
“मध्यस्थ की उपस्थिति का अर्थ है कि मनुष्य एक से अधिक हैं”

Galatians 3:21

विरोध में
“विरोधी है” या “स्पर्धा प्रतिवादी है”

यदि ऐसी व्यवस्था दी जाती जो जीवन दे सकती तो सचमुच धार्मिकता व्यवस्था से होती
“यदि परमेश्वर प्रदत्त विधान उसके पालकों को जीवनक्षक बनाता तो हम विधान पालन द्वारा ही धर्मी ठहरते”।

परन्तु धर्मशास्त्र ने सबके पापों को अधीन कर दिया, तो वह प्रतिज्ञा जिसका आधार यीशु मसीह पर विश्वास करना है विश्वास करने वालों के लिए पूरी हो जाए।
इसका अर्थ यह भी हो सकता है, क्योंकि हम पाप करते हैं, परमेश्वर ने सब बातें विधान के अधीन ऐसा कर दिया है जैसे कारागार में जिससे कि मसीह यीशु में विश्वास करने वालों से की गई प्रतिज्ञा परमेश्वर विश्वासियों को दे”। या “क्योंकि हम पाप करते हैं, परमेश्वर ने सब बातें विधान के अधीन बन्दी बना दी हैं। उसने ऐसा इसलिए किया कि उसने मसीह यीशु में विश्वास करने वालों से जो प्रतिज्ञा की है, उन्हें उनके लिए पूरी करे”।

धर्मशास्त्र
धर्मशास्त्र का कर्ता परमेश्वर

Galatians 3:23

हम उसी के बन्धन में रहे
विधान हमें कारागर के पहरूए के जैसा बन्धन में रखता था।

और विश्वास के प्रकाशन कि आने तक
“जब तक परमेश्वर ने यह प्रकट नहीं कर दिया कि वह मसीह में विश्वास करनेवालों को धर्मी ठहराता है”। या “जब तक परमेश्वर ने यह स्पष्ट नहीं कर दिया कि वह मसीह में विश्वास करने वालों को धर्मी ठहराता है”।

मसीह तक पहुंचने के लिए
“मसीह के आगमन तक”

ताकि हम धर्मी ठहरें
“कि हमें धर्मी घोषित किया जाए”। परमेश्वर ने हमें धर्मी ठहराने की व्यवस्था मसीह तक पहुचने” से पूर्व ही तैयार कर ली थी। जब वह समय आ गया तब उसने हमें धर्मी ठहराने की योजना पूरी कर ली।

शिक्षक
“यह मूल भाषा में एक शिक्षक से अधिक होता है। वह वास्तव में एक दास होता था जो सन्तान को नैतिक एवं फलदायी जीवन का प्रशिक्षण देता था।

Galatians 3:27

तुम्हारे लिए
इस गद्यांश में तुम सदैव बहुवचन में है।

तुमने मसीह को पहन लिया है
इसके अर्थ हो सकते हें 1) “तुम वैसे ही मनुष्य हो गए हो जैसा मसीह है”, (यू.डी.बी.) या 2)“तुम्हारा संबन्ध परमेश्वर के साथ वैसा ही हो गया है जैसा मसीह का है”।

अब न कोई
“अब” अन्तर नहीं रहा” या “परमेश्वर .... में कोई अन्तर नहीं देखता है।

यदि तुम मसीह के हो
“यदि तुम मसीह के हो तो ....”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Galatians 3:6

अब्राहम परमेश्वर की दृष्टि में धर्मी कैसे ठहरा?
अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और वह उसके लिए धार्मिकता माना गया।

Galatians 3:7

अब्राहम की सन्तान कौन हैं?
परमेश्वर में विश्वास करते हैं वे अब्राहम की सन्तान हैं।

Galatians 3:8

धर्मशास्त्र में अन्यजातियों के धर्मी ठहराए जाने की क्या भविष्यद्वाणी है?
धर्मशास्त्र में भविष्यद्वाणी है कि अन्यजातियां विश्वास के द्वारा धर्मी ठहरेंगी।

Galatians 3:10

व्यवस्था के कामों द्वारा धर्मी ठहरने का प्रयत्न करने वालों की क्या दशा है?
जो व्यवस्था पालन द्वारा धर्मी ठहरने का प्रयास करते हैं वे श्राप के अधीन हैं।

Galatians 3:11

व्यवस्था के कामों द्वारा कितने लोग धर्मी ठहरे हैं?
व्यवस्था के कामों द्वारा कोई भी धर्मी नहीं ठहरता है।

Galatians 3:14

हमारे लिए शापित होकर मसीह ने हमारा उद्धार क्यों किया?
मसीह ने हमारे लिए शापित होकर हमारा उद्धार किया कि अब्राहम की आशिषों अन्यजातियों को प्राप्त हों।

Galatians 3:16

अब्राहम को दी गई प्रतिज्ञा में जिस वंशज की चर्चा की गई है वह कौन है?
अब्राहम की प्रतिज्ञा में जिस "वंशज" का उल्लेख किया गया है वह मसीह है।

Galatians 3:17

अब्राहम के 430 वर्ष बाद व्यवस्था आई तो क्या उसने अब्राहम से की गई परमेश्वर की प्रतिज्ञा को निरस्त कर दिया था?
नहीं व्यवस्था ने अब्राहम से की गई प्रतिज्ञा को निरस्त नहीं किया।

Galatians 3:19

तो फिर व्यवस्था क्यों दी गई थी?
व्यवस्था अपराधों के कारण आई थी परन्तु अब्राहम के वंशज के आने तक ही थी।

Galatians 3:22

धर्मशास्त्र में निहित व्यवस्था ने सबको क्या बना दिया?
धर्मशास्त्र में निहित व्यवस्था ने सबको पाप का दास बना दिया।

Galatians 3:23

हम व्यवस्था के दासत्व से कैसे मुक्ति पाते हैं?
हम मसीह में विश्वास के द्वारा व्यवस्था के दासत्व से छुडाए गए है।

Galatians 3:27

मसीह को कौन धारण कर चुका है?
वे सब जो मसीह में बपतिस्मा पां चुके हैं, मसीह को धारण कर चुके हैं।

Galatians 3:28

मसीह में एक होनेवाले कौन कौन हैं?
यहूदी, यूनानी, दास, स्वतंत्र, नर नारी सब मसीह में एक हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 मैं यह कहता हूँ, कि वारिस जब तक बालक है, यद्यपि सब वस्तुओं का स्वामी है, तो भी उसमें और दास में कुछ भेद नहीं। **2** परन्तु पिता के ठहराए हुए समय
तक रक्षकों और भण्डारियों के वश में रहता है।

3 वैसे ही हम भी, जब बालक थे, तो संसार की आदि शिक्षा के वश में होकर दास बने हुए थे। **4** परन्तु जब समय पूरा हुआ*, तो परमेश्वर ने अपने पुत्र को
भेजा, जो स्त्री से जन्मा, और व्यवस्था के अधीन उत्पन्न हुआ। **5** ताकि व्यवस्था के अधीनों को मोल लेकर छुड़ा ले, और हमको लेपालक होने का पद मिले।

6 और तुम जो पुत्र हो, इसलिए परमेश्वर ने अपने पुत्र के आत्मा* को, जो 'हे अब्बा, हे पिता' कहकर पुकारता है, हमारे हृदय में भेजा है। **7** इसलिए तू अब
दास नहीं, परन्तु पुत्र है; और जब पुत्र हुआ, तो परमेश्वर के द्वारा वारिस भी हुआ।

8 फिर पहले, तो तुम परमेश्वर को न जानकर उनके दास थे जो स्वभाव में देवता नहीं। (यशा. 37:19, यिर्म. 2:11) **9** पर अब जो तुम ने परमेश्वर को पहचान
लिया वरन् परमेश्वर ने तुम को पहचाना, तो उन निर्बल और निकम्मी आदि-शिक्षा की बातों की ओर क्यों फिरते हो, जिनके तुम दोबारा दास होना चाहते हो?

10 तुम दिनों और महीनों और नियत समयों और वर्षों को मानते हो। **11** मैं तुम्हारे विषय में डरता हूँ, कहीं ऐसा न हो, कि जो परिश्रम मैंने तुम्हारे लिये किया है
वह व्यर्थ ठहरे।

12 हे भाइयों, मैं तुम से विनती करता हूँ, तुम मेरे समान हो जाओ: क्योंकि मैं भी तुम्हारे समान हुआ हूँ; तुम ने मेरा कुछ बिगाड़ा नहीं। **13** पर तुम जानते हो, कि
पहले पहल मैंने शरीर की निर्बलता के कारण तुम्हें सुसमाचार सुनाया। **14** और तुम ने मेरी शारीरिक दशा को जो तुम्हारी परीक्षा का कारण थी, तुच्छ न जाना; न
उसने घृणा की; और परमेश्वर के दूत वरन् मसीह के समान मुझे ग्रहण किया।

15 तो वह तुम्हारा आनन्द कहाँ गया? मैं तुम्हारा गवाह हूँ, कि यदि हो सकता, तो तुम अपनी आँखें भी निकालकर मुझे दे देते। **16** तो क्या तुम से सच बोलने के
कारण मैं तुम्हारा बैरी हो गया हूँ। (आमो. 5:10)

17 वे तुम्हें मित्र बनाना तो चाहते हैं, पर भली मनसा से नहीं; वरन् तुम्हें मुझसे अलग करना चाहते हैं, कि तुम उन्हीं के साथ हो जाओ। **18** पर उत्साही होना
अच्छा है, कि भली बात में हर समय यत्न किया जाए, न केवल उसी समय, कि जब मैं तुम्हारे साथ रहता हूँ।

19 हे मेरे बालकों, जब तक तुम में मसीह का रूप न बन जाए, तब तक मैं तुम्हारे लिये फिर जच्चा के समान पीड़ाएँ सहता हूँ। **20** इच्छा तो यह होती है, कि
अब तुम्हारे पास आकर और ही प्रकार से बोलूँ, क्योंकि तुम्हारे विषय में मैं विकल हूँ।

21 तुम जो व्यवस्था के अधीन होना चाहते हो, मुझसे कहो, क्या तुम व्यवस्था की नहीं सुनते? **22** यह लिखा है, कि अब्राहम के दो पुत्र हुए; एक दासी से, और
एक स्वतंत्र स्त्री से। (उत्प. 16:5, उत्प. 21:2) **23** परन्तु जो दासी से हुआ, वह शारीरिक रीति से जन्मा, और जो स्वतंत्र स्त्री से हुआ, वह प्रतिज्ञा के अनुसार
जन्मा।

24 इन बातों में दृष्टान्त है, ये स्त्रियाँ मानो दो वाचाएँ हैं, एक तो सीनै पहाड़ की जिससे दास ही उत्पन्न होते हैं; और वह हाजिरा है। **25** और हाजिरा मानो अरब
का सीनै पहाड़ है, और आधुनिक यरूशलेम उसके तुल्य है, क्योंकि वह अपने बालकों समेत दासत्व में है।

26 पर ऊपर की यरूशलेम स्वतंत्र है, और वह हमारी माता है। **27** क्योंकि लिखा है,

> "हे बाँझ, तू जो नहीं जनती आनन्द कर,
> तू जिसको पीड़ाएँ नहीं उठती; गला खोलकर जयजयकार कर,
> क्योंकि त्यागी हुई की सन्तान सुहागिन की सन्तान से भी अधिक है।" (यशा. 54:1)

28 हे भाइयों, हम इसहाक के समान प्रतिज्ञा की सन्तान* हैं। **29** और जैसा उस समय शरीर के अनुसार जन्मा हुआ आत्मा के अनुसार जन्मे हुए को सताता
था, वैसा ही अब भी होता है। (उत्प. 21:9)

30 परन्तु पवित्रशास्त्र क्या कहता है? "दासी और उसके पुत्र को निकाल दे, क्योंकि दासी का पुत्र स्वतंत्र स्त्री के पुत्र के साथ उत्तराधिकारी नहीं होगा।" (उत्प.
21:10) **31** इसलिए हे भाइयों, हम दासी के नहीं परन्तु स्वतंत्र स्त्री की सन्तान हैं।

Galatians 4:3

हम
सब विश्वासी, पौलुस के पाठक भी)

संसार
इसका संदर्भ सूर्य, चांद और सितारों से भी हो सकता है जो कुछ लोगों के विचार में पृथ्वी की सब गतिविधियों को नियंत्रित करते हैं या यह अवैयक्तिक बातों के संदर्भ में भी हो सकता है जैसे नियम और नैतिक सिद्धान्त।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हो चुके
या "क्या होगा"

भेजा
“भेज दिया” या “पुत्र का अविर्भाव हुआ”

Galatians 4:6

अब्बा
पौलुस की पारिवारिक भाषा में बच्चा अपने पिता को “अब्बा” कहता था परन्तु गलातिया वासियों की भाषा में नहीं। इस विदेशी भाषा के अभिप्राय को बनाए रखने के लिए अपनी भाषा में इस शब्द का अनुवाद आपसी भाषा में यथासंभव “अब्बा” का हो।

अपने पुत्र की आत्मा को... हमारे हृदयों में भेजा है।
“अपने पुत्र की आत्मा को भेजा कि हमें सोचना एवं काम करना सिखाए”।

जो पुकारता है
आत्मा पुकारता है

पुत्र.... पुत्र...पुत्रों
पौलुस पुत्र शब्द का उपयोग करता है क्योंकि यहां उत्तराधिकार की बात हो रही है। इसकी और उसके पाठकों की संस्कृति में प्रायः सदैव नहीं, उत्तराधिकार पुत्रों का होता था। यहां पर पुत्रियों की विशेष चर्चा नहीं कर रहा है परन्तु उनके अलग भी नहीं कर रहा है।

Galatians 4:8

तुम्हारे लिए
यहां तुम शब्द बहुवचन में है।

बातों को
“वे बातें” या “वे आत्माएं”

परमेश्वर ने तुम को पहचाना
“परमेश्वर तुम्हें जानता है”।

तुम क्यों फिर से फिरते हो?
यह दो प्रभावोत्पादक प्रश्नों में पहला है इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तुम्हें लौटने की आवश्यकता नहीं...”

आदि शिक्षा
इस उक्ति का अनुवाद वैसे ही करे जैसे अपने

क्या तुम दास होना चाहते हो?
इस प्रभावोत्पादक प्रश्न का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “या “ऐसा प्रतीत होता है कि तुम दास होना चाहते हो”।

Galatians 4:10

सावधानी से मनाते हो
“पालन करते हो” या “मनाते हो” पौलुस उत्सवों एवं उपवासों के विषय में कह रहा है

जो परिश्रम मैंने तुम्हारे लिए किया
“तुम्हें यीशु के बारे में शिक्षा देने में जो परिश्रम किया” यह शब्द नये नियम में बच्चों के लिए कभी काम में नहीं लिया गया है।

व्यर्थ ठहरे
“निष्प्रभाव रहे” या “उद्देश्य प्राप्त न कर पाए”

तुम
बहुवचन

Galatians 4:12

विनती करता हूं
“निवेदन करता हूं” या “साग्रह अनुरोध करता हूं”। (यू.डी.बी.) यह शब्द पैसा या भोजन या सांसारिक वस्तुओं के निवेदन के लिए काम में नहीं लिया जाता था।

तुमने मेरा कुछ बिगाड़ा नहीं
इसका अनुवाद यह भी हो सकता है, “तुमने मेरा अच्छा सत्कार किया” तुमने मेरे साथ वैसा ही व्यवहार किया जैसा करना आवश्यक था”।

जो तुम्हारी परीक्षा का कारण थी
इसका अनुवाद यह भी हो सकता है, “तुम्हारे लिए मेरी देह में देखना जो कठिन था”

तुम्हारे लिए
बहुवचन

तुच्छ समझा
“उससे बहुत घृणा की”

Galatians 4:15

वह तुम्हारा आनन्द मनाने वहां गया?.... मैं तुम्हारा बैरी बन गया हूं?
“परन्तु अब तुम प्रसन्न नहीं।”.... “तुम सोचते हो कि मैं तुम्हारा शत्रु हो गया हूं” (यू.डी.बी.)

Galatians 4:17

वे तुम्हें मित्र बनाना तो चाहते हैं.... तुम उन्हीं को मित्र बना लो... भली बात में हर समय मित्र बनाने का यत्न किया जाए।
इसका अनुवाद हो सकता है, “तुम्हारा पीछा करते हैं कि तुम उनके पीछे हो लो.... भली बातों का पीछा किया जाए”। इन तीनों स्थानों में पौलुस द्वारा एक ही शब्द के उपयोग पर ध्यान दें।

अलग करना
स्वामिनिष्ठा में शारीरिक दूरी नहीं

उनके पीछे जाओ
“जो वे कहते हैं, उसी को करो”

यह भी अच्छा है
“यह भी अच्छा है कि वे ऐसा चाहते है”।

Galatians 4:19

जब तक तुममें मसीह का रूप न बन जाए तब तक मैं तुम्हारे लिए फिर जच्चा की ही पीड़ाएं सहता हूं।
जिस प्रकार प्रसव के समय एक स्त्री के प्रसव पीड़ा होती है उसी प्रकार पौलुस गलातिया प्रदेश के विश्वासियों के लिए कष्ट उठाता रहेगा कि वे मसीह के स्वरूप हो जाएं

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Galatians 4:21

मुझे बताओ
“मैं प्रश्न को सकारात्मक रूप में अनुवाद करना चाहता हूँ तो ऐसे अनुवाद को मैं तुमसे यह कहना चाहता हूं”।

क्या तुम व्यवस्था की नहीं सुनते?
“क्या तुमने नहीं सुना कि विधान में क्या लिखा है”? या “तुम्हें सीखने की आवश्यकता है कि विधान वास्तव में क्या व्यक्त करता है”। पौलुस पद 22-23 में जो कहने जा रहा है उसकी भूमिका बांध रहा है।

Galatians 4:24

इन बातों को रूपात्मक रूप में व्यक्त किया जा सकता है।
“इन दो पुत्रों की कहानी मैं जो कहने जा रहा हूं उसका प्रतिरूप है”।

सीनै पहाड़ की
सीनै पर्वत वह स्थान था जहां मूसा ने इस्राएलियों को परमेश्वर का विधान सौंपा था

जिससे दास ही उत्पन्न होते हैं
“इस वाचा के अधीन जो मनुष्य हैं वे दास के स्वरूप हैं जिन्हें विधान का पालन करना आवश्यक है।

दृष्टान्त
“का प्रतिरूप है”

बालकों समेत दासत्व में है,
हाजिरा दासी है और उसकी सन्तान भी दासी है, “हाजिरा के सदृश्य यरूशलेम भी एक दास है और उसके साथ उसकी सन्तान दास है”। (यू.डी.बी.)

Galatians 4:26

स्वतंत्र
बन्दी नहीं, दास नहीं

आनन्द कर
“हर्षित हो”

गला खोलकर जय-जयकार कर
चुप रहने की अपेक्षा अकस्मात ही पुकारने लगा

Galatians 4:28

शरीर के अनुसार
“मानवीय प्रयास से” या “मनुष्यों की रीति के अनुसार” अर्थात हाजिरा से अब्राहम ने इश्माएल को जन्म दिया।

आत्मा के अनुसार
“आत्मा के कार्य द्वारा”

Translation Questions

Galatians 4:1

सब वस्तुओं का स्वामी होते हुए भी पुत्र कैसे रहता था?
पुत्र पिता के ठहराए हुए समय तक संरक्षकों और प्रबन्धकों के वश में रहता था।

Galatians 4:3

परमेश्वर को जानने से पहले हम किस के दास थे?
परमेश्वर को जानने से पहले हम संसार को नियन्त्रण करनेवाली आत्माओं के दास थे जो स्वभाव से ही परमेश्वर नहीं।

Galatians 4:4

परमेश्वर ने इतिहास में ठहराए हुए समय क्या किया?
परमेश्वर ने ठहराए हुए समय अपने पुत्र को भेजा कि व्यवस्था के अधीनों को मोल लेकर छुड़ा ले।

Galatians 4:5

परमेश्वर ने व्यवस्था के अधीनों को अपने परिवार में कैसे ग्रहण किया है?
परमेश्वर ने व्यवस्था के अधीनों को लेपाकल पुत्र बना लिया।

Galatians 4:6

परमेश्वर अपनी सन्तानों के हृदय में क्या भेजता है?
परमेश्वर अपनी सन्तानों के हृदयों में अपने पुत्र का आत्मा भेजता है।

Galatians 4:9

पौलुस गलातिया के विश्वासियों की किस बात पर आश्चर्य चकित था?
पौलुस आश्चर्य चकित था कि अन्यजाति विश्वासी संसार की आत्माओं (आदि शिक्षा) के दासत्व की ओर लौट रहे थे।

गलातिया के विश्वासियों को किस बात की ओर मुड़ते देख पौलुस डर रहा था?
पौलुस को भय इस बात का था कि गलातिया के विश्वासी फिर से दास बन जाएंगे और उसका परिश्रम व्यर्थ हो जाएगा।

Galatians 4:13

जब पौलुस पहली बार गलातिया प्रदेश में गया था तब उसकी शारीरिक दशा कैसी थी?
पौलुस तब गलातिया में पहली बार आया था जब वह शरीर से निर्बल था।

Galatians 4:14

पौलुस की शारीरिक दुर्बलता के उपरान्त भी गलातिया के विश्वासियों ने पौलुस को कैसे ग्रहण किया था?
पौलुस की शारीरिक दुर्बलता के उपरान्त भी गलातिया के विश्वासियों ने उसे परमेश्वर के दूत वरन् स्वयं मसीह के सदृश्य ग्रहण किया।

Galatians 4:17

गलातिया प्रदेश में पाखंडी शिक्षक किसमें विभाजन कर वाने का प्रयास कर रहे थे?
पाखंडी शिक्षक गलातिया के विश्वासियों को पौलुस से अलग करना चाहते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Galatians 4:21

पाखंडी शिक्षक गलातिया के विश्वासियों को किस के अधीन करना चाहते थे?
पाखंडी शिक्षक गलातिया के विश्वासियों को व्यवस्था के अधीन लाना चाहते थे।

Galatians 4:22

अब्राहम के दो पुत्र किस प्रकार की दो स्त्रियों से थे?
अब्राहम के दो पुत्र थे, एक दासी से और एक स्वतंत्र स्त्री से।

Galatians 4:26

पौलुस और गलातिया के विश्वासियों की माता का स्वरूप कौन है?
ऊपर की यरूशलेम, स्वतंत्र स्त्री है और वह पौलुस और विश्वासी गलातियों की माता का स्वरूप है।

Galatians 4:28

मसीह के विश्वासी शरीर की सन्तान या प्रतिज्ञा की सन्तान है?
मसीह के विश्वासी प्रतिज्ञा की सन्तान हैं।

Galatians 4:29

प्रतिज्ञा की सन्तान को कष्ट देने वाले कौन है?
शरीर की सन्तान प्रतिज्ञा की सन्तान को कष्ट देते हैं।

Galatians 4:30

दासी की सन्तान को उत्तराधिकार में क्या मिलता है?
दासी की सन्तान स्वतंत्र स्त्री की सन्तान के संगीवारिस नहीं हो सकती।

Galatians 4:31

मसीह के विश्वासी स्वतंत्र स्त्री की या दासी की सन्तान हैं?
मसीह के विश्वासी स्वतंत्र स्त्री की सन्तान हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 मसीह ने स्वतंत्रता के लिये हमें स्वतंत्र किया है; इसलिए इसमें स्थिर रहो*, और दासत्व के जूए में फिर से न जुतो।

2 मैं पौलुस तुम से कहता हूँ, कि यदि खतना कराओगे, तो मसीह से तुम्हें कुछ लाभ न होगा।

3 फिर भी मैं हर एक खतना करानेवाले को जताए देता हूँ, कि उसे सारी व्यवस्था माननी पड़ेगी।

4 तुम जो व्यवस्था के द्वारा धर्मी ठहरना चाहते हो, मसीह से अलग और अनुग्रह से गिर गए हो। **5** क्योंकि आत्मा के कारण, हम विश्वास से, आशा की हुई धार्मिकता की प्रतीक्षा करते हैं। **6** और मसीह यीशु में न खतना, न खतनारहित कुछ काम का है, परन्तु केवल विश्वास का जो प्रेम के द्वारा प्रभाव करता है।

7 तुम तो भली भाँति दौड़ रहे थे, अब किस ने तुम्हें रोक दिया, कि सत्य को न मानो। **8** ऐसी सीख तुम्हारे बुलानेवाले की ओर से नहीं।

9 थोड़ा सा ख़मीर सारे गुँधे हुए आटे को ख़मीर कर डालता है। **10** मैं प्रभु पर तुम्हारे विषय में भरोसा रखता हूँ, कि तुम्हारा कोई दूसरा विचार न होगा; परन्तु जो तुम्हें घबरा देता है, वह कोई क्यों न हो दण्ड पाएगा।

11 हे भाइयों, यदि मैं अब तक खतना का प्रचार करता हूँ, तो क्यों अब तक सताया जाता हूँ; फिर तो क्रूस की ठोकर जाती रही। **12** भला होता, कि जो तुम्हें डाँवाडोल करते हैं, वे अपना अंग ही काट डालते!

13 हे भाइयों, तुम स्वतंत्र होने के लिये बुलाए गए हो*; परन्तु ऐसा न हो, कि यह स्वतंत्रता शारीरिक कामों के लिये अवसर बने, वरन् प्रेम से एक दूसरे के दास बनो। **14** क्योंकि सारी व्यवस्था इस एक ही बात में पूरी हो जाती है, “तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।” (मत्ती 22:39-40, लैव्य. 19:18) **15** पर यदि तुम एक दूसरे को दाँत से काटते और फाड़ खाते हो, तो चौकस रहो, कि एक दूसरे का सत्यानाश न कर दो।

16 पर मैं कहता हूँ, आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे। **17** क्योंकि शरीर आत्मा के विरोध में* और आत्मा शरीर के विरोध में लालसा करता है, और ये एक दूसरे के विरोधी हैं; इसलिए कि जो तुम करना चाहते हो वह न करने पाओ। **18** और यदि तुम आत्मा के चलाए चलते हो तो व्यवस्था के अधीन न रहे।

19 शरीर के काम तो प्रगट हैं, अर्थात् व्यभिचार, गंदे काम, लुचपन, **20** मूर्ति पूजा, टोना, बैर, झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध, विरोध, फूट, विधर्म, **21** डाह, मतवालापन, लीलाक्रीड़ा, और इनके जैसे और-और काम हैं, इनके विषय में मैं तुम को पहले से कह देता हूँ जैसा पहले कह भी चुका हूँ, कि ऐसे-ऐसे काम करनेवाले परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे।

22 पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, और दया, भलाई, विश्वास, **23** नम्रता, और संयम हैं; ऐसे-ऐसे कामों के विरोध में कोई व्यवस्था नहीं। **24** और जो मसीह यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उसकी लालसाओं और अभिलाषाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है।

25 यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं, तो आत्मा के अनुसार चलें भी। **26** हम घमण्डी होकर न एक दूसरे को छेड़ें, और न एक दूसरे से डाह करें।

Galatians 5:1

हमें स्वतंत्र किया है
आपके अनुवाद में “स्वतंत्र” शब्द का महत्त्व प्रकट होना है जो पिछले पदों में व्यक्त दासत्व के विपरीत हो।

अतः
अतः - “हमारे लिए व्यक्त करो”

स्थिर रहो
“जहां हो वही रहो” - चाहे कुछ मनुष्य तुम्हें पथभ्रष्ट होने पर विवश करें।

यदि तुम खतना कराओगे
“यदि तुम यहूदी प्रथाओं में लौट कर आओगे” पौलुस “खतना” को यहूदी वाद के स्थान लें/काम में ले रहा है।

Galatians 5:3

जताए देता हूं
“घोषणा करता हूं” या “गवाही देता हूं”

हर एक खतना कराने वाले के लिए
“उस हर एक विश्वासी को जो यहूदी हो गया है” पौलुस “खतना को यहूदी के स्थान में काम में ले रहा है”

आभार मानेंगे
“बन्धक” या “विवश है” या “दास है”

व्यवस्था द्वारा
“आज्ञा पालन द्वारा”

तुम मसीह से अलग कर दिए गए हो
“तुमने मसीह से संबन्ध विच्छेद किया”

व्यवस्था द्वारा धर्मी ठहरना चाहते हो
संविधान पालन द्वारा परमेश्वर की दृष्टि में उचित घोषित किए जाने का मार्ग खोजते हो”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुम अनुग्रह से गिर गये हो
मसीह के अनुग्रह की आवश्यकता को स्वीकार न करने वाले मनुष्य की तुलना पौलुस उस मनुष्य से करता है जो ऊंचे स्थान से एक बुरे नीचे स्थान में गिर गया है।

Galatians 5:5

क्योंकि
“इसलिए कि” यह पद “मसीह से अलग” “गिर गए हो” का कारण दे रहा है। पद 4

हम विश्वास से, आशा की हुई धार्मिकता की बाट जोहते हैं।
इसका अर्थ 1) “हम विश्वास करके धर्मी होने के विश्वास की प्रतीक्षा में हैं” 2) हम विश्वास द्वारा प्राप्त धर्मी होने के आत्मविश्वास की प्रतीक्षा में हैं”

हम
पौलुस और सब खतना विरोधी विश्वासी। वह संभवत: गलातिया प्रदेश के विश्वासियों को भी इसमें देखता है।

बाट जोहते हैं
अपेक्षा में हैं, उत्साहित हैं, धीरज पाते हैं।

आशा की हुई धार्मिकता
“हमें पूरा विश्वास है कि परमेश्वर हमें धर्मी घोषित कर देगा”।

न खतना और न खतनारहित
यहूदी और गैर यहूदियों के लिए लाक्षणिक शब्द

पर केवल विश्वास, जो प्रेम के द्वारा प्रभाव डालता है
“इसकी अपेक्षा परमेश्वर हमारे विश्वास की चिन्ता करता है जो मनुष्यों से प्रेम के द्वारा प्रकट होता है”।

तुम तो भली-भांति दौड़ रहे थे
“तुम यीशु की शिक्षाओं पर चल रहे हो”

ऐसी सीख तुम्हारे बुलाने वाले की ओर से नहीं
“जो तुम्हें ऐसी शिक्षा दे कर विवश करे वह परमेश्वर नहीं है, जिसने तुम्हें बुलाया” कि उसके हो।

सीख
किसी को कुछ करने के लिए विवश करना कि वह जिस बात को सच मानता है उसके विमुख होकर भिन्न व्यवहार करे।

Galatians 5:9

मैं प्रभु पर तुम्हारे विषय में भरोसा रखता हूं
“मुझे तुम पर भरोसा है क्योंकि परमेश्वर तुम्हारी सहायता करेगा”।

कि तुम्हारा कोई दूसरा विचार ना होगा
कुछ लोग इसका अनुवाद करते हैं, “तुम मेरी बातों के अतिरिक्त और कुछ नहीं सोचोगे”।

विचार
“विश्वास”

जो तुम्हें घबरा देता है....दण्ड पायेगा
“मैं नहीं जानता कि तुम्हें भ्रमित करनेवाला कौन है परन्तु वह अवश्य दण्ड पाएगा”।

तुम्हें घबरा देता है
“सत्य के विषय में तुम्हें डावांडोल करता है” (देखें यू.डी.बी.) या “तुम्हारे मध्य समस्या उत्पन्न करता है”।

अपना दण्ड पाएगा
“परमेश्वर से दण्ड पाएगा”

कोई क्यों ना हो
इसका अर्थ 1) पौलुस उन मनुष्यों के नाम नहीं जानता था जो गलातिया प्रदेश की कलीसियाओं को व्यवस्था का दास बनाना चाहते थे। 2) पौलुस चाहता था कि गलातिया के विश्वासी उन्हें भ्रमित करने वालों को नगण्य समझें चाहे वे धनवान या गरीब या बड़े या छोटे, या धर्मी या धर्मरहित हों

Galatians 5:11

हे भाइयों यदि मैं अब तक खतना का प्रचार करता तो क्यों अब तक सताया जाता?
“परन्तु जहां तक मेरी बात है, यदि मैं अब भी यह सिखाता कि उद्धार पाने के लिए खतना करवाना आवश्यक है तो वे मुझे सताते नहीं”। पौलुस प्रबल दावा करता है कि वह, पिछले पदों में चर्चित मनुष्यों के विपरीत गलातिया प्रदेश के विश्वासियों को खतना करवाने की शिक्षा नहीं दे रहा है

हे भाइयों
“भाइयों और बहनों” यदि आपकी भाषा में ऐसा कोई शब्द है जिसमें स्त्री-पुरूष दोनों का भाव व्यक्त हो तो उसका यहां उपयोग करें।

फिर तो क्रूस की रुकावट जाती रही ?
इसका अनुवाद कतृवाच्य क्रिया में किया जा सकता है। “तब तो खतना क्रूस के रुकावट के कारण का निवारण कर देगा”।

क्रूस की ठोकर
इस रूपक का अर्थ है कि क्रूस का सन्देश कुछ लोगों को विश्वास करने से रोकता है जैसे एक रुकावट का पत्थर किसी को मार्ग में चलने में बाधित करता है।

तुम्हारे लिए
बहुवचन

अपना अंग ही काट डालें
अर्थात 1) नपुंसक बन जाएं। 2) आत्मिक रूप से परमेश्वर के लोगों से पृथक हो जाएं।

Galatians 5:13

क्योंकि
पौलुस (देखें: अपनी बात का यहां कारण देता है।

तुम स्वतंत्र होने के लिए बुलाए गए हो
अर्थात 1) परमेश्वर ने तुम्हें अपना होने के लिए चुन लिया कि तुम स्वतंत्र हो” या 2) परमेश्वर ने तुम्हें स्वतंत्र होने की आज्ञा दी”।

हे भाइयों
हे भाइयों - भाइयों और बहनों

केवल
पौलुस कहता है कि स्वतंत्रता “शारीरिक कामों के लिए अवसर बने” ऐसा नहीं होना है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शारीरिक कामों के लिए अवसर
“तुम्हारे पापी स्वभाव को तुष्ट करने का अवसर विशेष करके स्वयं या पड़ोसियों को हानि पहुंचाने की बातें।

सारी व्यवस्था एक ही बात में पूरी हो जाती है
अर्थात 1)“तुम संपूर्ण विधान को एक ही आज्ञा में रख सकते हो और वह है....” या 2) एक भी आज्ञा पालन द्वारा तुम सब आज्ञाओं का पालन कर सकते हो और वह है....”

Galatians 5:16

तुम्हारे लिए
बहुवचन

आत्मा के अनुसार चलो
आत्मा के अनुसार चलो -चलना जीवन आचरण का रूपक है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “अपने जीवन को पवित्र आत्मा के सामर्थ्य में जीओ या “आत्मा पर निर्भर होकर जीवन जीओ”।

तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे
तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे - “तुम मानवीय प्रकृति की लालसा कि पाप को पूरी नहीं करोगे।

व्यवस्था के अधीन न रहे
“मूसा के विधान पालन के लिए विवश न रहे”

Galatians 5:19

शरीर के काम
बुरे मानवीय स्वभाव के काम”

ऐसे-ऐसे काम करनेवालो परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे।
“ऐसे-ऐसे काम करनेवालों को परमेश्वर प्रतिफल नहीं देता है” या “ऐसे काम करते रहने वालों को परमेश्वर प्रतिफल नहीं देता है”।

Galatians 5:22

आत्मा का फल
आत्मा का फल - आत्मा जो उत्पन्न करता है।

ऐसे कामों के विरुद्ध में कोई व्यवस्था नहीं
अर्थात 1) मूसा का विधान इनका विरोध नहीं करता है”, या 2) ऐसे विचार या कामों का विरोधी का नियम नहीं है। (यू.डी.बी.)

शरीर को उसकी लालसाओं और अभिलाषाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है।
“हमारे सांसारिक स्वभाव से उसकी लालसाओं और बुरी इच्छाओं के साथ मार डाला कि जैसे हमने उसे क्रूस पर कीलों से ठोक दिया”

Galatians 5:25

यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित है
“अगर हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं तो....”? “क्योंकि परमेश्वर के आत्मा ने हमें जीवित रखा है”

चलें भी
यह शब्द सेना के साथ-साथ चलने का है और समुदाय में यीशु की शिक्षा का आचरण करने का रूपक है। (यू.डी.बी.)

चलें भी
चलें भी - “हमें करना है”

Translation Questions

Galatians 5:1

मसीह ने हमें क्यों स्वतंत्र किया हैं?
मसीह ने स्वतंत्रता के लिए हमें स्वतंत्र किया है।

Galatians 5:2

पौलुस ने गलातिया के विश्वासियों को खतना करवाने पर किस बात की चेतावनी दी थी?
पौलुस कहता है कि गलातिया के विश्वासी खतना कराएं तो उन्हे मसीह से कुछ लाभ नहीं।

Galatians 5:4

पौलुस ने उन गलातिया के विश्वासियों को किस बात की चेतावनी दी जो व्यवस्था द्वारा धार्मिकता की खोज करते थे?
पौलुस ने चेतावनी दी कि व्यवस्था पालन द्वारा धार्मिकता की खोज करनेवाले मसीह से अलग होकर अनुग्रह से वंचित हो जाएंगे।

Galatians 5:6

खतना या खतना रहित के विरुद्ध एकमात्र बात क्या है जो मसीह में अर्थ पूर्ण हो?
मसीह में प्रेम के द्वारा विश्वास ही किसी काम का है।

Galatians 5:10

गलातिया के विश्वासियों को भरमानेवाले के बारे में पौलुस किस बात का पूर्ण विश्वास रखता था?
पौलुस को पूरा विश्वास था कि जिसने गलातिया के विश्वासियों को सुसमाचार के बारे में घबरा देता है वह दण्ड पाएगा।

Galatians 5:11

पौलुस के अनुसार खतना किस बात को धोखा देता है?
पौलुस कहता है कि खतना क्रूस की ठोकर को धोखा देता है।

Galatians 5:13

विश्वासियों को किस काम में मसीह में प्राप्त स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं करना है?
विश्वासी मसीह में प्राप्त स्वतंत्रता को शारीरिक कामों के लिए अवसर न बनाएं।

विश्वासियों को उनकी स्वतंत्रता का सदुपयोग कैसे करना है?
विश्वासियों को मसीह में प्राप्त स्वतंत्रता पारस्परिक प्रेम में काम में लेना है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Galatians 5:14

कौन सी एक आज्ञा में संपूर्ण व्यवस्था है?
संपूर्ण व्यवस्था एक ही आज्ञा में पूरी होती है, "तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख!"

Galatians 5:16

विश्वासी शरीर की लालसा को पूरी करने से किस प्रकार बचेंगे?
विश्वासी आत्मा के अनुसार चले तो शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी नहीं करेंगे।

Galatians 5:17

विश्वासी में कौन सी दो शक्तियां परस्पर विरोधी हैं?
विश्वासी में आत्मा और शरीर एक दूसरे के विरोधी हैं।

Galatians 5:20

शरीर के कामों के तीन उदाहरण क्या हैं?
शरीर के कामों में तीन निम्नलिखित सूची में हैं व्यभिचार, गन्देकाम, लुचपन, मूर्तिपूजा, टोना, बैर, झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध, विरोध, फूट विधर्म, डाह मतवालापन, लीलाक्रीड़ा आदि।

Galatians 5:21

शरीर के कामों के करनेवाले किस के वारिस नहीं होंगे?
शरीर के कामों के करनेवाले परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं होंगे।

Galatians 5:22

आत्मा का फल क्या है?
आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, कृपा भलाई, विश्वास, नम्रता और संयम हैं।

Galatians 5:24

जो मसीह के हैं उन्होने शरीर और उसकी लालसाओं के साथ क्या किया है?
जो मसीह के हैं उन्होने शरीर और उसकी लालसाओं को क्रूस पर चढ़ा दिया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 6

1 हे भाइयों, यदि कोई मनुष्य किसी अपराध में पकड़ा जाए, तो तुम जो आत्मिक हो, नम्रता के साथ ऐसे को संभालो, और अपनी भी देख-रेख करो, कि तुम भी परीक्षा में न पड़ो। **2** तुम एक दूसरे के भार उठाओ*, और इस प्रकार मसीह की व्यवस्था को पूरी करो।

3 क्योंकि यदि कोई कुछ न होने पर भी अपने आप को कुछ समझता है, तो अपने आप को धोखा देता है। **4** पर हर एक अपने ही काम को जाँच ले*, और तब दूसरे के विषय में नहीं परन्तु अपने ही विषय में उसको घमण्ड करने का अवसर होगा। **5** क्योंकि हर एक व्यक्ति अपना ही बोझ उठाएगा।

6 जो वचन की शिक्षा पाता है, वह सब अच्छी वस्तुओं में सिखानेवाले को भागी करे। **7** धोखा न खाओ, परमेश्वर उपहास में नहीं उड़ाया जाता, क्योंकि मनुष्य जो कुछ बोता है, वही काटेगा। **8** क्योंकि जो अपने शरीर के लिये बोता है, वह शरीर के द्वारा विनाश की कटनी काटेगा; और जो आत्मा के लिये बोता है, वह आत्मा के द्वारा अनन्त जीवन की कटनी काटेगा।

9 हम भले काम करने में साहस न छोड़े, क्योंकि यदि हम ढीले न हों, तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे। **10** इसलिए जहाँ तक अवसर मिले हम सब के साथ भलाई करें; विशेष करके विश्वासी भाइयों के साथ।

11 देखो, मैंने कैसे बड़े-बड़े अक्षरों में तुम को अपने हाथ से लिखा है। **12** जितने लोग शारीरिक दिखावा चाहते हैं वे तुम्हारे खतना करवाने के लिये दबाव देते हैं, केवल इसलिए कि वे मसीह के क्रूस के कारण सताए न जाएँ। **13** क्योंकि खतना करानेवाले आप तो, व्यवस्था पर नहीं चलते, पर तुम्हारा खतना कराना इसलिए चाहते हैं, कि तुम्हारी शारीरिक दशा पर घमण्ड करें।

14 पर ऐसा न हो, कि मैं और किसी बात का घमण्ड करूँ, केवल हमारे प्रभु यीशु मसीह के क्रूस का जिसके द्वारा संसार मेरी दृष्टि में और मैं संसार की दृष्टि में क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ। **15** क्योंकि न खतना, और न खतनारहित कुछ है, परन्तु नई सृष्टि महत्वपूर्ण है। **16** और जितने इस नियम पर चलेंगे उन पर, और परमेश्वर के इस्राएल पर, शान्ति और दया होती रहे।

17 आगे को कोई मुझे दु:ख न दे, क्योंकि मैं यीशु के दागों को अपनी देह में लिये फिरता हूँ*।

18 हे भाइयों, हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम्हारी आत्मा के साथ रहे। आमीन।

Galatians 6:1

यदि कोई मनुष्य
यदि कोई मनुष्य - “यदि कोई” या “हम में से कोई”

किसी अपराध में पकड़ा भी जाए
किसी अपराध में पकड़ा भी जाए - 1) किसी मनुष्य को उस कार्य में पकड़ा जाए, “पाप में देखा जाए”। या 2) किसी ने बुराई की इच्छा के बिना पाप किया, “हार कर पाप किया”।

तुम जो आत्मिक हो
तुम जो आत्मिक हो - तुम (बहुवचन) में से जो आत्मा की अगुवाई में हो”

ऐसे को संभालो
“पाप करने वाले का सुधार करो” या “पाप करने वाले को शिक्षा देकर सही मार्ग पर ले आओ” या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में ले आओ।

नम्रता के साथ
इसका अर्थ है कि सुधार करने वाले की अगुआई आत्मा कर रहा है। (देखें यू.डी.बी.) “नम्र स्वभाव के साथ” या “कोमलता के साथ”

अपनी भी चौकसी रखो कि तुम भी परीक्षा में न पड़ो”
इन शब्दों द्वारा पौलुस गलातिया के हर एक विश्वासी से बलपूर्वक कह रहा है कि वह सावधान रहे। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “हर एक जन सतर्क रहे कि परीक्षा में न पड़े”। (यू.डी.बी.) “मैं तुम में से हर एक से कहता हूं कि अपने बारे में सावधान रहो...”

कि तुम भी परीक्षा में न पड़ो।
कि तुम भी परीक्षा में न पड़ों - अन्यथा तुम भी पाप करने की परीक्षा में गिरो” या “कि तुम पाप करने के लिए प्रलोभित न हो”। यदि आप कतृवाच्य क्रिया काम में लेना चाहें तो “शैतान” शब्द का उपयोग नहीं करना ही उचित होगा क्योंकि इस पत्री में शैतान शब्द का उपयोग कहीं नहीं किया गया है। अतः इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है “कि परीक्षा लेनेवाला तुम्हारी परीक्षा न ले”।

Galatians 6:3

क्योंकि
“क्योंकि” इसका अभिप्राय अग्रिम शब्द दर्शाते है कि गलातिया प्रदेश के विश्वासी क्यों 1) एक दूसरे का भार उठाओ”... या 2) “तुम परीक्षा में न पड़ो”। “अपने आपको कुछ समझता है”।

कुछ समझता है
“महत्त्वपूर्ण मानता है” या “तुलना में अन्यों से कम है”

कुछ न होने पर
“महत्त्वहीन होने पर” या “अन्यों से उत्तम नहीं”

हर एक व्यक्ति
“प्रत्येक व्यक्ति”

हर एक व्यक्ति अपना ही बोझ उठाए
“प्रत्येक विश्वासी अपने ही कामों से परखा जायेगा” या “प्रत्येक विश्वासी अपने ही कामों का लेखा देगा”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हर एक व्यक्ति
“प्रत्येक व्यक्ति”

Galatians 6:6

जो
“जो व्यक्ति”

बोता है
“विश्वासी द्वारा किए गए कामों के संदर्भ में है”

कटनी काटेगा
यह रूपक मनुष्य के कामों के परिणाम का प्रतीक है

जो.... वह
“जो मनुष्य.... वह मनुष्य” यहां पौलुस केवल पुरूषों के लिए नहीं कह रहा है।

शरीर के द्वारा.... बोता है
“अपने पापी स्वभाव के काम करता है”

शरीर के द्वारा विनाश की कटनी काटेगा
“उसके पापी शरीर ने जो किया उसका दण्ड पाएगा”।

जो आत्मा के लिए बोता है
“परमेश्वर के आत्मा को प्रसन्न करनेवाले काम करता है

जो आत्मा के लिए बोता है वह अनन्त जीवन की कटनी काटेगा।
“परमेश्वर के आत्मा का प्रतिफल पाएगा अर्थात अनन्त जीवन पाएगा”।

Galatians 6:9

हम...साहस न छोड़ें
हम... साहस न छोड़े” -इसका अनुवाद किया जा सकता है”, “हम करते रहें”

भले काम
भले काम - मनुष्य के कल्याण के लिए, भले काम करना।

ठीक समय पर
ठीक समय पर - “समय आने पर” या “परमेश्वर द्वारा निर्धारित समय पर”

इसलिए
इसलिए - “इसके परिणाम स्वरूप” या “इसके कारण”

जैसे हमें अवसर मिले
अवसर मिले - इसके अर्थ हो सकते है, 1) “हर समय अवसर मिलता है” या (यू.डी.बी.) 2) “प्रत्येक अवसर पर”

विशेष करके
विशेष करके - “सबसे अधिक उनके साथ” या “विशेष करके उनके साथ”

विश्वासी भाइयों
“जो मसीह में विश्वास के कारण परमेश्वर के परिवार के हैं”

Galatians 6:11

बड़े-बड़े अक्षरों में
पौलुस 1) निम्नलिखित बातों पर बता देना चाहता है या 2) कि यह पत्र उसका ही है।

अपने हाथ से लिखा है
इसके अर्थ हो सकते हैं 1) पौलुस ने किसी से यह पत्र लिखवाया परन्तु वह अन्तिम भाग पौलुस ने लिखा था। 2) संपूर्ण पत्र ही पौलुस ने लिखा।

शारीरिक दिखावा
“मनुष्यों से प्रशंसा पाना चाहते है” या “मनुष्यों में अच्छी छवि बनाना चाहते हैं”।

शारीरिक
“प्रकट प्रमाण” या “स्वयं के प्रयास द्वारा”

दबाव डालते हैं
“विवश करते हैं” या “प्रबल प्रभाव डालते हैं”

ताकि वे मसीह के क्रूस के लिए सताए न जाए
“कि वे इस गवाही के कारण यहूदियों द्वारा सताए न जाएं कि केवल क्रूस के द्वारा उद्धार है।

क्रूस
“यीशु के क्रूस के काम” या “यीशु की मृत्यु एवं पुनरूत्थान” यहां अभिप्राय लकड़ी के क्रूस से नहीं है।

वे चाहते हैं
“जो तुम्हें खतना करवाने के लिए विवश करते हैं वे चाहते है”।

कि तुम्हारी शारीरिक दशा पर घमण्ड करें
कि तुम्हें खतना के लिए विवश करने वालों के पास गर्व का कारण हो।

Galatians 6:14

पर ऐसा न हो कि मैं अन्य किसी बात का घमण्ड करूं।
“मैं केवल क्रूस पर घमण्ड करूं”

ऐसा न हो
“मैं नहीं चाहता कि कभी ऐसा हो” या “परमेश्वर दया करे कि मैं ऐसा कभी न करूं। इस अभिव्यक्ति द्वारा पौलुस की प्रबल इच्छा प्रकट होती है कि ऐसा न हो। आपकी भाषा में ऐसी अभिव्यक्ति है तो यहां काम में ली जाए।

जिसके द्वारा
जिसके द्वारा - इसका संदर्भ है 1) मसीह या 2) “क्रूस” “जिसके द्वारा”

संसार मेरी दृष्टि में .... क्रूस पर चढ़ाया गया
“मैं संपूर्ण संसार को मृतक मानता हूं” या “मैं संसार को एक अपराधी मानता हूं जिसे परमेश्वर ने क्रूस पर मार डाला”।

मैं संसार की दृष्टि में
“संसार मुझे मृतक समझता है” या “संसार मुझे एक अपराधी मानता है जिसे परमेश्वर ने क्रूस पर मार डाला।

यह संसार
इसके अर्थ हैं 1) संसार के निवासी जो परमेश्वर की चिन्ता नहीं करते या 2) परमेश्वर को नहीं मानने वाले मनुष्यों के लिए महत्त्वपूर्ण बातें।

कुछ हैं
परमेश्वर के लिए “महत्त्वपूर्ण”

एक नई सृष्टि
इसके अर्थ हैं 1) मसीह में नया विश्वासी 2) विश्वासी का नया जीवन

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जितनो ने
“वे सब”

उन पर और परमेश्वर के इस्राएल पर शान्ति और दया होती रहे।
इसके अर्थ हैं 1) विश्वासी सामान्यतः परमेश्वर का इस्राएल है (यू.डी.बी.) या 2) अन्य जाति विश्वासियों को परमेश्वर की दया और शान्ति प्राप्त हो तथा इस्राएल को भी परमेश्वर की दया और शान्ति प्राप्त हो।

Galatians 6:17

आगे को
आगे को -इसके अर्थ हैं “अन्ततः” या “इस पत्र के अन्त में”

कोई मुझे दुःख न दे
इसके अर्थ हैं 1) पौलुस गलातिया के विश्वासियों से कह रहा है कि वे अब उसे दुःखी न करें। “मैं अन्त में यही कहता हूं कि मुझे दुःख न दो”। या 2) पौलुस गलातिया प्रदेश के विश्वासियों को लिख रहा है कि वह सबसे कहता है कि वे उसके लिए दुःख का कारण न उत्पन्न करें”। या 3) पौलुस अपनी इच्छा प्रकट कर रहा है मैं नहीं चाहता कि कोई मुझे दुःख दे”।

मुझे कष्ट दे
अर्थात 1) “मुझसे इन बातों की चर्चा करे” (यू.डी.बी.) या 2) मुझे कष्ट दे। या “मुझे परिश्रम के लिए विवश करे”।

क्योंकि मैं यीशु के दागों को अपनी देह में लिए फिरता हूं।
क्योंकि मैं मसीह के दागों को अपनी देह में लिए फिरता हूं - “यीशु की सेवा के कारण मेरी देह पर घावों के दाग हैं। 2) या “मेरी देह पर घावों के दाग हैं क्योंकि मैं यीशु का हूं”।

दाग
(1) युद्ध में जो घाव हुए उनके दाग या किसी जोखिम भरे काम के कारण सेवक की देह पर जो घाव आए उनके दाग या 2) दास पर दागे गए दाग

हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम्हारी आत्मा के साथ रहे।
हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम्हारे आत्मा के साथ रहे -मैं प्रार्थना करता हूं कि प्रभु यीशु तुम्हारी आत्मा पर दया करे”।

हे भाइयों
“भाइयों और बहनों” या “परमेश्वर के परिवार के सदस्यों”

Translation Questions

Galatians 6:1

यदि कोई अपराध में पकड़ा जाए तो आत्मिक जन उस के साथ कैसा व्यवहार करें?
जो आत्मिक हैं उनके लिए आवश्यक है कि वे उस व्यक्ति को दीनता की आत्मा में संभालें।

आत्मिक जन किस संकट से बचें?
आत्मिक जन इस बात पर भी ध्यान दें कि वे परीक्षा में न पड़ें।

Galatians 6:2

विश्वासी मसीह की व्यवस्था कैसे पूरी करते हैं?
विश्वासी एक दूसरे का भार उठा कर मसीह की व्यवस्था पूरी करते हैं।

Galatians 6:4

अपने कामों के बारे में किसी को घमण्ड करने का अवसर कैसे प्राप्त होगा?
यदि कोई कुछ न होने पर भी अपने आप को कुछ समझता है तो अपने आप को धोखा देता है हर एक अपने ही काम को जांच ले, तब दूसरे के विषय में नहीं पर अपने ही विषय में उसको घमण्ड करने का अवसर होगा।

Galatians 6:6

वचन सीखने वाले को अपने शिक्षक के लिए क्या करना चाहिए?
जिसे वचन की शिक्षा दी जा रही है वह सब अच्छी वस्तुओं में सिखाने वाले को भागी करें।

Galatians 6:7

मनुष्य आत्मिकता में जो बोएगा उसका क्या होगा?
मनुष्य जो कुछ बोंता है वही काटेगा।

Galatians 6:8

शरीर के लिए बोनेवाला क्या काटेगा?
जो शरीर के लिए बोता है वह विनाश की कटनी काटेगा।

आत्मा के लिए बोनेवाले का क्या होगा?
जो आत्मा के लिए बोता है वह अनन्त जीवन की कटनी काटेगा।

Galatians 6:9

कोई साहस न हारे और भलाई करता रहे तो क्या होगा?
भले कामों में साहस न छोड़ने पर मनुष्य ठीक समय पर कटनी काटेंगे।

Galatians 6:10

विश्वासियों को भलाई करने में विशेष करके किसका ध्यान रखना है?
विश्वासियों को विशेष करके विश्वासियों के साथ भलाई करना है।

Galatians 6:12

विश्वासियों को खतना करवाने के लिए विवश करनेवालों को गुप्त उद्देश्य क्या था?
जो विश्वासियों को खतना करवाने के लिए विवश करते हैं वे मसीह के क्रूस के कारण सताए जाने से बचना चाहते हैं।

Galatians 6:14

पौलुस को किसका घमण्ड था?
पौलुस कहता है कि वह हमारे प्रभु यीशु मसीह के क्रूस पर गर्व करता है।

Galatians 6:15

खतना हो या खतना रहित इसकी अपेक्षा महत्त्वपूर्ण क्या है?
महत्त्वपूर्ण तो नई सृष्टि है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Galatians 6:16

पौलुस किस पर शान्ति और दया की कामना करता है?
इस नियम पर चलनेवालों और परमेश्वर के इस्राएल पर शान्ति और दया होती रहें।

Galatians 6:17

पौलुस अपनी देह पर क्या लिए हुए था?
पौलुस अपनी देह पर यीशु के दागों को लिए फिरता था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: Ephesians

Ephesians

Chapter 1

1 पौलुस की ओर से जो परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह का प्रेरित है, उन पवित्र और मसीह यीशु में विश्वासी लोगों के नाम जो इफिसुस में हैं, **2** हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।

3 हमारे परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह के पिता का धन्यवाद हो कि उसने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आत्मिक आशीष* दी है। **4** जैसा उसने हमें जगत की उत्पत्ति से पहले उसमें चुन लिया कि हम उसकी दृष्टि में पवित्र और निर्दोष हों।

5 और प्रेम में उसने अपनी इच्छा के भले अभिप्राय के अनुसार हमें अपने लिये पहले से ठहराया कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र हों, **6** कि उसके उस अनुग्रह की महिमा की स्तुति हो, जिसे उसने हमें अपने प्रिय पुत्र के द्वारा सेंत-मेंत दिया।

7 हमको मसीह में उसके लहू के द्वारा छुटकारा*, अर्थात् अपराधों की क्षमा, परमेश्वर के उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है, **8** जिसे उसने सारे ज्ञान और समझ सहित हम पर बहुतायत से किया।

9 उसने अपनी इच्छा का भेद, अपने भले अभिप्राय के अनुसार हमें बताया, जिसे उसने अपने आप में ठान लिया था, **10** कि परमेश्वर की योजना के अनुसार, समय की पूर्ति होने पर, जो कुछ स्वर्ग में और जो कुछ पृथ्वी पर है, सब कुछ वह मसीह में एकत्र करे।

11 मसीह में हम भी उसी की मनसा से जो अपनी इच्छा के मत के अनुसार सब कुछ करता है, पहले से ठहराए जाकर विरासत बने। **12** कि हम जिन्होंने पहले से मसीह पर आशा रखी थी, उसकी महिमा की स्तुति का कारण हों।

13 और उसी में तुम पर भी जब तुम ने सत्य का वचन सुना, जो तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है, और जिस पर तुम ने विश्वास किया, प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा की छाप लगी। **14** वह उसके मोल लिए हुओं के छुटकारे के लिये हमारी विरासत का बयाना है, कि उसकी महिमा की स्तुति हो।

15 इस कारण, मैं भी उस विश्वास जो तुम लोगों में प्रभु यीशु पर है और सब पवित्र लोगों के प्रति प्रेम का समाचार सुनकर, **16** तुम्हारे लिये परमेश्वर का धन्यवाद करना नहीं छोड़ता, और अपनी प्रार्थनाओं में तुम्हें स्मरण किया करता हूँ।

17 कि हमारे प्रभु यीशु मसीह का परमेश्वर जो महिमा का पिता है, तुम्हें बुद्धि की आत्मा और अपने ज्ञान का प्रकाश दे। (यशा.11:2) **18** और तुम्हारे मन की आँखें ज्योतिर्मय हों कि तुम जान लो कि हमारे बुलाहट की आशा क्या है, और पवित्र लोगों में उसकी विरासत की महिमा का धन कैसा है।

19 और उसकी सामर्थ्य हमारी ओर जो विश्वास करते हैं, कितनी महान है, उसकी शक्ति के प्रभाव के उस कार्य के अनुसार। **20** जो उसने मसीह के विषय में किया, कि उसको मरे हुओं में से जिलाकर स्वर्गीय स्थानों में अपनी दाहिनी ओर, (इब्रा. 10:22, भज. 110:1) **21** सब प्रकार की प्रधानता, और अधिकार, और सामर्थ्य, और प्रभुता के, और हर एक नाम के ऊपर*, जो न केवल इस लोक में, पर आनेवाले लोक में भी लिया जाएगा, बैठाया;

22 और सब कुछ उसके पाँवों तले कर दिया और उसे सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहराकर कलीसिया को दे दिया, (कुलु. 2:10, भज. 8:6) **23** यह उसकी देह है, और उसी की परिपूर्णता है, जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।

Ephesians 1:1

x
यह पत्र पौलुस ने इफिसुस की कलीसिया को लिखा था

परमेश्वर की ओर से
“परमेश्वर के चुने हुए” या “परमेश्वर की इच्छा से”

चुन लिया
“नैतिकता में निर्दोष” या “पवित्र किए हुए” या “पवित्र जन” वैकल्पिक अनुवाद, “पवित्र जन”

तुम्हें अनुग्रह
तुम्हें अर्थात इफिसुस के सब विश्वासी

तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे
“तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे” - यह पौलुस के पत्रों में एक सामान्य अभिनंदन एवं आशीर्वाद है।

Ephesians 1:3

हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम्हारी आत्मा के साथ रहे।
इसको कर्तृवाच्य रूप में व्यक्त किया जा सकता है, “हम अपने प्रभु यीशु मसीह के पिता और परमेश्वर की स्तुति करें।”

उसने जो हमें आशीष.... दी है
“परमेश्वर ने हमें आशीष दी है”

आशीष दी है
यह एक समावेशी सर्वनाम है जिसमें पौलुस और इफिसुस के सब विश्वासी हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सब प्रकार की आत्मिक आशीष
“परमेश्वर की आत्मा से प्रवाहित सब आशीषों से”

पवित्र और निर्दोष हों
पौलुस दो गुणों की चर्चा करता है जो हम परमेश्वर में विकसित कर सकते हैं।

Ephesians 1:5

हमें अपने लिए पहले से हराया... कि उसके लेपालक पुत्र हों
“परमेश्वर ने हमें ग्रहण करने का संकल्प पहले ही से कर लिया था।”

हमें अपने लिए पहले से ठहराया
“परमेश्वर ने आदिकाल ही से योजना बना ली थी” (यू.डी.बी.)

हमें अपने लिए पहले से ठहराया
पौलुस स्वयं की इफिसुस के विश्वासियों को तथा सब मसीही विश्वासियों को “हम” में सम्मलित करता है

लेपालक
“लेपालक” अर्थात परमेश्वर के परिवार के सदस्य होना

मसीह के द्वारा
परमेश्वर मसीह के काम के द्वारा विश्वासियों को अपने परिवार में लेता है।

इसके.... उसने.... इसमें.... उसके इस अनुग्रह
ये सब सर्वनाम परमेश्वर के लिए हैं।

उस प्रिय में
“परमेश्वर का प्रिय” अर्थात मसीह यीशु

Ephesians 1:7

उस प्रिय में
परमेश्वर का प्रिय मसीह यीशु

हमको....छुटकारा
हम अर्थात सब विश्वासी

उसकी मीरास की महिमा का धन
“परमेश्वर के अनुग्रह की महानता” या “परमेश्वर के अनुग्रह की अनिश्चियता”

सारे ज्ञान और समझ सहित
परमेश्वर ने विश्वासियों को महान समझ और ज्ञान प्रदान किया है। वैकल्पिक अनुवाद “ज्ञान और समझ की बहुतायत”

Ephesians 1:9

अपनी इच्छा का भेद
“उसकी योजना का अप्रकट सत्य”

उस भले अभिप्राय
“उसकी प्रसन्नता के अनुसार” (यू.डी.बी.)

समयों के पूरे होने का
“जब सब कुछ होने लगे”

पूरे होने का प्रबन्ध
“उसकी योजना पूर्ति के निमित्त”

प्रबन्ध करे
“परमेश्वर की योजना”, “परमेश्वर की इच्छा”

मसीह में
“मसीह के शासन के अधीन”

Ephesians 1:11

ठहराए जाकर
“हम परमेश्वर का उत्तराधिकार ठहराए गए” या “हम चुने गए कि परमेश्वर के उत्तराधिकार प्राप्त करें”

हम जिन्होंने पहले से
यहां “हम” में केवल पौलुस और इसके यहूदी भाई हैं, अन्यजाति विश्वासी नहीं।

उसी की मनसा से
“परमेश्वर की योजना से”

अपनी इच्छा के मत के अनुसार
“परमेश्वर की इच्छा से”

हम जिन्होंने पहले से
यहां भी पौलुस “हम” में अन्यजाति विश्वासियों को नहीं गिनता है।

Ephesians 1:13

उसी में तुम पर भी जब तुमने सत्य का वचन सुना
वैकल्पिक अनुवाद, “मसीह में विश्वास के द्वारा ही तुमने सुना कि तुम उसके द्वारा उद्धार पाए हुए हो”।

तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार मसीह के द्वारा
“मसीह तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है”

जिस पर तुमने विश्वास किया
जिस पर तुमने विश्वास किया

प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा की छाप लगी
प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा की छाप लगी जैसे किसी पत्र पर लाख लगाकर प्रेषक की मुहर लगाई जाती है उसी प्रकार परमेश्वर ने हम पर पवित्र आत्मा द्वारा उद्धार की मुहर लगाई है जिससे प्रकट होता है कि वह हमारा स्वामी है।

पूर्ण जिम्मेदारी
“पवित्र आत्मा एक प्रण है” परमेश्वर ने हमें पवित्र आत्मा दिया जो समय पर उसके अनन्त जीवन के वरदान की प्रतिज्ञा है

छुटकारे के लिए हमारी मीरास का बयाना है
परमेश्वर ने हमें अपनाने के लिए मोल लिया है। वैकल्पिक अनुवाद, “अर्थात, परमेश्वर हमें क्षमा करता है और हमें ग्रहण करता है।

Ephesians 1:15

इसी कारण
“इस उद्देश्य निमित्त”

तुम्हारा प्रेम उन सब के लिए जो मसीह में अलग किए हुए
मसीह के सब विश्वासियों के लिए तुम्हारे प्रेम “मसीह के सब पवित्र जनों के लिए तुम्हारा प्रेम”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मैं धन्यवाद करना नहीं छोड़ता
इसका अनुवाद एक सकारात्मक वाक्य मे किया जा सकता है, मैं निरन्तर परमेश्वर को धन्यवाद कहता हूं"।

Ephesians 1:17

अपनी पहचान में ज्ञान और प्रकाश की आत्मा दे
"उसके प्रकाश की समझ हेतु आत्मिक ज्ञान"

तुम्हारे मन की आंखें ज्योतिमर्य हो
"मन की आंखें अर्थात समझ प्राप्त करने के लिए किसी की क्षमता को बढ़ाना।" कि तुम्हें समझ प्राप्त हो और तुम इस प्रकाश से पूर्ण हो जाओ।

हमारी बुलाहट की आशा
"हमारी बुलाहट की आशा"

उसकी मीरास की महिमा का धन
"उसके महिमामय उत्तराधिकार की प्रचुरता" या "उसके वैभवशाली उत्तराधिकार की बहुतायत"

जो हम में अलग किए पवित्र लोगों
"उसके पृथक किए गए लोगों में" इसमें नैतिकता में निर्दोष एवं पृथक किए हुए पवित्र लोगों का विचार निहित है।

Ephesians 1:19

उसकी सामर्थ्य... कितनी महान है
परमेश्वर का सामर्थ्य व्यक्तियों के पार है

उसकी शक्ति के प्रभाव के उस कार्य के अनुसार
"हमारे निमित्त क्रियाशील उसका महान सामर्थ्य "

अपनी दाहिनी ओर उसे बैठाया"
"मसीह को दाहिनी ओर बैठाया"। यह सम्मान का सर्वोच्च स्थान है।

इस लोक में
"इस समय"

आनेवाले लोक में
"भविष्य में"

सब प्रकार की प्रधानता, और अधिकार, और सामर्थ्य, और प्रभुता
अलौकिक प्राणियों के ये विभिन्न पद है चाहे वे स्वर्गदूत हों या शैतानी शक्तियां हों। वैकल्पिक अनुवाद: सब प्रकार के अलौकिक प्राणियों के ऊपर।

Ephesians 1:22

सब कुछ उसके पांवों तले कर दिया
"परमेश्वर ने...." (यू.डी.बी.) या "परमेश्वर ने ऐसा किया कि...."

सब कुछ उसके पावों तले कर दिया
यह मसीह प्रभुता, अधिकार और सामर्थ का वर्णन है। सब कुछ मसीह के सामर्थ के अधीन कर दिया"

शिरोमणि... यह उसकी देह है
शिरोमणि... यह उसकी देह है जिस प्रकार की मानवीय देह में शरीर के सब कामों को सिर नियंत्रित करता है, ठीक उसी प्रकार मसीह देह का अर्थात कलीसिया का सिर है।

शिरोमणि ठहरा कर कलीसिया को दे दिया
शिरोमणि का अर्थ है अगुआ या कर्ता-धर्ता। वैकल्पिक अनुवाद: "कलीसिया में सर्वोसर्व शासक"

यह उसकी देह है
कलीसिया उसकी देह कहलाती है।

उसी की परिपूर्णता है जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।
मसीह कलीसिया को उसके सामर्थ्य और जीवन से पूरिपूरित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह कलीसिया को अपने जीवन एवं सामर्थ्य से भर देता है ठीक वैसे ही जैसे वह सब को जीवन देता है और संभालता है"

Translation Questions

Ephesians 1:1

पौलुस इस पत्र में जिन लोगों को लिख रहा है, उनका वर्णन कैसे करता है?
पौलुस अपने पत्र के प्राप्तिकर्ताओं को मसीह के लिए पवित्र किए गए और निष्ठापूर्वक मसीह यीशु में विश्वास करनेवाले कहता है।

Ephesians 1:3

पिता परमेश्वर ने विश्वासियों को किस से आशिष दी है?
पिता परमेश्वर ने विश्वासियों को मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आत्मिक आशीष दी है।

Ephesians 1:4

पिता परमेश्वर ने मसीह में विश्वास करनेवालों को कब चुन लिया था?
परमेश्वर ने मसीह में विश्वास करनेवालों को जगत की उत्पत्ति से पहले ही चुन लिया था।

पिता परमेश्वर ने विश्वासियों को किस उद्देश्य के निमित्त चुन लिया था?
पिता परमेश्वर ने विश्वासियों को चुन लिया था कि वे उसकी दृष्टि में पवित्र और निर्दोष हों।

Ephesians 1:5

परमेश्वर ने विश्वासियों को लेपालक सन्तान होने के लिए पहले से क्यों ठहराया था?
परमेश्वर ने विश्वासियों को अपनी इच्छा के भले अभिप्राय के निमित्त पहले से ठहराया है।

Ephesians 1:6

परमेश्वर ने विश्वासियों को लेपालक होने के लिए पहले से ही क्यों ठहरा दिया था?
परमेश्वर ने विश्वासियों को लेपालक होने के लिए पहले से ही ठहरा दिया था कि वह अपने महिमामय अनुग्रह के लिए स्तुति का पात्र ठहरे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Ephesians 1:7

परमेश्वर के प्रिय मसीह के लहू के द्वारा विश्वासियों को क्या प्राप्त है?
विश्वासी मसीह के लहू के द्वारा छुटकारा अर्थात पापों की क्षमा पाते हैं।

Ephesians 1:10

परमेश्वर अपनी योजना के पूरा होने पर क्या करेगा?
परमेश्वर स्वर्ग और पृथ्वी पर जो कुछ है, सब कुछ मसीह में एकत्र कर देगा।

Ephesians 1:13

सत्य का वचन सुनने पर विश्वासियों पर कैसी छाप लगी थी?
विश्वासियों पर प्रतिज्ञा के पवित्र आत्मा की छाप लगी थी।

Ephesians 1:14

आत्मा किसका ब्याना है?
आत्मा विश्वासियों के उत्तराधिकार का ब्याना है।

Ephesians 1:18

पौलुस इफिसुस की कलीसिया के लिए किस बात को समझने के ज्ञान हेतु प्रार्थना करता है?
पौलुस प्रार्थना करता है कि इफिसुस की कलीसिया अपनी बुलाहट की आशा और पवित्र लोगों में उसकी मीरास की महिमा के धन को समझ पाएँ।

Ephesians 1:20

विश्वासियों में जो सामर्थ्य क्रियाशील है उसने मसीह में क्या किया?
उसकी इसी सामर्थ्य के प्रभाव से मसीह मृतकों में से जिलाया गया और स्वर्गीय स्थानों में परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठाया गया।

Ephesians 1:22

परमेश्वर ने मसीह के पांवों तले क्या कर दिया है?
परमेश्वर ने सब कुछ मसीह के पांवों तले कर दिया है।

कलीसिया में मसीह के अधिकार का स्थान क्या है?
मसीह कलीसिया में सब बातों पर शिरोमणि है।

Ephesians 1:23

कलीसिया क्या है?
कलीसिया मसीह की देह है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 और उसने तुम्हें भी जिलाया, जो अपने अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे। **2** जिनमें तुम पहले इस संसार की रीति पर, और आकाश के अधिकार के
अधिपति* अर्थात् उस आत्मा के अनुसार चलते थे, जो अब भी आज्ञा न माननेवालों में कार्य करता है। **3** इनमें हम भी सब के सब पहले अपने शरीर की
लालसाओं में दिन बिताते थे, और शरीर, और मन की मनसाएँ पूरी करते थे, और अन्य लोगों के समान स्वभाव ही से क्रोध की सन्तान थे।

4 परन्तु परमेश्वर ने जो दया का धनी है; अपने उस बड़े प्रेम के कारण जिससे उसने हम से प्रेम किया, **5** जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे, तो हमें मसीह
के साथ जिलाया; अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, **6** और मसीह यीशु में उसके साथ उठाया, और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया। **7** कि वह अपनी
उस दया से जो मसीह यीशु में हम पर है, आनेवाले समयों में अपने अनुग्रह का असीम धन दिखाए।

8 क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन् परमेश्वर का दान है; **9** और न कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि
कोई घमण्ड करे। **10** क्योंकि हम परमेश्वर की रचना हैं*; और मसीह यीशु में उन भले कामों के लिये सृजे गए जिन्हें परमेश्वर ने पहले से हमारे करने के लिये
तैयार किया।

11 इस कारण स्मरण करो, कि तुम जो शारीरिक रीति से अन्यजाति हो, और जो लोग शरीर में हाथ के किए हुए खतने से खतनावाले कहलाते हैं, वे तुम को
खतनारहित कहते हैं, **12** तुम लोग उस समय मसीह से अलग और इस्राएल की प्रजा के पद से अलग किए हुए, और प्रतिज्ञा की वाचाओं के भागी न थे, और
आशाहीन और जगत में ईश्वर रहित थे।

13 पर अब मसीह यीशु में तुम जो पहले दूर थे, मसीह के लहू के द्वारा निकट हो गए हो।

14 क्योंकि वही हमारा मेल है, जिसने यहूदियों और अन्यजातियों को एक कर दिया और अलग करनेवाले दीवार को जो बीच में थी, ढा दिया। (गला.3:28,
इफि. 2:15) **15** और अपने शरीर में बैर* अर्थात् वह व्यवस्था जिसकी आज्ञाएँ विधियों की रीति पर थीं, मिटा दिया कि दोनों से अपने में एक नई जाति उत्पन्न
करके मेल करा दे, **16** और क्रूस पर बैर को नाश करके इसके द्वारा दोनों को एक देह बनाकर परमेश्वर से मिलाए।

17 और उसने आकर तुम्हें जो दूर थे, और उन्हें जो निकट थे, दोनों को मेल-मिलाप का सुसमाचार सुनाया। (इफि. 2:13, प्रेरि. 2:39) **18** क्योंकि उस ही के
द्वारा हम दोनों की एक आत्मा में पिता के पास पहुँच होती है।

19 इसलिए तुम अब परदेशी और मुसाफिर नहीं रहे, परन्तु पवित्र लोगों के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए। **20** और प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं
की नींव पर जिसके कोने का पत्थर मसीह यीशु आप ही है, बनाए गए हो। (यशा. 28:16, 1 कुरि. 12:28) **21** जिसमें सारी रचना एक साथ मिलकर प्रभु में
एक पवित्र मन्दिर बनती जाती है, **22** जिसमें तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर का निवासस्थान होने के लिये एक साथ* बनाए जाते हो।

Ephesians 2:1

अपने अपराधों एवं पापों के कारण मरे हुए थे।
इससे समझ में आता है कि पापी मनुष्य कैसे परमेश्वर की आज्ञा मानने में असमर्थ थे, जैसे कोई मृतक मनुष्य शारीरिक प्रतिक्रिया नहीं दिखाते हैं।

अपने अपराधों और पापों के कारण
इस उक्ति से प्रकट होता है मनुष्य परमेश्वर के विधान की अवज्ञा में कैसे धृष्ट थे।

जिनमें तुम बहके चलते थे
“तुम चाहे इसी में जी रहे थे” यह मनुष्यों की जीवन शैली का वर्णन है।

इस संसार की रीति पर
पौलुस “संसार” शब्द द्वारा इस संसार के मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यताओं का संदर्भ देता है। वैकल्पिक अनुवाद: “संसार के मनुष्यों की सदाचार की मान्यताओं के अनुसार” या “इस संसार के सिद्धान्तों के अनुसार”

आकाश के अधिकार के हाकिम
अर्थात शैतान

उसकी आत्मा
अर्थात शैतान की आत्मा

अपने शरीर की लालसाओं.... और शरीर और मन की इच्छाएं पूरी करते थे
ये दो शब्द “शरीर” और “मन” संपूर्ण देह के लिए लाक्षणिक उपयोग है।

Ephesians 2:4

परमेश्वर जो दया का धनी है
“परमेश्वर दया का सागर है” या “परमेश्वर हम पर दया दर्शाता है।”

अपने उस बड़े प्रेमी के कारण जिससे उसने हमसे प्रेम किया।
“हमारे लिए उसके अपार प्रेम के कारण” या “क्योंकि वह उससे अत्यधिक प्रेम करता है”

जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे तो हमें मसीह के साथ जिलाया
इससे प्रकट होता है कि एक पापी मनुष्य जब तक नया आत्मिक जीवन पाए, परमेश्वर की आज्ञा मानने में समर्थ नहीं जैसे एक मृतक शारीरिक प्रतिक्रिया नहीं दिखाता जब कि वह पुनः जीवित न हो।

उसने मसीह यीशु में उसके साथ उठाया
परमेश्वर ने हमें मसीह में नया जीवन दिया है

अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है।
परमेश्वर ने अपनी अपार दया के कारण हमारा उद्धार किया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

और मसीह यीशु में उसके साथ उठाया और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया।
जिस प्रकार उसने मसीह को जीवित किया ठीक उसी प्रकार वह हमें भी पुनःजीवित करेगा और हम स्वर्ग में मसीह के साथ होंगे।

आनेवाले समयों में
"भविष्य में"

Ephesians 2:8

क्योंकि विश्वास के द्वारा तुम्हारा उद्धार हुआ है
परमेश्वर की दया ही है कि उसने हमें दण्ड से बचाने के लिए यह संभव किया परन्तु जब हम यीशु में विश्वास करें।

परन्तु वह
"वह" अर्थात "अनुग्रह" विश्वास के द्वारा अनुग्रह से तुम्हारा उद्धार हुआ है"।

तुम्हारी ओर से नहीं
"तुम्हारी" सर्वनाम शब्द पौलुस और इफिसुस के सब मसीही विश्वासियों के लिए है।

कर्मों के कारण
"यह उद्धार हमारे कर्मों से प्राप्त नहीं है"।

क्योंकि हम उसके बनाए हुए हैं और मसीह यीशु में... सृजे गए है।
"परमेश्वर ने हमें नए मनुष्य मनाया है जो मसीह यीशु से जुड़े हुए हैं"। हम परमेश्वर की रचना हैं। यहां "हम" सर्वनाम शब्द पौलुस और इफिसुस के सब विश्वासियों के लिए है

हमारे करने के लिए
"जीवन के लिए" या "अनुसरण के लिए"

Ephesians 2:11

शारीरिक रीति से अन्यजाति हो
वे जो जन्म से यहूदी नहीं

खतनारहित
अन्यजातियों का शिशु अवस्था में खतना नहीं किया जाता था, अतः उन्हें परमेश्वर के जन नहीं माना जाता था।

खतना
यह शब्द यहूदियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि उनके हर एक बालक का जन्म के आठवें दिन खतना किया जाता था।

मसीह से अलग
"अविश्वासी"

परदेसी
"संबन्ध विच्छेदित" या "असम्मिलत"

इस्राएल की नागरिकता
"इस्राएलियों" या इस्राएली समुदाय"

प्रतिज्ञा की वाचाओं के मार्ग न थे
"तुम परमेश्वर की वाचा की प्रतिज्ञाओं से अनभिज्ञ थे"

Ephesians 2:13

पर अब मसीह में
पौलुस इफिसुस के विश्वासियों के पूर्वकालिन जीवन और वर्तमान जीवन में प्रकट अन्तर व्यक्त कर रहा है।

तुम जो पहले दूर थे.... निकट हो गए हो
विश्वासी अपने पाप के कारण परमेश्वर से दूर थे, परन्तु अब मसीह उन्हें परमेश्वर के निकट ले आया है, अपने लहू के द्वारा

वही हमारा मेल है
"यीशु हमें अपनी शान्ति देता है"

अपने शरीर में बैर
"क्रूस पर अपनी मृत्यु के द्वारा"

"अलग करने वाली दीवार"
"बुराई की दीवार" या "घृणा की दीवार"

जो बीच में थी
"यहूदी एवं अन्यजाति विश्वासियों के मध्य उपस्थित दीवार

आज्ञाएं विधियों की रीति पर थी
यीशु के लहू ने मूसा प्रदत्त विधान की अनिवार्यता पूरी की कि यहूदी और अन्यजाति उसमें शान्ति से जीएं

लोगो में आपस में मेल कराए
"यहूदियो और अन्यजातियों में एकता उत्पन्न करा दे"।

बैर को नाश करके
यीशु ने यहूदियों और अन्यजातियों के मध्य परस्पर बैर के कारण का निवारण कर दिया। अर्थात अब आवश्यक नहीं था कि वे मूसा प्रदत्त विधान के पालन का जीवन जीएं।

Ephesians 2:17

सुसमाचार सुनाया
"शुभ सन्देश सुनाया" या "शुभ सन्देश का प्रचार किया"

मेल-मिलाप का सुसमाचार
"शान्ति का शुभ सन्देश"

जो दूर थे
अन्यजातियां या गैर यहूदी जन

जो निकट थे
अर्थात् यहूदी के प्रति

इसी के द्वारा हम दोनों को... पिता के पास पहुंच होती है
"हम दोनों.... अर्थात पौलुस विश्वासी यहूदी तथा विश्वासी अन्यजातियां।

एक आत्मा में पिता के पास पहुंच होती है
सब विश्वासियों को पिता परमेश्वर की उपस्थिति में एक आत्मा या अधिकार में प्रवेश करने का अधिकार प्राप्त है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Ephesians 2:19

तुम अब विदेशी और मुसाफिर नहीं रहे, परन्तु पवित्र लोगों के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए हो
यह अन्यजातियों के मसीही विश्वास में आने से पूर्व की और बाद की आत्मिक अवस्था का वर्णन है, जैसे एक विदेशी किसी देश का नागरिक बनता है।

अब विदेशी... नहीं रहे
“बाहरी लोग नहीं रहे”

मुसाफिर
“जो नागरिक नहीं हैं”

नींव पर ... बनाए गए हो
पौलुस परमेश्वर के परिवार की तुलना एक भवन से करता है जिसके कोने का पत्थर मसीह यीशु है और प्रेरित उसकी नींव है और विश्वासी उसकी निर्माण सामग्री है।

जिसमें सारी रचनाएं साथ मिलकर प्रभु में एक पवित्र मन्दिर बनती जाती है।
पौलुस मसीह के परिवार की तुलना भवन निर्माण से करता है जिसमें राज मिस्त्री पत्थरों को संयोजित करता है उसी प्रकार मसीह भी हमें संयोजित कर रहा है।

जिसमें तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर का निवास स्थान होने के लिए एक साथ बनाए जाते हो।
वह वर्णन करता है कि विश्वासी किस प्रकार एक साथ संयोजित किए जाकर एक स्थान बनते हैं जिनमें परमेश्वर स्थाई रूप से निवास करता है जैसे पृथ्वी पर मनुष्यों के निवास हेतु एक घर बनाया जाता है।

Translation Questions

Ephesians 2:1

अविश्वासियों की आत्मिक दशा कैसी हैं?
अविश्वासी सब अपने अपराधों और पापों में मरे हुए हैं।

Ephesians 2:2

आज्ञा न माननेवालों में कौन काम करता है?
आकाश के अधिकार के हाकिम का आत्मा आज्ञा न माननेवालों में काम करता है।

Ephesians 2:3

अविश्वासी स्वभाव से क्या हैं?
अविश्वासी स्वभाव ही से क्रोध की सन्तान हैं।

Ephesians 2:4

परमेश्वर विश्वासियों के प्रति दया का धनी क्यों है?
परमेश्वर अपने महान प्रेम के कारण दया का धनी है।

Ephesians 2:5

विश्वासियों के उद्धार का कारण क्या है?
विश्वासियों का उद्धार परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा है।

Ephesians 2:6

विश्वासी कहाँ बैठाए गए हैं?
विश्वासी मसीह यीशु के साथ स्वर्गीय स्थानों में मसीह के साथ बैठाए गए हैं।

Ephesians 2:7

परमेश्वर ने विश्वासियों का उद्धार करके उन्हे क्यों उठाया?
परमेश्वर ने विश्वासियों का उद्धार करके उठाया कि आनेवाले समयों में अपने अनुग्रह का असीम धन दिखाए।

Ephesians 2:8

हमारा उद्धार कैसे हुआ है?
हम विश्वास के द्वारा अनुग्रह से उद्धार प्राप्त करते हैं जो परमेश्वर का वरदान है।

Ephesians 2:9

विश्वासियों को घमण्ड करने की आवश्यकता क्यों नहीं है?
किसी भी विश्वासी को घमण्ड नहीं करना है क्योंकि उसका उद्धार उसके अपने कर्मों से नहीं है।

Ephesians 2:10

परमेश्वर ने विश्वासियों को किस उद्देश्य के निमित्त मसीह में सृजा है?
मसीह के सब विश्वासियों के लिए परमेश्वर का उद्देश्य है कि वे भले काम करें।

Ephesians 2:12

अविश्वासी अन्यजातियों की आत्मिक दशा कैसी है?
अविश्वासी अन्यजातियाँ मसीह से अलग हैं, इस्राएल के लिए परदेसी और वाचाओं के प्रति अनजान हैं तथा आशा से रहित और परमेश्वर रहित हैं।

Ephesians 2:13

अविश्वासी अन्यजातियों में से कुछ लोगों को परमेश्वर के निकट लानेवाली बात क्या है?
कुछ अन्यजाति अविश्वासी मसीह के लहू के द्वारा परमेश्वर के निकट लाए गए हैं।

Ephesians 2:14

अन्यजातियों और यहूदियों के संबन्धों में मसीह परिवर्तन कैसे लाया?
मसीह ने अन्यजातियों और यहूदियों को जो एक समुदाय में विश्वास करते हैं, विभाजन करने वाले बैरभाव को समाप्त करके मेल करा दिया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Ephesians 2:15

यहूदियों और अन्यजातियों में मेल कराने के लिए मसीह ने क्या निरस्त कर दिया है?
मसीह ने आज्ञाओं और विधियों की व्यवस्था को निरस्त कर दिया कि यहूदियों और अन्यजातियों में मेल हो।

Ephesians 2:18

सब विश्वासियों के लिए पिता परमेश्वर की निकटता में आने का साधन क्या है?
सब विश्वासियों को पवित्र आत्मा के द्वारा परमेश्वर की निकटता प्राप्त है।

Ephesians 2:20

परमेश्वर का परिवार किस नींव पर निर्मित है?
परमेश्वर का परिवार प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की नींव पर निर्मित है जिसके कोने का पत्थर मसीह है।

Ephesians 2:21

विश्वासी कैसा भवन बन रहे है?
वे प्रभु के लिए एक पवित्र मंदिर बन रहे हैं।

Ephesians 2:22

परमेश्वर आत्मा द्वारा कहाँ वास करता है?
परमेश्वर आत्मा द्वारा विश्वासी के भीतर वास करता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 इसी कारण* मैं पौलुस जो तुम अन्यजातियों के लिये मसीह यीशु का बन्दी हूँ **2** यदि तुम ने परमेश्वर के उस अनुग्रह के प्रबन्ध का समाचार सुना हो, जो तुम्हारे
लिये मुझे दिया गया।

3 अर्थात् यह कि वह भेद मुझ पर प्रकाश के द्वारा प्रगट हुआ, जैसा मैं पहले संक्षेप में लिख चुका हूँ। **4** जिससे तुम पढ़कर जान सकते हो कि मैं मसीह का वह
भेद कहाँ तक समझता हूँ। **5** जो अन्य समयों में मनुष्यों की सन्तानों को ऐसा नहीं बताया गया था, जैसा कि आत्मा के द्वारा अब उसके पवित्र प्रेरितों और
भविष्यद्वक्ताओं पर प्रगट किया गया हैं।

6 अर्थात् यह कि मसीह यीशु में सुसमाचार के द्वारा अन्यजातीय लोग विरासत में सहभागी, और एक ही देह के और प्रतिज्ञा के भागी हैं। **7** और मैं परमेश्वर के
अनुग्रह के उस दान के अनुसार, जो सामर्थ्य के प्रभाव के अनुसार मुझे दिया गया, उस सुसमाचार का सेवक बना।

8 मुझ पर जो सब पवित्र लोगों में से छोटे से भी छोटा* हूँ, यह अनुग्रह हुआ कि मैं अन्यजातियों को मसीह के अगम्य धन का सुसमाचार सुनाऊँ, **9** और सब पर
यह बात प्रकाशित करूँ कि उस भेद का प्रबन्ध क्या है, जो सब के सृजनहार परमेश्वर में आदि से गुप्त था।

10 ताकि अब कलीसिया के द्वारा, परमेश्वर का विभिन्न प्रकार का ज्ञान, उन प्रधानों और अधिकारियों पर, जो स्वर्गीय स्थानों में हैं प्रगट किया जाए। **11** उस
सनातन मनसा के अनुसार जो उसने हमारे प्रभु मसीह यीशु में की थीं।

12 जिसमें हमको उस पर विश्वास रखने से साहस और भरोसे से निकट आने का अधिकार है। **13** इसलिए मैं विनती करता हूँ कि जो क्लेश तुम्हारे लिये मुझे हो
रहे हैं, उनके कारण साहस न छोड़ो, क्योंकि उनमें तुम्हारी महिमा है।

14 मैं इसी कारण उस पिता के सामने घुटने टेकता हूँ, **15** जिससे स्वर्ग और पृथ्वी पर, हर एक घराने का नाम रखा जाता है, **16** कि वह अपनी महिमा के धन
के अनुसार तुम्हें यह दान दे कि तुम उसके आत्मा से अपने भीतरी मनुष्यत्व में सामर्थ्य पा कर बलवन्त होते जाओ,

17 और विश्वास के द्वारा मसीह तुम्हारे हृदय में बसे कि तुम प्रेम में जड़ पकड़कर और नींव डालकर, **18** सब पवित्र लोगों के साथ भली-भाँति समझने की शक्ति
पाओ; कि उसकी चौड़ाई, और लम्बाई, और ऊँचाई, और गहराई कितनी है। **19** और मसीह के उस प्रेम को जान सको जो ज्ञान से परे है कि तुम परमेश्वर की
सारी भरपूरी* तक परिपूर्ण हो जाओ।

20 अब जो ऐसा सामर्थी है, कि हमारी विनती और समझ से कहीं अधिक काम कर सकता है, उस सामर्थ्य के अनुसार जो हम में कार्य करता है, **21** कलीसिया
में, और मसीह यीशु में, उसकी महिमा पीढ़ी से पीढ़ी तक युगानुयुग होती रहे। आमीन।

Ephesians 3:1

इसी कारण
“परमेश्वर के अनुग्रह के कारण”

यदि तुमने परमेश्वर के उस अनुग्रह के प्रबंध के कारण सुना हो
“परमेश्वर ने तुम्हारे लिए उसके अनुग्रह के प्रबन्ध को जो वरदान दिया है”

Ephesians 3:3

यह भेद तुम पर प्रकाशन के द्वारा प्रकट हुआ।
परमेश्वर ने मुझे प्रकाशन प्रदान किया” या “परमेश्वर ने मुझ पर प्रकट किया”

जैसा मैं पहले ही संक्षेप में लिख चुका हूं
“मैंने पहले तुम्हें उस सत्य के बारे में संक्षेप में लिखा था जो पूर्वकाल में अज्ञात था”।

जिसे तुम पढ़कर जान सकते हो
“जिसे” अर्थात वह गुप्त सत्य जिन्हें पौलुस इफिसुस के विश्वासियों पर प्रकट कर रहा है।

तुम जान सकते हो
“तुम अंतर्ग्रहण करने योग्य हो जाओ” या “तुम उसका अनुभव करने पाओगे”

मैं मसीह का यह भेद कहां तक समझ सकता हूं
“इस पूर्वकाल में अज्ञात इस सत्य के प्रति मेरी समझ”

जो अन्य समयों में मनुष्य की सन्तानों को सीखना नहीं बताया गया था।
“जो पूर्वकाल में मनुष्यों पर प्रकट नहीं किया गया था”

जैसा कि.... अब... प्रगट किया गया है
“परन्तु अब अनावृत किया गया है” या “परन्तु अब स्पष्ट किया गया है”

Ephesians 3:6

मसीह यीशु में सुसमाचार के द्वारा अन्यजाति लोग मीरास में स्वामी और एक ही देह के और प्रतिज्ञा के भागी है।
यह एक गुप्त सत्य है जिसकी चर्चा पौलुस कर रहा है, वे उस पर तथा प्रेरितों पर प्रगट किया गया है।

एक ही देह... भागी हों
मसीह के विश्वासियों की चर्चा करने के लिए पौलुस देह का रूपक काम में ले रहा है।

मैं... उस सुसमाचार का सेवक बना
“मैं सुसमाचार शुभ सन्देश प्रसारण के निमित्त परमेश्वर की सेवा कर रहा हूं”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Ephesians 3:8

यह दान के अनुसार... मुझ पर जो सब पवित्र लोगों में से छोटे से छोटा हूं
“यद्यपि मैं परमेश्वर के सब जनों में सबसे कम योग्य हूं, परमेश्वर ने मुझे यह अनूग्रहपूर्ण वरदान दिया है

सब पर यह बात प्रकाशित करूं कि उस भेद का प्रबन्ध करता है।
“और सब को परमेश्वर की योजना से प्रगट कराऊं।"

जो सबके सृजनहार परमेश्वर में आदि से गुप्त था
“जिस बात को परमेश्वर ने आदिकाल से अर्थात संसार की सृष्टि के समय से छिपा रखा था”

Ephesians 3:10

परमेश्वर विभिन्न प्रकार का ज्ञान उन प्रधानों और अधिकारियों पर... प्रगट किया जब
“परमेश्वर का यह जटिल ज्ञान स्वर्गीय स्थानों में परमेश्वर के जटिल ज्ञान का प्रकाशन कलीसिया द्वारा हो”।

उस सनातन मनसा के अनुसार
“अनन्त योजना के अनुरूप” या “अनन्त योजना से सुसंगत”

की भी
“जिसे उसने पूरा किया” या “संपन्न किया”

Ephesians 3:12

भरोसे के साथ परमेश्वर के निकट आने का
“विश्वास के साथ परमेश्वर की उपस्थिति में आने का” या “परमेश्वर की उपस्थिति में विश्वास से प्रवेश करने का”

इस पर विश्वास करने से
“मसीह में हमारे विश्वास के कारण”

इसलिए मैं विनती करता हूं कि... साहस न छोड़ो
“अतः मेरा निवेदन है कि इसके कारण हिम्मत न हारो”।

Ephesians 3:14

इसलिए
“क्योंकि परमेश्वर ने तुम्हारे लिए यह सब किया है”

पिता के सामने घुटने टेकता हूं
“मैं पिता के सामने घुटने टेक कर विनती करता हूं” या “मैं दीन मन से पिता से प्रार्थना करता हूं”।

"कि वह तुम्हें...दे”
“कि वह तुम्हें प्रदान करे”

Ephesians 3:17

विश्वास के द्वारा मसीह तुम्हारे हृदय में बसे
“द्वारा” यहां एक माध्यम का विचार है जिसका अर्थ है कि मसीह विश्वासियों के मन में परमेश्वर प्रदत्त विश्वास के वरदान द्वारा वास करता है।

कि तुम प्रेम में जड़ पकड़कर और नींव डाल कर
पौलुस उनके विश्वास की तुलना एक वृक्ष से करता है जिसकी जड़े गहराई में है, और पत्थर पर नींव डाले हुए मकान से”

सब पवित्र लोगों
अर्थात सब विश्वासी। इसका अनुवाद किया जा सकता है, “सब पृथक किए हुए लोगों”

मसीह के उस प्रेम को जान सको जो ज्ञान से भरे है
“कि तुम मसीह के प्रेम को समझ पाओ जो उस हर एक बात से बहुत ऊपर है जिसे हम अनुभव से अंतर्ग्रहण करते हैं।

Ephesians 3:20

अब जो ऐसा सामर्थी है
“अब परमेश्वर जो”

कहीं अधिक काम कर सकता है
हम जो मांगते हैं या कल्पना कर सकते हैं परमेश्वर उससे कहीं अधिक कर सकता है।

हमारी विनती और समझ
“हम” अर्थात पौलुस और उसके पाठक

Translation Questions

Ephesians 3:2

परमेश्वर ने किस के लाभ के निमित्त पौलुस को यह दान दिया था?
परमेश्वर ने अन्यजातियों के लाभ के लिए पौलुस को यह दान दिया है।

Ephesians 3:3

पौलुस पर क्या प्रकट किया गया था?
पौलुस पर भेद का प्रकाशन प्रकट किया गया था।

Ephesians 3:5

परमेश्वर ने जो बात किसी भी पीढ़ी को कभी नहीं बताई अब किस पर प्रकट की है?
परमेश्वर ने मसीह का गुप्त सत्य उसके प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं पर प्रकट किया था।

Ephesians 3:6

वह गुप्त सत्य क्या है जो अब प्रकट किया गया?
गुप्त सत्य यह था कि अन्यजाति देह के संगी वारिस और साथी सदस्य हैं, और मसीह यीशु में प्रतिज्ञा के साझी हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Ephesians 3:7

पौलुस को क्या दान दिया गया था?
परमेश्वर के अनुग्रह का दान पौलुस को दिया गया था।

Ephesians 3:9

अन्यजातियों को समझने में सहायता देने के लिए पौलुस को किस बात के लिए भेजा गया था?
पौलुस को अन्यजातियों को उस रहस्य के प्रशासन को समझने में सहायता देने के लिए भेजा गया था जो परमेश्वर में युगों से छिपा हुआ था।

Ephesians 3:10

परमेश्वर का जटिल ज्ञान किस के द्वारा प्रकाशित किया जाएगा?
परमेश्वर का जटिल ज्ञान कलीसिया के द्वारा प्रकाशित किया जाएगा।

Ephesians 3:12

पौलुस के अनुसार विश्वासियों को मसीह में विश्वास के कारण क्या अधिकार है?
पौलुस कहता है कि विश्वासियों में मसीह में विश्वास के कारण परमेश्वर के निकट आने का साहस और आत्मविश्वास है।

Ephesians 3:15

पिता परमेश्वर पर किस का नाम रखा जाता एवं रचना की जाती है?
स्वर्ग और पृथ्वी पर हर एक घराने का नाम पिता परमेश्वर पर रखा जाता है और वह रचा जाता है।

Ephesians 3:16

पौलुस विश्वासियों के सशक्त करने के लिए कैसी प्रार्थना करता है?
पौलुस प्रार्थना करता है कि विश्वासी परमेश्वर के आत्मा के सामर्थ्य द्वारा बल पाएं।

Ephesians 3:18

विश्वासियों को समझने के लिए पौलुस क्या प्रार्थना करता है?
पौलुस प्रार्थना करता है कि विश्वासी मसीह के प्रेम की लम्बाई चौड़ाई, ऊँचाई और गहराई को समझें।

Ephesians 3:21

पौलुस प्रार्थना करता है कि पीढ़ी से पीढ़ी तक पिता के लिए क्या होता रहे?
पौलुस प्रार्थना करता है कि कलीसिया में और मसीह यीशु में उसकी महिमा पीढ़ी से पीढ़ी तक युगानयुग होती रहे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 इसलिए मैं जो प्रभु में बन्दी हूँ तुम से विनती करता हूँ कि जिस बुलाहट से तुम बुलाए गए थे, उसके योग्य चाल चलो, **2** अर्थात् सारी दीनता और नम्रता सहित,
और धीरज धरकर प्रेम से एक दूसरे की सह लो, **3** और मेल के बन्धन में आत्मा की एकता रखने का यत्न करो*।

4 एक ही देह है, और एक ही आत्मा; जैसे तुम्हें जो बुलाए गए थे अपने बुलाए जाने से एक ही आशा है। **5** एक ही प्रभु है, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा, **6**
और सब का एक ही परमेश्वर और पिता है*, जो सब के ऊपर और सब के मध्य में, और सब में है।

7 पर हम में से हर एक को मसीह के दान के परिमाण से अनुग्रह मिला है। **8** इसलिए वह कहता है,

"वह ऊँचे पर चढ़ा,
और बन्दियों को बाँध ले गया,
और मनुष्यों को दान दिए।"

9 (उसके चढ़ने से, और क्या अर्थ पाया जाता है केवल यह कि वह पृथ्वी की निचली जगहों में उतरा भी था। (इब्रा. 2:9, यूह. 3:13) **10** और जो उतर गया यह
वही है जो सारे आकाश के ऊपर चढ़ भी गया कि सब कुछ परिपूर्ण करे।)

11 और उसने कुछ को प्रेरित नियुक्त करके, और कुछ को भविष्यद्वक्ता नियुक्त करके, और कुछ को सुसमाचार सुनानेवाले नियुक्त करके, और कुछ को रखवाले
और उपदेशक नियुक्त करके दे दिया। (2 कुरि. 12:28-29) **12** जिससे पवित्र लोग सिद्ध हो जाएँ और सेवा का काम किया जाए, और मसीह की देह उन्नति
पाए। **13** जब तक कि हम सब के सब विश्वास, और परमेश्वर के पुत्र की पहचान में एक न हो जाएँ, और एक सिद्ध मनुष्य न बन जाएँ और मसीह के पूरे डील-
डौल तक न बढ़ जाएँ।

14 ताकि हम आगे को बालक न रहें, जो मनुष्यों की ठग-विद्या और चतुराई से उनके भ्रम की युक्तियों की, और उपदेश की, हर एक वायु से उछाले, और इधर-
उधर घुमाए जाते हों। **15** वरन् प्रेम में सच बोलें और सब बातों में उसमें जो सिर है, अर्थात् मसीह में बढ़ते जाएँ, **16** जिससे सारी देह हर एक जोड़ की सहायता
से एक साथ मिलकर, और एक साथ गठकर, उस प्रभाव के अनुसार जो हर एक अंग के ठीक-ठीक कार्य करने के द्वारा उसमें होता है, अपने आप को बढ़ाती है
कि वह प्रेम में उन्नति करती जाए।

17 इसलिए मैं यह कहता हूँ और प्रभु में जताए देता हूँ कि जैसे अन्यजातीय लोग अपने मन की अनर्थ की रीति पर चलते हैं, तुम अब से फिर ऐसे न चलो। **18**
क्योंकि उनकी बुद्धि अंधेरी हो गई है और उस अज्ञानता के कारण जो उनमें है और उनके मन की कठोरता के कारण वे परमेश्वर के जीवन से अलग किए हुए हैं;
19 और वे सुन्न होकर लुचपन में लग गए हैं कि सब प्रकार के गंदे काम लालसा से किया करें।

20 पर तुम ने मसीह की ऐसी शिक्षा नहीं पाई। **21** वरन् तुम ने सचमुच उसी की सुनी, और जैसा यीशु में सत्य है, उसी में सिखाए भी गए। **22** कि तुम अपने
चाल-चलन के पुराने मनुष्यत्व को जो भरमानेवाली अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होता जाता है, उतार डालो।

23 और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नये बनते जाओ, **24** और नये मनुष्यत्व को पहन लो, जो परमेश्वर के अनुसार सत्य की धार्मिकता, और पवित्रता में
सृजा गया है। (कुलु. 3:10, 2 कुरि. 5:17)

25 इस कारण झूठ बोलना छोड़कर, हर एक अपने पड़ोसी से सच बोले, क्योंकि हम आपस में एक दूसरे के अंग हैं। (कुलु. 3:9, रोम. 12:5, जक. 8:16) **26**
क्रोध तो करो, पर पाप मत करो; सूर्य अस्त होने तक तुम्हारा क्रोध न रहे। (भज. 4:4) **27** और न शैतान को अवसर दो।*

28 चोरी करनेवाला फिर चोरी न करे; वरन् भले काम करने में अपने हाथों से परिश्रम करे; इसलिए कि जिसे प्रयोजन हो, उसे देने को उसके पास कुछ हो। **29**
कोई गंदी बात तुम्हारे मुँह से न निकले, पर आवश्यकता के अनुसार वही निकले जो उन्नति के लिये उत्तम हो, ताकि उससे सुननेवालों पर अनुग्रह हो। **30**
परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, जिससे तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है। (इफि. 1:13-14, यशा. 63:10)

31 सब प्रकार की कड़वाहट और प्रकोप और क्रोध, और कलह, और निन्दा सब बैर-भाव समेत तुम से दूर की जाए। **32** एक दूसरे पर कृपालु, और करुणामय
हो, और जैसे परमेश्वर ने मसीह में तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी एक दूसरे के अपराध क्षमा करो।

Ephesians 4:1

प्रभु में बन्दी हूं
प्रभु की सेवा करने का चुनाव करने के कारण एक बन्दी की नाई।

जिस बुलाहट से तुम बुलाये गये थे इसके योग्य चाल चलो
"मैं तुमसे निवेदन करता हूं कि अपनी बुलाहट के योग्य जीवन जीओ" इन सब पदों में "तुम" इफिसुस के सब विश्वासियों के लिए काम में लिया गया है।

सारी दीनता और नम्रता सहित और धीरज धर कर प्रेम से एक दूसरे की सह लो।
"तुम्हें दीन, कोमल, धीरजवन्त होना तथा एक दूसरे को प्रेम में ग्रहण करना सीखना है।

शान्ति के बन्धन में आत्मा की एकता रखने का यत्न करो।
"एक साथ शान्ति में निर्वाह करने की खोज में रहो कि आत्मा की एकता बनाए रहो"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Ephesians 4:4

एक ही देह
परमेश्वर के परिवार में सब विश्वासी मानवीय शरीर के विभिन्न अंशों के सदृश्य है।

एक ही आत्मा
पवित्र आत्मा एक ही है

(एक ही में बुलाये गये हो)
“विशेष करके एक ही में चुने हुए हो” या “एक ही में नियुक्त हो”

एक ही आशा है
“एक ही निश्चित आशा है”

जब वह एक ही परमेश्वर और पिता... और सबमें है
“सब का पिता.... हृदय के ऊपर... सबके मध्य... सब में है”

Ephesians 4:7

हममें से हर एक को
“हम” अर्थात पौलुस और इफिसस के विश्वासी”

हर एक को मसीह के दान के परिमाण के अनुसार अनुग्रह मिला है।
“प्रत्येक विश्वासी को दान मिला है” या “परमेश्वर ने हममें से हर एक को दान दिया है” या “परमेश्वर ने हममें से हर एक को वरदान दिया है”

वह ऊंचे पर चढ़ा
“जब मसीह स्वर्ग में गया” यहां “वह” शब्द पद के द्वारा मसीह के लिए है।

Ephesians 4:9

(इसके चढ़ने से)
“वह ऊपर गया”

पृथ्वी की निचली जगहों में उतरा
“वह नीचे भी गया” या “वह नीचे भी उतरा”

पृथ्वी की निचली जगहों में
“पृथ्वी के नीचे के स्थानों में” या “पृथ्वी के नीचे के मार्गों में”

कि सब कुछ परिपूर्ण करे
कि सब कुछ पूर्णता से भरो” या “सब इसके साथ परिपूरित हो जाएं”

Ephesians 4:11

मसीह ने इस प्रकार वरदान
“मसीह ने कलीसिया को ऐसे वरदान दिए”

पवित्र लोग
सब विश्वासी

सेवा का काम
“मनुष्यों की सेवा”

मसीह की देह उन्नति पाए
यह रूपक आत्मिक विकास की तुलना शरीर के शक्तिवर्धन के लिए व्यायाम से करता है।

विश्वास में... एक हो जाएं
“विश्वास में बराबर के शक्तिशाली हो जाएं”

पूरे डील-डौल तक
“परिपक्व विश्वासी हो जाएं”

Ephesians 4:17

इसलिए मैं यह कहता हूं और प्रभु से आग्रह करता हूं।
“इसलिए मैं तुम्हें प्रभु में प्रबल प्रोत्साहन देता हूं”

जैसे अन्यजाति अपने मन की अनर्थ रीति पर चलते हैं।
“अन्य जातियों के निस्सार विचारों के अनुरूप जीवन निर्वाह त्याग दो”

उनकी बुद्धि अन्धेरी हो गई है, परमेश्वर के जीवन से अलग हो गए क्योंकि वे आज्ञानता में जीने लगे थे
उन्हें ईश्वरीय जीवन का बोध नहीं हो सकता क्योंकि उनके मन इच्छाओं से अंधे होकर कठोर हो गए है”

अज्ञानता के कारण
वे न तो स्पष्ट सोच रखते हैं न ही तर्क कर सकते हैं

परमेश्वर के जीवन से अलग किए हुए हैं
“ईश्वर भक्ति के जीवन से दूर है”

उस अज्ञानता के कारण
“क्योंकि उन्हें परमेश्वर का ज्ञान नहीं”

उनके मन की कठोरता के कारण
“वे परमेश्वर की वाणी सुनने से इन्कार करते हैं और उसकी शिक्षाओं पर नहीं चलते है”

वे सुन्न होकर, लुच्चपन में लग गए है कि वह सब प्रकार के गंदे काम लालसा से किया करें
उन्होंने अपना हर एक अभिलाषा के निमित्त चरित्रहीन व्यवहार के द्वारा भोग विलास की निरकुंश कामनाओं में जीवन लिप्त कर लिया है”

Ephesians 4:20

पर तुमने मसीह की ऐसी शिक्षा नहीं पायी
“परन्तु तुमने मसीह के अनुसरण की शिक्षा में यह सब नहीं सीखा है”।

वरन तुमने सचमुच उसी की सुनी और जैसा यीशु में सत्य है उसी में सिखाए भी गए।
“तुमने तो मसीह यीशु के बारे में सुना और उसी के द्वारा सत्य का ज्ञान पाया है”।

पुराने मनुष्यत्व को... उतार डालो, जो भरमाने वाली अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होती जाती है।
“तुम्हारी पुरानी जीवनशैली का आचरण तुम्हें त्याग देना है जो तुम्हारी बुरी अभिलाषाओं के कारण अधिकधिक भ्रष्ट होता जाता है”।

पुराने मनुष्यत्व को उतार डालो
वस्त्र बदलने के सदृश्य जिन्हें फैंक दिया जाता है अपने संपूर्ण पापी व्यवहार से मुक्त हो जाओ। “तुम्हें अपने आचरण को बदल देना है”

पिछले चाल चलन के अनुसार
“तुम्हारे पुराने स्वभाव का आचरण” या “तुम्हारे पुराने मनुष्यत्व के अनुरूप जो आचरण था”

भरमाने वाली अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होता जाता था।
“जो शरीर की झूठी अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होता जाता था”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Ephesians 4:23

नये बनते जाओ
"बदल जाओ" या "मन को बदल डालो"

नए मनुष्यत्व को पहन ले
यह दर्शाता है कि जब एक विश्वासी परमेश्वर के सामर्थ्य से मसीह में विश्वास करता है तब वह कैसे पूर्णत: एक नया मनुष्य हो जाता है ठीक वैसे ही जैसे मनुष्य नया वस्त्र धारण करके सर्वथा एक भिन्न मनुष्य दिखाई देता है।

Ephesians 4:25

झूठ बोलना छोड़कर
“तुम्हें झूठ का त्याग करना है”

हर एक अपने पड़ोसी से सच बोले
“विश्वासी अपने पड़ोसियों से सच बोलें”

हम आपस में एक दूसरे के अंग हैं।
“हम सब परमेश्वर के परिवार के सदस्य हैं”

क्रोध तो करो पर पाप मत करो
“तुम क्रोधित हो सकते हो परन्तु पाप नहीं करना”

सूर्य अस्त होने तक तुम्हारा क्रोध न रहे
“रात आने से पूर्व तुम्हारा क्रोध समाप्त होना है”

Ephesians 4:28

कोई गन्दी बात तुम्हारे मुंह से न निकले
“अपशब्दों का उपयोग मत करो” या “गन्दी बात मत करो”।

वही निकले जो उन्नति के लिए उत्तम है
“ऐसे शब्द काम में लो जो विश्वासियों की उन्नति के लिए या बलवर्धन के लिए हों”।

सुननेवालों पर अनुग्रह हो
“इस प्रकार तुम श्रोताओं पर अनुग्रह करो”

पवित्र आत्मा को खेदित मत करो
“अपने शब्दों द्वारा परमेश्वर के पवित्र आत्मा को दु:खी मत करो”

जिसके द्वारा .... तुम पर छाप दी गई है
“क्योंकि उसने तुम पर छाप लगा दी है”

Ephesians 4:31

सब प्रकार की कड़वाहट
“परमेश्वर तुममें से सब प्रकार का बैर भाव समाप्त कर दे” या “परमेश्वर घृणा को मिटा दे”।

प्रकोप और क्रोध
“प्रकोप और क्रोध को साथ रखने पर क्रोध की पराकाष्ठा का बोध होता है”। “अनियंत्रित क्रोध”।

निन्दा
“कठोर शाब्दिक अपमान”

एक दूसरे पर कृपालु और करूणामय हो
“आपस में दया और कोमलता दर्शाओ” या “एक दूसरे के साथ अनुकंपा के साथ दया का व्यवहार करो”

Translation Questions

Ephesians 4:1

पौलुस विश्वासियों से कैसे जीवन का आग्रह करता है?
पौलुस विश्वासियों से आग्रह करता है कि वे अपनी बुलाहट के योग्य आचरण रखें।

Ephesians 4:7

मसीह ने स्वर्गारोहण के बाद प्रत्येक विश्वासी को क्या दिया हैं?
मसीह ने प्रत्येक विश्वासी को मसीह के दान के परिमाण के अनुसार अनुग्रह दिया है।

Ephesians 4:11

पौलुस कलीसिया को दिए गए कौन से पाँच प्रकार के सेवकों का उल्लेख करता है?
मसीह ने कलीसिया में प्रेरितों, भविष्यद्वक्ताओं, सुसमाचार सुनानेवालों और रखवालों और उपदेशकों को नियुक्त करके दे दिया है।

Ephesians 4:12

इन पाँच प्रकार के सेवकों से कलीसिया में कैसी सेवा की अपेक्षा की गई है?
इन पांच प्रकार के सेवकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सेवा कार्य हेतु देह के विकास के लिए विश्वासियों को तैयार करें।

Ephesians 4:14

पौलुस विश्वासियों को बालकों की नाई कैसे बताता हैं?
विश्वासी आगे को बालक न रहें जो मनुष्यों की ठग विद्या और चतुराई से इधर उधर उछाले और घुमाए जाते हैं।

Ephesians 4:16

पौलुस विश्वासियों की देह की रचना का वर्णन कैसे करता हैं?
विश्वासियों की देह प्रत्येक के विकास के निमित्त प्रेम में गठी, हर एक जोड़ के द्वारा संयोजित होती है और देह के प्रत्येक अंग को विकास में इक्ट्ठा रखती है।

Ephesians 4:17

पौलुस अन्यजातियों के आचरण का वर्णन कैसे करता है?
अन्यजातियाँ अपने मन की व्यर्थता में आचरण करती हैं।

Ephesians 4:18

पौलुस क्या कहता है कि अन्यजातियों की समझ को क्या हो गया है?
अन्यजातियों की समझ अँधी हो गई है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Ephesians 4:19

अन्यजातियों ने अपने आप को किसके अधीन कर दिया है?
अन्यजातियों ने अपने आप को कामुकता के अधीन कर दिया है कि हर एक प्रकार की अशुद्धता करें।

Ephesians 4:22

पौलुस की कथनानुसार विश्वासियों को क्या त्यागना है?
विश्वासियों के लिए आवश्यक है कि वे पुराने मनुष्यत्व की बातों को त्याग दें।

Ephesians 4:24

पौलुस के कथनानुसार विश्वासियों को क्या धारण करना आवश्यक है?
विश्वासियों के लिए आवश्यक है कि वे नए मनुष्यत्व को धारण कर लें।

Ephesians 4:27

आवश्यक है कि विश्वासी किसे कभी अवसर न दे?
एक विश्वासी के लिए आवश्यक है कि वह शैतान को कभी अवसर न दे।

Ephesians 4:28

विश्वासियों को चोरी करने की अपेक्षा क्या करना चाहिए?
विश्वासियों के लिए आवश्यक है कि परिश्रम करें जिससे कि किसी आवश्यक्ता में पड़े हुए मनुष्य के साथ बाँटने के लिए योग्य हो सकें।

Ephesians 4:29

पौलुस के कथनानुसार विश्वासी के मुँह से क्या निकलना चाहिए?
विश्वासियों के मुँह से अभद्र बातें न निकलें परन्तु वही निकले जो अन्यों की उन्नति के लिए हो।

Ephesians 4:30

विश्वासी किसे दुःखी न करें?
विश्वासी पवित्र आत्मा को दुःखी न करें।

Ephesians 4:32

विश्वासी को परमेश्वर ने मसीह में क्षमा किया है इसलिए उसे क्या करना चाहिए?
विश्वासी अन्यों को क्षमा करें क्योंकि परमेश्वर ने मसीह में उन्हे क्षमा किया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 इसलिए प्रिय बच्चों के समान परमेश्वर का अनुसरण करो; **2** और प्रेम में चलो जैसे मसीह ने भी तुम से प्रेम किया; और हमारे लिये अपने आप को सुखदायक सुगन्ध के लिये परमेश्वर के आगे भेंट करके बलिदान कर दिया। (यूह. 13:34, गला. 2:20)

3 जैसा पवित्र लोगों के योग्य है, वैसा तुम में व्यभिचार, और किसी प्रकार के अशुद्ध काम, या लोभ की चर्चा तक न हो। **4** और न निर्लज्जता, न मूर्खता की बातचीत की, न उपहास किया*, क्योंकि ये बातें शोभा नहीं देती, वरन् धन्यवाद ही सुना जाए।

5 क्योंकि तुम यह जानते हो कि किसी व्यभिचारी, या अशुद्ध जन, या लोभी मनुष्य की, जो मूर्तिपूजक के बराबर है, मसीह और परमेश्वर के राज्य में विरासत नहीं। **6** कोई तुम्हें व्यर्थ बातों से धोखा न दे; क्योंकि इन ही कामों के कारण परमेश्वर का क्रोध आज्ञा न माननेवालों पर भड़कता है। **7** इसलिए तुम उनके सहभागी न हो।

8 क्योंकि तुम तो पहले अंधकार थे* परन्तु अब प्रभु में ज्योति हो, अतः ज्योति की सन्तान के समान चलो। **9** (क्योंकि ज्योति का फल सब प्रकार की भलाई, और धार्मिकता, और सत्य है), **10** और यह परखो, कि प्रभु को क्या भाता है? **11** और अंधकार के निष्फल कामों में सहभागी न हो, वरन् उन पर उलाहना दो। **12** क्योंकि उनके गुप्त कामों की चर्चा भी लज्जा की बात है।

13 पर जितने कामों पर उलाहना दिया जाता है वे सब ज्योति से प्रगट होते हैं, क्योंकि जो सब कुछ को प्रगट करता है, वह ज्योति है। **14** इस कारण वह कहता है,

> “हे सोनेवाले जाग
> और मुर्दों में से जी उठ;
> तो मसीह की ज्योति तुझ पर चमकेगी।” (रोम. 13:11-12, यशा. 60:1)

15 इसलिए ध्यान से देखो, कि कैसी चाल चलते हो; निर्बुद्धियों के समान नहीं पर बुद्धिमानों के समान चलो। **16** और अवसर को बहुमूल्य समझो, क्योंकि दिन बुरे हैं। (आमो. 5:13, कुलु. 4:5) **17** इस कारण निर्बुद्धि न हो, पर ध्यान से समझो, कि प्रभु की इच्छा क्या है।

18 और दाखरस से मतवाले न बनो, क्योंकि इससे लुचपन होता है, पर पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ, (नीति. 23:31-32, गला. 5:21-25) **19** और आपस में भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाया करो, और अपने-अपने मन में प्रभु के सामने गाते और स्तुति करते रहो। (कुलु. 3:16, 1 कुरि. 14:26) **20** और सदा सब बातों के लिये हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम से परमेश्वर पिता का धन्यवाद करते रहो। **21** और मसीह के भय से एक दूसरे के अधीन रहो*।

22 हे पत्नियों, अपने-अपने पति के ऐसे अधीन रहो, जैसे प्रभु के। (कुलु. 3:18, 1 पत. 3:1, उत्प. 3:16) **23** क्योंकि पति तो पत्नी का सिर है जैसे कि मसीह कलीसिया का सिर है; और आप ही देह का उद्धारकर्ता है। **24** पर जैसे कलीसिया मसीह के अधीन है, वैसे ही पत्नियाँ भी हर बात में अपने-अपने पति के अधीन रहें।

25 हे पतियों, अपनी-अपनी पत्नी से प्रेम रखो, जैसा मसीह ने भी कलीसिया से प्रेम करके अपने आप को उसके लिये दे दिया, **26** कि उसको वचन के द्वारा जल के स्नान* से शुद्ध करके पवित्र बनाए, **27** और उसे एक ऐसी तेजस्वी कलीसिया बनाकर अपने पास खड़ी करे, जिसमें न कलंक, न झुर्री, न कोई ऐसी वस्तु हो, वरन् पवित्र और निर्दोष हो।

28 इसी प्रकार उचित है, कि पति अपनी-अपनी पत्नी से अपनी देह के समान प्रेम रखे, जो अपनी पत्नी से प्रेम रखता है, वह अपने आप से प्रेम रखता है। **29** क्योंकि किसी ने कभी अपने शरीर से बैर नहीं रखा वरन् उसका पालन-पोषण करता है, जैसा मसीह भी कलीसिया के साथ करता है। **30** इसलिए कि हम उसकी देह के अंग हैं।

31 “इस कारण पुरुष माता-पिता को छोड़कर अपनी पत्नी से मिला रहेगा, और वे दोनों एक तन होंगे।” (उत्प. 2:24) **32** यह भेद तो बड़ा है; पर मैं मसीह और कलीसिया के विषय में कहता हूँ। **33** पर तुम में से हर एक अपनी पत्नी से अपने समान प्रेम रखे, और पत्नी भी अपने पति का भय माने।

Ephesians 5:1

परमेश्वर का अनुकरण करो
“तुम्हें परमेश्वर का स्वभाव आत्मसात करना है”

प्रिय बालकों के समान
“हम परमेश्वर की सन्तान हैं इसलिए परमेश्वर चाहता है कि हम उसकी नकल करें”।

प्रेम में जीवन बिताओ
“प्रेम आधारित जीवन जीओ”

सुखदायक सुगन्ध के लिए.... भेंट करके बलिदान कर दिया
“परमेश्वर को प्रसन्न करने वाली सुगन्ध भेंट एवं बलिदान।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Ephesians 5:3

व्यभिचार और किसी प्रकार के अशुद्ध काम या लोभ की चर्चा तक न हो... क्योंकि ये बातें शोभा नहीं देती।
“परमेश्वर के लोगों में यौन संबन्धित अनाचार या कैसी भी अशुद्धता या लालच का नाम भी नहीं होना है क्योंकि उनमें यह अशोभनीय है”

व्यभिचार
“यौन संबन्धित पाप” या “अनुचित यौन संबन्ध”

किसी प्रकार के अशुद्ध काम
“कैसी भी अनैतिक बात”

लोभ
“पराई वस्तु का लालच”

चर्चा तक न हो
“तुममें इसका नाम भी न लिया जाए” या “तुम में दिखाई भी न दे”

शोभा नहीं देती
“तुम्हारा आचरण परमेश्वर के पवित्र जनों का सा हो”

न निर्लज्जता न मूढ़ता, न ठट्ठे की... धन्यवाद ही सुना जाए
“तुम्हारी बातों में धन्यवाद छलकता हो न कि चरित्रहीन मूर्खता की बातें या अभद्र चुटकुले हों”

Ephesians 5:5

कोई तुम्हें व्यर्थ बातों से धोखा न दे
“झूठे विवाद से कोई तुम्हें ठग न ले” या “कोई तुम्हें अर्थहीन शब्दों द्वारा पथ भ्रष्ट न करे”

इन ही कामों के कारण परमेश्वर का क्रोध... भड़कता है
“ऐसे कामों के द्वारा मनुष्य परमेश्वर की अवज्ञा करता है तो उस पर परमेश्वर का क्रोध बरसता है”।

“इसलिए तुम उनके सहभागी न हो”
“सुनिश्चित कर लो कि तुम उनके साथ बुरे आचरण के सहभागी न हो”

Ephesians 5:8

क्योंकि तुम तो पहले अन्धकार थे
जिस प्रकार मनुष्य अन्धकार में देख नहीं सकता उसी प्रकार पाप में जीवन जीने वाले आत्मिक समझ से वंचित होते हैं

परन्तु अब प्रभु में ज्योति हो
जिस प्रकार मनुष्य अन्धकार में देख नहीं सकता उसी प्रकार पाप में जीवन जीने वाले आत्मिक समझ से वंचित होते हैं

ज्योति के फल सब प्रकार की भलाई और धार्मिकता और सत्य है।
विश्वासी के जीवन के काम (भलाई, सदाचार और सत्य) वैसे ही होते हैं जैसे एक अच्छे वृक्ष के उत्तम फल।

अन्धकार के निष्फल कामों में सहभागी ना हो”
“पाप और अविश्वासियों के कुकर्मों में सहभागी ना हो”

अन्धकार के निष्फल कामों
आत्मिक अन्धकार में वास करने वालों के काम ऐसे होते हैं जैसे अन्धकार में छिपे काम करने वालों के कार्य

उन पर असहमत हो
“उन्हें प्रकट करो कि वे अनुचित हैं”

Ephesians 5:13

वे सब ज्योति से प्रगट होते हैं
संसार में अप्रकट वस्तुएं प्रकाश में दिखाई देती है, उसी प्रकार मसीह की ज्योति अविश्वासियों के आत्मिकता के दुष्ट कार्य आत्मिक संसार में प्रकट हो जाते है।

हे सोने वाले जागो और मुर्दों में से जी उठ
अविश्वासियों को आत्मिक मृत्यु से जी उठना है ठीक वैसे ही जैसे एक मृतक को प्रतिक्रिया दिखाने के लिए जीवित होना पड़ता है।

“तो मसीह की ज्योति तुझ पर चमकेगी”
मसीह अविश्वासी की इस योग्य बनाएगा कि वह क्षमादान और नवजीवन के प्रावधान को समझे, ठीक वैसे ही जैसे प्रकाश अदृश्य वस्तुओं को अन्धकार में से प्रकट करता है।

Ephesians 5:15

इसलिए ध्यान से देखो, कि कैसी चाल चलते हो
“अतः तुम मूर्ख की अपेक्षा बुद्धिमान मनुष्य का सा जीवन जीओ”। मनुष्य पाप से बच तो नहीं सकता परन्तु बुद्धिमान मनुष्य पाप को पहचान कर उससे दूर भाग सकता है।

अवसर को बहुमूल्य समझो
“समय का सुबुद्धि उपयोग करो”। हम पाप में जीवन जीने का चुनाव कर सकते है। जो समय का निर्बुद्धि पूर्ण उपयोग है। या हम वैसा जीवन जी सकते है जैसा प्रभु हमसे चाहता है तो हम अपना जीवन सुबुद्धि का उपयोग करते हैं

क्योंकि दिन बुरे हैं
“दिन” अर्थात समय जिसमें वे वास कर रहे थे

Ephesians 5:18

दाखरस से मतवाले न बनो
“मदिरा पीकर बेसुध न हो”

पर आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ
“इसकी अपेक्षा पवित्र आत्मा से भर जाना अच्छा है”

आपस में भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाया करो”
“परमेश्वर की स्तुति में विभिन्न गीत गाओ”

परमेश्वर पिता का धन्यवाद करते रहो
“सदैव धन्यवाद देते रहो”

अधीन रहो
“दीनतापूर्वक अधीन रहो”

Ephesians 5:22

शरीर का दीया आंख है।
“मसीह विश्वासियों की देह का उद्धारक है” या “मसीह सब विश्वासियों का मुक्तिदाता है”

पत्नियां भी हर बात में अपने-अपने पति के अधीन रहें
“पत्नियां भी सब बातों में पति के अधीन रहें”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Ephesians 5:25

अपनी-अपनी पत्नी से प्रेम रखो
“प्रेम” अर्थात निस्वार्थ, सेवाभावी परोपकारी प्रेम

अपने आपको उसके लिए दे दिया कि उसको...शुद्ध करके पवित्र बना है।
“अपने आपको” अर्थात मसीह और “उसके” अर्थात कलीसिया के लिए (कलीसिया के सब विश्वासियों के लिए)

अपने आपको उसके लिए दे दिया
“कलीसिया के लिए मसीह ने सर्वस्व त्याग दिया”

वचन के द्वारा जल के स्नान से शुद्ध करके
इसके संभावित अर्थ हैं 1) परमेश्वर के वचन और मसीह में जल के बपतिस्में द्वारा शोधन या 2) मसीह ने परामेश्वर के वचन द्वारा हमें आत्मिक पवित्रता प्रदान की जैसे हम जल से स्नान करके देह का शोधन करते हैं।

उसे ऐसी तेजस्वी कलीसिया बना कर अपने पास खड़ी करे
“कि मसीह कलीसिया को अपने लिए तैयार करे”

न कलंक, न झुर्री
एक ही विचार को दो शब्दों में व्यक्त किया गया है कि मसीह अपनी कलीसिया को सिद्ध बनायेगा।

Ephesians 5:28

अपनी देह के समान
“जैसे वे अपनी देह से प्रेम करते हैं”

उसका पालन-पोषण करता है
“वह उसकी सुधि लेता है” या “उसका स्मरण करता है”

इसलिए कि हम उसकी देह के अंग है
“हम” अर्थात पौलुस और सब विश्वासी

इसलिए कि हम उसकी देह के अंग है
इसके संभावित अर्थ हैं 1) हम उसके विश्वासियों की देह के अंग हैं या 2) (अलौकिक अर्थ में) या 2) विश्वासी संगठित होकर मसीह की देह का निर्माण करते हैं जैसे शरीर के अंग संयोजित होकर मनुष्य की रचना करते है

Ephesians 5:31

इसी कारण
“यही कारण है कि”

अपनी-अपनी पत्नी से अपनी देह के समान प्रेम रखे
“अपनी” एक पुरूष के संबन्ध में हैं।

पत्नी भी अपने पति का भय माने
“पत्नी अपने पति का सम्मान करे” या “पत्नी अपने पति को श्रद्धा अर्पित करे”

Translation Questions

Ephesians 5:1

विश्वासियों को किसका अनुकरण करना चाहिए?
विश्वासियों को सन्तान होने के कारण परमेश्वर का अनुकरण करना चाहिए।

Ephesians 5:2

मसीह ने ऐसा क्या किया जो परमेश्वर के लिए सुखदायक सुगन्ध ठहरा?
मसीह ने विश्वासियों के लिए स्वयं को परमेश्वर के आगे भेंट करके बलिदान कर दिया।

Ephesians 5:3

विश्वासियों के मध्य क्या नहीं होना चाहिए?
व्यभिचार और किसी प्रकार के अशुद्ध काम या लोभ की चर्चा तक विश्वासियों में नाममात्र के लिए भी न हो।

Ephesians 5:4

विश्वासियों का आचरण कैसा दिखाई देना चाहिए?
इसकी अपेक्षा विश्वासियों में धन्यवादी स्वभाव होना चाहिए।

Ephesians 5:5

मसीह और परमेश्वर के राज्य में किस की मीरास नहीं हैं?
व्यभिचारी, अशुद्ध जन और लोभी मनुष्य के लिए मसीह और परमेश्वर के राज्य में मीरास नहीं है।

Ephesians 5:6

अवज्ञाकारी की सन्तान पर क्या भड़कने वाला हैं?
अवज्ञाकारी की सन्तान पर परमेश्वर का क्रोध भड़कने वाला है।

Ephesians 5:9

प्रभु को ज्योति का कैसा फल ग्रहण योग्य है?
ज्योति का फल सब प्रकार की भलाई, और धार्मिकता और सत्य है जो परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।

Ephesians 5:11

अन्धकार के कामों के प्रति विश्वासियों को क्या करना चाहिए?
विश्वासियों को अन्धकार के कामों में सहभागी नहीं होना है वरन् उन्हें उनका उजागर करना चाहिए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Ephesians 5:13

ज्योति क्या प्रकट करती है?
ज्योति हर एक बात को प्रकट करती है।

Ephesians 5:16

क्योंकि दिन बुरे हैं इसलिए विश्वासियों को क्या करना चाहिए?
विश्वासियों को अवसर को बहुमूल्य समझना चाहिए क्योंकि दिन बुरे हैं।

Ephesians 5:18

लुचपन किससे होता हैं?
दाखरस से मतवाले बनने से लुचपन होता है।

Ephesians 5:19

विश्वासी आपस में कैसी बातें करें?
विश्वासी आपस में भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाया करें।

Ephesians 5:22

पत्नियाँ किस प्रकार अपने अपने पति के अधीन रहें?
पत्नियाँ इस प्रकार अपने अपने पति के अधीन रहें जैसे प्रभु के।

Ephesians 5:23

पति किसका सिर है और मसीह किसका सिर है?
पति पत्नी का सिर है और मसीह कलीसिया का सिर है।

Ephesians 5:26

मसीह कलीसिया को पवित्र कैसे बनाता है?
मसीह कलीसिया को वचन के द्वारा जल के स्नान से शुद्ध करके पवित्र बनाता है।

Ephesians 5:28

पति अपनी पत्नी से कैसा प्रेम करें?
पति पत्नी को अपनी देह के जैसा प्रेम करें।

Ephesians 5:29

मनुष्य अपनी देह के साथ कैसा व्यवहार करता है?
मनुष्य अपनी देह का पोषण करके उससे प्रेम करता है।

Ephesians 5:31

पति जब अपनी पत्नी के साथ जुड़ता है तब क्या होता है?
पति जब अपनी पत्नी के साथ जुड़ जाता है तब वे एक देह हो जाते हैं।

Ephesians 5:32

पुरुष और उसकी पत्नी के संबन्ध से कौन सा बड़ा भेद प्रकट होता है?
मसीह और उसकी कलीसिया के बारे में एक बड़ा भेद पति पत्नी के संबन्ध से प्रकट होता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 6

1 हे बच्चों, प्रभु में अपने माता-पिता के आज्ञाकारी बनो, क्योंकि यह उचित है। **2** “अपनी माता और पिता का आदर कर (यह पहली आज्ञा है, जिसके साथ
प्रतिज्ञा भी है), **3** कि तेरा भला हो, और तू धरती पर बहुत दिन जीवित रहे।” (निर्ग. 20:12, व्य. 5:16)

4 और हे पिताओं, अपने बच्चों को रिस न दिलाओ परन्तु प्रभु की शिक्षा, और चेतावनी देते हुए, उनका पालन-पोषण करो। (व्य. 6:7, नीति. 3:11-12 नीति.
19:18, नीति. 22:6, कुलु. 3:2)

5 हे दासों, जो लोग संसार के अनुसार तुम्हारे स्वामी हैं, अपने मन की सिधाई से डरते, और काँपते हुए, जैसे मसीह की, वैसे ही उनकी भी आज्ञा मानो। **6** और
मनुष्यों को प्रसन्न करनेवालों के समान दिखाने के लिये सेवा न करो, पर मसीह के दासों के समान मन से परमेश्वर की इच्छा पर चलो, **7** और उस सेवा को
मनुष्यों की नहीं, परन्तु प्रभु की जानकर सुइच्छा से करो। **8** क्योंकि तुम जानते हो, कि जो कोई जैसा अच्छा काम करेगा, चाहे दास हो, चाहे स्वतंत्र, प्रभु से वैसा
ही पाएगा।

9 और हे स्वामियों, तुम भी धमकियाँ छोड़कर उनके साथ वैसा ही व्यवहार करो, क्योंकि जानते हो, कि उनका और तुम्हारा दोनों का स्वामी स्वर्ग में है, और वह
किसी का पक्ष नहीं करता। (लूका 6:31, व्य. 10:17, 2 इति. 19:7)

10 इसलिए प्रभु में और उसकी शक्ति के प्रभाव में बलवन्त बनो*। **11** परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो* कि तुम शैतान की युक्तियों के सामने खड़े रह सको।

12 क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध, लहू और माँस से नहीं, परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से, और इस संसार के अंधकार के शासकों से, और उस दुष्टता की
आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं। **13** इसलिए परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो कि तुम बुरे दिन में सामना कर सको, और सब कुछ पूरा करके स्थिर रह
सको।

14 इसलिए सत्य से अपनी कमर कसकर, और धार्मिकता की झिलम पहनकर, (यशा. 11:5, यशा. 59:17) **15** और पाँवों में मेल के सुसमाचार की तैयारी के
जूते पहनकर; (यशा. 52:7, नहू. 1:15) **16** और उन सब के साथ विश्वास की ढाल लेकर स्थिर रहो जिससे तुम उस दुष्ट के सब जलते हुए तीरों को बुझा सको।

17 और उद्धार का टोप, और आत्मा की तलवार जो परमेश्वर का वचन है, ले लो। (यशा. 49:2, इब्रा. 4:12, यशा. 59:17) **18** और हर समय और हर प्रकार
से आत्मा में प्रार्थना*, और विनती करते रहो, और जागते रहो कि सब पवित्र लोगों के लिये लगातार विनती किया करो,

19 और मेरे लिये भी कि मुझे बोलने के समय ऐसा प्रबल वचन दिया जाए कि मैं साहस से सुसमाचार का भेद बता सकूँ, **20** जिसके लिये मैं जंजीर से जकड़ा
हुआ राजदूत हूँ। और यह भी कि मैं उसके विषय में जैसा मुझे चाहिए साहस से बोलूँ।

21 तुखिकुस जो प्रिय भाई और प्रभु में विश्वासयोग्य सेवक है, तुम्हें सब बातें बताएगा कि तुम भी मेरी दशा जानो कि मैं कैसा रहता हूँ। **22** उसे मैंने तुम्हारे पास
इसलिए भेजा है, कि तुम हमारी दशा जानो, और वह तुम्हारे मनों को शान्ति दे।

23 परमेश्वर पिता और प्रभु यीशु मसीह की ओर से भाइयों को शान्ति और विश्वास सहित प्रेम मिले। **24** जो हमारे प्रभु यीशु मसीह से अमर प्रेम रखते हैं, उन
सब पर अनुग्रह होता रहे।

Ephesians 6:1

हे बालकों, प्रभु में अपने माता-पिता के आज्ञाकारी बनो
पौलुस सन्तानों से कह रहा है कि अपने सांसारिक माता-पिता की आज्ञाओं का पालन करो।

कि तेरा भला हो, और तू धरती पर बहुत दिन जीवित रहे
“तू” अर्थात इस्राएली जिन्हें मूसा संबोधित कर रहा था। “कि तू समृद्ध हो और पृथ्वी पर लम्बा जीवन पाए”

Ephesians 6:4

हे बच्चेवालों, अपने बच्चों को रिस न दिलाओ
“पिता” ऐसे काम न करें कि सन्तान को क्रोध आए” या “पिता सन्तान को क्रोध न दिलाए”

प्रभु की शिक्षा और चेतावनी देते हुए उनका पालन-पोषण करे
“उन्हें प्रभु की शिक्षा और प्रशिक्षण में बड़ा करो”

Ephesians 6:5

हे दासों... तुम्हारे स्वामी की .... आज्ञा मानो
“हे दासों अपने सांसारिक स्वामियों की आज्ञाओं का पालन करो”।

अपने मन की सीधाई से डरते और कांपते हुए, जैसे मसीह की
“दीनता में भय के साथ जैसे मसीह के प्रति”

डरते और कांपते हुए
एक ही स्वामी को सम्मान देने के लिए ये दो शब्द हैं

मनुष्यों को प्रसन्न करने वालों के समान दिखाने के लिए नहीं।
“सदैव ऐसे काम करो जैसे तुम मसीह ही के लिए काम कर रहे हो चाहे तुम्हारे स्वामी तुम्हें देखते न हों”।

मसीह के दासों के समान
“अपने सांसारिक स्वामी की ऐसी सेवा करो कि मानी वह मसीह स्वयं ही है”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मनुष्यों को दिखाने के लिए सेवा न करो
“सहर्ष सेवा करो क्योंकि तुम मनुष्यों मसीह के लिए सेवा करते हो”

तुम जानते हो कि जो कोई जैसा काम करेगा, प्रभु से वैसा ही पायेगा।
“स्मरण रखो कि मनुष्य अपने अच्छे कामों का फल प्रभु से पायेगा।

Ephesians 6:10

तुम प्रभु में और उसकी शक्ति के प्रभाव से बलवन्त बनो
“प्रभु पर पूर्णतः निर्भर करो कि वह तुम्हें आत्मिक शक्ति दे”

परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो कि तुम शैतान की युक्तियों के सामने खड़े रह सको।
विश्वासी परमेश्वर प्रदत्त सब संसाधनों का उपयोग करें कि शैतान के सामने दृढ़ता से खड़े रहें, जैसे एक सैनिक हथियार बान्ध कर बैरी के आक्रमण से अपना बचाव करता है।

Ephesians 6:12

इसलिए परमेश्वर के सारे हथियार बांध लो
विश्वासी शैतान के साथ युद्ध करने के लिए परमेश्वर प्रदत्त सुरक्षात्मक सब संसाधनों का उपयोग जैसे एक सैनिक शत्रु से रक्षा के लिए हथियार बांधता है।

Ephesians 6:14

सत्य से अपनी कमर कस कर
सत्य विश्वासी के लिए सब कुछ संयोजित करता है जैसे कमर बन्ध सैनिक के सब वस्त्र एक साथ थामे रखता है

धार्मिकता की झिलम पहन कर
धर्म का आचरण विश्वासी के सिर को वैसे ही सुरक्षित रखता है जैसे झिलम सैनिक के वक्ष को सुरक्षित रखती है।

सुसमाचार की तैयारी के जूते पहन कर
जैसे सैनिक दृढ़ता से खड़े रहने के लिए जूते पहनता है वैसे ही विश्वासी भी शान्ति के शुभ सन्देश का ठोस ज्ञान रखता है कि वह सुनाने के लिए तैयार रहे।

विश्वास की ढाल
परमेश्वर विश्वासी को विश्वास देता है कि शैतान के आक्रमण के समय उसका उपयोग ढाल के स्थान पर करें जैसे शत्रु के आक्रमण के समय एक सैनिक ढाल का उपयोग करता है।

जलते हुए तीरों से
विश्वासी पर शैतान का आक्रमण वैसा ही होता है जैसा शत्रु विरोधी सैनिक पर अग्निबाण चलाता है

Ephesians 6:17

उद्धार का टोप
परमेश्वर का उद्धार विश्वासी के मन की रक्षा करता है जैसे टोप सैनिक के सिर की रक्षा करता है।

आत्मा की तलवार जो परमेश्वर का वचन है
“पवित्र आत्मा प्रेरित, परमेश्वर का वचन, विश्वासी की शैतान से रक्षा तथा लड़ने के लिए काम में आता है जैसे एक सैनिक शत्रु लड़ने और आत्म रक्षा के लिए तलवार काम में लेता है।

हर समय और हर प्रकार से आत्मा में प्रार्थना और विनती करे
सदैव आत्मा में प्रार्थना करो और अपने विशेष निवेदन रखो”

कि सब पवित्र लोगों के लिए लगातार विनती किया करो
“सब विश्वासियों के लिए लगातार सतर्कता के साथ प्रार्थना करो”

Ephesians 6:19

मुझे.... प्रबल वचन दिया जाए
“कि परमेश्वर मुझे अपना वचन दे” या “परमेश्वर मुझे सुनाने के लिए सन्देश दे”

कि मैं साहस के साथ सुसमाचार का भेद बता सकूं।
“जब मैं प्रचार करूं तो साहसपूर्वक घोषणा करूं”

जिसके लिए मैं जंजीर में जकड़ा हुआ राजदूत हूं
“मैं शुभ सन्देश का प्रतिनिधि होने के कारण कारागार में हूं”

कि मैं उसके विषय में.... साहस से बोलूं
“कि मैं परमेश्वर का वचन कारागार में जैसा साहसपूर्वक वचन सुनाना है वैसे ही सुना पाऊं।

Ephesians 6:21

मैं कैसे रहता हूँ
“मेरी परिस्थिति” या “मेरी दशा”

तुखिकुस
पौलुस के साथ सेवा करने वालों में एक तुखिकुस भी था

सब बातें बताएगा
“तुम्हें संपूर्ण समाचार देगा” (यू.डी.बी.)

Translation Questions

Ephesians 6:1

मसीही सन्तानों को अपने माता पिता के साथ कैसा व्यवहार करना आवश्यक है?
मसीही सन्तानों को अपने माता पिता की आज्ञा मानना है।

Ephesians 6:4

मसीही पिता अपनी सन्तानों के साथ कैसा व्यवहार करें?
मसीही पिता अपनी सन्तान का पालन पोषण प्रभु के अनुशासन और निर्देशों में करें।

Ephesians 6:5

मसीही दास किस मानसिकता से अपने स्वामी की सेवा करें?
मसीही दास मन की सत्यनिष्ठा में अपने स्वामियों की आज्ञा माने जैसे प्रभु की।

Ephesians 6:8

विश्वासी अपने भले कामों के बारे में क्या स्मरण रखे?
विश्वासी को स्मरण रखना है कि वह जो भले काम करता है उनका प्रतिफल प्रभु उसे देगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Ephesians 6:9

एक मसीही स्वामी को अपने स्वामी के बारे में क्या स्मरण रखना है?
एक मसीही स्वामी को स्मरण रखना है कि उसका और उसके दास का स्वामी स्वर्ग में है और वह किसी भी प्रकार का पक्षपात नहीं करता है।

Ephesians 6:11

विश्वासी को परमेश्वर के सब हथियार बांधने की आवश्यक्ता क्यों हैं?
एक विश्वासी को परमेश्वर के सब हथियार बांधना आवश्यक है कि वह शैतान की दुष्ट युक्तियों के सामने खड़ा रहे।

Ephesians 6:12

विश्वासी का युद्ध किसके साथ है?
विश्वासी दुष्टता के अन्धकार के राज्य के प्रधानों से और आत्मिक अधिकारीयों से और हाकिमों युद्ध करता है।

Ephesians 6:13

विश्वासी को परमेश्वर के सब हथियार बाँधने की आवश्यक्ता क्यों हैं?
एक विश्वासी को परमेश्वर के सब हथियार बाँधना आवश्यक है कि वह शैतान की दुष्ट युक्तियों के सामने खड़ा रहे।

Ephesians 6:16

परमेश्वर का कौन सा हथियार दुष्ट के अग्निबाण बुझाता है?
विश्वास की ढाल दुष्ट के अग्निबाणों को बुझा देती है।

Ephesians 6:17

आत्मा की तलवार क्या है?
आत्मा की तलवार परमेश्वर का वचन है।

Ephesians 6:18

विश्वासियों में प्रार्थना की मानसिकता कैसी हो?
विश्वासियों को परमेश्वर का उत्तर पाने के लिए यत्न के साथ प्रतीक्षारत सदैव प्रार्थना करते रहना है।

Ephesians 6:19

पौलुस इफिसुस के विश्वासियों की कलीसिया की प्रार्थना में अपने लिए क्या अपेक्षा करता है?
पौलुस प्रचार में साहसपूर्वक सुसमाचार सुनाने हेतु वचन की कामना करता है।

Ephesians 6:20

इस पत्र को लिखते समय पौलुस कहाँ है?
इस पत्र को लिखते समय पौलुस बन्दीगृह में जंजीरों से जकड़ा हुआ है।

Ephesians 6:23

पौलुस प्रार्थना में पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह से उन विश्वासियों के लिए क्या मांगता है?
पौलुस प्रार्थना करता है कि परमेश्वर उन को विश्वास के साथ शान्ति और आपसी प्रेम प्रदान करे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: Philippians

Philippians

Chapter 1

1 मसीह यीशु के दास पौलुस और तीमुथियुस की ओर से सब पवित्र लोगों के नाम, जो मसीह यीशु में होकर फिलिप्पी में रहते हैं, अध्यक्षों और सेवकों समेत, **2** हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।

3 मैं जब-जब तुम्हें स्मरण करता हूँ, तब-तब अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ, **4** और जब कभी तुम सब के लिये विनती करता हूँ, तो सदा आनन्द के साथ विनती करता हूँ **5** इसलिए कि तुम पहले दिन से लेकर आज तक सुसमाचार के फैलाने में मेरे सहभागी रहे हो। **6** मुझे इस बात का भरोसा है* कि जिसने तुम में अच्छा काम आरम्भ किया है, वही उसे यीशु मसीह के दिन तक पूरा करेगा।

7 उचित है कि मैं तुम सब के लिये ऐसा ही विचार करूँ, क्योंकि तुम मेरे मन में आ बसे हो, और मेरी कैद में और सुसमाचार के लिये उत्तर और प्रमाण देने में तुम सब मेरे साथ अनुग्रह में सहभागी हो। **8** इसमें परमेश्वर मेरा गवाह है कि मैं मसीह यीशु के समान प्रेम करके तुम सब की लालसा करता हूँ।

9 और मैं यह प्रार्थना करता हूँ, कि तुम्हारा प्रेम, ज्ञान और सब प्रकार के विवेक सहित और भी बढ़ता जाए, **10** यहाँ तक कि तुम उत्तम से उत्तम बातों को प्रिय जानो*, और मसीह के दिन तक सच्चे बने रहो, और ठोकर न खाओ; **11** और उस धार्मिकता के फल से जो यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, भरपूर होते जाओ जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति होती रहे। (यशा. 15:8)

12 हे भाइयों, मैं चाहता हूँ, कि तुम यह जान लो कि मुझ पर जो बीता है, उससे सुसमाचार ही की उन्नति हुई है। (2 तीमु. 2:9) **13** यहाँ तक कि कैसर के राजभवन की सारी सैन्य-दल और शेष सब लोगों में यह प्रगट हो गया है कि मैं मसीह के लिये कैद हूँ, **14** और प्रभु में जो भाई हैं, उनमें से अधिकांश मेरे कैद होने के कारण, साहस बाँध कर, परमेश्वर का वचन बेधड़क सुनाने का और भी साहस करते हैं।

15 कुछ तो डाह और झगड़े के कारण मसीह का प्रचार करते हैं और कुछ भली मनसा से। (फिलि. 2:3) **16** कई एक तो यह जानकर कि मैं सुसमाचार के लिये उत्तर देने को ठहराया गया हूँ प्रेम से प्रचार करते हैं। **17** और कई एक तो सिधाई से नहीं पर विरोध से मसीह की कथा सुनाते हैं, यह समझकर कि मेरी कैद में मेरे लिये क्लेश उत्पन्न करें।

18 तो क्या हुआ? केवल यह, कि हर प्रकार से चाहे बहाने से, चाहे सच्चाई से, मसीह की कथा सुनाई जाती है, और मैं इससे आनन्दित हूँ, और आनन्दित रहूँगा भी। **19** क्योंकि मैं जानता हूँ कि तुम्हारी विनती के द्वारा, और यीशु मसीह की आत्मा* के दान के द्वारा, इसका प्रतिफल, मेरा उद्धार होगा। (रोम. 8:28)

20 मैं तो यही हार्दिक लालसा और आशा रखता हूँ कि मैं किसी बात में लज्जित न होऊँ, पर जैसे मेरे प्रबल साहस के कारण मसीह की बड़ाई मेरी देह के द्वारा सदा होती रही है, वैसा ही अब भी हो चाहे मैं जीवित रहूँ या मर जाऊँ। **21** क्योंकि मेरे लिये जीवित रहना मसीह है*, और मर जाना लाभ है।

22 पर यदि शरीर में जीवित रहना ही मेरे काम के लिये लाभदायक है तो मैं नहीं जानता कि किसको चुनूँ। **23** क्योंकि मैं दोनों के बीच असमंजस में हूँ; जी तो चाहता है कि देह-त्याग के मसीह के पास जा रहूँ, क्योंकि यह बहुत ही अच्छा है, **24** परन्तु शरीर में रहना तुम्हारे कारण और भी आवश्यक है।

25 और इसलिए कि मुझे इसका भरोसा है। अतः मैं जानता हूँ कि मैं जीवित रहूँगा, वरन् तुम सब के साथ रहूँगा, जिससे तुम विश्वास में दृढ़ होते जाओ और उसमें आनन्दित रहो; **26** और जो घमण्ड तुम मेरे विषय में करते हो, वह मेरे फिर तुम्हारे पास आने से मसीह यीशु में अधिक बढ़ जाए।

27 केवल इतना करो कि तुम्हारा चाल-चलन मसीह के सुसमाचार के योग्य हो कि चाहे मैं आकर तुम्हें देखूँ, चाहे न भी आऊँ, तुम्हारे विषय में यह सुनूँ कि तुम एक ही आत्मा में स्थिर हो, और एक चित्त होकर सुसमाचार के विश्वास के लिये परिश्रम करते रहते हो।

28 और किसी बात में विरोधियों से भय नहीं खाते। यह उनके लिये विनाश का स्पष्ट चिन्ह है, परन्तु तुम्हारे लिये उद्धार का, और यह परमेश्वर की ओर से है। **29** क्योंकि मसीह के कारण तुम पर यह अनुग्रह हुआ कि न केवल उस पर विश्वास करो पर उसके लिये दुःख भी उठाओ, **30** और तुम्हें वैसा ही परिश्रम करना है, जैसा तुम ने मुझे करते देखा है, और अब भी सुनते हो कि मैं वैसा ही करता हूँ।

Philippians 1:1

पौलुस और तीमुथियुस
इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “पौलुस और तीमुथियुस की ओर से” या “हम, पौलुस और तीमुथियुस यह लिखते हैं” यदि आपकी भाषा में पत्र के लेखक का परिचय देने की अपनी विशेष विधि है तो काम में ले।

यीशु के दास
“हम मसीह यीशु के दास है” यहां “हम” अभिप्रेत है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सब पवित्र लोगों के नाम जो मसीह यीशु में होकर फिलिप्पी में रहते हैं।
“मसीह के सब विश्वासियों के नाम”

अध्यक्षों और सेवकों
“कलीसिया के अगुवे”

अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे
मनुष्यों को आशीर्वाद देने की यह एक विधि थी

तुम्हें
अर्थात फिलिप्पी की कलीसिया

हमारे पिता परमेश्वर
“हमारे” अर्थात मसीह के सब विश्वासी पौलुस, तीमुथियुस और संपूर्ण फिलिप्पी की कलीसिया

Philippians 1:3

मैं धन्यवाद करता हूं... विनती करता हूं
“मैं” अर्थात पौलुस

तुम्हें
अर्थात फिलिप्पी का विश्वासीगण

सुसमाचार के फैलाने में मेरे सहभागी रहे
पौलुस परमेश्वर को धन्यवाद दे रहा था कि फिलिप्पी के विश्वासी भी उसमें जैसे शुभ सन्देश प्रसारण कर रहे थे। “तुम शुभ सन्देश का जो प्रसारण कर रहे थे उसके लिए मैं परमेश्वर को धन्यवाद कहता हूं”।

मुझे... भरोसा है
“मैं निश्चित हूं”

जिसने तुम में अच्छा काम आरम्भ किया
“परमेश्वर जिसने... आरंभ किया” या “परमेश्वर जिसने आरंभ किया”

वही उसे... पूरा करेगा
“पूरा करने का काम करता रहेगा”

Philippians 1:7

उचित है कि मैं
“मेरे लिए उचित है” या “मेरे लिए अच्छा होगा”

तुम मेरे मन में आ बसे हो
यह एक मुहावरा है जिसका अनुवाद होगा “मैं तुमसे अत्यधिक प्रेम रखता हूं”।

तुम सब मेरे साथ अनुग्रह में सहभागी हो
“मेरे साथ अनुग्रह के भागी हो” या “मेरे साथ अनुग्रह के' भागी हो”

परमेश्वर मेरा गवाह है
“परमेश्वर जानता है” या “परमेश्वर समझता है”

मसीह यीशु की सी प्रीति करके
“मसीह यीशु की सी प्रीति” यह एक मुहावरा है जो हमारे भीतर एक स्थान के संदर्भ में है जहां से हमारी भावनाओं का उदय होता है। इस का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मसीह यीशु ने मुझे जो प्रेम दिया उसकी संपूर्णता में”

Philippians 1:9

और भी बढ़ता जाए
“छलकता जाए”

ज्ञान और सब प्रकार के विवेक सहित
आप उनके जलने योग्य बातों को स्पष्ट कर सकते हैं, “जब हम परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाली बातों को अधिकाधिक स्पष्टता में सीखते और समझते हो”

मै यह प्रार्थना करता हूं
“मेरी प्रार्थना है कि”

उत्तम से उत्तम बातें
“परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाली सर्वोत्तम बातें”

मसीह के दिन तक सच्चे बने रहो और ठोकर न खाओ
“सच्चे बने रहो और ठोकर न खाओ” यह मनुष्य की नैतिकता को बल देने के लिए एक ही धातु के दो शब्द हैं।

“यीशु के पुनः आगमन पर तुम पूर्णत: निर्दोष रहो”
“प्रभु का दिन” या “न्याय का दिन”

और
“मैं” यह भी प्रार्थना करता हूं

भरपूर होते जाओ
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में भी किया जा सकता है, “मसीह यीशु तुम्हें परमेश्वर का अधिकाधिक आज्ञाकारी बनाए”

धार्मिकता के फल से
यहां विश्वासी द्वारा परमेश्वर को अधिकाधिक आज्ञापालन की तुलना वृक्ष के फलों से की गई है

परमेश्वर की महिमा और स्तुति
इसका अनुवाद एक पृथक वाक्य में किया जा सकता है, “तुम्हारे भले कामों को देखकर मनुष्य परमेश्वर का गुणगान एवं सम्मान करें।

Philippians 1:12

मैं चाहता हूं
यह पत्र के एक नए भाग का आरंभ है

मुझ पर जो बीता है
पौलुस अपने कारागार के समय की चर्चा कर रहा है। आप इसे स्पष्ट कर सकते हैं, “यीशु के बारे में सार्वजनिक चर्चा करने के कारण मैं जो कष्ट उठा रहा हूं”।

सुसमाचार ही की बढ़ती हुई है
“इससे अधिक जनों ने यीशु के बारे में सुना है”

कैद हूं
कैसर के राजभवन की सारी पलटन... मैं मसीह के लिए कैद में हूं।

मेरा कारागार में होना मसीह के लिए है, राजभवन को एक रक्षक जान गए हैं।
इसका कतृवाच्य अनुवाद होगा, “राजभवन के रक्षक जानते हें कि मैं मसीह के प्रचार के कारण कारागार में हूं”

राजभवन की सारी पलटन
रोमी सम्राट की सुरक्षा हेतु सैनिकों का झुण्ड।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

और शेष सब लोग
“रोम में और भी लोग हैं जो जानते हैं कि मैं कारागार में क्यों हूं?

प्रभु में जो भाई हैं, उन में से अधिकांश मेरे कैद होने के कारण हियाव बांधकर परमेश्वर का वचन निधड़क सुनाने का और भी साहस करते हैं।
“मेरे बन्दी बनाए जाने के कारण भाइयों में से अनेक विश्वासी परमेश्वर का वचन अधिक आत्मविश्वास, साहस और निर्भीकता से सुन रहें हैं”

हियाव बांधकर ....निधड़क
“पूर्ण आत्म विश्वास के साथ”

Philippians 1:15

मसीह का प्रचार करते हैं
“कुछ लोग मसीह का शुभ सन्देश सुनाते हैं”

डाह और झगड़े के कारण
“क्योंकि वे नहीं चाहते कि लोग मेरा प्रचार सुनें और वे परेशानी उत्पन्न करना चाहते हैं।

और कुछ भली इच्छा से
“कुछ लोग इसलिए प्रचार करते हैं कि वे दयालु है और सहायता करना चाहते हैं”

कई एक तो
“प्रचारक”

उत्तर देने को ठहराया गया हूं
इसका कतृवाच्य अनुवाद होगा, “परमेश्वर ने मुझे चुना है”।

प्रेम से प्रचार करते हैं
“सिखाते हैं कि यीशु का सन्देश सच है”।

विरोध से मसीह की कथा सुनते हैं
“परन्तु अन्य जन मसीह की चर्चा करते हैं”

सीधाई से नहीं विरोध से... मेरे लिए क्लेश उत्पन्न करें।
“इसलिए नहीं कि वे मसीह से प्रेम करते हैं, परन्तु यह सोच कर कि इस प्रकार वे मेरे लिए कारागार में कष्ट उत्पन्न करेंगे”।

Philippians 1:18

तो क्या हुआ?
पौलुस कहता है कि यीशु के बारे में कोई शिक्षा दे तो कोई विशेष बात नहीं। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मुझे इसकी चिन्ता नहीं”

चाहे बहाने से चाहे सच्चाई से, मसीह की कथा सुनाई जाती है
प्रचारकों का उद्देश्य भलाई का हो या बुराई का हो, उससे अन्तर नहीं पड़ता, मनुष्य मसीह का प्रचार तो करता है।

मैं इससे आनन्दित हूं
“मुझे तो प्रसन्नता होती है कि वे मसीह का प्रचार तो करते हैं”

और
“निश्चय ही” या “वास्तव में”

आनन्दित रहूंगा
“मैं खुशी मनाऊंगा” या “मैं प्रफुल्लित होऊंगा”

इसका प्रतिफल मेरा उद्धार होगा
“परमेश्वर मुझे कारागार से मुक्ति दिलायेगा”

तुम्हारी विनती के द्वारा और यीशु मसीह के आत्मा के दान के द्वारा
क्योंकि तुम मेरे लिए प्रार्थना कर रहे हो और मसीह यीशु का आत्मा मेरी सहायता कर रहा है”

मसीह का आत्मा
इसका अनुवाद, “पवित्र आत्मा” भी किया जा सकता है

Philippians 1:20

मैं तो यही हार्दिक लालसा और आशा रखता हूं
यह एक ही बात को दो भिन्न-भिन्न भावों में वक्त करना है कि पौलुस का जीवन मसीह यीशु को सम्मानित करने का है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, मैं निष्क्रिय ही विश्वास करता हूं”

मेरे प्रबल साहस के कारण मसीह की बड़ाई मेरी देह के द्वारा सदा होती रही है वैसी ही अब भी हो
“परन्तु मुझे अब भी वैसा ही साहस है जैसा पहले था”

मसीह की बड़ाई मेरी देह के द्वारा सदा होती रही है
पौलुस अपने जीवन या अपनी जीवनशैली के लिए “देह” शब्द काम में लेता है। “कि मैं जो कुछ करता हूं उस से मसीह की प्रतिष्ठा बढ़े”

चाहे मैं जीवित रहूं या मर जाऊं
“मेरे जीवन से या मेरी मृत्यु से भी”

मेरे लिए जीवित रहना मसीह है और मर जाना लाभ है
यदि मैं जीवित रहूंगा तो मसीह के लिए और यदि मर गया तो और भी अच्छा है।

Philippians 1:22

यदि शरीर से जीवित रहना ही मेरे काम के लिए लाभदायक है
यह पौलुस की सेवा के अच्छे परिणाम के संदर्भ में है। इसका अनुवाद होगा “यदि इस सांसारिक देह में रहना मनुष्यों को मसीह के विश्वास हेतु प्रोत्साहित करने का अवसर है।

मैं दोनों के बीच में अधर में लटका हूं
“मैं दुविधा में हूं कि मरूं या जीवित रहूं”

जी तो चाहता है कि कूच करके मसीह के पास जा रहूं।
“कूच करके” अर्थात “मर कर”। “मैं मर जाना अधिक चाहता हूं क्योंकि मैं अपने मसीह के पास रहूंगा”

परन्तु शरीर में रहना तुम्हारे कारण और भी आवश्यक है
“परन्तु जीवित रहना तुम्हारे लाभ के लिए है”

Philippians 1:25

इसलिए कि मुझे इसका भरोसा है
“इसलिए मुझे पूरा विश्वास है”।

मैं जानता हूं कि मैं जीवित रहूंगा
“मैं जानता हूं कि मैं मरूंगा नहीं” या “मैं जानता हूं कि मैं अभी जीवित रहूंगा”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

वरन तुम सबके साथ रहूंगा।
“मैं तुम्हारी सेवा करता रहूंगा”

और जो घमण्ड तुम मेरे विषय में करते हो यह मेरे फिर तुम्हारे पास आने से मसीह यीशु में अधिक बढ़ जाएं।
“कि जब मैं तुम्हारे मध्य फिर उपस्थित हो जाऊं तो तुम इस बात पर गर्व करो कि मैंने मसीह यीशु के लिए कैसी सेवा की।

केवल इतना करो कि तुम्हारा चाल-चलन मसीह के सुसमाचार के योग्य हो।
“अपना जीवन आचरण योग्य बनाओ”

तुम एक आत्मा में स्थिर हो और एक चित्त होकर
इन दोनों उक्तियों द्वारा एक ही बात व्यक्त की गई है कि उनका आपस में सहमत होना और संगठित रहना कैसा महत्त्वपूर्ण है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “एकता में बने रहो” या “ऐसा जीवन रखो कि तुम सब एक हो”

एक चित्त होकर सुसमाचार के विश्वास के लिए परिश्रम करते रहो।
“शुभ सन्देश की शिक्षा में सहकारी हो कि मनुष्य मसीह में विश्वास करे।

Philippians 1:28

और किसी बात में विरोधियों से भय नहीं खाते
यह फिलिप्पी के विश्वासियों को दी गई आज्ञा है।

विरोधियों
जो तुम्हारा विरोध करते हैं”

यह उनके लिए विनाश का स्पष्ट चिन्ह है परन्तु तुम्हारे लिए उद्धार का और यह परमेश्वर की ओर से है।
“तुम्हारा साहस उन पर प्रकट करेगा कि परमेश्वर उन्हें नाश कर देगा परन्तु तुम्हारा उद्धार करेगा।

क्योंकि मसीह के कारण तुम पर यह अनुग्रह प्रकट हुआ कि न केवल उस पर विश्वास करो पर उसके लिए दुःख भी उठाओ।
इसका अनुवाद कतृवाच्य में भी किया जा सकता है “क्योंकि परमेश्वर ने तुम्हें मसीह में विश्वास करने का मान प्रदान ही नहीं किया, उसके लिए कष्ट उठाने को भी दिया है”।

तुम्हें वैसा ही परिश्रम करना है जैसा तुम ने मुझे करते देखा और अब भी सुनते हो कि मैं वैसा ही करता हूं।
“तुम भी वैसे ही कष्ट उठाते हो जैसे तुमने मुझे उठाते देखा है और तुम सुनते भी हो कि मैं इस समय भी कष्ट उठा रहा हूं”।

Translation Questions

Philippians 1:1

पौलुस ने पत्र किस को लिखा था?
पौलुस यह पत्र फिलिप्पी में मसीह यीशु के लिए पृथक किए गए सब मनुष्यों को, पर्यवेक्षकों तथा सेवकों को लिखता है।

Philippians 1:5

पौलुस ने फिलिप्पी की कलीसिया, की किस बात के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दिया?
पौलुस पहले दिन से अब तक फिलिप्पी के विश्वासियों की संगति के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देता है।

Philippians 1:6

फिलिप्पी की कलीसिया के लिए पौलुस को किस बात का पूर्ण विश्वास था?
पौलुस को पूर्ण विश्वास था कि जिसने उनमें अच्छा काम आरंभ किया वही उसे मसीह यीशु के दिन तक पूरा करेगा।

Philippians 1:7

फिलिप्पी के विश्वासी किस बात में पौलुस के सहभागी थे?
पौलुस की कैद में और सुसमाचार के लिए उत्तर और प्रमाण देने में वे सब उसके साथ अनुग्रह में सहभागी थे।

Philippians 1:9

पौलुस ने किस बात के लिए प्रार्थना की फिलिप्पी की कलीसिया में अधिकाधिक बढ़ता जाए?
पौलुस प्रार्थना करता है कि फिलिप्पी की कलीसिया में परस्पर प्रेम बढ़ता जाए।

Philippians 1:11

पौलुस की मनोकामना फिलिप्पी के विश्वासियों के लिए क्या थी?
पौलुस की मनोकामना थी कि फिलिप्पी के विश्वासी धार्मिकता के फलों से परिपूर्ण हो जाएं।

Philippians 1:12

पौलुस के बन्दी बनाए जाने से सुसमाचार का प्रचार कैसे बढ़ गया था?
मसीह के निमित्त पौलुस का बन्दी बनाया जाना सर्वविदित हो गया था और अधिकांश भाई अब और अधिक साहस से प्रचार कर रहे थे।

Philippians 1:17

कुछ लोगों द्वारा प्रचार का उद्देश्य अनुचित कैसे था?
कुछ लोग डाह और झगड़े के कारण मसीह का प्रचार कर रहे थे, उनका उद्देश्य था कि कैद में पौलुस के लिए क्लेश उत्पन्न करें।

Philippians 1:18

अनुचित उद्देश्य से किए गए प्रचार के प्रति पौलुस की प्रतिक्रिया कैसी थी?
पौलुस इससे भी आनन्दित था कि मसीह का प्रचार तो किया जा रहा था।

Philippians 1:20

पौलुस जीवित रहे या मरे उसकी मनोकामना क्या थी?
पौलुस की मनोकामना तो यही थी कि वह जीए या मरे मसीह की महिमा होना चाहिए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Philippians 1:21

पौलुस ने कहा, उसके लिए जीवित रहना क्या है और मर जाना क्या है?
पौलुस ने कहा, "मेरे लिए जीवित रहना मसीह है, और मर जाना लाभ है।"

Philippians 1:22

कौन से दो चुनाव पौलुस को विपरीत दिशाओं में खींच रहे थे?
पौलुस कूच करके मसीह के पास जाने और उन विश्वासियों के लिए देह में रहने की आवश्यक्ता के बीच में लटका हुआ था।

Philippians 1:25

पौलुस को किस उद्देश्य के निमित्त विश्वास था कि वह फिलीप्पी के विश्वासियों के साथ रहेगा?
पौलुस को विश्वास था कि वह जीवित रहेगा और उन सब के साथ रहेगा कि वे विश्वास में बढ़े और आनन्दित रहें।

Philippians 1:27

पौलुस चाहे फिलिप्पी की कलीसिया में उपस्थित हो या उनसे दूर हो वह क्या सुनना चाहता था?
पौलुस सुनना चाहता था कि फिलिप्पी के विश्वासी एक ही आत्मा में स्थिर हैं और एक चित्त होकर सुसमाचार के विश्वास के लिए परिश्रम करते रहते हैं।

Philippians 1:28

फिलिप्पी के विश्वासी विरोधियों से डरते नहीं थे तो यह किस बात का चिन्ह था?
फिलिप्पी के विश्वासी किसी बात में विरोधियों से भय नहीं रखते थे यह उन के उद्धार का चिन्ह था।

Philippians 1:29

परमेश्वर के अनुग्रह से कौन सी दो बातें फिलिप्पी के विश्वासियों में थी?
मसीह के कारण उन पर यह अनुग्रह हुआ कि न केवल उस पर विश्वास करें पर उसके लिए दुःख भी उठाएं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 अतः यदि मसीह में कुछ प्रोत्साहन और प्रेम से ढाढ़स और आत्मा की सहभागिता, और कुछ करुणा और दया हो, **2** तो मेरा यह आनन्द पूरा करो कि एक मन
रहो* और एक ही प्रेम, एक ही चित्त, और एक ही मनसा रखो।

3 स्वार्थ या मिथ्यागर्व के लिये कुछ न करो, पर दीनता से एक दूसरे को अपने से अच्छा समझो। **4** हर एक अपनी ही हित की नहीं, वरन् दूसरों के हित की भी
चिन्ता करे।

5 जैसा मसीह यीशु का स्वभाव था वैसा ही तुम्हारा भी स्वभाव हो;

6 जिसने परमेश्वर के स्वरूप में होकर भी
परमेश्वर के तुल्य होने को अपने वश में
रखने की वस्तु न समझा।
7 वरन् अपने आप को ऐसा शून्य कर दिया*,
और दास का स्वरूप धारण किया,
और मनुष्य की समानता में हो गया।
8 और मनुष्य के रूप में प्रगट होकर
अपने आप को दीन किया, और यहाँ तक आज्ञाकारी रहा कि मृत्यु, हाँ,
क्रूस की मृत्यु भी सह ली।
9 इस कारण परमेश्वर ने उसको अति महान भी किया,
और उसको वह नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ है,
10 कि जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर और जो पृथ्वी के नीचे है;
वे सब यीशु के नाम पर घुटना टेकें*,
11 और परमेश्वर पिता की महिमा के लिये
हर एक जीभ अंगीकार कर ले कि यीशु मसीह ही प्रभु है।

12 इसलिए हे मेरे प्रियों, जिस प्रकार तुम सदा से आज्ञा मानते आए हो, वैसे ही अब भी न केवल मेरे साथ रहते हुए पर विशेष करके अब मेरे दूर रहने पर भी
डरते और काँपते हुए अपने-अपने उद्धार का कार्य पूरा करते जाओ। **13** क्योंकि परमेश्वर ही है, जिसने अपनी सुइच्छा निमित्त तुम्हारे मन में इच्छा और काम,
दोनों बातों के करने का प्रभाव डाला है।

14 सब काम बिना कुड़कुड़ाए और बिना विवाद के किया करो; **15** ताकि तुम निर्दोष और निष्कपट होकर टेढ़े और विकृत लोगों के बीच परमेश्वर के निष्कलंक
सन्तान बने रहो, जिनके बीच में तुम जीवन का वचन* लिए हुए जगत में जलते दीपकों के समान दिखाई देते हो, **16** कि मसीह के दिन मुझे घमण्ड करने का
कारण हो कि न मेरा दौड़ना और न मेरा परिश्रम करना व्यर्थ हुआ।

17 यदि मुझे तुम्हारे विश्वास के बलिदान और सेवा के साथ अपना लहू भी बहाना पड़े तो भी मैं आनन्दित हूँ, और तुम सब के साथ आनन्द करता हूँ। **18** वैसे ही
तुम भी आनन्दित हो, और मेरे साथ आनन्द करो।

19 मुझे प्रभु यीशु में आशा है कि मैं तीमुथियुस को तुम्हारे पास तुरन्त भेजूँगा, ताकि तुम्हारी दशा सुनकर मुझे शान्ति मिले। **20** क्योंकि मेरे पास ऐसे स्वभाव का
और कोई नहीं, जो शुद्ध मन से तुम्हारी चिन्ता करे। **21** क्योंकि सब अपने स्वार्थ की खोज में रहते हैं, न कि यीशु मसीह की।

22 पर उसको तो तुम ने परखा और जान भी लिया है कि जैसा पुत्र पिता के साथ करता है, वैसा ही उसने सुसमाचार के फैलाने में मेरे साथ परिश्रम किया। **23**
इसलिए मुझे आशा है कि ज्यों ही मुझे जान पड़ेगा कि मेरी क्या दशा होगी, त्यों ही मैं उसे तुरन्त भेज दूँगा। **24** और मुझे प्रभु में भरोसा है कि मैं आप भी शीघ्र
आऊँगा।

25 पर मैंने इपफ्रुदीतुस को जो मेरा भाई, और सहकर्मी और संगी योद्धा और तुम्हारा दूत, और आवश्यक बातों में मेरी सेवा टहल करनेवाला है, तुम्हारे पास
भेजना अवश्य समझा। **26** क्योंकि उसका मन तुम सब में लगा हुआ था, इस कारण वह व्याकुल रहता था क्योंकि तुम ने उसकी बीमारी का हाल सुना था। **27**
और निश्चय वह बीमार तो हो गया था, यहाँ तक कि मरने पर था, परन्तु परमेश्वर ने उस पर दया की; और केवल उस पर ही नहीं, पर मुझ पर भी कि मुझे शोक
पर शोक न हो।

28 इसलिए मैंने उसे भेजने का और भी यत्न किया कि तुम उससे फिर भेंट करके आनन्दित हो जाओ और मेरा भी शोक घट जाए। **29** इसलिए तुम प्रभु में
उससे बहुत आनन्द के साथ भेंट करना, और ऐसों का आदर किया करना, **30** क्योंकि वह मसीह के काम के लिये अपने प्राणों पर जोखिम उठाकर मरने के
निकट हो गया था, ताकि जो घटी तुम्हारी ओर से मेरी सेवा में हुई उसे पूरा करे।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Philippians 2:1

यदि... है..
पौलुस "यदि" के उपयोग द्वारा यह सिद्ध करना चाहता है कि ऐसा होता है। इसका वैकल्पिक अनुवाद है, "क्योंकि"

आत्मा की सहभागिता
"आत्मा के साथ चलना"

Philippians 2:3

विरोध या झूठी बड़ाई
"ऐसा काम कभी न करो जिससे केवल तुम ही प्रसन्न हो या तुम अन्यों से अधिक महत्त्वपूर्ण प्रकट हो"।

दीनता
दीनता अर्थात हमारा स्वभाव और मनुष्यों के बारे में हमारी मानसिकता। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "विनम्रता पूर्वक ध्यान दो"।

अपने ही हित की नहीं
अर्थात "अपनी ही चिन्ता नहीं" या "अपनी ही स्वार्थ सिद्धि नहीं" इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, अपनी ही आवश्यकताओं पर ध्यान न दो"

Philippians 2:5

जैसा मसीह का स्वभाव था वैसा ही तुम्हारा स्वभाव भी हो
"यहां" स्वभाव से अभिप्राय है, व्यवहार या सोचने विचारने की शक्ति। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "यीशु का सा स्वभाव" या "जिस प्रकार यीशु काम करता था उस पर ध्यान दो"।

Philippians 2:9

x
पौलुस यीशु के स्वभाव का वर्णन करता है

परमेश्वर ने इसको अति महान किया
"परमेश्वर ने यीशु को बहुत ऊंचा उठाया"

उसको वह नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ है
"नाम" अर्थात पद या प्रतिष्ठा। इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, "किसी भी पद से बड़ा पद" या "सर्वोच्च सम्मान"

सब यीशु के नाम पर घुटना टेकें।
"घुटना" अर्थात संपूर्ण मनुष्य। इसका अनुवाद है, "प्रत्येक मनुष्य" या "प्रत्येक प्राणी"

पृथ्वी के नीचे
अर्थात वह स्थान जहां मनुष्य मरने के बाद जाते है जिसे "अधोलोक" कहा गया है। यही पर दुष्टात्माओं का वास है जिसे "अथाहकुण्ड" कहा गया है।

हर एक जीभ
यहां जीभ का अर्थ भी संपूर्ण मनुष्य है, इसका अनुवाद, "प्रत्येक मनुष्य" या "प्रत्येक प्राणी" किया जा सकता है।

Philippians 2:12

मेरे प्रियों
मेरे प्रिय विश्वासी भाइयों-बहनों

केवल मेरे साथ रहते हो
"जब मैं तुम्हारे साथ हूं"

मेरे दूर रहने पर भी
"जब मैं तुम्हारे मध्य उपस्थित नहीं हूं"

अपने उद्धार का कार्य पूरा करते जाओ
"परमेश्वर की आज्ञाएं मानते रहो"

डरते और कांपते हुए
इन दोनों शब्दों का अर्थ मूल में एक ही है और परमेश्वर के समक्ष श्रद्धा पर बल दिया गया है, "गहन श्रद्धा" या "पूर्ण भय के साथ"

इच्छा और काम दोनों
परमेश्वर हमें प्रेरित करता है और काम करने योग्य भी बनाता है।

Philippians 2:14

बिना कुड़कुड़ाए
"बिना कोसे"

निर्दोष और भोले
इस प्रकार काम करो कि मनुष्य यह न कहे कि तुम ने गलत काम किया।

निष्कलंक
अर्थात विश्वासी नैतिकता में ऐसा सिद्ध हो जैसा पुराने नियम में परमेश्वर को बलि चढ़ाए जाने वाला एक सर्वांग सिद्ध पशु। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "परमेश्वर की सर्वथा भोली सन्तान"।

जगत में जलते दीपकों के समान
यह विश्वासियों की तुलना है कि परमेश्वर न मानने वाले मनुष्यों के मध्य परमेश्वर को सम्मानित करनेवाला जीवन जीना जो अन्धकार में प्रकाश स्वरूप हो। "ऐसा जीवन जीओ जो परमेश्वर की महिमा प्रकट करता है"।

जगत में
परमेश्वर को न मानने वालों की मान्यताएं तथा आचरण।

टेढ़े और हठीले लोगों के बीच
दोनों शब्दों द्वारा वर्तमान पीढ़ी की दुष्टता का वर्णन किया गया है। "परमेश्वर को न मानने वाले दुष्टों के मध्य

घमण्ड करने का कारण
"आनन्द" या "हर्षित होने का"

मसीह के दिन
जब मसीह पुनः आएगा और पृथ्वी पर राज करेगा "जब मसीह लौट कर आयेगा"

न मेरा दौड़ना और न मेरा परिश्रम करना व्यर्थ हुआ
यहां "दौड़ना.... परिश्रम करना" एक ही भाव को व्यक्त करने के दो रूप है। जिनसे प्रकट होता है कि मनुष्यों को मसीह के विश्वास में लाने के लिए पौलुस ने कैसे परिश्रम किया था। इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है, "मैंने व्यर्थ परिश्रम नहीं किया" इस नकारात्मक वाक्य और सकारात्मक वाक्य में भी बदला जा सकता है, "मेरा परिश्रम उद्देश्य के साथ था।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Philippians 2:17

मुझे तुम्हारे विश्वास रूपी बलिदान और सेवा के साथ अपना लहू भी बहाना पड़े, तौभी मैं आनन्दित हूं"
पौलुस अपनी मृत्यु की तुलना पुराने नियम के बलिदान के साथ कर रहा है जिस में आराधक बलि पशु के ऊपर या पास में दाखमधु या जैतून का तेल डालता था। पौलुस के कहने का अर्थ है कि वह फिलिप्पी के विश्वासियों के लिए सहर्ष जान दे देगा यदि इससे वे परमेश्वर को अधिक ग्रहणयोग्य हो जाएं। यहां "लहू बहाना पड़े कर्तृवाच्य में है। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "यदि रोमी लोग मुझे मृत्युदण्ड देने का निर्णय भी लें तो मैं आनन्द मनाऊंगा, यदि मेरी मृत्यु तुम्हारे विश्वास और आज्ञा पालन को परमेश्वर के समक्ष अधिक ग्रहणयोग्य बना दे"।

वैसे ही तुम भी
"इसी प्रकार तुम भी"

मेरे साथ आनन्द करो
"मेरे साथ आनन्द करो" का उपयोग बल देने के लिए किया गया है"। मैं चाहता हूं कि तुम मेरे साथ बहुत आनन्द मनाओ"।

Philippians 2:19

मुझे प्रभु यीशु में आशा है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है,"यदि प्रभु की इच्छा हो तो मैं आशा करता हूं"।

सब
अर्थात वे विश्वासी जिन पर पौलुस को भरोसा नहीं कि उन्हें फिलिप्पी की कलीसिया में भेजे पौलुस अपनी असहमति भी दर्शा रहा है कि आने वालों को सेवा हेतु वह विश्वासयोग्य नहीं समझता था।

Philippians 2:22

उसको तो तुमने परखा और जान भी लिया है
तीमुथियुस कैसे योग्य सिद्ध हुआ, स्पष्ट किया जा सकता है, "तीमुथियुस ने स्पष्ट प्रकट किया है कि वह मसीह की बातों में रूचि रखता है"।

जैसा पुत्र, पिता के साथ करता है, वैसा... ही उसने मेरे साथ परिश्रम किया।
पौलुस उसके साथ तीमुथियुस की सेवा की तुलना एक पिता के लिए युवा पुत्र की सेवा से करता है। पौलुस दर्शा रहा है कि मसीह की सेवा में उन दोनों का संबन्ध पिता-पुत्र का सा है।

सुसमाचार के फैलाने में
"मनुष्यों में शुभ सन्देश सुनाने में"

मुझे प्रभु में भरोसा है कि मैं आप भी शीघ्र आऊंगा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है,"मुझे पूरा विश्वास है कि प्रभु की इच्छा हुई तो मैं शीघ्र ही आऊंगा"।

Philippians 2:25

इपफ्रुदीतुस
इस व्यक्ति को फिलिप्पी की कलीसिया ने पौलुस के पास भेजा था कि वह कारागार में पौलुस की सेवा करे।

मेरा भाई और सहकर्मी और संगी-योद्धा
यहां युद्ध करने वाले के साथ एक आत्मिक योद्धा की तुलना की गई है। पौलुस इस बात को उजागर कर रहा है कि विश्वासी को शुभ सन्देश में संघर्ष करना पड़ता है। "मेरा विश्वासी भाई जो मेरे साथ काम करता है वरन संघर्ष करता है"

तुम्हारा दूत और आवश्यक बातों में मेरी सेवा करने वाला।
"और जो तुम्हारा सन्देश ले कर मेरे पास आया और मेरी आवश्यकताओं में मेरी सहायता की"। वह व्याकुल रहता था।

उसका मन तुम सब में लगा हुआ था इस कारण वह व्याकुल रहता था।
"वह बहुत चिन्तित रहता था और तुम्हारे पास आना चाहता था"।

शोक पर शोक
इस उक्ति का अर्थ स्पष्ट किया जा सकता है। "मेरे कारागार के दुःख पर और अधिक दुःख।"

Philippians 2:28

उस से बहुत आनन्द के साथ भेंट करना
"उस से भेंट कर के आनन्दित होना"

तुम प्रभु में
इसके संभावित अर्थ हैं 1) "मसीह में एक विश्वासी भाई के साथ सहर्ष "। या 2) उस महान आनन्द के साथ क्योंकि प्रभु यीशु उस से प्रेम करता है"।

मसीह के काम के लिए
"मसीह की सेवा के निमित्त" (यू.डी.बी.)

मेरी सेवा में
"मुझे जो आवश्यकता है उसे पूरी करे"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Philippians 2:2

पौलुस ने अपने आनन्द की पूर्ति के निमित्त फिलिप्पी के विश्वासियों से क्या अनुरोध किया था?
फिलिप्पी के विश्वासियों को एक ही मन, एक ही प्रेम, एक ही चित्त और एक ही मनसा रखनी थी।

Philippians 2:3

पौलुस के निर्देशन के अनुसार फिलिप्पी के विश्वासियों को परस्पर कैसा व्यवहार करना चाहिए?
फिलिप्पी के विश्वासी एक दूसरे को अपने से अच्छा समझें।

Philippians 2:5

पौलुस के अनुसार हम में कैसा मन होना है?
पौलुस कहता है कि हम में मसीह का मन होना है।

Philippians 2:6

मसीह यीशु किसका स्वरूप था?
मसीह यीशु परमेश्वर का स्वरूप था।

Philippians 2:7

मसीह यीशु ने किसका रूप धारण किया था?
मसीह यीशु ने दास का स्वरूप धारण किया और मनुष्य की समानता में हो गया।

Philippians 2:8

यीशु ने अपने आप को कहां तक दीन बनाया?
मसीह यीशु दीन होकर यहां तक आज्ञाकारी रहा कि क्रूस की मृत्यु भी सह ली।

Philippians 2:9

परमेश्वर ने यीशु के लिए क्या किया?
इस कारण परमेश्वर ने उसको अति महान किया और सब नामों में श्रेष्ठ नाम दिया।

Philippians 2:11

हर एक जीभ क्या अंगीकार करेगी?
हर एक जीभ अंगीकार करेगी कि यीशु मसीह ही प्रभु है।

Philippians 2:12

फिलिप्पी के विश्वासियों को अपने उद्धार का कार्य पूरा करने के लिए क्या कहा गया था?
फिलिप्पी के विश्वासियों को डरते और कांपते हुए अपने उद्धार का कार्य पूरा करना था।

Philippians 2:13

परमेश्वर विश्वासियों में क्या करता है?
परमेश्वर ही है जिसने अपनी सुइच्छा निमित्त उनके मन में इच्छा और काम दोनों बातों के करने का प्रभाव डाला था।

Philippians 2:14

सब काम कैसे करने चाहिएं?
सब काम बिना कुडकुडाए और बिना विवाद किये करने चाहिएं।

Philippians 2:17

पौलुस किस बात के लिए अपना लहू बहाने को तैयार था?
पौलुस फिलिप्पी के विश्वासियों के बलिदान और सेवा के साथ अपना लहू बहाने के लिए तैयार था।

पौलुस का स्वभाव कैसा था जो वह फिलिप्पी के विश्वासियों से भी चाहता था?
पौलुस आनन्दित था।

Philippians 2:20

तीमुथियुस पौलुस के लिए एक अद्वैत सहायक क्यों था?
तीमुथियुस अद्वैत था क्योंकि वह अपने स्वार्थ की अपेक्षा फिलिप्पी के विश्वासियों की चिन्ता करता था।

Philippians 2:24

क्या पौलुस फिलिप्पी की कलीसिया से भेंट करना चाहता था?
हां, पौलुस शीघ्र ही फिलिप्पी की कलीसिया से भेंट करना चाहता था।

Philippians 2:30

ऐसा क्या हुआ कि इपफ्रुदितुस मरते-मरते हुए बचा?
इपफ्रुदितुस मसीही सेवा में पौलुस की सेवा करते हुए और उसकी आवश्यक्ता पूर्ति करते हुए मरते बचा था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 इसलिए हे मेरे भाइयों, प्रभु में आनन्दित रहो*। वे ही बातें तुम को बार-बार लिखने में मुझे तो कोई कष्ट नहीं होता, और इसमें तुम्हारी कुशलता है। **2** कुत्तों से चौकस रहो, उन बुरे काम करनेवालों से चौकस रहो, उन काट-कूट करनेवालों से चौकस रहो। (2 कुरि. 11:13) **3** क्योंकि यथार्थ खतनावाले तो हम ही हैं जो परमेश्वर के आत्मा की अगुआई से उपासना करते हैं, और मसीह यीशु पर घमण्ड करते हैं और शरीर पर भरोसा नहीं रखते।

4 पर मैं तो शरीर पर भी भरोसा रख सकता हूँ। यदि किसी और को शरीर पर भरोसा रखने का विचार हो, तो मैं उससे भी बढ़कर रख सकता हूँ। **5** आठवें दिन मेरा खतना हुआ, इस्राएल के वंश, और बिन्यामीन के गोत्र का हूँ; इब्रानियों का इब्रानी हूँ; व्यवस्था के विषय में यदि कहो तो फरीसी हूँ।

6 उत्साह के विषय में यदि कहो तो कलीसिया का सतानेवाला; और व्यवस्था की धार्मिकता के विषय में यदि कहो तो निर्दोष था। **7** परन्तु जो-जो बातें मेरे लाभ की थीं*, उन्हीं को मैंने मसीह के कारण हानि समझ लिया है*।

8 वरन् मैं अपने प्रभु मसीह यीशु की पहचान की उत्तमता के कारण सब बातों को हानि समझता हूँ। जिसके कारण मैंने सब वस्तुओं की हानि उठाई, और उन्हें कूड़ा समझता हूँ, ताकि मैं मसीह को प्राप्त करूँ। **9** और उसमें पाया जाऊँ; न कि अपनी उस धार्मिकता के साथ, जो व्यवस्था से है, वरन् उस धार्मिकता के साथ जो मसीह पर विश्वास करने के कारण है, और परमेश्वर की ओर से विश्वास करने पर मिलती है, **10** ताकि मैं उसको और उसके पुनरुत्थान की सामर्थ्य को, और उसके साथ दुःखों में सहभागी होने के मर्म को जानूँ, और उसकी मृत्यु की समानता को प्राप्त करूँ। **11** ताकि मैं किसी भी रीति से मरे हुओं में से जी उठने के पद तक पहुँचूँ।

12 यह मतलब नहीं कि मैं पा चुका हूँ, या सिद्ध हो चुका हूँ; पर उस पदार्थ को पकड़ने के लिये दौड़ा चला जाता हूँ, जिसके लिये मसीह यीशु ने मुझे पकड़ा था। **13** हे भाइयों, मेरी भावना यह नहीं कि मैं पकड़ चुका हूँ; परन्तु केवल यह एक काम करता हूँ, कि जो बातें पीछे रह गई हैं उनको भूल कर, आगे की बातों की ओर बढ़ता हुआ, **14** निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूँ, ताकि वह इनाम पाऊँ, जिसके लिये परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।

15 अतः हम में से जितने सिद्ध हैं, यही विचार रखें, और यदि किसी बात में तुम्हारा और ही विचार हो तो परमेश्वर उसे भी तुम पर प्रगट कर देगा। **16** इसलिए जहाँ तक हम पहुँचे हैं, उसी के अनुसार चलें।

17 हे भाइयों, तुम सब मिलकर मेरी जैसी चाल चलो, और उन्हें पहचानों, जो इस रीति पर चलते हैं जिसका उदाहरण तुम हम में पाते हो। **18** क्योंकि अनेक लोग ऐसी चाल चलते हैं, जिनकी चर्चा मैंने तुम से बार-बार की है और अब भी रो-रोकर कहता हूँ, कि वे अपनी चाल-चलन से मसीह के क्रूस के बैरी हैं, **19** उनका अन्त विनाश है, उनका ईश्वर पेट है, वे अपनी लज्जा की बातों पर घमण्ड करते हैं, और पृथ्वी की वस्तुओं पर मन लगाए रहते हैं*।

20 पर हमारा स्वदेश स्वर्ग में है; और हम एक उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह के वहाँ से आने की प्रतीक्षा करते हैं। **21** वह अपनी शक्ति के उस प्रभाव के अनुसार जिसके द्वारा वह सब वस्तुओं को अपने वश में कर सकता है, हमारी दीन-हीन देह का रूप बदलकर, अपनी महिमा की देह के अनुकूल बना देगा।

Philippians 3:1

इसलिए, हे मेरे भाइयों
“अब आगे यह है मेरे भाइयों” या “अन्य बातें ये है मेरे भाइयों”

“प्रभु में आनन्दित रहो”
“प्रभु ने जो कुछ किया उसमें आनन्द करो”

“तुम्हें बार-बार लिखने में मुझे तो कोई कष्ट नहीं होता”
“मैं सहर्ष इन्हीं शिक्षाओं को पुनः लिख रहा हूं”।

इसमें तुम्हारी कुशलता है
“इसमें” अर्थात पौलुस की शिक्षाओं में। “वे कैसे उनकी कुशलता के लिए हैं अधिक स्पष्ट व्यक्त की जा सकती हैं” क्योंकि ये शिक्षाएं तुम्हें उन लोगों से सुरक्षित रखेंगी जो अनुचित शिक्षाएं देते है”।

चौकस रहो
“सावधान” या “सतर्क रहो”

कुत्तों से.... बुरे काम करनेवालों से... काट कूट करनेवालों से
यह झूठे शिक्षकों का वर्णन है।

कुत्तों
यहूदी गैर यहूदियों को कुत्ता कहते थे। वे अशुद्ध माने जाते थे। पौलुस झूठे शिक्षकों की निन्दा के लिए कुत्ता शब्द काम में लेता है। इसकी अपेक्षा आप अन्य किसी पशु का नाम ले सकते है।

काट-कूट करने वालों
इसका अर्थ है तीव्रता से काटना। पौलुस खतना के लिए अतिशयोक्ति काम में लेते हुए झूठे शिक्षकों की निन्दा कर रहा है। उनकी शिक्षा थी कि परमेश्वर केवल खतना कर पाने वालों ही का उद्धार करेगा।

क्योंकि... हम ही हैं
“हम” से पौलुस का अभिप्राय है, वह तथा सब मसीही विश्वासी फिलिप्पी के विश्वासी भी।

खतना वाले
पौलुस इस शब्द द्वारा उन लोगों का संदर्भ दे रहा है जो शारीरिक नहीं आत्मिक खतना करवाए हुए हैं। अर्थात उन्होंने विश्वास करके पवित्र आत्मा पाया है। इसका अनुवाद किया जा सकता है, “वास्तव में परमेश्वर के लोग”

शरीर पर भरोसा नहीं रखते
“विश्वास नहीं करते कि शरीर को काटना परमेश्वर को प्रसन्न करना होगा”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Philippians 3:4

इसी रीति से
“और भी अधिक” या “तथापि”

पर मैं तो शरीर पर भी भरोसा रख सकता हूं। यदि किसी और को शरीर पर भरोसा रखने का विचार हो, तो मैं उससे भी बढ़कर रख सकता हूं।
यह एक काल्पनिक अवस्था है जिसे पौलुस संभव नहीं मानता है। पौलुस के कहने का अर्थ है कि यदि परमेश्वर मनुष्य को कर्मों से उसका उद्धार करेगा तो उसका उद्धार तो निश्चित था। “यदि कोई परमेश्वर को प्रसन्न करने के पर्याप्त कर्म करता तो वह मैं ही हूं। (यू.डी.बी.)

तो मैं
यहां पौलुस स्वयं पर बल दे रहा है। वैकल्पिक अनुवाद, “निश्चिय ही मैं”

मेरा खतना हुआ
इसका कर्तृवाच्य अनुवाद किया जा सकता है, “याजक ने मेरा खतना किया”

आठवें दिन
“मेरे जन्म के सात दिन बाद” (यू.डी.बी.)

इब्रानियों का इब्रानी
“इब्रानी माता-पिता का इब्रानी पुत्र”

व्यवस्था के विषय में.... फरीसी
“फरीसी होने के कारण मै कट्टर व्यवस्था पालक था”

Philippians 3:6

कलीसिया का सताने वाला
“मै मसीही विश्वासियो को हानि के निमित्त दृढ़ संकल्प था”

व्यवस्था की धार्मिकता के विषय में....निर्दोष
“पूर्णत: व्यवस्था का अनुपालन करने वाला”

हानि समझ लिया है
“पौलुस अपने सब धार्मिक कृत्यों को मसीह के समक्ष हानि मानता है।

Philippians 3:8

जिससे
“कि मैं” या “यथार्थ में”

समझता हूं
फरीसी से मसीही विश्वासी होने पर पौलुस में जो परिवर्तन आया यह उस पर बल देता है। इसकी व्याख्या की जा सकती है, “अब मसीह में विश्वास करके...”

सब बातों को हानि समझता हूं
पौलुस कहता है कि मसीह की अपेक्षा किसी भी बात में विश्वास करना व्यर्थ है। इसका अनुवाद होगा, “मैं सब बातों को अर्थहीन समझता हूं”

प्रभु मसीह यीशु की पहचान की उत्तमता के कारण
“क्योंकि मेरे प्रभु यीशु मसीह को जानना कहीं अधिक मूल्यवान है”

सब वस्तुओं की हानि उठाई
इसका अनुवाद इस प्रकार करें, “उसके कारण मैंने सब कुछ त्याग दिया है”

मैं कूड़ा समझता हूं
मनुष्य जिन बातों में विश्वास करता है पौलुस उन सब को गन्दगी समझता है। यह उनकी निस्सारता पर बल है, “मैं उन्हें कचरा समझता हूं” या “मैं उन्हें पूर्णत: अर्थहीन समझता हूं”

जिससे मैं मसीह को प्राप्त करूं
“कि मुझे केवल मसीह मिले”

उसमें पाया जाऊं
पाया जाऊं” अर्थात घनिष्ठ संबन्ध में या उसमें एक हो जाऊं। इसका कतृवाच्य अनुवाद होगा, “और अब मेरा संबन्ध मसीह से है” या “अब मैं मसीह से जुड़ गया हूं”

अपनी उस धार्मिकता के साथ
“मैं विधान के पालन द्वारा परमेश्वर को प्रसन्न करना नहीं चाहता हूं”।

उस धार्मिकता के साथ जो मसीह पर विश्वास करने के कारण है
“इसकी अपेक्षा मेरी धार्मिकता” या “इसके विपरीत मेरी धार्मिकता”

धार्मिकता जो.... मसीह पर विश्वास करने के कारण है
“परमेश्वर ने मुझे स्वीकार कर लिया क्योंकि मैंने मसीह में विश्वास किया”

विश्वास करने पर मिलती है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है,“मैं जीवित मसीह को चाहता हूं कि उसे जानूं”

मृत्युंजय की सामर्थ
“जीवनदायक उसका सामर्थ्य”

दुखों में सहभागी होने के मर्म
“और उसके कष्टों में सहभागी होऊं”

उसकी मृत्यु की समानता को प्राप्त करूं।
यीशु की मृत्यु का परिणाम हुआ अनन्त जीवन। अब पौलुस चाहता है कि उसकी मृत्यु यीशु जैसी हो। कि उसे भी अनन्त जीवन प्राप्त हो। इसका कतृवाच्य अनुवाद होगा, “और मसीह ने मुझे उसकी मृत्यु की समानता में बदल दिया है”

किसी भी रीति से मरे हुओं में से जी उठने के पद तक पहुंचू।
“किसी भी तरह” अर्थात पौलुस नहीं जानता कि इस जीवन में उसका क्या होगा परन्तु जो भी हो उससे उसे अनन्त जीवन प्राप्त हो। “अत: इस जीवन में मेरे साथ कुछ भी हो, में मर कर फिर जीवित होऊंगा”

Philippians 3:12

मैं पा चुका हूं
मसीह की पहचान उसके पुनरूत्थान का सामर्थ्य, मसीह के कष्टों में सहभागिता और उसकी मृत्यु एवं पुनरूत्थान में एकता।

सिद्ध हो चुका हूं
“मैं अभी तक पूर्ण” या “परिपक्व नहीं हूं”

दौड़ा चला जाता हूं
“मैं प्रयास करता जाता हूं”। (यू.डी.बी.)

पकड़ने के लिए
“कि इन बातों को प्राप्त करूं”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जिसके लिए मसीह यीशु ने मुझे पकड़ा था”
इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में किया जा सकता है, “यही कारण है कि यीशु ने मुझे अपना कहा है”

हे भाइयों
अर्थात फिलिप्पी के विश्वासी। “विश्वासी भाइयों एवं बहनों”

मैं पकड़ चुका हूं।
“यह सब मेरा हो गया है”।

जो बातें पीछे रह गई हैं उनको भूल कर आगे की बातों की ओर बढ़ता हुआ।
“जिस प्रकार कि एक धावक पार की हुई दूरी को नहीं आगे की दूरी पर ध्यान केन्द्रित करता है। उसी प्रकार पौलुस भी अपनी धार्मिकता के कामों पर ध्यान देते हुए उस दौड़ पर ध्यान केन्द्रित करता है जो मसीह ने उसके समक्ष रखी है”। मैं पिछली बातों की चिन्ता किए बिना आगे बढ़ रहा हूं”।

निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूं
पौलुस यहाँ भी एक धावक के साथ तुलना कर रहा है कि वह लक्ष्य की ओर बढ़ता जाता है कि जीते उसी प्रकार पौलुस भी मसीही की सेवा और आज्ञापालन की ओर बढ़ता जाता है, “मैं मसीह में विश्वास करता हूं कि उसका होऊं और मरने के बाद परमेश्वर के पास चला जाऊं।

Philippians 3:15

हम में से जितने सिद्ध है, यही विचार रखें
“मैं सब विश्वासियों को प्रोत्साहित करता हूं जो विश्वासियों में दृढ़ हैं ऐसा भी विचार रखें”। पौलुस सब विश्वासियों से यही लालसा चाहता है जिसकी उसने सूची दी है।

तुम्हारे विचार से
“तुम” अर्थात जो पौलुस से सहमत नहीं

परमेश्वर भी तुम पर प्रगट कर देगा
“परमेश्वर तुम्हें स्पष्ट दर्शन देगा”

जो भी हो
पौलुस अपने पत्र के इस भाग का अन्त कर रहा है और मुख्य बात पर बल दे रहा है। इसका अनुवाद यह भी हो सकता है, “चाहे कुछ भी हो”

जहां तक हम पहुंचे हैं उसी के अनुसार चलें
“हमने जो सत्य सुना है उसी का अनुपालन करें”

Philippians 3:17

हे भाइयों तुम सब मिलकर।
पौलुस फिलिप्पी के विश्वासियो को अपना मसीही भाई मानता है।

मेरी सी चाल चलो
“जैसा मेरा स्वभाव है वैसे अपना स्वभाव भी रखो” या “मेरे जैसा जीवन जीओ”

पहचान रखो
“सावधानी से अवलोकन करो”

जिसका उदाहरण तुम हम में पाते हो
“जो मेरे जैसा जीवन जी रहे हैं” या “जो मेरे जैसे काम करते है”

जिनकी चर्चा मैंने तुमसे बार-बार की है।
“मैंने अनेक बार तुमसे कहा है”।

अब भी रो-रोकर कहता हूं
“और अब तक बड़े दुःख से कहता हूं”

वे अपने चाल चलन से मसीह के क्रूस के बैरी हैं”
यहां “मसीह के क्रूस” का अर्थ है मसीह के कष्ट और उसकी मृत्यु। बैरी वे है जो कहते हैं कि वे मसीह यीशु में विश्वास करते हैं परन्तु उसके जैसे कष्ट एवं मृत्यु भोगना नहीं चाहते हैं”। अनेकों का दावा है कि वे यीशु में विश्वास करते हैं परन्तु उनके व्यवहार से प्रकट होता है कि वे वास्तव में यीशु के विरोधी हैं जो कष्ट उठाकर क्रूस पर मरने के लिए भी तैयार था”।

उनका अन्त विनाश है
“एक दिन परमेश्वर उनको नष्ट कर देगा”

उनका ईश्वर पेट है
यहां “पेट” का अर्थ है भौतिक सुख विलास की लालसा। इसका अनुवाद हो सकता है, “वे परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने से अधिक खाना-पीना और अन्य सांसारिक सुख की लालसा करते हैं।

वे अपनी लज्जा की बातों पर घमण्ड करते है।
“वे उन बातों पर गर्व करते हैं जो लज्जा की हैं”

पृथ्वी की वस्तुओं पर मन लगाए रहते हैं।
यहां “पृथ्वी की बातों” का अर्थ है सांसारिक सुख की बातें जिनसे परमेश्वर का सामना नहीं होता है”, वे केवल अपने सुख को खोजते हैं परमेश्वर को प्रसन्न करने की खोज नहीं करते “हम”

Philippians 3:20

पर हमारा
“हम” में पौलुस अपने पाठकों को गिनता है

हमारा स्वदेश स्वर्ग पर है
“हमारा परिवार स्वर्ग में है”

हम एक उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह के वहां से आने की बाट जोह रहे हैं।
“और हम एक उद्धारकर्ता प्रभु यीशु के वहां से लौट कर पृथ्वी पर आने की प्रतीक्षा में हैं”।

वह.... हमारी दीनहीन देह का रूप बदल कर
“वह.... हमारी दुर्बल पार्थिव देह को बदल देगा”

अपनी महिमा की देह के अनुकूल बना देगा
“जैसी उसकी महिमा की देह है वैसी बना देगा”

अपनी शक्ति के उस प्रभाव के अनुसार
“इसका अनुवाद एक नए कतृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है, “वह हमारी देह का रूपान्तर उसी शक्ति से करेगा जिसके द्वारा वह सब वस्तुओं को अपने वश में रखता है”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Philippians 3:2

पौलुस विश्वासियों को किससे सतर्क रहने को कहता है?
पौलुस ने उन्हे चेतावनी दी कि वे कुत्तो से चौकस रहें, बुरे काम करनेवालों से चौकस रहें, काट फूट करने वालों से चौकस रहें।

Philippians 3:3

पौलुस सच्चे खतना वाले किसे कहता है?
पौलुस खतना वाले उन्हे कहता है जो परमेश्वर के आत्मा की अगुआई में उपासना करते है और मसीह यीशु पर घमण्ड करते हैं, और शरीर पर भरोसा नहीं रखते।

Philippians 3:6

पौलुस व्यवस्था की धार्मिकता के बारे में अपने आचरण का कैसा वर्णन करता हैं?
पौलुस व्यवस्था की धार्मिकता में निर्दोष होने के अपने यहूदी आचरण का वर्णन करता है।

Philippians 3:7

पौलुस अपने पूर्वकालिक शरीर के भरोसे को क्या मानता है?
अब पौलुस शरीर पर अपने भरोसे को मसीह के कारण व्यर्थ गिनता है।

Philippians 3:8

पौलुस पिछली सब बातों को किस कारण कूड़ा समझता था?
पौलुस मसीह की पहचान की उत्तमता के आगे पिछली सब बातों को कूड़ा समझता है।

Philippians 3:9

अब पौलुस के पास कैसी धार्मिकता है?
पौलुस को अब मसीह में विश्वास के द्वारा परमेश्वर से धार्मिकता प्राप्त हुई हैं।

Philippians 3:10

पौलुस को किस बात में मसीह की सहभागिता प्राप्त हैं?
पौलुस मसीह के दु:खों में सहभागी है।

Philippians 3:12

पौलुस अभी सिद्ध नहीं हुआ है, वह क्या कर रहा हैं?
पौलुस दौड़ा चला जाता है।

Philippians 3:14

पौलुस किस निशाने की ओर दौड़ा चला जाता है?
पौलुस निशाने की ओर दौड़ा चला जाता है कि उस इनाम को पाए जिसके लिए परमेश्वर ने उसे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।

Philippians 3:17

पौलुस अपने उदाहरण के अनुरूप फिलिप्पी के विश्वासियों को क्या करने को कहता हैं?
पौलुस फिलिप्पी के विश्वासियों से कहता था कि वे उसके साथ होकर उसकी सी चाल चलें।

Philippians 3:19

जिनका ईश्वर पेट है और जो पृथ्वी की वस्तुओं पर मन लगाते हैं उनका अन्त कैसा होगा?
जिनका ईश्वर पेट है और जो पृथ्वी की वस्तुओं पर मन लगाते हैं उनका अन्त विनाश है।

Philippians 3:20

पौलुस के अनुसार विश्वासियों की नागरिकता कहां की हैं?
पौलुस कहता है कि विश्वासियों की नागरिकता स्वर्ग की है।

Philippians 3:21

मसीह जब स्वर्ग से उतरेगा तब वह विश्वासियों की देह का क्या करेगा?
मसीह विश्वासियों की दीनहीन देह का रूप बदलकर अपनी महिमा की देह के अनुकूल कर देगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 इसलिए हे मेरे प्रिय भाइयों, जिनमें मेरा जी लगा रहता है, जो मेरे आनन्द और मुकुट हो, हे प्रिय भाइयों, प्रभु में इसी प्रकार स्थिर रहो।

2 मैं यूओदिया को भी समझाता हूँ, और सुन्तुखे को भी, कि वे प्रभु में एक मन रहें। **3** हे सच्चे सहकर्मी, मैं तुझ से भी विनती करता हूँ, कि तू उन स्त्रियों की सहायता कर, क्योंकि उन्होंने मेरे साथ सुसमाचार फैलाने में, क्लेमेंस और मेरे अन्य सहकर्मियों समेत परिश्रम किया, जिनके नाम जीवन की पुस्तक में लिखे हुए हैं।

4 प्रभु में सदा आनन्दित रहो*; मैं फिर कहता हूँ, आनन्दित रहो। **5** तुम्हारी कोमलता सब मनुष्यों पर प्रगट हो। प्रभु निकट है। **6** किसी भी बात की चिन्ता मत करो; परन्तु हर एक बात में तुम्हारे निवेदन, प्रार्थना और विनती के द्वारा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित किए जाएँ। **7** तब परमेश्वर की शान्ति, जो सारी समझ से बिलकुल परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी। (यशा. 26:3)

8 इसलिए, हे भाइयों, जो-जो बातें सत्य हैं, और जो-जो बातें आदरणीय हैं, और जो-जो बातें उचित हैं, और जो-जो बातें पवित्र हैं, और जो-जो बातें सुहावनी हैं, और जो-जो बातें मनभावनी हैं, निदान, जो-जो सद्गुण और प्रशंसा की बातें हैं, उन्हीं पर ध्यान लगाया करो। **9** जो बातें तुम ने मुझसे सीखी, और ग्रहण की, और सुनी, और मुझ में देखीं, उन्हीं का पालन किया करो, तब परमेश्वर जो शान्ति का सोता है तुम्हारे साथ रहेगा।

10 मैं प्रभु में बहुत आनन्दित हूँ कि अब इतने दिनों के बाद तुम्हारा विचार मेरे विषय में फिर जागृत हुआ है; निश्चय तुम्हें आरम्भ में भी इसका विचार था, पर तुम्हें अवसर न मिला। **11** यह नहीं कि मैं अपनी घटी के कारण यह कहता हूँ; क्योंकि मैंने यह सीखा है कि जिस दशा में हूँ, उसी में सन्तोष करूँ। **12** मैं दीन होना भी जानता हूँ और बढ़ना भी जानता हूँ; हर एक बात और सब दशाओं में मैंने तृप्त होना, भूखा रहना, और बढ़ना-घटना सीखा है। **13** जो मुझे सामर्थ्य देता है उसमें मैं सब कुछ कर सकता हूँ*।

14 तो भी तुम ने भला किया कि मेरे क्लेश में मेरे सहभागी हुए। **15** हे फिलिप्पियों, तुम आप भी जानते हो कि सुसमाचार प्रचार के आरम्भ में जब मैंने मकिदुनिया से कूच किया तब तुम्हें छोड़ और किसी कलीसिया ने लेने-देने के विषय में मेरी सहायता नहीं की। **16** इसी प्रकार जब मैं थिस्सलुनीके में था; तब भी तुम ने मेरी घटी पूरी करने के लिये एक बार क्या वरन् दो बार कुछ भेजा था। **17** यह नहीं कि मैं दान चाहता हूँ परन्तु मैं ऐसा फल चाहता हूँ, जो तुम्हारे लाभ के लिये बढ़ता जाए।

18 मेरे पास सब कुछ है, वरन् बहुतायत से भी है; जो वस्तुएँ तुम ने इपफ्रुदीतुस के हाथ से भेजी थीं उन्हें पा कर मैं तृप्त हो गया हूँ, वह तो सुखदायक सुगन्ध और ग्रहण करने के योग्य बलिदान है, जो परमेश्वर को भाता है। (इब्रा. 13:16) **19** और मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है तुम्हारी हर एक घटी को पूरी करेगा। **20** हमारे परमेश्वर और पिता की महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन।

21 हर एक पवित्र जन को जो यीशु मसीह में हैं नमस्कार कहो। जो भाई मेरे साथ हैं तुम्हें नमस्कार कहते हैं। **22** सब पवित्र लोग, विशेष करके जो कैसर के घराने के हैं तुम को नमस्कार कहते हैं।

23 हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम्हारी आत्मा के साथ रहे।

Philippians 4:1

इसलिए हे मेरे प्रिय भाइयों, जिनमें मेरा जी लगा रहता है।
"मेरे प्रिय भाइयों और बहनों, मैं तुमसे प्रेम करता हूं और तुमसे भेंट करने की लालसा करता हूं"

जो मेरे आनन्द और मुकुट हो
पौलुस "आनन्द" शब्द से प्रकट करता है कि फिलिप्पी की कलीसिया उसको प्रसन्नता का कारण है। "मुकुट" पत्तियों का बना होता था और जब कोई खिलाड़ी जीत जाता था तो उसके सम्मान में उसके सिर पर पहनाया जाता था यहां पौलुस के कहने का अर्थ है कि उन विश्वासियों ने उसे परमेश्वर के समक्ष सम्मान प्रदान किया है। इसका अनुवाद एक नए वाक्य में किया जा सकता है, "तुम मसीह में विश्वास करके मुझे आनन्द प्रदान करते हो और मेरी सेवा का प्रतिफल एवं सम्मान हो"।

हे प्रिय भाइयों, प्रभु में इसी प्रकार स्थिर रहो
इसका अनुवाद एक नए वाक्य में किया जा सकता है, "अतः जैसा मैंने सिखाया है उसी प्रकार प्रभु के लिए जीवन जीओ, मेरे मित्रों।

मैं यूओदिया को भी समझाता हूं और सुन्तुखे को भी
"ये दो स्त्रियां विश्वासी थी और कलीसिया में सेवारत थी। इसका अनुवाद होगा, "मैं यूओदिया और सुन्तुखे दोनों से विनती करता हूं"

प्रभु में एक मन रहें
"एक मन रहें" का अर्थ है, एक ही स्वभाव और एक ही विचार से रहो। इसका अनुवाद होगा, "एक दूसरे से सहमत रहो क्योंकि तुम सब एक ही प्रभु में विश्वास करते हो"।

हे सच्चे सहकर्मी मैं तुम से विनती करता हूं
यहां "तुम से" एक कथन है। पौलुस उस व्यक्ति का नाम नहीं लेता है। वह उसे केवल "सच्चे सहकर्मी" कहता है। वह सुसमाचार प्रसार में किसी निष्ठावान को संबोधित कर रहा है। "हां मेरे सच्चे सहकर्मी मैं तुम से भी कहता हूं"।

क्लेमेंस
वह कलीसिया में एक विश्वासी एवं सेवक था।

जिनके नाम जीवन की पुस्तक में लिखे हुए हैं
"उनके नाम जीवन की पुस्तक में लिखे जा चुके हैं"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Philippians 4:4

प्रभु में सदा आनन्दित रहो, मैं फिर कहता हूं आनन्दित रहो"
पौलुस सब विश्वासियों से कह रहा है वह आनन्द की आज्ञा को दोहरता है क्योंकि यह एक अत्यधिक महत्त्वपूर्ण बात है। "प्रभु के काम के कारण आनन्दित रहो। मैं फिर से कहता हूं, आनन्दित रहो"।

तुम्हारी कोमलता सब मनुष्यों पर प्रगट हो
"सब पर प्रगट होना है कि तुम कैसे दयालु हो"

प्रभु निकट है
इसको संभावित अर्थ हैं, 1) प्रभु यीशु आत्मा में विश्वासियों के निकट है। या 2) प्रभु का आना इस पृथ्वी पर निकट है।

तुम्हारे निवेदन, प्रार्थना, विनती के द्वारा धन्यवाद के साथ
"अपनी हर एक आवश्यकता प्रार्थना और धन्यवाद के साथ परमेश्वर के समक्ष रखो"

जो सारी समझ से परे है।
"जो हमारी मानवीय समझ के बाहर है"

तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी।
यहाँ परमेश्वर की शान्ति को एक रक्षक सैनिक से तुल्य माना गया है जो हमारी भावना और विचारों को चिन्ता से सुरक्षित रखती है। इसका पूर्ण अर्थ स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है, "वह एक सैनिक के जैसे इस जीवन की चिन्ताओं ओर परेशानियों से तुम्हारे मन मस्तिष्क को सुरक्षित रखेगी"।

Philippians 4:8

इसलिए
यहाँ पत्र का यह भाग समाप्त होता है। अब पौलुस सारांश में व्यक्त करता है कि विश्वासी परमेश्वर के साथ मेल का जीवन कैसे व्यतीत करें।

जो-जो बातें सुहावनी हैं।
"जो बातें सुखदायक हैं"

"जो बातें सुखद हैं"
"मनुष्य जिन बातों को सराहते हैं" या "मनुष्य मान प्रदान करें"

सद्गुण... की बातें
"जो नैतिकता में उचित हैं।"

प्रशंसा की बातें
"जो प्रशंसा के योग्य हैं"

उन पर ध्यान लगाया करो
"उन बातों पर चिन्तन करो"

जो बातें तुम ने मुझ से सीखी, और ग्रहण की और सुनी और मुझ में देखी"
"जो मैंने सिखाई और दिखाई"

Philippians 4:10

निश्चय तुम्हें आरंभ में भी इसका विचार था, पर तुम्हें अवसर न मिला।
"मैं जानता हूं कि तुम पहले मेरे बारे में सोचते थे परन्तु मेरी सहायता भेजने का कोई कारण उत्पन्न न हुआ"

उसी में सन्तोष करूं
"सन्तुष्ट हो जाऊं" या "प्रसन्न रहूं"।

सब दशाओं में
"जो भी मेरी परिस्थिति हो"

बढ़ना घटना सीखा है
वैकल्पिक अनुवाद: "मैं" ने सीखा है कि उचित दृष्टिकोण कैसे रखूं"

घटना
"जब मेरे पास सब आवश्यकताओं की शर्तें न हो"

बढ़ना
"जब मेरे पास आवश्यकता से अधिक हो"

हर एक बात और सब दशाओं में तृप्त होना, भूखा रहना, और बढ़ना-घटना सीखा है।
"भूखा रहना और बढ़ना घटना" इनका अर्थ एक ही है उक्तियों से पौलुस का अर्थ है, "सब परिस्थितियों में" वैकल्पिक अनुवाद:"सब परिस्थितियों में सन्तोष करने का मार्ग"

जो मुझे सामर्थ्य देता है उसमें मैं सब कुछ कर सकता हूं।
"मैं सब कुछ कर सकता हूं क्योंकि मसीह मुझे शक्ति देता है"

Philippians 4:18

मेरे पास सब कुछ है, वरन बहुतायत से भी हैं।
"मेरे पास आवश्यकता की साड़ी वस्तुएं वरन उससे अधिक है"

सुखदायक सुगन्ध, ग्रहण करने योग्य बलिदान है जो परमेश्वर को भाता है।
फिलिप्पी की कलीसिया की भेंट की तुलना पौलुस पुराने नियम के बलिदानों से करता है। पुरोहित उन भेंटों को आग में डालते थे और उनकी सुगन्ध से परमेश्वर प्रसन्न होता था। "मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूं कि तुम्हारी ये भेंट परमेश्वर को प्रसन्न करती हैं"।

तुम्हारी हर एक घटी को पूरी करेगा
"तुम्हें जो भी आवश्यकता है, उसे परमेश्वर पूरी करेगा"

उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है,"अपने उस महिमामय भण्डार से जिसमें से वह मसीह यीशु के द्वारा देता है"

हमारे परमेश्वर
यह अन्तिम प्रार्थना और समापन है

Philippians 4:21

हर एक पवित्र जन को जो यीशु मसीह में है नमस्कार।
"वहां जो भी मसीह यीशु का है उसे नमस्कार कहना"

भाई
भाई के सहकर्मी या पौलुस की सेवा करने वाले। वैकल्पिक अनुवाद"साथी विश्वासी"।

जो कैसर के घराने के हैं
कैसर (राजा) के महल के परिचारक व विशेष करके वे विश्वासी जो राज महल में सेवारत हैं"।

तुम्हारी आत्मा के साथ रहें
पौलुस विश्वासियों के लिए आत्मा शब्द काम में लेता है जिसके द्वारा विश्वासी परमेश्वर से संबन्ध स्थापित कर पाता है। "तुम्हारे साथ"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Philippians 4:1

पौलुस फिलिप्पी में अपने प्रिय मित्रों से क्या आशा करता था?
पौलुस चाहता था कि फिलिप्पी के विश्वासी प्रभु में स्थिर बने रहें।

Philippians 4:2

पौलुस यूओदिया और सुन्तुखे को कैसा देखना चाहता था?
पौलुस यूओदिया और सुन्तुखे को समझाता था कि वे प्रभु में एक मन रहें।

Philippians 4:4

पौलुस फिलिप्पी के विश्वासियों को सदैव क्या करने के लिए कहता हैं?
पौलुस उनसे कहता है कि वे प्रभु में सदा आनन्दित रहें।

Philippians 4:6

चिन्ता करने की अपेक्षा पौलुस क्या करने को कहता हैं?
पौलुस कहता है कि विश्वासी किसी भी बात की चिन्ता न करें परन्तु निवेदन प्रार्थना और विनती के द्वारा धन्यवाद के साथ हर एक बात परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित की जाए।

Philippians 4:7

ऐसा करने पर हमारे हृदयों और विचारों को कौन सुरक्षित रखेगा?
यदि हम ऐसा करें तो परमेश्वर की शान्ति हमारे हृदय और विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी।

Philippians 4:8

पौलुस किन बातों पर विचार करने के लिए कहता हैं?
पौलुस कहता है कि विश्वासियों को उन बातों पर विचार करना है जो सत्य हैं, आदरणीय हैं और उचित हैं, पवित्र हें, सुहावनी हैं, मन भावनी है, सद्गुण और प्रशंसा की बातें है।

Philippians 4:10

अब फिलिप्पी के विश्वासियों की किस बात की पुनः जागृति हुई थी?
फिलिप्पी के विश्वासियों को पौलुस की चिन्ता फिर से हो गई थी।

Philippians 4:11

पौलुस ने हर एक परिस्थिति में कैसा निर्वाह करना सीखा था?
पौलुस ने हर बात में घटना बढ़ना सीखा था।

Philippians 4:13

पौलुस ने किसके सामर्थ्य द्वारा संतोष करना सीख लिया था?
पौलुस ने अपने शक्तिदाता मसीह में हर एक परिस्थिति में सन्तुष्ट होना सीख लिया था।

Philippians 4:14

पौलुस अपनी आवश्यकताओं के निमित्त फिलिप्पी के विश्वासियों से कैसा दान चाहता था?
पौलुस फिलिप्पी के विश्वासियों से ऐसा फल चाहता था जो उनके लाभ के लिए बढ़ता जाए।

Philippians 4:18

पौलुस के लिए दिए गए दान को परमेश्वर कैसे देखता था?
पौलुस के लिए किए गए आत्मत्याग से परमेश्वर फिलिप्पी के विश्वासियों से प्रसन्न था।

Philippians 4:19

पौलुस क्या कहता है कि परमेश्वर फिलिप्पी की कलीसिया के लिए करेगा?
पौलुस कहता है कि परमेश्वर फिलिप्पी की कलीसिया की हर एक आवश्यक्ता को महिमा सहित यीशु में उपलब्ध धन के अनुसार पूरी करेगा।

Philippians 4:22

पौलुस ने किस घराने के लिए कहा कि वह उन्हे नमस्कार भेजता हैं?
कैसर के घराने के लोग उन्हे नमस्कार कहते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: Colossians

Colossians

Chapter 1

1 पौलुस की ओर से, जो परमेश्वर की इच्छा से मसीह यीशु का प्रेरित है, और भाई तीमुथियुस की ओर से, **2** मसीह में उन पवित्र और विश्वासी भाइयों के नाम
जो कुलुस्से में रहते हैं। हमारे पिता परमेश्वर की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति प्राप्त होती रहे।

3 हम तुम्हारे लिये नित प्रार्थना करके अपने प्रभु यीशु मसीह के पिता अर्थात् परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं।

4 क्योंकि हमने सुना है, कि मसीह यीशु पर तुम्हारा विश्वास है, और सब पवित्र लोगों से प्रेम रखते हो; **5** उस आशा की हुई वस्तु के कारण जो तुम्हारे लिये स्वर्ग
में रखी हुई है, जिसका वर्णन तुम उस सुसमाचार के सत्य वचन में सुन चुके हो। **6** जो तुम्हारे पास पहुँचा है और जैसा जगत में भी फल लाता*, और बढ़ता
जाता है; वैसे ही जिस दिन से तुम ने उसको सुना, और सच्चाई से परमेश्वर का अनुग्रह पहचाना है, तुम में भी ऐसा ही करता है।

7 उसी की शिक्षा तुम ने हमारे प्रिय सहकर्मी इपफ्रास से पाई, जो हमारे लिये मसीह का विश्वासयोग्य सेवक है। **8** उसी ने तुम्हारे प्रेम को जो आत्मा में है हम पर
प्रगट किया।

9 इसलिए जिस दिन से यह सुना है, हम भी तुम्हारे लिये यह प्रार्थना करने और विनती करने से नहीं चूकते कि तुम सारे आत्मिक ज्ञान और समझ सहित
परमेश्वर की इच्छा की पहचान में परिपूर्ण हो जाओ, **10** ताकि तुम्हारा चाल-चलन प्रभु के योग्य हो*, और वह सब प्रकार से प्रसन्न हो, और तुम में हर प्रकार के
भले कामों का फल लगे, और परमेश्वर की पहचान में बढ़ते जाओ,

11 और उसकी महिमा की शक्ति के अनुसार सब प्रकार की सामर्थ्य से बलवन्त होते जाओ, यहाँ तक कि आनन्द के साथ हर प्रकार से धीरज और सहनशीलता
दिखा सको। **12** और पिता का धन्यवाद करते रहो, जिस ने हमें इस योग्य बनाया कि ज्योति में पवित्र लोगों के साथ विरासत में सहभागी हों।

13 उसी ने हमें अंधकार के वश से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया, **14** जिसमें हमें छुटकारा अर्थात् पापों की क्षमा प्राप्त होती है।

15 पुत्र तो अदृश्य परमेश्वर का प्रतिरूप* और सारी सृष्टि में पहलौठा है। **16** क्योंकि उसी में सारी वस्तुओं की सृष्टि हुई, स्वर्ग की हो अथवा पृथ्वी की, देखी या
अनदेखी, क्या सिंहासन, क्या प्रभुताएँ, क्या प्रधानताएँ, क्या अधिकार, सारी वस्तुएँ उसी के द्वारा और उसी के लिये सृजी गई हैं। **17** और वही सब वस्तुओं में
प्रथम है, और सब वस्तुएँ उसी में स्थिर रहती हैं। (प्रका. 1:8)

18 वही देह, अर्थात् कलीसिया का सिर है; वही आदि है और मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहलौठा कि सब बातों में वही प्रधान ठहरे। **19** क्योंकि पिता की
प्रसन्नता इसी में है कि उसमें सारी परिपूर्णता वास करे। **20** और उसके क्रूस पर बहे हुए लहू के द्वारा मेल-मिलाप करके, सब वस्तुओं को उसी के द्वारा से अपने
साथ मेल कर ले चाहे वे पृथ्वी पर की हों, चाहे स्वर्ग की।

21 तुम जो पहले पराये थे और बुरे कामों के कारण मन से बैरी थे। **22** उसने अब उसकी शारीरिक देह में मृत्यु के द्वारा तुम्हारा भी मेल कर लिया ताकि तुम्हें
अपने सम्मुख पवित्र और निष्कलंक, और निर्दोष बनाकर उपस्थित करे। **23** यदि तुम विश्वास की नींव पर दृढ़ बने रहो, और उस सुसमाचार की आशा को जिसे
तुम ने सुना है न छोड़ो, जिसका प्रचार आकाश के नीचे की सारी सृष्टि में किया गया; और जिसका मैं पौलुस सेवक बना।

24 अब मैं उन दुःखों के कारण आनन्द करता हूँ, जो तुम्हारे लिये उठाता हूँ, और मसीह के क्लेशों की घटी उसकी देह के लिये, अर्थात् कलीसिया के लिये, अपने
शरीर में पूरी किए देता हूँ, **25** जिसका मैं परमेश्वर के उस प्रबन्ध के अनुसार सेवक बना, जो तुम्हारे लिये मुझे सौंपा गया, ताकि मैं परमेश्वर के वचन को पूरा-
पूरा प्रचार करूँ। **26** अर्थात् उस भेद को जो समयों और पीढ़ियों से गुप्त रहा, परन्तु अब उसके उन पवित्र लोगों पर प्रगट हुआ है। **27** जिन पर परमेश्वर ने प्रगट
करना चाहा, कि उन्हें ज्ञात हो कि अन्यजातियों में उस भेद की महिमा का मूल्य क्या है, और वह यह है, कि मसीह जो महिमा की आशा है तुम में रहता है।

28 जिसका प्रचार करके हम हर एक मनुष्य को जता देते हैं और सारे ज्ञान से हर एक मनुष्य को सिखाते हैं, कि हम हर एक व्यक्ति को मसीह में सिद्ध करके
उपस्थित करें। **29** और इसी के लिये मैं उसकी उस शक्ति के अनुसार जो मुझ में सामर्थ्य के साथ प्रभाव डालती है तन मन लगाकर परिश्रम भी करता हूँ।

Colossians 1:1

x
(यह पत्र पौलुस और तीमुथियुस ने कुलुस्से की कलीसिया को लिखा था।)

परमेश्वर की इच्छा से मसीह यीशु का प्रेरित
“मसीह यीशु का प्रेरित होने के लिए परमेश्वर ने चुना है”।

भाईयों
सब विश्वासी पाठक

पवित्र
निर्दोष और अभिषिक्त या पवित्र जन “पवित्र जन”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुम्हें अनुग्रह... प्राप्त (हो)
आशीर्वाद देना

तुम्हें अनुग्रह
तुम्हें अर्थात् कुलुस्से के विश्वासी या निष्ठावान भाई

हम तुम्हारे लिए नित्य प्रार्थना करते है।
“हम तुम्हारे लिए सदैव प्रार्थना करते हैं वरन् सच्चे दिल से करते हैं”

Colossians 1:4

हमने सुना है
“हम” में पौलुस के पाठक नहीं हैं

मसीह यीशु पर तुम्हारा विश्वास
“तुम्हारा मसीही विश्वास”

तुम्हारा” विश्वास
“तुम्हारा” अर्थात कुलुस्से के विश्वासी

सब पवित्र लोगों से तुम प्रेम करते हो
“तुम उन सबसे प्रेम रखते हों” (यू.डी.बी.)

पवित्र लोगों से
अर्थात शुद्ध या पाप से मुक्त और परमेश्वर के लिए उपयोगी। “पवित्र जन”

इस आशा की हुई वस्तु के कारण जो तुम्हारे लिए स्वर्ग में रखी हुई है
“जो तुम्हारे लिए परमेश्वर द्वारा स्वर्ग में आरक्षित वस्तु की निश्चित आशा का परिणाम है”।

आशा
“जिस आशा को तुम संजोए हुए हो”

फल लाता और बढ़ता जाता है
इस रूप में एक फलदायक एवं पल्लवित वृक्ष की तुलना मनुष्यों को बदलने वाले और संसार में विकासमान शुभ सन्देश में की गई है, क्योंकि अधिकाधिक मनुष्य उसमें विश्वास करते जा रहे हैं।

पुरे जगत में
यह एक अतिशयोक्ति है। शुभ सन्देश उस समय के जाने हुए संसार में फैलता जा रहा था। (देखे:)

सच्चाई से परमेश्वर का अनुग्रह
“परमेश्वर का सच्चा अनुग्रह” या “परमेश्वर की सच्ची कृपा”

Colossians 1:7

उसी की शिक्षा तुमने इपफ्रास से पाई
“ठीक जैसा इपफ्रास ने तुम्हें सिखाया” या “तुमने इपफ्रास की शिक्षा को पूर्णतः समझ लिया”

उसी
अर्थात् उनके जीवन में शुभ सन्देश के परिणाम या फल

शिक्षा तुमने...पाई
कुलुस्से के विश्वासियों ने

इपफ्रास
इपफ्रास ने कुलुस्से में शुभ सन्देश सुनाया था

हमारे प्रिय... हम पर
“हमारे और हम पर” अर्थात् पौलुस और उसके सहकर्मी न कि कुलुस्से की कलीसिया

हम पर प्रगट किया
“इपफ्रास ने हमें बताया”

तुम्हारे प्रेम को जो आत्मा में है
“पवित्र आत्मा ने तुम्हें परस्पर प्रेम के योग्य बनाया है”

Colossians 1:9

क्योंकि यह प्रेम
“क्योंकि पवित्र आत्मा ने तुम्हें परस्पर प्रेम के योग्य बनाया है”

जिस दिन से हम ने तुम्हारे बारे में सुना
“जिस दिन से इपफ्रास ने हमें तुम्हारे बारे में बताया है”

हम ने सुना है
पौलुस और तीमुथियुस ने सुना है, कुलुस्से के विश्वासियों ने नहीं

प्रार्थना और विनती करना नहीं छोड़ते
“हम परमेश्वर से बार-बार और सच्चे दिल से प्रार्थना करते हैं”

तुम सारे आत्मिक ज्ञान और समझ सहित
यहां परमेश्वर से विनती करते हैं कि वह अपनी इच्छा पूर्ति को निमित्त तुम्हें ज्ञान से भर दे”

ज्ञान और समझ
“पवित्र आत्मा प्रदत्त ज्ञान और समझ”

ताकि तुम्हारा चाल चलन प्रभु के योग्य हो
“कि तुम्हारा जीवन प्रभु के अनुमोदन योग्य हो”

फल
यहां फल की तुलना विश्वासी के भले कामों से की गई है। जिस प्रकार वृक्ष विकसित होकर फल लाता है उसी प्रकार विश्वासी परमेश्वर को जानने में विकसित हों तथा भले काम करके फल लाएं

Colossians 1:11

(हम तुमसे विनती करते हैं)
“हम” पौलुस और तीमुथियुस, कुलुस्से को विश्वासी नहीं “विनती करते है।” (कुलुस्से के विश्वासियों से)

उसकी महिमा की शक्ति के अनुसार सब प्रकार की सामर्थ्य
“उसके अनुग्रह की शक्ति के अनुसार हर एक क्षमता में सामर्थी हो जाओ”

हर प्रकार से धीरज और सहनशीलता दिखा सको
“विश्वास करना और धीरज धरना कभी न छोड़ों

यहां तक कि आनन्द के साथ
“जब तुम पिता को सहर्ष धन्यवाद कहते हो”

इस योग्य बनाया.... सहभागी हों
“पिता ने हमें सहभागिता में स्वीकार किया”

हमें योग्य बनाया
पौलुस कुलुस्से के विश्वासियों को भी गिन रहा है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मीरास में सहभागी हों
“मीरास के भागी हों”

ज्योति में
“उसकी उपस्थिति की महिमा में”

पवित्र लोगों
“नैतिक दोषों से मुक्त” या “विशेष प्रयोजन हेतु चुने गए” अनुवादः पवित्र जन”

(उसके लिए)
“पिता के लिए”

Colossians 1:13

उसी ने हमें...छुड़ाकर
“पिता परमेश्वर ने हमें छुड़ाया”

प्रवेश कराया
“भीतर लाया”। “हम अर्थात् पौलुस तथा कुलुस्से के विश्वासी”

अपने प्रिय पुत्र
“पिता परमेश्वर के प्रिय पुत्र, मसीह यीशु”

जिसमें हमें छुटकारा
“उसके पुत्र ने हमें छुड़ा लिया”

पापों की क्षमा
“उसका पुत्र हमारे पाप क्षमा करता है”

Colossians 1:15

वह तो अदृश्य परमेश्वर का प्रतिरूप
यीशु जो पुत्र है उसको देखकर हम जान सकते हें, कि पिता परमेश्वर कैसा है

पहिलौठा है
“पुत्र पहलौठा है”। उससे पहले कुछ नहीं था

उसी के द्वारा
“क्योंकि पुत्र के द्वारा”

क्योंकि उसी में सारी वस्तुओं की सृष्टि हुई
“क्योंकि पुत्र ने सब कुछ सृजा”

क्या सिंहासन, क्या प्रभुताएं, क्या प्रधानताएं, क्या अधिकार सारी वस्तुएं उसी के द्वारा और उसी के लिए सृजी गई हैं।
पुत्र ने सब कुछ अपने लिए रचा, सिंहासन, प्रभुताएं, प्रधानताएं तथा अधिकार

सिंहासन
राजाओं के राज्य

वही सब वस्तुओं में प्रथम है
“वह सबसे पहले था”

सब वस्तुएं उसी में स्थिर रही हैं
“वह सब कुछ संयोजित रखता है (यू.डी.बी.)

Colossians 1:18

वही... सिर है
“मसीह यीशु, परमेश्वर का पुत्र, सिर है”।

वही देह, अर्थात् कलीसिया का सिर है
इस रूपक में कलीसिया में मसीह के स्थान की तुलना मनुष्य के सिर से की गई है। जिस प्रकार सिर मानवीय देह का नियंत्रण है उसी प्रकार मसीह कलीसिया का नियंत्रक है

वही आदि है
प्रथम प्रधान या संस्थापक। यीशु ने कलीसिया का आरंभ किया।

मरे हुओं में से जी उठने वालों में पहिलौठा
यीशु पहला है जो मरकर जी उठा और अमर है।

पिता की प्रसन्नता इसी में है कि उसमें सारी परिपूर्णता वास करे।
“पिता परमेश्वर मसीह में सर्वस्व को निवेश करके प्रसन्न है”

के द्वारा
यूनानी में इस शब्द का अभिप्राय है मार्ग जिससे प्रकट होता है कि परमेश्वर मनुष्यों के लिए शान्ति और मेल-मिलाप क्रूस पर बहे मसीह के लहू के मार्ग से उपलब्ध करवाता है। पद 20 में यह शब्द दो बार आया है।

Colossians 1:21

और तुम भी
“तुम कुलुस्से के विश्वासी भी”

निकाले हुए थे
इस यूनानी शब्द में चुनाव किए जाने का भाव है। अतः इसका अनुवाद होगा “परमेश्वर से विरक्त थे” या “परमेश्वर को अलग कर दिया था” या “परमेश्वर के साथ बैर रखते थे”

मन से बैरी थे
“अपने बुरे विचारों और कामों के कारण परमेश्वर के बैरी थे” (यू.डी.बी.)

उसने अब उसकी शारीरिक देह में मृत्यु के द्वारा
जब परमेश्वर ने मसीह में तुम्हारे साथ मेल किया तब उसने मसीह को नहीं तुम्हें क्रूस पर देखा कि जब मसीह मरा तो उसने तुम्हें मरते हुए देखा”।

निर्दोष निष्कलंक
“दोषरहित”

निर्दोष
“निरापराध” किसी पाप का दोषी नहीं

अपने सम्मुख
“स्वयं परमेश्वर के समक्ष”

उपस्थित करे
“दृढ़ खड़ा करे” या “अटल खड़ा करे”

विश्वास की नींव पर दृढ़ बने रहो
“अटल” या “सुरक्षित”

सुसमाचार की आशा
“सुसमाचार में दृढ़ निश्चय”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जिसका प्रचार आकाश के नीचे सारी सृष्टि में किया गया और जिसका मैं पौलुस सेवक बना।
“मनुष्यों ने आकाश के नीचे संपूर्ण सृष्टि में शुभ सन्देश सुना दिया है। यह वही शुभ सन्देश है जिसकी चर्चा मैं पौलुस परमेश्वर की सेवा निमित्त कर चुका हूं”।

Colossians 1:24

अब मैं.... आनन्द करता हूं
“अब मैं, पौलुस आनन्द करता हूं

तुम्हारे लिए
तब कुलुस्से वासियों के लिए

उन दुखों के कारण.... जो तुम्हारे लिए आता है।
मैं तुम्हारे लाभ के लिए कष्ट वहन करता हूं”

मसीह के क्लेशों की घटी उसकी देह के लिए अपने शरीर में पूरी करता हूं।
पौलुस अपने विरोध एवं कष्टों के बारे में कह रहा है जो कलीसिया के लिए वह भोग रहा है जब उसने मसीह को ग्रहण किया था। उसी समय प्रभु ने उस पर यह प्रकट कर दिया था।

कलीसिया के लिए
“मैं पौलुस कलीसिया की आवश्यकताओं की पूर्ति का प्रयास करता हूं”।

सच्चा भेद
“वह गुप्त बात”

पीढ़ियों से गुप्त रहा
यह उस समय के संदर्भ में है जो सृष्टि से अन्य जातियों में पतरस द्वारा शुभ सन्देश सुनाने का था।

उन पवित्र लोगों पर प्रगट हुआ है
“उसके शिष्यों पर स्पष्ट किया” अर्थात् यहूदियों और अन्यजातियों पर

अन्यजातियों में उस भेद की महिमा का मूल क्या है।
परमेश्वर चाहता है कि लोग जाने कि उसकी कितनी अद्भुत योजना है अन्यजातियों के लिए।

महिमा का विश्वास
परमेश्वर की महिमा की सहभागिता का विश्वास

Colossians 1:28

यह वह है जिसका हम प्रचार करते है।
“यह वह मसीह है, जिसका हम पौलुस और तीमुथियुस प्रचार करते हैं”।

मनुष्य को चेतावनी देते है ।
“हम सबको कोमलता से सतर्क करते हैं”

हम हर एक व्यक्ति को प्रस्तुत करे
“कि हम हर एक मनुष्य को परमेश्वर के समक्ष प्रस्तुत करें”

सिद्ध करके
“आत्मिक परिपक्वता में”

परिश्रम भी करता हूं
“मैं, पौलुस परिश्रम करता हूं”

उस शक्ति के अनुसार जो मुझ में सामर्थ्य के काम के साथ प्रभाव डालती है।
मसीह के उद्देश्य जो मुझ में क्रियाशील है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Colossians 1:1

पौलुस मसीह यीशु का प्रेरित कैसे हुआ था?
पौलुस परमेश्वर की इच्छा से मसीह यीशु का प्रेरित हुआ था।

Colossians 1:2

पौलुस ने यह पत्र किसे लिखा था?
पौलुस ने यह पत्र कुलुस्से नगर में उन भाइयों को लिखा था, जो परमेश्वर के लिए पवित्र किए गए विश्वासी थे।

Colossians 1:5

कुलुस्से के विश्वासियों ने उस विश्वासयोग्य आशा के बारे में कहाँ से सुना था?
कुलुस्से के विश्वासियों ने सुसमाचार के सत्य वचन में अपनी आशा के बारे में सुना था।

Colossians 1:6

पौलुस सुसमाचार के लिए क्या कहता है कि वह जगत में कर रहा है?
पौलुस कहता है कि यह सुसमाचार जगत में भी फल लाता और बढ़ता जाता है।

Colossians 1:7

कुलुस्से में किसने सुसमाचार प्रचार किया था?
मसीह के निष्ठावान सेवक, इपफ्रास ने उन्हे सुसमाचार सुनाया था।

Colossians 1:9

पौलुस कुलुस्से के विश्वासियों के लिए क्या प्रार्थना करता हैं?
पौलुस प्रार्थना करता है कि कुलुस्से के विश्वासी सारे आत्मिक ज्ञान और समझ सहित परमेश्वर की इच्छा की पहचान में परिपूर्ण हो जाएँ।

Colossians 1:10

पौलुस कुलुस्से के विश्वासियों के कैसे चालचलन के लिए प्रार्थना करता हैं?
पौलुस प्रार्थना करता है कि फिलिप्पी के विश्वासियों का चाल चलन प्रभु को ग्रहण योग्य हो और उनमें हर प्रकार के भले कामों का फल लगे और वे परमेश्वर की पहचान में बढ़ते जाएं।

Colossians 1:12

परमेश्वर के लिए पृथक किए गए लोग किस योग्य बनाए गए हैं?
जो परमेश्वर के लिए पृथक किए गए है, उन्हे उसने इस योग्य बनाया कि ज्योति में पवित्र लोगों के साथ मीरास में सहभागी हों।

Colossians 1:13

उसके लिए पृथक किए गए लोगों को पिता परमेश्वर ने किससे छुड़ाया है?
उसी ने हमें अन्धकार के वश से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया।

Colossians 1:14

मसीह में हमें छुटकारा मिलता है तो वह क्या हैं?
हमें मसीह यीशु में छुटकारा अर्थात पापों की क्षमा प्राप्त होती है।

Colossians 1:15

पुत्र किसका प्रतिरूप हैं?
पुत्र अदृश्य परमेश्वर का प्रतिरूप है।

Colossians 1:16

मसीह यीशु के द्वारा और उसके लिए क्या सृजा गया हैं?
संपूर्ण सृष्टि मसीह यीशु के द्वारा और उसी के लिए सृजी गई है।

Colossians 1:20

परमेश्वर ने सब वस्तुओं का अपने साथ मेल कैसे किया?
परमेश्वर ने मसीह के लहू के द्वारा मेल-मिलाप करके सब वस्तुओं का अपने साथ मेल कर लिया।

Colossians 1:21

सुसमाचार में विश्वास करने से पहले कुलुस्से के विश्वासियों का परमेश्वर के साथ कैसा संबन्ध था?
सुसमाचार में विश्वास करने से पहले कुलुस्से के विश्वासी निकाले हुए और बैरी थे।

Colossians 1:23

कुलुस्से के विश्वासियों को क्या करते रहना था?
कुलुस्से के विश्वासियों को विश्वास की नींव पर दृढ़ और सुसमाचार को थामे रहना था।

Colossians 1:24

पौलुस किस के लिए कष्ट उठा रहा था और उस के प्रति उसका व्यवहार कैसा था?
पौलुस कलीसिया के लिए कष्ट उठाता था और इससे आनन्दित था।

Colossians 1:27

वह कौन सा भेद था जो समयों और पीढियों से गुप्त था?
मसीह जो महिमा की आशा है और हम में वास करता है, यह भेद समयों और पीढ़ियों से गुप्त रहा है।

Colossians 1:28

प्रचार करने और चेतावनी देने में पौलुस का लक्ष्य क्या था?
पौलुस का लक्ष्य था कि वह हर एक मनुष्य को मसीह में सिद्ध करके प्रस्तुत करे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 मैं चाहता हूँ कि तुम जान लो, कि तुम्हारे और उनके जो लौदीकिया में हैं, और उन सब के लिये जिन्होंने मेरा शारीरिक मुँह नहीं देखा मैं कैसा परिश्रम करता हूँ। **2** ताकि उनके मनों को प्रोत्साहन मिले और वे प्रेम से आपस में गठे रहें*, और वे पूरी समझ का सारा धन प्राप्त करें, और परमेश्वर पिता के भेद को अर्थात् मसीह को पहचान लें। **3** जिसमें बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार छिपे हुए हैं।

4 यह मैं इसलिए कहता हूँ, कि कोई मनुष्य तुम्हें लुभानेवाली बातों से धोखा न दे। **5** क्योंकि मैं यदि शरीर के भाव से तुम से दूर हूँ, तो भी आत्मिक भाव से तुम्हारे निकट हूँ, और तुम्हारे विधि-अनुसार चरित्र और तुम्हारे विश्वास की जो मसीह में है दृढ़ता देखकर प्रसन्न होता हूँ।

6 इसलिए, जैसे तुम ने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही उसी में चलते रहो। **7** और उसी में जड़ पकड़ते और बढ़ते जाओ; और जैसे तुम सिखाए गए वैसे ही विश्वास में दृढ़ होते जाओ, और अत्यन्त धन्यवाद करते रहो।

8 चौकस रहो कि कोई तुम्हें उस तत्व-ज्ञान और व्यर्थ धोखे के द्वारा अहेर न कर ले, जो मनुष्यों की परम्पराओं और संसार की आदि शिक्षा के अनुसार है, पर मसीह के अनुसार नहीं। **9** क्योंकि उसमें ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है।

10 और तुम मसीह में भरपूर हो गए हो जो सारी प्रधानता और अधिकार का शिरोमणि है। **11** उसी में तुम्हारा ऐसा खतना हुआ है, जो हाथ से नहीं होता*, परन्तु मसीह का खतना हुआ, जिससे पापमय शारीरिक देह उतार दी जाती है। **12** और उसी के साथ बपतिस्मा में गाड़े गए, और उसी में परमेश्वर की शक्ति पर विश्वास करके, जिस ने उसको मरे हुओं में से जिलाया, उसके साथ जी भी उठे।

13 और उसने तुम्हें भी, जो अपने अपराधों, और अपने शरीर की खतनारहित दशा में मुर्दा थे, उसके साथ जिलाया, और हमारे सब अपराधों को क्षमा किया। **14** और विधियों का वह लेख* और सहायक नियम जो हमारे नाम पर और हमारे विरोध में था मिटा डाला; और उसे क्रूस पर कीलों से जड़कर सामने से हटा दिया है। **15** और उसने प्रधानताओं और अधिकारों को अपने ऊपर से उतार कर उनका खुल्लमखुल्ला तमाशा बनाया और क्रूस के कारण उन पर जय-जयकार की ध्वनि सुनाई।

16 इसलिए खाने-पीने या पर्व या नये चाँद, या सब्त के विषय में तुम्हारा कोई फैसला न करे। **17** क्योंकि ये सब आनेवाली बातों की छाया हैं, पर मूल वस्तुएँ मसीह की हैं।

18 कोई मनुष्य दीनता और स्वर्गदूतों की पूजा करके तुम्हें दौड़ के प्रतिफल से वंचित न करे। ऐसा मनुष्य देखी हुई बातों में लगा रहता है और अपनी शारीरिक समझ पर व्यर्थ फूलता है। **19** और उस शिरोमणि को पकड़े नहीं रहता जिससे सारी देह जोड़ों और पट्ठों के द्वारा पालन-पोषण पा कर और एक साथ गठकर, परमेश्वर की ओर से बढ़ती जाती है।

20 जब कि तुम मसीह के साथ संसार की आदि शिक्षा की ओर से मर गए हो, तो फिर क्यों उनके समान जो संसार में जीवन बिताते हैं और ऐसी विधियों के वश में क्यों रहते हो? **21** कि 'यह न छूना,' 'उसे न चखना,' और 'उसे हाथ न लगाना'?, **22** क्योंकि ये सब वस्तु काम में लाते-लाते नाश हो जाएँगी क्योंकि ये मनुष्यों की आज्ञाओं और शिक्षाओं के अनुसार है। **23** इन विधियों में अपनी इच्छा के अनुसार गढ़ी हुई भक्ति की रीति, और दीनता, और शारीरिक अभ्यास के भाव से ज्ञान का नाम तो है, परन्तु शारीरिक लालसाओं को रोकने में इनसे कुछ भी लाभ नहीं होता।

Colossians 2:1

मैं चाहता हूं कि तुम जान लो
"मैं पौलुस तुम कुलुस्से के विश्वासियों को बताना चाहता हूं"

मैं कैसा परिश्रम करता हूं
पौलुस ने उनकी शुद्धता और सुसमाचार को समझाने में अत्यधिक परिश्रम किया है।

लौदिकिया में
कुलुस्से के निकट का नगर। वहां की कलीसिया के लिए भी वह प्रार्थना करता था।

जिन्होंने मेरा शारीरिक मुंह नहीं देखा।
"मैंने उन्हें व्यक्तिगत रूप से नहीं देखा" या "उन्होंने मुझ से भेंट नहीं की"

उनके मनों में
"वे सब विश्वासी जिन्होंने पौलुस को साक्षात नहीं देखा, उन सबके मन में"

आपस में गठे रहें
सच्ची एकता में रहें। "एक जुट हों" या "घनिष्ठता में रहें"

पूरी समझ का सारा धन
इन बातों को समझने का विश्वास

परमेश्वर पिता के भेद
यह ज्ञान केवल परमेश्वर पिता द्वारा ही प्रकट होता है।

अर्थात् वह मसीह है।
मसीह यीशु परमेश्वर द्वारा प्रकट भेद हैं

बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार
बुद्धि और ज्ञान के धन एवं भण्डार

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बुद्धि और ज्ञान
किसी बात के तथ्य एवं जानकारी को प्राप्त करना ज्ञान है और उस जानकारी को काम में लेना समझ है और बुद्धि का अर्थ है उस जानकारी को कब काम में लेना या उपयोगी बनाना।

जिसमें छिपे हुए हैं
जिसमें अर्थात् मसीह में

Colossians 2:4

यह मैं इसलिए कहता हूं
“मैं पौलुस कहता हूं”

धोखा न दे
“तुम कुलुस्से के विश्वासियों को पथभ्रष्ट करे या गलत निर्णय लेने के लिए भ्रमित करे”

लुभानेवाली बातों से
तुम्हें विश्वास दिलानेवाली बात या किसी धारणा को विश्वासयोग्य बताने वाली बात।

शरीर के भाव से तुम से दूर हूं
“तुम्हारे साथ साक्षात उपस्थित नहीं हूं”

आत्मिक भाव से तुम्हारे निकट हूं
“मैं सदैव तुम्हारे बारे में सोचता रहता हूं”

व्यवस्थित रूप से
उनकी एकता और विश्वास की दृढ़ता के लिए पौलुस या मसीह में विश्वास के लिए पौलुस उनकी प्रशंसा करता है।

Colossians 2:6

उसी में चलते रहो
एक विशेष शैली या अपरिवर्तनीय विधि में जीवन जीने की अभिव्यक्ति है।

ग्रहण कर लिया है
“तुम कुलुस्से के विश्वासियों ने मसीह को ग्रहण कर लिया है”

जड़ पकड़ते
जिस प्रकार वृक्ष को अच्छा विकास करने के लिए गहराई से जड़ों के जाने की आवश्यकता होती है वैसे ही विश्वासी को आत्मिक परिपक्वता के लिए दृढ़ विश्वास की आवश्यकता होती है।

दृढ़ होते जाओ
इस रूपक का अर्थ है कि मसीही जीवन को मसीह पर आधारित होना है जिस प्रकार से भवन को दृढ़ नींव पर आधारित होना है।

विश्वास में दृढ़ होते जाओ
मसीह यीशु में विश्वास पर आधारित जीवन जीते रहो।

अधिकाधिक धन्यवाद करते रहो।
परमेश्वर के अत्यधिक आभारी बने रहो

Colossians 2:8

चौकस रहो
सावधान रहो, इसका अनुवाद किया जा सकता है, “सतर्क रहो” या “जागते रहो”

अहेर न बना ले
यह रूपक किसी व्यक्ति के झूठी शिक्षा द्वारा मानसिक एवं आत्मिक धोखे में बन्दी बनाने की तुलना मनुष्य के अकस्मात ही बलपूर्वक पकड़े जाने एवं बन्दी बनाने से तुलना करता है।

अहेर न बना ले
“तुम कुलुस्से के विश्वासियों को बन्धी न बना लो”

तत्त्वज्ञान
धार्मिक शिक्षाएं एवं मान्यताएं जो परमेश्वर के वचन की नहीं अपितु परमेश्वर एवं जीवन के बारे में मनुष्य के विचार हैं।

व्यर्थ धोखे
पथभ्रष्ट करने वाले विचार जो मसीही जीवन के नहीं हैं उनसे कुछ लाभ नहीं वे निस्सार हैं और किसी काम के नहीं हैं।

मनुष्यों की परम्पराओं और संसार की आदि शिक्षाओं
यहूदी परम्पराएं और अन्यजातीय आस्थाएं किसी काम की नहीं हैं।

मसीह के बाद
“मसीह के अनुसार” अर्थात विश्वास को मसीह का है वही अर्थपूर्क है।

क्योंकि उसमें ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह काम करती है।
“मसीह की देह में परमेश्वर का संपूर्ण स्वभाव है। इसे मसीह में परमेश्वर के व्यापक स्वभाव के अन्तर्वास से भ्रमित न करें (यह सच नहीं है)

Colossians 2:10

उसमें
“मसीह यीशु में”

तुम हो
“तुम कुलुस्से के विश्वासी परिपूर्ति हो”

भरपूर
“सिद्ध हो”

उसी में तुम्हारा ऐसा खतना हुआ
इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने विश्वासी के पाप इस प्रकार अलग कर दिए जैसे खतना में त्वचा अलग कर दी जाती है।

उसके साथ गाड़े गए
मुनष्य का पुराना स्वभाव उसी प्रकार समाप्त हो गया जिस प्रकार कि मृतक को मिट्टी में गाड़ दिया जाता है।

उसके साथ जी भी उठे
जैसे मृतक फिर जी उठे तो उसे नया जीवन प्राप्त होता है इसी प्रकार विश्वासियों को भी नया जीवन प्राप्त हुआ है।

Colossians 2:13

जब तुम मुर्दा थे
“जब तुम कुलुस्से के विश्वासी आत्मिकता में मृतक थे”

अपने अपराधों और अपने शरीर की खतनारहित दशा में मुर्दा थे
तुम दो कारणों से मृतक थे 1) तुम मसीह के विरूद्ध जीवन जीते हुए मृतक थे। 2) तुम मूसा प्रदत्त विधान के अनुसार खतनारहित थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उसने तुम्हें बनाया
“मसीह यीशु ने तुम कुलुस्से के विश्वासियों को भी बनाया”

हमारे सब अपराधों को क्षमा किया
"मसीह यीशु ने हमें क्षमा किया, यहूदी और अन्यजातियों दोनों को।"

जो.... मुर्दा थे उसके साथ जिलाया
इस रूपक से दर्शाया गया है कि पापी जीवन से आत्मिक जीवन में प्रवेश वैसा ही है जैसे मृतक का पुनःजीवित होना।

विधियों का वह लेखा जो हमारे नाम पर और हमारे विरोध में था मिटा डाला।
इस रूपक द्वारा व्यक्त है और परमेश्वर के नियमो का उल्लंघन करने की क्षमा प्रदान करता है जैसे मनुष्य कुछ लिख कर मिटा देता है।

खुल्लम-खुल्ला तमाशा बनाया
रोमी विजय यात्रा करते थे जिसमें वे युद्ध बन्दियों को और लूटे हुए माल का प्रदर्शन करते थे।

Colossians 2:16

तुम्हारा कोई फैसला न करे
पौलुस यहूदियों के विरूद्ध अन्यजाति विश्वासियों को सतर्क कर रहा है क्योंकि वे अन्यजाति विश्वासियों को मूसा प्रदत्त विधान के पालन के लिए विवश करते थे।

खाने-पीने के विषय में
मूसा के विधान के अनुसार खाने पीने के नियमों के संबन्ध में। “तुम क्या खाते हो और क्या पीते हो”

पर्व या नया चांद या सब्त के दिन के विषय में
मूसा प्रदत्त विधान में उत्सव दिवस दर्शाए गए थे। आराधना दिवस और बलि चढ़ाने के दिन भी निर्दिष्ट थे।

पौलुस आनेवाली बातों की छाया किसे बताता हैं?
जैसे छाया किसी वस्तु का अस्पष्ट आकार एवं प्रकृति दर्शाती है वैसी ही मूसा प्रदत्त विधान की धार्मिक परम्पराएं मसीह यीशु की वास्तविकता का अपूर्ण चित्रण करती हैं।

Colossians 2:18

प्रतिफल से वंचित न करे
“प्रतिफल पाने से कोई तुम्हें धोखा न दे” यहां झूठी आत्महीनता और स्वर्गदूतों की पूजा करने की शिक्षा देने वालों की तुलना कुलुस्से के विश्वासियों के उद्धार को चुराने वालों से की गई है। इसका अनुवाद कतृवाच्य में किया जा सकता है, किसी को अपना प्रतिफल चुराने मत दो”

आत्महीनता
“स्वैच्छिक दीनता” ऐसे काम करने वाले मनुष्यों के समक्ष तुम्हें दीन दर्शाएं। इसका अनुवाद हो सकता है, “पावन आत्मत्याग”

व्यर्थ फूलता है
ऐसे विचार जो सदैव मन को वश में रखते हैं या किसी बात में पहले से ही उलझे रहता है।

शारीरिक समझ
एक प्राकृतिक एवं पापी मनुष्य के जैसा सोचना न कि आत्मिक मनुष्य के समान।

पकड़े रहता
“दृढ़ता से नहीं पकड़ता” या “थामे नहीं रहता” जैसे बच्चा अपने माता-पिता को पकड़े रहता है।

शिरोमणि...जिससे सारी देह जोड़ों और पट्ठों के द्वारा पालन-पोषण पाकर और एक साथ गठ कर परमेश्वर की ओर से बढ़ती जाती है।
जिस प्रकार सिर संपूर्ण देह को नियंत्रण में रखकर चलाता है उसी प्रकार मसीह यीशु कलीसिया पर संपूर्ण अधिकार रखता है।

Colossians 2:20

जब कि तुम मसीह के साथ संसार की आदि शिक्षा की ओर से भर गए हो।
जिस प्रकार एक मृतक मनुष्य संसार की मांग (श्वास, भोजन, निन्द्रा) के प्रति निश्चेष्ट है उसी प्रकार आत्मिकता में मसीह के साथ मृतक मनुष्य संसार की आत्मिक अंगों के प्रति निश्चेष्ट होता है।

तुम ऐसी विधियों के वश में क्यों रहते हो?
तुम ऐसी विधियों के वश में क्यों रहते हो? पौलुस इस प्रश्न द्वारा कुलुस्से के विश्वासियों को संसार की झूठी आस्थाओं को मानने के लिए झिड़कता है। “सांसारिक आस्थाओं पर चलना छोड़ दो”।

ऐसी विधियों के वश में क्यों रहते हो
“क्यों मानते हो” या “अधीन क्यों हो जाते हो” या “पालन क्यों करते हो”

नष्ट होता
नष्ट हो जाएंगी

ये मनुष्यों की आज्ञाओं और शिक्षाओं के अनुसार हैं
ये नियम मानवीय दृष्टिकोण से समझदारी के प्रतीत होते हैं जिनमें दीनता और शारीकि योगाभ्यास है।

योगाभ्यास
“शरीर को कष्ट देना” “कठोरता करना” “भीषणता करना”

शारीरिक लालसाओं को रोकने में इनसे कुछ भी लाभ नहीं
“इनसे शरीर की अभिलाषाओं पर विजयी होने में सहायता नहीं मिलती है।”

Translation Questions

Colossians 2:2

परमेश्वर पिता का भेद क्या है?
परमेश्वर पिता के भेद मसीह है।

Colossians 2:3

मसीह में क्या छिपा हैं?
मसीह में बुद्धि और ज्ञान के सारे भंडार छिपे हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Colossians 2:4

कुलुस्से के विश्वासियों के लिए पौलुस को क्या चिन्ता थी कि उन्हे कोई हानि न पहुंचाए?
पौलुस को चिन्ता इस बात की थी कि कुलुस्से के विश्वासियों को कोई लुभानेवाली बातों से धोखा न दे।

Colossians 2:6

कुलुस्से के विश्वासियों ने मसीह को तो ग्रहण कर लिया था परन्तु पौलुस उनसे और क्या करने के लिए कहता हैं?
पौलुस कुलुस्से के विश्वासियों को पुकारता है कि वे अपना आचरण वैसा ही रखें जैसा उन्होने मसीह को ग्रहण किया है।

Colossians 2:8

पौलुस को जिस व्यर्थ के धोखे की चिन्ता थी वह किस के अनुसार हैं?
व्यर्थ धोखा मनुष्य की परम्पराओं और संसार की आदि शिक्षा के अनुसार है।

Colossians 2:9

मसीह में क्या वास करता है?
मसीह में ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है।

Colossians 2:10

सारी प्रधानता और अधिकार का शिरोमणि कौन है?
मसीह सारी प्रधानता और अधिकार का शिरोमणि है।

Colossians 2:11

मसीह के खतने में क्या उतार दी जाती है?
पाप की शारीरिक देह मसीह के खतने में उतार दी जाती है।

Colossians 2:12

बपतिस्में में क्या होता है?
मनुष्य बपतिस्में में मसीह के साथ गाड़ा जाता है।

Colossians 2:13

मसीह द्वारा जीवन दान पाने से पूर्व मनुष्य की क्या दशा थी?
मनुष्य अपने अपराधों में मरा हुआ था उसे मसीह ने अपने साथ जिलाया।

Colossians 2:14

हमारे विरुद्ध जो विधियों का लेखा था उसका मसीह ने क्या किया?
मसीह ने विधियों का वह लेखा जो हमारे नाम पर और हमारे विरोध में था उसे क्रूस पर कीलों से जड़कर सामने से हटा दिया।

Colossians 2:15

मसीह ने प्रधानता और अधिकारों के साथ क्या किया?
मसीह ने प्रधानता और अधिकारों को ऊपर से उतारकर उनका खुल्लमखुल्ला तमाशा बनाया और उन पर जय जयकार की ध्वनिं सुनाई।

Colossians 2:17

पौलुस आनेवाली बातों की छाया किसे बताता हैं?
पौलुस कहता है कि खाने-पीने या पर्व या नए चाँद या सब्त आदि सब आनेवाली बातों की छाया हैं।

छाया किस सत्य की ओर संकेत करती हैं?
छाया मसीह की सच्चाई की ओर संकेत करती हैं।

Colossians 2:19

संपूर्ण देह किस प्रकार पोषित होकर गठित होती हैं?
संपूर्ण देह मसीह जो सिर है उसके द्वारा पोषित होकर गठी हुई होती है।

Colossians 2:20

पौलुस के अनुसार सांसारिक शिक्षा में क्या आता हैं?
"यह न छुना," "उसे न चखना" और "उसे हाथ न लगाना" आदि सब सांसारिक शिक्षाओं के अनुसार हैं।

Colossians 2:23

मानवनिर्मित विधियां किस के लिए निरर्थक हैं?
सांसारिक मानवनिर्मित विधियां शारीरिक लालसाओं को रोकने में लाभ की नहीं हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 तो जब तुम मसीह के साथ जिलाए गए, तो स्वर्गीय वस्तुओं की खोज में रहो, जहाँ मसीह वर्तमान है और परमेश्वर के दाहिनी ओर बैठा है। (मत्ती 6:20) **2** पृथ्वी पर की नहीं परन्तु स्वर्गीय वस्तुओं पर ध्यान लगाओ। **3** क्योंकि तुम तो मर गए, और तुम्हारा जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है। **4** जब मसीह जो हमारा जीवन है, प्रगट होगा, तब तुम भी उसके साथ महिमा सहित प्रगट किए जाओगे।

5 इसलिए अपने उन अंगों को मार डालो, जो पृथ्वी पर हैं, अर्थात् व्यभिचार, अशुद्धता, दुष्कामना, बुरी लालसा और लोभ को जो मूर्ति पूजा के बराबर है। **6** इन ही के कारण परमेश्वर का प्रकोप आज्ञा न माननेवालों पर पड़ता है। **7** और तुम भी, जब इन बुराइयों में जीवन बिताते थे, तो इन्हीं के अनुसार चलते थे। **8** पर अब तुम भी इन सब को अर्थात् क्रोध, रोष, बैर-भाव, निन्दा, और मुँह से गालियाँ बकना ये सब बातें छोड़ दो। (इफि. 4:23-24)

9 एक दूसरे से झूठ मत बोलो क्योंकि तुम ने पुराने मनुष्यत्व को उसके कामों समेत उतार डाला है। **10** और नये मनुष्यत्व को पहन लिया है जो अपने सृजनहार के स्वरूप के अनुसार ज्ञान प्राप्त करने के लिये नया बनता जाता है। **11** उसमें न तो यूनानी रहा, न यहूदी, न खतना, न खतनारहित, न जंगली, न स्कूती, न दास और न स्वतंत्र केवल मसीह सब कुछ और सब में है*।

12 इसलिए परमेश्वर के चुने हुओं के समान जो पवित्र और प्रिय हैं, बड़ी करुणा, और भलाई, और दीनता, और नम्रता, और सहनशीलता धारण करो; **13** और यदि किसी को किसी पर दोष देने को कोई कारण हो, तो एक दूसरे की सह लो, और एक दूसरे के अपराध क्षमा करो: जैसे प्रभु ने तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी करो। **14** और इन सब के ऊपर प्रेम को जो सिद्धता का कटिबन्ध है बाँध लो।

15 और मसीह की शान्ति, जिसके लिये तुम एक देह होकर बुलाए भी गए हो, तुम्हारे हृदय में राज्य करे, और तुम धन्यवादी बने रहो। **16** मसीह के वचन को अपने हृदय में अधिकाई से बसने दो; और सिद्ध ज्ञान सहित एक दूसरे को सिखाओ, और चिताओ, और अपने-अपने मन में कृतज्ञता के साथ परमेश्वर के लिये भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाओ। **17** वचन से या काम से जो कुछ भी करो सब प्रभु यीशु के नाम से करो*, और उसके द्वारा परमेश्वर पिता का धन्यवाद करो।

18 हे पत्नियों, जैसा प्रभु में उचित है, वैसा ही अपने-अपने पति के अधीन रहो। (इफि. 5:22) **19** हे पतियों, अपनी-अपनी पत्नी से प्रेम रखो, और उनसे कठोरता न करो। **20** हे बच्चों, सब बातों में अपने-अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करो, क्योंकि प्रभु इससे प्रसन्न होता है। **21** हे पिताओं, अपने बच्चों को भड़काया न करो, न हो कि उनका साहस टूट जाए।

22 हे सेवकों, जो शरीर के अनुसार तुम्हारे स्वामी हैं, सब बातों में उनकी आज्ञा का पालन करो, मनुष्यों को प्रसन्न करनेवालों के समान दिखाने के लिये नहीं, परन्तु मन की सिधाई और परमेश्वर के भय से। **23** और जो कुछ तुम करते हो, तन मन से करो, यह समझकर कि मनुष्यों के लिये नहीं परन्तु प्रभु के लिये करते हो। **24** क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हें इसके बदले प्रभु से विरासत मिलेगी। तुम प्रभु मसीह की सेवा करते हो। **25** क्योंकि जो बुरा करता है, वह अपनी बुराई का फल पाएगा; वहाँ किसी का पक्षपात नहीं। (प्रेरि. 10:34, रोम. 2:11)

Colossians 3:1

मसीह के साथ जिलाए गए हो
यहां कुलुस्से के विश्वासियों की तुलना मसीह के साथ की गई है। मसीह को मृतकों में से जीवित करने के कारण परमेश्वर उन्हें भी मृतकों में से जीवित मानता है।

तुम्हे जीवित किया
"हम" मजदूरों के संदर्भ में है।

स्वर्गीय वस्तुओं
“स्वर्ग की बातें” या “ईश्वरीय बातें”

पृथ्वी पर क्या है?
“सांसारिक बातें” या “पृथ्वी की बातें”

हम तो मर गए
जहां कुलुस्से के विश्वासियों की तुलना मसीह से की गई है जिस प्रकार मसीह वास्तव में मर गया था उसी प्रकार परमेश्वर उन्हें मसीह के साथ मरा हुआ मानता है।

उसके साथ महिमा सहित
“उसके” अर्थात मसीह के साथ

Colossians 3:5

अपने अंशों को मार डालो
यह एक रूपक है जिससे प्रकट होता है कि पाप की अभिलाषाओं का पूर्णतः एवं सदा के लिए दमन किया जाना है जैसे एक बुरे मनुष्य को मार डाला जाता है।

अशुद्धता
“अनुचित व्यवहार”

दुष्कामना
“प्रबल अभिलाषाएं”

लोग जो मूर्तिपूजक है
लोग जो मूर्तिपूजा के बराबर है “और लालसा जो मूर्तिपूजा की है” या “लालच मत करो क्योंकि वह मूर्तिपूजा के तुल्य है” (यू.डी.बी.)

इन्हीं के कारण परमेश्वर का प्रकोप आज्ञा न मानने वालों पर पड़ता है।
इन्हीं के कारण परमेश्वर का प्रकोप आज्ञा न मानने वालों पर पड़ता है - परमेश्वर का क्रोध ऐसे लाभ पानेवाले अविश्वासियों पर आता है “तुम उनमें सक्रियता से सहभागी थे”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

और तुम भी जब इन बुराइयों में जीवन बिताते थे तो इन्हीं के अनुसार चलते थे।
तुम भी जब इन बुराइयों में जीवन बिताते थे तो इन्हीं के अनुसार चलते थे - "तुम भी तो इन बातों में सक्रिय सहभागी होकर ऐसा ही जीवन बिताते थे"।

क्रोध
हिंसा

रोष
"क्रोधावेश"

बैरभाव
"बुरे काम का संकल्प" इसका अनुवाद ऐसे भी किया जा सकता है, "मन, जीवन एवं चरित्र की दुष्टता"

निन्दा
"बुराई करना" या "नाम बदनाम करना" या "बुरी-बुरी बातें कहना" किसी को दुख पहुंचाना या "हानि करने वाली बातें"।

गालियां बकना
इसका अनुवाद किया जा सकता है, "अभ्रद भाषा का उपयोग करना"

Colossians 3:9

तुमने उतार डाला है
कुलुस्से के विश्वासी जिलाए गए।

तुमने अपने पुराने स्वभाव के आचार-विचार के साथ ही त्याग दिया है और नया मनुष्यत्व धारण कर लिया है।
यहां एक विश्वासी की तुलना उस मनुष्य से की गई है जो गन्दे वस्त्र उतार कर नए वस्त्र धारण करता है।

स्वरूप
यह यीशु के लिए लाक्षणिक उपयोग है।

इसके स्वरूप के अनुसार ज्ञान प्राप्त करने
मसीह यीशु को जानना और समझना

"उसमें न तो यूनानी रहा न यहूदी, न खतना न खतनारहित, न जंगली, न स्कूति, न दास और न स्वतंत्र।
अर्थात् परमेश्वर की दृष्टि में सब बराबर हैं।, जाति, धर्म, नागरिकता, या जातिवर्ग (सामाजिक स्तर) कुछ नहीं। यहां जाति, धर्म, संस्कृति, सामाजिक स्तर आदि सब अर्थहीन हैं।

केवल मसीह सब कुछ था और सब में है।
मसीह के अस्तित्व से बाहर कुछ नहीं है, "मसीह सर्वोच्च महत्वपूर्ण है"

Colossians 3:12

करूणा... धारण करो
जिस प्रकार मनुष्य वस्त्र धारण करता है, विश्वासियों को करूणा और भलाई और दीनता, और नम्रता और सहनशीलता अपनाना है। आपस में ऐसा ही व्यवहार करो।

धारण करो
पिछली परिचर्चा में या शिक्षा पर आधारित स्वभाव परिवर्तन या कार्य परिवर्तन को विशेष रूप से व्यक्त करने के लिए यहां उपदेश में स्पष्टता लाई गई है।

परमेश्वर चुने हुओं के समान पवित्र और प्रिय
"परमेश्वर के पवित्र और प्रिय चयनित जनों के समान"

बड़ी करूणा और भलाई, और दीनता और नम्रता और सहनशीलता
"अनुकंपा पूर्ण, दयालु, विनम्र, दीन और धीरजवन्त, आन्तरिक मनुष्य

अनुकंपा
"सहानुभूति" या "आदर"

दया
"भलाई" या "कोमलता"

विनम्रता
"मन की दीनता", "निरंकार या "निराभिमान"

दीनता
"सज्जनता", आत्मा की शान्ति दिखाने की नहीं परमेश्वर के समक्ष

धीरज
"सहनशीलता" या "घृति" या "आत्म संयम"

एक दूसरे की सह लो
मेल-मिलाप और प्रेम में रहो। एक दूसरे को सहन करो या आपसी मेल रखो

किसी पर दोष लगाने का कोई कारण हो
"किसी से शिकायत हो"

सबसे ऊपर प्रेम को ... बान्ध लो
"प्रेम रखो"

सिद्धता का कटिबन्ध
"जो हमें पूर्णत: बांधता है" या "जो हमें सामजंस्य में संयोजित करता है"

Colossians 3:15

तुम्हारे हृदय में राज करे
"तुम्हारे मन पर अधिकार करे"

तुम्हारे मन में
"तुमने अर्थात कुलुस्से के विश्वासियों ने

तुम में जीये
"अन्तर्वास करे" "उपस्थित हो"

सिखाओ और चिताओ
"एक दूसरे को सतर्क करो"

भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत
"परमेश्वर की स्तुति में गीत गाओ"

हृदय से धन्यवादी रहो
"आभारी मन"

उसके द्वारा
"मसीह यीशु के द्वारा"

Colossians 3:18

पत्नियों.... पति के अधीन हो
"पत्नियों आज्ञाकारी बनो"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उचित है
“न्यायोचित है” या “सही है”

कठोरता न करो
“निर्दयी न हो” या क्रोध न करो”

प्रभु इससे प्रसन्न होता है
प्रभु इससे प्रसन्न होता है, “माता-पिता की आज्ञा मानोगे तो परमेश्वर प्रसन्न होता है”।

बालकों को तंग न करो
“कुपित न करो” या “क्रोध न दिलाओ”

Colossians 3:22

जो तुम्हारे स्वामी हैं... उनकी आज्ञा का पालन करो
“तुम्हारे” अर्थात कुलुस्से की कलीसिया में विश्वासी दास।

जो कुछ तुम करते हो
“तुम” मुख्यताः दासों के संदर्भ में है परन्तु सब विश्वासियों के लिए हो सकता है।

जो शरीर के अनुसार तुम्हारे स्वामी हैं... उनकी आज्ञा का पालन करो
अपने सांसारिक स्वामियों की आज्ञा का पालन करो

दिखाने के लिए नहीं
“जब स्वामी देखता हो तब ही नहीं”

मनुष्यों को प्रसन्न करने पर लौ के समान
ये वे लोग है जो प्रभु की नहीं मनुष्य की प्रशंसा खोजते हैं। (यू.डी.बी.)

प्राण को घात नहीं कर सकते
“संपूर्ण मन से” (यू.डी.बी.)

प्रभु के लिए
प्रभु के लिए - प्रभु की सेवा के निमित्त” (यू.डी.बी.)

प्रभु से मीरास
“प्रभु की प्रतिज्ञानुसार हमारा भाग मिलेगा” (यू.डी.बी.)

जो बुरा करता है
नैतिक, सामाजिक एवं शारीरिक बुराई करनेवाला। “पूरा करने वाला” या “अनुचित काम करनेवाला”

दण्ड पाएगा
“दण्ड पाएगा”

पक्षपात नहीं
“किसी का पक्ष नहीं लेता” या “उसके अपने पसन्द के कोई नहीं है” या उसके चहेते नहीं हैं”

Translation Questions

Colossians 3:1

मसीह को कहां प्रतिष्ठित किया गया है?
मसीह जीवित होकर परमेश्वर की दाहिनी ओर विराजमान है।

विश्वासियों को किस की खोज करना है और किस की नहीं?
विश्वासियों को स्वर्गिक बातों की खोज में रहना है सांसारिक नहीं।

Colossians 3:3

परमेश्वर ने विश्वासी के जीवन को कहां रखा हुआ है?
परमेश्वर ने विश्वासी के जीवन को मसीह के साथ छिपा लिया है।

Colossians 3:4

मसीह के प्रकट होने पर विश्वासियों का क्या होगा?
जब मसीह प्रकट होगा तब विश्वासी भी उस के साथ महिमा में प्रकट होंगे।

Colossians 3:5

विश्वासी के लिए कौन सी बातों को मार डालना आवश्यक है?
विश्वासी के लिए आवश्यक है कि वह सांसारिक बातों को मार डाले।

Colossians 3:6

परमेश्वर की आज्ञा न माननेवालों का क्या होता है?
परमेश्वर का प्रकोप आज्ञा न माननेवालों पर पड़ता है।

Colossians 3:8

पुराने मनुष्यत्व की कौन सी बातें हैं जिन्हे पौलुस कहता है विश्वासी त्याग दें?
विश्वासियों को क्रोध, रोष, बैर भाव, निन्दा, अभद्र भाषा और झूठ बोलना आदि सब छोड़ देना चाहिए।

Colossians 3:10

विश्वासी का नया मनुष्यत्व किस के स्वरूप में सृजा गया है?
विश्वासी का नया मनुष्यत्व मसीह के स्वरूप में सृजा हुआ है।

Colossians 3:12

नए मनुष्यत्व की कौन सी बातें है जिन्हे धारण करने के लिए पौलुस कहता है?
विश्वासी में करुणा, भलाई और दीनता, और नम्रता, और सहनशीलता होना आवश्यक है।

Colossians 3:13

विश्वासी का क्षमा दान कैसा हों?
विश्वासी वैसे ही क्षमा करे जैसे प्रभु ने उसे क्षमा किया है।

Colossians 3:14

विश्वासियों में सिद्धता का कटिबन्ध क्या है?
प्रेम सिद्धता का कटिबन्ध है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Colossians 3:15

विश्वासी के मन में किसका वास होना है?
विश्वासी के मन में मसीह की शान्ति वास करे।

अनुग्रह, भजन, स्तुतिगान और आत्मिक गीतों द्वारा विश्वासी परमेश्वर को क्या चढाएं?
विश्वासी अनुग्रह के साथ भजन, स्तुतिगान और आत्मिक गीतों द्वारा परमेश्वर का धन्यवाद करे।

Colossians 3:16

विश्वासी के मन में किसका वास अधिकाई से होना है?
विश्वासी के मन में मसीह का वचन अधिकाई से बसे।

Colossians 3:18

पत्नी का व्यवहार पति के साथ कैसा हो?
पत्नी अपने पति के अधीन रहे।

Colossians 3:19

पति अपनी पत्नी के साथ कैसा व्यवहार करें?
पति अपनी पत्नी से प्रेम रखे और उसके साथ कठोरता का व्यवहार न करें।

Colossians 3:20

सन्तान का व्यवहार माता पिता के प्रति कैसा हो?
सन्तान अपने माता पिता की आज्ञा का पालन करे।

Colossians 3:21

पिता को अपने बालकों के साथ क्या नहीं करना चाहिए?
पिता अपने बालकों को तंग न करे।

Colossians 3:23

विश्वासी लोग जो कुछ भी कार्य करते है वह किसके लिए करते है?
विश्वासी लोग जो कुछ भी कार्य करते है वह प्रभु के लिए करते है।

Colossians 3:24

अपने सब कामों को मसीह की सेवा स्वरूप करने पर क्या मिलेगा?
अपने हर एक काम को प्रभु के लिए समझकर करने से विश्वासियों को प्रभु से मीरास मिलेगी।

Colossians 3:25

बुरा करनेवाले को क्या मिलेगा?
बुरा करने वाला बुराई का फल पाएगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 हे स्वामियों, अपने-अपने दासों के साथ न्याय और ठीक-ठीक व्यवहार करो, यह समझकर कि स्वर्ग में तुम्हारा भी एक स्वामी है। (लैव्य. 25:43, लैव्य. 25:53)

2 प्रार्थना में लगे रहो*, और धन्यवाद के साथ उसमें जागृत रहो; **3** और इसके साथ ही साथ हमारे लिये भी प्रार्थना करते रहो, कि परमेश्वर हमारे लिये वचन सुनाने का ऐसा द्वार खोल दे, कि हम मसीह के उस भेद का वर्णन कर सके जिसके कारण मैं कैद में हूँ। **4** और उसे ऐसा प्रगट करूँ, जैसा मुझे करना उचित है।

5 अवसर को बहुमूल्य समझकर बाहरवालों के साथ बुद्धिमानी से बर्ताव करो। **6** तुम्हारा वचन सदा अनुग्रह सहित* और सुहावना हो, कि तुम्हें हर मनुष्य को उचित रीति से उत्तर देना आ जाए।

7 प्रिय भाई और विश्वासयोग्य सेवक, तुखिकुस जो प्रभु में मेरा सहकर्मी है, मेरी सब बातें तुम्हें बता देगा। **8** उसे मैंने इसलिए तुम्हारे पास भेजा है, कि तुम्हें हमारी दशा मालूम हो जाए और वह तुम्हारे हृदयों को प्रोत्साहित करे। **9** और उसके साथ उनेसिमुस को भी भेजा है; जो विश्वासयोग्य और प्रिय भाई और तुम ही में से है, वे तुम्हें यहाँ की सारी बातें बता देंगे।

10 अरिस्तर्खुस जो मेरे साथ कैदी है, और मरकुस जो बरनबास का भाई लगता है। (जिसके विषय में तुम ने निर्देश पाया था कि यदि वह तुम्हारे पास आए, तो उससे अच्छी तरह व्यवहार करना।) **11** और यीशु जो यूस्तुस कहलाता है, तुम्हें नमस्कार कहते हैं। खतना किए हुए लोगों में से केवल ये ही परमेश्वर के राज्य के लिये मेरे सहकर्मी और मेरे लिए सांत्वना ठहरे हैं।

12 इपफ्रास जो तुम में से है, और मसीह यीशु का दास है, तुम्हें नमस्कार कहता है और सदा तुम्हारे लिये प्रार्थनाओं में प्रयत्न करता है, ताकि तुम सिद्ध होकर पूर्ण विश्वास के साथ परमेश्वर की इच्छा पर स्थिर रहो। **13** मैं उसका गवाह हूँ, कि वह तुम्हारे लिये और लौदीकिया और हियरापुलिसवालों के लिये बड़ा यत्न करता रहता है। **14** प्रिय वैद्य लूका और देमास का तुम्हें नमस्कार।

15 लौदीकिया के भाइयों को और नुमफास और उसकी घर की कलीसिया को नमस्कार कहना। **16** और जब यह पत्र तुम्हारे यहाँ पढ़ लिया जाए, तो ऐसा करना कि लौदीकिया की कलीसिया में भी पढ़ा जाए, और वह पत्र जो लौदीकिया से आए उसे तुम भी पढ़ना। **17** फिर अरखिप्पुस से कहना कि जो सेवा प्रभु में तुझे सौंपी गई है, उसे सावधानी के साथ पूरी करना।

18 मुझ पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ नमस्कार। मेरी जंजीरों को स्मरण रखना; तुम पर अनुग्रह होती रहे। आमीन।

Colossians 4:1

अपने दासों के साथ न्याय।
अपने-अपने अर्थात दासों के स्वामी जो विश्वासी है

न्याय और ठीक-ठीक व्यवहार
स्वामियों के लिए है कि वे अपने सेवकों के साथ उचित एवं निष्पक्ष व्यवहार करें।

स्वर्ग में तुम्हारा भी एक स्वामी है
अर्थात 1) परमेश्वर उनके साथ भी वैसा ही व्यवहार करेगा जैसा वे अपने दासों के साथ करते हैं। या 2) जैसा तुम परमेश्वर से अपने प्रति व्यवहार चाहते हो वैसा ही अपने दासों के साथ करो"।

Colossians 4:2

प्रार्थना में लगे रहो
"निष्ठापूर्वक प्रार्थना करो" "लगातार प्रार्थना करते रहो"

हमारे लिए भी प्रार्थना करते रहो
"हमारे" अर्थात पौलुस और तीमुथियुस के लिए, कुलुस्से के विश्वासी उसके नहीं गिने गए हैं।

परमेश्वर हमारे लिए.... द्वार खोल दे
"परमेश्वर द्वारा अवसर प्रदान करने "हेतु यह एक मुहावरा है"

मसीह के उस भेद का
मसीह के आगमन से पूर्व मसीह यीशु का सन्देश जो समझ से परे था।

जिसके कारण मैं कैद में हूं
"मसीह का शुभ सन्देश सुनाने के कारण मैं कारागार में हूं"

ऐसा प्रगट करूं जैसा मुझे करना उचित है
"प्रार्थना करो कि मैं मसीह यीशु का सन्देश यथासंभव स्पष्ट व्यक्त कर पाऊंगा।"

Colossians 4:5

बुद्धिमानी से व्यवहार करो
"चतुराई से काम लो"

बाहरवालों
"अविश्वासियों के साथ"

अवसर को बहुमूल्य समझ कर
कुलुस्से के विश्वासियों को निर्देश है

बहुमूल्य समझकर
"बुद्धिमानी से काम करो"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुम्हारा वचन सदा अनुग्रहसहित और सलोना हो
तुम्हारा वचन सदा अनुग्रहसहित और सलोना हो - “तुम्हारा वार्तालाप सदैव अनुग्रह से पूर्ण एवं आकर्षक हो”

उचित रीति से उत्तर देना आ जाए
“तुम मसीह यीशु के बारे में किसी को भी उचित उत्तर देने योग्य हो”।

Colossians 4:7

मेरी कुछ बातें तुम्हें बता देगा
“मेरे साथ जो भी हो रहा है तुम्हें बता देगा”। (यू.डी.बी.)

तुम्हें....बता देंगे
“तुम्हें” अर्थात कुलुस्से की कलीसिया को

सब कुछ जो मेरे विषय में है
अर्थात् पौलुस की

सेवक
पौलुस एक स्वतंत्र मनुष्य है परन्तु वह स्वयं को एक दास मानता है, मसीह का दास और तुखिकुस को सह सेवक। इसका अनुवाद हो सकता है, “साथी सेवक”

तुम्हें बता देगा।
पौलुस और उसके सहकर्मियों की।

तुम्हारे हृदयों को शान्ति दे
“तुम्हारे मन हृदयों को” अर्थात तुम्हें। “तुम्हें प्रोत्साहन प्रदान करेगा”

उनेसिमुस
उनेसिमुस कुलुस्से में फिलेमोन का दास था। उसने फिलेमोन का पैसा चुराया और रोम भाग गया था। वहां पौलुस के प्रचार के द्वारा उसने मसीह को ग्रहण कर लिया था। तुखिकूस और उनेसिमुस पौलुस का पत्र लेकर कुलुस्से जा रहे हैं।

विश्वासयोग्य और प्रिय भाई
पौलुस उनेसिमुस को सहविश्वासी और मसीह का सेवक मानता है।

ये तुम्हें यहां की सारी बातें बता देंगे।
“ये” अर्थात तुखिकुस और उनेसिमुस

“जो कुछ यहां हो रहा है”
वे पौलुस की वर्तमान स्थिति का वर्णन कुलुस्से की कलीसिया को सुनाएंगे। परम्परा के अनुसार पौलुस गृह कारावास में या कारागार में था।

Colossians 4:10

अरिस्तर्खुस
वह पौलुस के साथ इफिसुस के कारागार में था जब पौलुस यह पत्र लिख रहा था।

“यदि वह तुम्हारे पास आए”
“यदि मरकुस आए।”

यीशु जो यूस्तुस कहलाता है
यह वह मनुष्य है जिसने पौलुस के साथ भी कार्य किया।

जो कोई ..... परमेश्वर के राज्य के योग्य नहीं
ये तीन पुरूष ही हैं जो मेरे साथ सेवारत यहूदी विश्वासी हैं जो मसीह के द्वारा परमेश्वर का प्रचार करते हैं कि यह राजा होगा। (यू.डी.बी.)

खतना किए हुए लोगों में से केवल यह ही
अरिस्तर्खुस, मरकुस और येस्तूस मात्र ही खतनावाले

Colossians 4:12

इपफ्रास
इपफ्रास कुलुस्से में शुभ सन्देश प्रचारक था

तुम में से एक
“तुम्हारा सह नागरिक” या “तुम्हारा ही स्वेदशी” (यू.डी.बी.)

मसीह यीशु का दास है
“मसीह यीशु का समर्पित दास”

सदा तुम्हारे लिए प्रार्थनाओं में प्रयत्न करता है
सदा तुम्हारे लिए सच्चे दिल से प्रार्थना करता है

ताकि तुम सिद्ध होकर पूर्ण विश्वास के साथ परमेश्वर की इच्छा पर स्थिर रहो
"तुम परिपक्व और आत्मविश्वासी हो जाओ"

मैं उसका गवाह हूं कि वह तुम्हारे लिए बड़ा.... बड़ा परिश्रम करता रहता है
“मैंने स्वयं देखा कि उसने तुम्हारे लिए कठोर परिश्रम किया है”। (यू.डी.बी.)

लौदिकिया
लौदिकिया की कलीसिया। लौदिकिया कुलुस्से के परिवेश में एक नगर था।

हियरापुलिस वालों
हियरापुलिस की कलीसिया यह स्थान भी कुलुस्से के परिवेश में था।

और देमास
पौलुस का सहकर्मी

तुम्हें नमस्कार
“तुम्हारा अभिवादन करते हैं”

Colossians 4:15

भाइयों को.... नमस्कार
“विश्वासी भाई-बहन को नमस्कार”।

लौदिकिया में
कुलुस्से से तथा एक नगर, वहां भी मसीही कलीसिया थी।

नुमफास और उसके घर की कलीसिया को नमस्कार
नुमफास लौदिकिया में आवासीय कलीसिया की आयोजक थी। “नुमफास और उसके घर में आराधना हेतु एकत्र होने वाली कलीसिया”

कलीसिया में पढ़ा जाए
कलीसिया अर्थात कुलुस्से के विश्वासी

अर्खिप्पुस
पौलुस अर्खिप्पुस को उसके परमेश्वर प्रदत्त दायित्व का स्मरण करवा रहा है और वह परमेश्वर की ओर से इसकी पूर्ति का उत्तरदायी था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Colossians 4:18

मुझ पौलुस का अपने हाथ से लिखा नमस्कार
पौलुस चाहता था कि कुलुस्से के विश्वासी जान लें कि यह पत्र पौलुस ही का है।

मेरी जंजीरों को स्मरण रखना
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मुझे स्मरण रखकर, मेरे लिए प्रर्थाना करना क्योंकि मैं कारागार में हूं”।

Translation Questions

Colossians 4:1

पौलुस इस पृथ्वी पर स्वामियों को क्या स्मरण कराता हैं कि कोई है?
पौलुस इस पृथ्वी पर स्वामियों को स्मरण कराता है कि उनका भी एक स्वामी है जो स्वर्ग में है।

Colossians 4:2

पौलुस कुलुस्से के विशासियों को किस बात में लगे रहने के लिए कहता है?
पौलुस चाहता था कि कुलुस्से के विश्वासी प्रार्थना में लगे रहें।

Colossians 4:3

पौलुस कुलुस्से के विश्वासियों के समक्ष कौन सा प्रार्थना विषय रखता है?
पौलुस कुलुस्से के विश्वासियों से निवेदन करता है कि वे प्रार्थना करते रहे कि परमेश्वर उसके लिए वचन सुनाने का ऐसा द्वार खोल कि वे मसीह के भेद का वर्णन कर पाएं।

Colossians 4:5

पौलुस कुलुस्से के विश्वासियों को बाहर वालों के साथ कैसा व्यवहार करने का आदेश देता है?
पौलुस उन्हे आदेश देता है कि वे बाहर वालों के साथ बुद्धिमानी से व्यवहार करें और उनका वचन अनुग्रह सहित सलोना हो।

Colossians 4:7

तुखिकुस और उनेसिमुस को पौलुस ने क्या काम सौंपा था?
पौलुस ने उन्हे एक काम सौंपा कि वे कुलुस्से के विश्वासियों को उसकी सब बातें बता दें।

Colossians 4:10

बरनबास के भाई मरकुस के लिए पौलुस ने उन्हे क्या निर्देश दिया था?
पौलुस ने कुलुस्से के विश्वासियों से कहा कि वे मरकुस के साथ अच्छा व्यवहार करें, यदि वह वहां आए।

Colossians 4:12

इपफ्रास उनके लिए क्या प्रार्थना करता है?
वह प्रार्थना करता है कि वे सिद्ध होकर पूर्ण विश्वास के साथ परमेश्वर की इच्छा पर स्थिर रहें।

Colossians 4:14

पौलुस के साथ जो वैध था उसका नाम क्या था?
उस वैध का नाम लूका था।

Colossians 4:15

लौदीकिया की कलीसिया कहां एकत्र होती थी?
लौदीकिया की कलीसिया किसी घर में आराधना करती थी।

Colossians 4:16

पौलुस ने और किस कलीसिया को पत्र लिखा था?
पौलुस लौदीकिया की कलीसिया को भी पत्र लिखा था।

Colossians 4:18

पौलुस ने यह प्रकट करने को कि यह पत्र उसी का है क्या किया?पौलुस
ने पत्र के अन्त में अपने हाथों से अपना नाम लिखा था।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: 1 Thessalonians

1 Thessalonians

Chapter 1

1 पौलुस और सिलवानुस और तीमुथियुस की ओर से थिस्सलुनीकियों की कलीसिया के नाम जो पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह में है। अनुग्रह और शान्ति
तुम्हें मिलती रहे।

2 हम अपनी प्रार्थनाओं में तुम्हें स्मरण करते और सदा तुम सब के विषय में परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं, **3** और अपने परमेश्वर और पिता के सामने तुम्हारे
विश्वास के काम, और प्रेम का परिश्रम, और हमारे प्रभु यीशु मसीह में आशा की धीरता को लगातार स्मरण करते हैं।

4 और हे भाइयों, परमेश्वर के प्रिय लोगों हम जानते हैं, कि तुम चुने हुए हो। (इफि. 1:4) **5** क्योंकि हमारा सुसमाचार तुम्हारे पास न केवल वचन मात्र ही में वरन्
सामर्थ्य* और पवित्र आत्मा, और बड़े निश्चय के साथ पहुँचा है; जैसा तुम जानते हो, कि हम तुम्हारे लिये तुम में कैसे बन गए थे।

6 और तुम बड़े क्लेश में पवित्र आत्मा के आनन्द के साथ वचन को मानकर हमारी और प्रभु के समान चाल चलने लगे। **7** यहाँ तक कि मकिदुनिया और अखाया
के सब विश्वासियों के लिये तुम आदर्श बने।

8 क्योंकि तुम्हारे यहाँ से न केवल मकिदुनिया और अखाया में प्रभु का वचन सुनाया गया, पर तुम्हारे विश्वास की जो परमेश्वर पर है, हर जगह ऐसी चर्चा फैल
गई है, कि हमें कहने की आवश्यकता ही नहीं। **9** क्योंकि वे आप ही हमारे विषय में बताते हैं कि तुम्हारे पास हमारा आना कैसा हुआ; और तुम क्यों मूरतों से
परमेश्वर की ओर फिरें ताकि जीविते और सच्चे परमेश्वर की सेवा करो। **10** और उसके पुत्र के स्वर्ग पर से आने की प्रतीक्षा करते रहो जिसे उसने मरे हुओं में से
जिलाया, अर्थात् यीशु को, जो हमें आनेवाले प्रकोप से बचाता है।

---

1 Thessalonians 1:1

पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस की ओर से कलीसिया को लिखा पत्र
यू.डी.बी. में स्पष्ट व्यक्त किया गया है कि यह पत्र पौलुस ने लिखा था।

शान्ति तुम्हें मिलती रहे
"वचन तुम्हें" अर्थात थिस्सलोनिका की कलीसिया के विश्वासियों को

1 Thessalonians 1:2

हम परमेश्वर को हमेशा धन्यवाद देते हैं|
यह एक अतिशयोक्ति है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “हम लगातार तुम्हारे लिए परमेश्वर को धन्यवाद कहते हैं”।

हम सदा
वचन अर्थात पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस के लिए न कि थिस्सलुनीकियों के विश्वासियों के लिए|

अपनी प्रार्थनाओं में तुम्हें स्मरण करते हैं।
“हम तुम्हारे लिए प्रार्थना करते है”।

हम बिना भूले हमेशा याद रखते हैं
हम लगातार याद रखते हैं

तुम्हारे विश्वास के काम
“विश्वास के कृत्य” या “विश्वास आधारित काम जो परमेश्वर में विश्वासी हैं”।

आशा की धीरता
“आशा की धीरजवत प्रतीज्ञा”

1 Thessalonians 1:4

हे भाइयों
“सभी विश्वासी भाइयों और बहनों”

हम जानते हैं कि तुम चुने हुए हो
“हम जानते हैं कि परमेश्वर ने तुम्हें अपना होने के लिए चुन लिया है”। (यू.डी.बी.) “हम जानते हैं कि परमेश्वर ने तुम्हें विशेष सेवा के लिए चुन लिया है”।

हम जानते हैं
“हम” अर्थात पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस, न कि थिस्सलोनिकिया के विश्वासी

पर सामर्थ्य और पवित्र आत्मा में भी
इसके संभावित अर्थ हैं 1) पौलुस और उसके साथी पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से प्रभावी प्रचार करते हैं। या 2) विश्वासियों पर शुभ सन्देश का प्रभाव गहरा है जो पवित्र आत्मा का विश्वास दिलानेवाला काम है।

बड़े निश्चय के साथ
“इसी रूप में” (यू.डी.बी.)

किस प्रकार के मनुष्य
“हमारा व्यवहार कैसा था”। (यू.डी.बी.)

1 Thessalonians 1:6

अनुसरण करने वाले बन गए
“अनुकरण या अनुसरण”। “तुमने हमारा अनुकरण किया”

वचन को मान कर
“शिक्षा ग्रहण करके” या “शिक्षा के अनुसार”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बहुत क्लेश में
“बड़े कष्टों में भी” या “सताव के मध्य भी”

अखया
प्राचीन क्षेत्र जहां आज का यूनान है

1 Thessalonians 1:8

चर्चा फैल गई
“व्याप्त हो गई”

अखया
आज का यूनान

हर जगह
“संपूर्ण क्षेत्र में अनेक स्थानों में”

वे आप ही
आसपास की कलीसियाएं जिन्होंने थिस्सलोनिका के विश्वासियों की चर्चा सुनी थी

वे आप ही
आप ही सब देने के लिए काम में लिया गया है

तुम्हारे पास हमारा आना कैसे हुआ
“तुमने हमारा कैसा स्वागत किया था।” (यू.डी.बी.)

उसके पुत्र के स्वर्ग पर से आने की
“स्वर्ग से परमेश्वर के पुत्र के आने की”

जिसे उसने मरे हुओं में से जिलाया
"जिसे परमेश्वर ने पुनर्जीवित किया"

जो हमें बचाता है
सब विश्वासियों को बचाता है

Translation Questions

1 Thessalonians 1:3

पौलुस थिस्सलुनीके के विश्वासियों के बारे में परमेश्वर के स्मरण किस बात का लगातार स्मरण करता रहता था?
पौलुस उनके विश्वास के काम, और प्रेम का परिश्रम और प्रभु यीशु मसीह में उनकी आशा की धीरता को लगातार स्मरण करता था।

1 Thessalonians 1:5

थिस्सलुनीके नगर में सुसमाचार कौन से चार रूपों में पहुंचा था?
थिस्सलुनीके नगर में सुसमाचार वचन रूप में ही नहीं, वरन् सामर्थ्य, और पवित्र आत्मा और बड़े निश्चय के साथ पहुंचा था।

1 Thessalonians 1:6

थिस्सलुनीके के विश्वासियों ने जब आरंभ में सुसमाचार सुनाया तब परिस्थितियां कैसी थीं?
थिस्सलुनीके के विश्वासियों ने भारी विरोध में सुसमाचार सुना था।

सुसमाचार के वचन को ग्रहण करने के प्रति थिस्सलुनीके के विश्वासियों का स्वभाव कैसा था?
थिस्सलुनीके के विश्वासियों ने बड़े क्लेश में पवित्र आत्मा के आनन्द के साथ वचन पर विश्वास किया था।

1 Thessalonians 1:8

परमेश्वर का वचन ग्रहण करने के बाद उनका क्या हुआ था?
उनके विश्वास की चर्चा हर जगह फैल गई थी।

1 Thessalonians 1:9

सच्चे परमेश्वर में विश्वास करने से पूर्व थिस्सलुनीके के विश्वासियों की स्थिति कैसी थी?
सच्चे परमेश्वर में विश्वास करने से पूर्व वे मूर्तिपूजक थे।

1 Thessalonians 1:10

पौलुस और थिस्सलुनीके के विश्वासियों को किसकी प्रतीक्षा थी?
पौलुस और थिस्सलुनीके के विश्वासी स्वर्ग से मसीह के पुनः आगमन की प्रतीक्षा में थे।

यीशु हमें किससे बचाता हैं?
यीशु हमें आनेवाले प्रकोप से बचाता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 हे भाइयों, तुम आप ही जानते हो कि हमारा तुम्हारे पास आना व्यर्थ न हुआ। **2** वरन् तुम आप ही जानते हो, कि पहले फिलिप्पी में दुःख उठाने और उपद्रव सहने पर भी हमारे परमेश्वर ने हमें ऐसा साहस दिया, कि हम परमेश्वर का सुसमाचार भारी विरोधों के होते हुए भी तुम्हें सुनाएँ।

3 क्योंकि हमारा उपदेश न भ्रम से है और न अशुद्धता से, और न छल के साथ है। **4** पर जैसा परमेश्वर ने हमें योग्य ठहराकर सुसमाचार सौंपा, हम वैसा ही वर्णन करते हैं; और इसमें मनुष्यों को नहीं*, परन्तु परमेश्वर को, जो हमारे मनों को जाँचता है, प्रसन्न करते हैं। (तीतु. 1:3, इफि. 6:6)

5 क्योंकि तुम जानते हो, कि हम न तो कभी चापलूसी की बातें किया करते थे, और न लोभ के लिये बहाना करते थे, परमेश्वर गवाह है। **6** और यद्यपि हम मसीह के प्रेरित होने के कारण तुम पर बोझ डाल सकते थे, फिर भी हम मनुष्यों से आदर नहीं चाहते थे, और न तुम से, न और किसी से।

7 परन्तु जिस तरह माता अपने बालकों का पालन-पोषण करती है, वैसे ही हमने भी तुम्हारे बीच में रहकर कोमलता दिखाई है। **8** और वैसे ही हम तुम्हारी लालसा करते हुए, न केवल परमेश्वर का सुसमाचार, पर अपना-अपना प्राण भी तुम्हें देने को तैयार थे, इसलिए कि तुम हमारे प्यारे हो गए थे। **9** क्योंकि, हे भाइयों, तुम हमारे परिश्रम और कष्ट को स्मरण रखते हो, कि हमने इसलिए रात दिन काम धन्धा करते हुए तुम में परमेश्वर का सुसमाचार प्रचार किया, कि तुम में से किसी पर भार न हों।

10 तुम आप ही गवाह हो, और परमेश्वर भी गवाह है, कि तुम्हारे बीच में जो विश्वास रखते हो हम कैसी पवित्रता और धार्मिकता और निर्दोषता से रहे। **11** जैसे तुम जानते हो, कि जैसा पिता अपने बालकों के साथ बर्ताव करता है, वैसे ही हम भी तुम में से हर एक को उपदेश देते और प्रोत्साहित करते और समझाते थे। **12** कि तुम्हारा चाल-चलन परमेश्वर के योग्य हो, जो तुम्हें अपने राज्य और महिमा में बुलाता है।

13 इसलिए हम भी परमेश्वर का धन्यवाद निरन्तर करते हैं; कि जब हमारे द्वारा परमेश्वर के सुसमाचार का वचन तुम्हारे पास पहुँचा, तो तुम ने उसे मनुष्यों का नहीं, परन्तु परमेश्वर का वचन समझकर (और सचमुच यह ऐसा ही है) ग्रहण किया और वह तुम में जो विश्वास रखते हो, कार्य करता है।

14 इसलिए कि तुम, हे भाइयों, परमेश्वर की उन कलीसियाओं के समान चाल चलने लगे, जो यहूदिया में मसीह यीशु में हैं, क्योंकि तुम ने भी अपने लोगों से वैसा ही दुःख पाया, जैसा उन्होंने यहूदियों से पाया था। **15** जिन्होंने प्रभु यीशु को और भविष्यद्वक्ताओं को भी मार डाला और हमको सताया, और परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं; और वे सब मनुष्यों का विरोध करते हैं। **16** और वे अन्यजातियों से उनके उद्धार के लिये बातें करने से हमें रोकते हैं, कि सदा अपने पापों का घड़ा भरते रहें; पर उन पर भयानक प्रकोप आ पहुँचा है।

17 हे भाइयों, जब हम थोड़ी देर के लिये मन में नहीं वरन् प्रगट में तुम से अलग हो गए थे, तो हमने बड़ी लालसा के साथ तुम्हारा मुँह देखने के लिये और भी अधिक यत्न किया। **18** इसलिए हमने (अर्थात् मुझ पौलुस ने) एक बार नहीं, वरन् दो बार तुम्हारे पास आना चाहा, परन्तु शैतान हमें रोके रहा। **19** हमारी आशा, या आनन्द या बड़ाई का मुकुट क्या है? क्या हमारे प्रभु यीशु मसीह के सम्मुख उसके आने के समय, क्या वह तुम नहीं हो? **20** हमारी बड़ाई और आनन्द तुम ही हो।

---

1 Thessalonians 2:1

तुम आप ही
“वचन तुम” अर्थात थिस्सलोनिका के विश्वासी कों

हमारा तुम्हारे पास आना
“हमारा” अर्थात पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस”

व्यर्थ न हुआ
“बड़ा काम का हुआ”

दुःख उठाने और उपद्रव सहने
फिलिपोस में पौलुस को पीटकर कारागार में डाल दिया गया था। वैकल्पिक अनुवाद “हमारे साथ दुर्व्यवहार किया गया और हमें अपमानित किया गया था”।

भारी विरोध
“घोर विरोध के उपरान्त भी”

1 Thessalonians 2:3

क्योंकि हमारा उपदेश
“हमारा” अर्थात पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस का

न भ्रम से, न अशुद्धता से, न छल के साथ
“सत्यवादी, शुद्ध और सच्चाई से पूर्ण”

परमेश्वर को, जो हमारे मनों को जांचता है
“परमेश्वर हमारे मन और काम परखता है” (देखें:

1 Thessalonians 2:5

क्योंकि...हम
“हम” अर्थात पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस

चापलूसी की बातें
“झूठी प्रशंसा की बातें”

लोभ के लिए बहाना
“लोभ के लिए बहाना”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

प्रेरित होने के कारण तुम पर बोझ डाल सकते थे।
“तुमसे सांसारिक वस्तुएं लेते”

1 Thessalonians 2:7

जिस तरह माता अपने बालकों का पालन-पोषण करती है
जैसे माता बड़ी कोमलता से अपनी सन्तान को शान्ति देती है, वैसे ही पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस ने थिस्सलोनिका के विश्वासियों में प्रचार किया था।

तुम्हारे बीच में रहकर कोमलता दिखाई
“हमने तुमसे प्रेम किया”

तुम हमारे प्रिय हो गए थे
“हमने तुम्हारी बहुत चिन्ता की”

हमारे परिश्रम और कष्ट
ये दोनों शब्द समानार्थक है जिसका अभिप्राय है भलिभांति यत्न से काम करना। “हमारा परिश्रम”

रात दिन काम धन्धा करते हुए.... कि तुममें से किसी पर भार न हो
"हमने अपने जीविकोपार्जन हेतु परिश्रम किया कि तुम्हें हमारी सहायता न करनी पड़े।"

1 Thessalonians 2:10

पवित्र और धार्मिक और निर्दोष रहा
“धार्मिक”

जैसा पिता अपने बालकों के साथ व्यवहार करता है
पिता द्वारा सन्तान के अनुशासन की तुलना पौलुस अपने द्वारा विश्वासियों को शिक्षा देने एवं प्रोत्साहित करने से करता है कि वे परमेश्वर के योग्य आचरण रखें।

जो तुम्हें.... बुलाता है
“जिसने तुम्हें चुना है”

1 Thessalonians 2:13

इसलिए... कि
“हम परमेश्वर को लगातार धन्यवाद कहते हैं”

जब तुमने ग्रहण किया
थिस्सलोनिका के विश्वासियों ने पौलुस के प्रचार को उसके अपने ज्ञान की बातें नहीं परमेश्वर का वचन मानकर ग्रहण किया था।

1 Thessalonians 2:14

उन कलीसियाओं की सी चाल चलने लगे
वे भी अन्य थिस्सलोनिका वासियों के विरोध का सामना कर रहे थे जैसे आरंभिक विश्वासियों ने यहूदी अगुओं से सताव सहा था। “तुम भी उन कलीसियाओं के सदृश्य थे....”

अपने लोगों से
अन्य, थिस्सनोलिका वासियों से”

वे हमें बोलने से रोकते हैं
“वे हमारे प्रचार को रोकना चाहते है।”

कि सदा अपने पापों का नपुआ भरते रहें
“पाप करते रहें”

उन पर परमेश्वर का भयानक प्रकोप आ पहुंचा है
“परमेश्वर का दण्ड उन पर आ गया है” या “परमेश्वर का क्रोध उन पर है”।

1 Thessalonians 2:17

मन में नहीं, वरन उपस्थित में तुमसे अलग हो गए थे
“शारीरिक रूप से अलग हो गए थे परन्तु तुम्हारे लिए प्रार्थना करते रहे”

तुम्हारा मुंह देखने के लिए
“तुमसे भेंट करने के लिए” या “तुम्हारे साथ उपस्थित होने के लिए”

मुझ पौलुस ने एक बार नहीं वरन दो बार
“मुझ पौलुस ने दो बार”

हमारे प्रभु यीशु के सम्मुख उसके आने के समय
हमारी भावी आशा, आनन्द और मसीह के आगमन पर महिमा का मुकुट तुम हो”

Translation Questions

1 Thessalonians 2:2

थिस्सलुनीके आने से पहले पौलुस और उसके साथियों ने क्या सहन किया था?
पौलुस और उसके साथियों ने कष्ट उठाकर और दुर्व्यवहार सहकर प्रचार किया था।

1 Thessalonians 2:4

पौलुस सुसमाचार प्रचार में किसको प्रसन्न करना चाहता था?
पौलुस अपने सुसमाचार प्रचार द्वारा परमेश्वर को प्रसन्न करना चाहता था।

पौलुस ने सुसमाचार प्रचार में क्या नहीं किया था?
पौलुस ने न तो चापलूसी की बातें कीं और न ही लोभ का बहाना किया।

1 Thessalonians 2:7

पौलुस जब थिस्सलुनीके था तब उसने उनके साथ कैसा व्यवहार किया था?
पौलुस ने माता या पिता के सदृश्य थिस्सलुनीके के विश्वासियों के साथ अपनेपन का व्यवहार किया था।

1 Thessalonians 2:9

पौलुस और उसके साथियों ने थिस्सलुनीके के विश्वासियों पर बोझ न बनने के लिए क्या किया था?
पौलुस और उसके साथियों ने रात दिन काम धन्धा करते हुए परमेश्वर का सुसमाचार वहां सुनाया था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Thessalonians 2:12

पौलुस थिस्सलुनीके के विश्वासियों को कैसा चाल-चलन रखने के लिए कहां?
पौलुस थिस्सलुनीके के विश्वासियों से कहता है कि वे परमेश्वर के योग्य चाल-चलन रखें जो उन्हे अपने राज्य और महिमा में बुलाता है।

1 Thessalonians 2:13

थिस्सलुनीके के विश्वासियों ने पौलुस के प्रचार को कैसा वचन माना था?
थिस्सलुनीके के विश्वासियों ने वचन को मनुष्यों का नहीं परमेश्वर का मानकर ग्रहण किया था।

1 Thessalonians 2:14

अविश्वासी यहूदियों के किस काम से परमेश्वर प्रसन्न नहीं था?
अविश्वासी यहूदी यहूदिया में कलीसियाओं को सताते थे, उन्होने प्रभु यीशु और भविष्यद्वक्ताओं को मार डाला और पौलुस को बाहर कर दिया था तथा वे पौलुस को अन्यजातियों में प्रचार करने से रोकते थे।

1 Thessalonians 2:17

पौलुस थिस्सलुनीके की कलीसिया के पास चाहते हुए भी क्यों नहीं जा पा रहा था?
पौलुस उनके पास आ नहीं पा रहा था क्योंकि शैतान उसका रास्ता रोक रहा था।

1 Thessalonians 2:19

प्रभु के आने पर थिस्सलुनीके के विश्वासी पौलुस के लिए क्या होंगे?
प्रभु के आने पर थिस्सलुनीके के विश्वासी पौलुस की आशा, आनन्द और बड़ाई का मुकुट होंगे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 इसलिए जब हम से और न रहा गया, तो हमने यह ठहराया कि एथेंस में अकेले रह जाएँ। **2** और हमने तीमुथियुस को जो मसीह के सुसमाचार में हमारा भाई, और परमेश्वर का सेवक है, इसलिए भेजा, कि वह तुम्हें स्थिर करे; और तुम्हारे विश्वास के विषय में तुम्हें समझाए। **3** कि कोई इन क्लेशों के कारण डगमगा न जाए; क्योंकि तुम आप जानते हो, कि हम इन ही के लिये ठहराए गए हैं।

4 क्योंकि पहले भी, जब हम तुम्हारे यहाँ थे, तो तुम से कहा करते थे, कि हमें क्लेश उठाने पड़ेंगे, और ऐसा ही हुआ है, और तुम जानते भी हो। **5** इस कारण जब मुझसे और न रहा गया, तो तुम्हारे विश्वास का हाल जानने के लिये भेजा, कि कहीं ऐसा न हो, कि परीक्षा करनेवाले* ने तुम्हारी परीक्षा की हो, और हमारा परिश्रम व्यर्थ हो गया हो।

6 पर अभी तीमुथियुस ने जो तुम्हारे पास से हमारे यहाँ आकर तुम्हारे विश्वास और प्रेम का समाचार सुनाया और इस बात को भी सुनाया, कि तुम सदा प्रेम के साथ हमें स्मरण करते हो, और हमारे देखने की लालसा रखते हो, जैसा हम भी तुम्हें देखने की। **7** इसलिए हे भाइयों, हमने अपनी सारी सकेती और क्लेश में तुम्हारे विश्वास से तुम्हारे विषय में शान्ति पाई।

8 क्योंकि अब यदि तुम प्रभु में स्थिर रहो तो हम जीवित हैं। **9** और जैसा आनन्द हमें तुम्हारे कारण अपने परमेश्वर के सामने है, उसके बदले तुम्हारे विषय में हम किस रीति से परमेश्वर का धन्यवाद करें? **10** हम रात दिन बहुत ही प्रार्थना करते रहते हैं, कि तुम्हारा मुँह देखें, और तुम्हारे विश्वास की घटी पूरी करें।

11 अब हमारा परमेश्वर और पिता आप ही और हमारा प्रभु यीशु, तुम्हारे यहाँ आने के लिये हमारी अगुआई करे। **12** और प्रभु ऐसा करे, कि जैसा हम तुम से प्रेम रखते हैं; वैसा ही तुम्हारा प्रेम भी आपस में, और सब मनुष्यों के साथ बढ़े, और उन्नति करता जाए, **13** ताकि वह तुम्हारे मनों को ऐसा स्थिर करे, कि जब हमारा प्रभु यीशु अपने सब पवित्र लोगों के साथ आए*, तो वे हमारे परमेश्वर और पिता के सामने पवित्रता में निर्दोष ठहरें। (कुलु. 1:22, इफि. 5:27)

---

1 Thessalonians 3:1

हमसे और न रहा गया
“जब हम तुम्हारी चिन्ता को सहन न कर पाए” “हम” अर्थात पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस, थिस्सलोनिका के विश्वासी नहीं।

एथेन्स में अकेले रह जाएं
सिलवानुस और मैंने एथेन्स में रूक जाना उचित समझा”।

एथेन्स
अखया का एक नगर जो आज यूनान है

हमारा भाई
“हमारा मसीही विश्वासी भाई”

डगमगा न जाए
“कोई पथ भ्रष्ट न हो” या “कोई विचलित न हो”

इन ही के लिए ठहराए गए हैं
यही हमारी नियति है।

1 Thessalonians 3:4

जब हम तुम्हारे साथ थे
“हम” अर्थात पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस

हमें क्लेश उठाने पड़ेंगे।
“लोग हमारे साथ दुर्व्यवहार करेंगे”

जब मुझ से और न रहा गया
“मुझसे” अर्थात पौलुस से। “मैं बहुत अधीर होकर जानना चाहता था”

जब मुझ से और न रहा गया
यह एक मुहावरा है, किसी बात के लिए अधीर होना।

विश्वास का हाल जानने के लिख भेजा
“मैंने तीमुथियुस को भेजा”

व्यर्थ
“निष्फल”

1 Thessalonians 3:6

हमारे पास आकर
पौलुस, सिलवानुस के पास।(देखें:

तुम्हारे विश्वास और प्रेम का सुसमाचार सुनाया
“तुम्हारे विश्वास और प्रेम का समाचार सुनाया”

हमें स्मरण करते हो
“तुम लगातार हमें स्मरण करते हो”

देखने की लालसा रखते हो
“तुम हमसे भेंट करने के लिए उत्सुक हो”

हमने....शान्ति पाई
“मसीह में तुम्हारे विश्वास के बारे में शान्ति पाई” या “मसीह में तुम्हारे सतत् विश्वास के बारे में”

1 Thessalonians 3:8

हम जीवित हैं
“हम अत्यधिक प्रोत्साहित है”

हम जीवित हैं
“हम” अर्थात पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस

तुम प्रभु में स्थिर रहो
यह एक मुहावरा है। “तुम्हारा विश्वास दृढ़ है। (यू.डी.बी.)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हम किस रीति से परमेश्वर का धन्यवाद करें?
यह एक प्रभावोत्वादक प्रश्न है जो कृतज्ञता को व्यक्त करता है। “परमेश्वर ने तुम्हारे लिए जो किया उसके लिए हम परमेश्वर को धन्यवाद देने योग्य भी नहीं। परमेश्वर से प्रार्थना करने समय हम तुम्हारे लिए अत्यधिक आनन्द करते हैं”

रात-दिन
“लगातार”

बहुत कठोर
“उत्साह से प्रार्थना करते है”

तुम्हारा मुंह देखने के लिए
“तुमसे भेंट करें”

1 Thessalonians 3:11

अब हमारा परमेश्वर
“हम प्रार्थना करते हैं कि हमारा परमेश्वर”

हमारा परमेश्वर.... और हमारा प्रभु यीशु
“हमारा” अर्थात् पौलुस का सेवादल और थिस्सलोनिका के विश्वासी।

पिता आप ही
“आप ही” पिता से संदर्भित होने पर बलवर्धन हेतु है।

आने में हमारी अगुआई करे
“ तुम्हारे पास आने में मार्ग तैयार करे” “हमारी अर्थात पौलुस और उसके साथियों की।”

हम तुमसे प्रेम रखते हैं
“हम” अर्थात पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस।

प्रभु ऐसा करे
“हम प्रार्थना करते हैं कि प्रभु करे”

हमारा प्रभु यीशु....आए
“जब यीशु पृथ्वी पर पुनः आएगा”।

अपने सब पवित्र लोगों के साथ
“जो उसके हैं उनके साथ” (यू.डी.बी.)

Translation Questions

1 Thessalonians 3:1

यद्यपि पौलुस एथेन्स में रह गया था, उसने थिस्सलुनीके के विश्वासियों के लिए क्या किया?
पौलुस ने थिस्सलुनीके के विश्वासियों को स्थिर करने और विश्वास के विषय में, समझाने के लिए भेजा था।

1 Thessalonians 3:3

पौलुस के अनुसार वे किस बात के लिए ठहराए गए थे?
पौलुस ने कहां कि क्लेशों के लिए ही ठहराए गए हैं।

1 Thessalonians 3:5

थिस्सलुनीके के विश्वासियों के बारे में पौलुस को क्या चिन्ता थी?
पौलुस को चिन्ता थी कि परीक्षा करनेवाले ने उनकी परीक्षा की हो और उनका परिश्रम व्यर्थ ठहरे।

1 Thessalonians 3:6

पौलुस ने तीमुथियुस के आ जाने पर थिस्सलुनीके के विश्वासियों के बारे में शान्ति क्यों पाई?
पौलुस थिस्सलुनीके के विश्वासियों के विश्वास और प्रेम और उन्हे देखने की लालसा का समाचार सुनकर शान्ति पाई।

1 Thessalonians 3:8

पौलुस कहता है कि थिस्लुनीके के विश्वासी क्या करें कि वह और उसके साथी जीवित रहें?
पौलुस कहता है कि थिस्सलुनीके के विश्वासी प्रभु में स्थिर रहें तो वे जीवित हैं।

1 Thessalonians 3:10

पौलुस दिन रात किस बात के लिए प्रार्थना करता था?
पौलुस थिस्सलुनीके के विश्वासियों से भेंट करने के लिए दिन रात प्रार्थना में लगा रहता था कि उनको विश्वास की घटी पूरी करे।

1 Thessalonians 3:12

पौलुस किस बात में चाहता था कि थिस्सलुनीके के विश्वासी बढ़ें?
पौलुस की मनोकामना थी कि थिस्सलुनीके के विश्वासियों का आपसी प्रेम और वरन् सब मनुष्यों के साथ उनका प्रेम बढ़े।

1 Thessalonians 3:13

पौलुस किस घटना के लिए थिस्सलुनीके के विश्वासियों को पवित्रता में निर्दोष देखना चाहता था?
पौलुस चाहता था कि थिस्सलुनीके के विश्वासी जब प्रभु यीशु अपने सब पवित्र जनों के साथ आए तब वे पवित्रता में निर्दोष पाए जाएं।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 इसलिए हे भाइयों, हम तुम से विनती करते हैं, और तुम्हें प्रभु यीशु में समझाते हैं, कि जैसे तुम ने हम से योग्य चाल चलना, और परमेश्वर को प्रसन्न करना सीखा है, और जैसा तुम चलते भी हो, वैसे ही और भी बढ़ते जाओ। **2** क्योंकि तुम जानते हो, कि हमने प्रभु यीशु की ओर से तुम्हें कौन-कौन से निर्देश पहुँचाए।

3 क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है, कि तुम पवित्र बनो* अर्थात् व्यभिचार से बचे रहो, **4** और तुम में से हर एक पवित्रता और आदर के साथ अपने पात्र* को प्राप्त करना जाने। **5** और यह काम अभिलाषा से नहीं, और न अन्यजातियों के समान, जो परमेश्वर को नहीं जानतीं। **6** कि इस बात में कोई अपने भाई को न ठगे, और न उस पर दाँव चलाए, क्योंकि प्रभु इस सब बातों का पलटा लेनेवाला है; जैसा कि हमने पहले तुम से कहा, और चिताया भी था। (भज. 94:1)

7 क्योंकि परमेश्वर ने हमें अशुद्ध होने के लिये नहीं, परन्तु पवित्र होने के लिये बुलाया है। **8** इसलिए जो इसे तुच्छ जानता है, वह मनुष्य को नहीं, परन्तु परमेश्वर को तुच्छ जानता है, जो अपना पवित्र आत्मा तुम्हें देता है।

9 किन्तु भाईचारे के प्रेम के विषय में यह आवश्यक नहीं, कि मैं तुम्हारे पास कुछ लिखूँ; क्योंकि आपस में प्रेम रखना तुम ने आप ही परमेश्वर से सीखा है; (1 यहू. 3:11, रोम. 12:10) **10** और सारे मकिदुनिया के सब भाइयों के साथ ऐसा करते भी हो, पर हे भाइयों, हम तुम्हें समझाते हैं, कि और भी बढ़ते जाओ, **11** और जैसा हमने तुम्हें समझाया, वैसे ही चुपचाप रहने और अपना-अपना कामकाज* करने, और अपने-अपने हाथों से कमाने का प्रयत्न करो। **12** कि बाहरवालों के साथ सभ्यता से बर्ताव करो, और तुम्हें किसी वस्तु की घटी न हो।

13 हे भाइयों, हम नहीं चाहते, कि तुम उनके विषय में जो सोते हैं, अज्ञानी रहो; ऐसा न हो, कि तुम औरों के समान शोक करो जिन्हें आशा नहीं। **14** क्योंकि यदि हम विश्वास करते हैं, कि यीशु मरा, और जी भी उठा, तो वैसे ही परमेश्वर उन्हें भी जो यीशु में सो गए हैं, उसी के साथ ले आएगा। **15** क्योंकि हम प्रभु के वचन के अनुसार तुम से यह कहते हैं, कि हम जो जीवित हैं, और प्रभु के आने तक बचे रहेंगे तो सोए हुओं से कभी आगे न बढ़ेंगे।

16 क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय ललकार, और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा*, और परमेश्वर की तुरही फूँकी जाएगी, और जो मसीह में मरे हैं, वे पहले जी उठेंगे। **17** तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे, उनके साथ बादलों पर उठा लिए जाएँगे, कि हवा में प्रभु से मिलें, और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे। **18** इसलिए इन बातों से एक दूसरे को शान्ति दिया करो।

---

1 Thessalonians 4:1

हम प्रोत्साहित करते हैं
पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस विनती करते हैं, थिस्सलोनिका के विश्वासी नहीं

जैसा तुमने हमसे.... सीखा है
“जैसी तुम्हें हमने शिक्षा दी है”।

तुम चलते भी हो
चलना अर्थात जीवन-आचरण। “तुम्हें वैसा जीवन आचरण भी रखना है”।

1 Thessalonians 4:3

व्यभिचार से बचे रहो
“यौन सम्बन्धित अनाचार से बचो”

प्राप्त करना जाने
“साथ रहना समझे”

अभिलाषा से नहीं
“अनुचित यौनाचार”

न मनुष्य
“कोई भी व्यक्ति” या “कोई भी जन”

न ठगे.... न दांव चलाए
यह एक ही बात के लिए दो शब्द हैं कि विचार पर बल उत्पन्न हो। वैकल्पिक अनुवाद “अनुचित काम”

प्रभु.... पलटा लेने वाला है
“प्रभु.... अपराधी को दण्ड देगा और जिसके साथ अनुचित किया गया उसकी रक्षा करेगा”।

पहले ही तुम को कहा और चिताया।
“तुम से कहा और कठोर चेतावनी भी दी”

1 Thessalonians 4:7

परमेश्वर ने हमें नहीं बुलाया
“हमें” अर्थात सब विश्वासियों को। (देखें:

जो इसे तुच्छ जानता है
“जो इस शिक्षा को मान प्रदान नहीं करता है” या “जो इस शिक्षा को अनदेखा करता है”

1 Thessalonians 4:9

भाईचारे की प्रीति
“विश्वासियों से प्रेम”

मकिदुनिया के सब भाइयों के साथ ऐसा करते भी हो
“तुम संपूर्ण मकिदुनिया में विश्वासियों से प्रेम करते हो”

समझाते हैं
“प्रयास करते हैं” या “सच्चे दिल से यत्न करते हैं”

अपना-अपना कामकाज करे
अन्यों के काम में हस्तक्षेप मत करो। वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करो”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अपने हाथों से कमाने का प्रयत्न करो
“अपना काम करके जीविका कमाओ”

आदर प्राप्त करो
“सम्मानित एवं योग्य आचरण रखो”

बाहर वालों से
“जो मसीह के विश्वासी नहीं हैं”

“तुम्हें किसी वस्तु की घटी न हो”
“तुम्हें कोई कमी न हो”

1 Thessalonians 4:13

हम नहीं चाहते
“हमारे” अर्थात पौलुस और तीमुथियुस के लिए, कुलुस्से के विश्वासी उसके नहीं गिने गए हैं।

हम नहीं चाहते कि तुम... अज्ञानी रहो।
“हम चाहते हैं कि तुम समझ लो”

शोक न करो
“तुम विलाप न करो”

जिन्हें आशा नहीं
“जो विश्वास नहीं करते उनके समान”

यदि हम विश्वास करते हैं
“हम” अर्थात पौलुस और उसके पाठक

यीशु मरा और जी भी उठा
“सदा जीवित रहने को जीआ”

जो यीशु में सो गया है उसी के साथ आएगा।
“मृतकों को जीवित करके यीशु के साथ ले आया जब यीशु पृथ्वी पर लौट आएगा”।

हम.... तुमसे यह कहते हैं
“हम” अर्थात पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस

प्रभु के आने तक
“प्रभु के पुनः आगमन दिवस तक”

कभी आगे न बढ़ेंगे
“निश्चय ही उनसे पहले न जाएंगे

1 Thessalonians 4:16

प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा
“प्रभु स्वयं नीचे आएगा”

प्रधान दूत
“बड़ा स्वर्गदूत”

जो मसीह में मरे हैं वे पहले जी उठेंगे
“मसीह के मृतक विश्वासी पहले जी उठेंगे”

हम जो जीवित.... रहेंगे
“हम” अर्थात सब विश्वासी

उनके साथ
“उनके” अर्थात जिन विश्वासी मृतकों का पुनरूत्थान हुआ है और मसीह के साथ हैं

बादलों पर उठा लिए जायेंगे कि हवा में प्रभु से मिलें
“आकाश में प्रभु यीशु भेंट करेंगे”

Translation Questions

1 Thessalonians 4:1

पौलुस ने उन्हे जो शिक्षा उन्हे दी थी वे योग्य चाल चलें और परमेश्वर को प्रसन्न करें तो उस शिक्षा से वह क्या आशा करता था?
पौलुस चाहता था कि थिस्सलुनीके के विश्वासी योग्य चाल चलना और परमेश्वर को प्रसन्न करना सीखें वरन उससे भी बढ़कर करें।

1 Thessalonians 4:3

पौलुस थिस्सलुनीके के विश्वासियों के लिए प्रभु की क्या इच्छा प्रकट थी?
पौलुस कहता है कि उनके बारे में परमेश्वर की इच्छा थी कि वे पवित्र बनें।

1 Thessalonians 4:4

पति अपनी पत्नी के साथ कैसा संबन्ध रखें?
पति अपनी पत्नी के साथ पवित्रता और आदर का संबन्ध रखे।

1 Thessalonians 4:6

व्यभिचार में पाप करनेवाले के साथ परमेश्वर क्या करेगा?
जो भाई व्यभिचार में पाप करता है उससे परमेश्वर पलटा लेगा।

1 Thessalonians 4:8

पवित्रता की बुलाहट को तुच्छ समझनेवाला वास्तव में किसे तुच्छ समझता हैं?
जो मनुष्य पवित्रता की बुलाहट को तुच्छ समझता है, वह परमेश्वर को तुच्छ समझता है।

1 Thessalonians 4:9

थिस्सलुनीके के भाई ऐसा क्या कर रहे थे कि पौलुस उस गुण में अधिक वृद्धि चाहता था?
पौलुस चाहता था कि थिस्सलुनीके के भाई एक दूसरे से और भी अधिक प्रेम रखें।

1 Thessalonians 4:11

थिस्सलुनीके के विश्वासियों को क्या करना आवश्यक था कि वे अविश्वासियों के सामने उन्हे आदर मिले और उन्हे किसी बात की कमी न हों?
थिस्सलुनीके के विश्वासियों को चुपचाप रहना, अपना अपना काम काज करना और अपने हाथों से कमाने का प्रयत्न करना था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Thessalonians 4:13

थिस्सलुनीके के विश्वासियों को किस विषय में भ्रम था?
थिस्सलुनीके के विश्वासियों को अपने मृतकों के बारे में भ्रम था।

1 Thessalonians 4:14

जो मसीह में सो गए हैं उनके साथ परमेश्वर क्या करेगा?
जो मसीह में सो गए हैं उन्हे परमेश्वर फिर से मसीह के साथ लाएगा।

1 Thessalonians 4:16

प्रभु स्वर्ग से कैसे उतरेगा?
प्रभु स्वर्ग से एक ललकार के साथ आएगा और स्वर्ग से तुरही फूंकी जाएगी।

पहले कौन उठेगा और फिर उनके साथ कौन उठेगा?
मसीह में जो मृतक हैं वे पहले जी उठेंगे तदोपरान्त जो जीवित हैं उसके साथ बादलों पर उठा लिए जाएंगे।

1 Thessalonians 4:17

उठाए गए विश्वासी किससे भेंट करेंगे और कितनी देर के लिए?
उठाए गए लोग प्रभु से बादलों में भेंट करेंगे और फिर सदैव प्रभु के साथ रहेंगे।

1 Thessalonians 4:18

पौलुस थिस्सलुनीके की कलीसिया को मृतकों के बारे में उसकी शिक्षा के लिए क्या कहां था?
पौलुस थिस्सलुनीके के विश्वासियों से कहां कि वे एक दूसरे को ऐसी बातों से शान्ति दें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 पर हे भाइयों, इसका प्रयोजन नहीं, कि समयों और कालों* के विषय में तुम्हारे पास कुछ लिखा जाए। **2** क्योंकि तुम आप ठीक जानते हो कि जैसा रात को चोर आता है, वैसा ही प्रभु का दिन आनेवाला है। **3** जब लोग कहते होंगे, “कुशल हैं, और कुछ भय नहीं,” तो उन पर एकाएक विनाश आ पड़ेगा, जिस प्रकार गर्भवती पर पीड़ा; और वे किसी रीति से न बचेंगे। (मत्ती 24:37-39)

4 पर हे भाइयों, तुम तो अंधकार में नहीं हो, कि वह दिन तुम पर चोर के समान आ पड़े। **5** क्योंकि तुम सब ज्योति की सन्तान, और दिन की सन्तान हो, हम न रात के हैं, न अंधकार के हैं। **6** इसलिए हम औरों की समान सोते न रहें, पर जागते और सावधान रहें। **7** क्योंकि जो सोते हैं, वे रात ही को सोते हैं, और जो मतवाले होते हैं, वे रात ही को मतवाले होते हैं।

8 पर हम जो दिन के हैं, विश्वास और प्रेम की झिलम पहनकर और उद्धार की आशा का टोप पहनकर सावधान रहें। (यशा. 59:17) **9** क्योंकि परमेश्वर ने हमें क्रोध के लिये नहीं*, परन्तु इसलिए ठहराया कि हम अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा उद्धार प्राप्त करें। **10** वह हमारे लिये इस कारण मरा, कि हम चाहे जागते हों, चाहे सोते हों, सब मिलकर उसी के साथ जीएँ। **11** इस कारण एक दूसरे को शान्ति दो, और एक दूसरे की उन्नति के कारण बनो, निदान, तुम ऐसा करते भी हो।

12 हे भाइयों, हम तुम से विनती करते हैं, कि जो तुम में परिश्रम करते हैं, और प्रभु में तुम्हारे अगुवे हैं, और तुम्हें शिक्षा देते हैं, उन्हें मानो। **13** और उनके काम के कारण प्रेम के साथ उनको बहुत ही आदर के योग्य समझो आपस में मेल-मिलाप से रहो। **14** और हे भाइयों, हम तुम्हें समझाते हैं, कि जो ठीक चाल नहीं चलते, उनको समझाओ, निरुत्साहित को प्रोत्साहित करों, निर्बलों को संभालो, सब की ओर सहनशीलता दिखाओ।

15 देखो के कोई किसी से बुराई के बदले बुराई न करे; पर सदा भलाई करने पर तत्पर रहो आपस में और सबसे भी भलाई ही की चेष्टा करो। (1 पत. 3:9) **16** सदा आनन्दित रहो। **17** निरन्तर प्रार्थना में लगे रहो। **18** हर बात में धन्यवाद करो: क्योंकि तुम्हारे लिये मसीह यीशु में परमेश्वर की यहीं इच्छा है।

19 आत्मा को न बुझाओ। **20** भविष्यद्वाणियों को तुच्छ न जानो। **21** सब बातों को परखो जो अच्छी है उसे पकड़े रहो। **22** सब प्रकार की बुराई से बचे रहो। (फिलि. 4:8)

23 शान्ति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीति से पवित्र करे; तुम्हारी आत्मा, प्राण और देह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक पूरे और निर्दोष सुरक्षित रहें। **24** तुम्हारा बुलानेवाला विश्वासयोग्य है, और वह ऐसा ही करेगा।

25 हे भाइयों, हमारे लिये प्रार्थना करो।

26 सब भाइयों को पवित्र चुम्बन से नमस्कार करो। **27** मैं तुम्हें प्रभु की शपथ देता हूँ, कि यह पत्री सब भाइयों को पढ़कर सुनाई जाए।

28 हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम पर होता रहे।

---

1 Thessalonians 5:1

समयों और कालों
“मसीह के पुनः आगमन का समय” (यू.डी.बी.)

कुछ लिखा जाए
“सही” या “निश्चित”

रात को चोर आता है
जैसे कोई नहीं जानता कि चोर रात में कब आयेगा, उसी प्रकार मसीह के आगमन का समय भी कोई नहीं जानता है। “अकस्मात ही”

लोग कहते होंगे
“जब लोग कहेंगे”

एकाएक विनाश आ पड़ेगा।
“अनापेक्षित विनाश”

जिस प्रकार गर्भवती पर पीड़ा
जैसे गर्भवती की प्रसव पीड़ा अकस्मात आती है और शिशु के जन्म तक नहीं रूकती है, उसी प्रकार विनाश आयेगा और वे बचेंगे नहीं।

1 Thessalonians 5:4

तुम तो अन्धकार में नहीं हो
“इस दुष्ट संसार के मनुष्यों के सदृश्य नहीं हो जो अन्धकार में रहने जैसा है”

कि वह दिन तुम पर चोर के समान आ पड़े
प्रभु के आगमन का दिन तुम्हारे लिए आश्चर्य का दिन नहीं होगा जैसे चोर का आगमन होता है। “तुम्हें सतर्क न पाए”

तुम सब ज्योति की सन्तान हो, हम न रात के हैं न अन्धकार के
“ज्योति की सन्तान” अर्थात मसीह के अनुयायी “रात के” अर्थात अन्य सब सांसारिक जन।

दूसरों के समान सोते न रहें
पौलुस का “सोते” से अभिप्राय है, संसार का न्याय करने क लिए प्रभु के पुनः आगमन से अनभिज्ञ। “हम उन लोगों के सदृश्य न हों जो मसीह के पुनः आगमन से अनभिज्ञ हैं।

इसलिए हम
“हम” अर्थात पौलुस और थिस्सलोनिका के विश्वासी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जागते और सावधान रहो
“हम मसीह के पुनः आगमन के लिए सतर्क रहें और आत्मसंयमी हों”।

जो सोते हैं वे रात ही को सोते हैं।
जिस प्रकार कि मनुष्य रात में अचेत सोता है, वैसे ही संसार है। जिसे मसीह के पुनः आगमन का ज्ञान नहीं है।

जो मतवाले होते हें वे रात ही को मतवाले होते हैं।
पौलुस कहता है कि मनुष्य रात ही में नशे में रहता है वैसे ही मसीह के पुनः आगमन से अनभिज्ञ मनुष्यों का जीवन संयमी नहीं होता है।

1 Thessalonians 5:8

जो दिन के पुत्र हैं
मसीह के विश्वासी।वैकल्पिक अनुवाद: “मसीह के विश्वास” या “ज्योति के लोग”

सावधान रहें
“संयमी हों”

झिलम पहनकर
सैनिक अपनी देह की रक्षा के लिए वक्ष स्त्राण धारण करता है उसी प्रकार विश्वास और प्रेम में रहने वाला विश्वासी भी सुरक्षा पायेगा, “से अपनी आत्मरक्षा करो”

टोप
टोप सैनिक के सिर की रक्षा करता है, उसी प्रकार उद्धार का आश्वासन विश्वासी की रक्षा करता है, “और जान लें”

मसीह के द्वारा उद्धार प्राप्त करें
“उद्धार प्राप्त करें”

चाहे जागते हों चाहे सोते हों
“हम चाहे मृतक हों या जीवित हों”

एक दूसरे की उन्नति का कारण बनो
“एक दूसरे को उत्साहित करो “

1 Thessalonians 5:12

जो तुम में परिश्रम करते हैं.... उनका सम्मान करो
स्थानीय कलीसिया के अगुवों का सम्मान करो और उनको प्रतिष्ठित करो”

जो प्रभु में तुम्हारे अगुवे हैं
विश्वासियों के स्थानीय समुदाय में नियुक्त धर्मवृद्ध एवं पास्टर।

प्रेम के साथ उनको बहुत ही आदर के योग्य समझो
क्योंकि तुम उनके प्रेम करते हो इसलिए उनका सम्मान करते हुए उन्हें प्रतिष्ठा प्रदान करो”

1 Thessalonians 5:15

सदा आनन्दित रहो, निरन्तर प्रार्थना में लगे रहो, हर बात में धन्यवाद करो।
पौलुस विश्वासियो को शिक्षा दे रहा है कि सब बातों में आनन्दित रहने का आत्मिक स्वभाव बनाए रखो, प्रार्थना में सावधानी रखो और सब बातों में धन्यवाद दो।

1 Thessalonians 5:19

आत्मा को न बुझाओ
“पवित्र आत्मा के काम को अपने मध्य बाधित मत करो”।

भविष्यद्वाणी को तुच्छ न जानों
“भविष्यद्वाणी की अवहेलना मत करो” “पवित्र आत्मा किसी को प्रकाशन प्रदान करे तो उससे घृणा मत करो”

सब बातों को परखो
कार्य और शब्द परमेश्वर के आत्मा द्वारा दिए गए है। उन्हें सुनिश्चित करना उचित है कि वह स्वयं वचन हैं।

1 Thessalonians 5:23

इसी रीति से पवित्र करे
“तुम्हें पृथक करे” या “तुम्हें दोषरहित करे कि पाप न करो”

तुम्हारी आत्मा और प्राण और देह
वो समानान्तर शब्द है आत्मा, प्राण और देह बदल देने के लिए काम में लिए गए हैं।

सुरक्षित रहें
“पाप से बचे रहें”

तुम्हारा बुलानेवाला सच्चा है
वैकल्पिक अनुवाद: “जिसने तुम्हें बुलाया है वह विश्वासयोग्य है”

वह ऐसा ही करेगा
“वह तुम्हारी सहायता करेगा”

1 Thessalonians 5:25

मैं तुम्हें प्रभु की शपथ देता हूं
“मैं तुमसे ऐसे कहता हूं जैसे स्वयं प्रभु कह रहा है”।

Translation Questions

1 Thessalonians 5:2

पौलुस के अनुसार प्रभु का दिन कैसे आएगा?
पौलुस कहता है कि प्रभु का दिन एक चोर के समान आएगा।

1 Thessalonians 5:3

जब विनाश अचानक ही आ पड़ेगा तब लोग क्या कह रहे होंगे?
कुछ लोग कहेंगे, "कुशल है और कुछ भय नहीं।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Thessalonians 5:4

पौलुस क्यों कहता है कि प्रभु का दिन विश्वासियों पर चोर की नाई नहीं आएगा?
विश्वासी अन्धकार में नहीं हैं वे ज्योति की सन्तान हैं प्रभु का दिन चोर के समान उनपर न आ पड़ें।

1 Thessalonians 5:6

प्रभु के आनेवाले दिन के बारे में पौलुस विश्वासियों से क्या कहता हैं?
पौलुस विश्वासियों से कहता है कि वे विश्वास और प्रेम की झिलम पहनकर और उद्धार की आशा का टोप पहनकर सावधान रहें।

1 Thessalonians 5:9

विश्वासी परमेश्वर द्वारा किस बात के लिए नियत हैं?
विश्वासी प्रभु यीशु मसीह के माध्यम से परमेश्वर द्वारा उद्धार के लिए नियत हैं।

1 Thessalonians 5:12

पौलुस के अनुसार विश्वासियों को उन शिक्षकों के साथ कैसा व्यवहार करना है जो प्रभु में उनके ऊपर हैं?
पौलुस कहता है कि वे प्रेम के साथ उन्हे बहुत ही आदर के योग्य समझें।

1 Thessalonians 5:15

पौलुस बुराई के बदले क्या करने के लिए मना करता हैं?
पौलुस कहता है कि विश्वासियों को बुराई के बदले बुराई नहीं करनी है।

1 Thessalonians 5:18

पौलुस विश्वासियों को हर बात में क्या करने के लिए कहता है और क्यों?
पौलुस कहता है कि विश्वासी हर बात में धन्यवाद दें क्योंकि उनके लिए परमेश्वर की यही इच्छा है।

1 Thessalonians 5:20

पौलुस विश्वासियों को भविष्यद्वाणियों के बारे में क्या निर्देश देता हैं?
पौलुस विश्वासियों को निर्देश देता है कि वे भविष्यद्वाणियों को तुच्छ न जानें, सब प्रकार की बातों को परखें, जो अच्छी हैं उन्हे पकड़े रहें।

1 Thessalonians 5:23

पौलुस क्या प्रार्थना करता है कि परमेश्वर विश्वासियों के लिए करे?
पौलुस प्रार्थना करता है कि परमेश्वर विश्वासियों को आत्मा, प्राण और देह में पूरी रीति से पवित्र करे।

1 Thessalonians 5:28

पौलुस किस बात के लिए प्रार्थना करता है कि विश्वासियों पर हों?
पौलुस प्रार्थना करता है कि प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह विश्वासियों पर होता रहे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: 2 Thessalonians

2 Thessalonians

Chapter 1

1 पौलुस और सिलवानुस और तीमुथियुस की ओर से थिस्सलुनीकियों की कलीसिया के नाम, जो हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह में है:

2 हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह में तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।

3 हे भाइयों, तुम्हारे विषय में हमें हर समय परमेश्वर का धन्यवाद करना चाहिए, और यह उचित भी है इसलिए कि तुम्हारा विश्वास बहुत बढ़ता जाता है, और आपस में तुम सब में प्रेम बहुत ही बढ़ता जाता है। **4** यहाँ तक कि हम आप परमेश्वर की कलीसिया में तुम्हारे विषय में घमण्ड करते हैं, कि जितने उपद्रव और क्लेश तुम सहते हो, उन सब में तुम्हारा धीरज और विश्वास प्रगट होता है। **5** यह परमेश्वर के सच्चे न्याय का स्पष्ट प्रमाण है; कि तुम परमेश्वर के राज्य के योग्य ठहरो, जिसके लिये तुम दुःख भी उठाते हो*।

6 क्योंकि परमेश्वर के निकट यह न्याय है, कि जो तुम्हें क्लेश देते हैं, उन्हें बदले में क्लेश दे। **7** और तुम जो क्लेश पाते हो, हमारे साथ चैन दे; उस समय जब कि प्रभु यीशु अपने सामर्थी स्वर्गदूतों के साथ, धधकती हुई आग में स्वर्ग से प्रगट होगा। (यहू. 1:14-15, प्रका. 14:13) **8** और जो परमेश्वर को नहीं पहचानते, और हमारे प्रभु यीशु के सुसमाचार को नहीं मानते उनसे पलटा लेगा। (भज. 79:6, यशा. 66:15, यिर्म. 10:25)

9 वे प्रभु के सामने से, और उसकी शक्ति के तेज से दूर होकर* अनन्त विनाश का दण्ड पाएँगे। (प्रका. 21:8, मत्ती 25:41,46, यशा. 2:19,21) **10** यह उस दिन होगा, जब वह अपने पवित्र लोगों में महिमा पाने, और सब विश्वास करनेवालों में आश्चर्य का कारण होने को आएगा; क्योंकि तुम ने हमारी गवाही पर विश्वास किया। (1 थिस्स. 2:13, 1 कुरि. 1:6, भज. 89:7, यशा. 49:3)

11 इसलिए हम सदा तुम्हारे निमित्त प्रार्थना भी करते हैं, कि हमारा परमेश्वर तुम्हें इस बुलाहट के योग्य समझे, और भलाई की हर एक इच्छा, और विश्वास के हर एक काम को सामर्थ्य सहित पूरा करे, **12** कि हमारे परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह के अनुसार हमारे प्रभु यीशु का नाम तुम में महिमा पाए, और तुम उसमें। (यशा. 24:15, यशा. 66:5, 1 पत. 1:7-8)

---

2 Thessalonians 1:1

तुम्हें
“तुम्हें” अर्थात थिस्सलुनीकियों की कलीसिया के विश्वासियों को

सिलवानुस
“सिलवानुस” सिलास के लिए लातीनी शब्द है। यह वह सिलास है जो प्रेरितों के काम की पुस्तक में पौलुस के साथ प्रचार यात्राओं में था।

2 Thessalonians 1:3

हमे करना चाहिए
"हमे" अर्थात पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस के लिए था न की थिस्सलुनीकियों के लिए।

हमें हर समय परमेश्वर का धन्यवाद करना चाहिए।
“परमेश्वर का लगातार धन्यवाद करना चाहिए”

यह उचित भी है
“क्योंकि ऐसा करना उचित है” या “यह सही है”

आपस में
“अपने विश्वासी भाइयों-बहनों के प्रति”

तुम्हारे विषय में
“तुम्हारे” अर्थात थिस्सलोनिका के विश्वासी

हम आप
यह कर्ता संबन्धित सर्वनाम है जो पौलुस के गर्व करने पर बल देता है। कुछ अनुवादों में केवल “हम” है।

उपद्रव और क्लेश तुम सहते हो
उपद्रव और क्लेश तुम सहते हो दो विभिन्न शब्दों द्वारा एक ही तथ्य को व्यक्त किया गया है कि वे घोर कष्टों में थे।

तुम परमेश्वर के राज्य के योग्य ठहरोगे
“कि परमेश्वर तुम्हें अपने राज्य में महत्त्वपूर्ण समझे”

2 Thessalonians 1:6

परमेश्वर के निकट यह न्याय है
“परमेश्वर खरा है” या “परमेश्वर न्यायनिष्ठ है”

और तुम्हें चैन मिले
पद लोप का यह उद्धारण “बदले में परमेश्वर उक्ति को काम में नही ले रहा है। इसका अनुवाद इस प्रकार होता है, बदले में परमेश्वर तुम्हें शान्ति दे”।

सामर्थी दूतों
“परमेश्वर के महा सामर्थी स्वर्गदूत”

धधकती हुई आग में स्वर्ग से प्रकट होगा
“वह प्रचण्ड अग्नि में दण्ड देगा” (यू.डी.बी.) “प्रभु यीशु प्रचण्ड अग्नि से दण्ड देगा”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

2 Thessalonians 1:9

वे दुख पाएंगे
“वे जो शुभ सन्देश पर नहीं चलते दण्ड पाएंगे”

अनन्त विनाश
“आशारहित विनाश की अनन्त प्रक्रिया”

उस दिन जब यीशु आएगा
जब यीशु प्रभु के दिन आएगा

अपने पवित्र लोगों में महिमा पाने
इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है, “यीशु के विश्वासी उसकी महिमा करेंगे”

आश्चर्य का कारण
“चकित होने” या “श्रद्धा से मर जाने”

तुमने
थिस्सलोनिका के विश्वासियों को

2 Thessalonians 1:11

इसीलिए हम प्रार्थना भी करते हैं।
“हम प्रार्थना भी करते हैं”

हम
“हम” अर्थात पौलुस सिलवानुस और तीमुथियुस

हम सदा तुम्हारे लिए प्रार्थना भी करते हैं
“बार-बार”

तुम्हें
बहुवचन सर्वनाम है अर्थात थिस्सलोनिका के विश्वासियों के लिए।

इच्छा... के हर काम को... पूरा करे
“तुम्हारी इच्छा के कामों को हर प्रकार से उत्तम रीति से करने में समर्थ हो”

प्रभु यीशु का नाम तुम में महिमा पाए
“कि तुम हमारे प्रभु यीशु के नाम का महिमान्वन करो”।

और तुम उस में
“और यीशु तुम्हें महिमान्वित करे”

परमेश्वर के .... अनुग्रह के अनुसार
“हमारे परमेश्वर के अनुग्रह के कारण”

Translation Questions

2 Thessalonians 1:3

थिस्सलुनीके की कलीसिया में कौन सी दो बातों के लिए पौलुस परमेश्वर को धन्यवाद कहता था?
उनके विश्वास के बढ़ते जाने और आपसी प्रेम की वृद्धि के लिए पौलुस परमेश्वर को धन्यवाद कहता है।

2 Thessalonians 1:4

थिस्सलुनीके नगर में विश्वासी कैसी परिस्थिति को सहन कर रहे थे?
विश्वासी उपद्रव और क्लेश सह रहे थे।

2 Thessalonians 1:5

विश्वासी जिन परिस्थितियों को सह रहे थे उसका सकारात्मक परिणाम क्या होगा?
विश्वासी परमेश्वर के राज्य के योग्य गिने जाएंगे।

2 Thessalonians 1:6

परमेश्वर विश्वासियों को सतानेवालों के साथ क्या करेगा?
परमेश्वर उन लोगों को दण्ड देगा जो विश्वासियों को सताते हैं उन्हे धधकती हुई आग से दण्ड दिया जाएगा।

2 Thessalonians 1:7

विश्वासी क्लेश से कब चैन पाएंगे?
जब मसीह यीशु स्वर्ग से प्रकट होगा तब विश्वासी चैन पाएंगे।

2 Thessalonians 1:9

जो परमेश्वर को नहीं जानते उनका दण्ड कैसा होगा?
जो परमेश्वर को नहीं जानते उनका दण्ड अनन्त होगा।

जो परमेश्वर को नहीं जानते दण्ड स्वरूप कहां से अलग कर दिए जाएंगे?
जो परमेश्वर को नहीं जानते वे दण्ड स्वरूप प्रभु की उपस्थिति से अलग किए जाएंगे।

2 Thessalonians 1:10

जब विश्वासी मसीह को उसके दिन आता देखेंगे तब वे क्या करेंगे?
जब मसीह आएगा तब वह विश्वासियों के लिए आश्चर्य का कारण होगा।

2 Thessalonians 1:11

परमेश्वर के सामर्थ्य में विश्वासी जो भले काम करते हैं उसका परिणाम क्या होगा?
उनके भले कामों का परिणाम होगा कि प्रभु यीशु मसीह के नाम की महिमा होगी।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 हे भाइयों, हम अपने प्रभु यीशु मसीह के आने, और उसके पास अपने इकट्ठे होने के विषय में तुम से विनती करते हैं। **2** कि किसी आत्मा, या वचन, या पत्री के द्वारा जो कि मानो हमारी ओर से हो, यह समझकर कि प्रभु का दिन आ पहुँचा है, तुम्हारा मन अचानक अस्थिर न हो जाए; और न तुम घबराओ।

3 किसी रीति से किसी के धोखे में न आना क्योंकि वह दिन न आएगा, जब तक विद्रोह नहीं होता, और वह अधर्मी पुरुष अर्थात् विनाश का पुत्र प्रगट न हो। **4** जो विरोध करता है, और हर एक से जो परमेश्वर, या पूज्य कहलाता है, अपने आप को बड़ा ठहराता है, यहाँ तक कि वह परमेश्वर के मन्दिर में बैठकर अपने आप को परमेश्वर प्रगट करता है। (यहे. 28:2, दानि. 11:36-37)

5 क्या तुम्हें स्मरण नहीं, कि जब मैं तुम्हारे यहाँ था, तो तुम से ये बातें कहा करता था? **6** और अब तुम उस वस्तु को जानते हो, जो उसे रोक रही है, कि वह अपने ही समय में प्रगट हो। **7** क्योंकि अधर्म का भेद अब भी कार्य करता जाता है, पर अभी एक रोकनेवाला है, और जब तक वह दूर न हो जाए, वह रोके रहेगा।

8 तब वह अधर्मी प्रगट होगा, जिसे प्रभु यीशु अपने मुँह की फूँक से मार डालेगा*, और अपने आगमन के तेज से भस्म करेगा। (अय्यू. 4:9, यशा. 11:4) **9** उस अधर्मी का आना शैतान के कार्य के अनुसार सब प्रकार की झूठी सामर्थ्य, चिन्ह, और अद्भुत काम के साथ। **10** और नाश होनेवालों के लिये अधर्म के सब प्रकार के धोखे के साथ होगा; क्योंकि उन्होंने सत्य के प्रेम को ग्रहण नहीं किया जिससे उनका उद्धार होता।

11 और इसी कारण परमेश्वर उनमें एक भटका देनेवाली सामर्थ्य को भेजेगा ताकि वे झूठ पर विश्वास करें*। **12** और जितने लोग सत्य पर विश्वास नहीं करते, वरन् अधर्म से प्रसन्न होते हैं, सब दण्ड पाएँ।

13 पर हे भाइयों, और प्रभु के प्रिय लोगों चाहिये कि हम तुम्हारे विषय में सदा परमेश्वर का धन्यवाद करते रहें, कि परमेश्वर ने आदि से तुम्हें चुन लिया; कि आत्मा के द्वारा पवित्र बनकर, और सत्य पर विश्वास करके उद्धार पाओ। (इफि. 1:4-5, 1 पत. 1:1-5, व्य. 33:12) **14** जिसके लिये उसने तुम्हें हमारे सुसमाचार के द्वारा बुलाया, कि तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह की महिमा को प्राप्त करो। **15** इसलिए, हे भाइयों, स्थिर रहो; और जो शिक्षा तुमने हमारे वचन या पत्र के द्वारा प्राप्त किया है, उन्हें थामे रहो।

16 हमारा प्रभु यीशु मसीह आप ही, और हमारा पिता परमेश्वर जिस ने हम से प्रेम रखा, और अनुग्रह से अनन्त शान्ति और उत्तम आशा दी है। **17** तुम्हारे मनों में शान्ति दे*, और तुम्हें हर एक अच्छे काम, और वचन में दृढ़ करे।।

---

2 Thessalonians 2:1

अब
“अब” प्रसंग में परिवर्तन का प्रतीक है

तुमसे विनती करते हैं
“मैं तुमसे आग्रह करता हूं”। (यू.डी.बी.)

हम विनती करते हैं
“हम” अर्थात् पौलुस सिलवानुस और तीमुथियुस

तुम
“तुम” अर्थात थिस्सलोनिका के विश्वासी

तुम्हारा मन अचानक अस्थिर न हो जाए
यह घटनाएं तुम्हारा मन विचलित न कर दें

वचन, या पत्री के द्वारा, जो कि मानों हमारी ओर से हो
“किसी बात या पत्र को हमारी ओर से मानकर”

यह समझकर
“कि तुम्हें निर्देश दे रहा है”

2 Thessalonians 2:3

धोखे में न आना
थिस्सलोनिका के विश्वासियों को

वह दिन न आएगा।
“प्रभु का दिन नहीं आएगा”

और पाप का पुत्र प्रगट न हो
“परमेश्वर विनाश के पुत्र को प्रकट न करे”

विनाश का पुत्र
“जो यथासंभव सब कुछ नष्ट कर देगा” या “विनाशक” वह अपने पिता, शैतान की आज्ञा मानेगा

हर एक से जो ईश्वर का पूज्य कहलाता है
“हर एक वस्तु जिसकी मनुष्य पूजा करते हैं”

2 Thessalonians 2:5

क्या तुम्हें स्मरण नहीं
इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा विश्वासियों को पौलुस की शिक्षाओं का स्मरण करवाया गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे पूरा विश्वास है कि तुम्हें स्मरण है”।

क्या तुम्हें नहीं
“तुम्हें” अर्थात थिस्सलोनिका के विश्वासियों को

इन बातों को
यीशु के पुनः आगमन की बातें तथा पाप के पुरूष के बारे में चर्चा

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

वह अपने ही समय में प्रकट हो
“वह अपने समय पर प्रगट होगा” - जब तब परमेश्वर पाप के पुरूष को प्रकट करने का निर्णय न ले।

अधर्म का भेद
एक ऐसा मर्म जो मनुष्य अपनी बुद्धि से समझ नहीं सकता, केवल परमेश्वर के प्रकाशन से ज्ञात होता है।

2 Thessalonians 2:8

तब वह अधर्मी प्रकट होगा
“तब परमेश्वर उस पाप के पुरूष को प्रकट करेगा।” यह मसीह विरोधी का एक और नाम है

अपने मुंह की फूंक से
“उसके वचन के सामर्थ्य से”

अपने आगमन के तेज से भस्म करेगा
जब यीशु लौटकर आएगा तब वह उस पाप के पुरूष को नष्ट कर देगा।

पाप के पुरूष का आगमन शैतान के काम के लिए होगा
झूठी सामर्थ्य और चिन्ह और अद्भुत काम

2 Thessalonians 2:11

इसी कारण
“मनुष्यों द्वारा सत्य से प्रेम न करने के कारण

परमेश्वर उनमें भटका देनेवाली सामर्थ्य भेजेगा
“परमेश्वर उस पाप के पुरूष को मनुष्य को धोखा देने की अनुमति देगा”

वे सब दण्ड पाएं
“परमेश्वर उन सबको दण्ड देगा”

2 Thessalonians 2:13

परन्तु
"परन्तु" अब प्रसंग में परिवर्तन आता है

हम सदा परमेश्वर का धन्यवाद करते रहें।
“हमें बार-बार धन्यवाद देना है”

हम
हम अर्थात् पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस

तुम
“तुम्हें” बहुवचन है और थिस्सलोनिका के विश्वासियों के लिए है।

प्रभु के प्रिय लोगों
“भाइयों, प्रभु तुमसे प्रेम करता है”।

आदि से तुम्हें चुन लिया
“विश्वास करने वालों में प्रथम (यू.डी.बी.)

आत्मा के द्वारा पवित्र बन कर
“कि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार करके आत्मा के माध्यम से तुम्हें अपने लिए पृथक करे” (यू.डी.बी.)

सत्य की प्रतीति करके
“सत्य में विश्वास करो” या “सत्य पर भरोसा करके”

जो-जो बातें मसीह के सत्य के बारे में पौलुस एवं अन्य प्रेरितों द्वारा
ये परम्पराएं वे शिक्षाएं है जो पौलुस और सम्भवत: अन्य प्रेरितों द्वारा मसीह के सत्यों वे, बारे में उन्हें सोंपी गई थी।

सीखी हैं
“हमने तुम्हें सिखाई है” (यू.डी.बी)

वचन या पत्रों
हमने जो कहकर सिखाया या पत्र लिखकर सिखाया

2 Thessalonians 2:16

अब
प्रसंग में परिवर्तन

हमारा प्रभु यीशु मसीह... जिसने हमसे प्रेम रखा... आशा ही है
“हमारा” और “हमसे” अर्थात पौलुस के पाठक

प्रभु यीशु मसीह आप ही
“आप ही” प्रभु यीशु के उल्लेख पर बल देने के लिए

तुम्हारे
यह बहुवचन शब्द थिस्सलोनिका की कलीसिया के विश्वासियों के संदर्भ में है।

तुम्हारे मनों में शान्ति दे और दृढ़ करे
“तुम्हें शान्ति देकर दृढ़ करे”

Translation Questions

2 Thessalonians 2:1

पौलुस किस घटना के बारे में लिखने की चर्चा करता है?
पौलुस कहता है कि अब वह मसीह यीशु के आने के बारे में लिखेगा।

2 Thessalonians 2:2

पौलुस उन्हे किस बात पर विश्वास करने से मना करता है?
पौलुस ने उनसे कहा कि वे विश्वास न करें कि प्रभु का दिन आ गया है।

2 Thessalonians 2:3

पौलुस प्रभु के दिन के पूर्व किस घटना की चर्चा करता है?
प्रभु के दिन से पूर्व धर्म का त्याग होगा और पाप का पुरुष अर्थात विनाश का पत्र प्रकट होगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

2 Thessalonians 2:4

वह विरोधी क्या करेंगा?
वह विरोधी स्वयं को परमेश्वर से बड़ा ठहराएगा और परमेश्वर के मन्दिर में बैठकर अपने आपको ईश्वर ठहराएगा।

2 Thessalonians 2:6

वह अधर्मी कब प्रकट होगा?
वह अपने समय में प्रकट होगा क्योंकि अभी एक रोकनेवाला है।

2 Thessalonians 2:8

यीशु प्रकट होकर उस अधर्मी का क्या करेगा?
जब यीशु प्रकट होगा तब वह उस अधर्मी को भस्म कर देगा।

2 Thessalonians 2:9

उस अधर्मी को सामर्थ्य, चिन्ह और अद्भुत कामों की शक्ति कौन देगा?
शैतान उस अधर्मी को सामर्थ्य, चिन्ह और अद्भुत काम की शक्ति देगा।

2 Thessalonians 2:10

कुछ लोग उस अधर्मी से धोखा क्यों खाएंगे?
कुछ लोग उस अधर्मी से धोखा खाएंगे क्योंकि उन्होने सत्य के प्रेम को ग्रहण नहीं किया जिस से उन का उद्धार होता।

2 Thessalonians 2:12

जो धोखा खाएंगे और विनाश होंगे वे किस बात पर प्रसन्न होगें?
जो धोखा खाएंगे और विनाश होंगे वे अर्धम से प्रसन्न होंगे।

2 Thessalonians 2:13

परमेश्वर ने थिस्सलुनीके के विश्वासियों के लिए सुसमाचार के द्वारा आरंभ ही से क्या चुन लिया था?
परमेश्वर ने थिस्सलुनीके के विश्वासियों को आदि ही से चुन लिया था कि सुसमाचार के द्वारा मसीह की महिमा प्राप्त करें।

2 Thessalonians 2:15

थिस्सलुनीके के विश्वासियों ने सुसमाचार तो ग्रहण कर लिया है अब आगे पौलुस उनसे क्या करने के लिए कहता है?
पौलुस थिस्सलुनीके के विश्वासियों से कहता है कि वे स्थिर रहें और जो शिक्षाएं पौलुस से पाई हैं उन्हे थामे रहें।

2 Thessalonians 2:17

पौलुस थिस्सलुनीके के विश्वासियों से किस बात में मन में स्थिर रहने की मनोकामना रखता है?
पौलुस की मनोकामना है कि थिस्सलुनीके के विश्वासी हर एक अच्छे काम और वचन में दृढ़ रहें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 निदान, हे भाइयों, हमारे लिये प्रार्थना किया करो, कि प्रभु का वचन ऐसा शीघ्र फैले, और महिमा पाए, जैसा तुम में हुआ। **2** और हम टेढ़े और दुष्ट मनुष्यों से
बचे रहें क्योंकि हर एक में विश्वास नहीं। **3** परन्तु प्रभु विश्वासयोग्य है*; वह तुम्हें दृढ़ता से स्थिर करेगा: और उस दुष्ट से सुरक्षित रखेगा।

4 और हमें प्रभु में तुम्हारे ऊपर भरोसा है, कि जो-जो आज्ञा हम तुम्हें देते हैं, उन्हें तुम मानते हो, और मानते भी रहोगे। **5** परमेश्वर के प्रेम और मसीह के धीरज
की ओर प्रभु तुम्हारे मन की अगुआई करे।

6 हे भाइयों, हम तुम्हें अपने प्रभु यीशु मसीह के नाम से आज्ञा देते हैं; कि हर एक ऐसे भाई से अलग रहो, जो आलस्य में रहता है, और जो शिक्षा तुमने हम से
पाई उसके अनुसार नहीं करता। **7** क्योंकि तुम आप जानते हो, कि किस रीति से हमारी सी चाल चलनी चाहिए; क्योंकि हम तुम्हारे बीच में आलसी तरीके से न
चले। **8** और किसी की रोटी मुफ़्त में न खाई; पर परिश्रम और कष्ट से रात दिन काम धन्धा करते थे, कि तुम में से किसी पर भार न हो। **9** यह नहीं, कि हमें
अधिकार नहीं; पर इसलिए कि अपने आप को तुम्हारे लिये आदर्श ठहराएँ, कि तुम हमारी सी चाल चलो।

10 और जब हम तुम्हारे यहाँ थे, तब भी यह आज्ञा तुम्हें देते थे, कि यदि कोई काम करना न चाहे, तो खाने भी न पाए। **11** हम सुनते हैं, कि कितने लोग तुम्हारे
बीच में आलसी चाल चलते हैं; और कुछ काम नहीं करते, पर औरों के काम में हाथ डाला करते हैं*। **12** ऐसों को हम प्रभु यीशु मसीह में आज्ञा देते और
समझाते हैं, कि चुपचाप काम करके अपनी ही रोटी खाया करें।

13 और तुम, हे भाइयों, भलाई करने में साहस न छोड़ो। **14** यदि कोई हमारी इस पत्री की बात को न माने, तो उस पर दृष्टि रखो; और उसकी संगति न करो,
जिससे वह लज्जित हो; **15** तो भी उसे बैरी मत समझो पर भाई जानकर चिताओ।

16 अब प्रभु जो शान्ति का सोता है आप ही तुम्हें सदा और हर प्रकार से शान्ति दे: प्रभु तुम सब के साथ रहे। **17** मैं पौलुस अपने हाथ से* नमस्कार लिखता हूँ।
हर पत्री में मेरा यही चिन्ह है: मैं इसी प्रकार से लिखता हूँ। **18** हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम सब पर होता रहे।

---

2 Thessalonians 3:1

और अब
प्रसंग में परिवर्तन का प्रतीक है

हमारे लिए प्रार्थना किया करो कि... हम
“हमारे” और “हम” पौलुस सिलवानुस और तीमुथियुस के लिए हैं-पाठक नहीं

प्रभु का वचन फैल जाए
कि अधिकाधिक मनुष्य प्रभु यीशु की चर्चा सुनें

महिमा पाए
कि मनुष्य मसीह यीशु के समाचार को मान प्रदान करें

दृढ़ता से स्थिर करेगा
थिस्सलोनिका के विश्वासियों को

सुरक्षित रखेगा
“परमेश्वर हमारी रक्षा करेगा” या “परमेश्वर हमें बचाएगा”

कौन तुम्हें दृढ़ता से स्थिर करेगा
“वह तुम्हें शक्ति देगा”

उस दुष्ट से
“शैतान से”

2 Thessalonians 3:4

प्रभु में
“प्रभु से जुड़े हुओं” (यू.डी.बी.)

हमें
हमें - "हमें अर्थात पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस

ऊपर
बारे में

तुम
थिस्सलोनिका के विश्वासियों के विषय

तुम और मन की अगुआई करे
सब विश्वासियों की अगुआई करे। “तुम्हारे मन का मार्गदर्शन करे”

2 Thessalonians 3:6

अब
यहां से एक नया प्रसंग आरंभ होता है।

हम तुम्हें आज्ञा देते हैं.... हमसे
“हम” “हम से” अर्थात पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस से।

हम तुम्हें आज्ञा देते हैं.... अलग रहो
अर्थात थिस्सलोनिका के विश्वासी

हम तुम्हें आज्ञा देते हैं
“हम तुम्हें आदेश देते है” या “हम तुम्हें आज्ञा देते है”

हमारा प्रभु
“अपने” में थिस्सलोनिका के विश्वासी भी हैं।

कोई काम करवाना चाहे
“आलसी है या रोजगार कमाना नहीं चाहता।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हमारी सी चाल चलो
“हमारा अनुकरण करो”

रात दिन काम धन्धा किया
“हमने कठोर परिश्रम करके”

यह नहीं कि हमें अधिकार नहीं
“हमें अधिकार है”

2 Thessalonians 3:10

हम
“हम” अर्थात पौलुस, सिलवानुस, तीमुथियुस

तुम
अर्थात थिस्सलोनिका के विश्वासियों के मध्य।

काम करना न चाहे
काम करना न चाहे - “आलसी” या “कामचोर”

चुपचाप
“शान्ति के साथ”

2 Thessalonians 3:13

परन्तु
परन्तु -"परन्तु" आलसी विश्वासियों और परिश्रमी विश्वासियों में विषमता का प्रतीक

तुम
तुम थिस्सलोनिका के विश्वासी

साहस न छोड़ों
यह निराश न होने के लिए एक मुहावरा है।

उस पर दृष्टि रखो
“उसे सबके समक्ष उभारो” (यू.बी.डी.)

2 Thessalonians 3:16

प्रभु जो शान्ति का सोता है आप ही
“आप” शान्ति के प्रभु के काम पर बल देता है

तुम
तुम थिस्सलोनिका के विश्वासियों के साथ (देखें:

मैं पौलुस अपने हाथ से नमस्कार लिखता हूं
“मैं पौलुस रूप में नमस्कार लिख रहा हूं।

Translation Questions

2 Thessalonians 3:1

प्रभु के वचन के बारे में पौलुस थिस्सलुनीके के विश्वासियों से क्या प्रार्थना निवेदन करता है?
पौलुस चाहता है कि थिस्सलुनीके के विश्वासी प्रार्थना करें कि प्रभु का वचन शीघ्र फैले और महिमा पाए।

2 Thessalonians 3:2

पौलुस किससे बचे रहने की इच्छा रखता है?
पौलुस की यही इच्छा है कि वे टेढ़े और दुष्ट मनुष्यों से बचे रहें जिनमें विश्वास नहीं है।

2 Thessalonians 3:4

पौलुस थिस्सलुनीके के विश्वासियों से क्या करते रहने के लिए कहता है?
पौलुस थिस्सलुनीके के विश्वासियों से कहता है कि उसने उन्हे जो जो आज्ञा दी हैं, उन्हे वे मानते रहेंगे।

2 Thessalonians 3:6

विश्वासी अनुचित चाल चलने वाले हर एक भाई के साथ कैसा व्यवहार करें?
उन विश्वासियों से पौलुस ने कहां कि अनुचित चाल चलने वाले भाई से वे अलग रहें।

2 Thessalonians 3:7

पौलुस ने जीवन निर्वाह और सहयोग के लिए उनके समक्ष कैसा आदर्श जीवन रखा गया?
पौलुस ने दिन रात परिश्रम करके अपने भोजन का प्रबन्ध किया और किसी पर बोझ नहीं बना।

2 Thessalonians 3:10

जो काम करना न चाहे उसके लिए पौलुस क्या कहता है?
पौलुस ने आज्ञा दी कि जो काम नहीं करता वह खाने भी न पाए।

2 Thessalonians 3:12

आलसी रहने की अपेक्षा पौलुस की आज्ञा के अनुसार ऐसे लोगों को क्या करना चाहिए?
पौलुस काम नहीं करने वालों को आज्ञा देता और समझाता था कि वे चुपचाप काम करके अपनी ही रोटी खाया करें।

2 Thessalonians 3:14

जो भाई पौलुस के निर्देशों का पालन न करें उनके साथ कैसा व्यवहार किया जाए?
जो इस पत्र में लिखे पौलुस के निर्देशों को न मानें तो वे उसके साथ संगति न रखें।

2 Thessalonians 3:16

पौलुस क्या कामना करता है कि परमेश्वर थिस्सलुनीके के विश्वासियों को प्रदान करें?
पौलुस की मनोकामना है कि प्रभु थिस्सलुनीके के विश्वासियों को हर प्रकार की शान्ति दे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

2 Thessalonians 3:17

पौलुस ने कैसे प्रकट किया कि वही लेखक है?
पौलुस ने अपने हाथों से अभिवादन लिखा कि वही लेखक है।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: 1 Timothy

1 Timothy

Chapter 1

1 पौलुस की ओर से जो हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर, और हमारी आशा के आधार मसीह यीशु की आज्ञा से मसीह यीशु का प्रेरित है, **2** तीमुथियुस के नाम जो विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र है: पिता परमेश्वर, और हमारे प्रभु मसीह यीशु की ओर से, तुझे अनुग्रह और दया, और शान्ति मिलती रहे।

3 जैसे मैंने मकिदुनिया को जाते समय तुझे समझाया था, कि इफिसुस में रहकर कुछ लोगों को आज्ञा दे कि अन्य प्रकार की शिक्षा न दें, **4** और उन कहानियों और अनन्त वंशावलियों पर मन न लगाएँ*, जिनसे विवाद होते हैं; और परमेश्वर के उस प्रबन्ध के अनुसार नहीं, जो विश्वास से सम्बन्ध रखता है; वैसे ही फिर भी कहता हूँ।

5 आज्ञा का सारांश यह है कि शुद्ध मन और अच्छे विवेक, और निष्कपट विश्वास से प्रेम उत्पन्न हो। **6** इनको छोड़कर कितने लोग फिरकर बकवाद की ओर भटक गए हैं, **7** और व्यवस्थापक तो होना चाहते हैं, पर जो बातें कहते और जिनको दृढ़ता से बोलते हैं, उनको समझते भी नहीं। **8** पर हम जानते हैं कि यदि कोई व्यवस्था को व्यवस्था की रीति पर काम में लाए तो वह भली है।

9 यह जानकर कि व्यवस्था धर्मी जन के लिये नहीं पर अधर्मियों, निरंकुशों, भक्तिहीनों, पापियों, अपवित्रों और अशुद्धों, माँ-बाप के मारनेवाले, हत्यारों, **10** व्यभिचारियों, पुरुषगामियों, मनुष्य के बेचनेवालों, झूठ बोलनेवालों, और झूठी शपथ खानेवालों, और इनको छोड़ खरे उपदेश के सब विरोधियों के लिये ठहराई गई है। **11** यही परमधन्य परमेश्वर की महिमा के उस सुसमाचार के अनुसार है, जो मुझे सौंपा गया है।

12 और मैं अपने प्रभु मसीह यीशु का, जिस ने मुझे सामर्थ्य दी है, धन्यवाद करता हूँ; कि उसने मुझे विश्वासयोग्य समझकर अपनी सेवा के लिये ठहराया। **13** मैं तो पहले निन्दा करनेवाला, और सतानेवाला, और अंधेर करनेवाला था; तो भी मुझ पर दया हुई, क्योंकि मैंने अविश्वास की दशा में बिन समझे बूझे ये काम किए थे। **14** और हमारे प्रभु का अनुग्रह उस विश्वास और प्रेम के साथ जो मसीह यीशु में है, बहुतायत से हुआ।

15 यह बात सच और हर प्रकार से मानने के योग्य है कि मसीह यीशु पापियों का उद्धार करने के लिये जगत में आया, जिनमें सबसे बड़ा मैं हूँ। **16** पर मुझ पर इसलिए दया हुई कि मुझ सबसे बड़े पापी में यीशु मसीह अपनी पूरी सहनशीलता दिखाए, कि जो लोग उस पर अनन्त जीवन के लिये विश्वास करेंगे, उनके लिये मैं एक आदर्श बनूँ। **17** अब सनातन राजा अर्थात् अविनाशी* अनदेखे अद्वैत परमेश्वर का आदर और महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन।

18 हे पुत्र तीमुथियुस, उन भविष्यद्वाणियों के अनुसार जो पहले तेरे विषय में की गई थीं, मैं यह आज्ञा सौंपता हूँ, कि तू उनके अनुसार अच्छी लड़ाई को लड़ता रह। **19** और विश्वास और उस अच्छे विवेक को थामे रह जिसे दूर करने के कारण कितनों का विश्वास रूपी जहाज डूब गया। **20** उन्हीं में से हुमिनयुस और सिकन्दर हैं जिन्हें मैंने शैतान को सौंप दिया कि वे निन्दा करना न सीखें।

---

1 Timothy 1:1

पौलुस
“पौलुस की ओर से” या “मैं ,पौलुस, यह पत्र लिख रहा हूँ”।

की आज्ञा से
“के आदेश से” या “के अधिकार से” या “क्योंकि परमेश्वर ने मुझे प्रेरित होने की आज्ञा दी है”

हमारे.... हमारे
पौलुस, तीमुथियुस और संभवतः अन्य विश्वासी भी।

हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर
“परमेश्वर जिसने हमारा उद्धार किया है”

हमारी आशा मसीह यीशु
“मसीह यीशु, जो हमारी आशा है” या “मसीह यीशु जिसमें हम भविष्य के लिए विश्वास करते हैं।"

तीमुथियुस के नाम
“तीमुथियुस के लिए यह पत्र”

सच्चा पुत्र
“सच्चा पुत्र” - पौलुस और तीमुथियुस में पिता-पुत्र का सा संबन्ध दर्शाता है। यद्यपि तीमुथियुस पौलुस का अपना पुत्र नहीं था, वह पौलुस के लिए वही सम्मान, आज्ञापालन तथा सेवा करता था जो एक पुत्र अपने पिता के लिए करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “तू मेरे लिए एक पुत्र स्वरूप है"

तुझे अनुग्रह, दया और शान्ति मिलती रहे
“अनुग्रह, दया और शान्ति तेरी हो” या “तुझे कृपा, दया और शान्ति का अनुभव हो”

हमारे पिता परमेश्वर
“परमेश्वर, जो हमारा पिता है”

और हमारे प्रभु यीशु मसीह
“और यीशु मसीह, जो हमारा प्रभु है”

1 Timothy 1:3

तुझे समझाया था
तुझे समझाया था “जैसे मैंने तुम से विनती की थी” या “जैसी मैंने तुझे आज्ञा दी थी” या “जैसा मैंने कहा था”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुझे
एकवचन

इफिसोस में रहकर
इफिसोस में रहकर -“इफिसोस में मेरी प्रतीक्षा करना”

मन न लगाएं
“वे ध्यान न दें” या “उन्हें आज्ञा दे कि अनदेखा करें”

वंशावलियों
अर्थात किसी के पूर्वजों का लिखित लेखा। यहूदियों के लिए यह अत्यावश्यक था कि वह इस्त्राएल के किस गोत्र का था सिद्ध हो। मत्ती और लूका उसके उत्तम उदाहरण हैं

जिनसे विवाद होते हैं
“जिनसे क्रोधित मतभेद उत्पन्न होता है” मनुष्य कथाओं और वंशावलियों पर विवाद करते हैं, जिनकी सत्यता अनिश्चित है।

परमेश्वर के उस प्रबन्ध के अनुसार नहीं जो विश्वास पर आधारित है
“इसकी अपेक्षा परमेश्वर की योजना को बढ़ा” या “इसकी अपेक्षा परमेश्वर की बातों का प्रबन्ध कर”

विश्वास पर आधारित है
“विश्वास से प्राप्त” या “विश्वास से संपन्न”

1 Timothy 1:5

आज्ञा का सारांश याद है
“निर्देशन का लक्ष्य” या “हम प्रेरित जो तुझे करने के लिए कहते हैं”।

आज्ञा
या “आदेश”

प्रेम
संभावित अर्थ हैं 1) “परमेश्वर के लिए प्रेम” (यू.डी.बी.) या 2) पड़ोसी के लिए प्रेम”।

शुद्ध मन से
“अपने किसी भी काम में पाप की इच्छा न रखना”

अच्छे विवेक
अच्छे विवेक -अनुचित की अपेक्षा उचित का चुनाव करनेवाला विवेक” या “अनुचित नहीं उचित के चुनाव में सक्षम विवेक”।

कपटरहित
“सत्यनिष्ठ” या “सच्चा” या “आडंबररहित” यह जाचं पर उपस्थित नायक का नकारात्मक शब्द है।

व्यवस्थापक
मूसा प्रदत्त विधान के शिक्षक

परन्तु वे समझते भी नहीं
समझते भी नहीं - “वे उन्हें समझते नहीं” या “फिर भी अज्ञानी है”

दृढ़ता से बोलते हैं
“जिस पर वे बल देते हैं” या “संपूर्ण भरोसे से व्यक्त करते है”।

परन्तु
“अब”

व्यवस्था की रीति पर काम में लाए, तो वह भली है
व्यवस्था की रीति पर काम में लाए, तो वह भली है - “हम जानते है कि विधान उपयोगी है” या “हम जानते हैं कि विधान लाभकारी है”।

यदि उचित रीति से काम में लाएं
उचित रीति से काम में लाएं “यदि उसका उचित निर्वाह किया जाए” या “यदि जैसा उससे अपेक्षित है वैसा निर्वाह किया जायेगा

1 Timothy 1:9

और हम यह जानकार
हम यह समझते हैं या “हमें इसका ज्ञान है” या “हम इससे अभिज्ञ हैं”

व्यवस्था धर्मी जन के लिए नहीं
“उल्लंघन न करनेवाले के लिए नहीं” “उसका पालन करने वाले के लिए नहीं है” या “परमेश्वर की दृष्टि में उचित मनुष्य के लिए नहीं है”

माँ-बाप के घात करनेवालों, हत्यारों
“जो माता या पिता की हत्या करें” या “जो अपनी माता या पिता को शारीरिक क्षति पहुँचाएं”

व्यभिचारियों
यह एक पुल्लिंग शब्द है जो वैश्याओं के लिए काम में लिया गया है। अन्य स्थानों में इस शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया गया है जो परमेश्वर के निष्ठावान नहीं हैं। यहाँ इसका संदर्भ उन सबके लिए किया गया है जो विवाह के बाहर यौन संबन्ध रखते हैं।

पुरूषगामियों
यूनानी में यह शब्द स्पष्ट रूप से उस पुरूष के लिए है जो पुरूष के साथ यौन संबन्ध बनाता है।

मनुष्य के बेचने वालों
“जो मनुष्यों को पकड़कर दास होने के लिए बेचते हैं” या "जो मनुष्यों को दास के रूप में बेचते है"

खरे उपदेश
“सच्ची शिक्षा” या “सच्चे निर्देश”

परमधन्य परमेश्वर की महिमा के उस सुसमाचार के अनुसार
“महिमा का शुभ सन्देश जो धन्य परमेश्वर का है” या “महिमामय और धन्य परमेश्वर का सन्देश”

जो मुझे सौंपा गया है
“जो परमेश्वर ने मेरे उत्तरदायित्व निमित्त मुझे दिया है”

1 Timothy 1:12

धन्यवाद करता हूँ
धन्यवाद करता हूँ - “मैं आभारी हूँ”, “मैं कृतज्ञ हूँ”

विश्वासयोग्य समझ कर
“उसने मझे इस योग्य समझा” या “मुझे भरोसेमन्द समझा”

अपनी सेवा के लिए ठहराया
अपनी सेवा के लिए ठहराया - “अपनी इस सेवा में नियुक्त किया” या “सेवा के स्थान में रखा”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मैं तो पहले निन्दा करनेवाला
मैं तो पहले निन्दा करनेवाला - “मैंने पहले मसीह की बुराई की” या “पूर्वकाल में निन्दा करनेवाला था”।

अन्धेर करनेवाला
“मनुष्यों को क्षति पहुँचानेवाला” अर्थात मनुष्यों को हानि पहुंचाना अपना अधिकार समझने वाला।

मुझ पर दया हुई
मुझ पर दया हुई - “परन्तु मुझ पर परमेश्वर ने दया की” या “परमेश्वर ने मुझ पर दया दर्शाई”

क्योंकि मैंने अविश्वास की दशा में बिन समझे हुए काम किए थे
क्योंकि मैंने अविश्वास की दशा में बिन समझे हुए काम किए थे - व्याख्या करें।

पर
“और”

विश्वास और प्रेम के साथ....बहुतायत से हुआ
“प्रचुर था” या “आवश्यकता से अधिक था”

1 Timothy 1:15

यह बात सच
यह बात सच - “यह कथन सच है”

हर प्रकार से मानने योग्य है
हर प्रकार से मानने योग्य है - “निःसन्देह स्वीकार्य है” या “पूर्ण विश्वास से ग्रहण करने योग्य है”

मुझ पर इसलिए दया हुई
मुझ पर इसलिए दया हुई -“परमेश्वर ने पहले मुझ पर दया की” या “मुझे परमेश्वर से दया प्राप्त हुई”।

सनातन राजा
“शाश्वत राजा” या “सदाकालीन प्रधान शासक”

आदर और महिमा
"उसकी प्रतिष्ठा हो और वह महिमान्वित हो" या “मनुष्य उसकी प्रतिष्ठा करें और महिमान्वित करें”

1 Timothy 1:18

मैं यह आज्ञा सौंपता हूँ
मैं यह आज्ञा सौंपता हूँ - “मैं तुझे आज्ञा देता हूँ” या “तुझे आदेश देता हूँ”

बच्चा
यह पुत्र-पुत्री से अधिक एक सामान्य शब्द है परन्तु पिता के साथ संबन्ध दर्शाता है। पौलुस तीमुथियुस के लिए अपने प्रेम को प्रकट करने के लिए इसका रूपक स्वरूप उपयोग करता है।

अच्छी लड़ाई को लड़ते रह
“परिश्रम के योग्य संघर्ष में सहभागी रह” या “बैरियों को हराने में परिश्रम करता रह” यह “प्रभु के लिए परिश्रम कर” के लिए एक रूपक है।

विश्वास रूपी जहाज डूब गया
पौलुस एक और रूपक द्वारा उनके विश्वास की दशा दर्शाता है। एक जहाज जो चट्टानों में टूट जाता है। “उनके विश्वास का विनाश हो गया” (यू.डी.बी.) यदि आपकी भाषा में समझ में आए तो इस रूपक का ही उपयोग करें या कोई अन्य रूपक का उपयोग करें।

वे भी सीखे
“कि परमेश्वर उन्हें सिखाए”

Translation Questions

1 Timothy 1:1

पौलुस मसीह का एक प्रेरित कैसे बना?
पौलुस परमेश्वर की आज्ञा से मसीह यीशु का प्रेरित है।

1 Timothy 1:2

पौलुस और तीमुथियुस में संबन्ध कैसा था?
तीमुथियुस विश्वास में पौलुस का सच्चा पुत्र था।

1 Timothy 1:3

तीमुथियुस को कहां रुकना था?
तीमुथियुस को इफिसुस में रहना था।

तीमुथियुस को कुछ लोगों को आज्ञा देनी थी, वह क्या थी?
उसे वहां कुछ लोगों को आज्ञा देनी थी कि अन्य प्रकार की शिक्षा न दें।

1 Timothy 1:5

पौलुस ने अपनी आज्ञा और शिक्षा के विषय में क्या कहा था?
पौलुस द्वारा ऐसी आशा देने में निहित लक्ष्य था, कि शुद्ध मन और अच्छे विवेक और कपट रहित विश्वास से प्रेम उत्पन्न हो।

1 Timothy 1:9

व्यवस्था किस के लिए दी गई है?
व्यवस्था अधर्मियों, निरंकुशों, भक्तिहिनों, पापियों, अपवित्र और अशुद्ध मनुष्यों के लिए है।

इस प्रकार के लोगों द्वारा किये जाने वाले पापों के चार उदाहरण क्या हैं?
वे हत्या करते हैं, व्यभिचार करते हैं, अपहरण करते हैं,और झूठ बोलते हैं.

1 Timothy 1:10

इस प्रकार के लोगों द्वारा किये जाने वाले पापों के चार उदाहरण क्या हैं
वे हत्या करते हैं, व्यभिचार करते हैं, अपहरण करते हैं,और झूठ बोलते हैं.

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Timothy 1:13

पौलुस ने पहले कैसे कैसे पाप किये थे?
पौलुस स्वयं ही कभी निन्दा करनेवाला, सतानेवाला और अन्धेर करनेवाला मनुष्य था।

1 Timothy 1:14

पौलुस को बहुतायत से क्या प्राप्त हुआ कि उसके परिणाम स्वरूप वह मसीह यीशु का प्रेरित हो गया?
पौलुस पर प्रभु का अनुग्रह बहुतायत से हुआ।

1 Timothy 1:15

मसीह यीशु किसका उद्धार करने इस संसार में आया था?
मसीह यीशु इस संसार में पापियों का उद्धार करने आया ।

पौलुस क्यों कहता है कि वह परमेश्वर की दया का एक उदाहरण है?
पौलुस कहता है कि वह एक उदाहरण हैं क्योंकि वह पापियों में सबसे बड़ा है परन्तु फिर भी उस पर परमेश्वर की दया हुई।

1 Timothy 1:16

पौलुस क्यों कहता है कि वह परमेश्वर की दया का उदाहरण है?
पौलुस कहता है कि वह एक उदाहरण है क्योंकि वह पापियों में सबसे बड़ा है।

1 Timothy 1:18

तीमुथियुस के बारे में ऐसा क्या कहा गया था कि पौलुस भी उससे सहमत था
तीमुथियुस के विषय में जो भविष्यद्वाणियाँ की गई थीं उनसे पौलुस सहमत था कि वह उस अच्छे विवेक और विश्वास के साथ अच्छी लड़ाई को लड़ता रहे।

1 Timothy 1:19

तीमुथियुस के बारे में ऐसा क्या कहा गया था कि पौलुस भी उससे सहमत था
तीमुथियुस के विषय में जो भविष्यद्वाणियाँ की गई थीं उनसे पौलुस सहमत था कि वह उस अच्छे विवेक और विश्वास के साथ अच्छी लड़ाई को लड़ता रहे।

1 Timothy 1:20

पौलुस ने उन लोगों के लिए क्या किया जिन्होने विश्वास तथा अच्छे विवेक का त्याग करके विश्वास रूपी जहाज़ डुबा दिया था?
पौलुस ने उन्हे शैतान को सौंप दिया था कि वे परमेश्वर की निन्दा न करना सीखें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 अब मैं सबसे पहले यह आग्रह करता हूँ, कि विनती, प्रार्थना, निवेदन, धन्यवाद, सब मनुष्यों के लिये किए जाएँ। **2** राजाओं और सब ऊँचे पदवालों के निमित्त
इसलिए कि हम विश्राम और चैन के साथ सारी भक्ति और गरिमा में जीवन बिताएँ। **3** यह हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर को अच्छा लगता और भाता भी है, **4** जो
यह चाहता है, कि सब मनुष्यों का उद्धार हो; और वे सत्य को भली-भाँति पहचान लें। (यहे. 18:23)

5 क्योंकि परमेश्वर एक ही है, और परमेश्वर और मनुष्यों के बीच में भी एक ही बिचवई है*, अर्थात् मसीह यीशु जो मनुष्य है, **6** जिसने अपने आप को सबके
छुटकारे के दाम में दे दिया; ताकि उसकी गवाही ठीक समयों पर दी जाए। **7** मैं सच कहता हूँ, झूठ नहीं बोलता, कि मैं इसी उद्देश्य से प्रचारक और प्रेरित और
अन्यजातियों के लिये विश्वास और सत्य का उपदेशक ठहराया गया।

8 इसलिए मैं चाहता हूँ, कि हर जगह पुरुष बिना क्रोध और विवाद के पवित्र हाथों को उठाकर प्रार्थना किया करें। **9** वैसे ही स्त्रियाँ भी संकोच और संयम के
साथ सुहावने* वस्त्रों से अपने आप को संवारे; न कि बाल गूँथने, सोने, मोतियों, और बहुमूल्य कपड़ों से, **10** पर भले कामों से, क्योंकि परमेश्वर की भक्ति
करनेवाली स्त्रियों को यही उचित भी है।

11 और स्त्री को चुपचाप पूरी अधीनता में सीखना चाहिए। **12** मैं कहता हूँ, कि स्त्री न उपदेश करे और न पुरुष पर अधिकार चलाए, परन्तु चुपचाप रहे।

13 क्योंकि आदम पहले, उसके बाद हव्वा बनाई गई। (1 कुरि. 11:8) **14** और आदम बहकाया न गया, पर स्त्री बहकावे में आकर अपराधिनी हुई। (उत्प. 3:6)
15 तो भी स्त्री बच्चे जनने के द्वारा उद्धार पाएगी, यदि वह संयम सहित विश्वास, प्रेम, और पवित्रता में स्थिर रहें।

---

1 Timothy 2:1

सबसे पहले
"सर्वाधिक महत्त्व की बात है" या "कि कुछ भी कहने से पूर्व" प्रार्थना करना (निवेदन, विनती, मध्यस्था तथा धन्यवाद) सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है पौलुस यह नहीं कहता है कि यह उसका सर्वप्रथम आग्रह है, न ही यह कि सबसे पहले मनुष्य (ख) सब मनुष्यों के लिए (ख)

आग्रह करता हूँ
आग्रह करता हूँ -"मैं याचना करता हूँ" या "निवेदन करता हूँ"

गंभीरता
"इस प्रकार कि मनुष्य तुम्हारा सम्मान करे" "भक्ति" के साथ इसका अर्थ है, "इस प्रकार कि मनुष्य परमेश्वर का सम्मान करके हमें मान प्रदान करें"।

1 Timothy 2:5

बिचवई
बिचवई दो विपरीत पक्षों में शान्ति का समझौता करवाता है। यहाँ यीशु एक बिचवई है जो मनुष्यों की सहायता करता है कि वे परमेश्वर के साथ शान्ति के संबन्ध में हो जाएं"

जिसने अपने आपको दे दिया
"स्वेच्छा से मरा"

छुटकारे के दाम में
छुटकारे के दाम में -"स्वतंत्रता के दाम में" या "स्वतंत्रता प्राप्त करने का मूल्य"

उसकी गवाही ठीक समय पर दी गई
उसकी गवाही ठीक समय पर दी गई - "यह उसकी सही समय की गवाही है" या "इन समयों में उसकी गवाही है"।

इसी उद्देश्य से
"इसी के लिए" या "इसी कारण" या "इस गवाही के निमित्त"

प्रचारक
प्रचारक -"प्रचारक नियुक्त किया गया" या मसीह द्वारा प्रचारक नियुक्त किया गया"

मैं सच कहता हूँ।
मैं सच कहता हूँ - "मैं सत्य की घोषणा कर रहा हूँ" या "मैं सच कह रहा हूँ"

झूठ नहीं बोलता
"मैं असत्य नहीं कह रहा हूँ"

विश्वास और सत्य का
विश्वास और सत्य का - "विश्वास और सत्य" या "विश्वास और सत्य के साथ"

1 Timothy 2:8

हर जगह पुरूष
हर जगह पुरूष "सब स्थानों में पुरूष" या "पुरूष सर्वत्र"

उठाकर
उठाकर - "ऊपर करके" या "ऊपर उठाकर"

पवित्र हाथों को
"परमेश्वर के लिए नियुक्त हाथों को" यह पाप से बचने वाले मनुष्य के लिए लाक्षणिक उपयोग है।

बिना क्रोध और विवाद
"किसी पर क्रोध किए बिना" या "मतभेद के बिना" या "किसी से क्रोधितयत तथा परमेश्वर पर सन्देह किए बिना"

संकोच और संयम
"कि उन पर अनुचित ध्यान न जाए" या "परमेश्वर एवं मनुष्य के प्रति उचित सम्मान के साथ"

बाल गूंथने
"बालों के सौदंर्य हेतु परिश्रम करना"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

भले कामों से.... भक्ति करनेवाली स्त्रियों को यही उचित है
“अपने भले कामों से प्रकट करें कि वे परमेश्वर की हैं”

1 Timothy 2:11

स्त्री को.... सीखना चाहिए
स्त्री को.... सीखना चाहिए - “स्त्री सीखे” या “स्त्री के लिए सीखना आवश्यक है”

चुपचाप
चुपचाप - “शान्ति के साथ” या “शान्त स्वभाव रह कर”

पूरी अधीनता
“परमेश्वर की आज्ञा के पालन हेतु तत्पर”

मैं कहता हूँ
मैं कहता हूँ -“मैं स्त्रियों को अनुमति नहीं देता”

1 Timothy 2:13

आदम की सृष्टि पहले हुई
“आदम पहला मनुष्य था जिसे परमेश्वर ने बनाया” या “परमेश्वर ने पहले आदम की सृष्टि की”

उसके बाद हव्वा बनाई गई
उसके बाद हव्वा बनाई गई -“उसके बाद हव्वा की रचना की गई” या “हव्वा बाद में बनाई गई”

आदम बहकाया न गया
“आदम को शैतान ने नहीं बहकाया था”

स्त्री बहकावे में आकर अपराधनी हुई
“पूर्णतः धोखा बताकर पापी हुई” मुख्य बात यह है कि आदम नहीं स्त्री ने परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन किया। उसने पूर्णतः धोखे में आकर पाप किया।

तौभी स्त्री बच्चे जनने के कारण उद्धार पाएगी
“परमेश्वर उसे जीवन के सामान्य मार्ग में सुरक्षित रखेगा”

यदि... स्थिर रहे
“यदि वे बनी रहें” या “यदि वे ऐसा जीवन जीती रहें”

विश्वास, प्रेम और पवित्रता में
“यीशु में विश्वास, मनुष्यों से प्रेम और पवित्र जीवन रखें”

संयम सहित
“आत्म संयम” या “सर्वोत्तम के बोध के साथ”

Translation Questions

1 Timothy 2:1

पौलुस किसके लिए प्रार्थना करने का आग्रह करता है?
पौलुस कहता है कि सबके लिए प्रार्थना की जाए, राजाओं और सब उंचे पद वालों के लिए भी।

1 Timothy 2:2

पौलुस किसके लिए प्रार्थना करने का आग्रह करता है?
पौलुस कहता है कि सबके लिए प्रार्थना की जाए, राजाओं और सब उंचे पद वालों के लिए भी।

पौलुस मसीही विश्वासियों के लिए कैसे जीवन की मनोकामना करता है?
पौलुस की मनोकामना थी कि वे विश्राम और चैन के साथ भक्ति और गंभीरता से जीवन जीएं।

1 Timothy 2:4

परमेश्वर सब मनुष्यों के लिए क्या चाहता है?
पौलुस की इच्छा थी कि सब मनुष्य उद्धार पाएं और वे सत्य को भली भांति पहचान लें।

1 Timothy 2:5

परमेश्वर और मनुष्य के बीच मसीह यीशु का स्थान क्या है?
मसीह यीशु मनुष्य और परमेश्वर के मध्य एक ही मध्यस्थ है।

1 Timothy 2:6

मसीह यीशु ने सब के किए क्या किया है?
मसीह यीशु ने सब के लिए अपने आप को छुटकारे के दाम में दे दिया।

1 Timothy 2:7

प्रेरित पौलुस किस के मध्य प्रचार करता है?
पौलुस अन्यजातियों में शिक्षक है।

1 Timothy 2:8

पौलुस विश्वासियों से क्या आशा करता था?
पौलुस चाहता है कि लोग प्रार्थना करते हुए अपने पवित्र हाथों को ऊँचा उठाएँ।

1 Timothy 2:9

पौलुस स्त्रियों से कैसी वेशभूषा की अपेक्षा करता था?
स्त्रियां संकोच और संयम के साथ सुहावने वस्त्रों से अपने आप को संवारें।

1 Timothy 2:12

पौलुस स्त्रियों का किस बात की अनुमति नहीं देता है?
पौलुस स्त्रियों को अनुमति नहीं देता है कि वे पुरुष को शिक्षा दें या उन पर अधिकार का प्रयोग करें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Timothy 2:13

पौलुस इसके क्या कारण देता है?
पौलुस कहता है कि उसके कारण हैं कि आदम पहले सृजा गया था और कि आदम के साथ छल नहीं किया गया था।

1 Timothy 2:14

पौलुस इसके क्या कारण देता है?
पौलुस कहता है कि उसके कारण हैं कि आदम पहले सृजा गया था और कि आदम के साथ छल नहीं किया गया था।

1 Timothy 2:15

पौलुस स्त्रियों को किस बात में स्थिर देखना चाहता था?
पौलुस चाहता था कि स्त्रियां मन की शुद्धता के साथ विश्वास, प्रेम और पवित्रता में स्थिर रहे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 यह बात सत्य है कि जो अध्यक्ष होना चाहता है, तो वह भले काम की इच्छा करता है। **2** यह आवश्यक है कि अध्यक्ष निर्दोष, और एक ही पत्नी का पति, संयमी, सुशील, सभ्य, अतिथि-सत्कार करनेवाला, और सिखाने में निपुण हो। **3** पियक्कड़ या मार पीट करनेवाला न हो; वरन् कोमल हो, और न झगड़ालू, और न धन का लोभी हो।

4 अपने घर का अच्छा प्रबन्ध करता हो, और बाल-बच्चों को सारी गम्भीरता से अधीन रखता हो। **5** जब कोई अपने घर ही का प्रबन्ध करना न जानता हो, तो परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली कैसे करेगा?

6 फिर यह कि नया चेला न हो, ऐसा न हो कि अभिमान करके शैतान के सामान दण्ड पाए। **7** और बाहरवालों में भी उसका सुनाम हो ऐसा न हो कि निन्दित होकर शैतान के फन्दे में फँस जाए।

8 वैसे ही सेवकों* को भी गम्भीर होना चाहिए, दो रंगी, पियक्कड़, और नीच कमाई के लोभी न हों; **9** पर विश्वास के भेद को शुद्ध विवेक से सुरक्षित रखें। **10** और ये भी पहले परखे जाएँ, तब यदि निर्दोष निकलें तो सेवक का काम करें।

11 इसी प्रकार से स्त्रियों को भी गम्भीर होना चाहिए; दोष लगानेवाली न हों, पर सचेत और सब बातों में विश्वासयोग्य हों। **12** सेवक एक ही पत्नी के पति हों और बाल-बच्चों और अपने घरों का अच्छा प्रबन्ध करना जानते हों। **13** क्योंकि जो सेवक का काम अच्छी तरह से कर सकते हैं, वे अपने लिये अच्छा पद और उस विश्वास में, जो मसीह यीशु पर है, बड़ा साहस प्राप्त करते हैं।

14 मैं तेरे पास जल्द आने की आशा रखने पर भी ये बातें तुझे इसलिए लिखता हूँ, **15** कि यदि मेरे आने में देर हो तो तू जान ले कि परमेश्वर के घराने में जो जीविते परमेश्वर की कलीसिया है, और जो सत्य का खम्भा और नींव है; कैसा बर्ताव करना चाहिए।

16 और इसमें सन्देह नहीं कि

भक्ति का भेद* गम्भीर है, अर्थात्,
वह जो शरीर में प्रगट हुआ,
आत्मा में धर्मी ठहरा,
स्वर्गदूतों को दिखाई दिया,
अन्यजातियों में उसका प्रचार हुआ,
जगत में उस पर विश्वास किया गया,
और महिमा में ऊपर उठाया गया।

---

1 Timothy 3:1

एक ही पत्नी का पति
अर्थात उसकी एक ही पत्नी हो। इसका अनुवाद सामान्यतः किया जा सकता है “उसकी एक ही पत्नी हो” (यू.डी.बी.)

संयमी
“किसी बात की अति न करता हो”

सुशील
“बुद्धि का उपयोग करने वाला” या “खरा निर्णय लेनेवाला” या “तर्क करने वाला” या “बुद्धिमान”

सभ्य
“शिष्टाचार वाला”

अतिथि सत्कार करनेवाला
“परदेशियों का स्वागत करनेवाला”

पियक्कड़ न हो
“मद्यव्यसनी न हो” या “बहुत मदिरापान न करता हो”

मारपीट करनेवाला न हो
“लड़ने-झगड़ने और विवाद प्रिय न हो”

न धन का लोभी
“चोरी करके या धोखे से पैसा कमानेवाला न हो” वह ईमानदारी से धनोपार्जन करने वाला भी हो सकता है जो अन्यों की सुधि लेनेवाला नहीं।

(अच्छा काम)
“सम्मानित काम”

1 Timothy 3:4

अपने घर का अच्छा प्रबन्ध करता हो और अपने बच्चों को सारी गंभीरता से अधीन रखता हो।
संभावित अर्थ हैं 1) अध्यक्ष के बच्चे उसके अधीन रहेंगे तो दूसरों का सम्मान भी करेंगे। (यू.डी.बी.) या 2) अध्यक्ष घर के प्रबन्ध में उसका सम्मान भी करता हो।

अपने घर का प्रबन्ध
“उसके परिवार की सुधि लेना” या “उसके परिवार के सदस्यों का मार्गदर्शन करना”।

सारी गंभीरता से
सारी का अभिप्राय हो सकता है, “सब लोग” या “हर समय” या “हर परिस्थिति में”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जब कोई...प्रबन्ध करना न जानता हो
जब कोई...प्रबन्ध करना न जानता हो “यदि मनुष्य.... न जानता हो” या “यदि मनुष्य न कर पाए” या “यह मान लो कि वह ना कर पाए”।

परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली कैसे करेगा?
यह एक प्रभावोत्पादक प्रश्न है। “वह परमेश्वर की कलीसिया को संभाल नहीं पाएगा” “वह परमेश्वर की कलीसिया की अगुआई नहीं कर पाएगा”

1 Timothy 3:6

नया चेला न हो
“वह नव-विश्वासी न हो” या “वह एक परिपक्व विश्वासी हो”

अभिमान करके शैतान का सा दण्ड पाए
“बाहर वालों में भी उसका सुनाम हो” शैतान के समान घमण्ड करके शैतान के सदृश्य दण्ड का भागी हो” उसकी छवि बाहर भी अच्छी हो।

बाहरवालों में भी उसका सुनाम हो।
“जो यीशु में विश्वास नहीं करते उसके बारे में अच्छा कहते हों।” या “कलीसिया से बाहर के लोग भी उसे भला मनुष्य कहते हों”।

निन्दित होकर
“अपने लिए लज्जा का कारण हो” या “किसी को उसकी बुराई करने का अवसर मिले”।

शैतान के फंदे में फंस जाए
“शैतान को जाल में फंसाने का अवसर दें, शैतान का फंदा एक रूपक है जिस का अर्थ है शैतान न किसी विश्वासी को अनजाने में पाप में गिरा दे”।

1 Timothy 3:8

वैसे ही सेवकों की भी
वैसे ही सेवकों की भी - “अध्यक्षों के सदृश्य सेवकों के लिए भी कुछ अनिवार्यताएं हैं”

गंभीर होना चाहिए
गंभीर होना चाहिए - “सम्मान के योग्य होना चाहिए”

दोरंगी
“कहे कुछ और अर्थ कुछ और हो” या “किसी से कुछ कहे और दूसरे से कुछ और कहे”

पियक्कड़
“मद्यव्यसनी” या “बहुत मदिरापान करनेवाला”

लोभी न हो
“अनर्थ काम की इच्छा न रखता हो”

विश्वास के भेद को.... सुरक्षित रखे
विश्वास के भेद को.... सुरक्षित रखे “वे परमेश्वर के सच्चे सन्देशों में विश्वास रखते हों जिसे परमेश्वर ने प्रकाशित किया और हमने विश्वास किया” वह सत्य जो है और परमेश्वर इस समय उन पर प्रकट कर रहा है।

शुद्ध विवेक से
शुद्ध विवेक से - “ऐसा विवेक जो उन्हें अनुचित काम का दोषी ठहराता हो”

पहले परखे जाएं
पहले परखे जाएं “उन्हें पहले जांच कर देखा जाए कि वे सेवा के लिए योग्य हैं या नहीं”। या “पहले वे स्वयं को योग्य सिद्ध करें”

क्योंकि वे निर्दोष निकलें
क्योंकि वे निर्दोष निकलें - “यदि उनमें दोष न पाया जाए” या “निर्दोष होने पर” या “उन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया हो”

1 Timothy 3:11

इसी प्रकार से स्त्रियों को भी
इसी प्रकार से स्त्रियों को भी - इसी प्रकार पत्नियों के लिए भी अनिवार्यताएं हैं। “सेवकों के सदृश्य सेविकाओं के लिए भी अनिवार्यताएं हैं” “स्त्रियों” के लिए प्रयुक्त सामान्य शब्द का अर्थ मूल में “स्त्रियां हैं परन्तु यहाँ उसका संदर्भ सेवकों की पत्नियों से है या सेविकाओं से है क्योंकि पूर्व एवं आगामी पद सेवकों के बारे में चर्चा करते हैं।

गंभीर
गंभीर - “उचित आचरण”

दोष लगाने वाली न हो
दोष लगाने वाली न हो - “किसी की बुराई न करती हों”

सचेत
“किसी बात में अति न करती हों”

एक ही पत्नी के पति
एक ही पत्नी के पति -अर्थात उसकी एक ही पत्नी हो। “प्रत्येक सेवक की एक ही पत्नी हो” यहाँ विवाद का विषय है विधुर या तलाक शुदा या अविवाहित पुरूषों की सेवा में न लें।

बाल बच्चों का.... अच्छा प्रबन्ध करना जानते हों
“बच्चों और परिवार के सदस्यों की सुधि लेते हों और अच्छा मार्गदर्शन करते हों”।

क्योंकि जो
क्योंकि जो - “क्यों किसी सेवक” या “क्योंकि जो अध्यक्ष, सेवक और सेविका” या “ये कलीसियाई अगुवे”

वे निर्लज्जता से अपनी ही सेवा करते थे।
वे निर्लज्जता से अपनी ही सेवा करते थे। -“अपने लिए पाते है।” या “ग्रहण करते हैं”।

अच्छा पद
(1) कलीसिया में मान-सम्मान। 2) परमेश्वर के समक्ष स्थान। 3) कलीसिया में पदोन्नति जैसे बिशप ।

वह विश्वास में..... बड़ा साहस करते हैं।
वह विश्वास में..... बड़ा साहस करते हैं। -“अपने विश्वास की चर्चा में साहस प्राप्त करते हैं” या “उन्हें अपने विश्वासियों पर पूरा भरोसा होता है”। या “परमेश्वर और मनुष्य के समक्ष उन्हें आत्म-विश्वास होता है कि उनका विश्वास सच्चा है” या “अपने विश्वास की चर्चा पर उन्हें साहस होता है”।

1 Timothy 3:14

ये बातें तुझे इसलिए लिखता हूँ
ये बातें तुझे इसलिए लिखता हूँ - “मैं तुझे ये निर्देश लिख रहा हूँ कि”

और जल्द आने की आशा रखने पर भी
और जल्द आने की आशा रखने पर भी - “यद्यपि मैं शीघ्र ही तरे पास आने की आशा में हूँ”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

यदि मेरे आने में देर हो
यदि मेरे आने में देर हो -"यदि मैं वहाँ शीघ्र न आ पाया तो" या "यदि मेरे शीघ्र आगमन में बाधा उत्पन्न हुई"

इसलिए लिखता हूँ
इसलिए लिखता हूँ - "मेरे लिखने का उद्देश्य है"

"परमेश्वर के घराने में.... कैसा बर्ताव करना है"
"तुझे परमेश्वर के घराने की अगुआई कैसे करनी है"।

सत्य का खंभा और नींव है
इस रूपक में एक बड़ा दृढ़ मंच है जिस पर परमेश्वर सत्य का प्रदर्शन करता है। इस मंच को उसके मांगों द्वारा व्यक्त किया गया है नींव और खंभा।

1 Timothy 3:16

हम परस्पर सहमत हों
हम परस्पर सहमत हों "निःसन्देह" या निर्विवाद" इसके आगे के पद एक गीत या गीत का अभिकथन है जिसका उपयोग आरंभिक कलीसिया करती थी, महत्त्वपूर्ण धर्म शिक्षा की सूची दे जिसमें सब विश्वासी सहभागी थे।

शरीर में
"वास्तविक मनुष्य"

भक्ति का भेद गंभीर है
"यह सत्य ही परमेश्वर ने हम पर प्रकट किया कि ईश्वर-भक्ति का जीवन कैसे जीएं अति महान है"।

आत्मा में धर्मी ठहरा
"पवित्र-आत्मा ने सत्यापित किया कि मसीह यीशु वही है जो वह कहता था"।

अन्य जातियों में उसका प्रचार हुआ
"मनुष्यों ने सब जातियों में यीशु की चर्चा की"

जगत में उस पर विश्वास किया गया
"संसार के अनेक भागों में उसका विश्वास किया गया"

Translation Questions

1 Timothy 3:1

अध्यक्ष का काम कैसा होता है?
अध्यक्ष का कार्य भले काम करना है।

1 Timothy 3:2

अध्यक्ष को किस योग्य होना चाहिए?
अध्यक्ष को सिखाने में निपुण होना चाहिए।

1 Timothy 3:3

अध्यक्ष को शराब और धन के प्रति कैसा व्यवहार करना चाहिए।
अध्यक्ष पियक्कड़ और धन का लोभी न हो।

1 Timothy 3:4

अध्यक्ष का अपनी सन्तान के प्रति कैसा व्यवहार होना चाहिए?
अध्यक्ष की सन्तान उसकी आज्ञाकारी एवं सम्मान करनेवाली हों।

1 Timothy 3:5

अध्यक्ष के लिए घर का अच्छा प्रबन्धक होना क्यों महत्वपूर्ण है?
यह अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यदि वह अपने घर का प्रबन्धन न कर पाता तो संभव है कि वह कलीसिया की अच्छी देखभाल नहीं कर पाएगा।

1 Timothy 3:6

नया शिष्य अध्यक्ष बने तो क्या खतरा उत्पन्न हो सकता है?
ऐसे में खतरा इस बात का है कि वह अभिमानी हो सकता है और परीक्षा में पड़ सकता है।

1 Timothy 3:7

कलीसिया से बाहर वालों में अध्यक्ष का कैसा मान होना आवश्यक है?
अध्यक्ष को कलीसिया से बाहरवालों में भी सुनाम होना चाहिए।

1 Timothy 3:10

सेवा में प्रवेश से पूर्व सेवकों के साथ क्या किया जाना आवश्यक है?
सेवा में प्रवेश से पूर्व सेवकों को परखा जाए।

1 Timothy 3:11

भक्त स्त्रियों में कैसे गुण होना चाहिए?
भक्त स्त्रियों को गरिमापूर्ण होना है, वे दोष लगानेवाली न हों परन्तु सचेत और सब बातों में विश्वासयोग्य हों।

1 Timothy 3:15

परमेश्वर का घराना क्या है?
परमेश्वर का घराना जीवित परमेश्वर की कलीसिया है।

1 Timothy 3:16

शरीर में प्रकट होने के बाद, आत्मा में धर्मी ठहरकर स्वर्गदूतों को दिखाई देने के बाद यीशु ने क्या किया?
यीशु का प्रचार अन्यजातियों में हुआ, जगत में उस पर विश्वास किया गया और वह महिमा में ऊपर उठाया गया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 परन्तु आत्मा स्पष्टता से कहता है कि आनेवाले समयों में कितने लोग भरमानेवाली आत्माओं, और दुष्टात्माओं की शिक्षाओं पर मन लगाकर विश्वास से बहक जाएँगे, **2** यह उन झूठे मनुष्यों के कपट के कारण होगा, जिनका विवेक मानो जलते हुए लोहे से दागा गया है,

3 जो विवाह करने से रोकेंगे, और भोजन की कुछ वस्तुओं से परे रहने की आज्ञा देंगे; जिन्हें परमेश्वर ने इसलिए सृजा कि विश्वासी और सत्य के पहचाननेवाले उन्हें धन्यवाद के साथ खाएँ। (उत्प. 9:3) **4** क्योंकि परमेश्वर की सृजी हुई हर एक वस्तु अच्छी है*, और कोई वस्तु अस्वीकार करने के योग्य नहीं; पर यह कि धन्यवाद के साथ खाई जाए; (उत्प. 1:31) **5** क्योंकि परमेश्वर के वचन और प्रार्थना के द्वारा शुद्ध हो जाती है।

6 यदि तू भाइयों को इन बातों की सुधि दिलाता रहेगा, तो मसीह यीशु का अच्छा सेवक ठहरेगा; और विश्वास और उस अच्छे उपदेश की बातों से, जो तू मानता आया है, तेरा पालन-पोषण होता रहेगा। **7** पर अशुद्ध और बूढ़ियों की सी कहानियों से अलग रह; और भक्ति में खुद को प्रशिक्षित कर। **8** क्योंकि देह के प्रशिक्षण से कम लाभ होता है, पर भक्ति सब बातों के लिये लाभदायक है, क्योंकि इस समय के और आनेवाले जीवन की भी प्रतिज्ञा इसी के लिये है।

9 यह बात सच और हर प्रकार से मानने के योग्य है। **10** क्योंकि हम परिश्रम और यत्न इसलिए करते हैं कि हमारी आशा उस जीविते परमेश्वर पर है; जो सब मनुष्यों का और विशेष रूप से विश्वासियों का उद्धारकर्ता है।

11 इन बातों की आज्ञा देकर और सिखाता रह।

12 कोई तेरी जवानी को तुच्छ न समझने पाए*; पर वचन, चाल चलन, प्रेम, विश्वास, और पवित्रता में विश्वासियों के लिये आदर्श बन जा। **13** जब तक मैं न आऊँ, तब तक पढ़ने और उपदेश देने और सिखाने में लौलीन रह।

14 उस वरदान से जो तुझ में है, और भविष्यद्वाणी के द्वारा प्राचीनों के हाथ रखते समय तुझे मिला था, निश्चिन्त मत रह। **15** उन बातों को सोचता रह और इन्हीं में अपना ध्यान लगाए रह, ताकि तेरी उन्नति सब पर प्रगट हो। **16** अपनी और अपने उपदेश में सावधानी रख। इन बातों पर स्थिर रह, क्योंकि यदि ऐसा करता रहेगा, तो तू अपने, और अपने सुननेवालों के लिये भी उद्धार का कारण होगा।

---

1 Timothy 4:1

विश्वास से बहक जाएंगे
“यीशु में विश्वास का त्याग कर देंगे” या “अपने विश्वास से विमुख हो जाएंगे”।

आने वाले समयों में
इसको संभावित अर्थ हैं, 1) पौलुस के बाद का समय। “आगमी युग में” या “भविष्य में” या 2) पौलुस ही के समय में, “अन्त के इस समय में”

मन लगा कर
“स्वीकार करके” या “उनकी शिक्षाओं को मानकर” या “सुन कर” या “वे जो उनकी शिक्षाओं को ग्रहण करेंगे”।

भरमाने वाली आत्माओं और दुष्टात्माओं
“मनुष्यों को छलने वाली आत्माएं और शैतान की शिक्षाएं”

कपट
“पाखंडी का झूठ”

जलते हुए लोहे से दागा गया हो
दासों और पशुओं पर लाल लोहे से मुहर लगाई जाती थी जिसके द्वारा उनके स्वामी का पता चलता था। संभावित अर्थ हैं। उनके विवेक अचेत हैं। जैसे कि उनका विवेक गर्म लोहे से जलाकर चेतना-शून्य कर दिया गया है। 1) यह दाग उनकी पहचान है। “वे जानते हैं कि वे पाखंडी हैं फिर भी वे ऐसा करते हैं।”

1 Timothy 4:3

जो
“ये लोग”

विवाह करने से रोकेंगे
विवाह करने से रोकेंगे “विश्वासियों को विवाह करने के विरूद्ध प्रेरित करेंगे” या “विश्वासियों को विवाह न करने पर विवश करेंगे”

भोजन की कुछ वस्तुओं से परे रहने की आज्ञा देंगे।
“मनुष्यों को सब प्रकार का भोजन नहीं करने देंगे” या “मनुष्यों को कुछ भोजन विशेष से रोकेंगे” यहाँ विश्वासियों के संदर्भ में कहा जा रहा है। (यू.डी.बी.)

सत्य के पहचानने वाले
सत्य के पहचानने वाले - “सत्य को जानने वाले विश्वासी” या “सत्य की शिक्षा प्राप्त विश्वासी”।

कोई वस्तु अस्वीकार करने के योग्य नहीं यह कि धन्यवाद के साथ खाई जाए।
हमने जिसके लिए परमेश्वर को धन्यवाद दिया है उसे फैंकना उचित नहीं है” या “हमने जिस वस्तु के लिए धन्यवाद दिया उसे अमान्य न ठहराएं।” या “धन्यवाद के साथ जो कुछ भी खाएं, स्वीकार्य है”

धन्यवाद के साथ
“हमने परमेश्वर के वचन का पालन करके और प्रार्थना करके उसे परमेश्वर के उपयोग हेतु पृथक कर दिया है” या “हमने प्रार्थना के द्वारा उसे परमेश्वर के उपयोग हेतु पृथक कर दिया है, वह परमेश्वर के प्रकट सत्य से सहमत है”।

1 Timothy 4:6

यदि तू भाइयों को इन बातों की सुधि दिलाए
“विश्वासियों के मन में यह डाले” या “विश्वासियों को इन बातो को स्मरण रखने में सहायता करे” “बातों” अर्थात 3:16 से 4:5 तक सब शिक्षाएं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पालन-पोषण
“प्रशिक्षण” (यू.डी.बी.) परमेश्वर तीमुथियुस को अधिक दृढ़ बना रहा था और उसने परमेश्वर को ग्रहण योग्य बातों की शिक्षा दे रहा था।

विश्वास के अच्छे उपदेश
“मनुष्यों में विश्वास उत्पन्न करने वाले उपदेश”

अशुद्ध और बूढ़ियों की सी कहानियों
“अशुद्ध और बूढ़ियों की कल्पित कथाएं यहाँ कहानियों का अर्थ है कपोल कल्पित कथाएं” , अतः इसका अनुवाद ऐसा ही करें। बूढ़ी स्त्रियों से अभिप्राय है, “मूर्खता की” या “निरर्थक” यहाँ “बूढ़ियों” के उपयोग द्वारा पौलुस स्त्रियों का अपमान नहीं कर रहा है। वह और उसके पाठक जानते थे कि पुरूष स्त्रियों से कम आयु में मर जाते थे। अतः दुर्बल मस्तिष्क की स्त्रियां संख्या में पुरूषों से अधिक थी”

भक्ति की साधना कर
“आदिकालिक भक्ति का प्रशिक्षण प्राप्त कर” या “परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले अचरण में अधिकाधिक प्रशिक्षण हो” या अधिक ईश्वर भक्त होने के लिए परिश्रम कर”

देह की साधना
“शारीरिक व्यायाम”

प्रतिज्ञा इसी में है
“इस जीवन में लाभदायक है” या “इस जीवन को अधिक उत्तम बनाने में सहायक है”।

1 Timothy 4:9

हर प्रकार से मानने योग्य है
“तुम्हारे पूर्ण विश्वास के योग्य है” या “तुम्हारे पूर्ण भरोसे के योग्य है”

इसीलिए
“यही कारण है कि”

हम परिश्रम और यत्न
“हम पूर्ण-शक्ति परिश्रम करते हैं” या “हम अपने बैरियों से युद्ध करते हुए कठोर परिश्रम करते हैं”।

मैं प्रभु पर तुम्हारे विषय में भरोसा रखता हूँ
“हमने जीवित परमेश्वर पर आशा रखी है” या हमने जीवित परमेश्वर में आशा लगाई है”। या “हमारी आशा जीवित परमेश्वर में है”।

निज करके विश्वासियों का
“परन्तु वह विशेष करके विश्वासियों का उद्धारक है”

1 Timothy 4:11

इन बातों की आज्ञा दे और सिखाता रह
इन बातों की आज्ञा दे और सिखाता रह - “इन बातों के निर्देश एवं शिक्षा दे” या “मैंने जो बातें अभी बताई है उनकी शिक्षा दे और आज्ञा दे”

कोई तेरी जवली को तुच्छ न समझने पाएं
“तू युवा है इसलिए कोई तेरे महत्त्व को कम न समझने पाए”

वचन पढ़ने
वचन पढ़ने - “धर्मशास्त्र पढ़” या “धर्मशास्त्र मंच से पढ़कर सुनाता रह”

पढ़ने और उपदेश देने
“उपदेश दे” या “परमेश्वर के वचन को जीवन में अपनाने के लिए विश्वासियों को उपदेश दे”।

1 Timothy 4:14

प्राचीनों के हाथ रखते समय
यह एक कलीसियाई अनुष्ठान जिसमें कलीसिया के अगुओं ने तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखकर परमेश्वर से प्रार्थना की थी कि, वह तीमुथियुस के उस काम को करने योग्य बनाए जो उसने उसे सौंपा था।

तू अपने और सुनने वालों के लिए भी उद्धार का कारण होगा
“तू स्वयं और अपने श्रोताओं को झूठी शिक्षाओं और अनुचित कामों से सुरक्षित रख पाएगा” जो झूठी शिक्षाओं पर चलकर अनुचित काम करते हैं वे परिणामस्वरूप कष्ट भोगेंगे। पौलुस नहीं चाहता था कि तीमुथियुस और उसके मित्र अनुचित बातों में विश्वास करने और वैसे काम करने के कारण कष्ट उठाएं”।

उस वरदान के प्रति निश्चिंत मत रह
“परमेश्वर ने जो वरदान तुझे दिया है उसका पूरा उपयोग कर"

भविष्यद्वाणी के द्वारा
“जब परमेश्वर की कलीसिया के अगुओं ने परमेश्वर की इच्छा प्रकट की थी”।

इन बातों को सोचते रह और उन्हीं में अपना ध्यान लगाए रह।
“हम सब बातों के अनुरूप जीवन जी और वैसा ही कर भी”

ताकि तेरी उन्नति सब पर प्रगट हो
“कि मनुष्य तेरा उत्थान देख पाएं” या “मनुष्य तेरे कामों में उन्नति देख पाएं”।

अपनी चौकसी कर
“अपना आचरण सावधानीपूर्वक कर” या “अपने व्यवहार को नियंत्रित कर”

इन बातों पर स्थिर रह
“ऐसे काम करता रह”।

Translation Questions

1 Timothy 4:1

आत्मा आनेवाले समयों में विश्वासियों के लिए क्या कहता है?
कुछ विश्वासी भटकर कर भ्रमित करने वाली आत्माओं की शिक्षा में मन लगाएंगे।

1 Timothy 4:4

ऐसे लोगों की झूठी शिक्षा क्या है?
वे विवाह और कुछ प्रकार का भोजन निषेध करते हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Timothy 4:5

हम जो कुछ भी खाते हैं वह किसी प्रकार हमारे उपयोग हेतु शुद्ध एवं स्वीकार्य होता है?
हम जो कुछ भी खाते हैं वह परमेश्वर के वचन और प्रार्थना द्वारा शुद्ध एवं स्वीकार्य हो जाता है।

1 Timothy 4:6

तीमुथियुस ने अच्छी शिक्षाएं पाई थीं तो पौलुस उससे क्या करने के लिए कहता है?
पौलुस तीमुथियुस से आग्रह करता है कि वह सब को यही शिक्षा दे।

1 Timothy 4:7

पौलुस तीमुथियुस को किस बात के प्रशिक्षण का परामर्श देता है?
पौलुस तीमुथियुस से कहता है कि अच्छे उपदेश की बातों में उसका प्रशिक्षण होता रहे।

1 Timothy 4:8

भक्ति की साधना देह की साधना से अधिक लाभदायक क्यों है?
भक्ति अधिक लाभदायक है क्योंकि इसमें इस जीवन और आनेवाले जीवन की भी प्रतिज्ञा शामिल है।

1 Timothy 4:11

पौलुस उन सब अच्छी बातों के लिए तीमुथियुस को क्या करने का आदेश देता है जो उसने पौलुस की शिक्षाओं से सीखी थीं?
पौलुस तीमुथियुस को आदेश देता है कि वह उन बातों का प्रचार करे वरन शिक्षा भी दे।

1 Timothy 4:12

तीमुथियुस को कौन सी बातों में विश्वासियों के लिए आदर्श बनना था?
तीमुथियुस को वचन, और चाल चलन, और प्रेम और विश्वास और पवित्रता में विश्वासियों के लिए आदर्श बनना था।

1 Timothy 4:14

तीमुथियुस के पास जो आत्मिक वरदान था वह उसे कैसे प्राप्त हुआ था?
उसे भविष्यद्वाणी और प्राचीनों के हाथ रखने के द्वारा आत्मिक वरदान दिया गया था।

1 Timothy 4:16

यदि तीमुथियुस अपने जीवन और शिक्षा में निष्ठापूर्वक बना रहे तो किस का उद्धार होगा?
वह अपने लिए और अपने सुननेवालों के लिए उद्धार का कारण होगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 किसी बूढ़े को न डाँट; पर उसे पिता जानकर समझा दे, और जवानों को भाई जानकर; (लैव्य. 19:32) **2** बूढ़ी स्त्रियों को माता जानकर; और जवान स्त्रियों को पूरी पवित्रता से बहन जानकर, समझा दे।

3 उन विधवाओं का जो सचमुच विधवा हैं आदर कर*। **4** और यदि किसी विधवा के बच्चे या नाती-पोते हों, तो वे पहले अपने ही घराने के साथ आदर का बर्ताव करना, और अपने माता-पिता आदि को उनका हक़ देना सीखें, क्योंकि यह परमेश्वर को भाता है।

5 जो सचमुच विधवा है, और उसका कोई नहीं; वह परमेश्वर पर आशा रखती है, और रात-दिन विनती और प्रार्थना में लौलीन रहती है। (यिर्म. 49:11) **6** पर जो भोग विलास में पड़ गई, वह जीते जी मर गई है।

7 इन बातों की भी आज्ञा दिया कर ताकि वे निर्दोष रहें। **8** पर यदि कोई अपने रिश्तेदारों की, विशेष रूप से अपने परिवार की चिन्ता न करे, तो वह विश्वास से मुकर गया है, और अविश्वासी से भी बुरा बन गया है।

9 उसी विधवा का नाम लिखा जाए जो साठ वर्ष से कम की न हो, और एक ही पति की पत्नी रही हो, **10** और भले काम में सुनाम रही हो, जिसने बच्चों का पालन-पोषण किया हो; अतिथि की सेवा की हो, पवित्र लोगों के पाँव धोए हो, दुःखियों की सहायता की हो, और हर एक भले काम में मन लगाया हो।

11 पर जवान विधवाओं के नाम न लिखना, क्योंकि जब वे मसीह का विरोध करके सुख-विलास में पड़ जाती हैं, तो विवाह करना चाहती हैं, **12** और दोषी ठहरती हैं, क्योंकि उन्होंने अपनी पहली प्रतिज्ञा को छोड़ दिया है।

13 और इसके साथ ही साथ वे घर-घर फिरकर आलसी होना सीखती है, और केवल आलसी नहीं, पर बक-बक करती रहती और दूसरों के काम में हाथ भी डालती हैं और अनुचित बातें बोलती हैं। **14** इसलिए मैं यह चाहता हूँ, कि जवान विधवाएँ विवाह करें; और बच्चे जनें और घरबार संभालें, और किसी विरोधी को बदनाम करने का अवसर न दें। **15** क्योंकि कई एक तो बहक कर शैतान के पीछे हो चुकी हैं। **16** यदि किसी विश्वासिनी के यहाँ विधवाएँ हों, तो वही उनकी सहायता करे कि कलीसिया पर भार न हो ताकि वह उनकी सहायता कर सके, जो सचमुच में विधवाएँ हैं।

17 जो प्राचीन अच्छा प्रबन्ध करते हैं, विशेष करके वे जो वचन सुनाने और सिखाने में परिश्रम करते हैं, दो गुने आदर के योग्य समझे जाएँ। **18** क्योंकि पवित्रशास्त्र कहता है, "दाँवनेवाले बैल का मुँह न बाँधना," क्योंकि "मजदूर अपनी मजदूरी का हकदार है।" (लैव्य. 19:13, व्य. 25:4)

19 कोई दोष किसी प्राचीन पर लगाया जाए तो बिना दो या तीन गवाहों के उसको स्वीकार न करना। (व्य. 17:6, व्य. 19:15) **20** पाप करनेवालों को सब के सामने समझा दे, ताकि और लोग भी डरे।

21 परमेश्वर, और मसीह यीशु, और चुने हुए स्वर्गदूतों को उपस्थित जानकर मैं तुझे चेतावनी देता हूँ कि तू मन खोलकर इन बातों को माना कर, और कोई काम पक्षपात से न कर। **22** किसी पर शीघ्र हाथ न रखना* और दूसरों के पापों में भागी न होना; अपने आपको पवित्र बनाए रख।

23 भविष्य में केवल जल ही का पीनेवाला न रह, पर अपने पेट के और अपने बार-बार बीमार होने के कारण थोड़ा-थोड़ा दाखरस भी लिया कर*। **24** कुछ मनुष्यों के पाप प्रगट हो जाते हैं, और न्याय के लिये पहले से पहुँच जाते हैं, लेकिन दूसरों के पाप बाद में दिखाई देते हैं। **25** वैसे ही कुछ भले काम भी प्रगट होते हैं, और जो ऐसे नहीं होते, वे भी छिप नहीं सकते।

---

1 Timothy 5:1

x
पौलुस के ये सब आदेश एक ही व्यक्ति के लिए हैं। तीमुथियुस के लिए। जिन भाषाओं में "तुम" के विभिन्न रूप है या आज्ञाओं के विविध रूप हैं, वैसे एक वचन का उपयोग किया जाए।

किसी बूढ़े को न डांट
किसी बूढ़े को न डांट - "किसी वृद्ध जन के साथ कठोर भाषा का उपयोग मत कर"

पर उसे पिता जानकर समझा दे
पर उसे पिता जानकर समझा दे "परन्तु उसे ऐसे समझा जैसे अपने पिता को समझाता है।

और जवानों को भाई जानकर
"युवाओं को ऐसे प्रोत्साहित कर कि जैसे वे तेरे भाई हैं" या "युवकों के साथ भाई का सा व्यवहार कर"

बूढ़ी स्त्रियों को माता जानकर
बूढ़ी स्त्रियों को माता जानकर - "वृद्ध स्त्रियों को माता के स्वरूप समझ" या "वृद्ध स्त्रियों को ऐसे प्रोत्साहित कर जैसे तू अपनी माता से बातें करता है"

जवान स्त्रियों को... बहन जान कर समझा दे"।
जवान स्त्रियों को... बहन जान कर समझा दे"। - "युवा स्त्रियों के साथ ऐसी बात कर जैसे अपनी बहन के साथ करता है" या "युवा स्त्री के साथ बहन का सा व्यवहार कर"।

पूरी पवित्रता से
"शुद्ध विचार एवं कामों के साथ" या "पवित्रता में"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Timothy 5:3

आदर कर
"...प्रावधान करें..."

सचमुच विधवा है
सचमुच विधवा है - “जो विधवाएं आवश्यकता-ग्रस्त हैं” या “जिन विधवाओं का कोई नहीं है”।

किसी विधवा के बच्चे या नाती पोते हों
“परन्तु जिस विधवा के बच्चे....”

पुत्र
“जिसे वह अपनी सन्तान मानती है” या “कोई उसके साथ मां का सा व्यवहार करता है”,

नाती पोते
“जिसे वह अपना वंशज मानती है” या “इसे कोई मां या नानी-दादी कहता है”।

वे पहले
वे पहले “उन्हें पहले” या “वे अपनी प्रथामिकता मानें”

भक्ति का बर्ताव
“अपनी श्रद्धा प्रकट करें” या “भक्ति प्रकट करे” या “धर्म को सिद्ध करे” या “कर्तव्य निभाना सीखें”।

अपने ही घराने
अपने ही घराने - “अपने परिवार में” या “अपने परिवार के सदस्यों के साथ”

माता-पिता को उनका हक दें।
माता-पिता को उनका हक दें। - “माता-पिता का ऋण चुकाएं” या “अपने माता-पिता द्वारा की गई भलाई का बदला चुकाएं”

क्योंकि यह परमेश्वर को भाता है
“वे ऐसा करते हें तो परमेश्वर प्रसन्न होता है” या “सम्मान को ऐसा प्रदर्शन परमेश्वर को प्रसन्न करता है”।

1 Timothy 5:5

जो सचमुच विधवा है, और उसका कोई नहीं
जो सचमुच विधवा है, और उसका कोई नहीं -“परन्तु जिस विधवा का कोई परिजन नहीं वह वास्तविक विधवा है”

वह परमेश्वर पर आशा रखती है और रात-दिन विनती और प्रार्थना में लौलीन रहती है।
“वह धीरज धरकर परमेश्वर से विनती एवं प्रार्थना करती रहती है”।

पर
“परन्तु”

"वह कनानी स्त्री आई"
"वह कनानी स्त्री आई" “जो अपनी सुख भोग के लिए जी रही है”

वह जीते जी मर गई
इस रूपक का अर्थ है वह परमेश्वर का ध्यान नहीं करती हे। “वह एक मृतक के सदृश्य परमेश्वर को प्रतिक्रिया नहीं दिखा सकती है”।

जीते जी
शारीरिक जीवन

1 Timothy 5:7

इन बातों की भी आज्ञा दिया कर
इन बातों की भी आज्ञा दिया कर -“इनको भी आज्ञा दे” या “अधिकार के साथ ये बातें सिखा”। तीमुथियुस को भी परमेश्वर के वचन का पालन करना आवश्यक था और अन्य विश्वासियों को पौलुस के आदेशों के पालन की आज्ञा देना भी।

ताकि वे निर्दोष रहें
“कि कोई उनमें दोष न देख पाए” इसके संभावित अर्थ हैं 1) “वे विधवाएँ और उनके परिवार” (यू.डी.बी.) या 2) “कलीसिया। उचित तो यही होगा कि इसे केवल “वे” तक ही रखें।

यदि कोई अपनों की... चिन्ता न करे
“अपने परिजनों की सुधि न ले” या “अपने परिजनों की आवश्यकता में सहायता न करता हो”

अपने घराने की
अपने घराने की - “अपने परिवार के सदस्यों की” या “कुटुम्बियों की आवश्यकता में सहायता न करता हो”

अपने परिवार की
“अपने पारिवारिक सदस्यों की” या “परिवार में उपस्थित जनों की”

विश्वास से मुकर गया है
विश्वास से मुकर गया है - “वह अविश्वासी का सा व्यवहार करता है”। या “वह इस सत्य के विरूद्ध चलता है जिसमें हम विश्वास करते हैं” या वह विश्वास से विमुख हो गया है”

वह अविश्वासी से भी बुरा बन गया है
“वह यीशु में विश्वास नहीं करने वालों से भी बुरा है” या “जो यीशु में विश्वास नहीं करते उससे अच्छे हैं”। जिन्हें यीशु का ज्ञान नहीं वे भी अपने परिवारों की सुधि लेते है तो विश्वासी को कितना अधिक ऐसा करना चाहिए”।

1 Timothy 5:9

उसी विधवा का नाम लिखा जाए
ऐसा प्रतीत होता है कि विधवाओं की सूची तैयार की गई थी, या वे लिखित में थी या नहीं। कलीसिया उन विधवाओं के लिए आश्रय, वस्त्र और भोजन की व्यवस्था करती थी और इन विधवाओं से अपेक्षा की जाती थी कि वे कलीसिया की सेवा में समर्पित रहें।

साठ वर्ष से कम की न हो
साठ वर्ष से कम की विधवाओं के पुन: विवाह की संभावना होती थी। कलीसिया के लिए आवश्यक था कि साठ वर्ष से अधिक आयु की विधवाओं की सुधि ले।

एक ही पति की पत्नी रही हो
“पतिव्रता रही हो”

भले कामों में सुनाम रही हो
अग्रिम वाक्य किसी स्त्री द्वारा भले कामों में प्रसिद्ध होने के उदाहरण हैं

पांव धोए हों
“सहायता का एक अति सह सामान्य कार्य” “यात्रियों के पाव धोना एक रूपक है जिसका अर्थ है मनुष्यों की आवश्यकता में सहायता करना तथा जीवन को अधिक आनन्द से पूर्ण बनाना।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पवित्र जनों
“परमेश्वर के लोगों पर”

हर एक भले काम में मन लगाया हो
“भले कामों के लिए जानी जाती हो”

1 Timothy 5:11

जवान विधवाओं के नाम न लिखना
वह सूची 60 वर्ष से अधिक आयु की विधवाओं की थी कि कलीसिया उनकी देखरेख करे।

मसीह का विरोध करके सुख विलास में पड़ जाती हैं
“अपनी यौन अभिलाषाओं के कारण मसीह से विमुख हो जाती है” या “अपनी अभिलाषाओं के कारण आत्मिक समर्पण का त्याग करना चाहती हैं।

अपने पहले विश्वास को छोड़ दिया
“अपने समर्पण का त्याग कर देती हैं” या “जो शपथ खाई है उसकी निष्ठावान नहीं रहती है”।

विश्वास-समर्पण
यदि कलीसिया उनकी आवश्यकताएं पूरी करे तो वे अजीवन कलीसिया की सेवा करेंगी। यह उनका विश्वास (समर्पण) था।

बक-बक
जो किसी के निजि जीवन के बारे में अन्यों से चर्चा करता है

दूसरों के कामों में हाथ भी डालती हैं
दूसरों के कामों में हस्तक्षेप करती हैं।

अनुचित बातें बोलती हैं।
“जिन बातों की चर्चा करना उचित नहीं”

1 Timothy 5:14

बदनाम करने का अवसर
यह उन विधवाओं के विषय में है

कई एक तो ...शैतान के पीछे हो चुकी हैं
“शैतान का अनुसरण करने हेतु मसीह की शिक्षा और त्याग कर दिया है।

किसी विश्वासिनी
“मसीह स्त्री” या “मसीह में विश्वास करनेवाली स्त्री।”

विधवाएं हों
“अपने परिजनों में विधवा हो”

सचमुच विधवाएं हैं
“जिनकी सुधि लेनेवाला कोई नहीं है।”

1 Timothy 5:17

योग्य समझे जाएं
“सब विश्वासी उन्हें योग्य समझें”

दो गुने आदर
संभावित अर्थ हैं 1) सम्मान एवं आर्थिक सहयोग देनों के योग्य” या 2)“अन्यों से अधिक सम्मान के योग्य”

वचन सुनाने और सिखाने में परिश्रम करते हैं
“परमेश्वर के वचन के शिक्षक एवं उपदेशक”

मुँह ना बांधना
“मुंह न खोले उसके लिए मुंह पर बंधन लगाया जाता है”।

बैल
बड़ा पशु-गाय

दांवने वाले
गेहूं को एक पत्थर से दबा कर बालियों में से निकालने की प्रक्रिया। बैल को उस गेहूं में से खाने की अनुमति थी।

हर कदम है
“वह योग्य है”

1 Timothy 5:19

ग्रहण
“सुनो” या "स्वीकार”

दो या तीन
"कम से कम दो" या "दो या दो से अधिक"

समझा दे
“झिड़क” या “सुधार कर”

सबके सामने
“किस को देखें”

ताकि और लोग भी डरें
“कि अन्य लोग पाप करने से डरें”

1 Timothy 5:21

तुझे
तीमुथियुस एकवचन - को। अतः तू के स्वरूप एवं आज्ञाएं एकवचन में हों।

पक्षपात
“समय से पूर्व निर्णय लेना” या “सबकी बातें सुनने से पूर्व निर्णय लेना” तीमुथियुस के लिए आवश्यक था कि निर्णय लेने से पूर्व तथ्यों पर ध्यान दे।

पक्षपात से
“किसी अपने पर अधिक अनुग्रह मत करना” या “मित्रों का ध्यान रखते हुए निर्णय न लेना” तीमुथियुस के लिए आवश्यक था कि मनुष्य का ध्यान न करके तथ्यों का अवलोकन करे।

हाथ न रखना
यह एक अनुष्ठान था जिसमें एक से अधिक अगुवे किसी के सिर पर हाथ रख कर प्रार्थना करते थे कि वह परमेश्वर की इच्छा के अनुसार सेवा करने के योग्य हो। तीमुथियुस को ऐसे मनुष्य के लिए लम्बें समय तक अच्छे चरित्र की जांच करके उसे कलीसियाई सेवा के लिए इस अनुष्ठान में सम्मिलित करना था।

दूसरों के पापों में भागी न होना
इसके संभावित अर्थ हैं 1)यदि तीमुथियुस किसी पापी की कलीसियाई सेवा में चुन ले तो परमेश्वर उसके पाप का लेखादायी तीमुथिसुस को बनाएगा। या 2) तीमुथियुस अन्यों के पापों को स्वयं न करें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Timothy 5:23

x
(पद 23 का पद 22 और पद 24-25 के साथ संयोजन नहीं हो रहा है। यह मात्र एक ऐसी बात हो सकती है जिसका उल्लेख करना पौलुस भूल गया और वह भूलने से पूर्व उसकी चर्चा करना चाहता है। यदि इसका संबन्ध अग्रिम एवं पिछले पदों से है तोइसका अर्थ होगा कि पिछले पद में "पवित्र" शब्द का अर्थ उसके चरित्र से है न कि भोजन से)।

केवल जल ही का पीने वाला न रह
"केवल जल पीना ही त्याग दे जो केवल जल ही पीता है। (यू.डी.बी.) पौलुस पानी पीने का निशेध नहीं कर रहा है अपितु औषधि स्वरूप दाखरस के उपयोग की अनुमति दे रहा है।

कुछ मनुष्यों के पाप
(पद 24 में पौलुस पद 22 के ही विषय चला रहा है। कुछ मनुष्यों के पाप यहाँ संभवतः संदर्भ उन मनुष्यों से है जिनके सिरों पर शीघ्रता से हाथ रखे गए थे। (पद 22))

न्याय के लिए पहले से पहुंच जाते हैं
"उनके पास न्याय के लिए उससे पहले उपस्थित जो जाते हैं। इसके संभावित अर्थ हैं1)किसी का अगुआई के पद पर रखने के कलीसियाई निर्णय से पूर्व ही उसके पाप प्रकट हो जाते हैं। या 2) उसके पाप उसका चरित्र प्रकट कर देते हैं कि वह कलीसिया के समक्ष दोषी होने या न होने का निर्णय पाए। या 3)उनके पाप प्रकट हैं और परमेश्वर उन्हें इसी समय दण्ड देगा।

कुछ पीछे से आते हैं
इसके संभावित अर्थ हैं इसके संभावित अर्थ हैं इसके संभावित अर्थ हैं1) कुछ के पाप तीमुथियुस बाद में ही देख पाएगा। 2) कलीसिया कुछ मनुष्यों को पाप आगे चलकर देख पाएगी। 3) परमेश्वर अन्तिम न्याय के दिन तक उनका न्याय नहीं करेगा।

वे भी छिप नहीं सकते
"अन्य भले काम भविष्य ही में प्रकट होंगे"

Translation Questions

1 Timothy 5:1

कलीसिया में किसी वृद्ध पुरुष के साथ व्यवहार करने के लिए क्या आदेश पौलुस ने तीमुथियुस को दिए थे?
पौलुस ने तीमुथियुस से कहा कि वह वृद्ध पुरुष के साथ पिता का सा व्यवहार करे।

1 Timothy 5:4

किसी विधवा के बच्चे या नाती पोते उसके साथ कैसा व्यवहार करें?
किसी विधवा के बच्चे या नाती पोते माता पिता को उनका हक देना तथा उसकी सुधि लेना सीखें।

1 Timothy 5:8

जो अपने घराने की चिन्ता न करे तो वह कैसा है?
वह विश्वास से मुकर गया है और अविश्वासी से भी बुरा बन गया है।

1 Timothy 5:10

विधवा किस बात में जानी जाए?
विधवा का भले कामों में नाम हो।

1 Timothy 5:11

जब कोई युवा विधवा आजीवन विधवा रहने के लिए समर्पण करे तब क्या खतरा बना रहता है?
युवा विधवाएं उत्तरकाल में अपने पहले समर्पण को त्याग कर विवाह करने की लालसा करें तो यह एक ख़तरा हो सकता हैं।

1 Timothy 5:12

जब कोई युवा विधवा आजीवन विधवा रहने का समर्पण करे तब क्या खतरा बना रहता है?
यदि युवा विधवाएं उत्तरकाल में अपने पहले समर्पण को त्याग कर विवाह करने की लालसा करें तो यह एक ख़तरा हो सकता हैं।

1 Timothy 5:14

पौलुस जवान विधवाओं के लिए क्या चाहता है?
पौलुस चाहता है कि जवान विधवाएं विवाह करें और बच्चे जनें और घरबार संभालें।

1 Timothy 5:17

अच्छा अगुवाई देनेवाले प्राचीनों के साथ कैसा व्यवहार करना आवश्यक है?
जो प्राचीन अच्छी अगुवाई देते हैं वे दो गुने आदर के योग्य समझे जाएं।

1 Timothy 5:19

किसी प्राचीन पर दोष को सुनने से पहले क्या होना आवश्यक है?
किसी प्राचीन के विरुद्ध दोषारोपण में दो या तीन गवाह होना आवश्यक है।

1 Timothy 5:21

पौलुस तीमुथियुस को इन नियमों के पालन में किस बात की चेतावनी देता है?
पौलुस तीमुथियुस को आज्ञा देता है कि वह पक्षपात बिना इन नियमों का पालन करने की सावधानी रखे।

1 Timothy 5:24

कुछ लोगों के पाप कब तक गुप्त रहते हैं?
कुछ लोगों के पाप न्याय होने तक गुप्त रहते हैं।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 6

1 जितने दास जूए के नीचे हैं, वे अपने-अपने स्वामी को बड़े आदर के योग्य जानें, ताकि परमेश्वर के नाम और उपदेश की निन्दा न हो। **2** और जिनके स्वामी विश्वासी हैं, इन्हें वे भाई होने के कारण तुच्छ न जानें; वरन् उनकी और भी सेवा करें, क्योंकि इससे लाभ उठानेवाले विश्वासी और प्रेमी हैं। इन बातों का उपदेश किया कर और समझाता रह।

3 यदि कोई और ही प्रकार का उपदेश देता है और खरी बातों को, अर्थात् हमारे प्रभु यीशु मसीह की बातों को और उस उपदेश को नहीं मानता, जो भक्ति के अनुसार है। **4** तो वह अभिमानी है और कुछ नहीं जानता, वरन् उसे विवाद और शब्दों पर तर्क करने का रोग है, जिनसे डाह, और झगड़े, और निन्दा की बातें, और बुरे-बुरे सन्देह, **5** और उन मनुष्यों में व्यर्थ रगड़े-झगड़े उत्पन्न होते हैं, जिनकी बुद्धि बिगड़ गई है और वे सत्य से विहीन हो गए हैं, जो समझते हैं कि भक्ति लाभ का द्वार है।

6 पर सन्तोष सहित भक्ति बड़ी लाभ है। **7** क्योंकि न हम जगत में कुछ लाए हैं और न कुछ ले जा सकते हैं। (अय्यू. 1:21, भज. 49:17) **8** और यदि हमारे पास खाने और पहनने को हो, तो इन्हीं पर सन्तोष करना चाहिए।

9 पर जो धनी होना चाहते हैं, वे ऐसी परीक्षा, और फन्दे और बहुत सी व्यर्थ और हानिकारक लालसाओं में फँसते हैं, जो मनुष्यों को बिगाड़ देती हैं और विनाश के समुद्र में डुबा देती हैं। (नीति. 23:4, नीति. 15:27) **10** क्योंकि रुपये का लोभ सब प्रकार की बुराइयों की जड़ है*, जिसे प्राप्त करने का प्रयत्न करते हुए कितनों ने विश्वास से भटककर अपने आपको विभिन्न प्रकार के दुःखों से छलनी बना लिया है।

11 पर हे परमेश्वर के जन, तू इन बातों से भाग; और धार्मिकता, भक्ति, विश्वास, प्रेम, धीरज, और नम्रता का पीछा कर। **12** विश्वास की अच्छी कुश्ती लड़; और उस अनन्त जीवन को धर ले*, जिसके लिये तू बुलाया गया, और बहुत गवाहों के सामने अच्छा अंगीकार किया था।

13 मैं तुझे परमेश्वर को जो सबको जीवित रखता है, और मसीह यीशु को गवाह करके जिसने पुन्तियुस पिलातुस के सामने अच्छा अंगीकार किया, यह आज्ञा देता हूँ, **14** कि तू हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रगट होने तक इस आज्ञा को निष्कलंक और निर्दोष रख,

15 जिसे वह ठीक समय पर* दिखाएगा, जो परमधन्य और एकमात्र अधिपति और राजाओं का राजा, और प्रभुओं का प्रभु है, (भज. 47:2) **16** और अमरता केवल उसी की है, और वह अगम्य ज्योति में रहता है, और न उसे किसी मनुष्य ने देखा और न कभी देख सकता है। उसकी प्रतिष्ठा और राज्य युगानुयुग रहेगा। आमीन। (1 तीमु. 1:17)

17 इस संसार के धनवानों को आज्ञा दे कि वे अभिमानी न हों और अनिश्चित धन पर आशा न रखें, परन्तु परमेश्वर पर जो हमारे सुख के लिये सब कुछ बहुतायत से देता है। (भज. 62:10) **18** और भलाई करें, और भले कामों में धनी बनें, और उदार और सहायता देने में तत्पर हों, **19** और आनेवाले जीवन के लिये एक अच्छी नींव डाल रखें, कि सत्य जीवन को वश में कर लें।

20 हे तीमुथियुस इस धरोहर की रखवाली कर। जो तुझे दी गई है और मूर्ख बातों से और विरोध के तर्क जो झूठा ज्ञान कहलाता है दूर रह। **21** कितने इस ज्ञान का अंगीकार करके विश्वास से भटक गए हैं। तुम पर अनुग्रह होता रहे।

---

1 Timothy 6:1

जुए के नीचे
यह एक रूपक है जिसका संदर्भ दास से है जैसे किसी बलिष्ठ पशु को लकड़ी के जुए के नीचे रखा जाता था कि हल चलाए। यह दासों के लिए भी भिन्नार्थक शब्द है। यदि इस रूपक का प्रयोग कठिन है तो इसे काम में न लें। इसका अनुवाद यू.डी.बी. के सदृश्य भी किया जा सकता है जिसमें इसका निहितार्थ विश्वासी जन से है।

निन्दा
“कलीसिया के बाहर के लोग परमेश्वर और परमेश्वर की बातों के विरूद्ध ऐसी बातें न करें।"

जिनके एक ही विश्वासी हैं उन्हें वे भाई होने के कारण तुच्छ न जानें।
“क्योंकि उनके विश्वासी स्वामी भाई है इसलिए दास उनका तिरस्कार न करें।

उनकी और भी सेवा करें
“विश्वासी स्वामियों के दास उनकी निष्ठापूर्वक सेवा करें”

1 Timothy 6:3

अगर कोई सिखाएं
“जो भिन्न शिक्षा दे” या “जो कुछ और सिखाए” पौलुस के विचार में कुछ लोग भिन्न शिक्षा दे रहे थे। यह कल्पना नहीं है।

कोई .... वह.... उसे
यू.डी.बी. में बहुवचन का उपयोग किया गया है, “कुछ लोग... ऐसे लोग.... वे” कि शिक्षका को स्त्री या पुरूष या एक या अनेक दर्शाया जाए। अतः आपकी भाषा में ऐसा शब्द रूप काम में लें जिसमें अर्थ की विविधता प्रकट हो।

तर्क करने का रोग
“वह केवल विवाद करना चाहते है” या “वे विवाद प्रिय हैं” ऐसे मनुष्य केवल विवाद करते हें। वे समझौता करना नहीं चाहते हैं।

तर्क
“अर्थ पर विवाद” या “झड़गा उत्पन्न करने वाले शब्द” या “दुःख पहुँचाने वाले शब्दों का उपयोग”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

डाह
“अन्यों के पास जो है उसकी लालसा करना”

झगड़े
“विश्वासियों में परस्पर विवाद”

निन्दा की बातें
“एक दूसरे के विरूद्ध झूठी बातें कहना”

बुरे-बुरे सन्देह
यह कहना कि उनसे जो असहमत है वह दुष्टता करता है

रगडे-झगड़े
“दीर्घकालीन झगड़े”

बुद्धि बिगड़ गई है
“बुरे विचारों से भ्रष्ट बुद्धि”

1 Timothy 6:6

बड़ी कमाई
“बहुत लाभकारी है” या “हमारे लिए अनेक भलाई उत्पन्न करती है”

न हम जगत में कुछ लाए है
“जन्म के साथ कुछ ले कर नहीं आए हैं”

न कुछ ले जा सकते हैं
“मरने पर इस संसार से कुछ लेकर भी नहीं जाएंगे”

चाहिए
हमें चाहिए कि

1 Timothy 6:11

परमेश्वर के जन
“परमेश्वर के सेवक” या “परमेश्वर के जन”

इन बातों से भाग
“उन्हें ऐसे प्राणी समझ जो तेरी हानि करना चाहते है” इसके संभावित अर्थ हैं, 1) “धन की लालसा” 2) भिन्न शिक्षाएं, घमण्ड तथा विवाद और “पैसे से प्रेम”

पीछा कर
“पीछे भाग” या “पीछे पड़ जा” या “यथासंभव ऐसा काम कर”

विश्वास की अच्छी कुश्ती लड़.... अनन्त जीवन को धर ले
कुछ के विचारों में यह खेल प्रतियोगिता का रूपक है जिसमें कुश्ती का विजेता पुरूस्कार “धर” लेता है।

अनन्त जीवन को धर लें
कुछ के विचार में इस रूपक का अर्थ है अच्छी कुश्ती लड़। “जीवन पाने के लिए यथासंभव प्रयास कर”।

साक्षी दी
“गवाही दी है”

सामने
“उपस्थिति में”

विश्वास की
“विश्वास कें संबन्ध में”

1 Timothy 6:13

निष्कलंक और निर्दोष रख
इसके संभावित अर्थ है, 1) परमेश्वर को तीमुथियुस में कोई दोष दिखाई न दे। (यू.डी.बी.) या 2) मनुष्य तीमुथियुस पर उंगली न उठा पाए।

हमारे प्रभु यीशु के प्रगट होने तक
“जब तक हमारा प्रभु यीशु लौट कर न आए”।

परमेश्वर को
“परमेश्वर की उपस्थिति में” या “परमेश्वर के गवाह होने के समय”

यीशु के सामने
“मसीह की उपस्थिति में” या मसीह के गवाह होने पर”

पुन्तियुस पिलातुस के सामने
“पुन्तियुस पिलातुस के समक्ष”

1 Timothy 6:15

उसकी गवाही ठीक समय पर दी गई
“उचित समय पर” (यू.डी.बी.)

आगे बढ़।
“द्वारा निश्चित” या “द्वारा चुना हुआ”

परम-धन्य
“जिसमें सब आशिषें निहित हैं” या “परमेश्वर जो सब आशिषों का देनेवाला है” यह पिता परमेश्वर के संदर्भ में है जो यीशु को प्रगट करता है।

1 Timothy 6:17

चंचल धन
“उनकी सम्पदा जाती रहेगी” यह भौतिक सम्पत्ति है”

हमारे सुख के लिए
“हमें सच्चा सुख देनेवाली वस्तुएं” ये भौतिक सम्पदा है परन्तु मुख्यतः प्रेम, आनन्द और शान्ति का संदर्भ देते हैं जिन्हें मनुष्य सांसारिक वस्तुओं से पाना चाहता है।

भले कामों में धनी बनें
“जिस प्रकार तुम धन सम्पदा की खोज करते हो उसी प्रकार भले कामों के अवसर खोजो” या “भौतिक सम्पदा का आनन्द लेने के तुल्य भले कामों का भी आनन्द लो”

आधार
भवन निर्माण का पहला चरण। यह “सच्ची धन सम्पदा के प्रथम चरण का और “सच्चे जीवन” के आरंभ का रूपक है जो परमेश्वर अपने लोगों को अनन्त जीवन में देगा।

सच्चे जीवन को वश में कर लें
यह खेल कूद का रूपक है। जहाँ विजेता पुरूस्कार को वास्तव में अपने हाथों में थामता है। यहाँ पुरूस्कार सच्चा जीवन है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Timothy 6:20

विरोध की बातों से परे रह
“तेरी बातों पर व्यर्थ विवाद करने वालों से दूर रह”

तुम पर अनुग्रह होता रहे
तुम पर अनुग्रह होता रहे “मेरी प्रार्थना है कि परमेश्वर तुम सब पर जो वहाँ है कृपा दर्शाता रहे “ या “वह तुम पर अनुग्रह दर्शाए”।

Translation Questions

1 Timothy 6:1

पौलुस स्वामियों के प्रति दासों को क्या निर्देश देता है?
पौलुस कहता है कि दास अपने स्वामियों को आदर के योग्य समझें।

1 Timothy 6:3

खरी बातों को और भक्ति से भरे उपदेश को अस्वीकार करनेवाला मनुष्य क्या है?
जो मनुष्य खरी बातों को और भक्ति से भरी उपेदश को नहीं मानता वह अभिमानी हो गया है और कुछ नहीं जानता है।

1 Timothy 6:4

खरी बातों को और भक्ति से भरे उपदेश को अस्वीकार करनेवाला मनुष्य क्या है?
जो मनुष्य खरी बातों को और भक्ति के आदेशों को नहीं मानता वह अभिमानी हो गया है और कुछ नहीं जानता है।

1 Timothy 6:6

पौलुस बड़ा लाभ किसे कहता है?
पौलुस कहता है कि सन्तोष सहित भक्ति बड़ी कमाई है।

1 Timothy 6:7

हमें भोजन और वस्त्रों में सन्तोष क्यों करना है?
हमें संतोष करना है क्योंकि हम न तो जगत में कुछ लाए हैं और न ही इसमें से कुछ अपने साथ ले जा सकते हैं।

1 Timothy 6:8

हमें भोजन और वस्त्रों में सन्तोष क्यों करना है?
हमें संतोष करना है क्योंकि हम न तो जगत में कुछ लाए हैं और न ही इसमें से कुछ अपने साथ ले जा सकते हैं।

1 Timothy 6:9

धनवान होने की इच्छा रखनेवाले किसमें पड़ जाते हैं?
जो धनवान होना चाहते हैं वे परीक्षाओं और फंदे में पड़ जाते हैं।

1 Timothy 6:10

सब प्रकार की बुराइयों की जड़ क्या है?
रूपये का लोभ सब प्रकार की बुराइयों की जड़ है।

पैसों के कुछ लोभियों के साथ क्या हुआ हैं?
कुछ लोग पैसों के लोभ के कारण विश्वास से भटक गए हैं।

1 Timothy 6:12

पौलुस तीमुथियुस को कैसी कुश्ती लड़ने के लिए कहता है?
पौलुस कहता है कि तीमुथियुस को विश्वास की अच्छी कुश्ती लड़ना है।

1 Timothy 6:16

वह परम धन्य और एक मात्र अधिपति कहाँ रहता है?
वह परम धन्य उस अगम्य ज्योति में रहता है जहां उसे किसी ने भी नहीं देखा है।

1 Timothy 6:17

धनवान चंचल धन की अपेक्षा परमेश्वर पर आशा क्यों रखें?
धनवानों को परमेश्वर में आशा रखना है क्योंकि परमेश्वर हमारे सुख के लिए सब कुछ बहुतायत से देता है।

1 Timothy 6:19

अच्छे कामों के धनी अपने लिए क्या करते हैं?
जो अच्छे कामों के धनी हैं वे आगे के लिए एक अच्छी नींव डालते हैं और सच्चे जीवन को थाम लेते हैं।

1 Timothy 6:20

अन्त में, पौलुस तीमुथियुस को दी गई धरोहर के विषय उस को क्या निर्देश देता हैं?
पौलुस तीमुथियुस से कहता है कि वह उस धरोहर की रखवाली करे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: 2 Timothy

2 Timothy

Chapter 1

1 पौलुस की ओर से जो उस जीवन की प्रतिज्ञा के अनुसार जो मसीह यीशु में है, परमेश्वर की इच्छा से* मसीह यीशु का प्रेरित है, **2** प्रिय पुत्र तीमुथियुस के
नाम। परमेश्वर पिता और हमारे प्रभु मसीह यीशु की ओर से तुझे अनुग्रह और दया और शान्ति मिलती रहे।

3 जिस परमेश्वर की सेवा मैं अपने पूर्वजों की रीति पर शुद्ध विवेक से करता हूँ, उसका धन्यवाद हो कि अपनी प्रार्थनाओं में रात दिन तुझे लगातार स्मरण करता
हूँ, **4** और तेरे आँसुओं की सुधि कर करके तुझ से भेंट करने की लालसा रखता हूँ, कि आनन्द से भर जाऊँ। **5** और मुझे तेरे उस निष्कपट विश्वास की सुधि
आती है, जो पहले तेरी नानी लोइस, और तेरी माता यूनीके में थी, और मुझे निश्चय हुआ है, कि तुझ में भी है।

6 इसी कारण मैं तुझे सुधि दिलाता हूँ, कि तू परमेश्वर के उस वरदान को जो मेरे हाथ रखने के द्वारा तुझे मिला है प्रज्वलित रहे। **7** क्योंकि परमेश्वर ने हमें भय
की नहीं* पर सामर्थ्य, और प्रेम, और संयम की आत्मा दी है।

8 इसलिए हमारे प्रभु की गवाही से, और मुझसे जो उसका कैदी हूँ, लज्जित न हो, पर उस परमेश्वर की सामर्थ्य के अनुसार सुसमाचार के लिये मेरे साथ दुःख
उठा। **9** जिस ने हमारा उद्धार किया, और पवित्र बुलाहट से बुलाया, और यह हमारे कामों के अनुसार नहीं; पर अपनी मनसा और उस अनुग्रह के अनुसार है; जो
मसीह यीशु में अनादि काल से हम पर हुआ है। **10** पर अब हमारे उद्धारकर्ता मसीह यीशु के प्रगट होने के द्वारा प्रकाशित हुआ, जिस ने मृत्यु का नाश किया,
और जीवन और अमरता को उस सुसमाचार के द्वारा प्रकाशमान कर दिया। **11** जिसके लिये मैं प्रचारक, और प्रेरित, और उपदेशक भी ठहरा। **12** इस कारण मैं
इन दुःखों को भी उठाता हूँ, पर लजाता नहीं, क्योंकि जिस पर मैंने विश्वास रखा है, जानता हूँ; और मुझे निश्चय है, कि वह मेरी धरोहर की उस दिन तक रखवाली
कर सकता है।

13 जो खरी बातें तूने मुझसे सुनी हैं उनको उस विश्वास और प्रेम के साथ जो मसीह यीशु में है, अपना आदर्श बनाकर रख। **14** और पवित्र आत्मा के द्वारा जो
हम में बसा हुआ है, इस अच्छी धरोहर की रखवाली कर।

15 तू जानता है, कि आसियावाले सब मुझसे फिर गए हैं, जिनमें फूगिलुस और हिरमुगिनेस हैं। **16** उनेसिफुरूस के घराने पर प्रभु दया करे, क्योंकि उसने बहुत
बार मेरे जी को ठण्डा किया, और मेरी जंजीरों से लज्जित न हुआ। **17** पर जब वह रोम में आया, तो बड़े यत्न से ढूँढ़कर मुझसे भेंट की। **18** (प्रभु करे, कि उस
दिन उस पर प्रभु की दया हो)। और जो-जो सेवा उसने इफिसुस में की है उन्हें भी तू भली भाँति जानता है।

---

2 Timothy 1:1

पौलुस
पौलुस - “पौलुस की ओर से” या “मैं तुझे यह पत्र लिख रहा हूं”।

परमेश्वर की इच्छा से
“क्योंकि परमेश्वर की इच्छा के कारण” या “क्योंकि परमेश्वर चाहता था” पौलुस इसलिए प्रेरित हुआ कि परमेश्वर चाहता था कि वह प्रेरित हो। इसे किसी मनुष्य ने प्रेरित होने के लिए नहीं चुना था।

अपने वचन के अनुसार
संभावित अर्थ हैं 1) “के अनुपालन में” अर्थात जैसा परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की कि यीशु जीवनदाता है, उसने पौलुस को प्रेरित नियुक्त किया, 2) “के उद्देश्य से” अर्थात परमेश्वर ने पौलुस को नियुक्त किया कि वह मनुष्यों में मसीह में जीवन की परमेश्वर की प्रतिज्ञा की घोषणा करे।

इस जीवन की प्रतिज्ञा के अनुसार जो मसीह यीशु में है
“परमेश्वर ने मसीह के लोगों से जीवनदान की प्रतिज्ञा की है।”

प्रिय पुत्र
“पुत्र जो मेरा प्रिय है” या “जिस पुत्र से मैं प्रेम करता हूं”। पौलुस की माध्यम से तीमुथियुस ने मसीह यीशु को ग्रहण किया था। इस कारण पौलुस उसे अपने पुत्र के समान प्रेम करता था।

तुझे अनुग्रह और दया और शान्ति मिलती रहे
“अनुग्रह, दया और शान्ति तेरी हो” या “तुझे अनुग्रह, शान्ति और दया का आन्तरिक अनुभव हो”

परमेश्वर पिता
“परमेश्वर जो हमारा पिता है”

हमारे प्रभु यीशु मसीह
“मसीह यीशु जो हमारा प्रभु है”

2 Timothy 1:3

अपने बाप-दादों की रीति पर
पौलुस अपने पूर्वजों के परमेश्वर का ही उपासक था। इसका अनुवाद हो सकता है, “जिसके लिए मैं एक विश्वासी होकर सेवा करता हूं, ठीक वैसे ही जैसे मेरे पूर्वजों ने की थी”।

शुद्ध विवेक से
“शुद्ध विवेक से” वह अनुचित कामों के विचार से मुक्त था, क्योंकि उसने सदैव ही उचित काम करने की चेष्टा की है।

लगातार स्मरण करता हूं
लगातार स्मरण करता हूं - “मैं तुझे सदैव स्मरण करता हूं” या “जब मैं तुझे स्मरण करता रहता हूं” या “मैं तुझे स्मरण करने से नहीं चूकता”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

रात दिन काम धन्धा करके
“दिन रात मेरी प्रार्थनाएं” 2) मैं दिन रात तुझे स्मरण करता हूं” या “मैं तुझे सदा स्मरण करता हूं” या “मैं तुझे स्मरण करने से नहीं रुकता”

तुम से भेंट करने की लालसा करता हूं।
“तुमसे भेंट करने की प्रतीक्षा में हूं”

तेरे आंसुओं की सुधि कर करके
“तेरे सब दुःखों को मन में रख कर”

कि आनन्द से भर जाऊं।
“कि मुझे अत्यधिक आनन्द प्राप्त हो” या “आनन्दित हो जाऊं”।

सुधि आती है
सुधि आती है - “क्योंकि मुझे स्मरण होता है” या “जब मुझे स्मरण होता है” या “क्योंकि मुझे.... स्मरण होता है” या “स्मरण करके”

निष्कपट विश्वास
“तेरा सच्चा विश्वास” या “तेरा पांखड-रहित विश्वास” यहां जिस शब्द का अनुवाद “निष्कपट” किया गया है, वह नाटक में के नायक का विलोम शब्द है। इसका अर्थ है, “सत्यनिष्ठ” या “सच्चा”

जो पहले तेरी नानी को इस.... में था ... तुम में भी है।
तीमुथियुस की नानी एक ईश्वर भक्त स्त्री थी और पौलुस तीमुथियुस के विश्वास की तुलना उसके विश्वास से करता है।

2 Timothy 1:6

इसी कारण
इसी कारण - “इस कारण” या “यीशु में तेरे सत्यनिष्ठ विश्वास के कारण” या “क्योंकि यीशु में तेरा सच्चा विश्वास है”।

सुधि दिलाता हूं
सुधि दिलाता हूं - “मैं तुझे स्मरण कराता हूं” या “तुझे फिर से कहता हूं”

तू परमेश्वर के उस वरदान को.... प्रज्वलित कर दे”
पौलुस ने तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखकर उसे पवित्र-आत्मा का दान दिया था। आत्मिक या क्षमता या वरदान। पौलुस तीमुथियुस से कहता है कि मसीह सेवा में वह उसे नवजीवित या पुनः सक्रिय कर दे। कोयले पर हवा करके उसने धधकाना एक रूपक है जो तीमुथियुस द्वारा आत्मिक क्षमताओं और वरदानों को अनदेखा करने के संदर्भ में है।

क्योंकि परमेश्वर
क्योंकि परमेश्वर - “इसलिए कि परमेश्वर” या “क्योंकि परमेश्वर”

क्योंकि परमेश्वर ने हमें भय की नहीं
पौलुस ने परमेश्वर से आत्मा प्राप्त किया था। ठीक उसने तीमुथियुस पर हाथ रखे थे तब वही आत्मा उसमें समा गया था। वह आत्मा मनुष्यों या परमेश्वर से डरने का नहीं था।

संयम की आत्मा
संभावित अर्थ हैं 1) परमेश्वर का आत्मा आत्म नियंत्रण में समर्थ बनाता है। (यू.डी.बी.) 2) परमेश्वर का आत्मा हमें चुकने वालों का सुधार करने योग्य बनाता है।

2 Timothy 1:8

लज्जित न हो
लज्जित न हो - “अतः डर मत” या “भयभीत मत हो”

सुसमाचार के लिए मेरे साथ दुःख उठा।
पौलुस सुसमाचार के लिए जो कष्ट वहन कर रहा था वे उचित नहीं थे। वह तीमुथियुस से कह रहा था कि ऐसे ही कष्टों से भयभीत न हो।

परमेश्वर की सामर्थ्य के अनुसार
“परमेश्वर को तुझे सामर्थी बनाने दे”

हमारे कामों के अनुसार नहीं
“हम अपने कर्मों के अनुसार उद्धार नहीं पाते हैं” या “हमारे काम चाहे बुरे रहे हों परमेश्वर हमारा उद्धार करता है।

उसके उद्देश्य .... के अनुसार है
“हमारे उद्धार की योजना परमेश्वर की थी और अब उसने उसे पूरा भी किया है” परमेश्वर ने ठान लिया था कि हमारा उद्धार करेगा और उसने निश्चय कर लिया कि ऐसे हमारा उद्धार करेगा और अब हमारा उद्धार किया है”। या “उसने हमारा उद्धार किया जो उसकी योजना के अनुसार था”।

सनातन से
“संसार की उत्पत्ति से पूर्व” या “समय के आरंभ से पूर्व”

सनातन
यह संपूर्ण अस्तित्व, ब्रह्माण्ड के लिए एक रूपक है

पर अब हमारे उद्धारकर्ता मसीह यीशु के प्रगट होने के द्वारा प्रकाशित हुआ
परमेश्वर ने अब दिखा दिया कि वह हमारा उद्धार कैसे करेगा। उसने मसीह यीशु के अविभक्ति से यह प्रकट कर दिया है”।

मृत्यु का नाश किया
“उसने हम पर मृत्यु की प्रभुता का नाश किया”

जीवन और अमरता को उस समाचार के द्वारा प्रकाशमान कर दिया।
“सिखाया कि शाश्वत जीवन का शुभ सन्देश के प्रचार द्वारा है”

जिसके लिए मैं प्रचारक... ठहरा
“परमेश्वर ने मुझे यह सन्देश सुनाने के लिए चुना है”।

2 Timothy 1:12

इस कारण मैं
“क्योंकि मैं एक प्रेरित हूं”

इन दुःखों को भी उठाता हूं
“मैं बन्दी हूं”

मुझे निश्चय है
मुझे पूरा विश्वास है कि मार्ग है.

उस दिन तक
संभावित अर्थ हैं 1) जिस दिन प्रभु पुनः आएगा। या 2) जिस दिन प्रभु मनुष्यों का न्याय करेगा।

जो खरी बातें तूने मुझ से सुनी है... अपना आदर्श बना कर रख
“मैंने जो उचित शिक्षा दी है उसे लोगों को सिखाता रह” या “अपने शिक्षण विधि के नमूने स्वरूप मेरे वचनों और शिक्षण विधि का अनुकरण करा”

खरी बातें
“उचित विचार” या “सत्य वचन”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

“उस अच्छी धरोहर
सुसमाचार का उचित प्रचार करना

रखवाली कर
तीमुथियुस को सावधान रहना या क्योंकि मनुष्य उसके कामों का विरोध करेंगे, उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे और उसकी शिक्षाओं को विकृत करेंगे।

पवित्र आत्मा के द्वारा
“केवल वही सब कुछ कर जो पवित्र आत्मा कहता है

2 Timothy 1:15

मुझ से फिर गए हैं
वे उससे अलग हो गए क्योंकि वह बन्दी बनाकर बंदीगृह में डाला गया था।

मेरी जंजीरों से लज्जित न हुआ
उनेसिफुरूस पौलुस से लज्जित नहीं था वरन उससे भेंट करने बार-बार आता था। जंजीर कारागार में होने का एक रूपक है।

उस दिन उस पर प्रभु की दया हो
संभावित अर्थ हैं 1) जिस दिन प्रभु पुनः आएगा। या 2) जिस दिन प्रभु मनुष्यों का न्याय करेगा।

Translation Questions

2 Timothy 1:1

पौलुस मसीह यीशु का प्रेरित कैसे हुआ था?
पौलुस परमेश्वर की इच्छा से मसीह यीशु का प्रेरित था।

2 Timothy 1:2

पौलुस और तीमुथियुस में क्या संबन्ध था?
तीमुथियुस पौलुस का आत्मिक पुत्र था।

2 Timothy 1:4

तीमुथियुस को प्रार्थनाओं में स्मरण करते हुए पौलुस क्या लालसा करता था?
पौलुस तीमुथियुस से भेंट करने की लालसा करता था।

2 Timothy 1:5

तीमुथियुस से पहले उसके परिवार में किसका विश्वास सच्चा था?
तीमुथियुस की नानी और माता दोनों का विश्वास सच्चा था।

2 Timothy 1:7

परमेश्वर ने तीमुथियुस को कैसी आत्मा दी थी?
परमेश्वर ने तीमुथियुस को भय की नहीं पर सामर्थ्य और प्रेम और संयम की आत्मा दी थी।

2 Timothy 1:8

पौलुस तीमुथियुस से क्या न करने को कहता है?
पौलुस ने तीमुथियुस से कहा कि वह प्रभु की गवाही से लज्जित न हो।

पौलुस तीमुथियुस से क्या करने के लिए कहता है?
इसकी अपेक्षा पौलुस तीमुथियुस से कहता था कि वह सुसमाचार के लिए दुःख उठाए।

2 Timothy 1:9

परमेश्वर की योजना और उद्देश्य हमें कब से दिया गया है?
हमारा उद्धार और हमारे लिए परमेश्वर का उद्देश्य सनातन से था।

2 Timothy 1:10

परमेश्वर ने अपने उद्धार की योजना कैसे प्रकट की है?
परमेश्वर के उद्धार कि योजना हमारे उद्धारकर्ता मसीह यीशु के प्रकट होने पर प्रकाशित हुई है।

यीशु ने प्रकट होकर मृत्यु और जीवन का क्या किया?
यीशु ने मृत्यु का नाश किया और सुसमाचार के द्वारा जीवन और अमरता को प्रकाशमान किया।

2 Timothy 1:12

पौलुस सुसमाचार से लजाता नहीं था क्योंकि उसे एक बात का विश्वास था, वह क्या थी?
पौलुस को पूरा विश्वास था कि परमेश्वर उसकी धरोहर को उस दिन तक संभाले रखने में सक्षम है।

2 Timothy 1:14

परमेश्वर ने जो अच्छी धरोहर दी है उसका तीमुथियुस को क्या करना था?
तीमुथियुस को पवित्र आत्मा के द्वारा उस अच्छी धरोहर की रखवाली करनी थी जो परमेश्वर ने उसे सौंपी थी।

2 Timothy 1:15

पौलुस के सब आसियावालों ने क्या किया था?
आसियावाले सब पौलुस से फिर गए थे।

2 Timothy 1:16

पौलुस प्रभु से उनेसिफुरुस के घराने पर दया करने की प्रार्थना क्यों करता है?
पौलुस प्रार्थना करता है कि प्रभु उनेसिफुरुस के घराने पर दया करे क्योंकि उसने कई बार पौलुस की सहायता की थीं।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 इसलिए हे मेरे पुत्र, तू उस अनुग्रह से जो मसीह यीशु में है, बलवन्त हो जा। **2** और जो बातें तूने बहुत गवाहों के सामने मुझसे सुनी हैं, उन्हें विश्वासी मनुष्यों को सौंप दे; जो औरों को भी सिखाने के योग्य हों।

3 मसीह यीशु के अच्छे योद्धा के समान मेरे साथ दुःख उठा*। **4** जब कोई योद्धा लड़ाई पर जाता है, तो इसलिए कि अपने वरिष्ठ अधिकारी को प्रसन्न करे, अपने आप को संसार के कामों में नहीं फँसाता **5** फिर अखाड़े में लड़नेवाला यदि विधि के अनुसार न लड़े तो मुकुट नहीं पाता।

6 जो किसान परिश्रम करता है, फल का अंश पहले उसे मिलना चाहिए। **7** जो मैं कहता हूँ, उस पर ध्यान दे और प्रभु तुझे सब बातों की समझ देगा।

8 यीशु मसीह को स्मरण रख, जो दाऊद के वंश से हुआ, और मरे हुओं में से जी उठा; और यह मेरे सुसमाचार के अनुसार है। **9** जिसके लिये मैं कुकर्मी के समान दुःख उठाता हूँ, यहाँ तक कि कैद भी हूँ; परन्तु परमेश्वर का वचन कैद नहीं*। **10** इस कारण मैं चुने हुए लोगों के लिये सब कुछ सहता हूँ, कि वे भी उस उद्धार को जो मसीह यीशु में हैं अनन्त महिमा के साथ पाएँ।

11 यह बात सच है, कि

यदि हम उसके साथ मर गए हैं तो उसके साथ जीएँगे भी।
12 यदि हम धीरज से सहते रहेंगे, तो उसके साथ राज्य भी करेंगे;
यदि हम उसका इन्कार करेंगे तो वह भी हमारा इन्कार करेगा।
13 यदि हम विश्वासघाती भी हों तो भी वह विश्वासयोग्य बना रहता है,

क्योंकि वह आप अपना इन्कार नहीं कर सकता। (1 थिस्स. 5:24)

14 इन बातों की सुधि उन्हें दिला, और प्रभु के सामने चिता दे, कि शब्दों पर तर्क-वितर्क न किया करें, जिनसे कुछ लाभ नहीं होता; वरन् सुननेवाले बिगड़ जाते हैं। **15** अपने आप को परमेश्वर का ग्रहणयोग्य और ऐसा काम करनेवाला ठहराने का प्रयत्न कर, जो लज्जित होने न पाए, और जो सत्य के वचन को ठीक रीति से काम में लाता हो।

16 पर अशुद्ध बकवाद से बचा रह; क्योंकि ऐसे लोग और भी अभक्ति में बढ़ते जाएँगे। **17** और उनका वचन सड़े-घाव की तरह फैलता जाएगा: हुमिनयुस और फिलेतुस उन्हीं में से हैं, **18** जो यह कहकर कि पुनरुत्थान हो चुका है सत्य से भटक गए हैं, और कितनों के विश्वास को उलट पुलट कर देते हैं। **19** तो भी परमेश्वर की पक्की नींव बनी रहती है, और उस पर यह छाप लगी है: "प्रभु अपनों को पहचानता है," और "जो कोई प्रभु का नाम लेता है, वह अधर्म से बचा रहे।" (नहू. 1:7) **20** बड़े घर में न केवल सोने-चाँदी ही के, पर काठ और मिट्टी के बर्तन भी होते हैं; कोई-कोई आदर, और कोई-कोई अनादर के लिये। **21** यदि कोई अपने आप को इनसे शुद्ध करेगा, तो वह आदर का पात्र, और पवित्र ठहरेगा; और स्वामी के काम आएगा, और हर भले काम के लिये तैयार होगा। **22** जवानी की अभिलाषाओं से भाग; और जो शुद्ध मन से प्रभु का नाम लेते हैं, उनके साथ धार्मिकता, और विश्वास, और प्रेम, और मेल-मिलाप का पीछा कर। **23** पर मूर्खता, और अविद्या के विवादों से अलग रह; क्योंकि तू जानता है, कि इनसे झगड़े होते हैं।

24 और प्रभु के दास को झगड़ालू नहीं होना चाहिए, पर सब के साथ कोमल और शिक्षा में निपुण, और सहनशील हो। **25** और विरोधियों को नम्रता से समझाए, क्या जाने परमेश्वर उन्हें मन फिराव का मन दे, कि वे भी सत्य को पहचानें। **26** और इसके द्वारा शैतान की इच्छा पूरी करने के लिये सचेत होकर शैतान के फन्दे से छूट जाएँ।

---

2 Timothy 2:1

बलवन्त हो जा
संभावित अर्थ हैं 1) "परमेश्वर ने तुम्हें बलवन्त करने के लिए मसीह यीशु में अनुग्रह प्रदान किया है उसका उपयोग करे"। (यू.डी.बी.) या 2) साहस धरो कि परमेश्वर ने तुम्हें वह अनुग्रह प्रदान किया है जो केवल मसीह यीशु से है।

बहुत से गवाहों के सामने
"मरे वचनों की सत्यता के अनेक गवाह जो वहां थे

विश्वासी मनुष्यों
"विश्वासयोग्य जन"

2 Timothy 2:3

x
पद 4,5 और 6 में पौलुस तीन रूपकों द्वारा मसीह के सेवक की जीवनशैली को सुव्यक्त करता है।

मेरे साथ दुःख उठा
संभावित अर्थ 1) "मेरे कष्ट उठा" (यू.डी.बी.) या 2) मेरे दुःखों में सहभागी हो"।

योद्धा.... अपने आप को संसार के कामों में नहीं फंसाता।
"जीवन की दैनिक गतिविधियों में फंसा हुआ सैनिक अयोग्य होता है"। या "सेवारत सैनिक सामान्य मनुष्यों के सदृश्य दैनिक कार्यों में विचलित नहीं होता है"। यह तीन में से कहता रूपक है। पाठक को समझ लेना है कि मसीह के सेवक दैनिक जीवन के कार्य-कलापों के कारण मसीह की सेवा से अलग न हों।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

फंसाता
सांसारिक बातों से मसीह की सेवा में बाधित होने को जाल में फंसने की उपमा दी गई है।

भर्ती करने वाले को
“जिसने उसे सेना में भर्ती किया है”

अखाडे में लड़नेवाला यदि विधि के अनुसार न लड़े तो मुकुट नहीं पाता है।
यह पौलुस द्वारा तीमुथियुस को लिखा दूसरा रूपक है। पाठक को समझ लेना है कि मसीही सेवकों को मसीह की आज्ञाओं के अनुसार काम करना है।

मुकुट नहीं पाता है
“वह पुरस्कार नहीं जीत पाता है”

विधि के अनुसार
“नियमों का पालन न करें” या “नियमों के अनुसार खेल पूरा न करें”

2 Timothy 2:6

जो किसान परिश्रम करता है फल का अंश पहले उसे मिलना चाहिए।
यह पौलुस द्वारा प्रयुक्त तीसरा रूपक है। पाठकों को समझना है कि मसीही सेवक को परिश्रम करना आवश्यक है।

जो मैं कहता हूं उस पर ध्यान दें
पौलुस ने तीमुथियुस को तीन दृष्टान्त लिखे परन्तु उनका अर्थ स्पष्ट नहीं किया। वह चाहता था कि पौलुस इनके द्वारा मसीही सेवक के लिए क्या कर रहा है उसे तीमुथियुस स्वयं समझे।

प्रभु तुझे
“प्रभु समझ देगा”

2 Timothy 2:8

यह मेरे सुसमाचार के अनुसार
“अर्थात मेरे सुसमाचार”

जिसके लिए मैं दुःख उठाता हूं
“शुभ सन्देश जिसके लिए मैं कष्ट भोग रहा हूं”।

कैद में भी हूं
“बंदीगृह में हूं”

परन्तु परमेश्वर का वचन कैद नहीं
“बाधित नहीं है” या “बन्दी नहीं हो सकता” या “पूर्णतः स्वतंत्र है”

चुने हुए लोगों के लिए
“परमेश्वर द्वारा चुने हुओं के लिए”

उद्धार... पाएं
“उद्धार प्राप्त करें” या “परमेश्वर उनका उद्धार करे”

अनन्त महिमा के साथ
“परमेश्वर का सत्त महिमान्वन करते हुए” या “मनुष्यों को परमेश्वर का कार्य दिखाते हुए”

2 Timothy 2:11

यह बात
“ये वचन”

यदि हम अविश्वासी भी हों
“यदि हम परमेश्वर को निराश भी करें” या “यदि हम वह काम न करें जो हमारी समझ में परमेश्वर हमसे करवाना चाहता है”।

वह आप अपना इन्कार नहीं करता है
“वह सदैव अपने गुणों के अनुसार काम करता है” या “वह अपने गुणों के विपरीत काम नहीं कर सकता है”

2 Timothy 2:14

उन्हें
संभावित अर्थ हैं 1) “शिक्षक” (यू.डी.बी.) या “कलीसिया के सदृश्य”

प्रभु के सामने
“परमेश्वर की उपस्थिति में” या “यह जानते हुए कि परमेश्वर तुम्हें और उन्हें देख रहा है”।

शब्दों पर तर्क-वितर्क न किया करें
“शब्दों के अर्थों पर विवाद न करें” या “कलह उत्पन्न करने वाले शब्दों का उपयोग न करें” या “किसी को दुःख देने वाले शब्द न कहें”

कुछ लाभ नहीं होता
“किसी को लाभ नहीं पहुंचाते है” या “निरर्थक हैं”

बिगड़ जाते हैं
यहां भाव भवन के नष्ट होने का है। झगड़ों को देखकर मनुष्य मसीही सन्देश का सम्मान नहीं करता है।

सुनने वाले
“श्रोता”

परमेश्वर का ग्रहणयोग्य
“स्वयं को ऐसा मनुष्य बना जिसे उसने योग्य निश्चित कर दिया है”

काम करने वाला
“कर्मी” या “सेवक”

ठीक रीति से काम में लाता हो
“सही व्याख्या करता हो”।

2 Timothy 2:16

सड़े घाव की तरह
उनकी बातें संक्रामक रोग के समान फैलती है “जिस प्रकार कि मासूर शीघ्र ही फैलकर खीर को नष्ट कर देता है, उसी प्रकार इन लोगों की शिक्षाएं मनुष्यों में फैलकर विश्वासियों के विश्वास को नष्ट कर देती है”। उनके वचन मासूर के समान शीघ्र फैल कर विनाश कर देते हैं”। या “मनुष्य उनकी बातें शीघ्र मानकर अपनी हानि करते हैं”।

सड़ा घाव
मृतक सड़ रही मांस पेशियां। नासूर से बचने का एक ही उपाय है, उस शारीरिक भाग को काट कर अलग कर दिया जाए।

सत्य से भटक गए है
इसके संभावित अर्थ हैं 1) “सत्य के बारे में चूक की है” या “सत्य के बारे में भ्रमित है”। “जैसे एक तीर लक्ष्य से विपथ हो जाता है। या 2)“सत्य में विश्वास करना छोड़ दिया है”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पुनरूत्थान हो चुका है
“परमेश्वर ने मृतकों को अनन्त जीवन के लिए जीवित कर दिया है”।

कितनों के विश्वास को उलट-पुलट कर रहे हैं
“विश्वासियों में सन्देह उत्पन्न कर रहे हैं” या कुछ विश्वासियों को विश्वास त्याग के लिए आश्वस्त कर रहे हैं।

2 Timothy 2:19

जो कोई प्रभु का नाम लेता है
“जो मसीह का विश्वासी होने का दावा करता है”

परमेश्वर की पक्की नींव
संभावित अर्थः 1) “जिस कलीसिया की रचना परमेश्वर ने आरंभ से की है” 2) “परमेश्वर का सत्य” (यू.डी.बी.) 3) “परमेश्वर की विश्वासयोग्यता”।

अधर्म से बचा रहता है
संभावित अर्थः 1) “बुरा होने से बचा रहता है” 2) “बुराई करने से बचा रहता है”।

बर्तन
कटोरे, थालियां या मटकों जैसे वस्तुएं। यदि आपकी भाषा में ऐसा कोई शब्द नहीं है जो सामान्य उपयोग का हो तो कटोरे या मटके का शब्द काम में लें यह मनुष्यों के लिए एक रूपक है।

कोई आदर और कोई-कोई अनादर के लिए
संभावित अर्थ हैं, 1) विशेष अवसर के लिए साधारण समय पर” (यू.डी.बी.); 2) भले मनुष्यों के सार्वजनिक काम... भले मनुष्यों के निजि काम”

यदि कोई अपने आपको इनसे शुद्ध करेगा
संभावित अर्थ हैं 1) अनादर के मुनष्यों से अलग रहेगा। 2) स्वयं को शुद्ध रखेगा”।

आदर का बर्तन
“विशेष अवसर पर काम में आनेवाला बर्तन” या “भले मनुष्यों के सार्वजनिक कामों में उपयोगी”

2 Timothy 2:22

भाग...पीछा कर
इस रूपक में जो दिया है वह बहुत तेज दौड़ने का है। “भाग” का अर्थ है हानिकारक बात से दूर भाग। और “पीछा कर” का अर्थ है लाभकारी बात की ओर दौड़।

जवानी की अभिलाषाओं से भाग
“युवागण को लालयित करने वाली परीक्षाओं से” जैसे मनुष्य किसी आक्रमणकारी हिंसक पशु या हत्यारे से भागता है। यदि आपकी भाषा में अभिलाषा के लिए संज्ञा शब्द नहीं है तो इसका अनुवाद होगा, “युवा जिस बात की प्रबल इच्छा रखते हैं उनका पूर्णतः इन्कार कर” या “यथासंभव प्रयास करके दूर रह”।

धर्म, विश्वास और प्रेम और मेल-मिलाप का पीछा कर
“धर्म-निष्ठा, विश्वास, प्रेम, शान्ति का पीछा कर” यदि आपकी भाषा में इन शब्दों का संज्ञा रूप नहीं है तो इसका अनुवाद होगा, “उचित काम का यथासंभव प्रयास कर”।

विश्वास
संभावित अर्थ हैं: 1) देखें

साथ
संभावित अर्थ हैं 1) “संगति” अर्थात विश्वासियों के साथ धर्म की खोज कर” 2) जब तू संबन्ध बनाए”। “यथासंभव प्रयास करके... अन्य विश्वासियों के साथ मेल-मिलाप रखना”

प्रभु का नाम लेते हैं
“मसीह विश्वासी” या “वे जो स्वयं को प्रभु के जन कहते हैं”।

शुद्ध मन से
“सच्चे उद्देश्यों से” या “भली इच्छा से”

मूर्खता और अविधा के विवादों से
“मूर्खता के प्रश्न और अज्ञान के प्रश्नों के उत्तर न दे”

मूर्खता... के विवाद
“मनुष्य ऐसे प्रश्न पूछें जिनमें परमेश्वर का सम्मान निहित न हो।

अविधा के विवाद
“जो मनुष्य सत्य जानना चाहते है उसके प्रश्नअविधा

2 Timothy 2:24

कोमलता
“दीनता” या “विनम्रता”

शिक्षा में निपुण
“निर्देशन में” या “शिक्षण में” या “सुधार करने में”

मन फिराव
“पापों के त्याग का अवसर”

सत्य को पहचानें
“कि वे सत्य का ज्ञान ग्रहण करें”।

सचेत होकर
“बुरे विचार मन में ना लाएं” या “वे पुनः परमेश्वर की बातें सुनें”

शैतान के फंदे से
वे जो शैतान के फंदे में फंस गए हैं। यह एक रूपक है जो उन मनुष्यों को दर्शाता है जो सोचते हैं कि वे परमेश्वर का अनुसरण कर रहे हैं परन्तु वे वास्तव में शैतान के अभिकर्ता हैं।

उसकी इच्छा पूरी करने के लिए
शैतान ने उन्हें फंसा लिया है और उनसे अपनी इच्छा पूरी करवाता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

2 Timothy 2:1

पौलुस और तीमुथियुस में क्या संबन्ध था?
तीमुथियुस पौलुस का आत्मिक पुत्र था।

2 Timothy 2:2

पौलुस ने तीमुथियुस को जो सिखाया था वह तीमुथियुस किसे सौंप दे तो अच्छा है?
तीमुथियुस उन बातों को जो उसने पौलुस से सुनी हैं उन्हे विश्वासी मनुष्यों को सौंप दे जो औरों को भी सिखाने के योग्य हों।

2 Timothy 2:4

तीमुथियुस को उदाहरण देते हुए एक अच्छे योद्धा का कौन सा गुण बताता है?
एक अच्छा योद्धा इस जीवन की चिन्ताओं में नहीं फंसता है।

2 Timothy 2:9

परमेश्वर के वचन का प्रचार करने के लिए पौलुस इस पत्र में अपनी किस दशा का वर्णन करता है?
पौलुस एक अपराधी की समान जंजीरों में बन्धा कष्ट उठा रहा था।

पौलुस किसके लिए कहता है कि वह कैद नहीं हैं?
परन्तु परमेश्वर का वचन कैद नहीं है।

2 Timothy 2:10

पौलुस सब कुछ सहन क्यों करता था?
पौलुस परमेश्वर के चुने हुओं के लिए सब कुछ सहता था कि वे भी उद्धार पाएं।

2 Timothy 2:12

जो कष्ट सहन करते हैं उनके लिए मसीह की प्रतिज्ञा क्या है?
यदि हम धीरज से सहते रहेंगे तो उसके साथ राज्य भी करेंगे।

मसीह का इन्कार करनेवालों को मसीह की चेतावनी क्या हे?
जो मसीह का इन्कार करते हैं उनका मसीह भी इन्कार करता है।

2 Timothy 2:14

तीमुथियुस विश्वासियों को क्या समझाए?
आवश्यक है कि तीमुथियुस विश्वासियों को समझाए कि वे शब्दों पर तर्क वितर्क न करें।

2 Timothy 2:18

दो विश्वासी सत्य से भटक कर झूठी शिक्षा देते थे वे क्या थीं?
वे सिखाते थे कि मृतकों का पुनरुत्थान हो चुका है।

2 Timothy 2:21

विश्वासी हर एक अच्छे काम के लिए स्वयं को कैसे तैयार करें?
विश्वासी अपमान के उपयोग से बचकर अपने आप को शुद्ध करें।

2 Timothy 2:22

तीमुथियुस को किससे भागना था?
तीमुथियुस को जवानी की अभिलाषाओं से भागना था।

2 Timothy 2:24

प्रभु के दास का चरित्र कैसा होना चाहिए?
प्रभु के दास को झगड़ालू नहीं होना है, वह सब के साथ कोमल हो शिक्षा में निपुण हो और सहनशील हो और विरोधियों को नम्रता से समझाए।

2 Timothy 2:26

शैतान ने अविश्वासियों के साथ क्या किया हुआ है?
शैतान ने अविश्वासियों को अपनी इच्छा पूरी करने के लिए फंदे में बांध रखा है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 पर यह जान रख, कि अन्तिम दिनों में कठिन समय आएँगे। **2** क्योंकि मनुष्य स्वार्थी, धन का लोभी, डींगमार, अभिमानी, निन्दक, माता-पिता की आज्ञा टालनेवाले, कृतघ्न, अपवित्र, **3** दया रहित, क्षमा रहित, दोष लगानेवाले, असंयमी, कठोर, भले के बैरी, **4** विश्वासघाती, हठी, अभिमानी और परमेश्वर के नहीं वरन् सुख-विलास ही के चाहनेवाले होंगे।

5 वे भक्ति का भेष तो धरेंगे, पर उसकी शक्ति को न मानेंगे; ऐसों से परे रहना। **6** इन्हीं में से वे लोग हैं, जो घरों में दबे पाँव घुस आते हैं और उन दुर्बल स्त्रियों को वश में कर लेते हैं, जो पापों से दबी और हर प्रकार की अभिलाषाओं के वश में हैं। **7** और सदा सीखती तो रहती हैं पर सत्य की पहचान तक कभी नहीं पहुँचतीं।

8 और जैसे यन्नेस और यम्ब्रेस* ने मूसा का विरोध किया था वैसे ही ये भी सत्य का विरोध करते हैं ये तो ऐसे मनुष्य हैं, जिनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई है और वे विश्वास के विषय में निकम्मे हैं। (प्रेरि. 13:8) **9** पर वे इससे आगे नहीं बढ़ सकते, क्योंकि जैसे उनकी अज्ञानता सब मनुष्यों पर प्रगट हो गई थी, वैसे ही इनकी भी हो जाएगी।

10 पर तूने उपदेश, चाल-चलन, मनसा, विश्वास, सहनशीलता, प्रेम, धीरज, **11** उत्पीड़न, और पीड़ा में मेरा साथ दिया, और ऐसे दुःखों में भी जो अन्ताकिया और इकुनियुम और लुस्त्रा में मुझ पर पड़े थे। मैंने ऐसे उत्पीड़नों को सहा, और प्रभु ने मुझे उन सबसे छुड़ाया। (भज. 34:19) **12** पर जितने मसीह यीशु में भक्ति के साथ जीवन बिताना चाहते हैं वे सब सताए जाएँगे। **13** और दुष्ट, और बहकानेवाले धोखा* देते हुए, और धोखा खाते हुए, बिगड़ते चले जाएँगे।

14 पर तू इन बातों पर जो तूने सीखी हैं और विश्वास किया था, यह जानकर दृढ़ बना रह; कि तूने उन्हें किन लोगों से सीखा है, **15** और बालकपन से पवित्रशास्त्र तेरा जाना हुआ है, जो तुझे मसीह पर विश्वास करने से उद्धार प्राप्त करने के लिये बुद्धिमान बना सकता है।

16 सम्पूर्ण पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है* और उपदेश, और समझाने, और सुधारने, और धार्मिकता की शिक्षा के लिये लाभदायक है, **17** ताकि परमेश्वर का जन सिद्ध बने, और हर एक भले काम के लिये तत्पर हो जाए।

---

2 Timothy 3:1

कठिन समय आएंगे
पद 2-4 में व्यक्त मनुष्यों द्वारा संकट जो कुछ दिनों, महिनों या वर्षों में हो।

माता-पिता की आज्ञा टालने वाले
“परिवारों के प्रेम से विरक्त”

दयारहित
"वह हर एक जन"

दोष लगाने वाले
“झूठा दोषारोपण करने वाले”

असंयमी
“उग्र” या “पाशविक” या “मनुष्यों को सदा हानि पहुंचाने वाले”

भले के बैरी
भले के बैरी

भलाई से घृणा करने वाले
कठोर

अविमृश्यकारी घमण्डी
“वे स्वयं को अन्यों से अच्छा मानते हैं”

2 Timothy 3:5

वे भक्ति का भेष तो करेंगे
वे भक्ति का भेष तो करेंगे “धर्मी प्रतीत होंगे” या “धर्मपरायण प्रतीत होंगे”

उसकी शक्ति को नहीं जानेंगे
संभावित अर्थ हैं 1) वे परमेश्वर द्वारा दिए जाने वाले वास्तविक सामर्थ्य का इन्कार करेंगे। (यू.डी.बी.) या 2) उनका जीवन उनकी स्वांगपूर्ण धर्म-निष्ठा को सिद्ध नहीं करेगें।

ऐसों से परे रहना
“बचना”

"अनन्त जीवन में प्रवेश करना"
“अज्ञात प्रवेश करते हैं”

घरों में
संभावित अर्थ हैं 1) परिवार या परिवार के लोगों में या 2) “आवासों में” (यू.डी.बी.)

वश में कर लेते हैं
“प्रभाव डालते हैं”

दुर्बल स्त्रियों को
“आत्मिकता में दुर्बल स्त्रियों को” इसका कारण है कि वे भक्ति में चूक जाती हैं या वे आलसी हैं या “वे पापों के वशीभूत हैं”।

पापों में दबी
संभावित अर्थ हैं 1) पापों की बहुतायत के नीचे हैं। या 2) बार-बार पाप करती रही हैं, कहने का अर्थ है कि वे पाप से बच नहीं पाती हैं।

हर प्रकार की अभिलाषाओं के वश में हैं
इसका अनुवाद एक अलग वाक्य में किया जा सकता है। “इन विधवाओं में इतनी अधिक अभिलाषाएं है कि वे मसीह के आज्ञापालन से चूक जाती हैं”, या “ये स्त्रियां मसीह के अनुसरण को त्याग कर अपनी अभिलाषाओं के पीछे दौड़ती हैं।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सत्य की पहचान
इसका अर्थ ऐसा है, किसी मनुष्य को लम्बे समय तक परखने के बाद आप उसके बारे में जान जाते हैं।

2 Timothy 3:8

यन्नेस और यम्ब्रेस
ये दो नाम संपूर्ण बाइबल में केवल यहीं पाए जाते हैं। एक परम्परा के अनुसार ये दो मिस्री जादूगर हैं जिन्होने मूसा का सामना किया था निर्ग. 7-8

विरोध किया था
“सामना किया था”

वैसे ही
“इसी प्रकार”

सत्य
“मसीह का शुभ सन्देश”

जिनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई है
“वे अब सोच नहीं पाते कि उचित क्या है”

विश्वास के विषय में निकम्मे हैं
कुछ लोगों ने सिद्ध कर दिया है कि झूठे शिक्षक मसीह के बारे में जो शिक्षा देते हैं वह सब झूठ है अतः “इन शिक्षकों का कोई स्थान नहीं है” या “वे अयोग्य हैं”।

आगे नहीं बढ़ सकते
“प्रगति नहीं कर सकते”

मूर्खता
“मूर्खता”

प्रगट हो गई है
“आसानी से दिखाई देती है” या “आसानी से समझ में आ जाती है”

2 Timothy 3:10

परन्तु तूने.... मेरा साथ दिया है
“परन्तु तूने सावधानीपूर्वक मनन किया है

उपदेश
“निर्देशन”

चाल-चलन
“जीवन आचरण”

मनसा
“निर्णय” या “संकल्प”

धीरज
“मनुष्यों के साथ सहनशीलता”

सहनशीलता
“कष्टों एवं परेशानियों में भी मैं परमेश्वर की सेवा में अटल रहा”। (यू.डी.बी.) या “मैंने अगम परिस्थितियों में भी अपनी मानसिकता को उचित ही रखा है”।

छुड़ा लिया
“बचा लिया”

चाहते हैं
“इच्छा रखते हैं”

दुष्ट और बहकाने वाले
“जो अपने बारे में मनुष्यों को मुझमें रखते हैं” या “जो मनुष्य अपनी वास्तविकता से भिन्न दिखावा करते हैं।”

2 Timothy 3:14

जो तूने सीखीं है.... दृढ़ बना रह
इसके संभावित अर्थ हैं 1) “जो बातें तूने सीखी हैं उन्हें करता रह” (यू.डी.बी.) या 2) “तूने जो सीखा है उसे भूलना नहीं” दोनों वाक्यों में “अटल” रहने का भाव है।

बुद्धिमान बन सकता है
“वे तुझे आवश्यक बुद्धि प्रदान कर सकते हैं

मसीह पर विश्वास करने से उद्धार
“कि परमेश्वर मसीह में तेरे विश्वास को उद्धार के निमित्त रखेगा”

उद्धार
इसके संभावित अर्थ हैं 1) “परमेश्वर तुझे अनन्त जीवन देगा”। 2) परमेश्वर तुम्हें इस संसार की मूर्खता से बचा कर रखेगा”।

2 Timothy 3:16

संपूर्ण धर्मशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है।
“परमेश्वर ने अपनी आत्मा के द्वारा संपूर्ण धर्मशास्त्र को उच्चारित किया है और वह लाभदायक है” (यू.डी.बी.), “संपूर्ण धर्मशास्त्र परमेश्वर का श्वास उत्पन्न है”। परमेश्वर ने मनुष्यों को निर्देश दिया कि क्या लिखें”। उनकी आत्मा ने उन्हें वचन दिया।

लाभकारी
“उपयोगी” “लाभ पहुंचानेवाला”

समझाने
“भूल चूक दिखाने के लिए”

सुधारने
“भूल चूक को ठीक करने के लिए”

धर्म की शिक्षा
“अनुशासन” या “विकास के लिए”

सिद्ध
“परिपूर्ण हो”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

2 Timothy 3:1

पौलुस अन्तिम दिनों के बारे में क्या कहता है?
पौलुस कहता है कि अन्तिम दिनों में कठिन समय आएंगे।

2 Timothy 3:2

अन्तिम दिनों में मनुष्य परमेश्वर की अपेक्षा किन बातों से लगाव रखेगा?
अन्तिम दिनों में मनुष्य स्वार्थी लोभी और सुखविलास के चाहनेवाले होंगे परमेश्वर के प्रेमी नहीं होंगे।

2 Timothy 3:5

पौलुस ऐसी धार्मिकता रखनेवालों के साथ कैसे संबन्ध रखने को कहता है?
पौलुस तीमुथियुस से कहता है कि वह ऐसे लोगों से दूर रहें जो ऐसा स्वभाव रखते हैं।

2 Timothy 3:6

ऐसे अभक्त प्रचारक क्या करते थे?
ऐसे कुछ प्रचारक घरों में दबे पांव घुस जाते थे और अभिलाषाओं की वशीभूत स्त्रियों को वश में कर लेते हैं।

2 Timothy 3:8

ये लोग पुराने नियम में चर्चित यन्नेस और यम्ब्रेस सदृश्य कैसे थे?
ये अभक्त लोग झूठे शिक्षक थे जो सत्य का विरोध करते थे जैसे यन्नेस और यम्ब्रेस ने किया था।

2 Timothy 3:10

झूठे शिक्षकों की अपेक्षा तीमुथियुस ने किसका साथ दिया था?
तीमुथियुस ने पौलुस का साथ दिया था।

2 Timothy 3:11

प्रभु ने पौलुस को किससे छुड़ाया था?
प्रभु ने पौलुस को सब दु:खों से छुड़ा लिया था।

2 Timothy 3:12

पौलुस के अनुसार उन सब का क्या होगा जो ईश्वर भक्ति का जीवन बिताना चाहते हैं?
पौलुस कहता है कि जो मसीह यीशु में भक्ति के साथ जीवन बिताना चाहते है वे सब सताए जाएंगे।

2 Timothy 3:13

अन्तिम दिनों में अधिकाधिक बुरा क्या होगा?
अन्तिम दिनों में दुष्ट और बहकानेवाले अधिकाधिक बुरे होते जाएंगे।

2 Timothy 3:15

तीमुथियुस जीवन के किस समय से धर्मशास्त्र का ज्ञान रखता था?
तीमुथियुस बचपन से ही धर्मशास्त्र को जानता था।

2 Timothy 3:16

मनुष्य को संपूर्ण धर्मशास्त्र किस रूप में दिया गया है?
संपूर्ण धर्मशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है।

धर्मशास्त्र किस काम के लिए लाभदायक है?
धर्मशास्त्र उपदेश और समझाने, और सुधारने और धर्म की शिक्षा के लिए लाभदायक है।

2 Timothy 3:17

मनुष्य को धर्मशास्त्र का ज्ञान प्रदान करने के पीछे उद्देश्य क्या है?
धर्मशास्त्र परमेश्वर के जन को सिद्ध बनाने और हर एक भले काम के लिए तत्पर करने हेतु दिया गया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 परमेश्वर और मसीह यीशु को गवाह करके, जो जीवितों और मरे हुओं का न्याय करेगा, उसे और उसके प्रगट होने, और राज्य को सुधि दिलाकर मैं तुझे
आदेश देता हूँ। **2** कि तू वचन का प्रचार कर; समय और असमय तैयार रह, सब प्रकार की सहनशीलता, और शिक्षा के साथ उलाहना दे, और डाँट, और समझा।

3 क्योंकि ऐसा समय आएगा, कि लोग खरा उपदेश न सह सकेंगे पर कानों की खुजली के कारण अपनी अभिलाषाओं के अनुसार अपने लिये बहुत सारे
उपदेशक बटोर लेंगे। **4** और अपने कान सत्य से फेरकर कथा-कहानियों पर लगाएँगे। **5** पर तू सब बातों में सावधान रह, दुःख उठा, सुसमाचार प्रचार का काम
कर और अपनी सेवा को पूरा कर।

6 क्योंकि अब मैं अर्घ के समान उण्डेला जाता हूँ*, और मेरे संसार से जाने का समय आ पहुँचा है। **7** मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूँ, मैंने अपनी दौड़ पूरी कर ली
है, मैंने विश्वास की रखवाली की है। **8** भविष्य में मेरे लिये धार्मिकता का वह मुकुट* रखा हुआ है, जिसे प्रभु, जो धर्मी, और न्यायी है, मुझे उस दिन देगा और
मुझे ही नहीं, वरन् उन सब को भी, जो उसके प्रगट होने को प्रिय जानते हैं।

9 मेरे पास शीघ्र आने का प्रयत्न कर। **10** क्योंकि देमास ने इस संसार को प्रिय जानकर मुझे छोड़ दिया है, और थिस्सलुनीके को चला गया है, और क्रेसकेंस
गलातिया को और तीतुस दलमतिया को चला गया है।

11 केवल लूका मेरे साथ है मरकुस को लेकर चला आ; क्योंकि सेवा के लिये वह मेरे बहुत काम का है। **12** तुखिकुस को मैंने इफिसुस को भेजा है। **13** जो
बागा मैं त्रोआस में करपुस के यहाँ छोड़ आया हूँ, जब तू आए, तो उसे और पुस्तकें विशेष करके चर्मपत्रों को लेते आना।

14 सिकन्दर ठठेरे ने मुझसे बहुत बुराइयाँ की हैं प्रभु उसे उसके कामों के अनुसार बदला देगा। (भज. 28:4, रोम. 12:19) **15** तू भी उससे सावधान रह,
क्योंकि उसने हमारी बातों का बहुत ही विरोध किया। **16** मेरे पहले प्रत्युत्तर करने के समय में किसी ने भी मेरा साथ नहीं दिया, वरन् सब ने मुझे छोड़ दिया था
भला हो, कि इसका उनको लेखा देना न पड़े।

17 परन्तु प्रभु मेरा सहायक रहा, और मुझे सामर्थ्य दी; ताकि मेरे द्वारा पूरा-पूरा प्रचार हो*, और सब अन्यजाति सुन ले; और मैं तो सिंह के मुँह से छुड़ाया गया।
(भज. 22:21, दानि. 6:21) **18** और प्रभु मुझे हर एक बुरे काम से छुड़ाएगा, और अपने स्वर्गीय राज्य में उद्धार करके पहुँचाएगा उसी की महिमा युगानुयुग
होती रहे। आमीन।

19 प्रिस्का और अक्विला को, और उनेसिफुरूस के घराने को नमस्कार। **20** इरास्तुस कुरिन्थुस में रह गया, और त्रुफिमुस को मैंने मीलेतुस में बीमार छोड़ा है।
21 जाड़े से पहले चले आने का प्रयत्न कर: यूबूलुस, और पूदेंस, और लीनुस और क्लौदिया, और सब भाइयों का तुझे नमस्कार।

22 प्रभु तेरी आत्मा के साथ रहे, तुम पर अनुग्रह होता रहे।

---

2 Timothy 4:1

परमेश्वर और मसीह यीशु को गवाह करके
“परमेश्वर और मसीह यीशु देखते हैं” या “परमेश्वर और मसीह यीशु की उपस्थिति में” या “परमेश्वर और मसीह यीशु गवाह हैं और न्याय करते हैं”।

न्याय करेगा
न्याय करेगा - “जो न्याय के लिए शीघ्र आनेवाला है”

(गंभीरता से)
“प्रबलता से” या “गंभीरता से” या “प्रत्येक शब्द का अर्थ उजागर करता है”।

समय और असमय
“जिस समय असुविधा भी से”

समझा दे
“उनकी चूक प्रकट कर” या “उन्हें बता कि उन्होंने यह गलती की है”

डांट
“गंभीरता से चेतावनी दे”

सहनशीलता
“सहिष्णुता”

सहनशीलता और शिक्षा
इसके संभावित अर्थ हैं 1) आवश्यक है कि तीमुथियुस विश्वासियों को ही उपदेश दे”। या 2) पद 2 और 3) में तीमुथियुस अन्तिम वाक्य में ऐसा ही करे।

एक प्रकार की सहनशीलता
“अत्यधिक सहिष्णुता के साथ” या “बहुत ही सब्र के साथ”

2 Timothy 4:3

ऐसा समय आएगा
“क्योंकि भविष्य में एक समय”

लोग
संदर्भ से प्रतीत होता है कि ये लोग कलीसिया के सदस्य हैं। (देखें यू.डी.बी.)

खरा उपदेश
जिस शिक्षा को कलीसिया सत्य एवं उचित मानती है।

कानों की खुजली के कारण अपनी अभिलाषाओं के अनुसार अपने लिए बहुत से उपदेश को बटोर लेंगे।
इसका संभावित अर्थ हैं 1) “अपनी निजि अभिलाषाओं के कारण वे ऐसे उपदेशकों का स्वागत करेंगे जो उनकी मनोकामना के अनुरूप प्रचार करते हैं” या 2) “वे ऐसे ही प्रचारकों का अनुसरण करेंगे जो उनकी अभिलाषाओं को

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उचित ठहरा कर वैसा ही प्रचार करते हें"। या 3) "उनकी अभिलाषाओं के अनुसार ऐसे प्रचारकों के आसपास रहते हैं जो वही सुनाते हैं। जो उन्हें अच्छा लगता है"।

अपनी अभिलाषाओं के अनुसार
"अपनी मनोकामनाओं के अनुसार"

कानों की खुजली के कारण.... कथा कहानियों पर लगाएंगे
"वे कर्म लुभावन बातें सुनने के लिए वैसे ही शिक्षकों का स्वागत करेंगे"। "कानों की खुजली" एक रूपक है जो किसी के आनन्द के लिए कही गई बातों का द्योतक है वे सुनकर प्रसन्न होते हें"।

सुसमाचार का प्रचार
अर्थात यीशु कौन है, यीशु ने मानवजाति के लिए क्या किया और मनुष्य को उसके लिए कैसा जीवन जीना है, इसी का प्रचार कर

2 Timothy 4:6

क्योंकि
क्योंकि - इसके कारण प्रकट होता है कि पौलुस ने पद 5 में तीमुथियुस को ऐसी आज्ञा क्यों दी। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "इस कारण" या "इसलिए"

मेरे कूच का समय आ पहुंचा है
"मैं शीघ्र ही मर कर इस संसार से चला जाऊंगा" (यू.डी.बी.) पौलुस को यह बोध हो रहा है कि वह अब अधिक समय तक जीवित नहीं रहेगा।

मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूं
यह खेलों में कुश्ती प्रतियोगिता का एक रूपक है (जैसे मुक्केबाजी) पौलुस ने अपना सर्वोत्तम प्रयास किया है। "मैंने तो अपनी यथाशक्ति अच्छे से अच्छा काम किया है" या "मैंने अपनी सर्वशक्ति से सेवा की है"।

मैंने अपनी दौड़ पूरी कर ली है
मैंने अपनी दौड़ कर ली है यह रूपक दौड़ प्रतियोगिता की अन्तिम रेखा का है जिसके द्वारा पौलुस के कहने का अर्थ है कि उसने अपने जीवन की दौड़ पूरी कर ली है। "मेरे लिए जो भी आवश्यक था मैंने किया है"।

मैंने विश्वास की रखवाली की है
संभावित अर्थ हैं 1) "मैंने अपने विश्वास की शिक्षाओं को किसी भ्रमित शिक्षा से सुरक्षित किया है" या 2) "मैं अपनी सेवा में निष्ठावान रहा हूं"। (यू.डी.बी.)

मेरे लिए धर्म का मुकुट रखा हुआ है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है,"मुझे धर्म-निष्ठा का मुकुट दिया जायेगा"

धर्म का मुकुट
संभावित अर्थ हैं 1) धर्म-निष्ठ जीवन जीने वालों को दिया जानेवाला प्रतिफल मुकुट कहलाता है। (यू.डी.बी.) मुकुट धर्म परायता का एक रूपक है। जिस प्रकार कि न्यायी दौड़ जीतने वाले को मुकुट देता है उसी प्रकार जब पौलुस का जीवन समाप्त हो जायेगा तब परमेश्वर पौलुस को धर्म-सिद्ध कहेगा।

मुकुट
दौड़ प्रतियोगिता के विजेता को एक विशिष्ट पेड़ के पत्तों का मुकुट पहनाया जाता था।

उस दिन
"प्रभु के पुनः आगमन के दिन" या "जिस दिन प्रभु मनुष्यों का न्याय करेगा"।

2 Timothy 4:9

शीघ्र
शीघ्र - "यथासंभव अविलम्ब"

क्योंकि
"कारण यह है कि"

संसार को प्रिय जानकर
"क्यों देमास संसार से अधिक लगाव रखता है"

इस संसार को
इस संसार को संभावित अर्थ हैं 1) "संसार की नाशमान वस्तुओं को" "इस संसार के सुख और सुविधा को" या 2) इस वर्तमान जीवन और मृत्यु से बचने के लिए" (देमास को भय था कि यदि वह पौलुस के साथ रहा तो लोग उसे मार डालेंगे)।

छोड़ दिया गया
"देमास चला गया है"।

क्रेसकेंस... तीतुस
ये दो व्यक्ति पौलुस के पास से चले गए थे परन्तु पौलुस यह नहीं कह रहा है कि वे संसार से लगाव के कारण चले गए हैं।

2 Timothy 4:11

वह मेरे बहुत काम का है
वह मेरे बहुत काम का है - इसके संभावित अर्थ हैं 1) "वह मेरी सेवा में सहायक होगा" या 2) "वह मेरी सेवा करके एक सहायक सिद्ध होगा"।

उसे
अर्थात उसे बाहरी वस्त्र को

2 Timothy 4:14

मुझ से बहुत बहुत बुराइयां की हैं
मुझ से बहुत बहुत बुराइयां की हैं "मेरे साथ बुरा किया है" या "मेरी हानि के काम किए है"

तू भी उस से सावधान रह
तू भी उस से सावधान रह "तू भी उससे संभल कर रहना" या "तू स्वयं भी उस से सतर्क रहना" या "उस से अपने आपको बचा कर रखना"

उसे.... उससे.... उसने
ये सब सर्वनाम सिकंदर ठठेरे के लिए प्रयुक्त हैं

बहुत ही विरोध किया है
"उसने हमारे संदेश के विरोध में बहुत कुछ किया है" या "उसने हमारे वचनों का खण्डन किया है"।

मुझे किसी ने कुछ समय नहीं दिया
"किसी ने मेरी सहायता नहीं की वरन् मुझे छोड़कर चले गए थे"

उनको लेखा न देना पड़े
"मैं प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर उनके परित्याग का दण्ड उन्हें न दे"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

2 Timothy 4:17

परन्तु प्रभु मेरा सहायक रहा
“मेरी सहायता के लिए खड़ा रहा”

मेरे द्वारा पूरा-पूरा प्रचार हो
इसके संभावित अर्थ हैं 1) ऐसा हो चुका है (देखें यू.डी.बी.) या 2) पौलुस के लिए वह एक भावी कार्य है, “कि मैं उसका वचन संपूर्णता में सुना पाऊं। कि सब अन्य जातियां सुन लें”।

मैं सिंह के मुंह से छुड़ाया गया
“यह एक रूपक है। इसका अनुवाद इस प्रकार करें, “मैं घोर संकटों में बचाया गया”। यह संकट शारीरिक या आत्मिक या दोनों हो सकते थे।

2 Timothy 4:19

नमस्कार
नमस्कार “मेरी ओर से प्रणाम” या “कहना कि मैं उनके बारे में सोचता रहता हूं”।

उनेसिकुरूस के घराने
“उनेसिकुरूस के कुटुम्ब”

चले आने का प्रयत्न कर
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “आने को संभव बना”

यूबूलुस और पूदेंस और लीनुस और क्लौदिया
ये सब भाई तुझे नमस्कार कहते हैं।

सब भाइयों
सब भाइयों और बहनों

प्रभु तेरी आत्मा के साथ रहे
“मैं प्रभु से तेरी आत्मा के सामर्थ्य के लिए प्रार्थना करता हूं”

तुम पर अनुग्रह होता रहे
तुम पर अनुग्रह होता रहे - “मैं प्रभु से प्रार्थना करता हूं कि तुम सब पर उसकी कृपादृष्टि हो”। या “मैं परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं कि तुम पर अनुग्रह प्रकट करे”।

Translation Questions

2 Timothy 4:1

मसीह यीशु किसका न्याय करेगा?
मसीह यीशु जीवितों और मृतकों का न्याय करेगा।

2 Timothy 4:2

पौलुस ने तीमुथियुस को क्या आज्ञा दी थीं?
पौलुस ने तीमुथियुस को राज्य की सुधि दिलाकर आदेश दिया कि वह वचन का प्रचार करे।

2 Timothy 4:3

पौलुस किस समय की चेतावनी देता है?
मनुष्य खरी शिक्षा नहीं सुनेंगे परन्तु अपनी अभिलाषाओं के अनुसार उपदेशक बटोर लेंगे।

2 Timothy 4:5

तीमुथियुस को कैसा काम और कैसी सेवा दी गई थी?
तीमुथियुस को एक प्रचारक का कार्य एवं सेवा दी गई थी।

2 Timothy 4:6

पौलुस के जीवन का कौन सा समय आ गया था?
पौलुस ने कहा कि उसके कूच करने का समय आ गया था।

2 Timothy 4:8

मसीह के प्रकट होने के प्रिय जाननेवालों को क्या मिलेगा?
पौलुस कहता है कि जो मसीह के प्रकट होने को प्रिय जानते हैं उन्हे धर्म का मुकुट मिलेगा।

2 Timothy 4:10

पौलुस के साथी देमास ने उसका साथ क्यों छोड़ दिया था?
देमास ने संसार को प्रिय जानकर पौलुस का साथ छोड़ दिया था।

2 Timothy 4:11

पौलुस का कौन सा एकमात्र साथी अब तक उसके साथ था?
एकमात्र लूका ही था जो अब तक पौलुस के साथ था।

2 Timothy 4:14

पौलुस के अनुसार उसके विरोधी को कैसा फल मिलेगा?
पौलुस कहता है कि उसका विरोधी अपने कर्मो का फल पाएगा।

2 Timothy 4:16

पौलुस के पहले प्रतिवाद के समय कौन उसके साथ था?
पहले प्रतिवाद के समय केवल प्रभु ने पौलुस का साथ दिया था।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: Titus

Titus

Chapter 1

1 पौलुस की ओर से, जो परमेश्वर का दास और यीशु मसीह का प्रेरित है, परमेश्वर के चुने हुए लोगों के विश्वास को स्थापित करने और सच्चाई का ज्ञान स्थापित करने के लिए जो भक्ति के साथ सहमत हैं, **2** उस अनन्त जीवन की आशा पर, जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने जो झूठ बोल नहीं सकता सनातन से की है, **3** पर ठीक समय पर* अपने वचन को उस प्रचार के द्वारा प्रगट किया, जो हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार मुझे सौंपा गया।

4 तीतुस के नाम जो विश्वास की सहभागिता के विचार से मेरा सच्चा पुत्र है: परमेश्वर पिता और हमारे उद्धारकर्ता मसीह यीशु की ओर से तुझे अनुग्रह और शान्ति होती रहे।

5 मैं इसलिए तुझे क्रेते में छोड़ आया था, कि तू शेष रही हुई बातों को सुधारें, और मेरी आज्ञा के अनुसार नगर-नगर प्राचीनों को नियुक्त करे।

6 जो निर्दोष और एक ही पत्नी के पति हों, जिनके बच्चे विश्वासी हो, और जिन पर लुचपन और निरंकुशता का दोष नहीं। **7** क्योंकि अध्यक्ष को परमेश्वर का भण्डारी होने के कारण निर्दोष होना चाहिए; न हठी, न क्रोधी, न पियक्कड़, न मार पीट करनेवाला, और न नीच कमाई का लोभी।

8 पर पहुनाई करनेवाला, भलाई का चाहनेवाला, संयमी, न्यायी, पवित्र और जितेन्द्रिय हो; **9** और विश्वासयोग्य वचन पर जो धर्मोपदेश के अनुसार है, स्थिर रहे; कि खरी शिक्षा से उपदेश* दे सके; और विवादियों का मुँह भी बन्द कर सके।

10 क्योंकि बहुत से अनुशासनहीन लोग, निरंकुश बकवादी और धोखा देनेवाले हैं; विशेष करके खतनावालों में से। **11** इनका मुँह बन्द करना चाहिए: ये लोग नीच कमाई के लिये अनुचित बातें सिखाकर घर के घर बिगाड़ देते हैं।

12 उन्हीं में से एक जन ने जो उन्हीं का भविष्यद्वक्ता हैं, कहा है, “क्रेती लोग सदा झूठे, दुष्ट पशु और आलसी पेटू होते हैं।” **13** यह गवाही सच है, इसलिए उन्हें कड़ाई से चेतावनी दिया कर, कि वे विश्वास में पक्के हो जाएँ।

14 यहूदियों की कथा कहानियों और उन मनुष्यों की आज्ञाओं पर मन न लगाएँ, जो सत्य से भटक जाते हैं।

15 शुद्ध लोगों के लिये सब वस्तुएँ शुद्ध हैं, पर अशुद्ध और अविश्वासियों के लिये कुछ भी शुद्ध नहीं वरन् उनकी बुद्धि और विवेक दोनों अशुद्ध हैं। **16** वे कहते हैं, कि हम परमेश्वर को जानते हैं पर अपने कामों से उसका इन्कार करते हैं*, क्योंकि वे घृणित और आज्ञा न माननेवाले हैं और किसी अच्छे काम के योग्य नहीं।

Titus 1:1

पौलुस
पौलुस “पौलुस की ओर से” आपकी भाषा में पत्र लिखने वाले के परिचय की अपनी विधि होगी। “मैं, पौलुस यह पत्र लिख रहा हूं”

परमेश्वर का दास और यीशु मसीह का प्रेरित
यहां “मैं... हूं” अभिप्रेत है आप एक नया वाक्य रच कर इसे स्पष्ट कर सकते हैं, “मैं” परमेश्वर का दास हूं और मसीह यीशु का प्रेरित हूं।”

विश्वास को स्थिर करने
विश्वास को स्थिर करने यह एक नया वाक्य हो सकता है, “मैं विश्वास के दृढ़ीकरण का काम करता हूं”। या “में विश्वास को बढ़ाने हेतु से करता हूं”।

परमेश्वर के चुने हुए लोगों
परमेश्वर के चुने हुए लोगों “परमेश्वर के चयनित जन” या “परमेश्वर के द्वारा अलगे किए हुओं”।

स्थिर करने
“दृढ़ता से यथा स्थान रखने के लिए”

भक्ति के अनुसार
“परमेश्वर के नियमों के अनुसार” या “पवित्र जनों के लिए जो उचित है”।

परमेश्वर.... झूठ बोल नहीं सकता
“परमेश्वर जो कभी झूठ नहीं बोलता है”

सनातन से
“समय के आरंभ से पूर्व”

ठीक समय पर
ठीक समय पर “उचित समय आने पर”

मुझे सौंप गया
मुझे सौंप गया “मुझे प्रचार के लिए बड़े विश्वास से सौंप गया” या “उसने मुझे प्रचार करने का उत्तरदायित्व सौंपा”।

परमेश्वर.... हमारे उद्धारकर्ता
“हमें बचानेवाला परमेश्वर”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Titus 1:4

एक सच्चा पुत्र
क्योंकि तीतुस पौलुस का अपना पुत्र नहीं था, इसका अनुवाद किया जा सकता है, “तू मेरे पुत्र के समान है”।

विश्वासी की सहभागिता
विश्वासी की सहभागिता - “मसीह यीशु में विश्वास जो हम दोनों का है” या “वही शिक्षाएं जिनका हम दोनों पालन करते हैं”।

अनुग्रह, दया और शान्ति
यह उस समय का एक सामान्य अभिवादन होता था। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है,“तुझे अनुग्रह, दया और शान्ति मिले” या “तू मन में दया, करूणा और शान्ति पाए”

हमारे उद्धारकर्ता मसीह यीशु
हमारे उद्धारकर्ता मसीह यीशु “मसीह यीशु जो हमारा उद्धारकर्ता है”।

इसलिए
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है,“इस उद्देश्य के निमित्त”।

तुझे क्रेते में छोड़ आया था
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मैंने तुझे क्रेते में रुकने के लिए इसलिए कहा था”

कि तू शेष बातों को सुधारे
कि तू उन बातों को पूरा करे जो अधूरी रह गई थी - “कि तू उन बातों को व्यवस्थित करे जिनका किया जाना है”

प्राचीनों को नियुक्त करे
अर्थात धर्म-वृद्धों को चुन कर उनका अभिषेक करें

Titus 1:6

निर्दोष
(देखें यू.डी.बी.)इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “एक निष्ठ हो” या “उनकी अच्छी छवि हो”

एक ही पत्नी के पति हों
इसका अर्थ है, “एक ही पत्नी हों। इसका अनुवाद सामान्य इस प्रकार किया जा सकता है, उसकी एक ही पत्नी होनी चाहिए” (यू.डी.बी.) यहां विवाद का विषय है कि यदि कोई विधुर है, या तलाकशुदा है या अविवाहित है।

बच्चे विश्वासयोग्य हों
इसके संभावित अर्थ हैं 1) मसीह में विश्वास करनेवाली सन्तान या 2) केवल विश्वासयोग्य सन्तान।

दोष न हो
“जाने न जाते हों” या “उनकी छवि ऐसी न हो”

निरंकुशता
“विद्रोही न हों “या “नियमनिष्ठ हों”

अध्यक्ष को.... होना चाहिए
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “पर्यवेक्षक के लिए आवश्यक है कि”

परमेश्वर के घर का भण्डारी
“परमेश्वर का गृह प्रबन्धक” या “परमेश्वर के परिवार की देखरेख का दायित्व उठाने वालो को”

पियक्कड़ न हो
“मद्यव्यसनी” या “शराबी” या “अत्यधिक मदिरापान करनेवाला”।

मारपीट करने वाला
“उग्र स्वभाव का” या “लड़ने झगड़ने वाला” (यू.डी.बी.)

Titus 1:8

x
पौलुस तीतुस को समझाता है कि वह कलीसिया में कैसे मनुष्यों को धर्म-वृद्ध नियुक्त करें।

अतिथि सत्कार करने वाला
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “आदर सत्कार करने वाला”

भलाई का चाहने वाला
“अच्छी बातों का प्रेमी” (यू.डी.बी.)

स्थिर रहे
“समर्पित रहे” या “उचित ज्ञान रखे” या “दृढ़ समझ रखे”

विश्वासयोग्य वचन की शिक्षा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “वचन के सत्य पर” या “विश्वासयोग्य वचन की शिक्षा पर”

खरी शिक्षा
“उचित शिक्षा” या “लाभकारी शिक्षा”

Titus 1:10

खतना वालों
“जिनका खतना हुआ है” या “जो खतना के पक्षधर हैं, यह यहूदियों के संदर्भ में है जिन सबका खतना हो चुका है।

अनुचित बातें सिखा कर
अनुचित बातें सिखा कर “उनके शब्दों से किसी को लाभ नहीं होता है”

इनका मुंह बन्द करना चाहिए।
इनका मुंह बन्द करना चाहिए। - “उनको अपनी शिक्षा प्रसारण से रोकना आवश्यक है” या “उन्हें रोकना आवश्यक है कि वे मनुष्यों को पथभ्रष्ट न करें।”

अनुचित बातें
“वे शिक्षाएं जो शिक्षण हेतु उचित नहीं”

नीच कमाई
“कि मनुष्य उन्हें पैसा दे। यह बड़ी लज्जा की बात है” (यू.डी.बी.) इसका अभिप्राय है कि लोग अनिष्ठ बातें सिखाकर धनोपार्जन करते हैं।

घर के घर तोड़ देते है
“संपूर्ण परिवार नष्ट कर देते हैं” अर्थात “संपूर्ण परिवारों के विश्वास को नष्ट कर देते हैं।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Titus 1:12

x
(पौलुस कलीसिया में घुस आए झूठे शिक्षकों के विरूद्ध चेतावनी दे रहा है)

उन्हीं में से एक जन ने
“क्रेते वासियों में से ही एक ने” या “क्रेते के नागरिकों में से ही एक ने”

उन्हीं का भविष्यद्वक्ता
“जिसे वहां के नागरिक भविष्यद्वक्ता मानते थे”

क्रेती लोग सदा झूठे
“क्रेतेवासी सदा झूठ बोलते हैं” या “क्रेतेवासी झूठ बोलना नहीं छोड़ते यह एक अतिशयोक्ति है।”

खतरनाक पशुओं
इस रूपक द्वारा क्रेतेवासियों की तुलना खतरनाक पशुओं से की गई है।

आलसी पेटू
“निरूघम और बहुत खानेवाले” या “कुछ करते नहीं, खाते बहुत हैं” यह उनके पेट को उनके तुलना उनके संपूर्ण व्यक्तित्व से की गई है।

उन्हें कड़ाई से चेतावनी दिया कर
“उन्हें कठोरता से समझा कि वे गलत हैं”।

कि वे विश्वास में पक्के हो जाएं
“कि उनका विश्वास सद्भावपूर्ण हो जाए” या “कि वे सत्य में विश्वास करें” या “कि उनका विश्वास सच्चा हो”।

Titus 1:14

x
(पौलुस तीतुस को समझाता है कि झूठे शिक्षकों का सामना कैसे करे।

मन न लगाएं
“सुनने में समय न गवाएं"

यहूदियों की कथा कहानियों
यहूदियों की झूठी शिक्षाओं पर

भटक जाते हैं
“मनुष्य को विश्वास करने से भड़का कर दूर करना”

Titus 1:15

x
(पौलुस तीतुस को झूठे शिक्षकों का स्वभाव समझाता है)

शुद्ध लोगों के लिए सब वस्तुएं शुद्ध हैं
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जो स्वयं शुद्ध है उसके लिए सब शुद्ध है” “मनुष्य का मन शुद्ध हो तो उनके काम भी शुद्ध होंगे।

शुद्ध
“पवित्र” या “परमेश्वर को स्वीकार्य”

“अविश्वासियों के लिए कुछ भी शुद्ध नहीं”
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है,“जो नैतिकता में अशुद्ध है और विश्वास नहीं करता, शुद्ध नहीं हो सकता”

कुछ भी शुद्ध नहीं
“नैतिकता में अशुद्ध” या “भ्रष्ट” या “भ्रष्ट”

अपने कामों से उसका इन्कार करते हैं
“उनके कामों से प्रकट होता है कि वे उसे नहीं जानते”

घृणित
“ग्लानि-जनक”

किसी अच्छे काम के योग्य नहीं
“किसी भी अच्छे काम के अयोग्य होते हैं” या “दर्शा देते हैं कि किसी भी भले काम के योग्य नहीं”

Translation Questions

Titus 1:1

परमेश्वर की सेवा में पौलुस का उद्देश्य क्या था?
उसका उद्देश्य था कि परमेश्वर के चुने हुओं का विश्वास स्थिर रहे और सत्य के ज्ञान को स्थापित करे।

Titus 1:2

परमेश्वर ने अपने चुने हुओं को अनन्त जीवन की प्रतिज्ञा कब से दी है?
उसने इसकी प्रतिज्ञा सनातन से की है।

क्या परमेश्वर झूठ बोल सकता है?
नहीं।

Titus 1:3

सही समय के आने पर परमेश्वर ने अपना सन्देश सुनाने के लिए किस को काम में लिया था?
परमेश्वर ने प्रेरित पौलुस को काम में लिया था।

Titus 1:4

तीतुस और पौलुस में क्या संबन्ध था?
तीतुस विश्वास की एकता में पौलुस का सच्चा पुत्र था।

Titus 1:6

एक प्राचीन के पारिवारिक जीवन में क्या सच होना है?
उसे एक पत्नी का पति होना है और उसकी सन्तान विश्वासयोग्य और अनुशासित हों।

Titus 1:7

अध्यक्ष में कैसे गुण होने चाहिए, प्राचीन को निर्दोष होने के लिए बचना चाहिए?
उसे संयमी होना है, वह पियक्कड़ न हो, विवाद करनेवाला न हो, धन का लोभी न हो, अतिथि सत्कार करनेवाला हो और पवित्र हो।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

परमेश्वर के घराने में एक अध्यक्ष का क्या स्थान और क्या उत्तरदायित्व है?
वह परमेश्वर के घराने का प्रबन्धक है।

Titus 1:8

एक प्राचीन में कैन से गुण होने चाहिए?
एक प्राचीन को अतिथिसत्कार करने वाला होना चाहिए, भलाई करने वाला, समझदार, धर्मी, पवित्र और आत्म-नियंत्रित होना चाहिए।

Titus 1:9

झूठे शिक्षकों के साथ प्राचीन को क्या करना चाहिए?
वह उनको डांटकर उनका मुंह बन्द कराने और उन्हे कड़ी चेतावनी देने के योग्य हो।

Titus 1:11

उनकी शिक्षा से झूठे शिक्षक क्या कर रहे थे?
वे लोगों को धोखा दे रहे थे और परिवारों को तोड़ रहे थे।

झूठे शिक्षकों का प्रेरक बल क्या था?
वे नीच कमाई के लिए काम करते थे।

Titus 1:13

कलीसिया को नुकसान पहुंचाने वाले इन झूठे शिक्षकों के साथ एक प्राचीन को कैसा व्यवहार करना चाहिए?
उसे उन्हें बुरी तरह से डांटना होगा, ताकि वे विश्वास में दृढ हो सकें

Titus 1:14

पौलुस के अनुसार उन्हे किस बात पर ध्यान नहीं देना चाहिए?
उन्हे यहूदियों की कथा कहानियों पर और मनुष्यों की आज्ञाओं पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

Titus 1:15

अविश्वासी मनुष्य में क्या भ्रष्ट होता है?
उनका मन और विवेक दोनों ही भ्रष्ट हैं।

Titus 1:16

यद्यपि भ्रष्ट मनुष्य कहता है कि वह परमेश्वर को जानता है परन्तु वह उसका इन्कार कैसे करता है?
वह अपने कामो से परमेश्वर का इन्कार करता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 पर तू, ऐसी बातें कहा कर जो खरे सिद्धांत के योग्य हैं। **2** अर्थात् वृद्ध पुरुषों सचेत और गम्भीर और संयमी हों, और उनका विश्वास और प्रेम और धीरज पक्का हो।

3 इसी प्रकार बूढ़ी स्त्रियों का चाल चलन भक्तियुक्त लोगों के समान हो, वे दोष लगानेवाली और पियक्कड़ नहीं; पर अच्छी बातें सिखानेवाली हों। **4** ताकि वे जवान स्त्रियों को चेतावनी देती रहें*, कि अपने पतियों और बच्चों से प्रेम रखें; **5** और संयमी, पतिव्रता, घर का कारबार करनेवाली, भली और अपने-अपने पति के अधीन रहनेवाली हों, ताकि परमेश्वर के वचन की निन्दा न होने पाए।

6 ऐसे ही जवान पुरुषों को भी समझाया कर, कि संयमी हों। **7** सब बातों में अपने आप को भले कामों का नमूना बना; तेरे उपदेश में सफाई, गम्भीरता **8** और ऐसी खराई पाई जाए, कि कोई उसे बुरा न कह सके; जिससे विरोधी हम पर कोई दोष लगाने का अवसर न पा कर लज्जित हों।

9 दासों को समझा, कि अपने-अपने स्वामी के अधीन रहें, और सब बातों में उन्हें प्रसन्न रखें, और उलटकर जवाब न दें; **10** चोरी चालाकी न करें; पर सब प्रकार से पूरे विश्वासी निकलें, कि वे सब बातों में हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर के उपदेश की शोभा बढ़ा दें।

11 क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह प्रगट है, जो सब मनुष्यों में उद्धार लाने में सक्षम है*। **12** और हमें चिताता है, कि हम अभक्ति और सांसारिक अभिलाषाओं से मन फेरकर* इस युग में संयम और धार्मिकता से और भक्ति से जीवन बिताएँ; **13** और उस धन्य आशा की अर्थात् अपने महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा के प्रगट होने की प्रतीक्षा करते रहें।

14 जिस ने अपने आप को हमारे लिये दे दिया, कि हमें हर प्रकार के अधर्म से छुड़ा ले, और शुद्ध करके अपने लिये एक ऐसी जाति बना ले जो भले-भले कामों में सरगर्म हो। (निर्ग. 19:5, व्य. 4:20, व्य. 7:6, व्य. 14:2, भज. 72:14, भज. 130:8, यहे. 37:23)

15 पूरे अधिकार के साथ ये बातें कह और समझा और सिखाता रह। कोई तुझे तुच्छ न जानने पाए।

Titus 2:1

x
(अब पौलुस झूठे शिक्षकों से ध्यान हटाकर तीतुस और विश्वासियों पर केन्द्रित करता है)।

पर तू
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है,"पर इन झूठे शिक्षकों के विपरीत तीतुस तू"

खरे उपदेश
"जो शिक्षा अनुचित न हो" या "उचित शिक्षाओं"

संयमी
"मिताचारी" या "शान्त-चित्त" इसका अनुवाद होगा, "स्वशासित"

गम्भीर
"आत्म संयमी" या "अपनी लालसाओं को वश में रखने वाले"

पक्का
इससे अगली तीन बातें का वर्णन होता है, विश्वास, प्रेम और धीरज। "खरी" का अर्थ है "जो अनुचित नहीं"

विश्वास....(में पक्का)
"उचित विश्वास" या "मान्यताओं के अचूक है"

प्रेम.... (में पक्का)
"सद्भावना का प्रेम"

धीरज पक्का
"दृढ़" या "अड़िग" या "अथक"

Titus 2:3

इसी प्रकार
"इसी रीति से" इसका अनुवाद हो सकता है, "जिस प्रकार तूने वृद्ध पुरूषों को निर्देश दिए हैं, उसी प्रकार वृद्ध स्त्रियों को भी निर्देश दे"।

चाल चलन पवित्र लोगों का सा हो
"पवित्र लोगों का सा चालचलन होना चाहिए" या "के जैसा जीवन रखें"

दोष लगानेवाली
जिस मूल शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाली" किया गया है उसका अर्थ है "शैतान" या "मानहानि करने वाली" या "बैरी"

बुलाया
बुलाया - "शिक्षा दे" या "अनुशासित करें" या "प्रोत्साहित करें"

संयमी
"बुद्धिमानी से सोचनेवाली"

भली
इसका अनुवाद हो सकता है, "अच्छे विचार रखनेवाली तथा अच्छे काम करनेवाली"या "पवित्र विचारों एवं कर्मों वाली"

परमेश्वर के वचन का निन्दा न होने पाए
"परमेश्वर के वचन का तिरस्कार न हो" इसका अनुवाद होगा "कि परमेश्वर के वचन की आलोचना न हो यदि स्त्रियों के कामों से परमेश्वर के वचन की आलोचना या परित्याग न हो"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Titus 2:6

ऐसी ही
इसका संदर्भ कलीसिया में स्त्रियों के प्रशिक्षण से है। तीतुस पुरूषों को भी ऐसे ही निर्देश दे।

चेतावनी
“शिक्षा दे” या “उपदेश दे” या “प्रोत्साहित कर”

अपने आप को... नमूना बना
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “आवश्यक है कि तू... नमूना बन” या “स्वयं को प्रकट कर”

अच्छे कामों का नमूना
“उचित एवं सही कामों का नमूना बना”

तेरे उपदेशों में.... ऐसी खराई
“अचूक शिक्षा”

विरोधी... लज्जित हों
यह एक काल्पनिक स्थिति है जिसमें तीतुस का विरोध करनेवाला स्वयं लज्जित हो जाता है। वह कोई होने वाली घटना को व्यक्त नहीं कर रहा है। आपकी भाषा में इसे व्यक्त करने की विधि हो सकती है।

Titus 2:9

अपने-अपने स्वामी
“जिसके वे दास हैं”।

सब बातों में
“हर परिस्थिति में” या “सदैव”

प्रसन्न रखें
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “अपने स्वामी की प्रसन्न रखें” या “अपने स्वामी को सन्तुष्ट रखें”

पूरे विश्वासी निकलें
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “अपने स्वामी के स्वामि-भक्त हों” या “प्रकट करें कि वे अपने स्वामी के भरोसेमन्द हैं”।

हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर
“परमेश्वर जो हमारा उद्धार करता है”

शोभा
यहां “शोभा” शब्द का मूल अर्थ है, किसी वस्तु का ऐसा सौंदर्यकरण करना कि वह देखनेवाले को ललचाए”।

सब बातें में
“उनके हर एक काम में”

Titus 2:11

तू समझता है
“तीतुस, तू समझता है”

“परमेश्वर का वह अनुग्रह प्रकट है जो सब मनुष्यों के उद्धार का कारण है।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है,“परमेश्वर का उद्धारक अनुग्रह सबके लिए प्रकाश में आ गया है

प्रगट है
“प्रकाश में आ गया है” या “दिखने लगता है”

चेतावनी देता है
“हमें सही काम करने की शिक्षा देता है।” इसका अनुवाद होगा, “हमें गलत काम करने की परीक्षा का विरोध करने की शिक्षा दे”

चेतावनी देता है
यह एक रूपक है जो परमेश्वर के अनुग्रह को मानव रूप में दर्शाता है जो मनुष्यों को प्रशिक्षण देता है एवं अनुशासन सिखाता है कि वे पवित्र जीवन जीएं।

सांसारिक अभिलाषाओं
“संसार की वस्तुओं की उत्कट अभिलाषा” या सांसारिक सुख की लालसा”

इस युग में
“इस सांसारिक जीवन में” या “इस समय में”

बाट जोहते रहें
“उसके स्वागत की प्रतीक्षा करें”

महिमा के प्रकट हाने की
“महिमा” और “प्रकट होने” को जोड़कर कहा जा सकता है, “महिमामय प्रकटीकरण”

Titus 2:14

यीशु ने हमारे लिए अपने आप को क्यों दे दिया?
“मृत्यु के निमित्त हमारे लिए दे दिया”

कि हमें हर प्रकार के अधर्म से छुड़ा ले
“हमारी पाप की दशा से उभार ले” यह एक रूपक है जो पाप मुक्ति की तुलना एक दास की स्वतंत्रता से करता है जो मोल देकर उसे प्राप्त हुई है।

शुद्ध करके
“पवित्र बना कर”

एक जाति
अर्थात “ऐसे मनुष्यों का समूह जिसे वह कीमती समझता है”।

सरगर्म
“उत्कट अभिलाषा रखो”

Titus 2:15

ये बातें कह और समझता और सिखाता रह
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है,“इन बातों को सिखा और श्रोताओं को उन पर आचरण करने के लिए प्रोत्साहित कर”

समझा और लिखता रह
“जो ऐसा न करें उनका सुधार कर”

कोई तुझे तुच्छ न जानने पाए”
“किसी को अवसर न दे कि....”

“तेरा अपमान करने पाए”
अर्थात “तेरी शिक्षाओं से मुंह न मोड़ने पाए” या “तेरा सम्मान करने से इन्कार करे”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Titus 2:2

कलीसिया में वृद्ध पुरुषों में कैसे गुण हों?
उन्हे सचेत, गंभीर और संयमी होना है और उनका विश्वास, प्रेम और धीरज दृढ हो।

Titus 2:3

कलीसिया में वृद्ध स्त्रियों में क्या गुण होने चाहिएं?
उनका चालचलन पवित्र लोगों सा हो, दोष लगानेवाली और पियक्कड़ नही पर अच्छी बातें सिखानेवाली हों।

Titus 2:4

कलीसिया में वृद्ध स्त्रियों में क्या गुण होने चाहिएं?
उनका चालचलन पवित्र लोगों सा हो, दोष लगानेवाली और पियक्कड़ नही पर अच्छी बातें सिखानेवाली हों।

Titus 2:7

विश्वासियों का आदर्श बनने के लिए तीतुस को क्या करना था?
उसके उपदेशों में सफाई, गंभीरता और खराई पाई जाए ताकि कोई दोष नहीं लगा पाए।

Titus 2:8

यदि तीतुस एक अच्छा उदाहरण है तो उसका विरोध करने वालों का क्या होगा?
जो लोग उसका विरोध करते हैं, वे लज्जित होंगे क्योंकि उनके पास उसके बारे में कहने के लिए कुछ भी बुरा नहीं है।

Titus 2:9

विश्वास करने वाले दास का व्यवहार कैसा होना चाहिए?
उन्हें अपने स्वामियों की आज्ञा का पालन करना चाहिए, प्रसन्न होना चाहिए, और बहस नहीं करनी चाहिए।

Titus 2:10

जब पौलुस के निर्देशानुसार विश्वासी दास व्यवहार करते हैं, तो दूसरों पर उसका क्या प्रभाव पड़ेगा?
इससे हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर के उपदेश की शोभा बढ़ती है।

Titus 2:11

परमेश्वर का अनुग्रह किसके उद्धार का कारण है?
परमेश्वर का अनुग्रह सबके उद्धार का कारण है।

Titus 2:12

परमेश्वर का अनुग्रह हमें किस बात से मन फिराने की चेतावनी देता है?
परमेश्वर का अनुग्रह हमें चेतावनी देता है कि हम अभक्ति और सांसारिक अभिलाषाओं से मन फिराएं।

Titus 2:13

विश्वासियों को भविष्य में होनेवाली कौन-सी धटनाओं की प्रतीक्षा करनी चाहिए?
विश्वासी अपने महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता मसीह की महिमा के प्रकट होने की बाट जोहते रहें।

Titus 2:14

यीशु ने हमारे लिए अपने आप को क्यों दे दिया?
उसने अपने आप को हमारे लिए दे दिया कि हमें हर प्रकार के अधर्म से छुड़ा ले और भले कामों में सरगर्म होने के लिए शुद्ध करके एक जाति बनाया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 लोगों को सुधि दिला, कि हाकिमों और अधिकारियों के अधीन रहें, और उनकी आज्ञा मानें, और हर एक अच्छे काम के लिये तैयार रहे, **2** किसी को बदनाम न करें*; झगड़ालू न हों; पर कोमल स्वभाव के हों, और सब मनुष्यों के साथ बड़ी नम्रता के साथ रहें।

3 क्योंकि हम भी पहले, निर्बुद्धि और आज्ञा न माननेवाले, और भ्रम में पड़े हुए, और विभिन्न प्रकार की अभिलाषाओं और सुख-विलास के दासत्व में थे, और बैर-भाव, और डाह करने में जीवन निर्वाह करते थे, और घृणित थे, और एक दूसरे से बैर रखते थे।

4 पर जब हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की भलाई, और मनुष्यों पर उसका प्रेम प्रकट हुआ **5** तो उसने हमारा उद्धार किया और यह धार्मिक कामों के कारण नहीं, जो हमने आप किए, पर अपनी दया के अनुसार, नये जन्म के स्नान, और पवित्र आत्मा के हमें नया बनाने के द्वारा हुआ।

6 जिसे उसने हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के द्वारा हम पर अधिकाई से उण्डेला। (योए. 2:28) **7** जिससे हम उसके अनुग्रह से धर्मी ठहरकर, अनन्त जीवन की आशा के अनुसार वारिस बनें।

8 यह बात सच है, और मैं चाहता हूँ, कि तू इन बातों के विषय में दृढ़ता से बोले इसलिए कि जिन्होंने परमेश्वर पर विश्वास किया है, वे भले-भले कामों में लगे रहने का ध्यान रखें ये बातें भली, और मनुष्यों के लाभ की हैं।

9 पर मूर्खता के विवादों, और वंशावलियों, और बैर विरोध, और उन झगड़ों से, जो व्यवस्था के विषय में हों बचा रह; क्योंकि वे निष्फल और व्यर्थ हैं। **10** किसी पाखण्डी को एक दो बार समझा बुझाकर उससे अलग रह। **11** यह जानकर कि ऐसा मनुष्य भटक गया है, और अपने आप को दोषी ठहराकर पाप करता रहता है।

12 जब मैं तेरे पास अरतिमास या तुखिकुस को भेजूँ, तो मेरे पास निकुपुलिस आने का यत्न करना: क्योंकि मैंने वहीं जाड़ा काटने का निश्चय किया है। **13** जेनास व्यवस्थापक और अपुल्लोस को यत्न करके आगे पहुँचा दे, और देख, कि उन्हें किसी वस्तु की घटी न होने पाए।

14 हमारे लोग भी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये अच्छे कामों में लगे रहना सीखें ताकि निष्फल न रहें।

15 मेरे सब साथियों का तुझे नमस्कार और जो विश्वास के कारण हम से प्रेम रखते हैं, उनको नमस्कार। तुम सब पर अनुग्रह होता रहे।

Titus 3:1

सुधि दिला
“कलीसिया को अपनी शिक्षाएं फिर से सुना” या “उन्हें स्मरण कराता रह”

हाकिमों और अधिकारियों के आधीन रहें “
हाकिमों और अधिकारियों के आधीन रहें - “राजनीति के शासक एवं सरकारी अधिकारी जो कहते है। उसे कर”।

हाकिमों और अधिकारियों
ये दोनों शब्द एक से हैं और इनका संयोजित उपयोग उस हर एक व्यक्ति के लिए है जो सरकारी पद पर है।

हर एक अच्छे काम के लिए तैयार रहें
“जबकि अवसर मिले मन अच्छे काम करने के लिए तत्पर रहें”।

बदनाम न करे
“किसी के लिए बुरा न कहें”

नम्रता
“कोमलता का व्यवहार करें”।

Titus 3:3

x
(पौलुस समझाता है कि वह क्यों कह रहा है कि हम दीनतापूर्वक शिक्षा दें।)

क्योंकि
“इसलिए कि”

पहले
“किसी समय” या “इससे पूर्व” या “पूर्वकाल में”

निर्बुद्धि
“मूर्ख” या “अविवेकी”

अभिलाषाओं या सुख विलास के दासत्व में थे
इस रूपक द्वारा हमारी पापी लालसाओं के द्वारा हमें दास बनना दिखाया गया है। “हमारी पापी अभिलाषाएं हमें भोग विलास की लालसा का दास बना देती थी”।

भ्रम में पड़े हुए
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “पथ-भ्रष्ट किए गए थे”

अभिलाषाओं
“लालसाओं” या “प्रलोभनों”

बैरभाव और डाह
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “हम सदैव बुरे काम करते थे और पराए धन का लालच करते थे”।

घृणित थे
“हम घृणा योग्य थे” अनुवाद, “हमने मनुष्यों को हमसे घृणा करने का अवसर दिया”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Titus 3:4

x
(पौलुस तीतुस को समझा रहा है कि हमें दीनतापूर्वक शिक्षा क्यों देना है)

जब हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की कृपा और मनुष्यों पर उसका प्रेम प्रगट हुआ
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “जब हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मनुष्यों पर अपना प्रेम और कृपा प्रकट की”

मनुष्यों पर
मनुष्यों पर - “मनुष्यों के लिए”

हमारा उद्धार किया
“के द्वारा हमारा उद्धार किया” या “उस माध्यम से हमें उद्धार प्रदान किया”

नए जन्म के स्नान
इसका अनुवाद किया जा सकता है,“हमारे आत्मिक नए जन्म द्वारा हमें नया बनाया।

नया बनाने
“नव निर्माण द्वारा” इसका अनुवाद हो सकता है “पवित्र आत्मा ने हमें नया कर दिया” या “पवित्र आत्मा ने हमे नए मनुष्य बना दिया”

धर्म के कामों के कारण नहीं जो हमने आप किए।
“हमारे सद्कर्मों के कारण नहीं

अनुसार
“उसी परिश्रम में”

Titus 3:6

x
(पौलुस हमें दीनतापूर्वक शिक्षा देने का स्मरण करता है क्योंकि हमें अनुग्रह प्राप्त होता है)

पवित्र आत्मा.... अधिकाई से उंडेला
यह रूपक पुरोहितों के अभिषेक का है। इसका अनुवाद होगा “हमें पवित्र आत्मा व उदारता से दिया”

अनन्त
"शाश्वत"

अधिकाई
“बहुतायत से” या “उदारतापूर्वक”

हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के द्वारा
“जब यीशु ने हमारा उद्धार किया”

धर्मी ठहरा कर
इसका अनुवाद होगा, “हम परमेश्वर द्वारा न्यायोचित ठहराए जा चुकें है”

वारिस बने
इसका अनुवाद होगा, “परमेश्वर हमें उत्तराधिकार का अधिकार देकर पुत्र बनाया है”

अनन्त जीवन की आशा
“हम निश्चय ही जानते हैं कि हमें शाश्वत जीवन प्राप्त है”।

Titus 3:8

यह बात
यह पिछले पद में परमेश्वर के बारे में कहे गए कथनों के संदर्भ में है कि वह हमें यीशु के माध्यम से पवित्र आत्मा देता है।

लगे रहने का ध्यान रखें
“ध्यान केन्द्रित करें” या “लगातार विचारते रहें”

that he put before them -
“जो परमेश्वर ने उन्हें करने के लिए कहीं हैं”

Titus 3:9

परन्तु
“परन्तु तीतुस तू”

मूर्खता के विवादों
“महत्त्वहीन विषयों पर विवाद”

झगड़ों
“वाद-विवाद”

व्यवस्था
“परमेश्वर का विधान”

बचा रह
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है,“उनके साथ परिचर्चा न कर” या “उनके साथ समय नहीं बिता” या “बचा रह”

एक दो बार समझा बुझाकर
“ऐसे व्यक्ति को एक दो बार समझाने के बाद”

ऐसा मनुष्य
“ऐसा पाखंडी मनुष्य”

भटक गया है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “स्वयं के लिए दण्ड का कारण होता है”

Titus 3:12

x
(पत्र के अन्त में पौलुस तीतुस से कहता है कि क्रेते में धर्म-वृद्धों की नियुक्ति करने के बाद वह क्या करे)

भेजूं
“मैं जब.... भेजूं”

मैंने वहां जाड़ा काटने का निश्चय किया है
“शीत ऋतु वहां बिताने का निश्चय किया है”

अनेक प्रयास करना
“तू शीघ्रता से आने का प्रयास करना” या “शीघ्र आ जाना”

यत्न करके आगे पहुंचा दे
“शीघ्रता कर” या “भेजने में विलम्ब न कर”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

और अपुल्लोस
“अपुल्लोस को भी भेज दे”

Titus 3:14

x
(पौलुस समझाता है कि जेनास और अपुल्लोस के लिए प्रबन्ध करना महत्त्वपूर्ण क्यों है)

पूरा करने के लिए
“करने में व्यस्त रहें”

निष्फल न रहें
यह द्विनकारात्मक शब्दों का कथनात्मक रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है, “कि वे फलवन्त हों” या “वे परमेश्वर के लिए फल लाएं” या “उनका जीवन फलवन्त हो”

Titus 3:15

x
(पौलुस तीतुस के पत्र का अन्त करता है)

जो
“वे सब लोग”

जो विश्वास के कारण हम सबसे प्रीति नहीं रखते हैं
जो विश्वास के कारण हम सबसे प्रीति नहीं रखते हैं इसके प्रभावित अर्थ है 1)“हमसे प्रेम रखने वाला विश्वासी” या 2) “विश्वासी के उसी विश्वास के कारण हमसे प्रेम रखते हैं”।

तुम सब पर अनुग्रह होता रहे
तुम सब पर अनुग्रह होता रहे यह उस समय का एक सामान्य अभिवादन था। इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का अनुग्रह तुम्हारे साथ बना रहे” या “मैं प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर तुम सब पर अनुग्रहकारी हो”

Translation Questions

Titus 3:1

हाकिमों और अधिकारियों के प्रति विश्वासियों का स्वभाव कैसा हो?
विश्वासी को अधीन रहकर आज्ञाकारी होना है और हर एक अच्छे काम के लिए तैयार रहना है।

Titus 3:3

अविश्वासियों को भटकाने और दास बनानेवाला क्या है?
उन्हें विभिन्न प्रकार की अभिलाषाएँ और सुखविलास के कारण भटकाते हैं और दास बनाते हैं।

Titus 3:5

परमेश्वर ने किस साधन से हमारा उद्धार किया है?
उसने नये जन्म के स्नान और पवित्र आत्मा के नवीकरण द्वारा हमारा उद्धार किया है।

हम क्या हमारे भले कामों से उद्धार पाते हैं या परमेश्वर की दया से?
हम केवल परमेश्वर की दया से उद्धार पाते हैं।

Titus 3:7

हमें धर्मी ठहराकर परमेश्वर क्या करता है?
पमरेश्वर हमें अपना वारिस बनाता है।

Titus 3:8

विश्वासी किस बात का ध्यान रखें?
विश्वासी भले भले कामों में लगे रहने का ध्यान रखें जो परमेश्वर ने रखे हैं।

Titus 3:9

विश्वासी किस बात से बचें?
विश्वासियों को मूर्खतापूर्ण बहस, वंशावली, संघर्ष और धार्मिक व्यवस्था के बारे में झगड़ों से बचना चाहिए।

Titus 3:10

एक या दो बार चेतावनी देने के बाद किस को अलग कर देना है?
किसी पाखंडी को एक या दो बार समझाकर उसे अलग कर देना है।

Titus 3:14

फलवन्त होने के लिए विश्वासी किस काम में लगे रहें?
विश्वासी आवश्यक्ताओं को पूरा करने के लिए अच्छे कामों में लगे रहना सीखें।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: Philemon

Philemon

Chapter 1

1 पौलुस की ओर से जो मसीह यीशु का कैदी* है, और भाई तीमुथियुस की ओर से हमारे प्रिय सहकर्मी फिलेमोन। **2** और बहन अफफिया*, और हमारे साथी योद्धा अरखिप्पुस और फिलेमोन के घर की कलीसिया के नाम। **3** हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से अनुग्रह और शान्ति तुम्हें मिलती रहे।

4 मैं सदा परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ; और अपनी प्रार्थनाओं में भी तुझे स्मरण करता हूँ। **5** क्योंकि मैं तेरे उस प्रेम और विश्वास की चर्चा सुनकर, जो प्रभु यीशु पर और सब पवित्र लोगों के साथ है। **6** मैं प्रार्थना करता हूँ कि, विश्वास में तुम्हारी सहभागिता हर अच्छी बात के ज्ञान के लिए प्रभावी हो जो मसीह में हमारे पास है। **7** क्योंकि हे भाई, मुझे तेरे प्रेम से बहुत आनन्द और शान्ति मिली है, इसलिए, कि तेरे द्वारा पवित्र लोगों के मन हरे भरे हो गए हैं।

8 इसलिए यद्यपि मुझे मसीह में बड़ा साहस है, कि जो बात ठीक है, उसकी आज्ञा तुझे दूँ। **9** तो भी मुझ बूढ़े पौलुस को जो अब मसीह यीशु के लिये कैदी हूँ, यह और भी भला जान पड़ा कि प्रेम से विनती करूँ।

10 मैं अपने बच्चे उनेसिमुस के लिये जो मुझसे मेरी कैद में जन्मा है तुझ से विनती करता हूँ। **11** वह तो पहले तेरे कुछ काम का न था, पर अब तेरे और मेरे दोनों के बड़े काम का है। **12** उसी को अर्थात् जो मेरे हृदय का टुकड़ा है, मैंने उसे तेरे पास लौटा दिया है। **13** उसे मैं अपने ही पास रखना चाहता था कि तेरी ओर से इस कैद में जो सुसमाचार के कारण हैं, मेरी सेवा करे।

14 पर मैंने तेरी इच्छा बिना कुछ भी करना न चाहा कि तेरा यह उपकार दबाव से नहीं पर आनन्द से हो। **15** क्योंकि क्या जाने वह तुझ से कुछ दिन तक के लिये इसी कारण अलग हुआ कि सदैव तेरे निकट रहे। **16** परन्तु अब से दास के समान नहीं, वरन् दास से भी उत्तम, अर्थात् भाई के समान रहे जो मेरा तो विशेष प्रिय है ही, पर अब शरीर में और प्रभु में भी, तेरा भी विशेष प्रिय हो।

17 यदि तू मुझे अपना सहभागी समझता है, तो उसे इस प्रकार ग्रहण कर जैसे मुझे। **18** और यदि उसने तेरी कुछ हानि की है*, या उस पर तेरा कुछ आता है, तो मेरे नाम पर लिख ले। **19** मैं पौलुस अपने हाथ से लिखता हूँ, कि मैं आप भर दूँगा; और इसके कहने की कुछ आवश्यकता नहीं, कि मेरा कर्ज जो तुझ पर है वह तू ही है। **20** हे भाई, यह आनन्द मुझे प्रभु में तेरी ओर से मिले, मसीह में मेरे जी को हरा भरा कर दे।

21 मैं तेरे आज्ञाकारी होने का भरोसा रखकर, तुझे लिखता हूँ और यह जानता हूँ, कि जो कुछ मैं कहता हूँ, तू उससे कहीं बढ़कर करेगा। **22** और यह भी, कि मेरे लिये ठहरने की जगह तैयार रख; मुझे आशा है, कि तुम्हारी प्रार्थनाओं के द्वारा मैं तुम्हें दे दिया जाऊँगा।

23 इपफ्रास जो मसीह यीशु में मेरे साथ कैदी है **24** और मरकुस और अरिस्तर्खुस और देमास और लूका जो मेरे सहकर्मी है; इनका तुझे नमस्कार।

25 हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम्हारी आत्मा पर होता रहे। आमीन।

Philemon 1:1

x
यह पत्र पौलुस ने फिलेमोन नामक एक विश्वासी को लिखा था।

मसीह यीशु का कैदी है और हमारे भाई तीमुथियुस की ओर से हमारे प्रिय सहकर्मी फिलेमोन को।
आपकी भाषा में पत्र के लेखक का परिचय देने को अपनी विशिष्ट विधि होगी इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मसीह यीशु का कैदी पौलुस और भाई तीमुथियुस, हमारे प्रिय सहकर्मी फिलेमोन को यह पत्र लिखते हैं।”

मसीह यीशु का कैदी
“जो मसीह यीशु की शिक्षाओं के प्रसारण के कारण आज कारागार में है”। जिन लोगों के मन में प्रभु यीशु के लिए स्थान नहीं था उन्होंने पौलुस को दण्ड देने के लिए कारागार में डाल दिया था।

हमारे प्रिय भाई
“हमारा प्रिय विश्वासी भाई” या “हमारा आत्मिक भाई जिससे हम प्रेम करते हैं”

और सहकर्मी
“जो हमारे जैसे सुसमाचार को बढ़ाने वाली है”

बहन अफिया
“अफिया हमारी सहकर्मी” या “ अफिया हमारी आत्मिक बहन”

अरखिप्पुस
एक विश्वासी भाई का नाम है

साथी योद्धा
यहां “योद्धा” एक रूपक है जो शुभ सन्देश प्रसारण में परिश्रम करनेवाले का द्योतक है। इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “आत्मिक युद्ध में हमारा सहयोद्धा” या “जो हमारे साथ आत्मिकता में सहभागी है।”

फिलेमोन के घर की कलीसिया
“तुम्हारे आवास में आराधना हेतु एकत्र होने वाले विश्वासियों के नाम”। (यू.डी.बी.)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुम्हारा घर
यह फिलेमोन के घर के संदर्भ में है

हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से अनुग्रह और शान्ति तुम्हें मिलती रहे।
“हमारा पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह तुम्हें अनुग्रह और शान्ति प्रदान करे”। यह आशीर्वाद है यहां “तुम” शब्द बहुवचन में है और पद 1 और 2 में पौलुस ने जितने विश्वासियों के नाम लिए हैं सबके संदर्भ में है।

Philemon 1:4

मैं सदा परमेश्वर का धन्यवाद करता हूं और अपनी प्रार्थनाओं में भी तुम्हें स्मरण करता हूं।
“अपनी प्रार्थनाओं में में सदैव तेरे लिए परमेश्वर को धन्यवाद देता हूं”। (यू.डी.बी.)

मैं
यह पत्र पौलुस ने लिखा था। “मैं” और अपने इस पत्र में पौलुस के लिए है।

तुझे
यहां और पत्र में अधिकांश स्थानों में तू शब्द फिलेमोन के लिए काम में लिया गया है।

विश्वास में तेरा सहयोगी होना.... मसीह के लिए प्रभावशाली हो।
“कि हमारे जैसा तेरा मसीही विश्वास तुझे भलाई की पहचान के योग्य बनायेगा”।

विश्वास में तेरा सहभागी होना
“क्योंकि तू मसीह में वैसा ही विश्वास करता है जैसा हम करते हैं।”(यू.डी.बी)

प्रभु यीशु पर है।
इसका संभावित अर्थ है, “जो मसीह के कारण हममें हैं।

तेरे द्वारा पवित्र लोगों के मन हरे भरे हो गए हैं।
“हृदय” शब्द विश्वासियों के साहस का प्रतीक है। “हरे भरे हो गए हैं यह कर्मवाच्य वाक्य है। इसका अनुवाद कतृवाच्य में भी किया जा सकता है” तूने विश्वासियों को ढांढ़स बंधा दिया है”।

हे भाई
पौलुस फिलेमोन को भाई कहा है क्योंकि वे दोनों विश्वासी थे। वह अपनी मित्रता पर भी बल दे रहा है। इसका अनुवाद ऐसे भी हो सकता है, “प्रिय भाई” या “प्रिय मित्र”

Philemon 1:8

मसीह में बड़ा साहस
इसके संभावित अर्थ हैं, “मसीह के कारण अधिकार” या “मसीह के कारण साहस”। इसका अनुवाद ऐसे भी हो सकता है, “मसीह का प्रेरित होने के कारण अधिकार”

प्रेम से विनती करूं
“परन्तु प्रेम के कारण मैं तुझ से कहता हूं”।

प्रेम से
संभावित अर्थ हैं, 1) “क्योंकि मैं जानता हूं कि तू परमेश्वर के लोगों से प्रेम करते हो” या (यू.डी.बी.) 2) “क्योंकि तू मुझसे प्रेम करता है” या 3) क्योंकि तुझसे प्रेम करता हूं”।

तौभी मुझ बूढ़े पौलुस को जो अब मसीह यीशु के लिए कैदी है।
इन कारणों से फिलेमोन को पौलुस का निवेदन स्वीकार करना आवश्यक है।

Philemon 1:10

उनेसिमुस
यह एक पुरूष का नाम है।

अपने बच्चे उनेसिमुस
पौलुस उनेसिमुस के साथ अपने घनिष्ठ सम्बन्ध की तुलना एक पिता-पुत्र के सम्बन्ध से करता है।

जन्मा है
“जो मेरा पुत्र बन गया है” या “जो मेरे पुत्र जैसा हो गया है उनेसिमुस पौलुस के लिए पुत्र जैसा कैसे है इसको स्पष्ट किया जा सकता है”

मेरी कैद में
अर्थात “जब मैं कारागार में हूं” उस समय कैदियों को अधिकतर जंजीरों से बांध कर रखा होता था। पौलुस अपने कारागार में ही उनेसिमुस को मसीही शिक्षा दे रहा था। इस पत्र को लिखते समय भी वह कारागार में था।

पहले... कुछ काम का नहीं
इसका अनुवाद किया जा सकता है, “पहले तो वह किसी काम का नहीं था”

पर अब.... बड़े काम का है
अनुवाद इस नाम का अनुवाद भी पद टिप्पणी में व्यक्त कर सकते हैं। “उपयोगी” या “लाभकारी”

तेरे पास लौटा दिया है
“मैंने उनेसिमुस को तेरे पास पुनः भेज दिया है।। संभव है कि पौलुस उनेसिमुस से प्रस्थान के कुछ समय पहले ही यह पत्र लिख रहा है। इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “मैं उसे तेरे पास फिर से भेज रहा हूं”(यू.डी.बी.)

जो मेरे हृदय का टुकड़ा है
हृदय का टुकड़ा अर्थात अतिप्रिय। इसका अनुवाद ऐसे भी किया जा सकता है, “जिससे में बहुत अधिक प्रेम रखता हूं”। पौलुस उनेसिमुस के लिए ऐसा लिख रहा है।

उसे मैं अपने पास ही रखना चाहता था
“मैं” तो उसे अपने पास ही रखना चाहता था”

कि वह तेरी ओर से.... मेरी सेवा करे
“क्योंकि तू तो यहां नहीं है, वही मेरी सेवा करे”

इस कैद में
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “जब कि मैं कारागार में हूं” या “क्योंकि मैं कारागार में हूं”

सुसमाचार के कारण
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “क्योंकि में शुभ सन्देश सुनाता हूं”।

Philemon 1:14

मैंने तेरी इच्छा बिना कुछ भी करना न चाहा
“परन्तु तेरी अनुमति बिना मैं उसे यहां रखना नहीं चाहता हूं” या “यदि तू अनुमति देता तो ही मैं उसे यहां रखता”

तेरी... तेरी
पद 14-16 में ये सर्वनाम एकवचन में है और फिलेमोन के संदर्भ में है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तेरा यह इन्कार दबाव से नहीं
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “कि तू वह करे जो सही है परन्तु बिना दबाव के”

आनन्द से हो
“परन्त इसलिए कि तू चाहता है” या “परन्तु इसलिए कि तू उचित काम करने की अपनी इच्छा रखता है।”

तुझ से कुछ दिन तक के लिए इसी कारण अलग हुआ।
इसका अनुवाद कतृवाच्य में भी किया जा सकता है, “परमेश्वर ने संभवत: उनेसिमुस को तुम से इसलिए अलग किया।”

क्या जाने
“संभवत:”

कुछ समय तक
“इस समय”

दास की तरह नहीं
“दास से अधिक अच्छा” या “दास से अधिक महत्त्व का”

भाई के समान
“प्रिय भाई” या “एक प्रिय भाई के स्वरूप”

भाई
“मसीह में भाई”

तेरा भी प्रिय हो
“और निश्चय ही तेरे लिए और भी अधिक”

शरीर में
“मनुष्य के तुल्य” या “तेरे मानवीय सम्बन्ध में” इस मानवीय सम्बंध को अधिक स्पष्ट किया जा सकता है, “क्योंकि वह तेरा दास है”

प्रभु में भी
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “प्रभु में भाई स्वरूप” या “क्योंकि वह भी मसीह का है”

Philemon 1:17

यदि तू मुझे अपना सहभागी समझता है।
“यदि तू मुझे मसीह के लिए सहकर्मी समझता है”

मेरे नाम पर लिख ले
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है,“मुझ से ले” या “मान ले कि मैं तेरा ऋणी हूं”

मैं पौलुस अपने हाथ से लिखता हूं”
“मैं पौलुस, स्वयं लिख रहा हूं” पौलुस द्वारा इस उक्ति का अभिप्राय था कि फिलेमोन उसे सच माने और कि पौलुस वास्तव में क्षति की पूर्ति करेगा।

मैं आप भर दूंगा
“उस पर तेरा जो भी ऋण है, मैं उसकी पूर्ति करूंगा”

उसके कहने की कुछ आवश्यकता नहीं
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मुझे आवश्यकता नहीं कि तुझे स्मरण कराऊ” या “तू स्वयं जानता है”।

मेरा कर्ज जो तुझ पर है वह तू ही है।
“तू अपने जीवन के लिए मेरा ऋणी है”। फिलेमोन अपने जीवन के लिए पौलुस का ऋणी कैसे है, इसे स्पष्ट किया जा सकता है। “तू मेरा अत्यधिक ऋणी है क्योंकि मैंने तेरे जीवन को बचा लिया है” या “तू जीवन के लिए मेरा ऋणी है क्योंकि मैंने जो शिक्षा दी उससे तेरा जीवन नाश होने से बच गया”। पौलुस के कहने का अभिप्राय था कि फिलेमोन यह नहीं कह सकता कि पौलुस या उनेसिमुस उसके ऋणी हें क्योंकि उनेसिमुस फिलेमोन पौलुस का और भी अधिक ऋणी था

मसीह में मेरे जी को हरा भरा कर दे।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मेरा दिल खुश कर दे” या “मुझे प्रसन्न कर दे” या “मुझे शान्ति प्रदान कर दे” पौलुस कैसे चाहता था कि फिलेमोन यह करे तो उसे स्पष्ट करें कि कैसे। “उनेसिमुस को दया करके ग्रहण करके मेरा मन हर्षित कर दे”।

Philemon 1:21

मैं तेरे आज्ञाकारी होने का भरोसा रखकर
“क्योंकि मुझे पूरा भरोसा है कि तू मेरी बात मानेगा”

मेरे आज्ञाकारी होने....तुझे लिखता हूं... तू.... करेगा
पौलुस फिलेमोन को लिख रहा है।

मैं जानता हूं
“मुझे विश्वास है”

जो कुछ मैं कहता हूं।
“मैं” मेरी बात

यह भी
"यह भी।"

मेरे लिए ठहरने की जगह तैयार रख
“तेरे घर में मेरे ठहरने का कक्ष तैयार कर” पौलुस फिलेमोन से कह रहा है

तुम्हारी प्रार्थनाओं के द्वारा मैं तुम्हें दे दिया जाऊंगा
“तुम्हारी” और “तुम्हें” फिलेमोन और उसकी आवासीय कलीसिया के लिए हैं।

तुम्हारी प्रार्थनाओं के द्वारा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “तुम्हारी प्रार्थनाओं के परिणामस्वरूप” या “तुम सब मेरे लिए प्रार्थना कर रहे इसलिए”

मैं तुम्हें दे दिया जाऊंगा
इसका अनुवाद कतृवाच्य में किया जा सकता है, “परमेश्वर मुझे तुम्हारे पास आने देगा” या “परमेश्वर मुझे कारागार में रखनेवालों को प्रेरित करेगा कि मुझे मुक्त कर दें और मैं तुम्हारे पास आ जाऊं

Philemon 1:23

इपफ्रास.... मरकुस....अरिस्तर्खुस... देमास... लूका
ये सब पुरूषों के नाम हैं।

जो मसीह यीशु में मेरे साथ कैदी हैं
“मसीह की सेवा हेतु वह मेरे साथ कारागार में हैं”

तुझे नमस्कार
“तुझे” फिलेमोन के संदर्भ में है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मरकुस और अरिस्तर्खुस और देमास और लूका जो मेरे सहकर्मी हैं।
“मेरे सहकर्मी प्रचारक मरकुस, अरिस्तर्खुस, देमास और लूका तुझे नमस्कार कहते हैं।

मेरे सहकर्मी
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मेरे साथ काम करने वाले” या “ये सब जो मेरे सहकर्मी हैं”

हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम्हारी आत्मा पर होता रहे।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “हमारा प्रभु यीशु तुम्हारी आत्मा पर दया करे।"

तुम्हारी आत्मा
“तुम्हारी” फिलेमोन और उसकी आवासीय कलीसिया के संदर्भ में है”

Translation Questions

Philemon 1:1

यह पत्र किसे लिखा गया था?
यह पत्र पौलुस ने अपने प्रिय सहकर्मी फिलेमोन को लिखा।

Philemon 1:2

कलीसिया किस स्थान में एकत्र होती थी?
वहाँ की कलीसिया घर में आराधना करती थी।

Philemon 1:5

पौलुस ने फिलेमोन के कौन से सद्गुणों की चर्चा सुनी थी?
पौलुस ने फिलेमोन के प्रेम और विश्वास की चर्चा सुनी थी।

Philemon 1:7

पौलुस ने अनुसार फिलेमोन ने पवित्र जनों के लिए क्या किया था?
फिलेमोन के द्वारा पवित्र लोगों के मन हरे-भरे हो गए थे।

Philemon 1:9

पौलुस फिलेमोन को आशा देने की अपेक्षा विनती क्यों करता है?
पौलुस फिलेमोन से सप्रेम विनती करता है।

Philemon 1:10

उनेसिमुस पौलुस का पुत्र कब बना था?
जब पौलुस बन्दीगृह में था तब उसने उनेसिमुस को अपना पुत्र बनाया था।

Philemon 1:12

पौलुस ने उनेसिमुस के साथ क्या किया था?
उनेसिमुस ने पौलुस को फिलेमोन के पास पुनः भेज दिया था।

Philemon 1:13

पौलुस उनेसिमुस से क्या चाहता था?
पौलुस चाहता था कि उनेसिमुस उसकी सेवा करे।

Philemon 1:14

पौलुस क्या चाहता था कि फिलेमोन उनेसिमुस के साथ करे?
पौलुस चाहता था कि फिलेमोन उनेसिमुस को स्वतंत्र करके पौलुस के पास लौटा दे।

Philemon 1:16

पौलुस अब फिलेमोन से क्या चाहता था कि उनेसिमुस को समझे?
पौलुस चाहता था कि फिलेमोन उनेसिमुस को प्रिय भाई माने।

Philemon 1:18

उनेसिमुस द्वारा की गई किसी भी प्रकार की हानि को पौलुस क्या करना चाहता था?
पौलुस चाहता था कि उनेसिमुस ने यदि फिलेमोन कोई हानि की है तो उसे पौलुस के नाम पर लिखले।

Philemon 1:19

फिलेमोन किस बात में पौलुस का ऋणी था?
फिलेमोन अपने जीवन के लिए पौलुस का उनेसिमुस ऋणी था।

Philemon 1:21

क्या पौलुस फिलेमोन से अपेक्षा करता था कि वह उनेसिमुस को पौलुस के पास भेज दे?
पौलुस को पूरा विश्वास था कि फिलेमोन उनेसिमुस को पौलुस के पास भेज देगा।

Philemon 1:22

यदि पौलुस बन्दीगृह से मुक्त किया गया तो वह कहाँ जाएगा?
यदि पौलुस बन्दीगृह से निकल पाया तो वह फिलेमोन से अवश्य भेंट करेगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: Hebrews

Hebrews

Chapter 1

1 पूर्व युग में परमेश्वर ने पूर्वजों से थोड़ा-थोड़ा करके और भाँति-भाँति से भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बातें की, **2** पर इन अन्तिम दिनों में हम से पुत्र के द्वारा बातें
की, जिसे उसने सारी वस्तुओं का वारिस ठहराया और उसी के द्वारा उसने सारी सृष्टि भी रची है। (1 कुरि. 8:6, यूह. 1:3) **3** वह उसकी महिमा का प्रकाश, और
उसके तत्व की छाप है, और सब वस्तुओं को अपनी सामर्थ्य के वचन से संभालता है: वह पापों को धोकर ऊँचे स्थानों पर महामहिमन् के दाहिने जा बैठा।

4 और स्वर्गदूतों से उतना ही उत्तम ठहरा*, जितना उसने उनसे बड़े पद का वारिस होकर उत्तम नाम पाया।

5 क्योंकि स्वर्गदूतों में से उसने कब किसी से कहा,

"तू मेरा पुत्र है;
आज मैं ही ने तुझे जन्माया है?"
और फिर यह,
"मैं उसका पिता हूँगा,
और वह मेरा पुत्र होगा?" (2 शमू. 7:14, 1 इति. 17:13, भज. 2:7)

6 और जब पहलौठे को जगत में फिर लाता है, तो कहता है, "परमेश्वर के सब स्वर्गदूत उसे दण्डवत् करें।" (व्य. 32:43, 1 पत. 3:22) **7** और स्वर्गदूतों के
विषय में यह कहता है,

"वह अपने दूतों को पवन,
और अपने सेवकों को धधकती आग बनाता है।" (भज. 104:4)

8 परन्तु पुत्र के विषय में कहता है,

"हे परमेश्वर, तेरा सिंहासन युगानुयुग रहेगा,
तेरे राज्य का राजदण्ड न्याय का राजदण्ड है।
9 तूने धार्मिकता से प्रेम और अधर्म से बैर रखा;
इस कारण परमेश्वर, तेरे परमेश्वर, ने
तेरे साथियों से बढ़कर हर्षरूपी तेल से तुझे अभिषेक किया।" (भज. 45:7)
10 और यह कि, "हे प्रभु, आदि में तूने पृथ्वी की नींव डाली,
और स्वर्ग तेरे हाथों की कारीगरी है। (भज. 102:25, उत्प. 1:1)
11 वे तो नाश हो जाएँगे*; परन्तु तू बना रहेगा और
वे सब वस्त्र के समान पुराने हो जाएँगे।
12 और तू उन्हें चादर के समान लपेटेगा,
और वे वस्त्र के समान बदल जाएँगे:
पर तू वही है
और तेरे वर्षों का अन्त न होगा।" (इब्रा. 13:8, भज. 102:25-26)

13 और स्वर्गदूतों में से उसने किस से कभी कहा,

"तू मेरे दाहिने बैठ,
जब तक कि मैं तेरे बैरियों को तेरे पाँवों के नीचे की चौकी न कर दूँ?" (मत्ती 22:44, भज. 110:1)

14 क्या वे सब परमेश्वर की सेवा टहल करनेवाली आत्माएँ नहीं; जो उद्धार पानेवालों के लिये सेवा करने को भेजी जाती हैं? (भज. 103:20-21)

Hebrews 1:1

प्रकाश
"ज्योति"

तत्त्व की छाप
पुत्र को देखकर परमेश्वर का बोध होता है कि वह कैसा है

उसके सामर्थ्य का वचन
"वचन के सामर्थ्य "

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पापों को धोकर
“उसने हमें पापों से शुद्ध कर दिया है”

Hebrews 1:4

स्वर्गदूतों में से उसने कब किसी से कहा
“क्योंकि परमेश्वर ने कब किसी भी स्वर्गदूत से नहीं कहा...”

और फिर यह
“और फिर उसने स्वर्गदूतों में से किसी में से किसी ने नहीं कहा”

Hebrews 1:6

अपने सेवकों
स्वर्गदूत

आत्मा...धधकती आग
संभावित अर्थ हैं 1) वह स्वर्गदूतों को आत्मा बताता है जो आग के सदृश्य उसकी सेवा करते हें। (यू.डी.बी.) वह हवा और आग को अपने सन्देशवाहक बनाता है।

Hebrews 1:8

पुत्र के विषय में वह कहता है
“पुत्र के विषय परमेश्वर कहता है”

राजदण्ड
राजा या रानी द्वारा अपना अधिकार दर्शाने का दण्ड

हर्षरूपी तेल से उसका अभिषेक किया
“तुझे और अधिक आनन्द किया है”

हर्षरूपी तेल
संभावित अर्थ हैं 1) वे लोग उत्सव के समय सुगन्धित तेल लगाते थे। (यू.डी.बी.) इसी तेल से राज्याभिषेक के समय राजाओं का अभ्यंजन किया जाता था और उस समय परमेश्वर प्रदत्त सम्मान से आनन्द प्राप्त होता था।

Hebrews 1:10

x
लेखक धर्मशास्त्र के संदर्भ से सिद्ध करता है, कि पुत्र स्वर्गदूतों से कहीं अधिक श्रेष्ठ है।

नष्ट हो जायेंगे
जीर्णशीर्ण हो जायेंगे

वस्त्र
कपड़ो

लपेटेगा
जब पुराने वस्त्रों को काम में नहीं लेते तो उनके साथ क्या करते हैं, उस क्रिया शब्द का उपयोग करें।

वस्त्र
बागा या बाहरी वस्त्र

अन्त ना होगा
“कभी समाप्त नहीं होंगे”

Hebrews 1:13

पीढ़ी
बैठते समय पावों को रखने की चौकी

जब तक कि
वे जो

क्या वे सब आत्माएं नहीं
वैकल्पिक अनुवाद: “सभी स्वर्ग दूत वे आत्माएं हैं जो....”

Translation Questions

Hebrews 1:1

परमेश्वर ने पूर्वकाल में किस प्रकार बातें की थीं?
पूर्वकाल में परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा समय समय पर अनेक रूपों में बातें की थीं।

Hebrews 1:2

परमेश्वर ने इन दिनों कैसे बातें की हैं?
इन दिनों परमेश्वर ने अपने पुत्र के द्वारा बातें की थीं।

जगत की सृष्टि किसने की थी?
संपूर्ण जगत की सृष्टि परमेश्वर के पुत्र ने की है।

Hebrews 1:3

सब वस्तुएं कैसे संभली हुई हैं?
वह सब वस्तुओं को अपने सामर्थ्य से संभालता है।

पुत्र किस प्रकार परमेश्वर की महिमा और तत्त्व को दर्शाता है?
वह उसकी महिमा का प्रकाश और उसके तत्त्व की छाप है।

Hebrews 1:4

परमेश्वर का पुत्र स्वर्गदूतों से कैसे तुलना किया गया है?
परमेश्वर का पुत्र स्वर्गदूतों से उत्तम ठहरा है।

Hebrews 1:6

जब पुत्र संसार में लाया गया तब परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को क्या आज्ञा दी?
परमेश्वर ने सब स्वर्गदूतों को आज्ञा दी कि उसे दण्डवत करें, जब वह जगत में लाया गया।

Hebrews 1:7

क्या स्वर्गदूतों का शरीर होता है?
नहीं, स्वर्गदूत आत्माएं हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Hebrews 1:8

पुत्र कितने समय राजा होकर राज करेगा?
पुत्र सदा सर्वदा के लिए राजा होकर राज करेगा।

Hebrews 1:9

पुत्र किससे प्रसन्न होता है और किससे बैर रखता है?
पुत्र धार्मिकता से प्रसन्न होता है परन्तु अधर्म से बैर रखता है।

Hebrews 1:10

पृथ्वी और स्वर्ग का कुछ समय बाद क्या होगा?
पृथ्वी और स्वर्ग वस्त्र के समान पुराने होकर नष्ट हो जाएंगे।

Hebrews 1:13

परमेश्वर ने पुत्र से कहां बैठन को कहा जब तक क्या न हों?
परमेश्वर ने पुत्र से कहा कि वह उसके दाहिनी ओर बैठे जब तक कि वह उसके बैरियों को उसके पांवों के नीचे की पीढ़ी न कर दें।

Hebrews 1:14

स्वर्गदूत किसकी सेवा के लिए हैं?
स्वर्गदूत उद्धार पानेवालों की सेवा के लिए हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 इस कारण चाहिए, कि हम उन बातों पर जो हमने सुनी हैं अधिक ध्यान दे, ऐसा न हो कि बहक कर उनसे दूर चले जाएँ।

2 क्योंकि जो वचन स्वर्गदूतों के द्वारा कहा गया था, जब वह स्थिर रहा और हर एक अपराध और आज्ञा न मानने का ठीक-ठीक बदला मिला। **3** तो हम लोग ऐसे बड़े उद्धार से उपेक्षा करके कैसे बच सकते हैं*? जिसकी चर्चा पहले-पहल प्रभु के द्वारा हुई, और सुननेवालों के द्वारा हमें निश्चय हुआ। **4** और साथ ही परमेश्वर भी अपनी इच्छा के अनुसार चिन्हों, और अद्भुत कामों, और नाना प्रकार के सामर्थ्य के कामों, और पवित्र आत्मा के वरदानों के बाँटने के द्वारा इसकी गवाही देता रहा।

5 उसने उस आनेवाले जगत को जिसकी चर्चा हम कर रहे हैं, स्वर्गदूतों के अधीन न किया। **6** वरन् किसी ने कहीं, यह गवाही दी है,

> “मनुष्य क्या हैं, कि तू उसकी सुधि लेता है?
> या मनुष्य का पुत्र क्या है, कि तू उस पर दृष्टि करता है?
> **7** तूने उसे स्वर्गदूतों से कुछ ही कम किया*;
> तूने उस पर महिमा और आदर का मुकुट रखा और उसे अपने हाथों के कामों पर अधिकार दिया।
> **8** तूने सब कुछ उसके पाँवों के नीचे कर दिया।”

इसलिए जब कि उसने सब कुछ उसके अधीन कर दिया, तो उसने कुछ भी रख न छोड़ा, जो उसके अधीन न हो। पर हम अब तक सब कुछ उसके अधीन नहीं देखते। (भज. 8:6, 1 कुरि. 15:27)

9 पर हम यीशु को जो स्वर्गदूतों से कुछ ही कम किया गया था, मृत्यु का दुःख उठाने के कारण महिमा और आदर का मुकुट पहने हुए देखते हैं; ताकि परमेश्वर के अनुग्रह से वह हर एक मनुष्य के लिये मृत्यु का स्वाद चखे। **10** क्योंकि जिसके लिये सब कुछ है, और जिसके द्वारा सब कुछ है, उसे यही अच्छा लगा कि जब वह बहुत से पुत्रों को महिमा में पहुँचाए, तो उनके उद्धार के कर्ता को दुःख उठाने के द्वारा सिद्ध करे।

11 क्योंकि पवित्र करनेवाला और जो पवित्र किए जाते हैं, सब एक ही मूल से हैं, अर्थात् परमेश्वर, इसी कारण वह उन्हें भाई कहने से नहीं लजाता। **12** पर वह कहता है,

> “मैं तेरा नाम अपने भाइयों को सुनाऊँगा,
> सभा के बीच में मैं तेरा भजन गाऊँगा।” (भज. 22:22)

13 और फिर यह,

> “मैं उस पर भरोसा रखूँगा।”

और फिर यह,

> “देख, मैं उन बच्चों सहित जिसे परमेश्वर ने मुझे दिए।” (यशा. 8:17-18, यशा. 12:2)

14 इसलिए जब कि बच्चे माँस और लहू के भागी हैं, तो वह आप भी उनके समान उनका सहभागी हो गया; ताकि मृत्यु के द्वारा उसे जिसे मृत्यु पर शक्ति मिली थी*, अर्थात् शैतान को निकम्मा कर दे, (रोम. 8:3, कुलु. 2:15) **15** और जितने मृत्यु के भय के मारे जीवन भर दासत्व में फँसे थे, उन्हें छुड़ा ले।

16 क्योंकि वह तो स्वर्गदूतों को नहीं वरन् अब्राहम के वंश को संभालता है। (गला. 3:29, यशा. 41:8-10) **17** इस कारण उसको चाहिए था, कि सब बातों में अपने भाइयों के समान बने; जिससे वह उन बातों में जो परमेश्वर से सम्बन्ध रखती हैं, एक दयालु और विश्वासयोग्य महायाजक बने ताकि लोगों के पापों के लिये प्रायश्चित करे। **18** क्योंकि जब उसने परीक्षा की दशा में दुःख उठाया, तो वह उनकी भी सहायता कर सकता है, जिनकी परीक्षा होती है।

Hebrews 2:1

दूर चले जाएं
"भरमाए गए"

स्थिर रह
सत्य सिद्ध हुआ

हर एक अपराध और आज्ञा न मानने का ठीक-ठीक बदला मिला
वैकल्पिक अनुवाद: “पाप करने वाला और आज्ञाकारी प्रत्येक मनुष्य न्यायोचित दण्ड पाएगा”।

Hebrews 2:2

निश्चित रहकर
“चिन्ता नहीं करते” या “स्वीकार नहीं करते”

बांटने के द्वारा
वितरण के द्वारा

परमेश्वर अपनी इच्छा के अनुसार
“ठीक वैसे ही जैसे वह करना चाहता था”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Hebrews 2:7

मनुष्य जाति
मनुष्य जाति

अधिकार दिया
वैकल्पिक अनुवाद: “उसने सब उसके अधीन कर दिया”

Hebrews 2:9

स्वर्गदूतों से कुछ ही कम
इसका अनुवाद वैसा ही करे जैसा में किया है।

Hebrews 2:11

उन्हें भाई कहने से नहीं लजाता
“वह उन्हें भाई कहने में प्रसन्न होता है”

Hebrews 2:13

और वह कहता है
वैकल्पिक अनुवाद: “एक भविष्यद्वक्ता ने धर्मशास्त्र में एक संदर्भ लिखा है कि मसीह ने परमेश्वर के बारे में क्या कहा है” (यू.डी.बी.)

लड़के मांस और लहू के भागी हैं
वैकल्पिक अनुवाद: “सब मनुष्य हैं” (यू.डी.बी.)

जीवन भर दासत्व में फंसे थे
यह एक रूपक है और मृत्यु के डर से दासत्व का द्योतक है।

Hebrews 2:16

छुड़ा ले
वैकल्पिक अनुवाद: “प्राप्त कर ले”

Translation Questions

Hebrews 2:1

विश्वासी सुने हुए सन्देश पर मन क्यों लगाएं?
विश्वासी उन बातों पर और भी मन लगाएं जो उन्होने सुनी हैं कि बहक कर उनसे दूर न चले जाएं।

Hebrews 2:2

प्रत्येक अपराध आज्ञा न मानने का क्या मिला?
हर एक अपराध और आज्ञा न मानने का ठीक ठीक बदला मिला।

Hebrews 2:4

परमेश्वर ने प्रभु के द्वारा प्रकाशित उद्धार के सन्देश की गवाही किस प्रकार दी है?
परमेश्वर ने अपनी इच्छा के अनुसार चिन्हों और अद्भुत कामों और नाना प्रकार के सामर्थ्य के कामों और पवित्र आत्मा के वरदानों के बांटने के द्वारा सुसमाचार की गवाही दी।

Hebrews 2:5

आनेवाले संसार पर कौन राज नहीं करेगा?
स्वर्गदूत आनेवाले संसार पर राज नहीं करेंगे।

Hebrews 2:6

आनेवाले संसार पर कौन राज करेगा?
आनेवाले संसार पर मनुष्य राज करेंगे।

Hebrews 2:9

यीशु महिमा और आदर का मुकुट कैसे पहने हुए है?
मसीह यीशु अपने कष्टों और मृत्यु के कारण महिमा और आदर का मुकुट पहने हुए है।

यीशु ने किसके लिए मृत्यु का स्वाद चखा है?
यीशु ने प्रत्येक मनुष्य के लिए मृत्यु का स्वाद चख चुका है।

Hebrews 2:10

परमेश्वर किसको महिमा में पहुंचाना चाहता है?
परमेश्वर को अच्छा लगा कि बहुत से पुत्रों को महिमा में पहुंचाए।

Hebrews 2:11

एक ही मूल परमेश्वर से कौन हैं?
पवित्र करनेवाला और जो पवित्र किए जाते हैं सब एक ही मूल परमेश्वर से हैं।

Hebrews 2:14

यीशु की मृत्यु के द्वारा कौन निष्प्रभाव हो गया हैं?
यीशु मृत्यु के द्वारा शैतान निष्प्रभाव हो गया है।

Hebrews 2:15

यीशु की मृत्यु के द्वारा मनुष्य कौन से दासत्व से मुक्त कराए गए हैं?
यीशु की मृत्यु के द्वारा मनुष्य मृत्यु के भय से मुक्त हो गया है।

Hebrews 2:17

यीशु के लिए यह आवश्यक क्यों था कि सब बातों में अपने भाइयों के समान बने?
वह सब बातों में एक दयालु और विश्वासयोग्य महायाजक बनें ताकि लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित करे।

Hebrews 2:18

यीशु उनकी सहायता क्यों कर सकता है जिनकी परीक्षा होती है?
वह उनकी भी सहायता कर सकता है जिनकी परीक्षा होती है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 इसलिए, हे पवित्र भाइयों, तुम जो स्वर्गीय बुलाहट में भागी हो, उस प्रेरित और महायाजक यीशु पर जिसे हम अंगीकार करते हैं ध्यान करो। **2** जो अपने
नियुक्त करनेवाले के लिये विश्वासयोग्य था, जैसा मूसा भी परमेश्वर के सारे घर में था। **3** क्योंकि यीशु मूसा से इतना बढ़कर महिमा के योग्य समझा गया है,
जितना कि घर बनानेवाला घर से बढ़कर आदर रखता है। **4** क्योंकि हर एक घर का कोई न कोई बनानेवाला होता है, पर जिस ने सब कुछ बनाया वह परमेश्वर
है*।

5 मूसा तो परमेश्वर के सारे घर में सेवक के समान विश्वासयोग्य रहा, कि जिन बातों का वर्णन होनेवाला था, उनकी गवाही दे। (गिन. 12:7) **6** पर मसीह पुत्र के
समान परमेश्वर के घर का अधिकारी है*, और उसका घर हम हैं, यदि हम साहस पर, और अपनी आशा के गर्व पर अन्त तक दृढ़ता से स्थिर रहें।

7 इसलिए जैसा पवित्र आत्मा कहता है,

"यदि आज तुम उसका शब्द सुनो,
8 तो अपने मन को कठोर न करो,
जैसा कि क्रोध दिलाने के समय और
परीक्षा के दिन जंगल में किया था। (निर्ग. 17:7, गिन. 20:2-5,13)
9 जहाँ तुम्हारे पूर्वजों ने मुझे जाँच कर परखा
और चालीस वर्ष तक मेरे काम देखे।
10 इस कारण मैं उस समय के लोगों से क्रोधित रहा,
और कहा, 'इनके मन सदा भटकते रहते हैं,
और इन्होंने मेरे मार्गों को नहीं पहचाना।'
11 तब मैंने क्रोध में आकर शपथ खाई,
'वे मेरे विश्राम में प्रवेश करने न पाएँगे'।" (गिन. 14:21-23, व्य. 1:34-35)

12 हे भाइयों, चौकस रहो, कि तुम में ऐसा बुरा और अविश्वासी मन न हो, जो जीविते परमेश्वर से दूर हटा ले जाए। **13** वरन् जिस दिन तक आज का दिन कहा
जाता है, हर दिन एक दूसरे को समझाते रहो, ऐसा न हो, कि तुम में से कोई जन पाप के छल में आकर कठोर हो जाए।

14 क्योंकि हम मसीह के भागीदार हुए हैं*, यदि हम अपने प्रथम भरोसे पर अन्त तक दृढ़ता से स्थिर रहें।

15 जैसा कहा जाता है,

"यदि आज तुम उसका शब्द सुनो,
तो अपने मनों को कठोर न करो, जैसा कि क्रोध दिलाने के समय किया था।"

16 भला किन लोगों ने सुनकर भी क्रोध दिलाया? क्या उन सब ने नहीं जो मूसा के द्वारा मिस्र से निकले थे? **17** और वह चालीस वर्ष तक किन लोगों से क्रोधित
रहा? क्या उन्हीं से नहीं, जिन्होंने पाप किया, और उनके शव जंगल में पड़े रहे? (गिन. 14:29) **18** और उसने किन से शपथ खाई, कि तुम मेरे विश्राम में प्रवेश
करने न पाओगे: केवल उनसे जिन्होंने आज्ञा न मानी? (भज. 106:24-26) **19** इस प्रकार हम देखते हैं, कि वे अविश्वास के कारण प्रवेश न कर सके।

Hebrews 3:1

अंगीकार करते हैं
वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे हम अपना कहते है" या "जिसमें हम विश्वास करते हैं"

Hebrews 3:5

परमेश्वर घर में
परमेश्वर के परिवार के लोग

आशा के घमण्ड पर
"जिसमें हम गर्व करते हैं कि हमें आशा है"

Hebrews 3:9

क्रोधित रहा
"अप्रसन्न रहा"

उनके मन सदा भटकते रहते हैं
वैकल्पिक अनुवाद: "वे मेरे अनुसरण से सदा इन्कार करते हैं"

वे मेरे विश्राम में प्रवेश करने न पाएंगे
"मैं उन्हें अपनी उपस्थिति में प्रवेश नहीं करने दूंगा"।

Hebrews 3:12

तुम में ऐसा बुरा और अविश्वासी मन न हो
तुम में से किसी में भी बुरा और विश्वासविरोधी मन न हो"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जो तुम्हें जीवते परमेश्वर से दूर हटा ले जाए
“ऐसा मन जो तुम्हें विधर्मी बनाए” एक नया वाक्य बनाएं “विमुख न हो”

जीवते परमेश्वर
संभावित अर्थ हैं 1) “सच्चा परमेश्वर जो जीवित है” (यू.डी.बी.) या 2) “जीवन दाता परमेश्वर”

जिस दिन तक आज का दिन कहा जाता है
जब तक कि अवसर है

ना कोई पाप के छल में आकर कठोर हो जाए
“हठीला होकर मनुष्य को धोखा देने दे और पाप करे” (यू.डी.बी.) या “तुम पाप करके स्वयं को धोखा दो और हठीले हो जाओ”

Hebrews 3:14

क्योंकि हम
लेखक एवं सब विश्वासी

भरोसे पर
“पूर्ण विश्वास पर”

अन्त तक
मृत्यु तक

उसका शब्द
“परमेश्वर की वाणी” या “परमेश्वर जो कहता है”

कठोर
देखें कि आपने इसका अनुवाद” में कैसे किया है।

Hebrews 3:16

वे उसके विश्राम में प्रवेश न कर पाएंगे
“परमेश्वर उन्हें अपने स्थान में विश्राम नहीं करने देगा”।

हम
लेखक और उसके पाठक

Translation Questions

Hebrews 3:1

लेखक यीशु को कौन से दो पद नाम देता है?
लेखक यीशु को प्रेरित और महायाजक कहता है।

Hebrews 3:2

यीशु को महिमा में मूसा से बढ़कर क्यों माना गया है?
यीशु को मूसा से बढ़कर महिमा के योग्य समझा गया क्योंकि मूसा संपूर्ण घराने में विश्वासयोग्य था तो यीशु घर का बनानेवाला है।

Hebrews 3:5

परमेश्वर के घर में मूसा की क्या भूमिका थी?
मूसा परमेश्वर के घर में सेवक स्वरूप विश्वासयोग्य था।

मूसा ने कौन सी बातों की गवाही दी थी?
मूसा ने उन बातों की गवाही दी जिनका वर्णन होनेवाला था।

Hebrews 3:6

परमेश्वर के घर में यीशु की क्या भूमिका है?
यीशु पुत्र के समान परमेश्वर के घर का अधिकारी है।

परमेश्वर का घर कौन हैं?
यदि हम साहस पर दृढ़ रहे तो हम परमेश्वर का घर हैं।

Hebrews 3:7

जंगल में जब इस्राएलियों ने परमेश्वर की वाणी सुनी तो क्या किया?
इस्राएलियों ने अपने मन कठोर कर लिए थे।

Hebrews 3:10

जिने इस्राएली कठोर होकर परमेश्वर के मार्गों को नहीं पहचाना उनके बारे में परमेश्वर ने क्या शपथ खाई थी?
परमेश्वर ने शपथ खाई कि वे उसके विश्राम में प्रवेश करने न पाएंगे।

Hebrews 3:12

विश्वासी भाइयों को किस बात की चेतावनी दी गई है?
विश्वासी भाइयों को चेतावनी दी गई है कि वे अविश्वास के कारण जीवते परमेश्वर से दूर न हो जाएं।

Hebrews 3:13

पाप के छल में आकर कठोर होने बचने के लिए विश्वासी भाइयों को क्या करना चाहिए?
विश्वासी भाई हर दिन एक दूसरे को समझाते रहें।

Hebrews 3:14

मसीह के भागीदार होने के कारण विश्वासियों को क्या करना चाहिए?
मसीह के भागीदार होने के कारण विश्वासी अपने आरंभिक विश्वास पर अन्त तक दृढ़ता से स्थिर रहें।

Hebrews 3:17

परमेश्वर किससे चालीस वर्ष तक क्रोधित रहा था?
जंगल में पाप करनेवालों से परमेश्वर क्रोधित हुआ था।

जिनसे परमेश्वर क्रोधित था उनका क्या हुआ?
उनके शव जंगल में ही पड़े रहे।

Hebrews 3:19

आज्ञा न मानने वाले इस्राएली परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश क्यों न कर पाए थे?
आज्ञा न मानने वाले इस्राएली परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश नहीं कर पाए थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 इसलिए जब कि उसके विश्राम में प्रवेश करने की प्रतिज्ञा* अब तक है, तो हमें डरना चाहिए; ऐसा ने हो, कि तुम में से कोई जन उससे वंचित रह जाए। **2** क्योंकि हमें उन्हीं के समान सुसमाचार सुनाया गया है, पर सुने हुए वचन से उन्हें कुछ लाभ न हुआ; क्योंकि सुननेवालों के मन में विश्वास के साथ नहीं बैठा।

3 और हम जिन्होंने विश्वास किया है, उस विश्राम में प्रवेश करते हैं;

जैसा उसने कहा, “मैंने अपने क्रोध में शपथ खाई,

कि वे मेरे विश्राम में प्रवेश करने न पाएँगे।” यद्यपि जगत की उत्पत्ति के समय से उसके काम हो चुके थे। **4** क्योंकि सातवें दिन के विषय में उसने कहीं ऐसा कहा है,
“परमेश्वर ने सातवें दिन अपने सब कामों को निपटा करके विश्राम किया।” **5** और इस जगह फिर यह कहता है,
“वे मेरे विश्राम में प्रवेश न करने पाएँगे।”

6 तो जब यह बात बाकी है कि कितने और हैं जो उस विश्राम में प्रवेश करें, और इस्राएलियों को, जिन्हें उसका सुसमाचार पहले सुनाया गया, उन्होंने आज्ञा न मानने के कारण उसमें प्रवेश न किया। **7** तो फिर वह किसी विशेष दिन को ठहराकर इतने दिन के बाद दाऊद की पुस्तक में उसे ‘आज का दिन’ कहता है, जैसे पहले कहा गया,

“यदि आज तुम उसका शब्द सुनो,
तो अपने मनों को कठोर न करो।” (भज. 95:7-8)

8 और यदि यहोशू उन्हें विश्राम में प्रवेश करा लेता, तो उसके बाद दूसरे दिन की चर्चा न होती। (व्य. 31:7, यहो. 22:4) **9** इसलिए जान लो कि परमेश्वर के लोगों के लिये सब्त का विश्राम बाकी है। **10** क्योंकि जिस ने उसके विश्राम में प्रवेश किया है, उसने भी परमेश्वर के समान अपने कामों को पूरा करके विश्राम किया है। (प्रका. 14:13, उत्प. 2:2) **11** इसलिए हम उस विश्राम में प्रवेश करने का प्रयत्न करें, ऐसा न हो, कि कोई जन उनके समान आज्ञा न मानकर गिर पड़े। (इब्रा. 4:1, 2 पत. 1:10-11)

12 क्योंकि परमेश्वर का वचन* जीवित, प्रबल, और हर एक दोधारी तलवार से भी बहुत उत्तम है, प्राण, आत्मा को, गाँठ-गाँठ, और गूदे-गूदे को अलग करके, आर-पार छेदता है; और मन की भावनाओं और विचारों को जाँचता है। (यिर्म. 23:29, यशा. 55:11) **13** और सृष्टि की कोई वस्तु परमेश्वर से छिपी नहीं है वरन् जिसे हमें लेखा देना है, उसकी आँखों के सामने सब वस्तुएँ खुली और प्रगट हैं।

14 इसलिए, जब हमारा ऐसा बड़ा महायाजक है, जो स्वर्गों से होकर गया है, अर्थात् परमेश्वर का पुत्र यीशु; तो आओ, हम अपने अंगीकार को दृढ़ता से थामे रहें। **15** क्योंकि हमारा ऐसा महायाजक नहीं, जो हमारी निर्बलताओं में हमारे साथ दुःखी न हो सके*; वरन् वह सब बातों में हमारे समान परखा तो गया, तो भी निष्पाप निकला। **16** इसलिए आओ, हम अनुग्रह के सिंहासन के निकट साहस बाँधकर चलें, कि हम पर दया हो, और वह अनुग्रह पाएँ, जो आवश्यकता के समय हमारी सहायता करे।

Hebrews 4:1

इसलिए
क्योंकि परमेश्वर आज्ञा न मानने वालों को निश्चय ही दण्ड देगा

ऐसा न हो कि तुम में से कोई जन उससे वंचित रह जाए (**HEB 3:19**)
“परमेश्वर तुममें से किसी से न कहे कि वह उसके स्थान में विश्राम नहीं करेगा” या “परमेश्वर तुम सबके लिए कहे कि तुम उसके स्थान में प्रवेश करोगे”

हमें....चाहिए
लेखक और पाठकों को

हमें
लेखक और पाठकों को

सुनने वालों के मन में विश्वास के साथ नहीं बैठा
वैकल्पिक अनुवाद: “जिन्होंने मसीह का शुभ सन्देश तो सुना पर विश्वास नहीं किया”।

Hebrews 4:3

जगत की उत्पत्ति के समय से उसके काम पूरे हो चुके थे।
वैकल्पिक अनुवाद: “यह योजना उसके द्वारा ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व की पूर्णतः प्राप्त कर चुकी थी”।

ये मेरे विश्राम में प्रवेश न कर पाएंगे
“ये मेरे स्थान में विश्राम करने नहीं पाएंगे”।

Hebrews 4:6

परमेश्वर के लोगों के लिए सब्त का विश्राम बाकी है।
“परमेश्वर अब भी कुछ लोगों को अपने साथ विश्राम करने देता है”

उसका शब्द
“परमेश्वर “ या “परमेश्वर जो कहता है” (देखे:)

अपने मनों को कठोर न करे।
वैकल्पिक अनुवाद: “हठ करके उसकी अवज्ञा मत करो”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Hebrews 4:8

जिसने उसके विश्राम में प्रवेश किया है
“जो परमेश्वर की उपस्थिति में उसके साथ विश्राम कर रहे हैं”

हम उस विश्राम में प्रवेश करने का प्रयत्न करें
“हमें परमेश्वर के साथ विश्राम करने का यथासंभव परिश्रम करना है”।

प्रयत्न करें
“इच्छुक होना है”

आज्ञा न मानकर गिर पड़े
वैकल्पिक अनुवाद: “उसी प्रकार आज्ञा न मानो”

उनके समान
“जंगल में परमेश्वर की आज्ञा न मानने वालों के समान”

Hebrews 4:12

परमेश्वर का वचन
परमेश्वर के लिखित और उच्चारित शब्द

जीवित और प्रबल
परमेश्वर का वचन ऐसा है जैसे जीवित है और वह सामर्थी है।

हर एक दोधारी तलवार से भी बहुत चोखा है
“परमेश्वर का वचन हमारे अन्तरतम भाग में प्रवेश करता है”

मन की भावनाओं और विचारों को जांचता है
परमेश्वर का वचन हमारे गुप्त विचारों को भी प्रकट करता है। and

उसकी आंखों के सामने सब वस्तुएं खुली और प्रकट हैं।
“हमारे जीवन का न्याय करनेवाला परमेश्वर सब कुछ देख सकता है”

Hebrews 4:14

हमारा ऐसा महायाजक नहीं जो.... हमारे साथ दुःखी न हो सके
“हमारे पास ऐसा महायाजक है जो हमसे सहानुभूति रखता है”।

निष्पाप निकला
वैकल्पिक अनुवाद: “उसने पाप नहीं किया”

अनुग्रह के सिंहासन
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर का सिंहासन जहां अनुग्रह है” या “जहां अनुग्रहकारी परमेश्वर अपने सिंहासन पर बैठा है।”

Translation Questions

Hebrews 4:2

विश्वासियों और इस्राएलियों दोनों ने कैसा सुसमाचार सुना था?
विश्वासियों और इस्राएलियों दोनों ने परमेश्वर के विश्राम का सुसमाचार सुना था।

उस सुसमाचार से इस्राएलियों को लाभ क्यों नहीं हुआ था?
सुसमाचार से इस्राएलियों को कुछ लाभ न हुआ क्योंकि उन्होने विश्वास नहीं किया था।

परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश करनेवाले कौन हैं?
जो सुसमाचार सुनकर विश्वास करते हैं वे परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश करते हैं।

Hebrews 4:3

परमेश्वर ने सृष्टि के सब काम पूरे करके कौन से दिन विश्राम किया था?
परमेश्वर ने जगत की उत्पत्ति के समय से अपने सब काम पूरे करके सातवे दिन विश्राम किया था।

Hebrews 4:5

परमेश्वर ने इस्राएलियों और उसके विश्राम के विषय में क्या कहा था?
परमेश्वर ने शपथ खाई थी कि इस्राएली उसके विश्राम में प्रवेश नहीं कर पाएंगे।

Hebrews 4:7

परमेश्वर ने मनुष्य के लिए विश्राम में प्रवेश करने का कौन सा दिन ठहराया है?
मनुष्यों के लिए विश्राम का दिन उसने "आज का दिन" ठहराया है।

परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश करने के लिए मनुष्य को क्या करना चाहिए?
मनुष्य को परमेश्वर का शब्द सुनकर अपना मन कठोर नहीं करना चाहिए।

Hebrews 4:9

परमेश्वर के लोगों के लिए अभी क्या सुरक्षित रखा हुआ है?
परमेश्वर के लोगों के लिए सब्त का विश्राम बाकी है।

Hebrews 4:10

परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश करनेवाला किस बात से विश्राम पाता है?
जिसने परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश किया उसने भी परमेश्वर के समान अपने काम पूरे कर लिए हैं।

Hebrews 4:11

विश्वासियों को परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश करने का प्रयत्न क्यों करना है?
विश्वासियों को परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश करने का प्रयत्न करना होगा ऐसा न हो कि कोई उन के समान आज्ञा न मानकर गिर पड़े।

Hebrews 4:12

परमेश्वर का वचन किस से भी अधिक चोखा है?
परमेश्वर का वचन एक दो धारी तलवार से भी बहुत चोखा है।

परमेश्वर का वचन क्या कर सकता है?
परमेश्वर का वचन प्राण और आत्मा को और गांठ और गुदे को अलग करके आर पार छेदता है।

परमेश्वर का वचन क्या जांचने में भी सक्षम हैं?
परमेश्वर का वचन भावनाओं और विचारों को जांचता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Hebrews 4:13

परमेश्वर की दृष्टि से क्या छिपा नहीं है?
परमेश्वर की दृष्टि से कोई सृजित वस्तु छिपी नहीं है।

Hebrews 4:14

विश्वासियों का महान महायाजक कौन है?
परमेश्वर का पुत्र यीशु विश्वासियों का महायाजक है।

Hebrews 4:15

यीशु विश्वासियों की निर्बलता में सहानुभूति क्यों रखता है?
यीशु विश्वासियों की निर्बलता में उनके साथ दु:खी होता है क्योंकि वह हमारे ही समान परखा गया था।

यीशु ने कितनी बार पाप किया?
यीशु निष्पाप था।

Hebrews 4:16

आवश्यक्ता के समय सहायता के लिए हम विश्वासियों को क्या करना है?
आओं हम विश्वासी अनुग्रह के सिंहासन के निकट हियाव बांधकर चलें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 क्योंकि हर एक महायाजक मनुष्यों में से लिया जाता है, और मनुष्यों ही के लिये उन बातों के विषय में जो परमेश्वर से सम्बन्ध रखती हैं, ठहराया जाता है: कि
भेंट और पापबलि चढ़ाया करे। **2** और वह अज्ञानियों, और भूले भटकों के साथ नर्मी से व्यवहार कर सकता है इसलिए कि वह आप भी निर्बलता से घिरा है। **3**
और इसलिए उसे चाहिए, कि जैसे लोगों के लिये, वैसे ही अपने लिये भी पाप-बलि चढ़ाया करे। (लैव्य. 16:6)

4 और यह आदर का पद कोई अपने आप से नहीं लेता, जब तक कि हारून के समान परमेश्वर की ओर से ठहराया न जाए। (निर्ग. 28:1)

5 वैसे ही मसीह ने भी महायाजक बनने की महिमा अपने आप से नहीं ली, पर उसको उसी ने दी, जिस ने उससे कहा था,

“तू मेरा पुत्र है,
आज मैं ही ने तुझे जन्माया है।” (भज. 2:7)

6 इसी प्रकार वह दूसरी जगह में भी कहता है,

“तू मेलिकिसिदक की रीति पर
सदा के लिये याजक है।”

7 यीशु ने अपनी देह में रहने के दिनों में ऊँचे शब्द से पुकार-पुकारकर, और आँसू बहा-बहाकर उससे जो उसको मृत्यु से बचा सकता था, प्रार्थनाएँ और विनती
की और भक्ति के कारण उसकी सुनी गई। **8** और पुत्र होने पर भी, उसने दुःख उठा-उठाकर आज्ञा माननी सीखी।

9 और सिद्ध बनकर*, अपने सब आज्ञा माननेवालों के लिये सदा काल के उद्धार का कारण हो गया। (यशा. 45:17) **10** और उसे परमेश्वर की ओर से
मेलिकिसिदक की रीति पर महायाजक का पद मिला। (इब्रा. 2:10, भज. 110:4)

11 इसके विषय में हमें बहुत सी बातें कहनी हैं, जिनका समझाना भी कठिन है; इसलिए कि तुम ऊँचा सुनने लगे हो।

12 समय के विचार से तो तुम्हें गुरु हो जाना चाहिए था, तो भी यह आवश्यक है, कि कोई तुम्हें परमेश्वर के वचनों की आदि शिक्षा फिर से सिखाए? तुम तो ऐसे
हो गए हो, कि तुम्हें अन्न के बदले अब तक दूध ही चाहिए। **13** क्योंकि दूध पीनेवाले* को तो धार्मिकता के वचन की पहचान नहीं होती, क्योंकि वह बच्चा है।
14 पर अन्न सयानों के लिये है, जिनकी ज्ञानेन्द्रियाँ अभ्यास करते-करते, भले-बुरे में भेद करने में निपुर्ण हो गई हैं।

Hebrews 5:1

मनुष्यों ही के लिए.... ठहराया जाता था
वैकल्पिक अनुवाद: “उनका प्रतिनिधित्व करता था”

उसे चाहिए कि
वैकल्पिक अनुवाद: “उसके लिए आवश्यक था”

Hebrews 5:6

वह दूसरी जगह में भी कहता है
परमेश्वर और एक स्थान में भी कहता है।

Hebrews 5:7

अपनी देह में रहने के दिनों में
वैकल्पिक अनुवाद: “जब वह पृथ्वी पर रहता था”।

Hebrews 5:9

तुम ऊंचा सुनने लगे हो
तुम ऊंचा सुनने लगे हो - “तुम समझने में मन्दबुद्धि हो” (यू.डी.बी.) “तुम सुनना नहीं चाहते”।

Hebrews 5:12

अब तक दूध ही चाहिए
आत्मिक आधारभूत सत्य

अन्न
“कठिन आत्मिक सत्य”

Translation Questions

Hebrews 5:1

महायाजक मनुष्यों के लिए क्या करता था?
महायाजक मनुष्यों के लिए भेंट और पाप बलि चढ़ाता था।

Hebrews 5:3

मनुष्यों के साथ साथ महायाजक और किसके लिए भी पाप बलि चढ़ाता था?
महायाजक को भी अपने पाप के लिए पाप बलि चढ़ाना आवश्क था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Hebrews 5:4

पमरेश्वर का महायाजक होने का सम्मान मनुष्य को कैसे प्राप्त होता था?
परमेश्वर का महायाजक होने के लिए मनुष्य को ठहराया जाना होता था।

Hebrews 5:5

मसीह यीशु को किस ने महायाजक बनाया है?
परमेश्वर ने मसीह यीशु को महायाजक बनाया है।

Hebrews 5:6

मसीह कब तक परमेश्वर का महायाजक रहेगा?
मसीह सदा के लिए परमेश्वर का महायाजक है।

मसीह किस रीति पर महायाजक है?
मसीह यीशु मलिकिसीदक की रीति पर महायाजक है।

Hebrews 5:7

यीशु की प्रार्थना परमेश्वर ने क्यों सुनी?
भक्ति के कारण परमेश्वर ने मसीह यीशु की विनती सुनी।

Hebrews 5:8

मसीह यीशु ने आज्ञा पालन कैसे सीखा था?
यीशु ने कष्ट उठाकर आज्ञा पालन सीखा था।

Hebrews 5:9

मसीह किसके लिए उद्धार का कारण हो गया है?
हर एक विश्वास करनेवाले के लिए मसीह सदा काल के उद्धार का कारण हो गया है।

Hebrews 5:11

इस पत्र के मूल पाठकों की आत्मिक स्थिति कैसी थी?
इस पत्र के मूल पाठक उंचा सुनने लगे थे, और उन्हे परमेश्वर के वचनों की आदि शिक्षा की आवश्यक्ता थी।

Hebrews 5:14

पत्र के लेखक के अनुसार विश्वास में आत्मिक शिशु परिपूर्ण वयस्कों में कैसे विकसित होते है?
विश्वासियों की आत्मिक उन्नति उचित और अनुचित में अंतर पहचानने - भले बुरे में भेद करने के अभ्यास के द्वारा होती है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 6

1 इसलिए आओ मसीह की शिक्षा की आरम्भ की बातों को छोड़कर, हम सिद्धता की ओर बढ़ते जाएँ, और मरे हुए कामों से मन फिराने, और परमेश्वर पर
विश्वास करने, **2** और बपतिस्मा और हाथ रखने, और मरे हुओं के जी उठने, और अनन्त न्याय की शिक्षारूपी नींव, फिर से न डालें। **3** और यदि परमेश्वर चाहे,
तो हम यहीं करेंगे।

4 क्योंकि जिन्होंने एक बार ज्योति पाई है, और जो स्वर्गीय वरदान का स्वाद चख चुके हैं और पवित्र आत्मा के भागी हो गए हैं, **5** और परमेश्वर के उत्तम वचन
का और आनेवाले युग की सामर्थ्य का स्वाद चख चुके हैं*। **6** यदि वे भटक जाएँ; तो उन्हें मन फिराव के लिये फिर नया बनाना अनहोना है; क्योंकि वे परमेश्वर
के पुत्र को अपने लिये फिर क्रूस पर चढ़ाते हैं और प्रगट में उस पर कलंक लगाते हैं।

7 क्योंकि जो भूमि वर्षा के पानी को जो उस पर बार-बार पड़ता है, पी पीकर जिन लोगों के लिये वह जोती-बोई जाती है, उनके काम का साग-पात उपजाती है,
वह परमेश्वर से आशीष पाती है। **8** पर यदि वह झाड़ी और ऊँटकटारे उगाती है, तो निकम्मी और श्रापित होने पर है, और उसका अन्त जलाया जाना है। (यूह.
15:6)

9 पर हे प्रियों यद्यपि हम ये बातें कहते हैं तो भी तुम्हारे विषय में हम इससे अच्छी और उद्धारवाली बातों का भरोसा करते हैं। **10** क्योंकि परमेश्वर अन्यायी नहीं,
कि तुम्हारे काम, और उस प्रेम को भूल जाए, जो तुम ने उसके नाम के लिये इस रीति से दिखाया, कि पवित्र लोगों की सेवा की, और कर भी रहे हो।

11 पर हम बहुत चाहते हैं, कि तुम में से हर एक जन अन्त तक पूरी आशा के लिये ऐसा ही प्रयत्न करता रहे। **12** ताकि तुम आलसी न हो जाओ; वरन् उनका
अनुकरण करो, जो विश्वास और धीरज के द्वारा प्रतिज्ञाओं के वारिस होते हैं।

13 और परमेश्वर ने अब्राहम को प्रतिज्ञा देते समय* जब कि शपथ खाने के लिये किसी को अपने से बड़ा न पाया, तो अपनी ही शपथ खाकर कहा, **14** "मैं
सचमुच तुझे बहुत आशीष दूँगा, और तेरी सन्तान को बढ़ाता जाऊँगा।" (उत्प. 22:17) **15** और इस रीति से उसने धीरज धरकर प्रतिज्ञा की हुई बात प्राप्त की।

16 मनुष्य तो अपने से किसी बड़े की शपथ खाया करते हैं और उनके हर एक विवाद का फैसला शपथ से पक्का होता है। (निर्ग. 22:11) **17** इसलिए जब
परमेश्वर ने प्रतिज्ञा के वारिसों पर और भी साफ रीति से प्रगट करना चाहा, कि उसकी मनसा बदल नहीं सकती तो शपथ को बीच में लाया। **18** ताकि दो बे-
बदल बातों के द्वारा जिनके विषय में परमेश्वर का झूठा ठहरना अनहोना है, हमारा दृढ़ता से ढाढ़स बन्ध जाए, जो शरण लेने को इसलिए दौड़े है, कि उस आशा
को जो सामने रखी हुई है प्राप्त करें। (गिन. 23:19, 1 शमू. 15:29)

19 वह आशा हमारे प्राण के लिये ऐसा लंगर है जो स्थिर और दृढ़ है*, और परदे के भीतर तक पहुँचता है। (गिन. 23:19, 1 तीमु. 2:13) **20** जहाँ यीशु ने
मेलिकिसिदक की रीति पर सदा काल का महायाजक बनकर, हमारे लिये अगुआ के रूप में प्रवेश किया है।

Hebrews 6:1

आगे बढ़ते जाएं
वैकल्पिक अनुवाद: "हमें प्रगति करनी चाहिए"

हाथ रखने
यह एक अभ्यास था जिसके द्वारा किसी विशेष सेवा या पद के लिए किसी को पृथक किया जाता था।

Hebrews 6:4

जो स्वर्गीय वरदान का स्वाद चख चुके हैं
जो स्वर्गीय वरदान का स्वाद चख चुके हैं यह उन विश्वासियों के संदर्भ में है जिनका परमेश्वर ने उद्धार किया है।

जो परमेश्वर के उत्तम वचन का... स्वाद चख चुके हैं।
यह उन विश्वासियों के संदर्भ में है जिन्होंने स्वयं परमेश्वर के वचन का अनुभव किया है।

वे परमेश्वर के पुत्र को अपने लिए फिर क्रूस पर चढ़ाते हैं।
परमेश्वर से विमुख होने का अर्थ है यीशु को फिर से क्रूस पर चढ़ाना(देखन:)

भटक गया
वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर से विमुख हो जाएं"

Hebrews 6:9

परमेश्वर अन्यायी नहीं कि.... भूल जाए
वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर न्यायसंगत है और भूलता नहीं"

Hebrews 6:11

विश्वासियों के लिए सलाह की उत्तरकथा
यह निर्देश दिया जाता के विश्वासी इस सम्बन्ध में बने रहे।

बुद्धिमानी
सावधानी के साथ परिश्रम

आलसी
मन्दल

अनुकरण
किसी के व्यवहार की नकल करना

Hebrews 6:13

कहा
परमेश्वर ने कहा

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Hebrews 6:19

अगुआ के रूप में
“जो हमसे पहले मरा”

Translation Questions

Hebrews 6:1

इब्रानियों का लेखक विश्वासियों को किस ओर बढ़ते देखना चाहता है?
इब्रानियों का लेखक चाहता है कि विश्वासी सिद्धता की ओर बढ़ते जाएं।

इब्रानियों का लेखक मसीह की शिक्षा की आरंभिक बातों की सूची में क्या लिखता है?
मसीह की शिक्षा की आरंभिक बातें हैं, मरे हुए कामों से मन फिराना, परमेश्वर में विश्वास, बपतिस्मा, हाथ रखना, पुनरुत्थान और अन्तिम न्याय।

Hebrews 6:4

पवित्र आत्मा के सहभागियों के लिए भटक जाने के बाद क्या अन्होना है?
जो पवित्र आत्मा के भागी हुए है, यदि वे भटक जाए तो उन्हे मन फिराव के लिए फिर नया बनना अन्होना है।

इन ज्योतिर्मय लोगों ने किसका स्वाद चखा है?
उन्होने एक बार ज्योति पाई है और स्वर्गीय वरदान का और परमेश्वर के वचन का और आनेवाले युग की सामर्थ्य का स्वाद चख चुके हैं।

Hebrews 6:6

इन लोगों को मन फिराव के निमित्त फिर नया क्यों नहीं बनाया जा सकता है?
उन्हे फिर नया बनाना अन्होना है क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र को अपने लिए फिर क्रूस पर चढाते है।

Hebrews 6:7

लेखक की उपमा में झाड़ी और कांटे उगाने वाली भूमि का अन्त क्या है?
यदि भूमि वर्षा के उपरान्त भी झाड़ी और ऊंटकटारे उगाए तो वह श्रापित है और उसका अन्त जलाया जाना है।

Hebrews 6:9

लेखक अपने पाठकों से क्या अपेक्षा करता है?
लेखक इन विश्वासियों से अधिक अच्छी और उद्धार वाली बातों का भरोसा रखता है।

Hebrews 6:10

परमेश्वर इन विश्वासियों की कौन सी बातों को कभी नहीं भूलेगा?
पवित्र जनों के प्रति उनके कार्य, उनका प्रेम और उनकी सेवा को परमेश्वर भूल जाए, ऐसा नहीं हो सकता।

Hebrews 6:12

विश्वासियों को परमेश्वर की प्रतिज्ञा के वारिसों की क्या नकल करना है?
विश्वासियों को उनके विश्वास और धीरज का अनुकरण करना है जो प्रतिज्ञाओं के वारिस हैं।

Hebrews 6:13

परमेश्वर की प्रतिज्ञा पूर्ति के लिए अब्राहम को क्या करना पड़ा था?
अब्राहम को परमेश्वर की प्रतिज्ञा की पूर्ति के लिए धीरज रखा था।

Hebrews 6:17

परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा को शपथ खाकर पक्का क्यों किया था?
परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा को शपथ खाकर पक्का किया कि उसके उद्देश्य को अपरिवर्तनीय सिद्ध किया था।

Hebrews 6:18

परमेश्वर के लिए कौन सा काम असंभव है?
परमेश्वर के लिए झूठ बोलना संभव नहीं।

Hebrews 6:19

परमेश्वर पर विश्वास करना विश्वासी के लिए क्या काम करता है?
परमेश्वर पर विश्वास करना विश्वासी के प्राण के लिए लंगर है।

Hebrews 6:20

विश्वासियों के अगुवे के रूप में यीशु ने कहां प्रवेश किया है?
यीशु ने विश्वासियों का अगुआ बनकर परदे के पीछे भीतरी स्थान में प्रवेश किया।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 7

1 यह मेलिकिसिदक* शालेम का राजा, और परमप्रधान परमेश्वर का याजक, जब अब्राहम राजाओं को मारकर लौटा जाता था, तो इसी ने उससे भेंट करके
उसे आशीष दी, **2** इसी को अब्राहम ने सब वस्तुओं का दसवाँ अंश भी दिया। यह पहले अपने नाम के अर्थ के अनुसार, धार्मिकता का राजा और फिर शालेम
अर्थात् शान्ति का राजा है। **3** जिसका न पिता, न माता, न वंशावली है, जिसके न दिनों का आदि है और न जीवन का अन्त है; परन्तु परमेश्वर के पुत्र के स्वरूप
ठहरकर वह सदा के लिए याजक बना रहता है।

4 अब इस पर ध्यान करो कि यह कैसा महान था* जिसको कुलपति अब्राहम ने अच्छे से अच्छे माल की लूट का दसवाँ अंश दिया। **5** लेवी की संतान में से जो
याजक का पद पाते हैं, उन्हें आज्ञा मिली है, कि लोगों, अर्थात् अपने भाइयों से चाहे, वे अब्राहम ही की देह से क्यों न जन्मे हों, व्यवस्था के अनुसार दसवाँ अंश
लें। (गिन. 18:21) **6** पर इसने, जो उनकी वंशावली में का भी न था अब्राहम से दसवाँ अंश लिया और जिसे प्रतिज्ञाएँ मिली थी उसे आशीष दी।

7 और उसमें संदेह नहीं, कि छोटा बड़े से आशीष पाता है। **8** और यहाँ तो मरनहार मनुष्य दसवाँ अंश लेते हैं पर वहाँ वही लेता है, जिसकी गवाही दी जाती है,
कि वह जीवित है। **9** तो हम यह भी कह सकते हैं, कि लेवी ने भी, जो दसवाँ अंश लेता है, अब्राहम के द्वारा दसवाँ अंश दिया। **10** क्योंकि जिस समय
मेलिकिसिदक ने उसके पिता से भेंट की, उस समय यह अपने पिता की देह में था। (उत्प. 14:18-20)

11 तब यदि लेवीय याजक पद के द्वारा सिद्धि हो सकती है (जिसके सहारे से लोगों को व्यवस्था मिली थी) तो फिर क्या आवश्यकता थी, कि दूसरा याजक
मेलिकिसिदक की रीति पर खड़ा हो, और हारून की रीति का न कहलाए? **12** क्योंकि जब याजक का पद बदला जाता है? तो व्यवस्था का भी बदलना अवश्य
है।

13 क्योंकि जिसके विषय में ये बातें कही जाती हैं, वह दूसरे गोत्र का है, जिसमें से किसी ने वेदी की सेवा नहीं की। **14** तो प्रगट है, कि हमारा प्रभु यहूदा के गोत्र
में से उदय हुआ है और इस गोत्र के विषय में मूसा ने याजक पद की कुछ चर्चा नहीं की। (उत्प. 49:10, यशा. 11:1)

15 हमारा दावा और भी स्पष्टता से प्रकट हो जाता है, जब मेलिकिसिदक के समान एक और ऐसा याजक उत्पन्न होनेवाला था। **16** जो शारीरिक आज्ञा की
व्यवस्था के अनुसार नहीं, पर अविनाशी जीवन की सामर्थ्य के अनुसार नियुक्त हो। **17** क्योंकि उसके विषय में यह गवाही दी गई है,

> “तू मेलिकिसिदक की रीति पर
> युगानुयुग याजक है।”

18 निदान, पहली आज्ञा निर्बल; और निष्फल होने के कारण लोप हो गई। **19** (इसलिए कि व्यवस्था ने किसी बात की सिद्धि नहीं की*) और उसके स्थान पर
एक ऐसी उत्तम आशा रखी गई है जिसके द्वारा हम परमेश्वर के समीप जा सकते हैं।

20 और इसलिए मसीह की नियुक्ति बिना शपथ नहीं हुई। **21** क्योंकि वे तो बिना शपथ याजक ठहराए गए पर यह शपथ के साथ उसकी ओर से नियुक्त किया
गया जिस ने उसके विषय में कहा,

> “प्रभु ने शपथ खाई, और वह उससे फिर न पछताएगा,
> कि तू युगानुयुग याजक है”।

22 इस कारण यीशु एक उत्तम वाचा का जामिन ठहरा। **23** वे तो बहुत से याजक बनते आए, इसका कारण यह था कि मृत्यु उन्हें रहने नहीं देती थी। **24** पर यह
युगानुयुग रहता है; इस कारण उसका याजक पद अटल है।

25 इसलिए जो उसके द्वारा परमेश्वर के पास आते हैं, वह उनका पूरा-पूरा उद्धार कर सकता है, क्योंकि वह उनके लिये विनती करने को सर्वदा जीवित है। (1
यूह. 2:1-2, 1 तीमु. 2:5) **26** क्योंकि ऐसा ही महायाजक हमारे योग्य था, जो पवित्र, और निष्कपट और निर्मल, और पापियों से अलग, और स्वर्ग से भी ऊँचा
किया हुआ हो।

27 और उन महायाजकों के समान उसे आवश्यक नहीं कि प्रतिदिन पहले अपने पापों और फिर लोगों के पापों के लिये बलिदान चढ़ाए; क्योंकि उसने अपने
आप को बलिदान चढ़ाकर उसे एक ही बार निपटा दिया। (लैव्य. 16:6, इब्रा. 10:10,12,14) **28** क्योंकि व्यवस्था तो निर्बल मनुष्यों को महायाजक नियुक्त
करती है; परन्तु उस शपथ का वचन जो व्यवस्था के बाद खाई गई, उस पुत्र को नियुक्त करता है जो युगानुयुग के लिये सिद्ध किया गया है।

Hebrews 7:1

जिसका न पिता.... है
मलिकिसिदक का पिता नहीं था

जिसके दिनों का न आदि है और जीवन का अन्त है।
मलिकिसिदक के न तो आरंभ की और न अन्त की जानकारी है।

Hebrews 7:4

लेवी की सन्तान में से जो याजक का पद पाते हैं
वैकल्पिक अनुवाद: “लेवी के वंशज जो पुरोहित बने” लेवी की सब वंशज पुरोहित नहीं हुए थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Hebrews 7:7

देह में था
यहां संपूर्ण देह के लिए सामान्य शब्द का उपयोग करें

Hebrews 7:11

तो फिर क्या आवश्यकता थी कि दूसरा याजक हारुन मलिकिसिदक की रीति पर खड़ा हो?
वैकल्पिक अनुवाद: “दूसरे पुरोहित की किसी को भी आवश्यकता नहीं थी जो मलिकिसिदक का सा हो न कि हारून का सा”।

Hebrews 7:15

शारीरिक आज्ञा के अनुसार नहीं
मसीह लेवी वंश के बिना पुरोहित है

तू मलिकिसिदक की रीति पर युगानयुग का याजक है
वैकल्पिक अनुवाद: “मलिकिसिदक के समान”

Hebrews 7:18

व्यवस्था ने किसी बात को सिद्ध नहीं किया
इससे स्पष्ट होता है कि “विधान अशक्त एवं व्यर्थ है” अत: उसका निराकरण किया जाए।

पास आनेवाला
“निकट आ सकते हैं”।

Hebrews 7:20

मसीह की नियुक्ति बिना शपथ नहीं हुई
किसी को तो शपथ खानी थी कि हमें और भी अधिक उत्तम कोई बात प्राप्त होती कि उसमें आशा बन्धी रहती” या “.... कि मसीह एक पुरोहित होता”

तू युगानयुग याजक है
“तू एक पुरोहित है और शाश्वत है”।

Hebrews 7:22

जामिन
“आश्वासन” या “प्रतिज्ञा”

उसका याजक पद अटल है
“वह शाश्वत पुरोहित है”

Hebrews 7:25

इसलिए
“क्योंकि मसीह हमारा अनन्तकालीन याजक है”।

इसके स्थान
“उसने हमारे लिए जो किया उसके कारण”

Hebrews 7:27

उसे आवश्यकता नहीं
वैकल्पिक अनुवाद: “मसीह को आवश्यकता नहीं”

व्यवस्था.... नियुक्त करती है
“परमेश्वर ने विधान में नियुक्ति की है”

उस शपथ का वचन, जो व्यवस्था के बाद खाई गई उस पुत्र को नियुक्त किया।
“विधान देने के बाद परमेश्वर ने शपथ खाकर अपने पुत्र को नियुक्त किया।”

जो... सिद्ध किया गया है
“जिसने परमेश्वर का पूर्ण आज्ञापालन किया और सिद्ध हुआ”

Translation Questions

Hebrews 7:1

मलिकिसिदक के पास कौन से दो पद थे?
मलिकिसिदक, शालोम का राजा, और परमप्रधान परमेश्वर का याजक था।

Hebrews 7:2

अब्राहम ने मलिकिसिदक को क्या दिया था?
अब्राहम ने उसे सब वस्तुओं का दशमांश दिया था।

मलिकिसिदक नाम के अर्थ क्या क्या हैं?
मलिकिसिदक नाम के अर्थ हैं, "धर्म का राजा" और "शान्ति का राजा।"

Hebrews 7:3

मलिकिसिदक की क्या वंशावली है या क्या उसका अन्त है?
मलिकिसिदक के पूर्वज नहीं, उसके जीवन का न आदि है न अन्त है।

Hebrews 7:5

याजक किस के वंश के थे, व्यवस्था के अनुसार याजक कौन होते थे, मनुष्यों से दशमांश कौन लेते थे?
व्यवस्था के याजक लेवी वंश और अब्राहम की सन्तान थे।

Hebrews 7:7

बड़ा कौन था अब्राहम या मलिकिसिदक?
मलिकिसिदक और भी बड़ा था क्योंकि उसने अब्राहम को आशीष दी थी।

Hebrews 7:9

लेवी ने किस रूप में मलिकिसिदक को दशमांश दिया था?
दशमांश लेनेवाले लेवी ने भी मलिकिसिदक को दशमांश दिया था क्योंकि जब अब्राहम ने मलिकिसिदक को दशमांश दिया तब वह उसके देह में था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Hebrews 7:11

मलिकिसिदक की रीति पर दूसरे याजक की आवश्यक्ता क्यों पड़ी?
मलिकिसिदक की रीति पर एक और याजक के आने की आवश्यक्ता थी क्योंकि लेवीय याजक पद के द्वारा सिद्धी प्राप्त नहीं हुई थी।

Hebrews 7:12

याजक पद बदलने के साथ क्या बदलना आवश्यक है?
जब याजक का पद बदल जाता है तब व्यवस्था भी बदलना आवश्यक है।

Hebrews 7:14

यीशु किस गोत्र से था और क्या उस गोत्र से किसी ने कभी याजकीय सेवा की थी?
यीशु यहूदा के वंश से था जो याजक रूप में कभी भी वेदी पर नहीं गया।

Hebrews 7:16

यीशु किस आधार पर मलिकिसिदक की रीति पर याजक हुआ है?
यीशु मलिकिसिदक की रीति पर याजक है जो अविनाशी जीवन के सामर्थ्य के अनुसार नियुक्त हुआ है।

Hebrews 7:18

निर्बल और निष्फल होने के कारण किसका विलोप हुआ?
इस प्रकार पहली आज्ञा (व्यवस्था) निर्बल और निष्फल होने के कारण लोप हो गई।

Hebrews 7:19

मसीह के विश्वासियों को जो विश्वास है उसको परमेश्वर ने कैसे पुष्ट किया है?
परमेश्वर ने एक अधिक उत्तम विश्वास की पुष्टि की जो विश्वासियों के पास है, परमेश्वर ने शपथ खाई कि यीशु युगानयुग याजक है।

Hebrews 7:22

यीशु किसका जामिन हैं?
यीशु एक उत्तम वाचा का जामिन है।

Hebrews 7:25

जो यीशु के द्वारा परमेश्वर के पास आते हैं, उनका पूर्णरूपेण उद्धार करने में यीशु समर्थ क्यों है?
जो यीशु के द्वारा परमेश्वर के पास आते हैं, उनका पूरा पूरा उद्धार वह कर सकता है क्योंकि वह उनके लिए विनती करने को सदा जीवित है।

Hebrews 7:26

यीशु के चार सद्गुण कौन से हैं जिनके कारण वह विश्वासियों के लिए एक उचित याजक है?
यीशु पवित्र, निष्कपट, निर्मल, और पापियों से अलग था।

यीशु को अपने पापों के लिए कौन सी बलि चढ़ाना पड़ी थी?
यीशु ने अपने पापों के लिए बलिदान नहीं चढ़ाई क्योंकि वह निष्पाप था।

Hebrews 7:27

यीशु ने मनुष्य के पापों के लिए कैसा बलिदान चढ़ाया है?
यीशु ने मनुष्यों के पापों के लिए एक बार अपने आप को बलिदान चढ़ा दिया है।

Hebrews 7:28

व्यवस्था के महायाजकों से यीशु किस प्रकार भिन्न है?
व्यवस्था के अनुसार नियुक्त महायाजक निर्बल थे परन्तु पुत्र युगानयुग के लिए सिद्ध किया गया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 8

1 अब जो बातें हम कह रहे हैं, उनमें से सबसे बड़ी बात यह है, कि हमारा ऐसा महायाजक है, जो स्वर्ग पर महामहिमन् के सिंहासन के दाहिने जा बैठा*। (भज. 110:1, इब्रा. 10:12) **2** और पवित्रस्थान और उस सच्चे तम्बू का सेवक हुआ, जिसे किसी मनुष्य ने नहीं, वरन् प्रभु ने खड़ा किया था।

3 क्योंकि हर एक महायाजक भेंट, और बलिदान चढ़ाने के लिये ठहराया जाता है, इस कारण अवश्य है, कि इसके पास भी कुछ चढ़ाने के लिये हो। **4** और यदि मसीह पृथ्वी पर होता तो कभी याजक न होता, इसलिए कि पृथ्वी पर व्यवस्था के अनुसार भेंट चढ़ानेवाले तो हैं। **5** जो स्वर्ग में की वस्तुओं के प्रतिरूप और प्रतिबिम्ब* की सेवा करते हैं, जैसे जब मूसा तम्बू बनाने पर था, तो उसे यह चेतावनी मिली, “देख जो नमूना तुझे पहाड़ पर दिखाया गया था, उसके अनुसार सब कुछ बनाना।” (निर्ग. 25:40)

6 पर उन याजकों से बढ़कर सेवा यीशु को मिली, क्योंकि वह और भी उत्तम वाचा का मध्यस्थ ठहरा, जो और उत्तम प्रतिज्ञाओं के सहारे बाँधी गई है।

7 क्योंकि यदि वह पहली वाचा निर्दोष होती, तो दूसरी के लिये अवसर न ढूँढ़ा जाता।

8 पर परमेश्वर लोगों पर दोष लगाकर कहता है,

“प्रभु कहता है, देखो वे दिन आते हैं,
कि मैं इस्राएल के घराने के साथ, और यहूदा के घराने के साथ, नई वाचा बाँधूँगा
9 यह उस वाचा के समान न होगी, जो मैंने उनके पूर्वजों के साथ उस समय बाँधी थी,
जब मैं उनका हाथ पकड़कर उन्हें मिस्र देश से निकाल लाया,
क्योंकि वे मेरी वाचा पर स्थिर न रहे,
और मैंने उनकी सुधि न ली; प्रभु यही कहता है।
10 फिर प्रभु कहता है,
कि जो वाचा मैं उन दिनों के बाद इस्राएल के घराने के साथ बाँधूँगा, वह यह है,
कि मैं अपनी व्यवस्था को उनके मनों में डालूँगा,
और उसे उनके हृदय पर लिखूँगा,
और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा,
और वे मेरे लोग ठहरेंगे।
11 और हर एक अपने देशवाले को
और अपने भाई को यह शिक्षा न देगा, कि तू प्रभु को पहचान
क्योंकि छोटे से बड़े तक सब मुझे जान लेंगे।
12 क्योंकि मैं उनके अधर्म के विषय में दयावन्त हूँगा,
और उनके पापों को फिर स्मरण न करूँगा।”

13 नई वाचा के स्थापना से उसने प्रथम वाचा को पुरानी ठहराई, और जो वस्तु पुरानी और जीर्ण हो जाती है उसका मिट जाना अनिवार्य है। (यिर्म. 31:31-34, यिर्म. 31:33-34)

Hebrews 8:3

प्रतिरूप और प्रतिबिम्ब
“रूप रेखा”

नमूना
“आरूप”

Hebrews 8:6

यीशु को मिली
“परमेश्वर ने मसीह को दी”

निर्दोष
सिद्ध

Hebrews 8:8

देखो
वैकल्पिक अनुवाद: “प्रतीति करो” या “सुनो” या “मैं जो कहने जा रहा हूं उस बात पर ध्यान दो”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Hebrews 8:1

विश्वासियों का महायाजक कहां उपस्थित है?
विश्वासियों का महायाजक स्वर्ग में महामहिम के सिंहासन के दाहिने बैठा है।

Hebrews 8:2

सच्चा तम्बू कहां है?
सच्चा तम्बू स्वर्ग में है।

Hebrews 8:3

प्रत्येक याजक के लिए क्या करना आवश्यक है?
हर एक महायाजक भेंट और बलिदान चढ़ाने के लिए ठहराया जाता है।

Hebrews 8:4

व्यवस्था के अनुसार भेंट चढ़ाने वाले याजक कहां थे?
व्यवस्था के अनुसार जो याजक भेंट चढ़ाते थे वे पृथ्वी पर थे।

Hebrews 8:5

पृथ्वी के याजक किसकी सेवा करते थे?
पृथ्वी के याजक स्वर्ग में की वस्तुओं के प्रतिरूप और प्रतिबिम्ब की सेवा करते थे।

सांसारिक मिलापवाला तम्बू किस नमूने पर बनाया गया था?
जब मूसा मिलापवाला तम्बू बना रहा था तब उसे चेतावनी दी गई कि वह सब कुछ वैसा ही बनाए जैसा नमूना उसे पहाड़ पर दिखाया गया था।

Hebrews 8:6

मसीह की याजकीय सेवा अधिक उत्तम क्यों है?
मसीह की याजकीय सेवा अधिक उत्तम है क्योंकि वह एक अधिक उत्तम वाचा का मध्यस्थ है, जो अधिक उत्तम प्रतिज्ञाओं पर स्थापित है।

Hebrews 8:8

पहली वाचा के अधीन मनुष्यों में दोष देखकर परमेश्वर ने क्या प्रतिज्ञा की थी?
परमेश्वर ने इस्राएल के घराने के साथ और यहूदा के घराने के साथ नई वाचा बांधने की प्रतिज्ञा की थी।

Hebrews 8:10

नई वाचा में परमेश्वर ने क्या कहा कि वह करेगा?
परमेश्वर ने कहा था कि वह व्यवस्था को उनके मनों में डालेगा और उनके हृदयों पर लिखेगा।

Hebrews 8:11

नई वाचा में परमेश्वर को कौन जानेगा?
नई वाचा में छोटे से बड़े तक सब परमेश्वर को पहचानेंगे।

Hebrews 8:12

नई वाचा में परमेश्वर मनुष्यों के पापों के साथ क्या करेगा?
परमेश्वर ने कहा कि वह उनके पापों को फिर स्मरण नहीं करेगा।

Hebrews 8:13

नई वाचा की घोषणा पर परमेश्वर ने पहली वाचा का क्या किया?
नई वाचा की घोषणा करके परमेश्वर ने पहली वाचा को पुरानी ठहरा दिया और पुरानी वस्तु का मिट जाना अनिवार्य है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 9

1 निदान, उस पहली वाचा* में भी सेवा के नियम थे; और ऐसा पवित्रस्थान था जो इस जगत का था। **2** अर्थात् एक तम्बू बनाया गया, पहले तम्बू में दीवट, और
मेज, और भेंट की रोटियाँ थी; और वह पवित्रस्थान कहलाता है। (निर्ग. 25:23-30, निर्ग. 26:1-30)

3 और दूसरे परदे के पीछे वह तम्बू था, जो परमपवित्र स्थान कहलाता है। (निर्ग. 26:31-33) **4** उसमें सोने की धूपदानी, और चारों ओर सोने से मढ़ा हुआ
वाचा का संदूक और इसमें मन्ना से भरा हुआ सोने का मर्तबान और हारून की छड़ी जिसमें फूल फल आ गए थे और वाचा की पटियाँ थीं। (निर्ग. 16:33, निर्ग.
25:10-16, निर्ग. 30:1-6, गिन. 17:8-10, व्य. 10:3,5) **5** उसके ऊपर दोनों तेजोमय करूब* थे, जो प्रायश्चित के ढक्कन पर छाया किए हुए थे: इन्हीं का
एक-एक करके वर्णन करने का अभी अवसर नहीं है। (निर्ग. 25:18-22)

6 ये वस्तुएँ इस रीति से तैयार हो चुकी, उस पहले तम्बू में तो याजक हर समय प्रवेश करके सेवा के काम सम्पन्न करते हैं, (व्य. 27:21) **7** पर दूसरे में केवल
महायाजक वर्ष भर में एक ही बार जाता है; और बिना लहू लिये नहीं जाता; जिसे वह अपने लिये और लोगों की भूल चूक के लिये चढ़ाता है। (निर्ग. 30:10,
लैव्य. 16:2)

8 इससे पवित्र आत्मा यही दिखाता है, कि जब तक पहला तम्बू खड़ा है, तब तक पवित्रस्थान का मार्ग प्रगट नहीं हुआ। **9** और यह तम्बू तो वर्तमान समय के
लिये एक दृष्टान्त है; जिसमें ऐसी भेंट और बलिदान चढ़ाए जाते हैं, जिनसे आराधना करनेवालों के विवेक सिद्ध नहीं हो सकते। **10** इसलिए कि वे केवल खाने-
पीने की वस्तुओं, और भाँति-भाँति के स्नान विधि के आधार पर शारीरिक नियम हैं, जो सुधार के समय तक के लिये नियुक्त किए गए हैं।

11 परन्तु जब मसीह आनेवाली अच्छी-अच्छी वस्तुओं का महायाजक होकर आया, तो उसने और भी बड़े और सिद्ध तम्बू से होकर जो हाथ का बनाया हुआ
नहीं, अर्थात् सृष्टि का नहीं। **12** और बकरों और बछड़ों के लहू के द्वारा नहीं, पर अपने ही लहू के द्वारा एक ही बार पवित्रस्थान में प्रवेश किया, और अनन्त
छुटकारा प्राप्त किया।

13 क्योंकि जब बकरों और बैलों का लहू और कलोर की राख अपवित्र लोगों पर छिड़के जाने से शरीर की शुद्धता के लिये पवित्र करती है। (लैव्य. 16:14-16,
लैव्य. 16:3, गिन. 19:9,17-19) **14** तो मसीह का लहू जिस ने अपने आप को सनातन आत्मा के द्वारा परमेश्वर के सामने निर्दोष चढ़ाया, तुम्हारे विवेक को
मरे हुए कामों से क्यों न शुद्ध करेगा, ताकि तुम जीविते परमेश्वर की सेवा करो। **15** और इसी कारण वह नई वाचा का मध्यस्थ* है, ताकि उस मृत्यु के द्वारा जो
पहली वाचा के समय के अपराधों से छुटकारा पाने के लिये हुई है, बुलाए हुए लोग प्रतिज्ञा के अनुसार अनन्त विरासत को प्राप्त करें।

16 क्योंकि जहाँ वाचा बाँधी गई है वहाँ वाचा बाँधनेवाले की मृत्यु का समझ लेना भी अवश्य है। **17** क्योंकि ऐसी वाचा मरने पर पक्की होती है, और जब तक
वाचा बान्धनेवाला जीवित रहता है, तब तक वाचा काम की नहीं होती।

18 इसलिए पहली वाचा भी बिना लहू के नहीं बाँधी गई। **19** क्योंकि जब मूसा सब लोगों को व्यवस्था की हर एक आज्ञा सुना चुका, तो उसने बछड़ों और बकरों
का लहू लेकर, पानी और लाल ऊन, और जूफा के साथ, उस पुस्तक पर और सब लोगों पर छिड़क दिया। (लैव्य. 14:4 गिन. 19:6) **20** और कहा, "यह उस
वाचा का लहू है, जिसकी आज्ञा परमेश्वर ने तुम्हारे लिये दी है।" (निर्ग. 24:8)

21 और इसी रीति से उसने तम्बू और सेवा के सारे सामान पर लहू छिड़का। (लैव्य. 8:15, लैव्य. 8:19) **22** और व्यवस्था के अनुसार प्रायः सब वस्तुएँ लहू के
द्वारा शुद्ध की जाती हैं; और बिना लहू बहाए क्षमा नहीं होती। (लैव्य. 17:11)

23 इसलिए अवश्य है, कि स्वर्ग में की वस्तुओं के प्रतिरूप इन बलिदानों के द्वारा शुद्ध किए जाएँ; पर स्वर्ग में की वस्तुएँ आप इनसे उत्तम बलिदानों के द्वारा शुद्ध
की जातीं। **24** क्योंकि मसीह ने उस हाथ के बनाए हुए पवित्रस्थान में जो सच्चे पवित्रस्थान का नमूना है, प्रवेश नहीं किया, पर स्वर्ग ही में प्रवेश किया, ताकि
हमारे लिये अब परमेश्वर के सामने दिखाई दे*।

25 यह नहीं कि वह अपने आप को बार-बार चढ़ाए, जैसा कि महायाजक प्रति वर्ष दूसरे का लहू लिये पवित्रस्थान में प्रवेश किया करता है। **26** नहीं तो जगत
की उत्पत्ति से लेकर उसको बार-बार दुःख उठाना पड़ता; पर अब युग के अन्त में वह एक बार प्रगट हुआ है, ताकि अपने ही बलिदान के द्वारा पाप को दूर कर
दे।

27 और जैसे मनुष्यों के लिये एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त है। (2 कुरि. 5:10, सभो. 12:14) **28** वैसे ही मसीह भी बहुतों के पापों को
उठा लेने के लिये एक बार बलिदान हुआ और जो लोग उसकी प्रतीक्षा करते हैं, उनके उद्धार के लिये दूसरी बार बिना पाप के दिखाई देगा। (1 पत. 2:24, तीतु.
2:13)

Hebrews 9:1

x
लेखक पहली और दूसरी वाचा में तुलना कर रहा है।

पहली वाचा
इसका अनुवाद वैसे ही करें जैसे में किया है।

नियम
"विस्तृत निर्देश" या "नियमावली" या "उपदेश"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्योंकि
लेखक उसी परिचर्चा को आगे बढ़ा रहा है जो में की गई है।

पहले तम्बू में
“इस्राएलियों ने तैयार किया”

भेंट की रोटियां
“परमेश्वर के समक्ष भेंट की गई रोटियां” (यू.डी.बी.)

Hebrews 9:3

दूसरा पर्दे के पीछे
पहला पर्दा तम्बू का बाहरी भाग था। दूसरा पर्दा पवित्र स्थान और परम पवित्र स्थान को विभाजित करता था।

उसमें
“वाचा के सन्दूक में”

फूल फल आ गए थे
“फूल आ गये थे” या “कोपलें निकल आई थी” या “उग कर विकसित हो गई थी”

वाचा की पट्टियां
“एक समतल पत्थर की पट्टी जिस पर लिखा हुआ था”

आकृति
किसी की प्रतिमा

उसके ऊपर दोनों तेजोमय करूब थे
“उस पर करूब छाया किए हुए थे”

प्रायश्चित के ढकने पर
“वाचा के सन्दूक के ऊपर”

Hebrews 9:6

ये वस्तुएं इस रीति से तैयार हो चुकीं
वैकल्पिक अनुवाद: “जब पुरोहितों ने यह सब तैयार कर लिया”

तैयार हो चुकी
“पूरा कर लिया”

बिना लहू लिए नहीं
“उसे सदैव चढ़ाना होता था” या “सदैव भेंट करना होता था”।

Hebrews 9:8

मार्ग प्रगट नहीं हुआ
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर ने अब तक वह मार्ग प्रकट नहीं किया था”

पवित्र स्थान में
संभावित अर्थ 1) “पृथ्वी पर मिलापवाले तम्बू का भीतरी कक्ष” (यू.डी.बी.) या 2) “स्वर्ग में परमेश्वर की उपस्थिति”

जब तक पहला तम्बू खड़ा है
संभावित अर्थ हैं 1) “मिलापवाले तम्बू का बाहरी कक्ष” (देखें: यू.डी.बी.) या 2) “बलि की प्रथा चल रही है”

दिखाता है
“चित्रण”

वर्तमान समय
“अब”

आराधना करनेवालों के विवेक सिद्ध नहीं हो सकते
“आराधकों को दोषमुक्ति प्रदान नहीं कर सकता”

स्नान विधि
“नियम” या “प्रतिकात्मक मृत्यु”

शारीरिक नियम
“शरीर से संबन्धित नियम”

सुधार के समय तक के लिए नियुक्त किए गए थे
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर के यह सब नियम शरीर से संबन्धित थे”

आनेवाली
“नई वाचा”

Hebrews 9:11

अपनी अच्छी वस्तुओं
“नई व्यवस्था”

पवित्र स्थान
स्वर्ग में परमेश्वर की उपस्थिति

Hebrews 9:13

अपवित्र लोगों पर छिड़का जाना
पुरोहित अपवित्र लोगों पर वह राख छिड़कता था

तो मसीह का लहू जिसने अपने आपको सनातन आत्मा के द्वारा परमेश्वर के सामने निर्दोष चढ़ाया तुम्हारे विवेक को मरे हुए कामों से क्यों न शुद्ध करेगा ताकि तुम जीवते परमेश्वर की सेवा करो?
मसीह ने स्वयं को परमेश्वर के सम्मुख शाश्वत पवित्र आत्मा के द्वारा निर्दोष बलि किया और उसका लहू हमें परमेश्वर की सेवा निमित्त मृतक कर्मो से शुद्ध करता है”।

मसीह का लहू ....विवेक को...शुद्ध करेगा
क्योंकि यीशु जो स्वयं को बलि चढ़ा दिया इसलिए हमने जो पाप किए हैं उनके लिए हममें पाप को दोषी अन्तकरण नहीं होना है।

विवेक
लेखक और पाठकों के विवेक

इसी कारण
“परिणामस्वरूप” या “अतः”

प्रतिज्ञा
“दण्ड”

बुलाए गए लोग
जिन्हें परमेश्वर ने नियुक्त किया या अपनी सन्तान होने के लिए चुन लिया

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Hebrews 9:16

वाचा
वैधानिक वसीयत। किसी के मरणोपरान्त किसी को वैधानिक उत्तराधिकार

Hebrews 9:18

इसीलिए पहली वाचा भी बिना लहू के नहीं बांधी गई थी
वैकल्पिक अनुवाद: “अतः परमेश्वर ने पहली वाचा भी रक्त से बांधी थी”

लहू लेकर, पानी... उस पुस्तक पर और सब लोगों पर छिड़क दिया
“पुरोहित जूफा रक्त और पानी में डूबाकर उसे हिलाता था कि रक्त और पानी की बूंदे पुस्तक पर और मनुष्यों पर गिरें।

जूफा
जूफा एक पौधा होता था जिसे धार्मिक संस्कारों में काम में लिया जाता था।

Hebrews 9:21

छिड़क दिया
देखें कि इसका अनुवाद में कैसे किया है।

पात्र
“जिसमें कुछ रखा जाए” या “बर्तन”

सेवा
“पुरोहितों के द्वारा की गई सेवा”

सब वस्तुएं लहू के द्वारा शुद्ध की जाती हैं
“याजक शोधन के लिए रक्त काम में लेता था”

Hebrews 9:23

इसलिए अवश्य है कि स्वर्ग की वस्तुएं के प्रतिरूप इन बलिदानों के द्वारा शुद्ध किए जाएं
“पुरोहितों के लिए आवश्यक था कि स्वर्ग की वस्तुओं की जो नकल यहां हैं उन्हें पशुओं के बलि द्वारा शुद्ध करें।

पर स्वर्ग में की वस्तुएं स्वयं इनसे उत्तम बलिदानों के द्वारा शुद्ध की जाती।
वैकल्पिक अनुवाद: “जहां तक स्वर्गीय वस्तुओं की बात है, परमेश्वर को उन्हें कहीं अधिक उत्तम बलि से शुद्ध करना था जो पार्थिव प्रतिरूपों के शोधन साधन की अपेक्षा अति उत्तम था।”

Hebrews 9:25

प्रवेश नहीं किया
उसने स्वर्ग में प्रवेश नहीं किया,

पार्थिव तम्बू के पवित्र स्थान में नहीं
यह नहीं वह अपने आप को बार-बार चढ़ाए

जगत की उत्पत्ति से लेकर
"जब से परमेश्वर ने सृष्टि की रचना की"

प्रकट हुआ
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर ने अपने आप को प्रकट किया")

Hebrews 9:27

मसीह.... बलिदान हुआ
वैकल्पिक अनुवाद: “मसीह ने स्वयं को बलि चढ़ाया”

Translation Questions

Hebrews 9:1

पहली वाचा में आराधना स्थल क्या था?
पहली वाचा में आराधना स्थल पृथ्वी पर मिलापवाला तम्बू था।

Hebrews 9:2

पृथ्वी के मिलापवाला तम्बू में क्या क्या था?
पृथ्वी के मिलापवाला तम्बू में दीवट , मेज और भेंट की रोटियां थी।

Hebrews 9:4

पृथ्वी के मिलापवाले तम्बू के महा पवित्र स्थान में क्या था?
पृथ्वी के परम पवित्र स्थान में सोने की धूप दानी, और चारों ओर सोने मढ़ा हुआ वाचा का सन्दूक था।

Hebrews 9:7

महायाजक कितनी बार परमपवित्र स्थान में जाता था और प्रवेश से पूर्व क्या करता था?
महायाजक महा पवित्र स्थान में वर्ष में एक ही बार जाता था परन्तु अपने लिए और पूजा के लिए लहू चढ़ाकर जाता था।

Hebrews 9:9

इस पत्र के पाठकों के लिए उदाहरण स्वरूप क्या था?
पृथ्वी का मिलापवाला तम्बू और भेंट और बलियां वर्तमान समय में उदाहरण स्वरूप थीं।

पृथ्वी के मिलापवाला तम्बू में क्या असंभव था?
पृथ्वी के मिलापवाला तम्बू की भेंट और बलिदान आराधकों के विवेक सिद्ध नहीं कर पाते थे।

Hebrews 9:10

पृथ्वी के मिलापवाला तम्बू के नियम कब तक के लिए थे?
पृथ्वी के मिलापवाला तम्बू के नियम नई व्यवस्था के समय तक के लिए नियुक्त थे।

Hebrews 9:11

जिस पवित्र तम्बू में मसीह सेवा करता है वह भिन्न कैसे है?
जिस पवित्र मिलापवाला तम्बू में मसीह सेवा करता है वह अधिक सिद्ध है,वह हाथ का बना हुआ नहीं है और इस सृष्टि का नहीं है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Hebrews 9:12

उस अधिक सिद्ध पृथ्वी मिलापवाला तम्बू के परमपवित्र स्थान में प्रवेश करने हेतु मसीह ने क्या किया?
मसीह ने अपने ही लहू का बलिदान चढ़ाकर उस अधिक सिद्ध पृथ्वी मिलापवाला तम्बू के परमपवित्र स्थान में प्रवेश किया है।

मसीह के बलिदान ने क्या किया है?
मसीह के बलिदान ने हर एक के लिए सदा के उद्धार का प्रावधान किया है।

Hebrews 9:14

मसीह का लहू विश्वासी के लिए क्या करता है?
मसीह का लहू विश्वासी के विवेक को मरे हुए कामों से शुद्ध करके जीवित परमेश्वर की सेवा के लिए तैयार करता है।

Hebrews 9:15

मसीह किसका मध्यस्थ है?
मसीह नई वाचा का मध्यस्थ है।

Hebrews 9:17

वाचा को प्रभावी करने के लिए क्या आवश्यक है?
किसी वाचा को बांधने के लिए मृत्यु आवश्यक है।

Hebrews 9:18

पहली वाचा में किसकी मृत्यु आवश्यक थी?
पहली वाचा के लिए बछड़े और बकरों की आवश्यक्ता थी।

Hebrews 9:22

लहू बहाए बिना क्या नहीं हो सकता है?
लहू बहाए बिना पापों की क्षमा नहीं है।

Hebrews 9:24

हमारे लिए मसीह कहां उपस्थित है?
मसीह तो स्वर्ग ही में है, परमेश्वर की उपस्थिति में हमारे लिए।

Hebrews 9:26

मसीह को अपने बलिदान द्वारा पाप को दूर करने के लिए कितनी बार प्रकट होना है?
मसीह एक ही बार प्रकट हुआ कि अपने ही बलिदान के द्वारा पाप को दूर कर दें।

Hebrews 9:27

मरणोपरान्त हर एक मनुष्य का क्या होता है?
मरणोपरान्त हर एक मनुष्य का न्याय होता है।

Hebrews 9:28

मसीह का पुनः आगमन क्यों होगा?
मसीह दूसरी बार फिर प्रकट होगा कि उसकी बाट जोहने वालों का उद्धार करे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 10

1 क्योंकि व्यवस्था* जिसमें आनेवाली अच्छी वस्तुओं का प्रतिबिम्ब है, पर उनका असली स्वरूप नहीं, इसलिए उन एक ही प्रकार के बलिदानों के द्वारा, जो प्रति
वर्ष अचूक चढ़ाए जाते हैं, पास आनेवालों को कदापि सिद्ध नहीं कर सकती। **2** नहीं तो उनका चढ़ाना बन्द क्यों न हो जाता? इसलिए कि जब सेवा करनेवाले
एक ही बार शुद्ध हो जाते, तो फिर उनका विवेक उन्हें पापी न ठहराता। **3** परन्तु उनके द्वारा प्रति वर्ष पापों का स्मरण हुआ करता है। **4** क्योंकि अनहोना है, कि
बैलों और बकरों का लहू पापों को दूर करे*।

5 इसी कारण मसीह जगत में आते समय कहता है,

"बलिदान और भेंट तूने न चाहा,
पर मेरे लिये एक देह तैयार किया।
6 होमबलियों और पापबलियों से तू प्रसन्न नहीं हुआ।
7 तब मैंने कहा, 'देख, मैं आ गया हूँ, (पवित्रशास्त्र में मेरे विषय में लिखा हुआ है) ताकि हे परमेश्वर तेरी इच्छा पूरी करूँ'।"
8 ऊपर तो वह कहता है, "न तूने बलिदान और भेंट और होमबलियों और पापबलियों को चाहा, और न उनसे प्रसन्न हुआ," यद्यपि ये बलिदान तो व्यवस्था
के अनुसार चढ़ाए जाते हैं। **9** फिर यह भी कहता है, "देख, मैं आ गया हूँ, ताकि तेरी इच्छा पूरी करूँ," निदान वह पहले को हटा देता है, ताकि दूसरे को नियुक्त
करे। **10** उसी इच्छा से हम यीशु मसीह की देह के एक ही बार बलिदान चढ़ाए जाने के द्वारा पवित्र किए गए हैं। (इब्रा. 10:14)

11 और हर एक याजक तो खड़े होकर प्रतिदिन सेवा करता है, और एक ही प्रकार के बलिदान को जो पापों को कभी भी दूर नहीं कर सकते; बार-बार चढ़ाता
है। (निर्ग. 29:38-39) **12** पर यह व्यक्ति तो पापों के बदले एक ही बलिदान सर्वदा के लिये चढ़ाकर परमेश्वर के दाहिने जा बैठा। **13** और उसी समय से इसकी
प्रतीक्षा कर रहा है, कि उसके बैरी उसके पाँवों के नीचे की चौकी बनें। (भज. 110:1) **14** क्योंकि उसने एक ही चढ़ावे के द्वारा उन्हें जो पवित्र किए जाते हैं,
सर्वदा के लिये सिद्ध कर दिया है।

15 और पवित्र आत्मा भी हमें यही गवाही देता है; क्योंकि उसने पहले कहा था

16 "प्रभु कहता है; कि जो वाचा मैं
उन दिनों के बाद उनसे बाँधूँगा वह यह है कि
मैं अपनी व्यवस्थाओं को उनके हृदय पर लिखूँगा
और मैं उनके विवेक में डालूँगा।"
17 (फिर वह यह कहता है,) "मैं उनके पापों को, और उनके अधर्म के कामों को फिर कभी स्मरण न करूँगा।" (इब्रा. 8:12, यिर्म. 31:34)

18 और जब इनकी क्षमा हो गई है, तो फिर पाप का बलिदान नहीं रहा।

19 इसलिए हे भाइयों, जब कि हमें यीशु के लहू के द्वारा उस नये और जीविते मार्ग से पवित्रस्थान में प्रवेश करने का साहस हो गया है, **20** जो उसने परदे अर्थात्
अपने शरीर में से होकर, हमारे लिये अभिषेक किया है, **21** और इसलिए कि हमारा ऐसा महान याजक है, जो परमेश्वर के घर का अधिकारी है। **22** तो आओ;
हम सच्चे मन, और पूरे विश्वास के साथ, और विवेक का दोष दूर करने के लिये हृदय पर छिड़काव लेकर, और देह को शुद्ध जल से धुलवाकर परमेश्वर के समीप
जाएँ*। (इफि. 5:26, 1 पत. 3:21, यहे. 36:25)

23 और अपनी आशा के अंगीकार को दृढ़ता से थामे रहें; क्योंकि जिस ने प्रतिज्ञा की है, वह विश्वासयोग्य है। **24** और प्रेम, और भले कामों में उस्काने के लिये
एक दूसरे की चिन्ता किया करें। **25** और एक दूसरे के साथ इकट्ठा होना न छोड़ें, जैसे कि कितनों की रीति है, पर एक दूसरे को समझाते रहें; और ज्यों-ज्यों उस
दिन को निकट आते देखो, त्यों-त्यों और भी अधिक यह किया करो।

26 क्योंकि सच्चाई की पहचान प्राप्त करने के बाद यदि हम जान-बूझकर पाप करते रहें, तो पापों के लिये फिर कोई बलिदान बाकी नहीं। **27** हाँ, दण्ड की एक
भयानक उम्मीद और आग का ज्वलन बाकी है जो विरोधियों को भस्म कर देगा। (यशा. 26:11)

28 जब कि मूसा की व्यवस्था का न माननेवाला दो या तीन जनों की गवाही पर, बिना दया के मार डाला जाता है। (व्य. 17:6, व्य. 19:15) **29** तो सोच लो कि
वह कितने और भी भारी दण्ड के योग्य ठहरेगा, जिस ने परमेश्वर के पुत्र को पाँवों से रौंदा, और वाचा के लहू को जिसके द्वारा वह पवित्र ठहराया गया था,
अपवित्र जाना हैं, और अनुग्रह की आत्मा का अपमान किया। (इब्रा. 12:25)

30 क्योंकि हम उसे जानते हैं, जिस ने कहा, "पलटा लेना मेरा काम है, मैं ही बदला दूँगा।" और फिर यह, कि "प्रभु अपने लोगों का न्याय करेगा।" (व्य.
32:35-36, भज. 135:14) **31** जीविते परमेश्वर के हाथों में पड़ना भयानक बात है।

32 परन्तु उन पहले दिनों को स्मरण करो, जिनमें तुम ज्योति पा कर दुःखों के बड़े संघर्ष में स्थिर रहे। **33** कुछ तो यों, कि तुम निन्दा, और क्लेश सहते हुए
तमाशा बने, और कुछ यों, कि तुम उनके सहभागी हुए जिनकी दुर्दशा की जाती थीं। **34** क्योंकि तुम कैदियों के दुःख में भी दुःखी हुए, और अपनी संपत्ति भी
आनन्द से लुटने दी; यह जानकर, कि तुम्हारे पास एक और भी उत्तम और सर्वदा ठहरनेवाली संपत्ति है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

35 इसलिए, अपना साहस न छोड़ो क्योंकि उसका प्रतिफल बड़ा है। **36** क्योंकि तुम्हें धीरज धरना अवश्य है, ताकि परमेश्वर की इच्छा को पूरी करके तुम
प्रतिज्ञा का फल पाओ।

37 “क्योंकि अब बहुत ही थोड़ा समय रह गया है
जब कि आनेवाला आएगा, और देर न करेगा।
38 और मेरा धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा,
और यदि वह पीछे हट जाए तो मेरा मन उससे प्रसन्न न होगा।” (हब. 2:4, गला. 3:11)

39 पर हम हटनेवाले नहीं, कि नाश हो जाएँ पर विश्वास करनेवाले हैं, कि प्राणों को बचाएँ।

Hebrews 10:1

उनका असली स्वरूप
“वास्तविक वस्तुएं नहीं”

पास आनेवाला
“आराधना के लिए आनेवालों” (यू.डी.बी.) या “निकट आनेवालों”

नहीं तो उनका चढ़ाना बन्द क्यों न हो जाता
“वे उन बलियों को चढ़ाना समाप्त कर देते”

बन्द क्यों न हो जाता
“समाप्त हो जाता”

नहीं तो
“परिस्थिति में”

एक ही बार शुद्ध हो जाते
“उन्हें परमेश्वर शुद्ध कर देता”

विवेक
“अस्तित्व का बोध”

पापों का स्मरण हुआ करता है
“परमेश्वर मनुष्यों को उनके पापों का स्मरण कराता है”

प्रतिवर्ष
“हर साल”

वह अनहोना है कि बैलों और बकरों का लहू पापों को दूर करे।
“बैलों और बकरों का रक्त पापमोचन नहीं हो सकता है”।

Hebrews 10:5

मेरे लिए एक देह तैयार की
“तूने मेरे लिए शरीर तैयार किया है”

Hebrews 10:8

ऊपर तो वह कहता है
वैकल्पिक अनुवाद: “जैसा मैंने अभी कहा, यीशु कहता है”

बलिदान और भेंट और होमबलियों
इनका वैसा ही अनुवाद करें जैसा आपने

वे बलिदान
वैकल्पिक अनुवाद: नया वाक्य बनाएं, ये सब वे बलिदान हैं जिन्हें मनुष्य चढ़ाता है।

देख
“अब मैं जो बात कहने जा रहा हूं उस पर ध्यान दो”

इसी इच्छा से हम... पवित्र किए गए हैं
“परमेश्वर चाहता था कि मसीह स्वयं की अपनी बलि चढ़ाए और उस बलि ने हमें पवित्र बना दिया है”।

Hebrews 10:11

परन्तु
यह अग्रिम शब्दों का संयोजक शब्द है

इसके बैरी उसके पांवों के नीचे की पीढ़ी बनें
“परमेश्वर ने मसीह के बैरियों को नीचे गिराकर पूर्णतः लज्जित कर दिया है”। किसी को किसी के पावों के नीचे कर देना बड़ी लज्जा की बात होती है।

उन्हें जो पवित्र किए जाते हैं
“जिन्हें परमेश्वर पवित्र करता है”

Hebrews 10:15

पहला
इससे पूर्व कि में उसने जो कहा।

उनसे
जो पवित्र हो गए हैं

उन दिनों के बाद
“प्रथम वाचा के संपन्न होने के बाद”

Hebrews 10:17

फिर
के बाद

फिर कभी स्मरण न करूंगा
“मैं कभी स्मरण नहीं करूंगा”

क्षमा हो गई
“परमेश्वर ने क्षमा कर दिया”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Hebrews 10:19

अति पवित्र स्थान
परमेश्वर की उपस्थिति में

यीशु की देह
वैकल्पिक अनुवाद: “उसकी मृत्यु”

परदे
पार्थिव मन्दिर में परदा परमेश्वर की उपस्थिति और मनुष्यों को पृथक करता दर्शाता है।

परमेश्वर के घर का
“सब विश्वासियों का”

पूरे विश्वास के साथ
विश्वास की अनुभूति के साथ

हृदय पर छिड़काव करके
वैकल्पिक अनुवाद: “जिन हृदयों पर परमेश्वर ने यीशु का रक्त छिड़क कर पवित्र कर दिया है”

छिड़क दिया
देखें कि इसका अनुवाद आपने में कैसे किया है।

Hebrews 10:23

अपनी आशा के अंगीकार को दृढ़ता से थामे रहें
“मनुष्यों में घोषणा करें कि हमें पूर्ण निश्चय है क्योंकि परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा पूरी करेगा”।

इकट्ठा होना न छोड़ें
“डावांडोल न हों”

उस दिन को निकट आते देखो
वैकल्पिक अनुवाद: “यीशु के पुनः आगमन का दिन निकट आता दिखे”

Hebrews 10:26

जानबूझ कर
“संपूर्ण समझ के साथ”

पापों के लिए फिर कोई बलिदान बाकी नहीं
“परमेश्वर से पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिए तब ऐसा कोई बलिदान नहीं कि हम चढ़ा पाएं”।

Hebrews 10:28

दो या तीन
“2 या 3”

वह और भी भारी दण्ड के योग्य ठहरेगा....?
वैकल्पिक अनुवाद: “यह एक भयता का दण्ड था परन्तु .... के लिए दण्ड और भी अधिक भयानक होगा”

परमेश्वर के पुत्र को पावों से रौंदा
मसीह के काम के अपमान की गंभीरता को दर्शाने का यह शाब्दिक चित्रण है। परमेश्वर के पुत्र के काम का तिरस्कार किया”

रौंदा
“पांवों से कुचलना”

वाचा के लहू को जिसके द्वारा वह पवित्र ठहराया गया था।
“जिस रक्त के द्वारा परमेश्वर ने उसे पवित्र किया था”

अनुग्रह के आत्मा
“परमेश्वर का आत्मा जो अनुग्रह प्रदान करता है”

Hebrews 10:30

हम जानते हैं।
लेखक और सब विश्वासी जानते हैं।

जीवते परमेश्वर के हाथों में पड़ना
वैकल्पिक अनुवाद: “दण्ड के भागी होना”

Hebrews 10:32

तुम ज्योति पाकर
“सत्य की शिक्षा पाकर”

निन्दा और क्लेश सहते हुए तमाशा करे
“मनुष्यों ने सबके सामने तुम्हारा अपमान करके और सताकर तुम्हारा ठट्ठा किया”।

तुम
निन्दा करनेवालों, कारागार में डालने वालों और सम्पत्ति लूटनेवालों के विपरीत विश्वासी

Hebrews 10:35

टल जायेंगे
निकम्मी और निष्काम वस्तु की नाई

बहुत ही थोड़ा समय रह गया है
“अतिशीघ्र”

Hebrews 10:38

x
भविष्यद्वक्ता के वचन से चला रहे हैं।

मेरा धर्मी जन
“मेरा निष्ठावान अनुयायी”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Hebrews 10:1

मसीह की वास्तविकताओं के बारे में व्यवस्था की तुलना किससे की गई है?
व्यवस्था मसीह की वास्तविकताओं का प्रतिरूप है।

Hebrews 10:3

व्यवस्था के अनुसार बार बार बलि चढ़ाना आराधकों को किसका स्मरण कराते है?
व्यवस्था के अनुसार प्रति वर्ष बलियों का किया जाना आराधकों को वर्ष प्रति वर्ष किए गए पापों का स्मरण कराते हैं।

Hebrews 10:4

बैलों और बकरों के लहू से क्या असंभव है?
बैलों और बकरों का लहू पापों को दूर करे, यह असंभव है।

Hebrews 10:5

संसार में मसीह के आगमन पर परमेश्वर ने क्या तैयार किया था?
परमेश्वर ने मसीह के लिए एक देह तैयार की थी।

Hebrews 10:8

संसार में मसीह के आगमन से परमेश्वर ने किस अभ्यास को निरस्त किया?
परमेश्वर ने व्यवस्था के अनुसार चढ़ाए जानेवाले बलिदानों को निरस्त कर दिया।

Hebrews 10:10

संसार में मसीह के आगमन पर परमेश्वर ने क्या अभ्यास नियुक्त किया?
परमेश्वर ने सदा के लिए मसीह की देह को बलिदान के दूसरे अभ्यास का आरंभ किया।

Hebrews 10:12

परमेश्वर के दाहिने हाथ उपस्थित वह किस बात की प्रतिज्ञा कर रहा है?
मसीह अपने बैरियों को पावों की पीढ़ी बना ने की प्रतिज्ञा में है।

Hebrews 10:14

जो मसीह के एक ही बलिदान द्वारा शुद्ध किए गए हैं उनके लिए मसीह ने क्या कर दिया है?
मसीह ने पवित्र किए जानेवाले मनुष्यों को सदा के लिए सिद्ध कर दिया है।

Hebrews 10:18

पापों की क्षमा के बाद फिर किसकी आवश्यक्ता नहीं रह जाती है?
पापों की क्षमा हो जाए तो फिर बलिदानों की आवश्यक्ता नहीं।

Hebrews 10:19

अब विश्वासी मसीह के लहू के द्वारा कहां प्रवेश कर सकते हैं?
विश्वासी अब मसीह के लहू के द्वारा परमपवित्र स्थान में प्रवेश कर सकते हैं।

Hebrews 10:22

विश्वासी में किस पर मसीह का लहू छिड़का जाता है और पानी से क्या शुद्ध होता है?
विश्वासी का मन अपवित्र विवेक से मसीह के लहू के द्वारा शुद्ध किया जाता है और उसकी देह पानी से शुद्ध की जाती है।

Hebrews 10:23

विश्वासी किसको दृढ़ता से थामें रहें?
विश्वासी अपनी आशा के अंगीकार को दृढ़ता से थामें रहें।

Hebrews 10:25

विश्वासी उस दिन को निकट आता देख क्या करें?
विश्वासी एक दूसरे को समझाते रहें और ज्यों ज्यों उस दिन को निकट आता देखें त्यों त्यों और भी अधिक यह किया करें।

Hebrews 10:26

सच्चाई की पहचान प्राप्त करने के बाद यदि विश्वासी जानबूझकर पाप करें तो उनके लिए क्या है?
सच्चाई की पहचान प्राप्त करने के बाद यदि विश्वासी जानबूझकर पाप करते रहें तो फिर पापों के लिए कोई बलिदान बाकी नहीं।

Hebrews 10:28

विश्वासी यदि मसीह के शोधक लहू को शोधन के बाद अपवित्र जाने तो उसके साथ क्या होगा?
जो विश्वासी शुद्ध किए जाने के बाद मसीह के लहू को अपवित्र जाने वह बिना दया के और भी अधिक भारी दण्ड के योग्य ठहरेगा (मूसा की व्यवस्था में निहित दण्ड के परे)।

Hebrews 10:30

पलटा लेना किसका काम है?
पलटा लेना परमेश्वर का काम है।

Hebrews 10:34

इस पत्र के प्राप्रिकर्ता विश्वासियों ने अपनी संपति कैसे लुट जाने दी थी?
विश्वासियों ने संपति भी आनन्द से लुटने दी, यह जानकर कि उनके पास एक और भी उत्तम और सदा ठहरने वाली संपति है।

Hebrews 10:35

परमेश्वर से प्रतिफल पाने के लिए विश्वासियों को किस बात की आवश्यक्ता है?
विश्वासियों में विश्वास और धीरज की आवश्यक्ता है क्योंकि उसका प्रतिफल बड़ा है।

Hebrews 10:38

धर्मी जन जीवित कैसे रहेगा?
धर्मी जन विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा।

पीछे हटने वालों के बारे में परमेश्वर क्या सोचता है?
पीछे हटने वाले से परमेश्वर का मन प्रसन्न नहीं होता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Hebrews 10:39

इस पत्र के प्राप्तिकर्ता से लेखक क्या अपेक्षा करता है?
लेखक अपेक्षा करता है कि इस पत्र के प्राप्तिकर्ता विश्वास करनेवाले हों कि
अपने प्राणों को बचाएं।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 11

1 अब विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय, और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है। **2** क्योंकि इसी के विषय में पूर्वजों की अच्छी गवाही दी गईं। **3** विश्वास ही से हम जान जाते हैं, कि सारी सृष्टि की रचना परमेश्वर के वचन के द्वारा हुई है। यह नहीं, कि जो कुछ देखने में आता है, वह देखी हुई वस्तुओं से बना हो। (उत्प. 1:1, यूह. 1:3, भज. 33:6,9)

4 विश्वास ही से हाबिल ने कैन से उत्तम बलिदान परमेश्वर के लिये चढ़ाया; और उसी के द्वारा उसके धर्मी होने की गवाही भी दी गई: क्योंकि परमेश्वर ने उसकी भेंटों के विषय में गवाही दी; और उसी के द्वारा वह मरने पर भी अब तक बातें करता है। (उत्प. 4:3-5,10)

5 विश्वास ही से हनोक उठा लिया गया, कि मृत्यु को न देखे, और उसका पता नहीं मिला; क्योंकि परमेश्वर ने उसे उठा लिया था, और उसके उठाए जाने से पहले उसकी यह गवाही दी गई थी, कि उसने परमेश्वर को प्रसन्न किया है। (उत्प. 5:21-24) **6** और विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अनहोना है*, क्योंकि परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए, कि वह है; और अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है।

7 विश्वास ही से नूह ने उन बातों के विषय में जो उस समय दिखाई न पड़ती थीं, चेतावनी पा कर भक्ति के साथ अपने घराने के बचाव के लिये जहाज बनाया, और उसके द्वारा उसने संसार को दोषी ठहराया; और उस धार्मिकता का वारिस हुआ, जो विश्वास से होता है। (उत्प. 6:13-22, उत्प. 7:1)

8 विश्वास ही से अब्राहम जब बुलाया गया तो आज्ञा मानकर ऐसी जगह निकल गया जिसे विरासत में लेनेवाला था, और यह न जानता था, कि मैं किधर जाता हूँ; तो भी निकल गया। (उत्प. 12:1) **9** विश्वास ही से उसने प्रतिज्ञा किए हुए देश में जैसे पराए देश में परदेशी रहकर इसहाक और याकूब समेत जो उसके साथ उसी प्रतिज्ञा के वारिस थे, तम्बूओं में वास किया। (उत्प. 26:3, उत्प. 35:12, उत्प. 35:27) **10** क्योंकि वह उस स्थिर नींव वाले नगर की प्रतीक्षा करता था, जिसका रचनेवाला और बनानेवाला परमेश्वर है।

11 विश्वास से सारा ने आप बूढ़ी होने पर भी गर्भ धारण करने की सामर्थ्य पाई; क्योंकि उसने प्रतिज्ञा करनेवाले को सच्चा जाना था। (उत्प. 17:19, उत्प. 18:11-14, उत्प. 21:2) **12** इस कारण एक ही जन से जो मरा हुआ सा था, आकाश के तारों और समुद्र तट के रेत के समान, अनगिनत वंश उत्पन्न हुआ। (उत्प. 15:5, उत्प. 2:12)

13 ये सब विश्वास ही की दशा में मरे; और उन्होंने प्रतिज्ञा की हुई वस्तुएँ नहीं पाई; पर उन्हें दूर से देखकर आनन्दित हुए और मान लिया, कि हम पृथ्वी पर परदेशी और बाहरी हैं। (उत्प. 23:4, 1 इति. 29:15) **14** जो ऐसी-ऐसी बातें कहते हैं, वे प्रगट करते हैं, कि स्वदेश की खोज में हैं।

15 और जिस देश से वे निकल आए थे, यदि उसकी सुधि करते तो उन्हें लौट जाने का अवसर था। **16** पर वे एक उत्तम अर्थात् स्वर्गीय देश के अभिलाषी हैं, इसलिए परमेश्वर उनका परमेश्वर कहलाने में नहीं लजाता, क्योंकि उसने उनके लिये एक नगर तैयार किया है। (निर्ग. 3:6, निर्ग. 3:15)

17 विश्वास ही से अब्राहम ने, परखे जाने के समय में, इसहाक को बलिदान चढ़ाया, और जिस ने प्रतिज्ञाओं को सच माना था। (उत्प. 22:1-10) **18** और जिससे यह कहा गया था, "इसहाक से तेरा वंश कहलाएगा," वह अपने एकलौते को चढ़ाने लगा। (उत्प. 21:12) **19** क्योंकि उसने मान लिया, कि परमेश्वर सामर्थी है, कि उसे मरे हुओं में से जिलाए, इस प्रकार उन्हीं में से दृष्टान्त की रीति पर वह उसे फिर मिला।

20 विश्वास ही से इसहाक ने याकूब और एसाव को आनेवाली बातों के विषय में आशीष दी। (उत्प. 27:27-40) **21** विश्वास ही से याकूब ने मरते समय यूसुफ के दोनों पुत्रों में से एक-एक को आशीष दी, और अपनी लाठी के सिरे पर सहारा लेकर दण्डवत् किया। (उत्प. 47:31, उत्प. 48:15,16) **22** विश्वास ही से यूसुफ ने, जब वह मरने पर था, तो इस्राएल की सन्तान के निकल जाने की चर्चा की, और अपनी हड्डियों के विषय में आज्ञा दी। (उत्प. 50:24-25, निर्ग. 13:19)

23 विश्वास ही से मूसा के माता पिता ने उसको, उत्पन्न होने के बाद तीन महीने तक छिपा रखा; क्योंकि उन्होंने देखा, कि बालक सुन्दर है, और वे राजा की आज्ञा से न डरे। (निर्ग. 1:22, निर्ग. 2:2) **24** विश्वास ही से मूसा ने सयाना होकर फ़िरौन की बेटी का पुत्र कहलाने से इन्कार किया। (निर्ग. 2:11) **25** इसलिए कि उसे पाप में थोड़े दिन के सुख भोगने से परमेश्वर के लोगों के साथ दुःख भोगना और भी उत्तम लगा। **26** और मसीह के कारण* निन्दित होने को मिस्र के भण्डार से बड़ा धन समझा क्योंकि उसकी आँखें फल पाने की ओर लगी थीं। (1 पत. 4:14, मत्ती 5:12)

27 विश्वास ही से राजा के क्रोध से न डरकर उसने मिस्र को छोड़ दिया, क्योंकि वह अनदेखे को मानो देखता हुआ दृढ़ रहा। (निर्ग. 2:15, निर्ग. 10:28-29) **28** विश्वास ही से उसने फसह और लहू छिड़कने की विधि मानी, कि पहलौठों का नाश करनेवाला इस्राएलियों पर हाथ न डाले। (निर्ग. 12:21-29)

29 विश्वास ही से वे लाल समुद्र के पार ऐसे उतर गए, जैसे सूखी भूमि पर से; और जब मिस्रियों ने वैसा ही करना चाहा, तो सब डूब मरे। (निर्ग. 14:21-31) **30** विश्वास ही से यरीहो की शहरपनाह, जब सात दिन तक उसका चक्कर लगा चुके तो वह गिर पड़ी। (भज. 106:9-11, यहो. 6:12-21) **31** विश्वास ही से राहाब वेश्या आज्ञा न माननेवालों के साथ नाश नहीं हुई; इसलिए कि उसने भेदियों को कुशल से रखा था। (याकू. 2:25, यहो. 2:11-12, यहो. 6:21-25)

32 अब और क्या कहूँ? क्योंकि समय नहीं रहा, कि गिदोन का, और बाराक और शिमशोन का, और यिफतह का, और दाऊद का और शमूएल का, और भविष्यद्वक्ताओं का वर्णन करूँ। **33** इन्होंने विश्वास ही के द्वारा राज्य जीते; धार्मिकता के काम किए; प्रतिज्ञा की हुई वस्तुएँ प्राप्त की, सिंहों के मुँह बन्द किए, **34** आग की ज्वाला को ठण्डा किया; तलवार की धार से बच निकले, निर्बलता में बलवन्त हुए; लड़ाई में वीर निकले; विदेशियों की फौजों को मार भगाया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

35 स्त्रियों ने अपने मरे हुओं को फिर जीविते पाया; कितने तो मार खाते-खाते मर गए; और छुटकारा न चाहा; इसलिए कि उत्तम पुनरुत्थान के भागी हों। **36** दूसरे लोग तो उपहास में उड़ाएँ जाने; और कोड़े खाने; वरन् बाँधे जाने; और कैद में पड़ने के द्वारा परखे गए। **37** पत्थराव किए गए; आरे से चीरे गए; उनकी परीक्षा की गई; तलवार से मारे गए; वे कंगाली में और क्लेश में और दुःख भोगते हुए भेड़ों और बकरियों की खालें ओढ़े हुए, इधर-उधर मारे-मारे फिरे। **38** और जंगलों, और पहाड़ों, और गुफाओं में, और पृथ्वी की दरारों में भटकते फिरे।

39 संसार उनके योग्य न था : और विश्वास ही के द्वारा इन सब के विषय में अच्छी गवाही दी गई, तो भी उन्हें प्रतिज्ञा की हुई वस्तु न मिली। **40** क्योंकि परमेश्वर ने हमारे लिये पहले से एक उत्तम बात ठहराई*, कि वे हमारे बिना सिद्धता को न पहुँचे।

Hebrews 11:1

x
पुराने नियम के भक्त विश्वास का जीवन जीते थे।

विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का... प्रमाण है
“जब कोई निश्चय के साथ आशा करता है तो उसका आधार विश्वास से होता है।”

इसी के विषय में
“क्योंकि उन्हें उस बात का निश्चय था जो उन्होंने अभी तक देखी नहीं थी”।

प्राचीनों की अच्छी गवाही दी गई
“परमेश्वर ने विश्वास के कारण हमारे पूर्वजों का अनुमोदन किया था”

Hebrews 11:4

उत्तम
“कहीं अच्छा”

वह.... अब तक बातें करता है
“हाबिल का काम आज तक हमें शिक्षा देता है”

Hebrews 11:5

विश्वास ही से हनोक उठा लिया गया कि मृत्यु को न देखे
वैकल्पिक अनुवाद: “विश्वास ही के साथ हनोक मरा नहीं वरन परमेश्वर ने उसे उठा लिया था”।

मृत्यु को न देखे
“मरे नहीं”

यह गवाही दी गई थी कि उसने परमेश्वर को प्रसन्न किया।
यह गवाही दी गई थी कि उसने परमेश्वर को प्रसन्न किया। -इसके संभावित अर्थ हैं 1) परमेश्वर ने कहा कि हनोक ने उसे प्रसन्न किया” (यू.डी.बी.) या 2) “मनुष्यों का कहना था कि हनोक ने परमेश्वर को प्रसन्न किया”

उसके उठाए जाने से पहले
“इससे पहले कि परमेश्वर उसे उठाता”

Hebrews 11:7

x
इब्रानियों की पुस्तक के लेखक ने अभी विश्वास पर और हनोक के विश्वास पर ध्यान केन्द्रित करवाया है।

चेतावनी पाकर
“क्योंकि परमेश्वर ने उसे चेतावनी दी”

दिखाई न पड़ती थी
वैकल्पिक अनुवाद: “जिन घटनाओं को मनुष्य ने पहले कभी नहीं देखा था”

संसार
"उसी समय"

Hebrews 11:8

x
लेखक इस्राएल के पुराने नायकों की चर्चा कर रहा है

निकल गया
“घर छोड़कर चल पड़ा”

तौभी निकल गया
“अपना घर त्याग कर चला गया”

प्रतिज्ञा किए हुए देश में
“जिस देश की परमेश्वर ने उससे प्रतिज्ञा की थी”

वारिस थे
“सहवारिस थे”

रचनेवाला
भवनों का नक्शा बनाने वाला

Hebrews 11:11

x
लेखक अब्राहम के विश्वास की गाथा सुना रहा है

गर्भ धारण करने की सामर्थ्य
“सन्तान जनने की शक्ति”

सच्चा जाना
“परमेश्वर को जीवत माना”

अनगिनत वंश उत्पन्न हुआ
असंख्य

Hebrews 11:13

x
परमेश्वर के लोगों के पुरातन अगुवों ने परमेश्वर के प्रतिज्ञाओं को भविष्य में साकार होने पर विश्वास किया था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दूर से देखकर आनन्दित हुए।
यह वाक्य भावी घटनाओं के बारे में भविष्यद्वक्ता की समझ की तुलना एक यात्री से करता है जिसे दूर से आता देख उसका स्वागत किया जा रहा है।
“परमेश्वर के भावी काम को समझ कर”

मान लिया
“स्वीकार किया” या “सहमत हुए”

परदेशी
“विदेशी” या “बाहर के लोग”

स्वदेश
“अपना देश”

Hebrews 11:15

x
लेखक परमेश्वर के लोगों के पुरातन अगुओं और परमेश्वर की प्रतिज्ञा में उनके विश्वास का वर्णन करता है।

और
“वास्तव में” या “निश्चय ही” या “इस पर ध्यान देते”

स्वर्गीय देश
“स्वर्ग में देखा” या “स्वर्ग में स्थित एक देश”

परमेश्वर उनका परमेश्वर कहलाने में उनसे नहीं लजाता
“परमेश्वर प्रसन्न होता है कि वे उसे अपना परमेश्वर कहते हैं।” या “लोग कहें कि वह उनका परमेश्वर है....”

Hebrews 11:17

बलिदान चढ़ाया.... चढ़ाने लगा
परमेश्वर के समक्ष भेंट या बलि करने लगा

इसहाक से तेरा वंश कहलाएगा
इसहाक से तेरा वंश कहलाएगा "इसहाक के वंशजों को परमेश्वर तेरा वंश मानेगा"

वह उसे फिर मिला
“अब्राहम को इसहाक पुनः प्राप्त हुआ”

Hebrews 11:20

x
लेखक ने अभी-अभी अब्राहम का परखा जाना व्यक्त किया, पुत्र इसहाक की बलि द्वारा

दण्डवत किया
“याकूब ने परमेश्वर की आराधना की”

मरने पर था
“उसकी मृत्यु के समय”

Hebrews 11:23

विश्वास ही से मूसा के माता-पिता ने उसको.... तीन महीने तक छिपा रखा
वैकपिक अनुवाद: “मूसा के माता-पिता ने उसे जन्म के बाद तीन महीने तक छिपा कर रखा था।”

सयाना होकर
“वयस्क”

परमेश्वर के लोगों के साथ दुःख भोगा,
“परमेश्वर के लोगों के साथ अत्याचार सहा”

मसीह के कारण निन्दित होने
“मसीह की इच्छा पूर्ति के कारण मनुष्यों के मन में उसके लिए जो तिरस्कार था”

उसकी आंखे फल पाने की ओर लगी थी
“उसने वह काम किया जिसे वह जानता था कि उसका प्रतिफल उसे स्वर्ग में मिलेगा”।

Hebrews 11:27

न डर कर... देखता हुआ
मूसा

अनदेखे को मानो देखता हुआ
“परमेश्वर के सहयोग पर निर्भर”

अनदेखे को
“अदृश्य को”

Hebrews 11:29

पर ऐसे उतर गए
“इस्राएलियों ने पार किया”

डूब गए
वैकल्पिक अनुवाद:“वे जलमगन हो गए” या “पानी उन्हें निगल गया”

सात दिन तक उसका चक्कर लगा चुके
वैकल्पिक अनुवाद:“इस्राएलियों ने सात दिन तक यरीहो का चक्कर काटा था”

उसने भेदियों को कुशल से रखा था
वैकल्पिक अनुवाद: “भेदियों को छिपा कर सुरक्षित किया था”

Hebrews 11:32

x
लेखक इस्राएलियों के पूर्वजों के लिए किए गए परमेश्वर के महान कार्यों की गाथा सुना रहा है

अब क्या कहूं?
वैकल्पिक अनुवाद:“उदाहरण तो अनेक है”

समय नहीं रहा
वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे पास समय नहीं है”

राज्य जीते
“पराजित किए”

सिंहों के मुंह बन्द किए, आग की ज्वाला को ठंडा किया, तलवार की धार से बच निकले
इस्राएलियों की मृत्यु से रक्षा। वैकल्पिक अनुवाद: “शेर उन्हें खा नहीं पाए, आग उन्हें जला नहीं पाई, तलवार उनका वध नहीं कर पाई”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

फिर जीवित पाया
परमेश्वर ने उन्हें हुष्ट-पुष्ट किया।

Hebrews 11:35

x
लेखक ने अभी-अभी इस्राएल में परमेश्वर के लोगों के अगुओं के विश्वास की चर्चा की है

स्त्रियों ने अपने मरे हुओं को फिर जीवित पाया
परमेश्वर ने पुनर्जीवित किया तो स्त्रियों को उनके मृतक जन पुनः प्राप्त हुए

मार खाते-खाते मर गए.... ठट्ठों में उड़ाए जाने और कोड़े खाने....पथराव किए गए, आरे से चीरे गए.... तलवार से मारे गए
वैकल्पिक अनुवाद: “मनुष्यों ने कुछ को उत्पीड़ित किया... मनुष्यों ने ठट्ठा करके, कोड़े मारकर.... मनुष्यों ने उन पर पथराव किया उन्हें आरे से चीरा, उनकी हत्या की।"

कष्ट पहुँचाना
घोर कष्ट सहे

छुटकारा न चाहा
वैकल्पिक अनुवाद: “कारागार से मुक्ति पाने के लिए मसीह के इन्कार को स्वीकार नहीं किया”।

वरन बांधे जाने और कैद में पड़ने
"लोग उन्हें जंजीरों से बान्ध देते थे और कारागार में डालते थे"

भटकते फिरे
“स्थान-स्थान भागते फिरते थे” या “वास करते थे”।

मारे-मारे फिरे
“आवश्यकता के मारे” या “पूर्णरूपेण वंचित” या “कंगाली में”

Hebrews 11:39

x
लेखक ने अभी-अभी अनेक उत्पीड़ित विश्वासियों की चर्चा की है

यद्यपि ये सब विश्वास के कारण परमेश्वर द्वारा अनुमोदित थे, उन्हें प्रतिज्ञा पूर्ति प्राप्त नहीं हुई
वैकल्पिक अनुवाद:“परमेश्वर ने उनके विश्वास के कारण उनको प्रतिष्ठित किया परन्तु उन्होंने परमेश्वर द्वारा प्रतिज्ञात वस्तुएं प्राप्त नहीं की”।

Translation Questions

Hebrews 11:1

विश्वासी में परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं की भावी पूर्ति के प्रति कैसा स्वभाव होता है?
विश्वासी सविश्वास आशा करता है और उसे भविष्य में पूरी होनेवाली परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर भरोसा है।

Hebrews 11:3

जगत की देखी हुई वस्तुएं किससे उत्पन्न हैं?
जगत की देखी वस्तुएं देखी हुई वस्तुओं से उत्पन्न नहीं हैं।

Hebrews 11:4

परमेश्वर ने हाबिल को धर्मी क्यों कहा?
विश्वासी से हाबिल ने कैन से अधिक उत्तम बलिदान चढ़ाया और परमेश्वर ने उसकी प्रशंसा की।

Hebrews 11:6

परमेश्वर के पास आनेवाले को परमेश्वर के बारे में क्या विश्वास करना हैं?
परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए कि वह है।

Hebrews 11:7

नूह ने अपने विश्वास का प्रदर्शन कैसे किया था?
नूह ने परमेश्वर की चेतावनी पर ध्यान देकर जहाज बनाया और अपने परिवार को बचाया।

Hebrews 11:11

अब्राहम और सारा ने विश्वास करके कैसी प्रतिज्ञा प्राप्त की थी?
अब्राहम और सारा ने बूढ़े हो जाने पर भी परमेश्वर में विश्वास किया और सन्तानोपति की शक्ति प्राप्त की।

Hebrews 11:13

विश्वासी पूर्वजों ने दूर ही से क्या देखा था?
विश्वासी पूर्वजों ने परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं को देखा और आनन्दित हुए।

विश्वासी पूर्वजों ने स्वयं को क्या माना था?
विश्वासी पूर्वजों ने मान लिया था कि वे पृथ्वी पर बाहरी और परदेशी हैं।

Hebrews 11:16

विश्वासियों के लिए परमेश्वर ने क्या तैयार किया है?
विश्वासियों के लिए परमेश्वर ने एक स्वर्गीय देश तैयार किया है।

Hebrews 11:17

अब्राहम को किस बात का विश्वास था कि यदि वह अपने एकलौते पुत्र को बलि चढ़ा दें तो परमेश्वर क्या करने में समर्थ है?
अब्राहम को विश्वास था कि परमेश्वर इसहाक को मृतकों में से जिलाएगा।

Hebrews 11:22

मरते समय यूसुफ ने विश्वास से क्या भविष्यद्वाणी की थी?
विश्वास ही से यूसुफ ने मरण शैय्या पर इस्राएल की सन्तान के मिस्र से निकल जाने की भविष्यद्वाणी की थी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Hebrews 11:24

मूसा ने सयाना होने पर विश्वास से क्या चुना था?
मूसा ने विश्वास ही के द्वारा अपने लोगों के साथ दुःख भोगना अधिक उत्तम समझा था।

Hebrews 11:28

इस्राएल के पहलौठों को बचाने के लिए मूसा ने विश्वास से क्या किया था?
मूसा ने विश्वास के द्वारा फसह और लहू का छिड़कने की विधि मानी कि पहलौठों का नशा करनेवाला इस्राएलियों पर हाथ न डाले।

Hebrews 11:30

राहाब वैश्या ने विश्वास के द्वारा क्या किया था कि वह नाश होने से बच गई?
विश्वास ही राहाब वैश्या आज्ञा न माननेवालों के साथ नष्ट नहीं हुई थीं।

Hebrews 11:33

विश्वासी पूर्वजों में से कुछ ने विश्वास के द्वारा क्या किया था?
विश्वास ही के द्वारा कुछ पूर्वजों ने राज्य जीते, तलवार की धार से बच निकले, लड़ाई में वीर निकले, विदेशियों की फौजों को मार भगाया।

Hebrews 11:35

कुछ विश्वासी पूर्वजों ने कैसा क्लेश सहन किया था?
कुछ विश्वासी पूर्वजों ने ठट्ठों में उड़ाया जाना, कोड़े खाना, बांधे जाना, कैद में डाला जाना पत्थराव किया जाना, आरे से काटा जाना, मृत्यु और कंगाली को सहन किया था।

Hebrews 11:39

विश्वास के उपरान्त भी इन पूर्वजों ने संसार में क्या प्राप्त नहीं किया?
इन पूर्वजों ने विश्वास के उपरान्त भी प्रतिज्ञा की हुई वस्तु प्राप्त नहीं की।

Hebrews 11:40

विश्वासी पूर्वज किस के साथ परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं को प्राप्त करके सिद्ध होंगे?
विश्वासी पूर्वजों परमेश्वर की प्रतिज्ञाएं प्राप्त करेंगे और मसीह की नई वाचा के विश्वासियों के साथ सिद्ध हो जाएंगे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 12

1 इस कारण जब कि गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हमको घेरे हुए है, तो आओ, हर एक रोकनेवाली वस्तु, और उलझानेवाले पाप को दूर करके, वह दौड़ जिसमें
हमें दौड़ना है, धीरज से दौड़ें। **2** और विश्वास के कर्ता और सिद्ध करनेवाले* यीशु की ओर ताकते रहें; जिस ने उस आनन्द के लिये जो उसके आगे धरा था,
लज्जा की कुछ चिन्ता न करके, क्रूस का दुःख सहा; और सिंहासन पर परमेश्वर के दाहिने जा बैठा। (1 पत. 2:23-24, तीतु. 2:13-14)

3 इसलिए उस पर ध्यान करो, जिस ने अपने विरोध में पापियों का इतना वाद-विवाद सह लिया कि तुम निराश होकर साहस न छोड़ दो।

4 तुम ने पाप से लड़ते हुए उससे ऐसी मुठभेड़ नहीं की, कि तुम्हारा लहू बहा हो। **5** और तुम उस उपदेश को जो तुम को पुत्रों के समान दिया जाता है, भूल गए
हो:

> “हे मेरे पुत्र, प्रभु की ताड़ना को हलकी बात न जान,
> और जब वह तुझे घुड़के तो साहस न छोड़।
> **6** क्योंकि प्रभु, जिससे प्रेम करता है, उसकी ताड़ना भी करता है;
> और जिसे पुत्र बना लेता है, उसको कोड़े भी लगाता है।”

7 तुम दुःख को ताड़ना समझकर सह लो; परमेश्वर तुम्हें पुत्र जानकर तुम्हारे साथ बर्ताव करता है, वह कौन सा पुत्र है, जिसकी ताड़ना पिता नहीं करता? (नीति.
3:11-12, व्य. 8:5, 2 शमू. 7:14) **8** यदि वह ताड़ना जिसके भागी सब होते हैं, तुम्हारी नहीं हुई, तो तुम पुत्र नहीं, पर व्यभिचार की सन्तान ठहरे!

9 फिर जब कि हमारे शारीरिक पिता भी हमारी ताड़ना किया करते थे और हमने उनका आदर किया, तो क्या आत्माओं के पिता के और भी अधीन न रहें
जिससे हम जीवित रहें। **10** वे तो अपनी-अपनी समझ के अनुसार थोड़े दिनों के लिये ताड़ना करते थे, पर यह तो हमारे लाभ के लिये करता है, कि हम भी
उसकी पवित्रता के भागी हो जाएँ।

11 और वर्तमान में हर प्रकार की ताड़ना आनन्द की नहीं, पर शोक ही की बात दिखाई पड़ती है, तो भी जो उसको सहते-सहते पक्के हो गए हैं, पीछे उन्हें चैन
के साथ धार्मिकता का प्रतिफल मिलता है।

12 इसलिए ढीले हाथों और निर्बल घुटनों को सीधे करो। (यशा. 35:3) **13** और अपने पाँवों के लिये सीधे मार्ग बनाओ, कि लँगड़ा भटक न जाए, पर भला चंगा
हो जाए। (नीति. 4:26)

14 सबसे मेल मिलाप रखने, और उस पवित्रता के खोजी हो जिसके बिना कोई प्रभु को कदापि न देखेगा*। (1 पत. 3:11, भज. 34:14) **15** और ध्यान से
देखते रहो, ऐसा न हो, कि कोई परमेश्वर के अनुग्रह से वंचित रह जाए, या कोई कड़वी जड़ फूटकर कष्ट दे, और उसके द्वारा बहुत से लोग अशुद्ध हो जाएँ। (2
यूह. 1:8, व्य. 29:18) **16** ऐसा न हो, कि कोई जन व्यभिचारी, या एसाव के समान अधर्मी हो, जिसने एक बार के भोजन के बदले अपने पहलौठे होने का पद
बेच डाला। (कुलु. 3:5, उत्प. 25:31-34) **17** तुम जानते तो हो, कि बाद को जब उसने आशीष पानी चाही, तो अयोग्य गिना गया, और आँसू बहा बहाकर
खोजने पर भी मन फिराव का अवसर उसे न मिला।

18 तुम तो उस पहाड़ के पास जो छुआ जा सकता था और आग से प्रज्वलित था, और काली घटा, और अंधेरा, और आँधी के पास। **19** और तुरही की ध्वनि,
और बोलनेवाले के ऐसे शब्द के पास नहीं आए, जिसके सुननेवालों ने विनती की, कि अब हम से और बातें न की जाएँ। (निर्ग. 20:18-21, व्य. 5:23,25) **20**
क्योंकि वे उस आज्ञा को न सह सके “यदि कोई पशु भी पहाड़ को छूए, तो पत्थराव किया जाए।” (निर्ग. 19:12-13) **21** और वह दर्शन ऐसा डरावना था, कि
मूसा ने कहा, “मैं बहुत डरता और काँपता हूँ।” (व्य. 9:19)

22 पर तुम सिय्योन के पहाड़ के पास, और जीविते परमेश्वर के नगर स्वर्गीय यरूशलेम के पास और लाखों स्वर्गदूतों, **23** और उन पहलौठों की साधारण सभा
और कलीसिया जिनके नाम स्वर्ग में लिखे हुए हैं और सब के न्यायी परमेश्वर के पास, और सिद्ध किए हुए धर्मियों की आत्माओं। (भज. 50:6, कुलु. 1:12) **24**
और नई वाचा के मध्यस्थ यीशु, और छिड़काव के उस लहू के पास आए हो, जो हाबिल के लहू से उत्तम बातें कहता है।

25 सावधान रहो, और उस कहनेवाले से मुँह न फेरो, क्योंकि वे लोग जब पृथ्वी पर के चेतावनी देनेवाले से मुँह मोड़कर न बच सके, तो हम स्वर्ग पर से चेतावनी
देनेवाले से मुँह मोड़कर कैसे बच सकेंगे? **26** उस समय तो उसके शब्द ने पृथ्वी को हिला दिया पर अब उसने यह प्रतिज्ञा की है, “एक बार फिर मैं केवल पृथ्वी
को नहीं, वरन् आकाश को भी हिला दूँगा।” (हाग्गै. 2:6, न्याय. 5:4, भज. 68:8)

27 और यह वाक्य ‘एक बार फिर’ इस बात को प्रगट करता है, कि जो वस्तुएँ हिलाई जाती हैं, वे सृजी हुई वस्तुएँ होने के कारण टल जाएँगी; ताकि जो वस्तुएँ
हिलाई नहीं जातीं, वे अटल बनी रहें। (हाग्गै 2:6) **28** इस कारण हम इस राज्य को पा कर जो हिलने का नहीं*, उस अनुग्रह को हाथ से न जाने दें, जिसके द्वारा
हम भक्ति, और भय सहित, परमेश्वर की ऐसी आराधना कर सकते हैं जिससे वह प्रसन्न होता है। **29** क्योंकि हमारा परमेश्वर भस्म करनेवाली आग हैं। (व्य.
4:24, व्य. 9:3, यशा. 33:14)

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Hebrews 12:1

x
यीशु के अनुयायियों की तुलना दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेनेवालों से की गई है।

हम....हमें
लेखक और पाठक

गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हमको घेरे हुए है
“गवाहों पर ऐसा व्यापक बादल हमारे चारों ओर है” या “गवाहों का ऐसा विशाल बादल हमारे लिए उदाहरण है”।

गवाहों
पुराने नियम के विश्वासी जो “दौड़” को देखते हैं।

रोकनेवाली वस्तु
स्वभाव और अभ्यास जो हमें परमेश्वर पर भरोसा और विश्वास में बाधित करते है, वे भारी वस्त्रों और बोझ के तुल्य है। जो दौड़ने मे हमारे लिए असुविधा उत्पन्न करते हैं।

उलझाने वाले पाप
“दौड़ में कठिनाई उत्पन्न करने वाले....” या “परमेश्वर की आज्ञा पालन कठिन बनाने वाले...”

ताकते रहे
“निहारते रहे” या “के बारे में ही सोचें”

कर्ता और सिद्ध करनेवाले
वैकल्पिक अनुवाद:“रचयिता और निष्पादक”

निराश होकर
देर तक दौड़ने वाले के समान

साहस न छोड़ दो
जैसे कोई अब दौड़ना न चाहता हो

Hebrews 12:4

x
लेखक मसीही जीवन की तुलना दौड़ से कर रहा है

पाप से लड़ते हुए.... लहू बहा हो
कहने का अर्थ है कि लोगों ने पाठकों से कहीं अधिक कष्ट सहा है।

ऐसी मुठभेड़ नहीं की कि तुम्हारा लहू बहा हो
चाहे मर जाएं वही करना है जो सही है

उपदेश जो तुम्हें पुत्रों के समान दिया जाता है
पुराने नियम में सुलैमान के वचन जिसके द्वारा मनुष्य समझ पाता है कि जब प्रभु के अनुशासन के समय कैसे प्रोत्साहन पाए।

ताड़ना को हलकी बात न जान
पाठकों द्वारा अनुशासन को गंभीरता से ग्रहण करने पर बल दिया गया है।

प्रभु की ताड़ना
“जब प्रभु अनुशासित करता है”।

साहस न छोड़ दे
वैकल्पिक अनुवाद: “निराश मत होना”

Hebrews 12:7

दु:ख को ताड़ना समझ कर सह लो
कठिन समयों को अनुशासन का समय मानों

वह कौन सा पुत्र है जिसकी ताड़ना पिता नहीं करता है?
वैकल्पिक अनुवाद:“हर एक पिता सन्तान की ताड़ना करता है”

व्यभिचार की सन्तान
विवाह के बिना उत्पन्न सन्तान

Hebrews 12:9

आत्माओं के पिता
परमेश्वर जिसने हमें सृजा और आत्मा दी और सब आत्माओं को सृजा है।

धर्म का प्रतिफल
अनुशासन से धर्म उत्पन्न होता है जैसे पेड़ से फल।

पक्के हो गए हैं
अनुशासन द्वारा प्रशिक्षित हो गए हैं

Hebrews 12:12

x
यीशु के अनुयायी दौड़ प्रतियोगी हैं जो थक गए हैं

ढीले हाथों को और निर्बल घुटनों को सीधे करो
जीवन में चुनौतियों का सामना करनेवाला मनुष्य एक थके हुए धावक के सदृश्य है जिसके हाथ और घुटने निर्बल हो गए हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “स्वयं को ऐसे बल दो जैसे धावक जब दौड़ जीतने के लिए संकल्प में अपनी देह को ऊर्जा प्रदान करता है”।

अपने पावों के लिए सीधे मार्ग बनाओ
परमेश्वर की आज्ञा मानना समतल सीधे मार्ग पर चलने के समान है। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर हमसे जो चाहता है, वही करो”।

लंगड़ा
वैकल्पिक अनुवाद: “जो त्यागना चाहे”

भटक न जाए
“उचित मार्ग पर किसी को पीछे नहीं ले” वैकल्पिक अनुवाद:“आसान कार्य जो परमेश्वर को प्रतिष्ठित नहीं करते उनको करने का निर्णय न ले”

पर भला चंगा हो जाए
“इसकी अपेक्षा बलवन्त हो जाए”

Hebrews 12:14

पवित्रता के खोजी
पवित्रता का यत्न भी करो”

ऐसा न हो कि कोई... वंचित रह जाएगा कोई कड़वी जड़ फूटकर काट दे।
पाठकों को तीन बातों में सावधान रहना है। वैकल्पिक अनुवाद:“कोई वंचित न हो जाए या कड़वी जड़ फूटकर काट दे...अशुद्ध हो जाएं।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

परमेश्वर के अनुग्रह से वंचित रह जाए
वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर का अनुग्रह प्राप्त करके उसे जाने दे”

कड़वी जड़
बुराई करने का कारण मनुष्य, जैसे कड़वी जड़ भोजन में आ गई हो।

एसाव के समान अधर्मी
वैकल्पिक अनुवाद: तुम्हारे मध्य एसाव के समान जो है उनसे सावधान

आंसू बहा-बहा कर खोजने पर भी
“रो-रोकर दिल से याचना करने पर भी”

Hebrews 12:18

तुम
पाठकगण

वे इस आज्ञा को न सह सके
परमेश्वर की आज्ञा मानना भारी बोझ उठाने के तुल्य है। वैकल्पिक अनुवाद: “इस्राएली परमेश्वर की आज्ञा को स्वीकार नहीं कर पाए थे”।

Hebrews 12:22

तुम
पाठकगण

पास आए हो
“पहुंचे हो”

लाखों स्वर्गदूतों
वैकल्पिक अनुवाद: “असंख्य स्वर्गदूतों”

न्यायी परमेश्वर.... मध्यस्थ यीशु
यीशु न्यायालय में एकवक्ता स्वरूप न्याय करने वाले परमेश्वर के समक्ष प्रतिवाद रखता है कि उसने मनुष्य के पापों के लिए कैसे अपने रक्त से भुगतान किया है।

छिड़काव के उस लहू के पास आए हो, जो हाबिल के लहू से उत्तम बातें कहता है।
वैकल्पिक अनुवाद: "छिड़काव के उस लहू के पास आए हो, जो हाबिल के लहू से उत्तम बातें कहता है जिसकी हत्या कैन ने की थी"

Hebrews 12:25

x
सीनै पर्वत पर इस्राएलियों के अनुभव के साथ तुलना करके लेखक मसीह की मृत्यु के बाद विश्वासियों के अनुभव से निमित्त करता है। लेखक कहता है कि वही परमेश्वर आज भी हमें चेतावनी देता है।

पृथ्वी को हिला दिया.... हिला दूंगा।
आप पृथ्वी के कंपन और घरों के गिरने के लिए अपनी भाषा का शब्द जैसे भूकम्प काम में लें।

तुम
पाठकगण

वे लोग.... न बच सके
वैकल्पिक अनुवाद: “यदि इस्राएल से दण्ड से न बच पाए”

हम
लेखक एवं पाठक

चेतावनी देने वाले.... उसने फिर प्रतिज्ञा की है
“परमेश्वर जो चेतावनी देता है... परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है”।

Hebrews 12:27

हिलाई नहीं जाती
देखें कि आपने “हिला” और “हिलाई” का अनुवाद में कैसे किया है।

हम.... कृतज्ञ हों
“हम धन्यवाद दें”

हमारा परमेश्वर भस्म करनेवाली आग है।
परमेश्वर अपने उद्देश्य विरोधी हर एक बात को आग के समान नष्ट करने में सामर्थ है

Translation Questions

Hebrews 12:1

रोकनेवाली वस्तु और उलझानेवाले पाप को हमे दूर क्यों करना है?
गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हम को घेरे हुए है तो आओ हम रोकनेवाली वस्तु और उलझानेवाले पाप को दूर करें।

Hebrews 12:2

यीशु ने क्रूस को क्यों सहा और उसकी लज्जा की कुछ चिन्ता न की?
यीशु ने उस आनन्द के लिए जो उसके आगे धरा था, लज्जा की कुछ चिन्ता न करके क्रूस का दु:ख सहा था।

Hebrews 12:3

विश्वासी निराश और हताशा से कैसे बच सकता है?
उस पर ध्यान करो जिसने अपने विरोध में पापियों का इतना विरोध सह लिया कि विश्वासी निराश होकर साहस न छोड़ दें।

Hebrews 12:6

परमेश्वर जिससे प्रेम करता है और जिसे स्वीकार करता है उसके साथ क्या करता है?
परमेश्वर जिससे प्रेम करता है और जिसे स्वीकार करता है उसकी ताड़ना भी करता है।

Hebrews 12:8

जिसकी ताड़ना परमेश्वर न करे वह कौन है?
जिसकी ताड़ना न की जाए वह अवैध सन्तान है, परमेश्वर की सन्तान नहीं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Hebrews 12:11

ताड़ना से क्या प्राप्त होता है?
ताड़ना द्वारा धर्म का प्रतिफल मिलता है।

Hebrews 12:14

विश्वासी सब के साथ कैसा संबन्ध रखें?
विश्वासी सब के साथ मेल मिलाप रखें।

Hebrews 12:15

किसे फूट कर बड़ा नहीं होना है कि अनेक जन अशुद्ध हो जाएं?
कोई कड़वी जड़ फूट कर कष्ट न दे कि बहुत से लोग अशुद्ध हो जाएं।

Hebrews 12:17

अपने पहलौठे का हक खो देने के बाद आंसू बहाने पर भी एसाव क्या हुआ?
एसाव ने एक बार के भोजन के बदले अपने पहलौठे होने का पद बेच डाला और आंसू बहा बहाकर खोज ने पर भी मन फिराव का अवसर उसे न मिला।

Hebrews 12:19

जिस पर्वत पर परमेश्वर बातें कर रहा था वहां इस्राएलियों ने क्या विनती की थी?
इस्राएलियों ने विनती की थी कि उनसे और बातें न की जाएं।

Hebrews 12:22

मसीह के विश्वासी उस पर्वत की अपेक्षा जहां परमेश्वर ने इस्राएलियों से बातों की थीं, कहां हैं?
मसीह के विश्वासी सिय्योन पर्वत और जीवित परमेश्वर के नगर के पास हैं।

Hebrews 12:23

मसीह के विश्वासी किस सभा में हैं?
मसीह के विश्वासी स्वर्ग में पंजीकृत सब पहलौठों की सभा में हैं।

मसीह के विश्वासी किसके पास हैं?
मसीह के विश्वासी सब के न्यायी परमेश्वर और धर्मियों की आत्माओं और यीशु के पास हैं।

Hebrews 12:25

जो स्वर्ग से चेतावनी देनेवाले से मुंह मोड़ लें उनका क्या होगा?
जो मुंह मोड़ ले वे परमेश्वर से बचेंगे नहीं।

Hebrews 12:26

परमेश्वर ने किसे हिलाने की प्रतिज्ञा की है?
परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है कि वह न केवल पृथ्वी को परन्तु आकाश को भी हिला देगा और वे टल जाएंगे।

Hebrews 12:28

टलनेवाली वस्तुओं की अपेक्षा विश्वासी क्या पाएंगे?
विश्वासी उस राजा को पाएंगे जो हिलने का नहीं।

विश्वासी परमेश्वर की कैसी आराधना करें?
विश्वासी भक्ति और भय सहित परमेश्वर की ऐसी आराधना करें जो जिससे वह प्रसन्न हो।

Hebrews 12:29

विश्वासी परमेश्वर की ऐसी आराधना क्यों करें?
विश्वासी परमेश्वर की ऐसी आराधना करें क्योंकि वह भस्म करनेवाली आग है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 13

1 भाईचारे का प्रेम बना रहे। **2** अतिथि-सत्कार करना न भूलना, क्योंकि इसके द्वारा कितनों ने अनजाने में स्वर्गदूतों का आदर-सत्कार किया है। (1 पत. 4:9, उत्प. 18:1-19:3)

3 कैदियों की ऐसी सुधि लो*, कि मानो उनके साथ तुम भी कैद हो; और जिनके साथ बुरा बर्ताव किया जाता है, उनकी भी यह समझकर सुधि लिया करो, कि हमारी भी देह है। **4** विवाह सब में आदर की बात समझी जाए, और विवाह बिछौना निष्कलंक रहे; क्योंकि परमेश्वर व्यभिचारियों, और परस्त्रीगामियों का न्याय करेगा।

5 तुम्हारा स्वभाव लोभरहित हो, और जो तुम्हारे पास है, उसी पर संतोष किया करो; क्योंकि उसने आप ही कहा है, “मैं तुझे कभी न छोड़ूँगा, और न कभी तुझे त्यागूँगा।” (भज. 37:25, व्य. 31:8, यहो. 1:5) **6** इसलिए हम बेधड़क होकर कहते हैं, “प्रभु, मेरा सहायक है; मैं न डरूँगा; मनुष्य मेरा क्या कर सकता है?” (भज. 118:6, भज. 27:1)

7 जो तुम्हारे अगुवे थे, और जिन्होंने तुम्हें परमेश्वर का वचन सुनाया है, उन्हें स्मरण रखो; और ध्यान से उनके चाल-चलन का अन्त देखकर उनके विश्वास का अनुकरण करो। **8** यीशु मसीह कल और आज और युगानुयुग एक जैसा है। (भज. 90: 2, प्रका. 1:8, यशा. 41:4)

9 नाना प्रकार के और ऊपरी उपदेशों से न भरमाए जाओ, क्योंकि मन का अनुग्रह से दृढ़ रहना भला है, न कि उन खाने की वस्तुओं से जिनसे काम रखनेवालों को कुछ लाभ न हुआ। **10** हमारी एक ऐसी वेदी है, जिस पर से खाने का अधिकार उन लोगों को नहीं, जो तम्बू की सेवा करते हैं। **11** क्योंकि जिन पशुओं का लहू महायाजक पाप-बलि के लिये पवित्रस्थान में ले जाता है, उनकी देह छावनी के बाहर जलाई जाती है।

12 इसी कारण, यीशु ने भी लोगों को अपने ही लहू के द्वारा पवित्र करने के लिये फाटक के बाहर दुःख उठाया। **13** इसलिए, आओ उसकी निन्दा अपने ऊपर लिए हुए छावनी के बाहर उसके पास निकल चलें। (लूका 6:22) **14** क्योंकि यहाँ हमारा कोई स्थिर रहनेवाला नगर नहीं, वरन् हम एक आनेवाले नगर की खोज में हैं।

15 इसलिए हम उसके द्वारा स्तुतिरूपी बलिदान*, अर्थात् उन होंठों का फल जो उसके नाम का अंगीकार करते हैं, परमेश्वर के लिये सर्वदा चढ़ाया करें। (भज. 50:14, भज. 50:23, होशे 14:2) **16** पर भलाई करना, और उदारता न भूलो; क्योंकि परमेश्वर ऐसे बलिदानों से प्रसन्न होता है।

17 अपने अगुओं की मानो; और उनके अधीन रहो, क्योंकि वे उनके समान तुम्हारे प्राणों के लिये जागते रहते, जिन्हें लेखा देना पड़ेगा, कि वे यह काम आनन्द से करें, न कि ठंडी साँस ले लेकर, क्योंकि इस दशा में तुम्हें कुछ लाभ नहीं। (1 थिस्स. 5:12-13, प्रेरि. 20:28)

18 हमारे लिये प्रार्थना करते रहो, क्योंकि हमें भरोसा है, कि हमारा विवेक शुद्ध है; और हम सब बातों में अच्छी चाल चलना चाहते हैं। **19** प्रार्थना करने के लिये मैं तुम्हें और भी उत्साहित करता हूँ, ताकि मैं शीघ्र तुम्हारे पास फिर आ सकूँ।

20 अब शान्तिदाता परमेश्वर* जो हमारे प्रभु यीशु को जो भेड़ों का महान रखवाला है सनातन वाचा के लहू के गुण से मरे हुओं में से जिलाकर ले आया, (यूह. 10:11, प्रेरि. 2:24, रोम. 15:33) **21** तुम्हें हर एक भली बात में सिद्ध करे, जिससे तुम उसकी इच्छा पूरी करो, और जो कुछ उसको भाता है, उसे यीशु मसीह के द्वारा हम में पूरा करे, जिसकी महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन।

22 हे भाइयों मैं तुम से विनती करता हूँ, कि इन उपदेश की बातों को सह लो; क्योंकि मैंने तुम्हें बहुत संक्षेप में लिखा है। **23** तुम यह जान लो कि तीमुथियुस हमारा भाई छूट गया है और यदि वह शीघ्र आ गया, तो मैं उसके साथ तुम से भेंट करूँगा।

24 अपने सब अगुओं और सब पवित्र लोगों को नमस्कार कहो। इतालियावाले तुम्हें नमस्कार कहते हैं।

25 तुम सब पर अनुग्रह होता रहे। आमीन।

Hebrews 13:1

x
केवल यहूदी विश्वासियों के लिए रहा है।

भाईचारे की प्रीति बनी रहे
वैकल्पिक अनुवाद: “विश्वासियों के लिए ऐसा प्रेम प्रकट करते रहो जैसे तुम अपने परिवार के किसी भी सदस्य के लिए दर्शाते हो।”

न भूलना
“स्मरण रखना”

अतिथि सत्कार
वैकल्पिक अनुवाद: “जो आपके परिचित नहीं उनकी भी सेवा करो”

Hebrews 13:3

मानों उनके साथ तुम भी थे... हमारी भी देह है
इन दोनों वाक्यों में अन्य विश्वासियों के कष्टों को अपने ही कष्ट समझने के लिए प्रेरित किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: “तुम्हें ऐसी अनुमति हो कि तुम उनके साथ कारागार में हो और यातना सह रहे हो”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

विवाह बिछौना
पति-पत्नी का यौन संबन्ध।

Hebrews 13:5

जो तुम्हारे पास है उसी पर सन्तोष करो
“परमेश्वर ने जो तुम्हें दिया है”

Hebrews 13:7

उनके चाल चलन का अन्त
संभावित अर्थ हैं 1) उनका जीवन” देखें (यू.डी.बी.) उन्होंने कैसा जीवन जीया और कैसी मृत्यु को प्राप्त हुए”। या “उसका संपूर्ण जीवन कैसा था” तौभी यीशु में विश्वास से नहीं टले।

Hebrews 13:9

नाना प्रकार के विचित्र उपदेशों
ऐसी शिक्षाएं जो हमारे शुभ सन्देश से अलग और अनेक हैं।

मन के अनुग्रह में दृढ़ रहना भला है, न कि उन खाने की वस्तुओं जिनसे काम रखने वाले को कुछ लाभ न हुआ
वैकल्पिक अनुवाद: “हम परमेश्वर की दया को स्मरण रखकर बलवन्त होते हैं, परन्तु परमेश्वर के साथ संबन्ध बनाने में नियमों का पालन करके बलवन्त नहीं होते हैं”

पापबलि
“परमेश्वर से पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिए बलि चढ़ाना”

छावनी के बाहर
मनुष्यों के निवास स्थान से दूर अलग

Hebrews 13:12

x
यीशु के आत्म बलिदान और मन्दिर में चढ़ाए गए बलिदानों की तुलना की जा रही है।

इसलिए
“इसी रीति से” (यू.डी.बी.) या “क्योंकि बलि के पशुओं की देह छावनी निवास स्थान क बाहर ले जाकर जलाई जाती थी”

इसलिए आओ
“क्योंकि यीशु शहर द्वार के बाहर है”।

छावनी के बाहर
देखें कि आपने इसका अनुवाद में कैसे किया है।

Hebrews 13:15

उसके नाम का अंगीकार करते हैं।
वैकल्पिक अनुवाद: “जो सबके सामने कहते हैं कि हम यीशु में विश्वास करते हैं।

Hebrews 13:20

सनातन वाचा के लहू
संभावित अर्थ हैं 1) परमेश्वर ने अपनी शाश्वत वाचा रक्त के द्वारा हमारे साथ बांधी है” (यू.डी.बी.) या 2) यह “शाश्वत वाचा के रक्त के द्वारा है कि यीशु हमारा प्रभु” हुआ है या 3) “लहू के गुण से....” ही है कि परमेश्वर ने “यीशु को” मृतकों में से पुनः जीवित” किया।

तुम्हें सिद्ध करके.... हममें उत्पन्न करे
पाठक और लेखक। (देखें: और)

Translation Questions

Hebrews 13:2

अतिथि सत्कार करके कुछ लोगों ने क्या किया है?
कुछ विश्वासियों ने अनजाने में स्वर्गदूतों की सेवा की है।

Hebrews 13:3

विश्वासी कैदियों की कैसी सुधि लें?
विश्वासी कैदियों की ऐसी सेवा करें कि मानो स्वयं कैद में हैं और जिनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है उनकी ऐसी सुधि लें कि हमारी भी देह है।

Hebrews 13:4

सबको किसका सम्मान करना है?
विवाह सबके लिए सम्मानित हो।

परमेश्वर व्यभिचारियों का क्या करता है?
परमेश्वर व्यभिचारियों का न्याय करता है।

Hebrews 13:5

विश्वासी धन के लोभ से कैसे मुक्ति पा सकता है?
विश्वास धन के लोभ से मुक्त हो सकते हैं क्योंकि परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है, "मैं तुझे कभी न छोड़ूगा; और न कभी तुझे त्यागूंगा।"

Hebrews 13:7

विश्वासी किसके विश्वास का अनुकरण करें?
विश्वासी उन के विश्वास का अनुकरण करें जिन्होने परमेश्वर का वचन सुनाया और उनकी अगुवाई की है।

Hebrews 13:9

लेखक किस विचित्र शिक्षा के विरुद्ध विश्वासियों को चेतावनी देता है?
लेखक विश्वासियों को विचित्र उपदेशों से और खाने की वस्तुओं से भरमाए जाने की चेतावनी देता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Hebrews 13:11

पवित्र स्थान में बलि किए गए पशुओं की देह कहां जलाई जाती थी?
पाप बलि के पशुओं की देह छावनी के बाहर जलाई जाती थी।

Hebrews 13:12

यीशु ने कहां दुःख उठाया था?
यीशु ने भी फाटक के बाहर दुःख उठाया था।

Hebrews 13:13

विश्वासियों को कहां और क्यों जाना है?
विश्वासियों को छावनी के बाहर यीशु के पास जाना है और उसकी निन्दा अपने ऊपर लेकर जाना है।

Hebrews 13:14

इस पृथ्वी पर विश्वासियों का स्थाई नगर कहां है?
यहां हमारा कोई स्थाई नगर नहीं।

विश्वासियों को किस नगर की खोज में रहना है?
इस की अपेक्षा विश्वासियों को आनेवाले नगर की खोज में रहना है।

Hebrews 13:15

विश्वासी कैसा बलिदान परमेश्वर को सर्वदा चढ़ाएं?
विश्वासी स्तुति रूपी बलिदान परमेश्वर को सर्वदा चढ़ाया करें।

Hebrews 13:17

विश्वासियों का व्यवहार अगुवों के साथ कैसा हो?
विश्वासी अपने अगुओं की आज्ञा माने और उनके अधीन रहें।

Hebrews 13:21

परमेश्वर विश्वासी में क्या उत्पन्न करता है?
परमेश्वर को जो भाता है वह विश्वासी में उत्पन्न करता है।

Hebrews 13:23

लेखक उनसे भेंट करने किसके साथ आएगा?
लेखक तीमुथियुस के आने पर उनसे भेंट करने आएगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: James

James

Chapter 1

1 परमेश्वर के और प्रभु यीशु मसीह के दास याकूब की ओर से उन बारहों गोत्रों को जो तितर-बितर होकर रहते हैं नमस्कार पहुँचे।

2 हे मेरे भाइयों, जब तुम नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ो तो इसको पूरे आनन्द की बात समझो*, **3** यह जानकर, कि तुम्हारे विश्वास के परखे जाने से धीरज उत्पन्न होता है।

4 पर धीरज को अपना पूरा काम करने दो, कि तुम पूरे और सिद्ध हो जाओ और तुम में किसी बात की घटी न रहे। **5** पर यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो, तो परमेश्वर से माँगो, जो बिना उलाहना दिए सब को उदारता से देता है; और उसको दी जाएगी।

6 पर विश्वास से माँगे, और कुछ सन्देह न करे; क्योंकि सन्देह करनेवाला समुद्र की लहर के समान है* जो हवा से बहती और उछलती है। **7** ऐसा मनुष्य यह न समझे, कि मुझे प्रभु से कुछ मिलेगा, **8** वह व्यक्ति दुचित्ता है, और अपनी सारी बातों में चंचल है।

9 दीन भाई अपने ऊँचे पद पर घमण्ड करे। **10** और धनवान अपनी नीच दशा पर; क्योंकि वह घास के फूल की तरह मिट जाएगा। **11** क्योंकि सूर्य उदय होते ही कड़ी धूप पड़ती है और घास को सूखा देती है, और उसका फूल झड़ जाता है, और उसकी शोभा मिटती जाती है; उसी प्रकार धनवान भी अपने कार्यों के मध्य में ही लोप हो जाएँगे। (भज. 102:11, यशा. 40:7-8)

12 धन्य है वह मनुष्य, जो परीक्षा में स्थिर रहता है; क्योंकि वह खरा निकलकर जीवन का वह मुकुट पाएगा, जिसकी प्रतिज्ञा प्रभु ने अपने प्रेम करनेवालों को दी है। **13** जब किसी की परीक्षा हो, तो वह यह न कहे, कि मेरी परीक्षा परमेश्वर की ओर से होती है; क्योंकि न तो बुरी बातों से परमेश्वर की परीक्षा हो सकती है, और न वह किसी की परीक्षा आप करता है।

14 परन्तु प्रत्येक व्यक्ति अपनी ही अभिलाषा में खिंचकर, और फँसकर परीक्षा में पड़ता है। **15** फिर अभिलाषा गर्भवती होकर पाप को जनती है और पाप बढ़ जाता है तो मृत्यु को उत्पन्न करता है। **16** हे मेरे प्रिय भाइयों, धोखा न खाओ।

17 क्योंकि हर एक अच्छा वरदान और हर एक उत्तम दान ऊपर ही से है, और ज्योतियों के पिता की ओर से मिलता है, जिसमें न तो कोई परिवर्तन हो सकता है, और न अदल-बदल के कारण उस पर छाया पड़ती है। **18** उसने अपनी ही इच्छा से हमें सत्य के वचन के द्वारा उत्पन्न किया, ताकि हम उसकी सृष्टि किए हुए प्राणियों के बीच पहले फल के समान हो।

19 हे मेरे प्रिय भाइयों, यह बात तुम जान लो, हर एक मनुष्य सुनने के लिये तत्पर और बोलने में धीर और क्रोध में धीमा हो। **20** क्योंकि मनुष्य का क्रोध परमेश्वर के धार्मिकता का निर्वाह नहीं कर सकता है। **21** इसलिए सारी मलिनता और बैर-भाव की बढ़ती को दूर करके, उस वचन को नम्रता से ग्रहण कर लो, जो हृदय में बोया गया और जो तुम्हारे प्राणों का उद्धार कर सकता है।

22 परन्तु वचन पर चलनेवाले बनो, और केवल सुननेवाले ही नहीं* जो अपने आप को धोखा देते हैं। **23** क्योंकि जो कोई वचन का सुननेवाला हो, और उस पर चलनेवाला न हो, तो वह उस मनुष्य के समान है जो अपना स्वाभाविक मुँह दर्पण में देखता है। **24** इसलिए कि वह अपने आप को देखकर चला जाता, और तुरन्त भूल जाता है कि वह कैसा था। **25** पर जो व्यक्ति स्वतंत्रता की सिद्ध व्यवस्था पर ध्यान करता रहता है, वह अपने काम में इसलिए आशीष पाएगा कि सुनकर भूलता नहीं, पर वैसा ही काम करता है।

26 यदि कोई अपने आप को भक्त समझे, और अपनी जीभ पर लगाम न दे, पर अपने हृदय को धोखा दे, तो उसकी भक्ति व्यर्थ है। (भज. 34:13, भज. 141:3) **27** हमारे परमेश्वर और पिता के निकट शुद्ध और निर्मल भक्ति यह है, कि अनाथों और विधवाओं के क्लेश में उनकी सुधि लें, और अपने आप को संसार से निष्कलंक रखें।

James 1:1

याकूब
याकूब प्रभु यीशु का भाई था। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मैं, याकूब...”

परमेश्वर के और मसीह यीशु के दास
यहाँ “मैं” अभिप्रेत है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मैं परमेश्वर का, और प्रभु यीशु मसीह का दास”।

उन बारह गोत्रों को तितर बितर होकर रहते हैं।
याकूब यह पत्र उन बारह यहूदी गोत्रों को लिख रहा है जो यहूदिया प्रदेश के बाहर विभिन्न रोगी नगरों में भाग गये थे क्योंकि स्तिफनोस के पथराव के बाद मसीही विश्वासियों को सताया जाने लगा था।

बारहों गोत्रों
अंकों को एकरूप लिखने का प्रयास करें। इसको इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है, “12 गोत्र”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

नमस्कार पहुंचे
यह एक मुख्य अभिवादन था जैसे “नमस्कार” या “शुभ दिवस”।

हे मेरे भाइयों जब तुम नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ो तो इसको पूरे आनंद की बात समझो।
“मेरे विश्वासी भाइयों, अपने सब संकटों को उत्सव की बात समझो।”

यह जानकर कि तुम्हारे विश्वास में परखे जाने से धीरज उत्पन्न होता है।
क्योंकि तुम तो जानते हो कि तुम्हारे विश्वास की कसौटी तुम्हारे विश्वास को दृढ़ ही करती है।

James 1:4

पर धीरज को अपना पूरा काम करने दो।
कठिन परिस्थितियों में दृढ़ता से खड़े रहो। “अपने कष्टों में भी दृढ़ रहो।”

कि तुम पूरे और सिद्ध हो जाओ।
“कि परमेश्वर तुम्हारे विश्वास को...”

कि तुम
अर्थात यहूदी मत से निकले विश्वासी।

पूरे और सिद्ध
“पूर्णतः सिद्धता प्राप्त कर लो।”

तुम में किसी बात की घटी न रहे।
यह नकरात्मक वाक्य सकारात्मक बनाया जा सकता है। “तुम्हें सब कुछ प्राप्त हो।”

परमेश्वर से मांगे...उसको दी जाएगी।
“देने वाले परमेश्वर से मांगो” परमेश्वर से मांगो। वही बुद्धि देता है।

जो बिना उलाहना दिए सब को उदारता देता है।
इस नकारात्मक वाक्य को सकारात्मक भी बनाया जा सकता है, “उदारता से सहर्ष देता है।”

उसको दी जायेगी।
“परमेश्वर अवश्य करेगा”, “परमेश्वर तुम्हारी प्रार्थना का उत्तर अवश्य देगा।”

James 1:6

पर विश्वास से मांगे और कुछ सन्देह न करें।
“सन्देह न करें” इसका अनुवाद सकारात्मक रूप में किया जा सकता है, “पूर्ण विश्वास के साथ कि परमेश्वर उत्तर देगा।”

सन्देह करने वाला समुद्र की लहर के समान है।
यहाँ सन्देह करने वाले मनुष्य की तुलना पानी की लहर से की गई है जो एक स्थान में स्थिर नहीं रहती है। “वह विश्वास और अविश्वास में डांवाडोल रहता है।” या “वह विश्वास में “हां” या “नहीं” करता रहता है।”

प्रभु से कुछ मिलेगा।
“प्रार्थना सुनी जायेगी।”

प्रभु से
“प्रभु यीशु से”

वह दुचित्ता है।
दुचित्ता अर्थात वह मनुष्य जो निर्णय नहीं ले सकता। अर्थात “वह निर्णय नहीं ले सकता कि उसे प्रभु यीशु का अनुसरण करना है या नहीं।”

सारी बातों में चंचल है।
“वह किसी भी बात में निश्चय नहीं कर सकता है।”

James 1:9

दीन भाई
दीन भाई -“वह विश्वासी भाई जो आर्थिक रूप से समृद्ध नहीं।”

अपने ऊंचे पद पर घमंड करे।
उसे प्रसन्न होना है कि परमेश्वर ने उसे प्रतिष्ठा प्रदान की है।

धनवान
“और वह भाई जिसके पास धन सम्पदा है।”

अपनी नीच दशा पर
“घमंड करे” इस वाक्य में यह उक्ति छोड़ दी गई है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “उसे प्रसन्न होना है कि परमेश्वर ने उसे नम्र होना सिखाया है।”

वह घास के फूल की तरह जाता रहेगा।
इस उपमा का अर्थ है कि धनवान मनुष्य भी मर जायेगा जैसे हर एक जीवित प्राणी मरता है। उसके बल देने का अभिप्राय है कि धनवान मनुष्य को दीन होना सीखना है।

कड़ी धूप
“तेज धूप” या “झुलसाने वाली गर्म हवा” (यू.डी.बी)

उसी प्रकार धनवान भी अपने मार्ग पर चलते-चलते धूल में मिल जायेगा।
धनवान धनोपार्जन में परिश्रम करते-करते ही मर जायेगा।

James 1:12

धन्य है वह मनुष्य
“वह मनुष्य प्रसन्न है”

जो परीक्षा में स्थिर रहता है।
“कष्टों के समय विश्वास में दृढ़ रहता है।”

खरा निकल कर
“कष्टों को दृढ़ रहकर सहन कर लेता है।”

पायेगा
“परमेश्वर उसे देगा”

जीवन का मुकुट पायेगा
जीवन का मुकुट पाना, परमेश्वर से अनन्त जीवन पाने के लिए आलंकारिक उपयोग है। यह उसका पुरूस्कार है। “वह शाश्वत जीवन का प्रतिफल पायेगा।”

जिसकी प्रतिज्ञा प्रभु ने अपने प्रेम करने वालों से की है।
“परमेश्वर ने उन लोगों के लिए जीवन के मुकुट की प्रतिज्ञा की है जो उससे प्रेम करते हैं।”

जब किसी की परीक्षा हो।
“जब किसी में बुराई करने की इच्छा उत्पन्न हो।”

मेरी परीक्षा परमेश्वर की ओर से होती है।
“परमेश्वर मुझे बुरा काम करने के लिए प्रेरित कर रहा है।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

न तो बुरी बातों से परमेश्वर की परीक्षा हो सकती है।
“परमेश्वर में बुरा काम करने की इच्छा नहीं है।”

न वह किसी की परीक्षा आप करता है।
“परमेश्वर किसी को भी बुरा काम करने के लिए प्रेरित नहीं करता है।”

James 1:14

मनुष्य अपनी ही अभिलाषा से...परीक्षा में पड़ता है।
“बुरा काम करने की लालसा मनुष्य ही में है।”

खिंचकर और फंसकर
“बुरी इच्छा उसे खींचती है और उसे फंसा लेती है।”

अभिलाषा गर्भवती होकर पाप को जनती है और पाप जब बढ़ जाता है तो मृत्यु उत्पन्न करता है।
अभिलाषा, पाप और मृत्यु को मानवीय प्रकृति दी गई है। अभिलाषा को स्त्री रूप में व्यक्त किया गया है जो मनुष्य को यौन संबंध के लिए आकर्षित करती है। “पाप” उसका शिशु है। जब वह शिशु व्यस्क हो जाता है तब वह “मृत्यु” बन जाता है। इसकी तुलना अभिलाषाओं के सुमभोग से ली गई है। जो पाप में बदलकर अन्त में शारीरिक एवं आत्मिक मृत्यु लाता है।

धोखा न खाओ
“किसी के धोखे में न आओ” या “स्वयं को धोखा न दो”। (यू.डी.बी)

James 1:17

ऊपर ही से है।
“स्वर्ग से ही है”

ज्योतियों के पिता
परमेश्वर आकाश के सब प्रकाश पुंजों का सृजनहार है। (सूर्य, चांद, सितारे)

अदल-बदल के कारण उस पर छाया पड़ती है।
यह एक उपमा है जो अपरिवर्तनीय परमेश्वर जो एक शाश्वत ज्योति है, उसकी तुलना आकाश के परिवर्तनशील प्रकाश (सूर्य, चाँद, सितारे) से की गई है। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर उन छायाओं के जैसा नहीं है जो कभी दिखाई देता है, कभी दिखाई नहीं देता है।”

हमें
अर्थात याकूब और उसके पाठक

उत्पन्न किया
“हमें आत्मिक जीवन दिया” (यू.डी.बी)

सत्य के वचन के द्वारा
“शुभ सन्देश” या “यीशु की शिक्षायें”

एक प्रकार के प्रथम फल
याकूब कह रहा है कि जैसे किसी फसल का प्रथम फल होता है, उसी प्रकार उसके पाठक प्रथम विश्वासी हैं जिनसे भविष्य में असंख्य विश्वासी उत्पन्न होंगे।

उसकी सृष्टि की हुई वस्तुओं में
“उसके लोगों में”

James 1:19

तुम जानते हो
स्थापित अर्थ हैं 1) एक आज्ञा स्वरूप “जान लो” कि जो मैं कहने जा रहा हूं उस पर ध्यान दो या 2) इस बात को गांठ बांध लो मैं तुम्हें जो स्मरण कराने जा रहा हूं वह तुम जानते ही हो।

हर एक मनुष्य सुनने के लिए तत्पर और बोलने में धीर
मनुष्य ध्यान से सुने और जो वे कहते हैं सोच समझ कर कहें।

क्रोध में धीमा हो।
“आसानी से क्रोध न करो।”

मनुष्य का क्रोध परमेश्वर के धर्म का निर्वाह नहीं कर सकता।
क्रोध करने वाला मनुष्य परमेश्वर की इच्छा का आचरण नहीं रख सकता है।

सारी मलिनता और बैर भाव की बढ़ती को दूर करके...
ये भिन्नार्थक शब्द बल देने के लिए हैं। “हर प्रकार के बुरे काम करना छोड़ दो”

नम्रता
“घमंड से मुक्त” या “अभिमान रहित”

वचन को
परमेश्वर का वचन जो उनमें रोपित किया गया है “परमेश्वर द्वारा तुम्हारे लिए उच्चारित वचन का पालन करो।”

तुम्हारे प्राणों का उद्धार कर सकता है।
यहाँ “प्राणों” शब्द संपूर्ण मनुष्य का द्योतक है, मनुष्य का उद्धार किससे हुआ वह भी स्पष्ट किया जा सकता है।

James 1:22

वचन पर चलने वाले
“परमेश्वर के वचन के अनुसार आचरण रखो” या “परमेश्वर के वचन का पालन करो।”

अपने आप को धोखा देते हैं।
“स्वयं को धोखा देते” या “मूर्ख बनते हैं।”

जो कोई वचन का सुनने वाला हो और उस पर चलने वाला न हो तो वह उस मनुष्य के समान है जो अपना स्वाभाविक मुँह दर्पण में देखता है।
याकूब परमेश्वर के वचन के श्रोता की तुलना दर्पण में चेहरा देखने वाले से करता है। जिस प्रकार दर्पण में चेहरा देखकर मनुष्य अतिशीघ्र अपने चेहरे को भूल जाता है उसी प्रकार वचन का आचरण नहीं करने वाला है।

अपने आप को देखकर...तुरन्त भूल जाता है।
मनुष्य अपना चेहरा दर्पण में देखता है और तुरन्त भूल जाता है कि वह कैसा दिखता है वैसा ही वह मनुष्य है जो परमेश्वर का वचन सुनता है और भूल जाता है कि उसने क्या सुना।

स्वतंत्रता की सिद्ध व्यवस्था
“विधान सिद्ध है तो स्वतंत्रता प्रदान करता है।”

सुनकर भूलता नहीं
“सुनना और भूल जाना”

आशीष पायेगा
इसका कतृवाच्य अनुवाद भी किया जा सकता है, “परमेश्वर उस मनुष्य को जो विधान का पालन करता है आशीषित करेगा।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

James 1:26

यदि कोई अपने आप को भक्त समझे
“सोचता है कि वह परमेश्वर की उचित उपासना करता है।”

अपनी जीभ पर लगाम न दे।
“जीभ” एक लाक्षणिक शब्द है जिसका अर्थ है, “वह क्या कहता है”

अपने हृदय को धोखा दे।
“मूर्ख बनता है” या “प्रवंचना” या “पथभ्रष्ट”

अपने हृदय के
यहाँ हृदय का अर्थ है संपूर्ण मनुष्यत्व इसका अनुवाद होगा, “अपने आप को धोखा देता है”

उसकी भक्ति व्यर्थ है।
"उसकी उपासना निष्काम है।"

हमारे परमेश्वर और पिता के निकट शुद्ध और निर्मल भक्ति
ये दो शब्द “शुद्ध और निर्मल” जो परमेश्वर को ग्रहणयोग्य बात पर बल देते हैं। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यही वह भक्ति है जिसे परमेश्वर स्वीकार करेगा”

अनाथों
अनाथों “जिनके माता-पिता नहीं” या “जिनका पिता नहीं है।”

विधवाओं के क्लेश
विधवाओं के क्लेश - पति की मृत्यु के कारण कष्टिन स्त्री

अपने आप को संसार से निष्कलंक रखे
संसार की बुरी बातों से पाप करने को विवश न हो

Translation Questions

James 1:1

याकूब ने यह पत्र किसे लिखा था?
याकूब ने यह पत्र विस्थापित बारह गोत्रों को लिखा था।

James 1:2

परीक्षाओं में याकूब अपने पाठकों से कैसे व्यवहार की अपेक्षा करता है?
याकूब कहता है कि जब विश्वासियों पर नाना प्रकार की परीक्षाएं आएं तो वे उन्हे पूरे आनन्द की बात समझें।

James 1:3

विश्वास का परखा जाना क्या उत्पन्न करता है?
विश्वास के परखे जाने से धीरज और परिपक्वता उत्पन्न होती है।

James 1:5

हमें विश्वास से क्या मांगना चाहिए?
हमें विश्वास से बुद्धि मांगना चाहिए।

James 1:6

सन्देह करनेवाले को परमेश्वर से क्या आशा रखे?
सन्देश से मांगने वाला परमेश्वर से प्राप्त करने की आशा न रखे।

James 1:10

धनवान भाई दीन क्यों बने?
धनवान भाई दीन हो क्योंकि वह मुरझानेवाले फूल के समान समाप्त हो जाएगा।

James 1:12

परीक्षा में स्थिर रहनेवाले को क्या मिलेगा?
परीक्षा में स्थिर रहनेवाले को जीवन का मुकुट मिलेगा।

James 1:14

मनुष्य परीक्षा में क्यों पड़ता हैं?
मनुष्य अपनी ही अभिलाषा के कारण परीक्षा में पड़ता है।

James 1:15

पाप जब बढ़ जाता है तब क्या होता हैं?
पाप बढ़कर मृत्यु को उत्पन्न करता है।

James 1:17

ज्योतियों के पिता से क्या मिलता हैं?
प्रत्येक अच्छा वरदान और प्रत्येक उत्तम वरदान ज्योतियों के पिता की ओर से मिलता है।

James 1:18

परमेश्वर ने हमें जीवन देने के लिए क्या साधन चुना है?
परमेश्वर ने सत्य के वचन द्वारा हमे जीवन देने का चुनाव किया है।

James 1:19

याकूब हमें सुनने, बोलने और क्रोध के बारे में क्या कहता है?
याकूब कहता है कि हम सुनने के लिए तत्पर, बोलने में धीर और क्रोध में धीमें हों।

James 1:22

याकूब के अनुसार हम धोखा कैसे खाते हैं?
याकूब कहता है कि हम वचन के केवल सुननेवाले ही नहीं उस पर चलनेवाले बनें अन्यथा अपने आपको धोखा देंगे।

James 1:26

सच्चे धर्मी होने के लिए हमें क्या करना चाहिए?
सच्चे भक्त होने के लिए हमें जीभ को वश में रखना है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

James 1:27

परमेश्वर की दृष्टि में शुद्ध और निर्मल भक्ति क्या है?
परमेश्वर की दृष्टि में शुद्ध और निर्मल भक्ति है कि हम अनाथों और विधवाओं
की सुधि लें और अपने आपको संसार से निष्कलंक रखें।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 हे मेरे भाइयों, हमारे महिमायुक्त प्रभु* यीशु मसीह का विश्वास तुम में पक्षपात के साथ न हो। (अय्यू. 34:19, भज. 24:7-10) **2** क्योंकि यदि एक पुरुष सोने
के छल्ले और सुन्दर वस्त्र पहने हुए तुम्हारी सभा में आए और एक कंगाल भी मैले कुचैले कपड़े पहने हुए आए। **3** और तुम उस सुन्दर वस्त्रवाले पर ध्यान
केन्द्रित करके कहो, "तू यहाँ अच्छी जगह बैठ," और उस कंगाल से कहो, "तू वहाँ खड़ा रह," या "मेरे पाँवों के पास बैठ।" **4** तो क्या तुम ने आपस में भेद भाव
न किया और कुविचार से न्याय करनेवाले न ठहरे?

5 हे मेरे प्रिय भाइयों सुनो; क्या परमेश्वर ने इस जगत के कंगालों को नहीं चुना* कि वह विश्वास में धनी, और उस राज्य के अधिकारी हों, जिसकी प्रतिज्ञा उसने
उनसे की है जो उससे प्रेम रखते हैं? **6** पर तुम ने उस कंगाल का अपमान किया। क्या धनी लोग तुम पर अत्याचार नहीं करते और क्या वे ही तुम्हें कचहरियों में
घसीट-घसीट कर नहीं ले जाते? **7** क्या वे उस उत्तम नाम की निन्दा नहीं करते जिसके तुम कहलाए जाते हो?

8 तो भी यदि तुम पवित्रशास्त्र के इस वचन के अनुसार, "तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख," सचमुच उस राज व्यवस्था को पूरी करते हो, तो अच्छा
करते हो। (लैव्य. 19:18) **9** पर यदि तुम पक्षपात करते हो, तो पाप करते हो; और व्यवस्था तुम्हें अपराधी ठहराती है। (लैव्य. 19:15)

10 क्योंकि जो कोई सारी व्यवस्था का पालन करता है परन्तु एक ही बात में चूक जाए तो वह सब बातों में दोषी ठहरा। **11** इसलिए कि जिस ने यह कहा, "तू
व्यभिचार न करना" उसी ने यह भी कहा, "तू हत्या न करना" इसलिए यदि तूने व्यभिचार तो नहीं किया, पर हत्या की तो भी तू व्यवस्था का उल्लंघन करनेवाला
ठहरा। (निर्ग. 20:13-14, व्य. 5:17-18)

12 तुम उन लोगों के समान वचन बोलो, और काम भी करो, जिनका न्याय स्वतंत्रता की व्यवस्था के अनुसार होगा। **13** क्योंकि जिस ने दया नहीं की, उसका
न्याय बिना दया के होगा। दया न्याय पर जयवन्त होती है।

14 हे मेरे भाइयों, यदि कोई कहे कि मुझे विश्वास है पर वह कर्म न करता हो, तो उससे क्या लाभ? क्या ऐसा विश्वास कभी उसका उद्धार कर सकता है? **15**
यदि कोई भाई या बहन नंगे उघाड़े हों, और उन्हें प्रतिदिन भोजन की घटी हो, **16** और तुम में से कोई उनसे कहे, "शान्ति से जाओ, तुम गरम रहो और तृप्त
रहो," पर जो वस्तुएँ देह के लिये आवश्यक हैं वह उन्हें न दे, तो क्या लाभ? **17** वैसे ही विश्वास भी, यदि कर्म सहित न हो तो अपने स्वभाव में मरा हुआ है।

18 वरन् कोई कह सकता है, "तुझे विश्वास है, और मैं कर्म करता हूँ।" तू अपना विश्वास मुझे कर्म बिना दिखा; और मैं अपना विश्वास अपने कर्मों के द्वारा तुझे
दिखाऊँगा। **19** तुझे विश्वास है कि एक ही परमेश्वर है; तू अच्छा करता है; दुष्टात्मा भी विश्वास रखते, और थरथराते हैं। **20** पर हे निकम्मे मनुष्य क्या तू यह भी
नहीं जानता, कि कर्म बिना विश्वास व्यर्थ है?

21 जब हमारे पिता अब्राहम ने अपने पुत्र इसहाक को वेदी पर चढ़ाया, तो क्या वह कर्मों से धार्मिक न ठहरा था? (उत्प. 22:9) **22** तूने देख लिया कि विश्वास ने
उसके कामों के साथ मिलकर प्रभाव डाला है और कर्मों से विश्वास सिद्ध हुआ। **23** और पवित्रशास्त्र का यह वचन पूरा हुआ, "अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास
किया, और यह उसके लिये धार्मिकता गिनी गई," और वह परमेश्वर का मित्र कहलाया। (उत्प. 15:6) **24** तुम ने देख लिया कि मनुष्य केवल विश्वास से ही
नहीं, वरन् कर्मों से भी धर्मी ठहरता है।

25 वैसे ही राहाब वेश्या भी जब उसने दूतों को अपने घर में उतारा, और दूसरे मार्ग से विदा किया, तो क्या कर्मों से धार्मिक न ठहरी*? (इब्रा. 11:31) **26** जैसे
देह आत्मा बिना मरी हुई है वैसा ही विश्वास भी कर्म बिना मरा हुआ है।

James 2:1

मेरे भाइयों
मेरे भाइयों -याकूब अपने श्रोताओं को यहूदी मसीही विश्वासी मानता है। "मेरे विश्वासी भाइयों" या "मसीह में मेरे भाइयों और बहनों"

मसीह पर तुम्हारा विश्वास
याकूब और उसके विश्वासी भाई-बहन

पक्षपात
"विशेष व्यवहार" या "किसी के साथ अच्छा व्यवहार करना" या "किसी को अधिक सम्मान करना"

यदि कोई
याकूब एक काल्पनिक स्थिति का आरंभ करता है जो पद 4 के अन्त तक है। वह एक ऐसी स्थिति की कल्पना करता है जिसमें विश्वासी किसी गरीब की अपेक्षा धनवान को अधिक मान प्रदान करते हैं।

सोने के छल्ले और सुन्दर वस्त्र पहने
सोने के छल्ले और सुन्दर वस्त्र पहने - "धनवानों की वेशभूषा में"

"तू यहाँ अच्छी जगह बैठ
"इस सम्मानित स्थान में बैठ"

तू यहाँ खड़ा रह या मेरे पांवों के पास बैठ
"तू नीचे के स्थान में बैठ"

क्या तुम ने आपस में भेद भाव न किया और कुविचार से न्याय करनेवाले न ठहरे?
क्या तुम ने आपस में भेद भाव न किया और कुविचार से न्याय करनेवाले न ठहरे? - याकूब इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा विश्वासियों को शिक्षा दे रहा है साथ ही साथ झिड़क भी रहा है। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "तुम आपस में न्याय कर रहे हो और बुरे विचारों के साथ न्यायी बन रहे हो।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

James 2:5

हे मेरे प्रिय भाइयों, सुनो
याकूब अपने विश्वासियों को अपना परिवार मानकर उपदेश दे रहा है। “मेरे प्रिय भाइयों, ध्यान दो।”

क्या परमेश्वर ने....नहीं चुना
याकूब इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा अपने पाठकों को झिड़कता है। आप इस का अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं, “परमेश्वर ने...चुना”

कि विश्वास में धनी,
“विश्वास बहुत हो”। “धनी” का अभिप्रेत अर्थ है, बहुत विश्वास हो। विश्वास के आधार को स्पष्ट किया जा सकता है, “मसीह में दृढ़ विश्वासी हो।”

राज्य के अधिकारी हों।
“स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करें।”

पर तुमने
याकूब सब पाठकों से कह रहा है।

कंगाल का अपमान किया
“गरीब का मान नहीं रखा” या “गरीब के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया।”

क्या धनी तुम पर अत्याचार नहीं करते?
याकूब इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा अपने पाठकों को झिड़कता है। “धनवान ही तो....”

धनी लोग
“धनवान लोग” (यू.डी.बी)

तुम पर अत्याचार नहीं करते...?
“तुम्हारे साथ दुर्व्यवहार करते” या “तुम पर प्रभुता दिखाते हैं?”

वे ही
यहाँ भी याकूब प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा अपने पाठकों को झिड़क रहा है। अनुवाद “वे ही तो हैं जो...” या “धनवान ही तो...”

तुम्हें कचहरियों में घसीट-घसीट कर नहीं ले जाते?
“बलपूर्वक कचहरी में न्यायाधीश के सामने दोष लगाए”)

क्या धनी ...नहीं करते
याकूब इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा अपने पाठकों को झिड़कता है। “धनवान ही तो....”

उस उत्तम नाम की
मसीह के नाम की

James 2:8

तुम यदि....पूरी करते हो।
तुम अर्थात यहूदियों से आये विश्वासी

उस राज व्यवस्था को पूरी करते हो
परमेश्वर ने मूसा को विधान सौंपा था जो पुराने नियम में निहित है। इसका अनुवाद होगा, “परमेश्वर प्रदत्त विधान का पालन करते हो” या “अपने महान राजा के नियमों का पालन करते हो।”

अपने पड़ोसी से
अपने पड़ोसी से - “सब लोग” या “हर एक मनुष्य से”

अच्छा ही करते हो।
“तुम अच्छा करते हो” या “तुम उचित काम करते हो।”

यदि तुम पश्चाताप करते हो।
“विशेष व्यवहार” या “सम्मान देना”

पाप करते हो
अर्थात विधान का पालन नहीं करते। इसका अनुवाद है, “पाप कर रहे हो।”

व्यवस्था तुम्हें अपराधी ठहराती है।
यहाँ विधान को एक मानवीय न्यायाधीश के रूप में व्यक्त किया गया है। इसका अनुवाद होगा, “परमेश्वर के विधान के उल्लंघन के दोषी हो।”

James 2:10

जो कोई सारी व्यवस्था का पालन करता है।
जो कोई सारी व्यवस्था का पालन करता है। -“जो विधान का पालन करता है।”

परन्तु एक ही बात में चूक जाये...दोषी ठहर चुका।
परन्तु एक ही बात में चूक जाये...दोषी ठहर चुका। विधान के एक भी नियम के पालन में चूकने का अर्थ है संपूर्ण विधान का दोषी होना।

न करना
अर्थात ऐसा काम न करना।

यदि तू ने...पर तूने...ठहरा
यद्यपि याकूब अनेकों को लिख रहा था, उसने ऐसे व्यक्त किया कि मानों एक ही से कह रहा हो।

James 2:12

बोलो और काम भी करो
यह याकूब की आज्ञा है। “तुम्हें बोलना और करना भी है।”

जिनका न्याय स्वतंत्रता की व्यवस्था के अनुसार होगा।
“जो जानते हैं कि स्वतंत्रता का विधान शीघ्र ही उनका न्याय करेगा”

व्यवस्था के अनुसार
यहाँ विधान को मानवीय न्यायाधीश के सदृश्य रखा गया है।

स्वतंत्रता की व्यवस्था
स्वतंत्रता की व्यवस्था -“हमें स्वतंत्र करने वाला विधान”

दया न्याय पर जयवन्त होती है।
दया न्याय पर जयवन्त होती है। -“दया न्याय से उत्तम है” या “दया न्याय को पराजित करती है।”

James 2:14

हे मेरे भाइयों, यदि कोई कहे कि मुझे विश्वास है, पर वह कर्म न करता हो, तो इससे क्या लाभ?
याकूब इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा अपने पाठकों को शिक्षा दे रहा है। आप इसका अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं, “मेरे विश्वासी भाइयों, यदि कोई कहे, मुझे विश्वास है और वह उसके अनुकूल काम न करे तो सब व्यर्थ है।”

यदि कोई कहे
याकूब किसी के कथन का सीधा उद्धरण दे रहा है। “मुझे” अर्थात कहने वाले को।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

ऐसा विश्वास कभी उसका उद्धार कर सकता है?
याकूब के पाठकों की शिक्षा हेतु यह एक प्रभावोत्पादक प्रश्न है। “ऐसा विश्वास उसका उद्धार नहीं कर सकता है।”

उसका उद्धार
“परमेश्वर के दण्ड से बचा सकता है।”

यदि कोई भाई....तो क्या लाभ?
पद 15-16 एक प्रभावोत्पादक प्रश्न है जो याकूब के पाठकों को शिक्षा के लिए है। “यदि कोई भाई...किसी काम का नहीं।”

भाई या बहन
“मसीह में भाई या बहन”

तुममे से कोई उनसे कहे।
तुममे से कोई उनसे कहे। “तुम उससे कहो”

मरा हुआ है।
मरा हुआ है। - “व्यर्थ है”

James 2:18

वरन कोई कह सकता है
याकूब एक काल्पनिक स्थिति का वर्णन कर रहा है जिसमें कोई 2:14-17 की उसकी शिक्षा पर आपत्ति व्यक्त कर रहा है। याकूब पद 20 में उसे “निकम्मे मनुष्य” कहता है। इसका काल्पनिक परिचर्चा का उद्देश्य उसके पाठकों को विश्वास और कर्म की समझ में मार्ग पर लाना है।

“तुझे विश्वास है और मैं कर्म करता हूं।”
उसकी शिक्षा के संबंध में याकूब किसी की संभावित आपत्ति को व्यक्त करता है। “एक को विश्वास है और दूसरा भले काम करता है।”

तू अपना विश्वास....दिखा
“मुझे” अर्थात याकूब को

दुष्टात्मा भी विश्वास...थरथराते हैं।
दुष्टात्मा भी....थरथराते हैं। “भय से कांपते हैं।”

हे निकम्मे मनुष्य, क्या तू यह भी नहीं जानता कि कर्म बिना विश्वास व्यर्थ है?
हे निकम्मे मनुष्य, क्या तू यह भी नहीं जानता कि कर्म बिना विश्वास व्यर्थ है? इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा या याकूब की बात नहीं मानने वाले को झिड़का जा रहा है। आप इसका अनुवाद कर सकते हैं, “हे मूर्ख, क्या तू मेरी बात को सुनना नहीं चाहता कि कर्म बिना विश्वास व्यर्थ है।”

James 2:21

हमारा पिता अब्राहम...क्या वह कर्मों से धार्मिक न ठहरा था?
याकूब द्वारा यह प्रभावोत्पादक प्रश्न उस मूर्ख मनुष्य के विवाद के प्रति उत्तर है। क्योंकि वह स्वीकार नहीं करता है कि विश्वास और कर्म साथ-साथ हैं। “हमारा पिता अब्राहम निश्चय ही कर्मों द्वारा न्यायोचित ठहराया”

तूने देख लिया कि विश्वास ने
“तूने” एक वचन है जो उस काल्पनिक मनुष्य के लिए है, तथापि याकूब इस एक काल्पनिक मनुष्य के माध्यम से सब पाठकों से कह रहा है।

तूने देखा कि विश्वास
“देख लिया” एक लाक्षणिक उपयोग है जिसका अनुवाद हो सकता है, “समझ लिया”

कर्मों से विश्वास सिद्ध हुआ
“उसके कर्म ने विश्वास को पूर्ण किया”

और पवित्र शास्त्र का यह वचन पूरा हुआ।
इस कर्मवाच्य वाक्य का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “और पवित्र शास्त्र का वचन पूरा हुआ।”

यह उसके लिए धर्म गिना गया।
यह उसके लिए धर्म गिना गया। -"परमेश्वर ने उसके विश्वास को धर्मनिष्ठा गिना"

इस प्रकार तुमने देख लिया कि मनुष्य....कर्मों से भी धर्मी ठहरता है।
इस प्रकार तुमने देख लिया कि मनुष्य....कर्मों से भी धर्मी ठहरता है। याकूब अब फिर से अपने पाठकों को बहुवचन “तुम” द्वारा संबोधित कर रहा है।

मनुष्य....कर्मों से ही धर्मी ठहरता है।
“कर्म और विश्वास मनुष्य को धर्मी ठहराते हैं।”

James 2:25

वैसे ही
यह वैसे ही एक और उदाहरण के उल्लेख के लिए है।

राहाब वैश्या भी...कर्मों में धार्मिक न ठहरी?
याकूब इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा अपने पाठकों को शिक्षा दे रहा है। इस कर्मवाच्य वाक्य का अनुवाद ऐसे भी किया जा सकता है, “राहाब वैश्या के कर्म ही के द्वारा वह धर्मनिष्ठ ठहरी थी।”

राहाब वैश्या
याकूब अपने पाठकों से अपेक्षा करता था कि वे पुराने नियम की इस कहानी को जानते हैं।

दूतों को अपने घर में उतारा
किसी और स्थान से आने वाले सन्देश वाहक

दूसरे मार्ग से विदा किया
“नगर से बचकर भागने में सहायता की”

जैसे देह आत्मा के बिना मरी हुई है वैसे ही विश्वास भी कर्म बिना मरा हुआ है।
याकूब बल देकर कहता है कि जो व्यक्ति विश्वास के साथ काम नहीं करता है वह आत्मा रहित शरीर के जैसा है। दोनों ही मृतक एवं व्यर्थ है।

Translation Questions

James 2:1

जब कोई सभा में आए तो याकूब के अनुसार क्या नहीं करना हैं?
याकूब कहता है कि बाहरी रूप देखकर पक्षपात न करे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

James 2:1

जब कोई सभा में आए तो याकूब के अनुसार क्या नहीं करना हैं?
याकूब कहता है कि बाहरी रूप देखकर पक्षपात न करे।

James 2:5

याकूब परमेश्वर द्वारा कंगालों के चयन के बारे में क्या कहता है?
पमरेश्वर ने इस जगत के कंगालों को चुना कि वे विश्वास में धनी और उसकी प्रतिज्ञा के राज्य के अधिकारी हों।

James 2:6

याकूब धनवानों के व्यवहार के लिए क्या कहता है?
याकूब कहता है कि धनवान भाइयों का शोषण करने के कारण परमेश्वर की निन्दा करते हैं।

James 2:8

धर्मशास्त्र में राजसी व्यवस्था क्या है?
राज की व्यवस्था है, "तू अपने पड़ोसी से अपने बराबर प्रेम रख।"

James 2:10

व्यवस्था की एक बात का उल्लंघन करने का अर्थ क्या है?
व्यवस्था की एक बात का उल्लंघन करने का अर्थ है संपूर्ण व्यवस्था का उल्लंघन करना।

James 2:13

जो दया नहीं दिखाते उन का क्या होगा?
दया रहित न्याय उन लोगों का होगा जो दया नहीं दिखाते हैं।

James 2:14

जो विश्वास का दावा करके आवश्यक्ता ग्रस्त की सहायता नहीं करते उनके लिए याकूब क्या कहता है?
जो विश्वास का दावा करके आवश्यक्ता ग्रस्त मनुष्यों की सहायता नहीं करते उनका विश्वास उनका उद्धार नहीं करेगा।

James 2:17

कर्म बिना विश्वास अकेला कैसा है?
कर्म बिना विश्वास मरा हुआ है।

James 2:18

याकूब के अनुसार हम विश्वास कैसे दिखाएं?
याकूब कहता है कि हमें कर्मो द्वारा विश्वास दिखाना है।

James 2:19

विश्वास का दावा करनेवाले और दुष्टात्माएं क्या मानते हैं?
विश्वास का दावा करनेवाले और दुष्टात्माएं भी मानते हैं कि परमेश्वर एक है।

James 2:21

अब्राहम ने अपना विश्वास कर्मो द्वारा कैसे प्रकट किया था?
इसहाक को वेदी पर चढ़ाकर अब्राहम ने अपना विश्वास प्रकट किया था।

James 2:23

अब्राहम के विश्वास और कर्म से कौन सा धर्मशास्त्र पूरा हुआ?
पवित्र शास्त्र का यह वचन पूरा हुआ, "अब्राहम ने परमेश्वर का विश्वास किया और उसके लिए यह धर्म गिना गया।"

James 2:25

राहाब ने अपना विश्वास कर्म द्वारा कैसे प्रकट किया था?
राहाब ने कर्म द्वारा विश्वास प्रकट किया था, जब उसने भेदियों को छिपाया और दूसरे रास्ते से भेजा।

James 2:26

आत्मा बिना देह कैसी है?
आत्मा बिना देह मरी हुई है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 हे मेरे भाइयों, तुम में से बहुत उपदेशक न बनें, क्योंकि तुम जानते हो, कि हम उपदेशकों का और भी सख्ती से न्याय किया जाएगा। **2** इसलिए कि हम सब बहुत बार चूक जाते हैं* जो कोई वचन में नहीं चूकता, वही तो सिद्ध मनुष्य* है; और सारी देह पर भी लगाम लगा सकता है।

3 जब हम अपने वश में करने के लिये घोड़ों के मुँह में लगाम लगाते हैं, तो हम उनकी सारी देह को भी फेर सकते हैं। **4** देखो, जहाज भी, यद्यपि ऐसे बड़े होते हैं, और प्रचण्ड वायु से चलाए जाते हैं, तो भी एक छोटी सी पतवार के द्वारा माँझी की इच्छा के अनुसार घुमाए जाते हैं।

5 वैसे ही जीभ भी एक छोटा सा अंग है और बड़ी-बड़ी डींगे मारती है; देखो कैसे, थोड़ी सी आग से कितने बड़े वन में आग लग जाती है। **6** जीभ भी एक आग है; जीभ हमारे अंगों में अधर्म का एक लोक है और सारी देह पर कलंक लगाती है, और भवचक्र में आग लगा देती है और नरक कुण्ड की आग से जलती रहती है।

7 क्योंकि हर प्रकार के वन-पशु, पक्षी, और रेंगनेवाले जन्तु और जलचर तो मनुष्य जाति के वश में हो सकते हैं और हो भी गए हैं। **8** पर जीभ को मनुष्यों में से कोई वश में नहीं कर सकता; वह एक ऐसी बला है जो कभी रुकती ही नहीं; वह प्राणनाशक विष से भरी हुई है। (भज. 140:3)

9 इसी से हम प्रभु और पिता की स्तुति करते हैं; और इसी से मनुष्यों को जो परमेश्वर के स्वरूप में उत्पन्न हुए हैं श्राप देते हैं। **10** एक ही मुँह से धन्यवाद और श्राप दोनों निकलते हैं। हे मेरे भाइयों, ऐसा नहीं होना चाहिए।

11 क्या सोते के एक ही मुँह से मीठा और खारा जल दोनों निकलते है? **12** हे मेरे भाइयों, क्या अंजीर के पेड़ में जैतून, या दाख की लता में अंजीर लग सकते हैं? वैसे ही खारे सोते से मीठा पानी नहीं निकल सकता।

13 तुम में ज्ञानवान और समझदार कौन है? जो ऐसा हो वह अपने कामों को अच्छे चाल-चलन से उस नम्रता सहित प्रगट करे जो ज्ञान से उत्पन्न होती है*। **14** पर यदि तुम अपने-अपने मन में कड़वी ईर्ष्या और स्वार्थ रखते हो, तो डींग न मारना और न ही सत्य के विरुद्ध झूठ बोलना।

15 यह ज्ञान वह नहीं, जो ऊपर से उतरता है वरन् सांसारिक, और शारीरिक, और शैतानी है। **16** इसलिए कि जहाँ ईर्ष्या और विरोध होता है, वहाँ बखेड़ा और हर प्रकार का दुष्कर्म भी होता है। **17** पर जो ज्ञान ऊपर से आता है वह पहले तो पवित्र होता है फिर मिलनसार, कोमल और मृदुभाव और दया, और अच्छे फलों से लदा हुआ और पक्षपात और कपटरहित होता है। **18** और मिलाप करानेवालों के लिये धार्मिकता का फल शान्ति के साथ बोया जाता है। (यशा. 32:17)

James 3:1

तुम में से बहुत
"तुम" अर्थात याकूब के पत्र के पाठक।

हे मेरे भाइयों
हे मेरे भाइयों - "मेरे विश्वासी भाइयों-बहनों"

जानते हुए
"क्योंकि"

और भी दोषी ठहरेंगे
परमेश्वर उपदेशकों को अधिक दण्ड देगा, अतिरिक्त स्पष्ट जानकारी के साथ व्यक्त किया जा सकता है, "परमेश्वर हमें अधिक कठोर दण्ड देगा क्योंकि हमारे लिए पाप करने का बहाना नहीं क्योंकि हम अन्यों की तुलना में उसके वचन को अधिक समझते हैं।"

हम....स्वीकार करेंगे
याकूब धर्मशास्त्र के शिक्षकों को अपने साथ बिन रहा है।)

हम सब बहुत बार चूक जाते हैं।
याकूब अपने सब पाठकों को गिन रहा है।

बहुत बार चूक जाते हैं।
यह एक रूपक है जो मनुष्य की नैतिक चूक की तुलना चलने वालों के गिरने से करता है। इसका अनुवाद किया जा सकता है, "चूकना" या "पाप करना"

जो कोई वचन में नहीं चूकता
"उच्चारित वचनों में पाप नहीं करता"

सिद्ध मनुष्य है।
"वह आत्मिकता में परिपक्व है।"

सारी देह पर भी लगाम लगा सकता है।
याकूब का अभिप्राय मन, भावनाओं, कार्यों से है "उसके व्यवहार को वश में रख सकता है" या "कामों पर नियंत्रण रख सकता है।")

James 3:3

घोड़ों के मुँह में लगाम लगाते हैं।
याकूब मनुष्य की जीभ की तुलना घोड़े की लगाम से करता है। लगाम एक लोहे का टुकड़ा होता है जो घोड़े के मुंह में डालकर उसका चलना-फिरना निर्देशित करने के लिए काम में लिया जाता है। याकूब का कहना है कि मनुष्य के मुंह की बातें उसके और उसके परिचित मनुष्यों के जीवनों को प्रभावित करती हैं।

जब हम
"यदि" या "जब"

घोड़े के मुँह में लगाम लगाते हैं।
घोड़ा बोझ खींचने के लिए एक बड़ा पशु है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "यदि हम घोड़े के मुँह में लगाम लगाते हैं।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

देखो जहाज भी....एक छोटी पतवार के द्वारा मांझी की इच्छा के अनुसार चलाये जाते हैं।
देखो जहाज भी....एक छोटी पतवार के द्वारा मांझी की इच्छा के अनुसार चलाये जाते हैं। याकूब मनुष्य की जीभ की भी जहाज की पतवार से तुलना करता है। जहाज पानी पर चलने वाला बड़ा यान है। पतवार जहाज के अन्त में एक लोहे की पट्टी होती है जिसके द्वारा जहाज को दिशा दी जाती है। यहाँ याकूब का मुख्य विषय घोड़े की लगाम कसना ही है। कहने का अर्थ है कि एक छोटी वस्तु किसी विशाल वस्तु को वश में कर सकती है।

यद्यपि ऐसे बड़े होते हैं।
अर्थात जहाज

प्रचण्ड वायु से चलाये जाते हैं।
इसका अनुवाद कतृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है, "प्रचण्ड वायु उसे चलाती है।"

एक छोटी सी पतवार के द्वारा मांझी की इच्छा के अनुसार चलाये जाते हैं।
इसका अनुवाद कतृवाच्य क्रिया में किया जा सकता है, "एक छोटे से उपकरण द्वारा जहाज की दिशा बदल सकते हैं।"

James 3:5

वैसे ही
यह मनुष्य की जीभ की तुलना पिछले पदों में व्यक्त घोड़े की लगाम और जहाज की पतवार से की गई है।

बड़ी बड़ी डींगे मारती है
"मनुष्य जीभ से बुरी-बुरी बातें कहता है"

देखो...कितने बड़े
देखो...कितने बड़े "विचार करो कैसे बड़े"

थोड़ी सी आग से कितने बड़े वन में
"चोटी सी चिंगारी बड़े वन के अनेक वृक्षों को जला देती है"

जीभ भी एक आग है
जैसे आग सब कुछ भस्म कर देती है, वैसे ही मनुष्य के मुंह की बातें (जीभ-metonymy) मनुष्यों को बहुत हानि पहुंचाती है (metaphor) "जीभ आग के सदृश्य है"

जीभ हमारे अंगों में अधर्म का एक लोक है।
वैकल्पिक अनुवाद: "यह देह का एक छोटा सा अंग है परन्तु यह हर प्रकार से पाप करने के योग्य है।"

सारी देह पर कलंक लगाती है।
इसका एक नया वाक्य बनाया जा सकता है। "यह पूर्णतः परमेश्वर के लिए अप्रसन्नता का कारण हमें बना सकती है।" या "यह हमें परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं होने देती है।"

और जीवन गति में आग लगा देती है।
"जीवन गति" एक रूपक है जो मनुष्य के संपूर्ण जीवन को व्यक्त करता है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "यह मनुष्य के संपूर्ण जीवन को विनाश के गर्त में गिरा देती है।"

और नरक कुण्ड की आग से जलती रहती है।
यह "जीभ" के संदर्भ में है। यहाँ "नरक" लाक्षणिक उपयोग है जो शैतानी शक्तियों का संदर्भ देता है वरन् शैतान का। इसका अनुवाद कतृवाच्य में किया जा सकता है, "क्योंकि शैतान हमारी जीभ का उपयोग बुराई के निमित्त करता है।"

James 3:7

हर प्रकार के वन-पशु, पक्षी और रेंगने वाले जन्तु और जनचर तो मनुष्य जाति के वश में हो सकते हैं और हो भी गये हैं।
"हर प्रकार के" यह एक अतिशयोक्ति है जिसका अर्थ है, "नाना प्रकार के" इसका अनुवाद कतृवाच्य क्रिया द्वारा किया जा सकता है, "मनुष्यों ने विभिन्न पशुओं, पक्षियों, सरीसृपों तथा जलचरों को अपने वश में कर लिया है।"

रेंगने वाले जन्तु
भूमि पर रेंगने वाले जन्तु जैसे सांप, आदि।

जलचर
पानी में रहने वाले जन्तु

पर जीभ को मनुष्यों में से कोई वश में नहीं कर सकता।
यहाँ "जीभ" लाक्षणिक प्रयोग है जो मनुष्य के लिए काम में लिया गया है। इसका संपूर्ण अर्थ व्यक्त किया जा सकता है, "परमेश्वर के बिना कोई भी जीभ को वश में नहीं कर सकता है।"

वह एक ऐसी बला है जो कभी रुकती ही नहीं
वह प्राण नाशक विष से भरी हुई है।

James 3:9

इसी से
अपनी जीभ ही के द्वारा हम ऐसे शब्दों का उच्चारण करते हैं..

इसी से
"और इसी के द्वारा शब्दों के उच्चारण से..."

श्राप देते हैं
परमेश्वर से कहते हैं कि किसी की हानि करे।(यू.डी.बी)

परमेश्वर के स्वरूप में उत्पन्न हुए हैं।
"जिसे परमेश्वर ने अपने स्वरूप में सृजा है"

एक ही मुंह से
"एक ही मुंह दोनों बातें कहता है"

हे मेरे भाइयों
"मेरे विश्वासी भाई बहन"

ऐसा नहीं होना चाहिये
"ऐसा अनुचित है।"

James 3:11

x
हमारी जीभ के द्वारा आशीर्वाद और शाप दोनों नहीं निकलना है। इसके बाद याकूब प्रकृति के उदाहरण देता है जिसमें ऐसे दो विपरीत काम नहीं होते हैं।

क्या सोते के एक ही मुंह से मीठा और खारा जल दोनों निकलता है?
याकूब इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा पाठकों को प्रकृति के युक्ति युक्त क्रम की शिक्षा दे रहा है। इसका वैकल्पिक अनुवाद होगा, "सोता मीठा और खारा जल दोनों नहीं देता है।"

हे भाइयों
"विश्वासी भाइयों और बहनों"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्या अंजीर के पेड़ में जैतून और दाख की लता में अंजीर लग सकते हैं?
याकूब एक और प्रभावोत्पादक प्रश्न पूछ कर प्रकृति के युक्ति युक्त क्रम को समझाता है। वैकल्पिक अनुवाद, “अंजीर के पेड़ में जैतून और दाख की लता में अंजीर नहीं उग सकते हैं।”

James 3:13

तुममें ज्ञानवान और समझदार कौन है? जो ऐसा हो वह अपने.....
याकूब इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा अपने पाठकों को उचित व्यवहार की शिक्षा देता है। “ज्ञानवान और समझदार” एक ही अर्थ व्यक्त करते हैं। “जो मनुष्य स्वयं को समझदार मानता है वह....”

अच्छे चाल-चलन को नम्रता सहित प्रकट करें।
“अच्छा आचरण दिखायें” या “प्रकट करें”

अपने कामों को अच्छे चाल-चलन से उस नम्रता सहित प्रगट करें जो ज्ञान से उत्पन्न होती है।
“सच्चे ज्ञान से उत्पन्न अच्छे काम एवं दीनता”

तुम अपने मन में कड़वी डाह और विरोध रखते हो।
“मन” अर्थात भावनायें एवं विचार “तुम मनुष्यों के साथ आपसी योगदान नहीं करते अपितु स्वार्थ को प्रथम स्थान देते हो।”

सत्य के विरोध में घमंड न करना और न तो झूठ बोलना।
“सत्य को झूठा सिद्ध करके बुद्धिमानी का स्वांग मत रचो।”

James 3:15

वह नहीं,
वह नहीं, - अर्थात निर्बुद्धि डाह तथा स्वार्थी लालसायें जिनकी चर्चा पिछले पदों में की गई हैं।

ऊपर से उतरता है।
“परमेश्वर से प्राप्त होता है” या “स्वर्ग से आता है”

सांसारिक...है
“सांसारिक” अर्थात जो परमेश्वर को नहीं मानते उनकी आचार संबंधित मान्यतायें एवं आचरण। “परमेश्वर का सम्मान नहीं करने वाला।”)

शारीरिक
शारीरिक “पवित्र आत्मा का नहीं है” या “आत्मिक नहीं है।”

शैतानी
“शैतान से प्राप्त है।”

जहाँ डाह और विरोध होता है।
क्योंकि जहाँ ऐसे मनुष्य हैं जो केवल अपने बारे में ही सोचते हैं, किसी और के बारे में नहीं।

वहाँ बखेड़ा
“वहाँ अव्यवस्था” या “दुर्व्यवस्था”

दुष्कर्म
“हर प्रकार का पापी व्यवहार” या “दुष्टता के सब काम”

पहले तो पवित्र होता है
“सदाचार में शुद्ध”

मिलनसार
“शान्ति पूर्ण”

कोमल
“दयालु” या “निस्वार्थ”

और अच्छे फलों से लदा हुआ
अच्छे फलों की तुलना अच्छे कामों से की गई है वैकल्पिक अनुवाद:“सद्कर्म”

कपटरहित
“सत्यनिष्ठ” या “सच्चा”

धार्मिकता का फल मेल-मिलाप के साथ बोते हैं।
इस रूपक के द्वारा हमारे जीवन के सदाचार की तुलना फसल उगाने और लवनी करने से की गई है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो शान्ति में जीवन निर्वाह करते हैं वे परमेश्वर निर्देशित उचित जीवन जी रहे हैं।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

James 3:1

याकूब बहुतों को उपदेशक बनने के लिए मना क्यों करता है?
बहुत जन उपदेशक न बनें क्योंकि उपदेशक और भी दोषी ठहरेंगे।

James 3:2

कौन चूकता है और कैसे-कैसे चूकता है?
हम अनेक बार चूक जाते हैं।

कैसा मनुष्य सारी देह पर लगाम लगा सकता है?
जो मनुष्य वचन में नहीं चूकता वह सारी देह पर लगाम लगा सकता है।

James 3:3

छोटी सी वस्तु बड़ी वस्तु को कैसे वश में करती है, इसके कौन से दो उदाहरण याकूब देता है?
याकूब घोड़े की लगाम और जहाज की पतवार का उदाहरण देता है।

James 3:6

पापी जीभ संपूर्ण देह का क्या कर देती है?
पापी जीभ संपूर्ण देह को अशुद्ध कर देती है।

James 3:8

वह क्या है जिसे कोई भी मनुष्य वश में नहीं कर पाया है?
मनुष्य में कोई भी जीभ को वश में नहीं कर पाया है।

James 3:9

एक ही मुंह से कौन सी दो बातें निकलती हैं?
मुँह से आशिष देना और श्राप देना दोनों निकलते हैं।

James 3:13

मनुष्य बुद्धि और समझ का प्रदर्शन कैसे करता है?
दीनता में किए गए कामों द्वारा मनुष्य बुद्धि और समझ का प्रदर्शन करता है।

James 3:14

संसारिक, शारीरिक और शैतानी बुद्धि कैसे प्रकट होती है?
जो मन में कड़वी डाह और विरोध रखते हैं, उनका ज्ञान संसारिक, शारीरिक और शैतानी है।

James 3:17

ऊपरी ज्ञान कौन से सद्गुणों से प्रकट होता है?
शान्ति प्रिय कोमल, मिलन सार, दुष्टकर्म दया और अच्छे फलों से लदा, पक्षपात रहित तथा कपट रहित होता है उसमें ऊपर का ज्ञान है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 तुम में लड़ाइयाँ और झगड़े कहाँ से आते है? क्या उन सुख-विलासों से नहीं जो तुम्हारे अंगों में लड़ते-भिड़ते हैं? **2** तुम लालसा रखते हो, और तुम्हें मिलता
नहीं; तुम हत्या और डाह करते हो, और कुछ प्राप्त नहीं कर सकते; तुम झगड़ते और लड़ते हो; तुम्हें इसलिए नहीं मिलता, कि माँगते नहीं। **3** तुम माँगते हो और
पाते नहीं, इसलिए कि बुरी इच्छा से माँगते हो, ताकि अपने भोग विलास में उड़ा दो।

4 हे व्यभिचारिणियों*, क्या तुम नहीं जानतीं, कि संसार से मित्रता करनी परमेश्वर से बैर करना है? इसलिए जो कोई संसार का मित्र होना चाहता है, वह अपने
आप को परमेश्वर का बैरी बनाता है। (1 यूह. 2:15-16) **5** क्या तुम यह समझते हो, कि पवित्रशास्त्र व्यर्थ कहता है? "जिस आत्मा को उसने हमारे भीतर
बसाया है, क्या वह ऐसी लालसा करता है, जिसका प्रतिफल डाह हो"?

6 वह तो और भी अनुग्रह देता है; इस कारण यह लिखा है, "परमेश्वर अभिमानियों से विरोध करता है, पर नम्रों पर अनुग्रह करता है।" **7** इसलिए परमेश्वर के
अधीन हो जाओ; और शैतान का सामना करो*, तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा।

8 परमेश्वर के निकट आओ, तो वह भी तुम्हारे निकट आएगा: हे पापियों, अपने हाथ शुद्ध करो; और हे दुचित्ते लोगों अपने हृदय को पवित्र करो। (जक. 1:3,
मला. 3:7) **9** दुःखी हो, और शोक करो, और रोओ, तुम्हारी हँसी शोक में और तुम्हारा आनन्द उदासी में बदल जाए। **10** प्रभु के सामने नम्र बनो, तो वह तुम्हें
शिरोमणि बनाएगा। (भज. 147:6)

11 हे भाइयों, एक दूसरे की निन्दा न करो, जो अपने भाई की निन्दा करता है, या भाई पर दोष लगाता है*, वह व्यवस्था की निन्दा करता है, और व्यवस्था पर
दोष लगाता है, तो तू व्यवस्था पर चलनेवाला नहीं, पर उस पर न्यायाधीश ठहरा। **12** व्यवस्था देनेवाला और न्यायाधीश तो एक ही है, जिसे बचाने और नाश
करने की सामर्थ्य है; पर तू कौन है, जो अपने पड़ोसी पर दोष लगाता है?

13 तुम जो यह कहते हो, "आज या कल हम किसी और नगर में जाकर वहाँ एक वर्ष बिताएँगे, और व्यापार करके लाभ उठाएँगे।" **14** और यह नहीं जानते कि
कल क्या होगा सुन तो लो, तुम्हारा जीवन है ही क्या? तुम तो मानो धुंध के समान हो, जो थोड़ी देर दिखाई देती है, फिर लोप हो जाती है। (नीति. 27:1)

15 इसके विपरीत तुम्हें यह कहना चाहिए, "यदि प्रभु चाहे तो हम जीवित रहेंगे, और यह या वह काम भी करेंगे।" **16** पर अब तुम अपनी ड़ींग मारने पर घमण्ड
करते हो; ऐसा सब घमण्ड बुरा होता है। **17** इसलिए जो कोई भलाई करना जानता है और नहीं करता, उसके लिये यह पाप है।

James 4:1

तुममें लड़ाईयां और झगड़े कहाँ से आ गये?
याकूब इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा अपने पाठकों को शिक्षा दे रहा है और झिड़क भी रहा है। "लड़ाइयां और झगड़े" ये दोनों शब्द एक ही अर्थ के हैं। किसी बात पर बल देने के ये दो मार्ग हैं। इसका अनुवाद है, "मैं जानता हूं कि तुम आपस में सदैव विवाद क्यों करते रहते हो।"

तुम...तुम्हारे...तुम
4:1-3 में ये सर्वनाम बहुवचन में है और याकूब के पाठकों के संदर्भ में है।

क्या उन सुख विलासों से नहीं...?
क्या उन सुख विलासों से नहीं...? यह एक प्रभावोत्पादक प्रश्न है जिसके द्वारा याकूब अपने पाठकों को झिड़कता है। इसका अनुवाद कथनात्मक वाक्य में किया जा सकता है, "यह तुम्हारी दुष्ट लालसाओं के कारण होता है" या "यह तुम्हारी अभिलाषाओं से उत्पन्न होता है क्योंकि वे बुरी हैं।"

सुख विलासों से
यहाँ याकूब "सुख विलास को मानवीय रूप देता है जो एक सैनिक के समान विश्वासियों से युद्ध करता है। इसका अनुवाद हो सकता है, "तुम जिन बातों की लालसा करते हो वे बुरी हैं और तुम अन्य विश्वासियों की घटी के विषय निश्चिन्त रहते हो।"

तुम्हारे अंगों में
संभावित अर्थ हैं 1) स्थानीय विश्वासियों में झगड़े हैं या 2) तुम्हारे मनुष्यत्व में संघर्ष है- अच्छे और बुरे का युद्ध है।

लालसा रखते हो
"तुम सदैव उसकी लालसा करते हो जो तुम्हारे पास नहीं है।"

हत्या करते हो
यह एक अतिशयोक्ति है जो व्यक्त करती है कि उन विश्वासियों का स्वभाव कैसा बुरा है कि वे प्राप्त करने की लालसा करते हैं। "तुम जिन वस्तुओं को प्राप्त करने में सफल नहीं होते तो नाना प्रकार की बुराइयां करते हो।"

लड़ते भिड़ते
बल देने हेतु यहाँ एक बात के लिए दो शब्दों का उपयोग किया गया है। "तुम लगातार लड़ते रहते हो।"

बुरी इच्छा से मांगते हो।
इसके संभावित अर्थ हैं 1) तुम्हारे उद्देश्य गलत हैं, तुम्हारा दृष्टिकोण उचित नहीं है। या "तुम अनुचित या बुरी वस्तु की याचना करते हो।"

भोग विलास में उड़ा दो।
"गंवा दो"

James 4:4

हे व्यभिचारिणियों
यह रूपक परमेश्वर को न मानने वाले विश्वासियों की तुलना उस स्त्री से करता है जो अपने पति के विश्वासयोग्य नहीं और दूसरे पुरूषों से यौन संबंध बनाती है। "तुम परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं हो।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

क्या तुम नहीं जानती...?
यह एक प्रभावोत्पादक प्रश्न है जिसके द्वारा याकूब अपने पाठकों को शिक्षा देना चाहता है। "तुम भली भान्ति अभिज्ञ हो।"

संसार का मित्र होना
अर्थात संसार की सदाचार की मान्यताओं तथा आचरण के अनुरूप होना या उसमें सहभागी होना।

वह अपने आपको परमेश्वर का बैरी बनाता है।
वह अपने आपको परमेश्वर का बैरी बनाता है। संसार की सदाचार की मान्यताओं के अनुरूप आचरण रखना परमेश्वर विरोधी है। "परमेश्वर का सम्मान न करने वालों के अनुरूप व्यवहार करना परमेश्वर का विरोध करना है।"

संसार का मित्र
"परमेश्वर का सम्मान न करने वालों के अनुरूप होना"

क्या तुम यह समझते हो कि पवित्र शास्त्र व्यर्थ कहता है?
इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा याकूब अपने पाठकों को शिक्षा देता है। इसका अनुवाद कथनात्मक वाक्य में किया जा सकता है, "धर्मशास्त्र सच ही कहता है।"

जिस आत्मा को उसने हमारे भीतर बसाया है क्या वह ऐसी लालसा करता है
इस पद में अनेक बातें स्पष्ट नहीं की गई हैं। "आत्मा" क्या पवित्र आत्मा है या मनुष्य की आत्मा है? क्या परमेश्वर या आत्मा अभिलाषाओं में लिप्त है? क्या यह लालसा अच्छी है या बुरी है? क्या यह प्रभावोत्पादक प्रश्न उत्तर में "हाँ" की अपेक्षा करता है या "नहीं" की। या 2) "हाँ" परमेश्वर उस पवित्र आत्मा की लालसा करता है जिसे परमेश्वर ने हममें अन्तर्वास करवाया है या 3) "हाँ" परमेश्वर ने हममें जो आत्मा फूंका है उसमें बुरी लालसायें हैं। या 4) "हाँ" पवित्र आत्मा जिसे परमेश्वर ने हमें अन्तर्वास करवाया है, वह हमारे लिए गहन लालसा करता है। 5) "नहीं" परमेश्वर ने जिस पवित्र आत्मा का हम में अन्तर्वास करवाया है, वह डाह नहीं करता है। "हमारा सुझाव है कि आपके पाठक जिन विभिन्न अनुवादों को पढ़ते हैं उनमें व्यक्त अर्थों को यहाँ काम में लें।"

James 4:6

वह और भी अधिक अनुग्रह देता है।
यह वाक्य 4:5 से कैसे संबंधित है, स्पष्ट करें, "परन्तु यदि हमारी आत्मायें उन वस्तुओं की लालसा करें जिन्हें हम प्राप्त नहीं कर सकते तो परमेश्वर हमें और भी अधिक अनुग्रह प्रदान करता है परन्तु तब जब हम स्वयं को दीन बनायें।"

परमेश्वर....विरोध करता है
"परमेश्वर विरोध करता है"

अभिमानियों
"घमंडी लोग"

दीनों पर
"विनम्र लोगों पर"

इसलिए
"इस कारण"

परमेश्वर के अधीन हो जाओ
"परमेश्वर के अधीन समर्पित हो जाओ" इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "परमेश्वर की आज्ञा मानो"

शैतान का सामना करो
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "जो शैतान चाहता है वैसा कभी नहीं करता"

तुम्हारे पास से भाग निकलेगा
"शैतान भाग खड़ा होगा"

James 4:8

तुम्हारे निकट आएगा
"तुम्हारे" अर्थात याकूब के पाठक

हे पापियों, अपने हाथ शुद्ध करो; और हे दुचित्त लोगों अपने हृदय को पवित्र करो।
"अपने हाथों को शुद्ध करो" अर्थात "अपने मन पवित्र करो" तथा "हे पापियों" अर्थात "दुचित्त लोगों"

अपने हाथ शुद्ध करो
इसके संभावित अर्थ हैं 1) मनुष्य का आचरण एवं कर्म या 2) मनुष्य अपने पापी स्वभाव एव कर्मों का प्रायश्चित करे। इसका अनुवाद होगा, "ऐसा आचरण रखो जिससे परमेश्वर का महिमान्वन हो।"

अपने हृदय को पवित्र करो।
"हृदय" मनुष्य के विचारों और भावनाओं के लिए लाक्षणिक उपयोग है। इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, "अपने विचारों से परमेश्वर का महिमान्वन करो।"

दुचित्ते
यह एक लाक्षणिक उपयोग है जो मनुष्य के निर्णय लेने में अस्थिरता को दर्शाता है। इसका अअनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "चंचल मन के मनुष्य" या "ऐसे मननुष्य जो परमेश्वर की आज्ञा का पालन करने या न करने का निर्णय नहीं ले सकते।"

दुखी हो और शोक करो
दो रूपों में एक ही बात पर बल देना। "गहरा दुख मनाओ।"

तुम्हारी हंसी शोक में और तुम्हारा आनंद उदासी में बदल जाये।
बल देने के लिए एक ही बात को दो रूपों में व्यक्त करना। "अपना हर्षोल्लास तुरन्त समाप्त करके परमेश्वर से याचना करो कि तुम्हें दुख है।"

प्रभु के सामने दीन बनो।
"परमेश्वर के समक्ष विनीत बनो।"

वह तुम्हें शिरोमणि बनायेगा
इस मुहावरे का अनुवाद हो सकता है, "वह तुम्हें प्रतिष्ठित करेगा"

James 4:11

बदनामी न करो
"किसी के विषय बुरा कहना" या "विरोध करना"

हे भाइयों
"विश्वासी भाइयों और बहनों"

तू.....तू
4:11-12 में ये सर्वनाम बहुवचन हैं और याकूब के पाठकों का संदर्भ देते हैं।

दोष लगाता है।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है,"तुम उस मनुष्य के सदृश्य काम करते हो जो नियम निर्धारित करता है।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

व्यवस्था देने वाला और हाकिम तो एक ही हैं।
“नियमों का देने वाला और मनुष्यों का न्याय करने वाला केवल परमेश्वर है क्योंकि वही एकमात्र है।”

तू कौन है जो अपने पड़ोसी पर दोष लगाता है?
याकूब इस प्रभावोत्पादक प्रश्न द्वारा अपने पाठकों को झिड़कता है। इसका अनुवाद कथनात्मक रूप में किया जा सकता है, “तुम मात्र मनुष्य हो इसलिए मनुष्य का न्याय नहीं कर सकते।”

James 4:13

एक वर्ष बितायेंगे
इस मुहावरे का अनुवाद होगा, “एक वर्ष ठहरेंगे।”

तुम जो यह कहते हो
“कोई कहेगा”

यह नहीं जानते कल क्या होगा
यह नहीं जानते कल क्या होगा यह एक प्रभावोत्पादक प्रश्न है जिसके द्वारा याकूब अपने पाठकों को झिड़कता है। इसका अनुवाद एक कथनात्मक वाक्य में किया जा सकता है, “कोई नहीं जानता कि कल क्या होगा।”)

तुम्हारा जीवन है ही क्या?
इस प्रभावोत्पादक प्रश्न क्षरा याकूब अपने पाठकों को सांसारिक जीवन की शिक्षा देता है। इसका अनुवाद होगा, “अपनी इस पार्थिव जीवन पर तो ध्यान करो।”

तुम तो भाप के समान हो जो थोड़ी देर दिखाई देती है फिर गायब हो जाती है।
यह एक उपमा है।)

James 4:15

हम जीवित रहेंगे
यहाँ “हम” का संदर्भ सीधा याकूब या उसके पाठकों से नहीं है। यह एक उदाहरण है कि याकूब के पाठक कैसे व्यवहार करें।

यह या वह काम करेंगे
अर्थात “हमने जो सोचा है वह काम करेंगे”

जो.....जानता है।
याकूब “जो” से किसी व्यक्ति विशेष को संबोधित नहीं करता है परन्तु वह हर एक मनुष्य जो भलाई करना जानता है पर करता नहीं।

Translation Questions

James 4:1

याकूब के अनुसार विश्वासियों में लड़ाई झगड़े का क्या कारण था?
उन विश्वासियों में लड़ाइयों और झगड़ो का मुख्य कारण था, स्वार्थगर्भित अभिलाषाएं।

James 4:3

विश्वासी परमेश्वर से प्रार्थना में मांगी बात पाते क्यों नहीं है?
विश्वासी मांगते और पाते नहीं क्योंकि वे बुरी इच्छा से मांगते हैं ताकि अपने भोगविलास में उड़ा दें।

James 4:4

संसार से मित्रता करनेवाले मनुष्य का संबन्ध परमेश्वर के साथ कैसा होता है?
जो व्यक्ति संसार से मित्रता करता है वह परमेश्वर का बैरी हो जाता है।

James 4:6

परमेश्वर किसका विरोध करता है और किस पर अनुग्रह करता है?
परमेश्वर अभिमानियों का विरोध करता है, पर दीनों पर अनुग्रह करता है।

James 4:7

विश्वासी परमेश्वर के अधीन होकर शैतान का सामना करता है तो क्या होता है?
शैतान का सामना करने से वह भाग जाता है।

James 4:8

जो परमेश्वर के निकट आते हैं उनके लिए परमेश्वर क्या करता है?
परमेश्वर के निकट आओ तो वह भी तुम्हारे निकट आएगा।

James 4:11

याकूब विश्वासियों को क्या न करने को कहता है?
याकूब विश्वासियों से कहता है कि वे एक दूसरे की बदनामी न करें।

James 4:13

भविष्य के कामों के बारे में याकूब हमें क्या परामर्श देता है?
याकूब के अनुसार हमारी मानसिकता होनी चाहिए कि हम कहें "यदि प्रभु चाहे तो हम जीवित रहेंगे, और यह या वह काम करेंगे।"

James 4:16

अपनी डिंग मारने पर घमण्ड के विषय याकूब क्या कहता है?
याकूब कहता है कि अपने डिंग मारने पर घमण्ड करना बुरा है।

James 4:17

यदि कोई भलाई जानते हुए न करे तो वह क्या करता है?
जो भलाई करना जानता है और भलाई नहीं करता तो वह पाप करता है।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 हे धनवानों सुन तो लो; तुम अपने आनेवाले क्लेशों पर चिल्ला-चिल्लाकर रोओ। **2** तुम्हारा धन बिगड़ गया और तुम्हारे वस्त्रों को कीड़े खा गए। **3** तुम्हारे सोने-चाँदी में काई लग गई है; और वह काई तुम पर गवाही देगी*, और आग के समान तुम्हारा माँस खा जाएगी: तुम ने अन्तिम युग में धन बटोरा है।

4 देखो, जिन मजदूरों ने तुम्हारे खेत काटे, उनकी मजदूरी जो तुमने उन्हें नहीं दी; चिल्ला रही है, और लवनेवालों की दोहाई, सेनाओं के प्रभु के कानों तक पहुँच गई है। (लैव्य. 19:13) **5** तुम पृथ्वी पर भोग-विलास में लगे रहे और बड़ा ही सुख भोगा; तुम ने इस वध के दिन के लिये अपने हृदय का पालन-पोषण करके मोटा ताजा किया। **6** तुम ने धर्मी को दोषी ठहराकर मार डाला; वह तुम्हारा सामना नहीं करता।

7 इसलिए हे भाइयों, प्रभु के आगमन तक धीरज धरो, जैसे, किसान पृथ्वी के बहुमूल्य फल की आशा रखता हुआ प्रथम और अन्तिम वर्षा होने तक धीरज धरता है। (व्य. 11:14) **8** तुम भी धीरज धरो*, और अपने हृदय को दृढ़ करो, क्योंकि प्रभु का आगमन निकट है।

9 हे भाइयों, एक दूसरे पर दोष न लगाओ ताकि तुम दोषी न ठहरो, देखो, न्यायाधीश द्वार पर खड़ा है। **10** हे भाइयों, जिन भविष्यद्वक्ताओं ने प्रभु के नाम से बातें की, उन्हें दु:ख उठाने और धीरज धरने का एक आदर्श समझो। **11** देखो, हम धीरज धरनेवालों को धन्य कहते हैं। तुम ने अय्यूब के धीरज के विषय में तो सुना ही है, और प्रभु की ओर से जो उसका प्रतिफल हुआ उसे भी जान लिया है, जिससे प्रभु की अत्यन्त करुणा और दया प्रगट होती है।

12 पर हे मेरे भाइयों, सबसे श्रेष्ठ बात यह है, कि शपथ न खाना; न स्वर्ग की न पृथ्वी की, न किसी और वस्तु की, पर तुम्हारी बातचीत हाँ की हाँ, और नहीं की नहीं हो, कि तुम दण्ड के योग्य न ठहरो।

13 यदि तुम में कोई दु:खी हो तो वह प्रार्थना करे; यदि आनन्दित हो, तो वह स्तुति के भजन गाएँ। **14** यदि तुम में कोई रोगी हो, तो कलीसिया के प्राचीनों को बुलाए, और वे प्रभु के नाम से उस पर तेल मल कर उसके लिये प्रार्थना करें। **15** और विश्वास की प्रार्थना के द्वारा रोगी बच जाएगा और प्रभु उसको उठाकर खड़ा करेगा; यदि उसने पाप भी किए हों, तो परमेश्वर उसको क्षमा करेगा।

16 इसलिए तुम आपस में एक दूसरे के सामने अपने-अपने पापों को मान लो; और एक दूसरे के लिये प्रार्थना करो, जिससे चंगे हो जाओ; धर्मी जन की प्रार्थना के प्रभाव से बहुत कुछ हो सकता है। **17** एलिय्याह भी तो हमारे समान दु:ख-सुख भोगी मनुष्य था; और उसने गिड़गिड़ाकर प्रार्थना की*; कि बारिश न बरसे; और साढ़े तीन वर्ष तक भूमि पर बारिश नहीं बरसा। (1 राजा. 17:1) **18** फिर उसने प्रार्थना की, तो आकाश से वर्षा हुई, और भूमि फलवन्त हुई। (1 राजा. 18:42-45)

19 हे मेरे भाइयों, यदि तुम में कोई सत्य के मार्ग से भटक जाए, और कोई उसको फेर लाए। **20** तो वह यह जान ले, कि जो कोई किसी भटके हुए पापी को फेर लाएगा, वह एक प्राण को मृत्यु से बचाएगा, और अनेक पापों पर परदा डालेगा। (नीति. 10:12)

James 5:1

हे धनवानों
यह 1:10 में वर्णित धनवान लोग नहीं हैं। याकूब उन धनवानों को संबोधित कर रहा है जो परमेश्वर को नहीं मानते। इसे स्पष्ट किया जा सकता है, “तुम धनवान जो परमेश्वर को नहीं मानते।”

आने वाले क्लेशों
धनवानों पर क्लेश कब आयेंगे स्पष्ट किया जा सकता है, “जब परमेश्वर सबका न्याय करेगा तब धनवानों पर भयानक आपदायें आयेंगी।”

वह काई तुम पर गवाही देगी।
“तुम पर गवाही देगी”। इस वाक्यांश द्वारा काई लगी हुई वस्तुओं का मानव स्वरूप दर्शाया जा रहा है जो न्यायधीश के सम्मुख किसी के विरूद्ध गवाही देता है कि उसने नियम का उल्लंघन किया है। इसका अनुवाद होगा, “जब परमेश्वर तुम्हारा न्याय करेगा तब तुम्हारी संपदा जो नष्ट हो गई, एक मनुष्य के सदृश्य तुम पर दोष लगाएगी।”

आग के समान तुम्हारा मांस खा जायेगी।
यहाँ नष्ट हुई संपदा की तुलना उस आग से की गई है जो सब कुछ ध्वंस कर देती है। “आग” एक रूपक है जो परमेश्वर के दण्ड को दर्शाता है। इसका अनुवाद है, “और वह परमेश्वर के दण्ड का कारण है।” (देखें: और)

धन बटोरा है।
“तुमने अपने ही लिए सब कुछ संग्रह किया है, किसी के साथ बांटा नहीं।”

अंतिम युग में
यह एक लाक्षणिक उपयोग है जो उस समय के लिए काम में लिया गया है जो मनुष्यों के न्याय हेतु परमेश्वर के आगमन से पूर्व का है। उस युग में जब परमेश्वर तुम्हारा न्याय करने आने वाला है। (यू.डी.बी)

James 5:4

x
याकूब धनवान यहूदियों को ही झिड़क रहा है। वे सोचते हैं कि वे विश्वासी हैं परन्तु यर्थाथ में वे विश्वासी नहीं है।

देखो
यहाँ “देखो” शब्द आने वाली परिचर्चा पर बल दे रहा है। “इस बात पर विचार करो।”

उनकी यह मजदूरी...चिल्ला रही है।
यहाँ “मजदूरी” को भी मानवरूप में प्रकट किया गया है जो चिल्ला रही है। इसका वास्तविक अनुवाद होगा, “मजदूर अर्तनांद कर रहे हैं।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जिन मजदूरों ने तुम्हारे खेत काटे उनकी वह मजदूरी....चिल्ला रही है।
वैकल्पिक अनुवाद: "तुमने खेत काटने वाले मजदूरों को मजदूरी नहीं दी। वे अपनी मजदूरी के लिए पुकार रहे हैं।"

लवने वालों की दोहाई सेनाओं के प्रभु के कानों तक पहुंचा दी गई है।
"सेनाओं के प्रभु ने लवनी करने वालों का अंतर्नाद सुन लिया है।"

सेनाओं के प्रभु के कानों तक
याकूब "कान" शब्द को प्रभु के काम में ले रहा है। इसका अनुवाद है, "सर्व शक्तिमान परमेश्वर ने लवने वालों की आह सुन ली है।"

तुम पृथ्वी पर भोग विलास में लगे रहे और बड़ा ही सुख भोगा
"तुम्हारे पास आवश्यकता से कहीं अधिक धन संपदा है।"

तुमने इस वध के दिन के लिए अपने हृदय का पालन पोषण करके उसको मोटा ताजा किया है।
यहाँ मनुष्य की अधिकाधिक पाने की लालसा की तुलना उस बछड़े से की गई है जो खा-खाकर मोटा ताजा हो जाता है। "तुम्हारी लालसा ने तुम्हें कठोर अनन्त दण्ड के लिए ही तैयार किया है।"

धर्मी को
"न्यायोचित्त काम करने वाले मनुष्य का।"

वह तुम्हारा सम्मान नहीं करता
"वह तुम्हारा सम्मान नहीं करता"

James 5:7

धीरज धरो
"अत: धीरजधारक शान्त चित्त हो जाओ।"

प्रभु के आगमन तक
अर्थात जब प्रभु यीशु अपना राज्य स्थापित करने इस पृथ्वी पर पुन: आयेगा और सबका न्याय करेगा। "मसीह के पुन: आगमन तक"

किसान
याकूब विश्वासियों की तुलना किसानों से करता है कि धीरज के महत्व पर बल दे।

अपने हृदय को दृढ़ करो
यह एक मुहावरा है जिसका अनुवाद हो सकता है, "समर्पित रहो" या "विश्वास दृढ़ रखो।"

प्रभु का आगमन निकट है।
"मसीह शीघ्र ही आने वाला है।"

James 5:9

x
याकूब अपने पाठकों में धनवान यहूदियों से सब यहूदी विश्वासियों को संबोधित कर रहा है।

हे भाइयों, एक दूसरे पर दोष न लगाओ
याकूब पुन: सब विश्वासियों को संबोधित कर रहा है।

एक दूसरे पर
"आपस में"

ताकि तुम दोषी न ठहरो
इसका अनुवाद कतृवाच्य क्रिया में किया जा सकता है, "ताकि मसीह तुम्हें दण्ड न दे।"

देखो हाकिम द्वार पर खड़ा है।
याकूब यीशु की तुलना अब मनुष्य से कर रहा है जो द्वार में प्रवेश कर रहा है कि संसार का न्याय करने के लिए यीशु के पुन: आगमन पर बल दे। इसका अनुवाद होगा, "शीघ्र आने वाला है"

जिन भविष्यद्वक्ताओं ने प्रभु के नाम से बातें कीं उनको दुख उठाने और धीरज धरने का एक आदर्श समझो।
"भविष्यद्वक्ताओं ने बहुत कष्ट उठाये परन्तु धीरज रखा।"

प्रभु के नाम से बातें कीं।
"मनुष्यों को प्रभु के नाम का सन्देश सुनाया।"

देखो
"देखो" शब्द द्वारा अग्रिम चर्चा पर बल दिया गया है। "अब ध्यान से सुनो" या "स्मरण रखो"

धीरज न धरने वालों को
"जो सहनशील हैं" या "जो कष्टों में स्थिर रहते हैं।"

प्रभु की अत्यन्त करूणा और दया प्रकट होती है।
"प्रभु सदैव अनुकंपा और दया दर्शाता है।"

James 5:12

सबसे श्रेष्ठ
इस मुहावरे का अनुवाद हो सकता है, "सबसे महत्वपूर्ण बात है" या "विशेष बात तो यह है।"

हे मेरे भाइयों
"मेरे भाइयों और बहनों"

शपथ न खाना
किसी ऊंचे अधिकार के अधीन कुछ करने की वाचा देना। वैकल्पिक अनुवाद "शपथ नहीं खाना" या "वचन नहीं देना"

न स्वर्ग की, न पृथ्वी की
"स्वर्ग" और "पृथ्वी" शब्द लाक्षणिक हैं जो स्वर्ग और पृथ्वी की शक्तियों का संदर्भ देते हैं। (यू.डी.बी)

हाँ की हाँ और नहीं की नहीं हो
अर्थात "हाँ" कहते हो तो उसे करो शपथ खाने की आवश्यकता नहीं है।

कि तुम दण्ड के योग्य न ठहरो
"कि परमेश्वर तुम्हें दण्ड न दे।"

James 5:13

यदि तुम में से कोई दुखी है तो वह प्रार्थना करे।
"यदि कोई कष्टों से घिरा है तो वह प्रार्थना करे।"

यदि आनंदित है तो वह स्तुति के भजन गाये।
"यदि कोई आनंदित है तो वह गाकर स्तुति करे।"

यदि तुम में कोई रोगी है तो कलीसिया के प्राचीनों को बुलाये।
"यदि कोई रोगग्रस्त है तो वह कलीसिया के धर्मवृद्धों को बुलाकर"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

विश्वास की प्रार्थना के द्वारा रोगी बच जायेगा।
विश्वासी रोगी के लिए प्रार्थना करते हैं तो परमेश्वर उनकी प्रार्थना सुनता है और रोगियों का रोग हर लेता है। “प्रभु विश्वासियों को विश्वास के साथ प्रार्थना करते सुनता है, वह रोगी का रोग हर लेता है।”

James 5:16

एक दूसरे के सामने
“आपस में”

एक दूसरे के लिए
“भाइयों के लिए”

जिससे चंगे हो जाओ
इसका अनुवाद कतृवाच्य वाक्य में किया जा सकता है, “कि परमेश्वर तुम्हें ज्ञवास्थ्य प्रदान करे।”

धर्मी जन की प्रार्थना के प्रभाव से बहुत कुछ हो सकता है।
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “परमेश्वर का आज्ञाकारी जन जब प्रार्थना करता है तब परमेश्वर बड़े-बड़े काम करता है।”

गिड़गिड़ाकर
“यत्न से” या “प्रबल” या “मन की गहराई से”

तीन...छः
"3....6"

आकाश से वर्षा हुई
यहाँ आकाश का अभिप्राय परमेश्वर से है। “परमेश्वर ने वर्षा दी”

James 5:19

हे भाइयों
“मेरे विश्वासी भाइयों और बहनों”

यदि तुममें से कोई सत्य के मार्ग से भटक जाये और कोई उसको फेर लाये।
यह एक रूपक है। परमेश्वर की आज्ञा न मानने वाले विश्वासी की यहाँ एक भटकी हुई भेड़ से तुलना की गई है। वह विश्वासी जो ऐसे पथभ्रष्ट विश्वासी को प्रभु में लौटा लाता है वह उस चरवाहे के समान है जो भेड़ को लौटा कर पुनः वृन्द में ले आता है। इसका अनुवाद होगा, “यदि कोई परमेश्वर की आज्ञा मानना छोड़ देता है और दूसरा विश्वासी उसे पुनः आज्ञा पालन में सहायता प्रदान करता है।”

तो वह यह जान ले
“जो उस पथभ्रष्ट विश्वासी को लौटा लाया है यह जान ले”

भटके हुए पापी को फेर लायेगा।
“विश्वासी को जो परमेश्वर के सम्मान का जीवन नहीं जी रहा है ऐसा करने से रोक ले।”

वह एक प्राण को मृत्यु से बचायेगा और अनेक पापों पर परदा डालेगा।
याकूब “प्राण” शब्द के उपयोग द्वारा यह दर्शाना चाहता है कि मृत्यु इस जीवन की मृत्यु से अधिक है। “प्राण” पापी का द्योतक है। “मृत्यु” अर्थात आत्मिक मृत्यु। इसका अनुवाद होगा, “वह पापी को आत्मिक मृत्यु से बचायेगा और परमेश्वर उस पापी के सब पाप क्षमा कर देगा।”

Translation Questions

James 5:3

याकूब जिनको पत्र लिख रहा है उनमें धनवानों ने अन्तिम दिनों में क्या किया है जो उनके विरुद्ध गवाही देगा?
धनवानों ने धन बटोरा है।

James 5:4

इन धनवानों ने अपने मजदूरों के साथ कैसा व्यवहार किया था?
इन धनवानों ने मजदूरों की मजदूरी धोखा दे कर रखली थी।

James 5:6

इन धनवानों ने धर्मियों के साथ कैसा व्यवहार किया था?
उन्होने धर्मी को दोषी ठहराकर मार डाला।

James 5:7

प्रभु के आगमन के बारे में याकूब विश्वासियों से क्या कहता हैं?
विश्वासियों को प्रभु के आगमन तक धीरज धरना है।

James 5:10

याकूब के उदाहरण में पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं ने कैसा गुण प्रकट किया था?
पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं ने दुःख उठाया और धीरज धरा था।

James 5:12

याकूब विश्वासी के "हां" और "नहीं" के विषय क्या कहता है?
विश्वासी का "हा" हां हो और "नहीं" नहीं रहे।

James 5:14

रोगियों को क्या करना चाहिए?
रोगी प्राचीनों को बुलाएं कि वे उस पर तेल लगाकर प्रार्थना करें।

James 5:16

चंगाई पाने के लिए याकूब विश्वासियों को कौन से दो काम करने के लिए कहता है?
विश्वासी एक दूसरे के सामने अपने पापों को मानलें और प्रार्थना करें।

याकूब के अनुसार धर्मी जन की प्रार्थना हमें क्या सिखाती है?
एलिय्याह के उदाहरण से हमें समझ में आता है कि धर्मी जन की प्रार्थना के प्रभाव से बहुत कुछ हो जाता है।

James 5:20

जो किसी भटके हुए को लौटा लाता है वह क्या करता है?
यदि कोई सत्य के मार्ग से भटक जाए और कोई उसको फेर लाए तो जो कोई उस भटके हुए को फेर लाता है वह एक प्राण को मृत्यु से बचाता है और अनेक पापों पर परदा डालता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: 1 Peter

1 Peter

Chapter 1

1 पतरस की ओर से जो यीशु मसीह का प्रेरित है, उन परदेशियों के नाम, जो पुन्तुस, गलातिया, कप्पदुकिया, आसिया, और बितूनिया में तितर-बितर होकर रहते
हैं। **2** और परमेश्वर पिता के भविष्य ज्ञान के अनुसार, पवित्र आत्मा के पवित्र करने के द्वारा आज्ञा मानने, और यीशु मसीह के लहू के छिड़के जाने के लिये चुने
गए हैं*। तुम्हें अत्यन्त अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।

3 हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, जिसने यीशु मसीह को मरे हुओं में से जी उठने के द्वारा, अपनी बड़ी दया से हमें जीवित आशा
के लिये नया जन्म दिया, **4** अर्थात् एक अविनाशी और निर्मल, और अजर विरासत के लिये जो तुम्हारे लिये स्वर्ग में रखी है, **5** जिनकी रक्षा परमेश्वर की सामर्थ्य
से, विश्वास के द्वारा* उस उद्धार के लिये, जो आनेवाले समय में प्रगट होनेवाली है, की जाती है।

6 इस कारण तुम मगन होते हो, यद्यपि अवश्य है कि अब कुछ दिन तक नाना प्रकार की परीक्षाओं के कारण दुःख में हो, **7** और यह इसलिए है कि तुम्हारा
परखा हुआ विश्वास, जो आग से ताए हुए नाशवान सोने से भी कहीं अधिक बहुमूल्य है, यीशु मसीह के प्रगट होने पर प्रशंसा, महिमा, और आदर का कारण
ठहरे। (अय्यू. 23:10, भज. 66:10, यशा. 48:10, याकू. 1:12)

8 उससे तुम बिन देखे प्रेम रखते हो, और अब तो उस पर बिन देखे भी विश्वास करके ऐसे आनन्दित और मगन होते हो, जो वर्णन से बाहर और महिमा से भरा
हुआ है, **9** और अपने विश्वास का प्रतिफल अर्थात् आत्माओं का उद्धार प्राप्त करते हो।

10 इसी उद्धार के विषय में उन भविष्यद्वक्ताओं ने बहुत ढूँढ़-ढाँढ़ और जाँच-पड़ताल की, जिन्होंने उस अनुग्रह के विषय में जो तुम पर होने को था, भविष्यद्वाणी
की थी।

11 उन्होंने इस बात की खोज की कि मसीह का आत्मा जो उनमें था, और पहले ही से मसीह के दुःखों की और उनके बाद होनेवाली महिमा की गवाही देता था,
वह कौन से और कैसे समय की ओर संकेत करता था। (2 पत. 1:21, यशा. 52:13-14, लूका 24:25-27) **12** उन पर यह प्रगट किया गया कि वे अपनी नहीं
वरन् तुम्हारी सेवा के लिये ये बातें कहा करते थे, जिनका समाचार अब तुम्हें उनके द्वारा मिला जिन्होंने पवित्र आत्मा के द्वारा जो स्वर्ग से भेजा गया, तुम्हें
सुसमाचार सुनाया, और इन बातों को स्वर्गदूत भी ध्यान से देखने की लालसा रखते हैं।

13 इस कारण अपनी-अपनी बुद्धि की कमर बाँधकर, और सचेत रहकर उस अनुग्रह की पूरी आशा रखो, जो यीशु मसीह के प्रगट होने के समय तुम्हें
मिलनेवाला है। **14** और आज्ञाकारी बालकों के समान अपनी अज्ञानता के समय की पुरानी अभिलाषाओं के सदृश न बनो।

15 पर जैसा तुम्हारा बुलानेवाला पवित्र है, वैसे ही तुम भी अपने सारे चाल-चलन में पवित्र बनो। **16** क्योंकि लिखा है, “पवित्र बनो, क्योंकि मैं पवित्र हूँ*।”
(लैव्य. 11:44, लैव्य. 19:2, लैव्य. 20:7) **17** और जब कि तुम, ‘हे पिता’ कहकर उससे प्रार्थना करते हो, जो बिना पक्षपात हर एक के काम के अनुसार न्याय
करता है, तो अपने परदेशी होने का समय भय से बिताओ। (2 इति. 19:7, भज. 28:4, यशा. 59:18, यिर्म. 3:19, यिर्म. 17:10)

18 क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हारा निकम्मा चाल-चलन जो पूर्वजों से चला आता है उससे तुम्हारा छुटकारा चाँदी-सोने अर्थात् नाशवान वस्तुओं के द्वारा नहीं
हुआ, (भज. 49:7-8, गला. 1:4, यशा. 52:3) **19** पर निर्दोष और निष्कलंक मेम्ने अर्थात् मसीह के बहुमूल्य लहू के द्वारा हुआ।

20 मसीह को जगत की सृष्टि से पहले चुना गया था, पर अब इस अन्तिम युग में तुम्हारे लिये प्रगट हुआ। **21** जो उसके द्वारा उस परमेश्वर पर विश्वास करते हो,
जिसने उसे मरे हुओं में से जिलाया, और महिमा दी कि तुम्हारा विश्वास और आशा परमेश्वर पर हो।

22 अतः जब कि तुम ने भाईचारे के निष्कपट प्रेम के निमित्त सत्य के मानने से अपने मनों को पवित्र किया है, तो तन-मन लगाकर एक दूसरे से अधिक प्रेम
रखो। **23** क्योंकि तुम ने नाशवान नहीं पर अविनाशी बीज से परमेश्वर के जीविते और सदा ठहरनेवाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया है।

24 क्योंकि “हर एक प्राणी घास के समान है, और उसकी सारी शोभा घास के फूल के समान है:

घास सूख जाती है, और फूल झड़ जाता है।
25 परन्तु प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहता है*।”

और यह ही सुसमाचार का वचन है जो तुम्हें सुनाया गया था। (लूका 16:17, 1 यूह. 1:1, यशा. 40:8)

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Peter 1:1

पतरस, जो यीशु मसीह का प्रेरित है
पतरस, जो यीशु मसीह का प्रेरित अपने आप को पहचान रहा है। “मैं, पतरस, यीशु मसीह का संदेशवाहक आपको लिख रहा हूँ (बहुवचन)”

पुन्तुस
यह आज के समय का उत्तर तुर्की है।

गलातिया
यह आज के समय का मध्य तुर्की है।

कप्पदुकिया
यह आज के समय का पूर्वी तुर्की है।

आसिया
यह आज के समय का पश्चिमी मध्य तुर्की है।

बिथुनिया
यह आज के समय का उत्तर-पश्चिम तुर्की है।

भविष्य ज्ञान
संभवतः इसका अर्थ है : 1) एक घटना के होने से पूर्व इसकी जानकारी 2) “पहले से निश्चित” (यू.दी.बी)।

उसके लहू का छिड़का जाना
यह प्रभु यीशु मसीह के लहू का एक बलिदान के रूप में हवाला देता है और जब मूसा ने इस्राएल देश पर लहू छिड़का था। .

तुम्हें अनुग्रह मिले
जिन लोगों को वह लिख रहा है उनके मध्य तुम्हें अनुग्रह मिले एक आम तौर पर प्रयोग किए जाने वाला अभिवादन है। यहाँ कुछ भाषाओं में अपने आम तौर पर प्रयोग किए जाने वाले अभिवादन का प्रयोग करना अधिक प्राकृतिक है। “तुम” और “तुम्हारा” शब्दों से अभिप्राय उन विश्वासियों से हैं जो ऊपर लिखे भौगोलिक स्थानों में रहते हैं।

1 Peter 1:3

हमारे प्रभु यीशु मसीह
“हमारे” और “हम” शब्दों का तात्पर्य व्यक्ति से है, पतरस और जिन विश्वासियों का ज़िक्र

उसने हमें एक नया जन्म दिया
लेखक हमारे आत्मिक जन्म के विषय में बात कर रहा है जो कि हमें केवल यीशु के द्वारा दिया गया है। “उसने हमें जीवित आशा के लिए नया जन्म दिया।”

मीरास के लिए आत्मविश्वास के लिए
“हम जानते हैं कि वह अपना वचन सब के लिए पूरा करेगा।“ (यु.डी.बी)

सुरक्षित
“हमारे लिए बचाया है” या “हमारे लिए रखा है” (यु.डी.बी)

चिन्हित
“पाप की क्षति से परे” या “जिसे पाप क्षति नहीं पहुँचा सकता”

अंतिम दिनों में
“जब मसीह पृथ्वी पर वापिस लौटेगा”

1 Peter 1:6

तुम इसमें आन्दित होते हो
तुम इसमें आन्दित होते हो शब्द का अर्थ उन सभी आशीषों से है “आप परमेश्वर ने जो किया है उसके लिए आन्दित हैं”

इसलिए अब तुम्हारे लिये दुःख अनुभव करना आवश्यक है
“अवश्य है कि अभी तुम दुःख में हो”

वह सोने से भी कहीं अधिक बहुमूल्य है
“परमेश्वर तुम्हारे विश्वास की सोने से कहीं अधिक मूल्यवान समझता है”

जो तुम्हारे विश्वास की परख करने वाली आग में नाश हो जाता है
जो तुम्हारे विश्वास की परख करने वाली आग में नाश हो जाता है “चाहे सोने की परख आग से होती है, यह हमेशा के लिए नहीं रहता”

यीशु मसीह के प्रकट होने पर
“जब यीशु मसीह वापिस आएगा”

1 Peter 1:8

तुमने उसे नहीं देखा है
“तुमने उसे अपनी आँखों से नहीं देखा है” या “तुमने उसका शारीरिक रूप में अवलोकन नहीं किया है। ”

1 Peter 1:11

उन्होंने जानने के लिए खोज की
“उन्होंने जानने की कोशिश की” या “उन्होंने इसके विषय में पूछताछ” शब्द “वे” का तात्पर्य भविष्यवक्ताओं से है।

वे अपनी नहीं वरन तुम्हारी सेवा के लिए ये बातें कहा करते थे
कुछ भाषाओं में सकारात्मक को नकारात्मक से पूर्व लगाना बहुत आसान है। "वे अपनी नहीं वरन तुम्हारी सेवा के लिए ये बातें कहा करते थे”

1 Peter 1:13

अपनी बुद्धि की कमर बाँध कर
“अपने मन को कार्य के लिए तैयार कर लो”। चोगा पहना हुआ व्यक्ति, अपने आप को काम के लिए तैयार करने के लिए अपने चोगे को अपनी कमर-पेटी के अन्दर डाल लेगा

सचेत रहो
सचेत रहो “आत्म-सयंमी बनो”

1 Peter 1:15

एकमात्र
“परमेश्वर”

बिना पक्षपात के
“निष्पक्ष रूप से”

अपने परदेशी होने का समय भय से बिताओ
“पृथ्वी पर अपने रहने के समय के दौरान परमेश्वर के लिए आदर सहित रहो”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Peter 1:18

उससे तुम्हारा छुटकारा... हुआ
“परमेश्वर ने तुमको उससे छुटकारा दिलाया है” या “परमेश्वर ने तुमको बचाया”

मेमने के रूप में
उसका बलिदान इस लिए दिया गया था कि परमेश्वर आपके पाप माफ़ कर देगा।

निर्दोष और निष्कलंक
“बिना किसी दोष के” यहाँ, एक ही विचार को दो प्रकार से व्यक्त किया गया है।

1 Peter 1:20

यीशु चुना गया था
“परमेश्वर ने यीशु को चुना”

उसे तुम पर प्रगट किया गया
“परमेश्वर के द्वारा तुम उसे जान पाए

जगत की उत्पति
“रचना का आरम्भ”

1 Peter 1:22

भाईचारे में प्रीति
यह मित्रों और सम्बन्धियों में प्राकृतिक मानवीय प्रेम है

एक दूसरे से हृदय की गहराई से प्रेम रखो
“एक दूसरे से सच्चाई और गहराई से प्रेम रखो”

नाश न होने वाला
“नाश न होने वाला” या “स्थाई”

1 Peter 1:24

हर एक प्राणी घास के समान है
“सब प्राणी घास के समान नाशवान हैं। (यु.डी.बी)

उसकी सारी शोभा घास के फूल के समान है
“और मनुष्यों की सब महानता हमेशा नहीं रहेगी”(यु.डी.बी)

यही सुसमाचार है जो तुम्हें सुनाया गया था
“यही सुसमाचार का वचन है जो तुम्हें सुनाया गया था”

Translation Questions

1 Peter 1:1

पतरस किसका प्रेरित था?
पतरस मसीह यीशु का प्रेरित था।

पतरस ने किसे पत्र लिखा था?
पतरस ने उन विस्थापित विश्वासियों को पत्र लिखा था जो पुन्तुस, गलातिया,कप्पदुकिया, आसिया, और बिथुनिया में रहते थे।

ये परदेशी कैसे चुने हुए कहलाए?
वे परमेश्वर पिता के भविष्य ज्ञान के अनुसार आत्मा के पवित्र करने के द्वारा चुन लिए गए थे।

1 Peter 1:3

पतरस इन चुने हुओं के लिए क्या कामना करता है?
पतरस की मनोकामना थी कि उन्हे अनुग्रह और शान्ति बहुतायत से मिले।

पतरस किसका धन्यवाद करना चाहता था?
पतरस हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद करना चाहता है।

परमेश्वर ने हमें नया जन्म कैसे दिया हैं?
परमेश्वर ने हमें बड़ी दया से नया जन्म दिया है।

1 Peter 1:4

वह मीरास अविनाशी, निर्मल और अजर कैसे हैं?
क्योंकि उनके लिए स्वर्ग में मीरास सुरक्षित है।

1 Peter 1:5

वह परमेश्वर के सामर्थ्य से किस माध्यम से सुरक्षित होती है?
उसकी रक्षा परमेश्वर के सामर्थ्य विश्वास के द्वारा उस उद्धार के लिए जो आनेवाले समय में प्रकट होनेवाली है, की जाती है।

1 Peter 1:7

नाना प्रकार की परीक्षाओं के कारण उन्हे दु:ख उठाना क्यों आवश्यक था?
यह इसलिए कि उनका परखा हुआ विश्वास यीशु मसीह के प्रकट होने पर प्रशंसा और महिमा और आदर का कारण ठहरे।

नाशमान सोने से अधिक मूल्यवान क्या है?
विश्वास सोने से भी कहीं अधिक बहुमूल्य है।

1 Peter 1:8

इन चुने हुए परदेशियों ने मसीह यीशु को नहीं देखा था, तोभी उन्होने क्या किया?
वे उससे बिन देखे प्रेम करते थे और उस पर विश्वास करके ऐसे आनन्दित और मगन थे जो वर्णन से बाहर और महिमा से भरा हुआ है।

1 Peter 1:9

विश्वासियों ने परिणाम स्वरूप क्या पाया है?
उन्होने अपनी आत्माओं का उद्धार प्राप्त किया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Peter 1:10

भविष्यद्वक्ताओं ने किस बात की खोज और जांच पड़ताल की थीं?
उनके उद्धार और अनुग्रह के बारे में भविष्यद्वक्ताओं ने बहुत खोज और जांच पड़ताल की।

1 Peter 1:11

मसीह का आत्मा भविष्यद्वक्ताओं को किस बात का पूर्व ज्ञान प्रदान करता था?
वह उन्हे मसीह के दु:खों और आनेवाली महिमा के बारे में बता रहा था।

1 Peter 1:12

भविष्यद्वक्ता अपनी जांच पड़ताल और खोज के द्वारा किसकी सेवा करते थे?
वे इन चुने हुओं की सेवा के लिए ये बातें कहा करते थे।

भविष्यद्वक्ताओं की खोज और जांच पड़ताल का परिणाम देखने की लालसा किसमें थी?
स्वर्गदूत भी परिणाम देखने की लालसा रखते थे।

1 Peter 1:13

पतरस उनसे क्या कहता है कि वे आज्ञाकारी बालकों के समान करें?
वह उनसे कहता है कि वे अपनी बुद्धि की कमर बांध कर और सचेत रहकर उस अनुग्रह की पूरी आशा रखें जो यीशु मसीह के प्रकट होने के समय उन्हे मिलनेवाला है, वे पुरानी अभिलाषाओं के सदृश्य न बनें।

1 Peter 1:15

पतरस इन चुने हुओं को पवित्र रहने के लिए क्यों कहता है?
क्योंकि जिसने उन्हे बुलाया वह पवित्र है।

1 Peter 1:17

इन परदेशी चुने हुओं को अपना समय भय से क्यों बिताना था?
वे हर एक के काम के अनुसार निष्पक्ष न्याय करनेवाले को "हे पिता" कहकर प्रार्थना करते थे।

1 Peter 1:18

ये परदेशी चुने हुए विश्वासी किससे उद्धार पाए हुए थे?
उनका उद्धार सोने चांदी से नहीं, मसीह के बहुमूल्य लहू से हुआ था एक निर्दोष और निष्कलंक मेम्ने का लहू।

1 Peter 1:19

इन परदेशी चुने हुए विश्वासियों के निकम्मे चालचलन का कारण क्या था?
उनका निकम्मा चालचलन बाप दादों से चला आ रहा था।

1 Peter 1:20

मसीह का चुनाव कब हुआ था और कब वह प्रकट हुआ?
उसका ज्ञान (मसीह) तो जगत की उत्पत्ति के पहले ही से जाना गया था, पर अब इस अन्तिम युग में उनके लिए प्रगट हुआ था।

ये चुने हुए परदेशी परमेश्वर में विश्वास और आशा कैसे करने लगे थे?
परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया और महिमा दी, उसके द्वारा वे परमेश्वर में विश्वास करते थे।

1 Peter 1:22

इन चुने हुए परदेशियों ने अपने मनों को पवित्र कैसे किया था?
उन्होने भाई चारे की निष्कपट प्रीति के निमित्त सत्य के मानने से अपने मनों को पवित्र किया था।

1 Peter 1:23

इन चुने हुए परदेशियों ने नया जन्म कैसे पाया था?
उन्होने अविनाशी बीज से परमेश्वर जीवते और सदा ठहरने वाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया था।

1 Peter 1:24

प्राणी और उसकी महिमा किसके समान है?
हर एक प्राणी घास के समान है और उसकी महिमा घास के फूल के समान ही है।

1 Peter 1:25

प्रभु का वचन का क्या होता है?
प्रभु का वचन युगानयुग स्थिर बना रहता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 इसलिए सब प्रकार का बैर-भाव, छल, कपट, डाह और बदनामी को दूर करके, **2** नये जन्मे हुए बच्चों के समान निर्मल आत्मिक दूध की लालसा करो*, ताकि
उसके द्वारा उद्धार पाने के लिये बढ़ते जाओ, **3** क्योंकि तुम ने प्रभु की भलाई का स्वाद चख लिया है। (भज. 34:8)

4 उसके पास आकर, जिसे मनुष्यों ने तो निकम्मा ठहराया, परन्तु परमेश्वर के निकट चुना हुआ, और बहुमूल्य जीविता पत्थर है। **5** तुम भी आप जीविते पत्थरों
के समान आत्मिक घर बनते जाते हो, जिससे याजकों का पवित्र समाज बनकर, ऐसे आत्मिक बलिदान चढ़ाओ, जो यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर को
ग्रहणयोग्य हो।

6 इस कारण पवित्रशास्त्र में भी आया है,

"देखो, मैं सिय्योन में कोने के सिरे का चुना हुआ
और बहुमूल्य पत्थर धरता हूँ:
और जो कोई उस पर विश्वास करेगा, वह किसी रीति से लज्जित नहीं होगा।" (यशा. 28:16)

7 अतः तुम्हारे लिये जो विश्वास करते हो, वह तो बहुमूल्य है, पर जो विश्वास नहीं करते उनके लिये,

"जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया था,
वही कोने का सिरा हो गया," (भज. 118:22, दानि. 2:34-35)

8 और,

"ठेस लगने का पत्थर*
और ठोकर खाने की चट्टान हो गया है,"

क्योंकि वे तो वचन को न मानकर ठोकर खाते हैं और इसी के लिये वे ठहराए भी गए थे। (1 कुरि. 1:23, यशा. 8:14-15)

9 पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राज-पदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और परमेश्वर की निज प्रजा हो, इसलिए कि जिसने तुम्हें अंधकार में से
अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो। (निर्ग. 19:5-6, व्य. 7:6, व्य. 14:2, यशा. 9:2, यशा. 43:20-21)

10 तुम पहले तो कुछ भी नहीं थे,
पर अब परमेश्वर की प्रजा हो;
तुम पर दया नहीं हुई थी
पर अब तुम पर दया हुई है। (होशे 1:10, होशे 2:23)

11 हे प्रियों मैं तुम से विनती करता हूँ कि तुम अपने आपको परदेशी और यात्री जानकर उन सांसारिक अभिलाषाओं से जो आत्मा से युद्ध करती हैं, बचे रहो।
(गला. 5:24, 1 पत. 4:2) **12** अन्यजातियों में तुम्हारा चाल-चलन भला हो; इसलिए कि जिन-जिन बातों में वे तुम्हें कुकर्मी जानकर बदनाम करते हैं, वे तुम्हारे
भले कामों को देखकर उन्हीं के कारण कृपा-दृष्टि के दिन परमेश्वर की महिमा करें। (मत्ती 5:16, तीतु. 2:7-8)

13 प्रभु के लिये मनुष्यों के ठहराए हुए हर एक प्रबन्ध के अधीन रहो, राजा के इसलिए कि वह सब पर प्रधान है, **14** और राज्यपालों के, क्योंकि वे कुकर्मियों
को दण्ड देने और सुकर्मियों की प्रशंसा के लिये उसके भेजे हुए हैं। **15** क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है, कि तुम भले काम करने से निर्बुद्धि लोगों की अज्ञानता
की बातों को बन्द कर दो। **16** अपने आप को स्वतंत्र जानो* पर अपनी इस स्वतंत्रता को बुराई के लिये आड़ न बनाओ, परन्तु अपने आपको परमेश्वर के दास
समझकर चलो। **17** सब का आदर करो, भाइयों से प्रेम रखो, परमेश्वर से डरो, राजा का सम्मान करो। (नीति. 24:21, रोम. 12:10)

18 हे सेवकों, हर प्रकार के भय के साथ अपने स्वामियों के अधीन रहो, न केवल भलों और नम्रों के, पर कुटिलों के भी। **19** क्योंकि यदि कोई परमेश्वर का
विचार करके अन्याय से दुःख उठाता हुआ क्लेश सहता है, तो यह सुहावना है। **20** क्योंकि यदि तुमने अपराध करके घूँसे खाए और धीरज धरा, तो उसमें क्या
बड़ाई की बात है? पर यदि भला काम करके दुःख उठाते हो और धीरज धरते हो, तो यह परमेश्वर को भाता है।

21 और तुम इसी के लिये बुलाए भी गए हो क्योंकि मसीह भी तुम्हारे लिये दुःख उठाकर, तुम्हें एक आदर्श दे गया है कि तुम भी उसके पद-चिन्ह पर चलो।

22 न तो उसने पाप किया,
और न उसके मुँह से छल की कोई बात निकली। (यशा. 53:9, 2 कुरि. 5:21)

23 वह गाली सुनकर गाली नहीं देता था, और दुःख उठाकर किसी को भी धमकी नहीं देता था, पर अपने आपको सच्चे न्यायी के हाथ में सौंपता था। (यशा.
53:7, 1 पत. 4:19)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

24 वह आप ही हमारे पापों को अपनी देह पर लिए हुए* क्रूस पर चढ़ गया, जिससे हम पापों के लिये मर करके धार्मिकता के लिये जीवन बिताएँ। उसी के मार खाने से तुम चंगे हुए। (यशा. 53:4-5,12, गला. 3:13) **25** क्योंकि तुम पहले भटकी हुई भेड़ों के समान थे, पर अब अपने प्राणों के रखवाले और चरवाहे के पास फिर लौट आ गए हो। (यशा. 53:6, यहे. 34:5-6)

---

1 Peter 2:1

इसलिए दूर करो
"इसलिए करना बंद करो"

नए जन्में हुए बच्चों के समान
विश्वासियों की नए जन्में बच्चों से समानता की गई है जिन्हें बढ़ने के लिए दूध की आवश्यकता होती है

लालसा करो
"तीव्र इच्छा करो" या "के लिए तरसो"

ताकि तुम उद्धार में बढ़ पाओ
"तुम आत्मिक उन्नति पाओ।" "तुम" शब्द का अभिप्राय पहले अध्याय में उल्लेखित विश्वासियों से है।

यदि तुमने प्रभु की कृपा का स्वाद चख लिया है
"क्योंकि तुमने अनुभव कर लिया है कि परमेश्वर की तुम पर कृपा हुई है" (यु.डी.बी)

1 Peter 2:4

उसके पास आओ जो बहुमूल्य जीवता पत्थर है
यीशु की उपमा एक इमारत की स्थापना में सबसे महत्वपूर्ण पत्थर से की गई है।

लोगों द्वारा ठुकराया
"कुछ लोगों द्वारा ठुकराया" या "अनेक लोगों द्वारा ठुकराया गया"

1 Peter 2:6

पवित्र शास्त्र यह कहता है

> "परमेश्वर ने मसीह के विषय में यह लिखवाया"

ध्यान दो
"मैं तुम्हें कुछ महत्वपूर्ण बता रहा हूँ" या "सुनो!" "ध्यान दो" शब्द यहाँ हमें आगे दी गई चौंकाने वाली जानकारी की ओर ध्यान देने के लिए सचेत करता है। आपकी भाषा में ऐसा करने का एक तरीका हो सकता है।

एक कोने का सिरा, मुख्य, चुना हुआ और बहुमूल्य
वैकल्पिक अनुवाद: सबसे महत्वपूर्ण कोने का पत्थर"

1 Peter 2:7

जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया था
"पत्थर जिसे राजमिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया था"

ठेस लगने का पत्थर और ठोकर खाने की चट्टान
इन दोनों वाक्यों का समान अर्थ है और इन्हें ज़ोर डालने के लिए जोड़ा गया है

1 Peter 2:9

तुम एक चुना हुआ वंश
शब्द "तुम" का तात्पर्य मसीह में विश्वासियों से है।

तुम्हें बुलाया है
"तुम्हें सामने आने के लिए बुलाया है" या "तुम्हें इन से पीछे हटने के लिए बुलाया है"

1 Peter 2:11

आत्मा से युद्ध
"तुम्हारे परमेश्वर पर विश्वास को नष्ट करने की ताक में हैं"

1 Peter 2:13

अपनी स्वतन्त्रता पर स्वामित्व मत रखो
"अपनी स्वतंत्रता का प्रयोग करो"

कुकर्मों के लिए ढाल के रूप में
"बुराई करने के लिए बहाने के रूप में"

1 Peter 2:18

सेवकों
वे विश्वासी घरेलु सेवक थे।

1 Peter 2:21

तुम इसी के लिए बुलाए भी गए हो
संभावित अर्थ: 1) "तुम्हें दुःख के समय इस प्रकार का बर्ताव करना चाहिए क्योंकि इसी प्रकार मसीह ने अपने दुःख में बर्ताव किया" 2) "परमेश्वर द्वारा तुम्हें चुने जाने का एक कारण यह भी है कि तुम उसके लिए दुःख सहो"।

क्योंकि जब उसकी निन्दा की गई थी, उसने भी किसी की निन्दा नहीं की
"जब लोगों ने यीशु को अपमानित किया, उसने उन्हें भी अपमानित नहीं किया।"

1 Peter 2:24

वह अपने आप
इसका तात्पर्य यीशु से है ज़ोर देने के लिए प्रयोग किया गया है।

हमारे पाप
हर स्थान पर "हमारे" और "हम" का भाव वक्ता पतरस से और जिन विश्वासियों का उल्लेख इसमें किया गया है उनसे है ।

उसी के मार खाने से तुम चंगे हुए।
"परमेश्वर ने तुम्हें मसीह के घावों के द्वारा चंगाई दी है।"

तुम सब भटक रहे थे
शब्द "तुम" विश्वासियों को सम्बोधित करता है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अपने प्राणों के रखवाले और अध्यक्ष
“यीशु तुम्हारी अगुवाई और सुरक्षा करता है”

Translation Questions

1 Peter 2:1

इन चुने हुए परदेशियों से क्या दूर करने को कहा गया था?
उनसे कहा गया कि वे सब प्रकार का बैर भाव और छल और कपट और डाह और निन्दा दूर करें।

1 Peter 2:2

इन चुने हुए परदेशियों निर्मल आत्मिक दूध की लालसा क्यों करनी थी?
उन्हे निर्मल आत्मिक दूध की लालसा करना थी ताकि उसके द्वारा उद्धार पाने के लिए आगे बढ़ते जाएं।

1 Peter 2:4

जीवित पत्थर कौन है जिसे मनुष्यों ने निकम्मा जाना परन्तु परमेश्वर ने चुन लिया?
मसीह यीशु जीवित पत्थर है।

1 Peter 2:5

ये चुने हुए परदेशी जीवित पत्थर क्यों थे?
वे भी जीवित पत्थरों के समान आत्मिक घर बन रहे थे जिससे याजकों का पवित्र समाज बन कर कभी लज्जित न हो वरन् आदर पाएं।

1 Peter 2:7

वचन को न मानने के कारण राजमिस्त्रियों ने ठोकर क्यों खाई?
राजमिस्त्रियों ने ठोकर खाई क्योंकि उन्हे उसी के लिए नियुक्त किया गया था।

1 Peter 2:9

वे एक चुना हुआ वंश, राज पदधारी याजकों का समाज, पवित्र लोग और परमेश्वर की निज प्रजा क्यों हुए?
वे तो इसलिए चुने गए थे कि वे परमेश्वर के अद्भुत कामों का वर्णन करें।

1 Peter 2:11

पतरस उन प्रियजनों को अभिलाषाओं से बचने को क्यों कहता हैं?
वे अभिलाषाओं से बचें और चालचलन भला रखें कि जो उन्हे बदनाम करते थे उनके भले कामों को देखकर परमेश्वर की महिमा करें।

1 Peter 2:13

उन चुने हुए परदेशियों को मनुष्यों के ठहराए हुए हर एक प्रबन्ध के अधीन क्यों रहना था?
वे मनुष्यों के ठहराए हुए हर एक प्रबन्ध के अधीन रहें क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है कि वे भले कामों द्वारा निर्बुद्धि लोगों की अज्ञानता की बातों को बन्द कर पाएं।

1 Peter 2:16

अपनी स्वतंत्रता को बुराई के लिए आड़ बनाने की अपेक्षा उन चुने हुए परदेशियों को क्या करना था?
उन्हे अपनी स्वतंत्रता को परमेश्वर के दास होने के लिए रखें।

1 Peter 2:18

सेवकों के लिए क्यों आवश्यक था कि वे अपने स्वामियों के अधीन रहे, कुटिल स्वामियों के भी?
वे जो सेवक थे हर प्रकार के भय के साथ अपने स्वामियों के अधीन रहें, न केवल भले और नम्र के परन्तु कुटिल के भी क्योंकि यदि कोई परमेश्वर का विचार करके अन्याय से दुःख उठाता हुआ क्लेश सहता है तो यह परमेश्वर को भाता है।

1 Peter 2:21

सेवकों के लिए भलाई के लिए दुःख उठाने की बुलाहट क्यों दी गई थी?
मसीह दुःख उठाकर एक आदर्श दे गया कि विश्वासी उसके पद चिन्हों पर चलें, वह अपने आप को सच्चे न्यायी के हाथ में सौंपता था।

1 Peter 2:24

मसीह ने पतरस, परदेशी, चुने हुओं, और सेवकों के पापों को अपनी देह पर उठाकर क्रूस क्यों सहा?
वह हमारे पापों को अपनी देह में लेकर क्रूस पर चढ़ गया जिससे कि हम पापों के लिए मर कर धार्मिकता का जीवन बिताएं, उसी के मार खाने से हम चंगे हुए।

1 Peter 2:25

खोई हुए भेड़ों के समान भटकने के बाद वे किस के पास लौट आए थे?
वे अपने प्राणों के रखवाले और चरवाहे के पास लौट आए थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 हे पत्नियों, तुम भी अपने पति के अधीन रहो। इसलिए कि यदि इनमें से कोई ऐसे हो जो वचन को न मानते हों, **2** तो भी तुम्हारे भय सहित पवित्र चाल-चलन को देखकर बिना वचन के अपनी-अपनी पत्नी के चाल-चलन के द्वारा खिंच जाएँ।

3 और तुम्हारा श्रृंगार दिखावटी न हो*, अर्थात् बाल गूँथने, और सोने के गहने, या भाँति-भाँति के कपड़े पहनना। **4** वरन् तुम्हारा छिपा हुआ और गुप्त मनुष्यत्व, नम्रता और मन की दीनता की अविनाशी सजावट से सुसज्जित रहे, क्योंकि परमेश्वर की दृष्टि में इसका मूल्य बड़ा है।

5 और पूर्वकाल में पवित्र स्त्रियाँ भी, जो परमेश्वर पर आशा रखती थीं, अपने आपको इसी रीति से संवारती और अपने-अपने पति के अधीन रहती थीं। **6** जैसे सारा अब्राहम की आज्ञा मानती थी और उसे स्वामी कहती थी। अतः तुम भी यदि भलाई करो और किसी प्रकार के भय से भयभीत न हो तो उसकी बेटियाँ ठहरोगी।

7 वैसे ही हे पतियों, तुम भी बुद्धिमानी से पत्नियों के साथ जीवन निर्वाह करो और स्त्री को निर्बल पात्र* जानकर उसका आदर करो, यह समझकर कि हम दोनों जीवन के वरदान के वारिस हैं, जिससे तुम्हारी प्रार्थनाएँ रुक न जाएँ।

8 अतः सब के सब एक मन और दयालु और भाईचारे के प्रेम रखनेवाले, और करुणामय, और नम्र बनो। **9** बुराई के बदले बुराई मत करो और न गाली के बदले गाली दो; पर इसके विपरीत आशीष ही दो: क्योंकि तुम आशीष के वारिस होने के लिये बुलाए गए हो। **10** क्योंकि

"जो कोई जीवन की इच्छा रखता है, और अच्छे दिन देखना चाहता है, वह अपनी जीभ को बुराई से, और अपने होंठों को छल की बातें करने से रोके रहे।
11 वह बुराई का साथ छोड़े, और भलाई ही करे; वह मेल मिलाप को ढूँढ़े, और उसके यत्न में रहे।
12 क्योंकि प्रभु की आँखें धर्मियों पर लगी रहती हैं, और उसके कान उसकी विनती की ओर लगे रहते हैं*, परन्तु प्रभु बुराई करनेवालों के विमुख रहता है।"
(भज. 34:15-16, यूह. 9:31, नीति. 15:29)

13 यदि तुम भलाई करने में उत्तेजित रहो तो तुम्हारी बुराई करनेवाला फिर कौन है? **14** यदि तुम धार्मिकता के कारण दुःख भी उठाओ, तो धन्य हो; पर उनके डराने से मत डरो, और न घबराओ,

15 पर मसीह को प्रभु जानकर अपने-अपने मन में पवित्र समझो, और जो कोई तुम से तुम्हारी आशा के विषय में कुछ पूछे, तो उसे उत्तर देने के लिये सर्वदा तैयार रहो, पर नम्रता और भय के साथ; **16** और विवेक भी शुद्ध रखो, इसलिए कि जिन बातों के विषय में तुम्हारी बदनामी होती है उनके विषय में वे, जो मसीह में तुम्हारे अच्छे चाल-चलन का अपमान करते हैं, लज्जित हों। **17** क्योंकि यदि परमेश्वर की यही इच्छा हो कि तुम भलाई करने के कारण दुःख उठाओ, तो यह बुराई करने के कारण दुःख उठाने से उत्तम है।

18 इसलिए कि मसीह ने भी, अर्थात् अधर्मियों के लिये धर्मी ने पापों के कारण एक बार दुःख उठाया, ताकि हमें परमेश्वर के पास पहुँचाए; वह शरीर के भाव से तो मारा गया, पर आत्मा के भाव से जिलाया गया। **19** उसी में उसने जाकर कैदी आत्माओं को भी प्रचार किया। **20** जिन्होंने उस बीते समय में आज्ञा न मानी जब परमेश्वर नूह के दिनों में धीरज धरकर ठहरा रहा, और वह जहाज बन रहा था, जिसमें बैठकर कुछ लोग अर्थात् आठ प्राणी पानी के द्वारा बच गए।

21 और उसी पानी का दृष्टान्त भी, अर्थात् बपतिस्मा, यीशु मसीह के जी उठने के द्वारा, अब तुम्हें बचाता है; (उससे शरीर के मैल को दूर करने का अर्थ नहीं है, परन्तु शुद्ध विवेक से परमेश्वर के वश में हो जाने का अर्थ है)। **22** वह स्वर्ग पर जाकर परमेश्वर के दाहिनी ओर बैठ गया; और स्वर्गदूतों, अधिकारियों और सामर्थियों को उसके अधीन किए गए हैं। (इफि. 1:20-21, भज. 110:1)

---

1 Peter 3:1

x
पतरस ने अभी-अभी विश्वासियों के दुःखों का और फिर मसीह के दुःखों का वर्णन किया है।

इसी प्रकार, हे पत्नियों, तुम भी अपने पति के अधीन रहो,
"इसलिए पत्नियों अपने पति की आज्ञा का पालन करो"

कोई ऐसे
"कोई ऐसे" शब्द का तात्पर्य पतियों से है।

उन्होंने देख लिया होगा
"वे" और "उन्हें" शब्द भी पतियों के विषय में प्रयोग किये गए हैं।

1 Peter 3:3

x
पतरस ने बिल्कुल अभी पत्नियों को अपने पतियों के अधीन रहने के लिए निर्देश दिया है।

ऐसा न होने दो
"ऐसा" शब्द को पत्नियों के लिए प्रयोग किया गया है जो अपने पति का आदर करती हैं।

बल्कि गुप्त मनुष्यत्व
"बल्कि इसे अंतर्मन से होने दो"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Peter 3:5

x
पतरस ने अभी पत्नियों को उनकी नम्रता और दीनता दिखाने के लिए कहा है

तुम अब उसकी संतान हो
“तुम” शब्द उन पत्नियों या स्त्रियों के सम्बन्ध में प्रयोग किया गया है जिन्हें यहाँ सम्बोधित किया गया है

1 Peter 3:7

x
पतरस ने अभी-अभी स्त्रियों को अपने पतियों को सम्मान देने का निर्देश दिया है।

इसी प्रकार
“जिस प्रकार आपकी पत्नियों को आपका सम्मान करना चाहिए”

यह करो
“यह” का प्रयोग यहाँ इस वचन में पतियों को उनके व्यवहार सम्बन्धी दिए गए आदेश के लिए किया गया है।

1 Peter 3:8

x
पतरस ने अभी-अभी पतियों और पत्नियों को एक दूसरे से किस प्रकार व्यवहार करना चाहिए सम्बन्धी निर्देश दिए हैं ताकि उनकी प्रार्थनाएं सुने जाने में बाधा न आए।

तुम सभी
इससे पिछले तीन खंड दासों, पत्नियों और पतियों को सम्बोधित करते हैं। यह खंड इन सभी समूहों और अन्य विश्वासियों को सम्बोधित करता है।

अपमान
कठोर शब्द या कार्य।

इसके विपरीत
“इसके विपरीत दिशा में”

तुम बुलाए गए थे
“परमेश्वर ने तुम्हें बुलाया है”

तुम आशीष के वारिस होने के लिये बुलाए गए हो।
“ताकि परमेश्वर तुम्हें आशीष दे सके”

1 Peter 3:10

x
पतरस ने अभी सभी विश्वासियों को निर्देश दिया है कि एक दूसरे से किस प्रकार का व्यवहार करें।

अपनी जीभ को बुराई और होठों को छल की बातें बोलने से रोकना चाहिए।
“झूठ बोलना और बुराई करना छोड़ दो”

परमेश्वर का चेहरा विमुख है
“परमेश्वर विरोध करता है।”

1 Peter 3:13

x
पतरस विश्वासियों को किस प्रकार जीना है के विषय में निर्देश देता रहा है।

यदि तुम भलाई करने के लिए उत्तेजित रहो तो तुम्हारी बुराई करने वाला फिर कौन है?
“यदि तुम भलाई करो तो कोई तुम्हें हानी नहीं पहुंचाएगा।“ शब्द “तुम” विश्वासियों को सम्बोधित करता है।

जिन बातों से उन्हें डर लगता है तुम उनसे मत डरो।
“ये दोनों वाक्य समान अर्थ रखते हैं और ज़ोर डाल कर कहने के लिए इन्हें जोड़ा गया है।”

1 Peter 3:15

x
पतरस विश्वासियों को धर्मिकता से जीने के लिए निर्देश देता रहा और उनसे न डरने के लिए जो उनका सताव करते हैं।

बल्कि, मसीह को प्रभु जानकर अपने मन में पवित्र समझो
“प्रभु यीशु मसीह का गहराई से आदर करो और इच्छापूर्वक उसकी आज्ञा का पालन करो।” यहाँ पहले दी गई सूची के अतिरिक्त एक विश्वासी को और क्या करना चाहिए उसके चिन्ह दिए हैं

बहुमूल्य
“पवित्र”, “बहुमूल्य”, या “संजोक कर रखा गया”

1 Peter 3:18

x
पतरस विश्वासियों को धर्मिता से जीने के लिए निर्देश देता रहा और उनसे न डरने के लिए जो उनका सताव करते हैं।

हमारे लिए दुःख उठाया
“हम” शब्द में वक्ता, पतरस और श्रोता दोनों शामिल हैं

आत्मा के भाव में, वह गया और उसने जाकर कैदी आत्माओं को भी प्रचार किया
मसीह के मारे जाने के बाद वह मरे हुओं के स्थानों में गया और आत्माओं में प्रचार किया।

1 Peter 3:21

x
पतरस विश्वासियों मसीह के दुःखों और मृत्यु और मसीह द्वारा पहले से मरे हुओं को प्रचार के विषय में बात करता आ रहा है।

जो तुम्हें बचाता है
जो तुम्हें बचाता है - शब्द “तुम्हें” विश्वासियों और पतरस दोनों को सम्बोधित करता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

1 Peter 3:1

पत्नियां अपने अपने पति के अधीन क्यों रहें?
पत्नियां अपने अपने पति के अधीन रहें क्योंकि वचन में विश्वास नहीं करनेवाले पति उनके चालचलन को देखकर खिंच जाएं।

1 Peter 3:3

पत्नियां अपने पति को कैसे जीतें?
पत्नियां बाहरी श्रृंगार की अपेक्षा मन की दीनता की अविनाशी सजावट से सुसज्जित रहें।

1 Peter 3:5

पतरस ने उदाहरण स्वरूप किस पवित्र स्त्री का नाम लिया जो परमेश्वर में विश्वास रखकर अपने पति के अधीन रहती थी?
पतरस ने सारा का उदाहरण दिया है।

1 Peter 3:7

पति बुद्धिमानी से पत्नियों के साथ निर्वाह क्यों करें?
पतियों को भी बुद्धिमानी से पत्नियों के साथ जीवन निर्वाह करना चाहिए जिससे उनकी प्रार्थनाएं न रुक जाएं।

1 Peter 3:8

पतरस सब चुने हुए परदेशियों को एक मन होने और आशिष देने के लिए क्यों कहता है?
वे आशिष के वारिस होने के लिए बुलाए गए थे।

1 Peter 3:10

जो जीवन की इच्छा रखता है वह उसे अपनी जीभ को बुराई से और होठों को छल की बातें करने से क्यों रोके रहे और क्यों भलाई करें?
क्योंकि प्रभु की आंखें धर्मियों पर लगी रहती हैं।

1 Peter 3:12

दुष्ट लोग जिन बातों से डरते और परेशान होते थे उनसे भयभीत होने की आपेक्षा इस चुने हुए परदेशियों को क्या करना आवश्यक था?
उन्हें मसीह को प्रभु जानकर अपने मन में पवित्र समझना है।

1 Peter 3:14

धन्य कौन हैं?
धर्म के कारण दुःख उठानेवाले धन्य है।

1 Peter 3:15

आशा के विषय पूछे जाने पर चुने हुए परदेशी सदैव किस प्रकार उत्तर देने के लिए तैयार रहें?
वे सर्वदा नम्रता और भय के साथ उत्तर देने के लिए सर्वदा तैयार रहें।

1 Peter 3:18

मसीह ने पापों के लिए एक बार दुःख क्यों उठाया?
मसीह ने एक बार दुःख उठाया कि पतरस और चुने हुए परदेशियों को परमेश्वर के पास पहुंचाए।

1 Peter 3:19

जिन आत्माओं के लिए मसीह ने कैद में प्रचार किया था वे बन्दी क्यों थीं?
कैदी आत्माओं ने उस समय आज्ञा न मानी थी जब परमेश्वर नूह के समय धीरज धरकर ठहरा रहा था।

1 Peter 3:20

जल प्रलय से कुछ लोगों का बचाया जाना किसका प्रतीक है?
उसी पानी का दृष्टान्त भी, अर्थात बपतिस्मा, यीशु मसीह के जी उठने के कारण, अब चुने हुए परदेशियों को शुद्ध विवेक से परमेश्वर के वश में हो जाने के द्वारा बचाता है।

1 Peter 3:22

यीशु स्वर्ग में परमेश्वर की दाहिनी और बैठा है तो स्वर्गदूत, अधिकारी और सामर्थी अब क्या करेंगे?
सब उसके अधीन किए गए हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 इसलिए जब कि मसीह ने शरीर में होकर दुःख उठाया तो तुम भी उसी मनसा को हथियार के समान धारण करो, क्योंकि जिसने शरीर में दुःख उठाया, वह
पाप से छूट गया, **2** ताकि भविष्य में अपना शेष शारीरिक जीवन मनुष्यों की अभिलाषाओं के अनुसार नहीं वरन् परमेश्वर की इच्छा के अनुसार व्यतीत करो।

3 क्योंकि अन्यजातियों की इच्छा के अनुसार काम करने, और लुचपन की बुरी अभिलाषाओं, मतवालापन, लीलाक्रीड़ा, पियक्कड़पन, और घृणित मूर्ति पूजा में
जहाँ तक हमने पहले से समय गँवाया, वही बहुत हुआ।

4 इससे वे अचम्भा करते हैं, कि तुम ऐसे भारी लुचपन में उनका साथ नहीं देते, और इसलिए वे बुरा-भला कहते हैं। **5** पर वे उसको जो जीवितों और मरे हुओं
का न्याय करने को तैयार हैं, लेखा देंगे*। (2 तीमु.4:1) **6** क्योंकि मरे हुओं को भी सुसमाचार इसलिए सुनाया गया, कि शरीर में तो मनुष्यों के अनुसार उनका
न्याय हुआ, पर आत्मा में वे परमेश्वर के अनुसार जीवित रहें।

7 सब बातों का अन्त तुरन्त होनेवाला है; इसलिए संयमी होकर प्रार्थना के लिये सचेत रहो। (याकू. 5:8, इफि. 6:18) **8** सब में श्रेष्ठ बात यह है कि एक दूसरे से
अधिक प्रेम रखो; क्योंकि प्रेम अनेक पापों को ढाँप देता है*। (नीति. 10:12) **9** बिना कुड़कुड़ाए एक दूसरे का अतिथि-सत्कार करो।

10 जिसको जो वरदान मिला है, वह उसे परमेश्वर के नाना प्रकार के अनुग्रह के भले भण्डारियों के समान एक दूसरे की सेवा में लगाए। **11** यदि कोई बोले, तो
ऐसा बोले मानो परमेश्वर का वचन है; यदि कोई सेवा करे, तो उस शक्ति से करे जो परमेश्वर देता है; जिससे सब बातों में यीशु मसीह के द्वारा, परमेश्वर की
महिमा प्रगट हो। महिमा और सामर्थ्य युगानुयुग उसी की है। आमीन।

12 हे प्रियों, जो दुःख रूपी अग्नि तुम्हारे परखने के लिये तुम में भड़की है, इससे यह समझकर अचम्भा न करो कि कोई अनोखी बात तुम पर बीत रही है। **13**
पर जैसे-जैसे मसीह के दुःखों में सहभागी होते हो, आनन्द करो*, जिससे उसकी महिमा के प्रगट होते समय भी तुम आनन्दित और मगन हो। **14** फिर यदि
मसीह के नाम के लिये तुम्हारी निन्दा की जाती है, तो धन्य हो; क्योंकि महिमा की आत्मा, जो परमेश्वर की आत्मा है, तुम पर छाया करती है। (मत्ती 5:11-12)

15 तुम में से कोई व्यक्ति हत्यारा या चोर, या कुकर्मी होने, या पराए काम में हाथ डालने के कारण दुःख न पाए। **16** पर यदि मसीही होने के कारण दुःख पाए,
तो लज्जित न हो, पर इस बात के लिये परमेश्वर की महिमा करे।

17 क्योंकि वह समय आ पहुँचा है, कि पहले परमेश्वर के लोगों का न्याय किया जाए, और जब कि न्याय का आरम्भ हम ही से होगा तो उनका क्या अन्त होगा
जो परमेश्वर के सुसमाचार को नहीं मानते? (इब्रा. 12:24-25, यिर्म. 25:29, यहे. 9:6) **18** और

> “यदि धर्मी व्यक्ति ही कठिनता से उद्धार पाएगा,
> तो भक्तिहीन और पापी का क्या ठिकाना?” (नीति. 11:31)

19 इसलिए जो परमेश्वर की इच्छा के अनुसार दुःख उठाते हैं, वे भलाई करते हुए, अपने-अपने प्राण को विश्वासयोग्य सृजनहार के हाथ में सौंप दें।

---

1 Peter 4:1

x
पतरस मसीह के मर के जी उठने फिर स्वर्ग जाने और उसके अधिकार और शक्ति के विषय में बात करता आ रहा है।

इसलिए
ये शब्द पतरस के द्वारा उसके श्रोताओं को प्रकट किए विचारों का निष्कर्ष चिन्हित करते हैं।

तुम भी उसी प्रयोजन को हथियार के समान धारण करो
“तुम स्वयं भी दुःख उठाने के लिए तैयार रहो”

तुम स्वयं
यह पहले अध्याय में वर्णित विश्वासियों को सम्बोधित करता है।

जो भी
“कोई भी व्यक्ति जो”

1 Peter 4:3

x
पतरस ने अभी-अभी विश्वासियों को मसीह के लिए दुःख उठाने के महत्त्व बताए हैं।

इच्छा के अनुसार काम करना, लुचपन की बुरी अभिलाषाएं, मतवालापन, लीला-क्रीड़ा, पियक्कड़पन और घृणित मूर्तिपूजा
“शारीरिक पाप, बुरी इच्छाएँ, पियक्कड़पन, लुचपन की बुरी अभिलाषाएं और घृणित मूर्तिपूजा वे हैं जिन से परमेश्वर घृणा करता है”

सुसमाचार प्रचार किया गया था
“मसीह ने सुसमाचार प्रचार किया” (यु.डी.बी)

1 Peter 4:7

सब बातों का अंत तुरन्त होनेवाला है
“जल्दी ही परमेश्वर पृथ्वी पर सब कुछ बदल देगा।”

तुम्हारे विचार
“तुम्हारे” शब्द सभी विश्वासियों को सम्बोधित करता है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Peter 4:10

क्योंकि तुम में से प्रत्येक को एक वरदान मिला है
“परमेश्वर ने तुम में से प्रत्येक को एक वरदान दिया है”

1 Peter 4:12

पर जितना ही तुम मसीह के दुःखों को अनुभव कर रहे हो, आनंद करो
“आनंद करो कि तुम उसी प्रकार के दुःखों का अनुभव कर रहे हो जिन्हें मसीह ने उठाया था”(यू.डी.बी)

1 Peter 4:17

परमेश्वर के लोगों
यह वाक्य विश्वासियों के सम्बन्ध में है, वे जो मसीह के द्वारा यहोवा का अनुसरण करते हैं

और यदि यह हमसे आरम्भ होता है, तो उनका क्या अंत होगा जो परमेश्वर के सुसमाचार को नहीं मानते?
“चूंकि वह हम विश्वासियों का वह सबसे पहले न्याय करेगा, तो उन भयानक चीज़ों के विषय में सोचो जो उन लोगों के साथ होंगी जो परमेश्वर के सुसमाचार को नहीं मानते!”

Translation Questions

1 Peter 4:1

पतरस ने चुने हुए परदेशियों को कैसा मन रखने के लिए कहा था?
पतरस उन्हे आज्ञा देता है कि उनमें भी वही मन हो जो मसीह का था जब उसने शरीर में रहते हुए दुःख उठाया था।

1 Peter 4:3

अन्य जातियां इन चुने हुए परदेशियों की निन्दा क्यों करती थीं?
अन्य जातिया इन चुने हुए परदेशियों के विरुद्ध बोलते थे क्योंकि ये विश्वासी उनके समान व्यभिचार, लालसाओं, पियक्कड़पन, भोगविलास तथा घृणित मूर्तिपूजा में सहभागी नहीं होते थे।

1 Peter 4:5

परमेश्वर किसका न्याय करेगा?
परमेश्वर जीवितों और मृतकों का न्याय करेगा।

1 Peter 4:7

इन चुने हुए परदेशियों को सचेत रहकर एक दूसरे से अधिक प्रेम क्यों रखना था?
उन्हे ऐसा ही करना था क्योंकि सब बातों का अन्त होने वाला है और उन की प्रार्थनाओं के कारण भी उन्हे ऐसा करना है।

1 Peter 4:10

चुने हुए परदेशी अपने-अपने वरदान को एक दूसरे की सेवा में क्यों लगाएं?
वे अपने-अपने वरदान को एक दूसरे की सेवा में लगाएं कि यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर की महिमा प्रकट हो।

1 Peter 4:12

चुने हुए परदेशियों को मसीह के दुःखों में सहभागी होने और मसीह के नाम के लिए निन्दित होने पर आनन्द मनाने को क्यों कहा गया था?
उनकी निंदा की जाए तो वे धन्य हैं।

1 Peter 4:15

चुने हुए परदेशियों को हत्यारा, चोर, कुकर्मी, पराए काम में हाथ डालने के कारण दुःख क्यों न उठाना पड़े?
वह समय आ पहुंचा है कि पहले परमेश्वर के लोगों का न्याय किया जाए।

1 Peter 4:17

अधर्मी और पापी को परमेश्वर का सुसमाचार क्यों ग्रहण करना चाहिए है?
क्योंकि धर्मी व्यक्ति ही कठिनाई से उद्धार पाएगा।

1 Peter 4:19

जो परमेश्वर की इच्छा के अनुसार दुःख उठाते हैं उन्हे क्या करना चाहिए?
वे भलाई करते हुए अपने अपने प्राण को विश्वासयोग्य सृजनहार के साथ में सौंप दें।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 तुम में जो प्राचीन हैं, मैं उनके समान प्राचीन और मसीह के दुःखों का गवाह और प्रगट होनेवाली महिमा में सहभागी होकर उन्हें यह समझाता हूँ। **2** कि परमेश्वर के उस झुण्ड की, जो तुम्हारे बीच में हैं रखवाली करो; और यह दबाव से नहीं, परन्तु परमेश्वर की इच्छा के अनुसार आनन्द से, और नीच-कमाई के लिये नहीं, पर मन लगाकर। **3** जो लोग तुम्हें सौंपे गए हैं, उन पर अधिकार न जताओ, वरन् झुण्ड के लिये आदर्श बनो। **4** और जब प्रधान रखवाला प्रगट होगा, तो तुम्हें महिमा का मुकुट दिया जाएगा, जो मुरझाने का नहीं।

5 हे नवयुवकों, तुम भी वृद्ध पुरुषों के अधीन रहो, वरन् तुम सब के सब एक दूसरे की सेवा के लिये दीनता से कमर बाँधे रहो, क्योंकि

"परमेश्वर अभिमानियों का विरोध करता है,
परन्तु दीनों पर अनुग्रह करता है।" **6** इसलिए परमेश्वर के बलवन्त हाथ के नीचे दीनता से रहो*, जिससे वह तुम्हें उचित समय पर बढ़ाए। **7** अपनी सारी चिन्ता उसी पर डाल दो, क्योंकि उसको तुम्हारा ध्यान है।

8 सचेत हो*, और जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह के समान इस खोज में रहता है, कि किसको फाड़ खाए। **9** विश्वास में दृढ़ होकर, और यह जानकर उसका सामना करो, कि तुम्हारे भाई जो संसार में हैं, ऐसे ही दुःख भुगत रहे हैं।

10 अब परमेश्वर जो सारे अनुग्रह का दाता है, जिसने तुम्हें मसीह में अपनी अनन्त महिमा के लिये बुलाया, तुम्हारे थोड़ी देर तक दुःख उठाने के बाद आप ही तुम्हें सिद्ध और स्थिर और बलवन्त करेगा*। **11** उसी का साम्राज्य युगानुयुग रहे। आमीन।

12 मैंने सिलवानुस के हाथ, जिसे मैं विश्वासयोग्य भाई समझता हूँ, संक्षेप में लिखकर तुम्हें समझाया है, और यह गवाही दी है कि परमेश्वर का सच्चा अनुग्रह यही है, इसी में स्थिर रहो। **13** जो बाबेल में तुम्हारे समान चुने हुए लोग हैं, वह और मेरा पुत्र मरकुस तुम्हें नमस्कार कहते हैं। **14** प्रेम से चुम्बन लेकर एक दूसरे को नमस्कार करो।

तुम सब को जो मसीह में हो शान्ति मिलती रहे।

---

1 Peter 5:1

x
पतरस ने अभी-अभी सताव सह रहे विश्वासियों को प्रोत्साहित किया था।

तुम्हारे मध्य सहभागी
शब्द "तुम" मसीह में विश्वासियों को सम्बोधित करता है

इसलिए
"इस कारण"

परमेश्वर का झुंड
यह कलीसिया की उपमा भेड़ो के झुंड से करता है।

देखभाल
"ख्याल रखना" या "रखवाली"

प्रधान के समान बनने की कोशिश मत करो
"बनाए गए प्रधान के समान बनने की कोशिश मत करो"

1 Peter 5:5

x
पतरस ने अभी-अभी अगुओं को किस प्रकार जीवन जीना चाहिए उसका निर्देश दिया है।

तुम सभी
इसका तात्पर्य सभी विश्वासियों से है, केवल युवा पुरुषों से ही नहीं

दीनता से कमर बांधे रहो
"एक दूसरे के प्रति नम्रता से पेश आओ" (यु.डी.बी)

परमेश्वर के बलवन्त हाथ के नीचे
"परमेश्वर के सामर्थ के नीचे"

डाल दो
"उसे सम्भालने दो" (यु.डी.बी)

अपनी चिंता
"अपनी चिंता" या "अपना कष्ट" या "ध्यान भटकाने वालीं"

वह तुम्हारी चिंता करता है
"वह तुम्हारे लिए चिंतित है"

1 Peter 5:8

x
पतरस ने अभी नवयुवकों को और फिर कलीसिया के सभी विश्वासियों को कैसे जीना है के लिए निर्देश दिए।

गर्जने वाले सिंह के समान
शैतान को गर्जनेवाले सिंह के समान इसलिए कहा गया है क्योंकि वह लोगों को नष्ट करने की कोशिश कर रहा है

पीछा कर रहा है
"खोज में घूम रहा है " या "खोज में है और शिकार"

उसके विरोध में खड़े हो
"विरोध करो"

संसार में
"संसार के विभिन्न स्थानों में"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 Peter 5:10

x
पतरस ने अभी-अभी विश्वासियों को शैतान का सामना करने और दृढ़ बनने के लिए कहा है।

थोड़ी देर तक
“कुछ समय के लिए”

सारे अनुग्रह का दाता
“परमेश्वर जो सम्पूर्ण रूप में दयालु है”

जिसने तुम्हें मसीह में अपनी अनन्त महिमा के लिए बुलाया है
“जिसने स्वर्ग में अपनी अनन्त महिमा में भागीदारी के लिए हमें चुना है क्योंकि हम मसीह से जुड़ गए हैं” (यु.डी.बी)

सिद्ध तुम
“तुम्हें वापिस मिलाएगा”

तुम्हें स्थापित करेगा
“तुम्हें स्थिरता देगा”

1 Peter 5:12

प्रोत्साहित
“चेतावनी”, “सलाह”, या “प्रार्थना”

जो मैंने परमेश्वर के सच्चे अनुग्रह में लिखा है
“जो मैंने लिखा है वह उन विषयों के विषय में सच्ची बातें हैं जो परमेश्वर हमारे लिए करता है” (यु.डी.बी)

इसमें स्थिर रहो
“सन्देश में विश्वास में स्थिरता से बने रहो” “इस में” शब्द से अभिप्राय परमेश्वर की महिमा से है।

वह जो बेबीलोन में है
बेबीलोन, रोम के लिए प्रयोग किया सांकेतिक शब्द है।

प्रेम के चुम्बन से एक दूसरे को नमस्कार करो
“एक दूसरे का स्वागत और प्रेम करो”

Translation Questions

1 Peter 5:1

पतरस कौन था?
पतरस प्राचीनों में से एक और मसीह के दु:खों का गवाह और प्रकट होने वाली महिमा का सहभागी था।

पतरस ने अपने साथी प्राचीनों से क्या आग्रह किया था?
पतरस ने उनसे परमेश्वर के झुंड की रखवाली करने और उनकी सुधि लेने का आग्रह किया।

1 Peter 5:5

युवा किस के अधीन रहें?
उन्हे प्राचीनों के अधीन रहना था।

चुने हुए परदेशियों को दीनता से कमर बांधकर एक दूसरे की नम्रता पूर्वक सेवा क्यों करना है?
परमेश्वर अभिमानियों का विरोध करता है, परन्तु दीनों को अनुग्रह करता है कि समय आने पर उन्हे बढ़ाए।

1 Peter 5:7

शैतान किसके समान
है?शैतान गर्जनेवाले सिंह के समान इस खोज में रहता है कि किस को फाड़ खाए।

चुने हुए परदेशियों को क्या करने का निर्देश दिया गया था?
उन्हें निर्देश था कि चिन्ताएं प्रभु पर डाल दे, सचेत रहें, जगते रहें, शैतान के सामने दृढ़ता से खड़े रहे और विश्वास में स्थिर रहना है।

1 Peter 5:9

चुने हुए परदेशियों ने कुछ समय दु:ख उठाया जैसा कि उनके भाई उठा रहे थे तो उनका क्या होगा?
परमेश्वर उन्हे सिद्ध, स्थिर और बलवन्त करेगा।

1 Peter 5:12

पतरस ने सिलवानुस के लिए क्या कहा था?
पतरस सिलवानुस को विश्वासयोग्य भाई कहता था।

पतरस अपने पत्र के बारे में क्या कहता हैं?
पतरस कहता है कि उसने जो लिखा है वही परमेश्वर का सच्चा अनुग्रह है।

1 Peter 5:13

इन चुने हुए परदेशियों को किसने नमस्कार भेजा और उन्हे एक दूसरे का अभिवादन कैसे करना हैं?
बेबीलोन के चुने हुए और पतरस के पुत्र मरकुस ने उन्हे नमस्कार भेजा उन्हे प्रेम के चुम्बन से एक दूसरे को नमस्कार कहना था।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: 2 Peter

2 Peter

Chapter 1

1 शमौन पतरस की और से जो यीशु मसीह का दास और प्रेरित है, उन लोगों के नाम जिन्होंने हमारे परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की धार्मिकता से
हमारा जैसा बहुमूल्य विश्वास प्राप्त किया है। **2** परमेश्वर के और हमारे प्रभु यीशु की पहचान के द्वारा अनुग्रह और शान्ति* तुम में बहुतायत से बढ़ती जाए।

3 क्योंकि उसके ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बन्ध रखता है, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है, जिस ने हमें अपनी ही महिमा
और सद्गुण के अनुसार बुलाया है। **4** जिनके द्वारा उसने हमें बहुमूल्य और बहुत ही बड़ी प्रतिज्ञाएँ दी हैं ताकि इनके द्वारा तुम उस सड़ाहट से छूटकर जो संसार में
बुरी अभिलाषाओं से होती है, ईश्वरीय स्वभाव के सहभागी हो जाओ।

5 और इसी कारण तुम सब प्रकार का यत्न करके, अपने विश्वास पर सद्गुण, और सद्गुण पर समझ, **6** और समझ पर संयम, और संयम पर धीरज, और धीरज
पर भक्ति। **7** और भक्ति पर भाईचारे की प्रीति, और भाईचारे की प्रीति पर प्रेम बढ़ाते जाओ।

8 क्योंकि यदि ये बातें तुम में वर्तमान रहें, और बढ़ती जाएँ, तो तुम्हें हमारे प्रभु यीशु मसीह की पहचान में निकम्मे और निष्फल न होने देंगी। **9** क्योंकि जिसमें ये
बातें नहीं, वह अंधा है, और धुन्धला देखता है*, और अपने पूर्वकाली पापों से धुलकर शुद्ध होने को भूल बैठा है।

10 इस कारण हे भाइयों, अपने बुलाए जाने, और चुन लिये जाने को सिद्ध करने का भली भाँति यत्न करते जाओ, क्योंकि यदि ऐसा करोगे, तो कभी भी ठोकर
न खाओगे; **11** वरन् इस रीति से तुम हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनन्त राज्य में बड़े आदर के साथ प्रवेश करने पाओगे।

12 इसलिए यद्यपि तुम ये बातें जानते हो, और जो सत्य वचन तुम्हें मिला है, उसमें बने रहते हो, तो भी मैं तुम्हें इन बातों की सुधि दिलाने को सर्वदा तैयार रहूँगा।
13 और मैं यह अपने लिये उचित समझता हूँ, कि जब तक मैं इस डेरे में हूँ, तब तक तुम्हें सुधि दिलाकर उभारता रहूँ। **14** क्योंकि यह जानता हूँ, कि मसीह के
वचन के अनुसार मेरे डेरे के गिराए जाने का समय शीघ्र आनेवाला है, जैसा कि हमारे प्रभु यीशु मसीह ने मुझ पर प्रकट किया है। **15** इसलिए मैं ऐसा यत्न
करूँगा, कि मेरे संसार से जाने के बाद तुम इन सब बातों को सर्वदा स्मरण कर सको।

16 क्योंकि जब हमने तुम्हें अपने प्रभु यीशु मसीह की सामर्थ्य का, और आगमन का समाचार दिया था तो वह चतुराई से गढ़ी हुई कहानियों का अनुकरण नहीं
किया था वरन् हमने आप ही उसके प्रताप को देखा था। **17** कि उसने परमेश्वर पिता से आदर, और महिमा पाई जब उस प्रतापमय महिमा में से यह वाणी आई
“यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं प्रसन्न हूँ।” (भज. 2:7, यशा. 42:1) **18** और जब हम उसके साथ पवित्र पहाड़ पर थे, तो स्वर्ग से यही वाणी आते सुनी।

19 और हमारे पास जो भविष्यद्वक्ताओं का वचन है, वह इस घटना से दृढ़ ठहरा है और तुम यह अच्छा करते हो, कि जो यह समझकर उस पर ध्यान करते हो,
कि वह एक दिया है, जो अंधियारे स्थान में उस समय तक प्रकाश देता रहता है जब तक कि पौ न फटे, और भोर का तारा तुम्हारे हृदयों में न चमक उठे। **20** पर
पहले यह जान लो कि पवित्रशास्त्र की कोई भी भविष्यद्वाणी किसी की अपने ही विचारधारा के आधार पर पूर्ण नहीं होती। **21** क्योंकि कोई भी भविष्यद्वाणी
मनुष्य की इच्छा से कभी नहीं हुई पर भक्त जन पवित्र आत्मा के द्वारा उभारे जाकर परमेश्वर की ओर से बोलते थे।

---

2 Peter 1:1

शमौन पतरस
“शमौन पतरस की ओर से” आपकी भाषा में लेखक का परिचय देने का एक विशेष तरीका हो सकता है। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है कि,“मैं, शमौन पतरस, इस पत्र का लेखक हूँ।”

यीशु मसीह का दास और प्रेरित हूँ
पतरस यीशु मसीह के चेले के रूप में अपने नज़रिए के विषय में बात करता है। उसे मसीह का प्रेरित होने के रूप में पद और प्रभुत्व भी प्राप्त थे।

उन लोगों को
पतरस उन सभी विश्वासियों को सम्बोधित करता प्रतीत होता है जो इन पत्रियों को पढ़ रहे हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद :“विश्वासियों को।”

हमने प्राप्त किया है
हमने प्राप्त किया है – “हम प्रेरितों ने प्राप्त किया है”

अनुग्रह तुम्हारे साथ हो
“तुम” शब्द साधारणतया सभी विश्वासियों को सम्बोधित करता हो।

यीशु हमारा प्रभु
यीशु हमारा प्रभु – यीशु सभी विश्वासियों और प्रेरितों का प्रभु।

अनुग्रह तुम्हारे साथ हो, परमेश्वर के ज्ञान और हमारे प्रभु यीशु के द्वारा शान्ति बढ़ती जाए।
वैकल्पिक अनुवाद: “दया और तुम्हारी शान्ति बढ़े क्योंकि तुम सच में परमेश्वर और हमारे प्रभु यीशु को जानते हो।“

2 Peter 1:3

जिसने हमें बुलाया है
परमेश्वर ने पहले हमारी ओर हाथ बढ़ाया। “हमारी” से तात्पर्य पतरस और उसके श्रोताओं से है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उसकी अपनी महिमा और सद्गुण से
“उसने अपनी महिमा और सद्गुण के द्वारा”

इन के द्वारा, उसने हमें बहुमूल्य और बहुत ही बड़ी प्रतिज्ञाएं दीं हैं
“परमेश्वर की बहुमूल्य और बड़ी प्रतिज्ञाएं उसकी महिमा और सद्गुण के द्वारा आतीं हैं”

ईश्वरीय स्वभाव
ईश्वरीय स्वभाव “परमेश्वर का ईश्वरीय स्वभाव”

जैसे ही तुम उस सड़ाहट से छूटकर जो संसार में बुरी अभिलाषाओं से होती है
“जैसे ही तुम संसार की अनैतिक अभिलाषाओं से दूर भागते हो”

2 Peter 1:5

x
पतरस विश्वासियों से बातचीत जारी रखता है।

बिल्कुल यही कारण
“परमेश्वर ने जो किया है उसके कारण”

सद्गुण
“नैतिक सद्गुण”

अपनी समझ से, ज्ञान अर्जित करो।
नैतिक सद्गुणों को अपनाकर अपनी समझ बढ़ाओ।

भाईचारे की प्रीति बढ़ाओ
“एक दूसरे के प्रति दयालुता दिखाओ”

2 Peter 1:8

x
पतरस विश्वासियों से बातचीत जारी रखता है।

ये बातें
जिसका अर्थ, विश्वास, सद्गुण, ज्ञान, आत्म-संयम, धीरज, भक्ति, भाईचारे की प्रीति, और प्रेम।

तुम निकम्मे और निष्फल न होगे
“तुम फल पैदा करोगे”

जिनमें ये बातें नहीं हैं
क्योंकि कोई भी व्यक्ति जिसमें ये बातें नहीं हैं।

केवल वही देखता है जो सामने है : तो वह अंधा है
यह एक व्यक्ति जो केवल सांसारिक बातों के विषय में सोचता है जो केवल उसकी आँखों के सामने हैं एक अन्धें के समान है।

2 Peter 1:10

x
पतरस विश्वासियों से बातचीत जारी रखता है।

इसलिये
“इसलिए” शब्द विश्वासियों को पिछली कही हुई बातों के उत्तर के रूप में आरम्भ होता है।

अपने चुने जाने और बुलाए जाने को सिद्ध करने का भली-भांति यत्न करते जाओ
“बुलाहट” का तात्पर्य उद्धार के लिए साधारण आमन्त्रण से है जो परमेश्वर ने सभी को दिया है। “चुनाव” का तात्पर्य विशेष लोगों से है जिन्हें परमेश्वर ने चुना है। इन दोनों शब्दों का समान अर्थ है।

तो कभी भी ठोकर न खाओगे
तुम नैतिक और आत्मिक रूप में हारोगे नहीं।

2 Peter 1:12

इसलिये
लेखक अपने द्वारा पहले लिखी बातों पर टिप्पणी करने जा रहा है (देखें: सन्देश सूचना talink)

मैं तुम्हें इन बातों की सुधि दिलाने को सर्वदा तैयार रहूँगा
पतरस व्यक्त कर रहा है कि वह विश्वासियों को याद दिलाता रहेगा कि किस प्रकार मसीह का अनुसरण करना है।

इन बातों की
विश्वासियों को किस प्रकार मसीह में आगे बढ़ना है।

तुम्हें जगाने के लिए
यह “तुम्हारा ध्यान आकर्षित करने की” एक अभिव्यक्ति है।“

मैं इस डेरे में हूँ
यह “जब तक मैं जीवित हूँ” को व्यक्त करने के लिए एक अभिव्यक्ति है।

मैं अपना डेरा गिरा लूँगा
यह “मैं मर जाऊँगा” कहने के लिए अभिव्यक्ति है।

मैं ऐसा यत्न करूँगा कि मेरे कूच करने के बाद तुम इन सब बातों को सर्वदा स्मरण कर सको
मैं इन बातों को सिखाने के लिए ऐसा यत्न करूँगा ताकि तुम इन सब बातों को सर्वदा स्मरण कर सको” (देखें:)

मेरे कूच करने के बाद
यह अभिव्यक्ति “मेरी मृत्यु के बाद” कहने के लिए है।

2 Peter 1:16

क्योंकि हमने चतुराई से गढ़ी हुई कहानियों का अनुकरण नहीं किया
क्योंकि हम प्रेरितों ने चतुराई से गढ़ी हुई कहानियों का अनुकरण नहीं किया।

हमारा
हमारा- सभी विश्वासी जिसमें हम प्रेरित भी सम्मलित हैं।

हमने यह वाणी सुनी जो स्वर्ग से आई,
पतरस यहाँ अपनी और अन्य चेलों की बात कर रहा है, याकूब और यूहन्ना, जिन्होंने परमेश्वर की वाणी सुनी।

तब हम उसके साथ पवित्र पहाड़ पर थे
पतरस उस समय का वर्णन कर रहा है जब पतरस, याकूब और यूहन्ना के सामने यीशु का मुँह सूर्य के समान चमका और उसका वस्त्र ज्योति के समान उजला हो गया था। (देखें मत्ती:)

2 Peter 1:19

हमारे पास भविष्यवक्ताओं का वचन है जो दृढ़ ठहरा
पतरस प्रेरितों का वर्णन कर रहा है। प्रेरितों के पास भविष्यवक्ताओं का सन्देश है जो वे जानते हैं कि परमेश्वर के द्वारा सच्चाई है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुम अच्छा करते हो जो यह समझकर उस पर ध्यान करते हो
पतरस विश्वासियों को भविष्यवक्ताओं के सन्देश को गौर से सुनने के लिए कह रहा है।

यह एक दीया है, जो अंधियारे स्थान में उस समय तक प्रकाश देता रहता है जब तक कि पौ न फटे
भविष्यवक्ताओं के वचन की एक दीये से तुलना की गई है जो अंधियारे में उस समय तक प्रकाश देता रहता है जब तक सुबह का प्रकाश न आ जाए

और भोर का तारा तुम्हारे हृदयों में चमक न उठे
भोर का तारा मसीह विश्वासियों के हृदयों में रहने के लिए आ रहा है।

पर भक्त जन पवित्र आत्मा के द्वारा उभारे जाकर परमेश्वर की ओर से बोलते थे।
मनुष्य पवित्र आत्मा के द्वारा वह बोलते थे जो परमेश्वर ने उन्हें बताया।

Translation Questions

2 Peter 1:1

पतरस की दूसरी पत्री किस ने लिखी थी?
शमौन पतरस, मसीह यीशु का दास और प्रेरित।

पतरस ने किसे पत्र लिखा था?
पतरस ने उन विश्वासियों को पत्र लिखा जन्होने ऐसा ही बहुमूल्य विश्वास प्राप्त किया था।

2 Peter 1:3

ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से संबन्ध रखता है पतरस और विश्वासी प्राप्तिकर्ताओं को किस प्रकार प्राप्त हुआ था?
परमेश्वर की पहचान के द्वारा उन्हे यह सब प्राप्त हुआ था।

परमेश्वर ने पतरस और विश्वास के प्राप्तिकर्ताओं ईश्वर सामर्थ्य द्वारा जीवन और भक्ति से संबन्धित सब कुछ यहां तक कि महान एवं बहुमूल्य प्रतिज्ञाएं क्यों दी थीं?
उसने ऐसा इस लिए किया कि वे ईश्वरीय स्वभाव के सहभागी हो जाएं।

2 Peter 1:5

विश्वासियों को अन्ततः अपने विश्वास के द्वारा क्या बढ़ाना था?
अन्ततः उनसे अपेक्षा की गई थी कि वे विश्वास के द्वारा प्रेम बढ़ाते जाएं।

विश्वास, सद्गुण, समझ संयम धीरज, भक्ति, भाईचारे की प्रीति और प्रेम की जिसमें कमी हो वह कैसा देखता हैं?
वह अंधा है और उसे धुंधला दिखाई देता है।

2 Peter 1:10

यदि उन्होने अपने बुलाए जाने और चुने जाने को सिद्ध करने का भलि-भांति प्रयत्न किया तो क्या होगा?
यदि वे कभी ठोकर न खाएं तो उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनन्त राज्य में प्रवेश करने पाएगे।

2 Peter 1:12

पतरस क्यों सोचता था कि वह उन्हे सुधि दिला दिलाकर उभरता रहे?
मसीह यीशु ने उस पर प्रकट कर दिया था कि उसका डेरा शीघ्र गिर जानेवाला है।

2 Peter 1:16

यीशु की गरिमा के प्रत्येक गवाहों ने अपनी आंखों से क्या देखा था?
उन्होने देखा था कि मसीह यीशु ने पिता परमेश्वर से आदर और महिमा प्राप्त की थी।

2 Peter 1:19

हमें कैसे विश्वास हो कि भविष्यद्वाणी का वचन निश्चित हैं?
हमारे पास जो भविष्यद्वक्ताओं का वचन है किसी की अपनी विचारधारा और मनुष्य की इच्छा से कभी नहीं हुई वह आत्मा की प्रेरणा ही से संभव थी।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 जिस प्रकार उन लोगों में झूठे भविष्यद्वक्ता थे उसी प्रकार तुम में भी झूठे उपदेशक होंगे, जो नाश करनेवाले पाखण्ड का उद्घाटन छिप छिपकर करेंगे और उस
प्रभु का जिस ने उन्हें मोल लिया है इन्कार करेंगे और अपने आप को शीघ्र विनाश में डाल देंगे। **2** और बहुत सारे उनके समान लुचपन करेंगे, जिनके कारण सत्य
के मार्ग की निन्दा की जाएगी। (रोम. 2:24, यहे. 36:22) **3** और वे लोभ के लिये बातें गढ़कर तुम्हें अपने लाभ का कारण बनाएँगे, और जो दण्ड की आज्ञा उन
पर पहले से हो चुकी है, उसके आने में कुछ भी देर नहीं, और उनका विनाश उँघता नहीं।

4 क्योंकि जब परमेश्वर ने उन दूतों को जिन्होंने पाप किया नहीं छोड़ा*, पर नरक में भेजकर अंधेरे कुण्डों में डाल दिया, ताकि न्याय के दिन तक बन्दी रहें। **5**
और प्राचीन युग के संसार को भी न छोड़ा, वरन् भक्तिहीन संसार पर महा जल-प्रलय भेजकर धार्मिकता का प्रचारक नूह समेत आठ व्यक्तियों को बचा लिया;
(उत्प. 6:5-8, उत्प. 7:23) **6** और सदोम और अमोरा के नगरों को विनाश का ऐसा दण्ड दिया, कि उन्हें भस्म करके राख में मिला दिया ताकि वे आनेवाले
भक्तिहीन लोगों की शिक्षा के लिये एक दृष्टान्त बनें (यहू. 1:7, उत्प. 19:24)

7 और धर्मी लूत को जो अधर्मियों के अशुद्ध चाल-चलन से बहुत दुःखी था छुटकारा दिया। (उत्प.19:12-13, 15) **8** (क्योंकि वह धर्मी उनके बीच में रहते हुए,
और उनके अधर्म के कामों को देख देखकर, और सुन सुनकर, हर दिन अपने सच्चे मन को पीड़ित करता था)। **9** तो प्रभु के भक्तों को परीक्षा में से निकाल लेना
और अधर्मियों को न्याय के दिन तक दण्ड की दशा में रखना भी जानता है।

10 विशेष करके उन्हें जो अशुद्ध अभिलाषाओं के पीछे शरीर के अनुसार चलते, और प्रभुता को तुच्छ जानते हैं वे ढीठ, और हठी हैं, और ऊँचे पदवालों को बुरा-
भला कहने से नहीं डरते। **11** तो भी स्वर्गदूत जो शक्ति और सामर्थ्य में उनसे बड़े हैं, प्रभु के सामने उन्हें बुरा-भला कहकर दोष नहीं लगाते।

12 पर ये लोग निर्बुद्धि पशुओं ही के तुल्य हैं, जो पकड़े जाने और नाश होने के लिये उत्पन्न हुए हैं; और जिन बातों को जानते ही नहीं, उनके विषय में औरों को
बुरा-भला कहते हैं, वे अपनी सड़ाहट में आप ही सड़ जाएँगे। **13** औरों का बुरा करने के बदले उन्हीं का बुरा होगा; उन्हें दिन दोपहर सुख-विलास करना भला
लगता है; यह कलंक और दोष है जब वे तुम्हारे साथ खाते पीते हैं, तो अपनी ओर से प्रेम भोज करके भोग-विलास करते हैं। **14** उनकी आँखों में व्यभिचार बसा
हुआ है*, और वे पाप किए बिना रुक नहीं सकते; वे चंचल मनवालों को फुसला लेते हैं; उनके मन को लोभ करने का अभ्यास हो गया है, वे सन्ताप के सन्तान
हैं।

15 वे सीधे मार्ग को छोड़कर भटक गए हैं, और बओर के पुत्र बिलाम के मार्ग पर हो लिए हैं; जिस ने अधर्म की मजदूरी को प्रिय जाना; (गिन. 22:5-7) **16** पर
उसके अपराध के विषय में उलाहना दिया गया, यहाँ तक कि अबोल गदही ने मनुष्य की बोली से उस भविष्यद्वक्ता को उसके बावलेपन से रोका। (गिन.
22:26-31)

17 ये लोग सूखे कुएँ, और आँधी के उड़ाए हुए बादल हैं, उनके लिये अनन्त अंधकार ठहराया गया है।

18 वे व्यर्थ घमण्ड की बातें कर करके लुचपन के कामों के द्वारा, उन लोगों को शारीरिक अभिलाषाओं में फँसा लेते हैं, जो भटके हुओं में से अभी निकल ही रहे
हैं। **19** वे उन्हें स्वतंत्र होने की प्रतिज्ञा तो देते हैं, पर आप ही सड़ाहट के दास हैं, क्योंकि जो व्यक्ति जिससे हार गया है, वह उसका दास बन जाता है।

20 और जब वे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की पहचान के द्वारा संसार की नाना प्रकार की अशुद्धता से बच निकले, और फिर उनमें फँसकर हार गए, तो
उनकी पिछली दशा पहली से भी बुरी हो गई है। **21** क्योंकि धार्मिकता के मार्ग का न जानना ही उनके लिये इससे भला होता, कि उसे जानकर, उस पवित्र आज्ञा
से फिर जाते, जो उन्हें सौंपी गई थी। **22** उन पर यह कहावत ठीक बैठती है, कि कुत्ता अपनी छाँट की ओर और नहलाई हुई सूअरनी कीचड़ में लोटने के लिये
फिर चली जाती है। (नीति. 26:11)

---

2 Peter 2:1

झूठे भविष्यवक्ता इस्राएल आए, और झूठे शिक्षक तुम्हारे पास आएंगे
जिस प्रकार झूठे भविष्यवक्ता इस्राएल को अपने शब्दों से धोखा देने आए, उसी प्रकार झूठे शिक्षक मसीह के विषय में झूठी शिक्षा देने आएँगे।

अधर्म
विचार जो मसीह और प्रेरितों की शिक्षाओं के विपरीत हैं।

स्वामी जिसने उन्हें मोल लिया है
यीशु वह स्वामी है जिसने सभी मनुष्यों के पापों के लिए अपनी मृत्यु , गाढ़े जाने और मर कर जी उठने के द्वारा मोल चुकाया है।

उनका लुचपन
“उनका” से तात्पर्य झूठे भविष्यवक्ताओं और शिक्षकों से है। वैकल्पिक अनुवाद: “किस प्रकार वे अत्यन्त अनैतिक आचरण करते हैं”

उनके विरुद्ध दण्ड की आज्ञा में देरी नहीं, उनका विनाश ऊँघता नहीं
झूठे भविष्यवक्ताओं के विरुद्ध न्याय आने वाला है और उसमें अत्यन्त देरी नहीं होगी।

2 Peter 2:4

क्योंकि जब परमेश्वर ने उन स्वर्गदूतों को जिन्होंने पाप किया नहीं छोड़ा...
इससे “यदि” वाक्यों की एक श्रृंखला आरम्भ होती है जो में जाकर समाप्त होती है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

टैटरस में भेजकर
"टैटरस" यूनानी और रोमन धर्म के शब्द "तार्तारुस" से लिया गया है

ताकि न्याय के दिन तक बन्दी रहें
एक सुरक्षित जेल में रखे गए ताकि परमेश्वर के अंतिम न्याय की प्रतीक्षा करें।

और यदि उसने प्राचीन युग के संसार को भी नहीं छोड़ा ..वरन भक्तिहीन संसार पर महाजल प्रलय भेजा
परमेश्वर ने प्राचीन युग के संसार और भक्तिहीन लोगों को महाजल प्रलय से नष्ट कर दिया।

पर नूह को बचा लिया
परमेश्वर ने धर्मी नूह को महाजल प्रलय से बचा लिया

सदोम और अमोरा के नगरों को भस्म करके राख में मिला दिया
परमेश्वर ने सदोम और अमोरा के भक्तिहीन नगरों को नष्ट करने के लिए आग का प्रयोग किया।

ताकि आनेवालों के लिए एक उदाहरण बनें
बिल्कुल जैसे सदोम और अमोरा आग से नष्ट किए गए थे, समय के अंत में परमेश्वर भक्तिहीन लोगों को आग की झील में नष्ट कर देगा।

2 Peter 2:7

और धर्मी लूत को... छुटकारा दिया।
परमेश्वर ने धर्मी लूत को छुटकारा दिया।

जो अधर्मियों के चालचलन से लगातार दुःखी था
लूत सदोम और अमोरा के वासियों के अशुद्ध चालचलन से लगातार परेशान या दुखी था।

अशुद्ध शारीरिक अभिलाषाओं में लिप्त मनुष्य
"शरीर की अशुद्ध अभिलाषाओं में लिप्त मनुष्य"

धर्मी मनुष्य
इसका तात्पर्य धर्मी लूत से है

धर्मी मनुष्य
"मनुष्य जो परमेश्वर के आज्ञाकारी हैं"

उसकी धर्मी आत्मा को पीड़ित करता था।
उसकी अंतरात्मा को दुखी करता था।

अधर्मी मनुष्यों को बन्दी बनाना
अधर्मी मनुष्य परमेश्वर के न्याय से नहीं बच पाएंगे। उनके मरने के पश्चात उन्हें न्याय के दिन तक बन्दी बना कर रखा जाएगा।

2 Peter 2:10

यह विशेषकर सत्य है
शब्द "यह" का तात्पर्य परमेश्वर के अधर्मी लोगों को न्याय के दिन तक बन्दी बनाए रखने से है ।

वे जो अशुद्ध अभिलाषाओं के पीछे शरीर के अनुसार चलते हैं और प्रभुता को तुच्छ जानते हैं
भक्तिहीन जो पाप की प्रकृति के पीछे चलते रहते हैं और प्रभुता या सत्ता में लोगों की नहीं सुनते।

शरीर
शब्द "शरीर" से तात्पर्य मनुष्य की शारीरिक या पापी प्रकृति से है।

वे ढीठ और हठी हैं
"वे" शब्द से अभिप्राय उन लोगों से है जो अपनी पापी प्रकृति में अशुद्ध अभिलाषाओं में बने रहते हैं और स्वर्गदूतों या आत्मिक प्रभुत्व के लोगों का सम्मान नहीं करते।

वे ऊँचे पद वालों को बुरा भला कहने से नहीं डरते
भक्तिहीन लोग स्वर्गदूतों का अपमान करने और उन्हें बुरा भला कहने से भी नहीं डरते।

स्वर्गदूत सामर्थ और शक्ति में सब मनुष्यों से बड़ें हैं
स्वर्गदूत शारीरिक शक्ति में, प्रभुत्व और सामर्थ में सभी मनुष्यों से अधिक बड़े हैं।

पर वे प्रभु के सामने उन्हें भला-बुरा कहकर उनपर दोष नहीं लगाते।
"पर स्वर्गदूत इन मनुष्यों के विरुद्ध परमेश्वर के सम्मुख अपमानजनक न्याय नहीं लाते"

2 Peter 2:12

ये निर्बुद्धि पशु
बिल्कुल वैसे जैसे पशु तर्क नहीं कर सकते, इन मनुष्यों के साथ भी तर्क-विचार नहीं किया जा सकता। पर: "ये झूठे शिक्षक निर्बुद्धि पशुओं के तुल्य हैं"

वे नहीं जानते कि वे किसका अपमान करते हैं।
जिन बातों को वे जानते या समझते ही नहीं उनके विषय में बुरा-भला कहते हैं।

वे नाश किए जाएंगे।
वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर इन लोगों का विनाश करेगा"

वे गलत कार्यों के फलस्वरूप सज़ा पाते हैं
"जिन बातों को वे अपने लिए अच्छा समझते हैं वास्तव में उनके लिए बुरी हैं।"

वे दाग और धब्बे हैं।
झूठे शिक्षक कलंक और दोष हैं और उन धब्बों के समान हैं जिनको छुड़ाना आसान नहीं है और वे अवांछित दाग पीछे छोड़ जाते हैं।देखें:

वे तुम्हारे साथ खाते पीते हैं अपनी ओर से प्रेम भोज करके भोग-विलास करते हैं
वे भोग-विलास निरन्तर करते रहते हैं और सीधे लोगों को फुसला कर उनकी आँखों में झांकते हुए भी उन्हें अपराध बोध महसूस नहीं होता।

उनकी आँखों में व्यभिचार बसा हुआ है, वे पाप किए बिना रुक नहीं सकते
"उनकी आँखें प्रत्येक स्त्री को गंदी नज़र से देखती हैं, और उनका मन कभी नहीं भरता।"

उनके हृदय को लोभ करने का अभ्यास हो गया है
"हृदय" जो सम्पूर्ण मनुष्य का प्रतिनिधित्व करता है, उसे सोच-विचार और कार्य से लोभ करने का प्रशिक्षण दिया गया है। वे गलत प्रकार से धन और वस्तुओं की इच्छा करते हैं। (देखें:

2 Peter 2:15

उन्होंने त्याग दिया है...भटक गए हैं...मार्ग पर हो लिए हैं
"झूठे शिक्षकों ने त्याग दिया है...भटक गए हैं...मार्ग पर हो लिए हैं।" झूठे शिक्षकों ने सही को नकार कर परमेश्वर की आज्ञा मानने से मना कर दिया है।

जिसने अधर्म की मज़दूरी को प्रिय जाना।
अधर्म और पाप के कामों की मज़दूरी को स्वीकार किया।

पर उसे उसके ही अपराध के विषय में उलाहना दिया गया।
उसे अवज्ञा के लिए सख्ती से रोका गया था।

उस भविष्यवक्ता को उसके बावलेपन से रोका।
परमेश्वर ने भविष्यवक्ता के मूर्खतापूर्ण कार्यों को रोकने के लिए एक गदही का प्रयोग किया। देखें: (गिन. 22:21-30)

2 Peter 2:17

ये लोग बिना पानी के सूखे सोते के समान हैं
बिल्कुल वैसे ही जैसे सूखा सोता शारीरिक जीवन के लिए पानी प्रदान नहीं करता है, उनकी शिक्षाएं आत्मिक जीवन की ओर नहीं ले जातीं। “वे ताज़गी का एक झूठा स्रोत हैं। एक खाली नख़लिस्तान।“ (देखें: insanity

वे आंधी के उड़ाए बादलों के समान हैं
आंधी के बादल वर्षा लाते हैं। यह वर्षा जीवनदायी पानी भी ला सकते हैं या विनाशकारी बाढ़ भी। ये लोग उन बादलों के समान हैं जो अपने साथ विनाश ले कर चलते हैं।

वे व्यर्थ घमण्ड की बातें करते हैं।
उनकी बातें बिना अर्थ की और दम्भी हैं।

वे शारीरिक अभिलाषाओं के द्वारा लोगों को फंसाते हैं।
वे पापी प्रकृति का प्रयोग करके लोगों को अनैतिक और पापी कार्यों में फंसा लेते हैं।

वे उन लोगों को फंसा लेते हैं जो भटके हुओं में से अभी निकल रहे हैं।
वे विश्वास में नए लोगों को शिकार बनाते हैं।

वे उन्हें स्वतंत्र करने की प्रतिज्ञा तो करते हैं, पर आप ही सड़ाहट(भ्रष्टाचार) के दास हैं।
वे झूठी स्वतन्त्रता की प्रतिज्ञा करते हैं, विश्वासियों को पाप करने की स्वतन्त्रता। पर यह पाप की दासता है।

क्योंकि जो व्यक्ति जिससे हार गया है, वह उसका दास बन जाता है।
एक मनुष्य उन इच्छाओं के पीछे भागेगा जिन को लेकर उसमें संयम की कमी होती है।

2 Peter 2:20

जो कोई भी प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के ज्ञान के द्वारा संसार की नाना प्रकार की अशुद्धता से बच निकलता है।
कोई भी व्यक्ति जिसने प्रभु यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार कर लिया है और अशुद्ध और अपवित्र जीवन शैली से मुड़ गया हैं।

उनकी दशा पहले से भी बुरी हो गई है।
वे और भी बदतर हैं क्योंकि उनको पवित्र जीवन का ज्ञान है और फिर भी उन्होंने पाप के जीवन की ओर मुड़ना चुना है।

धर्मिकता के मार्ग को जाना है
परमेश्वर को प्रसन्न करने वाला जीवन जीना

उन्हें दी गई पवित्र आज्ञा।
परमेश्वर के नियम और कानून उन्हें दिए गए ताकि वे जान पाएं कि परमेश्वर के लिए किस प्रकार जीना है।

यह कहावत ...कि कुत्ता अपनी छांट की ओर और नहलाई हुई सूअरनी कीचड़ की ओर वापिस लौटती है।
एक सटीक कहावत में उन लोगों की तुलना जो सच्चाई तो जानते हैं पर भक्तिहीन जीवन में वापिस लौट आते हैं कुत्ते से कि गई है कि,”कुत्ता अपनी छांट की ओर वापिस लौट आता है” नीतिवचन 26:11 का सन्दर्भ देता है। दोनों मामलों में इसका अर्थ यही है कि एक पशु अपने आप को अशुद्ध होने से बचना सिखाने में असमर्थ होता है।”

Translation Questions

2 Peter 2:1

झूठे उपदेशक विश्वासियों को चोरी छिपे क्या सुनाएंगे?
उनके मध्य झूठे उपदेशक नाश करनेवाले पाखण्ड का गुप्त प्रचार करेंगे और उन्हे मोल लेनेवाले स्वामी का इन्कार करेंगे।

झूठे उपदेशकों का क्या होनेवाला था?
झूठे उपदेशकों का विनाश और उनका दण्ड शीघ्र आनेवाला है।

झूठे उपदेशक पांखड के द्वारा क्या कर रहे थे?
झूठे उपदेशक भाइयों से अनुचित लाभ उठा रहे थे।

2 Peter 2:4

परमेश्वर ने किस किस को नहीं छोड़ा?
परमेश्वर ने पाप करनेवाले स्वर्गदूतों और प्राचीन संसार तथा सदोम और अमोरा को नहीं छोड़ा।

2 Peter 2:5

परमेश्वर ने किस-किस को बचाया था?
परमेश्वर ने सात जनों के साथ नूह को बचाया और लूत को भी बचाया था।

2 Peter 2:9

मनुष्यों को न छोड़ने और कुछ को बचा लेने के द्वारा परमेश्वर ने क्या प्रकट किया हैं?
परमेश्वर का कार्य दर्शाता है कि वह इश्वर भक्त मनुष्यों को कैसे बचाया है और धर्मियों को कैसे सुरक्षा में रखता हैं।

2 Peter 2:10

शक्ति और सामर्थ्य में बड़े, कौन हैं जिन्हे भला-बुरा कहने से अधर्मी नहीं डरते?
शक्ति और सामर्थ्य में बड़े, स्वर्गदूत भी परमेश्वर के सामने ऐसे मनुष्य पर दोष नहीं लगाते है।

2 Peter 2:14

झूठे उपदेशक किस को बहकाते हैं?
झूठे शिक्षक अस्थिर मनुष्यों को बहकाते हैं।

2 Peter 2:15

भविष्यद्वक्ता बिलाम की मूर्खता को किस ने रोका था?
अबोल गदही ने मनुष्य की बोली बोलकर बिलाम को रोका था।

2 Peter 2:19

मनुष्य किसका दास हो जाता हैं?
मनुष्य जिससे हार गया उसका दास बन जाता है।

2 Peter 2:20

जब विश्वासी मसीह यीशु की पहचान द्वारा संसार की नाना प्रकार की अशुद्धता से बच निकले और फिर उसमें फंसकर हार जाए तो उसके अधिक अच्छा क्या होता?
धर्म के मार्ग को न जानना ही उनके लिए इससे अच्छा होता।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 हे प्रियों, अब मैं तुम्हें यह दूसरी पत्री लिखता हूँ, और दोनों में सुधि दिलाकर तुम्हारे शुद्ध मन को उभारता हूँ, **2** कि तुम उन बातों को, जो पवित्र
भविष्यद्वक्ताओं ने पहले से कही हैं और प्रभु, और उद्धारकर्ता की उस आज्ञा को स्मरण करो, जो तुम्हारे प्रेरितों के द्वारा दी गई थी।

3 और यह पहले जान लो, कि अन्तिम दिनों में हँसी-उपहास करनेवाले आएँगे, जो अपनी ही अभिलाषाओं के अनुसार चलेंगे। **4** और कहेंगे, “उसके आने की
प्रतिज्ञा कहाँ गई? क्योंकि जब से पूर्वज सो गए हैं, सब कुछ वैसा ही है, जैसा सृष्टि के आरम्भ से था।”

5 वे तो जान-बूझकर यह भूल गए, कि परमेश्वर के वचन के द्वारा से आकाश प्राचीनकाल से विद्यमान है और पृथ्वी भी जल में से बनी और जल में स्थिर है
(उत्प. 1:6-9) **6** इन्हीं के द्वारा उस युग का जगत जल में डूब कर नाश हो गया। (उत्प. 7:11-21) **7** पर वर्तमान काल के आकाश और पृथ्वी उसी वचन के
द्वारा* इसलिए रखे हैं, कि जलाए जाएँ; और वह भक्तिहीन मनुष्यों के न्याय और नाश होने के दिन तक ऐसे ही रखे रहेंगे।

8 हे प्रियों, यह एक बात तुम से छिपी न रहे, कि प्रभु के यहाँ एक दिन हजार वर्ष के बराबर है, और हजार वर्ष एक दिन के बराबर हैं। (भज. 90:4) **9** प्रभु
अपनी प्रतिज्ञा के विषय में देर नहीं करता*, जैसी देर कितने लोग समझते हैं; पर तुम्हारे विषय में धीरज धरता है, और नहीं चाहता, कि कोई नाश हो; वरन् यह
कि सब को मन फिराव का अवसर मिले। (हब. 2:3-4)

10 परन्तु प्रभु का दिन* चोर के समान आ जाएगा, उस दिन आकाश बड़े शोर के साथ जाता रहेगा, और तत्व बहुत ही तप्त होकर पिघल जाएँगे, और पृथ्वी
और उसके कामों का न्याय होगा।

11 तो जब कि ये सब वस्तुएँ, इस रीति से पिघलनेवाली हैं, तो तुम्हें पवित्र चाल चलन और भक्ति में कैसे मनुष्य होना चाहिए, **12** और परमेश्वर के उस दिन की
प्रतीक्षा किस रीति से करना चाहिए और उसके जल्द आने के लिये कैसा यत्न करना चाहिए; जिसके कारण आकाश आग से पिघल जाएँगे, और आकाश के गण
बहुत ही तप्त होकर गल जाएँगे। (यशा. 34:4) **13** पर उसकी प्रतिज्ञा के अनुसार हम एक नये आकाश और नई पृथ्वी की आस देखते हैं जिनमें धार्मिकता वास
करेगी। (यशा. 60:21, यशा. 65:17, यशा. 66:22, प्रका. 21:1, 27)

14 इसलिए, हे प्रियों, जब कि तुम इन बातों की आस देखते हो तो यत्न करो कि तुम शान्ति से उसके सामने निष्कलंक और निर्दोष ठहरो। **15** और हमारे प्रभु
के धीरज को उद्धार समझो, जैसा हमारे प्रिय भाई पौलुस ने भी उस ज्ञान के अनुसार जो उसे मिला, तुम्हें लिखा है। **16** वैसे ही उसने अपनी सब पत्रियों में भी
इन बातों की चर्चा की है जिनमें कितनी बातें ऐसी है, जिनका समझना कठिन है, और अनपढ़ और चंचल लोग उनके अर्थों को भी पवित्रशास्त्र की अन्य बातों के
समान खींच तानकर अपने ही नाश का कारण बनाते हैं।

17 इसलिए हे प्रियों तुम लोग पहले ही से इन बातों को जानकर चौकस रहो, ताकि अधर्मियों के भ्रम में फँसकर अपनी स्थिरता को हाथ से कहीं खो न दो। **18**
पर हमारे प्रभु, और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह और पहचान में बढ़ते जाओ। उसी की महिमा अब भी हो, और युगानुयुग होती रहे। आमीन।

---

2 Peter 3:1

हे प्रियो! अब मैं तुम्हें यह दूसरी पत्री तुम्हारे शुद्ध मन को उभारने के लिए लिखता हूँ,
पतरस अपनी बातचीत का विषय बदलता है और अब वह अपने श्रोताओं को याद दिलाता है कि यह उसकी उन्हें दूसरी पत्री है ताकि उनके विश्वासी विचारों और कार्यों को उभार सके।

ताकि तुम उन बातों को जो पहले से कहीं हैं स्मरण कर सको
इसका कारण उनकी शिक्षाओं सम्बन्धी यादों को जो प्रेरितों द्वारा दीं गईं थीं, पवित्र भविष्यवक्ताओं के शब्द और यीशु की आज्ञाओं को ताज़ा करवाना है।

2 Peter 3:3

यह पहले जान लो
“यह समझना सबसे महत्त्वपूर्ण है”

“उसके आने की प्रतिज्ञा कहाँ गई?”
हंसी-ठट्ठा करने वाले व्यंगपूर्ण पूछ रहे हैं और किसी उत्तर की अपेक्षा नहीं कर रहे। पर: “प्रतिज्ञा कि मसीह वापिस आएगा सच नहीं है।“

सब कुछ वैसा ही है जैसा सृष्टि के आरम्भ से था
यह आदम के पतन से लेकर जीवन के मूल क्रम के सन्दर्भ में है। लोग पैदा होते और मर जाते हैं। वे विवाह करते और उनका विवाह किया जाता है। संघर्ष और पाप निरन्तर बने हुए हैं। पर: “जीवन की कठिनाइयाँ आरम्भ से वही हैं, मसीह का राज्य हमारा जीवन सरल बनाने के लिए नहीं आया है।“

2 Peter 3:5

वे तो जान बूझकर यह भूल गए
ठट्ठा करने वाले कहते हैं सृष्टि के आरम्भ से कुछ नहीं बदला है और वे जान-बूझ कर इसे भूलना चुनते हैं।

कि परमेश्वर के वचन के द्वारा आकाश प्राचीन काल से विधमान है और पृथ्वी भी जल में से बनी और जल में स्थिर है।
“परमेश्वर ने कहा और आकाश और पृथ्वी जल में से उभर आए और उन्हें भी जल के द्वारा अलग किया”

और यह कि उसके वचन के द्वारा उस युग का जगत जल में डूब कर नष्ट हो गया
“जिस वचन का प्रयोग परमेश्वर ने सृष्टि के निर्माण के लिए किया था उसी वचन का प्रयोग करके उसने उस युग के जगत को बाढ़ से नष्ट कर दिया”

वही वचन
“परमेश्वर का वचन”

और आकाश और पृथ्वी उसी वचन के द्वारा इसलिए रखे गए हैं कि जलाए जाएं
“परमेश्वर का वचन आकाश और पृथ्वी को जलाए जाने के लिए रखे हुआ है”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

ये भक्तिहीन मनुष्यों के न्याय और नष्ट होने के दिन तक ऐसे ही रखे रहेंगे।
आकाश और पृथ्वी तब तक रखे रहेंगे जब तक परमेश्वर भक्तिहीन लोगों का न्याय न कर ले।

2 Peter 3:8

हे प्रियो, यह बात तुम से छिपी न रहे,
“हे प्रियो, भूलो नहीं”

कि प्रभु के यहाँ एक दिन हज़ार वर्ष के बराबर है, और हज़ार वर्ष एक दिन के बराबर है
परमेश्वर समय-सारणी पर नहीं है।

जैसा कुछ लोग देरी को समझते हैं, पर तुम्हारे विषय में धीरज धरता है
जबकि कुछ लोग सोच सकते हैं कि परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा पूरी करने में देरी करता है, वह तुम्हारे विषय में धीरज धरता है

वरन वह सबको मन फिराव का अवसर देना चाहता है
परमेश्वर हरेक को न्याय के दिन से पहले मन फिराने (पछताने) का अवसर दे रहा है।

2 Peter 3:10

फिर भी,
चाहे परमेश्वर धीरज धर रहा है और चाहता है कि लोग मन फिराएं, वह वापिस आएगा और न्याय करेगा।

प्रभु का दिन चोर के समान आएगा।
बिल्कुल जैसे चोर आने से पहले बता कर नहीं आता कि वह चोरी करने आ रहा है, यीशु बिना किसी चेतावनी के आएगा।

आकाश बड़ी हड़हड़ाहट के साथ जाता रहेगा। और तत्व आग से जल जाएँगे
बड़ी आवाज़ और आग और आकाश और पृथ्वी के विनाश का ज्वलंत ब्यौरा। यह किसी के भी ध्यान से बचे नहीं रहेंगे।

कार्यों का न्याय होगा।
परमेश्वर लोगों द्वारा किए गए सभी अच्छे-बुरे कामों का न्याय करेगा।

2 Peter 3:11

ये सब वस्तुएं इस रीति से नष्ट होने वाली हैं
“सभी वस्तुएं आग से नष्ट कर दी जाएंगी”

तुम्हें पवित्र चाल-चलन और भक्ति में कैसे मनुष्य होना चाहिए?
पतरस विश्वासियों को यह सोचने के लिए चुनौती देता है कि यह जानते हुए कि पृथ्वी और लोगों के कार्यों का न्याय होगा उन्हें किस प्रकार पवित्र चाल-चलन और भक्ति का जीवन व्यतीत करना चाहिए।

फिर भी, उसकी प्रतिज्ञा के अनुसार हम एक नए आकाश और नई पृथ्वी की बाट जोहते हैं
विश्वासियों के पास आशा है और वे आश्वस्त हो सकते हैं कि जिस नए आकाश और नई पृथ्वी की परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है वे आएँगे।

2 Peter 3:14

और उसके साथ शान्ति में पाए जाओ।
“और परमेश्वर के साथ शान्ति में हो”

और हमारे प्रभु के धीरज को उद्धार समझो
परमेश्वर उन को जो यीशु में विश्वास करेंगे अनन्त जीवन देने की प्रतीक्षा में है।

हमारा प्रिय भाई पौलुस
एक साथी प्रेरित जिसने भी विश्वासियों को लिखा है उसे पतरस सम्बोधित कर रहा है।

उस ज्ञान के अनुसार जो उसे दिया गया था।
वैकल्पिक अनुवाद:उस ज्ञान और समझ के अनुसार जो परमेश्वर ने पौलुस को दिया”

पौलुस ने अपनी सब पत्रियों में इन सब बातों की चर्चा की है
“पौलुस अपनी पत्रियों में परमेश्वर के धीरज के विषय में बोलता है जो मन फिराव की ओर ले जाता है”

जिनमें कुछ बातें ऐसी हैं जिनको समझना कठिन है
पौलुस की पत्रियों में कुछ ऐसी बातें हैं जिनका अर्थ समझना आसान नहीं।

अनुशासनहीन और चंचल लोग इन बातों को खींचते-तानते हैं,
भक्तिहीन लोग अंतिम दिनों की इन बातों का और पवित्र शास्त्र की अन्य बातों का मन-गड़न्त अर्थ निकालते हैं और उनका इसके लिए न्याय किया जाएगा।

2 Peter 3:17

इसलिए, हे प्रियो! क्योंकि तुम इन बातों को जानते हो
परमेश्वर के धीरज की सच्चाई और इन झूठे शिक्षकों की शिक्षाएं

चौकस रहो
“चौकन्ने रहो और अपनी निगरानी करो”

अपना विश्वास कहीं आप ही न खो दो
यीशु मसीह में तुम्हारा विश्वास डगमगा न जाए

बढ़ते जाओ..
पतरस व्याख्या करता है कि विश्वासियों को किस प्रकार अपने विश्वास में आगे बढ़ना है और अपने आप को झूठे शिक्षकों से बचाना है।

Translation Questions

2 Peter 3:1

पतरस ने यह दूसरा पत्र क्यों लिखा था?
उसके द्वारा इस पत्र को लिखने का कारण था कि प्रिय भाई पूर्वकथित भविष्यद्वक्ताओं की बातों तथा प्रभु की उस आज्ञा को स्मरण करें जो प्रेरितों द्वारा उन्हे दी गई थीं।

2 Peter 3:3

अन्तिम दिनों में ठट्ठा करनेवाले क्या कहेंगे?
अन्तिम दिनों में ठट्ठा करनेवाले प्रभु के पुन: आगमन की प्रतिज्ञा पर प्रश्न उठाएंगे और कहेंगे कि सब कुछ तो वैसा ही है जैसा सृष्टि के आरंभ से था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

2 Peter 3:5

आकाश और पृथ्वी कैसे स्थिर है और वे आग और न्याय के दिन तथा दुष्टों के विनाश के लिए किस प्रकार रखे गए हैं?
वे परमेश्वर के वचन ही से स्थिर एवं सुरक्षित हैं।

2 Peter 3:9

परमेश्वर उन प्रिय जनों के साथ धीरज धरे हुए क्यों था?
परमेश्वर नहीं चाहता कि कोई नष्ट हो वरन् सबको मन फिराव का अवसर मिले।

2 Peter 3:10

प्रभु का दिन कैसे आएगा?
प्रभु का दिन चोर के समान आ जाएगा।

2 Peter 3:11

पतरस ने उन विश्वासियों को पवित्र चालचलन और भक्ति में कैसे मनुष्य होना था?
आकाश और पृथ्वी नष्ट हो जाएंगे परन्तु वे एक नये आकाश और नई पृथ्वी की आस देखते हैं जिसमें धार्मिकता वास करेगी।

2 Peter 3:15

अनुशासन रहित एवं अस्थिर विश्वासियों का क्या होगा जो पौलुस के ज्ञान और धर्मशास्त्र को खींचतान कर बताते हैं?
उनके काम उनका विनाश लाएंगे।

2 Peter 3:17

छल के कारण भटकने और अपनी स्वामी निष्ठा को खो देने की अपेक्षा पतरस उन प्रिय जनों को क्या करने के लिए आज्ञा देता हैं?
पतरस ने उन्हे आज्ञा दी कि वे अपने प्रभु एवं उद्धारकर्ता मसीह यीशु के अनुग्रह और उसकी पहचान में बढ़ते जाएं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: 1 John

1 John

Chapter 1

1 उस जीवन के वचन के विषय में जो आदि से था*, जिसे हमने सुना, और जिसे अपनी आँखों से देखा, वरन् जिसे हमने ध्यान से देखा और हाथों से छुआ। **2** (यह जीवन प्रगट हुआ, और हमने उसे देखा, और उसकी गवाही देते हैं, और तुम्हें उस अनन्त जीवन का समाचार देते हैं जो पिता के साथ था और हम पर प्रगट हुआ)।

3 जो कुछ हमने देखा और सुना है उसका समाचार तुम्हें भी देते हैं, इसलिए कि तुम भी हमारे साथ सहभागी हो; और हमारी यह सहभागिता पिता के साथ, और उसके पुत्र यीशु मसीह के साथ है। **4** और ये बातें हम इसलिए लिखते हैं, कि तुम्हारा आनन्द पूरा हो जाए*।

5 जो समाचार हमने उससे सुना, और तुम्हें सुनाते हैं, वह यह है; कि परमेश्वर ज्योति हैं और उसमें कुछ भी अंधकार नहीं*। **6** यदि हम कहें, कि उसके साथ हमारी सहभागिता है, और फिर अंधकार में चलें, तो हम झूठ बोलते है और सत्य पर नहीं चलते। **7** पर यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चलें, तो एक दूसरे से सहभागिता रखते हैं और उसके पुत्र यीशु मसीह का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है। (यशा. 2:5)

8 यदि हम कहें, कि हम में कुछ भी पाप नहीं, तो अपने आप को धोखा देते हैं और हम में सत्य नहीं। **9** यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है। (भज. 32:5, नीति. 28:13) **10** यदि हम कहें कि हमने पाप नहीं किया, तो उसे झूठा ठहराते हैं, और उसका वचन हम में नहीं है।

---

1 John 1:1

x
प्रेरित यूहन्ना ने यह विश्वासियों (मसीहियों) को लिखा था।

जो आदि से था
वाक्य "वह जो आदि से था" का अभिप्राय यीशु से है, जो कि सब कुछ रचे जाने से पहले था। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "हम तुम्हें उस एक के विषय में लिख रहे हैं जो सभी चीज़ों की रचना से पूर्व भी अस्तित्व में था।"

आदि
"सभी चीज़ों के आरम्भ से" या "संसार की रचना"

जिसे हमने सुना है
वाक्य "जिसे हमने सुना है" का तात्पर्य यीशु ने जो उन्हें सिखाया है उससे है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है कि "हमने उसे सिखाते हुए सुना है।"

हम
हम - पद 1 और 2 में, शब्द "हम" का अभिप्राय यूहन्ना और उन लोगों से है जो यीशु को जानते थे जब वह पृथ्वी पर था, पर इनमें वे लोग शामिल नहीं हैं जिन्हें यूहन्ना यह पत्र लिख रहा है.

जिसे हमने अपनी आँखों से देखा है, जिस पर हमने विचार किया है।
"हमने स्वयं उसे देखा है."

और हमारे हाथों ने छुआ
"हमने उसे अपने हाथों से छुआ है"

जीवन का वचन
इसका अभिप्राय यीशु से है. "यह वही है जो लोगों के अनंतकाल के जीवन का कारण है."

जीवन प्रगट हुआ
यह "यीशु" के संसार में आने के सन्दर्भ में है. इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है कि "परमेश्वर ने उसे संसार में भेजा"

और हमने उसे देखा है
"और हमने उसे देखा"

और गवाही देते हैं
"और तुम्हें उसके विषय में बता रहे है"

अनंतकाल का जीवन
यह वाक्य भी यीशु के सन्दर्भ में है , जो हमारे अनंतकाल के जीवन का कारण है। इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है कि "वह हमारे अनंतकाल के जीवन का कारण बनता है।"

जो पिता के साथ था
"वह पिता परमेश्वर के साथ था"

और हम पर प्रगट किया
"पर वह हमारे बीच में रहने के लिए आया" (युडीबी)

1 John 1:3

वह जो हमने देखा और सुना है हम उसकी तुम्हें भी गवाही देते हैं
"जो हमने देखा और सुना है उसकी गवाही हम तुम्हें भी देते हैं"

हम..हमें..हमारा
ये सर्वनाम यूहन्ना के और उनके जिन्होंने यीशु को जीवित देखा और अब लोगों को इसके विषय में सिखा रहे हैं के सन्दर्भ में हैं .

तुझे
शब्द "तुम" बहुवचन है और इसका तात्पर्य उन लोगों से है जिन्हें यूहन्ना यह पत्र लिख रहा था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हमारे साथ सहभागी हो। और हमारी सहभागिता पिता के साथ है
हमारे साथ सहभागी हो। और हमारी सहभागिता पिता के साथ है - यहाँ शब्द सहभागिता का सन्दर्भ घनिष्ठ मित्रता से है। इन अनुच्छेदों का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है " हमारे घनिष्ठ मित्र बनो और हम पिता परमेश्वर के मित्र हैं"

हमारी सहभागिता
यह स्पष्ट नहीं है कि यूहन्ना अपने पाठकों को सम्मलित कर रहा है या नहीं। आप इस में से किसी एक प्रकार से अनुवाद कर सकते हैं।

मसीह
शब्द मसीह एक उपाधि है, नाम नहीं और इसका अर्थ है "चुना हुआ". यहाँ इसका तात्पर्य परमेश्वर का यीशु को हमारा उद्धारकर्ता चुने जाने से है।

कि तुम्हारा आनन्द पूरा हो जाए
"तुम्हारा आनन्द पूरा करने के लिए" या "तुम्हें पूरी तरह से आनन्द देने के लिए"

1 John 1:5

हमने सुना है
यहाँ "हम" का तात्पर्य यूहन्ना और उन सब से है जो यीशु को जानते थे जब वह पृथ्वी पर था।

तुम
"तुम" शब्द बहुवचन है और उन लोगों के लिए प्रयोग किया गया है जिन्हें यूहन्ना लिख रहा था।

परमेश्वर ज्योति है
इसका अर्थ ये है कि परमेश्वर पूर्ण रूप से दोषरहित और पवित्र है. इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है कि "परमेश्वर पवित्र ज्योति के समान पूर्ण रूप से पवित्र है." हो सकता है कि वे संस्कृतियां जो अच्छाई को ज्योति से जोड़ते हैं ज्योति का विचार इस उपमा की व्याख्या किए बिना ही रख पाएं।

उसमें बिल्कुल भी अन्धेरा नहीं है
इसका अर्थ ये है कि परमेश्वर कभी भी पाप नहीं करता और उसमें किसी भी प्रकार की बुराई नहीं है। इसे इस प्रकार से अनुवादित किया जा सकता है कि "उसमें पाप का अन्धेरा नहीं" जो संस्कृतियां बुराई को अन्धेरे से जोड़ती हैं इस उपमा की व्याख्या किए बिना ही शायद इस विचार को रख पाएं।

हम ...हमारा
पद 6-7 में सर्वनाम "हम" और "हमारा" का सन्दर्भ सभी विश्वासियों से है, जिनमें वे लोग भी सम्मलित हैं जिन्हें यूहन्ना लिख रहा है।

हम झूठे हैं और सत्य पर नहीं चलते
"हम यकीनन झूठ बोल रहे हैं"

अन्धकार में चलें
इसका अर्थ ये है कि "बुराई पर चलें" या "हमेशा बुराई करें।"

ज्योति में चलें
इसका अर्थ "अच्छाई करने से है" या "हमेशा वह करना जो भला हो।"

यीशु का लहू
इसका सन्दर्भ यीशु की मृत्यु से है.

1 John 1:8

यदि हम
पद 8, 9 और 10 में वाक्य "यदि हम" का आरम्भ एक प्राक्कल्पनात्मक स्थिति से आरम्भ होता है जो शायद हो सकती हो।

हम ...हमारा
पद 8-10 में सर्वनाम "हम" और हमारा" का तात्पर्य सभी विश्वासियों से है।

कुछ भी पाप नहीं
"कभी भी पाप नहीं" या "कभी भी पाप नहीं किया" (युडीबी)

धोखा
" फुसलाना " या "मूर्ख बनाना "

हम में सत्य नहीं
"हम विश्वास नहीं करते कि उसने जो कहा वह सत्य है"

वह...उसे...उसका
ये सर्वनाम शायद यीशु के सन्दर्भ में है, पर शायद इनका सन्दर्भ पिता परमेश्वर से है. सर्वनामों को अस्पष्ट रहने देना ही ठीक है यदि आपकी भाषा इसकी अनुमति दे।

विश्वासयोग्य और धर्मी
"वफ़ादार और भला"

हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने
"और हमें पूरी तरह से हमारी गलतियाँ क्षमा कर देगा।"

तो हम उसे झूठा ठहराते हैं
"यह उसे झूठा पुकारने जैसा है, क्योंकि उसने कहा हम सब पापी हैं." वाक्य "क्योंकि उसने कहा हम सबने पाप किया है" अस्पष्ट है।

उसका वचन हम में नहीं है
इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है "हम उसका कहा न तो समझते और न ही उस पर चलते हैं।"

Translation Questions

1 John 1:1

यूहन्ना किसके लिए कहता है कि वह आदि से था?
यूहन्ना कहता है कि जीवन का वचन आदि से था।

यूहन्ना ने जीवन के वचन को कैसे जाना था?
यूहन्ना ने जीवन के वचन को सुना, अपनी आंखों से देखा, ध्यान से देखा और हाथों से छुआ।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 John 1:2

यूहन्ना पर प्रकट होने से पूर्व जीवन का वचन कहाँ था?
यूहन्ना पर प्रकट होने से पूर्व जीवन का वचन पिता परमेश्वर के साथ था।

1 John 1:3

यूहन्ना ने जो देखा और सुना उसका प्रचार क्यों करता था?
यूहन्ना ने जो देखा और सुना उसका समाचार सुनाता था कि अन्य जन उसके साथ सहभागी हों।

यूहन्ना की सहभागिता किस के साथ है?
यूहन्ना की यह सहभागिता पिता के साथ और उसके पुत्र यीशु मसीह के साथ है।

1 John 1:5

यूहन्ना परमेश्वर का कौन सा सन्देश श्रोताओं को सुना रहा था?
यूहन्ना जो समाचार सुनाता था यह है कि परमेश्वर ज्योति है और उसमें कुछ भी अन्धकार नहीं।

1 John 1:6

जो मनुष्य यह कहे कि प्रभु के साथ उसकी सहभागिता है और फिर अन्धकार में चले तो उसे यूहन्ना क्या कहता है?
ऐसा मनुष्य झूठा है और सत्य पर नहीं चलता है।

1 John 1:7

ज्योति में चलनेवालों को सब पापों से शुद्ध कौन करता है?
मसीह यीशु का लहू सब पापों से शुद्ध करता है।

1 John 1:8

जो कहता है कि उसमें पाप नहीं उसके लिए यूहन्ना क्या कहता है?
यूहन्ना कहता है कि मनुष्य अपने आप को धोखा देता है और उसमें सत्य का वास नहीं है।

1 John 1:9

जो अपने पापों को मान लें उनके लिए परमेश्वर क्या करेगा है?
यदि हम अपने पापों को मान लें तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 मेरे प्रिय बालकों, मैं ये बातें तुम्हें इसलिए लिखता हूँ, कि तुम पाप न करो; और यदि कोई पाप करे तो पिता के पास हमारा एक सहायक है, अर्थात् धर्मी यीशु मसीह। **2** और वही हमारे पापों का प्रायश्चित है: और केवल हमारे ही नहीं, वरन् सारे जगत के पापों का भी।

3 यदि हम उसकी आज्ञाओं को मानेंगे, तो इससे हम जान लेंगे कि हम उसे जान गए हैं।

4 जो कोई यह कहता है, “मैं उसे जान गया हूँ,” और उसकी आज्ञाओं को नहीं मानता, वह झूठा है; और उसमें सत्य नहीं। **5** पर जो कोई उसके वचन पर चले, उसमें सचमुच परमेश्वर का प्रेम सिद्ध हुआ है।* हमें इसी से मालूम होता है, कि हम उसमें हैं। **6** जो कोई यह कहता है, कि मैं उसमें बना रहता हूँ, उसे चाहिए कि वह स्वयं भी वैसे ही चले जैसे यीशु मसीह चलता था।

7 हे प्रियों, मैं तुम्हें कोई नई आज्ञा नहीं लिखता, पर वही पुरानी आज्ञा जो आरम्भ से तुम्हें मिली है; यह पुरानी आज्ञा वह वचन है, जिसे तुम ने सुना है। **8** फिर भी मैं तुम्हें नई आज्ञा लिखता हूँ; और यह तो उसमें और तुम में सच्ची ठहरती है; क्योंकि अंधकार मिटता जा रहा है और सत्य की ज्योति अभी चमकने लगी है।

9 जो कोई यह कहता है, कि मैं ज्योति में हूँ; और अपने भाई से बैर रखता है, वह अब तक अंधकार ही में है। **10** जो कोई अपने भाई से प्रेम रखता है, वह ज्योति में रहता है, और ठोकर नहीं खा सकता। **11** पर जो कोई अपने भाई से बैर रखता है, वह अंधकार में है, और अंधकार में चलता है*; और नहीं जानता, कि कहाँ जाता है, क्योंकि अंधकार ने उसकी आँखें अंधी कर दी हैं।

12 हे बालकों, मैं तुम्हें इसलिए लिखता हूँ, कि उसके नाम से तुम्हारे पाप क्षमा हुए। (भज. 25:11) **13** हे पिताओं, मैं तुम्हें इसलिए लिखता हूँ, कि जो आदि से है, तुम उसे जानते हो हे जवानों, मैं तुम्हें इसलिए लिखता हूँ, कि तुम ने उस दुष्ट पर जय पाई है: हे लड़कों, मैंने तुम्हें इसलिए लिखा है, कि तुम पिता को जान गए हो। **14** हे पिताओं, मैंने तुम्हें इसलिए लिखा है, कि जो आदि से है तुम उसे जान गए हो हे जवानों, मैंने तुम्हें इसलिए लिखा है, कि बलवन्त हो, और परमेश्वर का वचन तुम में बना रहता है, और तुम ने उस दुष्ट पर जय पाई है।

15 तुम न तो संसार से और न संसार की वस्तुओं से प्रेम रखो यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उसमें पिता का प्रेम नहीं है। **16** क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की अभिलाषा, और आँखों की अभिलाषा और जीविका का घमण्ड, वह पिता की ओर से नहीं, परन्तु संसार ही की ओर से है। (रोम. 13:14, नीति. 27:20) **17** संसार और उसकी अभिलाषाएँ दोनों मिटते जाते हैं, पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहेगा।

18 हे लड़कों, यह अन्तिम समय है, और जैसा तुम ने सुना है, कि मसीह का विरोधी आनेवाला है, उसके अनुसार अब भी बहुत से मसीह के विरोधी उठे हैं; इससे हम जानते हैं, कि यह अन्तिम समय है। **19** वे निकले तो हम में से ही, परन्तु हम में से न थे; क्योंकि यदि वे हम में से होते, तो हमारे साथ रहते, पर निकल इसलिए गए ताकि यह प्रगट हो कि वे सब हम में से नहीं हैं।

20 और तुम्हारा तो उस पवित्र से अभिषेक हुआ है, और तुम सब सत्य जानते हो। **21** मैंने तुम्हें इसलिए नहीं लिखा, कि तुम सत्य को नहीं जानते, पर इसलिए, कि तुम उसे जानते हो, और इसलिए कि कोई झूठ, सत्य की ओर से नहीं।

22 झूठा कौन है? वह, जो यीशु के मसीह होने का इन्कार करता है; और मसीह का विरोधी वही है, जो पिता का और पुत्र का इन्कार करता है। **23** जो कोई पुत्र का इन्कार करता है उसके पास पिता भी नहीं जो पुत्र को मान लेता है, उसके पास पिता भी है।

24 जो कुछ तुम ने आरम्भ से सुना है वही तुम में बना रहे; जो तुम ने आरम्भ से सुना है, यदि वह तुम में बना रहे, तो तुम भी पुत्र में, और पिता में बने रहोगे।

25 और जिसकी उसने हम से प्रतिज्ञा की वह अनन्त जीवन है। **26** मैंने ये बातें तुम्हें उनके विषय में लिखी हैं, जो तुम्हें भरमाते हैं।

27 और तुम्हारा वह अभिषेक, जो उसकी ओर से किया गया, तुम में बना रहता है; और तुम्हें इसका प्रयोजन नहीं, कि कोई तुम्हें सिखाए, वरन् जैसे वह अभिषेक जो उसकी ओर से किया गया तुम्हें सब बातें सिखाता है, और यह सच्चा है, और झूठा नहीं और जैसा उसने तुम्हें सिखाया है वैसे ही तुम उसमें बने रहते हो। (यूह. 14:26)

28 निदान, हे बालकों, उसमें बने रहो*; कि जब वह प्रगट हो, तो हमें साहस हो, और हम उसके आने पर उसके सामने लज्जित न हों। **29** यदि तुम जानते हो, कि वह धर्मी है, तो यह भी जानते हो, कि जो कोई धार्मिकता का काम करता है, वह उससे जन्मा है।

---

1 John 2:1

हे मेरे बालको
यूहन्ना एक बड़ी आयु का पुरुष और उनका अगुवा था. उसने इस अभिव्यक्ति का प्रयोग उनके लिए अपना प्रेम प्रदर्शित करने के लिए किया है. इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है कि "मसीह में प्रिय मेरे बालको" या "तुम जो मुझे अपने सगे बच्चों के समान प्रिय हो।"

ये बातें तुम्हें लिखता हूँ
"ये पत्र लिख रहा हूँ"

पर यदि कोई पाप करता है
कुछ इस प्रकार हो सकता है. "पर जब कोई पाप करता है"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हम ...हमारा
पद 1-3 में ये शब्द यूहन्ना और उन लोगों के विषय में है जिन्हें वह लिख रहा है।

पिता के पास एक सहायक है
"कोई जो परमेश्वर से बात करता है और उसे हमारे पाप क्षमा करने के लिए कहता है"

धर्मी यीशु मसीह
"और यीशु मसीह में व्यक्ति, एकलौता जो दोषरहित है"

वह हमारे पापों का प्रायश्चित है
"यीशु मसीह ने अपनी मर्ज़ी से हमारे पापों के लिए अपना जीवन दिया, ताकि इसके फलस्वरूप परमेश्वर हमारे पापों को क्षमा कर दे" (युडीबी)

यदि हम उसकी आज्ञाओं को मानेंगे, तो इससे हम जान लेंगे कि हम उसे जान गए हैं
वाक्य "हम उसे जानते हैं" का अर्थ है कि "हमारा उसके साथ सम्बन्ध है." इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है कि "यदि हम वह करें जो वह हमें करने के लिए कहता है, तो हम निश्चित हो सकते हैं कि हमारा उसके साथ अच्छा सम्बन्ध है"

वह...उसका
यह शब्द परमेश्वर या यीशु के संदर्भ में हो सकते हैं।

1 John 2:4

जो कोई यह कहता है
"कोई भी जो यह कहता है" या "वह व्यक्ति जो कहता है"

मैं परमेश्वर को जानता हूँ
इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है कि, "मेरा परमेश्वर के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध है।"

नहीं मानता
"नहीं करता" या अवज्ञा करता है"

उसकी आज्ञाओं का
"जो परमेश्वर उसे करने के लिए कहता है"

उसमें सत्य नहीं
"वह नहीं मानता कि परमेश्वर जो कहता है वह सत्य है"

रखता
"करता" या "पालन करता"

उसका वचन
"जो परमेश्वर उसे करने के लिए कहता है"

परमेश्वर का प्रेम
इसके सम्भावित अर्थ हो सकते हैं 1) "हमारा परमेश्वर के लिए प्रेम" या 2) "परमेश्वर का हमारे लिए प्रेम।"

सचमुच उस व्यक्ति में परमेश्वर का प्रेम सिद्ध हुआ है
इसका एक सक्रिय वाक्य के रूप में अनुवाद किया जा सकता है: "पर वे जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करते हैं, वे लोग परमेश्वर को हर प्रकार से प्रेम करते हैं" (युडीबी) या "लोगों के लिए परमेश्वर के प्रेम ने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया है जब वे परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करते हैं।"

इससे हम जानते हैं कि हम उसमें हैं।
वाक्य "हम उसमें हैं" का अर्थ है कि एक विश्वासी हमेशा परमेश्वर से जुड़ा रहता है या परमेश्वर के साथ निरन्तर संगति में रहता है। अधिकतर 1 यूहन्ना में वाक्य "उसमें बना रहता है" का प्रयोग इसी अर्थ के सन्दर्भ में किया जाता है। इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है कि "जब हम परमेश्वर की आज्ञा का पालन करते हैं, तब हम निश्चित हो सकते हैं कि हम उसके साथ संगति में हैं।"

वह बना रहता है
"उसका सम्बन्ध है"

उसे चाहिए कि आप भी वैसे ही चले जैसे वह चलता था
"वैसे ही रहना चाहिए जैसे यीशु रहता था" या "परमेश्वर की आज्ञा का पालन वैसे ही करना चाहिए जैसे यीशु मसीह ने किया"

1 John 2:7

हे प्रियो!
इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है "मित्रो" या "मसीह में प्रिय विश्वासियो"

मैं तुम्हें कोई नई आज्ञा नहीं लिखता, पर पुरानी आज्ञा
यूहन्ना यीशु की एक दूसरे से प्रेम रखने की आज्ञा के विषय में कह रहा था। इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है कि " मैं तुम लोगों को एक-दूसरे से प्रेम रखने के लिए लिख रहा हूँ। यह कोई नई आज्ञा नहीं है बल्कि पुरानी आज्ञा है जो तुम्हें दी गई थी।"

आरम्भ से
"जहाँ से तुमने पहली बार मसीह में विश्वास किया था"

फिर भी मैं तुम्हें एक नई आज्ञा लिखता हूँ
इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है कि "एक प्रकार से जो आज्ञा मैं तुम्हें लिखता हूँ नई है।"

जो उसमें और तुम में सच्ची ठहरती है
इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है कि " यह नई है क्योंकि जो उसने किया वह नया था, और जो तुम कर रहे हो वह नया है।"

अंधेरा छट रहा है और सच्ची ज्योति पहले से चमक रही है
यहाँ "अन्धेरे" का तात्पर्य बुराई से है और "ज्योति" का अभिप्राय अच्छाई से है. इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है कि "क्योंकि तुम बुराई करना छोड़ रहे हो और अधिक से अधिक भलाई कर रहे हो."

1 John 2:9

जो कोई यह कहता है
"कोई भी जो कहता है" या "वे जो दावा करते हैं." (यु डी बी). इसका तात्पर्य किसी व्यक्ति विशेष से नहीं है।

वह ज्योति में है
यह सही प्रकार से जीवन जीने के विषय में बताने का एक तरीका है. जब लोग वह करते हैं जो सही है, वह उसे ज्योति में कर सकते हैं , और उसे अन्धेरे में छुपाने की आवश्यकता नहीं है. इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है " वह वो करता है जो सही है" या "वह सही करते हुए ज्योति में है."

अन्धकार में है
यह पापपूर्वक जीवन जीने के विषय में बोलने का एक तरीका है। जब लोग वह करते हैं जो गलत है, वे अन्धेरे में छिपना पसंद करते हैं. इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है "अन्धकार में है, वह करते हुए जो बुराई है।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उसके पास ठोकर खाने का अवसर नहीं है
"वह किसी भी प्रकार से ठोकर नहीं खाएगा।" शब्द "ठोकर" एक रूपक है जिसका अर्थ आत्मिक या नैतिक रूप में हार जाना है। इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है "कुछ भी उससे पाप नहीं करवा पाएगा" या "वह परमेश्वर को प्रसन्न करने में कभी भी नहीं चूकेगा।"

अंधकार में है और अन्धकार में चलता है
इस एक विचार को इस पर ज़ोर डालने के लिए दोहराया गया है कि अपने साथी-विश्वासी से बैर रखना कितना बुरा है. इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है "अन्धकार में रह रहा है" या "पाप के अन्धकार में रह रहा है।"

वह नहीं जानता कि वह कहाँ जा रहा है
यह एक रूपक है जिसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है कि "वह यह भी नहीं जानता कि वह जो कर रहा है वह बुराई है।"

अन्धकार ने उसकी आँखों पर पर्दा डाल दिया है
"अन्धकार के कारण वह देख नहीं पा रहा है।" इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है कि "पाप ने सत्य को समझने की उसकी समझ पर पर्दा डाल दिया है।"

1 John 2:12

हे बालको!
देखें कि आपने इसका अनुवाद में किस प्रकार किया है

तुम्हारे पाप क्षमा हुए हैं
इसका अनुवाद सक्रिय भाग के साथ किया जा सकता है : "परमेश्वर ने तुम्हारे पाप क्षमा कर दिए हैं" (युडीबी).

मसीह के नाम में
"मसीह का नाम" एक लक्षणालंकार है जिसका तात्पर्य मसीह से है और उस सब से जो उसने किया है." इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है "मसीह ने तुम्हारे लिए जो कुछ किया है उसके कारण" (युडीबी).

हे पितरो, मैं तुम्हें लिखता हूँ
शब्द "पितरो" यहाँ एक रूपक है और इसका अभिप्राय परिपक्व विश्वासियों से है। इसक अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है " हे परिपक्व विश्वासियो मैं तुम्हें लिखता हूँ।"

तुम जानते हो
"तुम्हारा एक सम्बन्ध है"

उसे जो आदि से है
"उसे जो आदि से जीवित है" या "उसे जो हमेशा से अस्तित्व में था." इसका तात्पर्य या तो "यीशु" से है या "पिता परमेश्वर" से है.

जवानों
यह रूपक उन विश्वासियों को सम्बोधित करती है जो अब नए नहीं रहे और आत्मिक परिपक्वता में बढ़ रहे हैं। इसका अनुवाद "युवा विश्वासी" के रूप में किया जा सकता है।

परमेश्वर का वचन तुम में बना रहता है।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है कि "तुम परमेश्वर का वचन जानते हो।"

जय पाई
"जय पाई" या "जीत लिया" या "हरा दिया" (युडीबी)

1 John 2:15

संसार से प्रेम न रखो
पद 2: 15-17 में शब्द "संसार" का तात्पर्य उन सभी चीज़ों से है जो लोग करते हैं और चाहते है और जो चीज़ें वे करना चाहते हैं वे परमेश्वर की महिमा नहीं करते. इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है कि "संसार के उन लोगों के समान व्यवहार मत करो जिससे परमेश्वर को महिमा न मिले." (युडीबी).

और न ही संसार की वस्तुओं से
"और न ही उन वस्तुओं की अभिलाषा करो जिनकी अभिलाषा वे लोग करते हैं जो परमेश्वर का अनादर करते हैं"

उसमें पिता का प्रेम नहीं है
इसका अर्थ यह है कि" वह परमेश्वर पिता से प्रेम नहीं करता है।"

यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उसमें पिता का प्रेम नहीं है
इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है "एक व्यक्ति इस संसार और उन सब बातों को जो परमेश्वर का अनादर करती हैं एक ही समय पर प्रेम नहीं कर सकता।"

वह सांसारिकता की सूची देता है, शरीर की अभिलाषा, आंखों की अभिलाषा, जीवित का घमण्ड, ये सब पिता परमेश्वर से नहीं है।
यह कुछ सांसारिक वस्तुओं की एक सूची है। "संसार में जो कुछ है" का क्या अर्थ है यह उसका वर्णन करती है।

शरीर की अभिलाषा
"शारीरिक सुख भोगने की तीव्र अभिलाषा"

आँखों की अभिलाषा
"जिन वस्तुओं को हम देखते हैं उन्हें प्राप्त करने की तीव्र अभिलाषा"

जीविका का घमण्ड
"व्यक्ति के पास क्या है उसकी डींग हांकना" या "अपनी वस्तुओं के कारण लोग जिस घमण्ड को महसूस करते हैं"

जीवन
इसका अभिप्राय यहाँ उन वस्तुओं से है जो लोगों के पास जीविका के लिए हैं जैसे कि सम्पति और धन।

पिता की ओर से नहीं है
इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है कि "पिता की ओर से नहीं आता" या "पिता परमेश्वर हमें इस प्रकार जीना नहीं सिखाता."

मिटते जा रहे हैं
"एक दिन यहाँ नहीं रहेंगे"

1 John 2:18

प्रिय बालको
देखें कि आपने इसका में किस प्रकार अनुवाद किया है।

यह अन्तिम समय है
वाक्य "अन्तिम समय" का तात्पर्य यीशु के संसार में सभी लोगों का न्याय करने आने से बिल्कुल पूर्व से है . इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है कि यीशु जल्दी लौटेगा."

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

इससे हम जानते हैं
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "और इस कारण हम जानते हैं" या "और क्योंकि अनेक मसीह विरोधी आ गए हैं, हम जानते हैं।"

अनेक मसीह विरोधी आ गए हैं
"अनेक लोग हैं जो मसीह विरोधी हैं।"

वे हम में से ही निकले हैं
"उन्होंने हमें छोड़ दिया"

पर वे हमारे नहीं थे
"पर वे हमारे कभी थे ही नहीं" या "वे हमारे समूह का भाग कभी थे ही नहीं." इसका कारण यह है कि वे मसीह में विश्वासी नहीं थे।

क्योंकि यदि वे हम में से होते, तो हमारे साथ रहते
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है कि "क्योंकि, यदि वे सच में विश्वासी होते तो हमें छोड़ कर नहीं जाते।"

वे इसलिए निकल गए कि यह प्रगट हो कि वे सब हम में से एक नहीं हैं
इसे एक सक्रिय अनुच्छेद के रूप में कहा जा सकता है :"वे निकल गए ताकि परमेश्वर हमें दिखा सके कि वे कभी विश्वासी थे ही नहीं."

1 John 2:20

पर तुम्हें पवित्र आत्मा के द्वारा अभिषेक किया गया है
"पर पवित्र आत्मा ने तुम्हें अभिषेक किया है." पुराने नियम में "अभिषेक" का तात्पर्य एक व्यक्ति के सिर पर तेल उन्डेल कर उसे परमेश्वर की सेवकाई के लिए अलग करना है. यहाँ "अभिषेक" से तात्पर्य यीशु का विश्वासियों को पवित्र आत्मा देने से है ताकि वह उन्हें परमेश्वर की सेवकाई के लिए अलग रख सके. इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "पर यीशु मसीह, जो पवित्र है, ने अपना आत्मा तुमको दिया है."

कोई झूठ सत्य का नहीं है
"कोई झूठ सत्य से नहीं आता है।" शब्द "सत्य" का इशारा परमेश्वर की ओर हो सकता है, वह जो सत्य से भरपूर है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "सत्य की ओर से कोई झूठ नहीं आता।"

1 John 2:22

उसके अतिरिक्त झूठा कौन है जो नकारता है कि यीशु ही मसीह है?
यूहन्ना ने एक आलंकारिक प्रश्न पूछा है ताकि वह ज़ोर डाल कर कह सके कि झूठे कौन हैं. इसका अनुवाद एक एक ऐसे प्रश्न क रूप में किया जा सकता है जिसका उत्तर है : "झूठा कौन है? वह कोई भी जो यह नकारता है कि यीशु ही मसीह है, झूठा है।"

इन्कार करता है कि यीशु ही मसीह है
"यीशु को मसीह स्वीकार करने से मना कर देता है" या "कहता है कि यीशु मसीह नहीं है"

पिता और पुत्र दोनों का इन्कार करता है
इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है " पिता और पुत्र के विषय में सत्य कहने से मना कर देता है" या "पिता और पुत्र को अस्वीकार कर देता है।"

उसके पास पिता नहीं है
"पिता से सम्बन्धित नहीं है"

पुत्र का अंगीकार करता है
"पुत्र के विषय में सत्य कहता है"

उसके पास पिता है
"पिता से सम्बंधित है"

1 John 2:24

जहां तक तुम्हारा सम्बन्ध है
2:24_26 में शब्द "तुम" बहुवचन है और उन लोगों को सम्बोधित करता है जिन्हें यूहन्ना पत्र लिख रहा है.

जो कुछ तुम ने आरम्भ से सुना है, उसे तुम में बना रहने दो
"जो कुछ तुम ने आरम्भ से सुना है उसे याद रखो और उसमें विश्वास करो।" उन्होंने इसे कैसे सुना, उन्होंने क्या सुना और "आरम्भ" का क्या अर्थ है उसे स्पष्ट किया जा सकता है : यीशु के विषय में हमने तुम्हें जो कुछ सिखाया है उस पर भरोसा बनाए रखो जैसा कि तुमने तब किया था जब तुम पहली बार विश्वासी बने थे।"

वह जो तुमने आरम्भ से सुना है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "हमने तुम्हें जो यीशु के विषय में सिखाया जब तुम पहले-पहल विश्वासी बने थे।"

यदि वह जो तुमने आरम्भ से सुना है तुम में बना रहता है
"यदि तुम जो हमने तुम्हें सिखाया है उस पर विश्वास बनाए रखो"

पुत्र और पिता में भी बने रहोगे
देखें कि इसका अनुवाद में किस प्रकार किया गया है

और जिसकी उसने हमसे प्रतिज्ञा की वह अनन्त जीवन है
"और यह है जिसको देने का उसने हमसे वायदा किया है ; अनन्त जीवन" या " और उसने हमसे हमें हमेशा जीवित रहने देने का वायदा किया है।"

उसने वायदा किया है
यहां शब्द "उसने" अत्यंत प्रभावी है और इसका तात्पर्य मसीह से है. शब्द "हमसे" का अभिप्राय यूहन्ना और बाकी सभी विश्वासियों से है , जिनमे वे सभी सम्मलित हैं जिन्हें वह पत्र लिख रहा है.

तुम्हें भरमा देगा
"तुम्हें झूठ पर विश्वास कराने की कोशिश करेगा" या " तुम्हारा ध्यान परमेश्वर और उसके सत्य से हटाना चाहेगा"

1 John 2:27

और तुम्हारा
2:27-29 में शब्द "तुम" बहुवचन है और इसका अभिप्राय उन लोगों से है जिन्हें यूहन्ना यह पत्र लिख रहा है.

अभिषेक
इसका अभिप्राय "परमेश्वर के आत्मा" से है।" में "अभिषेक" के विषय में नोट्स देखें।

जैसे उसका अभिषेक तुमको सिखाता है
"क्योंकि उसका अभिषेक तुमको सिखाता है"

सब बातें
यह वाक्य एक अतिश्योक्ति है. इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है "सब कुछ जो तुम जानना चाहते हो" (युडीबी)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उसमें बने रहो
देखें इस वाक्य का अनुवाद में किया गया था। एक व्यक्ति किस प्रकार यीशु में बना रहता है इसे स्पष्ट किया जा सकता है : "विश्वास कर के और उसकी आज्ञा का पालन कर के उसमें बने रहो।"

अत:
इस शब्द का प्रयोग पत्र के नए भाग का आरम्भ करने के प्रयोजन से किया गया है।

हे बालको!
देखें आपने इसका में किस प्रकार अनुवाद किया था।

वह प्रगट होता है
"हम उसे देखते हैं"

साहस
"आत्मविश्वास"

उसके आने से पहले
वाक्य "उसके आने" से तात्पर्य यीशु के संसार के राजा और न्यायी के रूप में पुनरागमन से है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "जब वह संसार का न्याय करने वापिस आएगा।"

उस से जन्मा है
"परमेश्वर से जन्मा है" या "परमेश्वर की सन्तान है"

Translation Questions

1 John 2:2

मसीह यीशु किसके पापों का प्रायश्चित है?
मसीह यीशु संपूर्ण जगत के पापों का प्रायश्चित है।

1 John 2:3

हम कैसे जानेंगे कि हम मसीह यीशु को जान गए हैं?
यदि हम उसकी आज्ञाओं को मानेंगे तो इससे हम जान लेंगे कि हम उसे जान गए हैं।

1 John 2:4

जो कहे कि वह परमेश्वर को जानता है परन्तु उसकी आज्ञाओं का पालन नहीं करता वह कैसा मनुष्य हैं?
जो यह कहे कि वह परमेश्वर को जानता है परन्तु उसकी आज्ञाओं का पालन नहीं करता वह झूठा है।

1 John 2:6

विश्वासी का चाल चलन कैसा हो?
विश्वासी को आप भी वैसा ही चलना है जैसा मसीह चलता था।

1 John 2:9

जो ज्योति में होने का दावा करके अपने भाई से बैर रखे उसकी आत्मिक दशा कैसी हैं?
जो यह कहता है कि मैं ज्योति में हूँ और अपने भाई से बैर रखता है वह अब तक अन्धकार ही में है।

1 John 2:12

परमेश्वर विश्वासियों के पाप क्यों क्षमा करता हैं?
परमेश्वर मसीह के नाम के कारण विश्वासियों के पाप क्षमा करता है।

1 John 2:15

यूहन्ना के अनुसार संसार की वस्तुओं के प्रति विश्वासी का व्यवहार कैसा होना हैं?
वह कहता है कि विश्वासी न तो संसार से और न ही संसार की वस्तुओं से लगाव रखें।

1 John 2:16

यूहन्ना कौन सी तीन सांसारिक बातों का उल्लेख करता है जो पिता परमेश्वर से नहीं है?
वह सांसारिकता की सूची देता है, शरीर की अभिलाषा, आंखों की अभिलाषा, जीवित का घमण्ड, ये सब पिता परमेश्वर से नहीं है।

1 John 2:18

यूहन्ना कैसे कह सकता है कि यह अन्तिम समय है?
वह कहता है कि यह अन्तिम समय है क्योंकि अनेक मसीह के विरोधी उठ खड़े हुए हैं।

यूहन्ना किसके लिए कहता है कि वह आनेवाला है?
वह कहता है कि मसीह का विरोधी आनेवाला है।

1 John 2:22

ख्रीस्त विरोधी की पहचान क्या होगी?
ख्रीस्त विरोधी पिता परमेश्वर और पुत्र का इन्कार करता है।

1 John 2:23

पुत्र का इन्कार करनेवाले के पास क्या पिता परमेश्वर हो सकता है?
नहीं, पुत्र का इन्कार करने वाले के पास पिता परमेश्वर हो ही नहीं सकता है।

1 John 2:24

पुत्र और पिता में बने रहने के लिए यूहन्ना विश्वासियों से क्या कहता है?
यूहन्ना विश्वासियों से कहता है कि उन्होने जो आरंभ से सुना है वह उन में बना रहे।

1 John 2:25

विश्वासियों से परमेश्वर ने क्या प्रतिज्ञा कि है?
परमेश्वर ने विश्वासियों से अनन्त जीवन की प्रतिज्ञा की है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 John 2:28

मसीह के पुनः आगमन पर पुत्र में बने रहनेवालों का स्वभाव कैसा होगा?
पुत्र में बने रहने से हमें हियाव होता है और उसके पुनः आगमन पर हम लज्जित नहीं होंगे।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 देखो, पिता ने हम से कैसा प्रेम किया है, कि हम परमेश्वर की सन्तान कहलाएँ, और हम हैं भी; इस कारण संसार हमें नहीं जानता, क्योंकि उसने उसे भी नहीं जाना। **2** हे प्रियों, अब हम परमेश्वर की सन्तान हैं, और अब तक यह प्रगट नहीं हुआ, कि हम क्या कुछ होंगे! इतना जानते हैं, कि जब यीशु मसीह प्रगट होगा तो हम भी उसके समान होंगे, क्योंकि हम उसको वैसा ही देखेंगे जैसा वह है। **3** और जो कोई उस पर यह आशा रखता है, वह अपने आप को वैसा ही पवित्र करता है*, जैसा वह पवित्र है।

4 जो कोई पाप करता है, वह व्यवस्था का विरोध करता है; और पाप तो व्यवस्था का विरोध है। **5** और तुम जानते हो, कि यीशु मसीह इसलिए प्रगट हुआ, कि पापों को हर ले जाए; और उसमें कोई पाप नहीं। (यूह. 1:29) **6** जो कोई उसमें बना रहता है, वह पाप नहीं करता: जो कोई पाप करता है, उसने न तो उसे देखा है, और न उसको जाना है।

7 प्रिय बालकों, किसी के भरमाने में न आना; जो धार्मिकता का काम करता है, वही उसके समान धर्मी है। **8** जो कोई पाप करता है, वह शैतान की ओर से है, क्योंकि शैतान आरम्भ ही से पाप करता आया है। परमेश्वर का पुत्र इसलिए प्रगट हुआ, कि शैतान के कामों को नाश करे।

9 जो कोई परमेश्वर से जन्मा है वह पाप नहीं करता; क्योंकि उसका बीज* उसमें बना रहता है: और वह पाप कर ही नहीं सकता, क्योंकि वह परमेश्वर से जन्मा है। **10** इसी से परमेश्वर की सन्तान, और शैतान की सन्तान जाने जाते हैं; जो कोई धार्मिकता नहीं करता, वह परमेश्वर से नहीं, और न वह जो अपने भाई से प्रेम नहीं रखता।

11 क्योंकि जो समाचार तुम ने आरम्भ से सुना, वह यह है, कि हम एक दूसरे से प्रेम रखें। **12** और कैन के समान न बनें, जो उस दुष्ट से था, और जिस ने अपने भाई की हत्या की। और उसकी हत्या किस कारण की? इसलिए कि उसके काम बुरे थे, और उसके भाई के काम धार्मिक थे। (भज. 38: 20)

13 हे भाइयों, यदि संसार तुम से बैर करता है तो अचम्भा न करना। **14** हम जानते हैं, कि हम मृत्यु से पार होकर जीवन में पहुँचे हैं; क्योंकि हम भाइयों से प्रेम रखते हैं जो प्रेम नहीं रखता, वह मृत्यु की दशा में रहता है। **15** जो कोई अपने भाई से बैर रखता है, वह हत्यारा है; और तुम जानते हो, कि किसी हत्यारे में अनन्त जीवन नहीं रहता।

16 हमने प्रेम इसी से जाना, कि उसने हमारे लिए अपने प्राण दे दिए; और हमें भी भाइयों के लिये प्राण देना चाहिए। **17** पर जिस किसी के पास संसार की संपत्ति हो और वह अपने भाई को जरूरत में देखकर उस पर तरस न खाना चाहे, तो उसमें परमेश्वर का प्रेम कैसे बना रह सकता है? (व्य. 15:7-8) **18** हे मेरे प्रिय बालकों, हम वचन और जीभ ही से नहीं, पर काम और सत्य के द्वारा भी प्रेम करें।

19 इसी से हम जानेंगे, कि हम सत्य के हैं; और जिस बात में हमारा मन हमें दोष देगा, उस विषय में हम उसके सामने अपने मन को आश्वस्त कर सकेंगे। **20** क्योंकि परमेश्वर हमारे मन से बड़ा है*; और सब कुछ जानता है। **21** हे प्रियों, यदि हमारा मन हमें दोष न दे, तो हमें परमेश्वर के सामने साहस होता है। **22** और जो कुछ हम माँगते हैं, वह हमें उससे मिलता है; क्योंकि हम उसकी आज्ञाओं को मानते हैं; और जो उसे भाता है वही करते हैं।

23 और उसकी आज्ञा यह है कि हम उसके पुत्र यीशु मसीह के नाम पर विश्वास करें और जैसा उसने हमें आज्ञा दी है उसी के अनुसार आपस में प्रेम रखें। **24** और जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानता है, वह उसमें, और परमेश्वर उनमें बना रहता है: और इसी से, अर्थात् उस आत्मा से जो उसने हमें दिया है, हम जानते हैं, कि वह हम में बना रहता है।

---

1 John 3:1

देखो पिता ने हमसे कैसा प्रेम किया है
"याद करो हमारा पिता परमेश्वर हमसे कितना प्रेम करता है" (युडीबी)

हम पर किया
"हमें दिया" या "हमें दिखाया"

हम... हमारे
3:1-3 में ये सर्वनाम यूहन्ना के , उसके श्रोताओं, और सभी विश्वासियों के सन्दर्भ में हैं.

हम परमेश्वर की सन्तान कहलाएं
इसका अनुवाद एक सक्रिय क्रिया के साथ किया जा सकता है: "परमेश्वर को हमें उसकी सन्तान पुकारना चाहिए."

संसार हमें नहीं जानता क्योंकि उसने उसे भी नहीं जाना
यहां "संसार" का अभिप्राय उन लोगों से है जो परमेश्वर का अनादर करते हैं. संसार ने क्या नहीं जाना स्पष्ट किया जा सकता है : "वे जो परमेश्वर का आदर नहीं करते , नहीं जानते कि हम परमेश्वर से सम्बन्ध रखते हैं, क्योंकि वे परमेश्वर को नहीं जानते

अभी तक यह प्रगट नहीं हुआ
इसका अनुवाद एक सक्रिय क्रिया के रूप में किया जा सकता है : "परमेश्वर ने प्रगट नहीं किया"

और जो कोई उस पर यह आशा रखता है, वह अपने आप को वैसा ही पवित्र करता है जैसा वह पवित्र है।
और जो कोई उस पर यह आशा रखता है, वह अपने आप को वैसा ही पवित्र करता है जैसा वह पवित्र है इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "हर एक जो आत्मविश्वास के साथ मसीह को देखने की आशा रखता है जैसे वो वास्तव में है वह अपने आप को पवित्र रखेगा क्योंकि मसीह पवित्र है।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 John 3:4

पाप करता है
"पाप में बना रहता है"(युडीबी)

व्यवस्था का विरोध करता है
"परमेश्वर के नियमों का पालन करने से इन्कार कर रहा है" (युडीबी)

तू
यहां "तुम" बहुवचन है और इसका अभिप्राय उन लोगों से है जिन्हें यूहन्ना पत्र लिख रहा है. (देखें:)

मसीह प्रगट हुआ था
इसका अनुवाद एक सक्रिय क्रिया के साथ किया जा सकता है : "मसीह प्रगट हुआ" या "पिता परमेश्वर ने मसीह को प्रकट किया।"

उसमें बना रहता है
देखें कि इसका में किस प्रकार अनुवाद किया गया था

न तो उसे देखा है और न उसको जाना है
यह एक ही बात पर ज़ोर डालने के लिए दो प्रकार से कहा गया है. इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "उसने कभी असल में उस पर विश्वास किया ही नहीं."

1 John 3:7

हे बालको
देखें कि आपने इसका अनुवाद में किस प्रकार किया है।

किसी के भरमाने में न आना
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "किसी को भी तुम्हें मूर्ख न बनाने दो" या "किसी को भी तुम्हें धोखा न देने दो" (युडीबी)

वह जो धर्म के काम करता है धर्मी है, जैसे कि मसीह धर्मी है।
इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है "वह जो सही कार्य करता है परमेश्वर को प्रसन्न करता है वैसे ही जैसे मसीह परमेश्वर को प्रसन्न करने वाला है।"

पाप करता है
"बार-बार पाप करता रहता है" (युडीबी)

शैतान की ओर से है
"शैतान से सम्बंधित है" या "शैतान के जैसा है" (युडीबी)

आरम्भ से
यह संसार की रचना के आरम्भिक समय के सन्दर्भ में है , मनुष्य के प्रथम पाप से भी पहले. इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है "संसार की रचना के आरम्भ के समय से."

परमेश्वर का पुत्र प्रकट किया गया था
इसका अनुवाद सक्रिय वाक्यांश के साथ किया जा सकता है: "परमेश्वर ने अपना पुत्र प्रकट किया"

1 John 3:9

जो कोई भी परमेश्वर से जन्मा है
इसका अनुवाद एक सक्रिय वाक्यांश के साथ किया जा सकता है : "जिसे भी परमेश्वर ने अपनी सन्तान बना लिया है."

पाप नहीं करता
"निरन्तर पाप नहीं कर सकता" (युडीबी)

परमेश्वर का बीज
इसमें एक भौतिक बीज जिसे धरती में बोया और उगाया जाता है की तुलना पवित्र आत्मा से की गई है जिसे परमेश्वर विश्वासियों में रोपता है , जो उन्हें पाप का सामना करने की और वह करने की जो परमेश्वर को प्रसन्न करे शक्ति देता है. इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है " पवित्र आत्मा."

वह परमेश्वर से जन्मा है
इसका अनुवाद एक सक्रिय वाक्यांश के साथ किया जा सकता है : परमेश्वर ने उसे एक नया आत्मिक जीवन दिया है " या " वह परमेश्वर की सन्तान है।"

इसके द्वारा परमेश्वर की सन्तान और शैतान की सन्तान को प्रकट किया गया है।
इसका अनुवाद एक सक्रिय वाक्यांश के साथ किया जा सकता है : " इस प्रकार हम जान सकते हैं कि कौन परमेश्वर की सन्तान है और कौन शैतान की।"

1 John 3:11

हमें प्रेम करना चाहिए
यहाँ , शब्द "हम" का सन्दर्भ सभी विश्वासियों से है.

और उसने उसको क्यों घात किया? क्योंकि
यूहन्ना अपने श्रोताओं को सिखाने के लिए एक प्रश्न का प्रयोग करता है. इसका अनुवाद एक कथन के रूप में किया जा सकता है : "उसने उसे मारा क्योंकि " (देखें:)

उसके काम बुरे थे और उसके छोटे भाई के काम धर्म के थे
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "क्योंकि वह हमेशा बुरे काम कर रहा था जैसे कि उसका छोटा भाई अच्छे काम कर रहा था।"

1 John 3:13

अचम्भा न करना
"हैरान मत होना।"

हे भाइयों
“सहविश्वासियों में”

यदि संसार तुम से बैर करता है।
यहां शब्द "संसार" का तात्पर्य उन लोगों से है जो परमेश्वर का अनादर करते हैं। इसका अनुवाद ऐसे किया जा सकता है कि "यदि वे जो परमेश्वर का आदर नहीं करते, तुमसे घृणा करते है जो कि परमेश्वर का आदर करते हैं

हम मृत्यु से पार होकर जीवन में पहुंचे हैं
"हम अब आत्मिक रूप में मृत नहीं है वरन आत्मिक रूप में जीवित हैं"

मृत्यु में रहता है
"अभी भी आत्मिक रूप में मृत है"

जो कोई अपने भाई से बैर रखता है वह हत्यारा है
यह एक व्यक्ति की तुलना जो दूसरे विश्वासी से बैर रखता है एक हत्यारे से करता है. क्योंकि हत्या करने का कारण बैर है , परमेश्वर किसी भी बैर रखने वाले को किसी की हत्या करने वाले के समान दोषी मानता है. इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "जो कोई भी दूसरे विश्वासी से बैर रखता है किसी हत्या करने वाले के समान ही दोषी है."

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उसमें अनन्त जीवन रहता है
"अनन्त जीवन" वह है जो परमेश्वर एक विश्वासी को तब देता है जो हमें मरने के बाद प्राप्त होता है, पर यह एक सामर्थ भी है जो परमेश्वर विश्वासियों को इस जीवन में देता है ताकि यह उनकी पाप को छोड़ने में मदद कर सके और वह कर सके जिससे परमेश्वर प्रसन्न होता है। इसका अनुवाद ऐसे भी किया जा सकता है "उसके अन्दर उसके पास आत्मिक जीवन का सामर्थ है।"

1 John 3:16

यीशु ने हमारे लिए अपने प्राण दे दिए
इस अभिव्यक्ति का अर्थ है "यीशु ने अपनी इच्छा से हमारे लिए अपने प्राण दे दिए."

संसार की सम्पति
इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है "भौतिक सम्पति जैसे कि पैसा, भोजन, या कपड़े।"

अपने भाई की आवश्यकता की ओर ध्यान देता है
" और एहसास करता है कि उसके साथी विश्वासी को आवश्यकता है "

और अपने हृदय को उस पर दया करने से रोक ले
इस अभिव्यक्ति का अर्थ है "पर दया नहीं दिखाता"

परमेश्वर का प्रेम उसमें कैसे रह सकता है
यूहन्ना अपने श्रोताओं को सिखाने के लिए एक प्रश्न का प्रयोग करता है. इसका अनुवाद एक कथन के रूप में किया जा सकता है : "परमेश्वर का प्रेम उसमें नहीं है."

हे मेरे बालको
देखें कि आपने इसका अनुवाद 1 यूहन्ना : 02:01

वचन और जीभ से ही नहीं, पर काम और सत्य के द्वारा भी प्रेम करें
वाक्य "वचन से" और "जीभ से" का मूलतः समान अर्थ है. इसका सन्दर्भ एक व्यक्ति जो यह कहता है उससे है. इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है कि "केवल कहो नहीं कि तुम लोगों से प्रेम करते हो."

पर काम और सत्य के साथ
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "पर यदि आप लोगों को सच्चा प्रेम करते हो तो उनकी सहायता करके इसका प्रदर्शन करो।"

1 John 3:19

हम सत्य के हैं
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "हम उस प्रकार से रह रहे हैं जैसा हमें यीशु ने सिखाया है।"

मन को ढाढस दें
मन को ढाढस दें - 3: 19-22 में शब्द "हृदय" का सन्दर्भ एक व्यक्ति के विवेक या उसकी सोचने की क्रिया से है जिसके विषय में परमेश्वर उसे सचेत कराता है कि वह पाप कर रहा है. इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "हम परमेश्वर की उपस्थिति में अपने आप को अपराधी महसूस नहीं करेंगे." (युडीबी)

परमेश्वर हमारे मन से बड़ा है
इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है "हम जानते हैं कि परमेश्वर हमारे मन से बेहतर न्याय करता है।"

और जो उसे भाता है वही करते हैं।
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "हम वह करते हैं जो उसे प्रसन्न करता है"

1 John 3:23

यह उसकी आज्ञा है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "परमेश्वर की इच्छा है कि हम यह करें।"

जो उसमें बना रहता है और परमेश्वर उसमें बना रहता है
देखें कि में इसका अनुवाद किस प्रकार किया गया था।

क्योंकि प्रेम परमेश्वर कि ओर से है
इसका अनुवाद ऐसे किया जा सकता है "क्योंकि परमेश्वर हमारे एक-दूसरे से प्रेम रखने का कारण है"

परमेश्वर से जन्मा
यह एक रूपक है जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से इस प्रकार का सम्बन्ध रखो जैसा एक बालक अपने पिता से करता है

और प्रत्येक जो प्रेम करता है परमेश्वर से जन्मा है और उसे जानता है।
इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है "क्योंकि वे जो अपने साथी विश्वासियों से प्रेम रखते हैं परमेश्वर की सन्तान बन गए हैं और उसे जानते हैं।" (युडीबी)

जो प्रेम नहीं रखता वह परमेश्वर को नहीं जानता, क्योंकि परमेश्वर प्रेम है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "परमेश्वर का स्वभाव सभी लोगों से प्रेम करना है। वे जो अपने साथी विश्वासियों से प्रेम नहीं रखते परमेश्वर को नहीं जानते क्योंकि परमेश्वर का स्वभाव लोगों से प्रेम रखना है।"

Translation Questions

1 John 3:1

पिता के प्रेम के कारण विश्वासी क्या कहलाए?
पिता ने उन्हे ऐसा प्रेम किया कि वे परमेश्वर की सन्तान कहलाए।

1 John 3:2

मसीह के प्रकट होने पर विश्वासियों का क्या होगा?
मसीह के प्रकट होने पर विश्वासी उसके समान होंगे और उसको वैसा ही देखेंगे जैसा वह है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 John 3:3

मसीह में आशा रखनेवाला प्रत्येक विश्वासी क्या करता है?
मसीह में आशा रखनेवाला प्रत्येक विश्वासी स्वयं को शुद्ध करता है।

1 John 3:5

मसीह में क्या नहीं था?
मसीह निष्पाप था।

1 John 3:6

पाप करनेवाले का मसीह के साथ कैसा संबन्ध है?
जो पाप करता रहता है उसने न तो मसीह को देखा और न ही उसे कभी जाना है।

1 John 3:7

परमेश्वर की सन्तान और शैतान की सन्तान कैसे प्रकट होती हैं?
परमेश्वर की सन्तान धर्म के कामों से और शैतान की सन्तान पाप से प्रकट होती है।

1 John 3:8

परमेश्वर का पुत्र क्यों आया था?
परमेश्वर का पुत्र आया कि शैतान के कामों को नष्ट करें।

1 John 3:10

विश्वासियों के प्रति कैसा व्यवहार परमेश्वर की सन्तान होने का प्रमाण हैं?
विश्वासियों से प्रेम रखना दर्शाता है कि कोई परमेश्वर की सन्तान है।

1 John 3:12

कैन ने क्या किया कि वह उस दुष्ट की सन्तान हुआ?
कैन ने अपने भाई की हत्या करके प्रकट किया कि वह दुष्ट की सन्तान है।

1 John 3:13

यूहन्ना किस बात के लिए कहता है कि विश्वासी अचम्भा न करें?
यूहन्ना कहता है कि संसार विश्वासियों से बैर रखे तो वे अचम्भा न करें।

1 John 3:16

हम कैसे जानते हैं कि प्रेम क्या है?
हमने प्रेम इसी से जाना कि उसने हमारे लिए अपने प्राण दे दिए।

1 John 3:17

जब कोई भाई आवश्यक्ता में हो तो विश्वासी परमेश्वर का प्रेम कैसे प्रकट करेगा?
विश्वासी अपनी संसारिक सम्पदा से किसी आवश्यक्ता ग्रस्त भाई की सहायता में परमेश्वर का प्रेम प्रकट करते हैं।

1 John 3:19

जब कोई विश्वासी कार्य और सत्य के द्वारा परमेश्वर का प्रेम प्रकट करता है तब वह अपने लिए क्या पाता है?
जब हम कार्य और सत्य के द्वारा परमेश्वर का प्रेम प्रकट करते है तब वह अपने लिए परमेश्वर के सामने ढाढ़स और आत्मविश्वास पाएंगे।

1 John 3:23

यूहन्ना विश्वासियों को परमेश्वर की कौन सी आज्ञा स्मरण कराता है?
यूहन्ना विश्वासियों को परमेश्वर की आज्ञा स्मरण कराता है कि वे परमेश्वर के पुत्र, मसीह यीशु के नाम में विश्वास करें और एक दूसरे से प्रेम करें।

1 John 3:24

परमेश्वर ने विश्वासियों को क्या दिया है जिससे वे जानते है कि परमेश्वर उनमें बना रहता है?
परमेश्वर ने विश्वासियों को आत्मा दिया है जिससे वे जानते हैं कि परमेश्वर उनमें अन्तर्वास करता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 हे प्रियों, हर एक आत्मा पर विश्वास न करो*: वरन् आत्माओं को परखो, कि वे परमेश्वर की ओर से हैं कि नहीं; क्योंकि बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता जगत में
निकल खड़े हुए हैं। **2** परमेश्वर की आत्मा को तुम इसी रीति से पहचान सकते हो, कि जो कोई आत्मा मान लेती है, कि यीशु मसीह शरीर में होकर आया है वह
परमेश्वर की ओर से है। **3** और जो कोई आत्मा यीशु को नहीं मानती, वह परमेश्वर की ओर से नहीं है; यही मसीह के विरोधी की आत्मा है; जिसकी चर्चा तुम
सुन चुके हो, कि वह आनेवाला है और अब भी जगत में है।

4 हे प्रिय बालकों, तुम परमेश्वर के हो और उन आत्माओं पर जय पाई है; क्योंकि जो तुम में है, वह उससे जो संसार में है, बड़ा है। **5** वे आत्माएँ संसार के हैं,
इस कारण वे संसार की बातें बोलते हैं, और संसार उनकी सुनता है। **6** हम परमेश्वर के हैं। जो परमेश्वर को जानता है, वह हमारी सुनता है; जो परमेश्वर को
नहीं जानता वह हमारी नहीं सुनता; इसी प्रकार हम सत्य की आत्मा और भ्रम की आत्मा को पहचान लेते हैं।

7 हे प्रियों, हम आपस में प्रेम रखें; क्योंकि प्रेम परमेश्वर से है और जो कोई प्रेम करता है, वह परमेश्वर से जन्मा है और परमेश्वर को जानता है। **8** जो प्रेम नहीं
रखता वह परमेश्वर को नहीं जानता है, क्योंकि परमेश्वर प्रेम है।

9 जो प्रेम परमेश्वर हम से रखता है, वह इससे प्रगट हुआ कि परमेश्वर ने अपने एकलौते पुत्र को जगत में भेजा है कि हम उसके द्वारा जीवन पाएँ। **10** प्रेम
इसमें नहीं कि हमने परमेश्वर से प्रेम किया पर इसमें है, कि उसने हम से प्रेम किया और हमारे पापों के प्रायश्चित के लिये अपने पुत्र को भेजा।

11 हे प्रियों, जब परमेश्वर ने हम से ऐसा प्रेम किया, तो हमको भी आपस में प्रेम रखना चाहिए।

12 परमेश्वर को कभी किसी ने नहीं देखा*; यदि हम आपस में प्रेम रखें, तो परमेश्वर हम में बना रहता है; और उसका प्रेम हम में सिद्ध होता है। **13** इसी से हम
जानते हैं, कि हम उसमें बने रहते हैं, और वह हम में; क्योंकि उसने अपनी आत्मा में से हमें दिया है। **14** और हमने देख भी लिया और गवाही देते हैं कि पिता ने
पुत्र को जगत का उद्धारकर्ता होने के लिए भेजा है।

15 जो कोई यह मान लेता है, कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है परमेश्वर उसमें बना रहता है, और वह परमेश्वर में। **16** और जो प्रेम परमेश्वर हम से रखता है,
उसको हम जान गए, और हमें उस पर विश्वास है। परमेश्वर प्रेम है; जो प्रेम में बना रहता है वह परमेश्वर में बना रहता है; और परमेश्वर उसमें बना रहता है।

17 इसी से प्रेम हम में सिद्ध हुआ, कि हमें न्याय के दिन साहस हो; क्योंकि जैसा वह है, वैसे ही संसार में हम भी हैं। **18** प्रेम में भय नहीं होता*, वरन् सिद्ध प्रेम
भय को दूर कर देता है, क्योंकि भय का सम्बन्ध दण्ड से होता है, और जो भय करता है, वह प्रेम में सिद्ध नहीं हुआ।

19 हम इसलिए प्रेम करते हैं, क्योंकि पहले उसने हम से प्रेम किया। **20** यदि कोई कहे, “मैं परमेश्वर से प्रेम रखता हूँ,” और अपने भाई से बैर रखे; तो वह झूठा
है; क्योंकि जो अपने भाई से, जिसे उसने देखा है, प्रेम नहीं रखता, तो वह परमेश्वर से भी जिसे उसने नहीं देखा, प्रेम नहीं रख सकता। **21** और उससे हमें यह
आज्ञा मिली है, कि जो कोई अपने परमेश्वर से प्रेम रखता है, वह अपने भाई से भी प्रेम रखे।

---

1 John 4:1

हर एक आत्मा की प्रतीति न करो
4: 1-3 शब्द "आत्मा" आत्मिक सामर्थ या अस्तित्व के सन्दर्भ में है जो व्यक्ति को एक सन्देश या भविष्यवाणी देता है। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "प्रत्येक भविष्यद्वक्ता पर भरोसा करो जो आत्मा की ओर से सन्देश होने का दावा करता है।"

वरन आत्माओं को परखो
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "परन्तु सुनिश्चित कर लो कि तुम भविष्यद्वक्ता की कही जाने वाली हर बात को ध्यानपूर्वक सुनो।"

शरीर में आया है
"मनुष्य का रूप ले लिया है" या "भौतिक शरीर में आया है"

यह मसीह के विरोधी की आत्मा है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "वे ऐसे शिक्षक हैं जो मसीह का विरोध करते हैं " (युडीबी)

तुम सुन चुके हो कि वह आने वाला है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "तुम सुन चुके हो कि उस प्रकार के लोग हमारे बीच आ रहे हैं।"

और अब भी जगत में है।
इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है "अभी भी वह यहाँ पहले से ही हैं!" (युडीबी)

1 John 4:4

तुम परमेश्वर के हो
"तुम परमेश्वर से सम्बन्ध रखते हो।"

हे बालको!
देखें आपने इसका में किस प्रकार अनुवाद किया था।

उन आत्माओं पर विजय पाई है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है,“इन झूठे शिक्षकों पर विश्वास नहीं किया”

वह जो तुम में है
वह जो तुम में है - "वह" का अभिप्राय परमेश्वर से है।

वह जो संसार में है
"वह" यहाँ शैतान के सन्दर्भ में है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

संसार
शब्द संसार का सन्दर्भ उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं करते।

वे आत्माएं संसार की हैं
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "ये झूठे शिक्षक वे लोग हैं जो परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं करते।"

इसलिए वे जो कुछ भी कहते हैं संसार का है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "इसलिए वे उन विचारों को सिखाते हैं जो परमेश्वर के विरुद्ध हैं"

और संसार उन्हें सुनता है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "इसलिए वे लोग जो परमेश्वर का आज्ञा पालन नहीं करते उनकी सुनते हैं"

1 John 4:7

हे प्रियो!
"प्रिय मित्रो."(युडीबी)

हम आपस में प्रेम रखें
" विश्वासियों को दूसरे विश्वासियों से प्रेम रखना चाहिए।"

परमेश्वर प्रेम है
यह एक रूपक है जिसका अर्थ है "परमेश्वर का स्वभाव प्रेम है."

क्योंकि प्रेम परमेश्वर कि ओर से है
इसका अनुवाद ऐसे किया जा सकता है "क्योंकि परमेश्वर हमारे एक-दूसरे से प्रेम रखने का कारण है"

परमेश्वर से जन्मा
यह एक रूपक है जिसका अर्थ यह है कि जिस प्रकार एक बच्चे का सम्बन्ध अपने पिता से होता है उसी प्रकार का सम्बन्ध परमेश्वर से रखो।

और प्रत्येक जो प्रेम करता है परमेश्वर से जन्मा है और उसे जानता है।
इसका अनुवाद ऐसे किया जा सकता है "क्योंकि वे जो अपने साथी विश्वासियों को प्रेम करते हैं परमेश्वर की सन्तान बन गए हैं और उसे जानते हैं." (युडीबी)

जो प्रेम नहीं रखता वह परमेश्वर को नहीं जानता, क्योंकि परमेश्वर प्रेम है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "परमेश्वर का स्वभाव सभी लोगों को प्रेम करना ही। वे जो अपने साथी विश्वासियों से प्रेम नहीं रखते परमेश्वर को नहीं जानते क्योंकि परमेश्वर का स्वभाव लोगों से प्रेम रखना है।"

1 John 4:9

इस में परमेश्वर का प्रेम हम पर प्रगट हुआ था।
इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है "परमेश्वर ने अपना प्रेम हम पर प्रगट किया,"

ताकि हम उसके द्वारा जीवन पाएं
इसका अनुवाद इस तरह किया जा सकता है "यीशु ने जो किया उसके कारण हमें अनन्त जीवन जीने योग्य बनाया।"

इसमें प्रेम है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "परमेश्वर ने हमें दिखाया कि सच्चा प्रेम क्या है"

प्रेम इस में नहीं कि हम ने परमेश्वर से प्रेम किया,
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सका है "यह हमारे परमेश्वर के लिए प्रेम के जैसे नहीं है"

प्रायश्चित
प्रायश्चित का अर्थ पापों का प्रायश्चित के लिए बलिदान है

और हमारे पापों के प्रायश्चित के लिए अपने पुत्र को भेजा
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "और अपने पुत्र को भेजा ताकि वह अपने आप को कुर्बान कर सके और परमेश्वर हमारे पापों को माफ़ कर सके."

1 John 4:11

हे प्रियो!
"प्रिय मित्रो." (युडीबी)

यदि परमेश्वर ने हम से ऐसा प्रेम किया
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "क्योंकि परमेश्वर ने हम से इतना प्रेम किया"

एक-दूसरे से प्रेम रखो
" विश्वासियों को दूसरे विश्वासियों से प्रेम रखना चाहिए।"

परमेश्वर हम में बना रहता है...हम उसमें और वह हम में बना रहता है
देखें इसका अनुवाद में किस प्रकार किया गया था

उसका प्रेम हम में सिद्ध हो गया है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "परमेश्वर का प्रेम हम में सिद्ध करता है."

क्योंकि उसने अपने आत्मा में से हमे दिया है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "क्योंकि उसने अपना पवित्र आत्मा हम में उंडेल दिया है"

और हम ने देखा और इसकी गवाही दी है कि पिता ने पुत्र को संसार का उद्धारकर्ता बनने के लिए भेजा है।
इसका अनुवाद ऐसे किया जा सकता है "और हम प्रेरितों के परमेश्वर के पुत्र को देखा है और सबको बताते हैं कि पिता परमेश्वर ने अपने पुत्र को इस पृथ्वी के लोगों को बचाने के लिए भेजा है।"

1 John 4:15

जो कोई भी मान लेता है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है
"वे जो यीशु के विषय में सत्य बोलते हैं, कि वह परमेश्वर का पुत्र है." (युडीबी)

परमेश्वर उसमें बना रहता है और वह परमेश्वर में
देखें इसका अनुवाद में किस प्रकार किय गया था

परमेश्वर प्रेम है
परमेश्वर प्रेम है - यह एक रूपक है जिसका अर्थ है "परमेश्वर का स्वभाव प्रेम है."

और वह जो प्रेम में बना रहता है परमेश्वर में बना रहता है, और परमेश्वर उसमें बना रहता है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "वे जो दूसरों से प्रेम करना जारी रखते हैं उनका परमेश्वर से निकट सम्बन्ध होता है और परमेश्वर का उनसे निकट सम्बन्ध होता है।")

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

1 John 4:17

इसी से प्रेम हम में सिद्ध हुआ कि हमें न्याय के दिन हियाव हो
संभवित अर्थ हैं 1) "यह" शब्द का सन्दर्भ वापिस 4:16 से लिया गया है. वैकल्पिक अनुवाद: "और जब एक व्यक्ति प्रेम में जीता है, और वह परमेश्वर में है और परमेश्वर उसमें हैं, हमारा प्रेम सम्पूर्ण है और, हमें न्याय के दिन के लिए पूर्ण विश्वास हो." या 2) "यह" शब्द का सन्दर्भ "आत्मविश्वास" से है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब हमें विश्वास है कि परमेश्वर न्याय के दिन स्वीकार कर लेगा, तब हम कह सकते हैं कि हमारा प्रेम आपस में सिद्ध हुआ।"

क्योंकि जैसा वह है वैसे ही संसार में हम भी हैं
"क्योंकि जो सम्बन्ध यीशु का परमेश्वर के साथ है वही सम्बन्ध इस संसार में हमारा परमेश्वर के साथ है"

प्रेम में भय नहीं होता
यहाँ "प्रेम" का वर्णन एक व्यक्ति के रूप में किया गया है जिसमें भय मिटाने का सामर्थ है. वैकल्पिक अनुवाद : "परन्तु जब हमारा प्रेम सिद्ध हो जाता है हमारा भय भी नहीं रहता."

क्योंकि भय का सम्बन्ध दंड से है
"क्योंकि हम डरते हैं यदि हम सोचते हैं कि परमेश्वर हमें दंड देगा जब वह हर एक का न्याय करने आएगा"

परन्तु वह जो डरता है प्रेम में सिद्ध नहीं किया गया
"जब एक व्यक्ति डरता है कि परमेश्वर उसे दंड देगा इसका अर्थ यह है कि उसका प्रेम सिद्ध नहीं है"

1 John 4:19

हम
हम- इसका सन्दर्भ यूहन्ना , जिन लोगों को वह पत्र लिख रहा है, और हर जगह के विश्वासियों से है."

भाई से बैर रखता है
भाई से बैर रखता है - "साथी विश्वासी से बैर रखता है." (युडीबी)

उसकी आज्ञा है -"
"उसकी" का तात्पर्य परमेश्वर से है।

Translation Questions

1 John 4:1

यूहन्ना विश्वासियों को क्यों चेतावनी देता है कि वे हर एक आत्मा की प्रतीति न करें?
यूहन्ना विश्वासियों को चेतावनी देता है क्योंकि संसार में अनके झूठे भविष्यद्वक्ता निकल खड़े हुए हैं।

1 John 4:2

आप कैसे पहचानेंगे कि जो बातें कर रहा है वह परमेश्वर का आत्मा है?
हर एक आत्मा जो मान लेती है कि मसीह यीशु शरीर में होकर आया है और वह परमेश्वर की ओर से है वह परमेश्वर का आत्मा है।

1 John 4:3

मसीह यीशु के देह धारण को नहीं माननेवाली आत्मा कौन है?
ख्रीस्त विरोधी की आत्मा नहीं मानती है कि मसीह यीशु देहधारी हुआ है।

1 John 4:4

यूहन्ना किस को बड़ा आत्मा कहता है?
जो आत्मा विश्वासियों में अन्तर्वासी है वह उससे जो संसार में है, बड़ा है।

1 John 4:7

विश्वासियों का ऐसा कौन सा काम है जो प्रकट करता है कि वे परमेश्वर को जानते हैं और उसके स्वरूप में है?
विश्वासियों का आपसी प्रेम प्रकट करता है कि वे परमेश्वर को जानते हैं क्योंकि परमेश्वर प्रेम है।

1 John 4:9

परमेश्वर ने हमारे प्रति अपना प्रेम कैसे प्रकट किया हैं?
परमेश्वर ने संसार में अपने एक लौते पुत्र को भेजकर हमारे प्रति अपना प्रेम प्रकट किया है।

1 John 4:10

पिता परमेश्वर ने अपना पुत्र क्यों भेजा?
परमेश्वर ने अपना पुत्र भेजा कि हमारे पापों का प्रायश्चित और संसार का उद्धारकर्ता हो।

1 John 4:15

सच्चे विश्वासी यीशु का कैसा अंगीकार करते हैं?
सच्चे विश्वासी अंगीकार करते हैं कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है।

1 John 4:17

जो प्रेम में और परमेश्वर में बने रहते हैं, न्याय के दिन उनका स्वभाव कैसा होगा?
जो प्रेम में और परमेश्वर में बना रहता है उसे न्याय के दिन हियाव होता है।

1 John 4:19

हम प्रेम करने योग्य क्यों हैं?
हम प्रेम इसलिए करते हैं कि परमेश्वर ने हम से पहले प्रेम किया है।

1 John 4:20

अपने भाई से घृणा करनेवाले का संबन्ध परमेश्वर से कैसा है?
जो अपने भाई से घृणा करे वह परमेश्वर से प्रेम नहीं कर सकता।

1 John 4:21

परमेश्वर से प्रेम करनेवाले और क्या करेंगे?
परमेश्वर से प्रेम करनेवाले अपने भाई से भी निश्चय ही प्रेम करेंगे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 जिसका यह विश्वास है कि यीशु ही मसीह है, वह परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है* और जो कोई उत्पन्न करनेवाले से प्रेम रखता है, वह उससे भी प्रेम रखता है, जो उससे उत्पन्न हुआ है। **2** जब हम परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, और उसकी आज्ञाओं को मानते हैं, तो इसी से हम यह जान लेते हैं, कि हम परमेश्वर की सन्तानों से प्रेम रखते हैं। **3** क्योंकि परमेश्वर का प्रेम यह है, कि हम उसकी आज्ञाओं को मानें; और उसकी आज्ञाएँ बोझदायक नहीं। (मत्ती 11:30)

4 क्योंकि जो कुछ परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है, वह संसार पर जय प्राप्त करता है, और वह विजय जिससे संसार पर जय प्राप्त होती है हमारा विश्वास है। **5** संसार पर जय पानेवाला कौन है? केवल वह जिसका विश्वास है, कि यीशु, परमेश्वर का पुत्र है।

6 यह वही है, जो पानी और लहू के द्वारा आया था; अर्थात् यीशु मसीह: वह न केवल पानी के द्वारा, वरन् पानी और लहू दोनों के द्वारा आया था। और यह आत्मा है जो गवाही देता है, क्योंकि आत्मा सत्य है। **7** और गवाही देनेवाले तीन हैं; **8** आत्मा, पानी, और लहू; और तीनों एक ही बात पर सहमत हैं।

9 जब हम मनुष्यों की गवाही मान लेते हैं, तो परमेश्वर की गवाही तो उससे बढ़कर है; और परमेश्वर की गवाही* यह है, कि उसने अपने पुत्र के विषय में गवाही दी है। **10** जो परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास करता है, वह अपने ही में गवाही रखता है; जिस ने परमेश्वर पर विश्वास नहीं किया, उसने उसे झूठा ठहराया; क्योंकि उसने उस गवाही पर विश्वास नहीं किया, जो परमेश्वर ने अपने पुत्र के विषय में दी है।

11 और वह गवाही यह है, कि परमेश्वर ने हमें अनन्त जीवन दिया है और यह जीवन उसके पुत्र में है। **12** जिसके पास पुत्र है, उसके पास जीवन है; और जिसके पास परमेश्वर का पुत्र नहीं, उसके पास जीवन भी नहीं है।

13 मैंने तुम्हें, जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते हो, इसलिए लिखा है कि तुम जानो कि अनन्त जीवन तुम्हारा है।

14 और हमें उसके सामने जो साहस होता है, वह यह है; कि यदि हम उसकी इच्छा के अनुसार कुछ माँगते हैं*, तो हमारी सुनता है। **15** और जब हम जानते हैं, कि जो कुछ हम माँगते हैं वह हमारी सुनता है, तो यह भी जानते हैं, कि जो कुछ हमने उससे माँगा, वह पाया है।

16 यदि कोई अपने भाई को ऐसा पाप करते देखे, जिसका फल मृत्यु न हो, तो विनती करे, और परमेश्वर उसे उनके लिये, जिन्होंने ऐसा पाप किया है जिसका फल मृत्यु न हो, जीवन देगा। पाप ऐसा भी होता है जिसका फल मृत्यु है इसके विषय में मैं विनती करने के लिये नहीं कहता। **17** सब प्रकार का अधर्म तो पाप है, परन्तु ऐसा पाप भी है, जिसका फल मृत्यु नहीं।।

18 हम जानते हैं, कि जो कोई परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है, वह पाप नहीं करता; पर जो परमेश्वर से उत्पन्न हुआ, उसे वह बचाए रखता है: और वह दुष्ट उसे छूने नहीं पाता। **19** हम जानते हैं, कि हम परमेश्वर से हैं, और सारा संसार उस दुष्ट के वश में पड़ा है।

20 और यह भी जानते हैं, कि परमेश्वर का पुत्र आ गया है और उसने हमें समझ दी है, कि हम उस सच्चे को पहचानें, और हम उसमें जो सत्य है, अर्थात् उसके पुत्र यीशु मसीह में रहते हैं। सच्चा परमेश्वर और अनन्त जीवन यही है। **21** हे बालकों, अपने आप को मूरतों से बचाए रखो।

---

1 John 5:1

परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है
"परमेश्वर की सन्तान है"

उसकी जो पिता बना
"पिता." वैकल्पिक अनुवाद : "वह जिसने हमें अपनी सन्तान बनाया"

उससे भी प्रेम रखता है जो उससे उत्पन्न हुआ है
"अपनी सन्तान को भी प्रेम करता है।" वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी सन्तानों से भी प्रेम रखता है।"

इससे हम जानते हैं कि हम परमेश्वर की सन्तानों से प्रेम रखते हैं, जब हम परमेश्वर से प्रेम करते और उसकी आज्ञाओं पर चलते हैं।
जब हम परमेश्वर से प्रेम करते और उसकी आज्ञाओं पर चलते हैं, तब हम जानते हैं कि हम परमेश्वर की सन्तानों से प्रेम रखते हैं"

क्योंकि परमेश्वर के लिए प्रेम यह है कि हम उसकी आज्ञाओं का पालन करें
"क्योंकि जब हम उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं तो वही परमेश्वर के लिए कठिन प्रेम है"

और उसकी आज्ञाएं बोझ नहीं हैं
"और वह जो आज्ञा देता है बोझ कठिन नहीं है" या "और जो आज्ञा वह देता है वह मुश्किल नहीं है"

1 John 5:4

प्रत्येक
इसका सन्दर्भ परमेश्वर की सभी सन्तानों से है

मैंने संसार को जीत लिया है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है " बुरे कार्य करने से मना कर देता है जो अविश्वासी करते हैं"

और वह विजय है ...हमारा विश्वास
और वह विजय है ... हमारा विश्वास - इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "हमारा विश्वास हमें परमेश्वर के विरुद्ध पाप करने से रोकने की सामर्थ देता है."

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

संसार पर जय पाने वाला कौन है ?
संसार पर जय पाने वाला कौन है ? - यह एक आलंकारिक प्रश्न है जिसमें लक्षणालंकार निहित है (संसार). "वह" का सन्दर्भ विश्वासियों से है. (देखें: और)

1 John 5:6

यही है वह जो पानी और लहू के द्वारा आया था, अर्थात् यीशु मसीह
"यीशु मसीह ही वह है जो पानी और लहू के द्वारा आया था। यहां "पानी" का तात्पर्य यीशु के बपतिस्मे से है और "लहू" यीशु की क्रूस पर मृत्यु के सन्दर्भ में है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने यीशु के बपतिस्मे और उस की क्रूस पर मृत्यु द्वारा दिखाया कि यीशु मसीह उसका पुत्र है।"

केवल पानी के द्वारा नहीं, परन्तु पानी और लहू के द्वारा।"
इसका अनुवाद एक नए वाक्य के रूप में किया जा सकता है : "वह केवल पानी के द्वारा नहीं आया, वरन पानी और लहू के द्वारा आया।" वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने हमें केवल बपतिस्मे के द्वारा नहीं दिखाया कि यीशु उसका पुत्र है , बल्कि उसके बपतिस्मे और क्रूस पर मृत्यु के द्वारा।"

क्योंकि गवाही देनेवाले तीन हैं
"क्योंकि तीन हैं जो यीशु के विषय में गवाही देते हैं"

और आत्मा और पानी और लहू
यहां, "पानी" और "लहू" का वर्णन एक व्यक्ति के रूप में किया गया है जो न्यायालय में खड़े होकर लोगों को जो उसने देखा और सुना उसके विषय में गवाही देता है.

और तीनों एक ही बात पर सहमत हैं
"और तीनो एक दूसरे से सहमत होते हैं"

1 John 5:9

जब हम मनुष्यों की गवाही मान लेते हैं तो परमेश्वर की गवाही तो उससे बढ़कर है
वैकल्पिक अनुवाद: "यदि हम लोगों के कहने पर विश्वास करते हैं, तो हमें परमेश्वर के कहने पर भी विश्वास करना चाहिए क्योंकि वह हमेशा सत्य कहता है।

जो परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास करता है वह अपने आप में गवाही रखता है
वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई भी यीशु पर विश्वास करता है यकीनन जानता है कि वह परमेश्वर का पुत्र है।"

उसने उसे झूठा ठहराया
"परमेश्वर को झूठा कह रहा है"

क्योंकि उसने परमेश्वर ने अपने पुत्र के विषय में जो गवाही दी है उस पर विश्वास नहीं किया
"क्योंकि वह विश्वास नहीं करता कि परमेश्वर ने अपने पुत्र के विषय में सत्य बताया है"

1 John 5:11

और वह गवाही यह है
"परमेश्वर यह कहता है." (युडीबी)

यह जीवन उसके पुत्र में है
यह जीवन उसके पुत्र में है - "हम हमेशा का जीवन जीएंगे यदि हम उसके पुत्र से जुड़ जाते हैं" (युडीबी), या "हम हमेशा के लिए जीएंगे यदि हम उसके पुत्र से जुड़ जाएं।"

जिसके पास पुत्र है उसके पास जीवन है
जिसके पास पुत्र है उसके पास जीवन है - इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "वह जो यीशु में विश्वास करता है उसके पास अनन्त जीवन है।"

1 John 5:13

ये चीज़ें
"यह पत्र"

तुम्हें जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते हो
शब्द "नाम" परमेश्वर के पुत्र के सन्दर्भ में है. वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हें जिसे परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास है."

और हमें उसके सामने जो हियाव होता है वह यह है
"और क्योंकि हम परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास करते हैं हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं"

यदि हम उसकी इच्छा के अनुसार कुछ मांगते हैं
"यदि हम वह मांगते हैं जो परमेश्वर के पुत्र की इच्छानुसार हो"

हम जानते हैं कि यह हमारी प्रार्थनाएं हैं जो हमने उससे मांगी हैं
"हम जानते हैं कि जो कुछ भी हमने उससे मांगा है हमें मिलेगा"

1 John 5:16

भाई
भाई - "साथी विश्वासी"

परमेश्वर उसे जीवन देगा
"जीवन" का सन्दर्भ यहां अनन्त जीवन से है।

1 John 5:18

हम जानते हैं
"हम" का तात्पर्य सभी विश्वासियों से है.

पाप नहीं करता
"बार-बार पाप नहीं करता." (युडीबी)

सारा संसार झूठ बोलता है
"संसार" एक लक्षणालंकार है जिसका तात्पर्य शैतान के शासन अधीन सांसारिक प्रणाली से है.

दुष्ट में
"दुष्ट" एक लक्षणालंकार है जिसका सन्दर्भ शैतान से है. (देखें:)

और सारा संसार दुष्ट के वश में पड़ा है
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "शैतान संसार के अविश्वासियों को नियन्त्रित करता है।"

1 John 5:20

हम जानते हैं
"हम" सभी विश्वासियों के लिए है।

हमें समझ दी है
" हमें सत्य को समझने में सक्षम बनाया है." (युडीबी)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हम उसे जानते हैं जो सत्य है,
"उसे" का अभिप्राय पिता परमेश्वर से है।

हम उसमें रहते हैं
देखें इसका अनुवाद मे किस प्रकार किया गया था।

हे बालको
देखें आपने में किस प्रकार इसका अनुवाद किया था।

Translation Questions

1 John 5:3

हम परमेश्वर से अपने प्रेम का प्रदर्शन कैसे करते हैं?
हम परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करके दर्शाते हैं कि हम परमेश्वर से प्रेम करते हैं।

1 John 5:4

वह कौन सी विजय है जो संसार पर जयवन्त हैं?
संसार पर जय पानेवाली जय हमारा विश्वास है।

1 John 5:6

मसीह यीशु कौन से दो लक्षणों से आया था?
मसीह यीशु जल और लहू से आया था।

1 John 5:7

कौन सी तीन बातें मसीह यीशु की गवाही देती हैं?
आत्मा, जल और लहू सब मसीह यीशु की गवाही देते हैं।

1 John 5:9

जो परमेश्वर पुत्र के बारे में स्वयं परमेश्वर की गवाही को न माने वह परमेश्वर को क्या बनाता हैं?
जो पुत्र के बारे में परमेश्वर की गवाही न माने वह उसे झूठा बनाता हैं।

1 John 5:11

परमेश्वर ने हमें उसके पुत्र में क्या दिया हैं?
परमेश्वर ने अपने पुत्र में हमें अनन्त जीवन दिया है।

1 John 5:14

परमेश्वर के समक्ष विश्वासियों को किस बात का भरोसा हैं?
विश्वासियों को भरोसा है कि यदि वे परमेश्वर की इच्छा में जो भी मांगेगे, वह सुनेगा।

1 John 5:16

विश्वासी यदि अपने किसी भाई को ऐसा पाप करता देखे जिसका फल मृत्यु नहीं तो उसे क्या करना चाहिए?
यदि विश्वासी अपने किसी भाई को ऐसा पाप करता देखे जिसका फल मृत्यु नहीं, तो विनती करे और परमेश्वर उसे जीवन देगा।

1 John 5:17

सब प्रकार का अधर्म क्या है?
सब प्रकार का अधर्म पाप है।

1 John 5:19

सारा संसार किसके वश में है?
सारा संसार उस दुष्ट के वश में पड़ा है।

1 John 5:20

सच्चा परमेश्वर कौन हैं?
मसीह यीशु का पिता ही सच्चा परमेश्वर है।

1 John 5:21

विश्वासी स्वयं को किससे दूर रखें?
विश्वासी मूर्तियों से दूर रहें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: 2 John

2 John

Chapter 1

1 मुझ प्राचीन की ओर से उस चुनी हुई महिला और उसके बच्चों के नाम जिनसे मैं सच्चा प्रेम रखता हूँ, और केवल मैं ही नहीं, वरन् वह सब भी प्रेम रखते हैं, जो सच्चाई को जानते हैं। **2** वह सत्य जो हम में स्थिर रहता है*, और सर्वदा हमारे साथ अटल रहेगा; **3** परमेश्वर पिता, और पिता के पुत्र यीशु मसीह की ओर से अनुग्रह, दया, और शान्ति हमारे साथ सत्य और प्रेम सहित रहेंगे।।

4 मैं बहुत आनन्दित हुआ, कि मैंने तेरे कुछ बच्चों को उस आज्ञा के अनुसार, जो हमें पिता की ओर से मिली थी, सत्य पर चलते हुए पाया। **5** अब हे महिला, मैं तुझे कोई नई आज्ञा नहीं, पर वही जो आरम्भ से हमारे पास है, लिखता हूँ; और तुझ से विनती करता हूँ, कि हम एक दूसरे से प्रेम रखें। **6** और प्रेम यह है कि हम उसकी आज्ञाओं के अनुसार चलें: यह वही आज्ञा है, जो तुम ने आरम्भ से सुनी है और तुम्हें इस पर चलना भी चाहिए।

7 क्योंकि बहुत से ऐसे भरमानेवाले जगत में निकल आए हैं, जो यह नहीं मानते, कि यीशु मसीह शरीर में होकर आया; भरमानेवाला और मसीह का विरोधी यही है। **8** अपने विषय में चौकस रहो; कि जो परिश्रम हम सब ने किया है, उसको तुम न खोना, वरन् उसका पूरा प्रतिफल पाओ।

9 जो कोई आगे बढ़ जाता है, और मसीह की शिक्षा में बना नहीं रहता, उसके पास परमेश्वर नहीं*। जो कोई उसकी शिक्षा में स्थिर रहता है, उसके पास पिता भी है, और पुत्र भी। **10** यदि कोई तुम्हारे पास आए, और यही शिक्षा न दे, उसे न तो घर में आने दो, और न नमस्कार करो। **11** क्योंकि जो कोई ऐसे जन को नमस्कार करता है, वह उसके बुरे कामों में सहभागी होता है।

12 मुझे बहुत सी बातें तुम्हें लिखनी हैं, पर कागज और स्याही से लिखना नहीं चाहता; पर आशा है, कि मैं तुम्हारे पास आऊँ, और सम्मुख होकर बातचीत करूँ: जिससे हमारा आनन्द पूरा हो। (1 यूह. 1:4, 3 यूह. 1:13) **13** तेरी चुनी हुई बहन के बच्चे तुझे नमस्कार करते हैं।

---

2 John 1:1

प्राचीन
इसका सन्दर्भ यूहन्ना से है, यीशु का प्रेरित और चेला. वह अपना जिक्र एक "प्राचीन" के रूप में करता है या तो अपनी बड़ी उम्र के कारण या इसलिए क्योंकि वह कलीसिया का एक अगुवा है. लेखक का नाम स्पष्ट किया जा सकता है : "मैं, प्राचीन यूहन्ना, लिख रहा हूँ."

क्योंकि सत्य जो हम में स्थिर रहता है, और सर्वदा हमारे साथ अटल रहेगा
इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है "क्योंकि हम सत्य में विश्वास करना जारी रखते हैं और हमेशा रखेंगे."

प्राचीन की ओर से चुनी हुई महिला और उसके बच्चों को
यूनानी भाषा में पत्रों का आरम्भ इस प्रकार किया जाता है. जिसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है," मैं, प्राचीन यूहन्ना तुम विश्वासियों को यह पत्र लिख रहा हूँ."

वे सब
यह एक सर्वनाम है जिसका अभिप्राय साथी विश्वासियों से है.

जिसे मैं सत्य में प्रेम करता हूँ
इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है, "जिन्हें मैं सच्चा प्रेम करता हूँ".

उस सत्य के कारण जो हम में रहता है.
सम्पूर्ण अर्थ को स्पष्ट किया जा सकता है : "क्योंकि यीशु के सन्देश का सत्य हम में रहता है क्योंकि हम ने इसमें विश्वास किया है, और यह हम में सदैव रहेगा."

सत्य और प्रेम में
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "क्योंकि वे सच्चे हैं और वे हमें प्रेम करते हैं." वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि वे हमें सच्चा प्रेम करते हैं."

2 John 1:4

x
यूहन्ना कलीसिया को "एक महिला" के रूप में सम्बोधित करना जारी रखता है. विश्वासी उसके "बच्चे" हैं.

तेरे कुछ बच्चे
शब्द "तेरे" एकवचन है.

जैसे हमें पिता की ओर से हमें यह आज्ञा मिली है
"जैसे परमेश्वर पिता ने हमें आज्ञा दी है"

वैसे नहीं कि मैं तुम्हें एक नई आज्ञा लिखता हूँ
"वैसे नहीं कि जैसे मैं तुम्हें कुछ नया करने की आज्ञा दे रहा हूँ"

पर वही जो आरम्भ से हमारे पास है
"पर मैं तुम्हें वही लिखता हूँ जो मसीह ने हमें करने की आज्ञा दी जब हमने सबसे पहले विश्वास किया. (देखें")

कि हम एक दूसरे से प्रेम रखें
इसका एक नए वाक्य के रूप में अनुवाद किया जा सकता है : "और उसने आज्ञा दी कि हमें एक-दूसरे से प्रेम करना चाहिए."

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

यह एक आज्ञा है, चाहे तुमने इसे आरम्भ से सुना है, कि तुम्हें इस पर चलना चाहिए
शब्द "इस" का अभिप्राय प्रेम से है. वैकल्पिक अनुवाद : "और उसने तुम्हें आज्ञा दी है क्योंकि तुमने आरम्भ में एक दुसरे को प्रेम करने पर विश्वास किया था."

कि तुम्हें इस पर चलना चाहिए
"तुम" शब्द बहुवचन है.

2 John 1:7

अनेक भरमाने वाले
इसका अनुवाद "अनेक झूठे शिक्षक" या "अनेक ढोंगी" के रूप में किया जा सकता है

क्योंकि अनेक धोखा देने वाले जगत में निकल आए हैं
इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है कि "अनेक झूठे शिक्षकों ने कलीसिया छोड़ दी है."

यीशु मसीह शरीर में आया
यह एक लक्षणालंकार है जिसका अर्थ है "यीशु मसीह एक वास्तविक मनुष्य के रूप में आया"

यह भरमाने वाला और मसीह-विरोधी है"
इसका अनुवाद ऐसे किया जा सकता है कि "ये वे हैं जो दूसरों को धोखा देते हैं और स्वयं मसीह का विरोध करते हैं"

अपने विषय में चौकस रहो
"ध्यान दो" या ध्यान रहे"

वस्तु को गंवा न दो
इसका अनुवाद "स्वर्ग में अपने प्रतिफल गंवा न दो" के रूप में किया जा सकता है

पूर्ण प्रतिफल
इसका अनुवाद "स्वर्ग में सम्पूर्ण प्रतिफल" के रूप में किया जा सकता है"

2 John 1:9

जो भी आगे निकल जाता है
इसका अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो परमेश्वर और सत्य के विषय में अन्य लोगों से अधिक ज्ञान होने का दावा करता हैं. वैकल्पिक अनुवाद : "जो भी परमेश्वर के विषय में अधिक ज्ञान का दावा करता है."

मसीह की शिक्षाओं में स्थिर नहीं रहता है
"मसीह की शिक्षाओं पर निरन्तर विश्वास नहीं करता"

उसके पास परमेश्वर नहीं है
"परमेश्वर से सम्बन्धित नहीं है"

तुम्हारे पास आता है
"तुम" शब्द बहुवचन है.

तुम्हारे घर
शब्द "तुम्हारे" बहुवचन है.

उसके बुरे कामों में सांझी होता है
"उसके बुरे कामों में सांझेदार होता है" या "उसके बुरे कामों में सहायता करता है"

2 John 1:12

और मैं उन्हें कागज़ और स्याही से लिखना नहीं चाहता
इसे इस प्रकार अनुवादित किया जा सकता है "पर मैं उनके विषय में तुम्हें पत्र में नहीं लिखना चाहता था."

आमने-सामने
इसका अनुवाद इस प्रकार से किया जा सकता है "वास्तव में तुम्हारे साथ"

आनन्द पूरा हो सके
इस का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "आनन्द सम्पूर्ण हो सके"

चुनी हुई बहन के बच्चे
यहाँ यूहन्ना दूसरी कलीसिया की समानता एक बहन से करता है. और विश्वासी जो उस कलीसिया का एक भाग हैं उनकी समानता बच्चों से की गई है. यह इस बात पर ज़ोर डालता है कि सभी विश्वासी एक आत्मिक परिवार हैं.

Translation Questions

2 John 1:1

इस पत्री का लेखक यूहन्ना स्वयं को क्या कहता है?
यूहन्ना स्वयं को एक प्राचीन कहकर परिचय देता है।

यह पत्र किसे लिखा गया था?
यह पत्र चुनी हुई महिला और उसके बच्चों के नाम है।

2 John 1:3

अनुग्रह, दया और शान्ति यूहन्ना किसकी ओर से कहता है?
यूहन्ना कहता है, परमेश्वर पिता और पिता के पुत्र यीशु मसीह की ओर से अनुग्रह और दया और शान्ति बनी रहें।

2 John 1:4

यूहन्ना के आनन्द का क्या कारण है?
यूहन्ना के आनन्द का कारण है कि उसने उस महिला के कुछ बच्चों को सत्य पर चलते हुए पाया है।

2 John 1:5

यूहन्ना किस आज्ञा के लिए कहता है कि उन्हे आरंभ ही से दी गई है?
यूहन्ना कहता है कि परस्पर प्रेम रखने की आज्ञा उन्हे आरंभ ही से दी गई है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

2 John 1:6

यूहन्ना के अनुसार प्रेम क्या है?
यूहन्ना कहता है कि प्रेम यह है कि हम उसकी आज्ञाओं के अनुसार चलें।

2 John 1:7

जो मसीह के देह धारण को नहीं मानते उन्हे यूहन्ना क्या कहता है?
जो नहीं मानते कि यीशु देह धारी हुआ वे भरमानेवाले और ख्रीस्त विरोधी हैं।

2 John 1:8

यूहन्ना विश्वासियों को किस बात में सतर्क रहने के लिए कहता है?
यूहन्ना विश्वासियों को सतर्क करता है कि वे उनके परिश्रम को गवां न दें।

2 John 1:10

जो मसीह के विषय सही शिक्षा न दे उसके साथ यूहन्ना कैसा व्यवहार करने के लिए कहता है?
यूहन्ना उनसे कहता है कि जो मसीह की सच्ची शिक्षा न दे ऐसे किसी भी उपदेशक को ग्रहण न करें।

2 John 1:11

जो मसीह की सही शिक्षा नहीं देता उसका स्वागत करनेवाला यूहन्ना के अनुसार क्या कर रहा है?
जो ऐसे शिक्षक को नमस्कार करता है वह उसके बुरे कामों में स्वामी होता है।

2 John 1:12

यूहन्ना की भावी आशा क्या हैं?
यूहन्ना उस चुनी हुई महिला से आमने सामने बातें करने के लिए आने की आशा रखता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: 3 John

3 John

Chapter 1

1 मुझ प्राचीन की ओर से उस प्रिय गयुस के नाम, जिससे मैं सच्चा प्रेम रखता हूँ।

2 हे प्रिय, मेरी यह प्रार्थना है; कि जैसे तू आत्मिक उन्नति कर रहा है, वैसे ही तू सब बातों में उन्नति करे, और भला चंगा रहे। **3** क्योंकि जब भाइयों ने आकर, तेरे उस सत्य की गवाही दी*, जिस पर तू सचमुच चलता है, तो मैं बहुत ही आनन्दित हुआ। **4** मुझे इससे बढ़कर और कोई आनन्द नहीं, कि मैं सुनूँ, कि मेरे बच्चे सत्य पर चलते हैं।

5 हे प्रिय, जब भी तू भाइयों के लिए कार्य करे और अजनबियों के लिए भी तो विश्वासयोग्यता के साथ कर। **6** उन्होंने कलीसिया के सामने तेरे प्रेम की गवाही दी थी। यदि तू उन्हें उस प्रकार विदा करेगा जिस प्रकार परमेश्वर के लोगों के लिये उचित है* तो अच्छा करेगा। **7** क्योंकि वे उस नाम के लिये निकले हैं, और अन्यजातियों से कुछ नहीं लेते। **8** इसलिए ऐसों का स्वागत करना चाहिए, जिससे हम भी सत्य के पक्ष में उनके सहकर्मी हों।

9 मैंने कलीसिया को कुछ लिखा था; पर दियुत्रिफेस जो उनमें बड़ा बनना चाहता है, हमें ग्रहण नहीं करता। **10** इसलिए यदि मैं आऊँगा, तो उसके कामों की जो वह करता है सुधि दिलाऊँगा, कि वह हमारे विषय में बुरी-बुरी बातें बकता है; और इस पर भी सन्तोष न करके स्वयं ही भाइयों को ग्रहण नहीं करता, और उन्हें जो ग्रहण करना चाहते हैं, मना करता है और कलीसिया से निकाल देता है।

11 हे प्रिय, बुराई के नहीं, पर भलाई के अनुयायी हो। जो भलाई करता है*, वह परमेश्वर की ओर से है; पर जो बुराई करता है, उसने परमेश्वर को नहीं देखा। **12** दिमेत्रियुस के विषय में सब ने वरन् सत्य ने भी आप ही गवाही दी: और हम भी गवाही देते हैं, और तू जानता है, कि हमारी गवाही सच्ची है।

13 मुझे तुझको बहुत कुछ लिखना तो था; पर स्याही और कलम से लिखना नहीं चाहता। **14** पर मुझे आशा है कि तुझ से शीघ्र भेंट करूँगा: तब हम आमने-सामने बातचीत करेंगे: **15** तुझे शान्ति मिलती रहे। यहाँ के मित्र तुझे नमस्कार करते हैं वहाँ के मित्रों के नाम ले लेकर नमस्कार कह देना। (2 यूह. 1:12)

---

3 John 1:1

प्राचीन
इसका सन्दर्भ यूहन्ना से है, यीशु का प्रेरित और चेला. वह अपना जिक्र एक "प्राचीन" के रूप में करता है या तो अपनी बड़ी उम्र के कारण या इसलिए क्योंकि वह कलीसिया का एक अगुवा है. लेखक का नाम स्पष्ट किया जा सकता है : "मैं, प्राचीन यूहन्ना, लिख रहा हूँ."

गयुस
यह एक साथी विश्वासी है जिसे यूहन्ना यह पत्री लिख रहा है.

जिसे मैं सत्य में प्रेम करता हूँ
वैकल्पिक अनुवाद :" जिससे मैं सच्चा प्रेम रखता हूँ " (युडीबी)

तू सब बातों में उन्नति करे और भला चंगा रहे
"तू सभी क्षेत्रों में उन्नति करे और सेहतमंद रहे"

बिल्कुल जैसे तेरी आत्मा उन्नत है
"जिस प्रकार तू आत्मिक उन्नति कर रहा है"

भाइयों
"साथी विश्वासियो"

तेरे सत्य की गवाही दी, जैसे तू सच पर चलता है
"मुझे बताया कि तू परमेश्वर के सत्य के अनुसार जी रहा है" या"

मेरे बच्चे
यूहन्ना उन लोगों की तुलना जिन्हें उसने यीशु पर विश्वास करना सिखाया बच्चों से करता है. यह उनके लिए उसके लिए प्रेम और चिंता पर ज़ोर डालता है. वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे आत्मिक बच्चे."

3 John 1:5

तुम सच्चाई पर (वफादारी से) चलते हो
"तुम वह कर रहे हो जो परमेश्वर को विश्वसनीय है " या "तुम परमेश्वर के प्रति वफादार हो"

भाइयों और परदेशियों के लिए कार्य कर
"साथी विश्वासियों की सहायता कर और उनकी जिन्हें तू नहीं जानता"

जिन्होंने तेरे प्रेम की कलीसिया के सामने गवाही दी है
इसका एक नए वाक्य के रूप में अनुवाद किया जा सकता है: "उन्होंने कलीसिया के विश्वासियों को यह बताया है कि तुमने उन्हें किस प्रकार प्रेम किया है "

यदि तू उन्हें उस प्रकार विदा करेगा जैसा परमेश्वर के लोगों के लिए उचित है तो अच्छा करेगा.
"कृप्या करके, उन्हें उनकी यात्रा पर इस प्रकार विदा करो जिससे परमेश्वर की महिमा हो"

क्योंकि वे उस नाम के लिए निकले हैं
यहाँ "नाम'" का सन्दर्भ यीशु से है. वैकल्पिक अनुवाद : "क्योंकि वे लोगों को यीशु के विषय में बताने बाहर गए हैं."

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अन्यजातियों से कुछ नहीं लेते
यहाँ "अन्यजातियों" का अर्थ वे लोग नहीं जो यहूदी नहीं हैं. इसका मतलब वे लोग हैं जो यीशु में विश्वास नहीं करते. वैकल्पिक अनुवाद: "और वे उन लोगों से कुछ नहीं लेते जिन्हें वे यीशु के विषय में बता रहे हैं"

इसलिए हम
यहाँ "हम" से तात्पर्य यूहन्ना और सभी विश्वासियों से है .

हम सत्य के लिए सहकर्मी हो सकते हैं
"हम लोगों को परमेश्वर के सत्य के विषय में बताने के उनके कार्यों में उनकी सहायता कर सकते हैं "

3 John 1:9

कलीसिया
इसका तात्पर्य गयुस और विश्वासियों के समूह जो परमेश्वर की आराधना करने के लिए मिले से है.

दियुत्रिफेस
वह कलीसिया का एक सदस्य था.

जो उनमें बड़ा बनना चाहता है
"जो उनके अगुवों के जैसे कार्य करने का इच्छुक है"

हमें ग्रहण नहीं करता
शब्द "हम" का तात्पर्य यूहन्ना और उन सब से जो उसके साथ थे है. इनमें गयुस शामिल नहीं है.

वह किस प्रकार हमारे विषय में बुरी-बुरी बातें बकता है
"और वह किस प्रकार हमेशा हमारे विषय में बुरी बातें कहता है जो यकीनन सही नहीं हैं "

वह स्वंय
शब्द "स्वंय" इस बात पर ज़ोर डालता है कि यह दियुत्रिफुस ही है जो यह सब करता है.

भाइयों को ग्रहण नहीं करता
"साथी विश्वासियों को ग्रहण नहीं करता"

और उन्हें जो ग्रहण करना चाहते हैं मना करता है
इस वाक्य में कुछ ऐसे शब्द हैं जिन्हें छोड़ दिया गया है , पर वे समझे गए हैं. वैकल्पिक अनुवाद: "और वह उन लोगों को रोकता है जो विश्वासियों को ग्रहण करना चाहते हैं."

और उन्हें भगा देता है
"और उन्हें निकाल देता है." शब्द "वे" का तात्पर्य उन लोगों से है जो साथी विश्वासियों को ग्रहण करते हैं .

3 John 1:11

बुराई के अनुयायी न हो
"लोग जो बुरी बातें करते हैं उनकी नकल मत करो"

पर भलाई
कुछ शब्द छूट गए हैं पर वे समझे गए हैं . वैकल्पिक अनुवाद: "पर लोग जो भलाई करते हैं उनका अनुकरण करो."

परमेश्वर का है
"परमेश्वर से सम्बन्ध रखता है."

परमेश्वर को नहीं देखा है
वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर से सम्बन्ध नहीं रखता है" या "परमेश्वर में विश्वास नहीं रखता है"

दिमेत्रियुस के विषय में सबने गवाही दी है
वैकल्पिक अनुवाद : "प्रत्येक विश्वासी जो दिमेत्रियुस को जानता है उसके विषय में अच्छा बोलता है."

दिमेत्रियुस
यह वह व्यक्ति है जिसे यूहन्ना चाहता था कि गयुस और कलीसिया ग्रहण करें जब वह मिलने आए.

और सत्य ने भी आप ही
"और सत्य आप ही उसके विषय में भला बोलता है." यहाँ "सत्य" की एक व्यक्ति के रूप में व्याख्या की गई है जो बोलता है. वैकल्पिक अनुवाद: "और वे उसके विषय में जो कहते हैं वह सत्य है."

हम भी गवाही देते हैं
यहाँ "हम" का तात्पर्य यूहन्ना और वे जो उसके साथ हैं. इनमें गयुस सम्मिलित नहीं है. वैकल्पिक अनुवाद: "हम दिमुत्रियुस के विषय में भी भला बोलते हैं."

तुम जानते हो
शब्द "तुम" एकवचन है और गयुस के विषय में है.

3 John 1:13

स्याही और कलम से
"पत्र में" (युडीबी)

आमने-सामने
"एक-साथ" या "मिल कर"

तुझे शांति मिले
"परमेश्वर तुम्हें शांति दे"

"मित्रों से नाम ले ले कर मेरी ओर से नमस्कार कहना"
वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक विश्वासी को व्यक्तिगत रूप से मेरी ओर से नमस्कार कहना"

मित्र
"तुम्हारे मित्र." वैकल्पिक अनुवाद : "यहाँ के विश्वासी."

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

3 John 1:1

इस पत्र में लेखक यूहन्ना अपना परिचय किस नाम से देता है?
यूहन्ना अपना परिचय एक प्राचीन के रूप में देता है।

इस पत्र के प्राप्तकर्ता गयुस से यूहन्ना का संबन्ध कैसा था?
यूहन्ना गयुस से सच्चा प्रेम करता था।

3 John 1:2

गयुस के लिए यूहन्ना क्या प्रार्थना करता हैं?
यूहन्ना प्रार्थना करता है कि गयुस जिस प्रकार आत्मिक उन्नति कर रहा है उसी प्रकार वह सब बातों में उन्नति करे और भला चंगा रहे।

3 John 1:4

यूहन्ना का सबसे बड़ा आनन्द क्या है?
यूहन्ना का सबसे बड़ा आनन्द है कि उसके बच्चे सत्य पर चलते हैं।

3 John 1:5

गयुस किसके लिए काम करता था?
गयुस ने प्रचारकों के लिए काम किया, भले ही वे अजनबी थे।

3 John 1:6

गयुस ने अपनी यात्रा के दौरान प्रचारकों को किस तरीके से भेजा?
उसने उन्हें परमेश्वर के योग्य तरीके से बाहर भेजा।

3 John 1:7

प्रचारकों को अपनी यात्रा पर भेजने के लिए विश्वासियों से सहायता की आवश्यकता क्यों पड़ी?
उन्हें सहायता की आवश्यकता थी क्योंकि उन्हें अन्यजातियों से प्राप्त नहीं हुआ था।

3 John 1:8

यूहन्ना क्यों कहता है कि विश्वासियों को ऐसे प्रचारकों का स्वागत करना चाहिए?
यूहन्ना कहता है कि विश्वासियों को ऐसे लोगों का स्वागत करना चाहिए कि वे भी सत्य के पक्ष में उनके सहकर्मी हो जाएं।

3 John 1:9

दियुत्रिफेस को क्या अच्छा लगता था?
दियुत्रिफेस सभा में बड़ा बनना चाहता था।

दियुत्रिफेस का व्यवहार यूहन्ना के प्रति कैसा था?
वह यूहन्ना को भी ग्रहण नहीं करता था।

3 John 1:10

यूहन्ना गयुस के पास उस कलीसिया में जाएगा तब क्या करेगा?
यूहन्ना जब वहाँ जाएगा तब उसके बुरे कामों की उसे सुधि दिलाएगा।

जो भाई मसीह के नाम के लिए निकले थे उनके साथ दियुत्रिफेस का व्यवहार कैसा था?
दियुत्रिफेस प्रचारकों को भी ग्रहण नहीं करता था।

दियुत्रिफेस उनके साथ क्या करता था जो प्रचारकों को ग्रहण करते थे?
जो प्रचारकों को ग्रहण करते थे दियुत्रिफेस उन्हे कलीसिया से बाहर निकाल देता था।

3 John 1:11

यूहन्ना गयुस को किसका अनुयायी होने के लिए कहता है?
यूहन्ना गयुस से कहता है कि वह भलाई का अनुयायी हों।

3 John 1:14

यूहन्ना भविष्य में क्या करने की आशा रखता था?
यूहन्ना गयुस से आमने सामने बातें करने की आशा रखता था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: Jude

Jude

Chapter 1

1 यहूदा की ओर से जो यीशु मसीह का दास और याकूब का भाई है, उन बुलाए हुओं के नाम जो परमेश्वर पिता में प्रिय और यीशु मसीह के लिये सुरक्षित हैं।

2 दया और शान्ति और प्रेम तुम्हें बहुतायत से प्राप्त होता रहे।

3 हे प्रियों, जब मैं तुम्हें उस उद्धार के विषय में लिखने में अत्यन्त परिश्रम से प्रयत्न कर रहा था, जिसमें हम सब सहभागी हैं; तो मैंने तुम्हें यह समझाना आवश्यक जाना कि उस विश्वास के लिये पूरा यत्न करो जो पवित्र लोगों को एक ही बार सौंपा गया था। **4** क्योंकि कितने ऐसे मनुष्य चुपके से हम में आ मिले हैं, जिनसे इस दण्ड का वर्णन पुराने समय में पहले ही से लिखा गया था*: ये भक्तिहीन हैं, और हमारे परमेश्वर के अनुग्रह को लुचपन में बदल डालते है, और हमारे एकमात्र स्वामी और प्रभु यीशु मसीह का इन्कार करते हैं।

5 यद्यपि तुम सब बात एक बार जान चुके हो, तो भी मैं तुम्हें इस बात की सुधि दिलाना चाहता हूँ, कि प्रभु ने एक कुल को मिस्र देश से छुड़ाने के बाद विश्वास न लानेवालों को नाश कर दिया। (इब्रा. 3:16-19, गिन. 14:22-23,30) **6** फिर जिन स्वर्गदूतों ने अपने पद को स्थिर न रखा वरन् अपने निज निवास को छोड़ दिया, उसने उनको भी उस भीषण दिन के न्याय के लिये अंधकार में जो सनातन के लिये है बन्धनों में रखा है।

7 जिस रीति से सदोम और अमोरा और उनके आस-पास के नगर, जो इनके समान व्यभिचारी हो गए थे और पराये शरीर के पीछे लग गए थे आग के अनन्त दण्ड में पड़कर दृष्टान्त ठहरे हैं। (उत्प. 19:4-25, व्य. 29:23, 2 पत. 2:6) **8** उसी रीति से ये स्वप्नदर्शी भी अपने-अपने शरीर को अशुद्ध करते*, और प्रभुता को तुच्छ जानते हैं; और ऊँचे पदवालों को बुरा-भला कहते हैं।

9 परन्तु प्रधान स्वर्गदूत मीकाईल ने, जब शैतान से मूसा के शव के विषय में वाद-विवाद किया, तो उसको बुरा-भला कहके दोष लगाने का साहस न किया; पर यह कहा, “प्रभु तुझे डाँटे।” **10** पर ये लोग जिन बातों को नहीं जानते, उनको बुरा-भला कहते हैं; पर जिन बातों को अचेतन पशुओं के समान स्वभाव ही से जानते हैं, उनमें अपने आप को नाश करते हैं। **11** उन पर हाय! कि वे कैन के समान चाल चले, और मजदूरी के लिये बिलाम के समान भ्रष्ट हो गए हैं और कोरह के समान विरोध करके नाश हुए हैं। (उत्प. 4:3-8, गिन. 16:19-35, गिन. 22:7, 2 पत. 2:15, 1 यूह. 3:12, गिन. 24:12-14)

12 यह तुम्हारी प्रेम-भोजों में तुम्हारे साथ खाते-पीते, समुद्र में छिपी हुई चट्टान सरीखे हैं, और बेधड़क अपना ही पेट भरनेवाले रखवाले हैं; वे निर्जल बादल हैं; जिन्हें हवा उड़ा ले जाती है; पतझड़ के निष्फल पेड़ हैं, जो दो बार मर चुके हैं; और जड़ से उखड़ गए हैं; (2 पत. 2:17, इफि. 4:14, यूह. 15:4-6) **13** ये समुद्र के प्रचण्ड हिलकोरे हैं, जो अपनी लज्जा का फेन उछालते हैं। ये डाँवाडोल तारे हैं, जिनके लिये सदा काल तक घोर अंधकार रखा गया है। (यशा. 57:20)

14 और हनोक ने भी जो आदम से सातवीं पीढ़ी में था, इनके विषय में यह भविष्यद्वाणी की, “देखो, प्रभु अपने लाखों पवित्रों के साथ आया। (व्य. 33:2, 2 थिस्स. 1:7-8) **15** कि सब का न्याय करे, और सब भक्तिहीनों को उनके अभक्ति के सब कामों के विषय में जो उन्होंने भक्तिहीन होकर किए हैं, और उन सब कठोर बातों के विषय में जो भक्तिहीन पापियों ने उसके विरोध में कही हैं, दोषी ठहराए।” **16** ये तो असंतुष्ट, कुड़कुड़ानेवाले, और अपने अभिलाषाओं के अनुसार चलनेवाले हैं; और अपने मुँह से घमण्ड की बातें बोलते हैं; और वे लाभ के लिये मुँह देखी बड़ाई किया करते हैं।

17 पर हे प्रियों, तुम उन बातों को स्मरण रखो; जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रेरित पहले कह चुके हैं। **18** वे तुम से कहा करते थे, “पिछले दिनों में ऐसे उपहास करनेवाले होंगे, जो अपनी अभक्ति की अभिलाषाओं के अनुसार चलेंगे।” **19** ये तो वे हैं, जो फूट डालते हैं; ये शारीरिक लोग हैं, जिनमें आत्मा नहीं।

20 पर हे प्रियों तुम अपने अति पवित्र विश्वास में अपनी उन्नति करते हुए और पवित्र आत्मा में प्रार्थना करते हुए। **21** अपने आप को परमेश्वर के प्रेम में बनाए रखो; और अनन्त जीवन के लिये हमारे प्रभु यीशु मसीह की दया की आशा देखते रहो।

22 और उन पर जो शंका में हैं दया करो। **23** और बहुतों को आग में से झपटकर निकालो, और बहुतों पर भय के साथ दया करो; वरन् उस वस्त्र से भी घृणा करो जो शरीर के द्वारा कलंकित हो गया है।

24 अब जो तुम्हें ठोकर खाने से बचा सकता है*, और अपनी महिमा की भरपूरी के सामने मगन और निर्दोष करके खड़ा कर सकता है। **25** उस एकमात्र परमेश्वर के लिए, हमारे उद्धारकर्ता की महिमा, गौरव, पराक्रम और अधिकार, हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा जैसा सनातन काल से है, अब भी हो और युगानुयुग रहे। आमीन।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Jude 1:1

यहूदा, ... का दास
यहूदा याकूब का भाई है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यहूदा हूँ , का एक दास।"

और याकूब का भाई
याकूब और यहूदा यीशु के सहोदर भाई थे।

परमेश्वर पिता में प्रिय
"पिता परमेश्वर तुम्हें प्रेम करता है"

यीशु मसीह के लिए सुरक्षित है
"और अब सुरक्षित हैं क्योंकि वे यीशु मसीह में विश्वास करते हैं"

दया और शांति और प्रेम तुम्हें बहुतायत से प्राप्त हो
"तुम" उन सभी विश्वासियों के सन्दर्भ में है जिन्हें यह पत्र प्राप्त होना था। वैकल्पिक अनुवाद : "दया, शान्ति और प्रेम तुम्हारे लिए कई गुणा बढ़े।"

Jude 1:3

मैं तुम्हें लिखने में अत्यंत परिश्रम कर रहा था
"मैं तुम्हें लिखने के लिए अत्यंत आतुर था"

हमारा समान उद्धार
"हम उद्धार में समान सहभागी हैं"

मुझे लिखना ही था
"मुझे लिखने की अत्यन्त आवश्यकता अनुभव हुई" या "मुझे लिखना अति आवश्यक जान पड़ा"

ताकि मैं तुम्हें समझ सकूँ और तुम विश्वास के लिए पूरा प्रयत्न करो
"ताकि सच्ची शिक्षा के बचाव के लिए तुम्हें प्रोत्साहित कर सकूँ"

सौंपा गया था
"परमेश्वर ने यह सच्ची शिक्षा दी है"

क्योंकि कितने ऐसे मनुष्य चुपके से हम में आ मिले हैं
"क्योंकि कुछ लोग विश्वासियों के बीच में बिना अपनी ओर ध्यान आकर्षित किए आ मिले हैं ।"

जिनके इस दण्ड का वर्णन पुराने समय में पहले से ही लिखा गया था
"बहुत पहले यह लिखा गया था कि इन लोगों को दण्ड मिलेगा"

जो हमारे परमेश्वर के अनुग्रह को लुचपन में बदल डालते हैं
"जो सिखाते हैं कि परमेश्वर का अनुग्रह व्यक्ति को शारीरिक पाप में बने रहने की अनुमति देता है"

जो हमारे एकमात्र स्वामी और प्रभु , यीशु मसीह का इन्कार करते हैं
ये मनुष्य सिखाते हैं कि यीशु मसीह परमेश्वर की ओर एकलौता और सच्चा मार्ग नहीं है ।

इन्कार
कहना कि कुछ सत्य नहीं है

Jude 1:5

तुम्हें सुधि दिलाना चाहता हूँ
"मैं चाहता हूँ कि तुम याद रखो"

तुम सब कुछ जानते हो
यहूदा मुख्य रूप में मूसा की लिखी बातों के सन्दर्भ में कह रहा है जो कि इन्हें सिखाई गई हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम मूसा की लिखी बातें जानते हो।"

परमेश्वर ने एक कुल को मिस्र देश से छुड़ाया था
"परमेश्वर ने बहुत पहले इस्राईलियों को मिस्र देश से छुड़ाया था"

पर इसके बाद
"बाद में" या "कुछ होने के बाद"

...उनका अपना राज्य
जिन स्वर्गदूतों ने अपने पद को स्थिर न रखा या जिन उत्तरदायित्वों को उन्हें सौंपा गया था।

अपने निज निवास को छोड़ दिया
"उन्होंने अपने आप को सौंपे गए स्थानों को त्याग दिया"

परमेश्वर ने उन्हें अन्धकार में सदा के बन्धनों में रखा है
"परमेश्वर ने इन स्वर्गदूतों को अन्धकार में बंदी बना लिया है"

...भीषण दिन के लिए
न्याय का अंतिम दिन जब परमेश्वर सभी लोगों का न्याय करेगा।

Jude 1:7

जिस रीति से
यहाँ स्वर्गदूतों के द्वारा उन्हें सौंपे गए कार्यों को त्यागने की तुलना सदोम और अमोरा से की गई है।

और उनके आस-पास के नगर
"और उनके समीप अन्य नगर"

जो इनके समान व्यभिचारी हो गए थे
सदोम और अमोरा ने अपने आप को व्यभिचार के लिए समर्पित कर दिया था बिल्कुल उसी प्रकार जिस प्रकार स्वर्गदूतों ने अपने आप को बुराई को सौंप दिया था।

उन्होने व्यभिचार किया और अप्राकृतिक लालसा की।
लोग विवाह के बाहर शारीरिक सम्बन्ध बना रहे थे। और पुरुष दूसरे पुरुषों के साथ और स्त्रियों दूसरी स्त्रियों के साथ शारीरिक सम्बन्ध स्थापित कर रहे थे।

उन्हें बनाया गया
"सदोम और अमोरा के लोगों को ठहराया (बनाया) गया"

एक ऐसा उदाहरण जो अनंतकाल की आग के दण्ड को भुगतें
सदोम और अमोरा के लोगों का विनाश उन सभी लोगों के भाग्य का जो परमेश्वर का इन्कार करते हैं एक उदाहरण बन गया।

ये भी अशुद्ध करते हैं
"ये" का अभिप्राय उन लोगों से है जो परमेश्वर का इन्कार करते है जो अपने शरीर को व्यभिचार से अशुद्ध करते हैं बिल्कुल वैसे ही जैसे नदी में कूड़ा डालने के पश्चात इसका पानी पीने लायक नहीं रहता।

ऊँचे पद वालों के विषय में
"परमेश्वर के अद्भुत स्वर्गदूतों के विषय में

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Jude 1:9

शव के विषय में वाद-विवाद किया
वे वाद-विवाद कर रहे थे कि शव पर किसका अधिकार है। वैकल्पिक अनुवाद : "इस विषय पर विवाद किया कि कौन शव को ले कर जाएगा।"

(मीकाईल) ने दोष लगाने का साहस न किया
मीकाईल ने शैतान को डांट लगाने से परहेज़ किया। वैकल्पिक अनुवाद : "से बचा"

बुरा-भला या दोष लगाने वाले शब्द
"तीखी आलोचना या अनादर करने वाले शब्द"

पर ये लोग
"ये लोग" अविश्वासी लोग हैं जिनका वर्णन पहले किया गया है।

जिन बातों को नहीं जानते उनको बुरा-भला कहते हैं
" कोई भी बात जिसका अर्थ वे नहीं जानते उसके विषय में अनादर सहित बोलते हैं "

कैन की सी चाल
कैन ने अपने भाई हाबिल को घात किया।

मज़दूरी के लिए बिलाम के समान भ्रष्ट
बिलाम ने भविष्यवाणी करने के लिए पैसे की इच्छा की

कोरह का विद्रोह
कोरह ने मूसा के नेतृत्व और हारुन के याजकपद का विरध किया

Jude 1:12

x
यहूदा रूपकों की श्रृंखला जारी रखता है

ये मुख्य बातें हैं।
"ये" का तात्पर्य अविश्वासी मनुष्यों से है।

जो छिपी हुई चट्टान सरीखे हैं
जैसे कि समुन्द्र के नीचे छिपी चट्टान समुंद्री जहाजों को डुबो सकती है, इस प्रकार के लोग विश्वासियों के लिए ख़तरा हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो डरावनी चट्टनों के समान हैं जो पानी के नीचे छिपी हैं।"

तुम्हारी प्रेम सभाओं में, जब वे तुम्हारे साथ खाते-पीते हैं
"तुम्हारे संगति भोजों में, जब वे तुम्हारे साथ खाते हैं।"

निर्जल बादल हैं
उन बादलों के समान जो बाग़ को पानी प्रदान नहीं कर सकता, ये लोग विश्वासियों की परवाह नहीं करते।

पतझड़ के निष्फल पेड़
जैसे कुछ पेड़ ग्रीष्म ऋतु के अंत में फल पैदा नहीं करते , वैसे ही इन अविश्वासी लोगों के पास विश्वास और धर्म के कार्य नहीं होते।

बिना फल, दो बार मृत
ऐसे पेड़ों के समान जिन्हें दो बार मारा जा चुका है जैसे कि तुषार से वे फल नहीं देंगे, इसलिए अविश्वासी मनुष्य के कोई मूल्य नहीं होते और उनमें कोई जीवन नहीं होता।

जड़ से उखड़े हुए
ऐसे पेड़ों के समान जिन्हें ज़मीन से पूरी तरह जड़ समेत निकाल लिया गया हो, अविश्वासी लोग परमेश्वर से अलग हो गए हैं जो कि जीवन का स्रोत है। (देखें:)

समुद्र के प्रचंड लहरें
जैसे समुन्द्र की लहरें तेज़ हवा के झोंके के साथ उड़ा ली जाती हैं, वैसे अविश्वासी लोगों में विश्वास की कोई नींव नहीं थी और बड़ी आसानी से विभिन्न दिशाओं की ओर आकर्षित हो जाते थे।

अपनी लज्जा का फेन उछालते हैं
जिस प्रकार हवा के झोंके से लहरों के साथ गन्दला फेन उभर कर आता है, उसी प्रकार ये मनुष्य अपनी झूठी शिक्षाओं और कृत्यों से अपने आप को शर्मिंदा करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बिल्कुल जैसे लहरें झाग और गन्दगी उभारती हैं , ये लोग अन्य लोगों को अपनी शर्मिंदगी से गंदा करते हैं।"

डांवाडोल तारे जिनके लिए सदा काल तक घोर अन्धकार रखा गया है
जैसे कुछ तारे अप्रत्याशित रूप में चलते हैं और उन पर पथ प्रदर्शन के लिए भरोसा नहीं किया जा सकता, इसलिए तुम्हें इन लोगों का अनुसरण नहीं करना चाहिए।

Jude 1:14

x
यहूदा अविश्वासी लोगों के विरुद्ध बोलना जारी रखता है

ये लोग...उनके काम...उनके पास हैं
ये लोग...उनके काम...उनके पास हैं - इसका तात्पर्य अविश्वासी मनुष्यों से है।

आदम से सातवीं पीढ़ी में
आदम से सातवीं पीढ़ी कुछ अनुवाद इसे छठी पीढ़ी भी कह सकते हैं जो कि इस तथ्य पर निर्भर करता है कि आदम को पहली पीढ़ी में गिना गया है या नहीं।

देखो, प्रभु...
"ध्यान दो, प्रभु", या ध्यानपूर्वक देखो, प्रभु"

सभी कठोर बातें
"सभी कड़े शब्द"

असंतुष्ट , कुढ़कुढ़ाने वाले
लोग जिनके हृदय अवमानना करने वाली हैं , और हमेशा सही बात का विरोध करने पर ज़ोर डालते हैं। कुढ़कुढ़ाने वाले लोगों में इसे चुपके से करने की प्रवृति होती है जबकि शिकायत करने वाले इसे अधिक खुल कर करते हैं।

बड़ी-बड़ी डींगे हांकने वाले
लोग जो दूसरों को सुनाने के लिए अपनी बढ़ाई करते हैं।

Jude 1:17

उन्होंने उनसे कहा,
"प्रेरितों ने तुमसे कहा"

अपनी अभिलाषाओं के पीछे चलेंगे...ये वे हैं
यहूदा यहां ठट्ठा करने वालों के विषय में कह रहा है

वे जो फूट डालते हैं
"ठट्ठा उड़ाने वाले जो विश्वासियों के बीच में फूट डालते हैं"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

वे शारीरिक लोग हैं
"ठट्ठा उड़ाने वाले शारीरिक अभिलाषाओं के पीछे जाते हैं"

Jude 1:20

जैसे तुम विश्वास में उन्नति करते हो
जैसे तुम शारीरिक सेहत और शक्ति में बढ़ो, वैसे ही तुम परमेश्वर के ज्ञान के द्वारा अपने मन और आत्मा में मज़बूती और उन्नति प्राप्त करो

बाट जोहते रहो ...
"बेसब्री से इंतज़ार करो..."

Jude 1:22

कुछ लोग जो शंका में हैं
"कुछ लोग जो अभी भी विश्वास नहीं करते कि परमेश्वर परमेश्वर है"

आग में से झपट कर निकालना
"ताकि वे आग की झील में न जाएं"

और बहुतों पर भय के साथ दया करो
"और अन्यों पर दया करो पर उनके जैसे पाप करने से डरो।"

जैसे तुम उस वस्त्र से भी घृणा करते हो जो शरीर के द्वारा कलंकित हो गया है
"यहां तक कि उनके कपड़ों से भी घृणा करो, क्योंकि वे पाप के द्वारा कलंकित किए गए हैं।" वे पाप से इतने भर गए हैं कि उनके कपड़ों को भी गंदा माना जाता है।

Jude 1:24

तुम्हें ठोकर खाने से बचाने के लिए
वैसे जैसे एक व्यक्ति चलते समय पत्थर से ठोकर खा सकता है, वैसे ही वह पाप करके परमेश्वर के सम्मुख ठोकर खा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उस पर निरन्तर विश्वास करने में सहायता करने में।"

और तुम्हें उसकी महिमा की भरपूरी के सामने खड़ा करने के लिए
उसकी महिमा एक चमकदार रौशनी है जो उसकी महानता को दर्शाती है। वैकल्पिक अनुवाद: "और तुम्हें उसकी महिमा का आनन्द उठाने और आराधना करने की अनुमति देने के लिए।"

बिना दाग अत्यधिक आनन्द में
"बिना पाप के और अत्यधिक आनन्द में।" या "और तुम में कोई पाप नहीं होगा और तुम आनन्द से भरपूर होगे"

उस एकमात्र परमेश्वर और हमारे उद्धारकर्ता को, हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा
"उस एकमात्र परमेश्वर को, जिसने क्योंकि जो यीशु ने किया उसके कारण हमें बचाया।"

महिमा और गौरव, और पराक्रम और अधिकार, जैसा सनातन काल से है, अब भी हो और युगानुयुग रहे। आमीन!
परमेश्वर की महिमा, गौरव, पराक्रम और सभी चीज़ों पर अधिकार हमेशा से था, है और रहेगा ।

Translation Questions

Jude 1:1

यहूदा किस का दास था?
यहूदा मसीह यीशु का दास था।

यहूदा का भाई कौन था?
यहूदा याकूब का भाई था।

यहूदा ने यह पत्र किसे लिखा था?
उसने उन बुलाए हुओं को यह पत्र लिखा जो परमेश्वर पिता में प्रिय और यीशु मसीह के लिए अलग किये गए है।

Jude 1:2

यहूदा अपने पत्र के प्राप्तिकर्ताओं के लिए किस बात कि बहुतायत की कामना करता था?
यहूदा चाहता था कि दया और शान्ति और प्रेम उन्हे बहुतायत से प्राप्त होता रहे।

Jude 1:3

यहूदा पहले किस बारे में लिखना चाहता था?
यहूदा पहले तो उनके सर्वनिष्ठ उद्धार के बारे में लिखना चाहता था।

यहूदा ने वास्तव में किस विषय में यह पत्र लिखा था?
यहूदा ने वास्तव में उन्हे यह समझाना आवश्यक जाना कि वे उस विश्वास के लिए पूरा यत्न करें जो पवित्र लोगों को एक ही बार सौंपा गया था।

Jude 1:4

कुछ दण्ड के भागी और अभक्त जन उनके मध्य कैसे आ गए थे?
कुछ दण्ड के भागी और अभक्त मनुष्य चुपके से उनके मध्य आ गए थे।

इन दण्ड के भागी और अभक्त मनुष्यों ने क्या किया था?
उन्होने परमेश्वर के अनुग्रह को लुचपन में बदल डाला था और प्रभु यीशु मसीह का इन्कार करते थे।

Jude 1:5

परमेश्वर ने उन्हें कहाँ से बचाकर निकाला था?
परमेश्वर ने उन्हे मिस्र से बचाकर निकाला था।

परमेश्वर ने उनके अविश्वासियों के साथ क्या किया था?
परमेश्वर ने उनके मध्य अविश्वासियों को नष्ट कर दिया था।

Jude 1:6

परमेश्वर ने उन स्वर्गदूतों के साथ क्या किया जिन्होने अपने पद को स्थिर नहीं रखा?
परमेश्वर ने उन्हे उस भीषण दिन के न्याय के लिए अंधकार में बन्धनों में रखा है।

Jude 1:7

सदोम, अमोरा और उनके पास के नगर क्या करते थे?
उन्होने व्यभिचार किया और अप्राकृतिक लालसा की।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Jude 1:8

सदोम, अमोरा और आस-पास के नगरों के सदृश्य वे दण्ड के भागी और अभक्त जन क्या करते थे?
वे स्वप्नदर्शी अपने अपने शरीर को अशुद्ध करते और प्रभुता को तुच्छ जानते और उंचे पद वालों को भला बुरा कहते थे।

Jude 1:9

प्रधान स्वर्गदूत ने शैतान से क्या कहा था?
प्रधान स्वर्गदूत मीकाईल ने कहा, "प्रभु तुझे डांटे।"

Jude 1:12

दण्ड के भागी और अभक्त जन किसकी निर्लज्ज सेवा करते थे?
वे निर्लज्जता से अपनी ही सेवा करते थे।

Jude 1:14

हनोक आदम की कौन सी पीढ़ी थी?
हनोक आदम की सातवीं पीढ़ी थी।

Jude 1:15

परमेश्वर किसका न्याय करेगा?
परमेश्वर सबका न्याय करेगा।

Jude 1:16

ऐसे अभक्त जन कौन हैं जो दण्ड पाएंगे?
वे असन्तुष्ट, कुड़कुड़ाने ने वाले और अपनी अभिलाषाओं के अनुसार चलनेवाले, मुंह से घमण्ड की बाते बोलते, लोभ के लिए मुंह देखी बड़ाई करते हैं, ये अभक्त जन दण्ड पाएंगे।

Jude 1:17

ठट्ठा करने वालों के लिए पूर्वकाल में किसने चेतावनी दी थी?
यीशु के प्रेरितों ने पहले ठट्ठा करने वालों के बारे में चेतावनी दी है।

Jude 1:19

अभक्त और अभिलाषा करनेवाले, फूट डालने वाले तथा शारीरिक लोगों के बारे में क्या सच है?
उनमे पवित्र आत्मा का अन्तर्वास नहीं है।

Jude 1:20

वे प्रियजन कैसी उन्नति और प्रार्थना कर रहे थे?
वे प्रिय जन अपने अति पवित्र विश्वास में उन्नति कर रहे थे और पवित्र आत्मा में प्रार्थना करते थे।

Jude 1:21

उन प्रियों को किसमें बने रहना था और किसकी बाट जोहना था?
प्रिय जन अपने आप को परमेश्वर के प्रेम में बनाए रखें और प्रभु यीशु मसीह की दया की बाट जोहते रहें।

Jude 1:22

उन प्रियों को किसे दया करके बचाना था?
उन प्रियों को शंका करनेवालों पर दया करना और बहुतों को आग में से झपटकर निकालना था परन्तु उस वस्त्र से भी घृणा करनी थी जो शरीर के द्वारा कलंकित हो गया।

Jude 1:24

उनका उद्धारक परमेश्वर यीशु मसीह के द्वारा क्या कर सकता था?
उन्हे एकमात्र परमेश्वर ठोकर खाने से बचा सकता था और अपनी महिमा की भरपूरी के सामने मग्न और निर्दोष करके खड़ा कर सकता था।

Jude 1:25

परमेश्वर की महिमा कब से है?
परमेश्वर की महिमा और गौरव और पराक्रम और अधिकार सनातन काल से है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Book: Revelation

Revelation

Chapter 1

1 यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य, जो उसे परमेश्वर ने इसलिए दिया कि अपने दासों को वे बातें, जिनका शीघ्र होना अवश्य है, दिखाए: और उसने अपने स्वर्गदूत को भेजकर उसके द्वारा अपने दास यूहन्ना को बताया, (प्रका. 22:6) **2** जिसने परमेश्वर के वचन और यीशु मसीह की गवाही, अर्थात् जो कुछ उसने देखा था उसकी गवाही दी। **3** धन्य है वह जो इस भविष्यद्वाणी के वचन को पढ़ता है, और वे जो सुनते हैं और इसमें लिखी हुई बातों को मानते हैं, क्योंकि समय निकट है।

4 यूहन्ना की ओर से आसिया की सात कलीसियाओं के नाम: उसकी ओर से जो है, और जो था, और जो आनेवाला है; और उन सात आत्माओं की ओर से, जो उसके सिंहासन के सामने है, **5** और यीशु मसीह की ओर से, जो विश्वासयोग्य साक्षी* और मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहलौठा, और पृथ्वी के राजाओं का अधिपति है, तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे। जो हम से प्रेम रखता है, और जिसने अपने लहू के द्वारा हमें पापों से छुड़ाया है। (कुलु. 1:8) **6** और हमें एक राज्य और अपने पिता परमेश्वर के लिये याजक भी बना दिया; उसी की महिमा और पराक्रम युगानुयुग रहे। आमीन। (निर्ग. 19:6, यशा. 61:6) **7** देखो, वह बादलों के साथ आनेवाला है; और हर एक आँख उसे देखेगी, वरन् जिन्होंने उसे बेधा था, वे भी उसे देखेंगे, और पृथ्वी के सारे कुल उसके कारण छाती पीटेंगे। हाँ। आमीन। (जक. 12:10) **8** प्रभु परमेश्वर, जो है, और जो था, और जो आनेवाला है; जो सर्वशक्तिमान है: यह कहता है, “मैं ही अल्फा और ओमेगा* हूँ।” (प्रका. 22:13, यशा. 41:4, यशा. 44:6)

9 मैं यूहन्ना, जो तुम्हारा भाई, और यीशु के क्लेश, और राज्य, और धीरज में तुम्हारा सहभागी हूँ, परमेश्वर के वचन, और यीशु की गवाही के कारण पतमुस नामक टापू में था। **10** मैं प्रभु के दिन आत्मा में आ गया*, और अपने पीछे तुरही का सा बड़ा शब्द यह कहते सुना, **11** “जो कुछ तू देखता है, उसे पुस्तक में लिखकर सातों कलीसियाओं के पास भेज दे, अर्थात् इफिसुस, स्मुरना, पिरगमुन, थुआतीरा, सरदीस, फिलदिलफिया और लौदीकिया को।” **12** तब मैंने उसे जो मुझसे बोल रहा था; देखने के लिये अपना मुँह फेरा; और पीछे घूमकर मैंने सोने की सात दीवटें देखी; **13** और उन दीवटों के बीच में मनुष्य के पुत्र सरीखा एक पुरुष को देखा, जो पाँवों तक का वस्त्र पहने, और छाती पर सोने का कमरबन्द बाँधे हुए था। (दानि. 7:13, यहे. 1:26) **14** उसके सिर और बाल श्वेत ऊन वरन् हिम के समान उज्ज्वल थे; और उसकी आँखें आग की ज्वाला के समान थी। (दानि. 7:9, दानि. 10:6) **15** उसके पाँव उत्तम पीतल के समान थे जो मानो भट्ठी में तपाए गए हों; और उसका शब्द बहुत जल के शब्द के समान था। (यहे. 1:7, यहे. 43:2) **16** वह अपने दाहिने हाथ में सात तारे लिए हुए था, और उसके मुख से तेज दोधारी तलवार निकलती थी; और उसका मुँह ऐसा प्रज्वलित था, जैसा सूर्य कड़ी धूप के समय चमकता है। (मत्ती 17:2, प्रका. 19:15) **17** जब मैंने उसे देखा, तो उसके पैरों पर मुर्दा सा गिर पड़ा* और उसने मुझ पर अपना दाहिना हाथ रखकर यह कहा, “मत डर; मैं प्रथम और अन्तिम हूँ, (यशा. 44:6, दानि. 8:17) **18** और जीवित भी मैं हूँ, मैं मर गया था, और अब देख मैं युगानुयुग जीविता हूँ; और मृत्यु और अधोलोक की कुंजियाँ मेरे ही पास हैं। (रोम. 6:9, रोम. 14:9) **19** “इसलिए जो बातें तूने देखीं हैं और जो बातें हो रही हैं; और जो इसके बाद होनेवाली हैं, उन सब को लिख ले।” **20** अर्थात् उन सात तारों का भेद जिन्हें तूने मेरे दाहिने हाथ में देखा था, और उन सात सोने की दीवटों का भेद: वे सात तारे सातों कलीसियाओं के स्वर्गदूत हैं, और वे सात दीवट सात कलीसियाएँ हैं।

Revelation 1:1

अपने दासों
मसीह में विश्वासी

जिसका शीघ्र होना अवश्य है
वैकल्पिक अनुवाद: "घटनाएं जो शीघ्र ही अवश्य होंगी"

दिखाए
"बताया"

समय निकट है
वैकल्पिक अनुवाद: "जिन बातों का होना अवश्य है शीघ्र घटित होंगी"

Revelation 1:4

उसकी ओर से शान्ति मिले जो है
"परमेश्वर की ओर से शान्ति मिले, जो है"

आत्माओं
आत्माओं - - का अभिप्राय स्वर्गदूतों से है क्योंकि वे उसके सिहांसन के सामने हैं.

हमें छुड़ा लिया है
वैकल्पिक अनुवाद : "हमें स्वतंत्र कर दिया है"

हमें एक राज्य बनाया है
" हमें अलग कर लिया और हमारे ऊपर राज्य करना शुरू किया"

Revelation 1:7

x
*

आदि और अन्त
इसको सांस्कृतिक रूप में समझाया जा सकता है. उदाहरण के लिए, यदि किसी को यूनानी लिपि का ज्ञान नहीं है तो अल्फ़ा और ओमेगा का उसके लिए

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

कोई अर्थ नहीं है , इसलिए उन्हें अपनी भाषा और संस्कृति के अनुसार एक सटीक शब्द जो इसके समान है ढूंढना चाहिए.

Revelation 1:9

तुम्हारा ...तुम
सात कलीसियाओं में विश्वासी

जो तुम्हारे क्लेश और राज्य और धीरज में जो यीशु में हैं सहभागी है
वैकल्पिक अनुवाद: "जो परमेश्वर के राज्य में तुम्हारा सहभागी है. मैं भी तुम्हारे साथ क्लेश सहता और धीरज धरता हूँ क्योंकि हम यीशु से सम्बन्ध रखते हैं"

परमेश्वर के वचन के कारण
वैकल्पिक अनुवाद : "क्योंकि मैंने परमेश्वर के वचन के विषय में बताया"

आत्मा में
इसका अर्थ है परमेश्वर की आत्मा से भरपूर हुआ.

प्रभु के दिन
विश्वासियों के लिए मसीह में आराधना का दिन.

तुरही का सा बड़ा शब्द
आवाज़ इतनी ऊंची थी कि तुरही के समान सुनाई दी.

स्मुरना को, पिरगमुन को, थूआतीरा को, सरदीस को, फिलदिलफिया को, और लौदीकिया को
यह एशिया के शहरों के नाम है जो आज के समय का तुर्की है.

Revelation 1:12

जिसकी आवाज़
यहाँ "आवाज़" से अभिप्राय जो व्यक्ति बोल रहा है उससे है.

पटुका
कपड़े का एक टुकड़ा जिसे कमर या छाती के इर्द-गिर्द पहना जाता है

Revelation 1:14

सिर और बाल ऊन के समान श्वेत - पाले के समान उज्जवल
इन दोनों वाक्यों का एक साथ प्रयोग इस बात पर ज़ोर डालने के लिए किया गया है कि उनके बाल और सिर कितने सफ़ेद थे.

बहुत जल के शब्द के समान
यह आवाज़ एक विशाल, तेज़ गति से बहती सफ़ेद पानी की नदी की आवाज़ से मिलती-जुलती है.

Revelation 1:17

x
यूहन्ना का दीवटों के मध्य मनुष्य की सन्तान के विषय में निरन्तर दर्शन

उसने मुझ पर अपना दाहिना हाथ रखा
उसने मुझ पर अपना दाहिना हाथ रखा - वैकल्पिक अनवाद : "उसने मुझे अपने दाएं हाथ से छुआ"

मैं प्रथम और अंतिम हूँ
इसका सन्दर्भ पहला और अन्तिम जीवित रहने वाला होने से है जिसका तात्पर्य उसके अनन्त व्यक्तित्व से है.

Revelation 1:19

x
मनुष्य का पुत्र जो तारों के बीच खड़ा था उसने बोलना जारी रखा.

सोने की दीवटों
सोने की दीवटों - इसका अनुवाद वैसे ही करो जैसे तुमने .

सात कलीसियाएं
इसका अनुवाद वैसे ही करो जैसे तुमने

Translation Questions

Revelation 1:1

सबसे पहले प्रकाशितवाक्य किस से मिला था और यह प्रकाशन किस पर प्रकट किया जाना था?
यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य परमेश्वर से प्राप्त हुआ कि अपने दासों की वे बातें जो शीघ्र होनेवाली हैं दिखाए।

प्रकाशितवाक्य की घटनाओं को कब पूरा होना था?
प्रकाशितवाक्य की घटनाओं का शीघ्र होना आवश्यक था।

Revelation 1:3

इस पुस्तक से आशिष कौन पाएगा?
जो इस पुस्तक को उंचे शब्द में पढ़ेंगे, सुनेंगे और इसका पालन करेंगे आशिष पाएंगे।

Revelation 1:4

इस पुस्तक का लेखक कौन है और यह किसको लिखी गई थी?
इस पुस्तक का लेखक यूहन्ना है और प्राप्तकर्ता एशिया की सात कलीसियाएं हैं।

Revelation 1:5

यूहन्ना मसीह यीशु को कौन से तीन नाम देता है?
यूहन्ना यीशु मसीह को विश्वासयोग्य गवाह कहता है मृतकों में से ज़ी उठनेवालों में पहिलौठा और पृथ्वी के राजाओं का हाकिम है।

Revelation 1:6

यीशु ने विश्वासियों को क्या बना दिया है?
यीशु ने विश्वासियों को एक राज्य और परमेश्वर के लिए याजक भी बना दिया है।

Revelation 1:7

यीशु के पुनः आगमन को कौन देखेगा?
यीशु के पुनः आगमन को प्रत्येक आंख देखेगी और वे भी जिन्होने उसे छेदा है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Revelation 1:8

प्रभु परमेश्वर अपना वर्णन कैसे करता है?
प्रभु परमेश्वर स्वयं को अल्फ़ा और ओमेगा अर्थात जो हैं, जो था और जो आनेवाला है, सर्वशक्तिमान कहता है।

Revelation 1:9

यूहन्ना पतमुस टापू में क्यों था?
परमेश्वर के वचन और यीशु की गवाही के कारण यूहन्ना पतमुस नामक टापू में था।

Revelation 1:11

उस बड़े शब्द में यूहन्ना से क्या कहा गया था?
उसने एक बड़ा शब्द यह कहते सुना, "जो कुछ तू देखता है उसे पुस्तक में लिखकर सातों कलीसियाओं के पास भेज दे।"

Revelation 1:14

यूहन्ना ने जिस पुरुष को देखा उसके बाल और उसकी आंखें कैसी थीं?
उस पुरुष के बाल पाले के सदृश्य श्वेत थे और उसकी आंखें आग की ज्वाला के समान थीं?

Revelation 1:16

उस पुरुष के दाहिने हाथ में क्या था और मुख से क्या निकलता था?
उसके दाहिने हाथ में सात सितारे थे और उसके मुख से दो धारी तलवार निकलती थी।

Revelation 1:17

उस पुरुष को देखकर यूहन्ना ने क्या किया?
यूहन्ना उसके पावों में मृतक की नाईं गिर पड़ा।

Revelation 1:18

कौन सी कुंजियाँ पुरुष के हाथ में थी?
उस पुरुष ने कहा कि उसके हाथ में मृत्यु और अधोलोक की कुंजिया हैं।

Revelation 1:20

उन सात सितारों और सोने की सात दीवटों का अर्थ क्या है?
वे सात सितारे सातों कलीसियाओं के स्वर्गदूत थे और सात दिवटें सात कलीसियाएं थी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 2

1 “इफिसुस की कलीसिया के स्वर्गदूत को यह लिख: “जो सातों तारे अपने दाहिने हाथ में लिए हुए है, और सोने की सातों दीवटों के बीच में फिरता है, वह यह कहता है: **2** मैं तेरे काम, और तेरे परिश्रम, और तेरे धीरज को जानता हूँ; और यह भी कि तू बुरे लोगों को तो देख नहीं सकता; और जो अपने आप को प्रेरित कहते हैं, और हैं नहीं, उन्हें तूने परखकर झूठा पाया। **3** और तू धीरज धरता है, और मेरे नाम के लिये दु:ख उठाते-उठाते थका नहीं। **4** पर मुझे तेरे विरुद्ध यह कहना है कि तूने अपना पहला सा प्रेम छोड़ दिया है। **5** इसलिए स्मरण कर, कि तू कहाँ से गिरा है*, और मन फिरा और पहले के समान काम कर; और यदि तू मन न फिराएगा, तो मैं तेरे पास आकर तेरी दीवट को उसके स्थान से हटा दूँगा। **6** पर हाँ, तुझ में यह बात तो है, कि तू नीकुलइयों के कामों से घृणा करता है, जिनसे मैं भी घृणा करता हूँ। (भज. 139:21) **7** जिसके कान हों, वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है: जो जय पाए*, मैं उसे उस जीवन के पेड़ में से जो परमेश्वर के स्वर्गलोक में है, फल खाने को दूँगा। (प्रका. 2:11)

8 “स्मुरना की कलीसिया के स्वर्गदूत को यह लिख: “जो प्रथम और अन्तिम है; जो मर गया था और अब जीवित हो गया है, वह यह कहता है: (प्रका. 1:17-18) **9** मैं तेरे क्लेश और दरिद्रता को जानता हूँ (परन्तु तू धनी है); और जो लोग अपने आप को यहूदी कहते हैं (और हैं नहीं, पर शैतान का आराधनालय हैं,) उनकी निन्दा को भी जानता हूँ। **10** जो दु:ख तुझको झेलने होंगे, उनसे मत डर: क्योंकि, शैतान तुम में से कुछ को जेलखाने में डालने पर है ताकि तुम परखे जाओ; और तुम्हें दस दिन तक क्लेश उठाना होगा। प्राण देने तक विश्वासयोग्य रह; तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूँगा। (याकू. 1:12) **11** जिसके कान हों, वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है: जो जय पाए, उसको दूसरी मृत्यु से हानि न पहुँचेगी।

12 “पिरगमुन की कलीसिया के स्वर्गदूत को यह लिख: “जिसके पास तेज दोधारी तलवार है, वह यह कहता है: **13** मैं यह तो जानता हूँ, कि तू वहाँ रहता है जहाँ शैतान का सिंहासन है, और मेरे नाम पर स्थिर रहता है; और मुझ पर विश्वास करने से उन दिनों में भी पीछे नहीं हटा जिनमें मेरा विश्वासयोग्य साक्षी अन्तिपास, तुम्हारे बीच उस स्थान पर मारा गया जहाँ शैतान रहता है। **14** पर मुझे तेरे विरुद्ध कुछ बातें कहनी हैं, क्योंकि तेरे यहाँ कुछ तो ऐसे हैं, जो बिलाम की शिक्षा* को मानते हैं, जिसने बालाक को इस्राएलियों के आगे ठोकर का कारण रखना सिखाया, कि वे मूर्तियों पर चढ़ाई गई वस्तुएँ खाएँ, और व्यभिचार करें। (2 पत. 2:15, गिन. 31:16) **15** वैसे ही तेरे यहाँ कुछ तो ऐसे हैं, जो नीकुलइयों की शिक्षा को मानते हैं। **16** अत: मन फिरा, नहीं तो मैं तेरे पास शीघ्र ही आकर, अपने मुख की तलवार से उनके साथ लड़ूँगा। (प्रका. 2:5) **17** जिसके कान हों, वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है; जो जय पाए, उसको मैं गुप्त मन्ना में से दूँगा, और उसे एक श्वेत पत्थर भी दूँगा; और उस पत्थर पर एक नाम लिखा हुआ होगा, जिसे उसके पानेवाले के सिवाय और कोई न जानेगा। (प्रका. 2:7)

18 “थुआतीरा की कलीसिया के स्वर्गदूत को यह लिख: “परमेश्वर का पुत्र जिसकी आँखें आग की ज्वाला के समान, और जिसके पाँव उत्तम पीतल के समान हैं, वह यह कहता है: (दानि. 10:6) **19** मैं तेरे कामों, और प्रेम, और विश्वास, और सेवा, और धीरज को जानता हूँ, और यह भी कि तेरे पिछले काम पहलों से बढ़कर हैं। **20** पर मुझे तेरे विरुद्ध यह कहना है, कि तू उस स्त्री इजेबेल को रहने देता है जो अपने आप को भविष्यद्वक्तिन कहती है, और मेरे दासों को व्यभिचार करने, और मूर्तियों के आगे चढ़ाई गई वस्तुएँ खाना सिखाकर भरमाती है। (प्रका.2:14) **21** मैंने उसको मन फिराने के लिये अवसर दिया, पर वह अपने व्यभिचार से मन फिराना नहीं चाहती। **22** देख, मैं उसे रोगशैय्या पर डालता हूँ; और जो उसके साथ व्यभिचार करते हैं यदि वे भी उसके से कामों से मन न फिराएँगे तो उन्हें बड़े क्लेश में डालूँगा। **23** मैं उसके बच्चों को मार डालूँगा; और तब सब कलीसियाएँ जान लेंगी कि हृदय और मन का परखनेवाला मैं ही हूँ, और मैं तुम में से हर एक को उसके कामों के अनुसार बदला दूँगा। (भज. 7:9) **24** पर तुम थुआतीरा के बाकी लोगों से, जितने इस शिक्षा को नहीं मानते, और उन बातों को जिन्हें शैतान की गहरी बातें कहते हैं* नहीं जानते, यह कहता हूँ, कि मैं तुम पर और बोझ न डालूँगा। **25** पर हाँ, जो तुम्हारे पास है उसको मेरे आने तक थामे रहो। **26** जो जय पाए, और मेरे कामों के अनुसार अन्त तक करता रहे, ‘मैं उसे जाति-जाति के लोगों पर अधिकार दूँगा। **27** और वह लोहे का राजदण्ड लिये हुए उन पर राज्य करेगा, जिस प्रकार कुम्हार के मिट्टी के बर्तन चकनाचूर हो जाते है: मैंने भी ऐसा ही अधिकार अपने पिता से पाया है। **28** और मैं उसे भोर का तारा दूँगा। **29** जिसके कान हों, वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है।

Revelation 2:1

जो अपने प्रेरित होने का दावा करते हैं
"जो कहते हैं कि वे प्रेरित हैं"

Revelation 2:3

x
यह इफ़िसुस में विश्वासियों को मनुष्य के पुत्र का सन्देश देना जारी रखता है.

पहला प्रेम
इसका अर्थ है "तुम्हारा यीशु के लिए वास्तविक प्रेम."

तुम्हारे दीवट को हटा दूंगा
प्रत्येक दीवट सात कलीसियाओं में से एक का प्रतिनिधित्व करता है. । का सन्दर्भ लें।

Revelation 2:6

x
यहाँ से मनुष्य की सन्तान का इफिसियों में विश्वासियों को सन्देश जारी रहता है.

नीकुलइयों
लोग जो निकुलस नामक व्यक्ति की शिक्षाओं पर चलते थे.

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

यदि तुम्हारे कान हैं, तो सुन लो
आत्मिक कान. इसका अर्थ वह व्यक्ति जो परमेश्वर की आवाज़ सुन और उसका सन्देश समझ सकता है.

मैं खाने दूंगा
"मैं उन्हें खाने दूंगा"

Revelation 2:8

स्मुरना
देखें कि तुमने में इसका अनुवाद किस प्रकार किया है.

प्रथम और अन्तिम
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया था.

Revelation 2:10

शैतान तुम में से कुछ को जेलखाने में डालने वाला है
वैकल्पिक अनुवाद : " शैतान तुम में से कुछ को जेल भेजने का कारण बनेगा"

यदि तुम्हारे कान हैं
इसका अनुवाद में देखें.

Revelation 2:12

x
इस भाग के लिए कोई नोट्स नहीं हैं.

Revelation 2:14

बालाक
यह एक राजा का नाम है.

जिसने बालाक को इस्राएलियों के आगे ठोकर का कारण रखना सिखाया
वैकल्पिक अनुवाद: " जिसने बालाक को दिखाया कि किस प्रकार इस्राइल के लोगों के पाप करने का कारण बने"

मूर्तियों को चढ़ाई वस्तुएं खाएं
वैकल्पिक अनुवाद : " मूर्तियों को खाने की वस्तुएं चढाएं और फिर उन्हें खाएं" (देखें : सक्रिय- निष्क्रिय)

व्यभिचार करें
वैकल्पिक अनुवाद: "शारीरिक पाप करें" या " शरीर के द्वारा व्यभिचार करें"

Revelation 2:18

x
इस भाग के लिए कोई नोट्स नहीं हैं.

Revelation 2:20

पर मुझे तेरे विरुद्ध ये कहना है
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया है.

Revelation 2:22

उसे रोगशैय्या पर डालता हूँ
वैकल्पिक अनुवाद: मैं उसे रोगी बना डालूँगा" या "मैं उसे रोग के द्वारा दंड दूंगा"

व्यभिचार करते
"व्यभिचार करने के आदि"

वे उसके कामों से मन फिराएंगे
वैकल्पिक अनुवाद : वे उसके जैसा बनने से पछतावा करेंगे"

मैं उसके बच्चों को मार डालूंगा
वैकल्पिक अनुवाद: मैं उसके बच्चों को मार डालूँगा

मैं हृदय और मन का परखने वाला हूँ
वैकल्पिक अनुवाद: "मैं विचारों और इच्छाओं को परखता हूँ" या "मैं मन और हृदय को परखता हूँ"

Revelation 2:24

शैतान की गहरी बातें
वैकल्पिक अनुवाद: "शैतान के गलत कार्य" या "शैतान के झूठ"

Revelation 2:26

जो जय पाए
वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी जो हराता है"

मैं उसे भी दूंगा
यहाँ "उसे" का सन्दर्भ जीतने वाले से है

भोर का तारा
यह एक चमकदार तारा है जो एकदम भोर से पहले आता है.

Translation Questions

Revelation 2:1

इस पुस्तक का अगला भाग किस दूत के नाम है?
इस पुस्तक का अगला भाग इफिसुस की कलीसिया के दूत के नाम है।

Revelation 2:2

इफिसुस की कलीसिया ने दुष्टों और झूठे भविष्यद्वाक्ताओं के साथ क्या किया था?
इफिसुस की कलीसिया ने बुरे लोगों को सहन नहीं किया और जो प्रेरित नहीं परन्तु प्रेरित होने का दावा करते हैं उन्हे परखकर झूठा पाया।

Revelation 2:4

इफिसुस की कलीसिया से मसीह को क्या शिकायत थी?
इफिसुस की कलीसिया से मसीह को शिकायत थी कि उन्होने अपना पहला सा प्रेम छोड़ दिया था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Revelation 2:5

यदि उन्होने मन नहीं फिराया तो मसीह क्या कहता है कि वह करेगा?
यदि वे मन नहीं फिराएंगे तो मसीह कहता है कि वह आकर उसकी दीवट को अपने स्थान से हटा देगा।

Revelation 2:7

मसीह जय पानेवालों से क्या प्रतिज्ञा करता है?
जो जय पाए उसे मसीह जीवन के पेड़ से जो परमेश्वर के स्वर्ग लोक में है फल खाने को देगा।

Revelation 2:8

इस पुस्तक का अगला भाग किस दूत के नाम है?
पुस्तक का अगला भाग स्मुरना की कलीसिया के दूत को लिखा गया है।

Revelation 2:9

स्मुरना की कलीसिया अनुभव कैसा था?
स्मुरना की कलीसिया क्लेश और दरिद्रता में थी और निन्दा का पात्र थी।

Revelation 2:10

जो प्राण देने तक विश्वासी रहें और जय पाएं उनसे मसीह क्या प्रतिज्ञा करता है?
मसीह प्रतिज्ञा करता है कि जो मरने तक विश्वासी बने रहें और जय पाएं उन्हे वह जीवन का मुकुट देगा और उन्हें दूसरी मृत्यु से हानि नहीं पहुंचेगी।

Revelation 2:12

इस पुस्तक का अगला भाग किस दूत के नाम है?
पुस्तक का अगला भाग पिरगमुन की कलीसिया के दूत को लिखा गया है।

Revelation 2:13

पिरगमुन की कलीसिया कहां थी?
पिरगमुन की कलीसिया शैतान के सिंहासन के क्षेत्र में रहती थी।

अन्तिपास के घात किए जाने पर भी पिरगमुन की कलीसिया ने क्या नहीं किया?
पिरगमुन की कलीसिया मसीह के नाम पर स्थिर थी और मसीह के साक्षी अन्तिपास के घात किए जाने पर भी पीछे नहीं हटी।

Revelation 2:14

पिरगमुन की कलीसिया में कुछ लोग कौन सी दो शिक्षाओं को मानते थे?
पिरगमुन की कलीसिया में कुछ विश्वासी बिलाम की शिक्षा पर चलती थी तो कुछ नीकुलइयों की शिक्षा को मानते थे।

Revelation 2:16

यदि इन शिक्षाओं पर चलनेवाले मन न फिराएं तो मसीह उन्हे क्या चेतावनी देता है?
मसीह चेतावनी देता है कि ऐसी शिक्षाओं पर चलनेवालों के साथ वह तलवार से लड़ेगा।

Revelation 2:17

मसीह जय पानेवालों से क्या प्रतिज्ञा करता है?
मसीह प्रतिज्ञा करता है कि जो जय पाएंगे उन्हे वह गुप्त मन्ना देगा और एक श्वेत पत्थर भी देगा जिसपर एक नाम लिखा होगा।

Revelation 2:18

इस पुस्तक का अगला भाग किस दूत के नाम है?
पुस्तक का अगला भाग थुआतीरा की कलीसिया के दूत के नाम है।

Revelation 2:19

मसीह थुआतीरा की कलीसिया के कौन से भले कामों को जानता था?
मसीह उसके कामों को, उसके प्रेम और विश्वास और सेवा और धीरज को जानता था।

Revelation 2:20

थुआतीरा की कलीसिया से मसीह को क्या शिकायत थी?
मसीह को उनसे एक शिकायत थी कि वे उस भ्रष्ट स्त्री, इजेबेल को रहने देता था।

Revelation 2:22

यदि इजेबेल मन न फिराए तो मसीह ने उसे क्या चेतावनी दी?
मसीह चेतावनी देता है कि वह इजेबेल को रोग शैय्या पर डाल देगा और उसकी सन्तान को घात करेगा यदि वह मन न फिराए।

Revelation 2:25

जिन्होंने इजेबेल की शिक्षा नहीं मानी उनसे मसीह ने क्या कहा?
मसीह उनसे कहता है कि वे उसके आने तक अपनी धरोहर को थामे रहें।

Revelation 2:26

जय पानेवालों से मसीह ने क्या प्रतिज्ञा की?
जो जय पाएं उनसे मसीह ने प्रतिज्ञा की वह उन्हे जाति जाति पर अधिकार और भोर का तारा देगा।

Revelation 2:29

इस पुस्तक के पाठक से मसीह क्या सुनने के लिए कहता है?
पाठक सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 3

1 “सरदीस की कलीसिया के स्वर्गदूत को लिख: “जिसके पास परमेश्वर की सात आत्माएँ और सात तारे हैं, यह कहता है कि मैं तेरे कामों को जानता हूँ, कि तू
जीवित तो कहलाता है, पर है मरा हुआ।

2 जागृत हो, और उन वस्तुओं को जो बाकी रह गई हैं, और जो मिटने को है, उन्हें दृढ़ कर; क्योंकि मैंने तेरे किसी काम को अपने परमेश्वर के निकट पूरा नहीं
पाया। **3** इसलिए स्मरण कर, कि तूने किस रीति से शिक्षा प्राप्त की और सुनी थी, और उसमें बना रह, और मन फिरा: और यदि तू जागृत न रहेगा तो मैं चोर के
समान आ जाऊँगा* और तू कदापि न जान सकेगा, कि मैं किस घड़ी तुझ पर आ पड़ूँगा। **4** पर हाँ, सरदीस में तेरे यहाँ कुछ ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अपने-अपने
वस्त्र अशुद्ध नहीं किए, वे श्वेत वस्त्र पहने हुए मेरे साथ घूमेंगे, क्योंकि वे इस योग्य हैं। **5** जो जय पाए, उसे इसी प्रकार श्वेत वस्त्र पहनाया जाएगा, और मैं उसका
नाम जीवन की पुस्तक में से किसी रीति से न काटूँगा, पर उसका नाम अपने पिता और उसके स्वर्गदूतों के सामने मान लूँगा। (प्रका. 21:27) **6** जिसके कान हों,
वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है।

7 “फिलदिलफिया की कलीसिया के स्वर्गदूत को यह लिख: “जो पवित्र और सत्य है, और जो दाऊद की कुंजी रखता है, जिसके खोले हुए को कोई बन्द नहीं
कर सकता* और बन्द किए हुए को कोई खोल नहीं सकता, वह यह कहता है, (अय्यू. 12:14, यशा. 22:22) **8** मैं तेरे कामों को जानता हूँ। देख, मैंने तेरे
सामने एक द्वार खोल रखा है, जिसे कोई बन्द नहीं कर सकता; तेरी सामर्थ्य थोड़ी सी तो है, फिर भी तूने मेरे वचन का पालन किया है और मेरे नाम का इन्कार
नहीं किया। **9** देख, मैं शैतान के उन आराधनालय वालों* को तेरे वश में कर दूँगा जो यहूदी बन बैठे हैं, पर हैं नहीं, वरन् झूठ बोलते हैं—मैं ऐसा करूँगा, कि वे
आकर तेरे चरणों में दण्डवत् करेंगे, और यह जान लेंगे, कि मैंने तुझ से प्रेम रखा है। **10** तूने मेरे धीरज के वचन को थामा है, इसलिए मैं भी तुझे परीक्षा के उस
समय बचा रखूँगा, जो पृथ्वी पर रहनेवालों के परखने के लिये सारे संसार पर आनेवाला है। **11** मैं शीघ्र ही आनेवाला हूँ; जो कुछ तेरे पास है उसे थामे रह, कि
कोई तेरा मुकुट छीन न ले। **12** जो जय पाए, उसे मैं अपने परमेश्वर के मन्दिर में एक खम्भा बनाऊँगा; और वह फिर कभी बाहर न निकलेगा; और मैं अपने
परमेश्वर का नाम, और अपने परमेश्वर के नगर अर्थात् नये यरूशलेम का नाम, जो मेरे परमेश्वर के पास से स्वर्ग पर से उतरनेवाला है और अपना नया नाम उस
पर लिखूँगा। (प्रका. 21:2, यशा. 65:15, यहे. 48:35) **13** जिसके कान हों, वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है।

14 “लौदीकिया की कलीसिया के स्वर्गदूत को यह लिख: “जो आमीन, और विश्वासयोग्य, और सच्चा गवाह है, और परमेश्वर की सृष्टि का मूल कारण है, वह
यह कहता है: **15** मैं तेरे कामों को जानता हूँ कि तू न तो ठण्डा है और न गर्म; भला होता कि तू ठण्डा या गर्म होता। **16** इसलिए कि तू गुनगुना है, और न ठण्डा
है और न गर्म, मैं तुझे अपने मुँह से उगलने पर हूँ। **17** तू जो कहता है, कि मैं धनी हूँ, और धनवान हो गया हूँ, और मुझे किसी वस्तु की घटी नहीं, और यह नहीं
जानता, कि तू अभागा और तुच्छ और कंगाल और अंधा, और नंगा है, (होशे 12:8) **18** इसलिए मैं तुझे सम्मति देता हूँ, कि आग में ताया हुआ सोना मुझसे
मोल ले, कि धनी हो जाए; और श्वेत वस्त्र ले ले कि पहनकर तुझे अपने नंगेपन की लज्जा न हो; और अपनी आँखों में लगाने के लिये सुरमा ले कि तू देखने लगे।
19 मैं जिन जिनसे प्रेम रखता हूँ, उन सब को उलाहना और ताड़ना देता हूँ, इसलिए उत्साही हो, और मन फिरा। (नीति. 3:12) **20** देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ
खटखटाता हूँ; यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूँगा, और वह मेरे साथ। **21** जो जय पाए, मैं उसे
अपने साथ अपने सिंहासन पर बैठाऊँगा, जैसा मैं भी जय पा कर अपने पिता के साथ उसके सिंहासन पर बैठ गया। **22** जिसके कान हों वह सुन ले कि आत्मा
कलीसियाओं से क्या कहता है।”

Revelation 3:1

x
इस भाग में कोई नोट्स नहीं हैं.

Revelation 3:3

अपने वस्त्रों को अशुद्ध नहीं किया
अशुद्ध वस्त्रों का अभिप्राय उनके जीवन में पाप से है.

श्वेत वस्त्र पहने
श्वेत वस्त्र शुद्ध जीवन का प्रतिनिधित्व करते हैं.

Revelation 3:5

जो जय पाए
जो जय पाए - वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी जो हराता है"

यदि तुम्हारे कान हैं ..... कलीसियाएं
यदि तुम्हारे कान हैं ..... कलीसियाएं - देखो तुमने इसका अनुवाद में किस प्रकार किया था।

Revelation 3:7

दाऊद की कुंजी
"कुंजी" आत्मिक अधिकार या सामर्थ का प्रतिनिधित्व करती है. (देखें:)

Revelation 3:9

शैतान के उन सभावालों ... यहूदी... पर हैं नहीं
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया था.

पैरों पर गिरेंगे
यह अधीनता स्वीकार करने का चिन्ह है न कि आराधना करने का.

उनकी परीक्षा करने का
वैकल्पिक अनुवाद : "इससे उनकी परीक्षा होगी"

Revelation 3:12

वह जो जय पाए
वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी जो हराता है"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

परमेश्वर के मन्दिर में एक खम्भा
"खम्भा" बनने का अर्थ परमेश्वर के राज्य में एक महत्त्वपूर्ण और स्थाई भाग बनने से है.

Revelation 3:14

आमीन के शब्द
आमीन के शब्द - पर : "उस व्यक्ति के शब्द जो आमीन कहलाता है"

Revelation 3:17

x
इस भाग के लिए कोई नोट्स नहीं हैं.

Revelation 3:19

सरगर्म हो और मन फिरा
" गंभीर हो और पश्चाताप कर"

मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ
"द्वार" हमारे जीवन या आत्मा का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें मसीह प्रवेश करना चाहता है.

मेरा शब्द सुनता है
"शब्द" मसीह की पुकार का प्रतिनिधित्व करता है.

द्वार खोलता है
इसका तात्पर्य मसीह का अपने जीवन में और इसमें उसका स्वागत करने से है.

उसके साथ भोजन करूँगा
इसका अर्थ सम्बन्ध, मित्रता और संगति से है.

Revelation 3:21

जो जय पाए
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया था. पर: "कोई भी व्यक्ति जो हराता है".

यदि तुम्हारे कान हैं
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया था.

Translation Questions

Revelation 3:1

इस पुस्तक का अगला भाग किस दूत के नाम है?
इस पुस्तक का अगला भाग सरदीस की कलीसिया के दूत के नाम है।

सरदीस की कलीसिया क्या मानी जाती थी कि सच क्या था?
सरदीस की कलीसिया जीवित मानी जाती थी परन्तु वह वास्तव में मृतक थी।

Revelation 3:2

मसीह सरदीस की कलीसिया को क्या करने की चेतावनी देता है?
मसीह उन्हे चेतावनी देता है कि वे जागृत हों और उन वस्तुओं को जो बाकी रह गई हैं उन्हे दृढ़ करें, और जो शिक्षा उन्होने पाई और सुनी उनमें बने रहें।

Revelation 3:5

जय पानेवालों से मसीह ने क्या प्रतिज्ञा की?
जो जय पाएं वे श्वेत वस्त्र पहनकर मसीह के साथ घूमेंगे और उनका नाम जीवन की पुस्तक में से कभी नहीं काटा जाएगा और मसीह उनका नाम पिता के सामने मान लेगा।

Revelation 3:7

इस पुस्तक का अगला भाग किस दूत के नाम है?
इस पुस्तक का अगला भाग फिलदिलफिया के दूत के नाम है।

Revelation 3:8

फिलदिलफिया कि कलीसिया ने अपनी कम सामर्थ्य में भी क्या किया था?
फिलदिलफिया कि कलीसिया ने मसीह के वचन का पालन किया और उनके नाम का इन्कार नहीं किया था।

Revelation 3:9

मसीह शैतान की सभावालों का क्या करेगा?
मसीह ऐसा करेगा कि शैतान की सभा वाले आकर उनके पैरों में गिरेंगे।

Revelation 3:11

क्योंकि मसीह शीघ्र आनेवाला है इसलिए वह उनसे क्या चाहता है?
मसीह उनसे कहता है कि उनके पास जो है उसे थामें रहें कि उनका मुकुट कोई छीन न लें।

Revelation 3:12

मसीह जय पानेवालों से क्या प्रतिज्ञा करता है?
जो जय पाएंगे उन्हे मसीह परमेश्वर के मन्दिर का खंभा बनाएगा और उस खंभे पर परमेश्वर का नाम, यरूशलेम का नाम और अपना नया नाम लिखेगा।

Revelation 3:14

इस पुस्तक का अगला भाग किस दूत के नाम है?
पुस्तक का अगला भाग लौदीकिया की कलीसिया के नाम लिखा है।

Revelation 3:15

मसीह क्या चाहता था लौदीकिया की कलीसिया कैसी हो?
मसीह चाहता था कि लौदीकिया की कलीसिया या तो ठंडी हो या गर्म हो।

Revelation 3:16

मसीह लौदीकिया की कलीसिया के साथ क्या करने पर था और क्यों?
मसीह लौदीकिया की कलीसिया को उगलने पर था क्योंकि वह न तो ठंडी थीं न ही गर्म थी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Revelation 3:17

लौदीकिया की कलीसिया अपने बारे में क्या कहती थी?
लौदीकिया की कलीसिया कहती थी कि वह धनवान है और उसे किसी वस्तु की घटी नहीं।

मसीह लौदीकिया की कलीसिया के बारे में क्या कहता है?
मसीह के विचार में वह कलीसिया अभागी, तुच्छ और कंगाल और अंधी और नंगी है।

Revelation 3:19

मसीह हर एक प्रेमी जन के साथ क्या करता है?
मसीह अपने प्रत्येक प्रेमी जन को सिखाता है।

Revelation 3:21

मसीह जय पानेवालों से क्या प्रतिज्ञा करता है?
जो जय पाए वे मसीह के साथ सिंहासन पर बैठेंगे।

Revelation 3:22

मसीह पाठकों से किसकी बात सुनने के लिए कहता है?
मसीह कहता है, जिसके कान हों वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 4

1 इन बातों के बाद जो मैंने दृष्टि की, तो क्या देखता हूँ कि स्वर्ग में एक द्वार खुला हुआ है; और जिसको मैंने पहले तुरही के से शब्द से अपने साथ बातें करते
सुना था, वही कहता है, “यहाँ ऊपर आ जा, और मैं वे बातें तुझे दिखाऊँगा, जिनका इन बातों के बाद पूरा होना अवश्य है।” (प्रका.22:6) **2** तुरन्त मैं आत्मा में
आ गया; और क्या देखता हूँ कि एक सिंहासन स्वर्ग में रखा है, और उस सिंहासन पर कोई बैठा है। (1 राजा. 22:19) **3** और जो उस पर बैठा है, वह यशब और
माणिक्य जैसा दिखाई पड़ता है, और उस सिंहासन के चारों ओर मरकत के समान एक मेघधनुष दिखाई देता है। (यहे. 1:28) **4** उस सिंहासन के चारों ओर
चौबीस सिंहासन है; और इन सिंहासनों पर चौबीस प्राचीन श्वेत वस्त्र पहने हुए बैठे हैं, और उनके सिरों पर सोने के मुकुट हैं। (प्रका. 11:16)

5 उस सिंहासन में से बिजलियाँ और गर्जन निकलते हैं* और सिंहासन के सामने आग के सात दीपक जल रहे हैं, वे परमेश्वर की सात आत्माएँ हैं, (जक. 4:2)
6 और उस सिंहासन के सामने मानो बिल्लौर के समान काँच के जैसा समुद्र है*, और सिंहासन के बीच में और सिंहासन के चारों ओर चार प्राणी है, जिनके
आगे-पीछे आँखें ही आँखें हैं। (यहे. 10:12) **7** पहला प्राणी सिंह के समान है, और दूसरा प्राणी बछड़े के समान है, तीसरे प्राणी का मुँह मनुष्य के समान है, और
चौथा प्राणी उड़ते हुए उकाब के समान है। (यहे. 1:10, यहे. 10:14) **8** और चारों प्राणियों के छः-छः पंख हैं, और चारों ओर, और भीतर आँखें ही आँखें हैं;
और वे रात-दिन बिना विश्राम लिए यह कहते रहते हैं, (यशा. 6:2-3)

> “पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु परमेश्वर, सर्वशक्तिमान,
> जो था, और जो है, और जो आनेवाला है।”

9 और जब वे प्राणी उसकी जो सिंहासन पर बैठा है, और जो युगानुयुग जीविता है, महिमा और आदर और धन्यवाद करेंगे। (दानि. 12:7) **10** तब चौबीसों
प्राचीन सिंहासन पर बैठनेवाले के सामने गिर पड़ेंगे, और उसे जो युगानुयुग जीविता है प्रणाम करेंगे; और अपने-अपने मुकुट सिंहासन के सामने* यह कहते हुए
डाल देंगे, (भज. 47:8)

> **11** “हे हमारे प्रभु, और परमेश्वर, तू ही महिमा,
> और आदर, और सामर्थ्य के योग्य है;
> क्योंकि तू ही ने सब वस्तुएँ सृजीं और
> तेरी ही इच्छा से, वे अस्तित्व में थे और सृजी गईं।”

Revelation 4:1

इन बातों के बाद
यीशु के सात कलीसियाओं को सम्बोधित करने के पश्चात् यूहन्ना ने जो देखा ।

जिसका स्वर्ग में एक द्वार खुला हुआ है
जिसका स्वर्ग में एक द्वार खुला हुआ है - वैकल्पिक अनुवाद: "स्वर्ग में प्रवेशद्वार"

यशब और माणिक्य
अर्द्ध -कीमती पत्थर. हमें उनके रंगों के विषय में निश्चित कुछ नहीं पता.

मेघधनुष
वे रंग जो लोग तब देख सकते हैं जब उनके पीछे सूर्य चमक रहा हो और सामने वर्षा हो रही हो

मरकत (पन्ना)
एक हरे रंग का अर्द्ध - कीमती पत्थर

Revelation 4:4

बिजलियां और गर्जन
अपनी भाषा के अनुसार उस शब्द का प्रयोग करें जो हर बार बिजली के चमकने के समय की व्याख्या करे

गड़गड़ाहट, और बिजली की गर्जन की आवाज़
"जैसी आवाज़ बिजली के गरजने के समय होती है"

Revelation 4:7

जो था, और जो है, और जो आने वाला है
परमेश्वर हर समय उपस्थित है.

Revelation 4:9

युगानुयुग बनी रहे
इन शब्दों का अर्थ समान है और इन्हें ज़ोर डालने के लिए जोड़ा गया है .

हमारे प्रभु और परमेश्वर
वक्ता , पर श्रोता नहीं

वे अस्तित्व रखते थे और सृजे गए थे
शब्द "थे (अस्तित्व)" और "सृजे" का समान अर्थ है और इन्हें ज़ोर डालने के लिए जोड़ा गया है .

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Revelation 4:1

यूहन्ना ने क्या खुला हुआ देखा?
यूहन्ना ने देखा कि स्वर्ग में एक द्वार खुला हुआ है।

उस वाणी ने यूहन्ना से क्या कहा कि उसे दिखाएगी?
जिसने यूहन्ना के साथ बातें की थीं उसी ने यूहन्ना से फिर कहा कि वह उसे वे बातें दिखाएगा जिनका इन बातों के बाद पूरा होना आवश्यक है।

Revelation 4:2

स्वर्ग में सिंहासन पर कौन बैठा था?
स्वर्ग में सिंहासन पर कोई बैठा था।

Revelation 4:4

स्वर्ग में सिंहासन के चारों ओर क्या था?
उस सिंहासन के चारों और चौबीस सिंहासन थे और उन पर चौबीस प्राचीन बैठे थे।

Revelation 4:5

उस सिंहासन के सामने जल रहे सात दीपक क्या थे?
वे सात दीपक परमेश्वर की सात आत्माएं थीं।

Revelation 4:6

सिंहासन के चारों ओर चार वस्तु क्या थीं?
उस सिंहासन के चारों ओर चार प्राणी थे।

Revelation 4:8

वे चारों प्राणी रात दिन क्या कहते थे?
वे रात दिन बिना विश्राम किए यह कहते रहते थे "पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु परमेश्वर शक्तिमान, जो था और जो है और जो आनेवाला है।"

Revelation 4:10

जब वे प्राणी परमेश्वर की महिमा का वर्णन करते थे तब उन चौबीस प्राचीनों ने क्या किया?
चौबीस प्राणी सिंहासन पर बैठने वाले के सामने गिर पड़े और उसे प्रणाम करके अपने अपने मुकुट उसके सामने डाल दिए।

Revelation 4:11

वे प्राचीन सृष्टि के कार्य में परमेश्वर की भूमिका के बारे में क्या कह रहे थे?
और उन चौबीस प्राचीनों ने गुणगान किया, परमेश्वर ही ने सब वस्तुएं सृजी और वे उसी की इच्छा से थीं और सृजी गई।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 5

1 और जो सिंहासन पर बैठा था, मैंने उसके दाहिने हाथ में एक पुस्तक देखी, जो भीतर और बाहर लिखी हुई थी, और वह सात मुहर लगाकर बन्द की गई थी। (यहे. 2:9-10) **2** फिर मैंने एक बलवन्त स्वर्गदूत को देखा जो ऊँचे शब्द से यह प्रचार करता था “इस पुस्तक के खोलने और उसकी मुहरें तोड़ने के योग्य कौन है?” **3** और न स्वर्ग में*, न पृथ्वी पर, न पृथ्वी के नीचे कोई उस पुस्तक को खोलने या उस पर दृष्टि डालने के योग्य निकला*। **4** तब मैं फूट-फूटकर रोने लगा, क्योंकि उस पुस्तक के खोलने, या उस पर दृष्टि करने के योग्य कोई न मिला। **5** इस पर उन प्राचीनों में से एक ने मुझसे कहा, “मत रो; देख, यहूदा के गोत्र का वह सिंह, जो दाऊद का मूल है, उस पुस्तक को खोलने और उसकी सातों मुहरें तोड़ने के लिये जयवन्त हुआ है।” (उत्प. 49:9, यशा. 11:1, यशा. 11:10)* **6** तब मैंने उस सिंहासन और चारों प्राणियों और उन प्राचीनों के बीच में, मानो एक वध किया हुआ मेम्ना खड़ा देखा; उसके सात सींग और सात आँखें थी; ये परमेश्वर की सातों आत्माएँ हैं, जो सारी पृथ्वी पर भेजी गई हैं। (जक. 4:10) **7** उसने आकर उसके दाहिने हाथ से जो सिंहासन पर बैठा था, वह पुस्तक ले ली, (प्रका. 5:1) **8** जब उसने पुस्तक ले ली, तो वे चारों प्राणी और चौबीसों प्राचीन उस मेम्ने के सामने गिर पड़े; और हर एक के हाथ में वीणा और धूप से भरे हुए सोने के कटोरे थे, ये तो पवित्र लोगों की प्रार्थनाएँ हैं। (प्रका. 5:14, प्रका. 19:4) **9** और वे यह नया गीत गाने लगे,

> “तू इस पुस्तक के लेने, और उसकी मुहरें खोलने के योग्य है;
> क्योंकि तूने वध होकर अपने लहू से हर एक कुल, और भाषा, और लोग, और जाति में से
> परमेश्वर के लिये लोगों को मोल लिया है। (प्रका. 5:12)
> **10** “और उन्हें हमारे परमेश्वर के लिये एक राज्य और याजक बनाया; और वे पृथ्वी पर राज्य करते हैं।” (प्रका. 1:6)

11 जब मैंने देखा, तो उस सिंहासन और उन प्राणियों और उन प्राचीनों के चारों ओर बहुत से स्वर्गदूतों का शब्द सुना, जिनकी गिनती लाखों और करोड़ों की थी। (दानि. 7:10) **12** और वे ऊँचे शब्द से कहते थे, “वध किया हुआ मेम्ना ही सामर्थ्य, और धन, और ज्ञान, और शक्ति, और आदर, और महिमा, और स्तुति के योग्य है*।” (प्रका. 5:9)

13 फिर मैंने स्वर्ग में, और पृथ्वी पर, और पृथ्वी के नीचे, और समुद्र की सब रची हुई वस्तुओं को, और सब कुछ को जो उनमें हैं, यह कहते सुना, “जो सिंहासन पर बैठा है, उसकी, और मेम्ने की स्तुति, और आदर, और महिमा, और राज्य, युगानुयुग रहे।” **14** और चारों प्राणियों ने आमीन कहा, और प्राचीनों ने गिरकर दण्डवत् किया।

Revelation 5:1

x
इस भाग के लिए कोई नोट्स नहीं हैं.

Revelation 5:3

दाऊद का मूल
दाऊद का मूल - "राजा दाऊद का वंशज और उत्तराधिकारी" (युडीबी)

Revelation 5:6

x
इस भाग के लिए कोई नोट्स नहीं हैं।

Revelation 5:8

जब उसने पुस्तक ले ली
शब्द "उसने" का प्रयोग यहाँ मेम्ने के सन्दर्भ में किया गया है.

Revelation 5:9

वे
"वे" शब्द यहाँ चारों प्राणियों और चौबीस प्राचीनों के सन्दर्भ में है.

क्योंकि तेरा वध किया गया था -
वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि उन्होंने तेरा वध किया"

Revelation 5:13

x
इस भाग के लिए कोई नोट्स नहीं हैं.

Translation Questions

Revelation 5:1

सिंहासन पर बैठने वाले के दाहिने हाथ में यूहन्ना ने क्या देखा?
यूहन्ना ने एक पुस्तक देखी जिस पर सात मुहरें थी।

Revelation 5:2

उस पुस्तक को खोलकर पढ़ने योग्य कौन था?
उस पुस्तक को खोलकर पढ़ने योग्य कोई नहीं था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Revelation 5:5

उस पुस्तक की मुहरें तोड़ने और उसे खोलने के लिए कौन योग्य ठहरा?
यूहन्ना के गोत्र का सिंह, दाऊद का मूल उस पुस्तक को खोलने और उसकी सातों मुहरें तोड़ने के लिए जयवन्त हुआ है।

Revelation 5:6

सिंहासन के सामने प्राचीनों के मध्य कौन खड़ा था?
एक वध किया हुआ मेमना उन प्राचीनों के बीच में सिंहासन के सामने खड़ा था।

मेम्ना के सात सिंग और सात आंखें क्या थीं?
उसके सात सिंग और सात आंखे थी जो पृथ्वी पर भेजी गई परमेश्वर की सात आत्माएं थी।

Revelation 5:8

प्राचीनों के हाथ में जो धूप के साथ सोने के कटोरे थे वे क्या थे?
धूप से भरे हुए सोने के कटोरे पवित्र जनों की प्रार्थनाएं थीं।

Revelation 5:9

वह मेम्ना पुस्तक को खोलने के योग्य क्यों था?
मेम्ना योग्य था क्योंकि उसने वध होकर अपने लहू से हर एक कुल और भाषा और लोग और जाति में से परमेश्वर के लिए लोगों को मोल लिया था।

Revelation 5:10

परमेश्वर के याजक कहां राज करेंगे?
वे परमेश्वर के याजक पृथ्वी पर राज करेंगे।

Revelation 5:12

स्वर्गदूतों ने क्या कहा कि मेमना उस योग्य है?
स्वर्गदूतों ने कहा वध किया हुआ मेमना ही सामर्थ्य और धन और ज्ञान और शक्ति और आदर और महिमा और धन्यवाद के योग्य है।

Revelation 5:13

किसने कहा कि सिंहासन पर विराजमान और मेमना युगानयुग आदर और महिमा के योग्य हो?
प्रत्येक सृजित वस्तु ने पुकारा कि जो सिंहासन पर बैठा है उसका और मेमना का धन्यवाद और आदर और महिमा और राज्य युगानयुग रहे।

Revelation 5:14

जब उन चारों जीवित प्राणियों ने "आमीन" किया तब प्राचीनों ने क्या किया?
प्राचीनों ने गिरकर दण्डवत् किया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 6

1 फिर मैंने देखा कि मेम्ने ने उन सात मुहरों में से एक को खोला*; और उन चारों प्राणियों में से एक का गर्जन के समान शब्द सुना, “आ।” **2** मैंने दृष्टि की, और एक श्वेत घोड़ा है, और उसका सवार धनुष लिए हुए है: और उसे एक मुकुट दिया गया, और वह जय करता हुआ निकला कि और भी जय प्राप्त करे।

3 जब उसने दूसरी मुहर खोली, तो मैंने दूसरे प्राणी को यह कहते सुना, “आ।” **4** फिर एक और घोड़ा निकला, जो लाल रंग का था; उसके सवार को यह अधिकार दिया गया कि पृथ्वी पर से मेल उठा ले, ताकि लोग एक दूसरे का वध करें; और उसे एक बड़ी तलवार दी गई।

5 जब उसने तीसरी मुहर खोली, तो मैंने तीसरे प्राणी को यह कहते सुना, “आ।” और मैंने दृष्टि की, और एक काला घोड़ा है; और उसके सवार के हाथ में एक तराजू है। (जक. 6:2-3 जक. 6:6) **6** और मैंने उन चारों प्राणियों के बीच में से एक शब्द यह कहते सुना, “दीनार का सेर भर गेहूँ, और दीनार का तीन सेर जौ, पर तेल, और दाखरस की हानि न करना।”

7 और जब उसने चौथी मुहर खोली, तो मैंने चौथे प्राणी का शब्द यह कहते सुना, “आ।” **8** मैंने दृष्टि की, और एक पीला घोड़ा है; और उसके सवार का नाम मृत्यु है; और अधोलोक उसके पीछे-पीछे है और उन्हें पृथ्वी की एक चौथाई पर यह अधिकार दिया गया, कि तलवार, और अकाल, और मरी, और पृथ्वी के वन-पशुओं के द्वारा लोगों को मार डालें। (यिर्म. 15:2-3)

9 जब उसने पाँचवी मुहर खोली, तो मैंने वेदी के नीचे उनके प्राणों को देखा, जो परमेश्वर के वचन के कारण, और उस गवाही के कारण जो उन्होंने दी थी, वध किए गए थे। **10** और उन्होंने बड़े शब्द से पुकारकर कहा, “हे प्रभु, हे पवित्र, और सत्य; तू कब तक न्याय न करेगा? और पृथ्वी के रहनेवालों से हमारे लहू का पलटा कब तक न लेगा?” (प्रका. 16:5-6) **11** और उनमें से हर एक को श्वेत वस्त्र दिया गया, और उनसे कहा गया, कि और थोड़ी देर तक विश्राम करो, जब तक कि तुम्हारे संगी दास और भाई जो तुम्हारे समान वध होनेवाले हैं, उनकी भी गिनती पूरी न हो ले।

12 जब उसने छठवीं मुहर खोली, तो मैंने देखा कि एक बड़ा भूकम्प हुआ*; और सूर्य कम्बल के समान काला, और पूरा चन्द्रमा लहू के समान हो गया। (योए. 2:10) **13** और आकाश के तारे पृथ्वी पर ऐसे गिर पड़े जैसे बड़ी आँधी से हिलकर अंजीर के पेड़ में से कच्चे फल झड़ते हैं। (प्रका. 8:10, मत्ती 24:29) **14** आकाश ऐसा सरक गया, जैसा पत्र लपेटने से सरक जाता है; और हर एक पहाड़, और टापू, अपने-अपने स्थान से टल गया। (प्रका. 16:20, यशा. 34:4) **15** पृथ्वी के राजा, और प्रधान, और सरदार, और धनवान और सामर्थी लोग, और हर एक दास, और हर एक स्वतंत्र, पहाड़ों की गुफाओं और चट्टानों में जा छिपे; (यशा. 2:10, यशा. 2:19) **16** और पहाड़ों, और चट्टानों से कहने लगे, “हम पर गिर पड़ो; और हमें उसके मुँह से जो सिंहासन पर बैठा है और मेम्ने के प्रकोप से छिपा लो; (लूका 23:30) **17** क्योंकि उनके प्रकोप का भयानक दिन आ पहुँचा है, अब कौन ठहर सकता है?” (मला. 3:2, योए. 2:11, नहू. 1:6, सप. 1:14-15, मला. 3:2)

Revelation 6:1

मैं ने
यहाँ सभी "मैं ने" का तात्पर्य यूहन्ना से है, जो कि इसका लेखक है.

सात मुहरों में से एक को खोला
सात मुहरों में से सबसे पहली मुहर को खोला

Revelation 6:3

दूसरी मुहर खोली
दूसरे स्थान की मुहर खोली

लाल रंग
वैकल्पिक अनुवाद : "सुर्ख लाल"

इसके सवार को अधिकार दिया गया
वैकल्पिक अनुवाद : "परमेश्वर ने इसके सवार को अधिकार दे दिया..."

Revelation 6:5

तीसरी मुहर खोली
तीसरे स्थान की मुहर खोली

माप (**choenix**)
choenix (माप) - इसका अभिप्राय एक विशेष माप से है जो लगभग एक सेर के बराबर है.

एक सेर भर गेहूं
इसका अभिप्राय एक विशेष माप से है जो एक लीटर के बराबर था.

एक दीनार
इस सिक्के का मूल्य एक दिन की मज़दूरी के बराबर था.

Revelation 6:7

x
इस भाग के लिए कोई नोट्स नहीं हैं.

Revelation 6:12

सूर्य कम्बल के समान काला हो गया
सूर्य अत्यधिक काला हो गया

Revelation 6:15

और सरदार
इस शब्द का तात्पर्य युद्ध में अगुवाई करने वाले योद्धाओं से है,

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

खोहों में जा छिपे
खोहों में जा छिपे - वैकल्पिक अनुवाद: "पहाड़ों में बने बड़े छिद्रों में छिप गए" या "ज़मीन में खोदे गए गड्ढों में छिप गए"

उसके मुँह से
सर्वनाम "उसके" का अभिप्राय परमेश्वर से है.

Translation Questions

Revelation 6:1

मेम्ने ने पुस्तक का क्या किया?
मेम्ने ने उस पुस्तक की पहली मुहर खोली।

Revelation 6:2

पहली मुहर खुलने पर यूहन्ना ने क्या देखा?
यूहन्ना ने देखा कि एक श्वेत घोड़े पर सवार जय प्राप्त करने निकला।

Revelation 6:4

दूसरी मुहर खुलने पर यूहन्ना ने क्या देखा?
एक लाल घोड़े के सवार ने पृथ्वी पर से शान्ति उठा ली।

Revelation 6:5

तीसरी मुहर खुलने पर यूहन्ना ने क्या देखा?
यूहन्ना ने देखा कि एक काले घोड़े के सवार के हाथ में तराजू है।

Revelation 6:8

चौथी मुहर खुलने पर यूहन्ना ने क्या देखा?
यूहन्ना ने एक पीला घोड़ा देखा उसके सवार का नाम मृत्यु था।

Revelation 6:9

पांचवी मुहर खुलने पर यूहन्ना ने क्या देखा?
यूहन्ना ने देखा कि वहां परमेश्वर के वचन के कारण वध किए गए मनुष्यों की आत्माएं थीं।

Revelation 6:10

वेदी के नीचे जो आत्माएं थीं वे क्या जानना चाहती थीं?
वे आत्माएं जानना चाहती थीं कि परमेश्वर कब न्याय करेगा।

Revelation 6:11

उन आत्माओं को कितनी देर और रुकने को कहा गया?
उन आत्माओं से कहा गया कि वे अपने संगी और भाइयों के वध होने की प्रतिज्ञा करें कि उनकी भी गिनती पूरी हो ले।

Revelation 6:12

छठवीं मुहर खुलने पर यूहन्ना ने क्या देखा?
यूहन्ना ने एक बड़ा भूकम्प देखा और सूर्य काला हो गया तथा चांद लहू के समान हो गया और सितारे पृथ्वी पर गिर गए।

Revelation 6:15

पृथ्वी के राजा और प्रधान, और सरदार, और धनवान और सामर्थी लोग, और सब जनों को यूहन्ना ने क्या करते देखा?
यूहन्ना ने देखा कि सब लोग पहाड़ों की खोहों में जा छिपे और चट्टानों से कहने लगे कि उन पर गिर कर उन्हे छिपा लें।

Revelation 6:16

पृथ्वी के राजा, और प्रधान, और सरदार, और धनवान और अन्य सब लोग किस बात से छिपना चाहते थे?
वे सिंहासन पर विराजमान और मेम्ने के प्रकोप से बचना चाहते थे।

Revelation 6:17

कौन सा दिन आ गया था?
सिंहासन पर विराजमान और मेम्ने के प्रकोप का दिन आ गया था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 7

1 इसके बाद मैंने पृथ्वी के चारों कोनों पर चार स्वर्गदूत खड़े देखे, वे पृथ्वी की चारों हवाओं को थामे हुए थे ताकि पृथ्वी, या समुद्र, या किसी पेड़ पर, हवा न
चले। (दानि. 7:2, जक. 6:5) **2** फिर मैंने एक और स्वर्गदूत को जीविते परमेश्वर की मुहर लिए हुए पूरब से ऊपर की ओर आते देखा; उसने उन चारों स्वर्गदूतों
से जिन्हें पृथ्वी और समुद्र की हानि करने का अधिकार दिया गया था, ऊँचे शब्द से पुकारकर कहा, **3** "जब तक हम अपने परमेश्वर के दासों के माथे पर मुहर न
लगा दें, तब तक पृथ्वी और समुद्र और पेड़ों को हानि न पहुँचाना।" (यहे. 9:4)

4 और जिन पर मुहर दी गई, मैंने उनकी गिनती सुनी, कि इस्राएल की सन्तानों के सब गोत्रों में से एक लाख चौवालीस हजार पर मुहर दी गई: **5** यहूदा के गोत्र में
से बारह हजार पर मुहर दी गई, रूबेन के गोत्र में से बारह हजार पर, गाद के गोत्र में से बारह हजार पर, **6** अशेर के गोत्र में से बारह हजार पर, नप्ताली के गोत्र
में से बारह हजार पर; मनश्शे के गोत्र में से बारह हजार पर, **7** शमौन के गोत्र में से बारह हजार पर, लेवी के गोत्र में से बारह हजार पर, इस्साकार के गोत्र में से
बारह हजार पर, **8** जबूलून के गोत्र में से बारह हजार पर, यूसुफ के गोत्र में से बारह हजार पर, और बिन्यामीन के गोत्र में से बारह हजार पर मुहर दी गई।

9 इसके बाद मैंने दृष्टि की, और हर एक जाति, और कुल, और लोग और भाषा में से एक ऐसी बड़ी भीड़, जिसे कोई गिन नहीं सकता था श्वेत वस्त्र पहने और
अपने हाथों में खजूर की डालियाँ लिये हुए सिंहासन के सामने और मेम्ने के सामने खड़ी है; **10** और बड़े शब्द से पुकारकर कहती है, "उद्धार के लिये हमारे
परमेश्वर का*, जो सिंहासन पर बैठा है, और मेम्ने का जय-जयकार हो।" (प्रका. 19:1, भज. 3:8) **11** और सारे स्वर्गदूत, उस सिंहासन और प्राचीनों और
चारों प्राणियों के चारों ओर खड़े हैं, फिर वे सिंहासन के सामने मुँह के बल गिर पड़े और परमेश्वर को दण्डवत् करके कहा, **12** "आमीन*, हमारे परमेश्वर की
स्तुति, महिमा, ज्ञान, धन्यवाद, आदर, सामर्थ्य, और शक्ति युगानुयुग बनी रहें। आमीन।" **13** इस पर प्राचीनों में से एक ने मुझसे कहा, "ये श्वेत वस्त्र पहने हुए
कौन हैं? और कहाँ से आए हैं?" **14** मैंने उससे कहा, "हे स्वामी, तू ही जानता है।" उसने मुझसे कहा, "ये वे हैं, जो उस महा क्लेश में से निकलकर आए हैं;
इन्होंने अपने-अपने वस्त्र मेम्ने के लहू में धोकर श्वेत किए हैं। (प्रका. 22:14)

> **15** "इसी कारण वे परमेश्वर के सिंहासन के सामने हैं,
> और उसके मन्दिर में दिन-रात उसकी सेवा करते हैं;
> और जो सिंहासन पर बैठा है, वह उनके ऊपर अपना तम्बू तानेगा। (प्रका. 22:3, भज. 134:1-2)
> **16** "वे फिर भूखे और प्यासे न होंगे;
> और न उन पर धूप, न कोई तपन पड़ेगी।
> **17** क्योंकि मेम्ना जो सिंहासन के बीच में है, उनकी रखवाली करेगा;
> और उन्हें जीवनरूपी जल के सोतों के पास ले जाया करेगा,
> और परमेश्वर उनकी आँखों से सब आँसू पोंछ डालेगा।" (भज. 23:1, भज. 23:2, यशा. 25:8)

Revelation 7:1

x
इस भाग के लिए कोई नोट्स नहीं हैं.

Revelation 7:4

जिन पर मुहर दी गई
जिन पर मुहर दी गई - वैकल्पिक अनुवाद: जिनके ऊपर परमेश्वर का चिन्ह था"

बारह हज़ार
बारह हज़ार - प्रत्येक गोत्र में 12, 000 (देखें :)

144, 000
12, 000 के प्रत्येक गोत्र में से ये बारह झुण्ड हैं.

इस्राएल के सन्तानों के सब गोत्र
इस्राएल के सन्तानों के सब गोत्र - इस्राएल में बारह गोत्र थे, प्रत्येक का नाम याकूब की प्रत्येक सन्तान के नाम पर रखा गया था।

Revelation 7:7

x
यहाँ से इस्राएल के गोत्रों में से चुनाव जारी रहता है.

Revelation 7:9

सिंहासन के सामने और मेम्ने के सम्मुख खड़ा है
वैकल्पिक अनुवाद': "सिंहासन और मेम्ने के सामने खड़ा है"

श्वेत वस्त्र
यहाँ "श्वेत" रंग पवित्रता का प्रतीक है.

उद्धार मेंम्ने का है (से संबध रखता है)
वैकल्पिक अनुवाद: "हमारा परमेश्वर, जो सिंहासन पर बैठा है, और मेंम्ने ने हमें बचाया है" या "उद्धार परमेश्वर और मेंम्ने की ओर से, आता है जो सिंहासन पर बैठता है "

Revelation 7:11

सारे स्वर्गदूत ...जीवते प्राणी
वैकल्पिक अनुवाद : "और सारे स्वर्गदूत उस सिंहासन और प्राचीनों और चारों प्राणियों के चारों ओर खड़े हैं "

चारों जीवित प्राणी
इन चार प्राणियों का . में वर्णन है.

हमारे परमेश्वर की ...स्तुति, महिमा हो
वैकलिपक अनुवाद: हमारा परमेश्वर सब स्तुति, महिमा, ज्ञान, धन्यवाद, सामर्थ और शक्ति के योग्य है"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

युगानुयुग बनी रहे
इन दोनों शब्दों का (अंग्रेजी शब्दों फॉरएवर एंड एवर) का एकसाथ प्रयोग ज़ोर डालने के लिए किया गया है.

Revelation 7:13

इन्होनें अपने वस्त्र मेंम्ने के लहू में धोकर श्वेत किए हैं
"श्वेत" रंग पवित्रता का प्रतीक है, और "लहू" की तुलना पानी से की गई है, जो आम तौर पर वस्तुओं को साफ़ बनाता है. पवित्रता को "शुद्ध" होकर या मसीह के लहू द्वारा प्राप्त किया जा सकता है .

Revelation 7:15

वे, उन्हें, उनके
इन सभी सर्वनामों का तात्पर्य उन सब से है जो महा क्लेश से निकल कर आए हैं.

धूप की तपन नहीं पड़ेगी
इसका अर्थ यह है कि सूर्य की गर्मी लोगों को और अधिक नहीं सहनी पड़ेगी.

Translation Questions

Revelation 7:1

यूहन्ना ने देखा तो पृथ्वी के चारों कोनों में खड़े चारों स्वर्गदूत क्या कर रहे थे?
चारों स्वर्गदूत पृथ्वी की चारों हवाओं को रोके हुए थे।

Revelation 7:2

पूर्व दिशा से आनेवाले उस स्वर्गदूत ने किस बात की आवश्यक्ता दर्शाई थी?
एक और स्वर्गदूत पूर्व दिशा से आया और उसने कहा कि पृथ्वी की हानि से पूर्व परमेश्वर के दासों के माथे पर मुहर लगाना आवश्यक है।

Revelation 7:4

कौन कौन से गोत्रो से कितने लोगों पर मुहर लगाई गई थी?
इस्राएल के प्रत्येक गोत्र से चुनकर लिए गए लोगों की संख्या एक लाख चौवालीस हज़ार थे।

Revelation 7:9

परमेश्वर के सिंहासन और मेम्ने के समक्ष यूहन्ना ने क्या देखा?
यूहन्ना ने देखा कि हर एक जाति और कुल और लोग और भाषा में से एक असंख्य बड़ी भीड़ सिंहासन के सामने खड़ी थी।

Revelation 7:10

जो सिंहासन के समक्ष खड़े थे उनके अनुसार उद्धार किसका है?
वह भीड़ पुकार कर कहती थी, उद्धार के लिए हमारे परमेश्वर का और मेम्ने का है।

Revelation 7:11

स्वर्गदूत और प्राचीन और जीवित प्राणी जब परमेश्वर को दण्डवत् कर रहे थे तब किस मुद्रा में थे?
वे सिंहासन के सामने गिरे और परमेश्वर को दण्डवत् किया।

Revelation 7:14

सिंहासन के समक्ष श्वेत वस्त्र धारी लोग कौन थे?
उस प्राचीन ने कहा कि वे लोग महा क्लेश से निकल कर आए हैं।

सिंहासन के समक्ष उपस्थित जनों के वस्त्र श्वेत क्यों थे?
उन्होने मेम्ने के लहू में अपने वस्त्र धोए थे इसलिए वे श्वेत थे।

Revelation 7:15

श्वेत वस्त्र धारियों के लिए उस प्राचीन के अनुसार परमेश्वर क्या करेगा?
जो सिंहासन पर बैठा है वह उनके ऊपर अपना तम्बू तानेगा और उन्हे फिर कष्ट न होगा।

Revelation 7:17

उस प्राचीन के अनुसार मेम्ना उन श्वेत वस्त्र वालों के साथ क्या करेगा?
मेम्ना उनकी रखवाली करेगा और उन्हे जीवन जल के सोतों के पास ले जाएगा।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 8

1 जब उसने सातवीं मुहर खोली, तो स्वर्ग में आधे घण्टे तक सन्नाटा छा गया*। **2** और मैंने उन सातों स्वर्गदूतों को जो परमेश्वर के सामने खड़े रहते हैं, देखा, और उन्हें सात तुरहियाँ दी गईं। **3** फिर एक और स्वर्गदूत सोने का धूपदान लिये हुए आया, और वेदी के निकट खड़ा हुआ; और उसको बहुत धूप दिया गया कि सब पवित्र लोगों की प्रार्थनाओं के साथ सोने की उस वेदी पर, जो सिंहासन के सामने है चढ़ाएँ। (प्रका. 5:8) **4** और उस धूप का धूआँ पवित्र लोगों की प्रार्थनाओं सहित स्वर्गदूत के हाथ से परमेश्वर के सामने पहुँच गया। (भज. 141:2) **5** तब स्वर्गदूत ने धूपदान लेकर उसमें वेदी की आग भरी, और पृथ्वी पर डाल दी, और गर्जन और शब्द और बिजलियाँ और भूकम्प होने लगे। (प्रका. 4:5) **6** और वे सातों स्वर्गदूत जिनके पास सात तुरहियाँ थी, फूँकने को तैयार हुए।

7 पहले स्वर्गदूत ने तुरही फूँकी, और लहू से मिले हुए ओले और आग उत्पन्न हुई, और पृथ्वी पर डाली गई; और एक तिहाई पृथ्वी जल गई, और एक तिहाई पेड़ जल गई, और सब हरी घास भी जल गई। (यहे. 38:22)

8 दूसरे स्वर्गदूत ने तुरही फूँकी, तो मानो आग के समान जलता हुआ एक बड़ा पहाड़ समुद्र में डाला गया; और समुद्र भी एक तिहाई लहू हो गया*, (निर्ग. 7:17, यिर्म. 51:25) **9** और समुद्र की एक तिहाई सृजी हुई वस्तुएँ जो सजीव थीं मर गई, और एक तिहाई जहाज नाश हो गए।

10 तीसरे स्वर्गदूत ने तुरही फूँकी, और एक बड़ा तारा जो मशाल के समान जलता था, स्वर्ग से टूटा, और नदियों की एक तिहाई पर, और पानी के सोतों पर आ पड़ा। (प्रका. 6:13) **11** उस तारे का नाम नागदौना है, और एक तिहाई पानी नागदौना जैसा कड़वा हो गया, और बहुत से मनुष्य उस पानी के कड़वे हो जाने से मर गए। (यिर्म. 9:15)

12 चौथे स्वर्गदूत ने तुरही फूँकी, और सूर्य की एक तिहाई, और चाँद की एक तिहाई और तारों की एक तिहाई पर आपत्ति आई, यहाँ तक कि उनका एक तिहाई अंग अंधेरा हो गया और दिन की एक तिहाई में उजाला न रहा, और वैसे ही रात में भी। (यशा. 13:10, योए. 2:10) **13** जब मैंने फिर देखा, तो आकाश के बीच में एक उकाब को उड़ते और ऊँचे शब्द से यह कहते सुना, “उन तीन स्वर्गदूतों की तुरही के शब्दों के कारण जिनका फूँकना अभी बाकी है, पृथ्वी के रहनेवालों पर हाय, हाय, हाय*!”

Revelation 8:1

उन्हें सात तुरहियाँ दी गईं
संभावित अर्थ : 1) परमेश्वर ने उन्हें सात तुरहियाँ दी या 2) मेंम्ने ने उन्हें सात तुरहियाँ दी.

Revelation 8:3

x
इस भाग के लिए कोई नोट्स नहीं हैं.

Revelation 8:6

इसे पृथ्वी पर डाला गया
वैकल्पिक अनुवाद: "स्वर्गदूत ने इसे पृथ्वी पर फेंका."

पृथ्वी की एक तिहाई जल गई, पेड़ों की एक तिहाई जल गई , और सब हरी घास भी जल गई
वैकल्पिक अनुवाद: "इसने पृथ्वी का एक तिहाई हिस्सा जला दिया , इसने पेड़ों का एक तिहाई भाग जला दिया, और इसने सारी हरी घास जला दी"

Revelation 8:8

आग सा जलता हुआ एक बड़ा पहाड़ समुन्द्र में डाला गया
" स्वर्गदूत ने एक बड़े जलते हुए पहाड़ के समान कुछ फेंका"

समुन्द्र का एक तिहाई लहू हो गया, समुन्द्र के एक तिहाई प्राणी मर गए, और एक तिहाई जहाज़ नष्ट हो गए
वैकल्पिक अनुवाद : "इसके कारण समुन्द्र का एक तिहाई भाग लहू हो गया, एक तिहाई प्राणी मर गए और एक तिहाई जहाज़ नष्ट हो गए"

लहू बन गए
संभावित अर्थ : 1) "लहू जैसे लाल हो गए" (युडीबी) 2) वास्तव में "लहू बन गए."

Revelation 8:10

और एक बड़ा तारा जो मशाल के समान जलता था स्वर्ग से टूटा
"और एक बड़ा तारा जो मशाल के समान जलता था स्वर्ग से टूटा ." बड़े तारे की आंच मशाल की आंच से मिलती- जुलती थी.

मशाल
एक छड़ी जिसके एक और आग लगी होती है ताकि रौशनी मिल सके

उस तारे का नाम नागदौना है
तारे का नाम "नागदौना" एक कड़वे पौधे के नाम पर रखा गया है।

नागदौना
तारे के द्वारा ज़हरीला हो गया. पर : "कड़वा" (युडीबी) या "ज़हरीला"

Revelation 8:12

सूर्य के एक तिहाई पर आपत्ति आई
वैकल्पिक अनुवाद: "सूर्य के एक तिहाई भाग पर अन्धेरा छा गया"

Revelation 8:13

उन तीन स्वर्गदूतों की तुरही शब्दों के कारण, जिनका फूंकना अभी बाकी है
वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि जिन तीन स्वर्गदूतों ने अपनी तुरही को अभी नहीं फूंका है वे उन्हें अब फूंकने वाले हैं"

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Revelation 8:1

स्वर्ग में मौन छा जाने का कारण क्या था?
जब मेम्ने ने सातवीं मुहर खोली तब स्वर्ग में मौन छा गया।

Revelation 8:2

परमेश्वर के समक्ष उपस्थित रहनेवाले सात स्वर्गदूतों को क्या दिया गया था?
वे सात स्वर्गदूत जो परमेश्वर के समक्ष खड़े होते है उन्हे सात तुरहियां दी गई।

Revelation 8:4

परमेश्वर के पास क्या पहुंचा?
उस धूप का धुआं पवित्र लोगों की प्रार्थनाओं सहित परमेश्वर के सामने पहुंच गया।

Revelation 8:5

जब उस स्वर्गदूत ने वेदी की आग पृथ्वी पर डाली तब क्या हुआ?
जब उस स्वर्गदूत ने वेदी की आग पृथ्वी पर डाली तब गर्जन और शब्द और बिजलियां और भूकम्प होने लगे।

Revelation 8:7

पहली तुरही फूंकी गई तो क्या हुआ?
पहले स्वर्गदूत ने तुरही फूंकी तो पृथ्वी का एक तिहाई और पेड़ों का एक तिहाई भाग जल गया और सब हरी घास भी जल गई।

Revelation 8:8

दूसरी तुरही के फूंके जाने पर क्या हुआ?
जब दूसरी तुरही फूंकी गई तब समुद्र का एक तिहाई भाग लहू हो गया और एक तिहाई समुद्री जीव मर गए और एक तिहाई जहाज नष्ट हो गए।

Revelation 8:10

तीसरी तुरही फूंकी जाने पर क्या हुआ?
तीसरी तुरही फूंकी गई तो संपूर्ण जल का एक तिहाई भाग नागदौना सा कड़वा हो गया और उसके कारण बहुत लोग मर गए।

Revelation 8:12

चौथी तुरही के फूंकी जाने पर क्या हुआ?
चौथी तुरही फूंकी गई तब दिन की एक तिहाई का उजाला समाप्त हो गया और रात की भी वही दशा हुई।

Revelation 8:13

उस स्वर्गदूत ने क्यों कहा, पृथ्वी के रहने वालों पर हाय, हाय, हाय,?
एक स्वर्गदूत ने आकाश में उड़ते हुए कहा, उन तीन स्वर्गदूतों की तुरहियों के शब्दों के कारण जिनका फूंकना अभी बाकी है पृथ्वी के रहने वालों पर हाय, हाय, हाय,।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 9

1 जब पाँचवें स्वर्गदूत ने तुरही फूँकी, तो मैंने स्वर्ग से पृथ्वी पर एक तारा गिरता हुआ देखा, और उसे अथाह कुण्ड की कुंजी दी गई। **2** उसने अथाह कुण्ड को खोला, और कुण्ड में से बड़ी भट्ठी के समान धूआँ उठा, और कुण्ड के धुएँ से सूर्य और वायु अंधकारमय हो गए। (योए. 2:10, योए. 2:30) **3** उस धुएँ में से पृथ्वी पर टिड्डियाँ निकलीं, और उन्हें पृथ्वी के बिच्छुओं के समान शक्ति दी गई। (प्रका. 9:5) **4** उनसे कहा गया कि न पृथ्वी की घास को, न किसी हरियाली को, न किसी पेड़ को हानि पहुँचाए, केवल उन मनुष्यों को हानि पहुँचाए जिनके माथे पर परमेश्वर की मुहर नहीं है। (यहे. 9:4) **5** और उन्हें लोगों को मार डालने का तो नहीं, पर पाँच महीने तक लोगों को पीड़ा देने का अधिकार दिया गया; और उनकी पीड़ा ऐसी थी, जैसे बिच्छू के डंक मारने से मनुष्य को होती है। **6** उन दिनों में मनुष्य मृत्यु को ढूँढ़ेंगे, और न पाएँगे*; और मरने की लालसा करेंगे, और मृत्यु उनसे भागेगी। (अय्यू. 3:21, यिर्म. 8:3) **7** उन टिड्डियों के आकार लड़ाई के लिये तैयार किए हुए घोड़ों के जैसे थे, और उनके सिरों पर मानो सोने के मुकुट थे; और उनके मुँह मनुष्यों के जैसे थे। (योए. 2:4) **8** उनके बाल स्त्रियों के बाल* जैसे, और दाँत सिंहों के दाँत जैसे थे। **9** वे लोहे की जैसी झिलम पहने थे, और उनके पंखों का शब्द ऐसा था जैसा रथों और बहुत से घोड़ों का जो लड़ाई में दौड़ते हों। (योए. 1:6) **10** उनकी पूँछ बिच्छुओं की जैसी थीं, और उनमें डंक थे, और उन्हें पाँच महीने तक मनुष्यों को दुःख पहुँचाने की जो शक्ति मिली थी, वह उनकी पूँछों में थी। **11** अथाह कुण्ड का दूत उन पर राजा था, उसका नाम इब्रानी में अबद्दोन, और यूनानी में अपुल्लयोन है। **12** पहली विपत्ति बीत चुकी, अब इसके बाद दो विपत्तियाँ और आनेवाली हैं।

13 जब छठवें स्वर्गदूत ने तुरही फूँकी तो जो सोने की वेदी परमेश्वर के सामने है उसके सींगों में से मैंने ऐसा शब्द सुना, **14** मानो कोई छठवें स्वर्गदूत से, जिसके पास तुरही थी कह रहा है, “उन चार स्वर्गदूतों को जो बड़ी नदी फरात के पास बंधे हुए हैं, खोल दे।” **15** और वे चारों दूत खोल दिए गए जो उस घड़ी, और दिन, और महीने, और वर्ष के लिये मनुष्यों की एक तिहाई के मार डालने को तैयार किए गए थे। **16** उनकी फौज के सवारों की गिनती बीस करोड़ थी; मैंने उनकी गिनती सुनी। **17** और मुझे इस दर्शन में घोड़े और उनके ऐसे सवार दिखाई दिए, जिनकी झिलमें आग, धूम्रकान्त, और गन्धक की जैसी थीं, और उन घोड़ों के सिर सिंहों के सिरों के समान थे: और उनके मुँह से आग, धूआँ, और गन्धक निकलते थे। **18** इन तीनों महामारियों; अर्थात् आग, धुएँ, गन्धक से, जो उसके मुँह से निकलते थे, मनुष्यों की एक तिहाई मार डाली गई। **19** क्योंकि उन घोड़ों की सामर्थ्य उनके मुँह, और उनकी पूँछों में थी*; इसलिए कि उनकी पूँछे साँपों की जैसी थीं, और उन पूँछों के सिर भी थे, और इन्हीं से वे पीड़ा पहुँचाते थे। **20** बाकी मनुष्यों ने जो उन महामारियों से न मरे थे, अपने हाथों के कामों से मन न फिराया, कि दुष्टात्माओं की, और सोने, चाँदी, पीतल, पत्थर, और काठ की मूर्तियों की पूजा न करें, जो न देख, न सुन, न चल सकती हैं। (1 इति. 34:25) **21** और जो खून, और टोना, और व्यभिचार, और चोरियाँ, उन्होंने की थीं, उनसे मन न फिराया।

Revelation 9:1

कुण्ड
पृथ्वी के नीचे एक लम्बा और गहरा मार्ग

गहरा और अंतहीन
वैकल्पिक अनुवाद: " अंतहीन गहराई"

धुआं उठा
आग में से धुंए की एक लम्बी लकीर उठी

Revelation 9:3

टिड्डियाँ
कीड़े जो एक साथ बड़े झुण्डों में उड़ते हैं

बिच्छुओं की सी शक्ति
बिच्छुओं में अन्य जानवरों को डसने और ज़हर फ़ैलाने की क्षमता होती है.

बिच्छु
मधुमक्खियों के से ज़हरीले डंक वाले छोटे जन्तु

माथे
आँखों के ऊपर , चेहरे का ऊपरी भाग

Revelation 9:5

वे
टिड्डियाँ

उन मनुष्यों
वे लोग जिन्हें टिड्डियाँ डंक मार रही थीं

लालसा
अभिलाषा

Revelation 9:7

टिड्डियाँ
टिड्डियों का वर्णन उनकी तुलना जानी- पहचानी चीज़ों से किया गया है।

Revelation 9:10

x
यूहन्ना टिड्डियों का वर्णन करना जारी रखता है।

गहरा और अंतहीन
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया था।

अब्द्दोन ...अपुल्लयोन
दोनों नामों का अर्थ है "तबाही."

Revelation 9:13

सोने की वेदी के सींग
वस्तुएं जिनका आकार सींगों जैसा था और जो सबसे ऊपर की वेदी के चारों कोनों पर थीं.

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उस घड़ी, और दिन, और महीने, और वर्ष के लिए
इन शब्दों का प्रयोग उस सटीक समय को दिखाने के लिए प्रयोग किया गया है, न कि इसका अर्थ सामान्य समय से है. वैकल्पिक अनुवाद: "उस सटीक समय के लिए"

Revelation 9:16

200,000,00
देखें इसका अनुवाद आपने ।

Revelation 9:18

उनकी पूँछें सांपों के जैसी थीं
घोड़ों की पूँछें की तुलना सांपों से की गई है. संभावित अर्थ : 1) "उनकी पूँछें के सिरे सांपों के सिरों के समान थे" (युडीबी) या 2) "उनकी पूँछें पतली थीं जिनके सिरे चौड़े थे और सांप के समान लगते थे."

Revelation 9:20

बाकी मनुष्य जो महामारियों के द्वारा नहीं मारे गए थे
"उन्हें जिन्हें महामारी ने नहीं मारा था"

वस्तुएं जो न देख, सुन और चल सकती हैं
मूर्तियाँ. वैकल्पिक अनुवाद: "वस्तुएं जो जीवित नहीं हैं"

Translation Questions

Revelation 9:1

पांचवी तुरही के फूंके जाने पर यूहन्ना ने कैसा सितारा देखा था?
पांचवी तुरही के फूंके जाने पर यूहन्ना ने पृथ्वी पर एक तारा गिरता हुआ देखा।

Revelation 9:2

उस सितारे ने क्या किया?
उसने अथाह कुण्ड को खोला।

Revelation 9:3

कुण्ड से निकलने वाली टिड्डियों को क्या आज्ञा दी गई थी?
उन टिड्डियों से कहा गया कि पृथ्वी को नष्ट न करे, केवल उन मनुष्यों को हानि पहुंचाए जिनके माथों पर परमेश्वर की मुहर नहीं है।

Revelation 9:6

टिड्डियों से पीड़ित जन क्या चाहेंगे परन्तु होगा नहीं?
टिड्डियों से पीड़ित जन मृत्यु मांगेंगे परन्तु उन्हे मृत्यु नहीं मिलेगी।

Revelation 9:9

टिड्डियों के पंखों की ध्वनि कैसी थी?
टिड्डियों के पंखों की ध्वनि ऐसी थी जैसे लड़ाई में दौड़ते बहुत से रथ और घोड़ों की ध्वनि।

Revelation 9:11

इन टिड्डियों का राजा कौन था?
अथाह कुण्ड का दूत उनका राजा था जिसे इब्रानी में अबद्दोन और यूनानी में अपुल्लयोन कहते हैं।

Revelation 9:12

पांचवी तुरही के फूंके जाने के बाद क्या हो चुका था?
पांचवी तुरही के फूंक ने के बाद पहली विपत्ति बीत चुकी थी।

Revelation 9:13

छठवीं तुरही फूंके ने पर यूहन्ना ने क्या सुना?
छठवीं तुरही फूंकने पर यूहन्ना ने परमेश्वर के सामने जो सोने की वेदी थी उससे एक आवाज़ सुनी।

Revelation 9:15

उस शब्द को सुनकर उन चार स्वर्गदूतों ने क्या किया?
उस शब्द को सुनकर चार स्वर्गदूत खोल दिए गए कि एक तिहाई मनुष्यों को मार डालें।

Revelation 9:16

यूहन्ना कितने घुड़ सवार सैनिक देखे थे?
यूहन्ना ने बीस करोड़ घुड़सवार सैनिक देखे।

Revelation 9:18

एक तिहाई मनुष्यों को मारनेवाली महामारी क्या थी?
घोड़ो के मुह से आग, धुआ और गन्धक निकलता था जिससे एक तिहाई मनुष्य मारे गए।

Revelation 9:20

जो लोग महामारी से नष्ट नहीं हुए थे उनकी प्रतिक्रिया कैसी थी?
महामारी से बचने वाले मनुष्यों ने अपने कामों से मन नहीं फिराया और न ही दुष्टात्माओं की उपासना समाप्त की।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 10

1 फिर मैंने एक और शक्तिशाली स्वर्गदूत* को बादल ओढ़े हुए स्वर्ग से उतरते देखा; और उसके सिर पर मेघधनुष था, और उसका मुँह सूर्य के समान और उसके पाँव आग के खम्भें के समान थे; **2** और उसके हाथ में एक छोटी सी खुली हुई पुस्तक थी। उसने अपना दाहिना पाँव समुद्र पर, और बायाँ पृथ्वी पर रखा; **3** और ऐसे बड़े शब्द से चिल्लाया, जैसा सिंह गरजता है; और जब वह चिल्लाया तो गर्जन के सात शब्द सुनाई दिए। **4** जब सातों गर्जन के शब्द सुनाई दे चुके, तो मैं लिखने पर था, और मैंने स्वर्ग से यह शब्द सुना, “जो बातें गर्जन के उन सात शब्दों से सुनी हैं, उन्हें गुप्त रख*, और मत लिख।” (दानि. 8:26, दानि. 12:4) **5** जिस स्वर्गदूत को मैंने समुद्र और पृथ्वी पर खड़े देखा था; उसने अपना दाहिना हाथ स्वर्ग की ओर उठाया (व्य. 32:40) **6** और उसकी शपथ खाकर जो युगानुयुग जीवित है, और जिसने स्वर्ग को और जो कुछ उसमें है, और पृथ्वी को और जो कुछ उस पर है, और समुद्र को और जो कुछ उसमें है सृजा है उसी की शपथ खाकर कहा कि “अब और देर न होगी।” (प्रका. 4:11) **7** वरन् सातवें स्वर्गदूत के शब्द देने के दिनों में, जब वह तुरही फूँकने पर होगा, तो परमेश्वर का वह रहस्य पूरा हो जाएगा*, जिसका सुसमाचार उसने अपने दास भविष्यद्वक्ताओं को दिया था। (आमो. 3:7, इफि. 3:3) **8** जिस शब्द करनेवाले को मैंने स्वर्ग से बोलते सुना था, वह फिर मेरे साथ बातें करने लगा, “जा, जो स्वर्गदूत समुद्र और पृथ्वी पर खड़ा है, उसके हाथ में की खुली हुई पुस्तक ले ले।” **9** और मैंने स्वर्गदूत के पास जाकर कहा, “यह छोटी पुस्तक मुझे दे।” और उसने मुझसे कहा, “ले, इसे खा ले; यह तेरा पेट कड़वा तो करेगी, पर तेरे मुँह में मधु जैसी मीठी लगेगी।” (यहे. 3:1-3) **10** अतः मैं वह छोटी पुस्तक उस स्वर्गदूत के हाथ से लेकर खा गया। वह मेरे मुँह में मधु जैसी मीठी तो लगी, पर जब मैं उसे खा गया, तो मेरा पेट कड़वा हो गया। **11** तब मुझसे यह कहा गया, “तुझे बहुत से लोगों, जातियों, भाषाओं, और राजाओं के विषय में फिर भविष्यद्वाणी करनी होगी।”

Revelation 10:1

x
इस भाग के लिए कोई नोट्स नहीं हैं.

Revelation 10:3

x
इस भाग में कोई नोट्स नहीं हैं.

Revelation 10:5

वह जो युगानुयुग जीवता है
"वह" का अभिप्राय परमेश्वर से है.

और जो कुछ उस पर है (3 बार)
इसका तात्पर्य सभी पौधों, जन्तुओं, और मनुष्यों से है जो हवा में, पानी में या पृथ्वी पर निवास करते हैं.

और देर न होगी
"होने वाला है"

Revelation 10:10

x
इस भाग के लिए कोई नोट्स नहीं हैं.

Translation Questions

Revelation 10:1

जिस स्वर्गदूत को यूहन्ना ने देखा उसके स्वर्गदूत का मुंह और पांव कैसे दिखाई देते थे?
स्वर्गदूत का मुंह सूर्य के समान और पांव आग के खम्भे के समान थे।

Revelation 10:2

वह स्वर्गदूत कहां खड़ा हुआ था?
वह स्वर्गदूत समुद्र पर दाहिना पांव रखकर और पृथ्वी पर बायां पांव रखकर खड़ा हुआ।

Revelation 10:4

यूहन्ना से क्या नहीं लिखने को कहा गया था?
सातों गर्जन के शब्द सुनाई दिए परन्तु यूहन्ना को उन्हे लिखने के लिए मना किया गया।

Revelation 10:6

उस सर्वशक्तिमान स्वर्गदूत ने किसकी शपथ खाई?
उस शक्तिमान स्वर्गदूत ने जो युगानयुग जीवता है जिसने आकाश, पृथ्वी और समुद्र में सब कुछ बनाया, उसी की शपथ खाई।

Revelation 10:7

उस स्वर्गदूत ने कहा कि अब क्या पूरा होने में देर न होगी?
उस स्वर्गदूत ने कहा, सातवे स्वर्गदूत के तुरही फूंकने पर देरी नहीं होगी, परन्तु परमेश्वर का गुप्त मनोरथ पूरा होगा।

Revelation 10:8

उस शक्तिमान स्वर्गदूत से क्या लेने के लिए यूहन्ना से कहा गया?
यूहन्ना से कहा गया कि वह उस स्वर्गदूत के हाथ से खुली पुस्तक ले ले।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Revelation 10:9

स्वर्गदूत ने यूहन्ना से क्या कहा कि उस पुस्तक को खाने से होगा?
स्वर्गदूत ने यूहन्ना से कहां कि वह उस पुस्तक को खाले वह उसके पेट में तो कड़वी लगेगी परन्तु मुंह में मीठी लगेगी।

Revelation 10:11

उस पुस्तक को खा लेने के बाद यूहन्ना से क्या कहा गया?
यूहन्ना से कहा गया कि उसे बहुत से लोगों और जातियों, और भाषाओं और राजाओं के विषय में फिर भविष्यद्वाणी करनी होगी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 11

1 फिर मुझे नापने के लिये एक सरकण्डा* दिया गया, और किसी ने कहा, “उठ, परमेश्वर के मन्दिर और वेदी, और उसमें भजन करनेवालों को नाप ले। (जक. 2:1) **2** पर मन्दिर के बाहर का आँगन छोड़ दे; उसे मत नाप क्योंकि वह अन्यजातियों को दिया गया है, और वे पवित्र नगर को बयालीस महीने तक रौंदेंगी। **3** “और मैं अपने दो गवाहों को यह अधिकार दूँगा कि टाट ओढ़े हुए एक हजार दो सौ साठ दिन तक भविष्यद्वाणी करें।” **4** ये वे ही जैतून के दो पेड़ और दो दीवट हैं जो पृथ्वी के प्रभु के सामने खड़े रहते हैं*। (जक. 4:3) **5** और यदि कोई उनको हानि पहुँचाना चाहता है, तो उनके मुँह से आग निकलकर उनके बैरियों को भस्म करती है, और यदि कोई उनको हानि पहुँचाना चाहेगा, तो अवश्य इसी रीति से मार डाला जाएगा। (यिर्म. 5:14) **6** उन्हें अधिकार है कि आकाश को बन्द करें, कि उनकी भविष्यद्वाणी के दिनों में मेंह न बरसे, और उन्हें सब पानी पर अधिकार है, कि उसे लहू बनाएँ, और जब-जब चाहें तब-तब पृथ्वी पर हर प्रकार की विपत्ति लाएँ। **7** जब वे अपनी गवाही दे चुकेंगे, तो वह पशु जो अथाह कुण्ड में से निकलेगा, उनसे लड़कर उन्हें जीतेगा और उन्हें मार डालेगा। (प्रका. 13:7) **8** और उनके शव उस बड़े नगर के चौक में पड़े रहेंगे, जो आत्मिक रीति से सदोम और मिस्र कहलाता है, जहाँ उनका प्रभु भी क्रूस पर चढ़ाया गया था। **9** और सब लोगों, कुलों, भाषाओं, और जातियों में से लोग उनके शवों को साढ़े तीन दिन तक देखते रहेंगे, और उनके शवों को कब्र में रखने न देंगे। **10** और पृथ्वी के रहनेवाले उनके मरने से आनन्दित और मगन होंगे, और एक दूसरे के पास भेंट भेजेंगे, क्योंकि इन दोनों भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी के रहनेवालों को सताया था। **11** परन्तु साढ़े तीन दिन के बाद परमेश्वर की ओर से जीवन का श्वांस उनमें पैंठ गया; और वे अपने पाँवों के बल खड़े हो गए, और उनके देखनेवालों पर बड़ा भय छा गया। **12** और उन्हें स्वर्ग से एक बड़ा शब्द सुनाई दिया, “यहाँ ऊपर आओ!” यह सुन वे बादल पर सवार होकर अपने बैरियों के देखते-देखते स्वर्ग पर चढ़ गए। **13** फिर उसी घड़ी एक बड़ा भूकम्प हुआ, और नगर का दसवाँ भाग गिर पड़ा; और उस भूकम्प से सात हजार मनुष्य मर गए और शेष डर गए, और स्वर्ग के परमेश्वर की महिमा की। (प्रका. 14:7) **14** दूसरी विपत्ति बीत चुकी; तब, तीसरी विपत्ति शीघ्र आनेवाली है।

15 जब सातवें स्वर्गदूत ने तुरही फूँकी, तो स्वर्ग में इस विषय के बड़े-बड़े शब्द होने लगे: “जगत का राज्य हमारे प्रभु का और उसके मसीह का हो गया और वह युगानुयुग राज्य करेगा।” (दानि. 7:27, जक. 14:9) **16** और चौबीसों प्राचीन जो परमेश्वर के सामने अपने-अपने सिंहासन पर बैठे थे, मुँह के बल गिरकर परमेश्वर को दण्डवत् करके, **17** यह कहने लगे,

> “हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, जो है और जो था*,
> हम तेरा धन्यवाद करते हैं कि
> तूने अपनी बड़ी सामर्थ्य को काम में लाकर राज्य किया है। (प्रका. 1:8)
> **18** अन्यजातियों ने क्रोध किया, और तेरा प्रकोप आ पड़ा
> और वह समय आ पहुँचा है कि मरे हुओं का न्याय किया जाए,
> और तेरे दास भविष्यद्वक्ताओं और पवित्र लोगों को
> और उन छोटे-बड़ों को जो तेरे नाम से डरते हैं, बदला दिया जाए,
> और पृथ्वी के बिगाड़नेवाले नाश किए जाएँ।” (प्रका. 19:5)

19 और परमेश्वर का जो मन्दिर स्वर्ग में है, वह खोला गया, और उसके मन्दिर में उसकी वाचा का सन्दूक दिखाई दिया, बिजलियाँ, शब्द, गर्जन और भूकम्प हुए, और बड़े ओले पड़े। (प्रका. 15:5)

Revelation 11:1

मुझे दिया गया ... मुझे बताया गया
शब्द "मुझे" और "मैं" यूहन्ना के सन्दर्भ में हैं.

रौंदेगी
किसी वस्तु को इतना अधिक तुच्छ समझना कि उसको पैरों तले रौंद दिया जाए.

बयालीस महीने
वैकल्पिक अनुवाद: "बयालीस महीने"

Revelation 11:3

ये गवाह दो जैतून के पेड़ और दो दीवटें हैं
इन दो गवाहों का सन्दर्भ पहले जैतून के पेड़ और दीवटों के रूप में दिया गया है.

Revelation 11:6

पृथ्वी पर हर प्रकार की विपत्ति लाएं
पृथ्वी पर हर प्रकार की विपत्ति लाएं - इस वाक्य का अर्थ है कि पृथ्वी पर हर प्रकार का कष्ट आ सकें.

गहरा और अंतहीन
शब्द "अंतहीन" का अर्थ अथाह जिसका अंत न हो. इन दोनों शब्दों का तात्पर्य कुण्ड की अत्यंत गहराई से है.

Revelation 11:8

साढ़े तीन दिन
साढ़े तीन दिन - " 3 सम्पूर्ण दिन और आधा दिन : या "3.5 दिन" या "3 1/2 दिन" (देखें : TranslateNumbers)

Revelation 11:10

साढ़े तीन दिन
साढ़े तीन दिन - " 3 सम्पूर्ण दिन और आधा दिन : या "3.5 दिन" या "3 1/2 दिन" (देखें : TranslateNumbers)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Revelation 11:15

x
इस भाग में कोई नोट्स नहीं हैं.

Revelation 11:16

चौबीस प्राचीनों
"चौबीस प्राचीनों "

मुँह के बल
मुँह के बल गिरकर - सारे शरीर के सामने के भाग का तात्पर्य उनके "मुँह" से है (देखें:)

Revelation 11:18

तेरा प्रकोप ... तेरे दासों...तेरा नाम
शब्द "तेरा" का अभिप्राय परमेश्वर से है.

महत्त्वहीन
वैकल्पिक अनुवाद : "दास" या "छोटे" या "नम्र" (कम प्रतिष्ठा के)

Revelation 11:19

x
इस भाग के लिए कोई नोट्स नहीं हैं.

Translation Questions

Revelation 11:1

यूहन्ना से क्या नापने को कहा गया?
यूहन्ना से कहा गया कि वह मन्दिर और वेदी और उसमें उपासना करनेवालों को नाप ले।

Revelation 11:2

अन्यजातियां पवित्र नगर को कितने समय रौंदेंगे?
अन्यजातियां पवित्र नगर को बयालीस महीनों तक रौंदेंगी।

Revelation 11:3

उन दो गवाहों को क्या क्या करने का अधिकार दिया गया था?
दो गवाहों को 1,260 दिनों तक भविष्यद्वाणी करने का अपने बैरियों को भस्म करने का, आकाश को बन्द करने का और पृथ्वी पर हर प्रकार की विपत्ति लाने का अधिकार दिया गया।

Revelation 11:8

उन दो गवाहों के शव कहां पड़े रहेंगे?
उनके शव उस बड़े नगर के चौक में पड़े रहेंगे जो आत्मिक रूप से सदोम और मिस्र कहलाता हैं, वहां उनका प्रभु भी क्रूस पर चढ़ाया गया था।

Revelation 11:10

इन दो गवाहों की मृत्यु पर पृथ्वी के निवासियों की प्रतिक्रिया क्या होगी?
जब ये दो गवाह मारे जाएंगे तब सब लोग आनन्द मनाएंगे।

Revelation 11:11

साढ़े तीन दिन बाद इन दोनों गवाहों का क्या होगा?
साढ़े तीन दिन बाद ये दोनों गवाह जी उठेंगे और स्वर्गरोहण करेंगे।

Revelation 11:14

इन दोनों गवाहों के स्वर्गरोहण और भूकम्प के बाद क्या हुआ?
इन दोनों गवाहों के स्वर्गरोहण के बाद भूकम्प आया और दूसरी विपत्ति पूरी हुई।

Revelation 11:15

जब सातवीं तुरही फूंकी गई तब क्या कहा गया?
सातवीं तुरही के फूंके जाने पर बड़ा शब्द होने लगा कि जगत का राज्य हमारे प्रभु का और उसके मसीह का हो गया है।

Revelation 11:17

प्राचीनों ने क्या कहा कि प्रभु परमेश्वर राज्य करने लगा है?
प्राचीनों ने कहा, अब प्रभु परमेश्वर राज्य करने लगा है।

Revelation 11:18

प्राचीनों के अनुसार कैसा समय आ गया है?
अब मृतकों के न्याय का, प्रभु के सेवकों के प्रतिफल का और पृथ्वी को नाश करनेवालों के विनाश का समय आ गया है।

Revelation 11:19

तब स्वर्ग में क्या खोला गया?
तब स्वर्ग में परमेश्वर का मन्दिर खोला गया।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 12

1 फिर स्वर्ग पर एक बड़ा चिन्ह* दिखाई दिया, अर्थात् एक स्त्री जो सूर्य ओढ़े हुए थी, और चाँद उसके पाँवों तले था, और उसके सिर पर बारह तारों का मुकुट था; **2** और वह गर्भवती हुई, और चिल्लाती थी; क्योंकि प्रसव की पीड़ा उसे लगी थी; और वह बच्चा जनने की पीड़ा में थी। **3** एक और चिन्ह स्वर्ग में दिखाई दिया, एक बड़ा लाल अजगर था जिसके सात सिर और दस सींग थे, और उसके सिरों पर सात राजमुकुट थे। **4** और उसकी पूँछ ने आकाश के तारों की एक तिहाई को खींचकर पृथ्वी पर डाल दिया, और वह अजगर उस स्त्री के सामने जो जच्चा थी, खड़ा हुआ, कि जब वह बच्चा जने तो उसके बच्चे को निगल जाए। **5** और वह बेटा जनी जो लोहे का राजदण्ड लिए हुए, सब जातियों पर राज्य करने पर था, और उसका बच्चा परमेश्वर के पास, और उसके सिंहासन के पास उठाकर पहुँचा दिया गया। **6** और वह स्त्री उस जंगल को भाग गई, जहाँ परमेश्वर की ओर से उसके लिये एक जगह तैयार की गई थी कि वहाँ वह एक हजार दो सौ साठ दिन तक पाली जाए। (प्रका. 12:14)

7 फिर स्वर्ग पर लड़ाई हुई, मीकाईल और उसके स्वर्गदूत अजगर से लड़ने को निकले; और अजगर और उसके दूत उससे लड़े, **8** परन्तु प्रबल न हुए, और स्वर्ग में उनके लिये फिर जगह न रही। (प्रका. 12:11) **9** और वह बड़ा अजगर अर्थात् वही पुराना साँप*, जो शैतान कहलाता है, और सारे संसार का भरमानेवाला है, पृथ्वी पर गिरा दिया गया; और उसके दूत उसके साथ गिरा दिए गए। (यूह. 12:31) **10** फिर मैंने स्वर्ग पर से यह बड़ा शब्द आते हुए सुना, “अब हमारे परमेश्वर का उद्धार, सामर्थ्य, राज्य, और उसके मसीह का अधिकार प्रगट हुआ है; क्योंकि हमारे भाइयों पर दोष लगानेवाला, जो रात-दिन हमारे परमेश्वर के सामने उन पर दोष लगाया करता था, गिरा दिया गया। (प्रका. 11:15)

11 “और वे मेम्ने के लहू के कारण, और अपनी गवाही के वचन के कारण, उस पर जयवन्त हुए, क्योंकि उन्होंने अपने प्राणों को प्रिय न जाना, यहाँ तक कि मृत्यु भी सह ली। **12** “इस कारण, हे स्वर्गों, और उनमें रहनेवालों मगन हो; हे पृथ्वी, और समुद्र, तुम पर हाय! क्योंकि शैतान बड़े क्रोध के साथ तुम्हारे पास उतर आया है; क्योंकि जानता है कि उसका थोड़ा ही समय और बाकी है।” (प्रका. 8:13)

13 जब अजगर ने देखा, कि मैं पृथ्वी पर गिरा दिया गया हूँ, तो उस स्त्री को जो बेटा जनी थी, सताया। **14** पर उस स्त्री को बड़े उकाब के दो पंख दिए गए, कि साँप के सामने से उड़कर जंगल में उस जगह पहुँच जाए, जहाँ वह एक समय, और समयों, और आधे समय तक पाली जाए। **15** और साँप ने उस स्त्री के पीछे अपने मुँह से नदी के समान पानी बहाया कि उसे इस नदी से बहा दे। **16** परन्तु पृथ्वी ने उस स्त्री की सहायता की*, और अपना मुँह खोलकर उस नदी को जो अजगर ने अपने मुँह से बहाई थी, पी लिया। **17** तब अजगर स्त्री पर क्रोधित हुआ, और उसकी शेष सन्तान से जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते, और यीशु की गवाही देने पर स्थिर हैं, लड़ने को गया। **18** और वह समुद्र के रेत पर जा खड़ा हुआ।

Revelation 12:1

स्वर्ग में एक बड़ा चिन्ह दिखाई दिया
वैकल्पिक अनुवाद : "स्वर्ग में एक बड़ा चिन्ह प्रगट हुआ" या "मैंने , यूहन्ना ने, स्वर्ग में एक बड़ा चिन्ह देखा"

एक स्त्री जो सूर्य ओढ़े हुए थी
वैकल्पिक अनुवाद: "एक स्त्री जो सूर्य ओढ़े हुए थी "

बारह तारे
"12 तारे"

Revelation 12:3

अजगर
एक बड़ा, छिपकली के जैसा, भयंकर रेंगनेवाला जन्तु. यहूदी लोगों के लिए यह बुराई और अराजकता का चिन्ह था.

Revelation 12:5

उसका बच्चा परमेश्वर के पास पहुंचा दिया गया
वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने जल्दी से उसका बच्चा अपने पास ले लिया."

Revelation 12:7

अजगर
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया था. अजगर की नौंवे पद में "शैतान" के रूप में पहचान की गई है।

बड़ा अजगर ...पृथ्वी पर गिरा दिया गया...
वैकल्पिक अनुवाद : परमेश्वर ने बड़े अजगर और उसके दूतों को स्वर्ग से निकाल दिया और पृथ्वी पर फेंक दिया.

Revelation 12:13

अजगर
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया था।

अजगर ने देखा कि वह पृथ्वी पर गिरा दिया गया है
अजगर ने देखा कि वह पृथ्वी पर गिरा दिया गया है - वैकल्पिक अनुवाद: "अजगर ने देखा कि परमेश्वर ने उसे स्वर्ग से निकाल दिया है और पृथ्वी पर फेंक दिया है"

एक समय, समयों, और आधे समय
पर: "3.5 वर्ष" या "3 1/2 वर्ष" या "तीन सम्पूर्ण वर्ष और एक आधा वर्ष"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Revelation 12:1

स्वर्ग में कैसा महान चिन्ह देखा गया था?
स्वर्ग में एक गर्भवती स्त्री दिखाई दी जो सूर्यावरण में थी, चांद उसके पावों तले था और सिर पर उसके सात सितारे थे, वह प्रसव पीड़ा के कारण चिल्लाती थी।

Revelation 12:3

स्वर्ग में और कौन सा महान चिन्ह दिखाई दिया?
स्वर्ग में एक बहुत बड़ा लाल अजगर दिखाई दिया, उसके सात सिर और दस सींग थे और उसके सिरों पर सात राज मुकुट थे।

Revelation 12:4

उस अजगर ने अपनी पूंछ से क्या किया?
उस अजगर ने अपनी पूंछ से आकाश के एक तिहाई तारों को पृथ्वी पर गिरा दिया।

अजगर की लालसा क्या थी?
वह अजगर उस स्त्री के शिशु को निगल जाना चाहता था।

Revelation 12:5

वह नर शिशु क्या करने वाला था?
वह नर शिशु लोहे के दण्ड से सब जातियों पर राज करेगा।

वह नर शिशु जन्मते ही कहां गया?
वह बालक जन्म लेते ही तुरन्त ही उठाकर परमेश्वर और उसके सिंहासन के पास पहुंचा दिया गया।

Revelation 12:6

वह स्त्री कहां चली गई?
वह स्त्री जंगल में भाग गई।

Revelation 12:7

स्वर्ग में किसकी लड़ाई हुई?
मीकाईल और उसके स्वर्गदूत अजगर और उसके दूतों के साथ युद्ध करने निकले।

Revelation 12:9

युद्ध के बाद अजगर और उसके दूतों का क्या हुआ?
अजगर और उसके दूत पृथ्वी पर गिरा दिए गए।

अजगर कौन है?
यह अजगर वही पुराना सर्प है, शैतान इब्लीस।

Revelation 12:11

भाइयों ने अजगर पर जय कैसे पाई?
वे मेम्ने के लहू के कारण और अपनी गवाही के वचन के कारण उस पर जयवन्त हुए।

Revelation 12:12

अजगर जान गया था कि उसके पास कितना समय है?
अजगर जान गया था कि उसके पास थोडा ही समय बाकी है।

Revelation 12:13

जब उस अजगर ने उस स्त्री को सताया तब उस स्त्री को क्या दिया गया?
उस स्त्री को पंख दिए गए कि उड़कर उस जगह पहुंच जाए जहां वह पाली जाए।

Revelation 12:15

जब अजगर उस स्त्री को बहा नहीं पाया तब उसने क्या किया?
तब अजगर उन लोगों से लड़ने को गया जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते और यीशु की गवाही देने पर स्थिर हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 13

1 मैंने एक पशु को समुद्र में से निकलते हुए देखा, जिसके दस सींग और सात सिर थे। उसके सींगों पर दस राजमुकुट, और उसके सिरों पर परमेश्वर की निन्दा के नाम लिखे हुए थे। (दानि. 7:3, प्रका. 12:3) **2** जो पशु मैंने देखा, वह चीते के समान था; और उसके पाँव भालू के समान, और मुँह सिंह के समान था। और उस अजगर ने अपनी सामर्थ्य, और अपना सिंहासन, और बड़ा अधिकार, उसे दे दिया। **3** मैंने उसके सिरों में से एक पर ऐसा भारी घाव लगा देखा, मानो वह मरने पर है; फिर उसका प्राणघातक घाव अच्छा हो गया, और सारी पृथ्वी के लोग उस पशु के पीछे-पीछे अचम्भा करते हुए चले। **4** उन्होंने अजगर की पूजा की, क्योंकि उसने पशु को अपना अधिकार दे दिया था, और यह कहकर पशु की पूजा की, “इस पशु के समान कौन है? कौन इससे लड़ सकता है?” **5** बड़े बोल बोलने और निन्दा करने के लिये उसे एक मुँह दिया गया, और उसे बयालीस महीने तक काम करने का अधिकार दिया गया। **6** और उसने परमेश्वर की निन्दा करने के लिये मुँह खोला, कि उसके नाम और उसके तम्बू अर्थात् स्वर्ग के रहनेवालों की निन्दा करे। **7** उसे यह अधिकार दिया गया, कि पवित्र लोगों से लड़े, और उन पर जय पाए, और उसे हर एक कुल, लोग, भाषा, और जाति पर अधिकार दिया गया। (दानि. 7:21) **8** पृथ्वी के वे सब रहनेवाले जिनके नाम उस मेम्ने की जीवन की पुस्तक* में लिखे नहीं गए, जो जगत की उत्पत्ति के समय से घात हुआ है, उस पशु की पूजा करेंगे। **9** जिसके कान हों वह सुने।

10 जिसको कैद में पड़ना है, वह कैद में पड़ेगा,
जो तलवार से मारेगा, अवश्य है कि वह तलवार से मारा जाएगा।
पवित्र लोगों का धीरज और विश्वास इसी में है। (प्रका. 14:12)

11 फिर मैंने एक और पशु को पृथ्वी में से निकलते हुए देखा, उसके मेम्ने के समान दो सींग थे; और वह अजगर के समान बोलता था। **12** यह उस पहले पशु का सारा अधिकार उसके सामने काम में लाता था, और पृथ्वी और उसके रहनेवालों से उस पहले पशु की, जिसका प्राणघातक घाव अच्छा हो गया था, पूजा कराता था। **13** वह बड़े-बड़े चिन्ह दिखाता था, यहाँ तक कि मनुष्यों के सामने स्वर्ग से पृथ्वी पर आग बरसा देता था। (1 राजा. 18:24-29) **14** उन चिन्हों के कारण जिन्हें उस पशु के सामने दिखाने का अधिकार उसे दिया गया था; वह पृथ्वी के रहनेवालों को इस प्रकार भरमाता था, कि पृथ्वी के रहनेवालों से कहता था कि जिस पशु को तलवार लगी थी, वह जी गया है, उसकी मूर्ति बनाओ। **15** और उसे उस पशु की मूर्ति में प्राण डालने का अधिकार दिया गया, कि पशु की मूर्ति बोलने लगे; और जितने लोग उस पशु की मूर्ति की पूजा न करें, उन्हें मरवा डाले। (दानि. 3:5-6) **16** और उसने छोटे-बड़े, धनी-कंगाल, स्वतंत्र-दास सब के दाहिने हाथ या उनके माथे पर एक-एक छाप करा दी, **17** कि उसको छोड़ जिस पर छाप अर्थात् उस पशु का नाम, या उसके नाम का अंक हो, और अन्य कोई लेन-देन* न कर सके। **18** ज्ञान इसी में है: जिसे बुद्धि हो, वह इस पशु का अंक जोड़ ले, क्योंकि वह मनुष्य का अंक है, और उसका अंक छः सौ छियासठ है।

Revelation 13:1

तब मैंने देखा
यहाँ "मैंने" का तात्पर्य यूहन्ना से है

अजगर
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया था।

Revelation 13:5

पशु को दिया गया...उसे अधिकार दिया गया
वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने पशु को दिया ... परमेश्वर ने पशु को अधिकार दिया"

बयालीस महीने
"42 महीने"

उसकी निन्दा करते हुए
वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की प्रतिष्ठा और चरित्र की निन्दा करते हुए"
(देखें:)

Revelation 13:7

उसे अधिकार दिया गया था
वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने पशु को अधिकार दे दिया था"

प्रत्येक जिसका नाम नहीं लिखा गया था
वैकल्पिक अनुवाद: "वे जिनका नाम मेंम्ने ने नहीं लिखा था" या "वे जिनका नाम यीशु ने नहीं लिखा"

भेड़ों (मेमने)
इसका अभिप्राय यीशु से है. देखो इसका अनुवाद में किस प्रकार किया था.

जिसका घात हुआ है
वैकल्पिक अनुवाद: "जिसको लोगों ने घात किया है"

Revelation 13:9

जिसके कान हों वह सुने
इसका अर्थ है जिसमें सुनने और परमेश्वर का सन्देश सुनने की क्षमता है.

Revelation 13:11

अजगर
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया था।

और पृथ्वी को और इसमें रहने वाले जीवों को बनाया
"और पृथ्वी पर सबको बनाया"

जिसका प्राणघातक घाव अच्छा हो गया था
वैकल्पिक अनुवाद: "वह जिसको एक प्राणघातक घाव था जो भर गया"

Revelation 13:13

वह दिखाता
"पृथ्वी का पशु बड़े-बड़े चिन्ह दिखाता"

जिसको तलवार से घायल किया गया था
वैकल्पिक अनुवाद: "वह जिसे किसी ने तलवार से घायल कर दिया था" देखें:

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Revelation 13:15

उसे अधिकार दे दिया गया
वैकल्पिक अनुवाद : "परमेश्वर ने पृथ्वी के पशु को अधिकार दे दिया"

मूर्ति में प्राण डालने का
वैकल्पिक अनुवाद : "मूर्ति में प्राण डालने का"

जितने लोग उस पशु की मूर्ति की पूजा न करें उन्हें मरवा डाले
वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई भी उस पशु की पूजा करने से इन्कार करे उसे मरवा डाला जाए"

Translation Questions

Revelation 13:1

यूहन्ना ने जिस पशु को देखा वह कहां से निकला था?
वह पशु समुद्र में से निकला।

Revelation 13:2

अजगर ने उस पशु को क्या दे दिया?
उस अजगर ने अपनी सामर्थ्य और अपना सिंहासन और बड़ा अधिकार उसे दे दिया।

Revelation 13:3

संपूर्ण संसार ने आश्चर्य क्यों किया और उस पशु के पीछे क्यों हो गया?
संपूर्ण संसार आश्चर्य करके उस पशु के पीछे हो लिया क्योंकि उसका प्राण घातक घाव, अच्छा हो गया था।

Revelation 13:5

उस पशु के मुंह से कैसे शब्द निकले?
उस पशु ने परमेश्वर की निन्दा करने के लिए मुंह खोला कि उसके नाम और उसके तम्बू अर्थात स्वर्ग के रहनेवालों की निन्दा करे।

Revelation 13:7

पवित्र लोगों के साथ उस पशु को क्या करने का अधिकार दिया गया?
उस पशु को अधिकार दिया गया कि पवित्र लोगों से लड़ें और उन पर जय पाए।

Revelation 13:8

उस पशु की पूजा नहीं करनेवाले कौन हैं?
जिन लोगों के नाम मेम्ने की जीवन की पुस्तक में लिखे है वे उस पशु की पूजा नहीं करेंगे।

Revelation 13:10

पवित्र जनों से क्या पुकार की गई है?
पवित्र लोगों से धीरज और विश्वास की पुकार की गई है।

Revelation 13:11

यह दूसरा पशु जिसे यूहन्ना ने देखा वह कहां से निकला था?
वह पृथ्वी में से निकला।

दूसरे पशु के सींग कैसे थे और वह कैसी भाषा बोलता था?
पशु के दो सींग थे जो मेम्ने के से थे और वह अजगर के समान बोलता था।

Revelation 13:12

दूसरे पशु ने पृथ्वी के निवासियों को किस काम के लिए विवश किया?
दूसरे पशु ने पृथ्वी के निवासियों को उस पहले पशु की पूजा करने के लिए विवश किया।

Revelation 13:15

पशु की पूजा करने से इन्कार करनेवालों का क्या हुआ?
जिन्होने पशु की पूजा करने से इन्कार किया उन्हे मार डाला गया।

Revelation 13:16

हर मनुष्य ने दूसरे पशु से क्या पाया?
सबने दाहिने हाथ और माथे पर छाप पाई।

Revelation 13:18

उस पशु का अंक क्या है?
उस पशु का अंक 666 है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 14

1 फिर मैंने दृष्टि की, और देखो, वह मेम्ना सिय्योन पहाड़ पर खड़ा है, और उसके साथ एक लाख चौवालीस हजार जन हैं, जिनके माथे पर उसका और उसके
पिता का नाम लिखा हुआ है। **2** और स्वर्ग से मुझे एक ऐसा शब्द सुनाई दिया, जो जल की बहुत धाराओं और बड़े गर्जन के जैसा शब्द था*, और जो शब्द मैंने
सुना वह ऐसा था, मानो वीणा बजानेवाले वीणा बजाते हों। (यहे. 43:2) **3** और वे सिंहासन के सामने और चारों प्राणियों और प्राचीनों के सामने मानो, एक नया
गीत गा रहे थे, और उन एक लाख चौवालीस हजार जनों को छोड़, जो पृथ्वी पर से मोल लिए गए थे, कोई वह गीत न सीख सकता था। **4** ये वे हैं, जो स्त्रियों के
साथ अशुद्ध नहीं हुए, पर कुँवारे हैं; ये वे ही हैं, कि जहाँ कहीं मेम्ना जाता है, वे उसके पीछे हो लेते हैं; ये तो परमेश्वर और मेम्ने के निमित्त पहले फल होने के
लिये मनुष्यों में से मोल लिए गए हैं। **5** और उनके मुँह से कभी झूठ न निकला था, वे निर्दोष हैं।

6 फिर मैंने एक और स्वर्गदूत को आकाश के बीच में उड़ते हुए देखा जिसके पास पृथ्वी पर के रहनेवालों की हर एक जाति, कुल, भाषा, और लोगों को सुनाने के
लिये सनातन सुसमाचार था। **7** और उसने बड़े शब्द से कहा, “परमेश्वर से डरो, और उसकी महिमा करो, क्योंकि उसके न्याय करने का समय आ पहुँचा है; और
उसकी आराधना करो, जिसने स्वर्ग और पृथ्वी और समुद्र और जल के सोते बनाए।” (नहे. 9:6, प्रका. 4:11) **8** फिर इसके बाद एक और दूसरा स्वर्गदूत यह
कहता हुआ आया, “गिर पड़ा, वह बड़ा बाबेल गिर पड़ा जिसने अपने व्यभिचार की कोपमय मदिरा सारी जातियों को पिलाई है।” (यशा. 21:9, यिर्म. 51:7) **9**
फिर इनके बाद एक और तीसरा स्वर्गदूत बड़े शब्द से यह कहता हुआ आया, “जो कोई उस पशु और उसकी मूर्ति की पूजा करे, और अपने माथे या अपने हाथ
पर उसकी छाप ले, **10** तो वह परमेश्वर के प्रकोप की मदिरा जो बिना मिलावट के, उसके क्रोध के कटोरे में डाली गई है, पीएगा और पवित्र स्वर्गदूतों के सामने
और मेम्ने के सामने आग और गन्धक की पीड़ा में पड़ेगा। (यशा. 51:17) **11** और उनकी पीड़ा का धूआँ युगानुयुग उठता रहेगा, और जो उस पशु और उसकी
मूर्ति की पूजा करते हैं, और जो उसके नाम की छाप लेते हैं, उनको रात-दिन चैन न मिलेगा।” **12** पवित्र लोगों का धीरज इसी में है, जो परमेश्वर की आज्ञाओं
को मानते, और यीशु पर विश्वास रखते हैं। **13** और मैंने स्वर्ग से यह शब्द सुना, “लिख: जो मृतक प्रभु में मरते हैं, वे अब से धन्य हैं।” आत्मा कहता है, “हाँ,
क्योंकि वे अपने परिश्रमों से विश्राम पाएँगे, और उनके कार्य उनके साथ हो लेते हैं।”

14 मैंने दृष्टि की, और देखो, एक उजला बादल है, और उस बादल पर मनुष्य के पुत्र सरीखा कोई बैठा है, जिसके सिर पर सोने का मुकुट और हाथ में उत्तम
हँसुआ है। (दानि. 10:16) **15** फिर एक और स्वर्गदूत ने मन्दिर में से निकलकर, उससे जो बादल पर बैठा था, बड़े शब्द से पुकारकर कहा, “अपना हँसुआ
लगाकर लवनी कर, क्योंकि लवने का समय आ पहुँचा है, इसलिए कि पृथ्वी की खेती* पक चुकी है।” **16** अत: जो बादल पर बैठा था, उसने पृथ्वी पर अपना
हँसुआ लगाया, और पृथ्वी की लवनी की गई। **17** फिर एक और स्वर्गदूत उस मन्दिर में से निकला, जो स्वर्ग में है, और उसके पास भी उत्तम हँसुआ था। **18**
फिर एक और स्वर्गदूत, जिसे आग पर अधिकार था, वेदी में से निकला, और जिसके पास उत्तम हँसुआ था, उससे ऊँचे शब्द से कहा, “अपना उत्तम हँसुआ
लगाकर पृथ्वी की दाखलता के गुच्छे काट ले; क्योंकि उसकी दाख पक चुकी है।” **19** तब उस स्वर्गदूत ने पृथ्वी पर अपना हँसुआ लगाया, और पृथ्वी की
दाखलता का फल काटकर, अपने परमेश्वर के प्रकोप के बड़े रसकुण्ड* में डाल दिया। **20** और नगर के बाहर उस रसकुण्ड में दाख रौंदे गए, और रसकुण्ड में से
इतना लहू निकला कि घोड़ों के लगामों तक पहुँचा, और सौ कोस तक बह गया। (यशा. 63:3)

Revelation 14:1

मैंने देखा
यहाँ "मैंने" का तात्पर्य यूहन्ना से है

मेम्ना
इसका अभिप्राय यीशु से है. देखो इसका अनुवाद में किस प्रकार किया था.

144, 000
देखो में तुमने इसका अनुवाद किस प्रकार किया था।

जिनके माथे पर उसका और उसके पिता का नाम लिखा हुआ है
वैकल्पिक अनुवाद: "जिनके माथों पर मेंम्ने और उसके पिता ने अपने नाम लिखे हुए हैं."

Revelation 14:3

वे गा रहे थे
"144,000 जनों ने गीत गाया "

ये वे हैं जो स्त्रियों के साथ अशुद्ध नहीं हुए
वैकल्पिक अनुवाद: "वे 144, 000 जन वे हैं जो आत्मिक रीति से शुद्ध हैं, जिस प्रकार कुंवारे सदाचार से शुद्ध होते हैं. उन्होंने अपने आप को किसी झूठे देवता की आराधना करके अशुद्ध नहीं किया है."

Revelation 14:6

x
इस भाग के लिए कोई नोट्स नहीं हैं.

Revelation 14:9

परमेश्वर के कोप की मदिरा पिएंगे
यहाँ "मदिरा पीने" का अर्थ परमेश्वर के कोप का अनुभव करना है.

जिसे तैयार किया गया है
वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे परमेश्वर ने तैयार किया है"

उसके कोप का प्याला
प्याला उस मदिरा से भरा है जो परमेश्वर के गुस्से का प्रतिनिधित्व करती है।

बिना मिलावट के उंडेला
इसका सन्दर्भ उस मदिरा से है जिसमें पानी नहीं मिलाया गया. इसका अर्थ यह है कि वे परमेश्वर के पूर्ण कोप का सामना करेंगे.

उसके पवित्र स्वर्गदूत
"परमेश्वर के पवित्र स्वर्गदूत"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Revelation 14:11

उनकी पीड़ा से
"उनकी निरन्तर पीड़ा से"

Revelation 14:13

उनके कार्य उनके साथ जाएंगे
वैकल्पिक अनुवाद : "परमेश्वर उनके कार्यों के लिए उन्हें उपहार देगा"

Revelation 14:17

x
यहाँ से पृथ्वी के लोगों पर परमेश्वर के न्याय का रूपक जारी रहता है .

Revelation 14:19

x
यहाँ से पृथ्वी के लोगों पर परमेश्वर के न्याय का रूपक जारी रहता है .

बड़ा रसकुंड ....दाख रौंदे गए
इसका अभिप्राय उसी रसकुंड से है.

लगाम
एक ऐसा साधन जो घोड़े के सिर के चारों ओर बाँधा जाता है जिससे कि उसे नियन्त्रित किया जा सके

Translation Questions

Revelation 14:1

यूहन्ना ने अपने सामने किसको खड़ा देखा?
यूहन्ना ने अपने सामने सिय्योन पर्वत पर मेम्ने को खड़ें देखा।

Revelation 14:3

कौन नया गीत जानने के लिए सक्षम था जो सिंहासन के सामने गाया जा रहा था?
केवल 144,000 जो पृथ्वी से बचकर लाए गए थे वे ही नया गीत सीख पाए।

Revelation 14:4

परमेश्वर और मेम्ने के लिए बचाए गए प्रथम फल कौन थे?
144,000 जो निर्दोष थे, वह प्रथम फल के रूप में परमेश्वर एवं मेम्ने के लिए छुडाए गए थे।

Revelation 14:6

उस स्वर्गदूत ने सनातन सुसमाचार किसे सुनाया?
स्वर्गदूत ने पृथ्वी की हर एक जाति और कुल और भाषा और लोगों को सनातन सुसमाचार सुनाया।

Revelation 14:7

उस स्वर्गदूत ने पृथ्वी के निवासियों से क्या कहा?
उस स्वर्गदूत ने कहा कि परमेश्वर का भय मानो और उसकी महिमा करो।

उस स्वर्गदूत ने कैसे समय की घोषणा की?
उस स्वर्गदूत ने कहा कि परमेश्वर द्वारा न्याय करने का समय आ गया है।

Revelation 14:8

दूसरे स्वर्गदूत ने क्या घोषणा की?
दूसरा स्वर्गदूत कहते हुए आया कि बड़ा बेबीलोन गिर गया है।

Revelation 14:9

पशु की छाप लेनेवालों के लिए तीसरे स्वर्गदूत ने क्या कहा?
जिन्होने पशु की छाप ली है वे आग और गंधक में सदा के लिए जलते रहेंगे।

Revelation 14:12

पवित्र जनों से क्या कहा गया?
पवित्र जनों से धीरज धरने को कहा गया।

Revelation 14:14

यूहन्ना ने किसे बादलों पर सवार देखा?
यूहन्ना ने मनुष्य के पुत्र के सदृश्य किसी को बादलों पर सवार देखा।

Revelation 14:16

बादलों पर सवार ने क्या किया?
बादलों पर सवार उस मनुष्य ने अपना हंसिया लगाया और पृथ्वी पर लवनी की।

Revelation 14:18

उस चोखे हंसुए वाले स्वर्गदूत ने क्या किया?
उस स्वर्गदूत ने पृथ्वी पर अपना हंसुआ लगाया और पृथ्वी की दाखलता का फल काटकर परमेश्वर के प्रकोप के बड़े रस कुण्ड में डाल दिया।

Revelation 14:20

परमेश्वर के रस कुण्ड में क्या हुआ?
रस कुण्ड में दाख रौंदे गए और रस कुण्ड में से लहू बहने लगा।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 15

1 फिर मैंने स्वर्ग में एक और बड़ा और अद्भुत चिन्ह देखा, अर्थात् सात स्वर्गदूत जिनके पास सातों अन्तिम विपत्तियाँ थीं, क्योंकि उनके हो जाने पर परमेश्वर के
प्रकोप का अन्त है। **2** और मैंने आग से मिले हुए काँच के जैसा एक समुद्र देखा, और जो उस पशु पर और उसकी मूर्ति पर, और उसके नाम के अंक पर
जयवन्त हुए थे, उन्हें उस काँच के समुद्र के निकट परमेश्वर की वीणाओं को लिए हुए खड़े देखा। **3** और वे परमेश्वर के दास मूसा का गीत*, और मेम्ने का गीत
गा गाकर कहते थे,

“हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर,
तेरे कार्य महान, और अद्भुत हैं,
हे युग-युग के राजा,
तेरी चाल ठीक और सच्ची है।” (भज. 111:2, भज. 139:14, भज. 145:17)
4 “हे प्रभु,
कौन तुझ से न डरेगा? और तेरे नाम की महिमा न करेगा?
क्योंकि केवल तू ही पवित्र है,
और सारी जातियाँ आकर तेरे सामने दण्डवत् करेंगी,
क्योंकि तेरे न्याय के काम प्रगट हो गए हैं।” (भज. 86:9, यिर्म. 10:7, मला. 1:11)

5 इसके बाद मैंने देखा, कि स्वर्ग में साक्षी के तम्बू* का मन्दिर खोला गया, **6** और वे सातों स्वर्गदूत जिनके पास सातों विपत्तियाँ थीं, मलमल के शुद्ध और
चमकदार वस्त्र पहने और छाती पर सोने की पट्टियाँ बाँधे हुए मन्दिर से निकले। **7** तब उन चारों प्राणियों में से एक ने उन सात स्वर्गदूतों को परमेश्वर के, जो
युगानुयुग जीविता है, प्रकोप से भरे हुए सात सोने के कटोरे दिए। **8** और परमेश्वर की महिमा, और उसकी सामर्थ्य के कारण मन्दिर धुएँ से भर गया* और जब
तक उन सातों स्वर्गदूतों की सातों विपत्तियाँ समाप्त न हुई, तब तक कोई मन्दिर में न जा सका। (यशा. 6:4)

Revelation 15:1

फिर मैंने देखा...अन्त है
यहाँ 15:1 में 15:2 -16: 21 जो होने वाला है उसका निचोड़ है।

बड़ा और अद्भुत
वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ ऐसा जिसने मुझे अत्यधिक हैरान कर दिया"

क्योंकि उनके समाप्त हो जाने पर परमेश्वर के प्रकोप का अंत है
वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि ये विपत्तियाँ परमेश्वर के प्रकोप का अन्त हैं."

Revelation 15:3

तेरे न्याय के काम प्रगट हो गए हैं
वैकल्पिक अनुवाद: "हर किसी ने तेरे न्याय के कामों को देख और समझ लिया है."

Revelation 15:5

इसके बाद
"जब लोगों ने गाना बंद कर दिया"

पट्टियां
कपड़े का एक सजावटी भाग जिसे शरीर के उपरी हिस्से पर पहना जाता है

Translation Questions

Revelation 15:1

यूहन्ना ने जिन सात स्वर्गदूतों को देखा उनके पास क्या था?
सात स्वर्गदूतों के पास अन्तिम सात विपत्तियां थी।

Revelation 15:2

समुद्र के किनारे कौन खड़े थे?
जो उस पशु और उसकी मूर्ति पर जयवन्त हुए थे उन्हे यूहन्ना ने समुद्र के किनारे खड़ा देखा।

Revelation 15:3

समुद्र के किनारे खड़े लोग किस का गीत गा रहे थे?
वे जो समुद्र के किनारे खड़े थे, मूसा का गीत और मेम्ने का गीत गा रहे थे।

उस गीत में परमेश्वर का मार्ग कैसे दर्शाया गया है?
परमेश्वर का मार्ग न्याय और सच्चा है।

Revelation 15:4

उस गीत में परमेश्वर को कौन दण्डवत् करेंगा?
सब जातियां परमेश्वर के सामने दण्डवत् करेंगी।

Revelation 15:6

मन्दिर के परमपवित्र स्थान से कौन निकले?
वे सात स्वर्गदूत सात विपत्तियों के साथ मन्दिर से निकले।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Revelation 15:7

सात स्वर्गदूतों को क्या दिया गया था?
सात स्वर्गदूतों को परमेश्वर के प्रकोप से भरे हुए सात कटोरे दिए गए।

Revelation 15:8

परमपवित्र स्थान में कब तक प्रवेश वर्जित था?
जब तक वे सात विपत्तियां पूरी नहीं हुई तब तक परमपवित्र स्थान में किसी को प्रवेश करने नहीं दिया गया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 16

1 फिर मैंने मन्दिर में किसी को ऊँचे शब्द से उन सातों स्वर्गदूतों से यह कहते सुना, “जाओ, परमेश्वर के प्रकोप के सातों कटोरों को पृथ्वी पर उण्डेल दो।” **2** अतः पहले ने जाकर अपना कटोरा पृथ्वी पर उण्डेल दिया। और उन मनुष्यों के जिन पर पशु की छाप थी, और जो उसकी मूर्ति की पूजा करते थे, एक प्रकार का बुरा और दुःखदाई फोड़ा निकला। (प्रका. 16:11)

3 दूसरे ने अपना कटोरा समुद्र पर उण्डेल दिया और वह मरे हुए के लहू जैसा बन गया, और समुद्र में का हर एक जीवधारी मर गया। (प्रका. 8:8)

4 तीसरे ने अपना कटोरा नदियों, और पानी के सोतों पर उण्डेल दिया, और वे लहू बन गए। **5** और मैंने पानी के स्वर्गदूत को यह कहते सुना,

“हे पवित्र, जो है, और जो था, तू न्यायी है और तूने यह न्याय किया। (प्रका. 11:17)
6 क्योंकि उन्होंने पवित्र लोगों, और भविष्यद्वक्ताओं का लहू बहाया था,
और तूने उन्हें लहू पिलाया*;
क्योंकि वे इसी योग्य हैं।”
7 फिर मैंने वेदी से यह शब्द सुना,
“हाँ, हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर,
तेरे निर्णय ठीक और सच्चे हैं।” (भज. 119:137, भज. 19:9)

8 चौथे स्वर्गदूत ने अपना कटोरा सूर्य पर उण्डेल दिया, और उसे मनुष्यों को आग से झुलसा देने का अधिकार दिया गया। **9** मनुष्य बड़ी तपन से झुलस गए, और परमेश्वर के नाम की जिसे इन विपत्तियों पर अधिकार है, निन्दा की और उन्होंने न मन फिराया और न महिमा की।

10 पाँचवें स्वर्गदूत ने अपना कटोरा उस पशु के सिंहासन पर उण्डेल दिया और उसके राज्य पर अंधेरा छा गया; और लोग पीड़ा के मारे अपनी-अपनी जीभ चबाने लगे, (मत्ती 13:42) **11** और अपनी पीड़ाओं और फोड़ों के कारण स्वर्ग के परमेश्वर की निन्दा की; पर अपने-अपने कामों से मन न फिराया।

12 छठवें स्वर्गदूत ने अपना कटोरा महानदी फरात पर उण्डेल दिया और उसका पानी सूख गया कि पूर्व दिशा के राजाओं के लिये मार्ग तैयार हो जाए। (यशा. 44:27) **13** और मैंने उस अजगर के मुँह से, और उस पशु के मुँह से और उस झूठे भविष्यद्वक्ता के मुँह से तीन अशुद्ध आत्माओं को मेंढ़कों के रूप में निकलते देखा। **14** ये चिन्ह दिखानेवाली* दुष्टात्माएँ हैं, जो सारे संसार के राजाओं के पास निकलकर इसलिए जाती हैं, कि उन्हें सर्वशक्तिमान परमेश्वर के उस बड़े दिन की लड़ाई के लिये इकट्ठा करें। **15** “देख, मैं चोर के समान आता हूँ; धन्य वह है, जो जागता रहता है, और अपने वस्त्र कि सावधानी करता है कि नंगा न फिरे, और लोग उसका नंगापन न देखें।” **16** और उन्होंने राजाओं को उस जगह इकट्ठा किया, जो इब्रानी में हर-मगिदोन कहलाता है।

17 और सातवें स्वर्गदूत ने अपना कटोरा हवा पर उण्डेल दिया, और मन्दिर के सिंहासन से यह बड़ा शब्द हुआ, “हो चुका।” **18** फिर बिजलियाँ, और शब्द, और गर्जन हुए, और एक ऐसा बड़ा भूकम्प हुआ, कि जब से मनुष्य की उत्पत्ति पृथ्वी पर हुई, तब से ऐसा बड़ा भूकम्प कभी न हुआ था। (मत्ती 24:21) **19** इससे उस बड़े नगर के तीन टुकड़े हो गए, और जाति-जाति के नगर गिर पड़े, और बड़े बाबेल का स्मरण परमेश्वर के यहाँ हुआ, कि वह अपने क्रोध की जलजलाहट की मदिरा उसे पिलाए। **20** और हर एक टापू अपनी जगह से टल गया, और पहाड़ों का पता न लगा। **21** और आकाश से मनुष्यों पर मन-मन भर के बड़े ओले गिरे, और इसलिए कि यह विपत्ति बहुत ही भारी थी, लोगों ने ओलों की विपत्ति के कारण परमेश्वर की निन्दा की।

Revelation 16:1

मैंने सुना
लेखक यूहन्ना ने सुना

परमेश्वर के प्रकोप के कटोरे
देखो तुमने इसी प्रकार के वाक्य का में किस प्रकार किया है

Revelation 16:2

अपना कटोरा उंडेल दिया
वैकल्पिक अनुवाद : "अपने कटोरे के दाखरस को उंडेल दिया" या "परमेश्वर के प्रकोप को उंडेल दिया जो उसके कटोरे में था" (देखें:)

दुःखदायी फोड़े
"दुःखदायी घाव." ये उन रोगों या चोटों के संक्रमण हो सकते हैं जो नहीं भरे।

पशु की छाप
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया है।

Revelation 16:3

अपना कटोरा उंडेल दिया
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया है

समुन्द्र
इसका अभिप्राय संसार के सभी समुन्द्रों से है. (देखें:)

मरे हुए व्यक्ति के लहू के समान
इसका अर्थ यह है कि पानी लाल और गाढ़ा हो गया और उसमें से बदबू आने लगी.

Revelation 16:4

अपना कटोरा उंडेल दिया
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया है

नदियों और पानी के सोतों
इसका अभिप्राय ताज़े पानी के सभी स्त्रोतों से है.

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पानी के स्वर्गदूत
इसका अभिप्राय तीसरे स्वर्गदूत से है. परमेश्वर के प्रकोप को नदियों और पानी के सोतों पर उंडेलने का कार्यभार उस पर था.

तू न्यायी है
"तू" का अभिप्राय परमेश्वर से है.

जो है और जो था
देखो इसी प्रकार के वाक्य का अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया है।

उन्होंने पवित्र लोगों और भविष्यद्वक्ताओं का लहू बहाया था।
वैकल्पिक अनुवाद: "बुरे लोगों ने पवित्र लोगों और भविष्यद्वक्ताओं को मार डाला था."

तू ने उन्हें लहू पिलाया
परमेश्वर बुरे लोगों को जिस पानी को उसने लहू में बदल दिया है पीने को देगा।

मैंने वेदी से यह शब्द सुना
संभावित अर्थ हो सकते हैं 1) "मैंने वेदी के निकट खड़े स्वर्गदूतों से सुना" या 2) "मैंने पवित्र लोगों की आत्माओं को वेदी के नीचे कहते सुना"

Revelation 16:8

अपना कटोरा उंडेल दिया
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया है।

क्योंकि इसे उन्हें झुलसाने का अधिकार दे दिया गया था।
यूहन्ना सूर्य के विषय में इस प्रकार बोलता है जैसे कि वह कोई मनुष्य हो. वैकल्पिक अनुवाद: "और सूर्य के द्वारा लोगों को अत्यधिक जलन दी"

वे अत्यंत गर्मी से झुलस गए थे
वैकल्पिक अनुवाद: "अत्यधिक गर्मी ने उन्हें बुरी तरह झुलसा दिया"

उन्होंने परमेश्वर के नाम की निन्दा की
वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने परमेश्वर के नाम की निन्दा की"

Revelation 16:15

मैं चोर के समान आता हूँ
देखो इसके समान वाक्य का अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया है

वे उसका नंगापन देखते हैं
यहाँ "वे" शब्द का तात्पर्य अन्य लोगों से है।

वे उन्हें एक साथ ले आए
"दुष्टात्माओं ने राजाओं और उनकी सेनाओं को इकट्ठा किया"

उस जगह जो कहलाता है
"वह जगह जिसे लोग कहते हैं"

हर - मगिदोन
यह जगह का नाम है.

Translation Questions

Revelation 16:1

सात स्वर्गदूतों को क्या आज्ञा दी गई?
सात स्वर्गदूतों से कहा गया कि वे जाकर प्रकोप के उन सात कटोरों को पृथ्वी पर उंडेल दें।

Revelation 16:2

परमेश्वर के प्रकोप का पहला कटोरा उंडेला गया तो क्या हुआ?
पशु की छाप लेनेवालों पर घिनौना और दर्दभरा फोड़ा निकला।

Revelation 16:3

जब प्रकोप का दूसरा कटोरा उंडेला गया तब क्या हुआ?
समुद्र मरे हुए मनुष्य के लहू जैसा बन गया।

Revelation 16:4

प्रकोप का तीसरा कटोरा उंडेला गया तब क्या हुआ?
नदियां और पानी के सोते लहू बन गए।

Revelation 16:6

परमेश्वर ने उन लोगों को लहू पीने को दिया तो यह सच्चा और उचित क्यों था?
यह सच्चा और उचित इसलिए था क्योंकि इन लोगों ने भविष्यद्वक्ताओं का लहू बहाया था।

Revelation 16:8

परमेश्वर के प्रकोप का चौथा कटोरा उंडेला गया तब क्या हुआ?
सूर्य ने कड़ी तपन से लोगों को झुलसा दिया।

Revelation 16:9

लोगों ने इन विपत्तियों पर कैसी प्रतिक्रिया दिखाई?
लोगों ने स्वर्ग के परमेश्वर को महिमा न दी और न अपने कामों से मन फिराया।

Revelation 16:10

परमेश्वर के प्रकोप का पांचवा कटोरा उंडेला गया तब क्या हुआ?
उस पशु के राज्य पर अन्धेरा छा गया।

Revelation 16:12

परमेश्वर के प्रकोप का छठवां कटोरा उंडेला गया तब क्या हुआ?
फरात नदी का पानी सूख गया कि पूर्व दिशा के राजाओं के लिए मार्ग तैयार हो जाए।

Revelation 16:13

वे तीन अशुद्ध आत्माएं क्या करने के लिए बाहर निकली थीं?
तीन अशुद्ध आत्माएं निकली कि संसार के राजाओं को सर्वशक्तिमान परमेश्वर के उस बड़े दिन की लड़ाई के लिए इकट्ठा करें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Revelation 16:16

जहां संसार के राजा एकत्र हुए उस जगह का नाम क्या है?
उस जगह का नाम हर-मगिदोन है।

Revelation 16:17

परमेश्वर के प्रकोप का सातवां कटोरा उंडेला गया तब क्या हुआ?
एक बड़ा शब्द सुनाई दिया, "हो चुका" फिर बिजलियां चमकी और गर्जन हुई और भूकम्प आया।

Revelation 16:19

तब परमेश्वर को क्या स्मरण हुआ कि करे?
बड़े बेबीलोन का स्मरण परमेश्वर को यहां हुआ कि वह अपने क्रोध की जलजलाहट की मदिरा उसे पिलाए।

Revelation 16:21

लोगों ने इन विपत्तियों पर कैसी प्रतिक्रिया दिखाई?
लोगों ने परमेश्वर की निन्दा की।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 17

1 जिन सात स्वर्गदूतों के पास वे सात कटोरे थे, उनमें से एक ने आकर मुझसे यह कहा, “इधर आ, मैं तुझे उस बड़ी वेश्या का दण्ड दिखाऊँ, जो बहुत से पानी
पर बैठी है। **2** जिसके साथ पृथ्वी के राजाओं ने व्यभिचार किया, और पृथ्वी के रहनेवाले उसके व्यभिचार की मदिरा से मतवाले हो गए थे।” **3** तब वह मुझे
आत्मा में जंगल को ले गया, और मैंने लाल रंग के पशु पर जो निन्दा के नामों से भरा हुआ था और जिसके सात सिर और दस सींग थे, एक स्त्री को बैठे हुए
देखा। **4** यह स्त्री बैंगनी, और लाल रंग के कपड़े पहने थी, और सोने और बहुमूल्य मणियों और मोतियों से सजी हुई थी, और उसके हाथ में एक सोने का कटोरा
था जो घृणित वस्तुओं से और उसके व्यभिचार की अशुद्ध वस्तुओं से भरा हुआ था। **5** और उसके माथे पर यह नाम लिखा था, “भेद बड़ा बाबेल पृथ्वी की
वेश्याओं और घृणित वस्तुओं की माता।” (प्रका. 19:2) **6** और मैंने उस स्त्री को पवित्र लोगों के लहू और यीशु के गवाहों के लहू पीने से मतवाली देखा; और
उसे देखकर मैं चकित हो गया।

7 उस स्वर्गदूत ने मुझसे कहा, “तू क्यों चकित हुआ? मैं इस स्त्री, और उस पशु का, जिस पर वह सवार है, और जिसके सात सिर और दस सींग हैं, तुझे भेद
बताता हूँ। **8** जो पशु तूने देखा है, यह पहले तो था, पर अब नहीं है, और अथाह कुण्ड से निकलकर विनाश में पड़ेगा, और पृथ्वी के रहनेवाले जिनके नाम जगत
की उत्पत्ति के समय से जीवन की पुस्तक में लिखे नहीं गए, इस पशु की यह दशा देखकर कि पहले था, और अब नहीं; और फिर आ जाएगा, अचम्भा करेंगे।
(प्रका. 17:11) **9** यह समझने के लिए एक ज्ञानी मन आवश्यक है: वे सातों सिर सात पहाड़* हैं, जिन पर वह स्त्री बैठी है। **10** और वे सात राजा भी हैं, पाँच
तो हो चुके हैं, और एक अभी है; और एक अब तक आया नहीं, और जब आएगा तो कुछ समय तक उसका रहना भी अवश्य है। **11** जो पशु पहले था, और
अब नहीं*, वह आप आठवाँ है; और उन सातों में से एक है, और वह विनाश में पड़ेगा। **12** जो दस सींग तूने देखे वे दस राजा हैं; जिन्होंने अब तक राज्य नहीं
पाया; पर उस पशु के साथ घड़ी भर के लिये राजाओं के समान अधिकार पाएँगे। (दानि. 7:24) **13** ये सब एक मन होंगे, और वे अपनी-अपनी सामर्थ्य और
अधिकार उस पशु को देंगे।

14 ये मेम्ने से लड़ेंगे, और मेम्ना उन पर जय पाएगा; क्योंकि वह प्रभुओं का प्रभु, और राजाओं का राजा है*, और जो बुलाए हुए, चुने हुए और विश्वासयोग्य है,
उसके साथ हैं, वे भी जय पाएँगे।” **15** फिर उसने मुझसे कहा, “जो पानी तूने देखे, जिन पर वेश्या बैठी है, वे लोग, भीड़, जातियाँ, और भाषाएँ हैं। **16** और जो
दस सींग तूने देखे, वे और पशु उस वेश्या से बैर रखेंगे, और उसे लाचार और नंगी कर देंगे; और उसका माँस खा जाएँगे, और उसे आग में जला देंगे। **17**
“क्योंकि परमेश्वर उनके मन में यह डालेगा कि वे उसकी मनसा पूरी करें; और जब तक परमेश्वर के वचन पूरे न हो लें, तब तक एक मन होकर अपना-अपना
राज्य पशु को दे दें। **18** और वह स्त्री, जिसे तूने देखा है वह बड़ा नगर है, जो पृथ्वी के राजाओं पर राज्य करता है।”

Revelation 17:3

मोती
एक चिकना, सख्त , और सफ़ेद मनका

Revelation 17:6

लहू पीने से मतवाली
इसका अर्थ यह है कि उसने मसीह में विश्वासियों में से अनेक को दुःखी किया और घात किया है. (देखें:)

शहीद
ये वे विश्वासी हैं जो यीशु में अपने विश्वास के लिए मारे गए।

तू चकित क्यों हुआ?
"तुझे हैरान नहीं होना चाहिए."

Revelation 17:8

x
स्वर्गदूत यूहन्ना से बात करना जारी रखता है.

वे जिनका नाम लिखा नहीं गया
वैकल्पिक अनुवाद: "वे नाम जिन्हें यीशु ने नहीं लिखा है "

Revelation 17:9

x
स्वर्गदूत यूहन्ना से बात करना जारी रखता है.

सात पहाड़ जिन पर वह स्त्री बैठी है
यहाँ, "बैठी है" का अर्थ यह है कि उसका इन स्थानों और लोगों पर आधिपत्य है.

Revelation 17:11

x
स्वर्गदूत यूहन्ना से बात करना जारी रखता है.

Revelation 17:12

x
स्वर्गदूत यूहन्ना से बात करना जारी रखता है.

Revelation 17:15

जो पानी तूने देखा, जिस पर वेश्या बैठी है
देखो तुमने में इसी प्रकार के वाक्य का अनुवाद कैसे किया है।

लोग, भीड़, जातियां, भाषाएँ
इन सभी शब्दों के समान अर्थ हैं और इनकी सूची ज़ोर डालने के लिए दी गई है. वैकल्पिक अनुवाद: "संसार के सभी लोग."

Revelation 17:16

x
स्वर्गदूत यूहन्ना से बात करना जारी रखता है.

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

उसे लाचार और नंगी कर देंगे
"उसके पास जो कुछ भी है चुरा कर उसके पास कुछ भी नहीं छोड़ेंगे"

वे उसका मांस खा जाएंगे और उसे आग में जला देंगे
इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ है कि वे उसे पूर्ण रूप से नष्ट कर देंगे.

जब तक परमेश्वर के वचन पूरे न हों
वैकल्पिक अनुवाद: "जब तक परमेश्वर पूरा न कर दे जो उसने कहा कि होगा"

Revelation 17:18

x
स्वर्गदूत यूहन्ना से बात करना जारी रखता है.

Translation Questions

Revelation 17:1

उस स्वर्गदूत ने यूहन्ना को क्या दिखाने को कहा?
उस स्वर्गदूत ने यूहन्ना से कहा कि वह उसे उस बड़ी वैश्या का दण्ड दिखाएगा।

Revelation 17:3

वह स्त्री किस पर बैठी थी?
वह स्त्री को सात सिर और दस सींग वाले पशु पर बैठी थी।

Revelation 17:4

उस स्त्री के हाथ में जो कटोरा था वह किससे भरा हुआ था?
वह कटोरा घृणित वस्तुओं और उसके व्यभिचार की अशुद्ध वस्तुओं से भरा हुआ था।

Revelation 17:5

उस स्त्री का नाम क्या था?
उस स्त्री का नाम था, बड़ा बेबीलोन पृथ्वी की वेश्याओं और घृणित वस्तुओं की माता।

Revelation 17:6

वह स्त्री किससे मतवाली हुई थी?
वह स्त्री पवित्र लोगों और यीशु के गवाहों के लहू को पीकर मतवाली थी।

Revelation 17:8

उस पशु का क्या होगा?
वह पशु विनाश में पड़ेगा।

Revelation 17:9

उस पशु के सात सिर क्या थे?
वे सात सिर सात पहाड़ थे जिसपर वह स्त्री बैठी थी, वे सात राजा भी थे।

Revelation 17:12

उस पशु के दस सींग क्या थे?
वे दस सींग दस राजा थे।

Revelation 17:14

जब वे राजा और पशु एक मन हो जाएंगे तब वे क्या करेंगे?
वे एक मन होकर मेम्ने से युद्ध करेंगे।

Revelation 17:15

जिस पानी पर वह वेश्या बैठी थी वह क्या हैं?
वह पानी लोग और भीड़ और जातियां और भाषाएं हैं।

Revelation 17:16

वे राजा और वह पशु उस स्त्री के साथ कैसा व्यवहार करेंगे?
वे उस वेश्या को लाचार और नंगा कर देंगे और उसका मांस खा जाएंगे और उसे आग में जला देंगे।

Revelation 17:18

यूहन्ना ने जिस स्त्री को देखा वह क्या थी?
यूहन्ना ने जिस स्त्री को देखा वह एक महान नगर था जो पृथ्वी के राजाओं पर शासन करता था।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 18

1 इसके बाद मैंने एक स्वर्गदूत को स्वर्ग से उतरते देखा, जिसको बड़ा अधिकार प्राप्त था; और पृथ्वी उसके तेज से प्रकाशित हो उठी। **2** उसने ऊँचे शब्द से
पुकारकर कहा,

"गिर गया, बड़ा बाबेल गिर गया है! और दुष्टात्माओं का निवास,
और हर एक अशुद्ध आत्मा का अड्डा, और हर एक अशुद्ध और घृणित पक्षी का अड्डा हो गया। (यशा. 13:21, यिर्म. 50:39, यिर्म. 51:37)
3 क्योंकि उसके व्यभिचार के भयानक मदिरा के कारण सब जातियाँ गिर गई हैं,
और पृथ्वी के राजाओं ने उसके साथ व्यभिचार किया है;
और पृथ्वी के व्यापारी उसके सुख-विलास की बहुतायत के कारण धनवान हुए हैं।" (यिर्म. 51:7)
4 फिर मैंने स्वर्ग से एक और शब्द सुना,
"हे मेरे लोगों, उसमें से निकल आओ* कि तुम उसके पापों में भागी न हो,
और उसकी विपत्तियों में से कोई तुम पर आ न पड़े; (यशा. 52:11, यिर्म. 50:8, यिर्म. 51:45)
5 क्योंकि उसके पापों का ढेर स्वर्ग तक पहुँच गया हैं,
और उसके अधर्म परमेश्वर को स्मरण आए हैं।
6 जैसा उसने तुम्हें दिया है, वैसा ही उसको दो,
और उसके कामों के अनुसार उसे दो गुणा बदला दो*,
जिस कटोरे में उसने भर दिया था उसी में उसके लिये दो गुणा भर दो। (भज. 137:8)
7 जितनी उसने अपनी बड़ाई की और सुख-विलास किया;
उतनी उसको पीड़ा, और शोक दो;
क्योंकि वह अपने मन में कहती है, 'मैं रानी हो बैठी हूँ, विधवा नहीं; और शोक में कभी न पड़ूँगी।'
8 इस कारण एक ही दिन में उस पर विपत्तियाँ आ पड़ेंगी,
अर्थात् मृत्यु, और शोक, और अकाल; और वह आग में भस्म कर दी जाएगी,
क्योंकि उसका न्यायी प्रभु परमेश्वर शक्तिमान है। (यिर्म. 50:31)

9 "और पृथ्वी के राजा जिन्होंने उसके साथ व्यभिचार, और सुख-विलास किया, जब उसके जलने का धूआँ देखेंगे, तो उसके लिये रोएँगे, और छाती पीटेंगे।
(यिर्म. 50:46) **10** और उसकी पीड़ा के डर के मारे वे बड़ी दूर खड़े होकर कहेंगे,

'हे बड़े नगर, बाबेल! हे दृढ़ नगर, हाय! हाय!
घड़ी ही भर में तुझे दण्ड मिल गया है।' (यिर्म. 51:8-9)

11 "और पृथ्वी के व्यापारी उसके लिये रोएँगे और विलाप करेंगे, क्योंकि अब कोई उनका माल मोल न लेगा **12** अर्थात् सोना, चाँदी, रत्न, मोती, मलमल,
बैंगनी, रेशमी, लाल रंग के कपड़े, हर प्रकार का सुगन्धित काठ, हाथी दाँत की हर प्रकार की वस्तुएँ, बहुमूल्य काठ, पीतल, लोहे और संगमरमर की सब भाँति के
पात्र, **13** और दालचीनी, मसाले, धूप, गन्धरस, लोबान, मदिरा, तेल, मैदा, गेहूँ, गाय-बैल, भेड़-बकरियाँ, घोड़े, रथ, और दास, और मनुष्यों के प्राण। **14** अब तेरे
मन भावने फल तेरे पास से जाते रहे; और सुख-विलास और वैभव की वस्तुएँ तुझ से दूर हुई हैं, और वे फिर कदापि न मिलेगी। **15** इन वस्तुओं के व्यापारी जो
उसके द्वारा धनवान हो गए थे, उसकी पीड़ा के डर के मारे दूर खड़े होंगे, और रोते और विलाप करते हुए कहेंगे,

16 'हाय! हाय! यह बड़ा नगर जो मलमल, बैंगनी, लाल रंग के कपड़े पहने था,
और सोने, रत्नों और मोतियों से सजा था;
17 घड़ी ही भर में उसका ऐसा भारी धन नाश हो गया।'

और हर एक माँझी, और जलयात्री, और मल्लाह, और जितने समुद्र से कमाते हैं, सब दूर खड़े हुए, **18** और उसके जलने का धूआँ देखते हुए पुकारकर कहेंगे,
'कौन सा नगर इस बड़े नगर के समान है?' (यिर्म. 51:37) **19** और अपने-अपने सिरों पर धूल डालेंगे*, और रोते हुए और विलाप करते हुए चिल्ला-चिल्लाकर
कहेंगे,

'हाय! हाय! यह बड़ा नगर जिसकी सम्पत्ति के द्वारा समुद्र के सब जहाज वाले धनी हो गए थे,
घड़ी ही भर में उजड़ गया।' (यहे. 27:30)
20 हे स्वर्ग, और हे पवित्र लोगों,
और प्रेरितों, और भविष्यद्वक्ताओं, उस पर आनन्द करो,
क्योंकि परमेश्वर ने न्याय करके उससे तुम्हारा पलटा लिया है।"

21 फिर एक बलवन्त स्वर्गदूत ने बड़ी चक्की के पाट के समान एक पत्थर उठाया, और यह कहकर समुद्र में फेंक दिया,

"बड़ा नगर बाबेल ऐसे ही बड़े बल से गिराया जाएगा,
और फिर कभी उसका पता न मिलेगा। (यिर्म. 51:63-64, यहे. 26:21)
22 वीणा बजानेवालों, गायकों, बंसी बजानेवालों, और तुरही फूँकनेवालों का शब्द फिर कभी तुझ में सुनाई न देगा,
और किसी उद्यम का कोई कारीगर भी फिर कभी तुझ में न मिलेगा;

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

और चक्की के चलने का शब्द फिर कभी तुझ में सुनाई न देगा; (यशा. 24:8, यहे. 26:13)
23 और दिया का उजाला फिर कभी तुझ में न चमकेगा
और दूल्हे और दुल्हन का शब्द फिर कभी तुझ में सुनाई न देगा;
क्योंकि तेरे व्यापारी पृथ्वी के प्रधान थे,
और तेरे टोने से सब जातियाँ भरमाई गई थी। (यिर्म. 7:34, यिर्म. 16:9)
24 और भविष्यद्वक्ताओं और पवित्र लोगों, और पृथ्वी पर सब मरे हुओं का लहू उसी में पाया गया।” (यिर्म. 51:49)

Revelation 18:1

घृणित पक्षी
"घिनौना पक्षी" या "अरुचिकर पक्षी"

क्योंकि सभी जातियां
इस वाक्य का तात्पर्य सभी राष्ट्रों के लोगों से है

मदिरा पी है ...उसके व्यभिचार की
इसका अर्थ यह है कि अन्य राष्ट्रों के लोगों ने बेबीलोन के नगर के साथ मिल कर उनके पापों में सहभागिता की है.

जिसके कारण उस पर विपत्तियां आ पड़ीं हैं
"जो उसके लिए परमेश्वर के दंड का कारण बनी हैं"

व्यापारी
वह व्यक्ति जो वस्तुएं बेचता है

की बहुतायत के कारण
वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि उसने बहुत सा धन अपने भोग-विलास पर खर्च किया"

Revelation 18:7

x
स्वर्ग से शब्द बात करना जारी रखता है.

उसने अपनी बड़ाई की
"बेबीलोन ने लोगों ने अपनी बड़ाई की"

वह आग में भस्म कर दी जाएगी
वैकल्पिक अनुवाद: "आग उसे पूर्ण रूप से भस्म कर देगी"

Revelation 18:9

जिन्होंने उसके साथ व्यभिचार किया और सारी हदें पार कर दीं
इसका अर्थ है कि राजाओं और उनके लोगों ने पाप किए और बेबीलोन के लोगों के समान परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह किया।

हाय, हाय
इसको ज़ोर डालने के लिए दोहराया गया है।

Revelation 18:11

उसके लिए रोएंगे
"बेबीलोन के लोगों के अपनी बड़ाई की"

संगमरमर
एक कीमती पत्थर जिसका प्रयोग इमारतों के निर्माण में होता है

मसाले
एक पदार्थ जिसका प्रयोग खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है

Revelation 18:14

फल जिन्हें तू
यहां "तू" का अभिप्राय बेबीलोन के लोगों से है.

पूरे मन से इच्छा की है
"अत्यधिक लालायित था"

फिर कदापि न मिलेंगी
वैकल्पिक अनुवाद: "तुझे फिर कभी न मिल पाएंगी"

Revelation 18:15

और सजाया गया था
वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने अपने आप को सजाया" या "और उन्होंने पहने"

कीमती रत्न
"कीमती पत्थर" या "अनमोल जवाहरात"

मोती
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया था.

Revelation 18:18

उसके जलने का
शब्द "उसके" का अभिप्राय बेबीलोन नगर से है।

कौन सा नगर इस बड़े नगर के समान है?
वैकल्पिक अनुवाद: "कोई और नगर इस बड़े नगर बेबीलोन के समान नहीं है."

Revelation 18:23

x
स्वर्गदूत बेबीलोन के लोगों से बात करना जारी रखता है।

---

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Questions

Revelation 18:1

बड़े अधिकार वाले स्वर्गदूत ने क्या घोषणा की?
उस स्वर्गदूत ने घोषणा की कि बड़ा बेबीलोन गिर गया है।

Revelation 18:4

स्वर्ग से निकली आवाज़ ने प्रभु के लोगों से क्या करने को कहा?
परमेश्वर के लोग से कहा गया कि वे बेबीलोन नगर से निकल जाए और उसके पापों में भागी न हो।

Revelation 18:6

परमेश्वर ने बेबीलोन के कामों का बदला किस मात्रा में दिया?
परमेश्वर ने बेबीलोन को उसके कामों के अनुसार दो गुणा बदला दिया।

Revelation 18:8

बेबीलोन पर एक ही दिन में कौन कौन सी विपत्तियां पड़ेगी?
एक ही दिन में उस पर मृत्यु और शोक और अकाल आ पड़ेगा और वह आग में भस्म हो जाएगी।

Revelation 18:9

बेबीलोन के दण्ड को देखकर पृथ्वी के राजा और व्यापारी कैसी प्रतिक्रिया दिखाएंगे?
पृथ्वी के राजा और व्यापारी उसके विनाश को देखकर रोएंगे और छाती पीटेंगे।

बेबीलोन के दण्ड के समय राजा, व्यापारी, मांझी, यात्री और मल्लाह दूर क्यों खड़े रहे?
वे दूर खड़े रहे क्योंकि उसकी पीड़ा से भयभीत थे।

Revelation 18:14

बेबीलोन की कैसी लालसा थी जो घड़ी भर में नष्ट हो गई?
बेबीलोन ने भडकीली और स्वादिष्ट वस्तुओं की लालसा की थी जो घड़ी भर में नष्ट हो गई।

Revelation 18:18

मल्लाहों ने बेबीलोन के विषय क्या प्रश्न किया?
जहाज के मल्लाहों ने पुकार कर कहा, "कौन सा नगर इस बड़े नगर के समान है?"

Revelation 18:20

बेबीलोन के दण्ड पर पवित्र लोगों, प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं से क्या करने को कहा गया?
पवित्र लोगों, प्रेरितों, और भविष्यद्वक्ताओं को उनपर आनन्द करने को कहा गया।

Revelation 18:21

दण्ड के बाद बेबीलोन फिर कब देखा जाएगा?
दण्ड के बाद बेबीलोन का पता न चलेगा।

Revelation 18:24

उस बड़े नगर बेबीलोन के दण्ड का क्या कारण था?
भविष्यद्वक्ताओं और पवित्र लोगों और पृथ्वी पर सब घात किए हुओं का लहू उसी में पाया गया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 19

1 इसके बाद मैंने स्वर्ग में मानो बड़ी भीड़* को ऊँचे शब्द से यह कहते सुना,

“हालेलूय्याह! उद्धार, और महिमा, और सामर्थ्य हमारे परमेश्वर ही की है।
2 क्योंकि उसके निर्णय सच्चे और ठीक हैं,
इसलिए कि उसने उस बड़ी वेश्या का जो अपने व्यभिचार से पृथ्वी को भ्रष्ट करती थी, न्याय किया, और उससे अपने दासों के लहू का पलटा लिया है।” (व्य. 32:43)

3 फिर दूसरी बार उन्होंने कहा,

“हालेलूय्याह! उसके जलने का धूआँ युगानुयुग उठता रहेगा।” (भज. 106:48)

4 और चौबीसों प्राचीनों और चारों प्राणियों ने गिरकर परमेश्वर को दण्डवत् किया; जो सिंहासन पर बैठा था, और कहा, “आमीन! हालेलूय्याह!”

5 और सिंहासन में से एक शब्द निकला,

“हे हमारे परमेश्वर से सब डरनेवाले दासों,
क्या छोटे, क्या बड़े; तुम सब उसकी स्तुति करो।” (भज. 135:1)

6 फिर मैंने बड़ी भीड़ के जैसा और बहुत जल के जैसा शब्द, और गर्जनों के जैसा बड़ा शब्द सुना

“हालेलूय्याह! इसलिए कि प्रभु हमारा परमेश्वर, सर्वशक्तिमान राज्य करता है। (भज. 99:1, भज. 93:1)
7 आओ, हम आनन्दित और मगन हों, और उसकी स्तुति करें,
क्योंकि मेम्ने का विवाह* आ पहुँचा है,
और उसकी दुल्हन ने अपने आपको तैयार कर लिया है।
8 उसको शुद्ध और चमकदार महीन मलमल पहनने को दिया गया,”
क्योंकि उस महीन मलमल का अर्थ पवित्र लोगों के धार्मिक काम है—

9 तब उसने मुझसे कहा, “यह लिख, कि धन्य वे हैं, जो मेम्ने के विवाह के भोज में बुलाए गए हैं।” फिर उसने मुझसे कहा, “ये वचन परमेश्वर के सत्य वचन हैं।” **10** तब मैं उसको दण्डवत् करने के लिये उसके पाँवों पर गिरा*। उसने मुझसे कहा, “ऐसा मत कर, मैं तेरा और तेरे भाइयों का संगी दास हूँ, जो यीशु की गवाही देने पर स्थिर हैं। परमेश्वर ही को दण्डवत् कर।” क्योंकि यीशु की गवाही भविष्यद्वाणी की आत्मा है।

11 फिर मैंने स्वर्ग को खुला हुआ देखा, और देखता हूँ कि एक श्वेत घोड़ा है; और उस पर एक सवार है, जो विश्वासयोग्य, और सत्य कहलाता है; और वह धार्मिकता के साथ न्याय और लड़ाई करता है। (भज. 96:13) **12** उसकी आँखें आग की ज्वाला हैं, और उसके सिर पर बहुत से राजमुकुट हैं। और उसका एक नाम उस पर लिखा हुआ है, जिसे उसको छोड़ और कोई नहीं जानता। (प्रका. 19:16) **13** वह लहू में डुबोया हुआ वस्त्र पहने है, और उसका नाम ‘परमेश्वर का वचन’ है। **14** और स्वर्ग की सेना श्वेत घोड़ों पर सवार और श्वेत और शुद्ध मलमल पहने हुए उसके पीछे-पीछे है। **15** जाति-जाति को मारने के लिये उसके मुँह से एक चोखी तलवार निकलती है, और वह लोहे का राजदण्ड लिए हुए उन पर राज्य करेगा, और वह सर्वशक्तिमान परमेश्वर के भयानक प्रकोप की जलजलाहट की मदिरा के कुण्ड में दाख रौंदेगा। (प्रका. 2:27) **16** और उसके वस्त्र और जाँघ पर यह नाम लिखा है: “राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु।” (1 तीमु. 6:15)

17 फिर मैंने एक स्वर्गदूत को सूर्य पर खड़े हुए देखा, और उसने बड़े शब्द से पुकारकर आकाश के बीच में से उड़नेवाले सब पक्षियों से कहा, “आओ, परमेश्वर के बड़े भोज के लिये इकट्ठे हो जाओ, (यहे. 39:19, 20) **18** जिससे तुम राजाओं का माँस, और सरदारों का माँस, और शक्तिमान पुरुषों का माँस, और घोड़ों का और उनके सवारों का माँस, और क्या स्वतंत्र क्या दास, क्या छोटे क्या बड़े, सब लोगों का माँस खाओ।” **19** फिर मैंने उस पशु और पृथ्वी के राजाओं और उनकी सेनाओं को उस घोड़े के सवार, और उसकी सेना से लड़ने के लिये इकट्ठे देखा। **20** और वह पशु और उसके साथ वह झूठा भविष्यद्वक्ता पकड़ा गया*, जिसने उसके सामने ऐसे चिन्ह दिखाए थे, जिनके द्वारा उसने उनको भरमाया, जिन पर उस पशु की छाप थी, और जो उसकी मूर्ति की पूजा करते थे। ये दोनों जीते जी उस आग की झील में, जो गन्धक से जलती है, डाले गए। (प्रका. 20:20) **21** और शेष लोग उस घोड़े के सवार की तलवार से, जो उसके मुँह से निकलती थी, मार डाले गए; और सब पक्षी उनके माँस से तृप्त हो गए।

Revelation 19:1

मैंने सुना
यहाँ "मैंने" का तात्पर्य यूहन्ना से है

हल्लिलूयाह !
इस शब्द का अर्थ है "परमेश्वर की स्तुति हो" या "आओ हम परमेश्वर की स्तुति करें."

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बड़ी वेश्या
इसका तात्पर्य दुष्ट लोगों से है जो पृथ्वी के लोगों पर राज्य करते हैं , उन्हें झूठे देवताओं की आराधना करने में अगुवाई करते हैं.

जिसने पृथ्वी को भ्रष्ट किया
वैकल्पिक अनुवाद: "जिसने पृथ्वी के लोगों को भ्रष्ट किया"

Revelation 19:3

हल्लिलूयाह !
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया था.

उससे युगानुयुग
"मूर्तिपूजकों से युगानुयुग." वैकल्पिक अनुवाद: "उनसे जिन्होंने व्यभिचार किया है युगानुयुग कष्ट उठाएंगे"

चौबीस प्राचीनों
24 प्राचीनों

Revelation 19:5

हमारे परमेश्वर की स्तुति करो
यहाँ "हमारे" का तात्पर्य वक्ता और परमेश्वर के सभी दासों से है.

दोनों, क्या छोटे और क्या बड़े
वक्ता इन शब्दों का एक साथ प्रयोग करता है जिसका अर्थ है परमेश्वर के सभी जन.

Revelation 19:7

x
जिस गीत का आरम्भ पिछले पदों में किया गया था वह यहाँ जारी रहता है

आओ हम आनन्दित हों
यहाँ "हम" से अभिप्राय परमेश्वर के दासों से है।

उसकी स्तुति करो
"परमेश्वर की स्तुति करो"

मेंम्ने के विवाह का समारोह .....उसकी दुल्हिन ने अपने आप को तैयार कर लिया है
इसका अभिप्राय यीशु और उसके लोगों के हमेशा के मिलन से है.

मेम्ना
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया था.

Revelation 19:9

मेंम्ने का विवाह भोज
विवाह का अभिप्राय यीशु और उसके लोगों के हमेशा के लिए मिलन से है.

मैं उसको दण्डवत् करने के लिए उसके पांवो पर गिर पड़ा
दण्डवत् करने का अर्थ अपने आप को ज़मीन पर मुँह के बल लेटाना, सम्मान और सेवा भाव दिखाने के लिए. 19:3 पर नोट देखें

Revelation 19:11

फिर मैंने स्वर्ग को खुला हुआ देखा
इस कल्पना का प्रयोग एक नए दर्शन के आरम्भ को प्रकट करने के लिए किया गया है. देखो इस विचार का अनुवाद तुमने 4:1, 11:19 और 15:5 में किस प्रकार किया था।

वह लहू छिड़का हुआ वस्त्र पहने है
वैकल्पिक अनुवाद: "वह ऐसा वस्त्र पहने है जिस पर लहू के धब्बे हैं" या "उसने ऐसे वस्त्र पहने हैं जिनसे लहू टपक रहा है"

Revelation 19:14

उसके मुंह से एक चोखी तलवार निकलती है
देखो इसी प्रकार के वाक्य का अनुवाद तुमने 1:16 में किस प्रकार किया था।

जाति-जाति को मार गिराता है
"राष्ट्रों को नष्ट करता है" या "राष्ट्रों को अपने अधीन करता है"

लोहे के राजदण्ड से उन पर राज्य करता
देखो इसका अनुवाद तुमने 12:5 में किस प्रकार किया था.

उसके वस्त्र और जांघ पर एक नाम लिखा है
वैकल्पिक अनुवाद: उसके वस्त्र और जांघ पर नाम लिखा है"

Revelation 19:17

दोनों स्वतंत्र और दास, छोटे और बड़े
स्वर्गदूत द्वारा इन सभी शब्दों का प्रयोग एक साथ करने का अर्थ है सभी लोग.

Revelation 19:19

x
इन पदों के लिए कोई नोट्स नहीं हैं.

Revelation 19:21

शेष लोग
"पशु की सेना के बाकी लोग"

तलवार जो उसके मुंह से निकलती थी
देखो इसी प्रकार के वाक्य का अनुवाद तुमने 1:16 में किस प्रकार किया था.

Translation Questions

Revelation 19:1

परमेश्वर के न्याय के बारे में स्वर्ग से क्या सुनाई दिया?
स्वर्ग से एक ऊंचा शब्द सुनाई दिया, उसके निर्णय सच्चे और ठीक हैं।

Revelation 19:2

परमेश्वर ने उस बड़ी वैश्या को क्यों दण्ड दिया?
परमेश्वर ने उस बड़ी वैश्या का, जो अपने व्यभिचार से पृथ्वी को भ्रष्ट करती थी, अपने दासों के लहू का बदला लिया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Revelation 19:3

उस बड़ी वैश्या का सदा तक क्या होता रहेगा?
उस बड़ी वैश्या से सदा का धुआं उठता रहेगा।

Revelation 19:5

परमेश्वर के सब डरने वालों से क्या करने को कहा गया?
परमेश्वर के सब डरने वाले दासों को उसकी स्तुति करना है।

Revelation 19:7

परमेश्वर के दासों से आनन्दित और मगन होने को क्यों कहा गया?
परमेश्वर के दासों से कहा गया कि वे आनन्दित और मगन हों और उसकी स्तुति करें क्योंकि मेम्ने का विवाह आ पहुंचा है।

Revelation 19:8

मेम्ने की दुल्हिन को क्या पहनाया गया?
दुल्हिन को शुद्ध और चमकदार और महीन मलमल पहनाया गया जो परमेश्वर के पवित्र लोगों के धर्म के काम हैं।

Revelation 19:10

इस स्वर्गदूत ने यीशु की भविष्यद्वाणी को क्या कहा?
इस स्वर्गदूत ने कहा कि यीशु की गवाही भविष्यद्वाणी की आत्मा है।

Revelation 19:11

यूहन्ना ने जिसे श्वेत घोड़े पर सवार देखा उसका नाम क्या है?
यूहन्ना ने देखा कि परमेश्वर का वचन श्वेत घोड़े पर सवार है।

Revelation 19:15

परमेश्वर का वचन जाति जाति को कैसे मारता है?
जाति जाति को मारने के लिए उसके मुंह से एक चोखी तलवार निकलती है।

Revelation 19:16

परमेश्वर के वचन के वस्त्र पर और जांघ पर क्या लिखा है?
उसके वस्त्र और जांघ पर लिखा है, "राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु।"

Revelation 19:18

पक्षियों को बड़े भोज में क्या खाने को दिया गया?
पक्षियों को बुलाया गया कि वे राजाओं, सरदारों, शक्तिमान पुरुषों, घोड़ों और उनके सवारों, सब लोगों का मांस खाएं।

Revelation 19:19

वह पशु और पृथ्वी के राजा क्यों एकत्र हुए थे?
वे परमेश्वर के वचन से युद्ध करने के लिए एकत्र हुए।

Revelation 19:20

उस पशु और झूठे भविष्यद्वक्ता का क्या हुआ?
वह पशु और झूठा भविष्यद्वक्ता आग की झील और गंधक में डाले गए।

Revelation 19:21

जिन्होंने परमेश्वर के वचन के विरुद्ध लड़ाई की उन अन्य लोगों का क्या हुआ?
शेष सब परमेश्वर के वचन के मुख से निकलनेवाली तलवार से मारे गए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 20

1 फिर मैंने एक स्वर्गदूत को स्वर्ग से उतरते देखा; जिसके हाथ में अथाह कुण्ड की कुंजी*, और एक बड़ी जंजीर थी। **2** और उसने उस अजगर, अर्थात् पुराने साँप को, जो शैतान है; पकड़कर हजार वर्ष के लिये बाँध दिया, (प्रका. 12:9) **3** और उसे अथाह कुण्ड में डालकर बन्द कर दिया और उस पर मुहर कर दी, कि वह हजार वर्ष के पूरे होने तक जाति-जाति के लोगों को फिर न भरमाए। इसके बाद अवश्य है कि थोड़ी देर के लिये फिर खोला जाए।

4 फिर मैंने सिंहासन देखे, और उन पर लोग बैठ गए, और उनको न्याय करने का अधिकार दिया गया। और उनकी आत्माओं को भी देखा, जिनके सिर यीशु की गवाही देने और परमेश्वर के वचन के कारण* काटे गए थे, और जिन्होंने न उस पशु की, और न उसकी मूर्ति की पूजा की थी, और न उसकी छाप अपने माथे और हाथों पर ली थी। वे जीवित होकर मसीह के साथ हजार वर्ष तक राज्य करते रहे। (दानि. 7:22) **5** जब तक ये हजार वर्ष पूरे न हुए तब तक शेष मरे हुए न जी उठे। यह तो पहला पुनरुत्थान है। **6** धन्य और पवित्र वह है, जो इस पहले पुनरुत्थान का भागी है, ऐसों पर दूसरी मृत्यु का कुछ भी अधिकार नहीं, पर वे परमेश्वर और मसीह के याजक होंगे, और उसके साथ हजार वर्ष तक राज्य करेंगे।

7 जब हजार वर्ष पूरे हो चुकेंगे तो शैतान कैद से छोड़ दिया जाएगा। **8** और उन जातियों को जो पृथ्वी के चारों ओर होंगी, अर्थात् गोग और मागोग को जिनकी गिनती समुद्र की रेत के बराबर होगी, भरमाकर लड़ाई के लिये इकट्ठा करने को निकलेगा। **9** और वे सारी पृथ्वी पर फैल जाएँगी और पवित्र लोगों की छावनी और प्रिय नगर को घेर लेंगी और आग स्वर्ग से उतरकर उन्हें भस्म करेगी। (यहे. 39:6) **10** और उनका भरमानेवाला शैतान आग और गन्धक की उस झील में, जिसमें वह पशु और झूठा भविष्यद्वक्ता भी होगा, डाल दिया जाएगा; और वे रात-दिन युगानुयुग पीड़ा में तड़पते रहेंगे। (मत्ती 25:46)

11 फिर मैंने एक बड़ा श्वेत सिंहासन और उसको जो उस पर बैठा हुआ है, देखा, जिसके सामने से पृथ्वी और आकाश भाग गए, और उनके लिये जगह न मिली। (मत्ती 25:31, भज. 47:8) **12** फिर मैंने छोटे बड़े सब मरे हुओं को सिंहासन के सामने खड़े हुए देखा, और पुस्तकें खोली गईं; और फिर एक और पुस्तक खोली गईं, अर्थात् जीवन की पुस्तक*; और जैसे उन पुस्तकों में लिखा हुआ था, उनके कामों के अनुसार मरे हुओं का न्याय किया गया। (दानि. 7:10) **13** और समुद्र ने उन मरे हुओं को जो उसमें थे दे दिया, और मृत्यु और अधोलोक ने उन मरे हुओं को जो उनमें थे दे दिया; और उनमें से हर एक के कामों के अनुसार उनका न्याय किया गया। **14** और मृत्यु और अधोलोक भी आग की झील में डाले गए। यह आग की झील तो दूसरी मृत्यु है। **15** और जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला, वह आग की झील में डाला गया। (यूह. 3:36, 1 यूह. 5:11-12)

Revelation 20:1

तब मैंने देखा
यहाँ "मैंने" का तात्पर्य यूहन्ना से है

अथाह कुण्ड
देखो इसका अनुवाद तुमने 9:1 में किस प्रकार किया था.

अजगर
देखो इसका अनुवाद तुमने 12:3 में किस प्रकार किया था।

हज़ार वर्ष
"1,000 वर्ष"

उसे खोला जाना चाहिए
वैकल्पिक अनुवाद : "परमेश्वर स्वर्गदूत को उसे खोलने की आज्ञा देगा"

Revelation 20:5

शेष मरे हुए
"सभी मरे हुए लोग"

हज़ार वर्ष पूरे हुए थे
"1,000 वर्षों का अंत"

ऐसों पर दूसरी मृत्यु का कुछ भी अधिकार नहीं
यहाँ यूहन्ना "मृत्यु" का एक ऐसे व्यक्ति के रूप में वर्णन कर रहा है जिसके पास अधिकार हैं. वैकल्पिक अनुवाद: "ये लोग दूसरी मृत्यु का अनुभव नहीं करेंगे"

दूसरी मृत्यु
देखो इसका अनुवाद तुमने 2:11 में किस प्रकार किया था।

Revelation 20:7

पृथ्वी के चारों ओर
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया था।

गोग और मागोग
ये वे नाम हैं जिनका प्रयोग भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने दूर-दराज़ के देशों का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया था.

जिनकी गिनती समुन्द्र के बालू के बराबर होगी
यह शैतान की सेना में अत्यधिक सैनिकों की गिनती पर ज़ोर डालने के लिए है.

Revelation 20:9

वे निकल गए
"शैतान की सेना गई"

जलती हुई गन्धक की झील में
देखो इसका अनुवाद तुमने 19:20 में किस प्रकार किया था.

Revelation 20:11

उसके सामने से पृथ्वी और आकाश भाग गए, और उनके लिए जगह न मिली
यूहन्ना पृथ्वी और आकाश का वर्णन एक मनुष्य के रूप में करता है जो कि परमेश्वर के न्याय से बचने की कोशिश कर रहे हैं. इसका अर्थ यह है कि परमेश्वर की उपस्थिति में पुराने आकाश और पृथ्वी पूर्ण रूप से नष्ट हो गए.

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बड़े और छोटों
यूहन्ना दोनों शब्दों का प्रयोग एक साथ यह बताने के लिए करता है कि सभी मृत व्यक्ति.

पुस्तकें खोली गईं
वैकल्पिक अनुवाद: "और पुस्तकें खोली गईं"

Revelation 20:13

मरे हुओं का न्याय किया गया
वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मरे हुओं का न्याय किया"

दूसरी मृत्यु
देखो इसका अनुवाद तुमने 2:11 में किस प्रकार किया था।

Translation Questions

Revelation 20:1

स्वर्ग से उतरने वाले उस स्वर्गदूत के हाथ में क्या था?
उस स्वर्गदूत के हाथ में अथाह कुण्ड की कुंजी और एक बड़ी जंजीर थी।

Revelation 20:2

शैतान कितने समय तक बंधा रहेगा?
शैतान एक हज़ार वर्ष के लिए बांध दिया गया।

Revelation 20:3

उस स्वर्गदूत ने शैतान के साथ क्या किया?
उस स्वर्गदूत ने शैतान को अथाह कुण्ड में डालकर बन्द कर दिया।

शैतान जब तक बंदी है तब तक क्या न कर पाएगा?
शैतान हज़ार वर्ष तक जाति जाति के लोगों को फिर न भरमाएगा।

Revelation 20:4

जिन्होने पशु की छाप नहीं ली थी उनके साथ क्या हुआ?
जिन्होने पशु की छाप नहीं ली थी जीवित हुए और मसीह के साथ हज़ार वर्ष तक राज किया।

Revelation 20:5

शेष मृतक कब जी उठेंगे?
शेष मृतक हज़ार वर्ष पूरे होने पर जी उठेंगे।

Revelation 20:6

पहले पुनरुत्थान के भागी क्या करेंगे?
जो पहले पुनरुत्थान के भागी हैं वे परमेश्वर और मसीह के याजक होंगे और उसके साथ हज़ार वर्ष तक राज्य करेंगे।

Revelation 20:8

हज़ार वर्ष के बाद शैतान क्या करेगा?
हज़ार वर्ष के बाद शैतान को मुक्त किया जाएगा और वह जाति जाति को भरमाने निकलेगा।

Revelation 20:9

पवित्र लोगों का नगर घेरा जाएगा तब क्या होगा?
जब पवित्र लोगों की छावनी और प्रिय नगर घेरा जाएगा तब स्वर्ग से आग गिरकर गोग और मगोग को भस्म कर देगी।

Revelation 20:10

उस समय शैतान के साथ क्या किया जाएगा?
शैतान आग की झील में डाल दिया जाएगा कि युगानयुग पीड़ा में तड़पता रहे।

Revelation 20:12

उस बड़े श्वेत सिंहासन के समक्ष मृतकों का न्याय किस आधार पर किया गया?
मरे हुओं के काम पुस्तक में देखकर उनका न्याय किया गया।

Revelation 20:14

दूसरी मृत्यु क्या है?
वह आग की झील दूसरी मृत्यु है।

Revelation 20:15

जिनके नाम जीवन की पुस्तक में नहीं थे उन सब का क्या हुआ?
जिनके नाम जीवन की पुस्तक में नहीं थे वे सब आग की झील में डाले गए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 21

1 फिर मैंने नये आकाश और नयी पृथ्वी को देखा, क्योंकि पहला आकाश और पहली पृथ्वी जाती रही थी, और समुद्र भी न रहा। (यशा. 66:22) **2** फिर मैंने
पवित्र नगर नये यरूशलेम को स्वर्ग से परमेश्वर के पास से उतरते देखा, और वह उस दुल्हन के समान थी, जो अपने दुल्हे के लिये श्रृंगार किए हो। **3** फिर मैंने
सिंहासन में से किसी को ऊँचे शब्द से यह कहते हुए सुना, “देख, परमेश्वर का डेरा मनुष्यों के बीच में है; वह उनके साथ डेरा करेगा, और वे उसके लोग होंगे,
और परमेश्वर आप उनके साथ रहेगा; और उनका परमेश्वर होगा। (लैव्य. 26:11-12, यहे. 37:27) **4** और वह उनकी आँखों से सब आँसू पोंछ डालेगा*; और
इसके बाद मृत्यु न रहेगी, और न शोक, न विलाप, न पीड़ा रहेगी; पहली बातें जाती रहीं।” (यशा. 25:8) **5** और जो सिंहासन पर बैठा था, उसने कहा, “मैं सब
कुछ नया कर देता हूँ*।” फिर उसने कहा, “लिख ले, क्योंकि ये वचन विश्वासयोग्य और सत्य हैं।” (यशा. 42:9) **6** फिर उसने मुझसे कहा, “ये बातें पूरी हो गई
हैं। मैं अल्फा और ओमेगा, आदि और अन्त हूँ। मैं प्यासे को जीवन के जल के सोते में से सेंत-मेंत पिलाऊँगा। **7** जो जय पाए, वही उन वस्तुओं का वारिस होगा;
और मैं उसका परमेश्वर होऊँगा, और वह मेरा पुत्र होगा। **8** परन्तु डरपोकों, अविश्वासियों, घिनौनों, हत्यारों, व्यभिचारियों, टोन्हों, मूर्तिपूजकों, और सब झूठों का
भाग उस झील में मिलेगा, जो आग और गन्धक से जलती रहती है: यह दूसरी मृत्यु है।” (इफि. 5:5, 1 कुरि. 6:9-10)

9 फिर जिन सात स्वर्गदूतों के पास सात अन्तिम विपत्तियों से भरे हुए सात कटोरे थे, उनमें से एक मेरे पास आया, और मेरे साथ बातें करके कहा, “इधर आ, मैं
तुझे दुल्हन अर्थात् मेम्ने की पत्नी दिखाऊँगा।”

10 और वह मुझे आत्मा में, एक बड़े और ऊँचे पहाड़ पर ले गया, और पवित्र नगर यरूशलेम को स्वर्ग से परमेश्वर के पास से उतरते दिखाया। **11** परमेश्वर की
महिमा उसमें थी, और उसकी ज्योति बहुत ही बहुमूल्य पत्थर, अर्थात् बिल्लौर के समान यशब की तरह स्वच्छ थी। **12** और उसकी शहरपनाह बड़ी ऊँची थी,
और उसके बारह फाटक* और फाटकों पर बारह स्वर्गदूत थे; और उन फाटकों पर इस्राएलियों के बारह गोत्रों के नाम लिखे थे। **13** पूर्व की ओर तीन फाटक,
उत्तर की ओर तीन फाटक, दक्षिण की ओर तीन फाटक, और पश्चिम की ओर तीन फाटक थे। **14** और नगर की शहरपनाह की बारह नींवें थीं, और उन पर मेम्ने
के बारह प्रेरितों के बारह नाम लिखे थे। **15** जो मेरे साथ बातें कर रहा था, उसके पास नगर और उसके फाटकों और उसकी शहरपनाह को नापने के लिये एक
सोने का गज था। (जक. 2:1) **16** वह नगर वर्गाकार बसा हुआ था और उसकी लम्बाई, चौड़ाई के बराबर थी, और उसने उस गज से नगर को नापा, तो साढ़े
सात सौ कोस का निकला: उसकी लम्बाई, और चौड़ाई, और ऊँचाई बराबर थी। **17** और उसने उसकी शहरपनाह को मनुष्य के, अर्थात् स्वर्गदूत के नाप से
नापा, तो एक सौ चौवालीस हाथ निकली। **18** उसकी शहरपनाह यशब की बनी थी, और नगर ऐसे शुद्ध सोने का था, जो स्वच्छ काँच के समान हो। **19** उस
नगर की नींवें हर प्रकार के बहुमूल्य पत्थरों से संवारी हुई थी, पहली नींव यशब की, दूसरी नीलमणि की, तीसरी लालड़ी की, चौथी मरकत की, (यशा.
54:11-12) **20** पाँचवी गोमेदक की, छठवीं माणिक्य की, सातवीं पीतमणि की, आठवीं पेरोज की, नौवीं पुखराज की, दसवीं लहसनिए की, ग्यारहवीं
धूम्रकान्त की, बारहवीं याकूत की थी। **21** और बारहों फाटक, बारह मोतियों के थे; एक-एक फाटक, एक-एक मोती का बना था। और नगर की सड़क स्वच्छ
काँच के समान शुद्ध सोने की थी।

22 मैंने उसमें कोई मन्दिर न देखा, क्योंकि सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, और मेम्ना उसका मन्दिर हैं। **23** और उस नगर में सूर्य और चाँद के उजियाले की
आवश्यकता नहीं, क्योंकि परमेश्वर के तेज से उसमें उजियाला हो रहा है, और मेम्ना उसका दीपक है। (यशा. 60:19) **24** जाति-जाति के लोग उसकी ज्योति में
चले-फिरेंगे, और पृथ्वी के राजा अपने-अपने तेज का सामान उसमें लाएँगे। **25** उसके फाटक दिन को कभी बन्द न होंगे, और रात वहाँ न होगी। (यशा. 60:11,
जक. 14:7) **26** और लोग जाति-जाति के तेज और वैभव का सामान उसमें लाएँगे। **27** और उसमें कोई अपवित्र वस्तु या घृणित काम करनेवाला, या झूठ का
गढ़नेवाला, किसी रीति से प्रवेश न करेगा; पर केवल वे लोग जिनके नाम मेम्ने की जीवन की पुस्तक में लिखे हैं। (यशा. 52:1)

Revelation 21:1

मैंने देखा
यहाँ "मैंने" का तात्पर्य यूहन्ना से है

उस के समान जो अपने पति के लिए श्रृंगार किए हो
यह इस बात पर ज़ोर डालता है कि नया यरूशलेम बहुत सुन्दर था.

Revelation 21:3

x
इन पदों के लिए कोई नोट्स नहीं हैं।

Revelation 21:5

अल्फ़ा और ओमेगा, आदि और अन्त
इन दोनों वाक्यों का अर्थ समान है और इनको इसलिए जोड़ा गया है ताकि इस बात पर ज़ोर दिया जा सके की परमेश्वर अनन्त है.

अल्फ़ा और ओमेगा
देखो इसका अनुवाद तुमने 1:8 में किस प्रकार किया था।

प्यासे को...जीवन का जल
इसका अर्थ यह है कि परमेश्वर बहुतायत से किसी को भी अनन्त जीवन देगा जो वास्तव में इसका इच्छुक होगा.

Revelation 21:7

डरपोकों
"वे जो सही है उसे करने से डरते है"

घिनौनों
"वे जो भयानक चीज़ें करते हैं"

जलती हुई आग और गन्धक की झील
देखो इसका अनुवाद तुमने 19:20 में किस प्रकार किया था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दूसरी मृत्यु
देखो इसका अनुवाद तुमने 2:11 में किस प्रकार किया था।

Revelation 21:9

दुल्हिन, मेंम्ने की पत्नी
यहाँ इस विवाह की कल्पना यीशु के उसके लोगों के साथ हमेशा के लिए पवित्र नगर में होने का प्रतिनिधित्व करती है.

मेम्ना
देखो इसका अनुवाद तुमने 5:6 में किस प्रकार किया था।

तब वह मुझे आत्मा में ले गया
देखो इसका अनुवाद तुमने 17:3 में किस प्रकार किया था।

Revelation 21:11

यरूशलेम
"स्वर्गिक यरूशलेम" या "नया यरूशलेम"

बिल्लौर
देखो इसका अनुवाद तुमने 4:6 में किस प्रकार किया था।

यशब
देखो इसका अनुवाद तुमने 4:3 में किस प्रकार किया था।

बारह फाटक
"12 फाटक"

लिखे थे
वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने लिखा था"

Revelation 21:18

यशब...मरकत...लालड़ी
देखो इसका अनुवाद तुमने में किस प्रकार किया था।

नीलमणि...गोमेदक....लहसुनिया....माणिक्य ...पीतमणि...पेरोज़....पुखराज...धूम्रकांत...याकूत
ये सभी बहुमूल्य पत्थर हैं.

Revelation 21:21

मोती
देखो इसका अनुवाद तुमने 17:4 में किस प्रकार किया था।

प्रभु परमेश्वर....और मेंम्ना उसका मन्दिर हैं
मन्दिर परमेश्वर की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करता है. इसका अर्थ यह है कि नए यरूशलेम को मन्दिर की आवश्यकता नहीं क्योंकि परमेश्वर और मेंम्ना वहां रहते हैं .

Translation Questions

Revelation 21:1

यूहन्ना ने पृथ्वी और आकाश की क्या स्थिति देखी?
यूहन्ना ने देखा कि पृथ्वी और आकाश लोप हो गए।

पहली पृथ्वी और पहले आकाश के स्थान पर अब क्या आ गया था?
नये आकाश और नई पृथ्वी पुराने आकाश और पुरानी पृथ्वी के स्थान पर आ गए।

Revelation 21:2

स्वर्ग से क्या उतरा?
नया यरूशलेम पवित्र नगर स्वर्ग से उतरा।

Revelation 21:3

सिंहासन से होनेवाली आकाशवाणी में परमेश्वर के निवास के लिए क्या कहा गया?
एक आकाशवाणी में कहा गया कि अब परमेश्वर अपने लोगों के मध्य वास करेगा।

Revelation 21:4

अब क्या समाप्त हो गया है?
मृत्यु शोक, विलाप, पीड़ा फिर कभी न रहेगी।

Revelation 21:6

जो सिंहासन पर बैठा था उसने अपना नाम क्या बताया?
जो सिंहासन पर बैठा था उसने स्वयं को अल्फा और ओमेगा, आदि और अनन्त कहा।

Revelation 21:8

अविश्वासी, व्यभिचारियों तथा मूर्ति पूजकों का क्या होगा?
अविश्वासी, व्यभिचारियों तथा मूर्ति पूजकों का भाग गन्धक से जल रही आग की झील में होगा।

Revelation 21:10

मेम्ने की पत्नी, उसकी दुल्हन कौन है?
दुल्हन अर्थात मेम्ने की पत्नी स्वर्ग से उतरनेवला यरूशलेम है।

Revelation 21:12

नये यरूशलेम के फाटकों पर क्या लिखा था?
इस नये यरूशलेम के बारह फाटकों पर इस्राएल के बारह गोत्रों के नाम लिखे थे।

Revelation 21:14

नये यरूशलेम की नींव पर किसके नाम लिखे थे?
नये यरूशलेम की नींव पर बारह शिष्यों के नाम लिखे थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Revelation 21:16

नया यरूशलेम कैसे निर्मित था?
नया यरूशलेम चौकोर था।

Revelation 21:18

नगर की सड़कें किससे बनी थीं?
वह नगर और उसकी सड़कें सोने की थीं जैसे स्वच्छ कांच।

Revelation 21:22

नये यरूशलेम का मन्दिर कौन है?
नये यरूशलेम का मन्दिर परमेश्वर और मेम्ना हैं।

Revelation 21:23

नये यरूशलेम में प्रकाश का स्रोत क्या होगा?
नये यरूशलेम में प्रकाश का स्रोत परमेश्वर का तेज है।

Revelation 21:27

यरूशलेम में किस का प्रवेश निषेध होगा?
यरूशलेम में कुछ भी अशुद्ध प्रवेश नहीं करेगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Chapter 22

1 फिर उसने मुझे बिल्लौर के समान झलकती हुई, जीवन के जल की एक नदी* दिखाई, जो परमेश्वर और मेम्ने के सिंहासन से निकलकर, **2** उस नगर की
सड़क के बीचों बीच बहती थी। नदी के इस पार और उस पार जीवन का पेड़ था; उसमें बारह प्रकार के फल लगते थे, और वह हर महीने फलता था; और उस
पेड़ के पत्तों से जाति-जाति के लोग चंगे होते थे। (यहे. 47:7) **3** फिर श्राप न होगा, और परमेश्वर और मेम्ने का सिंहासन उस नगर में होगा, और उसके दास
उसकी सेवा करेंगे। (जक. 14:11) **4** वे उसका मुँह देखेंगे*, और उसका नाम उनके माथों पर लिखा हुआ होगा। **5** और फिर रात न होगी, और उन्हें दीपक और
सूर्य के उजियाले की आवश्यकता न होगी, क्योंकि प्रभु परमेश्वर उन्हें उजियाला देगा, और वे युगानुयुग राज्य करेंगे। (यशा. 60:19, दानि. 7:27)

6 फिर उसने मुझसे कहा, "ये बातें विश्वासयोग्य और सत्य हैं। और प्रभु ने, जो भविष्यद्वक्ताओं की आत्माओं का परमेश्वर है, अपने स्वर्गदूत को इसलिए भेजा
कि अपने दासों को वे बातें, जिनका शीघ्र पूरा होना अवश्य है दिखाए।" (प्रका. 1:1) **7** "और देख, मैं शीघ्र आनेवाला हूँ; धन्य है वह, जो इस पुस्तक की
भविष्यद्वाणी की बातें मानता है।" **8** मैं वही यूहन्ना हूँ, जो ये बातें सुनता, और देखता था। और जब मैंने सुना और देखा, तो जो स्वर्गदूत मुझे ये बातें दिखाता था,
मैं उसके पाँवों पर दण्डवत् करने के लिये गिर पड़ा। **9** पर उसने मुझसे कहा, "देख, ऐसा मत कर; क्योंकि मैं तेरा और तेरे भाई भविष्यद्वक्ताओं और इस पुस्तक
की बातों के माननेवालों का संगी दास हूँ, परमेश्वर ही को आराधना कर।" **10** फिर उसने मुझसे कहा, "इस पुस्तक की भविष्यद्वाणी की बातों को बन्द मत कर;
क्योंकि समय निकट है। **11** "जो अन्याय करता है, वह अन्याय ही करता रहे; और जो मलिन है, वह मलिन बना रहे; और जो धर्मी है, वह धर्मी बना रहे; और
जो पवित्र है, वह पवित्र बना रहे।"

12 "देख, मैं शीघ्र आनेवाला हूँ; और हर एक के काम के अनुसार बदला देने के लिये प्रतिफल मेरे पास है*। (मत्ती 16:27) **13** "मैं अल्फा और ओमेगा, पहला
और अन्तिम, आदि और अन्त हूँ।" (यशा. 44:6, यशा. 48:12) **14** धन्य वे हैं, जो अपने वस्त्र धो लेते हैं, क्योंकि उन्हें जीवन के पेड़ के पास आने का अधिकार
मिलेगा, और वे फाटकों से होकर नगर में प्रवेश करेंगे। **15** पर कुत्ते*, टोन्हें, व्यभिचारी, हत्यारे, मूर्तिपूजक, हर एक झूठ का चाहनेवाला और गढ़नेवाला बाहर
रहेगा। **16** "मुझ यीशु ने अपने स्वर्गदूत को इसलिए भेजा, कि तुम्हारे आगे कलीसियाओं के विषय में इन बातों की गवाही दे। मैं दाऊद का मूल और वंश, और
भोर का चमकता हुआ तारा हूँ।" (यशा. 11:1) **17** और आत्मा, और दुल्हन दोनों कहती हैं, "आ!" और सुननेवाला भी कहे, "आ!" और जो प्यासा हो, वह
आए और जो कोई चाहे वह जीवन का जल सेंत-मेंत ले। (यशा. 55:1)

18 मैं हर एक को, जो इस पुस्तक की भविष्यद्वाणी की बातें सुनता है, गवाही देता हूँ: यदि कोई मनुष्य इन बातों में कुछ बढ़ाए तो परमेश्वर उन विपत्तियों को
जो इस पुस्तक में लिखी हैं, उस पर बढ़ाएगा। (व्य. 12:32) **19** और यदि कोई इस भविष्यद्वाणी की पुस्तक की बातों में से कुछ निकाल डाले, तो परमेश्वर उस
जीवन के पेड़ और पवित्र नगर में से, जिसका वर्णन इस पुस्तक में है, उसका भाग निकाल देगा। (भज. 69:28, व्य. 4:2) **20** जो इन बातों की गवाही देता है,
वह यह कहता है, "हाँ, मैं शीघ्र आनेवाला हूँ।" आमीन। हे प्रभु यीशु आ! **21** प्रभु यीशु का अनुग्रह पवित्र लोगों के साथ रहे। आमीन।

Revelation 22:1

मुझे दिखाई
यहाँ "मुझे" का अभिप्राय यूहन्ना से है।

बिल्लौर की सी झलकती
देखो इसका अनुवाद तुमने 4:6 में किस प्रकार किया था।

मेम्ना
देखो इसका अनुवाद तुमने 5:6 में किस प्रकार किया था।

बारह प्रकार के फल
"12 प्रकार के फल"

Revelation 22:3

उसके दास उसकी सेवा करेंगे
"उसके" और "उसकी" के संभावित अर्थ हैं 1) इसका अभिप्राय पिता परमेश्वर से है, या 2) इसका अभिप्राय मेंम्ने परमेश्वर से है, या 3) इसका तात्पर्य दोनों पिता परमेश्वर और और मेंम्ने दोनों से है जो एक रूप में राज्य करेंगे।

Revelation 22:6

ये बातें विश्वास के योग्य और सत्य हैं
देखो इसी प्रकार के वाक्य का अनुवाद तुमने 21:5 में किस प्रकार किया था।

देख, मैं शीघ्र आने वाला हूँ
इस वाक्य से पहले उद्धरण चिन्ह का होना यह दिखाता है कि पद 6 और 7 के बीच में वक्ता बदल जाते हैं . सातवें पद में अब यीशु बोल रहा है, जैसा की युडीबी में लिखा है।

Revelation 22:8

दण्डवत किया
दण्डवत् करने का अर्थ अपने आप को ज़मीन पर मुंह के बल लेटाना. सम्मान और सेवा भाव दिखाने के लिए यह आराधना का एक महत्त्वपूर्ण भाग था.

Revelation 22:12

जो सिंहासन पर बैठा था उसने स्वयं को अल्फा और ओमेगा, आदि और अनन्त कहा।
इन तीनों वाक्यों का समान अर्थ है और इन्हें इस बात पर ज़ोर डालने के लिए जोड़ा गया है कि यीशु हमेशा से यहाँ है. (देखें: और)।

अल्फ़ा और ओमेगा
देखो इसका अनुवाद तुमने 1:8 में किस प्रकार किया था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

आदि और अन्त
इसको सांस्कृतिक रूप में समझाया जा सकता है. उदाहरण के लिए, यदि किसी को यूनानी लिपि का ज्ञान नहीं है तो अल्फ़ा और ओमेगा का उसके लिए कोई अर्थ नहीं है , इसलिए उन्हें अपनी भाषा और संस्कृति के अनुसार एक सटीक शब्द जो इसके समान है ढूंढना चाहिए।

पहला और अन्तिम
देखें कि तुमने 1:17 में इसका अनुवाद किस प्रकार किया है।

आदि और अन्त
देखो इसका अनुवाद तुमने 21:6 में किस प्रकार किया था।

Revelation 22:14

अपने वस्त्र धो लेते हैं.....जीवन के वृक्ष से खाते हैं
वे लोग जो आत्मिक रीति से शुद्ध हैं वे ही अनन्त जीवन के फलों को खाने में सक्षम हैं - परमेश्वर के साथ हमेशा रहते हुए.

बाहर
इसका अर्थ यह है कि वे नगर के बाहर हैं और उन्हें अन्दर आने की आज्ञा नहीं है।

कुत्ते हैं।
उस संस्कृति में कुत्ता एक अशुद्ध और तिरस्कृत जानवर था। यह दुष्ट लोगों का प्रतिनिधित्व करता है।

Revelation 22:16

तुम्हें गवाही दूँ
यहाँ "तुम्हें" बहुवचन है।

दाऊद का मूल और वंश
शब्द "मूल" और "वंश" का मूलतः समान अर्थ है. वे इस बात पर ज़ोर देते हैं कि यीशु दाऊद के परिवार से सम्बंधित है. (देखें: और).

भोर का चमकता हुआ तारा
इसका अभिप्राय उस चमकते हुए तारे से है जो भोर के समय दिखाई देता है और इस बात का चिन्ह है कि सुबह होने वाली है. यह यीशु का मसीहा के रूप में भी प्रतिनिधित्व करता है.

Revelation 22:17

जो प्यासा हो...जीवन का जल
इसका अर्थ यह है कि परमेश्वर बहुतायत से किसी को भी अनन्त जीवन देगा जो वास्तव में इसका इच्छुक होगा.

Revelation 22:18

मैं गवाही देता हूँ
यहाँ " मैं" का तात्पर्य यूहन्ना से है।

यदि कोई इन बातों में कुछ बढ़ाएगा ....यदि कोई निकालेगा
यह इस भविष्यवाणी के विषय में कुछ भी न बदलने की कड़ी चेतावनी है।

जिसका वर्णन इस पुस्तक में है।
वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके विषय में मैंने इस पुस्तक में लिखा है"

Revelation 22:20

मैं शीघ्र आने वाला हूँ
यहाँ "मैं" का तात्पर्य यीशु से है।

प्रत्येक
"तुम में से हर एक."

Translation Questions

Revelation 22:1

यूहन्ना ने परमेश्वर के सिंहासन से क्या बहता देखा?
यूहन्ना ने देखा कि परमेश्वर के सिंहासन से जीवन जल की नदी बहेगी।

Revelation 22:2

जीवन वृक्ष की पत्तियां किस काम के लिए होंगी?
जीवन वृक्ष के पत्ते जाति जाति के रोग हरण के लिए होंगे।

Revelation 22:3

उस नगर में ऐसा क्या होगा कि वह कभी न होगी?
तब न तो कोई श्राप होगा और न रात होगी।

परमेश्वर और मेम्ने का सिंहासन कहां होगा?
परमेश्वर और मेम्ने का सिंहासन उस नगर में होगा।

Revelation 22:7

इस पुस्तक से आशिष पाने के लिए मनुष्य को क्या करना होगा?
मनुष्य को आशिष पाने के लिए इस पुस्तक की भविष्यद्वाणी पर विश्वास करना होगा।

Revelation 22:8

यूहन्ना ने स्वर्गदूत को दण्डवत् किया तो उसने उससे क्या कहा?
उस स्वर्गदूत ने यूहन्ना से कहा कि वह परमेश्वर ही को दण्डवत् करे।

Revelation 22:10

यूहन्ना से क्यों कहा गया कि वह इस पुस्तक की भविष्यद्वाणी को बन्द नहीं करे?
यूहन्ना से कहा गया कि वह इस पुस्तक की भविष्यद्वाणी को मोहर बन्द नहीं करे क्योंकि समय निकट है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Revelation 22:12

प्रभु ने क्या कहा कि वह अपने साथ ला रहा है?
प्रभु ने कहा कि वह प्रतिफल के साथ शीघ्र आनेवाला है।

Revelation 22:14

जो जीवन वृक्ष के निकट आना चाहते हैं उन्हे क्या करना होगा?
जो जीवन वृक्ष के निकट आने का अधिकार चाहते हैं उन्हे अपने वस्त्र धोने हैं।

Revelation 22:16

यीशु ने दाऊद के साथ अपना संबन्ध कैसा बताया?
यीशु ने कहा कि वह दाऊद का मूल और वंश है।

Revelation 22:18

इस पुस्तक की बातों को बढ़ाने वाले का क्या होगा?
यदि कोई मनुष्य इन बातों में बढ़ाए तो परमेश्वर उन विपत्तियों को जो इस पुस्तक में लिखी हैं उन पर बढ़ाएगा।

Revelation 22:19

इस पुस्तक की भविष्यद्वाणी में से कुछ भी कम करने वाले का क्या होगा?
यदि कोई इस भविष्यद्वाणी की पुस्तक की बातों में से कुछ निकाल डाले तो परमेश्वर जीवन के वृक्ष से उस का भाग निकाल देगा।

Revelation 22:20

इस पुस्तक में यीशु के अन्तिम वचन क्या हैं?
यीशु के अन्तिम वचन हैं, "हां मैं शीघ्र आनेवाला हूं।"

Revelation 22:21

इस पुस्तक का अन्तिम शब्द क्या है?
इस पुस्तक का अन्तिम शब्द है, "आमीन।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

Translation Words

अंग, अंगों

परिभाषा:

“अंग” अर्थात एक जटिल शरीर या समूह का एक हिस्सा।

- नये नियम में विश्वासियों को “मसीह की देह” का अंग कहा गया है। मसीह के विश्वासी एक समुदाय के अंग है जो समुदाय अनेक विश्वासियों का गठन है।
- इस देह का “सिर” मसीह है और विश्वासी उस देह के अंग स्वरूप काम करते हैं। पवित्र आत्मा देह के प्रत्येक सदस्य को एक विशेष भूमिका प्रदान करता है कि संपूर्ण देह सुचारू रूप से कार्य करे।
- यहूदी महासभा तथा फरीसी जैसे समूहों के सदस्यों को उन समूहों का सदस्य कहा जाता है।

(यह भी देखें: देह, फरीसी, महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:14-15
- 1 कुरिन्थियों 12:14-17
- गिनती 16:1-3
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

अंग, अंगों

परिभाषा:

“अंग” अर्थात एक जटिल शरीर या समूह का एक हिस्सा।

- नये नियम में विश्वासियों को “मसीह की देह” का अंग कहा गया है। मसीह के विश्वासी एक समुदाय के अंग है जो समुदाय अनेक विश्वासियों का गठन है।
- इस देह का “सिर” मसीह है और विश्वासी उस देह के अंग स्वरूप काम करते हैं। पवित्र आत्मा देह के प्रत्येक सदस्य को एक विशेष भूमिका प्रदान करता है कि संपूर्ण देह सुचारू रूप से कार्य करे।
- यहूदी महासभा तथा फरीसी जैसे समूहों के सदस्यों को उन समूहों का सदस्य कहा जाता है।

(यह भी देखें: देह, फरीसी, महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:14-15
- 1 कुरिन्थियों 12:14-17
- गिनती 16:1-3
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अंग, अंगों

परिभाषा:

“अंग” अर्थात एक जटिल शरीर या समूह का एक हिस्सा।

- नये नियम में विश्वासियों को “मसीह की देह” का अंग कहा गया है। मसीह के विश्वासी एक समुदाय के अंग है जो समुदाय अनेक विश्वासियों का गठन है।
- इस देह का “सिर” मसीह है और विश्वासी उस देह के अंग स्वरूप काम करते हैं। पवित्र आत्मा देह के प्रत्येक सदस्य को एक विशेष भूमिका प्रदान करता है कि संपूर्ण देह सुचारू रूप से कार्य करे।
- यहूदी महासभा तथा फरीसी जैसे समूहों के सदस्यों को उन समूहों का सदस्य कहा जाता है।

(यह भी देखें: देह, फरीसी, महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:14-15
- 1 कुरिन्थियों 12:14-17
- गिनती 16:1-3
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

अंग, अंगों

परिभाषा:

“अंग” अर्थात एक जटिल शरीर या समूह का एक हिस्सा।

- नये नियम में विश्वासियों को “मसीह की देह” का अंग कहा गया है। मसीह के विश्वासी एक समुदाय के अंग है जो समुदाय अनेक विश्वासियों का गठन है।
- इस देह का “सिर” मसीह है और विश्वासी उस देह के अंग स्वरूप काम करते हैं। पवित्र आत्मा देह के प्रत्येक सदस्य को एक विशेष भूमिका प्रदान करता है कि संपूर्ण देह सुचारू रूप से कार्य करे।
- यहूदी महासभा तथा फरीसी जैसे समूहों के सदस्यों को उन समूहों का सदस्य कहा जाता है।

(यह भी देखें: देह, फरीसी, महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:14-15
- 1 कुरिन्थियों 12:14-17
- गिनती 16:1-3
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

अंग, अंगों

परिभाषा:

“अंग” अर्थात एक जटिल शरीर या समूह का एक हिस्सा।

- नये नियम में विश्वासियों को “मसीह की देह” का अंग कहा गया है। मसीह के विश्वासी एक समुदाय के अंग है जो समुदाय अनेक विश्वासियों का गठन है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- इस देह का “सिर” मसीह है और विश्वासी उस देह के अंग स्वरूप काम करते हैं। पवित्र आत्मा देह के प्रत्येक सदस्य को एक विशेष भूमिका प्रदान करता है कि संपूर्ण देह सुचारू रूप से कार्य करे।
- यहूदी महासभा तथा फरीसी जैसे समूहों के सदस्यों को उन समूहों का सदस्य कहा जाता है।

(यह भी देखें: देह, फरीसी, महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:14-15
- 1 कुरिन्थियों 12:14-17
- गिनती 16:1-3
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

अंग, अंगों

परिभाषा:

“अंग” अर्थात एक जटिल शरीर या समूह का एक हिस्सा।

- नये नियम में विश्वासियों को “मसीह की देह” का अंग कहा गया है। मसीह के विश्वासी एक समुदाय के अंग है जो समुदाय अनेक विश्वासियों का गठन है।
- इस देह का “सिर” मसीह है और विश्वासी उस देह के अंग स्वरूप काम करते हैं। पवित्र आत्मा देह के प्रत्येक सदस्य को एक विशेष भूमिका प्रदान करता है कि संपूर्ण देह सुचारू रूप से कार्य करे।
- यहूदी महासभा तथा फरीसी जैसे समूहों के सदस्यों को उन समूहों का सदस्य कहा जाता है।

(यह भी देखें: देह, फरीसी, महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:14-15
- 1 कुरिन्थियों 12:14-17
- गिनती 16:1-3
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

अंग, अंगों

परिभाषा:

“अंग” अर्थात एक जटिल शरीर या समूह का एक हिस्सा।

- नये नियम में विश्वासियों को “मसीह की देह” का अंग कहा गया है। मसीह के विश्वासी एक समुदाय के अंग है जो समुदाय अनेक विश्वासियों का गठन है।
- इस देह का “सिर” मसीह है और विश्वासी उस देह के अंग स्वरूप काम करते हैं। पवित्र आत्मा देह के प्रत्येक सदस्य को एक विशेष भूमिका प्रदान करता है कि संपूर्ण देह सुचारू रूप से कार्य करे।
- यहूदी महासभा तथा फरीसी जैसे समूहों के सदस्यों को उन समूहों का सदस्य कहा जाता है।

(यह भी देखें: देह, फरीसी, महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:14-15

- 1 कुरिन्थियों 12:14-17
- गिनती 16:1-3
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

अंग, अंगों

परिभाषा:

“अंग” अर्थात एक जटिल शरीर या समूह का एक हिस्सा।

- नये नियम में विश्वासियों को “मसीह की देह” का अंग कहा गया है। मसीह के विश्वासी एक समुदाय के अंग है जो समुदाय अनेक विश्वासियों का गठन है।
- इस देह का “सिर” मसीह है और विश्वासी उस देह के अंग स्वरूप काम करते हैं। पवित्र आत्मा देह के प्रत्येक सदस्य को एक विशेष भूमिका प्रदान करता है कि संपूर्ण देह सुचारू रूप से कार्य करे।
- यहूदी महासभा तथा फरीसी जैसे समूहों के सदस्यों को उन समूहों का सदस्य कहा जाता है।

(यह भी देखें: देह, फरीसी, महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:14-15
- 1 कुरिन्थियों 12:14-17
- गिनती 16:1-3
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

अंग, अंगों

परिभाषा:

“अंग” अर्थात एक जटिल शरीर या समूह का एक हिस्सा।

- नये नियम में विश्वासियों को “मसीह की देह” का अंग कहा गया है। मसीह के विश्वासी एक समुदाय के अंग है जो समुदाय अनेक विश्वासियों का गठन है।
- इस देह का “सिर” मसीह है और विश्वासी उस देह के अंग स्वरूप काम करते हैं। पवित्र आत्मा देह के प्रत्येक सदस्य को एक विशेष भूमिका प्रदान करता है कि संपूर्ण देह सुचारू रूप से कार्य करे।
- यहूदी महासभा तथा फरीसी जैसे समूहों के सदस्यों को उन समूहों का सदस्य कहा जाता है।

(यह भी देखें: देह, फरीसी, महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:14-15
- 1 कुरिन्थियों 12:14-17
- गिनती 16:1-3
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

अंग, अंगों

परिभाषा:

“अंग” अर्थात एक जटिल शरीर या समूह का एक हिस्सा।

- नये नियम में विश्वासियों को “मसीह की देह” का अंग कहा गया है। मसीह के विश्वासी एक समुदाय के अंग है जो समुदाय अनेक विश्वासियों का गठन है।
- इस देह का “सिर” मसीह है और विश्वासी उस देह के अंग स्वरूप काम करते हैं। पवित्र आत्मा देह के प्रत्येक सदस्य को एक विशेष भूमिका प्रदान करता है कि संपूर्ण देह सुचारू रूप से कार्य करे।
- यहूदी महासभा तथा फरीसी जैसे समूहों के सदस्यों को उन समूहों का सदस्य कहा जाता है।

(यह भी देखें: देह, फरीसी, महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:14-15
- 1 कुरिन्थियों 12:14-17
- गिनती 16:1-3
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

अंग, अंगों

परिभाषा:

“अंग” अर्थात एक जटिल शरीर या समूह का एक हिस्सा।

- नये नियम में विश्वासियों को “मसीह की देह” का अंग कहा गया है। मसीह के विश्वासी एक समुदाय के अंग है जो समुदाय अनेक विश्वासियों का गठन है।
- इस देह का “सिर” मसीह है और विश्वासी उस देह के अंग स्वरूप काम करते हैं। पवित्र आत्मा देह के प्रत्येक सदस्य को एक विशेष भूमिका प्रदान करता है कि संपूर्ण देह सुचारू रूप से कार्य करे।
- यहूदी महासभा तथा फरीसी जैसे समूहों के सदस्यों को उन समूहों का सदस्य कहा जाता है।

(यह भी देखें: देह, फरीसी, महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:14-15
- 1 कुरिन्थियों 12:14-17
- गिनती 16:1-3
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

अंग, अंगों

परिभाषा:

“अंग” अर्थात एक जटिल शरीर या समूह का एक हिस्सा।

- नये नियम में विश्वासियों को “मसीह की देह” का अंग कहा गया है। मसीह के विश्वासी एक समुदाय के अंग है जो समुदाय अनेक विश्वासियों का गठन है।

- इस देह का “सिर” मसीह है और विश्वासी उस देह के अंग स्वरूप काम करते हैं। पवित्र आत्मा देह के प्रत्येक सदस्य को एक विशेष भूमिका प्रदान करता है कि संपूर्ण देह सुचारू रूप से कार्य करे।
- यहूदी महासभा तथा फरीसी जैसे समूहों के सदस्यों को उन समूहों का सदस्य कहा जाता है।

(यह भी देखें: देह, फरीसी, महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:14-15
- 1 कुरिन्थियों 12:14-17
- गिनती 16:1-3
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

अंग, अंगों

परिभाषा:

“अंग” अर्थात एक जटिल शरीर या समूह का एक हिस्सा।

- नये नियम में विश्वासियों को “मसीह की देह” का अंग कहा गया है। मसीह के विश्वासी एक समुदाय के अंग है जो समुदाय अनेक विश्वासियों का गठन है।
- इस देह का “सिर” मसीह है और विश्वासी उस देह के अंग स्वरूप काम करते हैं। पवित्र आत्मा देह के प्रत्येक सदस्य को एक विशेष भूमिका प्रदान करता है कि संपूर्ण देह सुचारू रूप से कार्य करे।
- यहूदी महासभा तथा फरीसी जैसे समूहों के सदस्यों को उन समूहों का सदस्य कहा जाता है।

(यह भी देखें: देह, फरीसी, महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:14-15
- 1 कुरिन्थियों 12:14-17
- गिनती 16:1-3
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

अंगूर, दाख, दाख की लता

परिभाषा:

अंगूर (दाख) एक छोटा चिकना गोल फल होता है जो दाखलता में गुच्छों में उगता है। अंगूर का रस मदिरा बनाने के काम में आता है।

- अंगूर विभिन्न रंग के होते हैं, जैसे हरे, काले और लाल।
- प्रत्येक अंगूर का आकार एक से तीन सेंटी मीटर का होता है।
- अंगूर के बगीचों को दाख की बारी कहते हैं। दाख की बारी में दाखलताओं की लम्बी कतारें होती हैं।
- बाइबल के युग में अंगूर एक महत्वपूर्ण भोज्य पदार्थ था और दाख की बारी समृद्धि का प्रतीक था।
- अंगूरों को सड़ने से बचाने के लिए उन्हें सुखा लिया जाता है। * सूखे अंगूर किशमिश कहलाते है जिन्हें केक बनाने में काम में लिया जाता है।
- यीशु ने अपने शिष्यों को परमेश्वर के राज्य की शिक्षा देने के लिए दाख की बारी का उदाहरण दिया था।

(यह भी देखें: दाखलता, दाख की बारी, दाखरस)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 23:24-25
- होशे 09:10
- अय्यूब 15:31-33
- लूका 06:43-44
- मत्ती 07:15-17
- मत्ती 21:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H811, H891, H1154, H1155, H1210, H2490, H3196, H5563, H5955, H6025, H6528, G288, G4718

अंगूर, दाख, दाख की लता

परिभाषा:

अंगूर (दाख) एक छोटा चिकना गोल फल होता है जो दाखलता में गुच्छों में उगता है। अंगूर का रस मदिरा बनाने के काम में आता है।

- अंगूर विभिन्न रंग के होते हैं, जैसे हरे, काले और लाल।
- प्रत्येक अंगूर का आकार एक से तीन सेंटी मीटर का होता है।
- अंगूर के बगीचों को दाख की बारी कहते हैं। दाख की बारी में दाखलताओं की लम्बी कतारें होती हैं।
- बाइबल के युग में अंगूर एक महत्वपूर्ण भोज्य पदार्थ था और दाख की बारी समृद्धि का प्रतीक था।
- अंगूरों को सड़ने से बचाने के लिए उन्हें सुखा लिया जाता है। * सूखे अंगूर किशमिश कहलाते है जिन्हें केक बनाने में काम में लिया जाता है।
- यीशु ने अपने शिष्यों को परमेश्वर के राज्य की शिक्षा देने के लिए दाख की बारी का उदाहरण दिया था।

(यह भी देखें: दाखलता, दाख की बारी, दाखरस)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 23:24-25
- होशे 09:10
- अय्यूब 15:31-33
- लूका 06:43-44
- मत्ती 07:15-17
- मत्ती 21:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H811, H891, H1154, H1155, H1210, H2490, H3196, H5563, H5955, H6025, H6528, G288, G4718

अंजीर, अंजीरों

परिभाषा:

“अंजीर” एक छोटा मीठा फल होता है जो पेड़ में उगता है। पक जाने पर इस फल के विभिन्न रंग होते हैं, भूरा, पीला या बैंगनी।

- अंजीर का पेड़ छः मीटर तक लम्बा हो जाता है और इसके चौड़े पत्तों के कारण पेड़ के नीचे बहुत छाया होती है । इसके फल की लम्बाई 3-5 से.मी. होती है।
- आदम और हव्वा ने पाप करने के बाद अंजीर के पत्तों से अपने वस्त्र बनाए थे।
- अंजीर का फल खाया जाता है, पकाया जाता है या सुखा कर भी रखा जाता है। लोग उन्हें टुकड़े करके उनकी टिक्कियाँ बनाकर सुखा लेते हैं कि बाद में खाने के काम आए।
- बाइबल के युग में अंजीर खाने के लिए बेचकर पैसा कमाने के लिए महत्त्वपूर्ण थे।
- फलदायक अंजीर के पेड़ की चर्चा बाइबल में बार-बार की गई है। जिसका संदर्भ समृद्धि से है।
- यीशु ने भी अनेक बार अंजीर के वृक्षों का उदाहरण देकर आत्मिक सत्यों की व्याख्या की थी।

बाइबल सन्दर्भ:

- हबक्कूक 03:17
- याकूब 03:11-12
- लूका 13:6-7
- मरकुस 11:13-14
- मत्ती 07:15-17
- मत्ती 21:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1061, H1690, H6291, H8384, G3653, G4808, G4810

अंजीर, अंजीरों

परिभाषा:

“अंजीर” एक छोटा मीठा फल होता है जो पेड़ में उगता है। पक जाने पर इस फल के विभिन्न रंग होते हैं, भूरा, पीला या बैंगनी।

- अंजीर का पेड़ छः मीटर तक लम्बा हो जाता है और इसके चौड़े पत्तों के कारण पेड़ के नीचे बहुत छाया होती है । इसके फल की लम्बाई 3-5 से.मी. होती है।
- आदम और हव्वा ने पाप करने के बाद अंजीर के पत्तों से अपने वस्त्र बनाए थे।
- अंजीर का फल खाया जाता है, पकाया जाता है या सुखा कर भी रखा जाता है। लोग उन्हें टुकड़े करके उनकी टिक्कियाँ बनाकर सुखा लेते हैं कि बाद में खाने के काम आए।
- बाइबल के युग में अंजीर खाने के लिए बेचकर पैसा कमाने के लिए महत्त्वपूर्ण थे।
- फलदायक अंजीर के पेड़ की चर्चा बाइबल में बार-बार की गई है। जिसका संदर्भ समृद्धि से है।
- यीशु ने भी अनेक बार अंजीर के वृक्षों का उदाहरण देकर आत्मिक सत्यों की व्याख्या की थी।

बाइबल सन्दर्भ:

- हबक्कूक 03:17
- याकूब 03:11-12
- लूका 13:6-7
- मरकुस 11:13-14
- मत्ती 07:15-17
- मत्ती 21:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1061, H1690, H6291, H8384, G3653, G4808, G4810

अंजीर, अंजीरों

परिभाषा:

“अंजीर” एक छोटा मीठा फल होता है जो पेड़ में उगता है। पक जाने पर इस फल के विभिन्न रंग होते हैं, भूरा, पीला या बैंगनी।

- अंजीर का पेड़ छः मीटर तक लम्बा हो जाता है और इसके चौड़े पत्तों के कारण पेड़ के नीचे बहुत छाया होती है । इसके फल की लम्बाई 3-5 से.मी. होती है।
- आदम और हव्वा ने पाप करने के बाद अंजीर के पत्तों से अपने वस्त्र बनाए थे।
- अंजीर का फल खाया जाता है, पकाया जाता है या सुखा कर भी रखा जाता है। लोग उन्हें टुकड़े करके उनकी टिक्कियाँ बनाकर सुखा लेते हैं कि बाद में खाने के काम आए।
- बाइबल के युग में अंजीर खाने के लिए बेचकर पैसा कमाने के लिए महत्त्वपूर्ण थे।
- फलदायक अंजीर के पेड़ की चर्चा बाइबल में बार-बार की गई है। जिसका संदर्भ समृद्धि से है।
- यीशु ने भी अनेक बार अंजीर के वृक्षों का उदाहरण देकर आत्मिक सत्यों की व्याख्या की थी।

बाइबल सन्दर्भ:

- हबक्कूक 03:17

- याकूब 03:11-12
- लूका 13:6-7
- मरकुस 11:13-14
- मत्ती 07:15-17
- मत्ती 21:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1061, H1690, H6291, H8384, G3653, G4808, G4810

अंजीर, अंजीरों

परिभाषा:

“अंजीर” एक छोटा मीठा फल होता है जो पेड़ में उगता है। पक जाने पर इस फल के विभिन्न रंग होते हैं, भूरा, पीला या बैंगनी।

- अंजीर का पेड़ छः मीटर तक लम्बा हो जाता है और इसके चौड़े पत्तों के कारण पेड़ के नीचे बहुत छाया होती है । इसके फल की लम्बाई 3-5 से.मी. होती है।
- आदम और हव्वा ने पाप करने के बाद अंजीर के पत्तों से अपने वस्त्र बनाए थे।
- अंजीर का फल खाया जाता है, पकाया जाता है या सुखा कर भी रखा जाता है। लोग उन्हें टुकड़े करके उनकी टिक्कियाँ बनाकर सुखा लेते हैं कि बाद में खाने के काम आए।
- बाइबल के युग में अंजीर खाने के लिए बेचकर पैसा कमाने के लिए महत्त्वपूर्ण थे।
- फलदायक अंजीर के पेड़ की चर्चा बाइबल में बार-बार की गई है। जिसका संदर्भ समृद्धि से है।
- यीशु ने भी अनेक बार अंजीर के वृक्षों का उदाहरण देकर आत्मिक सत्यों की व्याख्या की थी।

बाइबल सन्दर्भ:

- हबक्कूक 03:17
- याकूब 03:11-12
- लूका 13:6-7
- मरकुस 11:13-14
- मत्ती 07:15-17
- मत्ती 21:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1061, H1690, H6291, H8384, G3653, G4808, G4810

अंजीर, अंजीरों

परिभाषा:

“अंजीर” एक छोटा मीठा फल होता है जो पेड़ में उगता है। पक जाने पर इस फल के विभिन्न रंग होते हैं, भूरा, पीला या बैंगनी।

- अंजीर का पेड़ छः मीटर तक लम्बा हो जाता है और इसके चौड़े पत्तों के कारण पेड़ के नीचे बहुत छाया होती है । इसके फल की लम्बाई 3-5 से.मी. होती है।
- आदम और हव्वा ने पाप करने के बाद अंजीर के पत्तों से अपने वस्त्र बनाए थे।
- अंजीर का फल खाया जाता है, पकाया जाता है या सुखा कर भी रखा जाता है। लोग उन्हें टुकड़े करके उनकी टिक्कियाँ बनाकर सुखा लेते हैं कि बाद में खाने के काम आए।
- बाइबल के युग में अंजीर खाने के लिए बेचकर पैसा कमाने के लिए महत्त्वपूर्ण थे।
- फलदायक अंजीर के पेड़ की चर्चा बाइबल में बार-बार की गई है। जिसका संदर्भ समृद्धि से है।
- यीशु ने भी अनेक बार अंजीर के वृक्षों का उदाहरण देकर आत्मिक सत्यों की व्याख्या की थी।

बाइबल सन्दर्भ:

- हबक्कूक 03:17
- याकूब 03:11-12
- लूका 13:6-7
- मरकुस 11:13-14

- मत्ती 07:15-17
- मत्ती 21:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1061, H1690, H6291, H8384, G3653, G4808, G4810

अंजीर, अंजीरों

परिभाषा:

“अंजीर” एक छोटा मीठा फल होता है जो पेड़ में उगता है। पक जाने पर इस फल के विभिन्न रंग होते हैं, भूरा, पीला या बैंगनी।

- अंजीर का पेड़ छः मीटर तक लम्बा हो जाता है और इसके चौड़े पत्तों के कारण पेड़ के नीचे बहुत छाया होती है । इसके फल की लम्बाई 3-5 से.मी. होती है।
- आदम और हव्वा ने पाप करने के बाद अंजीर के पत्तों से अपने वस्त्र बनाए थे।
- अंजीर का फल खाया जाता है, पकाया जाता है या सुखा कर भी रखा जाता है। लोग उन्हें टुकड़े करके उनकी टिक्कियाँ बनाकर सुखा लेते हैं कि बाद में खाने के काम आए।
- बाइबल के युग में अंजीर खाने के लिए बेचकर पैसा कमाने के लिए महत्त्वपूर्ण थे।
- फलदायक अंजीर के पेड़ की चर्चा बाइबल में बार-बार की गई है। जिसका संदर्भ समृद्धि से है।
- यीशु ने भी अनेक बार अंजीर के वृक्षों का उदाहरण देकर आत्मिक सत्यों की व्याख्या की थी।

बाइबल सन्दर्भ:

- हबक्कूक 03:17
- याकूब 03:11-12
- लूका 13:6-7
- मरकुस 11:13-14
- मत्ती 07:15-17
- मत्ती 21:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1061, H1690, H6291, H8384, G3653, G4808, G4810

अंधियारा

परिभाषा:

“अंधियारा” का अर्थ है प्रकाश की अनुपस्थिति इस शब्द के प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं:

- रूपक स्वरूप “अंधियारा” का अर्थ है, “अशुद्धता” या “बुराई” या “आत्मिक अंधापन”
- इसका सदंर्भ पाप और नैतिक भ्रष्टाचार से भी है।
- “अन्धकार का राजा” इस उक्ति का अर्थ है सब कुछ जो बुरा है और शैतान के शासनाधीन है।
- “अंधियारा” मृत्यु का रूपक भी है।
- जिन मनुष्यों को परमेश्वर का ज्ञान नहीं उन्हें उनके लिए कहा जाता है कि वे “अंधियारा में रह रहे हैं” अर्थात वे धार्मिकता को समझते नहीं और न ही उसका व्यवहार करते हैं।
- परमेश्वर ज्योति (धार्मिकता) है और अन्धकार (बुराई) उस पर नहीं छा सकती है।
- परमेश्वर का त्याग करनेवालों को दण्ड के स्थान को कभी-कभी “बाहरी अन्धकार” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद ज्यों का त्यों करना उचित है, लक्षित भाषा में इसका पर्यायवाची शब्द जिसका सन्दर्भ रौशनी के आभाव से है। यह किसी कमरे के अन्धकार का शब्द भी हो सकता है जहां प्रकाश नहीं या समय का वह पहर जब प्रकाश नहीं होता है।
- प्रतीकात्मक उपयोगों में भी प्रकाश के विलोम शब्द का भाव व्यक्त होना है, भलाई और सत्य के विपरीत बुराई और धोखे का वर्णन करना।
- प्रकरण के अनुसार इसका अनुवाद हो सकता है, "रात का अंधेरा" (जैसा कि "दिन की रोशनी" का विरोध किया गया था) या "कुछ भी नहीं देखा, रात की तरह" या "बुराई, अंधेरे जगह जैसा"

(यह भी देखें: अशुद्ध, प्रभुता, राज्य, उजियाला, छुड़ा ले, धर्मी)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- 2 शमूएल 22:10-12
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यशायाह 05:29-30
- यिर्मयाह 13:15-17
- यहोशू 24:7
- मत्ती 08:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H652, H653, H2816, H2821, H2822, H2825, H3990, H3991, H4285, H5890, H6205, G2217, G4652, G4653, G4655, G4656

अंधियारा

परिभाषा:

“अंधियारा” का अर्थ है प्रकाश की अनुपस्थिति इस शब्द के प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं:

- रूपक स्वरूप “अंधियारा” का अर्थ है, “अशुद्धता” या “बुराई” या “आत्मिक अंधापन”
- इसका सदंर्भ पाप और नैतिक भ्रष्टाचार से भी है।
- “अन्धकार का राजा” इस उक्ति का अर्थ है सब कुछ जो बुरा है और शैतान के शासनाधीन है।
- “अंधियारा” मृत्यु का रूपक भी है।
- जिन मनुष्यों को परमेश्वर का ज्ञान नहीं उन्हें उनके लिए कहा जाता है कि वे “अंधियारा में रह रहे हैं” अर्थात वे धार्मिकता को समझते नहीं और न ही उसका व्यवहार करते हैं।
- परमेश्वर ज्योति (धार्मिकता) है और अन्धकार (बुराई) उस पर नहीं छा सकती है।
- परमेश्वर का त्याग करनेवालों को दण्ड के स्थान को कभी-कभी “बाहरी अन्धकार” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद ज्यों का त्यों करना उचित है, लक्षित भाषा में इसका पर्यायवाची शब्द जिसका सन्दर्भ रौशनी के आभाव से है। यह किसी कमरे के अन्धकार का शब्द भी हो सकता है जहां प्रकाश नहीं या समय का वह पहर जब प्रकाश नहीं होता है।
- प्रतीकात्मक उपयोगों में भी प्रकाश के विलोम शब्द का भाव व्यक्त होना है, भलाई और सत्य के विपरीत बुराई और धोखे का वर्णन करना।
- प्रकरण के अनुसार इसका अनुवाद हो सकता है, "रात का अंधेरा" (जैसा कि "दिन की रोशनी" का विरोध किया गया था) या "कुछ भी नहीं देखा, रात की तरह" या "बुराई, अंधेरे जगह जैसा"

(यह भी देखें: अशुद्ध, प्रभुता, राज्य, उजियाला, छुड़ा ले, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- 2 शमूएल 22:10-12
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यशायाह 05:29-30
- यिर्मयाह 13:15-17
- यहोशू 24:7
- मत्ती 08:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H652, H653, H2816, H2821, H2822, H2825, H3990, H3991, H4285, H5890, H6205, G2217, G4652, G4653, G4655, G4656

अंधियारा

परिभाषा:

“अंधियारा” का अर्थ है प्रकाश की अनुपस्थिति इस शब्द के प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं:

- रूपक स्वरूप “अंधियारा” का अर्थ है, “अशुद्धता” या “बुराई” या “आत्मिक अंधापन”
- इसका सदंर्भ पाप और नैतिक भ्रष्टाचार से भी है।
- “अन्धकार का राजा” इस उक्ति का अर्थ है सब कुछ जो बुरा है और शैतान के शासनाधीन है।
- “अंधियारा” मृत्यु का रूपक भी है।
- जिन मनुष्यों को परमेश्वर का ज्ञान नहीं उन्हें उनके लिए कहा जाता है कि वे “अंधियारा में रह रहे हैं” अर्थात वे धार्मिकता को समझते नहीं और न ही उसका व्यवहार करते हैं।
- परमेश्वर ज्योति (धार्मिकता) है और अन्धकार (बुराई) उस पर नहीं छा सकती है।
- परमेश्वर का त्याग करनेवालों को दण्ड के स्थान को कभी-कभी “बाहरी अन्धकार” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद ज्यों का त्यों करना उचित है, लक्षित भाषा में इसका पर्यायवाची शब्द जिसका सन्दर्भ रौशनी के आभाव से है। यह किसी कमरे के अन्धकार का शब्द भी हो सकता है जहां प्रकाश नहीं या समय का वह पहर जब प्रकाश नहीं होता है।
- प्रतीकात्मक उपयोगों में भी प्रकाश के विलोम शब्द का भाव व्यक्त होना है, भलाई और सत्य के विपरीत बुराई और धोखे का वर्णन करना।
- प्रकरण के अनुसार इसका अनुवाद हो सकता है, "रात का अंधेरा" (जैसा कि "दिन की रोशनी" का विरोध किया गया था) या "कुछ भी नहीं देखा, रात की तरह" या "बुराई, अंधेरे जगह जैसा"

(यह भी देखें: अशुद्ध, प्रभुता, राज्य, उजियाला, छुड़ा ले, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- 2 शमूएल 22:10-12
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यशायाह 05:29-30
- यिर्मयाह 13:15-17
- यहोशू 24:7
- मत्ती 08:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H652, H653, H2816, H2821, H2822, H2825, H3990, H3991, H4285, H5890, H6205, G2217, G4652, G4653, G4655, G4656

अकाल

परिभाषा:

“अकाल” शब्द उस परिस्थिति को दर्शाता है जब संपूर्ण देश में भोजन की कमी हो, विशेष करके वर्षा न होने के कारण।

- फसल नष्ट हो जाने के प्राकृतिक कारण होते हैं वर्षा न होना, फसल में रोग लग जाना या कीड़े लग जाना।
- भोजन वस्तुओं की कमी का कारण मनुष्य भी होता है जैसे शत्रु फसल को नष्ट कर दे।
- बाइबल में अकाल परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने के कारण जातियों को दण्ड देने का साधन भी है।
- आमोस 8:11 में “अकाल” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया गया है, जब परमेश्वर ने अपने लोगों से बात करना त्याग दिया था। इसका अनुवाद आपकी भाषा में “अकाल” शब्द से किया जा सकता है या ऐसे वाक्यांश से जिसका अर्थ “महान घटी” या “गंभीर अभाव” हो।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 21:11-12
- प्रे.का. 07:11-13
- उत्पत्ति 12:10-13

- उत्पत्ति 45:4-6
- यिर्मयाह 11:21-23
- लूका 04:25-27
- मत्ती 24:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3720, H7458, H7459, G3042

अकाल

परिभाषा:

“अकाल” शब्द उस परिस्थिति को दर्शाता है जब संपूर्ण देश में भोजन की कमी हो, विशेष करके वर्षा न होने के कारण।

- फसल नष्ट हो जाने के प्राकृतिक कारण होते हैं वर्षा न होना, फसल में रोग लग जाना या कीड़े लग जाना।
- भोजन वस्तुओं की कमी का कारण मनुष्य भी होता है जैसे शत्रु फसल को नष्ट कर दे।
- बाइबल में अकाल परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने के कारण जातियों को दण्ड देने का साधन भी है।
- आमोस 8:11 में “अकाल” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया गया है, जब परमेश्वर ने अपने लोगों से बात करना त्याग दिया था। इसका अनुवाद आपकी भाषा में “अकाल” शब्द से किया जा सकता है या ऐसे वाक्यांश से जिसका अर्थ “महान घटी” या “गंभीर अभाव” हो।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 21:11-12
- प्रे.का. 07:11-13
- उत्पत्ति 12:10-13
- उत्पत्ति 45:4-6
- यिर्मयाह 11:21-23
- लूका 04:25-27
- मत्ती 24:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3720, H7458, H7459, G3042

अकाल

परिभाषा:

“अकाल” शब्द उस परिस्थिति को दर्शाता है जब संपूर्ण देश में भोजन की कमी हो, विशेष करके वर्षा न होने के कारण।

- फसल नष्ट हो जाने के प्राकृतिक कारण होते हैं वर्षा न होना, फसल में रोग लग जाना या कीड़े लग जाना।
- भोजन वस्तुओं की कमी का कारण मनुष्य भी होता है जैसे शत्रु फसल को नष्ट कर दे।
- बाइबल में अकाल परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने के कारण जातियों को दण्ड देने का साधन भी है।
- आमोस 8:11 में “अकाल” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया गया है, जब परमेश्वर ने अपने लोगों से बात करना त्याग दिया था। इसका अनुवाद आपकी भाषा में “अकाल” शब्द से किया जा सकता है या ऐसे वाक्यांश से जिसका अर्थ “महान घटी” या “गंभीर अभाव” हो।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 21:11-12
- प्रे.का. 07:11-13
- उत्पत्ति 12:10-13
- उत्पत्ति 45:4-6
- यिर्मयाह 11:21-23
- लूका 04:25-27
- मत्ती 24:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3720, H7458, H7459, G3042

अकाल

परिभाषा:

“अकाल” शब्द उस परिस्थिति को दर्शाता है जब संपूर्ण देश में भोजन की कमी हो, विशेष करके वर्षा न होने के कारण।

- फसल नष्ट हो जाने के प्राकृतिक कारण होते हैं वर्षा न होना, फसल में रोग लग जाना या कीड़े लग जाना।
- भोजन वस्तुओं की कमी का कारण मनुष्य भी होता है जैसे शत्रु फसल को नष्ट कर दे।
- बाइबल में अकाल परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने के कारण जातियों को दण्ड देने का साधन भी है।
- आमोस 8:11 में “अकाल” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया गया है, जब परमेश्वर ने अपने लोगों से बात करना त्याग दिया था। इसका अनुवाद आपकी भाषा में “अकाल” शब्द से किया जा सकता है या ऐसे वाक्यांश से जिसका अर्थ “महान घटी” या “गंभीर अभाव” हो।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 21:11-12
- प्रे.का. 07:11-13
- उत्पत्ति 12:10-13
- उत्पत्ति 45:4-6
- यिर्मयाह 11:21-23
- लूका 04:25-27
- मत्ती 24:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3720, H7458, H7459, G3042

अकाल

परिभाषा:

“अकाल” शब्द उस परिस्थिति को दर्शाता है जब संपूर्ण देश में भोजन की कमी हो, विशेष करके वर्षा न होने के कारण।

- फसल नष्ट हो जाने के प्राकृतिक कारण होते हैं वर्षा न होना, फसल में रोग लग जाना या कीड़े लग जाना।
- भोजन वस्तुओं की कमी का कारण मनुष्य भी होता है जैसे शत्रु फसल को नष्ट कर दे।
- बाइबल में अकाल परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने के कारण जातियों को दण्ड देने का साधन भी है।
- आमोस 8:11 में “अकाल” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया गया है, जब परमेश्वर ने अपने लोगों से बात करना त्याग दिया था। इसका अनुवाद आपकी भाषा में “अकाल” शब्द से किया जा सकता है या ऐसे वाक्यांश से जिसका अर्थ “महान घटी” या “गंभीर अभाव” हो।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 21:11-12
- प्रे.का. 07:11-13
- उत्पत्ति 12:10-13
- उत्पत्ति 45:4-6
- यिर्मयाह 11:21-23
- लूका 04:25-27
- मत्ती 24:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3720, H7458, H7459, G3042

अकाल

परिभाषा:

"अकाल" शब्द उस परिस्थिति को दर्शाता है जब संपूर्ण देश में भोजन की कमी हो, विशेष करके वर्षा न होने के कारण।

- फसल नष्ट हो जाने के प्राकृतिक कारण होते हैं वर्षा न होना, फसल में रोग लग जाना या कीड़े लग जाना।
- भोजन वस्तुओं की कमी का कारण मनुष्य भी होता है जैसे शत्रु फसल को नष्ट कर दे।
- बाइबल में अकाल परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने के कारण जातियों को दण्ड देने का साधन भी है।
- आमोस 8:11 में "अकाल" शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया गया है, जब परमेश्वर ने अपने लोगों से बात करना त्याग दिया था। इसका अनुवाद आपकी भाषा में "अकाल" शब्द से किया जा सकता है या ऐसे वाक्यांश से जिसका अर्थ "महान घटी" या "गंभीर अभाव" हो।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 21:11-12
- प्रे.का. 07:11-13
- उत्पत्ति 12:10-13
- उत्पत्ति 45:4-6
- यिर्मयाह 11:21-23
- लूका 04:25-27
- मत्ती 24:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3720, H7458, H7459, G3042

अक्विला

तथ्य:

अक्विला यहूदी मत से आया मसीही विश्वासी था, वह काले सागर के दक्षिण तट पर स्थित पोन्तुस का निवासी था।

- अक्विला और प्रिस्किल्ला रोम, इटली में कुछ समय रहे थे तब रोमी सम्राट क्लॉडियस ने सब यहूदियों को रोम से चले जाने का आदेश दिया।
- अत: अक्विला और प्रिस्किल्ला कुरिन्थ नगर आ गए जहां उनकी भेंट प्रेरित पौलुस से हुई थी।
- उन्होंने तम्बू बनाने में और प्रचार कार्य में पौलुस के साथ काम किया।
- अक्विला और प्रिस्किल्ला दोनों विश्वासियों को यीशु के सत्य की शिक्षा देते थे, इन विश्वासियों में एक प्रतिभाशाली शिक्षक अप्पुल्लोस भी था।

(यह भी देखें: अपुल्लोस, कुरिन्थुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:19-20
- 2 तीमुथियुस 04:19-22
- प्रे.का. 18:1-3
- प्रे.का. 18:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: G207

अक्विला

तथ्य:

अक्विला यहूदी मत से आया मसीही विश्वासी था, वह काले सागर के दक्षिण तट पर स्थित पोन्तुस का निवासी था।

- अक्विला और प्रिस्किल्ला रोम, इटली में कुछ समय रहे थे तब रोमी सम्राट क्लॉडियस ने सब यहूदियों को रोम से चले जाने का आदेश दिया।
- अत: अक्विला और प्रिस्किल्ला कुरिन्थ नगर आ गए जहां उनकी भेंट प्रेरित पौलुस से हुई थी।
- उन्होंने तम्बू बनाने में और प्रचार कार्य में पौलुस के साथ काम किया।

- अक्विला और प्रिस्किल्ला दोनों विश्वासियों को यीशु के सत्य की शिक्षा देते थे, इन विश्वासियों में एक प्रतिभाशाली शिक्षक अप्पुल्लोस भी था।

(यह भी देखें: अपुल्लोस, कुरिन्थुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:19-20
- 2 तीमुथियुस 04:19-22
- प्रे.का. 18:1-3
- प्रे.का. 18:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: G207

अक्विला

तथ्य:

अक्विला यहूदी मत से आया मसीही विश्वासी था, वह काले सागर के दक्षिण तट पर स्थित पोन्तुस का निवासी था।

- अक्विला और प्रिस्किल्ला रोम, इटली में कुछ समय रहे थे तब रोमी सम्राट क्लॉडियस ने सब यहूदियों को रोम से चले जाने का आदेश दिया।
- अत: अक्विला और प्रिस्किल्ला कुरिन्थ नगर आ गए जहां उनकी भेंट प्रेरित पौलुस से हुई थी।
- उन्होंने तम्बू बनाने में और प्रचार कार्य में पौलुस के साथ काम किया।
- अक्विला और प्रिस्किल्ला दोनों विश्वासियों को यीशु के सत्य की शिक्षा देते थे, इन विश्वासियों में एक प्रतिभाशाली शिक्षक अप्पुल्लोस भी था।

(यह भी देखें: अपुल्लोस, कुरिन्थुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:19-20
- 2 तीमुथियुस 04:19-22
- प्रे.का. 18:1-3
- प्रे.का. 18:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: G207

अक्विला

तथ्य:

अक्विला यहूदी मत से आया मसीही विश्वासी था, वह काले सागर के दक्षिण तट पर स्थित पोन्तुस का निवासी था।

- अक्विला और प्रिस्किल्ला रोम, इटली में कुछ समय रहे थे तब रोमी सम्राट क्लॉडियस ने सब यहूदियों को रोम से चले जाने का आदेश दिया।
- अत: अक्विला और प्रिस्किल्ला कुरिन्थ नगर आ गए जहां उनकी भेंट प्रेरित पौलुस से हुई थी।
- उन्होंने तम्बू बनाने में और प्रचार कार्य में पौलुस के साथ काम किया।
- अक्विला और प्रिस्किल्ला दोनों विश्वासियों को यीशु के सत्य की शिक्षा देते थे, इन विश्वासियों में एक प्रतिभाशाली शिक्षक अप्पुल्लोस भी था।

(यह भी देखें: अपुल्लोस, कुरिन्थुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:19-20
- 2 तीमुथियुस 04:19-22
- प्रे.का. 18:1-3
- प्रे.का. 18:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: G207

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यत: कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्राय: बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्राय: विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।
- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”
- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399,

H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।
- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”
- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।
- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”
- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।

- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।
- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”
- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"

- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।
- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”

- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।

- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”
- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।
- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”
- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14

- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।
- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”
- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10

- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।
- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”
- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24

- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।
- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”
- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।
- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”
- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।
- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”
- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।

- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।
- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”
- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।

- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।
- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”
- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”

- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।
- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”
- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।
- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”
- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

- सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
- एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
- भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
- “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
- एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
- बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
- “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।

- परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, पवित्र, लाभ, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 01:11-13
- उत्पत्ति 02:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- याकूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह अच्छी है।।
- **01:11** परमेश्वर ने अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।”
- **\02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **28:01** “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है? जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

अथाह कुण्ड, अथाह गड्ढे

परिभाषा:

“अथाह कुण्ड” एक विशाल अथाह गड्ढे का संदर्भ देता है।

- बाइबल में "अथाह कुण्ड" दण्ड का स्थान है।
- उदाहरणार्थ, यीशु ने एक दुष्टात्माग्रस्त मनुष्य से दुष्टात्माओं को निकाला तो उन्होंने यीशु से विनती की कि उन्हें अथाह गड़हे (कुण्ड) में न डाले।

“अथाह कुण्ड” का अनुवाद “अथाह गड्ढा” या “अगाध खाई” किया जा सकता है।

- इस शब्द का अनुवाद “अधोलोक” या “नरक” से भिन्न होना चाहिए।

(यह भी देखें: अधोलोक, नरक, दण्ड देना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 08:30-31
- रोमियो 10:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: G12, G5421

अधर्म, अधर्मी

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्म, अधर्मी

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्म, अधर्मी

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्म, अधर्मी

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्म, अधर्मी

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16

- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्म, अधर्मों

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्म, अधर्मों

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्म, अधर्मी

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्म, अधर्मी

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्म, अधर्मी

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16

- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्म, अधर्मों

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्म, अधर्मों

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्म, अधर्मी

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्म, अधर्मी

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्म, अधर्मी

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16

- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्म, अधर्मी

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्म, अधर्मी

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्तु अपराध का भावार्थ विशेष करके जानबूझ कर या महान दुष्टता से अभिभूत अनुचित कार्य करना।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) घुमा के विकृत करना। इसका संदर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म अन्य लोगों के खिलाफ जानबूझकर, हानिकारक कार्यवाही के रूप में वर्णित किया जा सकता।
- “अधर्म के काम” का अनुवाद हो सकता है, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टता” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 44:16-17
- हबक्कूक 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीका 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्मी, अधर्म

परिभाषा:

“अधर्मी” का अर्थ है, पापी और नैतिक रूप से भ्रष्ट से है। “अधर्म” का अर्थ है पाप या पापमय होने की दशा।

- ये शब्द ऐसे जीवन को व्यक्त करते हैं जो परमेश्वर की शिक्षाओं और आज्ञाओं का पालन नहीं करते।
- अधर्मी मनुष्य अपने कार्य एवं विचारों में अनैतिक होते हैं।
- कभी-कभी “अधर्मी” शब्द उन मनुष्यों के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो यीशु में विश्वास नहीं करते।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है “जो धर्मी नहीं है।”
- प्रकरण के अनुसार इसके अनुवाद की अन्य विधियाँ हैं, “भ्रष्ट” या “अनैतिक” या “परमेश्वर से विद्रोह करने वाले” या “पापी।”
- “अधर्मी” का अनुवाद हो सकता है, “अधर्मी जन”
- “अधर्म” का अनुवाद हो सकता है “पाप” या “बुरे विचार एवं कार्य” या “दुष्टता”
- संभव हो तो सर्वोत्तम अनुवाद होगा, कि इसका संबन्ध “धर्म” और “धार्मिकता” से हो।

(यह भी देखें: धर्मी, अधर्मी, पाप, उचित नहीं)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 05:16-17
- 1 पतरस 03:18-20
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:8-10
- कुलुस्सियों 03:22-25
- व्यवस्थाविवरण19:15-16
- मलाकी 02:5-7
- रोमियो 01:29-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H5765, H5766, H5767, H6664, G93, G94, G458

अधर्मी, अधर्म

परिभाषा:

“अधर्मी” का अर्थ है, पापी और नैतिक रूप से भ्रष्ट से है। “अधर्म” का अर्थ है पाप या पापमय होने की दशा।

- ये शब्द ऐसे जीवन को व्यक्त करते हैं जो परमेश्वर की शिक्षाओं और आज्ञाओं का पालन नहीं करते।
- अधर्मी मनुष्य अपने कार्य एवं विचारों में अनैतिक होते हैं।
- कभी-कभी “अधर्मी” शब्द उन मनुष्यों के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो यीशु में विश्वास नहीं करते।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है “जो धर्मी नहीं है।”
- प्रकरण के अनुसार इसके अनुवाद की अन्य विधियाँ हैं, “भ्रष्ट” या “अनैतिक” या “परमेश्वर से विद्रोह करने वाले” या “पापी।”
- “अधर्मी” का अनुवाद हो सकता है, “अधर्मी जन”
- “अधर्म” का अनुवाद हो सकता है “पाप” या “बुरे विचार एवं कार्य” या “दुष्टता”
- संभव हो तो सर्वोत्तम अनुवाद होगा, कि इसका संबन्ध “धर्म” और “धार्मिकता” से हो।

(यह भी देखें: धर्मी, अधर्मी, पाप, उचित नहीं)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 05:16-17
- 1 पतरस 03:18-20
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:8-10
- कुलुस्सियों 03:22-25
- व्यवस्थाविवरण19:15-16
- मलाकी 02:5-7
- रोमियो 01:29-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H5765, H5766, H5767, H6664, G93, G94, G458

अधर्मी, अधर्म

परिभाषा:

“अधर्मी” का अर्थ है, पापी और नैतिक रूप से भ्रष्ट से है। “अधर्म” का अर्थ है पाप या पापमय होने की दशा।

- ये शब्द ऐसे जीवन को व्यक्त करते हैं जो परमेश्वर की शिक्षाओं और आज्ञाओं का पालन नहीं करते।
- अधर्मी मनुष्य अपने कार्य एवं विचारों में अनैतिक होते हैं।
- कभी-कभी “अधर्मी” शब्द उन मनुष्यों के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो यीशु में विश्वास नहीं करते।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है “जो धर्मी नहीं है।”
- प्रकरण के अनुसार इसके अनुवाद की अन्य विधियाँ हैं, “भ्रष्ट” या “अनैतिक” या “परमेश्वर से विद्रोह करने वाले” या “पापी।”
- “अधर्मी” का अनुवाद हो सकता है, “अधर्मी जन”
- “अधर्म” का अनुवाद हो सकता है “पाप” या “बुरे विचार एवं कार्य” या “दुष्टता”
- संभव हो तो सर्वोत्तम अनुवाद होगा, कि इसका संबन्ध “धर्म” और “धार्मिकता” से हो।

(यह भी देखें: धर्मी, अधर्मी, पाप, उचित नहीं)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11

- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 05:16-17
- 1 पतरस 03:18-20
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:8-10
- कुलुस्सियों 03:22-25
- व्यवस्थाविवरण19:15-16
- मलाकी 02:5-7
- रोमियो 01:29-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H5765, H5766, H5767, H6664, G93, G94, G458

अधर्मी, अधर्म

परिभाषा:

“अधर्मी” का अर्थ है, पापी और नैतिक रूप से भ्रष्ट से है। “अधर्म” का अर्थ है पाप या पापमय होने की दशा।

- ये शब्द ऐसे जीवन को व्यक्त करते हैं जो परमेश्वर की शिक्षाओं और आज्ञाओं का पालन नहीं करते।
- अधर्मी मनुष्य अपने कार्य एवं विचारों में अनैतिक होते हैं।
- कभी-कभी “अधर्मी” शब्द उन मनुष्यों के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो यीशु में विश्वास नहीं करते।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है “जो धर्मी नहीं है।”
- प्रकरण के अनुसार इसके अनुवाद की अन्य विधियाँ हैं, “भ्रष्ट” या “अनैतिक” या “परमेश्वर से विद्रोह करने वाले” या “पापी।”
- “अधर्मी” का अनुवाद हो सकता है, “अधर्मी जन”
- “अधर्म” का अनुवाद हो सकता है “पाप” या “बुरे विचार एवं कार्य” या “दुष्टता”
- संभव हो तो सर्वोत्तम अनुवाद होगा, कि इसका संबन्ध “धर्म” और “धार्मिकता” से हो।

(यह भी देखें: धर्मी, अधर्मी, पाप, उचित नहीं)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 05:16-17
- 1 पतरस 03:18-20
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:8-10
- कुलुस्सियों 03:22-25
- व्यवस्थाविवरण19:15-16
- मलाकी 02:5-7
- रोमियो 01:29-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H5765, H5766, H5767, H6664, G93, G94, G458

अधर्मी, अधर्म

परिभाषा:

“अधर्मी” का अर्थ है, पापी और नैतिक रूप से भ्रष्ट से है। “अधर्म” का अर्थ है पाप या पापमय होने की दशा।

- ये शब्द ऐसे जीवन को व्यक्त करते हैं जो परमेश्वर की शिक्षाओं और आज्ञाओं का पालन नहीं करते।
- अधर्मी मनुष्य अपने कार्य एवं विचारों में अनैतिक होते हैं।
- कभी-कभी “अधर्मी” शब्द उन मनुष्यों के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो यीशु में विश्वास नहीं करते।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है “जो धर्मी नहीं है।”
- प्रकरण के अनुसार इसके अनुवाद की अन्य विधियाँ हैं, “भ्रष्ट” या “अनैतिक” या “परमेश्वर से विद्रोह करने वाले” या “पापी।”
- “अधर्मी” का अनुवाद हो सकता है, “अधर्मी जन”
- “अधर्म” का अनुवाद हो सकता है “पाप” या “बुरे विचार एवं कार्य” या “दुष्टता”
- संभव हो तो सर्वोत्तम अनुवाद होगा, कि इसका संबन्ध “धर्म” और “धार्मिकता” से हो।

(यह भी देखें: धर्मी, अधर्मी, पाप, उचित नहीं)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 05:16-17
- 1 पतरस 03:18-20
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:8-10
- कुलुस्सियों 03:22-25
- व्यवस्थाविवरण19:15-16
- मलाकी 02:5-7
- रोमियो 01:29-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H5765, H5766, H5767, H6664, G93, G94, G458

अधर्मी, अन्याय से, अन्याय

परिभाषा:

- “अधर्मी” और “अन्याय से” मनुष्यों के साथ पक्षपात करना, प्रायः हानि के व्यवहार के साथ।
- “अन्याय” किसी मनुष्य के साथ बुरा करना, जबकि वह इस योग्य नहीं। इसका संदर्भ पक्षपाती व्यवहार से है।
- कुटिलता का अर्थ यह भी है कि कुछ के साथ बुरा कुछ के साथ अच्छा व्यवहार करना।
- जो मनुष्य पक्षपात करता है वह मनुष्यों के साथ समता का व्यवहार नहीं करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “पक्षपात” का अनुवाद “कपट पूर्ण” या “अन्याय” या “अधर्म” भी किया जा सकता है।
- “पक्षपात” का अनुवाद “अन्यायी लोग” या “कपटपूर्ण लोग” या “मनुष्यों के साथ पक्षपात करने वाले” या “अधर्मी जन” या “परमेश्वर की आज्ञा न मानने वाले लोग”।
- “पक्षपात के साथ” का अनुवाद “अन्याय के साथ” या “अनुचित” या “कपट के साथ” हो सकता है।
- “कुटिलता” का अनुवाद “अनुचित व्यवहार” या “अन्याय का व्यवहार” या “पक्षपात का व्यवहार” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: सच्चा, अधर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 18:16-17
- इब्रानियों 06:9-10
- लूका 18:6-8
- मत्ती 05:43-45

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H5765, H5766, H5767, H8636, G91, G93, G94

अधर्मी, अन्याय से, अन्याय

परिभाषा:

- “अधर्मी” और “अन्याय से” मनुष्यों के साथ पक्षपात करना, प्रायः हानि के व्यवहार के साथ।
- “अन्याय” किसी मनुष्य के साथ बुरा करना, जबकि वह इस योग्य नहीं। इसका संदर्भ पक्षपाती व्यवहार से है।
- कुटिलता का अर्थ यह भी है कि कुछ के साथ बुरा कुछ के साथ अच्छा व्यवहार करना।
- जो मनुष्य पक्षपात करता है वह मनुष्यों के साथ समता का व्यवहार नहीं करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “पक्षपात” का अनुवाद “कपट पूर्ण” या “अन्याय” या “अधर्म” भी किया जा सकता है।
- “पक्षपात” का अनुवाद “अन्यायी लोग” या “कपटपूर्ण लोग” या “मनुष्यों के साथ पक्षपात करने वाले” या “अधर्मी जन” या “परमेश्वर की आज्ञा न मानने वाले लोग”।
- “पक्षपात के साथ” का अनुवाद “अन्याय के साथ” या “अनुचित” या “कपट के साथ” हो सकता है।
- “कुटिलता” का अनुवाद “अनुचित व्यवहार” या “अन्याय का व्यवहार” या “पक्षपात का व्यवहार” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: सच्चा, अधर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 18:16-17
- इब्रानियों 06:9-10
- लूका 18:6-8
- मत्ती 05:43-45

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H5765, H5766, H5767, H8636, G91, G93, G94

अधर्मी, अन्याय से, अन्याय

परिभाषा:

- “अधर्मी” और “अन्याय से” मनुष्यों के साथ पक्षपात करना, प्रायः हानि के व्यवहार के साथ।
- “अन्याय” किसी मनुष्य के साथ बुरा करना, जबकि वह इस योग्य नहीं। इसका संदर्भ पक्षपाती व्यवहार से है।
- कुटिलता का अर्थ यह भी है कि कुछ के साथ बुरा कुछ के साथ अच्छा व्यवहार करना।
- जो मनुष्य पक्षपात करता है वह मनुष्यों के साथ समता का व्यवहार नहीं करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “पक्षपात” का अनुवाद “कपट पूर्ण” या “अन्याय” या “अधर्म” भी किया जा सकता है।
- “पक्षपात” का अनुवाद “अन्यायी लोग” या “कपटपूर्ण लोग” या “मनुष्यों के साथ पक्षपात करने वाले” या “अधर्मी जन” या “परमेश्वर की आज्ञा न मानने वाले लोग”।
- “पक्षपात के साथ” का अनुवाद “अन्याय के साथ” या “अनुचित” या “कपट के साथ” हो सकता है।
- “कुटिलता” का अनुवाद “अनुचित व्यवहार” या “अन्याय का व्यवहार” या “पक्षपात का व्यवहार” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: सच्चा, अधर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 18:16-17
- इब्रानियों 06:9-10
- लूका 18:6-8
- मत्ती 05:43-45

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H5765, H5766, H5767, H8636, G91, G93, G94

अधर्मी, अन्याय से, अन्याय

परिभाषा:

- “अधर्मी” और “अन्याय से” मनुष्यों के साथ पक्षपात करना, प्रायः हानि के व्यवहार के साथ।
- “अन्याय” किसी मनुष्य के साथ बुरा करना, जबकि वह इस योग्य नहीं। इसका संदर्भ पक्षपाती व्यवहार से है।
- कुटिलता का अर्थ यह भी है कि कुछ के साथ बुरा कुछ के साथ अच्छा व्यवहार करना।
- जो मनुष्य पक्षपात करता है वह मनुष्यों के साथ समता का व्यवहार नहीं करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “पक्षपात” का अनुवाद “कपट पूर्ण” या “अन्याय” या “अधर्म” भी किया जा सकता है।
- “पक्षपात” का अनुवाद “अन्यायी लोग” या “कपटपूर्ण लोग” या “मनुष्यों के साथ पक्षपात करने वाले” या “अधर्मी जन” या “परमेश्वर की आज्ञा न मानने वाले लोग”।
- “पक्षपात के साथ” का अनुवाद “अन्याय के साथ” या “अनुचित” या “कपट के साथ” हो सकता है।
- “कुटिलता” का अनुवाद “अनुचित व्यवहार” या “अन्याय का व्यवहार” या “पक्षपात का व्यवहार” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: सच्चा, अधर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 18:16-17
- इब्रानियों 06:9-10
- लूका 18:6-8
- मत्ती 05:43-45

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H5765, H5766, H5767, H8636, G91, G93, G94

अधर्मी, अन्याय से, अन्याय

परिभाषा:

- “अधर्मी” और “अन्याय से” मनुष्यों के साथ पक्षपात करना, प्रायः हानि के व्यवहार के साथ।
- “अन्याय” किसी मनुष्य के साथ बुरा करना, जबकि वह इस योग्य नहीं। इसका संदर्भ पक्षपाती व्यवहार से है।
- कुटिलता का अर्थ यह भी है कि कुछ के साथ बुरा कुछ के साथ अच्छा व्यवहार करना।
- जो मनुष्य पक्षपात करता है वह मनुष्यों के साथ समता का व्यवहार नहीं करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “पक्षपात” का अनुवाद “कपट पूर्ण” या “अन्याय” या “अधर्म” भी किया जा सकता है।
- “पक्षपात” का अनुवाद “अन्यायी लोग” या “कपटपूर्ण लोग” या “मनुष्यों के साथ पक्षपात करने वाले” या “अधर्मी जन” या “परमेश्वर की आज्ञा न मानने वाले लोग”।
- “पक्षपात के साथ” का अनुवाद “अन्याय के साथ” या “अनुचित” या “कपट के साथ” हो सकता है।
- “कुटिलता” का अनुवाद “अनुचित व्यवहार” या “अन्याय का व्यवहार” या “पक्षपात का व्यवहार” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: सच्चा, अधर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 18:16-17
- इब्रानियों 06:9-10
- लूका 18:6-8
- मत्ती 05:43-45

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H5765, H5766, H5767, H8636, G91, G93, G94

अधर्मी, अधर्म

परिभाषा:

“अधर्मी” शब्द ऐसे मनुष्य का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता। जब कोई देश या समुदाय में अधर्म की स्थिति हो तो वहां व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

अधर्मी जन विद्रोही होता है, वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है। प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अन्त के दिनों में अधर्म का पुरूष प्रकट होगा अर्थात “अधर्मी जन” जो शैतान के प्रभाव में बुरे काम करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- “अधर्म” का अनुवाद “विद्रोही” या “अवज्ञाकारी” या “नियम विरोधी” किया जा सकता है।

“अधर्म” का अनुवाद “नियमों का पालन नहीं करना” या “विद्रोह”(परमेश्वर की व्यवस्था के विरुद्ध) किया जा सकता है।

- वाक्यांश "अधर्म का पुरूष" का अनुवाद "मनुष्य जो किसी भी व्यवस्था का पालन नहीं करता है" या "मनुष्य के रूप में किया जा सकता है जो परमेश्वर के नियमों के विरुद्ध विद्रोह करता है।"
- यदि संभव हो तो इस अवधि में "व्यवस्था" की अवधारणा को रखना महत्वपूर्ण है
- ध्यान दें कि इस शब्द से "अवैध" शब्द का एक अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, उचित, व्यवस्था)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:4-6
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- प्रे.का. 02:22-24
- मत्ती 07:21-23
- तीतुस 02:14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6530, H7386, G113, G266, G458, G459

अधर्मी, अधर्म

परिभाषा:

“अधर्मी” शब्द ऐसे मनुष्य का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता। जब कोई देश या समुदाय में अधर्म की स्थिति हो तो वहां व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

अधर्मी जन विद्रोही होता है, वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है। प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अन्त के दिनों में अधर्म का पुरूष प्रकट होगा अर्थात “अधर्मी जन” जो शैतान के प्रभाव में बुरे काम करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- “अधर्म” का अनुवाद “विद्रोही” या “अवज्ञाकारी” या “नियम विरोधी” किया जा सकता है।

“अधर्म” का अनुवाद “नियमों का पालन नहीं करना” या “विद्रोह”(परमेश्वर की व्यवस्था के विरुद्ध) किया जा सकता है।

- वाक्यांश "अधर्म का पुरूष" का अनुवाद "मनुष्य जो किसी भी व्यवस्था का पालन नहीं करता है" या "मनुष्य के रूप में किया जा सकता है जो परमेश्वर के नियमों के विरुद्ध विद्रोह करता है।"
- यदि संभव हो तो इस अवधि में "व्यवस्था" की अवधारणा को रखना महत्वपूर्ण है
- ध्यान दें कि इस शब्द से "अवैध" शब्द का एक अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, उचित, व्यवस्था)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:4-6
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- प्रे.का. 02:22-24
- मत्ती 07:21-23
- तीतुस 02:14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6530, H7386, G113, G266, G458, G459

अधर्मी, अधर्म

परिभाषा:

“अधर्मी” शब्द ऐसे मनुष्य का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता। जब कोई देश या समुदाय में अधर्म की स्थिति हो तो वहां व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

अधर्मी जन विद्रोही होता है, वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है। प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अन्त के दिनों में अधर्म का पुरूष प्रकट होगा अर्थात “अधर्मी जन” जो शैतान के प्रभाव में बुरे काम करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- “अधर्म” का अनुवाद “विद्रोही” या “अवज्ञाकारी” या “नियम विरोधी” किया जा सकता है।

“अधर्म” का अनुवाद “नियमों का पालन नहीं करना” या “विद्रोह”(परमेश्वर की व्यवस्था के विरुद्ध) किया जा सकता है।

- वाक्यांश "अधर्म का पुरूष" का अनुवाद "मनुष्य जो किसी भी व्यवस्था का पालन नहीं करता है" या "मनुष्य के रूप में किया जा सकता है जो परमेश्वर के नियमों के विरुद्ध विद्रोह करता है।"
- यदि संभव हो तो इस अवधि में "व्यवस्था" की अवधारणा को रखना महत्वपूर्ण है
- ध्यान दें कि इस शब्द से "अवैध" शब्द का एक अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, उचित, व्यवस्था)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:4-6
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- प्रे.का. 02:22-24
- मत्ती 07:21-23
- तीतुस 02:14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6530, H7386, G113, G266, G458, G459

अधर्मी, अधर्म

परिभाषा:

“अधर्मी” शब्द ऐसे मनुष्य का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता। जब कोई देश या समुदाय में अधर्म की स्थिति हो तो वहां व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

अधर्मी जन विद्रोही होता है, वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है। प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अन्त के दिनों में अधर्म का पुरूष प्रकट होगा अर्थात “अधर्मी जन” जो शैतान के प्रभाव में बुरे काम करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- “अधर्म” का अनुवाद “विद्रोही” या “अवज्ञाकारी” या “नियम विरोधी” किया जा सकता है।

“अधर्म” का अनुवाद “नियमों का पालन नहीं करना” या “विद्रोह”(परमेश्वर की व्यवस्था के विरुद्ध) किया जा सकता है।

- वाक्यांश "अधर्म का पुरूष" का अनुवाद "मनुष्य जो किसी भी व्यवस्था का पालन नहीं करता है" या "मनुष्य के रूप में किया जा सकता है जो परमेश्वर के नियमों के विरुद्ध विद्रोह करता है।"
- यदि संभव हो तो इस अवधि में "व्यवस्था" की अवधारणा को रखना महत्वपूर्ण है
- ध्यान दें कि इस शब्द से "अवैध" शब्द का एक अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, उचित, व्यवस्था)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:4-6
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- प्रे.का. 02:22-24
- मत्ती 07:21-23
- तीतुस 02:14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6530, H7386, G113, G266, G458, G459

अधर्मी, अधर्म

परिभाषा:

“अधर्मी” शब्द ऐसे मनुष्य का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता। जब कोई देश या समुदाय में अधर्म की स्थिति हो तो वहां व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

अधर्मी जन विद्रोही होता है, वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है। प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अन्त के दिनों में अधर्म का पुरूष प्रकट होगा अर्थात “अधर्मी जन” जो शैतान के प्रभाव में बुरे काम करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- “अधर्म” का अनुवाद “विद्रोही” या “अवज्ञाकारी” या “नियम विरोधी” किया जा सकता है।

“अधर्म” का अनुवाद “नियमों का पालन नहीं करना” या “विद्रोह”(परमेश्वर की व्यवस्था के विरुद्ध) किया जा सकता है।

- वाक्यांश "अधर्म का पुरूष" का अनुवाद "मनुष्य जो किसी भी व्यवस्था का पालन नहीं करता है" या "मनुष्य के रूप में किया जा सकता है जो परमेश्वर के नियमों के विरुद्ध विद्रोह करता है।"
- यदि संभव हो तो इस अवधि में "व्यवस्था" की अवधारणा को रखना महत्वपूर्ण है
- ध्यान दें कि इस शब्द से "अवैध" शब्द का एक अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, उचित, व्यवस्था)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:4-6
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- प्रे.का. 02:22-24
- मत्ती 07:21-23
- तीतुस 02:14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6530, H7386, G113, G266, G458, G459

अधिकारी, अधिकारियों

परिभाषा:

“अधिकार” शब्द किसी के द्वारा किसी पर प्रभाव एवं नियंत्रण की शक्ति को दर्शता है।

- राजाओं और शासकीय अधिकारियों का शासन करने वालों लोगो पर उनका अधिकार होता है।
- शब्द " अधिकारियों " लोगों, सरकारों या संगठनों का उल्लेख कर सकता है, जिनके पास दूसरों पर अधिकार है।
- शब्द " अधिकारियों" उन आत्माओं को भी संदर्भित कर सकता हैं, जो उन लोगों पर अधिकार रखते हैं जिन्होंने स्वयं को परमेश्वर के अधिकार के अधीन नहीं किया है।
- स्वामी अपने सेवकों या दासों पर अधिकार रखते हैं। माता-पिता के पास अपने संतानों पर अधिकार है।
- सरकारों को अपने नागरिकों को नियंत्रित करने वाले कानून बनाने का अधिकार या हक़ है।

अनुवाद के सुझाव:

“अधिकार” का अनुवाद “नियंत्रण” या “वर्चस्व” या “योग्यता” भी हो सकता है

- कभी-कभी "अधिकार " का अर्थ "शक्ति" के अर्थ के साथ किया जाता है।
- जब "अधिकारियों " का प्रयोग लोगों या संगठनों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, जो लोगों पर शासन करते हैं, तो इसे "हाकिमों" या "शासकों" या "शक्तियों" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- “अपने अधिकार से” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “अगुआई के अपने अधिकार से” या “अपनी योग्यताओं के आधार पर”
- अभिव्यक्ति, "अधिकार के अधीन" का अनुवाद किया जा सकता है, "पालन करने के लिए जिम्मेदार" या "अन्य आज्ञाओं का पालन करना"।

(यह भी देखें: निवासी, आज्ञा, आज्ञा मानना, सामर्थ्य, शासन

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 02:10-12
- एस्तेर 09:29
- उत्पत्ति 41: 35-36
- योना 03: 6-7
- लूका 12:4-5
- लूका 20:1-2
- मार्क 01:21-22
- मत्ती. 08:8-10
- मत्ती. 28:18-19
- तीतुस 03:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8633, G831, G1413, G1849, G1850, G2003, G2715, G5247

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अधिकारी, अधिकारियों

परिभाषा:

“अधिकार” शब्द किसी के द्वारा किसी पर प्रभाव एवं नियंत्रण की शक्ति को दर्शता है।

- राजाओं और शासकीय अधिकारियों का शासन करने वालों लोगो पर उनका अधिकार होता है।
- शब्द " अधिकारियों " लोगों, सरकारों या संगठनों का उल्लेख कर सकता है, जिनके पास दूसरों पर अधिकार है।
- शब्द " अधिकारियों" उन आत्माओं को भी संदर्भित कर सकता हैं, जो उन लोगों पर अधिकार रखते हैं जिन्होंने स्वयं को परमेश्वर के अधिकार के अधीन नहीं किया है।
- स्वामी अपने सेवकों या दासों पर अधिकार रखते हैं। माता-पिता के पास अपने संतानों पर अधिकार है।
- सरकारों को अपने नागरिकों को नियंत्रित करने वाले कानून बनाने का अधिकार या हक़ है।

अनुवाद के सुझाव:

“अधिकार” का अनुवाद “नियंत्रण” या “वर्चस्व” या “योग्यता” भी हो सकता है

- कभी-कभी "अधिकार " का अर्थ "शक्ति" के अर्थ के साथ किया जाता है।
- जब "अधिकारियों " का प्रयोग लोगों या संगठनों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, जो लोगों पर शासन करते हैं, तो इसे "हाकिमों" या "शासकों" या "शक्तियों" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- “अपने अधिकार से” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “अगुआई के अपने अधिकार से” या “अपनी योग्यताओं के आधार पर”
- अभिव्यक्ति, "अधिकार के अधीन" का अनुवाद किया जा सकता है, "पालन करने के लिए जिम्मेदार" या "अन्य आज्ञाओं का पालन करना"।

(यह भी देखें: निवासी, आज्ञा, आज्ञा मानना, सामर्थ्य, शासन

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 02:10-12
- एस्तेर 09:29
- उत्पत्ति 41: 35-36
- योना 03: 6-7
- लूका 12:4-5
- लूका 20:1-2
- मार्क 01:21-22
- मत्ती. 08:8-10
- मत्ती. 28:18-19
- तीतुस 03:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8633, G831, G1413, G1849, G1850, G2003, G2715, G5247

अधिकारी, अधिकारियों

परिभाषा:

“अधिकार” शब्द किसी के द्वारा किसी पर प्रभाव एवं नियंत्रण की शक्ति को दर्शता है।

- राजाओं और शासकीय अधिकारियों का शासन करने वालों लोगो पर उनका अधिकार होता है।
- शब्द " अधिकारियों " लोगों, सरकारों या संगठनों का उल्लेख कर सकता है, जिनके पास दूसरों पर अधिकार है।
- शब्द " अधिकारियों" उन आत्माओं को भी संदर्भित कर सकता हैं, जो उन लोगों पर अधिकार रखते हैं जिन्होंने स्वयं को परमेश्वर के अधिकार के अधीन नहीं किया है।
- स्वामी अपने सेवकों या दासों पर अधिकार रखते हैं। माता-पिता के पास अपने संतानों पर अधिकार है।
- सरकारों को अपने नागरिकों को नियंत्रित करने वाले कानून बनाने का अधिकार या हक़ है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अनुवाद के सुझाव:

“अधिकार” का अनुवाद “नियंत्रण” या “वर्चस्व” या “योग्यता” भी हो सकता है

- कभी-कभी "अधिकार " का अर्थ "शक्ति" के अर्थ के साथ किया जाता है।
- जब "अधिकारियों " का प्रयोग लोगों या संगठनों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, जो लोगों पर शासन करते हैं, तो इसे "हाकिमों" या "शासकों" या "शक्तियों" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- “अपने अधिकार से” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “अगुआई के अपने अधिकार से” या “अपनी योग्यताओं के आधार पर”
- अभिव्यक्ति, "अधिकार के अधीन" का अनुवाद किया जा सकता है, "पालन करने के लिए जिम्मेदार" या "अन्य आज्ञाओं का पालन करना"।

(यह भी देखें: निवासी, आज्ञा, आज्ञा मानना, सामर्थ्य, शासन

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 02:10-12
- एस्तेर 09:29
- उत्पत्ति 41: 35-36
- योना 03: 6-7
- लूका 12:4-5
- लूका 20:1-2
- मार्क 01:21-22
- मत्ती. 08:8-10
- मत्ती. 28:18-19
- तीतुस 03:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8633, G831, G1413, G1849, G1850, G2003, G2715, G5247

अधिकारी, अधिकारियों

परिभाषा:

“अधिकार” शब्द किसी के द्वारा किसी पर प्रभाव एवं नियंत्रण की शक्ति को दर्शता है।

- राजाओं और शासकीय अधिकारियों का शासन करने वालों लोगो पर उनका अधिकार होता है।
- शब्द " अधिकारियों " लोगों, सरकारों या संगठनों का उल्लेख कर सकता है, जिनके पास दूसरों पर अधिकार है।
- शब्द " अधिकारियों" उन आत्माओं को भी संदर्भित कर सकता हैं, जो उन लोगों पर अधिकार रखते हैं जिन्होंने स्वयं को परमेश्वर के अधिकार के अधीन नहीं किया है।
- स्वामी अपने सेवकों या दासों पर अधिकार रखते हैं। माता-पिता के पास अपने संतानों पर अधिकार है।
- सरकारों को अपने नागरिकों को नियंत्रित करने वाले कानून बनाने का अधिकार या हक़ है।

अनुवाद के सुझाव:

“अधिकार” का अनुवाद “नियंत्रण” या “वर्चस्व” या “योग्यता” भी हो सकता है

- कभी-कभी "अधिकार " का अर्थ "शक्ति" के अर्थ के साथ किया जाता है।
- जब "अधिकारियों " का प्रयोग लोगों या संगठनों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, जो लोगों पर शासन करते हैं, तो इसे "हाकिमों" या "शासकों" या "शक्तियों" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- “अपने अधिकार से” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “अगुआई के अपने अधिकार से” या “अपनी योग्यताओं के आधार पर”
- अभिव्यक्ति, "अधिकार के अधीन" का अनुवाद किया जा सकता है, "पालन करने के लिए जिम्मेदार" या "अन्य आज्ञाओं का पालन करना"।

(यह भी देखें: निवासी, आज्ञा, आज्ञा मानना, सामर्थ्य, शासन

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 02:10-12
- एस्तेर 09:29
- उत्पत्ति 41: 35-36
- योना 03: 6-7

- लूका 12:4-5
- लूका 20:1-2
- मार्क 01:21-22
- मत्ती. 08:8-10
- मत्ती. 28:18-19
- तीतुस 03:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8633, G831, G1413, G1849, G1850, G2003, G2715, G5247

अधिकारी, अधिकारियों

परिभाषा:

“अधिकार” शब्द किसी के द्वारा किसी पर प्रभाव एवं नियंत्रण की शक्ति को दर्शता है।

- राजाओं और शासकीय अधिकारियों का शासन करने वालों लोगो पर उनका अधिकार होता है।
- शब्द " अधिकारियों " लोगों, सरकारों या संगठनों का उल्लेख कर सकता है, जिनके पास दूसरों पर अधिकार है।
- शब्द " अधिकारियों" उन आत्माओं को भी संदर्भित कर सकता हैं, जो उन लोगों पर अधिकार रखते हैं जिन्होंने स्वयं को परमेश्वर के अधिकार के अधीन नहीं किया है।
- स्वामी अपने सेवकों या दासों पर अधिकार रखते हैं। माता-पिता के पास अपने संतानों पर अधिकार है।
- सरकारों को अपने नागरिकों को नियंत्रित करने वाले कानून बनाने का अधिकार या हक़ है।

अनुवाद के सुझाव:

“अधिकार” का अनुवाद “नियंत्रण” या “वर्चस्व” या “योग्यता” भी हो सकता है

- कभी-कभी "अधिकार " का अर्थ "शक्ति" के अर्थ के साथ किया जाता है।
- जब "अधिकारियों " का प्रयोग लोगों या संगठनों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, जो लोगों पर शासन करते हैं, तो इसे "हाकिमों" या "शासकों" या "शक्तियों" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- “अपने अधिकार से” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “अगुआई के अपने अधिकार से” या “अपनी योग्यताओं के आधार पर”
- अभिव्यक्ति, "अधिकार के अधीन" का अनुवाद किया जा सकता है, "पालन करने के लिए जिम्मेदार" या "अन्य आज्ञाओं का पालन करना"।

(यह भी देखें: निवासी, आज्ञा, आज्ञा मानना, सामर्थ्य, शासन

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 02:10-12
- एस्तेर 09:29
- उत्पत्ति 41: 35-36
- योना 03: 6-7
- लूका 12:4-5
- लूका 20:1-2
- मार्क 01:21-22
- मत्ती. 08:8-10
- मत्ती. 28:18-19
- तीतुस 03:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8633, G831, G1413, G1849, G1850, G2003, G2715, G5247

अधिकारी, अधिकारियों

परिभाषा:

“अधिकार” शब्द किसी के द्वारा किसी पर प्रभाव एवं नियंत्रण की शक्ति को दर्शता है।

- राजाओं और शासकीय अधिकारियों का शासन करने वालों लोगो पर उनका अधिकार होता है।
- शब्द " अधिकारियों " लोगों, सरकारों या संगठनों का उल्लेख कर सकता है, जिनके पास दूसरों पर अधिकार है।
- शब्द " अधिकारियों" उन आत्माओं को भी संदर्भित कर सकता हैं, जो उन लोगों पर अधिकार रखते हैं जिन्होंने स्वयं को परमेश्वर के अधिकार के अधीन नहीं किया है।
- स्वामी अपने सेवकों या दासों पर अधिकार रखते हैं। माता-पिता के पास अपने संतानों पर अधिकार है।
- सरकारों को अपने नागरिकों को नियंत्रित करने वाले कानून बनाने का अधिकार या हक़ है।

अनुवाद के सुझाव:

“अधिकार” का अनुवाद “नियंत्रण” या “वर्चस्व” या “योग्यता” भी हो सकता है

- कभी-कभी "अधिकार " का अर्थ "शक्ति" के अर्थ के साथ किया जाता है।
- जब "अधिकारियों " का प्रयोग लोगों या संगठनों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, जो लोगों पर शासन करते हैं, तो इसे "हाकिमों" या "शासकों" या "शक्तियों" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- “अपने अधिकार से” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “अगुआई के अपने अधिकार से” या “अपनी योग्यताओं के आधार पर”
- अभिव्यक्ति, "अधिकार के अधीन" का अनुवाद किया जा सकता है, "पालन करने के लिए जिम्मेदार" या "अन्य आज्ञाओं का पालन करना"।

(यह भी देखें: निवासी, आज्ञा, आज्ञा मानना, सामर्थ्य, शासन

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 02:10-12
- एस्तेर 09:29
- उत्पत्ति 41: 35-36
- योना 03: 6-7
- लूका 12:4-5
- लूका 20:1-2
- मार्क 01:21-22
- मत्ती. 08:8-10
- मत्ती. 28:18-19
- तीतुस 03:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8633, G831, G1413, G1849, G1850, G2003, G2715, G5247

अधिकारी, अधिकारियों

परिभाषा:

“अधिकार” शब्द किसी के द्वारा किसी पर प्रभाव एवं नियंत्रण की शक्ति को दर्शता है।

- राजाओं और शासकीय अधिकारियों का शासन करने वालों लोगो पर उनका अधिकार होता है।
- शब्द " अधिकारियों " लोगों, सरकारों या संगठनों का उल्लेख कर सकता है, जिनके पास दूसरों पर अधिकार है।
- शब्द " अधिकारियों" उन आत्माओं को भी संदर्भित कर सकता हैं, जो उन लोगों पर अधिकार रखते हैं जिन्होंने स्वयं को परमेश्वर के अधिकार के अधीन नहीं किया है।
- स्वामी अपने सेवकों या दासों पर अधिकार रखते हैं। माता-पिता के पास अपने संतानों पर अधिकार है।
- सरकारों को अपने नागरिकों को नियंत्रित करने वाले कानून बनाने का अधिकार या हक़ है।

अनुवाद के सुझाव:

“अधिकार” का अनुवाद “नियंत्रण” या “वर्चस्व” या “योग्यता” भी हो सकता है

- कभी-कभी "अधिकार " का अर्थ "शक्ति" के अर्थ के साथ किया जाता है।
- जब "अधिकारियों " का प्रयोग लोगों या संगठनों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, जो लोगों पर शासन करते हैं, तो इसे "हाकिमों" या "शासकों" या "शक्तियों" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- “अपने अधिकार से” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “अगुआई के अपने अधिकार से” या “अपनी योग्यताओं के आधार पर”
- अभिव्यक्ति, "अधिकार के अधीन" का अनुवाद किया जा सकता है, "पालन करने के लिए जिम्मेदार" या "अन्य आज्ञाओं का पालन करना"।

(यह भी देखें: निवासी, आज्ञा, आज्ञा मानना, सामर्थ्य, शासन

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 02:10-12
- एस्तेर 09:29
- उत्पत्ति 41: 35-36
- योना 03: 6-7
- लूका 12:4-5
- लूका 20:1-2
- मार्क 01:21-22
- मत्ती. 08:8-10
- मत्ती. 28:18-19
- तीतुस 03:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8633, G831, G1413, G1849, G1850, G2003, G2715, G5247

अधीन, अधीनता, अधीन था, अधीन थे

तथ्यों:

एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का "अधीन" होता है, यदि दूसरा व्यक्ति पहले पर शासन करता है। “अधीन रहो” वाक्य एक "आज्ञा" है जिसका अर्थ है, “आज्ञा मानों” या “किसी के अधिकार के अधीन रहो”

- “के अधीन करना” का अर्थ है मनुष्यों को किसी अगुवे या शासक के आधिपत्य के अधीन करना।
- “किसी को किसी बात के अधीन करना” अर्थात् किसी के नकारात्मक अनुभव करवाना जैसे दण्ड की आज्ञा के अधीन करना।
- कभी-कभी “अधीन” शब्द का तात्पर्य “कारण” या किसी बात का ध्यान केन्द्र होना भी होता है जैसे “निन्दा का कारण होगे”
- “के अधीन” का अर्थ भी वही है जैसे “के अधीन रहो” या “आज्ञाकारी”

(यह भी देखें: अधीन होना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:14-16
- 1 राजा 04:6
- 1 पतरस 02:18-20
- 1इब्रानियों 02:5-6
- नीतिवचन 12:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1697, H3533, H3665, H4522, H5647, H5927, G350, G1379, G1396, G1777, G3663, G5292, G5293

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अधीन, अधीनता, अधीन था, अधीन थे

तथ्यों:

एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का "अधीन" होता है, यदि दूसरा व्यक्ति पहले पर शासन करता है। “अधीन रहो” वाक्य एक "आज्ञा" है जिसका अर्थ है, “आज्ञा मानों” या “किसी के अधिकार के अधीन रहो”

- “के अधीन करना” का अर्थ है मनुष्यों को किसी अगुवे या शासक के आधिपत्य के अधीन करना।
- “किसी को किसी बात के अधीन करना” अर्थात् किसी के नकारात्मक अनुभव करवाना जैसे दण्ड की आज्ञा के अधीन करना।
- कभी-कभी “अधीन” शब्द का तात्पर्य “कारण” या किसी बात का ध्यान केन्द्र होना भी होता है जैसे “निन्दा का कारण होगे”
- “के अधीन” का अर्थ भी वही है जैसे “के अधीन रहो” या “आज्ञाकारी”

(यह भी देखें: अधीन होना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:14-16
- 1 राजा 04:6
- 1 पतरस 02:18-20
- 1इब्रानियों 02:5-6
- नीतिवचन 12:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1697, H3533, H3665, H4522, H5647, H5927, G350, G1379, G1396, G1777, G3663, G5292, G5293

अधीन, अधीनता, अधीन था, अधीन थे

तथ्यों:

एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का "अधीन" होता है, यदि दूसरा व्यक्ति पहले पर शासन करता है। “अधीन रहो” वाक्य एक "आज्ञा" है जिसका अर्थ है, “आज्ञा मानों” या “किसी के अधिकार के अधीन रहो”

- “के अधीन करना” का अर्थ है मनुष्यों को किसी अगुवे या शासक के आधिपत्य के अधीन करना।
- “किसी को किसी बात के अधीन करना” अर्थात् किसी के नकारात्मक अनुभव करवाना जैसे दण्ड की आज्ञा के अधीन करना।
- कभी-कभी “अधीन” शब्द का तात्पर्य “कारण” या किसी बात का ध्यान केन्द्र होना भी होता है जैसे “निन्दा का कारण होगे”
- “के अधीन” का अर्थ भी वही है जैसे “के अधीन रहो” या “आज्ञाकारी”

(यह भी देखें: अधीन होना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:14-16
- 1 राजा 04:6
- 1 पतरस 02:18-20
- 1इब्रानियों 02:5-6
- नीतिवचन 12:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1697, H3533, H3665, H4522, H5647, H5927, G350, G1379, G1396, G1777, G3663, G5292, G5293

अधीन, अधीनता, अधीन था, अधीन थे

तथ्यों:

एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का "अधीन" होता है, यदि दूसरा व्यक्ति पहले पर शासन करता है। “अधीन रहो” वाक्य एक "आज्ञा" है जिसका अर्थ है, “आज्ञा मानों” या “किसी के अधिकार के अधीन रहो”

- “के अधीन करना” का अर्थ है मनुष्यों को किसी अगुवे या शासक के आधिपत्य के अधीन करना।
- “किसी को किसी बात के अधीन करना” अर्थात् किसी के नकारात्मक अनुभव करवाना जैसे दण्ड की आज्ञा के अधीन करना।
- कभी-कभी “अधीन” शब्द का तात्पर्य “कारण” या किसी बात का ध्यान केन्द्र होना भी होता है जैसे “निन्दा का कारण होगे”
- “के अधीन” का अर्थ भी वही है जैसे “के अधीन रहो” या “आज्ञाकारी”

(यह भी देखें: अधीन होना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:14-16
- 1 राजा 04:6
- 1 पतरस 02:18-20
- 1इब्रानियों 02:5-6
- नीतिवचन 12:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1697, H3533, H3665, H4522, H5647, H5927, G350, G1379, G1396, G1777, G3663, G5292, G5293

अधीन, अधीनता, अधीन था, अधीन थे

तथ्यों:

एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का "अधीन" होता है, यदि दूसरा व्यक्ति पहले पर शासन करता है। “अधीन रहो” वाक्य एक "आज्ञा" है जिसका अर्थ है, “आज्ञा मानों” या “किसी के अधिकार के अधीन रहो”

- “के अधीन करना” का अर्थ है मनुष्यों को किसी अगुवे या शासक के आधिपत्य के अधीन करना।
- “किसी को किसी बात के अधीन करना” अर्थात् किसी के नकारात्मक अनुभव करवाना जैसे दण्ड की आज्ञा के अधीन करना।
- कभी-कभी “अधीन” शब्द का तात्पर्य “कारण” या किसी बात का ध्यान केन्द्र होना भी होता है जैसे “निन्दा का कारण होगे”
- “के अधीन” का अर्थ भी वही है जैसे “के अधीन रहो” या “आज्ञाकारी”

(यह भी देखें: अधीन होना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:14-16
- 1 राजा 04:6
- 1 पतरस 02:18-20
- 1इब्रानियों 02:5-6
- नीतिवचन 12:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1697, H3533, H3665, H4522, H5647, H5927, G350, G1379, G1396, G1777, G3663, G5292, G5293

अधीन, अधीनता, अधीन था, अधीन थे

तथ्यों:

एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का "अधीन" होता है, यदि दूसरा व्यक्ति पहले पर शासन करता है। “अधीन रहो” वाक्य एक "आज्ञा" है जिसका अर्थ है, “आज्ञा मानों” या “किसी के अधिकार के अधीन रहो”

- “के अधीन करना” का अर्थ है मनुष्यों को किसी अगुवे या शासक के आधिपत्य के अधीन करना।
- “किसी को किसी बात के अधीन करना” अर्थात् किसी के नकारात्मक अनुभव करवाना जैसे दण्ड की आज्ञा के अधीन करना।
- कभी-कभी “अधीन” शब्द का तात्पर्य “कारण” या किसी बात का ध्यान केन्द्र होना भी होता है जैसे “निन्दा का कारण होगे”
- “के अधीन” का अर्थ भी वही है जैसे “के अधीन रहो” या “आज्ञाकारी”

(यह भी देखें: अधीन होना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:14-16
- 1 राजा 04:6
- 1 पतरस 02:18-20
- 1इब्रानियों 02:5-6
- नीतिवचन 12:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1697, H3533, H3665, H4522, H5647, H5927, G350, G1379, G1396, G1777, G3663, G5292, G5293

अधीन, अधीनता, अधीन था, अधीन थे

तथ्यों:

एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का "अधीन" होता है, यदि दूसरा व्यक्ति पहले पर शासन करता है। “अधीन रहो” वाक्य एक "आज्ञा" है जिसका अर्थ है, “आज्ञा मानों” या “किसी के अधिकार के अधीन रहो”

- “के अधीन करना” का अर्थ है मनुष्यों को किसी अगुवे या शासक के आधिपत्य के अधीन करना।
- “किसी को किसी बात के अधीन करना” अर्थात् किसी के नकारात्मक अनुभव करवाना जैसे दण्ड की आज्ञा के अधीन करना।
- कभी-कभी “अधीन” शब्द का तात्पर्य “कारण” या किसी बात का ध्यान केन्द्र होना भी होता है जैसे “निन्दा का कारण होगे”
- “के अधीन” का अर्थ भी वही है जैसे “के अधीन रहो” या “आज्ञाकारी”

(यह भी देखें: अधीन होना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:14-16
- 1 राजा 04:6
- 1 पतरस 02:18-20
- 1इब्रानियों 02:5-6
- नीतिवचन 12:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1697, H3533, H3665, H4522, H5647, H5927, G350, G1379, G1396, G1777, G3663, G5292, G5293

अधीन, अधीनता, अधीन था, अधीन थे

तथ्यों:

एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का "अधीन" होता है, यदि दूसरा व्यक्ति पहले पर शासन करता है। “अधीन रहो” वाक्य एक "आज्ञा" है जिसका अर्थ है, “आज्ञा मानों” या “किसी के अधिकार के अधीन रहो”

- “के अधीन करना” का अर्थ है मनुष्यों को किसी अगुवे या शासक के आधिपत्य के अधीन करना।
- “किसी को किसी बात के अधीन करना” अर्थात् किसी के नकारात्मक अनुभव करवाना जैसे दण्ड की आज्ञा के अधीन करना।
- कभी-कभी “अधीन” शब्द का तात्पर्य “कारण” या किसी बात का ध्यान केन्द्र होना भी होता है जैसे “निन्दा का कारण होगे”
- “के अधीन” का अर्थ भी वही है जैसे “के अधीन रहो” या “आज्ञाकारी”

(यह भी देखें: अधीन होना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:14-16
- 1 राजा 04:6
- 1 पतरस 02:18-20
- 1इब्रानियों 02:5-6
- नीतिवचन 12:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1697, H3533, H3665, H4522, H5647, H5927, G350, G1379, G1396, G1777, G3663, G5292, G5293

अधीन, अधीनता, अधीन था, अधीन थे

तथ्यों:

एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का "अधीन" होता है, यदि दूसरा व्यक्ति पहले पर शासन करता है। “अधीन रहो” वाक्य एक "आज्ञा" है जिसका अर्थ है, “आज्ञा मानों” या “किसी के अधिकार के अधीन रहो”

- “के अधीन करना” का अर्थ है मनुष्यों को किसी अगुवे या शासक के आधिपत्य के अधीन करना।
- “किसी को किसी बात के अधीन करना” अर्थात् किसी के नकारात्मक अनुभव करवाना जैसे दण्ड की आज्ञा के अधीन करना।
- कभी-कभी “अधीन” शब्द का तात्पर्य “कारण” या किसी बात का ध्यान केन्द्र होना भी होता है जैसे “निन्दा का कारण होगे”
- “के अधीन” का अर्थ भी वही है जैसे “के अधीन रहो” या “आज्ञाकारी”

(यह भी देखें: अधीन होना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:14-16
- 1 राजा 04:6
- 1 पतरस 02:18-20
- 1इब्रानियों 02:5-6
- नीतिवचन 12:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1697, H3533, H3665, H4522, H5647, H5927, G350, G1379, G1396, G1777, G3663, G5292, G5293

अधीन, अधीनता, अधीन था, अधीन थे

तथ्यों:

एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का "अधीन" होता है, यदि दूसरा व्यक्ति पहले पर शासन करता है। “अधीन रहो” वाक्य एक "आज्ञा" है जिसका अर्थ है, “आज्ञा मानों” या “किसी के अधिकार के अधीन रहो”

- “के अधीन करना” का अर्थ है मनुष्यों को किसी अगुवे या शासक के आधिपत्य के अधीन करना।
- “किसी को किसी बात के अधीन करना” अर्थात् किसी के नकारात्मक अनुभव करवाना जैसे दण्ड की आज्ञा के अधीन करना।
- कभी-कभी “अधीन” शब्द का तात्पर्य “कारण” या किसी बात का ध्यान केन्द्र होना भी होता है जैसे “निन्दा का कारण होगे”
- “के अधीन” का अर्थ भी वही है जैसे “के अधीन रहो” या “आज्ञाकारी”

(यह भी देखें: अधीन होना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:14-16
- 1 राजा 04:6
- 1 पतरस 02:18-20
- 1इब्रानियों 02:5-6
- नीतिवचन 12:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1697, H3533, H3665, H4522, H5647, H5927, G350, G1379, G1396, G1777, G3663, G5292, G5293

अधीन, अधीनता, अधीन था, अधीन थे

तथ्यों:

एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का "अधीन" होता है, यदि दूसरा व्यक्ति पहले पर शासन करता है। “अधीन रहो” वाक्य एक "आज्ञा" है जिसका अर्थ है, “आज्ञा मानों” या “किसी के अधिकार के अधीन रहो”

- “के अधीन करना” का अर्थ है मनुष्यों को किसी अगुवे या शासक के आधिपत्य के अधीन करना।
- “किसी को किसी बात के अधीन करना” अर्थात् किसी के नकारात्मक अनुभव करवाना जैसे दण्ड की आज्ञा के अधीन करना।
- कभी-कभी “अधीन” शब्द का तात्पर्य “कारण” या किसी बात का ध्यान केन्द्र होना भी होता है जैसे “निन्दा का कारण होगे”
- “के अधीन” का अर्थ भी वही है जैसे “के अधीन रहो” या “आज्ञाकारी”

(यह भी देखें: अधीन होना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:14-16
- 1 राजा 04:6
- 1 पतरस 02:18-20
- 1इब्रानियों 02:5-6
- नीतिवचन 12:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1697, H3533, H3665, H4522, H5647, H5927, G350, G1379, G1396, G1777, G3663, G5292, G5293

अधीन, अधीनता, अधीन था, अधीन थे

तथ्यों:

एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का "अधीन" होता है, यदि दूसरा व्यक्ति पहले पर शासन करता है। “अधीन रहो” वाक्य एक "आज्ञा" है जिसका अर्थ है, “आज्ञा मानों” या “किसी के अधिकार के अधीन रहो”

- “के अधीन करना” का अर्थ है मनुष्यों को किसी अगुवे या शासक के आधिपत्य के अधीन करना।
- “किसी को किसी बात के अधीन करना” अर्थात् किसी के नकारात्मक अनुभव करवाना जैसे दण्ड की आज्ञा के अधीन करना।
- कभी-कभी “अधीन” शब्द का तात्पर्य “कारण” या किसी बात का ध्यान केन्द्र होना भी होता है जैसे “निन्दा का कारण होगे”
- “के अधीन” का अर्थ भी वही है जैसे “के अधीन रहो” या “आज्ञाकारी”

(यह भी देखें: अधीन होना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:14-16
- 1 राजा 04:6
- 1 पतरस 02:18-20
- 1इब्रानियों 02:5-6
- नीतिवचन 12:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1697, H3533, H3665, H4522, H5647, H5927, G350, G1379, G1396, G1777, G3663, G5292, G5293

अधीन होना, अधीन रहना, अधीनता,अधीनता में

परिभाषा:

“अधीन होना” इसका सामान्य अर्थ है स्वैच्छा से किसी के या सरकार के अधीन होना।

- बाइबल में यीशु के विश्वासियों को कहा गया है कि वे अपने जीवन में परमेश्वर और अन्य अधिकारियों के अधीन रहें।
- “एक दूसरे के अधीन रहो” इस निर्देश का अर्थ है, दीनतापूर्वक सुधार स्वीकार करें और अपनी अपेक्षा अन्यों की आवश्यकताओं पर अधिक ध्यान दें।
- “अधीनता में रहना” अर्थात स्वयं को किसी के अधीन रखना।

अनुवाद के सुझाव:

- “अधीन रहो” का अनुवाद “अधिकार के नीचे हो जाओ” या “अगुआई का अनुसरण करो” या “दीनतापूर्वक प्रतीष्ठा करो और आदर करो”।
- “अधीनता” का अनुवाद “आज्ञा पालन” या “अधिकार को स्वीकार करना” हो सकता है।
- “अधीनता में रहो” का अनुवाद “आज्ञापालन करो” या “किसी के अधिकाराधीन रहो” हो सकता है।
- “अधीनता में रहो” का अनुवाद “दीनतापूर्वक अधिकार स्वीकार करो” हो सकता है।

(यह भी देखें: अधीन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 14:34-36
- 1 पतरस 03:01
- इब्रानियों 13:15-17
- लूका 10:20

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H3584, G5226, G5293

अधोलोक, अथाह-कुण्ड

परिभाषा:

“अधोलोक” और “अथाह-कुण्ड” बाइबल में मृत्यु के संदर्भ में काम में लिए गए हैं और उस स्थान को दर्शाते हैं जहां मरणोपरान्त मनुष्यों की आत्मायें जाती हैं। इनके अर्थ एक से ही हैं।

- पुराने नियम में “अधोलोक” का इब्रानी शब्द (शिओल) सामान्यतः मृत्यु के स्थान को दर्शाता है
- नये नियम में यूनानी शब्द “हेडीज़” (अथाह-कुण्ड) परमेश्वर के विद्रोहियों की आत्माओं का स्थान है। इन आत्माओं के लिए कहा गया है कि वे अथाह-कुण्ड में डाली जायेंगी। यह कभी-कभी स्वर्गारोहण के विपरीत विचार व्यक्त करने के लिए है जहां यीशु के विश्वासियों की आत्मायें हैं।

अनुवाद के सुझाव

- पुराने नियम के शब्द “शिओल” (अधोलोक) का अनुवाद “मृतकों का स्थान” या “मृतक आत्माओं का स्थान” कुछ अनुवादों में इसे “कुण्ड” या “मृत्यु” कहा गया है-प्रकरण के अनुसार।
- नये नियम का शब्द “हेडीज़” का अनुवाद भी “अविश्वासी मृतक आत्माओं का स्थान” या “अविश्वासी मृतकों मनुष्यों की आत्माओं का स्थान”।
- कुछ अनुवादों में “शिओल” और “हेडीज़” का उसी भाषा के उच्चारण में ज्यों का त्यों रखा गया है।
- एक वाक्यांश को यह भी समझाने के लिए प्रत्येक शब्द में जोड़ा जा सकता है, ऐसा करने के उदाहरण, "अधोलोक, जगह जहाँ मृत लोग हैं" और "अथाह-कुण्ड, मृत्यु के स्थान"।

(यह भी देखें: मर जाए, स्वर्ग, नरक, कब्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:29-31
- उत्पत्ति 44:27-29
- योना 02:1-2
- लूका 10:13-15
- लूका 16:22-23
- मत्ती 11:23-24
- मत्ती 16:17-18
- प्रकाशितवाक्य 01:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7585, G86

अधोलोक, अथाह-कुण्ड

परिभाषा:

“अधोलोक” और “अथाह-कुण्ड” बाइबल में मृत्यु के संदर्भ में काम में लिए गए हैं और उस स्थान को दर्शाते हैं जहां मरणोपरान्त मनुष्यों की आत्मायें जाती हैं। इनके अर्थ एक से ही हैं।

- पुराने नियम में “अधोलोक” का इब्रानी शब्द (शिओल) सामान्यतः मृत्यु के स्थान को दर्शाता है
- नये नियम में यूनानी शब्द “हेडीज़” (अथाह-कुण्ड) परमेश्वर के विद्रोहियों की आत्माओं का स्थान है। इन आत्माओं के लिए कहा गया है कि वे अथाह-कुण्ड में डाली जायेंगी। यह कभी-कभी स्वर्गारोहण के विपरीत विचार व्यक्त करने के लिए है जहां यीशु के विश्वासियों की आत्मायें हैं।

अनुवाद के सुझाव

- पुराने नियम के शब्द “शिओल” (अधोलोक) का अनुवाद “मृतकों का स्थान” या “मृतक आत्माओं का स्थान” कुछ अनुवादों में इसे “कुण्ड” या “मृत्यु” कहा गया है-प्रकरण के अनुसार।
- नये नियम का शब्द “हेडीज़” का अनुवाद भी “अविश्वासी मृतक आत्माओं का स्थान” या “अविश्वासी मृतकों मनुष्यों की आत्माओं का स्थान”।
- कुछ अनुवादों में “शिओल” और “हेडीज़” का उसी भाषा के उच्चारण में ज्यों का त्यों रखा गया है।
- एक वाक्यांश को यह भी समझाने के लिए प्रत्येक शब्द में जोड़ा जा सकता है, ऐसा करने के उदाहरण, "अधोलोक, जगह जहाँ मृत लोग हैं" और "अथाह-कुण्ड, मृत्यु के स्थान"।

(यह भी देखें: मर जाए, स्वर्ग, नरक, कब्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:29-31
- उत्पत्ति 44:27-29
- योना 02:1-2
- लूका 10:13-15
- लूका 16:22-23
- मत्ती 11:23-24
- मत्ती 16:17-18
- प्रकाशितवाक्य 01:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7585, G86

अधोलोक, अथाह-कुण्ड

परिभाषा:

“अधोलोक” और “अथाह-कुण्ड” बाइबल में मृत्यु के संदर्भ में काम में लिए गए हैं और उस स्थान को दर्शाते हैं जहां मरणोपरान्त मनुष्यों की आत्मायें जाती हैं। इनके अर्थ एक से ही हैं।

- पुराने नियम में “अधोलोक” का इब्रानी शब्द (शिओल) सामान्यतः मृत्यु के स्थान को दर्शाता है
- नये नियम में यूनानी शब्द “हेडीज़” (अथाह-कुण्ड) परमेश्वर के विद्रोहियों की आत्माओं का स्थान है। इन आत्माओं के लिए कहा गया है कि वे अथाह-कुण्ड में डाली जायेंगी। यह कभी-कभी स्वर्गारोहण के विपरीत विचार व्यक्त करने के लिए है जहां यीशु के विश्वासियों की आत्मायें हैं।

अनुवाद के सुझाव

- पुराने नियम के शब्द “शिओल” (अधोलोक) का अनुवाद “मृतकों का स्थान” या “मृतक आत्माओं का स्थान” कुछ अनुवादों में इसे “कुण्ड” या “मृत्यु” कहा गया है-प्रकरण के अनुसार।
- नये नियम का शब्द “हेडीज़” का अनुवाद भी “अविश्वासी मृतक आत्माओं का स्थान” या “अविश्वासी मृतकों मनुष्यों की आत्माओं का स्थान”।
- कुछ अनुवादों में “शिओल” और “हेडीज़” का उसी भाषा के उच्चारण में ज्यों का त्यों रखा गया है।
- एक वाक्यांश को यह भी समझाने के लिए प्रत्येक शब्द में जोड़ा जा सकता है, ऐसा करने के उदाहरण, "अधोलोक, जगह जहाँ मृत लोग हैं" और "अथाह-कुण्ड, मृत्यु के स्थान"।

(यह भी देखें: मर जाए, स्वर्ग, नरक, कब्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:29-31
- उत्पत्ति 44:27-29
- योना 02:1-2
- लूका 10:13-15
- लूका 16:22-23
- मत्ती 11:23-24
- मत्ती 16:17-18
- प्रकाशितवाक्य 01:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7585, G86

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अधोलोक, अथाह-कुण्ड

परिभाषा:

“अधोलोक” और “अथाह-कुण्ड” बाइबल में मृत्यु के संदर्भ में काम में लिए गए हैं और उस स्थान को दर्शाते हैं जहां मरणोपरान्त मनुष्यों की आत्मायें जाती हैं। इनके अर्थ एक से ही हैं।

- पुराने नियम में “अधोलोक” का इब्रानी शब्द (शिओल) सामान्यतः मृत्यु के स्थान को दर्शाता है
- नये नियम में यूनानी शब्द “हेडीज़” (अथाह-कुण्ड) परमेश्वर के विद्रोहियों की आत्माओं का स्थान है। इन आत्माओं के लिए कहा गया है कि वे अथाह-कुण्ड में डाली जायेंगी। यह कभी-कभी स्वर्गारोहण के विपरीत विचार व्यक्त करने के लिए है जहां यीशु के विश्वासियों की आत्मायें हैं।

अनुवाद के सुझाव

- पुराने नियम के शब्द “शिओल” (अधोलोक) का अनुवाद “मृतकों का स्थान” या “मृतक आत्माओं का स्थान” कुछ अनुवादों में इसे “कुण्ड” या “मृत्यु” कहा गया है-प्रकरण के अनुसार।
- नये नियम का शब्द “हेडीज़” का अनुवाद भी “अविश्वासी मृतक आत्माओं का स्थान” या “अविश्वासी मृतकों मनुष्यों की आत्माओं का स्थान”।
- कुछ अनुवादों में “शिओल” और “हेडीज़” का उसी भाषा के उच्चारण में ज्यों का त्यों रखा गया है।
- एक वाक्यांश को यह भी समझाने के लिए प्रत्येक शब्द में जोड़ा जा सकता है, ऐसा करने के उदाहरण, "अधोलोक, जगह जहाँ मृत लोग हैं" और "अथाह-कुण्ड, मृत्यु के स्थान"।

(यह भी देखें: मर जाए, स्वर्ग, नरक, कब्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:29-31
- उत्पत्ति 44:27-29
- योना 02:1-2
- लूका 10:13-15
- लूका 16:22-23
- मत्ती 11:23-24
- मत्ती 16:17-18
- प्रकाशितवाक्य 01:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7585, G86

अधोलोक, अथाह-कुण्ड

परिभाषा:

“अधोलोक” और “अथाह-कुण्ड” बाइबल में मृत्यु के संदर्भ में काम में लिए गए हैं और उस स्थान को दर्शाते हैं जहां मरणोपरान्त मनुष्यों की आत्मायें जाती हैं। इनके अर्थ एक से ही हैं।

- पुराने नियम में “अधोलोक” का इब्रानी शब्द (शिओल) सामान्यतः मृत्यु के स्थान को दर्शाता है
- नये नियम में यूनानी शब्द “हेडीज़” (अथाह-कुण्ड) परमेश्वर के विद्रोहियों की आत्माओं का स्थान है। इन आत्माओं के लिए कहा गया है कि वे अथाह-कुण्ड में डाली जायेंगी। यह कभी-कभी स्वर्गारोहण के विपरीत विचार व्यक्त करने के लिए है जहां यीशु के विश्वासियों की आत्मायें हैं।

अनुवाद के सुझाव

- पुराने नियम के शब्द “शिओल” (अधोलोक) का अनुवाद “मृतकों का स्थान” या “मृतक आत्माओं का स्थान” कुछ अनुवादों में इसे “कुण्ड” या “मृत्यु” कहा गया है-प्रकरण के अनुसार।
- नये नियम का शब्द “हेडीज़” का अनुवाद भी “अविश्वासी मृतक आत्माओं का स्थान” या “अविश्वासी मृतकों मनुष्यों की आत्माओं का स्थान”।
- कुछ अनुवादों में “शिओल” और “हेडीज़” का उसी भाषा के उच्चारण में ज्यों का त्यों रखा गया है।
- एक वाक्यांश को यह भी समझाने के लिए प्रत्येक शब्द में जोड़ा जा सकता है, ऐसा करने के उदाहरण, "अधोलोक, जगह जहाँ मृत लोग हैं" और "अथाह-कुण्ड, मृत्यु के स्थान"।

(यह भी देखें: मर जाए, स्वर्ग, नरक, कब्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:29-31
- उत्पत्ति 44:27-29
- योना 02:1-2
- लूका 10:13-15
- लूका 16:22-23
- मत्ती 11:23-24
- मत्ती 16:17-18
- प्रकाशितवाक्य 01:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7585, G86

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।

- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।

- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।

- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।

- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।

- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।

- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।
- "पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।
- “विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
- शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। * यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 इतिहास 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- प्रे.का. 24:26-27
- उत्पत्ति 41:14-16
- उत्पत्ति 47:25-26
- उत्पत्ति 50:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।

- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अनुग्रह, अनुग्रहकारी

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
- “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
- “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- उत्पत्ति 43:28-29
- याकूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

अन्ताकिया

तथ्य:

अन्ताकिया नये नियम में दो नगरों का नाम था। एक नगर भूमध्य सागर के तट पर सीरिया में था। दूसरा नगर रोमी प्रदेश पिसिदिया में कुलुस्से के निकट था।

- सीरिया के अन्ताकिया में स्थानीय कलीसिया के विश्वासियों को पहली बार “मसीही” कहा गया था। वहां की कलीसिया अन्यजातियों में प्रचारकों को भेजने में सक्रिय थी।
- यरूशलेम की कलीसिया के अगुओं ने सीरिया के अन्ताकिया की कलीसिया के विश्वासियों को पत्र लिख कर स्पष्ट किया था कि मसीह के विश्वासी होने के लिए उन्हें यहूदी व्यवस्था का पालन करने की आवश्यकता नहीं है।
- पौलुस, बरनबास और यूहन्ना मरकुस पिसिदिया के अन्ताकिया गए थे कि वहां सुसमाचार सुनाएं। वहां अन्य नगरों से यहूदी आए थे कि समस्या उत्पन्न करें और पौलुस की हत्या करें। परन्तु अनेक लोगों ने, यहूदी और गैर यहूदीयों ने सुसमाचार सुना और यीशु में विश्वास किया।

(यह भी देखें:बरनबास, कुलुस्से, यूहन्ना मरकुस, पौलुस, प्रांत, रोम, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:10-13
- प्रे.का. 06:5-6
- प्रे.का. 11:19-21
- प्रे.का. 11:25-26
- गलातियों 02:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: G491

अन्ताकिया

तथ्य:

अन्ताकिया नये नियम में दो नगरों का नाम था। एक नगर भूमध्य सागर के तट पर सीरिया में था। दूसरा नगर रोमी प्रदेश पिसिदिया में कुलुस्से के निकट था।

- सीरिया के अन्ताकिया में स्थानीय कलीसिया के विश्वासियों को पहली बार “मसीही” कहा गया था। वहां की कलीसिया अन्यजातियों में प्रचारकों को भेजने में सक्रिय थी।
- यरूशलेम की कलीसिया के अगुओं ने सीरिया के अन्ताकिया की कलीसिया के विश्वासियों को पत्र लिख कर स्पष्ट किया था कि मसीह के विश्वासी होने के लिए उन्हें यहूदी व्यवस्था का पालन करने की आवश्यकता नहीं है।
- पौलुस, बरनबास और यूहन्ना मरकुस पिसिदिया के अन्ताकिया गए थे कि वहां सुसमाचार सुनाएं। वहां अन्य नगरों से यहूदी आए थे कि समस्या उत्पन्न करें और पौलुस की हत्या करें। परन्तु अनेक लोगों ने, यहूदी और गैर यहूदीयों ने सुसमाचार सुना और यीशु में विश्वास किया।

(यह भी देखें:बरनबास, कुलुस्से, यूहन्ना मरकुस, पौलुस, प्रांत, रोम, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:10-13
- प्रे.का. 06:5-6
- प्रे.का. 11:19-21
- प्रे.का. 11:25-26
- गलातियों 02:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: G491

अन्ताकिया

तथ्य:

अन्ताकिया नये नियम में दो नगरों का नाम था। एक नगर भूमध्य सागर के तट पर सीरिया में था। दूसरा नगर रोमी प्रदेश पिसिदिया में कुलुस्से के निकट था।

- सीरिया के अन्ताकिया में स्थानीय कलीसिया के विश्वासियों को पहली बार "मसीही" कहा गया था। वहां की कलीसिया अन्यजातियों में प्रचारकों को भेजने में सक्रिय थी।
- यरूशलेम की कलीसिया के अगुओं ने सीरिया के अन्ताकिया की कलीसिया के विश्वासियों को पत्र लिख कर स्पष्ट किया था कि मसीह के विश्वासी होने के लिए उन्हें यहूदी व्यवस्था का पालन करने की आवश्यकता नहीं है।
- पौलुस, बरनबास और यूहन्ना मरकुस पिसिदिया के अन्ताकिया गए थे कि वहां सुसमाचार सुनाएं। वहां अन्य नगरों से यहूदी आए थे कि समस्या उत्पन्न करें और पौलुस की हत्या करें। परन्तु अनेक लोगों ने, यहूदी और गैर यहूदीयों ने सुसमाचार सुना और यीशु में विश्वास किया।

(यह भी देखें:बरनबास, कुलुस्से, यूहन्ना मरकुस, पौलुस, प्रांत, रोम, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:10-13
- प्रे.का. 06:5-6
- प्रे.का. 11:19-21
- प्रे.का. 11:25-26
- गलातियों 02:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: G491

अन्द्रियास

तथ्य:

अन्द्रियास उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने अपने घनिष्ठ शिष्यों में से चुना था। (आगे चलकर वे प्रेरित कहलाए)

- अन्द्रियास का भाई शमौन पतरस था। दोनों ही मछुवारे थे।
- पतरस और अन्द्रियास गलील सागर में मछलियां पकड़ रहे थे जब तब यीशु ने उन्हें अपने चेले होने के लिए बुला लिया था।
- यीशु से भेंट करने से पूर्व पतरस और अन्द्रियास यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के चेले थे।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- यूहन्ना 01:40-42
- मरकुस 01:16-18
- मरकुस 01:29-31
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G406

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अन्द्रियास

तथ्य:

अन्द्रियास उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने अपने घनिष्ठ शिष्यों में से चुना था। (आगे चलकर वे प्रेरित कहलाए)

- अन्द्रियास का भाई शमौन पतरस था। दोनों ही मछुवारे थे।
- पतरस और अन्द्रियास गलील सागर में मछलियां पकड़ रहे थे जब तब यीशु ने उन्हें अपने चेले होने के लिए बुला लिया था।
- यीशु से भेंट करने से पूर्व पतरस और अन्द्रियास यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के चेले थे।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- यूहन्ना 01:40-42
- मरकुस 01:16-18
- मरकुस 01:29-31
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G406

अन्द्रियास

तथ्य:

अन्द्रियास उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने अपने घनिष्ठ शिष्यों में से चुना था। (आगे चलकर वे प्रेरित कहलाए)

- अन्द्रियास का भाई शमौन पतरस था। दोनों ही मछुवारे थे।
- पतरस और अन्द्रियास गलील सागर में मछलियां पकड़ रहे थे जब तब यीशु ने उन्हें अपने चेले होने के लिए बुला लिया था।
- यीशु से भेंट करने से पूर्व पतरस और अन्द्रियास यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के चेले थे।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- यूहन्ना 01:40-42
- मरकुस 01:16-18
- मरकुस 01:29-31
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G406

अन्द्रियास

तथ्य:

अन्द्रियास उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने अपने घनिष्ठ शिष्यों में से चुना था। (आगे चलकर वे प्रेरित कहलाए)

- अन्द्रियास का भाई शमौन पतरस था। दोनों ही मछुवारे थे।

- पतरस और अन्द्रियास गलील सागर में मछलियां पकड़ रहे थे जब तब यीशु ने उन्हें अपने चेले होने के लिए बुला लिया था।
- यीशु से भेंट करने से पूर्व पतरस और अन्द्रियास यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के चेले थे।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- यूहन्ना 01:40-42
- मरकुस 01:16-18
- मरकुस 01:29-31
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G406

अन्द्रियास

तथ्य:

अन्द्रियास उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने अपने घनिष्ठ शिष्यों में से चुना था। (आगे चलकर वे प्रेरित कहलाए)

- अन्द्रियास का भाई शमौन पतरस था। दोनों ही मछुवारे थे।
- पतरस और अन्द्रियास गलील सागर में मछलियां पकड़ रहे थे जब तब यीशु ने उन्हें अपने चेले होने के लिए बुला लिया था।
- यीशु से भेंट करने से पूर्व पतरस और अन्द्रियास यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के चेले थे।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- यूहन्ना 01:40-42
- मरकुस 01:16-18
- मरकुस 01:29-31
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G406

अन्न, किनकों, खेतों

परिभाषा:

“अन्न” अर्थात गेहूं, जौ, मक्का, दाल, चावल जैसे खाद्य संयंत्र के बीज को संदर्भित करता है। इसका अभिप्राय संपूर्ण पौधे से भी हो सकता है।

- बाइबल में मुख्य अन्न हैं गेहूं और जौ।
- बालियां गेहूं के पौधे का वह ऊपरी भाग है जो दाने को पकड़े रहता है।
- कुछ पुराने संस्करणों (अंग्रेजी) में “कार्न” शब्द अर्थात दाना शब्द का उपयोग किया गया है जो अन्न के सामान्य सदंर्भ में है। परन्तु आधुनिक भाषा में “कार्न” का अर्थ केवल मक्का से है।

(यह भी देखें: सिर, गेहूँ)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 42:1-4
- उत्पत्ति 42:26-28
- उत्पत्ति 43:1-2
- लूका 06:1-2
- मरकुस 02:23-24
- मत्ती 13:7-9
- रूत 01:22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1250, H1430, H1715, H2233, H2591, H3759, H3899, H7054, H7383, H7641, H7668, G248, G2590, G3450, G4621, G4719

अन्न, किनकों, खेतों

परिभाषा:

“अन्न” अर्थात गेहूं, जौ, मक्का, दाल, चावल जैसे खाद्य संयंत्र के बीज को संदर्भित करता है। इसका अभिप्राय संपूर्ण पौधे से भी हो सकता है।

- बाइबल में मुख्य अन्न हैं गेहूं और जौ।
- बालियां गेहूं के पौधे का वह ऊपरी भाग है जो दाने को पकड़े रहता है।
- कुछ पुराने संस्करणों (अंग्रेजी) में “कार्न” शब्द अर्थात दाना शब्द का उपयोग किया गया है जो अन्न के सामान्य सदंर्भ में है। परन्तु आधुनिक भाषा में “कार्न” का अर्थ केवल मक्का से है।

(यह भी देखें: सिर, गेहूँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 42:1-4
- उत्पत्ति 42:26-28
- उत्पत्ति 43:1-2
- लूका 06:1-2
- मरकुस 02:23-24
- मत्ती 13:7-9
- रूत 01:22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1250, H1430, H1715, H2233, H2591, H3759, H3899, H7054, H7383, H7641, H7668, G248, G2590, G3450, G4621, G4719

अन्न, किनकों, खेतों

परिभाषा:

“अन्न” अर्थात गेहूं, जौ, मक्का, दाल, चावल जैसे खाद्य संयंत्र के बीज को संदर्भित करता है। इसका अभिप्राय संपूर्ण पौधे से भी हो सकता है।

- बाइबल में मुख्य अन्न हैं गेहूं और जौ।
- बालियां गेहूं के पौधे का वह ऊपरी भाग है जो दाने को पकड़े रहता है।
- कुछ पुराने संस्करणों (अंग्रेजी) में “कार्न” शब्द अर्थात दाना शब्द का उपयोग किया गया है जो अन्न के सामान्य सदंर्भ में है। परन्तु आधुनिक भाषा में “कार्न” का अर्थ केवल मक्का से है।

(यह भी देखें: सिर, गेहूँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 42:1-4

- उत्पत्ति 42:26-28
- उत्पत्ति 43:1-2
- लूका 06:1-2
- मरकुस 02:23-24
- मत्ती 13:7-9
- रूत 01:22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1250, H1430, H1715, H2233, H2591, H3759, H3899, H7054, H7383, H7641, H7668, G248, G2590, G3450, G4621, G4719

अन्न, किनकों, खेतों

परिभाषा:

“अन्न” अर्थात गेहूं, जौ, मक्का, दाल, चावल जैसे खाद्य संयंत्र के बीज को संदर्भित करता है। इसका अभिप्राय संपूर्ण पौधे से भी हो सकता है।

- बाइबल में मुख्य अन्न हैं गेहूं और जौ।
- बालियां गेहूं के पौधे का वह ऊपरी भाग है जो दाने को पकड़े रहता है।
- कुछ पुराने संस्करणों (अंग्रेजी) में “कार्न” शब्द अर्थात दाना शब्द का उपयोग किया गया है जो अन्न के सामान्य सदंर्भ में है। परन्तु आधुनिक भाषा में “कार्न” का अर्थ केवल मक्का से है।

(यह भी देखें: सिर, गेहूँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 42:1-4
- उत्पत्ति 42:26-28
- उत्पत्ति 43:1-2
- लूका 06:1-2
- मरकुस 02:23-24
- मत्ती 13:7-9
- रूत 01:22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1250, H1430, H1715, H2233, H2591, H3759, H3899, H7054, H7383, H7641, H7668, G248, G2590, G3450, G4621, G4719

अन्नबलि, अन्नबलियों

परिभाषा:

अन्नबलि परमेश्वर को चढ़ाई जानेवाली गेहूं या जौ के आटे की भेंट थी जो होमबलि के बाद चढ़ाई जाती थी।

- अन्नबलि के लिए काम में लिया गया अन्न बारीक पिसा हुआ होना था। कभी-कभी उसे पका कर भी भेंट चढ़ाई जाती थी और कभी कच्चा भी चढ़ाया जाता था।
- अन्न के आटे में तेल और नमक मिलाया जाता था परन्तु खमीर और शहद वर्जित था।
- अन्नबलि का एक अंश जला दिया जाता था शेष याजक खाता था।

(यह भी देखें: होमबलि, दोषबलि, बलिदान करना, पापबलि)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 23:27-29
- निर्गमन 29:41-42
- न्यायियों 13:19-20
- लैव्यव्यवस्था 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4503, H8641

अन्नबलि

परिभाषा:

“अन्नबलि” परमेश्वर के लिए अन्न या आटे की रोटी के रूप में बलि थी।

- “अन्न” का अर्थ है अन्न का आटा।
- आटे को पानी या तेल में गूंध कर रोटी बनाई जाती थी। कभी-कभी रोटी पर तेल लगाया जाता था।
- यह बलि प्रायः होमबलि के साथ चढ़ाई जाती थी।

(यह भी देखें: होमबलि, अन्न, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 44:30-31
- योएल 02:14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4503, H8641

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति का अनुवाद “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी” हो सकता है।
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 14:5-7
- गलातियों 02:15-16
- लूका 02:30-32
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति का अनुवाद “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी” हो सकता है।
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 14:5-7
- गलातियों 02:15-16
- लूका 02:30-32
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति का अनुवाद “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी” हो सकता है।
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 14:5-7
- गलातियों 02:15-16
- लूका 02:30-32
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति का अनुवाद “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी” हो सकता है।
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 14:5-7
- गलातियों 02:15-16
- लूका 02:30-32
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति का अनुवाद “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी” हो सकता है।
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 14:5-7
- गलातियों 02:15-16
- लूका 02:30-32
- मत्ती 05:46-48

- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति का अनुवाद “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी” हो सकता है।
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 14:5-7
- गलातियों 02:15-16
- लूका 02:30-32
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति का अनुवाद “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी” हो सकता है।
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 14:5-7

- गलातियों 02:15-16
- लूका 02:30-32
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति का अनुवाद “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी” हो सकता है।
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 14:5-7
- गलातियों 02:15-16
- लूका 02:30-32
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति का अनुवाद “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी” हो सकता है।
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 14:5-7
- गलातियों 02:15-16
- लूका 02:30-32
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति का अनुवाद “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी” हो सकता है।
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 14:5-7
- गलातियों 02:15-16
- लूका 02:30-32
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति का अनुवाद “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी” हो सकता है।
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 14:5-7
- गलातियों 02:15-16
- लूका 02:30-32
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति का अनुवाद “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी” हो सकता है।
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 14:5-7
- गलातियों 02:15-16
- लूका 02:30-32
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति का अनुवाद “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी” हो सकता है।

- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 14:5-7
- गलातियों 02:15-16
- लूका 02:30-32
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति का अनुवाद “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी” हो सकता है।
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 14:5-7
- गलातियों 02:15-16
- लूका 02:30-32
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।

- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति का अनुवाद “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी” हो सकता है।
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 14:5-7
- गलातियों 02:15-16
- लूका 02:30-32
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति का अनुवाद “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी” हो सकता है।
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 14:5-7
- गलातियों 02:15-16
- लूका 02:30-32
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

अन्यजाति, अन्यजातियां

परिभाषा:

बाइबल में "अन्यजाति" शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, देवता, बलिदान करना, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 राजा 17:14-15
- 2 राजा 21:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1484, G1494

अन्यजाति, अन्यजातियां

परिभाषा:

बाइबल में "अन्यजाति" शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, देवता, बलिदान करना, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 राजा 17:14-15
- 2 राजा 21:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1484, G1494

अन्यजाति, अन्यजातियां

परिभाषा:

बाइबल में "अन्यजाति" शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, देवता, बलिदान करना, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 राजा 17:14-15
- 2 राजा 21:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1484, G1494

अन्यजाति, अन्यजातियां

परिभाषा:

बाइबल में "अन्यजाति" शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, देवता, बलिदान करना, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 राजा 17:14-15
- 2 राजा 21:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1484, G1494

अन्यजाति, अन्यजातियां

परिभाषा:

बाइबल में "अन्यजाति" शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, देवता, बलिदान करना, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 राजा 17:14-15
- 2 राजा 21:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1484, G1494

अन्यजाति, अन्यजातियां

परिभाषा:

बाइबल में “अन्यजाति” शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, देवता, बलिदान करना, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 राजा 17:14-15
- 2 राजा 21:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1484, G1494

अन्यजाति, अन्यजातियां

परिभाषा:

बाइबल में “अन्यजाति” शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, देवता, बलिदान करना, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 राजा 17:14-15
- 2 राजा 21:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1484, G1494

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अन्यजाति, अन्यजातियां

परिभाषा:

बाइबल में "अन्यजाति" शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, देवता, बलिदान करना, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 राजा 17:14-15
- 2 राजा 21:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1484, G1494

अन्यजाति, अन्यजातियां

परिभाषा:

बाइबल में "अन्यजाति" शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, देवता, बलिदान करना, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 राजा 17:14-15
- 2 राजा 21:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1484, G1494

अन्यजाति, अन्यजातियां

परिभाषा:

बाइबल में "अन्यजाति" शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, देवता, बलिदान करना, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 राजा 17:14-15
- 2 राजा 21:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1484, G1494

अन्यजाति, अन्यजातियां

परिभाषा:

बाइबल में "अन्यजाति" शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, देवता, बलिदान करना, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 राजा 17:14-15
- 2 राजा 21:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1484, G1494

अन्यजाति, अन्यजातियां

परिभाषा:

बाइबल में "अन्यजाति" शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, देवता, बलिदान करना, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 राजा 17:14-15
- 2 राजा 21:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1484, G1494

अन्यजाति, अन्यजातियां

परिभाषा:

बाइबल में “अन्यजाति” शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, देवता, बलिदान करना, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 राजा 17:14-15
- 2 राजा 21:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1484, G1494

अन्यजाति, अन्यजातियां

परिभाषा:

बाइबल में “अन्यजाति” शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, देवता, बलिदान करना, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 राजा 17:14-15
- 2 राजा 21:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1484, G1494

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अन्यजाति, अन्यजातियां

परिभाषा:

बाइबल में "अन्यजाति" शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, देवता, बलिदान करना, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 राजा 17:14-15
- 2 राजा 21:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1484, G1494

अन्यजाति, अन्यजातियां

परिभाषा:

बाइबल में "अन्यजाति" शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, देवता, बलिदान करना, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 राजा 17:14-15
- 2 राजा 21:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G1484, G1494

अपमान, अपवित्र ठहराती, अपवित्र ठहराया, लज्जा की बात

तथ्य:

"अपमान" अर्थात आदर सम्मान से वंचित होना

- जब मनुष्य पाप करता है तो वह अपमान एवं लज्जा की स्थिति में होता है।
- "लज्जाजनक" शब्द पाप को या पाप करनेवाले का वर्णन करता है।
- कभी-कभी भले काम करने वाले के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है जिससे वह लज्जित एवं अपमानित होता है।
- उदाहरणार्थ, यीशु की क्रूस पर मृत्यु एक लज्जाजनक मृत्यु थी। यीशु ने ऐसे अपमान के योग्य कुछ नहीं किया था।
- "अपमान" का अनुवाद "लज्जा" या "मानमर्दन" हो सकता है।

- “लज्जाजनक” का अनुवाद “कलंकित” या “अपमानित” हो सकता है।

(यह भी देखें: निरादर, आदर, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:6-7
- उत्पत्ति 34:6-7
- इब्रानियों 11:23-26
- विलापगीत 02:1-2
- भजन संहिता 022:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H954, H1984, H2490, H2617, H2659, H2781, H2865, H3637, H3971, H5007, H5034, H5039, H6031, H7036, G149, G819, G3680, G3856

अपमान, अपवित्र ठहराती, अपवित्र ठहराया, लज्जा की बात

तथ्य:

“अपमान” अर्थात आदर सम्मान से वंचित होना

- जब मनुष्य पाप करता है तो वह अपमान एवं लज्जा की स्थिति में होता है।
- “लज्जाजनक” शब्द पाप को या पाप करनेवाले का वर्णन करता है।
- कभी-कभी भले काम करने वाले के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है जिससे वह लज्जित एवं अपमानित होता है।
- उदाहरणार्थ, यीशु की क्रूस पर मृत्यु एक लज्जाजनक मृत्यु थी। यीशु ने ऐसे अपमान के योग्य कुछ नहीं किया था।
- “अपमान” का अनुवाद “लज्जा” या “मानमर्दन” हो सकता है।
- “लज्जाजनक” का अनुवाद “कलंकित” या “अपमानित” हो सकता है।

(यह भी देखें: निरादर, आदर, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:6-7
- उत्पत्ति 34:6-7
- इब्रानियों 11:23-26
- विलापगीत 02:1-2
- भजन संहिता 022:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H954, H1984, H2490, H2617, H2659, H2781, H2865, H3637, H3971, H5007, H5034, H5039, H6031, H7036, G149, G819, G3680, G3856

अपमान, अपवित्र ठहराती, अपवित्र ठहराया, लज्जा की बात

तथ्य:

“अपमान” अर्थात आदर सम्मान से वंचित होना

- जब मनुष्य पाप करता है तो वह अपमान एवं लज्जा की स्थिति में होता है।
- “लज्जाजनक” शब्द पाप को या पाप करनेवाले का वर्णन करता है।
- कभी-कभी भले काम करने वाले के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है जिससे वह लज्जित एवं अपमानित होता है।
- उदाहरणार्थ, यीशु की क्रूस पर मृत्यु एक लज्जाजनक मृत्यु थी। यीशु ने ऐसे अपमान के योग्य कुछ नहीं किया था।
- “अपमान” का अनुवाद “लज्जा” या “मानमर्दन” हो सकता है।
- “लज्जाजनक” का अनुवाद “कलंकित” या “अपमानित” हो सकता है।

(यह भी देखें: निरादर, आदर, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:6-7
- उत्पत्ति 34:6-7
- इब्रानियों 11:23-26
- विलापगीत 02:1-2
- भजन संहिता 022:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H954, H1984, H2490, H2617, H2659, H2781, H2865, H3637, H3971, H5007, H5034, H5039, H6031, H7036, G149, G819, G3680, G3856

अपमान, अपवित्र ठहराती, अपवित्र ठहराया, लज्जा की बात

तथ्य:

“अपमान” अर्थात आदर सम्मान से वंचित होना

- जब मनुष्य पाप करता है तो वह अपमान एवं लज्जा की स्थिति में होता है।
- “लज्जाजनक” शब्द पाप को या पाप करनेवाले का वर्णन करता है।
- कभी-कभी भले काम करने वाले के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है जिससे वह लज्जित एवं अपमानित होता है।
- उदाहरणार्थ, यीशु की क्रूस पर मृत्यु एक लज्जाजनक मृत्यु थी। यीशु ने ऐसे अपमान के योग्य कुछ नहीं किया था।
- “अपमान” का अनुवाद “लज्जा” या “मानमर्दन” हो सकता है।
- “लज्जाजनक” का अनुवाद “कलंकित” या “अपमानित” हो सकता है।

(यह भी देखें: निरादर, आदर, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:6-7
- उत्पत्ति 34:6-7
- इब्रानियों 11:23-26
- विलापगीत 02:1-2
- भजन संहिता 022:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H954, H1984, H2490, H2617, H2659, H2781, H2865, H3637, H3971, H5007, H5034, H5039, H6031, H7036, G149, G819, G3680, G3856

अपमान, अपवित्र ठहराती, अपवित्र ठहराया, लज्जा की बात

तथ्य:

“अपमान” अर्थात आदर सम्मान से वंचित होना

- जब मनुष्य पाप करता है तो वह अपमान एवं लज्जा की स्थिति में होता है।
- “लज्जाजनक” शब्द पाप को या पाप करनेवाले का वर्णन करता है।
- कभी-कभी भले काम करने वाले के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है जिससे वह लज्जित एवं अपमानित होता है।
- उदाहरणार्थ, यीशु की क्रूस पर मृत्यु एक लज्जाजनक मृत्यु थी। यीशु ने ऐसे अपमान के योग्य कुछ नहीं किया था।
- “अपमान” का अनुवाद “लज्जा” या “मानमर्दन” हो सकता है।
- “लज्जाजनक” का अनुवाद “कलंकित” या “अपमानित” हो सकता है।

(यह भी देखें: निरादर, आदर, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:6-7

- उत्पत्ति 34:6-7
- इब्रानियों 11:23-26
- विलापगीत 02:1-2
- भजन संहिता 022:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H954, H1984, H2490, H2617, H2659, H2781, H2865, H3637, H3971, H5007, H5034, H5039, H6031, H7036, G149, G819, G3680, G3856

अपमान, अपवित्र ठहराती, अपवित्र ठहराया, लज्जा की बात

तथ्य:

“अपमान” अर्थात आदर सम्मान से वंचित होना

- जब मनुष्य पाप करता है तो वह अपमान एवं लज्जा की स्थिति में होता है।
- “लज्जाजनक” शब्द पाप को या पाप करनेवाले का वर्णन करता है।
- कभी-कभी भले काम करने वाले के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है जिससे वह लज्जित एवं अपमानित होता है।
- उदाहरणार्थ, यीशु की क्रूस पर मृत्यु एक लज्जाजनक मृत्यु थी। यीशु ने ऐसे अपमान के योग्य कुछ नहीं किया था।
- “अपमान” का अनुवाद “लज्जा” या “मानमर्दन” हो सकता है।
- “लज्जाजनक” का अनुवाद “कलंकित” या “अपमानित” हो सकता है।

(यह भी देखें: निरादर, आदर, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:6-7
- उत्पत्ति 34:6-7
- इब्रानियों 11:23-26
- विलापगीत 02:1-2
- भजन संहिता 022:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H954, H1984, H2490, H2617, H2659, H2781, H2865, H3637, H3971, H5007, H5034, H5039, H6031, H7036, G149, G819, G3680, G3856

अपमान, अपवित्र ठहराती, अपवित्र ठहराया, लज्जा की बात

तथ्य:

“अपमान” अर्थात आदर सम्मान से वंचित होना

- जब मनुष्य पाप करता है तो वह अपमान एवं लज्जा की स्थिति में होता है।
- “लज्जाजनक” शब्द पाप को या पाप करनेवाले का वर्णन करता है।
- कभी-कभी भले काम करने वाले के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है जिससे वह लज्जित एवं अपमानित होता है।
- उदाहरणार्थ, यीशु की क्रूस पर मृत्यु एक लज्जाजनक मृत्यु थी। यीशु ने ऐसे अपमान के योग्य कुछ नहीं किया था।
- “अपमान” का अनुवाद “लज्जा” या “मानमर्दन” हो सकता है।
- “लज्जाजनक” का अनुवाद “कलंकित” या “अपमानित” हो सकता है।

(यह भी देखें: निरादर, आदर, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:6-7
- उत्पत्ति 34:6-7
- इब्रानियों 11:23-26
- विलापगीत 02:1-2

- भजन संहिता 022:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H954, H1984, H2490, H2617, H2659, H2781, H2865, H3637, H3971, H5007, H5034, H5039, H6031, H7036, G149, G819, G3680, G3856

अपमान, अपवित्र ठहराती, अपवित्र ठहराया, लज्जा की बात

तथ्य:

“अपमान” अर्थात आदर सम्मान से वंचित होना

- जब मनुष्य पाप करता है तो वह अपमान एवं लज्जा की स्थिति में होता है।
- “लज्जाजनक” शब्द पाप को या पाप करनेवाले का वर्णन करता है।
- कभी-कभी भले काम करने वाले के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है जिससे वह लज्जित एवं अपमानित होता है।
- उदाहरणार्थ, यीशु की क्रूस पर मृत्यु एक लज्जाजनक मृत्यु थी। यीशु ने ऐसे अपमान के योग्य कुछ नहीं किया था।
- “अपमान” का अनुवाद “लज्जा” या “मानमर्दन” हो सकता है।
- “लज्जाजनक” का अनुवाद “कलंकित” या “अपमानित” हो सकता है।

(यह भी देखें: निरादर, आदर, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:6-7
- उत्पत्ति 34:6-7
- इब्रानियों 11:23-26
- विलापगीत 02:1-2
- भजन संहिता 022:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H954, H1984, H2490, H2617, H2659, H2781, H2865, H3637, H3971, H5007, H5034, H5039, H6031, H7036, G149, G819, G3680, G3856

अपमान, अपवित्र ठहराती, अपवित्र ठहराया, लज्जा की बात

तथ्य:

“अपमान” अर्थात आदर सम्मान से वंचित होना

- जब मनुष्य पाप करता है तो वह अपमान एवं लज्जा की स्थिति में होता है।
- “लज्जाजनक” शब्द पाप को या पाप करनेवाले का वर्णन करता है।
- कभी-कभी भले काम करने वाले के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है जिससे वह लज्जित एवं अपमानित होता है।
- उदाहरणार्थ, यीशु की क्रूस पर मृत्यु एक लज्जाजनक मृत्यु थी। यीशु ने ऐसे अपमान के योग्य कुछ नहीं किया था।
- “अपमान” का अनुवाद “लज्जा” या “मानमर्दन” हो सकता है।
- “लज्जाजनक” का अनुवाद “कलंकित” या “अपमानित” हो सकता है।

(यह भी देखें: निरादर, आदर, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:6-7
- उत्पत्ति 34:6-7
- इब्रानियों 11:23-26
- विलापगीत 02:1-2
- भजन संहिता 022:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H954, H1984, H2490, H2617, H2659, H2781, H2865, H3637, H3971, H5007, H5034, H5039, H6031, H7036, G149, G819, G3680, G3856

अपराध, अपराधों, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

- यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।
- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 25:27-28
- 2 इतिहास 26:16-18
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:1-3
- यहेजकेल 15:7-8
- रोमियो 05:16-17
- रोमियो 05:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपराध, अपराधों, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

- यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।
- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।

- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 25:27-28
- 2 इतिहास 26:16-18
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:1-3
- यहेजकेल 15:7-8
- रोमियो 05:16-17
- रोमियो 05:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपराध, अपराधों, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

- यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।
- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 25:27-28
- 2 इतिहास 26:16-18
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:1-3
- यहेजकेल 15:7-8
- रोमियो 05:16-17
- रोमियो 05:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपराध, अपराधों, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

- यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।
- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 25:27-28
- 2 इतिहास 26:16-18
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:1-3
- यहेजकेल 15:7-8
- रोमियो 05:16-17
- रोमियो 05:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपराध, अपराधों, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

- यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।
- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 25:27-28
- 2 इतिहास 26:16-18
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:1-3
- यहेजकेल 15:7-8
- रोमियो 05:16-17
- रोमियो 05:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपराध, अपराधों, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

- यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।
- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 25:27-28
- 2 इतिहास 26:16-18
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:1-3
- यहेजकेल 15:7-8
- रोमियो 05:16-17
- रोमियो 05:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपराध, अपराधों, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

- यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।

- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 25:27-28
- 2 इतिहास 26:16-18
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:1-3
- यहेजकेल 15:7-8
- रोमियो 05:16-17
- रोमियो 05:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपराध, अपराधों, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

- यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।
- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 25:27-28
- 2 इतिहास 26:16-18
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:1-3
- यहेजकेल 15:7-8
- रोमियो 05:16-17
- रोमियो 05:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपराध, अपराधों, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

- यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।
- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 25:27-28
- 2 इतिहास 26:16-18
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:1-3
- यहेजकेल 15:7-8
- रोमियो 05:16-17
- रोमियो 05:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपराध, अपराधों, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

- यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।
- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 25:27-28
- 2 इतिहास 26:16-18
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:1-3
- यहेजकेल 15:7-8
- रोमियो 05:16-17
- रोमियो 05:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपराध, अपराधों, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

- यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।
- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 25:27-28
- 2 इतिहास 26:16-18
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:1-3
- यहेजकेल 15:7-8
- रोमियो 05:16-17
- रोमियो 05:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपराध, अपराधों, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

- यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।
- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 25:27-28
- 2 इतिहास 26:16-18
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:1-3
- यहेजकेल 15:7-8
- रोमियो 05:16-17
- रोमियो 05:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपराध, अपराधों, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

- यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।
- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 25:27-28
- 2 इतिहास 26:16-18
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:1-3
- यहेजकेल 15:7-8
- रोमियो 05:16-17
- रोमियो 05:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपराध, अपराधों, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

- यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।
- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 25:27-28
- 2 इतिहास 26:16-18
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:1-3
- यहेजकेल 15:7-8
- रोमियो 05:16-17
- रोमियो 05:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपराध, अपराधों, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

- यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।

- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 25:27-28
- 2 इतिहास 26:16-18
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:1-3
- यहेजकेल 15:7-8
- रोमियो 05:16-17
- रोमियो 05:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपवित्र

परिभाषा:

“अपवित्र” शब्द का अर्थ है, “पवित्र नहीं”। इस शब्द का तात्पर्य है परमेश्वर का आदर न करनेवाली बात या वस्तु।

- इस शब्द द्वारा उस मनुष्य का वर्णन किया जाता है परमेश्वर का विरोध करके उसका अपमान करता है।
- “अपवित्र” वस्तु को साधरण, अशुद्ध, भ्रष्ट कह सकते हैं। वह परमेश्वर का नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद, “पवित्र नहीं है” या “परमेश्वर का नहीं है” या “परमेश्वर को सम्मानित नहीं करती है” या “ईश्वर भक्ति से संबन्धित नहीं है” हो सकते हैं।
- कुछ प्रकरणों में “अपवित्र” का अनुवाद “अशुद्ध” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आदर, अशुद्ध करना, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 11:7-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2455, G462, G2839

अपवित्र

परिभाषा:

“अपवित्र” शब्द का अर्थ है, “पवित्र नहीं”। इस शब्द का तात्पर्य है परमेश्वर का आदर न करनेवाली बात या वस्तु।

- इस शब्द द्वारा उस मनुष्य का वर्णन किया जाता है परमेश्वर का विरोध करके उसका अपमान करता है।

- “अपवित्र” वस्तु को साधरण, अशुद्ध, भ्रष्ट कह सकते हैं। वह परमेश्वर का नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद, “पवित्र नहीं है” या “परमेश्वर का नहीं है” या “परमेश्वर को सम्मानित नहीं करती है” या “ईश्वर भक्ति से संबन्धित नहीं है” हो सकते हैं।
- कुछ प्रकरणों में “अपवित्र” का अनुवाद “अशुद्ध” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आदर, अशुद्ध करना, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 11:7-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2455, G462, G2839

अपवित्र

परिभाषा:

“अपवित्र” शब्द का अर्थ है, “पवित्र नहीं”। इस शब्द का तात्पर्य है परमेश्वर का आदर न करनेवाली बात या वस्तु।

- इस शब्द द्वारा उस मनुष्य का वर्णन किया जाता है परमेश्वर का विरोध करके उसका अपमान करता है।
- “अपवित्र” वस्तु को साधरण, अशुद्ध, भ्रष्ट कह सकते हैं। वह परमेश्वर का नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद, “पवित्र नहीं है” या “परमेश्वर का नहीं है” या “परमेश्वर को सम्मानित नहीं करती है” या “ईश्वर भक्ति से संबन्धित नहीं है” हो सकते हैं।
- कुछ प्रकरणों में “अपवित्र” का अनुवाद “अशुद्ध” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आदर, अशुद्ध करना, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 11:7-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2455, G462, G2839

अपवित्र

परिभाषा:

“अपवित्र” शब्द का अर्थ है, “पवित्र नहीं”। इस शब्द का तात्पर्य है परमेश्वर का आदर न करनेवाली बात या वस्तु।

- इस शब्द द्वारा उस मनुष्य का वर्णन किया जाता है परमेश्वर का विरोध करके उसका अपमान करता है।
- “अपवित्र” वस्तु को साधरण, अशुद्ध, भ्रष्ट कह सकते हैं। वह परमेश्वर का नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद, “पवित्र नहीं है” या “परमेश्वर का नहीं है” या “परमेश्वर को सम्मानित नहीं करती है” या “ईश्वर भक्ति से संबन्धित नहीं है” हो सकते हैं।
- कुछ प्रकरणों में “अपवित्र” का अनुवाद “अशुद्ध” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आदर, अशुद्ध करना, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 11:7-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2455, G462, G2839

अपवित्र

परिभाषा:

“अपवित्र” शब्द का अर्थ है, “पवित्र नहीं”। इस शब्द का तात्पर्य है परमेश्वर का आदर न करनेवाली बात या वस्तु।

- इस शब्द द्वारा उस मनुष्य का वर्णन किया जाता है परमेश्वर का विरोध करके उसका अपमान करता है।
- “अपवित्र” वस्तु को साधरण, अशुद्ध, भ्रष्ट कह सकते हैं। वह परमेश्वर का नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद, “पवित्र नहीं है” या “परमेश्वर का नहीं है” या “परमेश्वर को सम्मानित नहीं करती है” या “ईश्वर भक्ति से संबन्धित नहीं है” हो सकते हैं।
- कुछ प्रकरणों में “अपवित्र” का अनुवाद “अशुद्ध” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आदर, अशुद्ध करना, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 11:7-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2455, G462, G2839

अपुल्लोस

तथ्य:

अपुल्लोस मिस्र के सिंकदरिया नगर का एक यहूदी था, उसे मनुष्यों को यीशु के बारे में शिक्षा देने का विशेष वरदान प्राप्त था।

- अपुल्लोस इब्रानी धर्मशास्त्र का ज्ञाता था और एक प्रतिभाशाली वक्ता भी था।
- इफिसुस में उसे दो विश्वासियों ने मसीही शिक्षा दी थी जिनके नाम थे: अक्विला और प्रिस्किल्ला।
- पौलुस ने जोर दिया कि वह और अप्पुल्लोस तथा अन्य प्रचारकों एवं शिक्षकों का एक ही लक्ष्य है कि वे लोगों को यीशु में विश्वास करने में सहायता करे।

(यह भी देखें: अक्विला, इफिसुस, प्रिस्किल्ला, परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:13
- 1 कुरिन्थियों 16:12
- प्रे.का. 18:25
- तीतुस 03:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G625

अपुल्लोस

तथ्य:

अपुल्लोस मिस्र के सिंकदरिया नगर का एक यहूदी था, उसे मनुष्यों को यीशु के बारे में शिक्षा देने का विशेष वरदान प्राप्त था।

- अपुल्लोस इब्रानी धर्मशास्त्र का ज्ञाता था और एक प्रतिभाशाली वक्ता भी था।
- इफिसुस में उसे दो विश्वासियों ने मसीही शिक्षा दी थी जिनके नाम थे: अक्विला और प्रिस्किल्ला।
- पौलुस ने जोर दिया कि वह और अप्पुल्लोस तथा अन्य प्रचारकों एवं शिक्षकों का एक ही लक्ष्य है कि वे लोगों को यीशु में विश्वास करने में सहायता करे।

(यह भी देखें: अक्विला, इफिसुस, प्रिस्किल्ला, परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:13
- 1 कुरिन्थियों 16:12
- प्रे.का. 18:25
- तीतुस 03:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G625

अपुल्लोस

तथ्य:

अपुल्लोस मिस्र के सिंकदरिया नगर का एक यहूदी था, उसे मनुष्यों को यीशु के बारे में शिक्षा देने का विशेष वरदान प्राप्त था।

- अपुल्लोस इब्रानी धर्मशास्त्र का ज्ञाता था और एक प्रतिभाशाली वक्ता भी था।
- इफिसुस में उसे दो विश्वासियों ने मसीही शिक्षा दी थी जिनके नाम थे: अक्विला और प्रिस्किल्ला।
- पौलुस ने जोर दिया कि वह और अप्पुल्लोस तथा अन्य प्रचारकों एवं शिक्षकों का एक ही लक्ष्य है कि वे लोगों को यीशु में विश्वास करने में सहायता करे।

(यह भी देखें: अक्विला, इफिसुस, प्रिस्किल्ला, परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:13
- 1 कुरिन्थियों 16:12
- प्रे.का. 18:25
- तीतुस 03:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G625

अबिय्याह

तथ्य:

अबिय्याह यहूदा का राजा था जिसने 915-913 ई.पू. राज किया था। वह राजा रहूबियाम का पुत्र था। पुराने नियम में अबिय्याह नामक अनेक पुरूष हुए हैं।

- शमूएल के पुत्र अबिय्याह और योएल बेर्शेबा में इस्राएलियों के अगुवे थे। अबिय्याह और उसका भाई बेईमान और लालची थे इसलिए प्रजा ने शमूएल से राजा की मांग की।
- अबिय्याह राजा दाऊद के समय का एक याजक था।
- अबिय्याह यारोबाम राजा के एक पुत्र का नाम भी था।
- जरूब्बाबेल के साथ बेबीलोन से यरूशलेम लौटने वालों में एक महायाजक का नाम भी अबिय्याह था।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 15:1-3
- 1 शमूएल 08:1-3
- 2 इतिहास 13:1-3
- 2 इतिहास 13:19-22
- लूका 01:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H29, G7

अबिय्याह

तथ्य:

अबिय्याह यहूदा का राजा था जिसने 915-913 ई.पू. राज किया था। वह राजा रहूबियाम का पुत्र था। पुराने नियम में अबिय्याह नामक अनेक पुरूष हुए हैं।

- शमूएल के पुत्र अबिय्याह और योएल बेर्शेबा में इस्राएलियों के अगुवे थे। अबिय्याह और उसका भाई बेईमान और लालची थे इसलिए प्रजा ने शमूएल से राजा की मांग की।
- अबिय्याह राजा दाऊद के समय का एक याजक था।
- अबिय्याह यारोबाम राजा के एक पुत्र का नाम भी था।
- जरूब्बाबेल के साथ बेबीलोन से यरूशलेम लौटने वालों में एक महायाजक का नाम भी अबिय्याह था।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 15:1-3
- 1 शमूएल 08:1-3
- 2 इतिहास 13:1-3
- 2 इतिहास 13:19-22
- लूका 01:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H29, G7

अब्राहम, अब्राम

तथ्य:

अब्राम ऊर नगर का एक कसदी पुरूष था जिसे परमेश्वर ने इस्राएल का पूर्वज होने के लिए चुन लिया था। परमेश्वर ने उसका नाम अब्राम से बदलकर अब्राहम कर दिया था।

- “अब्राम” का अर्थ था, “प्रतिष्ठित पिता”
- “अब्राहम” का अर्थ था, “अनेकों का पिता”
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह अनेकों का पिता होगा, उसके वंशज एक महान जाति होंगे।
- अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और उसकी आज्ञाओं को माना। परमेश्वर ने अब्राहम को कसदियों के देश से लेकर कनान जाने में अगुआई की।
- कनान में अब्राहम और सारा को बुढ़ापे में इसहाक प्राप्त हुआ था।

(यह भी देखें: कनान, कसदी, सारा, इसहाक)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 03:6-9
- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 21:1-4
- उत्पत्ति 22:1-3
- याकूब 02:21-24
- मत्ती 01:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 04:06__जब __अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उसे कहा कि, “अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा”
- **05:04** परमेश्वर ने कहा कि अब तेरा नाम अब्राम न होकर अब्राहम होगा, जिसका अर्थ है –“मूलपिता।”
- **05:05** लगभग एक साल बाद में, जब अब्राहम सौ वर्ष का हुआ और सारा नब्बे वर्ष की तो, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली,”अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H87, H85, G11

अब्राहम, अब्राम

तथ्य:

अब्राम ऊर नगर का एक कसदी पुरूष था जिसे परमेश्वर ने इस्राएल का पूर्वज होने के लिए चुन लिया था। परमेश्वर ने उसका नाम अब्राम से बदलकर अब्राहम कर दिया था।

- “अब्राम” का अर्थ था, “प्रतिष्ठित पिता”
- “अब्राहम” का अर्थ था, “अनेकों का पिता”
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह अनेकों का पिता होगा, उसके वंशज एक महान जाति होंगे।
- अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और उसकी आज्ञाओं को माना। परमेश्वर ने अब्राहम को कसदियों के देश से लेकर कनान जाने में अगुआई की।
- कनान में अब्राहम और सारा को बुढ़ापे में इसहाक प्राप्त हुआ था।

(यह भी देखें: कनान, कसदी, सारा, इसहाक)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 03:6-9
- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 21:1-4
- उत्पत्ति 22:1-3
- याकूब 02:21-24
- मत्ती 01:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 04:06__जब __अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उसे कहा कि, “अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा”
- **05:04** परमेश्वर ने कहा कि अब तेरा नाम अब्राम न होकर अब्राहम होगा, जिसका अर्थ है –“मूलपिता।”
- **05:05** लगभग एक साल बाद में, जब अब्राहम सौ वर्ष का हुआ और सारा नब्बे वर्ष की तो, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली,”अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H87, H85, G11

अब्राहम, अब्राम

तथ्य:

अब्राम ऊर नगर का एक कसदी पुरूष था जिसे परमेश्वर ने इस्राएल का पूर्वज होने के लिए चुन लिया था। परमेश्वर ने उसका नाम अब्राम से बदलकर अब्राहम कर दिया था।

- “अब्राम” का अर्थ था, “प्रतिष्ठित पिता”
- “अब्राहम” का अर्थ था, “अनेकों का पिता”
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह अनेकों का पिता होगा, उसके वंशज एक महान जाति होंगे।
- अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और उसकी आज्ञाओं को माना। परमेश्वर ने अब्राहम को कसदियों के देश से लेकर कनान जाने में अगुआई की।
- कनान में अब्राहम और सारा को बुढ़ापे में इसहाक प्राप्त हुआ था।

(यह भी देखें: कनान, कसदी, सारा, इसहाक)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 03:6-9
- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 21:1-4
- उत्पत्ति 22:1-3
- याकूब 02:21-24
- मत्ती 01:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 04:06__जब __अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उसे कहा कि, “अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा”
- **05:04** परमेश्वर ने कहा कि अब तेरा नाम अब्राम न होकर अब्राहम होगा, जिसका अर्थ है –“मूलपिता।”
- **05:05** लगभग एक साल बाद में, जब अब्राहम सौ वर्ष का हुआ और सारा नब्बे वर्ष की तो, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली,”अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H87, H85, G11

अब्राहम, अब्राम

तथ्य:

अब्राम ऊर नगर का एक कसदी पुरूष था जिसे परमेश्वर ने इस्राएल का पूर्वज होने के लिए चुन लिया था। परमेश्वर ने उसका नाम अब्राम से बदलकर अब्राहम कर दिया था।

- “अब्राम” का अर्थ था, “प्रतिष्ठित पिता”
- “अब्राहम” का अर्थ था, “अनेकों का पिता”
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह अनेकों का पिता होगा, उसके वंशज एक महान जाति होंगे।
- अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और उसकी आज्ञाओं को माना। परमेश्वर ने अब्राहम को कसदियों के देश से लेकर कनान जाने में अगुआई की।
- कनान में अब्राहम और सारा को बुढ़ापे में इसहाक प्राप्त हुआ था।

(यह भी देखें: कनान, कसदी, सारा, इसहाक)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 03:6-9

- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 21:1-4
- उत्पत्ति 22:1-3
- याकूब 02:21-24
- मत्ती 01:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 04:06__जब __अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उसे कहा कि, “अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा”
- **05:04** परमेश्वर ने कहा कि अब तेरा नाम अब्राम न होकर अब्राहम होगा, जिसका अर्थ है –“मूलपिता।”
- **05:05** लगभग एक साल बाद में, जब अब्राहम सौ वर्ष का हुआ और सारा नब्बे वर्ष की तो, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली,”अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H87, H85, G11

अब्राहम, अब्राम

तथ्य:

अब्राम ऊर नगर का एक कसदी पुरूष था जिसे परमेश्वर ने इस्राएल का पूर्वज होने के लिए चुन लिया था। परमेश्वर ने उसका नाम अब्राम से बदलकर अब्राहम कर दिया था।

- “अब्राम” का अर्थ था, “प्रतिष्ठित पिता”
- “अब्राहम” का अर्थ था, “अनेकों का पिता”
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह अनेकों का पिता होगा, उसके वंशज एक महान जाति होंगे।
- अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और उसकी आज्ञाओं को माना। परमेश्वर ने अब्राहम को कसदियों के देश से लेकर कनान जाने में अगुआई की।
- कनान में अब्राहम और सारा को बुढ़ापे में इसहाक प्राप्त हुआ था।

(यह भी देखें: कनान, कसदी, सारा, इसहाक)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 03:6-9
- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 21:1-4
- उत्पत्ति 22:1-3
- याकूब 02:21-24
- मत्ती 01:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 04:06__जब __अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उसे कहा कि, “अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा”
- **05:04** परमेश्वर ने कहा कि अब तेरा नाम अब्राम न होकर अब्राहम होगा, जिसका अर्थ है –“मूलपिता।”
- **05:05** लगभग एक साल बाद में, जब अब्राहम सौ वर्ष का हुआ और सारा नब्बे वर्ष की तो, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली,”अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H87, H85, G11

अब्राहम, अब्राम

तथ्य:

अब्राम ऊर नगर का एक कसदी पुरूष था जिसे परमेश्वर ने इस्राएल का पूर्वज होने के लिए चुन लिया था। परमेश्वर ने उसका नाम अब्राम से बदलकर अब्राहम कर दिया था।

- “अब्राम” का अर्थ था, “प्रतिष्ठित पिता”
- “अब्राहम” का अर्थ था, “अनेकों का पिता”
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह अनेकों का पिता होगा, उसके वंशज एक महान जाति होंगे।
- अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और उसकी आज्ञाओं को माना। परमेश्वर ने अब्राहम को कसदियों के देश से लेकर कनान जाने में अगुआई की।
- कनान में अब्राहम और सारा को बुढ़ापे में इसहाक प्राप्त हुआ था।

(यह भी देखें: कनान, कसदी, सारा, इसहाक)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 03:6-9
- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 21:1-4
- उत्पत्ति 22:1-3
- याकूब 02:21-24
- मत्ती 01:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 04:06__जब __अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उसे कहा कि, “अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा”
- **05:04** परमेश्वर ने कहा कि अब तेरा नाम अब्राम न होकर अब्राहम होगा, जिसका अर्थ है –“मूलपिता।”
- **05:05** लगभग एक साल बाद में, जब अब्राहम सौ वर्ष का हुआ और सारा नब्बे वर्ष की तो, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली,”अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H87, H85, G11

अब्राहम, अब्राम

तथ्य:

अब्राम ऊर नगर का एक कसदी पुरूष था जिसे परमेश्वर ने इस्राएल का पूर्वज होने के लिए चुन लिया था। परमेश्वर ने उसका नाम अब्राम से बदलकर अब्राहम कर दिया था।

- “अब्राम” का अर्थ था, “प्रतिष्ठित पिता”
- “अब्राहम” का अर्थ था, “अनेकों का पिता”
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह अनेकों का पिता होगा, उसके वंशज एक महान जाति होंगे।
- अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और उसकी आज्ञाओं को माना। परमेश्वर ने अब्राहम को कसदियों के देश से लेकर कनान जाने में अगुआई की।
- कनान में अब्राहम और सारा को बुढ़ापे में इसहाक प्राप्त हुआ था।

(यह भी देखें: कनान, कसदी, सारा, इसहाक)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 03:6-9
- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 21:1-4
- उत्पत्ति 22:1-3
- याकूब 02:21-24
- मत्ती 01:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 04:06__जब __अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उसे कहा कि, “अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा”
- **05:04** परमेश्वर ने कहा कि अब तेरा नाम अब्राम न होकर अब्राहम होगा, जिसका अर्थ है –“मूलपिता।”
- **05:05** लगभग एक साल बाद में, जब अब्राहम सौ वर्ष का हुआ और सारा नब्बे वर्ष की तो, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली,”अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H87, H85, G11

अब्राहम, अब्राम

तथ्य:

अब्राम ऊर नगर का एक कसदी पुरूष था जिसे परमेश्वर ने इस्राएल का पूर्वज होने के लिए चुन लिया था। परमेश्वर ने उसका नाम अब्राम से बदलकर अब्राहम कर दिया था।

- “अब्राम” का अर्थ था, “प्रतिष्ठित पिता”
- “अब्राहम” का अर्थ था, “अनेकों का पिता”
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह अनेकों का पिता होगा, उसके वंशज एक महान जाति होंगे।
- अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और उसकी आज्ञाओं को माना। परमेश्वर ने अब्राहम को कसदियों के देश से लेकर कनान जाने में अगुआई की।
- कनान में अब्राहम और सारा को बुढ़ापे में इसहाक प्राप्त हुआ था।

(यह भी देखें: कनान, कसदी, सारा, इसहाक)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 03:6-9
- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 21:1-4
- उत्पत्ति 22:1-3
- याकूब 02:21-24
- मत्ती 01:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 04:06__जब __अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उसे कहा कि, “अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा”
- **05:04** परमेश्वर ने कहा कि अब तेरा नाम अब्राम न होकर अब्राहम होगा, जिसका अर्थ है –“मूलपिता।”
- **05:05** लगभग एक साल बाद में, जब अब्राहम सौ वर्ष का हुआ और सारा नब्बे वर्ष की तो, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली,”अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।

- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H87, H85, G11

अब्राहम, अब्राम

तथ्य:

अब्राम ऊर नगर का एक कसदी पुरूष था जिसे परमेश्वर ने इस्राएल का पूर्वज होने के लिए चुन लिया था। परमेश्वर ने उसका नाम अब्राम से बदलकर अब्राहम कर दिया था।

- “अब्राम” का अर्थ था, “प्रतिष्ठित पिता”
- “अब्राहम” का अर्थ था, “अनेकों का पिता”
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह अनेकों का पिता होगा, उसके वंशज एक महान जाति होंगे।
- अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और उसकी आज्ञाओं को माना। परमेश्वर ने अब्राहम को कसदियों के देश से लेकर कनान जाने में अगुआई की।
- कनान में अब्राहम और सारा को बुढ़ापे में इसहाक प्राप्त हुआ था।

(यह भी देखें: कनान, कसदी, सारा, इसहाक)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 03:6-9
- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 21:1-4
- उत्पत्ति 22:1-3
- याकूब 02:21-24
- मत्ती 01:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 04:06__जब __अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उसे कहा कि, “अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा”
- **05:04** परमेश्वर ने कहा कि अब तेरा नाम अब्राम न होकर अब्राहम होगा, जिसका अर्थ है –“मूलपिता।”
- **05:05** लगभग एक साल बाद में, जब अब्राहम सौ वर्ष का हुआ और सारा नब्बे वर्ष की तो, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली,”अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H87, H85, G11

अब्राहम, अब्राम

तथ्य:

अब्राम ऊर नगर का एक कसदी पुरूष था जिसे परमेश्वर ने इस्राएल का पूर्वज होने के लिए चुन लिया था। परमेश्वर ने उसका नाम अब्राम से बदलकर अब्राहम कर दिया था।

- “अब्राम” का अर्थ था, “प्रतिष्ठित पिता”
- “अब्राहम” का अर्थ था, “अनेकों का पिता”
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह अनेकों का पिता होगा, उसके वंशज एक महान जाति होंगे।

- अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और उसकी आज्ञाओं को माना। परमेश्वर ने अब्राहम को कसदियों के देश से लेकर कनान जाने में अगुआई की।
- कनान में अब्राहम और सारा को बुढ़ापे में इसहाक प्राप्त हुआ था।

(यह भी देखें: कनान, कसदी, सारा, इसहाक)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 03:6-9
- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 21:1-4
- उत्पत्ति 22:1-3
- याकूब 02:21-24
- मत्ती 01:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 04:06__जब __अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उसे कहा कि, “अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा”
- **05:04** परमेश्वर ने कहा कि अब तेरा नाम अब्राम न होकर अब्राहम होगा, जिसका अर्थ है –“मूलपिता।”
- **05:05** लगभग एक साल बाद में, जब अब्राहम सौ वर्ष का हुआ और सारा नब्बे वर्ष की तो, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली,”अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H87, H85, G11

अब्राहम, अब्राम

तथ्य:

अब्राम ऊर नगर का एक कसदी पुरूष था जिसे परमेश्वर ने इस्राएल का पूर्वज होने के लिए चुन लिया था। परमेश्वर ने उसका नाम अब्राम से बदलकर अब्राहम कर दिया था।

- “अब्राम” का अर्थ था, “प्रतिष्ठित पिता”
- “अब्राहम” का अर्थ था, “अनेकों का पिता”
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह अनेकों का पिता होगा, उसके वंशज एक महान जाति होंगे।
- अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और उसकी आज्ञाओं को माना। परमेश्वर ने अब्राहम को कसदियों के देश से लेकर कनान जाने में अगुआई की।
- कनान में अब्राहम और सारा को बुढ़ापे में इसहाक प्राप्त हुआ था।

(यह भी देखें: कनान, कसदी, सारा, इसहाक)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 03:6-9
- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 21:1-4
- उत्पत्ति 22:1-3
- याकूब 02:21-24
- मत्ती 01:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 04:06__जब __अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उसे कहा कि, “अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा”

- **05:04** परमेश्वर ने कहा कि अब तेरा नाम अब्राम न होकर अब्राहम होगा, जिसका अर्थ है –"मूलपिता।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद में, जब अब्राहम सौ वर्ष का हुआ और सारा नब्बे वर्ष की तो, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली,"अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H87, H85, G11

अभक्त, अधर्मी, अभक्ति, अधर्मी

परिभाषा:

"अभक्त" और "अधर्मी" शब्दों का विवरण परमेश्वर से विरोध करने वाले लोगो के लिए किया जाता है। अधर्म में जीवन निर्वाह करने वाले लोग, परमेश्वर पर चित्त नहीं लगाने को "अभक्ति" या "अधर्म" कहते हैं।

- इन शब्दों के अर्थ लगभग एक से ही हैं। तथापि "अभक्त" और "अभक्ति" अधिक पराकाष्ठा व्यक्त करते हैं, अर्थात वो लोग या जाति जो परमेश्वर को नहीं मानते है और न ही उन पर परमेश्वर का राज्य स्वीकार करते है।
- परमेश्वर अभक्तों और हर एक जन जो उसे और उसकी विधियों को अस्वीकार करते है उन पर क्रोध और दण्ड की घोषणा करता है।

अनुवाद के सुझाव

- संदर्भ पर आधारित "अभक्त" शब्द का अनुवाद, "परमेश्वर को अप्रिय " या "अनैतिक" या "परमेश्वर के अवज्ञाकारी"हो सकता है।
- "अभक्त" और "अभक्ति" का वास्तविक अर्थ है कि मनुष्य "परमेश्वर के बिना" है या "परमेश्वर पर विचार नहीं करते" या "उनका व्यवहार ऐसा है कि वे परमेश्वर को नहीं मानते"।
- अनुवाद की अन्य विधियां, "अभक्ति" या "अधर्म" का अनुवाद "दुष्ट" या "बुरा" या "परमेश्वर से विद्रोह" हो सकता है।

(यह भी देखें: धर्मी, बुराई)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 04:17-19
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- इब्रानियों 12:14-17
- अय्यूब 27:8-10
- यहूदा 01:14-16
- नीतिवचन 11:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1100, H2623, H5760, H7563, G763, G764, G765

अभक्त, अधर्मी, अभक्ति, अधर्मी

परिभाषा:

"अभक्त" और "अधर्मी" शब्दों का विवरण परमेश्वर से विरोध करने वाले लोगो के लिए किया जाता है। अधर्म में जीवन निर्वाह करने वाले लोग, परमेश्वर पर चित्त नहीं लगाने को "अभक्ति" या "अधर्म" कहते हैं।

- इन शब्दों के अर्थ लगभग एक से ही हैं। तथापि "अभक्त" और "अभक्ति" अधिक पराकाष्ठा व्यक्त करते हैं, अर्थात वो लोग या जाति जो परमेश्वर को नहीं मानते है और न ही उन पर परमेश्वर का राज्य स्वीकार करते है।
- परमेश्वर अभक्तों और हर एक जन जो उसे और उसकी विधियों को अस्वीकार करते है उन पर क्रोध और दण्ड की घोषणा करता है।

अनुवाद के सुझाव

- संदर्भ पर आधारित “अभक्त” शब्द का अनुवाद, “परमेश्वर को अप्रिय ” या “अनैतिक” या “परमेश्वर के अवज्ञाकारी”हो सकता है।
- “अभक्त” और “अभक्ति” का वास्तविक अर्थ है कि मनुष्य “परमेश्वर के बिना” है या “परमेश्वर पर विचार नहीं करते” या “उनका व्यवहार ऐसा है कि वे परमेश्वर को नहीं मानते”।
- अनुवाद की अन्य विधियां, “अभक्ति” या “अधर्म” का अनुवाद “दुष्ट” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह” हो सकता है।

(यह भी देखें: धर्मी, बुराई)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 04:17-19
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- इब्रानियों 12:14-17
- अय्यूब 27:8-10
- यहूदा 01:14-16
- नीतिवचन 11:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1100, H2623, H5760, H7563, G763, G764, G765

अभक्त, अधर्मी, अभक्ति, अधर्मी

परिभाषा:

“अभक्त” और “अधर्मी" शब्दों का विवरण परमेश्वर से विरोध करने वाले लोगो के लिए किया जाता है। अधर्म में जीवन निर्वाह करने वाले लोग, परमेश्वर पर चित्त नहीं लगाने को “अभक्ति” या “अधर्म” कहते हैं।

- इन शब्दों के अर्थ लगभग एक से ही हैं। तथापि “अभक्त” और “अभक्ति” अधिक पराकाष्ठा व्यक्त करते हैं, अर्थात वो लोग या जाति जो परमेश्वर को नहीं मानते है और न ही उन पर परमेश्वर का राज्य स्वीकार करते है।
- परमेश्वर अभक्तों और हर एक जन जो उसे और उसकी विधियों को अस्वीकार करते है उन पर क्रोध और दण्ड की घोषणा करता है।

अनुवाद के सुझाव

- संदर्भ पर आधारित “अभक्त” शब्द का अनुवाद, “परमेश्वर को अप्रिय ” या “अनैतिक” या “परमेश्वर के अवज्ञाकारी”हो सकता है।
- “अभक्त” और “अभक्ति” का वास्तविक अर्थ है कि मनुष्य “परमेश्वर के बिना” है या “परमेश्वर पर विचार नहीं करते” या “उनका व्यवहार ऐसा है कि वे परमेश्वर को नहीं मानते”।
- अनुवाद की अन्य विधियां, “अभक्ति” या “अधर्म” का अनुवाद “दुष्ट” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह” हो सकता है।

(यह भी देखें: धर्मी, बुराई)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 04:17-19
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- इब्रानियों 12:14-17
- अय्यूब 27:8-10
- यहूदा 01:14-16
- नीतिवचन 11:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1100, H2623, H5760, H7563, G763, G764, G765

अभक्त, अधर्मी, अभक्ति, अधर्मी

परिभाषा:

“अभक्त” और “अधर्मी" शब्दों का विवरण परमेश्वर से विरोध करने वाले लोगो के लिए किया जाता है। अधर्म में जीवन निर्वाह करने वाले लोग, परमेश्वर पर चित्त नहीं लगाने को “अभक्ति” या “अधर्म” कहते हैं।

- इन शब्दों के अर्थ लगभग एक से ही हैं। तथापि “अभक्त” और “अभक्ति” अधिक पराकाष्ठा व्यक्त करते हैं, अर्थात वो लोग या जाति जो परमेश्वर को नहीं मानते है और न ही उन पर परमेश्वर का राज्य स्वीकार करते है।
- परमेश्वर अभक्तों और हर एक जन जो उसे और उसकी विधियों को अस्वीकार करते है उन पर क्रोध और दण्ड की घोषणा करता है।

अनुवाद के सुझाव

- संदर्भ पर आधारित “अभक्त” शब्द का अनुवाद, “परमेश्वर को अप्रिय ” या “अनैतिक” या “परमेश्वर के अवज्ञाकारी”हो सकता है।
- “अभक्त” और “अभक्ति” का वास्तविक अर्थ है कि मनुष्य “परमेश्वर के बिना” है या “परमेश्वर पर विचार नहीं करते” या “उनका व्यवहार ऐसा है कि वे परमेश्वर को नहीं मानते”।
- अनुवाद की अन्य विधियां, “अभक्ति” या “अधर्म” का अनुवाद “दुष्ट” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह” हो सकता है।

(यह भी देखें: धर्मी, बुराई)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 04:17-19
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- इब्रानियों 12:14-17
- अय्यूब 27:8-10
- यहूदा 01:14-16
- नीतिवचन 11:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1100, H2623, H5760, H7563, G763, G764, G765

अमोरा

तथ्य:

अमोरा सदोम के निकट उपजाऊ घाटी में एक नगर था, जहाँ अब्राहम के भतीजे लूत ने रहने का चुना था।

- अमोरा और सदोम का सही स्थान अज्ञात है परन्तु कुछ संकेतों से ज्ञात होता है कि ये दो नगर नमक सागर के निकट दक्षिण में सिद्दिम घाटी में बसे हुए थे।
- सदोम और आमोरा के स्थान में अनेक राजा युद्ध करते थे।

सदोम और अन्य नगरों के मध्य युद्ध में लूत का परिवार भी बन्दी बनाया गया था, परन्तु अब्राहम ने अपने पुरुषों के साथ जाकर उन्हें छुड़ा लिया था। इसके बाद अधिक समय नहीं हुआ था कि परमेश्वर ने सदोम और अमोरा को नष्ट कर दिया था क्योंकि वहां के निवासी दुराचारी थे।

(यह भी देखें: अब्राहम , बेबीलोन, लूत, खारा ताल, सदोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:4-6
- उत्पत्ति 10:19-20
- उत्पत्ति 14:1-2
- उत्पत्ति 18:20-21
- यशायाह 01:9
- मत्ती 10:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6017

अमोरा

तथ्य:

अमोरा सदोम के निकट उपजाऊ घाटी में एक नगर था, जहाँ अब्राहम के भतीजे लूत ने रहने का चुना था।

- अमोरा और सदोम का सही स्थान अज्ञात है परन्तु कुछ संकेतों से ज्ञात होता है कि ये दो नगर नमक सागर के निकट दक्षिण में सिद्दिम घाटी में बसे हुए थे।
- सदोम और आमोरा के स्थान में अनेक राजा युद्ध करते थे।

सदोम और अन्य नगरों के मध्य युद्ध में लूत का परिवार भी बन्दी बनाया गया था, परन्तु अब्राहम ने अपने पुरुषों के साथ जाकर उन्हें छुड़ा लिया था। इसके बाद अधिक समय नहीं हुआ था कि परमेश्वर ने सदोम और अमोरा को नष्ट कर दिया था क्योंकि वहां के निवासी दुराचारी थे।

(यह भी देखें: अब्राहम , बेबीलोन, लूत, खारा ताल, सदोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:4-6
- उत्पत्ति 10:19-20
- उत्पत्ति 14:1-2
- उत्पत्ति 18:20-21
- यशायाह 01:9
- मत्ती 10:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6017

अमोरा

तथ्य:

अमोरा सदोम के निकट उपजाऊ घाटी में एक नगर था, जहाँ अब्राहम के भतीजे लूत ने रहने का चुना था।

- अमोरा और सदोम का सही स्थान अज्ञात है परन्तु कुछ संकेतों से ज्ञात होता है कि ये दो नगर नमक सागर के निकट दक्षिण में सिद्दिम घाटी में बसे हुए थे।
- सदोम और आमोरा के स्थान में अनेक राजा युद्ध करते थे।

सदोम और अन्य नगरों के मध्य युद्ध में लूत का परिवार भी बन्दी बनाया गया था, परन्तु अब्राहम ने अपने पुरुषों के साथ जाकर उन्हें छुड़ा लिया था। इसके बाद अधिक समय नहीं हुआ था कि परमेश्वर ने सदोम और अमोरा को नष्ट कर दिया था क्योंकि वहां के निवासी दुराचारी थे।

(यह भी देखें: अब्राहम , बेबीलोन, लूत, खारा ताल, सदोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:4-6
- उत्पत्ति 10:19-20
- उत्पत्ति 14:1-2
- उत्पत्ति 18:20-21
- यशायाह 01:9
- मत्ती 10:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6017

अमोरा

तथ्य:

अमोरा सदोम के निकट उपजाऊ घाटी में एक नगर था, जहाँ अब्राहम के भतीजे लूत ने रहने का चुना था।

- अमोरा और सदोम का सही स्थान अज्ञात है परन्तु कुछ संकेतों से ज्ञात होता है कि ये दो नगर नमक सागर के निकट दक्षिण में सिद्दिम घाटी में बसे हुए थे।
- सदोम और आमोरा के स्थान में अनेक राजा युद्ध करते थे।

सदोम और अन्य नगरों के मध्य युद्ध में लूत का परिवार भी बन्दी बनाया गया था, परन्तु अब्राहम ने अपने पुरुषों के साथ जाकर उन्हें छुड़ा लिया था। इसके बाद अधिक समय नहीं हुआ था कि परमेश्वर ने सदोम और अमोरा को नष्ट कर दिया था क्योंकि वहां के निवासी दुराचारी थे।

(यह भी देखें: अब्राहम , बेबीलोन, लूत, खारा ताल, सदोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:4-6
- उत्पत्ति 10:19-20
- उत्पत्ति 14:1-2
- उत्पत्ति 18:20-21
- यशायाह 01:9
- मत्ती 10:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6017

अय्यूब

तथ्य:

अय्यूब को बाइबल में परमेश्वर के सम्मुख निर्दोष एवं खरा मनुष्य कहा गया है। वह घोर कष्टों में भी परमेश्वर में विश्वास के लिए प्रसिद्ध है।

- अय्यूब ऊस देश का रहनेवाला था जिसका भौगोलिक स्थान कनान के पूर्व में कहीं था, संभवतः एदोमियों के क्षेत्र के निकट।
- ऐसा माना जाता है कि वह एसाव और याकूब के युग का भी है क्योंकि उसका एक मित्र तेमानी था जो एसाव के पोते के वंशजों का जाति थी।
- पुराने नियम की पुस्तक, अय्यूब में अय्यूब और उसके मित्रों की प्रतिक्रियाओं का वर्णन है कि सबने अय्यूब के कष्टों के प्रति अपना-अपना विचार प्रकट किया था। इस पुस्तक में ब्रह्माण्ड के परमप्रधान शासक एवं सृजनहार, परमेश्वर का दृष्टिकोण भी प्रकट किया गया है।
- उसके सर्वनाश के बाद परमेश्वर ने उसे पुनः स्वास्थ्य प्रदान किया और सन्तानों एवं धन सम्पदा से पूर्ण किया।
- अय्यूब की पुस्तक कहती है कि जब वह मरा तब वह बहुत बूढ़ा था।

(यह भी देखें: अब्राहम, एसाव, जल-प्रलय, इस्राएल, नूह, जाति)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 14:12-14
- याकूब 05:9-11
- अय्यूब 01:1-3
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H347, H3102, G2492

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अरब, अरबी, अरबियों

तथ्य:

अरब संसार का सबसे बड़ा प्रायद्वीप है लगभग 30,00,000 वर्ग कि.मी. का क्षेत्र है। इस्राएल के दक्षिण पूर्व में लाल सागर, अरब सागर और फारस की खाड़ी से घिरा हुआ है।

- "अरबी" शब्द अरबवासी के लिए काम में लिया गया शब्द है या अरब से संबन्धित कोई वस्तु के लिए।
- अरब के आदिवासी शेम के वंशज थे। अरब के अन्य निवासी अब्राहम के पुत्र इश्माएल के वंशज तथा एसाव के वंशज थे।
- इस्राएल जिस जंगल में 40 वर्ष भटके थे वह स्थान अरब मे ही था।
- मसीह को ग्रहण करने के बाद पौलुस कुछ वर्ष अरब के रेगिस्तान में रहा था।
- गलातिया प्रदेश के विश्वासियों को पत्र में पौलुस ने उल्लेख किया है कि सीनै पर्वत अरब में है।

(यह भी देखें: एसाव, गलातिया, इश्माएल, शेम, सीनै)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:14-15
- प्रे.का. 02:8-11
- गलातियों 01:15-17
- गलातियों 04:24-25
- यिर्मयाह 25:24-26
- नहेम्याह 02:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6152, H6153, H6163, G688, G690

अरब, अरबी, अरबियों

तथ्य:

अरब संसार का सबसे बड़ा प्रायद्वीप है लगभग 30,00,000 वर्ग कि.मी. का क्षेत्र है। इस्राएल के दक्षिण पूर्व में लाल सागर, अरब सागर और फारस की खाड़ी से घिरा हुआ है।

- "अरबी" शब्द अरबवासी के लिए काम में लिया गया शब्द है या अरब से संबन्धित कोई वस्तु के लिए।
- अरब के आदिवासी शेम के वंशज थे। अरब के अन्य निवासी अब्राहम के पुत्र इश्माएल के वंशज तथा एसाव के वंशज थे।
- इस्राएल जिस जंगल में 40 वर्ष भटके थे वह स्थान अरब मे ही था।
- मसीह को ग्रहण करने के बाद पौलुस कुछ वर्ष अरब के रेगिस्तान में रहा था।
- गलातिया प्रदेश के विश्वासियों को पत्र में पौलुस ने उल्लेख किया है कि सीनै पर्वत अरब में है।

(यह भी देखें: एसाव, गलातिया, इश्माएल, शेम, सीनै)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:14-15
- प्रे.का. 02:8-11
- गलातियों 01:15-17
- गलातियों 04:24-25
- यिर्मयाह 25:24-26
- नहेम्याह 02:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6152, H6153, H6163, G688, G690

अर्घ

परिभाषा:

अर्घ परमेश्वर के लिए बलिदान या जिसमें वेदी पर दाखमधु उण्डेला जाता था। यह होमबलि और अन्नबलि के साथ चढ़ाया जाता था।

- पौलुस अपने जीवन को अर्घ की भांति उण्डेला जा रहा कहता है। इसका अर्थ था कि वह परमेश्वर की सेवा में पूर्णतः समर्पित था कि मनुष्यों में सुसमाचार सुनाए चाहे वह कष्ट उठाए वरन मार डाला जाए।
- क्रूस पर यीशु की मृत्यु अर्घ था क्योंकि हमारे पापों के कारण उसका लहू बहाया गया था।

अनुवाद के सुझाव:

- इसका अनुवाद हो सकता है "दाखमधु उण्डेलना"
- पौलुस कहता है कि वह अर्घ के समान उण्डेला जा रहा है तो इसका अनुवाद हो सकता है, "मैं मनुष्यों में परमेश्वर का शुभ सन्देश सुनाने के लिए पूर्णतः समर्पित हूं जैसे दाखमधु को वेदी पर अर्घ करके चढ़ाया जाता है"।

(यह भी देखें: होमबलि, अन्नबलि)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 25:28-30
- यहेजकेल 45:16-17
- उत्पत्ति 35:14-15
- यिर्मयाह 07:16-18
- गिनती 05:15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5257, H5261, H5262

अविश्वासी, अविश्वासियों, अविश्वास

परिभाषा:

"अविश्वास" अर्थात किसी बात पर या किसी मनुष्य पर विश्वास नहीं करना।

- बाइबल में अविश्वास का अर्थ है, यीशु को अपना उद्धारकर्ता नहीं मानना या उसमें विश्वास नहीं करना।
- यीशु में विश्वास नहीं करनेवाले को अविश्वासी कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "अविश्वास" के अन्य अनुवाद रूप हैं, "विश्वास की कमी" या "विश्वास नहीं करना"
- "अविश्वासी" शब्द का अनुवाद", "यीशु में विश्वास नहीं करनेवाला" या "जो यीशु को उद्धारकर्ता स्वीकार नहीं करता है।"

(यह भी देखें: विश्वासी, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:1-3
- 2 कुरिन्थियों 06:14-16
- इब्रानियों 03:12-13
- लूका 09:41-42
- मरकुस 06:4-6
- रोमियो 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G543, G544, G570, G571

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अविश्वासी, अविश्वासियों, अविश्वास

परिभाषा:

“अविश्वास” अर्थात किसी बात पर या किसी मनुष्य पर विश्वास नहीं करना।

- बाइबल में अविश्वास का अर्थ है, यीशु को अपना उद्धारकर्ता नहीं मानना या उसमें विश्वास नहीं करना।
- यीशु में विश्वास नहीं करनेवाले को अविश्वासी कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “अविश्वास” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “विश्वास की कमी” या “विश्वास नहीं करना”
- “अविश्वासी” शब्द का अनुवाद”, “यीशु में विश्वास नहीं करनेवाला” या “जो यीशु को उद्धारकर्ता स्वीकार नहीं करता है।”

(यह भी देखें: विश्वासी, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:1-3
- 2 कुरिन्थियों 06:14-16
- इब्रानियों 03:12-13
- लूका 09:41-42
- मरकुस 06:4-6
- रोमियो 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G543, G544, G570, G571

अविश्वासी, अविश्वासियों, अविश्वास

परिभाषा:

“अविश्वास” अर्थात किसी बात पर या किसी मनुष्य पर विश्वास नहीं करना।

- बाइबल में अविश्वास का अर्थ है, यीशु को अपना उद्धारकर्ता नहीं मानना या उसमें विश्वास नहीं करना।
- यीशु में विश्वास नहीं करनेवाले को अविश्वासी कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “अविश्वास” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “विश्वास की कमी” या “विश्वास नहीं करना”
- “अविश्वासी” शब्द का अनुवाद”, “यीशु में विश्वास नहीं करनेवाला” या “जो यीशु को उद्धारकर्ता स्वीकार नहीं करता है।”

(यह भी देखें: विश्वासी, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:1-3
- 2 कुरिन्थियों 06:14-16
- इब्रानियों 03:12-13
- लूका 09:41-42
- मरकुस 06:4-6
- रोमियो 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G543, G544, G570, G571

अविश्वासी, अविश्वासियों, अविश्वास

परिभाषा:

“अविश्वास” अर्थात किसी बात पर या किसी मनुष्य पर विश्वास नहीं करना।

- बाइबल में अविश्वास का अर्थ है, यीशु को अपना उद्धारकर्ता नहीं मानना या उसमें विश्वास नहीं करना।
- यीशु में विश्वास नहीं करनेवाले को अविश्वासी कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “अविश्वास” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “विश्वास की कमी” या “विश्वास नहीं करना”
- “अविश्वासी” शब्द का अनुवाद”, “यीशु में विश्वास नहीं करनेवाला” या “जो यीशु को उद्धारकर्ता स्वीकार नहीं करता है।”

(यह भी देखें: विश्वासी, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:1-3
- 2 कुरिन्थियों 06:14-16
- इब्रानियों 03:12-13
- लूका 09:41-42
- मरकुस 06:4-6
- रोमियो 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G543, G544, G570, G571

अविश्वासी, अविश्वासियों, अविश्वास

परिभाषा:

“अविश्वास” अर्थात किसी बात पर या किसी मनुष्य पर विश्वास नहीं करना।

- बाइबल में अविश्वास का अर्थ है, यीशु को अपना उद्धारकर्ता नहीं मानना या उसमें विश्वास नहीं करना।
- यीशु में विश्वास नहीं करनेवाले को अविश्वासी कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “अविश्वास” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “विश्वास की कमी” या “विश्वास नहीं करना”
- “अविश्वासी” शब्द का अनुवाद”, “यीशु में विश्वास नहीं करनेवाला” या “जो यीशु को उद्धारकर्ता स्वीकार नहीं करता है।”

(यह भी देखें: विश्वासी, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:1-3
- 2 कुरिन्थियों 06:14-16
- इब्रानियों 03:12-13
- लूका 09:41-42
- मरकुस 06:4-6
- रोमियो 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G543, G544, G570, G571

अविश्वासी, अविश्वासियों, अविश्वास

परिभाषा:

“अविश्वास” अर्थात किसी बात पर या किसी मनुष्य पर विश्वास नहीं करना।

- बाइबल में अविश्वास का अर्थ है, यीशु को अपना उद्धारकर्ता नहीं मानना या उसमें विश्वास नहीं करना।
- यीशु में विश्वास नहीं करनेवाले को अविश्वासी कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “अविश्वास” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “विश्वास की कमी” या “विश्वास नहीं करना”
- “अविश्वासी” शब्द का अनुवाद”, “यीशु में विश्वास नहीं करनेवाला” या “जो यीशु को उद्धारकर्ता स्वीकार नहीं करता है।”

(यह भी देखें: विश्वासी, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:1-3
- 2 कुरिन्थियों 06:14-16
- इब्रानियों 03:12-13
- लूका 09:41-42
- मरकुस 06:4-6
- रोमियो 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G543, G544, G570, G571

अविश्वासी, अविश्वासियों, अविश्वास

परिभाषा:

“अविश्वास” अर्थात किसी बात पर या किसी मनुष्य पर विश्वास नहीं करना।

- बाइबल में अविश्वास का अर्थ है, यीशु को अपना उद्धारकर्ता नहीं मानना या उसमें विश्वास नहीं करना।
- यीशु में विश्वास नहीं करनेवाले को अविश्वासी कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “अविश्वास” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “विश्वास की कमी” या “विश्वास नहीं करना”
- “अविश्वासी” शब्द का अनुवाद”, “यीशु में विश्वास नहीं करनेवाला” या “जो यीशु को उद्धारकर्ता स्वीकार नहीं करता है।”

(यह भी देखें: विश्वासी, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:1-3
- 2 कुरिन्थियों 06:14-16
- इब्रानियों 03:12-13
- लूका 09:41-42
- मरकुस 06:4-6
- रोमियो 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G543, G544, G570, G571

अविश्वासी, अविश्वासियों, अविश्वास

परिभाषा:

“अविश्वास” अर्थात किसी बात पर या किसी मनुष्य पर विश्वास नहीं करना।

- बाइबल में अविश्वास का अर्थ है, यीशु को अपना उद्धारकर्ता नहीं मानना या उसमें विश्वास नहीं करना।
- यीशु में विश्वास नहीं करनेवाले को अविश्वासी कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “अविश्वास” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “विश्वास की कमी” या “विश्वास नहीं करना”
- “अविश्वासी” शब्द का अनुवाद”, “यीशु में विश्वास नहीं करनेवाला” या “जो यीशु को उद्धारकर्ता स्वीकार नहीं करता है।”

(यह भी देखें: विश्वासी, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:1-3
- 2 कुरिन्थियों 06:14-16
- इब्रानियों 03:12-13
- लूका 09:41-42
- मरकुस 06:4-6
- रोमियो 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G543, G544, G570, G571

अविश्वासी, अविश्वासियों, अविश्वास

परिभाषा:

“अविश्वास” अर्थात किसी बात पर या किसी मनुष्य पर विश्वास नहीं करना।

- बाइबल में अविश्वास का अर्थ है, यीशु को अपना उद्धारकर्ता नहीं मानना या उसमें विश्वास नहीं करना।
- यीशु में विश्वास नहीं करनेवाले को अविश्वासी कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “अविश्वास” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “विश्वास की कमी” या “विश्वास नहीं करना”
- “अविश्वासी” शब्द का अनुवाद”, “यीशु में विश्वास नहीं करनेवाला” या “जो यीशु को उद्धारकर्ता स्वीकार नहीं करता है।”

(यह भी देखें: विश्वासी, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:1-3
- 2 कुरिन्थियों 06:14-16
- इब्रानियों 03:12-13
- लूका 09:41-42
- मरकुस 06:4-6
- रोमियो 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G543, G544, G570, G571

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3
- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3
- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में "अशुद्ध" शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- "अशुद्ध" का अनुवाद "अछूत" या "परमेश्वर के योग्य नहीं" या "शारीरिक अशुद्धता" या "अपवित्र" हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में "अशुद्ध" का अनुवाद "दुष्ट" या "अपवित्र" किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3
- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में "अशुद्ध" शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।

- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3
- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3
- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3
- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3
- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3
- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3
- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3
- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।

- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3
- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3
- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3
- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3
- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3
- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
- कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
- यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
- अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
- यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
- प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
- शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: शुद्ध, अशुद्ध, दुष्टात्मा, पवित्र, बलिदान करना, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 10:27-29
- कुलुस्सियों 03:5-8
- उत्पत्ति 07:1-3
- मत्ती 23:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

“अशुद्ध करना” और “अशुद्ध होना” का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को “अशुद्ध” और “अपवित्र” कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अशुद्ध होना” या “अधर्मी होना” या “सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना”
- “अशुद्ध होना” का अनुवाद “अस्वच्छ होना” या “नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना” या “धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना”।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29
- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

“अशुद्ध करना” और “अशुद्ध होना” का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को “अशुद्ध” और “अपवित्र” कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।

- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "अशुद्ध" का अनुवाद "अशुद्ध होना" या "अधर्मी होना" या "सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना"
- "अशुद्ध होना" का अनुवाद "अस्वच्छ होना" या "नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना" या "धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना"।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29
- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

"अशुद्ध करना" और "अशुद्ध होना" का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को "अशुद्ध" और "अपवित्र" कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "अशुद्ध" का अनुवाद "अशुद्ध होना" या "अधर्मी होना" या "सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना"
- "अशुद्ध होना" का अनुवाद "अस्वच्छ होना" या "नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना" या "धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना"।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29
- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

"अशुद्ध करना" और "अशुद्ध होना" का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को "अशुद्ध" और "अपवित्र" कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "अशुद्ध" का अनुवाद "अशुद्ध होना" या "अधर्मी होना" या "सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना"
- "अशुद्ध होना" का अनुवाद "अस्वच्छ होना" या "नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना" या "धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना"।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29
- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

"अशुद्ध करना" और "अशुद्ध होना" का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को "अशुद्ध" और "अपवित्र" कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "अशुद्ध" का अनुवाद "अशुद्ध होना" या "अधर्मी होना" या "सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना"
- "अशुद्ध होना" का अनुवाद "अस्वच्छ होना" या "नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना" या "धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना"।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29

- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

“अशुद्ध करना” और “अशुद्ध होना” का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को “अशुद्ध” और “अपवित्र” कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अशुद्ध होना” या “अधर्मी होना” या “सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना”
- “अशुद्ध होना” का अनुवाद “अस्वच्छ होना” या “नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना” या “धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना”।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29
- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

“अशुद्ध करना” और “अशुद्ध होना” का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को “अशुद्ध” और “अपवित्र” कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "अशुद्ध" का अनुवाद "अशुद्ध होना" या "अधर्मी होना" या "सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना"
- "अशुद्ध होना" का अनुवाद "अस्वच्छ होना" या "नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना" या "धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना"।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29
- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

"अशुद्ध करना" और "अशुद्ध होना" का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को "अशुद्ध" और "अपवित्र" कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "अशुद्ध" का अनुवाद "अशुद्ध होना" या "अधर्मी होना" या "सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना"
- "अशुद्ध होना" का अनुवाद "अस्वच्छ होना" या "नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना" या "धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना"।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29
- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

"अशुद्ध करना" और "अशुद्ध होना" का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को "अशुद्ध" और "अपवित्र" कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "अशुद्ध" का अनुवाद "अशुद्ध होना" या "अधर्मी होना" या "सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना"
- "अशुद्ध होना" का अनुवाद "अस्वच्छ होना" या "नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना" या "धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना"।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29
- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

"अशुद्ध करना" और "अशुद्ध होना" का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को "अशुद्ध" और "अपवित्र" कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "अशुद्ध" का अनुवाद "अशुद्ध होना" या "अधर्मी होना" या "सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना"
- "अशुद्ध होना" का अनुवाद "अस्वच्छ होना" या "नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना" या "धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना"।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29

- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

“अशुद्ध करना” और “अशुद्ध होना” का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को “अशुद्ध” और “अपवित्र” कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अशुद्ध होना” या “अधर्मी होना” या “सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना”
- “अशुद्ध होना” का अनुवाद “अस्वच्छ होना” या “नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना” या “धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना”।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29
- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

“अशुद्ध करना” और “अशुद्ध होना” का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को “अशुद्ध” और “अपवित्र” कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "अशुद्ध" का अनुवाद "अशुद्ध होना" या "अधर्मी होना" या "सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना"
- "अशुद्ध होना" का अनुवाद "अस्वच्छ होना" या "नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना" या "धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना"।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29
- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

"अशुद्ध करना" और "अशुद्ध होना" का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को "अशुद्ध" और "अपवित्र" कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "अशुद्ध" का अनुवाद "अशुद्ध होना" या "अधर्मी होना" या "सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना"
- "अशुद्ध होना" का अनुवाद "अस्वच्छ होना" या "नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना" या "धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना"।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29
- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

"अशुद्ध करना" और "अशुद्ध होना" का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को "अशुद्ध" और "अपवित्र" कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "अशुद्ध" का अनुवाद "अशुद्ध होना" या "अधर्मी होना" या "सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना"
- "अशुद्ध होना" का अनुवाद "अस्वच्छ होना" या "नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना" या "धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना"।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29
- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

"अशुद्ध करना" और "अशुद्ध होना" का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को "अशुद्ध" और "अपवित्र" कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "अशुद्ध" का अनुवाद "अशुद्ध होना" या "अधर्मी होना" या "सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना"
- "अशुद्ध होना" का अनुवाद "अस्वच्छ होना" या "नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना" या "धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना"।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29

- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

“अशुद्ध करना” और “अशुद्ध होना” का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को “अशुद्ध” और “अपवित्र” कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अशुद्ध होना” या “अधर्मी होना” या “सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना”
- “अशुद्ध होना” का अनुवाद “अस्वच्छ होना” या “नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना” या “धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना”।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29
- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

“अशुद्ध करना” और “अशुद्ध होना” का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को “अशुद्ध” और “अपवित्र” कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "अशुद्ध" का अनुवाद "अशुद्ध होना" या "अधर्मी होना" या "सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना"
- "अशुद्ध होना" का अनुवाद "अस्वच्छ होना" या "नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना" या "धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना"।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29
- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

परिभाषा:

"अशुद्ध करना" और "अशुद्ध होना" का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को "अशुद्ध" और "अपवित्र" कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "अशुद्ध" का अनुवाद "अशुद्ध होना" या "अधर्मी होना" या "सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना"
- "अशुद्ध होना" का अनुवाद "अस्वच्छ होना" या "नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना" या "धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना"।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8-9
- निर्गमन 20:24-26
- उत्पत्ति 34:27-29
- उत्पत्ति 49:3-4
- यशायाह 43:27-28
- लैव्यव्यवस्था 11:43-45
- मरकुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिगाड़ना” अर्थात “बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना” या “अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना”।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, “जो अनैतिक हो गया है” या “जो बुराई करता है”
- इस शब्द का अनुवाद “बुरा” या “अनैतिक” या “दुष्ट” भी किया जा सकता है।
- “बिगड़ना” शब्द का अनुवाद “बुरा व्यवहार” या “बुराई” या “अनैतिकता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिगाड़ना” अर्थात “बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना” या “अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना”।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, “जो अनैतिक हो गया है” या “जो बुराई करता है”
- इस शब्द का अनुवाद “बुरा” या “अनैतिक” या “दुष्ट” भी किया जा सकता है।
- “बिगड़ना” शब्द का अनुवाद “बुरा व्यवहार” या “बुराई” या “अनैतिकता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिगाड़ना” अर्थात “बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना” या “अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना”।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, “जो अनैतिक हो गया है” या “जो बुराई करता है”
- इस शब्द का अनुवाद “बुरा” या “अनैतिक” या “दुष्ट” भी किया जा सकता है।
- “बिगड़ना” शब्द का अनुवाद “बुरा व्यवहार” या “बुराई” या “अनैतिकता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिगाड़ना” अर्थात “बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना” या “अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना”।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, “जो अनैतिक हो गया है” या “जो बुराई करता है”
- इस शब्द का अनुवाद “बुरा” या “अनैतिक” या “दुष्ट” भी किया जा सकता है।
- “बिगड़ना” शब्द का अनुवाद “बुरा व्यवहार” या “बुराई” या “अनैतिकता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिगाड़ना” अर्थात “बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना” या “अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना”।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, “जो अनैतिक हो गया है” या “जो बुराई करता है”
- इस शब्द का अनुवाद “बुरा” या “अनैतिक” या “दुष्ट” भी किया जा सकता है।
- “बिगड़ना” शब्द का अनुवाद “बुरा व्यवहार” या “बुराई” या “अनैतिकता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिगाड़ना” अर्थात “बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना” या “अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना”।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, “जो अनैतिक हो गया है” या “जो बुराई करता है”
- इस शब्द का अनुवाद “बुरा” या “अनैतिक” या “दुष्ट” भी किया जा सकता है।
- “बिगड़ना” शब्द का अनुवाद “बुरा व्यवहार” या “बुराई” या “अनैतिकता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिगाड़ना” अर्थात “बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना” या “अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना”।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, “जो अनैतिक हो गया है” या “जो बुराई करता है”
- इस शब्द का अनुवाद “बुरा” या “अनैतिक” या “दुष्ट” भी किया जा सकता है।
- “बिगड़ना” शब्द का अनुवाद “बुरा व्यवहार” या “बुराई” या “अनैतिकता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिगाड़ना” अर्थात “बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना” या “अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना”।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, “जो अनैतिक हो गया है” या “जो बुराई करता है”
- इस शब्द का अनुवाद “बुरा” या “अनैतिक” या “दुष्ट” भी किया जा सकता है।
- “बिगड़ना” शब्द का अनुवाद “बुरा व्यवहार” या “बुराई” या “अनैतिकता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिगाड़ना” अर्थात “बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना” या “अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना”।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, “जो अनैतिक हो गया है” या “जो बुराई करता है”
- इस शब्द का अनुवाद “बुरा” या “अनैतिक” या “दुष्ट” भी किया जा सकता है।
- “बिगड़ना” शब्द का अनुवाद “बुरा व्यवहार” या “बुराई” या “अनैतिकता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिगाड़ना” अर्थात “बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना” या “अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना”।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, “जो अनैतिक हो गया है” या “जो बुराई करता है”

- इस शब्द का अनुवाद “बुरा” या “अनैतिक” या “दुष्ट” भी किया जा सकता है।
- “बिगड़ना” शब्द का अनुवाद “बुरा व्यवहार” या “बुराई” या “अनैतिकता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिगाड़ना” अर्थात “बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना” या “अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना”।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, “जो अनैतिक हो गया है” या “जो बुराई करता है”
- इस शब्द का अनुवाद “बुरा” या “अनैतिक” या “दुष्ट” भी किया जा सकता है।
- “बिगड़ना” शब्द का अनुवाद “बुरा व्यवहार” या “बुराई” या “अनैतिकता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- "बिगाड़ना" अर्थात "बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना" या "अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना"।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, "जो अनैतिक हो गया है" या "जो बुराई करता है"
- इस शब्द का अनुवाद "बुरा" या "अनैतिक" या "दुष्ट" भी किया जा सकता है।
- "बिगड़ना" शब्द का अनुवाद "बुरा व्यवहार" या "बुराई" या "अनैतिकता" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

"बिगड़कर" या "सड़ाहट" का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- "बिगड़कर" शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में "झुकना" या "तोड़ा जाना" है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- "बिगाड़ना" अर्थात "बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना" या "अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना"।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, "जो अनैतिक हो गया है" या "जो बुराई करता है"
- इस शब्द का अनुवाद "बुरा" या "अनैतिक" या "दुष्ट" भी किया जा सकता है।
- "बिगड़ना" शब्द का अनुवाद "बुरा व्यवहार" या "बुराई" या "अनैतिकता" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

"बिगड़कर" या "सड़ाहट" का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- "बिगड़कर" शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में "झुकना" या "तोड़ा जाना" है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- "बिगाड़ना" अर्थात "बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना" या "अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना"।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, "जो अनैतिक हो गया है" या "जो बुराई करता है"
- इस शब्द का अनुवाद "बुरा" या "अनैतिक" या "दुष्ट" भी किया जा सकता है।
- "बिगड़ना" शब्द का अनुवाद "बुरा व्यवहार" या "बुराई" या "अनैतिकता" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

"बिगड़कर" या "सड़ाहट" का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- "बिगड़कर" शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में "झुकना" या "तोड़ा जाना" है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- "बिगाड़ना" अर्थात "बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना" या "अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना"।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, "जो अनैतिक हो गया है" या "जो बुराई करता है"
- इस शब्द का अनुवाद "बुरा" या "अनैतिक" या "दुष्ट" भी किया जा सकता है।
- "बिगड़ना" शब्द का अनुवाद "बुरा व्यवहार" या "बुराई" या "अनैतिकता" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिगाड़ना” अर्थात “बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना” या “अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना”।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, “जो अनैतिक हो गया है” या “जो बुराई करता है”
- इस शब्द का अनुवाद “बुरा” या “अनैतिक” या “दुष्ट” भी किया जा सकता है।
- “बिगड़ना” शब्द का अनुवाद “बुरा व्यवहार” या “बुराई” या “अनैतिकता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिगाड़ना” अर्थात “बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना” या “अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना”।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, “जो अनैतिक हो गया है” या “जो बुराई करता है”
- इस शब्द का अनुवाद “बुरा” या “अनैतिक” या “दुष्ट” भी किया जा सकता है।
- “बिगड़ना” शब्द का अनुवाद “बुरा व्यवहार” या “बुराई” या “अनैतिकता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिगाड़ना” अर्थात “बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना” या “अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना”।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, “जो अनैतिक हो गया है” या “जो बुराई करता है”
- इस शब्द का अनुवाद “बुरा” या “अनैतिक” या “दुष्ट” भी किया जा सकता है।
- “बिगड़ना” शब्द का अनुवाद “बुरा व्यवहार” या “बुराई” या “अनैतिकता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33-35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध करना, अपवित्र

परिभाषा:

अशुद्ध करने का अर्थ है: अपवित्र करना, गन्दा करना या पवित्र वस्तु का अपमान करना ।

- अशुद्ध मनुष्य वह है जो अपवित्र व्हैयवहार करता है और परमेश्वर का आदर नहीं करता है ।
- "अशुद्ध करना" क्रिया शब्द का अनुवाद हो सकता है: "अपवित्रता से व्यवहार करना" या "श्रृद्धा रहित व्यवहार करना" या "आदर नहीं करना ।"
- परमेश्वर ने इस्राएलियों से कहा था कि उन्होंने अपने आप को “अशुद्ध” कर लिया है। अर्थात् वे मूर्ति पूजा के पाप से “अपवित्र” या “अपमानजनक” हो गए थे। वे परमेश्वर का निरादर भी कर रहे थे।
- प्रकरण के अनुसार विशेषण शब्द “अशुद्ध” का अनुवाद हो सकता है: “सम्मान से रहित” या "अभक्त"या “अपवित्र”।

(यह भी देखें: अशुद्ध, पवित्र, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:16-18
- यहेजकेल 20:09
- मलाकी 01:10-12
- मत्ती 12:05
- गिनती 18:30-32

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H2455, H2490, H2491, H5234, H8610, G952, G953

अशुद्ध करना, अशुद्ध किया, अपवित्र

परिभाषा:

“अशुद्ध करना” अर्थात किसी पवित्र स्थान को या पवित्र वस्तु के नष्ट-भ्रष्ट करना कि वह आराधना में उपयोग के योग्य न रह जाए।

- “अपवित्र करने” में प्रायः उसके प्रति घोर अपमान की भावना होती है।
- उदाहरणार्थ अन्यजाति राजाओं ने परमेश्वर के मन्दिर के पवित्र पात्रों को अपने राजमहल में भोज के समय मदिरा पान के लिए काम में लिए थे।
- इस्राएल के शत्रु मृतकों की हड्डियों द्वारा परमेश्वर के मन्दिर को पवित्र करते थे।
- इस शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “अपवित्र करने का कारण होना” या “अपवित्र करके अनादर करना” या “अपमानजनक अपवित्र” या “अशुद्धता का कारण उत्पन्न करना”।

(यह भी देखें: वेदी, अशुद्ध, निरादर, अशुद्ध करना, शुद्ध, मन्दिर, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 24:4-6
- यशायाह 30:22
- भजन संहिता 074:7-8
- भजन संहिता 089:38-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2490, H2610, H2930, G953

अशेर

तथ्य:

अशेर याकूब का आठवां पुत्र था। उसके वंशज इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक थे, गोत्र का नाम भी “अशेर” था।

- अशेर की माता का नाम जिल्पा था, वह लिआ: की दासी थी।
- उसके नाम का अर्थ है, “आनन्दित” या “आशिषित”
- अशेर को दिए गए भूभाग का नाम भी अशेर था यह भूमि इस्राएल द्वारा कनान प्रवेश के समय उन्हें दी गई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 04:15-17
- यहेजकेल 48:1-3
- उत्पत्ति 30:12-13
- लूका 02:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H836

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अशेर

तथ्य:

अशेर याकूब का आठवां पुत्र था। उसके वंशज इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक थे, गोत्र का नाम भी “अशेर” था।

- अशेर की माता का नाम जिल्पा था, वह लिआः की दासी थी।
- उसके नाम का अर्थ है, “आनन्दित” या “आशिषित”
- अशेर को दिए गए भूभाग का नाम भी अशेर था यह भूमि इस्राएल द्वारा कनान प्रवेश के समय उन्हें दी गई थी।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 04:15-17
- यहेजकेल 48:1-3
- उत्पत्ति 30:12-13
- लूका 02:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H836

अश्दोद, अज़ोतस

तथ्य:

अश्दोद पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। यह दक्षिण-पश्चिम कनान में भूमध्य-सागर के निकट था, गाज़ा और याफा के मध्य स्थित।

- पलिश्तियों के देवता दागोन का मन्दिर वहां था।
- पलिश्तियों द्वारा परमेश्वर की वाचा का सन्दूक लूट ले जाने के कारण परमेश्वर ने अश्दोद वासियों को कठोर दण्ड दिया था क्योंकि उन्होंने उसे अश्दोद में विधर्मी मन्दिर में रखा था।
- इस नगर का यूनानी नाम अज़ोतस था। यह भी उन नगरों में से एक था जहां प्रचारक फिलिप्पुस ने सुसमाचार सुनाया था।

(यह भी देखें: एक्रोन, गत, गाज़ा, याफा, फिलिप्पुस, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 05:1-3
- प्रे.का. 08:39-40
- आमोस 01:8
- यहोशू 15:45-47
- जकर्याह 09:5-7

{{tag>publish ktlink}

शब्द तथ्य:

- Strong's: H795, G108

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अख़मीरी रोटी

परिभाषा:

“अखमीरी रोटी” खमीर रहित या खट्टा करने वाले पदार्थ से रहित रोटी। यह रोटी पतली होती है क्योंकि उसे फूलने के लिए उसमें खमीर नहीं होता है।

- जब परमेश्वर ने इस्राएलियों को मिस्र की दासता से छुड़ाया था तब कहा था कि आटे को खमीर होने की प्रतिज्ञा किए बिना वे अतिशीघ्र वहाँ से निकलें। अतः उन्होंने भोजन में अखमीरी रोटी खाई थी। तब से उनके वार्षिक फसह में अखमीरी रोटी का उपयोग किया जाता था कि उन्हें उस समय का स्मरण करवाए।
- कभी-कभी ख़मीर पाप का द्योतक भी कहा गया है, अतः अखमीरी रोटी मनुष्य के जीवन से पाप निवारण को दर्शाती है, अर्थात परमेश्वर को सम्मान देनेवाला जीवन।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते है, “बिना खमीर की रोटी” या “बिना फूली रोटी."
- सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद आपके द्वारा “खमीर” के अनुवाद से सुसंगत हो।
- कुछ प्रकरणों में “अखमीरी रोटी” का संदर्भ “अखमीरी रोटी के पर्व” से है और इसका अनुवाद वैसे ही किया जाए।

(यह भी देखें: रोटी, मिस्र, पर्व, फसह, सेवा करना, पाप, ख़मीर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 2 इतिहास 30:13-15
- प्रे.का. 12:3-4
- निर्गमन 23:14-15
- एज्रा 06:21-22
- उत्पत्ति 19:1-3
- न्यायियों 06:21
- लैव्यव्यवस्था 08:1-3
- लूका 22:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4682, G106

अख़मीरी रोटी

परिभाषा:

“अखमीरी रोटी” खमीर रहित या खट्टा करने वाले पदार्थ से रहित रोटी। यह रोटी पतली होती है क्योंकि उसे फूलने के लिए उसमें खमीर नहीं होता है।

- जब परमेश्वर ने इस्राएलियों को मिस्र की दासता से छुड़ाया था तब कहा था कि आटे को खमीर होने की प्रतिज्ञा किए बिना वे अतिशीघ्र वहाँ से निकलें। अतः उन्होंने भोजन में अखमीरी रोटी खाई थी। तब से उनके वार्षिक फसह में अखमीरी रोटी का उपयोग किया जाता था कि उन्हें उस समय का स्मरण करवाए।
- कभी-कभी ख़मीर पाप का द्योतक भी कहा गया है, अतः अखमीरी रोटी मनुष्य के जीवन से पाप निवारण को दर्शाती है, अर्थात परमेश्वर को सम्मान देनेवाला जीवन।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते है, “बिना खमीर की रोटी” या “बिना फूली रोटी."
- सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद आपके द्वारा “खमीर” के अनुवाद से सुसंगत हो।
- कुछ प्रकरणों में “अखमीरी रोटी” का संदर्भ “अखमीरी रोटी के पर्व” से है और इसका अनुवाद वैसे ही किया जाए।

(यह भी देखें: रोटी, मिस्र, पर्व, फसह, सेवा करना, पाप, ख़मीर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8

- 2 इतिहास 30:13-15
- प्रे.का. 12:3-4
- निर्गमन 23:14-15
- एज्रा 06:21-22
- उत्पत्ति 19:1-3
- न्यायियों 06:21
- लैव्यव्यवस्था 08:1-3
- लूका 22:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4682, G106

अख़मीरी रोटी

परिभाषा:

“अखमीरी रोटी” खमीर रहित या खट्टा करने वाले पदार्थ से रहित रोटी। यह रोटी पतली होती है क्योंकि उसे फूलने के लिए उसमें खमीर नहीं होता है।

- जब परमेश्वर ने इस्राएलियों को मिस्र की दासता से छुड़ाया था तब कहा था कि आटे को खमीर होने की प्रतिज्ञा किए बिना वे अतिशीघ्र वहाँ से निकलें। अतः उन्होंने भोजन में अखमीरी रोटी खाई थी। तब से उनके वार्षिक फसह में अखमीरी रोटी का उपयोग किया जाता था कि उन्हें उस समय का स्मरण करवाए।
- कभी-कभी ख़मीर पाप का द्योतक भी कहा गया है, अतः अखमीरी रोटी मनुष्य के जीवन से पाप निवारण को दर्शाती है, अर्थात परमेश्वर को सम्मान देनेवाला जीवन।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते है, “बिना खमीर की रोटी” या “बिना फूली रोटी."
- सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद आपके द्वारा “खमीर” के अनुवाद से सुसंगत हो।
- कुछ प्रकरणों में “अखमीरी रोटी” का संदर्भ “अखमीरी रोटी के पर्व” से है और इसका अनुवाद वैसे ही किया जाए।

(यह भी देखें: रोटी, मिस्र, पर्व, फसह, सेवा करना, पाप, ख़मीर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 2 इतिहास 30:13-15
- प्रे.का. 12:3-4
- निर्गमन 23:14-15
- एज्रा 06:21-22
- उत्पत्ति 19:1-3
- न्यायियों 06:21
- लैव्यव्यवस्था 08:1-3
- लूका 22:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4682, G106

अख़मीरी रोटी

परिभाषा:

“अखमीरी रोटी” खमीर रहित या खट्टा करने वाले पदार्थ से रहित रोटी। यह रोटी पतली होती है क्योंकि उसे फूलने के लिए उसमें खमीर नहीं होता है।

- जब परमेश्वर ने इस्राएलियों को मिस्र की दासता से छुड़ाया था तब कहा था कि आटे को खमीर होने की प्रतिज्ञा किए बिना वे अतिशीघ्र वहाँ से निकलें। अतः उन्होंने भोजन में अखमीरी रोटी खाई थी। तब से उनके वार्षिक फसह में अखमीरी रोटी का उपयोग किया जाता था कि उन्हें उस समय का स्मरण करवाए।

- कभी-कभी ख़मीर पाप का द्योतक भी कहा गया है, अतः अखमीरी रोटी मनुष्य के जीवन से पाप निवारण को दर्शाती है, अर्थात परमेश्वर को सम्मान देनेवाला जीवन।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते है, “बिना खमीर की रोटी” या “बिना फूली रोटी."
- सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद आपके द्वारा “खमीर” के अनुवाद से सुसंगत हो।
- कुछ प्रकरणों में “अखमीरी रोटी” का संदर्भ “अखमीरी रोटी के पर्व” से है और इसका अनुवाद वैसे ही किया जाए।

(यह भी देखें: रोटी, मिस्र, पर्व, फ़सह, सेवा करना, पाप, ख़मीर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 2 इतिहास 30:13-15
- प्रे.का. 12:3-4
- निर्गमन 23:14-15
- एज्रा 06:21-22
- उत्पत्ति 19:1-3
- न्यायियों 06:21
- लैव्यव्यवस्था 08:1-3
- लूका 22:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4682, G106

अख़मीरी रोटी

परिभाषा:

“अखमीरी रोटी” खमीर रहित या खट्टा करने वाले पदार्थ से रहित रोटी। यह रोटी पतली होती है क्योंकि उसे फूलने के लिए उसमें खमीर नहीं होता है।

- जब परमेश्वर ने इस्राएलियों को मिस्र की दासता से छुड़ाया था तब कहा था कि आटे को खमीर होने की प्रतिज्ञा किए बिना वे अतिशीघ्र वहाँ से निकलें। अतः उन्होंने भोजन में अखमीरी रोटी खाई थी। तब से उनके वार्षिक फसह में अखमीरी रोटी का उपयोग किया जाता था कि उन्हें उस समय का स्मरण करवाए।
- कभी-कभी ख़मीर पाप का द्योतक भी कहा गया है, अतः अखमीरी रोटी मनुष्य के जीवन से पाप निवारण को दर्शाती है, अर्थात परमेश्वर को सम्मान देनेवाला जीवन।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते है, “बिना खमीर की रोटी” या “बिना फूली रोटी."
- सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद आपके द्वारा “खमीर” के अनुवाद से सुसंगत हो।
- कुछ प्रकरणों में “अखमीरी रोटी” का संदर्भ “अखमीरी रोटी के पर्व” से है और इसका अनुवाद वैसे ही किया जाए।

(यह भी देखें: रोटी, मिस्र, पर्व, फ़सह, सेवा करना, पाप, ख़मीर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 2 इतिहास 30:13-15
- प्रे.का. 12:3-4
- निर्गमन 23:14-15
- एज्रा 06:21-22
- उत्पत्ति 19:1-3
- न्यायियों 06:21
- लैव्यव्यवस्था 08:1-3
- लूका 22:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4682, G106

आँगन, आँगनों, आँगन, आँगनों

परिभाषा:

“आँगन” और “न्यायालय” अर्थात दीवारों से घिरा खुला स्थान। अंग्रेजी का शब्द “कोर्ट” न्यायालय को भी कहते हैं

- मिलापवाला तम्बू मोटे कपड़े के परदों द्वारा घिरे हुए आँगन के भीतर था।
- मन्दिर के तीन भीतरी आँगन थे एक याजकों के लिए, एक यहूदी पुरुषों के लिए और एक यहूदी स्त्रियों के लिए।
- ये आँगन बाहरी आँगन से छोटी पत्थरों की दीवार से विभाजित थे। बाहरी आँगन में गैर यहूदी प्रार्थना कर सकते थे।
- घरों के आँगन घर के बीच में खुले स्थान होते थे।
- “राजा का आँगन” का संदर्भ राजा के महल या उसके राजमहल के उस स्थान से हो सकता है जहां राजा निर्णय देने के लिए बैठता है।
- “यहोवा के आँगनों” यह उक्ति यहोवा के निवास स्थान या मनुष्यों के लिए यहोवा की आराधना के स्थान के संदर्भ में प्रतीकात्मक उपयोग है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आँगन” का अनुवाद “संलग्न जगह ” या “दीवारों से घिरा स्थान”, या “मन्दिर का मैदान” या “मन्दिर परिसर”
- कभी-कभी “मन्दिर” शब्द का अनुवाद “मंदिर के आँगनों” या “मन्दिर परिसर” से है ताकि स्पष्ट हो कि संदर्भ प्रांगण से है न कि मन्दिर से।
- “यहोवा के आँगनों” का अनुवाद “यहोवा का निवास स्थान” या “यहोवा का आराधना स्थल” हो सकता है।
- “राजा का आँगन” का शब्द यहोवा के आंगन के लिए भी काम में लिया जा सकता है।

(यह भी देखें: अन्यजाति, न्यायी, राजा, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:4-5
- निर्गमन 27:9-10
- यिर्मयाह 19:14-15
- लूका 22:54-55
- मत्ती 26:69-70
- गिनती 03:24-26
- भजन संहिता 065:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1508, G2681, H2691, H5835, H6503, H7339, G833, G933, G4259

आँगन, आँगनों, आँगन, आँगनों

परिभाषा:

“आँगन” और “न्यायालय” अर्थात दीवारों से घिरा खुला स्थान। अंग्रेजी का शब्द “कोर्ट” न्यायालय को भी कहते हैं

- मिलापवाला तम्बू मोटे कपड़े के परदों द्वारा घिरे हुए आँगन के भीतर था।
- मन्दिर के तीन भीतरी आँगन थे एक याजकों के लिए, एक यहूदी पुरुषों के लिए और एक यहूदी स्त्रियों के लिए।
- ये आँगन बाहरी आँगन से छोटी पत्थरों की दीवार से विभाजित थे। बाहरी आँगन में गैर यहूदी प्रार्थना कर सकते थे।
- घरों के आँगन घर के बीच में खुले स्थान होते थे।
- “राजा का आँगन” का संदर्भ राजा के महल या उसके राजमहल के उस स्थान से हो सकता है जहां राजा निर्णय देने के लिए बैठता है।
- “यहोवा के आँगनों” यह उक्ति यहोवा के निवास स्थान या मनुष्यों के लिए यहोवा की आराधना के स्थान के संदर्भ में प्रतीकात्मक उपयोग है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आँगन” का अनुवाद “संलग्न जगह ” या “दीवारों से घिरा स्थान”, या “मन्दिर का मैदान” या “मन्दिर परिसर”
- कभी-कभी “मन्दिर” शब्द का अनुवाद “मंदिर के आँगनों” या “मन्दिर परिसर” से है ताकि स्पष्ट हो कि संदर्भ प्रांगण से है न कि मन्दिर से।
- “यहोवा के आँगनों” का अनुवाद “यहोवा का निवास स्थान” या “यहोवा का आराधना स्थल” हो सकता है।
- “राजा का आँगन” का शब्द यहोवा के आंगन के लिए भी काम में लिया जा सकता है।

(यह भी देखें: अन्यजाति, न्यायी, राजा, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:4-5
- निर्गमन 27:9-10
- यिर्मयाह 19:14-15
- लूका 22:54-55
- मत्ती 26:69-70
- गिनती 03:24-26
- भजन संहिता 065:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1508, G2681, H2691, H5835, H6503, H7339, G833, G933, G4259

आँगन, आँगनों, आँगन, आँगनों

परिभाषा:

"आँगन" और "न्यायालय" अर्थात दीवारों से घिरा खुला स्थान। अंग्रेजी का शब्द "कोर्ट" न्यायालय को भी कहते हैं

- मिलापवाला तम्बू मोटे कपड़े के परदों द्वारा घिरे हुए आँगन के भीतर था।
- मन्दिर के तीन भीतरी आँगन थे एक याजकों के लिए, एक यहूदी पुरुषों के लिए और एक यहूदी स्त्रियों के लिए।
- ये आँगन बाहरी आँगन से छोटी पत्थरों की दीवार से विभाजित थे। बाहरी आँगन में गैर यहूदी प्रार्थना कर सकते थे।
- घरों के आँगन घर के बीच में खुले स्थान होते थे।
- "राजा का आँगन" का संदर्भ राजा के महल या उसके राजमहल के उस स्थान से हो सकता है जहां राजा निर्णय देने के लिए बैठता है।
- "यहोवा के आँगनों" यह उक्ति यहोवा के निवास स्थान या मनुष्यों के लिए यहोवा की आराधना के स्थान के संदर्भ में प्रतीकात्मक उपयोग है।

अनुवाद के सुझाव:

- "आँगन" का अनुवाद "संलग्न जगह " या "दीवारों से घिरा स्थान", या "मन्दिर का मैदान" या "मन्दिर परिसर"
- कभी-कभी "मन्दिर" शब्द का अनुवाद "मंदिर के आँगनों" या "मन्दिर परिसर" से है ताकि स्पष्ट हो कि संदर्भ प्रांगण से है न कि मन्दिर से।
- "यहोवा के आँगनों" का अनुवाद "यहोवा का निवास स्थान" या "यहोवा का आराधना स्थल" हो सकता है।
- "राजा का आँगन" का शब्द यहोवा के आंगन के लिए भी काम में लिया जा सकता है।

(यह भी देखें: अन्यजाति, न्यायी, राजा, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:4-5
- निर्गमन 27:9-10
- यिर्मयाह 19:14-15
- लूका 22:54-55
- मत्ती 26:69-70
- गिनती 03:24-26
- भजन संहिता 065:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1508, G2681, H2691, H5835, H6503, H7339, G833, G933, G4259

आँगन, आँगनों, आँगन, आँगनों

परिभाषा:

"आँगन" और "न्यायालय" अर्थात दीवारों से घिरा खुला स्थान। अंग्रेजी का शब्द "कोर्ट" न्यायालय को भी कहते हैं

- मिलापवाला तम्बू मोटे कपड़े के परदों द्वारा घिरे हुए आँगन के भीतर था।

- मन्दिर के तीन भीतरी आँगन थे एक याजकों के लिए, एक यहूदी पुरुषों के लिए और एक यहूदी स्त्रियों के लिए।
- ये आँगन बाहरी आँगन से छोटी पत्थरों की दीवार से विभाजित थे। बाहरी आँगन में गैर यहूदी प्रार्थना कर सकते थे।
- घरों के आँगन घर के बीच में खुले स्थान होते थे।
- "राजा का आँगन" का संदर्भ राजा के महल या उसके राजमहल के उस स्थान से हो सकता है जहां राजा निर्णय देने के लिए बैठता है।
- "यहोवा के आँगनों" यह उक्ति यहोवा के निवास स्थान या मनुष्यों के लिए यहोवा की आराधना के स्थान के संदर्भ में प्रतीकात्मक उपयोग है।

अनुवाद के सुझाव:

- "आँगन" का अनुवाद "संलग्न जगह " या "दीवारों से घिरा स्थान", या "मन्दिर का मैदान" या "मन्दिर परिसर"
- कभी-कभी "मन्दिर" शब्द का अनुवाद "मंदिर के आँगनों" या "मन्दिर परिसर" से है ताकि स्पष्ट हो कि संदर्भ प्रांगण से है न कि मन्दिर से।
- "यहोवा के आँगनों" का अनुवाद "यहोवा का निवास स्थान" या "यहोवा का आराधना स्थल" हो सकता है।
- "राजा का आँगन" का शब्द यहोवा के आंगन के लिए भी काम में लिया जा सकता है।

(यह भी देखें: अन्यजाति, न्यायी, राजा, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:4-5
- निर्गमन 27:9-10
- यिर्मयाह 19:14-15
- लूका 22:54-55
- मत्ती 26:69-70
- गिनती 03:24-26
- भजन संहिता 065:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1508, G2681, H2691, H5835, H6503, H7339, G833, G933, G4259

आँगन, आँगनों, आँगन, आँगनों

परिभाषा:

"आँगन" और "न्यायालय" अर्थात दीवारों से घिरा खुला स्थान। अंग्रेजी का शब्द "कोर्ट" न्यायालय को भी कहते हैं

- मिलापवाला तम्बू मोटे कपड़े के परदों द्वारा घिरे हुए आँगन के भीतर था।
- मन्दिर के तीन भीतरी आँगन थे एक याजकों के लिए, एक यहूदी पुरुषों के लिए और एक यहूदी स्त्रियों के लिए।
- ये आँगन बाहरी आँगन से छोटी पत्थरों की दीवार से विभाजित थे। बाहरी आँगन में गैर यहूदी प्रार्थना कर सकते थे।
- घरों के आँगन घर के बीच में खुले स्थान होते थे।
- "राजा का आँगन" का संदर्भ राजा के महल या उसके राजमहल के उस स्थान से हो सकता है जहां राजा निर्णय देने के लिए बैठता है।
- "यहोवा के आँगनों" यह उक्ति यहोवा के निवास स्थान या मनुष्यों के लिए यहोवा की आराधना के स्थान के संदर्भ में प्रतीकात्मक उपयोग है।

अनुवाद के सुझाव:

- "आँगन" का अनुवाद "संलग्न जगह " या "दीवारों से घिरा स्थान", या "मन्दिर का मैदान" या "मन्दिर परिसर"
- कभी-कभी "मन्दिर" शब्द का अनुवाद "मंदिर के आँगनों" या "मन्दिर परिसर" से है ताकि स्पष्ट हो कि संदर्भ प्रांगण से है न कि मन्दिर से।
- "यहोवा के आँगनों" का अनुवाद "यहोवा का निवास स्थान" या "यहोवा का आराधना स्थल" हो सकता है।
- "राजा का आँगन" का शब्द यहोवा के आंगन के लिए भी काम में लिया जा सकता है।

(यह भी देखें: अन्यजाति, न्यायी, राजा, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:4-5
- निर्गमन 27:9-10
- यिर्मयाह 19:14-15
- लूका 22:54-55
- मत्ती 26:69-70
- गिनती 03:24-26

- भजन संहिता 065:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1508, G2681, H2691, H5835, H6503, H7339, G833, G933, G4259

आई

तथ्य:

पुराने नियम में एक कनानी नगर था, जो बेतेल के निकट दक्षिण में था और यरीहो से उत्तर पश्चिम में 8 कि.मी. दूर था।

- यरीहो को जीत लेने के बाद यहोशू ने इस्राएलियों को लेकर आई नगर पर आक्रमण किया। परन्तु इस्राएली आसानी से पराजित हुए क्योंकि परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं था।
- आकान नामक एक इस्राएली पुरूष ने यरीहो की लूट में से कुछ सामान चुराकर रख लिया था, परमेश्वर ने आज्ञा दी कि वह और उसका परिवार घात किया जाए। तब परमेश्वर ने आई नगर को पराजित करने में इस्राएल की सहायता की थी।

(यह भी देखें: बेतेल, यरीहो)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 02:27-30
- उत्पत्ति 12:8-9
- उत्पत्ति 13:3-4
- यहोशू 07:2-3
- यहोशू 08:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5857

आई

तथ्य:

पुराने नियम में एक कनानी नगर था, जो बेतेल के निकट दक्षिण में था और यरीहो से उत्तर पश्चिम में 8 कि.मी. दूर था।

- यरीहो को जीत लेने के बाद यहोशू ने इस्राएलियों को लेकर आई नगर पर आक्रमण किया। परन्तु इस्राएली आसानी से पराजित हुए क्योंकि परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं था।
- आकान नामक एक इस्राएली पुरूष ने यरीहो की लूट में से कुछ सामान चुराकर रख लिया था, परमेश्वर ने आज्ञा दी कि वह और उसका परिवार घात किया जाए। तब परमेश्वर ने आई नगर को पराजित करने में इस्राएल की सहायता की थी।

(यह भी देखें: बेतेल, यरीहो)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 02:27-30
- उत्पत्ति 12:8-9
- उत्पत्ति 13:3-4
- यहोशू 07:2-3
- यहोशू 08:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5857

आई

तथ्य:

पुराने नियम में एक कनानी नगर था, जो बेतेल के निकट दक्षिण में था और यरीहो से उत्तर पश्चिम में 8 कि.मी. दूर था।

- यरीहो को जीत लेने के बाद यहोशू ने इस्राएलियों को लेकर आई नगर पर आक्रमण किया। परन्तु इस्राएली आसानी से पराजित हुए क्योंकि परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं था।
- आकान नामक एक इस्राएली पुरूष ने यरीहो की लूट में से कुछ सामान चुराकर रख लिया था, परमेश्वर ने आज्ञा दी कि वह और उसका परिवार घात किया जाए। तब परमेश्वर ने आई नगर को पराजित करने में इस्राएल की सहायता की थी।

(यह भी देखें: बेतेल, यरीहो)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 02:27-30
- उत्पत्ति 12:8-9
- उत्पत्ति 13:3-4
- यहोशू 07:2-3
- यहोशू 08:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5857

आई

तथ्य:

पुराने नियम में एक कनानी नगर था, जो बेतेल के निकट दक्षिण में था और यरीहो से उत्तर पश्चिम में 8 कि.मी. दूर था।

- यरीहो को जीत लेने के बाद यहोशू ने इस्राएलियों को लेकर आई नगर पर आक्रमण किया। परन्तु इस्राएली आसानी से पराजित हुए क्योंकि परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं था।
- आकान नामक एक इस्राएली पुरूष ने यरीहो की लूट में से कुछ सामान चुराकर रख लिया था, परमेश्वर ने आज्ञा दी कि वह और उसका परिवार घात किया जाए। तब परमेश्वर ने आई नगर को पराजित करने में इस्राएल की सहायता की थी।

(यह भी देखें: बेतेल, यरीहो)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 02:27-30
- उत्पत्ति 12:8-9
- उत्पत्ति 13:3-4
- यहोशू 07:2-3
- यहोशू 08:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5857

आई

तथ्य:

पुराने नियम में एक कनानी नगर था, जो बेतेल के निकट दक्षिण में था और यरीहो से उत्तर पश्चिम में 8 कि.मी. दूर था।

- यरीहो को जीत लेने के बाद यहोशू ने इस्राएलियों को लेकर आई नगर पर आक्रमण किया। परन्तु इस्राएली आसानी से पराजित हुए क्योंकि परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं था।

- आकान नामक एक इस्राएली पुरूष ने यरीहो की लूट में से कुछ सामान चुराकर रख लिया था, परमेश्वर ने आज्ञा दी कि वह और उसका परिवार घात किया जाए। तब परमेश्वर ने आई नगर को पराजित करने में इस्राएल की सहायता की थी।

(यह भी देखें: बेतेल, यरीहो)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 02:27-30
- उत्पत्ति 12:8-9
- उत्पत्ति 13:3-4
- यहोशू 07:2-3
- यहोशू 08:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5857

आई

तथ्य:

पुराने नियम में एक कनानी नगर था, जो बेतेल के निकट दक्षिण में था और यरीहो से उत्तर पश्चिम में 8 कि.मी. दूर था।

- यरीहो को जीत लेने के बाद यहोशू ने इस्राएलियों को लेकर आई नगर पर आक्रमण किया। परन्तु इस्राएली आसानी से पराजित हुए क्योंकि परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं था।
- आकान नामक एक इस्राएली पुरूष ने यरीहो की लूट में से कुछ सामान चुराकर रख लिया था, परमेश्वर ने आज्ञा दी कि वह और उसका परिवार घात किया जाए। तब परमेश्वर ने आई नगर को पराजित करने में इस्राएल की सहायता की थी।

(यह भी देखें: बेतेल, यरीहो)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 02:27-30
- उत्पत्ति 12:8-9
- उत्पत्ति 13:3-4
- यहोशू 07:2-3
- यहोशू 08:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5857

आई

तथ्य:

पुराने नियम में एक कनानी नगर था, जो बेतेल के निकट दक्षिण में था और यरीहो से उत्तर पश्चिम में 8 कि.मी. दूर था।

- यरीहो को जीत लेने के बाद यहोशू ने इस्राएलियों को लेकर आई नगर पर आक्रमण किया। परन्तु इस्राएली आसानी से पराजित हुए क्योंकि परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं था।
- आकान नामक एक इस्राएली पुरूष ने यरीहो की लूट में से कुछ सामान चुराकर रख लिया था, परमेश्वर ने आज्ञा दी कि वह और उसका परिवार घात किया जाए। तब परमेश्वर ने आई नगर को पराजित करने में इस्राएल की सहायता की थी।

(यह भी देखें: बेतेल, यरीहो)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 02:27-30
- उत्पत्ति 12:8-9

- उत्पत्ति 13:3-4
- यहोशू 07:2-3
- यहोशू 08:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5857

आई

तथ्य:

पुराने नियम में एक कनानी नगर था, जो बेतेल के निकट दक्षिण में था और यरीहो से उत्तर पश्चिम में 8 कि.मी. दूर था।

- यरीहो को जीत लेने के बाद यहोशू ने इस्राएलियों को लेकर आई नगर पर आक्रमण किया। परन्तु इस्राएली आसानी से पराजित हुए क्योंकि परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं था।
- आकान नामक एक इस्राएली पुरूष ने यरीहो की लूट में से कुछ सामान चुराकर रख लिया था, परमेश्वर ने आज्ञा दी कि वह और उसका परिवार घात किया जाए। तब परमेश्वर ने आई नगर को पराजित करने में इस्राएल की सहायता की थी।

(यह भी देखें: बेतेल, यरीहो)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 02:27-30
- उत्पत्ति 12:8-9
- उत्पत्ति 13:3-4
- यहोशू 07:2-3
- यहोशू 08:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5857

आई

तथ्य:

पुराने नियम में एक कनानी नगर था, जो बेतेल के निकट दक्षिण में था और यरीहो से उत्तर पश्चिम में 8 कि.मी. दूर था।

- यरीहो को जीत लेने के बाद यहोशू ने इस्राएलियों को लेकर आई नगर पर आक्रमण किया। परन्तु इस्राएली आसानी से पराजित हुए क्योंकि परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं था।
- आकान नामक एक इस्राएली पुरूष ने यरीहो की लूट में से कुछ सामान चुराकर रख लिया था, परमेश्वर ने आज्ञा दी कि वह और उसका परिवार घात किया जाए। तब परमेश्वर ने आई नगर को पराजित करने में इस्राएल की सहायता की थी।

(यह भी देखें: बेतेल, यरीहो)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 02:27-30
- उत्पत्ति 12:8-9
- उत्पत्ति 13:3-4
- यहोशू 07:2-3
- यहोशू 08:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5857

आई

तथ्य:

पुराने नियम में एक कनानी नगर था, जो बेतेल के निकट दक्षिण में था और यरीहो से उत्तर पश्चिम में 8 कि.मी. दूर था।

- यरीहो को जीत लेने के बाद यहोशू ने इस्राएलियों को लेकर आई नगर पर आक्रमण किया। परन्तु इस्राएली आसानी से पराजित हुए क्योंकि परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं था।
- आकान नामक एक इस्राएली पुरूष ने यरीहो की लूट में से कुछ सामान चुराकर रख लिया था, परमेश्वर ने आज्ञा दी कि वह और उसका परिवार घात किया जाए। तब परमेश्वर ने आई नगर को पराजित करने में इस्राएल की सहायता की थी।

(यह भी देखें: बेतेल, यरीहो)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 02:27-30
- उत्पत्ति 12:8-9
- उत्पत्ति 13:3-4
- यहोशू 07:2-3
- यहोशू 08:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5857

आई

तथ्य:

पुराने नियम में एक कनानी नगर था, जो बेतेल के निकट दक्षिण में था और यरीहो से उत्तर पश्चिम में 8 कि.मी. दूर था।

- यरीहो को जीत लेने के बाद यहोशू ने इस्राएलियों को लेकर आई नगर पर आक्रमण किया। परन्तु इस्राएली आसानी से पराजित हुए क्योंकि परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं था।
- आकान नामक एक इस्राएली पुरूष ने यरीहो की लूट में से कुछ सामान चुराकर रख लिया था, परमेश्वर ने आज्ञा दी कि वह और उसका परिवार घात किया जाए। तब परमेश्वर ने आई नगर को पराजित करने में इस्राएल की सहायता की थी।

(यह भी देखें: बेतेल, यरीहो)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 02:27-30
- उत्पत्ति 12:8-9
- उत्पत्ति 13:3-4
- यहोशू 07:2-3
- यहोशू 08:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5857

आई

तथ्य:

पुराने नियम में एक कनानी नगर था, जो बेतेल के निकट दक्षिण में था और यरीहो से उत्तर पश्चिम में 8 कि.मी. दूर था।

- यरीहो को जीत लेने के बाद यहोशू ने इस्राएलियों को लेकर आई नगर पर आक्रमण किया। परन्तु इस्राएली आसानी से पराजित हुए क्योंकि परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं था।

- आकान नामक एक इस्राएली पुरूष ने यरीहो की लूट में से कुछ सामान चुराकर रख लिया था, परमेश्वर ने आज्ञा दी कि वह और उसका परिवार घात किया जाए। तब परमेश्वर ने आई नगर को पराजित करने में इस्राएल की सहायता की थी।

(यह भी देखें: बेतेल, यरीहो)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 02:27-30
- उत्पत्ति 12:8-9
- उत्पत्ति 13:3-4
- यहोशू 07:2-3
- यहोशू 08:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5857

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- “आग से बपतिस्मा देना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है “शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।”

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- "आग से बपतिस्मा देना" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है "शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।"

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द"आग" को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- "आग से बपतिस्मा देना" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है "शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।"

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द"आग" को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- "आग से बपतिस्मा देना" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है "शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।"

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द"आग" को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- "आग से बपतिस्मा देना" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है "शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।"

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- “आग से बपतिस्मा देना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है “शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।”

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- “आग से बपतिस्मा देना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है “शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।”

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7

- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- “आग से बपतिस्मा देना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है “शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।”

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- “आग से बपतिस्मा देना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है “शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।”

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20

- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- “आग से बपतिस्मा देना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है “शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।”

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- “आग से बपतिस्मा देना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है “शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।”

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- “आग से बपतिस्मा देना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है “शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।”

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।

- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- "आग से बपतिस्मा देना" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है "शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।"

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द"आग" को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- "आग से बपतिस्मा देना" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है "शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।"

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द"आग" को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- "आग से बपतिस्मा देना" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है "शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।"

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द"आग" को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- "आग से बपतिस्मा देना" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है "शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।"

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- “आग से बपतिस्मा देना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है “शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।”

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- “आग से बपतिस्मा देना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है “शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।”

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7

- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- “आग से बपतिस्मा देना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है “शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।”

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- “आग से बपतिस्मा देना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है “शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।”

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20

- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- “आग से बपतिस्मा देना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है “शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।”

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- “आग से बपतिस्मा देना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है “शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।”

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

- लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
- शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
- अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
- आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
- “आग से बपतिस्मा देना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है “शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।”

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:18-20
- 2 राजा 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- प्रे.का. 07:29-30
- यूहन्ना 15:5-7
- लूका 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहेम्याह 01:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

“आज्ञा देना” अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। “आज्ञा” मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, “आज्ञा” अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे “दस आज्ञाएं”।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है (“अपने माता-पिता का आदर कर”) या नकारात्मक (“चोरी मत कर”)।
- “आदेश हाथ में लेना” अर्थात “नियंत्रण संभालना” या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना”।

अनुवाद सुझाव:

??

- "व्यवस्था" शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। "आदेश" और "विधियों" की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

"आज्ञा देना" अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। "आज्ञा" मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, "आज्ञा" अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे "दस आज्ञाएं"।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है ("अपने माता-पिता का आदर कर") या नकारात्मक ("चोरी मत कर")।
- "आदेश हाथ में लेना" अर्थात "नियंत्रण संभालना" या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना"।

अनुवाद सुझाव:

??

- "व्यवस्था" शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। "आदेश" और "विधियों" की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

“आज्ञा देना” अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। “आज्ञा” मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, “आज्ञा” अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे “दस आज्ञाएं”।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है (“अपने माता-पिता का आदर कर”) या नकारात्मक (“चोरी मत कर”)।
- “आदेश हाथ में लेना” अर्थात “नियंत्रण संभालना” या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना”।

अनुवाद सुझाव:

??

- “व्यवस्था” शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। “आदेश” और “विधियों” की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

“आज्ञा देना” अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। “आज्ञा” मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, “आज्ञा” अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे “दस आज्ञाएं”।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है (“अपने माता-पिता का आदर कर”) या नकारात्मक (“चोरी मत कर”)।
- “आदेश हाथ में लेना” अर्थात “नियंत्रण संभालना” या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना”।

अनुवाद सुझाव:

??

- "व्यवस्था" शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। "आदेश" और "विधियों" की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

"आज्ञा देना" अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। "आज्ञा" मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, "आज्ञा" अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे "दस आज्ञाएं"।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है ("अपने माता-पिता का आदर कर") या नकारात्मक ("चोरी मत कर")।
- "आदेश हाथ में लेना" अर्थात "नियंत्रण संभालना" या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना"।

अनुवाद सुझाव:

??

- "व्यवस्था" शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। "आदेश" और "विधियों" की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

“आज्ञा देना” अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। “आज्ञा” मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, “आज्ञा” अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे “दस आज्ञाएं”।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है (“अपने माता-पिता का आदर कर”) या नकारात्मक (“चोरी मत कर”)।
- “आदेश हाथ में लेना” अर्थात “नियंत्रण संभालना” या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना”।

अनुवाद सुझाव:

??

- “व्यवस्था” शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। “आदेश” और “विधियों” की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

“आज्ञा देना” अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। “आज्ञा” मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, “आज्ञा” अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे “दस आज्ञाएं”।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है (“अपने माता-पिता का आदर कर”) या नकारात्मक (“चोरी मत कर”)।
- “आदेश हाथ में लेना” अर्थात “नियंत्रण संभालना” या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अनुवाद सुझाव:

??

- "व्यवस्था" शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। "आदेश" और "विधियों" की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

"आज्ञा देना" अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। "आज्ञा" मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, "आज्ञा" अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे "दस आज्ञाएं"।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है ("अपने माता-पिता का आदर कर") या नकारात्मक ("चोरी मत कर")।
- "आदेश हाथ में लेना" अर्थात "नियंत्रण संभालना" या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना"।

अनुवाद सुझाव:

??

- "व्यवस्था" शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। "आदेश" और "विधियों" की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

“आज्ञा देना” अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। “आज्ञा” मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, “आज्ञा” अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे “दस आज्ञाएं”।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है (“अपने माता-पिता का आदर कर”) या नकारात्मक (“चोरी मत कर”)।
- “आदेश हाथ में लेना” अर्थात “नियंत्रण संभालना” या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना”।

अनुवाद सुझाव:

??

- “व्यवस्था” शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। “आदेश” और “विधियों” की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

“आज्ञा देना” अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। “आज्ञा” मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, “आज्ञा” अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे “दस आज्ञाएं”।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है (“अपने माता-पिता का आदर कर”) या नकारात्मक (“चोरी मत कर”)।
- “आदेश हाथ में लेना” अर्थात “नियंत्रण संभालना” या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अनुवाद सुझाव:

??

- "व्यवस्था" शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। "आदेश" और "विधियों" की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

"आज्ञा देना" अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। "आज्ञा" मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, "आज्ञा" अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे "दस आज्ञाएं"।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है ("अपने माता-पिता का आदर कर") या नकारात्मक ("चोरी मत कर")।
- "आदेश हाथ में लेना" अर्थात "नियंत्रण संभालना" या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना"।

अनुवाद सुझाव:

??

- "व्यवस्था" शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। "आदेश" और "विधियों" की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

“आज्ञा देना” अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। “आज्ञा” मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, “आज्ञा” अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे “दस आज्ञाएं”।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है (“अपने माता-पिता का आदर कर”) या नकारात्मक (“चोरी मत कर”)।
- “आदेश हाथ में लेना” अर्थात “नियंत्रण संभालना” या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना”।

अनुवाद सुझाव:

??

- “व्यवस्था” शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। “आदेश” और “विधियों” की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

“आज्ञा देना” अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। “आज्ञा” मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, “आज्ञा” अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे “दस आज्ञाएं”।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है (“अपने माता-पिता का आदर कर”) या नकारात्मक (“चोरी मत कर”)।
- “आदेश हाथ में लेना” अर्थात “नियंत्रण संभालना” या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अनुवाद सुझाव:

??

- "व्यवस्था" शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। "आदेश" और "विधियों" की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

"आज्ञा देना" अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। "आज्ञा" मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, "आज्ञा" अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे "दस आज्ञाएं"।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है ("अपने माता-पिता का आदर कर") या नकारात्मक ("चोरी मत कर")।
- "आदेश हाथ में लेना" अर्थात "नियंत्रण संभालना" या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना"।

अनुवाद सुझाव:

??

- "व्यवस्था" शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। "आदेश" और "विधियों" की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

“आज्ञा देना” अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। “आज्ञा” मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, “आज्ञा” अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे “दस आज्ञाएं”।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है (“अपने माता-पिता का आदर कर”) या नकारात्मक (“चोरी मत कर”)।
- “आदेश हाथ में लेना” अर्थात “नियंत्रण संभालना” या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना”।

अनुवाद सुझाव:

??

- “व्यवस्था” शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। “आदेश” और “विधियों” की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

“आज्ञा देना” अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। “आज्ञा” मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, “आज्ञा” अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे “दस आज्ञाएं”।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है (“अपने माता-पिता का आदर कर”) या नकारात्मक (“चोरी मत कर”)।
- “आदेश हाथ में लेना” अर्थात “नियंत्रण संभालना” या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना”।

अनुवाद सुझाव:

??

- "व्यवस्था" शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। "आदेश" और "विधियों" की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

"आज्ञा देना" अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। "आज्ञा" मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, "आज्ञा" अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे "दस आज्ञाएं"।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है ("अपने माता-पिता का आदर कर") या नकारात्मक ("चोरी मत कर")।
- "आदेश हाथ में लेना" अर्थात "नियंत्रण संभालना" या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना"।

अनुवाद सुझाव:

??

- "व्यवस्था" शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। "आदेश" और "विधियों" की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

“आज्ञा देना” अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। “आज्ञा” मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, “आज्ञा” अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे “दस आज्ञाएं”।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है (“अपने माता-पिता का आदर कर”) या नकारात्मक (“चोरी मत कर”)।
- “आदेश हाथ में लेना” अर्थात “नियंत्रण संभालना” या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना”।

अनुवाद सुझाव:

??

- “व्यवस्था” शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। “आदेश” और “विधियों” की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

“आज्ञा देना” अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। “आज्ञा” मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, “आज्ञा” अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे “दस आज्ञाएं”।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है (“अपने माता-पिता का आदर कर”) या नकारात्मक (“चोरी मत कर”)।
- “आदेश हाथ में लेना” अर्थात “नियंत्रण संभालना” या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अनुवाद सुझाव:

??

- "व्यवस्था" शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। "आदेश" और "विधियों" की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

"आज्ञा देना" अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। "आज्ञा" मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, "आज्ञा" अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे "दस आज्ञाएं"।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है ("अपने माता-पिता का आदर कर") या नकारात्मक ("चोरी मत कर")।
- "आदेश हाथ में लेना" अर्थात "नियंत्रण संभालना" या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना"।

अनुवाद सुझाव:

??

- "व्यवस्था" शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। "आदेश" और "विधियों" की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

“आज्ञा देना” अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। “आज्ञा” मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, “आज्ञा” अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे “दस आज्ञाएं”।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है (“अपने माता-पिता का आदर कर”) या नकारात्मक (“चोरी मत कर”)।
- “आदेश हाथ में लेना” अर्थात “नियंत्रण संभालना” या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना”।

अनुवाद सुझाव:

??

- “व्यवस्था” शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। “आदेश” और “विधियों” की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

परिभाषा:

“आज्ञा देना” अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। “आज्ञा” मनुष्य को दिया गया आदेश है।

- यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, “आज्ञा” अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे “दस आज्ञाएं”।
- आज्ञा सकारात्मक हो सकता है (“अपने माता-पिता का आदर कर”) या नकारात्मक (“चोरी मत कर”)।
- “आदेश हाथ में लेना” अर्थात “नियंत्रण संभालना” या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना”।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अनुवाद सुझाव:

??

- “व्यवस्था” शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। “आदेश” और “विधियों” की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
- कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
- अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें आज्ञा, विधि, व्यवस्था, दस आज्ञाएँएँ)

बाइबल संदर्भ:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22

- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7

- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15

- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।

- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।

- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22
- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
- शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आज्ञा, वर्णन, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:13-15
- 1 राजा 08:57-58
- प्रे.का. 17:5-7
- दानिय्येल 02:12-13
- एस्तेर 01:21-22

- लूका 02:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

आज्ञा मानना, आज्ञा दिया, आज्ञाकारी, पालन करना,

परिभाषा:

"आज्ञा मानना" का अर्थ है अनिर्वाय या आज्ञा दी हुई बात को मानना। “आज्ञाकारी” शब्द आज्ञा माननेवाले का चरित्र प्रकट करता है। आज्ञाकारिता" आज्ञाकारी मनुष्य की विशेषता है।कभी-कभी आज्ञा किसी काम को न करने के लिए कहती है जैसे “चोरी मत कर”।

- “आज्ञा मानना” प्रायः किसी अधिकारी की आज्ञाएं मानना नियमों का पालन करना होता है।
- उदाहरणार्थ, मनुष्य देश के अगुओं द्वारा बनाए गए नियमों का पालन करता है या राज्य के या संस्था के नियमों का।
- सन्तान अपने माता पिता की आज्ञा मानते है, दास अपने-अपने स्वामी की आज्ञा मानते है, मनुष्य परमेश्वर की आज्ञा मानते हैं और नागरिक अपने देश के नियमों का पालन करते हैं।
- जब लोग किसी अधिकारी की आज्ञा मान कर उस काम को न करे तो वे आज्ञा का पालन करते हैं।
- इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ “आज्ञा के अनुसार करें” या “आदेशों का पालन करें” या “परमेश्वर जो कहता है वह करें”।
- “आज्ञाकरी” शब्द का अनुवाद “आज्ञा का पालन करें” या “आदेशों का पालन” या “परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना”।

(यह भी देखें: निवासी, आज्ञा, अवज्ञा, राज्य, व्यवस्था)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 05:32
- प्रेरि. 06:7
- उत्पत्ति 28:6-7
- याकूब 01:25
- याकूब 02:10-11
- लूका 06:47
- मत्ती 07:26
- मत्ती 19:20-22
- मत्ती 28:20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** परमेश्वर की इस आज्ञा के अनुसार नूह ने किया। नूह और उसके तीन बेटों ने नाव की रचना वैसे ही की जैसे परमेश्वर ने उनसे कहा था।
- **05:06** फिर अब्राहम ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन किया, और अपने पुत्र का बलिदान देने के लिये तैयार हो गया |
- **05:10** पृथ्वी की सारी जातियाँ तेरे(अब्राहम) कारण अपने को धन्य मानेंगी; क्योंकि तूने मेरी बात मानी है।
- **05:10** परन्तु मिस्र परमेश्वर पर विश्वास नहीं किया या आज्ञा का पालन नहीं किया।
- **13:07** यदि वह लोग इन नियमों का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष देंगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1697, H2388, H3349, H4928, H6213, H7181, H8085, H8086, H8104, G191, G3980, G3982, G5083, G5084, G5218, G5219, G5255, G5292, G5293, G5442

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दु:खित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दु:खित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दु:खित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दु:खित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दु:खित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दु:खित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दु:खित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दु:खित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आत्मा, हवा, सांस

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
- “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
- “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
- कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
- शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- प्रे.का. 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफिसियों 04:23-24
- उत्पत्ति 07:21-22
- यशायाह 04: 3-4
- मार्क 01:21-26
- मत्ती. 26:39-41
- फिलिप्पियों 01:25-27

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
- **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक आत्मिक वंशज बना |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आदम

तथ्य:

आदम पहला मनुष्य था जिसे परमेश्वर ने बनाया था. वह और उसकी पत्नी हव्वा परमेश्वर के रूप में सृजे गए थे.

- परमेश्वर ने आदम को मिट्टी से बनाकर उसमें जीवन की सांस फूंकी थी.
- आदम शब्द इब्रानी भाषा में “लाल मिट्टी” या “धरती” शब्दों के जैसा सुनाई देता है.
- “आदम” शब्द वैसा ही है जैसा पुराने नियम का शब्द “मानवजाति” या “मनुष्य” है.
- संपूर्ण मानवजाति आदम और हव्वा के वंशज हैं.
- आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी. इस कारण वे परमेश्वर से अलग हो गए और संसार में पाप और मृत्यु के आने के कारण हुए.

(यह भी देखें: मर जाए, उतरेगा, हव्वा, परमेश्वर का प्रतिरूप, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 02:14
- उत्पत्ति 03:17
- उत्पत्ति 05:01
- उत्पत्ति 11:05
- लूका 03:38
- रोमियो 05:15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:09** फिर परमेश्वर ने कहा, “हम मनुष्य को अपने स्वरूप में हमारे जैसा बनायेंगे.”
- 01:10__इस आदमी का नाम __आदम था. परमेश्वर ने आदम के रहने के लिये एक वाटिका बनाई, और वाटिका की देखभाल करने के लिये उसे वहाँ रख दिया.
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है.” परन्तु जानवरों में से कोई भी आदमी का सहायक नहीं बन सकता था.
- **02:11** और परमेश्वर ने जानवर की खाल से आदम और हव्वा को वस्त्र पहनाए.
- **02:12** और परमेश्वर ने आदम और हव्वा को उस सुंदर वाटिका से बाहर भेज दिया.
- **49:08** जब आदम और हव्वा ने पाप किया तो उनके वंशज सब प्रभावित हुए.
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने पाप को श्राप दिया और उसे नष्ट करने का निर्णय लिया.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H120, G76

आदम

तथ्य:

आदम पहला मनुष्य था जिसे परमेश्वर ने बनाया था. वह और उसकी पत्नी हव्वा परमेश्वर के रूप में सृजे गए थे.

- परमेश्वर ने आदम को मिट्टी से बनाकर उसमें जीवन की सांस फूंकी थी.
- आदम शब्द इब्रानी भाषा में “लाल मिट्टी” या “धरती” शब्दों के जैसा सुनाई देता है.
- “आदम” शब्द वैसा ही है जैसा पुराने नियम का शब्द “मानवजाति” या “मनुष्य” है.
- संपूर्ण मानवजाति आदम और हव्वा के वंशज हैं.
- आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी. इस कारण वे परमेश्वर से अलग हो गए और संसार में पाप और मृत्यु के आने के कारण हुए.

(यह भी देखें: मर जाए, उतरेगा, हव्वा, परमेश्वर का प्रतिरूप, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 02:14
- उत्पत्ति 03:17
- उत्पत्ति 05:01
- उत्पत्ति 11:05

- लूका 03:38
- रोमियो 05:15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:09** फिर परमेश्वर ने कहा, “हम मनुष्य को अपने स्वरूप में हमारे जैसा बनायेंगे.”
- 01:10__इस आदमी का नाम __आदम था. परमेश्वर ने आदम के रहने के लिये एक वाटिका बनाई, और वाटिका की देखभाल करने के लिये उसे वहाँ रख दिया.
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है.” परन्तु जानवरों में से कोई भी आदमी का सहायक नहीं बन सकता था.
- **02:11** और परमेश्वर ने जानवर की खाल से आदम और हव्वा को वस्त्र पहनाए.
- **02:12** और परमेश्वर ने आदम और हव्वा को उस सुंदर वाटिका से बाहर भेज दिया.
- **49:08** जब आदम और हव्वा ने पाप किया तो उनके वंशज सब प्रभावित हुए.
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने पाप को श्राप दिया और उसे नष्ट करने का निर्णय लिया.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H120, G76

आदम

तथ्य:

आदम पहला मनुष्य था जिसे परमेश्वर ने बनाया था. वह और उसकी पत्नी हव्वा परमेश्वर के रूप में सृजे गए थे.

- परमेश्वर ने आदम को मिट्टी से बनाकर उसमें जीवन की सांस फूंकी थी.
- आदम शब्द इब्रानी भाषा में “लाल मिट्टी” या “धरती” शब्दों के जैसा सुनाई देता है.
- “आदम” शब्द वैसा ही है जैसा पुराने नियम का शब्द “मानवजाति” या “मनुष्य” है.
- संपूर्ण मानवजाति आदम और हव्वा के वंशज हैं.
- आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी. इस कारण वे परमेश्वर से अलग हो गए और संसार में पाप और मृत्यु के आने के कारण हुए.

(यह भी देखें: मर जाए, उतरेगा, हव्वा, परमेश्वर का प्रतिरूप, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 02:14
- उत्पत्ति 03:17
- उत्पत्ति 05:01
- उत्पत्ति 11:05
- लूका 03:38
- रोमियो 05:15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:09** फिर परमेश्वर ने कहा, “हम मनुष्य को अपने स्वरूप में हमारे जैसा बनायेंगे.”
- 01:10__इस आदमी का नाम __आदम था. परमेश्वर ने आदम के रहने के लिये एक वाटिका बनाई, और वाटिका की देखभाल करने के लिये उसे वहाँ रख दिया.
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है.” परन्तु जानवरों में से कोई भी आदमी का सहायक नहीं बन सकता था.
- **02:11** और परमेश्वर ने जानवर की खाल से आदम और हव्वा को वस्त्र पहनाए.
- **02:12** और परमेश्वर ने आदम और हव्वा को उस सुंदर वाटिका से बाहर भेज दिया.
- **49:08** जब आदम और हव्वा ने पाप किया तो उनके वंशज सब प्रभावित हुए.
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने पाप को श्राप दिया और उसे नष्ट करने का निर्णय लिया.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H120, G76

आदम

तथ्य:

आदम पहला मनुष्य था जिसे परमेश्वर ने बनाया था. वह और उसकी पत्नी हव्वा परमेश्वर के रूप में सृजे गए थे.

- परमेश्वर ने आदम को मिट्टी से बनाकर उसमें जीवन की सांस फूंकी थी.
- आदम शब्द इब्रानी भाषा में “लाल मिट्टी” या “धरती” शब्दों के जैसा सुनाई देता है.
- “आदम” शब्द वैसा ही है जैसा पुराने नियम का शब्द “मानवजाति” या “मनुष्य” है.
- संपूर्ण मानवजाति आदम और हव्वा के वंशज हैं.
- आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी. इस कारण वे परमेश्वर से अलग हो गए और संसार में पाप और मृत्यु के आने के कारण हुए.

(यह भी देखें: मर जाए, उतरेगा, हव्वा, परमेश्वर का प्रतिरूप, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 02:14
- उत्पत्ति 03:17
- उत्पत्ति 05:01
- उत्पत्ति 11:05
- लूका 03:38
- रोमियो 05:15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:09** फिर परमेश्वर ने कहा, “हम मनुष्य को अपने स्वरूप में हमारे जैसा बनायेंगे.”
- 01:10__इस आदमी का नाम __आदम था. परमेश्वर ने आदम के रहने के लिये एक वाटिका बनाई, और वाटिका की देखभाल करने के लिये उसे वहाँ रख दिया.
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है.” परन्तु जानवरों में से कोई भी आदमी का सहायक नहीं बन सकता था.
- **02:11** और परमेश्वर ने जानवर की खाल से आदम और हव्वा को वस्त्र पहनाए.
- **02:12** और परमेश्वर ने आदम और हव्वा को उस सुंदर वाटिका से बाहर भेज दिया.
- **49:08** जब आदम और हव्वा ने पाप किया तो उनके वंशज सब प्रभावित हुए.
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने पाप को श्राप दिया और उसे नष्ट करने का निर्णय लिया.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H120, G76

आदम

तथ्य:

आदम पहला मनुष्य था जिसे परमेश्वर ने बनाया था. वह और उसकी पत्नी हव्वा परमेश्वर के रूप में सृजे गए थे.

- परमेश्वर ने आदम को मिट्टी से बनाकर उसमें जीवन की सांस फूंकी थी.
- आदम शब्द इब्रानी भाषा में “लाल मिट्टी” या “धरती” शब्दों के जैसा सुनाई देता है.
- “आदम” शब्द वैसा ही है जैसा पुराने नियम का शब्द “मानवजाति” या “मनुष्य” है.
- संपूर्ण मानवजाति आदम और हव्वा के वंशज हैं.
- आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी. इस कारण वे परमेश्वर से अलग हो गए और संसार में पाप और मृत्यु के आने के कारण हुए.

(यह भी देखें: मर जाए, उतरेगा, हव्वा, परमेश्वर का प्रतिरूप, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 02:14
- उत्पत्ति 03:17
- उत्पत्ति 05:01
- उत्पत्ति 11:05

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- लूका 03:38
- रोमियो 05:15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:09** फिर परमेश्वर ने कहा, “हम मनुष्य को अपने स्वरूप में हमारे जैसा बनायेंगे.”
- 01:10__इस आदमी का नाम __आदम था. परमेश्वर ने आदम के रहने के लिये एक वाटिका बनाई, और वाटिका की देखभाल करने के लिये उसे वहाँ रख दिया.
- **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है.” परन्तु जानवरों में से कोई भी आदमी का सहायक नहीं बन सकता था.
- **02:11** और परमेश्वर ने जानवर की खाल से आदम और हव्वा को वस्त्र पहनाए.
- **02:12** और परमेश्वर ने आदम और हव्वा को उस सुंदर वाटिका से बाहर भेज दिया.
- **49:08** जब आदम और हव्वा ने पाप किया तो उनके वंशज सब प्रभावित हुए.
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने पाप को श्राप दिया और उसे नष्ट करने का निर्णय लिया.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H120, G76

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”
- “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”
- “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”
- “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8

- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”
- “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।

- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- "आदर" के अन्य अनुवाद रूप हैं, "किसी को विशेष सम्मान दिखाना" या "प्रतिष्ठा दर्शाना" या "उच्च सम्मान देना"
- "आदर करना" का अनुवाद हो सकता है, "विशेष सम्मान करना" या "प्रशंसा करना" या "उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना" या "महान महत्व प्रकट करना"

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

"आदर" और "आदर करना" का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- "आदर" और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- "आदर" के अन्य अनुवाद रूप हैं, "किसी को विशेष सम्मान दिखाना" या "प्रतिष्ठा दर्शाना" या "उच्च सम्मान देना"
- "आदर करना" का अनुवाद हो सकता है, "विशेष सम्मान करना" या "प्रशंसा करना" या "उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना" या "महान महत्व प्रकट करना"

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457,

H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”
- “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”
- “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”
- “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।

- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”
- “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”
- “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”
- “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”

- “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”
- “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”
- “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”
- “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8

- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”
- “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।

- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- "आदर" के अन्य अनुवाद रूप हैं, "किसी को विशेष सम्मान दिखाना" या "प्रतिष्ठा दर्शाना" या "उच्च सम्मान देना"
- "आदर करना" का अनुवाद हो सकता है, "विशेष सम्मान करना" या "प्रशंसा करना" या "उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना" या "महान महत्व प्रकट करना"

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आदर, आदर करना

परिभाषा:

"आदर" और "आदर करना" का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- "आदर" और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- "आदर" के अन्य अनुवाद रूप हैं, "किसी को विशेष सम्मान दिखाना" या "प्रतिष्ठा दर्शाना" या "उच्च सम्मान देना"
- "आदर करना" का अनुवाद हो सकता है, "विशेष सम्मान करना" या "प्रशंसा करना" या "उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना" या "महान महत्व प्रकट करना"

(यह भी देखें: निरादर, महिमा, महिमा करे, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:8
- प्रे.का. 19:15-17
- यूहन्ना 04:43-45
- यूहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457,

H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, प्रसन्न, सुखी

परिभाषा:

"प्रसन्न होना" अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- "में आनन्द लेना" अर्थात "में सुखी होना" या "के बारे में खुश होना"। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे "प्रसन्नता" कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- "वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है" इसका अनुवाद हो सकता है, "यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है", या "मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ" या "यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।"
- "प्रसन्न नहीं होता है" और "आनन्द नहीं पाता है" इनका अनुवाद हो सकता है, "कदापि प्रसन्न नहीं" या "उससे प्रसन्न नहीं।"
- "प्रसन्न रहता है" अर्थात "उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है" या "वह बहुत खुश होता है"।
- शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद "सुख" या "चीज़ें जो जो सुख देती हैं" के रूप में किया जा सकता है।
- "तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है", इसका अनुवाद हो सकता है, "मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है", "तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है"।

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:30
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- श्रेष्ठगीत 01:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द "आनंदित" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।

- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”

- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10

- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4

- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”

- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।

- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”

- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10

- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4

- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”

- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

*

अनुवाद के सुझाव:

- “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
- “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
- “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
- “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: आनन्द)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 3 यूहन्ना 01:1-4
- गलातियों 05:22-24
- यशायाह 56:6-7
- याकूब 01:1-3
- यिर्मयाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- नहेम्याह 08:9-10
- फिलेमोन 01:4-7
- भजन संहिता 048:1-3
- रोमियो 15:30-32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38

- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38
- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38

- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38
- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38

- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38
- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38

- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38
- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38

- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38
- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38

- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38
- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38

- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38
- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38

- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38
- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38

- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38
- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38

- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38
- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

- इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
- इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
- मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: आनन्द

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- प्रे.का. 16:32-34
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 15:6-7
- लूका 19:37-38

- मत्ती 02:9-10
- फिलिप्पियों 04:10-13
- रोमियो 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

आमीन, सच में

परिभाषा:

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्रायः प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूं” करती हैं।
- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब यीशु कहता है, “ मैं तुमसे सच सच कहता हूं” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “हां, मैं सच कहता हूं” या “यह सच है और मैं कहता हूं”।
- “मैं तुमसे सच-सच कहता हूं” का अनुवाद हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं” या “मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं” या “मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है”

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमीन, सच में

परिभाषा:

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्रायः प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूं” करती हैं।

- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब यीशु कहता है, “ मैं तुमसे सच सच कहता हूं” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “हां, मैं सच कहता हूं” या “यह सच है और मैं कहता हूं”।
- “मैं तुमसे सच-सच कहता हूं” का अनुवाद हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं” या “मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं” या “मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है”

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमीन, सच में

परिभाषा:

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्रायः प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूं” करती हैं।
- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब यीशु कहता है, “ मैं तुमसे सच सच कहता हूं” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “हां, मैं सच कहता हूं” या “यह सच है और मैं कहता हूं”।
- “मैं तुमसे सच-सच कहता हूं” का अनुवाद हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं” या “मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं” या “मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है”

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमीन, सच में

परिभाषा:

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्राय: प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूं” करती हैं।
- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब यीशु कहता है, “ मैं तुमसे सच सच कहता हूं” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “हां, मैं सच कहता हूं” या “यह सच है और मैं कहता हूं”।
- “मैं तुमसे सच-सच कहता हूं” का अनुवाद हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं” या “मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं” या “मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है”

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमीन, सच में

परिभाषा:

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्राय: प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूं” करती हैं।
- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।

- जब यीशु कहता है, " मैं तुमसे सच सच कहता हूं" तो इसका अनुवाद हो सकता है, "हां, मैं सच कहता हूं" या "यह सच है और मैं कहता हूं"।
- "मैं तुमसे सच-सच कहता हूं" का अनुवाद हो सकता है, "मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं" या "मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं" या "मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है"

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमीन, सच में

परिभाषा:

"आमीन" शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्राय: प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद "सच में" किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में "आमीन" शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने "आमीन" शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, "और मैं तुमसे कहता हूं" कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु "आमीन" शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद "वास्तव में" या "सच कहता हूं" करती हैं।
- एक और शब्द "सच-सच" का अनुवाद "निश्चय" या "यथा-तथ्य" किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, "आमीन" अनुवाद किया जा सकता है, "ऐसा ही हो", या "ऐसा होने दे", या "यह सच है"।
- जब यीशु कहता है, " मैं तुमसे सच सच कहता हूं" तो इसका अनुवाद हो सकता है, "हां, मैं सच कहता हूं" या "यह सच है और मैं कहता हूं"।
- "मैं तुमसे सच-सच कहता हूं" का अनुवाद हो सकता है, "मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं" या "मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं" या "मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है"

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमीन, सच में

परिभाषा:

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्रायः प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूं” करती हैं।
- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब यीशु कहता है, “ मैं तुमसे सच सच कहता हूं” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “हां, मैं सच कहता हूं” या “यह सच है और मैं कहता हूं”।
- “मैं तुमसे सच-सच कहता हूं” का अनुवाद हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं” या “मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं” या “मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है”

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमीन, सच में

परिभाषा:

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्रायः प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूं” करती हैं।
- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब यीशु कहता है, “ मैं तुमसे सच सच कहता हूं” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “हां, मैं सच कहता हूं” या “यह सच है और मैं कहता हूं”।
- “मैं तुमसे सच-सच कहता हूं” का अनुवाद हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं” या “मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं” या “मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है”

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमीन, सच में

परिभाषा:

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्रायः प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूं” करती हैं।
- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब यीशु कहता है, “ मैं तुमसे सच सच कहता हूं” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “हां, मैं सच कहता हूं” या “यह सच है और मैं कहता हूं”।
- “मैं तुमसे सच-सच कहता हूं” का अनुवाद हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं” या “मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं” या “मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है”

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमीन, सच में

परिभाषा:

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्रायः प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूं” करती हैं।
- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब यीशु कहता है, “ मैं तुमसे सच सच कहता हूं” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “हां, मैं सच कहता हूं” या “यह सच है और मैं कहता हूं”।
- “मैं तुमसे सच-सच कहता हूं” का अनुवाद हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं” या “मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं” या “मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है”

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमीन, सच में

परिभाषा:

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्रायः प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूं” करती हैं।
- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब यीशु कहता है, “ मैं तुमसे सच सच कहता हूं” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “हां, मैं सच कहता हूं” या “यह सच है और मैं कहता हूं”।
- “मैं तुमसे सच-सच कहता हूं” का अनुवाद हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं” या “मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं” या “मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है”

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमीन, सच में

परिभाषा:

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्रायः प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूं” करती हैं।
- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब यीशु कहता है, “ मैं तुमसे सच सच कहता हूं” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “हां, मैं सच कहता हूं” या “यह सच है और मैं कहता हूं”।
- “मैं तुमसे सच-सच कहता हूं” का अनुवाद हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं” या “मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं” या “मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है”

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमीन, सच में

परिभाषा:

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्रायः प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूं” करती हैं।
- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब यीशु कहता है, “ मैं तुमसे सच सच कहता हूं” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “हां, मैं सच कहता हूं” या “यह सच है और मैं कहता हूं”।
- “मैं तुमसे सच-सच कहता हूं” का अनुवाद हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं” या “मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं” या “मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है”

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमीन, सच में

परिभाषा:

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्रायः प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूं” करती हैं।
- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब यीशु कहता है, “ मैं तुमसे सच सच कहता हूं” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “हां, मैं सच कहता हूं” या “यह सच है और मैं कहता हूं”।
- “मैं तुमसे सच-सच कहता हूं” का अनुवाद हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं” या “मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं” या “मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है”

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमीन, सच में

परिभाषा:

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्रायः प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूं” करती हैं।
- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब यीशु कहता है, “ मैं तुमसे सच सच कहता हूं” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “हां, मैं सच कहता हूं” या “यह सच है और मैं कहता हूं”।
- “मैं तुमसे सच-सच कहता हूं” का अनुवाद हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं” या “मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं” या “मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है”

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमीन, सच में

परिभाषा:

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्रायः प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूं” करती हैं।
- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब यीशु कहता है, “ मैं तुमसे सच सच कहता हूं” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “हां, मैं सच कहता हूं” या “यह सच है और मैं कहता हूं”।
- “मैं तुमसे सच-सच कहता हूं” का अनुवाद हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं” या “मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं” या “मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है”

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमीन, सच में

परिभाषा:

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्रायः प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूं” करती हैं।
- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब यीशु कहता है, “ मैं तुमसे सच सच कहता हूं” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “हां, मैं सच कहता हूं” या “यह सच है और मैं कहता हूं”।
- “मैं तुमसे सच-सच कहता हूं” का अनुवाद हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं” या “मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूं” या “मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है”

(यह भी देखें: पूरा कर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- प्रकाशितवाक्य 22:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H543, G281

आमोस

तथ्य:

आमोस भविष्यद्वक्ता यशायाह के पिता का नाम था।

- एकमात्र स्थान जहां उसके नाम का उल्लेख किया गया है वह यशायाह की पहचान के लिए है कि वह "अमोस का पुत्र" था।
- यह नाम भविष्यद्वक्ता आमोस से भिन्न है जिसका स्पष्टीकरण अनिवार्य है।

(यह भी देखें: आमोस, यशायाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 19:1-2
- यशायाह 37:1-2
- यशायाह 37:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H531

आमोस

तथ्य:

आमोस परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था जो यहूदा के राजा उज्जियाह के राज्य काल में था।

- भविष्यद्वाणी के लिए परमेश्वर द्वारा बुलाए जाने से पहले आमोस यहूदा में एक चरवाहा और अंजीर की खेती करनेवाला था।
- आमोस ने समृद्ध उत्तरी राज्य के लिए भविष्यद्वाणी की थी जो मनुष्यों के साथ उनके अनुचित व्यवहार के विरूद्ध थी।

(यह भी देखें: अंजीर, यहूदा, इस्राएल के राज्य, चरवाहे, उज्जियाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- आमोस 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5986

आयु, युगों, वृद्ध

परिभाषा:

“आयु” अर्थात मनुष्य का जीवनकाल। इसका उपयोग सामान्य तौर पर समय की अवधि के संदर्भ में भी होता है।

- विस्तारित अवधि को व्यक्त करने के लिए प्रयोग किए जाने वाले दूसरे शब्दों में "काल" और "ऋतु" शामिल हैं।
- यीशु ने वर्तमान समय को जब पृथ्वी पर पाप, बुराई और अवज्ञा बहुत अधिक हो जाएगी, “यह युग” कहा था।
- एक भावी युग भी होगा जब नए आकाश और नई पृथ्वी पर धार्मिकता का राज होगा।

अनुवाद सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “युग” शब्द का अनुवाद, “काल” या “इतने वर्ष की आयु” या “समय सीमा” या “समय” हो सकता है।
- “बहुत अधिक आयु” इस उक्ति का अनुवाद, “कई वर्ष का होकर” या “जब वह बहुत वृद्ध हो गया” या “जब वह बहुत समय जी चुका” हो सकता है।
- “यह वर्तमान बुरा युग” अर्थात “वर्तमान में इस समय के दौरान जब लोग बहुत बुरे हैं”।

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 29:28
- 1 कुरिन्थियों 02:7
- इब्रानियों 06:05
- अय्यूब 05:26-27

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G165, G1074

आयु, युगों, वृद्ध

परिभाषा:

“आयु” अर्थात मनुष्य का जीवनकाल। इसका उपयोग सामान्य तौर पर समय की अवधि के संदर्भ में भी होता है।

- विस्तारित अवधि को व्यक्त करने के लिए प्रयोग किए जाने वाले दूसरे शब्दों में "काल" और "ऋतु" शामिल हैं।
- यीशु ने वर्तमान समय को जब पृथ्वी पर पाप, बुराई और अवज्ञा बहुत अधिक हो जाएगी, “यह युग” कहा था।
- एक भावी युग भी होगा जब नए आकाश और नई पृथ्वी पर धार्मिकता का राज होगा।

अनुवाद सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “युग” शब्द का अनुवाद, “काल” या “इतने वर्ष की आयु” या “समय सीमा” या “समय” हो सकता है।
- “बहुत अधिक आयु” इस उक्ति का अनुवाद, “कई वर्ष का होकर” या “जब वह बहुत वृद्ध हो गया” या “जब वह बहुत समय जी चुका” हो सकता है।
- “यह वर्तमान बुरा युग” अर्थात “वर्तमान में इस समय के दौरान जब लोग बहुत बुरे हैं”।

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 29:28
- 1 कुरिन्थियों 02:7
- इब्रानियों 06:05
- अय्यूब 05:26-27

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G165, G1074

आराधनालय

परिभाषा:

“आराधनालय” वह स्थान था जहां यहूदी लोग परमेश्वर की आराधना हेतु एक साथ मिलते थे।

- प्राचीन काल से, एक आराधनालय की सेवाओं में प्रार्थनाओं के समय, शास्त्र पढ़ना, और शास्त्रों के बारे में शिक्षण शामिल है।
- यहूदियों ने मूल रूप से आराधनालय को अपने ही शहरों में प्रार्थना करने और पूजा करने के लिए निर्माण करना शुरू किया, क्योंकि उनमें से बहुत से यरूशलेम के मंदिर से बहुत दूर रहते थे।
- यीशु प्रायः आराधनालयों में शिक्षा देते थे और लोंगों को चंगा करते थे।
- “आराधनालय” का संदर्भ वहां आराधना करने वाले समूह से भी हो सकता है।

(यह भी देखें: चंगा, यरूशलेम, यहूदी, प्रार्थना कर, मन्दिर, परमेश्वर के वचन, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:1-2
- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 24:10-13
- यूहन्ना 06:57-59
- लूका 04:14-15
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:54-56

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4150, G656, G752, G4864

आराधनालय

परिभाषा:

“आराधनालय” वह स्थान था जहां यहूदी लोग परमेश्वर की आराधना हेतु एक साथ मिलते थे।

- प्राचीन काल से, एक आराधनालय की सेवाओं में प्रार्थनाओं के समय, शास्त्र पढ़ना, और शास्त्रों के बारे में शिक्षण शामिल है।
- यहूदियों ने मूल रूप से आराधनालय को अपने ही शहरों में प्रार्थना करने और पूजा करने के लिए निर्माण करना शुरू किया, क्योंकि उनमें से बहुत से यरूशलेम के मंदिर से बहुत दूर रहते थे।
- यीशु प्रायः आराधनालयों में शिक्षा देते थे और लोंगों को चंगा करते थे।
- “आराधनालय” का संदर्भ वहां आराधना करने वाले समूह से भी हो सकता है।

(यह भी देखें: चंगा, यरूशलेम, यहूदी, प्रार्थना कर, मन्दिर, परमेश्वर के वचन, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:1-2
- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 24:10-13
- यूहन्ना 06:57-59
- लूका 04:14-15
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:54-56

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4150, G656, G752, G4864

आराधनालय

परिभाषा:

“आराधनालय” वह स्थान था जहां यहूदी लोग परमेश्वर की आराधना हेतु एक साथ मिलते थे।

- प्राचीन काल से, एक आराधनालय की सेवाओं में प्रार्थनाओं के समय, शास्त्र पढ़ना, और शास्त्रों के बारे में शिक्षण शामिल है।
- यहूदियों ने मूल रूप से आराधनालय को अपने ही शहरों में प्रार्थना करने और पूजा करने के लिए निर्माण करना शुरू किया, क्योंकि उनमें से बहुत से यरूशलेम के मंदिर से बहुत दूर रहते थे।
- यीशु प्रायः आराधनालयों में शिक्षा देते थे और लोंगों को चंगा करते थे।
- “आराधनालय” का संदर्भ वहां आराधना करने वाले समूह से भी हो सकता है।

(यह भी देखें: चंगा, यरूशलेम, यहूदी, प्रार्थना कर, मन्दिर, परमेश्वर के वचन, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:1-2
- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 24:10-13
- यूहन्ना 06:57-59
- लूका 04:14-15
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:54-56

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4150, G656, G752, G4864

आराधनालय

परिभाषा:

“आराधनालय” वह स्थान था जहां यहूदी लोग परमेश्वर की आराधना हेतु एक साथ मिलते थे।

- प्राचीन काल से, एक आराधनालय की सेवाओं में प्रार्थनाओं के समय, शास्त्र पढ़ना, और शास्त्रों के बारे में शिक्षण शामिल है।
- यहूदियों ने मूल रूप से आराधनालय को अपने ही शहरों में प्रार्थना करने और पूजा करने के लिए निर्माण करना शुरू किया, क्योंकि उनमें से बहुत से यरूशलेम के मंदिर से बहुत दूर रहते थे।
- यीशु प्रायः आराधनालयों में शिक्षा देते थे और लोंगों को चंगा करते थे।
- “आराधनालय” का संदर्भ वहां आराधना करने वाले समूह से भी हो सकता है।

(यह भी देखें: चंगा, यरूशलेम, यहूदी, प्रार्थना कर, मन्दिर, परमेश्वर के वचन, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:1-2
- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 24:10-13
- यूहन्ना 06:57-59
- लूका 04:14-15
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:54-56

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4150, G656, G752, G4864

आराधनालय

परिभाषा:

“आराधनालय” वह स्थान था जहां यहूदी लोग परमेश्वर की आराधना हेतु एक साथ मिलते थे।

- प्राचीन काल से, एक आराधनालय की सेवाओं में प्रार्थनाओं के समय, शास्त्र पढ़ना, और शास्त्रों के बारे में शिक्षण शामिल है।
- यहूदियों ने मूल रूप से आराधनालय को अपने ही शहरों में प्रार्थना करने और पूजा करने के लिए निर्माण करना शुरू किया, क्योंकि उनमें से बहुत से यरूशलेम के मंदिर से बहुत दूर रहते थे।
- यीशु प्रायः आराधनालयों में शिक्षा देते थे और लोंगों को चंगा करते थे।
- “आराधनालय” का संदर्भ वहां आराधना करने वाले समूह से भी हो सकता है।

(यह भी देखें: चंगा, यरूशलेम, यहूदी, प्रार्थना कर, मन्दिर, परमेश्वर के वचन, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:1-2
- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 24:10-13
- यूहन्ना 06:57-59
- लूका 04:14-15
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:54-56

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4150, G656, G752, G4864

आराधनालय

परिभाषा:

“आराधनालय” वह स्थान था जहां यहूदी लोग परमेश्वर की आराधना हेतु एक साथ मिलते थे।

- प्राचीन काल से, एक आराधनालय की सेवाओं में प्रार्थनाओं के समय, शास्त्र पढ़ना, और शास्त्रों के बारे में शिक्षण शामिल है।
- यहूदियों ने मूल रूप से आराधनालय को अपने ही शहरों में प्रार्थना करने और पूजा करने के लिए निर्माण करना शुरू किया, क्योंकि उनमें से बहुत से यरूशलेम के मंदिर से बहुत दूर रहते थे।
- यीशु प्रायः आराधनालयों में शिक्षा देते थे और लोंगों को चंगा करते थे।
- “आराधनालय” का संदर्भ वहां आराधना करने वाले समूह से भी हो सकता है।

(यह भी देखें: चंगा, यरूशलेम, यहूदी, प्रार्थना कर, मन्दिर, परमेश्वर के वचन, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 14:1-2
- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 24:10-13
- यूहन्ना 06:57-59
- लूका 04:14-15
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:54-56

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4150, G656, G752, G4864

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशा, आशाएं

परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

- बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
- कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
- “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
- अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
- “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
- "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: आशीष, भरोसा, अच्छा, आज्ञा मानना, विश्वास, परमेश्वर के वचन

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- प्रे.का. 24:14-16
- प्रे.का. 26:6-8
- प्रे.का. 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

आशीष, धन्य, आशीर्वाद

परिभाषा:

किसी को "आशीष" देना अर्थात किसी व्यक्ति या वस्तु के लिए अच्छी एवं लाभकारी बात होने की कामना करना।

- किसी को आशीष देने का अर्थ उसके प्रति सकारात्मक एवं लाभकारी मनोकामना व्यक्त करना।
- बाइबल के युग में पिता प्रायः अपनी सन्तान को विधिवत आशीष देते थे।
- परन्तु मनुष्य जब परमेश्वर को "धन्य"कहता है तब इस शब्द का अभिप्राय है, वे उसका गुणगान कर रहे हैं।
- कभी-कभी "आशीष" शब्द भोजन को खाने से पहले उसे पवित्र करना भी होता है या परमेश्वर को भोजन के लिए धन्यवाद देना और उसका गुणगान करना।

अनुवाद के सुझाव:

- "आशीष" देना का अनुवाद "उदारता से प्रदान करना" या "किसी पर अत्यधिक दया एवं कृपा प्रकट करना" भी हो सकता है।
- "परमेश्वर ने बहुत आशीष दी" का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर ने बहुत भली वस्तुएँ दी" या "परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा"।
- "वह आशीषित है" इसका अनुवाद हो सकता है, "वह बहुत लाभ उठाएगा" या "वह अच्छी-अच्छी वस्तुएँ प्राप्त करेगा" या "परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा"।
- "धन्य है वह पुरूष जो" इसका अनुवाद हो सकता है, "कितना धन्य है वह पुरुष जो"
- "धन्य है प्रभु परमेश्वर" ऐसी अभिव्यक्तियों का अनुवाद "प्रभु की स्तुति हो" या " यहोवा की स्तुति करो" या "मैं परमेश्वर की स्तुति करता हूं"।
- भोजन को आशिष देने के संदर्भ में इसका अनुवाद किया जा सकता है, "भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद किया" या "भोजन के लिए परमेश्वर का गुणगान किया" या "परमेश्वर की स्तुति करके भोजन को पवित्र किया"।

(यह भी देखें: स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:14-17
- प्रे.का. 13:32-34
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 14:19-20
- यशायाह 44: 3-4
- याकूब 01:22-25
- लूका 06:20-21
- मत्ती. 26:26
- नहेम्याह 09:5-6
- रोमियो 04:9-10

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:07** परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा था और उसने उन्हें आशीर्वाद दिया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपने स्वरूप में आदम और हव्वा को बनाया। उस ने उन्हें आशीष दिया और उन से कहा, "कई बच्चों और पोतो को पैदा करो और पृथ्वी में भर जाओ!"

- **01:16** इसलिये परमेश्वर ने जो कुछ वह कर रहा था उन सब से विश्राम लिया। उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र किया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **04:04** "मैं तुम्हारा नाम महान करूँगा। मैं आशीष दूँगा उनको जो तुझे आशीर्वाद देगा, और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा। पृथ्वी के सभी परिवारों को तेरे कारण आशीष दिया जाएगा। "
- **04:07** मलिकिसिदक ने अब्राम को आशीष दिया और कहा, " परमप्रधान परमेश्वर जो स्वर्ग और पृथ्वी का मालिक है अब्राम को आशीष दे।"
- **07:03** इसहाक अपनी आशीष एसाव को देना चाहता था।
- **08:05** यहां तक कि जेल में, यूसुफ परमेश्वर के प्रति वफादार रहा, और परमेश्वर ने उसे आशीष दिया ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H833, H835, H1288, H1289, H1293, G1757, G2127, G2128, G2129, G3106, G3107, G3108, G6050

आशीष, धन्य, आशीर्वाद

परिभाषा:

किसी को “आशीष” देना अर्थात किसी व्यक्ति या वस्तु के लिए अच्छी एवं लाभकारी बात होने की कामना करना।

- किसी को आशीष देने का अर्थ उसके प्रति सकारात्मक एवं लाभकारी मनोकामना व्यक्त करना।
- बाइबल के युग में पिता प्रायः अपनी सन्तान को विधिवत आशीष देते थे।
- परन्तु मनुष्य जब परमेश्वर को “धन्य”कहता है तब इस शब्द का अभिप्राय है, वे उसका गुणगान कर रहे हैं।
- कभी-कभी “आशीष” शब्द भोजन को खाने से पहले उसे पवित्र करना भी होता है या परमेश्वर को भोजन के लिए धन्यवाद देना और उसका गुणगान करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “आशीष” देना का अनुवाद “उदारता से प्रदान करना” या “किसी पर अत्यधिक दया एवं कृपा प्रकट करना” भी हो सकता है।
- “परमेश्वर ने बहुत आशीष दी” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने बहुत भली वस्तुएँ दी” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “वह आशीषित है” इसका अनुवाद हो सकता है, “वह बहुत लाभ उठाएगा” या “वह अच्छी-अच्छी वस्तुएँ प्राप्त करेगा” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “धन्य है वह पुरूष जो” इसका अनुवाद हो सकता है, “कितना धन्य है वह पुरुष जो”
- “धन्य है प्रभु परमेश्वर” ऐसी अभिव्यक्तियों का अनुवाद “प्रभु की स्तुति हो” या “ यहोवा की स्तुति करो” या “मैं परमेश्वर की स्तुति करता हूं”।
- भोजन को आशिष देने के संदर्भ में इसका अनुवाद किया जा सकता है, “भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद किया” या “भोजन के लिए परमेश्वर का गुणगान किया” या “परमेश्वर की स्तुति करके भोजन को पवित्र किया”।

(यह भी देखें: स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:14-17
- प्रे.का. 13:32-34
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 14:19-20
- यशायाह 44: 3-4
- याकूब 01:22-25
- लूका 06:20-21
- मत्ती. 26:26
- नहेम्याह 09:5-6
- रोमियो 04:9-10

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:07** परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा था और उसने उन्हें आशीर्वाद दिया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपने स्वरूप में आदम और हव्वा को बनाया। उस ने उन्हें आशीष दिया और उन से कहा, “कई बच्चों और पोतो को पैदा करो और पृथ्वी में भर जाओ!”
- **01:16** इसलिये परमेश्वर ने जो कुछ वह कर रहा था उन सब से विश्राम लिया। उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र किया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।

- **04:04** "मैं तुम्हारा नाम महान करूँगा। मैं आशीष दूँगा उनको जो तुझे आशीर्वाद देगा, और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा। पृथ्वी के सभी परिवारों को तेरे कारण आशीष दिया जाएगा। "
- **04:07** मलिकिसिदक ने अब्राम को आशीष दिया और कहा, " परमप्रधान परमेश्वर जो स्वर्ग और पृथ्वी का मालिक है अब्राम को आशीष दे।"
- **07:03** इसहाक अपनी आशीष एसाव को देना चाहता था।
- **08:05** यहां तक कि जेल में, यूसुफ परमेश्वर के प्रति वफादार रहा, और परमेश्वर ने उसे आशीष दिया ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H833, H835, H1288, H1289, H1293, G1757, G2127, G2128, G2129, G3106, G3107, G3108, G6050

आशीष, धन्य, आशीर्वाद

परिभाषा:

किसी को “आशीष” देना अर्थात किसी व्यक्ति या वस्तु के लिए अच्छी एवं लाभकारी बात होने की कामना करना।

- किसी को आशीष देने का अर्थ उसके प्रति सकारात्मक एवं लाभकारी मनोकामना व्यक्त करना।
- बाइबल के युग में पिता प्रायः अपनी सन्तान को विधिवत आशीष देते थे।
- परन्तु मनुष्य जब परमेश्वर को “धन्य”कहता है तब इस शब्द का अभिप्राय है, वे उसका गुणगान कर रहे हैं।
- कभी-कभी “आशीष” शब्द भोजन को खाने से पहले उसे पवित्र करना भी होता है या परमेश्वर को भोजन के लिए धन्यवाद देना और उसका गुणगान करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “आशीष” देना का अनुवाद “उदारता से प्रदान करना” या “किसी पर अत्यधिक दया एवं कृपा प्रकट करना” भी हो सकता है।
- “परमेश्वर ने बहुत आशीष दी” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने बहुत भली वस्तुएँ दी” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “वह आशीषित है” इसका अनुवाद हो सकता है, “वह बहुत लाभ उठाएगा” या “वह अच्छी-अच्छी वस्तुएँ प्राप्त करेगा” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “धन्य है वह पुरूष जो” इसका अनुवाद हो सकता है, “कितना धन्य है वह पुरुष जो”
- “धन्य है प्रभु परमेश्वर” ऐसी अभिव्यक्तियों का अनुवाद “प्रभु की स्तुति हो” या “ यहोवा की स्तुति करो” या “मैं परमेश्वर की स्तुति करता हूं”।
- भोजन को आशिष देने के संदर्भ में इसका अनुवाद किया जा सकता है, “भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद किया” या “भोजन के लिए परमेश्वर का गुणगान किया” या “परमेश्वर की स्तुति करके भोजन को पवित्र किया”।

(यह भी देखें: स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:14-17
- प्रे.का. 13:32-34
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 14:19-20
- यशायाह 44: 3-4
- याकूब 01:22-25
- लूका 06:20-21
- मत्ती. 26:26
- नहेम्याह 09:5-6
- रोमियो 04:9-10

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:07** परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा था और उसने उन्हें आशीर्वाद दिया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपने स्वरूप में आदम और हव्वा को बनाया। उस ने उन्हें आशीष दिया और उन से कहा, “कई बच्चों और पोतो को पैदा करो और पृथ्वी में भर जाओ!”
- **01:16** इसलिये परमेश्वर ने जो कुछ वह कर रहा था उन सब से विश्राम लिया। उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र किया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **04:04** "मैं तुम्हारा नाम महान करूँगा। मैं आशीष दूँगा उनको जो तुझे आशीर्वाद देगा, और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा। पृथ्वी के सभी परिवारों को तेरे कारण आशीष दिया जाएगा। "
- **04:07** मलिकिसिदक ने अब्राम को आशीष दिया और कहा, " परमप्रधान परमेश्वर जो स्वर्ग और पृथ्वी का मालिक है अब्राम को आशीष दे।"

- **07:03** इसहाक अपनी आशीष एसाव को देना चाहता था।
- **08:05** यहां तक कि जेल में, यूसुफ परमेश्वर के प्रति वफादार रहा, और परमेश्वर ने उसे आशीष दिया ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H833, H835, H1288, H1289, H1293, G1757, G2127, G2128, G2129, G3106, G3107, G3108, G6050

आशीष, धन्य, आशीर्वाद

परिभाषा:

किसी को “आशीष” देना अर्थात किसी व्यक्ति या वस्तु के लिए अच्छी एवं लाभकारी बात होने की कामना करना।

- किसी को आशीष देने का अर्थ उसके प्रति सकारात्मक एवं लाभकारी मनोकामना व्यक्त करना।
- बाइबल के युग में पिता प्रायः अपनी सन्तान को विधिवत आशीष देते थे।
- परन्तु मनुष्य जब परमेश्वर को “धन्य”कहता है तब इस शब्द का अभिप्राय है, वे उसका गुणगान कर रहे हैं।
- कभी-कभी “आशीष” शब्द भोजन को खाने से पहले उसे पवित्र करना भी होता है या परमेश्वर को भोजन के लिए धन्यवाद देना और उसका गुणगान करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “आशीष” देना का अनुवाद “उदारता से प्रदान करना” या “किसी पर अत्यधिक दया एवं कृपा प्रकट करना” भी हो सकता है।
- “परमेश्वर ने बहुत आशीष दी” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने बहुत भली वस्तुएँ दी” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “वह आशीषित है” इसका अनुवाद हो सकता है, “वह बहुत लाभ उठाएगा” या “वह अच्छी-अच्छी वस्तुएँ प्राप्त करेगा” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “धन्य है वह पुरूष जो” इसका अनुवाद हो सकता है, “कितना धन्य है वह पुरुष जो”
- “धन्य है प्रभु परमेश्वर” ऐसी अभिव्यक्तियों का अनुवाद “प्रभु की स्तुति हो” या “ यहोवा की स्तुति करो” या “मैं परमेश्वर की स्तुति करता हूं”।
- भोजन को आशिष देने के संदर्भ में इसका अनुवाद किया जा सकता है, “भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद किया” या “भोजन के लिए परमेश्वर का गुणगान किया” या “परमेश्वर की स्तुति करके भोजन को पवित्र किया”।

(यह भी देखें: स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:14-17
- प्रे.का. 13:32-34
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 14:19-20
- यशायाह 44: 3-4
- याकूब 01:22-25
- लूका 06:20-21
- मत्ती. 26:26
- नहेम्याह 09:5-6
- रोमियो 04:9-10

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:07** परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा था और उसने उन्हें आशीर्वाद दिया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपने स्वरूप में आदम और हव्वा को बनाया। उस ने उन्हें आशीष दिया और उन से कहा, “कई बच्चों और पोतो को पैदा करो और पृथ्वी में भर जाओ!”
- **01:16** इसलिये परमेश्वर ने जो कुछ वह कर रहा था उन सब से विश्राम लिया। उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र किया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **04:04** "मैं तुम्हारा नाम महान करूँगा। मैं आशीष दूँगा उनको जो तुझे आशीर्वाद देगा, और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा। पृथ्वी के सभी परिवारों को तेरे कारण आशीष दिया जाएगा। "
- **04:07** मलिकिसिदक ने अब्राम को आशीष दिया और कहा, " परमप्रधान परमेश्वर जो स्वर्ग और पृथ्वी का मालिक है अब्राम को आशीष दे।"
- **07:03** इसहाक अपनी आशीष एसाव को देना चाहता था।
- **08:05** यहां तक कि जेल में, यूसुफ परमेश्वर के प्रति वफादार रहा, और परमेश्वर ने उसे आशीष दिया ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H833, H835, H1288, H1289, H1293, G1757, G2127, G2128, G2129, G3106, G3107, G3108, G6050

आशीष, धन्य, आशीर्वाद

परिभाषा:

किसी को “आशीष” देना अर्थात किसी व्यक्ति या वस्तु के लिए अच्छी एवं लाभकारी बात होने की कामना करना।

- किसी को आशीष देने का अर्थ उसके प्रति सकारात्मक एवं लाभकारी मनोकामना व्यक्त करना।
- बाइबल के युग में पिता प्रायः अपनी सन्तान को विधिवत आशीष देते थे।
- परन्तु मनुष्य जब परमेश्वर को “धन्य”कहता है तब इस शब्द का अभिप्राय है, वे उसका गुणगान कर रहे हैं।
- कभी-कभी “आशीष” शब्द भोजन को खाने से पहले उसे पवित्र करना भी होता है या परमेश्वर को भोजन के लिए धन्यवाद देना और उसका गुणगान करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “आशीष” देना का अनुवाद “उदारता से प्रदान करना” या “किसी पर अत्यधिक दया एवं कृपा प्रकट करना” भी हो सकता है।
- “परमेश्वर ने बहुत आशीष दी” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने बहुत भली वस्तुएँ दी” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “वह आशीषित है” इसका अनुवाद हो सकता है, “वह बहुत लाभ उठाएगा” या “वह अच्छी-अच्छी वस्तुएँ प्राप्त करेगा” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “धन्य है वह पुरूष जो” इसका अनुवाद हो सकता है, “कितना धन्य है वह पुरुष जो”
- “धन्य है प्रभु परमेश्वर” ऐसी अभिव्यक्तियों का अनुवाद “प्रभु की स्तुति हो” या “ यहोवा की स्तुति करो” या “मैं परमेश्वर की स्तुति करता हूं”।
- भोजन को आशिष देने के संदर्भ में इसका अनुवाद किया जा सकता है, “भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद किया” या “भोजन के लिए परमेश्वर का गुणगान किया” या “परमेश्वर की स्तुति करके भोजन को पवित्र किया”।

(यह भी देखें: स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:14-17
- प्रे.का. 13:32-34
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 14:19-20
- यशायाह 44: 3-4
- याकूब 01:22-25
- लूका 06:20-21
- मत्ती. 26:26
- नहेम्याह 09:5-6
- रोमियो 04:9-10

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:07** परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा था और उसने उन्हें आशीर्वाद दिया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपने स्वरूप में आदम और हव्वा को बनाया। उस ने उन्हें आशीष दिया और उन से कहा, “कई बच्चों और पोतो को पैदा करो और पृथ्वी में भर जाओ!”
- **01:16** इसलिये परमेश्वर ने जो कुछ वह कर रहा था उन सब से विश्राम लिया। उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र किया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **04:04** "मैं तुम्हारा नाम महान करूँगा। मैं आशीष दूँगा उनको जो तुझे आशीर्वाद देगा, और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा। पृथ्वी के सभी परिवारों को तेरे कारण आशीष दिया जाएगा। "
- **04:07** मलिकिसिदक ने अब्राम को आशीष दिया और कहा, " परमप्रधान परमेश्वर जो स्वर्ग और पृथ्वी का मालिक है अब्राम को आशीष दे।"
- **07:03** इसहाक अपनी आशीष एसाव को देना चाहता था।
- **08:05** यहां तक कि जेल में, यूसुफ परमेश्वर के प्रति वफादार रहा, और परमेश्वर ने उसे आशीष दिया ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H833, H835, H1288, H1289, H1293, G1757, G2127, G2128, G2129, G3106, G3107, G3108, G6050

आशीष, धन्य, आशीर्वाद

परिभाषा:

किसी को “आशीष” देना अर्थात किसी व्यक्ति या वस्तु के लिए अच्छी एवं लाभकारी बात होने की कामना करना।

- किसी को आशीष देने का अर्थ उसके प्रति सकारात्मक एवं लाभकारी मनोकामना व्यक्त करना।
- बाइबल के युग में पिता प्रायः अपनी सन्तान को विधिवत आशीष देते थे।
- परन्तु मनुष्य जब परमेश्वर को “धन्य”कहता है तब इस शब्द का अभिप्राय है, वे उसका गुणगान कर रहे हैं।
- कभी-कभी “आशीष” शब्द भोजन को खाने से पहले उसे पवित्र करना भी होता है या परमेश्वर को भोजन के लिए धन्यवाद देना और उसका गुणगान करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “आशीष” देना का अनुवाद “उदारता से प्रदान करना” या “किसी पर अत्यधिक दया एवं कृपा प्रकट करना” भी हो सकता है।
- “परमेश्वर ने बहुत आशीष दी” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने बहुत भली वस्तुएँ दी” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “वह आशीषित है” इसका अनुवाद हो सकता है, “वह बहुत लाभ उठाएगा” या “वह अच्छी-अच्छी वस्तुएँ प्राप्त करेगा” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “धन्य है वह पुरूष जो” इसका अनुवाद हो सकता है, “कितना धन्य है वह पुरुष जो”
- “धन्य है प्रभु परमेश्वर” ऐसी अभिव्यक्तियों का अनुवाद “प्रभु की स्तुति हो” या “ यहोवा की स्तुति करो” या “मैं परमेश्वर की स्तुति करता हूं”।
- भोजन को आशिष देने के संदर्भ में इसका अनुवाद किया जा सकता है, “भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद किया” या “भोजन के लिए परमेश्वर का गुणगान किया” या “परमेश्वर की स्तुति करके भोजन को पवित्र किया”।

(यह भी देखें: स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:14-17
- प्रे.का. 13:32-34
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 14:19-20
- यशायाह 44: 3-4
- याकूब 01:22-25
- लूका 06:20-21
- मत्ती. 26:26
- नहेम्याह 09:5-6
- रोमियो 04:9-10

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:07** परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा था और उसने उन्हें आशीर्वाद दिया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपने स्वरूप में आदम और हव्वा को बनाया। उस ने उन्हें आशीष दिया और उन से कहा, “कई बच्चों और पोतो को पैदा करो और पृथ्वी में भर जाओ!”
- **01:16** इसलिये परमेश्वर ने जो कुछ वह कर रहा था उन सब से विश्राम लिया। उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र किया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **04:04** "मैं तुम्हारा नाम महान करूँगा। मैं आशीष दूँगा उनको जो तुझे आशीर्वाद देगा, और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा। पृथ्वी के सभी परिवारों को तेरे कारण आशीष दिया जाएगा। "
- **04:07** मलिकिसिदक ने अब्राम को आशीष दिया और कहा, " परमप्रधान परमेश्वर जो स्वर्ग और पृथ्वी का मालिक है अब्राम को आशीष दे।"
- **07:03** इसहाक अपनी आशीष एसाव को देना चाहता था।
- **08:05** यहां तक कि जेल में, यूसुफ परमेश्वर के प्रति वफादार रहा, और परमेश्वर ने उसे आशीष दिया ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H833, H835, H1288, H1289, H1293, G1757, G2127, G2128, G2129, G3106, G3107, G3108, G6050

आशीष, धन्य, आशीर्वाद

परिभाषा:

किसी को “आशीष” देना अर्थात किसी व्यक्ति या वस्तु के लिए अच्छी एवं लाभकारी बात होने की कामना करना।

- किसी को आशीष देने का अर्थ उसके प्रति सकारात्मक एवं लाभकारी मनोकामना व्यक्त करना।
- बाइबल के युग में पिता प्रायः अपनी सन्तान को विधिवत आशीष देते थे।
- परन्तु मनुष्य जब परमेश्वर को “धन्य”कहता है तब इस शब्द का अभिप्राय है, वे उसका गुणगान कर रहे हैं।
- कभी-कभी “आशीष” शब्द भोजन को खाने से पहले उसे पवित्र करना भी होता है या परमेश्वर को भोजन के लिए धन्यवाद देना और उसका गुणगान करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “आशीष” देना का अनुवाद “उदारता से प्रदान करना” या “किसी पर अत्यधिक दया एवं कृपा प्रकट करना” भी हो सकता है।
- “परमेश्वर ने बहुत आशीष दी” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने बहुत भली वस्तुएँ दी” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “वह आशीषित है” इसका अनुवाद हो सकता है, “वह बहुत लाभ उठाएगा” या “वह अच्छी-अच्छी वस्तुएँ प्राप्त करेगा” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “धन्य है वह पुरूष जो” इसका अनुवाद हो सकता है, “कितना धन्य है वह पुरुष जो”
- “धन्य है प्रभु परमेश्वर” ऐसी अभिव्यक्तियों का अनुवाद “प्रभु की स्तुति हो” या “ यहोवा की स्तुति करो” या “मैं परमेश्वर की स्तुति करता हूं”।
- भोजन को आशिष देने के संदर्भ में इसका अनुवाद किया जा सकता है, “भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद किया” या “भोजन के लिए परमेश्वर का गुणगान किया” या “परमेश्वर की स्तुति करके भोजन को पवित्र किया”।

(यह भी देखें: स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:14-17
- प्रे.का. 13:32-34
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 14:19-20
- यशायाह 44: 3-4
- याकूब 01:22-25
- लूका 06:20-21
- मत्ती. 26:26
- नहेम्याह 09:5-6
- रोमियो 04:9-10

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:07** परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा था और उसने उन्हें आशीर्वाद दिया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपने स्वरूप में आदम और हव्वा को बनाया। उस ने उन्हें आशीष दिया और उन से कहा, “कई बच्चों और पोतो को पैदा करो और पृथ्वी में भर जाओ!”
- **01:16** इसलिये परमेश्वर ने जो कुछ वह कर रहा था उन सब से विश्राम लिया। उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र किया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **04:04** "मैं तुम्हारा नाम महान करूँगा। मैं आशीष दूँगा उनको जो तुझे आशीर्वाद देगा, और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा। पृथ्वी के सभी परिवारों को तेरे कारण आशीष दिया जाएगा। "
- **04:07** मलिकिसिदक ने अब्राम को आशीष दिया और कहा, " परमप्रधान परमेश्वर जो स्वर्ग और पृथ्वी का मालिक है अब्राम को आशीष दे।"
- **07:03** इसहाक अपनी आशीष एसाव को देना चाहता था।
- **08:05** यहां तक कि जेल में, यूसुफ परमेश्वर के प्रति वफादार रहा, और परमेश्वर ने उसे आशीष दिया ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H833, H835, H1288, H1289, H1293, G1757, G2127, G2128, G2129, G3106, G3107, G3108, G6050

आशीष, धन्य, आशीर्वाद

परिभाषा:

किसी को “आशीष” देना अर्थात किसी व्यक्ति या वस्तु के लिए अच्छी एवं लाभकारी बात होने की कामना करना।

- किसी को आशीष देने का अर्थ उसके प्रति सकारात्मक एवं लाभकारी मनोकामना व्यक्त करना।
- बाइबल के युग में पिता प्रायः अपनी सन्तान को विधिवत आशीष देते थे।
- परन्तु मनुष्य जब परमेश्वर को “धन्य”कहता है तब इस शब्द का अभिप्राय है, वे उसका गुणगान कर रहे हैं।
- कभी-कभी “आशीष” शब्द भोजन को खाने से पहले उसे पवित्र करना भी होता है या परमेश्वर को भोजन के लिए धन्यवाद देना और उसका गुणगान करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “आशीष” देना का अनुवाद “उदारता से प्रदान करना” या “किसी पर अत्यधिक दया एवं कृपा प्रकट करना” भी हो सकता है।
- “परमेश्वर ने बहुत आशीष दी” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने बहुत भली वस्तुएँ दी” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “वह आशीषित है” इसका अनुवाद हो सकता है, “वह बहुत लाभ उठाएगा” या “वह अच्छी-अच्छी वस्तुएँ प्राप्त करेगा” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “धन्य है वह पुरूष जो” इसका अनुवाद हो सकता है, “कितना धन्य है वह पुरुष जो”
- “धन्य है प्रभु परमेश्वर” ऐसी अभिव्यक्तियों का अनुवाद “प्रभु की स्तुति हो” या “ यहोवा की स्तुति करो” या “मैं परमेश्वर की स्तुति करता हूं”।
- भोजन को आशिष देने के संदर्भ में इसका अनुवाद किया जा सकता है, “भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद किया” या “भोजन के लिए परमेश्वर का गुणगान किया” या “परमेश्वर की स्तुति करके भोजन को पवित्र किया”।

(यह भी देखें: स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:14-17
- प्रे.का. 13:32-34
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 14:19-20
- यशायाह 44: 3-4
- याकूब 01:22-25
- लूका 06:20-21
- मत्ती. 26:26
- नहेम्याह 09:5-6
- रोमियो 04:9-10

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:07** परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा था और उसने उन्हें आशीर्वाद दिया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपने स्वरूप में आदम और हव्वा को बनाया। उस ने उन्हें आशीष दिया और उन से कहा, “कई बच्चों और पोतो को पैदा करो और पृथ्वी में भर जाओ!”
- **01:16** इसलिये परमेश्वर ने जो कुछ वह कर रहा था उन सब से विश्राम लिया। उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र किया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **04:04** "मैं तुम्हारा नाम महान करूँगा। मैं आशीष दूँगा उनको जो तुझे आशीर्वाद देगा, और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा। पृथ्वी के सभी परिवारों को तेरे कारण आशीष दिया जाएगा। "
- **04:07** मलिकिसिदक ने अब्राम को आशीष दिया और कहा, " परमप्रधान परमेश्वर जो स्वर्ग और पृथ्वी का मालिक है अब्राम को आशीष दे।"
- **07:03** इसहाक अपनी आशीष एसाव को देना चाहता था।
- **08:05** यहां तक कि जेल में, यूसुफ परमेश्वर के प्रति वफादार रहा, और परमेश्वर ने उसे आशीष दिया ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H833, H835, H1288, H1289, H1293, G1757, G2127, G2128, G2129, G3106, G3107, G3108, G6050

आशीष, धन्य, आशीर्वाद

परिभाषा:

किसी को “आशीष” देना अर्थात किसी व्यक्ति या वस्तु के लिए अच्छी एवं लाभकारी बात होने की कामना करना।

- किसी को आशीष देने का अर्थ उसके प्रति सकारात्मक एवं लाभकारी मनोकामना व्यक्त करना।
- बाइबल के युग में पिता प्रायः अपनी सन्तान को विधिवत आशीष देते थे।
- परन्तु मनुष्य जब परमेश्वर को “धन्य”कहता है तब इस शब्द का अभिप्राय है, वे उसका गुणगान कर रहे हैं।
- कभी-कभी “आशीष” शब्द भोजन को खाने से पहले उसे पवित्र करना भी होता है या परमेश्वर को भोजन के लिए धन्यवाद देना और उसका गुणगान करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “आशीष” देना का अनुवाद “उदारता से प्रदान करना” या “किसी पर अत्यधिक दया एवं कृपा प्रकट करना” भी हो सकता है।
- “परमेश्वर ने बहुत आशीष दी” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने बहुत भली वस्तुएँ दी” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “वह आशीषित है” इसका अनुवाद हो सकता है, “वह बहुत लाभ उठाएगा” या “वह अच्छी-अच्छी वस्तुएँ प्राप्त करेगा” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “धन्य है वह पुरूष जो” इसका अनुवाद हो सकता है, “कितना धन्य है वह पुरुष जो”
- “धन्य है प्रभु परमेश्वर” ऐसी अभिव्यक्तियों का अनुवाद “प्रभु की स्तुति हो” या “ यहोवा की स्तुति करो” या “मैं परमेश्वर की स्तुति करता हूं”।
- भोजन को आशिष देने के संदर्भ में इसका अनुवाद किया जा सकता है, “भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद किया” या “भोजन के लिए परमेश्वर का गुणगान किया” या “परमेश्वर की स्तुति करके भोजन को पवित्र किया”।

(यह भी देखें: स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:14-17
- प्रे.का. 13:32-34
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 14:19-20
- यशायाह 44: 3-4
- याकूब 01:22-25
- लूका 06:20-21
- मत्ती. 26:26
- नहेम्याह 09:5-6
- रोमियो 04:9-10

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:07** परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा था और उसने उन्हें आशीर्वाद दिया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपने स्वरूप में आदम और हव्वा को बनाया। उस ने उन्हें आशीष दिया और उन से कहा, “कई बच्चों और पोतो को पैदा करो और पृथ्वी में भर जाओ!”
- **01:16** इसलिये परमेश्वर ने जो कुछ वह कर रहा था उन सब से विश्राम लिया। उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र किया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **04:04** "मैं तुम्हारा नाम महान करूँगा। मैं आशीष दूँगा उनको जो तुझे आशीर्वाद देगा, और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा। पृथ्वी के सभी परिवारों को तेरे कारण आशीष दिया जाएगा। "
- **04:07** मलिकिसिदक ने अब्राम को आशीष दिया और कहा, " परमप्रधान परमेश्वर जो स्वर्ग और पृथ्वी का मालिक है अब्राम को आशीष दे।"
- **07:03** इसहाक अपनी आशीष एसाव को देना चाहता था।
- **08:05** यहां तक कि जेल में, यूसुफ परमेश्वर के प्रति वफादार रहा, और परमेश्वर ने उसे आशीष दिया ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H833, H835, H1288, H1289, H1293, G1757, G2127, G2128, G2129, G3106, G3107, G3108, G6050

आशीष, धन्य, आशीर्वाद

परिभाषा:

किसी को “आशीष” देना अर्थात किसी व्यक्ति या वस्तु के लिए अच्छी एवं लाभकारी बात होने की कामना करना।

- किसी को आशीष देने का अर्थ उसके प्रति सकारात्मक एवं लाभकारी मनोकामना व्यक्त करना।
- बाइबल के युग में पिता प्रायः अपनी सन्तान को विधिवत आशीष देते थे।
- परन्तु मनुष्य जब परमेश्वर को “धन्य”कहता है तब इस शब्द का अभिप्राय है, वे उसका गुणगान कर रहे हैं।
- कभी-कभी “आशीष” शब्द भोजन को खाने से पहले उसे पवित्र करना भी होता है या परमेश्वर को भोजन के लिए धन्यवाद देना और उसका गुणगान करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “आशीष” देना का अनुवाद “उदारता से प्रदान करना” या “किसी पर अत्यधिक दया एवं कृपा प्रकट करना” भी हो सकता है।
- “परमेश्वर ने बहुत आशीष दी” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने बहुत भली वस्तुएँ दी” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “वह आशीषित है” इसका अनुवाद हो सकता है, “वह बहुत लाभ उठाएगा” या “वह अच्छी-अच्छी वस्तुएँ प्राप्त करेगा” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “धन्य है वह पुरूष जो” इसका अनुवाद हो सकता है, “कितना धन्य है वह पुरुष जो”
- “धन्य है प्रभु परमेश्वर” ऐसी अभिव्यक्तियों का अनुवाद “प्रभु की स्तुति हो” या “ यहोवा की स्तुति करो” या “मैं परमेश्वर की स्तुति करता हूं”।
- भोजन को आशिष देने के संदर्भ में इसका अनुवाद किया जा सकता है, “भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद किया” या “भोजन के लिए परमेश्वर का गुणगान किया” या “परमेश्वर की स्तुति करके भोजन को पवित्र किया”।

(यह भी देखें: स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:14-17
- प्रे.का. 13:32-34
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 14:19-20
- यशायाह 44: 3-4
- याकूब 01:22-25
- लूका 06:20-21
- मत्ती. 26:26
- नहेम्याह 09:5-6
- रोमियो 04:9-10

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:07** परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा था और उसने उन्हें आशीर्वाद दिया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपने स्वरूप में आदम और हव्वा को बनाया। उस ने उन्हें आशीष दिया और उन से कहा, “कई बच्चों और पोतो को पैदा करो और पृथ्वी में भर जाओ!”
- **01:16** इसलिये परमेश्वर ने जो कुछ वह कर रहा था उन सब से विश्राम लिया। उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र किया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **04:04** "मैं तुम्हारा नाम महान करूँगा। मैं आशीष दूँगा उनको जो तुझे आशीर्वाद देगा, और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा। पृथ्वी के सभी परिवारों को तेरे कारण आशीष दिया जाएगा। "
- **04:07** मलिकिसिदक ने अब्राम को आशीष दिया और कहा, " परमप्रधान परमेश्वर जो स्वर्ग और पृथ्वी का मालिक है अब्राम को आशीष दे।"
- **07:03** इसहाक अपनी आशीष एसाव को देना चाहता था।
- **08:05** यहां तक कि जेल में, यूसुफ परमेश्वर के प्रति वफादार रहा, और परमेश्वर ने उसे आशीष दिया ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H833, H835, H1288, H1289, H1293, G1757, G2127, G2128, G2129, G3106, G3107, G3108, G6050

आशीष, धन्य, आशीर्वाद

परिभाषा:

किसी को “आशीष” देना अर्थात किसी व्यक्ति या वस्तु के लिए अच्छी एवं लाभकारी बात होने की कामना करना।

- किसी को आशीष देने का अर्थ उसके प्रति सकारात्मक एवं लाभकारी मनोकामना व्यक्त करना।
- बाइबल के युग में पिता प्रायः अपनी सन्तान को विधिवत आशीष देते थे।
- परन्तु मनुष्य जब परमेश्वर को “धन्य”कहता है तब इस शब्द का अभिप्राय है, वे उसका गुणगान कर रहे हैं।
- कभी-कभी “आशीष” शब्द भोजन को खाने से पहले उसे पवित्र करना भी होता है या परमेश्वर को भोजन के लिए धन्यवाद देना और उसका गुणगान करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “आशीष” देना का अनुवाद “उदारता से प्रदान करना” या “किसी पर अत्यधिक दया एवं कृपा प्रकट करना” भी हो सकता है।
- “परमेश्वर ने बहुत आशीष दी” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने बहुत भली वस्तुएँ दी” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “वह आशीषित है” इसका अनुवाद हो सकता है, “वह बहुत लाभ उठाएगा” या “वह अच्छी-अच्छी वस्तुएँ प्राप्त करेगा” या “परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा”।
- “धन्य है वह पुरूष जो” इसका अनुवाद हो सकता है, “कितना धन्य है वह पुरुष जो”
- “धन्य है प्रभु परमेश्वर” ऐसी अभिव्यक्तियों का अनुवाद “प्रभु की स्तुति हो” या “ यहोवा की स्तुति करो” या “मैं परमेश्वर की स्तुति करता हूं”।
- भोजन को आशिष देने के संदर्भ में इसका अनुवाद किया जा सकता है, “भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद किया” या “भोजन के लिए परमेश्वर का गुणगान किया” या “परमेश्वर की स्तुति करके भोजन को पवित्र किया”।

(यह भी देखें: स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:14-17
- प्रे.का. 13:32-34
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 14:19-20
- यशायाह 44: 3-4
- याकूब 01:22-25
- लूका 06:20-21
- मत्ती. 26:26
- नहेम्याह 09:5-6
- रोमियो 04:9-10

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:07** परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा था और उसने उन्हें आशीर्वाद दिया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपने स्वरूप में आदम और हव्वा को बनाया। उस ने उन्हें आशीष दिया और उन से कहा, “कई बच्चों और पोतो को पैदा करो और पृथ्वी में भर जाओ!”
- **01:16** इसलिये परमेश्वर ने जो कुछ वह कर रहा था उन सब से विश्राम लिया। उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र किया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **04:04** "मैं तुम्हारा नाम महान करूँगा। मैं आशीष दूँगा उनको जो तुझे आशीर्वाद देगा, और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा। पृथ्वी के सभी परिवारों को तेरे कारण आशीष दिया जाएगा। "
- **04:07** मलिकिसिदक ने अब्राम को आशीष दिया और कहा, " परमप्रधान परमेश्वर जो स्वर्ग और पृथ्वी का मालिक है अब्राम को आशीष दे।"
- **07:03** इसहाक अपनी आशीष एसाव को देना चाहता था।
- **08:05** यहां तक कि जेल में, यूसुफ परमेश्वर के प्रति वफादार रहा, और परमेश्वर ने उसे आशीष दिया ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H833, H835, H1288, H1289, H1293, G1757, G2127, G2128, G2129, G3106, G3107, G3108, G6050

आसा

तथ्य:

राजा आसा ने यहूदा पर चालीस वर्ष राज किया था 913-873 ई.पू.।

- आसा एक अच्छा राजा था जिसने देवताओं की मूर्तियों को नष्ट किया और इस्राएलियों को यहोवा की उपासना के लिए प्रेरित किया।
- यहोवा ने आसा को अन्यजातियों के साथ युद्ध में विजय प्रदान की थी।
- बाद में अपने शासनकाल में आसा ने यहोवा पर भरोसा करना बंद कर दिया और रोगग्रस्त होकर अन्ततः मर गया।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 09:14-16
- 1 राजा 15:7-8
- 2 इतिहास 14:1-4
- यिर्मयाह 41:8-9
- मत्ती 01:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H609

आसिया

तथ्य:

बाइबल के युग में “आसिया” रोमी साम्राज्य के एक क्षेत्र का नाम था। यह स्थान आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी भाग में था।

- पौलुस ने आसिया के अनेक स्थानों में सुसमाचार सुनाया था। इन स्थानों में इफिसुस और कुलुस्से थे।
- आज के आसिया के भ्रम से बचने के लिए आवश्यक है कि इस शब्द का अनुवाद इस प्रकार किया जाए, “प्राचीन रोमी प्रान्त आसिया” या “आसिया प्रदेश।”
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में जितनी भी कलीसियाओं के नाम हैं, वे सब रोम के आसिया प्रदेश में थी।

(यह भी देखें: रोम, पौलुस, इफिसुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:19-20
- 1 पतरस 01:1-2
- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 16:6-8
- प्रे.का. 27:1-2
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- रोमियो 16:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G773

आसिया

तथ्य:

बाइबल के युग में “आसिया” रोमी साम्राज्य के एक क्षेत्र का नाम था। यह स्थान आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी भाग में था।

- पौलुस ने आसिया के अनेक स्थानों में सुसमाचार सुनाया था। इन स्थानों में इफिसुस और कुलुस्से थे।
- आज के आसिया के भ्रम से बचने के लिए आवश्यक है कि इस शब्द का अनुवाद इस प्रकार किया जाए, “प्राचीन रोमी प्रान्त आसिया” या “आसिया प्रदेश।”
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में जितनी भी कलीसियाओं के नाम हैं, वे सब रोम के आसिया प्रदेश में थी।

(यह भी देखें: रोम, पौलुस, इफिसुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:19-20
- 1 पतरस 01:1-2
- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 16:6-8
- प्रे.का. 27:1-2
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- रोमियो 16:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G773

आसिया

तथ्य:

बाइबल के युग में “आसिया” रोमी साम्राज्य के एक क्षेत्र का नाम था। यह स्थान आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी भाग में था।

- पौलुस ने आसिया के अनेक स्थानों में सुसमाचार सुनाया था। इन स्थानों में इफिसुस और कुलुस्से थे।
- आज के आसिया के भ्रम से बचने के लिए आवश्यक है कि इस शब्द का अनुवाद इस प्रकार किया जाए, “प्राचीन रोमी प्रान्त आसिया” या “आसिया प्रदेश।”
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में जितनी भी कलीसियाओं के नाम हैं, वे सब रोम के आसिया प्रदेश में थी।

(यह भी देखें: रोम, पौलुस, इफिसुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:19-20
- 1 पतरस 01:1-2
- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 16:6-8
- प्रे.का. 27:1-2
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- रोमियो 16:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G773

आसिया

तथ्य:

बाइबल के युग में “आसिया” रोमी साम्राज्य के एक क्षेत्र का नाम था। यह स्थान आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी भाग में था।

- पौलुस ने आसिया के अनेक स्थानों में सुसमाचार सुनाया था। इन स्थानों में इफिसुस और कुलुस्से थे।
- आज के आसिया के भ्रम से बचने के लिए आवश्यक है कि इस शब्द का अनुवाद इस प्रकार किया जाए, “प्राचीन रोमी प्रान्त आसिया” या “आसिया प्रदेश।”
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में जितनी भी कलीसियाओं के नाम हैं, वे सब रोम के आसिया प्रदेश में थी।

(यह भी देखें: रोम, पौलुस, इफिसुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:19-20
- 1 पतरस 01:1-2
- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 16:6-8
- प्रे.का. 27:1-2
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- रोमियो 16:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G773

आसिया

तथ्य:

बाइबल के युग में “आसिया” रोमी साम्राज्य के एक क्षेत्र का नाम था। यह स्थान आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी भाग में था।

- पौलुस ने आसिया के अनेक स्थानों में सुसमाचार सुनाया था। इन स्थानों में इफिसुस और कुलुस्से थे।
- आज के आसिया के भ्रम से बचने के लिए आवश्यक है कि इस शब्द का अनुवाद इस प्रकार किया जाए, “प्राचीन रोमी प्रान्त आसिया” या “आसिया प्रदेश।”
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में जितनी भी कलीसियाओं के नाम हैं, वे सब रोम के आसिया प्रदेश में थी।

(यह भी देखें: रोम, पौलुस, इफिसुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:19-20
- 1 पतरस 01:1-2
- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 16:6-8
- प्रे.का. 27:1-2
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- रोमियो 16:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G773

आसिया

तथ्य:

बाइबल के युग में “आसिया” रोमी साम्राज्य के एक क्षेत्र का नाम था। यह स्थान आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी भाग में था।

- पौलुस ने आसिया के अनेक स्थानों में सुसमाचार सुनाया था। इन स्थानों में इफिसुस और कुलुस्से थे।
- आज के आसिया के भ्रम से बचने के लिए आवश्यक है कि इस शब्द का अनुवाद इस प्रकार किया जाए, “प्राचीन रोमी प्रान्त आसिया” या “आसिया प्रदेश।”
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में जितनी भी कलीसियाओं के नाम हैं, वे सब रोम के आसिया प्रदेश में थी।

(यह भी देखें: रोम, पौलुस, इफिसुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:19-20
- 1 पतरस 01:1-2
- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 16:6-8
- प्रे.का. 27:1-2
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- रोमियो 16:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G773

आसिया

तथ्य:

बाइबल के युग में “आसिया” रोमी साम्राज्य के एक क्षेत्र का नाम था। यह स्थान आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी भाग में था।

- पौलुस ने आसिया के अनेक स्थानों में सुसमाचार सुनाया था। इन स्थानों में इफिसुस और कुलुस्से थे।
- आज के आसिया के भ्रम से बचने के लिए आवश्यक है कि इस शब्द का अनुवाद इस प्रकार किया जाए, “प्राचीन रोमी प्रान्त आसिया” या “आसिया प्रदेश।”
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में जितनी भी कलीसियाओं के नाम हैं, वे सब रोम के आसिया प्रदेश में थी।

(यह भी देखें: रोम, पौलुस, इफिसुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:19-20
- 1 पतरस 01:1-2
- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 16:6-8
- प्रे.का. 27:1-2
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- रोमियो 16:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G773

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

इकुनियुम

तथ्य:

इकुनियुम आज के तुर्किस्तान के दक्षिणी मध्य भाग में एक नगर था।

- पौलुस पहली प्रचार यात्रा में बरनबास के साथ इकुनियुम नगर गया था क्योंकि यहूदियों ने अन्ताकिया में उसका विरोध किया था।
- इकुनियुम में भी विश्वास नहीं करने वाले यहूदियों और अन्यजातियों ने पौलुस और उसके साथियों को पत्थरवाह करने की योजना बनाई थी परन्तु पौलुस पास के नगर लुस्त्रा चला गया था
- उसके बाद अन्ताकिया और इकुनियुम से अनेक पुरुषों ने आकर लुस्त्रा में भी लोगों को पौलुस पर पत्थरवाह करने के लिए भड़काया।

(यह भी देखें: बरनबास, लुस्त्रा, पत्थर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:10-13
- प्रे.का. 14:1-2
- प्रे.का. 14:19-20
- प्रे.का. 16:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2430

इकुनियुम

तथ्य:

इकुनियुम आज के तुर्किस्तान के दक्षिणी मध्य भाग में एक नगर था।

- पौलुस पहली प्रचार यात्रा में बरनबास के साथ इकुनियुम नगर गया था क्योंकि यहूदियों ने अन्ताकिया में उसका विरोध किया था।
- इकुनियुम में भी विश्वास नहीं करने वाले यहूदियों और अन्यजातियों ने पौलुस और उसके साथियों को पत्थरवाह करने की योजना बनाई थी परन्तु पौलुस पास के नगर लुस्त्रा चला गया था
- उसके बाद अन्ताकिया और इकुनियुम से अनेक पुरुषों ने आकर लुस्त्रा में भी लोगों को पौलुस पर पत्थरवाह करने के लिए भड़काया।

(यह भी देखें: बरनबास, लुस्त्रा, पत्थर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:10-13
- प्रे.का. 14:1-2
- प्रे.का. 14:19-20
- प्रे.का. 16:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2430

इतिहास

परिभाषा:

“इतिहास” अर्थात समय के किसी युग की लिखित घटनाओं का अभिलेख।

- पुराने नियम की दो पुस्तकें, “पहला इतिहास” और “दूसरा इतिहास” कहलाती हैं।
- “इतिहास” की इन पुस्तकों में इस्राएल के इतिहास का एक भाग व्यक्त करती हैं जिनका आरंभ आदम से लेकर प्रत्येक पीढ़ी के लोगों की सूची से है।
- “पहला इतिहास” इस पुस्तक में राजा शाऊल के जीवन का अन्त और राजा दाऊद के राज्य का अभिलेखा है।
- “दूसरा इतिहास” राजा सुलैमान और अन्य राजाओं के राज्यकाल का वर्णन है, मन्दिर निर्माण तथा उत्तरी राज्य इस्राएल और दक्षिणी राज्य यहूदा का विभाजन भी।

- दूसरा इतिहास की पुस्तक के अन्त में बेबीलोन की बन्धुआई के आरंभ होने की चर्चा की गई है।

(यह भी देखें: बेबीलोन, दाऊद, बँधुआई, इस्राएल के राज्य, यहूदा, सुलैमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:23-24
- 2 इतिहास 33:18-20
- एस्तेर 10:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1697

इफिसुस, इफिसुस वासी, इफिसियों

तथ्य:

इफिसुस आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी तट पर एक प्राचीन यूनानी नगर था।

- आरंभिक विश्वासियों के समय में इफिसुस एशिया की राजधानी थी जो उस समय एक छोटा सा रोमी प्रान्त था।
- अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण यह नगर व्यापार और परिवहन का एक महत्वपूर्ण केन्द्र था।
- वहां अरतिमिस(डायना) का एक प्रसिद्ध मन्दिर था।
- पौलुस इफिसुस में दो वर्ष से अधिक रहा और कार्य भी किया और वहां के नवविश्वासियों के मार्गदर्शन के लिए तीमुथियुस को नियुक्त कर दिया।
- नये नियम में इफिसुस की पत्री इन विश्वासियों को लिखा पौलुस का पत्र है।

(यह भी देखें: आसिया, पौलुस, तीमुथियुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:31-32
- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- 2 तीमुथियुस 04:11-13
- प्रे.का. 19:1-2
- इफिसियों 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2179, G2180, G2181

इफिसुस, इफिसुस वासी, इफिसियों

तथ्य:

इफिसुस आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी तट पर एक प्राचीन यूनानी नगर था।

- आरंभिक विश्वासियों के समय में इफिसुस एशिया की राजधानी थी जो उस समय एक छोटा सा रोमी प्रान्त था।
- अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण यह नगर व्यापार और परिवहन का एक महत्वपूर्ण केन्द्र था।
- वहां अरतिमिस(डायना) का एक प्रसिद्ध मन्दिर था।
- पौलुस इफिसुस में दो वर्ष से अधिक रहा और कार्य भी किया और वहां के नवविश्वासियों के मार्गदर्शन के लिए तीमुथियुस को नियुक्त कर दिया।
- नये नियम में इफिसुस की पत्री इन विश्वासियों को लिखा पौलुस का पत्र है।

(यह भी देखें: आसिया, पौलुस, तीमुथियुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:31-32
- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- 2 तीमुथियुस 04:11-13

- प्रे.का. 19:1-2
- इफिसियों 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2179, G2180, G2181

इफिसुस, इफिसुस वासी, इफिसियों

तथ्य:

इफिसुस आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी तट पर एक प्राचीन यूनानी नगर था।

- आरंभिक विश्वासियों के समय में इफिसुस एशिया की राजधानी थी जो उस समय एक छोटा सा रोमी प्रान्त था।
- अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण यह नगर व्यापार और परिवहन का एक महत्वपूर्ण केन्द्र था।
- वहां अरतिमिस(डायना) का एक प्रसिद्ध मन्दिर था।
- पौलुस इफिसुस में दो वर्ष से अधिक रहा और कार्य भी किया और वहां के नवविश्वासियों के मार्गदर्शन के लिए तीमुथियुस को नियुक्त कर दिया।
- नये नियम में इफिसुस की पत्री इन विश्वासियों को लिखा पौलुस का पत्र है।

(यह भी देखें: आसिया, पौलुस, तीमुथियुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:31-32
- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- 2 तीमुथियुस 04:11-13
- प्रे.का. 19:1-2
- इफिसियों 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2179, G2180, G2181

इफिसुस, इफिसुस वासी, इफिसियों

तथ्य:

इफिसुस आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी तट पर एक प्राचीन यूनानी नगर था।

- आरंभिक विश्वासियों के समय में इफिसुस एशिया की राजधानी थी जो उस समय एक छोटा सा रोमी प्रान्त था।
- अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण यह नगर व्यापार और परिवहन का एक महत्वपूर्ण केन्द्र था।
- वहां अरतिमिस(डायना) का एक प्रसिद्ध मन्दिर था।
- पौलुस इफिसुस में दो वर्ष से अधिक रहा और कार्य भी किया और वहां के नवविश्वासियों के मार्गदर्शन के लिए तीमुथियुस को नियुक्त कर दिया।
- नये नियम में इफिसुस की पत्री इन विश्वासियों को लिखा पौलुस का पत्र है।

(यह भी देखें: आसिया, पौलुस, तीमुथियुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:31-32
- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- 2 तीमुथियुस 04:11-13
- प्रे.का. 19:1-2
- इफिसियों 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2179, G2180, G2181

इफिसुस, इफिसुस वासी, इफिसियों

तथ्य:

इफिसुस आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी तट पर एक प्राचीन यूनानी नगर था।

- आरंभिक विश्वासियों के समय में इफिसुस एशिया की राजधानी थी जो उस समय एक छोटा सा रोमी प्रान्त था।
- अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण यह नगर व्यापार और परिवहन का एक महत्वपूर्ण केन्द्र था।
- वहां अरतिमिस(डायना) का एक प्रसिद्ध मन्दिर था।
- पौलुस इफिसुस में दो वर्ष से अधिक रहा और कार्य भी किया और वहां के नवविश्वासियों के मार्गदर्शन के लिए तीमुथियुस को नियुक्त कर दिया।
- नये नियम में इफिसुस की पत्री इन विश्वासियों को लिखा पौलुस का पत्र है।

(यह भी देखें: आसिया, पौलुस, तीमुथियुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:31-32
- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- 2 तीमुथियुस 04:11-13
- प्रे.का. 19:1-2
- इफिसियों 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2179, G2180, G2181

इफिसुस, इफिसुस वासी, इफिसियों

तथ्य:

इफिसुस आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी तट पर एक प्राचीन यूनानी नगर था।

- आरंभिक विश्वासियों के समय में इफिसुस एशिया की राजधानी थी जो उस समय एक छोटा सा रोमी प्रान्त था।
- अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण यह नगर व्यापार और परिवहन का एक महत्वपूर्ण केन्द्र था।
- वहां अरतिमिस(डायना) का एक प्रसिद्ध मन्दिर था।
- पौलुस इफिसुस में दो वर्ष से अधिक रहा और कार्य भी किया और वहां के नवविश्वासियों के मार्गदर्शन के लिए तीमुथियुस को नियुक्त कर दिया।
- नये नियम में इफिसुस की पत्री इन विश्वासियों को लिखा पौलुस का पत्र है।

(यह भी देखें: आसिया, पौलुस, तीमुथियुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:31-32
- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- 2 तीमुथियुस 04:11-13
- प्रे.का. 19:1-2
- इफिसियों 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2179, G2180, G2181

इब्रानी, इब्रानियों

तथ्य:

“इब्रानियों” लोग इसहाक और याकूब के द्वारा अब्राहम के वंशज थे। बाइबल में अब्राहम पहला मनुष्य था जिसे “इब्रानी” कहा गया था।

- “इब्रानी” शब्द लोगों के समूह में किसी व्यक्ति के लिए या उस समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा के लिए संदर्भित कर सकता है।

- पुराना नियम मूल रूप से इब्रानी भाषा में लिखा गया था। हालाँकि, नए नियम के अधिकांश पदों में, विशिष्ट शब्द "इब्रानी" संभवतः इब्रानी भाषा के बजाय अरामी भाषा को संदर्भित करता है।
- बाइबल में विभिन्न संदर्भों में इब्रानियों को “यहूदी” या “इस्राएली” भी कहा गया है। उचित होगा कि इन सब शब्दों को उनके मूल रूप में ही रखा जाए, परन्तु सुनिश्चित किया जाए कि ये शब्द एक ही जाति का बोध कराते हैं।

(यह भी देखें: इस्राएल, यहूदी, यहूदियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:12-14
- उत्पत्ति 39:13-15
- उत्पत्ति 40:14-15
- उत्पत्ति 41:12-13
- यूहन्ना 05:1-4
- यूहन्ना 19:12-13
- योना 01:8-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5680, G1444, G1445, G1446, G1447

इब्रानी, इब्रानियों

तथ्य:

“इब्रानियों” लोग इसहाक और याकूब के द्वारा अब्राहम के वंशज थे। बाइबल में अब्राहम पहला मनुष्य था जिसे “इब्रानी” कहा गया था।

- “इब्रानी” शब्द लोगों के समूह में किसी व्यक्ति के लिए या उस समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा के लिए संदर्भित कर सकता है।
- पुराना नियम मूल रूप से इब्रानी भाषा में लिखा गया था। हालाँकि, नए नियम के अधिकांश पदों में, विशिष्ट शब्द "इब्रानी" संभवतः इब्रानी भाषा के बजाय अरामी भाषा को संदर्भित करता है।
- बाइबल में विभिन्न संदर्भों में इब्रानियों को “यहूदी” या “इस्राएली” भी कहा गया है। उचित होगा कि इन सब शब्दों को उनके मूल रूप में ही रखा जाए, परन्तु सुनिश्चित किया जाए कि ये शब्द एक ही जाति का बोध कराते हैं।

(यह भी देखें: इस्राएल, यहूदी, यहूदियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:12-14
- उत्पत्ति 39:13-15
- उत्पत्ति 40:14-15
- उत्पत्ति 41:12-13
- यूहन्ना 05:1-4
- यूहन्ना 19:12-13
- योना 01:8-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5680, G1444, G1445, G1446, G1447

इब्रानी, इब्रानियों

तथ्य:

“इब्रानियों” लोग इसहाक और याकूब के द्वारा अब्राहम के वंशज थे। बाइबल में अब्राहम पहला मनुष्य था जिसे “इब्रानी” कहा गया था।

- “इब्रानी” शब्द लोगों के समूह में किसी व्यक्ति के लिए या उस समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा के लिए संदर्भित कर सकता है।

- पुराना नियम मूल रूप से इब्रानी भाषा में लिखा गया था। हालाँकि, नए नियम के अधिकांश पदों में, विशिष्ट शब्द "इब्रानी" संभवतः इब्रानी भाषा के बजाय अरामी भाषा को संदर्भित करता है।
- बाइबल में विभिन्न संदर्भों में इब्रानियों को “यहूदी” या “इस्राएली” भी कहा गया है। उचित होगा कि इन सब शब्दों को उनके मूल रूप में ही रखा जाए, परन्तु सुनिश्चित किया जाए कि ये शब्द एक ही जाति का बोध कराते हैं।

(यह भी देखें: इस्राएल, यहूदी, यहूदियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:12-14
- उत्पत्ति 39:13-15
- उत्पत्ति 40:14-15
- उत्पत्ति 41:12-13
- यूहन्ना 05:1-4
- यूहन्ना 19:12-13
- योना 01:8-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5680, G1444, G1445, G1446, G1447

इब्रानी, इब्रानियों

तथ्य:

“इब्रानियों” लोग इसहाक और याकूब के द्वारा अब्राहम के वंशज थे। बाइबल में अब्राहम पहला मनुष्य था जिसे “इब्रानी” कहा गया था।

- “इब्रानी” शब्द लोगों के समूह में किसी व्यक्ति के लिए या उस समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा के लिए संदर्भित कर सकता है।
- पुराना नियम मूल रूप से इब्रानी भाषा में लिखा गया था। हालाँकि, नए नियम के अधिकांश पदों में, विशिष्ट शब्द "इब्रानी" संभवतः इब्रानी भाषा के बजाय अरामी भाषा को संदर्भित करता है।
- बाइबल में विभिन्न संदर्भों में इब्रानियों को “यहूदी” या “इस्राएली” भी कहा गया है। उचित होगा कि इन सब शब्दों को उनके मूल रूप में ही रखा जाए, परन्तु सुनिश्चित किया जाए कि ये शब्द एक ही जाति का बोध कराते हैं।

(यह भी देखें: इस्राएल, यहूदी, यहूदियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:12-14
- उत्पत्ति 39:13-15
- उत्पत्ति 40:14-15
- उत्पत्ति 41:12-13
- यूहन्ना 05:1-4
- यूहन्ना 19:12-13
- योना 01:8-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5680, G1444, G1445, G1446, G1447

इब्रानी, इब्रानियों

तथ्य:

“इब्रानियों” लोग इसहाक और याकूब के द्वारा अब्राहम के वंशज थे। बाइबल में अब्राहम पहला मनुष्य था जिसे “इब्रानी” कहा गया था।

- “इब्रानी” शब्द लोगों के समूह में किसी व्यक्ति के लिए या उस समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा के लिए संदर्भित कर सकता है।

- पुराना नियम मूल रूप से इब्रानी भाषा में लिखा गया था। हालाँकि, नए नियम के अधिकांश पदों में, विशिष्ट शब्द "इब्रानी" संभवतः इब्रानी भाषा के बजाय अरामी भाषा को संदर्भित करता है।
- बाइबल में विभिन्न संदर्भों में इब्रानियों को “यहूदी” या “इस्राएली” भी कहा गया है। उचित होगा कि इन सब शब्दों को उनके मूल रूप में ही रखा जाए, परन्तु सुनिश्चित किया जाए कि ये शब्द एक ही जाति का बोध कराते हैं।

(यह भी देखें: इस्राएल, यहूदी, यहूदियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:12-14
- उत्पत्ति 39:13-15
- उत्पत्ति 40:14-15
- उत्पत्ति 41:12-13
- यूहन्ना 05:1-4
- यूहन्ना 19:12-13
- योना 01:8-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5680, G1444, G1445, G1446, G1447

इसहाक

तथ्य:

इसहाक अब्राहम और सारा का एकलौता पुत्र था। यद्यपि वे वृद्ध थे, परमेश्वर ने उन्हें पुत्र देने की प्रतिज्ञा की थी।

- “इसहाक” का अर्थ है, “वह हँसता है” परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि सारा एक पुत्र को जन्म देगी तब अब्राहम हंस पड़ा था क्योंकि वे दोनों बहुत वृद्ध थे। कुछ समय बाद यह समाचार सुनकर सारा भी हँस दी थी।
- परन्तु परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की और अब्राहम एवं सारा को वृद्धावस्था में पुत्र प्राप्ति हुई।
- परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि उसने अब्राहम के साथ जो वाचा बांधी है वह इसहाक और उसके वंशजों के साथ भी बंधी रहेगी।
- जब इसहाक किशोरावस्था में पहुंचा तब परमेश्वर ने अब्राहम के विश्वास को परखने के लिए उससे कहा कि वह उसके लिए इसहाक को बलि कर दे।
- इसहाक के पुत्र याकूब के बारह पुत्र थे जो आगे चलकर इस्राएल के बारह गोत्र हुए।

(यह भी देखें: अब्राहम, उतरेगा, सर्वदा, पूरा कर, इस्राएल, सारा, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:28-29
- उत्पत्ति 25:9-11
- उत्पत्ति 25:19-20
- उत्पत्ति 26:1
- उत्पत्ति 26:6-8
- उत्पत्ति 28:1-2
- उत्पत्ति 31:17-18
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:04** “तेरी पत्नी सारै के तुझ से एक पुत्र होंगा। और वह वायदे का पुत्र होंगा। और तू उसका नाम इसहाक रखना।”
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली, “अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।”
- **05:09** अत: अब्राहम ने जाके उस मेढ़े को लिया और अपने पुत्र इसहाक के स्थान पर उसको होमबलि करके चढ़ाया |
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई।
- **07:10** इसहाक की मृत्यु हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी। परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3327, H3446, G2464

इसहाक

तथ्य:

इसहाक अब्राहम और सारा का एकलौता पुत्र था। यद्यपि वे वृद्ध थे, परमेश्वर ने उन्हें पुत्र देने की प्रतिज्ञा की थी।

- "इसहाक" का अर्थ है, "वह हँसता है" परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि सारा एक पुत्र को जन्म देगी तब अब्राहम हंस पड़ा था क्योंकि वे दोनों बहुत वृद्ध थे। कुछ समय बाद यह समाचार सुनकर सारा भी हँस दी थी।
- परन्तु परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की और अब्राहम एवं सारा को वृद्धावस्था में पुत्र प्राप्ति हुई।
- परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि उसने अब्राहम के साथ जो वाचा बांधी है वह इसहाक और उसके वंशजों के साथ भी बंधी रहेगी।
- जब इसहाक किशोरावस्था में पहुंचा तब परमेश्वर ने अब्राहम के विश्वास को परखने के लिए उससे कहा कि वह उसके लिए इसहाक को बलि कर दे।
- इसहाक के पुत्र याकूब के बारह पुत्र थे जो आगे चलकर इस्राएल के बारह गोत्र हुए।

(यह भी देखें: अब्राहम, उतरेगा, सर्वदा, पूरा कर, इस्राएल, सारा, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:28-29
- उत्पत्ति 25:9-11
- उत्पत्ति 25:19-20
- उत्पत्ति 26:1
- उत्पत्ति 26:6-8
- उत्पत्ति 28:1-2
- उत्पत्ति 31:17-18
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:04** "तेरी पत्नी सारै के तुझ से एक पुत्र होंगा। और वह वायदे का पुत्र होंगा। और तू उसका नाम इसहाक रखना।"
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली, "अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।"
- **05:09** अत: अब्राहम ने जाके उस मेढ़े को लिया और अपने पुत्र इसहाक के स्थान पर उसको होमबलि करके चढ़ाया |
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई।
- **07:10** इसहाक की मृत्यु हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी। परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3327, H3446, G2464

इसहाक

तथ्य:

इसहाक अब्राहम और सारा का एकलौता पुत्र था। यद्यपि वे वृद्ध थे, परमेश्वर ने उन्हें पुत्र देने की प्रतिज्ञा की थी।

- "इसहाक" का अर्थ है, "वह हँसता है" परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि सारा एक पुत्र को जन्म देगी तब अब्राहम हंस पड़ा था क्योंकि वे दोनों बहुत वृद्ध थे। कुछ समय बाद यह समाचार सुनकर सारा भी हँस दी थी।
- परन्तु परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की और अब्राहम एवं सारा को वृद्धावस्था में पुत्र प्राप्ति हुई।
- परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि उसने अब्राहम के साथ जो वाचा बांधी है वह इसहाक और उसके वंशजों के साथ भी बंधी रहेगी।
- जब इसहाक किशोरावस्था में पहुंचा तब परमेश्वर ने अब्राहम के विश्वास को परखने के लिए उससे कहा कि वह उसके लिए इसहाक को बलि कर दे।
- इसहाक के पुत्र याकूब के बारह पुत्र थे जो आगे चलकर इस्राएल के बारह गोत्र हुए।

(यह भी देखें: अब्राहम, उतरेगा, सर्वदा, पूरा कर, इस्राएल, सारा, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:28-29
- उत्पत्ति 25:9-11
- उत्पत्ति 25:19-20
- उत्पत्ति 26:1
- उत्पत्ति 26:6-8
- उत्पत्ति 28:1-2
- उत्पत्ति 31:17-18
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:04** "तेरी पत्नी सारै के तुझ से एक पुत्र होंगा। और वह वायदे का पुत्र होंगा। और तू उसका नाम इसहाक रखना।"
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली, "अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।"
- **05:09** अत: अब्राहम ने जाके उस मेढ़े को लिया और अपने पुत्र इसहाक के स्थान पर उसको होमबलि करके चढ़ाया |
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई।
- **07:10** इसहाक की मृत्यु हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी। परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3327, H3446, G2464

इसहाक

तथ्य:

इसहाक अब्राहम और सारा का एकलौता पुत्र था। यद्यपि वे वृद्ध थे, परमेश्वर ने उन्हें पुत्र देने की प्रतिज्ञा की थी।

- "इसहाक" का अर्थ है, "वह हँसता है" परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि सारा एक पुत्र को जन्म देगी तब अब्राहम हंस पड़ा था क्योंकि वे दोनों बहुत वृद्ध थे। कुछ समय बाद यह समाचार सुनकर सारा भी हँस दी थी।
- परन्तु परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की और अब्राहम एवं सारा को वृद्धावस्था में पुत्र प्राप्ति हुई।
- परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि उसने अब्राहम के साथ जो वाचा बांधी है वह इसहाक और उसके वंशजों के साथ भी बंधी रहेगी।
- जब इसहाक किशोरावस्था में पहुंचा तब परमेश्वर ने अब्राहम के विश्वास को परखने के लिए उससे कहा कि वह उसके लिए इसहाक को बलि कर दे।
- इसहाक के पुत्र याकूब के बारह पुत्र थे जो आगे चलकर इस्राएल के बारह गोत्र हुए।

(यह भी देखें: अब्राहम, उतरेगा, सर्वदा, पूरा कर, इस्राएल, सारा, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:28-29
- उत्पत्ति 25:9-11
- उत्पत्ति 25:19-20
- उत्पत्ति 26:1
- उत्पत्ति 26:6-8
- उत्पत्ति 28:1-2
- उत्पत्ति 31:17-18
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:04** "तेरी पत्नी सारै के तुझ से एक पुत्र होंगा। और वह वायदे का पुत्र होंगा। और तू उसका नाम इसहाक रखना।"

- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली, “अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।”
- **05:09** अत: अब्राहम ने जाके उस मेढ़े को लिया और अपने पुत्र इसहाक के स्थान पर उसको होमबलि करके चढ़ाया |
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई।
- **07:10** इसहाक की मृत्यु हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी। परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3327, H3446, G2464

इसहाक

तथ्य:

इसहाक अब्राहम और सारा का एकलौता पुत्र था। यद्यपि वे वृद्ध थे, परमेश्वर ने उन्हें पुत्र देने की प्रतिज्ञा की थी।

- “इसहाक” का अर्थ है, “वह हँसता है” परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि सारा एक पुत्र को जन्म देगी तब अब्राहम हंस पड़ा था क्योंकि वे दोनों बहुत वृद्ध थे। कुछ समय बाद यह समाचार सुनकर सारा भी हँस दी थी।
- परन्तु परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की और अब्राहम एवं सारा को वृद्धावस्था में पुत्र प्राप्ति हुई।
- परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि उसने अब्राहम के साथ जो वाचा बांधी है वह इसहाक और उसके वंशजों के साथ भी बंधी रहेगी।
- जब इसहाक किशोरावस्था में पहुंचा तब परमेश्वर ने अब्राहम के विश्वास को परखने के लिए उससे कहा कि वह उसके लिए इसहाक को बलि कर दे।
- इसहाक के पुत्र याकूब के बारह पुत्र थे जो आगे चलकर इस्राएल के बारह गोत्र हुए।

(यह भी देखें: अब्राहम, उतरेगा, सर्वदा, पूरा कर, इस्राएल, सारा, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:28-29
- उत्पत्ति 25:9-11
- उत्पत्ति 25:19-20
- उत्पत्ति 26:1
- उत्पत्ति 26:6-8
- उत्पत्ति 28:1-2
- उत्पत्ति 31:17-18
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:04** “तेरी पत्नी सारै के तुझ से एक पुत्र होंगा। और वह वायदे का पुत्र होंगा। और तू उसका नाम इसहाक रखना।”
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली, “अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।”
- **05:09** अत: अब्राहम ने जाके उस मेढ़े को लिया और अपने पुत्र इसहाक के स्थान पर उसको होमबलि करके चढ़ाया |
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई।
- **07:10** इसहाक की मृत्यु हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी। परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3327, H3446, G2464

इसहाक

तथ्य:

इसहाक अब्राहम और सारा का एकलौता पुत्र था। यद्यपि वे वृद्ध थे, परमेश्वर ने उन्हें पुत्र देने की प्रतिज्ञा की थी।

- “इसहाक” का अर्थ है, “वह हँसता है” परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि सारा एक पुत्र को जन्म देगी तब अब्राहम हंस पड़ा था क्योंकि वे दोनों बहुत वृद्ध थे। कुछ समय बाद यह समाचार सुनकर सारा भी हँस दी थी।
- परन्तु परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की और अब्राहम एवं सारा को वृद्धावस्था में पुत्र प्राप्ति हुई।
- परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि उसने अब्राहम के साथ जो वाचा बांधी है वह इसहाक और उसके वंशजों के साथ भी बंधी रहेगी।
- जब इसहाक किशोरावस्था में पहुंचा तब परमेश्वर ने अब्राहम के विश्वास को परखने के लिए उससे कहा कि वह उसके लिए इसहाक को बलि कर दे।
- इसहाक के पुत्र याकूब के बारह पुत्र थे जो आगे चलकर इस्राएल के बारह गोत्र हुए।

(यह भी देखें: अब्राहम, उतरेगा, सर्वदा, पूरा कर, इस्राएल, सारा, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:28-29
- उत्पत्ति 25:9-11
- उत्पत्ति 25:19-20
- उत्पत्ति 26:1
- उत्पत्ति 26:6-8
- उत्पत्ति 28:1-2
- उत्पत्ति 31:17-18
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:04** “तेरी पत्नी सारै के तुझ से एक पुत्र होंगा। और वह वायदे का पुत्र होंगा। और तू उसका नाम इसहाक रखना।”
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली, “अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।”
- **05:09** अत: अब्राहम ने जाके उस मेढ़े को लिया और अपने पुत्र इसहाक के स्थान पर उसको होमबलि करके चढ़ाया |
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई।
- **07:10** इसहाक की मृत्यु हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी। परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3327, H3446, G2464

इसहाक

तथ्य:

इसहाक अब्राहम और सारा का एकलौता पुत्र था। यद्यपि वे वृद्ध थे, परमेश्वर ने उन्हें पुत्र देने की प्रतिज्ञा की थी।

- “इसहाक” का अर्थ है, “वह हँसता है” परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि सारा एक पुत्र को जन्म देगी तब अब्राहम हंस पड़ा था क्योंकि वे दोनों बहुत वृद्ध थे। कुछ समय बाद यह समाचार सुनकर सारा भी हँस दी थी।
- परन्तु परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की और अब्राहम एवं सारा को वृद्धावस्था में पुत्र प्राप्ति हुई।
- परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि उसने अब्राहम के साथ जो वाचा बांधी है वह इसहाक और उसके वंशजों के साथ भी बंधी रहेगी।
- जब इसहाक किशोरावस्था में पहुंचा तब परमेश्वर ने अब्राहम के विश्वास को परखने के लिए उससे कहा कि वह उसके लिए इसहाक को बलि कर दे।
- इसहाक के पुत्र याकूब के बारह पुत्र थे जो आगे चलकर इस्राएल के बारह गोत्र हुए।

(यह भी देखें: अब्राहम, उतरेगा, सर्वदा, पूरा कर, इस्राएल, सारा, इस्राएल के बारह गोत्र)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:28-29
- उत्पत्ति 25:9-11
- उत्पत्ति 25:19-20
- उत्पत्ति 26:1
- उत्पत्ति 26:6-8
- उत्पत्ति 28:1-2
- उत्पत्ति 31:17-18
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:04** "तेरी पत्नी सारै के तुझ से एक पुत्र होंगा। और वह वायदे का पुत्र होंगा। और तू उसका नाम इसहाक रखना।"
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली, "अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।"
- **05:09** अत: अब्राहम ने जाके उस मेढ़े को लिया और अपने पुत्र इसहाक के स्थान पर उसको होमबलि करके चढ़ाया |
- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई।
- **07:10** इसहाक की मृत्यु हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी। परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3327, H3446, G2464

इसहाक

तथ्य:

इसहाक अब्राहम और सारा का एकलौता पुत्र था। यद्यपि वे वृद्ध थे, परमेश्वर ने उन्हें पुत्र देने की प्रतिज्ञा की थी।

- "इसहाक" का अर्थ है, "वह हँसता है" परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि सारा एक पुत्र को जन्म देगी तब अब्राहम हंस पड़ा था क्योंकि वे दोनों बहुत वृद्ध थे। कुछ समय बाद यह समाचार सुनकर सारा भी हँस दी थी।
- परन्तु परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की और अब्राहम एवं सारा को वृद्धावस्था में पुत्र प्राप्ति हुई।
- परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि उसने अब्राहम के साथ जो वाचा बांधी है वह इसहाक और उसके वंशजों के साथ भी बंधी रहेगी।
- जब इसहाक किशोरावस्था में पहुंचा तब परमेश्वर ने अब्राहम के विश्वास को परखने के लिए उससे कहा कि वह उसके लिए इसहाक को बलि कर दे।
- इसहाक के पुत्र याकूब के बारह पुत्र थे जो आगे चलकर इस्राएल के बारह गोत्र हुए।

(यह भी देखें: अब्राहम, उतरेगा, सर्वदा, पूरा कर, इस्राएल, सारा, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:28-29
- उत्पत्ति 25:9-11
- उत्पत्ति 25:19-20
- उत्पत्ति 26:1
- उत्पत्ति 26:6-8
- उत्पत्ति 28:1-2
- उत्पत्ति 31:17-18
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:04** "तेरी पत्नी सारै के तुझ से एक पुत्र होंगा। और वह वायदे का पुत्र होंगा। और तू उसका नाम इसहाक रखना।"
- **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली, "अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।"
- **05:09** अत: अब्राहम ने जाके उस मेढ़े को लिया और अपने पुत्र इसहाक के स्थान पर उसको होमबलि करके चढ़ाया |

- **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई।
- **07:10** इसहाक की मृत्यु हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी। परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3327, H3446, G2464

इस्राएल, इस्राएली

तथ्य:

“इस्राएल” परमेश्वर द्वारा याकूब को दिया गया नाम था। इसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है”

- याकूब के वंशज “इस्राएल की प्रजा”, “इस्राएल जाति” या “इस्राएली” कहलाए।
- परमेश्वर ने इस्राएल की प्रजा से वाचा बांधी थी। वे उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राएल जाति बारह गोत्रों की थी।
- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल दो राज्य विभाजित हो गया था। दक्षिणी राज्य जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी राज्य “इस्राएल”।
- इस्राएल का अनुवाद “इस्राएली प्रजा” या “इस्राएल जाति” किया जाता है, जो प्रकरण पर निर्भर करता है।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के राज्य, यहूदा, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:1-3
- 1 राजा 08:1-2
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 24:21
- मरकुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:15** बारह पुत्रों की सन्तान से इस्राएल के बारह गोत्र बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने इस्राएलियों से कठोरता के साथ सेवा करवाई, और यहाँ तक कि कई इमारते व पूरे नगर का निर्माण करवाया।
- **09:05** एक इस्राएली महिला ने पुत्र को जन्म दिया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राएल का परमेश्वर यों कहता है, ‘मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** परन्तु इन सब के बावजूद भी, इस्राएली परमेश्वर व मूसा के विरुद्ध बुड़बुड़ाते रहें।
- **15:09** परमेश्वर उस दिन इस्राएल के लिए लड़े। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से एमोरियों को घात किया।
- **15:12** युद्ध के बाद, परमेश्वर ने इस्राएलियों को वह सारा देश दिया, जिसे उसने उनको पूर्वजों से शपथ खाकर देने को कहा था; और वे उसके अधिकारी होकर उसमे बस गए। तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ शांति प्रदान की |
- **16:16** तो परमेश्वर ने इस्राएलियों को फिर से दंडित किया, क्योंकि उन्होंने मूर्ति की उपासना की थी।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

इस्राएल, इस्राएली

तथ्य:

“इस्राएल” परमेश्वर द्वारा याकूब को दिया गया नाम था। इसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है”

- याकूब के वंशज “इस्राएल की प्रजा”, “इस्राएल जाति” या “इस्राएली” कहलाए।
- परमेश्वर ने इस्राएल की प्रजा से वाचा बांधी थी। वे उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राएल जाति बारह गोत्रों की थी।
- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल दो राज्य विभाजित हो गया था। दक्षिणी राज्य जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी राज्य “इस्राएल”।
- इस्राएल का अनुवाद “इस्राएली प्रजा” या “इस्राएल जाति” किया जाता है, जो प्रकरण पर निर्भर करता है।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के राज्य, यहूदा, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:1-3
- 1 राजा 08:1-2
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 24:21
- मरकुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:15** बारह पुत्रों की सन्तान से इस्राएल के बारह गोत्र बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने इस्राएलियों से कठोरता के साथ सेवा करवाई, और यहाँ तक कि कई इमारते व पूरे नगर का निर्माण करवाया।
- **09:05** एक इस्राएली महिला ने पुत्र को जन्म दिया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राएल का परमेश्वर यों कहता है, ‘मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** परन्तु इन सब के बावजूद भी, इस्राएली परमेश्वर व मूसा के विरुद्ध बुड़बुड़ाते रहें।
- **15:09** परमेश्वर उस दिन इस्राएल के लिए लड़े। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से एमोरियों को घात किया।
- **15:12** युद्ध के बाद, परमेश्वर ने इस्राएलियों को वह सारा देश दिया, जिसे उसने उनको पूर्वजों से शपथ खाकर देने को कहा था; और वे उसके अधिकारी होकर उसमे बस गए। तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ शांति प्रदान की |
- **16:16** तो परमेश्वर ने इस्राएलियों को फिर से दंडित किया, क्योंकि उन्होंने मूर्ति की उपासना की थी।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

इस्राएल, इस्राएली

तथ्य:

“इस्राएल” परमेश्वर द्वारा याकूब को दिया गया नाम था। इसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है”

- याकूब के वंशज “इस्राएल की प्रजा”, “इस्राएल जाति” या “इस्राएली” कहलाए।
- परमेश्वर ने इस्राएल की प्रजा से वाचा बांधी थी। वे उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राएल जाति बारह गोत्रों की थी।
- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल दो राज्य विभाजित हो गया था। दक्षिणी राज्य जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी राज्य “इस्राएल”।
- इस्राएल का अनुवाद “इस्राएली प्रजा” या “इस्राएल जाति” किया जाता है, जो प्रकरण पर निर्भर करता है।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के राज्य, यहूदा, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:1-3
- 1 राजा 08:1-2
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 24:21
- मरकुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:15** बारह पुत्रों की सन्तान से इस्राएल के बारह गोत्र बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने इस्राएलियों से कठोरता के साथ सेवा करवाई, और यहाँ तक कि कई इमारते व पूरे नगर का निर्माण करवाया।
- **09:05** एक इस्राएली महिला ने पुत्र को जन्म दिया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राएल का परमेश्वर यों कहता है, ‘मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** परन्तु इन सब के बावजूद भी, इस्राएली परमेश्वर व मूसा के विरुद्ध बुड़बुड़ाते रहें।
- **15:09** परमेश्वर उस दिन इस्राएल के लिए लड़े। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से एमोरियों को घात किया।
- **15:12** युद्ध के बाद, परमेश्वर ने इस्राएलियों को वह सारा देश दिया, जिसे उसने उनको पूर्वजों से शपथ खाकर देने को कहा था; और वे उसके अधिकारी होकर उसमे बस गए। तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ शांति प्रदान की |
- **16:16** तो परमेश्वर ने इस्राएलियों को फिर से दंडित किया, क्योंकि उन्होंने मूर्ति की उपासना की थी।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

इस्राएल, इस्राएली

तथ्य:

“इस्राएल” परमेश्वर द्वारा याकूब को दिया गया नाम था। इसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है”

- याकूब के वंशज “इस्राएल की प्रजा”, “इस्राएल जाति” या “इस्राएली” कहलाए।
- परमेश्वर ने इस्राएल की प्रजा से वाचा बांधी थी। वे उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राएल जाति बारह गोत्रों की थी।
- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल दो राज्य विभाजित हो गया था। दक्षिणी राज्य जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी राज्य “इस्राएल”।
- इस्राएल का अनुवाद “इस्राएली प्रजा” या “इस्राएल जाति” किया जाता है, जो प्रकरण पर निर्भर करता है।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के राज्य, यहूदा, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:1-3
- 1 राजा 08:1-2
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 24:21
- मरकुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:15** बारह पुत्रों की सन्तान से इस्राएल के बारह गोत्र बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने इस्राएलियों से कठोरता के साथ सेवा करवाई, और यहाँ तक कि कई इमारते व पूरे नगर का निर्माण करवाया।
- **09:05** एक इस्राएली महिला ने पुत्र को जन्म दिया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राएल का परमेश्वर यों कहता है, ‘मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** परन्तु इन सब के बावजूद भी, इस्राएली परमेश्वर व मूसा के विरुद्ध बुड़बुड़ाते रहें।
- **15:09** परमेश्वर उस दिन इस्राएल के लिए लड़े। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से एमोरियों को घात किया।
- **15:12** युद्ध के बाद, परमेश्वर ने इस्राएलियों को वह सारा देश दिया, जिसे उसने उनको पूर्वजों से शपथ खाकर देने को कहा था; और वे उसके अधिकारी होकर उसमे बस गए। तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ शांति प्रदान की |
- **16:16** तो परमेश्वर ने इस्राएलियों को फिर से दंडित किया, क्योंकि उन्होंने मूर्ति की उपासना की थी।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

इस्राएल, इस्राएली

तथ्य:

“इस्राएल” परमेश्वर द्वारा याकूब को दिया गया नाम था। इसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है”

- याकूब के वंशज “इस्राएल की प्रजा”, “इस्राएल जाति” या “इस्राएली” कहलाए।
- परमेश्वर ने इस्राएल की प्रजा से वाचा बांधी थी। वे उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राएल जाति बारह गोत्रों की थी।
- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल दो राज्य विभाजित हो गया था। दक्षिणी राज्य जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी राज्य “इस्राएल”।
- इस्राएल का अनुवाद “इस्राएली प्रजा” या “इस्राएल जाति” किया जाता है, जो प्रकरण पर निर्भर करता है।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के राज्य, यहूदा, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:1-3
- 1 राजा 08:1-2
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 24:21
- मरकुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:15** बारह पुत्रों की सन्तान से इस्राएल के बारह गोत्र बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने इस्राएलियों से कठोरता के साथ सेवा करवाई, और यहाँ तक कि कई इमारते व पूरे नगर का निर्माण करवाया।
- **09:05** एक इस्राएली महिला ने पुत्र को जन्म दिया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राएल का परमेश्वर यों कहता है, ‘मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** परन्तु इन सब के बावजूद भी, इस्राएली परमेश्वर व मूसा के विरुद्ध बुड़बुड़ाते रहें।
- **15:09** परमेश्वर उस दिन इस्राएल के लिए लड़े। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से एमोरियों को घात किया।
- **15:12** युद्ध के बाद, परमेश्वर ने इस्राएलियों को वह सारा देश दिया, जिसे उसने उनको पूर्वजों से शपथ खाकर देने को कहा था; और वे उसके अधिकारी होकर उसमे बस गए। तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ शांति प्रदान की |
- **16:16** तो परमेश्वर ने इस्राएलियों को फिर से दंडित किया, क्योंकि उन्होंने मूर्ति की उपासना की थी।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

इस्राएल, इस्राएली

तथ्य:

“इस्राएल” परमेश्वर द्वारा याकूब को दिया गया नाम था। इसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है”

- याकूब के वंशज “इस्राएल की प्रजा”, “इस्राएल जाति” या “इस्राएली” कहलाए।
- परमेश्वर ने इस्राएल की प्रजा से वाचा बांधी थी। वे उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राएल जाति बारह गोत्रों की थी।
- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल दो राज्य विभाजित हो गया था। दक्षिणी राज्य जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी राज्य “इस्राएल”।
- इस्राएल का अनुवाद “इस्राएली प्रजा” या “इस्राएल जाति” किया जाता है, जो प्रकरण पर निर्भर करता है।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के राज्य, यहूदा, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:1-3
- 1 राजा 08:1-2
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 24:21
- मरकुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:15** बारह पुत्रों की सन्तान से इस्राएल के बारह गोत्र बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने इस्राएलियों से कठोरता के साथ सेवा करवाई, और यहाँ तक कि कई इमारते व पूरे नगर का निर्माण करवाया।
- **09:05** एक इस्राएली महिला ने पुत्र को जन्म दिया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राएल का परमेश्वर यों कहता है, ‘मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** परन्तु इन सब के बावजूद भी, इस्राएली परमेश्वर व मूसा के विरुद्ध बुड़बुड़ाते रहें।
- **15:09** परमेश्वर उस दिन इस्राएल के लिए लड़े। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से एमोरियों को घात किया।
- **15:12** युद्ध के बाद, परमेश्वर ने इस्राएलियों को वह सारा देश दिया, जिसे उसने उनको पूर्वजों से शपथ खाकर देने को कहा था; और वे उसके अधिकारी होकर उसमे बस गए। तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ शांति प्रदान की |
- **16:16** तो परमेश्वर ने इस्राएलियों को फिर से दंडित किया, क्योंकि उन्होंने मूर्ति की उपासना की थी।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

इस्राएल, इस्राएली

तथ्य:

“इस्राएल” परमेश्वर द्वारा याकूब को दिया गया नाम था। इसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है”

- याकूब के वंशज “इस्राएल की प्रजा”, “इस्राएल जाति” या “इस्राएली” कहलाए।
- परमेश्वर ने इस्राएल की प्रजा से वाचा बांधी थी। वे उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राएल जाति बारह गोत्रों की थी।

- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल दो राज्य विभाजित हो गया था। दक्षिणी राज्य जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी राज्य “इस्राएल”।
- इस्राएल का अनुवाद “इस्राएली प्रजा” या “इस्राएल जाति” किया जाता है, जो प्रकरण पर निर्भर करता है।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के राज्य, यहूदा, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:1-3
- 1 राजा 08:1-2
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 24:21
- मरकुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:15** बारह पुत्रों की सन्तान से इस्राएल के बारह गोत्र बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने इस्राएलियों से कठोरता के साथ सेवा करवाई, और यहाँ तक कि कई इमारते व पूरे नगर का निर्माण करवाया।
- **09:05** एक इस्राएली महिला ने पुत्र को जन्म दिया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राएल का परमेश्वर यों कहता है, ‘मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** परन्तु इन सब के बावजूद भी, इस्राएली परमेश्वर व मूसा के विरुद्ध बुड़बुड़ाते रहें।
- **15:09** परमेश्वर उस दिन इस्राएल के लिए लड़े। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से एमोरियों को घात किया।
- **15:12** युद्ध के बाद, परमेश्वर ने इस्राएलियों को वह सारा देश दिया, जिसे उसने उनको पूर्वजों से शपथ खाकर देने को कहा था; और वे उसके अधिकारी होकर उसमे बस गए। तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ शांति प्रदान की |
- **16:16** तो परमेश्वर ने इस्राएलियों को फिर से दंडित किया, क्योंकि उन्होंने मूर्ति की उपासना की थी।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

इस्राएल, इस्राएली

तथ्य:

“इस्राएल” परमेश्वर द्वारा याकूब को दिया गया नाम था। इसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है”

- याकूब के वंशज “इस्राएल की प्रजा”, “इस्राएल जाति” या “इस्राएली” कहलाए।
- परमेश्वर ने इस्राएल की प्रजा से वाचा बांधी थी। वे उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राएल जाति बारह गोत्रों की थी।
- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल दो राज्य विभाजित हो गया था। दक्षिणी राज्य जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी राज्य “इस्राएल”।
- इस्राएल का अनुवाद “इस्राएली प्रजा” या “इस्राएल जाति” किया जाता है, जो प्रकरण पर निर्भर करता है।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के राज्य, यहूदा, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:1-3
- 1 राजा 08:1-2
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51

- लूका 24:21
- मरकुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:15** बारह पुत्रों की सन्तान से इस्राएल के बारह गोत्र बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने इस्राएलियों से कठोरता के साथ सेवा करवाई, और यहाँ तक कि कई इमारते व पूरे नगर का निर्माण करवाया।
- **09:05** एक इस्राएली महिला ने पुत्र को जन्म दिया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राएल का परमेश्वर यों कहता है, ‘मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** परन्तु इन सब के बावजूद भी, इस्राएली परमेश्वर व मूसा के विरुद्ध बुड़बुड़ाते रहें।
- **15:09** परमेश्वर उस दिन इस्राएल के लिए लड़े। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से एमोरियों को घात किया।
- **15:12** युद्ध के बाद, परमेश्वर ने इस्राएलियों को वह सारा देश दिया, जिसे उसने उनको पूर्वजों से शपथ खाकर देने को कहा था; और वे उसके अधिकारी होकर उसमे बस गए। तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ शांति प्रदान की |
- **16:16** तो परमेश्वर ने इस्राएलियों को फिर से दंडित किया, क्योंकि उन्होंने मूर्ति की उपासना की थी।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

इस्राएल, इस्राएली

तथ्य:

“इस्राएल” परमेश्वर द्वारा याकूब को दिया गया नाम था। इसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है”

- याकूब के वंशज “इस्राएल की प्रजा”, “इस्राएल जाति” या “इस्राएली” कहलाए।
- परमेश्वर ने इस्राएल की प्रजा से वाचा बांधी थी। वे उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राएल जाति बारह गोत्रों की थी।
- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल दो राज्य विभाजित हो गया था। दक्षिणी राज्य जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी राज्य “इस्राएल”।
- इस्राएल का अनुवाद “इस्राएली प्रजा” या “इस्राएल जाति” किया जाता है, जो प्रकरण पर निर्भर करता है।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के राज्य, यहूदा, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:1-3
- 1 राजा 08:1-2
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 24:21
- मरकुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:15** बारह पुत्रों की सन्तान से इस्राएल के बारह गोत्र बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने इस्राएलियों से कठोरता के साथ सेवा करवाई, और यहाँ तक कि कई इमारते व पूरे नगर का निर्माण करवाया।
- **09:05** एक इस्राएली महिला ने पुत्र को जन्म दिया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राएल का परमेश्वर यों कहता है, ‘मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** परन्तु इन सब के बावजूद भी, इस्राएली परमेश्वर व मूसा के विरुद्ध बुड़बुड़ाते रहें।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- **15:09** परमेश्वर उस दिन इस्राएल के लिए लड़े। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से एमोरियों को घात किया।
- **15:12** युद्ध के बाद, परमेश्वर ने इस्राएलियों को वह सारा देश दिया, जिसे उसने उनको पूर्वजों से शपथ खाकर देने को कहा था; और वे उसके अधिकारी होकर उसमे बस गए। तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ शांति प्रदान की |
- **16:16** तो परमेश्वर ने इस्राएलियों को फिर से दंडित किया, क्योंकि उन्होंने मूर्ति की उपासना की थी।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

इस्राएल, इस्राएली

तथ्य:

“इस्राएल” परमेश्वर द्वारा याकूब को दिया गया नाम था। इसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है”

- याकूब के वंशज “इस्राएल की प्रजा”, “इस्राएल जाति” या “इस्राएली” कहलाए।
- परमेश्वर ने इस्राएल की प्रजा से वाचा बांधी थी। वे उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राएल जाति बारह गोत्रों की थी।
- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल दो राज्य विभाजित हो गया था। दक्षिणी राज्य जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी राज्य “इस्राएल”।
- इस्राएल का अनुवाद “इस्राएली प्रजा” या “इस्राएल जाति” किया जाता है, जो प्रकरण पर निर्भर करता है।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के राज्य, यहूदा, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:1-3
- 1 राजा 08:1-2
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 24:21
- मरकुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:15** बारह पुत्रों की सन्तान से इस्राएल के बारह गोत्र बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने इस्राएलियों से कठोरता के साथ सेवा करवाई, और यहाँ तक कि कई इमारते व पूरे नगर का निर्माण करवाया।
- **09:05** एक इस्राएली महिला ने पुत्र को जन्म दिया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राएल का परमेश्वर यों कहता है, ‘मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** परन्तु इन सब के बावजूद भी, इस्राएली परमेश्वर व मूसा के विरुद्ध बुड़बुड़ाते रहें।
- **15:09** परमेश्वर उस दिन इस्राएल के लिए लड़े। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से एमोरियों को घात किया।
- **15:12** युद्ध के बाद, परमेश्वर ने इस्राएलियों को वह सारा देश दिया, जिसे उसने उनको पूर्वजों से शपथ खाकर देने को कहा था; और वे उसके अधिकारी होकर उसमे बस गए। तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ शांति प्रदान की |
- **16:16** तो परमेश्वर ने इस्राएलियों को फिर से दंडित किया, क्योंकि उन्होंने मूर्ति की उपासना की थी।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

इस्राएल, इस्राएली

तथ्य:

“इस्राएल” परमेश्वर द्वारा याकूब को दिया गया नाम था। इसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है”

- याकूब के वंशज “इस्राएल की प्रजा”, “इस्राएल जाति” या “इस्राएली” कहलाए।
- परमेश्वर ने इस्राएल की प्रजा से वाचा बांधी थी। वे उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राएल जाति बारह गोत्रों की थी।
- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल दो राज्य विभाजित हो गया था। दक्षिणी राज्य जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी राज्य “इस्राएल”।
- इस्राएल का अनुवाद “इस्राएली प्रजा” या “इस्राएल जाति” किया जाता है, जो प्रकरण पर निर्भर करता है।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के राज्य, यहूदा, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:1-3
- 1 राजा 08:1-2
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 24:21
- मरकुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:15** बारह पुत्रों की सन्तान से इस्राएल के बारह गोत्र बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने इस्राएलियों से कठोरता के साथ सेवा करवाई, और यहाँ तक कि कई इमारते व पूरे नगर का निर्माण करवाया।
- **09:05** एक इस्राएली महिला ने पुत्र को जन्म दिया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राएल का परमेश्वर यों कहता है, ‘मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** परन्तु इन सब के बावजूद भी, इस्राएली परमेश्वर व मूसा के विरुद्ध बुड़बुड़ाते रहें।
- **15:09** परमेश्वर उस दिन इस्राएल के लिए लड़े। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से एमोरियों को घात किया।
- **15:12** युद्ध के बाद, परमेश्वर ने इस्राएलियों को वह सारा देश दिया, जिसे उसने उनको पूर्वजों से शपथ खाकर देने को कहा था; और वे उसके अधिकारी होकर उसमे बस गए। तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ शांति प्रदान की |
- **16:16** तो परमेश्वर ने इस्राएलियों को फिर से दंडित किया, क्योंकि उन्होंने मूर्ति की उपासना की थी।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

इस्राएल, इस्राएली

तथ्य:

“इस्राएल” परमेश्वर द्वारा याकूब को दिया गया नाम था। इसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है”

- याकूब के वंशज “इस्राएल की प्रजा”, “इस्राएल जाति” या “इस्राएली” कहलाए।
- परमेश्वर ने इस्राएल की प्रजा से वाचा बांधी थी। वे उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राएल जाति बारह गोत्रों की थी।
- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल दो राज्य विभाजित हो गया था। दक्षिणी राज्य जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी राज्य “इस्राएल”।
- इस्राएल का अनुवाद “इस्राएली प्रजा” या “इस्राएल जाति” किया जाता है, जो प्रकरण पर निर्भर करता है।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के राज्य, यहूदा, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:1-3
- 1 राजा 08:1-2
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 24:21
- मरकुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:15** बारह पुत्रों की सन्तान से इस्राएल के बारह गोत्र बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने इस्राएलियों से कठोरता के साथ सेवा करवाई, और यहाँ तक कि कई इमारते व पूरे नगर का निर्माण करवाया।
- **09:05** एक इस्राएली महिला ने पुत्र को जन्म दिया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राएल का परमेश्वर यों कहता है, ‘मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** परन्तु इन सब के बावजूद भी, इस्राएली परमेश्वर व मूसा के विरुद्ध बुड़बुड़ाते रहें।
- **15:09** परमेश्वर उस दिन इस्राएल के लिए लड़े। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से एमोरियों को घात किया।
- **15:12** युद्ध के बाद, परमेश्वर ने इस्राएलियों को वह सारा देश दिया, जिसे उसने उनको पूर्वजों से शपथ खाकर देने को कहा था; और वे उसके अधिकारी होकर उसमे बस गए। तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ शांति प्रदान की |
- **16:16** तो परमेश्वर ने इस्राएलियों को फिर से दंडित किया, क्योंकि उन्होंने मूर्ति की उपासना की थी।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

इस्राएल, इस्राएली

तथ्य:

“इस्राएल” परमेश्वर द्वारा याकूब को दिया गया नाम था। इसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है”

- याकूब के वंशज “इस्राएल की प्रजा”, “इस्राएल जाति” या “इस्राएली” कहलाए।
- परमेश्वर ने इस्राएल की प्रजा से वाचा बांधी थी। वे उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राएल जाति बारह गोत्रों की थी।
- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल दो राज्य विभाजित हो गया था। दक्षिणी राज्य जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी राज्य “इस्राएल”।
- इस्राएल का अनुवाद “इस्राएली प्रजा” या “इस्राएल जाति” किया जाता है, जो प्रकरण पर निर्भर करता है।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के राज्य, यहूदा, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:1-3
- 1 राजा 08:1-2
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 24:21
- मरकुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फिलिप्पियों 03:4-5

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:15** बारह पुत्रों की सन्तान से इस्राएल के बारह गोत्र बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने इस्राएलियों से कठोरता के साथ सेवा करवाई, और यहाँ तक कि कई इमारते व पूरे नगर का निर्माण करवाया।
- **09:05** एक इस्राएली महिला ने पुत्र को जन्म दिया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राएल का परमेश्वर यों कहता है, ‘मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** परन्तु इन सब के बावजूद भी, इस्राएली परमेश्वर व मूसा के विरुद्ध बुड़बुड़ाते रहें।
- **15:09** परमेश्वर उस दिन इस्राएल के लिए लड़े। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से एमोरियों को घात किया।
- **15:12** युद्ध के बाद, परमेश्वर ने इस्राएलियों को वह सारा देश दिया, जिसे उसने उनको पूर्वजों से शपथ खाकर देने को कहा था; और वे उसके अधिकारी होकर उसमे बस गए। तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ शांति प्रदान की |
- **16:16** तो परमेश्वर ने इस्राएलियों को फिर से दंडित किया, क्योंकि उन्होंने मूर्ति की उपासना की थी।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

इस्राएल, इस्राएली, इस्राएलियों, याकूब

तथ्य:

याकूब इसहाक और रिबका के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

- याकूब का अर्थ है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका अर्थ है, “वह छल करता है।” जन्म के समय याकूब अपने जुड़वा भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए था।
- वर्षों बाद परमेश्वर ने याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा जिसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।”
- याकूब चतुर और धोखा देने वाला था। उसने अपने बड़े भाई एसाव से उसकी पहलौठे की आशिर्षे और अधिकार प्राप्त करने की युक्ति खोज ली थी।
- एसाव इस पर बहुत क्रोधित हुआ और उसकी हत्या करने की योजना बनाई, अतः याकूब अपने घर से भाग गया। वर्षों बाद याकूब अपनी पत्नियों एवं सन्तान के साथ कनान लौटा, एसाव भी वहीं रहता था। दोनों के कुटुम्ब शान्ति-पूर्वक रहने लगे।
- याकूब के बारह पुत्र थे। उनके वंशज इस्राएल के बारह गोत्र हुए।
- मत्ती रचित सुसमाचार में जो वंशावली दी गई है उसमें एक और याकूब का उल्लेख किया गया है, वह यूसुफ का पिता था।

(यह भी देखें: कनान, धोखा, एसाव, इसहाक, इस्राएल, रिबका, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:11-13
- प्रे.का. 07:44-46
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 29:1-3
- उत्पत्ति 32:1-2
- यूहन्ना 04:4-5
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 07:01__फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका __याकूब से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था। याकूब सीधा मनुष्य था और तम्बुओ में रहा करता था, परन्तु एसाव तो वनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **07:07** जब याकूब वहा था ,उसी दौरान याकूब ने चार स्त्रियों से विवाह किया और उसके बारह पुत्र और एक पुत्री उत्पन्न हुई। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान बनाया।
- **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।
- 08:01__कई साल बाद, जब __याकूब वृद्ध हो गया, तो उसने अपने प्रिय पुत्र यूसुफ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3290, G2384

इस्राएल, इस्राएली, इस्राएलियों, याकूब

तथ्य:

याकूब इसहाक और रिबका के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

- याकूब का अर्थ है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका अर्थ है, “वह छल करता है।” जन्म के समय याकूब अपने जुड़वा भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए था।
- वर्षों बाद परमेश्वर ने याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा जिसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।”
- याकूब चतुर और धोखा देने वाला था। उसने अपने बड़े भाई एसाव से उसकी पहलौठे की आशिषें और अधिकार प्राप्त करने की युक्ति खोज ली थी।
- एसाव इस पर बहुत क्रोधित हुआ और उसकी हत्या करने की योजना बनाई, अतः याकूब अपने घर से भाग गया। वर्षों बाद याकूब अपनी पत्नियों एवं सन्तान के साथ कनान लौटा, एसाव भी वहीं रहता था। दोनों के कुटुम्ब शान्ति-पूर्वक रहने लगे।
- याकूब के बारह पुत्र थे। उनके वंशज इस्राएल के बारह गोत्र हुए।
- मत्ती रचित सुसमाचार में जो वंशावली दी गई है उसमें एक और याकूब का उल्लेख किया गया है, वह यूसुफ का पिता था।

(यह भी देखें: कनान, धोखा, एसाव, इसहाक, इस्राएल, रिबका, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:11-13
- प्रे.का. 07:44-46
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 29:1-3
- उत्पत्ति 32:1-2
- यूहन्ना 04:4-5
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 07:01__फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका __याकूब से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था। याकूब सीधा मनुष्य था और तम्बुओ में रहा करता था, परन्तु एसाव तो वनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **07:07** जब याकूब वहा था ,उसी दौरान याकूब ने चार स्त्रियों से विवाह किया और उसके बारह पुत्र और एक पुत्री उत्पन्न हुई। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान बनाया।
- **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।
- 08:01__कई साल बाद, जब __याकूब वृद्ध हो गया, तो उसने अपने प्रिय पुत्र यूसुफ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3290, G2384

इस्राएल, इस्राएली, इस्राएलियों, याकूब

तथ्य:

याकूब इसहाक और रिबका के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

- याकूब का अर्थ है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका अर्थ है, “वह छल करता है।” जन्म के समय याकूब अपने जुड़वा भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए था।
- वर्षों बाद परमेश्वर ने याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा जिसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।”
- याकूब चतुर और धोखा देने वाला था। उसने अपने बड़े भाई एसाव से उसकी पहलौठे की आशिषें और अधिकार प्राप्त करने की युक्ति खोज ली थी।

- एसाव इस पर बहुत क्रोधित हुआ और उसकी हत्या करने की योजना बनाई, अतः याकूब अपने घर से भाग गया। वर्षों बाद याकूब अपनी पत्नियों एवं सन्तान के साथ कनान लौटा, एसाव भी वहीं रहता था। दोनों के कुटुम्ब शान्ति-पूर्वक रहने लगे।
- याकूब के बारह पुत्र थे। उनके वंशज इस्राएल के बारह गोत्र हुए।
- मत्ती रचित सुसमाचार में जो वंशावली दी गई है उसमें एक और याकूब का उल्लेख किया गया है, वह यूसुफ का पिता था।

(यह भी देखें: कनान, धोखा, एसाव, इसहाक, इस्राएल, रिबका, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:11-13
- प्रे.का. 07:44-46
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 29:1-3
- उत्पत्ति 32:1-2
- यूहन्ना 04:4-5
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 07:01__फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका __याकूब से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था। याकूब सीधा मनुष्य था और तम्बुओ में रहा करता था, परन्तु एसाव तो वनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **07:07** जब याकूब वहा था ,उसी दौरान याकूब ने चार स्त्रियों से विवाह किया और उसके बारह पुत्र और एक पुत्री उत्पन्न हुई। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान बनाया।
- **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।
- 08:01__कई साल बाद, जब __याकूब वृद्ध हो गया, तो उसने अपने प्रिय पुत्र यूसुफ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3290, G2384

इस्राएल, इस्राएली, इस्राएलियों, याकूब

तथ्य:

याकूब इसहाक और रिबका के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

- याकूब का अर्थ है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका अर्थ है, “वह छल करता है।” जन्म के समय याकूब अपने जुड़वा भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए था।
- वर्षों बाद परमेश्वर ने याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा जिसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।”
- याकूब चतुर और धोखा देने वाला था। उसने अपने बड़े भाई एसाव से उसकी पहलौठे की आशिषें और अधिकार प्राप्त करने की युक्ति खोज ली थी।
- एसाव इस पर बहुत क्रोधित हुआ और उसकी हत्या करने की योजना बनाई, अतः याकूब अपने घर से भाग गया। वर्षों बाद याकूब अपनी पत्नियों एवं सन्तान के साथ कनान लौटा, एसाव भी वहीं रहता था। दोनों के कुटुम्ब शान्ति-पूर्वक रहने लगे।
- याकूब के बारह पुत्र थे। उनके वंशज इस्राएल के बारह गोत्र हुए।
- मत्ती रचित सुसमाचार में जो वंशावली दी गई है उसमें एक और याकूब का उल्लेख किया गया है, वह यूसुफ का पिता था।

(यह भी देखें: कनान, धोखा, एसाव, इसहाक, इस्राएल, रिबका, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:11-13
- प्रे.का. 07:44-46
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 29:1-3
- उत्पत्ति 32:1-2
- यूहन्ना 04:4-5

- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 07:01__फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका __याकूब से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था। याकूब सीधा मनुष्य था और तम्बुओ में रहा करता था, परन्तु एसाव तो वनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **07:07** जब याकूब वहा था ,उसी दौरान याकूब ने चार स्त्रियों से विवाह किया और उसके बारह पुत्र और एक पुत्री उत्पन्न हुई। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान बनाया।
- **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।
- 08:01__कई साल बाद, जब __याकूब वृद्ध हो गया, तो उसने अपने प्रिय पुत्र यूसुफ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3290, G2384

इस्राएल, इस्राएली, इस्राएलियों, याकूब

तथ्य:

याकूब इसहाक और रिबका के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

- याकूब का अर्थ है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका अर्थ है, “वह छल करता है।” जन्म के समय याकूब अपने जुड़वा भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए था।
- वर्षों बाद परमेश्वर ने याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा जिसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।”
- याकूब चतुर और धोखा देने वाला था। उसने अपने बड़े भाई एसाव से उसकी पहलौठे की आशिर्षे और अधिकार प्राप्त करने की युक्ति खोज ली थी।
- एसाव इस पर बहुत क्रोधित हुआ और उसकी हत्या करने की योजना बनाई, अतः याकूब अपने घर से भाग गया। वर्षों बाद याकूब अपनी पत्नियों एवं सन्तान के साथ कनान लौटा, एसाव भी वहीं रहता था। दोनों के कुटुम्ब शान्ति-पूर्वक रहने लगे।
- याकूब के बारह पुत्र थे। उनके वंशज इस्राएल के बारह गोत्र हुए।
- मत्ती रचित सुसमाचार में जो वंशावली दी गई है उसमें एक और याकूब का उल्लेख किया गया है, वह यूसुफ का पिता था।

(यह भी देखें: कनान, धोखा, एसाव, इसहाक, इस्राएल, रिबका, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:11-13
- प्रे.का. 07:44-46
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 29:1-3
- उत्पत्ति 32:1-2
- यूहन्ना 04:4-5
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 07:01__फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका __याकूब से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था। याकूब सीधा मनुष्य था और तम्बुओ में रहा करता था, परन्तु एसाव तो वनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **07:07** जब याकूब वहा था ,उसी दौरान याकूब ने चार स्त्रियों से विवाह किया और उसके बारह पुत्र और एक पुत्री उत्पन्न हुई। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान बनाया।
- **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।
- 08:01__कई साल बाद, जब __याकूब वृद्ध हो गया, तो उसने अपने प्रिय पुत्र यूसुफ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3290, G2384

इस्राएल, इस्राएली, इस्राएलियों, याकूब

तथ्य:

याकूब इसहाक और रिबका के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

- याकूब का अर्थ है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका अर्थ है, “वह छल करता है।” जन्म के समय याकूब अपने जुड़वा भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए था।
- वर्षों बाद परमेश्वर ने याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा जिसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।”
- याकूब चतुर और धोखा देने वाला था। उसने अपने बड़े भाई एसाव से उसकी पहलौठे की आशिषें और अधिकार प्राप्त करने की युक्ति खोज ली थी।
- एसाव इस पर बहुत क्रोधित हुआ और उसकी हत्या करने की योजना बनाई, अतः याकूब अपने घर से भाग गया। वर्षों बाद याकूब अपनी पत्नियों एवं सन्तान के साथ कनान लौटा, एसाव भी वहीं रहता था। दोनों के कुटुम्ब शान्ति-पूर्वक रहने लगे।
- याकूब के बारह पुत्र थे। उनके वंशज इस्राएल के बारह गोत्र हुए।
- मत्ती रचित सुसमाचार में जो वंशावली दी गई है उसमें एक और याकूब का उल्लेख किया गया है, वह यूसुफ का पिता था।

(यह भी देखें: कनान, धोखा, एसाव, इसहाक, इस्राएल, रिबका, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:11-13
- प्रे.का. 07:44-46
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 29:1-3
- उत्पत्ति 32:1-2
- यूहन्ना 04:4-5
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 07:01__फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका __याकूब से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था। याकूब सीधा मनुष्य था और तम्बुओ में रहा करता था, परन्तु एसाव तो वनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **07:07** जब याकूब वहा था ,उसी दौरान याकूब ने चार स्त्रियों से विवाह किया और उसके बारह पुत्र और एक पुत्री उत्पन्न हुई। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान बनाया।
- **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।
- 08:01__कई साल बाद, जब __याकूब वृद्ध हो गया, तो उसने अपने प्रिय पुत्र यूसुफ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3290, G2384

इस्राएल, इस्राएली, इस्राएलियों, याकूब

तथ्य:

याकूब इसहाक और रिबका के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

- याकूब का अर्थ है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका अर्थ है, “वह छल करता है।” जन्म के समय याकूब अपने जुड़वा भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए था।
- वर्षों बाद परमेश्वर ने याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा जिसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।”
- याकूब चतुर और धोखा देने वाला था। उसने अपने बड़े भाई एसाव से उसकी पहलौठे की आशिषें और अधिकार प्राप्त करने की युक्ति खोज ली थी।

- एसाव इस पर बहुत क्रोधित हुआ और उसकी हत्या करने की योजना बनाई, अतः याकूब अपने घर से भाग गया। वर्षों बाद याकूब अपनी पत्नियों एवं सन्तान के साथ कनान लौटा, एसाव भी वहीं रहता था। दोनों के कुटुम्ब शान्ति-पूर्वक रहने लगे।
- याकूब के बारह पुत्र थे। उनके वंशज इस्राएल के बारह गोत्र हुए।
- मत्ती रचित सुसमाचार में जो वंशावली दी गई है उसमें एक और याकूब का उल्लेख किया गया है, वह यूसुफ का पिता था।

(यह भी देखें: कनान, धोखा, एसाव, इसहाक, इस्राएल, रिबका, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:11-13
- प्रे.का. 07:44-46
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 29:1-3
- उत्पत्ति 32:1-2
- यूहन्ना 04:4-5
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 07:01__फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका __याकूब से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था। याकूब सीधा मनुष्य था और तम्बुओ में रहा करता था, परन्तु एसाव तो वनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **07:07** जब याकूब वहा था ,उसी दौरान याकूब ने चार स्त्रियों से विवाह किया और उसके बारह पुत्र और एक पुत्री उत्पन्न हुई। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान बनाया।
- **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।
- 08:01__कई साल बाद, जब __याकूब वृद्ध हो गया, तो उसने अपने प्रिय पुत्र यूसुफ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3290, G2384

इस्राएल, इस्राएली, इस्राएलियों, याकूब

तथ्य:

याकूब इसहाक और रिबका के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

- याकूब का अर्थ है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका अर्थ है, “वह छल करता है।” जन्म के समय याकूब अपने जुड़वा भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए था।
- वर्षों बाद परमेश्वर ने याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा जिसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।”
- याकूब चतुर और धोखा देने वाला था। उसने अपने बड़े भाई एसाव से उसकी पहलौठे की आशिषें और अधिकार प्राप्त करने की युक्ति खोज ली थी।
- एसाव इस पर बहुत क्रोधित हुआ और उसकी हत्या करने की योजना बनाई, अतः याकूब अपने घर से भाग गया। वर्षों बाद याकूब अपनी पत्नियों एवं सन्तान के साथ कनान लौटा, एसाव भी वहीं रहता था। दोनों के कुटुम्ब शान्ति-पूर्वक रहने लगे।
- याकूब के बारह पुत्र थे। उनके वंशज इस्राएल के बारह गोत्र हुए।
- मत्ती रचित सुसमाचार में जो वंशावली दी गई है उसमें एक और याकूब का उल्लेख किया गया है, वह यूसुफ का पिता था।

(यह भी देखें: कनान, धोखा, एसाव, इसहाक, इस्राएल, रिबका, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:11-13
- प्रे.का. 07:44-46
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 29:1-3
- उत्पत्ति 32:1-2
- यूहन्ना 04:4-5

- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 07:01__फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका __याकूब से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था। याकूब सीधा मनुष्य था और तम्बुओ में रहा करता था, परन्तु एसाव तो वनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **07:07** जब याकूब वहा था ,उसी दौरान याकूब ने चार स्त्रियों से विवाह किया और उसके बारह पुत्र और एक पुत्री उत्पन्न हुई। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान बनाया।
- **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।
- 08:01__कई साल बाद, जब __याकूब वृद्ध हो गया, तो उसने अपने प्रिय पुत्र यूसुफ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3290, G2384

इस्राएल, इस्राएली, इस्राएलियों, याकूब

तथ्य:

याकूब इसहाक और रिबका के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

- याकूब का अर्थ है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका अर्थ है, “वह छल करता है।” जन्म के समय याकूब अपने जुड़वा भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए था।
- वर्षों बाद परमेश्वर ने याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा जिसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।”
- याकूब चतुर और धोखा देने वाला था। उसने अपने बड़े भाई एसाव से उसकी पहलौठे की आशिर्षे और अधिकार प्राप्त करने की युक्ति खोज ली थी।
- एसाव इस पर बहुत क्रोधित हुआ और उसकी हत्या करने की योजना बनाई, अतः याकूब अपने घर से भाग गया। वर्षों बाद याकूब अपनी पत्नियों एवं सन्तान के साथ कनान लौटा, एसाव भी वहीं रहता था। दोनों के कुटुम्ब शान्ति-पूर्वक रहने लगे।
- याकूब के बारह पुत्र थे। उनके वंशज इस्राएल के बारह गोत्र हुए।
- मत्ती रचित सुसमाचार में जो वंशावली दी गई है उसमें एक और याकूब का उल्लेख किया गया है, वह यूसुफ का पिता था।

(यह भी देखें: कनान, धोखा, एसाव, इसहाक, इस्राएल, रिबका, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:11-13
- प्रे.का. 07:44-46
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 29:1-3
- उत्पत्ति 32:1-2
- यूहन्ना 04:4-5
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 07:01__फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका __याकूब से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था। याकूब सीधा मनुष्य था और तम्बुओ में रहा करता था, परन्तु एसाव तो वनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **07:07** जब याकूब वहा था ,उसी दौरान याकूब ने चार स्त्रियों से विवाह किया और उसके बारह पुत्र और एक पुत्री उत्पन्न हुई। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान बनाया।
- **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।
- 08:01__कई साल बाद, जब __याकूब वृद्ध हो गया, तो उसने अपने प्रिय पुत्र यूसुफ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3290, G2384

इस्राएल, इस्राएली, इस्राएलियों, याकूब

तथ्य:

याकूब इसहाक और रिबका के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

- याकूब का अर्थ है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका अर्थ है, “वह छल करता है।” जन्म के समय याकूब अपने जुड़वा भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए था।
- वर्षों बाद परमेश्वर ने याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा जिसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।”
- याकूब चतुर और धोखा देने वाला था। उसने अपने बड़े भाई एसाव से उसकी पहलौठे की आशिषें और अधिकार प्राप्त करने की युक्ति खोज ली थी।
- एसाव इस पर बहुत क्रोधित हुआ और उसकी हत्या करने की योजना बनाई, अतः याकूब अपने घर से भाग गया। वर्षों बाद याकूब अपनी पत्नियों एवं सन्तान के साथ कनान लौटा, एसाव भी वहीं रहता था। दोनों के कुटुम्ब शान्ति-पूर्वक रहने लगे।
- याकूब के बारह पुत्र थे। उनके वंशज इस्राएल के बारह गोत्र हुए।
- मत्ती रचित सुसमाचार में जो वंशावली दी गई है उसमें एक और याकूब का उल्लेख किया गया है, वह यूसुफ का पिता था।

(यह भी देखें: कनान, धोखा, एसाव, इसहाक, इस्राएल, रिबका, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:11-13
- प्रे.का. 07:44-46
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 29:1-3
- उत्पत्ति 32:1-2
- यूहन्ना 04:4-5
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 07:01__फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका __याकूब से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था। याकूब सीधा मनुष्य था और तम्बुओ में रहा करता था, परन्तु एसाव तो वनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **07:07** जब याकूब वहा था ,उसी दौरान याकूब ने चार स्त्रियों से विवाह किया और उसके बारह पुत्र और एक पुत्री उत्पन्न हुई। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान बनाया।
- **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।
- 08:01__कई साल बाद, जब __याकूब वृद्ध हो गया, तो उसने अपने प्रिय पुत्र यूसुफ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3290, G2384

इस्राएल, इस्राएली, इस्राएलियों, याकूब

तथ्य:

याकूब इसहाक और रिबका के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

- याकूब का अर्थ है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका अर्थ है, “वह छल करता है।” जन्म के समय याकूब अपने जुड़वा भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए था।
- वर्षों बाद परमेश्वर ने याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा जिसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।”
- याकूब चतुर और धोखा देने वाला था। उसने अपने बड़े भाई एसाव से उसकी पहलौठे की आशिषें और अधिकार प्राप्त करने की युक्ति खोज ली थी।

- एसाव इस पर बहुत क्रोधित हुआ और उसकी हत्या करने की योजना बनाई, अतः याकूब अपने घर से भाग गया। वर्षों बाद याकूब अपनी पत्नियों एवं सन्तान के साथ कनान लौटा, एसाव भी वहीं रहता था। दोनों के कुटुम्ब शान्ति-पूर्वक रहने लगे।
- याकूब के बारह पुत्र थे। उनके वंशज इस्राएल के बारह गोत्र हुए।
- मत्ती रचित सुसमाचार में जो वंशावली दी गई है उसमें एक और याकूब का उल्लेख किया गया है, वह यूसुफ का पिता था।

(यह भी देखें: कनान, धोखा, एसाव, इसहाक, इस्राएल, रिबका, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:11-13
- प्रे.का. 07:44-46
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 29:1-3
- उत्पत्ति 32:1-2
- यूहन्ना 04:4-5
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 07:01__फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका __याकूब से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था। याकूब सीधा मनुष्य था और तम्बुओ में रहा करता था, परन्तु एसाव तो वनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **07:07** जब याकूब वहा था ,उसी दौरान याकूब ने चार स्त्रियों से विवाह किया और उसके बारह पुत्र और एक पुत्री उत्पन्न हुई। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान बनाया।
- **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।
- 08:01__कई साल बाद, जब __याकूब वृद्ध हो गया, तो उसने अपने प्रिय पुत्र यूसुफ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3290, G2384

इस्राएल, इस्राएली, इस्राएलियों, याकूब

तथ्य:

याकूब इसहाक और रिबका के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

- याकूब का अर्थ है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका अर्थ है, “वह छल करता है।” जन्म के समय याकूब अपने जुड़वा भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए था।
- वर्षों बाद परमेश्वर ने याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा जिसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।”
- याकूब चतुर और धोखा देने वाला था। उसने अपने बड़े भाई एसाव से उसकी पहलौठे की आशिषें और अधिकार प्राप्त करने की युक्ति खोज ली थी।
- एसाव इस पर बहुत क्रोधित हुआ और उसकी हत्या करने की योजना बनाई, अतः याकूब अपने घर से भाग गया। वर्षों बाद याकूब अपनी पत्नियों एवं सन्तान के साथ कनान लौटा, एसाव भी वहीं रहता था। दोनों के कुटुम्ब शान्ति-पूर्वक रहने लगे।
- याकूब के बारह पुत्र थे। उनके वंशज इस्राएल के बारह गोत्र हुए।
- मत्ती रचित सुसमाचार में जो वंशावली दी गई है उसमें एक और याकूब का उल्लेख किया गया है, वह यूसुफ का पिता था।

(यह भी देखें: कनान, धोखा, एसाव, इसहाक, इस्राएल, रिबका, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:11-13
- प्रे.का. 07:44-46
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 29:1-3
- उत्पत्ति 32:1-2
- यूहन्ना 04:4-5

- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 07:01__फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका __याकूब से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था। याकूब सीधा मनुष्य था और तम्बुओ में रहा करता था, परन्तु एसाव तो वनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **07:07** जब याकूब वहा था ,उसी दौरान याकूब ने चार स्त्रियों से विवाह किया और उसके बारह पुत्र और एक पुत्री उत्पन्न हुई। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान बनाया।
- **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।
- 08:01__कई साल बाद, जब __याकूब वृद्ध हो गया, तो उसने अपने प्रिय पुत्र यूसुफ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3290, G2384

इस्राएल, इस्राएली, इस्राएलियों, याकूब

तथ्य:

याकूब इसहाक और रिबका के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

- याकूब का अर्थ है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका अर्थ है, “वह छल करता है।” जन्म के समय याकूब अपने जुड़वा भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए था।
- वर्षों बाद परमेश्वर ने याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा जिसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।”
- याकूब चतुर और धोखा देने वाला था। उसने अपने बड़े भाई एसाव से उसकी पहलौठे की आशिर्षें और अधिकार प्राप्त करने की युक्ति खोज ली थी।
- एसाव इस पर बहुत क्रोधित हुआ और उसकी हत्या करने की योजना बनाई, अतः याकूब अपने घर से भाग गया। वर्षों बाद याकूब अपनी पत्नियों एवं सन्तान के साथ कनान लौटा, एसाव भी वहीं रहता था। दोनों के कुटुम्ब शान्ति-पूर्वक रहने लगे।
- याकूब के बारह पुत्र थे। उनके वंशज इस्राएल के बारह गोत्र हुए।
- मत्ती रचित सुसमाचार में जो वंशावली दी गई है उसमें एक और याकूब का उल्लेख किया गया है, वह यूसुफ का पिता था।

(यह भी देखें: कनान, धोखा, एसाव, इसहाक, इस्राएल, रिबका, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:11-13
- प्रे.का. 07:44-46
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 29:1-3
- उत्पत्ति 32:1-2
- यूहन्ना 04:4-5
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 07:01__फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका __याकूब से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था। याकूब सीधा मनुष्य था और तम्बुओ में रहा करता था, परन्तु एसाव तो वनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **07:07** जब याकूब वहा था ,उसी दौरान याकूब ने चार स्त्रियों से विवाह किया और उसके बारह पुत्र और एक पुत्री उत्पन्न हुई। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान बनाया।
- **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।
- 08:01__कई साल बाद, जब __याकूब वृद्ध हो गया, तो उसने अपने प्रिय पुत्र यूसुफ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3290, G2384

इस्राएल के बारह गोत्र, इस्राएल के बारह गोत्र, बारह गोत्र

परिभाषा:

"इस्राएल के बारह गोत्र" का सन्दर्भ याकूब के बारह पुत्रों कें वंशज थे।

- याकूब अब्राहम का पोता था। परमेश्वर ने बाद में उसका नाम बदल कर इस्राएल रखा था।
- बारह गोत्रों के नाम हैं: रूबेन, शमौन, लेवी, यहूदा, दान, नप्ताली, गाद, अशेर, इस्साकार, जबूलून, यूसुफ, बिन्यामीन।
- लेवी के वंशजों को कनान में कोई नगर नहीं दिया गया क्योंकि वे याजकों का गोत्र थे जिन्हें परमेश्वर और उसकी प्रजा की सेवा के लिए अलग किया गया था।
- यूसुफ को भूमि का दोगुणा भाग दिया गया था जो उसके दो पुत्रों एप्रैम और मनश्शे के वंशजों को मिला।
- बाइबल, में अनेक संदर्भों में इन बारह गोत्रों की सूची कुछ भिन्न है। कही-कही लेवी, यूसुफ और दान इन सूची में व्यक्त नहीं किया गया है और कही-कही यूसुफ के दोनों पुत्र एप्रैम और मनश्शे इन सूची में व्यक्त किए गए है।

(यह भी देखें: अधिकारी होना, इस्राएल, इस्राएल, याजक, गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:6-8
- उत्पत्ति 49:28-30
- लूका 22:28-30
- मत्ती 19:28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3478, H7626, H8147, G1427, G2474, G5443

इस्राएल के बारह गोत्र, इस्राएल के बारह गोत्र, बारह गोत्र

परिभाषा:

"इस्राएल के बारह गोत्र" का सन्दर्भ याकूब के बारह पुत्रों कें वंशज थे।

- याकूब अब्राहम का पोता था। परमेश्वर ने बाद में उसका नाम बदल कर इस्राएल रखा था।
- बारह गोत्रों के नाम हैं: रूबेन, शमौन, लेवी, यहूदा, दान, नप्ताली, गाद, अशेर, इस्साकार, जबूलून, यूसुफ, बिन्यामीन।
- लेवी के वंशजों को कनान में कोई नगर नहीं दिया गया क्योंकि वे याजकों का गोत्र थे जिन्हें परमेश्वर और उसकी प्रजा की सेवा के लिए अलग किया गया था।
- यूसुफ को भूमि का दोगुणा भाग दिया गया था जो उसके दो पुत्रों एप्रैम और मनश्शे के वंशजों को मिला।
- बाइबल, में अनेक संदर्भों में इन बारह गोत्रों की सूची कुछ भिन्न है। कही-कही लेवी, यूसुफ और दान इन सूची में व्यक्त नहीं किया गया है और कही-कही यूसुफ के दोनों पुत्र एप्रैम और मनश्शे इन सूची में व्यक्त किए गए है।

(यह भी देखें: अधिकारी होना, इस्राएल, इस्राएल, याजक, गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:6-8
- उत्पत्ति 49:28-30
- लूका 22:28-30
- मत्ती 19:28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3478, H7626, H8147, G1427, G2474, G5443

इस्साकार

तथ्य:

इस्साकार याकूब का पांचवां पुत्र था। उसकी माता का नाम लीआ:

- इस्साकार का गोत्र इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था।
- इस्साकार का भूभाग नप्ताली, जुबूलिन, मनश्शे और गाद से घिरा हुआ था।
- उसका भौगोलिक स्थान गलील सागर के दक्षिण में था।

(यह भी देखें: गाद, मनश्शे, नप्ताली, इस्राएल के बारह गोत्र, जबूलून)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 01:1-5
- यहेजकेल 48:23-26
- उत्पत्ति 30:16-18
- यहोशू 17:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3485, G2466

ईश्वरीय

परिभाषा:

“ईश्वरीय” अर्थात परमेश्वर से संबन्धित सब बातें।

- इस शब्द का कुछ उपयोग इस प्रकार है, “दिव्य अधिकार,” “परमेश्वर का न्याय,” “ईश्वरीय स्वभाव,” “ईश्वरीय सामर्थ्य” और “परमेश्वर की महिमा”।
- बाइबल के एक गद्यांश में “ईश्वरीय” शब्द झूठी देवता के संबन्ध में भी काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “ईश्वरीय” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का” या “परमेश्वर से” या “परमेश्वर से संबन्धित” या “परमेश्वर के गुणों से अभिभूत”
- उदाहरणार्थ, “ईश्वरीय अधिकार” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का अधिकार” या “परमेश्वर प्रदत्त अधिकार”।
- “ईश्वरीय महिमा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महिमा” या “परमेश्वर में निहित महिमा” या “परमेश्वर से प्रकट महिमा”।
- कुछ अनुवादों में मूर्तियों से संबन्धित किसी बात को व्यक्त करने के लिए भिन्न शब्दों का उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, देवता, महिमा, परमेश्वर, न्यायी, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 10:3-4
- 2 पतरस 01:3-4
- रोमियो 01:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2304, G2999

ईश्वरीय

परिभाषा:

“ईश्वरीय” अर्थात परमेश्वर से संबन्धित सब बातें।

- इस शब्द का कुछ उपयोग इस प्रकार है, “दिव्य अधिकार,” “परमेश्वर का न्याय,” “ईश्वरीय स्वभाव,” “ईश्वरीय सामर्थ्य” और “परमेश्वर की महिमा”।
- बाइबल के एक गद्यांश में “ईश्वरीय” शब्द झूठी देवता के संबन्ध में भी काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “ईश्वरीय” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का” या “परमेश्वर से” या “परमेश्वर से संबन्धित” या “परमेश्वर के गुणों से अभिभूत”
- उदाहरणार्थ, “ईश्वरीय अधिकार” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का अधिकार” या “परमेश्वर प्रदत्त अधिकार”।
- “ईश्वरीय महिमा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महिमा” या “परमेश्वर में निहित महिमा” या “परमेश्वर से प्रकट महिमा”।
- कुछ अनुवादों में मूर्तियों से संबन्धित किसी बात को व्यक्त करने के लिए भिन्न शब्दों का उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, देवता, महिमा, परमेश्वर, न्यायी, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 10:3-4
- 2 पतरस 01:3-4
- रोमियो 01:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2304, G2999

ईश्वरीय

परिभाषा:

“ईश्वरीय” अर्थात परमेश्वर से संबन्धित सब बातें।

- इस शब्द का कुछ उपयोग इस प्रकार है, “दिव्य अधिकार,” “परमेश्वर का न्याय,” “ईश्वरीय स्वभाव,” “ईश्वरीय सामर्थ्य” और “परमेश्वर की महिमा”।
- बाइबल के एक गद्यांश में “ईश्वरीय” शब्द झूठी देवता के संबन्ध में भी काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “ईश्वरीय” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का” या “परमेश्वर से” या “परमेश्वर से संबन्धित” या “परमेश्वर के गुणों से अभिभूत”
- उदाहरणार्थ, “ईश्वरीय अधिकार” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का अधिकार” या “परमेश्वर प्रदत्त अधिकार”।
- “ईश्वरीय महिमा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महिमा” या “परमेश्वर में निहित महिमा” या “परमेश्वर से प्रकट महिमा”।
- कुछ अनुवादों में मूर्तियों से संबन्धित किसी बात को व्यक्त करने के लिए भिन्न शब्दों का उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, देवता, महिमा, परमेश्वर, न्यायी, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 10:3-4
- 2 पतरस 01:3-4
- रोमियो 01:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2304, G2999

ईश्वरीय

परिभाषा:

“ईश्वरीय” अर्थात परमेश्वर से संबन्धित सब बातें।

- इस शब्द का कुछ उपयोग इस प्रकार है, “दिव्य अधिकार,” “परमेश्वर का न्याय,” “ईश्वरीय स्वभाव,” “ईश्वरीय सामर्थ्य” और “परमेश्वर की महिमा”।
- बाइबल के एक गद्यांश में “ईश्वरीय” शब्द झूठी देवता के संबन्ध में भी काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “ईश्वरीय” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का” या “परमेश्वर से” या “परमेश्वर से संबन्धित” या “परमेश्वर के गुणों से अभिभूत”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- उदाहरणार्थ, “ईश्वरीय अधिकार” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का अधिकार” या “परमेश्वर प्रदत्त अधिकार”।
- “ईश्वरीय महिमा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महिमा” या “परमेश्वर में निहित महिमा” या “परमेश्वर से प्रकट महिमा”।
- कुछ अनुवादों में मूर्तियों से संबन्धित किसी बात को व्यक्त करने के लिए भिन्न शब्दों का उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, देवता, महिमा, परमेश्वर, न्यायी, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 10:3-4
- 2 पतरस 01:3-4
- रोमियो 01:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2304, G2999

ईश्वरीय

परिभाषा:

“ईश्वरीय” अर्थात परमेश्वर से संबन्धित सब बातें।

- इस शब्द का कुछ उपयोग इस प्रकार है, “दिव्य अधिकार,” “परमेश्वर का न्याय,” “ईश्वरीय स्वभाव,” “ईश्वरीय सामर्थ्य” और “परमेश्वर की महिमा”।
- बाइबल के एक गद्यांश में “ईश्वरीय” शब्द झूठी देवता के संबन्ध में भी काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “ईश्वरीय” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का” या “परमेश्वर से” या “परमेश्वर से संबन्धित” या “परमेश्वर के गुणों से अभिभूत”
- उदाहरणार्थ, “ईश्वरीय अधिकार” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का अधिकार” या “परमेश्वर प्रदत्त अधिकार”।
- “ईश्वरीय महिमा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महिमा” या “परमेश्वर में निहित महिमा” या “परमेश्वर से प्रकट महिमा”।
- कुछ अनुवादों में मूर्तियों से संबन्धित किसी बात को व्यक्त करने के लिए भिन्न शब्दों का उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, देवता, महिमा, परमेश्वर, न्यायी, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 10:3-4
- 2 पतरस 01:3-4
- रोमियो 01:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2304, G2999

उकाब, उकाबों

परिभाषा:

उकाब एक विशाल पक्षी होता है जो मछली, चूहा, सांप और मुर्गी के बच्चे खाता है।

- बाइबल में सेना की गति और बल की तुलना उकाब की झपटने की फुर्ती से की गई है।
- यशायाह कहता है कि परमेश्वर का भय माननेवाले उकाब के समान हवा से बातें करेंगे। यह एक रूपक है जिसका अर्थ है परमेश्वर में विश्वास करने और उसकी आज्ञाओं को मानने से स्वतंत्रता और शक्ति प्राप्त होती है।
- दानिय्येल की पुस्तक में राजा नबूकदनेस्सर के बालों की लम्बाई की तुलना उकाब के परों से की गई है, उकाब का पर 50 सेन्टी मीटर से भी लम्बा होता है।

(यह भी देखें: दानिय्येल, स्वतंत्र, नबूकदनेस्सर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 01:23-24
- दानिय्येल 07:4-5
- यिर्मयाह 04:13-15
- लैव्यव्यवस्था 11:13-16
- प्रका. 04:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5403, H5404, H7360, G105

उचित, व्यवस्था की रीति पर, उचित नहीं,अधर्म

परिभाषा:

“उचित” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “अनुचित”।

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार। जो “व्यवस्था के विरुद्ध”, “जिसकी अनुमती नहीं दी गई थी”उन नियमों के अनुसार।
- “व्यवस्था के अनुसार” करने का अर्थ है, “उचित” रूप में करना या “सही” करना।
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित माना जाता था लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था जो दूसरों से प्रेम करने के बारे में थी उससे सुसंगत नहीं थी।
- प्रकरण के अनुसार अनुवाद “उचित” हो सकते हैं “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह उचित है” का अनुवाद “क्या हमारी व्यवस्था अनुमति देती है?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

"व्यवस्था के विरुद्ध" और "वैध नहीं" शब्दों का उपयोग उन व्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यवस्था को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु यहूदी मानव निर्मित नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है।
- वर्षों के दौरान, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में जोड़ा। यहूदी अगुवे कुछ को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहेंगे अगर यह उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं है।
- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज उठा रहे थे, तो फरीसियों ने उन पर कुछ “व्यवस्था के विरुद्ध” करने का आरोप लगाया क्योंकि यह उस दिन काम न करने के यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन भोजन सामग्री को खा लिया तो वह उन व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को कुछ भोजन सामग्री न खाने के बारे में दिए थे।

शब्द "अधर्म" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या लोगों का समूह "अधर्म" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

- एक व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द को "व्यवस्था के विरुद्ध" एक शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करके अनुवादित किया जाना चाहिए, जिसका अर्थ है "व्यवस्था की रूप से नहीं" या "व्यवस्था तोडना"।
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य तरीके "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुसार नहीं" या "हमारे व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो सकते हैं।"

- अभिव्यक्ति "व्यवस्था के खिलाफ" का समान अर्थ "व्यवस्था के विरुद्ध" है।

- "अधर्म" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।

- शब्द "अधर्म" का अनुवाद "किसी भी नियमों का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के खिलाफ)" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियमों का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के खिलाफ विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:02
- मत्ती 12:04
- मत्ती 12:10
- मरकुस 03:04
- लूका 06:02
- प्रेरि.02:23
- प्रेरि.10:28
- प्रेरि.22:25
- 2 थिस्स. 02:03
- तीतु. 02:14
- 1 यूह. 03:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H6530, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

उचित, व्यवस्था की रीति पर, उचित नहीं,अधर्म

परिभाषा:

“उचित” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “अनुचित”।

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार। जो “व्यवस्था के विरुद्ध”, “जिसकी अनुमती नहीं दी गई थी”उन नियमों के अनुसार।
- “व्यवस्था के अनुसार” करने का अर्थ है, “उचित” रूप में करना या “सही” करना।
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित माना जाता था लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था जो दूसरों से प्रेम करने के बारे में थी उससे सुसंगत नहीं थी।
- प्रकरण के अनुसार अनुवाद “उचित” हो सकते हैं “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह उचित है” का अनुवाद “क्या हमारी व्यवस्था अनुमति देती है?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

"व्यवस्था के विरुद्ध" और "वैध नहीं" शब्दों का उपयोग उन व्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यवस्था को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु यहूदी मानव निर्मित नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है।
- वर्षों के दौरान, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में जोड़ा। यहूदी अगुवे कुछ को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहेंगे अगर यह उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं है।
- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज उठा रहे थे, तो फरीसियों ने उन पर कुछ “व्यवस्था के विरुद्ध” करने का आरोप लगाया क्योंकि यह उस दिन काम न करने के यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन भोजन सामग्री को खा लिया तो वह उन व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को कुछ भोजन सामग्री न खाने के बारे में दिए थे।

शब्द "अधर्म" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या लोगों का समूह "अधर्म" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

- एक व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द को "व्यवस्था के विरुद्ध" एक शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करके अनुवादित किया जाना चाहिए, जिसका अर्थ है "व्यवस्था की रूप से नहीं" या "व्यवस्था तोडना"।
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य तरीके "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुसार नहीं" या "हमारे व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो सकते हैं।"

- अभिव्यक्ति "व्यवस्था के खिलाफ" का समान अर्थ "व्यवस्था के विरुद्ध" है।

- "अधर्म" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।

- शब्द "अधर्म" का अनुवाद "किसी भी नियमों का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के खिलाफ)" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियमों का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के खिलाफ विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:02
- मत्ती 12:04
- मत्ती 12:10
- मरकुस 03:04
- लूका 06:02
- प्रेरि.02:23
- प्रेरि.10:28
- प्रेरि.22:25
- 2 थिस्स. 02:03
- तीतु. 02:14
- 1 यूह. 03:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H6530, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

उचित, व्यवस्था की रीति पर, उचित नहीं,अधर्म

परिभाषा:

“उचित” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “अनुचित”।

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार। जो “व्यवस्था के विरुद्ध”, “जिसकी अनुमती नहीं दी गई थी”उन नियमों के अनुसार।
- “व्यवस्था के अनुसार” करने का अर्थ है, “उचित” रूप में करना या “सही” करना।
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित माना जाता था लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था जो दूसरों से प्रेम करने के बारे में थी उससे सुसंगत नहीं थी।
- प्रकरण के अनुसार अनुवाद “उचित” हो सकते हैं “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह उचित है” का अनुवाद “क्या हमारी व्यवस्था अनुमति देती है?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

"व्यवस्था के विरुद्ध" और "वैध नहीं" शब्दों का उपयोग उन व्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यवस्था को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु यहूदी मानव निर्मित नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है।
- वर्षों के दौरान, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में जोड़ा। यहूदी अगुवे कुछ को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहेंगे अगर यह उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं है।
- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज उठा रहे थे, तो फरीसियों ने उन पर कुछ “व्यवस्था के विरुद्ध” करने का आरोप लगाया क्योंकि यह उस दिन काम न करने के यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन भोजन सामग्री को खा लिया तो वह उन व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को कुछ भोजन सामग्री न खाने के बारे में दिए थे।

शब्द "अधर्म" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या लोगों का समूह "अधर्म" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

- एक व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द को "व्यवस्था के विरुद्ध" एक शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करके अनुवादित किया जाना चाहिए, जिसका अर्थ है "व्यवस्था की रूप से नहीं" या "व्यवस्था तोडना"।
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य तरीके "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुसार नहीं" या "हमारे व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो सकते हैं।"
- अभिव्यक्ति "व्यवस्था के खिलाफ" का समान अर्थ "व्यवस्था के विरुद्ध" है।
- "अधर्म" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।
- शब्द "अधर्म" का अनुवाद "किसी भी नियमों का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के खिलाफ)" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियमों का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के खिलाफ विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:02
- मत्ती 12:04
- मत्ती 12:10
- मरकुस 03:04
- लूका 06:02
- प्रेरि.02:23
- प्रेरि.10:28
- प्रेरि.22:25
- 2 थिस्स. 02:03
- तीतु. 02:14
- 1 यूह. 03:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H6530, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

उचित, व्यवस्था की रीति पर, उचित नहीं,अधर्म

परिभाषा:

“उचित” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “अनुचित”।

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार। जो “व्यवस्था के विरुद्ध”, “जिसकी अनुमती नहीं दी गई थी”उन नियमों के अनुसार।
- “व्यवस्था के अनुसार” करने का अर्थ है, “उचित” रूप में करना या “सही” करना।
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित माना जाता था लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था जो दूसरों से प्रेम करने के बारे में थी उससे सुसंगत नहीं थी।
- प्रकरण के अनुसार अनुवाद “उचित” हो सकते हैं “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह उचित है” का अनुवाद “क्या हमारी व्यवस्था अनुमति देती है?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

"व्यवस्था के विरुद्ध" और "वैध नहीं" शब्दों का उपयोग उन व्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यवस्था को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु यहूदी मानव निर्मित नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है।
- वर्षों के दौरान, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में जोड़ा। यहूदी अगुवे कुछ को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहेंगे अगर यह उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं है।
- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज उठा रहे थे, तो फरीसियों ने उन पर कुछ “व्यवस्था के विरुद्ध” करने का आरोप लगाया क्योंकि यह उस दिन काम न करने के यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन भोजन सामग्री को खा लिया तो वह उन व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को कुछ भोजन सामग्री न खाने के बारे में दिए थे।

शब्द "अधर्म" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या लोगों का समूह "अधर्म" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

- एक व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द को "व्यवस्था के विरुद्ध" एक शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करके अनुवादित किया जाना चाहिए, जिसका अर्थ है "व्यवस्था की रूप से नहीं" या "व्यवस्था तोडना"।
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य तरीके "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुसार नहीं" या "हमारे व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो सकते हैं।"

- अभिव्यक्ति "व्यवस्था के खिलाफ" का समान अर्थ "व्यवस्था के विरुद्ध" है।

- "अधर्म" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।

- शब्द "अधर्म" का अनुवाद "किसी भी नियमों का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के खिलाफ)" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियमों का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के खिलाफ विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:02
- मत्ती 12:04
- मत्ती 12:10
- मरकुस 03:04
- लूका 06:02
- प्रेरि.02:23
- प्रेरि.10:28
- प्रेरि.22:25
- 2 थिस्स. 02:03
- तीतु. 02:14
- 1 यूह. 03:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H6530, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

उचित, व्यवस्था की रीति पर, उचित नहीं,अधर्म

परिभाषा:

“उचित” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “अनुचित”।

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार। जो “व्यवस्था के विरुद्ध”, “जिसकी अनुमती नहीं दी गई थी”उन नियमों के अनुसार।
- “व्यवस्था के अनुसार” करने का अर्थ है, “उचित” रूप में करना या “सही” करना।
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित माना जाता था लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था जो दूसरों से प्रेम करने के बारे में थी उससे सुसंगत नहीं थी।
- प्रकरण के अनुसार अनुवाद “उचित” हो सकते हैं “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह उचित है” का अनुवाद “क्या हमारी व्यवस्था अनुमति देती है?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

"व्यवस्था के विरुद्ध" और "वैध नहीं" शब्दों का उपयोग उन व्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यवस्था को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु यहूदी मानव निर्मित नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है।
- वर्षों के दौरान, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में जोड़ा। यहूदी अगुवे कुछ को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहेंगे अगर यह उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं है।
- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज उठा रहे थे, तो फरीसियों ने उन पर कुछ “व्यवस्था के विरुद्ध” करने का आरोप लगाया क्योंकि यह उस दिन काम न करने के यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन भोजन सामग्री को खा लिया तो वह उन व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को कुछ भोजन सामग्री न खाने के बारे में दिए थे।

शब्द "अधर्म" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या लोगों का समूह "अधर्म" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

- एक व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द को "व्यवस्था के विरुद्ध" एक शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करके अनुवादित किया जाना चाहिए, जिसका अर्थ है "व्यवस्था की रूप से नहीं" या "व्यवस्था तोडना"।
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य तरीके "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुसार नहीं" या "हमारे व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो सकते हैं।"

- अभिव्यक्ति "व्यवस्था के खिलाफ" का समान अर्थ "व्यवस्था के विरुद्ध" है।

- "अधर्म" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।

- शब्द "अधर्म" का अनुवाद "किसी भी नियमों का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के खिलाफ)" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियमों का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के खिलाफ विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:02
- मत्ती 12:04
- मत्ती 12:10
- मरकुस 03:04
- लूका 06:02
- प्रेरि.02:23

- प्रेरि.10:28
- प्रेरि.22:25
- 2 थिस्स. 02:03
- तीतु. 02:14
- 1 यूह. 03:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H6530, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

उचित, व्यवस्था की रीति पर, उचित नहीं,अधर्म

परिभाषा:

“उचित” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “अनुचित”।

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार। जो “व्यवस्था के विरुद्ध”, “जिसकी अनुमती नहीं दी गई थी”उन नियमों के अनुसार।
- “व्यवस्था के अनुसार” करने का अर्थ है, “उचित” रूप में करना या “सही” करना।
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित माना जाता था लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था जो दूसरों से प्रेम करने के बारे में थी उससे सुसंगत नहीं थी।
- प्रकरण के अनुसार अनुवाद “उचित” हो सकते हैं “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह उचित है” का अनुवाद “क्या हमारी व्यवस्था अनुमति देती है?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

"व्यवस्था के विरुद्ध" और "वैध नहीं" शब्दों का उपयोग उन व्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यवस्था को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु यहूदी मानव निर्मित नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है।
- वर्षों के दौरान, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में जोड़ा। यहूदी अगुवे कुछ को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहेंगे अगर यह उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं है।
- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज उठा रहे थे, तो फरीसियों ने उन पर कुछ “व्यवस्था के विरुद्ध” करने का आरोप लगाया क्योंकि यह उस दिन काम न करने के यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन भोजन सामग्री को खा लिया तो वह उन व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को कुछ भोजन सामग्री न खाने के बारे में दिए थे।

शब्द "अधर्म" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या लोगों का समूह "अधर्म" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

- एक व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द को "व्यवस्था के विरुद्ध" एक शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करके अनुवादित किया जाना चाहिए, जिसका अर्थ है "व्यवस्था की रूप से नहीं" या "व्यवस्था तोडना"।
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य तरीके "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुसार नहीं" या "हमारे व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो सकते हैं।"

- अभिव्यक्ति "व्यवस्था के खिलाफ" का समान अर्थ "व्यवस्था के विरुद्ध" है।

- "अधर्म" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।

- शब्द "अधर्म" का अनुवाद "किसी भी नियमों का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के खिलाफ)" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियमों का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के खिलाफ विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:02
- मत्ती 12:04
- मत्ती 12:10
- मरकुस 03:04
- लूका 06:02
- प्रेरि.02:23
- प्रेरि.10:28
- प्रेरि.22:25
- 2 थिस्स. 02:03
- तीतु. 02:14
- 1 यूह. 03:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H6530, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

उचित, व्यवस्था की रीति पर, उचित नहीं,अधर्म

परिभाषा:

“उचित” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “अनुचित”।

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार। जो “व्यवस्था के विरुद्ध”, “जिसकी अनुमती नहीं दी गई थी”उन नियमों के अनुसार।
- “व्यवस्था के अनुसार” करने का अर्थ है, “उचित” रूप में करना या “सही” करना।
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित माना जाता था लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था जो दूसरों से प्रेम करने के बारे में थी उससे सुसंगत नहीं थी।
- प्रकरण के अनुसार अनुवाद “उचित” हो सकते हैं “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह उचित है” का अनुवाद “क्या हमारी व्यवस्था अनुमति देती है?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

"व्यवस्था के विरुद्ध" और "वैध नहीं" शब्दों का उपयोग उन व्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यवस्था को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु यहूदी मानव निर्मित नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है।
- वर्षों के दौरान, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में जोड़ा। यहूदी अगुवे कुछ को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहेंगे अगर यह उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं है।
- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज उठा रहे थे, तो फरीसियों ने उन पर कुछ “व्यवस्था के विरुद्ध” करने का आरोप लगाया क्योंकि यह उस दिन काम न करने के यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन भोजन सामग्री को खा लिया तो वह उन व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को कुछ भोजन सामग्री न खाने के बारे में दिए थे।

शब्द "अधर्म" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या लोगों का समूह "अधर्म" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

- एक व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द को "व्यवस्था के विरुद्ध" एक शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करके अनुवादित किया जाना चाहिए, जिसका अर्थ है "व्यवस्था की रूप से नहीं" या "व्यवस्था तोडना"।
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य तरीके "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुसार नहीं" या "हमारे व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो सकते हैं।"

- अभिव्यक्ति "व्यवस्था के खिलाफ" का समान अर्थ "व्यवस्था के विरुद्ध" है।

- "अधर्म" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।

- शब्द "अधर्म" का अनुवाद "किसी भी नियमों का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के खिलाफ)" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियमों का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के खिलाफ विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:02
- मत्ती 12:04
- मत्ती 12:10
- मरकुस 03:04
- लूका 06:02
- प्रेरि.02:23
- प्रेरि.10:28
- प्रेरि.22:25
- 2 थिस्स. 02:03
- तीतु. 02:14
- 1 यूह. 03:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H6530, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

उचित, व्यवस्था की रीति पर, उचित नहीं,अधर्म

परिभाषा:

“उचित” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “अनुचित”।

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार। जो “व्यवस्था के विरुद्ध”, “जिसकी अनुमती नहीं दी गई थी”उन नियमों के अनुसार।
- “व्यवस्था के अनुसार” करने का अर्थ है, “उचित” रूप में करना या “सही” करना।
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित माना जाता था लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था जो दूसरों से प्रेम करने के बारे में थी उससे सुसंगत नहीं थी।
- प्रकरण के अनुसार अनुवाद “उचित” हो सकते हैं “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह उचित है” का अनुवाद “क्या हमारी व्यवस्था अनुमति देती है?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

"व्यवस्था के विरुद्ध" और "वैध नहीं" शब्दों का उपयोग उन व्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यवस्था को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु यहूदी मानव निर्मित नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है।
- वर्षों के दौरान, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में जोड़ा। यहूदी अगुवे कुछ को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहेंगे अगर यह उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं है।
- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज उठा रहे थे, तो फरीसियों ने उन पर कुछ “व्यवस्था के विरुद्ध” करने का आरोप लगाया क्योंकि यह उस दिन काम न करने के यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन भोजन सामग्री को खा लिया तो वह उन व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को कुछ भोजन सामग्री न खाने के बारे में दिए थे।

शब्द "अधर्म" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या लोगों का समूह "अधर्म" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

- एक व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द को "व्यवस्था के विरुद्ध" एक शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करके अनुवादित किया जाना चाहिए, जिसका अर्थ है "व्यवस्था की रूप से नहीं" या "व्यवस्था तोडना"।
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य तरीके "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुसार नहीं" या "हमारे व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो सकते हैं।"

- अभिव्यक्ति "व्यवस्था के खिलाफ" का समान अर्थ "व्यवस्था के विरुद्ध" है।

- "अधर्म" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।

- शब्द "अधर्म" का अनुवाद "किसी भी नियमों का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के खिलाफ)" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियमों का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के खिलाफ विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:02
- मत्ती 12:04
- मत्ती 12:10
- मरकुस 03:04
- लूका 06:02
- प्रेरि.02:23
- प्रेरि.10:28
- प्रेरि.22:25
- 2 थिस्स. 02:03
- तीतु. 02:14
- 1 यूह. 03:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H6530, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

उचित, व्यवस्था की रीति पर, उचित नहीं,अधर्म

परिभाषा:

“उचित” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “अनुचित”।

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार। जो “व्यवस्था के विरुद्ध”, “जिसकी अनुमती नहीं दी गई थी”उन नियमों के अनुसार।
- “व्यवस्था के अनुसार” करने का अर्थ है, “उचित” रूप में करना या “सही” करना।
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित माना जाता था लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था जो दूसरों से प्रेम करने के बारे में थी उससे सुसंगत नहीं थी।
- प्रकरण के अनुसार अनुवाद “उचित” हो सकते हैं “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह उचित है” का अनुवाद “क्या हमारी व्यवस्था अनुमति देती है?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

"व्यवस्था के विरुद्ध" और "वैध नहीं" शब्दों का उपयोग उन व्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यवस्था को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु यहूदी मानव निर्मित नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है।
- वर्षों के दौरान, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में जोड़ा। यहूदी अगुवे कुछ को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहेंगे अगर यह उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं है।

- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज उठा रहे थे, तो फरीसियों ने उन पर कुछ “व्यवस्था के विरुद्ध” करने का आरोप लगाया क्योंकि यह उस दिन काम न करने के यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन भोजन सामग्री को खा लिया तो वह उन व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को कुछ भोजन सामग्री न खाने के बारे में दिए थे।

शब्द "अधर्म" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या लोगों का समूह "अधर्म" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

- एक व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द को "व्यवस्था के विरुद्ध" एक शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करके अनुवादित किया जाना चाहिए, जिसका अर्थ है "व्यवस्था की रूप से नहीं" या "व्यवस्था तोडना"।
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य तरीके "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुसार नहीं" या "हमारे व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो सकते हैं।"

- अभिव्यक्ति "व्यवस्था के खिलाफ" का समान अर्थ "व्यवस्था के विरुद्ध" है।

- "अधर्म" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।

- शब्द "अधर्म" का अनुवाद "किसी भी नियमों का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के खिलाफ)" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियमों का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के खिलाफ विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:02
- मत्ती 12:04
- मत्ती 12:10
- मरकुस 03:04
- लूका 06:02
- प्रेरि.02:23
- प्रेरि.10:28
- प्रेरि.22:25
- 2 थिस्स. 02:03
- तीतु. 02:14
- 1 यूह. 03:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H6530, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

उचित, व्यवस्था की रीति पर, उचित नहीं,अधर्म

परिभाषा:

“उचित” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “अनुचित”।

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार। जो “व्यवस्था के विरुद्ध”, “जिसकी अनुमती नहीं दी गई थी”उन नियमों के अनुसार।
- “व्यवस्था के अनुसार” करने का अर्थ है, “उचित” रूप में करना या “सही” करना।
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित माना जाता था लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था जो दूसरों से प्रेम करने के बारे में थी उससे सुसंगत नहीं थी।

- प्रकरण के अनुसार अनुवाद “उचित” हो सकते हैं “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह उचित है” का अनुवाद “क्या हमारी व्यवस्था अनुमति देती है?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

"व्यवस्था के विरुद्ध" और "वैध नहीं" शब्दों का उपयोग उन व्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यवस्था को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु यहूदी मानव निर्मित नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है।
- वर्षों के दौरान, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में जोड़ा। यहूदी अगुवे कुछ को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहेंगे अगर यह उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं है।
- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज उठा रहे थे, तो फरीसियों ने उन पर कुछ “व्यवस्था के विरुद्ध” करने का आरोप लगाया क्योंकि यह उस दिन काम न करने के यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन भोजन सामग्री को खा लिया तो वह उन व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को कुछ भोजन सामग्री न खाने के बारे में दिए थे।

शब्द "अधर्म" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या लोगों का समूह "अधर्म" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

- एक व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द को "व्यवस्था के विरुद्ध" एक शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करके अनुवादित किया जाना चाहिए, जिसका अर्थ है "व्यवस्था की रूप से नहीं" या "व्यवस्था तोडना"।
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य तरीके "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुसार नहीं" या "हमारे व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो सकते हैं।"

- अभिव्यक्ति "व्यवस्था के खिलाफ" का समान अर्थ "व्यवस्था के विरुद्ध" है।

- "अधर्म" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।

- शब्द "अधर्म" का अनुवाद "किसी भी नियमों का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के खिलाफ)" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियमों का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के खिलाफ विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:02
- मत्ती 12:04
- मत्ती 12:10
- मरकुस 03:04
- लूका 06:02
- प्रेरि.02:23
- प्रेरि.10:28
- प्रेरि.22:25
- 2 थिस्स. 02:03
- तीतु. 02:14
- 1 यूह. 03:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H6530, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

उचित, व्यवस्था की रीति पर, उचित नहीं,अधर्म

परिभाषा:

“उचित” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “अनुचित”।

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार। जो “व्यवस्था के विरुद्ध”, “जिसकी अनुमती नहीं दी गई थी”उन नियमों के अनुसार।
- “व्यवस्था के अनुसार” करने का अर्थ है, “उचित” रूप में करना या “सही” करना।
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित माना जाता था लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था जो दूसरों से प्रेम करने के बारे में थी उससे सुसंगत नहीं थी।
- प्रकरण के अनुसार अनुवाद “उचित” हो सकते हैं “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह उचित है” का अनुवाद “क्या हमारी व्यवस्था अनुमति देती है?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

"व्यवस्था के विरुद्ध" और "वैध नहीं" शब्दों का उपयोग उन व्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यवस्था को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु यहूदी मानव निर्मित नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है।
- वर्षों के दौरान, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में जोड़ा। यहूदी अगुवे कुछ को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहेंगे अगर यह उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं है।
- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज उठा रहे थे, तो फरीसियों ने उन पर कुछ “व्यवस्था के विरुद्ध” करने का आरोप लगाया क्योंकि यह उस दिन काम न करने के यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन भोजन सामग्री को खा लिया तो वह उन व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को कुछ भोजन सामग्री न खाने के बारे में दिए थे।

शब्द "अधर्म" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या लोगों का समूह "अधर्म" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

- एक व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द को "व्यवस्था के विरुद्ध" एक शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करके अनुवादित किया जाना चाहिए, जिसका अर्थ है "व्यवस्था की रूप से नहीं" या "व्यवस्था तोडना"।
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य तरीके "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुसार नहीं" या "हमारे व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो सकते हैं।"

- अभिव्यक्ति "व्यवस्था के खिलाफ" का समान अर्थ "व्यवस्था के विरुद्ध" है।

- "अधर्म" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।

- शब्द "अधर्म" का अनुवाद "किसी भी नियमों का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के खिलाफ)" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियमों का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के खिलाफ विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:02
- मत्ती 12:04
- मत्ती 12:10
- मरकुस 03:04
- लूका 06:02
- प्रेरि.02:23

- प्रेरि.10:28
- प्रेरि.22:25
- 2 थिस्स. 02:03
- तीतु. 02:14
- 1 यूह. 03:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H6530, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

उचित, व्यवस्था की रीति पर, उचित नहीं,अधर्म

परिभाषा:

“उचित” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “अनुचित”।

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार। जो “व्यवस्था के विरुद्ध”, “जिसकी अनुमती नहीं दी गई थी”उन नियमों के अनुसार।
- “व्यवस्था के अनुसार” करने का अर्थ है, “उचित” रूप में करना या “सही” करना।
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित माना जाता था लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था जो दूसरों से प्रेम करने के बारे में थी उससे सुसंगत नहीं थी।
- प्रकरण के अनुसार अनुवाद “उचित” हो सकते हैं “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह उचित है” का अनुवाद “क्या हमारी व्यवस्था अनुमति देती है?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

"व्यवस्था के विरुद्ध" और "वैध नहीं" शब्दों का उपयोग उन व्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यवस्था को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु यहूदी मानव निर्मित नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है।
- वर्षों के दौरान, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में जोड़ा। यहूदी अगुवे कुछ को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहेंगे अगर यह उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं है।
- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज उठा रहे थे, तो फरीसियों ने उन पर कुछ “व्यवस्था के विरुद्ध” करने का आरोप लगाया क्योंकि यह उस दिन काम न करने के यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन भोजन सामग्री को खा लिया तो वह उन व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को कुछ भोजन सामग्री न खाने के बारे में दिए थे।

शब्द "अधर्म" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या लोगों का समूह "अधर्म" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

- एक व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द को "व्यवस्था के विरुद्ध" एक शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करके अनुवादित किया जाना चाहिए, जिसका अर्थ है "व्यवस्था की रूप से नहीं" या "व्यवस्था तोडना"।
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य तरीके "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुसार नहीं" या "हमारे व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो सकते हैं।"

- अभिव्यक्ति "व्यवस्था के खिलाफ" का समान अर्थ "व्यवस्था के विरुद्ध" है।

- "अधर्म" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।

- शब्द "अधर्म" का अनुवाद "किसी भी नियमों का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के खिलाफ)" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियमों का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के खिलाफ विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:02
- मत्ती 12:04
- मत्ती 12:10
- मरकुस 03:04
- लूका 06:02
- प्रेरि.02:23
- प्रेरि.10:28
- प्रेरि.22:25
- 2 थिस्स. 02:03
- तीतु. 02:14
- 1 यूह. 03:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H6530, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

उचित, व्यवस्था की रीति पर, उचित नहीं,अधर्म

परिभाषा:

“उचित” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “अनुचित”।

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार। जो “व्यवस्था के विरुद्ध”, “जिसकी अनुमती नहीं दी गई थी”उन नियमों के अनुसार।
- “व्यवस्था के अनुसार” करने का अर्थ है, “उचित” रूप में करना या “सही” करना।
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित माना जाता था लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था जो दूसरों से प्रेम करने के बारे में थी उससे सुसंगत नहीं थी।
- प्रकरण के अनुसार अनुवाद “उचित” हो सकते हैं “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह उचित है” का अनुवाद “क्या हमारी व्यवस्था अनुमति देती है?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

"व्यवस्था के विरुद्ध" और "वैध नहीं" शब्दों का उपयोग उन व्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यवस्था को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु यहूदी मानव निर्मित नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है।
- वर्षों के दौरान, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में जोड़ा। यहूदी अगुवे कुछ को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहेंगे अगर यह उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं है।
- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज उठा रहे थे, तो फरीसियों ने उन पर कुछ “व्यवस्था के विरुद्ध” करने का आरोप लगाया क्योंकि यह उस दिन काम न करने के यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन भोजन सामग्री को खा लिया तो वह उन व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को कुछ भोजन सामग्री न खाने के बारे में दिए थे।

शब्द "अधर्म" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या लोगों का समूह "अधर्म" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

- एक व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द को "व्यवस्था के विरुद्ध" एक शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करके अनुवादित किया जाना चाहिए, जिसका अर्थ है "व्यवस्था की रूप से नहीं" या "व्यवस्था तोडना"।
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य तरीके "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुसार नहीं" या "हमारे व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो सकते हैं।"

- अभिव्यक्ति "व्यवस्था के खिलाफ" का समान अर्थ "व्यवस्था के विरुद्ध" है।

- "अधर्म" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।

- शब्द "अधर्म" का अनुवाद "किसी भी नियमों का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के खिलाफ)" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियमों का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के खिलाफ विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:02
- मत्ती 12:04
- मत्ती 12:10
- मरकुस 03:04
- लूका 06:02
- प्रेरि.02:23
- प्रेरि.10:28
- प्रेरि.22:25
- 2 थिस्स. 02:03
- तीतु. 02:14
- 1 यूह. 03:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H6530, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

उचित, व्यवस्था की रीति पर, उचित नहीं,अधर्म

परिभाषा:

“उचित” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “अनुचित”।

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार। जो “व्यवस्था के विरुद्ध”, “जिसकी अनुमती नहीं दी गई थी”उन नियमों के अनुसार।
- “व्यवस्था के अनुसार” करने का अर्थ है, “उचित” रूप में करना या “सही” करना।
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित माना जाता था लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था जो दूसरों से प्रेम करने के बारे में थी उससे सुसंगत नहीं थी।
- प्रकरण के अनुसार अनुवाद “उचित” हो सकते हैं “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह उचित है” का अनुवाद “क्या हमारी व्यवस्था अनुमति देती है?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

"व्यवस्था के विरुद्ध" और "वैध नहीं" शब्दों का उपयोग उन व्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यवस्था को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु यहूदी मानव निर्मित नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है।
- वर्षों के दौरान, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में जोड़ा। यहूदी अगुवे कुछ को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहेंगे अगर यह उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं है।
- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज उठा रहे थे, तो फरीसियों ने उन पर कुछ “व्यवस्था के विरुद्ध” करने का आरोप लगाया क्योंकि यह उस दिन काम न करने के यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन भोजन सामग्री को खा लिया तो वह उन व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को कुछ भोजन सामग्री न खाने के बारे में दिए थे।

शब्द "अधर्म" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या लोगों का समूह "अधर्म" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

- एक व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द को "व्यवस्था के विरुद्ध" एक शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करके अनुवादित किया जाना चाहिए, जिसका अर्थ है "व्यवस्था की रूप से नहीं" या "व्यवस्था तोडना"।
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य तरीके "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुसार नहीं" या "हमारे व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो सकते हैं।"

- अभिव्यक्ति "व्यवस्था के खिलाफ" का समान अर्थ "व्यवस्था के विरुद्ध" है।

- "अधर्म" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।

- शब्द "अधर्म" का अनुवाद "किसी भी नियमों का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के खिलाफ)" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियमों का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के खिलाफ विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:02
- मत्ती 12:04
- मत्ती 12:10
- मरकुस 03:04
- लूका 06:02
- प्रेरि.02:23
- प्रेरि.10:28
- प्रेरि.22:25
- 2 थिस्स. 02:03
- तीतु. 02:14
- 1 यूह. 03:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H6530, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

उचित, व्यवस्था की रीति पर, उचित नहीं,अधर्म

परिभाषा:

“उचित” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “अनुचित”।

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार। जो “व्यवस्था के विरुद्ध”, “जिसकी अनुमती नहीं दी गई थी”उन नियमों के अनुसार।
- “व्यवस्था के अनुसार” करने का अर्थ है, “उचित” रूप में करना या “सही” करना।
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित माना जाता था लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था जो दूसरों से प्रेम करने के बारे में थी उससे सुसंगत नहीं थी।
- प्रकरण के अनुसार अनुवाद “उचित” हो सकते हैं “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह उचित है” का अनुवाद “क्या हमारी व्यवस्था अनुमति देती है?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

"व्यवस्था के विरुद्ध" और "वैध नहीं" शब्दों का उपयोग उन व्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यवस्था को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु यहूदी मानव निर्मित नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है।
- वर्षों के दौरान, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में जोड़ा। यहूदी अगुवे कुछ को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहेंगे अगर यह उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं है।

- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज उठा रहे थे, तो फरीसियों ने उन पर कुछ “व्यवस्था के विरुद्ध” करने का आरोप लगाया क्योंकि यह उस दिन काम न करने के यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन भोजन सामग्री को खा लिया तो वह उन व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को कुछ भोजन सामग्री न खाने के बारे में दिए थे।

शब्द "अधर्म" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या लोगों का समूह "अधर्म" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

- एक व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द को "व्यवस्था के विरुद्ध" एक शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करके अनुवादित किया जाना चाहिए, जिसका अर्थ है "व्यवस्था की रूप से नहीं" या "व्यवस्था तोडना"।
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य तरीके "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुसार नहीं" या "हमारे व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो सकते हैं।"

- अभिव्यक्ति "व्यवस्था के खिलाफ" का समान अर्थ "व्यवस्था के विरुद्ध" है।

- "अधर्म" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।

- शब्द "अधर्म" का अनुवाद "किसी भी नियमों का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के खिलाफ)" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियमों का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के खिलाफ विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:02
- मत्ती 12:04
- मत्ती 12:10
- मरकुस 03:04
- लूका 06:02
- प्रेरि.02:23
- प्रेरि.10:28
- प्रेरि.22:25
- 2 थिस्स. 02:03
- तीतु. 02:14
- 1 यूह. 03:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H6530, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

उचित, व्यवस्था की रीति पर, उचित नहीं,अधर्म

परिभाषा:

“उचित” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “अनुचित”।

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार। जो “व्यवस्था के विरुद्ध”, “जिसकी अनुमती नहीं दी गई थी”उन नियमों के अनुसार।
- “व्यवस्था के अनुसार” करने का अर्थ है, “उचित” रूप में करना या “सही” करना।
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित माना जाता था लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था जो दूसरों से प्रेम करने के बारे में थी उससे सुसंगत नहीं थी।

- प्रकरण के अनुसार अनुवाद “उचित” हो सकते हैं “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह उचित है” का अनुवाद “क्या हमारी व्यवस्था अनुमति देती है?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

"व्यवस्था के विरुद्ध" और "वैध नहीं" शब्दों का उपयोग उन व्यवस्थाओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यवस्था को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु यहूदी मानव निर्मित नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है।
- वर्षों के दौरान, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में जोड़ा। यहूदी अगुवे कुछ को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहेंगे अगर यह उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं है।
- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज उठा रहे थे, तो फरीसियों ने उन पर कुछ “व्यवस्था के विरुद्ध” करने का आरोप लगाया क्योंकि यह उस दिन काम न करने के यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन भोजन सामग्री को खा लिया तो वह उन व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को कुछ भोजन सामग्री न खाने के बारे में दिए थे।

शब्द "अधर्म" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो व्यवस्था या नियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या लोगों का समूह "अधर्म" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता होती है।

- एक व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द को "व्यवस्था के विरुद्ध" एक शब्द या अभिव्यक्ति का उपयोग करके अनुवादित किया जाना चाहिए, जिसका अर्थ है "व्यवस्था की रूप से नहीं" या "व्यवस्था तोडना"।
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य तरीके "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुसार नहीं" या "हमारे व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो सकते हैं।"

- अभिव्यक्ति "व्यवस्था के खिलाफ" का समान अर्थ "व्यवस्था के विरुद्ध" है।

- "अधर्म" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।

- शब्द "अधर्म" का अनुवाद "किसी भी नियमों का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के खिलाफ)" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियमों का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के खिलाफ विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:02
- मत्ती 12:04
- मत्ती 12:10
- मरकुस 03:04
- लूका 06:02
- प्रेरि.02:23
- प्रेरि.10:28
- प्रेरि.22:25
- 2 थिस्स. 02:03
- तीतु. 02:14
- 1 यूह. 03:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H6530, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

उचित नहीं, अधर्म

परिभाषा:

- “व्यवस्था विरोधी” नियमों का उल्लंघन करनेवाले कामों का वर्णन करता है।
- नये नियम में “व्यवस्था विरोधी” उक्ति का उपयोग परमेश्वर के नियमों के उल्लंघन ही के लिए नहीं मानव निर्मित यहूदी परम्पराओं के उल्लंघन के लिए भी काम में ली जाती है।
- वर्षों के अन्तराल में यहूदियों ने परमेश्वर प्रदत्त व्यवस्था में अपनी परम्पराओं को जोड़ दिया था। यहूदी अगुवे मानव निर्मित परम्पराओं के उल्लंघन को “व्यवस्था विरोधी” कहते थे।
- यीशु के शिष्य सब्त के दिन गेहूँ की बालें तोड़ रहे थे तो फरीसियों ने उन्हें व्यवस्था विरोधी काम करने का दोषी ठहराया था क्योंकि वह सब्त के दिन विश्राम करने का यहूदी व्यवस्था का उल्लंघन कर रहा था।
- पतरस ने परमेश्वर से कहा कि अशुद्ध भोजन करना उसके लिए व्यवस्था विरोधी था तो उसके कहने का अर्थ था कि वह परमेश्वर द्वारा वर्जित भोजन खाकर नियमों का उल्लंघन करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में ऐसा शब्द या उक्ति काम में ले जिसका अर्थ “व्यवस्था सम्मत नहीं” या “व्यवस्था का उल्लंघन करना” हो।
- “व्यवस्था-विरोधी” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अनुमति नहीं” या “परमेश्वर के नियमों के अनुरूप नहीं” या “हमारी व्यवस्था के अनुरूप नहीं है”।
- “व्यवस्था के विरूद्ध” का अर्थ भी “व्यवस्था विरोधी” ही है।

(यह भी देखें: उचित, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 10:27-29
- मत्ती 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G111, G459

उचित नहीं, अधर्म

परिभाषा:

- “व्यवस्था विरोधी” नियमों का उल्लंघन करनेवाले कामों का वर्णन करता है।
- नये नियम में “व्यवस्था विरोधी” उक्ति का उपयोग परमेश्वर के नियमों के उल्लंघन ही के लिए नहीं मानव निर्मित यहूदी परम्पराओं के उल्लंघन के लिए भी काम में ली जाती है।
- वर्षों के अन्तराल में यहूदियों ने परमेश्वर प्रदत्त व्यवस्था में अपनी परम्पराओं को जोड़ दिया था। यहूदी अगुवे मानव निर्मित परम्पराओं के उल्लंघन को “व्यवस्था विरोधी” कहते थे।
- यीशु के शिष्य सब्त के दिन गेहूँ की बालें तोड़ रहे थे तो फरीसियों ने उन्हें व्यवस्था विरोधी काम करने का दोषी ठहराया था क्योंकि वह सब्त के दिन विश्राम करने का यहूदी व्यवस्था का उल्लंघन कर रहा था।
- पतरस ने परमेश्वर से कहा कि अशुद्ध भोजन करना उसके लिए व्यवस्था विरोधी था तो उसके कहने का अर्थ था कि वह परमेश्वर द्वारा वर्जित भोजन खाकर नियमों का उल्लंघन करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में ऐसा शब्द या उक्ति काम में ले जिसका अर्थ “व्यवस्था सम्मत नहीं” या “व्यवस्था का उल्लंघन करना” हो।
- “व्यवस्था-विरोधी” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अनुमति नहीं” या “परमेश्वर के नियमों के अनुरूप नहीं” या “हमारी व्यवस्था के अनुरूप नहीं है”।
- “व्यवस्था के विरूद्ध” का अर्थ भी “व्यवस्था विरोधी” ही है।

(यह भी देखें: उचित, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 10:27-29
- मत्ती 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G111, G459

उचित नहीं, अधर्म

परिभाषा:

- “व्यवस्था विरोधी” नियमों का उल्लंघन करनेवाले कामों का वर्णन करता है।
- नये नियम में “व्यवस्था विरोधी” उक्ति का उपयोग परमेश्वर के नियमों के उल्लंघन ही के लिए नहीं मानव निर्मित यहूदी परम्पराओं के उल्लंघन के लिए भी काम में ली जाती है।
- वर्षों के अन्तराल में यहूदियों ने परमेश्वर प्रदत्त व्यवस्था में अपनी परम्पराओं को जोड़ दिया था। यहूदी अगुवे मानव निर्मित परम्पराओं के उल्लंघन को “व्यवस्था विरोधी” कहते थे।
- यीशु के शिष्य सब्त के दिन गेहूँ की बालें तोड़ रहे थे तो फरीसियों ने उन्हें व्यवस्था विरोधी काम करने का दोषी ठहराया था क्योंकि वह सब्त के दिन विश्राम करने का यहूदी व्यवस्था का उल्लंघन कर रहा था।
- पतरस ने परमेश्वर से कहा कि अशुद्ध भोजन करना उसके लिए व्यवस्था विरोधी था तो उसके कहने का अर्थ था कि वह परमेश्वर द्वारा वर्जित भोजन खाकर नियमों का उल्लंघन करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में ऐसा शब्द या उक्ति काम में ले जिसका अर्थ “व्यवस्था सम्मत नहीं” या “व्यवस्था का उल्लंघन करना” हो।
- “व्यवस्था-विरोधी” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अनुमति नहीं” या “परमेश्वर के नियमों के अनुरूप नहीं” या “हमारी व्यवस्था के अनुरूप नहीं है”।
- “व्यवस्था के विरूद्ध” का अर्थ भी “व्यवस्था विरोधी” ही है।

(यह भी देखें: उचित, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 10:27-29
- मत्ती 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G111, G459

उचित नहीं, अधर्म

परिभाषा:

- “व्यवस्था विरोधी” नियमों का उल्लंघन करनेवाले कामों का वर्णन करता है।
- नये नियम में “व्यवस्था विरोधी” उक्ति का उपयोग परमेश्वर के नियमों के उल्लंघन ही के लिए नहीं मानव निर्मित यहूदी परम्पराओं के उल्लंघन के लिए भी काम में ली जाती है।
- वर्षों के अन्तराल में यहूदियों ने परमेश्वर प्रदत्त व्यवस्था में अपनी परम्पराओं को जोड़ दिया था। यहूदी अगुवे मानव निर्मित परम्पराओं के उल्लंघन को “व्यवस्था विरोधी” कहते थे।
- यीशु के शिष्य सब्त के दिन गेहूँ की बालें तोड़ रहे थे तो फरीसियों ने उन्हें व्यवस्था विरोधी काम करने का दोषी ठहराया था क्योंकि वह सब्त के दिन विश्राम करने का यहूदी व्यवस्था का उल्लंघन कर रहा था।
- पतरस ने परमेश्वर से कहा कि अशुद्ध भोजन करना उसके लिए व्यवस्था विरोधी था तो उसके कहने का अर्थ था कि वह परमेश्वर द्वारा वर्जित भोजन खाकर नियमों का उल्लंघन करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में ऐसा शब्द या उक्ति काम में ले जिसका अर्थ “व्यवस्था सम्मत नहीं” या “व्यवस्था का उल्लंघन करना” हो।
- “व्यवस्था-विरोधी” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अनुमति नहीं” या “परमेश्वर के नियमों के अनुरूप नहीं” या “हमारी व्यवस्था के अनुरूप नहीं है”।
- “व्यवस्था के विरूद्ध” का अर्थ भी “व्यवस्था विरोधी” ही है।

(यह भी देखें: उचित, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 10:27-29
- मत्ती 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G111, G459

उचित नहीं, अधर्म

परिभाषा:

- “व्यवस्था विरोधी” नियमों का उल्लंघन करनेवाले कामों का वर्णन करता है।
- नये नियम में “व्यवस्था विरोधी” उक्ति का उपयोग परमेश्वर के नियमों के उल्लंघन ही के लिए नहीं मानव निर्मित यहूदी परम्पराओं के उल्लंघन के लिए भी काम में ली जाती है।
- वर्षों के अन्तराल में यहूदियों ने परमेश्वर प्रदत्त व्यवस्था में अपनी परम्पराओं को जोड़ दिया था। यहूदी अगुवे मानव निर्मित परम्पराओं के उल्लंघन को “व्यवस्था विरोधी” कहते थे।
- यीशु के शिष्य सब्त के दिन गेहूँ की बालें तोड़ रहे थे तो फरीसियों ने उन्हें व्यवस्था विरोधी काम करने का दोषी ठहराया था क्योंकि वह सब्त के दिन विश्राम करने का यहूदी व्यवस्था का उल्लंघन कर रहा था।
- पतरस ने परमेश्वर से कहा कि अशुद्ध भोजन करना उसके लिए व्यवस्था विरोधी था तो उसके कहने का अर्थ था कि वह परमेश्वर द्वारा वर्जित भोजन खाकर नियमों का उल्लंघन करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में ऐसा शब्द या उक्ति काम में ले जिसका अर्थ “व्यवस्था सम्मत नहीं” या “व्यवस्था का उल्लंघन करना” हो।
- “व्यवस्था-विरोधी” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अनुमति नहीं” या “परमेश्वर के नियमों के अनुरूप नहीं” या “हमारी व्यवस्था के अनुरूप नहीं है”।
- “व्यवस्था के विरूद्ध” का अर्थ भी “व्यवस्था विरोधी” ही है।

(यह भी देखें: उचित, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 10:27-29
- मत्ती 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G111, G459

उचित नहीं, अधर्म

परिभाषा:

- “व्यवस्था विरोधी” नियमों का उल्लंघन करनेवाले कामों का वर्णन करता है।
- नये नियम में “व्यवस्था विरोधी” उक्ति का उपयोग परमेश्वर के नियमों के उल्लंघन ही के लिए नहीं मानव निर्मित यहूदी परम्पराओं के उल्लंघन के लिए भी काम में ली जाती है।

- वर्षों के अन्तराल में यहूदियों ने परमेश्वर प्रदत्त व्यवस्था में अपनी परम्पराओं को जोड़ दिया था। यहूदी अगुवे मानव निर्मित परम्पराओं के उल्लंघन को "व्यवस्था विरोधी" कहते थे।
- यीशु के शिष्य सब्त के दिन गेहूँ की बालें तोड़ रहे थे तो फरीसियों ने उन्हें व्यवस्था विरोधी काम करने का दोषी ठहराया था क्योंकि वह सब्त के दिन विश्राम करने का यहूदी व्यवस्था का उल्लंघन कर रहा था।
- पतरस ने परमेश्वर से कहा कि अशुद्ध भोजन करना उसके लिए व्यवस्था विरोधी था तो उसके कहने का अर्थ था कि वह परमेश्वर द्वारा वर्जित भोजन खाकर नियमों का उल्लंघन करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में ऐसा शब्द या उक्ति काम में ले जिसका अर्थ "व्यवस्था सम्मत नहीं" या "व्यवस्था का उल्लंघन करना" हो।
- "व्यवस्था-विरोधी" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुरूप नहीं" या "हमारी व्यवस्था के अनुरूप नहीं है"।
- "व्यवस्था के विरूद्ध" का अर्थ भी "व्यवस्था विरोधी" ही है।

(यह भी देखें: उचित, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 10:27-29
- मत्ती 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G111, G459

उचित नहीं, अधर्म

परिभाषा:

- "व्यवस्था विरोधी" नियमों का उल्लंघन करनेवाले कामों का वर्णन करता है।
- नये नियम में "व्यवस्था विरोधी" उक्ति का उपयोग परमेश्वर के नियमों के उल्लंघन ही के लिए नहीं मानव निर्मित यहूदी परम्पराओं के उल्लंघन के लिए भी काम में ली जाती है।

- वर्षों के अन्तराल में यहूदियों ने परमेश्वर प्रदत्त व्यवस्था में अपनी परम्पराओं को जोड़ दिया था। यहूदी अगुवे मानव निर्मित परम्पराओं के उल्लंघन को "व्यवस्था विरोधी" कहते थे।
- यीशु के शिष्य सब्त के दिन गेहूँ की बालें तोड़ रहे थे तो फरीसियों ने उन्हें व्यवस्था विरोधी काम करने का दोषी ठहराया था क्योंकि वह सब्त के दिन विश्राम करने का यहूदी व्यवस्था का उल्लंघन कर रहा था।
- पतरस ने परमेश्वर से कहा कि अशुद्ध भोजन करना उसके लिए व्यवस्था विरोधी था तो उसके कहने का अर्थ था कि वह परमेश्वर द्वारा वर्जित भोजन खाकर नियमों का उल्लंघन करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में ऐसा शब्द या उक्ति काम में ले जिसका अर्थ "व्यवस्था सम्मत नहीं" या "व्यवस्था का उल्लंघन करना" हो।
- "व्यवस्था-विरोधी" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "अनुमति नहीं" या "परमेश्वर के नियमों के अनुरूप नहीं" या "हमारी व्यवस्था के अनुरूप नहीं है"।
- "व्यवस्था के विरूद्ध" का अर्थ भी "व्यवस्था विरोधी" ही है।

(यह भी देखें: उचित, मूसा, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 10:27-29
- मत्ती 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G111, G459

उजड़, उजाड़, उजड़े

परिभाषा:

“उजड़” और “उजाड़” अर्थात किसी बसे हुए स्थान को ऐसा नष्ट करना कि वह निर्जन स्थान हो जाए।

- मनुष्य के संदर्भ में “उजड़” शब्द का अर्थ है, विनाश, अकेलापन और दुःख।
- उजड़ने की दशा को उजाड़ कहते हैं।
- खेती उजड़ने का अर्थ है खेती किसी कारण नष्ट हो गई जैसे टिड्डियों या आक्रमणकारी सेना द्वारा।
- “उजड़ा स्थान” अर्थात कम फसल एवं साग-पात के कारण बहुत ही कम लोग वहां रहते हैं।
- “निर्जन प्रदेश” या “जंगल” वे स्थान थे जहां समाज से बहिष्कृत जन (कोढ़ी) और वन पशु रहते थे।
- नगर का “उजाड़” होने का अर्थ है, उसके भवन और वस्तुएं नष्ट की गई या “चोरी की गई” और उसकी जनता मार डाली गई या बन्दी बना ली गई। वह नगर, “खाली” एवं “खण्डहर” हो गया। इसका अर्थ “उजाड़ करना” या “उजाड़” जैसा ही है परन्तु खाली होना मुख्य भाव है।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “विनाश” या “ध्वंस” या “निर्जन करना” या “अकेला और बहिष्कृत” या “सुनसान” हो सकता है।

(यह भी देखें: जंगल, नाश होगा, नष्ट करना, सत्यानाश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 22:17-19
- प्रे.का. 01:20
- दानिय्येल 09:17-19
- विलापगीत 03:9-11
- लूका 11:16-17
- मत्ती 12:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H490, H816, H820, H910, H1327, H1565, H2717, H2720, H2721, H2723, H3173, H3341, H3456, H3582, H4875, H4876, H4923, H5352, H5800, H7582, H7612, H7701, H7722, H8047, H8074, H8076, H8077, G2048, G2049, G2050, G3443

उजड़, उजाड़, उजड़े

परिभाषा:

“उजड़” और “उजाड़” अर्थात किसी बसे हुए स्थान को ऐसा नष्ट करना कि वह निर्जन स्थान हो जाए।

- मनुष्य के संदर्भ में “उजड़” शब्द का अर्थ है, विनाश, अकेलापन और दुःख।
- उजड़ने की दशा को उजाड़ कहते हैं।
- खेती उजड़ने का अर्थ है खेती किसी कारण नष्ट हो गई जैसे टिड्डियों या आक्रमणकारी सेना द्वारा।
- “उजड़ा स्थान” अर्थात कम फसल एवं साग-पात के कारण बहुत ही कम लोग वहां रहते हैं।
- “निर्जन प्रदेश” या “जंगल” वे स्थान थे जहां समाज से बहिष्कृत जन (कोढ़ी) और वन पशु रहते थे।
- नगर का “उजाड़” होने का अर्थ है, उसके भवन और वस्तुएं नष्ट की गई या “चोरी की गई” और उसकी जनता मार डाली गई या बन्दी बना ली गई। वह नगर, “खाली” एवं “खण्डहर” हो गया। इसका अर्थ “उजाड़ करना” या “उजाड़” जैसा ही है परन्तु खाली होना मुख्य भाव है।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “विनाश” या “ध्वंस” या “निर्जन करना” या “अकेला और बहिष्कृत” या “सुनसान” हो सकता है।

(यह भी देखें: जंगल, नाश होगा, नष्ट करना, सत्यानाश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 22:17-19
- प्रे.का. 01:20
- दानिय्येल 09:17-19
- विलापगीत 03:9-11
- लूका 11:16-17
- मत्ती 12:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H490, H816, H820, H910, H1327, H1565, H2717, H2720, H2721, H2723, H3173, H3341, H3456, H3582, H4875, H4876, H4923, H5352, H5800, H7582, H7612, H7701, H7722, H8047, H8074, H8076, H8077, G2048, G2049, G2050, G3443

उजड़, उजाड़, उजड़े

परिभाषा:

“उजड़” और “उजाड़” अर्थात किसी बसे हुए स्थान को ऐसा नष्ट करना कि वह निर्जन स्थान हो जाए।

- मनुष्य के संदर्भ में “उजड़” शब्द का अर्थ है, विनाश, अकेलापन और दुःख।
- उजड़ने की दशा को उजाड़ कहते हैं।
- खेती उजड़ने का अर्थ है खेती किसी कारण नष्ट हो गई जैसे टिड्डियों या आक्रमणकारी सेना द्वारा।
- “उजड़ा स्थान” अर्थात कम फसल एवं साग-पात के कारण बहुत ही कम लोग वहां रहते हैं।
- “निर्जन प्रदेश” या “जंगल” वे स्थान थे जहां समाज से बहिष्कृत जन (कोढ़ी) और वन पशु रहते थे।
- नगर का “उजाड़” होने का अर्थ है, उसके भवन और वस्तुएं नष्ट की गई या “चोरी की गई” और उसकी जनता मार डाली गई या बन्दी बना ली गई। वह नगर, “खाली” एवं “खण्डहर” हो गया। इसका अर्थ “उजाड़ करना” या “उजाड़” जैसा ही है परन्तु खाली होना मुख्य भाव है।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “विनाश” या “ध्वंस” या “निर्जन करना” या “अकेला और बहिष्कृत” या “सुनसान” हो सकता है।

(यह भी देखें: जंगल, नाश होगा, नष्ट करना, सत्यानाश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 22:17-19
- प्रे.का. 01:20
- दानिय्येल 09:17-19
- विलापगीत 03:9-11
- लूका 11:16-17
- मत्ती 12:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H490, H816, H820, H910, H1327, H1565, H2717, H2720, H2721, H2723, H3173, H3341, H3456, H3582, H4875, H4876, H4923, H5352, H5800, H7582, H7612, H7701, H7722, H8047, H8074, H8076, H8077, G2048, G2049, G2050, G3443

उजड़, उजाड़, उजड़े

परिभाषा:

“उजड़” और “उजाड़” अर्थात किसी बसे हुए स्थान को ऐसा नष्ट करना कि वह निर्जन स्थान हो जाए।

- मनुष्य के संदर्भ में “उजड़” शब्द का अर्थ है, विनाश, अकेलापन और दुःख।
- उजड़ने की दशा को उजाड़ कहते हैं।
- खेती उजड़ने का अर्थ है खेती किसी कारण नष्ट हो गई जैसे टिड्डियों या आक्रमणकारी सेना द्वारा।
- “उजड़ा स्थान” अर्थात कम फसल एवं साग-पात के कारण बहुत ही कम लोग वहां रहते हैं।
- “निर्जन प्रदेश” या “जंगल” वे स्थान थे जहां समाज से बहिष्कृत जन (कोढ़ी) और वन पशु रहते थे।
- नगर का “उजाड़” होने का अर्थ है, उसके भवन और वस्तुएं नष्ट की गई या “चोरी की गई” और उसकी जनता मार डाली गई या बन्दी बना ली गई। वह नगर, “खाली” एवं “खण्डहर” हो गया। इसका अर्थ “उजाड़ करना” या “उजाड़” जैसा ही है परन्तु खाली होना मुख्य भाव है।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “विनाश” या “ध्वंस” या “निर्जन करना” या “अकेला और बहिष्कृत” या “सुनसान” हो सकता है।

(यह भी देखें: जंगल, नाश होगा, नष्ट करना, सत्यानाश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 22:17-19
- प्रे.का. 01:20
- दानिय्येल 09:17-19

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- विलापगीत 03:9-11
- लूका 11:16-17
- मत्ती 12:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H490, H816, H820, H910, H1327, H1565, H2717, H2720, H2721, H2723, H3173, H3341, H3456, H3582, H4875, H4876, H4923, H5352, H5800, H7582, H7612, H7701, H7722, H8047, H8074, H8076, H8077, G2048, G2049, G2050, G3443

उजाड़

परिभाषा:

“उजाड़” अर्थात अनुपजाऊ या निष्फल।

- बंजर भूमि में पेड़ पौधे नहीं उगते हैं।
- स्त्री जो सन्तान उत्पन्न नहीं कर पाती है उसे बांझ कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- भूमि के संदर्भ में कहा जा सकता है, “अनुपजाऊ” या “निष्फल” या “पेड़-पौधों से रहित”
- स्त्री के संबन्ध में कहा जा सकता है, “निःसन्तान” या “संतान उत्पत्ति में अक्षम”।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:5
- गलातियों 04:26-27
- उत्पत्ति 11:29-30
- अय्यूब 03:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4420, H6115, H6135, H6723, H7909, H7921, G692, G4723

उजाड़

परिभाषा:

“उजाड़” अर्थात अनुपजाऊ या निष्फल।

- बंजर भूमि में पेड़ पौधे नहीं उगते हैं।
- स्त्री जो सन्तान उत्पन्न नहीं कर पाती है उसे बांझ कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- भूमि के संदर्भ में कहा जा सकता है, “अनुपजाऊ” या “निष्फल” या “पेड़-पौधों से रहित”
- स्त्री के संबन्ध में कहा जा सकता है, “निःसन्तान” या “संतान उत्पत्ति में अक्षम”।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:5
- गलातियों 04:26-27
- उत्पत्ति 11:29-30
- अय्यूब 03:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4420, H6115, H6135, H6723, H7909, H7921, G692, G4723

उजाड़

परिभाषा:

“उजाड़” अर्थात अनुपजाऊ या निष्फल।

- बंजर भूमि में पेड़ पौधे नहीं उगते हैं।
- स्त्री जो सन्तान उत्पन्न नहीं कर पाती है उसे बांझ कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- भूमि के संदर्भ में कहा जा सकता है, “अनुपजाऊ” या “निष्फल” या “पेड़-पौधों से रहित”
- स्त्री के संबन्ध में कहा जा सकता है, “निःसन्तान” या “संतान उत्पत्ति में अक्षम”।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:5
- गलातियों 04:26-27
- उत्पत्ति 11:29-30
- अय्यूब 03:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4420, H6115, H6135, H6723, H7909, H7921, G692, G4723

उजाड़

परिभाषा:

“उजाड़” अर्थात अनुपजाऊ या निष्फल।

- बंजर भूमि में पेड़ पौधे नहीं उगते हैं।
- स्त्री जो सन्तान उत्पन्न नहीं कर पाती है उसे बांझ कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- भूमि के संदर्भ में कहा जा सकता है, “अनुपजाऊ” या “निष्फल” या “पेड़-पौधों से रहित”
- स्त्री के संबन्ध में कहा जा सकता है, “निःसन्तान” या “संतान उत्पत्ति में अक्षम”।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:5
- गलातियों 04:26-27
- उत्पत्ति 11:29-30
- अय्यूब 03:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4420, H6115, H6135, H6723, H7909, H7921, G692, G4723

उजियाला, ज्योतियों, बिजली, बिजलियाँ, उजियाले, सूर्य के उजियाले, सांझ, प्रकाशित, ज्योतिर्मय

परिभाषा:

बाइबल में "उजियाला" शब्द के अनेक प्रतीकात्मक उपयोग किए गए हैं। इसका उपयोग अधिकतर धार्मिकता, पवित्रता और सत्य के रूपकों द्वारा किया जाता है।

- यीशु ने कहा, "जगत की ज्योति मैं हूँ" उसके कहने का अर्थ था वह संसार को परमेश्वर का सच्चा सन्देश सुनाता है और मनुष्यों को उनके पापों के अन्धकार से उबारता है।
- विश्वासियों को आज्ञा दी गई है, "ज्योति में चलो" अर्थात् उन्हें परमेश्वर की इच्छा के अनुसार जीवन जीना है और बुराई से बचना है।
- प्रेरित यूहन्ना ने कहा, "परमेश्वर ज्योति है" और उसमें अन्धकार नहीं
- ज्योति और अन्धकार एक दूसरे के पूर्णत: विपरीत हैं। अन्धकार का अर्थ है ज्योति का अभाव।
- यीशु ने कहा कि वह "जगत की ज्योति है" और उसके अनुयायियों को संसार में ज्योति की नाई चमकना है, उन्हें ऐसा जीवन रखना है जिससे स्पष्ट प्रकट हो कि परमेश्वर कैसा महान है।
- "ज्योति में चलो" अर्थात् ऐसा जीवन रखो जिससे परमेश्वर प्रसन्न होता है अर्थात् भलाई और उचित काम करो। अन्धकार में चलने का अर्थ है, परमेश्वर से विद्रोह करना और परेशान करना।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद में "ज्योति" और "अन्धकार" शब्दों को ज्यों का त्यों रखा जाए चाहे उनका उपयोग प्रतीकात्मक हो।
- अभिलेख की तुलना की व्याख्या करना आवश्यक है। उदाहरणार्थ, "ज्योति की सन्तान की नाईं चलो" इसका अनुवाद हो सकता है, खुला धर्मी जीवन जीओ जैसे कोई सूर्य के तीव्र प्रकाश में चलता है"।
- सुनिश्चित करो कि "उजियाला" का अनुवाद ऐसा संकेत दे कि वह ज्योति का स्रोत है जैसे दीपक। इस शब्द का अनुवाद उजियाला ही का संदर्भ है।

(यह भी देखें: अंधियारा, पवित्र, धर्मी, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 2 कुरिन्थियों 04:5-6
- प्रे.का. 06:7
- यशायाह 02:5-6
- यूहन्ना 01:4-5
- मत्ती 05:15-16
- मत्ती 06:22-24
- नहेम्याह 09:12-13
- प्रकाशितवाक्य 18:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H216, H217, H3313, H3974, H4237, H5051, H5094, H5105, H5216, H6348, H7052, H7837, G681, G796, G1645, G2985, G3088, G5338, G5457, G5458, G5460, G5462

उजियाला, ज्योतियों, बिजली, बिजलियाँ, उजियाले, सूर्य के उजियाले, सांझ, प्रकाशित, ज्योतिर्मय

परिभाषा:

बाइबल में "उजियाला" शब्द के अनेक प्रतीकात्मक उपयोग किए गए हैं। इसका उपयोग अधिकतर धार्मिकता, पवित्रता और सत्य के रूपकों द्वारा किया जाता है।

- यीशु ने कहा, "जगत की ज्योति मैं हूँ" उसके कहने का अर्थ था वह संसार को परमेश्वर का सच्चा सन्देश सुनाता है और मनुष्यों को उनके पापों के अन्धकार से उबारता है।
- विश्वासियों को आज्ञा दी गई है, "ज्योति में चलो" अर्थात् उन्हें परमेश्वर की इच्छा के अनुसार जीवन जीना है और बुराई से बचना है।
- प्रेरित यूहन्ना ने कहा, "परमेश्वर ज्योति है" और उसमें अन्धकार नहीं
- ज्योति और अन्धकार एक दूसरे के पूर्णत: विपरीत हैं। अन्धकार का अर्थ है ज्योति का अभाव।
- यीशु ने कहा कि वह "जगत की ज्योति है" और उसके अनुयायियों को संसार में ज्योति की नाई चमकना है, उन्हें ऐसा जीवन रखना है जिससे स्पष्ट प्रकट हो कि परमेश्वर कैसा महान है।

- “ज्योति में चलो” अर्थात् ऐसा जीवन रखो जिससे परमेश्वर प्रसन्न होता है अर्थात् भलाई और उचित काम करो। अन्धकार में चलने का अर्थ है, परमेश्वर से विद्रोह करना और परेशान करना।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद में “ज्योति” और “अन्धकार” शब्दों को ज्यों का त्यों रखा जाए चाहे उनका उपयोग प्रतीकात्मक हो।
- अभिलेख की तुलना की व्याख्या करना आवश्यक है। उदाहरणार्थ, “ज्योति की सन्तान की नाईं चलो” इसका अनुवाद हो सकता है, खुला धर्मी जीवन जीओ जैसे कोई सूर्य के तीव्र प्रकाश में चलता है”।
- सुनिश्चित करो कि “उजियाला” का अनुवाद ऐसा संकेत दे कि वह ज्योति का स्रोत है जैसे दीपक। इस शब्द का अनुवाद उजियाला ही का संदर्भ है।

(यह भी देखें: अंधियारा, पवित्र, धर्मी, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 2 कुरिन्थियों 04:5-6
- प्रे.का. 06:7
- यशायाह 02:5-6
- यूहन्ना 01:4-5
- मत्ती 05:15-16
- मत्ती 06:22-24
- नहेम्याह 09:12-13
- प्रकाशितवाक्य 18:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H216, H217, H3313, H3974, H4237, H5051, H5094, H5105, H5216, H6348, H7052, H7837, G681, G796, G1645, G2985, G3088, G5338, G5457, G5458, G5460, G5462

उजियाला, ज्योतियों, बिजली, बिजलियाँ, उजियाले, सूर्य के उजियाले, सांझ, प्रकाशित, ज्योतिर्मय

परिभाषा:

बाइबल में “उजियाला” शब्द के अनेक प्रतीकात्मक उपयोग किए गए हैं। इसका उपयोग अधिकतर धार्मिकता, पवित्रता और सत्य के रूपकों द्वारा किया जाता है।

- यीशु ने कहा, “जगत की ज्योति मैं हूँ” उसके कहने का अर्थ था वह संसार को परमेश्वर का सच्चा सन्देश सुनाता है और मनुष्यों को उनके पापों के अन्धकार से उबारता है।
- विश्वासियों को आज्ञा दी गई है, “ज्योति में चलो” अर्थात् उन्हें परमेश्वर की इच्छा के अनुसार जीवन जीना है और बुराई से बचना है।
- प्रेरित यूहन्ना ने कहा, “परमेश्वर ज्योति है” और उसमें अन्धकार नहीं
- ज्योति और अन्धकार एक दूसरे के पूर्णतः विपरीत हैं। अन्धकार का अर्थ है ज्योति का अभाव।
- यीशु ने कहा कि वह “जगत की ज्योति है” और उसके अनुयायियों को संसार में ज्योति की नाई चमकना है, उन्हें ऐसा जीवन रखना है जिससे स्पष्ट प्रकट हो कि परमेश्वर कैसा महान है।
- “ज्योति में चलो” अर्थात् ऐसा जीवन रखो जिससे परमेश्वर प्रसन्न होता है अर्थात् भलाई और उचित काम करो। अन्धकार में चलने का अर्थ है, परमेश्वर से विद्रोह करना और परेशान करना।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद में “ज्योति” और “अन्धकार” शब्दों को ज्यों का त्यों रखा जाए चाहे उनका उपयोग प्रतीकात्मक हो।
- अभिलेख की तुलना की व्याख्या करना आवश्यक है। उदाहरणार्थ, “ज्योति की सन्तान की नाईं चलो” इसका अनुवाद हो सकता है, खुला धर्मी जीवन जीओ जैसे कोई सूर्य के तीव्र प्रकाश में चलता है”।
- सुनिश्चित करो कि “उजियाला” का अनुवाद ऐसा संकेत दे कि वह ज्योति का स्रोत है जैसे दीपक। इस शब्द का अनुवाद उजियाला ही का संदर्भ है।

(यह भी देखें: अंधियारा, पवित्र, धर्मी, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7

- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 2 कुरिन्थियों 04:5-6
- प्रे.का. 06:7
- यशायाह 02:5-6
- यूहन्ना 01:4-5
- मत्ती 05:15-16
- मत्ती 06:22-24
- नहेम्याह 09:12-13
- प्रकाशितवाक्य 18:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H216, H217, H3313, H3974, H4237, H5051, H5094, H5105, H5216, H6348, H7052, H7837, G681, G796, G1645, G2985, G3088, G5338, G5457, G5458, G5460, G5462

उज्जियाह, अजर्याह

तथ्य:

उज्जिय्याह 16 वर्ष की आयु में यहूदा का राजा बना था और यरूशलेम में 52 वर्ष राज किया जो एक असाधारण दीर्घकालीन राजा था। उज्जिय्याह को अजर्याह नाम से भी जाना जाता था।

- उज्जिय्याह राजा अपनी सेना व्यवस्था और दक्षता के लिए जाना जाता था। अपने नगर की सुरक्षा के लिए गुम्मट बनवाए थे, उसने युद्ध के हथियारों को विशेष रूप से बनाया था जिनसे वह तीर चला सकता था और बड़े-बड़े पत्थर फेंक सकता था।
- वह जब तक परमेश्वर की सेवा में रहा समृद्ध होता गया। तथापि अपने राज्यकाल के अन्त समय में उसे घमण्ड हो गया था और मन्दिर में धूप जलाकर परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन किया क्योंकि धूप जलाना केवल याजकों का काम था।
- इस पाप के कारण उज्जिय्याह को कोढ़ हो गया था और अन्त तक सबसे अलग रहना पड़ा।

(यह भी देखें: यहूदा, राजा, कोढ़ी, राज करना, गुम्मट)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 14:20-22
- आमोस 01:1-2
- होशे 01:1-2
- यशायाह 06:1-2
- मत्ती 01:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5814, H5818, H5838, H5839

उठा लिया, जा लिया, दौड़ गया

परिभाषा:

“उठा लिया गया” प्रायः परमेश्वर द्वारा किसी को अकस्मात ही चमत्कारी रूप से स्वर्ग में उठा लेने के संदर्भ में होता है।

- “जा लिया” किसी के निकट शीघ्रता से पहुंचना इसी अर्थ का दूसरा शब्द है, “पड़ेगा”
- प्रेरित पौलुस तीसरे स्वर्ग में “उठा लिए जाने” की चर्चा करता है। इसका अनुवाद “ऊपर ले लेना” भी हो सकता है
- पौलुस कहता है कि जब मसीह पुनः आएगा तब विश्वासी उससे आकाश में भेंट करने के लिए “उठा लिए जाएंगे”।
- यह प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “मेरे अधर्म के कामों ने मुझे आ पकड़ा” इसका अनुवाद हो सकता है “मैं अपने पापों का परिणाम भोग रहा हूं” या “मेरे पापों के कारण मैं दुःख उठा रहा हूं” या “मेरे पाप मुझे कष्ट देते हैं”।

(देखें: चमत्कार, आ पड़े, दुःख उठाए, दुःख)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:1-2

- प्रे.का. 08:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1692, G726

उठा लिया, जा लिया, दौड़ गया

परिभाषा:

“उठा लिया गया” प्रायः परमेश्वर द्वारा किसी को अकस्मात ही चमत्कारी रूप से स्वर्ग में उठा लेने के संदर्भ में होता है।

- “जा लिया” किसी के निकट शीघ्रता से पहुंचना इसी अर्थ का दूसरा शब्द है, “पड़ेगा”
- प्रेरित पौलुस तीसरे स्वर्ग में “उठा लिए जाने” की चर्चा करता है। इसका अनुवाद “ऊपर ले लेना” भी हो सकता है
- पौलुस कहता है कि जब मसीह पुनः आएगा तब विश्वासी उससे आकाश में भेंट करने के लिए “उठा लिए जाएंगे”।
- यह प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “मेरे अधर्म के कामों ने मुझे आ पकड़ा” इसका अनुवाद हो सकता है “मैं अपने पापों का परिणाम भोग रहा हूं” या “मेरे पापों के कारण मैं दुःख उठा रहा हूं” या “मेरे पाप मुझे कष्ट देते हैं”।

(देखें: चमत्कार, आ पड़े, दुःख उठाए, दुःख)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:1-2
- प्रे.का. 08:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1692, G726

उठा लिया, जा लिया, दौड़ गया

परिभाषा:

“उठा लिया गया” प्रायः परमेश्वर द्वारा किसी को अकस्मात ही चमत्कारी रूप से स्वर्ग में उठा लेने के संदर्भ में होता है।

- “जा लिया” किसी के निकट शीघ्रता से पहुंचना इसी अर्थ का दूसरा शब्द है, “पड़ेगा”
- प्रेरित पौलुस तीसरे स्वर्ग में “उठा लिए जाने” की चर्चा करता है। इसका अनुवाद “ऊपर ले लेना” भी हो सकता है
- पौलुस कहता है कि जब मसीह पुनः आएगा तब विश्वासी उससे आकाश में भेंट करने के लिए “उठा लिए जाएंगे”।
- यह प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “मेरे अधर्म के कामों ने मुझे आ पकड़ा” इसका अनुवाद हो सकता है “मैं अपने पापों का परिणाम भोग रहा हूं” या “मेरे पापों के कारण मैं दुःख उठा रहा हूं” या “मेरे पाप मुझे कष्ट देते हैं”।

(देखें: चमत्कार, आ पड़े, दुःख उठाए, दुःख)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:1-2
- प्रे.का. 08:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1692, G726

उठा लिया, जा लिया, दौड़ गया

परिभाषा:

“उठा लिया गया” प्रायः परमेश्वर द्वारा किसी को अकस्मात ही चमत्कारी रूप से स्वर्ग में उठा लेने के संदर्भ में होता है।

- “जा लिया” किसी के निकट शीघ्रता से पहुंचना इसी अर्थ का दूसरा शब्द है, “पड़ेगा”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- प्रेरित पौलुस तीसरे स्वर्ग में “उठा लिए जाने” की चर्चा करता है। इसका अनुवाद “ऊपर ले लेना” भी हो सकता है
- पौलुस कहता है कि जब मसीह पुनः आएगा तब विश्वासी उससे आकाश में भेंट करने के लिए “उठा लिए जाएंगे”।
- यह प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “मेरे अधर्म के कामों ने मुझे आ पकड़ा” इसका अनुवाद हो सकता है “मैं अपने पापों का परिणाम भोग रहा हूं” या “मेरे पापों के कारण मैं दुःख उठा रहा हूं” या “मेरे पाप मुझे कष्ट देते हैं”।

(देखें: चमत्कार, आ पड़े, दुःख उठाए, दुःख)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:1-2
- प्रे.का. 08:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1692, G726

उठा लिया, जा लिया, दौड़ गया

परिभाषा:

“उठा लिया गया” प्रायः परमेश्वर द्वारा किसी को अकस्मात ही चमत्कारी रूप से स्वर्ग में उठा लेने के संदर्भ में होता है।

- “जा लिया” किसी के निकट शीघ्रता से पहुंचना इसी अर्थ का दूसरा शब्द है, “पड़ेगा”
- प्रेरित पौलुस तीसरे स्वर्ग में “उठा लिए जाने” की चर्चा करता है। इसका अनुवाद “ऊपर ले लेना” भी हो सकता है
- पौलुस कहता है कि जब मसीह पुनः आएगा तब विश्वासी उससे आकाश में भेंट करने के लिए “उठा लिए जाएंगे”।
- यह प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “मेरे अधर्म के कामों ने मुझे आ पकड़ा” इसका अनुवाद हो सकता है “मैं अपने पापों का परिणाम भोग रहा हूं” या “मेरे पापों के कारण मैं दुःख उठा रहा हूं” या “मेरे पाप मुझे कष्ट देते हैं”।

(देखें: चमत्कार, आ पड़े, दुःख उठाए, दुःख)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:1-2
- प्रे.का. 08:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1692, G726

उठा लिया, जा लिया, दौड़ गया

परिभाषा:

“उठा लिया गया” प्रायः परमेश्वर द्वारा किसी को अकस्मात ही चमत्कारी रूप से स्वर्ग में उठा लेने के संदर्भ में होता है।

- “जा लिया” किसी के निकट शीघ्रता से पहुंचना इसी अर्थ का दूसरा शब्द है, “पड़ेगा”
- प्रेरित पौलुस तीसरे स्वर्ग में “उठा लिए जाने” की चर्चा करता है। इसका अनुवाद “ऊपर ले लेना” भी हो सकता है
- पौलुस कहता है कि जब मसीह पुनः आएगा तब विश्वासी उससे आकाश में भेंट करने के लिए “उठा लिए जाएंगे”।
- यह प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “मेरे अधर्म के कामों ने मुझे आ पकड़ा” इसका अनुवाद हो सकता है “मैं अपने पापों का परिणाम भोग रहा हूं” या “मेरे पापों के कारण मैं दुःख उठा रहा हूं” या “मेरे पाप मुझे कष्ट देते हैं”।

(देखें: चमत्कार, आ पड़े, दुःख उठाए, दुःख)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:1-2
- प्रे.का. 08:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1692, G726

उठा लिया, जा लिया, दौड़ गया

परिभाषा:

“उठा लिया गया” प्रायः परमेश्वर द्वारा किसी को अकस्मात ही चमत्कारी रूप से स्वर्ग में उठा लेने के संदर्भ में होता है।

- “जा लिया” किसी के निकट शीघ्रता से पहुंचना इसी अर्थ का दूसरा शब्द है, “पड़ेगा”
- प्रेरित पौलुस तीसरे स्वर्ग में “उठा लिए जाने” की चर्चा करता है। इसका अनुवाद “ऊपर ले लेना” भी हो सकता है
- पौलुस कहता है कि जब मसीह पुनः आएगा तब विश्वासी उससे आकाश में भेंट करने के लिए “उठा लिए जाएंगे”।
- यह प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “मेरे अधर्म के कामों ने मुझे आ पकड़ा” इसका अनुवाद हो सकता है “मैं अपने पापों का परिणाम भोग रहा हूं” या “मेरे पापों के कारण मैं दुःख उठा रहा हूं” या “मेरे पाप मुझे कष्ट देते हैं”।

(देखें: चमत्कार, आ पड़े, दुःख उठाए, दुःख)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:1-2
- प्रे.का. 08:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1692, G726

उतरेगा, ढलान, उतर गया, उतरते, वंश, वंश

परिभाषा:

"वंशज वह मनुष्य है जो इतिहास में किसी पूर्वकालिक मनुष्य का सगा संबन्धि है।

- उदाहरणार्थ, अब्राहम नूह का वंशज था।
- वंशज किसी की सन्तान, पोते, परपोते आदि होते हैं। इस्राएल के बारह गोत्र याकूब के वंशज थे।
- वाक्यांश "से उतरा" के रूप में "के वंश" कहने का एक और तरीका है "अब्राहम नूह का वंशज था।" इसका अनुवाद “परिवार की रेखा से” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: अब्राहम, मूलपिता, इस्राएल, नूह, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 09:4-5
- प्रे.का. 13:23-25
- व्यवस्थाविवरण 02:20-22
- उत्पत्ति 10:1
- उत्पत्ति 28:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:09** “औरत का वंशज वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी को डसेगा।”
- **04:09** “मैं तेरे वंश को कनान देश देता हूँ।”
- **05:10** तेरे वंश को आकाश के तारागण के समान अनगिनित करूँगा |
- **17:07** तेरे ही वंश में से कोई एक राजा मेरे लोगों पर हमेशा के लिए शासन करेगा, और मसीह भी तुम्हारे वंश से होगा।”
- **18:13** यहूदा के राजा दाऊद के वंशज के थे।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीहा दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **48:13** परमेश्वर ने राजा दाऊद को वायदा किया था कि उसका एक वंशज परमेश्वर के लोगों पर सदा राज्य करता रहेगा। क्योंकि यीशु परमेश्वर का पुत्र है और मसीह है, वह दाऊद का वह विशेष वंशज है जो हमेशा राज्य कर सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H319, H1004, H1121, H1323, H1755, H2232, H2233, H3205, H3211, H3318, H3409, H4294, H5220, H6849, H7611, H8435, G1074, G1085, G4690

उतरेगा, ढलान, उतर गया, उतरते, वंश, वंश

परिभाषा:

"वंशज वह मनुष्य है जो इतिहास में किसी पूर्वकालिक मनुष्य का सगा संबन्धि है।

- उदाहरणार्थ, अब्राहम नूह का वंशज था।
- वंशज किसी की सन्तान, पोते, परपोते आदि होते हैं। इस्राएल के बारह गोत्र याकूब के वंशज थे।
- वाक्यांश "से उतरा" के रूप में "के वंश" कहने का एक और तरीका है "अब्राहम नूह का वंशज था।" इसका अनुवाद “परिवार की रेखा से” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: अब्राहम, मूलपिता, इस्राएल, नूह, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 09:4-5
- प्रे.का. 13:23-25
- व्यवस्थाविवरण 02:20-22
- उत्पत्ति 10:1
- उत्पत्ति 28:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:09** “औरत का वंशज वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी को डसेगा।”
- **04:09** “मैं तेरे वंश को कनान देश देता हूँ।”
- **05:10** तेरे वंश को आकाश के तारागण के समान अनगिनित करूँगा |
- **17:07** तेरे ही वंश में से कोई एक राजा मेरे लोगों पर हमेशा के लिए शासन करेगा, और मसीह भी तुम्हारे वंश से होगा।”
- **18:13** यहूदा के राजा दाऊद के वंशज के थे।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीहा दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **48:13** परमेश्वर ने राजा दाऊद को वायदा किया था कि उसका एक वंशज परमेश्वर के लोगों पर सदा राज्य करता रहेगा। क्योंकि यीशु परमेश्वर का पुत्र है और मसीह है, वह दाऊद का वह विशेष वंशज है जो हमेशा राज्य कर सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H319, H1004, H1121, H1323, H1755, H2232, H2233, H3205, H3211, H3318, H3409, H4294, H5220, H6849, H7611, H8435, G1074, G1085, G4690

उतरेगा, ढलान, उतर गया, उतरते, वंश, वंश

परिभाषा:

"वंशज वह मनुष्य है जो इतिहास में किसी पूर्वकालिक मनुष्य का सगा संबन्धि है।

- उदाहरणार्थ, अब्राहम नूह का वंशज था।
- वंशज किसी की सन्तान, पोते, परपोते आदि होते हैं। इस्राएल के बारह गोत्र याकूब के वंशज थे।
- वाक्यांश "से उतरा" के रूप में "के वंश" कहने का एक और तरीका है "अब्राहम नूह का वंशज था।" इसका अनुवाद “परिवार की रेखा से” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: अब्राहम, मूलपिता, इस्राएल, नूह, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 09:4-5
- प्रे.का. 13:23-25

- व्यवस्थाविवरण 02:20-22
- उत्पत्ति 10:1
- उत्पत्ति 28:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:09** “औरत का वंशज वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी को डसेगा।”
- **04:09** “मैं तेरे वंश को कनान देश देता हूँ।”
- **05:10** तेरे वंश को आकाश के तारागण के समान अनगिनित करूँगा |
- **17:07** तेरे ही वंश में से कोई एक राजा मेरे लोगों पर हमेशा के लिए शासन करेगा, और मसीह भी तुम्हारे वंश से होगा।”
- **18:13** यहूदा के राजा दाऊद के वंशज के थे।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीहा दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **48:13** परमेश्वर ने राजा दाऊद को वायदा किया था कि उसका एक वंशज परमेश्वर के लोगों पर सदा राज्य करता रहेगा। क्योंकि यीशु परमेश्वर का पुत्र है और मसीह है, वह दाऊद का वह विशेष वंशज है जो हमेशा राज्य कर सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H319, H1004, H1121, H1323, H1755, H2232, H2233, H3205, H3211, H3318, H3409, H4294, H5220, H6849, H7611, H8435, G1074, G1085, G4690

उत्तराधिकारी, वारिस

परिभाषा:

“उत्तराधिकारी” वह व्यक्ति है जो मृतक की धन सम्पदा को वैधानिक रूप से प्राप्त करता है।

- बाइबल के युग में पहिलौठा मुख्य उत्तराधिकारी होता है जिसे पिता की सम्पदा और धन का अधिकांश भाग मिलता है।
- बाइबल में “उत्तराधिकारी” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है, विश्वासी परमेश्वर पिता से आत्मिक लाभ पाते हैं।
- परमेश्वर की सन्तान होने के नाते विश्वासी मसीह यीशु के “संगी वारिस” कहलाते हैं। इसका अनुवाद हो सकता है, “सह उत्तराधिकारी” या “संगी उत्तराधिकारी” या “के साथ उत्तराधिकारी”।
- “उत्तराधिकारी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “लाभ प्राप्त करनेवाला मनुष्य” या अपने माता पिता या रिश्तेदार के मरने पर धन सम्पदा प्राप्त करने वाले के लिए भाषा में जो भी अभिव्यक्ति का उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पहलौठे,अधिकारी होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:1-2
- गलातियों 04:6-7
- उत्पत्ति 15:1
- उत्पत्ति 21:10-11
- लूका 20:14
- मरकुस 12:07
- मत्ती 21:38-39

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H1121, H3423, G2816, G2818, G2820, G4789

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

“उत्पन्न” अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “शान्ति की रचना करना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”

- “सृष्टि” शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।
- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में ” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया” या “जब संसार को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों को” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृष्टिकता” का अनुवाद “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।
- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया” हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

“उत्पन्न” अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “शान्ति की रचना करना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
- “सृष्टि” शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।
- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में ” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया” या “जब संसार को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों को” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृष्टिकता” का अनुवाद “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।
- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया” हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

"उत्पन्न" अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को "सृजनहार" कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी "रचना" प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे "शान्ति की रचना करना" या "मनुष्य में शुद्ध मन रचना"
- "सृष्टि" शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी "सृष्टि" शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने "शून्य से" सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- "जगत की सृष्टि के समय से" अर्थात "उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी"।
- समान वाक्यांश, "सृष्टि के आरंभ में " का अनुवाद किया जा सकता है, "जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया" या "जब संसार को पहली बार बनाया गया।"
- "सारी सृष्टि के लोगों को" सुसमाचार प्रचार करो अर्थात "संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को" सुसमाचार सुनाओ।
- "संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे" अर्थात "परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे"।
- प्रकरण के अनुसार "सृष्टि करना" का अनुवाद "बनाना" या "अस्तित्व में लाना" या "शून्य से उत्पन्न करना" हो सकता है।
- "सृष्टिकता" का अनुवाद "जिसने सब कुछ बनाया" या "परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की"।
- "तेरा सृजनहार" का अनुवाद "परमेश्वर जिसने तुझे बनाया" हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

“उत्पन्न” अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “शान्ति की रचना करना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
- “सृष्टि” शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।
- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में ” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया” या “जब संसार को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों को” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृष्टिकता” का अनुवाद “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।
- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया” हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

“उत्पन्न” अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “शान्ति की रचना करना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
- “सृष्टि” शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।

- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में ” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया” या “जब संसार को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों को” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृष्टिकता” का अनुवाद “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।
- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया” हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

“उत्पन्न” अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “शान्ति की रचना करना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
- “सृष्टि” शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।
- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में ” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया” या “जब संसार को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों को” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृष्टिकता” का अनुवाद “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।
- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया” हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

“उत्पन्न” अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “शान्ति की रचना करना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
- “सृष्टि” शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।
- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में ” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया” या “जब संसार को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों को” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृष्टिकता” का अनुवाद “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।
- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया” हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

“उत्पन्न” अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “शान्ति की रचना करना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
- “सृष्टि” शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।
- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में ” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया” या “जब संसार को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों को” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृष्टिकता” का अनुवाद “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।
- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया” हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

“उत्पन्न” अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “शान्ति की रचना करना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
- “सृष्टि” शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।
- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में ” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया” या “जब संसार को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों को” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृष्टिकता” का अनुवाद “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।
- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया” हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19

- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

“उत्पन्न” अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “शान्ति की रचना करना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
- “सृष्टि” शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।
- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में ” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया” या “जब संसार को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों को” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृष्टिकता” का अनुवाद “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।
- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया” हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

“उत्पन्न” अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।

- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “शान्ति की रचना करना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
- “सृष्टि” शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।
- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में ” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया” या “जब संसार को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों को” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृष्टिकता” का अनुवाद “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।
- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया” हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

“उत्पन्न” अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “शान्ति की रचना करना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
- “सृष्टि” शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।
- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में ” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया” या “जब संसार को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों को” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृष्टिकता” का अनुवाद “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।
- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया” हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

"उत्पन्न" अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को "सृजनहार" कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी "रचना" प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे "शान्ति की रचना करना" या "मनुष्य में शुद्ध मन रचना"
- "सृष्टि" शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी "सृष्टि" शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने "शून्य से" सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- "जगत की सृष्टि के समय से" अर्थात "उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी"।
- समान वाक्यांश, "सृष्टि के आरंभ में " का अनुवाद किया जा सकता है, "जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया" या "जब संसार को पहली बार बनाया गया।"
- "सारी सृष्टि के लोगों को" सुसमाचार प्रचार करो अर्थात "संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को" सुसमाचार सुनाओ।
- "संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे" अर्थात "परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे"।
- प्रकरण के अनुसार "सृष्टि करना" का अनुवाद "बनाना" या "अस्तित्व में लाना" या "शून्य से उत्पन्न करना" हो सकता है।
- "सृष्टिकता" का अनुवाद "जिसने सब कुछ बनाया" या "परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की"।
- "तेरा सृजनहार" का अनुवाद "परमेश्वर जिसने तुझे बनाया" हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

“उत्पन्न” अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “शान्ति की रचना करना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
- “सृष्टि” शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।
- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में ” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया” या “जब संसार को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों को” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृष्टिकता” का अनुवाद “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।
- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया” हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

“उत्पन्न” अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “शान्ति की रचना करना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
- “सृष्टि” शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।

- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में ” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया” या “जब संसार को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों को” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृष्टिकता” का अनुवाद “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।
- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया” हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

“उत्पन्न” अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “शान्ति की रचना करना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
- “सृष्टि” शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।
- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में ” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया” या “जब संसार को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों को” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृष्टिकता” का अनुवाद “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।
- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया” हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उत्पन्न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

परिभाषा:

“उत्पन्न” अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “शान्ति की रचना करना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
- “सृष्टि” शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।
- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में ” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया” या “जब संसार को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों को” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृष्टिकता” का अनुवाद “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।
- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया” हो सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ समाचार, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 14:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28

- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28

- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28

- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28

- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धार

परिभाषा:

“उद्धार” शब्द का अर्थ है बुराई और संकट से बचाया जाना ।

- बाइबल में उद्धार का अर्थ आमतौर पर परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक और अनन्त छुटकारा दिलाने से है, उनको जो अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और यीशु में विश्वास करते है।
- बाइबल में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को सांसारिक विरोधियों से बचाना और मुक्ति दिलाने की चर्चा भी की गई है।

अनुवाद के सुझाव:

- यह शब्द का अनुवाद "बचाव" या "छुटकारा" जैसे शब्दों से भी किया जा सकता है, जैसा कि “परमेश्वर के द्वारा लोगो को बचाना (अपने पापों के लिए दंडित होने से)” या "परमेश्वर के द्वारा लोगो को छुटकारा दिलाना (अपने शत्रुओं से)।
- " परमेश्वर मेरा उद्धार है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ही मुझे बचाता है।"
- "आप उद्धार के कुओं से पानी खींच लेंगे" का अनुवाद किया जा सकता है, "आप पानी से ताज़ा हो जाएंगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहे हैं।"

(यह भी देखें: बचाना, उद्धारकर्ता)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 28:28
- इफि. 06:17-18
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:30-32
- फिलिप्पुस 01:28-30
- प्रका. 19:1-2
- रोमियो 01:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H3467, H3468, H4190, H8668, G4991, G4992

उद्धारकर्ता, बचाने वाला

तथ्य:

“बचाने वाला” अर्थात किसी को सकंट से उबारने वाला इसका संदर्भ मनुष्यों को साहस बन्धानेवाले या उनके लिए प्रबन्ध करनेवाले से भी हो सकता है।

- पुराने नियम में परमेश्वर को इस्राएल का उद्धारकर्ता कहा गया है, क्योंकि उसने अधिकतर उन्हें शत्रुओं के हाथो से छुड़ाया था और उन्हें बल प्रदान किया था और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति की थी।
- नये नियम में “उद्धारकर्ता” शब्द यीशु मसीह के लिए एक पदनाम या व्याख्या स्वरूप काम में लिया गया है क्योंकि वह मनुष्यों को उनके पापों के अनन्त दण्ड से बचाता है। वह उन्हें पाप के वश से भी छुड़ाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- संभव हो तो “उद्धारकर्ता” का अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाना आवश्यक है जो “उद्धार करने” और “उद्धार” से ही संबन्धित हो।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “उद्धार करनेवाला” या "उद्धार करनेवाला परमेश्वर" या "संकट से बचानेवाला" या “शत्रुओं से बचानेवाला” या यीशु, पापों से बचानेवाला (लोगो को)।

(यह भी देखें: छुड़ाना, यीशु, उद्धार, बचाना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- 2 पतरस 02:20-22
- प्रे.का. 05:29-32
- यशा. 60:15-16
- लूका 01:46-47
- भजन संहिता 106:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3467, G4990

उद्धारकर्ता, बचाने वाला

तथ्य:

“बचाने वाला” अर्थात किसी को सकंट से उबारने वाला इसका संदर्भ मनुष्यों को साहस बन्धानेवाले या उनके लिए प्रबन्ध करनेवाले से भी हो सकता है।

- पुराने नियम में परमेश्वर को इस्राएल का उद्धारकर्ता कहा गया है, क्योंकि उसने अधिकतर उन्हें शत्रुओं के हाथो से छुड़ाया था और उन्हें बल प्रदान किया था और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति की थी।
- नये नियम में “उद्धारकर्ता” शब्द यीशु मसीह के लिए एक पदनाम या व्याख्या स्वरूप काम में लिया गया है क्योंकि वह मनुष्यों को उनके पापों के अनन्त दण्ड से बचाता है। वह उन्हें पाप के वश से भी छुड़ाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- संभव हो तो “उद्धारकर्ता” का अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाना आवश्यक है जो “उद्धार करने” और “उद्धार” से ही संबन्धित हो।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “उद्धार करनेवाला” या "उद्धार करनेवाला परमेश्वर" या "संकट से बचानेवाला" या “शत्रुओं से बचानेवाला” या यीशु, पापों से बचानेवाला (लोगो को)।

(यह भी देखें: छुड़ाना, यीशु, उद्धार, बचाना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- 2 पतरस 02:20-22
- प्रे.का. 05:29-32
- यशा. 60:15-16
- लूका 01:46-47
- भजन संहिता 106:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3467, G4990

उद्धारकर्ता, बचाने वाला

तथ्य:

“बचाने वाला” अर्थात किसी को सकंट से उबारने वाला इसका संदर्भ मनुष्यों को साहस बन्धानेवाले या उनके लिए प्रबन्ध करनेवाले से भी हो सकता है।

- पुराने नियम में परमेश्वर को इस्राएल का उद्धारकर्ता कहा गया है, क्योंकि उसने अधिकतर उन्हें शत्रुओं के हाथो से छुड़ाया था और उन्हें बल प्रदान किया था और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति की थी।
- नये नियम में “उद्धारकर्ता” शब्द यीशु मसीह के लिए एक पदनाम या व्याख्या स्वरूप काम में लिया गया है क्योंकि वह मनुष्यों को उनके पापों के अनन्त दण्ड से बचाता है। वह उन्हें पाप के वश से भी छुड़ाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- संभव हो तो “उद्धारकर्ता” का अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाना आवश्यक है जो “उद्धार करने” और “उद्धार” से ही संबन्धित हो।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “उद्धार करनेवाला” या "उद्धार करनेवाला परमेश्वर" या "संकट से बचानेवाला" या “शत्रुओं से बचानेवाला” या यीशु, पापों से बचानेवाला (लोगो को)।

(यह भी देखें: छुड़ाना, यीशु, उद्धार, बचाना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- 2 पतरस 02:20-22
- प्रे.का. 05:29-32
- यशा. 60:15-16
- लूका 01:46-47
- भजन संहिता 106:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3467, G4990

उद्धारकर्ता, बचाने वाला

तथ्य:

“बचाने वाला” अर्थात किसी को सकंट से उबारने वाला इसका संदर्भ मनुष्यों को साहस बन्धानेवाले या उनके लिए प्रबन्ध करनेवाले से भी हो सकता है।

- पुराने नियम में परमेश्वर को इस्राएल का उद्धारकर्ता कहा गया है, क्योंकि उसने अधिकतर उन्हें शत्रुओं के हाथो से छुड़ाया था और उन्हें बल प्रदान किया था और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति की थी।
- नये नियम में “उद्धारकर्ता” शब्द यीशु मसीह के लिए एक पदनाम या व्याख्या स्वरूप काम में लिया गया है क्योंकि वह मनुष्यों को उनके पापों के अनन्त दण्ड से बचाता है। वह उन्हें पाप के वश से भी छुड़ाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- संभव हो तो “उद्धारकर्ता” का अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाना आवश्यक है जो “उद्धार करने” और “उद्धार” से ही संबन्धित हो।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “उद्धार करनेवाला” या "उद्धार करनेवाला परमेश्वर" या "संकट से बचानेवाला" या “शत्रुओं से बचानेवाला” या यीशु, पापों से बचानेवाला (लोगो को)।

(यह भी देखें: छुड़ाना, यीशु, उद्धार, बचाना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- 2 पतरस 02:20-22

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- प्रे.का. 05:29-32
- यशा. 60:15-16
- लूका 01:46-47
- भजन संहिता 106:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3467, G4990

उद्धारकर्ता, बचाने वाला

तथ्य:

“बचाने वाला” अर्थात किसी को सकंट से उबारने वाला इसका संदर्भ मनुष्यों को साहस बन्धानेवाले या उनके लिए प्रबन्ध करनेवाले से भी हो सकता है।

- पुराने नियम में परमेश्वर को इस्राएल का उद्धारकर्ता कहा गया है, क्योंकि उसने अधिकतर उन्हें शत्रुओं के हाथो से छुड़ाया था और उन्हें बल प्रदान किया था और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति की थी।
- नये नियम में “उद्धारकर्ता” शब्द यीशु मसीह के लिए एक पदनाम या व्याख्या स्वरूप काम में लिया गया है क्योंकि वह मनुष्यों को उनके पापों के अनन्त दण्ड से बचाता है। वह उन्हें पाप के वश से भी छुड़ाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- संभव हो तो “उद्धारकर्ता” का अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाना आवश्यक है जो “उद्धार करने” और “उद्धार” से ही संबन्धित हो।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “उद्धार करनेवाला” या "उद्धार करनेवाला परमेश्वर" या "संकट से बचानेवाला" या “शत्रुओं से बचानेवाला” या यीशु, पापों से बचानेवाला (लोगो को)।

(यह भी देखें: छुड़ाना, यीशु, उद्धार, बचाना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- 2 पतरस 02:20-22
- प्रे.का. 05:29-32
- यशा. 60:15-16
- लूका 01:46-47
- भजन संहिता 106:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3467, G4990

उद्धारकर्ता, बचाने वाला

तथ्य:

“बचाने वाला” अर्थात किसी को सकंट से उबारने वाला इसका संदर्भ मनुष्यों को साहस बन्धानेवाले या उनके लिए प्रबन्ध करनेवाले से भी हो सकता है।

- पुराने नियम में परमेश्वर को इस्राएल का उद्धारकर्ता कहा गया है, क्योंकि उसने अधिकतर उन्हें शत्रुओं के हाथो से छुड़ाया था और उन्हें बल प्रदान किया था और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति की थी।
- नये नियम में “उद्धारकर्ता” शब्द यीशु मसीह के लिए एक पदनाम या व्याख्या स्वरूप काम में लिया गया है क्योंकि वह मनुष्यों को उनके पापों के अनन्त दण्ड से बचाता है। वह उन्हें पाप के वश से भी छुड़ाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- संभव हो तो “उद्धारकर्ता” का अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाना आवश्यक है जो “उद्धार करने” और “उद्धार” से ही संबन्धित हो।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “उद्धार करनेवाला” या "उद्धार करनेवाला परमेश्वर" या "संकट से बचानेवाला" या “शत्रुओं से बचानेवाला” या यीशु, पापों से बचानेवाला (लोगो को)।

(यह भी देखें: छुड़ाना, यीशु, उद्धार, बचाना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- 2 पतरस 02:20-22
- प्रे.का. 05:29-32
- यशा. 60:15-16
- लूका 01:46-47
- भजन संहिता 106:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3467, G4990

उद्धारकर्ता, बचाने वाला

तथ्य:

“बचाने वाला” अर्थात किसी को सकंट से उबारने वाला इसका संदर्भ मनुष्यों को साहस बन्धानेवाले या उनके लिए प्रबन्ध करनेवाले से भी हो सकता है।

- पुराने नियम में परमेश्वर को इस्राएल का उद्धारकर्ता कहा गया है, क्योंकि उसने अधिकतर उन्हें शत्रुओं के हाथो से छुड़ाया था और उन्हें बल प्रदान किया था और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति की थी।
- नये नियम में “उद्धारकर्ता” शब्द यीशु मसीह के लिए एक पदनाम या व्याख्या स्वरूप काम में लिया गया है क्योंकि वह मनुष्यों को उनके पापों के अनन्त दण्ड से बचाता है। वह उन्हें पाप के वश से भी छुड़ाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- संभव हो तो “उद्धारकर्ता” का अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाना आवश्यक है जो “उद्धार करने” और “उद्धार” से ही संबन्धित हो।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “उद्धार करनेवाला” या "उद्धार करनेवाला परमेश्वर" या "संकट से बचानेवाला" या “शत्रुओं से बचानेवाला” या यीशु, पापों से बचानेवाला (लोगो को)।

(यह भी देखें: छुड़ाना, यीशु, उद्धार, बचाना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- 2 पतरस 02:20-22
- प्रे.का. 05:29-32
- यशा. 60:15-16
- लूका 01:46-47
- भजन संहिता 106:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3467, G4990

उद्धारकर्ता, बचाने वाला

तथ्य:

“बचाने वाला” अर्थात किसी को सकंट से उबारने वाला इसका संदर्भ मनुष्यों को साहस बन्धानेवाले या उनके लिए प्रबन्ध करनेवाले से भी हो सकता है।

- पुराने नियम में परमेश्वर को इस्राएल का उद्धारकर्ता कहा गया है, क्योंकि उसने अधिकतर उन्हें शत्रुओं के हाथो से छुड़ाया था और उन्हें बल प्रदान किया था और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति की थी।
- नये नियम में “उद्धारकर्ता” शब्द यीशु मसीह के लिए एक पदनाम या व्याख्या स्वरूप काम में लिया गया है क्योंकि वह मनुष्यों को उनके पापों के अनन्त दण्ड से बचाता है। वह उन्हें पाप के वश से भी छुड़ाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- संभव हो तो “उद्धारकर्ता” का अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाना आवश्यक है जो “उद्धार करने” और “उद्धार” से ही संबन्धित हो।

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “उद्धार करनेवाला” या "उद्धार करनेवाला परमेश्वर" या "संकट से बचानेवाला" या “शत्रुओं से बचानेवाला” या यीशु, पापों से बचानेवाला (लोगो को)।

(यह भी देखें: छुड़ाना, यीशु, उद्धार, बचाना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- 2 पतरस 02:20-22
- प्रे.का. 05:29-32
- यशा. 60:15-16
- लूका 01:46-47
- भजन संहिता 106:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3467, G4990

उद्धारकर्ता, बचाने वाला

तथ्य:

“बचाने वाला” अर्थात किसी को सकंट से उबारने वाला इसका संदर्भ मनुष्यों को साहस बन्धानेवाले या उनके लिए प्रबन्ध करनेवाले से भी हो सकता है।

- पुराने नियम में परमेश्वर को इस्राएल का उद्धारकर्ता कहा गया है, क्योंकि उसने अधिकतर उन्हें शत्रुओं के हाथो से छुड़ाया था और उन्हें बल प्रदान किया था और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति की थी।
- नये नियम में “उद्धारकर्ता” शब्द यीशु मसीह के लिए एक पदनाम या व्याख्या स्वरूप काम में लिया गया है क्योंकि वह मनुष्यों को उनके पापों के अनन्त दण्ड से बचाता है। वह उन्हें पाप के वश से भी छुड़ाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- संभव हो तो “उद्धारकर्ता” का अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाना आवश्यक है जो “उद्धार करने” और “उद्धार” से ही संबन्धित हो।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “उद्धार करनेवाला” या "उद्धार करनेवाला परमेश्वर" या "संकट से बचानेवाला" या “शत्रुओं से बचानेवाला” या यीशु, पापों से बचानेवाला (लोगो को)।

(यह भी देखें: छुड़ाना, यीशु, उद्धार, बचाना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- 2 पतरस 02:20-22
- प्रे.का. 05:29-32
- यशा. 60:15-16
- लूका 01:46-47
- भजन संहिता 106:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3467, G4990

उद्धारकर्ता, बचाने वाला

तथ्य:

“बचाने वाला” अर्थात किसी को सकंट से उबारने वाला इसका संदर्भ मनुष्यों को साहस बन्धानेवाले या उनके लिए प्रबन्ध करनेवाले से भी हो सकता है।

- पुराने नियम में परमेश्वर को इस्राएल का उद्धारकर्ता कहा गया है, क्योंकि उसने अधिकतर उन्हें शत्रुओं के हाथो से छुड़ाया था और उन्हें बल प्रदान किया था और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति की थी।

- नये नियम में “उद्धारकर्ता” शब्द यीशु मसीह के लिए एक पदनाम या व्याख्या स्वरूप काम में लिया गया है क्योंकि वह मनुष्यों को उनके पापों के अनन्त दण्ड से बचाता है। वह उन्हें पाप के वश से भी छुड़ाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- संभव हो तो “उद्धारकर्ता” का अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाना आवश्यक है जो “उद्धार करने” और “उद्धार” से ही संबन्धित हो।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “उद्धार करनेवाला” या "उद्धार करनेवाला परमेश्वर" या "संकट से बचानेवाला" या “शत्रुओं से बचानेवाला” या यीशु, पापों से बचानेवाला (लोगो को)।

(यह भी देखें: छुड़ाना, यीशु, उद्धार, बचाना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- 2 पतरस 02:20-22
- प्रे.का. 05:29-32
- यशा. 60:15-16
- लूका 01:46-47
- भजन संहिता 106:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3467, G4990

उद्धारकर्ता, बचाने वाला

तथ्य:

“बचाने वाला” अर्थात किसी को सकंट से उबारने वाला इसका संदर्भ मनुष्यों को साहस बन्धानेवाले या उनके लिए प्रबन्ध करनेवाले से भी हो सकता है।

- पुराने नियम में परमेश्वर को इस्राएल का उद्धारकर्ता कहा गया है, क्योंकि उसने अधिकतर उन्हें शत्रुओं के हाथो से छुड़ाया था और उन्हें बल प्रदान किया था और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति की थी।
- नये नियम में “उद्धारकर्ता” शब्द यीशु मसीह के लिए एक पदनाम या व्याख्या स्वरूप काम में लिया गया है क्योंकि वह मनुष्यों को उनके पापों के अनन्त दण्ड से बचाता है। वह उन्हें पाप के वश से भी छुड़ाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- संभव हो तो “उद्धारकर्ता” का अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाना आवश्यक है जो “उद्धार करने” और “उद्धार” से ही संबन्धित हो।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “उद्धार करनेवाला” या "उद्धार करनेवाला परमेश्वर" या "संकट से बचानेवाला" या “शत्रुओं से बचानेवाला” या यीशु, पापों से बचानेवाला (लोगो को)।

(यह भी देखें: छुड़ाना, यीशु, उद्धार, बचाना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- 2 पतरस 02:20-22
- प्रे.का. 05:29-32
- यशा. 60:15-16
- लूका 01:46-47
- भजन संहिता 106:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3467, G4990

उपज, फसल, लवनी, कटनी, लवनेवाला

परिभाषा:

“उपज” शब्द का अर्थ है पेड़-पौधों से पके फल या सब्जियाँ एकत्र करना। “काटना" शब्द का अर्थ फसलों की कटाई करना है।

- कटनी का समय फसल पकने का समय होता है।
- इस्राएल कटनी का पर्व मनाता था कि भोजन की फसल काटें। परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी कि वे उसके लिए पहला फल चढाएं।
- प्रतीकात्मक रूप में “उपज” का संदर्भ यीशु में विश्वास करने वाले लोगों से या मनुष्य की आत्मिक उन्नति के वर्णन से हो सकता है।
- आत्मिक फसल की कटनी का विचार फलों के रूपक से सुसंगत हो सकता है, ईश्वर भक्ति के चारित्रिक गुण।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में फसल काटने के शब्द द्वारा किया जाए।
- कटनी का अनुवाद हो सकता है, “फल एकत्र करने का समय” या “फसल उठाने का समय” या “फल तोड़ने का समय”।
- “लवनी करना” का अनुवाद हो सकता है, “एकत्र करना”, “तोड़ना” या “संग्रह करना”

(यह भी देखें: पहली उपज, पर्व, पर्व)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:9-11
- 2 शमूएल 21:7-9
- गलातियों 06:9-10
- यशायाह 17:10-11
- याकूब 05:7-8
- लैव्यव्यवस्था 19:9-10
- मत्ती 09:37-38
- रूत 01:22
- मत्ती, 06:25-26
- मत्ती, 13:30
- मत्ती, 13:36-39
- मत्ती, 25:24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2758, H4395, H4672 H7105, H7114, H7938, G270, G2325, G2326, G2327

उपज, फसल, लवनी, कटनी, लवनेवाला

परिभाषा:

“उपज” शब्द का अर्थ है पेड़-पौधों से पके फल या सब्जियाँ एकत्र करना। “काटना" शब्द का अर्थ फसलों की कटाई करना है।

- कटनी का समय फसल पकने का समय होता है।
- इस्राएल कटनी का पर्व मनाता था कि भोजन की फसल काटें। परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी कि वे उसके लिए पहला फल चढाएं।
- प्रतीकात्मक रूप में “उपज” का संदर्भ यीशु में विश्वास करने वाले लोगों से या मनुष्य की आत्मिक उन्नति के वर्णन से हो सकता है।
- आत्मिक फसल की कटनी का विचार फलों के रूपक से सुसंगत हो सकता है, ईश्वर भक्ति के चारित्रिक गुण।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में फसल काटने के शब्द द्वारा किया जाए।
- कटनी का अनुवाद हो सकता है, “फल एकत्र करने का समय” या “फसल उठाने का समय” या “फल तोड़ने का समय”।
- “लवनी करना” का अनुवाद हो सकता है, “एकत्र करना”, “तोड़ना” या “संग्रह करना”

(यह भी देखें: पहली उपज, पर्व, पर्व)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:9-11
- 2 शमूएल 21:7-9
- गलातियों 06:9-10
- यशायाह 17:10-11
- याकूब 05:7-8
- लैव्यव्यवस्था 19:9-10
- मत्ती 09:37-38
- रूत 01:22
- मत्ती, 06:25-26
- मत्ती, 13:30
- मत्ती, 13:36-39
- मत्ती, 25:24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2758, H4395, H4672 H7105, H7114, H7938, G270, G2325, G2326, G2327

उपज, फसल, लवनी, कटनी, लवनेवाला

परिभाषा:

“उपज” शब्द का अर्थ है पेड़-पौधों से पके फल या सब्जियाँ एकत्र करना। “काटना" शब्द का अर्थ फसलों की कटाई करना है।

- कटनी का समय फसल पकने का समय होता है।
- इस्राएल कटनी का पर्व मनाता था कि भोजन की फसल काटें। परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी कि वे उसके लिए पहला फल चढाएं।
- प्रतीकात्मक रूप में “उपज” का संदर्भ यीशु में विश्वास करने वाले लोगों से या मनुष्य की आत्मिक उन्नति के वर्णन से हो सकता है।
- आत्मिक फसल की कटनी का विचार फलों के रूपक से सुसंगत हो सकता है, ईश्वर भक्ति के चारित्रिक गुण।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में फसल काटने के शब्द द्वारा किया जाए।
- कटनी का अनुवाद हो सकता है, “फल एकत्र करने का समय” या “फसल उठाने का समय” या “फल तोड़ने का समय”।
- “लवनी करना” का अनुवाद हो सकता है, “एकत्र करना”, “तोड़ना” या “संग्रह करना”

(यह भी देखें: पहली उपज, पर्व, पर्व)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:9-11
- 2 शमूएल 21:7-9
- गलातियों 06:9-10
- यशायाह 17:10-11
- याकूब 05:7-8
- लैव्यव्यवस्था 19:9-10
- मत्ती 09:37-38
- रूत 01:22
- मत्ती, 06:25-26
- मत्ती, 13:30
- मत्ती, 13:36-39
- मत्ती, 25:24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2758, H4395, H4672 H7105, H7114, H7938, G270, G2325, G2326, G2327

उपवास, उपवास करना

परिभाषा:

उपवास करना अर्थात कुछ समय भोजन नहीं करना जैसे एक दिन या अधिक समय। कभी-कभी उपवास में पानी भी नहीं पिया जाता है।

- उपवास मनुष्यों की सहायता करता है कि परमेश्वर में ध्यान केन्द्रित करें और भोजन पकाने और खाने की चिन्ता किए बिना प्रार्थना कर पाएं।
- यीशु ने यहूदी धर्म गुरूओं द्वारा अनुचित कारणों से उपवास करने की आलोचना की थी। उपवास रखने में उनका उद्देश्य था कि लोग उन्हें धर्मी समझें।
- मनुष्य कभी-कभी दुःख या शोक के कारण भी उपवास रखता है।
- “उपवास करना” इस क्रिया का अनुवाद हो सकता है, “खाने का त्याग करना” या “खाना नहीं खाना”
- “उपवास” संज्ञा शब्द का अनुवाद हो सकता है, “खाना नहीं, खाने का समय” या “खाना खाने के त्याग का समय”

(यह भी देखें: यहूदियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 21:8-10
- 2 इतिहास 20:3-4
- प्रे.का. 13:1-3
- योना 03:4-5
- लूका 05:33-35
- मरकुस 02:18-19
- मत्ती 06:16-18
- मत्ती 09:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:01** तुरन्त ही यीशु के बपतिस्मा लेने के बाद, आत्मा ने यीशु को जंगल की ओर भेजा जहाँ उन्होंने चालीस दिन और चालीस रात उपवास किया ।
- **34:08** “उदाहरण के लिये, मैं सप्ताह में दो बार उपवास रखता हूँ; मैं अपनी सब कमाई का दसवाँ अंश भी देता हूँ।”
- **46:10** एक दिन जब अन्ताकिया की कलीसिया के मसीही उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा, "मेरे लिये बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिसके लिये मैं ने उन्हें बुलाया है।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2908, H5144, H6684, H6685, G777, G3521, G3522, G3523

उपवास, उपवास करना

परिभाषा:

उपवास करना अर्थात कुछ समय भोजन नहीं करना जैसे एक दिन या अधिक समय। कभी-कभी उपवास में पानी भी नहीं पिया जाता है।

- उपवास मनुष्यों की सहायता करता है कि परमेश्वर में ध्यान केन्द्रित करें और भोजन पकाने और खाने की चिन्ता किए बिना प्रार्थना कर पाएं।
- यीशु ने यहूदी धर्म गुरूओं द्वारा अनुचित कारणों से उपवास करने की आलोचना की थी। उपवास रखने में उनका उद्देश्य था कि लोग उन्हें धर्मी समझें।
- मनुष्य कभी-कभी दुःख या शोक के कारण भी उपवास रखता है।
- “उपवास करना” इस क्रिया का अनुवाद हो सकता है, “खाने का त्याग करना” या “खाना नहीं खाना”
- “उपवास” संज्ञा शब्द का अनुवाद हो सकता है, “खाना नहीं, खाने का समय” या “खाना खाने के त्याग का समय”

(यह भी देखें: यहूदियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 21:8-10
- 2 इतिहास 20:3-4
- प्रे.का. 13:1-3
- योना 03:4-5
- लूका 05:33-35
- मरकुस 02:18-19
- मत्ती 06:16-18

- मत्ती 09:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:01** तुरन्त ही यीशु के बपतिस्मा लेने के बाद, आत्मा ने यीशु को जंगल की ओर भेजा जहाँ उन्होंने चालीस दिन और चालीस रात उपवास किया ।
- **34:08** “उदाहरण के लिये, मैं सप्ताह में दो बार उपवास रखता हूँ; मैं अपनी सब कमाई का दसवाँ अंश भी देता हूँ।”
- **46:10** एक दिन जब अन्ताकिया की कलीसिया के मसीही उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा, "मेरे लिये बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिसके लिये मैं ने उन्हें बुलाया है।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2908, H5144, H6684, H6685, G777, G3521, G3522, G3523

उपवास, उपवास करना

परिभाषा:

उपवास करना अर्थात कुछ समय भोजन नहीं करना जैसे एक दिन या अधिक समय। कभी-कभी उपवास में पानी भी नहीं पिया जाता है।

- उपवास मनुष्यों की सहायता करता है कि परमेश्वर में ध्यान केन्द्रित करें और भोजन पकाने और खाने की चिन्ता किए बिना प्रार्थना कर पाएं।
- यीशु ने यहूदी धर्म गुरूओं द्वारा अनुचित कारणों से उपवास करने की आलोचना की थी। उपवास रखने में उनका उद्देश्य था कि लोग उन्हें धर्मी समझें।
- मनुष्य कभी-कभी दुःख या शोक के कारण भी उपवास रखता है।
- “उपवास करना” इस क्रिया का अनुवाद हो सकता है, “खाने का त्याग करना” या “खाना नहीं खाना”
- “उपवास” संज्ञा शब्द का अनुवाद हो सकता है, “खाना नहीं, खाने का समय” या “खाना खाने के त्याग का समय”

(यह भी देखें: यहूदियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 21:8-10
- 2 इतिहास 20:3-4
- प्रे.का. 13:1-3
- योना 03:4-5
- लूका 05:33-35
- मरकुस 02:18-19
- मत्ती 06:16-18
- मत्ती 09:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:01** तुरन्त ही यीशु के बपतिस्मा लेने के बाद, आत्मा ने यीशु को जंगल की ओर भेजा जहाँ उन्होंने चालीस दिन और चालीस रात उपवास किया ।
- **34:08** “उदाहरण के लिये, मैं सप्ताह में दो बार उपवास रखता हूँ; मैं अपनी सब कमाई का दसवाँ अंश भी देता हूँ।”
- **46:10** एक दिन जब अन्ताकिया की कलीसिया के मसीही उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा, "मेरे लिये बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिसके लिये मैं ने उन्हें बुलाया है।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2908, H5144, H6684, H6685, G777, G3521, G3522, G3523

उपवास, उपवास करना

परिभाषा:

उपवास करना अर्थात कुछ समय भोजन नहीं करना जैसे एक दिन या अधिक समय। कभी-कभी उपवास में पानी भी नहीं पिया जाता है।

- उपवास मनुष्यों की सहायता करता है कि परमेश्वर में ध्यान केन्द्रित करें और भोजन पकाने और खाने की चिन्ता किए बिना प्रार्थना कर पाएं।
- यीशु ने यहूदी धर्म गुरूओं द्वारा अनुचित कारणों से उपवास करने की आलोचना की थी। उपवास रखने में उनका उद्देश्य था कि लोग उन्हें धर्मी समझें।
- मनुष्य कभी-कभी दुःख या शोक के कारण भी उपवास रखता है।
- “उपवास करना” इस क्रिया का अनुवाद हो सकता है, “खाने का त्याग करना” या “खाना नहीं खाना”

- “उपवास” संज्ञा शब्द का अनुवाद हो सकता है, “खाना नहीं, खाने का समय” या “खाना खाने के त्याग का समय”

(यह भी देखें: यहूदियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 21:8-10
- 2 इतिहास 20:3-4
- प्रे.का. 13:1-3
- योना 03:4-5
- लूका 05:33-35
- मरकुस 02:18-19
- मत्ती 06:16-18
- मत्ती 09:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:01** तुरन्त ही यीशु के बपतिस्मा लेने के बाद, आत्मा ने यीशु को जंगल की ओर भेजा जहाँ उन्होंने चालीस दिन और चालीस रात उपवास किया ।
- **34:08** “उदाहरण के लिये, मैं सप्ताह में दो बार उपवास रखता हूँ; मैं अपनी सब कमाई का दसवाँ अंश भी देता हूँ।”
- **46:10** एक दिन जब अन्ताकिया की कलीसिया के मसीही उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा, "मेरे लिये बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिसके लिये मैं ने उन्हें बुलाया है।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2908, H5144, H6684, H6685, G777, G3521, G3522, G3523

उपवास, उपवास करना

परिभाषा:

उपवास करना अर्थात कुछ समय भोजन नहीं करना जैसे एक दिन या अधिक समय। कभी-कभी उपवास में पानी भी नहीं पिया जाता है।

- उपवास मनुष्यों की सहायता करता है कि परमेश्वर में ध्यान केन्द्रित करें और भोजन पकाने और खाने की चिन्ता किए बिना प्रार्थना कर पाएं।
- यीशु ने यहूदी धर्म गुरूओं द्वारा अनुचित कारणों से उपवास करने की आलोचना की थी। उपवास रखने में उनका उद्देश्य था कि लोग उन्हें धर्मी समझें।
- मनुष्य कभी-कभी दु:ख या शोक के कारण भी उपवास रखता है।
- “उपवास करना” इस क्रिया का अनुवाद हो सकता है, “खाने का त्याग करना” या “खाना नहीं खाना”
- “उपवास” संज्ञा शब्द का अनुवाद हो सकता है, “खाना नहीं, खाने का समय” या “खाना खाने के त्याग का समय”

(यह भी देखें: यहूदियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 21:8-10
- 2 इतिहास 20:3-4
- प्रे.का. 13:1-3
- योना 03:4-5
- लूका 05:33-35
- मरकुस 02:18-19
- मत्ती 06:16-18
- मत्ती 09:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:01** तुरन्त ही यीशु के बपतिस्मा लेने के बाद, आत्मा ने यीशु को जंगल की ओर भेजा जहाँ उन्होंने चालीस दिन और चालीस रात उपवास किया ।
- **34:08** “उदाहरण के लिये, मैं सप्ताह में दो बार उपवास रखता हूँ; मैं अपनी सब कमाई का दसवाँ अंश भी देता हूँ।”
- **46:10** एक दिन जब अन्ताकिया की कलीसिया के मसीही उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा, "मेरे लिये बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिसके लिये मैं ने उन्हें बुलाया है।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2908, H5144, H6684, H6685, G777, G3521, G3522, G3523

ऊँचा, ऊँचा किया, बढ़ाता, आनन्द

परिभाषा:

ऊँचा करना किसी की बहुत अधिक प्रशंसा करना और सम्मान देना। इसका अर्थ किसी को ऊँचे स्थान पर रखना भी है।

- बाइबल में ऊँचा करने का अर्थ परमेश्वर को प्रतिष्ठित करना है।
- जब मनुष्य अपनी बड़ाई करता है तब वह घमण्ड करता है और अपने बारे में अभिमानी है।

अनुवाद के सुझाव:

- "ऊँचा करने" के अनुवाद रूप हो सकता है "बहुत अधिक प्रशंसा" या "अत्यधिक सम्मान देना" या "गुणगान करना" या "किसी के बारे में ऊंचे विचार प्रकट करना"।
- कुछ संदर्भों में इसका अनुवाद ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा हो सकता है जिन का अर्थ, "ऊंचे स्थान पर रखना" या "अधिक सम्मान देना" या "गर्व से कहना"
- "अपनी बड़ाई मत करो" का अनुवाद "अपने को बड़ा मत समझ" या "अपने मुँह मियां मिट्ठू मत बन"।
- "जो अपने आपको बड़ा समझते हैं" इसका अनुवाद, "जो अपने पर घमण्ड करते हैं" या "जो अभिमानी हैं"

(यह भी देखें: स्तुति, दंडवत करना, महिमा करे, घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:5-7
- 2 शमूएल 22:47-49
- प्रे.का. 05:29-32
- फिलिप्पुस 02:9-11
- भजन संहिता 018:46-47

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H4984, H5375, H5549, H5927, H7311, H7426, H7682, G1869, G5229, G5251, G5311, G5312

ऊँचा, ऊँचा किया, बढ़ाता, आनन्द

परिभाषा:

ऊँचा करना किसी की बहुत अधिक प्रशंसा करना और सम्मान देना। इसका अर्थ किसी को ऊँचे स्थान पर रखना भी है।

- बाइबल में ऊँचा करने का अर्थ परमेश्वर को प्रतिष्ठित करना है।
- जब मनुष्य अपनी बड़ाई करता है तब वह घमण्ड करता है और अपने बारे में अभिमानी है।

अनुवाद के सुझाव:

- "ऊँचा करने" के अनुवाद रूप हो सकता है "बहुत अधिक प्रशंसा" या "अत्यधिक सम्मान देना" या "गुणगान करना" या "किसी के बारे में ऊंचे विचार प्रकट करना"।
- कुछ संदर्भों में इसका अनुवाद ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा हो सकता है जिन का अर्थ, "ऊंचे स्थान पर रखना" या "अधिक सम्मान देना" या "गर्व से कहना"
- "अपनी बड़ाई मत करो" का अनुवाद "अपने को बड़ा मत समझ" या "अपने मुँह मियां मिट्ठू मत बन"।
- "जो अपने आपको बड़ा समझते हैं" इसका अनुवाद, "जो अपने पर घमण्ड करते हैं" या "जो अभिमानी हैं"

(यह भी देखें: स्तुति, दंडवत करना, महिमा करे, घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:5-7
- 2 शमूएल 22:47-49
- प्रे.का. 05:29-32
- फिलिप्पुस 02:9-11
- भजन संहिता 018:46-47

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H4984, H5375, H5549, H5927, H7311, H7426, H7682, G1869, G5229, G5251, G5311, G5312

ऊँचा, ऊँचा किया, बढ़ाता, आनन्द

परिभाषा:

ऊँचा करना किसी की बहुत अधिक प्रशंसा करना और सम्मान देना। इसका अर्थ किसी को ऊँचे स्थान पर रखना भी है।

- बाइबल में ऊँचा करने का अर्थ परमेश्वर को प्रतिष्ठित करना है।
- जब मनुष्य अपनी बड़ाई करता है तब वह घमण्ड करता है और अपने बारे में अभिमानी है।

अनुवाद के सुझाव:

- "ऊँचा करने" के अनुवाद रूप हो सकता है "बहुत अधिक प्रशंसा" या "अत्यधिक सम्मान देना" या "गुणगान करना" या "किसी के बारे में ऊंचे विचार प्रकट करना"।
- कुछ संदर्भों में इसका अनुवाद ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा हो सकता है जिन का अर्थ, "ऊंचे स्थान पर रखना" या "अधिक सम्मान देना" या "गर्व से कहना"
- "अपनी बड़ाई मत करो" का अनुवाद "अपने को बड़ा मत समझ" या "अपने मुँह मियां मिट्ठू मत बन"।
- "जो अपने आपको बड़ा समझते हैं" इसका अनुवाद, "जो अपने पर घमण्ड करते हैं" या "जो अभिमानी हैं"

(यह भी देखें: स्तुति, दंडवत करना, महिमा करे, घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:5-7
- 2 शमूएल 22:47-49
- प्रे.का. 05:29-32
- फिलिप्पुस 02:9-11
- भजन संहिता 018:46-47

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H4984, H5375, H5549, H5927, H7311, H7426, H7682, G1869, G5229, G5251, G5311, G5312

ऊँचा, ऊँचा किया, बढ़ाता, आनन्द

परिभाषा:

ऊँचा करना किसी की बहुत अधिक प्रशंसा करना और सम्मान देना। इसका अर्थ किसी को ऊँचे स्थान पर रखना भी है।

- बाइबल में ऊँचा करने का अर्थ परमेश्वर को प्रतिष्ठित करना है।
- जब मनुष्य अपनी बड़ाई करता है तब वह घमण्ड करता है और अपने बारे में अभिमानी है।

अनुवाद के सुझाव:

- "ऊँचा करने" के अनुवाद रूप हो सकता है "बहुत अधिक प्रशंसा" या "अत्यधिक सम्मान देना" या "गुणगान करना" या "किसी के बारे में ऊंचे विचार प्रकट करना"।

- कुछ संदर्भों में इसका अनुवाद ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा हो सकता है जिन का अर्थ, “ऊंचे स्थान पर रखना” या “अधिक सम्मान देना” या “गर्व से कहना”
- “अपनी बड़ाई मत करो” का अनुवाद “अपने को बड़ा मत समझ” या “अपने मुँह मियां मिट्ठू मत बन”।
- “जो अपने आपको बड़ा समझते हैं” इसका अनुवाद, “जो अपने पर घमण्ड करते हैं” या “जो अभिमानी हैं”

(यह भी देखें: स्तुति, दंडवत करना, महिमा करे, घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:5-7
- 2 शमूएल 22:47-49
- प्रे.का. 05:29-32
- फिलिप्पुस 02:9-11
- भजन संहिता 018:46-47

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H4984, H5375, H5549, H5927, H7311, H7426, H7682, G1869, G5229, G5251, G5311, G5312

ऊँचा, ऊँचा किया, बढ़ाता, आनन्द

परिभाषा:

ऊँचा करना किसी की बहुत अधिक प्रशंसा करना और सम्मान देना। इसका अर्थ किसी को ऊँचे स्थान पर रखना भी है।

- बाइबल में ऊँचा करने का अर्थ परमेश्वर को प्रतिष्ठित करना है।
- जब मनुष्य अपनी बड़ाई करता है तब वह घमण्ड करता है और अपने बारे में अभिमानी है।

अनुवाद के सुझाव:

- “ऊँचा करने” के अनुवाद रूप हो सकता है “बहुत अधिक प्रशंसा” या “अत्यधिक सम्मान देना” या “गुणगान करना” या “किसी के बारे में ऊंचे विचार प्रकट करना”।
- कुछ संदर्भों में इसका अनुवाद ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा हो सकता है जिन का अर्थ, “ऊंचे स्थान पर रखना” या “अधिक सम्मान देना” या “गर्व से कहना”
- “अपनी बड़ाई मत करो” का अनुवाद “अपने को बड़ा मत समझ” या “अपने मुँह मियां मिट्ठू मत बन”।
- “जो अपने आपको बड़ा समझते हैं” इसका अनुवाद, “जो अपने पर घमण्ड करते हैं” या “जो अभिमानी हैं”

(यह भी देखें: स्तुति, दंडवत करना, महिमा करे, घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:5-7
- 2 शमूएल 22:47-49
- प्रे.का. 05:29-32
- फिलिप्पुस 02:9-11
- भजन संहिता 018:46-47

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H4984, H5375, H5549, H5927, H7311, H7426, H7682, G1869, G5229, G5251, G5311, G5312

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

ऊँचा, ऊँचा किया, बढ़ाता, आनन्द

परिभाषा:

ऊँचा करना किसी की बहुत अधिक प्रशंसा करना और सम्मान देना। इसका अर्थ किसी को ऊँचे स्थान पर रखना भी है।

- बाइबल में ऊँचा करने का अर्थ परमेश्वर को प्रतिष्ठित करना है।
- जब मनुष्य अपनी बड़ाई करता है तब वह घमण्ड करता है और अपने बारे में अभिमानी है।

अनुवाद के सुझाव:

- "ऊँचा करने" के अनुवाद रूप हो सकता है "बहुत अधिक प्रशंसा" या "अत्यधिक सम्मान देना" या "गुणगान करना" या "किसी के बारे में ऊंचे विचार प्रकट करना"।
- कुछ संदर्भों में इसका अनुवाद ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा हो सकता है जिन का अर्थ, "ऊंचे स्थान पर रखना" या "अधिक सम्मान देना" या "गर्व से कहना"
- "अपनी बड़ाई मत करो" का अनुवाद "अपने को बड़ा मत समझ" या "अपने मुँह मियां मिट्ठू मत बन"।
- "जो अपने आपको बड़ा समझते हैं" इसका अनुवाद, "जो अपने पर घमण्ड करते हैं" या "जो अभिमानी हैं"

(यह भी देखें: स्तुति, दंडवत करना, महिमा करे, घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:5-7
- 2 शमूएल 22:47-49
- प्रे.का. 05:29-32
- फिलिप्पुस 02:9-11
- भजन संहिता 018:46-47

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H4984, H5375, H5549, H5927, H7311, H7426, H7682, G1869, G5229, G5251, G5311, G5312

ऊँचे स्थान, ऊँचे स्थानों

परिभाषा:

"ऊंचे स्थान" का संदर्भ वेदियों और पवित्र स्थानों से है जहाँ मूर्ति पूजा की जाती थी। वे ऊँचे स्थानों पर बनाई जाती थी जैसे पहाड़ो पर या पर्वत की चोटियों पर।

- इस्राएल के अनेक राजाओं ने परमेश्वर के विरूद्ध पाप किया उन्होंने ऊंचे स्थानों में देवी-देवताओं के लिए वेदियां बनवाई थी। जिसके कारण प्रजा मूर्ति-पूजा में मगन हो गई थी।
- जब इस्राएल या यहूदा राज्य में परमेश्वर का भय माननेवाला कोई राजा राज्य करने आया तब उसने ऊंचे स्थानों या इन वेदियों को नष्ट किया कि मूर्ति-पूजा को रोके।
- तथापि इन अच्छे राजाओं में से कुछ निश्चित रहे और उन्होंने इन वेदियों को ध्वंस नहीं किया जिसके परिणामस्वरूप संपूर्ण इस्राएल देश मूर्ति-पूजा करता रहा"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इस उक्ति के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "मूर्ति-पूजा के ऊंचे स्थान" या "पर्वतीय शिखर पर मूर्तियों के पवित्र स्थान" या "मूर्तियों की वेदी के टीले"।
- सुनिश्चित करें कि इन शब्दों से मूर्तियों की वेदियों का स्पष्ट बोध हो न कि उन वेदियों के ऊँचे स्थान मात्र का जहाँ वे थी।

(यह भी देखें: वेदी, मूर्ति, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 09:12-13
- 2 राजा 16:3-4
- आमोस 04:12-13

- व्यवस्थाविवरण 33:29
- यहेजकेल 06:1-3
- हबक्कूक 03:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1116, H1181, H1354, H2073, H4791, H7311, H7413

ऊँट, ऊँटों

परिभाषा:

ऊँट एक बड़ा चौपाया पशु होता है जिसकी पीठ पर एक या दो उभार होते हैं।

- बाइबल के समय में, ऊँट इस्राएल और आस-पास के क्षेत्रों में पाए जाने वाले सबसे बड़े जानवर थे।
- ऊँट लोग और बोझ भी ले जाने के लिए मुख्य रूप से इस्तेमाल किया जाता था।
- कुछ लोगों के समूहों में ऊँटों को भोजन के लिए इस्तेमाल करते थे लेकिन इस्राएलियों को नहीं, क्योंकि परमेश्वर ने कहा कि ऊँट अशुद्ध थे और खाए नहीं जाते थे।
- ऊँट मूल्यवान थे क्योंकि वे तेजी से रेत में जा सकते थे और कई हफ्तों तक भोजन और पानी के बिना रह सकते थे।

(यह भी देखें: बोझ, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 05:20-22
- 2 इतिहास 09:1-2
- निर्गमन 09:1-4
- मरकुस 10:23-25
- मत्ती 03:4-6
- मत्ती 19:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H327, H1581, G2574

ऊँट, ऊँटों

परिभाषा:

ऊँट एक बड़ा चौपाया पशु होता है जिसकी पीठ पर एक या दो उभार होते हैं।

- बाइबल के समय में, ऊँट इस्राएल और आस-पास के क्षेत्रों में पाए जाने वाले सबसे बड़े जानवर थे।
- ऊँट लोग और बोझ भी ले जाने के लिए मुख्य रूप से इस्तेमाल किया जाता था।
- कुछ लोगों के समूहों में ऊँटों को भोजन के लिए इस्तेमाल करते थे लेकिन इस्राएलियों को नहीं, क्योंकि परमेश्वर ने कहा कि ऊँट अशुद्ध थे और खाए नहीं जाते थे।
- ऊँट मूल्यवान थे क्योंकि वे तेजी से रेत में जा सकते थे और कई हफ्तों तक भोजन और पानी के बिना रह सकते थे।

(यह भी देखें: बोझ, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 05:20-22
- 2 इतिहास 09:1-2
- निर्गमन 09:1-4
- मरकुस 10:23-25
- मत्ती 03:4-6
- मत्ती 19:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H327, H1581, G2574

ऊँट, ऊँटों

परिभाषा:

ऊँट एक बड़ा चौपाया पशु होता है जिसकी पीठ पर एक या दो उभार होते हैं।

- बाइबल के समय में, ऊँट इस्राएल और आस-पास के क्षेत्रों में पाए जाने वाले सबसे बड़े जानवर थे।
- ऊँट लोग और बोझ भी ले जाने के लिए मुख्य रूप से इस्तेमाल किया जाता था।
- कुछ लोगों के समूहों में ऊँटों को भोजन के लिए इस्तेमाल करते थे लेकिन इस्राएलियों को नहीं, क्योंकि परमेश्वर ने कहा कि ऊँट अशुद्ध थे और खाए नहीं जाते थे।
- ऊँट मूल्यवान थे क्योंकि वे तेजी से रेत में जा सकते थे और कई हफ्तों तक भोजन और पानी के बिना रह सकते थे।

(यह भी देखें: बोझ, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 05:20-22
- 2 इतिहास 09:1-2
- निर्गमन 09:1-4
- मरकुस 10:23-25
- मत्ती 03:4-6
- मत्ती 19:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H327, H1581, G2574

ऊँट, ऊँटों

परिभाषा:

ऊँट एक बड़ा चौपाया पशु होता है जिसकी पीठ पर एक या दो उभार होते हैं।

- बाइबल के समय में, ऊँट इस्राएल और आस-पास के क्षेत्रों में पाए जाने वाले सबसे बड़े जानवर थे।
- ऊँट लोग और बोझ भी ले जाने के लिए मुख्य रूप से इस्तेमाल किया जाता था।
- कुछ लोगों के समूहों में ऊँटों को भोजन के लिए इस्तेमाल करते थे लेकिन इस्राएलियों को नहीं, क्योंकि परमेश्वर ने कहा कि ऊँट अशुद्ध थे और खाए नहीं जाते थे।
- ऊँट मूल्यवान थे क्योंकि वे तेजी से रेत में जा सकते थे और कई हफ्तों तक भोजन और पानी के बिना रह सकते थे।

(यह भी देखें: बोझ, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 05:20-22
- 2 इतिहास 09:1-2
- निर्गमन 09:1-4
- मरकुस 10:23-25
- मत्ती 03:4-6
- मत्ती 19:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H327, H1581, G2574

ऊर

तथ्य:

ऊर फरात नदी के पास, प्राचीन कसदी प्रदेश का एक महत्वपूर्ण नगर था, जो मेसोपोटामिया का एक भाग था। यह स्थान आज के इराक में स्थित था।

- अब्राहम ऊर नगर का रहने वाला था, वहीं से परमेश्वर ने उसे बुला लिया था कि उसे कनान ले जाएं।
- लूत का पिता, अब्राहम का भाई हारान ऊर में ही मर गया था। लूत का अब्राहम के साथ ऊर छोड़ने का शायद यह भी एक कारण था।

(यह भी देखें: अब्राहम, कनान, कसदी, फरात महानद, हारान, लूत, मेसोपोटामिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 11:27-28
- उत्पत्ति 11:31-32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H218

ऊरिय्याह

तथ्य:

ऊरिय्याह एक धर्मी जन था और दाऊद के उत्तम सैनिकों में से एक था। उसे अक्सर “हित्ती ऊरिय्याह” से संदर्भित किया जाता था।

- ऊरिय्याह की पत्नी बहुत सुन्दर थी, उसका नाम बतशेबा था।
- दाऊद ने उसके साथ व्यभिचार किया और वह दाऊद से गर्भवती हो गई थी।
- दाऊद ने अपना पाप छिपाने के लिए ऊरिय्याह को युद्ध में आगे भेजकर मरवा दिया। फिर दाऊद ने बतशेबा से विवाह किया।
- ऊरिय्याह नाम का एक और आदमी एक था जो राजा आहाज के समय याजक था।

(यह भी देखें: अहाज, बतशेबा, दाऊद, हित्ती)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 15:4-6
- 2 शमूएल 11:2-3
- 2 शमूएल 11:26-27
- नहेम्याह 03:3-5

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:12** बतशेबा का पति, जिसका नाम ऊरिय्याह था, वह दाऊद का एक वीर सैनिक था | दाऊद ने ऊरिय्याह को युद्ध से वापस बुला लिया और उससे कहा अपनी पत्नी के पास जा | परन्तु ऊरिय्याह अपने घर वापस न गया क्योंकि बाकी सैनिक युद्ध लड़ रहे थे | तब दाऊद ने ऊरिय्याह को वापस युद्ध में भेज दिया और योआब से कहा ‘सब से घोर युद्ध के सामने ऊरिय्याह को रखना, तब उसे छोड़कर लौट आओ, कि वह घायल होकर मर जाए |
- **17:13** ऊरिय्याह के मरने के बाद, दाऊद ने बतशेबा से विवाह कर लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H223, G3774

एज्रा

तथ्य:

एज्रा एक यहूदी याजक एवं व्यवस्था विशेषज्ञ था, उसने बेबीलोन से यरूशलेम लौटने वाले इस्राएलियों का इतिहास लिखा था। इस्राएल 70 वर्ष बेबीलोन की बन्धुआई में था।

- एज्रा ने यह इतिहास बाइबल की एज्रा नामक पुस्तक में लिखा है। नहेम्याह नामक पुस्तक भी उसी ने लिखी होगी क्योंकि मूल में ये दोनों पुस्तकें एक ही थी।
- यरूशलेम लौटकर उसने व्यवस्था को पुनः लागू किया था, क्योंकि उन्होंने सब्त के नियमों का पालन करना छोड़ दिया था और अन्यजाति स्त्रियों से जो मूर्तिपूजक थी, विवाह कर लिया था।
- एज्रा ने मन्दिर के पुनः निर्माण में भी सहायता की थी जिसे बेबीलोन की सेना ने यरूशलेम पर कब्जा करते वक्त ध्वंस कर दिया था।
- पुराने नियम में एज्रा नामक दो पुरुष हुए हैं।

(यह भी देखें: बेबीलोन, बँधुआई, यरूशलेम, व्यवस्था, नहेम्याह, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 07:6-7
- नहेम्याह 08:1-3
- नहेम्याह 12:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H250, H5830, H5831, H5834

एप्रैम, एप्रैमी, एप्रैमियों

तथ्य:

एप्रैम यूसुफ का दूसरा पुत्र था। उसके वंशज इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक हुए।

- एप्रैम का गोत्र इस्राएल के उत्तरी भाग में स्थित दस गोत्रों में से एक था।
- बाइबल में कभी-कभी एप्रैम शब्द संपूर्ण उत्तरी राज्य इस्राएल के लिए काम में लिया जाता था।
- एप्रैम वास्तव में एक पर्वतीय प्रदेश था, जो “एप्रैम का पहाड़ी प्रदेश” या “एप्रैम के पहाड़ों” के संदर्भ पर आधारित हैं।

(यह भी देखें: इस्राएल के राज्य, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:66-69
- 2 इतिहास 13:4-5
- यहेजकेल 37:15-17
- उत्पत्ति 41:50-52
- उत्पत्ति 48:1-2
- यूहन्ना 11:54-55

शब्द तथ्य:

- Strong's: H669, H673, G2187

एलयाकीम

तथ्य:

एल्याकीम नामक दो पुरूष पुराने नियम में हुए थे।

- एलयाकीम नामक एक पुरुष हिजकिय्याह राजा का भण्डारी था।
- दूसरा एलयाकीम राजा योशिय्याह का पुत्र था। उसे मिस्र के फिरौन नको ने यहूदा का राजा बनाया था।

- नको ने उसका नाम बदल कर यहोयाकीम रखा था।

(यह भी देखें: हिजकिय्याह, यहोयाकीम, योशिय्याह, फ़िरौन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:16-18
- 2 राजा 18:26-27
- 2 राजा 18:36-37
- 2 राजा 12:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H471, G1662

एलयाकीम

तथ्य:

एल्याकीम नामक दो पुरूष पुराने नियम में हुए थे।

- एलयाकीम नामक एक पुरुष हिजकिय्याह राजा का भण्डारी था।
- दूसरा एलयाकीम राजा योशिय्याह का पुत्र था। उसे मिस्र के फिरौन नको ने यहूदा का राजा बनाया था।
- नको ने उसका नाम बदल कर यहोयाकीम रखा था।

(यह भी देखें: हिजकिय्याह, यहोयाकीम, योशिय्याह, फ़िरौन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:16-18
- 2 राजा 18:26-27
- 2 राजा 18:36-37
- 2 राजा 12:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H471, G1662

एलाम, एलाम लोग

तथ्य:

एलाम शेम का पुत्र और नूह का पोता था।

- एलाम के वंशज एलामी कहलाते थे और वे एलाम क्षेत्र के निवासी थे।
- एलाम क्षेत्र आज के पश्चमी ईरान में हिद्देकेल नदी के दक्षिण पूर्व में था।

(यह भी देखें: नूह, शेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:17-19
- प्रे.का. 02:8-11
- एज्रा 08:4-7
- यशायाह 22:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5867, H5962, G1639

एलिय्याह

तथ्य:

एलिय्याह यहोवा का सबसे अधिक महत्वपूर्ण भविष्यद्वक्ता था। एलिय्याह ने इस्राएल और यहूदा के अनेक राजाओं के राज्यकाल में भविष्यद्वाणी की थी, इनमें अहाब राजा भी था।

- परमेश्वर ने एलिय्याह के माध्यम से अनेक आश्चर्यकर्म किए जिनमें एक मृतक बालक को जीवित करना भी था।
- एलिय्याह ने राजा अहाब को बाल की मूर्तिपूजा के लिए झिड़का था।
- उसने बाल के पुजारियों को चुनौती दी थी कि परख कर देखें कि यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है।
- समय पूरा हो जाने पर परमेश्वर ने एलिय्याह को चमत्कारी रूप से स्वर्ग में उठा लिया था।
- सैंकड़ों वर्ष पश्चात एलिय्याह मूसा के साथ यीशु से पर्वत पर भेंट करने आया था और उन्होनें यरूशलेम में यीशु के आनेवाले कष्टों एवं मृत्यु के बारे में वार्तालाप किया था।

(यह भी देखें: चमत्कार, भविष्यद्वक्ता, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 17:1
- 2 राजा 01:3-4
- याकूब 05:16-18
- यूहन्ना 01:19-21
- यूहन्ना 01:24-25
- मरकुस 09:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** एलिय्याह भविष्यद्वक्ता था, जब अहाब इस्राएली राज्य का राजा था।
- **19:02** एलिय्याह ने अहाब से कहा, “इन वर्षों में मेरे बिना कहे, न तो मेंह बरसेगा, और न ओस पड़ेगी।”
- **19:03** परमेश्वर ने एलिय्याह से कहा कि वह जंगल में जाकर छिप जाए, क्योंकि अहाब उसे मारने की ताक में है। और सबेरे और साँझ को कौवे उसके पास रोटी और मांस लाया करते थे।
- **19:04** परन्तु तब उन्होंने एलिय्याह का ख्याल रखा, और परमेश्वर ने उनके घड़े का मैदा समाप्त न होने दिया, और न उनके कुप्पी का तेल घटने दिया।
- 19:05__साढ़े तीन वर्ष के बाद, परमेश्वर का यह वचन __एलिय्याह के पास पहुँचा, “जाकर अपने आप को अहाब को दिखा, और मैं भूमि पर मेंह बरसा दूँगा।
- 19:07__और __एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, क्योंकि तुम तो बहुत हो; तब अपने देवता से प्रार्थना करना, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:12** तब एलिय्याह ने कहा, “बाल के भविष्यवक्ताओं को पकड़ लो, उनमें से एक भी छूटने ने न पाए;
- **36:03** तब मूसा और एलिय्याह नबी दिखाई दिए। इससे पहले यह दोनों पुरुष कई सो साल पहले पृथ्वी पर जीवित थे। वे यीशु से उसकी मृत्यु के बारे में बात कर रहे थे, जो यरूशलेम में होने वाली थी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H452, G2243

एलिय्याह

तथ्य:

एलिय्याह यहोवा का सबसे अधिक महत्वपूर्ण भविष्यद्वक्ता था। एलिय्याह ने इस्राएल और यहूदा के अनेक राजाओं के राज्यकाल में भविष्यद्वाणी की थी, इनमें अहाब राजा भी था।

- परमेश्वर ने एलिय्याह के माध्यम से अनेक आश्चर्यकर्म किए जिनमें एक मृतक बालक को जीवित करना भी था।
- एलिय्याह ने राजा अहाब को बाल की मूर्तिपूजा के लिए झिड़का था।
- उसने बाल के पुजारियों को चुनौती दी थी कि परख कर देखें कि यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है।
- समय पूरा हो जाने पर परमेश्वर ने एलिय्याह को चमत्कारी रूप से स्वर्ग में उठा लिया था।
- सैंकड़ों वर्ष पश्चात एलिय्याह मूसा के साथ यीशु से पर्वत पर भेंट करने आया था और उन्होनें यरूशलेम में यीशु के आनेवाले कष्टों एवं मृत्यु के बारे में वार्तालाप किया था।

(यह भी देखें: चमत्कार, भविष्यद्वक्ता, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 17:1
- 2 राजा 01:3-4
- याकूब 05:16-18
- यूहन्ना 01:19-21
- यूहन्ना 01:24-25
- मरकुस 09:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** एलिय्याह भविष्यद्वक्ता था, जब अहाब इस्राएली राज्य का राजा था।
- **19:02** एलिय्याह ने अहाब से कहा, “इन वर्षों में मेरे बिना कहे, न तो मेंह बरसेगा, और न ओस पड़ेगी।”
- **19:03** परमेश्वर ने एलिय्याह से कहा कि वह जंगल में जाकर छिप जाए, क्योंकि अहाब उसे मारने की ताक में है। और सबेरे और साँझ को कौवे उसके पास रोटी और मांस लाया करते थे।
- **19:04** परन्तु तब उन्होंने एलिय्याह का ख्याल रखा, और परमेश्वर ने उनके घड़े का मैदा समाप्त न होने दिया, और न उनके कुप्पी का तेल घटने दिया।
- 19:05__साढ़े तीन वर्ष के बाद, परमेश्वर का यह वचन __एलिय्याह के पास पहुँचा, “जाकर अपने आप को अहाब को दिखा, और मैं भूमि पर मेंह बरसा दूँगा।
- 19:07__और __एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, क्योंकि तुम तो बहुत हो; तब अपने देवता से प्रार्थना करना, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:12** तब एलिय्याह ने कहा, “बाल के भविष्यवक्ताओं को पकड़ लो, उनमें से एक भी छूटने ने न पाए;
- **36:03** तब मूसा और एलिय्याह नबी दिखाई दिए। इससे पहले यह दोनों पुरुष कई सो साल पहले पृथ्वी पर जीवित थे। वे यीशु से उसकी मृत्यु के बारे में बात कर रहे थे, जो यरूशलेम में होने वाली थी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H452, G2243

एलिय्याह

तथ्य:

एलिय्याह यहोवा का सबसे अधिक महत्वपूर्ण भविष्यद्वक्ता था। एलिय्याह ने इस्राएल और यहूदा के अनेक राजाओं के राज्यकाल में भविष्यद्वाणी की थी, इनमें अहाब राजा भी था।

- परमेश्वर ने एलिय्याह के माध्यम से अनेक आश्चर्यकर्म किए जिनमें एक मृतक बालक को जीवित करना भी था।
- एलिय्याह ने राजा अहाब को बाल की मूर्तिपूजा के लिए झिड़का था।
- उसने बाल के पुजारियों को चुनौती दी थी कि परख कर देखें कि यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है।
- समय पूरा हो जाने पर परमेश्वर ने एलिय्याह को चमत्कारी रूप से स्वर्ग में उठा लिया था।
- सैंकड़ों वर्ष पश्चात एलिय्याह मूसा के साथ यीशु से पर्वत पर भेंट करने आया था और उन्होनें यरूशलेम में यीशु के आनेवाले कष्टों एवं मृत्यु के बारे में वार्तालाप किया था।

(यह भी देखें: चमत्कार, भविष्यद्वक्ता, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 17:1
- 2 राजा 01:3-4
- याकूब 05:16-18
- यूहन्ना 01:19-21
- यूहन्ना 01:24-25
- मरकुस 09:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** एलिय्याह भविष्यद्वक्ता था, जब अहाब इस्राएली राज्य का राजा था।

- **19:02** एलिय्याह ने अहाब से कहा, “इन वर्षों में मेरे बिना कहे, न तो मेंह बरसेगा, और न ओस पड़ेगी।”
- **19:03** परमेश्वर ने एलिय्याह से कहा कि वह जंगल में जाकर छिप जाए, क्योंकि अहाब उसे मारने की ताक में है। और सबेरे और साँझ को कौवे उसके पास रोटी और मांस लाया करते थे।
- **19:04** परन्तु तब उन्होंने एलिय्याह का ख्याल रखा, और परमेश्वर ने उनके घड़े का मैदा समाप्त न होने दिया, और न उनके कुप्पी का तेल घटने दिया।
- 19:05__साढ़े तीन वर्ष के बाद, परमेश्वर का यह वचन __एलिय्याह के पास पहुँचा, “जाकर अपने आप को अहाब को दिखा, और मैं भूमि पर मेंह बरसा दूँगा।
- 19:07__और __एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, क्योंकि तुम तो बहुत हो; तब अपने देवता से प्रार्थना करना, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:12** तब एलिय्याह ने कहा, “बाल के भविष्यवक्ताओं को पकड़ लो, उनमें से एक भी छूटने ने न पाए;
- **36:03** तब मूसा और एलिय्याह नबी दिखाई दिए। इससे पहले यह दोनों पुरुष कई सो साल पहले पृथ्वी पर जीवित थे। वे यीशु से उसकी मृत्यु के बारे में बात कर रहे थे, जो यरूशलेम में होने वाली थी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H452, G2243

एलिय्याह

तथ्य:

एलिय्याह यहोवा का सबसे अधिक महत्वपूर्ण भविष्यद्वक्ता था। एलिय्याह ने इस्राएल और यहूदा के अनेक राजाओं के राज्यकाल में भविष्यद्वाणी की थी, इनमें अहाब राजा भी था।

- परमेश्वर ने एलिय्याह के माध्यम से अनेक आश्चर्यकर्म किए जिनमें एक मृतक बालक को जीवित करना भी था।
- एलिय्याह ने राजा अहाब को बाल की मूर्तिपूजा के लिए झिड़का था।
- उसने बाल के पुजारियों को चुनौती दी थी कि परख कर देखें कि यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है।
- समय पूरा हो जाने पर परमेश्वर ने एलिय्याह को चमत्कारी रूप से स्वर्ग में उठा लिया था।
- सैंकड़ों वर्ष पश्चात एलिय्याह मूसा के साथ यीशु से पर्वत पर भेंट करने आया था और उन्होनें यरूशलेम में यीशु के आनेवाले कष्टों एवं मृत्यु के बारे में वार्तालाप किया था।

(यह भी देखें: चमत्कार, भविष्यद्वक्ता, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 17:1
- 2 राजा 01:3-4
- याकूब 05:16-18
- यूहन्ना 01:19-21
- यूहन्ना 01:24-25
- मरकुस 09:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** एलिय्याह भविष्यद्वक्ता था, जब अहाब इस्राएली राज्य का राजा था।
- **19:02** एलिय्याह ने अहाब से कहा, “इन वर्षों में मेरे बिना कहे, न तो मेंह बरसेगा, और न ओस पड़ेगी।”
- **19:03** परमेश्वर ने एलिय्याह से कहा कि वह जंगल में जाकर छिप जाए, क्योंकि अहाब उसे मारने की ताक में है। और सबेरे और साँझ को कौवे उसके पास रोटी और मांस लाया करते थे।
- **19:04** परन्तु तब उन्होंने एलिय्याह का ख्याल रखा, और परमेश्वर ने उनके घड़े का मैदा समाप्त न होने दिया, और न उनके कुप्पी का तेल घटने दिया।
- 19:05__साढ़े तीन वर्ष के बाद, परमेश्वर का यह वचन __एलिय्याह के पास पहुँचा, “जाकर अपने आप को अहाब को दिखा, और मैं भूमि पर मेंह बरसा दूँगा।
- 19:07__और __एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, क्योंकि तुम तो बहुत हो; तब अपने देवता से प्रार्थना करना, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:12** तब एलिय्याह ने कहा, “बाल के भविष्यवक्ताओं को पकड़ लो, उनमें से एक भी छूटने ने न पाए;
- **36:03** तब मूसा और एलिय्याह नबी दिखाई दिए। इससे पहले यह दोनों पुरुष कई सो साल पहले पृथ्वी पर जीवित थे। वे यीशु से उसकी मृत्यु के बारे में बात कर रहे थे, जो यरूशलेम में होने वाली थी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H452, G2243

एलिय्याह

तथ्य:

एलिय्याह यहोवा का सबसे अधिक महत्वपूर्ण भविष्यद्वक्ता था। एलिय्याह ने इस्राएल और यहूदा के अनेक राजाओं के राज्यकाल में भविष्यद्वाणी की थी, इनमें अहाब राजा भी था।

- परमेश्वर ने एलिय्याह के माध्यम से अनेक आश्चर्यकर्म किए जिनमें एक मृतक बालक को जीवित करना भी था।
- एलिय्याह ने राजा अहाब को बाल की मूर्तिपूजा के लिए झिड़का था।
- उसने बाल के पुजारियों को चुनौती दी थी कि परख कर देखें कि यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है।
- समय पूरा हो जाने पर परमेश्वर ने एलिय्याह को चमत्कारी रूप से स्वर्ग में उठा लिया था।
- सैंकड़ों वर्ष पश्चात एलिय्याह मूसा के साथ यीशु से पर्वत पर भेंट करने आया था और उन्होनें यरूशलेम में यीशु के आनेवाले कष्टों एवं मृत्यु के बारे में वार्तालाप किया था।

(यह भी देखें: चमत्कार, भविष्यद्वक्ता, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 17:1
- 2 राजा 01:3-4
- याकूब 05:16-18
- यूहन्ना 01:19-21
- यूहन्ना 01:24-25
- मरकुस 09:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** एलिय्याह भविष्यद्वक्ता था, जब अहाब इस्राएली राज्य का राजा था।
- **19:02** एलिय्याह ने अहाब से कहा, “इन वर्षों में मेरे बिना कहे, न तो मेंह बरसेगा, और न ओस पड़ेगी।”
- **19:03** परमेश्वर ने एलिय्याह से कहा कि वह जंगल में जाकर छिप जाए, क्योंकि अहाब उसे मारने की ताक में है। और सबेरे और साँझ को कौवे उसके पास रोटी और मांस लाया करते थे।
- **19:04** परन्तु तब उन्होंने एलिय्याह का ख्याल रखा, और परमेश्वर ने उनके घड़े का मैदा समाप्त न होने दिया, और न उनके कुप्पी का तेल घटने दिया।
- 19:05__साढ़े तीन वर्ष के बाद, परमेश्वर का यह वचन __एलिय्याह के पास पहुँचा, “जाकर अपने आप को अहाब को दिखा, और मैं भूमि पर मेंह बरसा दूँगा।
- 19:07__और __एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, क्योंकि तुम तो बहुत हो; तब अपने देवता से प्रार्थना करना, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:12** तब एलिय्याह ने कहा, “बाल के भविष्यवक्ताओं को पकड़ लो, उनमें से एक भी छूटने ने न पाए;
- **36:03** तब मूसा और एलिय्याह नबी दिखाई दिए। इससे पहले यह दोनों पुरुष कई सो साल पहले पृथ्वी पर जीवित थे। वे यीशु से उसकी मृत्यु के बारे में बात कर रहे थे, जो यरूशलेम में होने वाली थी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H452, G2243

एलिय्याह

तथ्य:

एलिय्याह यहोवा का सबसे अधिक महत्वपूर्ण भविष्यद्वक्ता था। एलिय्याह ने इस्राएल और यहूदा के अनेक राजाओं के राज्यकाल में भविष्यद्वाणी की थी, इनमें अहाब राजा भी था।

- परमेश्वर ने एलिय्याह के माध्यम से अनेक आश्चर्यकर्म किए जिनमें एक मृतक बालक को जीवित करना भी था।
- एलिय्याह ने राजा अहाब को बाल की मूर्तिपूजा के लिए झिड़का था।
- उसने बाल के पुजारियों को चुनौती दी थी कि परख कर देखें कि यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है।

- समय पूरा हो जाने पर परमेश्वर ने एलिय्याह को चमत्कारी रूप से स्वर्ग में उठा लिया था।
- सैंकड़ों वर्ष पश्चात एलिय्याह मूसा के साथ यीशु से पर्वत पर भेंट करने आया था और उन्होनें यरूशलेम में यीशु के आनेवाले कष्टों एवं मृत्यु के बारे में वार्तालाप किया था।

(यह भी देखें: चमत्कार, भविष्यद्वक्ता, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 17:1
- 2 राजा 01:3-4
- याकूब 05:16-18
- यूहन्ना 01:19-21
- यूहन्ना 01:24-25
- मरकुस 09:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** एलिय्याह भविष्यद्वक्ता था, जब अहाब इस्राएली राज्य का राजा था।
- **19:02** एलिय्याह ने अहाब से कहा, “इन वर्षों में मेरे बिना कहे, न तो मेंह बरसेगा, और न ओस पड़ेगी।”
- **19:03** परमेश्वर ने एलिय्याह से कहा कि वह जंगल में जाकर छिप जाए, क्योंकि अहाब उसे मारने की ताक में है। और सबेरे और साँझ को कौवे उसके पास रोटी और मांस लाया करते थे।
- **19:04** परन्तु तब उन्होंने एलिय्याह का ख्याल रखा, और परमेश्वर ने उनके घड़े का मैदा समाप्त न होने दिया, और न उनके कुप्पी का तेल घटने दिया।
- 19:05__साढ़े तीन वर्ष के बाद, परमेश्वर का यह वचन __एलिय्याह के पास पहुँचा, “जाकर अपने आप को अहाब को दिखा, और मैं भूमि पर मेंह बरसा दूँगा।
- 19:07__और __एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, क्योंकि तुम तो बहुत हो; तब अपने देवता से प्रार्थना करना, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:12** तब एलिय्याह ने कहा, “बाल के भविष्यवक्ताओं को पकड़ लो, उनमें से एक भी छूटने ने न पाए;
- **36:03** तब मूसा और एलिय्याह नबी दिखाई दिए। इससे पहले यह दोनों पुरुष कई सो साल पहले पृथ्वी पर जीवित थे। वे यीशु से उसकी मृत्यु के बारे में बात कर रहे थे, जो यरूशलेम में होने वाली थी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H452, G2243

एलीआजार

तथ्य:

बाइबल में एलीआजार नामक अनेक पुरुष हुए थे।

- एलीआजार मूसा के भाई हारून का तीसरा पुत्र था। हारून के मरणोपरान्त एलियाजार को इस्राएल का महायाजक बनाया गया।
- एलियाजार दाऊद के शूरवीरों में से भी एक था।
- यीशु के पूर्वजों में भी एलियाजार नामक एक पुरुष था।

(यह भी देखें: हारून, महायाजक, दाऊद, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 24:1-3
- न्यायियों 20:27-28
- गिनती 26:1-2
- गिनती 34:16-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H499, G1648

एलीशा

तथ्य:

एलीशा इस्राएल में अनेक राजाओं के राज्यकाल में भविष्यद्वाणी की सेवा करता था। अहाब, अहज्याह, यहोराम, येहू, यहोआहाज तथा यहोआश

- परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ता एलिय्याह को आदेश दिया था कि वह एलीशा का भविष्यद्वक्ता होने के लिए अभिषेक करे।
- जब एलिय्याह को अग्नि रथ में स्वर्ग में उठा लिया जाने के बाद एलीशा इस्राएल के राजाओं के लिए परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता बना।
- एलीशा ने अनेक आश्चर्यकर्म किए जिनमें सीरिया के सेनानायक को कोढ़ से चंगा करना तथा एक शूनेमी स्त्री के पुत्र को मृतकों में से जिलाना भी था।

(यह भी देखें: एलिय्याह, नामान, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:15-16
- 2 राजा 03:15-17
- 2 राजा 05:8-10
- लूका 04:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H477

एलीशिबा

तथ्य:

इलीशिबा यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले की माता का नाम था। उसके पति का नाम जकर्याह था।

- जकर्याह और इलीशिबा के पास कोई सन्तान नहीं थी परन्तु परमेश्वर ने उनको वृद्धावस्था में सन्तान देने की प्रतिज्ञा की थी।
- परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की और शीघ्र ही उन्हें पुत्र प्राप्त हुआ। उन्होंने उस बालक का नाम यूहन्ना रखा।
- इलीशिबा यीशु की माता मरियम की संबन्धी थी।

(यह भी देखें: यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), जकर्याह (नया नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 01:5-7
- लूका 01:24-25
- लूका 01:39-41

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1665

एसाव

तथ्य:

एसाव इसहाक और रिबका के जुड़वा पुत्रों में से एक था। वह पहिलौठा था। याकूब उसका जुड़वा भाई था।

- एसाव ने दाल के एक कटोरे के लिए याकूब को अपना पहिलौठा का अधिकार बेच दिया था।
- एसाव पहिलौठा था, इसलिए इसहाक को उसे विशेष आशिषें देनी थी। परन्तु याकूब ने धोखे से वे आशिषें ले लीं। आरंभ में तो एसाव क्रोध के कारण याकूब की हत्या करना चाहता था परन्तु बाद में उसने याकूब को क्षमा कर दिया।
- एसाव की अनेक सन्तान तथा नाती-पोते हुए थे जो कनान में एक जाति होकर बस गए थे।

(यह भी देखें: एदोम, इसहाक, इस्राएल, रिबका)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 25:29-30
- उत्पत्ति 26:34-35
- उत्पत्ति 27:11-12
- उत्पत्ति 32:3-5
- इब्रानियों 12:14-17
- रोमियो 09:10-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:07** जब रिबका के प्रसव का समय आया, पहला जो उत्पन्न हुआ वह लाल निकला, और उसका सारा शरीर कम्बल के समान रोममय था; इसलिये उसका नाम एसाव रखा गया।
- **07:02** तो एसाव ने अपने पहिलौठे का अधिकार याकूब के हाथ बेच दिया।
- **07:04** जब इसहाक ने उसे टटोलकर देखा और उसके वस्त्रो की सुगन्ध पाकर समझा कि वह एसाव है, तो उसे जी से आशीर्वाद दिया।
- **07:05** एसाव ने याकूब से बैर रखा क्योंकि उसने उसके पहिलौठे होने का अधिकार तो छीन ही लिया था साथ ही पिता के दिए हुए आशीर्वाद के कारण भी बैर रखा।
- **07:10** परन्तु एसाव याकूब को फहले ही माफ़ कर चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही प्रसन्न हुए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6215, G2269

एसाव

तथ्य:

एसाव इसहाक और रिबका के जुड़वा पुत्रों में से एक था। वह पहिलौठा था। याकूब उसका जुड़वा भाई था।

- एसाव ने दाल के एक कटोरे के लिए याकूब को अपना पहिलौठा का अधिकार बेच दिया था।
- एसाव पहिलौठा था, इसलिए इसहाक को उसे विशेष आशिषें देनी थी। परन्तु याकूब ने धोखे से वे आशिषें ले लीं। आरंभ में तो एसाव क्रोध के कारण याकूब की हत्या करना चाहता था परन्तु बाद में उसने याकूब को क्षमा कर दिया।
- एसाव की अनेक सन्तान तथा नाती-पोते हुए थे जो कनान में एक जाति होकर बस गए थे।

(यह भी देखें: एदोम, इसहाक, इस्राएल, रिबका)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 25:29-30
- उत्पत्ति 26:34-35
- उत्पत्ति 27:11-12
- उत्पत्ति 32:3-5
- इब्रानियों 12:14-17
- रोमियो 09:10-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:07** जब रिबका के प्रसव का समय आया, पहला जो उत्पन्न हुआ वह लाल निकला, और उसका सारा शरीर कम्बल के समान रोममय था; इसलिये उसका नाम एसाव रखा गया।
- **07:02** तो एसाव ने अपने पहिलौठे का अधिकार याकूब के हाथ बेच दिया।
- **07:04** जब इसहाक ने उसे टटोलकर देखा और उसके वस्त्रो की सुगन्ध पाकर समझा कि वह एसाव है, तो उसे जी से आशीर्वाद दिया।
- **07:05** एसाव ने याकूब से बैर रखा क्योंकि उसने उसके पहिलौठे होने का अधिकार तो छीन ही लिया था साथ ही पिता के दिए हुए आशीर्वाद के कारण भी बैर रखा।
- **07:10** परन्तु एसाव याकूब को फहले ही माफ़ कर चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही प्रसन्न हुए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6215, G2269

ओलों, ओले गिरना, ओला-वृष्टि, ओलों का तूफ़ान

तथ्य:

ओले आकाश से बरसने वाले बर्फ के टुकड़ों को कहते हैं। "हेल" शब्द अंग्रेजी भाषा में अभिवादन का शब्द है जिसका अर्थ "हेलो" या "तुम्हें शुभकामनाएं" है।

- ओले बरसना अर्थात आकाश से बर्फ के टुकड़े बरसना जिसे "ओला-वृष्टि" कहते हैं।
- ओले सामान्यतः छोटे-छोटे बर्फ के टुकड़े होते हैं (कुछ ही सें.मी. के) परन्तु कभी-कभी वे 20 सेंटिमीटर चौड़ा और एक किलोग्राम तक के होते हैं।
- नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में 50 किलोग्राम तक के ओले बरसने की चर्चा की गई है जब परमेश्वर अन्त समय में मनुष्यों को उनके पाप का दण्ड देगा।
- पुरानी अंग्रेजी भाषा में "हेल" शब्द का अर्थ है "आनन्द मनाना" जिसका अनुवाद "अभिवादन" हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 27:27-29
- मत्ती 28:8-10
- भजन संहिता 078:47-49
- भजन संहिता 148:7-8
- प्रकाशितवाक्य 08:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H68, H417, H1258, H1259, G5463, G5464

कठिन, कड़ा, सबसे कठिन, कठोर, कठोर कर लेता है, हठीला, कठोर रहेगा, कठोरता

परिभाषा:

- "कठिन" शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार अनेक हैं। यह शब्द प्रायः किसी कठिन अनवरत या हठीली बात का वर्णन करता है।
- "कठोर हृदय" "हठीला" उन लोगों के संदर्भ में है जो हठ करके पश्चाताप नहीं करते। यह अभिव्यक्ति उन लोगों का वर्णन करती है जो परमेश्वर की आज्ञा न मानने का हठ करते हैं।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति "हृदयों की कठोरता" और "उनके हृदयों की कठोरता" का संदर्भ भी हठीली अवज्ञा से है।
- किसी का हृदय "कठोर" है तो इसका अर्थ है कि ऐसा मनुष्य आज्ञा मानने से इन्कार करता है और मन फिराव नहीं करने का हठ करता है।
- जब इसे क्रिया विशेषण स्वरूप काम में लिया जाता है जैसे "कठोर परिश्रम" या "कठोर प्रयास" तो इसका अर्थ है किसी काम को दृढ़ता के साथ यत्न से करना, किसी काम को अति उत्तम रूप से करने का प्रयत्न करना।

अनुवाद के सुझाव

- "कठोर" शब्द का अनुवाद "कठिन" या "हठीला" या "चुनौतीपूर्ण" किया जा सकता है जो प्रकरण के अनुसार हो।
- "कठोरता" शब्द या "हृदय की कठोरता" या "कठोर हृदय" का अनुवाद "हठीलापन" या "निरन्तर विद्रोह" या "विद्रोही स्वभाव" या "हठीली अवज्ञा" या "हठ करके मन फिराव न करना" किया जा सकता है।
- "कठोर हो गया" का अनुवाद "मन फिराने का हठ" या "आज्ञा मानने से इन्कार" किया जा सकता है।
- "अपने हृदयों को कठोर मत करो" का अनुवाद "मन फिराव से इन्कार मत करो" या "हठ करके अवज्ञा मत करो"।
- "हठीले" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "हठीली अवज्ञा" या "निरन्तर अवज्ञा करना" या "मन फिराव का इन्कार" या "सदैव विद्रोह करना"
- "कठोर परिश्रम करना" या "कठोर प्रयास करना" इसे में "कठोर" का अनुवाद "यत्न के साथ" या "लगन के साथ" किया जा सकता है।
- "दौड़ा चला जाता हूँ" का अनुवाद "बलपूर्वक आगे बढ़ता हूँ" या "दृढ़तापूर्वक अग्रसर होता हूँ"।
- "मनुष्यों को कठोर परिश्रम करके दुःख देना" (अत्याचार करना) इसका अनुवाद "मनुष्य से ऐसा कठोर परिश्रम कराना कि वे पीड़ित हों" या "मनुष्यों को अत्याधिक कठिन कार्य द्वारा दुःख देना"।
- स्त्री के प्रसव भी कठोर परिश्रम है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, हृदय, प्रसव, हठीले)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 11:22-23
- व्यवस्थाविवरण 15:7-8
- निर्गमन 14:4-5
- इब्रानियों 04:6-7
- यूहन्ना 12:39-40
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H280, H386, H553, H1692, H2388, H2389, H2420, H2864, H3021, H3332, H3513, H3515, H3966, H4165, H4522, H5450, H5539, H5564, H5646, H5647, H5797, H5810, H5980, H5999, H6089, H6277, H6381, H6635, H7185, H7186, H7188, H7280, H8068, H8307, H8631, G917, G1419, G1421, G1422, G1423, G1425, G2205, G2532, G2553, G2872, G2873, G3425, G3433, G4053, G4183, G4456, G4457, G4641, G4642, G4643, G4645, G4912, G4927

कठिन, कड़ा, सबसे कठिन, कठोर, कठोर कर लेता है, हठीला, कठोर रहेगा, कठोरता

परिभाषा:

- “कठिन” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार अनेक हैं। यह शब्द प्राय: किसी कठिन अनवरत या हठीली बात का वर्णन करता है।

- “कठोर हृदय” “हठीला” उन लोगों के संदर्भ में है जो हठ करके पश्चाताप नहीं करते। यह अभिव्यक्ति उन लोगों का वर्णन करती है जो परमेश्वर की आज्ञा न मानने का हठ करते हैं।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “हृदयों की कठोरता” और “उनके हृदयों की कठोरता” का संदर्भ भी हठीली अवज्ञा से है।
- किसी का हृदय “कठोर” है तो इसका अर्थ है कि ऐसा मनुष्य आज्ञा मानने से इन्कार करता है और मन फिराव नहीं करने का हठ करता है।
- जब इसे क्रिया विशेषण स्वरूप काम में लिया जाता है जैसे “कठोर परिश्रम” या “कठोर प्रयास” तो इसका अर्थ है किसी काम को दृढ़ता के साथ यत्न से करना, किसी काम को अति उत्तम रूप से करने का प्रयत्न करना।

अनुवाद के सुझाव

- “कठोर” शब्द का अनुवाद “कठिन” या “हठीला” या “चुनौतीपूर्ण” किया जा सकता है जो प्रकरण के अनुसार हो।
- “कठोरता” शब्द या “हृदय की कठोरता” या “कठोर हृदय” का अनुवाद “हठीलापन” या “निरन्तर विद्रोह” या “विद्रोही स्वभाव” या “हठीली अवज्ञा” या “हठ करके मन फिराव न करना” किया जा सकता है।
- “कठोर हो गया” का अनुवाद “मन फिराने का हठ” या “आज्ञा मानने से इन्कार” किया जा सकता है।
- “अपने हृदयों को कठोर मत करो” का अनुवाद “मन फिराव से इन्कार मत करो” या “हठ करके अवज्ञा मत करो”।
- “हठीले” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “हठीली अवज्ञा” या “निरन्तर अवज्ञा करना” या “मन फिराव का इन्कार” या “सदैव विद्रोह करना”
- “कठोर परिश्रम करना” या “कठोर प्रयास करना” इसे में “कठोर” का अनुवाद “यत्न के साथ” या “लगन के साथ” किया जा सकता है।
- “दौड़ा चला जाता हूँ” का अनुवाद “बलपूर्वक आगे बढ़ता हूँ” या “दृढ़तापूर्वक अग्रसर होता हूँ”।
- “मनुष्यों को कठोर परिश्रम करके दु:ख देना” (अत्याचार करना) इसका अनुवाद “मनुष्य से ऐसा कठोर परिश्रम कराना कि वे पीड़ित हों” या “मनुष्यों को अत्याधिक कठिन कार्य द्वारा दु:ख देना”।
- स्त्री के प्रसव भी कठोर परिश्रम है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, हृदय, प्रसव, हठीले)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 11:22-23
- व्यवस्थाविवरण 15:7-8
- निर्गमन 14:4-5
- इब्रानियों 04:6-7
- यूहन्ना 12:39-40
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H280, H386, H553, H1692, H2388, H2389, H2420, H2864, H3021, H3332, H3513, H3515, H3966, H4165, H4522, H5450, H5539, H5564, H5646, H5647, H5797, H5810, H5980,

H5999, H6089, H6277, H6381, H6635, H7185, H7186, H7188, H7280, H8068, H8307, H8631, G917, G1419, G1421, G1422, G1423, G1425, G2205, G2532, G2553, G2872, G2873, G3425, G3433, G4053, G4183, G4456, G4457, G4641, G4642, G4643, G4645, G4912, G4927

कठिन, कड़ा, सबसे कठिन, कठोर, कठोर कर लेता है, हठीला, कठोर रहेगा, कठोरता

परिभाषा:

- "कठिन" शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार अनेक हैं। यह शब्द प्राय: किसी कठिन अनवरत या हठीली बात का वर्णन करता है।
- "कठोर हृदय" "हठीला" उन लोगों के संदर्भ में है जो हठ करके पश्चाताप नहीं करते। यह अभिव्यक्ति उन लोगों का वर्णन करती है जो परमेश्वर की आज्ञा न मानने का हठ करते हैं।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति "हृदयों की कठोरता" और "उनके हृदयों की कठोरता" का संदर्भ भी हठीली अवज्ञा से है।
- किसी का हृदय "कठोर" है तो इसका अर्थ है कि ऐसा मनुष्य आज्ञा मानने से इन्कार करता है और मन फिराव नहीं करने का हठ करता है।
- जब इसे क्रिया विशेषण स्वरूप काम में लिया जाता है जैसे "कठोर परिश्रम" या "कठोर प्रयास" तो इसका अर्थ है किसी काम को दृढ़ता के साथ यत्न से करना, किसी काम को अति उत्तम रूप से करने का प्रयत्न करना।

अनुवाद के सुझाव

- "कठोर" शब्द का अनुवाद "कठिन" या "हठीला" या "चुनौतीपूर्ण" किया जा सकता है जो प्रकरण के अनुसार हो।
- "कठोरता" शब्द या "हृदय की कठोरता" या "कठोर हृदय" का अनुवाद "हठीलापन" या "निरन्तर विद्रोह" या "विद्रोही स्वभाव" या "हठीली अवज्ञा" या "हठ करके मन फिराव न करना" किया जा सकता है।
- "कठोर हो गया" का अनुवाद "मन फिराने का हठ" या "आज्ञा मानने से इन्कार" किया जा सकता है।
- "अपने हृदयों को कठोर मत करो" का अनुवाद "मन फिराव से इन्कार मत करो" या "हठ करके अवज्ञा मत करो"।
- "हठीले" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "हठीली अवज्ञा" या "निरन्तर अवज्ञा करना" या "मन फिराव का इन्कार" या "सदैव विद्रोह करना"
- "कठोर परिश्रम करना" या "कठोर प्रयास करना" इसे में "कठोर" का अनुवाद "यत्न के साथ" या "लगन के साथ" किया जा सकता है।
- "दौड़ा चला जाता हूँ" का अनुवाद "बलपूर्वक आगे बढ़ता हूँ" या "दृढ़तापूर्वक अग्रसर होता हूँ"।
- "मनुष्यों को कठोर परिश्रम करके दु:ख देना" (अत्याचार करना) इसका अनुवाद "मनुष्य से ऐसा कठोर परिश्रम कराना कि वे पीड़ित हों" या "मनुष्यों को अत्याधिक कठिन कार्य द्वारा दु:ख देना"।
- स्त्री के प्रसव भी कठोर परिश्रम है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, हृदय, प्रसव, हठीले)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 11:22-23
- व्यवस्थाविवरण 15:7-8
- निर्गमन 14:4-5
- इब्रानियों 04:6-7
- यूहन्ना 12:39-40
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H280, H386, H553, H1692, H2388, H2389, H2420, H2864, H3021, H3332, H3513, H3515, H3966, H4165, H4522, H5450, H5539, H5564, H5646, H5647, H5797, H5810, H5980, H5999, H6089, H6277, H6381, H6635, H7185, H7186, H7188, H7280, H8068, H8307, H8631, G917, G1419, G1421, G1422, G1423, G1425, G2205, G2532, G2553, G2872, G2873, G3425, G3433, G4053, G4183, G4456, G4457, G4641, G4642, G4643, G4645, G4912, G4927

कठिन, कड़ा, सबसे कठिन, कठोर, कठोर कर लेता है, हठीला, कठोर रहेगा, कठोरता

परिभाषा:

- "कठिन" शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार अनेक हैं। यह शब्द प्राय: किसी कठिन अनवरत या हठीली बात का वर्णन करता है।
- "कठोर हृदय" "हठीला" उन लोगों के संदर्भ में है जो हठ करके पश्चाताप नहीं करते। यह अभिव्यक्ति उन लोगों का वर्णन करती है जो परमेश्वर की आज्ञा न मानने का हठ करते हैं।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “हृदयों की कठोरता” और “उनके हृदयों की कठोरता” का संदर्भ भी हठीली अवज्ञा से है।
- किसी का हृदय “कठोर” है तो इसका अर्थ है कि ऐसा मनुष्य आज्ञा मानने से इन्कार करता है और मन फिराव नहीं करने का हठ करता है।
- जब इसे क्रिया विशेषण स्वरूप काम में लिया जाता है जैसे “कठोर परिश्रम” या “कठोर प्रयास” तो इसका अर्थ है किसी काम को दृढ़ता के साथ यत्न से करना, किसी काम को अति उत्तम रूप से करने का प्रयत्न करना।

अनुवाद के सुझाव

- “कठोर” शब्द का अनुवाद “कठिन” या “हठीला” या “चुनौतीपूर्ण” किया जा सकता है जो प्रकरण के अनुसार हो।
- “कठोरता” शब्द या “हृदय की कठोरता” या “कठोर हृदय” का अनुवाद “हठीलापन” या “निरन्तर विद्रोह” या “विद्रोही स्वभाव” या “हठीली अवज्ञा” या “हठ करके मन फिराव न करना” किया जा सकता है।
- “कठोर हो गया” का अनुवाद “मन फिराने का हठ” या “आज्ञा मानने से इन्कार” किया जा सकता है।
- “अपने हृदयों को कठोर मत करो” का अनुवाद “मन फिराव से इन्कार मत करो” या “हठ करके अवज्ञा मत करो”।
- “हठीले” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “हठीली अवज्ञा” या “निरन्तर अवज्ञा करना” या “मन फिराव का इन्कार” या “सदैव विद्रोह करना”
- “कठोर परिश्रम करना” या “कठोर प्रयास करना” इसे में “कठोर” का अनुवाद “यत्न के साथ” या “लगन के साथ” किया जा सकता है।
- “दौड़ा चला जाता हूँ” का अनुवाद “बलपूर्वक आगे बढ़ता हूँ” या “दृढ़तापूर्वक अग्रसर होता हूँ”।
- “मनुष्यों को कठोर परिश्रम करके दुःख देना” (अत्याचार करना) इसका अनुवाद “मनुष्य से ऐसा कठोर परिश्रम कराना कि वे पीड़ित हों” या “मनुष्यों को अत्याधिक कठिन कार्य द्वारा दुःख देना”।
- स्त्री के प्रसव भी कठोर परिश्रम है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, हृदय, प्रसव, हठीले)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 11:22-23
- व्यवस्थाविवरण 15:7-8
- निर्गमन 14:4-5
- इब्रानियों 04:6-7
- यूहन्ना 12:39-40
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H280, H386, H553, H1692, H2388, H2389, H2420, H2864, H3021, H3332, H3513, H3515, H3966, H4165, H4522, H5450, H5539, H5564, H5646, H5647, H5797, H5810, H5980, H5999, H6089, H6277, H6381, H6635, H7185, H7186, H7188, H7280, H8068, H8307, H8631, G917, G1419, G1421, G1422, G1423, G1425, G2205, G2532, G2553, G2872, G2873, G3425, G3433, G4053, G4183, G4456, G4457, G4641, G4642, G4643, G4645, G4912, G4927

कठिन, कड़ा, सबसे कठिन, कठोर, कठोर कर लेता है, हठीला, कठोर रहेगा, कठोरता

परिभाषा:

- “कठिन” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार अनेक हैं। यह शब्द प्रायः किसी कठिन अनवरत या हठीली बात का वर्णन करता है।
- “कठोर हृदय” “हठीला” उन लोगों के संदर्भ में है जो हठ करके पश्चाताप नहीं करते। यह अभिव्यक्ति उन लोगों का वर्णन करती है जो परमेश्वर की आज्ञा न मानने का हठ करते हैं।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “हृदयों की कठोरता” और “उनके हृदयों की कठोरता” का संदर्भ भी हठीली अवज्ञा से है।
- किसी का हृदय “कठोर” है तो इसका अर्थ है कि ऐसा मनुष्य आज्ञा मानने से इन्कार करता है और मन फिराव नहीं करने का हठ करता है।
- जब इसे क्रिया विशेषण स्वरूप काम में लिया जाता है जैसे “कठोर परिश्रम” या “कठोर प्रयास” तो इसका अर्थ है किसी काम को दृढ़ता के साथ यत्न से करना, किसी काम को अति उत्तम रूप से करने का प्रयत्न करना।

अनुवाद के सुझाव

- “कठोर” शब्द का अनुवाद “कठिन” या “हठीला” या “चुनौतीपूर्ण” किया जा सकता है जो प्रकरण के अनुसार हो।
- “कठोरता” शब्द या “हृदय की कठोरता” या “कठोर हृदय” का अनुवाद “हठीलापन” या “निरन्तर विद्रोह” या “विद्रोही स्वभाव” या “हठीली अवज्ञा” या “हठ करके मन फिराव न करना” किया जा सकता है।
- “कठोर हो गया” का अनुवाद “मन फिराने का हठ” या “आज्ञा मानने से इन्कार” किया जा सकता है।
- “अपने हृदयों को कठोर मत करो” का अनुवाद “मन फिराव से इन्कार मत करो” या “हठ करके अवज्ञा मत करो”।

- “हठीले” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “हठीली अवज्ञा” या “निरन्तर अवज्ञा करना” या “मन फिराव का इन्कार” या “सदैव विद्रोह करना”
- “कठोर परिश्रम करना” या “कठोर प्रयास करना” इसे में “कठोर” का अनुवाद “यत्न के साथ” या “लगन के साथ” किया जा सकता है।
- “दौड़ा चला जाता हूँ” का अनुवाद “बलपूर्वक आगे बढ़ता हूँ” या “दृढ़तापूर्वक अग्रसर होता हूँ”।
- “मनुष्यों को कठोर परिश्रम करके दुःख देना” (अत्याचार करना) इसका अनुवाद “मनुष्य से ऐसा कठोर परिश्रम कराना कि वे पीड़ित हों” या “मनुष्यों को अत्याधिक कठिन कार्य द्वारा दुःख देना”।
- स्त्री के प्रसव भी कठोर परिश्रम है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, हृदय, प्रसव, हठीले)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 11:22-23
- व्यवस्थाविवरण 15:7-8
- निर्गमन 14:4-5
- इब्रानियों 04:6-7
- यूहन्ना 12:39-40
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H280, H386, H553, H1692, H2388, H2389, H2420, H2864, H3021, H3332, H3513, H3515, H3966, H4165, H4522, H5450, H5539, H5564, H5646, H5647, H5797, H5810, H5980, H5999, H6089, H6277, H6381, H6635, H7185, H7186, H7188, H7280, H8068, H8307, H8631, G917, G1419, G1421, G1422, G1423, G1425, G2205, G2532, G2553, G2872, G2873, G3425, G3433, G4053, G4183, G4456, G4457, G4641, G4642, G4643, G4645, G4912, G4927

कठिन, कड़ा, सबसे कठिन, कठोर, कठोर कर लेता है, हठीला, कठोर रहेगा, कठोरता

परिभाषा:

- “कठिन” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार अनेक हैं। यह शब्द प्रायः किसी कठिन अनवरत या हठीली बात का वर्णन करता है।

- “कठोर हृदय” “हठीला” उन लोगों के संदर्भ में है जो हठ करके पश्चाताप नहीं करते। यह अभिव्यक्ति उन लोगों का वर्णन करती है जो परमेश्वर की आज्ञा न मानने का हठ करते हैं।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “हृदयों की कठोरता” और “उनके हृदयों की कठोरता” का संदर्भ भी हठीली अवज्ञा से है।
- किसी का हृदय “कठोर” है तो इसका अर्थ है कि ऐसा मनुष्य आज्ञा मानने से इन्कार करता है और मन फिराव नहीं करने का हठ करता है।
- जब इसे क्रिया विशेषण स्वरूप काम में लिया जाता है जैसे “कठोर परिश्रम” या “कठोर प्रयास” तो इसका अर्थ है किसी काम को दृढ़ता के साथ यत्न से करना, किसी काम को अति उत्तम रूप से करने का प्रयत्न करना।

अनुवाद के सुझाव

- “कठोर” शब्द का अनुवाद “कठिन” या “हठीला” या “चुनौतीपूर्ण” किया जा सकता है जो प्रकरण के अनुसार हो।
- “कठोरता” शब्द या “हृदय की कठोरता” या “कठोर हृदय” का अनुवाद “हठीलापन” या “निरन्तर विद्रोह” या “विद्रोही स्वभाव” या “हठीली अवज्ञा” या “हठ करके मन फिराव न करना” किया जा सकता है।
- “कठोर हो गया” का अनुवाद “मन फिराने का हठ” या “आज्ञा मानने से इन्कार” किया जा सकता है।
- “अपने हृदयों को कठोर मत करो” का अनुवाद “मन फिराव से इन्कार मत करो” या “हठ करके अवज्ञा मत करो”।
- “हठीले” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “हठीली अवज्ञा” या “निरन्तर अवज्ञा करना” या “मन फिराव का इन्कार” या “सदैव विद्रोह करना”
- “कठोर परिश्रम करना” या “कठोर प्रयास करना” इसे में “कठोर” का अनुवाद “यत्न के साथ” या “लगन के साथ” किया जा सकता है।
- “दौड़ा चला जाता हूँ” का अनुवाद “बलपूर्वक आगे बढ़ता हूँ” या “दृढ़तापूर्वक अग्रसर होता हूँ”।
- “मनुष्यों को कठोर परिश्रम करके दुःख देना” (अत्याचार करना) इसका अनुवाद “मनुष्य से ऐसा कठोर परिश्रम कराना कि वे पीड़ित हों” या “मनुष्यों को अत्याधिक कठिन कार्य द्वारा दुःख देना”।
- स्त्री के प्रसव भी कठोर परिश्रम है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, हृदय, प्रसव, हठीले)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 11:22-23
- व्यवस्थाविवरण 15:7-8

- निर्गमन 14:4-5
- इब्रानियों 04:6-7
- यूहन्ना 12:39-40
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H280, H386, H553, H1692, H2388, H2389, H2420, H2864, H3021, H3332, H3513, H3515, H3966, H4165, H4522, H5450, H5539, H5564, H5646, H5647, H5797, H5810, H5980, H5999, H6089, H6277, H6381, H6635, H7185, H7186, H7188, H7280, H8068, H8307, H8631, G917, G1419, G1421, G1422, G1423, G1425, G2205, G2532, G2553, G2872, G2873, G3425, G3433, G4053, G4183, G4456, G4457, G4641, G4642, G4643, G4645, G4912, G4927

कठिन, कड़ा, सबसे कठिन, कठोर, कठोर कर लेता है, हठीला, कठोर रहेगा, कठोरता

परिभाषा:

- "कठिन" शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार अनेक हैं। यह शब्द प्राय: किसी कठिन अनवरत या हठीली बात का वर्णन करता है।
- "कठोर हृदय" "हठीला" उन लोगों के संदर्भ में है जो हठ करके पश्चाताप नहीं करते। यह अभिव्यक्ति उन लोगों का वर्णन करती है जो परमेश्वर की आज्ञा न मानने का हठ करते हैं।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति "हृदयों की कठोरता" और "उनके हृदयों की कठोरता" का संदर्भ भी हठीली अवज्ञा से है।
- किसी का हृदय "कठोर" है तो इसका अर्थ है कि ऐसा मनुष्य आज्ञा मानने से इन्कार करता है और मन फिराव नहीं करने का हठ करता है।
- जब इसे क्रिया विशेषण स्वरूप काम में लिया जाता है जैसे "कठोर परिश्रम" या "कठोर प्रयास" तो इसका अर्थ है किसी काम को दृढ़ता के साथ यत्न से करना, किसी काम को अति उत्तम रूप से करने का प्रयत्न करना।

अनुवाद के सुझाव

- "कठोर" शब्द का अनुवाद "कठिन" या "हठीला" या "चुनौतीपूर्ण" किया जा सकता है जो प्रकरण के अनुसार हो।
- "कठोरता" शब्द या "हृदय की कठोरता" या "कठोर हृदय" का अनुवाद "हठीलापन" या "निरन्तर विद्रोह" या "विद्रोही स्वभाव" या "हठीली अवज्ञा" या "हठ करके मन फिराव न करना" किया जा सकता है।
- "कठोर हो गया" का अनुवाद "मन फिराने का हठ" या "आज्ञा मानने से इन्कार" किया जा सकता है।
- "अपने हृदयों को कठोर मत करो" का अनुवाद "मन फिराव से इन्कार मत करो" या "हठ करके अवज्ञा मत करो"।
- "हठीले" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "हठीली अवज्ञा" या "निरन्तर अवज्ञा करना" या "मन फिराव का इन्कार" या "सदैव विद्रोह करना"
- "कठोर परिश्रम करना" या "कठोर प्रयास करना" इसे में "कठोर" का अनुवाद "यत्न के साथ" या "लगन के साथ" किया जा सकता है।
- "दौड़ा चला जाता हूँ" का अनुवाद "बलपूर्वक आगे बढ़ता हूँ" या "दृढ़तापूर्वक अग्रसर होता हूँ"।
- "मनुष्यों को कठोर परिश्रम करके दु:ख देना" (अत्याचार करना) इसका अनुवाद "मनुष्य से ऐसा कठोर परिश्रम कराना कि वे पीड़ित हों" या "मनुष्यों को अत्याधिक कठिन कार्य द्वारा दु:ख देना"।
- स्त्री के प्रसव भी कठोर परिश्रम है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, हृदय, प्रसव, हठीले)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 11:22-23
- व्यवस्थाविवरण 15:7-8
- निर्गमन 14:4-5
- इब्रानियों 04:6-7
- यूहन्ना 12:39-40
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H280, H386, H553, H1692, H2388, H2389, H2420, H2864, H3021, H3332, H3513, H3515, H3966, H4165, H4522, H5450, H5539, H5564, H5646, H5647, H5797, H5810, H5980, H5999, H6089, H6277, H6381, H6635, H7185, H7186, H7188, H7280, H8068, H8307, H8631, G917, G1419, G1421, G1422, G1423, G1425, G2205, G2532, G2553, G2872, G2873, G3425, G3433, G4053, G4183, G4456, G4457, G4641, G4642, G4643, G4645, G4912, G4927

कठिन, कड़ा, सबसे कठिन, कठोर, कठोर कर लेता है, हठीला, कठोर रहेगा, कठोरता

परिभाषा:

- "कठिन" शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार अनेक हैं। यह शब्द प्राय: किसी कठिन अनवरत या हठीली बात का वर्णन करता है।
- "कठोर हृदय" "हठीला" उन लोगों के संदर्भ में है जो हठ करके पश्चाताप नहीं करते। यह अभिव्यक्ति उन लोगों का वर्णन करती है जो परमेश्वर की आज्ञा न मानने का हठ करते हैं।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति "हृदयों की कठोरता" और "उनके हृदयों की कठोरता" का संदर्भ भी हठीली अवज्ञा से है।
- किसी का हृदय "कठोर" है तो इसका अर्थ है कि ऐसा मनुष्य आज्ञा मानने से इन्कार करता है और मन फिराव नहीं करने का हठ करता है।
- जब इसे क्रिया विशेषण स्वरूप काम में लिया जाता है जैसे "कठोर परिश्रम" या "कठोर प्रयास" तो इसका अर्थ है किसी काम को दृढ़ता के साथ यत्न से करना, किसी काम को अति उत्तम रूप से करने का प्रयत्न करना।

अनुवाद के सुझाव

- "कठोर" शब्द का अनुवाद "कठिन" या "हठीला" या "चुनौतीपूर्ण" किया जा सकता है जो प्रकरण के अनुसार हो।
- "कठोरता" शब्द या "हृदय की कठोरता" या "कठोर हृदय" का अनुवाद "हठीलापन" या "निरन्तर विद्रोह" या "विद्रोही स्वभाव" या "हठीली अवज्ञा" या "हठ करके मन फिराव न करना" किया जा सकता है।
- "कठोर हो गया" का अनुवाद "मन फिराने का हठ" या "आज्ञा मानने से इन्कार" किया जा सकता है।
- "अपने हृदयों को कठोर मत करो" का अनुवाद "मन फिराव से इन्कार मत करो" या "हठ करके अवज्ञा मत करो"।
- "हठीले" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "हठीली अवज्ञा" या "निरन्तर अवज्ञा करना" या "मन फिराव का इन्कार" या "सदैव विद्रोह करना"
- "कठोर परिश्रम करना" या "कठोर प्रयास करना" इसे में "कठोर" का अनुवाद "यत्न के साथ" या "लगन के साथ" किया जा सकता है।
- "दौड़ा चला जाता हूँ" का अनुवाद "बलपूर्वक आगे बढ़ता हूँ" या "दृढ़तापूर्वक अग्रसर होता हूँ"।
- "मनुष्यों को कठोर परिश्रम करके दु:ख देना" (अत्याचार करना) इसका अनुवाद "मनुष्य से ऐसा कठोर परिश्रम कराना कि वे पीड़ित हों" या "मनुष्यों को अत्याधिक कठिन कार्य द्वारा दु:ख देना"।
- स्त्री के प्रसव भी कठोर परिश्रम है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, हृदय, प्रसव, हठीले)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 11:22-23
- व्यवस्थाविवरण 15:7-8
- निर्गमन 14:4-5
- इब्रानियों 04:6-7
- यूहन्ना 12:39-40
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H280, H386, H553, H1692, H2388, H2389, H2420, H2864, H3021, H3332, H3513, H3515, H3966, H4165, H4522, H5450, H5539, H5564, H5646, H5647, H5797, H5810, H5980, H5999, H6089, H6277, H6381, H6635, H7185, H7186, H7188, H7280, H8068, H8307, H8631, G917, G1419, G1421, G1422, G1423, G1425, G2205, G2532, G2553, G2872, G2873, G3425, G3433, G4053, G4183, G4456, G4457, G4641, G4642, G4643, G4645, G4912, G4927

कनान, कनानी, कनानियों

तथ्य:

कनान हाम का पुत्र था और हाम नूह का पुत्र था। कनानी लोग कनान के निवासी थे।

- "कनान" और "कनान देश" वह क्षेत्र था जो यरदन नदी और भूमध्यसागर के बीच का था। दक्षिण में वह मिस्र की सीमा तक था और उत्तर में सीरिया की सीमा तक।
- इस देश के निवासी कनानी और अन्यजातियां थी।
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह कनान देश उसे और उसके वंशज, इस्राएलियों को देगा।

(यह भी देखें: हाम, प्रतिज्ञा का देश)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:19-20
- निर्गमन 03:7-8
- उत्पत्ति 09:18-19
- उत्पत्ति 10:19-20
- उत्पत्ति 13:5-7
- उत्पत्ति 47:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:05** इस प्रकार अब्राम अपनी पत्नी सारै, और जो धन उन्होंने इकट्ठा किया था, और जो प्राणी उन्होंने हारान में प्राप्त किये थे, सब को लेकर कनान देश में जो परमेश्वर ने उसे दिखाया था जाने को निकल चला;
- **04:06** जब अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उससे कहा कि, "अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा।"
- **04:09** "मैंकनान देश तेरे वंश को दूँगा।"
- **05:03** " मैं तुझको, और तेरे पश्चात् तेरे वंश को भी, यह सारा कनान देश दूँगा कि वह उनकी निज भूमि रहेगी, और मैं उनका परमेश्वर रहूँगा।"
- **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3667, H3669, G2581, G5478

कनान, कनानी, कनानियों

तथ्य:

कनान हाम का पुत्र था और हाम नूह का पुत्र था। कनानी लोग कनान के निवासी थे।

- “कनान” और “कनान देश” वह क्षेत्र था जो यरदन नदी और भूमध्यसागर के बीच का था। दक्षिण में वह मिस्र की सीमा तक था और उत्तर में सीरिया की सीमा तक।
- इस देश के निवासी कनानी और अन्यजातियां थी।
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह कनान देश उसे और उसके वंशज, इस्राएलियों को देगा।

(यह भी देखें: हाम, प्रतिज्ञा का देश)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:19-20
- निर्गमन 03:7-8
- उत्पत्ति 09:18-19
- उत्पत्ति 10:19-20
- उत्पत्ति 13:5-7
- उत्पत्ति 47:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:05** इस प्रकार अब्राम अपनी पत्नी सारै, और जो धन उन्होंने इकट्ठा किया था, और जो प्राणी उन्होंने हारान में प्राप्त किये थे, सब को लेकर कनान देश में जो परमेश्वर ने उसे दिखाया था जाने को निकल चला;
- **04:06** जब अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उससे कहा कि, "अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा।"
- **04:09** "मैंकनान देश तेरे वंश को दूँगा।"
- **05:03** " मैं तुझको, और तेरे पश्चात् तेरे वंश को भी, यह सारा कनान देश दूँगा कि वह उनकी निज भूमि रहेगी, और मैं उनका परमेश्वर रहूँगा।"
- **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3667, H3669, G2581, G5478

कनान, कनानी, कनानियों

तथ्य:

कनान हाम का पुत्र था और हाम नूह का पुत्र था। कनानी लोग कनान के निवासी थे।

- “कनान” और “कनान देश” वह क्षेत्र था जो यरदन नदी और भूमध्यसागर के बीच का था। दक्षिण में वह मिस्र की सीमा तक था और उत्तर में सीरिया की सीमा तक।
- इस देश के निवासी कनानी और अन्यजातियां थी।
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह कनान देश उसे और उसके वंशज, इस्राएलियों को देगा।

(यह भी देखें: हाम, प्रतिज्ञा का देश)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:19-20
- निर्गमन 03:7-8
- उत्पत्ति 09:18-19
- उत्पत्ति 10:19-20
- उत्पत्ति 13:5-7
- उत्पत्ति 47:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:05** इस प्रकार अब्राम अपनी पत्नी सारै, और जो धन उन्होंने इकट्ठा किया था, और जो प्राणी उन्होंने हारान में प्राप्त किये थे, सब को लेकर कनान देश में जो परमेश्वर ने उसे दिखाया था जाने को निकल चला;
- **04:06** जब अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उससे कहा कि, "अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा।"
- **04:09** "मैंकनान देश तेरे वंश को दूँगा।"
- **05:03** " मैं तुझको, और तेरे पश्चात् तेरे वंश को भी, यह सारा कनान देश दूँगा कि वह उनकी निज भूमि रहेगी, और मैं उनका परमेश्वर रहूँगा।"
- **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3667, H3669, G2581, G5478

कपटी, कपटियों, कपट

परिभाषा:

“कपटी” शब्द उस मनुष्य के संदर्भ में है जो धर्मी दिखने के लिए कुछ करता है परन्तु गुप्त में बुरे काम करता “कपट” ऐसे व्यवहार के सन्दर्भ में है जो मनुष्यों को धोखा दे कि वह धर्मी जन है.

- कपटी मनुष्य अच्छे काम करते हुए दिखना चाहते हैं कि मनुष्य उन्हें अच्छे मनुष्य समझें.
- कपटी मनुष्य प्रायः दूसरों की तो आलोचना करते हैं परन्तु स्वयं वैसे ही पापी काम करते हैं.
- यीशु फरीसियों को कपटी कहता था क्योंकि वे धर्म के काम ऐसे करते थे जैसे विशेष वस्त्र धारण करना, विशेष भोजन करना परन्तु वे मनुष्यों के साथ दया या निष्पक्षता का व्यवहार नहीं करते थे.
- कपटी मनुष्य दूसरों के दोष देखता है परन्तु अपने दोष स्वीकार नहीं करता है

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोमुखी” शब्द काम में लिया जाता जो कपटियों और कपटियों के कार्यों के सन्दर्भ में होता है.
- “कपटी” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “झूठा” या “ढोंगी” या “दम्भी मक्कार मनुष्य.”
- “कपट” का अनुवाद “धोखा” या “झूठे कार्य” या “दिखावा” किया जा सकता है.

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 02:13
- लूका 06:41-42
- लूका 12:54-56
- लूका 13:15
- मरकुस 07:6-7
- मत्ती 06:1-2
- रोमियो 12:09

शब्द तथ्य:

- Strong's: H120, H2611, H2612, G505, G5272, G5273

कपटी, कपटियों, कपट

परिभाषा:

"कपटी" शब्द उस मनुष्य के संदर्भ में है जो धर्मी दिखने के लिए कुछ करता है परन्तु गुप्त में बुरे काम करता "कपट" ऐसे व्यवहार के सन्दर्भ में है जो मनुष्यों को धोखा दे कि वह धर्मी जन है.

- कपटी मनुष्य अच्छे काम करते हुए दिखना चाहते हैं कि मनुष्य उन्हें अच्छे मनुष्य समझें.
- कपटी मनुष्य प्रायः दूसरों की तो आलोचना करते हैं परन्तु स्वयं वैसे ही पापी काम करते हैं.
- यीशु फरीसियों को कपटी कहता था क्योंकि वे धर्म के काम ऐसे करते थे जैसे विशेष वस्त्र धारण करना, विशेष भोजन करना परन्तु वे मनुष्यों के साथ दया या निष्पक्षता का व्यवहार नहीं करते थे.
- कपटी मनुष्य दूसरों के दोष देखता है परन्तु अपने दोष स्वीकार नहीं करता है

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में "दोमुखी" शब्द काम में लिया जाता जो कपटियों और कपटियों के कार्यों के सन्दर्भ में होता है.
- "कपटी" के अन्य अनुवाद रूप हैं, "झूठा" या "ढोंगी" या "दम्भी मक्कार मनुष्य."
- "कपट" का अनुवाद "धोखा" या "झूठे कार्य" या "दिखावा" किया जा सकता है.

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 02:13
- लूका 06:41-42
- लूका 12:54-56
- लूका 13:15
- मरकुस 07:6-7
- मत्ती 06:1-2
- रोमियो 12:09

शब्द तथ्य:

- Strong's: H120, H2611, H2612, G505, G5272, G5273

कफरनहूम

तथ्य:

कफरनहूम गलील सागर के उत्तर-पश्चिमी तट पर मछुआरों का एक गांव था।

- यीशु जब गलील में शिक्षा देता था तब वह कफरनहूम में ठहरता था।
- उसके अनेक शिष्य कफरनहूम से थे।
- यीशु ने इस गांव में अनेक आश्चर्यकर्म किए थे, जिनमें मृतक बालिका को फिर जीवित करना भी था।
- कफरनहूम उन तीन नगरों में से एक था जिन पर यीशु ने सार्वजनिक हाय की थी क्योंकि वहां के लोगों ने उसका इन्कार किया और उसकी शिक्षाओं में विश्वास नहीं किया था। यीशु ने उन्हें चेतावनी दी थी कि परमेश्वर उन्हें उनके अविश्वास का दण्ड देगा।

(यह भी देखें: गलील, गलील सागर)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 02:12
- लूका 04:31-32
- लूका 07:1
- मरकुस 01:21-22
- मरकुस 02:1-2
- मत्ती 04:12-13
- मत्ती 17:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2584

कफरनहूम

तथ्य:

कफरनहूम गलील सागर के उत्तर-पश्चिमी तट पर मछुआरों का एक गांव था।

- यीशु जब गलील में शिक्षा देता था तब वह कफरनहूम में ठहरता था।
- उसके अनेक शिष्य कफरनहूम से थे।
- यीशु ने इस गांव में अनेक आश्चर्यकर्म किए थे, जिनमें मृतक बालिका को फिर जीवित करना भी था।
- कफरनहूम उन तीन नगरों में से एक था जिन पर यीशु ने सार्वजनिक हाय की थी क्योंकि वहां के लोगों ने उसका इन्कार किया और उसकी शिक्षाओं में विश्वास नहीं किया था। यीशु ने उन्हें चेतावनी दी थी कि परमेश्वर उन्हें उनके अविश्वास का दण्ड देगा।

(यह भी देखें: गलील, गलील सागर)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 02:12
- लूका 04:31-32
- लूका 07:1
- मरकुस 01:21-22
- मरकुस 02:1-2
- मत्ती 04:12-13
- मत्ती 17:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2584

कफरनहूम

तथ्य:

कफरनहूम गलील सागर के उत्तर-पश्चिमी तट पर मछुआरों का एक गांव था।

- यीशु जब गलील में शिक्षा देता था तब वह कफरनहूम में ठहरता था।
- उसके अनेक शिष्य कफरनहूम से थे।
- यीशु ने इस गांव में अनेक आश्चर्यकर्म किए थे, जिनमें मृतक बालिका को फिर जीवित करना भी था।
- कफरनहूम उन तीन नगरों में से एक था जिन पर यीशु ने सार्वजनिक हाय की थी क्योंकि वहां के लोगों ने उसका इन्कार किया और उसकी शिक्षाओं में विश्वास नहीं किया था। यीशु ने उन्हें चेतावनी दी थी कि परमेश्वर उन्हें उनके अविश्वास का दण्ड देगा।

(यह भी देखें: गलील, गलील सागर)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 02:12
- लूका 04:31-32
- लूका 07:1
- मरकुस 01:21-22
- मरकुस 02:1-2
- मत्ती 04:12-13
- मत्ती 17:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2584

कफरनहूम

तथ्य:

कफरनहूम गलील सागर के उत्तर-पश्चिमी तट पर मछुआरों का एक गांव था।

- यीशु जब गलील में शिक्षा देता था तब वह कफरनहूम में ठहरता था।
- उसके अनेक शिष्य कफरनहूम से थे।
- यीशु ने इस गांव में अनेक आश्चर्यकर्म किए थे, जिनमें मृतक बालिका को फिर जीवित करना भी था।
- कफरनहूम उन तीन नगरों में से एक था जिन पर यीशु ने सार्वजनिक हाय की थी क्योंकि वहां के लोगों ने उसका इन्कार किया और उसकी शिक्षाओं में विश्वास नहीं किया था। यीशु ने उन्हें चेतावनी दी थी कि परमेश्वर उन्हें उनके अविश्वास का दण्ड देगा।

(यह भी देखें: गलील, गलील सागर)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 02:12
- लूका 04:31-32
- लूका 07:1
- मरकुस 01:21-22
- मरकुस 02:1-2
- मत्ती 04:12-13
- मत्ती 17:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2584

कब्र, मिट्टी देनेवाले, कब्रें, कब्र, कब्रों, कब्रिस्तान

परिभाषा:

- “कब्र” वह स्थान है जहां मृतक के शव को रखा जाता है। * इसी संदर्भ में “कब्रिस्तान” भी है।
- यहूदी कभी-कभी गुफाओं में मृतकों को रखते थे। कभी-कभी वे पहाड़ों में गुफा खोदते थे।
- नये नियम के समय ऐसी कब्रों को बन्द करने के लिए उन पर बड़ा पत्थर लुढ़का देना एक आम अभ्यास था।
- यदि कब्र का अर्थ शव को दफन करने के लिए जमीन के नीचे गड्ढा हो तो इसका अनुवाद करने के और तरीके “गुफा” या “पहाड़ में छेद करना” हो सकता है।
- प्रतीकात्मक रूप में और अक्सर “कब्र” शब्द मृतक के सदृश्य अवस्था को या मृतकों की आत्माओं के स्थान के लिए काम में आता है।

(यह भी देखें: मिट्टी देना, मर जाए)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:29-31
- उत्पत्ति 23:5-6
- उत्पत्ति 50:4-6
- यूहन्ना 19:40-42
- लूका 23:52-53
- मरकुस 05:1-2
- मत्ती 27:51-53
- रोमियो 03:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **32:04** वह कब्रों में रहा करता था। वह रात दिन चिल्लाता रहता था |
- **37:06** यीशु ने उनसे पूछा “तुमने लाज़र को कहाँ रखा है?” उन्होंने उससे कहा, "कब्र में, आओ और देख लो |” तब यीशु रोया |
- **37:07** वो कब्र एक गुफा थी जिसके द्वार पर एक बड़ा पत्थर लगा हुआ था |
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा | उन्होंने उसके शव को उज्ज्वल चादर में लपेटा, और चट्टान में खुदवाई गई कब्र में रख दिया | तब उन्होंने द्वार पर बड़ा पत्थर लुढ़काकर उसे बन्द कर दिया |
- **41:04** उसने कब्र के पत्थर को जो कब्र के द्वार पर लगा था हटा दिया और उस पर बैठ गया, कब्र की रखवाली करने वाले पहरुए काँप उठे और मृतक समान हो गए |
- **41:05** जब महिलाएँ कब्र पर पहुँची, स्वर्गदूत ने स्त्रियों से कहा, “मत डरो | यीशु यहाँ नहीं है, परन्तु अपने वचन के अनुसार जी उठा है |" आओ, यह स्थान देखो |” तब सस्त्रियों ने कब्र में और जहा यीशु का शरीर रखा गया था देखा | उसका शरीर वहा नहीं था |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1164, H1430, H6900, H6913, H7585, H7845, G86, G2750, G3418, G3419, G5028

कब्र, मिट्टी देनेवाले, कब्रें, कब्र, कब्रों, कब्रिस्तान

परिभाषा:

- “कब्र” वह स्थान है जहां मृतक के शव को रखा जाता है। * इसी संदर्भ में “कब्रिस्तान” भी है।
- यहूदी कभी-कभी गुफाओं में मृतकों को रखते थे। कभी-कभी वे पहाड़ों में गुफा खोदते थे।
- नये नियम के समय ऐसी कब्रों को बन्द करने के लिए उन पर बड़ा पत्थर लुढ़का देना एक आम अभ्यास था।
- यदि कब्र का अर्थ शव को दफन करने के लिए जमीन के नीचे गड्ढा हो तो इसका अनुवाद करने के और तरीके “गुफा” या “पहाड़ में छेद करना” हो सकता है।
- प्रतीकात्मक रूप में और अक्सर “कब्र” शब्द मृतक के सदृश्य अवस्था को या मृतकों की आत्माओं के स्थान के लिए काम में आता है।

(यह भी देखें: मिट्टी देना, मर जाए)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:29-31
- उत्पत्ति 23:5-6
- उत्पत्ति 50:4-6
- यूहन्ना 19:40-42
- लूका 23:52-53
- मरकुस 05:1-2
- मत्ती 27:51-53
- रोमियो 03:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **32:04** वह कब्रों में रहा करता था। वह रात दिन चिल्लाता रहता था |
- **37:06** यीशु ने उनसे पूछा “तुमने लाज़र को कहाँ रखा है?” उन्होंने उससे कहा, "कब्र में, आओ और देख लो |” तब यीशु रोया |
- **37:07** वो कब्र एक गुफा थी जिसके द्वार पर एक बड़ा पत्थर लगा हुआ था |

- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा | उन्होंने उसके शव को उज्ज्वल चादर में लपेटा, और चट्टान में खुदवाई गई कब्र में रख दिया | तब उन्होंने द्वार पर बड़ा पत्थर लुढ़काकर उसे बन्द कर दिया |
- **41:04** उसने कब्र के पत्थर को जो कब्र के द्वार पर लगा था हटा दिया और उस पर बैठ गया, कब्र की रखवाली करने वाले पहरुए काँप उठे और मृतक समान हो गए |
- **41:05** जब महिलाएँ कब्र पर पहुँची, स्वर्गदूत ने स्त्रियों से कहा, “मत डरो | यीशु यहाँ नहीं है, परन्तु अपने वचन के अनुसार जी उठा है |" आओ, यह स्थान देखो |” तब सस्त्रियों ने कब्र में और जहा यीशु का शरीर रखा गया था देखा | उसका शरीर वहा नहीं था |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1164, H1430, H6900, H6913, H7585, H7845, G86, G2750, G3418, G3419, G5028

कब्र, मिट्टी देनेवाले, कब्रें, कब्र, कब्रों, कब्रिस्तान

परिभाषा:

- “कब्र” वह स्थान है जहां मृतक के शव को रखा जाता है। * इसी संदर्भ में “कब्रिस्तान” भी है।
- यहूदी कभी-कभी गुफाओं में मृतकों को रखते थे। कभी-कभी वे पहाड़ों में गुफा खोदते थे।
- नये नियम के समय ऐसी कब्रों को बन्द करने के लिए उन पर बड़ा पत्थर लुढ़का देना एक आम अभ्यास था।
- यदि कब्र का अर्थ शव को दफन करने के लिए जमीन के नीचे गड्ढा हो तो इसका अनुवाद करने के और तरीके “गुफा” या “पहाड़ में छेद करना” हो सकता है।
- प्रतीकात्मक रूप में और अक्सर “कब्र” शब्द मृतक के सदृश्य अवस्था को या मृतकों की आत्माओं के स्थान के लिए काम में आता है।

(यह भी देखें: मिट्टी देना, मर जाए)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:29-31
- उत्पत्ति 23:5-6
- उत्पत्ति 50:4-6
- यूहन्ना 19:40-42
- लूका 23:52-53
- मरकुस 05:1-2
- मत्ती 27:51-53
- रोमियो 03:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **32:04** वह कब्रों में रहा करता था। वह रात दिन चिल्लाता रहता था |
- **37:06** यीशु ने उनसे पूछा “तुमने लाज़र को कहाँ रखा है?” उन्होंने उससे कहा, "कब्र में, आओ और देख लो |” तब यीशु रोया |
- **37:07** वो कब्र एक गुफा थी जिसके द्वार पर एक बड़ा पत्थर लगा हुआ था |
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा | उन्होंने उसके शव को उज्ज्वल चादर में लपेटा, और चट्टान में खुदवाई गई कब्र में रख दिया | तब उन्होंने द्वार पर बड़ा पत्थर लुढ़काकर उसे बन्द कर दिया |
- **41:04** उसने कब्र के पत्थर को जो कब्र के द्वार पर लगा था हटा दिया और उस पर बैठ गया, कब्र की रखवाली करने वाले पहरुए काँप उठे और मृतक समान हो गए |
- **41:05** जब महिलाएँ कब्र पर पहुँची, स्वर्गदूत ने स्त्रियों से कहा, “मत डरो | यीशु यहाँ नहीं है, परन्तु अपने वचन के अनुसार जी उठा है |" आओ, यह स्थान देखो |” तब सस्त्रियों ने कब्र में और जहा यीशु का शरीर रखा गया था देखा | उसका शरीर वहा नहीं था |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1164, H1430, H6900, H6913, H7585, H7845, G86, G2750, G3418, G3419, G5028

कब्र, मिट्टी देनेवाले, कब्रें, कब्र, कब्रों, कब्रिस्तान

परिभाषा:

- “कब्र” वह स्थान है जहां मृतक के शव को रखा जाता है। * इसी संदर्भ में “कब्रिस्तान” भी है।

- यहूदी कभी-कभी गुफाओं में मृतकों को रखते थे। कभी-कभी वे पहाड़ों में गुफा खोदते थे।

- नये नियम के समय ऐसी कब्रों को बन्द करने के लिए उन पर बड़ा पत्थर लुढ़का देना एक आम अभ्यास था।
- यदि कब्र का अर्थ शव को दफन करने के लिए जमीन के नीचे गड्ढा हो तो इसका अनुवाद करने के और तरीके "गुफा" या "पहाड़ में छेद करना" हो सकता है।
- प्रतीकात्मक रूप में और अक्सर "कब्र" शब्द मृतक के सदृश्य अवस्था को या मृतकों की आत्माओं के स्थान के लिए काम में आता है।

(यह भी देखें: मिट्टी देना, मर जाए)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:29-31
- उत्पत्ति 23:5-6
- उत्पत्ति 50:4-6
- यूहन्ना 19:40-42
- लूका 23:52-53
- मरकुस 05:1-2
- मत्ती 27:51-53
- रोमियो 03:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **32:04** वह कब्रों में रहा करता था। वह रात दिन चिल्लाता रहता था |
- **37:06** यीशु ने उनसे पूछा "तुमने लाज़र को कहाँ रखा है?" उन्होंने उससे कहा, "कब्र में, आओ और देख लो |" तब यीशु रोया |
- **37:07** वो कब्र एक गुफा थी जिसके द्वार पर एक बड़ा पत्थर लगा हुआ था |
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा | उन्होंने उसके शव को उज्ज्वल चादर में लपेटा, और चट्टान में खुदवाई गई कब्र में रख दिया | तब उन्होंने द्वार पर बड़ा पत्थर लुढ़काकर उसे बन्द कर दिया |
- **41:04** उसने कब्र के पत्थर को जो कब्र के द्वार पर लगा था हटा दिया और उस पर बैठ गया, कब्र की रखवाली करने वाले पहरुए काँप उठे और मृतक समान हो गए |
- **41:05** जब महिलाएँ कब्र पर पहुँची, स्वर्गदूत ने स्त्रियों से कहा, "मत डरो | यीशु यहाँ नहीं है, परन्तु अपने वचन के अनुसार जी उठा है |" आओ, यह स्थान देखो |" तब सस्त्रियों ने कब्र में और जहा यीशु का शरीर रखा गया था देखा | उसका शरीर वहा नहीं था |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1164, H1430, H6900, H6913, H7585, H7845, G86, G2750, G3418, G3419, G5028

कब्र, मिट्टी देनेवाले, कब्रें, कब्र, कब्रों, कब्रिस्तान

परिभाषा:

- "कब्र" वह स्थान है जहां मृतक के शव को रखा जाता है। * इसी संदर्भ में "कब्रिस्तान" भी है।

- यहूदी कभी-कभी गुफाओं में मृतकों को रखते थे। कभी-कभी वे पहाड़ों में गुफा खोदते थे।

- नये नियम के समय ऐसी कब्रों को बन्द करने के लिए उन पर बड़ा पत्थर लुढ़का देना एक आम अभ्यास था।
- यदि कब्र का अर्थ शव को दफन करने के लिए जमीन के नीचे गड्ढा हो तो इसका अनुवाद करने के और तरीके "गुफा" या "पहाड़ में छेद करना" हो सकता है।
- प्रतीकात्मक रूप में और अक्सर "कब्र" शब्द मृतक के सदृश्य अवस्था को या मृतकों की आत्माओं के स्थान के लिए काम में आता है।

(यह भी देखें: मिट्टी देना, मर जाए)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:29-31
- उत्पत्ति 23:5-6
- उत्पत्ति 50:4-6
- यूहन्ना 19:40-42
- लूका 23:52-53
- मरकुस 05:1-2

- मत्ती 27:51-53
- रोमियो 03:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **32:04** वह कब्रों में रहा करता था। वह रात दिन चिल्लाता रहता था |
- **37:06** यीशु ने उनसे पूछा “तुमने लाज़र को कहाँ रखा है?” उन्होंने उससे कहा, "कब्र में, आओ और देख लो |” तब यीशु रोया |
- **37:07** वो कब्र एक गुफा थी जिसके द्वार पर एक बड़ा पत्थर लगा हुआ था |
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा | उन्होंने उसके शव को उज्ज्वल चादर में लपेटा, और चट्टान में खुदवाई गई कब्र में रख दिया | तब उन्होंने द्वार पर बड़ा पत्थर लुढ़काकर उसे बन्द कर दिया |
- **41:04** उसने कब्र के पत्थर को जो कब्र के द्वार पर लगा था हटा दिया और उस पर बैठ गया, कब्र की रखवाली करने वाले पहरुए काँप उठे और मृतक समान हो गए |
- **41:05** जब महिलाएँ कब्र पर पहुँची, स्वर्गदूत ने स्त्रियों से कहा, “मत डरो | यीशु यहाँ नहीं है, परन्तु अपने वचन के अनुसार जी उठा है |" आओ, यह स्थान देखो |” तब सस्त्रियों ने कब्र में और जहा यीशु का शरीर रखा गया था देखा | उसका शरीर वहा नहीं था |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1164, H1430, H6900, H6913, H7585, H7845, G86, G2750, G3418, G3419, G5028

कब्र, मिट्टी देनेवाले, कब्रें, कब्र, कब्रों, कब्रिस्तान

परिभाषा:

- “कब्र” वह स्थान है जहां मृतक के शव को रखा जाता है। * इसी संदर्भ में “कब्रिस्तान” भी है।
- यहूदी कभी-कभी गुफाओं में मृतकों को रखते थे। कभी-कभी वे पहाड़ों में गुफा खोदते थे।
- नये नियम के समय ऐसी कब्रों को बन्द करने के लिए उन पर बड़ा पत्थर लुढ़का देना एक आम अभ्यास था।
- यदि कब्र का अर्थ शव को दफन करने के लिए जमीन के नीचे गड्ढा हो तो इसका अनुवाद करने के और तरीके “गुफा” या “पहाड़ में छेद करना” हो सकता है।
- प्रतीकात्मक रूप में और अक्सर “कब्र” शब्द मृतक के सदृश्य अवस्था को या मृतकों की आत्माओं के स्थान के लिए काम में आता है।

(यह भी देखें: मिट्टी देना, मर जाए)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:29-31
- उत्पत्ति 23:5-6
- उत्पत्ति 50:4-6
- यूहन्ना 19:40-42
- लूका 23:52-53
- मरकुस 05:1-2
- मत्ती 27:51-53
- रोमियो 03:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **32:04** वह कब्रों में रहा करता था। वह रात दिन चिल्लाता रहता था |
- **37:06** यीशु ने उनसे पूछा “तुमने लाज़र को कहाँ रखा है?” उन्होंने उससे कहा, "कब्र में, आओ और देख लो |” तब यीशु रोया |
- **37:07** वो कब्र एक गुफा थी जिसके द्वार पर एक बड़ा पत्थर लगा हुआ था |
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा | उन्होंने उसके शव को उज्ज्वल चादर में लपेटा, और चट्टान में खुदवाई गई कब्र में रख दिया | तब उन्होंने द्वार पर बड़ा पत्थर लुढ़काकर उसे बन्द कर दिया |
- **41:04** उसने कब्र के पत्थर को जो कब्र के द्वार पर लगा था हटा दिया और उस पर बैठ गया, कब्र की रखवाली करने वाले पहरुए काँप उठे और मृतक समान हो गए |
- **41:05** जब महिलाएँ कब्र पर पहुँची, स्वर्गदूत ने स्त्रियों से कहा, “मत डरो | यीशु यहाँ नहीं है, परन्तु अपने वचन के अनुसार जी उठा है |" आओ, यह स्थान देखो |” तब सस्त्रियों ने कब्र में और जहा यीशु का शरीर रखा गया था देखा | उसका शरीर वहा नहीं था |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1164, H1430, H6900, H6913, H7585, H7845, G86, G2750, G3418, G3419, G5028

कब्र, मिट्टी देनेवाले, कब्रें, कब्र, कब्रों, कब्रिस्तान

परिभाषा:

- "कब्र" वह स्थान है जहां मृतक के शव को रखा जाता है। * इसी संदर्भ में "कब्रिस्तान" भी है।
- यहूदी कभी-कभी गुफाओं में मृतकों को रखते थे। कभी-कभी वे पहाड़ों में गुफा खोदते थे।
- नये नियम के समय ऐसी कब्रों को बन्द करने के लिए उन पर बड़ा पत्थर लुढ़का देना एक आम अभ्यास था।
- यदि कब्र का अर्थ शव को दफन करने के लिए जमीन के नीचे गड्ढा हो तो इसका अनुवाद करने के और तरीके "गुफा" या "पहाड़ में छेद करना" हो सकता है।
- प्रतीकात्मक रूप में और अक्सर "कब्र" शब्द मृतक के सदृश्य अवस्था को या मृतकों की आत्माओं के स्थान के लिए काम में आता है।

(यह भी देखें: मिट्टी देना, मर जाए)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:29-31
- उत्पत्ति 23:5-6
- उत्पत्ति 50:4-6
- यूहन्ना 19:40-42
- लूका 23:52-53
- मरकुस 05:1-2
- मत्ती 27:51-53
- रोमियो 03:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **32:04** वह कब्रों में रहा करता था। वह रात दिन चिल्लाता रहता था |
- **37:06** यीशु ने उनसे पूछा "तुमने लाज़र को कहाँ रखा है?" उन्होंने उससे कहा, "कब्र में, आओ और देख लो |" तब यीशु रोया |
- **37:07** वो कब्र एक गुफा थी जिसके द्वार पर एक बड़ा पत्थर लगा हुआ था |
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा | उन्होंने उसके शव को उज्ज्वल चादर में लपेटा, और चट्टान में खुदवाई गई कब्र में रख दिया | तब उन्होंने द्वार पर बड़ा पत्थर लुढ़काकर उसे बन्द कर दिया |
- **41:04** उसने कब्र के पत्थर को जो कब्र के द्वार पर लगा था हटा दिया और उस पर बैठ गया, कब्र की रखवाली करने वाले पहरुए काँप उठे और मृतक समान हो गए |
- **41:05** जब महिलाएँ कब्र पर पहुँची, स्वर्गदूत ने स्त्रियों से कहा, "मत डरो | यीशु यहाँ नहीं है, परन्तु अपने वचन के अनुसार जी उठा है |" आओ, यह स्थान देखो |" तब सस्त्रियों ने कब्र में और जहा यीशु का शरीर रखा गया था देखा | उसका शरीर वहा नहीं था |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1164, H1430, H6900, H6913, H7585, H7845, G86, G2750, G3418, G3419, G5028

कमर

परिभाषा:

"कमर" शरीर का वह भाग है जो पसलियों और नितम्बों के मध्य का भाग है जिसे निचले पेट के रूप में भी जाना जाता है।

- "कमर कसना" अर्थात् परिश्रम करने के लिए तैयार हो जाओ। यह मुहावरा उस अभ्यास से आता है जब वे अपने बागे के निचले भाग को उठाकर कमर में बांध लेते थे कि चलना फिरना आसान हो जाए।
- "कमर" शब्द बाइबल में प्राय: बलि पशु के पिछले भाग के लिए काम में लिया जाता था।
- बाइबल में "कमर" का प्रतीकात्मक रूप में शिष्टोक्ति रूप में मनुष्य के गुप्तांगों के लिए काम में लिया गया शब्द है।
- "से उत्पन्न होना" इसका अनुवाद हो सकता है, "तेरी सन्तान होगी" या "तेरे अंश से उत्पन्न होगा" या "परमेश्वर तुम से उत्पन्न करेगा।"
- शरीर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, "उदर" या "पेट" या "कमर" प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: उतरेगा, बाँधे, वंश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:13-14
- 2 इतिहास 06:7-9
- व्यवस्थाविवरण 33:11
- उत्पत्ति 37:34-36
- अय्यूब 15:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2504, H2783, H3409, H3689, H4975, G3751

कमर

परिभाषा:

“कमर” शरीर का वह भाग है जो पसलियों और नितम्बों के मध्य का भाग है जिसे निचले पेट के रूप में भी जाना जाता है।

- “कमर कसना” अर्थात् परिश्रम करने के लिए तैयार हो जाओ। यह मुहावरा उस अभ्यास से आता है जब वे अपने बागे के निचले भाग को उठाकर कमर में बांध लेते थे कि चलना फिरना आसान हो जाए।
- “कमर” शब्द बाइबल में प्रायः बलि पशु के पिछले भाग के लिए काम में लिया जाता था।
- बाइबल में “कमर” का प्रतीकात्मक रूप में शिष्टोक्ति रूप में मनुष्य के गुप्तांगों के लिए काम में लिया गया शब्द है।
- “से उत्पन्न होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “तेरी सन्तान होगी” या “तेरे अंश से उत्पन्न होगा” या “परमेश्वर तुम से उत्पन्न करेगा।”
- शरीर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “उदर” या “पेट” या “कमर” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: उतरेगा, बाँधे, वंश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:13-14
- 2 इतिहास 06:7-9
- व्यवस्थाविवरण 33:11
- उत्पत्ति 37:34-36
- अय्यूब 15:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2504, H2783, H3409, H3689, H4975, G3751

कमर

परिभाषा:

“कमर” शरीर का वह भाग है जो पसलियों और नितम्बों के मध्य का भाग है जिसे निचले पेट के रूप में भी जाना जाता है।

- “कमर कसना” अर्थात् परिश्रम करने के लिए तैयार हो जाओ। यह मुहावरा उस अभ्यास से आता है जब वे अपने बागे के निचले भाग को उठाकर कमर में बांध लेते थे कि चलना फिरना आसान हो जाए।
- “कमर” शब्द बाइबल में प्रायः बलि पशु के पिछले भाग के लिए काम में लिया जाता था।
- बाइबल में “कमर” का प्रतीकात्मक रूप में शिष्टोक्ति रूप में मनुष्य के गुप्तांगों के लिए काम में लिया गया शब्द है।
- “से उत्पन्न होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “तेरी सन्तान होगी” या “तेरे अंश से उत्पन्न होगा” या “परमेश्वर तुम से उत्पन्न करेगा।”
- शरीर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “उदर” या “पेट” या “कमर” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: उतरेगा, बाँधे, वंश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:13-14

- 2 इतिहास 06:7-9
- व्यवस्थाविवरण 33:11
- उत्पत्ति 37:34-36
- अय्यूब 15:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2504, H2783, H3409, H3689, H4975, G3751

कमर

परिभाषा:

“कमर” शरीर का वह भाग है जो पसलियों और नितम्बों के मध्य का भाग है जिसे निचले पेट के रूप में भी जाना जाता है।

- “कमर कसना” अर्थात् परिश्रम करने के लिए तैयार हो जाओ। यह मुहावरा उस अभ्यास से आता है जब वे अपने बागे के निचले भाग को उठाकर कमर में बांध लेते थे कि चलना फिरना आसान हो जाए।
- “कमर” शब्द बाइबल में प्रायः बलि पशु के पिछले भाग के लिए काम में लिया जाता था।
- बाइबल में “कमर” का प्रतीकात्मक रूप में शिष्टोक्ति रूप में मनुष्य के गुप्तांगों के लिए काम में लिया गया शब्द है।
- “से उत्पन्न होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “तेरी सन्तान होगी” या “तेरे अंश से उत्पन्न होगा” या “परमेश्वर तुम से उत्पन्न करेगा।”
- शरीर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “उदर” या “पेट” या “कमर” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: उतरेगा, बाँधे, वंश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:13-14
- 2 इतिहास 06:7-9
- व्यवस्थाविवरण 33:11
- उत्पत्ति 37:34-36
- अय्यूब 15:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2504, H2783, H3409, H3689, H4975, G3751

कमर

परिभाषा:

“कमर” शरीर का वह भाग है जो पसलियों और नितम्बों के मध्य का भाग है जिसे निचले पेट के रूप में भी जाना जाता है।

- “कमर कसना” अर्थात् परिश्रम करने के लिए तैयार हो जाओ। यह मुहावरा उस अभ्यास से आता है जब वे अपने बागे के निचले भाग को उठाकर कमर में बांध लेते थे कि चलना फिरना आसान हो जाए।
- “कमर” शब्द बाइबल में प्रायः बलि पशु के पिछले भाग के लिए काम में लिया जाता था।
- बाइबल में “कमर” का प्रतीकात्मक रूप में शिष्टोक्ति रूप में मनुष्य के गुप्तांगों के लिए काम में लिया गया शब्द है।
- “से उत्पन्न होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “तेरी सन्तान होगी” या “तेरे अंश से उत्पन्न होगा” या “परमेश्वर तुम से उत्पन्न करेगा।”
- शरीर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “उदर” या “पेट” या “कमर” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: उतरेगा, बाँधे, वंश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:13-14
- 2 इतिहास 06:7-9
- व्यवस्थाविवरण 33:11
- उत्पत्ति 37:34-36
- अय्यूब 15:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2504, H2783, H3409, H3689, H4975, G3751

कमर

परिभाषा:

“कमर” शरीर का वह भाग है जो पसलियों और नितम्बों के मध्य का भाग है जिसे निचले पेट के रूप में भी जाना जाता है।

- “कमर कसना” अर्थात् परिश्रम करने के लिए तैयार हो जाओ। यह मुहावरा उस अभ्यास से आता है जब वे अपने बागे के निचले भाग को उठाकर कमर में बांध लेते थे कि चलना फिरना आसान हो जाए।
- “कमर” शब्द बाइबल में प्रायः बलि पशु के पिछले भाग के लिए काम में लिया जाता था।
- बाइबल में “कमर” का प्रतीकात्मक रूप में शिष्टोक्ति रूप में मनुष्य के गुप्तांगों के लिए काम में लिया गया शब्द है।
- “से उत्पन्न होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “तेरी सन्तान होगी” या “तेरे अंश से उत्पन्न होगा” या “परमेश्वर तुम से उत्पन्न करेगा।”
- शरीर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “उदर” या “पेट” या “कमर” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: उतरेगा, बाँधे, वंश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:13-14
- 2 इतिहास 06:7-9
- व्यवस्थाविवरण 33:11
- उत्पत्ति 37:34-36
- अय्यूब 15:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2504, H2783, H3409, H3689, H4975, G3751

कमर

परिभाषा:

“कमर” शरीर का वह भाग है जो पसलियों और नितम्बों के मध्य का भाग है जिसे निचले पेट के रूप में भी जाना जाता है।

- “कमर कसना” अर्थात् परिश्रम करने के लिए तैयार हो जाओ। यह मुहावरा उस अभ्यास से आता है जब वे अपने बागे के निचले भाग को उठाकर कमर में बांध लेते थे कि चलना फिरना आसान हो जाए।
- “कमर” शब्द बाइबल में प्रायः बलि पशु के पिछले भाग के लिए काम में लिया जाता था।
- बाइबल में “कमर” का प्रतीकात्मक रूप में शिष्टोक्ति रूप में मनुष्य के गुप्तांगों के लिए काम में लिया गया शब्द है।
- “से उत्पन्न होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “तेरी सन्तान होगी” या “तेरे अंश से उत्पन्न होगा” या “परमेश्वर तुम से उत्पन्न करेगा।”
- शरीर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “उदर” या “पेट” या “कमर” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: उतरेगा, बाँधे, वंश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:13-14
- 2 इतिहास 06:7-9
- व्यवस्थाविवरण 33:11
- उत्पत्ति 37:34-36
- अय्यूब 15:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2504, H2783, H3409, H3689, H4975, G3751

कमर

परिभाषा:

“कमर” शरीर का वह भाग है जो पसलियों और नितम्बों के मध्य का भाग है जिसे निचले पेट के रूप में भी जाना जाता है।

- “कमर कसना” अर्थात् परिश्रम करने के लिए तैयार हो जाओ। यह मुहावरा उस अभ्यास से आता है जब वे अपने बागे के निचले भाग को उठाकर कमर में बांध लेते थे कि चलना फिरना आसान हो जाए।
- “कमर” शब्द बाइबल में प्राय: बलि पशु के पिछले भाग के लिए काम में लिया जाता था।
- बाइबल में “कमर” का प्रतीकात्मक रूप में शिष्टोक्ति रूप में मनुष्य के गुप्तांगों के लिए काम में लिया गया शब्द है।
- “से उत्पन्न होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “तेरी सन्तान होगी” या “तेरे अंश से उत्पन्न होगा” या “परमेश्वर तुम से उत्पन्न करेगा।”
- शरीर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “उदर” या “पेट” या “कमर” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: उतरेगा, बाँधे, वंश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:13-14
- 2 इतिहास 06:7-9
- व्यवस्थाविवरण 33:11
- उत्पत्ति 37:34-36
- अय्यूब 15:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2504, H2783, H3409, H3689, H4975, G3751

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, अनुदान, भुगतान

परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासन, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:1-2
- 2 इतिहास 09:22-24
- 2 राजा 17:03
- लूका 23:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
- संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: बैतलहम, नाम लिखाई, निवासी, रोम, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41

- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23

- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

"समर्पण करना" और "समर्पण" का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को "काम सौंपना" अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या "दे दी है") है।
- इसी से संबन्धित शब्द है "करना" और "किया है" जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे "पाप करना" या "व्यभिचार करना" या "हत्या करना."
- "उसे वह सेवा सौंप दी" इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, "उसे काम सौंपा" या "उस पर एक काम के लिए विश्वास किया" या "उसे एक काम दिया" या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- "सौंपना" का अनुवाद हो सकता है, "कार्य जो दिया गया" या "प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

"समर्पण करना" और "समर्पण" का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को "काम सौंपना" अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या "दे दी है") है।
- इसी से संबन्धित शब्द है "करना" और "किया है" जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे "पाप करना" या "व्यभिचार करना" या "हत्या करना."
- "उसे वह सेवा सौंप दी" इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, "उसे काम सौंपा" या "उस पर एक काम के लिए विश्वास किया" या "उसे एक काम दिया" या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- "सौंपना" का अनुवाद हो सकता है, "कार्य जो दिया गया" या "प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

"समर्पण करना" और "समर्पण" का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को "काम सौंपना" अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या "दे दी है") है।
- इसी से संबन्धित शब्द है "करना" और "किया है" जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे "पाप करना" या "व्यभिचार करना" या "हत्या करना."
- "उसे वह सेवा सौंप दी" इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, "उसे काम सौंपा" या "उस पर एक काम के लिए विश्वास किया" या "उसे एक काम दिया" या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- "सौंपना" का अनुवाद हो सकता है, "कार्य जो दिया गया" या "प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

"समर्पण करना" और "समर्पण" का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को "काम सौंपना" अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या "दे दी है") है।
- इसी से संबन्धित शब्द है "करना" और "किया है" जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे "पाप करना" या "व्यभिचार करना" या "हत्या करना."

- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।

- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.

- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41

- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23

- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
- किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
- इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
- “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
- “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वासयोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 28:07
- 1 पतरस 02:21-23
- यिर्मयाह 02:12-13
- मत्ती 13:41
- भजन 058:02

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

कराहते, रोना, कराहना

परिभाषा:

“कहरना” अर्थात शारीरिक या मानसिक व्यथा के कारण गहरी निम्न स्तर की ध्वनि निकालना। यह बिना किसी भी शब्द के ध्वनि निकलना हो सकता है।

- मनुष्य गहन दुःख के कारण कराहता है।
- भयानक अत्याचार के बोझ से दब कर भी मनुष्य कराहता है।

“कहरना” के अनुवाद हो सकते हैं, “पीड़ा की निमस्वर ध्वनि” या “गहरा दुःख”

- संज्ञा रूप में इसका अनुवाद हो सकता है, “पीड़ा की निम्न ध्वनि” या “आर्तनाद”।

(यह भी देखें: पुकार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 05:1-3
- इब्रानियों 13:15-17

- अय्यूब 23:1-2
- भजन संहिता 032:3-4
- भजन संहिता 102:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H584, H585, H602, H603, H1901, H1993, H5008, H5009, H5098, H5594, H7581, G1690, G4726, G4727, G4959

कराहते, रोना, कराहना

परिभाषा:

“कहरना” अर्थात शारीरिक या मानसिक व्यथा के कारण गहरी निम्न स्तर की ध्वनि निकालना। यह बिना किसी भी शब्द के ध्वनि निकलना हो सकता है।

- मनुष्य गहन दुःख के कारण कराहता है।
- भयानक अत्याचार के बोझ से दब कर भी मनुष्य कराहता है।

“कहरना” के अनुवाद हो सकते हैं, “पीड़ा की निमस्वर ध्वनि” या “गहरा दुःख”

- संज्ञा रूप में इसका अनुवाद हो सकता है, “पीड़ा की निम्न ध्वनि” या “आर्तनाद”।

(यह भी देखें: पुकार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 05:1-3
- इब्रानियों 13:15-17
- अय्यूब 23:1-2
- भजन संहिता 032:3-4
- भजन संहिता 102:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H584, H585, H602, H603, H1901, H1993, H5008, H5009, H5098, H5594, H7581, G1690, G4726, G4727, G4959

करूब, करूबों, करूबों

परिभाषा:

“करूब” और इसके बहुवचन रूप "करूबों" इसका सन्दर्भ परमेश्वर द्वारा सृजित विशेष प्राणी से है। बाइबल के वर्णन के अनुसार करूबों के पंख होते हैं और आग निकलती है।

- करूबों परमेश्वर की महिमा एवं सामर्थ्य को दर्शाते हैं और पवित्र वस्तुओं की रक्षा का प्रतीक होते हैं।
- आदम और हव्वा के पाप के बाद परमेश्वर ने अदन की वाटिका के पूर्व में करूबों को आग की तलवार के साथ नियुक्त कर दिया था कि जीवन के वृक्ष के निकट कोई न जा पाए।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे करूबों को इस प्रकार बनाएं कि वे एक दूसरे के आमने सामने हों और उनके पंख एक दूसरे को छूते हुए वाचा के सन्दूक के प्रायश्चित के ढकने के ऊपर आच्छादित हों।
- परमेश्वर ने उनसे यह भी कहा था कि मिलापवाले तम्बू के परदों पर कढ़ाई करके करूब बनाएं।
- कुछ गद्यांशों में इन प्राणियों के चार मुंह बनाए गए है, मनुष्य, शेर, बैल और उकाब के मुंह।
- करूबों को स्वर्गदूत भी समझा जाता है परन्तु बाइबल में ऐसा स्पष्ट नहीं कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “करूबों” शब्द का अनुवाद “पंखवाले प्राणी” या “पंखोंवाले रक्षक” या “पंखों वाली रक्षक आत्माएं” या “पवित्र, पंखों वाले रक्षक”।
- “करूब” का अनुवाद करूबों के एकवचन के रूप में अनुवाद करना चाहिए उदाहरणार्थ “पंख वाला प्राणी” या “पंखवाली रक्षक आत्मा”।
- स्पष्ट करें कि इन शब्दों का अनुवाद “स्वर्गदूतों” से भिन्न हो।
- यह भी ध्यान रखें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इन शब्दों का अनुवाद क्या किया गया है।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 13:5-6
- 1 राजा 06:23-26
- निर्गमन 25:15-18
- यहेजकेल 09:3-4
- उत्पत्ति 03:22-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3742, G5502

कलह, झगड़ों

परिभाषा:

“कलह” शब्द का अर्थ है मनुष्यों में शारीरिक एवं मानसिक टकराव।

- एक व्यक्ति जो झगड़े का कारण बनता है, लोगों के बीच मजबूत असहमति और भावनाओं को चोट पहुंचाते हैं।
- कभी-कभी “झगड़े” शब्द का उपयोग करने से तात्पर्य होता है क्रोध या कड़वाहट जैसे मजबूत भावनाएं शामिल होना।
- इस शब्द का अनुवाद अन्य तरीकों में, “असहमति” या “झगड़ा” या “लड़ाई” हो सकते हैं।

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 03:3-5
- हबक्कूक 01:3
- फिलिप्पियों 01:17
- नीतिवचन 17:01
- भजन संहिता 055:8-9
- रोमियो 13:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1777, H1779, H4066, H4090, H4683, H4808, H7379, H7701, G485, G2052, G2054, G3055, G3163, G5379

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।

- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

कलीसिया, कलीसियाओं

परिभाषा:

नये नियम में "कलीसिया" का संदर्भ मसीह के विश्वासियों का स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है मनुष्यों की बुलाई हुई सभा या सहभागिता जो किसी विशेष उद्देश्य से एकत्र होते हैं।
- जब यह शब्द सब स्थानों के सब विश्वासियों मसीह की संपूर्ण देह के संदर्भ में हो तो कुछ बाइबल अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा लिखा गया है कि वह स्थानीय कलीसिया से भिन्न दिखाई दे।
- किसी नगर के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियाओं को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में "कलीसिया" का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति का अभिप्राय एक समूह से नहीं सब विश्वासियों से होना है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में "सभा" का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद को भी देखें।

(यह भी देखें: मण्डली, विश्वासी, मसीही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 14:23-26
- प्रे.का. 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 01:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- **46:09** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। कलीसिया बढ़ रही है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1577

काना

परिभाषा:

काना गलील क्षेत्र में एक गांव या नगर था जो नासरत से लगभग नौ मील उत्तर में बसा हुआ था।

- काना नगर बारहों में से एक नतनएल का जन्म स्थान था।

- यीशु काना नगर में एक विवाहोत्सव में गया था जहां उसने अपना पहला आश्चर्यकर्म, पानी को मदिरा बनाना, किया था।
- कुछ समय बाद यीशु काना में पुनः आया था जहां उसकी भेंट कफरनहूम के एक अधिकारी से हुई थी जिसने अपने पुत्र की चंगाई के लिए उससे विनती की थी।

(यह भी देखें: कफरनहूम, गलील, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 02:1-2
- यूहन्ना 04:46-47

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2580

काना

परिभाषा:

काना गलील क्षेत्र में एक गांव या नगर था जो नासरत से लगभग नौ मील उत्तर में बसा हुआ था।

- काना नगर बारहों में से एक नतनएल का जन्म स्थान था।
- यीशु काना नगर में एक विवाहोत्सव में गया था जहां उसने अपना पहला आश्चर्यकर्म, पानी को मदिरा बनाना, किया था।
- कुछ समय बाद यीशु काना में पुनः आया था जहां उसकी भेंट कफरनहूम के एक अधिकारी से हुई थी जिसने अपने पुत्र की चंगाई के लिए उससे विनती की थी।

(यह भी देखें: कफरनहूम, गलील, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 02:1-2
- यूहन्ना 04:46-47

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2580

काना

परिभाषा:

काना गलील क्षेत्र में एक गांव या नगर था जो नासरत से लगभग नौ मील उत्तर में बसा हुआ था।

- काना नगर बारहों में से एक नतनएल का जन्म स्थान था।
- यीशु काना नगर में एक विवाहोत्सव में गया था जहां उसने अपना पहला आश्चर्यकर्म, पानी को मदिरा बनाना, किया था।
- कुछ समय बाद यीशु काना में पुनः आया था जहां उसकी भेंट कफरनहूम के एक अधिकारी से हुई थी जिसने अपने पुत्र की चंगाई के लिए उससे विनती की थी।

(यह भी देखें: कफरनहूम, गलील, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 02:1-2
- यूहन्ना 04:46-47

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2580

काना

परिभाषा:

काना गलील क्षेत्र में एक गांव या नगर था जो नासरत से लगभग नौ मील उत्तर में बसा हुआ था।

- काना नगर बारहों में से एक नतनएल का जन्म स्थान था।
- यीशु काना नगर में एक विवाहोत्सव में गया था जहां उसने अपना पहला आश्चर्यकर्म, पानी को मदिरा बनाना, किया था।
- कुछ समय बाद यीशु काना में पुनः आया था जहां उसकी भेंट कफरनहूम के एक अधिकारी से हुई थी जिसने अपने पुत्र की चंगाई के लिए उससे विनती की थी।

(यह भी देखें: कफरनहूम, गलील, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 02:1-2
- यूहन्ना 04:46-47

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2580

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11

- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।

- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।

- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28

- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।

- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।

- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28

- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।

- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।

- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28

- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।

- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28

- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

काम, कर्म, कार्य, कृत्य

परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

- "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
- परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
- मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
- मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

अनुवाद के सुझाव

- “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
- परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
- “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
- “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
- “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
- “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा, चमत्कार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- प्रे.का. 02:8-11
- दानिय्येल 04:36-37
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याकूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीका 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

किलिकिया

तथ्य:

किलिकिया एक छोटा रोमी प्रान्त था जो आज के तुर्किस्तान में दक्षिण पूर्वी क्षेत्र में था। वह एजीयन सागर के सिरे पर था

- प्रेरित पौलुस किलिकिया के तरसुस नगर का नागरिक था।
- दमिश्क के मार्ग पर यीशु से आमना-सामना करने के बाद पौलुस ने अनेक वर्ष किलिकिया में व्यतीत किए थे।
- किलिकिया के कुछ यहूदियों ने स्तिफनुस का सामना किया था और लोगों को उसे पथराव करने के लिए भड़काया था।

(यह भी देखें: पौलुस, स्तिफनुस, तरसुस)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 15:39-41
- प्रे.का. 27:3-6
- गलातियों 01:21-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2791

किलिकिया

तथ्य:

किलिकिया एक छोटा रोमी प्रान्त था जो आज के तुर्किस्तान में दक्षिण पूर्वी क्षेत्र में था। वह एजीयन सागर के सिरे पर था

- प्रेरित पौलुस किलिकिया के तरसुस नगर का नागरिक था।
- दमिश्क के मार्ग पर यीशु से आमना-सामना करने के बाद पौलुस ने अनेक वर्ष किलिकिया में व्यतीत किए थे।
- किलिकिया के कुछ यहूदियों ने स्तिफनुस का सामना किया था और लोगों को उसे पथराव करने के लिए भड़काया था।

(यह भी देखें: पौलुस, स्तिफनुस, तरसुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 15:39-41
- प्रे.का. 27:3-6
- गलातियों 01:21-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2791

कुँवारी, कुमारियों, कौमार्य

परिभाषा:

कुँवारी, वह स्त्री होती है जिसने किसी पुरुष के साथ शारीरिक संबन्ध नहीं बनाए हैं।

- भविष्यद्वक्ता यशायाह ने कहा था कि मसीह एक कुँवारी से जन्म लेगा।
- मरियम यीशु को गर्भ में धारण करके भी कुँवारी थी। उसका सांसारिक पिता नहीं था।
- कुछ भाषाओं में इस शब्द के लिए एक शिष्ट शब्द हो सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, यशायाह, यीशु, मरियम)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:15-16
- लूका 01:27
- लूका 01:35
- मत्ती 0123
- मत्ती 25:02

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- 22:04__वह (मरियम) एक __कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ नामक पुरुष के साथ हुई थी |
- **22:05** मरियम ने स्वर्गदूत से कहा, “यह कैसे होगा, मैं तो एक कुँवारी हूँ?”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- **49:01** एक दूत ने मरियम नाम की एक कुंवारी से कहा कि वह परमेश्वर के पुत्र को जन्म देगी | अतः जबकि वह एक कुँवारी ही थी, तो उसने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम यीशु रखा |

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1330, H1331, H5959, G3932, G3933

कुँवारी, कुमारियों, कौमार्य

परिभाषा:

कुँवारी, वह स्त्री होती है जिसने किसी पुरुष के साथ शारीरिक संबन्ध नहीं बनाए हैं।

- भविष्यद्वक्ता यशायाह ने कहा था कि मसीह एक कुँवारी से जन्म लेगा।
- मरियम यीशु को गर्भ में धारण करके भी कुँवारी थी। उसका सांसारिक पिता नहीं था।
- कुछ भाषाओं में इस शब्द के लिए एक शिष्ट शब्द हो सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, यशायाह, यीशु, मरियम)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:15-16
- लूका 01:27
- लूका 01:35
- मत्ती 0123
- मत्ती 25:02

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- 22:04__वह (मरियम) एक __कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ नामक पुरुष के साथ हुई थी |
- **22:05** मरियम ने स्वर्गदूत से कहा, “यह कैसे होगा, मैं तो एक कुँवारी हूँ?”
- **49:01** एक दूत ने मरियम नाम की एक कुंवारी से कहा कि वह परमेश्वर के पुत्र को जन्म देगी | अतः जबकि वह एक कुँवारी ही थी, तो उसने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम यीशु रखा |

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1330, H1331, H5959, G3932, G3933

कुँवारी, कुमारियों, कौमार्य

परिभाषा:

कुँवारी, वह स्त्री होती है जिसने किसी पुरुष के साथ शारीरिक संबन्ध नहीं बनाए हैं।

- भविष्यद्वक्ता यशायाह ने कहा था कि मसीह एक कुँवारी से जन्म लेगा।
- मरियम यीशु को गर्भ में धारण करके भी कुँवारी थी। उसका सांसारिक पिता नहीं था।
- कुछ भाषाओं में इस शब्द के लिए एक शिष्ट शब्द हो सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, यशायाह, यीशु, मरियम)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:15-16
- लूका 01:27
- लूका 01:35
- मत्ती 0123
- मत्ती 25:02

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- 22:04__वह (मरियम) एक __कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ नामक पुरुष के साथ हुई थी |
- **22:05** मरियम ने स्वर्गदूत से कहा, “यह कैसे होगा, मैं तो एक कुँवारी हूँ?”
- **49:01** एक दूत ने मरियम नाम की एक कुंवारी से कहा कि वह परमेश्वर के पुत्र को जन्म देगी | अतः जबकि वह एक कुँवारी ही थी, तो उसने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम यीशु रखा |

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1330, H1331, H5959, G3932, G3933

कुँवारी, कुमारियों, कौमार्य

परिभाषा:

कुँवारी, वह स्त्री होती है जिसने किसी पुरुष के साथ शारीरिक संबन्ध नहीं बनाए हैं।

- भविष्यद्वक्ता यशायाह ने कहा था कि मसीह एक कुँवारी से जन्म लेगा।
- मरियम यीशु को गर्भ में धारण करके भी कुँवारी थी। उसका सांसारिक पिता नहीं था।
- कुछ भाषाओं में इस शब्द के लिए एक शिष्ट शब्द हो सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, यशायाह, यीशु, मरियम)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:15-16
- लूका 01:27
- लूका 01:35
- मत्ती 0123
- मत्ती 25:02

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- 22:04__वह (मरियम) एक __कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ नामक पुरुष के साथ हुई थी |
- **22:05** मरियम ने स्वर्गदूत से कहा, “यह कैसे होगा, मैं तो एक कुँवारी हूँ?”
- **49:01** एक दूत ने मरियम नाम की एक कुंवारी से कहा कि वह परमेश्वर के पुत्र को जन्म देगी | अतः जबकि वह एक कुँवारी ही थी, तो उसने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम यीशु रखा |

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1330, H1331, H5959, G3932, G3933

कुँवारी, कुमारियों, कौमार्य

परिभाषा:

कुँवारी, वह स्त्री होती है जिसने किसी पुरुष के साथ शारीरिक संबन्ध नहीं बनाए हैं।

- भविष्यद्वक्ता यशायाह ने कहा था कि मसीह एक कुँवारी से जन्म लेगा।
- मरियम यीशु को गर्भ में धारण करके भी कुँवारी थी। उसका सांसारिक पिता नहीं था।
- कुछ भाषाओं में इस शब्द के लिए एक शिष्ट शब्द हो सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, यशायाह, यीशु, मरियम)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:15-16

- लूका 01:27
- लूका 01:35
- मत्ती 0123
- मत्ती 25:02

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- 22:04__वह (मरियम) एक __कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ नामक पुरुष के साथ हुई थी |
- **22:05** मरियम ने स्वर्गदूत से कहा, “यह कैसे होगा, मैं तो एक कुँवारी हूँ?”
- **49:01** एक दूत ने मरियम नाम की एक कुंवारी से कहा कि वह परमेश्वर के पुत्र को जन्म देगी | अतः जबकि वह एक कुँवारी ही थी, तो उसने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम यीशु रखा |

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1330, H1331, H5959, G3932, G3933

कुकर्मी, कुकर्मियों, बुराई

परिभाषा:

“कुकर्मी” शब्द पाप करनेवालों और दुष्टता करनेवालों के लिए यह एक सामान्य शब्द है।

- यह शब्द उन लोगों के लिए एक सामान्य शब्द हो सकता है जो परमेश्वर के आज्ञाओं का पालन नहीं करते।
- इस शब्द के अनुवाद में “बुरा” और “दुष्ट” के लिए शब्दों के उपयोग द्वारा एक ऐसे शब्द के साथ जो “करना” या “बनाना” या “कारण होना” दर्शाता है, उपयोग किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:13-17
- यशायाह 09:16-17
- लूका 13:25-27
- मलाकी 03:13-15
- मत्ती 07:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H6213, H6466, H7451, H7489, G93, G458, G2038, G2040 , G2555

कुकर्मी, कुकर्मियों, बुराई

परिभाषा:

“कुकर्मी” शब्द पाप करनेवालों और दुष्टता करनेवालों के लिए यह एक सामान्य शब्द है।

- यह शब्द उन लोगों के लिए एक सामान्य शब्द हो सकता है जो परमेश्वर के आज्ञाओं का पालन नहीं करते।
- इस शब्द के अनुवाद में “बुरा” और “दुष्ट” के लिए शब्दों के उपयोग द्वारा एक ऐसे शब्द के साथ जो “करना” या “बनाना” या “कारण होना” दर्शाता है, उपयोग किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:13-17
- यशायाह 09:16-17
- लूका 13:25-27
- मलाकी 03:13-15

- मत्ती 07:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H6213, H6466, H7451, H7489, G93, G458, G2038, G2040 , G2555

कुकर्मी, कुकर्मियों, बुराई

परिभाषा:

“कुकर्मी” शब्द पाप करनेवालों और दुष्टता करनेवालों के लिए यह एक सामान्य शब्द है।

- यह शब्द उन लोगों के लिए एक सामान्य शब्द हो सकता है जो परमेश्वर के आज्ञाओं का पालन नहीं करते।
- इस शब्द के अनुवाद में “बुरा” और “दुष्ट” के लिए शब्दों के उपयोग द्वारा एक ऐसे शब्द के साथ जो “करना” या “बनाना” या “कारण होना” दर्शाता है, उपयोग किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:13-17
- यशायाह 09:16-17
- लूका 13:25-27
- मलाकी 03:13-15
- मत्ती 07:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H6213, H6466, H7451, H7489, G93, G458, G2038, G2040 , G2555

कुकर्मी, कुकर्मियों, बुराई

परिभाषा:

“कुकर्मी” शब्द पाप करनेवालों और दुष्टता करनेवालों के लिए यह एक सामान्य शब्द है।

- यह शब्द उन लोगों के लिए एक सामान्य शब्द हो सकता है जो परमेश्वर के आज्ञाओं का पालन नहीं करते।
- इस शब्द के अनुवाद में “बुरा” और “दुष्ट” के लिए शब्दों के उपयोग द्वारा एक ऐसे शब्द के साथ जो “करना” या “बनाना” या “कारण होना” दर्शाता है, उपयोग किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:13-17
- यशायाह 09:16-17
- लूका 13:25-27
- मलाकी 03:13-15
- मत्ती 07:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H6213, H6466, H7451, H7489, G93, G458, G2038, G2040 , G2555

कुकर्मी, कुकर्मियों, बुराई

परिभाषा:

“कुकर्मी” शब्द पाप करनेवालों और दुष्टता करनेवालों के लिए यह एक सामान्य शब्द है।

- यह शब्द उन लोगों के लिए एक सामान्य शब्द हो सकता है जो परमेश्वर के आज्ञाओं का पालन नहीं करते।
- इस शब्द के अनुवाद में “बुरा” और “दुष्ट” के लिए शब्दों के उपयोग द्वारा एक ऐसे शब्द के साथ जो “करना” या “बनाना” या “कारण होना” दर्शाता है, उपयोग किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:13-17
- यशायाह 09:16-17
- लूका 13:25-27
- मलाकी 03:13-15
- मत्ती 07:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H6213, H6466, H7451, H7489, G93, G458, G2038, G2040 , G2555

कुटुम्ब, घराना

परिभाषा:

“कुटुम्ब” उन सब सदस्यों के संदर्भ में है जो एक घर में रहते हैं, अर्थात परिवार के सदस्य और उनके सभी दास।

- एक घर के प्रबंधन में नौकरों को निर्देश देने और संपत्ति की देखभाल भी शामिल है।
- कभी-कभी घराना शब्द का प्रतीकात्मक अर्थ पारिवारिक वंशावली भी होता था, विशेष करके वंशज।

(यह भी देखें: घर)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 07:10
- गलातियों 06:10
- उत्पत्ति 07:01
- उत्पत्ति 34:19
- यूहन्ना 04:53
- मत्ती 10:25
- मत्ती 10:36
- फिलिप्पियों 04:22

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1004, H5657, G2322, G3609, G3614, G3615, G3616, G3623, G3624

कुटुम्ब, घराना

परिभाषा:

“कुटुम्ब” उन सब सदस्यों के संदर्भ में है जो एक घर में रहते हैं, अर्थात परिवार के सदस्य और उनके सभी दास।

- एक घर के प्रबंधन में नौकरों को निर्देश देने और संपत्ति की देखभाल भी शामिल है।
- कभी-कभी घराना शब्द का प्रतीकात्मक अर्थ पारिवारिक वंशावली भी होता था, विशेष करके वंशज।

(यह भी देखें: घर)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 07:10
- गलातियों 06:10
- उत्पत्ति 07:01
- उत्पत्ति 34:19
- यूहन्ना 04:53
- मत्ती 10:25
- मत्ती 10:36
- फिलिप्पियों 04:22

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1004, H5657, G2322, G3609, G3614, G3615, G3616, G3623, G3624

कुटुम्ब, घराना

परिभाषा:

“कुटुम्ब” उन सब सदस्यों के संदर्भ में है जो एक घर में रहते हैं, अर्थात परिवार के सदस्य और उनके सभी दास।

- एक घर के प्रबंधन में नौकरों को निर्देश देने और संपत्ति की देखभाल भी शामिल है।
- कभी-कभी घराना शब्द का प्रतीकात्मक अर्थ पारिवारिक वंशावली भी होता था, विशेष करके वंशज।

(यह भी देखें: घर)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 07:10
- गलातियों 06:10
- उत्पत्ति 07:01
- उत्पत्ति 34:19
- यूहन्ना 04:53
- मत्ती 10:25
- मत्ती 10:36
- फिलिप्पियों 04:22

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1004, H5657, G2322, G3609, G3614, G3615, G3616, G3623, G3624

कुटुम्ब, घराना

परिभाषा:

“कुटुम्ब” उन सब सदस्यों के संदर्भ में है जो एक घर में रहते हैं, अर्थात परिवार के सदस्य और उनके सभी दास।

- एक घर के प्रबंधन में नौकरों को निर्देश देने और संपत्ति की देखभाल भी शामिल है।
- कभी-कभी घराना शब्द का प्रतीकात्मक अर्थ पारिवारिक वंशावली भी होता था, विशेष करके वंशज।

(यह भी देखें: घर)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 07:10
- गलातियों 06:10
- उत्पत्ति 07:01

- उत्पत्ति 34:19
- यूहन्ना 04:53
- मत्ती 10:25
- मत्ती 10:36
- फिलिप्पियों 04:22

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1004, H5657, G2322, G3609, G3614, G3615, G3616, G3623, G3624

कुटुम्ब, घराना

परिभाषा:

“कुटुम्ब” उन सब सदस्यों के संदर्भ में है जो एक घर में रहते हैं, अर्थात परिवार के सदस्य और उनके सभी दास।

- एक घर के प्रबंधन में नौकरों को निर्देश देने और संपत्ति की देखभाल भी शामिल है।
- कभी-कभी घराना शब्द का प्रतीकात्मक अर्थ पारिवारिक वंशावली भी होता था, विशेष करके वंशज।

(यह भी देखें: घर)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 07:10
- गलातियों 06:10
- उत्पत्ति 07:01
- उत्पत्ति 34:19
- यूहन्ना 04:53
- मत्ती 10:25
- मत्ती 10:36
- फिलिप्पियों 04:22

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1004, H5657, G2322, G3609, G3614, G3615, G3616, G3623, G3624

कुटुम्बी, भाइयों, जन्म-भूमि, कुटुम्बी, कुटुम्बियों

परिभाषा:

“कुटुम्बी” शब्द मनुष्यों के रक्त के रिश्तेदारों को संदर्भित करता है, जिसे समूह के रूप में माना जाता है। “कुटुम्बी” अर्थात पुरुष संबंधी।

- “कुटुम्बी” शब्द निकट संबंधी के संदर्भ में ही हैं जैसे माता-पिता या भाई या चाचा-चाची या चचेरे भाई-बहन।
- प्राचीन इस्राएल में यदि कोई पुरुष मरता था तो उसके निकट संबंधी को उसकी विधवा से विवाह करना होता था कि वह उसकी संपदा को संभाले और उसके परिवार का नाम चलाए। ऐसे निकट संबंधी को “छुड़ाने वाला कुटुंबी” कहा जाता था।
- इस उक्ति का अनुवाद “संबंधी” या “कुटुंब का सदस्य” किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- रोमियो 16:9-11
- रूत 02:19-20
- रूत 03:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H1350, H4129, H4130, H7138, H7607, G4773

कुरनेलियुस

तथ्य:

कुरनेलियुस, एक अन्यजाति पुरुष था, वह रोमी सेना में एक अधिकारी था।

- वह परमेश्वर से नियमित प्रार्थना करता था और गरीबों को उदारता से दान देता था।
- प्रेरित पतरस से सुसमाचार सुनकर कुरनेलियुस और उसका परिवार यीशु का विश्वासी हो गया।
- कुरनेलियुस और उसका परिवार प्रथम गैर यहूदी थे, जिन्होंने यीशु में विश्वास किया था।
- इससे यीशु के शिष्यों को समझ में आया कि यीशु सबका उद्धार करने आया था, जिनमें अन्यजातियां भी थी।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वासी, अन्यजाति, शुभ समाचार, यूनानी, सूबेदार)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 10:1-2
- प्रे.का. 10:7-8
- प्रे.का. 10:17-18
- प्रे.का. 10:22-23
- प्रे.का. 10:24
- प्रे.का. 10:25-26
- प्रे.का. 10:30-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2883

कुरिन्थुस, कुरिन्थवासी

तथ्य:

कुरिन्थुस नगर यूनान देश का एक नगर था, ऐथेन्स से लगभग 50 मील पश्चिम में। कुरिन्थवासी कुरिन्थ नगर के निवासी थे।

- कुरिन्थ नगर आरंभिक कलीसियाओं में से एक का स्थान था।
- नये नियम में 1कुरिन्थियों और 2कुरिन्थियों पौलुस द्वारा कुरिन्थ की कलीसिया को लिखे पत्र थे।
- पहली प्रचार यात्रा पौलुस लगभग 18 महीने कुरिन्थ नगर में ठहरा था।
- कुरिन्थ नगर में पौलुस की भेट दो विश्वासियों, अक्विला और प्रिस्किल्ला से हुई थी।
- कुरिन्थ की कलीसिया से संबन्धित अन्य आरंभिक कलीसियाई अगुवे थे तीमुथियुस, तीतुस, अप्पुलोस और सीलास।

(यह भी देखें: अपुल्लोस, तीमुथियुस, तीतुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:1-3
- 2 कुरिन्थियों 01:23-24
- 2 तीमुथियुस 04:19-22
- प्रे.का. 18:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2881, G2882

कुरिन्थुस, कुरिन्थवासी

तथ्य:

कुरिन्थुस नगर यूनान देश का एक नगर था, ऐथेन्स से लगभग 50 मील पश्चिम में। कुरिन्थवासी कुरिन्थ नगर के निवासी थे।

- कुरिन्थ नगर आरंभिक कलीसियाओं में से एक का स्थान था।

- नये नियम में 1कुरिन्थियों और 2कुरिन्थियों पौलुस द्वारा कुरिन्थ की कलीसिया को लिखे पत्र थे।
- पहली प्रचार यात्रा पौलुस लगभग 18 महीने कुरिन्थ नगर में ठहरा था।
- कुरिन्थ नगर में पौलुस की भेट दो विश्वासियों, अक्विला और प्रिस्किल्ला से हुई थी।
- कुरिन्थ की कलीसिया से संबन्धित अन्य आरंभिक कलीसियाई अगुवे थे तीमुथियुस, तीतुस, अप्पुलोस और सीलास।

(यह भी देखें: अपुल्लोस, तीमुथियुस, तीतुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:1-3
- 2 कुरिन्थियों 01:23-24
- 2 तीमुथियुस 04:19-22
- प्रे.का. 18:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2881, G2882

कुरिन्थुस, कुरिन्थवासी

तथ्य:

कुरिन्थुस नगर यूनान देश का एक नगर था, ऐथेन्स से लगभग 50 मील पश्चिम में। कुरिन्थवासी कुरिन्थ नगर के निवासी थे।

- कुरिन्थ नगर आरंभिक कलीसियाओं में से एक का स्थान था।
- नये नियम में 1कुरिन्थियों और 2कुरिन्थियों पौलुस द्वारा कुरिन्थ की कलीसिया को लिखे पत्र थे।
- पहली प्रचार यात्रा पौलुस लगभग 18 महीने कुरिन्थ नगर में ठहरा था।
- कुरिन्थ नगर में पौलुस की भेट दो विश्वासियों, अक्विला और प्रिस्किल्ला से हुई थी।
- कुरिन्थ की कलीसिया से संबन्धित अन्य आरंभिक कलीसियाई अगुवे थे तीमुथियुस, तीतुस, अप्पुलोस और सीलास।

(यह भी देखें: अपुल्लोस, तीमुथियुस, तीतुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:1-3
- 2 कुरिन्थियों 01:23-24
- 2 तीमुथियुस 04:19-22
- प्रे.का. 18:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2881, G2882

कुरिन्थुस, कुरिन्थवासी

तथ्य:

कुरिन्थुस नगर यूनान देश का एक नगर था, ऐथेन्स से लगभग 50 मील पश्चिम में। कुरिन्थवासी कुरिन्थ नगर के निवासी थे।

- कुरिन्थ नगर आरंभिक कलीसियाओं में से एक का स्थान था।
- नये नियम में 1कुरिन्थियों और 2कुरिन्थियों पौलुस द्वारा कुरिन्थ की कलीसिया को लिखे पत्र थे।
- पहली प्रचार यात्रा पौलुस लगभग 18 महीने कुरिन्थ नगर में ठहरा था।
- कुरिन्थ नगर में पौलुस की भेट दो विश्वासियों, अक्विला और प्रिस्किल्ला से हुई थी।
- कुरिन्थ की कलीसिया से संबन्धित अन्य आरंभिक कलीसियाई अगुवे थे तीमुथियुस, तीतुस, अप्पुलोस और सीलास।

(यह भी देखें: अपुल्लोस, तीमुथियुस, तीतुस)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:1-3
- 2 कुरिन्थियों 01:23-24
- 2 तीमुथियुस 04:19-22
- प्रे.का. 18:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2881, G2882

कुरेनी

तथ्य:

कुरेनी एक यूनानी नगर था, भूमध्य सागर के उत्तरी तट पर अफ्रीका में क्रेते द्वीप समूह के सीधे दक्षिण में।

- नये नियम के युग में विश्वासी और यहूदी दोनों ही वहां रहते थे।
- बाइबल में कुरेन नगर संभवतः यीशु का क्रूस उठाने वाले शमौन का निवास स्थान होने के कारण जाना जाता है।

(यह भी देखें: क्रेते)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 11:19-21
- मत्ती 27:32-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2956, G2957

कुरेनी

तथ्य:

कुरेनी एक यूनानी नगर था, भूमध्य सागर के उत्तरी तट पर अफ्रीका में क्रेते द्वीप समूह के सीधे दक्षिण में।

- नये नियम के युग में विश्वासी और यहूदी दोनों ही वहां रहते थे।
- बाइबल में कुरेन नगर संभवतः यीशु का क्रूस उठाने वाले शमौन का निवास स्थान होने के कारण जाना जाता है।

(यह भी देखें: क्रेते)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 11:19-21
- मत्ती 27:32-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2956, G2957

कुरेनी

तथ्य:

कुरेनी एक यूनानी नगर था, भूमध्य सागर के उत्तरी तट पर अफ्रीका में क्रेते द्वीप समूह के सीधे दक्षिण में।

- नये नियम के युग में विश्वासी और यहूदी दोनों ही वहां रहते थे।
- बाइबल में कुरेन नगर संभवतः यीशु का क्रूस उठाने वाले शमौन का निवास स्थान होने के कारण जाना जाता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

(यह भी देखें: क्रेते)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 11:19-21
- मत्ती 27:32-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2956, G2957

कुरेनी

तथ्य:

कुरेनी एक यूनानी नगर था, भूमध्य सागर के उत्तरी तट पर अफ्रीका में क्रेते द्वीप समूह के सीधे दक्षिण में।

- नये नियम के युग में विश्वासी और यहूदी दोनों ही वहां रहते थे।
- बाइबल में कुरेन नगर संभवतः यीशु का क्रूस उठाने वाले शमौन का निवास स्थान होने के कारण जाना जाता है।

(यह भी देखें: क्रेते)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 11:19-21
- मत्ती 27:32-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2956, G2957

कुर्ता, अंगरखों

परिभाषा:

बाइबल में, शब्द "कुर्ता" का अर्थ वस्त्रों के लिए है जो परिधान है कि अन्य कपड़े के नीचे पहना जाता था।

- “अंगरखा” कंधे से कमर या घुटनों तक पहुंचने वाला वस्त्र था और आमतौर पर एक कमरबन्द के साथ पहना जाता था। अमीर लोगों द्वारा पहना जाने वाला कुर्ता कभी-कभी आस्तीन होती थी और टखनों तक की होती थी।
- अंगरखे चमड़ा, टाट, ऊन, या लिनेन से बने थे, और दोनों पुरुषों और महिलाओं द्वारा पहना जाता था।
- अंगरखा लम्बे बागे के नीचे पहना जाता था, जैसे एक टोगा या बाहरी वस्त्र। गर्म मौसम में एक अंगरखा कभी-कभी बाहरी परिधान के साथ नहीं पहना जाता था।
- इस शब्द का अनुवाद, “लंबी कमीज” या “लंबा नीचे पहनने के कपड़े” या "कमीज जैसी परिधान" हो सकता है। यह एक तरह से "अंगरखा" के समान लिखा जा सकता है, यह समझाने के लिए कि यह कैसा कपड़े था।

(यह भी देखें: चोगा)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 03:21-23
- यशायाह 22:20-22
- लैव्यव्यवस्था 08:12-13
- लूका 03:10-11
- मरकुस 06:7-9
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2243, H3801, H6361, G5509

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

कुर्ता, अंगरखों

परिभाषा:

बाइबल में, शब्द "कुर्ता" का अर्थ वस्त्रों के लिए है जो परिधान है कि अन्य कपड़े के नीचे पहना जाता था।

- “अंगरखा” कंधे से कमर या घुटनों तक पहुंचने वाला वस्त्र था और आमतौर पर एक कमरबन्द के साथ पहना जाता था। अमीर लोगों द्वारा पहना जाने वाला कुर्ता कभी-कभी आस्तीन होती थी और टखनों तक की होती थी।
- अंगरखे चमड़ा, टाट, ऊन, या लिनेन से बने थे, और दोनों पुरुषों और महिलाओं द्वारा पहना जाता था।
- अंगरखा लम्बे बागे के नीचे पहना जाता था, जैसे एक टोगा या बाहरी वस्त्र। गर्म मौसम में एक अंगरखा कभी-कभी बाहरी परिधान के साथ नहीं पहना जाता था।
- इस शब्द का अनुवाद, “लंबी कमीज” या “लंबा नीचे पहनने के कपड़े” या "कमीज जैसी परिधान" हो सकता है। यह एक तरह से "अंगरखा" के समान लिखा जा सकता है, यह समझाने के लिए कि यह कैसा कपड़े था।

(यह भी देखें: चोगा)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 03:21-23
- यशायाह 22:20-22
- लैव्यव्यवस्था 08:12-13
- लूका 03:10-11
- मरकुस 06:7-9
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2243, H3801, H6361, G5509

कुर्ता, अंगरखों

परिभाषा:

बाइबल में, शब्द "कुर्ता" का अर्थ वस्त्रों के लिए है जो परिधान है कि अन्य कपड़े के नीचे पहना जाता था।

- “अंगरखा” कंधे से कमर या घुटनों तक पहुंचने वाला वस्त्र था और आमतौर पर एक कमरबन्द के साथ पहना जाता था। अमीर लोगों द्वारा पहना जाने वाला कुर्ता कभी-कभी आस्तीन होती थी और टखनों तक की होती थी।
- अंगरखे चमड़ा, टाट, ऊन, या लिनेन से बने थे, और दोनों पुरुषों और महिलाओं द्वारा पहना जाता था।
- अंगरखा लम्बे बागे के नीचे पहना जाता था, जैसे एक टोगा या बाहरी वस्त्र। गर्म मौसम में एक अंगरखा कभी-कभी बाहरी परिधान के साथ नहीं पहना जाता था।
- इस शब्द का अनुवाद, “लंबी कमीज” या “लंबा नीचे पहनने के कपड़े” या "कमीज जैसी परिधान" हो सकता है। यह एक तरह से "अंगरखा" के समान लिखा जा सकता है, यह समझाने के लिए कि यह कैसा कपड़े था।

(यह भी देखें: चोगा)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 03:21-23
- यशायाह 22:20-22
- लैव्यव्यवस्था 08:12-13
- लूका 03:10-11
- मरकुस 06:7-9
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2243, H3801, H6361, G5509

कुल, कुलों

परिभाषा:

“कुल” एक ही पूर्वज के वंशजों का विस्तृत परिवार होता है।

- पुराने नियम में इस्राएलियों को उनके कुल या पारिवारिक समुदाय के अनुसार गिना जाता था।
- कुल का नाम सर्वाधिक चिर-परिचित पूर्वज के नाम पर होता था।
- कभी-कभी मनुष्य को उसके कुल के नाम से भी पुकारा जाता था। इसका एक उदाहरण है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके गोत्र का नाम था।

कुल शब्द का अनुवाद “पारिवारिक समूह” या “विस्तृत परिवार” या “परिजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: परिवार, यित्रो, गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:33-35
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 36:15-16
- उत्पत्ति 36:29-30
- उत्पत्ति 36:40-43
- यहोशू 15:20
- गिनती 03:38-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H441, H1004, H4940

कुल, कुलों

परिभाषा:

“कुल” एक ही पूर्वज के वंशजों का विस्तृत परिवार होता है।

- पुराने नियम में इस्राएलियों को उनके कुल या पारिवारिक समुदाय के अनुसार गिना जाता था।
- कुल का नाम सर्वाधिक चिर-परिचित पूर्वज के नाम पर होता था।
- कभी-कभी मनुष्य को उसके कुल के नाम से भी पुकारा जाता था। इसका एक उदाहरण है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके गोत्र का नाम था।

कुल शब्द का अनुवाद “पारिवारिक समूह” या “विस्तृत परिवार” या “परिजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: परिवार, यित्रो, गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:33-35
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 36:15-16
- उत्पत्ति 36:29-30
- उत्पत्ति 36:40-43
- यहोशू 15:20
- गिनती 03:38-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H441, H1004, H4940

कुल, कुलों

परिभाषा:

“कुल” एक ही पूर्वज के वंशजों का विस्तृत परिवार होता है।

- पुराने नियम में इस्राएलियों को उनके कुल या पारिवारिक समुदाय के अनुसार गिना जाता था।
- कुल का नाम सर्वाधिक चिर-परिचित पूर्वज के नाम पर होता था।
- कभी-कभी मनुष्य को उसके कुल के नाम से भी पुकारा जाता था। इसका एक उदाहरण है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके गोत्र का नाम था।

कुल शब्द का अनुवाद “पारिवारिक समूह” या “विस्तृत परिवार” या “परिजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: परिवार, यित्रो, गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:33-35
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 36:15-16
- उत्पत्ति 36:29-30
- उत्पत्ति 36:40-43
- यहोशू 15:20
- गिनती 03:38-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H441, H1004, H4940

कुल, कुलों

परिभाषा:

“कुल” एक ही पूर्वज के वंशजों का विस्तृत परिवार होता है।

- पुराने नियम में इस्राएलियों को उनके कुल या पारिवारिक समुदाय के अनुसार गिना जाता था।
- कुल का नाम सर्वाधिक चिर-परिचित पूर्वज के नाम पर होता था।
- कभी-कभी मनुष्य को उसके कुल के नाम से भी पुकारा जाता था। इसका एक उदाहरण है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके गोत्र का नाम था।

कुल शब्द का अनुवाद “पारिवारिक समूह” या “विस्तृत परिवार” या “परिजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: परिवार, यित्रो, गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:33-35
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 36:15-16
- उत्पत्ति 36:29-30
- उत्पत्ति 36:40-43
- यहोशू 15:20
- गिनती 03:38-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H441, H1004, H4940

कुल, कुलों

परिभाषा:

“कुल” एक ही पूर्वज के वंशजों का विस्तृत परिवार होता है।

- पुराने नियम में इस्राएलियों को उनके कुल या पारिवारिक समुदाय के अनुसार गिना जाता था।
- कुल का नाम सर्वाधिक चिर-परिचित पूर्वज के नाम पर होता था।
- कभी-कभी मनुष्य को उसके कुल के नाम से भी पुकारा जाता था। इसका एक उदाहरण है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके गोत्र का नाम था।

कुल शब्द का अनुवाद “पारिवारिक समूह” या “विस्तृत परिवार” या “परिजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: परिवार, यित्रो, गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:33-35
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 36:15-16
- उत्पत्ति 36:29-30
- उत्पत्ति 36:40-43
- यहोशू 15:20
- गिनती 03:38-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H441, H1004, H4940

कुल, कुलों

परिभाषा:

“कुल” एक ही पूर्वज के वंशजों का विस्तृत परिवार होता है।

- पुराने नियम में इस्राएलियों को उनके कुल या पारिवारिक समुदाय के अनुसार गिना जाता था।
- कुल का नाम सर्वाधिक चिर-परिचित पूर्वज के नाम पर होता था।
- कभी-कभी मनुष्य को उसके कुल के नाम से भी पुकारा जाता था। इसका एक उदाहरण है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके गोत्र का नाम था।

कुल शब्द का अनुवाद “पारिवारिक समूह” या “विस्तृत परिवार” या “परिजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: परिवार, यित्रो, गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:33-35
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 36:15-16
- उत्पत्ति 36:29-30
- उत्पत्ति 36:40-43
- यहोशू 15:20
- गिनती 03:38-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H441, H1004, H4940

कुल, कुलों

परिभाषा:

“कुल” एक ही पूर्वज के वंशजों का विस्तृत परिवार होता है।

- पुराने नियम में इस्राएलियों को उनके कुल या पारिवारिक समुदाय के अनुसार गिना जाता था।
- कुल का नाम सर्वाधिक चिर-परिचित पूर्वज के नाम पर होता था।
- कभी-कभी मनुष्य को उसके कुल के नाम से भी पुकारा जाता था। इसका एक उदाहरण है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके गोत्र का नाम था।

कुल शब्द का अनुवाद “पारिवारिक समूह” या “विस्तृत परिवार” या “परिजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: परिवार, यित्रो, गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:33-35
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 36:15-16
- उत्पत्ति 36:29-30
- उत्पत्ति 36:40-43
- यहोशू 15:20
- गिनती 03:38-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H441, H1004, H4940

कुल, कुलों

परिभाषा:

“कुल” एक ही पूर्वज के वंशजों का विस्तृत परिवार होता है।

- पुराने नियम में इस्राएलियों को उनके कुल या पारिवारिक समुदाय के अनुसार गिना जाता था।
- कुल का नाम सर्वाधिक चिर-परिचित पूर्वज के नाम पर होता था।
- कभी-कभी मनुष्य को उसके कुल के नाम से भी पुकारा जाता था। इसका एक उदाहरण है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके गोत्र का नाम था।

कुल शब्द का अनुवाद “पारिवारिक समूह” या “विस्तृत परिवार” या “परिजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: परिवार, यित्रो, गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:33-35
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 36:15-16
- उत्पत्ति 36:29-30
- उत्पत्ति 36:40-43
- यहोशू 15:20
- गिनती 03:38-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H441, H1004, H4940

कुल, कुलों

परिभाषा:

“कुल” एक ही पूर्वज के वंशजों का विस्तृत परिवार होता है।

- पुराने नियम में इस्राएलियों को उनके कुल या पारिवारिक समुदाय के अनुसार गिना जाता था।
- कुल का नाम सर्वाधिक चिर-परिचित पूर्वज के नाम पर होता था।
- कभी-कभी मनुष्य को उसके कुल के नाम से भी पुकारा जाता था। इसका एक उदाहरण है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके गोत्र का नाम था।

कुल शब्द का अनुवाद “पारिवारिक समूह” या “विस्तृत परिवार” या “परिजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: परिवार, यित्रो, गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:33-35
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 36:15-16
- उत्पत्ति 36:29-30
- उत्पत्ति 36:40-43
- यहोशू 15:20
- गिनती 03:38-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H441, H1004, H4940

कुल, कुलों

परिभाषा:

“कुल” एक ही पूर्वज के वंशजों का विस्तृत परिवार होता है।

- पुराने नियम में इस्राएलियों को उनके कुल या पारिवारिक समुदाय के अनुसार गिना जाता था।
- कुल का नाम सर्वाधिक चिर-परिचित पूर्वज के नाम पर होता था।
- कभी-कभी मनुष्य को उसके कुल के नाम से भी पुकारा जाता था। इसका एक उदाहरण है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके गोत्र का नाम था।

कुल शब्द का अनुवाद “पारिवारिक समूह” या “विस्तृत परिवार” या “परिजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: परिवार, यित्रो, गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:33-35
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 36:15-16
- उत्पत्ति 36:29-30
- उत्पत्ति 36:40-43
- यहोशू 15:20
- गिनती 03:38-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H441, H1004, H4940

कुल, कुलों

परिभाषा:

“कुल” एक ही पूर्वज के वंशजों का विस्तृत परिवार होता है।

- पुराने नियम में इस्राएलियों को उनके कुल या पारिवारिक समुदाय के अनुसार गिना जाता था।
- कुल का नाम सर्वाधिक चिर-परिचित पूर्वज के नाम पर होता था।
- कभी-कभी मनुष्य को उसके कुल के नाम से भी पुकारा जाता था। इसका एक उदाहरण है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके गोत्र का नाम था।

कुल शब्द का अनुवाद “पारिवारिक समूह” या “विस्तृत परिवार” या “परिजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: परिवार, यित्रो, गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:33-35
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 36:15-16
- उत्पत्ति 36:29-30
- उत्पत्ति 36:40-43
- यहोशू 15:20
- गिनती 03:38-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H441, H1004, H4940

कुल, कुलों

परिभाषा:

“कुल” एक ही पूर्वज के वंशजों का विस्तृत परिवार होता है।

- पुराने नियम में इस्राएलियों को उनके कुल या पारिवारिक समुदाय के अनुसार गिना जाता था।
- कुल का नाम सर्वाधिक चिर-परिचित पूर्वज के नाम पर होता था।
- कभी-कभी मनुष्य को उसके कुल के नाम से भी पुकारा जाता था। इसका एक उदाहरण है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके गोत्र का नाम था।

कुल शब्द का अनुवाद “पारिवारिक समूह” या “विस्तृत परिवार” या “परिजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: परिवार, यित्रो, गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:33-35
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 36:15-16
- उत्पत्ति 36:29-30
- उत्पत्ति 36:40-43
- यहोशू 15:20
- गिनती 03:38-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H441, H1004, H4940

कुल, कुलों

परिभाषा:

“कुल” एक ही पूर्वज के वंशजों का विस्तृत परिवार होता है।

- पुराने नियम में इस्राएलियों को उनके कुल या पारिवारिक समुदाय के अनुसार गिना जाता था।
- कुल का नाम सर्वाधिक चिर-परिचित पूर्वज के नाम पर होता था।
- कभी-कभी मनुष्य को उसके कुल के नाम से भी पुकारा जाता था। इसका एक उदाहरण है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके गोत्र का नाम था।

कुल शब्द का अनुवाद “पारिवारिक समूह” या “विस्तृत परिवार” या “परिजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: परिवार, यित्रो, गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:33-35
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 36:15-16
- उत्पत्ति 36:29-30
- उत्पत्ति 36:40-43
- यहोशू 15:20
- गिनती 03:38-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H441, H1004, H4940

कुलपति, कुलपतियों

परिभाषा:

“कुलपति” शब्द पुराने नियम में यहूदियों के मूल पिताओं का संदर्भ देता है, विशेष करके अब्राहम, इसहाक और याकूब।

- यह शब्द याकूब के बारह पुत्रों के संदर्भ में भी काम में लिया गया है जो इस्राएल के बारह गोत्रों के कुलपति हुए थे।
- “कुलपति” शब्द का अर्थ “पूर्वज” ही है परन्तु इसका विशेष संदर्भ जाति के सर्वाधिक जनमान्य पुरुष पूर्वज से है।

(यह भी देखें: मूलपिता)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:29-31
- प्रे.का. 07:6-8
- प्रे.का. 07:9-10
- एज्रा 03:12-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H7218, G3966

कुलपति, कुलपतियों

परिभाषा:

“कुलपति” शब्द पुराने नियम में यहूदियों के मूल पिताओं का संदर्भ देता है, विशेष करके अब्राहम, इसहाक और याकूब।

- यह शब्द याकूब के बारह पुत्रों के संदर्भ में भी काम में लिया गया है जो इस्राएल के बारह गोत्रों के कुलपति हुए थे।
- “कुलपति” शब्द का अर्थ “पूर्वज” ही है परन्तु इसका विशेष संदर्भ जाति के सर्वाधिक जनमान्य पुरुष पूर्वज से है।

(यह भी देखें: मूलपिता)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:29-31
- प्रे.का. 07:6-8
- प्रे.का. 07:9-10
- एज्रा 03:12-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H7218, G3966

कुलुस्से, कुलुस्सियों

तथ्य:

नये नियम के युग में कुलुस्से रोमी प्रदेश फ्रूगिया का एक नगर था। आज यह स्थान दक्षिण पश्चिमी तुर्किस्तान है। कुलुस्सेवासी कुलुस्से के निवासी थे।

- भू-मध्यसागर से 100 मील भीतर कुलुस्से इफिसुस और फरात नदी के मध्य एक महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग था।
- रोम के कारावास में पौलुस ने कुलुस्से के विश्वासियों को पत्र लिखकर झूठी शिक्षाओं का सुधार किया था।
- पत्र लिखते समय पौलुस ने कुलुस्से की कलीसिया से भेंट नहीं की थी। उसने अपने मित्र इपफ्रास से उस कलीसिया के बारे में सुना था।
- संभवत: एक मसीही प्रचारक था जिसने कुलुस्से में कलीसिया संगठित की थी।
- फिलेमोन को लिखा पत्र कुलुस्से में ही दासों के एक स्वामी को लिखा गया था।

(यह भी देखें: इफिसुस, पौलुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 01: 1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2857, G2858

कुल्हाड़ा, कुल्हाड़े

परिभाषा:

कुल्हाड़ी वृक्ष या लकड़ी काटने का साधन है।

- कुल्हाड़ी में एक लकड़ी का डंडा और लोहा लगा होता है।
- यदि आप की भाषा में लकड़ी काटने का एक साधन है तो "कुल्हाड़ी" के स्थान में उस शब्द का प्रयोग करें।
- इस शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “पेड़ काटने का साधन”, “लकड़ी में लगा हुआ लोहे का उपकरण”, या “लकड़ी काटने का लंबे डंडे का साधन”
- पुराने नियम की एक घटना है कि कुल्हाड़ी डंडे में से निकल कर पानी में गिर गई थी, अत: उसके अनुवाद से प्रकट है कि कुल्हाड़ी डंडे से निकल कर गिर सकती है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:7-8
- 2 राजा 06:4-5
- न्यायियों 09:48-49
- लूका 03:9
- मत्ती 03:10-12
- भजन संहिता 035:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1631, H4621, H7134, G513

कुल्हाड़ा, कुल्हाड़े

परिभाषा:

कुल्हाड़ी वृक्ष या लकड़ी काटने का साधन है।

- कुल्हाड़ी में एक लकड़ी का डंडा और लोहा लगा होता है।
- यदि आप की भाषा में लकड़ी काटने का एक साधन है तो "कुल्हाड़ी" के स्थान में उस शब्द का प्रयोग करें।
- इस शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “पेड़ काटने का साधन”, “लकड़ी में लगा हुआ लोहे का उपकरण”, या “लकड़ी काटने का लंबे डंडे का साधन”
- पुराने नियम की एक घटना है कि कुल्हाड़ी डंडे में से निकल कर पानी में गिर गई थी, अतः उसके अनुवाद से प्रकट है कि कुल्हाड़ी डंडे से निकल कर गिर सकती है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:7-8
- 2 राजा 06:4-5
- न्यायियों 09:48-49
- लूका 03:9
- मत्ती 03:10-12
- भजन संहिता 035:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1631, H4621, H7134, G513

कूश, कूशी

तथ्य:

कूश अफ्रीका का एक देश है जो मिस्र के ठीक दक्षिण में है जिसके पश्चिम में नील नदी और पूर्व में लाल सागर है। कूश का निवासी “कूशी” कहलाता है।

- प्राचीन कूश मिस्र के दक्षिण में था और उसकी सीमाओं में आज के अनेक अफ्रीकी देशों को जैसे सूडान, वर्तमान कूश, सोमालिया, केन्या, यूगांडा, केन्द्रिय अफ्रीका गणराज्य तथा चाड हैं।
- बाइबल में कूश को “कूश” देश या “नूबिया” भी कहा गया है।
- इथोपिया (कूश) और मिस्र देशों का उल्लेख बाइबल में प्रायः एक साथ किया गया है, संभवतः इसलिए कि वे पड़ोसी देश थे और उनके पूर्वज संभवतः एक ही थे।
- परमेश्वर ने प्रचारक फिलिप्पुस को रेगिस्तान में भेजा कि वह इथोपिया के खोजे को यीशु का शुभ सन्देश सुनाए।

(यह भी देखें: कूश, मिस्र, खोजे, फिलिप्पुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:27
- प्रे.का. 08:30
- प्रे.का. 08:32-33
- प्रे.का. 08:36-38
- यशायाह 18:1-2
- नहूम 03:8-09
- सपन्याह 03:9-11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G128

कूश

तथ्य:

कूश नहू के पुत्र, हाम का बड़ा पुत्र था। वह निम्रोद का पूर्वज था। उसके दो भाइयों के नाम मिस्र और कनान थे।

- पुराने नियम के युग में इस्राएल के दक्षिण में एक विशाल क्षेत्र का नाम कूश था। संभव है कि उस स्थान का नाम हाम के पुत्र कुश के नाम पर पड़ा था।
- कूश का प्राचीन क्षेत्र अलग-अलग समयों में आज के सूडान, मिस्र, इथोपिया और संभवतः सऊदी अरब का देश थे।
- एक और पुरुष का नाम कूश हुआ है जिसका उल्लेख भजनों में किया गया है। वह एक बिन्यामीनी था।

(यह भी देखें: अरब, कनान, मिस्र, कूश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:8-10
- यहेजकेल 29:8-10
- उत्पत्ति 02:13-14
- उत्पत्ति 10:6-7
- यिर्मयाह 13:22-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3568, H3569, H3570

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

- “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
- “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, माँस, परमेश्वर का प्रतिरूप, मूरत, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 01:05
- मरकुस 08:24
- मत्ती 17:02
- मत्ती 18:03
- भजन संहिता 073:05
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

कैन

तथ्य:

कैन और उसका छोटा भाई हाबिल आदम और हव्वा के प्रथम पुत्र थे जिनका उल्लेख बाइबल में किया गया है।

- कैन एक किसान था और हाबिल पशुपालक था।
- कैन ने क्रोध में आकर अपने भाई हाबिल की हत्या कर दी थी, उसके क्रोधित होने का कारण था कि परमेश्वर ने हाबिल की भेंट स्वीकार की और कैन की भेंट को स्वीकार नहीं किया था।
- दण्डस्वरूप परमेश्वर ने उसे अदन से बाहर निकाल दिया और उसे श्राप दिया कि भूमि उसके लिए फसल उत्पन्न नहीं करेगी।
- परमेश्वर ने कैन के माथे पर एक चिन्ह अंकित कर दिया था कि परमेश्वर उसकी रक्षा करेगा यदि किसी ने उसके प्राण लेने का प्रयास किया।

(यह भी देखें: आदम, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- उत्पत्ति 04:1-2
- उत्पत्ति 04:8-9
- उत्पत्ति 17: 1-2
- इब्रानियों 11:4
- यहूदा 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7014, G2535

कैन

तथ्य:

कैन और उसका छोटा भाई हाबिल आदम और हव्वा के प्रथम पुत्र थे जिनका उल्लेख बाइबल में किया गया है।

- कैन एक किसान था और हाबिल पशुपालक था।
- कैन ने क्रोध में आकर अपने भाई हाबिल की हत्या कर दी थी, उसके क्रोधित होने का कारण था कि परमेश्वर ने हाबिल की भेंट स्वीकार की और कैन की भेंट को स्वीकार नहीं किया था।
- दण्डस्वरूप परमेश्वर ने उसे अदन से बाहर निकाल दिया और उसे श्राप दिया कि भूमि उसके लिए फसल उत्पन्न नहीं करेगी।
- परमेश्वर ने कैन के माथे पर एक चिन्ह अंकित कर दिया था कि परमेश्वर उसकी रक्षा करेगा यदि किसी ने उसके प्राण लेने का प्रयास किया।

(यह भी देखें: आदम, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- उत्पत्ति 04:1-2
- उत्पत्ति 04:8-9
- उत्पत्ति 17: 1-2
- इब्रानियों 11:4
- यहूदा 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7014, G2535

कैन

तथ्य:

कैन और उसका छोटा भाई हाबिल आदम और हव्वा के प्रथम पुत्र थे जिनका उल्लेख बाइबल में किया गया है।

- कैन एक किसान था और हाबिल पशुपालक था।
- कैन ने क्रोध में आकर अपने भाई हाबिल की हत्या कर दी थी, उसके क्रोधित होने का कारण था कि परमेश्वर ने हाबिल की भेंट स्वीकार की और कैन की भेंट को स्वीकार नहीं किया था।
- दण्डस्वरूप परमेश्वर ने उसे अदन से बाहर निकाल दिया और उसे श्राप दिया कि भूमि उसके लिए फसल उत्पन्न नहीं करेगी।
- परमेश्वर ने कैन के माथे पर एक चिन्ह अंकित कर दिया था कि परमेश्वर उसकी रक्षा करेगा यदि किसी ने उसके प्राण लेने का प्रयास किया।

(यह भी देखें: आदम, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- उत्पत्ति 04:1-2
- उत्पत्ति 04:8-9

- उत्पत्ति 17: 1-2
- इब्रानियों 11:4
- यहूदा 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7014, G2535

कैफा

तथ्य:

कैफा यीशु और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के समय में इस्राएल का महायाजक था।

- यीशु के अभियोग और दण्ड में कैफा ने प्रमुख भूमिका निभाई थी।
- महायाजक हन्ना और कैफा पतरस और यूहन्ना के अभियोग में उपस्थित थे जब उन्हें एक लंगड़े मनुष्य को चंगा करने के लिए बन्दी बनाया गया था।
- कैफा ही था जिसने कहा था कि संपूर्ण देश के विनाश की अपेक्षा, उसके स्थान में एक मनुष्य का मरना उचित है। परमेश्वर ने उससे यह भविष्यद्वाणी करवाई थी कि यीशु अपनी प्रजा के उद्धार के निमित्त जान देगा।

(यह भी देखें: हन्ना, महायाजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:5-7
- यूहन्ना 18:12-14
- लूका 03:1-2
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:57-58

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2533

कैफा

तथ्य:

कैफा यीशु और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के समय में इस्राएल का महायाजक था।

- यीशु के अभियोग और दण्ड में कैफा ने प्रमुख भूमिका निभाई थी।
- महायाजक हन्ना और कैफा पतरस और यूहन्ना के अभियोग में उपस्थित थे जब उन्हें एक लंगड़े मनुष्य को चंगा करने के लिए बन्दी बनाया गया था।
- कैफा ही था जिसने कहा था कि संपूर्ण देश के विनाश की अपेक्षा, उसके स्थान में एक मनुष्य का मरना उचित है। परमेश्वर ने उससे यह भविष्यद्वाणी करवाई थी कि यीशु अपनी प्रजा के उद्धार के निमित्त जान देगा।

(यह भी देखें: हन्ना, महायाजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:5-7
- यूहन्ना 18:12-14
- लूका 03:1-2
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:57-58

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2533

कैफा

तथ्य:

कैफा यीशु और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के समय में इस्राएल का महायाजक था।

- यीशु के अभियोग और दण्ड में कैफा ने प्रमुख भूमिका निभाई थी।
- महायाजक हन्ना और कैफा पतरस और यूहन्ना के अभियोग में उपस्थित थे जब उन्हें एक लंगड़े मनुष्य को चंगा करने के लिए बन्दी बनाया गया था।
- कैफा ही था जिसने कहा था कि संपूर्ण देश के विनाश की अपेक्षा, उसके स्थान में एक मनुष्य का मरना उचित है। परमेश्वर ने उससे यह भविष्यद्वाणी करवाई थी कि यीशु अपनी प्रजा के उद्धार के निमित्त जान देगा।

(यह भी देखें: हन्ना, महायाजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:5-7
- यूहन्ना 18:12-14
- लूका 03:1-2
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:57-58

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2533

कैफा

तथ्य:

कैफा यीशु और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के समय में इस्राएल का महायाजक था।

- यीशु के अभियोग और दण्ड में कैफा ने प्रमुख भूमिका निभाई थी।
- महायाजक हन्ना और कैफा पतरस और यूहन्ना के अभियोग में उपस्थित थे जब उन्हें एक लंगड़े मनुष्य को चंगा करने के लिए बन्दी बनाया गया था।
- कैफा ही था जिसने कहा था कि संपूर्ण देश के विनाश की अपेक्षा, उसके स्थान में एक मनुष्य का मरना उचित है। परमेश्वर ने उससे यह भविष्यद्वाणी करवाई थी कि यीशु अपनी प्रजा के उद्धार के निमित्त जान देगा।

(यह भी देखें: हन्ना, महायाजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:5-7
- यूहन्ना 18:12-14
- लूका 03:1-2
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:57-58

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2533

कैफा

तथ्य:

कैफा यीशु और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के समय में इस्राएल का महायाजक था।

- यीशु के अभियोग और दण्ड में कैफा ने प्रमुख भूमिका निभाई थी।
- महायाजक हन्ना और कैफा पतरस और यूहन्ना के अभियोग में उपस्थित थे जब उन्हें एक लंगड़े मनुष्य को चंगा करने के लिए बन्दी बनाया गया था।

- कैफा ही था जिसने कहा था कि संपूर्ण देश के विनाश की अपेक्षा, उसके स्थान में एक मनुष्य का मरना उचित है। परमेश्वर ने उससे यह भविष्यद्वाणी करवाई थी कि यीशु अपनी प्रजा के उद्धार के निमित्त जान देगा।

(यह भी देखें: हन्ना, महायाजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:5-7
- यूहन्ना 18:12-14
- लूका 03:1-2
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:57-58

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2533

कैफा

तथ्य:

कैफा यीशु और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के समय में इस्राएल का महायाजक था।

- यीशु के अभियोग और दण्ड में कैफा ने प्रमुख भूमिका निभाई थी।
- महायाजक हन्ना और कैफा पतरस और यूहन्ना के अभियोग में उपस्थित थे जब उन्हें एक लंगड़े मनुष्य को चंगा करने के लिए बन्दी बनाया गया था।
- कैफा ही था जिसने कहा था कि संपूर्ण देश के विनाश की अपेक्षा, उसके स्थान में एक मनुष्य का मरना उचित है। परमेश्वर ने उससे यह भविष्यद्वाणी करवाई थी कि यीशु अपनी प्रजा के उद्धार के निमित्त जान देगा।

(यह भी देखें: हन्ना, महायाजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:5-7
- यूहन्ना 18:12-14
- लूका 03:1-2
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:57-58

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2533

कैसर

तथ्य:

“कैसर” रोमी साम्राज्य के शासकों का पदनाम था। बाइबल में यह नाम तीन रोमी सम्राटों के संदर्भ में आया है।

- पहला, कैसर "औगुस्तुस कैसर" था, वह यीशु के जन्म के समय सिंहासन पर था।
- लगभग तीस वर्ष पश्चात जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला प्रचार कर रहा था तब रोमी साम्राज्य का शासक तिबिरियुस कैसर था।
- जब यीशु ने लोगों से कहा था कि जो कैसर का है वह कैसर को दो और जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर को दो तब कैसर तिबिरियुस ही सिंहासन पर था।
- पौलुस ने कैसर की दोहाई दी थी तब कैसर नीरो सिंहासन पर था।
- “कैसर” शब्द का जब पदनाम स्वरूप उपयोग किया गया है तब इसका अनुवाद “सम्राट” या “रोमी शासक” किया जा सकता है।

जब यह पद नाम के साथ जोड़ा जाए जैसे “कैसर औगुस्तुस” या “कैसर तिबिरियुस” तब इसकी व्याख्या मात्रभाषा में ज्यों का त्यों की जाए।

(यह भी देखें: राजा, पौलुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 25:6-8
- लूका 02:1-3
- लूका 20:23-24
- लूका 23:1-2
- मरकुस 12:13-15
- मत्ती 22:15-17
- फिलिप्पियों 04: 21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2541

कैसर

तथ्य:

“कैसर” रोमी साम्राज्य के शासकों का पदनाम था। बाइबल में यह नाम तीन रोमी सम्राटों के संदर्भ में आया है।

- पहला, कैसर "औगुस्तुस कैसर" था, वह यीशु के जन्म के समय सिंहासन पर था।
- लगभग तीस वर्ष पश्चात जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला प्रचार कर रहा था तब रोमी साम्राज्य का शासक तिबिरियुस कैसर था।
- जब यीशु ने लोगों से कहा था कि जो कैसर का है वह कैसर को दो और जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर को दो तब कैसर तिबिरियुस ही सिंहासन पर था।
- पौलुस ने कैसर की दोहाई दी थी तब कैसर नीरो सिंहासन पर था।
- “कैसर” शब्द का जब पदनाम स्वरूप उपयोग किया गया है तब इसका अनुवाद “सम्राट” या “रोमी शासक” किया जा सकता है।

जब यह पद नाम के साथ जोड़ा जाए जैसे “कैसर औगुस्तुस” या “कैसर तिबिरियुस” तब इसकी व्याख्या मात्रभाषा में ज्यों का त्यों की जाए।

(यह भी देखें: राजा, पौलुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 25:6-8
- लूका 02:1-3
- लूका 20:23-24
- लूका 23:1-2
- मरकुस 12:13-15
- मत्ती 22:15-17
- फिलिप्पियों 04: 21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2541

कैसर

तथ्य:

“कैसर” रोमी साम्राज्य के शासकों का पदनाम था। बाइबल में यह नाम तीन रोमी सम्राटों के संदर्भ में आया है।

- पहला, कैसर "औगुस्तुस कैसर" था, वह यीशु के जन्म के समय सिंहासन पर था।
- लगभग तीस वर्ष पश्चात जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला प्रचार कर रहा था तब रोमी साम्राज्य का शासक तिबिरियुस कैसर था।
- जब यीशु ने लोगों से कहा था कि जो कैसर का है वह कैसर को दो और जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर को दो तब कैसर तिबिरियुस ही सिंहासन पर था।
- पौलुस ने कैसर की दोहाई दी थी तब कैसर नीरो सिंहासन पर था।
- “कैसर” शब्द का जब पदनाम स्वरूप उपयोग किया गया है तब इसका अनुवाद “सम्राट” या “रोमी शासक” किया जा सकता है।

जब यह पद नाम के साथ जोड़ा जाए जैसे “कैसर औगुस्तुस” या “कैसर तिबिरियुस” तब इसकी व्याख्या मात्रभाषा में ज्यों का त्यों की जाए।

(यह भी देखें: राजा, पौलुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 25:6-8
- लूका 02:1-3
- लूका 20:23-24
- लूका 23:1-2
- मरकुस 12:13-15
- मत्ती 22:15-17
- फिलिप्पियों 04: 21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2541

कैसर

तथ्य:

“कैसर” रोमी साम्राज्य के शासकों का पदनाम था। बाइबल में यह नाम तीन रोमी सम्राटों के संदर्भ में आया है।

- पहला, कैसर "औगुस्तुस कैसर" था, वह यीशु के जन्म के समय सिंहासन पर था।
- लगभग तीस वर्ष पश्चात जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला प्रचार कर रहा था तब रोमी साम्राज्य का शासक तिबिरियुस कैसर था।
- जब यीशु ने लोगों से कहा था कि जो कैसर का है वह कैसर को दो और जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर को दो तब कैसर तिबिरियुस ही सिंहासन पर था।
- पौलुस ने कैसर की दोहाई दी थी तब कैसर नीरो सिंहासन पर था।
- “कैसर” शब्द का जब पदनाम स्वरूप उपयोग किया गया है तब इसका अनुवाद “सम्राट” या “रोमी शासक” किया जा सकता है।

जब यह पद नाम के साथ जोड़ा जाए जैसे “कैसर औगुस्तुस” या “कैसर तिबिरियुस” तब इसकी व्याख्या मात्रभाषा में ज्यों का त्यों की जाए।

(यह भी देखें: राजा, पौलुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 25:6-8
- लूका 02:1-3
- लूका 20:23-24
- लूका 23:1-2
- मरकुस 12:13-15
- मत्ती 22:15-17
- फिलिप्पियों 04: 21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2541

कैसर

तथ्य:

“कैसर” रोमी साम्राज्य के शासकों का पदनाम था। बाइबल में यह नाम तीन रोमी सम्राटों के संदर्भ में आया है।

- पहला, कैसर "औगुस्तुस कैसर" था, वह यीशु के जन्म के समय सिंहासन पर था।
- लगभग तीस वर्ष पश्चात जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला प्रचार कर रहा था तब रोमी साम्राज्य का शासक तिबिरियुस कैसर था।
- जब यीशु ने लोगों से कहा था कि जो कैसर का है वह कैसर को दो और जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर को दो तब कैसर तिबिरियुस ही सिंहासन पर था।
- पौलुस ने कैसर की दोहाई दी थी तब कैसर नीरो सिंहासन पर था।
- “कैसर” शब्द का जब पदनाम स्वरूप उपयोग किया गया है तब इसका अनुवाद “सम्राट” या “रोमी शासक” किया जा सकता है।

जब यह पद नाम के साथ जोड़ा जाए जैसे “कैसर औगुस्तुस” या “कैसर तिबिरियुस” तब इसकी व्याख्या मात्रभाषा में ज्यों का त्यों की जाए।

(यह भी देखें: राजा, पौलुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 25:6-8
- लूका 02:1-3
- लूका 20:23-24
- लूका 23:1-2
- मरकुस 12:13-15
- मत्ती 22:15-17
- फिलिप्पियों 04: 21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2541

कैसर

तथ्य:

“कैसर” रोमी साम्राज्य के शासकों का पदनाम था। बाइबल में यह नाम तीन रोमी सम्राटों के संदर्भ में आया है।

- पहला, कैसर "औगुस्तुस कैसर" था, वह यीशु के जन्म के समय सिंहासन पर था।
- लगभग तीस वर्ष पश्चात जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला प्रचार कर रहा था तब रोमी साम्राज्य का शासक तिबिरियुस कैसर था।
- जब यीशु ने लोगों से कहा था कि जो कैसर का है वह कैसर को दो और जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर को दो तब कैसर तिबिरियुस ही सिंहासन पर था।
- पौलुस ने कैसर की दोहाई दी थी तब कैसर नीरो सिंहासन पर था।
- “कैसर” शब्द का जब पदनाम स्वरूप उपयोग किया गया है तब इसका अनुवाद “सम्राट” या “रोमी शासक” किया जा सकता है।

जब यह पद नाम के साथ जोड़ा जाए जैसे “कैसर औगुस्तुस” या “कैसर तिबिरियुस” तब इसकी व्याख्या मात्रभाषा में ज्यों का त्यों की जाए।

(यह भी देखें: राजा, पौलुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 25:6-8
- लूका 02:1-3
- लूका 20:23-24
- लूका 23:1-2
- मरकुस 12:13-15
- मत्ती 22:15-17
- फिलिप्पियों 04: 21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2541

कैसरिया, कैसरिया फिलिप्पी

तथ्य:

कैसरिया भूमध्य सागर के तट पर एक महत्वपूर्ण नगर था, कर्मेल पर्वत से 39 कि.मी. दक्षिण की ओर। कैसरिया फिलिप्पी इस्राएल के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में हेर्मोन पर्वत के निकट एक नगर था।

- इन नगरों का नाम रोमी सम्राट कैसर के नाम पर पड़ा था।
- तटवर्ती कैसरिया रोमी क्षेत्र यहूदिया की राजधानी बन गया था। यह यीशु के जन्म का समय था।
- प्रेरित पौलुस ने अन्य जातियों में सर्वप्रथम कैसरिया में ही प्रचार किया था।

- पौलुस ने तरसुस के लिए कैसरिया से ही प्रस्थान किया था और अपनी दो प्रचार यात्राओं में वह कैसरिया होकर गया था।
- यीशु और उसके शिष्यों ने कैसरिया फिलिप्पी के क्षेत्रों में सीरिया का भ्रमण किया था। इन दोनों नगरों का नाम हेरोदेस फिलिप्प के नाम पर पड़ा था।

(यह भी देखें: कैसर, अन्यजाति, समुद्र, कर्मेल, हेर्मोन पर्वत, रोम, तरसुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:28-30
- प्रे.का. 10:1-2
- प्रे.का. 07:43
- प्रे.का. 25:13-16
- मरकुस 08:27-28
- मत्ती 16:13-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2542, G5376

कैसरिया, कैसरिया फिलिप्पी

तथ्य:

कैसरिया भूमध्य सागर के तट पर एक महत्वपूर्ण नगर था, कर्मेल पर्वत से 39 कि.मी. दक्षिण की ओर। कैसरिया फिलिप्पी इस्राएल के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में हेर्मोन पर्वत के निकट एक नगर था।

- इन नगरों का नाम रोमी सम्राट कैसर के नाम पर पड़ा था।
- तटवर्ती कैसरिया रोमी क्षेत्र यहूदिया की राजधानी बन गया था। यह यीशु के जन्म का समय था।
- प्रेरित पौलुस ने अन्य जातियों में सर्वप्रथम कैसरिया में ही प्रचार किया था।
- पौलुस ने तरसुस के लिए कैसरिया से ही प्रस्थान किया था और अपनी दो प्रचार यात्राओं में वह कैसरिया होकर गया था।
- यीशु और उसके शिष्यों ने कैसरिया फिलिप्पी के क्षेत्रों में सीरिया का भ्रमण किया था। इन दोनों नगरों का नाम हेरोदेस फिलिप्प के नाम पर पड़ा था।

(यह भी देखें: कैसर, अन्यजाति, समुद्र, कर्मेल, हेर्मोन पर्वत, रोम, तरसुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:28-30
- प्रे.का. 10:1-2
- प्रे.का. 07:43
- प्रे.का. 25:13-16
- मरकुस 08:27-28
- मत्ती 16:13-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2542, G5376

कैसरिया, कैसरिया फिलिप्पी

तथ्य:

कैसरिया भूमध्य सागर के तट पर एक महत्वपूर्ण नगर था, कर्मेल पर्वत से 39 कि.मी. दक्षिण की ओर। कैसरिया फिलिप्पी इस्राएल के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में हेर्मोन पर्वत के निकट एक नगर था।

- इन नगरों का नाम रोमी सम्राट कैसर के नाम पर पड़ा था।
- तटवर्ती कैसरिया रोमी क्षेत्र यहूदिया की राजधानी बन गया था। यह यीशु के जन्म का समय था।
- प्रेरित पौलुस ने अन्य जातियों में सर्वप्रथम कैसरिया में ही प्रचार किया था।
- पौलुस ने तरसुस के लिए कैसरिया से ही प्रस्थान किया था और अपनी दो प्रचार यात्राओं में वह कैसरिया होकर गया था।
- यीशु और उसके शिष्यों ने कैसरिया फिलिप्पी के क्षेत्रों में सीरिया का भ्रमण किया था। इन दोनों नगरों का नाम हेरोदेस फिलिप्प के नाम पर पड़ा था।

(यह भी देखें: कैसर, अन्यजाति, समुद्र, कर्मेल, हेर्मोन पर्वत, रोम, तरसुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:28-30
- प्रे.का. 10:1-2
- प्रे.का. 07:43
- प्रे.का. 25:13-16
- मरकुस 08:27-28
- मत्ती 16:13-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2542, G5376

कोढ़ी, कोढ़ियों, कोढ़, कोढ़

परिभाषा:

“कोढ़” का उल्लेख बाइबल में आया है कि वह अनेक त्वचा रोगों का संदर्भ देता है। “कोढ़ी” वह मनुष्य है जो कोढ़ से ग्रस्त है, “कोढ़” मनुष्य या मनुष्य की देह के उस अंग का संदर्भ देता है जहाँ कोढ़ का लक्षण प्रकट होता है।

- एक प्रकार के कोढ़ में त्वचा का रंग उड़ जाता है और वहां सफेद दाग हो जाते हैं जैसे मिर्याम और नामान को था।
- आज के युग में कोढ़ के कारण हाथ, पांव और देह के अन्य अंग क्षतिग्रस्त होकर विकृत हो जाते हैं।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को जो आदेश दिए थे उनके अनुसार यदि किसी मनुष्य को कोढ़ हो जाता था तो उसे “अशुद्ध” माना जाता था और उसे अन्य मनुष्यों से अलग रहना होता था कि उन्हें संक्रमण न हो।
- कोढ़ी को “अशुद्ध” चिल्लाना पड़ता था कि मनुष्यों को उससे दूर रहने की चेतावनी मिले।
- यीशु ने अनेक कोढ़ियों को और त्वचा रोगियों को चंगा किया था।

अनुवाद के सुझाव:

- बाइबल में “कोढ़” का अनुवाद “त्वचा रोग” या “भयानक त्वचा रोग” किया जा सकता है।
- “कोढ़” का अनुवाद “कोढ़ग्रस्त” या “त्वचा रोग ग्रस्त” या “त्वचा के घावों से भरा” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मिर्याम, नामान, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:12-13
- लूका 17:11-13
- मरकुस 01:40-42
- मरकुस 14:3-5
- मत्ती 08:1-3
- मत्ती 10:8-10
- मत्ती 11:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6879, H6883, G3014, G3015

कोढ़ी, कोढ़ियों, कोढ़, कोढ़

परिभाषा:

“कोढ़” का उल्लेख बाइबल में आया है कि वह अनेक त्वचा रोगों का संदर्भ देता है। “कोढ़ी” वह मनुष्य है जो कोढ़ से ग्रस्त है, “कोढ़” मनुष्य या मनुष्य की देह के उस अंग का संदर्भ देता है जहाँ कोढ़ का लक्षण प्रकट होता है।

- एक प्रकार के कोढ़ में त्वचा का रंग उड़ जाता है और वहां सफेद दाग हो जाते हैं जैसे मिर्याम और नामान को था।
- आज के युग में कोढ़ के कारण हाथ, पांव और देह के अन्य अंग क्षतिग्रस्त होकर विकृत हो जाते हैं।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को जो आदेश दिए थे उनके अनुसार यदि किसी मनुष्य को कोढ़ हो जाता था तो उसे “अशुद्ध” माना जाता था और उसे अन्य मनुष्यों से अलग रहना होता था कि उन्हें संक्रमण न हो।
- कोढ़ी को “अशुद्ध” चिल्लाना पड़ता था कि मनुष्यों को उससे दूर रहने की चेतावनी मिले।
- यीशु ने अनेक कोढ़ियों को और त्वचा रोगियों को चंगा किया था।

अनुवाद के सुझाव:

- बाइबल में “कोढ़” का अनुवाद “त्वचा रोग” या “भयानक त्वचा रोग” किया जा सकता है।
- “कोढ़” का अनुवाद “कोढ़ग्रस्त” या “त्वचा रोग ग्रस्त” या “त्वचा के घावों से भरा” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मिर्याम, नामान, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:12-13
- लूका 17:11-13
- मरकुस 01:40-42
- मरकुस 14:3-5
- मत्ती 08:1-3
- मत्ती 10:8-10
- मत्ती 11:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6879, H6883, G3014, G3015

कोढ़ी, कोढ़ियों, कोढ़, कोढ़

परिभाषा:

“कोढ़” का उल्लेख बाइबल में आया है कि वह अनेक त्वचा रोगों का संदर्भ देता है। “कोढ़ी” वह मनुष्य है जो कोढ़ से ग्रस्त है, “कोढ़” मनुष्य या मनुष्य की देह के उस अंग का संदर्भ देता है जहाँ कोढ़ का लक्षण प्रकट होता है।

- एक प्रकार के कोढ़ में त्वचा का रंग उड़ जाता है और वहां सफेद दाग हो जाते हैं जैसे मिर्याम और नामान को था।
- आज के युग में कोढ़ के कारण हाथ, पांव और देह के अन्य अंग क्षतिग्रस्त होकर विकृत हो जाते हैं।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को जो आदेश दिए थे उनके अनुसार यदि किसी मनुष्य को कोढ़ हो जाता था तो उसे “अशुद्ध” माना जाता था और उसे अन्य मनुष्यों से अलग रहना होता था कि उन्हें संक्रमण न हो।
- कोढ़ी को “अशुद्ध” चिल्लाना पड़ता था कि मनुष्यों को उससे दूर रहने की चेतावनी मिले।
- यीशु ने अनेक कोढ़ियों को और त्वचा रोगियों को चंगा किया था।

अनुवाद के सुझाव:

- बाइबल में “कोढ़” का अनुवाद “त्वचा रोग” या “भयानक त्वचा रोग” किया जा सकता है।
- “कोढ़” का अनुवाद “कोढ़ग्रस्त” या “त्वचा रोग ग्रस्त” या “त्वचा के घावों से भरा” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मिर्याम, नामान, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:12-13
- लूका 17:11-13
- मरकुस 01:40-42
- मरकुस 14:3-5
- मत्ती 08:1-3
- मत्ती 10:8-10
- मत्ती 11:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6879, H6883, G3014, G3015

कोने का पत्थर, प्रधान

परिभाषा:

“कोने का पत्थर” एक बड़ा पत्थर होता है जो विशेष करके तराशा हुआ होता है और भवन की नींव में रखा जाता है।

- भवन के अन्य सब पत्थर इस कोने के पत्थर के संयोजन में रखे जाते हैं।
- यह पत्थर संपूर्ण रचना की दृढ़ता एवं स्थिरता के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है।
- नये नियम में विश्वासियों की सभा को उपमा रूप में एक मन्दिर कहा गया है जिसका कोने का पत्थर मसीह यीशु है।
- जिस प्रकार भवन के कोने का पत्थर संपूर्ण भवन के स्थान को संभालता है और सहारा देता है ठीक उसी प्रकार मसीह यीशु विश्वासियों की सभा का कोने का पत्थर है जिसके द्वारा वह संभाली हुई एवं स्थिर है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कोने के पत्थर” का अनुवाद “भवन का मुख्य पत्थर” या “नींव का पत्थर” किया जा सकता है।
- यहां ध्यान दें कि लक्षित भाषा में भवन की नींव के किसी भाग के लिए कोई शब्द है जो मुख्य आधार है। यदि ऐसा शब्द है तो उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है।
- इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “भवन के कोने के लिए काम में लिया गया नींव का पत्थर”
- यह महत्वपूर्ण है कि इस पत्थर के बड़े होने का तथ्य निहित हो जो भवन के लिए एक ठोस एवं सुरक्षित सामग्री स्वरूप काम में लिया जाता है। यदि भवन निर्माण में पत्थर काम में नहीं लिए जाते हैं तो “बड़े पत्थर” के लिए कोई और शब्द होगा और इसका विचार विशेष करके तराशा हुआ और जोड़ने के लिए बनाया गया है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:11-12
- इफिसियों 02:19-22
- मत्ती 21:42
- भजन संहिता 118:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H68, H6438, H7218, G204, G1137, G2776, G3037

कोरह, कोरे, कोरहियों

परिभाषा:

कोरह नामक तीन पुरुष पुराने नियम में हुए थे।

- एसाव के पुत्रों में से एक का नाम कोरह था। वह अपने समुदाय का अगुआ था।
- एक लेवी वंशी भी कोरह नाम का था जो मिलापवाला तम्बू(मण्डप) में याजकीय सेवा करता था। उसने मूसा और हारून से ईर्ष्या करके कुछ लोगों के साथ उनके विरुद्ध विद्रोह किया था।
- कोरह नामक तीसरा पुरुष यहूदा की वंशावली में नामांकित है।

(यह भी देखें: हारून, अधिकारी, कालेब, उतरेगा, एसाव, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:34-37
- गिनती 16:1-3
- गिनती 16:25-27
- भजन संहिता 042:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7141

क्रूस

परिभाषा:

बाइबल के युग में क्रूस एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे भूमि में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी भाग में एक आड़ा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी साम्राज्य के समय में, रोमी प्रशासन अपराधियों को क्रूस पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- यीशु पर अपराध का झूठा दोष लगाकर रोमियों ने उसे क्रूस की मृत्यु दी थी।
- ध्यान दें कि यह क्रिया "पार करना" एक अलग शब्द है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

अनुवाद के सुझाव:

- इसका अनुवाद लक्षित भाषा में क्रूस का भाव व्यक्त करने वाले शब्द से किया जा सकता है।
- क्रूस की व्याख्या इस प्रकार करें कि स्पष्ट हो कि उस पर मनुष्यों को मृत्युदण्ड दिया जाता था जैसे “मृत्यु दण्ड स्तंभ” या “मृत्यु वृक्ष”।
- स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:17
- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18
- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सैनिक यीशु को उस स्थान पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी का स्थान कहलाता है, वहाँ पहुँचकर क्रूस पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया।
- **49:12** तुम्हें विश्वास करना होगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, कि वह तुम्हारी जगह क्रूस पर बलिदान हुआ, और यह कि परमेश्वर ने उसे फिर मुर्दों में से जीवित कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4716

क्रूस

परिभाषा:

बाइबल के युग में क्रूस एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे भूमि में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी भाग में एक आड़ा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी साम्राज्य के समय में, रोमी प्रशासन अपराधियों को क्रूस पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- यीशु पर अपराध का झूठा दोष लगाकर रोमियों ने उसे क्रूस की मृत्यु दी थी।
- ध्यान दें कि यह क्रिया "पार करना" एक अलग शब्द है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

अनुवाद के सुझाव:

- इसका अनुवाद लक्षित भाषा में क्रूस का भाव व्यक्त करने वाले शब्द से किया जा सकता है।
- क्रूस की व्याख्या इस प्रकार करें कि स्पष्ट हो कि उस पर मनुष्यों को मृत्युदण्ड दिया जाता था जैसे “मृत्यु दण्ड स्तंभ” या “मृत्यु वृक्ष”।
- स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:17
- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18
- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सैनिक यीशु को उस स्थान पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी का स्थान कहलाता है, वहाँ पहुँचकर क्रूस पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया।
- **49:12** तुम्हें विश्वास करना होगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, कि वह तुम्हारी जगह क्रूस पर बलिदान हुआ, और यह कि परमेश्वर ने उसे फिर मुर्दों में से जीवित कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4716

क्रूस

परिभाषा:

बाइबल के युग में क्रूस एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे भूमि में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी भाग में एक आड़ा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी साम्राज्य के समय में, रोमी प्रशासन अपराधियों को क्रूस पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- यीशु पर अपराध का झूठा दोष लगाकर रोमियों ने उसे क्रूस की मृत्यु दी थी।
- ध्यान दें कि यह क्रिया "पार करना" एक अलग शब्द है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

अनुवाद के सुझाव:

- इसका अनुवाद लक्षित भाषा में क्रूस का भाव व्यक्त करने वाले शब्द से किया जा सकता है।
- क्रूस की व्याख्या इस प्रकार करें कि स्पष्ट हो कि उस पर मनुष्यों को मृत्युदण्ड दिया जाता था जैसे “मृत्यु दण्ड स्तंभ” या “मृत्यु वृक्ष”।
- स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:17
- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सैनिक यीशु को उस स्थान पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी का स्थान कहलाता है, वहाँ पहुँचकर क्रूस पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया।
- **49:12** तुम्हें विश्वास करना होगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, कि वह तुम्हारी जगह क्रूस पर बलिदान हुआ, और यह कि परमेश्वर ने उसे फिर मुर्दों में से जीवित कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4716

क्रूस

परिभाषा:

बाइबल के युग में क्रूस एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे भूमि में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी भाग में एक आड़ा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी साम्राज्य के समय में, रोमी प्रशासन अपराधियों को क्रूस पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- यीशु पर अपराध का झूठा दोष लगाकर रोमियों ने उसे क्रूस की मृत्यु दी थी।
- ध्यान दें कि यह क्रिया "पार करना" एक अलग शब्द है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

अनुवाद के सुझाव:

- इसका अनुवाद लक्षित भाषा में क्रूस का भाव व्यक्त करने वाले शब्द से किया जा सकता है।
- क्रूस की व्याख्या इस प्रकार करें कि स्पष्ट हो कि उस पर मनुष्यों को मृत्युदण्ड दिया जाता था जैसे “मृत्यु दण्ड स्तंभ” या “मृत्यु वृक्ष”।
- स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:17
- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18
- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सैनिक यीशु को उस स्थान पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी का स्थान कहलाता है, वहाँ पहुँचकर क्रूस पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया।

- **49:12** तुम्हें विश्वास करना होगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, कि वह तुम्हारी जगह क्रूस पर बलिदान हुआ, और यह कि परमेश्वर ने उसे फिर मुर्दों में से जीवित कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4716

क्रूस

परिभाषा:

बाइबल के युग में क्रूस एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे भूमि में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी भाग में एक आड़ा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी साम्राज्य के समय में, रोमी प्रशासन अपराधियों को क्रूस पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- यीशु पर अपराध का झूठा दोष लगाकर रोमियों ने उसे क्रूस की मृत्यु दी थी।
- ध्यान दें कि यह क्रिया "पार करना" एक अलग शब्द है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

अनुवाद के सुझाव:

- इसका अनुवाद लक्षित भाषा में क्रूस का भाव व्यक्त करने वाले शब्द से किया जा सकता है।
- क्रूस की व्याख्या इस प्रकार करें कि स्पष्ट हो कि उस पर मनुष्यों को मृत्युदण्ड दिया जाता था जैसे “मृत्यु दण्ड स्तंभ” या “मृत्यु वृक्ष”।
- स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:17
- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18
- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सैनिक यीशु को उस स्थान पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी का स्थान कहलाता है, वहाँ पहुँचकर क्रूस पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया।
- **49:12** तुम्हें विश्वास करना होगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, कि वह तुम्हारी जगह क्रूस पर बलिदान हुआ, और यह कि परमेश्वर ने उसे फिर मुर्दों में से जीवित कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4716

क्रूस

परिभाषा:

बाइबल के युग में क्रूस एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे भूमि में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी भाग में एक आड़ा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी साम्राज्य के समय में, रोमी प्रशासन अपराधियों को क्रूस पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।

- यीशु पर अपराध का झूठा दोष लगाकर रोमियों ने उसे क्रूस की मृत्यु दी थी।
- ध्यान दें कि यह क्रिया "पार करना" एक अलग शब्द है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

अनुवाद के सुझाव:

- इसका अनुवाद लक्षित भाषा में क्रूस का भाव व्यक्त करने वाले शब्द से किया जा सकता है।
- क्रूस की व्याख्या इस प्रकार करें कि स्पष्ट हो कि उस पर मनुष्यों को मृत्युदण्ड दिया जाता था जैसे “मृत्यु दण्ड स्तंभ” या “मृत्यु वृक्ष”।
- स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:17
- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18
- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सैनिक यीशु को उस स्थान पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी का स्थान कहलाता है, वहाँ पहुँचकर क्रूस पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया।
- **49:12** तुम्हें विश्वास करना होगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, कि वह तुम्हारी जगह क्रूस पर बलिदान हुआ, और यह कि परमेश्वर ने उसे फिर मुर्दों में से जीवित कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4716

क्रूस

परिभाषा:

बाइबल के युग में क्रूस एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे भूमि में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी भाग में एक आड़ा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी साम्राज्य के समय में, रोमी प्रशासन अपराधियों को क्रूस पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- यीशु पर अपराध का झूठा दोष लगाकर रोमियों ने उसे क्रूस की मृत्यु दी थी।
- ध्यान दें कि यह क्रिया "पार करना" एक अलग शब्द है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

अनुवाद के सुझाव:

- इसका अनुवाद लक्षित भाषा में क्रूस का भाव व्यक्त करने वाले शब्द से किया जा सकता है।
- क्रूस की व्याख्या इस प्रकार करें कि स्पष्ट हो कि उस पर मनुष्यों को मृत्युदण्ड दिया जाता था जैसे “मृत्यु दण्ड स्तंभ” या “मृत्यु वृक्ष”।
- स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:17

- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18
- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सैनिक यीशु को उस स्थान पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी का स्थान कहलाता है, वहाँ पहुँचकर क्रूस पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया।
- **49:12** तुम्हें विश्वास करना होगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, कि वह तुम्हारी जगह क्रूस पर बलिदान हुआ, और यह कि परमेश्वर ने उसे फिर मुर्दों में से जीवित कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4716

क्रूस

परिभाषा:

बाइबल के युग में क्रूस एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे भूमि में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी भाग में एक आड़ा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी साम्राज्य के समय में, रोमी प्रशासन अपराधियों को क्रूस पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- यीशु पर अपराध का झूठा दोष लगाकर रोमियों ने उसे क्रूस की मृत्यु दी थी।
- ध्यान दें कि यह क्रिया "पार करना" एक अलग शब्द है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

अनुवाद के सुझाव:

- इसका अनुवाद लक्षित भाषा में क्रूस का भाव व्यक्त करने वाले शब्द से किया जा सकता है।
- क्रूस की व्याख्या इस प्रकार करें कि स्पष्ट हो कि उस पर मनुष्यों को मृत्युदण्ड दिया जाता था जैसे “मृत्यु दण्ड स्तंभ” या “मृत्यु वृक्ष”।
- स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:17
- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18
- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सैनिक यीशु को उस स्थान पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी का स्थान कहलाता है, वहाँ पहुँचकर क्रूस पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।

- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया।
- **49:12** तुम्हें विश्वास करना होगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, कि वह तुम्हारी जगह क्रूस पर बलिदान हुआ, और यह कि परमेश्वर ने उसे फिर मुर्दों में से जीवित कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4716

क्रूस

परिभाषा:

बाइबल के युग में क्रूस एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे भूमि में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी भाग में एक आड़ा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी साम्राज्य के समय में, रोमी प्रशासन अपराधियों को क्रूस पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- यीशु पर अपराध का झूठा दोष लगाकर रोमियों ने उसे क्रूस की मृत्यु दी थी।
- ध्यान दें कि यह क्रिया "पार करना" एक अलग शब्द है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

अनुवाद के सुझाव:

- इसका अनुवाद लक्षित भाषा में क्रूस का भाव व्यक्त करने वाले शब्द से किया जा सकता है।
- क्रूस की व्याख्या इस प्रकार करें कि स्पष्ट हो कि उस पर मनुष्यों को मृत्युदण्ड दिया जाता था जैसे “मृत्यु दण्ड स्तंभ” या “मृत्यु वृक्ष”।
- स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:17
- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18
- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सैनिक यीशु को उस स्थान पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी का स्थान कहलाता है, वहाँ पहुँचकर क्रूस पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया।
- **49:12** तुम्हें विश्वास करना होगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, कि वह तुम्हारी जगह क्रूस पर बलिदान हुआ, और यह कि परमेश्वर ने उसे फिर मुर्दों में से जीवित कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4716

क्रूस

परिभाषा:

बाइबल के युग में क्रूस एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे भूमि में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी भाग में एक आड़ा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी साम्राज्य के समय में, रोमी प्रशासन अपराधियों को क्रूस पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- यीशु पर अपराध का झूठा दोष लगाकर रोमियों ने उसे क्रूस की मृत्यु दी थी।
- ध्यान दें कि यह क्रिया "पार करना" एक अलग शब्द है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

अनुवाद के सुझाव:

- इसका अनुवाद लक्षित भाषा में क्रूस का भाव व्यक्त करने वाले शब्द से किया जा सकता है।
- क्रूस की व्याख्या इस प्रकार करें कि स्पष्ट हो कि उस पर मनुष्यों को मृत्युदण्ड दिया जाता था जैसे “मृत्यु दण्ड स्तंभ” या “मृत्यु वृक्ष”।
- स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:17
- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18
- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सैनिक यीशु को उस स्थान पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी का स्थान कहलाता है, वहाँ पहुँचकर क्रूस पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया।
- **49:12** तुम्हें विश्वास करना होगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, कि वह तुम्हारी जगह क्रूस पर बलिदान हुआ, और यह कि परमेश्वर ने उसे फिर मुर्दों में से जीवित कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4716

क्रूस

परिभाषा:

बाइबल के युग में क्रूस एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे भूमि में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी भाग में एक आड़ा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी साम्राज्य के समय में, रोमी प्रशासन अपराधियों को क्रूस पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- यीशु पर अपराध का झूठा दोष लगाकर रोमियों ने उसे क्रूस की मृत्यु दी थी।
- ध्यान दें कि यह क्रिया "पार करना" एक अलग शब्द है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

अनुवाद के सुझाव:

- इसका अनुवाद लक्षित भाषा में क्रूस का भाव व्यक्त करने वाले शब्द से किया जा सकता है।
- क्रूस की व्याख्या इस प्रकार करें कि स्पष्ट हो कि उस पर मनुष्यों को मृत्युदण्ड दिया जाता था जैसे “मृत्यु दण्ड स्तंभ” या “मृत्यु वृक्ष”।

- स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:17
- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18
- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सैनिक यीशु को उस स्थान पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी का स्थान कहलाता है, वहाँ पहुँचकर क्रूस पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया।
- **49:12** तुम्हें विश्वास करना होगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, कि वह तुम्हारी जगह क्रूस पर बलिदान हुआ, और यह कि परमेश्वर ने उसे फिर मुर्दों में से जीवित कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4716

क्रूस

परिभाषा:

बाइबल के युग में क्रूस एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे भूमि में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी भाग में एक आड़ा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी साम्राज्य के समय में, रोमी प्रशासन अपराधियों को क्रूस पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- यीशु पर अपराध का झूठा दोष लगाकर रोमियों ने उसे क्रूस की मृत्यु दी थी।
- ध्यान दें कि यह क्रिया "पार करना" एक अलग शब्द है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

अनुवाद के सुझाव:

- इसका अनुवाद लक्षित भाषा में क्रूस का भाव व्यक्त करने वाले शब्द से किया जा सकता है।
- क्रूस की व्याख्या इस प्रकार करें कि स्पष्ट हो कि उस पर मनुष्यों को मृत्युदण्ड दिया जाता था जैसे “मृत्यु दण्ड स्तंभ” या “मृत्यु वृक्ष”।
- स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:17
- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18
- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सैनिक यीशु को उस स्थान पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी का स्थान कहलाता है, वहाँ पहुँचकर क्रूस पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया।
- **49:12** तुम्हें विश्वास करना होगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, कि वह तुम्हारी जगह क्रूस पर बलिदान हुआ, और यह कि परमेश्वर ने उसे फिर मुर्दों में से जीवित कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4716

क्रूस

परिभाषा:

बाइबल के युग में क्रूस एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे भूमि में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी भाग में एक आड़ा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी साम्राज्य के समय में, रोमी प्रशासन अपराधियों को क्रूस पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- यीशु पर अपराध का झूठा दोष लगाकर रोमियों ने उसे क्रूस की मृत्यु दी थी।
- ध्यान दें कि यह क्रिया "पार करना" एक अलग शब्द है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

अनुवाद के सुझाव:

- इसका अनुवाद लक्षित भाषा में क्रूस का भाव व्यक्त करने वाले शब्द से किया जा सकता है।
- क्रूस की व्याख्या इस प्रकार करें कि स्पष्ट हो कि उस पर मनुष्यों को मृत्युदण्ड दिया जाता था जैसे “मृत्यु दण्ड स्तंभ” या “मृत्यु वृक्ष”।
- स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:17
- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18
- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सैनिक यीशु को उस स्थान पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी का स्थान कहलाता है, वहाँ पहुँचकर क्रूस पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया।
- **49:12** तुम्हें विश्वास करना होगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, कि वह तुम्हारी जगह क्रूस पर बलिदान हुआ, और यह कि परमेश्वर ने उसे फिर मुर्दों में से जीवित कर दिया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4716

क्रूस

परिभाषा:

बाइबल के युग में क्रूस एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे भूमि में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी भाग में एक आड़ा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी साम्राज्य के समय में, रोमी प्रशासन अपराधियों को क्रूस पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- यीशु पर अपराध का झूठा दोष लगाकर रोमियों ने उसे क्रूस की मृत्यु दी थी।
- ध्यान दें कि यह क्रिया "पार करना" एक अलग शब्द है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

अनुवाद के सुझाव:

- इसका अनुवाद लक्षित भाषा में क्रूस का भाव व्यक्त करने वाले शब्द से किया जा सकता है।
- क्रूस की व्याख्या इस प्रकार करें कि स्पष्ट हो कि उस पर मनुष्यों को मृत्युदण्ड दिया जाता था जैसे “मृत्यु दण्ड स्तंभ” या “मृत्यु वृक्ष”।
- स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:17
- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18
- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सैनिक यीशु को उस स्थान पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी का स्थान कहलाता है, वहाँ पहुँचकर क्रूस पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया।
- **49:12** तुम्हें विश्वास करना होगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, कि वह तुम्हारी जगह क्रूस पर बलिदान हुआ, और यह कि परमेश्वर ने उसे फिर मुर्दों में से जीवित कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4716

क्रूस

परिभाषा:

बाइबल के युग में क्रूस एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे भूमि में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी भाग में एक आड़ा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी साम्राज्य के समय में, रोमी प्रशासन अपराधियों को क्रूस पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- यीशु पर अपराध का झूठा दोष लगाकर रोमियों ने उसे क्रूस की मृत्यु दी थी।
- ध्यान दें कि यह क्रिया "पार करना" एक अलग शब्द है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

अनुवाद के सुझाव:

- इसका अनुवाद लक्षित भाषा में क्रूस का भाव व्यक्त करने वाले शब्द से किया जा सकता है।
- क्रूस की व्याख्या इस प्रकार करें कि स्पष्ट हो कि उस पर मनुष्यों को मृत्युदण्ड दिया जाता था जैसे “मृत्यु दण्ड स्तंभ” या “मृत्यु वृक्ष”।
- स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:17
- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18
- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सैनिक यीशु को उस स्थान पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी का स्थान कहलाता है, वहाँ पहुँचकर क्रूस पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया।
- **49:12** तुम्हें विश्वास करना होगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, कि वह तुम्हारी जगह क्रूस पर बलिदान हुआ, और यह कि परमेश्वर ने उसे फिर मुर्दों में से जीवित कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4716

क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर चढ़ाया

परिभाषा:

“क्रूस पर चढ़ा” अर्थात किसी को क्रूस पर लटका कर छोड़ देना कि वह पीड़ित होकर मर जाए।

- अपराधी को क्रूस पर बांध कर लटकाया जाता या कीलों से ठोंक कर लटकाया जाता था। क्रूस पर लटकाया हुआ व्यक्ति रक्त की कमी से या सांस लेने में कठिनाई के कारण मर जाता था।
- प्राचीन रोमी साम्राज्य में मृत्यु-दण्ड की यह विधि प्रायः काम में ली जाती थी, विशेष करके भयानक अपराधियों के लिए या सरकार के विद्रोहियों के लिए।
- यहूदियों के अगुओं ने रोमी अधिपति को विवश किया कि वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिकों को आज्ञा दे। सैनिकों ने यीशु को कीलों से क्रूस पर ठोंका था। यीशु ने मरने से पूर्व छः घंटे दुःख उठाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्रूस पर चढ़ाने का अनुवाद किया जा सकता है, “क्रूस पर मृत्यु” या “क्रूस पर कीलों से ठोक कर मृत्यु-दण्ड देना”।

(यह भी देखें: क्रूस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:22-24
- गलतियों 02: 20-21
- लूका 23:20-22

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- लूका 23:33-34
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:23-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:11** लेकिन यहूदी अगुवों और भीड़ ने चिल्लाकर कहा कि, “उसे क्रूस पर चढाओं।”
- **39:12** परन्तु पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाए जाने के लिए सैनिको को सौंप दिया।.played a major role in the crucifixion of Jesus Christ.
- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो तुम ने अधर्मियों के हाथ उसे क्रूस पर चढ़वाकर मार डाला।”
- **43:09** "उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया।”
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है। तुमने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G388, G4362, G4717, G4957

क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर चढ़ाया

परिभाषा:

“क्रूस पर चढ़ा” अर्थात किसी को क्रूस पर लटका कर छोड़ देना कि वह पीड़ित होकर मर जाए।

- अपराधी को क्रूस पर बांध कर लटकाया जाता या कीलों से ठोंक कर लटकाया जाता था। क्रूस पर लटकाया हुआ व्यक्ति रक्त की कमी से या सांस लेने में कठिनाई के कारण मर जाता था।
- प्राचीन रोमी साम्राज्य में मृत्यु-दण्ड की यह विधि प्रायः काम में ली जाती थी, विशेष करके भयानक अपराधियों के लिए या सरकार के विद्रोहियों के लिए।
- यहूदियों के अगुओं ने रोमी अधिपति को विवश किया कि वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिकों को आज्ञा दे। सैनिकों ने यीशु को कीलों से क्रूस पर ठोंका था। यीशु ने मरने से पूर्व छः घंटे दुःख उठाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्रूस पर चढ़ाने का अनुवाद किया जा सकता है, “क्रूस पर मृत्यु” या “क्रूस पर कीलों से ठोक कर मृत्यु-दण्ड देना”।

(यह भी देखें: क्रूस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:22-24
- गलतियों 02: 20-21
- लूका 23:20-22
- लूका 23:33-34
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:23-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:11** लेकिन यहूदी अगुवों और भीड़ ने चिल्लाकर कहा कि, “उसे क्रूस पर चढाओं।”
- **39:12** परन्तु पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाए जाने के लिए सैनिको को सौंप दिया।.played a major role in the crucifixion of Jesus Christ.
- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया।

- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो तुम ने अधर्मियों के हाथ उसे क्रूस पर चढ़वाकर मार डाला।”
- **43:09** "उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया।”
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है। तुमने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G388, G4362, G4717, G4957

क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर चढ़ाया

परिभाषा:

“क्रूस पर चढ़ा” अर्थात किसी को क्रूस पर लटका कर छोड़ देना कि वह पीड़ित होकर मर जाए।

- अपराधी को क्रूस पर बांध कर लटकाया जाता या कीलों से ठोंक कर लटकाया जाता था। क्रूस पर लटकाया हुआ व्यक्ति रक्त की कमी से या सांस लेने में कठिनाई के कारण मर जाता था।
- प्राचीन रोमी साम्राज्य में मृत्यु-दण्ड की यह विधि प्रायः काम में ली जाती थी, विशेष करके भयानक अपराधियों के लिए या सरकार के विद्रोहियों के लिए।
- यहूदियों के अगुओं ने रोमी अधिपति को विवश किया कि वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिकों को आज्ञा दे। सैनिकों ने यीशु को कीलों से क्रूस पर ठोंका था। यीशु ने मरने से पूर्व छः घंटे दुःख उठाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्रूस पर चढ़ाने का अनुवाद किया जा सकता है, “क्रूस पर मृत्यु” या “क्रूस पर कीलों से ठोक कर मृत्यु-दण्ड देना”।

(यह भी देखें: क्रूस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:22-24
- गलतियों 02: 20-21
- लूका 23:20-22
- लूका 23:33-34
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:23-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:11** लेकिन यहूदी अगुवों और भीड़ ने चिल्लाकर कहा कि, “उसे क्रूस पर चढाओं।”
- **39:12** परन्तु पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाए जाने के लिए सैनिको को सौंप दिया।.played a major role in the crucifixion of Jesus Christ.
- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो तुम ने अधर्मियों के हाथ उसे क्रूस पर चढ़वाकर मार डाला।”
- **43:09** "उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया।”
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है। तुमने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G388, G4362, G4717, G4957

क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर चढ़ाया

परिभाषा:

“क्रूस पर चढ़ा” अर्थात किसी को क्रूस पर लटका कर छोड़ देना कि वह पीड़ित होकर मर जाए।

- अपराधी को क्रूस पर बांध कर लटकाया जाता या कीलों से ठोंक कर लटकाया जाता था। क्रूस पर लटकाया हुआ व्यक्ति रक्त की कमी से या सांस लेने में कठिनाई के कारण मर जाता था।
- प्राचीन रोमी साम्राज्य में मृत्यु-दण्ड की यह विधि प्रायः काम में ली जाती थी, विशेष करके भयानक अपराधियों के लिए या सरकार के विद्रोहियों के लिए।
- यहूदियों के अगुओं ने रोमी अधिपति को विवश किया कि वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिकों को आज्ञा दे। सैनिकों ने यीशु को कीलों से क्रूस पर ठोंका था। यीशु ने मरने से पूर्व छः घंटे दुःख उठाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्रूस पर चढ़ाने का अनुवाद किया जा सकता है, “क्रूस पर मृत्यु” या “क्रूस पर कीलों से ठोक कर मृत्यु-दण्ड देना”।

(यह भी देखें: क्रूस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:22-24
- गलतियों 02: 20-21
- लूका 23:20-22
- लूका 23:33-34
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:23-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:11** लेकिन यहूदी अगुवों और भीड़ ने चिल्लाकर कहा कि, “उसे क्रूस पर चढाओं।”
- **39:12** परन्तु पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाए जाने के लिए सैनिको को सौंप दिया।.played a major role in the crucifixion of Jesus Christ.
- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो तुम ने अधर्मियों के हाथ उसे क्रूस पर चढ़वाकर मार डाला।”
- **43:09** "उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया।”
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है। तुमने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G388, G4362, G4717, G4957

क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर चढ़ाया

परिभाषा:

“क्रूस पर चढ़ा” अर्थात किसी को क्रूस पर लटका कर छोड़ देना कि वह पीड़ित होकर मर जाए।

- अपराधी को क्रूस पर बांध कर लटकाया जाता या कीलों से ठोंक कर लटकाया जाता था। क्रूस पर लटकाया हुआ व्यक्ति रक्त की कमी से या सांस लेने में कठिनाई के कारण मर जाता था।
- प्राचीन रोमी साम्राज्य में मृत्यु-दण्ड की यह विधि प्रायः काम में ली जाती थी, विशेष करके भयानक अपराधियों के लिए या सरकार के विद्रोहियों के लिए।
- यहूदियों के अगुओं ने रोमी अधिपति को विवश किया कि वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिकों को आज्ञा दे। सैनिकों ने यीशु को कीलों से क्रूस पर ठोंका था। यीशु ने मरने से पूर्व छः घंटे दुःख उठाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्रूस पर चढ़ाने का अनुवाद किया जा सकता है, “क्रूस पर मृत्यु” या “क्रूस पर कीलों से ठोक कर मृत्यु-दण्ड देना”।

(यह भी देखें: क्रूस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:22-24
- गलतियों 02: 20-21
- लूका 23:20-22
- लूका 23:33-34
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:23-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:11** लेकिन यहूदी अगुवों और भीड़ ने चिल्लाकर कहा कि, “उसे क्रूस पर चढाओं।”
- **39:12** परन्तु पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाए जाने के लिए सैनिको को सौंप दिया।.played a major role in the crucifixion of Jesus Christ.
- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो तुम ने अधर्मियों के हाथ उसे क्रूस पर चढ़वाकर मार डाला।”
- **43:09** "उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया।”
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है। तुमने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G388, G4362, G4717, G4957

क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर चढ़ाया

परिभाषा:

“क्रूस पर चढ़ा” अर्थात किसी को क्रूस पर लटका कर छोड़ देना कि वह पीड़ित होकर मर जाए।

- अपराधी को क्रूस पर बांध कर लटकाया जाता या कीलों से ठोंक कर लटकाया जाता था। क्रूस पर लटकाया हुआ व्यक्ति रक्त की कमी से या सांस लेने में कठिनाई के कारण मर जाता था।
- प्राचीन रोमी साम्राज्य में मृत्यु-दण्ड की यह विधि प्रायः काम में ली जाती थी, विशेष करके भयानक अपराधियों के लिए या सरकार के विद्रोहियों के लिए।
- यहूदियों के अगुओं ने रोमी अधिपति को विवश किया कि वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिकों को आज्ञा दे। सैनिकों ने यीशु को कीलों से क्रूस पर ठोंका था। यीशु ने मरने से पूर्व छः घंटे दुःख उठाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्रूस पर चढ़ाने का अनुवाद किया जा सकता है, “क्रूस पर मृत्यु” या “क्रूस पर कीलों से ठोक कर मृत्यु-दण्ड देना”।

(यह भी देखें: क्रूस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:22-24
- गलतियों 02: 20-21
- लूका 23:20-22
- लूका 23:33-34
- मत्ती 20:17-19

- मत्ती 27:23-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:11** लेकिन यहूदी अगुवों और भीड़ ने चिल्लाकर कहा कि, “उसे क्रूस पर चढाओं।”
- **39:12** परन्तु पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाए जाने के लिए सैनिको को सौंप दिया।.played a major role in the crucifixion of Jesus Christ.
- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो तुम ने अधर्मियों के हाथ उसे क्रूस पर चढ़वाकर मार डाला।”
- **43:09** "उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया।”
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है। तुमने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G388, G4362, G4717, G4957

क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर चढ़ाया

परिभाषा:

“क्रूस पर चढ़ा” अर्थात किसी को क्रूस पर लटका कर छोड़ देना कि वह पीड़ित होकर मर जाए।

- अपराधी को क्रूस पर बांध कर लटकाया जाता या कीलों से ठोंक कर लटकाया जाता था। क्रूस पर लटकाया हुआ व्यक्ति रक्त की कमी से या सांस लेने में कठिनाई के कारण मर जाता था।
- प्राचीन रोमी साम्राज्य में मृत्यु-दण्ड की यह विधि प्रायः काम में ली जाती थी, विशेष करके भयानक अपराधियों के लिए या सरकार के विद्रोहियों के लिए।
- यहूदियों के अगुओं ने रोमी अधिपति को विवश किया कि वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिकों को आज्ञा दे। सैनिकों ने यीशु को कीलों से क्रूस पर ठोंका था। यीशु ने मरने से पूर्व छः घंटे दुःख उठाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्रूस पर चढ़ाने का अनुवाद किया जा सकता है, “क्रूस पर मृत्यु” या “क्रूस पर कीलों से ठोक कर मृत्यु-दण्ड देना”।

(यह भी देखें: क्रूस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:22-24
- गलतियों 02: 20-21
- लूका 23:20-22
- लूका 23:33-34
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:23-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:11** लेकिन यहूदी अगुवों और भीड़ ने चिल्लाकर कहा कि, “उसे क्रूस पर चढाओं।”
- **39:12** परन्तु पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाए जाने के लिए सैनिको को सौंप दिया।.played a major role in the crucifixion of Jesus Christ.
- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो तुम ने अधर्मियों के हाथ उसे क्रूस पर चढ़वाकर मार डाला।”
- **43:09** "उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया।”

- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है। तुमने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G388, G4362, G4717, G4957

क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर चढ़ाया

परिभाषा:

“क्रूस पर चढ़ा” अर्थात किसी को क्रूस पर लटका कर छोड़ देना कि वह पीड़ित होकर मर जाए।

- अपराधी को क्रूस पर बांध कर लटकाया जाता या कीलों से ठोंक कर लटकाया जाता था। क्रूस पर लटकाया हुआ व्यक्ति रक्त की कमी से या सांस लेने में कठिनाई के कारण मर जाता था।
- प्राचीन रोमी साम्राज्य में मृत्यु-दण्ड की यह विधि प्रायः काम में ली जाती थी, विशेष करके भयानक अपराधियों के लिए या सरकार के विद्रोहियों के लिए।
- यहूदियों के अगुओं ने रोमी अधिपति को विवश किया कि वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिकों को आज्ञा दे। सैनिकों ने यीशु को कीलों से क्रूस पर ठोंका था। यीशु ने मरने से पूर्व छः घंटे दुःख उठाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्रूस पर चढ़ाने का अनुवाद किया जा सकता है, “क्रूस पर मृत्यु” या “क्रूस पर कीलों से ठोक कर मृत्यु-दण्ड देना”।

(यह भी देखें: क्रूस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:22-24
- गलतियों 02: 20-21
- लूका 23:20-22
- लूका 23:33-34
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:23-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:11** लेकिन यहूदी अगुवों और भीड़ ने चिल्लाकर कहा कि, “उसे क्रूस पर चढाओं।”
- **39:12** परन्तु पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाए जाने के लिए सैनिको को सौंप दिया।.played a major role in the crucifixion of Jesus Christ.
- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो तुम ने अधर्मियों के हाथ उसे क्रूस पर चढ़वाकर मार डाला।”
- **43:09** "उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया।”
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है। तुमने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G388, G4362, G4717, G4957

क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर चढ़ाया

परिभाषा:

“क्रूस पर चढ़ा” अर्थात किसी को क्रूस पर लटका कर छोड़ देना कि वह पीड़ित होकर मर जाए।

- अपराधी को क्रूस पर बांध कर लटकाया जाता या कीलों से ठोंक कर लटकाया जाता था। क्रूस पर लटकाया हुआ व्यक्ति रक्त की कमी से या सांस लेने में कठिनाई के कारण मर जाता था।
- प्राचीन रोमी साम्राज्य में मृत्यु-दण्ड की यह विधि प्रायः काम में ली जाती थी, विशेष करके भयानक अपराधियों के लिए या सरकार के विद्रोहियों के लिए।
- यहूदियों के अगुओं ने रोमी अधिपति को विवश किया कि वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिकों को आज्ञा दे। सैनिकों ने यीशु को कीलों से क्रूस पर ठोंका था। यीशु ने मरने से पूर्व छः घंटे दुःख उठाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्रूस पर चढ़ाने का अनुवाद किया जा सकता है, “क्रूस पर मृत्यु” या “क्रूस पर कीलों से ठोक कर मृत्यु-दण्ड देना”।

(यह भी देखें: क्रूस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:22-24
- गलतियों 02: 20-21
- लूका 23:20-22
- लूका 23:33-34
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:23-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:11** लेकिन यहूदी अगुवों और भीड़ ने चिल्लाकर कहा कि, “उसे क्रूस पर चढाओं।”
- **39:12** परन्तु पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाए जाने के लिए सैनिको को सौंप दिया।.played a major role in the crucifixion of Jesus Christ.
- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो तुम ने अधर्मियों के हाथ उसे क्रूस पर चढ़वाकर मार डाला।”
- **43:09** "उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया।”
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है। तुमने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G388, G4362, G4717, G4957

क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर चढ़ाया

परिभाषा:

“क्रूस पर चढ़ा” अर्थात किसी को क्रूस पर लटका कर छोड़ देना कि वह पीड़ित होकर मर जाए।

- अपराधी को क्रूस पर बांध कर लटकाया जाता या कीलों से ठोंक कर लटकाया जाता था। क्रूस पर लटकाया हुआ व्यक्ति रक्त की कमी से या सांस लेने में कठिनाई के कारण मर जाता था।
- प्राचीन रोमी साम्राज्य में मृत्यु-दण्ड की यह विधि प्रायः काम में ली जाती थी, विशेष करके भयानक अपराधियों के लिए या सरकार के विद्रोहियों के लिए।
- यहूदियों के अगुओं ने रोमी अधिपति को विवश किया कि वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिकों को आज्ञा दे। सैनिकों ने यीशु को कीलों से क्रूस पर ठोंका था। यीशु ने मरने से पूर्व छः घंटे दुःख उठाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्रूस पर चढ़ाने का अनुवाद किया जा सकता है, “क्रूस पर मृत्यु” या “क्रूस पर कीलों से ठोक कर मृत्यु-दण्ड देना”।

(यह भी देखें: क्रूस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:22-24
- गलतियों 02: 20-21
- लूका 23:20-22
- लूका 23:33-34
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:23-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:11** लेकिन यहूदी अगुवों और भीड़ ने चिल्लाकर कहा कि, “उसे क्रूस पर चढाओं।”
- **39:12** परन्तु पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाए जाने के लिए सैनिको को सौंप दिया।.played a major role in the crucifixion of Jesus Christ.
- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो तुम ने अधर्मियों के हाथ उसे क्रूस पर चढ़वाकर मार डाला।”
- **43:09** "उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया।”
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है। तुमने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G388, G4362, G4717, G4957

क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर चढ़ाया

परिभाषा:

“क्रूस पर चढ़ा” अर्थात किसी को क्रूस पर लटका कर छोड़ देना कि वह पीड़ित होकर मर जाए।

- अपराधी को क्रूस पर बांध कर लटकाया जाता या कीलों से ठोंक कर लटकाया जाता था। क्रूस पर लटकाया हुआ व्यक्ति रक्त की कमी से या सांस लेने में कठिनाई के कारण मर जाता था।
- प्राचीन रोमी साम्राज्य में मृत्यु-दण्ड की यह विधि प्रायः काम में ली जाती थी, विशेष करके भयानक अपराधियों के लिए या सरकार के विद्रोहियों के लिए।
- यहूदियों के अगुओं ने रोमी अधिपति को विवश किया कि वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिकों को आज्ञा दे। सैनिकों ने यीशु को कीलों से क्रूस पर ठोंका था। यीशु ने मरने से पूर्व छः घंटे दुःख उठाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्रूस पर चढ़ाने का अनुवाद किया जा सकता है, “क्रूस पर मृत्यु” या “क्रूस पर कीलों से ठोक कर मृत्यु-दण्ड देना”।

(यह भी देखें: क्रूस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:22-24
- गलतियों 02: 20-21
- लूका 23:20-22
- लूका 23:33-34
- मत्ती 20:17-19

- मत्ती 27:23-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:11** लेकिन यहूदी अगुवों और भीड़ ने चिल्लाकर कहा कि, “उसे क्रूस पर चढाओं।”
- **39:12** परन्तु पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाए जाने के लिए सैनिको को सौंप दिया।.played a major role in the crucifixion of Jesus Christ.
- **40:01** सैनिको द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया।
- **43:06** “हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो तुम ने अधर्मियों के हाथ उसे क्रूस पर चढ़वाकर मार डाला।”
- **43:09** "उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया।”
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है। तुमने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G388, G4362, G4717, G4957

क्रेते, क्रेती

तथ्य:

क्रेते एक द्वीप है यूनान के दक्षिणी तट पर स्थित है। "क्रेती" वह है जो क्रेते द्वीप पर रहता है।

- प्रेरित पौलुस अपनी सेवकाई की यात्रा में क्रेते द्वीप पर गया था।
- पौलुस ने अपने सहकर्मी तीतुस को क्रेते पर छोड़ दिया था कि वह वहां मसीहियों को सिखाएं और कलीसिया के अगुओं को नियुक्त करे।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 02:8-11
- प्रेरि. 27:8
- आमोस 09:7-8
- तीतुस 01:12

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G2912, G2914

क्रेते, क्रेती

तथ्य:

क्रेते एक द्वीप है यूनान के दक्षिणी तट पर स्थित है। "क्रेती" वह है जो क्रेते द्वीप पर रहता है।

- प्रेरित पौलुस अपनी सेवकाई की यात्रा में क्रेते द्वीप पर गया था।
- पौलुस ने अपने सहकर्मी तीतुस को क्रेते पर छोड़ दिया था कि वह वहां मसीहियों को सिखाएं और कलीसिया के अगुओं को नियुक्त करे।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 02:8-11
- प्रेरि. 27:8
- आमोस 09:7-8
- तीतुस 01:12

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G2912, G2914

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में "प्रकोप" शब्द प्राय: परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।
- "परमेश्वर का क्रोध" उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं "भयानक क्रोध" या "धर्मनिष्ठ न्याय" या "क्रोध"
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में "प्रकोप" शब्द प्राय: परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।
- "परमेश्वर का क्रोध" उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं "भयानक क्रोध" या "धर्मनिष्ठ न्याय" या "क्रोध"
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में “प्रकोप” शब्द प्राय: परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।
- “परमेश्वर का क्रोध” उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “भयानक क्रोध” या “धर्मनिष्ठ न्याय” या “क्रोध”
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में “प्रकोप” शब्द प्राय: परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।

- “परमेश्वर का क्रोध” उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “भयानक क्रोध” या “धर्मनिष्ठ न्याय” या “क्रोध”
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में “प्रकोप” शब्द प्रायः परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।
- “परमेश्वर का क्रोध” उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “भयानक क्रोध” या “धर्मनिष्ठ न्याय” या “क्रोध”
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में "प्रकोप" शब्द प्रायः परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।
- "परमेश्वर का क्रोध" उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं "भयानक क्रोध" या "धर्मनिष्ठ न्याय" या "क्रोध"
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में "प्रकोप" शब्द प्रायः परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।
- "परमेश्वर का क्रोध" उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं "भयानक क्रोध" या "धर्मनिष्ठ न्याय" या "क्रोध"
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में “प्रकोप” शब्द प्राय: परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।
- “परमेश्वर का क्रोध” उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “भयानक क्रोध” या “धर्मनिष्ठ न्याय” या “क्रोध”
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में “प्रकोप” शब्द प्राय: परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।

- “परमेश्वर का क्रोध” उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “भयानक क्रोध” या “धर्मनिष्ठ न्याय” या “क्रोध”
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में “प्रकोप” शब्द प्रायः परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।
- “परमेश्वर का क्रोध” उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “भयानक क्रोध” या “धर्मनिष्ठ न्याय” या “क्रोध”
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में "प्रकोप" शब्द प्रायः परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।
- "परमेश्वर का क्रोध" उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं "भयानक क्रोध" या "धर्मनिष्ठ न्याय" या "क्रोध"
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में "प्रकोप" शब्द प्रायः परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।
- "परमेश्वर का क्रोध" उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं "भयानक क्रोध" या "धर्मनिष्ठ न्याय" या "क्रोध"
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में “प्रकोप” शब्द प्राय: परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।
- “परमेश्वर का क्रोध” उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “भयानक क्रोध” या “धर्मनिष्ठ न्याय” या “क्रोध”
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में “प्रकोप” शब्द प्राय: परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।

- “परमेश्वर का क्रोध” उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “भयानक क्रोध” या “धर्मनिष्ठ न्याय” या “क्रोध”
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में “प्रकोप” शब्द प्रायः परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।
- “परमेश्वर का क्रोध” उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “भयानक क्रोध” या “धर्मनिष्ठ न्याय” या “क्रोध”
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में "प्रकोप" शब्द प्रायः परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।
- "परमेश्वर का क्रोध" उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं "भयानक क्रोध" या "धर्मनिष्ठ न्याय" या "क्रोध"
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, रोष

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में "प्रकोप" शब्द प्रायः परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।
- "परमेश्वर का क्रोध" उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं "भयानक क्रोध" या "धर्मनिष्ठ न्याय" या "क्रोध"
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्यायी, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- प्रकाशितवाक्य 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
- परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
- “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: क्रोध)

बाइबल संदर्भ:

- इफिसियों 04:25-27
- निर्गमन 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- भजन संहिता 018:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25

- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25
- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25
- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25
- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25
- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25
- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25
- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25
- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25
- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25
- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25
- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25
- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25
- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25
- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25
- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25
- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:25
- दानिय्येल 03:13
- लूका 04:28
- गिनती 25:11
- नीतिवचन 19:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि मसीही विश्वासियों पर क्लेश का समय आएगा और अन्य प्रकार की क्लेश क्योंकि इस संसार में कई लोग यीशु की शिक्षाओं के विरोध में होंगे।
- बाइबल में “महाक्लेश” शब्द काम में लिया गया है जो यीशु के पुनः आगमन से पूर्व का समय होगा जब अनेक वर्षों तक पृथ्वी पर परमेश्वर का प्रकोप उण्डेला जाएगा।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीढ़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, सिखाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

क्षमा कर, क्षमा करता, क्षमा किया, क्षमा

परिभाषा:

किसी को क्षमा करने का अर्थ है कि उसके प्रति बैरभाव नहीं रखना जिसने कोई हानिकारक काम किया है। “क्षमा” किसी को क्षमा करने का कार्य है

- किसी को क्षमा करने का अर्थ है, उसके अनुचित कार्य के लिए दण्ड न देना।
- इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग का अर्थ है “निरस्त करना” जैसा इस अभिव्यक्ति में है, “अपराध क्षमा करना”
- मनुष्य जब पापों को स्वीकार करता है तब परमेश्वर क्रूस पर यीशु के बलिदान की मृत्यु पर आधारित उन्हें क्षमा कर देता है।
- यीशु ने अपने शिष्यों को शिक्षा दी कि जैसे उसने उन्हें क्षमा किया है वैसे ही वे भी दूसरों को क्षमा करें।

शब्द "क्षमादान" का अर्थ है क्षमा करना और किसी को उसके पाप की सज़ा न देना।

- इस शब्द का एक ही अर्थ है "माफ़ करना" लेकिन इसमें किसी को दोषी न मानने के लिए औपचारिक निर्णय का अर्थ भी शामिल हो सकता है।
- कानून की अदालत में, एक न्यायाधीश अपराध के लिए दोषी पाए गए व्यक्ति को क्षमा कर सकता है।
- भले ही हम पाप के दोषी हैं, लेकिन यीशु मसीह ने हमें क्रूस पर उनकी मृत्यु के आधार पर नरक में दंडित किए जाने से क्षमा किया।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “क्षमा करना” के अनुवाद हो सकते हैं, “माफी” या “निरस्त करना” या “मुक्त करना” या “विरूद्ध कुछ न रखना”।
- शब्द "क्षमा" का अनुवाद किसी शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है "नाराजगी न रखने का अभ्यास" या "किसी को निर्दोष घोषित करना" या "क्षमा करने का कार्य"।
- यदि भाषा के पास क्षमा करने के औपचारिक निर्णय के लिए एक शब्द है, तो उस शब्द का उपयोग "क्षमा" करने के लिए किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- प्रे.का. 08:20-23
- कुलुस्सियों 03:12-14
- इफिसियों 04:31-32

- उत्पत्ति 50:15-17
- यशायाह 55:6-7
- यहोशू 24:19-20
- लूका 05:20-21
- गिनती 14:17-19
- भजन संहिता 025:17-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **07:10** परन्तु एसाव याकूब को पहले ही माफ़ कर चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही प्रसन्न हुए।
- **13:15** मूसा पर्वत पर फिर चढ़ गया और उसने प्रार्थना की कि परमेश्वर उन लोगों के पाप को क्षमा कर दे। परमेश्वर ने मूसा की प्रार्थना सुनी और उन्हें क्षमा किया।
- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया।
- **21:05** परन्तु जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उनसे बाँधूँगा वह यह है : मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में समवाऊँगा, और उसे उनके हृदय पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वह मेरी प्रजा ठहरेंगे, लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ?”
- 29:08__तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ __क्षमा कर दिया।
- **38:05** फिर उसने दाखरस का कटोरा लिया और कहा, “इसे पीओं। यह वाचा का मेरा लहू है, जो बहुतों के पापों की क्षमा के लिये बहाया जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5546, H5547, G859, G863, G5483

क्षमा कर, क्षमा करता, क्षमा किया, क्षमा

परिभाषा:

किसी को क्षमा करने का अर्थ है कि उसके प्रति बैरभाव नहीं रखना जिसने कोई हानिकारक काम किया है। “क्षमा” किसी को क्षमा करने का कार्य है

- किसी को क्षमा करने का अर्थ है, उसके अनुचित कार्य के लिए दण्ड न देना।
- इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग का अर्थ है “निरस्त करना” जैसा इस अभिव्यक्ति में है, “अपराध क्षमा करना”
- मनुष्य जब पापों को स्वीकार करता है तब परमेश्वर क्रूस पर यीशु के बलिदान की मृत्यु पर आधारित उन्हें क्षमा कर देता है।
- यीशु ने अपने शिष्यों को शिक्षा दी कि जैसे उसने उन्हें क्षमा किया है वैसे ही वे भी दूसरों को क्षमा करें।

शब्द "क्षमादान" का अर्थ है क्षमा करना और किसी को उसके पाप की सज़ा न देना।

- इस शब्द का एक ही अर्थ है "माफ़ करना" लेकिन इसमें किसी को दोषी न मानने के लिए औपचारिक निर्णय का अर्थ भी शामिल हो सकता है।
- कानून की अदालत में, एक न्यायाधीश अपराध के लिए दोषी पाए गए व्यक्ति को क्षमा कर सकता है।
- भले ही हम पाप के दोषी हैं, लेकिन यीशु मसीह ने हमें क्रूस पर उनकी मृत्यु के आधार पर नरक में दंडित किए जाने से क्षमा किया।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “क्षमा करना” के अनुवाद हो सकते हैं, “माफी” या “निरस्त करना” या “मुक्त करना” या “विरूद्ध कुछ न रखना”।
- शब्द "क्षमा" का अनुवाद किसी शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है "नाराजगी न रखने का अभ्यास" या "किसी को निर्दोष घोषित करना" या "क्षमा करने का कार्य"।
- यदि भाषा के पास क्षमा करने के औपचारिक निर्णय के लिए एक शब्द है, तो उस शब्द का उपयोग "क्षमा" करने के लिए किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- प्रे.का. 08:20-23
- कुलुस्सियों 03:12-14
- इफिसियों 04:31-32
- उत्पत्ति 50:15-17
- यशायाह 55:6-7
- यहोशू 24:19-20

- लूका 05:20-21
- गिनती 14:17-19
- भजन संहिता 025:17-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **07:10** परन्तु एसाव याकूब को पहले ही माफ़ कर चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही प्रसन्न हुए।
- **13:15** मूसा पर्वत पर फिर चढ़ गया और उसने प्रार्थना की कि परमेश्वर उन लोगों के पाप को क्षमा कर दे। परमेश्वर ने मूसा की प्रार्थना सुनी और उन्हें क्षमा किया।
- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया।
- **21:05** परन्तु जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उनसे बाँधूँगा वह यह है : मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में समवाऊँगा, और उसे उनके ह्रदय पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वह मेरी प्रजा ठहरेंगे, लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ?”
- 29:08__तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ __क्षमा कर दिया।
- **38:05** फिर उसने दाखरस का कटोरा लिया और कहा, “इसे पीओं। यह वाचा का मेरा लहू है, जो बहुतों के पापों की क्षमा के लिये बहाया जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5546, H5547, G859, G863, G5483

क्षमा कर, क्षमा करता, क्षमा किया, क्षमा

परिभाषा:

किसी को क्षमा करने का अर्थ है कि उसके प्रति बैरभाव नहीं रखना जिसने कोई हानिकारक काम किया है। “क्षमा” किसी को क्षमा करने का कार्य है

- किसी को क्षमा करने का अर्थ है, उसके अनुचित कार्य के लिए दण्ड न देना।
- इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग का अर्थ है “निरस्त करना” जैसा इस अभिव्यक्ति में है, “अपराध क्षमा करना”
- मनुष्य जब पापों को स्वीकार करता है तब परमेश्वर क्रूस पर यीशु के बलिदान की मृत्यु पर आधारित उन्हें क्षमा कर देता है।
- यीशु ने अपने शिष्यों को शिक्षा दी कि जैसे उसने उन्हें क्षमा किया है वैसे ही वे भी दूसरों को क्षमा करें।

शब्द "क्षमादान" का अर्थ है क्षमा करना और किसी को उसके पाप की सज़ा न देना।

- इस शब्द का एक ही अर्थ है "माफ़ करना" लेकिन इसमें किसी को दोषी न मानने के लिए औपचारिक निर्णय का अर्थ भी शामिल हो सकता है।
- कानून की अदालत में, एक न्यायाधीश अपराध के लिए दोषी पाए गए व्यक्ति को क्षमा कर सकता है।
- भले ही हम पाप के दोषी हैं, लेकिन यीशु मसीह ने हमें क्रूस पर उनकी मृत्यु के आधार पर नरक में दंडित किए जाने से क्षमा किया।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “क्षमा करना” के अनुवाद हो सकते हैं, “माफी” या “निरस्त करना” या “मुक्त करना” या “विरूद्ध कुछ न रखना”।
- शब्द "क्षमा" का अनुवाद किसी शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है "नाराजगी न रखने का अभ्यास" या "किसी को निर्दोष घोषित करना" या "क्षमा करने का कार्य"।
- यदि भाषा के पास क्षमा करने के औपचारिक निर्णय के लिए एक शब्द है, तो उस शब्द का उपयोग "क्षमा" करने के लिए किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- प्रे.का. 08:20-23
- कुलुस्सियों 03:12-14
- इफिसियों 04:31-32
- उत्पत्ति 50:15-17
- यशायाह 55:6-7
- यहोशू 24:19-20
- लूका 05:20-21
- गिनती 14:17-19
- भजन संहिता 025:17-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **07:10** परन्तु एसाव याकूब को पहले ही माफ़ कर चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही प्रसन्न हुए।
- **13:15** मूसा पर्वत पर फिर चढ़ गया और उसने प्रार्थना की कि परमेश्वर उन लोगों के पाप को क्षमा कर दे। परमेश्वर ने मूसा की प्रार्थना सुनी और उन्हें क्षमा किया।
- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया।
- **21:05** परन्तु जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उनसे बाँधूँगा वह यह है : मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में समवाऊँगा, और उसे उनके ह्रदय पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वह मेरी प्रजा ठहरेंगे, लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ?”
- 29:08__तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ __क्षमा कर दिया।
- **38:05** फिर उसने दाखरस का कटोरा लिया और कहा, “इसे पीओं। यह वाचा का मेरा लहू है, जो बहुतों के पापों की क्षमा के लिये बहाया जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5546, H5547, G859, G863, G5483

क्षमा कर, क्षमा करता, क्षमा किया, क्षमा

परिभाषा:

किसी को क्षमा करने का अर्थ है कि उसके प्रति बैरभाव नहीं रखना जिसने कोई हानिकारक काम किया है। “क्षमा” किसी को क्षमा करने का कार्य है

- किसी को क्षमा करने का अर्थ है, उसके अनुचित कार्य के लिए दण्ड न देना।
- इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग का अर्थ है “निरस्त करना” जैसा इस अभिव्यक्ति में है, “अपराध क्षमा करना”
- मनुष्य जब पापों को स्वीकार करता है तब परमेश्वर क्रूस पर यीशु के बलिदान की मृत्यु पर आधारित उन्हें क्षमा कर देता है।
- यीशु ने अपने शिष्यों को शिक्षा दी कि जैसे उसने उन्हें क्षमा किया है वैसे ही वे भी दूसरों को क्षमा करें।

शब्द "क्षमादान" का अर्थ है क्षमा करना और किसी को उसके पाप की सज़ा न देना।

- इस शब्द का एक ही अर्थ है "माफ़ करना" लेकिन इसमें किसी को दोषी न मानने के लिए औपचारिक निर्णय का अर्थ भी शामिल हो सकता है।
- कानून की अदालत में, एक न्यायाधीश अपराध के लिए दोषी पाए गए व्यक्ति को क्षमा कर सकता है।
- भले ही हम पाप के दोषी हैं, लेकिन यीशु मसीह ने हमें क्रूस पर उनकी मृत्यु के आधार पर नरक में दंडित किए जाने से क्षमा किया।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “क्षमा करना” के अनुवाद हो सकते हैं, “माफी” या “निरस्त करना” या “मुक्त करना” या “विरूद्ध कुछ न रखना”।
- शब्द "क्षमा" का अनुवाद किसी शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है "नाराजगी न रखने का अभ्यास" या "किसी को निर्दोष घोषित करना" या "क्षमा करने का कार्य"।
- यदि भाषा के पास क्षमा करने के औपचारिक निर्णय के लिए एक शब्द है, तो उस शब्द का उपयोग "क्षमा" करने के लिए किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- प्रे.का. 08:20-23
- कुलुस्सियों 03:12-14
- इफिसियों 04:31-32
- उत्पत्ति 50:15-17
- यशायाह 55:6-7
- यहोशू 24:19-20
- लूका 05:20-21
- गिनती 14:17-19
- भजन संहिता 025:17-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **07:10** परन्तु एसाव याकूब को पहले ही माफ़ कर चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही प्रसन्न हुए।

- **13:15** मूसा पर्वत पर फिर चढ़ गया और उसने प्रार्थना की कि परमेश्वर उन लोगों के पाप को क्षमा कर दे। परमेश्वर ने मूसा की प्रार्थना सुनी और उन्हें क्षमा किया।
- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया।
- **21:05** परन्तु जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उनसे बाँधूँगा वह यह है : मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में समवाऊँगा, और उसे उनके हृदय पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वह मेरी प्रजा ठहरेंगे, लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ?”
- 29:08__तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ __क्षमा कर दिया।
- **38:05** फिर उसने दाखरस का कटोरा लिया और कहा, “इसे पीओं। यह वाचा का मेरा लहू है, जो बहुतों के पापों की क्षमा के लिये बहाया जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5546, H5547, G859, G863, G5483

क्षमा कर, क्षमा करता, क्षमा किया, क्षमा

परिभाषा:

किसी को क्षमा करने का अर्थ है कि उसके प्रति बैरभाव नहीं रखना जिसने कोई हानिकारक काम किया है। “क्षमा” किसी को क्षमा करने का कार्य है

- किसी को क्षमा करने का अर्थ है, उसके अनुचित कार्य के लिए दण्ड न देना।
- इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग का अर्थ है “निरस्त करना” जैसा इस अभिव्यक्ति में है, “अपराध क्षमा करना”
- मनुष्य जब पापों को स्वीकार करता है तब परमेश्वर क्रूस पर यीशु के बलिदान की मृत्यु पर आधारित उन्हें क्षमा कर देता है।
- यीशु ने अपने शिष्यों को शिक्षा दी कि जैसे उसने उन्हें क्षमा किया है वैसे ही वे भी दूसरों को क्षमा करें।

शब्द "क्षमादान" का अर्थ है क्षमा करना और किसी को उसके पाप की सज़ा न देना।

- इस शब्द का एक ही अर्थ है "माफ़ करना" लेकिन इसमें किसी को दोषी न मानने के लिए औपचारिक निर्णय का अर्थ भी शामिल हो सकता है।
- कानून की अदालत में, एक न्यायाधीश अपराध के लिए दोषी पाए गए व्यक्ति को क्षमा कर सकता है।
- भले ही हम पाप के दोषी हैं, लेकिन यीशु मसीह ने हमें क्रूस पर उनकी मृत्यु के आधार पर नरक में दंडित किए जाने से क्षमा किया।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “क्षमा करना” के अनुवाद हो सकते हैं, “माफी” या “निरस्त करना” या “मुक्त करना” या “विरूद्ध कुछ न रखना”।
- शब्द "क्षमा" का अनुवाद किसी शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है "नाराजगी न रखने का अभ्यास" या "किसी को निर्दोष घोषित करना" या "क्षमा करने का कार्य"।
- यदि भाषा के पास क्षमा करने के औपचारिक निर्णय के लिए एक शब्द है, तो उस शब्द का उपयोग "क्षमा" करने के लिए किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- प्रे.का. 08:20-23
- कुलुस्सियों 03:12-14
- इफिसियों 04:31-32
- उत्पत्ति 50:15-17
- यशायाह 55:6-7
- यहोशू 24:19-20
- लूका 05:20-21
- गिनती 14:17-19
- भजन संहिता 025:17-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **07:10** परन्तु एसाव याकूब को पहले ही माफ़ कर चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही प्रसन्न हुए।
- **13:15** मूसा पर्वत पर फिर चढ़ गया और उसने प्रार्थना की कि परमेश्वर उन लोगों के पाप को क्षमा कर दे। परमेश्वर ने मूसा की प्रार्थना सुनी और उन्हें क्षमा किया।
- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया।

- **21:05** परन्तु जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उनसे बाँधूँगा वह यह है : मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में समवाऊँगा, और उसे उनके ह्रदय पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वह मेरी प्रजा ठहरेंगे, लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ?”
- 29:08__तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ __क्षमा कर दिया।
- **38:05** फिर उसने दाखरस का कटोरा लिया और कहा, “इसे पीओं। यह वाचा का मेरा लहू है, जो बहुतों के पापों की क्षमा के लिये बहाया जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5546, H5547, G859, G863, G5483

क्षमा कर, क्षमा करता, क्षमा किया, क्षमा

परिभाषा:

किसी को क्षमा करने का अर्थ है कि उसके प्रति बैरभाव नहीं रखना जिसने कोई हानिकारक काम किया है। “क्षमा” किसी को क्षमा करने का कार्य है

- किसी को क्षमा करने का अर्थ है, उसके अनुचित कार्य के लिए दण्ड न देना।
- इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग का अर्थ है “निरस्त करना” जैसा इस अभिव्यक्ति में है, “अपराध क्षमा करना”
- मनुष्य जब पापों को स्वीकार करता है तब परमेश्वर क्रूस पर यीशु के बलिदान की मृत्यु पर आधारित उन्हें क्षमा कर देता है।
- यीशु ने अपने शिष्यों को शिक्षा दी कि जैसे उसने उन्हें क्षमा किया है वैसे ही वे भी दूसरों को क्षमा करें।

शब्द "क्षमादान" का अर्थ है क्षमा करना और किसी को उसके पाप की सज़ा न देना।

- इस शब्द का एक ही अर्थ है "माफ़ करना" लेकिन इसमें किसी को दोषी न मानने के लिए औपचारिक निर्णय का अर्थ भी शामिल हो सकता है।
- कानून की अदालत में, एक न्यायाधीश अपराध के लिए दोषी पाए गए व्यक्ति को क्षमा कर सकता है।
- भले ही हम पाप के दोषी हैं, लेकिन यीशु मसीह ने हमें क्रूस पर उनकी मृत्यु के आधार पर नरक में दंडित किए जाने से क्षमा किया।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “क्षमा करना” के अनुवाद हो सकते हैं, “माफी” या “निरस्त करना” या “मुक्त करना” या “विरूद्ध कुछ न रखना”।
- शब्द "क्षमा" का अनुवाद किसी शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है "नाराजगी न रखने का अभ्यास" या "किसी को निर्दोष घोषित करना" या "क्षमा करने का कार्य"।
- यदि भाषा के पास क्षमा करने के औपचारिक निर्णय के लिए एक शब्द है, तो उस शब्द का उपयोग "क्षमा" करने के लिए किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- प्रे.का. 08:20-23
- कुलुस्सियों 03:12-14
- इफिसियों 04:31-32
- उत्पत्ति 50:15-17
- यशायाह 55:6-7
- यहोशू 24:19-20
- लूका 05:20-21
- गिनती 14:17-19
- भजन संहिता 025:17-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **07:10** परन्तु एसाव याकूब को पहले ही माफ़ कर चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही प्रसन्न हुए।
- **13:15** मूसा पर्वत पर फिर चढ़ गया और उसने प्रार्थना की कि परमेश्वर उन लोगों के पाप को क्षमा कर दे। परमेश्वर ने मूसा की प्रार्थना सुनी और उन्हें क्षमा किया।
- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया।
- **21:05** परन्तु जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उनसे बाँधूँगा वह यह है : मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में समवाऊँगा, और उसे उनके ह्रदय पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वह मेरी प्रजा ठहरेंगे, लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।

- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ?”
- 29:08__तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ __क्षमा कर दिया।
- **38:05** फिर उसने दाखरस का कटोरा लिया और कहा, “इसे पीओं। यह वाचा का मेरा लहू है, जो बहुतों के पापों की क्षमा के लिये बहाया जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5546, H5547, G859, G863, G5483

क्षमा कर, क्षमा करता, क्षमा किया, क्षमा

परिभाषा:

किसी को क्षमा करने का अर्थ है कि उसके प्रति बैरभाव नहीं रखना जिसने कोई हानिकारक काम किया है। “क्षमा” किसी को क्षमा करने का कार्य है

- किसी को क्षमा करने का अर्थ है, उसके अनुचित कार्य के लिए दण्ड न देना।
- इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग का अर्थ है “निरस्त करना” जैसा इस अभिव्यक्ति में है, “अपराध क्षमा करना”
- मनुष्य जब पापों को स्वीकार करता है तब परमेश्वर क्रूस पर यीशु के बलिदान की मृत्यु पर आधारित उन्हें क्षमा कर देता है।
- यीशु ने अपने शिष्यों को शिक्षा दी कि जैसे उसने उन्हें क्षमा किया है वैसे ही वे भी दूसरों को क्षमा करें।

शब्द "क्षमादान" का अर्थ है क्षमा करना और किसी को उसके पाप की सज़ा न देना।

- इस शब्द का एक ही अर्थ है "माफ़ करना" लेकिन इसमें किसी को दोषी न मानने के लिए औपचारिक निर्णय का अर्थ भी शामिल हो सकता है।
- कानून की अदालत में, एक न्यायाधीश अपराध के लिए दोषी पाए गए व्यक्ति को क्षमा कर सकता है।
- भले ही हम पाप के दोषी हैं, लेकिन यीशु मसीह ने हमें क्रूस पर उनकी मृत्यु के आधार पर नरक में दंडित किए जाने से क्षमा किया।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “क्षमा करना” के अनुवाद हो सकते हैं, “माफी” या “निरस्त करना” या “मुक्त करना” या “विरूद्ध कुछ न रखना”।
- शब्द "क्षमा" का अनुवाद किसी शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है "नाराजगी न रखने का अभ्यास" या "किसी को निर्दोष घोषित करना" या "क्षमा करने का कार्य"।
- यदि भाषा के पास क्षमा करने के औपचारिक निर्णय के लिए एक शब्द है, तो उस शब्द का उपयोग "क्षमा" करने के लिए किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- प्रे.का. 08:20-23
- कुलुस्सियों 03:12-14
- इफिसियों 04:31-32
- उत्पत्ति 50:15-17
- यशायाह 55:6-7
- यहोशू 24:19-20
- लूका 05:20-21
- गिनती 14:17-19
- भजन संहिता 025:17-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **07:10** परन्तु एसाव याकूब को पहले ही माफ़ कर चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही प्रसन्न हुए।
- **13:15** मूसा पर्वत पर फिर चढ़ गया और उसने प्रार्थना की कि परमेश्वर उन लोगों के पाप को क्षमा कर दे। परमेश्वर ने मूसा की प्रार्थना सुनी और उन्हें क्षमा किया।
- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया।
- **21:05** परन्तु जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उनसे बाँधूँगा वह यह है : मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में समवाऊँगा, और उसे उनके हृदय पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वह मेरी प्रजा ठहरेंगे, लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ?”
- 29:08__तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ __क्षमा कर दिया।
- **38:05** फिर उसने दाखरस का कटोरा लिया और कहा, “इसे पीओं। यह वाचा का मेरा लहू है, जो बहुतों के पापों की क्षमा के लिये बहाया जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5546, H5547, G859, G863, G5483

क्षमा कर, क्षमा करता, क्षमा किया, क्षमा

परिभाषा:

किसी को क्षमा करने का अर्थ है कि उसके प्रति बैरभाव नहीं रखना जिसने कोई हानिकारक काम किया है। “क्षमा” किसी को क्षमा करने का कार्य है

- किसी को क्षमा करने का अर्थ है, उसके अनुचित कार्य के लिए दण्ड न देना।
- इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग का अर्थ है “निरस्त करना” जैसा इस अभिव्यक्ति में है, “अपराध क्षमा करना”
- मनुष्य जब पापों को स्वीकार करता है तब परमेश्वर क्रूस पर यीशु के बलिदान की मृत्यु पर आधारित उन्हें क्षमा कर देता है।
- यीशु ने अपने शिष्यों को शिक्षा दी कि जैसे उसने उन्हें क्षमा किया है वैसे ही वे भी दूसरों को क्षमा करें।

शब्द "क्षमादान" का अर्थ है क्षमा करना और किसी को उसके पाप की सज़ा न देना।

- इस शब्द का एक ही अर्थ है "माफ़ करना" लेकिन इसमें किसी को दोषी न मानने के लिए औपचारिक निर्णय का अर्थ भी शामिल हो सकता है।
- कानून की अदालत में, एक न्यायाधीश अपराध के लिए दोषी पाए गए व्यक्ति को क्षमा कर सकता है।
- भले ही हम पाप के दोषी हैं, लेकिन यीशु मसीह ने हमें क्रूस पर उनकी मृत्यु के आधार पर नरक में दंडित किए जाने से क्षमा किया।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “क्षमा करना” के अनुवाद हो सकते हैं, “माफी” या “निरस्त करना” या “मुक्त करना” या “विरूद्ध कुछ न रखना”।
- शब्द "क्षमा" का अनुवाद किसी शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है "नाराजगी न रखने का अभ्यास" या "किसी को निर्दोष घोषित करना" या "क्षमा करने का कार्य"।
- यदि भाषा के पास क्षमा करने के औपचारिक निर्णय के लिए एक शब्द है, तो उस शब्द का उपयोग "क्षमा" करने के लिए किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- प्रे.का. 08:20-23
- कुलुस्सियों 03:12-14
- इफिसियों 04:31-32
- उत्पत्ति 50:15-17
- यशायाह 55:6-7
- यहोशू 24:19-20
- लूका 05:20-21
- गिनती 14:17-19
- भजन संहिता 025:17-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **07:10** परन्तु एसाव याकूब को पहले ही माफ़ कर चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही प्रसन्न हुए।
- **13:15** मूसा पर्वत पर फिर चढ़ गया और उसने प्रार्थना की कि परमेश्वर उन लोगों के पाप को क्षमा कर दे। परमेश्वर ने मूसा की प्रार्थना सुनी और उन्हें क्षमा किया।
- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया।
- **21:05** परन्तु जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उनसे बाँधूँगा वह यह है : मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में समवाऊँगा, और उसे उनके हृदय पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वह मेरी प्रजा ठहरेंगे, लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ?”
- 29:08__तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ __क्षमा कर दिया।
- **38:05** फिर उसने दाखरस का कटोरा लिया और कहा, “इसे पीओं। यह वाचा का मेरा लहू है, जो बहुतों के पापों की क्षमा के लिये बहाया जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5546, H5547, G859, G863, G5483

क्षमा कर, क्षमा करता, क्षमा किया, क्षमा

परिभाषा:

किसी को क्षमा करने का अर्थ है कि उसके प्रति बैरभाव नहीं रखना जिसने कोई हानिकारक काम किया है। “क्षमा” किसी को क्षमा करने का कार्य है

- किसी को क्षमा करने का अर्थ है, उसके अनुचित कार्य के लिए दण्ड न देना।
- इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग का अर्थ है “निरस्त करना” जैसा इस अभिव्यक्ति में है, “अपराध क्षमा करना”
- मनुष्य जब पापों को स्वीकार करता है तब परमेश्वर क्रूस पर यीशु के बलिदान की मृत्यु पर आधारित उन्हें क्षमा कर देता है।
- यीशु ने अपने शिष्यों को शिक्षा दी कि जैसे उसने उन्हें क्षमा किया है वैसे ही वे भी दूसरों को क्षमा करें।

शब्द "क्षमादान" का अर्थ है क्षमा करना और किसी को उसके पाप की सज़ा न देना।

- इस शब्द का एक ही अर्थ है "माफ़ करना" लेकिन इसमें किसी को दोषी न मानने के लिए औपचारिक निर्णय का अर्थ भी शामिल हो सकता है।
- कानून की अदालत में, एक न्यायाधीश अपराध के लिए दोषी पाए गए व्यक्ति को क्षमा कर सकता है।
- भले ही हम पाप के दोषी हैं, लेकिन यीशु मसीह ने हमें क्रूस पर उनकी मृत्यु के आधार पर नरक में दंडित किए जाने से क्षमा किया।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “क्षमा करना” के अनुवाद हो सकते हैं, “माफी” या “निरस्त करना” या “मुक्त करना” या “विरूद्ध कुछ न रखना”।
- शब्द "क्षमा" का अनुवाद किसी शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है "नाराजगी न रखने का अभ्यास" या "किसी को निर्दोष घोषित करना" या "क्षमा करने का कार्य"।
- यदि भाषा के पास क्षमा करने के औपचारिक निर्णय के लिए एक शब्द है, तो उस शब्द का उपयोग "क्षमा" करने के लिए किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- प्रे.का. 08:20-23
- कुलुस्सियों 03:12-14
- इफिसियों 04:31-32
- उत्पत्ति 50:15-17
- यशायाह 55:6-7
- यहोशू 24:19-20
- लूका 05:20-21
- गिनती 14:17-19
- भजन संहिता 025:17-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **07:10** परन्तु एसाव याकूब को पहले ही माफ़ कर चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही प्रसन्न हुए।
- **13:15** मूसा पर्वत पर फिर चढ़ गया और उसने प्रार्थना की कि परमेश्वर उन लोगों के पाप को क्षमा कर दे। परमेश्वर ने मूसा की प्रार्थना सुनी और उन्हें क्षमा किया।
- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया।
- **21:05** परन्तु जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उनसे बाँधूँगा वह यह है : मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में समवाऊँगा, और उसे उनके ह्रदय पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वह मेरी प्रजा ठहरेंगे, लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ?”
- 29:08__तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ __क्षमा कर दिया।
- **38:05** फिर उसने दाखरस का कटोरा लिया और कहा, “इसे पीओं। यह वाचा का मेरा लहू है, जो बहुतों के पापों की क्षमा के लिये बहाया जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5546, H5547, G859, G863, G5483

क्षमा कर, क्षमा

परिभाषा:

“क्षमा कर” अर्थात क्षमा करके पाप के दण्ड से मुक्त कर देना।

- इस शब्द का अर्थ “क्षमा करना” ही है परन्तु इसमें एक वैधानिक निर्णय है कि अपराधी को दण्ड न दिया जाए।
- न्यायलय में न्यायाधीन अपराध का दोषी सिद्ध किए गए मनुष्यों को दण्ड मुक्त कर सकता है।
- यद्यपि हम पाप के दोषी हैं, यीशु ने हमें नरक के दण्ड से मुक्त कर दिया है जो उसके द्वारा क्रूस पर अपनी जान की बलि देने के कारण है।

अनुवाद के सुझाव

- यदि लक्षित भाषा में क्षमा का वैधानिक निर्णय लेने का शब्द है तो इस शब्द का उपयोग करें।
- इसका अनुवाद "क्षमा" या "क्षमा करना" हो सकता है।

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, न्यायी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17-19
- व्यवस्थाविवरण 29:20-21
- यशायाह 40:1-2
- भजन संहिता 025:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5547, H7521

क्षमा कर, क्षमा

परिभाषा:

“क्षमा कर” अर्थात क्षमा करके पाप के दण्ड से मुक्त कर देना।

- इस शब्द का अर्थ “क्षमा करना” ही है परन्तु इसमें एक वैधानिक निर्णय है कि अपराधी को दण्ड न दिया जाए।
- न्यायलय में न्यायाधीन अपराध का दोषी सिद्ध किए गए मनुष्यों को दण्ड मुक्त कर सकता है।
- यद्यपि हम पाप के दोषी हैं, यीशु ने हमें नरक के दण्ड से मुक्त कर दिया है जो उसके द्वारा क्रूस पर अपनी जान की बलि देने के कारण है।

अनुवाद के सुझाव

- यदि लक्षित भाषा में क्षमा का वैधानिक निर्णय लेने का शब्द है तो इस शब्द का उपयोग करें।
- इसका अनुवाद "क्षमा" या "क्षमा करना" हो सकता है।

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, न्यायी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17-19
- व्यवस्थाविवरण 29:20-21
- यशायाह 40:1-2
- भजन संहिता 025:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5547, H7521

क्षमा कर, क्षमा

परिभाषा:

“क्षमा कर” अर्थात क्षमा करके पाप के दण्ड से मुक्त कर देना।

- इस शब्द का अर्थ “क्षमा करना” ही है परन्तु इसमें एक वैधानिक निर्णय है कि अपराधी को दण्ड न दिया जाए।
- न्यायलय में न्यायाधीन अपराध का दोषी सिद्ध किए गए मनुष्यों को दण्ड मुक्त कर सकता है।
- यद्यपि हम पाप के दोषी हैं, यीशु ने हमें नरक के दण्ड से मुक्त कर दिया है जो उसके द्वारा क्रूस पर अपनी जान की बलि देने के कारण है।

अनुवाद के सुझाव

- यदि लक्षित भाषा में क्षमा का वैधानिक निर्णय लेने का शब्द है तो इस शब्द का उपयोग करें।
- इसका अनुवाद "क्षमा" या "क्षमा करना" हो सकता है।

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, न्यायी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17-19
- व्यवस्थाविवरण 29:20-21
- यशायाह 40:1-2
- भजन संहिता 025:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5547, H7521

क्षमा कर, क्षमा

परिभाषा:

“क्षमा कर” अर्थात क्षमा करके पाप के दण्ड से मुक्त कर देना।

- इस शब्द का अर्थ “क्षमा करना” ही है परन्तु इसमें एक वैधानिक निर्णय है कि अपराधी को दण्ड न दिया जाए।
- न्यायलय में न्यायाधीन अपराध का दोषी सिद्ध किए गए मनुष्यों को दण्ड मुक्त कर सकता है।
- यद्यपि हम पाप के दोषी हैं, यीशु ने हमें नरक के दण्ड से मुक्त कर दिया है जो उसके द्वारा क्रूस पर अपनी जान की बलि देने के कारण है।

अनुवाद के सुझाव

- यदि लक्षित भाषा में क्षमा का वैधानिक निर्णय लेने का शब्द है तो इस शब्द का उपयोग करें।
- इसका अनुवाद "क्षमा" या "क्षमा करना" हो सकता है।

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, न्यायी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17-19
- व्यवस्थाविवरण 29:20-21
- यशायाह 40:1-2
- भजन संहिता 025:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5547, H7521

क्षमा कर, क्षमा

परिभाषा:

“क्षमा कर” अर्थात क्षमा करके पाप के दण्ड से मुक्त कर देना।

- इस शब्द का अर्थ “क्षमा करना” ही है परन्तु इसमें एक वैधानिक निर्णय है कि अपराधी को दण्ड न दिया जाए।
- न्यायलय में न्यायाधीन अपराध का दोषी सिद्ध किए गए मनुष्यों को दण्ड मुक्त कर सकता है।
- यद्यपि हम पाप के दोषी हैं, यीशु ने हमें नरक के दण्ड से मुक्त कर दिया है जो उसके द्वारा क्रूस पर अपनी जान की बलि देने के कारण है।

अनुवाद के सुझाव

- यदि लक्षित भाषा में क्षमा का वैधानिक निर्णय लेने का शब्द है तो इस शब्द का उपयोग करें।
- इसका अनुवाद "क्षमा" या "क्षमा करना" हो सकता है।

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, न्यायी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17-19
- व्यवस्थाविवरण 29:20-21
- यशायाह 40:1-2
- भजन संहिता 025:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5547, H7521

क्षमा कर, क्षमा

परिभाषा:

“क्षमा कर” अर्थात क्षमा करके पाप के दण्ड से मुक्त कर देना।

- इस शब्द का अर्थ “क्षमा करना” ही है परन्तु इसमें एक वैधानिक निर्णय है कि अपराधी को दण्ड न दिया जाए।
- न्यायलय में न्यायाधीन अपराध का दोषी सिद्ध किए गए मनुष्यों को दण्ड मुक्त कर सकता है।
- यद्यपि हम पाप के दोषी हैं, यीशु ने हमें नरक के दण्ड से मुक्त कर दिया है जो उसके द्वारा क्रूस पर अपनी जान की बलि देने के कारण है।

अनुवाद के सुझाव

- यदि लक्षित भाषा में क्षमा का वैधानिक निर्णय लेने का शब्द है तो इस शब्द का उपयोग करें।
- इसका अनुवाद "क्षमा" या "क्षमा करना" हो सकता है।

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, न्यायी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17-19
- व्यवस्थाविवरण 29:20-21
- यशायाह 40:1-2
- भजन संहिता 025:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5547, H7521

क्षमा कर, क्षमा

परिभाषा:

“क्षमा कर” अर्थात क्षमा करके पाप के दण्ड से मुक्त कर देना।

- इस शब्द का अर्थ “क्षमा करना” ही है परन्तु इसमें एक वैधानिक निर्णय है कि अपराधी को दण्ड न दिया जाए।
- न्यायलय में न्यायाधीन अपराध का दोषी सिद्ध किए गए मनुष्यों को दण्ड मुक्त कर सकता है।
- यद्यपि हम पाप के दोषी हैं, यीशु ने हमें नरक के दण्ड से मुक्त कर दिया है जो उसके द्वारा क्रूस पर अपनी जान की बलि देने के कारण है।

अनुवाद के सुझाव

- यदि लक्षित भाषा में क्षमा का वैधानिक निर्णय लेने का शब्द है तो इस शब्द का उपयोग करें।
- इसका अनुवाद "क्षमा" या "क्षमा करना" हो सकता है।

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, न्यायी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17-19
- व्यवस्थाविवरण 29:20-21
- यशायाह 40:1-2
- भजन संहिता 025:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5547, H7521

क्षमा कर, क्षमा

परिभाषा:

“क्षमा कर” अर्थात क्षमा करके पाप के दण्ड से मुक्त कर देना।

- इस शब्द का अर्थ “क्षमा करना” ही है परन्तु इसमें एक वैधानिक निर्णय है कि अपराधी को दण्ड न दिया जाए।
- न्यायलय में न्यायाधीन अपराध का दोषी सिद्ध किए गए मनुष्यों को दण्ड मुक्त कर सकता है।
- यद्यपि हम पाप के दोषी हैं, यीशु ने हमें नरक के दण्ड से मुक्त कर दिया है जो उसके द्वारा क्रूस पर अपनी जान की बलि देने के कारण है।

अनुवाद के सुझाव

- यदि लक्षित भाषा में क्षमा का वैधानिक निर्णय लेने का शब्द है तो इस शब्द का उपयोग करें।
- इसका अनुवाद "क्षमा" या "क्षमा करना" हो सकता है।

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, न्यायी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17-19
- व्यवस्थाविवरण 29:20-21
- यशायाह 40:1-2
- भजन संहिता 025:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5547, H7521

क्षमा कर, क्षमा

परिभाषा:

“क्षमा कर” अर्थात क्षमा करके पाप के दण्ड से मुक्त कर देना।

- इस शब्द का अर्थ “क्षमा करना” ही है परन्तु इसमें एक वैधानिक निर्णय है कि अपराधी को दण्ड न दिया जाए।
- न्यायलय में न्यायाधीन अपराध का दोषी सिद्ध किए गए मनुष्यों को दण्ड मुक्त कर सकता है।
- यद्यपि हम पाप के दोषी हैं, यीशु ने हमें नरक के दण्ड से मुक्त कर दिया है जो उसके द्वारा क्रूस पर अपनी जान की बलि देने के कारण है।

अनुवाद के सुझाव

- यदि लक्षित भाषा में क्षमा का वैधानिक निर्णय लेने का शब्द है तो इस शब्द का उपयोग करें।
- इसका अनुवाद "क्षमा" या "क्षमा करना" हो सकता है।

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, न्यायी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17-19
- व्यवस्थाविवरण 29:20-21
- यशायाह 40:1-2
- भजन संहिता 025:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H5375, H5545, H5547, H7521

खजूर, हथेलियों

परिभाषा:

“खजूर”, लम्बा वृक्ष जिसके पत्ते और डालियां तन्मयशील होती हैं और पंखे के सदृश्य दिखाई देती हैं।

- बाइबल में जिस खजूर के पेड़ का उल्लेख किया गया है जिसके फलों को “खजूर” कहते हैं। उसकी पत्तियां पक्षी के पंख जैसी होती हैं।
- खजूर का वृक्ष गर्म नम जलवायु में उगता है। उसकी पत्तियां पुरे वर्ष हरी रहती हैं।
- जब यीशु गधे पर सवार होकर यरूशलेम प्रवेश कर रहा था तब लोगों ने उनके सामने मार्ग में खजूर की डालियां बिछा दी थी।
- खजूर की डालियां शान्ति और विजय का प्रतीक हैं।

(यह भी देखें: गदहा, यरूशलेम, शान्ति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:29-30
- यहेजकेल 40:14-16
- यूहन्ना 12:12-13
- गिनती 33:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3712, H8558, H8560, H8561, G5404

खजूर, हथेलियों

परिभाषा:

“खजूर”, लम्बा वृक्ष जिसके पत्ते और डालियां तन्मयशील होती हैं और पंखे के सदृश्य दिखाई देती हैं।

- बाइबल में जिस खजूर के पेड़ का उल्लेख किया गया है जिसके फलों को “खजूर” कहते हैं। उसकी पत्तियां पक्षी के पंख जैसी होती हैं।

- खजूर का वृक्ष गर्म नम जलवायु में उगता है। उसकी पत्तियां पुरे वर्ष हरी रहती हैं।
- जब यीशु गधे पर सवार होकर यरूशलेम प्रवेश कर रहा था तब लोगों ने उनके सामने मार्ग में खजूर की डालियां बिछा दी थी।
- खजूर की डालियां शान्ति और विजय का प्रतीक हैं।

(यह भी देखें: गदहा, यरूशलेम, शान्ति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:29-30
- यहेजकेल 40:14-16
- यूहन्ना 12:12-13
- गिनती 33:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3712, H8558, H8560, H8561, G5404

खतनारहित, खतनाहीन

परिभाषा:

“खतनारहित” और “खतनाहीन” पुरुषों के संदर्भ में है जिनका शारीरिक खतना नहीं हुआ है। इन शब्दों का उपयोग प्रतीकात्मक भी है।

- मिस्र एक ऐसा देश था जिसे खतना करवाने की आवश्यकता थी। अतः जब परमेश्वर कहता है कि मिस्र खतनारहितों द्वारा पराजित होगा तब वह उस जाति के लिए कह रहा है जिन्हें मिस्र खतना नहीं करवाने के लिए तुच्छ समझता था।
- बाइबल “खतनारहित मन” के मनुष्यों की चर्चा करती है या “जिनके मन का खतना” नहीं हुआ है। यह एक प्रतीकात्मक रूप है कि वे लोग परमेश्वर के लोग नहीं है और वे अवज्ञा में हठीले हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में खतना शब्द परिचित है तो “खतनारहित” का अनुवाद किया जा सकता है, “जिनका खतना नहीं हुआ है”।
- “खतनारहित” का अनुवाद हो सकता है, “जिन मनुष्यों का खतना नहीं हुआ है” या “वे जो परमेश्वर के लोग नहीं है” परन्तु प्रकरण पर आधारित रहें।
- इस शब्द के प्रतीकात्मक अर्थों के अन्य अनुवाद रूप हैं, “परमेश्वर के लोग नहीं” या “उन लोगों के सदृश्य विद्रोही जो परमेश्वर के नहीं” या “वे जिनमें परमेश्वर के होने का कोई लक्षण नहीं है”
- “हृदय का खतना” इसका अनुवाद हो सकता है, “हठीले विद्रोही” या “विश्वास से इन्कार करनेवाले”। तथापि, यदि संभव हो इसी उक्ति को काम में लें या ऐसी ही किसी उक्ति को काम में लें क्योंकि आत्मिक खतना एक महत्वपूर्ण विषय है।

(यह भी देखें: अब्राहम, खतना करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 01:17-20
- प्रे.का. 11:1-3
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:11-12
- निर्गमन 12:47-48
- यहेजकेल 32:24-25
- यिर्मयाह 09:25-26
- न्यायियों 15:17-18
- लैव्यव्यवस्था 26:40-42
- रोमियो 02:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6188, H6189, H6190, G203, G564

खतनारहित, खतनाहीन

परिभाषा:

“खतनारहित” और “खतनाहीन” पुरुषों के संदर्भ में है जिनका शारीरिक खतना नहीं हुआ है। इन शब्दों का उपयोग प्रतीकात्मक भी है।

- मिस्र एक ऐसा देश था जिसे खतना करवाने की आवश्यकता थी। अतः जब परमेश्वर कहता है कि मिस्र खतनारहितों द्वारा पराजित होगा तब वह उस जाति के लिए कह रहा है जिन्हें मिस्र खतना नहीं करवाने के लिए तुच्छ समझता था।
- बाइबल “खतनारहित मन” के मनुष्यों की चर्चा करती है या “जिनके मन का खतना” नहीं हुआ है। यह एक प्रतीकात्मक रूप है कि वे लोग परमेश्वर के लोग नहीं है और वे अवज्ञा में हठीले हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में खतना शब्द परिचित है तो “खतनारहित” का अनुवाद किया जा सकता है, “जिनका खतना नहीं हुआ है”।
- “खतनारहित” का अनुवाद हो सकता है, “जिन मनुष्यों का खतना नहीं हुआ है” या “वे जो परमेश्वर के लोग नहीं है” परन्तु प्रकरण पर आधारित रहें।
- इस शब्द के प्रतीकात्मक अर्थों के अन्य अनुवाद रूप हैं, “परमेश्वर के लोग नहीं” या “उन लोगों के सदृश्य विद्रोही जो परमेश्वर के नहीं” या “वे जिनमें परमेश्वर के होने का कोई लक्षण नहीं है”
- “हृदय का खतना” इसका अनुवाद हो सकता है, “हठीले विद्रोही” या “विश्वास से इन्कार करनेवाले”। तथापि, यदि संभव हो इसी उक्ति को काम में लें या ऐसी ही किसी उक्ति को काम में लें क्योंकि आत्मिक खतना एक महत्वपूर्ण विषय है।

(यह भी देखें: अब्राहम, खतना करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 01:17-20
- प्रे.का. 11:1-3
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:11-12
- निर्गमन 12:47-48
- यहेजकेल 32:24-25
- यिर्मयाह 09:25-26
- न्यायियों 15:17-18
- लैव्यव्यवस्था 26:40-42
- रोमियो 02:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6188, H6189, H6190, G203, G564

खतनारहित, खतनाहीन

परिभाषा:

“खतनारहित” और “खतनाहीन” पुरुषों के संदर्भ में है जिनका शारीरिक खतना नहीं हुआ है। इन शब्दों का उपयोग प्रतीकात्मक भी है।

- मिस्र एक ऐसा देश था जिसे खतना करवाने की आवश्यकता थी। अतः जब परमेश्वर कहता है कि मिस्र खतनारहितों द्वारा पराजित होगा तब वह उस जाति के लिए कह रहा है जिन्हें मिस्र खतना नहीं करवाने के लिए तुच्छ समझता था।
- बाइबल “खतनारहित मन” के मनुष्यों की चर्चा करती है या “जिनके मन का खतना” नहीं हुआ है। यह एक प्रतीकात्मक रूप है कि वे लोग परमेश्वर के लोग नहीं है और वे अवज्ञा में हठीले हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में खतना शब्द परिचित है तो “खतनारहित” का अनुवाद किया जा सकता है, “जिनका खतना नहीं हुआ है”।
- “खतनारहित” का अनुवाद हो सकता है, “जिन मनुष्यों का खतना नहीं हुआ है” या “वे जो परमेश्वर के लोग नहीं है” परन्तु प्रकरण पर आधारित रहें।
- इस शब्द के प्रतीकात्मक अर्थों के अन्य अनुवाद रूप हैं, “परमेश्वर के लोग नहीं” या “उन लोगों के सदृश्य विद्रोही जो परमेश्वर के नहीं” या “वे जिनमें परमेश्वर के होने का कोई लक्षण नहीं है”
- “हृदय का खतना” इसका अनुवाद हो सकता है, “हठीले विद्रोही” या “विश्वास से इन्कार करनेवाले”। तथापि, यदि संभव हो इसी उक्ति को काम में लें या ऐसी ही किसी उक्ति को काम में लें क्योंकि आत्मिक खतना एक महत्वपूर्ण विषय है।

(यह भी देखें: अब्राहम, खतना करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 01:17-20
- प्रे.का. 11:1-3
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:11-12
- निर्गमन 12:47-48
- यहेजकेल 32:24-25
- यिर्मयाह 09:25-26
- न्यायियों 15:17-18
- लैव्यव्यवस्था 26:40-42
- रोमियो 02:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6188, H6189, H6190, G203, G564

खतनारहित, खतनाहीन

परिभाषा:

"खतनारहित" और "खतनाहीन" पुरुषों के संदर्भ में है जिनका शारीरिक खतना नहीं हुआ है। इन शब्दों का उपयोग प्रतीकात्मक भी है।

- मिस्र एक ऐसा देश था जिसे खतना करवाने की आवश्यकता थी। अतः जब परमेश्वर कहता है कि मिस्र खतनारहितों द्वारा पराजित होगा तब वह उस जाति के लिए कह रहा है जिन्हें मिस्र खतना नहीं करवाने के लिए तुच्छ समझता था।
- बाइबल "खतनारहित मन" के मनुष्यों की चर्चा करती है या "जिनके मन का खतना" नहीं हुआ है। यह एक प्रतीकात्मक रूप है कि वे लोग परमेश्वर के लोग नहीं है और वे अवज्ञा में हठीले हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में खतना शब्द परिचित है तो "खतनारहित" का अनुवाद किया जा सकता है, "जिनका खतना नहीं हुआ है"।
- "खतनारहित" का अनुवाद हो सकता है, "जिन मनुष्यों का खतना नहीं हुआ है" या "वे जो परमेश्वर के लोग नहीं है" परन्तु प्रकरण पर आधारित रहें।
- इस शब्द के प्रतीकात्मक अर्थों के अन्य अनुवाद रूप हैं, "परमेश्वर के लोग नहीं" या "उन लोगों के सदृश्य विद्रोही जो परमेश्वर के नहीं" या "वे जिनमें परमेश्वर के होने का कोई लक्षण नहीं है"
- "हृदय का खतना" इसका अनुवाद हो सकता है, "हठीले विद्रोही" या "विश्वास से इन्कार करनेवाले"। तथापि, यदि संभव हो इसी उक्ति को काम में लें या ऐसी ही किसी उक्ति को काम में लें क्योंकि आत्मिक खतना एक महत्वपूर्ण विषय है।

(यह भी देखें: अब्राहम, खतना करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 01:17-20
- प्रे.का. 11:1-3
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:11-12
- निर्गमन 12:47-48
- यहेजकेल 32:24-25
- यिर्मयाह 09:25-26
- न्यायियों 15:17-18
- लैव्यव्यवस्था 26:40-42
- रोमियो 02:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6188, H6189, H6190, G203, G564

खतनारहित, खतनाहीन

परिभाषा:

“खतनारहित” और “खतनाहीन” पुरुषों के संदर्भ में है जिनका शारीरिक खतना नहीं हुआ है। इन शब्दों का उपयोग प्रतीकात्मक भी है।

- मिस्र एक ऐसा देश था जिसे खतना करवाने की आवश्यकता थी। अतः जब परमेश्वर कहता है कि मिस्र खतनारहितों द्वारा पराजित होगा तब वह उस जाति के लिए कह रहा है जिन्हें मिस्र खतना नहीं करवाने के लिए तुच्छ समझता था।
- बाइबल “खतनारहित मन” के मनुष्यों की चर्चा करती है या “जिनके मन का खतना” नहीं हुआ है। यह एक प्रतीकात्मक रूप है कि वे लोग परमेश्वर के लोग नहीं है और वे अवज्ञा में हठीले हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में खतना शब्द परिचित है तो “खतनारहित” का अनुवाद किया जा सकता है, “जिनका खतना नहीं हुआ है”।
- “खतनारहित” का अनुवाद हो सकता है, “जिन मनुष्यों का खतना नहीं हुआ है” या “वे जो परमेश्वर के लोग नहीं है” परन्तु प्रकरण पर आधारित रहें।
- इस शब्द के प्रतीकात्मक अर्थों के अन्य अनुवाद रूप हैं, “परमेश्वर के लोग नहीं” या “उन लोगों के सदृश्य विद्रोही जो परमेश्वर के नहीं” या “वे जिनमें परमेश्वर के होने का कोई लक्षण नहीं है”
- “हृदय का खतना” इसका अनुवाद हो सकता है, “हठीले विद्रोही” या “विश्वास से इन्कार करनेवाले”। तथापि, यदि संभव हो इसी उक्ति को काम में लें या ऐसी ही किसी उक्ति को काम में लें क्योंकि आत्मिक खतना एक महत्वपूर्ण विषय है।

(यह भी देखें: अब्राहम, खतना करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 01:17-20
- प्रे.का. 11:1-3
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:11-12
- निर्गमन 12:47-48
- यहेजकेल 32:24-25
- यिर्मयाह 09:25-26
- न्यायियों 15:17-18
- लैव्यव्यवस्था 26:40-42
- रोमियो 02:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6188, H6189, H6190, G203, G564

खतनारहित, खतनाहीन

परिभाषा:

“खतनारहित” और “खतनाहीन” पुरुषों के संदर्भ में है जिनका शारीरिक खतना नहीं हुआ है। इन शब्दों का उपयोग प्रतीकात्मक भी है।

- मिस्र एक ऐसा देश था जिसे खतना करवाने की आवश्यकता थी। अतः जब परमेश्वर कहता है कि मिस्र खतनारहितों द्वारा पराजित होगा तब वह उस जाति के लिए कह रहा है जिन्हें मिस्र खतना नहीं करवाने के लिए तुच्छ समझता था।
- बाइबल “खतनारहित मन” के मनुष्यों की चर्चा करती है या “जिनके मन का खतना” नहीं हुआ है। यह एक प्रतीकात्मक रूप है कि वे लोग परमेश्वर के लोग नहीं है और वे अवज्ञा में हठीले हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में खतना शब्द परिचित है तो “खतनारहित” का अनुवाद किया जा सकता है, “जिनका खतना नहीं हुआ है”।
- “खतनारहित” का अनुवाद हो सकता है, “जिन मनुष्यों का खतना नहीं हुआ है” या “वे जो परमेश्वर के लोग नहीं है” परन्तु प्रकरण पर आधारित रहें।
- इस शब्द के प्रतीकात्मक अर्थों के अन्य अनुवाद रूप हैं, “परमेश्वर के लोग नहीं” या “उन लोगों के सदृश्य विद्रोही जो परमेश्वर के नहीं” या “वे जिनमें परमेश्वर के होने का कोई लक्षण नहीं है”
- “हृदय का खतना” इसका अनुवाद हो सकता है, “हठीले विद्रोही” या “विश्वास से इन्कार करनेवाले”। तथापि, यदि संभव हो इसी उक्ति को काम में लें या ऐसी ही किसी उक्ति को काम में लें क्योंकि आत्मिक खतना एक महत्वपूर्ण विषय है।

(यह भी देखें: अब्राहम, खतना करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 01:17-20
- प्रे.का. 11:1-3
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:11-12
- निर्गमन 12:47-48
- यहेजकेल 32:24-25
- यिर्मयाह 09:25-26
- न्यायियों 15:17-18
- लैव्यव्यवस्था 26:40-42
- रोमियो 02:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6188, H6189, H6190, G203, G564

खराई

परिभाषा:

“मन की खराई” का संदर्भ सत्यनिष्ठा और दृढ़ नैतिक सिद्धान्तों एवं आचरण से है।

- खराई का अर्थ यह भी है कि जब कोई देख न रहा हो तब भी सच्चाई और उचित काम करना।
- बाइबल के कुछ पात्र जैसे यूसुफ एवं दानिय्येल ने मन की खराई का प्रदर्शन किया था जब उन्होंने बुराई करने का परित्याग और परमेश्वर की आज्ञा मानने का निर्णय लिया था।
- नीतिवचन की पुस्तक में लिखा है कि धनवान और भ्रष्ट या अनिष्ठ होने की अपेक्षा खरा एवं दरिद्र होना उत्तम है।

अनुवाद सुझाव

- “खराई” का अनुवाद, “सत्यनिष्ठा” या “नैतिक औचित्य” या “सत्यवादी व्यवहार” या “विश्वासयोग्य, ईमानदारी से काम करना” किया जा सकता है ।

(यह भी देखें: दानिय्येल, यूसुफ (पुराना नियम))

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 09:4-5
- अय्यूब 02:3
- अय्यूब 04:4-6
- नीतिवचन 10:8-9
- भजन संहिता 026:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3476, H6664, H6666, H8535, H8537, H8538, H8549, G4587

ख़मीर, ख़मीरी, ख़मीर, ख़मीर बनाना, अख़मीरी

परिभाषा:

"ख़मीर" एक पदार्थ के लिए एक सामान्य शब्द है जिसके कारण रोटी का आटा का विस्तार और वृद्धि होती है। “ख़मीर” एक विशिष्ट प्रकार का किण्वीकरण है।

अंग्रेजी अनुवादों में खमीर का अनुवाद “यीस्ट” किया गया है। यह आधुनिक खमीर का कारक है जिससे आटे में झाग उठते हैं इससे पकाने के पूर्व आटा फूल जाता है। आटा गूंधते समय उसमें खमीर मिलाया जाता है कि वह पूरे आटे में मिश्रित हो जाए।

- पुराने नियम के युग में खमीर उत्पन्न करने के लिए आटे को कुछ समय गूंधकर रख दिया जाता था * खमीर किए हुए आटे का एक अंश रख दिया जाता था कि नये आटे को खमीर करने के काम में आए।
- मिस्र से निकलते समय इस्राएलियों के पास समय नहीं था कि आटे को खमीर होने की प्रतीक्षा करें। अतः उन्होंने मार्ग के लिए अखमीरी रोटियाँ बनाई थी। इस बात की स्मृति में यहूदी प्रति वर्ष फसह के पर्व में अखमीरी खाया करते थे।
- बाइबल में खमीर को पाप के प्रतीकात्मक उपयोग में काम लिया गया है कि वह मनुष्य के संपूर्ण जीवन में फैल जाता है और अन्य मनुष्यों को भी प्रभावित करता है।
- यह झूठी शिक्षण को भी संदर्भित कर सकता है जो प्रायः कई लोगों तक फैलता है और उन्हें प्रभावित करता है।
- “खमीर” को सकारात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है कि परमेश्वर का राज्य कैसे मनुष्य से मनुष्य में फैल जाता है।

अनुवाद के सुझाव

- इसका अनुवाद “खमीर”या “वह वस्तु जो आटे को फुला देती है” या “फुलानेवाला पदार्थ” किया जा सकता है। * “फुलाना” का अनुवाद “विस्तार” या “वृद्धि होना” या “फूल जाना” किया जा सकता है।
- यदि आटे को खमीर करने के लिए कोई और स्थानीय वस्तु काम में ली जाती है तो अनुवाद में उसका उपयोग करें। यदि भाषा की एक अच्छी तरह से जाना जाता है, सामान्य शब्द जिसका मतलब है, "खमीर करना," यह प्रयोग करने के लिए उत्तम शब्द होगा।

(यह भी देखें: मिस्र, फसह, अख़मीरी रोटी)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 12:5-8
- गलातियों 05:9-10
- लूका 12:1
- लूका 13:20-21
- मत्ती 13:33
- मत्ती 16:5-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2556, H2557, H4682, H7603, G106, G2219, G2220

ख़मीर, ख़मीरी, ख़मीर, ख़मीर बनाना, अख़मीरी

परिभाषा:

"ख़मीर" एक पदार्थ के लिए एक सामान्य शब्द है जिसके कारण रोटी का आटा का विस्तार और वृद्धि होती है। “ख़मीर” एक विशिष्ट प्रकार का किण्वीकरण है।

अंग्रेजी अनुवादों में खमीर का अनुवाद “यीस्ट” किया गया है। यह आधुनिक खमीर का कारक है जिससे आटे में झाग उठते हैं इससे पकाने के पूर्व आटा फूल जाता है। आटा गूंधते समय उसमें खमीर मिलाया जाता है कि वह पूरे आटे में मिश्रित हो जाए।

- पुराने नियम के युग में खमीर उत्पन्न करने के लिए आटे को कुछ समय गूंधकर रख दिया जाता था * खमीर किए हुए आटे का एक अंश रख दिया जाता था कि नये आटे को खमीर करने के काम में आए।
- मिस्र से निकलते समय इस्राएलियों के पास समय नहीं था कि आटे को खमीर होने की प्रतीक्षा करें। अतः उन्होंने मार्ग के लिए अखमीरी रोटियाँ बनाई थी। इस बात की स्मृति में यहूदी प्रति वर्ष फसह के पर्व में अखमीरी खाया करते थे।
- बाइबल में खमीर को पाप के प्रतीकात्मक उपयोग में काम लिया गया है कि वह मनुष्य के संपूर्ण जीवन में फैल जाता है और अन्य मनुष्यों को भी प्रभावित करता है।
- यह झूठी शिक्षण को भी संदर्भित कर सकता है जो प्रायः कई लोगों तक फैलता है और उन्हें प्रभावित करता है।
- “खमीर” को सकारात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है कि परमेश्वर का राज्य कैसे मनुष्य से मनुष्य में फैल जाता है।

अनुवाद के सुझाव

- इसका अनुवाद “खमीर”या “वह वस्तु जो आटे को फुला देती है” या “फुलानेवाला पदार्थ” किया जा सकता है। * “फुलाना” का अनुवाद “विस्तार” या “वृद्धि होना” या “फूल जाना” किया जा सकता है।
- यदि आटे को खमीर करने के लिए कोई और स्थानीय वस्तु काम में ली जाती है तो अनुवाद में उसका उपयोग करें। यदि भाषा की एक अच्छी तरह से जाना जाता है, सामान्य शब्द जिसका मतलब है, "खमीर करना," यह प्रयोग करने के लिए उत्तम शब्द होगा।

(यह भी देखें: मिस्र, फ़सह, अख़मीरी रोटी)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 12:5-8
- गलातियों 05:9-10
- लूका 12:1
- लूका 13:20-21
- मत्ती 13:33
- मत्ती 16:5-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2556, H2557, H4682, H7603, G106, G2219, G2220

ख़मीर, ख़मीरी, ख़मीर, ख़मीर बनाना, अख़मीरी

परिभाषा:

"ख़मीर" एक पदार्थ के लिए एक सामान्य शब्द है जिसके कारण रोटी का आटा का विस्तार और वृद्धि होती है। “ख़मीर” एक विशिष्ट प्रकार का किण्वीकरण है।

अंग्रेजी अनुवादों में खमीर का अनुवाद “यीस्ट” किया गया है। यह आधुनिक खमीर का कारक है जिससे आटे में झाग उठते हैं इससे पकाने के पूर्व आटा फूल जाता है। आटा गूंधते समय उसमें खमीर मिलाया जाता है कि वह पूरे आटे में मिश्रित हो जाए।

- पुराने नियम के युग में खमीर उत्पन्न करने के लिए आटे को कुछ समय गूंधकर रख दिया जाता था * खमीर किए हुए आटे का एक अंश रख दिया जाता था कि नये आटे को खमीर करने के काम में आए।
- मिस्र से निकलते समय इस्राएलियों के पास समय नहीं था कि आटे को खमीर होने की प्रतीक्षा करें। अतः उन्होंने मार्ग के लिए अखमीरी रोटियाँ बनाई थी। इस बात की स्मृति में यहूदी प्रति वर्ष फसह के पर्व में अखमीरी खाया करते थे।
- बाइबल में खमीर को पाप के प्रतीकात्मक उपयोग में काम लिया गया है कि वह मनुष्य के संपूर्ण जीवन में फैल जाता है और अन्य मनुष्यों को भी प्रभावित करता है।
- यह झूठी शिक्षण को भी संदर्भित कर सकता है जो प्रायः कई लोगों तक फैलता है और उन्हें प्रभावित करता है।
- “खमीर” को सकारात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है कि परमेश्वर का राज्य कैसे मनुष्य से मनुष्य में फैल जाता है।

अनुवाद के सुझाव

- इसका अनुवाद “खमीर”या “वह वस्तु जो आटे को फुला देती है” या “फुलानेवाला पदार्थ” किया जा सकता है। * “फुलाना” का अनुवाद “विस्तार” या “वृद्धि होना” या “फूल जाना” किया जा सकता है।
- यदि आटे को खमीर करने के लिए कोई और स्थानीय वस्तु काम में ली जाती है तो अनुवाद में उसका उपयोग करें। यदि भाषा की एक अच्छी तरह से जाना जाता है, सामान्य शब्द जिसका मतलब है, "खमीर करना," यह प्रयोग करने के लिए उत्तम शब्द होगा।

(यह भी देखें: मिस्र, फ़सह, अख़मीरी रोटी)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 12:5-8
- गलातियों 05:9-10
- लूका 12:1
- लूका 13:20-21
- मत्ती 13:33
- मत्ती 16:5-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2556, H2557, H4682, H7603, G106, G2219, G2220

ख़मीर, ख़मीरी, ख़मीर, ख़मीर बनाना, अख़मीरी

परिभाषा:

"ख़मीर" एक पदार्थ के लिए एक सामान्य शब्द है जिसके कारण रोटी का आटा का विस्तार और वृद्धि होती है। “ख़मीर” एक विशिष्ट प्रकार का किण्वीकरण है।

अंग्रेजी अनुवादों में खमीर का अनुवाद “यीस्ट” किया गया है। यह आधुनिक खमीर का कारक है जिससे आटे में झाग उठते हैं इससे पकाने के पूर्व आटा फूल जाता है। आटा गूंधते समय उसमें खमीर मिलाया जाता है कि वह पूरे आटे में मिश्रित हो जाए।

- पुराने नियम के युग में खमीर उत्पन्न करने के लिए आटे को कुछ समय गूंधकर रख दिया जाता था * खमीर किए हुए आटे का एक अंश रख दिया जाता था कि नये आटे को खमीर करने के काम में आए।
- मिस्र से निकलते समय इस्राएलियों के पास समय नहीं था कि आटे को खमीर होने की प्रतीक्षा करें। अतः उन्होंने मार्ग के लिए अखमीरी रोटियाँ बनाई थी। इस बात की स्मृति में यहूदी प्रति वर्ष फसह के पर्व में अखमीरी खाया करते थे।
- बाइबल में खमीर को पाप के प्रतीकात्मक उपयोग में काम लिया गया है कि वह मनुष्य के संपूर्ण जीवन में फैल जाता है और अन्य मनुष्यों को भी प्रभावित करता है।
- यह झूठी शिक्षण को भी संदर्भित कर सकता है जो प्रायः कई लोगों तक फैलता है और उन्हें प्रभावित करता है।
- “खमीर” को सकारात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है कि परमेश्वर का राज्य कैसे मनुष्य से मनुष्य में फैल जाता है।

अनुवाद के सुझाव

- इसका अनुवाद “खमीर”या “वह वस्तु जो आटे को फुला देती है” या “फुलानेवाला पदार्थ” किया जा सकता है। * “फुलाना” का अनुवाद “विस्तार” या “वृद्धि होना” या “फूल जाना” किया जा सकता है।
- यदि आटे को खमीर करने के लिए कोई और स्थानीय वस्तु काम में ली जाती है तो अनुवाद में उसका उपयोग करें। यदि भाषा की एक अच्छी तरह से जाना जाता है, सामान्य शब्द जिसका मतलब है, "खमीर करना," यह प्रयोग करने के लिए उत्तम शब्द होगा।

(यह भी देखें: मिस्र, फ़सह, अख़मीरी रोटी)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 12:5-8
- गलातियों 05:9-10
- लूका 12:1
- लूका 13:20-21
- मत्ती 13:33
- मत्ती 16:5-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2556, H2557, H4682, H7603, G106, G2219, G2220

ख़मीर, ख़मीरी, ख़मीर, ख़मीर बनाना, अख़मीरी

परिभाषा:

"ख़मीर" एक पदार्थ के लिए एक सामान्य शब्द है जिसके कारण रोटी का आटा का विस्तार और वृद्धि होती है। “ख़मीर” एक विशिष्ट प्रकार का किण्वीकरण है।

अंग्रेजी अनुवादों में खमीर का अनुवाद “यीस्ट” किया गया है। यह आधुनिक खमीर का कारक है जिससे आटे में झाग उठते हैं इससे पकाने के पूर्व आटा फूल जाता है। आटा गूंधते समय उसमें खमीर मिलाया जाता है कि वह पूरे आटे में मिश्रित हो जाए।

- पुराने नियम के युग में खमीर उत्पन्न करने के लिए आटे को कुछ समय गूंधकर रख दिया जाता था * खमीर किए हुए आटे का एक अंश रख दिया जाता था कि नये आटे को खमीर करने के काम में आए।
- मिस्र से निकलते समय इस्राएलियों के पास समय नहीं था कि आटे को खमीर होने की प्रतीक्षा करें। अतः उन्होंने मार्ग के लिए अखमीरी रोटियाँ बनाई थी। इस बात की स्मृति में यहूदी प्रति वर्ष फसह के पर्व में अखमीरी खाया करते थे।
- बाइबल में खमीर को पाप के प्रतीकात्मक उपयोग में काम लिया गया है कि वह मनुष्य के संपूर्ण जीवन में फैल जाता है और अन्य मनुष्यों को भी प्रभावित करता है।
- यह झूठी शिक्षण को भी संदर्भित कर सकता है जो प्रायः कई लोगों तक फैलता है और उन्हें प्रभावित करता है।
- “खमीर” को सकारात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है कि परमेश्वर का राज्य कैसे मनुष्य से मनुष्य में फैल जाता है।

अनुवाद के सुझाव

- इसका अनुवाद “खमीर”या “वह वस्तु जो आटे को फुला देती है” या “फुलानेवाला पदार्थ” किया जा सकता है। * “फुलाना” का अनुवाद “विस्तार” या “वृद्धि होना” या “फूल जाना” किया जा सकता है।
- यदि आटे को खमीर करने के लिए कोई और स्थानीय वस्तु काम में ली जाती है तो अनुवाद में उसका उपयोग करें। यदि भाषा की एक अच्छी तरह से जाना जाता है, सामान्य शब्द जिसका मतलब है, "खमीर करना," यह प्रयोग करने के लिए उत्तम शब्द होगा।

(यह भी देखें: मिस्र, फ़सह, अख़मीरी रोटी)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 12:5-8
- गलातियों 05:9-10
- लूका 12:1
- लूका 13:20-21
- मत्ती 13:33
- मत्ती 16:5-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2556, H2557, H4682, H7603, G106, G2219, G2220

खुर, खुरों, टापों

तथ्य:

ये शब्द कुछ पशुओं के पाँवों के नीचे की कठोर सतह के बारे में हैं जैसे ऊँट, मवेशी, हिरण, घोड़ा, गधा, सूअर, बैल, भेड़ और बकरी।

- खुर पशु के चलने में उसके पांवों का सुरक्षा कवच होते हैं।
- कुछ पशुओं के खुर दो भागों में बटें होते हैं और कुछ के नहीं होते।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को निर्देश दिया था कि जिन पशुओं के खुर विभाजित हों और जो जुगाली करते हैं उनका माँस खाने के लिए शुद्ध है। इसमें मवेशी, भेड़, हिरण और बैल हैं।

(यह भी देखें: ऊँट, गाय, गदहा, बकरा, गाय, सूअर, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 14:6-7
- यहेजकेल 26:9-11
- लैव्यव्यवस्था 11:3-4
- भजन संहिता 069:30-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6119, H6471, H6536, H6541, H7272

खुर, खुरों, टापों

तथ्य:

ये शब्द कुछ पशुओं के पाँवों के नीचे की कठोर सतह के बारे में हैं जैसे ऊँट, मवेशी, हिरण, घोड़ा, गधा, सूअर, बैल, भेड़ और बकरी।

- खुर पशु के चलने में उसके पांवों का सुरक्षा कवच होते हैं।
- कुछ पशुओं के खुर दो भागों में बटें होते हैं और कुछ के नहीं होते।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को निर्देश दिया था कि जिन पशुओं के खुर विभाजित हों और जो जुगाली करते हैं उनका माँस खाने के लिए शुद्ध है। इसमें मवेशी, भेड़, हिरण और बैल हैं।

(यह भी देखें: ऊँट, गाय, गदहा, बकरा, गाय, सूअर, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 14:6-7
- यहेजकेल 26:9-11
- लैव्यव्यवस्था 11:3-4
- भजन संहिता 069:30-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6119, H6471, H6536, H6541, H7272

खुर, खुरों, टापों

तथ्य:

ये शब्द कुछ पशुओं के पाँवों के नीचे की कठोर सतह के बारे में हैं जैसे ऊँट, मवेशी, हिरण, घोड़ा, गधा, सूअर, बैल, भेड़ और बकरी।

- खुर पशु के चलने में उसके पांवों का सुरक्षा कवच होते हैं।
- कुछ पशुओं के खुर दो भागों में बटें होते हैं और कुछ के नहीं होते।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को निर्देश दिया था कि जिन पशुओं के खुर विभाजित हों और जो जुगाली करते हैं उनका माँस खाने के लिए शुद्ध है। इसमें मवेशी, भेड़, हिरण और बैल हैं।

(यह भी देखें: ऊँट, गाय, गदहा, बकरा, गाय, सूअर, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 14:6-7
- यहेजकेल 26:9-11
- लैव्यव्यवस्था 11:3-4
- भजन संहिता 069:30-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6119, H6471, H6536, H6541, H7272

खुर, खुरों, टापों

तथ्य:

ये शब्द कुछ पशुओं के पाँवों के नीचे की कठोर सतह के बारे में हैं जैसे ऊँट, मवेशी, हिरण, घोड़ा, गधा, सूअर, बैल, भेड़ और बकरी।

- खुर पशु के चलने में उसके पांवों का सुरक्षा कवच होते हैं।
- कुछ पशुओं के खुर दो भागों में बटें होते हैं और कुछ के नहीं होते।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को निर्देश दिया था कि जिन पशुओं के खुर विभाजित हों और जो जुगाली करते हैं उनका माँस खाने के लिए शुद्ध है। इसमें मवेशी, भेड़, हिरण और बैल हैं।

(यह भी देखें: ऊँट, गाय, गदहा, बकरा, गाय, सूअर, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 14:6-7
- यहेजकेल 26:9-11
- लैव्यव्यवस्था 11:3-4
- भजन संहिता 069:30-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6119, H6471, H6536, H6541, H7272

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

खोजे, खोजों

परिभाषा:

“खोजे” शब्द उस पुरुष के संदर्भ में है जिसका बधियाकरण किया गया हो। उत्तरकाल में यह शब्द सब सरकारी अधिकारियों के लिए काम में आने लगा चाहे वे सर्वांग थे।

- यीशु ने कहा कि कुछ नपुसंक स्वाभाविक रूप से जन्म लेते हैं संभवतः क्षतिग्रस्त अंग के कारण या यौन-शक्ति न होने के कारण। कुछ नपुंसकों के समान अविवाहित जीवन जीते हैं।
- प्राचीन युग में नपुंसक व्यक्ति राजा के सेवक होते थे जिन्हें स्त्रियों की रक्षा के लिए रखा जाता था।
- कुछ नपुंसक मनुष्य महत्वपूर्ण राजकीय अधिकारी होते थे जैसे कूश देश के खोजे जिससे फिलिप्पुस ने रेगिस्तान में भेंट की थी।

(यह भी देखें: फिलिप्पुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:26-28
- प्रे.का. 08:36-38
- प्रे.का. 08:39-40
- यशायाह 39:7-8
- यिर्मयाह 34:17-19
- मत्ती 19:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5631, G2134, G2135

गड्ढे, कुएँ, कुआँ, कुओं

परिभाषा:

“कुआँ” और “गड्ढे” बाइबल के युग में पानी के दो स्रोत थे।

- गड्ढे भूमि में खोदकर बनाया जाता था कि भूगर्भ का पानी वहाँ एकत्र हो जाए।
- हौद भी भूमि में खोदकर बनाया जाता था परन्तु वह वर्षा का पानी एकत्र करने के लिए था।
- हौद अधिकतर चट्टानों को काटकर बनाए जाते थे और लेप लगाकर जलरोधक बनाए जाते थे कि उनमें पानी सुरक्षित रहे। “टूटा हुआ हौद” में लेप फट जाता था और उसमें एकत्र पानी बह जाता था।
- हौद अक्सर लोगों के घरों के आंगन में स्थित है जहाँ बारिश का पानी छत से निकलकर इकट्ठा होता है।
- कुएँ ऐसी जगह स्थित होती है जहाँ से अनेक परिवारों या पुरे समुदाय द्वारा उपयोग किया जा सके।
- पानी मनुष्यों और पशुओं के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है इसलिए कुएँ के उपयोग का अधिकार कलह और झगड़ों का कारण होता था।
- कुआँ और हौद दोनों ही को बड़े पत्थर से ढांक दिया जाता था कि उसमें कुछ न गिरे। कुएँ से पानी खींचने के लिए बाल्टी में रस्सी बांधकर पानी निकाला जाता था।
- कभी-कभी सूखा हौद किसी को बन्दी बनाने के लिए काम में आता था जैसा यूसुफ और यिर्मयाह के साथ किया गया था।

अनुवाद के सुझाव:

- कुएँ का अनुवाद करने के लिए “गहरा जल कूप” “पानी के स्रोत का गहरा गड्ढा” या “पानी निकालने का गहरा गड्ढा” काम में ले सकते हैं।
- “हौद” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “पत्थर का जलाशय” या “पानी के लिए गहरा संकीर्ण छिद्र” या “पानी एकत्र करने का भूमिगत जलाशय”
- ये शब्द अर्थ में समान है। इन दोनों में जो अन्तर है वह है कि कुएँ में पानी भूगर्भ से निकलता है और हौद में पानी वर्षा का होता है।

(यह भी देखें: यिर्मयाह, बन्दीगृह, कलह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 11:15-17
- 2 शमूएल 17:17-18
- उत्पत्ति 16:13-14
- लूका 14:4-6
- गिनती 20:17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H875, H883, H953, H1360, H3653, H4599, H4726, H4841, G4077, G5421

गड्ढे, कुएँ, कुआँ, कुओं

परिभाषा:

“कुआँ” और “गड्ढे” बाइबल के युग में पानी के दो स्रोत थे।

- गड्ढे भूमि में खोदकर बनाया जाता था कि भूगर्भ का पानी वहाँ एकत्र हो जाए।
- हौद भी भूमि में खोदकर बनाया जाता था परन्तु वह वर्षा का पानी एकत्र करने के लिए था।
- हौद अधिकतर चट्टानों को काटकर बनाए जाते थे और लेप लगाकर जलरोधक बनाए जाते थे कि उनमें पानी सुरक्षित रहे। “टूटा हुआ हौद” में लेप फट जाता था और उसमें एकत्र पानी बह जाता था।
- हौद अक्सर लोगों के घरों के आंगन में स्थित है जहाँ बारिश का पानी छत से निकलकर इकट्ठा होता है।
- कुएँ ऐसी जगह स्थित होती है जहाँ से अनेक परिवारों या पुरे समुदाय द्वारा उपयोग किया जा सके।
- पानी मनुष्यों और पशुओं के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है इसलिए कुएँ के उपयोग का अधिकार कलह और झगड़ों का कारण होता था।
- कुआँ और हौद दोनों ही को बड़े पत्थर से ढांक दिया जाता था कि उसमें कुछ न गिरे। कुएँ से पानी खींचने के लिए बाल्टी में रस्सी बांधकर पानी निकाला जाता था।
- कभी-कभी सूखा हौद किसी को बन्दी बनाने के लिए काम में आता था जैसा यूसुफ और यिर्मयाह के साथ किया गया था।

अनुवाद के सुझाव:

- कुएँ का अनुवाद करने के लिए “गहरा जल कूप” “पानी के स्रोत का गहरा गड्ढा” या “पानी निकालने का गहरा गड्ढा” काम में ले सकते हैं।
- “हौद” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “पत्थर का जलाशय” या “पानी के लिए गहरा संकीर्ण छिद्र” या “पानी एकत्र करने का भूमिगत जलाशय”
- ये शब्द अर्थ में समान है। इन दोनों में जो अन्तर है वह है कि कुएँ में पानी भूगर्भ से निकलता है और हौद में पानी वर्षा का होता है।

(यह भी देखें: यिर्मयाह, बन्दीगृह, कलह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 11:15-17
- 2 शमूएल 17:17-18
- उत्पत्ति 16:13-14
- लूका 14:4-6
- गिनती 20:17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H875, H883, H953, H1360, H3653, H4599, H4726, H4841, G4077, G5421

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।

- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9

- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।

- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9

- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।

- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9

- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गत, गतवासी, गती

तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्तियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 इतिहास 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1661, H1663

गतसमनी

तथ्य:

गतसमनी जैतून के वृक्षों की एक वाटिका थी, किद्रोन घाटी के पार, यरूशलेम के पूर्व में जैतून पर्वत के निकट।

- गतसमनी में यीशु और उसके शिष्य अकेले रहने और विश्राम करने के लिए जाते थे कि जनसमूह से दूर रह पाएं।
- गतसमनी में ही यीशु ने अपना गहन दुःख प्रार्थना में व्यक्त किया था, इसके पूर्व कि यहूदी अगुवे उसे बन्दी बनाते।

(यह भी देखें: यहूदा इस्करियोती, किद्रोन नाले, जैतून के पहाड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 14:32-34
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1068

गतसमनी

तथ्य:

गतसमनी जैतून के वृक्षों की एक वाटिका थी, किद्रोन घाटी के पार, यरूशलेम के पूर्व में जैतून पर्वत के निकट।

- गतसमनी में यीशु और उसके शिष्य अकेले रहने और विश्राम करने के लिए जाते थे कि जनसमूह से दूर रह पाएं।

- गतसमनी में ही यीशु ने अपना गहन दुःख प्रार्थना में व्यक्त किया था, इसके पूर्व कि यहूदी अगुवे उसे बन्दी बनाते।

(यह भी देखें: यहूदा इस्करियोती, किद्रोन नाले, जैतून के पहाड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 14:32-34
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1068

गन्धक, गन्धक

परिभाषा:

“गन्धक” एक पीले रंग का पदार्थ होता है जो आग में जलने के बाद जलने वाला तरल पदार्थ हो जाता है।

- गन्धक की भी एक बहुत मजबूत गंध है जो सड़े हुए अंडे की गंध की तरह है।
- बाइबल में जलता हुआ गंधक भक्तिहीन एवं विद्रोही मनुष्यों के लिए दण्ड का प्रतीक है।
- लूत के समय मैं परमेश्वर ने सदोम और अमोरा के दुष्ट नगरों पर आग और गन्धक बरसाया था।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल अनुवादों में गन्धक को “जलता हुआ पत्थर” कहा गया है जिसका शाब्दिक अर्थ है "जलता हुआ पत्थर।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का संभावित अनुवाद हो सकता है, “पीला पत्थर जो आग पकड़ता है” या “जलनेवाला पीला पत्थर”।

(यह भी देखें: अमोरा, न्यायी, लूत, बलवा, सदोम, अभक्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 19:23-25
- यशायाह 34:8-10
- लूका 17:28-29
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1614, G2303

गन्धक, गन्धक

परिभाषा:

“गन्धक” एक पीले रंग का पदार्थ होता है जो आग में जलने के बाद जलने वाला तरल पदार्थ हो जाता है।

- गन्धक की भी एक बहुत मजबूत गंध है जो सड़े हुए अंडे की गंध की तरह है।
- बाइबल में जलता हुआ गंधक भक्तिहीन एवं विद्रोही मनुष्यों के लिए दण्ड का प्रतीक है।
- लूत के समय मैं परमेश्वर ने सदोम और अमोरा के दुष्ट नगरों पर आग और गन्धक बरसाया था।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल अनुवादों में गन्धक को “जलता हुआ पत्थर” कहा गया है जिसका शाब्दिक अर्थ है "जलता हुआ पत्थर।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का संभावित अनुवाद हो सकता है, “पीला पत्थर जो आग पकड़ता है” या “जलनेवाला पीला पत्थर”।

(यह भी देखें: अमोरा, न्यायी, लूत, बलवा, सदोम, अभक्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 19:23-25
- यशायाह 34:8-10
- लूका 17:28-29
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1614, G2303

गन्धरस

परिभाषा:

“गन्धरस” एक तेल या मसाला होता था जो मूर के पेड़ से निकाला हुआ गोंद होता था, यह वृक्ष अफ्रीका और एशिया में पाया जाता था यह लोबान का सा ही होता है।

गन्धरस धूप, इत्र, और औषधी बनाने तथा शवों को अभ्यंजन में काम आता था।

- गन्धरस यीशु के जन्म पर ज्योतिषियों द्वारा चढ़ाई गई भेंटों में से एक था।
- यीशु जब क्रूस पर लटका हुआ था तब गन्धरस मिश्रित मदिरा उसे दी गई थी कि उसकी पीड़ा कम जो जाए।

(यह भी देखें: लोबान, ज्योतिषी)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 30:22-25
- उत्पत्ति 37:25-26
- यूहन्ना 11:1-2
- मरकुस 15:22-24
- मत्ती 02:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3910, H4753, G3464, G4666, G4669

गन्धरस

परिभाषा:

“गन्धरस” एक तेल या मसाला होता था जो मूर के पेड़ से निकाला हुआ गोंद होता था, यह वृक्ष अफ्रीका और एशिया में पाया जाता था यह लोबान का सा ही होता है।

गन्धरस धूप, इत्र, और औषधी बनाने तथा शवों को अभ्यंजन में काम आता था।

- गन्धरस यीशु के जन्म पर ज्योतिषियों द्वारा चढ़ाई गई भेंटों में से एक था।
- यीशु जब क्रूस पर लटका हुआ था तब गन्धरस मिश्रित मदिरा उसे दी गई थी कि उसकी पीड़ा कम जो जाए।

(यह भी देखें: लोबान, ज्योतिषी)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 30:22-25
- उत्पत्ति 37:25-26
- यूहन्ना 11:1-2
- मरकुस 15:22-24
- मत्ती 02:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3910, H4753, G3464, G4666, G4669

गन्धरस

परिभाषा:

“गन्धरस” एक तेल या मसाला होता था जो मूर के पेड़ से निकाला हुआ गोंद होता था, यह वृक्ष अफ्रीका और एशिया में पाया जाता था यह लोबान का सा ही होता है।

गन्धरस धूप, इत्र, और औषधी बनाने तथा शवों को अभ्यंजन में काम आता था।

- गन्धरस यीशु के जन्म पर ज्योतिषियों द्वारा चढ़ाई गई भेंटों में से एक था।
- यीशु जब क्रूस पर लटका हुआ था तब गन्धरस मिश्रित मदिरा उसे दी गई थी कि उसकी पीड़ा कम जो जाए।

(यह भी देखें: लोबान, ज्योतिषी)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 30:22-25
- उत्पत्ति 37:25-26
- यूहन्ना 11:1-2
- मरकुस 15:22-24
- मत्ती 02:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3910, H4753, G3464, G4666, G4669

गन्धरस

परिभाषा:

“गन्धरस” एक तेल या मसाला होता था जो मूर के पेड़ से निकाला हुआ गोंद होता था, यह वृक्ष अफ्रीका और एशिया में पाया जाता था यह लोबान का सा ही होता है।

गन्धरस धूप, इत्र, और औषधी बनाने तथा शवों को अभ्यंजन में काम आता था।

- गन्धरस यीशु के जन्म पर ज्योतिषियों द्वारा चढ़ाई गई भेंटों में से एक था।
- यीशु जब क्रूस पर लटका हुआ था तब गन्धरस मिश्रित मदिरा उसे दी गई थी कि उसकी पीड़ा कम जो जाए।

(यह भी देखें: लोबान, ज्योतिषी)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 30:22-25
- उत्पत्ति 37:25-26
- यूहन्ना 11:1-2
- मरकुस 15:22-24
- मत्ती 02:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3910, H4753, G3464, G4666, G4669

गर्भ

परिभाषा:

“गर्भ” अर्थात स्त्री के शरीर में भ्रूण विकास का अंग।

- यह एक पुराना शब्द है जिसका उपयोग शिष्टता एवं सीधी भाषा के लिए किया गया है।
- “गर्भ” का आधुनिक शब्द है “गर्भाशय”।
- कुछ भाषाओं में गर्भ या गर्भाशय के स्थान में “पेट” शब्द काम में लिया जाता है।
- लक्षित भाषा में प्रचलित एवं स्वाभाविक तथा स्वीकार्य शब्द का उपयोग करे।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 25:23
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 38:27-28
- उत्पत्ति 49:25
- लूका 02:21
- लूका 11:27-28
- लूका 23:29-31
- मत्ती 19:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H4578, H7356, H7358, G1064, G2836, G3388

गर्भ

परिभाषा:

“गर्भ” अर्थात स्त्री के शरीर में भ्रूण विकास का अंग।

- यह एक पुराना शब्द है जिसका उपयोग शिष्टता एवं सीधी भाषा के लिए किया गया है।
- “गर्भ” का आधुनिक शब्द है “गर्भाशय”।
- कुछ भाषाओं में गर्भ या गर्भाशय के स्थान में “पेट” शब्द काम में लिया जाता है।
- लक्षित भाषा में प्रचलित एवं स्वाभाविक तथा स्वीकार्य शब्द का उपयोग करे।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 25:23
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 38:27-28
- उत्पत्ति 49:25
- लूका 02:21
- लूका 11:27-28
- लूका 23:29-31
- मत्ती 19:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H4578, H7356, H7358, G1064, G2836, G3388

गर्भ

परिभाषा:

“गर्भ” अर्थात स्त्री के शरीर में भ्रूण विकास का अंग।

- यह एक पुराना शब्द है जिसका उपयोग शिष्टता एवं सीधी भाषा के लिए किया गया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- “गर्भ” का आधुनिक शब्द है “गर्भाशय”।
- कुछ भाषाओं में गर्भ या गर्भाशय के स्थान में “पेट” शब्द काम में लिया जाता है।
- लक्षित भाषा में प्रचलित एवं स्वाभाविक तथा स्वीकार्य शब्द का उपयोग करे।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 25:23
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 38:27-28
- उत्पत्ति 49:25
- लूका 02:21
- लूका 11:27-28
- लूका 23:29-31
- मत्ती 19:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H4578, H7356, H7358, G1064, G2836, G3388

गर्भ

परिभाषा:

“गर्भ” अर्थात स्त्री के शरीर में भ्रूण विकास का अंग।

- यह एक पुराना शब्द है जिसका उपयोग शिष्टता एवं सीधी भाषा के लिए किया गया है।
- “गर्भ” का आधुनिक शब्द है “गर्भाशय”।
- कुछ भाषाओं में गर्भ या गर्भाशय के स्थान में “पेट” शब्द काम में लिया जाता है।
- लक्षित भाषा में प्रचलित एवं स्वाभाविक तथा स्वीकार्य शब्द का उपयोग करे।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 25:23
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 38:27-28
- उत्पत्ति 49:25
- लूका 02:21
- लूका 11:27-28
- लूका 23:29-31
- मत्ती 19:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H4578, H7356, H7358, G1064, G2836, G3388

गर्भ

परिभाषा:

“गर्भ” अर्थात स्त्री के शरीर में भ्रूण विकास का अंग।

- यह एक पुराना शब्द है जिसका उपयोग शिष्टता एवं सीधी भाषा के लिए किया गया है।
- “गर्भ” का आधुनिक शब्द है “गर्भाशय”।
- कुछ भाषाओं में गर्भ या गर्भाशय के स्थान में “पेट” शब्द काम में लिया जाता है।
- लक्षित भाषा में प्रचलित एवं स्वाभाविक तथा स्वीकार्य शब्द का उपयोग करे।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 25:23

- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 38:27-28
- उत्पत्ति 49:25
- लूका 02:21
- लूका 11:27-28
- लूका 23:29-31
- मत्ती 19:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H4578, H7356, H7358, G1064, G2836, G3388

गर्भ

परिभाषा:

“गर्भ” अर्थात स्त्री के शरीर में भ्रूण विकास का अंग।

- यह एक पुराना शब्द है जिसका उपयोग शिष्टता एवं सीधी भाषा के लिए किया गया है।
- “गर्भ” का आधुनिक शब्द है “गर्भाशय”।
- कुछ भाषाओं में गर्भ या गर्भाशय के स्थान में “पेट” शब्द काम में लिया जाता है।
- लक्षित भाषा में प्रचलित एवं स्वाभाविक तथा स्वीकार्य शब्द का उपयोग करे।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 25:23
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 38:27-28
- उत्पत्ति 49:25
- लूका 02:21
- लूका 11:27-28
- लूका 23:29-31
- मत्ती 19:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H4578, H7356, H7358, G1064, G2836, G3388

गर्भ

परिभाषा:

“गर्भ” अर्थात स्त्री के शरीर में भ्रूण विकास का अंग।

- यह एक पुराना शब्द है जिसका उपयोग शिष्टता एवं सीधी भाषा के लिए किया गया है।
- “गर्भ” का आधुनिक शब्द है “गर्भाशय”।
- कुछ भाषाओं में गर्भ या गर्भाशय के स्थान में “पेट” शब्द काम में लिया जाता है।
- लक्षित भाषा में प्रचलित एवं स्वाभाविक तथा स्वीकार्य शब्द का उपयोग करे।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 25:23
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 38:27-28
- उत्पत्ति 49:25
- लूका 02:21
- लूका 11:27-28
- लूका 23:29-31
- मत्ती 19:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H4578, H7356, H7358, G1064, G2836, G3388

गर्भ

परिभाषा:

“गर्भ” अर्थात स्त्री के शरीर में भ्रूण विकास का अंग।

- यह एक पुराना शब्द है जिसका उपयोग शिष्टता एवं सीधी भाषा के लिए किया गया है।
- “गर्भ” का आधुनिक शब्द है “गर्भाशय”।
- कुछ भाषाओं में गर्भ या गर्भाशय के स्थान में “पेट” शब्द काम में लिया जाता है।
- लक्षित भाषा में प्रचलित एवं स्वाभाविक तथा स्वीकार्य शब्द का उपयोग करे।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 25:23
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 38:27-28
- उत्पत्ति 49:25
- लूका 02:21
- लूका 11:27-28
- लूका 23:29-31
- मत्ती 19:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H4578, H7356, H7358, G1064, G2836, G3388

गर्भ

परिभाषा:

“गर्भ” अर्थात स्त्री के शरीर में भ्रूण विकास का अंग।

- यह एक पुराना शब्द है जिसका उपयोग शिष्टता एवं सीधी भाषा के लिए किया गया है।
- “गर्भ” का आधुनिक शब्द है “गर्भाशय”।
- कुछ भाषाओं में गर्भ या गर्भाशय के स्थान में “पेट” शब्द काम में लिया जाता है।
- लक्षित भाषा में प्रचलित एवं स्वाभाविक तथा स्वीकार्य शब्द का उपयोग करे।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 25:23
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 38:27-28
- उत्पत्ति 49:25
- लूका 02:21
- लूका 11:27-28
- लूका 23:29-31
- मत्ती 19:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H4578, H7356, H7358, G1064, G2836, G3388

गर्भ

परिभाषा:

“गर्भ” अर्थात स्त्री के शरीर में भ्रूण विकास का अंग।

- यह एक पुराना शब्द है जिसका उपयोग शिष्टता एवं सीधी भाषा के लिए किया गया है।
- “गर्भ” का आधुनिक शब्द है “गर्भाशय”।
- कुछ भाषाओं में गर्भ या गर्भाशय के स्थान में “पेट” शब्द काम में लिया जाता है।
- लक्षित भाषा में प्रचलित एवं स्वाभाविक तथा स्वीकार्य शब्द का उपयोग करे।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 25:23
- उत्पत्ति 25:24-26
- उत्पत्ति 38:27-28
- उत्पत्ति 49:25
- लूका 02:21
- लूका 11:27-28
- लूका 23:29-31
- मत्ती 19:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H4578, H7356, H7358, G1064, G2836, G3388

गर्भ धारण, गर्भवती, गर्भवती होना

परिभाषा:

“गर्भधारण” या “गर्भवती होना” का अर्थ है “सन्तान को गर्भ में धारण करना” यह शब्द पशुओं के लिए भी काम में लिया जा सकता है।

- “गर्भवती होना” का अनुवाद “गर्भ धारण करना” या इसके तुल्य कोई शब्द हो तो उसका उपयोग करें।
- इससे संबन्धित शब्द “गर्भवती होना” का अनुवाद “गर्भधारण का आरंभ” या “गर्भधारण का पल”।
- इसका संदर्भ किसी बात की रचना या विचार करना जैसे धारण, योजना या कार्य से भी हो सकता है। इसके अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विचारना” या “योजना बनाना” या “रचना करना” जो प्रकरण के अनुरूप हो।
- कभी-कभी यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे अभिलाषा गर्भवती होकर पाप को जनती है अर्थात “जब पाप का पहला विचार आता है” या “पाप का आरंभिक पल” या “जब पाप का आरंभ होता है”।

(यह भी देखें: उत्पन्न, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 21:1-4
- होशे 02:4-5
- अय्यूब 15:34-35
- लूका 01:24-25
- लूका 02:21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2029, H2030, H2032, H2232, H2254, H2803, H3179, G1080, G1722, G2602, G2845, G4815

गलातिया, गलातियों

तथ्य:

नए नियम के समय में, गलातिया एक बड़ा रोमी प्रांत था जो आज के तुर्किस्तान के मध्य भाग में स्थित है।

- गलातिया का एक भाग काला सागर के तट पर उत्तर की ओर विस्तृत था। उसकी सीमाओं पर एशिया, बिथुनिया, कप्पदोकिया, किलकिया और पंफूलिया थे।
- प्रेरित पौलुस गलातिया प्रदेश के विश्वासियों को पत्र लिखा था। यह पत्र नये नियम में "गलातियों के नाम पौलुस की पत्री" के नाम से है।
- गलातिया के विश्वासियों को यह पत्र लिखने में पौलुस का एक कारण था कि कर्मों द्वारा नहीं अनुग्रह द्वारा उद्धार पर बल दें।
- गलातिया प्रदेश में जो अन्य जाति से आनेवाले विश्वासी थे उन्हें यहूदी मत से आनेवाले विश्वासी शिक्षा दे रहे थे कि विश्वासियों को यहूदी नियमों में से कुछ का पालन करना अनिवार्य था।

(यह भी देखें: आसिया, विश्वासी, किलिकिया, शुभ समाचार, पौलुस, काम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:1-2
- 1 पतरस 01:1-2
- 2 तीमुथियुस 04:9-10
- प्रे.का. 16:6-8
- गलातियों 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1053, G1054

गलातिया, गलातियों

तथ्य:

नए नियम के समय में, गलातिया एक बड़ा रोमी प्रांत था जो आज के तुर्किस्तान के मध्य भाग में स्थित है।

- गलातिया का एक भाग काला सागर के तट पर उत्तर की ओर विस्तृत था। उसकी सीमाओं पर एशिया, बिथुनिया, कप्पदोकिया, किलकिया और पंफूलिया थे।
- प्रेरित पौलुस गलातिया प्रदेश के विश्वासियों को पत्र लिखा था। यह पत्र नये नियम में "गलातियों के नाम पौलुस की पत्री" के नाम से है।
- गलातिया के विश्वासियों को यह पत्र लिखने में पौलुस का एक कारण था कि कर्मों द्वारा नहीं अनुग्रह द्वारा उद्धार पर बल दें।
- गलातिया प्रदेश में जो अन्य जाति से आनेवाले विश्वासी थे उन्हें यहूदी मत से आनेवाले विश्वासी शिक्षा दे रहे थे कि विश्वासियों को यहूदी नियमों में से कुछ का पालन करना अनिवार्य था।

(यह भी देखें: आसिया, विश्वासी, किलिकिया, शुभ समाचार, पौलुस, काम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:1-2
- 1 पतरस 01:1-2
- 2 तीमुथियुस 04:9-10
- प्रे.का. 16:6-8
- गलातियों 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1053, G1054

गलातिया, गलातियों

तथ्य:

नए नियम के समय में, गलातिया एक बड़ा रोमी प्रांत था जो आज के तुर्किस्तान के मध्य भाग में स्थित है।

- गलातिया का एक भाग काला सागर के तट पर उत्तर की ओर विस्तृत था। उसकी सीमाओं पर एशिया, बिथुनिया, कप्पदोकिया, किलकिया और पंफूलिया थे।
- प्रेरित पौलुस गलातिया प्रदेश के विश्वासियों को पत्र लिखा था। यह पत्र नये नियम में "गलातियों के नाम पौलुस की पत्री" के नाम से है।
- गलातिया के विश्वासियों को यह पत्र लिखने में पौलुस का एक कारण था कि कर्मों द्वारा नहीं अनुग्रह द्वारा उद्धार पर बल दें।
- गलातिया प्रदेश में जो अन्य जाति से आनेवाले विश्वासी थे उन्हें यहूदी मत से आनेवाले विश्वासी शिक्षा दे रहे थे कि विश्वासियों को यहूदी नियमों में से कुछ का पालन करना अनिवार्य था।

(यह भी देखें: आसिया, विश्वासी, किलिकिया, शुभ समाचार, पौलुस, काम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:1-2
- 1 पतरस 01:1-2
- 2 तीमुथियुस 04:9-10
- प्रे.का. 16:6-8
- गलातियों 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1053, G1054

गलातिया, गलातियों

तथ्य:

नए नियम के समय में, गलातिया एक बड़ा रोमी प्रांत था जो आज के तुर्किस्तान के मध्य भाग में स्थित है।

- गलातिया का एक भाग काला सागर के तट पर उत्तर की ओर विस्तृत था। उसकी सीमाओं पर एशिया, बिथुनिया, कप्पदोकिया, किलकिया और पंफूलिया थे।
- प्रेरित पौलुस गलातिया प्रदेश के विश्वासियों को पत्र लिखा था। यह पत्र नये नियम में "गलातियों के नाम पौलुस की पत्री" के नाम से है।
- गलातिया के विश्वासियों को यह पत्र लिखने में पौलुस का एक कारण था कि कर्मों द्वारा नहीं अनुग्रह द्वारा उद्धार पर बल दें।
- गलातिया प्रदेश में जो अन्य जाति से आनेवाले विश्वासी थे उन्हें यहूदी मत से आनेवाले विश्वासी शिक्षा दे रहे थे कि विश्वासियों को यहूदी नियमों में से कुछ का पालन करना अनिवार्य था।

(यह भी देखें: आसिया, विश्वासी, किलिकिया, शुभ समाचार, पौलुस, काम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:1-2
- 1 पतरस 01:1-2
- 2 तीमुथियुस 04:9-10
- प्रे.का. 16:6-8
- गलातियों 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1053, G1054

गलातिया, गलातियों

तथ्य:

नए नियम के समय में, गलातिया एक बड़ा रोमी प्रांत था जो आज के तुर्किस्तान के मध्य भाग में स्थित है।

- गलातिया का एक भाग काला सागर के तट पर उत्तर की ओर विस्तृत था। उसकी सीमाओं पर एशिया, बिथुनिया, कप्पदोकिया, किलकिया और पंफूलिया थे।
- प्रेरित पौलुस गलातिया प्रदेश के विश्वासियों को पत्र लिखा था। यह पत्र नये नियम में "गलातियों के नाम पौलुस की पत्री" के नाम से है।
- गलातिया के विश्वासियों को यह पत्र लिखने में पौलुस का एक कारण था कि कर्मों द्वारा नहीं अनुग्रह द्वारा उद्धार पर बल दें।
- गलातिया प्रदेश में जो अन्य जाति से आनेवाले विश्वासी थे उन्हें यहूदी मत से आनेवाले विश्वासी शिक्षा दे रहे थे कि विश्वासियों को यहूदी नियमों में से कुछ का पालन करना अनिवार्य था।

(यह भी देखें: आसिया, विश्वासी, किलिकिया, शुभ समाचार, पौलुस, काम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:1-2
- 1 पतरस 01:1-2
- 2 तीमुथियुस 04:9-10
- प्रे.का. 16:6-8
- गलातियों 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1053, G1054

गलील, गलीली, गलीलियों

तथ्य:

गलील इस्राएल का परम उत्तरी भाग था, सामरिया के ठीक उत्तर में। गलीली मनुष्य गलील का रहनेवाला था।

- नये नियम के युग में गलील, सामरिया और यहूदा इस्राएल के तीन प्रमुख क्षेत्र थे।
- गलील के पूर्व में एक विशाल झील, गलील सागर थी।
- यीशु गलील के नासरत नगर में पला बड़ा हुआ था और वहीं रहता था

यीशु के अधिकांश आश्चर्यकर्म और सेवा गलील क्षेत्र में ही हुई थी।

(यह भी देखें: नासरत, सामरिया, गलील सागर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 13:30-31
- यूहन्ना 02:1-2
- यूहन्ना 04:1-3
- लूका 13:1-3
- मरकुस 03:7-8
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:13-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:10** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह खेदित मन के लोगों को शान्ति देगा और बंदियों के लिए स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारा देगा।
- **26:01** शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **39:06** अंत में लोगों ने जो वहाँ खड़े थे, पतरस के पास आकर उससे कहा, "हम जानते है कि तू भी यीशु के साथ था क्योंकि तुम दोनों गलील से हो।"

- **41:06** तब स्वर्गदूत ने उन स्त्रियों से कहा , “जाओ और शीघ्र जाकर उसके चेलों से कहो कि यीशु मृतकों में से जी उठा है और वह तुमसे पहले गलील को जाता है।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1551, G1056, G1057

गलील, गलीली, गलीलियों

तथ्य:

गलील इस्राएल का परम उत्तरी भाग था, सामरिया के ठीक उत्तर में। गलीली मनुष्य गलील का रहनेवाला था।

- नये नियम के युग में गलील, सामरिया और यहूदा इस्राएल के तीन प्रमुख क्षेत्र थे।
- गलील के पूर्व में एक विशाल झील, गलील सागर थी।
- यीशु गलील के नासरत नगर में पला बड़ा हुआ था और वहीं रहता था

यीशु के अधिकांश आश्चर्यकर्म और सेवा गलील क्षेत्र में ही हुई थी।

(यह भी देखें: नासरत, सामरिया, गलील सागर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 13:30-31
- यूहन्ना 02:1-2
- यूहन्ना 04:1-3
- लूका 13:1-3
- मरकुस 03:7-8
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:13-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:10** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह खेदित मन के लोगों को शान्ति देगा और बंदियों के लिए स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारा देगा।
- **26:01** शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **39:06** अंत में लोगों ने जो वहाँ खड़े थे, पतरस के पास आकर उससे कहा, “हम जानते है कि तू भी यीशु के साथ था क्योंकि तुम दोनों गलील से हो।”
- **41:06** तब स्वर्गदूत ने उन स्त्रियों से कहा , “जाओ और शीघ्र जाकर उसके चेलों से कहो कि यीशु मृतकों में से जी उठा है और वह तुमसे पहले गलील को जाता है।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1551, G1056, G1057

गलील, गलीली, गलीलियों

तथ्य:

गलील इस्राएल का परम उत्तरी भाग था, सामरिया के ठीक उत्तर में। गलीली मनुष्य गलील का रहनेवाला था।

- नये नियम के युग में गलील, सामरिया और यहूदा इस्राएल के तीन प्रमुख क्षेत्र थे।
- गलील के पूर्व में एक विशाल झील, गलील सागर थी।
- यीशु गलील के नासरत नगर में पला बड़ा हुआ था और वहीं रहता था

यीशु के अधिकांश आश्चर्यकर्म और सेवा गलील क्षेत्र में ही हुई थी।

(यह भी देखें: नासरत, सामरिया, गलील सागर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 13:30-31
- यूहन्ना 02:1-2
- यूहन्ना 04:1-3
- लूका 13:1-3
- मरकुस 03:7-8
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:13-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:10** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह खेदित मन के लोगों को शान्ति देगा और बंदियों के लिए स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारा देगा।
- **26:01** शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **39:06** अंत में लोगों ने जो वहाँ खड़े थे, पतरस के पास आकर उससे कहा, “हम जानते है कि तू भी यीशु के साथ था क्योंकि तुम दोनों गलील से हो।”
- **41:06** तब स्वर्गदूत ने उन स्त्रियों से कहा , “जाओ और शीघ्र जाकर उसके चेलों से कहो कि यीशु मृतकों में से जी उठा है और वह तुमसे पहले गलील को जाता है।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1551, G1056, G1057

गलील, गलीली, गलीलियों

तथ्य:

गलील इस्राएल का परम उत्तरी भाग था, सामरिया के ठीक उत्तर में। गलीली मनुष्य गलील का रहनेवाला था।

- नये नियम के युग में गलील, सामरिया और यहूदा इस्राएल के तीन प्रमुख क्षेत्र थे।
- गलील के पूर्व में एक विशाल झील, गलील सागर थी।
- यीशु गलील के नासरत नगर में पला बड़ा हुआ था और वहीं रहता था

यीशु के अधिकांश आश्चर्यकर्म और सेवा गलील क्षेत्र में ही हुई थी।

(यह भी देखें: नासरत, सामरिया, गलील सागर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 13:30-31
- यूहन्ना 02:1-2
- यूहन्ना 04:1-3
- लूका 13:1-3
- मरकुस 03:7-8
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:13-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:10** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह खेदित मन के लोगों को शान्ति देगा और बंदियों के लिए स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारा देगा।
- **26:01** शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **39:06** अंत में लोगों ने जो वहाँ खड़े थे, पतरस के पास आकर उससे कहा, “हम जानते है कि तू भी यीशु के साथ था क्योंकि तुम दोनों गलील से हो।”
- **41:06** तब स्वर्गदूत ने उन स्त्रियों से कहा , “जाओ और शीघ्र जाकर उसके चेलों से कहो कि यीशु मृतकों में से जी उठा है और वह तुमसे पहले गलील को जाता है।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1551, G1056, G1057

गलील, गलीली, गलीलियों

तथ्य:

गलील इस्राएल का परम उत्तरी भाग था, सामरिया के ठीक उत्तर में। गलीली मनुष्य गलील का रहनेवाला था।

- नये नियम के युग में गलील, सामरिया और यहूदा इस्राएल के तीन प्रमुख क्षेत्र थे।
- गलील के पूर्व में एक विशाल झील, गलील सागर थी।
- यीशु गलील के नासरत नगर में पला बड़ा हुआ था और वहीं रहता था

यीशु के अधिकांश आश्चर्यकर्म और सेवा गलील क्षेत्र में ही हुई थी।

(यह भी देखें: नासरत, सामरिया, गलील सागर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 13:30-31
- यूहन्ना 02:1-2
- यूहन्ना 04:1-3
- लूका 13:1-3
- मरकुस 03:7-8
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:13-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:10** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह खेदित मन के लोगों को शान्ति देगा और बंदियों के लिए स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारा देगा।
- **26:01** शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **39:06** अंत में लोगों ने जो वहाँ खड़े थे, पतरस के पास आकर उससे कहा, “हम जानते है कि तू भी यीशु के साथ था क्योंकि तुम दोनों गलील से हो।”
- **41:06** तब स्वर्गदूत ने उन स्त्रियों से कहा , “जाओ और शीघ्र जाकर उसके चेलों से कहो कि यीशु मृतकों में से जी उठा है और वह तुमसे पहले गलील को जाता है।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1551, G1056, G1057

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।

- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44
- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18
- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44
- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18
- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44
- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44

- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18
- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44
- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18
- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44
- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18
- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44
- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18
- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।

- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44
- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18
- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।

- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44
- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18
- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44

- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18
- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44
- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18

- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44
- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18
- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44
- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18
- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।

- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44
- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18
- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।

- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44
- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18
- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44

- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18
- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44
- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18

- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44
- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18
- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही, गवाही देना, साक्षी, गवाह

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। “गवाही” का अर्थ “गवाही देने” से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझाव:

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका ब्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरूद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, भविष्यद्वक्ता, साक्षी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 31:28
- मिका 06:03
- मत्ती 26:60
- मरकुस 01:44
- यूहन्ना 01:07
- यूहन्ना 03:33
- प्रे.का. 04:32-33
- प्रे.का., 07:44
- प्रे.का., 13:31
- रोमियों 01:09
- 1 थिस्लुनिकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2, तीमुथियुस 01:08
- 2 पतरस 01:16-18
- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 3 यूहन्ना 01:12
- प्रका. 12:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गाद

तथ्य:

लेवी याकूब या इस्राएल के बारह पुत्रों में से एक था। याकूब को इस्राएल का नाम भी दिया गया था।

- गाद का परिवार इस्राएल के 12 गोत्रों में से एक बना था।
- बाइबल में एक और पुरुष जिसका नाम गाद था वह एक भविष्यद्वक्ता था जिसने इस्राएलियों की जनगणना के लिए दाऊद को फटकारा था।
- “बालगाद” और “मिगदल गाद” मूल भाषा में दो शब्द है और कभी-कभी उन्हें “बाल गाद” और मिगदल गाद” लिखा भी गया है।

(यह भी देखें: नाम लिखाई, भविष्यद्वक्ता, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 05:18-19
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 30:9-11
- यहोशू 01:12-13
- यहोशू 21:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1410, H1425, G1045

गाय, बैल, बछड़ा, पशुओं, बछिया, बैल

परिभाषा:

"गाय," "बैल," कोलोर," और “पशुओं” आदि सब शब्दों का संदर्भ एक बड़े चार टांग वाले पशुओं से है जो घास खाते हैं और मांस एवं दूध के लिए पाले जाते हैं.

- ऐसे पशु की मादा को गाय कहते हैं और नर को बैल और उसके बच्चे को बछड़ा कहते हैं.
- बाइबल में, मवेशी "शुद्ध"पशुओं में गिने जाते थे इनको मनुष्य खा सकता था और बलिओं के लिए काम में ले सकता था. वे मुख्य रूप से मांस और दूध के लिए थे।
- "कलोर" वह गाय होती थी जिसने बच्चा न दिया हो.
- “बैल” एक चौपाया पशु है जिसे खेती के काम के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है. इस शब्द का बहुवचन है “बैलों.” बैलों नर हैं जिनका बधियाकरण किया गया है.
- संपूर्ण बाइबल में बैलों को जूए में जुता हुआ दर्शाया गया है कि बैलगाड़ी खींचे या हल चलाएं.
- जूए में जुते हुए बैल बाइबल में एक ऐसी सामान्य बात थी कि “जूए में जुतना” कठोर परिश्रम या श्रम की उपमा हो गया.
- सांड भी नर चौपाया है परन्तु उसका बधियाकरण नहीं किया जाता है और न ही काम कराने का उसको प्रशिक्षण दिया जाता था.

(यह भी देखें: जूआ)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 15:9-11
- निर्गमन 24:5-6
- गिनती 19:1-2
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- 1 शमूएल 01:24-25
- 1 शमूएल 15:03
- 1 शमूएल 16:2-3
- 1 राजा 01:09
- 2 इतिहास 11:15
- 2 इतिहास 15:10-11
- मत्ती 22:4
- लूका 13:15
- लूका 14:05
- इब्रानियों 09:13

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H441, H504, H929, H1165, H1241, H1241, H1241, H4399, H4735, H4806, H5695, H5697, H5697, H6499, H6499, H6510, H6510, H6629, H7214, H7716, H7794, H7794, H7921, H8377, H8377, H8450, H8450, G1016, G1151, G2353, G2934, G3447, G3448, G4165, G5022, G5022

गाय, बैल, बछड़ा, पशुओं, बछिया, बैल

परिभाषा:

"गाय," "बैल," कोलोर," और “पशुओं” आदि सब शब्दों का संदर्भ एक बड़े चार टांग वाले पशुओं से है जो घास खाते हैं और मांस एवं दूध के लिए पाले जाते हैं.

- ऐसे पशु की मादा को गाय कहते हैं और नर को बैल और उसके बच्चे को बछड़ा कहते हैं.
- बाइबल में, मवेशी "शुद्ध"पशुओं में गिने जाते थे इनको मनुष्य खा सकता था और बलिओं के लिए काम में ले सकता था. वे मुख्य रूप से मांस और दूध के लिए थे।
- "कलोर" वह गाय होती थी जिसने बच्चा न दिया हो.
- “बैल” एक चौपाया पशु है जिसे खेती के काम के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है. इस शब्द का बहुवचन है “बैलों.” बैलों नर हैं जिनका बधियाकरण किया गया है.
- संपूर्ण बाइबल में बैलों को जूए में जुता हुआ दर्शाया गया है कि बैलगाड़ी खींचे या हल चलाएं.
- जूए में जुते हुए बैल बाइबल में एक ऐसी सामान्य बात थी कि “जूए में जुतना” कठोर परिश्रम या श्रम की उपमा हो गया.
- सांड भी नर चौपाया है परन्तु उसका बधियाकरण नहीं किया जाता है और न ही काम कराने का उसको प्रशिक्षण दिया जाता था.

(यह भी देखें: जूआ)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 15:9-11
- निर्गमन 24:5-6
- गिनती 19:1-2
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- 1 शमूएल 01:24-25
- 1 शमूएल 15:03
- 1 शमूएल 16:2-3
- 1 राजा 01:09
- 2 इतिहास 11:15
- 2 इतिहास 15:10-11
- मत्ती 22:4
- लूका 13:15
- लूका 14:05
- इब्रानियों 09:13

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H441, H504, H929, H1165, H1241, H1241, H1241, H4399, H4735, H4806, H5695, H5697, H5697, H6499, H6499, H6510, H6510, H6629, H7214, H7716, H7794, H7794, H7921, H8377, H8377, H8450, H8450, G1016, G1151, G2353, G2934, G3447, G3448, G4165, G5022, G5022

गाय, बैल, बछड़ा, पशुओं, बछिया, बैल

परिभाषा:

"गाय," "बैल," कोलोर," और “पशुओं” आदि सब शब्दों का संदर्भ एक बड़े चार टांग वाले पशुओं से है जो घास खाते हैं और मांस एवं दूध के लिए पाले जाते हैं.

- ऐसे पशु की मादा को गाय कहते हैं और नर को बैल और उसके बच्चे को बछड़ा कहते हैं.
- बाइबल में, मवेशी "शुद्ध"पशुओं में गिने जाते थे इनको मनुष्य खा सकता था और बलिओं के लिए काम में ले सकता था. वे मुख्य रूप से मांस और दूध के लिए थे।
- "कलोर" वह गाय होती थी जिसने बच्चा न दिया हो.
- “बैल” एक चौपाया पशु है जिसे खेती के काम के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है. इस शब्द का बहुवचन है “बैलों.” बैलों नर हैं जिनका बधियाकरण किया गया है.
- संपूर्ण बाइबल में बैलों को जूए में जुता हुआ दर्शाया गया है कि बैलगाड़ी खींचे या हल चलाएं.
- जूए में जुते हुए बैल बाइबल में एक ऐसी सामान्य बात थी कि “जूए में जुतना” कठोर परिश्रम या श्रम की उपमा हो गया.
- सांड भी नर चौपाया है परन्तु उसका बधियाकरण नहीं किया जाता है और न ही काम कराने का उसको प्रशिक्षण दिया जाता था.

(यह भी देखें: जूआ)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 15:9-11
- निर्गमन 24:5-6
- गिनती 19:1-2
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- 1 शमूएल 01:24-25
- 1 शमूएल 15:03
- 1 शमूएल 16:2-3
- 1 राजा 01:09
- 2 इतिहास 11:15
- 2 इतिहास 15:10-11
- मत्ती 22:4
- लूका 13:15
- लूका 14:05
- इब्रानियों 09:13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H504, H929, H1165, H1241, H1241, H1241, H4399, H4735, H4806, H5695, H5697, H5697, H6499, H6499, H6510, H6510, H6629, H7214, H7716, H7794, H7794, H7921, H8377, H8377, H8450, H8450, G1016, G1151, G2353, G2934, G3447, G3448, G4165, G5022, G5022

गाय, बैल, बछड़ा, पशुओं, बछिया, बैल

परिभाषा:

"गाय," "बैल," कोलोर," और "पशुओं" आदि सब शब्दों का संदर्भ एक बड़े चार टांग वाले पशुओं से है जो घास खाते हैं और मांस एवं दूध के लिए पाले जाते हैं.

- ऐसे पशु की मादा को गाय कहते हैं और नर को बैल और उसके बच्चे को बछड़ा कहते हैं.
- बाइबल में, मवेशी "शुद्ध"पशुओं में गिने जाते थे इनको मनुष्य खा सकता था और बलिओं के लिए काम में ले सकता था. वे मुख्य रूप से मांस और दूध के लिए थे।
- "कलोर" वह गाय होती थी जिसने बच्चा न दिया हो.
- "बैल" एक चौपाया पशु है जिसे खेती के काम के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है. इस शब्द का बहुवचन है "बैलों." बैलों नर हैं जिनका बधियाकरण किया गया है.
- संपूर्ण बाइबल में बैलों को जूए में जुता हुआ दर्शाया गया है कि बैलगाड़ी खींचे या हल चलाएं.
- जूए में जुते हुए बैल बाइबल में एक ऐसी सामान्य बात थी कि "जूए में जुतना" कठोर परिश्रम या श्रम की उपमा हो गया.
- सांड भी नर चौपाया है परन्तु उसका बधियाकरण नहीं किया जाता है और न ही काम कराने का उसको प्रशिक्षण दिया जाता था.

(यह भी देखें: जूआ)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 15:9-11
- निर्गमन 24:5-6
- गिनती 19:1-2
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- 1 शमूएल 01:24-25
- 1 शमूएल 15:03
- 1 शमूएल 16:2-3
- 1 राजा 01:09
- 2 इतिहास 11:15
- 2 इतिहास 15:10-11
- मत्ती 22:4
- लूका 13:15

- लूका 14:05
- इब्रानियों 09:13

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H441, H504, H929, H1165, H1241, H1241, H1241, H4399, H4735, H4806, H5695, H5697, H5697, H6499, H6499, H6510, H6510, H6629, H7214, H7716, H7794, H7794, H7921, H8377, H8377, H8450, H8450, G1016, G1151, G2353, G2934, G3447, G3448, G4165, G5022, G5022

गाय, बैल, बछड़ा, पशुओं, बछिया, बैल

परिभाषा:

"गाय," "बैल," कोलोर," और “पशुओं” आदि सब शब्दों का संदर्भ एक बड़े चार टांग वाले पशुओं से है जो घास खाते हैं और मांस एवं दूध के लिए पाले जाते हैं.

- ऐसे पशु की मादा को गाय कहते हैं और नर को बैल और उसके बच्चे को बछड़ा कहते हैं.
- बाइबल में, मवेशी "शुद्ध"पशुओं में गिने जाते थे इनको मनुष्य खा सकता था और बलिओं के लिए काम में ले सकता था. वे मुख्य रूप से मांस और दूध के लिए थे।
- "कलोर" वह गाय होती थी जिसने बच्चा न दिया हो.
- “बैल” एक चौपाया पशु है जिसे खेती के काम के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है. इस शब्द का बहुवचन है “बैलों.” बैलों नर हैं जिनका बधियाकरण किया गया है.
- संपूर्ण बाइबल में बैलों को जूए में जुता हुआ दर्शाया गया है कि बैलगाड़ी खींचे या हल चलाएं.
- जूए में जुते हुए बैल बाइबल में एक ऐसी सामान्य बात थी कि “जूए में जुतना” कठोर परिश्रम या श्रम की उपमा हो गया.
- सांड भी नर चौपाया है परन्तु उसका बधियाकरण नहीं किया जाता है और न ही काम कराने का उसको प्रशिक्षण दिया जाता था.

(यह भी देखें: जूआ)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 15:9-11
- निर्गमन 24:5-6
- गिनती 19:1-2
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- 1 शमूएल 01:24-25
- 1 शमूएल 15:03
- 1 शमूएल 16:2-3
- 1 राजा 01:09
- 2 इतिहास 11:15
- 2 इतिहास 15:10-11
- मत्ती 22:4
- लूका 13:15
- लूका 14:05
- इब्रानियों 09:13

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H441, H504, H929, H1165, H1241, H1241, H1241, H4399, H4735, H4806, H5695, H5697, H5697, H6499, H6499, H6510, H6510, H6629, H7214, H7716, H7794, H7794, H7921, H8377, H8377, H8450, H8450, G1016, G1151, G2353, G2934, G3447, G3448, G4165, G5022, G5022

गाय, बैल, बछड़ा, पशुओं, बछिया, बैल

परिभाषा:

"गाय," "बैल," कोलोर," और “पशुओं” आदि सब शब्दों का संदर्भ एक बड़े चार टांग वाले पशुओं से है जो घास खाते हैं और मांस एवं दूध के लिए पाले जाते हैं.

- ऐसे पशु की मादा को गाय कहते हैं और नर को बैल और उसके बच्चे को बछड़ा कहते हैं.
- बाइबल में, मवेशी "शुद्ध"पशुओं में गिने जाते थे इनको मनुष्य खा सकता था और बलिओं के लिए काम में ले सकता था. वे मुख्य रूप से मांस और दूध के लिए थे।
- "कलोर" वह गाय होती थी जिसने बच्चा न दिया हो.
- “बैल” एक चौपाया पशु है जिसे खेती के काम के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है. इस शब्द का बहुवचन है “बैलों.” बैलों नर हैं जिनका बधियाकरण किया गया है.
- संपूर्ण बाइबल में बैलों को जूए में जुता हुआ दर्शाया गया है कि बैलगाड़ी खींचे या हल चलाएं.
- जूए में जुते हुए बैल बाइबल में एक ऐसी सामान्य बात थी कि “जूए में जुतना” कठोर परिश्रम या श्रम की उपमा हो गया.
- सांड भी नर चौपाया है परन्तु उसका बधियाकरण नहीं किया जाता है और न ही काम कराने का उसको प्रशिक्षण दिया जाता था.

(यह भी देखें: जूआ)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 15:9-11
- निर्गमन 24:5-6
- गिनती 19:1-2
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- 1 शमूएल 01:24-25
- 1 शमूएल 15:03
- 1 शमूएल 16:2-3
- 1 राजा 01:09
- 2 इतिहास 11:15
- 2 इतिहास 15:10-11
- मत्ती 22:4
- लूका 13:15
- लूका 14:05
- इब्रानियों 09:13

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H441, H504, H929, H1165, H1241, H1241, H1241, H4399, H4735, H4806, H5695, H5697, H5697, H6499, H6499, H6510, H6510, H6629, H7214, H7716, H7794, H7794, H7921, H8377, H8377, H8450, H8450, G1016, G1151, G2353, G2934, G3447, G3448, G4165, G5022, G5022

गाय, बैल, बछड़ा, पशुओं, बछिया, बैल

परिभाषा:

"गाय," "बैल," कोलोर," और “पशुओं” आदि सब शब्दों का संदर्भ एक बड़े चार टांग वाले पशुओं से है जो घास खाते हैं और मांस एवं दूध के लिए पाले जाते हैं.

- ऐसे पशु की मादा को गाय कहते हैं और नर को बैल और उसके बच्चे को बछड़ा कहते हैं.
- बाइबल में, मवेशी "शुद्ध"पशुओं में गिने जाते थे इनको मनुष्य खा सकता था और बलिओं के लिए काम में ले सकता था. वे मुख्य रूप से मांस और दूध के लिए थे।
- "कलोर" वह गाय होती थी जिसने बच्चा न दिया हो.
- “बैल” एक चौपाया पशु है जिसे खेती के काम के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है. इस शब्द का बहुवचन है “बैलों.” बैलों नर हैं जिनका बधियाकरण किया गया है.
- संपूर्ण बाइबल में बैलों को जूए में जुता हुआ दर्शाया गया है कि बैलगाड़ी खींचे या हल चलाएं.
- जूए में जुते हुए बैल बाइबल में एक ऐसी सामान्य बात थी कि “जूए में जुतना” कठोर परिश्रम या श्रम की उपमा हो गया.
- सांड भी नर चौपाया है परन्तु उसका बधियाकरण नहीं किया जाता है और न ही काम कराने का उसको प्रशिक्षण दिया जाता था.

(यह भी देखें: जूआ)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 15:9-11
- निर्गमन 24:5-6
- गिनती 19:1-2
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- 1 शमूएल 01:24-25
- 1 शमूएल 15:03
- 1 शमूएल 16:2-3
- 1 राजा 01:09
- 2 इतिहास 11:15
- 2 इतिहास 15:10-11
- मत्ती 22:4
- लूका 13:15
- लूका 14:05
- इब्रानियों 09:13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H504, H929, H1165, H1241, H1241, H1241, H4399, H4735, H4806, H5695, H5697, H5697, H6499, H6499, H6510, H6510, H6629, H7214, H7716, H7794, H7794, H7921, H8377, H8377, H8450, H8450, G1016, G1151, G2353, G2934, G3447, G3448, G4165, G5022, G5022

गाय, बैल, बछड़ा, पशुओं, बछिया, बैल

परिभाषा:

"गाय," "बैल," कोलोर," और "पशुओं" आदि सब शब्दों का संदर्भ एक बड़े चार टांग वाले पशुओं से है जो घास खाते हैं और मांस एवं दूध के लिए पाले जाते हैं.

- ऐसे पशु की मादा को गाय कहते हैं और नर को बैल और उसके बच्चे को बछड़ा कहते हैं.
- बाइबल में, मवेशी "शुद्ध"पशुओं में गिने जाते थे इनको मनुष्य खा सकता था और बलिओं के लिए काम में ले सकता था. वे मुख्य रूप से मांस और दूध के लिए थे।
- "कलोर" वह गाय होती थी जिसने बच्चा न दिया हो.
- "बैल" एक चौपाया पशु है जिसे खेती के काम के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है. इस शब्द का बहुवचन है "बैलों." बैलों नर हैं जिनका बधियाकरण किया गया है.
- संपूर्ण बाइबल में बैलों को जूए में जुता हुआ दर्शाया गया है कि बैलगाड़ी खींचे या हल चलाएं.
- जूए में जुते हुए बैल बाइबल में एक ऐसी सामान्य बात थी कि "जूए में जुतना" कठोर परिश्रम या श्रम की उपमा हो गया.
- सांड भी नर चौपाया है परन्तु उसका बधियाकरण नहीं किया जाता है और न ही काम कराने का उसको प्रशिक्षण दिया जाता था.

(यह भी देखें: जूआ)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 15:9-11
- निर्गमन 24:5-6
- गिनती 19:1-2
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- 1 शमूएल 01:24-25
- 1 शमूएल 15:03
- 1 शमूएल 16:2-3
- 1 राजा 01:09
- 2 इतिहास 11:15
- 2 इतिहास 15:10-11
- मत्ती 22:4
- लूका 13:15

- लूका 14:05
- इब्रानियों 09:13

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H441, H504, H929, H1165, H1241, H1241, H1241, H4399, H4735, H4806, H5695, H5697, H5697, H6499, H6499, H6510, H6510, H6629, H7214, H7716, H7794, H7794, H7921, H8377, H8377, H8450, H8450, G1016, G1151, G2353, G2934, G3447, G3448, G4165, G5022, G5022

गाय, बैल, बछड़ा, पशुओं, बछिया, बैल

परिभाषा:

"गाय," "बैल," कोलोर," और “पशुओं” आदि सब शब्दों का संदर्भ एक बड़े चार टांग वाले पशुओं से है जो घास खाते हैं और मांस एवं दूध के लिए पाले जाते हैं.

- ऐसे पशु की मादा को गाय कहते हैं और नर को बैल और उसके बच्चे को बछड़ा कहते हैं.
- बाइबल में, मवेशी "शुद्ध"पशुओं में गिने जाते थे इनको मनुष्य खा सकता था और बलिओं के लिए काम में ले सकता था. वे मुख्य रूप से मांस और दूध के लिए थे।
- "कलोर" वह गाय होती थी जिसने बच्चा न दिया हो.
- “बैल” एक चौपाया पशु है जिसे खेती के काम के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है. इस शब्द का बहुवचन है “बैलों.” बैलों नर हैं जिनका बधियाकरण किया गया है.
- संपूर्ण बाइबल में बैलों को जूए में जुता हुआ दर्शाया गया है कि बैलगाड़ी खींचे या हल चलाएं.
- जूए में जुते हुए बैल बाइबल में एक ऐसी सामान्य बात थी कि “जूए में जुतना” कठोर परिश्रम या श्रम की उपमा हो गया.
- सांड भी नर चौपाया है परन्तु उसका बधियाकरण नहीं किया जाता है और न ही काम कराने का उसको प्रशिक्षण दिया जाता था.

(यह भी देखें: जूआ)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 15:9-11
- निर्गमन 24:5-6
- गिनती 19:1-2
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- 1 शमूएल 01:24-25
- 1 शमूएल 15:03
- 1 शमूएल 16:2-3
- 1 राजा 01:09
- 2 इतिहास 11:15
- 2 इतिहास 15:10-11
- मत्ती 22:4
- लूका 13:15
- लूका 14:05
- इब्रानियों 09:13

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H441, H504, H929, H1165, H1241, H1241, H1241, H4399, H4735, H4806, H5695, H5697, H5697, H6499, H6499, H6510, H6510, H6629, H7214, H7716, H7794, H7794, H7921, H8377, H8377, H8450, H8450, G1016, G1151, G2353, G2934, G3447, G3448, G4165, G5022, G5022

गाय, बैल, बछड़ा, पशुओं, बछिया, बैल

परिभाषा:

"गाय," "बैल," कोलोर," और “पशुओं” आदि सब शब्दों का संदर्भ एक बड़े चार टांग वाले पशुओं से है जो घास खाते हैं और मांस एवं दूध के लिए पाले जाते हैं.

- ऐसे पशु की मादा को गाय कहते हैं और नर को बैल और उसके बच्चे को बछड़ा कहते हैं.
- बाइबल में, मवेशी "शुद्ध"पशुओं में गिने जाते थे इनको मनुष्य खा सकता था और बलिओं के लिए काम में ले सकता था. वे मुख्य रूप से मांस और दूध के लिए थे।
- "कलोर" वह गाय होती थी जिसने बच्चा न दिया हो.
- “बैल” एक चौपाया पशु है जिसे खेती के काम के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है. इस शब्द का बहुवचन है “बैलों.” बैलों नर हैं जिनका बधियाकरण किया गया है.
- संपूर्ण बाइबल में बैलों को जूए में जुता हुआ दर्शाया गया है कि बैलगाड़ी खींचे या हल चलाएं.
- जूए में जुते हुए बैल बाइबल में एक ऐसी सामान्य बात थी कि “जूए में जुतना” कठोर परिश्रम या श्रम की उपमा हो गया.
- सांड भी नर चौपाया है परन्तु उसका बधियाकरण नहीं किया जाता है और न ही काम कराने का उसको प्रशिक्षण दिया जाता था.

(यह भी देखें: जूआ)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 15:9-11
- निर्गमन 24:5-6
- गिनती 19:1-2
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- 1 शमूएल 01:24-25
- 1 शमूएल 15:03
- 1 शमूएल 16:2-3
- 1 राजा 01:09
- 2 इतिहास 11:15
- 2 इतिहास 15:10-11
- मत्ती 22:4
- लूका 13:15
- लूका 14:05
- इब्रानियों 09:13

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H441, H504, H929, H1165, H1241, H1241, H1241, H4399, H4735, H4806, H5695, H5697, H5697, H6499, H6499, H6510, H6510, H6629, H7214, H7716, H7794, H7794, H7921, H8377, H8377, H8450, H8450, G1016, G1151, G2353, G2934, G3447, G3448, G4165, G5022, G5022

गाय, बैल, बछड़ा, पशुओं, बछिया, बैल

परिभाषा:

"गाय," "बैल," कोलोर," और “पशुओं” आदि सब शब्दों का संदर्भ एक बड़े चार टांग वाले पशुओं से है जो घास खाते हैं और मांस एवं दूध के लिए पाले जाते हैं.

- ऐसे पशु की मादा को गाय कहते हैं और नर को बैल और उसके बच्चे को बछड़ा कहते हैं.
- बाइबल में, मवेशी "शुद्ध"पशुओं में गिने जाते थे इनको मनुष्य खा सकता था और बलिओं के लिए काम में ले सकता था. वे मुख्य रूप से मांस और दूध के लिए थे।
- "कलोर" वह गाय होती थी जिसने बच्चा न दिया हो.
- “बैल” एक चौपाया पशु है जिसे खेती के काम के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है. इस शब्द का बहुवचन है “बैलों.” बैलों नर हैं जिनका बधियाकरण किया गया है.
- संपूर्ण बाइबल में बैलों को जूए में जुता हुआ दर्शाया गया है कि बैलगाड़ी खींचे या हल चलाएं.
- जूए में जुते हुए बैल बाइबल में एक ऐसी सामान्य बात थी कि “जूए में जुतना” कठोर परिश्रम या श्रम की उपमा हो गया.
- सांड भी नर चौपाया है परन्तु उसका बधियाकरण नहीं किया जाता है और न ही काम कराने का उसको प्रशिक्षण दिया जाता था.

(यह भी देखें: जूआ)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 15:9-11
- निर्गमन 24:5-6
- गिनती 19:1-2
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- 1 शमूएल 01:24-25
- 1 शमूएल 15:03
- 1 शमूएल 16:2-3
- 1 राजा 01:09
- 2 इतिहास 11:15
- 2 इतिहास 15:10-11
- मत्ती 22:4
- लूका 13:15
- लूका 14:05
- इब्रानियों 09:13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H504, H929, H1165, H1241, H1241, H1241, H4399, H4735, H4806, H5695, H5697, H5697, H6499, H6499, H6510, H6510, H6629, H7214, H7716, H7794, H7794, H7921, H8377, H8377, H8450, H8450, G1016, G1151, G2353, G2934, G3447, G3448, G4165, G5022, G5022

गाय, बैल, बछड़ा, पशुओं, बछिया, बैल

परिभाषा:

"गाय," "बैल," कोलोर," और "पशुओं" आदि सब शब्दों का संदर्भ एक बड़े चार टांग वाले पशुओं से है जो घास खाते हैं और मांस एवं दूध के लिए पाले जाते हैं.

- ऐसे पशु की मादा को गाय कहते हैं और नर को बैल और उसके बच्चे को बछड़ा कहते हैं.
- बाइबल में, मवेशी "शुद्ध"पशुओं में गिने जाते थे इनको मनुष्य खा सकता था और बलिओं के लिए काम में ले सकता था. वे मुख्य रूप से मांस और दूध के लिए थे।
- "कलोर" वह गाय होती थी जिसने बच्चा न दिया हो.
- "बैल" एक चौपाया पशु है जिसे खेती के काम के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है. इस शब्द का बहुवचन है "बैलों." बैलों नर हैं जिनका बधियाकरण किया गया है.
- संपूर्ण बाइबल में बैलों को जूए में जुता हुआ दर्शाया गया है कि बैलगाड़ी खींचे या हल चलाएं.
- जूए में जुते हुए बैल बाइबल में एक ऐसी सामान्य बात थी कि "जूए में जुतना" कठोर परिश्रम या श्रम की उपमा हो गया.
- सांड भी नर चौपाया है परन्तु उसका बधियाकरण नहीं किया जाता है और न ही काम कराने का उसको प्रशिक्षण दिया जाता था.

(यह भी देखें: जूआ)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 15:9-11
- निर्गमन 24:5-6
- गिनती 19:1-2
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- 1 शमूएल 01:24-25
- 1 शमूएल 15:03
- 1 शमूएल 16:2-3
- 1 राजा 01:09
- 2 इतिहास 11:15
- 2 इतिहास 15:10-11
- मत्ती 22:4
- लूका 13:15

- लूका 14:05
- इब्रानियों 09:13

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H441, H504, H929, H1165, H1241, H1241, H1241, H4399, H4735, H4806, H5695, H5697, H5697, H6499, H6499, H6510, H6510, H6629, H7214, H7716, H7794, H7794, H7921, H8377, H8377, H8450, H8450, G1016, G1151, G2353, G2934, G3447, G3448, G4165, G5022, G5022

गाज़ा

तथ्य:

बाइबल के युग में गाज़ा एक समृद्ध पलिश्ती नगर था, भूमध्य-सागर के तट पर, अश्दोद से लगभग 38 किलोमीटर दक्षिण में। यह नगर पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था।

- भौगोलिक स्थिति के कारण गाज़ा एक मुख्य बन्दरगाह था, जहां अनेक जातियों एवं देशों के मध्य व्यापार किया जाता था।
- आज भी गाज़ा नगर गाज़ा पट्टी का एक महत्त्वपूर्ण बन्दरगाह है वह भूमध्यसागर के तट पर और उत्तर तथा पूर्व में इस्राएल की सीमा तथा दक्षिण में मिस्र से घिरा हुआ है।
- पलिश्ती शिमशोन को बन्दी बनाने के बाद गाज़ा ले गए थे।
- प्रचारक फिलिप्पुस गाज़ा जाने वाले रेगिस्तानी मार्ग पर चल रहा था जब उसकी भेंट कूश के खोजे से हुई थी।

(यह भी देखें: अश्दोद, फिलिप्पुस, पलिश्तियों, कूश, गत)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 04:24-25
- प्रे.का. 08:26-28
- उत्पत्ति 10:19-20
- यहोशू 10:40-41
- न्यायियों 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5804, H5841, G1048

गिदोन

तथ्य:

गिदोन एक इस्राएली पुरुष था, परमेश्वर ने उसे इस्राएल के शत्रुओं से बचाने के लिए खड़ा किया था।

- गिदोन के समय मिद्यानी जाति के लोग इस्राएलियों पर आक्रमण करके उनकी फसलों को नष्ट कर देते थे।
- यद्यपि गिदोन डर रहा था, परमेश्वर ने उसे मिद्यानियों के विरूद्ध युद्ध करने के लिए इस्राएलियों की अगुआई के काम में लिया था और अन्ततः उन्हें हराया।
- गिदोन ने परमेश्वर की आज्ञा मानकर बाल और अशेरा की वेदियां नष्ट कर दी थीं।
- उसने शत्रुओं को हराने में ही इस्राएल की अगुआई नहीं की थी, उसने उन्हें एकमात्र सच्चे परमेश्वर यहोवा की आराधना करने के लिए भी इस्राएल को प्रोत्साहित किया था।

(यह भी देखें: बाल, अशेरा, छुड़ाना, मिद्यान, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 11:32-34
- न्यायियों 06:11-12
- न्यायियों 06:22-24
- न्यायियों 08:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **16:05** यहोवा का दूत गिदोन के पास आया और कहा, “परमेश्वर तेरे संग है, शक्ति शाली योद्धा। इस्राएलियों को मिद्यानियों के हाथ से छुड़ा।”
- **16:06** गिदोन के पिता के पास मूर्ति को समर्पित एक वेदी थी। परमेश्वर ने गिदोन से उस वेदी को नीचे गिराने के लिए कहा।
- **16:08** वहाँ पर वह(मिद्यानी) बहुत थे, उन्हें गिना नहीं जा सकता था। गिदोन ने उन सब इस्राएलियों को एकत्र किया उनसे लड़ने के लिए।
- **16:08** गिदोन ने उन सब इस्राएलियों को एकत्र किया उनसे लड़ने के लिए। परमेश्वर इस्राएलियों को बचाने के लिए गिदोन का प्रयोग करना चाहता है, इसके लिए उसने परमेश्वर से दो चिह्न पूछे।
- **16:10** 32,000 इस्राएली गिदोन के पास आए, परन्तु परमेश्वर ने कहा कि यह बहुत अधिक है।
- **16:12** और गिदोन ने इस्राएलियों की छावनी में लौटकर एक एक पुरुष के हाथ में एक नरसिंगा और खाली घड़ा दिया, और घड़ो के भीतर एक मशाल थी।
- **16:15** तब इस्राएल के पुरुषों ने गिदोन से कहा कि तू हम पर प्रभुता कर
- **16:16** तब गिदोन ने उस सोने से एक विशेष वस्त्र बनवा लिए जो मिद्यानियों के राजा पहनते थे। परन्तु लोगों ने उसकी आराधना करना आरम्भ कर दिया, जैसे कि वह कोई मूर्ति है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1439, H1441

गिदोन

तथ्य:

गिदोन एक इस्राएली पुरुष था, परमेश्वर ने उसे इस्राएल के शत्रुओं से बचाने के लिए खड़ा किया था।

- गिदोन के समय मिद्यानी जाति के लोग इस्राएलियों पर आक्रमण करके उनकी फसलों को नष्ट कर देते थे।
- यद्यपि गिदोन डर रहा था, परमेश्वर ने उसे मिद्यानियों के विरूद्ध युद्ध करने के लिए इस्राएलियों की अगुआई के काम में लिया था और अन्ततः उन्हें हराया।
- गिदोन ने परमेश्वर की आज्ञा मानकर बाल और अशेरा की वेदियां नष्ट कर दी थीं।
- उसने शत्रुओं को हराने में ही इस्राएल की अगुआई नहीं की थी, उसने उन्हें एकमात्र सच्चे परमेश्वर यहोवा की आराधना करने के लिए भी इस्राएल को प्रोत्साहित किया था।

(यह भी देखें: बाल, अशेरा, छुड़ाना, मिद्यान, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 11:32-34
- न्यायियों 06:11-12
- न्यायियों 06:22-24
- न्यायियों 08:15-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **16:05** यहोवा का दूत गिदोन के पास आया और कहा, “परमेश्वर तेरे संग है, शक्ति शाली योद्धा। इस्राएलियों को मिद्यानियों के हाथ से छुड़ा।”
- **16:06** गिदोन के पिता के पास मूर्ति को समर्पित एक वेदी थी। परमेश्वर ने गिदोन से उस वेदी को नीचे गिराने के लिए कहा।
- **16:08** वहाँ पर वह(मिद्यानी) बहुत थे, उन्हें गिना नहीं जा सकता था। गिदोन ने उन सब इस्राएलियों को एकत्र किया उनसे लड़ने के लिए।
- **16:08** गिदोन ने उन सब इस्राएलियों को एकत्र किया उनसे लड़ने के लिए। परमेश्वर इस्राएलियों को बचाने के लिए गिदोन का प्रयोग करना चाहता है, इसके लिए उसने परमेश्वर से दो चिह्न पूछे।
- **16:10** 32,000 इस्राएली गिदोन के पास आए, परन्तु परमेश्वर ने कहा कि यह बहुत अधिक है।
- **16:12** और गिदोन ने इस्राएलियों की छावनी में लौटकर एक एक पुरुष के हाथ में एक नरसिंगा और खाली घड़ा दिया, और घड़ो के भीतर एक मशाल थी।
- **16:15** तब इस्राएल के पुरुषों ने गिदोन से कहा कि तू हम पर प्रभुता कर
- **16:16** तब गिदोन ने उस सोने से एक विशेष वस्त्र बनवा लिए जो मिद्यानियों के राजा पहनते थे। परन्तु लोगों ने उसकी आराधना करना आरम्भ कर दिया, जैसे कि वह कोई मूर्ति है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1439, H1441

गुम्मट, पहरे की मिनारों, गुम्मट

परिभाषा:

“गुम्मट” एक ऊँची रचना जहाँ से सुरक्षाकर्मी किसी आने वाले संकट पर दृष्टि रख सकते थे। ये गुम्मट पत्थरों के बने होते थे।

- जमींदार भी कभी-कभी गुम्मट बनाते थे कि वहाँ से अपनी फसल की चौकीदारी करें और चोरी होने से उसे बचाएं।
- गुम्मटों में कमरे भी होते थे कि चौकीदार या उसका परिवार वहाँ रहे जिससे कि दिन रात फसल की चौकसी की जा सके।
- नगर के गुम्मट शहरपनाह से ऊँचे बनाए जाते थे कि पहरूए किसी शत्रु की सेना को आते हुए देख पाएं।
- गुम्मट शत्रु से रक्षा का प्रतीक था।

(यह भी देखें: विरोधी, चौकस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:25-27
- यहेजकेल 26:3-4
- मरकुस 12:1-3
- मत्ती 21:33-34
- भजन संहिता 062:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H803, H969, H971, H975, H1785, H2918, H4024, H4026, H4029, H4692, H4707, H4869, H6076, H6438, H6836, H6844, G4444

गुम्मट, पहरे की मिनारों, गुम्मट

परिभाषा:

“गुम्मट” एक ऊँची रचना जहाँ से सुरक्षाकर्मी किसी आने वाले संकट पर दृष्टि रख सकते थे। ये गुम्मट पत्थरों के बने होते थे।

- जमींदार भी कभी-कभी गुम्मट बनाते थे कि वहाँ से अपनी फसल की चौकीदारी करें और चोरी होने से उसे बचाएं।
- गुम्मटों में कमरे भी होते थे कि चौकीदार या उसका परिवार वहाँ रहे जिससे कि दिन रात फसल की चौकसी की जा सके।
- नगर के गुम्मट शहरपनाह से ऊँचे बनाए जाते थे कि पहरूए किसी शत्रु की सेना को आते हुए देख पाएं।
- गुम्मट शत्रु से रक्षा का प्रतीक था।

(यह भी देखें: विरोधी, चौकस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:25-27
- यहेजकेल 26:3-4
- मरकुस 12:1-3
- मत्ती 21:33-34
- भजन संहिता 062:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H803, H969, H971, H975, H1785, H2918, H4024, H4026, H4029, H4692, H4707, H4869, H6076, H6438, H6836, H6844, G4444

गुम्मट, पहरे की मिनारों, गुम्मट

परिभाषा:

“गुम्मट” एक ऊँची रचना जहाँ से सुरक्षाकर्मी किसी आने वाले संकट पर दृष्टि रख सकते थे। ये गुम्मट पत्थरों के बने होते थे।

- जमींदार भी कभी-कभी गुम्मट बनाते थे कि वहाँ से अपनी फसल की चौकीदारी करें और चोरी होने से उसे बचाएं।

- गुम्मटों में कमरे भी होते थे कि चौकीदार या उसका परिवार वहाँ रहे जिससे कि दिन रात फसल की चौकसी की जा सके।
- नगर के गुम्मट शहरपनाह से ऊँचे बनाए जाते थे कि पहरूए किसी शत्रु की सेना को आते हुए देख पाएं।
- गुम्मट शत्रु से रक्षा का प्रतीक था।

(यह भी देखें: विरोधी, चौकस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:25-27
- यहेजकेल 26:3-4
- मरकुस 12:1-3
- मत्ती 21:33-34
- भजन संहिता 062:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H803, H969, H971, H975, H1785, H2918, H4024, H4026, H4029, H4692, H4707, H4869, H6076, H6438, H6836, H6844, G4444

गुरु, गुरूओं, उपदेशक

परिभाषा:

गुरु वह मनुष्य है जो मनुष्यों को नई जानकारी देता है। शिक्षक (उपदेशक) मनुष्यों को ज्ञान एवं प्रवीणता प्राप्त करने में सहायक होता है।

- बाइबल में उपदेशक शब्द एक विशेष अर्थ में काम में लिया गया है जो परमेश्वर के बारे में शिक्षा देनेवाले के संदर्भ में है।
- शिक्षक से ज्ञान प्राप्त करनेवाले को “विद्यार्थी” या “चेला” कहते हैं।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल अनुवादों में इस शब्द को बड़े अक्षरों में लिखा गया है यदि वह यीशु के संदर्भ में है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में सामान्य शब्द शिक्षक का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि शब्द केवल एक स्कूल शिक्षक के लिए उपयोग नहीं किया जाता है।
- कुछ संस्कृतियों की भाषा में धर्म-गुरूओं के लिए विशेष पदनाम होता है जैसे “श्री-श्री” या “रब्बी” या “प्रचारक”।

(यह भी देखें: चेला, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 01:12-15
- इफिसियों 04:11-13
- गलातियों 06:6-8
- हबक्कूक 02:18-20
- याकूब 03:1-2
- यूहन्ना 01:37-39
- लूका 06:39-40
- मत्ती 12:38-40

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **28:01** एक दिन, एक अमीर युवा शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा शिक्षक, मुझे क्या करना चाहिए अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए ?"
- **37:02** दो दिन बीतने के बाद, यीशु ने अपने चेलों से कहा, “आओ हम फिर यहूदिया को चलें |” चेलों ने उससे कहा “हे रब्बी, कुछ समय पहले तो लोग तुझे मरना चाहते थे |”
- **38:14** यहूदा यीशु के पास आया और कहा, “ नमस्कार, गुरु,” और उसे चूमा |
- **49:03** यीशु एक महान शिक्षक भी था, और वह अधिकार के साथ बोलता था क्योंकि वह परमेश्वर का पुत्र है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3384, H3887, H3925, G1320, G2567, G3547, G5572

गुरु, गुरूओं, उपदेशक

परिभाषा:

गुरु वह मनुष्य है जो मनुष्यों को नई जानकारी देता है। शिक्षक (उपदेशक) मनुष्यों को ज्ञान एवं प्रवीणता प्राप्त करने में सहायक होता है।

- बाइबल में उपदेशक शब्द एक विशेष अर्थ में काम में लिया गया है जो परमेश्वर के बारे में शिक्षा देनेवाले के संदर्भ में है।
- शिक्षक से ज्ञान प्राप्त करनेवाले को “विद्यार्थी” या “चेला” कहते हैं।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल अनुवादों में इस शब्द को बड़े अक्षरों में लिखा गया है यदि वह यीशु के संदर्भ में है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में सामान्य शब्द शिक्षक का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि शब्द केवल एक स्कूल शिक्षक के लिए उपयोग नहीं किया जाता है।
- कुछ संस्कृतियों की भाषा में धर्म-गुरूओं के लिए विशेष पदनाम होता है जैसे “श्री-श्री” या “रब्बी” या “प्रचारक”।

(यह भी देखें: चेला, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 01:12-15
- इफिसियों 04:11-13
- गलातियों 06:6-8
- हबक्कूक 02:18-20
- याकूब 03:1-2
- यूहन्ना 01:37-39
- लूका 06:39-40
- मत्ती 12:38-40

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **28:01** एक दिन, एक अमीर युवा शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा शिक्षक, मुझे क्या करना चाहिए अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए ?"
- **37:02** दो दिन बीतने के बाद, यीशु ने अपने चेलों से कहा, “आओ हम फिर यहूदिया को चलें |” चेलों ने उससे कहा “हे रब्बी, कुछ समय पहले तो लोग तुझे मरना चाहते थे |”
- **38:14** यहूदा यीशु के पास आया और कहा, “ नमस्कार, गुरु,” और उसे चूमा |
- **49:03** यीशु एक महान शिक्षक भी था, और वह अधिकार के साथ बोलता था क्योंकि वह परमेश्वर का पुत्र है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3384, H3887, H3925, G1320, G2567, G3547, G5572

गुरु, गुरूओं, उपदेशक

परिभाषा:

गुरु वह मनुष्य है जो मनुष्यों को नई जानकारी देता है। शिक्षक (उपदेशक) मनुष्यों को ज्ञान एवं प्रवीणता प्राप्त करने में सहायक होता है।

- बाइबल में उपदेशक शब्द एक विशेष अर्थ में काम में लिया गया है जो परमेश्वर के बारे में शिक्षा देनेवाले के संदर्भ में है।
- शिक्षक से ज्ञान प्राप्त करनेवाले को “विद्यार्थी” या “चेला” कहते हैं।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल अनुवादों में इस शब्द को बड़े अक्षरों में लिखा गया है यदि वह यीशु के संदर्भ में है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में सामान्य शब्द शिक्षक का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि शब्द केवल एक स्कूल शिक्षक के लिए उपयोग नहीं किया जाता है।
- कुछ संस्कृतियों की भाषा में धर्म-गुरूओं के लिए विशेष पदनाम होता है जैसे “श्री-श्री” या “रब्बी” या “प्रचारक”।

(यह भी देखें: चेला, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 01:12-15
- इफिसियों 04:11-13
- गलातियों 06:6-8
- हबक्कूक 02:18-20
- याकूब 03:1-2
- यूहन्ना 01:37-39
- लूका 06:39-40
- मत्ती 12:38-40

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **28:01** एक दिन, एक अमीर युवा शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा शिक्षक, मुझे क्या करना चाहिए अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए ?"
- **37:02** दो दिन बीतने के बाद, यीशु ने अपने चेलों से कहा, “आओ हम फिर यहूदिया को चलें |” चेलों ने उससे कहा “हे रब्बी, कुछ समय पहले तो लोग तुझे मरना चाहते थे |”
- **38:14** यहूदा यीशु के पास आया और कहा, “ नमस्कार, गुरु,” और उसे चूमा |
- **49:03** यीशु एक महान शिक्षक भी था, और वह अधिकार के साथ बोलता था क्योंकि वह परमेश्वर का पुत्र है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3384, H3887, H3925, G1320, G2567, G3547, G5572

गुरु, गुरूओं, उपदेशक

परिभाषा:

गुरु वह मनुष्य है जो मनुष्यों को नई जानकारी देता है। शिक्षक (उपदेशक) मनुष्यों को ज्ञान एवं प्रवीणता प्राप्त करने में सहायक होता है।

- बाइबल में उपदेशक शब्द एक विशेष अर्थ में काम में लिया गया है जो परमेश्वर के बारे में शिक्षा देनेवाले के संदर्भ में है।
- शिक्षक से ज्ञान प्राप्त करनेवाले को “विद्यार्थी” या “चेला” कहते हैं।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल अनुवादों में इस शब्द को बड़े अक्षरों में लिखा गया है यदि वह यीशु के संदर्भ में है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में सामान्य शब्द शिक्षक का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि शब्द केवल एक स्कूल शिक्षक के लिए उपयोग नहीं किया जाता है।
- कुछ संस्कृतियों की भाषा में धर्म-गुरूओं के लिए विशेष पदनाम होता है जैसे “श्री-श्री” या “रब्बी” या “प्रचारक”।

(यह भी देखें: चेला, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 01:12-15
- इफिसियों 04:11-13
- गलातियों 06:6-8
- हबक्कूक 02:18-20
- याकूब 03:1-2

- यूहन्ना 01:37-39
- लूका 06:39-40
- मत्ती 12:38-40

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **28:01** एक दिन, एक अमीर युवा शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा शिक्षक, मुझे क्या करना चाहिए अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए ?"
- **37:02** दो दिन बीतने के बाद, यीशु ने अपने चेलों से कहा, “आओ हम फिर यहूदिया को चलें |” चेलों ने उससे कहा “हे रब्बी, कुछ समय पहले तो लोग तुझे मरना चाहते थे |”
- **38:14** यहूदा यीशु के पास आया और कहा, “ नमस्कार, गुरु,” और उसे चूमा |
- **49:03** यीशु एक महान शिक्षक भी था, और वह अधिकार के साथ बोलता था क्योंकि वह परमेश्वर का पुत्र है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3384, H3887, H3925, G1320, G2567, G3547, G5572

गुरु, गुरूओं, उपदेशक

परिभाषा:

गुरु वह मनुष्य है जो मनुष्यों को नई जानकारी देता है। शिक्षक (उपदेशक) मनुष्यों को ज्ञान एवं प्रवीणता प्राप्त करने में सहायक होता है।

- बाइबल में उपदेशक शब्द एक विशेष अर्थ में काम में लिया गया है जो परमेश्वर के बारे में शिक्षा देनेवाले के संदर्भ में है।
- शिक्षक से ज्ञान प्राप्त करनेवाले को “विद्यार्थी” या “चेला” कहते हैं।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल अनुवादों में इस शब्द को बड़े अक्षरों में लिखा गया है यदि वह यीशु के संदर्भ में है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में सामान्य शब्द शिक्षक का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि शब्द केवल एक स्कूल शिक्षक के लिए उपयोग नहीं किया जाता है।
- कुछ संस्कृतियों की भाषा में धर्म-गुरूओं के लिए विशेष पदनाम होता है जैसे “श्री-श्री” या “रब्बी” या “प्रचारक”।

(यह भी देखें: चेला, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 01:12-15
- इफिसियों 04:11-13
- गलातियों 06:6-8
- हबक्कूक 02:18-20
- याकूब 03:1-2
- यूहन्ना 01:37-39
- लूका 06:39-40
- मत्ती 12:38-40

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **28:01** एक दिन, एक अमीर युवा शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा शिक्षक, मुझे क्या करना चाहिए अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए ?"
- **37:02** दो दिन बीतने के बाद, यीशु ने अपने चेलों से कहा, “आओ हम फिर यहूदिया को चलें |” चेलों ने उससे कहा “हे रब्बी, कुछ समय पहले तो लोग तुझे मरना चाहते थे |”
- **38:14** यहूदा यीशु के पास आया और कहा, “ नमस्कार, गुरु,” और उसे चूमा |
- **49:03** यीशु एक महान शिक्षक भी था, और वह अधिकार के साथ बोलता था क्योंकि वह परमेश्वर का पुत्र है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3384, H3887, H3925, G1320, G2567, G3547, G5572

गुलगुता

तथ्य:

“गुलगुता” उस स्थान का नाम है जहां यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया था। इस शब्द का मूल अरामी भाषा में है जिसका अर्थ है, “खोपड़ी” या “खोपड़ी का स्थान”।

- गुलगुता स्थान यरूशलेम की शहरपनाह के बाहर था परन्तु पास ही में। संभवतः जैतून पर्वत के ढलान पर।
- बाइबल के कुछ अंग्रेजी अनुवादों में गुलगुता का अनुवाद “कलवरी” किया गया है जिसका मूल लतीनी भाषा में है जो “खोपड़ी” शब्द से आता है।
- अनेक बाइबल संस्करणों में ऐसे शब्दों का उपयोग किया गया है जो “गुलगुता” के सदृश्य दिखते हैं या सुनने में आते हैं क्योंकि इस शब्द का अनुवाद बाइबल अभिलेख में किया जा चुका है।

(यह भी देखें: अराम, जैतून के पहाड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 19:17-18
- मरकुस 15:22-24
- मत्ती 27:32-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1115

गुलगुता

तथ्य:

“गुलगुता” उस स्थान का नाम है जहां यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया था। इस शब्द का मूल अरामी भाषा में है जिसका अर्थ है, “खोपड़ी” या “खोपड़ी का स्थान”।

- गुलगुता स्थान यरूशलेम की शहरपनाह के बाहर था परन्तु पास ही में। संभवतः जैतून पर्वत के ढलान पर।
- बाइबल के कुछ अंग्रेजी अनुवादों में गुलगुता का अनुवाद “कलवरी” किया गया है जिसका मूल लतीनी भाषा में है जो “खोपड़ी” शब्द से आता है।
- अनेक बाइबल संस्करणों में ऐसे शब्दों का उपयोग किया गया है जो “गुलगुता” के सदृश्य दिखते हैं या सुनने में आते हैं क्योंकि इस शब्द का अनुवाद बाइबल अभिलेख में किया जा चुका है।

(यह भी देखें: अराम, जैतून के पहाड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 19:17-18
- मरकुस 15:22-24
- मत्ती 27:32-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1115

गुलगुता

तथ्य:

“गुलगुता” उस स्थान का नाम है जहां यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया था। इस शब्द का मूल अरामी भाषा में है जिसका अर्थ है, “खोपड़ी” या “खोपड़ी का स्थान”।

- गुलगुता स्थान यरूशलेम की शहरपनाह के बाहर था परन्तु पास ही में। संभवतः जैतून पर्वत के ढलान पर।
- बाइबल के कुछ अंग्रेजी अनुवादों में गुलगुता का अनुवाद “कलवरी” किया गया है जिसका मूल लतीनी भाषा में है जो “खोपड़ी” शब्द से आता है।
- अनेक बाइबल संस्करणों में ऐसे शब्दों का उपयोग किया गया है जो “गुलगुता” के सदृश्य दिखते हैं या सुनने में आते हैं क्योंकि इस शब्द का अनुवाद बाइबल अभिलेख में किया जा चुका है।

(यह भी देखें: अराम, जैतून के पहाड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 19:17-18
- मरकुस 15:22-24
- मत्ती 27:32-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1115

गेहूँ

परिभाषा:

गेहूँ एक प्रकार का अन्न है जो मनुष्य भोजन के लिए उगाते है। जब बाइबल "अनाज" या "बीज" का उल्लेख करती है, तो यह अक्सर गेहूँ के अनाज या बीज के बारे में बात करती है।

- गेहूँ के पौधों के दाने (अन्न) ऊपर के भाग में लगता है।
- कटनी के बाद गेहूँ के दाने को खलिहान से निकाला जाता है। * गेहूँ के पौधों को धरती पर रखा जाता था कि उस पर मवेशी सोएं।
- खलिहान के बाद, अनाज बीज के आसपास के भूसे सूप द्वारा अनाज से अलग किए जाते है और फेंक दी जाती है।
- गेहूँ को पीस कर आटा तैयार किया जाता है जिससे रोटियाँ बनाई जाती हैं।

(यह भी देखें: जौ, भूसी, अन्न, बीज, दाँवना, फटकना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 27:36-38
- निर्गमन 34:21-22
- यूहन्ना 12:23-24
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- मत्ती 13:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1250, H2406, G4621

गेहूँ

परिभाषा:

गेहूँ एक प्रकार का अन्न है जो मनुष्य भोजन के लिए उगाते है। जब बाइबल "अनाज" या "बीज" का उल्लेख करती है, तो यह अक्सर गेहूँ के अनाज या बीज के बारे में बात करती है।

- गेहूँ के पौधों के दाने (अन्न) ऊपर के भाग में लगता है।

- कटनी के बाद गेहूँ के दाने को खलिहान से निकाला जाता है। * गेहूँ के पौधों को धरती पर रखा जाता था कि उस पर मवेशी सोएं।
- खलिहान के बाद, अनाज बीज के आसपास के भूसे सूप द्वारा अनाज से अलग किए जाते है और फेंक दी जाती है।
- गेहूँ को पीस कर आटा तैयार किया जाता है जिससे रोटियाँ बनाई जाती हैं।

(यह भी देखें: जौ, भूसी, अन्न, बीज, दाँवना, फटकना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 27:36-38
- निर्गमन 34:21-22
- यूहन्ना 12:23-24
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- मत्ती 13:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1250, H2406, G4621

गेहूँ

परिभाषा:

गेहूँ एक प्रकार का अन्न है जो मनुष्य भोजन के लिए उगाते है। जब बाइबल "अनाज" या "बीज" का उल्लेख करती है, तो यह अक्सर गेहूँ के अनाज या बीज के बारे में बात करती है।

- गेहूँ के पौधों के दाने (अन्न) ऊपर के भाग में लगता है।
- कटनी के बाद गेहूँ के दाने को खलिहान से निकाला जाता है। * गेहूँ के पौधों को धरती पर रखा जाता था कि उस पर मवेशी सोएं।
- खलिहान के बाद, अनाज बीज के आसपास के भूसे सूप द्वारा अनाज से अलग किए जाते है और फेंक दी जाती है।
- गेहूँ को पीस कर आटा तैयार किया जाता है जिससे रोटियाँ बनाई जाती हैं।

(यह भी देखें: जौ, भूसी, अन्न, बीज, दाँवना, फटकना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 27:36-38
- निर्गमन 34:21-22
- यूहन्ना 12:23-24
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- मत्ती 13:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1250, H2406, G4621

गेहूँ

परिभाषा:

गेहूँ एक प्रकार का अन्न है जो मनुष्य भोजन के लिए उगाते है। जब बाइबल "अनाज" या "बीज" का उल्लेख करती है, तो यह अक्सर गेहूँ के अनाज या बीज के बारे में बात करती है।

- गेहूँ के पौधों के दाने (अन्न) ऊपर के भाग में लगता है।
- कटनी के बाद गेहूँ के दाने को खलिहान से निकाला जाता है। * गेहूँ के पौधों को धरती पर रखा जाता था कि उस पर मवेशी सोएं।
- खलिहान के बाद, अनाज बीज के आसपास के भूसे सूप द्वारा अनाज से अलग किए जाते है और फेंक दी जाती है।
- गेहूँ को पीस कर आटा तैयार किया जाता है जिससे रोटियाँ बनाई जाती हैं।

(यह भी देखें: जौ, भूसी, अन्न, बीज, दाँवना, फटकना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 27:36-38
- निर्गमन 34:21-22
- यूहन्ना 12:23-24
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- मत्ती 13:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1250, H2406, G4621

गेहूँ

परिभाषा:

गेहूँ एक प्रकार का अन्न है जो मनुष्य भोजन के लिए उगाते है। जब बाइबल "अनाज" या "बीज" का उल्लेख करती है, तो यह अक्सर गेहूँ के अनाज या बीज के बारे में बात करती है।

- गेहूँ के पौधों के दाने (अन्न) ऊपर के भाग में लगता है।
- कटनी के बाद गेहूँ के दाने को खलिहान से निकाला जाता है। * गेहूँ के पौधों को धरती पर रखा जाता था कि उस पर मवेशी सोएं।
- खलिहान के बाद, अनाज बीज के आसपास के भूसे सूप द्वारा अनाज से अलग किए जाते है और फेंक दी जाती है।
- गेहूँ को पीस कर आटा तैयार किया जाता है जिससे रोटियाँ बनाई जाती हैं।

(यह भी देखें: जौ, भूसी, अन्न, बीज, दाँवना, फटकना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 27:36-38
- निर्गमन 34:21-22
- यूहन्ना 12:23-24
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- मत्ती 13:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1250, H2406, G4621

गोत्र, गोत्रों, गोत्रों, भाइयों

परिभाषा:

गोत्र मनुष्यों का वह समूह है जो एक ही पूर्वज से उत्पन्न हुआ है।

- गोत्र का अर्थ है एक ही भाषा और संस्कृति को साझा करते है।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने इस्राएल को 12 गोत्रों में विभाजित किया था। प्रत्येक गोत्र याकूब के एक पुत्र और उसके वंशजों का था।
- गोत्र एक जाति से छोटा परन्तु कुल से बड़ा था।

(यह भी देखें: कुल, जाति, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:17-19
- 2 राजा 17:16-18
- उत्पत्ति 25:13-16
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H4294, H7625, H7626, G1429, G5443

गोत्र, गोत्रों, गोत्रों, भाइयों

परिभाषा:

गोत्र मनुष्यों का वह समूह है जो एक ही पूर्वज से उत्पन्न हुआ है।

- गोत्र का अर्थ है एक ही भाषा और संस्कृति को साझा करते है।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने इस्राएल को 12 गोत्रों में विभाजित किया था। प्रत्येक गोत्र याकूब के एक पुत्र और उसके वंशजों का था।
- गोत्र एक जाति से छोटा परन्तु कुल से बड़ा था।

(यह भी देखें: कुल, जाति, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:17-19
- 2 राजा 17:16-18
- उत्पत्ति 25:13-16
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H4294, H7625, H7626, G1429, G5443

गोत्र, गोत्रों, गोत्रों, भाइयों

परिभाषा:

गोत्र मनुष्यों का वह समूह है जो एक ही पूर्वज से उत्पन्न हुआ है।

- गोत्र का अर्थ है एक ही भाषा और संस्कृति को साझा करते है।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने इस्राएल को 12 गोत्रों में विभाजित किया था। प्रत्येक गोत्र याकूब के एक पुत्र और उसके वंशजों का था।
- गोत्र एक जाति से छोटा परन्तु कुल से बड़ा था।

(यह भी देखें: कुल, जाति, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:17-19
- 2 राजा 17:16-18
- उत्पत्ति 25:13-16
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H4294, H7625, H7626, G1429, G5443

गोत्र, गोत्रों, गोत्रों, भाइयों

परिभाषा:

गोत्र मनुष्यों का वह समूह है जो एक ही पूर्वज से उत्पन्न हुआ है।

- गोत्र का अर्थ है एक ही भाषा और संस्कृति को साझा करते है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- पुराने नियम में, परमेश्वर ने इस्राएल को 12 गोत्रों में विभाजित किया था। प्रत्येक गोत्र याकूब के एक पुत्र और उसके वंशजों का था।
- गोत्र एक जाति से छोटा परन्तु कुल से बड़ा था।

(यह भी देखें: कुल, जाति, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:17-19
- 2 राजा 17:16-18
- उत्पत्ति 25:13-16
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H4294, H7625, H7626, G1429, G5443

गोत्र, गोत्रों, गोत्रों, भाइयों

परिभाषा:

गोत्र मनुष्यों का वह समूह है जो एक ही पूर्वज से उत्पन्न हुआ है।

- गोत्र का अर्थ है एक ही भाषा और संस्कृति को साझा करते है।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने इस्राएल को 12 गोत्रों में विभाजित किया था। प्रत्येक गोत्र याकूब के एक पुत्र और उसके वंशजों का था।
- गोत्र एक जाति से छोटा परन्तु कुल से बड़ा था।

(यह भी देखें: कुल, जाति, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:17-19
- 2 राजा 17:16-18
- उत्पत्ति 25:13-16
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H4294, H7625, H7626, G1429, G5443

गोत्र, गोत्रों, गोत्रों, भाइयों

परिभाषा:

गोत्र मनुष्यों का वह समूह है जो एक ही पूर्वज से उत्पन्न हुआ है।

- गोत्र का अर्थ है एक ही भाषा और संस्कृति को साझा करते है।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने इस्राएल को 12 गोत्रों में विभाजित किया था। प्रत्येक गोत्र याकूब के एक पुत्र और उसके वंशजों का था।
- गोत्र एक जाति से छोटा परन्तु कुल से बड़ा था।

(यह भी देखें: कुल, जाति, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:17-19
- 2 राजा 17:16-18
- उत्पत्ति 25:13-16
- उत्पत्ति 49:16-18

- लूका 02:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H4294, H7625, H7626, G1429, G5443

गोत्र, गोत्रों, गोत्रों, भाइयों

परिभाषा:

गोत्र मनुष्यों का वह समूह है जो एक ही पूर्वज से उत्पन्न हुआ है।

- गोत्र का अर्थ है एक ही भाषा और संस्कृति को साझा करते है।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने इस्राएल को 12 गोत्रों में विभाजित किया था। प्रत्येक गोत्र याकूब के एक पुत्र और उसके वंशजों का था।
- गोत्र एक जाति से छोटा परन्तु कुल से बड़ा था।

(यह भी देखें: कुल, जाति, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:17-19
- 2 राजा 17:16-18
- उत्पत्ति 25:13-16
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H4294, H7625, H7626, G1429, G5443

गोत्र, गोत्रों, गोत्रों, भाइयों

परिभाषा:

गोत्र मनुष्यों का वह समूह है जो एक ही पूर्वज से उत्पन्न हुआ है।

- गोत्र का अर्थ है एक ही भाषा और संस्कृति को साझा करते है।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने इस्राएल को 12 गोत्रों में विभाजित किया था। प्रत्येक गोत्र याकूब के एक पुत्र और उसके वंशजों का था।
- गोत्र एक जाति से छोटा परन्तु कुल से बड़ा था।

(यह भी देखें: कुल, जाति, जाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:17-19
- 2 राजा 17:16-18
- उत्पत्ति 25:13-16
- उत्पत्ति 49:16-18
- लूका 02:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H4294, H7625, H7626, G1429, G5443

ग्रहण करना, ग्रहण करता, मिला, प्राप्त करते, लेनेवाला

परिभाषा:

“ग्रहण करना” का सामान्य अर्थ कोई दी हुई या पेश की गई या प्रस्तुत की हुई या प्राप्त किए हुए को स्वीकार करना।

- “ग्रहण करना” का अर्थ कष्ट सहना या किसी बात का अनुभव करना भी हो सकता है जैसे “उसे अपने कर्मों का दण्ड मिला”
- एक विशेष अर्थ भी है जिसमें हम किसी व्यक्ति को "ग्रहण" करते है। उदाहरणार्थ अतिथियों या आगन्तुकों का स्वागत करना अर्थात उन्हें ग्रहण करके उनका सम्मान करना, जिससे उनके साथ संबन्ध बनाया जाए।
- “पवित्र-आत्मा का दान ग्रहण करना” का अर्थ है हमें पवित्र आत्मा दिया गया है और हम अपने जीवन में और अपने जीवन के द्वारा उसे काम करने के लिए उसका स्वागत करते हैं।
- “यीशु को ग्रहण करना” का अर्थ है मसीह यीशु के द्वारा परमेश्वर के उद्धार का दान स्वीकार करना।
- जब अन्धा मनुष्य “दृष्टि का दान ग्रहण करता है” तो इसका अर्थ है परमेश्वर ने उसे चंगा कर दिया है और उसे देखने की क्षमता प्रदान की है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “ग्रहण करना” का अनुवाद, “स्वीकारना” या “स्वागत करना” या “अनुभव करना” या “दिया गया” हो सकता है।
- “तुम सामर्थ्य पाओगे” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद, “तुम्हें सामर्थ्य दिया जाएगा” या “परमेश्वर तुम्हें सामर्थ्य प्रदान करेगा” या “तुम्हें सामर्थ्य दिया जाएगा (परमेश्वर द्वारा)” के रूप में हो सकता है या "परमेश्वर पवित्र आत्मा का कारण होगा कि तुम में शक्तिशाली रूप से काम करे।"
- "उसने दृष्टि प्राप्त की" वाक्यांश का अनुवाद, क्योंकि "देखने में सक्षम था" या "फिर से देखने में सक्षम हो गया" या "परमेश्वर द्वारा ठीक किया गया ताकि वह देख सके" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, प्रभु, बचाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:06
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:01
- प्रेरि. 08:15
- यिर्मयाह 32:33
- लूका 09:05
- मला. 03:10-12
- भजन संहिता 049:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह निपुण होगा जिसने कोई पाप न किया होगा | वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा | उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी |
- 45:05__जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को __ग्रहण कर |”
- **49:06** यीशु ने कहा कि कुछ लोग उसे ग्रहण करेंगे और उद्धार पाएँगे, लेकिन बहुत से लोग ऐसा नहीं करेंगे |
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया |
- **49:13** जो कोई भी यीशु पर विश्वास करता और उसे प्रभु के रूप में स्वीकार करता है परमेश्वर उसे बचाएगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H3557, H3947, H6901, H6902, H8254, G308, G324, G353, G354, G568, G588, G618, G1183, G1209, G1523, G1653, G1926, G2865, G2983, G3028, G3335, G3336, G3549, G3858, G3880, G4327, G4355, G4356, G4687, G5264, G5562

ग्रहण करना, ग्रहण करता, मिला, प्राप्त करते, लेनेवाला

परिभाषा:

“ग्रहण करना” का सामान्य अर्थ कोई दी हुई या पेश की गई या प्रस्तुत की हुई या प्राप्त किए हुए को स्वीकार करना।

- “ग्रहण करना” का अर्थ कष्ट सहना या किसी बात का अनुभव करना भी हो सकता है जैसे “उसे अपने कर्मों का दण्ड मिला”
- एक विशेष अर्थ भी है जिसमें हम किसी व्यक्ति को "ग्रहण" करते है। उदाहरणार्थ अतिथियों या आगन्तुकों का स्वागत करना अर्थात उन्हें ग्रहण करके उनका सम्मान करना, जिससे उनके साथ संबन्ध बनाया जाए।

- “पवित्र-आत्मा का दान ग्रहण करना” का अर्थ है हमें पवित्र आत्मा दिया गया है और हम अपने जीवन में और अपने जीवन के द्वारा उसे काम करने के लिए उसका स्वागत करते हैं।
- “यीशु को ग्रहण करना” का अर्थ है मसीह यीशु के द्वारा परमेश्वर के उद्धार का दान स्वीकार करना।
- जब अन्धा मनुष्य “दृष्टि का दान ग्रहण करता है” तो इसका अर्थ है परमेश्वर ने उसे चंगा कर दिया है और उसे देखने की क्षमता प्रदान की है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “ग्रहण करना” का अनुवाद, “स्वीकारना” या “स्वागत करना” या “अनुभव करना” या “दिया गया” हो सकता है।
- “तुम सामर्थ्य पाओगे” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद, “तुम्हें सामर्थ्य दिया जाएगा” या “परमेश्वर तुम्हें सामर्थ्य प्रदान करेगा” या “तुम्हें सामर्थ्य दिया जाएगा (परमेश्वर द्वारा)” के रूप में हो सकता है या "परमेश्वर पवित्र आत्मा का कारण होगा कि तुम में शक्तिशाली रूप से काम करे।"
- "उसने दृष्टि प्राप्त की" वाक्यांश का अनुवाद, क्योंकि "देखने में सक्षम था" या "फिर से देखने में सक्षम हो गया" या "परमेश्वर द्वारा ठीक किया गया ताकि वह देख सके" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, प्रभु, बचाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:06
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:01
- प्रेरि. 08:15
- यिर्मयाह 32:33
- लूका 09:05
- मला. 03:10-12
- भजन संहिता 049:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह निपुण होगा जिसने कोई पाप न किया होगा | वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा | उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी |
- 45:05__जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को __ग्रहण कर |”
- **49:06** यीशु ने कहा कि कुछ लोग उसे ग्रहण करेंगे और उद्धार पाएँगे, लेकिन बहुत से लोग ऐसा नहीं करेंगे |
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरे, उन्होंने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया |
- **49:13** जो कोई भी यीशु पर विश्वास करता और उसे प्रभु के रूप में स्वीकार करता है परमेश्वर उसे बचाएगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H3557, H3947, H6901, H6902, H8254, G308, G324, G353, G354, G568, G588, G618, G1183, G1209, G1523, G1653, G1926, G2865, G2983, G3028, G3335, G3336, G3549, G3858, G3880, G4327, G4355, G4356, G4687, G5264, G5562

घड़ी, घंटे

परिभाषा:

किसी बात को होने के समय या अन्तराल के संबन्ध में “घड़ी” शब्द के अनेक प्रतीकात्मक उपयोग हैं।

- कभी-कभी “घड़ी” का संदर्भ किसी कार्य को करने का नियमित निश्चित समय होता है जैसे “प्रार्थना का समय।”
- जब अभिलेख में लिखा होता है, “वह घड़ी आ पहुंची है” जब यीशु दुःख उठाएगा और मारा जाएगा तो इसका अर्थ है, इस बात के होने के लिए परमेश्वर द्वारा बहुत पहले ही निश्चित किया गया समय।
- “घड़ी” शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है, “उस पल” या “उसी समय।”
- जब "घंटे" की बात की जाए तो इसका अर्थ है, शीघ्र ही सूर्यास्त होने वाला है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रतीकात्मक उपयोग में, शब्द “घड़ी” का अनुवाद “समय” या “पल” या “नियुक्त समय”
- “उस घड़ी में” या “उसी समय” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल” या "तुरंत" या "ठीक उसी समय।"
- अभिव्यक्ति "समय बहुत देर हो चुकी थी" का अनुवाद "यह दिन में देर हो गई" या "यह जल्द ही अंधेरा हो जाएगा" या "यह देर दोपहर था" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पहर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:29-30
- प्रे.का. 10:30-33
- मरकुस 14:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8160, G5610

घड़ी, घंटे

परिभाषा:

किसी बात को होने के समय या अन्तराल के संबन्ध में “घड़ी” शब्द के अनेक प्रतीकात्मक उपयोग हैं।

- कभी-कभी “घड़ी” का संदर्भ किसी कार्य को करने का नियमित निश्चित समय होता है जैसे “प्रार्थना का समय।”
- जब अभिलेख में लिखा होता है, “वह घड़ी आ पहुंची है” जब यीशु दुःख उठाएगा और मारा जाएगा तो इसका अर्थ है, इस बात के होने के लिए परमेश्वर द्वारा बहुत पहले ही निश्चित किया गया समय।
- “घड़ी” शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है, “उस पल” या “उसी समय।”
- जब "घंटे" की बात की जाए तो इसका अर्थ है, शीघ्र ही सूर्यास्त होने वाला है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रतीकात्मक उपयोग में, शब्द “घड़ी” का अनुवाद “समय” या “पल” या “नियुक्त समय”
- “उस घड़ी में” या “उसी समय” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल” या "तुरंत" या "ठीक उसी समय।"
- अभिव्यक्ति "समय बहुत देर हो चुकी थी" का अनुवाद "यह दिन में देर हो गई" या "यह जल्द ही अंधेरा हो जाएगा" या "यह देर दोपहर था" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पहर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:29-30
- प्रे.का. 10:30-33
- मरकुस 14:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8160, G5610

घड़ी, घंटे

परिभाषा:

किसी बात को होने के समय या अन्तराल के संबन्ध में “घड़ी” शब्द के अनेक प्रतीकात्मक उपयोग हैं।

- कभी-कभी “घड़ी” का संदर्भ किसी कार्य को करने का नियमित निश्चित समय होता है जैसे “प्रार्थना का समय।”
- जब अभिलेख में लिखा होता है, “वह घड़ी आ पहुंची है” जब यीशु दुःख उठाएगा और मारा जाएगा तो इसका अर्थ है, इस बात के होने के लिए परमेश्वर द्वारा बहुत पहले ही निश्चित किया गया समय।
- “घड़ी” शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है, “उस पल” या “उसी समय।”
- जब "घंटे" की बात की जाए तो इसका अर्थ है, शीघ्र ही सूर्यास्त होने वाला है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रतीकात्मक उपयोग में, शब्द “घड़ी” का अनुवाद “समय” या “पल” या “नियुक्त समय”
- “उस घड़ी में” या “उसी समय” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल” या "तुरंत" या "ठीक उसी समय।"

- अभिव्यक्ति "समय बहुत देर हो चुकी थी" का अनुवाद "यह दिन में देर हो गई" या "यह जल्द ही अंधेरा हो जाएगा" या "यह देर दोपहर था" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पहर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:29-30
- प्रे.का. 10:30-33
- मरकुस 14:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8160, G5610

घड़ी, घंटे

परिभाषा:

किसी बात को होने के समय या अन्तराल के संबन्ध में “घड़ी” शब्द के अनेक प्रतीकात्मक उपयोग हैं।

- कभी-कभी “घड़ी” का संदर्भ किसी कार्य को करने का नियमित निश्चित समय होता है जैसे “प्रार्थना का समय।”
- जब अभिलेख में लिखा होता है, “वह घड़ी आ पहुंची है” जब यीशु दुःख उठाएगा और मारा जाएगा तो इसका अर्थ है, इस बात के होने के लिए परमेश्वर द्वारा बहुत पहले ही निश्चित किया गया समय।
- “घड़ी” शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है, “उस पल” या “उसी समय।”
- जब "घंटे" की बात की जाए तो इसका अर्थ है, शीघ्र ही सूर्यास्त होने वाला है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रतीकात्मक उपयोग में, शब्द “घड़ी” का अनुवाद “समय” या “पल” या “नियुक्त समय”
- “उस घड़ी में” या “उसी समय” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल” या "तुरंत" या "ठीक उसी समय।"
- अभिव्यक्ति "समय बहुत देर हो चुकी थी" का अनुवाद "यह दिन में देर हो गई" या "यह जल्द ही अंधेरा हो जाएगा" या "यह देर दोपहर था" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पहर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:29-30
- प्रे.का. 10:30-33
- मरकुस 14:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8160, G5610

घड़ी, घंटे

परिभाषा:

किसी बात को होने के समय या अन्तराल के संबन्ध में “घड़ी” शब्द के अनेक प्रतीकात्मक उपयोग हैं।

- कभी-कभी “घड़ी” का संदर्भ किसी कार्य को करने का नियमित निश्चित समय होता है जैसे “प्रार्थना का समय।”
- जब अभिलेख में लिखा होता है, “वह घड़ी आ पहुंची है” जब यीशु दुःख उठाएगा और मारा जाएगा तो इसका अर्थ है, इस बात के होने के लिए परमेश्वर द्वारा बहुत पहले ही निश्चित किया गया समय।
- “घड़ी” शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है, “उस पल” या “उसी समय।”
- जब "घंटे" की बात की जाए तो इसका अर्थ है, शीघ्र ही सूर्यास्त होने वाला है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रतीकात्मक उपयोग में, शब्द “घड़ी” का अनुवाद “समय” या “पल” या “नियुक्त समय”
- “उस घड़ी में” या “उसी समय” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल” या "तुरंत" या "ठीक उसी समय।"
- अभिव्यक्ति "समय बहुत देर हो चुकी थी" का अनुवाद "यह दिन में देर हो गई" या "यह जल्द ही अंधेरा हो जाएगा" या "यह देर दोपहर था" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पहर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:29-30
- प्रे.का. 10:30-33
- मरकुस 14:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8160, G5610

घड़ी, घंटे

परिभाषा:

किसी बात को होने के समय या अन्तराल के संबन्ध में “घड़ी” शब्द के अनेक प्रतीकात्मक उपयोग हैं।

- कभी-कभी “घड़ी” का संदर्भ किसी कार्य को करने का नियमित निश्चित समय होता है जैसे “प्रार्थना का समय।”
- जब अभिलेख में लिखा होता है, “वह घड़ी आ पहुंची है” जब यीशु दुःख उठाएगा और मारा जाएगा तो इसका अर्थ है, इस बात के होने के लिए परमेश्वर द्वारा बहुत पहले ही निश्चित किया गया समय।
- “घड़ी” शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है, “उस पल” या “उसी समय।”
- जब "घंटे" की बात की जाए तो इसका अर्थ है, शीघ्र ही सूर्यास्त होने वाला है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रतीकात्मक उपयोग में, शब्द “घड़ी” का अनुवाद “समय” या “पल” या “नियुक्त समय”
- “उस घड़ी में” या “उसी समय” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल” या "तुरंत" या "ठीक उसी समय।"
- अभिव्यक्ति "समय बहुत देर हो चुकी थी" का अनुवाद "यह दिन में देर हो गई" या "यह जल्द ही अंधेरा हो जाएगा" या "यह देर दोपहर था" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पहर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:29-30
- प्रे.का. 10:30-33
- मरकुस 14:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8160, G5610

घड़ी, घंटे

परिभाषा:

किसी बात को होने के समय या अन्तराल के संबन्ध में “घड़ी” शब्द के अनेक प्रतीकात्मक उपयोग हैं।

- कभी-कभी “घड़ी” का संदर्भ किसी कार्य को करने का नियमित निश्चित समय होता है जैसे “प्रार्थना का समय।”
- जब अभिलेख में लिखा होता है, “वह घड़ी आ पहुंची है” जब यीशु दुःख उठाएगा और मारा जाएगा तो इसका अर्थ है, इस बात के होने के लिए परमेश्वर द्वारा बहुत पहले ही निश्चित किया गया समय।

- “घड़ी” शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है, “उस पल” या “उसी समय।”
- जब "घंटे" की बात की जाए तो इसका अर्थ है, शीघ्र ही सूर्यास्त होने वाला है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रतीकात्मक उपयोग में, शब्द “घड़ी” का अनुवाद “समय” या “पल” या “नियुक्त समय”
- “उस घड़ी में” या “उसी समय” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल” या "तुरंत" या "ठीक उसी समय।"
- अभिव्यक्ति "समय बहुत देर हो चुकी थी" का अनुवाद "यह दिन में देर हो गई" या "यह जल्द ही अंधेरा हो जाएगा" या "यह देर दोपहर था" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पहर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:29-30
- प्रे.का. 10:30-33
- मरकुस 14:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8160, G5610

घड़ी, घंटे

परिभाषा:

किसी बात को होने के समय या अन्तराल के संबन्ध में “घड़ी” शब्द के अनेक प्रतीकात्मक उपयोग हैं।

- कभी-कभी “घड़ी” का संदर्भ किसी कार्य को करने का नियमित निश्चित समय होता है जैसे “प्रार्थना का समय।”
- जब अभिलेख में लिखा होता है, “वह घड़ी आ पहुंची है” जब यीशु दुःख उठाएगा और मारा जाएगा तो इसका अर्थ है, इस बात के होने के लिए परमेश्वर द्वारा बहुत पहले ही निश्चित किया गया समय।
- “घड़ी” शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है, “उस पल” या “उसी समय।”
- जब "घंटे" की बात की जाए तो इसका अर्थ है, शीघ्र ही सूर्यास्त होने वाला है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रतीकात्मक उपयोग में, शब्द “घड़ी” का अनुवाद “समय” या “पल” या “नियुक्त समय”
- “उस घड़ी में” या “उसी समय” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल” या "तुरंत" या "ठीक उसी समय।"
- अभिव्यक्ति "समय बहुत देर हो चुकी थी" का अनुवाद "यह दिन में देर हो गई" या "यह जल्द ही अंधेरा हो जाएगा" या "यह देर दोपहर था" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पहर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:29-30
- प्रे.का. 10:30-33
- मरकुस 14:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8160, G5610

घड़ी, घंटे

परिभाषा:

किसी बात को होने के समय या अन्तराल के संबन्ध में “घड़ी” शब्द के अनेक प्रतीकात्मक उपयोग हैं।

- कभी-कभी “घड़ी” का संदर्भ किसी कार्य को करने का नियमित निश्चित समय होता है जैसे “प्रार्थना का समय।”
- जब अभिलेख में लिखा होता है, “वह घड़ी आ पहुंची है” जब यीशु दुःख उठाएगा और मारा जाएगा तो इसका अर्थ है, इस बात के होने के लिए परमेश्वर द्वारा बहुत पहले ही निश्चित किया गया समय।
- “घड़ी” शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है, “उस पल” या “उसी समय।”
- जब "घंटे" की बात की जाए तो इसका अर्थ है, शीघ्र ही सूर्यास्त होने वाला है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रतीकात्मक उपयोग में, शब्द “घड़ी” का अनुवाद “समय” या “पल” या “नियुक्त समय”
- “उस घड़ी में” या “उसी समय” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल” या "तुरंत" या "ठीक उसी समय।"
- अभिव्यक्ति "समय बहुत देर हो चुकी थी" का अनुवाद "यह दिन में देर हो गई" या "यह जल्द ही अंधेरा हो जाएगा" या "यह देर दोपहर था" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पहर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:29-30
- प्रे.का. 10:30-33
- मरकुस 14:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8160, G5610

घमण्ड

परिभाषा:

“घमण्ड” (गर्व) का अर्थ है स्वाभिमान एवं दंभी। इसका संदर्भ ऐसे मनुष्य से है जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है।

- यह शब्द ऐसे मनुष्य के घमण्ड को दर्शाता है जो परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने से नहीं रूकता है।
- अभिमानी मनुष्य अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता है
- घमण्डी मनुष्य बुद्धिमान नहीं मूर्ख है।
- इस शब्द का अनुवाद “घमण्डी”, या “दंभी” या “स्वार्थी” किया जा सकता है।
- “घमण्डी आंखें” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “घमण्ड से भरी दृष्टि” या “दूसरों को अपने आप से हीन समझना” या “दूसरों को नीचा समझने वाला घमण्डी मनुष्य”।

(यह भी देखें: घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- यशायाह 02:17-19
- नीतिवचन 16:17-18
- नीतिवचन 21:23-24
- भजन संहिता 131:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H1363, H1364, H3093, H4791, H7312, G5244

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

घमण्ड

परिभाषा:

“घमण्ड” (गर्व) का अर्थ है स्वाभिमान एवं दंभी। इसका संदर्भ ऐसे मनुष्य से है जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है।

- यह शब्द ऐसे मनुष्य के घमण्ड को दर्शाता है जो परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने से नहीं रूकता है।
- अभिमानी मनुष्य अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता है
- घमण्डी मनुष्य बुद्धिमान नहीं मूर्ख है।
- इस शब्द का अनुवाद “घमण्डी”, या “दंभी” या “स्वार्थी” किया जा सकता है।
- “घमण्डी आंखें” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “घमण्ड से भरी दृष्टि” या “दूसरों को अपने आप से हीन समझना” या “दूसरों को नीचा समझने वाला घमण्डी मनुष्य”।

(यह भी देखें: घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- यशायाह 02:17-19
- नीतिवचन 16:17-18
- नीतिवचन 21:23-24
- भजन संहिता 131:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H1363, H1364, H3093, H4791, H7312, G5244

घमण्ड

परिभाषा:

“घमण्ड” (गर्व) का अर्थ है स्वाभिमान एवं दंभी। इसका संदर्भ ऐसे मनुष्य से है जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है।

- यह शब्द ऐसे मनुष्य के घमण्ड को दर्शाता है जो परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने से नहीं रूकता है।
- अभिमानी मनुष्य अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता है
- घमण्डी मनुष्य बुद्धिमान नहीं मूर्ख है।
- इस शब्द का अनुवाद “घमण्डी”, या “दंभी” या “स्वार्थी” किया जा सकता है।
- “घमण्डी आंखें” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “घमण्ड से भरी दृष्टि” या “दूसरों को अपने आप से हीन समझना” या “दूसरों को नीचा समझने वाला घमण्डी मनुष्य”।

(यह भी देखें: घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- यशायाह 02:17-19
- नीतिवचन 16:17-18
- नीतिवचन 21:23-24
- भजन संहिता 131:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H1363, H1364, H3093, H4791, H7312, G5244

घमण्ड

परिभाषा:

“घमण्ड” (गर्व) का अर्थ है स्वाभिमान एवं दंभी। इसका संदर्भ ऐसे मनुष्य से है जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है।

- यह शब्द ऐसे मनुष्य के घमण्ड को दर्शाता है जो परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने से नहीं रूकता है।
- अभिमानी मनुष्य अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता है
- घमण्डी मनुष्य बुद्धिमान नहीं मूर्ख है।
- इस शब्द का अनुवाद “घमण्डी”, या “दंभी” या “स्वार्थी” किया जा सकता है।
- “घमण्डी आंखें” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “घमण्ड से भरी दृष्टि” या “दूसरों को अपने आप से हीन समझना” या “दूसरों को नीचा समझने वाला घमण्डी मनुष्य”।

(यह भी देखें: घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- यशायाह 02:17-19
- नीतिवचन 16:17-18
- नीतिवचन 21:23-24
- भजन संहिता 131:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H1363, H1364, H3093, H4791, H7312, G5244

घमण्ड

परिभाषा:

“घमण्ड” (गर्व) का अर्थ है स्वाभिमान एवं दंभी। इसका संदर्भ ऐसे मनुष्य से है जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है।

- यह शब्द ऐसे मनुष्य के घमण्ड को दर्शाता है जो परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने से नहीं रूकता है।
- अभिमानी मनुष्य अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता है
- घमण्डी मनुष्य बुद्धिमान नहीं मूर्ख है।
- इस शब्द का अनुवाद “घमण्डी”, या “दंभी” या “स्वार्थी” किया जा सकता है।
- “घमण्डी आंखें” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “घमण्ड से भरी दृष्टि” या “दूसरों को अपने आप से हीन समझना” या “दूसरों को नीचा समझने वाला घमण्डी मनुष्य”।

(यह भी देखें: घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- यशायाह 02:17-19
- नीतिवचन 16:17-18
- नीतिवचन 21:23-24
- भजन संहिता 131:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H1363, H1364, H3093, H4791, H7312, G5244

घमण्ड

परिभाषा:

“घमण्ड” (गर्व) का अर्थ है स्वाभिमान एवं दंभी। इसका संदर्भ ऐसे मनुष्य से है जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है।

- यह शब्द ऐसे मनुष्य के घमण्ड को दर्शाता है जो परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने से नहीं रूकता है।
- अभिमानी मनुष्य अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता है
- घमण्डी मनुष्य बुद्धिमान नहीं मूर्ख है।
- इस शब्द का अनुवाद “घमण्डी”, या “दंभी” या “स्वार्थी” किया जा सकता है।
- “घमण्डी आंखें” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “घमण्ड से भरी दृष्टि” या “दूसरों को अपने आप से हीन समझना” या “दूसरों को नीचा समझने वाला घमण्डी मनुष्य”।

(यह भी देखें: घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- यशायाह 02:17-19
- नीतिवचन 16:17-18
- नीतिवचन 21:23-24
- भजन संहिता 131:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H1363, H1364, H3093, H4791, H7312, G5244

घमण्ड

परिभाषा:

“घमण्ड” (गर्व) का अर्थ है स्वाभिमान एवं दंभी। इसका संदर्भ ऐसे मनुष्य से है जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है।

- यह शब्द ऐसे मनुष्य के घमण्ड को दर्शाता है जो परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने से नहीं रूकता है।
- अभिमानी मनुष्य अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता है
- घमण्डी मनुष्य बुद्धिमान नहीं मूर्ख है।
- इस शब्द का अनुवाद “घमण्डी”, या “दंभी” या “स्वार्थी” किया जा सकता है।
- “घमण्डी आंखें” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “घमण्ड से भरी दृष्टि” या “दूसरों को अपने आप से हीन समझना” या “दूसरों को नीचा समझने वाला घमण्डी मनुष्य”।

(यह भी देखें: घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- यशायाह 02:17-19
- नीतिवचन 16:17-18
- नीतिवचन 21:23-24
- भजन संहिता 131:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H1363, H1364, H3093, H4791, H7312, G5244

घमण्ड

परिभाषा:

“घमण्ड” (गर्व) का अर्थ है स्वाभिमान एवं दंभी। इसका संदर्भ ऐसे मनुष्य से है जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है।

- यह शब्द ऐसे मनुष्य के घमण्ड को दर्शाता है जो परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने से नहीं रूकता है।
- अभिमानी मनुष्य अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता है
- घमण्डी मनुष्य बुद्धिमान नहीं मूर्ख है।
- इस शब्द का अनुवाद “घमण्डी”, या “दंभी” या “स्वार्थी” किया जा सकता है।
- “घमण्डी आंखें” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “घमण्ड से भरी दृष्टि” या “दूसरों को अपने आप से हीन समझना” या “दूसरों को नीचा समझने वाला घमण्डी मनुष्य”।

(यह भी देखें: घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- यशायाह 02:17-19
- नीतिवचन 16:17-18
- नीतिवचन 21:23-24
- भजन संहिता 131:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H1363, H1364, H3093, H4791, H7312, G5244

घमण्ड

परिभाषा:

“घमण्ड” (गर्व) का अर्थ है स्वाभिमान एवं दंभी। इसका संदर्भ ऐसे मनुष्य से है जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है।

- यह शब्द ऐसे मनुष्य के घमण्ड को दर्शाता है जो परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने से नहीं रूकता है।
- अभिमानी मनुष्य अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता है
- घमण्डी मनुष्य बुद्धिमान नहीं मूर्ख है।
- इस शब्द का अनुवाद “घमण्डी”, या “दंभी” या “स्वार्थी” किया जा सकता है।
- “घमण्डी आंखें” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “घमण्ड से भरी दृष्टि” या “दूसरों को अपने आप से हीन समझना” या “दूसरों को नीचा समझने वाला घमण्डी मनुष्य”।

(यह भी देखें: घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- यशायाह 02:17-19
- नीतिवचन 16:17-18
- नीतिवचन 21:23-24
- भजन संहिता 131:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H1363, H1364, H3093, H4791, H7312, G5244

घमण्ड

परिभाषा:

“घमण्ड” (गर्व) का अर्थ है स्वाभिमान एवं दंभी। इसका संदर्भ ऐसे मनुष्य से है जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है।

- यह शब्द ऐसे मनुष्य के घमण्ड को दर्शाता है जो परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने से नहीं रूकता है।
- अभिमानी मनुष्य अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता है
- घमण्डी मनुष्य बुद्धिमान नहीं मूर्ख है।
- इस शब्द का अनुवाद “घमण्डी”, या “दंभी” या “स्वार्थी” किया जा सकता है।
- “घमण्डी आंखें” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “घमण्ड से भरी दृष्टि” या “दूसरों को अपने आप से हीन समझना” या “दूसरों को नीचा समझने वाला घमण्डी मनुष्य”।

(यह भी देखें: घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- यशायाह 02:17-19
- नीतिवचन 16:17-18
- नीतिवचन 21:23-24
- भजन संहिता 131:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H1363, H1364, H3093, H4791, H7312, G5244

घमण्ड

परिभाषा:

“घमण्ड” (गर्व) का अर्थ है स्वाभिमान एवं दंभी। इसका संदर्भ ऐसे मनुष्य से है जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है।

- यह शब्द ऐसे मनुष्य के घमण्ड को दर्शाता है जो परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने से नहीं रूकता है।
- अभिमानी मनुष्य अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता है
- घमण्डी मनुष्य बुद्धिमान नहीं मूर्ख है।
- इस शब्द का अनुवाद “घमण्डी”, या “दंभी” या “स्वार्थी” किया जा सकता है।
- “घमण्डी आंखें” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “घमण्ड से भरी दृष्टि” या “दूसरों को अपने आप से हीन समझना” या “दूसरों को नीचा समझने वाला घमण्डी मनुष्य”।

(यह भी देखें: घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- यशायाह 02:17-19
- नीतिवचन 16:17-18
- नीतिवचन 21:23-24
- भजन संहिता 131:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H1363, H1364, H3093, H4791, H7312, G5244

घमण्ड

परिभाषा:

“घमण्ड” (गर्व) का अर्थ है स्वाभिमान एवं दंभी। इसका संदर्भ ऐसे मनुष्य से है जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है।

- यह शब्द ऐसे मनुष्य के घमण्ड को दर्शाता है जो परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने से नहीं रूकता है।
- अभिमानी मनुष्य अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता है
- घमण्डी मनुष्य बुद्धिमान नहीं मूर्ख है।
- इस शब्द का अनुवाद “घमण्डी”, या “दंभी” या “स्वार्थी” किया जा सकता है।
- “घमण्डी आंखें” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “घमण्ड से भरी दृष्टि” या “दूसरों को अपने आप से हीन समझना” या “दूसरों को नीचा समझने वाला घमण्डी मनुष्य”।

(यह भी देखें: घमण्ड करना, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- यशायाह 02:17-19
- नीतिवचन 16:17-18
- नीतिवचन 21:23-24
- भजन संहिता 131:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H1363, H1364, H3093, H4791, H7312, G5244

घमण्ड करना, घमण्डी

परिभाषा:

“घमण्ड” अर्थात किसी वस्तु या मनुष्य के बारे में गर्व की बातें करना। इसका अर्थ प्रायः स्वयं के बारे में बड़ाई करना होता है।

- “घमण्डी” मनुष्य अपने बारे में घमण्ड करता है।
- परमेश्वर ने इस्राएल की मूत्तियों पर घमण्ड करने के लिए झिड़का था। वे सच्चे परमेश्वर के स्थान में मूर्तिपूजा का हठ करते थे।
- बाइबल में लोगों की धन, सम्पदा, शक्ति, अच्छी खेती और नियमों पर घमण्ड करने का उल्लेख किया गया है। इसका अर्थ है कि वे इन बातों पर घमण्ड करते थे और इन सबके दाता परमेश्वर को नहीं मानते थे।
- इसकी अपेक्षा परमेश्वर इस्राएलियों से कहता था कि वे उससे जानने पर घमण्ड करें।
- प्रेरित पौलुस प्रभु में घमण्ड करने की बात कहता है अर्थात परमेश्वर ने जो किया है उसके लिए आनन्दित होकर उसका धन्यवाद करें।

अनुवाद के सुझाव:

- “घमण्ड” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते है, “बड़ाई करना” या “घमण्ड से कहना” या “घमण्ड करना”
- “घमण्डी” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ हो, “घमण्ड की बातों से भरा” या “घमण्डी” या “स्वयं की बड़ाई करना”
- परमेश्वर को जानने में घमण्ड करने के संदर्भ में अनुवाद हो सकता है, “में घमण्ड करना” या “में बड़ाई करना” के बारे में अत्यधिक प्रसन्न होना” या “के लिए परमेश्वर को धन्यवाद कहना”
- कुछ भाषाओं में “घमण्ड” के दो शब्द हैं, एक नकारात्मक-अभिमान और दूसरा सकारात्मक किसी के कार्य, परिवार और देश पर घमण्ड करना।

अनुवाद के सुझाव:

(यह भी देखें: घमंडी)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 20:11-12
- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- याकूब 03:13-14
- याकूब 04:15-17

- भजन संहिता 044:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1984, H3235, H6286, G212, G213, G2620, G2744, G2745, G2746, G3166

घमण्ड करना, घमण्डी

परिभाषा:

“घमण्ड” अर्थात किसी वस्तु या मनुष्य के बारे में गर्व की बातें करना। इसका अर्थ प्रायः स्वयं के बारे में बड़ाई करना होता है।

- “घमण्डी” मनुष्य अपने बारे में घमण्ड करता है।
- परमेश्वर ने इस्राएल की मूर्त्तियों पर घमण्ड करने के लिए झिड़का था। वे सच्चे परमेश्वर के स्थान में मूर्तिपूजा का हठ करते थे।
- बाइबल में लोगों की धन, सम्पदा, शक्ति, अच्छी खेती और नियमों पर घमण्ड करने का उल्लेख किया गया है। इसका अर्थ है कि वे इन बातों पर घमण्ड करते थे और इन सबके दाता परमेश्वर को नहीं मानते थे।
- इसकी अपेक्षा परमेश्वर इस्राएलियों से कहता था कि वे उससे जानने पर घमण्ड करें।
- प्रेरित पौलुस प्रभु में घमण्ड करने की बात कहता है अर्थात परमेश्वर ने जो किया है उसके लिए आनन्दित होकर उसका धन्यवाद करें।

अनुवाद के सुझाव:

- “घमण्ड” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते है, “बड़ाई करना” या “घमण्ड से कहना” या “घमण्ड करना”
- “घमण्डी” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ हो, “घमण्ड की बातों से भरा” या “घमण्डी” या “स्वयं की बड़ाई करना”
- परमेश्वर को जानने में घमण्ड करने के संदर्भ में अनुवाद हो सकता है, “में घमण्ड करना” या “में बड़ाई करना” के बारे में अत्यधिक प्रसन्न होना” या “के लिए परमेश्वर को धन्यवाद कहना”
- कुछ भाषाओं में “घमण्ड” के दो शब्द हैं, एक नकारात्मक-अभिमान और दूसरा सकारात्मक किसी के कार्य, परिवार और देश पर घमण्ड करना।

अनुवाद के सुझाव:

(यह भी देखें: घमंडी)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 20:11-12
- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- याकूब 03:13-14
- याकूब 04:15-17
- भजन संहिता 044:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1984, H3235, H6286, G212, G213, G2620, G2744, G2745, G2746, G3166

घमण्ड करना, घमण्डी

परिभाषा:

“घमण्ड” अर्थात किसी वस्तु या मनुष्य के बारे में गर्व की बातें करना। इसका अर्थ प्रायः स्वयं के बारे में बड़ाई करना होता है।

- “घमण्डी” मनुष्य अपने बारे में घमण्ड करता है।
- परमेश्वर ने इस्राएल की मूर्त्तियों पर घमण्ड करने के लिए झिड़का था। वे सच्चे परमेश्वर के स्थान में मूर्तिपूजा का हठ करते थे।
- बाइबल में लोगों की धन, सम्पदा, शक्ति, अच्छी खेती और नियमों पर घमण्ड करने का उल्लेख किया गया है। इसका अर्थ है कि वे इन बातों पर घमण्ड करते थे और इन सबके दाता परमेश्वर को नहीं मानते थे।
- इसकी अपेक्षा परमेश्वर इस्राएलियों से कहता था कि वे उससे जानने पर घमण्ड करें।
- प्रेरित पौलुस प्रभु में घमण्ड करने की बात कहता है अर्थात परमेश्वर ने जो किया है उसके लिए आनन्दित होकर उसका धन्यवाद करें।

अनुवाद के सुझाव:

- “घमण्ड” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते है, “बड़ाई करना” या “घमण्ड से कहना” या “घमण्ड करना”
- “घमण्डी” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ हो, “घमण्ड की बातों से भरा” या “घमण्डी” या “स्वयं की बड़ाई करना”
- परमेश्वर को जानने में घमण्ड करने के संदर्भ में अनुवाद हो सकता है, “में घमण्ड करना” या “में बड़ाई करना” के बारे में अत्यधिक प्रसन्न होना” या “के लिए परमेश्वर को धन्यवाद कहना”
- कुछ भाषाओं में “घमण्ड” के दो शब्द हैं, एक नकारात्मक-अभिमान और दूसरा सकारात्मक किसी के कार्य, परिवार और देश पर घमण्ड करना।

अनुवाद के सुझाव:

(यह भी देखें: घमंडी)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 20:11-12
- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- याकूब 03:13-14
- याकूब 04:15-17
- भजन संहिता 044:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1984, H3235, H6286, G212, G213, G2620, G2744, G2745, G2746, G3166

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्राय: किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7

- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्रायः किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्रायः किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।

- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्राय: किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्राय: किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्राय: किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।

- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्रायः किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50

- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्राय: किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्राय: किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।

- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्रायः किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्राय: किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्राय: किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यत: अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यत: संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्राय: किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यत: अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यत: संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।

- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्राय: किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्राय: किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्राय: किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्रायः किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7

- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्रायः किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्रायः किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।

- “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, परमेश्वर के भवन, कुटुम्ब, इस्राएल के राज्य, निवासस्थान, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 07:47-50
- उत्पत्ति 39:3-4
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घूस, घूस, घूस दिया, घूस लेते हैं

परिभाषा:

“घूस”, किसी से गलत काम करवाने के लिए मूल्यवान भेंट जैसे पैसा देना।

- यीशु की कब्र की चौकसी करनेवाले सैनिकों को झूठ बोलने के लिए घूस दी गई थी।
- कभी-कभी सरकारी अधिकारी को अपराध को अनदेखा करने या कोई निर्णय लेने के लिए भी घूस दी जाती है।
- बाइबल में घूस लेना या घूस देना मना है।
- “घूस” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बेइमानी का पैसा” या “झूठ बोलने के लिए दिया गया पैसा” या “नियम तोड़ने की कीमत।”
- “घूस देना” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “प्रभाव डालने के लिए पैसा देना” या “बेईमानी से पक्षपात करने की कीमत देना” या “पक्ष लेने के लिए पैसा देना।”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:1-3
- सभोपदेशक 07:7
- यशायाह 01:23
- मीका 03:9-11
- नीतिवचन 15:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3724, H4979, H7809, H7810, H7936, H7966, H8641, G5260

घृणा, घिनौने, घिनौना

परिभाषा:

“घृणा” शब्द का अर्थ है ग्लानि और अरूचि उत्पन्न करनेवाली बात।

- मिस्री लोग इब्रानियों को "घृणित" मानते थे। इसका अर्थ है कि मिस्री लोग इब्रानियों को पसन्द नहीं करते थे और उनके साथ संबन्ध नहीं रखना चाहते थे वरन उनके निकट भी नहीं आना चाहते थे।
- बाइबल में "परमेश्वर के लिए घृणित" बातें हैं। झूठ, घमण्ड, नरबलि, मूर्तिपूजा, हत्या, व्यभिचार का पाप, समलैंगिक संबन्ध।
- अपने शिष्यों को अन्त समय की शिक्षा देते समय यीशु ने भविष्यद्वक्ता दानिय्येल की भविष्यद्वाणी का संदर्भ दिया था और जिसमें “उजाड़ने वाली घृणित वस्तु” की चर्चा की गई थी जिसे परमेश्वर से विद्रोह स्वरूप स्थापित करके उसके आराधना स्थल को अशुद्ध किया जाएगा।

अनुवाद के सुझाव:

- “घृणित वस्तु” का अनुवाद “जिस वस्तु से परमेश्वर घृणा करता है”, या “अरोचक वस्तु” या “घृणित अभ्यास” या “बहुत बुरा काम”।
- प्रकरण के अनुसार इस उक्ति के लिए “घृणित” का अनुवाद होगा, “के लिए अत्यधिक घृणित” या “को अरूचिकर” या “को पूर्णतः अस्वीकार्य” या “गहरी अरूचि उत्पन्न करनेवाली”।
- “उजाड़नेवाली घृणित वस्तु” का अनुवाद “अशुद्ध करनेवाली वस्तु जिससे मनुष्यों की घोर हानि होती है” या “अरूचिकर वस्तु जिसके कारण गहरा दुःख होता है”।

(यह भी देखें: व्यभिचार, अशुद्ध करना, उजड़, मूर्ति, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 09:1-2
- उत्पत्ति 46:33-34
- यशायाह 01:12-13
- मत्ती 24:15-18
- नीतिवचन 26:24-26

शब्द तथ्य:

- Strongs: * Strongs: H887, H6292, H8251, H8262, H8263, H8441, G946

घृणा, घिनौने, घिनौना

परिभाषा:

“घृणा” शब्द का अर्थ है ग्लानि और अरूचि उत्पन्न करनेवाली बात।

- मिस्री लोग इब्रानियों को "घृणित" मानते थे। इसका अर्थ है कि मिस्री लोग इब्रानियों को पसन्द नहीं करते थे और उनके साथ संबन्ध नहीं रखना चाहते थे वरन उनके निकट भी नहीं आना चाहते थे।
- बाइबल में "परमेश्वर के लिए घृणित" बातें हैं। झूठ, घमण्ड, नरबलि, मूर्तिपूजा, हत्या, व्यभिचार का पाप, समलैंगिक संबन्ध।
- अपने शिष्यों को अन्त समय की शिक्षा देते समय यीशु ने भविष्यद्वक्ता दानिय्येल की भविष्यद्वाणी का संदर्भ दिया था और जिसमें “उजाड़ने वाली घृणित वस्तु” की चर्चा की गई थी जिसे परमेश्वर से विद्रोह स्वरूप स्थापित करके उसके आराधना स्थल को अशुद्ध किया जाएगा।

अनुवाद के सुझाव:

- “घृणित वस्तु” का अनुवाद “जिस वस्तु से परमेश्वर घृणा करता है”, या “अरोचक वस्तु” या “घृणित अभ्यास” या “बहुत बुरा काम”।
- प्रकरण के अनुसार इस उक्ति के लिए “घृणित” का अनुवाद होगा, “के लिए अत्यधिक घृणित” या “को अरूचिकर” या “को पूर्णतः अस्वीकार्य” या “गहरी अरूचि उत्पन्न करनेवाली”।
- “उजाड़नेवाली घृणित वस्तु” का अनुवाद “अशुद्ध करनेवाली वस्तु जिससे मनुष्यों की घोर हानि होती है” या “अरूचिकर वस्तु जिसके कारण गहरा दुःख होता है”।

(यह भी देखें: व्यभिचार, अशुद्ध करना, उजड़, मूर्ति, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 09:1-2

- उत्पत्ति 46:33-34
- यशायाह 01:12-13
- मत्ती 24:15-18
- नीतिवचन 26:24-26

शब्द तथ्य:

- Strongs: * Strongs: H887, H6292, H8251, H8262, H8263, H8441, G946

घृणा, घिनौने, घिनौना

परिभाषा:

“घृणा” शब्द का अर्थ है ग्लानि और अरूचि उत्पन्न करनेवाली बात।

- मिस्री लोग इब्रानियों को "घृणित" मानते थे। इसका अर्थ है कि मिस्री लोग इब्रानियों को पसन्द नहीं करते थे और उनके साथ संबन्ध नहीं रखना चाहते थे वरन उनके निकट भी नहीं आना चाहते थे।
- बाइबल में "परमेश्वर के लिए घृणित" बातें हैं। झूठ, घमण्ड, नरबलि, मूर्तिपूजा, हत्या, व्यभिचार का पाप, समलैंगिक संबन्ध।
- अपने शिष्यों को अन्त समय की शिक्षा देते समय यीशु ने भविष्यद्वक्ता दानिय्येल की भविष्यद्वाणी का संदर्भ दिया था और जिसमें “उजाड़ने वाली घृणित वस्तु” की चर्चा की गई थी जिसे परमेश्वर से विद्रोह स्वरूप स्थापित करके उसके आराधना स्थल को अशुद्ध किया जाएगा।

अनुवाद के सुझाव:

- “घृणित वस्तु” का अनुवाद “जिस वस्तु से परमेश्वर घृणा करता है”, या “अरोचक वस्तु” या “घृणित अभ्यास” या “बहुत बुरा काम”।
- प्रकरण के अनुसार इस उक्ति के लिए “घृणित” का अनुवाद होगा, “के लिए अत्यधिक घृणित” या “को अरूचिकर” या “को पूर्णत: अस्वीकार्य” या “गहरी अरूचि उत्पन्न करनेवाली”।
- “उजाड़नेवाली घृणित वस्तु” का अनुवाद “अशुद्ध करनेवाली वस्तु जिससे मनुष्यों की घोर हानि होती है” या “अरूचिकर वस्तु जिसके कारण गहरा दु:ख होता है”।

(यह भी देखें: व्यभिचार, अशुद्ध करना, उजड़, मूर्ति, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 09:1-2
- उत्पत्ति 46:33-34
- यशायाह 01:12-13
- मत्ती 24:15-18
- नीतिवचन 26:24-26

शब्द तथ्य:

- Strongs: * Strongs: H887, H6292, H8251, H8262, H8263, H8441, G946

घृणा, घिनौने, घिनौना

परिभाषा:

“घृणा” शब्द का अर्थ है ग्लानि और अरूचि उत्पन्न करनेवाली बात।

- मिस्री लोग इब्रानियों को "घृणित" मानते थे। इसका अर्थ है कि मिस्री लोग इब्रानियों को पसन्द नहीं करते थे और उनके साथ संबन्ध नहीं रखना चाहते थे वरन उनके निकट भी नहीं आना चाहते थे।
- बाइबल में "परमेश्वर के लिए घृणित" बातें हैं। झूठ, घमण्ड, नरबलि, मूर्तिपूजा, हत्या, व्यभिचार का पाप, समलैंगिक संबन्ध।
- अपने शिष्यों को अन्त समय की शिक्षा देते समय यीशु ने भविष्यद्वक्ता दानिय्येल की भविष्यद्वाणी का संदर्भ दिया था और जिसमें “उजाड़ने वाली घृणित वस्तु” की चर्चा की गई थी जिसे परमेश्वर से विद्रोह स्वरूप स्थापित करके उसके आराधना स्थल को अशुद्ध किया जाएगा।

अनुवाद के सुझाव:

- “घृणित वस्तु” का अनुवाद “जिस वस्तु से परमेश्वर घृणा करता है”, या “अरोचक वस्तु” या “घृणित अभ्यास” या “बहुत बुरा काम”।

- प्रकरण के अनुसार इस उक्ति के लिए “घृणित” का अनुवाद होगा, “के लिए अत्यधिक घृणित” या “को अरूचिकर” या “को पूर्णतः अस्वीकार्य” या “गहरी अरूचि उत्पन्न करनेवाली”।
- “उजाड़नेवाली घृणित वस्तु” का अनुवाद “अशुद्ध करनेवाली वस्तु जिससे मनुष्यों की घोर हानि होती है” या “अरूचिकर वस्तु जिसके कारण गहरा दुःख होता है”।

(यह भी देखें: व्यभिचार, अशुद्ध करना, उजड़, मूर्ति, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 09:1-2
- उत्पत्ति 46:33-34
- यशायाह 01:12-13
- मत्ती 24:15-18
- नीतिवचन 26:24-26

शब्द तथ्य:

- Strongs: * Strongs: H887, H6292, H8251, H8262, H8263, H8441, G946

घृणा, घृणा करा, घृणित

तथ्य:

“घृणित” शब्द कुछ ऐसी वस्तुओं का वर्णन करता है जिन्हें नापसंद और अस्वीकार करना चाहिए। किसी वस्तु से घृणा करने का अर्थ है उसे दृढ़ता से नापसंद करना।

- बाइबल प्रायः बुराई से घृणा की चर्चा करती है। इसका अर्थ है बुराई से घृणा करना और उसका त्याग करना।
- परमेश्वर ने "घृणित" शब्द का प्रयोग उन लोगों के बुरे कामों का वर्णन करने के लिए किया, जो झूठे देवताओं की पूजा करते थे।
- इस्राएलियों को आज्ञा दी गई थी कि वे पड़ोसी जातियों के पापी अनैतिक अभ्यासों से "घृणा" करें।
- परमेश्वर ने सब अनुचित यौनाचार को "घृणित" कहा है।
- भविष्य कहना, भूत सिद्धि करना तथा शिशु-बलि, सब परमेश्वर के लिए "घृणित" थे।
- "घृणा" शब्द का अनुवाद "दृढ़ता से अस्वीकार" या "नफरत" या "बहुत बुरा मानते हैं" के रूप में किया जा सकता है ।
- “घृणित” शब्द का अनुवाद “भयानक बुराई” या “घृणा योग्य” या “परित्याग के योग्य” किया जा सकता है।
- जब दुष्ट को धर्मी "घृणित" करने के लिए आवेदन किया जाता है, तो इसे "बहुत अवांछनीय माना जाता है" या "अयोग्य" या "अस्वीकार कर दिया" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- परमेश्वर ने कुछ प्रकार के जानवरों को "घृणा" करने के लिए इस्राएलियों से कहा था कि परमेश्वर ने उन्हें "अशुद्ध" और भोजन के लिए उपयुक्त नहीं घोषित किया था। * इसका अनुवाद “प्रबल नापसंदगी” या “परित्याग” या “अस्वीकार्य मानना” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें:

भावी कहने, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 43:32
- यिर्मयाह 07:30
- लैव्यव्यवस्था 11:10
- लूका 16:15
- प्रकाशितवाक्य 17:3-5

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1602, H6973, H8130, H8251, H8262, H8263, H8441, H8581, G946, G947, G948, G4767, G3404

घृणा, घृणा करा, घृणित

तथ्य:

“घृणित” शब्द कुछ ऐसी वस्तुओं का वर्णन करता है जिन्हें नापसंद और अस्वीकार करना चाहिए। किसी वस्तु से घृणा करने का अर्थ है उसे दृढ़ता से नापसंद करना।

- बाइबल प्रायः बुराई से घृणा की चर्चा करती है। इसका अर्थ है बुराई से घृणा करना और उसका त्याग करना।
- परमेश्वर ने "घृणित" शब्द का प्रयोग उन लोगों के बुरे कामों का वर्णन करने के लिए किया, जो झूठे देवताओं की पूजा करते थे।
- इस्राएलियों को आज्ञा दी गई थी कि वे पड़ोसी जातियों के पापी अनैतिक अभ्यासों से "घृणा" करें।
- परमेश्वर ने सब अनुचित यौनाचार को "घृणित" कहा है।
- भविष्य कहना, भूत सिद्धि करना तथा शिशु-बलि, सब परमेश्वर के लिए "घृणित" थे।
- "घृणा" शब्द का अनुवाद "दृढ़ता से अस्वीकार" या "नफरत" या "बहुत बुरा मानते हैं" के रूप में किया जा सकता है ।
- “घृणित” शब्द का अनुवाद “भयानक बुराई” या “घृणा योग्य” या “परित्याग के योग्य” किया जा सकता है।
- जब दुष्ट को धर्मी "घृणित" करने के लिए आवेदन किया जाता है, तो इसे "बहुत अवांछनीय माना जाता है" या "अयोग्य" या "अस्वीकार कर दिया" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- परमेश्वर ने कुछ प्रकार के जानवरों को "घृणा" करने के लिए इस्राएलियों से कहा था कि परमेश्वर ने उन्हें "अशुद्ध" और भोजन के लिए उपयुक्त नहीं घोषित किया था। * इसका अनुवाद “प्रबल नापसंदगी” या “परित्याग” या “अस्वीकार्य मानना” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें:

भावी कहने, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 43:32
- यिर्मयाह 07:30
- लैव्यव्यवस्था 11:10
- लूका 16:15
- प्रकाशितवाक्य 17:3-5

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1602, H6973, H8130, H8251, H8262, H8263, H8441, H8581, G946, G947, G948, G4767, G3404

घृणा, घृणा करा, घृणित

तथ्य:

“घृणित” शब्द कुछ ऐसी वस्तुओं का वर्णन करता है जिन्हें नापसंद और अस्वीकार करना चाहिए। किसी वस्तु से घृणा करने का अर्थ है उसे दृढ़ता से नापसंद करना।

- बाइबल प्रायः बुराई से घृणा की चर्चा करती है। इसका अर्थ है बुराई से घृणा करना और उसका त्याग करना।
- परमेश्वर ने "घृणित" शब्द का प्रयोग उन लोगों के बुरे कामों का वर्णन करने के लिए किया, जो झूठे देवताओं की पूजा करते थे।
- इस्राएलियों को आज्ञा दी गई थी कि वे पड़ोसी जातियों के पापी अनैतिक अभ्यासों से "घृणा" करें।
- परमेश्वर ने सब अनुचित यौनाचार को "घृणित" कहा है।
- भविष्य कहना, भूत सिद्धि करना तथा शिशु-बलि, सब परमेश्वर के लिए "घृणित" थे।
- "घृणा" शब्द का अनुवाद "दृढ़ता से अस्वीकार" या "नफरत" या "बहुत बुरा मानते हैं" के रूप में किया जा सकता है ।
- “घृणित” शब्द का अनुवाद “भयानक बुराई” या “घृणा योग्य” या “परित्याग के योग्य” किया जा सकता है।
- जब दुष्ट को धर्मी "घृणित" करने के लिए आवेदन किया जाता है, तो इसे "बहुत अवांछनीय माना जाता है" या "अयोग्य" या "अस्वीकार कर दिया" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- परमेश्वर ने कुछ प्रकार के जानवरों को "घृणा" करने के लिए इस्राएलियों से कहा था कि परमेश्वर ने उन्हें "अशुद्ध" और भोजन के लिए उपयुक्त नहीं घोषित किया था। * इसका अनुवाद “प्रबल नापसंदगी” या “परित्याग” या “अस्वीकार्य मानना” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें:

भावी कहने, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 43:32
- यिर्मयाह 07:30
- लैव्यव्यवस्था 11:10
- लूका 16:15
- प्रकाशितवाक्य 17:3-5

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1602, H6973, H8130, H8251, H8262, H8263, H8441, H8581, G946, G947, G948, G4767, G3404

घृणा, घृणा करा, घृणित

तथ्य:

“घृणित” शब्द कुछ ऐसी वस्तुओं का वर्णन करता है जिन्हें नापसंद और अस्वीकार करना चाहिए। किसी वस्तु से घृणा करने का अर्थ है उसे दृढ़ता से नापसंद करना।

- बाइबल प्रायः बुराई से घृणा की चर्चा करती है। इसका अर्थ है बुराई से घृणा करना और उसका त्याग करना।
- परमेश्वर ने "घृणित" शब्द का प्रयोग उन लोगों के बुरे कामों का वर्णन करने के लिए किया, जो झूठे देवताओं की पूजा करते थे।
- इस्राएलियों को आज्ञा दी गई थी कि वे पड़ोसी जातियों के पापी अनैतिक अभ्यासों से "घृणा" करें।
- परमेश्वर ने सब अनुचित यौनाचार को "घृणित" कहा है।
- भविष्य कहना, भूत सिद्धि करना तथा शिशु-बलि, सब परमेश्वर के लिए "घृणित" थे।
- "घृणा" शब्द का अनुवाद "दृढ़ता से अस्वीकार" या "नफरत" या "बहुत बुरा मानते हैं" के रूप में किया जा सकता है ।
- “घृणित” शब्द का अनुवाद “भयानक बुराई” या “घृणा योग्य” या “परित्याग के योग्य” किया जा सकता है।
- जब दुष्ट को धर्मी "घृणित" करने के लिए आवेदन किया जाता है, तो इसे "बहुत अवांछनीय माना जाता है" या "अयोग्य" या "अस्वीकार कर दिया" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- परमेश्वर ने कुछ प्रकार के जानवरों को "घृणा" करने के लिए इस्राएलियों से कहा था कि परमेश्वर ने उन्हें "अशुद्ध" और भोजन के लिए उपयुक्त नहीं घोषित किया था। * इसका अनुवाद “प्रबल नापसंदगी” या “परित्याग” या “अस्वीकार्य मानना” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें:

भावी कहने, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 43:32
- यिर्मयाह 07:30
- लैव्यव्यवस्था 11:10
- लूका 16:15
- प्रकाशितवाक्य 17:3-5

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1602, H6973, H8130, H8251, H8262, H8263, H8441, H8581, G946, G947, G948, G4767, G3404

घेर, घेर लेना, घेर लिया, घेर करनेवाला, घेर लेना, मोर्चा बांधना

परिभाषा:

“घेराव” शत्रु की सेना द्वारा नगर को घेर कर भोजन-पानी का आना रोक देना। किसी शहर को "घेर" करने या इसे "घेराबंदी के नीचे" रखने के लिए इसका अर्थ है घेराबंदी के माध्यम से हमला करना।

- जब बाबेल ने इस्राएल पर हमला किया, तो उन्होंने शहर के अंदर लोगों को कमजोर करने के लिए यरूशलेम के खिलाफ घेराबंदी की रणनीति का इस्तेमाल किया।
- घेराव के समय धूल मिट्टी के ढेले बनाए जाते थे कि शत्रु की सेना शहरपनाह को पार करके नगर पर आक्रमण कर पाए।
- एक शहर को "घेर" करने के लिए इसे "घेराबंदी" के रूप में व्यक्त किया जा सकता है या उस पर "घेराबंदी" करने के लिए कहा जा सकता है।
- “घेराव कर दिया” का अर्थ “घेराव” ही है। इन दोनों अभिव्यक्तियों द्वारा किसी नगर का शत्रुओं द्वारा घेराव दर्शाता है।

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 20:1
- 1 राजा 20:1-3
- 1 शमूएल 11:1-2
- यिर्मयाह 33:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4692, H4693, H5341, H5437, H5564, H6693, H6696, H6887

घेर, घेर लेना, घेर लिया, घेर करनेवाला, घेर लेना, मोर्चा बांधना

परिभाषा:

“घेराव” शत्रु की सेना द्वारा नगर को घेर कर भोजन-पानी का आना रोक देना। किसी शहर को "घेर" करने या इसे "घेराबंदी के नीचे" रखने के लिए इसका अर्थ है घेराबंदी के माध्यम से हमला करना।

- जब बाबेल ने इस्राएल पर हमला किया, तो उन्होंने शहर के अंदर लोगों को कमजोर करने के लिए यरूशलेम के खिलाफ घेराबंदी की रणनीति का इस्तेमाल किया।
- घेराव के समय धूल मिट्टी के ढेले बनाए जाते थे कि शत्रु की सेना शहरपनाह को पार करके नगर पर आक्रमण कर पाए।
- एक शहर को "घेर" करने के लिए इसे "घेराबंदी" के रूप में व्यक्त किया जा सकता है या उस पर "घेराबंदी" करने के लिए कहा जा सकता है।
- “घेराव कर दिया” का अर्थ “घेराव” ही है। इन दोनों अभिव्यक्तियों द्वारा किसी नगर का शत्रुओं द्वारा घेराव दर्शाता है।

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 20:1
- 1 राजा 20:1-3
- 1 शमूएल 11:1-2
- यिर्मयाह 33:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4692, H4693, H5341, H5437, H5564, H6693, H6696, H6887

घेर, घेर लेना, घेर लिया, घेर करनेवाला, घेर लेना, मोर्चा बांधना

परिभाषा:

“घेराव” शत्रु की सेना द्वारा नगर को घेर कर भोजन-पानी का आना रोक देना। किसी शहर को "घेर" करने या इसे "घेराबंदी के नीचे" रखने के लिए इसका अर्थ है घेराबंदी के माध्यम से हमला करना।

- जब बाबेल ने इस्राएल पर हमला किया, तो उन्होंने शहर के अंदर लोगों को कमजोर करने के लिए यरूशलेम के खिलाफ घेराबंदी की रणनीति का इस्तेमाल किया।
- घेराव के समय धूल मिट्टी के ढेले बनाए जाते थे कि शत्रु की सेना शहरपनाह को पार करके नगर पर आक्रमण कर पाए।
- एक शहर को "घेर" करने के लिए इसे "घेराबंदी" के रूप में व्यक्त किया जा सकता है या उस पर "घेराबंदी" करने के लिए कहा जा सकता है।

- “घेराव कर दिया” का अर्थ “घेराव” ही है। इन दोनों अभिव्यक्तियों द्वारा किसी नगर का शत्रुओं द्वारा घेराव दर्शाता है।

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 20:1
- 1 राजा 20:1-3
- 1 शमूएल 11:1-2
- यिर्मयाह 33:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4692, H4693, H5341, H5437, H5564, H6693, H6696, H6887

घेर, घेर लेना, घेर लिया, घेर करनेवाला, घेर लेना, मोर्चा बांधना

परिभाषा:

“घेराव” शत्रु की सेना द्वारा नगर को घेर कर भोजन-पानी का आना रोक देना। किसी शहर को "घेर" करने या इसे "घेराबंदी के नीचे" रखने के लिए इसका अर्थ है घेराबंदी के माध्यम से हमला करना।

- जब बाबेल ने इस्राएल पर हमला किया, तो उन्होंने शहर के अंदर लोगों को कमजोर करने के लिए यरूशलेम के खिलाफ घेराबंदी की रणनीति का इस्तेमाल किया।
- घेराव के समय धूल मिट्टी के ढेले बनाए जाते थे कि शत्रु की सेना शहरपनाह को पार करके नगर पर आक्रमण कर पाए।
- एक शहर को "घेर" करने के लिए इसे "घेराबंदी" के रूप में व्यक्त किया जा सकता है या उस पर "घेराबंदी" करने के लिए कहा जा सकता है।
- “घेराव कर दिया” का अर्थ “घेराव” ही है। इन दोनों अभिव्यक्तियों द्वारा किसी नगर का शत्रुओं द्वारा घेराव दर्शाता है।

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 20:1
- 1 राजा 20:1-3
- 1 शमूएल 11:1-2
- यिर्मयाह 33:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4692, H4693, H5341, H5437, H5564, H6693, H6696, H6887

घोड़ा, घोड़े, युद्ध का घोडा, युद्ध के घोड़ों, सवार होकर

परिभाषा:

घोड़ा चार टांगों का एक बड़ा पशु होता है जिसको बाइबल के युग में अधिकतर खेती के काम में या सवारी धोने के काम में लिया जाता था।

- कुछ घोड़े गाड़ी और रथ खींचने के लिए भी काम में लिए जाते थे, उन पर सवारी भी की जाती थी।
- घोड़ों को लगाम लगाई जाती थी कि इच्छा के अनुसार चलाया जाए।
- बाइबल युग में घोड़े एक मूल्यवान सम्पदा थे, उन्हें पशु धन माना जाता था क्योंकि वेमुख्यतः युद्ध में काम आते थे। उदाहरणार्थ, सुलैमान के असीम वैभव का एक भाग उसके हजारों घोड़ें और रथ थे।
- गधे और खच्चर भी घोड़े जैसे ही चौपाए हैं।

(यह भी देखें: रथ, , गदहा, सुलैमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:04
- 2 राजा 02:11
- निर्गमन 14:23-25
- यहेजकेल 23:5-7
- जकर्याह 06:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H47, H5483, H5484, H6571, H7409, G2462

चंगा, चंगा किया, चंगा करना, चंगा हो गया, चंगा करने, चंगा करनेवाला, सेहत, बीमार

परिभाषा:

“चंगा करना” और "इलाज" दोनों का अर्थ है एक बीमार, अर्थात रोगी, अन्धा या विकलांग को स्वस्थ्य प्रदान करना।

- चंगाई पाने वाली या “रोग-मुक्त मनुष्य” “पुष्ट किया गया” या “स्वस्थ किया गया” होना है।
- चंगाई प्राकृतिक भी होती है क्योंकि परमेश्वर ने हमारे शरीर को अनेक प्रकार की चोटों और रोगों से स्वस्थ हो जाने की क्षमता प्रदान की है। ऐसी चंगाई में समय लगता है।
- तथापि जैसे अंधा होना, लकवा तथा कोढ़ अपने आप स्वस्थ नहीं होते हैं। जब मनुष्यों को ऐसे रोगों या विकलांगता से चंगाई मिलती है तो वह एक आश्चर्यकर्म होता है।
- उदाहरणार्थ यीशु ने अनेक अंधों, लंगड़ो और रोगियों का तत्काल चंगा किया था और वे उसी पल स्वस्थ हो गए थे।
- प्रेरितों ने भी रोगियों को चमत्कारी चंगाई दी थी जैसे पतरस ने एक लंगड़े को तुरंत चलने योग्य बनाया था।

(यह भी देखें: चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:14-16
- प्रे.का. 08:6-8
- लूका 05:12-13
- लूका 06:17-19
- लूका 08:43-44
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:14** जिनमे से एक चमत्कार नामान नामक व्यक्ति के जीवन में हुआ, वह शत्रुओं का सेनापति था और कोढ़ी था। उसने एलीशा के बारे में सुना था तो वह एलीशा के पास गया कि वह उसे चंगा क।
- **21:10** उसने यह भी भविष्यवाणी की थी , कि मसीह बीमारों को चंगा करेगा, तब अन्धे की आँखें खोली जाएगी, बहिरों के कान भी खोले जाएँगे, लंगड़े चलने लगेंगे, गूँगे बोल उठेंगे।
- **26:06** यीशु ने कहना जारी रखा,“और एलीशा भविष्यद्वक्ता के समय इस्राएल में बहुत से कोढ़ी थे, और ऐसे भी थे जिन्हें त्वचा रोग था। लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी ठीक नहीं किया, उसने केवल इस्राएल के दुश्मनों के एक सेनापति, नामान के त्वचा रोग को चंगा किया।”
- **26:08** वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो बोल नहीं सकते, देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **32:14** उसने यीशु की चर्चा सुनी थी कि वह बिमारो को चंगा करता है और उसने सोचा कि यदि मैं यीशु के वस्त्रो को ही छू लूँगी तो चंगी हो जाऊँगी , ”
- **44:03** तुरन्त, परमेश्वर ने उस लँगड़े व्यक्ति को चंगा किया, तब उसने चलना और चारों ओर कूदना शुरू किया और परमेश्वर की स्तुति करने लगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।
- **49:02** यीशु बहुत से आश्चर्यकर्म किये जो यह सिद्ध करते हैं कि वह परमेश्वर है। वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, ुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने भोजन में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए काफी हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H1369, H1455, H2280, H2421, H2896, H3444, H3545, H4832, H4974, H7495, H7499, H7500, H7725, H7965, H8549, H8585, H8644, H622, G1295, G1743, G2322, G2323, G2386, G2390, G2392, G2511, G3647, G4982, G4991, G5198, G5199

चंगा, चंगा किया, चंगा करना, चंगा हो गया, चंगा करने, चंगा करनेवाला, सेहत, बीमार

परिभाषा:

“चंगा करना” और "इलाज" दोनों का अर्थ है एक बीमार, अर्थात रोगी, अन्धा या विकलांग को स्वस्थ्य प्रदान करना।

- चंगाई पाने वाली या “रोग-मुक्त मनुष्य” “पुष्ट किया गया” या “स्वस्थ किया गया” होना है।
- चंगाई प्राकृतिक भी होती है क्योंकि परमेश्वर ने हमारे शरीर को अनेक प्रकार की चोटों और रोगों से स्वस्थ हो जाने की क्षमता प्रदान की है। ऐसी चंगाई में समय लगता है।
- तथापि जैसे अंधा होना, लकवा तथा कोढ़ अपने आप स्वस्थ नहीं होते हैं। जब मनुष्यों को ऐसे रोगों या विकलांगता से चंगाई मिलती है तो वह एक आश्चर्यकर्म होता है।
- उदाहरणार्थ यीशु ने अनेक अंधों, लंगड़ो और रोगियों का तत्काल चंगा किया था और वे उसी पल स्वस्थ हो गए थे।
- प्रेरितों ने भी रोगियों को चमत्कारी चंगाई दी थी जैसे पतरस ने एक लंगड़े को तुरंत चलने योग्य बनाया था।

(यह भी देखें: चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:14-16
- प्रे.का. 08:6-8
- लूका 05:12-13
- लूका 06:17-19
- लूका 08:43-44
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:14** जिनमे से एक चमत्कार नामान नामक व्यक्ति के जीवन में हुआ, वह शत्रुओं का सेनापति था और कोढ़ी था। उसने एलीशा के बारे में सुना था तो वह एलीशा के पास गया कि वह उसे चंगा क।
- **21:10** उसने यह भी भविष्यवाणी की थी , कि मसीह बीमारों को चंगा करेगा, तब अन्धे की आँखें खोली जाएगी, बहिरों के कान भी खोले जाएँगे, लंगड़े चलने लगेंगे, गूँगे बोल उठेंगे।
- **26:06** यीशु ने कहना जारी रखा,“और एलीशा भविष्यद्वक्ता के समय इस्राएल में बहुत से कोढ़ी थे, और ऐसे भी थे जिन्हें त्वचा रोग था। लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी ठीक नहीं किया, उसने केवल इस्राएल के दुश्मनों के एक सेनापति, नामान के त्वचा रोग को चंगा किया।”
- **26:08** वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो बोल नहीं सकते, देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **32:14** उसने यीशु की चर्चा सुनी थी कि वह बिमारो को चंगा करता है और उसने सोचा कि यदि मैं यीशु के वस्त्रो को ही छू लूँगी तो चंगी हो जाऊँगी , ”
- **44:03** तुरन्त, परमेश्वर ने उस लँगड़े व्यक्ति को चंगा किया, तब उसने चलना और चारों ओर कूदना शुरू किया और परमेश्वर की स्तुति करने लगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।
- **49:02** यीशु बहुत से आश्चर्यकर्म किये जो यह सिद्ध करते हैं कि वह परमेश्वर है। वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, ुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने भोजन में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए काफी हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H1369, H1455, H2280, H2421, H2896, H3444, H3545, H4832, H4974, H7495, H7499, H7500, H7725, H7965, H8549, H8585, H8644, H622, G1295, G1743, G2322, G2323, G2386, G2390, G2392, G2511, G3647, G4982, G4991, G5198, G5199

चंगा, चंगा किया, चंगा करना, चंगा हो गया, चंगा करने, चंगा करनेवाला, सेहत, बीमार

परिभाषा:

“चंगा करना” और "इलाज" दोनों का अर्थ है एक बीमार, अर्थात रोगी, अन्धा या विकलांग को स्वस्थ्य प्रदान करना।

- चंगाई पाने वाली या “रोग-मुक्त मनुष्य” “पुष्ट किया गया” या “स्वस्थ किया गया” होना है।

- चंगाई प्राकृतिक भी होती है क्योंकि परमेश्वर ने हमारे शरीर को अनेक प्रकार की चोटों और रोगों से स्वस्थ हो जाने की क्षमता प्रदान की है। ऐसी चंगाई में समय लगता है।
- तथापि जैसे अंधा होना, लकवा तथा कोढ़ अपने आप स्वस्थ नहीं होते हैं। जब मनुष्यों को ऐसे रोगों या विकलांगता से चंगाई मिलती है तो वह एक आश्चर्यकर्म होता है।
- उदाहरणार्थ यीशु ने अनेक अंधों, लंगड़ो और रोगियों का तत्काल चंगा किया था और वे उसी पल स्वस्थ हो गए थे।
- प्रेरितों ने भी रोगियों को चमत्कारी चंगाई दी थी जैसे पतरस ने एक लंगड़े को तुरंत चलने योग्य बनाया था।

(यह भी देखें: चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:14-16
- प्रे.का. 08:6-8
- लूका 05:12-13
- लूका 06:17-19
- लूका 08:43-44
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:14** जिनमे से एक चमत्कार नामान नामक व्यक्ति के जीवन में हुआ, वह शत्रुओं का सेनापति था और कोढ़ी था। उसने एलीशा के बारे में सुना था तो वह एलीशा के पास गया कि वह उसे चंगा क।
- **21:10** उसने यह भी भविष्यवाणी की थी , कि मसीह बीमारों को चंगा करेगा, तब अन्धे की आँखें खोली जाएगी, बहिरों के कान भी खोले जाएँगे, लंगड़े चलने लगेंगे, गूँगे बोल उठेंगे।
- **26:06** यीशु ने कहना जारी रखा,“और एलीशा भविष्यद्वक्ता के समय इस्राएल में बहुत से कोढ़ी थे, और ऐसे भी थे जिन्हें त्वचा रोग था। लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी ठीक नहीं किया, उसने केवल इस्राएल के दुश्मनों के एक सेनापति, नामान के त्वचा रोग को चंगा किया।”
- **26:08** वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो बोल नहीं सकते, देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **32:14** उसने यीशु की चर्चा सुनी थी कि वह बिमारो को चंगा करता है और उसने सोचा कि यदि मैं यीशु के वस्त्रो को ही छू लूँगी तो चंगी हो जाऊँगी , ”
- **44:03** तुरन्त, परमेश्वर ने उस लँगड़े व्यक्ति को चंगा किया, तब उसने चलना और चारों ओर कूदना शुरू किया और परमेश्वर की स्तुति करने लगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।
- **49:02** यीशु बहुत से आश्चर्यकर्म किये जो यह सिद्ध करते हैं कि वह परमेश्वर है। वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, ुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने भोजन में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए काफी हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H1369, H1455, H2280, H2421, H2896, H3444, H3545, H4832, H4974, H7495, H7499, H7500, H7725, H7965, H8549, H8585, H8644, H622, G1295, G1743, G2322, G2323, G2386, G2390, G2392, G2511, G3647, G4982, G4991, G5198, G5199

चंगा, चंगा किया, चंगा करना, चंगा हो गया, चंगा करने, चंगा करनेवाला, सेहत, बीमार

परिभाषा:

“चंगा करना” और "इलाज" दोनों का अर्थ है एक बीमार, अर्थात रोगी, अन्धा या विकलांग को स्वस्थ्य प्रदान करना।

- चंगाई पाने वाली या “रोग-मुक्त मनुष्य” “पुष्ट किया गया” या “स्वस्थ किया गया” होना है।
- चंगाई प्राकृतिक भी होती है क्योंकि परमेश्वर ने हमारे शरीर को अनेक प्रकार की चोटों और रोगों से स्वस्थ हो जाने की क्षमता प्रदान की है। ऐसी चंगाई में समय लगता है।
- तथापि जैसे अंधा होना, लकवा तथा कोढ़ अपने आप स्वस्थ नहीं होते हैं। जब मनुष्यों को ऐसे रोगों या विकलांगता से चंगाई मिलती है तो वह एक आश्चर्यकर्म होता है।
- उदाहरणार्थ यीशु ने अनेक अंधों, लंगड़ो और रोगियों का तत्काल चंगा किया था और वे उसी पल स्वस्थ हो गए थे।
- प्रेरितों ने भी रोगियों को चमत्कारी चंगाई दी थी जैसे पतरस ने एक लंगड़े को तुरंत चलने योग्य बनाया था।

(यह भी देखें: चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:14-16
- प्रे.का. 08:6-8
- लूका 05:12-13
- लूका 06:17-19
- लूका 08:43-44
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:14** जिनमे से एक चमत्कार नामान नामक व्यक्ति के जीवन में हुआ, वह शत्रुओं का सेनापति था और कोढ़ी था। उसने एलीशा के बारे में सुना था तो वह एलीशा के पास गया कि वह उसे चंगा क।
- **21:10** उसने यह भी भविष्यवाणी की थी , कि मसीह बीमारों को चंगा करेगा, तब अन्धे की आँखें खोली जाएगी, बहिरों के कान भी खोले जाएँगे, लंगड़े चलने लगेंगे, गूँगे बोल उठेंगे।
- **26:06** यीशु ने कहना जारी रखा,“और एलीशा भविष्यद्वक्ता के समय इस्राएल में बहुत से कोढ़ी थे, और ऐसे भी थे जिन्हें त्वचा रोग था। लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी ठीक नहीं किया, उसने केवल इस्राएल के दुश्मनों के एक सेनापति, नामान के त्वचा रोग को चंगा किया।”
- **26:08** वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो बोल नहीं सकते, देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **32:14** उसने यीशु की चर्चा सुनी थी कि वह बिमारो को चंगा करता है और उसने सोचा कि यदि मैं यीशु के वस्त्रो को ही छू लूँगी तो चंगी हो जाऊँगी , ”
- **44:03** तुरन्त, परमेश्वर ने उस लँगड़े व्यक्ति को चंगा किया, तब उसने चलना और चारों ओर कूदना शुरू किया और परमेश्वर की स्तुति करने लगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।
- **49:02** यीशु बहुत से आश्चर्यकर्म किये जो यह सिद्ध करते हैं कि वह परमेश्वर है। वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, ुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने भोजन में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए काफी हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H1369, H1455, H2280, H2421, H2896, H3444, H3545, H4832, H4974, H7495, H7499, H7500, H7725, H7965, H8549, H8585, H8644, H622, G1295, G1743, G2322, G2323, G2386, G2390, G2392, G2511, G3647, G4982, G4991, G5198, G5199

चंगा, चंगा किया, चंगा करना, चंगा हो गया, चंगा करने, चंगा करनेवाला, सेहत, बीमार

परिभाषा:

“चंगा करना” और "इलाज" दोनों का अर्थ है एक बीमार, अर्थात रोगी, अन्धा या विकलांग को स्वस्थ्य प्रदान करना।

- चंगाई पाने वाली या “रोग-मुक्त मनुष्य” “पुष्ट किया गया” या “स्वस्थ किया गया” होना है।
- चंगाई प्राकृतिक भी होती है क्योंकि परमेश्वर ने हमारे शरीर को अनेक प्रकार की चोटों और रोगों से स्वस्थ हो जाने की क्षमता प्रदान की है। ऐसी चंगाई में समय लगता है।
- तथापि जैसे अंधा होना, लकवा तथा कोढ़ अपने आप स्वस्थ नहीं होते हैं। जब मनुष्यों को ऐसे रोगों या विकलांगता से चंगाई मिलती है तो वह एक आश्चर्यकर्म होता है।
- उदाहरणार्थ यीशु ने अनेक अंधों, लंगड़ो और रोगियों का तत्काल चंगा किया था और वे उसी पल स्वस्थ हो गए थे।
- प्रेरितों ने भी रोगियों को चमत्कारी चंगाई दी थी जैसे पतरस ने एक लंगड़े को तुरंत चलने योग्य बनाया था।

(यह भी देखें: चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:14-16
- प्रे.का. 08:6-8
- लूका 05:12-13
- लूका 06:17-19
- लूका 08:43-44
- मत्ती. 04:23-25

- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:14** जिनमे से एक चमत्कार नामान नामक व्यक्ति के जीवन में हुआ, वह शत्रुओं का सेनापति था और कोढ़ी था। उसने एलीशा के बारे में सुना था तो वह एलीशा के पास गया कि वह उसे चंगा क।
- **21:10** उसने यह भी भविष्यवाणी की थी , कि मसीह बीमारों को चंगा करेगा, तब अन्धे की आँखें खोली जाएगी, बहिरों के कान भी खोले जाएँगे, लंगड़े चलने लगेंगे, गूँगे बोल उठेंगे।
- **26:06** यीशु ने कहना जारी रखा,“और एलीशा भविष्यद्वक्ता के समय इस्राएल में बहुत से कोढ़ी थे, और ऐसे भी थे जिन्हें त्वचा रोग था। लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी ठीक नहीं किया, उसने केवल इस्राएल के दुश्मनों के एक सेनापति, नामान के त्वचा रोग को चंगा किया।”
- **26:08** वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो बोल नहीं सकते, देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **32:14** उसने यीशु की चर्चा सुनी थी कि वह बिमारो को चंगा करता है और उसने सोचा कि यदि मैं यीशु के वस्त्रो को ही छू लूँगी तो चंगी हो जाऊँगी , ”
- **44:03** तुरन्त, परमेश्वर ने उस लँगड़े व्यक्ति को चंगा किया, तब उसने चलना और चारों ओर कूदना शुरू किया और परमेश्वर की स्तुति करने लगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।
- **49:02** यीशु बहुत से आश्चर्यकर्म किये जो यह सिद्ध करते हैं कि वह परमेश्वर है। वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, ुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने भोजन में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए काफी हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H1369, H1455, H2280, H2421, H2896, H3444, H3545, H4832, H4974, H7495, H7499, H7500, H7725, H7965, H8549, H8585, H8644, H622, G1295, G1743, G2322, G2323, G2386, G2390, G2392, G2511, G3647, G4982, G4991, G5198, G5199

चंगा, चंगा किया, चंगा करना, चंगा हो गया, चंगा करने, चंगा करनेवाला, सेहत, बीमार

परिभाषा:

“चंगा करना” और "इलाज" दोनों का अर्थ है एक बीमार, अर्थात रोगी, अन्धा या विकलांग को स्वस्थ्य प्रदान करना।

- चंगाई पाने वाली या “रोग-मुक्त मनुष्य” “पुष्ट किया गया” या “स्वस्थ किया गया” होना है।
- चंगाई प्राकृतिक भी होती है क्योंकि परमेश्वर ने हमारे शरीर को अनेक प्रकार की चोटों और रोगों से स्वस्थ हो जाने की क्षमता प्रदान की है। ऐसी चंगाई में समय लगता है।
- तथापि जैसे अंधा होना, लकवा तथा कोढ़ अपने आप स्वस्थ नहीं होते हैं। जब मनुष्यों को ऐसे रोगों या विकलांगता से चंगाई मिलती है तो वह एक आश्चर्यकर्म होता है।
- उदाहरणार्थ यीशु ने अनेक अंधों, लंगड़ो और रोगियों का तत्काल चंगा किया था और वे उसी पल स्वस्थ हो गए थे।
- प्रेरितों ने भी रोगियों को चमत्कारी चंगाई दी थी जैसे पतरस ने एक लंगड़े को तुरंत चलने योग्य बनाया था।

(यह भी देखें: चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:14-16
- प्रे.का. 08:6-8
- लूका 05:12-13
- लूका 06:17-19
- लूका 08:43-44
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:14** जिनमे से एक चमत्कार नामान नामक व्यक्ति के जीवन में हुआ, वह शत्रुओं का सेनापति था और कोढ़ी था। उसने एलीशा के बारे में सुना था तो वह एलीशा के पास गया कि वह उसे चंगा क।

- **21:10** उसने यह भी भविष्यवाणी की थी , कि मसीह बीमारों को चंगा करेगा, तब अन्धे की आँखें खोली जाएगी, बहिरों के कान भी खोले जाएँगे, लंगड़े चलने लगेंगे, गूँगे बोल उठेंगे।
- **26:06** यीशु ने कहना जारी रखा,“और एलीशा भविष्यद्वक्ता के समय इस्राएल में बहुत से कोढ़ी थे, और ऐसे भी थे जिन्हें त्वचा रोग था। लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी ठीक नहीं किया, उसने केवल इस्राएल के दुश्मनों के एक सेनापति, नामान के त्वचा रोग को चंगा किया।”
- **26:08** वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो बोल नहीं सकते, देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **32:14** उसने यीशु की चर्चा सुनी थी कि वह बिमारो को चंगा करता है और उसने सोचा कि यदि मैं यीशु के वस्त्रो को ही छू लूँगी तो चंगी हो जाऊँगी , ”
- **44:03** तुरन्त, परमेश्वर ने उस लँगड़े व्यक्ति को चंगा किया, तब उसने चलना और चारों ओर कूदना शुरू किया और परमेश्वर की स्तुति करने लगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।
- **49:02** यीशु बहुत से आश्चर्यकर्म किये जो यह सिद्ध करते हैं कि वह परमेश्वर है। वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, ुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने भोजन में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए काफी हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H1369, H1455, H2280, H2421, H2896, H3444, H3545, H4832, H4974, H7495, H7499, H7500, H7725, H7965, H8549, H8585, H8644, H622, G1295, G1743, G2322, G2323, G2386, G2390, G2392, G2511, G3647, G4982, G4991, G5198, G5199

चंगा, चंगा किया, चंगा करना, चंगा हो गया, चंगा करने, चंगा करनेवाला, सेहत, बीमार

परिभाषा:

“चंगा करना” और "इलाज" दोनों का अर्थ है एक बीमार, अर्थात रोगी, अन्धा या विकलांग को स्वस्थ्य प्रदान करना।

- चंगाई पाने वाली या “रोग-मुक्त मनुष्य” “पुष्ट किया गया” या “स्वस्थ किया गया” होना है।
- चंगाई प्राकृतिक भी होती है क्योंकि परमेश्वर ने हमारे शरीर को अनेक प्रकार की चोटों और रोगों से स्वस्थ हो जाने की क्षमता प्रदान की है। ऐसी चंगाई में समय लगता है।
- तथापि जैसे अंधा होना, लकवा तथा कोढ़ अपने आप स्वस्थ नहीं होते हैं। जब मनुष्यों को ऐसे रोगों या विकलांगता से चंगाई मिलती है तो वह एक आश्चर्यकर्म होता है।
- उदाहरणार्थ यीशु ने अनेक अंधों, लंगड़ो और रोगियों का तत्काल चंगा किया था और वे उसी पल स्वस्थ हो गए थे।
- प्रेरितों ने भी रोगियों को चमत्कारी चंगाई दी थी जैसे पतरस ने एक लंगड़े को तुरंत चलने योग्य बनाया था।

(यह भी देखें: चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:14-16
- प्रे.का. 08:6-8
- लूका 05:12-13
- लूका 06:17-19
- लूका 08:43-44
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:14** जिनमे से एक चमत्कार नामान नामक व्यक्ति के जीवन में हुआ, वह शत्रुओं का सेनापति था और कोढ़ी था। उसने एलीशा के बारे में सुना था तो वह एलीशा के पास गया कि वह उसे चंगा क।
- **21:10** उसने यह भी भविष्यवाणी की थी , कि मसीह बीमारों को चंगा करेगा, तब अन्धे की आँखें खोली जाएगी, बहिरों के कान भी खोले जाएँगे, लंगड़े चलने लगेंगे, गूँगे बोल उठेंगे।
- **26:06** यीशु ने कहना जारी रखा,“और एलीशा भविष्यद्वक्ता के समय इस्राएल में बहुत से कोढ़ी थे, और ऐसे भी थे जिन्हें त्वचा रोग था। लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी ठीक नहीं किया, उसने केवल इस्राएल के दुश्मनों के एक सेनापति, नामान के त्वचा रोग को चंगा किया।”
- **26:08** वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो बोल नहीं सकते, देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **32:14** उसने यीशु की चर्चा सुनी थी कि वह बिमारो को चंगा करता है और उसने सोचा कि यदि मैं यीशु के वस्त्रो को ही छू लूँगी तो चंगी हो जाऊँगी , ”

- **44:03** तुरन्त, परमेश्वर ने उस लँगड़े व्यक्ति को चंगा किया, तब उसने चलना और चारों ओर कूदना शुरू किया और परमेश्वर की स्तुति करने लगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।
- **49:02** यीशु बहुत से आश्चर्यकर्म किये जो यह सिद्ध करते हैं कि वह परमेश्वर है। वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, ुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने भोजन में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए काफी हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H1369, H1455, H2280, H2421, H2896, H3444, H3545, H4832, H4974, H7495, H7499, H7500, H7725, H7965, H8549, H8585, H8644, H622, G1295, G1743, G2322, G2323, G2386, G2390, G2392, G2511, G3647, G4982, G4991, G5198, G5199

चंगा, चंगा किया, चंगा करना, चंगा हो गया, चंगा करने, चंगा करनेवाला, सेहत, बीमार

परिभाषा:

“चंगा करना” और "इलाज" दोनों का अर्थ है एक बीमार, अर्थात रोगी, अन्धा या विकलांग को स्वस्थ्य प्रदान करना।

- चंगाई पाने वाली या “रोग-मुक्त मनुष्य” “पुष्ट किया गया” या “स्वस्थ किया गया” होना है।
- चंगाई प्राकृतिक भी होती है क्योंकि परमेश्वर ने हमारे शरीर को अनेक प्रकार की चोटों और रोगों से स्वस्थ हो जाने की क्षमता प्रदान की है। ऐसी चंगाई में समय लगता है।
- तथापि जैसे अंधा होना, लकवा तथा कोढ़ अपने आप स्वस्थ नहीं होते हैं। जब मनुष्यों को ऐसे रोगों या विकलांगता से चंगाई मिलती है तो वह एक आश्चर्यकर्म होता है।
- उदाहरणार्थ यीशु ने अनेक अंधों, लंगड़ो और रोगियों का तत्काल चंगा किया था और वे उसी पल स्वस्थ हो गए थे।
- प्रेरितों ने भी रोगियों को चमत्कारी चंगाई दी थी जैसे पतरस ने एक लंगड़े को तुरंत चलने योग्य बनाया था।

(यह भी देखें: चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:14-16
- प्रे.का. 08:6-8
- लूका 05:12-13
- लूका 06:17-19
- लूका 08:43-44
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:14** जिनमे से एक चमत्कार नामान नामक व्यक्ति के जीवन में हुआ, वह शत्रुओं का सेनापति था और कोढ़ी था। उसने एलीशा के बारे में सुना था तो वह एलीशा के पास गया कि वह उसे चंगा क।
- **21:10** उसने यह भी भविष्यवाणी की थी , कि मसीह बीमारों को चंगा करेगा, तब अन्धे की आँखें खोली जाएगी, बहिरों के कान भी खोले जाएँगे, लंगड़े चलने लगेंगे, गूँगे बोल उठेंगे।
- **26:06** यीशु ने कहना जारी रखा,“और एलीशा भविष्यद्वक्ता के समय इस्राएल में बहुत से कोढ़ी थे, और ऐसे भी थे जिन्हें त्वचा रोग था। लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी ठीक नहीं किया, उसने केवल इस्राएल के दुश्मनों के एक सेनापति, नामान के त्वचा रोग को चंगा किया।”
- **26:08** वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो बोल नहीं सकते, देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **32:14** उसने यीशु की चर्चा सुनी थी कि वह बिमारो को चंगा करता है और उसने सोचा कि यदि मैं यीशु के वस्त्रो को ही छू लूँगी तो चंगी हो जाऊँगी , ”
- **44:03** तुरन्त, परमेश्वर ने उस लँगड़े व्यक्ति को चंगा किया, तब उसने चलना और चारों ओर कूदना शुरू किया और परमेश्वर की स्तुति करने लगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।
- **49:02** यीशु बहुत से आश्चर्यकर्म किये जो यह सिद्ध करते हैं कि वह परमेश्वर है। वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, ुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने भोजन में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए काफी हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H1369, H1455, H2280, H2421, H2896, H3444, H3545, H4832, H4974, H7495, H7499, H7500, H7725, H7965, H8549, H8585, H8644, H622, G1295, G1743, G2322, G2323, G2386, G2390, G2392, G2511, G3647, G4982, G4991, G5198, G5199

चकित, विस्मय, अचम्भा किया, अचम्भा, अचम्भा करके, अचम्भे में आ जाना, आश्चर्यकर्मों, चमत्कार, चमत्कारों

परिभाषा:

यह सब शब्द अति विस्मय का संदर्भ देते हैं, क्योंकि एक अति असामान्य बात हुई है।

- इनमें से कुछ शब्द यूनानी कहावत के अनुवाद हैं जैसे, "आश्चर्यचकित होना" या "अपने आपे से बाहर होना"। * इन उक्तियों से व्यक्त होता है कि मनुष्य कैसे विस्मित एवं आघातग्रस्त हुआ है। अन्य भाषाओं में भी इन उक्तियों को व्यक्त करने के शब्द होंगे।
- सामान्यतः आश्चर्य और विस्मय उत्पन्न करने वाली घटना चमत्कार होती है, ऐसा काम केवल परमेश्वर ही कर सकता है।
- इन शब्दों के अर्थ में उलझन की भावना भी हो सकती है क्योंकि जो हुआ वह न उम्मीद था।
- इन शब्दों का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं, "अत्यधिक चकित" या "अत्यधिक विस्मित"
- इसके समानार्थक शब्द हैं, "अद्भुत (विस्मयकारी, आश्चर्यजनक) "विस्मय" "चकित करना"
- सामान्यतः ये शब्द सकारात्मक हैं और दर्शाती हैं कि मनुष्य किसी घटना विशेष से प्रसन्न हैं।

(यह भी देखें: चमत्कार, चिन्ह)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:9-11
- प्रे.का. 09:20-22
- गलातियों 01:6-7
- मरकुस 02:10-12
- मत्ती 07:28-29
- मत्ती 15:29-31
- मत्ती 19:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H926, H2865, H3820, H4159, H4923, H5953, H6313, H6381, H6382, H6383, H6395, H7583, H8047, H8074, H8078, H8429, H8539, H8540, H8541, H8653, G639, G1568, G1569, G1605, G1611, G1839, G2284, G2285, G2296, G2297, G2298, G3167, G4023, G4423, G4592, G5059

चकित, विस्मय, अचम्भा किया, अचम्भा, अचम्भा करके, अचम्भे में आ जाना, आश्चर्यकर्मों, चमत्कार, चमत्कारों

परिभाषा:

यह सब शब्द अति विस्मय का संदर्भ देते हैं, क्योंकि एक अति असामान्य बात हुई है।

- इनमें से कुछ शब्द यूनानी कहावत के अनुवाद हैं जैसे, "आश्चर्यचकित होना" या "अपने आपे से बाहर होना"। * इन उक्तियों से व्यक्त होता है कि मनुष्य कैसे विस्मित एवं आघातग्रस्त हुआ है। अन्य भाषाओं में भी इन उक्तियों को व्यक्त करने के शब्द होंगे।
- सामान्यतः आश्चर्य और विस्मय उत्पन्न करने वाली घटना चमत्कार होती है, ऐसा काम केवल परमेश्वर ही कर सकता है।
- इन शब्दों के अर्थ में उलझन की भावना भी हो सकती है क्योंकि जो हुआ वह न उम्मीद था।
- इन शब्दों का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं, "अत्यधिक चकित" या "अत्यधिक विस्मित"
- इसके समानार्थक शब्द हैं, "अद्भुत (विस्मयकारी, आश्चर्यजनक) "विस्मय" "चकित करना"
- सामान्यतः ये शब्द सकारात्मक हैं और दर्शाती हैं कि मनुष्य किसी घटना विशेष से प्रसन्न हैं।

(यह भी देखें: चमत्कार, चिन्ह)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:9-11
- प्रे.का. 09:20-22
- गलातियों 01:6-7

- मरकुस 02:10-12
- मत्ती 07:28-29
- मत्ती 15:29-31
- मत्ती 19:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H926, H2865, H3820, H4159, H4923, H5953, H6313, H6381, H6382, H6383, H6395, H7583, H8047, H8074, H8078, H8429, H8539, H8540, H8541, H8653, G639, G1568, G1569, G1605, G1611, G1839, G2284, G2285, G2296, G2297, G2298, G3167, G4023, G4423, G4592, G5059

चकित, विस्मय, अचम्भा किया, अचम्भा, अचम्भा करके, अचम्भे में आ जाना, आश्चर्यकर्मों, चमत्कार, चमत्कारों

परिभाषा:

यह सब शब्द अति विस्मय का संदर्भ देते हैं, क्योंकि एक अति असामान्य बात हुई है।

- इनमें से कुछ शब्द यूनानी कहावत के अनुवाद हैं जैसे, "आश्चर्यचकित होना" या "अपने आपे से बाहर होना"। * इन उक्तियों से व्यक्त होता है कि मनुष्य कैसे विस्मित एवं आघातग्रस्त हुआ है। अन्य भाषाओं में भी इन उक्तियों को व्यक्त करने के शब्द होंगे।
- सामान्यत: आश्चर्य और विस्मय उत्पन्न करने वाली घटना चमत्कार होती है, ऐसा काम केवल परमेश्वर ही कर सकता है।
- इन शब्दों के अर्थ में उलझन की भावना भी हो सकती है क्योंकि जो हुआ वह न उम्मीद था।
- इन शब्दों का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं, "अत्यधिक चकित" या "अत्यधिक विस्मित"
- इसके समानार्थक शब्द हैं, "अद्भुत (विस्मयकारी, आश्चर्यजनक) "विस्मय" "चकित करना"
- सामान्यत: ये शब्द सकारात्मक हैं और दर्शाती हैं कि मनुष्य किसी घटना विशेष से प्रसन्न हैं।

(यह भी देखें: चमत्कार, चिन्ह)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:9-11
- प्रे.का. 09:20-22
- गलातियों 01:6-7
- मरकुस 02:10-12
- मत्ती 07:28-29
- मत्ती 15:29-31
- मत्ती 19:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H926, H2865, H3820, H4159, H4923, H5953, H6313, H6381, H6382, H6383, H6395, H7583, H8047, H8074, H8078, H8429, H8539, H8540, H8541, H8653, G639, G1568, G1569, G1605, G1611, G1839, G2284, G2285, G2296, G2297, G2298, G3167, G4023, G4423, G4592, G5059

चकित, विस्मय, अचम्भा किया, अचम्भा, अचम्भा करके, अचम्भे में आ जाना, आश्चर्यकर्मों, चमत्कार, चमत्कारों

परिभाषा:

यह सब शब्द अति विस्मय का संदर्भ देते हैं, क्योंकि एक अति असामान्य बात हुई है।

- इनमें से कुछ शब्द यूनानी कहावत के अनुवाद हैं जैसे, "आश्चर्यचकित होना" या "अपने आपे से बाहर होना"। * इन उक्तियों से व्यक्त होता है कि मनुष्य कैसे विस्मित एवं आघातग्रस्त हुआ है। अन्य भाषाओं में भी इन उक्तियों को व्यक्त करने के शब्द होंगे।
- सामान्यत: आश्चर्य और विस्मय उत्पन्न करने वाली घटना चमत्कार होती है, ऐसा काम केवल परमेश्वर ही कर सकता है।
- इन शब्दों के अर्थ में उलझन की भावना भी हो सकती है क्योंकि जो हुआ वह न उम्मीद था।
- इन शब्दों का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं, "अत्यधिक चकित" या "अत्यधिक विस्मित"
- इसके समानार्थक शब्द हैं, "अद्भुत (विस्मयकारी, आश्चर्यजनक) "विस्मय" "चकित करना"
- सामान्यत: ये शब्द सकारात्मक हैं और दर्शाती हैं कि मनुष्य किसी घटना विशेष से प्रसन्न हैं।

(यह भी देखें: चमत्कार, चिन्ह)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:9-11
- प्रे.का. 09:20-22
- गलातियों 01:6-7
- मरकुस 02:10-12
- मत्ती 07:28-29
- मत्ती 15:29-31
- मत्ती 19:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H926, H2865, H3820, H4159, H4923, H5953, H6313, H6381, H6382, H6383, H6395, H7583, H8047, H8074, H8078, H8429, H8539, H8540, H8541, H8653, G639, G1568, G1569, G1605, G1611, G1839, G2284, G2285, G2296, G2297, G2298, G3167, G4023, G4423, G4592, G5059

चकित, विस्मय, अचम्भा किया, अचम्भा, अचम्भा करके, अचम्भे में आ जाना, आश्चर्यकर्मों, चमत्कार, चमत्कारों

परिभाषा:

यह सब शब्द अति विस्मय का संदर्भ देते हैं, क्योंकि एक अति असामान्य बात हुई है।

- इनमें से कुछ शब्द यूनानी कहावत के अनुवाद हैं जैसे, "आश्चर्यचकित होना" या "अपने आपे से बाहर होना"। * इन उक्तियों से व्यक्त होता है कि मनुष्य कैसे विस्मित एवं आघातग्रस्त हुआ है। अन्य भाषाओं में भी इन उक्तियों को व्यक्त करने के शब्द होंगे।
- सामान्यतः आश्चर्य और विस्मय उत्पन्न करने वाली घटना चमत्कार होती है, ऐसा काम केवल परमेश्वर ही कर सकता है।
- इन शब्दों के अर्थ में उलझन की भावना भी हो सकती है क्योंकि जो हुआ वह न उम्मीद था।
- इन शब्दों का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं, "अत्यधिक चकित" या "अत्यधिक विस्मित"
- इसके समानार्थक शब्द हैं, "अद्भुत (विस्मयकारी, आश्चर्यजनक) "विस्मय" "चकित करना"
- सामान्यतः ये शब्द सकारात्मक हैं और दर्शाती हैं कि मनुष्य किसी घटना विशेष से प्रसन्न हैं।

(यह भी देखें: चमत्कार, चिन्ह)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:9-11
- प्रे.का. 09:20-22
- गलातियों 01:6-7
- मरकुस 02:10-12
- मत्ती 07:28-29
- मत्ती 15:29-31
- मत्ती 19:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H926, H2865, H3820, H4159, H4923, H5953, H6313, H6381, H6382, H6383, H6395, H7583, H8047, H8074, H8078, H8429, H8539, H8540, H8541, H8653, G639, G1568, G1569, G1605, G1611, G1839, G2284, G2285, G2296, G2297, G2298, G3167, G4023, G4423, G4592, G5059

चरवाहे, चरवाहा, चरवाहा, चरवाही

परिभाषा:

चरवाहा भेड़ों की रखवाली करता है "रखवाली करना" अर्थात् भेड़ों की रक्षा करना और उनके लिए भोजन-पानी की व्यवस्था करना। चरवाहे भेड़ों की चौकसी करते हैं और उन्हें उत्तम भोजन एवं जल के पास ले जाते हैं। चरवाहे भेड़ों को भटकने से और वन पशुओं से भी बचाते हैं।

- बाइबल में इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जो मनुष्यों की आत्मिक आवश्यकताओं की सुधि लेने के संदर्भ में है। अर्थात उन्हें बाइबल से परमेश्वर की बातों की शिक्षा देना और जिस मार्ग में उन्हें चलना है उसमें उनकी अगुआई करना।

- पुराने नियम में परमेश्वर को “चरवाहा” कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों की सब आवश्यकताओं की सुधि लेता है और उनकी रक्षा करता है। वह उनकी अगुआई करता है और उनको मार्ग दिखाता है।
- मूसा इस्राएलियों का चरवाहा था क्योंकि उसने यहोवा की आराधना के निमित्त उनकी अगुआई की और कनान यात्रा में उनका मार्गदर्शन किया था।
- नये नियम में यीशु स्वयं को “अच्छा चरवाहा” कहता है। प्रेरित पौलुस उसे कलीसिया का “प्रधान चरवाहा” कहता है।
- नये नियम में “चरवाहा” शब्द उस व्यक्ति का संदर्भ भी देता है जो विश्वासियों का आत्मिक अगुआ है। "पासबान" के रूप में अनुवादित शब्द एक ही है जिसका अनुवाद "चरवाहा" है। प्राचीनों और अध्यक्ष भी चरवाहे कहलाते थे।

अनुवाद के सुझाव

- शाब्दिक उपयोग में “रखवाली” शब्द का अनुवाद “भेड़ों की रखवाली करना” या “भेड़ों की निगरानी” करना है।

“चरवाहे” शब्द का अनुवाद “भेड़ों की रखवाली करनेवाला” या “भेड़ों का परिचारक” या “भेड़ों की सुधि लेने वाला”।

- उपमा स्वरूप उपयोग करने में इसके अर्थ भिन्न-भिन्न होते हैं, “आत्मिक चरवाहा” या “आत्मिक अगुआ” या “चरवाहे के समान” या “भेड़ों की रखवाली करने वाले चरवाहे के जैसा अपने लोगों की सुधि लेनेवाला” या “चरवाहा जैसे अपनी भेड़ों की अगुआई करता है वैसे अपने लोगों की अगुआई करनेवाला” या “परमेश्वर की भेड़ों की सुधि लेनेवाला”।
- इसी संदर्भ में “चरवाहे” का अनुवाद “अगुआ” या “पथ प्रदर्शक” या “सुधि लेनेवाला” हो सकता है।
- "चरवाहा" के आत्मिक अभिव्यक्ति का अनुवाद "देखभाल करने के लिए" या "आत्मिक रूप से पोषण करने" या "मार्गदर्शन और सिखाने" या "का नेतृत्व करने और देखभाल करने के लिए" (जैसे चरवाहा भेड़ के लिए परवाह करता है) के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों में, इस शब्द के अनुवाद में "चरवाहा" के लिए शाब्दिक शब्द का उपयोग करना या इसमें शामिल करना सबसे अच्छा है।

(यह भी देखें: विश्वासी, कनान, कलीसिया, मूसा, रखवाला, भेड़, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 49:24
- लूका 02:8-9
- मरकुश 06:33-34
- मरकुस 14:26-27
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती. 09:35-36
- मत्ती. 25:31-33
- मत्ती. 26:30-32

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- 09:11___ मूसा मिस्र से बहुत दूर जंगल में एक __चरवाहा बन गया.के प्रति
- **17:02** दाऊद बेथलेहेम के शहर से एक चरवाहा था। अलग-अलग समय में जब वह अपने पिता के भेड़ देख रहा था, तब दाऊद ने शेर और एक भालू दोनों को मार दिया था जिसने भेड़ पर हमला किया था।
- **23:06** उस रात, वहाँ कुछ चरवाहों पास के एक क्षेत्र में उनके झुंड की रक्षा करते थे।
- **23:08** चरवाहों जल्द ही उस स्थान पर पहुंचे जहां यीशु था और उन्होंने उसे दूध पिलाने लेटा हुआ पाया, जैसे स्वर्गदूत ने उन्हें बताया था।
- **30:03** यीशु के लिए, ये लोग किसी चरवाहा के बिना भेड़ के समान थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6629, H7462, H7469, H7473, G750, G4165, G4166

चरवाहे, चरवाहा, चरवाहा, चरवाही

परिभाषा:

चरवाहा भेड़ों की रखवाली करता है “रखवाली करना” अर्थात् भेड़ों की रक्षा करना और उनके लिए भोजन-पानी की व्यवस्था करना। चरवाहे भेड़ों की चौकसी करते हैं और उन्हें उत्तम भोजन एवं जल के पास ले जाते हैं। चरवाहे भेड़ों को भटकने से और वन पशुओं से भी बचाते हैं।

- बाइबल में इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जो मनुष्यों की आत्मिक आवश्यकताओं की सुधि लेने के संदर्भ में है। अर्थात उन्हें बाइबल से परमेश्वर की बातों की शिक्षा देना और जिस मार्ग में उन्हें चलना है उसमें उनकी अगुआई करना।
- पुराने नियम में परमेश्वर को “चरवाहा” कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों की सब आवश्यकताओं की सुधि लेता है और उनकी रक्षा करता है। वह उनकी अगुआई करता है और उनको मार्ग दिखाता है।
- मूसा इस्राएलियों का चरवाहा था क्योंकि उसने यहोवा की आराधना के निमित्त उनकी अगुआई की और कनान यात्रा में उनका मार्गदर्शन किया था।

- नये नियम में यीशु स्वयं को “अच्छा चरवाहा” कहता है। प्रेरित पौलुस उसे कलीसिया का “प्रधान चरवाहा” कहता है।
- नये नियम में “चरवाहा” शब्द उस व्यक्ति का संदर्भ भी देता है जो विश्वासियों का आत्मिक अगुआ है। "पासबान" के रूप में अनुवादित शब्द एक ही है जिसका अनुवाद "चरवाहा" है। प्राचीनों और अध्यक्ष भी चरवाहे कहलाते थे।

अनुवाद के सुझाव

- शाब्दिक उपयोग में “रखवाली” शब्द का अनुवाद “भेड़ों की रखवाली करना” या “भेड़ों की निगरानी” करना है।

“चरवाहे” शब्द का अनुवाद “भेड़ों की रखवाली करनेवाला” या “भेड़ों का परिचारक” या “भेड़ों की सुधि लेने वाला”।

- उपमा स्वरूप उपयोग करने में इसके अर्थ भिन्न-भिन्न होते हैं, “आत्मिक चरवाहा” या “आत्मिक अगुआ” या “चरवाहे के समान” या “भेड़ों की रखवाली करने वाले चरवाहे के जैसा अपने लोगों की सुधि लेनेवाला” या “चरवाहा जैसे अपनी भेड़ों की अगुआई करता है वैसे अपने लोगों की अगुआई करनेवाला” या “परमेश्वर की भेड़ों की सुधि लेनेवाला”।
- इसी संदर्भ में “चरवाहे” का अनुवाद “अगुआ” या “पथ प्रदर्शक” या “सुधि लेनेवाला” हो सकता है।
- "चरवाहा" के आत्मिक अभिव्यक्ति का अनुवाद "देखभाल करने के लिए" या "आत्मिक रूप से पोषण करने" या "मार्गदर्शन और सिखाने" या "का नेतृत्व करने और देखभाल करने के लिए" (जैसे चरवाहा भेड़ के लिए परवाह करता है) के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों में, इस शब्द के अनुवाद में "चरवाहा" के लिए शाब्दिक शब्द का उपयोग करना या इसमें शामिल करना सबसे अच्छा है।

(यह भी देखें: विश्वासी, कनान, कलीसिया, मूसा, रखवाला, भेड़, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 49:24
- लूका 02:8-9
- मरकुश 06:33-34
- मरकुस 14:26-27
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती. 09:35-36
- मत्ती. 25:31-33
- मत्ती. 26:30-32

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- 09:11__ मूसा मिस्र से बहुत दूर जंगल में एक __चरवाहा बन गया.के प्रति
- **17:02** दाऊद बेथलेहेम के शहर से एक चरवाहा था। अलग-अलग समय में जब वह अपने पिता के भेड़ देख रहा था, तब दाऊद ने शेर और एक भालू दोनों को मार दिया था जिसने भेड़ पर हमला किया था।
- **23:06** उस रात, वहाँ कुछ चरवाहों पास के एक क्षेत्र में उनके झुंड की रक्षा करते थे।
- **23:08** चरवाहों जल्द ही उस स्थान पर पहुंचे जहां यीशु था और उन्होंने उसे दूध पिलाने लेटा हुआ पाया, जैसे स्वर्गदूत ने उन्हें बताया था।
- **30:03** यीशु के लिए, ये लोग किसी चरवाहा के बिना भेड़ के समान थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6629, H7462, H7469, H7473, G750, G4165, G4166

चरवाहे, चरवाहा, चरवाहा, चरवाही

परिभाषा:

चरवाहा भेड़ों की रखवाली करता है “रखवाली करना” अर्थात् भेड़ों की रक्षा करना और उनके लिए भोजन-पानी की व्यवस्था करना। चरवाहे भेड़ों की चौकसी करते हैं और उन्हें उत्तम भोजन एवं जल के पास ले जाते हैं। चरवाहे भेड़ों को भटकने से और वन पशुओं से भी बचाते हैं।

- बाइबल में इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जो मनुष्यों की आत्मिक आवश्यकताओं की सुधि लेने के संदर्भ में है। अर्थात उन्हें बाइबल से परमेश्वर की बातों की शिक्षा देना और जिस मार्ग में उन्हें चलना है उसमें उनकी अगुआई करना।
- पुराने नियम में परमेश्वर को “चरवाहा” कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों की सब आवश्यकताओं की सुधि लेता है और उनकी रक्षा करता है। वह उनकी अगुआई करता है और उनको मार्ग दिखाता है।
- मूसा इस्राएलियों का चरवाहा था क्योंकि उसने यहोवा की आराधना के निमित्त उनकी अगुआई की और कनान यात्रा में उनका मार्गदर्शन किया था।
- नये नियम में यीशु स्वयं को “अच्छा चरवाहा” कहता है। प्रेरित पौलुस उसे कलीसिया का “प्रधान चरवाहा” कहता है।
- नये नियम में “चरवाहा” शब्द उस व्यक्ति का संदर्भ भी देता है जो विश्वासियों का आत्मिक अगुआ है। "पासबान" के रूप में अनुवादित शब्द एक ही है जिसका अनुवाद "चरवाहा" है। प्राचीनों और अध्यक्ष भी चरवाहे कहलाते थे।

अनुवाद के सुझाव

- शाब्दिक उपयोग में “रखवाली” शब्द का अनुवाद “भेड़ों की रखवाली करना” या “भेड़ों की निगरानी” करना है।

“चरवाहे” शब्द का अनुवाद “भेड़ों की रखवाली करनेवाला” या “भेड़ों का परिचारक” या “भेड़ों की सुधि लेने वाला”।

- उपमा स्वरूप उपयोग करने में इसके अर्थ भिन्न-भिन्न होते हैं, “आत्मिक चरवाहा” या “आत्मिक अगुआ” या “चरवाहे के समान” या “भेड़ों की रखवाली करने वाले चरवाहे के जैसा अपने लोगों की सुधि लेनेवाला” या “चरवाहा जैसे अपनी भेड़ों की अगुआई करता है वैसे अपने लोगों की अगुआई करनेवाला” या “परमेश्वर की भेड़ों की सुधि लेनेवाला”।
- इसी संदर्भ में “चरवाहे” का अनुवाद “अगुआ” या “पथ प्रदर्शक” या “सुधि लेनेवाला” हो सकता है।
- "चरवाहा" के आत्मिक अभिव्यक्ति का अनुवाद "देखभाल करने के लिए" या "आत्मिक रूप से पोषण करने" या "मार्गदर्शन और सिखाने" या "का नेतृत्व करने और देखभाल करने के लिए" (जैसे चरवाहा भेड़ के लिए परवाह करता है) के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों में, इस शब्द के अनुवाद में "चरवाहा" के लिए शाब्दिक शब्द का उपयोग करना या इसमें शामिल करना सबसे अच्छा है।

(यह भी देखें: विश्वासी, कनान, कलीसिया, मूसा, रखवाला, भेड़, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 49:24
- लूका 02:8-9
- मरकुश 06:33-34
- मरकुस 14:26-27
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती. 09:35-36
- मत्ती. 25:31-33
- मत्ती. 26:30-32

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- 09:11___ मूसा मिस्र से बहुत दूर जंगल में एक __चरवाहा बन गया.के प्रति
- **17:02** दाऊद बेथलेहेम के शहर से एक चरवाहा था। अलग-अलग समय में जब वह अपने पिता के भेड़ देख रहा था, तब दाऊद ने शेर और एक भालू दोनों को मार दिया था जिसने भेड़ पर हमला किया था।
- **23:06** उस रात, वहाँ कुछ चरवाहों पास के एक क्षेत्र में उनके झुंड की रक्षा करते थे।
- **23:08** चरवाहों जल्द ही उस स्थान पर पहुंचे जहां यीशु था और उन्होंने उसे दूध पिलाने लेटा हुआ पाया, जैसे स्वर्गदूत ने उन्हें बताया था।
- **30:03** यीशु के लिए, ये लोग किसी चरवाहा के बिना भेड़ के समान थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6629, H7462, H7469, H7473, G750, G4165, G4166

चरवाहे, चरवाहा, चरवाहा, चरवाही

परिभाषा:

चरवाहा भेड़ों की रखवाली करता है “रखवाली करना” अर्थात् भेड़ों की रक्षा करना और उनके लिए भोजन-पानी की व्यवस्था करना। चरवाहे भेड़ों की चौकसी करते हैं और उन्हें उत्तम भोजन एवं जल के पास ले जाते हैं। चरवाहे भेड़ों को भटकने से और वन पशुओं से भी बचाते हैं।

- बाइबल में इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जो मनुष्यों की आत्मिक आवश्यकताओं की सुधि लेने के संदर्भ में है। अर्थात उन्हें बाइबल से परमेश्वर की बातों की शिक्षा देना और जिस मार्ग में उन्हें चलना है उसमें उनकी अगुआई करना।
- पुराने नियम में परमेश्वर को “चरवाहा” कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों की सब आवश्यकताओं की सुधि लेता है और उनकी रक्षा करता है। वह उनकी अगुआई करता है और उनको मार्ग दिखाता है।
- मूसा इस्राएलियों का चरवाहा था क्योंकि उसने यहोवा की आराधना के निमित्त उनकी अगुआई की और कनान यात्रा में उनका मार्गदर्शन किया था।
- नये नियम में यीशु स्वयं को “अच्छा चरवाहा” कहता है। प्रेरित पौलुस उसे कलीसिया का “प्रधान चरवाहा” कहता है।
- नये नियम में “चरवाहा” शब्द उस व्यक्ति का संदर्भ भी देता है जो विश्वासियों का आत्मिक अगुआ है। "पासबान" के रूप में अनुवादित शब्द एक ही है जिसका अनुवाद "चरवाहा" है। प्राचीनों और अध्यक्ष भी चरवाहे कहलाते थे।

अनुवाद के सुझाव

- शाब्दिक उपयोग में “रखवाली” शब्द का अनुवाद “भेड़ों की रखवाली करना” या “भेड़ों की निगरानी” करना है।

“चरवाहे” शब्द का अनुवाद “भेड़ों की रखवाली करनेवाला” या “भेड़ों का परिचारक” या “भेड़ों की सुधि लेने वाला”।

- उपमा स्वरूप उपयोग करने में इसके अर्थ भिन्न-भिन्न होते हैं, “आत्मिक चरवाहा” या “आत्मिक अगुआ” या “चरवाहे के समान” या “भेड़ों की रखवाली करने वाले चरवाहे के जैसा अपने लोगों की सुधि लेनेवाला” या “चरवाहा जैसे अपनी भेड़ों की अगुआई करता है वैसे अपने लोगों की अगुआई करनेवाला” या “परमेश्वर की भेड़ों की सुधि लेनेवाला”।
- इसी संदर्भ में “चरवाहे” का अनुवाद “अगुआ” या “पथ प्रदर्शक” या “सुधि लेनेवाला” हो सकता है।
- "चरवाहा" के आत्मिक अभिव्यक्ति का अनुवाद "देखभाल करने के लिए" या "आत्मिक रूप से पोषण करने" या "मार्गदर्शन और सिखाने" या "का नेतृत्व करने और देखभाल करने के लिए" (जैसे चरवाहा भेड़ के लिए परवाह करता है) के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों में, इस शब्द के अनुवाद में "चरवाहा" के लिए शाब्दिक शब्द का उपयोग करना या इसमें शामिल करना सबसे अच्छा है।

(यह भी देखें: विश्वासी, कनान, कलीसिया, मूसा, रखवाला, भेड़, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 49:24
- लूका 02:8-9
- मरकुश 06:33-34
- मरकुस 14:26-27
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती. 09:35-36
- मत्ती. 25:31-33
- मत्ती. 26:30-32

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- 09:11___ मूसा मिस्र से बहुत दूर जंगल में एक __चरवाहा बन गया.के प्रति
- **17:02** दाऊद बेथलेहेम के शहर से एक चरवाहा था। अलग-अलग समय में जब वह अपने पिता के भेड़ देख रहा था, तब दाऊद ने शेर और एक भालू दोनों को मार दिया था जिसने भेड़ पर हमला किया था।
- **23:06** उस रात, वहाँ कुछ चरवाहों पास के एक क्षेत्र में उनके झुंड की रक्षा करते थे।
- **23:08** चरवाहों जल्द ही उस स्थान पर पहुंचे जहां यीशु था और उन्होंने उसे दूध पिलाने लेटा हुआ पाया, जैसे स्वर्गदूत ने उन्हें बताया था।
- **30:03** यीशु के लिए, ये लोग किसी चरवाहा के बिना भेड़ के समान थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6629, H7462, H7469, H7473, G750, G4165, G4166

चला, चलता

परिभाषा:

प्रतिकात्मक रूप में “चलने" का उपयोग "आचरण" का बोध करवाता है।

- "हनोक परमेश्वर के साथ चलता था" अर्थात् वह परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध में था।
- “पवित्र-आत्मा के साथ चलना” अर्थात पवित्र आत्मा की अगुआई में चलना कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले और उसे सम्मान पहुंचाने वाले काम करें।
- परमेश्वर की आज्ञाओं में या परमेश्वर के मार्गों में चलना अर्थात उसकी आज्ञाओं के पालन का जीवन जीना अर्थात उसकी “आज्ञाओं को मानना” या “उसकी इच्छा पूरी करना।”
- परमेश्वर कहता है कि वह “अपने लोगों के मध्य वास करेगा” या उनके साथ “घनिष्ठ व्यवहार” करेगा।
- “विपरीत चाल चलना” का अर्थ ऐसा जीवन आचरण रखना जो किसी के विरूद्ध हो।
- “पीछे चलना” अर्थात किसी का पीछा करना। इसका अर्थ अनुकरण करना भी होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जब तक “चलना” का सही अर्थ समझ में आए तब तक इसे ज्यों का त्यों रखना ही उचित है।
- “चलना” के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद हो सकता है “जीवन जीना” या “व्यवहार करना” या “कार्य करना।”
- “आत्मा के अनुसार चलना” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र-आत्मा की आज्ञाकारिता में जीना।” या “पवित्र-आत्मा को प्रसन्न करनेवाला जीवन जीना” या “पवित्र आत्मा की अगुआई में परमेश्वर को ग्रहणयोग्य काम करना”।
- “परमेश्वर की आज्ञाओं पर चलना” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुपालन में जीना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना”।
- “परमेश्वर के साथ चलता था” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानकर और उसका सम्मान करके परमेश्वर के साथ घनिष्ठता का जीवन जीना”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 राजा 02:1-4
- कुलुस्सियों 02:6-7
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 17:1-2
- यशायाह 02:5-6
- यिर्मयाह 13:8-11
- मीका 04:2-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1869, H1980, H1981, H3212, H4108, G1704, G4043, G4198, G4748

चला, चलता

परिभाषा:

प्रतिकात्मक रूप में “चलने" का उपयोग "आचरण" का बोध करवाता है।

- "हनोक परमेश्वर के साथ चलता था" अर्थात् वह परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध में था।
- “पवित्र-आत्मा के साथ चलना” अर्थात पवित्र आत्मा की अगुआई में चलना कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले और उसे सम्मान पहुंचाने वाले काम करें।
- परमेश्वर की आज्ञाओं में या परमेश्वर के मार्गों में चलना अर्थात उसकी आज्ञाओं के पालन का जीवन जीना अर्थात उसकी “आज्ञाओं को मानना” या “उसकी इच्छा पूरी करना।”
- परमेश्वर कहता है कि वह “अपने लोगों के मध्य वास करेगा” या उनके साथ “घनिष्ठ व्यवहार” करेगा।
- “विपरीत चाल चलना” का अर्थ ऐसा जीवन आचरण रखना जो किसी के विरूद्ध हो।
- “पीछे चलना” अर्थात किसी का पीछा करना। इसका अर्थ अनुकरण करना भी होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जब तक “चलना” का सही अर्थ समझ में आए तब तक इसे ज्यों का त्यों रखना ही उचित है।
- “चलना” के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद हो सकता है “जीवन जीना” या “व्यवहार करना” या “कार्य करना।”
- “आत्मा के अनुसार चलना” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र-आत्मा की आज्ञाकारिता में जीना।” या “पवित्र-आत्मा को प्रसन्न करनेवाला जीवन जीना” या “पवित्र आत्मा की अगुआई में परमेश्वर को ग्रहणयोग्य काम करना”।
- “परमेश्वर की आज्ञाओं पर चलना” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुपालन में जीना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना”।
- “परमेश्वर के साथ चलता था” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानकर और उसका सम्मान करके परमेश्वर के साथ घनिष्ठता का जीवन जीना”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 राजा 02:1-4
- कुलुस्सियों 02:6-7
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 17:1-2
- यशायाह 02:5-6
- यिर्मयाह 13:8-11
- मीका 04:2-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1869, H1980, H1981, H3212, H4108, G1704, G4043, G4198, G4748

चला, चलता

परिभाषा:

प्रतिकात्मक रूप में “चलने" का उपयोग "आचरण" का बोध करवाता है।

- "हनोक परमेश्वर के साथ चलता था" अर्थात् वह परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध में था।
- “पवित्र-आत्मा के साथ चलना” अर्थात पवित्र आत्मा की अगुआई में चलना कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले और उसे सम्मान पहुंचाने वाले काम करें।
- परमेश्वर की आज्ञाओं में या परमेश्वर के मार्गों में चलना अर्थात उसकी आज्ञाओं के पालन का जीवन जीना अर्थात उसकी “आज्ञाओं को मानना” या “उसकी इच्छा पूरी करना।”
- परमेश्वर कहता है कि वह “अपने लोगों के मध्य वास करेगा” या उनके साथ “घनिष्ठ व्यवहार” करेगा।
- “विपरीत चाल चलना” का अर्थ ऐसा जीवन आचरण रखना जो किसी के विरूद्ध हो।
- “पीछे चलना” अर्थात किसी का पीछा करना। इसका अर्थ अनुकरण करना भी होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जब तक “चलना” का सही अर्थ समझ में आए तब तक इसे ज्यों का त्यों रखना ही उचित है।
- “चलना” के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद हो सकता है “जीवन जीना” या “व्यवहार करना” या “कार्य करना।”
- “आत्मा के अनुसार चलना” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र-आत्मा की आज्ञाकारिता में जीना।” या “पवित्र-आत्मा को प्रसन्न करनेवाला जीवन जीना” या “पवित्र आत्मा की अगुआई में परमेश्वर को ग्रहणयोग्य काम करना”।
- “परमेश्वर की आज्ञाओं पर चलना” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुपालन में जीना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना”।
- “परमेश्वर के साथ चलता था” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानकर और उसका सम्मान करके परमेश्वर के साथ घनिष्ठता का जीवन जीना”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 राजा 02:1-4
- कुलुस्सियों 02:6-7
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 17:1-2
- यशायाह 02:5-6
- यिर्मयाह 13:8-11
- मीका 04:2-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1869, H1980, H1981, H3212, H4108, G1704, G4043, G4198, G4748

चला, चलता

परिभाषा:

प्रतिकात्मक रूप में “चलने" का उपयोग "आचरण" का बोध करवाता है।

- "हनोक परमेश्वर के साथ चलता था" अर्थात् वह परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध में था।
- “पवित्र-आत्मा के साथ चलना” अर्थात पवित्र आत्मा की अगुआई में चलना कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले और उसे सम्मान पहुंचाने वाले काम करें।
- परमेश्वर की आज्ञाओं में या परमेश्वर के मार्गों में चलना अर्थात उसकी आज्ञाओं के पालन का जीवन जीना अर्थात उसकी “आज्ञाओं को मानना” या “उसकी इच्छा पूरी करना।”
- परमेश्वर कहता है कि वह “अपने लोगों के मध्य वास करेगा” या उनके साथ “घनिष्ठ व्यवहार” करेगा।
- “विपरीत चाल चलना” का अर्थ ऐसा जीवन आचरण रखना जो किसी के विरूद्ध हो।
- “पीछे चलना” अर्थात किसी का पीछा करना। इसका अर्थ अनुकरण करना भी होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जब तक “चलना” का सही अर्थ समझ में आए तब तक इसे ज्यों का त्यों रखना ही उचित है।
- “चलना” के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद हो सकता है “जीवन जीना” या “व्यवहार करना” या “कार्य करना।”

- “आत्मा के अनुसार चलना” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र-आत्मा की आज्ञाकारिता में जीना।” या “पवित्र-आत्मा को प्रसन्न करनेवाला जीवन जीना” या “पवित्र आत्मा की अगुआई में परमेश्वर को ग्रहणयोग्य काम करना”।
- “परमेश्वर की आज्ञाओं पर चलना” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुपालन में जीना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना”।
- “परमेश्वर के साथ चलता था” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानकर और उसका सम्मान करके परमेश्वर के साथ घनिष्ठता का जीवन जीना”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 राजा 02:1-4
- कुलुस्सियों 02:6-7
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 17:1-2
- यशायाह 02:5-6
- यिर्मयाह 13:8-11
- मीका 04:2-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1869, H1980, H1981, H3212, H4108, G1704, G4043, G4198, G4748

चला, चलता

परिभाषा:

प्रतिकात्मक रूप में “चलने" का उपयोग "आचरण" का बोध करवाता है।

- "हनोक परमेश्वर के साथ चलता था" अर्थात् वह परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध में था।
- “पवित्र-आत्मा के साथ चलना” अर्थात पवित्र आत्मा की अगुआई में चलना कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले और उसे सम्मान पहुंचाने वाले काम करें।
- परमेश्वर की आज्ञाओं में या परमेश्वर के मार्गों में चलना अर्थात उसकी आज्ञाओं के पालन का जीवन जीना अर्थात उसकी “आज्ञाओं को मानना” या “उसकी इच्छा पूरी करना।”
- परमेश्वर कहता है कि वह “अपने लोगों के मध्य वास करेगा” या उनके साथ “घनिष्ठ व्यवहार” करेगा।
- “विपरीत चाल चलना” का अर्थ ऐसा जीवन आचरण रखना जो किसी के विरूद्ध हो।
- “पीछे चलना” अर्थात किसी का पीछा करना। इसका अर्थ अनुकरण करना भी होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जब तक “चलना” का सही अर्थ समझ में आए तब तक इसे ज्यों का त्यों रखना ही उचित है।
- “चलना” के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद हो सकता है “जीवन जीना” या “व्यवहार करना” या “कार्य करना।”
- “आत्मा के अनुसार चलना” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र-आत्मा की आज्ञाकारिता में जीना।” या “पवित्र-आत्मा को प्रसन्न करनेवाला जीवन जीना” या “पवित्र आत्मा की अगुआई में परमेश्वर को ग्रहणयोग्य काम करना”।
- “परमेश्वर की आज्ञाओं पर चलना” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुपालन में जीना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना”।
- “परमेश्वर के साथ चलता था” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानकर और उसका सम्मान करके परमेश्वर के साथ घनिष्ठता का जीवन जीना”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 राजा 02:1-4
- कुलुस्सियों 02:6-7
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 17:1-2
- यशायाह 02:5-6
- यिर्मयाह 13:8-11
- मीका 04:2-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1869, H1980, H1981, H3212, H4108, G1704, G4043, G4198, G4748

चला, चलता

परिभाषा:

प्रतिकात्मक रूप में “चलने" का उपयोग "आचरण" का बोध करवाता है।

- "हनोक परमेश्वर के साथ चलता था" अर्थात् वह परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध में था।
- “पवित्र-आत्मा के साथ चलना” अर्थात पवित्र आत्मा की अगुआई में चलना कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले और उसे सम्मान पहुंचाने वाले काम करें।
- परमेश्वर की आज्ञाओं में या परमेश्वर के मार्गों में चलना अर्थात उसकी आज्ञाओं के पालन का जीवन जीना अर्थात उसकी “आज्ञाओं को मानना” या “उसकी इच्छा पूरी करना।”
- परमेश्वर कहता है कि वह “अपने लोगों के मध्य वास करेगा” या उनके साथ “घनिष्ठ व्यवहार” करेगा।
- “विपरीत चाल चलना” का अर्थ ऐसा जीवन आचरण रखना जो किसी के विरूद्ध हो।
- “पीछे चलना” अर्थात किसी का पीछा करना। इसका अर्थ अनुकरण करना भी होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जब तक “चलना” का सही अर्थ समझ में आए तब तक इसे ज्यों का त्यों रखना ही उचित है।
- “चलना” के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद हो सकता है “जीवन जीना” या “व्यवहार करना” या “कार्य करना।”
- “आत्मा के अनुसार चलना” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र-आत्मा की आज्ञाकारिता में जीना।” या “पवित्र-आत्मा को प्रसन्न करनेवाला जीवन जीना” या “पवित्र आत्मा की अगुआई में परमेश्वर को ग्रहणयोग्य काम करना”।
- “परमेश्वर की आज्ञाओं पर चलना” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुपालन में जीना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना”।
- “परमेश्वर के साथ चलता था” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानकर और उसका सम्मान करके परमेश्वर के साथ घनिष्ठता का जीवन जीना”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 राजा 02:1-4
- कुलुस्सियों 02:6-7
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 17:1-2
- यशायाह 02:5-6
- यिर्मयाह 13:8-11
- मीका 04:2-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1869, H1980, H1981, H3212, H4108, G1704, G4043, G4198, G4748

चला, चलता

परिभाषा:

प्रतिकात्मक रूप में “चलने" का उपयोग "आचरण" का बोध करवाता है।

- "हनोक परमेश्वर के साथ चलता था" अर्थात् वह परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध में था।
- “पवित्र-आत्मा के साथ चलना” अर्थात पवित्र आत्मा की अगुआई में चलना कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले और उसे सम्मान पहुंचाने वाले काम करें।
- परमेश्वर की आज्ञाओं में या परमेश्वर के मार्गों में चलना अर्थात उसकी आज्ञाओं के पालन का जीवन जीना अर्थात उसकी “आज्ञाओं को मानना” या “उसकी इच्छा पूरी करना।”
- परमेश्वर कहता है कि वह “अपने लोगों के मध्य वास करेगा” या उनके साथ “घनिष्ठ व्यवहार” करेगा।
- “विपरीत चाल चलना” का अर्थ ऐसा जीवन आचरण रखना जो किसी के विरूद्ध हो।
- “पीछे चलना” अर्थात किसी का पीछा करना। इसका अर्थ अनुकरण करना भी होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जब तक “चलना” का सही अर्थ समझ में आए तब तक इसे ज्यों का त्यों रखना ही उचित है।
- “चलना” के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद हो सकता है “जीवन जीना” या “व्यवहार करना” या “कार्य करना।”
- “आत्मा के अनुसार चलना” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र-आत्मा की आज्ञाकारिता में जीना।” या “पवित्र-आत्मा को प्रसन्न करनेवाला जीवन जीना” या “पवित्र आत्मा की अगुआई में परमेश्वर को ग्रहणयोग्य काम करना”।
- “परमेश्वर की आज्ञाओं पर चलना” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुपालन में जीना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना”।
- “परमेश्वर के साथ चलता था” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानकर और उसका सम्मान करके परमेश्वर के साथ घनिष्ठता का जीवन जीना”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 राजा 02:1-4
- कुलुस्सियों 02:6-7
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 17:1-2
- यशायाह 02:5-6
- यिर्मयाह 13:8-11
- मीका 04:2-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1869, H1980, H1981, H3212, H4108, G1704, G4043, G4198, G4748

चला, चलता

परिभाषा:

प्रतिकात्मक रूप में “चलने" का उपयोग "आचरण" का बोध करवाता है।

- "हनोक परमेश्वर के साथ चलता था" अर्थात् वह परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध में था।
- “पवित्र-आत्मा के साथ चलना” अर्थात पवित्र आत्मा की अगुआई में चलना कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले और उसे सम्मान पहुंचाने वाले काम करें।
- परमेश्वर की आज्ञाओं में या परमेश्वर के मार्गों में चलना अर्थात उसकी आज्ञाओं के पालन का जीवन जीना अर्थात उसकी “आज्ञाओं को मानना” या “उसकी इच्छा पूरी करना।”
- परमेश्वर कहता है कि वह “अपने लोगों के मध्य वास करेगा” या उनके साथ “घनिष्ठ व्यवहार” करेगा।
- “विपरीत चाल चलना” का अर्थ ऐसा जीवन आचरण रखना जो किसी के विरूद्ध हो।
- “पीछे चलना” अर्थात किसी का पीछा करना। इसका अर्थ अनुकरण करना भी होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जब तक “चलना” का सही अर्थ समझ में आए तब तक इसे ज्यों का त्यों रखना ही उचित है।
- “चलना” के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद हो सकता है “जीवन जीना” या “व्यवहार करना” या “कार्य करना।”
- “आत्मा के अनुसार चलना” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र-आत्मा की आज्ञाकारिता में जीना।” या “पवित्र-आत्मा को प्रसन्न करनेवाला जीवन जीना” या “पवित्र आत्मा की अगुआई में परमेश्वर को ग्रहणयोग्य काम करना”।
- “परमेश्वर की आज्ञाओं पर चलना” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुपालन में जीना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना”।
- “परमेश्वर के साथ चलता था” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानकर और उसका सम्मान करके परमेश्वर के साथ घनिष्ठता का जीवन जीना”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 राजा 02:1-4
- कुलुस्सियों 02:6-7
- गलातियों 05:25-26

- उत्पत्ति 17:1-2
- यशायाह 02:5-6
- यिर्मयाह 13:8-11
- मीका 04:2-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1869, H1980, H1981, H3212, H4108, G1704, G4043, G4198, G4748

चला, चलता

परिभाषा:

प्रतिकात्मक रूप में “चलने" का उपयोग "आचरण" का बोध करवाता है।

- "हनोक परमेश्वर के साथ चलता था" अर्थात् वह परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध में था।
- “पवित्र-आत्मा के साथ चलना” अर्थात पवित्र आत्मा की अगुआई में चलना कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले और उसे सम्मान पहुंचाने वाले काम करें।
- परमेश्वर की आज्ञाओं में या परमेश्वर के मार्गों में चलना अर्थात उसकी आज्ञाओं के पालन का जीवन जीना अर्थात उसकी “आज्ञाओं को मानना” या “उसकी इच्छा पूरी करना।”
- परमेश्वर कहता है कि वह “अपने लोगों के मध्य वास करेगा” या उनके साथ “घनिष्ठ व्यवहार” करेगा।
- “विपरीत चाल चलना” का अर्थ ऐसा जीवन आचरण रखना जो किसी के विरूद्ध हो।
- “पीछे चलना” अर्थात किसी का पीछा करना। इसका अर्थ अनुकरण करना भी होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जब तक “चलना” का सही अर्थ समझ में आए तब तक इसे ज्यों का त्यों रखना ही उचित है।
- “चलना” के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद हो सकता है “जीवन जीना” या “व्यवहार करना” या “कार्य करना।”
- “आत्मा के अनुसार चलना” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र-आत्मा की आज्ञाकारिता में जीना।” या “पवित्र-आत्मा को प्रसन्न करनेवाला जीवन जीना” या “पवित्र आत्मा की अगुआई में परमेश्वर को ग्रहणयोग्य काम करना”।
- “परमेश्वर की आज्ञाओं पर चलना” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुपालन में जीना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना”।
- “परमेश्वर के साथ चलता था” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानकर और उसका सम्मान करके परमेश्वर के साथ घनिष्ठता का जीवन जीना”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 राजा 02:1-4
- कुलुस्सियों 02:6-7
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 17:1-2
- यशायाह 02:5-6
- यिर्मयाह 13:8-11
- मीका 04:2-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1869, H1980, H1981, H3212, H4108, G1704, G4043, G4198, G4748

चला, चलता

परिभाषा:

प्रतिकात्मक रूप में “चलने" का उपयोग "आचरण" का बोध करवाता है।

- "हनोक परमेश्वर के साथ चलता था" अर्थात् वह परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध में था।
- “पवित्र-आत्मा के साथ चलना” अर्थात पवित्र आत्मा की अगुआई में चलना कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले और उसे सम्मान पहुंचाने वाले काम करें।

- परमेश्वर की आज्ञाओं में या परमेश्वर के मार्गों में चलना अर्थात उसकी आज्ञाओं के पालन का जीवन जीना अर्थात उसकी “आज्ञाओं को मानना” या “उसकी इच्छा पूरी करना।”
- परमेश्वर कहता है कि वह “अपने लोगों के मध्य वास करेगा” या उनके साथ “घनिष्ठ व्यवहार” करेगा।
- “विपरीत चाल चलना” का अर्थ ऐसा जीवन आचरण रखना जो किसी के विरूद्ध हो।
- “पीछे चलना” अर्थात किसी का पीछा करना। इसका अर्थ अनुकरण करना भी होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जब तक “चलना” का सही अर्थ समझ में आए तब तक इसे ज्यों का त्यों रखना ही उचित है।
- “चलना” के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद हो सकता है “जीवन जीना” या “व्यवहार करना” या “कार्य करना।”
- “आत्मा के अनुसार चलना” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र-आत्मा की आज्ञाकारिता में जीना।” या “पवित्र-आत्मा को प्रसन्न करनेवाला जीवन जीना” या “पवित्र आत्मा की अगुआई में परमेश्वर को ग्रहणयोग्य काम करना”।
- “परमेश्वर की आज्ञाओं पर चलना” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुपालन में जीना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना”।
- “परमेश्वर के साथ चलता था” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानकर और उसका सम्मान करके परमेश्वर के साथ घनिष्ठता का जीवन जीना”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 राजा 02:1-4
- कुलुस्सियों 02:6-7
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 17:1-2
- यशायाह 02:5-6
- यिर्मयाह 13:8-11
- मीका 04:2-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1869, H1980, H1981, H3212, H4108, G1704, G4043, G4198, G4748

चला, चलता

परिभाषा:

प्रतिकात्मक रूप में “चलने" का उपयोग "आचरण" का बोध करवाता है।

- "हनोक परमेश्वर के साथ चलता था" अर्थात् वह परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध में था।
- “पवित्र-आत्मा के साथ चलना” अर्थात पवित्र आत्मा की अगुआई में चलना कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले और उसे सम्मान पहुंचाने वाले काम करें।
- परमेश्वर की आज्ञाओं में या परमेश्वर के मार्गों में चलना अर्थात उसकी आज्ञाओं के पालन का जीवन जीना अर्थात उसकी “आज्ञाओं को मानना” या “उसकी इच्छा पूरी करना।”
- परमेश्वर कहता है कि वह “अपने लोगों के मध्य वास करेगा” या उनके साथ “घनिष्ठ व्यवहार” करेगा।
- “विपरीत चाल चलना” का अर्थ ऐसा जीवन आचरण रखना जो किसी के विरूद्ध हो।
- “पीछे चलना” अर्थात किसी का पीछा करना। इसका अर्थ अनुकरण करना भी होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जब तक “चलना” का सही अर्थ समझ में आए तब तक इसे ज्यों का त्यों रखना ही उचित है।
- “चलना” के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद हो सकता है “जीवन जीना” या “व्यवहार करना” या “कार्य करना।”
- “आत्मा के अनुसार चलना” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र-आत्मा की आज्ञाकारिता में जीना।” या “पवित्र-आत्मा को प्रसन्न करनेवाला जीवन जीना” या “पवित्र आत्मा की अगुआई में परमेश्वर को ग्रहणयोग्य काम करना”।
- “परमेश्वर की आज्ञाओं पर चलना” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुपालन में जीना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना”।
- “परमेश्वर के साथ चलता था” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानकर और उसका सम्मान करके परमेश्वर के साथ घनिष्ठता का जीवन जीना”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 राजा 02:1-4
- कुलुस्सियों 02:6-7
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 17:1-2
- यशायाह 02:5-6
- यिर्मयाह 13:8-11
- मीका 04:2-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1869, H1980, H1981, H3212, H4108, G1704, G4043, G4198, G4748

चला, चलता

परिभाषा:

प्रतिकात्मक रूप में “चलने" का उपयोग "आचरण" का बोध करवाता है।

- "हनोक परमेश्वर के साथ चलता था" अर्थात् वह परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध में था।
- “पवित्र-आत्मा के साथ चलना” अर्थात पवित्र आत्मा की अगुआई में चलना कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले और उसे सम्मान पहुंचाने वाले काम करें।
- परमेश्वर की आज्ञाओं में या परमेश्वर के मार्गों में चलना अर्थात उसकी आज्ञाओं के पालन का जीवन जीना अर्थात उसकी “आज्ञाओं को मानना” या “उसकी इच्छा पूरी करना।”
- परमेश्वर कहता है कि वह “अपने लोगों के मध्य वास करेगा” या उनके साथ “घनिष्ठ व्यवहार” करेगा।
- “विपरीत चाल चलना” का अर्थ ऐसा जीवन आचरण रखना जो किसी के विरूद्ध हो।
- “पीछे चलना” अर्थात किसी का पीछा करना। इसका अर्थ अनुकरण करना भी होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जब तक “चलना” का सही अर्थ समझ में आए तब तक इसे ज्यों का त्यों रखना ही उचित है।
- “चलना” के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद हो सकता है “जीवन जीना” या “व्यवहार करना” या “कार्य करना।”
- “आत्मा के अनुसार चलना” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र-आत्मा की आज्ञाकारिता में जीना।” या “पवित्र-आत्मा को प्रसन्न करनेवाला जीवन जीना” या “पवित्र आत्मा की अगुआई में परमेश्वर को ग्रहणयोग्य काम करना”।
- “परमेश्वर की आज्ञाओं पर चलना” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुपालन में जीना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना”।
- “परमेश्वर के साथ चलता था” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानकर और उसका सम्मान करके परमेश्वर के साथ घनिष्ठता का जीवन जीना”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 राजा 02:1-4
- कुलुस्सियों 02:6-7
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 17:1-2
- यशायाह 02:5-6
- यिर्मयाह 13:8-11
- मीका 04:2-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1869, H1980, H1981, H3212, H4108, G1704, G4043, G4198, G4748

चला, चलता

परिभाषा:

प्रतिकात्मक रूप में “चलने" का उपयोग "आचरण" का बोध करवाता है।

- "हनोक परमेश्वर के साथ चलता था" अर्थात् वह परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध में था।
- “पवित्र-आत्मा के साथ चलना” अर्थात पवित्र आत्मा की अगुआई में चलना कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले और उसे सम्मान पहुंचाने वाले काम करें।
- परमेश्वर की आज्ञाओं में या परमेश्वर के मार्गों में चलना अर्थात उसकी आज्ञाओं के पालन का जीवन जीना अर्थात उसकी “आज्ञाओं को मानना” या “उसकी इच्छा पूरी करना।”
- परमेश्वर कहता है कि वह “अपने लोगों के मध्य वास करेगा” या उनके साथ “घनिष्ठ व्यवहार” करेगा।
- “विपरीत चाल चलना” का अर्थ ऐसा जीवन आचरण रखना जो किसी के विरूद्ध हो।
- “पीछे चलना” अर्थात किसी का पीछा करना। इसका अर्थ अनुकरण करना भी होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जब तक “चलना” का सही अर्थ समझ में आए तब तक इसे ज्यों का त्यों रखना ही उचित है।
- “चलना” के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद हो सकता है “जीवन जीना” या “व्यवहार करना” या “कार्य करना।”
- “आत्मा के अनुसार चलना” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र-आत्मा की आज्ञाकारिता में जीना।” या “पवित्र-आत्मा को प्रसन्न करनेवाला जीवन जीना” या “पवित्र आत्मा की अगुआई में परमेश्वर को ग्रहणयोग्य काम करना”।
- “परमेश्वर की आज्ञाओं पर चलना” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुपालन में जीना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना”।
- “परमेश्वर के साथ चलता था” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानकर और उसका सम्मान करके परमेश्वर के साथ घनिष्ठता का जीवन जीना”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 राजा 02:1-4
- कुलुस्सियों 02:6-7
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 17:1-2
- यशायाह 02:5-6
- यिर्मयाह 13:8-11
- मीका 04:2-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1869, H1980, H1981, H3212, H4108, G1704, G4043, G4198, G4748

चला, चलता

परिभाषा:

प्रतिकात्मक रूप में “चलने" का उपयोग "आचरण" का बोध करवाता है।

- "हनोक परमेश्वर के साथ चलता था" अर्थात् वह परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध में था।
- “पवित्र-आत्मा के साथ चलना” अर्थात पवित्र आत्मा की अगुआई में चलना कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले और उसे सम्मान पहुंचाने वाले काम करें।
- परमेश्वर की आज्ञाओं में या परमेश्वर के मार्गों में चलना अर्थात उसकी आज्ञाओं के पालन का जीवन जीना अर्थात उसकी “आज्ञाओं को मानना” या “उसकी इच्छा पूरी करना।”
- परमेश्वर कहता है कि वह “अपने लोगों के मध्य वास करेगा” या उनके साथ “घनिष्ठ व्यवहार” करेगा।
- “विपरीत चाल चलना” का अर्थ ऐसा जीवन आचरण रखना जो किसी के विरूद्ध हो।
- “पीछे चलना” अर्थात किसी का पीछा करना। इसका अर्थ अनुकरण करना भी होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जब तक “चलना” का सही अर्थ समझ में आए तब तक इसे ज्यों का त्यों रखना ही उचित है।
- “चलना” के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद हो सकता है “जीवन जीना” या “व्यवहार करना” या “कार्य करना।”

- “आत्मा के अनुसार चलना” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र-आत्मा की आज्ञाकारिता में जीना।” या “पवित्र-आत्मा को प्रसन्न करनेवाला जीवन जीना” या “पवित्र आत्मा की अगुआई में परमेश्वर को ग्रहणयोग्य काम करना”।
- “परमेश्वर की आज्ञाओं पर चलना” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुपालन में जीना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना”।
- “परमेश्वर के साथ चलता था” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानकर और उसका सम्मान करके परमेश्वर के साथ घनिष्ठता का जीवन जीना”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 राजा 02:1-4
- कुलुस्सियों 02:6-7
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 17:1-2
- यशायाह 02:5-6
- यिर्मयाह 13:8-11
- मीका 04:2-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1869, H1980, H1981, H3212, H4108, G1704, G4043, G4198, G4748

चला, चलता

परिभाषा:

प्रतिकात्मक रूप में “चलने" का उपयोग "आचरण" का बोध करवाता है।

- "हनोक परमेश्वर के साथ चलता था" अर्थात् वह परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध में था।
- “पवित्र-आत्मा के साथ चलना” अर्थात पवित्र आत्मा की अगुआई में चलना कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले और उसे सम्मान पहुंचाने वाले काम करें।
- परमेश्वर की आज्ञाओं में या परमेश्वर के मार्गों में चलना अर्थात उसकी आज्ञाओं के पालन का जीवन जीना अर्थात उसकी “आज्ञाओं को मानना” या “उसकी इच्छा पूरी करना।”
- परमेश्वर कहता है कि वह “अपने लोगों के मध्य वास करेगा” या उनके साथ “घनिष्ठ व्यवहार” करेगा।
- “विपरीत चाल चलना” का अर्थ ऐसा जीवन आचरण रखना जो किसी के विरूद्ध हो।
- “पीछे चलना” अर्थात किसी का पीछा करना। इसका अर्थ अनुकरण करना भी होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जब तक “चलना” का सही अर्थ समझ में आए तब तक इसे ज्यों का त्यों रखना ही उचित है।
- “चलना” के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद हो सकता है “जीवन जीना” या “व्यवहार करना” या “कार्य करना।”
- “आत्मा के अनुसार चलना” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र-आत्मा की आज्ञाकारिता में जीना।” या “पवित्र-आत्मा को प्रसन्न करनेवाला जीवन जीना” या “पवित्र आत्मा की अगुआई में परमेश्वर को ग्रहणयोग्य काम करना”।
- “परमेश्वर की आज्ञाओं पर चलना” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुपालन में जीना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना”।
- “परमेश्वर के साथ चलता था” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानकर और उसका सम्मान करके परमेश्वर के साथ घनिष्ठता का जीवन जीना”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 राजा 02:1-4
- कुलुस्सियों 02:6-7
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 17:1-2
- यशायाह 02:5-6
- यिर्मयाह 13:8-11
- मीका 04:2-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1869, H1980, H1981, H3212, H4108, G1704, G4043, G4198, G4748

चाँदी

परिभाषा:

चाँदी एक चमकीली सफेद रंग की धातु होती है जिससे सिक्के, आभूषण, पात्र और साज सज्जा का सामान बनाया जाता है।

- पात्रों में चाँदी के बड़े-छोटे कटोरे तथा खाना पकाने, खाने या परोसने के पात्र बनते हैं।
- सोना और चाँदी परमेश्वर के निवास तथा मन्दिर के निर्माण में भी काम में लिए गए थे। यरूशलेम के मन्दिर में पात्र सब चाँदी के थे।
- बाइबल के समय में, एक शेकेल वजन का एक इकाई था, और अक्सर एक निश्चित चाँदी की शेकेल की कीमत पर खरीदारी की जाती थी । नए नियम के युग में शेकेल में मापा जाने वाले विभिन्न वजन के चाँदी के सिक्के थे।
- यूसुफ के भाइयों ने उसे चाँदी के बीस शेकेल (सिक्कों) में दास होने के लिए बेचा था।
- यीशु के पकड़वाने के लिए यहूदा को चाँदी के 30 सिक्के दिए गए थे।

(यह भी देखें: निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:9-11
- 1 शमूएल 02:36
- 2 राजा 25:13-15
- प्रे.का. 03:06
- मत्ती. 26:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3701, H3702, H7192, G693, G694, G695, G696, G1406

चाँदी

परिभाषा:

चाँदी एक चमकीली सफेद रंग की धातु होती है जिससे सिक्के, आभूषण, पात्र और साज सज्जा का सामान बनाया जाता है।

- पात्रों में चाँदी के बड़े-छोटे कटोरे तथा खाना पकाने, खाने या परोसने के पात्र बनते हैं।
- सोना और चाँदी परमेश्वर के निवास तथा मन्दिर के निर्माण में भी काम में लिए गए थे। यरूशलेम के मन्दिर में पात्र सब चाँदी के थे।
- बाइबल के समय में, एक शेकेल वजन का एक इकाई था, और अक्सर एक निश्चित चाँदी की शेकेल की कीमत पर खरीदारी की जाती थी । नए नियम के युग में शेकेल में मापा जाने वाले विभिन्न वजन के चाँदी के सिक्के थे।
- यूसुफ के भाइयों ने उसे चाँदी के बीस शेकेल (सिक्कों) में दास होने के लिए बेचा था।
- यीशु के पकड़वाने के लिए यहूदा को चाँदी के 30 सिक्के दिए गए थे।

(यह भी देखें: निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:9-11
- 1 शमूएल 02:36
- 2 राजा 25:13-15
- प्रे.का. 03:06
- मत्ती. 26:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3701, H3702, H7192, G693, G694, G695, G696, G1406

चाँदी

परिभाषा:

चाँदी एक चमकीली सफेद रंग की धातु होती है जिससे सिक्के, आभूषण, पात्र और साज सज्जा का सामान बनाया जाता है।

- पात्रों में चाँदी के बड़े-छोटे कटोरे तथा खाना पकाने, खाने या परोसने के पात्र बनते हैं।
- सोना और चाँदी परमेश्वर के निवास तथा मन्दिर के निर्माण में भी काम में लिए गए थे। यरूशलेम के मन्दिर में पात्र सब चाँदी के थे।
- बाइबल के समय में, एक शेकेल वजन का एक इकाई था, और अक्सर एक निश्चित चाँदी की शेकेल की कीमत पर खरीदारी की जाती थी । नए नियम के युग में शेकेल में मापा जाने वाले विभिन्न वजन के चाँदी के सिक्के थे।
- यूसुफ के भाइयों ने उसे चाँदी के बीस शेकेल (सिक्कों) में दास होने के लिए बेचा था।
- यीशु के पकड़वाने के लिए यहूदा को चाँदी के 30 सिक्के दिए गए थे।

(यह भी देखें: निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:9-11
- 1 शमूएल 02:36
- 2 राजा 25:13-15
- प्रे.का. 03:06
- मत्ती. 26:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3701, H3702, H7192, G693, G694, G695, G696, G1406

चाँदी

परिभाषा:

चाँदी एक चमकीली सफेद रंग की धातु होती है जिससे सिक्के, आभूषण, पात्र और साज सज्जा का सामान बनाया जाता है।

- पात्रों में चाँदी के बड़े-छोटे कटोरे तथा खाना पकाने, खाने या परोसने के पात्र बनते हैं।
- सोना और चाँदी परमेश्वर के निवास तथा मन्दिर के निर्माण में भी काम में लिए गए थे। यरूशलेम के मन्दिर में पात्र सब चाँदी के थे।
- बाइबल के समय में, एक शेकेल वजन का एक इकाई था, और अक्सर एक निश्चित चाँदी की शेकेल की कीमत पर खरीदारी की जाती थी । नए नियम के युग में शेकेल में मापा जाने वाले विभिन्न वजन के चाँदी के सिक्के थे।
- यूसुफ के भाइयों ने उसे चाँदी के बीस शेकेल (सिक्कों) में दास होने के लिए बेचा था।
- यीशु के पकड़वाने के लिए यहूदा को चाँदी के 30 सिक्के दिए गए थे।

(यह भी देखें: निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:9-11
- 1 शमूएल 02:36
- 2 राजा 25:13-15
- प्रे.का. 03:06
- मत्ती. 26:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3701, H3702, H7192, G693, G694, G695, G696, G1406

चाँदी

परिभाषा:

चाँदी एक चमकीली सफेद रंग की धातु होती है जिससे सिक्के, आभूषण, पात्र और साज सज्जा का सामान बनाया जाता है।

- पात्रों में चाँदी के बड़े-छोटे कटोरे तथा खाना पकाने, खाने या परोसने के पात्र बनते हैं।
- सोना और चाँदी परमेश्वर के निवास तथा मन्दिर के निर्माण में भी काम में लिए गए थे। यरूशलेम के मन्दिर में पात्र सब चाँदी के थे।
- बाइबल के समय में, एक शेकेल वजन का एक इकाई था, और अक्सर एक निश्चित चाँदी की शेकेल की कीमत पर खरीदारी की जाती थी । नए नियम के युग में शेकेल में मापा जाने वाले विभिन्न वजन के चाँदी के सिक्के थे।
- यूसुफ के भाइयों ने उसे चाँदी के बीस शेकेल (सिक्कों) में दास होने के लिए बेचा था।
- यीशु के पकड़वाने के लिए यहूदा को चाँदी के 30 सिक्के दिए गए थे।

(यह भी देखें: निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:9-11
- 1 शमूएल 02:36
- 2 राजा 25:13-15
- प्रे.का. 03:06
- मत्ती. 26:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3701, H3702, H7192, G693, G694, G695, G696, G1406

चाँदी

परिभाषा:

चाँदी एक चमकीली सफेद रंग की धातु होती है जिससे सिक्के, आभूषण, पात्र और साज सज्जा का सामान बनाया जाता है।

- पात्रों में चाँदी के बड़े-छोटे कटोरे तथा खाना पकाने, खाने या परोसने के पात्र बनते हैं।
- सोना और चाँदी परमेश्वर के निवास तथा मन्दिर के निर्माण में भी काम में लिए गए थे। यरूशलेम के मन्दिर में पात्र सब चाँदी के थे।
- बाइबल के समय में, एक शेकेल वजन का एक इकाई था, और अक्सर एक निश्चित चाँदी की शेकेल की कीमत पर खरीदारी की जाती थी । नए नियम के युग में शेकेल में मापा जाने वाले विभिन्न वजन के चाँदी के सिक्के थे।
- यूसुफ के भाइयों ने उसे चाँदी के बीस शेकेल (सिक्कों) में दास होने के लिए बेचा था।
- यीशु के पकड़वाने के लिए यहूदा को चाँदी के 30 सिक्के दिए गए थे।

(यह भी देखें: निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:9-11
- 1 शमूएल 02:36
- 2 राजा 25:13-15
- प्रे.का. 03:06
- मत्ती. 26:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3701, H3702, H7192, G693, G694, G695, G696, G1406

चाँदी

परिभाषा:

चाँदी एक चमकीली सफेद रंग की धातु होती है जिससे सिक्के, आभूषण, पात्र और साज सज्जा का सामान बनाया जाता है।

- पात्रों में चाँदी के बड़े-छोटे कटोरे तथा खाना पकाने, खाने या परोसने के पात्र बनते हैं।
- सोना और चाँदी परमेश्वर के निवास तथा मन्दिर के निर्माण में भी काम में लिए गए थे। यरूशलेम के मन्दिर में पात्र सब चाँदी के थे।
- बाइबल के समय में, एक शेकेल वजन का एक इकाई था, और अक्सर एक निश्चित चाँदी की शेकेल की कीमत पर खरीदारी की जाती थी । नए नियम के युग में शेकेल में मापा जाने वाले विभिन्न वजन के चाँदी के सिक्के थे।
- यूसुफ के भाइयों ने उसे चाँदी के बीस शेकेल (सिक्कों) में दास होने के लिए बेचा था।
- यीशु के पकड़वाने के लिए यहूदा को चाँदी के 30 सिक्के दिए गए थे।

(यह भी देखें: निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:9-11
- 1 शमूएल 02:36
- 2 राजा 25:13-15
- प्रे.का. 03:06
- मत्ती. 26:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3701, H3702, H7192, G693, G694, G695, G696, G1406

चाँदी

परिभाषा:

चाँदी एक चमकीली सफेद रंग की धातु होती है जिससे सिक्के, आभूषण, पात्र और साज सज्जा का सामान बनाया जाता है।

- पात्रों में चाँदी के बड़े-छोटे कटोरे तथा खाना पकाने, खाने या परोसने के पात्र बनते हैं।
- सोना और चाँदी परमेश्वर के निवास तथा मन्दिर के निर्माण में भी काम में लिए गए थे। यरूशलेम के मन्दिर में पात्र सब चाँदी के थे।
- बाइबल के समय में, एक शेकेल वजन का एक इकाई था, और अक्सर एक निश्चित चाँदी की शेकेल की कीमत पर खरीदारी की जाती थी । नए नियम के युग में शेकेल में मापा जाने वाले विभिन्न वजन के चाँदी के सिक्के थे।
- यूसुफ के भाइयों ने उसे चाँदी के बीस शेकेल (सिक्कों) में दास होने के लिए बेचा था।
- यीशु के पकड़वाने के लिए यहूदा को चाँदी के 30 सिक्के दिए गए थे।

(यह भी देखें: निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:9-11
- 1 शमूएल 02:36
- 2 राजा 25:13-15
- प्रे.का. 03:06
- मत्ती. 26:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3701, H3702, H7192, G693, G694, G695, G696, G1406

चिट्ठियाँ, चिट्ठियाँ डालकर

परिभाषा:

“चिट्ठियाँ” पर्चियों पर नाम लिखे जाते हैं और निर्णय लेने के लिए उनमें से एक उठाई जाती है। “चिट्ठियां डालना” अर्थात चिन्ह डालकर पर्चियों को भूमि पर या अन्य स्थान में डालकर एक उठाना।

- कुछ संस्कृतियों में चिट्ठियां डालने में तिनकों का गट्ठा काम में लिया जाता था। एक मनुष्य उन तिनकों को पकड़ कर रखता था कि कोई देख न पाए कि वे कितने लम्बे हैं। प्रत्येक मनुष्य एक तिनका खींचता था और जिसके पास सबसे लम्बा तिनका आता था (या सबसे छोटा) वही चुना हुआ माना जाता था।
- बाइबिल के समय में, प्रकरण के अनुसार “चिट्ठी” का अनुवाद “अंकित पत्थर” या “मिट्टी के पात्रों के टुकड़ों” या “लकड़ियां” या “तिनके” भी किए जा सकते हैं।
- “चिट्ठियां डालना” का अनुवाद, “पर्चियां डालना” या “पर्ची खींचना” या पर्ची गिराना” भी हो सकता है। “डालना” का अनुवाद ऐसा प्रकट न करे कि चिट्ठियां बहुत दूर तक फेंकी जाती थी।
- यदि “चिट्ठियों” द्वारा निर्णय लिया गया तो उसका अनुवाद “चिट्ठियां डालकर” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: एलीशिबा, याजक, जकर्याह (पुराना नियम), जकर्याह (नया नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- योना 01:6-7
- लूका 01:8-10
- लूका 23:33-34
- मरकुस 15:22-24
- मत्ती 27:35-37
- भजन संहिता 022:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1486, H2256, H5307, G2624, G2819, G2975, G3091

चिट्ठियाँ, चिट्ठियाँ डालकर

परिभाषा:

“चिट्ठियाँ” पर्चियों पर नाम लिखे जाते हैं और निर्णय लेने के लिए उनमें से एक उठाई जाती है। “चिट्ठियां डालना” अर्थात चिन्ह डालकर पर्चियों को भूमि पर या अन्य स्थान में डालकर एक उठाना।

- कुछ संस्कृतियों में चिट्ठियां डालने में तिनकों का गट्ठा काम में लिया जाता था। एक मनुष्य उन तिनकों को पकड़ कर रखता था कि कोई देख न पाए कि वे कितने लम्बे हैं। प्रत्येक मनुष्य एक तिनका खींचता था और जिसके पास सबसे लम्बा तिनका आता था (या सबसे छोटा) वही चुना हुआ माना जाता था।
- बाइबिल के समय में, प्रकरण के अनुसार “चिट्ठी” का अनुवाद “अंकित पत्थर” या “मिट्टी के पात्रों के टुकड़ों” या “लकड़ियां” या “तिनके” भी किए जा सकते हैं।
- “चिट्ठियां डालना” का अनुवाद, “पर्चियां डालना” या “पर्ची खींचना” या पर्ची गिराना” भी हो सकता है। “डालना” का अनुवाद ऐसा प्रकट न करे कि चिट्ठियां बहुत दूर तक फेंकी जाती थी।
- यदि “चिट्ठियों” द्वारा निर्णय लिया गया तो उसका अनुवाद “चिट्ठियां डालकर” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: एलीशिबा, याजक, जकर्याह (पुराना नियम), जकर्याह (नया नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- योना 01:6-7
- लूका 01:8-10
- लूका 23:33-34
- मरकुस 15:22-24
- मत्ती 27:35-37
- भजन संहिता 022:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1486, H2256, H5307, G2624, G2819, G2975, G3091

चिट्ठियाँ, चिट्ठियाँ डालकर

परिभाषा:

“चिट्ठियाँ” पर्चियों पर नाम लिखे जाते हैं और निर्णय लेने के लिए उनमें से एक उठाई जाती है। “चिट्ठियां डालना” अर्थात चिन्ह डालकर पर्चियों को भूमि पर या अन्य स्थान में डालकर एक उठाना।

- कुछ संस्कृतियों में चिट्ठियां डालने में तिनकों का गट्ठा काम में लिया जाता था। एक मनुष्य उन तिनकों को पकड़ कर रखता था कि कोई देख न पाए कि वे कितने लम्बे हैं। प्रत्येक मनुष्य एक तिनका खींचता था और जिसके पास सबसे लम्बा तिनका आता था (या सबसे छोटा) वही चुना हुआ माना जाता था।
- बाइबिल के समय में, प्रकरण के अनुसार “चिट्ठी” का अनुवाद “अंकित पत्थर” या “मिट्टी के पात्रों के टुकड़ों” या “लकड़ियां” या “तिनके” भी किए जा सकते हैं।
- “चिट्ठियां डालना” का अनुवाद, “पर्चियां डालना” या “पर्ची खींचना” या पर्ची गिराना” भी हो सकता है। “डालना” का अनुवाद ऐसा प्रकट न करे कि चिट्ठियां बहुत दूर तक फेंकी जाती थी।
- यदि “चिट्ठियों” द्वारा निर्णय लिया गया तो उसका अनुवाद “चिट्ठियां डालकर” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: एलीशिबा, याजक, जकर्याह (पुराना नियम), जकर्याह (नया नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- योना 01:6-7
- लूका 01:8-10
- लूका 23:33-34
- मरकुस 15:22-24
- मत्ती 27:35-37
- भजन संहिता 022:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1486, H2256, H5307, G2624, G2819, G2975, G3091

चिट्ठियाँ, चिट्ठियाँ डालकर

परिभाषा:

“चिट्ठियाँ” पर्चियों पर नाम लिखे जाते हैं और निर्णय लेने के लिए उनमें से एक उठाई जाती है। “चिट्ठियां डालना” अर्थात चिन्ह डालकर पर्चियों को भूमि पर या अन्य स्थान में डालकर एक उठाना।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- कुछ संस्कृतियों में चिट्ठियां डालने में तिनकों का गट्ठा काम में लिया जाता था। एक मनुष्य उन तिनकों को पकड़ कर रखता था कि कोई देख न पाए कि वे कितने लम्बे हैं। प्रत्येक मनुष्य एक तिनका खींचता था और जिसके पास सबसे लम्बा तिनका आता था (या सबसे छोटा) वही चुना हुआ माना जाता था।
- बाइबिल के समय में, प्रकरण के अनुसार “चिट्ठी” का अनुवाद “अंकित पत्थर” या “मिट्टी के पात्रों के टुकड़ों” या “लकड़ियां” या “तिनके” भी किए जा सकते हैं।
- “चिट्ठियां डालना” का अनुवाद, “पर्चियां डालना” या “पर्ची खींचना” या पर्ची गिराना” भी हो सकता है। “डालना” का अनुवाद ऐसा प्रकट न करे कि चिट्ठियां बहुत दूर तक फेंकी जाती थी।
- यदि “चिट्ठियों” द्वारा निर्णय लिया गया तो उसका अनुवाद “चिट्ठियां डालकर” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: एलीशिबा, याजक, जकर्याह (पुराना नियम), जकर्याह (नया नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- योना 01:6-7
- लूका 01:8-10
- लूका 23:33-34
- मरकुस 15:22-24
- मत्ती 27:35-37
- भजन संहिता 022:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1486, H2256, H5307, G2624, G2819, G2975, G3091

चिट्ठियाँ, चिट्ठियाँ डालकर

परिभाषा:

“चिट्ठियाँ” पर्चियों पर नाम लिखे जाते हैं और निर्णय लेने के लिए उनमें से एक उठाई जाती है। “चिट्ठियां डालना” अर्थात चिन्ह डालकर पर्चियों को भूमि पर या अन्य स्थान में डालकर एक उठाना।

- कुछ संस्कृतियों में चिट्ठियां डालने में तिनकों का गट्ठा काम में लिया जाता था। एक मनुष्य उन तिनकों को पकड़ कर रखता था कि कोई देख न पाए कि वे कितने लम्बे हैं। प्रत्येक मनुष्य एक तिनका खींचता था और जिसके पास सबसे लम्बा तिनका आता था (या सबसे छोटा) वही चुना हुआ माना जाता था।
- बाइबिल के समय में, प्रकरण के अनुसार “चिट्ठी” का अनुवाद “अंकित पत्थर” या “मिट्टी के पात्रों के टुकड़ों” या “लकड़ियां” या “तिनके” भी किए जा सकते हैं।
- “चिट्ठियां डालना” का अनुवाद, “पर्चियां डालना” या “पर्ची खींचना” या पर्ची गिराना” भी हो सकता है। “डालना” का अनुवाद ऐसा प्रकट न करे कि चिट्ठियां बहुत दूर तक फेंकी जाती थी।
- यदि “चिट्ठियों” द्वारा निर्णय लिया गया तो उसका अनुवाद “चिट्ठियां डालकर” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: एलीशिबा, याजक, जकर्याह (पुराना नियम), जकर्याह (नया नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- योना 01:6-7
- लूका 01:8-10
- लूका 23:33-34
- मरकुस 15:22-24
- मत्ती 27:35-37
- भजन संहिता 022:18-19

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1486, H2256, H5307, G2624, G2819, G2975, G3091

चिन्ह, प्रमाण, स्मरण कराने वाली बात

परिभाषा:

चिन्ह वह वस्तु, घटना या कार्य है जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है।

- "स्मरण कराने वाली बात" ऐसे संकेत हैं जो "याद दिलाने उन्हें याद करने में मदद करते है, जो कुछ वादा किया गया था:
- परमेश्वर ने मेघधनुष स्थापित किया जो इस प्रतिज्ञा को स्मरण कराता है कि परमेश्वर विश्वव्यापी जलप्रलय द्वारा ऐसे मानवजाति को फिर नष्ट नहीं करेगा।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे उसकी वाचा के चिन्ह स्वरूप अपने पुत्रों का खतना करें।
- चिन्ह किसी बात को प्रकट करते हैं या उसकी ओर संकेत करते है:
- स्वर्गदूत ने चरवाहों को एक चिन्ह दिया जिसके द्वारा वे बैतलहम में नवजात मसीह को पहचान पाएंगे।
- यहूदा ने यीशु का चुम्बन करके धर्म के अगुओं पर चिन्ह प्रकट किया कि जिसे उन्होंने पकड़ना है वह यीशु यही है।
- चिन्ह किसी बात को सच्चा सिद्ध करते है:
- भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों द्वारा किए गए आश्चर्यकर्म चिन्ह थे कि वे परमेश्वर का सन्देश सुना रहे है।
- यीशु ने जो चमत्कार किए, वे साबित करते है कि वह वास्तव में मसीहा था ।

(अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “चिन्ह” का अनुवाद “संकेत” या “प्रतीक” या “पहचान” या “प्रमाण” या “प्रमाण” या “इंगित करना” भी हो सकता है।
- “हाथों से संकेत करना” का अनुवाद “हाथों की गतिविधि” या “हाथों से इंगित करना” या “भाव दर्शाना” भी हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “चिन्ह” जो किसी बात को सिद्ध करता है और आश्चर्यकर्म के लिए चिन्ह का दूसरा शब्द होता है।

(यह भी देखें: चमत्कार, प्रेरित, मसीह, वाचा, खतना करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:18-19
- निर्गमन 04:8-9
- निर्गमन 31:12-15
- उत्पत्ति 01: 14-15
- उत्पत्ति 09: 11-13
- यूह. 02:17-19
- लूका 02:10-12
- मार्क. 18:11-13
- भजन-संहिता 089:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G364, G880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

चिन्ह, प्रमाण, स्मरण कराने वाली बात

परिभाषा:

चिन्ह वह वस्तु, घटना या कार्य है जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है।

- "स्मरण कराने वाली बात" ऐसे संकेत हैं जो "याद दिलाने उन्हें याद करने में मदद करते है, जो कुछ वादा किया गया था:
- परमेश्वर ने मेघधनुष स्थापित किया जो इस प्रतिज्ञा को स्मरण कराता है कि परमेश्वर विश्वव्यापी जलप्रलय द्वारा ऐसे मानवजाति को फिर नष्ट नहीं करेगा।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे उसकी वाचा के चिन्ह स्वरूप अपने पुत्रों का खतना करें।
- चिन्ह किसी बात को प्रकट करते हैं या उसकी ओर संकेत करते है:
- स्वर्गदूत ने चरवाहों को एक चिन्ह दिया जिसके द्वारा वे बैतलहम में नवजात मसीह को पहचान पाएंगे।

- यहूदा ने यीशु का चुम्बन करके धर्म के अगुओं पर चिन्ह प्रकट किया कि जिसे उन्होंने पकड़ना है वह यीशु यही है।
- चिन्ह किसी बात को सच्चा सिद्ध करते है:
- भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों द्वारा किए गए आश्चर्यकर्म चिन्ह थे कि वे परमेश्वर का सन्देश सुना रहे है।
- यीशु ने जो चमत्कार किए, वे साबित करते है कि वह वास्तव में मसीहा था ।

(अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “चिन्ह” का अनुवाद “संकेत” या “प्रतीक” या “पहचान” या “प्रमाण” या “प्रमाण” या “इंगित करना” भी हो सकता है।
- “हाथों से संकेत करना” का अनुवाद “हाथों की गतिविधि” या “हाथों से इंगित करना” या “भाव दर्शाना” भी हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “चिन्ह” जो किसी बात को सिद्ध करता है और आश्चर्यकर्म के लिए चिन्ह का दूसरा शब्द होता है।

(यह भी देखें: चमत्कार, प्रेरित, मसीह, वाचा, खतना करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:18-19
- निर्गमन 04:8-9
- निर्गमन 31:12-15
- उत्पत्ति 01: 14-15
- उत्पत्ति 09: 11-13
- यूह. 02:17-19
- लूका 02:10-12
- मार्क. 18:11-13
- भजन-संहिता 089:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G364, G880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

चिन्ह, प्रमाण, स्मरण कराने वाली बात

परिभाषा:

चिन्ह वह वस्तु, घटना या कार्य है जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है।

- "स्मरण कराने वाली बात" ऐसे संकेत हैं जो "याद दिलाने उन्हें याद करने में मदद करते है, जो कुछ वादा किया गया था:
- परमेश्वर ने मेघधनुष स्थापित किया जो इस प्रतिज्ञा को स्मरण कराता है कि परमेश्वर विश्वव्यापी जलप्रलय द्वारा ऐसे मानवजाति को फिर नष्ट नहीं करेगा।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे उसकी वाचा के चिन्ह स्वरूप अपने पुत्रों का खतना करें।
- चिन्ह किसी बात को प्रकट करते हैं या उसकी ओर संकेत करते है:
- स्वर्गदूत ने चरवाहों को एक चिन्ह दिया जिसके द्वारा वे बैतलहम में नवजात मसीह को पहचान पाएंगे।
- यहूदा ने यीशु का चुम्बन करके धर्म के अगुओं पर चिन्ह प्रकट किया कि जिसे उन्होंने पकड़ना है वह यीशु यही है।
- चिन्ह किसी बात को सच्चा सिद्ध करते है:
- भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों द्वारा किए गए आश्चर्यकर्म चिन्ह थे कि वे परमेश्वर का सन्देश सुना रहे है।
- यीशु ने जो चमत्कार किए, वे साबित करते है कि वह वास्तव में मसीहा था ।

(अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “चिन्ह” का अनुवाद “संकेत” या “प्रतीक” या “पहचान” या “प्रमाण” या “प्रमाण” या “इंगित करना” भी हो सकता है।
- “हाथों से संकेत करना” का अनुवाद “हाथों की गतिविधि” या “हाथों से इंगित करना” या “भाव दर्शाना” भी हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “चिन्ह” जो किसी बात को सिद्ध करता है और आश्चर्यकर्म के लिए चिन्ह का दूसरा शब्द होता है।

(यह भी देखें: चमत्कार, प्रेरित, मसीह, वाचा, खतना करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:18-19

- निर्गमन 04:8-9
- निर्गमन 31:12-15
- उत्पत्ति 01: 14-15
- उत्पत्ति 09: 11-13
- यूह. 02:17-19
- लूका 02:10-12
- मार्क. 18:11-13
- भजन-संहिता 089:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G364, G880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

चिन्ह, प्रमाण, स्मरण कराने वाली बात

परिभाषा:

चिन्ह वह वस्तु, घटना या कार्य है जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है।

- "स्मरण कराने वाली बात" ऐसे संकेत हैं जो "याद दिलाने उन्हें याद करने में मदद करते है, जो कुछ वादा किया गया था:
- परमेश्वर ने मेघधनुष स्थापित किया जो इस प्रतिज्ञा को स्मरण कराता है कि परमेश्वर विश्वव्यापी जलप्रलय द्वारा ऐसे मानवजाति को फिर नष्ट नहीं करेगा।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे उसकी वाचा के चिन्ह स्वरूप अपने पुत्रों का खतना करें।
- चिन्ह किसी बात को प्रकट करते हैं या उसकी ओर संकेत करते है:
- स्वर्गदूत ने चरवाहों को एक चिन्ह दिया जिसके द्वारा वे बैतलहम में नवजात मसीह को पहचान पाएंगे।
- यहूदा ने यीशु का चुम्बन करके धर्म के अगुओं पर चिन्ह प्रकट किया कि जिसे उन्होंने पकड़ना है वह यीशु यही है।
- चिन्ह किसी बात को सच्चा सिद्ध करते है:
- भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों द्वारा किए गए आश्चर्यकर्म चिन्ह थे कि वे परमेश्वर का सन्देश सुना रहे है।
- यीशु ने जो चमत्कार किए, वे साबित करते है कि वह वास्तव में मसीहा था ।

(अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “चिन्ह” का अनुवाद “संकेत” या “प्रतीक” या “पहचान” या “प्रमाण” या “प्रमाण” या “इंगित करना” भी हो सकता है।
- “हाथों से संकेत करना” का अनुवाद “हाथों की गतिविधि” या “हाथों से इंगित करना” या “भाव दर्शाना” भी हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “चिन्ह” जो किसी बात को सिद्ध करता है और आश्चर्यकर्म के लिए चिन्ह का दूसरा शब्द होता है।

(यह भी देखें: चमत्कार, प्रेरित, मसीह, वाचा, खतना करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:18-19
- निर्गमन 04:8-9
- निर्गमन 31:12-15
- उत्पत्ति 01: 14-15
- उत्पत्ति 09: 11-13
- यूह. 02:17-19
- लूका 02:10-12
- मार्क. 18:11-13
- भजन-संहिता 089:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G364, G880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

चिन्ह, प्रमाण, स्मरण कराने वाली बात

परिभाषा:

चिन्ह वह वस्तु, घटना या कार्य है जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है।

- "स्मरण कराने वाली बात" ऐसे संकेत हैं जो "याद दिलाने उन्हें याद करने में मदद करते है, जो कुछ वादा किया गया था:
- परमेश्वर ने मेघधनुष स्थापित किया जो इस प्रतिज्ञा को स्मरण कराता है कि परमेश्वर विश्वव्यापी जलप्रलय द्वारा ऐसे मानवजाति को फिर नष्ट नहीं करेगा।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे उसकी वाचा के चिन्ह स्वरूप अपने पुत्रों का खतना करें।
- चिन्ह किसी बात को प्रकट करते हैं या उसकी ओर संकेत करते है:
- स्वर्गदूत ने चरवाहों को एक चिन्ह दिया जिसके द्वारा वे बैतलहम में नवजात मसीह को पहचान पाएंगे।
- यहूदा ने यीशु का चुम्बन करके धर्म के अगुओं पर चिन्ह प्रकट किया कि जिसे उन्होंने पकड़ना है वह यीशु यही है।
- चिन्ह किसी बात को सच्चा सिद्ध करते है:
- भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों द्वारा किए गए आश्चर्यकर्म चिन्ह थे कि वे परमेश्वर का सन्देश सुना रहे है।
- यीशु ने जो चमत्कार किए, वे साबित करते है कि वह वास्तव में मसीहा था ।

(अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “चिन्ह” का अनुवाद “संकेत” या “प्रतीक” या “पहचान” या “प्रमाण” या “प्रमाण” या “इंगित करना” भी हो सकता है।
- “हाथों से संकेत करना” का अनुवाद “हाथों की गतिविधि” या “हाथों से इंगित करना” या “भाव दर्शाना” भी हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “चिन्ह” जो किसी बात को सिद्ध करता है और आश्चर्यकर्म के लिए चिन्ह का दूसरा शब्द होता है।

(यह भी देखें: चमत्कार, प्रेरित, मसीह, वाचा, खतना करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:18-19
- निर्गमन 04:8-9
- निर्गमन 31:12-15
- उत्पत्ति 01: 14-15
- उत्पत्ति 09: 11-13
- यूह. 02:17-19
- लूका 02:10-12
- मार्क. 18:11-13
- भजन-संहिता 089:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G364, G880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

चिन्ह, प्रमाण, स्मरण कराने वाली बात

परिभाषा:

चिन्ह वह वस्तु, घटना या कार्य है जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है।

- "स्मरण कराने वाली बात" ऐसे संकेत हैं जो "याद दिलाने उन्हें याद करने में मदद करते है, जो कुछ वादा किया गया था:
- परमेश्वर ने मेघधनुष स्थापित किया जो इस प्रतिज्ञा को स्मरण कराता है कि परमेश्वर विश्वव्यापी जलप्रलय द्वारा ऐसे मानवजाति को फिर नष्ट नहीं करेगा।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे उसकी वाचा के चिन्ह स्वरूप अपने पुत्रों का खतना करें।
- चिन्ह किसी बात को प्रकट करते हैं या उसकी ओर संकेत करते है:
- स्वर्गदूत ने चरवाहों को एक चिन्ह दिया जिसके द्वारा वे बैतलहम में नवजात मसीह को पहचान पाएंगे।
- यहूदा ने यीशु का चुम्बन करके धर्म के अगुओं पर चिन्ह प्रकट किया कि जिसे उन्होंने पकड़ना है वह यीशु यही है।
- चिन्ह किसी बात को सच्चा सिद्ध करते है:
- भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों द्वारा किए गए आश्चर्यकर्म चिन्ह थे कि वे परमेश्वर का सन्देश सुना रहे है।
- यीशु ने जो चमत्कार किए, वे साबित करते है कि वह वास्तव में मसीहा था ।

(अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “चिन्ह” का अनुवाद “संकेत” या “प्रतीक” या “पहचान” या “प्रमाण” या “प्रमाण” या “इंगित करना” भी हो सकता है।
- “हाथों से संकेत करना” का अनुवाद “हाथों की गतिविधि” या “हाथों से इंगित करना” या “भाव दर्शाना” भी हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “चिन्ह” जो किसी बात को सिद्ध करता है और आश्चर्यकर्म के लिए चिन्ह का दूसरा शब्द होता है।

(यह भी देखें: चमत्कार, प्रेरित, मसीह, वाचा, खतना करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:18-19
- निर्गमन 04:8-9
- निर्गमन 31:12-15
- उत्पत्ति 01: 14-15
- उत्पत्ति 09: 11-13
- यूह. 02:17-19
- लूका 02:10-12
- मार्क. 18:11-13
- भजन-संहिता 089:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G364, G880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

चिन्ह, प्रमाण, स्मरण कराने वाली बात

परिभाषा:

चिन्ह वह वस्तु, घटना या कार्य है जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है।

- "स्मरण कराने वाली बात" ऐसे संकेत हैं जो "याद दिलाने उन्हें याद करने में मदद करते है, जो कुछ वादा किया गया था:
- परमेश्वर ने मेघधनुष स्थापित किया जो इस प्रतिज्ञा को स्मरण कराता है कि परमेश्वर विश्वव्यापी जलप्रलय द्वारा ऐसे मानवजाति को फिर नष्ट नहीं करेगा।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे उसकी वाचा के चिन्ह स्वरूप अपने पुत्रों का खतना करें।
- चिन्ह किसी बात को प्रकट करते हैं या उसकी ओर संकेत करते है:
- स्वर्गदूत ने चरवाहों को एक चिन्ह दिया जिसके द्वारा वे बैतलहम में नवजात मसीह को पहचान पाएंगे।
- यहूदा ने यीशु का चुम्बन करके धर्म के अगुओं पर चिन्ह प्रकट किया कि जिसे उन्होंने पकड़ना है वह यीशु यही है।
- चिन्ह किसी बात को सच्चा सिद्ध करते है:
- भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों द्वारा किए गए आश्चर्यकर्म चिन्ह थे कि वे परमेश्वर का सन्देश सुना रहे है।
- यीशु ने जो चमत्कार किए, वे साबित करते है कि वह वास्तव में मसीहा था ।

(अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “चिन्ह” का अनुवाद “संकेत” या “प्रतीक” या “पहचान” या “प्रमाण” या “प्रमाण” या “इंगित करना” भी हो सकता है।
- “हाथों से संकेत करना” का अनुवाद “हाथों की गतिविधि” या “हाथों से इंगित करना” या “भाव दर्शाना” भी हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “चिन्ह” जो किसी बात को सिद्ध करता है और आश्चर्यकर्म के लिए चिन्ह का दूसरा शब्द होता है।

(यह भी देखें: चमत्कार, प्रेरित, मसीह, वाचा, खतना करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:18-19
- निर्गमन 04:8-9
- निर्गमन 31:12-15
- उत्पत्ति 01: 14-15
- उत्पत्ति 09: 11-13
- यूह. 02:17-19

- लूका 02:10-12
- मार्क. 18:11-13
- भजन-संहिता 089:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G364, G880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

चिन्ह, प्रमाण, स्मरण कराने वाली बात

परिभाषा:

चिन्ह वह वस्तु, घटना या कार्य है जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है।

- "स्मरण कराने वाली बात" ऐसे संकेत हैं जो "याद दिलाने उन्हें याद करने में मदद करते है, जो कुछ वादा किया गया था:
- परमेश्वर ने मेघधनुष स्थापित किया जो इस प्रतिज्ञा को स्मरण कराता है कि परमेश्वर विश्वव्यापी जलप्रलय द्वारा ऐसे मानवजाति को फिर नष्ट नहीं करेगा।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे उसकी वाचा के चिन्ह स्वरूप अपने पुत्रों का खतना करें।
- चिन्ह किसी बात को प्रकट करते हैं या उसकी ओर संकेत करते है:
- स्वर्गदूत ने चरवाहों को एक चिन्ह दिया जिसके द्वारा वे बैतलहम में नवजात मसीह को पहचान पाएंगे।
- यहूदा ने यीशु का चुम्बन करके धर्म के अगुओं पर चिन्ह प्रकट किया कि जिसे उन्होंने पकड़ना है वह यीशु यही है।
- चिन्ह किसी बात को सच्चा सिद्ध करते है:
- भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों द्वारा किए गए आश्चर्यकर्म चिन्ह थे कि वे परमेश्वर का सन्देश सुना रहे है।
- यीशु ने जो चमत्कार किए, वे साबित करते है कि वह वास्तव में मसीहा था ।

(अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “चिन्ह” का अनुवाद “संकेत” या “प्रतीक” या “पहचान” या “प्रमाण” या “प्रमाण” या “इंगित करना” भी हो सकता है।
- “हाथों से संकेत करना” का अनुवाद “हाथों की गतिविधि” या “हाथों से इंगित करना” या “भाव दर्शाना” भी हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “चिन्ह” जो किसी बात को सिद्ध करता है और आश्चर्यकर्म के लिए चिन्ह का दूसरा शब्द होता है।

(यह भी देखें: चमत्कार, प्रेरित, मसीह, वाचा, खतना करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:18-19
- निर्गमन 04:8-9
- निर्गमन 31:12-15
- उत्पत्ति 01: 14-15
- उत्पत्ति 09: 11-13
- यूह. 02:17-19
- लूका 02:10-12
- मार्क. 18:11-13
- भजन-संहिता 089:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G364, G880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

चिन्ह, प्रमाण, स्मरण कराने वाली बात

परिभाषा:

चिन्ह वह वस्तु, घटना या कार्य है जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है।

- "स्मरण कराने वाली बात" ऐसे संकेत हैं जो "याद दिलाने उन्हें याद करने में मदद करते है, जो कुछ वादा किया गया था:
- परमेश्वर ने मेघधनुष स्थापित किया जो इस प्रतिज्ञा को स्मरण कराता है कि परमेश्वर विश्वव्यापी जलप्रलय द्वारा ऐसे मानवजाति को फिर नष्ट नहीं करेगा।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे उसकी वाचा के चिन्ह स्वरूप अपने पुत्रों का खतना करें।
- चिन्ह किसी बात को प्रकट करते हैं या उसकी ओर संकेत करते है:
- स्वर्गदूत ने चरवाहों को एक चिन्ह दिया जिसके द्वारा वे बैतलहम में नवजात मसीह को पहचान पाएंगे।
- यहूदा ने यीशु का चुम्बन करके धर्म के अगुओं पर चिन्ह प्रकट किया कि जिसे उन्होंने पकड़ना है वह यीशु यही है।
- चिन्ह किसी बात को सच्चा सिद्ध करते है:
- भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों द्वारा किए गए आश्चर्यकर्म चिन्ह थे कि वे परमेश्वर का सन्देश सुना रहे है।
- यीशु ने जो चमत्कार किए, वे साबित करते है कि वह वास्तव में मसीहा था ।

(अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “चिन्ह” का अनुवाद “संकेत” या “प्रतीक” या “पहचान” या “प्रमाण” या “प्रमाण” या “इंगित करना” भी हो सकता है।
- “हाथों से संकेत करना” का अनुवाद “हाथों की गतिविधि” या “हाथों से इंगित करना” या “भाव दर्शाना” भी हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “चिन्ह” जो किसी बात को सिद्ध करता है और आश्चर्यकर्म के लिए चिन्ह का दूसरा शब्द होता है।

(यह भी देखें: चमत्कार, प्रेरित, मसीह, वाचा, खतना करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:18-19
- निर्गमन 04:8-9
- निर्गमन 31:12-15
- उत्पत्ति 01: 14-15
- उत्पत्ति 09: 11-13
- यूह. 02:17-19
- लूका 02:10-12
- मार्क. 18:11-13
- भजन-संहिता 089:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G364, G880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

चिन्ह, प्रमाण, स्मरण कराने वाली बात

परिभाषा:

चिन्ह वह वस्तु, घटना या कार्य है जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है।

- "स्मरण कराने वाली बात" ऐसे संकेत हैं जो "याद दिलाने उन्हें याद करने में मदद करते है, जो कुछ वादा किया गया था:
- परमेश्वर ने मेघधनुष स्थापित किया जो इस प्रतिज्ञा को स्मरण कराता है कि परमेश्वर विश्वव्यापी जलप्रलय द्वारा ऐसे मानवजाति को फिर नष्ट नहीं करेगा।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे उसकी वाचा के चिन्ह स्वरूप अपने पुत्रों का खतना करें।
- चिन्ह किसी बात को प्रकट करते हैं या उसकी ओर संकेत करते है:
- स्वर्गदूत ने चरवाहों को एक चिन्ह दिया जिसके द्वारा वे बैतलहम में नवजात मसीह को पहचान पाएंगे।
- यहूदा ने यीशु का चुम्बन करके धर्म के अगुओं पर चिन्ह प्रकट किया कि जिसे उन्होंने पकड़ना है वह यीशु यही है।
- चिन्ह किसी बात को सच्चा सिद्ध करते है:
- भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों द्वारा किए गए आश्चर्यकर्म चिन्ह थे कि वे परमेश्वर का सन्देश सुना रहे है।
- यीशु ने जो चमत्कार किए, वे साबित करते है कि वह वास्तव में मसीहा था ।

(अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “चिन्ह” का अनुवाद “संकेत” या “प्रतीक” या “पहचान” या “प्रमाण” या “प्रमाण” या “इंगित करना” भी हो सकता है।
- “हाथों से संकेत करना” का अनुवाद “हाथों की गतिविधि” या “हाथों से इंगित करना” या “भाव दर्शाना” भी हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “चिन्ह” जो किसी बात को सिद्ध करता है और आश्चर्यकर्म के लिए चिन्ह का दूसरा शब्द होता है।

(यह भी देखें: चमत्कार, प्रेरित, मसीह, वाचा, खतना करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:18-19
- निर्गमन 04:8-9
- निर्गमन 31:12-15
- उत्पत्ति 01: 14-15
- उत्पत्ति 09: 11-13
- यूह. 02:17-19
- लूका 02:10-12
- मार्क. 18:11-13
- भजन-संहिता 089:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G364, G880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

चिन्ह, प्रमाण, स्मरण कराने वाली बात

परिभाषा:

चिन्ह वह वस्तु, घटना या कार्य है जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है।

- "स्मरण कराने वाली बात" ऐसे संकेत हैं जो "याद दिलाने उन्हें याद करने में मदद करते है, जो कुछ वादा किया गया था:
- परमेश्वर ने मेघधनुष स्थापित किया जो इस प्रतिज्ञा को स्मरण कराता है कि परमेश्वर विश्वव्यापी जलप्रलय द्वारा ऐसे मानवजाति को फिर नष्ट नहीं करेगा।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे उसकी वाचा के चिन्ह स्वरूप अपने पुत्रों का खतना करें।
- चिन्ह किसी बात को प्रकट करते हैं या उसकी ओर संकेत करते है:
- स्वर्गदूत ने चरवाहों को एक चिन्ह दिया जिसके द्वारा वे बैतलहम में नवजात मसीह को पहचान पाएंगे।
- यहूदा ने यीशु का चुम्बन करके धर्म के अगुओं पर चिन्ह प्रकट किया कि जिसे उन्होंने पकड़ना है वह यीशु यही है।
- चिन्ह किसी बात को सच्चा सिद्ध करते है:
- भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों द्वारा किए गए आश्चर्यकर्म चिन्ह थे कि वे परमेश्वर का सन्देश सुना रहे है।
- यीशु ने जो चमत्कार किए, वे साबित करते है कि वह वास्तव में मसीहा था ।

(अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “चिन्ह” का अनुवाद “संकेत” या “प्रतीक” या “पहचान” या “प्रमाण” या “प्रमाण” या “इंगित करना” भी हो सकता है।
- “हाथों से संकेत करना” का अनुवाद “हाथों की गतिविधि” या “हाथों से इंगित करना” या “भाव दर्शाना” भी हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “चिन्ह” जो किसी बात को सिद्ध करता है और आश्चर्यकर्म के लिए चिन्ह का दूसरा शब्द होता है।

(यह भी देखें: चमत्कार, प्रेरित, मसीह, वाचा, खतना करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:18-19
- निर्गमन 04:8-9
- निर्गमन 31:12-15
- उत्पत्ति 01: 14-15
- उत्पत्ति 09: 11-13
- यूह. 02:17-19

- लूका 02:10-12
- मार्क. 18:11-13
- भजन-संहिता 089:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G364, G880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

चिन्ह, प्रमाण, स्मरण कराने वाली बात

परिभाषा:

चिन्ह वह वस्तु, घटना या कार्य है जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है।

- "स्मरण कराने वाली बात" ऐसे संकेत हैं जो "याद दिलाने उन्हें याद करने में मदद करते है, जो कुछ वादा किया गया था:
- परमेश्वर ने मेघधनुष स्थापित किया जो इस प्रतिज्ञा को स्मरण कराता है कि परमेश्वर विश्वव्यापी जलप्रलय द्वारा ऐसे मानवजाति को फिर नष्ट नहीं करेगा।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे उसकी वाचा के चिन्ह स्वरूप अपने पुत्रों का खतना करें।
- चिन्ह किसी बात को प्रकट करते हैं या उसकी ओर संकेत करते है:
- स्वर्गदूत ने चरवाहों को एक चिन्ह दिया जिसके द्वारा वे बैतलहम में नवजात मसीह को पहचान पाएंगे।
- यहूदा ने यीशु का चुम्बन करके धर्म के अगुओं पर चिन्ह प्रकट किया कि जिसे उन्होंने पकड़ना है वह यीशु यही है।
- चिन्ह किसी बात को सच्चा सिद्ध करते है:
- भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों द्वारा किए गए आश्चर्यकर्म चिन्ह थे कि वे परमेश्वर का सन्देश सुना रहे है।
- यीशु ने जो चमत्कार किए, वे साबित करते है कि वह वास्तव में मसीहा था ।

(अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “चिन्ह” का अनुवाद “संकेत” या “प्रतीक” या “पहचान” या “प्रमाण” या “प्रमाण” या “इंगित करना” भी हो सकता है।
- “हाथों से संकेत करना” का अनुवाद “हाथों की गतिविधि” या “हाथों से इंगित करना” या “भाव दर्शाना” भी हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “चिन्ह” जो किसी बात को सिद्ध करता है और आश्चर्यकर्म के लिए चिन्ह का दूसरा शब्द होता है।

(यह भी देखें: चमत्कार, प्रेरित, मसीह, वाचा, खतना करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:18-19
- निर्गमन 04:8-9
- निर्गमन 31:12-15
- उत्पत्ति 01: 14-15
- उत्पत्ति 09: 11-13
- यूह. 02:17-19
- लूका 02:10-12
- मार्क. 18:11-13
- भजन-संहिता 089:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G364, G880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

चिन्ह, प्रमाण, स्मरण कराने वाली बात

परिभाषा:

चिन्ह वह वस्तु, घटना या कार्य है जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है।

- "स्मरण कराने वाली बात" ऐसे संकेत हैं जो "याद दिलाने उन्हें याद करने में मदद करते है, जो कुछ वादा किया गया था:
- परमेश्वर ने मेघधनुष स्थापित किया जो इस प्रतिज्ञा को स्मरण कराता है कि परमेश्वर विश्वव्यापी जलप्रलय द्वारा ऐसे मानवजाति को फिर नष्ट नहीं करेगा।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे उसकी वाचा के चिन्ह स्वरूप अपने पुत्रों का खतना करें।
- चिन्ह किसी बात को प्रकट करते हैं या उसकी ओर संकेत करते है:
- स्वर्गदूत ने चरवाहों को एक चिन्ह दिया जिसके द्वारा वे बैतलहम में नवजात मसीह को पहचान पाएंगे।
- यहूदा ने यीशु का चुम्बन करके धर्म के अगुओं पर चिन्ह प्रकट किया कि जिसे उन्होंने पकड़ना है वह यीशु यही है।
- चिन्ह किसी बात को सच्चा सिद्ध करते है:
- भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों द्वारा किए गए आश्चर्यकर्म चिन्ह थे कि वे परमेश्वर का सन्देश सुना रहे है।
- यीशु ने जो चमत्कार किए, वे साबित करते है कि वह वास्तव में मसीहा था ।

(अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “चिन्ह” का अनुवाद “संकेत” या “प्रतीक” या “पहचान” या “प्रमाण” या “प्रमाण” या “इंगित करना” भी हो सकता है।
- “हाथों से संकेत करना” का अनुवाद “हाथों की गतिविधि” या “हाथों से इंगित करना” या “भाव दर्शाना” भी हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “चिन्ह” जो किसी बात को सिद्ध करता है और आश्चर्यकर्म के लिए चिन्ह का दूसरा शब्द होता है।

(यह भी देखें: चमत्कार, प्रेरित, मसीह, वाचा, खतना करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:18-19
- निर्गमन 04:8-9
- निर्गमन 31:12-15
- उत्पत्ति 01: 14-15
- उत्पत्ति 09: 11-13
- यूह. 02:17-19
- लूका 02:10-12
- मार्क. 18:11-13
- भजन-संहिता 089:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G364, G880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

चुंगी लेनेवाला, चुंगी लेनेवालों

परिभाषा:

एक "चुंगी लेनेवाला" एक सरकारी कर्मचारी था जिसका काम पैसे प्राप्त करना था जो कर लोगों को सरकार को भुगतान करना आवश्यक हो।

- यीशु और प्रेरितों के युग में रोमी सरकार रोमी सम्राज्य में रहने वाले यहूदियों समेत सभी लोगों से कर वसूला करती थी।
- रोमी सरकार के लिए कर वसूल करनेवाले सरकार द्वारा निर्धारित कर से अधिक वसूल किया करते थे। चुंगी लेनेवाले अतिरिक्त पैसा अपने पास रख लेते थे।
- क्योंकि चुंगी लेनेवाले ने इस तरह से लोगों को धोखा दिया, यहूदियों ने उन्हें पापियों में सबसे बुरे लोगों में से एक माना।
- यहूदियों ने यहूदी चुंगी लेनेवाले को अपने ही लोगों के लिए गद्दार माना था क्योंकि उन्होंने रोमी सरकार के लिए काम किया था जो यहूदी लोगों पर अत्याचार कर रहे थे।
- वाक्यांश, "चुंगी लेनेवाले और पापी" नया नियम में एक आम अभिव्यक्ति थी, यह दिखाते हुए कि ये लोग कितना चुंगी लेनेवाले से घृणा करते थे।

(यह भी देखें: यहूदी, रोम, पाप, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 03:12-13
- लूका 05:27-28
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 09:10-11
- मत्ती 11:18-19
- मत्ती 17:26-27
- मत्ती 18:17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **34:06** उसने कहा, “दो व्यक्ति मंदिर में प्रार्थना करने के लिए गए | एक फरीसी था और दूसरा चुंगी लेने वाला |”
- **34:07** “फरीसी ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ |’”
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ |’”
- **34:10** यीशु ने कहा, “मैं तुम से सच कहता हूँ कि, परमेश्वर ने चुंगी लेनेवाले की प्रार्थना सुनी और धर्मी होने के लिए उसे घोषित कर दिया |
- **35:01** एक दिन यीशु बहुत से चुंगी लेने वालों और पापियों को सिखा रहा था, जो उसे सुनने के लिए वहाँ इकट्ठा हुए थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5065, H5674, G5057, G5058

चुंगी लेनेवाला, चुंगी लेनेवालों

परिभाषा:

एक "चुंगी लेनेवाला" एक सरकारी कर्मचारी था जिसका काम पैसे प्राप्त करना था जो कर लोगों को सरकार को भुगतान करना आवश्यक हो।

- यीशु और प्रेरितों के युग में रोमी सरकार रोमी सम्राज्य में रहने वाले यहूदियों समेत सभी लोगों से कर वसूला करती थी।
- रोमी सरकार के लिए कर वसूल करनेवाले सरकार द्वारा निर्धारित कर से अधिक वसूल किया करते थे। चुंगी लेनेवाले अतिरिक्त पैसा अपने पास रख लेते थे।
- क्योंकि चुंगी लेनेवाले ने इस तरह से लोगों को धोखा दिया, यहूदियों ने उन्हें पापियों में सबसे बुरे लोगों में से एक माना।
- यहूदियों ने यहूदी चुंगी लेनेवाले को अपने ही लोगों के लिए गद्दार माना था क्योंकि उन्होंने रोमी सरकार के लिए काम किया था जो यहूदी लोगों पर अत्याचार कर रहे थे।
- वाक्यांश, "चुंगी लेनेवाले और पापी" नया नियम में एक आम अभिव्यक्ति थी, यह दिखाते हुए कि ये लोग कितना चुंगी लेनेवाले से घृणा करते थे।

(यह भी देखें: यहूदी, रोम, पाप, कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 03:12-13
- लूका 05:27-28
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 09:10-11
- मत्ती 11:18-19
- मत्ती 17:26-27
- मत्ती 18:17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **34:06** उसने कहा, “दो व्यक्ति मंदिर में प्रार्थना करने के लिए गए | एक फरीसी था और दूसरा चुंगी लेने वाला |”
- **34:07** “फरीसी ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ |’”
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ |’”
- **34:10** यीशु ने कहा, “मैं तुम से सच कहता हूँ कि, परमेश्वर ने चुंगी लेनेवाले की प्रार्थना सुनी और धर्मी होने के लिए उसे घोषित कर दिया |
- **35:01** एक दिन यीशु बहुत से चुंगी लेने वालों और पापियों को सिखा रहा था, जो उसे सुनने के लिए वहाँ इकट्ठा हुए थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5065, H5674, G5057, G5058

चुना हुआ, चुने हुए, चुनना, चुने लोग, चुना हुआ, चुनना।

परिभाषा:

“चुने हुए” का वास्तविक अर्थ है “चयनित जन” या “चुनी हुई प्रजा” उन लोगों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोग होने के लिए नियुक्त किया या पृथक किया है। “चुना हुआ” या “परमेश्वर का चुना हुआ”, शीर्षक जो यीशु को दर्शाता है, जो चुना हुआ मसीह है।

- “चुनना” शब्द का अर्थ है किसी वस्तु को या किसी मनुष्य को चुनना या किसी बात पर निर्णय लेना। यह शब्द अधिकतर परमेश्वर द्वारा मनुष्यों को नियुक्त करने के लिए प्रयोग होता था कि वे अब उसके हैं और उसकी सेवा के लिए हैं।
- “चुने हुए” का अर्थ है “चयनित” या “नियुक्त” कुछ होने के लिए या कुछ करने के लिए।
- परमेश्वर ने मनुष्यों को पवित्र होने के लिए चुना, उत्तम आत्मिक फल लाने के लिए परमेश्वर द्वारा अलग किए गए। यही कारण है कि उन्हें “चुने हुए” या "चुना हुआ" कहते है।
- बाइबल में कभी-कभी “चुने हुओं” शब्द का उपयोग किसी विशेष व्यक्ति के लिए किया गया है जैसे मूसा, दाऊद जिन्हें परमेश्वर ने अपनी प्रजा के अगुवे नियुक्त किया था। यह परमेश्वर के चुने हुए लोगों के रूप में इस्राएल को संदर्भित करने के लिए भी प्रयोग किया गया है।
- “चुना हुआ” एक प्राचीन शब्द है जिसका अर्थ है “चुने हुए” या “चुने हुए लोग” मूल भाषा में यह शब्द जब मसीही विश्वासियों के लिए प्रयोग किया गया तो यह बहुवचन में है।
- बाइबल के पुराने संस्करणों में “चुना हुआ” शब्द नये नियम और पुराने नियम दोनों में “अलग किए हुओं” के लिए प्रयोग किया गया है। अधिक आधुनिक संस्करणों में “चुना हुआ” शब्द केवल उन लोगों के लिए प्रयोग किया गया है, जिसका उद्धार परमेश्वर ने मसीह यीशु के द्वारा किया है। बाइबल में अन्य स्थानों में इस शब्द का अनुवाद “चुना हुआ” के रूप में अनुवाद करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- अत: उचित तो यह होगा कि इस शब्द का अनुवाद, “चुने हुए जन” या “चुनी हुई जाति” किया जाए। इसका अनुवाद "उन लोगों के रूप में भी किया जा सकता है जिसे परमेश्वर ने चुना" या "जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोग होने के लिए नियुक्त किया।"
- “जो चुने गए” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिन्हें नियुक्त किया” या “जो अलग किए गए” या “जिन्हें परमेश्वर ने चुना”।
- “मैंने तुझे चुन लिया है” इसका अनुवाद किया जा सकता है, “मैंने तुम्हें नियुक्त किया है” या “मैंने तुम्हें अलग किया है”।
- यीशु के संदर्भ में, “चुना हुआ” का अनुवाद “परमेश्वर का चयनित” या “परमेश्वर का विशेष नियक्त मसीह” या “जिसे परमेश्वर ने नियुक्त किया है” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: नियुक्त करना, मसीह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 यूहन्ना 01:1-3
- कुलुस्सियों 03:12-14
- इफिसियों 01:3-4
- यशायाह65:22-23
- लूका 18:6-8
- मत्ती. 24:19-22
- रोमियो 08:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H970, H972, H977, H1254, H1262, H1305, H4005, H6901, G138, G140, G1586, G1588, G1589, G1951, G4400, G4401, G4758, G4899, G5500

चुना हुआ, चुने हुए, चुनना, चुने लोग, चुना हुआ, चुनना।

परिभाषा:

“चुने हुए” का वास्तविक अर्थ है “चयनित जन” या “चुनी हुई प्रजा” उन लोगों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोग होने के लिए नियुक्त किया या पृथक किया है। “चुना हुआ” या “परमेश्वर का चुना हुआ”, शीर्षक जो यीशु को दर्शाता है, जो चुना हुआ मसीह है।

- “चुनना” शब्द का अर्थ है किसी वस्तु को या किसी मनुष्य को चुनना या किसी बात पर निर्णय लेना। यह शब्द अधिकतर परमेश्वर द्वारा मनुष्यों को नियुक्त करने के लिए प्रयोग होता था कि वे अब उसके हैं और उसकी सेवा के लिए हैं।

- “चुने हुए” का अर्थ है “चयनित” या “नियुक्त” कुछ होने के लिए या कुछ करने के लिए।
- परमेश्वर ने मनुष्यों को पवित्र होने के लिए चुना, उत्तम आत्मिक फल लाने के लिए परमेश्वर द्वारा अलग किए गए। यही कारण है कि उन्हें “चुने हुए” या "चुना हुआ" कहते है।
- बाइबल में कभी-कभी “चुने हुओं” शब्द का उपयोग किसी विशेष व्यक्ति के लिए किया गया है जैसे मूसा, दाऊद जिन्हें परमेश्वर ने अपनी प्रजा के अगुवे नियुक्त किया था। यह परमेश्वर के चुने हुए लोगों के रूप में इस्राएल को संदर्भित करने के लिए भी प्रयोग किया गया है।
- “चुना हुआ” एक प्राचीन शब्द है जिसका अर्थ है “चुने हुए” या “चुने हुए लोग” मूल भाषा में यह शब्द जब मसीही विश्वासियों के लिए प्रयोग किया गया तो यह बहुवचन में है।
- बाइबल के पुराने संस्करणों में “चुना हुआ” शब्द नये नियम और पुराने नियम दोनों में “अलग किए हुओं” के लिए प्रयोग किया गया है। अधिक आधुनिक संस्करणों में “चुना हुआ” शब्द केवल उन लोगों के लिए प्रयोग किया गया है, जिसका उद्धार परमेश्वर ने मसीह यीशु के द्वारा किया है। बाइबल में अन्य स्थानों में इस शब्द का अनुवाद “चुना हुआ” के रूप में अनुवाद करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- अतः उचित तो यह होगा कि इस शब्द का अनुवाद, “चुने हुए जन” या “चुनी हुई जाति” किया जाए। इसका अनुवाद "उन लोगों के रूप में भी किया जा सकता है जिसे परमेश्वर ने चुना" या "जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोग होने के लिए नियुक्त किया।"
- “जो चुने गए” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिन्हें नियुक्त किया” या “जो अलग किए गए” या “जिन्हें परमेश्वर ने चुना”।
- “मैंने तुझे चुन लिया है” इसका अनुवाद किया जा सकता है, “मैंने तुम्हें नियुक्त किया है” या “मैंने तुम्हें अलग किया है”।
- यीशु के संदर्भ में, “चुना हुआ” का अनुवाद “परमेश्वर का चयनित” या “परमेश्वर का विशेष नियुक्त मसीह” या “जिसे परमेश्वर ने नियुक्त किया है” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: नियुक्त करना, मसीह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 यूहन्ना 01:1-3
- कुलुस्सियों 03:12-14
- इफिसियों 01:3-4
- यशायाह65:22-23
- लूका 18:6-8
- मत्ती. 24:19-22
- रोमियो 08:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H970, H972, H977, H1254, H1262, H1305, H4005, H6901, G138, G140, G1586, G1588, G1589, G1951, G4400, G4401, G4758, G4899, G5500

चुना हुआ, चुने हुए, चुनना, चुने लोग, चुना हुआ, चुनना।

परिभाषा:

“चुने हुए” का वास्तविक अर्थ है “चयनित जन” या “चुनी हुई प्रजा” उन लोगों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोग होने के लिए नियुक्त किया या पृथक किया है। “चुना हुआ” या “परमेश्वर का चुना हुआ”, शीर्षक जो यीशु को दर्शाता है, जो चुना हुआ मसीह है।

- “चुनना” शब्द का अर्थ है किसी वस्तु को या किसी मनुष्य को चुनना या किसी बात पर निर्णय लेना। यह शब्द अधिकतर परमेश्वर द्वारा मनुष्यों को नियुक्त करने के लिए प्रयोग होता था कि वे अब उसके हैं और उसकी सेवा के लिए हैं।
- “चुने हुए” का अर्थ है “चयनित” या “नियुक्त” कुछ होने के लिए या कुछ करने के लिए।
- परमेश्वर ने मनुष्यों को पवित्र होने के लिए चुना, उत्तम आत्मिक फल लाने के लिए परमेश्वर द्वारा अलग किए गए। यही कारण है कि उन्हें “चुने हुए” या "चुना हुआ" कहते है।
- बाइबल में कभी-कभी “चुने हुओं” शब्द का उपयोग किसी विशेष व्यक्ति के लिए किया गया है जैसे मूसा, दाऊद जिन्हें परमेश्वर ने अपनी प्रजा के अगुवे नियुक्त किया था। यह परमेश्वर के चुने हुए लोगों के रूप में इस्राएल को संदर्भित करने के लिए भी प्रयोग किया गया है।
- “चुना हुआ” एक प्राचीन शब्द है जिसका अर्थ है “चुने हुए” या “चुने हुए लोग” मूल भाषा में यह शब्द जब मसीही विश्वासियों के लिए प्रयोग किया गया तो यह बहुवचन में है।
- बाइबल के पुराने संस्करणों में “चुना हुआ” शब्द नये नियम और पुराने नियम दोनों में “अलग किए हुओं” के लिए प्रयोग किया गया है। अधिक आधुनिक संस्करणों में “चुना हुआ” शब्द केवल उन लोगों के लिए प्रयोग किया गया है, जिसका उद्धार परमेश्वर ने मसीह यीशु के द्वारा किया है। बाइबल में अन्य स्थानों में इस शब्द का अनुवाद “चुना हुआ” के रूप में अनुवाद करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- अत: उचित तो यह होगा कि इस शब्द का अनुवाद, “चुने हुए जन” या “चुनी हुई जाति” किया जाए। इसका अनुवाद "उन लोगों के रूप में भी किया जा सकता है जिसे परमेश्वर ने चुना" या "जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोग होने के लिए नियुक्त किया।"
- “जो चुने गए” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिन्हें नियुक्त किया” या “जो अलग किए गए” या “जिन्हें परमेश्वर ने चुना”।
- “मैंने तुझे चुन लिया है” इसका अनुवाद किया जा सकता है, “मैंने तुम्हें नियुक्त किया है” या “मैंने तुम्हें अलग किया है”।
- यीशु के संदर्भ में, “चुना हुआ” का अनुवाद “परमेश्वर का चयनित” या “परमेश्वर का विशेष नियुक्त मसीह” या “जिसे परमेश्वर ने नियुक्त किया है” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: नियुक्त करना, मसीह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 यूहन्ना 01:1-3
- कुलुस्सियों 03:12-14
- इफिसियों 01:3-4
- यशायाह65:22-23
- लूका 18:6-8
- मत्ती. 24:19-22
- रोमियो 08:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H970, H972, H977, H1254, H1262, H1305, H4005, H6901, G138, G140, G1586, G1588, G1589, G1951, G4400, G4401, G4758, G4899, G5500

चुना हुआ, चुने हुए, चुनना, चुने लोग, चुना हुआ, चुनना।

परिभाषा:

“चुने हुए” का वास्तविक अर्थ है “चयनित जन” या “चुनी हुई प्रजा” उन लोगों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोग होने के लिए नियुक्त किया या पृथक किया है। “चुना हुआ” या “परमेश्वर का चुना हुआ”, शीर्षक जो यीशु को दर्शाता है, जो चुना हुआ मसीह है।

- “चुनना” शब्द का अर्थ है किसी वस्तु को या किसी मनुष्य को चुनना या किसी बात पर निर्णय लेना। यह शब्द अधिकतर परमेश्वर द्वारा मनुष्यों को नियुक्त करने के लिए प्रयोग होता था कि वे अब उसके हैं और उसकी सेवा के लिए हैं।
- “चुने हुए” का अर्थ है “चयनित” या “नियुक्त” कुछ होने के लिए या कुछ करने के लिए।
- परमेश्वर ने मनुष्यों को पवित्र होने के लिए चुना, उत्तम आत्मिक फल लाने के लिए परमेश्वर द्वारा अलग किए गए। यही कारण है कि उन्हें “चुने हुए” या "चुना हुआ" कहते है।
- बाइबल में कभी-कभी “चुने हुओं” शब्द का उपयोग किसी विशेष व्यक्ति के लिए किया गया है जैसे मूसा, दाऊद जिन्हें परमेश्वर ने अपनी प्रजा के अगुवे नियुक्त किया था। यह परमेश्वर के चुने हुए लोगों के रूप में इस्राएल को संदर्भित करने के लिए भी प्रयोग किया गया है।
- “चुना हुआ” एक प्राचीन शब्द है जिसका अर्थ है “चुने हुए” या “चुने हुए लोग” मूल भाषा में यह शब्द जब मसीही विश्वासियों के लिए प्रयोग किया गया तो यह बहुवचन में है।
- बाइबल के पुराने संस्करणों में “चुना हुआ” शब्द नये नियम और पुराने नियम दोनों में “अलग किए हुओं” के लिए प्रयोग किया गया है। अधिक आधुनिक संस्करणों में “चुना हुआ” शब्द केवल उन लोगों के लिए प्रयोग किया गया है, जिसका उद्धार परमेश्वर ने मसीह यीशु के द्वारा किया है। बाइबल में अन्य स्थानों में इस शब्द का अनुवाद “चुना हुआ” के रूप में अनुवाद करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- अत: उचित तो यह होगा कि इस शब्द का अनुवाद, “चुने हुए जन” या “चुनी हुई जाति” किया जाए। इसका अनुवाद "उन लोगों के रूप में भी किया जा सकता है जिसे परमेश्वर ने चुना" या "जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोग होने के लिए नियुक्त किया।"
- “जो चुने गए” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिन्हें नियुक्त किया” या “जो अलग किए गए” या “जिन्हें परमेश्वर ने चुना”।
- “मैंने तुझे चुन लिया है” इसका अनुवाद किया जा सकता है, “मैंने तुम्हें नियुक्त किया है” या “मैंने तुम्हें अलग किया है”।
- यीशु के संदर्भ में, “चुना हुआ” का अनुवाद “परमेश्वर का चयनित” या “परमेश्वर का विशेष नियुक्त मसीह” या “जिसे परमेश्वर ने नियुक्त किया है” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: नियुक्त करना, मसीह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 यूहन्ना 01:1-3
- कुलुस्सियों 03:12-14
- इफिसियों 01:3-4
- यशायाह65:22-23
- लूका 18:6-8
- मत्ती. 24:19-22
- रोमियो 08:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H970, H972, H977, H1254, H1262, H1305, H4005, H6901, G138, G140, G1586, G1588, G1589, G1951, G4400, G4401, G4758, G4899, G5500

चुम्बन, चुम्बनों, चूमा, चूमना

परिभाषा:

चुम्बन में एक मनुष्य दूसरे मनुष्य के होठों पर या चेहरे पर अपने होंठ रखता है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया गया है।

- कुछ संस्कृतियों में गालों को चूमा जाता है कि अभिवादन या अलविदा को व्यक्त किया जाए।
- चुम्बन दो व्यक्तियों के मध्य गहरे प्रेम को प्रकट करता है जैसे पति-पत्नी।
- "किसी को विदा का चुम्बन देना" अर्थात किसी को चूमकर विदा करना।
- कभी-कभी "चूमना" शब्द का अर्थ है किसी को "विदा करना"। जब एलीशा ने एलिय्याह से कहा था, "पहले मुझे जाकर अपने माता-पिता को चूमने दे" तो उसके कहने का अर्थ था कि एलिय्याह का अनुसरण करने के लिए उनसे अलग होने के लिए विदाई लेना"।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:25-28
- उत्पत्ति 27:26-27
- उत्पत्ति 29:11-12
- उत्पत्ति 31:26-28
- उत्पत्ति 45:14-15
- उत्पत्ति 48:8-10
- लूका 22:47-48
- मरकुस 14:43-46
- मत्ती 26:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5390, H5401, G2705, G5368, G5370

चुम्बन, चुम्बनों, चूमा, चूमना

परिभाषा:

चुम्बन में एक मनुष्य दूसरे मनुष्य के होठों पर या चेहरे पर अपने होंठ रखता है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया गया है।

- कुछ संस्कृतियों में गालों को चूमा जाता है कि अभिवादन या अलविदा को व्यक्त किया जाए।
- चुम्बन दो व्यक्तियों के मध्य गहरे प्रेम को प्रकट करता है जैसे पति-पत्नी।
- "किसी को विदा का चुम्बन देना" अर्थात किसी को चूमकर विदा करना।
- कभी-कभी "चूमना" शब्द का अर्थ है किसी को "विदा करना"। जब एलीशा ने एलिय्याह से कहा था, "पहले मुझे जाकर अपने माता-पिता को चूमने दे" तो उसके कहने का अर्थ था कि एलिय्याह का अनुसरण करने के लिए उनसे अलग होने के लिए विदाई लेना"।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:25-28
- उत्पत्ति 27:26-27

- उत्पत्ति 29:11-12
- उत्पत्ति 31:26-28
- उत्पत्ति 45:14-15
- उत्पत्ति 48:8-10
- लूका 22:47-48
- मरकुस 14:43-46
- मत्ती 26:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5390, H5401, G2705, G5368, G5370

चुम्बन, चुम्बनों, चूमा, चूमना

परिभाषा:

चुम्बन में एक मनुष्य दूसरे मनुष्य के होठों पर या चेहरे पर अपने होंठ रखता है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया गया है।

- कुछ संस्कृतियों में गालों को चूमा जाता है कि अभिवादन या अलविदा को व्यक्त किया जाए।
- चुम्बन दो व्यक्तियों के मध्य गहरे प्रेम को प्रकट करता है जैसे पति-पत्नी।
- "किसी को विदा का चुम्बन देना" अर्थात किसी को चूमकर विदा करना।
- कभी-कभी "चूमना" शब्द का अर्थ है किसी को "विदा करना"। जब एलीशा ने एलिय्याह से कहा था, "पहले मुझे जाकर अपने माता-पिता को चूमने दे" तो उसके कहने का अर्थ था कि एलिय्याह का अनुसरण करने के लिए उनसे अलग होने के लिए विदाई लेना"।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:25-28
- उत्पत्ति 27:26-27
- उत्पत्ति 29:11-12
- उत्पत्ति 31:26-28
- उत्पत्ति 45:14-15
- उत्पत्ति 48:8-10
- लूका 22:47-48
- मरकुस 14:43-46
- मत्ती 26:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5390, H5401, G2705, G5368, G5370

चुम्बन, चुम्बनों, चूमा, चूमना

परिभाषा:

चुम्बन में एक मनुष्य दूसरे मनुष्य के होठों पर या चेहरे पर अपने होंठ रखता है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया गया है।

- कुछ संस्कृतियों में गालों को चूमा जाता है कि अभिवादन या अलविदा को व्यक्त किया जाए।
- चुम्बन दो व्यक्तियों के मध्य गहरे प्रेम को प्रकट करता है जैसे पति-पत्नी।
- "किसी को विदा का चुम्बन देना" अर्थात किसी को चूमकर विदा करना।
- कभी-कभी "चूमना" शब्द का अर्थ है किसी को "विदा करना"। जब एलीशा ने एलिय्याह से कहा था, "पहले मुझे जाकर अपने माता-पिता को चूमने दे" तो उसके कहने का अर्थ था कि एलिय्याह का अनुसरण करने के लिए उनसे अलग होने के लिए विदाई लेना"।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:25-28
- उत्पत्ति 27:26-27
- उत्पत्ति 29:11-12
- उत्पत्ति 31:26-28
- उत्पत्ति 45:14-15

- उत्पत्ति 48:8-10
- लूका 22:47-48
- मरकुस 14:43-46
- मत्ती 26:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5390, H5401, G2705, G5368, G5370

चुम्बन, चुम्बनों, चूमा, चूमना

परिभाषा:

चुम्बन में एक मनुष्य दूसरे मनुष्य के होठों पर या चेहरे पर अपने होंठ रखता है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया गया है।

- कुछ संस्कृतियों में गालों को चूमा जाता है कि अभिवादन या अलविदा को व्यक्त किया जाए।
- चुम्बन दो व्यक्तियों के मध्य गहरे प्रेम को प्रकट करता है जैसे पति-पत्नी।
- "किसी को विदा का चुम्बन देना" अर्थात किसी को चूमकर विदा करना।
- कभी-कभी "चूमना" शब्द का अर्थ है किसी को "विदा करना"। जब एलीशा ने एलिय्याह से कहा था, "पहले मुझे जाकर अपने माता-पिता को चूमने दे" तो उसके कहने का अर्थ था कि एलिय्याह का अनुसरण करने के लिए उनसे अलग होने के लिए विदाई लेना"।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:25-28
- उत्पत्ति 27:26-27
- उत्पत्ति 29:11-12
- उत्पत्ति 31:26-28
- उत्पत्ति 45:14-15
- उत्पत्ति 48:8-10
- लूका 22:47-48
- मरकुस 14:43-46
- मत्ती 26:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5390, H5401, G2705, G5368, G5370

चेला, चेले

परिभाषा:

"चेला" शब्द उस मनुष्य के संदर्भ में है जो गुरू के साथ बहुत समय व्यतीत करता है और गुरू के चरित्र और शिक्षाओं से सीखता है।

- जो लोग यीशु के पीछे चलते थे और उसकी शिक्षाओं को सुनकर उनका पालन करते थे, वे उसके "चेले" कहलाते थे।
- यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के भी चेले थे।
- यीशु के सांसारिक सेवाकाल में उसके अनेक चेले थे और जो उसका अनुसरण करते और उसकी शिक्षाओं को सुनते थे।
- यीशु ने बारह मनुष्यों को चुना कि उसके घनिष्ठ अनुयायी हों, ये पुरुष उसके "प्रेरित" कहलाए।
- यीशु के बारह प्रेरित उसके "शिष्य" या "बारहों" कहलाए।
- अपने स्वर्गारोहण से पूर्व यीशु ने अपने शिष्यों को आज्ञा दी कि उन्हें भी यीशु के शिष्य बनना सिखाएं।
- यीशु में विश्वास करने और उसकी शिक्षाओं का पालन करनेवालों को यीशु के चेले कहा जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "चेला" शब्द को अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ है, "अनुयायी" या "विद्यार्थी" या "शिष्य" या "शिक्षार्थी"।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद कक्षा में विद्यापार्जन करने वाले विद्यार्थी के जैसा नहीं।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद "प्रेरित" शब्द के अनुवाद से भिन्न शब्द हो।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वासी, यीशु, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:1
- प्रे.का. 09:26-27
- प्रे.का. 11:25-26
- प्रे.का. 14:21-22
- यूहन्ना 13:23-25
- लूका 06:39-40
- मत्ती 11:1-3
- मत्ती 26:33-35
- मत्ती 27:62-64

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **30:08** यीशु ने रोटियाँ और मछलियाँ तोड़-तोड़ कर चेलों को दी कि वे लोगों को परोसे। चेलों ने रोटियाँ और मछलियाँ सब में बाँट दी, और रोटियाँ और मछलियाँ कम नहीं पड़ी।
- **38:01** यीशु मसीह के सार्वजनिक उपदेशों के तीन साल बाद अपना पहला उपदेश शुरू किया। यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का जश्न मनाना चाहता था, और यह वही जगह है जहाँ उसे मार डाला जाएगा।
- **38:11** फिर वह गतसमनी नामक एक जगह में अपने चेलों के साथ आया। यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो।
- **42:10** यीशु ने अपने चेलों से कहा, " स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3928, G3100, G3101, G3102

चेला, चेले

परिभाषा:

"चेला" शब्द उस मनुष्य के संदर्भ में है जो गुरू के साथ बहुत समय व्यतीत करता है और गुरू के चरित्र और शिक्षाओं से सीखता है।

- जो लोग यीशु के पीछे चलते थे और उसकी शिक्षाओं को सुनकर उनका पालन करते थे, वे उसके "चेले" कहलाते थे।
- यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के भी चेले थे।
- यीशु के सांसारिक सेवाकाल में उसके अनेक चेले थे और जो उसका अनुसरण करते और उसकी शिक्षाओं को सुनते थे।
- यीशु ने बारह मनुष्यों को चुना कि उसके घनिष्ठ अनुयायी हों, ये पुरुष उसके "प्रेरित" कहलाए।
- यीशु के बारह प्रेरित उसके "शिष्य" या "बारहों" कहलाए।
- अपने स्वर्गारोहण से पूर्व यीशु ने अपने शिष्यों को आज्ञा दी कि उन्हें भी यीशु के शिष्य बनना सिखाएं।
- यीशु में विश्वास करने और उसकी शिक्षाओं का पालन करनेवालों को यीशु के चेले कहा जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "चेला" शब्द को अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ है, "अनुयायी" या "विद्यार्थी" या "शिष्य" या "शिक्षार्थी"।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद कक्षा में विद्यापार्जन करने वाले विद्यार्थी के जैसा नहीं।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद "प्रेरित" शब्द के अनुवाद से भिन्न शब्द हो।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वासी, यीशु, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:1
- प्रे.का. 09:26-27
- प्रे.का. 11:25-26
- प्रे.का. 14:21-22
- यूहन्ना 13:23-25
- लूका 06:39-40
- मत्ती 11:1-3
- मत्ती 26:33-35
- मत्ती 27:62-64

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **30:08** यीशु ने रोटियाँ और मछलियाँ तोड़-तोड़ कर चेलों को दी कि वे लोगों को परोसे। चेलों ने रोटियाँ और मछलियाँ सब में बाँट दी, और रोटियाँ और मछलियाँ कम नहीं पड़ी।
- **38:01** यीशु मसीह के सार्वजनिक उपदेशों के तीन साल बाद अपना पहला उपदेश शुरू किया। यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का जश्न मनाना चाहता था, और यह वही जगह है जहाँ उसे मार डाला जाएगा।
- **38:11** फिर वह गतसमनी नामक एक जगह में अपने चेलों के साथ आया। यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो।
- **42:10** यीशु ने अपने चेलों से कहा, " स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3928, G3100, G3101, G3102

चेला, चेले

परिभाषा:

"चेला" शब्द उस मनुष्य के संदर्भ में है जो गुरू के साथ बहुत समय व्यतीत करता है और गुरू के चरित्र और शिक्षाओं से सीखता है।

- जो लोग यीशु के पीछे चलते थे और उसकी शिक्षाओं को सुनकर उनका पालन करते थे, वे उसके "चेले" कहलाते थे।
- यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के भी चेले थे।
- यीशु के सांसारिक सेवाकाल में उसके अनेक चेले थे और जो उसका अनुसरण करते और उसकी शिक्षाओं को सुनते थे।
- यीशु ने बारह मनुष्यों को चुना कि उसके घनिष्ठ अनुयायी हों, ये पुरुष उसके "प्रेरित" कहलाए।
- यीशु के बारह प्रेरित उसके "शिष्य" या "बारहों" कहलाए।
- अपने स्वर्गारोहण से पूर्व यीशु ने अपने शिष्यों को आज्ञा दी कि उन्हें भी यीशु के शिष्य बनना सिखाएं।
- यीशु में विश्वास करने और उसकी शिक्षाओं का पालन करनेवालों को यीशु के चेले कहा जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "चेला" शब्द को अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ है, "अनुयायी" या "विद्यार्थी" या "शिष्य" या "शिक्षार्थी"।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद कक्षा में विद्यापार्जन करने वाले विद्यार्थी के जैसा नहीं।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद "प्रेरित" शब्द के अनुवाद से भिन्न शब्द हो।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वासी, यीशु, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:1
- प्रे.का. 09:26-27
- प्रे.का. 11:25-26
- प्रे.का. 14:21-22
- यूहन्ना 13:23-25
- लूका 06:39-40
- मत्ती 11:1-3
- मत्ती 26:33-35
- मत्ती 27:62-64

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **30:08** यीशु ने रोटियाँ और मछलियाँ तोड़-तोड़ कर चेलों को दी कि वे लोगों को परोसे। चेलों ने रोटियाँ और मछलियाँ सब में बाँट दी, और रोटियाँ और मछलियाँ कम नहीं पड़ी।
- **38:01** यीशु मसीह के सार्वजनिक उपदेशों के तीन साल बाद अपना पहला उपदेश शुरू किया। यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का जश्न मनाना चाहता था, और यह वही जगह है जहाँ उसे मार डाला जाएगा।
- **38:11** फिर वह गतसमनी नामक एक जगह में अपने चेलों के साथ आया। यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो।
- **42:10** यीशु ने अपने चेलों से कहा, " स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3928, G3100, G3101, G3102

चेला, चेले

परिभाषा:

“चेला” शब्द उस मनुष्य के संदर्भ में है जो गुरू के साथ बहुत समय व्यतीत करता है और गुरू के चरित्र और शिक्षाओं से सीखता है।

- जो लोग यीशु के पीछे चलते थे और उसकी शिक्षाओं को सुनकर उनका पालन करते थे, वे उसके “चेले” कहलाते थे।
- यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के भी चेले थे।
- यीशु के सांसारिक सेवाकाल में उसके अनेक चेले थे और जो उसका अनुसरण करते और उसकी शिक्षाओं को सुनते थे।
- यीशु ने बारह मनुष्यों को चुना कि उसके घनिष्ठ अनुयायी हों, ये पुरुष उसके “प्रेरित” कहलाए।
- यीशु के बारह प्रेरित उसके “शिष्य” या “बारहों” कहलाए।
- अपने स्वर्गारोहण से पूर्व यीशु ने अपने शिष्यों को आज्ञा दी कि उन्हें भी यीशु के शिष्य बनना सिखाएं।
- यीशु में विश्वास करने और उसकी शिक्षाओं का पालन करनेवालों को यीशु के चेले कहा जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “चेला” शब्द को अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ है, “अनुयायी” या “विद्यार्थी” या “शिष्य” या “शिक्षार्थी”।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद कक्षा में विद्यापार्जन करने वाले विद्यार्थी के जैसा नहीं।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद “प्रेरित” शब्द के अनुवाद से भिन्न शब्द हो।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वासी, यीशु, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:1
- प्रे.का. 09:26-27
- प्रे.का. 11:25-26
- प्रे.का. 14:21-22
- यूहन्ना 13:23-25
- लूका 06:39-40
- मत्ती 11:1-3
- मत्ती 26:33-35
- मत्ती 27:62-64

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **30:08** यीशु ने रोटियाँ और मछलियाँ तोड़-तोड़ कर चेलों को दी कि वे लोगों को परोसे। चेलों ने रोटियाँ और मछलियाँ सब में बाँट दी, और रोटियाँ और मछलियाँ कम नहीं पड़ी।
- **38:01** यीशु मसीह के सार्वजनिक उपदेशों के तीन साल बाद अपना पहला उपदेश शुरू किया। यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का जश्न मनाना चाहता था, और यह वही जगह है जहाँ उसे मार डाला जाएगा।
- **38:11** फिर वह गतसमनी नामक एक जगह में अपने चेलों के साथ आया। यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो।
- **42:10** यीशु ने अपने चेलों से कहा, “ स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3928, G3100, G3101, G3102

चेला, चेले

परिभाषा:

“चेला” शब्द उस मनुष्य के संदर्भ में है जो गुरू के साथ बहुत समय व्यतीत करता है और गुरू के चरित्र और शिक्षाओं से सीखता है।

- जो लोग यीशु के पीछे चलते थे और उसकी शिक्षाओं को सुनकर उनका पालन करते थे, वे उसके “चेले” कहलाते थे।

- यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के भी चेले थे।
- यीशु के सांसारिक सेवाकाल में उसके अनेक चेले थे और जो उसका अनुसरण करते और उसकी शिक्षाओं को सुनते थे।
- यीशु ने बारह मनुष्यों को चुना कि उसके घनिष्ठ अनुयायी हों, ये पुरुष उसके "प्रेरित" कहलाए।
- यीशु के बारह प्रेरित उसके "शिष्य" या "बारहों" कहलाए।
- अपने स्वर्गारोहण से पूर्व यीशु ने अपने शिष्यों को आज्ञा दी कि उन्हें भी यीशु के शिष्य बनना सिखाएं।
- यीशु में विश्वास करने और उसकी शिक्षाओं का पालन करनेवालों को यीशु के चेले कहा जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "चेला" शब्द को अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ है, "अनुयायी" या "विद्यार्थी" या "शिष्य" या "शिक्षार्थी"।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद कक्षा में विद्यापार्जन करने वाले विद्यार्थी के जैसा नहीं।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद "प्रेरित" शब्द के अनुवाद से भिन्न शब्द हो।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वासी, यीशु, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:1
- प्रे.का. 09:26-27
- प्रे.का. 11:25-26
- प्रे.का. 14:21-22
- यूहन्ना 13:23-25
- लूका 06:39-40
- मत्ती 11:1-3
- मत्ती 26:33-35
- मत्ती 27:62-64

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **30:08** यीशु ने रोटियाँ और मछलियाँ तोड़-तोड़ कर चेलों को दी कि वे लोगों को परोसे। चेलों ने रोटियाँ और मछलियाँ सब में बाँट दी, और रोटियाँ और मछलियाँ कम नहीं पड़ी।
- **38:01** यीशु मसीह के सार्वजनिक उपदेशों के तीन साल बाद अपना पहला उपदेश शुरू किया। यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का जश्न मनाना चाहता था, और यह वही जगह है जहाँ उसे मार डाला जाएगा।
- **38:11** फिर वह गतसमनी नामक एक जगह में अपने चेलों के साथ आया। यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो।
- **42:10** यीशु ने अपने चेलों से कहा, " स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3928, G3100, G3101, G3102

चोगा, वस्त्र, चोगा पहनाना

परिभाषा:

चोगा लम्बी बांह का बाहरी वस्त्र था जिसे स्त्री-पुरूष दोनों पहनते थे। यह दिखने में कोट के समान होता है।

- वस्त्र सामने खुल रहे हैं और एक सैश या बेल्ट के साथ बंद हैं।
- उनकी लम्बाई बड़ी या छोटी होती है।
- बैंगनी रंग का वस्त्र राजा पहनते थे जो सत्ता, वैभव और प्रतिष्ठा का प्रतीक था।

(यह भी देखें: राजकीय, कुर्ता)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:4-5
- उत्पत्ति 49:11-12
- लूका 15:22-24
- लूका 20:45-47

- मत्ती. 27:27-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H145, H155, H899, H1545, H2436, H2684, H3671, H3801, H3830, H3847, H4060, H4254, H4598, H5497, H5622, H6614, H7640, H7757, H7897, H8071, G1746, G2066, G2067, G2440, G4749, G4016, G5511

चोर, चोर, लूटने, लूटने, लूटने, डाकू, लुटेरे, डकैती, लूट

तथ्य:

“चोर” या “लुटेरा” वह व्यक्ति है जो मनुष्यों का पैसा या सामान चुराता है। "चोर" का बहुवचन है "चोरों।" शब्द "डाकू" अक्सर एक चोर को दर्शाता है जो शारीरिक रूप से उन लोगों को हानि पहुँचाता या धमकाता है जिससे वह चोरी करता हैं।

- यीशु ने एक सामरी का दृष्टान्त सुनाया, जिसने एक यहूदी व्यक्ति का ख्याल रखा जिस पर लुटेरों ने हमला किया था। लुटेरों ने यहूदी व्यक्ति को पीटा और उसके पैसे और कपड़े चोरी करने से पहले उसे घायल कर दिया था।
- चोर और लुटेरों दोनों चोरी करने अचानक ही आते है, जब लोग इसकी उम्मीद नहीं करते। वे प्रायः अन्धकार में काम करते हैं कि छिपे रहें।
- नये नियम में शैतान को प्रतीकात्मक रूप में एक चोर कहा गया है जो चोरी करने, हत्या करने और नाश करने आता है। इसका अर्थ है कि शैतान की योजना है कि परमेश्वर के लोगों को भरमाकर उसकी आज्ञा मानने से रोके। अगर शैतान ऐसा करने में सफल हुआ तो लोगों से अच्छी चीजें चोरी कर लेगा जो परमेश्वर ने उनके लिए योजना बनाई है।
- यीशु ने अपने पुनरागमन की तुलना चोर से किया जो अचानक लोगों से चोरी करने आता है। जैसे चोर ऐसे समय आता है जब मनुष्य उसकी प्रतीक्षा में नहीं रहता है वैसे ही यीशु भी अकस्मात ही आ जाएगा जब मनुष्य उसके आगमन के लिए तैयार न हो।

(यह भी देखें: आशीष, दोष, क्रूस पर चढ़ा, अंधियारा, नाश करना, सामर्थ्य, सामरिया, शैतान)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:10
- लूका 12:33-34
- मरकुस 14:47-50
- नीतिवचन 06:30-31
- प्रकाशितवाक्य 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H1215, H1416, H1589, H1590, H1980, H6530, H6782, H7703, G727, G1888, G2417, G2812, G3027

चोर, चोर, लूटने, लूटने, लूटने, डाकू, लुटेरे, डकैती, लूट

तथ्य:

“चोर” या “लुटेरा” वह व्यक्ति है जो मनुष्यों का पैसा या सामान चुराता है। "चोर" का बहुवचन है "चोरों।" शब्द "डाकू" अक्सर एक चोर को दर्शाता है जो शारीरिक रूप से उन लोगों को हानि पहुँचाता या धमकाता है जिससे वह चोरी करता हैं।

- यीशु ने एक सामरी का दृष्टान्त सुनाया, जिसने एक यहूदी व्यक्ति का ख्याल रखा जिस पर लुटेरों ने हमला किया था। लुटेरों ने यहूदी व्यक्ति को पीटा और उसके पैसे और कपड़े चोरी करने से पहले उसे घायल कर दिया था।
- चोर और लुटेरों दोनों चोरी करने अचानक ही आते है, जब लोग इसकी उम्मीद नहीं करते। वे प्रायः अन्धकार में काम करते हैं कि छिपे रहें।
- नये नियम में शैतान को प्रतीकात्मक रूप में एक चोर कहा गया है जो चोरी करने, हत्या करने और नाश करने आता है। इसका अर्थ है कि शैतान की योजना है कि परमेश्वर के लोगों को भरमाकर उसकी आज्ञा मानने से रोके। अगर शैतान ऐसा करने में सफल हुआ तो लोगों से अच्छी चीजें चोरी कर लेगा जो परमेश्वर ने उनके लिए योजना बनाई है।
- यीशु ने अपने पुनरागमन की तुलना चोर से किया जो अचानक लोगों से चोरी करने आता है। जैसे चोर ऐसे समय आता है जब मनुष्य उसकी प्रतीक्षा में नहीं रहता है वैसे ही यीशु भी अकस्मात ही आ जाएगा जब मनुष्य उसके आगमन के लिए तैयार न हो।

(यह भी देखें: आशीष, दोष, क्रूस पर चढ़ा, अंधियारा, नाश करना, सामर्थ्य, सामरिया, शैतान)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:10
- लूका 12:33-34
- मरकुस 14:47-50
- नीतिवचन 06:30-31
- प्रकाशितवाक्य 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H1215, H1416, H1589, H1590, H1980, H6530, H6782, H7703, G727, G1888, G2417, G2812, G3027

चोर, चोर, लूटने, लूटने, लूटने, डाकू, लुटेरे, डकैती, लूट

तथ्य:

“चोर” या “लुटेरा” वह व्यक्ति है जो मनुष्यों का पैसा या सामान चुराता है। "चोर" का बहुवचन है "चोरों।" शब्द "डाकू" अक्सर एक चोर को दर्शाता है जो शारीरिक रूप से उन लोगों को हानि पहुँचाता या धमकाता है जिससे वह चोरी करता हैं।

- यीशु ने एक सामरी का दृष्टान्त सुनाया, जिसने एक यहूदी व्यक्ति का ख्याल रखा जिस पर लुटेरों ने हमला किया था। लुटेरों ने यहूदी व्यक्ति को पीटा और उसके पैसे और कपड़े चोरी करने से पहले उसे घायल कर दिया था।
- चोर और लुटेरों दोनों चोरी करने अचानक ही आते है, जब लोग इसकी उम्मीद नहीं करते। वे प्रायः अन्धकार में काम करते हैं कि छिपे रहें।
- नये नियम में शैतान को प्रतीकात्मक रूप में एक चोर कहा गया है जो चोरी करने, हत्या करने और नाश करने आता है। इसका अर्थ है कि शैतान की योजना है कि परमेश्वर के लोगों को भरमाकर उसकी आज्ञा मानने से रोके। अगर शैतान ऐसा करने में सफल हुआ तो लोगों से अच्छी चीजें चोरी कर लेगा जो परमेश्वर ने उनके लिए योजना बनाई है।
- यीशु ने अपने पुनरागमन की तुलना चोर से किया जो अचानक लोगों से चोरी करने आता है। जैसे चोर ऐसे समय आता है जब मनुष्य उसकी प्रतीक्षा में नहीं रहता है वैसे ही यीशु भी अकस्मात ही आ जाएगा जब मनुष्य उसके आगमन के लिए तैयार न हो।

(यह भी देखें: आशीष, दोष, क्रूस पर चढ़ा, अंधियारा, नाश करना, सामर्थ्य, सामरिया, शैतान)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:10
- लूका 12:33-34
- मरकुस 14:47-50
- नीतिवचन 06:30-31
- प्रकाशितवाक्य 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H1215, H1416, H1589, H1590, H1980, H6530, H6782, H7703, G727, G1888, G2417, G2812, G3027

चोर, चोर, लूटने, लूटने, लूटने, डाकू, लुटेरे, डकैती, लूट

तथ्य:

“चोर” या “लुटेरा” वह व्यक्ति है जो मनुष्यों का पैसा या सामान चुराता है। "चोर" का बहुवचन है "चोरों।" शब्द "डाकू" अक्सर एक चोर को दर्शाता है जो शारीरिक रूप से उन लोगों को हानि पहुँचाता या धमकाता है जिससे वह चोरी करता हैं।

- यीशु ने एक सामरी का दृष्टान्त सुनाया, जिसने एक यहूदी व्यक्ति का ख्याल रखा जिस पर लुटेरों ने हमला किया था। लुटेरों ने यहूदी व्यक्ति को पीटा और उसके पैसे और कपड़े चोरी करने से पहले उसे घायल कर दिया था।
- चोर और लुटेरों दोनों चोरी करने अचानक ही आते है, जब लोग इसकी उम्मीद नहीं करते। वे प्रायः अन्धकार में काम करते हैं कि छिपे रहें।
- नये नियम में शैतान को प्रतीकात्मक रूप में एक चोर कहा गया है जो चोरी करने, हत्या करने और नाश करने आता है। इसका अर्थ है कि शैतान की योजना है कि परमेश्वर के लोगों को भरमाकर उसकी आज्ञा मानने से रोके। अगर शैतान ऐसा करने में सफल हुआ तो लोगों से अच्छी चीजें चोरी कर लेगा जो परमेश्वर ने उनके लिए योजना बनाई है।
- यीशु ने अपने पुनरागमन की तुलना चोर से किया जो अचानक लोगों से चोरी करने आता है। जैसे चोर ऐसे समय आता है जब मनुष्य उसकी प्रतीक्षा में नहीं रहता है वैसे ही यीशु भी अकस्मात ही आ जाएगा जब मनुष्य उसके आगमन के लिए तैयार न हो।

(यह भी देखें: आशीष, दोष, क्रूस पर चढ़ा, अंधियारा, नाश करना, सामर्थ्य, सामरिया, शैतान)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:10
- लूका 12:33-34
- मरकुस 14:47-50
- नीतिवचन 06:30-31
- प्रकाशितवाक्य 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H1215, H1416, H1589, H1590, H1980, H6530, H6782, H7703, G727, G1888, G2417, G2812, G3027

चोर, चोर, लूटने, लूटने, लूटने, डाकू, लुटेरे, डकैती, लूट

तथ्य:

“चोर” या “लुटेरा” वह व्यक्ति है जो मनुष्यों का पैसा या सामान चुराता है। "चोर" का बहुवचन है "चोरों।" शब्द "डाकू" अक्सर एक चोर को दर्शाता है जो शारीरिक रूप से उन लोगों को हानि पहुँचाता या धमकाता है जिससे वह चोरी करता हैं।

- यीशु ने एक सामरी का दृष्टान्त सुनाया, जिसने एक यहूदी व्यक्ति का ख्याल रखा जिस पर लुटेरों ने हमला किया था। लुटेरों ने यहूदी व्यक्ति को पीटा और उसके पैसे और कपड़े चोरी करने से पहले उसे घायल कर दिया था।
- चोर और लुटेरों दोनों चोरी करने अचानक ही आते है, जब लोग इसकी उम्मीद नहीं करते। वे प्रायः अन्धकार में काम करते हैं कि छिपे रहें।
- नये नियम में शैतान को प्रतीकात्मक रूप में एक चोर कहा गया है जो चोरी करने, हत्या करने और नाश करने आता है। इसका अर्थ है कि शैतान की योजना है कि परमेश्वर के लोगों को भरमाकर उसकी आज्ञा मानने से रोके। अगर शैतान ऐसा करने में सफल हुआ तो लोगों से अच्छी चीजें चोरी कर लेगा जो परमेश्वर ने उनके लिए योजना बनाई है।
- यीशु ने अपने पुनरागमन की तुलना चोर से किया जो अचानक लोगों से चोरी करने आता है। जैसे चोर ऐसे समय आता है जब मनुष्य उसकी प्रतीक्षा में नहीं रहता है वैसे ही यीशु भी अकस्मात ही आ जाएगा जब मनुष्य उसके आगमन के लिए तैयार न हो।

(यह भी देखें: आशीष, दोष, क्रूस पर चढ़ा, अंधियारा, नाश करना, सामर्थ्य, सामरिया, शैतान)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:10
- लूका 12:33-34
- मरकुस 14:47-50
- नीतिवचन 06:30-31
- प्रकाशितवाक्य 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H1215, H1416, H1589, H1590, H1980, H6530, H6782, H7703, G727, G1888, G2417, G2812, G3027

चोर, चोर, लूटने, लूटने, लूटने, डाकू, लुटेरे, डकैती, लूट

तथ्य:

“चोर” या “लुटेरा” वह व्यक्ति है जो मनुष्यों का पैसा या सामान चुराता है। "चोर" का बहुवचन है "चोरों।" शब्द "डाकू" अक्सर एक चोर को दर्शाता है जो शारीरिक रूप से उन लोगों को हानि पहुँचाता या धमकाता है जिससे वह चोरी करता हैं।

- यीशु ने एक सामरी का दृष्टान्त सुनाया, जिसने एक यहूदी व्यक्ति का ख्याल रखा जिस पर लुटेरों ने हमला किया था। लुटेरों ने यहूदी व्यक्ति को पीटा और उसके पैसे और कपड़े चोरी करने से पहले उसे घायल कर दिया था।
- चोर और लुटेरों दोनों चोरी करने अचानक ही आते है, जब लोग इसकी उम्मीद नहीं करते। वे प्रायः अन्धकार में काम करते हैं कि छिपे रहें।
- नये नियम में शैतान को प्रतीकात्मक रूप में एक चोर कहा गया है जो चोरी करने, हत्या करने और नाश करने आता है। इसका अर्थ है कि शैतान की योजना है कि परमेश्वर के लोगों को भरमाकर उसकी आज्ञा मानने से रोके। अगर शैतान ऐसा करने में सफल हुआ तो लोगों से अच्छी चीजें चोरी कर लेगा जो परमेश्वर ने उनके लिए योजना बनाई है।

- यीशु ने अपने पुनरागमन की तुलना चोर से किया जो अचानक लोगों से चोरी करने आता है। जैसे चोर ऐसे समय आता है जब मनुष्य उसकी प्रतीक्षा में नहीं रहता है वैसे ही यीशु भी अकस्मात ही आ जाएगा जब मनुष्य उसके आगमन के लिए तैयार न हो।

(यह भी देखें: आशीष, दोष, क्रूस पर चढ़ा, अंधियारा, नाश करना, सामर्थ्य, सामरिया, शैतान)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:10
- लूका 12:33-34
- मरकुस 14:47-50
- नीतिवचन 06:30-31
- प्रकाशितवाक्य 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H1215, H1416, H1589, H1590, H1980, H6530, H6782, H7703, G727, G1888, G2417, G2812, G3027

चोर, चोर, लूटने, लूटने, लूटने, डाकू, लुटेरे, डकैती, लूट

तथ्य:

“चोर” या “लुटेरा” वह व्यक्ति है जो मनुष्यों का पैसा या सामान चुराता है। "चोर" का बहुवचन है "चोरों।" शब्द "डाकू" अक्सर एक चोर को दर्शाता है जो शारीरिक रूप से उन लोगों को हानि पहुँचाता या धमकाता है जिससे वह चोरी करता हैं।

- यीशु ने एक सामरी का दृष्टान्त सुनाया, जिसने एक यहूदी व्यक्ति का ख्याल रखा जिस पर लुटेरों ने हमला किया था। लुटेरों ने यहूदी व्यक्ति को पीटा और उसके पैसे और कपड़े चोरी करने से पहले उसे घायल कर दिया था।
- चोर और लुटेरों दोनों चोरी करने अचानक ही आते है, जब लोग इसकी उम्मीद नहीं करते। वे प्रायः अन्धकार में काम करते हैं कि छिपे रहें।
- नये नियम में शैतान को प्रतीकात्मक रूप में एक चोर कहा गया है जो चोरी करने, हत्या करने और नाश करने आता है। इसका अर्थ है कि शैतान की योजना है कि परमेश्वर के लोगों को भरमाकर उसकी आज्ञा मानने से रोके। अगर शैतान ऐसा करने में सफल हुआ तो लोगों से अच्छी चीजें चोरी कर लेगा जो परमेश्वर ने उनके लिए योजना बनाई है।
- यीशु ने अपने पुनरागमन की तुलना चोर से किया जो अचानक लोगों से चोरी करने आता है। जैसे चोर ऐसे समय आता है जब मनुष्य उसकी प्रतीक्षा में नहीं रहता है वैसे ही यीशु भी अकस्मात ही आ जाएगा जब मनुष्य उसके आगमन के लिए तैयार न हो।

(यह भी देखें: आशीष, दोष, क्रूस पर चढ़ा, अंधियारा, नाश करना, सामर्थ्य, सामरिया, शैतान)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:10
- लूका 12:33-34
- मरकुस 14:47-50
- नीतिवचन 06:30-31
- प्रकाशितवाक्य 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H1215, H1416, H1589, H1590, H1980, H6530, H6782, H7703, G727, G1888, G2417, G2812, G3027

चोर, चोर, लूटने, लूटने, लूटने, डाकू, लुटेरे, डकैती, लूट

तथ्य:

“चोर” या “लुटेरा” वह व्यक्ति है जो मनुष्यों का पैसा या सामान चुराता है। "चोर" का बहुवचन है "चोरों।" शब्द "डाकू" अक्सर एक चोर को दर्शाता है जो शारीरिक रूप से उन लोगों को हानि पहुँचाता या धमकाता है जिससे वह चोरी करता हैं।

- यीशु ने एक सामरी का दृष्टान्त सुनाया, जिसने एक यहूदी व्यक्ति का ख्याल रखा जिस पर लुटेरों ने हमला किया था। लुटेरों ने यहूदी व्यक्ति को पीटा और उसके पैसे और कपड़े चोरी करने से पहले उसे घायल कर दिया था।
- चोर और लुटेरों दोनों चोरी करने अचानक ही आते है, जब लोग इसकी उम्मीद नहीं करते। वे प्रायः अन्धकार में काम करते हैं कि छिपे रहें।

- नये नियम में शैतान को प्रतीकात्मक रूप में एक चोर कहा गया है जो चोरी करने, हत्या करने और नाश करने आता है। इसका अर्थ है कि शैतान की योजना है कि परमेश्वर के लोगों को भरमाकर उसकी आज्ञा मानने से रोके। अगर शैतान ऐसा करने में सफल हुआ तो लोगों से अच्छी चीजें चोरी कर लेगा जो परमेश्वर ने उनके लिए योजना बनाई है।
- यीशु ने अपने पुनरागमन की तुलना चोर से किया जो अचानक लोगों से चोरी करने आता है। जैसे चोर ऐसे समय आता है जब मनुष्य उसकी प्रतीक्षा में नहीं रहता है वैसे ही यीशु भी अकस्मात ही आ जाएगा जब मनुष्य उसके आगमन के लिए तैयार न हो।

(यह भी देखें: आशीष, दोष, क्रूस पर चढ़ा, अंधियारा, नाश करना, सामर्थ्य, सामरिया, शैतान)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:10
- लूका 12:33-34
- मरकुस 14:47-50
- नीतिवचन 06:30-31
- प्रकाशितवाक्य 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H1215, H1416, H1589, H1590, H1980, H6530, H6782, H7703, G727, G1888, G2417, G2812, G3027

चोर, चोर, लूटने, लूटने, लूटने, डाकू, लुटेरे, डकैती, लूट

तथ्य:

“चोर” या “लुटेरा” वह व्यक्ति है जो मनुष्यों का पैसा या सामान चुराता है। "चोर" का बहुवचन है "चोरों।" शब्द "डाकू" अक्सर एक चोर को दर्शाता है जो शारीरिक रूप से उन लोगों को हानि पहुँचाता या धमकाता है जिससे वह चोरी करता हैं।

- यीशु ने एक सामरी का दृष्टान्त सुनाया, जिसने एक यहूदी व्यक्ति का ख्याल रखा जिस पर लुटेरों ने हमला किया था। लुटेरों ने यहूदी व्यक्ति को पीटा और उसके पैसे और कपड़े चोरी करने से पहले उसे घायल कर दिया था।
- चोर और लुटेरों दोनों चोरी करने अचानक ही आते है, जब लोग इसकी उम्मीद नहीं करते। वे प्रायः अन्धकार में काम करते हैं कि छिपे रहें।
- नये नियम में शैतान को प्रतीकात्मक रूप में एक चोर कहा गया है जो चोरी करने, हत्या करने और नाश करने आता है। इसका अर्थ है कि शैतान की योजना है कि परमेश्वर के लोगों को भरमाकर उसकी आज्ञा मानने से रोके। अगर शैतान ऐसा करने में सफल हुआ तो लोगों से अच्छी चीजें चोरी कर लेगा जो परमेश्वर ने उनके लिए योजना बनाई है।
- यीशु ने अपने पुनरागमन की तुलना चोर से किया जो अचानक लोगों से चोरी करने आता है। जैसे चोर ऐसे समय आता है जब मनुष्य उसकी प्रतीक्षा में नहीं रहता है वैसे ही यीशु भी अकस्मात ही आ जाएगा जब मनुष्य उसके आगमन के लिए तैयार न हो।

(यह भी देखें: आशीष, दोष, क्रूस पर चढ़ा, अंधियारा, नाश करना, सामर्थ्य, सामरिया, शैतान)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:10
- लूका 12:33-34
- मरकुस 14:47-50
- नीतिवचन 06:30-31
- प्रकाशितवाक्य 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H1215, H1416, H1589, H1590, H1980, H6530, H6782, H7703, G727, G1888, G2417, G2812, G3027

चोर, चोर, लूटने, लूटने, लूटने, डाकू, लुटेरे, डकैती, लूट

तथ्य:

“चोर” या “लुटेरा” वह व्यक्ति है जो मनुष्यों का पैसा या सामान चुराता है। "चोर" का बहुवचन है "चोरों।" शब्द "डाकू" अक्सर एक चोर को दर्शाता है जो शारीरिक रूप से उन लोगों को हानि पहुँचाता या धमकाता है जिससे वह चोरी करता हैं।

- यीशु ने एक सामरी का दृष्टान्त सुनाया, जिसने एक यहूदी व्यक्ति का ख्याल रखा जिस पर लुटेरों ने हमला किया था। लुटेरों ने यहूदी व्यक्ति को पीटा और उसके पैसे और कपड़े चोरी करने से पहले उसे घायल कर दिया था।
- चोर और लुटेरों दोनों चोरी करने अचानक ही आते है, जब लोग इसकी उम्मीद नहीं करते। वे प्रायः अन्धकार में काम करते हैं कि छिपे रहें।
- नये नियम में शैतान को प्रतीकात्मक रूप में एक चोर कहा गया है जो चोरी करने, हत्या करने और नाश करने आता है। इसका अर्थ है कि शैतान की योजना है कि परमेश्वर के लोगों को भरमाकर उसकी आज्ञा मानने से रोके। अगर शैतान ऐसा करने में सफल हुआ तो लोगों से अच्छी चीजें चोरी कर लेगा जो परमेश्वर ने उनके लिए योजना बनाई है।
- यीशु ने अपने पुनरागमन की तुलना चोर से किया जो अचानक लोगों से चोरी करने आता है। जैसे चोर ऐसे समय आता है जब मनुष्य उसकी प्रतीक्षा में नहीं रहता है वैसे ही यीशु भी अकस्मात ही आ जाएगा जब मनुष्य उसके आगमन के लिए तैयार न हो।

(यह भी देखें: आशीष, दोष, क्रूस पर चढ़ा, अंधियारा, नाश करना, सामर्थ्य, सामरिया, शैतान)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:10
- लूका 12:33-34
- मरकुस 14:47-50
- नीतिवचन 06:30-31
- प्रकाशितवाक्य 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H1215, H1416, H1589, H1590, H1980, H6530, H6782, H7703, G727, G1888, G2417, G2812, G3027

चोर, चोर, लूटने, लूटने, लूटने, डाकू, लुटेरे, डकैती, लूट

तथ्य:

“चोर” या “लुटेरा” वह व्यक्ति है जो मनुष्यों का पैसा या सामान चुराता है। "चोर" का बहुवचन है "चोरों।" शब्द "डाकू" अक्सर एक चोर को दर्शाता है जो शारीरिक रूप से उन लोगों को हानि पहुँचाता या धमकाता है जिससे वह चोरी करता हैं।

- यीशु ने एक सामरी का दृष्टान्त सुनाया, जिसने एक यहूदी व्यक्ति का ख्याल रखा जिस पर लुटेरों ने हमला किया था। लुटेरों ने यहूदी व्यक्ति को पीटा और उसके पैसे और कपड़े चोरी करने से पहले उसे घायल कर दिया था।
- चोर और लुटेरों दोनों चोरी करने अचानक ही आते है, जब लोग इसकी उम्मीद नहीं करते। वे प्रायः अन्धकार में काम करते हैं कि छिपे रहें।
- नये नियम में शैतान को प्रतीकात्मक रूप में एक चोर कहा गया है जो चोरी करने, हत्या करने और नाश करने आता है। इसका अर्थ है कि शैतान की योजना है कि परमेश्वर के लोगों को भरमाकर उसकी आज्ञा मानने से रोके। अगर शैतान ऐसा करने में सफल हुआ तो लोगों से अच्छी चीजें चोरी कर लेगा जो परमेश्वर ने उनके लिए योजना बनाई है।
- यीशु ने अपने पुनरागमन की तुलना चोर से किया जो अचानक लोगों से चोरी करने आता है। जैसे चोर ऐसे समय आता है जब मनुष्य उसकी प्रतीक्षा में नहीं रहता है वैसे ही यीशु भी अकस्मात ही आ जाएगा जब मनुष्य उसके आगमन के लिए तैयार न हो।

(यह भी देखें: आशीष, दोष, क्रूस पर चढ़ा, अंधियारा, नाश करना, सामर्थ्य, सामरिया, शैतान)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:10
- लूका 12:33-34
- मरकुस 14:47-50
- नीतिवचन 06:30-31
- प्रकाशितवाक्य 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H1215, H1416, H1589, H1590, H1980, H6530, H6782, H7703, G727, G1888, G2417, G2812, G3027

चोर, चोर, लूटने, लूटने, लूटने, डाकू, लुटेरे, डकैती, लूट

तथ्य:

“चोर” या “लुटेरा” वह व्यक्ति है जो मनुष्यों का पैसा या सामान चुराता है। "चोर" का बहुवचन है "चोरों।" शब्द "डाकू" अक्सर एक चोर को दर्शाता है जो शारीरिक रूप से उन लोगों को हानि पहुँचाता या धमकाता है जिससे वह चोरी करता हैं।

- यीशु ने एक सामरी का दृष्टान्त सुनाया, जिसने एक यहूदी व्यक्ति का ख्याल रखा जिस पर लुटेरों ने हमला किया था। लुटेरों ने यहूदी व्यक्ति को पीटा और उसके पैसे और कपड़े चोरी करने से पहले उसे घायल कर दिया था।
- चोर और लुटेरों दोनों चोरी करने अचानक ही आते है, जब लोग इसकी उम्मीद नहीं करते। वे प्रायः अन्धकार में काम करते हैं कि छिपे रहें।
- नये नियम में शैतान को प्रतीकात्मक रूप में एक चोर कहा गया है जो चोरी करने, हत्या करने और नाश करने आता है। इसका अर्थ है कि शैतान की योजना है कि परमेश्वर के लोगों को भरमाकर उसकी आज्ञा मानने से रोके। अगर शैतान ऐसा करने में सफल हुआ तो लोगों से अच्छी चीजें चोरी कर लेगा जो परमेश्वर ने उनके लिए योजना बनाई है।
- यीशु ने अपने पुनरागमन की तुलना चोर से किया जो अचानक लोगों से चोरी करने आता है। जैसे चोर ऐसे समय आता है जब मनुष्य उसकी प्रतीक्षा में नहीं रहता है वैसे ही यीशु भी अकस्मात ही आ जाएगा जब मनुष्य उसके आगमन के लिए तैयार न हो।

(यह भी देखें: आशीष, दोष, क्रूस पर चढ़ा, अंधियारा, नाश करना, सामर्थ्य, सामरिया, शैतान)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:10
- लूका 12:33-34
- मरकुस 14:47-50
- नीतिवचन 06:30-31
- प्रकाशितवाक्य 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H1215, H1416, H1589, H1590, H1980, H6530, H6782, H7703, G727, G1888, G2417, G2812, G3027

चोर, चोर, लूटने, लूटने, लूटने, डाकू, लुटेरे, डकैती, लूट

तथ्य:

“चोर” या “लुटेरा” वह व्यक्ति है जो मनुष्यों का पैसा या सामान चुराता है। "चोर" का बहुवचन है "चोरों।" शब्द "डाकू" अक्सर एक चोर को दर्शाता है जो शारीरिक रूप से उन लोगों को हानि पहुँचाता या धमकाता है जिससे वह चोरी करता हैं।

- यीशु ने एक सामरी का दृष्टान्त सुनाया, जिसने एक यहूदी व्यक्ति का ख्याल रखा जिस पर लुटेरों ने हमला किया था। लुटेरों ने यहूदी व्यक्ति को पीटा और उसके पैसे और कपड़े चोरी करने से पहले उसे घायल कर दिया था।
- चोर और लुटेरों दोनों चोरी करने अचानक ही आते है, जब लोग इसकी उम्मीद नहीं करते। वे प्रायः अन्धकार में काम करते हैं कि छिपे रहें।
- नये नियम में शैतान को प्रतीकात्मक रूप में एक चोर कहा गया है जो चोरी करने, हत्या करने और नाश करने आता है। इसका अर्थ है कि शैतान की योजना है कि परमेश्वर के लोगों को भरमाकर उसकी आज्ञा मानने से रोके। अगर शैतान ऐसा करने में सफल हुआ तो लोगों से अच्छी चीजें चोरी कर लेगा जो परमेश्वर ने उनके लिए योजना बनाई है।
- यीशु ने अपने पुनरागमन की तुलना चोर से किया जो अचानक लोगों से चोरी करने आता है। जैसे चोर ऐसे समय आता है जब मनुष्य उसकी प्रतीक्षा में नहीं रहता है वैसे ही यीशु भी अकस्मात ही आ जाएगा जब मनुष्य उसके आगमन के लिए तैयार न हो।

(यह भी देखें: आशीष, दोष, क्रूस पर चढ़ा, अंधियारा, नाश करना, सामर्थ्य, सामरिया, शैतान)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:10
- लूका 12:33-34
- मरकुस 14:47-50

- नीतिवचन 06:30-31
- प्रकाशितवाक्य 03:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H1215, H1416, H1589, H1590, H1980, H6530, H6782, H7703, G727, G1888, G2417, G2812, G3027

चौकस, ताकता, देखा, देख रहा था, द्वारपाल, पहरुओं, जागते रहना

परिभाषा:

“चौकस” किसी वस्तु को ध्यान से देखना या किसी वस्तु पर निकटता से और अति सावधानी पूर्वक ध्यान देना। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं। एक "पहरुआ" ऐसा व्यक्ति होता था जिसका काम ध्यान से चारों ओर देखना कि नगरवासियों के लिए कोई ख़तरा या अनर्थ तो नही है।

- अपने जीवन और खरी शिक्षा की “चौकसी” करने की आज्ञा का अर्थ है बुद्धिमानी से जीवन जीना और झूठी शिक्षाओं पर विश्वास नहीं करना।
- “सावधान रहो” अर्थात संकट से बचने और हानिकारक प्रभावों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी।

“जागते रहो” या “चौकस रहो” का अर्थ है सदैव सतर्क रहना और सावधान रहना कि पाप में और बुराई में न पड़ें। इसका अर्थ “तैयार रहना” भी है।

- “पहरा देना” या “चौकसी करना” अर्थात किसी प्राणी या किसी वस्तु की रक्षा करना, निगाह रखना या निगरानी करना।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, “ध्यान देना” या “यत्नशील होना” या “अत्यधिक सावधान रहना” या “सतर्क रहना”।
- "पहरुए" के लिए अन्य शब्द "पहरेदार" या "अंगरक्षक" हैं।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:06
- इब्रानियों 13:17
- यिर्मयाह 31:4-6
- मरकुस 08:15
- मरकुस 13:33-34
- मत्ती 25:10-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H821, H2370, H4929, H4931, H5027, H5341, H6486, H6822, H6836, H6974, H7462, H7789, H7919, H8104, H8108, H8245, G69, G991, G1127, G1492, G2334, G2892, G3525, G3708, G3906, G4337, G4648, G5083, G5438

चौकस, ताकता, देखा, देख रहा था, द्वारपाल, पहरुओं, जागते रहना

परिभाषा:

“चौकस” किसी वस्तु को ध्यान से देखना या किसी वस्तु पर निकटता से और अति सावधानी पूर्वक ध्यान देना। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं। एक "पहरुआ" ऐसा व्यक्ति होता था जिसका काम ध्यान से चारों ओर देखना कि नगरवासियों के लिए कोई ख़तरा या अनर्थ तो नही है।

- अपने जीवन और खरी शिक्षा की “चौकसी” करने की आज्ञा का अर्थ है बुद्धिमानी से जीवन जीना और झूठी शिक्षाओं पर विश्वास नहीं करना।
- “सावधान रहो” अर्थात संकट से बचने और हानिकारक प्रभावों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी।

“जागते रहो” या “चौकस रहो” का अर्थ है सदैव सतर्क रहना और सावधान रहना कि पाप में और बुराई में न पड़ें। इसका अर्थ “तैयार रहना” भी है।

- “पहरा देना” या “चौकसी करना” अर्थात किसी प्राणी या किसी वस्तु की रक्षा करना, निगाह रखना या निगरानी करना।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, “ध्यान देना” या “यत्नशील होना” या “अत्यधिक सावधान रहना” या “सतर्क रहना”।
- "पहरुए" के लिए अन्य शब्द "पहरेदार" या "अंगरक्षक" हैं।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:06
- इब्रानियों 13:17
- यिर्मयाह 31:4-6

- मरकुस 08:15
- मरकुस 13:33-34
- मत्ती 25:10-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H821, H2370, H4929, H4931, H5027, H5341, H6486, H6822, H6836, H6974, H7462, H7789, H7919, H8104, H8108, H8245, G69, G991, G1127, G1492, G2334, G2892, G3525, G3708, G3906, G4337, G4648, G5083, G5438

चौकस, ताकता, देखा, देख रहा था, द्वारपाल, पहरुओं, जागते रहना

परिभाषा:

“चौकस” किसी वस्तु को ध्यान से देखना या किसी वस्तु पर निकटता से और अति सावधानी पूर्वक ध्यान देना। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं। एक "पहरुआ" ऐसा व्यक्ति होता था जिसका काम ध्यान से चारों ओर देखना कि नगरवासियों के लिए कोई ख़तरा या अनर्थ तो नही है।

- अपने जीवन और खरी शिक्षा की “चौकसी” करने की आज्ञा का अर्थ है बुद्धिमानी से जीवन जीना और झूठी शिक्षाओं पर विश्वास नहीं करना।
- “सावधान रहो” अर्थात संकट से बचने और हानिकारक प्रभावों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी।

“जागते रहो” या “चौकस रहो” का अर्थ है सदैव सतर्क रहना और सावधान रहना कि पाप में और बुराई में न पड़ें। इसका अर्थ “तैयार रहना” भी है।

- “पहरा देना” या “चौकसी करना” अर्थात किसी प्राणी या किसी वस्तु की रक्षा करना, निगाह रखना या निगरानी करना।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, “ध्यान देना” या “यत्नशील होना” या “अत्यधिक सावधान रहना” या “सतर्क रहना”।
- "पहरुए" के लिए अन्य शब्द "पहरेदार" या "अंगरक्षक" हैं।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:06
- इब्रानियों 13:17
- यिर्मयाह 31:4-6
- मरकुस 08:15
- मरकुस 13:33-34
- मत्ती 25:10-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H821, H2370, H4929, H4931, H5027, H5341, H6486, H6822, H6836, H6974, H7462, H7789, H7919, H8104, H8108, H8245, G69, G991, G1127, G1492, G2334, G2892, G3525, G3708, G3906, G4337, G4648, G5083, G5438

चौकस, ताकता, देखा, देख रहा था, द्वारपाल, पहरुओं, जागते रहना

परिभाषा:

“चौकस” किसी वस्तु को ध्यान से देखना या किसी वस्तु पर निकटता से और अति सावधानी पूर्वक ध्यान देना। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं। एक "पहरुआ" ऐसा व्यक्ति होता था जिसका काम ध्यान से चारों ओर देखना कि नगरवासियों के लिए कोई ख़तरा या अनर्थ तो नही है।

- अपने जीवन और खरी शिक्षा की “चौकसी” करने की आज्ञा का अर्थ है बुद्धिमानी से जीवन जीना और झूठी शिक्षाओं पर विश्वास नहीं करना।
- “सावधान रहो” अर्थात संकट से बचने और हानिकारक प्रभावों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी।

“जागते रहो” या “चौकस रहो” का अर्थ है सदैव सतर्क रहना और सावधान रहना कि पाप में और बुराई में न पड़ें। इसका अर्थ “तैयार रहना” भी है।

- “पहरा देना” या “चौकसी करना” अर्थात किसी प्राणी या किसी वस्तु की रक्षा करना, निगाह रखना या निगरानी करना।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, “ध्यान देना” या “यत्नशील होना” या “अत्यधिक सावधान रहना” या “सतर्क रहना”।
- "पहरुए" के लिए अन्य शब्द "पहरेदार" या "अंगरक्षक" हैं।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:06

- इब्रानियों 13:17
- यिर्मयाह 31:4-6
- मरकुस 08:15
- मरकुस 13:33-34
- मत्ती 25:10-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H821, H2370, H4929, H4931, H5027, H5341, H6486, H6822, H6836, H6974, H7462, H7789, H7919, H8104, H8108, H8245, G69, G991, G1127, G1492, G2334, G2892, G3525, G3708, G3906, G4337, G4648, G5083, G5438

चौकस, ताकता, देखा, देख रहा था, द्वारपाल, पहरुओं, जागते रहना

परिभाषा:

“चौकस” किसी वस्तु को ध्यान से देखना या किसी वस्तु पर निकटता से और अति सावधानी पूर्वक ध्यान देना। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं। एक "पहरुआ" ऐसा व्यक्ति होता था जिसका काम ध्यान से चारों ओर देखना कि नगरवासियों के लिए कोई ख़तरा या अनर्थ तो नही है।

- अपने जीवन और खरी शिक्षा की “चौकसी” करने की आज्ञा का अर्थ है बुद्धिमानी से जीवन जीना और झूठी शिक्षाओं पर विश्वास नहीं करना।
- “सावधान रहो” अर्थात संकट से बचने और हानिकारक प्रभावों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी।

“जागते रहो” या “चौकस रहो” का अर्थ है सदैव सतर्क रहना और सावधान रहना कि पाप में और बुराई में न पड़ें। इसका अर्थ “तैयार रहना” भी है।

- “पहरा देना” या “चौकसी करना” अर्थात किसी प्राणी या किसी वस्तु की रक्षा करना, निगाह रखना या निगरानी करना।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, “ध्यान देना” या “यत्नशील होना” या “अत्यधिक सावधान रहना” या “सतर्क रहना”।
- "पहरुए" के लिए अन्य शब्द "पहरेदार" या "अंगरक्षक" हैं।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:06
- इब्रानियों 13:17
- यिर्मयाह 31:4-6
- मरकुस 08:15
- मरकुस 13:33-34
- मत्ती 25:10-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H821, H2370, H4929, H4931, H5027, H5341, H6486, H6822, H6836, H6974, H7462, H7789, H7919, H8104, H8108, H8245, G69, G991, G1127, G1492, G2334, G2892, G3525, G3708, G3906, G4337, G4648, G5083, G5438

चौकस, ताकता, देखा, देख रहा था, द्वारपाल, पहरुओं, जागते रहना

परिभाषा:

“चौकस” किसी वस्तु को ध्यान से देखना या किसी वस्तु पर निकटता से और अति सावधानी पूर्वक ध्यान देना। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं। एक "पहरुआ" ऐसा व्यक्ति होता था जिसका काम ध्यान से चारों ओर देखना कि नगरवासियों के लिए कोई ख़तरा या अनर्थ तो नही है।

- अपने जीवन और खरी शिक्षा की “चौकसी” करने की आज्ञा का अर्थ है बुद्धिमानी से जीवन जीना और झूठी शिक्षाओं पर विश्वास नहीं करना।
- “सावधान रहो” अर्थात संकट से बचने और हानिकारक प्रभावों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी।

“जागते रहो” या “चौकस रहो” का अर्थ है सदैव सतर्क रहना और सावधान रहना कि पाप में और बुराई में न पड़ें। इसका अर्थ “तैयार रहना” भी है।

- “पहरा देना” या “चौकसी करना” अर्थात किसी प्राणी या किसी वस्तु की रक्षा करना, निगाह रखना या निगरानी करना।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, “ध्यान देना” या “यत्नशील होना” या “अत्यधिक सावधान रहना” या “सतर्क रहना”।
- "पहरुए" के लिए अन्य शब्द "पहरेदार" या "अंगरक्षक" हैं।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:06
- इब्रानियों 13:17
- यिर्मयाह 31:4-6
- मरकुस 08:15
- मरकुस 13:33-34
- मत्ती 25:10-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H821, H2370, H4929, H4931, H5027, H5341, H6486, H6822, H6836, H6974, H7462, H7789, H7919, H8104, H8108, H8245, G69, G991, G1127, G1492, G2334, G2892, G3525, G3708, G3906, G4337, G4648, G5083, G5438

चौकस, ताकता, देखा, देख रहा था, द्वारपाल, पहरुओं, जागते रहना

परिभाषा:

“चौकस” किसी वस्तु को ध्यान से देखना या किसी वस्तु पर निकटता से और अति सावधानी पूर्वक ध्यान देना। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं। एक "पहरुआ" ऐसा व्यक्ति होता था जिसका काम ध्यान से चारों ओर देखना कि नगरवासियों के लिए कोई ख़तरा या अनर्थ तो नही है।

- अपने जीवन और खरी शिक्षा की “चौकसी” करने की आज्ञा का अर्थ है बुद्धिमानी से जीवन जीना और झूठी शिक्षाओं पर विश्वास नहीं करना।
- “सावधान रहो” अर्थात संकट से बचने और हानिकारक प्रभावों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी।

“जागते रहो” या “चौकस रहो” का अर्थ है सदैव सतर्क रहना और सावधान रहना कि पाप में और बुराई में न पड़ें। इसका अर्थ “तैयार रहना” भी है।

- “पहरा देना” या “चौकसी करना” अर्थात किसी प्राणी या किसी वस्तु की रक्षा करना, निगाह रखना या निगरानी करना।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, “ध्यान देना” या “यत्नशील होना” या “अत्यधिक सावधान रहना” या “सतर्क रहना”।
- "पहरुए" के लिए अन्य शब्द "पहरेदार" या "अंगरक्षक" हैं।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:06
- इब्रानियों 13:17
- यिर्मयाह 31:4-6
- मरकुस 08:15
- मरकुस 13:33-34
- मत्ती 25:10-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H821, H2370, H4929, H4931, H5027, H5341, H6486, H6822, H6836, H6974, H7462, H7789, H7919, H8104, H8108, H8245, G69, G991, G1127, G1492, G2334, G2892, G3525, G3708, G3906, G4337, G4648, G5083, G5438

चौकस, ताकता, देखा, देख रहा था, द्वारपाल, पहरुओं, जागते रहना

परिभाषा:

“चौकस” किसी वस्तु को ध्यान से देखना या किसी वस्तु पर निकटता से और अति सावधानी पूर्वक ध्यान देना। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं। एक "पहरुआ" ऐसा व्यक्ति होता था जिसका काम ध्यान से चारों ओर देखना कि नगरवासियों के लिए कोई ख़तरा या अनर्थ तो नही है।

- अपने जीवन और खरी शिक्षा की “चौकसी” करने की आज्ञा का अर्थ है बुद्धिमानी से जीवन जीना और झूठी शिक्षाओं पर विश्वास नहीं करना।
- “सावधान रहो” अर्थात संकट से बचने और हानिकारक प्रभावों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी।

“जागते रहो” या “चौकस रहो” का अर्थ है सदैव सतर्क रहना और सावधान रहना कि पाप में और बुराई में न पड़ें। इसका अर्थ “तैयार रहना” भी है।

- “पहरा देना” या “चौकसी करना” अर्थात किसी प्राणी या किसी वस्तु की रक्षा करना, निगाह रखना या निगरानी करना।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, “ध्यान देना” या “यत्नशील होना” या “अत्यधिक सावधान रहना” या “सतर्क रहना”।

- "पहरुए" के लिए अन्य शब्द "पहरेदार" या "अंगरक्षक" हैं।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:06
- इब्रानियों 13:17
- यिर्मयाह 31:4-6
- मरकुस 08:15
- मरकुस 13:33-34
- मत्ती 25:10-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H821, H2370, H4929, H4931, H5027, H5341, H6486, H6822, H6836, H6974, H7462, H7789, H7919, H8104, H8108, H8245, G69, G991, G1127, G1492, G2334, G2892, G3525, G3708, G3906, G4337, G4648, G5083, G5438

चौकस, ताकता, देखा, देख रहा था, द्वारपाल, पहरुओं, जागते रहना

परिभाषा:

“चौकस” किसी वस्तु को ध्यान से देखना या किसी वस्तु पर निकटता से और अति सावधानी पूर्वक ध्यान देना। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं। एक "पहरुआ" ऐसा व्यक्ति होता था जिसका काम ध्यान से चारों ओर देखना कि नगरवासियों के लिए कोई ख़तरा या अनर्थ तो नही है।

- अपने जीवन और खरी शिक्षा की “चौकसी” करने की आज्ञा का अर्थ है बुद्धिमानी से जीवन जीना और झूठी शिक्षाओं पर विश्वास नहीं करना।
- “सावधान रहो” अर्थात संकट से बचने और हानिकारक प्रभावों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी।

“जागते रहो” या “चौकस रहो” का अर्थ है सदैव सतर्क रहना और सावधान रहना कि पाप में और बुराई में न पड़ें। इसका अर्थ “तैयार रहना” भी है।

- “पहरा देना” या “चौकसी करना” अर्थात किसी प्राणी या किसी वस्तु की रक्षा करना, निगाह रखना या निगरानी करना।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, “ध्यान देना” या “यत्नशील होना” या “अत्यधिक सावधान रहना” या “सतर्क रहना”।
- "पहरुए" के लिए अन्य शब्द "पहरेदार" या "अंगरक्षक" हैं।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:06
- इब्रानियों 13:17
- यिर्मयाह 31:4-6
- मरकुस 08:15
- मरकुस 13:33-34
- मत्ती 25:10-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H821, H2370, H4929, H4931, H5027, H5341, H6486, H6822, H6836, H6974, H7462, H7789, H7919, H8104, H8108, H8245, G69, G991, G1127, G1492, G2334, G2892, G3525, G3708, G3906, G4337, G4648, G5083, G5438

चौकस, ताकता, देखा, देख रहा था, द्वारपाल, पहरुओं, जागते रहना

परिभाषा:

“चौकस” किसी वस्तु को ध्यान से देखना या किसी वस्तु पर निकटता से और अति सावधानी पूर्वक ध्यान देना। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं। एक "पहरुआ" ऐसा व्यक्ति होता था जिसका काम ध्यान से चारों ओर देखना कि नगरवासियों के लिए कोई ख़तरा या अनर्थ तो नही है।

- अपने जीवन और खरी शिक्षा की “चौकसी” करने की आज्ञा का अर्थ है बुद्धिमानी से जीवन जीना और झूठी शिक्षाओं पर विश्वास नहीं करना।
- “सावधान रहो” अर्थात संकट से बचने और हानिकारक प्रभावों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी।

“जागते रहो” या “चौकस रहो” का अर्थ है सदैव सतर्क रहना और सावधान रहना कि पाप में और बुराई में न पड़ें। इसका अर्थ “तैयार रहना” भी है।

- “पहरा देना” या “चौकसी करना” अर्थात किसी प्राणी या किसी वस्तु की रक्षा करना, निगाह रखना या निगरानी करना।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, “ध्यान देना” या “यत्नशील होना” या “अत्यधिक सावधान रहना” या “सतर्क रहना”।
- "पहरुए" के लिए अन्य शब्द "पहरेदार" या "अंगरक्षक" हैं।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:06
- इब्रानियों 13:17
- यिर्मयाह 31:4-6
- मरकुस 08:15
- मरकुस 13:33-34
- मत्ती 25:10-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H821, H2370, H4929, H4931, H5027, H5341, H6486, H6822, H6836, H6974, H7462, H7789, H7919, H8104, H8108, H8245, G69, G991, G1127, G1492, G2334, G2892, G3525, G3708, G3906, G4337, G4648, G5083, G5438

चौथाई देश के राजा

परिभाषा:

"चौथाई देश के राजा" शब्द का अर्थ है एक सरकारी प्रशासक जो रोमी साम्राज्य के एक भाग पर शासन करता था। प्रत्येक चौथाई देश के राजा रोमी सम्राट के अधीन था।

- शीर्षक "चौथाई देश के राजा" का अर्थ "चार संयुक्त शासकों में से एक है।"
- सम्राट डाइक्लेटीयन के तहत शुरू हुई थी, रोमी साम्राज्य के चार प्रमुख विभाजन हुए थे और प्रत्येक शासक ने एक विभाजन पर शासन किया।
- "महान" हेरोदेस का राज्य जो यीशु के जन्म के समय राजा था, उसकी मृत्यु के बाद चार वर्गों में विभाजित किया गया था, और उसके पुत्रों ने "चौथाई देश के राजा" या "चौथे के शासकों" के रूप में शासन किया।
- प्रत्येक चौथाई देश में एक या उससे अधिक क्षेत्र जिन्हें "प्रांत" कहा जाता है, जैसे गलील या सामरिया।
- "हेरोदेस जो चौथाई देश का राजा था" उसका उल्लेख कई बार नए नियम किया गया है. वह "हेरोदेस अन्तिपास" नाम से भी जाने जाते थे।
- "चौथाई देश के राजा," शव्द का अनुवाद, "क्षेत्रीय शासक" या "प्रांतीय शासक" या“शासक” या “अधिपति” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: शासन करना, हेरोदेस अन्तिपास, प्रांत, रोम, शासन)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 03:1-2
- लूका 09:7-9
- मत्ती 14:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5075, G5076

चौथाई देश के राजा

परिभाषा:

"चौथाई देश के राजा" शब्द का अर्थ है एक सरकारी प्रशासक जो रोमी साम्राज्य के एक भाग पर शासन करता था। प्रत्येक चौथाई देश के राजा रोमी सम्राट के अधीन था।

- शीर्षक "चौथाई देश के राजा" का अर्थ "चार संयुक्त शासकों में से एक है।"
- सम्राट डाइक्लेटीयन के तहत शुरू हुई थी, रोमी साम्राज्य के चार प्रमुख विभाजन हुए थे और प्रत्येक शासक ने एक विभाजन पर शासन किया।
- "महान" हेरोदेस का राज्य जो यीशु के जन्म के समय राजा था, उसकी मृत्यु के बाद चार वर्गों में विभाजित किया गया था, और उसके पुत्रों ने "चौथाई देश के राजा" या "चौथे के शासकों" के रूप में शासन किया।

- प्रत्येक चौथाई देश में एक या उससे अधिक क्षेत्र जिन्हें "प्रांत" कहा जाता है, जैसे गलील या सामरिया।
- "हेरोदेस जो चौथाई देश का राजा था" उसका उल्लेख कई बार नए नियम किया गया है. वह "हेरोदेस अन्तिपास" नाम से भी जाने जाते थे।
- "चौथाई देश के राजा," शव्द का अनुवाद, "क्षेत्रीय शासक" या "प्रांतीय शासक" या"शासक" या "अधिपति" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: शासन करना, हेरोदेस अन्तिपास, प्रांत, रोम, शासन)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 03:1-2
- लूका 09:7-9
- मत्ती 14:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5075, G5076

चौथाई देश के राजा

परिभाषा:

"चौथाई देश के राजा" शब्द का अर्थ है एक सरकारी प्रशासक जो रोमी साम्राज्य के एक भाग पर शासन करता था। प्रत्येक चौथाई देश के राजा रोमी सम्राट के अधीन था।

- शीर्षक "चौथाई देश के राजा" का अर्थ "चार संयुक्त शासकों में से एक है।"
- सम्राट डाइक्लेटीयन के तहत शुरू हुई थी, रोमी साम्राज्य के चार प्रमुख विभाजन हुए थे और प्रत्येक शासक ने एक विभाजन पर शासन किया।
- "महान" हेरोदेस का राज्य जो यीशु के जन्म के समय राजा था, उसकी मृत्यु के बाद चार वर्गों में विभाजित किया गया था, और उसके पुत्रों ने "चौथाई देश के राजा" या "चौथे के शासकों" के रूप में शासन किया।
- प्रत्येक चौथाई देश में एक या उससे अधिक क्षेत्र जिन्हें "प्रांत" कहा जाता है, जैसे गलील या सामरिया।
- "हेरोदेस जो चौथाई देश का राजा था" उसका उल्लेख कई बार नए नियम किया गया है. वह "हेरोदेस अन्तिपास" नाम से भी जाने जाते थे।
- "चौथाई देश के राजा," शव्द का अनुवाद, "क्षेत्रीय शासक" या "प्रांतीय शासक" या"शासक" या "अधिपति" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: शासन करना, हेरोदेस अन्तिपास, प्रांत, रोम, शासन)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 03:1-2
- लूका 09:7-9
- मत्ती 14:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5075, G5076

छाया, छाया, आच्छादन, आच्छादन

परिभाषा:

"छाया" का अर्थ है प्रकाश को रोकने वाली वस्तु का प्रतिबिम्ब हैं। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं।

- "मृत्यु की छाया" अर्थात् मृत्यु निकट है, जिस प्रकार कि छाया प्रकट करती है कि कोई वस्तु निकट है।
- बाइबल में अनेक बार मनुष्य के जीवन की तुलना छाया से की गई है जो अधिक समय की नहीं होती है और उसका तत्त्व नहीं होता है।
- कभी-कभी "छाया" शब्द को "अन्धकार" के लिए भी काम में लिया जाता है।
- परमेश्वर के पंखों या हाथों की छाया में रखने की चर्चा बाइबल में की गई है। यह सुरक्षित रहने और खतरे से छिप जाने का एक प्रतीकात्मक रूप है। "छाया" के अनुवाद रूप हो सकते हैं "छाया" या "सुरक्षा" या "निरापदता"।
- उचित तो यह होगा कि "छाया" शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा के उसी शब्द से किया जाए जिसे छाया के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: अंधियारा, उजियाला)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:8-9
- उत्पत्ति 19: 6-8
- यशायाह 30:1-2
- यिर्मयाह 06:4-5
- भजन-संहिता 017:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2927, H6738, H6751, H6752, H6754, H6757, H6767, G644, G1982, G2683, G4639

छाया, छाया, आच्छादन, आच्छादन

परिभाषा:

“छाया” का अर्थ है प्रकाश को रोकने वाली वस्तु का प्रतिबिम्ब हैं। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं।

- “मृत्यु की छाया” अर्थात् मृत्यु निकट है, जिस प्रकार कि छाया प्रकट करती है कि कोई वस्तु निकट है।
- बाइबल में अनेक बार मनुष्य के जीवन की तुलना छाया से की गई है जो अधिक समय की नहीं होती है और उसका तत्त्व नहीं होता है।
- कभी-कभी “छाया” शब्द को “अन्धकार” के लिए भी काम में लिया जाता है।
- परमेश्वर के पंखों या हाथों की छाया में रखने की चर्चा बाइबल में की गई है। यह सुरक्षित रहने और खतरे से छिप जाने का एक प्रतीकात्मक रूप है। “छाया” के अनुवाद रूप हो सकते हैं “छाया” या “सुरक्षा” या “निरापदता”।
- उचित तो यह होगा कि “छाया” शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा के उसी शब्द से किया जाए जिसे छाया के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: अंधियारा, उजियाला)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:8-9
- उत्पत्ति 19: 6-8
- यशायाह 30:1-2
- यिर्मयाह 06:4-5
- भजन-संहिता 017:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2927, H6738, H6751, H6752, H6754, H6757, H6767, G644, G1982, G2683, G4639

छाया, छाया, आच्छादन, आच्छादन

परिभाषा:

“छाया” का अर्थ है प्रकाश को रोकने वाली वस्तु का प्रतिबिम्ब हैं। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं।

- “मृत्यु की छाया” अर्थात् मृत्यु निकट है, जिस प्रकार कि छाया प्रकट करती है कि कोई वस्तु निकट है।
- बाइबल में अनेक बार मनुष्य के जीवन की तुलना छाया से की गई है जो अधिक समय की नहीं होती है और उसका तत्त्व नहीं होता है।
- कभी-कभी “छाया” शब्द को “अन्धकार” के लिए भी काम में लिया जाता है।
- परमेश्वर के पंखों या हाथों की छाया में रखने की चर्चा बाइबल में की गई है। यह सुरक्षित रहने और खतरे से छिप जाने का एक प्रतीकात्मक रूप है। “छाया” के अनुवाद रूप हो सकते हैं “छाया” या “सुरक्षा” या “निरापदता”।
- उचित तो यह होगा कि “छाया” शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा के उसी शब्द से किया जाए जिसे छाया के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: अंधियारा, उजियाला)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:8-9
- उत्पत्ति 19: 6-8
- यशायाह 30:1-2

- यिर्मयाह 06:4-5
- भजन-संहिता 017:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2927, H6738, H6751, H6752, H6754, H6757, H6767, G644, G1982, G2683, G4639

छाया, छाया, आच्छादन, आच्छादन

परिभाषा:

“छाया” का अर्थ है प्रकाश को रोकने वाली वस्तु का प्रतिबिम्ब हैं। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं।

- “मृत्यु की छाया” अर्थात् मृत्यु निकट है, जिस प्रकार कि छाया प्रकट करती है कि कोई वस्तु निकट है।
- बाइबल में अनेक बार मनुष्य के जीवन की तुलना छाया से की गई है जो अधिक समय की नहीं होती है और उसका तत्त्व नहीं होता है।
- कभी-कभी “छाया” शब्द को “अन्धकार” के लिए भी काम में लिया जाता है।
- परमेश्वर के पंखों या हाथों की छाया में रखने की चर्चा बाइबल में की गई है। यह सुरक्षित रहने और खतरे से छिप जाने का एक प्रतीकात्मक रूप है। “छाया” के अनुवाद रूप हो सकते हैं “छाया” या “सुरक्षा” या “निरापदता”।
- उचित तो यह होगा कि “छाया” शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा के उसी शब्द से किया जाए जिसे छाया के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: अंधियारा, उजियाला)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:8-9
- उत्पत्ति 19: 6-8
- यशायाह 30:1-2
- यिर्मयाह 06:4-5
- भजन-संहिता 017:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2927, H6738, H6751, H6752, H6754, H6757, H6767, G644, G1982, G2683, G4639

छाया, छाया, आच्छादन, आच्छादन

परिभाषा:

“छाया” का अर्थ है प्रकाश को रोकने वाली वस्तु का प्रतिबिम्ब हैं। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं।

- “मृत्यु की छाया” अर्थात् मृत्यु निकट है, जिस प्रकार कि छाया प्रकट करती है कि कोई वस्तु निकट है।
- बाइबल में अनेक बार मनुष्य के जीवन की तुलना छाया से की गई है जो अधिक समय की नहीं होती है और उसका तत्त्व नहीं होता है।
- कभी-कभी “छाया” शब्द को “अन्धकार” के लिए भी काम में लिया जाता है।
- परमेश्वर के पंखों या हाथों की छाया में रखने की चर्चा बाइबल में की गई है। यह सुरक्षित रहने और खतरे से छिप जाने का एक प्रतीकात्मक रूप है। “छाया” के अनुवाद रूप हो सकते हैं “छाया” या “सुरक्षा” या “निरापदता”।
- उचित तो यह होगा कि “छाया” शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा के उसी शब्द से किया जाए जिसे छाया के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: अंधियारा, उजियाला)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:8-9
- उत्पत्ति 19: 6-8
- यशायाह 30:1-2
- यिर्मयाह 06:4-5
- भजन-संहिता 017:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2927, H6738, H6751, H6752, H6754, H6757, H6767, G644, G1982, G2683, G4639

छाया, छाया, आच्छादन, आच्छादन

परिभाषा:

“छाया” का अर्थ है प्रकाश को रोकने वाली वस्तु का प्रतिबिम्ब हैं। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं।

- “मृत्यु की छाया” अर्थात् मृत्यु निकट है, जिस प्रकार कि छाया प्रकट करती है कि कोई वस्तु निकट है।
- बाइबल में अनेक बार मनुष्य के जीवन की तुलना छाया से की गई है जो अधिक समय की नहीं होती है और उसका तत्त्व नहीं होता है।
- कभी-कभी “छाया” शब्द को “अन्धकार” के लिए भी काम में लिया जाता है।
- परमेश्वर के पंखों या हाथों की छाया में रखने की चर्चा बाइबल में की गई है। यह सुरक्षित रहने और खतरे से छिप जाने का एक प्रतीकात्मक रूप है। “छाया” के अनुवाद रूप हो सकते हैं “छाया” या “सुरक्षा” या “निरापदता”।
- उचित तो यह होगा कि “छाया” शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा के उसी शब्द से किया जाए जिसे छाया के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: अंधियारा, उजियाला)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:8-9
- उत्पत्ति 19: 6-8
- यशायाह 30:1-2
- यिर्मयाह 06:4-5
- भजन-संहिता 017:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2927, H6738, H6751, H6752, H6754, H6757, H6767, G644, G1982, G2683, G4639

छाया, छाया, आच्छादन, आच्छादन

परिभाषा:

“छाया” का अर्थ है प्रकाश को रोकने वाली वस्तु का प्रतिबिम्ब हैं। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं।

- “मृत्यु की छाया” अर्थात् मृत्यु निकट है, जिस प्रकार कि छाया प्रकट करती है कि कोई वस्तु निकट है।
- बाइबल में अनेक बार मनुष्य के जीवन की तुलना छाया से की गई है जो अधिक समय की नहीं होती है और उसका तत्त्व नहीं होता है।
- कभी-कभी “छाया” शब्द को “अन्धकार” के लिए भी काम में लिया जाता है।
- परमेश्वर के पंखों या हाथों की छाया में रखने की चर्चा बाइबल में की गई है। यह सुरक्षित रहने और खतरे से छिप जाने का एक प्रतीकात्मक रूप है। “छाया” के अनुवाद रूप हो सकते हैं “छाया” या “सुरक्षा” या “निरापदता”।
- उचित तो यह होगा कि “छाया” शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा के उसी शब्द से किया जाए जिसे छाया के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: अंधियारा, उजियाला)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:8-9
- उत्पत्ति 19: 6-8
- यशायाह 30:1-2
- यिर्मयाह 06:4-5
- भजन-संहिता 017:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2927, H6738, H6751, H6752, H6754, H6757, H6767, G644, G1982, G2683, G4639

छाया, छाया, आच्छादन, आच्छादन

परिभाषा:

"छाया" का अर्थ है प्रकाश को रोकने वाली वस्तु का प्रतिबिम्ब हैं। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं।

- "मृत्यु की छाया" अर्थात् मृत्यु निकट है, जिस प्रकार कि छाया प्रकट करती है कि कोई वस्तु निकट है।
- बाइबल में अनेक बार मनुष्य के जीवन की तुलना छाया से की गई है जो अधिक समय की नहीं होती है और उसका तत्त्व नहीं होता है।
- कभी-कभी "छाया" शब्द को "अन्धकार" के लिए भी काम में लिया जाता है।
- परमेश्वर के पंखों या हाथों की छाया में रखने की चर्चा बाइबल में की गई है। यह सुरक्षित रहने और खतरे से छिप जाने का एक प्रतीकात्मक रूप है। "छाया" के अनुवाद रूप हो सकते हैं "छाया" या "सुरक्षा" या "निरापदता"।
- उचित तो यह होगा कि "छाया" शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा के उसी शब्द से किया जाए जिसे छाया के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: अंधियारा, उजियाला)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:8-9
- उत्पत्ति 19: 6-8
- यशायाह 30:1-2
- यिर्मयाह 06:4-5
- भजन-संहिता 017:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2927, H6738, H6751, H6752, H6754, H6757, H6767, G644, G1982, G2683, G4639

छाया, छाया, आच्छादन, आच्छादन

परिभाषा:

"छाया" का अर्थ है प्रकाश को रोकने वाली वस्तु का प्रतिबिम्ब हैं। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं।

- "मृत्यु की छाया" अर्थात् मृत्यु निकट है, जिस प्रकार कि छाया प्रकट करती है कि कोई वस्तु निकट है।
- बाइबल में अनेक बार मनुष्य के जीवन की तुलना छाया से की गई है जो अधिक समय की नहीं होती है और उसका तत्त्व नहीं होता है।
- कभी-कभी "छाया" शब्द को "अन्धकार" के लिए भी काम में लिया जाता है।
- परमेश्वर के पंखों या हाथों की छाया में रखने की चर्चा बाइबल में की गई है। यह सुरक्षित रहने और खतरे से छिप जाने का एक प्रतीकात्मक रूप है। "छाया" के अनुवाद रूप हो सकते हैं "छाया" या "सुरक्षा" या "निरापदता"।
- उचित तो यह होगा कि "छाया" शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा के उसी शब्द से किया जाए जिसे छाया के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: अंधियारा, उजियाला)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:8-9
- उत्पत्ति 19: 6-8
- यशायाह 30:1-2
- यिर्मयाह 06:4-5
- भजन-संहिता 017:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2927, H6738, H6751, H6752, H6754, H6757, H6767, G644, G1982, G2683, G4639

छुटकारे के लिये, छुड़ा लिया

परिभाषा:

“छुटकारे के लिये” अर्थात् बन्दी की मुक्ति के लिए मांगी गई धन-राशि या अन्य कोई भुगतान।

- क्रिया शब्द "छुटकारे का" दाम देना, किसी बन्दी, दास या कारावास में रखे हुए मनुष्य के लिए धनराशि देना या बचाने के लिए किसी काम को आत्म-त्याग के साथ करना। “पुनः खरीद लेना” “मुक्ति कराने” जैसा ही है।
- यीशु ने स्वयं को छुटकारे के मूल्य स्वरूप करने दिया कि मनुष्य को पाप के दासत्व से मुक्त कराए। मनुष्यों के पाप का दण्ड चुका कर अपने लोगों को पुनः खरीद लेना बाइबल में परमेश्वर का "उद्धार" कहलाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “छुटकारे का मूल्य चुकाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मुक्ति के लिए मूल्य चुकाना” या “स्वतंत्र कराने के लिए मूल्य चुकाना” या “ पुनः खरीद लेना”।
- “छुटकारे का मूल्य चुकाना” इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है “मूल्य चुकाना” या "दंड का भुगतान (लोगों को मुक्त करने के लिए)" या "आवश्यक भुगतान करना।"
- नाम "छुटकारे" का अनुवाद "वापस खरीदना" या "एक जुर्माने का भुगतान " या "भुगतान किया गया मूल्य" (लोगों या जमीन को मुक्त या खरीदने के लिए) के रूप में किया जा सकता है।
- एक "छुटकारे का मूल्य" और "छुटकारा" शब्द का अंग्रेज़ी में एक ही अर्थ है लेकिन कभी-कभी इसे थोड़ा अलग तरीके से इस्तेमाल किया जाता है। अन्य भाषाओं में इस अवधारणा के लिए केवल एक शब्द हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि यह अनुवाद “प्रायश्चित” के अनुवाद से भिन्न हो।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, छुटकारा दिलानेवाला

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रायश्चित
- छुड़ा ले
- अय्यूब 06:21-23
- लैव्यव्यवस्था 19:20-22
- मत्ती 22:25-28
- भजन-संहिता 049:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1350, H3724, H6299, H6306, G487, G3083

छुटकारे के लिये, छुड़ा लिया

परिभाषा:

“छुटकारे के लिये” अर्थात् बन्दी की मुक्ति के लिए मांगी गई धन-राशि या अन्य कोई भुगतान।

- क्रिया शब्द "छुटकारे का" दाम देना, किसी बन्दी, दास या कारावास में रखे हुए मनुष्य के लिए धनराशि देना या बचाने के लिए किसी काम को आत्म-त्याग के साथ करना। “पुनः खरीद लेना” “मुक्ति कराने” जैसा ही है।
- यीशु ने स्वयं को छुटकारे के मूल्य स्वरूप करने दिया कि मनुष्य को पाप के दासत्व से मुक्त कराए। मनुष्यों के पाप का दण्ड चुका कर अपने लोगों को पुनः खरीद लेना बाइबल में परमेश्वर का "उद्धार" कहलाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “छुटकारे का मूल्य चुकाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मुक्ति के लिए मूल्य चुकाना” या “स्वतंत्र कराने के लिए मूल्य चुकाना” या “ पुनः खरीद लेना”।
- “छुटकारे का मूल्य चुकाना” इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है “मूल्य चुकाना” या "दंड का भुगतान (लोगों को मुक्त करने के लिए)" या "आवश्यक भुगतान करना।"
- नाम "छुटकारे" का अनुवाद "वापस खरीदना" या "एक जुर्माने का भुगतान " या "भुगतान किया गया मूल्य" (लोगों या जमीन को मुक्त या खरीदने के लिए) के रूप में किया जा सकता है।
- एक "छुटकारे का मूल्य" और "छुटकारा" शब्द का अंग्रेज़ी में एक ही अर्थ है लेकिन कभी-कभी इसे थोड़ा अलग तरीके से इस्तेमाल किया जाता है। अन्य भाषाओं में इस अवधारणा के लिए केवल एक शब्द हो सकता है।

- सुनिश्चित करें कि यह अनुवाद “प्रायश्चित” के अनुवाद से भिन्न हो।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, छुटकारा दिलानेवाला

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रायश्चित
- छुड़ा ले
- अय्यूब 06:21-23
- लैव्यव्यवस्था 19:20-22
- मत्ती 22:25-28
- भजन-संहिता 049:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1350, H3724, H6299, H6306, G487, G3083

छुटकारे के लिये, छुड़ा लिया

परिभाषा:

“छुटकारे के लिये” अर्थात् बन्दी की मुक्ति के लिए मांगी गई धन-राशि या अन्य कोई भुगतान।

- क्रिया शब्द "छुटकारे का" दाम देना, किसी बन्दी, दास या कारावास में रखे हुए मनुष्य के लिए धनराशि देना या बचाने के लिए किसी काम को आत्म-त्याग के साथ करना। “पुनः खरीद लेना” “मुक्ति कराने” जैसा ही है।
- यीशु ने स्वयं को छुटकारे के मूल्य स्वरूप करने दिया कि मनुष्य को पाप के दासत्व से मुक्त कराए। मनुष्यों के पाप का दण्ड चुका कर अपने लोगों को पुनः खरीद लेना बाइबल में परमेश्वर का "उद्धार" कहलाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “छुटकारे का मूल्य चुकाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मुक्ति के लिए मूल्य चुकाना” या “स्वतंत्र कराने के लिए मूल्य चुकाना” या “ पुनः खरीद लेना”।
- “छुटकारे का मूल्य चुकाना” इसका अनुवाद इस प्रकार हो सकता है “मूल्य चुकाना” या "दंड का भुगतान (लोगों को मुक्त करने के लिए)" या "आवश्यक भुगतान करना।"
- नाम "छुटकारे" का अनुवाद "वापस खरीदना" या "एक जुर्माने का भुगतान " या "भुगतान किया गया मूल्य" (लोगों या जमीन को मुक्त या खरीदने के लिए) के रूप में किया जा सकता है।
- एक "छुटकारे का मूल्य" और "छुटकारा" शब्द का अंग्रेज़ी में एक ही अर्थ है लेकिन कभी-कभी इसे थोड़ा अलग तरीके से इस्तेमाल किया जाता है। अन्य भाषाओं में इस अवधारणा के लिए केवल एक शब्द हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि यह अनुवाद “प्रायश्चित” के अनुवाद से भिन्न हो।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, छुटकारा दिलानेवाला

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रायश्चित
- छुड़ा ले
- अय्यूब 06:21-23
- लैव्यव्यवस्था 19:20-22
- मत्ती 22:25-28
- भजन-संहिता 049:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1350, H3724, H6299, H6306, G487, G3083

छुड़ा ले, छुटकारा, छुटकारा, छुटकारा दिलानेवाला

परिभाषा:

“छुड़ा ले” या “छुटकारा” इसका अर्थ है जो व्यक्ति या वस्तु पहले किसी और के अधिकाराधीन या स्वामीत्व में थी उसे पैसा देकर छुड़ा लेना। इसे करने की कार्य को "छुटकारा" कहते है। मुक्तिदाता (छुड़ानेवाला) वह मनुष्य है जो किसी वस्तु या मनुष्य को छुड़ा लेता है।

- परमेश्वर ने इस्राएल को किसी वस्तु या मनुष्य को छुड़ाने के नियम दिए थे।
- उदाहरणार्थ, किसी दास को मूल्य चुका कर कोई मनुष्य छुड़ा सकता था कि वह स्वतंत्र हो जाए। “मुक्ति धन” भी इसी अभ्यास के संदर्भ में है।
- यदि किसी की भूमि बेची जा चुकी है तो उसका कोई परिजन उस भूमि को छुड़ा सकता है या “पुनः खरीद” सकता है कि वह पारिवारिक सम्पदा बनी रहे।
- इन अभ्यासों से प्रकट है कि परमेश्वर पाप के दासत्व में रहनेवालों को कैसे छुड़ाता है, जब यीशु क्रूस पर मर गया था तब उसने मनुष्यों के पापों का पूरा मूल्य चुका दिया और उन सबको छुड़ा लिया जो मुक्ति के लिए उसमें विश्वास करते हैं। जो मनुष्य परमेश्वर द्वारा छुड़ाए गए हैं वे पाप और पाप के दण्ड से मुक्त हो गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार, “छुड़ाना” का अनुवाद हो सकता है, “पुनः खरीद लेना” या “स्वतंत्र होने की कीमत चुकाना(कोई)” या "मुक्ति धन"।
- शब्द "छुटकारा" का अनुवाद "मुक्ति धन" या "स्वतंत्र होने की कीमत" या "पुनः खरीद लेना" के रूप में किया जा सकता है।
- शब्द "मुक्ति धन" और “छुटकारा” मूल रूप से एक ही अर्थ है, इसलिए कुछ भाषाओं में इन दोनों शब्दों का अनुवाद करने के लिए केवल एक शब्द हो सकता है। शब्द "मुक्ति धन",तथापि, इसका अर्थ भी आवश्यक भुगतान हो सकता है।

(यह भी देखें: स्वतंत्र, छुटकारे के लिये)

बाइबल संदर्भ:

- कुलुस्सियों 01:13-14
- इफिसियों 01:7-8
- इफिसियों 05:15-17
- गलातियों 03:15-16
- गलातियों 04:3-5
- लूका 02:36-38
- रूत 02:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G59, G629, G1805, G3084, G3085, H1350, H1353, H6299, H6302, H6304, H6306, H6561, H7069

छुड़ा ले, छुटकारा, छुटकारा, छुटकारा दिलानेवाला

परिभाषा:

“छुड़ा ले” या “छुटकारा” इसका अर्थ है जो व्यक्ति या वस्तु पहले किसी और के अधिकाराधीन या स्वामीत्व में थी उसे पैसा देकर छुड़ा लेना। इसे करने की कार्य को "छुटकारा" कहते है। मुक्तिदाता (छुड़ानेवाला) वह मनुष्य है जो किसी वस्तु या मनुष्य को छुड़ा लेता है।

- परमेश्वर ने इस्राएल को किसी वस्तु या मनुष्य को छुड़ाने के नियम दिए थे।
- उदाहरणार्थ, किसी दास को मूल्य चुका कर कोई मनुष्य छुड़ा सकता था कि वह स्वतंत्र हो जाए। “मुक्ति धन” भी इसी अभ्यास के संदर्भ में है।
- यदि किसी की भूमि बेची जा चुकी है तो उसका कोई परिजन उस भूमि को छुड़ा सकता है या “पुनः खरीद” सकता है कि वह पारिवारिक सम्पदा बनी रहे।
- इन अभ्यासों से प्रकट है कि परमेश्वर पाप के दासत्व में रहनेवालों को कैसे छुड़ाता है, जब यीशु क्रूस पर मर गया था तब उसने मनुष्यों के पापों का पूरा मूल्य चुका दिया और उन सबको छुड़ा लिया जो मुक्ति के लिए उसमें विश्वास करते हैं। जो मनुष्य परमेश्वर द्वारा छुड़ाए गए हैं वे पाप और पाप के दण्ड से मुक्त हो गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार, “छुड़ाना” का अनुवाद हो सकता है, “पुनः खरीद लेना” या “स्वतंत्र होने की कीमत चुकाना(कोई)” या "मुक्ति धन"।
- शब्द "छुटकारा" का अनुवाद "मुक्ति धन" या "स्वतंत्र होने की कीमत" या "पुनः खरीद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

- शब्द "मुक्ति धन" और “छुटकारा” मूल रूप से एक ही अर्थ है, इसलिए कुछ भाषाओं में इन दोनों शब्दों का अनुवाद करने के लिए केवल एक शब्द हो सकता है। शब्द "मुक्ति धन",तथापि, इसका अर्थ भी आवश्यक भुगतान हो सकता है।

(यह भी देखें: स्वतंत्र, छुटकारे के लिये)

बाइबल संदर्भ:

- कुलुस्सियों 01:13-14
- इफिसियों 01:7-8
- इफिसियों 05:15-17
- गलातियों 03:15-16
- गलातियों 04:3-5
- लूका 02:36-38
- रूत 02:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G59, G629, G1805, G3084, G3085, H1350, H1353, H6299, H6302, H6304, H6306, H6561, H7069

छुड़ा ले, छुटकारा, छुटकारा, छुटकारा दिलानेवाला

परिभाषा:

“छुड़ा ले” या “छुटकारा” इसका अर्थ है जो व्यक्ति या वस्तु पहले किसी और के अधिकाराधीन या स्वामीत्व में थी उसे पैसा देकर छुड़ा लेना। इसे करने की कार्य को "छुटकारा" कहते है। मुक्तिदाता (छुड़ानेवाला) वह मनुष्य है जो किसी वस्तु या मनुष्य को छुड़ा लेता है।

- परमेश्वर ने इस्राएल को किसी वस्तु या मनुष्य को छुड़ाने के नियम दिए थे।
- उदाहरणार्थ, किसी दास को मूल्य चुका कर कोई मनुष्य छुड़ा सकता था कि वह स्वतंत्र हो जाए। “मुक्ति धन” भी इसी अभ्यास के संदर्भ में है।
- यदि किसी की भूमि बेची जा चुकी है तो उसका कोई परिजन उस भूमि को छुड़ा सकता है या “पुनः खरीद” सकता है कि वह पारिवारिक सम्पदा बनी रहे।
- इन अभ्यासों से प्रकट है कि परमेश्वर पाप के दासत्व में रहनेवालों को कैसे छुड़ाता है, जब यीशु क्रूस पर मर गया था तब उसने मनुष्यों के पापों का पूरा मूल्य चुका दिया और उन सबको छुड़ा लिया जो मुक्ति के लिए उसमें विश्वास करते हैं। जो मनुष्य परमेश्वर द्वारा छुड़ाए गए हैं वे पाप और पाप के दण्ड से मुक्त हो गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार, “छुड़ाना” का अनुवाद हो सकता है, “पुनः खरीद लेना” या “स्वतंत्र होने की कीमत चुकाना(कोई)” या "मुक्ति धन"।
- शब्द "छुटकारा" का अनुवाद "मुक्ति धन" या "स्वतंत्र होने की कीमत" या "पुनः खरीद लेना" के रूप में किया जा सकता है।
- शब्द "मुक्ति धन" और “छुटकारा” मूल रूप से एक ही अर्थ है, इसलिए कुछ भाषाओं में इन दोनों शब्दों का अनुवाद करने के लिए केवल एक शब्द हो सकता है। शब्द "मुक्ति धन",तथापि, इसका अर्थ भी आवश्यक भुगतान हो सकता है।

(यह भी देखें: स्वतंत्र, छुटकारे के लिये)

बाइबल संदर्भ:

- कुलुस्सियों 01:13-14
- इफिसियों 01:7-8
- इफिसियों 05:15-17
- गलातियों 03:15-16
- गलातियों 04:3-5
- लूका 02:36-38
- रूत 02:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G59, G629, G1805, G3084, G3085, H1350, H1353, H6299, H6302, H6304, H6306, H6561, H7069

छुड़ा ले, छुटकारा, छुटकारा, छुटकारा दिलानेवाला

परिभाषा:

“छुड़ा ले” या “छुटकारा” इसका अर्थ है जो व्यक्ति या वस्तु पहले किसी और के अधिकाराधीन या स्वामीत्व में थी उसे पैसा देकर छुड़ा लेना। इसे करने की कार्य को "छुटकारा" कहते है। मुक्तिदाता (छुड़ानेवाला) वह मनुष्य है जो किसी वस्तु या मनुष्य को छुड़ा लेता है।

- परमेश्वर ने इस्राएल को किसी वस्तु या मनुष्य को छुड़ाने के नियम दिए थे।
- उदाहरणार्थ, किसी दास को मूल्य चुका कर कोई मनुष्य छुड़ा सकता था कि वह स्वतंत्र हो जाए। “मुक्ति धन” भी इसी अभ्यास के संदर्भ में है।
- यदि किसी की भूमि बेची जा चुकी है तो उसका कोई परिजन उस भूमि को छुड़ा सकता है या “पुनः खरीद” सकता है कि वह पारिवारिक सम्पदा बनी रहे।
- इन अभ्यासों से प्रकट है कि परमेश्वर पाप के दासत्व में रहनेवालों को कैसे छुड़ाता है, जब यीशु क्रूस पर मर गया था तब उसने मनुष्यों के पापों का पूरा मूल्य चुका दिया और उन सबको छुड़ा लिया जो मुक्ति के लिए उसमें विश्वास करते हैं। जो मनुष्य परमेश्वर द्वारा छुड़ाए गए हैं वे पाप और पाप के दण्ड से मुक्त हो गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार, “छुड़ाना” का अनुवाद हो सकता है, “पुनः खरीद लेना” या “स्वतंत्र होने की कीमत चुकाना(कोई)” या "मुक्ति धन"।
- शब्द "छुटकारा" का अनुवाद "मुक्ति धन" या "स्वतंत्र होने की कीमत" या "पुनः खरीद लेना" के रूप में किया जा सकता है।
- शब्द "मुक्ति धन" और “छुटकारा” मूल रूप से एक ही अर्थ है, इसलिए कुछ भाषाओं में इन दोनों शब्दों का अनुवाद करने के लिए केवल एक शब्द हो सकता है। शब्द "मुक्ति धन",तथापि, इसका अर्थ भी आवश्यक भुगतान हो सकता है।

(यह भी देखें: स्वतंत्र, छुटकारे के लिये)

बाइबल संदर्भ:

- कुलुस्सियों 01:13-14
- इफिसियों 01:7-8
- इफिसियों 05:15-17
- गलातियों 03:15-16
- गलातियों 04:3-5
- लूका 02:36-38
- रूत 02:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G59, G629, G1805, G3084, G3085, H1350, H1353, H6299, H6302, H6304, H6306, H6561, H7069

छोड़ना, छोड़ देता, छोड़ दिया, त्याग कर

परिभाषा:

“छोड़ना” अर्थात किसी को अलग कर देना या किसी वस्तु का प्रत्याख्यान करना। यदि कोई “त्यागा हुआ” है तो वह किसी के द्वारा अकेला छोड़ दिया गया या अलग कर दिया गया है।

- जब मनुष्य परमेश्वर को “त्याग” देते हैं तो वे अवज्ञा के द्वारा उसका विश्वासघात करते है।
- परमेश्वर मनुष्यों का त्याग करता है तो इसका अर्थ है कि उसने उनकी सहायता करना छोड़ दिया है और उन्हें कष्ट भोगने दिया है कि वे उसके पास लौट आएं।
- इस शब्द का अर्थ प्रत्याख्यान भी है जैसे परमेश्वर की शिक्षाओं को त्यागना या उन का अनुसरण नहीं करना।
- “त्यागा हुआ” का भूतकाल में काम में लिया जा सकता है जैसे “उसने तुझे त्याग दिया” या जैसे किसी को "त्याग दिया गया है" के संदर्भ में।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “छोड़ देना” या “अनदेखा करना” या “त्याग देना” या “दूर चले जाना” या “पीछे छोड़ देना” प्रकरण के अनुसार।
- परमेश्वर की व्यवस्था का “त्याग” करना का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की व्यवस्था का पालन नहीं करना” इसका अनुवाद उसकी शिक्षाओं या नियमों को “छोड़ देना” या “विच्छेदित हो जाना” या “आज्ञापालन न करना”।
- “त्यागा हुआ” का अनुवाद “छोड़ा हुआ” या “सुनसान हो जाएगा” हो सकता है।

- लक्षित भाषा में इस शब्द के अनुवाद में स्पष्टता हेतु विभिन्न शब्द हो सकते हैं जो निर्भर करेगा कि अभिलेख में किसी वस्तु का या मनुष्य का त्याग किया गया है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:11-13
- दानिय्येल 11:29-30
- उत्पत्ति 24:26-27
- यहोशू 24:16-18
- मत्ती 27:45-47
- नीतिवचन 27:9-10
- भजन संहिता 071:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H488, H2308, H5203, H5428, H5800, H5805, H7503, G646, G657, G863, G1459, G2641,

जंगल, छोड़कर , सुनसान, छोड़ देना, जंगल, जंगलों

परिभाषा:

रेगिस्तान या जंगल, सूखी बंजर भूमि का स्थान होता है जहां बहुत ही कम पेड़ पौधे उगते हैं।

- रेगिस्तान की जलवायु सूखी होती है इसलिए वहां बहुत कम हरियाली और वन पशु होते हैं।
- कठोर परिस्थितियों के कारण रेगिस्तान में बहुत ही कम लोग रहते हैं, अतः उसे निर्जन प्रदेश कहा जाता है।
- “जंगल” दूरस्थ स्थान को दर्शाता है, निर्जन एवं उजड़ा हुआ स्थान।
- इस शब्द का अनुवाद “निर्जन स्थान” या “दूरस्थ स्थान” या “सुनसान प्रदेश” किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:16-18
- प्रे.का. 21:37-38
- निर्गमन 04:27-28
- उत्पत्ति 37:21-22
- यूहन्ना 03:14-15
- लूका 01:80
- लूका 09:12-14
- मरकुस 01:1-3
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2723, H3293, H3452, H4057, H6160, H6723, H6728, H6921, H8047, H8414, G2047, G2048

जंगल, छोड़कर , सुनसान, छोड़ देना, जंगल, जंगलों

परिभाषा:

रेगिस्तान या जंगल, सूखी बंजर भूमि का स्थान होता है जहां बहुत ही कम पेड़ पौधे उगते हैं।

- रेगिस्तान की जलवायु सूखी होती है इसलिए वहां बहुत कम हरियाली और वन पशु होते हैं।
- कठोर परिस्थितियों के कारण रेगिस्तान में बहुत ही कम लोग रहते हैं, अतः उसे निर्जन प्रदेश कहा जाता है।
- “जंगल” दूरस्थ स्थान को दर्शाता है, निर्जन एवं उजड़ा हुआ स्थान।
- इस शब्द का अनुवाद “निर्जन स्थान” या “दूरस्थ स्थान” या “सुनसान प्रदेश” किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:16-18
- प्रे.का. 21:37-38
- निर्गमन 04:27-28
- उत्पत्ति 37:21-22
- यूहन्ना 03:14-15
- लूका 01:80
- लूका 09:12-14
- मरकुस 01:1-3
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2723, H3293, H3452, H4057, H6160, H6723, H6728, H6921, H8047, H8414, G2047, G2048

जंगल, छोड़कर , सुनसान, छोड़ देना, जंगल, जंगलों

परिभाषा:

रेगिस्तान या जंगल, सूखी बंजर भूमि का स्थान होता है जहां बहुत ही कम पेड़ पौधे उगते हैं।

- रेगिस्तान की जलवायु सूखी होती है इसलिए वहां बहुत कम हरियाली और वन पशु होते हैं।
- कठोर परिस्थितियों के कारण रेगिस्तान में बहुत ही कम लोग रहते हैं, अतः उसे निर्जन प्रदेश कहा जाता है।
- “जंगल” दूरस्थ स्थान को दर्शाता है, निर्जन एवं उजड़ा हुआ स्थान।
- इस शब्द का अनुवाद “निर्जन स्थान” या “दूरस्थ स्थान” या “सुनसान प्रदेश” किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:16-18
- प्रे.का. 21:37-38
- निर्गमन 04:27-28
- उत्पत्ति 37:21-22
- यूहन्ना 03:14-15
- लूका 01:80
- लूका 09:12-14
- मरकुस 01:1-3
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2723, H3293, H3452, H4057, H6160, H6723, H6728, H6921, H8047, H8414, G2047, G2048

जंगल, छोड़कर , सुनसान, छोड़ देना, जंगल, जंगलों

परिभाषा:

रेगिस्तान या जंगल, सूखी बंजर भूमि का स्थान होता है जहां बहुत ही कम पेड़ पौधे उगते हैं।

- रेगिस्तान की जलवायु सूखी होती है इसलिए वहां बहुत कम हरियाली और वन पशु होते हैं।
- कठोर परिस्थितियों के कारण रेगिस्तान में बहुत ही कम लोग रहते हैं, अतः उसे निर्जन प्रदेश कहा जाता है।
- “जंगल” दूरस्थ स्थान को दर्शाता है, निर्जन एवं उजड़ा हुआ स्थान।
- इस शब्द का अनुवाद “निर्जन स्थान” या “दूरस्थ स्थान” या “सुनसान प्रदेश” किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:16-18
- प्रे.का. 21:37-38
- निर्गमन 04:27-28
- उत्पत्ति 37:21-22
- यूहन्ना 03:14-15
- लूका 01:80
- लूका 09:12-14
- मरकुस 01:1-3
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2723, H3293, H3452, H4057, H6160, H6723, H6728, H6921, H8047, H8414, G2047, G2048

जंगल, छोड़कर , सुनसान, छोड़ देना, जंगल, जंगलों

परिभाषा:

रेगिस्तान या जंगल, सूखी बंजर भूमि का स्थान होता है जहां बहुत ही कम पेड़ पौधे उगते हैं।

- रेगिस्तान की जलवायु सूखी होती है इसलिए वहां बहुत कम हरियाली और वन पशु होते हैं।
- कठोर परिस्थितियों के कारण रेगिस्तान में बहुत ही कम लोग रहते हैं, अतः उसे निर्जन प्रदेश कहा जाता है।
- “जंगल” दूरस्थ स्थान को दर्शाता है, निर्जन एवं उजड़ा हुआ स्थान।
- इस शब्द का अनुवाद “निर्जन स्थान” या “दूरस्थ स्थान” या “सुनसान प्रदेश” किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:16-18
- प्रे.का. 21:37-38
- निर्गमन 04:27-28
- उत्पत्ति 37:21-22
- यूहन्ना 03:14-15
- लूका 01:80
- लूका 09:12-14
- मरकुस 01:1-3
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2723, H3293, H3452, H4057, H6160, H6723, H6728, H6921, H8047, H8414, G2047, G2048

जंगल, छोड़कर , सुनसान, छोड़ देना, जंगल, जंगलों

परिभाषा:

रेगिस्तान या जंगल, सूखी बंजर भूमि का स्थान होता है जहां बहुत ही कम पेड़ पौधे उगते हैं।

- रेगिस्तान की जलवायु सूखी होती है इसलिए वहां बहुत कम हरियाली और वन पशु होते हैं।
- कठोर परिस्थितियों के कारण रेगिस्तान में बहुत ही कम लोग रहते हैं, अतः उसे निर्जन प्रदेश कहा जाता है।
- “जंगल” दूरस्थ स्थान को दर्शाता है, निर्जन एवं उजड़ा हुआ स्थान।
- इस शब्द का अनुवाद “निर्जन स्थान” या “दूरस्थ स्थान” या “सुनसान प्रदेश” किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:16-18
- प्रे.का. 21:37-38
- निर्गमन 04:27-28
- उत्पत्ति 37:21-22
- यूहन्ना 03:14-15
- लूका 01:80
- लूका 09:12-14
- मरकुस 01:1-3
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2723, H3293, H3452, H4057, H6160, H6723, H6728, H6921, H8047, H8414, G2047, G2048

जंगल, छोड़कर , सुनसान, छोड़ देना, जंगल, जंगलों

परिभाषा:

रेगिस्तान या जंगल, सूखी बंजर भूमि का स्थान होता है जहां बहुत ही कम पेड़ पौधे उगते हैं।

- रेगिस्तान की जलवायु सूखी होती है इसलिए वहां बहुत कम हरियाली और वन पशु होते हैं।
- कठोर परिस्थितियों के कारण रेगिस्तान में बहुत ही कम लोग रहते हैं, अतः उसे निर्जन प्रदेश कहा जाता है।
- “जंगल” दूरस्थ स्थान को दर्शाता है, निर्जन एवं उजड़ा हुआ स्थान।
- इस शब्द का अनुवाद “निर्जन स्थान” या “दूरस्थ स्थान” या “सुनसान प्रदेश” किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:16-18
- प्रे.का. 21:37-38
- निर्गमन 04:27-28
- उत्पत्ति 37:21-22
- यूहन्ना 03:14-15
- लूका 01:80
- लूका 09:12-14
- मरकुस 01:1-3
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2723, H3293, H3452, H4057, H6160, H6723, H6728, H6921, H8047, H8414, G2047, G2048

जंगल, छोड़कर , सुनसान, छोड़ देना, जंगल, जंगलों

परिभाषा:

रेगिस्तान या जंगल, सूखी बंजर भूमि का स्थान होता है जहां बहुत ही कम पेड़ पौधे उगते हैं।

- रेगिस्तान की जलवायु सूखी होती है इसलिए वहां बहुत कम हरियाली और वन पशु होते हैं।
- कठोर परिस्थितियों के कारण रेगिस्तान में बहुत ही कम लोग रहते हैं, अतः उसे निर्जन प्रदेश कहा जाता है।
- “जंगल” दूरस्थ स्थान को दर्शाता है, निर्जन एवं उजड़ा हुआ स्थान।
- इस शब्द का अनुवाद “निर्जन स्थान” या “दूरस्थ स्थान” या “सुनसान प्रदेश” किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:16-18
- प्रे.का. 21:37-38
- निर्गमन 04:27-28
- उत्पत्ति 37:21-22
- यूहन्ना 03:14-15
- लूका 01:80
- लूका 09:12-14
- मरकुस 01:1-3
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2723, H3293, H3452, H4057, H6160, H6723, H6728, H6921, H8047, H8414, G2047, G2048

जंगल, छोड़कर , सुनसान, छोड़ देना, जंगल, जंगलों

परिभाषा:

रेगिस्तान या जंगल, सूखी बंजर भूमि का स्थान होता है जहां बहुत ही कम पेड़ पौधे उगते हैं।

- रेगिस्तान की जलवायु सूखी होती है इसलिए वहां बहुत कम हरियाली और वन पशु होते हैं।
- कठोर परिस्थितियों के कारण रेगिस्तान में बहुत ही कम लोग रहते हैं, अतः उसे निर्जन प्रदेश कहा जाता है।
- “जंगल” दूरस्थ स्थान को दर्शाता है, निर्जन एवं उजड़ा हुआ स्थान।
- इस शब्द का अनुवाद “निर्जन स्थान” या “दूरस्थ स्थान” या “सुनसान प्रदेश” किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:16-18
- प्रे.का. 21:37-38
- निर्गमन 04:27-28
- उत्पत्ति 37:21-22
- यूहन्ना 03:14-15
- लूका 01:80
- लूका 09:12-14
- मरकुस 01:1-3
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2723, H3293, H3452, H4057, H6160, H6723, H6728, H6921, H8047, H8414, G2047, G2048

जंगल, छोड़कर , सुनसान, छोड़ देना, जंगल, जंगलों

परिभाषा:

रेगिस्तान या जंगल, सूखी बंजर भूमि का स्थान होता है जहां बहुत ही कम पेड़ पौधे उगते हैं।

- रेगिस्तान की जलवायु सूखी होती है इसलिए वहां बहुत कम हरियाली और वन पशु होते हैं।
- कठोर परिस्थितियों के कारण रेगिस्तान में बहुत ही कम लोग रहते हैं, अतः उसे निर्जन प्रदेश कहा जाता है।
- “जंगल” दूरस्थ स्थान को दर्शाता है, निर्जन एवं उजड़ा हुआ स्थान।
- इस शब्द का अनुवाद “निर्जन स्थान” या “दूरस्थ स्थान” या “सुनसान प्रदेश” किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:16-18
- प्रे.का. 21:37-38
- निर्गमन 04:27-28
- उत्पत्ति 37:21-22
- यूहन्ना 03:14-15
- लूका 01:80
- लूका 09:12-14
- मरकुस 01:1-3
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2723, H3293, H3452, H4057, H6160, H6723, H6728, H6921, H8047, H8414, G2047, G2048

जंगल, छोड़कर , सुनसान, छोड़ देना, जंगल, जंगलों

परिभाषा:

रेगिस्तान या जंगल, सूखी बंजर भूमि का स्थान होता है जहां बहुत ही कम पेड़ पौधे उगते हैं।

- रेगिस्तान की जलवायु सूखी होती है इसलिए वहां बहुत कम हरियाली और वन पशु होते हैं।
- कठोर परिस्थितियों के कारण रेगिस्तान में बहुत ही कम लोग रहते हैं, अतः उसे निर्जन प्रदेश कहा जाता है।
- "जंगल" दूरस्थ स्थान को दर्शाता है, निर्जन एवं उजड़ा हुआ स्थान।
- इस शब्द का अनुवाद "निर्जन स्थान" या "दूरस्थ स्थान" या "सुनसान प्रदेश" किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:16-18
- प्रे.का. 21:37-38
- निर्गमन 04:27-28
- उत्पत्ति 37:21-22
- यूहन्ना 03:14-15
- लूका 01:80
- लूका 09:12-14
- मरकुस 01:1-3
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2723, H3293, H3452, H4057, H6160, H6723, H6728, H6921, H8047, H8414, G2047, G2048

जक्कई

तथ्य:

जक्कई यरीहो में चुंगी लेनेवाला अधिकारी था, वह यीशु को देखने के लिए पेड़ पर चढ़ गया था।

- यीशु में विश्वास करके जक्कई पूर्णतः बदल गया था।
- उसने लोगों को धोका देने के पाप का पश्चाताप किया और अपनी आधी सम्पत्ति गरीबों में बांटने की प्रतिज्ञा की थी।
- उसने यह प्रतिज्ञा भी की थी कि जिनसे उसने अवैध कर वसूल किया है उन्हें वह चारगुणा लौटा देगा।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रतिज्ञा, मन फिराकर, पाप, कर, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 19:1-2
- लूका 19:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2195

जबूलून

तथ्य:

जबूलून याकूब और लिआ: का आखरी पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक गोत्र का नाम था।

- जबूलून के गोत्र को खारे ताल के पश्चिम में भूमि दी गई थी।
- कभी-कभी इस गोत्र के निवास स्थान को भी "जबूलून" कह कर पुकारा जाता था।

(यह भी देखें: इस्राएल, लिआ:, खारा ताल, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 30:19-21
- यशायाह 09:1-2
- न्यायियों 04:10
- मत्ती 04:12-13
- मत्ती 04:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2074, H2075, G2194

जबूलून

तथ्य:

जबूलून याकूब और लिआ: का आखरी पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक गोत्र का नाम था।

- जबूलून के गोत्र को खारे ताल के पश्चिम में भूमि दी गई थी।
- कभी-कभी इस गोत्र के निवास स्थान को भी "जबूलून" कह कर पुकारा जाता था।

(यह भी देखें: इस्राएल, लिआ:, खारा ताल, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 30:19-21
- यशायाह 09:1-2
- न्यायियों 04:10
- मत्ती 04:12-13
- मत्ती 04:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2074, H2075, G2194

जब्दी

तथ्य:

जब्दी गलील से एक मछुआरा था जो अपने बेटों, याकूब और यूहन्ना, जो यीशु के चेले थे, के कारण जाना जाता है। वे अक्सर नए नियम में "जब्दी के पुत्र" के रूप में पहचाने जाते हैं।

- जब्दी के पुत्र भी मछुआरे थे और उनके साथ मछली पकड़ने का काम किया करते थे।
- याकूब और यूहन्ना ने अपने पिता जब्दी के साथ मछली पकड़ने का काम छोड़ दिया और यीशु के पीछे हो लिए।

(यह भी देखें: चेला, मछुए, याकूब (जबदी का पुत्र), यूहन्ना (प्रेरित))

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 21:1-3
- लूका 05:8-11
- मरकुस 01:19-20
- मत्ती 04:21-22
- मत्ती 20:20-21
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2199

जब्दी

तथ्य:

जब्दी गलील से एक मछुआरा था जो अपने बेटों, याकूब और यूहन्ना, जो यीशु के चेले थे, के कारण जाना जाता है। वे अक्सर नए नियम में "जब्दी के पुत्र" के रूप में पहचाने जाते हैं।

- जब्दी के पुत्र भी मछुआरे थे और उनके साथ मछली पकड़ने का काम किया करते थे।
- याकूब और यूहन्ना ने अपने पिता जब्दी के साथ मछली पकड़ने का काम छोड़ दिया और यीशु के पीछे हो लिए।

(यह भी देखें: चेला, मछुए, याकूब (जबदी का पुत्र), यूहन्ना (प्रेरित))

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 21:1-3
- लूका 05:8-11
- मरकुस 01:19-20
- मत्ती 04:21-22
- मत्ती 20:20-21
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2199

जब्दी

तथ्य:

जब्दी गलील से एक मछुआरा था जो अपने बेटों, याकूब और यूहन्ना, जो यीशु के चेले थे, के कारण जाना जाता है। वे अक्सर नए नियम में "जब्दी के पुत्र" के रूप में पहचाने जाते हैं।

- जब्दी के पुत्र भी मछुआरे थे और उनके साथ मछली पकड़ने का काम किया करते थे।
- याकूब और यूहन्ना ने अपने पिता जब्दी के साथ मछली पकड़ने का काम छोड़ दिया और यीशु के पीछे हो लिए।

(यह भी देखें: चेला, मछुए, याकूब (जबदी का पुत्र), यूहन्ना (प्रेरित))

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 21:1-3
- लूका 05:8-11
- मरकुस 01:19-20
- मत्ती 04:21-22
- मत्ती 20:20-21
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2199

जब्दी

तथ्य:

जब्दी गलील से एक मछुआरा था जो अपने बेटों, याकूब और यूहन्ना, जो यीशु के चेले थे, के कारण जाना जाता है। वे अक्सर नए नियम में "जब्दी के पुत्र" के रूप में पहचाने जाते हैं।

- जब्दी के पुत्र भी मछुआरे थे और उनके साथ मछली पकड़ने का काम किया करते थे।
- याकूब और यूहन्ना ने अपने पिता जब्दी के साथ मछली पकड़ने का काम छोड़ दिया और यीशु के पीछे हो लिए।

(यह भी देखें: चेला, मछुए, याकूब (जबदी का पुत्र), यूहन्ना (प्रेरित))

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 21:1-3
- लूका 05:8-11
- मरकुस 01:19-20
- मत्ती 04:21-22
- मत्ती 20:20-21
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2199

जरुब्बाबेल

तथ्य:

जरूब्बाबेल नामक दो पुरुष पुराने नियम के युग में इस्राएल में हुए थे।

- इनमें से एक यहोयाकीम और सिदकियाह का वंशज था।
- एक और जरूब्बाबिल, शेलतीएल का पुत्र, वह एज्रा और नहेम्याह के समय यहूदा के गोत्र का प्रधान था जब फारस के राजा कुस्रू ने इस्राएलियों को बेबीलोन की बन्धुआई से मुक्त किया था।
- जरूब्बाबेल और महायाजक येशू उन लोगों में से थे जिन्होंने परमेश्वर के मन्दिर और वेदी के पुनः निर्माण में हाथ बंटाया था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, बन्दी बनाना, कुस्रू, एज्रा, महायाजक, यहोयाकीम, यहोशू, यहूदा, नहेम्याह, फारस, सिदकिय्याह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 03:19-21
- एज्रा 02:1-2
- एज्रा 03:8-9
- लूका 03:27-29

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2216, H2217, G2216

जरुब्बाबेल

तथ्य:

जरूब्बाबेल नामक दो पुरुष पुराने नियम के युग में इस्राएल में हुए थे।

- इनमें से एक यहोयाकीम और सिदकियाह का वंशज था।
- एक और जरूब्बाबिल, शेलतीएल का पुत्र, वह एज्रा और नहेम्याह के समय यहूदा के गोत्र का प्रधान था जब फारस के राजा कुस्रू ने इस्राएलियों को बेबीलोन की बन्धुआई से मुक्त किया था।
- जरूब्बाबेल और महायाजक येशू उन लोगों में से थे जिन्होंने परमेश्वर के मन्दिर और वेदी के पुनः निर्माण में हाथ बंटाया था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, बन्दी बनाना, कुस्रू, एज्रा, महायाजक, यहोयाकीम, यहोशू, यहूदा, नहेम्याह, फ़ारस, सिदकिय्याह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 03:19-21
- एज्रा 02:1-2
- एज्रा 03:8-9
- लूका 03:27-29
- मत्ती 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2216, H2217, G2216

जल-प्रलय, बाढ़ें, जल में डूब कर, बाढ़, जल से डूब जाएगा

परिभाषा:

“जल प्रलय” अर्थात भूमि के जल-मग्न करने वाला पानी।

- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जिसका संदर्भ किसी पूर्णतः अभिभूत करनेवाली बात से होता है, विशेष करके अक्स्मात ही होनेवाली घटना से।
- नूह के युग में मनुष्य ऐसा दुराचारी हो गया था कि परमेश्वर ने पृथ्वी को जल-मग्न करके सर्वनाश कर दिया था, यहां तक कि पहाड़ भी पानी में डूब गए थे। नूह के जहाज में जितने प्राणी थे उन सबको छोड़ पृथ्वी पर से जीवन समाप्त हो गया था। अन्य सब बाढ़ यदा-कदा ही भूमि को जल-मग्न करती है।
- यह शब्द भी पाप कर्मक क्रिया है, “भूमि नदी के जल में मग्न हो गई”।

अनुवाद के सुझाव:

- “जल-प्रलय” का वास्तविक अर्थ का अनुवाद हो सकता है, “जल आप्लापित होना” या “बहुत अधिक पानी”
- रूपात्मक तुलना “जल-प्रलय जैसा” को ज्यों का त्यों रहने दिया जाए। या इसका वैकल्पिक शब्द उक्ति काम में ली जाए जिसका अभिप्राय जल प्रवाह हो जैसे नदी।
- यह अभिव्यक्ति “जल-प्रलय के सदृश्य” जिसमें जल की चर्चा हो चुकी है, अतः “प्रलय” का अनुवाद हो सकता है, “बहुत अधिक मात्रा में” या “उमड़ना”
- इस शब्द को रूपक स्वरूप भी काम में लिया जा सकता है, जैसे “मुझ पर बाढ़ न आने दो” अर्थात आपदाएं मुझे कुचल न डालें। या “मुझे आपदाओं के विनाश में न पड़ने दो” या “तुम्हारा क्रोध मुझे भस्म न करे”।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “मैंने आँसुओं से अपना बिस्तर बहाया” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “मेरे आँसू पानी में एक बाढ़ की तरह मेरे बिस्तर पर बह रहा है।”

(यह भी देखें: जहाज़, नूह)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 11:10
- उत्पत्ति 07:6-7
- लूका 06:46-48
- मत्ती 07:24-25
- मत्ती 07:26-27
- मत्ती 24:37-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H216, H2229, H2230, H2975, H3999, H5104, H5140, H5158, H5674, H6556, H7641, H7857, H7858, H8241, G2627, G4132, G4215, G4216

जल-प्रलय, बाढ़ें, जल में डूब कर, बाढ़, जल से डूब जाएगा

परिभाषा:

“जल प्रलय” अर्थात भूमि के जल-मग्न करने वाला पानी।

- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जिसका संदर्भ किसी पूर्णत: अभिभूत करनेवाली बात से होता है, विशेष करके अक्स्मात ही होनेवाली घटना से।
- नूह के युग में मनुष्य ऐसा दुराचारी हो गया था कि परमेश्वर ने पृथ्वी को जल-मग्न करके सर्वनाश कर दिया था, यहां तक कि पहाड़ भी पानी में डूब गए थे। नूह के जहाज में जितने प्राणी थे उन सबको छोड़ पृथ्वी पर से जीवन समाप्त हो गया था। अन्य सब बाढ़ यदा-कदा ही भूमि को जल-मग्न करती है।
- यह शब्द भी पाप कर्मक क्रिया है, “भूमि नदी के जल में मग्न हो गई”।

अनुवाद के सुझाव:

- “जल-प्रलय” का वास्तविक अर्थ का अनुवाद हो सकता है, “जल आप्लापित होना” या “बहुत अधिक पानी”
- रूपात्मक तुलना “जल-प्रलय जैसा” को ज्यों का त्यों रहने दिया जाए। या इसका वैकल्पिक शब्द उक्ति काम में ली जाए जिसका अभिप्राय जल प्रवाह हो जैसे नदी।
- यह अभिव्यक्ति “जल-प्रलय के सदृश्य” जिसमें जल की चर्चा हो चुकी है, अत: “प्रलय” का अनुवाद हो सकता है, “बहुत अधिक मात्रा में” या “उमड़ना”
- इस शब्द को रूपक स्वरूप भी काम में लिया जा सकता है, जैसे “मुझ पर बाढ़ न आने दो” अर्थात आपदाएं मुझे कुचल न डालें। या “मुझे आपदाओं के विनाश में न पड़ने दो” या “तुम्हारा क्रोध मुझे भस्म न करे”।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “मैंने आँसुओं से अपना बिस्तर बहाया” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “मेरे आँसू पानी में एक बाढ़ की तरह मेरे बिस्तर पर बह रहा है।”

(यह भी देखें: जहाज, नूह)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 11:10
- उत्पत्ति 07:6-7
- लूका 06:46-48
- मत्ती 07:24-25
- मत्ती 07:26-27
- मत्ती 24:37-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H216, H2229, H2230, H2975, H3999, H5104, H5140, H5158, H5674, H6556, H7641, H7857, H7858, H8241, G2627, G4132, G4215, G4216

जल-प्रलय, बाढ़ें, जल में डूब कर, बाढ़, जल से डूब जाएगा

परिभाषा:

“जल प्रलय” अर्थात भूमि के जल-मग्न करने वाला पानी।

- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जिसका संदर्भ किसी पूर्णत: अभिभूत करनेवाली बात से होता है, विशेष करके अक्स्मात ही होनेवाली घटना से।
- नूह के युग में मनुष्य ऐसा दुराचारी हो गया था कि परमेश्वर ने पृथ्वी को जल-मग्न करके सर्वनाश कर दिया था, यहां तक कि पहाड़ भी पानी में डूब गए थे। नूह के जहाज में जितने प्राणी थे उन सबको छोड़ पृथ्वी पर से जीवन समाप्त हो गया था। अन्य सब बाढ़ यदा-कदा ही भूमि को जल-मग्न करती है।
- यह शब्द भी पाप कर्मक क्रिया है, “भूमि नदी के जल में मग्न हो गई”।

अनुवाद के सुझाव:

- “जल-प्रलय” का वास्तविक अर्थ का अनुवाद हो सकता है, “जल आप्लापित होना” या “बहुत अधिक पानी”
- रूपात्मक तुलना “जल-प्रलय जैसा” को ज्यों का त्यों रहने दिया जाए। या इसका वैकल्पिक शब्द उक्ति काम में ली जाए जिसका अभिप्राय जल प्रवाह हो जैसे नदी।
- यह अभिव्यक्ति “जल-प्रलय के सदृश्य” जिसमें जल की चर्चा हो चुकी है, अत: “प्रलय” का अनुवाद हो सकता है, “बहुत अधिक मात्रा में” या “उमड़ना”
- इस शब्द को रूपक स्वरूप भी काम में लिया जा सकता है, जैसे “मुझ पर बाढ़ न आने दो” अर्थात आपदाएं मुझे कुचल न डालें। या “मुझे आपदाओं के विनाश में न पड़ने दो” या “तुम्हारा क्रोध मुझे भस्म न करे”।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “मैंने आँसुओं से अपना बिस्तर बहाया” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “मेरे आँसू पानी में एक बाढ़ की तरह मेरे बिस्तर पर बह रहा है।”

(यह भी देखें: जहाज़, नूह)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 11:10
- उत्पत्ति 07:6-7
- लूका 06:46-48
- मत्ती 07:24-25
- मत्ती 07:26-27
- मत्ती 24:37-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H216, H2229, H2230, H2975, H3999, H5104, H5140, H5158, H5674, H6556, H7641, H7857, H7858, H8241, G2627, G4132, G4215, G4216

जलन, ईर्ष्या

परिभाषा:

“जलन” और ईर्ष्या” का संदर्भ संबन्ध की शुद्धता को सुरक्षित रखने की प्रबल इच्छा से है। इन शब्दों में किसी वस्तु या मनुष्य के लिए अपनापन बनाए रखने की प्रबल इच्छा भी है।

- इन शब्दों द्वारा मनुष्य के क्रोध को भी व्यक्त किया जाता है जो विवाह में विश्वासघाती रहा है।
- बाइबल में इन शब्दों द्वारा प्रजा को शुद्ध रहने और पाप से कलंकित न होने की परमेश्वर की प्रबल इच्छा को भी दर्शाया गया है।
- परमेश्वर अपने नाम के सम्मान एवं श्रद्धा के लिए भी ईर्ष्यालु है।
- किसी की सफलता और ख्याति पर क्रोध को भी ईर्ष्या कहते हैं। * यह “डाह” के सामानान्त है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जलन” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “सुरक्षा की प्रबल इच्छा” या “अपनेपन की इच्छा”
- “ईर्ष्या” का अनुवाद “सुरक्षा की प्रबल भावना” या “अपनेपन की भावना”
- परमेश्वर के लिए जब इस शब्द का अनुवाद करें तो ऐसा प्रकट न हो कि परमेश्वर किसी से जलन रखता है।

- मनुष्यों के प्रति मनुष्यों की क्रोधपूर्ण भावनाओं के संदर्भ में जब कोई सफल होता है तब “जलना” या “जलन” शब्दों का उपयोग किया जा सकता है। परन्तु ये शब्द परमेश्वर के लिए काम में न लें।

(यह भी देखें: डाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:20-21
- व्यवस्थाविवरण 05:9-10
- निर्गमन 20:4-6
- यहेजकेल 36:4-6
- यहोशू 24:19-20
- नहूम 01:2-3
- रोमियो 13:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7065, H7067, H7068, H7072, G2205, G3863

जलन, ईर्ष्या

परिभाषा:

“जलन” और ईर्ष्या” का संदर्भ संबन्ध की शुद्धता को सुरक्षित रखने की प्रबल इच्छा से है। इन शब्दों में किसी वस्तु या मनुष्य के लिए अपनापन बनाए रखने की प्रबल इच्छा भी है।

- इन शब्दों द्वारा मनुष्य के क्रोध को भी व्यक्त किया जाता है जो विवाह में विश्वासघाती रहा है।
- बाइबल में इन शब्दों द्वारा प्रजा को शुद्ध रहने और पाप से कलंकित न होने की परमेश्वर की प्रबल इच्छा को भी दर्शाया गया है।
- परमेश्वर अपने नाम के सम्मान एवं श्रद्धा के लिए भी ईर्ष्यालु है।
- किसी की सफलता और ख्याति पर क्रोध को भी ईर्ष्या कहते हैं। * यह “डाह” के सामानान्त है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जलन” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “सुरक्षा की प्रबल इच्छा” या “अपनेपन की इच्छा”
- “ईर्ष्या” का अनुवाद “सुरक्षा की प्रबल भावना” या “अपनेपन की भावना”
- परमेश्वर के लिए जब इस शब्द का अनुवाद करें तो ऐसा प्रकट न हो कि परमेश्वर किसी से जलन रखता है।
- मनुष्यों के प्रति मनुष्यों की क्रोधपूर्ण भावनाओं के संदर्भ में जब कोई सफल होता है तब “जलना” या “जलन” शब्दों का उपयोग किया जा सकता है। परन्तु ये शब्द परमेश्वर के लिए काम में न लें।

(यह भी देखें: डाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:20-21
- व्यवस्थाविवरण 05:9-10
- निर्गमन 20:4-6
- यहेजकेल 36:4-6
- यहोशू 24:19-20
- नहूम 01:2-3
- रोमियो 13:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7065, H7067, H7068, H7072, G2205, G3863

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

जाति, लोगों, लोग, प्रजा

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: उतरेगा, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- व्यवस्थाविवरण 28:9-10
- उत्पत्ति 49:16-18
- रूत 01:16-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं |
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी “जाति” की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में “जाति” कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अतः प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी “जाति” शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो “जातियां” हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, “दो जातियों के संस्थापक” या “दो जन समुदायों के पूर्वज”।
- जिस शब्द का अनुवाद “जाति” किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “जाति” शब्द का अनुवाद “जन समुदाय” या “नृजाति” या “देश” किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में “जाति” के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द “जातियों” का अनुवाद “जन समुदाय” किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद “अन्य-जाति” या “गैर यहूदी” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04
- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी “जाति” की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।

- बाइबल में “जाति” कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अतः प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी “जाति” शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो “जातियां” हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, “दो जातियों के संस्थापक” या “दो जन समुदायों के पूर्वज”।
- जिस शब्द का अनुवाद “जाति” किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “जाति” शब्द का अनुवाद “जन समुदाय” या “नृजाति” या “देश” किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में “जाति” के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द “जातियों” का अनुवाद “जन समुदाय” किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद “अन्य-जाति” या “गैर यहूदी” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04
- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी “जाति” की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में “जाति” कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अतः प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी “जाति” शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो “जातियां” हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, “दो जातियों के संस्थापक” या “दो जन समुदायों के पूर्वज”।
- जिस शब्द का अनुवाद “जाति” किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "जाति" शब्द का अनुवाद "जन समुदाय" या "नृजाति" या "देश" किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में "जाति" के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द "जातियों" का अनुवाद "जन समुदाय" किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद "अन्य-जाति" या "गैर यहूदी" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04
- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी "जाति" की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में "जाति" कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अत: प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी "जाति" शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो "जातियां" हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, "दो जातियों के संस्थापक" या "दो जन समुदायों के पूर्वज"।
- जिस शब्द का अनुवाद "जाति" किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "जाति" शब्द का अनुवाद "जन समुदाय" या "नृजाति" या "देश" किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में "जाति" के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द "जातियों" का अनुवाद "जन समुदाय" किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद "अन्य-जाति" या "गैर यहूदी" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04
- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी "जाति" की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में "जाति" कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अतः प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी "जाति" शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो "जातियां" हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, "दो जातियों के संस्थापक" या "दो जन समुदायों के पूर्वज"।
- जिस शब्द का अनुवाद "जाति" किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "जाति" शब्द का अनुवाद "जन समुदाय" या "नृजाति" या "देश" किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में "जाति" के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द "जातियों" का अनुवाद "जन समुदाय" किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद "अन्य-जाति" या "गैर यहूदी" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04

- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी "जाति" की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में "जाति" कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अत: प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी "जाति" शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो "जातियां" हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, "दो जातियों के संस्थापक" या "दो जन समुदायों के पूर्वज"।
- जिस शब्द का अनुवाद "जाति" किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "जाति" शब्द का अनुवाद "जन समुदाय" या "नृजाति" या "देश" किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में "जाति" के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द "जातियों" का अनुवाद "जन समुदाय" किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद "अन्य-जाति" या "गैर यहूदी" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04
- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी "जाति" की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में "जाति" कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अतः प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी "जाति" शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो "जातियां" हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, "दो जातियों के संस्थापक" या "दो जन समुदायों के पूर्वज"।
- जिस शब्द का अनुवाद "जाति" किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "जाति" शब्द का अनुवाद "जन समुदाय" या "नृजाति" या "देश" किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में "जाति" के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द "जातियों" का अनुवाद "जन समुदाय" किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद "अन्य-जाति" या "गैर यहूदी" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04
- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी “जाति” की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में “जाति” कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अतः प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी “जाति” शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो “जातियां” हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, “दो जातियों के संस्थापक” या “दो जन समुदायों के पूर्वज”।
- जिस शब्द का अनुवाद “जाति” किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “जाति” शब्द का अनुवाद “जन समुदाय” या “नृजाति” या “देश” किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में “जाति” के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द “जातियों” का अनुवाद “जन समुदाय” किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद “अन्य-जाति” या “गैर यहूदी” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04
- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी “जाति” की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।

- बाइबल में “जाति” कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अतः प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी “जाति” शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो “जातियां” हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, “दो जातियों के संस्थापक” या “दो जन समुदायों के पूर्वज”।
- जिस शब्द का अनुवाद “जाति” किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “जाति” शब्द का अनुवाद “जन समुदाय” या “नृजाति” या “देश” किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में “जाति” के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द “जातियों” का अनुवाद “जन समुदाय” किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद “अन्य-जाति” या “गैर यहूदी” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04
- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी “जाति” की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में “जाति” कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अतः प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी “जाति” शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो “जातियां” हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, “दो जातियों के संस्थापक” या “दो जन समुदायों के पूर्वज”।
- जिस शब्द का अनुवाद “जाति” किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "जाति" शब्द का अनुवाद "जन समुदाय" या "नृजाति" या "देश" किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में "जाति" के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द "जातियों" का अनुवाद "जन समुदाय" किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद "अन्य-जाति" या "गैर यहूदी" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04
- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी "जाति" की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में "जाति" कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अत: प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी "जाति" शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो "जातियां" हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, "दो जातियों के संस्थापक" या "दो जन समुदायों के पूर्वज"।
- जिस शब्द का अनुवाद "जाति" किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "जाति" शब्द का अनुवाद "जन समुदाय" या "नृजाति" या "देश" किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में "जाति" के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द "जातियों" का अनुवाद "जन समुदाय" किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद "अन्य-जाति" या "गैर यहूदी" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04
- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी "जाति" की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में "जाति" कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अतः प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी "जाति" शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो "जातियां" हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, "दो जातियों के संस्थापक" या "दो जन समुदायों के पूर्वज"।
- जिस शब्द का अनुवाद "जाति" किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "जाति" शब्द का अनुवाद "जन समुदाय" या "नृजाति" या "देश" किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में "जाति" के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द "जातियों" का अनुवाद "जन समुदाय" किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद "अन्य-जाति" या "गैर यहूदी" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04

- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी "जाति" की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में "जाति" कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अत: प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी "जाति" शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो "जातियां" हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, "दो जातियों के संस्थापक" या "दो जन समुदायों के पूर्वज"।
- जिस शब्द का अनुवाद "जाति" किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "जाति" शब्द का अनुवाद "जन समुदाय" या "नृजाति" या "देश" किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में "जाति" के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द "जातियों" का अनुवाद "जन समुदाय" किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद "अन्य-जाति" या "गैर यहूदी" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04
- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी "जाति" की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में "जाति" कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अत: प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी "जाति" शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो "जातियां" हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, "दो जातियों के संस्थापक" या "दो जन समुदायों के पूर्वज"।
- जिस शब्द का अनुवाद "जाति" किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "जाति" शब्द का अनुवाद "जन समुदाय" या "नृजाति" या "देश" किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में "जाति" के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द "जातियों" का अनुवाद "जन समुदाय" किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद "अन्य-जाति" या "गैर यहूदी" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04
- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी “जाति” की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में “जाति” कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अतः प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी “जाति” शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो “जातियां” हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, “दो जातियों के संस्थापक” या “दो जन समुदायों के पूर्वज”।
- जिस शब्द का अनुवाद “जाति” किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “जाति” शब्द का अनुवाद “जन समुदाय” या “नृजाति” या “देश” किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में “जाति” के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द “जातियों” का अनुवाद “जन समुदाय” किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद “अन्य-जाति” या “गैर यहूदी” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04
- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी “जाति” की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।

- बाइबल में “जाति” कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अतः प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी “जाति” शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो “जातियां” हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, “दो जातियों के संस्थापक” या “दो जन समुदायों के पूर्वज”।
- जिस शब्द का अनुवाद “जाति” किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “जाति” शब्द का अनुवाद “जन समुदाय” या “नृजाति” या “देश” किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में “जाति” के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द “जातियों” का अनुवाद “जन समुदाय” किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद “अन्य-जाति” या “गैर यहूदी” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04
- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी “जाति” की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में “जाति” कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अतः प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी “जाति” शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो “जातियां” हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, “दो जातियों के संस्थापक” या “दो जन समुदायों के पूर्वज”।
- जिस शब्द का अनुवाद “जाति” किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “जाति” शब्द का अनुवाद “जन समुदाय” या “नृजाति” या “देश” किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में “जाति” के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द “जातियों” का अनुवाद “जन समुदाय” किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद “अन्य-जाति” या “गैर यहूदी” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04
- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी “जाति” की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में “जाति” कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अत: प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी “जाति” शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो “जातियां” हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, “दो जातियों के संस्थापक” या “दो जन समुदायों के पूर्वज”।
- जिस शब्द का अनुवाद “जाति” किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “जाति” शब्द का अनुवाद “जन समुदाय” या “नृजाति” या “देश” किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में “जाति” के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द “जातियों” का अनुवाद “जन समुदाय” किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद “अन्य-जाति” या “गैर यहूदी” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04
- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति, जातियों

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी "जाति" की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में "जाति" कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अतः प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी "जाति" शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो "जातियां" हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, "दो जातियों के संस्थापक" या "दो जन समुदायों के पूर्वज"।
- जिस शब्द का अनुवाद "जाति" किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "जाति" शब्द का अनुवाद "जन समुदाय" या "नृजाति" या "देश" किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में "जाति" के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द "जातियों" का अनुवाद "जन समुदाय" किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद "अन्य-जाति" या "गैर यहूदी" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, कनान, अन्यजाति, यूनानी, जाति, पलिश्तियों, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:15-17
- 2 इतिहास 15:06
- 2 राजा 17:11-12
- प्रे.का. 02:05
- प्रे.का. 13:19
- प्रे.का. 17:26
- प्रे.का. 26:04

- दानिय्येल 03:04
- उत्पत्ति 10:2-5
- उत्पत्ति 27:29
- उत्पत्ति 35:11
- उत्पत्ति 49:10
- लूका 07:05
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43
- रोमियो 04:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जादू, जादू टोना, तांत्रिक, जादूगरों

परिभाषा:

“जादू” शब्द अलौकिक शक्ति को काम में लेना है जो परमेश्वर से नहीं आती है। “तांत्रिक” वह मनुष्य है जो जादू करता है।

- मिस्र देश में परमेश्वर ने मूसा के माध्यम से जब अद्भुत कार्य किए थे तब मिस्र के राजा फिरौन के जादूगरों ने भी वैसे ही कुछ जादू किए परन्तु वे परमेश्वर के सामर्थ्य से नहीं थे।
- जादू में मंत्रोच्चारण और जादू-टोना होता है ताकि अलौकिक घटना घटे।
- परमेश्वर ने अपनी प्रजा को ऐसा जादू-टोना करना वर्जित किया था।
- जादू-टोना करने वाला एक प्रकार का जादूगर है जो अक्सर जादू के द्वारा दूसरों को नुकसान पहुचाता है।

(यह भी देखें: भावी कहने, मिस्र, फ़िरौन, सामर्थ्य, जादूगर)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 41:7-8
- उत्पत्ति 41:22-24
- उत्पत्ति 44:3-5
- उत्पत्ति 44:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2748, H2749, H3049, G3097

जादूगर, जादूगर, जादूगर, जादूगर, जादूगर, जादू टोना

परिभाषा:

“जादू-टोना” या “भूत-सिद्धी” का संदर्भ जादू से है जिसमें दुष्टात्मा की सहायता से सामर्थी कार्य किए जाते हैं। एक "जादूगर" ऐसा कोई है जो इन शक्तिशाली, जादुई चीज़ों को करता है।

- जादू-टोना और भूत-सिद्धी द्वारा अच्छे और बुरे दोनों काम किए जा सकते हैं जैसे रोग निवारण या किसी की हानि। जादू टोना किसी भी प्रकार का हो गलत ही है क्योंकि इसमें दुष्टात्माओं का कार्य होता है।
- बाइबल में जादू टोना को अन्य किसी भी प्रकार के गंभीर पाप जैसा माना गया है(जैसे व्यभिचार, मूर्तियों की पूजा, और बाल बलिदान) ।
- "जादू-टोना" और "भूत-सिद्धी" का अनुवाद “दुष्टात्मा की शक्ति” या “सम्मोहन करना” किया जा सकता है।
- "टोन्हों" का सम्भावित अनुवाद होगा "जादू करनेवाले" या "सम्मोहन करनेवाले" या "दुष्टात्मा की शक्ति से चमत्कार दिखानेवाले"।
- ध्यान दें कि "जादूगर" का अर्थ "भविष्यवाणी" से भिन्न है, जो कि आत्मिक संसार से संपर्क करने का प्रयास करता है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, दुष्टात्मा, भावी कहने, मूर्ति, जादू, बलिदान करना, दंडवत करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:9-11
- निर्गमन 07:11-13

- गलातियों 05:19-21
- प्रकाशितवाक्य 09:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3784, H3785, H3786, H6049, G3095, G3096, G3097, G5331, G5332, G5333

जानना, जानता है, जानता था, जानना, ज्ञान, ज्ञात, प्रकट करना, ज्ञात करता है, ज्ञात करता है, अज्ञात, पहले से जानना, पूर्वज्ञान

परिभाषा:

“जानना” और "ज्ञान" का अर्थ सामान्यतः किसी बात को या किसी व्यक्ति को समझने के लिए होता है।इसका अर्थ किसी तथ्य का जानकार होना या किसी व्यक्ति से परिचित होना भी हो सकता है। "ज्ञात करना" एक अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है जानकारी देना।

- “ज्ञान” शब्द का संदर्भ में है जो मनुष्य जानकारी रखते हैं। इसका अभिप्राय लौकिक और अलौकिक संसार दोनों की जानकारी हो सकता है।
- परमेश्वर के “बारे में जानना” अर्थात उसके बारे में तथ्यों को अन्तर्ग्रहण करना उसने हम पर जो प्रकट किया है।
- परमेश्वर को “जानना” अर्थात उसके साथ घनिष्ठ संबन्ध बनाना। यह मनुष्यों को जानने के लिए भी काम में लिया जाता है।
- परमेश्वर की इच्छा जानना अर्थात उसकी आज्ञा के प्रति सचेत रहना या मनुष्य से जो चाहता है उसे समझना।
- “व्यवस्था को जानना” अर्थात परमेश्वर की आज्ञाओं के प्रति सचेत रहना या परमेश्वर ने मूसा को व्यवस्था में जो निर्देश दिए उन्हें समझना।
- कभी-कभी “ज्ञान” “बुद्धि” के पर्यायवाची शब्द स्वरूप काम में लिया जाता है जिसमें परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाला जीवन शामिल है।
- “परमेश्वर का ज्ञान” को कभी-कभी “यहोवा का भय” का पर्यायवाची शब्द स्वरूप काम में लिया जाता है।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण पर आधारित “जानना” के अनुवाद हो सकते हैं, “समझना” या “परिचित होना” या “सचेत होना” या “जानकार होना” या “के संबन्ध” में होना।
- दो चीजों के बीच अंतर को समझने के संदर्भ में, इस शब्द का आमतौर पर "भेद" के रूप में अनुवाद किया जाता है। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो इस शब्द का अक्सर प्रस्तावना के बाद "बीच में" होता है।
- "जानना" शब्द के लिए कुछ भाषाओं के पास दो शब्द अलग-अलग हैं, एक तथ्य जानने के लिए और दूसरा एक व्यक्ति को जानने के लिए और उसके साथ संबंध होने के लिए।
- “प्रकट करना” का अनुवाद “मनुष्यों को जानने योग्य बनाना” या “अनावृत करना” या “बारे में बताना” या “वर्णन करना” हो सकता है।
- “किसी के बारे में बताना” का अनुवाद “सचेत होना” या “परिचित होना हो सकता है।”
- “जानना कैसे” अर्थात कुछ करने की प्रक्रिया या विधि समझना। इसका अनुवाद हो सकता है, “सक्षम होना” था या “करने में निपुण होना”।
- “ज्ञान” शब्द का अनुवाद “जो ज्ञात है” या “बुद्धि” या “समझ” प्रकरण के अनुसार हो सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, प्रकट करना, समझना, बुद्धिमान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:12-13
- 1 शमूएल 17:46
- 2 कुरिन्थियों 02:15
- 2 पतरस 01:3-4
- व्यव. 04:39-40
- उत्पत्ति 19:05
- लूका 01:77

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1843, H1844, H1847, H1875, H3045, H3046, H4093, H4486, H5046, H5234, H5475, H5869, G50, G56, G1097, G1107, G1108, G1492, G1921, G1922, G1987, G2467, G2589, G4267, G4894

जानना, जानता है, जानता था, जानना, ज्ञान, ज्ञात, प्रकट करना, ज्ञात करता है, ज्ञात करता है, अज्ञात, पहले से जानना, पूर्वज्ञान

परिभाषा:

“जानना” और "ज्ञान" का अर्थ सामान्यतः किसी बात को या किसी व्यक्ति को समझने के लिए होता है।इसका अर्थ किसी तथ्य का जानकार होना या किसी व्यक्ति से परिचित होना भी हो सकता है। "ज्ञात करना" एक अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है जानकारी देना।

- “ज्ञान” शब्द का संदर्भ में है जो मनुष्य जानकारी रखते हैं। इसका अभिप्राय लौकिक और अलौकिक संसार दोनों की जानकारी हो सकता है।
- परमेश्वर के “बारे में जानना” अर्थात उसके बारे में तथ्यों को अन्तर्ग्रहण करना उसने हम पर जो प्रकट किया है।
- परमेश्वर को “जानना” अर्थात उसके साथ घनिष्ठ संबन्ध बनाना। यह मनुष्यों को जानने के लिए भी काम में लिया जाता है।
- परमेश्वर की इच्छा जानना अर्थात उसकी आज्ञा के प्रति सचेत रहना या मनुष्य से जो चाहता है उसे समझना।
- “व्यवस्था को जानना” अर्थात परमेश्वर की आज्ञाओं के प्रति सचेत रहना या परमेश्वर ने मूसा को व्यवस्था में जो निर्देश दिए उन्हें समझना।
- कभी-कभी “ज्ञान” “बुद्धि” के पर्यायवाची शब्द स्वरूप काम में लिया जाता है जिसमें परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाला जीवन शामिल है।
- “परमेश्वर का ज्ञान” को कभी-कभी “यहोवा का भय” का पर्यायवाची शब्द स्वरूप काम में लिया जाता है।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण पर आधारित “जानना” के अनुवाद हो सकते हैं, “समझना” या “परिचित होना” या “सचेत होना” या “जानकार होना” या “के संबन्ध” में होना।
- दो चीजों के बीच अंतर को समझने के संदर्भ में, इस शब्द का आमतौर पर "भेद" के रूप में अनुवाद किया जाता है। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो इस शब्द का अक्सर प्रस्तावना के बाद "बीच में" होता है।
- "जानना" शब्द के लिए कुछ भाषाओं के पास दो शब्द अलग-अलग हैं, एक तथ्य जानने के लिए और दूसरा एक व्यक्ति को जानने के लिए और उसके साथ संबंध होने के लिए।
- “प्रकट करना” का अनुवाद “मनुष्यों को जानने योग्य बनाना” या “अनावृत करना” या “बारे में बताना” या “वर्णन करना” हो सकता है।
- “किसी के बारे में बताना” का अनुवाद “सचेत होना” या “परिचित होना हो सकता है।”
- “जानना कैसे” अर्थात कुछ करने की प्रक्रिया या विधि समझना। इसका अनुवाद हो सकता है, “सक्षम होना” था या “करने में निपुण होना”।
- “ज्ञान” शब्द का अनुवाद “जो ज्ञात है” या “बुद्धि” या “समझ” प्रकरण के अनुसार हो सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, प्रकट करना, समझना, बुद्धिमान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:12-13
- 1 शमूएल 17:46
- 2 कुरिन्थियों 02:15
- 2 पतरस 01:3-4
- व्यव. 04:39-40
- उत्पत्ति 19:05
- लूका 01:77

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1843, H1844, H1847, H1875, H3045, H3046, H4093, H4486, H5046, H5234, H5475, H5869, G50, G56, G1097, G1107, G1108, G1492, G1921, G1922, G1987, G2467, G2589, G4267, G4894

जानना, जानता है, जानता था, जानना, ज्ञान, ज्ञात, प्रकट करना, ज्ञात करता है, ज्ञात करता है, अज्ञात, पहले से जानना, पूर्वज्ञान

परिभाषा:

“जानना” और "ज्ञान" का अर्थ सामान्यतः किसी बात को या किसी व्यक्ति को समझने के लिए होता है।इसका अर्थ किसी तथ्य का जानकार होना या किसी व्यक्ति से परिचित होना भी हो सकता है। "ज्ञात करना" एक अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है जानकारी देना।

- “ज्ञान” शब्द का संदर्भ में है जो मनुष्य जानकारी रखते हैं। इसका अभिप्राय लौकिक और अलौकिक संसार दोनों की जानकारी हो सकता है।
- परमेश्वर के “बारे में जानना” अर्थात उसके बारे में तथ्यों को अन्तर्ग्रहण करना उसने हम पर जो प्रकट किया है।
- परमेश्वर को “जानना” अर्थात उसके साथ घनिष्ठ संबन्ध बनाना। यह मनुष्यों को जानने के लिए भी काम में लिया जाता है।
- परमेश्वर की इच्छा जानना अर्थात उसकी आज्ञा के प्रति सचेत रहना या मनुष्य से जो चाहता है उसे समझना।
- “व्यवस्था को जानना” अर्थात परमेश्वर की आज्ञाओं के प्रति सचेत रहना या परमेश्वर ने मूसा को व्यवस्था में जो निर्देश दिए उन्हें समझना।
- कभी-कभी “ज्ञान” “बुद्धि” के पर्यायवाची शब्द स्वरूप काम में लिया जाता है जिसमें परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाला जीवन शामिल है।

- “परमेश्वर का ज्ञान” को कभी-कभी “यहोवा का भय” का पर्यायवाची शब्द स्वरूप काम में लिया जाता है।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण पर आधारित “जानना” के अनुवाद हो सकते हैं, “समझना” या “परिचित होना” या “सचेत होना” या “जानकार होना” या “के संबन्ध” में होना।
- दो चीजों के बीच अंतर को समझने के संदर्भ में, इस शब्द का आमतौर पर "भेद" के रूप में अनुवाद किया जाता है। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो इस शब्द का अक्सर प्रस्तावना के बाद "बीच में" होता है।
- "जानना" शब्द के लिए कुछ भाषाओं के पास दो शब्द अलग-अलग हैं, एक तथ्य जानने के लिए और दूसरा एक व्यक्ति को जानने के लिए और उसके साथ संबंध होने के लिए।
- “प्रकट करना” का अनुवाद “मनुष्यों को जानने योग्य बनाना” या “अनावृत करना” या “बारे में बताना” या “वर्णन करना” हो सकता है।
- “किसी के बारे में बताना” का अनुवाद “सचेत होना” या “परिचित होना हो सकता है।”
- “जानना कैसे” अर्थात कुछ करने की प्रक्रिया या विधि समझना। इसका अनुवाद हो सकता है, “सक्षम होना” था या “करने में निपुण होना”।
- “ज्ञान” शब्द का अनुवाद “जो ज्ञात है” या “बुद्धि” या “समझ” प्रकरण के अनुसार हो सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, प्रकट करना, समझना, बुद्धिमान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:12-13
- 1 शमूएल 17:46
- 2 कुरिन्थियों 02:15
- 2 पतरस 01:3-4
- व्यव. 04:39-40
- उत्पत्ति 19:05
- लूका 01:77

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1843, H1844, H1847, H1875, H3045, H3046, H4093, H4486, H5046, H5234, H5475, H5869, G50, G56, G1097, G1107, G1108, G1492, G1921, G1922, G1987, G2467, G2589, G4267, G4894

जानना, जानता है, जानता था, जानना, ज्ञान, ज्ञात, प्रकट करना, ज्ञात करता है, ज्ञात करता है, अज्ञात, पहले से जानना, पूर्वज्ञान

परिभाषा:

“जानना” और "ज्ञान" का अर्थ सामान्यतः किसी बात को या किसी व्यक्ति को समझने के लिए होता है।इसका अर्थ किसी तथ्य का जानकार होना या किसी व्यक्ति से परिचित होना भी हो सकता है। "ज्ञात करना" एक अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है जानकारी देना।

- “ज्ञान” शब्द का संदर्भ में है जो मनुष्य जानकारी रखते हैं। इसका अभिप्राय लौकिक और अलौकिक संसार दोनों की जानकारी हो सकता है।
- परमेश्वर के “बारे में जानना” अर्थात उसके बारे में तथ्यों को अन्तर्ग्रहण करना उसने हम पर जो प्रकट किया है।
- परमेश्वर को “जानना” अर्थात उसके साथ घनिष्ठ संबन्ध बनाना। यह मनुष्यों को जानने के लिए भी काम में लिया जाता है।
- परमेश्वर की इच्छा जानना अर्थात उसकी आज्ञा के प्रति सचेत रहना या मनुष्य से जो चाहता है उसे समझना।
- “व्यवस्था को जानना” अर्थात परमेश्वर की आज्ञाओं के प्रति सचेत रहना या परमेश्वर ने मूसा को व्यवस्था में जो निर्देश दिए उन्हें समझना।
- कभी-कभी “ज्ञान” “बुद्धि” के पर्यायवाची शब्द स्वरूप काम में लिया जाता है जिसमें परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाला जीवन शामिल है।
- “परमेश्वर का ज्ञान” को कभी-कभी “यहोवा का भय” का पर्यायवाची शब्द स्वरूप काम में लिया जाता है।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण पर आधारित “जानना” के अनुवाद हो सकते हैं, “समझना” या “परिचित होना” या “सचेत होना” या “जानकार होना” या “के संबन्ध” में होना।
- दो चीजों के बीच अंतर को समझने के संदर्भ में, इस शब्द का आमतौर पर "भेद" के रूप में अनुवाद किया जाता है। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो इस शब्द का अक्सर प्रस्तावना के बाद "बीच में" होता है।
- "जानना" शब्द के लिए कुछ भाषाओं के पास दो शब्द अलग-अलग हैं, एक तथ्य जानने के लिए और दूसरा एक व्यक्ति को जानने के लिए और उसके साथ संबंध होने के लिए।
- “प्रकट करना” का अनुवाद “मनुष्यों को जानने योग्य बनाना” या “अनावृत करना” या “बारे में बताना” या “वर्णन करना” हो सकता है।
- “किसी के बारे में बताना” का अनुवाद “सचेत होना” या “परिचित होना हो सकता है।”
- “जानना कैसे” अर्थात कुछ करने की प्रक्रिया या विधि समझना। इसका अनुवाद हो सकता है, “सक्षम होना” था या “करने में निपुण होना”।

- “ज्ञान” शब्द का अनुवाद “जो ज्ञात है” या “बुद्धि” या “समझ” प्रकरण के अनुसार हो सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, प्रकट करना, समझना, बुद्धिमान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:12-13
- 1 शमूएल 17:46
- 2 कुरिन्थियों 02:15
- 2 पतरस 01:3-4
- व्यव. 04:39-40
- उत्पत्ति 19:05
- लूका 01:77

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1843, H1844, H1847, H1875, H3045, H3046, H4093, H4486, H5046, H5234, H5475, H5869, G50, G56, G1097, G1107, G1108, G1492, G1921, G1922, G1987, G2467, G2589, G4267, G4894

जानना, जानता है, जानता था, जानना, ज्ञान, ज्ञात, प्रकट करना, ज्ञात करता है, ज्ञात करता है, अज्ञात, पहले से जानना, पूर्वज्ञान

परिभाषा:

“जानना” और "ज्ञान" का अर्थ सामान्यतः किसी बात को या किसी व्यक्ति को समझने के लिए होता है।इसका अर्थ किसी तथ्य का जानकार होना या किसी व्यक्ति से परिचित होना भी हो सकता है। "ज्ञात करना" एक अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है जानकारी देना।

- “ज्ञान” शब्द का संदर्भ में है जो मनुष्य जानकारी रखते हैं। इसका अभिप्राय लौकिक और अलौकिक संसार दोनों की जानकारी हो सकता है।
- परमेश्वर के “बारे में जानना” अर्थात उसके बारे में तथ्यों को अन्तर्ग्रहण करना उसने हम पर जो प्रकट किया है।
- परमेश्वर को “जानना” अर्थात उसके साथ घनिष्ठ संबन्ध बनाना। यह मनुष्यों को जानने के लिए भी काम में लिया जाता है।
- परमेश्वर की इच्छा जानना अर्थात उसकी आज्ञा के प्रति सचेत रहना या मनुष्य से जो चाहता है उसे समझना।
- “व्यवस्था को जानना” अर्थात परमेश्वर की आज्ञाओं के प्रति सचेत रहना या परमेश्वर ने मूसा को व्यवस्था में जो निर्देश दिए उन्हें समझना।
- कभी-कभी “ज्ञान” “बुद्धि” के पर्यायवाची शब्द स्वरूप काम में लिया जाता है जिसमें परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाला जीवन शामिल है।
- “परमेश्वर का ज्ञान” को कभी-कभी “यहोवा का भय” का पर्यायवाची शब्द स्वरूप काम में लिया जाता है।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण पर आधारित “जानना” के अनुवाद हो सकते हैं, “समझना” या “परिचित होना” या “सचेत होना” या “जानकार होना” या “के संबन्ध” में होना।
- दो चीजों के बीच अंतर को समझने के संदर्भ में, इस शब्द का आमतौर पर "भेद" के रूप में अनुवाद किया जाता है। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो इस शब्द का अक्सर प्रस्तावना के बाद "बीच में" होता है।
- "जानना" शब्द के लिए कुछ भाषाओं के पास दो शब्द अलग-अलग हैं, एक तथ्य जानने के लिए और दूसरा एक व्यक्ति को जानने के लिए और उसके साथ संबंध होने के लिए।
- “प्रकट करना” का अनुवाद “मनुष्यों को जानने योग्य बनाना” या “अनावृत करना” या “बारे में बताना” या “वर्णन करना” हो सकता है।
- “किसी के बारे में बताना” का अनुवाद “सचेत होना” या “परिचित होना हो सकता है।”
- “जानना कैसे” अर्थात कुछ करने की प्रक्रिया या विधि समझना। इसका अनुवाद हो सकता है, “सक्षम होना” था या “करने में निपुण होना”।
- “ज्ञान” शब्द का अनुवाद “जो ज्ञात है” या “बुद्धि” या “समझ” प्रकरण के अनुसार हो सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, प्रकट करना, समझना, बुद्धिमान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:12-13
- 1 शमूएल 17:46
- 2 कुरिन्थियों 02:15
- 2 पतरस 01:3-4
- व्यव. 04:39-40
- उत्पत्ति 19:05
- लूका 01:77

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1843, H1844, H1847, H1875, H3045, H3046, H4093, H4486, H5046, H5234, H5475, H5869, G50, G56, G1097, G1107, G1108, G1492, G1921, G1922, G1987, G2467, G2589, G4267, G4894

जिब्राईल

तथ्य:

परमेश्वर के एक प्रधान स्वर्गदूत का नाम जिब्राईल। पुराने नियम और नये नियम में उसका नाम अनेक बार आया है।

- परमेश्वर ने जिब्राईल को दानिय्येल के पास भेजा था कि उसके स्वप्न का अर्थ समझाए।
- एक बार और, जब दनिय्येल प्रार्थना कर रहा था तब स्वर्गदूत जिब्राईल उड़ कर उसके पास आया और उसे भावी घटनाओ की भविष्यद्वाणी सुनाई। दानिय्येल उसे एक "पुरुष" कहता है।
- नये नियम में जिब्राईल जकर्याह के पास आया था कि उसके व्यस्क पत्नी इलीशिबा द्वारा पुत्र प्राप्ति का भविष्यद्वाणी करे।
- उसके छः महीने बाद जिब्राईल को मरियम के पास भेजा गया कि उसे परमेश्वर के चमत्कार द्वारा पुत्र प्राप्ति का संदेश सुनाए, वह पुत्र "परमेश्वर का पुत्र" होगा। जिब्राईल ने

मरियम से कहा था कि वह अपने पुत्र का नाम यीशु रखे।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दानिय्येल, एलीशिबा, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मरियम, भविष्यद्वक्ता, परमेश्वर का पुत्र, जकर्याह (नया नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 08:15-17
- दानिय्येल 09:20-21
- लूका 01:18-20
- लूका 01:26-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1403, G1043

जी उठने

परिभाषा:

“जी उठने” का अर्थ है मरणोपरान्त पुनः जीवित हो जाना।

- किसी का पुनरूत्थान करना अर्थात उसे मरणोपरान्त पुनः जीवित करना। केवल परमेश्वर के पास ऐसा सामर्थ्य है।
- शब्द "जी उठने" अक्सर यीशु के मरने के बाद पुनः जीवित के लिए संदर्भित करता है।
- यीशु ने कहा, “पुनरूत्थान और जीवन मैं हूं”, तो उसके कहने का अर्थ था कि वह पुनरूत्थान का स्रोत है और वह मनुष्य को पुनजीर्वित करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जी उठने” शब्द का अनुवाद, “पुनजीर्वित होना” या “मरणोपरान्त फिर जीवित हो जाना” हो सकता है।
- इस शब्द का वास्तविक अर्थ “ऊँचा उठना” या “उठाए जाना” (मृत्यु से) है। इस शब्द के संभावित अनुवाद, “आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन” या “नैतिक विचार” हो सकते हैं

(यह भी देखें: जीवन, मर जाए, खड़ा करना

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:12-14
- 1 पतरस 03:21-22
- इब्रानियों 11:35-38
- यूहन्ना 05:28-29
- लूका 20:27-28

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- लूका 20:34-36
- मत्ती 22:23-24
- मत्ती 22:29-30
- फिलिप्पियों 03:8-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके जी उठने के माध्यम से, परमेश्वर अपनी योजना सिद्ध करेंगे और पापियों को बचाने के लिए नई वाचा का आरम्भ करेंगे |
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विशवास करता है वह यदि मर भी जाये, तौभी जीवित रहेगा”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G386, G1454, G1815

जी उठने

परिभाषा:

“जी उठने” का अर्थ है मरणोपरान्त पुनः जीवित हो जाना।

- किसी का पुनरूत्थान करना अर्थात उसे मरणोपरान्त पुनः जीवित करना। केवल परमेश्वर के पास ऐसा सामर्थ्य है।
- शब्द "जी उठने" अक्सर यीशु के मरने के बाद पुनः जीवित के लिए संदर्भित करता है।
- यीशु ने कहा, “पुनरूत्थान और जीवन मैं हूं”, तो उसके कहने का अर्थ था कि वह पुनरूत्थान का स्रोत है और वह मनुष्य को पुनजीर्वित करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जी उठने” शब्द का अनुवाद, “पुनजीर्वित होना” या “मरणोपरान्त फिर जीवित हो जाना” हो सकता है।
- इस शब्द का वास्तविक अर्थ “ऊँचा उठना” या “उठाए जाना” (मृत्यु से) है। इस शब्द के संभावित अनुवाद, “आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन” या “नैतिक विचार” हो सकते हैं

(यह भी देखें: जीवन, मर जाए, खड़ा करना

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:12-14
- 1 पतरस 03:21-22
- इब्रानियों 11:35-38
- यूहन्ना 05:28-29
- लूका 20:27-28
- लूका 20:34-36
- मत्ती 22:23-24
- मत्ती 22:29-30
- फिलिप्पियों 03:8-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके जी उठने के माध्यम से, परमेश्वर अपनी योजना सिद्ध करेंगे और पापियों को बचाने के लिए नई वाचा का आरम्भ करेंगे |
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विशवास करता है वह यदि मर भी जाये, तौभी जीवित रहेगा”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G386, G1454, G1815

जी उठने

परिभाषा:

“जी उठने” का अर्थ है मरणोपरान्त पुनः जीवित हो जाना।

- किसी का पुनरूत्थान करना अर्थात उसे मरणोपरान्त पुनः जीवित करना। केवल परमेश्वर के पास ऐसा सामर्थ्य है।
- शब्द "जी उठने" अक्सर यीशु के मरने के बाद पुनः जीवित के लिए संदर्भित करता है।
- यीशु ने कहा, “पुनरूत्थान और जीवन मैं हूं”, तो उसके कहने का अर्थ था कि वह पुनरूत्थान का स्रोत है और वह मनुष्य को पुनजीर्वित करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जी उठने” शब्द का अनुवाद, “पुनजीर्वित होना” या “मरणोपरान्त फिर जीवित हो जाना” हो सकता है।
- इस शब्द का वास्तविक अर्थ “ऊँचा उठना” या “उठाए जाना” (मृत्यु से) है। इस शब्द के संभावित अनुवाद, “आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन” या “नैतिक विचार” हो सकते हैं

(यह भी देखें: जीवन, मर जाए, खड़ा करना

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:12-14
- 1 पतरस 03:21-22
- इब्रानियों 11:35-38
- यूहन्ना 05:28-29
- लूका 20:27-28
- लूका 20:34-36
- मत्ती 22:23-24
- मत्ती 22:29-30
- फिलिप्पियों 03:8-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके जी उठने के माध्यम से, परमेश्वर अपनी योजना सिद्ध करेंगे और पापियों को बचाने के लिए नई वाचा का आरम्भ करेंगे |
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विशवास करता है वह यदि मर भी जाये, तौभी जीवित रहेगा”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G386, G1454, G1815

जी उठने

परिभाषा:

“जी उठने” का अर्थ है मरणोपरान्त पुनः जीवित हो जाना।

- किसी का पुनरूत्थान करना अर्थात उसे मरणोपरान्त पुनः जीवित करना। केवल परमेश्वर के पास ऐसा सामर्थ्य है।
- शब्द "जी उठने" अक्सर यीशु के मरने के बाद पुनः जीवित के लिए संदर्भित करता है।
- यीशु ने कहा, “पुनरूत्थान और जीवन मैं हूं”, तो उसके कहने का अर्थ था कि वह पुनरूत्थान का स्रोत है और वह मनुष्य को पुनजीर्वित करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जी उठने” शब्द का अनुवाद, “पुनजीर्वित होना” या “मरणोपरान्त फिर जीवित हो जाना” हो सकता है।
- इस शब्द का वास्तविक अर्थ “ऊँचा उठना” या “उठाए जाना” (मृत्यु से) है। इस शब्द के संभावित अनुवाद, “आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन” या “नैतिक विचार” हो सकते हैं

(यह भी देखें: जीवन, मर जाए, खड़ा करना

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:12-14
- 1 पतरस 03:21-22
- इब्रानियों 11:35-38
- यूहन्ना 05:28-29
- लूका 20:27-28
- लूका 20:34-36
- मत्ती 22:23-24
- मत्ती 22:29-30
- फिलिप्पियों 03:8-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके जी उठने के माध्यम से, परमेश्वर अपनी योजना सिद्ध करेंगे और पापियों को बचाने के लिए नई वाचा का आरम्भ करेंगे |
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विशवास करता है वह यदि मर भी जाये, तौभी जीवित रहेगा”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G386, G1454, G1815

जी उठने

परिभाषा:

“जी उठने” का अर्थ है मरणोपरान्त पुनः जीवित हो जाना।

- किसी का पुनरूत्थान करना अर्थात उसे मरणोपरान्त पुनः जीवित करना। केवल परमेश्वर के पास ऐसा सामर्थ्य है।
- शब्द "जी उठने" अक्सर यीशु के मरने के बाद पुनः जीवित के लिए संदर्भित करता है।
- यीशु ने कहा, “पुनरूत्थान और जीवन मैं हूं”, तो उसके कहने का अर्थ था कि वह पुनरूत्थान का स्रोत है और वह मनुष्य को पुनजीर्वित करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जी उठने” शब्द का अनुवाद, “पुनजीर्वित होना” या “मरणोपरान्त फिर जीवित हो जाना” हो सकता है।
- इस शब्द का वास्तविक अर्थ “ऊँचा उठना” या “उठाए जाना” (मृत्यु से) है। इस शब्द के संभावित अनुवाद, “आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन” या “नैतिक विचार” हो सकते हैं

(यह भी देखें: जीवन, मर जाए, खड़ा करना

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:12-14
- 1 पतरस 03:21-22
- इब्रानियों 11:35-38
- यूहन्ना 05:28-29
- लूका 20:27-28
- लूका 20:34-36
- मत्ती 22:23-24
- मत्ती 22:29-30
- फिलिप्पियों 03:8-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके जी उठने के माध्यम से, परमेश्वर अपनी योजना सिद्ध करेंगे और पापियों को बचाने के लिए नई वाचा का आरम्भ करेंगे |
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विशवास करता है वह यदि मर भी जाये, तौभी जीवित रहेगा”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G386, G1454, G1815

जी उठने

परिभाषा:

“जी उठने” का अर्थ है मरणोपरान्त पुनः जीवित हो जाना।

- किसी का पुनरूत्थान करना अर्थात उसे मरणोपरान्त पुनः जीवित करना। केवल परमेश्वर के पास ऐसा सामर्थ्य है।
- शब्द "जी उठने" अक्सर यीशु के मरने के बाद पुनः जीवित के लिए संदर्भित करता है।
- यीशु ने कहा, “पुनरूत्थान और जीवन मैं हूं”, तो उसके कहने का अर्थ था कि वह पुनरूत्थान का स्रोत है और वह मनुष्य को पुनजीर्वित करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जी उठने” शब्द का अनुवाद, “पुनजीर्वित होना” या “मरणोपरान्त फिर जीवित हो जाना” हो सकता है।
- इस शब्द का वास्तविक अर्थ “ऊँचा उठना” या “उठाए जाना” (मृत्यु से) है। इस शब्द के संभावित अनुवाद, “आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन” या “नैतिक विचार” हो सकते हैं

(यह भी देखें: जीवन, मर जाए, खड़ा करना

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:12-14
- 1 पतरस 03:21-22
- इब्रानियों 11:35-38
- यूहन्ना 05:28-29
- लूका 20:27-28
- लूका 20:34-36
- मत्ती 22:23-24
- मत्ती 22:29-30
- फिलिप्पियों 03:8-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके जी उठने के माध्यम से, परमेश्वर अपनी योजना सिद्ध करेंगे और पापियों को बचाने के लिए नई वाचा का आरम्भ करेंगे |
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विशवास करता है वह यदि मर भी जाये, तौभी जीवित रहेगा”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G386, G1454, G1815

जी उठने

परिभाषा:

“जी उठने” का अर्थ है मरणोपरान्त पुनः जीवित हो जाना।

- किसी का पुनरूत्थान करना अर्थात उसे मरणोपरान्त पुनः जीवित करना। केवल परमेश्वर के पास ऐसा सामर्थ्य है।
- शब्द "जी उठने" अक्सर यीशु के मरने के बाद पुनः जीवित के लिए संदर्भित करता है।
- यीशु ने कहा, “पुनरूत्थान और जीवन मैं हूं”, तो उसके कहने का अर्थ था कि वह पुनरूत्थान का स्रोत है और वह मनुष्य को पुनजीर्वित करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जी उठने” शब्द का अनुवाद, “पुनजीर्वित होना” या “मरणोपरान्त फिर जीवित हो जाना” हो सकता है।
- इस शब्द का वास्तविक अर्थ “ऊँचा उठना” या “उठाए जाना” (मृत्यु से) है। इस शब्द के संभावित अनुवाद, “आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन” या “नैतिक विचार” हो सकते हैं

(यह भी देखें: जीवन, मर जाए, खड़ा करना

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:12-14
- 1 पतरस 03:21-22
- इब्रानियों 11:35-38
- यूहन्ना 05:28-29
- लूका 20:27-28
- लूका 20:34-36
- मत्ती 22:23-24
- मत्ती 22:29-30
- फिलिप्पियों 03:8-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके जी उठने के माध्यम से, परमेश्वर अपनी योजना सिद्ध करेंगे और पापियों को बचाने के लिए नई वाचा का आरम्भ करेंगे |
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विशवास करता है वह यदि मर भी जाये, तौभी जीवित रहेगा”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G386, G1454, G1815

जी उठने

परिभाषा:

“जी उठने” का अर्थ है मरणोपरान्त पुनः जीवित हो जाना।

- किसी का पुनरूत्थान करना अर्थात उसे मरणोपरान्त पुनः जीवित करना। केवल परमेश्वर के पास ऐसा सामर्थ्य है।
- शब्द "जी उठने" अक्सर यीशु के मरने के बाद पुनः जीवित के लिए संदर्भित करता है।
- यीशु ने कहा, “पुनरूत्थान और जीवन मैं हूं”, तो उसके कहने का अर्थ था कि वह पुनरूत्थान का स्रोत है और वह मनुष्य को पुनजीर्वित करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जी उठने” शब्द का अनुवाद, “पुनजीर्वित होना” या “मरणोपरान्त फिर जीवित हो जाना” हो सकता है।
- इस शब्द का वास्तविक अर्थ “ऊँचा उठना” या “उठाए जाना” (मृत्यु से) है। इस शब्द के संभावित अनुवाद, “आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन” या “नैतिक विचार” हो सकते हैं

(यह भी देखें: जीवन, मर जाए, खड़ा करना

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:12-14
- 1 पतरस 03:21-22
- इब्रानियों 11:35-38
- यूहन्ना 05:28-29
- लूका 20:27-28
- लूका 20:34-36
- मत्ती 22:23-24
- मत्ती 22:29-30
- फिलिप्पियों 03:8-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके जी उठने के माध्यम से, परमेश्वर अपनी योजना सिद्ध करेंगे और पापियों को बचाने के लिए नई वाचा का आरम्भ करेंगे |
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विशवास करता है वह यदि मर भी जाये, तौभी जीवित रहेगा”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G386, G1454, G1815

जी उठने

परिभाषा:

“जी उठने” का अर्थ है मरणोपरान्त पुनः जीवित हो जाना।

- किसी का पुनरूत्थान करना अर्थात उसे मरणोपरान्त पुनः जीवित करना। केवल परमेश्वर के पास ऐसा सामर्थ्य है।
- शब्द "जी उठने" अक्सर यीशु के मरने के बाद पुनः जीवित के लिए संदर्भित करता है।
- यीशु ने कहा, “पुनरूत्थान और जीवन मैं हूं”, तो उसके कहने का अर्थ था कि वह पुनरूत्थान का स्रोत है और वह मनुष्य को पुनजीर्वित करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जी उठने” शब्द का अनुवाद, “पुनजीर्वित होना” या “मरणोपरान्त फिर जीवित हो जाना” हो सकता है।
- इस शब्द का वास्तविक अर्थ “ऊँचा उठना” या “उठाए जाना” (मृत्यु से) है। इस शब्द के संभावित अनुवाद, “आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन” या “नैतिक विचार” हो सकते हैं

(यह भी देखें: जीवन, मर जाए, खड़ा करना

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:12-14
- 1 पतरस 03:21-22
- इब्रानियों 11:35-38
- यूहन्ना 05:28-29
- लूका 20:27-28
- लूका 20:34-36
- मत्ती 22:23-24
- मत्ती 22:29-30
- फिलिप्पियों 03:8-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके जी उठने के माध्यम से, परमेश्वर अपनी योजना सिद्ध करेंगे और पापियों को बचाने के लिए नई वाचा का आरम्भ करेंगे |
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विशवास करता है वह यदि मर भी जाये, तौभी जीवित रहेगा”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G386, G1454, G1815

जी उठने

परिभाषा:

“जी उठने” का अर्थ है मरणोपरान्त पुनः जीवित हो जाना।

- किसी का पुनरूत्थान करना अर्थात उसे मरणोपरान्त पुनः जीवित करना। केवल परमेश्वर के पास ऐसा सामर्थ्य है।
- शब्द "जी उठने" अक्सर यीशु के मरने के बाद पुनः जीवित के लिए संदर्भित करता है।
- यीशु ने कहा, “पुनरूत्थान और जीवन मैं हूं”, तो उसके कहने का अर्थ था कि वह पुनरूत्थान का स्रोत है और वह मनुष्य को पुनजीर्वित करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जी उठने” शब्द का अनुवाद, “पुनजीर्वित होना” या “मरणोपरान्त फिर जीवित हो जाना” हो सकता है।
- इस शब्द का वास्तविक अर्थ “ऊँचा उठना” या “उठाए जाना” (मृत्यु से) है। इस शब्द के संभावित अनुवाद, “आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन” या “नैतिक विचार” हो सकते हैं

(यह भी देखें: जीवन, मर जाए, खड़ा करना

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:12-14
- 1 पतरस 03:21-22
- इब्रानियों 11:35-38
- यूहन्ना 05:28-29
- लूका 20:27-28
- लूका 20:34-36
- मत्ती 22:23-24
- मत्ती 22:29-30
- फिलिप्पियों 03:8-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके जी उठने के माध्यम से, परमेश्वर अपनी योजना सिद्ध करेंगे और पापियों को बचाने के लिए नई वाचा का आरम्भ करेंगे |
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विशवास करता है वह यदि मर भी जाये, तौभी जीवित रहेगा”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G386, G1454, G1815

जी उठने

परिभाषा:

“जी उठने” का अर्थ है मरणोपरान्त पुनः जीवित हो जाना।

- किसी का पुनरूत्थान करना अर्थात उसे मरणोपरान्त पुनः जीवित करना। केवल परमेश्वर के पास ऐसा सामर्थ्य है।
- शब्द "जी उठने" अक्सर यीशु के मरने के बाद पुनः जीवित के लिए संदर्भित करता है।
- यीशु ने कहा, “पुनरूत्थान और जीवन मैं हूं”, तो उसके कहने का अर्थ था कि वह पुनरूत्थान का स्रोत है और वह मनुष्य को पुनजीर्वित करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “जी उठने” शब्द का अनुवाद, “पुनजीर्वित होना” या “मरणोपरान्त फिर जीवित हो जाना” हो सकता है।
- इस शब्द का वास्तविक अर्थ “ऊँचा उठना” या “उठाए जाना” (मृत्यु से) है। इस शब्द के संभावित अनुवाद, “आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन” या “नैतिक विचार” हो सकते हैं

(यह भी देखें: जीवन, मर जाए, खड़ा करना

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:12-14
- 1 पतरस 03:21-22
- इब्रानियों 11:35-38
- यूहन्ना 05:28-29
- लूका 20:27-28
- लूका 20:34-36
- मत्ती 22:23-24
- मत्ती 22:29-30
- फिलिप्पियों 03:8-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके जी उठने के माध्यम से, परमेश्वर अपनी योजना सिद्ध करेंगे और पापियों को बचाने के लिए नई वाचा का आरम्भ करेंगे |
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विशवास करता है वह यदि मर भी जाये, तौभी जीवित रहेगा”

शब्द तथ्य:

- Strong's: G386, G1454, G1815

जीभ, जीभों

परिभाषा:

“जीभ” शब्द का सन्दर्भ मनुष्य के मुंह के भीतर के उस अंग से है जो शब्दोच्चारण के काम में आता है। यह शब्द "भाषा" या "बोलने" के लिए प्रायः लाक्षणिक रूप में काम में लिया जाता है। इसके अन्य अनेक लाक्षणिक अर्थ भी हैं।

- बाइबल में इस शब्द का सबसे अधिक सामान्य प्रतीकात्मक अर्थ है, “भाषा” या “बोलना”।
- कभी-कभी "जीभ" एक निश्चित मानव समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करती है।
- यह एक अलौकिक भाषा को भी संदर्भित करता है जिसे पवित्र आत्मा मसीह के विश्वासियों को "आत्मा के वरदान" के एक रूप में देता है।
- प्रेरितों के काम की पुस्तक में एक अभ्व्यक्ति है, “जीभ के समान आग की लपटें” अर्थात् आग की “लौ” जिनका आकार संभवतः जीभों जैसा था।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “जीभ” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “भाषा” या “आत्मिक भाषा” * यदि अर्थ स्पष्ट न हो रहा हो तो इसका अनुवाद “भाषा” ही करें।
- आग के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद “लौ” किया जा सकता है।
- “मेरी जीभ आनन्द करती है” इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं आनन्द करता हूँ और परमेश्वर की स्तुति करता हूँ या “मैं आनन्द के साथ परमेश्वर की स्तुति करता हूँ”।
- “झूठ बोलने वाली जीभ” का अनुवाद हो सकता है, “व्यक्ति जो झूठ बोलते हैं” या “जो लोग झूठ बोलते हैं”।
- “उनकी जीभों से” ऐसी उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “उनके कथनों से” या “उनके शब्दों से”।

(यह भी देखें: दान, पवित्र आत्मा, आनन्द, स्तुति, आनन्द, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:10
- 1 यूहन्ना 03:18
- 2 शमूएल 23:02
- प्रे.का. 02:26
- यहेजकेल 36:03
- फिलिप्पियों 02:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3956, G1100, G1258, G2084

जीभ, जीभों

परिभाषा:

“जीभ” शब्द का सन्दर्भ मनुष्य के मुंह के भीतर के उस अंग से है जो शब्दोच्चारण के काम में आता है। यह शब्द "भाषा" या "बोलने" के लिए प्रायः लाक्षणिक रूप में काम में लिया जाता है। इसके अन्य अनेक लाक्षणिक अर्थ भी हैं।

- बाइबल में इस शब्द का सबसे अधिक सामान्य प्रतीकात्मक अर्थ है, “भाषा” या “बोलना”।
- कभी-कभी "जीभ" एक निश्चित मानव समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करती है।
- यह एक अलौकिक भाषा को भी संदर्भित करता है जिसे पवित्र आत्मा मसीह के विश्वासियों को "आत्मा के वरदान" के एक रूप में देता है।
- प्रेरितों के काम की पुस्तक में एक अभ्व्यक्ति है, “जीभ के समान आग की लपटें” अर्थात् आग की “लौ” जिनका आकार संभवतः जीभों जैसा था।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “जीभ” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “भाषा” या “आत्मिक भाषा” * यदि अर्थ स्पष्ट न हो रहा हो तो इसका अनुवाद “भाषा” ही करें।
- आग के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद “लौ” किया जा सकता है।

- “मेरी जीभ आनन्द करती है” इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं आनन्द करता हूँ और परमेश्वर की स्तुति करता हूँ या “मैं आनन्द के साथ परमेश्वर की स्तुति करता हूँ”।
- “झूठ बोलने वाली जीभ” का अनुवाद हो सकता है, “व्यक्ति जो झूठ बोलते हैं” या “जो लोग झूठ बोलते हैं”।
- “उनकी जीभों से” ऐसी उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “उनके कथनों से” या “उनके शब्दों से”।

(यह भी देखें: दान, पवित्र आत्मा, आनन्द, स्तुति, आनन्द, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:10
- 1 यूहन्ना 03:18
- 2 शमूएल 23:02
- प्रे.का. 02:26
- यहेजकेल 36:03
- फिलिप्पियों 02:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3956, G1100, G1258, G2084

जीभ, जीभों

परिभाषा:

“जीभ” शब्द का सन्दर्भ मनुष्य के मुंह के भीतर के उस अंग से है जो शब्दोच्चारण के काम में आता है। यह शब्द "भाषा" या "बोलने" के लिए प्रायः लाक्षणिक रूप में काम में लिया जाता है। इसके अन्य अनेक लाक्षणिक अर्थ भी हैं।

- बाइबल में इस शब्द का सबसे अधिक सामान्य प्रतीकात्मक अर्थ है, “भाषा” या “बोलना”।
- कभी-कभी "जीभ" एक निश्चित मानव समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करती है।
- यह एक अलौकिक भाषा को भी संदर्भित करता है जिसे पवित्र आत्मा मसीह के विश्वासियों को "आत्मा के वरदान" के एक रूप में देता है।
- प्रेरितों के काम की पुस्तक में एक अभ्व्यक्ति है, “जीभ के समान आग की लपटें” अर्थात् आग की “लौ” जिनका आकार संभवतः जीभों जैसा था।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “जीभ” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “भाषा” या “आत्मिक भाषा” * यदि अर्थ स्पष्ट न हो रहा हो तो इसका अनुवाद “भाषा” ही करें।
- आग के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद “लौ” किया जा सकता है।
- “मेरी जीभ आनन्द करती है” इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं आनन्द करता हूँ और परमेश्वर की स्तुति करता हूँ या “मैं आनन्द के साथ परमेश्वर की स्तुति करता हूँ”।
- “झूठ बोलने वाली जीभ” का अनुवाद हो सकता है, “व्यक्ति जो झूठ बोलते हैं” या “जो लोग झूठ बोलते हैं”।
- “उनकी जीभों से” ऐसी उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “उनके कथनों से” या “उनके शब्दों से”।

(यह भी देखें: दान, पवित्र आत्मा, आनन्द, स्तुति, आनन्द, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:10
- 1 यूहन्ना 03:18
- 2 शमूएल 23:02
- प्रे.का. 02:26
- यहेजकेल 36:03
- फिलिप्पियों 02:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3956, G1100, G1258, G2084

जीभ, जीभों

परिभाषा:

“जीभ” शब्द का सन्दर्भ मनुष्य के मुंह के भीतर के उस अंग से है जो शब्दोच्चारण के काम में आता है। यह शब्द "भाषा" या "बोलने" के लिए प्रायः लाक्षणिक रूप में काम में लिया जाता है। इसके अन्य अनेक लाक्षणिक अर्थ भी हैं।

- बाइबल में इस शब्द का सबसे अधिक सामान्य प्रतीकात्मक अर्थ है, “भाषा” या “बोलना”।
- कभी-कभी "जीभ" एक निश्चित मानव समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करती है।
- यह एक अलौकिक भाषा को भी संदर्भित करता है जिसे पवित्र आत्मा मसीह के विश्वासियों को "आत्मा के वरदान" के एक रूप में देता है।
- प्रेरितों के काम की पुस्तक में एक अभ्व्यक्ति है, “जीभ के समान आग की लपटें” अर्थात् आग की “लौ” जिनका आकार संभवतः जीभों जैसा था।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “जीभ” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “भाषा” या “आत्मिक भाषा” * यदि अर्थ स्पष्ट न हो रहा हो तो इसका अनुवाद “भाषा” ही करें।
- आग के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद “लौ” किया जा सकता है।
- “मेरी जीभ आनन्द करती है” इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं आनन्द करता हूँ और परमेश्वर की स्तुति करता हूँ या “मैं आनन्द के साथ परमेश्वर की स्तुति करता हूँ”।
- “झूठ बोलने वाली जीभ” का अनुवाद हो सकता है, “व्यक्ति जो झूठ बोलते हैं” या “जो लोग झूठ बोलते हैं”।
- “उनकी जीभों से” ऐसी उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “उनके कथनों से” या “उनके शब्दों से”।

(यह भी देखें: दान, पवित्र आत्मा, आनन्द, स्तुति, आनन्द, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:10
- 1 यूहन्ना 03:18
- 2 शमूएल 23:02
- प्रे.का. 02:26
- यहेजकेल 36:03
- फिलिप्पियों 02:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3956, G1100, G1258, G2084

जीभ, जीभों

परिभाषा:

“जीभ” शब्द का सन्दर्भ मनुष्य के मुंह के भीतर के उस अंग से है जो शब्दोच्चारण के काम में आता है। यह शब्द "भाषा" या "बोलने" के लिए प्रायः लाक्षणिक रूप में काम में लिया जाता है। इसके अन्य अनेक लाक्षणिक अर्थ भी हैं।

- बाइबल में इस शब्द का सबसे अधिक सामान्य प्रतीकात्मक अर्थ है, “भाषा” या “बोलना”।
- कभी-कभी "जीभ" एक निश्चित मानव समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करती है।
- यह एक अलौकिक भाषा को भी संदर्भित करता है जिसे पवित्र आत्मा मसीह के विश्वासियों को "आत्मा के वरदान" के एक रूप में देता है।
- प्रेरितों के काम की पुस्तक में एक अभ्व्यक्ति है, “जीभ के समान आग की लपटें” अर्थात् आग की “लौ” जिनका आकार संभवतः जीभों जैसा था।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “जीभ” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “भाषा” या “आत्मिक भाषा” * यदि अर्थ स्पष्ट न हो रहा हो तो इसका अनुवाद “भाषा” ही करें।
- आग के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद “लौ” किया जा सकता है।
- “मेरी जीभ आनन्द करती है” इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं आनन्द करता हूँ और परमेश्वर की स्तुति करता हूँ या “मैं आनन्द के साथ परमेश्वर की स्तुति करता हूँ”।
- “झूठ बोलने वाली जीभ” का अनुवाद हो सकता है, “व्यक्ति जो झूठ बोलते हैं” या “जो लोग झूठ बोलते हैं”।
- “उनकी जीभों से” ऐसी उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “उनके कथनों से” या “उनके शब्दों से”।

(यह भी देखें: दान, पवित्र आत्मा, आनन्द, स्तुति, आनन्द, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:10
- 1 यूहन्ना 03:18
- 2 शमूएल 23:02
- प्रे.का. 02:26
- यहेजकेल 36:03
- फिलिप्पियों 02:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3956, G1100, G1258, G2084

जीभ, जीभों

परिभाषा:

“जीभ” शब्द का सन्दर्भ मनुष्य के मुंह के भीतर के उस अंग से है जो शब्दोच्चारण के काम में आता है। यह शब्द "भाषा" या "बोलने" के लिए प्रायः लाक्षणिक रूप में काम में लिया जाता है। इसके अन्य अनेक लाक्षणिक अर्थ भी हैं।

- बाइबल में इस शब्द का सबसे अधिक सामान्य प्रतीकात्मक अर्थ है, “भाषा” या “बोलना”।
- कभी-कभी "जीभ" एक निश्चित मानव समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करती है।
- यह एक अलौकिक भाषा को भी संदर्भित करता है जिसे पवित्र आत्मा मसीह के विश्वासियों को "आत्मा के वरदान" के एक रूप में देता है।
- प्रेरितों के काम की पुस्तक में एक अभ्व्यक्ति है, “जीभ के समान आग की लपटें” अर्थात् आग की “लौ” जिनका आकार संभवतः जीभों जैसा था।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “जीभ” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “भाषा” या “आत्मिक भाषा” * यदि अर्थ स्पष्ट न हो रहा हो तो इसका अनुवाद “भाषा” ही करें।
- आग के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद “लौ” किया जा सकता है।
- “मेरी जीभ आनन्द करती है” इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं आनन्द करता हूँ और परमेश्वर की स्तुति करता हूँ या “मैं आनन्द के साथ परमेश्वर की स्तुति करता हूँ”।
- “झूठ बोलने वाली जीभ” का अनुवाद हो सकता है, “व्यक्ति जो झूठ बोलते हैं” या “जो लोग झूठ बोलते हैं”।
- “उनकी जीभों से” ऐसी उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “उनके कथनों से” या “उनके शब्दों से”।

(यह भी देखें: दान, पवित्र आत्मा, आनन्द, स्तुति, आनन्द, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:10
- 1 यूहन्ना 03:18
- 2 शमूएल 23:02
- प्रे.का. 02:26
- यहेजकेल 36:03
- फिलिप्पियों 02:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3956, G1100, G1258, G2084

जीभ, जीभों

परिभाषा:

“जीभ” शब्द का सन्दर्भ मनुष्य के मुंह के भीतर के उस अंग से है जो शब्दोच्चारण के काम में आता है। यह शब्द "भाषा" या "बोलने" के लिए प्रायः लाक्षणिक रूप में काम में लिया जाता है। इसके अन्य अनेक लाक्षणिक अर्थ भी हैं।

- बाइबल में इस शब्द का सबसे अधिक सामान्य प्रतीकात्मक अर्थ है, “भाषा” या “बोलना”।
- कभी-कभी "जीभ" एक निश्चित मानव समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करती है।
- यह एक अलौकिक भाषा को भी संदर्भित करता है जिसे पवित्र आत्मा मसीह के विश्वासियों को "आत्मा के वरदान" के एक रूप में देता है।
- प्रेरितों के काम की पुस्तक में एक अभ्व्यक्ति है, “जीभ के समान आग की लपटें” अर्थात् आग की “लौ” जिनका आकार संभवतः जीभों जैसा था।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “जीभ” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “भाषा” या “आत्मिक भाषा” * यदि अर्थ स्पष्ट न हो रहा हो तो इसका अनुवाद “भाषा” ही करें।
- आग के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद “लौ” किया जा सकता है।
- “मेरी जीभ आनन्द करती है” इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं आनन्द करता हूँ और परमेश्वर की स्तुति करता हूँ या “मैं आनन्द के साथ परमेश्वर की स्तुति करता हूँ”।
- “झूठ बोलने वाली जीभ” का अनुवाद हो सकता है, “व्यक्ति जो झूठ बोलते हैं” या “जो लोग झूठ बोलते हैं”।
- “उनकी जीभों से” ऐसी उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “उनके कथनों से” या “उनके शब्दों से”।

(यह भी देखें: दान, पवित्र आत्मा, आनन्द, स्तुति, आनन्द, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:10
- 1 यूहन्ना 03:18
- 2 शमूएल 23:02
- प्रे.का. 02:26
- यहेजकेल 36:03
- फिलिप्पियों 02:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3956, G1100, G1258, G2084

जीभ, जीभों

परिभाषा:

“जीभ” शब्द का सन्दर्भ मनुष्य के मुंह के भीतर के उस अंग से है जो शब्दोच्चारण के काम में आता है। यह शब्द "भाषा" या "बोलने" के लिए प्रायः लाक्षणिक रूप में काम में लिया जाता है। इसके अन्य अनेक लाक्षणिक अर्थ भी हैं।

- बाइबल में इस शब्द का सबसे अधिक सामान्य प्रतीकात्मक अर्थ है, “भाषा” या “बोलना”।
- कभी-कभी "जीभ" एक निश्चित मानव समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करती है।
- यह एक अलौकिक भाषा को भी संदर्भित करता है जिसे पवित्र आत्मा मसीह के विश्वासियों को "आत्मा के वरदान" के एक रूप में देता है।
- प्रेरितों के काम की पुस्तक में एक अभ्व्यक्ति है, “जीभ के समान आग की लपटें” अर्थात् आग की “लौ” जिनका आकार संभवतः जीभों जैसा था।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “जीभ” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “भाषा” या “आत्मिक भाषा” * यदि अर्थ स्पष्ट न हो रहा हो तो इसका अनुवाद “भाषा” ही करें।
- आग के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद “लौ” किया जा सकता है।
- “मेरी जीभ आनन्द करती है” इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं आनन्द करता हूँ और परमेश्वर की स्तुति करता हूँ या “मैं आनन्द के साथ परमेश्वर की स्तुति करता हूँ”।
- “झूठ बोलने वाली जीभ” का अनुवाद हो सकता है, “व्यक्ति जो झूठ बोलते हैं” या “जो लोग झूठ बोलते हैं”।
- “उनकी जीभों से” ऐसी उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “उनके कथनों से” या “उनके शब्दों से”।

(यह भी देखें: दान, पवित्र आत्मा, आनन्द, स्तुति, आनन्द, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:10
- 1 यूहन्ना 03:18
- 2 शमूएल 23:02
- प्रे.का. 02:26
- यहेजकेल 36:03
- फिलिप्पियों 02:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3956, G1100, G1258, G2084

जीभ, जीभों

परिभाषा:

“जीभ” शब्द का सन्दर्भ मनुष्य के मुंह के भीतर के उस अंग से है जो शब्दोच्चारण के काम में आता है। यह शब्द "भाषा" या "बोलने" के लिए प्रायः लाक्षणिक रूप में काम में लिया जाता है। इसके अन्य अनेक लाक्षणिक अर्थ भी हैं।

- बाइबल में इस शब्द का सबसे अधिक सामान्य प्रतीकात्मक अर्थ है, “भाषा” या “बोलना”।
- कभी-कभी "जीभ" एक निश्चित मानव समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करती है।
- यह एक अलौकिक भाषा को भी संदर्भित करता है जिसे पवित्र आत्मा मसीह के विश्वासियों को "आत्मा के वरदान" के एक रूप में देता है।
- प्रेरितों के काम की पुस्तक में एक अभ्व्यक्ति है, “जीभ के समान आग की लपटें” अर्थात् आग की “लौ” जिनका आकार संभवतः जीभों जैसा था।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “जीभ” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “भाषा” या “आत्मिक भाषा” * यदि अर्थ स्पष्ट न हो रहा हो तो इसका अनुवाद “भाषा” ही करें।
- आग के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद “लौ” किया जा सकता है।
- “मेरी जीभ आनन्द करती है” इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं आनन्द करता हूँ और परमेश्वर की स्तुति करता हूँ या “मैं आनन्द के साथ परमेश्वर की स्तुति करता हूँ”।
- “झूठ बोलने वाली जीभ” का अनुवाद हो सकता है, “व्यक्ति जो झूठ बोलते हैं” या “जो लोग झूठ बोलते हैं”।
- “उनकी जीभों से” ऐसी उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “उनके कथनों से” या “उनके शब्दों से”।

(यह भी देखें: दान, पवित्र आत्मा, आनन्द, स्तुति, आनन्द, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:10
- 1 यूहन्ना 03:18
- 2 शमूएल 23:02
- प्रे.का. 02:26
- यहेजकेल 36:03
- फिलिप्पियों 02:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3956, G1100, G1258, G2084

जीभ, जीभों

परिभाषा:

“जीभ” शब्द का सन्दर्भ मनुष्य के मुंह के भीतर के उस अंग से है जो शब्दोच्चारण के काम में आता है। यह शब्द "भाषा" या "बोलने" के लिए प्रायः लाक्षणिक रूप में काम में लिया जाता है। इसके अन्य अनेक लाक्षणिक अर्थ भी हैं।

- बाइबल में इस शब्द का सबसे अधिक सामान्य प्रतीकात्मक अर्थ है, “भाषा” या “बोलना”।
- कभी-कभी "जीभ" एक निश्चित मानव समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करती है।
- यह एक अलौकिक भाषा को भी संदर्भित करता है जिसे पवित्र आत्मा मसीह के विश्वासियों को "आत्मा के वरदान" के एक रूप में देता है।
- प्रेरितों के काम की पुस्तक में एक अभ्व्यक्ति है, “जीभ के समान आग की लपटें” अर्थात् आग की “लौ” जिनका आकार संभवतः जीभों जैसा था।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “जीभ” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “भाषा” या “आत्मिक भाषा” * यदि अर्थ स्पष्ट न हो रहा हो तो इसका अनुवाद “भाषा” ही करें।
- आग के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद “लौ” किया जा सकता है।
- “मेरी जीभ आनन्द करती है” इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं आनन्द करता हूँ और परमेश्वर की स्तुति करता हूँ या “मैं आनन्द के साथ परमेश्वर की स्तुति करता हूँ”।
- “झूठ बोलने वाली जीभ” का अनुवाद हो सकता है, “व्यक्ति जो झूठ बोलते हैं” या “जो लोग झूठ बोलते हैं”।
- “उनकी जीभों से” ऐसी उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “उनके कथनों से” या “उनके शब्दों से”।

(यह भी देखें: दान, पवित्र आत्मा, आनन्द, स्तुति, आनन्द, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:10
- 1 यूहन्ना 03:18
- 2 शमूएल 23:02
- प्रे.का. 02:26
- यहेजकेल 36:03
- फिलिप्पियों 02:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3956, G1100, G1258, G2084

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।

- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।

- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।

- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3

- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।

- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।

- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।

- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।

- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

1. शारीरिक जीवन

- शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
- एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
- कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
- यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
- "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

2. आत्मिक जीवन

- एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
- इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
- आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
- “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
- “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
- “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
- “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
- बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
- "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
- संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मर जाए, सनातन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 पतरस 01:3-4
- प्रे.का. 10:42-43
- उत्पत्ति 02:7-8
- उत्पत्ति 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यिर्मयाह 44: 1-3
- यूहन्ना 01: 4-5
- न्या. 02:18-19
- लूका 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें जीवन का साँस फूँक दिया।
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे।
- **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक जीवित है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपने जीवन के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"
- **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने जीवन के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

जीवन की पुस्तक

परिभाषा:

“जीवन की पुस्तक” का संदर्भ उस अभिलेख से है जिसमें परमेश्वर ने उन सब मनुष्यों के नाम लिखे हैं जिनका उसने उद्धार करके उन्हें अनन्त जीवन दे दिया है।

- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में इस पुस्तक को “मेम्ने के जीवन की पुस्तक” कहा गया है। इसका अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर के मेम्ने यीशु की जीवन की पुस्तक”। क्रूस पर यीशु की बलि ने मनुष्यों के पाप का दण्ड उठा लिया कि वे उसमें विश्वास के द्वारा अनन्त जीवन पाएं।
- “पुस्तक” शब्द का अर्थ है “कुंडली-ग्रन्थ” या “पत्र” या “लेख” या “वैध अभिलेख।” यह शाब्दिक या प्रतीकात्मक हो सकता है।

(यह भी देखें: सनातन, मेम्ना, जीवन, बलिदान करना, पुस्तक (कुंडली-ग्रन्थ))

बाइबल सन्दर्भ:

- फिलिप्पियों 04:1-3
- भजन संहिता 069:28-29
- प्रकाशितवाक्य 03:5-6
- प्रकाशितवाक्य 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2416, H5612, G976, G2222

जीवन की पुस्तक

परिभाषा:

“जीवन की पुस्तक” का संदर्भ उस अभिलेख से है जिसमें परमेश्वर ने उन सब मनुष्यों के नाम लिखे हैं जिनका उसने उद्धार करके उन्हें अनन्त जीवन दे दिया है।

- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में इस पुस्तक को “मेम्ने के जीवन की पुस्तक” कहा गया है। इसका अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर के मेम्ने यीशु की जीवन की पुस्तक”। क्रूस पर यीशु की बलि ने मनुष्यों के पाप का दण्ड उठा लिया कि वे उसमें विश्वास के द्वारा अनन्त जीवन पाएं।
- “पुस्तक” शब्द का अर्थ है “कुंडली-ग्रन्थ” या “पत्र” या “लेख” या “वैध अभिलेख।” यह शाब्दिक या प्रतीकात्मक हो सकता है।

(यह भी देखें: सनातन, मेम्ना, जीवन, बलिदान करना, पुस्तक (कुंडली-ग्रन्थ))

बाइबल सन्दर्भ:

- फिलिप्पियों 04:1-3
- भजन संहिता 069:28-29
- प्रकाशितवाक्य 03:5-6
- प्रकाशितवाक्य 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2416, H5612, G976, G2222

जूआ, जुते हुए, बंधे हुए

परिभाषा:

जूआ लकड़ी या लोहे का होता है जिसमें दो या अधिक पशु जोते जाते हैं कि हल चलाएं या गाड़ी खीचें। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ हैं।

- शब्द "जूआ" का प्रयोग प्रतीकात्मक रूप से उस बात के लिए किया जाता है, जो मनुष्य को एक साथ काम करने के उद्देश्य से सहकारी करती है जैसे कि यीशु की सेवा करने के लिए।
- पौलुस ने किसी ऐसे व्यक्ति का उल्लेख करने के लिए "सहकर्मी" शब्द का इस्तेमाल किया जो मसीह की सेवा कर रहा था। इसका अनुवाद “साथी कार्यकर्ता” या “साथी सेवक” या “सहकर्मी” भी हो सकता है।
- शब्द "जूआ" का प्रयोग अक्सर एक भारी बोझ का उल्लेख करने के लिए किया जाता है, जिसे किसी को उठा कर ले जाना पड़ता है, जैसे दासत्व या उत्पीड़न के समय शोषण किया जाता है।

- अधिकाँश प्रकरणों में इसका अनुवाद ज्यों का त्यों ही हो तो अच्छा होगा, लक्षित भाषा में खेती के लिए जो जूआ काम में आता है वही शब्द काम में लिया जाए।
- इस शब्द के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद सन्दर्भ के आधार पर हो सकता है, “दमनकारी बोझ” या “भारी बोझ” या “बंधन”।

(यह भी देखें: बांधना, बोझ, अत्याचार करना, सताएँ, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:10
- गलातियों 05:01
- उत्पत्ति 27:40
- यशायाह 09:04
- यिर्मयाह 27:04
- मत्ती 11:30
- फिलिप्पियों 04:03

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H3627, H4132, H4133, H5674, H5923, H6776, G2086 G2218,

जूआ, जुते हुए, बंधे हुए

परिभाषा:

जूआ लकड़ी या लोहे का होता है जिसमें दो या अधिक पशु जोते जाते हैं कि हल चलाएं या गाड़ी खीचें। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ हैं।

- शब्द "जूआ" का प्रयोग प्रतीकात्मक रूप से उस बात के लिए किया जाता है, जो मनुष्य को एक साथ काम करने के उद्देश्य से सहकारी करती है जैसे कि यीशु की सेवा करने के लिए।
- पौलुस ने किसी ऐसे व्यक्ति का उल्लेख करने के लिए "सहकर्मी" शब्द का इस्तेमाल किया जो मसीह की सेवा कर रहा था। इसका अनुवाद “साथी कार्यकर्ता” या “साथी सेवक” या “सहकर्मी” भी हो सकता है।
- शब्द "जूआ" का प्रयोग अक्सर एक भारी बोझ का उल्लेख करने के लिए किया जाता है, जिसे किसी को उठा कर ले जाना पड़ता है, जैसे दासत्व या उत्पीड़न के समय शोषण किया जाता है।
- अधिकाँश प्रकरणों में इसका अनुवाद ज्यों का त्यों ही हो तो अच्छा होगा, लक्षित भाषा में खेती के लिए जो जूआ काम में आता है वही शब्द काम में लिया जाए।
- इस शब्द के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद सन्दर्भ के आधार पर हो सकता है, “दमनकारी बोझ” या “भारी बोझ” या “बंधन”।

(यह भी देखें: बांधना, बोझ, अत्याचार करना, सताएँ, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:10
- गलातियों 05:01
- उत्पत्ति 27:40
- यशायाह 09:04
- यिर्मयाह 27:04
- मत्ती 11:30
- फिलिप्पियों 04:03

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H3627, H4132, H4133, H5674, H5923, H6776, G2086 G2218,

जैतून

परिभाषा:

जैतून एक छोटा अण्डाकार फल होता है, यह अधिकतर भूमध्यसागर के परिवेश में उगाया जाता था।

- जैतून के वृक्ष सदाबहार बड़ी झाड़ी होते है, उनके फूल छोटे और सफेद होते हैं। वे गर्म जलवायु में सबसे अच्छे उगते हैं और उन्हें पानी भी बहुत कम चाहिए होता है।
- जैतून का फल हरा होता है और पकने पर काला पड़ जाता है। जैतून भोजन के लिए और उनसे निकाले जाने वाले तेल के लिए उपयोग होता था।
- जैतून का तेल पकाने के, दीप जलाने और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए काम आता था।
- बाइबल में जैतून के वृक्ष एवं डालियां मनुष्यों के लिए प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए जाते थे।

(यह भी देखें: दीपक, समुद्र, जैतून के पहाड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:28-29
- व्यवस्थाविवरण 06:10-12
- निर्गमन 23:10-11
- उत्पत्ति 08:10-12
- याकूब 03:11-12
- लूका 16:5-7
- भजन संहिता 052:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2132, H3323, H8081, G65, G1636, G1637, G2565

जैतून

परिभाषा:

जैतून एक छोटा अण्डाकार फल होता है, यह अधिकतर भूमध्यसागर के परिवेश में उगाया जाता था।

- जैतून के वृक्ष सदाबहार बड़ी झाड़ी होते है, उनके फूल छोटे और सफेद होते हैं। वे गर्म जलवायु में सबसे अच्छे उगते हैं और उन्हें पानी भी बहुत कम चाहिए होता है।
- जैतून का फल हरा होता है और पकने पर काला पड़ जाता है। जैतून भोजन के लिए और उनसे निकाले जाने वाले तेल के लिए उपयोग होता था।
- जैतून का तेल पकाने के, दीप जलाने और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए काम आता था।
- बाइबल में जैतून के वृक्ष एवं डालियां मनुष्यों के लिए प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए जाते थे।

(यह भी देखें: दीपक, समुद्र, जैतून के पहाड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:28-29
- व्यवस्थाविवरण 06:10-12
- निर्गमन 23:10-11
- उत्पत्ति 08:10-12
- याकूब 03:11-12
- लूका 16:5-7
- भजन संहिता 052:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2132, H3323, H8081, G65, G1636, G1637, G2565

जैतून

परिभाषा:

जैतून एक छोटा अण्डाकार फल होता है, यह अधिकतर भूमध्यसागर के परिवेश में उगाया जाता था।

- जैतून के वृक्ष सदाबहार बड़ी झाड़ी होते है, उनके फूल छोटे और सफेद होते हैं। वे गर्म जलवायु में सबसे अच्छे उगते हैं और उन्हें पानी भी बहुत कम चाहिए होता है।
- जैतून का फल हरा होता है और पकने पर काला पड़ जाता है। जैतून भोजन के लिए और उनसे निकाले जाने वाले तेल के लिए उपयोग होता था।
- जैतून का तेल पकाने के, दीप जलाने और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए काम आता था।
- बाइबल में जैतून के वृक्ष एवं डालियां मनुष्यों के लिए प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए जाते थे।

(यह भी देखें: दीपक, समुद्र, जैतून के पहाड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:28-29
- व्यवस्थाविवरण 06:10-12
- निर्गमन 23:10-11
- उत्पत्ति 08:10-12
- याकूब 03:11-12
- लूका 16:5-7
- भजन संहिता 052:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2132, H3323, H8081, G65, G1636, G1637, G2565

जैतून

परिभाषा:

जैतून एक छोटा अण्डाकार फल होता है, यह अधिकतर भूमध्यसागर के परिवेश में उगाया जाता था।

- जैतून के वृक्ष सदाबहार बड़ी झाड़ी होते है, उनके फूल छोटे और सफेद होते हैं। वे गर्म जलवायु में सबसे अच्छे उगते हैं और उन्हें पानी भी बहुत कम चाहिए होता है।
- जैतून का फल हरा होता है और पकने पर काला पड़ जाता है। जैतून भोजन के लिए और उनसे निकाले जाने वाले तेल के लिए उपयोग होता था।
- जैतून का तेल पकाने के, दीप जलाने और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए काम आता था।
- बाइबल में जैतून के वृक्ष एवं डालियां मनुष्यों के लिए प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए जाते थे।

(यह भी देखें: दीपक, समुद्र, जैतून के पहाड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:28-29
- व्यवस्थाविवरण 06:10-12
- निर्गमन 23:10-11
- उत्पत्ति 08:10-12
- याकूब 03:11-12
- लूका 16:5-7
- भजन संहिता 052:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2132, H3323, H8081, G65, G1636, G1637, G2565

जैतून

परिभाषा:

जैतून एक छोटा अण्डाकार फल होता है, यह अधिकतर भूमध्यसागर के परिवेश में उगाया जाता था।

- जैतून के वृक्ष सदाबहार बड़ी झाड़ी होते है, उनके फूल छोटे और सफेद होते हैं। वे गर्म जलवायु में सबसे अच्छे उगते हैं और उन्हें पानी भी बहुत कम चाहिए होता है।
- जैतून का फल हरा होता है और पकने पर काला पड़ जाता है। जैतून भोजन के लिए और उनसे निकाले जाने वाले तेल के लिए उपयोग होता था।
- जैतून का तेल पकाने के, दीप जलाने और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए काम आता था।
- बाइबल में जैतून के वृक्ष एवं डालियां मनुष्यों के लिए प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए जाते थे।

(यह भी देखें: दीपक, समुद्र, जैतून के पहाड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:28-29
- व्यवस्थाविवरण 06:10-12
- निर्गमन 23:10-11
- उत्पत्ति 08:10-12
- याकूब 03:11-12
- लूका 16:5-7
- भजन संहिता 052:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2132, H3323, H8081, G65, G1636, G1637, G2565

जैतून

परिभाषा:

जैतून एक छोटा अण्डाकार फल होता है, यह अधिकतर भूमध्यसागर के परिवेश में उगाया जाता था।

- जैतून के वृक्ष सदाबहार बड़ी झाड़ी होते है, उनके फूल छोटे और सफेद होते हैं। वे गर्म जलवायु में सबसे अच्छे उगते हैं और उन्हें पानी भी बहुत कम चाहिए होता है।
- जैतून का फल हरा होता है और पकने पर काला पड़ जाता है। जैतून भोजन के लिए और उनसे निकाले जाने वाले तेल के लिए उपयोग होता था।
- जैतून का तेल पकाने के, दीप जलाने और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए काम आता था।
- बाइबल में जैतून के वृक्ष एवं डालियां मनुष्यों के लिए प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए जाते थे।

(यह भी देखें: दीपक, समुद्र, जैतून के पहाड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:28-29
- व्यवस्थाविवरण 06:10-12
- निर्गमन 23:10-11
- उत्पत्ति 08:10-12
- याकूब 03:11-12
- लूका 16:5-7
- भजन संहिता 052:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2132, H3323, H8081, G65, G1636, G1637, G2565

जैतून

परिभाषा:

जैतून एक छोटा अण्डाकार फल होता है, यह अधिकतर भूमध्यसागर के परिवेश में उगाया जाता था।

- जैतून के वृक्ष सदाबहार बड़ी झाड़ी होते है, उनके फूल छोटे और सफेद होते हैं। वे गर्म जलवायु में सबसे अच्छे उगते हैं और उन्हें पानी भी बहुत कम चाहिए होता है।
- जैतून का फल हरा होता है और पकने पर काला पड़ जाता है। जैतून भोजन के लिए और उनसे निकाले जाने वाले तेल के लिए उपयोग होता था।
- जैतून का तेल पकाने के, दीप जलाने और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए काम आता था।
- बाइबल में जैतून के वृक्ष एवं डालियां मनुष्यों के लिए प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए जाते थे।

(यह भी देखें: दीपक, समुद्र, जैतून के पहाड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:28-29
- व्यवस्थाविवरण 06:10-12
- निर्गमन 23:10-11
- उत्पत्ति 08:10-12
- याकूब 03:11-12
- लूका 16:5-7
- भजन संहिता 052:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2132, H3323, H8081, G65, G1636, G1637, G2565

जैतून

परिभाषा:

जैतून एक छोटा अण्डाकार फल होता है, यह अधिकतर भूमध्यसागर के परिवेश में उगाया जाता था।

- जैतून के वृक्ष सदाबहार बड़ी झाड़ी होते है, उनके फूल छोटे और सफेद होते हैं। वे गर्म जलवायु में सबसे अच्छे उगते हैं और उन्हें पानी भी बहुत कम चाहिए होता है।
- जैतून का फल हरा होता है और पकने पर काला पड़ जाता है। जैतून भोजन के लिए और उनसे निकाले जाने वाले तेल के लिए उपयोग होता था।
- जैतून का तेल पकाने के, दीप जलाने और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए काम आता था।
- बाइबल में जैतून के वृक्ष एवं डालियां मनुष्यों के लिए प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए जाते थे।

(यह भी देखें: दीपक, समुद्र, जैतून के पहाड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:28-29
- व्यवस्थाविवरण 06:10-12
- निर्गमन 23:10-11
- उत्पत्ति 08:10-12
- याकूब 03:11-12
- लूका 16:5-7
- भजन संहिता 052:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2132, H3323, H8081, G65, G1636, G1637, G2565

जैतून के पहाड़

परिभाषा:

जैतून के पहाड़ यरूशलेम के पूर्व में एक पर्वत या बड़ा पहाड़ है। उसकी ऊंचाई 787 मीटर है।

- पुराने नियम में इस पर्वत को कभी-कभी "यरूशलेम के पूर्व का पर्वत" कहा गया है।
- नये नियम में अनेक अवसरों का उल्लेख है जब यीशु अपने शिष्यों के साथ जैतून पर्वत पर प्रार्थना करने और विश्राम करने गया था।
- यीशु को गतसमनी की वाटिका में बन्दी बनाया गया था, यह भी जैतून के पहाड़ पर है।
- इसका अनुवाद "जैतून के पहाड़" या "जैतून के पेड़ का पर्वत" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: गतसमनी, जैतून)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 19:29-31
- लूका 19:37-38
- मरकुस 13:3-4
- मत्ती 21:1-3
- मत्ती 24:3-5
- मत्ती 26:30-32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2022, H2132, G3735, G1636

जैतून के पहाड़

परिभाषा:

जैतून के पहाड़ यरूशलेम के पूर्व में एक पर्वत या बड़ा पहाड़ है। उसकी ऊंचाई 787 मीटर है।

- पुराने नियम में इस पर्वत को कभी-कभी "यरूशलेम के पूर्व का पर्वत" कहा गया है।
- नये नियम में अनेक अवसरों का उल्लेख है जब यीशु अपने शिष्यों के साथ जैतून पर्वत पर प्रार्थना करने और विश्राम करने गया था।
- यीशु को गतसमनी की वाटिका में बन्दी बनाया गया था, यह भी जैतून के पहाड़ पर है।
- इसका अनुवाद "जैतून के पहाड़" या "जैतून के पेड़ का पर्वत" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: गतसमनी, जैतून)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 19:29-31
- लूका 19:37-38
- मरकुस 13:3-4
- मत्ती 21:1-3
- मत्ती 24:3-5
- मत्ती 26:30-32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2022, H2132, G3735, G1636

जैतून के पहाड़

परिभाषा:

जैतून के पहाड़ यरूशलेम के पूर्व में एक पर्वत या बड़ा पहाड़ है। उसकी ऊंचाई 787 मीटर है।

- पुराने नियम में इस पर्वत को कभी-कभी "यरूशलेम के पूर्व का पर्वत" कहा गया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- नये नियम में अनेक अवसरों का उल्लेख है जब यीशु अपने शिष्यों के साथ जैतून पर्वत पर प्रार्थना करने और विश्राम करने गया था।
- यीशु को गतसमनी की वाटिका में बन्दी बनाया गया था, यह भी जैतून के पहाड़ पर है।
- इसका अनुवाद “जैतून के पहाड़” या “जैतून के पेड़ का पर्वत” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: गतसमनी, जैतून)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 19:29-31
- लूका 19:37-38
- मरकुस 13:3-4
- मत्ती 21:1-3
- मत्ती 24:3-5
- मत्ती 26:30-32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2022, H2132, G3735, G1636

जौ

परिभाषा:

"जौ" एक प्रकार का अन्न होता है जिससे वे रोटी बनाते थे।

- जौ का पौधा लम्बा होता है जिसके ऊपरी सिरे पर अन्न की बाली होती है।
- जौ ग्रीष्म ऋतु में फलती है अतः इसकी कटनी बसन्त ऋतु या ग्रीष्म ऋतु में होती है।
- जौ को भूसे से अलग करने के लिए जौ को दांवा जाता हैं।
- जौ को पीसकर आटा बनाते हैं तब पानी या तेल में गूंध कर रोटी बनाई जाती है।
- यदि जौ लक्षित भाषा में जानी नहीं जाती है तो इसका अनुवाद “जौ कहलाने वाला अन्न” या “जौ के दाने” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अन्न, दाँवना, गेहूँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 11:12-14
- अय्यूब 31:38-40
- न्यायियों 07:13-14
- गिनती 05:15
- प्रकाशितवाक्य 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8184, G2915, G2916

जौ

परिभाषा:

"जौ" एक प्रकार का अन्न होता है जिससे वे रोटी बनाते थे।

- जौ का पौधा लम्बा होता है जिसके ऊपरी सिरे पर अन्न की बाली होती है।
- जौ ग्रीष्म ऋतु में फलती है अतः इसकी कटनी बसन्त ऋतु या ग्रीष्म ऋतु में होती है।
- जौ को भूसे से अलग करने के लिए जौ को दांवा जाता हैं।
- जौ को पीसकर आटा बनाते हैं तब पानी या तेल में गूंध कर रोटी बनाई जाती है।
- यदि जौ लक्षित भाषा में जानी नहीं जाती है तो इसका अनुवाद “जौ कहलाने वाला अन्न” या “जौ के दाने” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अन्न, दाँवना, गेहूँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 11:12-14
- अय्यूब 31:38-40
- न्यायियों 07:13-14
- गिनती 05:15
- प्रकाशितवाक्य 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8184, G2915, G2916

ज्योतिषी, भावी बतानेवालों

परिभाषा:

मत्ती रचित सुसमाचार में मसीह के जन्म के वृत्तान्त में ज्योतिष “ज्ञानी” या "शिक्षित" पुरुष थे, जो यीशु के जन्म के कुछ समय बाद, उसके लिए भेंट लेकर बैतलहम आए थे। * वे संभवतः भावी बतानेवालें थे जो सितारों का अध्ययन करते थे।

- वे इस्राएल के पूर्व में एक दूरस्थ देश से आये थे। वे कौन थे और कहां से आये थे अज्ञात है। परन्तु वे स्पष्ट रूप से विद्वान थे जिन्होंने सितारों का अध्ययन किया था।
- संभव है कि वे दानिय्येल के युग में बेबीलोन के राजाओं के ज्ञानियों के वंशज थे जो अनेक विषयों में प्रशिक्षित थे जैसे सितारों का ज्ञान एवं स्वप्नों का अर्थ बताना।
- परम्परा के अनुसार तीन ज्ञानी आए थे क्योंकि उन्होंने यीशु को तीन भेंट चढ़ाई थी। परन्तु बाइबल में उनकी संख्या व्यक्त नहीं है।

(यह भी देखें: बेबीलोन, बैतलहम, दानिय्येल)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 02:27-28
- दानिय्येल 05:7
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 02:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1505, G3097

झिलम, झिलमें, चपरास

परिभाषा:

"झिलम" हथियारों का एक भाग होता था जो छाती पर बांधा जाता था कि युद्ध में सैनिक की रक्षा करे। शब्द "चपरास" का अर्थ कपड़े के एक विशेष टुकड़े को दर्शाता है जो इस्राएली महायाजक अपनी छाती के सामने के हिस्से पर पहनते थे।

- सैनिकों द्वारा पहने जाने वाली "झिलम" लकड़ी, धातु या पशु के चमड़े की होती थी। उनको पहनने का उद्देश्य था कि सैनिक का सीना भाले, तीर और तलवार से सुरक्षित रहे।
- इस्राएली प्रधान पुरोहित के वस्त्र की "झिलम" कपड़े की होती थी जिससे बहुमूल्य पत्थर जड़े होते थे। याजक मन्दिर में परमेश्वर की सेवा करते समय इसे पहनता था।
- शब्द "झिलम" का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में "धातु सुरक्षात्मक छाती कवर" या "छाती की रक्षा करने के लिए कवच टुकड़ा" शामिल हो सकते हैं।
- शब्द "चपरास" का एक शब्द के साथ अनुवाद किया जा सकता है जिसका अर्थ है "याजकीय कपड़ा, जिससे छाती का आवरण होता है।" या "याजकीय परिधान के टुकड़े" या "याजकों के कपड़ों के सामने का टुकड़ा"।

(यह भी देखें: हथियार, महायाजक, छेदना, याजक, मन्दिर, सैनिक)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- निर्गमन 39:14-16
- यशायाह 59:17-18
- प्रकाशितवाक्य 09:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2833 , H8302, G2382

झिलम, झिलमें, चपरास

परिभाषा:

"झिलम" हथियारों का एक भाग होता था जो छाती पर बांधा जाता था कि युद्ध में सैनिक की रक्षा करे। शब्द "चपरास" का अर्थ कपड़े के एक विशेष टुकड़े को दर्शाता है जो इस्राएली महायाजक अपनी छाती के सामने के हिस्से पर पहनते थे।

- सैनिकों द्वारा पहने जाने वाली "झिलम" लकड़ी, धातु या पशु के चमड़े की होती थी। उनको पहनने का उद्देश्य था कि सैनिक का सीना भाले, तीर और तलवार से सुरक्षित रहे।
- इस्राएली प्रधान पुरोहित के वस्त्र की "झिलम" कपड़े की होती थी जिससे बहुमूल्य पत्थर जड़े होते थे। याजक मन्दिर में परमेश्वर की सेवा करते समय इसे पहनता था।
- शब्द "झिलम" का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में "धातु सुरक्षात्मक छाती कवर" या "छाती की रक्षा करने के लिए कवच टुकड़ा" शामिल हो सकते हैं।
- शब्द "चपरास" का एक शब्द के साथ अनुवाद किया जा सकता है जिसका अर्थ है "याजकीय कपड़ा, जिससे छाती का आवरण होता है।" या "याजकीय परिधान के टुकड़े" या "याजकों के कपड़ों के सामने का टुकड़ा"।

(यह भी देखें: हथियार, महायाजक, छेदना, याजक, मन्दिर, सैनिक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- निर्गमन 39:14-16
- यशायाह 59:17-18
- प्रकाशितवाक्य 09:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2833 , H8302, G2382

झिलम, झिलमें, चपरास

परिभाषा:

"झिलम" हथियारों का एक भाग होता था जो छाती पर बांधा जाता था कि युद्ध में सैनिक की रक्षा करे। शब्द "चपरास" का अर्थ कपड़े के एक विशेष टुकड़े को दर्शाता है जो इस्राएली महायाजक अपनी छाती के सामने के हिस्से पर पहनते थे।

- सैनिकों द्वारा पहने जाने वाली "झिलम" लकड़ी, धातु या पशु के चमड़े की होती थी। उनको पहनने का उद्देश्य था कि सैनिक का सीना भाले, तीर और तलवार से सुरक्षित रहे।
- इस्राएली प्रधान पुरोहित के वस्त्र की "झिलम" कपड़े की होती थी जिससे बहुमूल्य पत्थर जड़े होते थे। याजक मन्दिर में परमेश्वर की सेवा करते समय इसे पहनता था।
- शब्द "झिलम" का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में "धातु सुरक्षात्मक छाती कवर" या "छाती की रक्षा करने के लिए कवच टुकड़ा" शामिल हो सकते हैं।
- शब्द "चपरास" का एक शब्द के साथ अनुवाद किया जा सकता है जिसका अर्थ है "याजकीय कपड़ा, जिससे छाती का आवरण होता है।" या "याजकीय परिधान के टुकड़े" या "याजकों के कपड़ों के सामने का टुकड़ा"।

(यह भी देखें: हथियार, महायाजक, छेदना, याजक, मन्दिर, सैनिक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- निर्गमन 39:14-16
- यशायाह 59:17-18
- प्रकाशितवाक्य 09:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2833 , H8302, G2382

झूठा भविष्यद्वक्ता, झूठे भविष्यद्वक्ताओं

परिभाषा:

झूठा भविष्यद्वक्ता वह व्यक्ति था जो झूठा दावा करता था कि उसका सन्देश परमेश्वर से प्राप्त है।

- झूठे भविष्यद्वक्ताओं की भविष्यद्वाणियां अधिकतर पूरी नहीं होती थी। अर्थात वैसा होता नहीं था।
- झूठे भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश बाइबल से पूर्णरूपेण या आंशिक रूप में विपरीत थे।
- इस शब्द का अनुवाद, “वह व्यक्ति जो परमेश्वर का वक्ता होने का झूठा दावा करता है”।
- नये नियम की शिक्षा के अनुसार अन्त समय में अनेक झूठे भविष्यद्वक्ता होंगे जो मनुष्यों को इस भ्रम में डालेंगे कि वे परमेश्वर की ओर से हैं।

(यह भी देखें: पूरा कर, भविष्यद्वक्ता, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 2 पतरस 02:1-3
- प्रे.का. 13:6-8
- लूका 06:26
- मत्ती 07:15-17
- मत्ती 24:23-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5578

झूठा भविष्यद्वक्ता, झूठे भविष्यद्वक्ताओं

परिभाषा:

झूठा भविष्यद्वक्ता वह व्यक्ति था जो झूठा दावा करता था कि उसका सन्देश परमेश्वर से प्राप्त है।

- झूठे भविष्यद्वक्ताओं की भविष्यद्वाणियां अधिकतर पूरी नहीं होती थी। अर्थात वैसा होता नहीं था।
- झूठे भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश बाइबल से पूर्णरूपेण या आंशिक रूप में विपरीत थे।
- इस शब्द का अनुवाद, “वह व्यक्ति जो परमेश्वर का वक्ता होने का झूठा दावा करता है”।
- नये नियम की शिक्षा के अनुसार अन्त समय में अनेक झूठे भविष्यद्वक्ता होंगे जो मनुष्यों को इस भ्रम में डालेंगे कि वे परमेश्वर की ओर से हैं।

(यह भी देखें: पूरा कर, भविष्यद्वक्ता, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 2 पतरस 02:1-3
- प्रे.का. 13:6-8
- लूका 06:26
- मत्ती 07:15-17
- मत्ती 24:23-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5578

टाट

परिभाषा:

टाट बकरी के या ऊंट के बालों से बना एक चुभनेवाला कठोर वस्त्र होता था।

- जो व्यक्ति इससे बने हुए कपड़े पहने ते थे वह असहज होगा। उसे विलाप, दुःख और दीनता-पूर्वक पश्चाताप प्रकट करने के लिए टाट पहना जाता था।
- "टाट और राख" एक सामान्य उक्ति थी जो विलाप और पश्चाताप के लिए एक सामान्य अभिव्यक्ति थी।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसे प्रकार से भी किया जा सकता है जैसे "पशुओं के बालों से बना मोटा वस्त्र" या "बकरी के बालों से बना वस्त्र" या "मोटा चुभने वाला वस्त्र।"
- इस प्रकार से भी इस शब्द का अनुवाद हो सकता है "रूखा, लापरवाह शोक कपड़ों।"
- "टाट ओढ़कर राख में बैठना" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है जैसे "खुरचने वाला वस्त्र पहनकर राख में बैठने के द्वारा दुःख एवं दीनता प्रकट करना।"

(यह भी देखें: राख, ऊँट, बकरा, दीन, शोक करना, मन फिराकर, चिन्ह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 03:31-32
- उत्पत्ति 37:34-36
- योएल 01:8-10
- योना 03:4-5
- लूका 10:13-15
- मत्ती 11:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8242, G4526

टाट

परिभाषा:

टाट बकरी के या ऊंट के बालों से बना एक चुभनेवाला कठोर वस्त्र होता था।

- जो व्यक्ति इससे बने हुए कपड़े पहने ते थे वह असहज होगा। उसे विलाप, दुःख और दीनता-पूर्वक पश्चाताप प्रकट करने के लिए टाट पहना जाता था।
- "टाट और राख" एक सामान्य उक्ति थी जो विलाप और पश्चाताप के लिए एक सामान्य अभिव्यक्ति थी।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसे प्रकार से भी किया जा सकता है जैसे "पशुओं के बालों से बना मोटा वस्त्र" या "बकरी के बालों से बना वस्त्र" या "मोटा चुभने वाला वस्त्र।"
- इस प्रकार से भी इस शब्द का अनुवाद हो सकता है "रूखा, लापरवाह शोक कपड़ों।"
- "टाट ओढ़कर राख में बैठना" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है जैसे "खुरचने वाला वस्त्र पहनकर राख में बैठने के द्वारा दुःख एवं दीनता प्रकट करना।"

(यह भी देखें: राख, ऊँट, बकरा, दीन, शोक करना, मन फिराकर, चिन्ह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 03:31-32
- उत्पत्ति 37:34-36

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- योएल 01:8-10
- योना 03:4-5
- लूका 10:13-15
- मत्ती 11:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8242, G4526

टाट

परिभाषा:

टाट बकरी के या ऊंट के बालों से बना एक चुभनेवाला कठोर वस्त्र होता था।

- जो व्यक्ति इससे बने हुए कपड़े पहने ते थे वह असहज होगा। उसे विलाप, दुःख और दीनता-पूर्वक पश्चाताप प्रकट करने के लिए टाट पहना जाता था।
- "टाट और राख" एक सामान्य उक्ति थी जो विलाप और पश्चाताप के लिए एक सामान्य अभिव्यक्ति थी।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसे प्रकार से भी किया जा सकता है जैसे "पशुओं के बालों से बना मोटा वस्त्र" या "बकरी के बालों से बना वस्त्र" या "मोटा चुभने वाला वस्त्र।"
- इस प्रकार से भी इस शब्द का अनुवाद हो सकता है "रूखा, लापरवाह शोक कपड़ों।"
- "टाट ओढ़कर राख में बैठना" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है जैसे "खुरचने वाला वस्त्र पहनकर राख में बैठने के द्वारा दुःख एवं दीनता प्रकट करना।"

(यह भी देखें: राख, ऊँट, बकरा, दीन, शोक करना, मन फिराकर, चिन्ह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 03:31-32
- उत्पत्ति 37:34-36
- योएल 01:8-10
- योना 03:4-5
- लूका 10:13-15
- मत्ती 11:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8242, G4526

टेढ़ी, कुटिलता, विकृति, अन्याय, उलट फेर, बिगाड़ने, टेढ़ी-मेढ़ी, उलट-पुलट कर दिया, बहकाते

परिभाषा:

“टेढ़ी” शब्द एक ऐसे मनुष्य का चित्रण करते हैं जो नैतिक रूप से भ्रष्ट या विकृत प्रवृत्ति के है। “कुटिलता” अर्थात “भ्रष्टाचार”। किसी वस्तु को “टेढ़ा” करना अर्थात उसे उचित या अच्छी अवस्था से बुरी अवस्था में कर देना।

- कोई मनुष्य या वस्तु टेढ़ी है तो वह उचित एवं अच्छे से विपरीत हो गया या गई है।
- बाइबल में इस्राएली परमेश्वर की आज्ञाओं को न मानने के कारण टेढ़ा व्यवहार करते थे। वे प्रायः झूठे देवताओं की पूजा करके ऐसा करते थे।
- परमेश्वर के मन को या उसके अनुरूप उचित व्यवहार के विरूद्ध हर एक कार्य टेढ़ा माना जाता था।
- “टेढ़े” के अनुवाद के अन्य रूप है, “नैतिकता में विकृत” या “अनैतिक” या “परमेश्वर के सीधे भाग से विपथ होना”, यह सब प्रकरण के अनुकूल होना है।
- “टेढ़ी भाषा” का अनुवाद हो सकता है, “बुरी भाषा बोलना” या “छल की बातें करना” या “अनैतिक भाषा काम में लेना”।
- “टेढ़े लोग” का अनुवाद हो सकता है, “दुराचारी लोग” या “जो लोग नैतिक रूप से पथभ्रष्ट हैं” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञाओं का उल्लंघन करने वाले लोग”।
- “टेढ़ी चाल चलना” का अनुवाद हो सकता है, "बुरा व्यवहार करना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं के विरूद्ध चलना” या “परमेश्वर की शिक्षा के विरुद्ध जीवन जीना”।
- “टेढ़ी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भ्रष्ट होना” या “बुराई में बदल जाना”।

(यह भी देखें: अशुद्ध, धोखा, अवज्ञा, बुराई, मुड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:46-47
- 1 शमूएल 20:30
- अय्यूब 33:27-28
- लूका 23:02
- भजन संहिता 101:4-6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1942, H2015, H3868, H4297, H5186, H5557, H5558, H5753, H5766, H5773, H5791, H6140, H6141, H8138, H8397, H8419, G1294

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे "ठहराया जाना" (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए "ठहराया" गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए "ठहराता" है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए "ठहराया" गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

"क्रोध के लिए ठहराएगा" का अनुवाद "तुम्हारा दण्ड निश्चित है" या "निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे"।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में "तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो" इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे" या "परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें"।
- "तुम ठहराए गए हो" का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे "परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम..."
- प्रकरण के अनुसार "भविष्य" का अनुवाद हो सकता है, "निश्चयक अन्त" या "अन्त में जो होगा" या "परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा"

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे "ठहराया जाना" (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए "ठहराया" गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए "ठहराता" है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए "ठहराया" गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।

- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

"क्रोध के लिए ठहराएगा" का अनुवाद "तुम्हारा दण्ड निश्चित है" या "निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे"।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में "तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो" इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे" या "परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें"।
- "तुम ठहराए गए हो" का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे "परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम..."
- प्रकरण के अनुसार "भविष्य" का अनुवाद हो सकता है, "निश्चयक अन्त" या "अन्त में जो होगा" या "परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा"

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे "ठहराया जाना" (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए "ठहराया" गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए "ठहराता" है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए "ठहराया" गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

"क्रोध के लिए ठहराएगा" का अनुवाद "तुम्हारा दण्ड निश्चित है" या "निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे"।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में "तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो" इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे" या "परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें"।
- "तुम ठहराए गए हो" का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे "परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम..."
- प्रकरण के अनुसार "भविष्य" का अनुवाद हो सकता है, "निश्चयक अन्त" या "अन्त में जो होगा" या "परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा"

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे "ठहराया जाना" (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए "ठहराया" गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए "ठहराता" है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए "ठहराया" गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

"क्रोध के लिए ठहराएगा" का अनुवाद "तुम्हारा दण्ड निश्चित है" या "निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे"।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में "तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो" इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे" या "परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें"।
- "तुम ठहराए गए हो" का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे "परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम..."
- प्रकरण के अनुसार "भविष्य" का अनुवाद हो सकता है, "निश्चयक अन्त" या "अन्त में जो होगा" या "परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा"

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे "ठहराया जाना" (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए "ठहराया" गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए "ठहराता" है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए "ठहराया" गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

"क्रोध के लिए ठहराएगा" का अनुवाद "तुम्हारा दण्ड निश्चित है" या "निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे"।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में "तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो" इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे" या "परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें"।
- "तुम ठहराए गए हो" का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे "परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम..."
- प्रकरण के अनुसार "भविष्य" का अनुवाद हो सकता है, "निश्चयक अन्त" या "अन्त में जो होगा" या "परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा"

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे "ठहराया जाना" (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए "ठहराया" गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए "ठहराता" है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए "ठहराया" गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

"क्रोध के लिए ठहराएगा" का अनुवाद "तुम्हारा दण्ड निश्चित है" या "निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे"।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में "तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो" इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे" या "परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें"।
- "तुम ठहराए गए हो" का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे "परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम..."
- प्रकरण के अनुसार "भविष्य" का अनुवाद हो सकता है, "निश्चयक अन्त" या "अन्त में जो होगा" या "परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा"

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे "ठहराया जाना" (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए "ठहराया" गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए "ठहराता" है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए "ठहराया" गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।

- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

"क्रोध के लिए ठहराएगा" का अनुवाद "तुम्हारा दण्ड निश्चित है" या "निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे"।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में "तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो" इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे" या "परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें"।
- "तुम ठहराए गए हो" का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे "परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम..."
- प्रकरण के अनुसार "भविष्य" का अनुवाद हो सकता है, "निश्चयक अन्त" या "अन्त में जो होगा" या "परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा"

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे "ठहराया जाना" (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए "ठहराया" गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए "ठहराता" है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए "ठहराया" गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

"क्रोध के लिए ठहराएगा" का अनुवाद "तुम्हारा दण्ड निश्चित है" या "निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे"।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में "तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो" इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे" या "परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें"।
- "तुम ठहराए गए हो" का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे "परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम..."
- प्रकरण के अनुसार "भविष्य" का अनुवाद हो सकता है, "निश्चयक अन्त" या "अन्त में जो होगा" या "परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा"

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे "ठहराया जाना" (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए "ठहराया" गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए "ठहराता" है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए "ठहराया" गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

"क्रोध के लिए ठहराएगा" का अनुवाद "तुम्हारा दण्ड निश्चित है" या "निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे"।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में "तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो" इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे" या "परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें"।
- "तुम ठहराए गए हो" का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे "परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम..."
- प्रकरण के अनुसार "भविष्य" का अनुवाद हो सकता है, "निश्चयक अन्त" या "अन्त में जो होगा" या "परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा"

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे "ठहराया जाना" (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए "ठहराया" गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए "ठहराता" है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए "ठहराया" गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

"क्रोध के लिए ठहराएगा" का अनुवाद "तुम्हारा दण्ड निश्चित है" या "निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे"।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में "तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो" इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे" या "परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें"।
- "तुम ठहराए गए हो" का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे "परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम..."
- प्रकरण के अनुसार "भविष्य" का अनुवाद हो सकता है, "निश्चयक अन्त" या "अन्त में जो होगा" या "परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा"

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे "ठहराया जाना" (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए "ठहराया" गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए "ठहराता" है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए "ठहराया" गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

"क्रोध के लिए ठहराएगा" का अनुवाद "तुम्हारा दण्ड निश्चित है" या "निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे"।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में "तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो" इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे" या "परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें"।
- "तुम ठहराए गए हो" का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे "परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम..."
- प्रकरण के अनुसार "भविष्य" का अनुवाद हो सकता है, "निश्चयक अन्त" या "अन्त में जो होगा" या "परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा"

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे "ठहराया जाना" (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए "ठहराया" गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए "ठहराता" है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए "ठहराया" गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

“क्रोध के लिए ठहराएगा” का अनुवाद “तुम्हारा दण्ड निश्चित है” या “निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे”।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में “तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो” इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे” या “परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें”।
- “तुम ठहराए गए हो” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे “परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम...”
- प्रकरण के अनुसार “भविष्य” का अनुवाद हो सकता है, “निश्चयक अन्त” या “अन्त में जो होगा” या “परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा”

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे “ठहराया जाना” (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए “ठहराया” गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए “ठहराता” है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए “ठहराया” गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

“क्रोध के लिए ठहराएगा” का अनुवाद “तुम्हारा दण्ड निश्चित है” या “निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे”।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में “तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो” इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे” या “परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें”।
- “तुम ठहराए गए हो” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे “परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम...”
- प्रकरण के अनुसार “भविष्य” का अनुवाद हो सकता है, “निश्चयक अन्त” या “अन्त में जो होगा” या “परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा”

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे “ठहराया जाना” (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए “ठहराया” गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए “ठहराता” है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए “ठहराया” गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

“क्रोध के लिए ठहराएगा” का अनुवाद “तुम्हारा दण्ड निश्चित है” या “निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे”।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में “तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो” इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे” या “परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें”।
- “तुम ठहराए गए हो” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे “परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम...”
- प्रकरण के अनुसार “भविष्य” का अनुवाद हो सकता है, “निश्चयक अन्त” या “अन्त में जो होगा” या “परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा”

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे “ठहराया जाना” (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए “ठहराया” गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए “ठहराता” है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए “ठहराया” गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

“क्रोध के लिए ठहराएगा” का अनुवाद “तुम्हारा दण्ड निश्चित है” या “निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे”।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में “तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो” इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे” या “परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें”।
- “तुम ठहराए गए हो” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे “परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम...”
- प्रकरण के अनुसार “भविष्य” का अनुवाद हो सकता है, “निश्चयक अन्त” या “अन्त में जो होगा” या “परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा”

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे "ठहराया जाना" (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए "ठहराया" गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए "ठहराता" है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए "ठहराया" गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

"क्रोध के लिए ठहराएगा" का अनुवाद "तुम्हारा दण्ड निश्चित है" या "निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे"।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में "तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो" इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे" या "परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें"।
- "तुम ठहराए गए हो" का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे "परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम..."
- प्रकरण के अनुसार "भविष्य" का अनुवाद हो सकता है, "निश्चयक अन्त" या "अन्त में जो होगा" या "परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा"

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे "ठहराया जाना" (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए "ठहराया" गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

- परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए "ठहराता" है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
- यहूदा विनाश के लिए "ठहराया" गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
- प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
- परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

अनुवाद के सुझाव:

"क्रोध के लिए ठहराएगा" का अनुवाद "तुम्हारा दण्ड निश्चित है" या "निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे"।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में "तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो" इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे" या "परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें"।
- "तुम ठहराए गए हो" का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे "परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम..."
- प्रकरण के अनुसार "भविष्य" का अनुवाद हो सकता है, "निश्चयक अन्त" या "अन्त में जो होगा" या "परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा"

(यह भी देखें: बन्दी बनाना, सनातन, स्वर्ग, नरक, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराकर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- सभोपदेशक 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फिलिप्पियों 03:17-19
- भजन संहिता 009:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

ठोकर, ठोकर का कारण, ठोकर के कारण, ठोकर का पत्थर

परिभाषा:

"ठोकर का कारण" या "ठोकर का पत्थर" कोई वस्तु जिससे किसी का पांव टकराए और वह गिर जाए।

- आलंकारिक रूप में "ठोकर का कारण" "वह कोई भी बात है जिसके कारण मनुष्य नैतिकता या आत्मिकता में चूक जाए।
- आलंकारिक रूप में "ठोकर का कारण" या "ठोकर का पत्थर" ऐसी कोई भी बात है जो मनुष्य को यीशु में विश्वास करने से रोकती है या मनुष्य को आत्मिकता में विकास नहीं करने देती है।
- पाप प्राय: किसी के लिए या अन्यों के लिए ठोकर का कारण है।
- कभी-कभी परमेश्वर उससे विद्रोह करने वाले के मार्ग में ठोकर का कारण उत्पन्न कर देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि एक भाषा में फंदे को खुला रखनेवाली वस्तु का कोई शब्द है तो वह शब्द अनुवाद में लिया जा सकता है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, "ठोकर लगने का पत्थर" या "सन्देह उत्पन्न करनेवाली बाधा" या "विश्वास में बाधा" या "किसी से पाप कराने वाली बात"।

(यह भी देखें: ठोकर, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:22-23
- गलातियों 05:11-12
- मत्ती. 05:29-30
- मत्ती. 16:21-23
- रोमियो 09:32-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4383, G3037, G4349, G4625

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

ठोकर, ठोकर का कारण, ठोकर के कारण, ठोकर का पत्थर

परिभाषा:

“ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” कोई वस्तु जिससे किसी का पांव टकराए और वह गिर जाए।

- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” “वह कोई भी बात है जिसके कारण मनुष्य नैतिकता या आत्मिकता में चूक जाए।
- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” ऐसी कोई भी बात है जो मनुष्य को यीशु में विश्वास करने से रोकती है या मनुष्य को आत्मिकता में विकास नहीं करने देती है।
- पाप प्राय: किसी के लिए या अन्यों के लिए ठोकर का कारण है।
- कभी-कभी परमेश्वर उससे विद्रोह करने वाले के मार्ग में ठोकर का कारण उत्पन्न कर देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि एक भाषा में फंदे को खुला रखनेवाली वस्तु का कोई शब्द है तो वह शब्द अनुवाद में लिया जा सकता है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “ठोकर लगने का पत्थर” या “सन्देह उत्पन्न करनेवाली बाधा” या “विश्वास में बाधा” या “किसी से पाप कराने वाली बात”।

(यह भी देखें: ठोकर, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:22-23
- गलातियों 05:11-12
- मत्ती. 05:29-30
- मत्ती. 16:21-23
- रोमियो 09:32-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4383, G3037, G4349, G4625

ठोकर, ठोकर का कारण, ठोकर के कारण, ठोकर का पत्थर

परिभाषा:

“ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” कोई वस्तु जिससे किसी का पांव टकराए और वह गिर जाए।

- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” “वह कोई भी बात है जिसके कारण मनुष्य नैतिकता या आत्मिकता में चूक जाए।
- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” ऐसी कोई भी बात है जो मनुष्य को यीशु में विश्वास करने से रोकती है या मनुष्य को आत्मिकता में विकास नहीं करने देती है।
- पाप प्राय: किसी के लिए या अन्यों के लिए ठोकर का कारण है।
- कभी-कभी परमेश्वर उससे विद्रोह करने वाले के मार्ग में ठोकर का कारण उत्पन्न कर देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि एक भाषा में फंदे को खुला रखनेवाली वस्तु का कोई शब्द है तो वह शब्द अनुवाद में लिया जा सकता है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “ठोकर लगने का पत्थर” या “सन्देह उत्पन्न करनेवाली बाधा” या “विश्वास में बाधा” या “किसी से पाप कराने वाली बात”।

(यह भी देखें: ठोकर, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:22-23
- गलातियों 05:11-12
- मत्ती. 05:29-30
- मत्ती. 16:21-23
- रोमियो 09:32-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4383, G3037, G4349, G4625

ठोकर, ठोकर का कारण, ठोकर के कारण, ठोकर का पत्थर

परिभाषा:

“ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” कोई वस्तु जिससे किसी का पांव टकराए और वह गिर जाए।

- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” “वह कोई भी बात है जिसके कारण मनुष्य नैतिकता या आत्मिकता में चूक जाए।
- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” ऐसी कोई भी बात है जो मनुष्य को यीशु में विश्वास करने से रोकती है या मनुष्य को आत्मिकता में विकास नहीं करने देती है।
- पाप प्रायः किसी के लिए या अन्यों के लिए ठोकर का कारण है।
- कभी-कभी परमेश्वर उससे विद्रोह करने वाले के मार्ग में ठोकर का कारण उत्पन्न कर देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि एक भाषा में फंदे को खुला रखनेवाली वस्तु का कोई शब्द है तो वह शब्द अनुवाद में लिया जा सकता है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “ठोकर लगने का पत्थर” या “सन्देह उत्पन्न करनेवाली बाधा” या “विश्वास में बाधा” या “किसी से पाप कराने वाली बात”।

(यह भी देखें: ठोकर, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:22-23
- गलातियों 05:11-12
- मत्ती. 05:29-30
- मत्ती. 16:21-23
- रोमियो 09:32-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4383, G3037, G4349, G4625

ठोकर, ठोकर का कारण, ठोकर के कारण, ठोकर का पत्थर

परिभाषा:

“ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” कोई वस्तु जिससे किसी का पांव टकराए और वह गिर जाए।

- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” “वह कोई भी बात है जिसके कारण मनुष्य नैतिकता या आत्मिकता में चूक जाए।
- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” ऐसी कोई भी बात है जो मनुष्य को यीशु में विश्वास करने से रोकती है या मनुष्य को आत्मिकता में विकास नहीं करने देती है।
- पाप प्रायः किसी के लिए या अन्यों के लिए ठोकर का कारण है।
- कभी-कभी परमेश्वर उससे विद्रोह करने वाले के मार्ग में ठोकर का कारण उत्पन्न कर देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि एक भाषा में फंदे को खुला रखनेवाली वस्तु का कोई शब्द है तो वह शब्द अनुवाद में लिया जा सकता है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “ठोकर लगने का पत्थर” या “सन्देह उत्पन्न करनेवाली बाधा” या “विश्वास में बाधा” या “किसी से पाप कराने वाली बात”।

(यह भी देखें: ठोकर, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:22-23

- गलातियों 05:11-12
- मत्ती. 05:29-30
- मत्ती. 16:21-23
- रोमियो 09:32-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4383, G3037, G4349, G4625

ठोकर, ठोकर का कारण, ठोकर के कारण, ठोकर का पत्थर

परिभाषा:

“ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” कोई वस्तु जिससे किसी का पांव टकराए और वह गिर जाए।

- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” “वह कोई भी बात है जिसके कारण मनुष्य नैतिकता या आत्मिकता में चूक जाए।
- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” ऐसी कोई भी बात है जो मनुष्य को यीशु में विश्वास करने से रोकती है या मनुष्य को आत्मिकता में विकास नहीं करने देती है।
- पाप प्राय: किसी के लिए या अन्यों के लिए ठोकर का कारण है।
- कभी-कभी परमेश्वर उससे विद्रोह करने वाले के मार्ग में ठोकर का कारण उत्पन्न कर देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि एक भाषा में फंदे को खुला रखनेवाली वस्तु का कोई शब्द है तो वह शब्द अनुवाद में लिया जा सकता है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “ठोकर लगने का पत्थर” या “सन्देह उत्पन्न करनेवाली बाधा” या “विश्वास में बाधा” या “किसी से पाप कराने वाली बात”।

(यह भी देखें: ठोकर, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:22-23
- गलातियों 05:11-12
- मत्ती. 05:29-30
- मत्ती. 16:21-23
- रोमियो 09:32-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4383, G3037, G4349, G4625

ठोकर, ठोकर का कारण, ठोकर के कारण, ठोकर का पत्थर

परिभाषा:

“ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” कोई वस्तु जिससे किसी का पांव टकराए और वह गिर जाए।

- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” “वह कोई भी बात है जिसके कारण मनुष्य नैतिकता या आत्मिकता में चूक जाए।
- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” ऐसी कोई भी बात है जो मनुष्य को यीशु में विश्वास करने से रोकती है या मनुष्य को आत्मिकता में विकास नहीं करने देती है।
- पाप प्राय: किसी के लिए या अन्यों के लिए ठोकर का कारण है।
- कभी-कभी परमेश्वर उससे विद्रोह करने वाले के मार्ग में ठोकर का कारण उत्पन्न कर देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि एक भाषा में फंदे को खुला रखनेवाली वस्तु का कोई शब्द है तो वह शब्द अनुवाद में लिया जा सकता है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “ठोकर लगने का पत्थर” या “सन्देह उत्पन्न करनेवाली बाधा” या “विश्वास में बाधा” या “किसी से पाप कराने वाली बात”।

(यह भी देखें: ठोकर, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:22-23
- गलातियों 05:11-12
- मत्ती. 05:29-30
- मत्ती. 16:21-23
- रोमियो 09:32-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4383, G3037, G4349, G4625

ठोकर, ठोकर का कारण, ठोकर के कारण, ठोकर का पत्थर

परिभाषा:

“ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” कोई वस्तु जिससे किसी का पांव टकराए और वह गिर जाए।

- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” “वह कोई भी बात है जिसके कारण मनुष्य नैतिकता या आत्मिकता में चूक जाए।
- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” ऐसी कोई भी बात है जो मनुष्य को यीशु में विश्वास करने से रोकती है या मनुष्य को आत्मिकता में विकास नहीं करने देती है।
- पाप प्रायः किसी के लिए या अन्यों के लिए ठोकर का कारण है।
- कभी-कभी परमेश्वर उससे विद्रोह करने वाले के मार्ग में ठोकर का कारण उत्पन्न कर देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि एक भाषा में फंदे को खुला रखनेवाली वस्तु का कोई शब्द है तो वह शब्द अनुवाद में लिया जा सकता है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “ठोकर लगने का पत्थर” या “सन्देह उत्पन्न करनेवाली बाधा” या “विश्वास में बाधा” या “किसी से पाप कराने वाली बात”।

(यह भी देखें: ठोकर, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:22-23
- गलातियों 05:11-12
- मत्ती. 05:29-30
- मत्ती. 16:21-23
- रोमियो 09:32-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4383, G3037, G4349, G4625

ठोकर, ठोकर का कारण, ठोकर के कारण, ठोकर का पत्थर

परिभाषा:

“ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” कोई वस्तु जिससे किसी का पांव टकराए और वह गिर जाए।

- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” “वह कोई भी बात है जिसके कारण मनुष्य नैतिकता या आत्मिकता में चूक जाए।
- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” ऐसी कोई भी बात है जो मनुष्य को यीशु में विश्वास करने से रोकती है या मनुष्य को आत्मिकता में विकास नहीं करने देती है।
- पाप प्रायः किसी के लिए या अन्यों के लिए ठोकर का कारण है।
- कभी-कभी परमेश्वर उससे विद्रोह करने वाले के मार्ग में ठोकर का कारण उत्पन्न कर देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि एक भाषा में फंदे को खुला रखनेवाली वस्तु का कोई शब्द है तो वह शब्द अनुवाद में लिया जा सकता है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “ठोकर लगने का पत्थर” या “सन्देह उत्पन्न करनेवाली बाधा” या “विश्वास में बाधा” या “किसी से पाप कराने वाली बात”।

(यह भी देखें: ठोकर, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:22-23
- गलातियों 05:11-12
- मत्ती. 05:29-30
- मत्ती. 16:21-23
- रोमियो 09:32-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4383, G3037, G4349, G4625

ठोकर, ठोकर का कारण, ठोकर के कारण, ठोकर का पत्थर

परिभाषा:

“ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” कोई वस्तु जिससे किसी का पांव टकराए और वह गिर जाए।

- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” “वह कोई भी बात है जिसके कारण मनुष्य नैतिकता या आत्मिकता में चूक जाए।
- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” ऐसी कोई भी बात है जो मनुष्य को यीशु में विश्वास करने से रोकती है या मनुष्य को आत्मिकता में विकास नहीं करने देती है।
- पाप प्रायः किसी के लिए या अन्यों के लिए ठोकर का कारण है।
- कभी-कभी परमेश्वर उससे विद्रोह करने वाले के मार्ग में ठोकर का कारण उत्पन्न कर देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि एक भाषा में फंदे को खुला रखनेवाली वस्तु का कोई शब्द है तो वह शब्द अनुवाद में लिया जा सकता है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “ठोकर लगने का पत्थर” या “सन्देह उत्पन्न करनेवाली बाधा” या “विश्वास में बाधा” या “किसी से पाप कराने वाली बात”।

(यह भी देखें: ठोकर, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:22-23
- गलातियों 05:11-12
- मत्ती. 05:29-30
- मत्ती. 16:21-23
- रोमियो 09:32-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4383, G3037, G4349, G4625

ठोकर, ठोकर का कारण, ठोकर के कारण, ठोकर का पत्थर

परिभाषा:

“ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” कोई वस्तु जिससे किसी का पांव टकराए और वह गिर जाए।

- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” “वह कोई भी बात है जिसके कारण मनुष्य नैतिकता या आत्मिकता में चूक जाए।

- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” ऐसी कोई भी बात है जो मनुष्य को यीशु में विश्वास करने से रोकती है या मनुष्य को आत्मिकता में विकास नहीं करने देती है।
- पाप प्राय: किसी के लिए या अन्यों के लिए ठोकर का कारण है।
- कभी-कभी परमेश्वर उससे विद्रोह करने वाले के मार्ग में ठोकर का कारण उत्पन्न कर देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि एक भाषा में फंदे को खुला रखनेवाली वस्तु का कोई शब्द है तो वह शब्द अनुवाद में लिया जा सकता है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “ठोकर लगने का पत्थर” या “सन्देह उत्पन्न करनेवाली बाधा” या “विश्वास में बाधा” या “किसी से पाप कराने वाली बात”।

(यह भी देखें: ठोकर, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:22-23
- गलातियों 05:11-12
- मत्ती. 05:29-30
- मत्ती. 16:21-23
- रोमियो 09:32-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4383, G3037, G4349, G4625

ठोकर, ठोकर का कारण, ठोकर के कारण, ठोकर का पत्थर

परिभाषा:

“ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” कोई वस्तु जिससे किसी का पांव टकराए और वह गिर जाए।

- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” “वह कोई भी बात है जिसके कारण मनुष्य नैतिकता या आत्मिकता में चूक जाए।
- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” ऐसी कोई भी बात है जो मनुष्य को यीशु में विश्वास करने से रोकती है या मनुष्य को आत्मिकता में विकास नहीं करने देती है।
- पाप प्राय: किसी के लिए या अन्यों के लिए ठोकर का कारण है।
- कभी-कभी परमेश्वर उससे विद्रोह करने वाले के मार्ग में ठोकर का कारण उत्पन्न कर देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि एक भाषा में फंदे को खुला रखनेवाली वस्तु का कोई शब्द है तो वह शब्द अनुवाद में लिया जा सकता है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “ठोकर लगने का पत्थर” या “सन्देह उत्पन्न करनेवाली बाधा” या “विश्वास में बाधा” या “किसी से पाप कराने वाली बात”।

(यह भी देखें: ठोकर, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:22-23
- गलातियों 05:11-12
- मत्ती. 05:29-30
- मत्ती. 16:21-23
- रोमियो 09:32-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4383, G3037, G4349, G4625

ठोकर, ठोकर का कारण, ठोकर के कारण, ठोकर का पत्थर

परिभाषा:

“ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” कोई वस्तु जिससे किसी का पांव टकराए और वह गिर जाए।

- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” “वह कोई भी बात है जिसके कारण मनुष्य नैतिकता या आत्मिकता में चूक जाए।
- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” ऐसी कोई भी बात है जो मनुष्य को यीशु में विश्वास करने से रोकती है या मनुष्य को आत्मिकता में विकास नहीं करने देती है।
- पाप प्राय: किसी के लिए या अन्यों के लिए ठोकर का कारण है।
- कभी-कभी परमेश्वर उससे विद्रोह करने वाले के मार्ग में ठोकर का कारण उत्पन्न कर देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि एक भाषा में फंदे को खुला रखनेवाली वस्तु का कोई शब्द है तो वह शब्द अनुवाद में लिया जा सकता है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “ठोकर लगने का पत्थर” या “सन्देह उत्पन्न करनेवाली बाधा” या “विश्वास में बाधा” या “किसी से पाप कराने वाली बात”।

(यह भी देखें: ठोकर, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:22-23
- गलातियों 05:11-12
- मत्ती. 05:29-30
- मत्ती. 16:21-23
- रोमियो 09:32-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4383, G3037, G4349, G4625

ठोकर, ठोकर का कारण, ठोकर के कारण, ठोकर का पत्थर

परिभाषा:

“ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” कोई वस्तु जिससे किसी का पांव टकराए और वह गिर जाए।

- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” “वह कोई भी बात है जिसके कारण मनुष्य नैतिकता या आत्मिकता में चूक जाए।
- आलंकारिक रूप में “ठोकर का कारण” या “ठोकर का पत्थर” ऐसी कोई भी बात है जो मनुष्य को यीशु में विश्वास करने से रोकती है या मनुष्य को आत्मिकता में विकास नहीं करने देती है।
- पाप प्राय: किसी के लिए या अन्यों के लिए ठोकर का कारण है।
- कभी-कभी परमेश्वर उससे विद्रोह करने वाले के मार्ग में ठोकर का कारण उत्पन्न कर देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि एक भाषा में फंदे को खुला रखनेवाली वस्तु का कोई शब्द है तो वह शब्द अनुवाद में लिया जा सकता है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “ठोकर लगने का पत्थर” या “सन्देह उत्पन्न करनेवाली बाधा” या “विश्वास में बाधा” या “किसी से पाप कराने वाली बात”।

(यह भी देखें: ठोकर, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:22-23
- गलातियों 05:11-12
- मत्ती. 05:29-30
- मत्ती. 16:21-23
- रोमियो 09:32-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4383, G3037, G4349, G4625

ठोकर, ठोकर खाए, ठोकर खाया, ठोकर खाता

परिभाषा:

"ठोकर" खाना अर्थ चलते या भागते समय पांव टकराने के कारण लगभग गिर जाना। इसमें किसी वस्तु से पांव के लगने के कारण गिरना होता है।

- आलंकारिक रूप में "के प्रति ठोकर खाना" का अर्थ "के प्रति पाप" या "के प्रति "विश्वासघाती" हो सकता है ।
- यह शब्द भी एक लढाई से लड़ते समय का कमज़ोरी दिखा रहा है या उन्हें सताया या दंडित किया जा रहा है को दर्शाता है ।

अनुवाद के सुझाव

- उन संदर्भों में जहां "ठोकर" शब्द का अर्थ शारीरिक रूप से किसी चीज़ की यात्रा पर होता है, इसका अनुवाद एक शब्द के साथ किया जाना चाहिए जिसका मतलब है "लगभग गिरना" या "यात्रा करना।"
- इस संदर्भ में यह सही मायने रखता है कि यदि इस संदर्भ में सही अर्थ का संचार किया जाता है, तो यह शाब्दिक अर्थ भी एक आलंकारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों के लिए जहां प्रोजेक्ट भाषा में शाब्दिक अर्थ नहीं होगा, संदर्भ के आधार पर "ठोकर" का अनुवाद किया जा सकता है, "पाप" या "लड़खड़ा" या "विश्वास करने से रोक" या "कमजोर होना"।
- इस शब्द का अनुवाद करने का एक अन्य तरीका हो सकता है, "पाप करने से ठोकर" या "विश्वास न करने से ठोकर"।
- वाक्यांश "ठोकर करने के लिए बनाया" का अनुवाद "कमजोर होने के कारण" या "लड़खड़ाता" के कारण किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, सताएँ, पाप, ठोकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:7-8
- होशे 04:4-5
- यशायाह 31:3
- मत्ती 11:4-6
- मत्ती 18:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1762, H3782, H4383, H4384, H5062, H5063, H5307, H6328, H6761, H8058, G679, G4348, G4350, G4417, G4624, G4625

ठोकर, ठोकर खाए, ठोकर खाया, ठोकर खाता

परिभाषा:

"ठोकर" खाना अर्थ चलते या भागते समय पांव टकराने के कारण लगभग गिर जाना। इसमें किसी वस्तु से पांव के लगने के कारण गिरना होता है।

- आलंकारिक रूप में "के प्रति ठोकर खाना" का अर्थ "के प्रति पाप" या "के प्रति "विश्वासघाती" हो सकता है ।
- यह शब्द भी एक लढाई से लड़ते समय का कमज़ोरी दिखा रहा है या उन्हें सताया या दंडित किया जा रहा है को दर्शाता है ।

अनुवाद के सुझाव

- उन संदर्भों में जहां "ठोकर" शब्द का अर्थ शारीरिक रूप से किसी चीज़ की यात्रा पर होता है, इसका अनुवाद एक शब्द के साथ किया जाना चाहिए जिसका मतलब है "लगभग गिरना" या "यात्रा करना।"
- इस संदर्भ में यह सही मायने रखता है कि यदि इस संदर्भ में सही अर्थ का संचार किया जाता है, तो यह शाब्दिक अर्थ भी एक आलंकारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों के लिए जहां प्रोजेक्ट भाषा में शाब्दिक अर्थ नहीं होगा, संदर्भ के आधार पर "ठोकर" का अनुवाद किया जा सकता है, "पाप" या "लड़खड़ा" या "विश्वास करने से रोक" या "कमजोर होना"।
- इस शब्द का अनुवाद करने का एक अन्य तरीका हो सकता है, "पाप करने से ठोकर" या "विश्वास न करने से ठोकर"।
- वाक्यांश "ठोकर करने के लिए बनाया" का अनुवाद "कमजोर होने के कारण" या "लड़खड़ाता" के कारण किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, सताएँ, पाप, ठोकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:7-8
- होशे 04:4-5
- यशायाह 31:3
- मत्ती 11:4-6
- मत्ती 18:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1762, H3782, H4383, H4384, H5062, H5063, H5307, H6328, H6761, H8058, G679, G4348, G4350, G4417, G4624, G4625

ठोकर, ठोकर खाए, ठोकर खाया, ठोकर खाता

परिभाषा:

"ठोकर" खाना अर्थ चलते या भागते समय पांव टकराने के कारण लगभग गिर जाना। इसमें किसी वस्तु से पांव के लगने के कारण गिरना होता है।

- आलंकारिक रूप में "के प्रति ठोकर खाना" का अर्थ "के प्रति पाप" या "के प्रति "विश्वासघाती" हो सकता है ।
- यह शब्द भी एक लढाई से लड़ते समय का कमज़ोरी दिखा रहा है या उन्हें सताया या दंडित किया जा रहा है को दर्शाता है ।

अनुवाद के सुझाव

- उन संदर्भों में जहां "ठोकर" शब्द का अर्थ शारीरिक रूप से किसी चीज़ की यात्रा पर होता है, इसका अनुवाद एक शब्द के साथ किया जाना चाहिए जिसका मतलब है "लगभग गिरना" या "यात्रा करना।"
- इस संदर्भ में यह सही मायने रखता है कि यदि इस संदर्भ में सही अर्थ का संचार किया जाता है, तो यह शाब्दिक अर्थ भी एक आलंकारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों के लिए जहां प्रोजेक्ट भाषा में शाब्दिक अर्थ नहीं होगा, संदर्भ के आधार पर "ठोकर" का अनुवाद किया जा सकता है, "पाप" या "लड़खड़ा" या "विश्वास करने से रोक" या "कमजोर होना"।
- इस शब्द का अनुवाद करने का एक अन्य तरीका हो सकता है, "पाप करने से ठोकर" या "विश्वास न करने से ठोकर"।
- वाक्यांश "ठोकर करने के लिए बनाया" का अनुवाद "कमजोर होने के कारण" या "लड़खड़ाता" के कारण किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, सताएँ, पाप, ठोकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:7-8
- होशे 04:4-5
- यशायाह 31:3
- मत्ती 11:4-6
- मत्ती 18:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1762, H3782, H4383, H4384, H5062, H5063, H5307, H6328, H6761, H8058, G679, G4348, G4350, G4417, G4624, G4625

ठोकर, ठोकर खाए, ठोकर खाया, ठोकर खाता

परिभाषा:

"ठोकर" खाना अर्थ चलते या भागते समय पांव टकराने के कारण लगभग गिर जाना। इसमें किसी वस्तु से पांव के लगने के कारण गिरना होता है।

- आलंकारिक रूप में "के प्रति ठोकर खाना" का अर्थ "के प्रति पाप" या "के प्रति "विश्वासघाती" हो सकता है ।
- यह शब्द भी एक लढाई से लड़ते समय का कमज़ोरी दिखा रहा है या उन्हें सताया या दंडित किया जा रहा है को दर्शाता है ।

अनुवाद के सुझाव

- उन संदर्भों में जहां "ठोकर" शब्द का अर्थ शारीरिक रूप से किसी चीज़ की यात्रा पर होता है, इसका अनुवाद एक शब्द के साथ किया जाना चाहिए जिसका मतलब है "लगभग गिरना" या "यात्रा करना।"
- इस संदर्भ में यह सही मायने रखता है कि यदि इस संदर्भ में सही अर्थ का संचार किया जाता है, तो यह शाब्दिक अर्थ भी एक आलंकारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों के लिए जहां प्रोजेक्ट भाषा में शाब्दिक अर्थ नहीं होगा, संदर्भ के आधार पर "ठोकर" का अनुवाद किया जा सकता है, "पाप" या "लड़खड़ा" या "विश्वास करने से रोक" या "कमजोर होना"।
- इस शब्द का अनुवाद करने का एक अन्य तरीका हो सकता है, "पाप करने से ठोकर" या "विश्वास न करने से ठोकर"।
- वाक्यांश "ठोकर करने के लिए बनाया" का अनुवाद "कमजोर होने के कारण" या "लड़खड़ाता" के कारण किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, सताएँ, पाप, ठोकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:7-8
- होशे 04:4-5
- यशायाह 31:3
- मत्ती 11:4-6
- मत्ती 18:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1762, H3782, H4383, H4384, H5062, H5063, H5307, H6328, H6761, H8058, G679, G4348, G4350, G4417, G4624, G4625

ठोकर, ठोकर खाए, ठोकर खाया, ठोकर खाता

परिभाषा:

"ठोकर" खाना अर्थ चलते या भागते समय पांव टकराने के कारण लगभग गिर जाना। इसमें किसी वस्तु से पांव के लगने के कारण गिरना होता है।

- आलंकारिक रूप में "के प्रति ठोकर खाना" का अर्थ "के प्रति पाप" या "के प्रति "विश्वासघाती" हो सकता है ।
- यह शब्द भी एक लढाई से लड़ते समय का कमज़ोरी दिखा रहा है या उन्हें सताया या दंडित किया जा रहा है को दर्शाता है ।

अनुवाद के सुझाव

- उन संदर्भों में जहां "ठोकर" शब्द का अर्थ शारीरिक रूप से किसी चीज़ की यात्रा पर होता है, इसका अनुवाद एक शब्द के साथ किया जाना चाहिए जिसका मतलब है "लगभग गिरना" या "यात्रा करना।"
- इस संदर्भ में यह सही मायने रखता है कि यदि इस संदर्भ में सही अर्थ का संचार किया जाता है, तो यह शाब्दिक अर्थ भी एक आलंकारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों के लिए जहां प्रोजेक्ट भाषा में शाब्दिक अर्थ नहीं होगा, संदर्भ के आधार पर "ठोकर" का अनुवाद किया जा सकता है, "पाप" या "लड़खड़ा" या "विश्वास करने से रोक" या "कमजोर होना"।
- इस शब्द का अनुवाद करने का एक अन्य तरीका हो सकता है, "पाप करने से ठोकर" या "विश्वास न करने से ठोकर"।
- वाक्यांश "ठोकर करने के लिए बनाया" का अनुवाद "कमजोर होने के कारण" या "लड़खड़ाता" के कारण किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, सताएँ, पाप, ठोकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:7-8
- होशे 04:4-5
- यशायाह 31:3
- मत्ती 11:4-6
- मत्ती 18:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1762, H3782, H4383, H4384, H5062, H5063, H5307, H6328, H6761, H8058, G679, G4348, G4350, G4417, G4624, G4625

ठोकर, ठोकर खाए, ठोकर खाया, ठोकर खाता

परिभाषा:

"ठोकर" खाना अर्थ चलते या भागते समय पांव टकराने के कारण लगभग गिर जाना। इसमें किसी वस्तु से पांव के लगने के कारण गिरना होता है।

- आलंकारिक रूप में "के प्रति ठोकर खाना" का अर्थ "के प्रति पाप" या "के प्रति "विश्वासघाती" हो सकता है ।
- यह शब्द भी एक लढाई से लड़ते समय का कमज़ोरी दिखा रहा है या उन्हें सताया या दंडित किया जा रहा है को दर्शाता है ।

अनुवाद के सुझाव

- उन संदर्भों में जहां "ठोकर" शब्द का अर्थ शारीरिक रूप से किसी चीज़ की यात्रा पर होता है, इसका अनुवाद एक शब्द के साथ किया जाना चाहिए जिसका मतलब है "लगभग गिरना" या "यात्रा करना।"
- इस संदर्भ में यह सही मायने रखता है कि यदि इस संदर्भ में सही अर्थ का संचार किया जाता है, तो यह शाब्दिक अर्थ भी एक आलंकारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों के लिए जहां प्रोजेक्ट भाषा में शाब्दिक अर्थ नहीं होगा, संदर्भ के आधार पर "ठोकर" का अनुवाद किया जा सकता है, "पाप" या "लड़खड़ा" या "विश्वास करने से रोक" या "कमजोर होना"।
- इस शब्द का अनुवाद करने का एक अन्य तरीका हो सकता है, "पाप करने से ठोकर" या "विश्वास न करने से ठोकर"।
- वाक्यांश "ठोकर करने के लिए बनाया" का अनुवाद "कमजोर होने के कारण" या "लड़खड़ाता" के कारण किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, सताएँ, पाप, ठोकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:7-8
- होशे 04:4-5
- यशायाह 31:3
- मत्ती 11:4-6
- मत्ती 18:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1762, H3782, H4383, H4384, H5062, H5063, H5307, H6328, H6761, H8058, G679, G4348, G4350, G4417, G4624, G4625

ठोकर, ठोकर खाए, ठोकर खाया, ठोकर खाता

परिभाषा:

"ठोकर" खाना अर्थ चलते या भागते समय पांव टकराने के कारण लगभग गिर जाना। इसमें किसी वस्तु से पांव के लगने के कारण गिरना होता है।

- आलंकारिक रूप में "के प्रति ठोकर खाना" का अर्थ "के प्रति पाप" या "के प्रति "विश्वासघाती" हो सकता है ।
- यह शब्द भी एक लढाई से लड़ते समय का कमज़ोरी दिखा रहा है या उन्हें सताया या दंडित किया जा रहा है को दर्शाता है ।

अनुवाद के सुझाव

- उन संदर्भों में जहां "ठोकर" शब्द का अर्थ शारीरिक रूप से किसी चीज़ की यात्रा पर होता है, इसका अनुवाद एक शब्द के साथ किया जाना चाहिए जिसका मतलब है "लगभग गिरना" या "यात्रा करना।"
- इस संदर्भ में यह सही मायने रखता है कि यदि इस संदर्भ में सही अर्थ का संचार किया जाता है, तो यह शाब्दिक अर्थ भी एक आलंकारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों के लिए जहां प्रोजेक्ट भाषा में शाब्दिक अर्थ नहीं होगा, संदर्भ के आधार पर "ठोकर" का अनुवाद किया जा सकता है, "पाप" या "लड़खड़ा" या "विश्वास करने से रोक" या "कमजोर होना"।
- इस शब्द का अनुवाद करने का एक अन्य तरीका हो सकता है, "पाप करने से ठोकर" या "विश्वास न करने से ठोकर"।
- वाक्यांश "ठोकर करने के लिए बनाया" का अनुवाद "कमजोर होने के कारण" या "लड़खड़ाता" के कारण किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, सताएँ, पाप, ठोकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:7-8
- होशे 04:4-5
- यशायाह 31:3
- मत्ती 11:4-6
- मत्ती 18:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1762, H3782, H4383, H4384, H5062, H5063, H5307, H6328, H6761, H8058, G679, G4348, G4350, G4417, G4624, G4625

ठोकर, ठोकर खाए, ठोकर खाया, ठोकर खाता

परिभाषा:

"ठोकर" खाना अर्थ चलते या भागते समय पांव टकराने के कारण लगभग गिर जाना। इसमें किसी वस्तु से पांव के लगने के कारण गिरना होता है।

- आलंकारिक रूप में "के प्रति ठोकर खाना" का अर्थ "के प्रति पाप" या "के प्रति "विश्वासघाती" हो सकता है ।
- यह शब्द भी एक लढाई से लड़ते समय का कमज़ोरी दिखा रहा है या उन्हें सताया या दंडित किया जा रहा है को दर्शाता है ।

अनुवाद के सुझाव

- उन संदर्भों में जहां "ठोकर" शब्द का अर्थ शारीरिक रूप से किसी चीज़ की यात्रा पर होता है, इसका अनुवाद एक शब्द के साथ किया जाना चाहिए जिसका मतलब है "लगभग गिरना" या "यात्रा करना।"
- इस संदर्भ में यह सही मायने रखता है कि यदि इस संदर्भ में सही अर्थ का संचार किया जाता है, तो यह शाब्दिक अर्थ भी एक आलंकारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों के लिए जहां प्रोजेक्ट भाषा में शाब्दिक अर्थ नहीं होगा, संदर्भ के आधार पर "ठोकर" का अनुवाद किया जा सकता है, "पाप" या "लड़खड़ा" या "विश्वास करने से रोक" या "कमजोर होना"।
- इस शब्द का अनुवाद करने का एक अन्य तरीका हो सकता है, "पाप करने से ठोकर" या "विश्वास न करने से ठोकर"।
- वाक्यांश "ठोकर करने के लिए बनाया" का अनुवाद "कमजोर होने के कारण" या "लड़खड़ाता" के कारण किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, सताएँ, पाप, ठोकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:7-8
- होशे 04:4-5
- यशायाह 31:3
- मत्ती 11:4-6
- मत्ती 18:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1762, H3782, H4383, H4384, H5062, H5063, H5307, H6328, H6761, H8058, G679, G4348, G4350, G4417, G4624, G4625

ठोकर, ठोकर खाए, ठोकर खाया, ठोकर खाता

परिभाषा:

"ठोकर" खाना अर्थ चलते या भागते समय पांव टकराने के कारण लगभग गिर जाना। इसमें किसी वस्तु से पांव के लगने के कारण गिरना होता है।

- आलंकारिक रूप में "के प्रति ठोकर खाना" का अर्थ "के प्रति पाप" या "के प्रति "विश्वासघाती" हो सकता है ।
- यह शब्द भी एक लढाई से लड़ते समय का कमज़ोरी दिखा रहा है या उन्हें सताया या दंडित किया जा रहा है को दर्शाता है ।

अनुवाद के सुझाव

- उन संदर्भों में जहां "ठोकर" शब्द का अर्थ शारीरिक रूप से किसी चीज़ की यात्रा पर होता है, इसका अनुवाद एक शब्द के साथ किया जाना चाहिए जिसका मतलब है "लगभग गिरना" या "यात्रा करना।"
- इस संदर्भ में यह सही मायने रखता है कि यदि इस संदर्भ में सही अर्थ का संचार किया जाता है, तो यह शाब्दिक अर्थ भी एक आलंकारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों के लिए जहां प्रोजेक्ट भाषा में शाब्दिक अर्थ नहीं होगा, संदर्भ के आधार पर "ठोकर" का अनुवाद किया जा सकता है, "पाप" या "लड़खड़ा" या "विश्वास करने से रोक" या "कमजोर होना"।
- इस शब्द का अनुवाद करने का एक अन्य तरीका हो सकता है, "पाप करने से ठोकर" या "विश्वास न करने से ठोकर"।
- वाक्यांश "ठोकर करने के लिए बनाया" का अनुवाद "कमजोर होने के कारण" या "लड़खड़ाता" के कारण किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, सताएँ, पाप, ठोकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:7-8
- होशे 04:4-5
- यशायाह 31:3
- मत्ती 11:4-6
- मत्ती 18:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1762, H3782, H4383, H4384, H5062, H5063, H5307, H6328, H6761, H8058, G679, G4348, G4350, G4417, G4624, G4625

ठोकर, ठोकर खाए, ठोकर खाया, ठोकर खाता

परिभाषा:

"ठोकर" खाना अर्थ चलते या भागते समय पांव टकराने के कारण लगभग गिर जाना। इसमें किसी वस्तु से पांव के लगने के कारण गिरना होता है।

- आलंकारिक रूप में "के प्रति ठोकर खाना" का अर्थ "के प्रति पाप" या "के प्रति "विश्वासघाती" हो सकता है ।
- यह शब्द भी एक लढाई से लड़ते समय का कमज़ोरी दिखा रहा है या उन्हें सताया या दंडित किया जा रहा है को दर्शाता है ।

अनुवाद के सुझाव

- उन संदर्भों में जहां "ठोकर" शब्द का अर्थ शारीरिक रूप से किसी चीज़ की यात्रा पर होता है, इसका अनुवाद एक शब्द के साथ किया जाना चाहिए जिसका मतलब है "लगभग गिरना" या "यात्रा करना।"
- इस संदर्भ में यह सही मायने रखता है कि यदि इस संदर्भ में सही अर्थ का संचार किया जाता है, तो यह शाब्दिक अर्थ भी एक आलंकारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों के लिए जहां प्रोजेक्ट भाषा में शाब्दिक अर्थ नहीं होगा, संदर्भ के आधार पर "ठोकर" का अनुवाद किया जा सकता है, "पाप" या "लड़खड़ा" या "विश्वास करने से रोक" या "कमजोर होना"।
- इस शब्द का अनुवाद करने का एक अन्य तरीका हो सकता है, "पाप करने से ठोकर" या "विश्वास न करने से ठोकर"।
- वाक्यांश "ठोकर करने के लिए बनाया" का अनुवाद "कमजोर होने के कारण" या "लड़खड़ाता" के कारण किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, सताएँ, पाप, ठोकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:7-8
- होशे 04:4-5
- यशायाह 31:3
- मत्ती 11:4-6
- मत्ती 18:7-8

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1762, H3782, H4383, H4384, H5062, H5063, H5307, H6328, H6761, H8058, G679, G4348, G4350, G4417, G4624, G4625

ठोकर, ठोकर खाए, ठोकर खाया, ठोकर खाता

परिभाषा:

"ठोकर" खाना अर्थ चलते या भागते समय पांव टकराने के कारण लगभग गिर जाना। इसमें किसी वस्तु से पांव के लगने के कारण गिरना होता है।

- आलंकारिक रूप में "के प्रति ठोकर खाना" का अर्थ "के प्रति पाप" या "के प्रति "विश्वासघाती" हो सकता है ।
- यह शब्द भी एक लढाई से लड़ते समय का कमज़ोरी दिखा रहा है या उन्हें सताया या दंडित किया जा रहा है को दर्शाता है ।

अनुवाद के सुझाव

- उन संदर्भों में जहां "ठोकर" शब्द का अर्थ शारीरिक रूप से किसी चीज़ की यात्रा पर होता है, इसका अनुवाद एक शब्द के साथ किया जाना चाहिए जिसका मतलब है "लगभग गिरना" या "यात्रा करना।"
- इस संदर्भ में यह सही मायने रखता है कि यदि इस संदर्भ में सही अर्थ का संचार किया जाता है, तो यह शाब्दिक अर्थ भी एक आलंकारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों के लिए जहां प्रोजेक्ट भाषा में शाब्दिक अर्थ नहीं होगा, संदर्भ के आधार पर "ठोकर" का अनुवाद किया जा सकता है, "पाप" या "लड़खड़ा" या "विश्वास करने से रोक" या "कमजोर होना"।
- इस शब्द का अनुवाद करने का एक अन्य तरीका हो सकता है, "पाप करने से ठोकर" या "विश्वास न करने से ठोकर"।
- वाक्यांश "ठोकर करने के लिए बनाया" का अनुवाद "कमजोर होने के कारण" या "लड़खड़ाता" के कारण किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, सताएँ, पाप, ठोकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:7-8
- होशे 04:4-5
- यशायाह 31:3
- मत्ती 11:4-6
- मत्ती 18:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1762, H3782, H4383, H4384, H5062, H5063, H5307, H6328, H6761, H8058, G679, G4348, G4350, G4417, G4624, G4625

ठोकर, ठोकर खाए, ठोकर खाया, ठोकर खाता

परिभाषा:

"ठोकर" खाना अर्थ चलते या भागते समय पांव टकराने के कारण लगभग गिर जाना। इसमें किसी वस्तु से पांव के लगने के कारण गिरना होता है।

- आलंकारिक रूप में "के प्रति ठोकर खाना" का अर्थ "के प्रति पाप" या "के प्रति "विश्वासघाती" हो सकता है ।
- यह शब्द भी एक लढाई से लड़ते समय का कमज़ोरी दिखा रहा है या उन्हें सताया या दंडित किया जा रहा है को दर्शाता है ।

अनुवाद के सुझाव

- उन संदर्भों में जहां "ठोकर" शब्द का अर्थ शारीरिक रूप से किसी चीज़ की यात्रा पर होता है, इसका अनुवाद एक शब्द के साथ किया जाना चाहिए जिसका मतलब है "लगभग गिरना" या "यात्रा करना।"
- इस संदर्भ में यह सही मायने रखता है कि यदि इस संदर्भ में सही अर्थ का संचार किया जाता है, तो यह शाब्दिक अर्थ भी एक आलंकारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों के लिए जहां प्रोजेक्ट भाषा में शाब्दिक अर्थ नहीं होगा, संदर्भ के आधार पर "ठोकर" का अनुवाद किया जा सकता है, "पाप" या "लड़खड़ा" या "विश्वास करने से रोक" या "कमजोर होना"।
- इस शब्द का अनुवाद करने का एक अन्य तरीका हो सकता है, "पाप करने से ठोकर" या "विश्वास न करने से ठोकर"।
- वाक्यांश "ठोकर करने के लिए बनाया" का अनुवाद "कमजोर होने के कारण" या "लड़खड़ाता" के कारण किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, सताएँ, पाप, ठोकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:7-8
- होशे 04:4-5
- यशायाह 31:3
- मत्ती 11:4-6
- मत्ती 18:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1762, H3782, H4383, H4384, H5062, H5063, H5307, H6328, H6761, H8058, G679, G4348, G4350, G4417, G4624, G4625

ठोकर, ठोकर खाए, ठोकर खाया, ठोकर खाता

परिभाषा:

"ठोकर" खाना अर्थ चलते या भागते समय पांव टकराने के कारण लगभग गिर जाना। इसमें किसी वस्तु से पांव के लगने के कारण गिरना होता है।

- आलंकारिक रूप में "के प्रति ठोकर खाना" का अर्थ "के प्रति पाप" या "के प्रति "विश्वासघाती" हो सकता है ।
- यह शब्द भी एक लढाई से लड़ते समय का कमज़ोरी दिखा रहा है या उन्हें सताया या दंडित किया जा रहा है को दर्शाता है ।

अनुवाद के सुझाव

- उन संदर्भों में जहां "ठोकर" शब्द का अर्थ शारीरिक रूप से किसी चीज़ की यात्रा पर होता है, इसका अनुवाद एक शब्द के साथ किया जाना चाहिए जिसका मतलब है "लगभग गिरना" या "यात्रा करना।"
- इस संदर्भ में यह सही मायने रखता है कि यदि इस संदर्भ में सही अर्थ का संचार किया जाता है, तो यह शाब्दिक अर्थ भी एक आलंकारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों के लिए जहां प्रोजेक्ट भाषा में शाब्दिक अर्थ नहीं होगा, संदर्भ के आधार पर "ठोकर" का अनुवाद किया जा सकता है, "पाप" या "लड़खड़ा" या "विश्वास करने से रोक" या "कमजोर होना"।
- इस शब्द का अनुवाद करने का एक अन्य तरीका हो सकता है, "पाप करने से ठोकर" या "विश्वास न करने से ठोकर"।
- वाक्यांश "ठोकर करने के लिए बनाया" का अनुवाद "कमजोर होने के कारण" या "लड़खड़ाता" के कारण किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, सताएँ, पाप, ठोकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:7-8
- होशे 04:4-5
- यशायाह 31:3
- मत्ती 11:4-6
- मत्ती 18:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1762, H3782, H4383, H4384, H5062, H5063, H5307, H6328, H6761, H8058, G679, G4348, G4350, G4417, G4624, G4625

ठोकर, ठोकर खाए, ठोकर खाया, ठोकर खाता

परिभाषा:

"ठोकर" खाना अर्थ चलते या भागते समय पांव टकराने के कारण लगभग गिर जाना। इसमें किसी वस्तु से पांव के लगने के कारण गिरना होता है।

- आलंकारिक रूप में "के प्रति ठोकर खाना" का अर्थ "के प्रति पाप" या "के प्रति "विश्वासघाती" हो सकता है ।
- यह शब्द भी एक लढाई से लड़ते समय का कमज़ोरी दिखा रहा है या उन्हें सताया या दंडित किया जा रहा है को दर्शाता है ।

अनुवाद के सुझाव

- उन संदर्भों में जहां "ठोकर" शब्द का अर्थ शारीरिक रूप से किसी चीज़ की यात्रा पर होता है, इसका अनुवाद एक शब्द के साथ किया जाना चाहिए जिसका मतलब है "लगभग गिरना" या "यात्रा करना।"
- इस संदर्भ में यह सही मायने रखता है कि यदि इस संदर्भ में सही अर्थ का संचार किया जाता है, तो यह शाब्दिक अर्थ भी एक आलंकारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आलंकारिक उपयोगों के लिए जहां प्रोजेक्ट भाषा में शाब्दिक अर्थ नहीं होगा, संदर्भ के आधार पर "ठोकर" का अनुवाद किया जा सकता है, "पाप" या "लड़खड़ा" या "विश्वास करने से रोक" या "कमजोर होना"।
- इस शब्द का अनुवाद करने का एक अन्य तरीका हो सकता है, "पाप करने से ठोकर" या "विश्वास न करने से ठोकर"।
- वाक्यांश "ठोकर करने के लिए बनाया" का अनुवाद "कमजोर होने के कारण" या "लड़खड़ाता" के कारण किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, सताएँ, पाप, ठोकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 पतरस 02:7-8
- होशे 04:4-5
- यशायाह 31:3
- मत्ती 11:4-6
- मत्ती 18:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1762, H3782, H4383, H4384, H5062, H5063, H5307, H6328, H6761, H8058, G679, G4348, G4350, G4417, G4624, G4625

डर, भय, भयभीत, डरना

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
- “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।
- “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: चकित, यहोवा, प्रभु, चमत्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- प्रे.का. 02:43-45
- प्रे.का. 19:15-17
- उत्पत्ति 50:18-21
- यशायाह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- योना 01:8-10
- लूका 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- नीतिवचन 10:24-25

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर, भय, भयभीत, डरना

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
- “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।
- “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: चकित, यहोवा, प्रभु, चमत्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- प्रे.का. 02:43-45
- प्रे.का. 19:15-17
- उत्पत्ति 50:18-21
- यशायाह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- योना 01:8-10
- लूका 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- नीतिवचन 10:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर, भय, भयभीत, डरना

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
- “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।

- “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: चकित, यहोवा, प्रभु, चमत्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- प्रे.का. 02:43-45
- प्रे.का. 19:15-17
- उत्पत्ति 50:18-21
- यशायाह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- योना 01:8-10
- लूका 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- नीतिवचन 10:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर, भय, भयभीत, डरना

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
- “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।
- “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: चकित, यहोवा, प्रभु, चमत्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- प्रे.का. 02:43-45
- प्रे.का. 19:15-17
- उत्पत्ति 50:18-21
- यशायाह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- योना 01:8-10
- लूका 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- नीतिवचन 10:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर, भय, भयभीत, डरना

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
- “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।
- “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: चकित, यहोवा, प्रभु, चमत्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- प्रे.का. 02:43-45
- प्रे.का. 19:15-17
- उत्पत्ति 50:18-21
- यशायाह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- योना 01:8-10
- लूका 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- नीतिवचन 10:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर, भय, भयभीत, डरना

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
- “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।

- “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: चकित, यहोवा, प्रभु, चमत्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- प्रे.का. 02:43-45
- प्रे.का. 19:15-17
- उत्पत्ति 50:18-21
- यशायाह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- योना 01:8-10
- लूका 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- नीतिवचन 10:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर, भय, भयभीत, डरना

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
- “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।
- “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: चकित, यहोवा, प्रभु, चमत्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- प्रे.का. 02:43-45
- प्रे.का. 19:15-17
- उत्पत्ति 50:18-21
- यशायाह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- योना 01:8-10
- लूका 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- नीतिवचन 10:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर, भय, भयभीत, डरना

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
- “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।
- “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: चकित, यहोवा, प्रभु, चमत्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- प्रे.का. 02:43-45
- प्रे.का. 19:15-17
- उत्पत्ति 50:18-21
- यशायाह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- योना 01:8-10
- लूका 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- नीतिवचन 10:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर, भय, भयभीत, डरना

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
- “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।

- “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: चकित, यहोवा, प्रभु, चमत्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- प्रे.का. 02:43-45
- प्रे.का. 19:15-17
- उत्पत्ति 50:18-21
- यशायाह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- योना 01:8-10
- लूका 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- नीतिवचन 10:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर, भय, भयभीत, डरना

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
- “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।
- “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: चकित, यहोवा, प्रभु, चमत्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- प्रे.का. 02:43-45
- प्रे.का. 19:15-17
- उत्पत्ति 50:18-21
- यशायाह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- योना 01:8-10
- लूका 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- नीतिवचन 10:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर, भय, भयभीत, डरना

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
- “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।
- “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: चकित, यहोवा, प्रभु, चमत्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- प्रे.का. 02:43-45
- प्रे.का. 19:15-17
- उत्पत्ति 50:18-21
- यशायाह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- योना 01:8-10
- लूका 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- नीतिवचन 10:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर, भय, भयभीत, डरना

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
- “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।

- “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: चकित, यहोवा, प्रभु, चमत्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- प्रे.का. 02:43-45
- प्रे.का. 19:15-17
- उत्पत्ति 50:18-21
- यशायाह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- योना 01:8-10
- लूका 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- नीतिवचन 10:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर, भय, भयभीत, डरना

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
- “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।
- “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: चकित, यहोवा, प्रभु, चमत्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- प्रे.का. 02:43-45
- प्रे.का. 19:15-17
- उत्पत्ति 50:18-21
- यशायाह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- योना 01:8-10
- लूका 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- नीतिवचन 10:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर, भय, भयभीत, डरना

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
- “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।
- “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: चकित, यहोवा, प्रभु, चमत्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- प्रे.का. 02:43-45
- प्रे.का. 19:15-17
- उत्पत्ति 50:18-21
- यशायाह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- योना 01:8-10
- लूका 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- नीतिवचन 10:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर, भय, भयभीत, डरना

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
- “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।

- “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: चकित, यहोवा, प्रभु, चमत्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- प्रे.का. 02:43-45
- प्रे.का. 19:15-17
- उत्पत्ति 50:18-21
- यशायाह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- योना 01:8-10
- लूका 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- नीतिवचन 10:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर, भय, भयभीत, डरना

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
- “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।
- “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: चकित, यहोवा, प्रभु, चमत्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- प्रे.का. 02:43-45
- प्रे.का. 19:15-17
- उत्पत्ति 50:18-21
- यशायाह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- योना 01:8-10
- लूका 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- नीतिवचन 10:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

परिभाषा:

- “डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।
- “डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।
- इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।
- “यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।
- 'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: विरोधी, डर, न्यायी, मरी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 02:24-25
- निर्गमन 14:10-12
- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

परिभाषा:

- “डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।
- “डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।
- इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।
- “यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।
- 'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: विरोधी, डर, न्यायी, मरी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 02:24-25
- निर्गमन 14:10-12

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

परिभाषा:

- “डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।
- “डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।
- इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।
- “यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।
- 'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: विरोधी, डर, न्यायी, मरी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 02:24-25
- निर्गमन 14:10-12
- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

परिभाषा:

- “डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।
- “डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।
- इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।
- “यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।
- 'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: विरोधी, डर, न्यायी, मरी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 02:24-25
- निर्गमन 14:10-12
- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

परिभाषा:

- “डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।
- “डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।
- इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।
- “यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।
- 'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: विरोधी, डर, न्यायी, मरी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 02:24-25
- निर्गमन 14:10-12
- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

परिभाषा:

- “डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।
- “डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।
- इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।
- “यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।
- 'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: विरोधी, डर, न्यायी, मरी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 02:24-25
- निर्गमन 14:10-12
- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

परिभाषा:

- “डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।
- “डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।
- इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।
- “यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।
- 'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: विरोधी, डर, न्यायी, मरी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 02:24-25
- निर्गमन 14:10-12
- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

परिभाषा:

- “डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।
- “डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।
- इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।
- “यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।

- 'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: विरोधी, डर, न्यायी, मरी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 02:24-25
- निर्गमन 14:10-12
- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

परिभाषा:

- “डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।
- “डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।
- इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।
- “यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।
- 'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: विरोधी, डर, न्यायी, मरी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 02:24-25
- निर्गमन 14:10-12
- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

परिभाषा:

- “डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।
- “डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।
- इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।

- “यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।
- 'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: विरोधी, डर, न्यायी, मरी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 02:24-25
- निर्गमन 14:10-12
- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

परिभाषा:

- “डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।
- “डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।
- इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।
- “यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।
- 'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: विरोधी, डर, न्यायी, मरी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 02:24-25
- निर्गमन 14:10-12
- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

परिभाषा:

- “डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।
- “डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।

- इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।
- “यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।
- 'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: विरोधी, डर, न्यायी, मरी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 02:24-25
- निर्गमन 14:10-12
- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

परिभाषा:

- “डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।
- “डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।
- इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।
- “यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।
- 'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: विरोधी, डर, न्यायी, मरी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 02:24-25
- निर्गमन 14:10-12
- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

परिभाषा:

- “डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- “डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।

- इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।
- “यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।
- 'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: विरोधी, डर, न्यायी, मरी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 02:24-25
- निर्गमन 14:10-12
- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

परिभाषा:

- “डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।

- “डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।

- इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।
- “यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।
- 'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: विरोधी, डर, न्यायी, मरी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 02:24-25
- निर्गमन 14:10-12
- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

परिभाषा:

- “डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।
- “डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।
- इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।
- “यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।
- 'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: विरोधी, डर, न्यायी, मरी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 02:24-25
- निर्गमन 14:10-12
- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

डाह, लालच

परिभाषा:

“डाह” शब्द का अर्थ है किसी की सम्पदा या प्रशंसनीय गुणों के कारण उससे जलना। “लालच” का अर्थ है किसी चीज की प्रबल अभिलाषा करना।

- डाह आम तौर पर किसी अन्य व्यक्ति की सफलता, सौभाग्य या सम्पदा के कारण से असंतोष की नकारात्मक भावना है।
- लालच किसी की सम्पदा या किसी के जीवन साथी को प्राप्त करने की प्रबल इच्छा होती है।

(यह भी देखें: जलन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 पतरस 02:1
- निर्गमन 20:17
- मरकुस 07:20-23
- नीतिवचन 03:31-32
- रोमियों 01:29

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H183, H1214, H1215, H2530, H3415, H5869, H7065, H7068, G866, G1937, G2205, G2206, G3713, G3788, G4123, G4124, G4190, G5354, G5355, G5366

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

डाह, लालच

परिभाषा:

“डाह” शब्द का अर्थ है किसी की सम्पदा या प्रशंसनीय गुणों के कारण उससे जलना। “लालच” का अर्थ है किसी चीज की प्रबल अभिलाषा करना।

- डाह आम तौर पर किसी अन्य व्यक्ति की सफलता, सौभाग्य या सम्पदा के कारण से असंतोष की नकारात्मक भावना है।
- लालच किसी की सम्पदा या किसी के जीवन साथी को प्राप्त करने की प्रबल इच्छा होती है।

(यह भी देखें: जलन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 पतरस 02:1
- निर्गमन 20:17
- मरकुस 07:20-23
- नीतिवचन 03:31-32
- रोमियों 01:29

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H183, H1214, H1215, H2530, H3415, H5869, H7065, H7068, G866, G1937, G2205, G2206, G3713, G3788, G4123, G4124, G4190, G5354, G5355, G5366

डाह, लालच

परिभाषा:

“डाह” शब्द का अर्थ है किसी की सम्पदा या प्रशंसनीय गुणों के कारण उससे जलना। “लालच” का अर्थ है किसी चीज की प्रबल अभिलाषा करना।

- डाह आम तौर पर किसी अन्य व्यक्ति की सफलता, सौभाग्य या सम्पदा के कारण से असंतोष की नकारात्मक भावना है।
- लालच किसी की सम्पदा या किसी के जीवन साथी को प्राप्त करने की प्रबल इच्छा होती है।

(यह भी देखें: जलन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 पतरस 02:1
- निर्गमन 20:17
- मरकुस 07:20-23
- नीतिवचन 03:31-32
- रोमियों 01:29

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H183, H1214, H1215, H2530, H3415, H5869, H7065, H7068, G866, G1937, G2205, G2206, G3713, G3788, G4123, G4124, G4190, G5354, G5355, G5366

डाह, लालच

परिभाषा:

“डाह” शब्द का अर्थ है किसी की सम्पदा या प्रशंसनीय गुणों के कारण उससे जलना। “लालच” का अर्थ है किसी चीज की प्रबल अभिलाषा करना।

- डाह आम तौर पर किसी अन्य व्यक्ति की सफलता, सौभाग्य या सम्पदा के कारण से असंतोष की नकारात्मक भावना है।
- लालच किसी की सम्पदा या किसी के जीवन साथी को प्राप्त करने की प्रबल इच्छा होती है।

(यह भी देखें: जलन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 पतरस 02:1
- निर्गमन 20:17
- मरकुस 07:20-23
- नीतिवचन 03:31-32
- रोमियों 01:29

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H183, H1214, H1215, H2530, H3415, H5869, H7065, H7068, G866, G1937, G2205, G2206, G3713, G3788, G4123, G4124, G4190, G5354, G5355, G5366

डाह, लालच

परिभाषा:

“डाह” शब्द का अर्थ है किसी की सम्पदा या प्रशंसनीय गुणों के कारण उससे जलना। “लालच” का अर्थ है किसी चीज की प्रबल अभिलाषा करना।

- डाह आम तौर पर किसी अन्य व्यक्ति की सफलता, सौभाग्य या सम्पदा के कारण से असंतोष की नकारात्मक भावना है।
- लालच किसी की सम्पदा या किसी के जीवन साथी को प्राप्त करने की प्रबल इच्छा होती है।

(यह भी देखें: जलन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 पतरस 02:1
- निर्गमन 20:17
- मरकुस 07:20-23
- नीतिवचन 03:31-32
- रोमियों 01:29

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H183, H1214, H1215, H2530, H3415, H5869, H7065, H7068, G866, G1937, G2205, G2206, G3713, G3788, G4123, G4124, G4190, G5354, G5355, G5366

डाह, लालच

परिभाषा:

“डाह” शब्द का अर्थ है किसी की सम्पदा या प्रशंसनीय गुणों के कारण उससे जलना। “लालच” का अर्थ है किसी चीज की प्रबल अभिलाषा करना।

- डाह आम तौर पर किसी अन्य व्यक्ति की सफलता, सौभाग्य या सम्पदा के कारण से असंतोष की नकारात्मक भावना है।
- लालच किसी की सम्पदा या किसी के जीवन साथी को प्राप्त करने की प्रबल इच्छा होती है।

(यह भी देखें: जलन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 पतरस 02:1
- निर्गमन 20:17
- मरकुस 07:20-23
- नीतिवचन 03:31-32

- रोमियों 01:29

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H183, H1214, H1215, H2530, H3415, H5869, H7065, H7068, G866, G1937, G2205, G2206, G3713, G3788, G4123, G4124, G4190, G5354, G5355, G5366

डाह, लालच

परिभाषा:

“डाह” शब्द का अर्थ है किसी की सम्पदा या प्रशंसनीय गुणों के कारण उससे जलना। “लालच” का अर्थ है किसी चीज की प्रबल अभिलाषा करना।

- डाह आम तौर पर किसी अन्य व्यक्ति की सफलता, सौभाग्य या सम्पदा के कारण से असंतोष की नकारात्मक भावना है।
- लालच किसी की सम्पदा या किसी के जीवन साथी को प्राप्त करने की प्रबल इच्छा होती है।

(यह भी देखें: जलन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 पतरस 02:1
- निर्गमन 20:17
- मरकुस 07:20-23
- नीतिवचन 03:31-32
- रोमियों 01:29

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H183, H1214, H1215, H2530, H3415, H5869, H7065, H7068, G866, G1937, G2205, G2206, G3713, G3788, G4123, G4124, G4190, G5354, G5355, G5366

डाह, लालच

परिभाषा:

“डाह” शब्द का अर्थ है किसी की सम्पदा या प्रशंसनीय गुणों के कारण उससे जलना। “लालच” का अर्थ है किसी चीज की प्रबल अभिलाषा करना।

- डाह आम तौर पर किसी अन्य व्यक्ति की सफलता, सौभाग्य या सम्पदा के कारण से असंतोष की नकारात्मक भावना है।
- लालच किसी की सम्पदा या किसी के जीवन साथी को प्राप्त करने की प्रबल इच्छा होती है।

(यह भी देखें: जलन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 पतरस 02:1
- निर्गमन 20:17
- मरकुस 07:20-23
- नीतिवचन 03:31-32
- रोमियों 01:29

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H183, H1214, H1215, H2530, H3415, H5869, H7065, H7068, G866, G1937, G2205, G2206, G3713, G3788, G4123, G4124, G4190, G5354, G5355, G5366

डाह, लालच

परिभाषा:

“डाह” शब्द का अर्थ है किसी की सम्पदा या प्रशंसनीय गुणों के कारण उससे जलना। “लालच” का अर्थ है किसी चीज की प्रबल अभिलाषा करना।

- डाह आम तौर पर किसी अन्य व्यक्ति की सफलता, सौभाग्य या सम्पदा के कारण से असंतोष की नकारात्मक भावना है।
- लालच किसी की सम्पदा या किसी के जीवन साथी को प्राप्त करने की प्रबल इच्छा होती है।

(यह भी देखें: जलन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 पतरस 02:1
- निर्गमन 20:17
- मरकुस 07:20-23
- नीतिवचन 03:31-32
- रोमियों 01:29

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H183, H1214, H1215, H2530, H3415, H5869, H7065, H7068, G866, G1937, G2205, G2206, G3713, G3788, G4123, G4124, G4190, G5354, G5355, G5366

डाह, लालच

परिभाषा:

“डाह” शब्द का अर्थ है किसी की सम्पदा या प्रशंसनीय गुणों के कारण उससे जलना। “लालच” का अर्थ है किसी चीज की प्रबल अभिलाषा करना।

- डाह आम तौर पर किसी अन्य व्यक्ति की सफलता, सौभाग्य या सम्पदा के कारण से असंतोष की नकारात्मक भावना है।
- लालच किसी की सम्पदा या किसी के जीवन साथी को प्राप्त करने की प्रबल इच्छा होती है।

(यह भी देखें: जलन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 पतरस 02:1
- निर्गमन 20:17
- मरकुस 07:20-23
- नीतिवचन 03:31-32
- रोमियों 01:29

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H183, H1214, H1215, H2530, H3415, H5869, H7065, H7068, G866, G1937, G2205, G2206, G3713, G3788, G4123, G4124, G4190, G5354, G5355, G5366

डाह, लालच

परिभाषा:

“डाह” शब्द का अर्थ है किसी की सम्पदा या प्रशंसनीय गुणों के कारण उससे जलना। “लालच” का अर्थ है किसी चीज की प्रबल अभिलाषा करना।

- डाह आम तौर पर किसी अन्य व्यक्ति की सफलता, सौभाग्य या सम्पदा के कारण से असंतोष की नकारात्मक भावना है।
- लालच किसी की सम्पदा या किसी के जीवन साथी को प्राप्त करने की प्रबल इच्छा होती है।

(यह भी देखें: जलन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 पतरस 02:1
- निर्गमन 20:17
- मरकुस 07:20-23
- नीतिवचन 03:31-32
- रोमियों 01:29

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H183, H1214, H1215, H2530, H3415, H5869, H7065, H7068, G866, G1937, G2205, G2206, G3713, G3788, G4123, G4124, G4190, G5354, G5355, G5366

डेवढ़ी, डेवढ़ियों

परिभाषा:

"डेवढी" का सन्दर्भ द्वार के निचले भाग से है या “डेवढ़ी” भवन का वह भाग भी होता है जो प्रवेश द्वार के भीतर का भाग है।

- कभी-कभी डेवढ़ी लकड़ी या पत्थर की एक पट्टी होती है, जिस पर पाँव रख कर कमरे या भवन में प्रवेश किया जाता था।
- फाटक और तम्बू के द्वार दोनों के लिए डेवढ़ी हो सकती है।
- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द में किया जाना चाहिए जो एक घर के प्रवेश द्वार पर स्थान को संदर्भित करता है जहाँ से एक व्यक्ति घर में प्रवेश करता है।
- यदि “डेवढ़ी” लिए कोई शब्द नहीं है, तो इसका अनुवाद "द्वार" या "खोलने" या "प्रवेश द्वार" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: फाटक, तम्बू)

बाइबल सन्दर्भ

- 1 इतिहास 09:17-19
- यहेजकेल 09:03
- यशायाह 06:04
- नीतिवचन 17:19

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H624, H4670, H5592

डेवढ़ी, डेवढ़ियों

परिभाषा:

"डेवढी" का सन्दर्भ द्वार के निचले भाग से है या “डेवढ़ी” भवन का वह भाग भी होता है जो प्रवेश द्वार के भीतर का भाग है।

- कभी-कभी डेवढ़ी लकड़ी या पत्थर की एक पट्टी होती है, जिस पर पाँव रख कर कमरे या भवन में प्रवेश किया जाता था।
- फाटक और तम्बू के द्वार दोनों के लिए डेवढ़ी हो सकती है।
- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द में किया जाना चाहिए जो एक घर के प्रवेश द्वार पर स्थान को संदर्भित करता है जहाँ से एक व्यक्ति घर में प्रवेश करता है।
- यदि “डेवढ़ी” लिए कोई शब्द नहीं है, तो इसका अनुवाद "द्वार" या "खोलने" या "प्रवेश द्वार" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: फाटक, तम्बू)

बाइबल सन्दर्भ

- 1 इतिहास 09:17-19
- यहेजकेल 09:03

- यशायाह 06:04
- नीतिवचन 17:19

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H624, H4670, H5592

ढाल, ढाल, ढाल

परिभाषा:

ढाल, सैनिक द्वारा हाथ में पकड़ने का अस्त्र जिससे वह शत्रु के वार से बचता है। "किसी की ढाल होना" अर्थात उसे हानि से बचाना।

- ढाल, आकार में गोल या अण्डाकार होती थी और चमड़े, लकड़ी या धातु की बनी होती थी और तलवार का वार और तीर आदि को रोकने के लिए अत्यधिक कठोर होती थी।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में काम में लेते हुए, बाइबल परमेश्वर को उसके लोगों की सुरक्षात्मक कवच कहा गया है। (देखें: उपमा)
- पौलुस "विश्वास की ढाल" उक्ति का उपयोग करता है, यह एक रूपक है जिसका अर्थ है, यीशु में विश्वास करना और परमेश्वर की आज्ञा मानकर उस विश्वास का जीवन जीना, विश्वासियों को शैतान के वार से बचाता था।

(यह भी देखें: विश्वास, आज्ञा मानना, शैतान, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 14:25-26
- 2 इतिहास 23:8-9
- 2 शमूएल 22:36-37
- व्यवस्थाविवरण 33:29
- भजन-संहिता 018:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2653, H3591, H4043, H5437, H5526, H6793, H7982, G2375

ढाल, ढाल, ढाल

परिभाषा:

ढाल, सैनिक द्वारा हाथ में पकड़ने का अस्त्र जिससे वह शत्रु के वार से बचता है। "किसी की ढाल होना" अर्थात उसे हानि से बचाना।

- ढाल, आकार में गोल या अण्डाकार होती थी और चमड़े, लकड़ी या धातु की बनी होती थी और तलवार का वार और तीर आदि को रोकने के लिए अत्यधिक कठोर होती थी।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में काम में लेते हुए, बाइबल परमेश्वर को उसके लोगों की सुरक्षात्मक कवच कहा गया है। (देखें: उपमा)
- पौलुस "विश्वास की ढाल" उक्ति का उपयोग करता है, यह एक रूपक है जिसका अर्थ है, यीशु में विश्वास करना और परमेश्वर की आज्ञा मानकर उस विश्वास का जीवन जीना, विश्वासियों को शैतान के वार से बचाता था।

(यह भी देखें: विश्वास, आज्ञा मानना, शैतान, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 14:25-26
- 2 इतिहास 23:8-9
- 2 शमूएल 22:36-37
- व्यवस्थाविवरण 33:29
- भजन-संहिता 018:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2653, H3591, H4043, H5437, H5526, H6793, H7982, G2375

ढूँढ़े, ढूँढ़ते हैं, खोजना, मांगा

परिभाषा:

"खोजना" अर्थात किसी वस्तु या मनुष्य की तलाश करना। इस क्रिया शब्द का भूतकाल है "खोजा।"" इस शब्द का लाक्षणिक प्रयोग भी किया गया है जिसका अर्थ है, किसी काम को करने का या किसी वस्तु को मांगने का "प्रयास करना" या "परिश्रम करना।"

- “खोज करना” या “प्रतीक्षा करना” अर्थात् किसी विशेष काम को करने के अवसर का अर्थ हो सकता है, किसी काम को करने के लिए "समय निकालने का प्रयास” करना।
- “यहोवा की खोज करना” अर्थात् “यहोवा को जानने और उसकी आज्ञा मानने के प्रेंरशिक्षण में समय और ऊर्जा लगाना।"
- “सुरक्षा खोजना” अर्थात् “किसी मनुष्य या स्थान को ढूंढने का प्रयास करना कि संकट से बचाए जाएं।"
- “न्याय खोजना” अर्थात् “मनुष्य के साथ न्याय और निष्पक्षता के व्यवहार को देखने का प्रयास करना।"
- “सत्य की खोज करना” अर्थात् “सत्य क्या है जानने का प्रयास करना।"
- “अनुग्रह की खोज करना” अर्थात् “कृपा पात्र बनने का अविलम्ब निवेदन करना” या “ऐसे काम करना कि किसी से सहायता मिले।"

(यह भी देखें: सच्चा, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:14
- प्रे.का. 17:26-27
- इब्रानियों 11:06
- लूका 11:09
- भजन संहिता 027:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H579, H1156, H1239, H1243, H1245, H1556, H1875, H2470, H2603, H2658, H2664, H2713, H3289, H7125, H7592, H7836, H8446, G327, G1567, G1934, G2052, G2212

ढूँढ़े, ढूँढ़ते हैं, खोजना, मांगा

परिभाषा:

"खोजना" अर्थात किसी वस्तु या मनुष्य की तलाश करना। इस क्रिया शब्द का भूतकाल है "खोजा।"" इस शब्द का लाक्षणिक प्रयोग भी किया गया है जिसका अर्थ है, किसी काम को करने का या किसी वस्तु को मांगने का "प्रयास करना" या "परिश्रम करना।"

- “खोज करना” या “प्रतीक्षा करना” अर्थात् किसी विशेष काम को करने के अवसर का अर्थ हो सकता है, किसी काम को करने के लिए "समय निकालने का प्रयास” करना।
- “यहोवा की खोज करना” अर्थात् “यहोवा को जानने और उसकी आज्ञा मानने के प्रेंरशिक्षण में समय और ऊर्जा लगाना।"
- “सुरक्षा खोजना” अर्थात् “किसी मनुष्य या स्थान को ढूंढने का प्रयास करना कि संकट से बचाए जाएं।"
- “न्याय खोजना” अर्थात् “मनुष्य के साथ न्याय और निष्पक्षता के व्यवहार को देखने का प्रयास करना।"
- “सत्य की खोज करना” अर्थात् “सत्य क्या है जानने का प्रयास करना।"
- “अनुग्रह की खोज करना” अर्थात् “कृपा पात्र बनने का अविलम्ब निवेदन करना” या “ऐसे काम करना कि किसी से सहायता मिले।"

(यह भी देखें: सच्चा, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:14
- प्रे.का. 17:26-27
- इब्रानियों 11:06
- लूका 11:09
- भजन संहिता 027:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H579, H1156, H1239, H1243, H1245, H1556, H1875, H2470, H2603, H2658, H2664, H2713, H3289, H7125, H7592, H7836, H8446, G327, G1567, G1934, G2052, G2212

ढूँढ़े, ढूँढ़ते हैं, खोजना, मांगा

परिभाषा:

"खोजना" अर्थात किसी वस्तु या मनुष्य की तलाश करना। इस क्रिया शब्द का भूतकाल है "खोजा।"" इस शब्द का लाक्षणिक प्रयोग भी किया गया है जिसका अर्थ है, किसी काम को करने का या किसी वस्तु को मांगने का "प्रयास करना" या "परिश्रम करना।"

- “खोज करना” या “प्रतीक्षा करना” अर्थात् किसी विशेष काम को करने के अवसर का अर्थ हो सकता है, किसी काम को करने के लिए "समय निकालने का प्रयास” करना।
- “यहोवा की खोज करना” अर्थात् “यहोवा को जानने और उसकी आज्ञा मानने के प्रेंरशिक्षण में समय और ऊर्जा लगाना।"
- “सुरक्षा खोजना” अर्थात् “किसी मनुष्य या स्थान को ढूंढने का प्रयास करना कि संकट से बचाए जाएं।"
- “न्याय खोजना” अर्थात् “मनुष्य के साथ न्याय और निष्पक्षता के व्यवहार को देखने का प्रयास करना।"
- “सत्य की खोज करना” अर्थात् “सत्य क्या है जानने का प्रयास करना।"
- “अनुग्रह की खोज करना” अर्थात् “कृपा पात्र बनने का अविलम्ब निवेदन करना” या “ऐसे काम करना कि किसी से सहायता मिले।"

(यह भी देखें: सच्चा, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:14
- प्रे.का. 17:26-27
- इब्रानियों 11:06
- लूका 11:09
- भजन संहिता 027:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H579, H1156, H1239, H1243, H1245, H1556, H1875, H2470, H2603, H2658, H2664, H2713, H3289, H7125, H7592, H7836, H8446, G327, G1567, G1934, G2052, G2212

ढूँढ़े, ढूँढ़ते हैं, खोजना, मांगा

परिभाषा:

"खोजना" अर्थात किसी वस्तु या मनुष्य की तलाश करना। इस क्रिया शब्द का भूतकाल है "खोजा।"" इस शब्द का लाक्षणिक प्रयोग भी किया गया है जिसका अर्थ है, किसी काम को करने का या किसी वस्तु को मांगने का "प्रयास करना" या "परिश्रम करना।"

- “खोज करना” या “प्रतीक्षा करना” अर्थात् किसी विशेष काम को करने के अवसर का अर्थ हो सकता है, किसी काम को करने के लिए "समय निकालने का प्रयास” करना।
- “यहोवा की खोज करना” अर्थात् “यहोवा को जानने और उसकी आज्ञा मानने के प्रेंरशिक्षण में समय और ऊर्जा लगाना।"
- “सुरक्षा खोजना” अर्थात् “किसी मनुष्य या स्थान को ढूंढने का प्रयास करना कि संकट से बचाए जाएं।"
- “न्याय खोजना” अर्थात् “मनुष्य के साथ न्याय और निष्पक्षता के व्यवहार को देखने का प्रयास करना।"
- “सत्य की खोज करना” अर्थात् “सत्य क्या है जानने का प्रयास करना।"
- “अनुग्रह की खोज करना” अर्थात् “कृपा पात्र बनने का अविलम्ब निवेदन करना” या “ऐसे काम करना कि किसी से सहायता मिले।"

(यह भी देखें: सच्चा, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:14
- प्रे.का. 17:26-27
- इब्रानियों 11:06
- लूका 11:09
- भजन संहिता 027:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H579, H1156, H1239, H1243, H1245, H1556, H1875, H2470, H2603, H2658, H2664, H2713, H3289, H7125, H7592, H7836, H8446, G327, G1567, G1934, G2052, G2212

ढूँढ़े, ढूँढ़ते हैं, खोजना, मांगा

परिभाषा:

"खोजना" अर्थात किसी वस्तु या मनुष्य की तलाश करना। इस क्रिया शब्द का भूतकाल है "खोजा।"" इस शब्द का लाक्षणिक प्रयोग भी किया गया है जिसका अर्थ है, किसी काम को करने का या किसी वस्तु को मांगने का "प्रयास करना" या "परिश्रम करना।"

- “खोज करना” या “प्रतीक्षा करना” अर्थात् किसी विशेष काम को करने के अवसर का अर्थ हो सकता है, किसी काम को करने के लिए "समय निकालने का प्रयास” करना।
- “यहोवा की खोज करना” अर्थात् “यहोवा को जानने और उसकी आज्ञा मानने के प्रेंरशिक्षण में समय और ऊर्जा लगाना।"
- “सुरक्षा खोजना” अर्थात् “किसी मनुष्य या स्थान को ढूंढने का प्रयास करना कि संकट से बचाए जाएं।"
- “न्याय खोजना” अर्थात् “मनुष्य के साथ न्याय और निष्पक्षता के व्यवहार को देखने का प्रयास करना।"
- “सत्य की खोज करना” अर्थात् “सत्य क्या है जानने का प्रयास करना।"
- “अनुग्रह की खोज करना” अर्थात् “कृपा पात्र बनने का अविलम्ब निवेदन करना” या “ऐसे काम करना कि किसी से सहायता मिले।"

(यह भी देखें: सच्चा, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:14
- प्रे.का. 17:26-27
- इब्रानियों 11:06
- लूका 11:09
- भजन संहिता 027:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H579, H1156, H1239, H1243, H1245, H1556, H1875, H2470, H2603, H2658, H2664, H2713, H3289, H7125, H7592, H7836, H8446, G327, G1567, G1934, G2052, G2212

तम्बू, तम्बूओं, तम्बू बनाने वाला

परिभाषा:

तम्बू एक चलायमान शरण स्थान होता है जो स्तंभों पर लगाया जाता है।

- तंबू छोटा हो सकता है, कुछ लोगों के लिए सोने की पर्याप्त जगह के साथ, या वे बहुत बड़े हो सकते हैं, एक पूरे परिवार के सोने, पकाना और रहने के लिए हो।
- कुछ लोगों के लिए तम्बू स्थाई निवास स्थान है। उदाहरण के लिए, ज़्यादातर समय में अब्राहम का परिवार कनान देश में रहता था, वे बकरियों के बाल के बड़े कपड़े से बने बड़े तंबू में रहते थे।
- सीनै के जंगल में चालीस वर्ष विचरण करते समय इस्राएली तम्बुओं में रहते थे।
- परमेश्वर के निवास का मण्डप एक बड़ा तम्बू था जिसमें कपड़े के मोटे पर्दे दीवारों का काम करते थे।
- जब प्रेरित पौलुस ने सुसमाचार साझा करने के लिए विभिन्न शहरों की यात्रा की, तो उन्होंने तंबू बनाकर स्वयं का समर्थन किया।
- “तम्बू” शब्द प्रतीकात्मक रूप में मनुष्यों के रहने के स्थान है। यहां तम्बू का अनुवाद “घर” या “निवास” या “आवास” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अब्राहम, कनान, परदा, पौलुस, सीनै, निवासस्थान, मिलापवाला तम्बू)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 05:10
- दानिय्येल 11:44-45
- निर्गमन 16:16-18
- उत्पत्ति 12:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H167, H168, H2583, H3407, H6898

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तम्बू, तम्बूओं, तम्बू बनाने वाला

परिभाषा:

तम्बू एक चलायमान शरण स्थान होता है जो स्तंभों पर लगाया जाता है।

- तंबू छोटा हो सकता है, कुछ लोगों के लिए सोने की पर्याप्त जगह के साथ, या वे बहुत बड़े हो सकते हैं, एक पूरे परिवार के सोने, पकाना और रहने के लिए हो।
- कुछ लोगों के लिए तम्बू स्थाई निवास स्थान है। उदाहरण के लिए, ज़्यादातर समय में अब्राहम का परिवार कनान देश में रहता था, वे बकरियों के बाल के बड़े कपड़े से बने बड़े तंबू में रहते थे।
- सीनै के जंगल में चालीस वर्ष विचरण करते समय इस्राएली तम्बुओं में रहते थे।
- परमेश्वर के निवास का मण्डप एक बड़ा तम्बू था जिसमें कपड़े के मोटे पर्दे दीवारों का काम करते थे।
- जब प्रेरित पौलुस ने सुसमाचार साझा करने के लिए विभिन्न शहरों की यात्रा की, तो उन्होंने तंबू बनाकर स्वयं का समर्थन किया।
- “तम्बू” शब्द प्रतीकात्मक रूप में मनुष्यों के रहने के स्थान है। यहां तम्बू का अनुवाद “घर” या “निवास” या “आवास” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अब्राहम, कनान, परदा, पौलुस, सीनै, निवासस्थान, मिलापवाला तम्बू)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 05:10
- दानिय्येल 11:44-45
- निर्गमन 16:16-18
- उत्पत्ति 12:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H167, H168, H2583, H3407, H6898

तम्बू, तम्बूओं, तम्बू बनाने वाला

परिभाषा:

तम्बू एक चलायमान शरण स्थान होता है जो स्तंभों पर लगाया जाता है।

- तंबू छोटा हो सकता है, कुछ लोगों के लिए सोने की पर्याप्त जगह के साथ, या वे बहुत बड़े हो सकते हैं, एक पूरे परिवार के सोने, पकाना और रहने के लिए हो।
- कुछ लोगों के लिए तम्बू स्थाई निवास स्थान है। उदाहरण के लिए, ज़्यादातर समय में अब्राहम का परिवार कनान देश में रहता था, वे बकरियों के बाल के बड़े कपड़े से बने बड़े तंबू में रहते थे।
- सीनै के जंगल में चालीस वर्ष विचरण करते समय इस्राएली तम्बुओं में रहते थे।
- परमेश्वर के निवास का मण्डप एक बड़ा तम्बू था जिसमें कपड़े के मोटे पर्दे दीवारों का काम करते थे।
- जब प्रेरित पौलुस ने सुसमाचार साझा करने के लिए विभिन्न शहरों की यात्रा की, तो उन्होंने तंबू बनाकर स्वयं का समर्थन किया।
- “तम्बू” शब्द प्रतीकात्मक रूप में मनुष्यों के रहने के स्थान है। यहां तम्बू का अनुवाद “घर” या “निवास” या “आवास” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अब्राहम, कनान, परदा, पौलुस, सीनै, निवासस्थान, मिलापवाला तम्बू)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 05:10
- दानिय्येल 11:44-45
- निर्गमन 16:16-18
- उत्पत्ति 12:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H167, H168, H2583, H3407, H6898

तम्बू, तम्बूओं, तम्बू बनाने वाला

परिभाषा:

तम्बू एक चलायमान शरण स्थान होता है जो स्तंभों पर लगाया जाता है।

- तंबू छोटा हो सकता है, कुछ लोगों के लिए सोने की पर्याप्त जगह के साथ, या वे बहुत बड़े हो सकते हैं, एक पूरे परिवार के सोने, पकाना और रहने के लिए हो।
- कुछ लोगों के लिए तम्बू स्थाई निवास स्थान है। उदाहरण के लिए, ज़्यादातर समय में अब्राहम का परिवार कनान देश में रहता था, वे बकरियों के बाल के बड़े कपड़े से बने बड़े तंबू में रहते थे।
- सीनै के जंगल में चालीस वर्ष विचरण करते समय इस्राएली तम्बुओं में रहते थे।
- परमेश्वर के निवास का मण्डप एक बड़ा तम्बू था जिसमें कपड़े के मोटे पर्दे दीवारों का काम करते थे।
- जब प्रेरित पौलुस ने सुसमाचार साझा करने के लिए विभिन्न शहरों की यात्रा की, तो उन्होंने तंबू बनाकर स्वयं का समर्थन किया।
- “तम्बू” शब्द प्रतीकात्मक रूप में मनुष्यों के रहने के स्थान है। यहां तम्बू का अनुवाद “घर” या “निवास” या “आवास” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अब्राहम, कनान, परदा, पौलुस, सीनै, निवासस्थान, मिलापवाला तम्बू)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 05:10
- दानिय्येल 11:44-45
- निर्गमन 16:16-18
- उत्पत्ति 12:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H167, H168, H2583, H3407, H6898

तरस, दयालु

परिभाषा:

“तरस” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के प्रति चिन्ता की भावना से है। विशेष करके पीड़ित लोगों के प्रति। “तरस खाने वाला” मनुष्यों की चिन्ता करके उनकी सहायता करता है।

- “तरस” शब्द का अभिप्राय है मनुष्यों की सुधि लेना तथा उनकी सहायता का कदम उठाना।
- बाइबल में परमेश्वर को तरस खानेवाला कहा गया है, अर्थात वह प्रेमी एवं दयालु है।

अनुवाद के सुझाव:

- “तरस” (करूणा) के अनुवाद के अन्यरूप हैं, “हृदय की गहराई से सुधि लेना” या “सहायक दया”
- “तरस खाने वाला” (दयावान) का अनुवाद “सुधि लेने वाला और सहायता करने वाला” या “गहरा प्रेम एवं दया करने वाला”

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:8-10
- होशे 13:14
- याकूब 05:9-11
- योना 04:1-3
- मरकुस 01:40-42
- रोमियो 09:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2550, H7349, H7355, H7356, G1653, G3356, G3627, G4697, G4834, G4835

तरस, दयालु

परिभाषा:

“तरस” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के प्रति चिन्ता की भावना से है। विशेष करके पीड़ित लोगों के प्रति। “तरस खाने वाला” मनुष्यों की चिन्ता करके उनकी सहायता करता है।

- “तरस” शब्द का अभिप्राय है मनुष्यों की सुधि लेना तथा उनकी सहायता का कदम उठाना।
- बाइबल में परमेश्वर को तरस खानेवाला कहा गया है, अर्थात वह प्रेमी एवं दयालु है।

अनुवाद के सुझाव:

- “तरस” (करूणा) के अनुवाद के अन्यरूप हैं, “हृदय की गहराई से सुधि लेना” या “सहायक दया”
- “तरस खाने वाला” (दयावान) का अनुवाद “सुधि लेने वाला और सहायता करने वाला” या “गहरा प्रेम एवं दया करने वाला”

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:8-10
- होशे 13:14
- याकूब 05:9-11
- योना 04:1-3
- मरकुस 01:40-42
- रोमियो 09:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2550, H7349, H7355, H7356, G1653, G3356, G3627, G4697, G4834, G4835

तरस, दयालु

परिभाषा:

“तरस” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के प्रति चिन्ता की भावना से है। विशेष करके पीड़ित लोगों के प्रति। “तरस खाने वाला” मनुष्यों की चिन्ता करके उनकी सहायता करता है।

- “तरस” शब्द का अभिप्राय है मनुष्यों की सुधि लेना तथा उनकी सहायता का कदम उठाना।
- बाइबल में परमेश्वर को तरस खानेवाला कहा गया है, अर्थात वह प्रेमी एवं दयालु है।

अनुवाद के सुझाव:

- “तरस” (करूणा) के अनुवाद के अन्यरूप हैं, “हृदय की गहराई से सुधि लेना” या “सहायक दया”
- “तरस खाने वाला” (दयावान) का अनुवाद “सुधि लेने वाला और सहायता करने वाला” या “गहरा प्रेम एवं दया करने वाला”

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:8-10
- होशे 13:14
- याकूब 05:9-11
- योना 04:1-3
- मरकुस 01:40-42
- रोमियो 09:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2550, H7349, H7355, H7356, G1653, G3356, G3627, G4697, G4834, G4835

तरस, दयालु

परिभाषा:

“तरस” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के प्रति चिन्ता की भावना से है। विशेष करके पीड़ित लोगों के प्रति। “तरस खाने वाला” मनुष्यों की चिन्ता करके उनकी सहायता करता है।

- “तरस” शब्द का अभिप्राय है मनुष्यों की सुधि लेना तथा उनकी सहायता का कदम उठाना।
- बाइबल में परमेश्वर को तरस खानेवाला कहा गया है, अर्थात वह प्रेमी एवं दयालु है।

अनुवाद के सुझाव:

- “तरस” (करूणा) के अनुवाद के अन्यरूप हैं, “हृदय की गहराई से सुधि लेना” या “सहायक दया”
- “तरस खाने वाला” (दयावान) का अनुवाद “सुधि लेने वाला और सहायता करने वाला” या “गहरा प्रेम एवं दया करने वाला”

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:8-10
- होशे 13:14
- याकूब 05:9-11
- योना 04:1-3
- मरकुस 01:40-42
- रोमियो 09:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2550, H7349, H7355, H7356, G1653, G3356, G3627, G4697, G4834, G4835

तरस, दयालु

परिभाषा:

“तरस” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के प्रति चिन्ता की भावना से है। विशेष करके पीड़ित लोगों के प्रति। “तरस खाने वाला” मनुष्यों की चिन्ता करके उनकी सहायता करता है।

- “तरस” शब्द का अभिप्राय है मनुष्यों की सुधि लेना तथा उनकी सहायता का कदम उठाना।
- बाइबल में परमेश्वर को तरस खानेवाला कहा गया है, अर्थात वह प्रेमी एवं दयालु है।

अनुवाद के सुझाव:

- “तरस” (करूणा) के अनुवाद के अन्यरूप हैं, “हृदय की गहराई से सुधि लेना” या “सहायक दया”
- “तरस खाने वाला” (दयावान) का अनुवाद “सुधि लेने वाला और सहायता करने वाला” या “गहरा प्रेम एवं दया करने वाला”

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:8-10
- होशे 13:14
- याकूब 05:9-11
- योना 04:1-3
- मरकुस 01:40-42
- रोमियो 09:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2550, H7349, H7355, H7356, G1653, G3356, G3627, G4697, G4834, G4835

तरस, दयालु

परिभाषा:

“तरस” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के प्रति चिन्ता की भावना से है। विशेष करके पीड़ित लोगों के प्रति। “तरस खाने वाला” मनुष्यों की चिन्ता करके उनकी सहायता करता है।

- “तरस” शब्द का अभिप्राय है मनुष्यों की सुधि लेना तथा उनकी सहायता का कदम उठाना।
- बाइबल में परमेश्वर को तरस खानेवाला कहा गया है, अर्थात वह प्रेमी एवं दयालु है।

अनुवाद के सुझाव:

- “तरस” (करूणा) के अनुवाद के अन्यरूप हैं, “हृदय की गहराई से सुधि लेना” या “सहायक दया”
- “तरस खाने वाला” (दयावान) का अनुवाद “सुधि लेने वाला और सहायता करने वाला” या “गहरा प्रेम एवं दया करने वाला”

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:8-10
- होशे 13:14
- याकूब 05:9-11
- योना 04:1-3
- मरकुस 01:40-42
- रोमियो 09:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2550, H7349, H7355, H7356, G1653, G3356, G3627, G4697, G4834, G4835

तरस, दयालु

परिभाषा:

“तरस” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के प्रति चिन्ता की भावना से है। विशेष करके पीड़ित लोगों के प्रति। “तरस खाने वाला” मनुष्यों की चिन्ता करके उनकी सहायता करता है।

- “तरस” शब्द का अभिप्राय है मनुष्यों की सुधि लेना तथा उनकी सहायता का कदम उठाना।
- बाइबल में परमेश्वर को तरस खानेवाला कहा गया है, अर्थात वह प्रेमी एवं दयालु है।

अनुवाद के सुझाव:

- “तरस” (करूणा) के अनुवाद के अन्यरूप हैं, “हृदय की गहराई से सुधि लेना” या “सहायक दया”
- “तरस खाने वाला” (दयावान) का अनुवाद “सुधि लेने वाला और सहायता करने वाला” या “गहरा प्रेम एवं दया करने वाला”

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:8-10
- होशे 13:14
- याकूब 05:9-11
- योना 04:1-3
- मरकुस 01:40-42
- रोमियो 09:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2550, H7349, H7355, H7356, G1653, G3356, G3627, G4697, G4834, G4835

तरस, दयालु

परिभाषा:

“तरस” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के प्रति चिन्ता की भावना से है। विशेष करके पीड़ित लोगों के प्रति। “तरस खाने वाला” मनुष्यों की चिन्ता करके उनकी सहायता करता है।

- “तरस” शब्द का अभिप्राय है मनुष्यों की सुधि लेना तथा उनकी सहायता का कदम उठाना।
- बाइबल में परमेश्वर को तरस खानेवाला कहा गया है, अर्थात वह प्रेमी एवं दयालु है।

अनुवाद के सुझाव:

- “तरस” (करूणा) के अनुवाद के अन्यरूप हैं, “हृदय की गहराई से सुधि लेना” या “सहायक दया”
- “तरस खाने वाला” (दयावान) का अनुवाद “सुधि लेने वाला और सहायता करने वाला” या “गहरा प्रेम एवं दया करने वाला”

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:8-10
- होशे 13:14
- याकूब 05:9-11
- योना 04:1-3
- मरकुस 01:40-42
- रोमियो 09:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2550, H7349, H7355, H7356, G1653, G3356, G3627, G4697, G4834, G4835

तरस, दयालु

परिभाषा:

“तरस” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के प्रति चिन्ता की भावना से है। विशेष करके पीड़ित लोगों के प्रति। “तरस खाने वाला” मनुष्यों की चिन्ता करके उनकी सहायता करता है।

- “तरस” शब्द का अभिप्राय है मनुष्यों की सुधि लेना तथा उनकी सहायता का कदम उठाना।
- बाइबल में परमेश्वर को तरस खानेवाला कहा गया है, अर्थात वह प्रेमी एवं दयालु है।

अनुवाद के सुझाव:

- “तरस” (करूणा) के अनुवाद के अन्यरूप हैं, “हृदय की गहराई से सुधि लेना” या “सहायक दया”
- “तरस खाने वाला” (दयावान) का अनुवाद “सुधि लेने वाला और सहायता करने वाला” या “गहरा प्रेम एवं दया करने वाला”

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:8-10
- होशे 13:14
- याकूब 05:9-11
- योना 04:1-3
- मरकुस 01:40-42
- रोमियो 09:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2550, H7349, H7355, H7356, G1653, G3356, G3627, G4697, G4834, G4835

तरस, दयालु

परिभाषा:

“तरस” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के प्रति चिन्ता की भावना से है। विशेष करके पीड़ित लोगों के प्रति। “तरस खाने वाला” मनुष्यों की चिन्ता करके उनकी सहायता करता है।

- “तरस” शब्द का अभिप्राय है मनुष्यों की सुधि लेना तथा उनकी सहायता का कदम उठाना।
- बाइबल में परमेश्वर को तरस खानेवाला कहा गया है, अर्थात वह प्रेमी एवं दयालु है।

अनुवाद के सुझाव:

- “तरस” (करूणा) के अनुवाद के अन्यरूप हैं, “हृदय की गहराई से सुधि लेना” या “सहायक दया”
- “तरस खाने वाला” (दयावान) का अनुवाद “सुधि लेने वाला और सहायता करने वाला” या “गहरा प्रेम एवं दया करने वाला”

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:8-10
- होशे 13:14
- याकूब 05:9-11
- योना 04:1-3
- मरकुस 01:40-42
- रोमियो 09:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2550, H7349, H7355, H7356, G1653, G3356, G3627, G4697, G4834, G4835

तरसुस

तथ्य:

तरसुस, रोमी साम्राज्य किलकिया में एक प्राचीन एवं समृद्ध नगर था, यह स्थान आज दक्षिणी मध्य तुर्किस्तान है।

- एक मुख्य नदी और भूमध्य-सागर के तट पर स्थित होने के कारण वह स्थान एक महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग का भाग था।
- एक समय में यह किलिकिया की राजधानी थी।
- नए नियम में, तरसुस को प्रेरित पौलुस के गृह नगर के रूप में जाना जाता था।

(यह भी देखें: किलिकिया, पौलुस, प्रांत, समुद्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:10-12
- प्रे.का. 09:28-30
- प्रे.का. 11:25-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5018, G5019

तलवार, तलवारें, तलवार रखनेवाले

परिभाषा:

एक तलवार सपाट ब्लेड, धातु का एक हथियार होता है जो काटने या घोंपने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एक बहुत तेज काटने वाले किनारे के साथ एक लम्बा धार ब्लेड और एक कुंदा होता है ।

प्राचीन युग में तलवार के ब्लेड की लंबाई लगभग 60 से 91 सेंटीमीटर थी। कुछ तलवारों में दोनों ओर धार लगी होती है जिन्हें दोधारी तलवार कहते हैं।

- यीशु के शिष्यों ने स्वयं की रक्षा के लिए तलवारें रखते थे । पतरस अपनी तलवार चलाकर महायाजक के सेवक का कान काट दिया था

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला और प्रेरित याकूब दोनों का सिर तलवार से काटा गया था।

अनुवाद के सुझाव

एक तलवार परमेश्वर के शब्द के लिए एक रूपक के रूप में प्रयोग किया जाता है । बाइबिल में परमेश्वर की शिक्षाओं ने लोगों के अंदरूनी विचारों को उजागर किया और उन्हें अपने पापों के दोषी ठहराया। इसी प्रकार एक तलवार गहराई से कटती है, पीड़ा उत्पन्न करता है।

- इस आलंकारिक उपयोग का अनुवाद करनेका एक तरीका हो सकता है, “परमेश्वर का वचन तलवार जैसा है जो गहरा वार करके पाप को प्रकट करता है”।
- इस पद का एक अन्य आलंकारिक उपयोग भजन संहिता में हुआ है, जहां किसी व्यक्ति की जीभ या भाषण की तुलना तलवार से होती है, जो लोगों को घायल कर सकती है। इसका अनुवाद किया जा सकता है "जीभ एक तलवार की तरह है जो किसी को बुरी तरह से घायल कर सकती है।"
- अगर आपकी संस्कृति में तलवारें नहीं जानी जाती हैं, तो इस शब्द का अनुवाद एक लंबे मोहरे हथियार के नाम से किया जा सकता है जिसका इस्तेमाल काटने या भोंकने के लिए किया जाता है।

तलवार का अनुवाद “धारवाला हथियार” या “लम्बी छुरी” भी किया जा सकता है। कुछ अनुवादों में तलवार का चित्र देना भी उचित हो सकता है।

(यह भी देखें: याकूब (यीशु का भाई), युहन्ना (बपतिस्मा देनेबाला), जीभ, परमेश्वर के वचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 12:1-2
- उत्पत्ति 27:39-40
- उत्पत्ति 34:24-26
- लूका 02:33-35
- लूका 21:23-24
- मत्ती 10:34-36
- मत्ती. 26:55-56
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H19, H1300, H2719, H4380, H6609, H7524, H7973, G3162, G4501

तलवार, तलवारें, तलवार रखनेवाले

परिभाषा:

एक तलवार सपाट ब्लेड, धातु का एक हथियार होता है जो काटने या घोंपने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एक बहुत तेज काटने वाले किनारे के साथ एक लम्बा धार ब्लेड और एक कुंदा होता है ।

प्राचीन युग में तलवार के ब्लेड की लंबाई लगभग 60 से 91 सेंटीमीटर थी। कुछ तलवारों में दोनों ओर धार लगी होती है जिन्हें दोधारी तलवार कहते हैं।

- यीशु के शिष्यों ने स्वयं की रक्षा के लिए तलवारें रखते थे । पतरस अपनी तलवार चलाकर महायाजक के सेवक का कान काट दिया था

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला और प्रेरित याकूब दोनों का सिर तलवार से काटा गया था।

अनुवाद के सुझाव

एक तलवार परमेश्वर के शब्द के लिए एक रूपक के रूप में प्रयोग किया जाता है । बाइबिल में परमेश्वर की शिक्षाओं ने लोगों के अंदरूनी विचारों को उजागर किया और उन्हें अपने पापों के दोषी ठहराया। इसी प्रकार एक तलवार गहराई से कटती है, पीड़ा उत्पन्न करता है।

- इस आलंकारिक उपयोग का अनुवाद करनेका एक तरीका हो सकता है, “परमेश्वर का वचन तलवार जैसा है जो गहरा वार करके पाप को प्रकट करता है”।
- इस पद का एक अन्य आलंकारिक उपयोग भजन संहिता में हुआ है, जहां किसी व्यक्ति की जीभ या भाषण की तुलना तलवार से होती है, जो लोगों को घायल कर सकती है। इसका अनुवाद किया जा सकता है "जीभ एक तलवार की तरह है जो किसी को बुरी तरह से घायल कर सकती है।"

- अगर आपकी संस्कृति में तलवारें नहीं जानी जाती हैं, तो इस शब्द का अनुवाद एक लंबे मोहरे हथियार के नाम से किया जा सकता है जिसका इस्तेमाल काटने या भोंकने के लिए किया जाता है।

तलवार का अनुवाद “धारवाला हथियार” या “लम्बी छुरी” भी किया जा सकता है। कुछ अनुवादों में तलवार का चित्र देना भी उचित हो सकता है।

(यह भी देखें: याकूब (यीशु का भाई), युहन्ना (बपतिस्मा देनेबाला), जीभ, परमेश्वर के वचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 12:1-2
- उत्पत्ति 27:39-40
- उत्पत्ति 34:24-26
- लूका 02:33-35
- लूका 21:23-24
- मत्ती 10:34-36
- मत्ती. 26:55-56
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H19, H1300, H2719, H4380, H6609, H7524, H7973, G3162, G4501

तलवार, तलवारें, तलवार रखनेवाले

परिभाषा:

एक तलवार सपाट ब्लेड, धातु का एक हथियार होता है जो काटने या घोंपने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एक बहुत तेज काटने वाले किनारे के साथ एक लम्बा धार ब्लेड और एक कुंदा होता है ।

प्राचीन युग में तलवार के ब्लेड की लंबाई लगभग 60 से 91 सेंटीमीटर थी। कुछ तलवारों में दोनों ओर धार लगी होती है जिन्हें दोधारी तलवार कहते हैं।

- यीशु के शिष्यों ने स्वयं की रक्षा के लिए तलवारें रखते थे । पतरस अपनी तलवार चलाकर महायाजक के सेवक का कान काट दिया था

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला और प्रेरित याकूब दोनों का सिर तलवार से काटा गया था।

अनुवाद के सुझाव

एक तलवार परमेश्वर के शब्द के लिए एक रूपक के रूप में प्रयोग किया जाता है । बाइबिल में परमेश्वर की शिक्षाओं ने लोगों के अंदरूनी विचारों को उजागर किया और उन्हें अपने पापों के दोषी ठहराया। इसी प्रकार एक तलवार गहराई से कटती है, पीड़ा उत्पन्न करता है।

- इस आलंकारिक उपयोग का अनुवाद करनेका एक तरीका हो सकता है, “परमेश्वर का वचन तलवार जैसा है जो गहरा वार करके पाप को प्रकट करता है”।
- इस पद का एक अन्य आलंकारिक उपयोग भजन संहिता में हुआ है, जहां किसी व्यक्ति की जीभ या भाषण की तुलना तलवार से होती है, जो लोगों को घायल कर सकती है। इसका अनुवाद किया जा सकता है "जीभ एक तलवार की तरह है जो किसी को बुरी तरह से घायल कर सकती है।"
- अगर आपकी संस्कृति में तलवारें नहीं जानी जाती हैं, तो इस शब्द का अनुवाद एक लंबे मोहरे हथियार के नाम से किया जा सकता है जिसका इस्तेमाल काटने या भोंकने के लिए किया जाता है।

तलवार का अनुवाद “धारवाला हथियार” या “लम्बी छुरी” भी किया जा सकता है। कुछ अनुवादों में तलवार का चित्र देना भी उचित हो सकता है।

(यह भी देखें: याकूब (यीशु का भाई), युहन्ना (बपतिस्मा देनेबाला), जीभ, परमेश्वर के वचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 12:1-2
- उत्पत्ति 27:39-40
- उत्पत्ति 34:24-26
- लूका 02:33-35
- लूका 21:23-24
- मत्ती 10:34-36
- मत्ती. 26:55-56

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H19, H1300, H2719, H4380, H6609, H7524, H7973, G3162, G4501

तलवार, तलवारें, तलवार रखनेवाले

परिभाषा:

एक तलवार सपाट ब्लेड, धातु का एक हथियार होता है जो काटने या घोंपने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एक बहुत तेज काटने वाले किनारे के साथ एक लम्बा धार ब्लेड और एक कुंदा होता है ।

प्राचीन युग में तलवार के ब्लेड की लंबाई लगभग 60 से 91 सेंटीमीटर थी। कुछ तलवारों में दोनों ओर धार लगी होती है जिन्हें दोधारी तलवार कहते हैं।

- यीशु के शिष्यों ने स्वयं की रक्षा के लिए तलवारें रखते थे । पतरस अपनी तलवार चलाकर महायाजक के सेवक का कान काट दिया था

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला और प्रेरित याकूब दोनों का सिर तलवार से काटा गया था।

अनुवाद के सुझाव

एक तलवार परमेश्वर के शब्द के लिए एक रूपक के रूप में प्रयोग किया जाता है । बाइबिल में परमेश्वर की शिक्षाओं ने लोगों के अंदरूनी विचारों को उजागर किया और उन्हें अपने पापों के दोषी ठहराया। इसी प्रकार एक तलवार गहराई से कटती है, पीड़ा उत्पन्न करता है।

- इस आलंकारिक उपयोग का अनुवाद करनेका एक तरीका हो सकता है, “परमेश्वर का वचन तलवार जैसा है जो गहरा वार करके पाप को प्रकट करता है”।
- इस पद का एक अन्य आलंकारिक उपयोग भजन संहिता में हुआ है, जहां किसी व्यक्ति की जीभ या भाषण की तुलना तलवार से होती है, जो लोगों को घायल कर सकती है। इसका अनुवाद किया जा सकता है "जीभ एक तलवार की तरह है जो किसी को बुरी तरह से घायल कर सकती है।"
- अगर आपकी संस्कृति में तलवारें नहीं जानी जाती हैं, तो इस शब्द का अनुवाद एक लंबे मोहरे हथियार के नाम से किया जा सकता है जिसका इस्तेमाल काटने या भोंकने के लिए किया जाता है।

तलवार का अनुवाद “धारवाला हथियार” या “लम्बी छुरी” भी किया जा सकता है। कुछ अनुवादों में तलवार का चित्र देना भी उचित हो सकता है।

(यह भी देखें: याकूब (यीशु का भाई), युहन्ना (बपतिस्मा देनेबाला), जीभ, परमेश्वर के वचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 12:1-2
- उत्पत्ति 27:39-40
- उत्पत्ति 34:24-26
- लूका 02:33-35
- लूका 21:23-24
- मत्ती 10:34-36
- मत्ती. 26:55-56
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H19, H1300, H2719, H4380, H6609, H7524, H7973, G3162, G4501

तलवार, तलवारें, तलवार रखनेवाले

परिभाषा:

एक तलवार सपाट ब्लेड, धातु का एक हथियार होता है जो काटने या घोंपने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एक बहुत तेज काटने वाले किनारे के साथ एक लम्बा धार ब्लेड और एक कुंदा होता है ।

प्राचीन युग में तलवार के ब्लेड की लंबाई लगभग 60 से 91 सेंटीमीटर थी। कुछ तलवारों में दोनों ओर धार लगी होती है जिन्हें दोधारी तलवार कहते हैं।

- यीशु के शिष्यों ने स्वयं की रक्षा के लिए तलवारें रखते थे । पतरस अपनी तलवार चलाकर महायाजक के सेवक का कान काट दिया था

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला और प्रेरित याकूब दोनों का सिर तलवार से काटा गया था।

अनुवाद के सुझाव

एक तलवार परमेश्वर के शब्द के लिए एक रूपक के रूप में प्रयोग किया जाता है । बाइबिल में परमेश्वर की शिक्षाओं ने लोगों के अंदरूनी विचारों को उजागर किया और उन्हें अपने पापों के दोषी ठहराया। इसी प्रकार एक तलवार गहराई से कटती है, पीड़ा उत्पन्न करता है।

- इस आलंकारिक उपयोग का अनुवाद करनेका एक तरीका हो सकता है, “परमेश्वर का वचन तलवार जैसा है जो गहरा वार करके पाप को प्रकट करता है”।
- इस पद का एक अन्य आलंकारिक उपयोग भजन संहिता में हुआ है, जहां किसी व्यक्ति की जीभ या भाषण की तुलना तलवार से होती है, जो लोगों को घायल कर सकती है। इसका अनुवाद किया जा सकता है "जीभ एक तलवार की तरह है जो किसी को बुरी तरह से घायल कर सकती है।"
- अगर आपकी संस्कृति में तलवारें नहीं जानी जाती हैं, तो इस शब्द का अनुवाद एक लंबे मोहरे हथियार के नाम से किया जा सकता है जिसका इस्तेमाल काटने या भोंकने के लिए किया जाता है।

तलवार का अनुवाद “धारवाला हथियार” या “लम्बी छुरी” भी किया जा सकता है। कुछ अनुवादों में तलवार का चित्र देना भी उचित हो सकता है।

(यह भी देखें: याकूब (यीशु का भाई), युहन्ना (बपतिस्मा देनेबाला), जीभ, परमेश्वर के वचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 12:1-2
- उत्पत्ति 27:39-40
- उत्पत्ति 34:24-26
- लूका 02:33-35
- लूका 21:23-24
- मत्ती 10:34-36
- मत्ती. 26:55-56
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H19, H1300, H2719, H4380, H6609, H7524, H7973, G3162, G4501

तलवार, तलवारें, तलवार रखनेवाले

परिभाषा:

एक तलवार सपाट ब्लेड, धातु का एक हथियार होता है जो काटने या घोंपने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एक बहुत तेज काटने वाले किनारे के साथ एक लम्बा धार ब्लेड और एक कुंदा होता है ।

प्राचीन युग में तलवार के ब्लेड की लंबाई लगभग 60 से 91 सेंटीमीटर थी। कुछ तलवारों में दोनों ओर धार लगी होती है जिन्हें दोधारी तलवार कहते हैं।

- यीशु के शिष्यों ने स्वयं की रक्षा के लिए तलवारें रखते थे । पतरस अपनी तलवार चलाकर महायाजक के सेवक का कान काट दिया था

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला और प्रेरित याकूब दोनों का सिर तलवार से काटा गया था।

अनुवाद के सुझाव

एक तलवार परमेश्वर के शब्द के लिए एक रूपक के रूप में प्रयोग किया जाता है । बाइबिल में परमेश्वर की शिक्षाओं ने लोगों के अंदरूनी विचारों को उजागर किया और उन्हें अपने पापों के दोषी ठहराया। इसी प्रकार एक तलवार गहराई से कटती है, पीड़ा उत्पन्न करता है।

- इस आलंकारिक उपयोग का अनुवाद करनेका एक तरीका हो सकता है, “परमेश्वर का वचन तलवार जैसा है जो गहरा वार करके पाप को प्रकट करता है”।
- इस पद का एक अन्य आलंकारिक उपयोग भजन संहिता में हुआ है, जहां किसी व्यक्ति की जीभ या भाषण की तुलना तलवार से होती है, जो लोगों को घायल कर सकती है। इसका अनुवाद किया जा सकता है "जीभ एक तलवार की तरह है जो किसी को बुरी तरह से घायल कर सकती है।"
- अगर आपकी संस्कृति में तलवारें नहीं जानी जाती हैं, तो इस शब्द का अनुवाद एक लंबे मोहरे हथियार के नाम से किया जा सकता है जिसका इस्तेमाल काटने या भोंकने के लिए किया जाता है।

तलवार का अनुवाद “धारवाला हथियार” या “लम्बी छुरी” भी किया जा सकता है। कुछ अनुवादों में तलवार का चित्र देना भी उचित हो सकता है।

(यह भी देखें: याकूब (यीशु का भाई), युहन्ना (बपतिस्मा देनेबाला), जीभ, परमेश्वर के वचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 12:1-2
- उत्पत्ति 27:39-40
- उत्पत्ति 34:24-26
- लूका 02:33-35
- लूका 21:23-24
- मत्ती 10:34-36
- मत्ती. 26:55-56
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H19, H1300, H2719, H4380, H6609, H7524, H7973, G3162, G4501

तलवार, तलवारें, तलवार रखनेवाले

परिभाषा:

एक तलवार सपाट ब्लेड, धातु का एक हथियार होता है जो काटने या घोंपने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एक बहुत तेज काटने वाले किनारे के साथ एक लम्बा धार ब्लेड और एक कुंदा होता है ।

प्राचीन युग में तलवार के ब्लेड की लंबाई लगभग 60 से 91 सेंटीमीटर थी। कुछ तलवारों में दोनों ओर धार लगी होती है जिन्हें दोधारी तलवार कहते हैं।

- यीशु के शिष्यों ने स्वयं की रक्षा के लिए तलवारें रखते थे । पतरस अपनी तलवार चलाकर महायाजक के सेवक का कान काट दिया था

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला और प्रेरित याकूब दोनों का सिर तलवार से काटा गया था।

अनुवाद के सुझाव

एक तलवार परमेश्वर के शब्द के लिए एक रूपक के रूप में प्रयोग किया जाता है । बाइबिल में परमेश्वर की शिक्षाओं ने लोगों के अंदरूनी विचारों को उजागर किया और उन्हें अपने पापों के दोषी ठहराया। इसी प्रकार एक तलवार गहराई से कटती है, पीड़ा उत्पन्न करता है।

- इस आलंकारिक उपयोग का अनुवाद करनेका एक तरीका हो सकता है, “परमेश्वर का वचन तलवार जैसा है जो गहरा वार करके पाप को प्रकट करता है”।
- इस पद का एक अन्य आलंकारिक उपयोग भजन संहिता में हुआ है, जहां किसी व्यक्ति की जीभ या भाषण की तुलना तलवार से होती है, जो लोगों को घायल कर सकती है। इसका अनुवाद किया जा सकता है "जीभ एक तलवार की तरह है जो किसी को बुरी तरह से घायल कर सकती है।"
- अगर आपकी संस्कृति में तलवारें नहीं जानी जाती हैं, तो इस शब्द का अनुवाद एक लंबे मोहरे हथियार के नाम से किया जा सकता है जिसका इस्तेमाल काटने या भोंकने के लिए किया जाता है।

तलवार का अनुवाद “धारवाला हथियार” या “लम्बी छुरी” भी किया जा सकता है। कुछ अनुवादों में तलवार का चित्र देना भी उचित हो सकता है।

(यह भी देखें: याकूब (यीशु का भाई), युहन्ना (बपतिस्मा देनेबाला), जीभ, परमेश्वर के वचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 12:1-2
- उत्पत्ति 27:39-40
- उत्पत्ति 34:24-26
- लूका 02:33-35
- लूका 21:23-24
- मत्ती 10:34-36
- मत्ती. 26:55-56
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H19, H1300, H2719, H4380, H6609, H7524, H7973, G3162, G4501

तलवार, तलवारें, तलवार रखनेवाले

परिभाषा:

एक तलवार सपाट ब्लेड, धातु का एक हथियार होता है जो काटने या घोंपने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एक बहुत तेज काटने वाले किनारे के साथ एक लम्बा धार ब्लेड और एक कुंदा होता है ।

प्राचीन युग में तलवार के ब्लेड की लंबाई लगभग 60 से 91 सेंटीमीटर थी। कुछ तलवारों में दोनों ओर धार लगी होती है जिन्हें दोधारी तलवार कहते हैं।

- यीशु के शिष्यों ने स्वयं की रक्षा के लिए तलवारें रखते थे । पतरस अपनी तलवार चलाकर महायाजक के सेवक का कान काट दिया था

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला और प्रेरित याकूब दोनों का सिर तलवार से काटा गया था।

अनुवाद के सुझाव

एक तलवार परमेश्वर के शब्द के लिए एक रूपक के रूप में प्रयोग किया जाता है । बाइबिल में परमेश्वर की शिक्षाओं ने लोगों के अंदरूनी विचारों को उजागर किया और उन्हें अपने पापों के दोषी ठहराया। इसी प्रकार एक तलवार गहराई से कटती है, पीड़ा उत्पन्न करता है।

- इस आलंकारिक उपयोग का अनुवाद करनेका एक तरीका हो सकता है, “परमेश्वर का वचन तलवार जैसा है जो गहरा वार करके पाप को प्रकट करता है”।
- इस पद का एक अन्य आलंकारिक उपयोग भजन संहिता में हुआ है, जहां किसी व्यक्ति की जीभ या भाषण की तुलना तलवार से होती है, जो लोगों को घायल कर सकती है। इसका अनुवाद किया जा सकता है "जीभ एक तलवार की तरह है जो किसी को बुरी तरह से घायल कर सकती है।"
- अगर आपकी संस्कृति में तलवारें नहीं जानी जाती हैं, तो इस शब्द का अनुवाद एक लंबे मोहरे हथियार के नाम से किया जा सकता है जिसका इस्तेमाल काटने या भोंकने के लिए किया जाता है।

तलवार का अनुवाद “धारवाला हथियार” या “लम्बी छुरी” भी किया जा सकता है। कुछ अनुवादों में तलवार का चित्र देना भी उचित हो सकता है।

(यह भी देखें: याकूब (यीशु का भाई), युहन्ना (बपतिस्मा देनेबाला), जीभ, परमेश्वर के वचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 12:1-2
- उत्पत्ति 27:39-40
- उत्पत्ति 34:24-26
- लूका 02:33-35
- लूका 21:23-24
- मत्ती 10:34-36
- मत्ती. 26:55-56
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H19, H1300, H2719, H4380, H6609, H7524, H7973, G3162, G4501

तलवार, तलवारें, तलवार रखनेवाले

परिभाषा:

एक तलवार सपाट ब्लेड, धातु का एक हथियार होता है जो काटने या घोंपने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एक बहुत तेज काटने वाले किनारे के साथ एक लम्बा धार ब्लेड और एक कुंदा होता है ।

प्राचीन युग में तलवार के ब्लेड की लंबाई लगभग 60 से 91 सेंटीमीटर थी। कुछ तलवारों में दोनों ओर धार लगी होती है जिन्हें दोधारी तलवार कहते हैं।

- यीशु के शिष्यों ने स्वयं की रक्षा के लिए तलवारें रखते थे । पतरस अपनी तलवार चलाकर महायाजक के सेवक का कान काट दिया था

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला और प्रेरित याकूब दोनों का सिर तलवार से काटा गया था।

अनुवाद के सुझाव

एक तलवार परमेश्वर के शब्द के लिए एक रूपक के रूप में प्रयोग किया जाता है । बाइबिल में परमेश्वर की शिक्षाओं ने लोगों के अंदरूनी विचारों को उजागर किया और उन्हें अपने पापों के दोषी ठहराया। इसी प्रकार एक तलवार गहराई से कटती है, पीड़ा उत्पन्न करता है।

- इस आलंकारिक उपयोग का अनुवाद करनेका एक तरीका हो सकता है, “परमेश्वर का वचन तलवार जैसा है जो गहरा वार करके पाप को प्रकट करता है”।
- इस पद का एक अन्य आलंकारिक उपयोग भजन संहिता में हुआ है, जहां किसी व्यक्ति की जीभ या भाषण की तुलना तलवार से होती है, जो लोगों को घायल कर सकती है। इसका अनुवाद किया जा सकता है "जीभ एक तलवार की तरह है जो किसी को बुरी तरह से घायल कर सकती है।"
- अगर आपकी संस्कृति में तलवारें नहीं जानी जाती हैं, तो इस शब्द का अनुवाद एक लंबे मोहरे हथियार के नाम से किया जा सकता है जिसका इस्तेमाल काटने या भोंकने के लिए किया जाता है।

तलवार का अनुवाद “धारवाला हथियार” या “लम्बी छुरी” भी किया जा सकता है। कुछ अनुवादों में तलवार का चित्र देना भी उचित हो सकता है।

(यह भी देखें: याकूब (यीशु का भाई), युहन्ना (बपतिस्मा देनेबाला), जीभ, परमेश्वर के वचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 12:1-2
- उत्पत्ति 27:39-40
- उत्पत्ति 34:24-26
- लूका 02:33-35
- लूका 21:23-24
- मत्ती 10:34-36
- मत्ती. 26:55-56
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H19, H1300, H2719, H4380, H6609, H7524, H7973, G3162, G4501

ताड़ना, अनुशासन, आत्म-अनुशासन, आत्म संयम

परिभाषा:

“ताड़ना” नैतिक आचरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों के पालन का प्रशिक्षण।

- माता-पिता नैतिकता के मार्गदर्शन और निर्देशनों द्वारा अपनी सन्तानों का अनुशासन करते है और उनका पालन करना सिखाते हैं।
- इसी प्रकार परमेश्वर अपनी सन्तान की ताड़ना (अनुशासन) करता है कि तुम्हें जीवन में अच्छे आत्मिक फल लाने में सहायता मिले जैसे, आनन्द, प्रेम और धीरज।
- “ताड़ना में निर्देशक होते हैं कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाला जीवन कैसे जीएं तथा परमेश्वर विरोधी आचरण के लिए दण्ड भी दिया जाता है।
- आत्म संयम जीवन में नैतिक एवं आत्मिक सिद्धान्तों को अपनाने की प्रक्रिया है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद “ताड़ना” का अनुवाद “प्रशिक्षण एवं निर्देशन” या “नैतिक निर्देशन” या “गलत का दण्ड” हो सकता है।
- “ताड़ना” संज्ञा शब्द का अनुवाद नैतिकता का प्रशिक्षण” या “दण्ड” या “नैतिकता का सुधार” या “सदाचार का मार्गदर्शन एक निर्देशन हो सकता है।”

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:4
- इब्रानियों 12:4-6
- नीतिवचन 19:17-18
- नीतिवचन 23:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4148, G1468

ताड़ना, अनुशासन, आत्म-अनुशासन, आत्म संयम

परिभाषा:

“ताड़ना” नैतिक आचरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों के पालन का प्रशिक्षण।

- माता-पिता नैतिकता के मार्गदर्शन और निर्देशनों द्वारा अपनी सन्तानों का अनुशासन करते है और उनका पालन करना सिखाते हैं।
- इसी प्रकार परमेश्वर अपनी सन्तान की ताड़ना (अनुशासन) करता है कि तुम्हें जीवन में अच्छे आत्मिक फल लाने में सहायता मिले जैसे, आनन्द, प्रेम और धीरज।
- “ताड़ना में निर्देशक होते हैं कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाला जीवन कैसे जीएं तथा परमेश्वर विरोधी आचरण के लिए दण्ड भी दिया जाता है।
- आत्म संयम जीवन में नैतिक एवं आत्मिक सिद्धान्तों को अपनाने की प्रक्रिया है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद “ताड़ना” का अनुवाद “प्रशिक्षण एवं निर्देशन” या “नैतिक निर्देशन” या “गलत का दण्ड” हो सकता है।
- “ताड़ना” संज्ञा शब्द का अनुवाद नैतिकता का प्रशिक्षण” या “दण्ड” या “नैतिकता का सुधार” या “सदाचार का मार्गदर्शन एक निर्देशन हो सकता है।”

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:4
- इब्रानियों 12:4-6
- नीतिवचन 19:17-18
- नीतिवचन 23:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4148, G1468

ताड़ना, अनुशासन, आत्म-अनुशासन, आत्म संयम

परिभाषा:

“ताड़ना” नैतिक आचरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों के पालन का प्रशिक्षण।

- माता-पिता नैतिकता के मार्गदर्शन और निर्देशनों द्वारा अपनी सन्तानों का अनुशासन करते है और उनका पालन करना सिखाते हैं।
- इसी प्रकार परमेश्वर अपनी सन्तान की ताड़ना (अनुशासन) करता है कि तुम्हें जीवन में अच्छे आत्मिक फल लाने में सहायता मिले जैसे, आनन्द, प्रेम और धीरज।
- “ताड़ना में निर्देशक होते हैं कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाला जीवन कैसे जीएं तथा परमेश्वर विरोधी आचरण के लिए दण्ड भी दिया जाता है।
- आत्म संयम जीवन में नैतिक एवं आत्मिक सिद्धान्तों को अपनाने की प्रक्रिया है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद “ताड़ना” का अनुवाद “प्रशिक्षण एवं निर्देशन” या “नैतिक निर्देशन” या “गलत का दण्ड” हो सकता है।
- “ताड़ना” संज्ञा शब्द का अनुवाद नैतिकता का प्रशिक्षण” या “दण्ड” या “नैतिकता का सुधार” या “सदाचार का मार्गदर्शन एक निर्देशन हो सकता है।”

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:4
- इब्रानियों 12:4-6
- नीतिवचन 19:17-18
- नीतिवचन 23:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4148, G1468

ताड़ना, अनुशासन, आत्म-अनुशासन, आत्म संयम

परिभाषा:

"ताड़ना" नैतिक आचरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों के पालन का प्रशिक्षण।

- माता-पिता नैतिकता के मार्गदर्शन और निर्देशनों द्वारा अपनी सन्तानों का अनुशासन करते है और उनका पालन करना सिखाते हैं।
- इसी प्रकार परमेश्वर अपनी सन्तान की ताड़ना (अनुशासन) करता है कि तुम्हें जीवन में अच्छे आत्मिक फल लाने में सहायता मिले जैसे, आनन्द, प्रेम और धीरज।
- "ताड़ना में निर्देशक होते हैं कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाला जीवन कैसे जीएं तथा परमेश्वर विरोधी आचरण के लिए दण्ड भी दिया जाता है।
- आत्म संयम जीवन में नैतिक एवं आत्मिक सिद्धान्तों को अपनाने की प्रक्रिया है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद "ताड़ना" का अनुवाद "प्रशिक्षण एवं निर्देशन" या "नैतिक निर्देशन" या "गलत का दण्ड" हो सकता है।
- "ताड़ना" संज्ञा शब्द का अनुवाद नैतिकता का प्रशिक्षण" या "दण्ड" या "नैतिकता का सुधार" या "सदाचार का मार्गदर्शन एक निर्देशन हो सकता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:4
- इब्रानियों 12:4-6
- नीतिवचन 19:17-18
- नीतिवचन 23:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4148, G1468

ताड़ना, अनुशासन, आत्म-अनुशासन, आत्म संयम

परिभाषा:

"ताड़ना" नैतिक आचरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों के पालन का प्रशिक्षण।

- माता-पिता नैतिकता के मार्गदर्शन और निर्देशनों द्वारा अपनी सन्तानों का अनुशासन करते है और उनका पालन करना सिखाते हैं।
- इसी प्रकार परमेश्वर अपनी सन्तान की ताड़ना (अनुशासन) करता है कि तुम्हें जीवन में अच्छे आत्मिक फल लाने में सहायता मिले जैसे, आनन्द, प्रेम और धीरज।
- "ताड़ना में निर्देशक होते हैं कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाला जीवन कैसे जीएं तथा परमेश्वर विरोधी आचरण के लिए दण्ड भी दिया जाता है।
- आत्म संयम जीवन में नैतिक एवं आत्मिक सिद्धान्तों को अपनाने की प्रक्रिया है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद "ताड़ना" का अनुवाद "प्रशिक्षण एवं निर्देशन" या "नैतिक निर्देशन" या "गलत का दण्ड" हो सकता है।
- "ताड़ना" संज्ञा शब्द का अनुवाद नैतिकता का प्रशिक्षण" या "दण्ड" या "नैतिकता का सुधार" या "सदाचार का मार्गदर्शन एक निर्देशन हो सकता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:4
- इब्रानियों 12:4-6
- नीतिवचन 19:17-18
- नीतिवचन 23:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4148, G1468

तामार

तथ्य:

तामार पुराने नियम में अनेक स्त्रियों का नाम हुआ है। यह पुराने नियम में कई शहरों या स्थानों का भी नाम था।

- तामार यहूदा की बहू का नाम था। उससे पेरेज उत्पन्न हुआ जो यीशु का पूर्वज था।
- राजा दाऊद की पुत्रियों में से एक का नाम भी तामार था, वह अबशालोम की बहन थी। उसके आधे भाई अम्नोन ने उसके साथ बलात्कार करके उसे उजाड़ दिया था।
- अबशालोम की पुत्री का नाम भी तामार।
- 'हज़ज़ोन तामार' नामक शहर खारे सागर के पश्चिमी तट पर एनगदी शहर के समान था। एक "बाल तामार" भी है, और सामान्य संदर्भ "तामार" नामक जगह जो शहरों से अलग हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अबशालोम, मूलपिता, अम्नोन, दाऊद, मूलपिता, यहूदा, खारा ताल)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 02:3-4
- 2 शमूएल 13:1-2
- 2 शमूएल 14:25-27
- उत्पत्ति 38:6-7
- उत्पत्ति 38:24-26
- मत्ती 01:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1193, H2688, H8412, H8559

तीतुस

तथ्य:

तीतुस एक अन्यजाति था। उसे पौलुस द्वारा प्रारंभिक कलीसियो में अगुआई करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था।

- पौलुस द्वारा तीतुस को लिखा गया एक पत्र नया नियम की पुस्तकों में से एक है।
- इस पत्र में पौलुस ने तीतुस को क्रेते के द्वीप पर कलीसियाओं में प्राचीनों को नियुक्त करने का निर्देश दिया था।
- मसीहियों को लिखे अपने कुछ पत्रों में, पौलुस ने तीतुस को ऐसे किसी व्यक्ति के रूप में बताया, जिसने उसे प्रोत्साहित किया और उसे खुशी दी।

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वासी, कलीसिया, खतना करना, क्रेते, प्राचीन, समझा, निर्देश देना, सेवा करना)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:10
- गलातियों 02:1-2
- गलातियों 02:3-5
- तीतुस 01:4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G5103

तीतुस

तथ्य:

तीतुस एक अन्यजाति था। उसे पौलुस द्वारा प्रारंभिक कलीसियो में अगुआई करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था।

- पौलुस द्वारा तीतुस को लिखा गया एक पत्र नया नियम की पुस्तकों में से एक है।
- इस पत्र में पौलुस ने तीतुस को क्रेते के द्वीप पर कलीसियाओं में प्राचीनों को नियुक्त करने का निर्देश दिया था।

- मसीहियों को लिखे अपने कुछ पत्रों में, पौलुस ने तीतुस को ऐसे किसी व्यक्ति के रूप में बताया, जिसने उसे प्रोत्साहित किया और उसे खुशी दी।

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वासी, कलीसिया, खतना करना, क्रेते, प्राचीन, समझा, निर्देश देना, सेवा करना)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:10
- गलातियों 02:1-2
- गलातियों 02:3-5
- तीतुस 01:4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G5103

तीतुस

तथ्य:

तीतुस एक अन्यजाति था। उसे पौलुस द्वारा प्रारंभिक कलीसियो में अगुआई करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था।

- पौलुस द्वारा तीतुस को लिखा गया एक पत्र नया नियम की पुस्तकों में से एक है।
- इस पत्र में पौलुस ने तीतुस को क्रेते के द्वीप पर कलीसियाओं में प्राचीनों को नियुक्त करने का निर्देश दिया था।
- मसीहियों को लिखे अपने कुछ पत्रों में, पौलुस ने तीतुस को ऐसे किसी व्यक्ति के रूप में बताया, जिसने उसे प्रोत्साहित किया और उसे खुशी दी।

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वासी, कलीसिया, खतना करना, क्रेते, प्राचीन, समझा, निर्देश देना, सेवा करना)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:10
- गलातियों 02:1-2
- गलातियों 02:3-5
- तीतुस 01:4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G5103

तीतुस

तथ्य:

तीतुस एक अन्यजाति था। उसे पौलुस द्वारा प्रारंभिक कलीसियो में अगुआई करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था।

- पौलुस द्वारा तीतुस को लिखा गया एक पत्र नया नियम की पुस्तकों में से एक है।
- इस पत्र में पौलुस ने तीतुस को क्रेते के द्वीप पर कलीसियाओं में प्राचीनों को नियुक्त करने का निर्देश दिया था।
- मसीहियों को लिखे अपने कुछ पत्रों में, पौलुस ने तीतुस को ऐसे किसी व्यक्ति के रूप में बताया, जिसने उसे प्रोत्साहित किया और उसे खुशी दी।

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वासी, कलीसिया, खतना करना, क्रेते, प्राचीन, समझा, निर्देश देना, सेवा करना)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:10
- गलातियों 02:1-2
- गलातियों 02:3-5
- तीतुस 01:4

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G5103

तीतुस

तथ्य:

तीतुस एक अन्यजाति था। उसे पौलुस द्वारा प्रारंभिक कलीसियो में अगुआई करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था।

- पौलुस द्वारा तीतुस को लिखा गया एक पत्र नया नियम की पुस्तकों में से एक है।
- इस पत्र में पौलुस ने तीतुस को क्रेते के द्वीप पर कलीसियाओं में प्राचीनों को नियुक्त करने का निर्देश दिया था।
- मसीहियों को लिखे अपने कुछ पत्रों में, पौलुस ने तीतुस को ऐसे किसी व्यक्ति के रूप में बताया, जिसने उसे प्रोत्साहित किया और उसे खुशी दी।

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वासी, कलीसिया, खतना करना, क्रेते, प्राचीन, समझा, निर्देश देना, सेवा करना)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:10
- गलातियों 02:1-2
- गलातियों 02:3-5
- तीतुस 01:4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G5103

तीमुथियुस

तथ्य:

तीमुथियुस लुस्त्रा निवासी एक युवक था. बाद में वह पौलुस के साथ अनेक प्रचार यात्राओं पर गया और विश्वासियों के नए समुदायों का मार्गदर्शन किया.

- उसकी नानी लोइस और माता यूनीके दोनों यहूदी थे और मसीह यीशु के विश्वासी थे परन्तु उसका पिता यूनानी था.
- धर्मवृद्धों और पौलुस ने तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखकर प्रार्थना की और उसे मसीही सेवा में नियुक्त किया था.
- नये नियम में दो पुस्तकें, (1और 2तीमुथियुस) पौलुस द्वारा तीमुथियुस को लिखे पौलुस के दो पत्र हैं जिनमें तीमुथियुस को,स्थानीय कलीसिया के युवा अगुआ होने के कारण,मार्गदर्शन प्रदान किया गया है.

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वास, कलीसिया, यूनानी, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:02
- 1 तीमुथियुस 01:02
- प्रे.का. 16:03
- कुलुस्सियों 01:01
- फिलेमोन 01:01
- फिलिप्पियों 01:01
- फिलिप्पियों 02:19

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G5095

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तीमुथियुस

तथ्य:

तीमुथियुस लुस्त्रा निवासी एक युवक था. बाद में वह पौलुस के साथ अनेक प्रचार यात्राओं पर गया और विश्वासियों के नए समुदायों का मार्गदर्शन किया.

- उसकी नानी लोइस और माता यूनीके दोनों यहूदी थे और मसीह यीशु के विश्वासी थे परन्तु उसका पिता यूनानी था.
- धर्मवृद्धों और पौलुस ने तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखकर प्रार्थना की और उसे मसीही सेवा में नियुक्त किया था.
- नये नियम में दो पुस्तकें, (1और 2तीमुथियुस) पौलुस द्वारा तीमुथियुस को लिखे पौलुस के दो पत्र हैं जिनमें तीमुथियुस को,स्थानीय कलीसिया के युवा अगुआ होने के कारण,मार्गदर्शन प्रदान किया गया है.

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वास, कलीसिया, यूनानी, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:02
- 1 तीमुथियुस 01:02
- प्रे.का. 16:03
- कुलुस्सियों 01:01
- फिलेमोन 01:01
- फिलिप्पियों 01:01
- फिलिप्पियों 02:19

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G5095

तीमुथियुस

तथ्य:

तीमुथियुस लुस्त्रा निवासी एक युवक था. बाद में वह पौलुस के साथ अनेक प्रचार यात्राओं पर गया और विश्वासियों के नए समुदायों का मार्गदर्शन किया.

- उसकी नानी लोइस और माता यूनीके दोनों यहूदी थे और मसीह यीशु के विश्वासी थे परन्तु उसका पिता यूनानी था.
- धर्मवृद्धों और पौलुस ने तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखकर प्रार्थना की और उसे मसीही सेवा में नियुक्त किया था.
- नये नियम में दो पुस्तकें, (1और 2तीमुथियुस) पौलुस द्वारा तीमुथियुस को लिखे पौलुस के दो पत्र हैं जिनमें तीमुथियुस को,स्थानीय कलीसिया के युवा अगुआ होने के कारण,मार्गदर्शन प्रदान किया गया है.

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वास, कलीसिया, यूनानी, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:02
- 1 तीमुथियुस 01:02
- प्रे.का. 16:03
- कुलुस्सियों 01:01
- फिलेमोन 01:01
- फिलिप्पियों 01:01
- फिलिप्पियों 02:19

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G5095

तीमुथियुस

तथ्य:

तीमुथियुस लुस्त्रा निवासी एक युवक था. बाद में वह पौलुस के साथ अनेक प्रचार यात्राओं पर गया और विश्वासियों के नए समुदायों का मार्गदर्शन किया.

- उसकी नानी लोइस और माता यूनीके दोनों यहूदी थे और मसीह यीशु के विश्वासी थे परन्तु उसका पिता यूनानी था.
- धर्मवृद्धों और पौलुस ने तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखकर प्रार्थना की और उसे मसीही सेवा में नियुक्त किया था.
- नये नियम में दो पुस्तकें, (1और 2तीमुथियुस) पौलुस द्वारा तीमुथियुस को लिखे पौलुस के दो पत्र हैं जिनमें तीमुथियुस को,स्थानीय कलीसिया के युवा अगुआ होने के कारण,मार्गदर्शन प्रदान किया गया है.

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वास, कलीसिया, यूनानी, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:02
- 1 तीमुथियुस 01:02
- प्रे.का. 16:03
- कुलुस्सियों 01:01
- फिलेमोन 01:01
- फिलिप्पियों 01:01
- फिलिप्पियों 02:19

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G5095

तीमुथियुस

तथ्य:

तीमुथियुस लुस्त्रा निवासी एक युवक था. बाद में वह पौलुस के साथ अनेक प्रचार यात्राओं पर गया और विश्वासियों के नए समुदायों का मार्गदर्शन किया.

- उसकी नानी लोइस और माता यूनीके दोनों यहूदी थे और मसीह यीशु के विश्वासी थे परन्तु उसका पिता यूनानी था.
- धर्मवृद्धों और पौलुस ने तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखकर प्रार्थना की और उसे मसीही सेवा में नियुक्त किया था.
- नये नियम में दो पुस्तकें, (1और 2तीमुथियुस) पौलुस द्वारा तीमुथियुस को लिखे पौलुस के दो पत्र हैं जिनमें तीमुथियुस को,स्थानीय कलीसिया के युवा अगुआ होने के कारण,मार्गदर्शन प्रदान किया गया है.

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वास, कलीसिया, यूनानी, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:02
- 1 तीमुथियुस 01:02
- प्रे.का. 16:03
- कुलुस्सियों 01:01
- फिलेमोन 01:01
- फिलिप्पियों 01:01
- फिलिप्पियों 02:19

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G5095

तीमुथियुस

तथ्य:

तीमुथियुस लुस्त्रा निवासी एक युवक था. बाद में वह पौलुस के साथ अनेक प्रचार यात्राओं पर गया और विश्वासियों के नए समुदायों का मार्गदर्शन किया.

- उसकी नानी लोइस और माता यूनीके दोनों यहूदी थे और मसीह यीशु के विश्वासी थे परन्तु उसका पिता यूनानी था.
- धर्मवृद्धों और पौलुस ने तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखकर प्रार्थना की और उसे मसीही सेवा में नियुक्त किया था.
- नये नियम में दो पुस्तकें, (1और 2तीमुथियुस) पौलुस द्वारा तीमुथियुस को लिखे पौलुस के दो पत्र हैं जिनमें तीमुथियुस को,स्थानीय कलीसिया के युवा अगुआ होने के कारण,मार्गदर्शन प्रदान किया गया है.

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वास, कलीसिया, यूनानी, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:02
- 1 तीमुथियुस 01:02
- प्रे.का. 16:03
- कुलुस्सियों 01:01
- फिलेमोन 01:01
- फिलिप्पियों 01:01
- फिलिप्पियों 02:19

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G5095

तीमुथियुस

तथ्य:

तीमुथियुस लुस्त्रा निवासी एक युवक था. बाद में वह पौलुस के साथ अनेक प्रचार यात्राओं पर गया और विश्वासियों के नए समुदायों का मार्गदर्शन किया.

- उसकी नानी लोइस और माता यूनीके दोनों यहूदी थे और मसीह यीशु के विश्वासी थे परन्तु उसका पिता यूनानी था.
- धर्मवृद्धों और पौलुस ने तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखकर प्रार्थना की और उसे मसीही सेवा में नियुक्त किया था.
- नये नियम में दो पुस्तकें, (1और 2तीमुथियुस) पौलुस द्वारा तीमुथियुस को लिखे पौलुस के दो पत्र हैं जिनमें तीमुथियुस को,स्थानीय कलीसिया के युवा अगुआ होने के कारण,मार्गदर्शन प्रदान किया गया है.

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वास, कलीसिया, यूनानी, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:02
- 1 तीमुथियुस 01:02
- प्रे.का. 16:03
- कुलुस्सियों 01:01
- फिलेमोन 01:01
- फिलिप्पियों 01:01
- फिलिप्पियों 02:19

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G5095

तीमुथियुस

तथ्य:

तीमुथियुस लुस्त्रा निवासी एक युवक था. बाद में वह पौलुस के साथ अनेक प्रचार यात्राओं पर गया और विश्वासियों के नए समुदायों का मार्गदर्शन किया.

- उसकी नानी लोइस और माता यूनीके दोनों यहूदी थे और मसीह यीशु के विश्वासी थे परन्तु उसका पिता यूनानी था.
- धर्मवृद्धों और पौलुस ने तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखकर प्रार्थना की और उसे मसीही सेवा में नियुक्त किया था.
- नये नियम में दो पुस्तकें, (1और 2तीमुथियुस) पौलुस द्वारा तीमुथियुस को लिखे पौलुस के दो पत्र हैं जिनमें तीमुथियुस को,स्थानीय कलीसिया के युवा अगुआ होने के कारण,मार्गदर्शन प्रदान किया गया है.

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वास, कलीसिया, यूनानी, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:02
- 1 तीमुथियुस 01:02
- प्रे.का. 16:03
- कुलुस्सियों 01:01
- फिलेमोन 01:01
- फिलिप्पियों 01:01
- फिलिप्पियों 02:19

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G5095

तीमुथियुस

तथ्य:

तीमुथियुस लुस्त्रा निवासी एक युवक था. बाद में वह पौलुस के साथ अनेक प्रचार यात्राओं पर गया और विश्वासियों के नए समुदायों का मार्गदर्शन किया.

- उसकी नानी लोइस और माता यूनीके दोनों यहूदी थे और मसीह यीशु के विश्वासी थे परन्तु उसका पिता यूनानी था.
- धर्मवृद्धों और पौलुस ने तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखकर प्रार्थना की और उसे मसीही सेवा में नियुक्त किया था.
- नये नियम में दो पुस्तकें, (1और 2तीमुथियुस) पौलुस द्वारा तीमुथियुस को लिखे पौलुस के दो पत्र हैं जिनमें तीमुथियुस को,स्थानीय कलीसिया के युवा अगुआ होने के कारण,मार्गदर्शन प्रदान किया गया है.

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वास, कलीसिया, यूनानी, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:02
- 1 तीमुथियुस 01:02
- प्रे.का. 16:03
- कुलुस्सियों 01:01
- फिलेमोन 01:01
- फिलिप्पियों 01:01
- फिलिप्पियों 02:19

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G5095

तीमुथियुस

तथ्य:

तीमुथियुस लुस्त्रा निवासी एक युवक था. बाद में वह पौलुस के साथ अनेक प्रचार यात्राओं पर गया और विश्वासियों के नए समुदायों का मार्गदर्शन किया.

- उसकी नानी लोइस और माता यूनीके दोनों यहूदी थे और मसीह यीशु के विश्वासी थे परन्तु उसका पिता यूनानी था.
- धर्मवृद्धों और पौलुस ने तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखकर प्रार्थना की और उसे मसीही सेवा में नियुक्त किया था.
- नये नियम में दो पुस्तकें, (1और 2तीमुथियुस) पौलुस द्वारा तीमुथियुस को लिखे पौलुस के दो पत्र हैं जिनमें तीमुथियुस को,स्थानीय कलीसिया के युवा अगुआ होने के कारण,मार्गदर्शन प्रदान किया गया है.

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वास, कलीसिया, यूनानी, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:02
- 1 तीमुथियुस 01:02
- प्रे.का. 16:03
- कुलुस्सियों 01:01
- फिलेमोन 01:01
- फिलिप्पियों 01:01
- फिलिप्पियों 02:19

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G5095

तीमुथियुस

तथ्य:

तीमुथियुस लुस्त्रा निवासी एक युवक था. बाद में वह पौलुस के साथ अनेक प्रचार यात्राओं पर गया और विश्वासियों के नए समुदायों का मार्गदर्शन किया.

- उसकी नानी लोइस और माता यूनीके दोनों यहूदी थे और मसीह यीशु के विश्वासी थे परन्तु उसका पिता यूनानी था.
- धर्मवृद्धों और पौलुस ने तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखकर प्रार्थना की और उसे मसीही सेवा में नियुक्त किया था.
- नये नियम में दो पुस्तकें, (1और 2तीमुथियुस) पौलुस द्वारा तीमुथियुस को लिखे पौलुस के दो पत्र हैं जिनमें तीमुथियुस को,स्थानीय कलीसिया के युवा अगुआ होने के कारण,मार्गदर्शन प्रदान किया गया है.

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वास, कलीसिया, यूनानी, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:02
- 1 तीमुथियुस 01:02
- प्रे.का. 16:03
- कुलुस्सियों 01:01
- फिलेमोन 01:01
- फिलिप्पियों 01:01
- फिलिप्पियों 02:19

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G5095

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तीमुथियुस

तथ्य:

तीमुथियुस लुस्त्रा निवासी एक युवक था. बाद में वह पौलुस के साथ अनेक प्रचार यात्राओं पर गया और विश्वासियों के नए समुदायों का मार्गदर्शन किया.

- उसकी नानी लोइस और माता यूनीके दोनों यहूदी थे और मसीह यीशु के विश्वासी थे परन्तु उसका पिता यूनानी था.
- धर्मवृद्धों और पौलुस ने तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखकर प्रार्थना की और उसे मसीही सेवा में नियुक्त किया था.
- नये नियम में दो पुस्तकें, (1और 2तीमुथियुस) पौलुस द्वारा तीमुथियुस को लिखे पौलुस के दो पत्र हैं जिनमें तीमुथियुस को,स्थानीय कलीसिया के युवा अगुआ होने के कारण,मार्गदर्शन प्रदान किया गया है.

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वास, कलीसिया, यूनानी, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:02
- 1 तीमुथियुस 01:02
- प्रे.का. 16:03
- कुलुस्सियों 01:01
- फिलेमोन 01:01
- फिलिप्पियों 01:01
- फिलिप्पियों 02:19

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G5095

तुखिकुस

तथ्य:

तुखिकुस सुसमाचार प्रचार में पौलुस का साथी सेवक था।

- तुखिकुस पौलुस की एशिया प्रचार सेवा में कम से कम एक बार गया था।
- पौलुस उसे “प्रिय” और “विश्वासयोग्य” कहता था।
- तुखिकुस इफिसुस और कुलुस्से में पौलुस के पत्र लेकर गया था।

(यह भी देखें: आसिया, प्रिय, कुलुस्से, इफिसुस, विश्वासयोग्य, शुभ समाचार, सेवा करना)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:7-9
- तीतुस 03:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G5190

तुखिकुस

तथ्य:

तुखिकुस सुसमाचार प्रचार में पौलुस का साथी सेवक था।

- तुखिकुस पौलुस की एशिया प्रचार सेवा में कम से कम एक बार गया था।
- पौलुस उसे “प्रिय” और “विश्वासयोग्य” कहता था।
- तुखिकुस इफिसुस और कुलुस्से में पौलुस के पत्र लेकर गया था।

(यह भी देखें: आसिया, प्रिय, कुलुस्से, इफिसुस, विश्वासयोग्य, शुभ समाचार, सेवा करना)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:7-9
- तीतुस 03:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G5190

तुखिकुस

तथ्य:

तुखिकुस सुसमाचार प्रचार में पौलुस का साथी सेवक था।

- तुखिकुस पौलुस की एशिया प्रचार सेवा में कम से कम एक बार गया था।
- पौलुस उसे “प्रिय” और “विश्वासयोग्य” कहता था।
- तुखिकुस इफिसुस और कुलुस्से में पौलुस के पत्र लेकर गया था।

(यह भी देखें: आसिया, प्रिय, कुलुस्से, इफिसुस, विश्वासयोग्य, शुभ समाचार, सेवा करना)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:7-9
- तीतुस 03:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G5190

तुखिकुस

तथ्य:

तुखिकुस सुसमाचार प्रचार में पौलुस का साथी सेवक था।

- तुखिकुस पौलुस की एशिया प्रचार सेवा में कम से कम एक बार गया था।
- पौलुस उसे “प्रिय” और “विश्वासयोग्य” कहता था।
- तुखिकुस इफिसुस और कुलुस्से में पौलुस के पत्र लेकर गया था।

(यह भी देखें: आसिया, प्रिय, कुलुस्से, इफिसुस, विश्वासयोग्य, शुभ समाचार, सेवा करना)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:7-9
- तीतुस 03:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G5190

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

तुखिकुस

तथ्य:

तुखिकुस सुसमाचार प्रचार में पौलुस का साथी सेवक था।

- तुखिकुस पौलुस की एशिया प्रचार सेवा में कम से कम एक बार गया था।
- पौलुस उसे “प्रिय” और “विश्वासयोग्य” कहता था।
- तुखिकुस इफिसुस और कुलुस्से में पौलुस के पत्र लेकर गया था।

(यह भी देखें: आसिया, प्रिय, कुलुस्से, इफिसुस, विश्वासयोग्य, शुभ समाचार, सेवा करना)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:7-9
- तीतुस 03:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G5190

तुच्छ जाने, तुच्छ, सुनने योग्य नहीं

तथ्य:

“तुच्छ जानने” का संदर्भ गहन अपमान और अनादर से है जो किसी वस्तु या मनुष्य के लिए है। जो बात गहन निरादर की हो उसे "घृणित" (घिनौनी) कहते हैं।

- परमेश्वर के लिए तिरस्कार प्रकट करने वाला मनुष्य या व्यवहार “तुच्छ” कहलाता है। इसका अनुवाद “घोर निरादर” या “पूर्णतः अपमानजनक” या “निन्दायोग्य” हो सकता है।
- “तुच्छ जानना” अर्थात किसी को अपने से कम महत्व का या कम योग्यता का समझना।
- निम्नलिखित अभिव्यक्तियों का अर्थ यही हो सकता है, कर्मों या शब्दों द्वारा किसी वास्तु या मनुष्य का "तिरस्कार करना” या उसको “घिनौना समझना” या उससे “घृणा करना” या उसको “तुच्छ समझना”। इन सबका अर्थ है, “अत्युक्त निरादर” या “घोर अपमान" करना।
- जब राजा दाऊद ने व्यभिचार और हत्या की तब परमेश्वर ने कहा, “तूने यहोवा की आज्ञा को तुच्छ जानकर....” इसका अर्थ है कि उसने अपने इस कुकर्म द्वारा परमेश्वर का घोर अपमान एवं निरादर किया था।

(यह भी देखें: निरादर)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 12:1-2
- नीतिवचन 15:5-6
- भजन संहिता 031:18

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H936, H937, H959, H963, H1860, H7043, H7589, H5006, G1848

तुरही, तुरहियां, तुरही फूँकनेवालों

परिभाषा:

“तुरही” संगीत के लिए या लोगों को घोषणा या सभा के लिए एकत्र करने के लिए वाद्ययन्त्र था।

- तुरही सामान्यतः धातु, शंख या पशु के सींग से बनाई जाती थी।
- तुरही युद्ध के लिए या इस्राएल की सार्वजनिक सभा के लिए फूंकी जाती थी।
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में अन्त समय के दृश्य का वर्णन किया गया है जब स्वर्गदूत तुरही फूंकेंगे जो पृथ्वी का परमेश्वर के प्रकोप को उण्डेले जाने का संकेत होगा।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, मण्डली, पृथ्वी, सींग, इस्राएल, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 13:7-8
- 2 राजा 09:11-13
- निर्गमन 19:12-13
- इब्रानियों 12:18-21
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 24:30-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2689, H2690, H3104, H7782, H8619, H8643, G4536, G4537, G4538

तुरही, तुरहियां, तुरही फूँकनेवालों

परिभाषा:

“तुरही” संगीत के लिए या लोगों को घोषणा या सभा के लिए एकत्र करने के लिए वाद्ययन्त्र था।

- तुरही सामान्यतः धातु, शंख या पशु के सींग से बनाई जाती थी।
- तुरही युद्ध के लिए या इस्राएल की सार्वजनिक सभा के लिए फूंकी जाती थी।
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में अन्त समय के दृश्य का वर्णन किया गया है जब स्वर्गदूत तुरही फूंकेंगे जो पृथ्वी का परमेश्वर के प्रकोप को उण्डेले जाने का संकेत होगा।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, मण्डली, पृथ्वी, सींग, इस्राएल, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 13:7-8
- 2 राजा 09:11-13
- निर्गमन 19:12-13
- इब्रानियों 12:18-21
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 24:30-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2689, H2690, H3104, H7782, H8619, H8643, G4536, G4537, G4538

तुरही, तुरहियां, तुरही फूँकनेवालों

परिभाषा:

“तुरही” संगीत के लिए या लोगों को घोषणा या सभा के लिए एकत्र करने के लिए वाद्ययन्त्र था।

- तुरही सामान्यतः धातु, शंख या पशु के सींग से बनाई जाती थी।
- तुरही युद्ध के लिए या इस्राएल की सार्वजनिक सभा के लिए फूंकी जाती थी।
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में अन्त समय के दृश्य का वर्णन किया गया है जब स्वर्गदूत तुरही फूंकेंगे जो पृथ्वी का परमेश्वर के प्रकोप को उण्डेले जाने का संकेत होगा।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, मण्डली, पृथ्वी, सींग, इस्राएल, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 13:7-8
- 2 राजा 09:11-13
- निर्गमन 19:12-13

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- इब्रानियों 12:18-21
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 24:30-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2689, H2690, H3104, H7782, H8619, H8643, G4536, G4537, G4538

तुरही, तुरहियां, तुरही फूँकनेवालों

परिभाषा:

“तुरही” संगीत के लिए या लोगों को घोषणा या सभा के लिए एकत्र करने के लिए वाद्ययन्त्र था।

- तुरही सामान्यतः धातु, शंख या पशु के सींग से बनाई जाती थी।
- तुरही युद्ध के लिए या इस्राएल की सार्वजनिक सभा के लिए फूंकी जाती थी।
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में अन्त समय के दृश्य का वर्णन किया गया है जब स्वर्गदूत तुरही फूंकेंगे जो पृथ्वी का परमेश्वर के प्रकोप को उण्डेले जाने का संकेत होगा।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, मण्डली, पृथ्वी, सींग, इस्राएल, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 13:7-8
- 2 राजा 09:11-13
- निर्गमन 19:12-13
- इब्रानियों 12:18-21
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 24:30-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2689, H2690, H3104, H7782, H8619, H8643, G4536, G4537, G4538

तुरही, तुरहियां, तुरही फूँकनेवालों

परिभाषा:

“तुरही” संगीत के लिए या लोगों को घोषणा या सभा के लिए एकत्र करने के लिए वाद्ययन्त्र था।

- तुरही सामान्यतः धातु, शंख या पशु के सींग से बनाई जाती थी।
- तुरही युद्ध के लिए या इस्राएल की सार्वजनिक सभा के लिए फूंकी जाती थी।
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में अन्त समय के दृश्य का वर्णन किया गया है जब स्वर्गदूत तुरही फूंकेंगे जो पृथ्वी का परमेश्वर के प्रकोप को उण्डेले जाने का संकेत होगा।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, मण्डली, पृथ्वी, सींग, इस्राएल, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 13:7-8
- 2 राजा 09:11-13
- निर्गमन 19:12-13
- इब्रानियों 12:18-21
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 24:30-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2689, H2690, H3104, H7782, H8619, H8643, G4536, G4537, G4538

तेरह

तथ्य:

तेरह नूह के पुत्र शेम का वंशज था। वह अब्राम, नाहोर और हारान का पिता था।

- तेरह ने अपने पुत्र अब्राम के साथ कनान जाने के लिए ऊर से कूच किया, साथ में उसका भतीजा लूत और अब्राम की पत्नी सारै भी थे।
- कनान के मार्ग में वे कुछ समय मेसोपोटामिया के हारान नगर में ठहरे। तेरह हरान में मर गया, उसकी आयु 205 वर्ष की थी।

(यह भी देखें: अब्राहम, कनान, हारान, लूत, मेसोपोटामिया, नाहोर, सारा, शेम, ऊर)

बाइबल सन्दर्भ:

उत्पत्ति 11:31-32

- 1 इतिहास 01:24-27
- लूका 03:33-35

\

तेल

परिभाषा:

तेल एक मोटा तरल पदार्थ है जो पौधों से निकाला जाता है। बाइबल के युग में जैतून का तेल अधिकतर काम में लिया जाता था।

- जैतून का तेल पकाने, अभिषेक करने, बलि चढ़ाने, दीपक जलाने और औषधियों के निर्माण में काम में लिया जाता था।
- प्राचीन युग में जैतून के तेल बहुमूल्य था और तेल का संग्रह धन का मापक माना जाता था।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद पकाने के तेल का अभिप्राय प्रकट करे न कि, गाड़ियों में डालने वाले तेल का। कुछ भाषाओं इन अलग-अलग तेलों के लिए अलग अलग शब्द है।

(यह भी देखें: जैतून, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 01:21-22
- निर्गमन 29:1-2
- लैव्यव्यवस्था 05:11
- लैव्यव्यवस्था 08:1-3
- मरकुस 06:12-13
- मत्ती 25:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1880, H2091, H3323, H4887, H6671, H7246, H8081, G1637, G3464

तेल

परिभाषा:

तेल एक मोटा तरल पदार्थ है जो पौधों से निकाला जाता है। बाइबल के युग में जैतून का तेल अधिकतर काम में लिया जाता था।

- जैतून का तेल पकाने, अभिषेक करने, बलि चढ़ाने, दीपक जलाने और औषधियों के निर्माण में काम में लिया जाता था।
- प्राचीन युग में जैतून के तेल बहुमूल्य था और तेल का संग्रह धन का मापक माना जाता था।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद पकाने के तेल का अभिप्राय प्रकट करे न कि, गाड़ियों में डालने वाले तेल का। कुछ भाषाओं इन अलग-अलग तेलों के लिए अलग अलग शब्द है।

(यह भी देखें: जैतून, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 01:21-22
- निर्गमन 29:1-2
- लैव्यव्यवस्था 05:11
- लैव्यव्यवस्था 08:1-3
- मरकुस 06:12-13
- मत्ती 25:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1880, H2091, H3323, H4887, H6671, H7246, H8081, G1637, G3464

तेल

परिभाषा:

तेल एक मोटा तरल पदार्थ है जो पौधों से निकाला जाता है। बाइबल के युग में जैतून का तेल अधिकतर काम में लिया जाता था।

- जैतून का तेल पकाने, अभिषेक करने, बलि चढ़ाने, दीपक जलाने और औषधियों के निर्माण में काम में लिया जाता था।
- प्राचीन युग में जैतून के तेल बहुमूल्य था और तेल का संग्रह धन का मापक माना जाता था।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद पकाने के तेल का अभिप्राय प्रकट करे न कि, गाड़ियों में डालने वाले तेल का। कुछ भाषाओं इन अलग-अलग तेलों के लिए अलग अलग शब्द है।

(यह भी देखें: जैतून, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 01:21-22
- निर्गमन 29:1-2
- लैव्यव्यवस्था 05:11
- लैव्यव्यवस्था 08:1-3
- मरकुस 06:12-13
- मत्ती 25:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1880, H2091, H3323, H4887, H6671, H7246, H8081, G1637, G3464

तेल

परिभाषा:

तेल एक मोटा तरल पदार्थ है जो पौधों से निकाला जाता है। बाइबल के युग में जैतून का तेल अधिकतर काम में लिया जाता था।

- जैतून का तेल पकाने, अभिषेक करने, बलि चढ़ाने, दीपक जलाने और औषधियों के निर्माण में काम में लिया जाता था।
- प्राचीन युग में जैतून के तेल बहुमूल्य था और तेल का संग्रह धन का मापक माना जाता था।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद पकाने के तेल का अभिप्राय प्रकट करे न कि, गाड़ियों में डालने वाले तेल का। कुछ भाषाओं इन अलग-अलग तेलों के लिए अलग अलग शब्द है।

(यह भी देखें: जैतून, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 01:21-22
- निर्गमन 29:1-2
- लैव्यव्यवस्था 05:11
- लैव्यव्यवस्था 08:1-3
- मरकुस 06:12-13

- मत्ती 25:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1880, H2091, H3323, H4887, H6671, H7246, H8081, G1637, G3464

तेल

परिभाषा:

तेल एक मोटा तरल पदार्थ है जो पौधों से निकाला जाता है। बाइबल के युग में जैतून का तेल अधिकतर काम में लिया जाता था।

- जैतून का तेल पकाने, अभिषेक करने, बलि चढ़ाने, दीपक जलाने और औषधियों के निर्माण में काम में लिया जाता था।
- प्राचीन युग में जैतून के तेल बहुमूल्य था और तेल का संग्रह धन का मापक माना जाता था।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद पकाने के तेल का अभिप्राय प्रकट करे न कि, गाड़ियों में डालने वाले तेल का। कुछ भाषाओं इन अलग-अलग तेलों के लिए अलग अलग शब्द है।

(यह भी देखें: जैतून, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 01:21-22
- निर्गमन 29:1-2
- लैव्यव्यवस्था 05:11
- लैव्यव्यवस्था 08:1-3
- मरकुस 06:12-13
- मत्ती 25:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1880, H2091, H3323, H4887, H6671, H7246, H8081, G1637, G3464

तेल

परिभाषा:

तेल एक मोटा तरल पदार्थ है जो पौधों से निकाला जाता है। बाइबल के युग में जैतून का तेल अधिकतर काम में लिया जाता था।

- जैतून का तेल पकाने, अभिषेक करने, बलि चढ़ाने, दीपक जलाने और औषधियों के निर्माण में काम में लिया जाता था।
- प्राचीन युग में जैतून के तेल बहुमूल्य था और तेल का संग्रह धन का मापक माना जाता था।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद पकाने के तेल का अभिप्राय प्रकट करे न कि, गाड़ियों में डालने वाले तेल का। कुछ भाषाओं इन अलग-अलग तेलों के लिए अलग अलग शब्द है।

(यह भी देखें: जैतून, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 01:21-22
- निर्गमन 29:1-2
- लैव्यव्यवस्था 05:11
- लैव्यव्यवस्था 08:1-3
- मरकुस 06:12-13
- मत्ती 25:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1880, H2091, H3323, H4887, H6671, H7246, H8081, G1637, G3464

त्याग, त्यागना, छोड़ना

Definition:

"त्याग" शब्द का अर्थ किसी को त्यागना या छोड़ देना है। किसी को "त्याग दिया गया" किसी के द्वारा छोड़ दिया गया है या छोड़ दिया गया है।

- जब लोग परमेश्वर को त्याग देते हैं, तो वे उसकी अवज्ञा करके उसके साथ विश्वासघात कर रहे होते हैं।
- जब परमेश्वर “लोगों” का त्याग करता है, तो उसने उनकी मदद करना बंद कर दिया है और उन्हें दुख का अनुभव करने की अनुमति दी है ताकि वे उनके पास वापस आ सकें।
- इस शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है कि किसी का त्याग करना, जैसे कि छोड़ना, या परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन न करना।
- "त्याग दिया" शब्द का उपयोग भूत काल में किया जा सकता है, जैसे कि "वह आपको छोड़ दिया है" या किसी ऐसे व्यक्ति के संदर्भ में जो "भूल गया हो।"

Translation Suggestions:

- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में संदर्भ के आधार पर "परित्याग" या "उपेक्षा" या "छोड़ देना" या "पीछे हटना" या "पीछे छोड़ना" शामिल हो सकता है।
- "त्याग" करने के लिए परमेश्वर की आज्ञाओं का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञाओं की अवज्ञा" के रूप में किया जा सकता है। इसका अनुवाद “परित्याग” या “हार मानने” या “उसकी आज्ञा मानने से रोकने” के रूप में भी किया जा सकता है
- वाक्यांश "छोड़ दिया जाए" का अनुवाद "त्यागा हुआ" या "निर्जन किया जा सकता है।"
- इस शब्द का अनुवाद करने के लिए अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अधिक स्पष्ट है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि पाठ किसी वस्तु या व्यक्ति का त्याग करता है या नहीं।

Bible References:

- 1 Kings 06:11-13
- Daniel 11:29-30
- Genesis 24:27
- Joshua 24:16-18
- Matthew 27:45-47
- Proverbs 27:9-10
- Psalms 071:18

Word Data:

- Strong’s: H488, H2308, H5203, H5428, H5800, H5805, H7503, G646, G657, G863, G1459, G2641,

त्याग, त्यागना, छोड़ना

Definition:

"त्याग" शब्द का अर्थ किसी को त्यागना या छोड़ देना है। किसी को "त्याग दिया गया" किसी के द्वारा छोड़ दिया गया है या छोड़ दिया गया है।

- जब लोग परमेश्वर को त्याग देते हैं, तो वे उसकी अवज्ञा करके उसके साथ विश्वासघात कर रहे होते हैं।
- जब परमेश्वर “लोगों” का त्याग करता है, तो उसने उनकी मदद करना बंद कर दिया है और उन्हें दुख का अनुभव करने की अनुमति दी है ताकि वे उनके पास वापस आ सकें।
- इस शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है कि किसी का त्याग करना, जैसे कि छोड़ना, या परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन न करना।
- "त्याग दिया" शब्द का उपयोग भूत काल में किया जा सकता है, जैसे कि "वह आपको छोड़ दिया है" या किसी ऐसे व्यक्ति के संदर्भ में जो "भूल गया हो।"

Translation Suggestions:

- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में संदर्भ के आधार पर "परित्याग" या "उपेक्षा" या "छोड़ देना" या "पीछे हटना" या "पीछे छोड़ना" शामिल हो सकता है।
- "त्याग" करने के लिए परमेश्वर की आज्ञाओं का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञाओं की अवज्ञा" के रूप में किया जा सकता है। इसका अनुवाद “परित्याग” या “हार मानने” या “उसकी आज्ञा मानने से रोकने” के रूप में भी किया जा सकता है
- वाक्यांश "छोड़ दिया जाए" का अनुवाद "त्यागा हुआ" या "निर्जन किया जा सकता है।"
- इस शब्द का अनुवाद करने के लिए अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अधिक स्पष्ट है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि पाठ किसी वस्तु या व्यक्ति का त्याग करता है या नहीं।

Bible References:

- 1 Kings 06:11-13
- Daniel 11:29-30
- Genesis 24:27
- Joshua 24:16-18
- Matthew 27:45-47
- Proverbs 27:9-10
- Psalms 071:18

Word Data:

- Strong’s: H488, H2308, H5203, H5428, H5800, H5805, H7503, G646, G657, G863, G1459, G2641,

त्याग, त्यागना, छोड़ना

Definition:

"त्याग" शब्द का अर्थ किसी को त्यागना या छोड़ देना है। किसी को "त्याग दिया गया" किसी के द्वारा छोड़ दिया गया है या छोड़ दिया गया है।

- जब लोग परमेश्वर को त्याग देते हैं, तो वे उसकी अवज्ञा करके उसके साथ विश्वासघात कर रहे होते हैं।
- जब परमेश्वर “लोगों” का त्याग करता है, तो उसने उनकी मदद करना बंद कर दिया है और उन्हें दुख का अनुभव करने की अनुमति दी है ताकि वे उनके पास वापस आ सकें।
- इस शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है कि किसी का त्याग करना, जैसे कि छोड़ना, या परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन न करना।
- "त्याग दिया" शब्द का उपयोग भूत काल में किया जा सकता है, जैसे कि "वह आपको छोड़ दिया है" या किसी ऐसे व्यक्ति के संदर्भ में जो "भूल गया हो।"

Translation Suggestions:

- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में संदर्भ के आधार पर "परित्याग" या "उपेक्षा" या "छोड़ देना" या "पीछे हटना" या "पीछे छोड़ना" शामिल हो सकता है।
- "त्याग" करने के लिए परमेश्वर की आज्ञाओं का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञाओं की अवज्ञा" के रूप में किया जा सकता है। इसका अनुवाद “परित्याग” या “हार मानने” या “उसकी आज्ञा मानने से रोकने” के रूप में भी किया जा सकता है
- वाक्यांश "छोड़ दिया जाए" का अनुवाद "त्यागा हुआ" या "निर्जन किया जा सकता है।"
- इस शब्द का अनुवाद करने के लिए अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अधिक स्पष्ट है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि पाठ किसी वस्तु या व्यक्ति का त्याग करता है या नहीं।

Bible References:

- 1 Kings 06:11-13
- Daniel 11:29-30
- Genesis 24:27
- Joshua 24:16-18
- Matthew 27:45-47
- Proverbs 27:9-10
- Psalms 071:18

Word Data:

- Strong’s: H488, H2308, H5203, H5428, H5800, H5805, H7503, G646, G657, G863, G1459, G2641,

त्याग, त्यागना, छोड़ना

Definition:

"त्याग" शब्द का अर्थ किसी को त्यागना या छोड़ देना है। किसी को "त्याग दिया गया" किसी के द्वारा छोड़ दिया गया है या छोड़ दिया गया है।

- जब लोग परमेश्वर को त्याग देते हैं, तो वे उसकी अवज्ञा करके उसके साथ विश्वासघात कर रहे होते हैं।
- जब परमेश्वर “लोगों” का त्याग करता है, तो उसने उनकी मदद करना बंद कर दिया है और उन्हें दुख का अनुभव करने की अनुमति दी है ताकि वे उनके पास वापस आ सकें।

- इस शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है कि किसी का त्याग करना, जैसे कि छोड़ना, या परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन न करना।
- "त्याग दिया" शब्द का उपयोग भूत काल में किया जा सकता है, जैसे कि "वह आपको छोड़ दिया है" या किसी ऐसे व्यक्ति के संदर्भ में जो "भूल गया हो।"

Translation Suggestions:

- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में संदर्भ के आधार पर "परित्याग" या "उपेक्षा" या "छोड़ देना" या "पीछे हटना" या "पीछे छोड़ना" शामिल हो सकता है।
- "त्याग" करने के लिए परमेश्वर की आज्ञाओं का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञाओं की अवज्ञा" के रूप में किया जा सकता है। इसका अनुवाद “परित्याग” या “हार मानने” या “उसकी आज्ञा मानने से रोकने” के रूप में भी किया जा सकता है
- वाक्यांश "छोड़ दिया जाए" का अनुवाद "त्यागा हुआ" या "निर्जन किया जा सकता है।"
- इस शब्द का अनुवाद करने के लिए अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अधिक स्पष्ट है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि पाठ किसी वस्तु या व्यक्ति का त्याग करता है या नहीं।

Bible References:

- 1 Kings 06:11-13
- Daniel 11:29-30
- Genesis 24:27
- Joshua 24:16-18
- Matthew 27:45-47
- Proverbs 27:9-10
- Psalms 071:18

Word Data:

- Strong’s: H488, H2308, H5203, H5428, H5800, H5805, H7503, G646, G657, G863, G1459, G2641,

त्याग, त्यागना, छोड़ना

Definition:

"त्याग" शब्द का अर्थ किसी को त्यागना या छोड़ देना है। किसी को "त्याग दिया गया" किसी के द्वारा छोड़ दिया गया है या छोड़ दिया गया है।

- जब लोग परमेश्वर को त्याग देते हैं, तो वे उसकी अवज्ञा करके उसके साथ विश्वासघात कर रहे होते हैं।
- जब परमेश्वर “लोगों” का त्याग करता है, तो उसने उनकी मदद करना बंद कर दिया है और उन्हें दुख का अनुभव करने की अनुमति दी है ताकि वे उनके पास वापस आ सकें।
- इस शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है कि किसी का त्याग करना, जैसे कि छोड़ना, या परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन न करना।
- "त्याग दिया" शब्द का उपयोग भूत काल में किया जा सकता है, जैसे कि "वह आपको छोड़ दिया है" या किसी ऐसे व्यक्ति के संदर्भ में जो "भूल गया हो।"

Translation Suggestions:

- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में संदर्भ के आधार पर "परित्याग" या "उपेक्षा" या "छोड़ देना" या "पीछे हटना" या "पीछे छोड़ना" शामिल हो सकता है।
- "त्याग" करने के लिए परमेश्वर की आज्ञाओं का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञाओं की अवज्ञा" के रूप में किया जा सकता है। इसका अनुवाद “परित्याग” या “हार मानने” या “उसकी आज्ञा मानने से रोकने” के रूप में भी किया जा सकता है
- वाक्यांश "छोड़ दिया जाए" का अनुवाद "त्यागा हुआ" या "निर्जन किया जा सकता है।"
- इस शब्द का अनुवाद करने के लिए अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अधिक स्पष्ट है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि पाठ किसी वस्तु या व्यक्ति का त्याग करता है या नहीं।

Bible References:

- 1 Kings 06:11-13
- Daniel 11:29-30
- Genesis 24:27
- Joshua 24:16-18
- Matthew 27:45-47
- Proverbs 27:9-10
- Psalms 071:18

Word Data:

- Strong’s: H488, H2308, H5203, H5428, H5800, H5805, H7503, G646, G657, G863, G1459, G2641,

त्याग, त्यागना, छोड़ना

Definition:

"त्याग" शब्द का अर्थ किसी को त्यागना या छोड़ देना है। किसी को "त्याग दिया गया" किसी के द्वारा छोड़ दिया गया है या छोड़ दिया गया है।

- जब लोग परमेश्वर को त्याग देते हैं, तो वे उसकी अवज्ञा करके उसके साथ विश्वासघात कर रहे होते हैं।
- जब परमेश्वर “लोगों” का त्याग करता है, तो उसने उनकी मदद करना बंद कर दिया है और उन्हें दुख का अनुभव करने की अनुमति दी है ताकि वे उनके पास वापस आ सकें।
- इस शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है कि किसी का त्याग करना, जैसे कि छोड़ना, या परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन न करना।
- "त्याग दिया" शब्द का उपयोग भूत काल में किया जा सकता है, जैसे कि "वह आपको छोड़ दिया है" या किसी ऐसे व्यक्ति के संदर्भ में जो "भूल गया हो।"

Translation Suggestions:

- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में संदर्भ के आधार पर "परित्याग" या "उपेक्षा" या "छोड़ देना" या "पीछे हटना" या "पीछे छोड़ना" शामिल हो सकता है।
- "त्याग" करने के लिए परमेश्वर की आज्ञाओं का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञाओं की अवज्ञा" के रूप में किया जा सकता है। इसका अनुवाद “परित्याग” या “हार मानने” या “उसकी आज्ञा मानने से रोकने” के रूप में भी किया जा सकता है
- वाक्यांश "छोड़ दिया जाए" का अनुवाद "त्यागा हुआ" या "निर्जन किया जा सकता है।"
- इस शब्द का अनुवाद करने के लिए अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अधिक स्पष्ट है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि पाठ किसी वस्तु या व्यक्ति का त्याग करता है या नहीं।

Bible References:

- 1 Kings 06:11-13
- Daniel 11:29-30
- Genesis 24:27
- Joshua 24:16-18
- Matthew 27:45-47
- Proverbs 27:9-10
- Psalms 071:18

Word Data:

- Strong’s: H488, H2308, H5203, H5428, H5800, H5805, H7503, G646, G657, G863, G1459, G2641,

त्याग, त्यागना, छोड़ना

Definition:

"त्याग" शब्द का अर्थ किसी को त्यागना या छोड़ देना है। किसी को "त्याग दिया गया" किसी के द्वारा छोड़ दिया गया है या छोड़ दिया गया है।

- जब लोग परमेश्वर को त्याग देते हैं, तो वे उसकी अवज्ञा करके उसके साथ विश्वासघात कर रहे होते हैं।
- जब परमेश्वर “लोगों” का त्याग करता है, तो उसने उनकी मदद करना बंद कर दिया है और उन्हें दुख का अनुभव करने की अनुमति दी है ताकि वे उनके पास वापस आ सकें।
- इस शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है कि किसी का त्याग करना, जैसे कि छोड़ना, या परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन न करना।
- "त्याग दिया" शब्द का उपयोग भूत काल में किया जा सकता है, जैसे कि "वह आपको छोड़ दिया है" या किसी ऐसे व्यक्ति के संदर्भ में जो "भूल गया हो।"

Translation Suggestions:

- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में संदर्भ के आधार पर "परित्याग" या "उपेक्षा" या "छोड़ देना" या "पीछे हटना" या "पीछे छोड़ना" शामिल हो सकता है।
- "त्याग" करने के लिए परमेश्वर की आज्ञाओं का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञाओं की अवज्ञा" के रूप में किया जा सकता है। इसका अनुवाद “परित्याग” या “हार मानने” या “उसकी आज्ञा मानने से रोकने” के रूप में भी किया जा सकता है

- वाक्यांश "छोड़ दिया जाए" का अनुवाद "त्यागा हुआ" या "निर्जन किया जा सकता है।"
- इस शब्द का अनुवाद करने के लिए अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अधिक स्पष्ट है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि पाठ किसी वस्तु या व्यक्ति का त्याग करता है या नहीं।

Bible References:

- 1 Kings 06:11-13
- Daniel 11:29-30
- Genesis 24:27
- Joshua 24:16-18
- Matthew 27:45-47
- Proverbs 27:9-10
- Psalms 071:18

Word Data:

- Strong’s: H488, H2308, H5203, H5428, H5800, H5805, H7503, G646, G657, G863, G1459, G2641,

त्याग, त्यागना, छोड़ना

Definition:

"त्याग" शब्द का अर्थ किसी को त्यागना या छोड़ देना है। किसी को "त्याग दिया गया" किसी के द्वारा छोड़ दिया गया है या छोड़ दिया गया है।

- जब लोग परमेश्वर को त्याग देते हैं, तो वे उसकी अवज्ञा करके उसके साथ विश्वासघात कर रहे होते हैं।
- जब परमेश्वर “लोगों” का त्याग करता है, तो उसने उनकी मदद करना बंद कर दिया है और उन्हें दुख का अनुभव करने की अनुमति दी है ताकि वे उनके पास वापस आ सकें।
- इस शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है कि किसी का त्याग करना, जैसे कि छोड़ना, या परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन न करना।
- "त्याग दिया" शब्द का उपयोग भूत काल में किया जा सकता है, जैसे कि "वह आपको छोड़ दिया है" या किसी ऐसे व्यक्ति के संदर्भ में जो "भूल गया हो।"

Translation Suggestions:

- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में संदर्भ के आधार पर "परित्याग" या "उपेक्षा" या "छोड़ देना" या "पीछे हटना" या "पीछे छोड़ना" शामिल हो सकता है।
- "त्याग" करने के लिए परमेश्वर की आज्ञाओं का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञाओं की अवज्ञा" के रूप में किया जा सकता है। इसका अनुवाद “परित्याग” या “हार मानने” या “उसकी आज्ञा मानने से रोकने” के रूप में भी किया जा सकता है
- वाक्यांश "छोड़ दिया जाए" का अनुवाद "त्यागा हुआ" या "निर्जन किया जा सकता है।"
- इस शब्द का अनुवाद करने के लिए अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अधिक स्पष्ट है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि पाठ किसी वस्तु या व्यक्ति का त्याग करता है या नहीं।

Bible References:

- 1 Kings 06:11-13
- Daniel 11:29-30
- Genesis 24:27
- Joshua 24:16-18
- Matthew 27:45-47
- Proverbs 27:9-10
- Psalms 071:18

Word Data:

- Strong’s: H488, H2308, H5203, H5428, H5800, H5805, H7503, G646, G657, G863, G1459, G2641,

त्याग, त्यागना, छोड़ना

Definition:

"त्याग" शब्द का अर्थ किसी को त्यागना या छोड़ देना है। किसी को "त्याग दिया गया" किसी के द्वारा छोड़ दिया गया है या छोड़ दिया गया है।

- जब लोग परमेश्वर को त्याग देते हैं, तो वे उसकी अवज्ञा करके उसके साथ विश्वासघात कर रहे होते हैं।
- जब परमेश्वर “लोगों” का त्याग करता है, तो उसने उनकी मदद करना बंद कर दिया है और उन्हें दुख का अनुभव करने की अनुमति दी है ताकि वे उनके पास वापस आ सकें।
- इस शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है कि किसी का त्याग करना, जैसे कि छोड़ना, या परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन न करना।
- "त्याग दिया" शब्द का उपयोग भूत काल में किया जा सकता है, जैसे कि "वह आपको छोड़ दिया है" या किसी ऐसे व्यक्ति के संदर्भ में जो "भूल गया हो।"

Translation Suggestions:

- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में संदर्भ के आधार पर "परित्याग" या "उपेक्षा" या "छोड़ देना" या "पीछे हटना" या "पीछे छोड़ना" शामिल हो सकता है।
- "त्याग" करने के लिए परमेश्वर की आज्ञाओं का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञाओं की अवज्ञा" के रूप में किया जा सकता है। इसका अनुवाद “परित्याग” या “हार मानने” या “उसकी आज्ञा मानने से रोकने” के रूप में भी किया जा सकता है
- वाक्यांश "छोड़ दिया जाए" का अनुवाद "त्यागा हुआ" या "निर्जन किया जा सकता है।"
- इस शब्द का अनुवाद करने के लिए अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अधिक स्पष्ट है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि पाठ किसी वस्तु या व्यक्ति का त्याग करता है या नहीं।

Bible References:

- 1 Kings 06:11-13
- Daniel 11:29-30
- Genesis 24:27
- Joshua 24:16-18
- Matthew 27:45-47
- Proverbs 27:9-10
- Psalms 071:18

Word Data:

- Strong’s: H488, H2308, H5203, H5428, H5800, H5805, H7503, G646, G657, G863, G1459, G2641,

त्यागना

परिभाषा:

त्यागना विवाह विच्छेद की कानूनी प्रक्रिया है। "त्याग देने" का अर्थ है कि विवाह का अन्त करने के लिए जीवन साथी को औपचारिक एवं कानूनी रूप से त्याग देना।

- त्यागना का शाब्दिक अर्थ है: "अलग कर देना" या "औपचारिक रूप से पृथक होना।" अन्य भाषाओं में त्यागना के लिए इसी प्रकार का कोई शब्द हो सकता है।
- "त्याग पत्र" का अनुवाद हो सकता है: "विवाह निरस्त करने के दस्तावेज़।"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 08:8-11
- लैव्यव्यवस्था 21:7-9
- लूका 16:18
- मरकुस 10:1-4
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1644, H3748, H5493, H7971, G630, G647, G863

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

त्रोआस

तथ्य:

त्रोआस बंदरगाह एशिया के प्राचीन रोमी प्रांत के पश्चिमी तट पर बसा था।

- पौलुस सुसमाचार का प्रचार करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के दौरे के दौरान त्रोआस में कम से कम तीन बार गया था।
- उसी नगर की एक घटना है कि पौलुस देर रात तक प्रचार कर रहा था और एक युवक यूतुखुस को नींद आ गई। वह खिड़की पर बैठा था इसलिए वह बाहर गिर गया और मर गया। परमेश्वर के सामर्थ्य से पौलुस ने उसे पुनः जीवित किया।
- रोम के बन्दीगृह से पौलुस ने तीमुथियुस को पत्र लिखा था कि वह त्रोआस से उसके कुंडली ग्रन्थ और बागा ले आए, कि जिन्हें वह वहां छोड़ आया था।

(यह भी देखें: आसिया, प्रचार करना, प्रांत, खड़ा करना, रोम, पुस्तक, तीमुथियुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 02:12-13
- 2 तीमुथियुस 04:11-13
- प्रे.का. 16:6-8
- प्रे.का. 20:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5174

त्रोआस

तथ्य:

त्रोआस बंदरगाह एशिया के प्राचीन रोमी प्रांत के पश्चिमी तट पर बसा था।

- पौलुस सुसमाचार का प्रचार करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के दौरे के दौरान त्रोआस में कम से कम तीन बार गया था।
- उसी नगर की एक घटना है कि पौलुस देर रात तक प्रचार कर रहा था और एक युवक यूतुखुस को नींद आ गई। वह खिड़की पर बैठा था इसलिए वह बाहर गिर गया और मर गया। परमेश्वर के सामर्थ्य से पौलुस ने उसे पुनः जीवित किया।
- रोम के बन्दीगृह से पौलुस ने तीमुथियुस को पत्र लिखा था कि वह त्रोआस से उसके कुंडली ग्रन्थ और बागा ले आए, कि जिन्हें वह वहां छोड़ आया था।

(यह भी देखें: आसिया, प्रचार करना, प्रांत, खड़ा करना, रोम, पुस्तक, तीमुथियुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 02:12-13
- 2 तीमुथियुस 04:11-13
- प्रे.का. 16:6-8
- प्रे.का. 20:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5174

त्रोआस

तथ्य:

त्रोआस बंदरगाह एशिया के प्राचीन रोमी प्रांत के पश्चिमी तट पर बसा था।

- पौलुस सुसमाचार का प्रचार करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के दौरे के दौरान त्रोआस में कम से कम तीन बार गया था।
- उसी नगर की एक घटना है कि पौलुस देर रात तक प्रचार कर रहा था और एक युवक यूतुखुस को नींद आ गई। वह खिड़की पर बैठा था इसलिए वह बाहर गिर गया और मर गया। परमेश्वर के सामर्थ्य से पौलुस ने उसे पुनः जीवित किया।
- रोम के बन्दीगृह से पौलुस ने तीमुथियुस को पत्र लिखा था कि वह त्रोआस से उसके कुंडली ग्रन्थ और बागा ले आए, कि जिन्हें वह वहां छोड़ आया था।

(यह भी देखें: आसिया, प्रचार करना, प्रांत, खड़ा करना, रोम, पुस्तक, तीमुथियुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 02:12-13
- 2 तीमुथियुस 04:11-13
- प्रे.का. 16:6-8
- प्रे.का. 20:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5174

थिस्सलुनीके, थिस्सलुनीकियों, थिस्सलुनीकियों

तथ्य:

नये नियम के युग में थिस्सलोनिके रोमी राज्य की मकिदुनिया की राजधानी थी। उस नगर के लोग “थिस्सलोनिकेवासी” कहलाते थे।

- थिस्सलोनिके नगर एक महत्वपूर्ण बंदरगाह था और एक प्रमुख मुख्य मार्ग पर स्थित था जिसके द्वारा रोम पूर्वी क्षेत्र से जुड़ता था।
- सिलास और तीमुथियुस के साथ पौलुस अपनी दूसरी प्रचार यात्रा में इस नगर में गया और वहाँ एक फलवन्त कलीसिया तैयार की। पौलुस ने अपनी तीसरी प्रचार यात्रा में भी इस नगर की कलीसिया से भेंट की थी।
- पौलुस ने थिस्सलोनिके की कलीसिया को दो पत्र लिखे थे। ये दोनों पत्र (पहला थिस्सलुनीकियों और दूसरा थिस्सलुनीकियों) नये नियम में संग्रहित है।

(यह भी देखें: मकिदुनिया, पौलुस, रोम)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:1
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:1-2
- 2 तीमु. 04:9-10
- प्रे.का. 17:1-2
- फिलिप्पियों 04:14-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2331, G2332

थिस्सलुनीके, थिस्सलुनीकियों, थिस्सलुनीकियों

तथ्य:

नये नियम के युग में थिस्सलोनिके रोमी राज्य की मकिदुनिया की राजधानी थी। उस नगर के लोग “थिस्सलोनिकेवासी” कहलाते थे।

- थिस्सलोनिके नगर एक महत्वपूर्ण बंदरगाह था और एक प्रमुख मुख्य मार्ग पर स्थित था जिसके द्वारा रोम पूर्वी क्षेत्र से जुड़ता था।
- सिलास और तीमुथियुस के साथ पौलुस अपनी दूसरी प्रचार यात्रा में इस नगर में गया और वहाँ एक फलवन्त कलीसिया तैयार की। पौलुस ने अपनी तीसरी प्रचार यात्रा में भी इस नगर की कलीसिया से भेंट की थी।
- पौलुस ने थिस्सलोनिके की कलीसिया को दो पत्र लिखे थे। ये दोनों पत्र (पहला थिस्सलुनीकियों और दूसरा थिस्सलुनीकियों) नये नियम में संग्रहित है।

(यह भी देखें: मकिदुनिया, पौलुस, रोम)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:1
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:1-2
- 2 तीमु. 04:9-10
- प्रे.का. 17:1-2
- फिलिप्पियों 04:14-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2331, G2332

थिस्सलुनीके, थिस्सलुनीकियों, थिस्सलुनीकियों

तथ्य:

नये नियम के युग में थिस्सलोनिके रोमी राज्य की मकिदुनिया की राजधानी थी। उस नगर के लोग “थिस्सलोनिकेवासी” कहलाते थे।

- थिस्सलोनिके नगर एक महत्वपूर्ण बंदरगाह था और एक प्रमुख मुख्य मार्ग पर स्थित था जिसके द्वारा रोम पूर्वी क्षेत्र से जुड़ता था।
- सिलास और तीमुथियुस के साथ पौलुस अपनी दूसरी प्रचार यात्रा में इस नगर में गया और वहाँ एक फलवन्त कलीसिया तैयार की। पौलुस ने अपनी तीसरी प्रचार यात्रा में भी इस नगर की कलीसिया से भेंट की थी।
- पौलुस ने थिस्सलोनिके की कलीसिया को दो पत्र लिखे थे। ये दोनों पत्र (पहला थिस्सलुनीकियों और दूसरा थिस्सलुनीकियों) नये नियम में संग्रहित है।

(यह भी देखें: मकिदुनिया, पौलुस, रोम)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:1
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:1-2
- 2 तीमु. 04:9-10
- प्रे.का. 17:1-2
- फिलिप्पियों 04:14-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2331, G2332

थोमा

तथ्य:

थोमा यीशु के बारह चेलों में से एक था जो आगे चलकर वे प्रेरित कहलाए। उसे “दिदुमुस” भी कहा गया था,जिसका अर्थ है "जुड़वा।"

- यीशु की मृत्यु से पहले, उसने अपने शिष्यों से कहा कि वह पिता के साथ रहने जा रहा था और उनके साथ रहने के लिए एक जगह तैयार करेगा। थोमा ने यीशु से पूछा कि वे कैसे वहां पहुंचने का तरीका जान सकते हैं जब उन्हें पता भी नहीं कि वह कहाँ जा रहा है।
- यीशु के मृत्यु और जी उठने के बाद, थोमा ने कहाँ जब तक वह यीशु के घावों को छूकर न देखें तब तक विश्वास नहीं करेगा की यीशु वास्तव में जी उठा है।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला, परमेश्वर पिता, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- यूहन्ना 11:15-16
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2381

थोमा

तथ्य:

थोमा यीशु के बारह चेलों में से एक था जो आगे चलकर वे प्रेरित कहलाए। उसे “दिदुमुस” भी कहा गया था,जिसका अर्थ है "जुड़वा।"

- यीशु की मृत्यु से पहले, उसने अपने शिष्यों से कहा कि वह पिता के साथ रहने जा रहा था और उनके साथ रहने के लिए एक जगह तैयार करेगा। थोमा ने यीशु से पूछा कि वे कैसे वहां पहुंचने का तरीका जान सकते हैं जब उन्हें पता भी नहीं कि वह कहाँ जा रहा है।
- यीशु के मृत्यु और जी उठने के बाद, थोमा ने कहाँ जब तक वह यीशु के घावों को छूकर न देखें तब तक विश्वास नहीं करेगा की यीशु वास्तव में जी उठा है।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला, परमेश्वर पिता, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- यूहन्ना 11:15-16
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2381

थोमा

तथ्य:

थोमा यीशु के बारह चेलों में से एक था जो आगे चलकर वे प्रेरित कहलाए। उसे “दिदुमुस” भी कहा गया था,जिसका अर्थ है "जुड़वा।"

- यीशु की मृत्यु से पहले, उसने अपने शिष्यों से कहा कि वह पिता के साथ रहने जा रहा था और उनके साथ रहने के लिए एक जगह तैयार करेगा। थोमा ने यीशु से पूछा कि वे कैसे वहां पहुंचने का तरीका जान सकते हैं जब उन्हें पता भी नहीं कि वह कहाँ जा रहा है।
- यीशु के मृत्यु और जी उठने के बाद, थोमा ने कहाँ जब तक वह यीशु के घावों को छूकर न देखें तब तक विश्वास नहीं करेगा की यीशु वास्तव में जी उठा है।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला, परमेश्वर पिता, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- यूहन्ना 11:15-16
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2381

थोमा

तथ्य:

थोमा यीशु के बारह चेलों में से एक था जो आगे चलकर वे प्रेरित कहलाए। उसे “दिदुमुस” भी कहा गया था,जिसका अर्थ है "जुड़वा।"

- यीशु की मृत्यु से पहले, उसने अपने शिष्यों से कहा कि वह पिता के साथ रहने जा रहा था और उनके साथ रहने के लिए एक जगह तैयार करेगा। थोमा ने यीशु से पूछा कि वे कैसे वहां पहुंचने का तरीका जान सकते हैं जब उन्हें पता भी नहीं कि वह कहाँ जा रहा है।

- यीशु के मृत्यु और जी उठने के बाद, थोमा ने कहाँ जब तक वह यीशु के घावों को छूकर न देखें तब तक विश्वास नहीं करेगा की यीशु वास्तव में जी उठा है।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला, परमेश्वर पिता, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- यूहन्ना 11:15-16
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2381

थोमा

तथ्य:

थोमा यीशु के बारह चेलों में से एक था जो आगे चलकर वे प्रेरित कहलाए। उसे “दिदुमुस” भी कहा गया था,जिसका अर्थ है "जुड़वा।"

- यीशु की मृत्यु से पहले, उसने अपने शिष्यों से कहा कि वह पिता के साथ रहने जा रहा था और उनके साथ रहने के लिए एक जगह तैयार करेगा। थोमा ने यीशु से पूछा कि वे कैसे वहां पहुंचने का तरीका जान सकते हैं जब उन्हें पता भी नहीं कि वह कहाँ जा रहा है।
- यीशु के मृत्यु और जी उठने के बाद, थोमा ने कहाँ जब तक वह यीशु के घावों को छूकर न देखें तब तक विश्वास नहीं करेगा की यीशु वास्तव में जी उठा है।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला, परमेश्वर पिता, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- यूहन्ना 11:15-16
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2381

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड

परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5-7
- यहेजकेल 30:8-9
- यशायाह 06:4-5
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्डवत्, झुक गया, दण्डवत् किया, झुकने, दण्डवत् करना, दण्डवत् करे, दण्डवत् किया, दण्डवत् करते रहे

परिभाषा:

“दण्डवत्” करने का अर्थ है किसी को सम्मान या श्रद्धा अर्पित करने के लिए दीनता पूर्वक झुकना। “दण्डवत् करना” का अर्थ है बहुत अधिक झुकना या घुटनों पर गिरना जिसमें मुख और हाथ भूमि की ओर हों।

- अन्य अभिव्यक्तियों में “घुटने भूमि पर टिकाना” और “सिर झुकाना” (सिर को दीनता पूर्वक सम्मान में आगे की ओर झुकना या दुःख में ऐसा करना)
- “दण्डवत् करना” निराशा और शोक का चिन्ह भी होता है। जिसने “घुटने टेके” वह दीनता की हीन दशा में होता है।
- मनुष्य प्रायः ऊंचे पद या ऊंचे स्तर के मनुष्य के समक्ष घुटने टेकता है जैसे राजाओं और शासकों को।
- परमेश्वर के समक्ष घुटने टेकना उसकी आराधना की अभिव्यक्ति है।
- बाइबल में लोग यीशु के समक्ष घुटने टेकते थे जब उन्हें उसके आश्चर्यकर्मों एवं शिक्षा से यह बोध होता था कि वह परमेश्वर की ओर से भेजा गया है।
- बाइबल में लिखा है कि जब यीशु पुनः आएगा तब हर एक मनुष्य उसकी आराधना में घुटने टेकेगा

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस उक्ति का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ है “आगे को झुकना” या “सिर झुकाना” या “घुटने टेकना”।
- “घुटने टेकने” का अनुवाद “घुटनों पर गिरना” या “दण्डवत् करना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में इसके अनुवाद की एक से अधिक विधियां हो सकती हैं जो प्रकरण पर निर्भर करती हैं।

(यह भी देखें: दीन, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17-19
- निर्गमन 20:4-6
- उत्पत्ति 24:26-27
- उत्पत्ति 44:14-15
- यशायाह 44:19
- लूका 24:4-5
- मत्ती 02:11-12
- प्रकाशितवाक्य 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H86, H3721, H3766, H5186, H5753, H5791, H6915, H7743, H7812, H7817, G1120, G2578, G2827, G4781, G4794

दण्डवत्, झुक गया, दण्डवत् किया, झुकने, दण्डवत् करना, दण्डवत् करे, दण्डवत् किया, दण्डवत् करते रहे

परिभाषा:

“दण्डवत्” करने का अर्थ है किसी को सम्मान या श्रद्धा अर्पित करने के लिए दीनता पूर्वक झुकना। “दण्डवत् करना” का अर्थ है बहुत अधिक झुकना या घुटनों पर गिरना जिसमें मुख और हाथ भूमि की ओर हों।

- अन्य अभिव्यक्तियों में “घुटने भूमि पर टिकाना” और “सिर झुकाना” (सिर को दीनता पूर्वक सम्मान में आगे की ओर झुकना या दुःख में ऐसा करना)
- “दण्डवत् करना” निराशा और शोक का चिन्ह भी होता है। जिसने “घुटने टेके” वह दीनता की हीन दशा में होता है।
- मनुष्य प्रायः ऊंचे पद या ऊंचे स्तर के मनुष्य के समक्ष घुटने टेकता है जैसे राजाओं और शासकों को।
- परमेश्वर के समक्ष घुटने टेकना उसकी आराधना की अभिव्यक्ति है।
- बाइबल में लोग यीशु के समक्ष घुटने टेकते थे जब उन्हें उसके आश्चर्यकर्मों एवं शिक्षा से यह बोध होता था कि वह परमेश्वर की ओर से भेजा गया है।
- बाइबल में लिखा है कि जब यीशु पुनः आएगा तब हर एक मनुष्य उसकी आराधना में घुटने टेकेगा

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस उक्ति का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ है “आगे को झुकना” या “सिर झुकाना” या “घुटने टेकना”।
- “घुटने टेकने” का अनुवाद “घुटनों पर गिरना” या “दण्डवत् करना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में इसके अनुवाद की एक से अधिक विधियां हो सकती हैं जो प्रकरण पर निर्भर करती हैं।

(यह भी देखें: दीन, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17-19
- निर्गमन 20:4-6
- उत्पत्ति 24:26-27
- उत्पत्ति 44:14-15
- यशायाह 44:19
- लूका 24:4-5
- मत्ती 02:11-12
- प्रकाशितवाक्य 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H86, H3721, H3766, H5186, H5753, H5791, H6915, H7743, H7812, H7817, G1120, G2578, G2827, G4781, G4794

दण्डवत्, झुक गया, दण्डवत् किया, झुकने, दण्डवत् करना, दण्डवत् करे, दण्डवत् किया, दण्डवत् करते रहे

परिभाषा:

"दण्डवत्" करने का अर्थ है किसी को सम्मान या श्रद्धा अर्पित करने के लिए दीनता पूर्वक झुकना। "दण्डवत् करना" का अर्थ है बहुत अधिक झुकना या घुटनों पर गिरना जिसमें मुख और हाथ भूमि की ओर हों।

- अन्य अभिव्यक्तियों में "घुटने भूमि पर टिकाना" और "सिर झुकाना" (सिर को दीनता पूर्वक सम्मान में आगे की ओर झुकना या दुःख में ऐसा करना)
- "दण्डवत् करना" निराशा और शोक का चिन्ह भी होता है। जिसने "घुटने टेके" वह दीनता की हीन दशा में होता है।
- मनुष्य प्रायः ऊंचे पद या ऊंचे स्तर के मनुष्य के समक्ष घुटने टेकता है जैसे राजाओं और शासकों को।
- परमेश्वर के समक्ष घुटने टेकना उसकी आराधना की अभिव्यक्ति है।
- बाइबल में लोग यीशु के समक्ष घुटने टेकते थे जब उन्हें उसके आश्चर्यकर्मों एवं शिक्षा से यह बोध होता था कि वह परमेश्वर की ओर से भेजा गया है।
- बाइबल में लिखा है कि जब यीशु पुनः आएगा तब हर एक मनुष्य उसकी आराधना में घुटने टेकेगा

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस उक्ति का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ है "आगे को झुकना" या "सिर झुकाना" या "घुटने टेकना"।
- "घुटने टेकने" का अनुवाद "घुटनों पर गिरना" या "दण्डवत् करना" हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में इसके अनुवाद की एक से अधिक विधियां हो सकती हैं जो प्रकरण पर निर्भर करती हैं।

(यह भी देखें: दीन, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17-19
- निर्गमन 20:4-6
- उत्पत्ति 24:26-27
- उत्पत्ति 44:14-15
- यशायाह 44:19
- लूका 24:4-5
- मत्ती 02:11-12
- प्रकाशितवाक्य 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H86, H3721, H3766, H5186, H5753, H5791, H6915, H7743, H7812, H7817, G1120, G2578, G2827, G4781, G4794

दण्डवत्, झुक गया, दण्डवत् किया, झुकने, दण्डवत् करना, दण्डवत् करे, दण्डवत् किया, दण्डवत् करते रहे

परिभाषा:

"दण्डवत्" करने का अर्थ है किसी को सम्मान या श्रद्धा अर्पित करने के लिए दीनता पूर्वक झुकना। "दण्डवत् करना" का अर्थ है बहुत अधिक झुकना या घुटनों पर गिरना जिसमें मुख और हाथ भूमि की ओर हों।

- अन्य अभिव्यक्तियों में "घुटने भूमि पर टिकाना" और "सिर झुकाना" (सिर को दीनता पूर्वक सम्मान में आगे की ओर झुकना या दुःख में ऐसा करना)
- "दण्डवत् करना" निराशा और शोक का चिन्ह भी होता है। जिसने "घुटने टेके" वह दीनता की हीन दशा में होता है।
- मनुष्य प्रायः ऊंचे पद या ऊंचे स्तर के मनुष्य के समक्ष घुटने टेकता है जैसे राजाओं और शासकों को।
- परमेश्वर के समक्ष घुटने टेकना उसकी आराधना की अभिव्यक्ति है।
- बाइबल में लोग यीशु के समक्ष घुटने टेकते थे जब उन्हें उसके आश्चर्यकर्मों एवं शिक्षा से यह बोध होता था कि वह परमेश्वर की ओर से भेजा गया है।
- बाइबल में लिखा है कि जब यीशु पुनः आएगा तब हर एक मनुष्य उसकी आराधना में घुटने टेकेगा

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस उक्ति का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ है “आगे को झुकना” या “सिर झुकाना” या “घुटने टेकना”।
- “घुटने टेकने” का अनुवाद “घुटनों पर गिरना” या “दण्डवत् करना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में इसके अनुवाद की एक से अधिक विधियां हो सकती हैं जो प्रकरण पर निर्भर करती हैं।

(यह भी देखें: दीन, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17-19
- निर्गमन 20:4-6
- उत्पत्ति 24:26-27
- उत्पत्ति 44:14-15
- यशायाह 44:19
- लूका 24:4-5
- मत्ती 02:11-12
- प्रकाशितवाक्य 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H86, H3721, H3766, H5186, H5753, H5791, H6915, H7743, H7812, H7817, G1120, G2578, G2827, G4781, G4794

दण्डवत्, झुक गया, दण्डवत् किया, झुकने, दण्डवत् करना, दण्डवत् करे, दण्डवत् किया, दण्डवत् करते रहे

परिभाषा:

“दण्डवत्” करने का अर्थ है किसी को सम्मान या श्रद्धा अर्पित करने के लिए दीनता पूर्वक झुकना। “दण्डवत् करना” का अर्थ है बहुत अधिक झुकना या घुटनों पर गिरना जिसमें मुख और हाथ भूमि की ओर हों।

- अन्य अभिव्यक्तियों में “घुटने भूमि पर टिकाना” और “सिर झुकाना” (सिर को दीनता पूर्वक सम्मान में आगे की ओर झुकना या दुःख में ऐसा करना)
- “दण्डवत् करना” निराशा और शोक का चिन्ह भी होता है। जिसने “घुटने टेके” वह दीनता की हीन दशा में होता है।
- मनुष्य प्रायः ऊंचे पद या ऊंचे स्तर के मनुष्य के समक्ष घुटने टेकता है जैसे राजाओं और शासकों को।
- परमेश्वर के समक्ष घुटने टेकना उसकी आराधना की अभिव्यक्ति है।
- बाइबल में लोग यीशु के समक्ष घुटने टेकते थे जब उन्हें उसके आश्चर्यकर्मों एवं शिक्षा से यह बोध होता था कि वह परमेश्वर की ओर से भेजा गया है।
- बाइबल में लिखा है कि जब यीशु पुनः आएगा तब हर एक मनुष्य उसकी आराधना में घुटने टेकेगा

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस उक्ति का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ है “आगे को झुकना” या “सिर झुकाना” या “घुटने टेकना”।
- “घुटने टेकने” का अनुवाद “घुटनों पर गिरना” या “दण्डवत् करना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में इसके अनुवाद की एक से अधिक विधियां हो सकती हैं जो प्रकरण पर निर्भर करती हैं।

(यह भी देखें: दीन, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17-19
- निर्गमन 20:4-6
- उत्पत्ति 24:26-27
- उत्पत्ति 44:14-15
- यशायाह 44:19
- लूका 24:4-5
- मत्ती 02:11-12
- प्रकाशितवाक्य 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H86, H3721, H3766, H5186, H5753, H5791, H6915, H7743, H7812, H7817, G1120, G2578, G2827, G4781, G4794

दण्डवत्, झुक गया, दण्डवत् किया, झुकने, दण्डवत् करना, दण्डवत् करे, दण्डवत् किया, दण्डवत् करते रहे

परिभाषा:

"दण्डवत्" करने का अर्थ है किसी को सम्मान या श्रद्धा अर्पित करने के लिए दीनता पूर्वक झुकना। "दण्डवत् करना" का अर्थ है बहुत अधिक झुकना या घुटनों पर गिरना जिसमें मुख और हाथ भूमि की ओर हों।

- अन्य अभिव्यक्तियों में "घुटने भूमि पर टिकाना" और "सिर झुकाना" (सिर को दीनता पूर्वक सम्मान में आगे की ओर झुकना या दुःख में ऐसा करना)
- "दण्डवत् करना" निराशा और शोक का चिन्ह भी होता है। जिसने "घुटने टेके" वह दीनता की हीन दशा में होता है।
- मनुष्य प्रायः ऊंचे पद या ऊंचे स्तर के मनुष्य के समक्ष घुटने टेकता है जैसे राजाओं और शासकों को।
- परमेश्वर के समक्ष घुटने टेकना उसकी आराधना की अभिव्यक्ति है।
- बाइबल में लोग यीशु के समक्ष घुटने टेकते थे जब उन्हें उसके आश्चर्यकर्मों एवं शिक्षा से यह बोध होता था कि वह परमेश्वर की ओर से भेजा गया है।
- बाइबल में लिखा है कि जब यीशु पुनः आएगा तब हर एक मनुष्य उसकी आराधना में घुटने टेकेगा

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस उक्ति का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ है "आगे को झुकना" या "सिर झुकाना" या "घुटने टेकना"।
- "घुटने टेकने" का अनुवाद "घुटनों पर गिरना" या "दण्डवत् करना" हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में इसके अनुवाद की एक से अधिक विधियां हो सकती हैं जो प्रकरण पर निर्भर करती हैं।

(यह भी देखें: दीन, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17-19
- निर्गमन 20:4-6
- उत्पत्ति 24:26-27
- उत्पत्ति 44:14-15
- यशायाह 44:19
- लूका 24:4-5
- मत्ती 02:11-12
- प्रकाशितवाक्य 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H86, H3721, H3766, H5186, H5753, H5791, H6915, H7743, H7812, H7817, G1120, G2578, G2827, G4781, G4794

दण्डवत्, झुक गया, दण्डवत् किया, झुकने, दण्डवत् करना, दण्डवत् करे, दण्डवत् किया, दण्डवत् करते रहे

परिभाषा:

"दण्डवत्" करने का अर्थ है किसी को सम्मान या श्रद्धा अर्पित करने के लिए दीनता पूर्वक झुकना। "दण्डवत् करना" का अर्थ है बहुत अधिक झुकना या घुटनों पर गिरना जिसमें मुख और हाथ भूमि की ओर हों।

- अन्य अभिव्यक्तियों में "घुटने भूमि पर टिकाना" और "सिर झुकाना" (सिर को दीनता पूर्वक सम्मान में आगे की ओर झुकना या दुःख में ऐसा करना)
- "दण्डवत् करना" निराशा और शोक का चिन्ह भी होता है। जिसने "घुटने टेके" वह दीनता की हीन दशा में होता है।
- मनुष्य प्रायः ऊंचे पद या ऊंचे स्तर के मनुष्य के समक्ष घुटने टेकता है जैसे राजाओं और शासकों को।
- परमेश्वर के समक्ष घुटने टेकना उसकी आराधना की अभिव्यक्ति है।
- बाइबल में लोग यीशु के समक्ष घुटने टेकते थे जब उन्हें उसके आश्चर्यकर्मों एवं शिक्षा से यह बोध होता था कि वह परमेश्वर की ओर से भेजा गया है।
- बाइबल में लिखा है कि जब यीशु पुनः आएगा तब हर एक मनुष्य उसकी आराधना में घुटने टेकेगा

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस उक्ति का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ है “आगे को झुकना” या “सिर झुकाना” या “घुटने टेकना”।
- “घुटने टेकने” का अनुवाद “घुटनों पर गिरना” या “दण्डवत् करना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में इसके अनुवाद की एक से अधिक विधियां हो सकती हैं जो प्रकरण पर निर्भर करती हैं।

(यह भी देखें: दीन, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17-19
- निर्गमन 20:4-6
- उत्पत्ति 24:26-27
- उत्पत्ति 44:14-15
- यशायाह 44:19
- लूका 24:4-5
- मत्ती 02:11-12
- प्रकाशितवाक्य 03:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H86, H3721, H3766, H5186, H5753, H5791, H6915, H7743, H7812, H7817, G1120, G2578, G2827, G4781, G4794

दमिश्क

तथ्य:

दमिश्क सीरिया की राजधानी है। यह नगर आज भी वहीं है जहां वह बाइबल युग में था।

- दमिश्क प्राचीनतम, निरन्तर आवासीय नगर है।
- अब्राहम के युग में दमिश्क अराम राज्य की राजधानी था। अराम राज्य आज के सीरिया में था।
- संपूर्ण पुराने नियम में दमिश्क के निवासियों और इस्राएली प्रजा के मध्य पारस्परिक क्रिया के अनेक संदर्भ हैं।
- बाइबल में अनेक भविष्यद्वाणियां दमिश्क के विनाश की हैं। ये भविष्यद्वाणियां संभवतः उस समय पूरी हो गई थी जब पुराने नियम के युग में अश्शूरों ने उस नगर को ध्वंस किया था, या भविष्य में इस नगर का पूर्ण विनाश होगा।
- नये नियम में फरीसी शाऊल (पौलुस) मसीही विश्वासियों को बन्दी बनाने के लिए जब दमिश्क नगर जा रहा था तब मसीह यीशु उस पर प्रकट और उसे अपना विश्वासी बनाया।

(यह भी देखें: अराम, अश्शूर, विश्वासी, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 24:23-24
- प्रे.का. 09:1-2
- प्रे.का. 09:3-4
- प्रे.का. 26:12-14
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 14:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1833, H1834, G1154

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दमिश्क

तथ्य:

दमिश्क सीरिया की राजधानी है। यह नगर आज भी वहीं है जहां वह बाइबल युग में था।

- दमिश्क प्राचीनतम, निरन्तर आवासीय नगर है।
- अब्राहम के युग में दमिश्क अराम राज्य की राजधानी था। अराम राज्य आज के सीरिया में था।
- संपूर्ण पुराने नियम में दमिश्क के निवासियों और इस्राएली प्रजा के मध्य पारस्परिक क्रिया के अनेक संदर्भ हैं।
- बाइबल में अनेक भविष्यद्वाणियां दमिश्क के विनाश की हैं। ये भविष्यद्वाणियां संभवतः उस समय पूरी हो गई थी जब पुराने नियम के युग में अश्शूरों ने उस नगर को ध्वंस किया था, या भविष्य में इस नगर का पूर्ण विनाश होगा।
- नये नियम में फरीसी शाऊल (पौलुस) मसीही विश्वासियों को बन्दी बनाने के लिए जब दमिश्क नगर जा रहा था तब मसीह यीशु उस पर प्रकट और उसे अपना विश्वासी बनाया।

(यह भी देखें: अराम, अश्शूर, विश्वासी, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 24:23-24
- प्रे.का. 09:1-2
- प्रे.का. 09:3-4
- प्रे.का. 26:12-14
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 14:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1833, H1834, G1154

दमिश्क

तथ्य:

दमिश्क सीरिया की राजधानी है। यह नगर आज भी वहीं है जहां वह बाइबल युग में था।

- दमिश्क प्राचीनतम, निरन्तर आवासीय नगर है।
- अब्राहम के युग में दमिश्क अराम राज्य की राजधानी था। अराम राज्य आज के सीरिया में था।
- संपूर्ण पुराने नियम में दमिश्क के निवासियों और इस्राएली प्रजा के मध्य पारस्परिक क्रिया के अनेक संदर्भ हैं।
- बाइबल में अनेक भविष्यद्वाणियां दमिश्क के विनाश की हैं। ये भविष्यद्वाणियां संभवतः उस समय पूरी हो गई थी जब पुराने नियम के युग में अश्शूरों ने उस नगर को ध्वंस किया था, या भविष्य में इस नगर का पूर्ण विनाश होगा।
- नये नियम में फरीसी शाऊल (पौलुस) मसीही विश्वासियों को बन्दी बनाने के लिए जब दमिश्क नगर जा रहा था तब मसीह यीशु उस पर प्रकट और उसे अपना विश्वासी बनाया।

(यह भी देखें: अराम, अश्शूर, विश्वासी, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 24:23-24
- प्रे.का. 09:1-2
- प्रे.का. 09:3-4
- प्रे.का. 26:12-14
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 14:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1833, H1834, G1154

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दया, दयालु

परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
- “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
- “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा कर)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिय्येल 09:17-19
- निर्गमन 34: 5-7
- उत्पत्ति 19: 16-17
- इब्रानियों 10:28-29
- याकूब 02:12-13
- लूका 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फिलिप्पियों 02:25-27
- भजन संहिता 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति दयावान था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर दया की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर दया करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर दया कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दर्शन, दर्शनों, दर्शन

तथ्य:

“दर्शन” का अर्थ है, मनुष्य द्वारा कुछ देखना। इसका सन्दर्भ विशेष रूप से असामान्य या अलौकिक कृत्य से है जो परमेश्वर अपने सन्देश के लिए मनुष्यों को दिखाता है।

- दर्शन मनुष्य की जागृत अवस्था में देखे जाते हैं। तथापि नींद में भी मनुष्य को दर्शन दिखाई देते हैं।
- परमेश्वर मनुष्य को दर्शन दिखाता है कि उन पर कोई महत्वपूर्ण बात प्रकट करे। उदाहरणार्थ, पतरस को दर्शन दिखाया गया जिसका उद्देश्य था कि उसे अन्यजातियों को सुसमाचार सुनाने के लिए स्वीकार करना सिखाए।

अनुवाद के सुझाव:

- वाक्यांश "एक दर्शन देखा" का अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर से असामान्य कुछ देखा" या "परमेश्वर ने उसे कुछ खास दिखाया।"
- कुछ भाषाओं में "दृष्टि" और "सपने" के लिए अलग-अलग शब्द नहीं होंगे। तो "दानिय्येल के मन में सपने और दर्शन थे" वाक्य का अनुवाद "दानिय्येल सोते हुए सपना देख रहा था और परमेश्वर ने उसे असामान्य चीज़ों को दिखाया। "

(यह भी देखें: स्वप्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:10-12
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 10:9-12
- प्रे.का. 12:9-10
- लूका 01:21-23
- लूका 24:22-24
- मत्ती 17:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2376, H2377, H2378, H2380, H2384, H4236, H4758, H4759, H7203, H7723, H8602, G3701, G3705, G3706

दर्शन, दर्शनों, दर्शन

तथ्य:

“दर्शन” का अर्थ है, मनुष्य द्वारा कुछ देखना। इसका सन्दर्भ विशेष रूप से असामान्य या अलौकिक कृत्य से है जो परमेश्वर अपने सन्देश के लिए मनुष्यों को दिखाता है।

- दर्शन मनुष्य की जागृत अवस्था में देखे जाते हैं। तथापि नींद में भी मनुष्य को दर्शन दिखाई देते हैं।
- परमेश्वर मनुष्य को दर्शन दिखाता है कि उन पर कोई महत्वपूर्ण बात प्रकट करे। उदाहरणार्थ, पतरस को दर्शन दिखाया गया जिसका उद्देश्य था कि उसे अन्यजातियों को सुसमाचार सुनाने के लिए स्वीकार करना सिखाए।

अनुवाद के सुझाव:

- वाक्यांश "एक दर्शन देखा" का अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर से असामान्य कुछ देखा" या "परमेश्वर ने उसे कुछ खास दिखाया।"
- कुछ भाषाओं में "दृष्टि" और "सपने" के लिए अलग-अलग शब्द नहीं होंगे। तो "दानिय्येल के मन में सपने और दर्शन थे" वाक्य का अनुवाद "दानिय्येल सोते हुए सपना देख रहा था और परमेश्वर ने उसे असामान्य चीज़ों को दिखाया। "

(यह भी देखें: स्वप्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:10-12
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 10:9-12
- प्रे.का. 12:9-10

- लूका 01:21-23
- लूका 24:22-24
- मत्ती 17:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2376, H2377, H2378, H2380, H2384, H4236, H4758, H4759, H7203, H7723, H8602, G3701, G3705, G3706

दर्शन, दर्शनों, दर्शन

तथ्य:

“दर्शन” का अर्थ है, मनुष्य द्वारा कुछ देखना। इसका सन्दर्भ विशेष रूप से असामान्य या अलौकिक कृत्य से है जो परमेश्वर अपने सन्देश के लिए मनुष्यों को दिखाता है।

- दर्शन मनुष्य की जागृत अवस्था में देखे जाते हैं। तथापि नींद में भी मनुष्य को दर्शन दिखाई देते हैं।
- परमेश्वर मनुष्य को दर्शन दिखाता है कि उन पर कोई महत्वपूर्ण बात प्रकट करे। उदाहरणार्थ, पतरस को दर्शन दिखाया गया जिसका उद्देश्य था कि उसे अन्यजातियों को सुसमाचार सुनाने के लिए स्वीकार करना सिखाए।

अनुवाद के सुझाव:

- वाक्यांश "एक दर्शन देखा" का अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर से असामान्य कुछ देखा" या "परमेश्वर ने उसे कुछ खास दिखाया।"
- कुछ भाषाओं में "दृष्टि" और "सपने" के लिए अलग-अलग शब्द नहीं होंगे। तो "दानिय्येल के मन में सपने और दर्शन थे" वाक्य का अनुवाद "दानिय्येल सोते हुए सपना देख रहा था और परमेश्वर ने उसे असामान्य चीज़ों को दिखाया। "

(यह भी देखें: स्वप्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:10-12
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 10:9-12
- प्रे.का. 12:9-10
- लूका 01:21-23
- लूका 24:22-24
- मत्ती 17:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2376, H2377, H2378, H2380, H2384, H4236, H4758, H4759, H7203, H7723, H8602, G3701, G3705, G3706

दर्शन, दर्शनों, दर्शन

तथ्य:

“दर्शन” का अर्थ है, मनुष्य द्वारा कुछ देखना। इसका सन्दर्भ विशेष रूप से असामान्य या अलौकिक कृत्य से है जो परमेश्वर अपने सन्देश के लिए मनुष्यों को दिखाता है।

- दर्शन मनुष्य की जागृत अवस्था में देखे जाते हैं। तथापि नींद में भी मनुष्य को दर्शन दिखाई देते हैं।
- परमेश्वर मनुष्य को दर्शन दिखाता है कि उन पर कोई महत्वपूर्ण बात प्रकट करे। उदाहरणार्थ, पतरस को दर्शन दिखाया गया जिसका उद्देश्य था कि उसे अन्यजातियों को सुसमाचार सुनाने के लिए स्वीकार करना सिखाए।

अनुवाद के सुझाव:

- वाक्यांश "एक दर्शन देखा" का अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर से असामान्य कुछ देखा" या "परमेश्वर ने उसे कुछ खास दिखाया।"
- कुछ भाषाओं में "दृष्टि" और "सपने" के लिए अलग-अलग शब्द नहीं होंगे। तो "दानिय्येल के मन में सपने और दर्शन थे" वाक्य का अनुवाद "दानिय्येल सोते हुए सपना देख रहा था और परमेश्वर ने उसे असामान्य चीज़ों को दिखाया। "

(यह भी देखें: स्वप्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:10-12
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 10:9-12
- प्रे.का. 12:9-10
- लूका 01:21-23
- लूका 24:22-24
- मत्ती 17:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2376, H2377, H2378, H2380, H2384, H4236, H4758, H4759, H7203, H7723, H8602, G3701, G3705, G3706

दर्शन, दर्शनों, दर्शन

तथ्य:

“दर्शन” का अर्थ है, मनुष्य द्वारा कुछ देखना। इसका सन्दर्भ विशेष रूप से असामान्य या अलौकिक कृत्य से है जो परमेश्वर अपने सन्देश के लिए मनुष्यों को दिखाता है।

- दर्शन मनुष्य की जागृत अवस्था में देखे जाते हैं। तथापि नींद में भी मनुष्य को दर्शन दिखाई देते हैं।
- परमेश्वर मनुष्य को दर्शन दिखाता है कि उन पर कोई महत्वपूर्ण बात प्रकट करे। उदाहरणार्थ, पतरस को दर्शन दिखाया गया जिसका उद्देश्य था कि उसे अन्यजातियों को सुसमाचार सुनाने के लिए स्वीकार करना सिखाए।

अनुवाद के सुझाव:

- वाक्यांश "एक दर्शन देखा" का अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर से असामान्य कुछ देखा" या "परमेश्वर ने उसे कुछ खास दिखाया।"
- कुछ भाषाओं में "दृष्टि" और "सपने" के लिए अलग-अलग शब्द नहीं होंगे। तो "दानिय्येल के मन में सपने और दर्शन थे" वाक्य का अनुवाद "दानिय्येल सोते हुए सपना देख रहा था और परमेश्वर ने उसे असामान्य चीज़ों को दिखाया। "

(यह भी देखें: स्वप्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:10-12
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 10:9-12
- प्रे.का. 12:9-10
- लूका 01:21-23
- लूका 24:22-24
- मत्ती 17:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2376, H2377, H2378, H2380, H2384, H4236, H4758, H4759, H7203, H7723, H8602, G3701, G3705, G3706

दर्शन, दर्शनों, दर्शन

तथ्य:

“दर्शन” का अर्थ है, मनुष्य द्वारा कुछ देखना। इसका सन्दर्भ विशेष रूप से असामान्य या अलौकिक कृत्य से है जो परमेश्वर अपने सन्देश के लिए मनुष्यों को दिखाता है।

- दर्शन मनुष्य की जागृत अवस्था में देखे जाते हैं। तथापि नींद में भी मनुष्य को दर्शन दिखाई देते हैं।

- परमेश्वर मनुष्य को दर्शन दिखाता है कि उन पर कोई महत्वपूर्ण बात प्रकट करे। उदाहरणार्थ, पतरस को दर्शन दिखाया गया जिसका उद्देश्य था कि उसे अन्यजातियों को सुसमाचार सुनाने के लिए स्वीकार करना सिखाए।

अनुवाद के सुझाव:

- वाक्यांश "एक दर्शन देखा" का अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर से असामान्य कुछ देखा" या "परमेश्वर ने उसे कुछ खास दिखाया।"
- कुछ भाषाओं में "दृष्टि" और "सपने" के लिए अलग-अलग शब्द नहीं होंगे। तो "दानिय्येल के मन में सपने और दर्शन थे" वाक्य का अनुवाद "दानिय्येल सोते हुए सपना देख रहा था और परमेश्वर ने उसे असामान्य चीज़ों को दिखाया। "

(यह भी देखें: स्वप्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:10-12
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 10:9-12
- प्रे.का. 12:9-10
- लूका 01:21-23
- लूका 24:22-24
- मत्ती 17:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2376, H2377, H2378, H2380, H2384, H4236, H4758, H4759, H7203, H7723, H8602, G3701, G3705, G3706

दर्शन, दर्शनों, दर्शन

तथ्य:

“दर्शन” का अर्थ है, मनुष्य द्वारा कुछ देखना। इसका सन्दर्भ विशेष रूप से असामान्य या अलौकिक कृत्य से है जो परमेश्वर अपने सन्देश के लिए मनुष्यों को दिखाता है।

- दर्शन मनुष्य की जागृत अवस्था में देखे जाते हैं। तथापि नींद में भी मनुष्य को दर्शन दिखाई देते हैं।
- परमेश्वर मनुष्य को दर्शन दिखाता है कि उन पर कोई महत्वपूर्ण बात प्रकट करे। उदाहरणार्थ, पतरस को दर्शन दिखाया गया जिसका उद्देश्य था कि उसे अन्यजातियों को सुसमाचार सुनाने के लिए स्वीकार करना सिखाए।

अनुवाद के सुझाव:

- वाक्यांश "एक दर्शन देखा" का अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर से असामान्य कुछ देखा" या "परमेश्वर ने उसे कुछ खास दिखाया।"
- कुछ भाषाओं में "दृष्टि" और "सपने" के लिए अलग-अलग शब्द नहीं होंगे। तो "दानिय्येल के मन में सपने और दर्शन थे" वाक्य का अनुवाद "दानिय्येल सोते हुए सपना देख रहा था और परमेश्वर ने उसे असामान्य चीज़ों को दिखाया। "

(यह भी देखें: स्वप्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:10-12
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 10:9-12
- प्रे.का. 12:9-10
- लूका 01:21-23
- लूका 24:22-24
- मत्ती 17:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2376, H2377, H2378, H2380, H2384, H4236, H4758, H4759, H7203, H7723, H8602, G3701, G3705, G3706

दाऊद

तथ्य:

दाऊद इस्राएल का दूसरा राजा था, वह परमेश्वर से प्रेम रखता था और उसकी सेवा करता था। भजन-संहिता का मुख्य लेखक वही था।

- दाऊद अपने परिवार की भेड़ें चराते समय किशोर ही था कि परमेश्वर ने उसे इस्राएल का दूसरा राजा होने के लिए चुन लिया था।
- दाऊद एक महान योद्धा था और उसने शत्रुओं के विरूद्ध अनेक युद्धों में इस्राएल का नेतृत्व किया था। पलिश्ती गोलियत जैसे दानव का वध करने के लिए वह प्रसिद्ध है।
- राजा शाऊल ने दाऊद की हत्या करने का प्रयास किया परन्तु परमेश्वर ने उसे सुरक्षित रखा और शाऊल के मृत्यु के बाद उसे राजा बनाया।
- दाऊद ने प्रायश्चित किया तो परमेश्वर ने उसका भयानक पाप क्षमा कर दिया था।
- मसीह यीशु को “दाऊद की सन्तान” कहा गया है क्योंकि वह दाऊद का वंशज था।

(यह भी देखें: गोलियत, पलिश्तियों, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 17:12-13
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 शमूएल 05:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- प्रे.का. 02:25-26
- प्रे.का. 13:21-22
- लूका 01:30-33
- मरकुस 02:25-26

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** शाऊल के स्थान पर परमेश्वर ने एक जवान इस्राएली को चुना जिसका नाम दाऊद था। बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था। ... दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **17:03** दाऊद एक बहुत ही महान सैनिक और अगुआ था। जब दाऊद एक जवान युवक था, वह गोलियत नामक दानव के विरुद्ध भी लड़ा।
- **17:04** शाऊल यह देख कि लोग दाऊद को प्रेम करते है उससे ईर्ष्या रखने लगा। शाऊल ने दाऊद को मारने का कई बार प्रयास किया, इस कारण दाऊद शाऊल से छिप रहा था।
- **17:05** परमेश्वर ने दाऊद को आशीर्वाद दिया और उसे सफल बनाया। दाऊद ने बहुत से युद्ध लड़े और परमेश्वर ने उसकी सहायता की इस्राएल के शत्रुओं को पराजित करने में।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है। दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया। अपने बाकी बचे हुए जीवन में, दाऊद ने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किया, यहाँ तक कि कठिन समय में भी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1732, G1138

दाऊद

तथ्य:

दाऊद इस्राएल का दूसरा राजा था, वह परमेश्वर से प्रेम रखता था और उसकी सेवा करता था। भजन-संहिता का मुख्य लेखक वही था।

- दाऊद अपने परिवार की भेड़ें चराते समय किशोर ही था कि परमेश्वर ने उसे इस्राएल का दूसरा राजा होने के लिए चुन लिया था।
- दाऊद एक महान योद्धा था और उसने शत्रुओं के विरूद्ध अनेक युद्धों में इस्राएल का नेतृत्व किया था। पलिश्ती गोलियत जैसे दानव का वध करने के लिए वह प्रसिद्ध है।
- राजा शाऊल ने दाऊद की हत्या करने का प्रयास किया परन्तु परमेश्वर ने उसे सुरक्षित रखा और शाऊल के मृत्यु के बाद उसे राजा बनाया।
- दाऊद ने प्रायश्चित किया तो परमेश्वर ने उसका भयानक पाप क्षमा कर दिया था।
- मसीह यीशु को “दाऊद की सन्तान” कहा गया है क्योंकि वह दाऊद का वंशज था।

(यह भी देखें: गोलियत, पलिश्तियों, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 17:12-13
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 शमूएल 05:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- प्रे.का. 02:25-26
- प्रे.का. 13:21-22
- लूका 01:30-33
- मरकुस 02:25-26

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** शाऊल के स्थान पर परमेश्वर ने एक जवान इस्राएली को चुना जिसका नाम दाऊद था। बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था। ... दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **17:03** दाऊद एक बहुत ही महान सैनिक और अगुआ था। जब दाऊद एक जवान युवक था, वह गोलियत नामक दानव के विरुद्ध भी लड़ा।
- **17:04** शाऊल यह देख कि लोग दाऊद को प्रेम करते है उससे ईर्ष्या रखने लगा। शाऊल ने दाऊद को मारने का कई बार प्रयास किया, इस कारण दाऊद शाऊल से छिप रहा था।
- **17:05** परमेश्वर ने दाऊद को आशीर्वाद दिया और उसे सफल बनाया। दाऊद ने बहुत से युद्ध लड़े और परमेश्वर ने उसकी सहायता की इस्राएल के शत्रुओं को पराजित करने में।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है। दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया। अपने बाकी बचे हुए जीवन में, दाऊद ने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किया, यहाँ तक कि कठिन समय में भी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1732, G1138

दाऊद

तथ्य:

दाऊद इस्राएल का दूसरा राजा था, वह परमेश्वर से प्रेम रखता था और उसकी सेवा करता था। भजन-संहिता का मुख्य लेखक वही था।

- दाऊद अपने परिवार की भेड़ें चराते समय किशोर ही था कि परमेश्वर ने उसे इस्राएल का दूसरा राजा होने के लिए चुन लिया था।
- दाऊद एक महान योद्धा था और उसने शत्रुओं के विरूद्ध अनेक युद्धों में इस्राएल का नेतृत्व किया था। पलिश्ती गोलियत जैसे दानव का वध करने के लिए वह प्रसिद्ध है।
- राजा शाऊल ने दाऊद की हत्या करने का प्रयास किया परन्तु परमेश्वर ने उसे सुरक्षित रखा और शाऊल के मृत्यु के बाद उसे राजा बनाया।
- दाऊद ने प्रायश्चित किया तो परमेश्वर ने उसका भयानक पाप क्षमा कर दिया था।
- मसीह यीशु को “दाऊद की सन्तान” कहा गया है क्योंकि वह दाऊद का वंशज था।

(यह भी देखें: गोलियत, पलिश्तियों, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 17:12-13
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 शमूएल 05:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- प्रे.का. 02:25-26
- प्रे.का. 13:21-22
- लूका 01:30-33
- मरकुस 02:25-26

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** शाऊल के स्थान पर परमेश्वर ने एक जवान इस्राएली को चुना जिसका नाम दाऊद था। बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था। ... दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **17:03** दाऊद एक बहुत ही महान सैनिक और अगुआ था। जब दाऊद एक जवान युवक था, वह गोलियत नामक दानव के विरुद्ध भी लड़ा।
- **17:04** शाऊल यह देख कि लोग दाऊद को प्रेम करते है उससे ईर्ष्या रखने लगा। शाऊल ने दाऊद को मारने का कई बार प्रयास किया, इस कारण दाऊद शाऊल से छिप रहा था।
- **17:05** परमेश्वर ने दाऊद को आशीर्वाद दिया और उसे सफल बनाया। दाऊद ने बहुत से युद्ध लड़े और परमेश्वर ने उसकी सहायता की इस्राएल के शत्रुओं को पराजित करने में।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है। दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया। अपने बाकी बचे हुए जीवन में, दाऊद ने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किया, यहाँ तक कि कठिन समय में भी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1732, G1138

दाऊद

तथ्य:

दाऊद इस्राएल का दूसरा राजा था, वह परमेश्वर से प्रेम रखता था और उसकी सेवा करता था। भजन-संहिता का मुख्य लेखक वही था।

- दाऊद अपने परिवार की भेड़ें चराते समय किशोर ही था कि परमेश्वर ने उसे इस्राएल का दूसरा राजा होने के लिए चुन लिया था।
- दाऊद एक महान योद्धा था और उसने शत्रुओं के विरूद्ध अनेक युद्धों में इस्राएल का नेतृत्व किया था। पलिश्ती गोलियत जैसे दानव का वध करने के लिए वह प्रसिद्ध है।
- राजा शाऊल ने दाऊद की हत्या करने का प्रयास किया परन्तु परमेश्वर ने उसे सुरक्षित रखा और शाऊल के मृत्यु के बाद उसे राजा बनाया।
- दाऊद ने प्रायश्चित किया तो परमेश्वर ने उसका भयानक पाप क्षमा कर दिया था।
- मसीह यीशु को “दाऊद की सन्तान” कहा गया है क्योंकि वह दाऊद का वंशज था।

(यह भी देखें: गोलियत, पलिश्तियों, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 17:12-13
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 शमूएल 05:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- प्रे.का. 02:25-26
- प्रे.का. 13:21-22
- लूका 01:30-33
- मरकुस 02:25-26

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** शाऊल के स्थान पर परमेश्वर ने एक जवान इस्राएली को चुना जिसका नाम दाऊद था। बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था। ... दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **17:03** दाऊद एक बहुत ही महान सैनिक और अगुआ था। जब दाऊद एक जवान युवक था, वह गोलियत नामक दानव के विरुद्ध भी लड़ा।
- **17:04** शाऊल यह देख कि लोग दाऊद को प्रेम करते है उससे ईर्ष्या रखने लगा। शाऊल ने दाऊद को मारने का कई बार प्रयास किया, इस कारण दाऊद शाऊल से छिप रहा था।
- **17:05** परमेश्वर ने दाऊद को आशीर्वाद दिया और उसे सफल बनाया। दाऊद ने बहुत से युद्ध लड़े और परमेश्वर ने उसकी सहायता की इस्राएल के शत्रुओं को पराजित करने में।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।

- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है। दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया। अपने बाकी बचे हुए जीवन में, दाऊद ने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किया, यहाँ तक कि कठिन समय में भी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1732, G1138

दाऊद

तथ्य:

दाऊद इस्राएल का दूसरा राजा था, वह परमेश्वर से प्रेम रखता था और उसकी सेवा करता था। भजन-संहिता का मुख्य लेखक वही था।

- दाऊद अपने परिवार की भेड़ें चराते समय किशोर ही था कि परमेश्वर ने उसे इस्राएल का दूसरा राजा होने के लिए चुन लिया था।
- दाऊद एक महान योद्धा था और उसने शत्रुओं के विरूद्ध अनेक युद्धों में इस्राएल का नेतृत्व किया था। पलिश्ती गोलियत जैसे दानव का वध करने के लिए वह प्रसिद्ध है।
- राजा शाऊल ने दाऊद की हत्या करने का प्रयास किया परन्तु परमेश्वर ने उसे सुरक्षित रखा और शाऊल के मृत्यु के बाद उसे राजा बनाया।
- दाऊद ने प्रायश्चित किया तो परमेश्वर ने उसका भयानक पाप क्षमा कर दिया था।
- मसीह यीशु को “दाऊद की सन्तान” कहा गया है क्योंकि वह दाऊद का वंशज था।

(यह भी देखें: गोलियत, पलिश्तियों, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 17:12-13
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 शमूएल 05:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- प्रे.का. 02:25-26
- प्रे.का. 13:21-22
- लूका 01:30-33
- मरकुस 02:25-26

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** शाऊल के स्थान पर परमेश्वर ने एक जवान इस्राएली को चुना जिसका नाम दाऊद था। बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था। ... दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **17:03** दाऊद एक बहुत ही महान सैनिक और अगुआ था। जब दाऊद एक जवान युवक था, वह गोलियत नामक दानव के विरुद्ध भी लड़ा।
- **17:04** शाऊल यह देख कि लोग दाऊद को प्रेम करते है उससे ईर्ष्या रखने लगा। शाऊल ने दाऊद को मारने का कई बार प्रयास किया, इस कारण दाऊद शाऊल से छिप रहा था।
- **17:05** परमेश्वर ने दाऊद को आशीर्वाद दिया और उसे सफल बनाया। दाऊद ने बहुत से युद्ध लड़े और परमेश्वर ने उसकी सहायता की इस्राएल के शत्रुओं को पराजित करने में।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है। दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया। अपने बाकी बचे हुए जीवन में, दाऊद ने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किया, यहाँ तक कि कठिन समय में भी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1732, G1138

दाऊद

तथ्य:

दाऊद इस्राएल का दूसरा राजा था, वह परमेश्वर से प्रेम रखता था और उसकी सेवा करता था। भजन-संहिता का मुख्य लेखक वही था।

- दाऊद अपने परिवार की भेड़ें चराते समय किशोर ही था कि परमेश्वर ने उसे इस्राएल का दूसरा राजा होने के लिए चुन लिया था।
- दाऊद एक महान योद्धा था और उसने शत्रुओं के विरूद्ध अनेक युद्धों में इस्राएल का नेतृत्व किया था। पलिश्ती गोलियत जैसे दानव का वध करने के लिए वह प्रसिद्ध है।
- राजा शाऊल ने दाऊद की हत्या करने का प्रयास किया परन्तु परमेश्वर ने उसे सुरक्षित रखा और शाऊल के मृत्यु के बाद उसे राजा बनाया।
- दाऊद ने प्रायश्चित किया तो परमेश्वर ने उसका भयानक पाप क्षमा कर दिया था।
- मसीह यीशु को “दाऊद की सन्तान” कहा गया है क्योंकि वह दाऊद का वंशज था।

(यह भी देखें: गोलियत, पलिश्तियों, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 17:12-13
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 शमूएल 05:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- प्रे.का. 02:25-26
- प्रे.का. 13:21-22
- लूका 01:30-33
- मरकुस 02:25-26

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** शाऊल के स्थान पर परमेश्वर ने एक जवान इस्राएली को चुना जिसका नाम दाऊद था। बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था। ... दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **17:03** दाऊद एक बहुत ही महान सैनिक और अगुआ था। जब दाऊद एक जवान युवक था, वह गोलियत नामक दानव के विरुद्ध भी लड़ा।
- **17:04** शाऊल यह देख कि लोग दाऊद को प्रेम करते है उससे ईर्ष्या रखने लगा। शाऊल ने दाऊद को मारने का कई बार प्रयास किया, इस कारण दाऊद शाऊल से छिप रहा था।
- **17:05** परमेश्वर ने दाऊद को आशीर्वाद दिया और उसे सफल बनाया। दाऊद ने बहुत से युद्ध लड़े और परमेश्वर ने उसकी सहायता की इस्राएल के शत्रुओं को पराजित करने में।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है। दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया। अपने बाकी बचे हुए जीवन में, दाऊद ने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किया, यहाँ तक कि कठिन समय में भी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1732, G1138

दाऊद

तथ्य:

दाऊद इस्राएल का दूसरा राजा था, वह परमेश्वर से प्रेम रखता था और उसकी सेवा करता था। भजन-संहिता का मुख्य लेखक वही था।

- दाऊद अपने परिवार की भेड़ें चराते समय किशोर ही था कि परमेश्वर ने उसे इस्राएल का दूसरा राजा होने के लिए चुन लिया था।
- दाऊद एक महान योद्धा था और उसने शत्रुओं के विरूद्ध अनेक युद्धों में इस्राएल का नेतृत्व किया था। पलिश्ती गोलियत जैसे दानव का वध करने के लिए वह प्रसिद्ध है।
- राजा शाऊल ने दाऊद की हत्या करने का प्रयास किया परन्तु परमेश्वर ने उसे सुरक्षित रखा और शाऊल के मृत्यु के बाद उसे राजा बनाया।
- दाऊद ने प्रायश्चित किया तो परमेश्वर ने उसका भयानक पाप क्षमा कर दिया था।
- मसीह यीशु को “दाऊद की सन्तान” कहा गया है क्योंकि वह दाऊद का वंशज था।

(यह भी देखें: गोलियत, पलिश्तियों, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 17:12-13
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 शमूएल 05:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- प्रे.का. 02:25-26
- प्रे.का. 13:21-22
- लूका 01:30-33
- मरकुस 02:25-26

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** शाऊल के स्थान पर परमेश्वर ने एक जवान इस्राएली को चुना जिसका नाम दाऊद था। बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था। ... दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **17:03** दाऊद एक बहुत ही महान सैनिक और अगुआ था। जब दाऊद एक जवान युवक था, वह गोलियत नामक दानव के विरुद्ध भी लड़ा।
- **17:04** शाऊल यह देख कि लोग दाऊद को प्रेम करते है उससे ईर्ष्या रखने लगा। शाऊल ने दाऊद को मारने का कई बार प्रयास किया, इस कारण दाऊद शाऊल से छिप रहा था।
- **17:05** परमेश्वर ने दाऊद को आशीर्वाद दिया और उसे सफल बनाया। दाऊद ने बहुत से युद्ध लड़े और परमेश्वर ने उसकी सहायता की इस्राएल के शत्रुओं को पराजित करने में।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है। दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया। अपने बाकी बचे हुए जीवन में, दाऊद ने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किया, यहाँ तक कि कठिन समय में भी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1732, G1138

दाऊद

तथ्य:

दाऊद इस्राएल का दूसरा राजा था, वह परमेश्वर से प्रेम रखता था और उसकी सेवा करता था। भजन-संहिता का मुख्य लेखक वही था।

- दाऊद अपने परिवार की भेड़ें चराते समय किशोर ही था कि परमेश्वर ने उसे इस्राएल का दूसरा राजा होने के लिए चुन लिया था।
- दाऊद एक महान योद्धा था और उसने शत्रुओं के विरूद्ध अनेक युद्धों में इस्राएल का नेतृत्व किया था। पलिश्ती गोलियत जैसे दानव का वध करने के लिए वह प्रसिद्ध है।
- राजा शाऊल ने दाऊद की हत्या करने का प्रयास किया परन्तु परमेश्वर ने उसे सुरक्षित रखा और शाऊल के मृत्यु के बाद उसे राजा बनाया।
- दाऊद ने प्रायश्चित किया तो परमेश्वर ने उसका भयानक पाप क्षमा कर दिया था।
- मसीह यीशु को “दाऊद की सन्तान” कहा गया है क्योंकि वह दाऊद का वंशज था।

(यह भी देखें: गोलियत, पलिश्तियों, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 17:12-13
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 शमूएल 05:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- प्रे.का. 02:25-26
- प्रे.का. 13:21-22
- लूका 01:30-33
- मरकुस 02:25-26

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** शाऊल के स्थान पर परमेश्वर ने एक जवान इस्राएली को चुना जिसका नाम दाऊद था। बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था। ... दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **17:03** दाऊद एक बहुत ही महान सैनिक और अगुआ था। जब दाऊद एक जवान युवक था, वह गोलियत नामक दानव के विरुद्ध भी लड़ा।
- **17:04** शाऊल यह देख कि लोग दाऊद को प्रेम करते है उससे ईर्ष्या रखने लगा। शाऊल ने दाऊद को मारने का कई बार प्रयास किया, इस कारण दाऊद शाऊल से छिप रहा था।
- **17:05** परमेश्वर ने दाऊद को आशीर्वाद दिया और उसे सफल बनाया। दाऊद ने बहुत से युद्ध लड़े और परमेश्वर ने उसकी सहायता की इस्राएल के शत्रुओं को पराजित करने में।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है। दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया। अपने बाकी बचे हुए जीवन में, दाऊद ने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किया, यहाँ तक कि कठिन समय में भी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1732, G1138

दाऊद

तथ्य:

दाऊद इस्राएल का दूसरा राजा था, वह परमेश्वर से प्रेम रखता था और उसकी सेवा करता था। भजन-संहिता का मुख्य लेखक वही था।

- दाऊद अपने परिवार की भेड़ें चराते समय किशोर ही था कि परमेश्वर ने उसे इस्राएल का दूसरा राजा होने के लिए चुन लिया था।
- दाऊद एक महान योद्धा था और उसने शत्रुओं के विरूद्ध अनेक युद्धों में इस्राएल का नेतृत्व किया था। पलिश्ती गोलियत जैसे दानव का वध करने के लिए वह प्रसिद्ध है।
- राजा शाऊल ने दाऊद की हत्या करने का प्रयास किया परन्तु परमेश्वर ने उसे सुरक्षित रखा और शाऊल के मृत्यु के बाद उसे राजा बनाया।
- दाऊद ने प्रायश्चित किया तो परमेश्वर ने उसका भयानक पाप क्षमा कर दिया था।
- मसीह यीशु को “दाऊद की सन्तान” कहा गया है क्योंकि वह दाऊद का वंशज था।

(यह भी देखें: गोलियत, पलिश्तियों, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 17:12-13
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 शमूएल 05:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- प्रे.का. 02:25-26
- प्रे.का. 13:21-22
- लूका 01:30-33
- मरकुस 02:25-26

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** शाऊल के स्थान पर परमेश्वर ने एक जवान इस्राएली को चुना जिसका नाम दाऊद था। बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था। ... दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **17:03** दाऊद एक बहुत ही महान सैनिक और अगुआ था। जब दाऊद एक जवान युवक था, वह गोलियत नामक दानव के विरुद्ध भी लड़ा।
- **17:04** शाऊल यह देख कि लोग दाऊद को प्रेम करते है उससे ईर्ष्या रखने लगा। शाऊल ने दाऊद को मारने का कई बार प्रयास किया, इस कारण दाऊद शाऊल से छिप रहा था।
- **17:05** परमेश्वर ने दाऊद को आशीर्वाद दिया और उसे सफल बनाया। दाऊद ने बहुत से युद्ध लड़े और परमेश्वर ने उसकी सहायता की इस्राएल के शत्रुओं को पराजित करने में।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।

- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है। दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया। अपने बाकी बचे हुए जीवन में, दाऊद ने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किया, यहाँ तक कि कठिन समय में भी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1732, G1138

दाऊद के घराने

तथ्य:

“दाऊद के घराने” का अर्थ है राजा दाऊद के वंशज या उसका परिवार।

- इसका अनुवाद “दाऊद के वंशज” या “दाऊद का परिवार” या “राजा दाऊद का कुल” हो सकता है
- क्योंकि यीशु दाऊद का वंशज था वह “दाऊद के घराने” का था।
- कभी-कभी “दाऊद का घराना” या “दाऊद का वंश” दाऊद के जीवित वंशजों के संदर्भ में भी है।
- अन्यथा यह उक्ति सामान्यतः उसके सब वंशजों के संदर्भ मे है, जो मर गए उनके भी।

(यह भी देखें: दाऊद, उतरेगा, घर, यीशु, राजा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 11:4-6
- 2 शमूएल 03:6-7
- लूका 01:69-71
- भजन संहिता 122:4-5
- जकर्याह 12:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1732, G1138, G3624

दाऊद के नगर

तथ्य:

"दाऊद के नगर" यरूशलेम और बैतलहम दोनों शहरों का दूसरा नाम है।

- यरूशलेम वह नगर है जिसमें दाऊद इस्राएल पर राज करते समय रहता था।
- बैतलहम वह नगर था जहां दाऊद का जन्म हुआ था।

(यह भी देखें: दाऊद, बैतलहम, यरूशलेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:1-2
- 2 शमूएल 05:6-7
- यशायाह 22:8-9
- लूका 02:4-5
- नहेम्याह 03:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1732, H5892, G1138, G4172

दाख की बारी, दाख की बारियों

परिभाषा:

दाख की बारी एक बड़ा बगीचा क्षेत्र है जहाँ अंगूर उगते हैं और अंगूर की खेती होती है।

- दाख की बारी दीवारों से घिरी होती है कि चारों ओर जानवरों से दाख की रक्षा की जाए।
- परमेश्वर इस्राएल की तुलना दाख की बारी से करता है और उसमें अच्छे फल नहीं लगे।
- दाख की बारी का अनुवाद किया जा सकता है, "अंगूरों का बगीचा" या "अंगूर की खेती"

(यह भी देखें: अंगूर, इस्राएल, दाखलता)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 09:20-21
- लूका 13:6-7
- लूका 20:15-16
- मत्ती 20:1-2
- मत्ती 21:40-41

शब्द तथ्य:

- Strong's: H64, H1612, H3657, H3661, H3754, H3755, H8284, G289, G290

दाख की बारी, दाख की बारियों

परिभाषा:

दाख की बारी एक बड़ा बगीचा क्षेत्र है जहाँ अंगूर उगते हैं और अंगूर की खेती होती है।

- दाख की बारी दीवारों से घिरी होती है कि चारों ओर जानवरों से दाख की रक्षा की जाए।
- परमेश्वर इस्राएल की तुलना दाख की बारी से करता है और उसमें अच्छे फल नहीं लगे।
- दाख की बारी का अनुवाद किया जा सकता है, "अंगूरों का बगीचा" या "अंगूर की खेती"

(यह भी देखें: अंगूर, इस्राएल, दाखलता)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 09:20-21
- लूका 13:6-7
- लूका 20:15-16
- मत्ती 20:1-2
- मत्ती 21:40-41

शब्द तथ्य:

- Strong's: H64, H1612, H3657, H3661, H3754, H3755, H8284, G289, G290

दाख की बारी, दाख की बारियों

परिभाषा:

दाख की बारी एक बड़ा बगीचा क्षेत्र है जहाँ अंगूर उगते हैं और अंगूर की खेती होती है।

- दाख की बारी दीवारों से घिरी होती है कि चारों ओर जानवरों से दाख की रक्षा की जाए।
- परमेश्वर इस्राएल की तुलना दाख की बारी से करता है और उसमें अच्छे फल नहीं लगे।
- दाख की बारी का अनुवाद किया जा सकता है, "अंगूरों का बगीचा" या "अंगूर की खेती"

(यह भी देखें: अंगूर, इस्राएल, दाखलता)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 09:20-21
- लूका 13:6-7
- लूका 20:15-16
- मत्ती 20:1-2
- मत्ती 21:40-41

शब्द तथ्य:

- Strong's: H64, H1612, H3657, H3661, H3754, H3755, H8284, G289, G290

दाख की बारी, दाख की बारियों

परिभाषा:

दाख की बारी एक बड़ा बगीचा क्षेत्र है जहाँ अंगूर उगते हैं और अंगूर की खेती होती है।

- दाख की बारी दीवारों से घिरी होती है कि चारों ओर जानवरों से दाख की रक्षा की जाए।
- परमेश्वर इस्राएल की तुलना दाख की बारी से करता है और उसमें अच्छे फल नहीं लगे।
- दाख की बारी का अनुवाद किया जा सकता है, “अंगूरों का बगीचा” या “अंगूर की खेती”

(यह भी देखें: अंगूर, इस्राएल, दाखलता)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 09:20-21
- लूका 13:6-7
- लूका 20:15-16
- मत्ती 20:1-2
- मत्ती 21:40-41

शब्द तथ्य:

- Strong's: H64, H1612, H3657, H3661, H3754, H3755, H8284, G289, G290

दाखरस, कुण्ड, कुण्डों, दाखरस, मशक, मशकों, नई दाखरस

परिभाषा:

बाइबल में, "दाखरस" शब्द एक प्रकार का किण्वत पीने का जो एक फल के रस से बनता है जिसे अंगूर कहते हैं। दाखमधु मशकों में रखा जाता था। मशक पशु की खाल से बनी थैली होती थी।

- “नया दाखरस” अर्थात् अंगूर का ताजा रस जिसका किण्वन नहीं किया गया है। कभी-कभी दाखमधु किण्वत रहित दाखरस को भी कहते थे।
- दाखरस निकालने के लिए अंगूरों को कुण्ड में कुचला जाता है ताकि उनका रस निकले। रस का किण्वन किया जाता था कि उसका मद्यसार बने।
- बाइबल के युग में दाखमधु भोजन के साथ एक सामान्य पेय पदार्थ था। उसमें मद्य की मात्रा उतनी नहीं होती थी जितनी आज की दाखरस में होती है।
- भोजन के समय परोसी गई मदिरा में प्रायः पानी मिलाया गया होता था।
- पुरानी मशक कड़क होकर भंगुरावस्था में आ जाती थी जिसकी दरारों में से दाखरस बह जाता था। नई मशकें कोमल एवं लचीली होती थी अर्थात वे फटती नहीं थी और दाखरस को सुरक्षित रखने के लिए उचित थी।
- यदि आपकी संस्कृति में दाखरस नहीं जानी जाती है तो इसका अनुवाद “किण्वन किया हुआ अंगूर का रस” कह सकते हैं या “अंगूर के फलों से किण्वन किया हुआ रस” या “किण्वन किया हुआ फलों का रस”
- “मशक” का अनुवाद “मदिरा की थैली” या “पशु की खाल मदिरा का थैला” या “पशु की खाल मदिरा का पात्र”।

(यह भी देखें: अंगूर, दाखलता, दाख की बारी, दाखरस के कुण्ड)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:23
- उत्पत्ति 09:21

- उत्पत्ति 49:12
- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:10
- मत्ती 09:17
- मत्ती 11:18

नष्ट करना

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2561, H2562, H3196, H4469, H4997, H5435, H6025, H6071, H8492, G1098, G3631, G3820, G3943

दाखरस, कुण्ड, कुण्डों, दाखरस, मशक, मशकों, नई दाखरस

परिभाषा:

बाइबल में, "दाखरस" शब्द एक प्रकार का किण्वत पीने का जो एक फल के रस से बनता है जिसे अंगूर कहते हैं। दाखमधु मशकों में रखा जाता था। मशक पशु की खाल से बनी थैली होती थी।

- “नया दाखरस” अर्थात् अंगूर का ताजा रस जिसका किण्वन नहीं किया गया है। कभी-कभी दाखमधु किण्वत रहित दाखरस को भी कहते थे।
- दाखरस निकालने के लिए अंगूरों को कुण्ड में कुचला जाता है ताकि उनका रस निकले। रस का किण्वन किया जाता था कि उसका मद्यसार बने।
- बाइबल के युग में दाखमधु भोजन के साथ एक सामान्य पेय पदार्थ था। उसमें मद्य की मात्रा उतनी नहीं होती थी जितनी आज की दाखरस में होती है।
- भोजन के समय परोसी गई मदिरा में प्रायः पानी मिलाया गया होता था।
- पुरानी मशक कड़क होकर भंगुरावस्था में आ जाती थी जिसकी दरारों में से दाखरस बह जाता था। नई मशकें कोमल एवं लचीली होती थी अर्थात वे फटती नहीं थी और दाखरस को सुरक्षित रखने के लिए उचित थी।
- यदि आपकी संस्कृति में दाखरस नहीं जानी जाती है तो इसका अनुवाद “किण्वन किया हुआ अंगूर का रस” कह सकते हैं या “अंगूर के फलों से किण्वन किया हुआ रस” या “किण्वन किया हुआ फलों का रस”
- “मशक” का अनुवाद “मदिरा की थैली” या “पशु की खाल मदिरा का थैला” या “पशु की खाल मदिरा का पात्र”।

(यह भी देखें: अंगूर, दाखलता, दाख की बारी, दाखरस के कुण्ड)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:23
- उत्पत्ति 09:21
- उत्पत्ति 49:12
- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:10
- मत्ती 09:17
- मत्ती 11:18

नष्ट करना

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2561, H2562, H3196, H4469, H4997, H5435, H6025, H6071, H8492, G1098, G3631, G3820, G3943

दाखरस, कुण्ड, कुण्डों, दाखरस, मशक, मशकों, नई दाखरस

परिभाषा:

बाइबल में, "दाखरस" शब्द एक प्रकार का किण्वत पीने का जो एक फल के रस से बनता है जिसे अंगूर कहते हैं। दाखमधु मशकों में रखा जाता था। मशक पशु की खाल से बनी थैली होती थी।

- “नया दाखरस” अर्थात् अंगूर का ताजा रस जिसका किण्वन नहीं किया गया है। कभी-कभी दाखमधु किण्वत रहित दाखरस को भी कहते थे।
- दाखरस निकालने के लिए अंगूरों को कुण्ड में कुचला जाता है ताकि उनका रस निकले। रस का किण्वन किया जाता था कि उसका मद्यसार बने।
- बाइबल के युग में दाखमधु भोजन के साथ एक सामान्य पेय पदार्थ था। उसमें मद्य की मात्रा उतनी नहीं होती थी जितनी आज की दाखरस में होती है।
- भोजन के समय परोसी गई मदिरा में प्रायः पानी मिलाया गया होता था।

- पुरानी मशक कड़क होकर भंगुरावस्था में आ जाती थी जिसकी दरारों में से दाखरस बह जाता था। नई मशकें कोमल एवं लचीली होती थी अर्थात वे फटती नहीं थी और दाखरस को सुरक्षित रखने के लिए उचित थी।
- यदि आपकी संस्कृति में दाखरस नहीं जानी जाती है तो इसका अनुवाद “किण्वन किया हुआ अंगूर का रस” कह सकते हैं या “अंगूर के फलों से किण्वन किया हुआ रस” या “किण्वन किया हुआ फलों का रस”
- “मशक” का अनुवाद “मदिरा की थैली” या “पशु की खाल मदिरा का थैला” या “पशु की खाल मदिरा का पात्र”।

(यह भी देखें: अंगूर, दाखलता, दाख की बारी, दाखरस के कुण्ड)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:23
- उत्पत्ति 09:21
- उत्पत्ति 49:12
- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:10
- मत्ती 09:17
- मत्ती 11:18

नष्ट करना

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2561, H2562, H3196, H4469, H4997, H5435, H6025, H6071, H8492, G1098, G3631, G3820, G3943

दाखरस, कुण्ड, कुण्डों, दाखरस, मशक, मशकों, नई दाखरस

परिभाषा:

बाइबल में, "दाखरस" शब्द एक प्रकार का किण्वत पीने का जो एक फल के रस से बनता है जिसे अंगूर कहते हैं। दाखमधु मशकों में रखा जाता था। मशक पशु की खाल से बनी थैली होती थी।

- “नया दाखरस” अर्थात् अंगूर का ताजा रस जिसका किण्वन नहीं किया गया है। कभी-कभी दाखमधु किण्वत रहित दाखरस को भी कहते थे।
- दाखरस निकालने के लिए अंगूरों को कुण्ड में कुचला जाता है ताकि उनका रस निकले। रस का किण्वन किया जाता था कि उसका मद्यसार बने।
- बाइबल के युग में दाखमधु भोजन के साथ एक सामान्य पेय पदार्थ था। उसमें मद्य की मात्रा उतनी नहीं होती थी जितनी आज की दाखरस में होती है।
- भोजन के समय परोसी गई मदिरा में प्रायः पानी मिलाया गया होता था।
- पुरानी मशक कड़क होकर भंगुरावस्था में आ जाती थी जिसकी दरारों में से दाखरस बह जाता था। नई मशकें कोमल एवं लचीली होती थी अर्थात वे फटती नहीं थी और दाखरस को सुरक्षित रखने के लिए उचित थी।
- यदि आपकी संस्कृति में दाखरस नहीं जानी जाती है तो इसका अनुवाद “किण्वन किया हुआ अंगूर का रस” कह सकते हैं या “अंगूर के फलों से किण्वन किया हुआ रस” या “किण्वन किया हुआ फलों का रस”
- “मशक” का अनुवाद “मदिरा की थैली” या “पशु की खाल मदिरा का थैला” या “पशु की खाल मदिरा का पात्र”।

(यह भी देखें: अंगूर, दाखलता, दाख की बारी, दाखरस के कुण्ड)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:23
- उत्पत्ति 09:21
- उत्पत्ति 49:12
- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:10
- मत्ती 09:17
- मत्ती 11:18

नष्ट करना

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2561, H2562, H3196, H4469, H4997, H5435, H6025, H6071, H8492, G1098, G3631, G3820, G3943

दाखरस, कुण्ड, कुण्डों, दाखरस, मशक, मशकों, नई दाखरस

परिभाषा:

बाइबल में, "दाखरस" शब्द एक प्रकार का किण्वत पीने का जो एक फल के रस से बनता है जिसे अंगूर कहते हैं। दाखमधु मशकों में रखा जाता था। मशक पशु की खाल से बनी थैली होती थी।

- “नया दाखरस” अर्थात् अंगूर का ताजा रस जिसका किण्वन नहीं किया गया है। कभी-कभी दाखमधु किण्वत रहित दाखरस को भी कहते थे।
- दाखरस निकालने के लिए अंगूरों को कुण्ड में कुचला जाता है ताकि उनका रस निकले। रस का किण्वन किया जाता था कि उसका मद्यसार बने।
- बाइबल के युग में दाखमधु भोजन के साथ एक सामान्य पेय पदार्थ था। उसमें मद्य की मात्रा उतनी नहीं होती थी जितनी आज की दाखरस में होती है।
- भोजन के समय परोसी गई मदिरा में प्रायः पानी मिलाया गया होता था।
- पुरानी मशक कड़क होकर भंगुरावस्था में आ जाती थी जिसकी दरारों में से दाखरस बह जाता था। नई मशकें कोमल एवं लचीली होती थी अर्थात वे फटती नहीं थी और दाखरस को सुरक्षित रखने के लिए उचित थी।
- यदि आपकी संस्कृति में दाखरस नहीं जानी जाती है तो इसका अनुवाद “किण्वन किया हुआ अंगूर का रस” कह सकते हैं या “अंगूर के फलों से किण्वन किया हुआ रस” या “किण्वन किया हुआ फलों का रस”
- “मशक” का अनुवाद “मदिरा की थैली” या “पशु की खाल मदिरा का थैला” या “पशु की खाल मदिरा का पात्र”।

(यह भी देखें: अंगूर, दाखलता, दाख की बारी, दाखरस के कुण्ड)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:23
- उत्पत्ति 09:21
- उत्पत्ति 49:12
- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:10
- मत्ती 09:17
- मत्ती 11:18

नष्ट करना

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2561, H2562, H3196, H4469, H4997, H5435, H6025, H6071, H8492, G1098, G3631, G3820, G3943

दाखरस, कुण्ड, कुण्डों, दाखरस, मशक, मशकों, नई दाखरस

परिभाषा:

बाइबल में, "दाखरस" शब्द एक प्रकार का किण्वत पीने का जो एक फल के रस से बनता है जिसे अंगूर कहते हैं। दाखमधु मशकों में रखा जाता था। मशक पशु की खाल से बनी थैली होती थी।

- “नया दाखरस” अर्थात् अंगूर का ताजा रस जिसका किण्वन नहीं किया गया है। कभी-कभी दाखमधु किण्वत रहित दाखरस को भी कहते थे।
- दाखरस निकालने के लिए अंगूरों को कुण्ड में कुचला जाता है ताकि उनका रस निकले। रस का किण्वन किया जाता था कि उसका मद्यसार बने।
- बाइबल के युग में दाखमधु भोजन के साथ एक सामान्य पेय पदार्थ था। उसमें मद्य की मात्रा उतनी नहीं होती थी जितनी आज की दाखरस में होती है।
- भोजन के समय परोसी गई मदिरा में प्रायः पानी मिलाया गया होता था।
- पुरानी मशक कड़क होकर भंगुरावस्था में आ जाती थी जिसकी दरारों में से दाखरस बह जाता था। नई मशकें कोमल एवं लचीली होती थी अर्थात वे फटती नहीं थी और दाखरस को सुरक्षित रखने के लिए उचित थी।
- यदि आपकी संस्कृति में दाखरस नहीं जानी जाती है तो इसका अनुवाद “किण्वन किया हुआ अंगूर का रस” कह सकते हैं या “अंगूर के फलों से किण्वन किया हुआ रस” या “किण्वन किया हुआ फलों का रस”
- “मशक” का अनुवाद “मदिरा की थैली” या “पशु की खाल मदिरा का थैला” या “पशु की खाल मदिरा का पात्र”।

(यह भी देखें: अंगूर, दाखलता, दाख की बारी, दाखरस के कुण्ड)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:23
- उत्पत्ति 09:21

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- उत्पत्ति 49:12
- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:10
- मत्ती 09:17
- मत्ती 11:18

नष्ट करना

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2561, H2562, H3196, H4469, H4997, H5435, H6025, H6071, H8492, G1098, G3631, G3820, G3943

दाखरस, कुण्ड, कुण्डों, दाखरस, मशक, मशकों, नई दाखरस

परिभाषा:

बाइबल में, "दाखरस" शब्द एक प्रकार का किण्वत पीने का जो एक फल के रस से बनता है जिसे अंगूर कहते हैं। दाखमधु मशकों में रखा जाता था। मशक पशु की खाल से बनी थैली होती थी।

- “नया दाखरस” अर्थात् अंगूर का ताजा रस जिसका किण्वन नहीं किया गया है। कभी-कभी दाखमधु किण्वत रहित दाखरस को भी कहते थे।
- दाखरस निकालने के लिए अंगूरों को कुण्ड में कुचला जाता है ताकि उनका रस निकले। रस का किण्वन किया जाता था कि उसका मद्यसार बने।
- बाइबल के युग में दाखमधु भोजन के साथ एक सामान्य पेय पदार्थ था। उसमें मद्य की मात्रा उतनी नहीं होती थी जितनी आज की दाखरस में होती है।
- भोजन के समय परोसी गई मदिरा में प्रायः पानी मिलाया गया होता था।
- पुरानी मशक कड़क होकर भंगुरावस्था में आ जाती थी जिसकी दरारों में से दाखरस बह जाता था। नई मशकें कोमल एवं लचीली होती थी अर्थात वे फटती नहीं थी और दाखरस को सुरक्षित रखने के लिए उचित थी।
- यदि आपकी संस्कृति में दाखरस नहीं जानी जाती है तो इसका अनुवाद “किण्वन किया हुआ अंगूर का रस” कह सकते हैं या “अंगूर के फलों से किण्वन किया हुआ रस” या “किण्वन किया हुआ फलों का रस”
- “मशक” का अनुवाद “मदिरा की थैली” या “पशु की खाल मदिरा का थैला” या “पशु की खाल मदिरा का पात्र”।

(यह भी देखें: अंगूर, दाखलता, दाख की बारी, दाखरस के कुण्ड)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:23
- उत्पत्ति 09:21
- उत्पत्ति 49:12
- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:10
- मत्ती 09:17
- मत्ती 11:18

नष्ट करना

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2561, H2562, H3196, H4469, H4997, H5435, H6025, H6071, H8492, G1098, G3631, G3820, G3943

दाखरस, कुण्ड, कुण्डों, दाखरस, मशक, मशकों, नई दाखरस

परिभाषा:

बाइबल में, "दाखरस" शब्द एक प्रकार का किण्वत पीने का जो एक फल के रस से बनता है जिसे अंगूर कहते हैं। दाखमधु मशकों में रखा जाता था। मशक पशु की खाल से बनी थैली होती थी।

- “नया दाखरस” अर्थात् अंगूर का ताजा रस जिसका किण्वन नहीं किया गया है। कभी-कभी दाखमधु किण्वत रहित दाखरस को भी कहते थे।
- दाखरस निकालने के लिए अंगूरों को कुण्ड में कुचला जाता है ताकि उनका रस निकले। रस का किण्वन किया जाता था कि उसका मद्यसार बने।
- बाइबल के युग में दाखमधु भोजन के साथ एक सामान्य पेय पदार्थ था। उसमें मद्य की मात्रा उतनी नहीं होती थी जितनी आज की दाखरस में होती है।
- भोजन के समय परोसी गई मदिरा में प्रायः पानी मिलाया गया होता था।

- पुरानी मशक कड़क होकर भंगुरावस्था में आ जाती थी जिसकी दरारों में से दाखरस बह जाता था। नई मशकें कोमल एवं लचीली होती थी अर्थात वे फटती नहीं थी और दाखरस को सुरक्षित रखने के लिए उचित थी।
- यदि आपकी संस्कृति में दाखरस नहीं जानी जाती है तो इसका अनुवाद “किण्वन किया हुआ अंगूर का रस” कह सकते हैं या “अंगूर के फलों से किण्वन किया हुआ रस” या “किण्वन किया हुआ फलों का रस”
- “मशक” का अनुवाद “मदिरा की थैली” या “पशु की खाल मदिरा का थैला” या “पशु की खाल मदिरा का पात्र”।

(यह भी देखें: अंगूर, दाखलता, दाख की बारी, दाखरस के कुण्ड)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:23
- उत्पत्ति 09:21
- उत्पत्ति 49:12
- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:10
- मत्ती 09:17
- मत्ती 11:18

नष्ट करना

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2561, H2562, H3196, H4469, H4997, H5435, H6025, H6071, H8492, G1098, G3631, G3820, G3943

दाखलता, दाखलताओं

परिभाषा:

शब्द "बेल" एक पौधे को संदर्भित करता है जो जमीन के साथ पिछड़े हुए या पेड़ों और अन्य संरचनाओं पर चढ़ने से बढ़ता है। बाइबल में “दाखलता” शब्द केवल फल लानेवाली लता के लिए काम में लिया गया है और अधिकतर दाखलता के लिए काम में लिया गया है।

- बाइबल में "दाखलता" अधिकतर “अंगूर की बेल” के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- अंगूर की शाखाएं मुख्य तने से जुड़ी होती हैं जो उन्हें पानी और अन्य पोषक तत्व देती हैं ताकि वे बढ़ सकें।
- यीशु ने स्वयं को “दाखलता” और विश्वासियों को “डालियाँ” कहा है। यहाँ “दाखलता” का अनुवाद हो सकता है “दाखलता की डाली” या “शाखा”।

(यह भी देखें: अंगूर, दाख की बारी)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 40:9-11
- उत्पत्ति 49:11-12
- यूहन्ना 15:1-2
- लूका 22:17-18
- मरकुस 12:1-3
- मत्ती 21:35-37

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5139, H1612, H8321, G288, G290, G1009, G1092

दाखलता, दाखलताओं

परिभाषा:

शब्द "बेल" एक पौधे को संदर्भित करता है जो जमीन के साथ पिछड़े हुए या पेड़ों और अन्य संरचनाओं पर चढ़ने से बढ़ता है। बाइबल में “दाखलता” शब्द केवल फल लानेवाली लता के लिए काम में लिया गया है और अधिकतर दाखलता के लिए काम में लिया गया है।

- बाइबल में "दाखलता" अधिकतर “अंगूर की बेल” के संदर्भ में काम में लिया गया है।

- अंगूर की शाखाएं मुख्य तने से जुड़ी होती हैं जो उन्हें पानी और अन्य पोषक तत्व देती हैं ताकि वे बढ़ सकें।
- यीशु ने स्वयं को "दाखलता" और विश्वासियों को "डालियाँ" कहा है। यहाँ "दाखलता" का अनुवाद हो सकता है "दाखलता की डाली" या "शाखा"।

(यह भी देखें: अंगूर, दाख की बारी)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 40:9-11
- उत्पत्ति 49:11-12
- यूहन्ना 15:1-2
- लूका 22:17-18
- मरकुस 12:1-3
- मत्ती 21:35-37

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5139, H1612, H8321, G288, G290, G1009, G1092

दान, भेंटों

परिभाषा:

"दान" अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें "दान" कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को "भेंट" कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द "वरदान" जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "भेंट" को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, "दी गई कोई वस्तु।"
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, "पवित्र-आत्मा का वरदान" इसका अनुवाद हो सकता है, "आत्मिक क्षमता" या "पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता" या "परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।"

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3

- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।

- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10

- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”

- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3

- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।

- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”

- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान, भेंटों

परिभाषा:

"दान" अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

- पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें "दान" कहते हैं।
- बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को "भेंट" कहते हैं।
- उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
- नये नियम में शब्द "वरदान" जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "भेंट" को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, "दी गई कोई वस्तु।"
- मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, "पवित्र-आत्मा का वरदान" इसका अनुवाद हो सकता है, "आत्मिक क्षमता" या "पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता" या "परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।"

(यह भी देखें: आत्मा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 11:17-18
- प्रे.का. 24:17-19
- याकूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- "दानियों" शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- "दानियों" शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।

- “दानियों” शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- “दानियों” शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- “दानियों” शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5

- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- "दानियों" शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- "दानियों" शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- “दानियों” शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- “दानियों” शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।

- “दानियों” शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- “दानियों” शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- “दानियों” शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5

- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- "दानियों" शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- "दानियों" शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- "दानियों" शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- "दानियों" शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।

- “दानियों” शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- “दानियों” शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- “दानियों” शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5

- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- "दानियों" शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34-35
- 1 राजा 04:24-25
- निर्गमन 01:1-5
- उत्पत्ति 14:13-14
- उत्पत्ति 30:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दान

परिभाषा:

"दान" अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद "पैसा" या "गरीबों को देना" या "गरीबों की सहायता" हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

"दान" अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।

- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1654

दानिय्येल

तथ्य:

दानिय्येल एक इस्राएली भविष्यद्वक्ता था जिसे 600 ई.पू. में नबूकदनेस्सर द्वारा बन्दी बनाकर बेबीलोन ले जाया गया था, उस समय वह युवावस्था में ही था।

यह वह समय था जब यहूदा से अनेक इस्राएली बेबीलोन में 70 वर्ष के लिए बन्धुआई में थे।

- दानिय्येल को कसदी नाम, बेलतशस्सर रखा गया।
- दानिय्येल एक सम्मानित एवं धर्मी मनुष्य था, वह परमेश्वर की आज्ञाओं को मानता था।
- परमेश्वर ने दानिय्येल को योग्यता प्रदान की थी कि वह बेबीलोन के राजाओं के अनेक स्वप्न एवं दर्शनों का अर्थ उन्हें समझाएं।
- उसकी योग्यता और सम्मानित चरित्र के कारण दानिय्येल को बेबीलोन साम्राज्य में अगुआई का ऊंचा स्थान दिया गया था।
- अनेक वर्ष बाद दानिय्येल के बैरियों ने राजा दारा के साथ चतुराई करके आज्ञा निकलवाई कि प्रजा राजा की अपेक्षा अन्य किसी ईश्वर की उपासना न करे। दानिय्येल ने परमेश्वर से प्रार्थना करना नहीं छोड़ा, परिणामस्वरूप उसे शेरों के गुफा में डाल दिया गया। परन्तु परमेश्वर ने उसकी रक्षा की और शेरों ने उसे किसी प्रकार की हानि नहीं पहुंचाई।

(यह भी देखें: बेबीलोन, नबूकदनेस्सर)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:6-7
- दानिय्येल 05:29-31
- दानिय्येल 07:27-28
- यहेजकेल 14:12-14
- मत्ती 24:15-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1840, H1841, G1158

दाहिना हाथ

परिभाषा:

“दाहिना हाथ” प्रतीकात्मक रूप में किसी शासक के दाहिनी या किसी महत्वपूर्ण मनुष्य के दाहिने हाथ की ओर सम्मान या सामर्थ्य का स्थान है।

- दाहिना हाथ सामर्थ्य, अधिकार या शक्ति का प्रतीक होता है।
- बाइबल में यीशु को पिता परमेश्वर के दाहिनी ओर विश्वासियों की देह (कलीसियां) का प्रमुख और संपूर्ण सृष्टि का नियंत्रण रखनेवाला दर्शाया गया है।.

- दाहिना हाथ विशेष सम्मान स्वरूप किसी के सिर पर रखा जाता था वैसे कुलपति याकूब ने यूसुफ के पुत्र एप्रैम के सिर पर दाहिना हाथ रखकर आशिष दी थी।)
- दाहिने हाथ पर सेवा करना" का अर्थ था ऐसा मनुष्य होना जिसकी सेवा विशेष करके उस व्यक्ति के लिए सहायक एवं महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- कभी-कभी दाहिना हाथ मनुष्य के दाहिने हाथ के लिए भी काम में लिया जाता था जैसे रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा उड़ाने के लिए उसके दाहिने हाथ में सरंकडा पकवाया था। इसका अनुवाद लक्षित भाषा में दाहिने हाथ के शब्द द्वारा ही किया जाए।
- प्रतीकात्मक उपयोगों के संबन्ध में, यदि लक्षित भाषा में "दाहिने हाथ" के लिए ऐसी उक्ति नहीं है तो देखें कि लक्षित भाषा में इसी अर्थ की अन्य कोई उक्ति है।
- "के दाहिनी ओर" अभिव्यक्ति का अनुवाद "दाईं तरफ" या "सम्मान के स्थान पर" या "ताकत की स्थिति" या "सहायता के लिए तैयार" के रूप में किया जा सकता है।
- "अपने दाहिने हाथ से" अनुवाद करने के तरीके में "अधिकार के साथ" या "शक्ति का उपयोग" या "उनकी अद्भुत ताकत के साथ" शामिल हो सकते हैं।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "उसका दहिने हाथ और उसका शक्तिशाली हाथ" परमेश्वर की सामर्थ और महान ताकत पर बल देने के दो तरीकों का उपयोग करता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद करने का एक तरीका "उसकी अद्भुत ताकत और शक्तिशाली शक्ति हो सकती है।"
- "उनका दहिने हाथ झूठ" के अभिव्यक्ति इस रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "उनके बारे में सबसे सम्मानजनक बात भी झूठ से भ्रष्ट है" या "उनकी जगह की प्रतिष्ठा धोखे से भ्रष्ट है" या "वे अपने आप को शक्तिशाली बनाने के लिए झूठ का उपयोग करते हैं।"

(यह भी देखें: दोष, बुराई, आदर, सामर्थ्य, दण्ड देना, बलवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:32-33
- कुलुस्सियों 03:1-4
- गलातियों 04:9-10
- उत्पत्ति 48:14-16
- इब्रानियों 10:11-14
- विलाप 02: 3-4
- मत्ती 23:31-33
- मत्ती 26:62-64
- भजन-संहिता 044:3-4
- प्रकाशितवाक्य 02:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3225, H3231, H3233, G1188

दाहिना हाथ

परिभाषा:

"दाहिना हाथ" प्रतीकात्मक रूप में किसी शासक के दाहिनी या किसी महत्वपूर्ण मनुष्य के दाहिने हाथ की ओर सम्मान या सामर्थ्य का स्थान है।

- दाहिना हाथ सामर्थ्य, अधिकार या शक्ति का प्रतीक होता है।
- बाइबल में यीशु को पिता परमेश्वर के दाहिनी ओर विश्वासियों की देह (कलीसियां) का प्रमुख और संपूर्ण सृष्टि का नियंत्रण रखनेवाला दर्शाया गया है।.
- दाहिना हाथ विशेष सम्मान स्वरूप किसी के सिर पर रखा जाता था वैसे कुलपति याकूब ने यूसुफ के पुत्र एप्रैम के सिर पर दाहिना हाथ रखकर आशिष दी थी।)
- दाहिने हाथ पर सेवा करना" का अर्थ था ऐसा मनुष्य होना जिसकी सेवा विशेष करके उस व्यक्ति के लिए सहायक एवं महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- कभी-कभी दाहिना हाथ मनुष्य के दाहिने हाथ के लिए भी काम में लिया जाता था जैसे रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा उड़ाने के लिए उसके दाहिने हाथ में सरंकडा पकवाया था। इसका अनुवाद लक्षित भाषा में दाहिने हाथ के शब्द द्वारा ही किया जाए।
- प्रतीकात्मक उपयोगों के संबन्ध में, यदि लक्षित भाषा में "दाहिने हाथ" के लिए ऐसी उक्ति नहीं है तो देखें कि लक्षित भाषा में इसी अर्थ की अन्य कोई उक्ति है।
- "के दाहिनी ओर" अभिव्यक्ति का अनुवाद "दाईं तरफ" या "सम्मान के स्थान पर" या "ताकत की स्थिति" या "सहायता के लिए तैयार" के रूप में किया जा सकता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- "अपने दाहिने हाथ से" अनुवाद करने के तरीके में "अधिकार के साथ" या "शक्ति का उपयोग" या "उनकी अद्भुत ताकत के साथ" शामिल हो सकते हैं।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "उसका दहिने हाथ और उसका शक्तिशाली हाथ" परमेश्वर की सामर्थ और महान ताकत पर बल देने के दो तरीकों का उपयोग करता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद करने का एक तरीका "उसकी अद्भुत ताकत और शक्तिशाली शक्ति हो सकती है।"
- "उनका दहिने हाथ झूठ" के अभिव्यक्ति इस रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "उनके बारे में सबसे सम्मानजनक बात भी झूठ से भ्रष्ट है" या "उनकी जगह की प्रतिष्ठा धोखे से भ्रष्ट है" या "वे अपने आप को शक्तिशाली बनाने के लिए झूठ का उपयोग करते हैं।"

(यह भी देखें: दोष, बुराई, आदर, सामर्थ्य, दण्ड देना, बलवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:32-33
- कुलुस्सियों 03:1-4
- गलातियों 04:9-10
- उत्पत्ति 48:14-16
- इब्रानियों 10:11-14
- विलाप 02: 3-4
- मत्ती 23:31-33
- मत्ती 26:62-64
- भजन-संहिता 044:3-4
- प्रकाशितवाक्य 02:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3225, H3231, H3233, G1188

दाहिना हाथ

परिभाषा:

“दाहिना हाथ” प्रतीकात्मक रूप में किसी शासक के दाहिनी या किसी महत्वपूर्ण मनुष्य के दाहिने हाथ की ओर सम्मान या सामर्थ्य का स्थान है।

- दाहिना हाथ सामर्थ्य, अधिकार या शक्ति का प्रतीक होता है।
- बाइबल में यीशु को पिता परमेश्वर के दाहिनी ओर विश्वासियों की देह (कलीसियां) का प्रमुख और संपूर्ण सृष्टि का नियंत्रण रखनेवाला दर्शाया गया है।.
- दाहिना हाथ विशेष सम्मान स्वरूप किसी के सिर पर रखा जाता था वैसे कुलपति याकूब ने यूसुफ के पुत्र एप्रैम के सिर पर दाहिना हाथ रखकर आशिष दी थी।)
- दाहिने हाथ पर सेवा करना” का अर्थ था ऐसा मनुष्य होना जिसकी सेवा विशेष करके उस व्यक्ति के लिए सहायक एवं महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- कभी-कभी दाहिना हाथ मनुष्य के दाहिने हाथ के लिए भी काम में लिया जाता था जैसे रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा उड़ाने के लिए उसके दाहिने हाथ में सरंकडा पकवाया था। इसका अनुवाद लक्षित भाषा में दाहिने हाथ के शब्द द्वारा ही किया जाए।
- प्रतीकात्मक उपयोगों के संबन्ध में, यदि लक्षित भाषा में “दाहिने हाथ” के लिए ऐसी उक्ति नहीं है तो देखें कि लक्षित भाषा में इसी अर्थ की अन्य कोई उक्ति है।
- "के दाहिनी ओर" अभिव्यक्ति का अनुवाद "दाईं तरफ" या "सम्मान के स्थान पर" या "ताकत की स्थिति" या "सहायता के लिए तैयार" के रूप में किया जा सकता है।
- "अपने दाहिने हाथ से" अनुवाद करने के तरीके में "अधिकार के साथ" या "शक्ति का उपयोग" या "उनकी अद्भुत ताकत के साथ" शामिल हो सकते हैं।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "उसका दहिने हाथ और उसका शक्तिशाली हाथ" परमेश्वर की सामर्थ और महान ताकत पर बल देने के दो तरीकों का उपयोग करता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद करने का एक तरीका "उसकी अद्भुत ताकत और शक्तिशाली शक्ति हो सकती है।"
- "उनका दहिने हाथ झूठ" के अभिव्यक्ति इस रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "उनके बारे में सबसे सम्मानजनक बात भी झूठ से भ्रष्ट है" या "उनकी जगह की प्रतिष्ठा धोखे से भ्रष्ट है" या "वे अपने आप को शक्तिशाली बनाने के लिए झूठ का उपयोग करते हैं।"

(यह भी देखें: दोष, बुराई, आदर, सामर्थ्य, दण्ड देना, बलवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:32-33
- कुलुस्सियों 03:1-4

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- गलातियों 04:9-10
- उत्पत्ति 48:14-16
- इब्रानियों 10:11-14
- विलाप 02: 3-4
- मत्ती 23:31-33
- मत्ती 26:62-64
- भजन-संहिता 044:3-4
- प्रकाशितवाक्य 02:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3225, H3231, H3233, G1188

दाहिना हाथ

परिभाषा:

“दाहिना हाथ” प्रतीकात्मक रूप में किसी शासक के दाहिनी या किसी महत्वपूर्ण मनुष्य के दाहिने हाथ की ओर सम्मान या सामर्थ्य का स्थान है।

- दाहिना हाथ सामर्थ्य, अधिकार या शक्ति का प्रतीक होता है।
- बाइबल में यीशु को पिता परमेश्वर के दाहिनी ओर विश्वासियों की देह (कलीसियां) का प्रमुख और संपूर्ण सृष्टि का नियंत्रण रखनेवाला दर्शाया गया है।.
- दाहिना हाथ विशेष सम्मान स्वरूप किसी के सिर पर रखा जाता था वैसे कुलपति याकूब ने यूसुफ के पुत्र एप्रैम के सिर पर दाहिना हाथ रखकर आशिष दी थी।)
- दाहिने हाथ पर सेवा करना” का अर्थ था ऐसा मनुष्य होना जिसकी सेवा विशेष करके उस व्यक्ति के लिए सहायक एवं महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- कभी-कभी दाहिना हाथ मनुष्य के दाहिने हाथ के लिए भी काम में लिया जाता था जैसे रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा उड़ाने के लिए उसके दाहिने हाथ में सरंकडा पकवाया था। इसका अनुवाद लक्षित भाषा में दाहिने हाथ के शब्द द्वारा ही किया जाए।
- प्रतीकात्मक उपयोगों के संबन्ध में, यदि लक्षित भाषा में “दाहिने हाथ” के लिए ऐसी उक्ति नहीं है तो देखें कि लक्षित भाषा में इसी अर्थ की अन्य कोई उक्ति है।
- "के दाहिनी ओर" अभिव्यक्ति का अनुवाद "दाईं तरफ" या "सम्मान के स्थान पर" या "ताकत की स्थिति" या "सहायता के लिए तैयार" के रूप में किया जा सकता है।
- "अपने दाहिने हाथ से" अनुवाद करने के तरीके में "अधिकार के साथ" या "शक्ति का उपयोग" या "उनकी अद्भुत ताकत के साथ" शामिल हो सकते हैं।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "उसका दहिने हाथ और उसका शक्तिशाली हाथ" परमेश्वर की सामर्थ और महान ताकत पर बल देने के दो तरीकों का उपयोग करता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद करने का एक तरीका "उसकी अद्भुत ताकत और शक्तिशाली शक्ति हो सकती है।"
- "उनका दहिने हाथ झूठ" के अभिव्यक्ति इस रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "उनके बारे में सबसे सम्मानजनक बात भी झूठ से भ्रष्ट है" या "उनकी जगह की प्रतिष्ठा धोखे से भ्रष्ट है" या "वे अपने आप को शक्तिशाली बनाने के लिए झूठ का उपयोग करते हैं।"

(यह भी देखें: दोष, बुराई, आदर, सामर्थ्य, दण्ड देना, बलवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:32-33
- कुलुस्सियों 03:1-4
- गलातियों 04:9-10
- उत्पत्ति 48:14-16
- इब्रानियों 10:11-14
- विलाप 02: 3-4
- मत्ती 23:31-33
- मत्ती 26:62-64
- भजन-संहिता 044:3-4
- प्रकाशितवाक्य 02:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3225, H3231, H3233, G1188

दाहिना हाथ

परिभाषा:

“दाहिना हाथ” प्रतीकात्मक रूप में किसी शासक के दाहिनी या किसी महत्वपूर्ण मनुष्य के दाहिने हाथ की ओर सम्मान या सामर्थ्य का स्थान है।

- दाहिना हाथ सामर्थ्य, अधिकार या शक्ति का प्रतीक होता है।
- बाइबल में यीशु को पिता परमेश्वर के दाहिनी ओर विश्वासियों की देह (कलीसियां) का प्रमुख और संपूर्ण सृष्टि का नियंत्रण रखनेवाला दर्शाया गया है।.
- दाहिना हाथ विशेष सम्मान स्वरूप किसी के सिर पर रखा जाता था वैसे कुलपति याकूब ने यूसुफ के पुत्र एप्रैम के सिर पर दाहिना हाथ रखकर आशिष दी थी।)
- दाहिने हाथ पर सेवा करना” का अर्थ था ऐसा मनुष्य होना जिसकी सेवा विशेष करके उस व्यक्ति के लिए सहायक एवं महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- कभी-कभी दाहिना हाथ मनुष्य के दाहिने हाथ के लिए भी काम में लिया जाता था जैसे रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा उड़ाने के लिए उसके दाहिने हाथ में सरंकडा पकवाया था। इसका अनुवाद लक्षित भाषा में दाहिने हाथ के शब्द द्वारा ही किया जाए।
- प्रतीकात्मक उपयोगों के संबन्ध में, यदि लक्षित भाषा में “दाहिने हाथ” के लिए ऐसी उक्ति नहीं है तो देखें कि लक्षित भाषा में इसी अर्थ की अन्य कोई उक्ति है।
- "के दाहिनी ओर" अभिव्यक्ति का अनुवाद "दाईं तरफ" या "सम्मान के स्थान पर" या "ताकत की स्थिति" या "सहायता के लिए तैयार" के रूप में किया जा सकता है।
- "अपने दाहिने हाथ से" अनुवाद करने के तरीके में "अधिकार के साथ" या "शक्ति का उपयोग" या "उनकी अद्भुत ताकत के साथ" शामिल हो सकते हैं।
- लाक्षणिक अभिव्यक्ति "उसका दहिने हाथ और उसका शक्तिशाली हाथ" परमेश्वर की सामर्थ और महान ताकत पर बल देने के दो तरीकों का उपयोग करता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद करने का एक तरीका "उसकी अद्भुत ताकत और शक्तिशाली शक्ति हो सकती है।"
- "उनका दहिने हाथ झूठ" के अभिव्यक्ति इस रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "उनके बारे में सबसे सम्मानजनक बात भी झूठ से भ्रष्ट है" या "उनकी जगह की प्रतिष्ठा धोखे से भ्रष्ट है" या "वे अपने आप को शक्तिशाली बनाने के लिए झूठ का उपयोग करते हैं।"

(यह भी देखें: दोष, बुराई, आदर, सामर्थ्य, दण्ड देना, बलवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:32-33
- कुलुस्सियों 03:1-4
- गलातियों 04:9-10
- उत्पत्ति 48:14-16
- इब्रानियों 10:11-14
- विलाप 02: 3-4
- मत्ती 23:31-33
- मत्ती 26:62-64
- भजन-संहिता 044:3-4
- प्रकाशितवाक्य 02:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3225, H3231, H3233, G1188

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।

- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दिन, दिनों

परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: दण्ड के दिन, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:4-6
- दानिय्येल 10:4-6
- एज्रा 06:13-15
- एज्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

दीन, विनम्र, नम्र बनाया, नम्रता

परिभाषा:

“दीन” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको अन्यों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न अभिमानी है। दीनता दीन होने का गुण है।

- परमेश्वर के समक्ष दीन होने का अर्थ है परमेश्वर की महानता, बुद्धि और सिद्धता के समक्ष स्वयं की दुर्बलता एवं असिद्धता को समझना।
- मनुष्य यदि दीन बने तो वह स्वयं को कम महत्व के स्थान में रखता है।
- नम्रता का अर्थ है अपने से अधिक दूसरों की आवश्यकता की सुधि लेना।
- नम्रता का अर्थ यह भी है कि अपने वरदानों तथा योग्यताओं के उपयोग के समय किसी की सेवा में मर्यादा का पालन करना।
- “दीन बनो” का अनुवाद, “निराभिमान होना” हो सकता है।
- “परमेश्वर के सम्मुख दीन बनो” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महानता को ग्रहण करके अपनी इच्छा परमेश्वर के आधीन कर दो”।

(यह भी देखें: घमंडी)

बाइबल संदर्भ:

- याकूब 01:19-21
- याकूब 03:13-14
- याकूब 04:8-10
- लूका 14:10-11
- लूका 18:13-14

- मत्ती 18:4-6
- मत्ती 23:11-12

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:10** “जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(परमेश्वर)छोटा किया जाएगा, और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G858, G4236, G4239, G4240, G5011, G5012, G5013, G5391

दीन, विनम्र, नम्र बनाया, नम्रता

परिभाषा:

“दीन” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको अन्यों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न अभिमानी है। दीनता दीन होने का गुण है।

- परमेश्वर के समक्ष दीन होने का अर्थ है परमेश्वर की महानता, बुद्धि और सिद्धता के समक्ष स्वयं की दुर्बलता एवं असिद्धता को समझना।
- मनुष्य यदि दीन बने तो वह स्वयं को कम महत्व के स्थान में रखता है।
- नम्रता का अर्थ है अपने से अधिक दूसरों की आवश्यकता की सुधि लेना।
- नम्रता का अर्थ यह भी है कि अपने वरदानों तथा योग्यताओं के उपयोग के समय किसी की सेवा में मर्यादा का पालन करना।
- “दीन बनो” का अनुवाद, “निराभिमान होना” हो सकता है।
- “परमेश्वर के सम्मुख दीन बनो” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महानता को ग्रहण करके अपनी इच्छा परमेश्वर के आधीन कर दो”।

(यह भी देखें: घमंडी)

बाइबल संदर्भ:

- याकूब 01:19-21
- याकूब 03:13-14
- याकूब 04:8-10
- लूका 14:10-11
- लूका 18:13-14
- मत्ती 18:4-6
- मत्ती 23:11-12

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:10** “जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(परमेश्वर)छोटा किया जाएगा, और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G858, G4236, G4239, G4240, G5011, G5012, G5013, G5391

दीन, विनम्र, नम्र बनाया, नम्रता

परिभाषा:

“दीन” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको अन्यों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न अभिमानी है। दीनता दीन होने का गुण है।

- परमेश्वर के समक्ष दीन होने का अर्थ है परमेश्वर की महानता, बुद्धि और सिद्धता के समक्ष स्वयं की दुर्बलता एवं असिद्धता को समझना।
- मनुष्य यदि दीन बने तो वह स्वयं को कम महत्व के स्थान में रखता है।
- नम्रता का अर्थ है अपने से अधिक दूसरों की आवश्यकता की सुधि लेना।

- नम्रता का अर्थ यह भी है कि अपने वरदानों तथा योग्यताओं के उपयोग के समय किसी की सेवा में मर्यादा का पालन करना।
- “दीन बनो” का अनुवाद, “निराभिमान होना” हो सकता है।
- “परमेश्वर के सम्मुख दीन बनो” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महानता को ग्रहण करके अपनी इच्छा परमेश्वर के आधीन कर दो”।

(यह भी देखें: घमंडी)

बाइबल संदर्भ:

- याकूब 01:19-21
- याकूब 03:13-14
- याकूब 04:8-10
- लूका 14:10-11
- लूका 18:13-14
- मत्ती 18:4-6
- मत्ती 23:11-12

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:10** “जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(परमेश्वर)छोटा किया जाएगा, और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G858, G4236, G4239, G4240, G5011, G5012, G5013, G5391

दीन, विनम्र, नम्र बनाया, नम्रता

परिभाषा:

“दीन” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको अन्यों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न अभिमानी है। दीनता दीन होने का गुण है।

- परमेश्वर के समक्ष दीन होने का अर्थ है परमेश्वर की महानता, बुद्धि और सिद्धता के समक्ष स्वयं की दुर्बलता एवं असिद्धता को समझना।
- मनुष्य यदि दीन बने तो वह स्वयं को कम महत्व के स्थान में रखता है।
- नम्रता का अर्थ है अपने से अधिक दूसरों की आवश्यकता की सुधि लेना।
- नम्रता का अर्थ यह भी है कि अपने वरदानों तथा योग्यताओं के उपयोग के समय किसी की सेवा में मर्यादा का पालन करना।
- “दीन बनो” का अनुवाद, “निराभिमान होना” हो सकता है।
- “परमेश्वर के सम्मुख दीन बनो” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महानता को ग्रहण करके अपनी इच्छा परमेश्वर के आधीन कर दो”।

(यह भी देखें: घमंडी)

बाइबल संदर्भ:

- याकूब 01:19-21
- याकूब 03:13-14
- याकूब 04:8-10
- लूका 14:10-11
- लूका 18:13-14
- मत्ती 18:4-6
- मत्ती 23:11-12

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:10** “जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(परमेश्वर)छोटा किया जाएगा, और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G858, G4236, G4239, G4240, G5011, G5012, G5013, G5391

दीन, विनम्र, नम्र बनाया, नम्रता

परिभाषा:

"दीन" शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको अन्यों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न अभिमानी है। दीनता दीन होने का गुण है।

- परमेश्वर के समक्ष दीन होने का अर्थ है परमेश्वर की महानता, बुद्धि और सिद्धता के समक्ष स्वयं की दुर्बलता एवं असिद्धता को समझना।
- मनुष्य यदि दीन बने तो वह स्वयं को कम महत्व के स्थान में रखता है।
- नम्रता का अर्थ है अपने से अधिक दूसरों की आवश्यकता की सुधि लेना।
- नम्रता का अर्थ यह भी है कि अपने वरदानों तथा योग्यताओं के उपयोग के समय किसी की सेवा में मर्यादा का पालन करना।
- "दीन बनो" का अनुवाद, "निराभिमान होना" हो सकता है।
- "परमेश्वर के सम्मुख दीन बनो" का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर की महानता को ग्रहण करके अपनी इच्छा परमेश्वर के आधीन कर दो"।

(यह भी देखें: घमंडी)

बाइबल संदर्भ:

- याकूब 01:19-21
- याकूब 03:13-14
- याकूब 04:8-10
- लूका 14:10-11
- लूका 18:13-14
- मत्ती 18:4-6
- मत्ती 23:11-12

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:10** "जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(परमेश्वर)छोटा किया जाएगा, और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G858, G4236, G4239, G4240, G5011, G5012, G5013, G5391

दीन, विनम्र, नम्र बनाया, नम्रता

परिभाषा:

"दीन" शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको अन्यों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न अभिमानी है। दीनता दीन होने का गुण है।

- परमेश्वर के समक्ष दीन होने का अर्थ है परमेश्वर की महानता, बुद्धि और सिद्धता के समक्ष स्वयं की दुर्बलता एवं असिद्धता को समझना।
- मनुष्य यदि दीन बने तो वह स्वयं को कम महत्व के स्थान में रखता है।
- नम्रता का अर्थ है अपने से अधिक दूसरों की आवश्यकता की सुधि लेना।
- नम्रता का अर्थ यह भी है कि अपने वरदानों तथा योग्यताओं के उपयोग के समय किसी की सेवा में मर्यादा का पालन करना।
- "दीन बनो" का अनुवाद, "निराभिमान होना" हो सकता है।
- "परमेश्वर के सम्मुख दीन बनो" का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर की महानता को ग्रहण करके अपनी इच्छा परमेश्वर के आधीन कर दो"।

(यह भी देखें: घमंडी)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल संदर्भ:

- याकूब 01:19-21
- याकूब 03:13-14
- याकूब 04:8-10
- लूका 14:10-11
- लूका 18:13-14
- मत्ती 18:4-6
- मत्ती 23:11-12

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:10** “जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(परमेश्वर)छोटा किया जाएगा, और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G858, G4236, G4239, G4240, G5011, G5012, G5013, G5391

दीन, विनम्र, नम्र बनाया, नम्रता

परिभाषा:

“दीन” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको अन्यों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न अभिमानी है। दीनता दीन होने का गुण है।

- परमेश्वर के समक्ष दीन होने का अर्थ है परमेश्वर की महानता, बुद्धि और सिद्धता के समक्ष स्वयं की दुर्बलता एवं असिद्धता को समझना।
- मनुष्य यदि दीन बने तो वह स्वयं को कम महत्व के स्थान में रखता है।
- नम्रता का अर्थ है अपने से अधिक दूसरों की आवश्यकता की सुधि लेना।
- नम्रता का अर्थ यह भी है कि अपने वरदानों तथा योग्यताओं के उपयोग के समय किसी की सेवा में मर्यादा का पालन करना।
- “दीन बनो” का अनुवाद, “निराभिमान होना” हो सकता है।
- “परमेश्वर के सम्मुख दीन बनो” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महानता को ग्रहण करके अपनी इच्छा परमेश्वर के आधीन कर दो”।

(यह भी देखें: घमंडी)

बाइबल संदर्भ:

- याकूब 01:19-21
- याकूब 03:13-14
- याकूब 04:8-10
- लूका 14:10-11
- लूका 18:13-14
- मत्ती 18:4-6
- मत्ती 23:11-12

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:10** “जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(परमेश्वर)छोटा किया जाएगा, और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G858, G4236, G4239, G4240, G5011, G5012, G5013, G5391

दीन, विनम्र, नम्र बनाया, नम्रता

परिभाषा:

“दीन” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको अन्यों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न अभिमानी है। दीनता दीन होने का गुण है।

- परमेश्वर के समक्ष दीन होने का अर्थ है परमेश्वर की महानता, बुद्धि और सिद्धता के समक्ष स्वयं की दुर्बलता एवं असिद्धता को समझना।
- मनुष्य यदि दीन बने तो वह स्वयं को कम महत्व के स्थान में रखता है।
- नम्रता का अर्थ है अपने से अधिक दूसरों की आवश्यकता की सुधि लेना।
- नम्रता का अर्थ यह भी है कि अपने वरदानों तथा योग्यताओं के उपयोग के समय किसी की सेवा में मर्यादा का पालन करना।
- “दीन बनो” का अनुवाद, “निराभिमान होना” हो सकता है।
- “परमेश्वर के सम्मुख दीन बनो” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महानता को ग्रहण करके अपनी इच्छा परमेश्वर के आधीन कर दो”।

(यह भी देखें: घमंडी)

बाइबल संदर्भ:

- याकूब 01:19-21
- याकूब 03:13-14
- याकूब 04:8-10
- लूका 14:10-11
- लूका 18:13-14
- मत्ती 18:4-6
- मत्ती 23:11-12

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:10** “जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(परमेश्वर)छोटा किया जाएगा, और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G858, G4236, G4239, G4240, G5011, G5012, G5013, G5391

दीन, विनम्र, नम्र बनाया, नम्रता

परिभाषा:

“दीन” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको अन्यों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न अभिमानी है। दीनता दीन होने का गुण है।

- परमेश्वर के समक्ष दीन होने का अर्थ है परमेश्वर की महानता, बुद्धि और सिद्धता के समक्ष स्वयं की दुर्बलता एवं असिद्धता को समझना।
- मनुष्य यदि दीन बने तो वह स्वयं को कम महत्व के स्थान में रखता है।
- नम्रता का अर्थ है अपने से अधिक दूसरों की आवश्यकता की सुधि लेना।
- नम्रता का अर्थ यह भी है कि अपने वरदानों तथा योग्यताओं के उपयोग के समय किसी की सेवा में मर्यादा का पालन करना।
- “दीन बनो” का अनुवाद, “निराभिमान होना” हो सकता है।
- “परमेश्वर के सम्मुख दीन बनो” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महानता को ग्रहण करके अपनी इच्छा परमेश्वर के आधीन कर दो”।

(यह भी देखें: घमंडी)

बाइबल संदर्भ:

- याकूब 01:19-21
- याकूब 03:13-14
- याकूब 04:8-10
- लूका 14:10-11
- लूका 18:13-14

- मत्ती 18:4-6
- मत्ती 23:11-12

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:10** “जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(परमेश्वर)छोटा किया जाएगा, और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G858, G4236, G4239, G4240, G5011, G5012, G5013, G5391

दीन, विनम्र, नम्र बनाया, नम्रता

परिभाषा:

“दीन” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको अन्यों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न अभिमानी है। दीनता दीन होने का गुण है।

- परमेश्वर के समक्ष दीन होने का अर्थ है परमेश्वर की महानता, बुद्धि और सिद्धता के समक्ष स्वयं की दुर्बलता एवं असिद्धता को समझना।
- मनुष्य यदि दीन बने तो वह स्वयं को कम महत्व के स्थान में रखता है।
- नम्रता का अर्थ है अपने से अधिक दूसरों की आवश्यकता की सुधि लेना।
- नम्रता का अर्थ यह भी है कि अपने वरदानों तथा योग्यताओं के उपयोग के समय किसी की सेवा में मर्यादा का पालन करना।
- “दीन बनो” का अनुवाद, “निराभिमान होना” हो सकता है।
- “परमेश्वर के सम्मुख दीन बनो” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महानता को ग्रहण करके अपनी इच्छा परमेश्वर के आधीन कर दो”।

(यह भी देखें: घमंडी)

बाइबल संदर्भ:

- याकूब 01:19-21
- याकूब 03:13-14
- याकूब 04:8-10
- लूका 14:10-11
- लूका 18:13-14
- मत्ती 18:4-6
- मत्ती 23:11-12

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:10** “जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(परमेश्वर)छोटा किया जाएगा, और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G858, G4236, G4239, G4240, G5011, G5012, G5013, G5391

दीन, विनम्र, नम्र बनाया, नम्रता

परिभाषा:

“दीन” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको अन्यों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न अभिमानी है। दीनता दीन होने का गुण है।

- परमेश्वर के समक्ष दीन होने का अर्थ है परमेश्वर की महानता, बुद्धि और सिद्धता के समक्ष स्वयं की दुर्बलता एवं असिद्धता को समझना।
- मनुष्य यदि दीन बने तो वह स्वयं को कम महत्व के स्थान में रखता है।
- नम्रता का अर्थ है अपने से अधिक दूसरों की आवश्यकता की सुधि लेना।

- नम्रता का अर्थ यह भी है कि अपने वरदानों तथा योग्यताओं के उपयोग के समय किसी की सेवा में मर्यादा का पालन करना।
- “दीन बनो” का अनुवाद, “निराभिमान होना” हो सकता है।
- “परमेश्वर के सम्मुख दीन बनो” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महानता को ग्रहण करके अपनी इच्छा परमेश्वर के आधीन कर दो”।

(यह भी देखें: घमंडी)

बाइबल संदर्भ:

- याकूब 01:19-21
- याकूब 03:13-14
- याकूब 04:8-10
- लूका 14:10-11
- लूका 18:13-14
- मत्ती 18:4-6
- मत्ती 23:11-12

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:10** “जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(परमेश्वर)छोटा किया जाएगा, और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G858, G4236, G4239, G4240, G5011, G5012, G5013, G5391

दीन, विनम्र, नम्र बनाया, नम्रता

परिभाषा:

“दीन” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको अन्यों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न अभिमानी है। दीनता दीन होने का गुण है।

- परमेश्वर के समक्ष दीन होने का अर्थ है परमेश्वर की महानता, बुद्धि और सिद्धता के समक्ष स्वयं की दुर्बलता एवं असिद्धता को समझना।
- मनुष्य यदि दीन बने तो वह स्वयं को कम महत्व के स्थान में रखता है।
- नम्रता का अर्थ है अपने से अधिक दूसरों की आवश्यकता की सुधि लेना।
- नम्रता का अर्थ यह भी है कि अपने वरदानों तथा योग्यताओं के उपयोग के समय किसी की सेवा में मर्यादा का पालन करना।
- “दीन बनो” का अनुवाद, “निराभिमान होना” हो सकता है।
- “परमेश्वर के सम्मुख दीन बनो” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महानता को ग्रहण करके अपनी इच्छा परमेश्वर के आधीन कर दो”।

(यह भी देखें: घमंडी)

बाइबल संदर्भ:

- याकूब 01:19-21
- याकूब 03:13-14
- याकूब 04:8-10
- लूका 14:10-11
- लूका 18:13-14
- मत्ती 18:4-6
- मत्ती 23:11-12

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:10** “जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(परमेश्वर)छोटा किया जाएगा, और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G858, G4236, G4239, G4240, G5011, G5012, G5013, G5391

दीन, विनम्र, नम्र बनाया, नम्रता

परिभाषा:

"दीन" शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको अन्यों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न अभिमानी है। दीनता दीन होने का गुण है।

- परमेश्वर के समक्ष दीन होने का अर्थ है परमेश्वर की महानता, बुद्धि और सिद्धता के समक्ष स्वयं की दुर्बलता एवं असिद्धता को समझना।
- मनुष्य यदि दीन बने तो वह स्वयं को कम महत्व के स्थान में रखता है।
- नम्रता का अर्थ है अपने से अधिक दूसरों की आवश्यकता की सुधि लेना।
- नम्रता का अर्थ यह भी है कि अपने वरदानों तथा योग्यताओं के उपयोग के समय किसी की सेवा में मर्यादा का पालन करना।
- "दीन बनो" का अनुवाद, "निराभिमान होना" हो सकता है।
- "परमेश्वर के सम्मुख दीन बनो" का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर की महानता को ग्रहण करके अपनी इच्छा परमेश्वर के आधीन कर दो"।

(यह भी देखें: घमंडी)

बाइबल संदर्भ:

- याकूब 01:19-21
- याकूब 03:13-14
- याकूब 04:8-10
- लूका 14:10-11
- लूका 18:13-14
- मत्ती 18:4-6
- मत्ती 23:11-12

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:10** "जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(परमेश्वर)छोटा किया जाएगा, और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G858, G4236, G4239, G4240, G5011, G5012, G5013, G5391

दीन, छोटा होगा, दीनता

परिभाषा:

दीन और नम्रता का संदर्भ गरीब या दीन दशा से है। दीन होने का अर्थ "विनम्र" होने से भी है।

- यीशु मानव रूप धारण करने और मनुष्यों की सेवा करने तक दीन (शून्य) बना था।
- उसका जन्म दीन अवस्था में हुआ था क्योंकि वह राजमहल की अपेक्षा गौशाला में हुआ था।
- दीन स्वभाव अभिमान का विलोम है।
- "दीनता" के अनुवाद रूप है "विनम्र" या "दीन दशा" या "महत्वहीन"।
- "दीन दशा" का अनुवाद "दीनता" या "बहुत कम महत्व" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: दीन, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:17-21
- यहेजकेल 17:13-14

- लूका 01:48-49
- रोमियो 12:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

दीन, छोटा होगा, दीनता

परिभाषा:

दीन और नम्रता का संदर्भ गरीब या दीन दशा से है। दीन होने का अर्थ "विनम्र" होने से भी है।

- यीशु मानव रूप धारण करने और मनुष्यों की सेवा करने तक दीन (शून्य) बना था।
- उसका जन्म दीन अवस्था में हुआ था क्योंकि वह राजमहल की अपेक्षा गौशाला में हुआ था।
- दीन स्वभाव अभिमान का विलोम है।
- "दीनता" के अनुवाद रूप है "विनम्र" या "दीन दशा" या "महत्वहीन"।
- "दीन दशा" का अनुवाद "दीनता" या "बहुत कम महत्व" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: दीन, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:17-21
- यहेजकेल 17:13-14
- लूका 01:48-49
- रोमियो 12:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

दीन, छोटा होगा, दीनता

परिभाषा:

दीन और नम्रता का संदर्भ गरीब या दीन दशा से है। दीन होने का अर्थ "विनम्र" होने से भी है।

- यीशु मानव रूप धारण करने और मनुष्यों की सेवा करने तक दीन (शून्य) बना था।
- उसका जन्म दीन अवस्था में हुआ था क्योंकि वह राजमहल की अपेक्षा गौशाला में हुआ था।
- दीन स्वभाव अभिमान का विलोम है।
- "दीनता" के अनुवाद रूप है "विनम्र" या "दीन दशा" या "महत्वहीन"।
- "दीन दशा" का अनुवाद "दीनता" या "बहुत कम महत्व" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: दीन, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:17-21
- यहेजकेल 17:13-14
- लूका 01:48-49
- रोमियो 12:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दीन, छोटा होगा, दीनता

परिभाषा:

दीन और नम्रता का संदर्भ गरीब या दीन दशा से है। दीन होने का अर्थ "विनम्र" होने से भी है।

- यीशु मानव रूप धारण करने और मनुष्यों की सेवा करने तक दीन (शून्य) बना था।
- उसका जन्म दीन अवस्था में हुआ था क्योंकि वह राजमहल की अपेक्षा गौशाला में हुआ था।
- दीन स्वभाव अभिमान का विलोम है।
- "दीनता" के अनुवाद रूप है "विनम्र" या "दीन दशा" या "महत्वहीन"।
- "दीन दशा" का अनुवाद "दीनता" या "बहुत कम महत्व" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: दीन, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:17-21
- यहेजकेल 17:13-14
- लूका 01:48-49
- रोमियो 12:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

दीन, छोटा होगा, दीनता

परिभाषा:

दीन और नम्रता का संदर्भ गरीब या दीन दशा से है। दीन होने का अर्थ "विनम्र" होने से भी है।

- यीशु मानव रूप धारण करने और मनुष्यों की सेवा करने तक दीन (शून्य) बना था।
- उसका जन्म दीन अवस्था में हुआ था क्योंकि वह राजमहल की अपेक्षा गौशाला में हुआ था।
- दीन स्वभाव अभिमान का विलोम है।
- "दीनता" के अनुवाद रूप है "विनम्र" या "दीन दशा" या "महत्वहीन"।
- "दीन दशा" का अनुवाद "दीनता" या "बहुत कम महत्व" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: दीन, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:17-21
- यहेजकेल 17:13-14
- लूका 01:48-49
- रोमियो 12:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

दीन, छोटा होगा, दीनता

परिभाषा:

दीन और नम्रता का संदर्भ गरीब या दीन दशा से है। दीन होने का अर्थ "विनम्र" होने से भी है।

- यीशु मानव रूप धारण करने और मनुष्यों की सेवा करने तक दीन (शून्य) बना था।
- उसका जन्म दीन अवस्था में हुआ था क्योंकि वह राजमहल की अपेक्षा गौशाला में हुआ था।
- दीन स्वभाव अभिमान का विलोम है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- “दीनता” के अनुवाद रूप है “विनम्र” या “दीन दशा” या “महत्वहीन”।
- “दीन दशा” का अनुवाद “दीनता” या “बहुत कम महत्व” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: दीन, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:17-21
- यहेजकेल 17:13-14
- लूका 01:48-49
- रोमियो 12:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

दीन, छोटा होगा, दीनता

परिभाषा:

दीन और नम्रता का संदर्भ गरीब या दीन दशा से है। दीन होने का अर्थ “विनम्र” होने से भी है।

- यीशु मानव रूप धारण करने और मनुष्यों की सेवा करने तक दीन (शून्य) बना था।
- उसका जन्म दीन अवस्था में हुआ था क्योंकि वह राजमहल की अपेक्षा गौशाला में हुआ था।
- दीन स्वभाव अभिमान का विलोम है।
- “दीनता” के अनुवाद रूप है “विनम्र” या “दीन दशा” या “महत्वहीन”।
- “दीन दशा” का अनुवाद “दीनता” या “बहुत कम महत्व” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: दीन, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:17-21
- यहेजकेल 17:13-14
- लूका 01:48-49
- रोमियो 12:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

दीन, छोटा होगा, दीनता

परिभाषा:

दीन और नम्रता का संदर्भ गरीब या दीन दशा से है। दीन होने का अर्थ “विनम्र” होने से भी है।

- यीशु मानव रूप धारण करने और मनुष्यों की सेवा करने तक दीन (शून्य) बना था।
- उसका जन्म दीन अवस्था में हुआ था क्योंकि वह राजमहल की अपेक्षा गौशाला में हुआ था।
- दीन स्वभाव अभिमान का विलोम है।
- “दीनता” के अनुवाद रूप है “विनम्र” या “दीन दशा” या “महत्वहीन”।
- “दीन दशा” का अनुवाद “दीनता” या “बहुत कम महत्व” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: दीन, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:17-21
- यहेजकेल 17:13-14

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- लूका 01:48-49
- रोमियो 12:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

दीन, छोटा होगा, दीनता

परिभाषा:

दीन और नम्रता का संदर्भ गरीब या दीन दशा से है। दीन होने का अर्थ "विनम्र" होने से भी है।

- यीशु मानव रूप धारण करने और मनुष्यों की सेवा करने तक दीन (शून्य) बना था।
- उसका जन्म दीन अवस्था में हुआ था क्योंकि वह राजमहल की अपेक्षा गौशाला में हुआ था।
- दीन स्वभाव अभिमान का विलोम है।
- "दीनता" के अनुवाद रूप है "विनम्र" या "दीन दशा" या "महत्वहीन"।
- "दीन दशा" का अनुवाद "दीनता" या "बहुत कम महत्व" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: दीन, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:17-21
- यहेजकेल 17:13-14
- लूका 01:48-49
- रोमियो 12:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

दीन, छोटा होगा, दीनता

परिभाषा:

दीन और नम्रता का संदर्भ गरीब या दीन दशा से है। दीन होने का अर्थ "विनम्र" होने से भी है।

- यीशु मानव रूप धारण करने और मनुष्यों की सेवा करने तक दीन (शून्य) बना था।
- उसका जन्म दीन अवस्था में हुआ था क्योंकि वह राजमहल की अपेक्षा गौशाला में हुआ था।
- दीन स्वभाव अभिमान का विलोम है।
- "दीनता" के अनुवाद रूप है "विनम्र" या "दीन दशा" या "महत्वहीन"।
- "दीन दशा" का अनुवाद "दीनता" या "बहुत कम महत्व" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: दीन, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:17-21
- यहेजकेल 17:13-14
- लूका 01:48-49
- रोमियो 12:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दीन, छोटा होगा, दीनता

परिभाषा:

दीन और नम्रता का संदर्भ गरीब या दीन दशा से है। दीन होने का अर्थ “विनम्र” होने से भी है।

- यीशु मानव रूप धारण करने और मनुष्यों की सेवा करने तक दीन (शून्य) बना था।
- उसका जन्म दीन अवस्था में हुआ था क्योंकि वह राजमहल की अपेक्षा गौशाला में हुआ था।
- दीन स्वभाव अभिमान का विलोम है।
- “दीनता” के अनुवाद रूप है “विनम्र” या “दीन दशा” या “महत्वहीन”।
- “दीन दशा” का अनुवाद “दीनता” या “बहुत कम महत्व” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: दीन, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:17-21
- यहेजकेल 17:13-14
- लूका 01:48-49
- रोमियो 12:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

दीन, छोटा होगा, दीनता

परिभाषा:

दीन और नम्रता का संदर्भ गरीब या दीन दशा से है। दीन होने का अर्थ “विनम्र” होने से भी है।

- यीशु मानव रूप धारण करने और मनुष्यों की सेवा करने तक दीन (शून्य) बना था।
- उसका जन्म दीन अवस्था में हुआ था क्योंकि वह राजमहल की अपेक्षा गौशाला में हुआ था।
- दीन स्वभाव अभिमान का विलोम है।
- “दीनता” के अनुवाद रूप है “विनम्र” या “दीन दशा” या “महत्वहीन”।
- “दीन दशा” का अनुवाद “दीनता” या “बहुत कम महत्व” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: दीन, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:17-21
- यहेजकेल 17:13-14
- लूका 01:48-49
- रोमियो 12:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

दीन, छोटा होगा, दीनता

परिभाषा:

दीन और नम्रता का संदर्भ गरीब या दीन दशा से है। दीन होने का अर्थ “विनम्र” होने से भी है।

- यीशु मानव रूप धारण करने और मनुष्यों की सेवा करने तक दीन (शून्य) बना था।
- उसका जन्म दीन अवस्था में हुआ था क्योंकि वह राजमहल की अपेक्षा गौशाला में हुआ था।
- दीन स्वभाव अभिमान का विलोम है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- “दीनता” के अनुवाद रूप है “विनम्र” या “दीन दशा” या “महत्वहीन”।
- “दीन दशा” का अनुवाद “दीनता” या “बहुत कम महत्व” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: दीन, घमंडी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:17-21
- यहेजकेल 17:13-14
- लूका 01:48-49
- रोमियो 12:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

दीपक, दीपकों

परिभाषा:

“दीपक” शब्द प्रकाश उत्पन्न करने का माध्यम होता है। बाइबल में जिन दीपकों की चर्चा की गई है वे तेल से जलते थे,

वह एक छोटी कटोरी होती थी जिसमें तेल डालकर जलाया जाता था कि प्रकाश उत्पन्न हो।

- साधारण दीया मिट्टी का बनता था जिसमें जैतून का तेल भरा जाता था, उसमें एक बत्ती रखकर जलाई जाती थी।
- कुछ दीए अण्डाकार होते थे जिनकी एक भुजा दबी होती थी जहां बत्ती रखी जाती थी।
- एक तेल की दीपक को लेकर चला जा सकता है या तो एक ऊँचे स्थान पर रखा जा सकता है ताकि इसकी रोशनी एक कमरे या घर को प्रकाशित कर सके।
- धर्म-शास्त्र में दीपक प्रतीकात्मक रूप में जीवन और ज्योति का प्रतीक है।

(यह भी देखें: दीवट, जीवन, उजियाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 11:34-36
- निर्गमन 25:3-7
- लूका 08:16-18
- मत्ती 05:15-16
- मत्ती 06:22-24
- मत्ती 25:1-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3940, H3974, H4501, H5215, H5216, G2985, G3088

दीपक, दीपकों

परिभाषा:

“दीपक” शब्द प्रकाश उत्पन्न करने का माध्यम होता है। बाइबल में जिन दीपकों की चर्चा की गई है वे तेल से जलते थे,

वह एक छोटी कटोरी होती थी जिसमें तेल डालकर जलाया जाता था कि प्रकाश उत्पन्न हो।

- साधारण दीया मिट्टी का बनता था जिसमें जैतून का तेल भरा जाता था, उसमें एक बत्ती रखकर जलाई जाती थी।
- कुछ दीए अण्डाकार होते थे जिनकी एक भुजा दबी होती थी जहां बत्ती रखी जाती थी।
- एक तेल की दीपक को लेकर चला जा सकता है या तो एक ऊँचे स्थान पर रखा जा सकता है ताकि इसकी रोशनी एक कमरे या घर को प्रकाशित कर सके।
- धर्म-शास्त्र में दीपक प्रतीकात्मक रूप में जीवन और ज्योति का प्रतीक है।

(यह भी देखें: दीवट, जीवन, उजियाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 11:34-36
- निर्गमन 25:3-7
- लूका 08:16-18
- मत्ती 05:15-16
- मत्ती 06:22-24
- मत्ती 25:1-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3940, H3974, H4501, H5215, H5216, G2985, G3088

दीपक, दीपकों

परिभाषा:

“दीपक” शब्द प्रकाश उत्पन्न करने का माध्यम होता है। बाइबल में जिन दीपकों की चर्चा की गई है वे तेल से जलते थे,

वह एक छोटी कटोरी होती थी जिसमें तेल डालकर जलाया जाता था कि प्रकाश उत्पन्न हो।

- साधारण दीया मिट्टी का बनता था जिसमें जैतून का तेल भरा जाता था, उसमें एक बत्ती रखकर जलाई जाती थी।
- कुछ दीए अण्डाकार होते थे जिनकी एक भुजा दबी होती थी जहां बत्ती रखी जाती थी।
- एक तेल की दीपक को लेकर चला जा सकता है या तो एक ऊँचे स्थान पर रखा जा सकता है ताकि इसकी रोशनी एक कमरे या घर को प्रकाशित कर सके।
- धर्म-शास्त्र में दीपक प्रतीकात्मक रूप में जीवन और ज्योति का प्रतीक है।

(यह भी देखें: दीवट, जीवन, उजियाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 11:34-36
- निर्गमन 25:3-7
- लूका 08:16-18
- मत्ती 05:15-16
- मत्ती 06:22-24
- मत्ती 25:1-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3940, H3974, H4501, H5215, H5216, G2985, G3088

दीवट, दीवटों

परिभाषा:

बाइबल में “दीवट” शब्द उस रचना का संदर्भ होता है जिस पर दीपक रखा जाता था कि कमरे में प्रकाश व्याप्त हो।

- एक साधारण दीवट मिट्टी, लकड़ी या धातु का बना होता था (धातु जैसे तांबा, चांदी या सोना)
- यरूशलेम के मन्दिर में एक विशेष दीवट (दीपदान) था जिसमें सात दीपकों के लिए सात शाखाएं थी और वह सोने का था।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद “दीपक चौकी में” या “दीपक रखने की रचना” या “दीपदान” किया जा सकता है।
- मन्दिर के दीपदान का अनुवाद “सप्तदीपक पीठिका” या “सात दीपकों की सोने की चौकी” किया जा सकता है।
- अनुवाद के साथ दीवट का चित्र और बाइबल के संदर्भ में साप्तभुज दीपदान के चित्र देना की सहायक होगा।

(यह भी देखें: पीतल, सोना, दीपक, उजियाला, चाँदी, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:5-6
- निर्गमन 37:17-19
- मरकुस 04:21-23
- मत्ती 05:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4501, G3087

दीवट, दीवटों

परिभाषा:

बाइबल में "दीवट" शब्द उस रचना का संदर्भ होता है जिस पर दीपक रखा जाता था कि कमरे में प्रकाश व्याप्त हो।

- एक साधारण दीवट मिट्टी, लकड़ी या धातु का बना होता था (धातु जैसे तांबा, चांदी या सोना)
- यरूशलेम के मन्दिर में एक विशेष दीवट (दीपदान) था जिसमें सात दीपकों के लिए सात शाखाएं थी और वह सोने का था।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद "दीपक चौकी में" या "दीपक रखने की रचना" या "दीपदान" किया जा सकता है।
- मन्दिर के दीपदान का अनुवाद "सप्तदीपक पीठिका" या "सात दीपकों की सोने की चौकी" किया जा सकता है।
- अनुवाद के साथ दीवट का चित्र और बाइबल के संदर्भ में साप्तभुज दीपदान के चित्र देना की सहायक होगा।

(यह भी देखें: पीतल, सोना, दीपक, उजियाला, चाँदी, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:5-6
- निर्गमन 37:17-19
- मरकुस 04:21-23
- मत्ती 05:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4501, G3087

दीवट, दीवटों

परिभाषा:

बाइबल में "दीवट" शब्द उस रचना का संदर्भ होता है जिस पर दीपक रखा जाता था कि कमरे में प्रकाश व्याप्त हो।

- एक साधारण दीवट मिट्टी, लकड़ी या धातु का बना होता था (धातु जैसे तांबा, चांदी या सोना)
- यरूशलेम के मन्दिर में एक विशेष दीवट (दीपदान) था जिसमें सात दीपकों के लिए सात शाखाएं थी और वह सोने का था।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद "दीपक चौकी में" या "दीपक रखने की रचना" या "दीपदान" किया जा सकता है।
- मन्दिर के दीपदान का अनुवाद "सप्तदीपक पीठिका" या "सात दीपकों की सोने की चौकी" किया जा सकता है।
- अनुवाद के साथ दीवट का चित्र और बाइबल के संदर्भ में साप्तभुज दीपदान के चित्र देना की सहायक होगा।

(यह भी देखें: पीतल, सोना, दीपक, उजियाला, चाँदी, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:5-6
- निर्गमन 37:17-19
- मरकुस 04:21-23
- मत्ती 05:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4501, G3087

दीवट, दीवटों

परिभाषा:

बाइबल में "दीवट" शब्द उस रचना का संदर्भ होता है जिस पर दीपक रखा जाता था कि कमरे में प्रकाश व्याप्त हो।

- एक साधारण दीवट मिट्टी, लकड़ी या धातु का बना होता था (धातु जैसे तांबा, चांदी या सोना)
- यरूशलेम के मन्दिर में एक विशेष दीवट (दीपदान) था जिसमें सात दीपकों के लिए सात शाखाएं थी और वह सोने का था।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद "दीपक चौकी में" या "दीपक रखने की रचना" या "दीपदान" किया जा सकता है।
- मन्दिर के दीपदान का अनुवाद "सप्तदीपक पीठिका" या "सात दीपकों की सोने की चौकी" किया जा सकता है।
- अनुवाद के साथ दीवट का चित्र और बाइबल के संदर्भ में साप्तभुज दीपदान के चित्र देना की सहायक होगा।

(यह भी देखें: पीतल, सोना, दीपक, उजियाला, चाँदी, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:5-6
- निर्गमन 37:17-19
- मरकुस 04:21-23
- मत्ती 05:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4501, G3087

दीवट, दीवटों

परिभाषा:

बाइबल में "दीवट" शब्द उस रचना का संदर्भ होता है जिस पर दीपक रखा जाता था कि कमरे में प्रकाश व्याप्त हो।

- एक साधारण दीवट मिट्टी, लकड़ी या धातु का बना होता था (धातु जैसे तांबा, चांदी या सोना)
- यरूशलेम के मन्दिर में एक विशेष दीवट (दीपदान) था जिसमें सात दीपकों के लिए सात शाखाएं थी और वह सोने का था।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद "दीपक चौकी में" या "दीपक रखने की रचना" या "दीपदान" किया जा सकता है।
- मन्दिर के दीपदान का अनुवाद "सप्तदीपक पीठिका" या "सात दीपकों की सोने की चौकी" किया जा सकता है।
- अनुवाद के साथ दीवट का चित्र और बाइबल के संदर्भ में साप्तभुज दीपदान के चित्र देना की सहायक होगा।

(यह भी देखें: पीतल, सोना, दीपक, उजियाला, चाँदी, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:5-6
- निर्गमन 37:17-19
- मरकुस 04:21-23
- मत्ती 05:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:12-13
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4501, G3087

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

“दुःख” जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * “क्लेश” अर्थात् किसी को “परेशान” करना या “कष्ट” देना।“परेशान होना” का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में “दुःख” अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- “घबराना” या “क्लेश” का अनुवाद “संकट” या “दुःखदायी घटनाएं”या “उत्पीड़न” या “मुश्किल अनुभव” या “विपत्ति” भी किया जा सकता है।
- “घबराना” का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो “कष्टों में होना” या “भयानक कष्ट का अनुभव करना” या “गहरी चिन्ता” या “तनाव” या “विपत्ति” या “भय” या “परेशानी”।
- “उसे परेशान मत करो” का अनुवाद हो सकता है, “उसे रहने दो” या “उसकी आलोचना मत करो”
- “विपत्ति के दिन” या “विपत्ति के समय” का अनुवाद हो सकता है, “जब तुम कष्टों का अनुभव करो” या “जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं” या “जब परमेश्वर विपत्तियां लाए”।
- “कष्ट लाना” या “कष्ट का कारण” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टकारी बातें करना” या “कठिनाई उत्पन्न करना” या “कठिनाइयों का अनुभव कराना”

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

"दुःख" जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * "क्लेश" अर्थात् किसी को "परेशान" करना या "कष्ट" देना।"परेशान होना" का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में "दुःख" अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- "घबराना" या "क्लेश" का अनुवाद "संकट" या "दुःखदायी घटनाएं"या "उत्पीड़न" या "मुश्किल अनुभव" या "विपत्ति" भी किया जा सकता है।
- "घबराना" का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो "कष्टों में होना" या "भयानक कष्ट का अनुभव करना" या "गहरी चिन्ता" या "तनाव" या "विपत्ति" या "भय" या "परेशानी"।
- "उसे परेशान मत करो" का अनुवाद हो सकता है, "उसे रहने दो" या "उसकी आलोचना मत करो"
- "विपत्ति के दिन" या "विपत्ति के समय" का अनुवाद हो सकता है, "जब तुम कष्टों का अनुभव करो" या "जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं" या "जब परमेश्वर विपत्तियां लाए"।
- "कष्ट लाना" या "कष्ट का कारण" का अनुवाद हो सकता है, "कष्टकारी बातें करना" या "कठिनाई उत्पन्न करना" या "कठिनाइयों का अनुभव कराना"

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

"दुःख" जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * "क्लेश" अर्थात् किसी को "परेशान" करना या "कष्ट" देना।"परेशान होना" का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में "दुःख" अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- "घबराना" या "क्लेश" का अनुवाद "संकट" या "दुःखदायी घटनाएं"या "उत्पीड़न" या "मुश्किल अनुभव" या "विपत्ति" भी किया जा सकता है।
- "घबराना" का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो "कष्टों में होना" या "भयानक कष्ट का अनुभव करना" या "गहरी चिन्ता" या "तनाव" या "विपत्ति" या "भय" या "परेशानी"।
- "उसे परेशान मत करो" का अनुवाद हो सकता है, "उसे रहने दो" या "उसकी आलोचना मत करो"
- "विपत्ति के दिन" या "विपत्ति के समय" का अनुवाद हो सकता है, "जब तुम कष्टों का अनुभव करो" या "जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं" या "जब परमेश्वर विपत्तियां लाए"।

- “कष्ट लाना” या “कष्ट का कारण” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टकारी बातें करना” या “कठिनाई उत्पन्न करना” या “कठिनाइयों का अनुभव कराना”

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

“दुःख” जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * “क्लेश” अर्थात् किसी को “परेशान” करना या “कष्ट” देना।“परेशान होना” का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में “दुःख” अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- “घबराना” या “क्लेश” का अनुवाद “संकट” या “दुःखदायी घटनाएं”या “उत्पीड़न” या “मुश्किल अनुभव” या “विपत्ति” भी किया जा सकता है।
- “घबराना” का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो “कष्टों में होना” या “भयानक कष्ट का अनुभव करना” या “गहरी चिन्ता” या “तनाव” या “विपत्ति” या “भय” या “परेशानी”।
- “उसे परेशान मत करो” का अनुवाद हो सकता है, “उसे रहने दो” या “उसकी आलोचना मत करो”
- “विपत्ति के दिन” या “विपत्ति के समय” का अनुवाद हो सकता है, “जब तुम कष्टों का अनुभव करो” या “जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं” या “जब परमेश्वर विपत्तियां लाए”।
- “कष्ट लाना” या “कष्ट का कारण” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टकारी बातें करना” या “कठिनाई उत्पन्न करना” या “कठिनाइयों का अनुभव कराना”

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

"दुःख" जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * "क्लेश" अर्थात् किसी को "परेशान" करना या "कष्ट" देना।"परेशान होना" का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में "दुःख" अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- "घबराना" या "क्लेश" का अनुवाद "संकट" या "दुःखदायी घटनाएं"या "उत्पीड़न" या "मुश्किल अनुभव" या "विपत्ति" भी किया जा सकता है।
- "घबराना" का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो "कष्टों में होना" या "भयानक कष्ट का अनुभव करना" या "गहरी चिन्ता" या "तनाव" या "विपत्ति" या "भय" या "परेशानी"।
- "उसे परेशान मत करो" का अनुवाद हो सकता है, "उसे रहने दो" या "उसकी आलोचना मत करो"
- "विपत्ति के दिन" या "विपत्ति के समय" का अनुवाद हो सकता है, "जब तुम कष्टों का अनुभव करो" या "जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं" या "जब परमेश्वर विपत्तियां लाए"।
- "कष्ट लाना" या "कष्ट का कारण" का अनुवाद हो सकता है, "कष्टकारी बातें करना" या "कठिनाई उत्पन्न करना" या "कठिनाइयों का अनुभव कराना"

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

"दुःख" जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * "क्लेश" अर्थात् किसी को "परेशान" करना या "कष्ट" देना।"परेशान होना" का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में "दुःख" अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- "घबराना" या "क्लेश" का अनुवाद "संकट" या "दुःखदायी घटनाएं"या "उत्पीड़न" या "मुश्किल अनुभव" या "विपत्ति" भी किया जा सकता है।
- "घबराना" का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो "कष्टों में होना" या "भयानक कष्ट का अनुभव करना" या "गहरी चिन्ता" या "तनाव" या "विपत्ति" या "भय" या "परेशानी"।
- "उसे परेशान मत करो" का अनुवाद हो सकता है, "उसे रहने दो" या "उसकी आलोचना मत करो"
- "विपत्ति के दिन" या "विपत्ति के समय" का अनुवाद हो सकता है, "जब तुम कष्टों का अनुभव करो" या "जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं" या "जब परमेश्वर विपत्तियां लाए"।

- “कष्ट लाना” या “कष्ट का कारण” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टकारी बातें करना” या “कठिनाई उत्पन्न करना” या “कठिनाइयों का अनुभव कराना”

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

“दुःख” जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * “क्लेश” अर्थात् किसी को “परेशान” करना या “कष्ट” देना।“परेशान होना” का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में “दुःख” अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- “घबराना” या “क्लेश” का अनुवाद “संकट” या “दुःखदायी घटनाएं”या “उत्पीड़न” या “मुश्किल अनुभव” या “विपत्ति” भी किया जा सकता है।
- “घबराना” का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो “कष्टों में होना” या “भयानक कष्ट का अनुभव करना” या “गहरी चिन्ता” या “तनाव” या “विपत्ति” या “भय” या “परेशानी”।
- “उसे परेशान मत करो” का अनुवाद हो सकता है, “उसे रहने दो” या “उसकी आलोचना मत करो”
- “विपत्ति के दिन” या “विपत्ति के समय” का अनुवाद हो सकता है, “जब तुम कष्टों का अनुभव करो” या “जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं” या “जब परमेश्वर विपत्तियां लाए”।
- “कष्ट लाना” या “कष्ट का कारण” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टकारी बातें करना” या “कठिनाई उत्पन्न करना” या “कठिनाइयों का अनुभव कराना”

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

"दुःख" जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * "क्लेश" अर्थात् किसी को "परेशान" करना या "कष्ट" देना।"परेशान होना" का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में "दुःख" अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- "घबराना" या "क्लेश" का अनुवाद "संकट" या "दुःखदायी घटनाएं"या "उत्पीड़न" या "मुश्किल अनुभव" या "विपत्ति" भी किया जा सकता है।
- "घबराना" का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो "कष्टों में होना" या "भयानक कष्ट का अनुभव करना" या "गहरी चिन्ता" या "तनाव" या "विपत्ति" या "भय" या "परेशानी"।
- "उसे परेशान मत करो" का अनुवाद हो सकता है, "उसे रहने दो" या "उसकी आलोचना मत करो"
- "विपत्ति के दिन" या "विपत्ति के समय" का अनुवाद हो सकता है, "जब तुम कष्टों का अनुभव करो" या "जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं" या "जब परमेश्वर विपत्तियां लाए"।
- "कष्ट लाना" या "कष्ट का कारण" का अनुवाद हो सकता है, "कष्टकारी बातें करना" या "कठिनाई उत्पन्न करना" या "कठिनाइयों का अनुभव कराना"

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

"दुःख" जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * "क्लेश" अर्थात् किसी को "परेशान" करना या "कष्ट" देना।"परेशान होना" का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में "दुःख" अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- "घबराना" या "क्लेश" का अनुवाद "संकट" या "दुःखदायी घटनाएं"या "उत्पीड़न" या "मुश्किल अनुभव" या "विपत्ति" भी किया जा सकता है।
- "घबराना" का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो "कष्टों में होना" या "भयानक कष्ट का अनुभव करना" या "गहरी चिन्ता" या "तनाव" या "विपत्ति" या "भय" या "परेशानी"।
- "उसे परेशान मत करो" का अनुवाद हो सकता है, "उसे रहने दो" या "उसकी आलोचना मत करो"
- "विपत्ति के दिन" या "विपत्ति के समय" का अनुवाद हो सकता है, "जब तुम कष्टों का अनुभव करो" या "जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं" या "जब परमेश्वर विपत्तियां लाए"।

- “कष्ट लाना” या “कष्ट का कारण” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टकारी बातें करना” या “कठिनाई उत्पन्न करना” या “कठिनाइयों का अनुभव कराना”

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

“दुःख” जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * “क्लेश” अर्थात् किसी को “परेशान” करना या “कष्ट” देना।“परेशान होना” का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में “दुःख” अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- “घबराना” या “क्लेश” का अनुवाद “संकट” या “दुःखदायी घटनाएं”या “उत्पीड़न” या “मुश्किल अनुभव” या “विपत्ति” भी किया जा सकता है।
- “घबराना” का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो “कष्टों में होना” या “भयानक कष्ट का अनुभव करना” या “गहरी चिन्ता” या “तनाव” या “विपत्ति” या “भय” या “परेशानी”।
- “उसे परेशान मत करो” का अनुवाद हो सकता है, “उसे रहने दो” या “उसकी आलोचना मत करो”
- “विपत्ति के दिन” या “विपत्ति के समय” का अनुवाद हो सकता है, “जब तुम कष्टों का अनुभव करो” या “जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं” या “जब परमेश्वर विपत्तियां लाए”।
- “कष्ट लाना” या “कष्ट का कारण” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टकारी बातें करना” या “कठिनाई उत्पन्न करना” या “कठिनाइयों का अनुभव कराना”

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

"दुःख" जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * "क्लेश" अर्थात् किसी को "परेशान" करना या "कष्ट" देना।"परेशान होना" का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में "दुःख" अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- "घबराना" या "क्लेश" का अनुवाद "संकट" या "दुःखदायी घटनाएं"या "उत्पीड़न" या "मुश्किल अनुभव" या "विपत्ति" भी किया जा सकता है।
- "घबराना" का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो "कष्टों में होना" या "भयानक कष्ट का अनुभव करना" या "गहरी चिन्ता" या "तनाव" या "विपत्ति" या "भय" या "परेशानी"।
- "उसे परेशान मत करो" का अनुवाद हो सकता है, "उसे रहने दो" या "उसकी आलोचना मत करो"
- "विपत्ति के दिन" या "विपत्ति के समय" का अनुवाद हो सकता है, "जब तुम कष्टों का अनुभव करो" या "जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं" या "जब परमेश्वर विपत्तियां लाए"।
- "कष्ट लाना" या "कष्ट का कारण" का अनुवाद हो सकता है, "कष्टकारी बातें करना" या "कठिनाई उत्पन्न करना" या "कठिनाइयों का अनुभव कराना"

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

"दुःख" जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * "क्लेश" अर्थात् किसी को "परेशान" करना या "कष्ट" देना।"परेशान होना" का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में "दुःख" अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- "घबराना" या "क्लेश" का अनुवाद "संकट" या "दुःखदायी घटनाएं"या "उत्पीड़न" या "मुश्किल अनुभव" या "विपत्ति" भी किया जा सकता है।
- "घबराना" का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो "कष्टों में होना" या "भयानक कष्ट का अनुभव करना" या "गहरी चिन्ता" या "तनाव" या "विपत्ति" या "भय" या "परेशानी"।
- "उसे परेशान मत करो" का अनुवाद हो सकता है, "उसे रहने दो" या "उसकी आलोचना मत करो"
- "विपत्ति के दिन" या "विपत्ति के समय" का अनुवाद हो सकता है, "जब तुम कष्टों का अनुभव करो" या "जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं" या "जब परमेश्वर विपत्तियां लाए"।

- “कष्ट लाना” या “कष्ट का कारण” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टकारी बातें करना” या “कठिनाई उत्पन्न करना” या “कठिनाइयों का अनुभव कराना”

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

“दुःख” जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * “क्लेश” अर्थात् किसी को “परेशान” करना या “कष्ट” देना।“परेशान होना” का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में “दुःख” अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- “घबराना” या “क्लेश” का अनुवाद “संकट” या “दुःखदायी घटनाएं”या “उत्पीड़न” या “मुश्किल अनुभव” या “विपत्ति” भी किया जा सकता है।
- “घबराना” का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो “कष्टों में होना” या “भयानक कष्ट का अनुभव करना” या “गहरी चिन्ता” या “तनाव” या “विपत्ति” या “भय” या “परेशानी”।
- “उसे परेशान मत करो” का अनुवाद हो सकता है, “उसे रहने दो” या “उसकी आलोचना मत करो”
- “विपत्ति के दिन” या “विपत्ति के समय” का अनुवाद हो सकता है, “जब तुम कष्टों का अनुभव करो” या “जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं” या “जब परमेश्वर विपत्तियां लाए”।
- “कष्ट लाना” या “कष्ट का कारण” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टकारी बातें करना” या “कठिनाई उत्पन्न करना” या “कठिनाइयों का अनुभव कराना”

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

"दुःख" जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * "क्लेश" अर्थात् किसी को "परेशान" करना या "कष्ट" देना।"परेशान होना" का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में "दुःख" अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- "घबराना" या "क्लेश" का अनुवाद "संकट" या "दुःखदायी घटनाएं"या "उत्पीड़न" या "मुश्किल अनुभव" या "विपत्ति" भी किया जा सकता है।
- "घबराना" का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो "कष्टों में होना" या "भयानक कष्ट का अनुभव करना" या "गहरी चिन्ता" या "तनाव" या "विपत्ति" या "भय" या "परेशानी"।
- "उसे परेशान मत करो" का अनुवाद हो सकता है, "उसे रहने दो" या "उसकी आलोचना मत करो"
- "विपत्ति के दिन" या "विपत्ति के समय" का अनुवाद हो सकता है, "जब तुम कष्टों का अनुभव करो" या "जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं" या "जब परमेश्वर विपत्तियां लाए"।
- "कष्ट लाना" या "कष्ट का कारण" का अनुवाद हो सकता है, "कष्टकारी बातें करना" या "कठिनाई उत्पन्न करना" या "कठिनाइयों का अनुभव कराना"

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

"दुःख" जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * "क्लेश" अर्थात् किसी को "परेशान" करना या "कष्ट" देना।"परेशान होना" का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में "दुःख" अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- "घबराना" या "क्लेश" का अनुवाद "संकट" या "दुःखदायी घटनाएं"या "उत्पीड़न" या "मुश्किल अनुभव" या "विपत्ति" भी किया जा सकता है।
- "घबराना" का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो "कष्टों में होना" या "भयानक कष्ट का अनुभव करना" या "गहरी चिन्ता" या "तनाव" या "विपत्ति" या "भय" या "परेशानी"।
- "उसे परेशान मत करो" का अनुवाद हो सकता है, "उसे रहने दो" या "उसकी आलोचना मत करो"
- "विपत्ति के दिन" या "विपत्ति के समय" का अनुवाद हो सकता है, "जब तुम कष्टों का अनुभव करो" या "जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं" या "जब परमेश्वर विपत्तियां लाए"।

- “कष्ट लाना” या “कष्ट का कारण” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टकारी बातें करना” या “कठिनाई उत्पन्न करना” या “कठिनाइयों का अनुभव कराना”

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

“दुःख” जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * “क्लेश” अर्थात् किसी को “परेशान” करना या “कष्ट” देना।“परेशान होना” का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में “दुःख” अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- “घबराना” या “क्लेश” का अनुवाद “संकट” या “दुःखदायी घटनाएं”या “उत्पीड़न” या “मुश्किल अनुभव” या “विपत्ति” भी किया जा सकता है।
- “घबराना” का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो “कष्टों में होना” या “भयानक कष्ट का अनुभव करना” या “गहरी चिन्ता” या “तनाव” या “विपत्ति” या “भय” या “परेशानी”।
- “उसे परेशान मत करो” का अनुवाद हो सकता है, “उसे रहने दो” या “उसकी आलोचना मत करो”
- “विपत्ति के दिन” या “विपत्ति के समय” का अनुवाद हो सकता है, “जब तुम कष्टों का अनुभव करो” या “जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं” या “जब परमेश्वर विपत्तियां लाए”।
- “कष्ट लाना” या “कष्ट का कारण” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टकारी बातें करना” या “कठिनाई उत्पन्न करना” या “कठिनाइयों का अनुभव कराना”

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

"दुःख" जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * "क्लेश" अर्थात् किसी को "परेशान" करना या "कष्ट" देना।"परेशान होना" का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में "दुःख" अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- "घबराना" या "क्लेश" का अनुवाद "संकट" या "दुःखदायी घटनाएं"या "उत्पीड़न" या "मुश्किल अनुभव" या "विपत्ति" भी किया जा सकता है।
- "घबराना" का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो "कष्टों में होना" या "भयानक कष्ट का अनुभव करना" या "गहरी चिन्ता" या "तनाव" या "विपत्ति" या "भय" या "परेशानी"।
- "उसे परेशान मत करो" का अनुवाद हो सकता है, "उसे रहने दो" या "उसकी आलोचना मत करो"
- "विपत्ति के दिन" या "विपत्ति के समय" का अनुवाद हो सकता है, "जब तुम कष्टों का अनुभव करो" या "जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं" या "जब परमेश्वर विपत्तियां लाए"।
- "कष्ट लाना" या "कष्ट का कारण" का अनुवाद हो सकता है, "कष्टकारी बातें करना" या "कठिनाई उत्पन्न करना" या "कठिनाइयों का अनुभव कराना"

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

"दुःख" जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * "क्लेश" अर्थात् किसी को "परेशान" करना या "कष्ट" देना।"परेशान होना" का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में "दुःख" अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- "घबराना" या "क्लेश" का अनुवाद "संकट" या "दुःखदायी घटनाएं"या "उत्पीड़न" या "मुश्किल अनुभव" या "विपत्ति" भी किया जा सकता है।
- "घबराना" का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो "कष्टों में होना" या "भयानक कष्ट का अनुभव करना" या "गहरी चिन्ता" या "तनाव" या "विपत्ति" या "भय" या "परेशानी"।
- "उसे परेशान मत करो" का अनुवाद हो सकता है, "उसे रहने दो" या "उसकी आलोचना मत करो"
- "विपत्ति के दिन" या "विपत्ति के समय" का अनुवाद हो सकता है, "जब तुम कष्टों का अनुभव करो" या "जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं" या "जब परमेश्वर विपत्तियां लाए"।

- “कष्ट लाना” या “कष्ट का कारण” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टकारी बातें करना” या “कठिनाई उत्पन्न करना” या “कठिनाइयों का अनुभव कराना”

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

“दुःख” जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * “क्लेश” अर्थात् किसी को “परेशान” करना या “कष्ट” देना।“परेशान होना” का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में “दुःख” अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- “घबराना” या “क्लेश” का अनुवाद “संकट” या “दुःखदायी घटनाएं”या “उत्पीड़न” या “मुश्किल अनुभव” या “विपत्ति” भी किया जा सकता है।
- “घबराना” का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो “कष्टों में होना” या “भयानक कष्ट का अनुभव करना” या “गहरी चिन्ता” या “तनाव” या “विपत्ति” या “भय” या “परेशानी”।
- “उसे परेशान मत करो” का अनुवाद हो सकता है, “उसे रहने दो” या “उसकी आलोचना मत करो”
- “विपत्ति के दिन” या “विपत्ति के समय” का अनुवाद हो सकता है, “जब तुम कष्टों का अनुभव करो” या “जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं” या “जब परमेश्वर विपत्तियां लाए”।
- “कष्ट लाना” या “कष्ट का कारण” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टकारी बातें करना” या “कठिनाई उत्पन्न करना” या “कठिनाइयों का अनुभव कराना”

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

परिभाषा:

“दुःख” जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। * “क्लेश” अर्थात् किसी को “परेशान” करना या “कष्ट” देना।“परेशान होना” का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
- पुराने नियम में “दुःख” अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

अनुवाद के सुझाव

- “घबराना” या “क्लेश” का अनुवाद “संकट” या “दुःखदायी घटनाएं”या “उत्पीड़न” या “मुश्किल अनुभव” या “विपत्ति” भी किया जा सकता है।
- “घबराना” का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो “कष्टों में होना” या “भयानक कष्ट का अनुभव करना” या “गहरी चिन्ता” या “तनाव” या “विपत्ति” या “भय” या “परेशानी”।
- “उसे परेशान मत करो” का अनुवाद हो सकता है, “उसे रहने दो” या “उसकी आलोचना मत करो”
- “विपत्ति के दिन” या “विपत्ति के समय” का अनुवाद हो सकता है, “जब तुम कष्टों का अनुभव करो” या “जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं” या “जब परमेश्वर विपत्तियां लाए”।
- “कष्ट लाना” या “कष्ट का कारण” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टकारी बातें करना” या “कठिनाई उत्पन्न करना” या “कठिनाइयों का अनुभव कराना”

(यह भी देखें: दुःखित, सताएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18-19
- 2 इतिहास 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

दुःख उठाए, दुःख उठाना, दुःख उठाया, दुःख उठता, दुःख उठाता

परिभाषा:

“दुःख उठाए” और “दुख उठाना” का अर्थ है कष्टकारी अनुभव जैसे रोग, दुखदाई या अन्य कठिनाइयां।

- जब मनुष्यों को सताया जाता है या जब वे रोगी होते हैं तब उन्हें दुख होता है।
- कभी-कभी मनुष्य गलत कामों के कारण भी दुख उठाता है, कभी-कभी संसार में पाप और रोग के कारण मनुष्य दुख उठाता है।
- दुख शारीरिक भी होता है जैसे पीड़ा और रोग। मानसिक दुख भी होता है जैसे भय, उदासी या अकेलापन।
- “मुझे सह लो” अर्थात् “मेरे साथ सहनशील रहो” या “मेरी बात सुनो” या “धीरज धरकर सुनो”।

(अनुवाद के सुझाव:

- “दुख उठाना” का अनुवाद “पीड़ा का अनुभव करना” या “कठिन एवं कष्टकारी अनुभव करना” या "कठिन और दर्दनाक अनुभवों के माध्यम से जाना"।
- संदर्भ के आधार पर, "पीड़ा" का अनुवाद "अत्यंत कठिन परिस्थितियों" या "गंभीर कठिनाइयों" या "कठिनाई का अनुभव" या "दर्दनाक अनुभवों का समय" के रूप में किया जा सकता है।
- “प्यास लगना” का अनुवाद “प्यासा होना” या “प्यास के कारण व्याकुल होना” हो सकता है”।
- “हिंसा सहना” का अनुवाद “हिंसा का शिकार होना” या “हिंसक कामों से हानि उठाना”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:3-5
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 207:11-13
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 06:6-8
- मत्ती. 16:21-23
- भजन-संहिता 022:24-25
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11
- रोमियो 05:3-5

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **09:13** परमेश्वर ने कहा, “मैं ने अपनी प्रजा के लोग जो मिस्र में है उनके दुःख को निश्चय देखा है |”
- **38:12** यीशु ने तीन बार प्रार्थना की कहा, “हे मेरे पिता, यदि हो सके तो इस दुःख के कटोरे में से मुझे पीने मत देना |
- **42:03** उसने(यीशु) उन्हें नबियों ने जो कहा था याद दिलाया कि मसीह दुःख उठाएगा और मारा जाएगा और फिर तीसरे दिन जी उठेगा |
- **42:07** उसने(यीशु) कहा कि, “लिखा है कि मसीह दुःख उठाएग, मारा जायेगा और तीसरे दिन मरे हुओ में से जी उठेगा |”
- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को पूरा करने के लिए, कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा |
- **46:04** प्रभु ने कहा, "तू चला जा क्योंकि वह तो अन्यजातियों और राजाओं के सामने मेरा नाम प्रगट करने के लिये मेरा चुना हुआ पात्र है | और मैं उसे बताऊँगा कि मेरे नाम के लिये उसे कैसा कैसा दुःख उठाना पड़ेगा |”
- **50:17** वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H943, H1741, H1934, H4342, H4531, H4912, H5142, H5254, H5375, H5999, H6031, H6040, H6041, H6064, H6090, H6770, H6869, H6887, H7661, G91, G941, G971, G2210, G2346, G2347, G3804, G3958, G4310, G4778, G4841, G5004, G5723

दुःख उठाए, दुःख उठाना, दुःख उठाया, दुःख उठता, दुःख उठाता

परिभाषा:

“दुःख उठाए” और “दुख उठाना” का अर्थ है कष्टकारी अनुभव जैसे रोग, दुखदाई या अन्य कठिनाइयां।

- जब मनुष्यों को सताया जाता है या जब वे रोगी होते हैं तब उन्हें दुख होता है।
- कभी-कभी मनुष्य गलत कामों के कारण भी दुख उठाता है, कभी-कभी संसार में पाप और रोग के कारण मनुष्य दुख उठाता है।
- दुख शारीरिक भी होता है जैसे पीड़ा और रोग। मानसिक दुख भी होता है जैसे भय, उदासी या अकेलापन।
- “मुझे सह लो” अर्थात् “मेरे साथ सहनशील रहो” या “मेरी बात सुनो” या “धीरज धरकर सुनो”।

(अनुवाद के सुझाव:

- “दुख उठाना” का अनुवाद “पीड़ा का अनुभव करना” या “कठिन एवं कष्टकारी अनुभव करना” या "कठिन और दर्दनाक अनुभवों के माध्यम से जाना"।
- संदर्भ के आधार पर, "पीड़ा" का अनुवाद "अत्यंत कठिन परिस्थितियों" या "गंभीर कठिनाइयों" या "कठिनाई का अनुभव" या "दर्दनाक अनुभवों का समय" के रूप में किया जा सकता है।
- “प्यास लगना” का अनुवाद “प्यासा होना” या “प्यास के कारण व्याकुल होना” हो सकता है”।
- “हिंसा सहना” का अनुवाद “हिंसा का शिकार होना” या “हिंसक कामों से हानि उठाना”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:3-5
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 207:11-13
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 06:6-8

- मत्ती. 16:21-23
- भजन-संहिता 022:24-25
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11
- रोमियो 05:3-5

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **09:13** परमेश्वर ने कहा, “मैं ने अपनी प्रजा के लोग जो मिस्र में है उनके दुःख को निश्चय देखा है |”
- **38:12** यीशु ने तीन बार प्रार्थना की कहा, “हे मेरे पिता, यदि हो सके तो इस दुःख के कटोरे में से मुझे पीने मत देना |
- **42:03** उसने(यीशु) उन्हें नबियों ने जो कहा था याद दिलाया कि मसीह दुःख उठाएगा और मारा जाएगा और फिर तीसरे दिन जी उठेगा |
- **42:07** उसने(यीशु) कहा कि, “लिखा है कि मसीह दुःख उठाएग, मारा जायेगा और तीसरे दिन मरे हुओ में से जी उठेगा |”
- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को पूरा करने के लिए, कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा |
- **46:04** प्रभु ने कहा, "तू चला जा क्योंकि वह तो अन्यजातियों और राजाओं के सामने मेरा नाम प्रगट करने के लिये मेरा चुना हुआ पात्र है | और मैं उसे बताऊँगा कि मेरे नाम के लिये उसे कैसा कैसा दुःख उठाना पड़ेगा |”
- **50:17** वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H943, H1741, H1934, H4342, H4531, H4912, H5142, H5254, H5375, H5999, H6031, H6040, H6041, H6064, H6090, H6770, H6869, H6887, H7661, G91, G941, G971, G2210, G2346, G2347, G3804, G3958, G4310, G4778, G4841, G5004, G5723

दुःख उठाए, दुःख उठाना, दुःख उठाया, दुःख उठता, दुःख उठाता

परिभाषा:

“दुःख उठाए” और “दुख उठाना” का अर्थ है कष्टकारी अनुभव जैसे रोग, दुखदाई या अन्य कठिनाइयां।

- जब मनुष्यों को सताया जाता है या जब वे रोगी होते हैं तब उन्हें दुख होता है।
- कभी-कभी मनुष्य गलत कामों के कारण भी दुख उठाता है, कभी-कभी संसार में पाप और रोग के कारण मनुष्य दुख उठाता है।
- दुख शारीरिक भी होता है जैसे पीड़ा और रोग। मानसिक दुख भी होता है जैसे भय, उदासी या अकेलापन।
- “मुझे सह लो” अर्थात् “मेरे साथ सहनशील रहो” या “मेरी बात सुनो” या “धीरज धरकर सुनो”।

(अनुवाद के सुझाव:

- “दुख उठाना” का अनुवाद “पीड़ा का अनुभव करना” या “कठिन एवं कष्टकारी अनुभव करना” या "कठिन और दर्दनाक अनुभवों के माध्यम से जाना"।
- संदर्भ के आधार पर, "पीड़ा" का अनुवाद "अत्यंत कठिन परिस्थितियों" या "गंभीर कठिनाइयों" या "कठिनाई का अनुभव" या "दर्दनाक अनुभवों का समय" के रूप में किया जा सकता है।
- “प्यास लगना” का अनुवाद “प्यासा होना” या “प्यास के कारण व्याकुल होना” हो सकता है”।
- “हिंसा सहना” का अनुवाद “हिंसा का शिकार होना” या “हिंसक कामों से हानि उठाना”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:3-5
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 207:11-13
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 06:6-8
- मत्ती. 16:21-23
- भजन-संहिता 022:24-25
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11
- रोमियो 05:3-5

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **09:13** परमेश्वर ने कहा, “मैं ने अपनी प्रजा के लोग जो मिस्र में है उनके दुःख को निश्चय देखा है |”

- **38:12** यीशु ने तीन बार प्रार्थना की कहा, “हे मेरे पिता, यदि हो सके तो इस दुःख के कटोरे में से मुझे पीने मत देना |
- **42:03** उसने(यीशु) उन्हें नबियों ने जो कहा था याद दिलाया कि मसीह दुःख उठाएगा और मारा जाएगा और फिर तीसरे दिन जी उठेगा |
- **42:07** उसने(यीशु) कहा कि, “लिखा है कि मसीह दुःख उठाएग, मारा जायेगा और तीसरे दिन मरे हुओ में से जी उठेगा |”
- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को पूरा करने के लिए, कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा |
- **46:04** प्रभु ने कहा, "तू चला जा क्योंकि वह तो अन्यजातियों और राजाओं के सामने मेरा नाम प्रगट करने के लिये मेरा चुना हुआ पात्र है | और मैं उसे बताऊँगा कि मेरे नाम के लिये उसे कैसा कैसा दुःख उठाना पड़ेगा |”
- **50:17** वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H943, H1741, H1934, H4342, H4531, H4912, H5142, H5254, H5375, H5999, H6031, H6040, H6041, H6064, H6090, H6770, H6869, H6887, H7661, G91, G941, G971, G2210, G2346, G2347, G3804, G3958, G4310, G4778, G4841, G5004, G5723

दुःख उठाए, दुःख उठाना, दुःख उठाया, दुःख उठता, दुःख उठाता

परिभाषा:

“दुःख उठाए” और “दुख उठाना” का अर्थ है कष्टकारी अनुभव जैसे रोग, दुखदाई या अन्य कठिनाइयां।

- जब मनुष्यों को सताया जाता है या जब वे रोगी होते हैं तब उन्हें दुख होता है।
- कभी-कभी मनुष्य गलत कामों के कारण भी दुख उठाता है, कभी-कभी संसार में पाप और रोग के कारण मनुष्य दुख उठाता है।
- दुख शारीरिक भी होता है जैसे पीड़ा और रोग। मानसिक दुख भी होता है जैसे भय, उदासी या अकेलापन।
- “मुझे सह लो” अर्थात् “मेरे साथ सहनशील रहो” या “मेरी बात सुनो” या “धीरज धरकर सुनो”।

(अनुवाद के सुझाव:

- “दुख उठाना” का अनुवाद “पीड़ा का अनुभव करना” या “कठिन एवं कष्टकारी अनुभव करना” या "कठिन और दर्दनाक अनुभवों के माध्यम से जाना"।
- संदर्भ के आधार पर, "पीड़ा" का अनुवाद "अत्यंत कठिन परिस्थितियों" या "गंभीर कठिनाइयों" या "कठिनाई का अनुभव" या "दर्दनाक अनुभवों का समय" के रूप में किया जा सकता है।
- “प्यास लगना” का अनुवाद “प्यासा होना” या “प्यास के कारण व्याकुल होना” हो सकता है”।
- “हिंसा सहना” का अनुवाद “हिंसा का शिकार होना” या “हिंसक कामों से हानि उठाना”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:3-5
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 207:11-13
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 06:6-8
- मत्ती. 16:21-23
- भजन-संहिता 022:24-25
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11
- रोमियो 05:3-5

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **09:13** परमेश्वर ने कहा, “मैं ने अपनी प्रजा के लोग जो मिस्र में है उनके दुःख को निश्चय देखा है |”
- **38:12** यीशु ने तीन बार प्रार्थना की कहा, “हे मेरे पिता, यदि हो सके तो इस दुःख के कटोरे में से मुझे पीने मत देना |
- **42:03** उसने(यीशु) उन्हें नबियों ने जो कहा था याद दिलाया कि मसीह दुःख उठाएगा और मारा जाएगा और फिर तीसरे दिन जी उठेगा |
- **42:07** उसने(यीशु) कहा कि, “लिखा है कि मसीह दुःख उठाएग, मारा जायेगा और तीसरे दिन मरे हुओ में से जी उठेगा |”
- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को पूरा करने के लिए, कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा |
- **46:04** प्रभु ने कहा, "तू चला जा क्योंकि वह तो अन्यजातियों और राजाओं के सामने मेरा नाम प्रगट करने के लिये मेरा चुना हुआ पात्र है | और मैं उसे बताऊँगा कि मेरे नाम के लिये उसे कैसा कैसा दुःख उठाना पड़ेगा |”
- **50:17** वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H943, H1741, H1934, H4342, H4531, H4912, H5142, H5254, H5375, H5999, H6031, H6040, H6041, H6064, H6090, H6770, H6869, H6887, H7661, G91, G941, G971, G2210, G2346, G2347, G3804, G3958, G4310, G4778, G4841, G5004, G5723

दुःख उठाए, दुःख उठाना, दुःख उठाया, दुःख उठता, दुःख उठाता

परिभाषा:

“दुःख उठाए” और “दुख उठाना” का अर्थ है कष्टकारी अनुभव जैसे रोग, दुखदाई या अन्य कठिनाइयां।

- जब मनुष्यों को सताया जाता है या जब वे रोगी होते हैं तब उन्हें दुख होता है।
- कभी-कभी मनुष्य गलत कामों के कारण भी दुख उठाता है, कभी-कभी संसार में पाप और रोग के कारण मनुष्य दुख उठाता है।
- दुख शारीरिक भी होता है जैसे पीड़ा और रोग। मानसिक दुख भी होता है जैसे भय, उदासी या अकेलापन।
- “मुझे सह लो” अर्थात् “मेरे साथ सहनशील रहो” या “मेरी बात सुनो” या “धीरज धरकर सुनो”।

(अनुवाद के सुझाव:

- “दुख उठाना” का अनुवाद “पीड़ा का अनुभव करना” या “कठिन एवं कष्टकारी अनुभव करना” या "कठिन और दर्दनाक अनुभवों के माध्यम से जाना"।
- संदर्भ के आधार पर, "पीड़ा" का अनुवाद "अत्यंत कठिन परिस्थितियों" या "गंभीर कठिनाइयों" या "कठिनाई का अनुभव" या "दर्दनाक अनुभवों का समय" के रूप में किया जा सकता है।
- “प्यास लगना” का अनुवाद “प्यासा होना” या “प्यास के कारण व्याकुल होना” हो सकता है”।
- “हिंसा सहना” का अनुवाद “हिंसा का शिकार होना” या “हिंसक कामों से हानि उठाना”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:3-5
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 207:11-13
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 06:6-8
- मत्ती. 16:21-23
- भजन-संहिता 022:24-25
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11
- रोमियो 05:3-5

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **09:13** परमेश्वर ने कहा, “मैं ने अपनी प्रजा के लोग जो मिस्र में है उनके दुःख को निश्चय देखा है |”
- **38:12** यीशु ने तीन बार प्रार्थना की कहा, “हे मेरे पिता, यदि हो सके तो इस दुःख के कटोरे में से मुझे पीने मत देना |
- **42:03** उसने(यीशु) उन्हें नबियों ने जो कहा था याद दिलाया कि मसीह दुःख उठाएगा और मारा जाएगा और फिर तीसरे दिन जी उठेगा |
- **42:07** उसने(यीशु) कहा कि, “लिखा है कि मसीह दुःख उठाएग, मारा जायेगा और तीसरे दिन मरे हुओ में से जी उठेगा |”
- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को पूरा करने के लिए, कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा |
- **46:04** प्रभु ने कहा, "तू चला जा क्योंकि वह तो अन्यजातियों और राजाओं के सामने मेरा नाम प्रगट करने के लिये मेरा चुना हुआ पात्र है | और मैं उसे बताऊँगा कि मेरे नाम के लिये उसे कैसा कैसा दुःख उठाना पड़ेगा |”
- **50:17** वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H943, H1741, H1934, H4342, H4531, H4912, H5142, H5254, H5375, H5999, H6031, H6040, H6041, H6064, H6090, H6770, H6869, H6887, H7661, G91, G941, G971, G2210, G2346, G2347, G3804, G3958, G4310, G4778, G4841, G5004, G5723

दुःख देने, सताया, अंधेर करना, दुःख देनेवालों

तथ्य:

“दुःख देने” अर्थात घोर कष्ट देना। किसी को दुःख देने का अर्थ है निर्दयता से सताना।

- कभी-कभी दुःख देने का संदर्भ शारीरिक कष्ट एवं व्यथा से होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में शारीरिक यातना का वर्णन किया गया है जो "पशु" के पूजकों को अंत के समय में भुगतना पड़ेगा।
- पीड़ा आत्मिक एवं मानसिक व्यथा भी होती है जैसा अय्यूब के साथ था।
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के अनुसार यीशु में विश्वास नहीं करनेवालों को आग की झील में आत्मिक अनन्त पीड़ा सहनी होगी।
- इस शब्द का अनुवाद, “भयानक कष्ट” या “घोर कष्ट” या “क्लेश” हो सकता है। कुछ अनुवादों में स्पष्टता हेतु “शारीरिक” या “आत्मिक” शब्द को इसके साथ जोड़ दिया जाता है।

(यह भी देखें: पशु, सनातन, अय्यूब, उद्धारकर्ता, आत्मा, दुःख उठाए, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- यिर्मयाह 30:20-22
- विलापगीत 01:11-12
- लूका 08:28-29
- प्रकाशितवाक्य 11:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3013, G928, G929, G930, G931, G2558, G2851, G3600

दुःख देने, सताया, अंधेर करना, दुःख देनेवालों

तथ्य:

“दुःख देने” अर्थात घोर कष्ट देना। किसी को दुःख देने का अर्थ है निर्दयता से सताना।

- कभी-कभी दुःख देने का संदर्भ शारीरिक कष्ट एवं व्यथा से होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में शारीरिक यातना का वर्णन किया गया है जो "पशु" के पूजकों को अंत के समय में भुगतना पड़ेगा।
- पीड़ा आत्मिक एवं मानसिक व्यथा भी होती है जैसा अय्यूब के साथ था।
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के अनुसार यीशु में विश्वास नहीं करनेवालों को आग की झील में आत्मिक अनन्त पीड़ा सहनी होगी।
- इस शब्द का अनुवाद, “भयानक कष्ट” या “घोर कष्ट” या “क्लेश” हो सकता है। कुछ अनुवादों में स्पष्टता हेतु “शारीरिक” या “आत्मिक” शब्द को इसके साथ जोड़ दिया जाता है।

(यह भी देखें: पशु, सनातन, अय्यूब, उद्धारकर्ता, आत्मा, दुःख उठाए, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- यिर्मयाह 30:20-22
- विलापगीत 01:11-12
- लूका 08:28-29
- प्रकाशितवाक्य 11:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3013, G928, G929, G930, G931, G2558, G2851, G3600

दुःखित, मारेगा, दुःख, क्लेश

परिभाषा:

“क्लेश देना” अर्थात किसी को कष्ट या दुःख देना “दुःख” रोग, मानसिक विषाद या इनसे उत्पन्न अन्य विनाश।

- कभी कभी परमेश्वर अपनी प्रजा को रोगों और कठिन परिस्थितियों से क्लेश देता था कि वे अपने पापों से विमुख होकर उसके पास लौट आएं।
- परमेश्वर ने मिस्र पर क्लेश या विपत्तियां डाली थी क्योंकि उनके राजा ने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी थी।
- किसी बात से “दबना” रोग, सताव या मानसिक विषाद के कारण क्लेश भोगना।

अनुवाद के सुझाव:

- किसी को क्लेश देना का अनुवाद, “किसी को संकट का अनुभव करवाना” या “किसी को दुःख देना” या “किसी के लिए कष्ट का कारण होना”
- कुछ प्रकरणों में “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “होना” या “पहुंचाना” या “कष्ट लाना” “कोढ़ से पीड़ित” का अनुवाद “कोढ़ का रोगी होना” हो सकता है।
- मनुष्यों का पशुओं को दुःख देने के लिए जब रोग या मुसीबत भेजी जाती है तो इसका अनुवाद हो सकता है, “दुख देना”
- प्रकरण के अनुसार “दुःख” का अनुवाद हो सकता है, “मुसीबत” या “रोग” या “कष्ट” या “महाक्लेश”।
- "क्लेश पाते है" इस वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "से पीड़ित" या "रोगग्रस्त"

(यह भी देखें: कोढ़ी, मरी, दुःख उठाए)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- आमोस 05:12-13
- कुलुस्सियों 01:24-27
- निर्गमन 22:22-24
- उत्पत्ति 12:17-20
- उत्पत्ति 15:12-13
- उत्पत्ति 29:31-32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H3013, H3905, H3906, H6031, H6039, H6040, H6041, H6862, H6869, H6887, H7451, H7489, G2346, G2347, G3804

दुल्हन, वधू, विवाह

परिभाषा:

दुल्हन, विवाह के संस्कार में पुरुष से अर्थात दुल्हें से विवाह करने वाली स्त्री।

- “दुल्हन” शब्द यीशु के विश्वासियों, कलीसिया के लिए भी रूपक स्वरूप काम में लिया गया शब्द है।
- यीशु को प्रतीकात्मक रूप में कलीसिया का दुल्हा कहा गया है।

(यह भी देखें: दुल्हा, कलीसिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 22:16-17
- यशायाह 62:5
- योएल 02:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3618, G3565

दुल्हा, दुल्हे

परिभाषा:

विवाह में दुल्हा-दुल्हन से विवाह करता है।

- बाइबल के युग में यहूदी संस्कृति में विवाह संस्कार दुल्हे द्वारा दुल्हन को लेने आने पर केन्द्रित होता था।
- बाइबल में यीशु को "दुल्हें" की उपमा दी गई है जो एक दिन अपनी "दुल्हन", कलीसिया को लेने आएगा।
- यीशु ने अपने शिष्यों की तुलना दुल्हें के मित्रों से की थी। जो दुल्हें के साथ उत्सव मनाते हैं परन्तु दुल्हे के चले जाने के बाद दुःखी होते हैं।

(यह भी देखें: दुल्हन)

बाइबल सन्दर्भ:

- यशायाह 62:5
- योएल 02:15-16
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 05:33-35
- मरकुस 02:18-19
- मरकुस 02:20-21
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2860, G3566

दुल्हा, दुल्हे

परिभाषा:

विवाह में दुल्हा-दुल्हन से विवाह करता है।

- बाइबल के युग में यहूदी संस्कृति में विवाह संस्कार दुल्हे द्वारा दुल्हन को लेने आने पर केन्द्रित होता था।
- बाइबल में यीशु को "दुल्हें" की उपमा दी गई है जो एक दिन अपनी "दुल्हन", कलीसिया को लेने आएगा।
- यीशु ने अपने शिष्यों की तुलना दुल्हें के मित्रों से की थी। जो दुल्हें के साथ उत्सव मनाते हैं परन्तु दुल्हे के चले जाने के बाद दुःखी होते हैं।

(यह भी देखें: दुल्हन)

बाइबल सन्दर्भ:

- यशायाह 62:5
- योएल 02:15-16
- यूहन्ना 03:29-30
- लूका 05:33-35
- मरकुस 02:18-19
- मरकुस 02:20-21
- मत्ती 09:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2860, G3566

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दुष्टात्मा, अशुद्ध आत्मा

परिभाषा:

ये सब शब्द दुष्टात्माओं के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर विरोधी आत्माएं हैं.

- परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को अपनी सेवा हेतु सृजा था. शैतान ने जब परमेश्वर से विरोध किया तब कुछ स्वर्गदूतों ने उसके साथ विद्रोह किया और वे स्वर्ग से बाहर गिरा दिए गए. माना जाता है कि दुष्टात्माएं ये "पतित स्वर्गदूत" हैं.
- इन दुष्टात्माओं को कभी-कभी "अशुद्ध आत्माएं" भी कहा गया है. "अशुद्ध" अर्थात "अपवित्र" या "दुष्ट" या "अशुद्ध"
- शैतान की सेवा में होने के कारण वे बुरा काम करती हैं. कभी-कभी वे मनुष्यों में प्रवेश करके उसे वश में कर लेती हैं.
- वे मनुष्य से अधिक सामर्थी होती हैं परन्तु परमेश्वर के तुल्य सामर्थी नहीं हैं.

अनुवाद के सुझाव:

- दुष्टात्मा का अनुवाद हो सकता है "बुरी आत्मा"
- "अशुद्ध आत्मा" का अनुवाद हो सकता है, "मलीन आत्मा" या "भ्रष्ट आत्मा" या "बुरी आत्मा."
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद करते समय कोई भी शब्द या उक्ति उस शब्द के समानार्थक न हो जो शैतान के लिए काम में लिया जाए.
- ध्यान दे कि "दुष्टात्मा" शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है.

(यह भी देखें: दुष्टात्माएँ थीं, शैतान, मूर्ति, देवता, स्वर्गदूत, बुराई, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 02:19
- याकूब 03:15
- लूका 04:36
- मरकुस 03:22
- मत्ती. 04:24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें दुष्ट-आत्मा थी, उन्हें यीशु के पास लाया गया. यीशु की आज्ञा पर__ दुष्ट-आत्माएँ__प्राय: यह चिल्लाते हुए बाहर निकलती थी, "तू परमेश्वर का पुत्र है!"
- __32:08 __दुष्टात्माएं __ उस आदमी में से निकलकर सूअरों में प्रवेश कर गईं.
- **47:05** अत: एक दिन जब वह दासी चिल्लाने लगी, पौलुस ने मुड़कर उस आत्मा से जो उसमे थी कहा, "यीशु के नाम में, उसमें से निकल जा." उसी घड़ी वह दुष्ट आत्मा उसमें से निकल गई.
- **49:02** वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, दुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को 5,000 लोगों के लिए पर्याप्त भोजन में बदल दिया.

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2932, H7307, H7451, H7700, G169, G1139, G1140, G1141, G1142, G4190, G4151, G4152, G4189

दुष्टात्मा, अशुद्ध आत्मा

परिभाषा:

ये सब शब्द दुष्टात्माओं के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर विरोधी आत्माएं हैं.

- परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को अपनी सेवा हेतु सृजा था. शैतान ने जब परमेश्वर से विरोध किया तब कुछ स्वर्गदूतों ने उसके साथ विद्रोह किया और वे स्वर्ग से बाहर गिरा दिए गए. माना जाता है कि दुष्टात्माएं ये "पतित स्वर्गदूत" हैं.
- इन दुष्टात्माओं को कभी-कभी "अशुद्ध आत्माएं" भी कहा गया है. "अशुद्ध" अर्थात "अपवित्र" या "दुष्ट" या "अशुद्ध"
- शैतान की सेवा में होने के कारण वे बुरा काम करती हैं. कभी-कभी वे मनुष्यों में प्रवेश करके उसे वश में कर लेती हैं.
- वे मनुष्य से अधिक सामर्थी होती हैं परन्तु परमेश्वर के तुल्य सामर्थी नहीं हैं.

अनुवाद के सुझाव:

- दुष्टात्मा का अनुवाद हो सकता है "बुरी आत्मा"

- “अशुद्ध आत्मा” का अनुवाद हो सकता है, “मलीन आत्मा” या “भ्रष्ट आत्मा” या “बुरी आत्मा.”
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद करते समय कोई भी शब्द या उक्ति उस शब्द के समानार्थक न हो जो शैतान के लिए काम में लिया जाए.
- ध्यान दे कि “दुष्टात्मा” शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है.

(यह भी देखें: दुष्टात्माएँ थीं, शैतान, मूर्ति, देवता, स्वर्गदूत, बुराई, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 02:19
- याकूब 03:15
- लूका 04:36
- मरकुस 03:22
- मत्ती. 04:24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें दुष्ट-आत्मा थी, उन्हें यीशु के पास लाया गया. यीशु की आज्ञा पर__ दुष्ट-आत्माएँ__प्राय: यह चिल्लाते हुए बाहर निकलती थी, “तू परमेश्वर का पुत्र है!”
- __32:08 __दुष्टात्माएं __ उस आदमी में से निकलकर सूअरों में प्रवेश कर गईं.
- **47:05** अत: एक दिन जब वह दासी चिल्लाने लगी, पौलुस ने मुड़कर उस आत्मा से जो उसमे थी कहा, “यीशु के नाम में, उसमें से निकल जा." उसी घड़ी वह दुष्ट आत्मा उसमें से निकल गई.
- **49:02** वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, दुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को 5,000 लोगों के लिए पर्याप्त भोजन में बदल दिया.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H2932, H7307, H7451, H7700, G169, G1139, G1140, G1141, G1142, G4190, G4151, G4152, G4189

दुष्टात्मा, अशुद्ध आत्मा

परिभाषा:

ये सब शब्द दुष्टात्माओं के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर विरोधी आत्माएं हैं.

- परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को अपनी सेवा हेतु सृजा था. शैतान ने जब परमेश्वर से विरोध किया तब कुछ स्वर्गदूतों ने उसके साथ विद्रोह किया और वे स्वर्ग से बाहर गिरा दिए गए. माना जाता है कि दुष्टात्माएं ये “पतित स्वर्गदूत” हैं.
- इन दुष्टात्माओं को कभी-कभी “अशुद्ध आत्माएं” भी कहा गया है. “अशुद्ध” अर्थात “अपवित्र” या “दुष्ट” या “अशुद्ध”
- शैतान की सेवा में होने के कारण वे बुरा काम करती हैं. कभी-कभी वे मनुष्यों में प्रवेश करके उसे वश में कर लेती हैं.
- वे मनुष्य से अधिक सामर्थी होती हैं परन्तु परमेश्वर के तुल्य सामर्थी नहीं हैं.

अनुवाद के सुझाव:

- दुष्टात्मा का अनुवाद हो सकता है “बुरी आत्मा”
- “अशुद्ध आत्मा” का अनुवाद हो सकता है, “मलीन आत्मा” या “भ्रष्ट आत्मा” या “बुरी आत्मा.”
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद करते समय कोई भी शब्द या उक्ति उस शब्द के समानार्थक न हो जो शैतान के लिए काम में लिया जाए.
- ध्यान दे कि “दुष्टात्मा” शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है.

(यह भी देखें: दुष्टात्माएँ थीं, शैतान, मूर्ति, देवता, स्वर्गदूत, बुराई, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 02:19
- याकूब 03:15
- लूका 04:36
- मरकुस 03:22
- मत्ती. 04:24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें दुष्ट-आत्मा थी, उन्हें यीशु के पास लाया गया. यीशु की आज्ञा पर__ दुष्ट-आत्माएँ__प्राय: यह चिल्लाते हुए बाहर निकलती थी, “तू परमेश्वर का पुत्र है!”
- __32:08 __दुष्टात्माएं __ उस आदमी में से निकलकर सूअरों में प्रवेश कर गईं.
- **47:05** अत: एक दिन जब वह दासी चिल्लाने लगी, पौलुस ने मुड़कर उस आत्मा से जो उसमे थी कहा, “यीशु के नाम में, उसमें से निकल जा." उसी घड़ी वह दुष्ट आत्मा उसमें से निकल गई.
- **49:02** वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, दुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को 5,000 लोगों के लिए पर्याप्त भोजन में बदल दिया.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H2932, H7307, H7451, H7700, G169, G1139, G1140, G1141, G1142, G4190, G4151, G4152, G4189

दुष्टात्मा, अशुद्ध आत्मा

परिभाषा:

ये सब शब्द दुष्टात्माओं के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर विरोधी आत्माएं हैं.

- परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को अपनी सेवा हेतु सृजा था. शैतान ने जब परमेश्वर से विरोध किया तब कुछ स्वर्गदूतों ने उसके साथ विद्रोह किया और वे स्वर्ग से बाहर गिरा दिए गए. माना जाता है कि दुष्टात्माएं ये “पतित स्वर्गदूत” हैं.
- इन दुष्टात्माओं को कभी-कभी “अशुद्ध आत्माएं” भी कहा गया है. “अशुद्ध” अर्थात “अपवित्र” या “दुष्ट” या “अशुद्ध”
- शैतान की सेवा में होने के कारण वे बुरा काम करती हैं. कभी-कभी वे मनुष्यों में प्रवेश करके उसे वश में कर लेती हैं.
- वे मनुष्य से अधिक सामर्थी होती हैं परन्तु परमेश्वर के तुल्य सामर्थी नहीं हैं.

अनुवाद के सुझाव:

- दुष्टात्मा का अनुवाद हो सकता है “बुरी आत्मा”
- “अशुद्ध आत्मा” का अनुवाद हो सकता है, “मलीन आत्मा” या “भ्रष्ट आत्मा” या “बुरी आत्मा.”
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद करते समय कोई भी शब्द या उक्ति उस शब्द के समानार्थक न हो जो शैतान के लिए काम में लिया जाए.
- ध्यान दे कि “दुष्टात्मा” शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है.

(यह भी देखें: दुष्टात्माएँ थीं, शैतान, मूर्ति, देवता, स्वर्गदूत, बुराई, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 02:19
- याकूब 03:15
- लूका 04:36
- मरकुस 03:22
- मत्ती. 04:24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें दुष्ट-आत्मा थी, उन्हें यीशु के पास लाया गया. यीशु की आज्ञा पर__ दुष्ट-आत्माएँ__प्राय: यह चिल्लाते हुए बाहर निकलती थी, “तू परमेश्वर का पुत्र है!”
- __32:08 __दुष्टात्माएं __ उस आदमी में से निकलकर सूअरों में प्रवेश कर गईं.
- **47:05** अत: एक दिन जब वह दासी चिल्लाने लगी, पौलुस ने मुड़कर उस आत्मा से जो उसमे थी कहा, “यीशु के नाम में, उसमें से निकल जा." उसी घड़ी वह दुष्ट आत्मा उसमें से निकल गई.
- **49:02** वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, दुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को 5,000 लोगों के लिए पर्याप्त भोजन में बदल दिया.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H2932, H7307, H7451, H7700, G169, G1139, G1140, G1141, G1142, G4190, G4151, G4152, G4189

दुष्टात्मा, अशुद्ध आत्मा

परिभाषा:

ये सब शब्द दुष्टात्माओं के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर विरोधी आत्माएं हैं.

- परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को अपनी सेवा हेतु सृजा था. शैतान ने जब परमेश्वर से विरोध किया तब कुछ स्वर्गदूतों ने उसके साथ विद्रोह किया और वे स्वर्ग से बाहर गिरा दिए गए. माना जाता है कि दुष्टात्माएं ये "पतित स्वर्गदूत" हैं.
- इन दुष्टात्माओं को कभी-कभी "अशुद्ध आत्माएं" भी कहा गया है. "अशुद्ध" अर्थात "अपवित्र" या "दुष्ट" या "अशुद्ध"
- शैतान की सेवा में होने के कारण वे बुरा काम करती हैं. कभी-कभी वे मनुष्यों में प्रवेश करके उसे वश में कर लेती हैं.
- वे मनुष्य से अधिक सामर्थी होती हैं परन्तु परमेश्वर के तुल्य सामर्थी नहीं हैं.

अनुवाद के सुझाव:

- दुष्टात्मा का अनुवाद हो सकता है "बुरी आत्मा"
- "अशुद्ध आत्मा" का अनुवाद हो सकता है, "मलीन आत्मा" या "भ्रष्ट आत्मा" या "बुरी आत्मा."
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद करते समय कोई भी शब्द या उक्ति उस शब्द के समानार्थक न हो जो शैतान के लिए काम में लिया जाए.
- ध्यान दे कि "दुष्टात्मा" शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है.

(यह भी देखें: दुष्टात्माएँ थीं, शैतान, मूर्ति, देवता, स्वर्गदूत, बुराई, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 02:19
- याकूब 03:15
- लूका 04:36
- मरकुस 03:22
- मत्ती. 04:24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें दुष्ट-आत्मा थी, उन्हें यीशु के पास लाया गया. यीशु की आज्ञा पर__ दुष्ट-आत्माएँ__प्राय: यह चिल्लाते हुए बाहर निकलती थी, "तू परमेश्वर का पुत्र है!"
- __32:08 __दुष्टात्माएं __ उस आदमी में से निकलकर सूअरों में प्रवेश कर गईं.
- **47:05** अत: एक दिन जब वह दासी चिल्लाने लगी, पौलुस ने मुड़कर उस आत्मा से जो उसमे थी कहा, "यीशु के नाम में, उसमें से निकल जा." उसी घड़ी वह दुष्ट आत्मा उसमें से निकल गई.
- **49:02** वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, दुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को 5,000 लोगों के लिए पर्याप्त भोजन में बदल दिया.

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2932, H7307, H7451, H7700, G169, G1139, G1140, G1141, G1142, G4190, G4151, G4152, G4189

दुष्टात्मा, अशुद्ध आत्मा

परिभाषा:

ये सब शब्द दुष्टात्माओं के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर विरोधी आत्माएं हैं.

- परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को अपनी सेवा हेतु सृजा था. शैतान ने जब परमेश्वर से विरोध किया तब कुछ स्वर्गदूतों ने उसके साथ विद्रोह किया और वे स्वर्ग से बाहर गिरा दिए गए. माना जाता है कि दुष्टात्माएं ये "पतित स्वर्गदूत" हैं.
- इन दुष्टात्माओं को कभी-कभी "अशुद्ध आत्माएं" भी कहा गया है. "अशुद्ध" अर्थात "अपवित्र" या "दुष्ट" या "अशुद्ध"
- शैतान की सेवा में होने के कारण वे बुरा काम करती हैं. कभी-कभी वे मनुष्यों में प्रवेश करके उसे वश में कर लेती हैं.
- वे मनुष्य से अधिक सामर्थी होती हैं परन्तु परमेश्वर के तुल्य सामर्थी नहीं हैं.

अनुवाद के सुझाव:

- दुष्टात्मा का अनुवाद हो सकता है "बुरी आत्मा"

- “अशुद्ध आत्मा” का अनुवाद हो सकता है, “मलीन आत्मा” या “भ्रष्ट आत्मा” या “बुरी आत्मा.”
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद करते समय कोई भी शब्द या उक्ति उस शब्द के समानार्थक न हो जो शैतान के लिए काम में लिया जाए.
- ध्यान दे कि “दुष्टात्मा” शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है.

(यह भी देखें: दुष्टात्माएँ थीं, शैतान, मूर्ति, देवता, स्वर्गदूत, बुराई, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 02:19
- याकूब 03:15
- लूका 04:36
- मरकुस 03:22
- मत्ती. 04:24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें दुष्ट-आत्मा थी, उन्हें यीशु के पास लाया गया. यीशु की आज्ञा पर__ दुष्ट-आत्माएँ__प्राय: यह चिल्लाते हुए बाहर निकलती थी, “तू परमेश्वर का पुत्र है!”
- __32:08 __दुष्टात्माएं __ उस आदमी में से निकलकर सूअरों में प्रवेश कर गईं.
- **47:05** अत: एक दिन जब वह दासी चिल्लाने लगी, पौलुस ने मुड़कर उस आत्मा से जो उसमे थी कहा, “यीशु के नाम में, उसमें से निकल जा." उसी घड़ी वह दुष्ट आत्मा उसमें से निकल गई.
- **49:02** वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, दुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को 5,000 लोगों के लिए पर्याप्त भोजन में बदल दिया.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H2932, H7307, H7451, H7700, G169, G1139, G1140, G1141, G1142, G4190, G4151, G4152, G4189

दुष्टात्मा, अशुद्ध आत्मा

परिभाषा:

ये सब शब्द दुष्टात्माओं के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर विरोधी आत्माएं हैं.

- परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को अपनी सेवा हेतु सृजा था. शैतान ने जब परमेश्वर से विरोध किया तब कुछ स्वर्गदूतों ने उसके साथ विद्रोह किया और वे स्वर्ग से बाहर गिरा दिए गए. माना जाता है कि दुष्टात्माएं ये “पतित स्वर्गदूत” हैं.
- इन दुष्टात्माओं को कभी-कभी “अशुद्ध आत्माएं” भी कहा गया है. “अशुद्ध” अर्थात “अपवित्र” या “दुष्ट” या “अशुद्ध”
- शैतान की सेवा में होने के कारण वे बुरा काम करती हैं. कभी-कभी वे मनुष्यों में प्रवेश करके उसे वश में कर लेती हैं.
- वे मनुष्य से अधिक सामर्थी होती हैं परन्तु परमेश्वर के तुल्य सामर्थी नहीं हैं.

अनुवाद के सुझाव:

- दुष्टात्मा का अनुवाद हो सकता है “बुरी आत्मा”
- “अशुद्ध आत्मा” का अनुवाद हो सकता है, “मलीन आत्मा” या “भ्रष्ट आत्मा” या “बुरी आत्मा.”
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद करते समय कोई भी शब्द या उक्ति उस शब्द के समानार्थक न हो जो शैतान के लिए काम में लिया जाए.
- ध्यान दे कि “दुष्टात्मा” शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है.

(यह भी देखें: दुष्टात्माएँ थीं, शैतान, मूर्ति, देवता, स्वर्गदूत, बुराई, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 02:19
- याकूब 03:15
- लूका 04:36
- मरकुस 03:22
- मत्ती. 04:24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें दुष्ट-आत्मा थी, उन्हें यीशु के पास लाया गया. यीशु की आज्ञा पर__ दुष्ट-आत्माएँ__प्राय: यह चिल्लाते हुए बाहर निकलती थी, “तू परमेश्वर का पुत्र है!”
- __32:08 __दुष्टात्माएं __ उस आदमी में से निकलकर सूअरों में प्रवेश कर गईं.
- **47:05** अत: एक दिन जब वह दासी चिल्लाने लगी, पौलुस ने मुड़कर उस आत्मा से जो उसमे थी कहा, “यीशु के नाम में, उसमें से निकल जा." उसी घड़ी वह दुष्ट आत्मा उसमें से निकल गई.
- **49:02** वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, दुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को 5,000 लोगों के लिए पर्याप्त भोजन में बदल दिया.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H2932, H7307, H7451, H7700, G169, G1139, G1140, G1141, G1142, G4190, G4151, G4152, G4189

दुष्टात्मा, अशुद्ध आत्मा

परिभाषा:

ये सब शब्द दुष्टात्माओं के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर विरोधी आत्माएं हैं.

- परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को अपनी सेवा हेतु सृजा था. शैतान ने जब परमेश्वर से विरोध किया तब कुछ स्वर्गदूतों ने उसके साथ विद्रोह किया और वे स्वर्ग से बाहर गिरा दिए गए. माना जाता है कि दुष्टात्माएं ये “पतित स्वर्गदूत” हैं.
- इन दुष्टात्माओं को कभी-कभी “अशुद्ध आत्माएं” भी कहा गया है. “अशुद्ध” अर्थात “अपवित्र” या “दुष्ट” या “अशुद्ध”
- शैतान की सेवा में होने के कारण वे बुरा काम करती हैं. कभी-कभी वे मनुष्यों में प्रवेश करके उसे वश में कर लेती हैं.
- वे मनुष्य से अधिक सामर्थी होती हैं परन्तु परमेश्वर के तुल्य सामर्थी नहीं हैं.

अनुवाद के सुझाव:

- दुष्टात्मा का अनुवाद हो सकता है “बुरी आत्मा”
- “अशुद्ध आत्मा” का अनुवाद हो सकता है, “मलीन आत्मा” या “भ्रष्ट आत्मा” या “बुरी आत्मा.”
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद करते समय कोई भी शब्द या उक्ति उस शब्द के समानार्थक न हो जो शैतान के लिए काम में लिया जाए.
- ध्यान दे कि “दुष्टात्मा” शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है.

(यह भी देखें: दुष्टात्माएँ थीं, शैतान, मूर्ति, देवता, स्वर्गदूत, बुराई, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 02:19
- याकूब 03:15
- लूका 04:36
- मरकुस 03:22
- मत्ती. 04:24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें दुष्ट-आत्मा थी, उन्हें यीशु के पास लाया गया. यीशु की आज्ञा पर__ दुष्ट-आत्माएँ__प्राय: यह चिल्लाते हुए बाहर निकलती थी, “तू परमेश्वर का पुत्र है!”
- __32:08 __दुष्टात्माएं __ उस आदमी में से निकलकर सूअरों में प्रवेश कर गईं.
- **47:05** अत: एक दिन जब वह दासी चिल्लाने लगी, पौलुस ने मुड़कर उस आत्मा से जो उसमे थी कहा, “यीशु के नाम में, उसमें से निकल जा." उसी घड़ी वह दुष्ट आत्मा उसमें से निकल गई.
- **49:02** वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, दुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को 5,000 लोगों के लिए पर्याप्त भोजन में बदल दिया.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H2932, H7307, H7451, H7700, G169, G1139, G1140, G1141, G1142, G4190, G4151, G4152, G4189

दुष्टात्मा, अशुद्ध आत्मा

परिभाषा:

ये सब शब्द दुष्टात्माओं के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर विरोधी आत्माएं हैं.

- परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को अपनी सेवा हेतु सृजा था. शैतान ने जब परमेश्वर से विरोध किया तब कुछ स्वर्गदूतों ने उसके साथ विद्रोह किया और वे स्वर्ग से बाहर गिरा दिए गए. माना जाता है कि दुष्टात्माएं ये "पतित स्वर्गदूत" हैं.
- इन दुष्टात्माओं को कभी-कभी "अशुद्ध आत्माएं" भी कहा गया है. "अशुद्ध" अर्थात "अपवित्र" या "दुष्ट" या "अशुद्ध"
- शैतान की सेवा में होने के कारण वे बुरा काम करती हैं. कभी-कभी वे मनुष्यों में प्रवेश करके उसे वश में कर लेती हैं.
- वे मनुष्य से अधिक सामर्थी होती हैं परन्तु परमेश्वर के तुल्य सामर्थी नहीं हैं.

अनुवाद के सुझाव:

- दुष्टात्मा का अनुवाद हो सकता है "बुरी आत्मा"
- "अशुद्ध आत्मा" का अनुवाद हो सकता है, "मलीन आत्मा" या "भ्रष्ट आत्मा" या "बुरी आत्मा."
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद करते समय कोई भी शब्द या उक्ति उस शब्द के समानार्थक न हो जो शैतान के लिए काम में लिया जाए.
- ध्यान दे कि "दुष्टात्मा" शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है.

(यह भी देखें: दुष्टात्माएँ थीं, शैतान, मूर्ति, देवता, स्वर्गदूत, बुराई, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 02:19
- याकूब 03:15
- लूका 04:36
- मरकुस 03:22
- मत्ती. 04:24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें दुष्ट-आत्मा थी, उन्हें यीशु के पास लाया गया. यीशु की आज्ञा पर__ दुष्ट-आत्माएँ__प्राय: यह चिल्लाते हुए बाहर निकलती थी, "तू परमेश्वर का पुत्र है!"
- __32:08 __दुष्टात्माएं __ उस आदमी में से निकलकर सूअरों में प्रवेश कर गईं.
- **47:05** अत: एक दिन जब वह दासी चिल्लाने लगी, पौलुस ने मुड़कर उस आत्मा से जो उसमे थी कहा, "यीशु के नाम में, उसमें से निकल जा." उसी घड़ी वह दुष्ट आत्मा उसमें से निकल गई.
- **49:02** वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, दुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को 5,000 लोगों के लिए पर्याप्त भोजन में बदल दिया.

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2932, H7307, H7451, H7700, G169, G1139, G1140, G1141, G1142, G4190, G4151, G4152, G4189

दुष्टात्माएँ थीं

परिभाषा:

दुष्टात्माग्रस्त का अर्थ है किसी के कार्य एवं विकार दुष्टात्मा के वश में हैं।

- दुष्टात्माग्रस्त मनुष्य स्वयं को या अन्य किसी को हानि पहुंचाता है क्योंकि दुष्टात्मा उससे ऐसा करवाती है।
- यीशु ने दुश्तात्माग्रसित लोगों को चंगा किया; दुष्टात्माओं को आज्ञा देकर कि उनमें से निकल जाएं। इसे प्राय: दुष्टात्मा निकालना कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "दुष्टात्मा नियंत्रित" या "दुष्टात्मा द्वारा वशीभूत" या "दुष्टात्मा के अन्तर्वास में"

(यह भी देखें: दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 01:32-34
- मत्ती 04:23-25
- मत्ती 08:16-17
- मत्ती 08:33-34

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें दुष्ट-आत्मा थी , उन्हें यीशु के पास लाया गया।
- **32:02** जब वह झील की दूसरी तरफ पहुँचे तो तुरन्त एक व्यक्ति जिसमे अशुद्ध आत्मा थी, यीशु के पास दौड़कर आया।
- **32:06** दुष्टात्मा ग्रस्त व्यक्ति ने ऊँचे शब्द से चिल्लाकर कहा “हे यीशु परम प्रधान परमेश्वर के पुत्र, मुझे तुझ से क्या काम है? कृपया मुझे पीड़ा न दे!”
- **32:09** लोगों ने आकर उसको जिसमें दुष्टात्माएँ थीं, कपड़े पहने और सचेत बैठे देखा और एक सामान्य व्यक्ति की तरह बर्ताव करते पाया ।
- **47:03** हर दिन जब वह प्रार्थना करने की जगह जाते थे, तो एक दासी उनका पीछा करती थी जिसमें भावी कहने वाली दुष्ट आत्मा थी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1139

दुष्टात्माएँ थीं

परिभाषा:

दुष्टात्माग्रस्त का अर्थ है किसी के कार्य एवं विकार दुष्टात्मा के वश में हैं।

- दुष्टात्माग्रस्त मनुष्य स्वयं को या अन्य किसी को हानि पहुंचाता है क्योंकि दुष्टात्मा उससे ऐसा करवाती है।
- यीशु ने दुश्तात्माग्रसित लोगों को चंगा किया; दुष्टात्माओं को आज्ञा देकर कि उनमें से निकल जाएं। इसे प्रायः दुष्टात्मा निकालना कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टात्मा नियंत्रित” या “दुष्टात्मा द्वारा वशीभूत” या “दुष्टात्मा के अन्तर्वास में”

(यह भी देखें: दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 01:32-34
- मत्ती 04:23-25
- मत्ती 08:16-17
- मत्ती 08:33-34

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें दुष्ट-आत्मा थी , उन्हें यीशु के पास लाया गया।
- **32:02** जब वह झील की दूसरी तरफ पहुँचे तो तुरन्त एक व्यक्ति जिसमे अशुद्ध आत्मा थी, यीशु के पास दौड़कर आया।
- **32:06** दुष्टात्मा ग्रस्त व्यक्ति ने ऊँचे शब्द से चिल्लाकर कहा “हे यीशु परम प्रधान परमेश्वर के पुत्र, मुझे तुझ से क्या काम है? कृपया मुझे पीड़ा न दे!”
- **32:09** लोगों ने आकर उसको जिसमें दुष्टात्माएँ थीं, कपड़े पहने और सचेत बैठे देखा और एक सामान्य व्यक्ति की तरह बर्ताव करते पाया ।
- **47:03** हर दिन जब वह प्रार्थना करने की जगह जाते थे, तो एक दासी उनका पीछा करती थी जिसमें भावी कहने वाली दुष्ट आत्मा थी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1139

दुष्टात्माएँ थीं

परिभाषा:

दुष्टात्माग्रस्त का अर्थ है किसी के कार्य एवं विकार दुष्टात्मा के वश में हैं।

- दुष्टात्माग्रस्त मनुष्य स्वयं को या अन्य किसी को हानि पहुंचाता है क्योंकि दुष्टात्मा उससे ऐसा करवाती है।
- यीशु ने दुश्तात्माग्रसित लोगों को चंगा किया; दुष्टात्माओं को आज्ञा देकर कि उनमें से निकल जाएं। इसे प्रायः दुष्टात्मा निकालना कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टात्मा नियंत्रित” या “दुष्टात्मा द्वारा वशीभूत” या “दुष्टात्मा के अन्तर्वास में”

(यह भी देखें: दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 01:32-34
- मत्ती 04:23-25
- मत्ती 08:16-17
- मत्ती 08:33-34

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें दुष्ट-आत्मा थी , उन्हें यीशु के पास लाया गया।
- **32:02** जब वह झील की दूसरी तरफ पहुँचे तो तुरन्त एक व्यक्ति जिसमे अशुद्ध आत्मा थी, यीशु के पास दौड़कर आया।
- **32:06** दुष्टात्मा ग्रस्त व्यक्ति ने ऊँचे शब्द से चिल्लाकर कहा “हे यीशु परम प्रधान परमेश्वर के पुत्र, मुझे तुझ से क्या काम है? कृपया मुझे पीड़ा न दे!”
- **32:09** लोगों ने आकर उसको जिसमें दुष्टात्माएँ थीं, कपड़े पहने और सचेत बैठे देखा और एक सामान्य व्यक्ति की तरह बर्ताव करते पाया ।
- **47:03** हर दिन जब वह प्रार्थना करने की जगह जाते थे, तो एक दासी उनका पीछा करती थी जिसमें भावी कहने वाली दुष्ट आत्मा थी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1139

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, दूतों

तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 राजा 01:1-2
- लूका 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

- दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
- सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
- प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
- “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: दूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

दृढ़ करने, दृढ़ करता, पक्की की, प्रमाण देने

परिभाषा:

“दृढ़ करने” (निश्चित करना) और “प्रमाण देना” कि कोई बात सच है, पक्की है और विश्वासयोग्य है।

- जब किसी राजा को “पक्का” किया जाता है तो इसका अर्थ है कि प्रजा सहमत है और पुष्टि करती है।
- किसी की लिखित बात को निश्चित करने का अर्थ है कि लिखी हुई बात सच है।
- सुसमाचार का “प्रमाण” अर्थात यीशु के बारे में सुसमाचार इस प्रकार सुनाना कि वह सच सिद्ध हो।
- शपथ को “पक्का करना” अर्थात गंभीरता से कहना या वचनबद्ध होना कि वह बात सच है।
- इन शब्दों के अनुवाद “सच कहना” या “विश्वासयोग्य सिद्ध करना” या “सहमत होना” या “विश्वास दिलाना” या “प्रतिज्ञा करना” हो सकते हैं परन्तु उन्हें प्रकरण के अनुसार होना है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 16:15-18
- 2 कुरिन्थियों 01:21-22
- 2 राजा 23:3
- इब्रानियों 06:16-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H553, H559, H1396, H3045, H3559, H4390, H4672, H5414, H5975, H6213, H6965, G950, G951, G1991, G2964, G3315, G4300, G4972

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दृष्टान्त, दृष्टान्तों

परिभाषा:

“दृष्टान्त” अर्थात छोटी कहानी या शिक्षाप्रद कथा जिसके द्वारा नैतिकता का पाठ सिखाया जाता है।

- यीशु दृष्टान्तों के द्वारा अपने शिष्यों को शिक्षा देते थे। यद्यपि यीशु ने जनसमूह को दृष्टान्त सुनाए, परन्तु उनका अर्थ नहीं समझाया था।
- उनके शिष्यों पर सत्य को प्रकट करने के लिए दृष्टान्त कहे जाते थे, परन्तु यीशु में विश्वास नहीं करने वाले फरीसी जैसे लोगों से वह सत्य छिपाया जाता था।
- नातान भविष्यद्वक्ता ने दाऊद पर उसका पाप प्रकट करने के लिए।
- नेक सामरी की कहानी एक दृष्टान्त का उदाहरण है। यीशु द्वारा नई और पुरानी मशकों की तुलना करना दृष्टान्त का ही उदाहरण है जो एक शिक्षाप्रद कथा थी कि शिष्यों को यीशु की शिक्षा समझ में आ जाए।

(यह भी देखें: सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:36
- लूका 06:39-40
- लूका 08:4-6
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:1-2
- मत्ती 13:3-6
- मत्ती 13:10-12
- मत्ती 13:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1819, H4912, G3850, G3942

दृष्टान्त, दृष्टान्तों

परिभाषा:

“दृष्टान्त” अर्थात छोटी कहानी या शिक्षाप्रद कथा जिसके द्वारा नैतिकता का पाठ सिखाया जाता है।

- यीशु दृष्टान्तों के द्वारा अपने शिष्यों को शिक्षा देते थे। यद्यपि यीशु ने जनसमूह को दृष्टान्त सुनाए, परन्तु उनका अर्थ नहीं समझाया था।
- उनके शिष्यों पर सत्य को प्रकट करने के लिए दृष्टान्त कहे जाते थे, परन्तु यीशु में विश्वास नहीं करने वाले फरीसी जैसे लोगों से वह सत्य छिपाया जाता था।
- नातान भविष्यद्वक्ता ने दाऊद पर उसका पाप प्रकट करने के लिए।
- नेक सामरी की कहानी एक दृष्टान्त का उदाहरण है। यीशु द्वारा नई और पुरानी मशकों की तुलना करना दृष्टान्त का ही उदाहरण है जो एक शिक्षाप्रद कथा थी कि शिष्यों को यीशु की शिक्षा समझ में आ जाए।

(यह भी देखें: सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:36
- लूका 06:39-40
- लूका 08:4-6
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:1-2
- मत्ती 13:3-6
- मत्ती 13:10-12
- मत्ती 13:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1819, H4912, G3850, G3942

दृष्टान्त, दृष्टान्तों

परिभाषा:

“दृष्टान्त” अर्थात छोटी कहानी या शिक्षाप्रद कथा जिसके द्वारा नैतिकता का पाठ सिखाया जाता है।

- यीशु दृष्टान्तों के द्वारा अपने शिष्यों को शिक्षा देते थे। यद्यपि यीशु ने जनसमूह को दृष्टान्त सुनाए, परन्तु उनका अर्थ नहीं समझाया था।
- उनके शिष्यों पर सत्य को प्रकट करने के लिए दृष्टान्त कहे जाते थे, परन्तु यीशु में विश्वास नहीं करने वाले फरीसी जैसे लोगों से वह सत्य छिपाया जाता था।
- नातान भविष्यद्वक्ता ने दाऊद पर उसका पाप प्रकट करने के लिए।
- नेक सामरी की कहानी एक दृष्टान्त का उदाहरण है। यीशु द्वारा नई और पुरानी मशकों की तुलना करना दृष्टान्त का ही उदाहरण है जो एक शिक्षाप्रद कथा थी कि शिष्यों को यीशु की शिक्षा समझ में आ जाए।

(यह भी देखें: सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:36
- लूका 06:39-40
- लूका 08:4-6
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:1-2
- मत्ती 13:3-6
- मत्ती 13:10-12
- मत्ती 13:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1819, H4912, G3850, G3942

दृष्टान्त, दृष्टान्तों

परिभाषा:

“दृष्टान्त” अर्थात छोटी कहानी या शिक्षाप्रद कथा जिसके द्वारा नैतिकता का पाठ सिखाया जाता है।

- यीशु दृष्टान्तों के द्वारा अपने शिष्यों को शिक्षा देते थे। यद्यपि यीशु ने जनसमूह को दृष्टान्त सुनाए, परन्तु उनका अर्थ नहीं समझाया था।
- उनके शिष्यों पर सत्य को प्रकट करने के लिए दृष्टान्त कहे जाते थे, परन्तु यीशु में विश्वास नहीं करने वाले फरीसी जैसे लोगों से वह सत्य छिपाया जाता था।
- नातान भविष्यद्वक्ता ने दाऊद पर उसका पाप प्रकट करने के लिए।
- नेक सामरी की कहानी एक दृष्टान्त का उदाहरण है। यीशु द्वारा नई और पुरानी मशकों की तुलना करना दृष्टान्त का ही उदाहरण है जो एक शिक्षाप्रद कथा थी कि शिष्यों को यीशु की शिक्षा समझ में आ जाए।

(यह भी देखें: सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:36
- लूका 06:39-40
- लूका 08:4-6
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:1-2
- मत्ती 13:3-6
- मत्ती 13:10-12
- मत्ती 13:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1819, H4912, G3850, G3942

दृष्टान्त, दृष्टान्तों

परिभाषा:

“दृष्टान्त” अर्थात छोटी कहानी या शिक्षाप्रद कथा जिसके द्वारा नैतिकता का पाठ सिखाया जाता है।

- यीशु दृष्टान्तों के द्वारा अपने शिष्यों को शिक्षा देते थे। यद्यपि यीशु ने जनसमूह को दृष्टान्त सुनाए, परन्तु उनका अर्थ नहीं समझाया था।
- उनके शिष्यों पर सत्य को प्रकट करने के लिए दृष्टान्त कहे जाते थे, परन्तु यीशु में विश्वास नहीं करने वाले फरीसी जैसे लोगों से वह सत्य छिपाया जाता था।
- नातान भविष्यद्वक्ता ने दाऊद पर उसका पाप प्रकट करने के लिए।
- नेक सामरी की कहानी एक दृष्टान्त का उदाहरण है। यीशु द्वारा नई और पुरानी मशकों की तुलना करना दृष्टान्त का ही उदाहरण है जो एक शिक्षाप्रद कथा थी कि शिष्यों को यीशु की शिक्षा समझ में आ जाए।

(यह भी देखें: सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:36
- लूका 06:39-40
- लूका 08:4-6
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:1-2
- मत्ती 13:3-6
- मत्ती 13:10-12
- मत्ती 13:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1819, H4912, G3850, G3942

दृष्टान्त, दृष्टान्तों

परिभाषा:

“दृष्टान्त” अर्थात छोटी कहानी या शिक्षाप्रद कथा जिसके द्वारा नैतिकता का पाठ सिखाया जाता है।

- यीशु दृष्टान्तों के द्वारा अपने शिष्यों को शिक्षा देते थे। यद्यपि यीशु ने जनसमूह को दृष्टान्त सुनाए, परन्तु उनका अर्थ नहीं समझाया था।
- उनके शिष्यों पर सत्य को प्रकट करने के लिए दृष्टान्त कहे जाते थे, परन्तु यीशु में विश्वास नहीं करने वाले फरीसी जैसे लोगों से वह सत्य छिपाया जाता था।
- नातान भविष्यद्वक्ता ने दाऊद पर उसका पाप प्रकट करने के लिए।
- नेक सामरी की कहानी एक दृष्टान्त का उदाहरण है। यीशु द्वारा नई और पुरानी मशकों की तुलना करना दृष्टान्त का ही उदाहरण है जो एक शिक्षाप्रद कथा थी कि शिष्यों को यीशु की शिक्षा समझ में आ जाए।

(यह भी देखें: सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:36
- लूका 06:39-40
- लूका 08:4-6
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:1-2
- मत्ती 13:3-6
- मत्ती 13:10-12
- मत्ती 13:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1819, H4912, G3850, G3942

दृष्टान्त, दृष्टान्तों

परिभाषा:

“दृष्टान्त” अर्थात छोटी कहानी या शिक्षाप्रद कथा जिसके द्वारा नैतिकता का पाठ सिखाया जाता है।

- यीशु दृष्टान्तों के द्वारा अपने शिष्यों को शिक्षा देते थे। यद्यपि यीशु ने जनसमूह को दृष्टान्त सुनाए, परन्तु उनका अर्थ नहीं समझाया था।
- उनके शिष्यों पर सत्य को प्रकट करने के लिए दृष्टान्त कहे जाते थे, परन्तु यीशु में विश्वास नहीं करने वाले फरीसी जैसे लोगों से वह सत्य छिपाया जाता था।
- नातान भविष्यद्वक्ता ने दाऊद पर उसका पाप प्रकट करने के लिए।
- नेक सामरी की कहानी एक दृष्टान्त का उदाहरण है। यीशु द्वारा नई और पुरानी मशकों की तुलना करना दृष्टान्त का ही उदाहरण है जो एक शिक्षाप्रद कथा थी कि शिष्यों को यीशु की शिक्षा समझ में आ जाए।

(यह भी देखें: सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:36
- लूका 06:39-40
- लूका 08:4-6
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:1-2
- मत्ती 13:3-6
- मत्ती 13:10-12
- मत्ती 13:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1819, H4912, G3850, G3942

दृष्टान्त, दृष्टान्तों

परिभाषा:

“दृष्टान्त” अर्थात छोटी कहानी या शिक्षाप्रद कथा जिसके द्वारा नैतिकता का पाठ सिखाया जाता है।

- यीशु दृष्टान्तों के द्वारा अपने शिष्यों को शिक्षा देते थे। यद्यपि यीशु ने जनसमूह को दृष्टान्त सुनाए, परन्तु उनका अर्थ नहीं समझाया था।
- उनके शिष्यों पर सत्य को प्रकट करने के लिए दृष्टान्त कहे जाते थे, परन्तु यीशु में विश्वास नहीं करने वाले फरीसी जैसे लोगों से वह सत्य छिपाया जाता था।
- नातान भविष्यद्वक्ता ने दाऊद पर उसका पाप प्रकट करने के लिए।
- नेक सामरी की कहानी एक दृष्टान्त का उदाहरण है। यीशु द्वारा नई और पुरानी मशकों की तुलना करना दृष्टान्त का ही उदाहरण है जो एक शिक्षाप्रद कथा थी कि शिष्यों को यीशु की शिक्षा समझ में आ जाए।

(यह भी देखें: सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:36
- लूका 06:39-40
- लूका 08:4-6
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:1-2
- मत्ती 13:3-6
- मत्ती 13:10-12
- मत्ती 13:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1819, H4912, G3850, G3942

दृष्टान्त, दृष्टान्तों

परिभाषा:

“दृष्टान्त” अर्थात छोटी कहानी या शिक्षाप्रद कथा जिसके द्वारा नैतिकता का पाठ सिखाया जाता है।

- यीशु दृष्टान्तों के द्वारा अपने शिष्यों को शिक्षा देते थे। यद्यपि यीशु ने जनसमूह को दृष्टान्त सुनाए, परन्तु उनका अर्थ नहीं समझाया था।
- उनके शिष्यों पर सत्य को प्रकट करने के लिए दृष्टान्त कहे जाते थे, परन्तु यीशु में विश्वास नहीं करने वाले फरीसी जैसे लोगों से वह सत्य छिपाया जाता था।
- नातान भविष्यद्वक्ता ने दाऊद पर उसका पाप प्रकट करने के लिए।
- नेक सामरी की कहानी एक दृष्टान्त का उदाहरण है। यीशु द्वारा नई और पुरानी मशकों की तुलना करना दृष्टान्त का ही उदाहरण है जो एक शिक्षाप्रद कथा थी कि शिष्यों को यीशु की शिक्षा समझ में आ जाए।

(यह भी देखें: सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:36
- लूका 06:39-40
- लूका 08:4-6
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:1-2
- मत्ती 13:3-6
- मत्ती 13:10-12
- मत्ती 13:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1819, H4912, G3850, G3942

दृष्टान्त, दृष्टान्तों

परिभाषा:

“दृष्टान्त” अर्थात छोटी कहानी या शिक्षाप्रद कथा जिसके द्वारा नैतिकता का पाठ सिखाया जाता है।

- यीशु दृष्टान्तों के द्वारा अपने शिष्यों को शिक्षा देते थे। यद्यपि यीशु ने जनसमूह को दृष्टान्त सुनाए, परन्तु उनका अर्थ नहीं समझाया था।
- उनके शिष्यों पर सत्य को प्रकट करने के लिए दृष्टान्त कहे जाते थे, परन्तु यीशु में विश्वास नहीं करने वाले फरीसी जैसे लोगों से वह सत्य छिपाया जाता था।
- नातान भविष्यद्वक्ता ने दाऊद पर उसका पाप प्रकट करने के लिए।
- नेक सामरी की कहानी एक दृष्टान्त का उदाहरण है। यीशु द्वारा नई और पुरानी मशकों की तुलना करना दृष्टान्त का ही उदाहरण है जो एक शिक्षाप्रद कथा थी कि शिष्यों को यीशु की शिक्षा समझ में आ जाए।

(यह भी देखें: सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:36
- लूका 06:39-40
- लूका 08:4-6
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:1-2
- मत्ती 13:3-6
- मत्ती 13:10-12
- मत्ती 13:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1819, H4912, G3850, G3942

देवता, झूठे देवता, देवियाँ, मूर्ति, मूर्तिपूजक, मूर्ति पूजा

परिभाषा:

झूठा ईश्वर वह है जिसकी उपासना मनुष्य एकमात्र सच्चे परमेश्वर के स्थान में करते हैं। “देवी” अर्थात झूठी देवी-देवता का स्त्री रूप।

- झूठे देवी-देवता अस्तित्ववान नहीं हैं। यहोवा ही एकमात्र परमेश्वर है।
- मनुष्य अपने झूठे देवी देवताओं को प्रकट करने के लिए मूर्तियां बनाता है।
- बाइबल में परमेश्वर के लोग बार-बार उसकी अवज्ञा करके इन झूठे देवी-देवताओं की पूजा करने लगे थे।
- दुष्टात्माएं मनुष्यों को धोखा देती हैं कि वे विश्वास करें कि जिन झूठे ईश्वरों और मूर्तियों की वे पूजा करते हैं उनमें शक्ति है।
- बाल, दगोन, मोलेक, ये तीन उन अनेक झूठे ईश्वरों में थे जिनकी पूजा बाइबल युग में की जाती थी।
- अशेरा और अरतिमिस (डायना) दो देवियां थी जिनकी पूजा प्राचीन काल में की जाती थी।

एक मूर्ति एक वस्तु है जिसे लोग बनाते हैं ताकि वे इसकी पूजा कर सकें। कुछ को "मूर्तिपूजक" के रूप में वर्णित किया जाता है यदि इसमें एक सच्चे परमेश्वर के अलावा किसी अन्य को सम्मान देना शामिल है।

- लोग उन झूठे देवताओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए मूर्तियाँ बनाते हैं जिनकी वे पूजा करते हैं।
- ये झूठे देवता नहीं होते हैं; यहोवा के अलावा कोई परमेश्वर नहीं है।
- कभी-कभी दुष्टात्मा एक मूर्ति के माध्यम से काम करते हैं जिससे यह प्रतीत होता है कि उसमें शक्ति है, भले ही वह ऐसा न करता हो।
- मूर्तियों को अक्सर सोने, चांदी, कांस्य या महंगी लकड़ी जैसी मूल्यवान सामग्रियों से बनाया जाता है।
- एक "मूर्तिपूजक राज्य" का अर्थ है, "उन लोगों का राज्य जो मूर्तियों की पूजा करते हैं" या "उन लोगों का राज्य जो सांसारिक वस्तुओं की पूजा करते हैं।"
- शब्द "मूर्तिमान आकृति" एक "नक्काशीदार छवि" या "मूर्ति" का दूसरा शब्द है।

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा या आसपास की भाषा में “ईश्वर” या “झूठे ईश्वर” के लिए कोई शब्द होगा।
- “मूर्ति” शब्द झूठे ईश्वरो के संदर्भ में काम में लिया जा सकता है।
- झूठे ईश्वर के लिए ईश्वर शब्द और एकमात्र सच्चे परमेश्वर के लिए परमेश्वर शब्द का उपयोग किया जाता है। अन्य भाषाओं में भी ऐसा हो सकता है
- एक विकल्प यह भी है कि झूठे ईश्वरों के लिए एक पूर्णतः भिन्न शब्द का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में झूठे ईश्वर के लिंग भेद हेतु एक अतिरिक्त का उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, अशेरा, बाल, मोलेक, मूर्ति, दुष्टात्मा, मूरत,मूरत, मूरत)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:43
- प्रे.का. 19:26-27
- गलतियों 4: 8- 9
- उत्पत्ति 35: 1-3
- यशायाह 44:20
- भजन-संहिता 081:8-10

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। ”तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।
- **14:02** उन्होंने(कनानियो) झूठे देवताओं की उपासना की, और बहुत से दुष्ट कार्य किए।
- इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **18:13** परन्तु बहुत से यहूदा के राजा दुष्ट, विकृत और मूर्तियों की उपासना करने वाले थे। कुछ राजा झूठे देवताओं के लिए अपने बच्चों का भी बलिदान चढ़ाने लगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5236, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8267, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2299, G2712

देवता, झूठे देवता, देवियाँ, मूर्ति, मूर्तिपूजक, मूर्ति पूजा

परिभाषा:

झूठा ईश्वर वह है जिसकी उपासना मनुष्य एकमात्र सच्चे परमेश्वर के स्थान में करते हैं। “देवी” अर्थात झूठी देवी-देवता का स्त्री रूप।

- झूठे देवी-देवता अस्तित्ववान नहीं हैं। यहोवा ही एकमात्र परमेश्वर है।
- मनुष्य अपने झूठे देवी देवताओं को प्रकट करने के लिए मूर्तियां बनाता है।
- बाइबल में परमेश्वर के लोग बार-बार उसकी अवज्ञा करके इन झूठे देवी-देवताओं की पूजा करने लगे थे।
- दुष्टात्माएं मनुष्यों को धोखा देती हैं कि वे विश्वास करें कि जिन झूठे ईश्वरों और मूर्तियों की वे पूजा करते हैं उनमें शक्ति है।
- बाल, दगोन, मोलेक, ये तीन उन अनेक झूठे ईश्वरों में थे जिनकी पूजा बाइबल युग में की जाती थी।
- अशेरा और अरतिमिस (डायना) दो देवियां थी जिनकी पूजा प्राचीन काल में की जाती थी।

एक मूर्ति एक वस्तु है जिसे लोग बनाते हैं ताकि वे इसकी पूजा कर सकें। कुछ को "मूर्तिपूजक" के रूप में वर्णित किया जाता है यदि इसमें एक सच्चे परमेश्वर के अलावा किसी अन्य को सम्मान देना शामिल है।

- लोग उन झूठे देवताओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए मूर्तियाँ बनाते हैं जिनकी वे पूजा करते हैं।
- ये झूठे देवता नहीं होते हैं; यहोवा के अलावा कोई परमेश्वर नहीं है।
- कभी-कभी दुष्टात्मा एक मूर्ति के माध्यम से काम करते हैं जिससे यह प्रतीत होता है कि उसमें शक्ति है, भले ही वह ऐसा न करता हो।
- मूर्तियों को अक्सर सोने, चांदी, कांस्य या महंगी लकड़ी जैसी मूल्यवान सामग्रियों से बनाया जाता है।
- एक "मूर्तिपूजक राज्य" का अर्थ है, "उन लोगों का राज्य जो मूर्तियों की पूजा करते हैं" या "उन लोगों का राज्य जो सांसारिक वस्तुओं की पूजा करते हैं।"
- शब्द "मूर्तिमान आकृति" एक "नक्काशीदार छवि" या "मूर्ति" का दूसरा शब्द है।

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा या आसपास की भाषा में “ईश्वर” या “झूठे ईश्वर” के लिए कोई शब्द होगा।
- “मूर्ति” शब्द झूठे ईश्वरो के संदर्भ में काम में लिया जा सकता है।
- झूठे ईश्वर के लिए ईश्वर शब्द और एकमात्र सच्चे परमेश्वर के लिए परमेश्वर शब्द का उपयोग किया जाता है। अन्य भाषाओं में भी ऐसा हो सकता है
- एक विकल्प यह भी है कि झूठे ईश्वरों के लिए एक पूर्णतः भिन्न शब्द का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में झूठे ईश्वर के लिंग भेद हेतु एक अतिरिक्त का उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, अशेरा, बाल, मोलेक, मूर्ति, दुष्टात्मा, मूरत,मूरत, मूरत)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:43
- प्रे.का. 19:26-27
- गलतियों 4: 8- 9
- उत्पत्ति 35: 1-3
- यशायाह 44:20
- भजन-संहिता 081:8-10

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। ”तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।
- **14:02** उन्होंने(कनानियो) झूठे देवताओं की उपासना की, और बहुत से दुष्ट कार्य किए।
- इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **18:13** परन्तु बहुत से यहूदा के राजा दुष्ट, विकृत और मूर्तियों की उपासना करने वाले थे। कुछ राजा झूठे देवताओं के लिए अपने बच्चों का भी बलिदान चढ़ाने लगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5236, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8267, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2299, G2712

देह, शरीरों

परिभाषा:

“देह” का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- “देह” शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के “मृतक देह” या “लोथ” कहा गया है।
- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, “यह मेरी देह है” तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को “मसीह की देह” कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही “मसीह की देह” के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी “देह” का “सिर” भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी “देह” के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय “मसीह की आत्मिक देह” कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, “यह मेरी देह” है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए “शव” और पशु के लिए “लोथ।” सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9
- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

देह, शरीरों

परिभाषा:

“देह” का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- “देह” शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के “मृतक देह” या “लोथ” कहा गया है।
- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, “यह मेरी देह है” तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को “मसीह की देह” कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही “मसीह की देह” के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी “देह” का “सिर” भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी “देह” के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय "मसीह की आत्मिक देह" कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, "यह मेरी देह" है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए "शव" और पशु के लिए "लोथ।" सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9
- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

देह, शरीरों

परिभाषा:

"देह" का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- "देह" शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के "मृतक देह" या "लोथ" कहा गया है।
- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, "यह मेरी देह है" तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को "मसीह की देह" कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही "मसीह की देह" के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी "देह" का "सिर" भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी "देह" के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय "मसीह की आत्मिक देह" कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, "यह मेरी देह" है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए "शव" और पशु के लिए "लोथ।" सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9

- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

देह, शरीरों

परिभाषा:

“देह” का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- “देह” शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के “मृतक देह” या “लोथ” कहा गया है।
- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, “यह मेरी देह है” तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को “मसीह की देह” कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही “मसीह की देह” के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी “देह” का “सिर” भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी “देह” के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय “मसीह की आत्मिक देह” कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, “यह मेरी देह” है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए “शव” और पशु के लिए “लोथ।” सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9
- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

देह, शरीरों

परिभाषा:

“देह” का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- “देह” शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के “मृतक देह” या “लोथ” कहा गया है।

- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, “यह मेरी देह है” तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को “मसीह की देह” कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही “मसीह की देह” के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी “देह” का “सिर” भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी “देह” के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय “मसीह की आत्मिक देह” कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, “यह मेरी देह” है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए “शव” और पशु के लिए “लोथ।” सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9
- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

देह, शरीरों

परिभाषा:

“देह” का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- “देह” शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के “मृतक देह” या “लोथ” कहा गया है।
- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, “यह मेरी देह है” तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को “मसीह की देह” कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही “मसीह की देह” के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी “देह” का “सिर” भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी “देह” के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय “मसीह की आत्मिक देह” कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, “यह मेरी देह” है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए “शव” और पशु के लिए “लोथ।” सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9
- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

देह, शरीरों

परिभाषा:

"देह" का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- "देह" शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के "मृतक देह" या "लोथ" कहा गया है।
- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, "यह मेरी देह है" तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को "मसीह की देह" कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही "मसीह की देह" के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी "देह" का "सिर" भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी "देह" के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय "मसीह की आत्मिक देह" कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, "यह मेरी देह" है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए "शव" और पशु के लिए "लोथ।" सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9
- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

देह, शरीरों

परिभाषा:

“देह” का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- “देह” शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के “मृतक देह” या “लोथ” कहा गया है।
- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, “यह मेरी देह है” तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को “मसीह की देह” कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही “मसीह की देह” के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी “देह” का “सिर” भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी “देह” के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय “मसीह की आत्मिक देह” कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, “यह मेरी देह” है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए “शव” और पशु के लिए “लोथ।” सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9
- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

देह, शरीरों

परिभाषा:

“देह” का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- “देह” शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के “मृतक देह” या “लोथ” कहा गया है।
- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, “यह मेरी देह है” तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को “मसीह की देह” कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही “मसीह की देह” के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी “देह” का “सिर” भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी “देह” के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय "मसीह की आत्मिक देह" कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, "यह मेरी देह" है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए "शव" और पशु के लिए "लोथ।" सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9
- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

देह, शरीरों

परिभाषा:

"देह" का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- "देह" शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के "मृतक देह" या "लोथ" कहा गया है।
- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, "यह मेरी देह है" तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को "मसीह की देह" कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही "मसीह की देह" के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी "देह" का "सिर" भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी "देह" के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय "मसीह की आत्मिक देह" कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, "यह मेरी देह" है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए "शव" और पशु के लिए "लोथ।" सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9

- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

देह, शरीरों

परिभाषा:

“देह” का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- “देह” शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के “मृतक देह” या “लोथ” कहा गया है।
- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, “यह मेरी देह है” तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को “मसीह की देह” कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही “मसीह की देह” के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी “देह” का “सिर” भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी “देह” के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय “मसीह की आत्मिक देह” कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, “यह मेरी देह” है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए “शव” और पशु के लिए “लोथ।” सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9
- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

देह, शरीरों

परिभाषा:

“देह” का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- “देह” शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के “मृतक देह” या “लोथ” कहा गया है।

- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, “यह मेरी देह है” तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को “मसीह की देह” कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही “मसीह की देह” के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी “देह” का “सिर” भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी “देह” के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय “मसीह की आत्मिक देह” कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, “यह मेरी देह” है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए “शव” और पशु के लिए “लोथ।” सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9
- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

देह, शरीरों

परिभाषा:

“देह” का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- “देह” शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के “मृतक देह” या “लोथ” कहा गया है।
- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, “यह मेरी देह है” तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को “मसीह की देह” कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही “मसीह की देह” के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी “देह” का “सिर” भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी “देह” के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय “मसीह की आत्मिक देह” कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, “यह मेरी देह” है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए “शव” और पशु के लिए “लोथ।” सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9
- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

देह, शरीरों

परिभाषा:

"देह" का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- "देह" शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के "मृतक देह" या "लोथ" कहा गया है।
- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, "यह मेरी देह है" तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को "मसीह की देह" कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही "मसीह की देह" के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी "देह" का "सिर" भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी "देह" के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय "मसीह की आत्मिक देह" कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, "यह मेरी देह" है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए "शव" और पशु के लिए "लोथ।" सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9
- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

देह, शरीरों

परिभाषा:

“देह” का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- “देह” शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के “मृतक देह” या “लोथ” कहा गया है।
- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, “यह मेरी देह है” तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को “मसीह की देह” कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही “मसीह की देह” के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी “देह” का “सिर” भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी “देह” के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय “मसीह की आत्मिक देह” कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, “यह मेरी देह” है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए “शव” और पशु के लिए “लोथ।” सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9
- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

देह, शरीरों

परिभाषा:

“देह” का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- “देह” शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के “मृतक देह” या “लोथ” कहा गया है।
- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, “यह मेरी देह है” तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को “मसीह की देह” कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही “मसीह की देह” के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी “देह” का “सिर” भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी “देह” के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय "मसीह की आत्मिक देह" कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, "यह मेरी देह" है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए "शव" और पशु के लिए "लोथ।" सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9
- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

देह, शरीरों

परिभाषा:

"देह" का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

- "देह" शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के "मृतक देह" या "लोथ" कहा गया है।
- अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, "यह मेरी देह है" तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- बाइबल में विश्वासियों के समूह को "मसीह की देह" कहा गया है।
- जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही "मसीह की देह" के अनेक सदस्य हैं।
- मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
- यीशु को उसके विश्वासी "देह" का "सिर" भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी "देह" के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
- कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय "मसीह की आत्मिक देह" कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
- जब यीशु कहता है, "यह मेरी देह" है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
- कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए "शव" और पशु के लिए "लोथ।" सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: सिर, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- न्यायियों 14:7-9

- गिनती 06:6-8
- भजन संहिता 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।

- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।

- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।

- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।

- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।

- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।

- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।

- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, दोषी ठहरा

परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

- “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36-38
- यशायाह 06:6-7
- याकूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को दोषी साबित नहीं कर सके।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता।”
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम अपराधी हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

- अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
- अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
- बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होशे 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष, निर्दोष

तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: विश्वासी, शुद्ध, बलिदान करना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- व्यवस्थाविवरण 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- श्रेष्ठगीत 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40

- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40

- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

- झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओं ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
- नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 19:40
- होशे 04:4
- यिर्मयाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

दोष लगाना, दोषी, निन्दा, दण्ड की आज्ञा

परिभाषा:

“दोष लगाना” और “दण्ड की आज्ञा” अर्थात अनुचित काम के लिए किसी का न्याय करना।

- “दोष लगाना” में किसी मनुष्य को उसके अनुचित कार्य के लिए दण्ड देना शामिल होता है।
- कभी-कभी “दोष लगाना” का अर्थ किसी पर झूठा आरोप लगाना या किसी का निर्दयता से न्याय करना होता है।
- “दण्ड की आज्ञा” का संदर्भ किसी को दण्डित करने या किसी पर आरोप लगाना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “कठोरता से न्याय करना” या “झूठी आलोचना करना” हो सकता है।
- “उस पर दोष लगाना” का अनुवाद “न्याय करना कि वह दोषी है” या “आदेश देना कि उसे पाप का दण्ड दिया जाए” के रूप में किया जा सकता है।
- “दण्ड की आज्ञा” का अनुवाद “कठोर न्याय” या “दोषी ठहराना” या “दोष का दण्ड” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, दण्ड देना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:19-22
- अय्यूब 09:27-29
- यूहन्ना 05:24
- लूका 06:37
- मत्ती 12:7-8
- नीतिवचन 17:15-16
- भजन संहिता 034:21-22
- रोमियो 05:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6064, H7034, H7561, H8199, G176, G843, G2607, G2613, G2631, G2632, G2633, G2917, G2919, G2920, G5272, G6048

दोष लगाना, दोषी, निन्दा, दण्ड की आज्ञा

परिभाषा:

“दोष लगाना” और “दण्ड की आज्ञा” अर्थात अनुचित काम के लिए किसी का न्याय करना।

- “दोष लगाना” में किसी मनुष्य को उसके अनुचित कार्य के लिए दण्ड देना शामिल होता है।
- कभी-कभी “दोष लगाना” का अर्थ किसी पर झूठा आरोप लगाना या किसी का निर्दयता से न्याय करना होता है।
- “दण्ड की आज्ञा” का संदर्भ किसी को दण्डित करने या किसी पर आरोप लगाना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “कठोरता से न्याय करना” या “झूठी आलोचना करना” हो सकता है।
- “उस पर दोष लगाना” का अनुवाद “न्याय करना कि वह दोषी है” या “आदेश देना कि उसे पाप का दण्ड दिया जाए” के रूप में किया जा सकता है।
- “दण्ड की आज्ञा” का अनुवाद “कठोर न्याय” या “दोषी ठहराना” या “दोष का दण्ड” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, दण्ड देना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:19-22

- अय्यूब 09:27-29
- यूहन्ना 05:24
- लूका 06:37
- मत्ती 12:7-8
- नीतिवचन 17:15-16
- भजन संहिता 034:21-22
- रोमियो 05:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6064, H7034, H7561, H8199, G176, G843, G2607, G2613, G2631, G2632, G2633, G2917, G2919, G2920, G5272, G6048

दौड़ना, दौड़ना, दौड़ना, दौड़ना, दौड़ना

परिभाषा:

शाब्दिक शब्द "दौड़ना" का अर्थ है "पैर पर बहुत जल्दी चलना", आमतौर पर उच्च गति से चलना द्वारा पूरा किया जा सकता है

"दौड़ना" का मुख्य अर्थ भी आकृति अभिव्यक्तियों में उपयोग किया जाता है जैसे कि निम्नलिखित:

- "इस तरह से जीतने के लिए इस तरह से पुरस्कार जीतने के लिए" - एक ही दृढ़ता से जीतने के क्रम में एक दौड़ चलाने के रूप में परमेश्वर की इच्छा को करने में दृढ़ता से संदर्भित करता है

“आज्ञा पालन” अर्थात परमेश्वर की आज्ञाओं को सहर्ष अतिशीघ्र मानो।

- "अन्य देवताओं के पीछे चलने के लिए" अन्य देवताओं की पूजा करने में जारी रहने का मतलब है।

“मैं तेरा शरणागत हूँ” अर्थात कठिनाइयों में शरण पाने और सुरक्षा के लिए परमेश्वर के पास शीघ्र आ जाना पानी और अन्य तरल पदार्थ जैसे आंसू, लहू, पसीना और नदियों को भी बहना कहते हैं। इसका अनुवाद “प्रवाह” हो सकता है। किसी देश या क्षेत्र की सीमा को किसी नदी सा किसी देश की सीमा के साथ चलना कहा जाता है। इसका अर्थ यह हो सकता है कि देश की सीमा नदी या अन्य देश के बगल में है या कहती है कि देश नदी या अन्य देश की "सीमाओं" है। नदी और सोते सूख जाते हैं अर्थात उनमें पानी नहीं है। इसका अनुवाद हो सकता है, “सूख गए” या “निर्जल हो गए।” पर्व के दिन “अपना क्रम पूरा करते हैं” अर्थात “निकल गए” या “समाप्त हो गए” या “पूरे हो गए।”

(यह भी देखें: देवता, धीरज धरना, शरण, मुड़)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:18
- गलातियों 02:1-2
- गलातियों 05:5-8
- फिलिप्पियों 02: 14-16
- नीतिवचन 01:15-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H386, H935, H1065, H1272, H1518, H1556, H1980, H2100, H2416, H3001, H3212, H3332, H3381, H3920, H3988, H4422, H4754, H4794, H4944, H5074, H5127, H5140, H5472, H5756, H6437, H6440, H6544, H6805, H7272, H7291, H7310, H7323, H7325, H7519, H7751, H8264, H8308, H8444, G413, G1377, G1601, G1530, G1532, G1632, G1998, G2027, G2701, G3729, G4063, G4370, G4390, G4890, G4936, G5143, G5240, G5295, G5302, G5343

दौड़ना, दौड़ना, दौड़ना, दौड़ना, दौड़ना

परिभाषा:

शाब्दिक शब्द "दौड़ना" का अर्थ है "पैर पर बहुत जल्दी चलना", आमतौर पर उच्च गति से चलना द्वारा पूरा किया जा सकता है

"दौड़ना" का मुख्य अर्थ भी आकृति अभिव्यक्तियों में उपयोग किया जाता है जैसे कि निम्नलिखित:

- "इस तरह से जीतने के लिए इस तरह से पुरस्कार जीतने के लिए" - एक ही दृढ़ता से जीतने के क्रम में एक दौड़ चलाने के रूप में परमेश्वर की इच्छा को करने में दृढ़ता से संदर्भित करता है

“आज्ञा पालन” अर्थात परमेश्वर की आज्ञाओं को सहर्ष अतिशीघ्र मानो।

- "अन्य देवताओं के पीछे चलने के लिए" अन्य देवताओं की पूजा करने में जारी रहने का मतलब है।

“मैं तेरा शरणागत हूँ” अर्थात कठिनाइयों में शरण पाने और सुरक्षा के लिए परमेश्वर के पास शीघ्र आ जाना पानी और अन्य तरल पदार्थ जैसे आंसू, लहू, पसीना और नदियों को भी बहना कहते हैं। इसका अनुवाद “प्रवाह” हो सकता है। किसी देश या क्षेत्र की सीमा को किसी नदी सा किसी देश की सीमा के साथ चलना कहा जाता है। इसका अर्थ यह हो सकता है कि देश की सीमा नदी या अन्य देश के बगल में है या कहती है कि देश नदी या अन्य देश की "सीमाओं" है। नदी और सोते सूख जाते हैं अर्थात उनमें पानी नहीं है। इसका अनुवाद हो सकता है, “सूख गए” या “निर्जल हो गए।” पर्व के दिन “अपना क्रम पूरा करते हैं” अर्थात “निकल गए” या “समाप्त हो गए” या “पूरे हो गए।”

(यह भी देखें: देवता, धीरज धरना, शरण, मुड़)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:18
- गलातियों 02:1-2
- गलातियों 05:5-8
- फिलिप्पियों 02: 14-16
- नीतिवचन 01:15-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H386, H935, H1065, H1272, H1518, H1556, H1980, H2100, H2416, H3001, H3212, H3332, H3381, H3920, H3988, H4422, H4754, H4794, H4944, H5074, H5127, H5140, H5472, H5756, H6437, H6440, H6544, H6805, H7272, H7291, H7310, H7323, H7325, H7519, H7751, H8264, H8308, H8444, G413, G1377, G1601, G1530, G1532, G1632, G1998, G2027, G2701, G3729, G4063, G4370, G4390, G4890, G4936, G5143, G5240, G5295, G5302, G5343

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11

- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।

- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।

- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, भक्ति

परिभाषा:

“धर्मी” शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: आदर, आज्ञा मानना, धर्मी, अभक्त, अधर्मी)

बाइबल संदर्भ:

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14-17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

“धार्मिक ” परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब “धर्मी” का अनुवाद होगा, “पूर्णतः भला और न्यायोचित” या “सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला” हो सकता हैं।
- परमेश्वर की “धार्मिक” का अनुवाद “सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई” हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में “धर्मी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “नैतिकता में उचित” या “न्यायोचित” या “परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं”।
- “धर्मी” का अनुवाद “धर्मी लोग” या “परमेश्वर का भय मानने वाले लोग” के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “धार्मिक” का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, “अच्छाई” या “परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना” या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना” या “पूर्णतः सिद्धता के काम करना” हो सकता है।
- कभी-कभी “धर्मी” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं” या “लोग जो धर्मी दिखते है।”

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14
- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06
- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07

- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

"धार्मिक " परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब "धर्मी" का अनुवाद होगा, "पूर्णतः भला और न्यायोचित" या "सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला" हो सकता हैं।
- परमेश्वर की "धार्मिक" का अनुवाद "सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई" हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में "धर्मी" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "नैतिकता में उचित" या "न्यायोचित" या "परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं"।
- "धर्मी" का अनुवाद "धर्मी लोग" या "परमेश्वर का भय मानने वाले लोग" के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार "धार्मिक" का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, "अच्छाई" या "परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना" या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना" या "पूर्णतः सिद्धता के काम करना" हो सकता है।
- कभी-कभी "धर्मी" शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं" या "लोग जो धर्मी दिखते है।"

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14
- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06

- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07
- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

“धार्मिक ” परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब “धर्मी” का अनुवाद होगा, “पूर्णतः भला और न्यायोचित” या “सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला” हो सकता हैं।
- परमेश्वर की “धार्मिक” का अनुवाद “सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई” हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में “धर्मी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “नैतिकता में उचित” या “न्यायोचित” या “परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं”।
- “धर्मी” का अनुवाद “धर्मी लोग” या “परमेश्वर का भय मानने वाले लोग” के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “धार्मिक” का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, “अच्छाई” या “परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना” या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना” या “पूर्णतः सिद्धता के काम करना” हो सकता है।
- कभी-कभी “धर्मी” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं” या “लोग जो धर्मी दिखते है।”

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14

- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06
- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07
- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

“धार्मिक ” परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब “धर्मी” का अनुवाद होगा, “पूर्णतः भला और न्यायोचित” या “सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला” हो सकता हैं।
- परमेश्वर की “धार्मिक” का अनुवाद “सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई” हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में “धर्मी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “नैतिकता में उचित” या “न्यायोचित” या “परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं”।
- “धर्मी” का अनुवाद “धर्मी लोग” या “परमेश्वर का भय मानने वाले लोग” के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “धार्मिक” का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, “अच्छाई” या “परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना” या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना” या “पूर्णतः सिद्धता के काम करना” हो सकता है।
- कभी-कभी “धर्मी” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं” या “लोग जो धर्मी दिखते है।”

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14
- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06
- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07
- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

"धार्मिक " परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब "धर्मी" का अनुवाद होगा, "पूर्णतः भला और न्यायोचित" या "सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला" हो सकता हैं।
- परमेश्वर की "धार्मिक" का अनुवाद "सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई" हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में "धर्मी" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "नैतिकता में उचित" या "न्यायोचित" या "परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं"।
- "धर्मी" का अनुवाद "धर्मी लोग" या "परमेश्वर का भय मानने वाले लोग" के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार "धार्मिक" का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, "अच्छाई" या "परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना" या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना" या "पूर्णतः सिद्धता के काम करना" हो सकता है।

- कभी-कभी “धर्मी” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं” या “लोग जो धर्मी दिखते है।”

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14
- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06
- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07
- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

“धार्मिक ” परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब “धर्मी” का अनुवाद होगा, “पूर्णतः भला और न्यायोचित” या “सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला” हो सकता हैं।
- परमेश्वर की “धार्मिक” का अनुवाद “सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई” हो सकता है।

- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में “धर्मी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “नैतिकता में उचित” या “न्यायोचित” या “परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं”।
- “धर्मी” का अनुवाद “धर्मी लोग” या “परमेश्वर का भय मानने वाले लोग” के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “धार्मिक” का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, “अच्छाई” या “परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना” या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना” या “पूर्णतः सिद्धता के काम करना” हो सकता है।
- कभी-कभी “धर्मी” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं” या “लोग जो धर्मी दिखते है।”

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14
- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06
- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07
- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

“धार्मिक ” परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब "धर्मी" का अनुवाद होगा, "पूर्णतः भला और न्यायोचित" या "सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला" हो सकता हैं।
- परमेश्वर की "धार्मिक" का अनुवाद "सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई" हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में "धर्मी" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "नैतिकता में उचित" या "न्यायोचित" या "परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं"।
- "धर्मी" का अनुवाद "धर्मी लोग" या "परमेश्वर का भय मानने वाले लोग" के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार "धार्मिक" का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, "अच्छाई" या "परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना" या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना" या "पूर्णतः सिद्धता के काम करना" हो सकता है।
- कभी-कभी "धर्मी" शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं" या "लोग जो धर्मी दिखते है।"

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14
- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06
- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07
- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

“धार्मिक ” परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब “धर्मी” का अनुवाद होगा, “पूर्णतः भला और न्यायोचित” या “सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला” हो सकता हैं।
- परमेश्वर की “धार्मिक” का अनुवाद “सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई” हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में “धर्मी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “नैतिकता में उचित” या “न्यायोचित” या “परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं”।
- “धर्मी” का अनुवाद “धर्मी लोग” या “परमेश्वर का भय मानने वाले लोग” के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “धार्मिक” का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, “अच्छाई” या “परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना” या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना” या “पूर्णतः सिद्धता के काम करना” हो सकता है।
- कभी-कभी “धर्मी” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं” या “लोग जो धर्मी दिखते है।”

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14
- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06
- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07
- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

“धार्मिक ” परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब “धर्मी” का अनुवाद होगा, “पूर्णतः भला और न्यायोचित” या “सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला” हो सकता हैं।
- परमेश्वर की “धार्मिक” का अनुवाद “सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई” हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में “धर्मी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “नैतिकता में उचित” या “न्यायोचित” या “परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं”।
- “धर्मी” का अनुवाद “धर्मी लोग” या “परमेश्वर का भय मानने वाले लोग” के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “धार्मिक” का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, “अच्छाई” या “परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना” या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना” या “पूर्णतः सिद्धता के काम करना” हो सकता है।
- कभी-कभी “धर्मी” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं” या “लोग जो धर्मी दिखते है।”

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14
- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06
- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07
- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।

- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

“धार्मिक ” परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब “धर्मी” का अनुवाद होगा, “पूर्णतः भला और न्यायोचित” या “सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला” हो सकता हैं।
- परमेश्वर की “धार्मिक” का अनुवाद “सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई” हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में “धर्मी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “नैतिकता में उचित” या “न्यायोचित” या “परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं”।
- “धर्मी” का अनुवाद “धर्मी लोग” या “परमेश्वर का भय मानने वाले लोग” के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “धार्मिक” का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, “अच्छाई” या “परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना” या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना” या “पूर्णतः सिद्धता के काम करना” हो सकता है।
- कभी-कभी “धर्मी” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं” या “लोग जो धर्मी दिखते है।”

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14
- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06
- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07
- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

"धार्मिक " परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब "धर्मी" का अनुवाद होगा, "पूर्णतः भला और न्यायोचित" या "सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला" हो सकता हैं।
- परमेश्वर की "धार्मिक" का अनुवाद "सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई" हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में "धर्मी" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "नैतिकता में उचित" या "न्यायोचित" या "परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं"।
- "धर्मी" का अनुवाद "धर्मी लोग" या "परमेश्वर का भय मानने वाले लोग" के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार "धार्मिक" का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, "अच्छाई" या "परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना" या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना" या "पूर्णतः सिद्धता के काम करना" हो सकता है।
- कभी-कभी "धर्मी" शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं" या "लोग जो धर्मी दिखते है।"

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14
- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06
- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07

- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

“धार्मिक ” परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब “धर्मी” का अनुवाद होगा, “पूर्णतः भला और न्यायोचित” या “सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला” हो सकता हैं।
- परमेश्वर की “धार्मिक” का अनुवाद “सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई” हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में “धर्मी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “नैतिकता में उचित” या “न्यायोचित” या “परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं”।
- “धर्मी” का अनुवाद “धर्मी लोग” या “परमेश्वर का भय मानने वाले लोग” के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “धार्मिक” का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, “अच्छाई” या “परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना” या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना” या “पूर्णतः सिद्धता के काम करना” हो सकता है।
- कभी-कभी “धर्मी” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं” या “लोग जो धर्मी दिखते है।”

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14
- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06

- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07
- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

"धार्मिक " परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब "धर्मी" का अनुवाद होगा, "पूर्णतः भला और न्यायोचित" या "सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला" हो सकता हैं।
- परमेश्वर की "धार्मिक" का अनुवाद "सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई" हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में "धर्मी" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "नैतिकता में उचित" या "न्यायोचित" या "परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं"।
- "धर्मी" का अनुवाद "धर्मी लोग" या "परमेश्वर का भय मानने वाले लोग" के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार "धार्मिक" का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, "अच्छाई" या "परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना" या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना" या "पूर्णतः सिद्धता के काम करना" हो सकता है।
- कभी-कभी "धर्मी" शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं" या "लोग जो धर्मी दिखते है।"

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14

- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06
- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07
- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

“धार्मिक ” परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब “धर्मी” का अनुवाद होगा, “पूर्णतः भला और न्यायोचित” या “सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला” हो सकता हैं।
- परमेश्वर की “धार्मिक” का अनुवाद “सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई” हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में “धर्मी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “नैतिकता में उचित” या “न्यायोचित” या “परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं”।
- “धर्मी” का अनुवाद “धर्मी लोग” या “परमेश्वर का भय मानने वाले लोग” के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “धार्मिक” का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, “अच्छाई” या “परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना” या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना” या “पूर्णतः सिद्धता के काम करना” हो सकता है।
- कभी-कभी “धर्मी” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं” या “लोग जो धर्मी दिखते है।”

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14
- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06
- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07
- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

"धार्मिक " परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब "धर्मी" का अनुवाद होगा, "पूर्णतः भला और न्यायोचित" या "सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला" हो सकता हैं।
- परमेश्वर की "धार्मिक" का अनुवाद "सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई" हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में "धर्मी" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "नैतिकता में उचित" या "न्यायोचित" या "परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं"।
- "धर्मी" का अनुवाद "धर्मी लोग" या "परमेश्वर का भय मानने वाले लोग" के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार "धार्मिक" का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, "अच्छाई" या "परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना" या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना" या "पूर्णतः सिद्धता के काम करना" हो सकता है।

- कभी-कभी “धर्मी” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं” या “लोग जो धर्मी दिखते है।”

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14
- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06
- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07
- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

“धार्मिक ” परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब “धर्मी” का अनुवाद होगा, “पूर्णतः भला और न्यायोचित” या “सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला” हो सकता हैं।
- परमेश्वर की “धार्मिक” का अनुवाद “सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई” हो सकता है।

- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में “धर्मी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “नैतिकता में उचित” या “न्यायोचित” या “परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं”।
- “धर्मी” का अनुवाद “धर्मी लोग” या “परमेश्वर का भय मानने वाले लोग” के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “धार्मिक” का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, “अच्छाई” या “परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना” या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना” या “पूर्णतः सिद्धता के काम करना” हो सकता है।
- कभी-कभी “धर्मी” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं” या “लोग जो धर्मी दिखते है।”

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14
- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06
- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07
- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

“धार्मिक ” परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब "धर्मी" का अनुवाद होगा, "पूर्णतः भला और न्यायोचित" या "सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला" हो सकता हैं।
- परमेश्वर की "धार्मिक" का अनुवाद "सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई" हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में "धर्मी" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "नैतिकता में उचित" या "न्यायोचित" या "परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं"।
- "धर्मी" का अनुवाद "धर्मी लोग" या "परमेश्वर का भय मानने वाले लोग" के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार "धार्मिक" का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, "अच्छाई" या "परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना" या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना" या "पूर्णतः सिद्धता के काम करना" हो सकता है।
- कभी-कभी "धर्मी" शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं" या "लोग जो धर्मी दिखते है।"

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14
- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06
- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07
- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

धर्मी, धार्मिक, अधर्मी, अधर्मी, ईमानदार, ईमानदार

परिभाषा:

“धार्मिक ” परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्य और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब “धर्मी” का अनुवाद होगा, “पूर्णतः भला और न्यायोचित” या “सदा सदैव धर्मनिष्ठा निभानेवाला” हो सकता हैं।
- परमेश्वर की “धार्मिक” का अनुवाद “सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई” हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में “धर्मी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “नैतिकता में उचित” या “न्यायोचित” या “परमेश्वर के प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले के रूप में हो सकता हैं”।
- “धर्मी” का अनुवाद “धर्मी लोग” या “परमेश्वर का भय मानने वाले लोग” के रूप हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “धार्मिक” का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, “अच्छाई” या “परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना” या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना” या “पूर्णतः सिद्धता के काम करना” हो सकता है।
- कभी-कभी “धर्मी” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जा सकता है जिसका संदर्भ ऐसे मनुष्यों से किया गया है जो स्वयं को धर्मी समझते हैं” या “लोग जो धर्मी दिखते है।”

(यह भी देखें: अच्छा, पवित्र, बुराई, सच्चा, विश्वासयोग्य)

बाइबल संदर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 01:08
- भजन संहिता, 037:30
- भजन संहिता, 049:14
- भजन संहिता, 107:42
- सभोपदेशक 12:10-11
- यशायाह 48:1-2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 02:06
- मत्ती 06:01
- प्रे.का. 03:13-14
- रोमियों 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:09
- गलातियों 03:07
- कुलुसियों 03:25
- 2 थिस्लुनिकियों 02:10
- 2 तीमुथियुस 03:16
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 यूहन्ना 01:09
- 1 यूहन्ना05:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह धर्मी पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **04:08** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:02** दाऊद एक विनम्र और धर्मी व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23: 1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई।
- **50:10** तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मी ठहराएगा, धार्मिकता

परिभाषा:

“धर्मी ठहराएगा” और “धार्मिकता” का अर्थ है दोषी मनुष्य को न्यायोचित ठहराना। केवल परमेश्वर मनुष्यों को वास्तव में न्यायोचित ठहरा सकता है।

- जब परमेश्वर मनुष्यों को न्यायोचित ठहराता है तब वह उनके पाप क्षमा करके ऐसा कर देता है कि उन्होंने कभी पाप नहीं किया। वह उन पापियों को ही न्यायोचित ठहराता है जो पाप मोचन के लिए यीशु में विश्वास करते हैं।
- “धार्मिकता” का संदर्भ परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के पापों की क्षमा से और घोषणा से है कि वे मनुष्य परमेश्वर की दृष्टि में न्यायोचित है।

अनुवाद के सुझाव:

- “धर्मी ठहराना” के अन्य अनुवाद है, “(किसी) को धर्मी घोषित करना” या “(किसी) के धर्मी होने का कारण होना।”
- शब्द "औचित्य" का अनुवाद "धर्मी ठहराया जा रहा है" या "धर्मी बनना" या "लोगों को धर्मी होना" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "परिणामस्वरूप औचित्य" का अनुवाद हो सकता है "ताकि परमेश्वर ने कई लोगों को उचित ठहराया" या "जिसके परिणामस्वरूप परमेश्वर ने लोगों को धर्मी ठहराया।"
- वाक्यांश "हमारे औचित्य के लिए" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "ताकि हम भगवान द्वारा धर्मी बनाया जा सके।"

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:38-39
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों 03:10-12
- गलातियों 05:3-4
- उत्पत्ति 44:16-17
- याकूब 02:21-24
- लूका 18:13-14
- मत्ती 11:18-19
- रोमियो 04:1-3
- तीतुस 03:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6663, G1344, G1345, G1347

धर्मी ठहराएगा, धार्मिकता

परिभाषा:

“धर्मी ठहराएगा” और “धार्मिकता” का अर्थ है दोषी मनुष्य को न्यायोचित ठहराना। केवल परमेश्वर मनुष्यों को वास्तव में न्यायोचित ठहरा सकता है।

- जब परमेश्वर मनुष्यों को न्यायोचित ठहराता है तब वह उनके पाप क्षमा करके ऐसा कर देता है कि उन्होंने कभी पाप नहीं किया। वह उन पापियों को ही न्यायोचित ठहराता है जो पाप मोचन के लिए यीशु में विश्वास करते हैं।
- “धार्मिकता” का संदर्भ परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के पापों की क्षमा से और घोषणा से है कि वे मनुष्य परमेश्वर की दृष्टि में न्यायोचित है।

अनुवाद के सुझाव:

- “धर्मी ठहराना” के अन्य अनुवाद है, “(किसी) को धर्मी घोषित करना” या “(किसी) के धर्मी होने का कारण होना।”
- शब्द "औचित्य" का अनुवाद "धर्मी ठहराया जा रहा है" या "धर्मी बनना" या "लोगों को धर्मी होना" के रूप में किया जा सकता है।

- वाक्यांश "परिणामस्वरूप औचित्य" का अनुवाद हो सकता है "ताकि परमेश्वर ने कई लोगों को उचित ठहराया" या "जिसके परिणामस्वरूप परमेश्वर ने लोगों को धर्मी ठहराया।"
- वाक्यांश "हमारे औचित्य के लिए" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "ताकि हम भगवान द्वारा धर्मी बनाया जा सके।"

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:38-39
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों 03:10-12
- गलातियों 05:3-4
- उत्पत्ति 44:16-17
- याकूब 02:21-24
- लूका 18:13-14
- मत्ती 11:18-19
- रोमियो 04:1-3
- तीतुस 03:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6663, G1344, G1345, G1347

धर्मोपदेश, शिक्षा, सिखाई, ज्ञान, जान सकें

परिभाषा:

“धर्मोपदेश” का अर्थ है "शिक्षा देना"। यह प्रायः धार्मिक शिक्षा के संदर्भ में है।

- मसीही शिक्षा के संदर्भ में “धर्मोपदेश” के विषय हैं, पिता, पुत्र, और पवित्र-आत्मा, उसका व्यक्तित्व गुण और सब कार्य।
- इसका अर्थ यह भी है कि परमेश्वर द्वारा विश्वासियों को पवित्र जीवन जीने की शिक्षा देना कि परमेश्वर का महिमान्वन हो।
- शब्द "धर्मोपदेश" कभी-कभी झूठी या सांसारिक धार्मिक शिक्षाओं का उल्लेख करने के लिए भी प्रयोग किया जाता है जो मनुष्यों से आते हैं। प्रकरण से इसका अर्थ स्पष्ट होता है।
- इस शब्द का अनुवाद "शिक्षा" हो सकता है।

(यह भी देखें: सिखाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:3
- 2 तीमुथियुस 03:16-17
- मरकुस 07:6-7
- मत्ती 15:7-9

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3948, G1319, G1322, G2085

धर्मोपदेश, शिक्षा, सिखाई, ज्ञान, जान सकें

परिभाषा:

“धर्मोपदेश” का अर्थ है "शिक्षा देना"। यह प्रायः धार्मिक शिक्षा के संदर्भ में है।

- मसीही शिक्षा के संदर्भ में “धर्मोपदेश” के विषय हैं, पिता, पुत्र, और पवित्र-आत्मा, उसका व्यक्तित्व गुण और सब कार्य।
- इसका अर्थ यह भी है कि परमेश्वर द्वारा विश्वासियों को पवित्र जीवन जीने की शिक्षा देना कि परमेश्वर का महिमान्वन हो।
- शब्द "धर्मोपदेश" कभी-कभी झूठी या सांसारिक धार्मिक शिक्षाओं का उल्लेख करने के लिए भी प्रयोग किया जाता है जो मनुष्यों से आते हैं। प्रकरण से इसका अर्थ स्पष्ट होता है।
- इस शब्द का अनुवाद "शिक्षा" हो सकता है।

(यह भी देखें: सिखाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:3
- 2 तीमुथियुस 03:16-17
- मरकुस 07:6-7
- मत्ती 15:7-9

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3948, G1319, G1322, G2085

धर्मोपदेश, शिक्षा, सिखाई, ज्ञान, जान सकें

परिभाषा:

“धर्मोपदेश” का अर्थ है "शिक्षा देना"। यह प्रायः धार्मिक शिक्षा के संदर्भ में है।

- मसीही शिक्षा के संदर्भ में “धर्मोपदेश” के विषय हैं, पिता, पुत्र, और पवित्र-आत्मा, उसका व्यक्तित्व गुण और सब कार्य।
- इसका अर्थ यह भी है कि परमेश्वर द्वारा विश्वासियों को पवित्र जीवन जीने की शिक्षा देना कि परमेश्वर का महिमान्वन हो।
- शब्द "धर्मोपदेश" कभी-कभी झूठी या सांसारिक धार्मिक शिक्षाओं का उल्लेख करने के लिए भी प्रयोग किया जाता है जो मनुष्यों से आते हैं। प्रकरण से इसका अर्थ स्पष्ट होता है।
- इस शब्द का अनुवाद "शिक्षा" हो सकता है।

(यह भी देखें: सिखाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:3
- 2 तीमुथियुस 03:16-17
- मरकुस 07:6-7
- मत्ती 15:7-9

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3948, G1319, G1322, G2085

धीरज धरना, धीरज

परिभाषा:

“धीरज धरना” और “धीरज” का अर्थ है किसी काम को करते रहना चाहे वह बहुत कठिन या लम्बा समय क्यों न लेनेवाला हो।

- धीरज धरने का अर्थ यह भी हो सकता है कि मसीह के जैसा व्यवहार करना चाहे कठिन परीक्षाओं या परिस्थितियों में हो।
- “धीरज धरने वाला” मनुष्य वह है जो अपना काम को करता रहता है जो उसे करना चाहिए चाहे वह कष्टकारी या दुःखद हो।
- परमेश्वर की शिक्षाओं पर चलते रहना धीरज धरना है चाहे कोई कितनी भी झूठी शिक्षाएं दे।
- यहां सावधान रहें कि “हठ” शब्द का उपयोग न करें क्योंकि इसका अर्थ नकारात्मक है।

(यह भी देखें: धीरजवन्त, परीक्षा)

बाइबल संदर्भ:

- कुलुस्सियों 01:11
- इफिसियों 06:18
- याकूब 05:9-11
- लूका 08:14-15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3115, G4343, G5281

धीरजवन्त, धीरज से, सहनशीलता, अधीर

परिभाषा:

“धीरजवन्त” और “सहनशीलता” शब्द कठिन परिस्थितियों में दृढ़ खड़े रहने के संदर्भ में है। “धीरज धरना” में प्रायः प्रतीक्षा करना होता है।

- किसी के साथ धीरजवन्त होने का अर्थ है उससे प्रेम करना और उसकी गलतियों को क्षमा कर देना।
- बाइबल में परमेश्वर के लोगों को शिक्षा दी गई है कि वे कठिनाइयों में धीरज धरें वरन एक दूसरे को धीरजवन्त हो।
- अपनी दया के कारण परमेश्वर मनुष्यों के साथ धीरजवन्त है जबकि वे दण्ड के योग्य पापी हैं।

(यह भी देखें: बना रहेगा, क्षमा कर, धीरज धरना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 03:18-20
- 2 पतरस 03:8-9
- इब्रानियों 06:11-12
- मत्ती 18:28-29
- भजन संहिता 037:7
- प्रकाशितवाक्य 02:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H750, H753, H2342, H3811, H6960, H7114, G420, G463, G1933, G3114, G3115, G3116, G5278, G5281

धुन, उत्तेजित

परिभाषा:

“धुन” और “उत्तेजित” का संदर्भ किसी मनुष्य या विचार के समर्थन में प्रबलता से समर्पित होना।

- उत्साह का अभिप्राय है किसी अच्छे काम के लिए प्रबल इच्छा एवं कार्य। इससे प्रायः उस मनुष्य का वर्णन होता है जो निष्ठापूर्वक परमेश्वर की आज्ञा मानता है और अन्यों को भी ऐसी शिक्षा देता है।
- उत्साही होने का अर्थ है, किसी काम को करने में घोर प्रयास करना और उसी में लगे रहना।
- “प्रभु की जलन” या “यहोवा की जलन” का अर्थ है परमेश्वर का प्रबल शाश्वत कार्य कि उसके लोगों को आशिष मिले या न्याय हो।

अनुवाद के लिए सुझाव:

“उत्साह से पूर्ण” का अनुवाद “प्रबल यत्न” या “घोर प्रयास करना” हो सकता है।

- “उत्साह” का अनुवाद “कर्मठ-भक्ति” या “अधीर संकल्प” या “धर्मी जोश” हो सकता है।
- “तेरे भवन की जलन” का अनुवाद “तेरे मन्दिर को प्रबल सम्मान की इच्छा” या “तेरे भवन की निगरानी की जोशभरी इच्छा”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:30-31
- 1 राजा 19:9-10
- प्रे.का. 22:3-5
- गलातियों 04:17-18
- यशायाह 63:15-16
- यूहन्ना 02:17-19
- फिलिप्पियों03:6-7
- रोमियो 10:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7065, H7068, G2205, G2206, G2207, G6041

धुन, उत्तेजित

परिभाषा:

“धुन” और “उत्तेजित” का संदर्भ किसी मनुष्य या विचार के समर्थन में प्रबलता से समर्पित होना।

- उत्साह का अभिप्राय है किसी अच्छे काम के लिए प्रबल इच्छा एवं कार्य। इससे प्रायः उस मनुष्य का वर्णन होता है जो निष्ठापूर्वक परमेश्वर की आज्ञा मानता है और अन्यों को भी ऐसी शिक्षा देता है।
- उत्साही होने का अर्थ है, किसी काम को करने में घोर प्रयास करना और उसी में लगे रहना।
- “प्रभु की जलन” या “यहोवा की जलन” का अर्थ है परमेश्वर का प्रबल शाश्वत कार्य कि उसके लोगों को आशिष मिले या न्याय हो।

अनुवाद के लिए सुझाव:

“उत्साह से पूर्ण” का अनुवाद “प्रबल यत्न” या “घोर प्रयास करना” हो सकता है।

- “उत्साह” का अनुवाद “कर्मठ-भक्ति” या “अधीर संकल्प” या “धर्मी जोश” हो सकता है।
- “तेरे भवन की जलन” का अनुवाद “तेरे मन्दिर को प्रबल सम्मान की इच्छा” या “तेरे भवन की निगरानी की जोशभरी इच्छा”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:30-31
- 1 राजा 19:9-10
- प्रे.का. 22:3-5
- गलातियों 04:17-18
- यशायाह 63:15-16
- यूहन्ना 02:17-19
- फिलिप्पियों03:6-7
- रोमियो 10:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7065, H7068, G2205, G2206, G2207, G6041

धुन, उत्तेजित

परिभाषा:

“धुन” और “उत्तेजित” का संदर्भ किसी मनुष्य या विचार के समर्थन में प्रबलता से समर्पित होना।

- उत्साह का अभिप्राय है किसी अच्छे काम के लिए प्रबल इच्छा एवं कार्य। इससे प्रायः उस मनुष्य का वर्णन होता है जो निष्ठापूर्वक परमेश्वर की आज्ञा मानता है और अन्यों को भी ऐसी शिक्षा देता है।
- उत्साही होने का अर्थ है, किसी काम को करने में घोर प्रयास करना और उसी में लगे रहना।
- “प्रभु की जलन” या “यहोवा की जलन” का अर्थ है परमेश्वर का प्रबल शाश्वत कार्य कि उसके लोगों को आशिष मिले या न्याय हो।

अनुवाद के लिए सुझाव:

“उत्साह से पूर्ण” का अनुवाद “प्रबल यत्न” या “घोर प्रयास करना” हो सकता है।

- “उत्साह” का अनुवाद “कर्मठ-भक्ति” या “अधीर संकल्प” या “धर्मी जोश” हो सकता है।
- “तेरे भवन की जलन” का अनुवाद “तेरे मन्दिर को प्रबल सम्मान की इच्छा” या “तेरे भवन की निगरानी की जोशभरी इच्छा”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:30-31
- 1 राजा 19:9-10

- प्रे.का. 22:3-5
- गलातियों 04:17-18
- यशायाह 63:15-16
- यूहन्ना 02:17-19
- फिलिप्पियों03:6-7
- रोमियो 10:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7065, H7068, G2205, G2206, G2207, G6041

धुन, उत्तेजित

परिभाषा:

“धुन” और “उत्तेजित” का संदर्भ किसी मनुष्य या विचार के समर्थन में प्रबलता से समर्पित होना।

- उत्साह का अभिप्राय है किसी अच्छे काम के लिए प्रबल इच्छा एवं कार्य। इससे प्रायः उस मनुष्य का वर्णन होता है जो निष्ठापूर्वक परमेश्वर की आज्ञा मानता है और अन्यों को भी ऐसी शिक्षा देता है।
- उत्साही होने का अर्थ है, किसी काम को करने में घोर प्रयास करना और उसी में लगे रहना।
- “प्रभु की जलन” या “यहोवा की जलन” का अर्थ है परमेश्वर का प्रबल शाश्वत कार्य कि उसके लोगों को आशिष मिले या न्याय हो।

अनुवाद के लिए सुझाव:

“उत्साह से पूर्ण” का अनुवाद “प्रबल यत्न” या “घोर प्रयास करना” हो सकता है।

- “उत्साह” का अनुवाद “कर्मठ-भक्ति” या “अधीर संकल्प” या “धर्मी जोश” हो सकता है।
- “तेरे भवन की जलन” का अनुवाद “तेरे मन्दिर को प्रबल सम्मान की इच्छा” या “तेरे भवन की निगरानी की जोशभरी इच्छा”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:30-31
- 1 राजा 19:9-10
- प्रे.का. 22:3-5
- गलातियों 04:17-18
- यशायाह 63:15-16
- यूहन्ना 02:17-19
- फिलिप्पियों03:6-7
- रोमियो 10:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7065, H7068, G2205, G2206, G2207, G6041

धुन, उत्तेजित

परिभाषा:

“धुन” और “उत्तेजित” का संदर्भ किसी मनुष्य या विचार के समर्थन में प्रबलता से समर्पित होना।

- उत्साह का अभिप्राय है किसी अच्छे काम के लिए प्रबल इच्छा एवं कार्य। इससे प्रायः उस मनुष्य का वर्णन होता है जो निष्ठापूर्वक परमेश्वर की आज्ञा मानता है और अन्यों को भी ऐसी शिक्षा देता है।
- उत्साही होने का अर्थ है, किसी काम को करने में घोर प्रयास करना और उसी में लगे रहना।
- “प्रभु की जलन” या “यहोवा की जलन” का अर्थ है परमेश्वर का प्रबल शाश्वत कार्य कि उसके लोगों को आशिष मिले या न्याय हो।

अनुवाद के लिए सुझाव:

“उत्साह से पूर्ण” का अनुवाद “प्रबल यत्न” या “घोर प्रयास करना” हो सकता है।

- “उत्साह” का अनुवाद “कर्मठ-भक्ति” या “अधीर संकल्प” या “धर्मी जोश” हो सकता है।
- “तेरे भवन की जलन” का अनुवाद “तेरे मन्दिर को प्रबल सम्मान की इच्छा” या “तेरे भवन की निगरानी की जोशभरी इच्छा”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:30-31
- 1 राजा 19:9-10
- प्रे.का. 22:3-5
- गलातियों 04:17-18
- यशायाह 63:15-16
- यूहन्ना 02:17-19
- फिलिप्पियों03:6-7
- रोमियो 10:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7065, H7068, G2205, G2206, G2207, G6041

धुन, उत्तेजित

परिभाषा:

“धुन” और “उत्तेजित” का संदर्भ किसी मनुष्य या विचार के समर्थन में प्रबलता से समर्पित होना।

- उत्साह का अभिप्राय है किसी अच्छे काम के लिए प्रबल इच्छा एवं कार्य। इससे प्रायः उस मनुष्य का वर्णन होता है जो निष्ठापूर्वक परमेश्वर की आज्ञा मानता है और अन्यों को भी ऐसी शिक्षा देता है।
- उत्साही होने का अर्थ है, किसी काम को करने में घोर प्रयास करना और उसी में लगे रहना।
- “प्रभु की जलन” या “यहोवा की जलन” का अर्थ है परमेश्वर का प्रबल शाश्वत कार्य कि उसके लोगों को आशिष मिले या न्याय हो।

अनुवाद के लिए सुझाव:

“उत्साह से पूर्ण” का अनुवाद “प्रबल यत्न” या “घोर प्रयास करना” हो सकता है।

- “उत्साह” का अनुवाद “कर्मठ-भक्ति” या “अधीर संकल्प” या “धर्मी जोश” हो सकता है।
- “तेरे भवन की जलन” का अनुवाद “तेरे मन्दिर को प्रबल सम्मान की इच्छा” या “तेरे भवन की निगरानी की जोशभरी इच्छा”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:30-31
- 1 राजा 19:9-10
- प्रे.का. 22:3-5
- गलातियों 04:17-18
- यशायाह 63:15-16
- यूहन्ना 02:17-19
- फिलिप्पियों03:6-7
- रोमियो 10:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7065, H7068, G2205, G2206, G2207, G6041

धुन, उत्तेजित

परिभाषा:

“धुन” और “उत्तेजित” का संदर्भ किसी मनुष्य या विचार के समर्थन में प्रबलता से समर्पित होना।

- उत्साह का अभिप्राय है किसी अच्छे काम के लिए प्रबल इच्छा एवं कार्य। इससे प्रायः उस मनुष्य का वर्णन होता है जो निष्ठापूर्वक परमेश्वर की आज्ञा मानता है और अन्यों को भी ऐसी शिक्षा देता है।
- उत्साही होने का अर्थ है, किसी काम को करने में घोर प्रयास करना और उसी में लगे रहना।
- “प्रभु की जलन” या “यहोवा की जलन” का अर्थ है परमेश्वर का प्रबल शाश्वत कार्य कि उसके लोगों को आशिष मिले या न्याय हो।

अनुवाद के लिए सुझाव:

“उत्साह से पूर्ण” का अनुवाद “प्रबल यत्न” या “घोर प्रयास करना” हो सकता है।

- “उत्साह” का अनुवाद “कर्मठ-भक्ति” या “अधीर संकल्प” या “धर्मी जोश” हो सकता है।
- “तेरे भवन की जलन” का अनुवाद “तेरे मन्दिर को प्रबल सम्मान की इच्छा” या “तेरे भवन की निगरानी की जोशभरी इच्छा”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:30-31
- 1 राजा 19:9-10
- प्रे.का. 22:3-5
- गलातियों 04:17-18
- यशायाह 63:15-16
- यूहन्ना 02:17-19
- फिलिप्पियों03:6-7
- रोमियो 10:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7065, H7068, G2205, G2206, G2207, G6041

धूप

परिभाषा:

"धूप" का सन्दर्भ उस सुगन्धित मिश्रण से है जिसे जलाने पर मनमोहक सुगंध उठती है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे उसके लिए भेट स्वरूप धूप जलाया करे।
- यह विशेष धूप परमेश्वर के निर्देश अनुसार पाँच विशिष्ट सुगन्धित द्रव्यों को बराबर मात्रा में मिलाकर बनाया जाता था। यह धूप पवित्र होता था इस कारण इसे अन्य किसी भी उद्देश्य के निमित्त काम में लेना वर्जित था।
- "धूप की वेदी" यह वेदी केवल धूप जलाने के लिए थी।
- दिन में चार बार, जब मन्दिर में प्रार्थना की जाती थी तब धूप जलाना अनिवार्य था। जब-जब होमबली चढाई जाती थी तब-तब धूप भी जलाई जाती थी।
- धूप जलाने का अभिप्राय था, परमेश्वर के लोगों की प्रार्थना और उपासना उसके धुए के द्वारा परमेश्वर तक जाती है।
- "धूप" का अनुवाद हो सकता है: "सुगन्धित द्रव्य" या "सुगन्धित पौधें"

(यह भी देखें: धूप की वेदी, होमबलि, लोबान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:1-3
- 2 इतिहास 13:10-11
- 2 राजा 14:4-5
- निर्गमन 25:3-7
- लूका 01:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2553, H3828, H4196, H4289, H5208, H6988, H6999, H7002, H7004, H7381, G2368, G2369, G2370, G2379, G3031

धूप

परिभाषा:

"धूप" का सन्दर्भ उस सुगन्धित मिश्रण से है जिसे जलाने पर मनमोहक सुगंध उठती है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे उसके लिए भेट स्वरूप धूप जलाया करे।
- यह विशेष धूप परमेश्वर के निर्देश अनुसार पाँच विशिष्ट सुगन्धित द्रव्यों को बराबर मात्रा में मिलाकर बनाया जाता था। यह धूप पवित्र होता था इस कारण इसे अन्य किसी भी उद्देश्य के निमित्त काम में लेना वर्जित था।
- "धूप की वेदी" यह वेदी केवल धूप जलाने के लिए थी।
- दिन में चार बार, जब मन्दिर में प्रार्थना की जाती थी तब धूप जलाना अनिवार्य था। जब-जब होमबली चढाई जाती थी तब-तब धूप भी जलाई जाती थी।
- धूप जलाने का अभिप्राय था, परमेश्वर के लोगों की प्रार्थना और उपासना उसके धुए के द्वारा परमेश्वर तक जाती है।
- "धूप" का अनुवाद हो सकता है: "सुगन्धित द्रव्य" या "सुगन्धित पौधें"

(यह भी देखें: धूप की वेदी, होमबलि, लोबान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:1-3
- 2 इतिहास 13:10-11
- 2 राजा 14:4-5
- निर्गमन 25:3-7
- लूका 01:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2553, H3828, H4196, H4289, H5208, H6988, H6999, H7002, H7004, H7381, G2368, G2369, G2370, G2379, G3031

धूप

परिभाषा:

"धूप" का सन्दर्भ उस सुगन्धित मिश्रण से है जिसे जलाने पर मनमोहक सुगंध उठती है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे उसके लिए भेट स्वरूप धूप जलाया करे।
- यह विशेष धूप परमेश्वर के निर्देश अनुसार पाँच विशिष्ट सुगन्धित द्रव्यों को बराबर मात्रा में मिलाकर बनाया जाता था। यह धूप पवित्र होता था इस कारण इसे अन्य किसी भी उद्देश्य के निमित्त काम में लेना वर्जित था।
- "धूप की वेदी" यह वेदी केवल धूप जलाने के लिए थी।
- दिन में चार बार, जब मन्दिर में प्रार्थना की जाती थी तब धूप जलाना अनिवार्य था। जब-जब होमबली चढाई जाती थी तब-तब धूप भी जलाई जाती थी।
- धूप जलाने का अभिप्राय था, परमेश्वर के लोगों की प्रार्थना और उपासना उसके धुए के द्वारा परमेश्वर तक जाती है।
- "धूप" का अनुवाद हो सकता है: "सुगन्धित द्रव्य" या "सुगन्धित पौधें"

(यह भी देखें: धूप की वेदी, होमबलि, लोबान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:1-3
- 2 इतिहास 13:10-11
- 2 राजा 14:4-5
- निर्गमन 25:3-7
- लूका 01:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2553, H3828, H4196, H4289, H5208, H6988, H6999, H7002, H7004, H7381, G2368, G2369, G2370, G2379, G3031

धूप

परिभाषा:

"धूप" का सन्दर्भ उस सुगन्धित मिश्रण से है जिसे जलाने पर मनमोहक सुगंध उठती है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे उसके लिए भेट स्वरूप धूप जलाया करे।
- यह विशेष धूप परमेश्वर के निर्देश अनुसार पाँच विशिष्ट सुगन्धित द्रव्यों को बराबर मात्रा में मिलाकर बनाया जाता था। यह धूप पवित्र होता था इस कारण इसे अन्य किसी भी उद्देश्य के निमित्त काम में लेना वर्जित था।
- "धूप की वेदी" यह वेदी केवल धूप जलाने के लिए थी।
- दिन में चार बार, जब मन्दिर में प्रार्थना की जाती थी तब धूप जलाना अनिवार्य था। जब-जब होमबली चढाई जाती थी तब-तब धूप भी जलाई जाती थी।
- धूप जलाने का अभिप्राय था, परमेश्वर के लोगों की प्रार्थना और उपासना उसके धुए के द्वारा परमेश्वर तक जाती है।
- "धूप" का अनुवाद हो सकता है: "सुगन्धित द्रव्य" या "सुगन्धित पौधें"

(यह भी देखें: धूप की वेदी, होमबलि, लोबान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:1-3
- 2 इतिहास 13:10-11
- 2 राजा 14:4-5
- निर्गमन 25:3-7
- लूका 01:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2553, H3828, H4196, H4289, H5208, H6988, H6999, H7002, H7004, H7381, G2368, G2369, G2370, G2379, G3031

धूप

परिभाषा:

"धूप" का सन्दर्भ उस सुगन्धित मिश्रण से है जिसे जलाने पर मनमोहक सुगंध उठती है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे उसके लिए भेट स्वरूप धूप जलाया करे।
- यह विशेष धूप परमेश्वर के निर्देश अनुसार पाँच विशिष्ट सुगन्धित द्रव्यों को बराबर मात्रा में मिलाकर बनाया जाता था। यह धूप पवित्र होता था इस कारण इसे अन्य किसी भी उद्देश्य के निमित्त काम में लेना वर्जित था।
- "धूप की वेदी" यह वेदी केवल धूप जलाने के लिए थी।
- दिन में चार बार, जब मन्दिर में प्रार्थना की जाती थी तब धूप जलाना अनिवार्य था। जब-जब होमबली चढाई जाती थी तब-तब धूप भी जलाई जाती थी।
- धूप जलाने का अभिप्राय था, परमेश्वर के लोगों की प्रार्थना और उपासना उसके धुए के द्वारा परमेश्वर तक जाती है।
- "धूप" का अनुवाद हो सकता है: "सुगन्धित द्रव्य" या "सुगन्धित पौधें"

(यह भी देखें: धूप की वेदी, होमबलि, लोबान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:1-3
- 2 इतिहास 13:10-11
- 2 राजा 14:4-5
- निर्गमन 25:3-7
- लूका 01:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2553, H3828, H4196, H4289, H5208, H6988, H6999, H7002, H7004, H7381, G2368, G2369, G2370, G2379, G3031

धूप की वेदी, धूप वेदी

तथ्य:

धूप जलाने की वेदी वह स्थान था जहां याजक परमेश्वर को भेंट चढ़ाने के लिए धूप जलाता था। उसे सोने की वेदी भी कहते थे।

धूप जलाने की वेदी लकड़ी की बनी हुई थी और उस पर सोना चढ़ा हुआ था। उसकी लम्बाई और चौड़ाई आधा-आधा मीटर की थी तथा ऊंचाई एक मीटर की थी।

- पहले वह मिलापवाले तम्बू के भीतर थी। उसके बाद उसे मन्दिर में लाया गया था।
- याजक प्रतिदिन सुबह-शाम उस पर धूप जलाता था।
- इसका अनुवाद “धूप जलाने की वेदी” या सोने की वेदी” या “धूप जलाने वाली” या “धूप की मेज” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: धूप)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 01:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4196, H7004, G2368, G2379

धोखा, धोखा देनेवाले, धोखा दिया, छलता, छली, धोखेबाज, धोखेबाजों, छलपूर्ण, धूर्तता से, छल में, छलता, छली

परिभाषा:

“धोखा” अर्थात असत्य पर विश्वास दिलाना। किसी को धोखा देने का काम “छल” कहलाता है।

- एक और शब्द, “धोखेबाजी” भी किसी को कुछ ऐसा विश्वास करने का कार्य करता है जो सत्य नहीं है।
- किसी को झूठी बात में विश्वास दिलानेवाले को धोखा करने वाला कहते हैं। उदाहरणार्थ शैतान को धोखा देनेवाला कहा गया है। उसकी दुष्टात्माएं भी धोखा देने वाली हैं।
- व्यक्ति, कार्य या सन्देश जो असत्य है, उसे "धोखा देनेवाला" कहते हैं।
- “छल” और “धोखा” का अर्थ एक ही है परन्तु उनके उपयोग में कुछ अन्तर है।
- व्याख्यात्मक शब्द “छली” और “धोखा देनेवाला” के अर्थ एक ही हैं और एक ही प्रकरण में काम में लिए जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “धोखा” के अनुवाद के अन्य रूप “झूठ बोलना” या “झूठा विश्वास दिलाना” या “किसी को असत्य पर विचार करवाना”।
- “धोखा देना” का अनुवाद “झूठ पर विचार करने हेतु प्रेरित करना” या “झूठ कहना” या “चाल चलना” या “मूर्ख बनाना” या “पथभ्रष्ट करना” हो सकता है।
- “धोखा देने वाला” का अनुवाद “झूठा” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “छलनेवाला”हो सकता है।
- प्रकरण पर निर्भर करके, “छल” या “धोखा” ऐसे शब्दों में अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ “मिथ्यात्व” या “झूठ” या “प्रवंचना” या “छल-कपट” हो।
- “छली” या “धोखा देने वाला” का अनुवाद हो सकता है, “असत्यवादी” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “झूठ बोलने वाला” कि एक ऐसे मनुष्य का वर्णन किया जाए जो कहने और करने में मनुष्य को असत्य में विश्वास दिलाए।

(यह भी देखें: सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:8
- 1 तीमुथियुस 02:14
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4

- उत्पत्ति 03:12-13
- उत्पत्ति 31:26-28
- लेवीय 19:11-12
- मत्ती. 27:64
- मीका 06:11-12

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H898, H2048, H3577, H3584, H3868, H4123, H4820, H4860, H5230, H5377, H5558, H6121, H6231, H6601, H7411, H7423, H7683, H7686, H7952, H8267, H8496, H8582, H8591, H8649, G538, G539, G1386, G1387, G1388, G1818, G3884, G4105, G4106, G4108, G5422, G5423

धोखा, धोखा देनेवाले, धोखा दिया, छलता, छली, धोखेबाज, धोखेबाजों, छलपूर्ण, धूर्तता से, छल में, छलता, छली

परिभाषा:

“धोखा” अर्थात असत्य पर विश्वास दिलाना। किसी को धोखा देने का काम “छल” कहलाता है।

- एक और शब्द, “धोखेबाजी” भी किसी को कुछ ऐसा विश्वास करने का कार्य करता है जो सत्य नहीं है।
- किसी को झूठी बात में विश्वास दिलानेवाले को धोखा करने वाला कहते हैं। उदाहरणार्थ शैतान को धोखा देनेवाला कहा गया है। उसकी दुष्टात्माएं भी धोखा देने वाली हैं।
- व्यक्ति, कार्य या सन्देश जो असत्य है, उसे "धोखा देनेवाला" कहते हैं।
- “छल” और “धोखा” का अर्थ एक ही है परन्तु उनके उपयोग में कुछ अन्तर है।
- व्याख्यात्मक शब्द “छली” और “धोखा देनेवाला” के अर्थ एक ही हैं और एक ही प्रकरण में काम में लिए जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “धोखा” के अनुवाद के अन्य रूप “झूठ बोलना” या “झूठा विश्वास दिलाना” या “किसी को असत्य पर विचार करवाना”।
- “धोखा देना” का अनुवाद “झूठ पर विचार करने हेतु प्रेरित करना” या “झूठ कहना” या “चाल चलना” या “मूर्ख बनाना” या “पथभ्रष्ट करना” हो सकता है।
- “धोखा देने वाला” का अनुवाद “झूठा” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “छलनेवाला”हो सकता है।
- प्रकरण पर निर्भर करके, “छल” या “धोखा” ऐसे शब्दों में अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ “मिथ्यात्व” या “झूठ” या “प्रवंचना” या “छल-कपट” हो।
- “छली” या “धोखा देने वाला” का अनुवाद हो सकता है, “असत्यवादी” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “झूठ बोलने वाला” कि एक ऐसे मनुष्य का वर्णन किया जाए जो कहने और करने में मनुष्य को असत्य में विश्वास दिलाए।

(यह भी देखें: सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:8
- 1 तीमुथियुस 02:14
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- उत्पत्ति 03:12-13
- उत्पत्ति 31:26-28
- लेवीय 19:11-12
- मत्ती. 27:64
- मीका 06:11-12

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H898, H2048, H3577, H3584, H3868, H4123, H4820, H4860, H5230, H5377, H5558, H6121, H6231, H6601, H7411, H7423, H7683, H7686, H7952, H8267, H8496, H8582, H8591, H8649, G538, G539, G1386, G1387, G1388, G1818, G3884, G4105, G4106, G4108, G5422, G5423

धोखा, धोखा देनेवाले, धोखा दिया, छलता, छली, धोखेबाज, धोखेबाजों, छलपूर्ण, धूर्तता से, छल में, छलता, छली

परिभाषा:

“धोखा” अर्थात असत्य पर विश्वास दिलाना। किसी को धोखा देने का काम “छल” कहलाता है।

- एक और शब्द, “धोखेबाजी” भी किसी को कुछ ऐसा विश्वास करने का कार्य करता है जो सत्य नहीं है।
- किसी को झूठी बात में विश्वास दिलानेवाले को धोखा करने वाला कहते हैं। उदाहरणार्थ शैतान को धोखा देनेवाला कहा गया है। उसकी दुष्टात्माएं भी धोखा देने वाली हैं।
- व्यक्ति, कार्य या सन्देश जो असत्य है, उसे "धोखा देनेवाला" कहते हैं।
- “छल” और “धोखा” का अर्थ एक ही है परन्तु उनके उपयोग में कुछ अन्तर है।
- व्याख्यात्मक शब्द “छली” और “धोखा देनेवाला” के अर्थ एक ही हैं और एक ही प्रकरण में काम में लिए जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “धोखा” के अनुवाद के अन्य रूप “झूठ बोलना” या “झूठा विश्वास दिलाना” या “किसी को असत्य पर विचार करवाना”।
- “धोखा देना” का अनुवाद “झूठ पर विचार करने हेतु प्रेरित करना” या “झूठ कहना” या “चाल चलना” या “मूर्ख बनाना” या “पथभ्रष्ट करना” हो सकता है।
- “धोखा देने वाला” का अनुवाद “झूठा” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “छलनेवाला”हो सकता है।
- प्रकरण पर निर्भर करके, “छल” या “धोखा” ऐसे शब्दों में अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ “मिथ्यात्व” या “झूठ” या “प्रवंचना” या “छल-कपट” हो।
- “छली” या “धोखा देने वाला” का अनुवाद हो सकता है, “असत्यवादी” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “झूठ बोलने वाला” कि एक ऐसे मनुष्य का वर्णन किया जाए जो कहने और करने में मनुष्य को असत्य में विश्वास दिलाए।

(यह भी देखें: सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:8
- 1 तीमुथियुस 02:14
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- उत्पत्ति 03:12-13
- उत्पत्ति 31:26-28
- लेवीय 19:11-12
- मत्ती. 27:64
- मीका 06:11-12

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H898, H2048, H3577, H3584, H3868, H4123, H4820, H4860, H5230, H5377, H5558, H6121, H6231, H6601, H7411, H7423, H7683, H7686, H7952, H8267, H8496, H8582, H8591, H8649, G538, G539, G1386, G1387, G1388, G1818, G3884, G4105, G4106, G4108, G5422, G5423

धोखा, धोखा देनेवाले, धोखा दिया, छलता, छली, धोखेबाज, धोखेबाजों, छलपूर्ण, धूर्तता से, छल में, छलता, छली

परिभाषा:

“धोखा” अर्थात असत्य पर विश्वास दिलाना। किसी को धोखा देने का काम “छल” कहलाता है।

- एक और शब्द, “धोखेबाजी” भी किसी को कुछ ऐसा विश्वास करने का कार्य करता है जो सत्य नहीं है।
- किसी को झूठी बात में विश्वास दिलानेवाले को धोखा करने वाला कहते हैं। उदाहरणार्थ शैतान को धोखा देनेवाला कहा गया है। उसकी दुष्टात्माएं भी धोखा देने वाली हैं।
- व्यक्ति, कार्य या सन्देश जो असत्य है, उसे "धोखा देनेवाला" कहते हैं।
- “छल” और “धोखा” का अर्थ एक ही है परन्तु उनके उपयोग में कुछ अन्तर है।
- व्याख्यात्मक शब्द “छली” और “धोखा देनेवाला” के अर्थ एक ही हैं और एक ही प्रकरण में काम में लिए जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “धोखा” के अनुवाद के अन्य रूप “झूठ बोलना” या “झूठा विश्वास दिलाना” या “किसी को असत्य पर विचार करवाना”।

- “धोखा देना” का अनुवाद “झूठ पर विचार करने हेतु प्रेरित करना” या “झूठ कहना” या “चाल चलना” या “मूर्ख बनाना” या “पथभ्रष्ट करना” हो सकता है।
- “धोखा देने वाला” का अनुवाद “झूठा” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “छलनेवाला”हो सकता है।
- प्रकरण पर निर्भर करके, “छल” या “धोखा” ऐसे शब्दों में अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ “मिथ्यात्व” या “झूठ” या “प्रवंचना” या “छल-कपट” हो।
- “छली” या “धोखा देने वाला” का अनुवाद हो सकता है, “असत्यवादी” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “झूठ बोलने वाला” कि एक ऐसे मनुष्य का वर्णन किया जाए जो कहने और करने में मनुष्य को असत्य में विश्वास दिलाए।

(यह भी देखें: सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:8
- 1 तीमुथियुस 02:14
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- उत्पत्ति 03:12-13
- उत्पत्ति 31:26-28
- लेवीय 19:11-12
- मत्ती. 27:64
- मीका 06:11-12

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H898, H2048, H3577, H3584, H3868, H4123, H4820, H4860, H5230, H5377, H5558, H6121, H6231, H6601, H7411, H7423, H7683, H7686, H7952, H8267, H8496, H8582, H8591, H8649, G538, G539, G1386, G1387, G1388, G1818, G3884, G4105, G4106, G4108, G5422, G5423

धोखा, धोखा देनेवाले, धोखा दिया, छलता, छली, धोखेबाज, धोखेबाजों, छलपूर्ण, धूर्तता से, छल में, छलता, छली

परिभाषा:

“धोखा” अर्थात असत्य पर विश्वास दिलाना। किसी को धोखा देने का काम “छल” कहलाता है।

- एक और शब्द, “धोखेबाजी” भी किसी को कुछ ऐसा विश्वास करने का कार्य करता है जो सत्य नहीं है।
- किसी को झूठी बात में विश्वास दिलानेवाले को धोखा करने वाला कहते हैं। उदाहरणार्थ शैतान को धोखा देनेवाला कहा गया है। उसकी दुष्टात्माएं भी धोखा देने वाली हैं।
- व्यक्ति, कार्य या सन्देश जो असत्य है, उसे "धोखा देनेवाला" कहते हैं।
- “छल” और “धोखा” का अर्थ एक ही है परन्तु उनके उपयोग में कुछ अन्तर है।
- व्याख्यात्मक शब्द “छली” और “धोखा देनेवाला” के अर्थ एक ही हैं और एक ही प्रकरण में काम में लिए जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “धोखा” के अनुवाद के अन्य रूप “झूठ बोलना” या “झूठा विश्वास दिलाना” या “किसी को असत्य पर विचार करवाना”।
- “धोखा देना” का अनुवाद “झूठ पर विचार करने हेतु प्रेरित करना” या “झूठ कहना” या “चाल चलना” या “मूर्ख बनाना” या “पथभ्रष्ट करना” हो सकता है।
- “धोखा देने वाला” का अनुवाद “झूठा” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “छलनेवाला”हो सकता है।
- प्रकरण पर निर्भर करके, “छल” या “धोखा” ऐसे शब्दों में अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ “मिथ्यात्व” या “झूठ” या “प्रवंचना” या “छल-कपट” हो।
- “छली” या “धोखा देने वाला” का अनुवाद हो सकता है, “असत्यवादी” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “झूठ बोलने वाला” कि एक ऐसे मनुष्य का वर्णन किया जाए जो कहने और करने में मनुष्य को असत्य में विश्वास दिलाए।

(यह भी देखें: सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:8
- 1 तीमुथियुस 02:14
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- उत्पत्ति 03:12-13

- उत्पत्ति 31:26-28
- लेवीय 19:11-12
- मत्ती. 27:64
- मीका 06:11-12

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H898, H2048, H3577, H3584, H3868, H4123, H4820, H4860, H5230, H5377, H5558, H6121, H6231, H6601, H7411, H7423, H7683, H7686, H7952, H8267, H8496, H8582, H8591, H8649, G538, G539, G1386, G1387, G1388, G1818, G3884, G4105, G4106, G4108, G5422, G5423

धोखा, धोखा देनेवाले, धोखा दिया, छलता, छली, धोखेबाज, धोखेबाजों, छलपूर्ण, धूर्तता से, छल में, छलता, छली

परिभाषा:

“धोखा” अर्थात असत्य पर विश्वास दिलाना। किसी को धोखा देने का काम “छल” कहलाता है।

- एक और शब्द, “धोखेबाजी” भी किसी को कुछ ऐसा विश्वास करने का कार्य करता है जो सत्य नहीं है।
- किसी को झूठी बात में विश्वास दिलानेवाले को धोखा करने वाला कहते हैं। उदाहरणार्थ शैतान को धोखा देनेवाला कहा गया है। उसकी दुष्टात्माएं भी धोखा देने वाली हैं।
- व्यक्ति, कार्य या सन्देश जो असत्य है, उसे "धोखा देनेवाला" कहते हैं।
- “छल” और “धोखा” का अर्थ एक ही है परन्तु उनके उपयोग में कुछ अन्तर है।
- व्याख्यात्मक शब्द “छली” और “धोखा देनेवाला” के अर्थ एक ही हैं और एक ही प्रकरण में काम में लिए जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “धोखा” के अनुवाद के अन्य रूप “झूठ बोलना” या “झूठा विश्वास दिलाना” या “किसी को असत्य पर विचार करवाना”।
- “धोखा देना” का अनुवाद “झूठ पर विचार करने हेतु प्रेरित करना” या “झूठ कहना” या “चाल चलना” या “मूर्ख बनाना” या “पथभ्रष्ट करना” हो सकता है।
- “धोखा देने वाला” का अनुवाद “झूठा” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “छलनेवाला”हो सकता है।
- प्रकरण पर निर्भर करके, “छल” या “धोखा” ऐसे शब्दों में अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ “मिथ्यात्व” या “झूठ” या “प्रवंचना” या “छल-कपट” हो।
- “छली” या “धोखा देने वाला” का अनुवाद हो सकता है, “असत्यवादी” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “झूठ बोलने वाला” कि एक ऐसे मनुष्य का वर्णन किया जाए जो कहने और करने में मनुष्य को असत्य में विश्वास दिलाए।

(यह भी देखें: सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:8
- 1 तीमुथियुस 02:14
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- उत्पत्ति 03:12-13
- उत्पत्ति 31:26-28
- लेवीय 19:11-12
- मत्ती. 27:64
- मीका 06:11-12

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H898, H2048, H3577, H3584, H3868, H4123, H4820, H4860, H5230, H5377, H5558, H6121, H6231, H6601, H7411, H7423, H7683, H7686, H7952, H8267, H8496, H8582, H8591, H8649, G538, G539, G1386, G1387, G1388, G1818, G3884, G4105, G4106, G4108, G5422, G5423

धोखा, धोखा देनेवाले, धोखा दिया, छलता, छली, धोखेबाज, धोखेबाजों, छलपूर्ण, धूर्तता से, छल में, छलता, छली

परिभाषा:

“धोखा” अर्थात असत्य पर विश्वास दिलाना। किसी को धोखा देने का काम “छल” कहलाता है।

- एक और शब्द, “धोखेबाजी” भी किसी को कुछ ऐसा विश्वास करने का कार्य करता है जो सत्य नहीं है।
- किसी को झूठी बात में विश्वास दिलानेवाले को धोखा करने वाला कहते हैं। उदाहरणार्थ शैतान को धोखा देनेवाला कहा गया है। उसकी दुष्टात्माएं भी धोखा देने वाली हैं।
- व्यक्ति, कार्य या सन्देश जो असत्य है, उसे "धोखा देनेवाला" कहते हैं।
- “छल” और “धोखा” का अर्थ एक ही है परन्तु उनके उपयोग में कुछ अन्तर है।
- व्याख्यात्मक शब्द “छली” और “धोखा देनेवाला” के अर्थ एक ही हैं और एक ही प्रकरण में काम में लिए जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “धोखा” के अनुवाद के अन्य रूप “झूठ बोलना” या “झूठा विश्वास दिलाना” या “किसी को असत्य पर विचार करवाना”।
- “धोखा देना” का अनुवाद “झूठ पर विचार करने हेतु प्रेरित करना” या “झूठ कहना” या “चाल चलना” या “मूर्ख बनाना” या “पथभ्रष्ट करना” हो सकता है।
- “धोखा देने वाला” का अनुवाद “झूठा” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “छलनेवाला”हो सकता है।
- प्रकरण पर निर्भर करके, “छल” या “धोखा” ऐसे शब्दों में अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ “मिथ्यात्व” या “झूठ” या “प्रवंचना” या “छल-कपट” हो।
- “छली” या “धोखा देने वाला” का अनुवाद हो सकता है, “असत्यवादी” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “झूठ बोलने वाला” कि एक ऐसे मनुष्य का वर्णन किया जाए जो कहने और करने में मनुष्य को असत्य में विश्वास दिलाए।

(यह भी देखें: सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:8
- 1 तीमुथियुस 02:14
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- उत्पत्ति 03:12-13
- उत्पत्ति 31:26-28
- लेवीय 19:11-12
- मत्ती. 27:64
- मीका 06:11-12

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H898, H2048, H3577, H3584, H3868, H4123, H4820, H4860, H5230, H5377, H5558, H6121, H6231, H6601, H7411, H7423, H7683, H7686, H7952, H8267, H8496, H8582, H8591, H8649, G538, G539, G1386, G1387, G1388, G1818, G3884, G4105, G4106, G4108, G5422, G5423

धोखा, धोखा देनेवाले, धोखा दिया, छलता, छली, धोखेबाज, धोखेबाजों, छलपूर्ण, धूर्तता से, छल में, छलता, छली

परिभाषा:

“धोखा” अर्थात असत्य पर विश्वास दिलाना। किसी को धोखा देने का काम “छल” कहलाता है।

- एक और शब्द, “धोखेबाजी” भी किसी को कुछ ऐसा विश्वास करने का कार्य करता है जो सत्य नहीं है।
- किसी को झूठी बात में विश्वास दिलानेवाले को धोखा करने वाला कहते हैं। उदाहरणार्थ शैतान को धोखा देनेवाला कहा गया है। उसकी दुष्टात्माएं भी धोखा देने वाली हैं।
- व्यक्ति, कार्य या सन्देश जो असत्य है, उसे "धोखा देनेवाला" कहते हैं।
- “छल” और “धोखा” का अर्थ एक ही है परन्तु उनके उपयोग में कुछ अन्तर है।
- व्याख्यात्मक शब्द “छली” और “धोखा देनेवाला” के अर्थ एक ही हैं और एक ही प्रकरण में काम में लिए जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “धोखा” के अनुवाद के अन्य रूप “झूठ बोलना” या “झूठा विश्वास दिलाना” या “किसी को असत्य पर विचार करवाना”।

- “धोखा देना” का अनुवाद “झूठ पर विचार करने हेतु प्रेरित करना” या “झूठ कहना” या “चाल चलना” या “मूर्ख बनाना” या “पथभ्रष्ट करना” हो सकता है।
- “धोखा देने वाला” का अनुवाद “झूठा” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “छलनेवाला”हो सकता है।
- प्रकरण पर निर्भर करके, “छल” या “धोखा” ऐसे शब्दों में अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ “मिथ्यात्व” या “झूठ” या “प्रवंचना” या “छल-कपट” हो।
- “छली” या “धोखा देने वाला” का अनुवाद हो सकता है, “असत्यवादी” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “झूठ बोलने वाला” कि एक ऐसे मनुष्य का वर्णन किया जाए जो कहने और करने में मनुष्य को असत्य में विश्वास दिलाए।

(यह भी देखें: सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:8
- 1 तीमुथियुस 02:14
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- उत्पत्ति 03:12-13
- उत्पत्ति 31:26-28
- लेवीय 19:11-12
- मत्ती. 27:64
- मीका 06:11-12

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H898, H2048, H3577, H3584, H3868, H4123, H4820, H4860, H5230, H5377, H5558, H6121, H6231, H6601, H7411, H7423, H7683, H7686, H7952, H8267, H8496, H8582, H8591, H8649, G538, G539, G1386, G1387, G1388, G1818, G3884, G4105, G4106, G4108, G5422, G5423

धोखा, धोखा देनेवाले, धोखा दिया, छलता, छली, धोखेबाज, धोखेबाजों, छलपूर्ण, धूर्तता से, छल में, छलता, छली

परिभाषा:

“धोखा” अर्थात असत्य पर विश्वास दिलाना। किसी को धोखा देने का काम “छल” कहलाता है।

- एक और शब्द, “धोखेबाजी” भी किसी को कुछ ऐसा विश्वास करने का कार्य करता है जो सत्य नहीं है।
- किसी को झूठी बात में विश्वास दिलानेवाले को धोखा करने वाला कहते हैं। उदाहरणार्थ शैतान को धोखा देनेवाला कहा गया है। उसकी दुष्टात्माएं भी धोखा देने वाली हैं।
- व्यक्ति, कार्य या सन्देश जो असत्य है, उसे "धोखा देनेवाला" कहते हैं।
- “छल” और “धोखा” का अर्थ एक ही है परन्तु उनके उपयोग में कुछ अन्तर है।
- व्याख्यात्मक शब्द “छली” और “धोखा देनेवाला” के अर्थ एक ही हैं और एक ही प्रकरण में काम में लिए जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “धोखा” के अनुवाद के अन्य रूप “झूठ बोलना” या “झूठा विश्वास दिलाना” या “किसी को असत्य पर विचार करवाना”।
- “धोखा देना” का अनुवाद “झूठ पर विचार करने हेतु प्रेरित करना” या “झूठ कहना” या “चाल चलना” या “मूर्ख बनाना” या “पथभ्रष्ट करना” हो सकता है।
- “धोखा देने वाला” का अनुवाद “झूठा” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “छलनेवाला”हो सकता है।
- प्रकरण पर निर्भर करके, “छल” या “धोखा” ऐसे शब्दों में अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ “मिथ्यात्व” या “झूठ” या “प्रवंचना” या “छल-कपट” हो।
- “छली” या “धोखा देने वाला” का अनुवाद हो सकता है, “असत्यवादी” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “झूठ बोलने वाला” कि एक ऐसे मनुष्य का वर्णन किया जाए जो कहने और करने में मनुष्य को असत्य में विश्वास दिलाए।

(यह भी देखें: सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:8
- 1 तीमुथियुस 02:14
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- उत्पत्ति 03:12-13

- उत्पत्ति 31:26-28
- लेवीय 19:11-12
- मत्ती. 27:64
- मीका 06:11-12

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H898, H2048, H3577, H3584, H3868, H4123, H4820, H4860, H5230, H5377, H5558, H6121, H6231, H6601, H7411, H7423, H7683, H7686, H7952, H8267, H8496, H8582, H8591, H8649, G538, G539, G1386, G1387, G1388, G1818, G3884, G4105, G4106, G4108, G5422, G5423

धोखा, धोखा देनेवाले, धोखा दिया, छलता, छली, धोखेबाज, धोखेबाजों, छलपूर्ण, धूर्तता से, छल में, छलता, छली

परिभाषा:

“धोखा” अर्थात असत्य पर विश्वास दिलाना। किसी को धोखा देने का काम “छल” कहलाता है।

- एक और शब्द, “धोखेबाजी” भी किसी को कुछ ऐसा विश्वास करने का कार्य करता है जो सत्य नहीं है।
- किसी को झूठी बात में विश्वास दिलानेवाले को धोखा करने वाला कहते हैं। उदाहरणार्थ शैतान को धोखा देनेवाला कहा गया है। उसकी दुष्टात्माएं भी धोखा देने वाली हैं।
- व्यक्ति, कार्य या सन्देश जो असत्य है, उसे "धोखा देनेवाला" कहते हैं।
- “छल” और “धोखा” का अर्थ एक ही है परन्तु उनके उपयोग में कुछ अन्तर है।
- व्याख्यात्मक शब्द “छली” और “धोखा देनेवाला” के अर्थ एक ही हैं और एक ही प्रकरण में काम में लिए जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “धोखा” के अनुवाद के अन्य रूप “झूठ बोलना” या “झूठा विश्वास दिलाना” या “किसी को असत्य पर विचार करवाना”।
- “धोखा देना” का अनुवाद “झूठ पर विचार करने हेतु प्रेरित करना” या “झूठ कहना” या “चाल चलना” या “मूर्ख बनाना” या “पथभ्रष्ट करना” हो सकता है।
- “धोखा देने वाला” का अनुवाद “झूठा” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “छलनेवाला”हो सकता है।
- प्रकरण पर निर्भर करके, “छल” या “धोखा” ऐसे शब्दों में अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ “मिथ्यात्व” या “झूठ” या “प्रवंचना” या “छल-कपट” हो।
- “छली” या “धोखा देने वाला” का अनुवाद हो सकता है, “असत्यवादी” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “झूठ बोलने वाला” कि एक ऐसे मनुष्य का वर्णन किया जाए जो कहने और करने में मनुष्य को असत्य में विश्वास दिलाए।

(यह भी देखें: सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:8
- 1 तीमुथियुस 02:14
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- उत्पत्ति 03:12-13
- उत्पत्ति 31:26-28
- लेवीय 19:11-12
- मत्ती. 27:64
- मीका 06:11-12

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H898, H2048, H3577, H3584, H3868, H4123, H4820, H4860, H5230, H5377, H5558, H6121, H6231, H6601, H7411, H7423, H7683, H7686, H7952, H8267, H8496, H8582, H8591, H8649, G538, G539, G1386, G1387, G1388, G1818, G3884, G4105, G4106, G4108, G5422, G5423

धोखा, धोखा देनेवाले, धोखा दिया, छलता, छली, धोखेबाज, धोखेबाजों, छलपूर्ण, धूर्तता से, छल में, छलता, छली

परिभाषा:

“धोखा” अर्थात असत्य पर विश्वास दिलाना। किसी को धोखा देने का काम “छल” कहलाता है।

- एक और शब्द, “धोखेबाजी” भी किसी को कुछ ऐसा विश्वास करने का कार्य करता है जो सत्य नहीं है।
- किसी को झूठी बात में विश्वास दिलानेवाले को धोखा करने वाला कहते हैं। उदाहरणार्थ शैतान को धोखा देनेवाला कहा गया है। उसकी दुष्टात्माएं भी धोखा देने वाली हैं।
- व्यक्ति, कार्य या सन्देश जो असत्य है, उसे "धोखा देनेवाला" कहते हैं।
- “छल” और “धोखा” का अर्थ एक ही है परन्तु उनके उपयोग में कुछ अन्तर है।
- व्याख्यात्मक शब्द “छली” और “धोखा देनेवाला” के अर्थ एक ही हैं और एक ही प्रकरण में काम में लिए जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “धोखा” के अनुवाद के अन्य रूप “झूठ बोलना” या “झूठा विश्वास दिलाना” या “किसी को असत्य पर विचार करवाना”।
- “धोखा देना” का अनुवाद “झूठ पर विचार करने हेतु प्रेरित करना” या “झूठ कहना” या “चाल चलना” या “मूर्ख बनाना” या “पथभ्रष्ट करना” हो सकता है।
- “धोखा देने वाला” का अनुवाद “झूठा” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “छलनेवाला”हो सकता है।
- प्रकरण पर निर्भर करके, “छल” या “धोखा” ऐसे शब्दों में अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ “मिथ्यात्व” या “झूठ” या “प्रवंचना” या “छल-कपट” हो।
- “छली” या “धोखा देने वाला” का अनुवाद हो सकता है, “असत्यवादी” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “झूठ बोलने वाला” कि एक ऐसे मनुष्य का वर्णन किया जाए जो कहने और करने में मनुष्य को असत्य में विश्वास दिलाए।

(यह भी देखें: सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:8
- 1 तीमुथियुस 02:14
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- उत्पत्ति 03:12-13
- उत्पत्ति 31:26-28
- लेवीय 19:11-12
- मत्ती. 27:64
- मीका 06:11-12

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H898, H2048, H3577, H3584, H3868, H4123, H4820, H4860, H5230, H5377, H5558, H6121, H6231, H6601, H7411, H7423, H7683, H7686, H7952, H8267, H8496, H8582, H8591, H8649, G538, G539, G1386, G1387, G1388, G1818, G3884, G4105, G4106, G4108, G5422, G5423

ध्यान, ध्यान करता, ध्यान

परिभाषा:

“बिचवई” अर्थात किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्राय: परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिचवई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:63-65
- यहोशू 01:8-9
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

ध्यान, ध्यान करता, ध्यान

परिभाषा:

“बिचवई” अर्थात किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्रायः परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिचवई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:63-65
- यहोशू 01:8-9
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

ध्यान, ध्यान करता, ध्यान

परिभाषा:

“बिचवई” अर्थात किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्रायः परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिचवई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:63-65
- यहोशू 01:8-9
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

ध्यान, ध्यान करता, ध्यान

परिभाषा:

“बिचवई” अर्थात किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्राय: परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिचवई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:63-65
- यहोशू 01:8-9
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

ध्यान, ध्यान करता, ध्यान

परिभाषा:

“बिचवई” अर्थात किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्राय: परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिचवई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:63-65
- यहोशू 01:8-9
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

ध्यान, ध्यान करता, ध्यान

परिभाषा:

“बिचवई” अर्थात किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्रायः परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिचवई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:63-65
- यहोशू 01:8-9
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

ध्यान, ध्यान करता, ध्यान

परिभाषा:

“बिचवई” अर्थात किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्रायः परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिचवई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:63-65
- यहोशू 01:8-9
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

ध्यान, ध्यान करता, ध्यान

परिभाषा:

“बिचवई” अर्थात किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्रायः परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिचवई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:63-65
- यहोशू 01:8-9
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

ध्यान, ध्यान करता, ध्यान

परिभाषा:

“बिचवई” अर्थात किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्रायः परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिचवई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:63-65
- यहोशू 01:8-9
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

ध्यान, ध्यान करता, ध्यान

परिभाषा:

“बिचवई” अर्थात किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्रायः परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिचवई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:63-65
- यहोशू 01:8-9
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

ध्यान, ध्यान करता, ध्यान

परिभाषा:

“बिचवई” अर्थात किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्रायः परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिचवई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:63-65
- यहोशू 01:8-9
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

ध्यान, ध्यान करता, ध्यान

परिभाषा:

“बिचवई” अर्थात किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्रायः परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिचवई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:63-65
- यहोशू 01:8-9
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

ध्यान, ध्यान करता, ध्यान

परिभाषा:

“बिचवई” अर्थात किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्रायः परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिचवई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:63-65
- यहोशू 01:8-9
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

ध्यान, ध्यान करता, ध्यान

परिभाषा:

“बिचवई” अर्थात किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्रायः परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिचवई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:63-65
- यहोशू 01:8-9
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

ध्यान, ध्यान करता, ध्यान

परिभाषा:

“बिचवई” अर्थात किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्रायः परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिचवई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:63-65
- यहोशू 01:8-9
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

ध्यान, ध्यान करता, ध्यान

परिभाषा:

“बिचवई” अर्थात किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्राय: परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिचवई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:63-65
- यहोशू 01:8-9
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

नई वाचा

परिभाषा:

“नई वाचा” अर्थात परमेश्वर द्वारा उसके पुत्र यीशु के बलिदान के माध्यम से परमेश्वर की वचनबद्धता या समझौता।

- परमेश्वर की यह “नई वाचा” बाइबल के नये नियम में व्यक्त की गई है।
- यह नई वाचा “पुरानी” या “पूर्वकालिक” वाचा की तुलना में है जो परमेश्वर ने पुराने नियम के युग में इस्राएल के साथ बांधी थी।
- यह नई वाचा पूर्वकालिक वाचा से अधिक उत्तम है क्योंकि यह यीशु के आत्म-बलिदान पर आधारित है जिसके द्वारा मनुष्यों के पापों का प्रायश्चित सदा के लिए एक ही बार में हो गया है। पुरानी वाचा की बलिदानों से ऐसा नहीं हुआ था।
- परमेश्वर यह नई वाचा यीशु में विश्वास करने वालों के हृदयों में लिखता है। * इसके प्रभाव से वे परमेश्वर की इच्छा पूर्ति और पवित्र जीवन जीने की लालसा करते हैं।
- यह नई वाचा अन्त समय में पूरी हो जायेगी जब परमेश्वर इस पृथ्वी पर अपना राज्य स्थापित कर लेगा। सब कुछ पुनः वैसा ही सुंदर हो जाएगा जैसा जगत की सृष्टि के समय था।

अनुवाद के सुझाव:

- “नई वाचा” का अनुवाद “नया विधि के अनुसार समझौता” या “नई संविदा” या “नया अनुबंध” है।
- इन अभिव्यक्तियों में “नया” का अर्थ है “नवीन” या “नया प्रकार” या “दूसरा”

(यह भी देखें: प्रायश्चित, वाचा, इस्राएल, यीशु, मूसा, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:25-26
- 2 कुरिन्थियों 03:4-6
- इब्रानियों 12:22-24
- लूका 22:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:05** यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा बनाएगा परन्तु वह उस वाचा के समान न होंगी जो परमेश्वर ने इस्राएलियों के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी | परन्तु जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उनसे बाँधूँगा वह यह है : मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में

समवाऊँगा, और उसे उनके हृदय पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वह मेरी प्रजा ठहरेंगे, लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा | मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा |

- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके जी उठने के माध्यम से, परमेश्वर अपनी योजना सिद्ध करेंगे और पापियों को बचाने के लिए नई वाचा का आरम्भ करेंगे |
- **38:05** फिर उसने दाखरस का कटोरा लिया और कहा, “इसे पीओं | यह वाचा का मेरा लहू है, जो बहुतों के पापों की क्षमा के लिये बहाया जाता है | मेरी याद में तुम यही किया करो |”
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1285, H2319

नई वाचा

परिभाषा:

“नई वाचा” अर्थात परमेश्वर द्वारा उसके पुत्र यीशु के बलिदान के माध्यम से परमेश्वर की वचनबद्धता या समझौता।

- परमेश्वर की यह “नई वाचा” बाइबल के नये नियम में व्यक्त की गई है।
- यह नई वाचा “पुरानी” या “पूर्वकालिक” वाचा की तुलना में है जो परमेश्वर ने पुराने नियम के युग में इस्राएल के साथ बांधी थी।
- यह नई वाचा पूर्वकालिक वाचा से अधिक उत्तम है क्योंकि यह यीशु के आत्म-बलिदान पर आधारित है जिसके द्वारा मनुष्यों के पापों का प्रायश्चित सदा के लिए एक ही बार में हो गया है। पुरानी वाचा की बलिदानों से ऐसा नहीं हुआ था।
- परमेश्वर यह नई वाचा यीशु में विश्वास करने वालों के हृदयों में लिखता है। * इसके प्रभाव से वे परमेश्वर की इच्छा पूर्ति और पवित्र जीवन जीने की लालसा करते हैं।
- यह नई वाचा अन्त समय में पूरी हो जायेगी जब परमेश्वर इस पृथ्वी पर अपना राज्य स्थापित कर लेगा। सब कुछ पुनः वैसा ही सुंदर हो जाएगा जैसा जगत की सृष्टि के समय था।

अनुवाद के सुझाव:

- “नई वाचा” का अनुवाद “नया विधि के अनुसार समझौता” या “नई संविदा” या “नया अनुबंध” है।
- इन अभिव्यक्तियों में “नया” का अर्थ है “नवीन” या “नया प्रकार” या “दूसरा”

(यह भी देखें: प्रायश्चित, वाचा, इस्राएल, यीशु, मूसा, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:25-26
- 2 कुरिन्थियों 03:4-6
- इब्रानियों 12:22-24
- लूका 22:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:05** यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा बनाएगा परन्तु वह उस वाचा के समान न होंगी जो परमेश्वर ने इस्राएलियों के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी | परन्तु जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उनसे बाँधूँगा वह यह है : मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में समवाऊँगा, और उसे उनके हृदय पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वह मेरी प्रजा ठहरेंगे, लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा | मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा |
- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके जी उठने के माध्यम से, परमेश्वर अपनी योजना सिद्ध करेंगे और पापियों को बचाने के लिए नई वाचा का आरम्भ करेंगे |
- **38:05** फिर उसने दाखरस का कटोरा लिया और कहा, “इसे पीओं | यह वाचा का मेरा लहू है, जो बहुतों के पापों की क्षमा के लिये बहाया जाता है | मेरी याद में तुम यही किया करो |”
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1285, H2319

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

नई वाचा

परिभाषा:

“नई वाचा” अर्थात परमेश्वर द्वारा उसके पुत्र यीशु के बलिदान के माध्यम से परमेश्वर की वचनबद्धता या समझौता।

- परमेश्वर की यह “नई वाचा” बाइबल के नये नियम में व्यक्त की गई है।
- यह नई वाचा “पुरानी” या “पूर्वकालिक” वाचा की तुलना में है जो परमेश्वर ने पुराने नियम के युग में इस्राएल के साथ बांधी थी।
- यह नई वाचा पूर्वकालिक वाचा से अधिक उत्तम है क्योंकि यह यीशु के आत्म-बलिदान पर आधारित है जिसके द्वारा मनुष्यों के पापों का प्रायश्चित सदा के लिए एक ही बार में हो गया है। पुरानी वाचा की बलिदानों से ऐसा नहीं हुआ था।
- परमेश्वर यह नई वाचा यीशु में विश्वास करने वालों के हृदयों में लिखता है। * इसके प्रभाव से वे परमेश्वर की इच्छा पूर्ति और पवित्र जीवन जीने की लालसा करते हैं।
- यह नई वाचा अन्त समय में पूरी हो जायेगी जब परमेश्वर इस पृथ्वी पर अपना राज्य स्थापित कर लेगा। सब कुछ पुनः वैसा ही सुंदर हो जाएगा जैसा जगत की सृष्टि के समय था।

अनुवाद के सुझाव:

- “नई वाचा” का अनुवाद “नया विधि के अनुसार समझौता” या “नई संविदा” या “नया अनुबंध” है।
- इन अभिव्यक्तियों में “नया” का अर्थ है “नवीन” या “नया प्रकार” या “दूसरा”

(यह भी देखें: प्रायश्चित, वाचा, इस्राएल, यीशु, मूसा, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:25-26
- 2 कुरिन्थियों 03:4-6
- इब्रानियों 12:22-24
- लूका 22:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:05** यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा बनाएगा परन्तु वह उस वाचा के समान न होंगी जो परमेश्वर ने इस्राएलियों के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी | परन्तु जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उनसे बाँधूँगा वह यह है : मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में समवाऊँगा, और उसे उनके हृदय पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वह मेरी प्रजा ठहरेंगे, लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा | मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा |
- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके जी उठने के माध्यम से, परमेश्वर अपनी योजना सिद्ध करेंगे और पापियों को बचाने के लिए नई वाचा का आरम्भ करेंगे |
- **38:05** फिर उसने दाखरस का कटोरा लिया और कहा, “इसे पीओं | यह वाचा का मेरा लहू है, जो बहुतों के पापों की क्षमा के लिये बहाया जाता है | मेरी याद में तुम यही किया करो |”
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1285, H2319

नई वाचा

परिभाषा:

“नई वाचा” अर्थात परमेश्वर द्वारा उसके पुत्र यीशु के बलिदान के माध्यम से परमेश्वर की वचनबद्धता या समझौता।

- परमेश्वर की यह “नई वाचा” बाइबल के नये नियम में व्यक्त की गई है।
- यह नई वाचा “पुरानी” या “पूर्वकालिक” वाचा की तुलना में है जो परमेश्वर ने पुराने नियम के युग में इस्राएल के साथ बांधी थी।
- यह नई वाचा पूर्वकालिक वाचा से अधिक उत्तम है क्योंकि यह यीशु के आत्म-बलिदान पर आधारित है जिसके द्वारा मनुष्यों के पापों का प्रायश्चित सदा के लिए एक ही बार में हो गया है। पुरानी वाचा की बलिदानों से ऐसा नहीं हुआ था।
- परमेश्वर यह नई वाचा यीशु में विश्वास करने वालों के हृदयों में लिखता है। * इसके प्रभाव से वे परमेश्वर की इच्छा पूर्ति और पवित्र जीवन जीने की लालसा करते हैं।

- यह नई वाचा अन्त समय में पूरी हो जायेगी जब परमेश्वर इस पृथ्वी पर अपना राज्य स्थापित कर लेगा। सब कुछ पुनः वैसा ही सुंदर हो जाएगा जैसा जगत की सृष्टि के समय था।

अनुवाद के सुझाव:

- "नई वाचा" का अनुवाद "नया विधि के अनुसार समझौता" या "नई संविदा" या "नया अनुबंध" है।
- इन अभिव्यक्तियों में "नया" का अर्थ है "नवीन" या "नया प्रकार" या "दूसरा"

(यह भी देखें: प्रायश्चित, वाचा, इस्राएल, यीशु, मूसा, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:25-26
- 2 कुरिन्थियों 03:4-6
- इब्रानियों 12:22-24
- लूका 22:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:05** यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा बनाएगा परन्तु वह उस वाचा के समान न होंगी जो परमेश्वर ने इस्राएलियों के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी | परन्तु जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उनसे बाँधूँगा वह यह है : मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में समवाऊँगा, और उसे उनके हृदय पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वह मेरी प्रजा ठहरेंगे, लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा | मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा |
- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके जी उठने के माध्यम से, परमेश्वर अपनी योजना सिद्ध करेंगे और पापियों को बचाने के लिए नई वाचा का आरम्भ करेंगे |
- **38:05** फिर उसने दाखरस का कटोरा लिया और कहा, "इसे पीओं | यह वाचा का मेरा लहू है, जो बहुतों के पापों की क्षमा के लिये बहाया जाता है | मेरी याद में तुम यही किया करो |"
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1285, H2319

नप्ताली

तथ्य:

नप्ताली याकूब का छठवां पुत्र था। उसके वंशज नप्ताली के गोत्र कहलाए जो इस्राएल के 12 गोत्रों में से एक था।

- कभी-कभी नाम नप्ताली उनके निवास स्थान के लिए भी काम में लिया गया है।
- नप्ताली का भूभाग इस्राएल के उत्तर में था, दान और आशेर के साथ। इसकी पूर्वी सीमा किन्नेरेत सागर के पश्चिमी किनारे पर थी।
- इस गोत्र की चर्चा पुराने नियम और नये नियम दोनों में की गई है।

(यह भी देखें: अशेर, दान, इस्राएल, गलील सागर, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 04:15-17
- व्यवस्थाविवरण 27:13-14
- यहेजकेल 48:1-3
- उत्पत्ति 30:7-8
- न्यायियों 01:33
- मत्ती 04:12-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5321, G3508

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

नप्ताली

तथ्य:

नप्ताली याकूब का छठवां पुत्र था। उसके वंशज नप्ताली के गोत्र कहलाए जो इस्राएल के 12 गोत्रों में से एक था।

- कभी-कभी नाम नप्ताली उनके निवास स्थान के लिए भी काम में लिया गया है।
- नप्ताली का भूभाग इस्राएल के उत्तर में था, दान और आशेर के साथ। इसकी पूर्वी सीमा किन्नेरेत सागर के पश्चिमी किनारे पर थी।
- इस गोत्र की चर्चा पुराने नियम और नये नियम दोनों में की गई है।

(यह भी देखें: अशेर, दान, इस्राएल, गलील सागर, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 04:15-17
- व्यवस्थाविवरण 27:13-14
- यहेजकेल 48:1-3
- उत्पत्ति 30:7-8
- न्यायियों 01:33
- मत्ती 04:12-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5321, G3508

नम्र, नम्रता

परिभाषा:

“नम्र” शब्द उस मनुष्य को दर्शाता है जो विनम्र, आज्ञाकारी और अन्याय का सहनेवाला है। नम्रता दीनता की क्षमता है जब कठोरता और बल प्रयोग किया जाए।

- नम्रता प्रायः दीनता के साथ जुड़ी रहती है।
- इस शब्द का अनुवाद “उदार” या “विनीत” या “मृदुस्वभाव” किया जा सकता है।
- “नम्रता” का अनुवाद “उदारता” या “दीनता” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दीन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 03:15-17
- 2 कुरिन्थियों 10:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:24-26
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 11:28-30
- भजन संहिता 037:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6035, H6037, H6038, G4235, G4236, G4239, G4240

नम्र, नम्रता

परिभाषा:

“नम्र” शब्द उस मनुष्य को दर्शाता है जो विनम्र, आज्ञाकारी और अन्याय का सहनेवाला है। नम्रता दीनता की क्षमता है जब कठोरता और बल प्रयोग किया जाए।

- नम्रता प्रायः दीनता के साथ जुड़ी रहती है।

- इस शब्द का अनुवाद “उदार” या “विनीत” या “मृदुस्वभाव” किया जा सकता है।
- “नम्रता” का अनुवाद “उदारता” या “दीनता” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दीन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 03:15-17
- 2 कुरिन्थियों 10:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:24-26
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 11:28-30
- भजन संहिता 037:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6035, H6037, H6038, G4235, G4236, G4239, G4240

नम्र, नम्रता

परिभाषा:

“नम्र” शब्द उस मनुष्य को दर्शाता है जो विनम्र, आज्ञाकारी और अन्याय का सहनेवाला है। नम्रता दीनता की क्षमता है जब कठोरता और बल प्रयोग किया जाए।

- नम्रता प्रायः दीनता के साथ जुड़ी रहती है।
- इस शब्द का अनुवाद “उदार” या “विनीत” या “मृदुस्वभाव” किया जा सकता है।
- “नम्रता” का अनुवाद “उदारता” या “दीनता” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दीन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 03:15-17
- 2 कुरिन्थियों 10:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:24-26
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 11:28-30
- भजन संहिता 037:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6035, H6037, H6038, G4235, G4236, G4239, G4240

नम्र, नम्रता

परिभाषा:

“नम्र” शब्द उस मनुष्य को दर्शाता है जो विनम्र, आज्ञाकारी और अन्याय का सहनेवाला है। नम्रता दीनता की क्षमता है जब कठोरता और बल प्रयोग किया जाए।

- नम्रता प्रायः दीनता के साथ जुड़ी रहती है।
- इस शब्द का अनुवाद “उदार” या “विनीत” या “मृदुस्वभाव” किया जा सकता है।
- “नम्रता” का अनुवाद “उदारता” या “दीनता” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दीन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 03:15-17
- 2 कुरिन्थियों 10:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:24-26
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 11:28-30
- भजन संहिता 037:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6035, H6037, H6038, G4235, G4236, G4239, G4240

नम्र, नम्रता

परिभाषा:

“नम्र” शब्द उस मनुष्य को दर्शाता है जो विनम्र, आज्ञाकारी और अन्याय का सहनेवाला है। नम्रता दीनता की क्षमता है जब कठोरता और बल प्रयोग किया जाए।

- नम्रता प्रायः दीनता के साथ जुड़ी रहती है।
- इस शब्द का अनुवाद “उदार” या “विनीत” या “मृदुस्वभाव” किया जा सकता है।
- “नम्रता” का अनुवाद “उदारता” या “दीनता” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दीन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 03:15-17
- 2 कुरिन्थियों 10:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:24-26
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 11:28-30
- भजन संहिता 037:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6035, H6037, H6038, G4235, G4236, G4239, G4240

नम्र, नम्रता

परिभाषा:

“नम्र” शब्द उस मनुष्य को दर्शाता है जो विनम्र, आज्ञाकारी और अन्याय का सहनेवाला है। नम्रता दीनता की क्षमता है जब कठोरता और बल प्रयोग किया जाए।

- नम्रता प्रायः दीनता के साथ जुड़ी रहती है।
- इस शब्द का अनुवाद “उदार” या “विनीत” या “मृदुस्वभाव” किया जा सकता है।
- “नम्रता” का अनुवाद “उदारता” या “दीनता” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दीन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 03:15-17
- 2 कुरिन्थियों 10:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:24-26
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 11:28-30

- भजन संहिता 037:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6035, H6037, H6038, G4235, G4236, G4239, G4240

नम्र, नम्रता

परिभाषा:

“नम्र” शब्द उस मनुष्य को दर्शाता है जो विनम्र, आज्ञाकारी और अन्याय का सहनेवाला है। नम्रता दीनता की क्षमता है जब कठोरता और बल प्रयोग किया जाए।

- नम्रता प्रायः दीनता के साथ जुड़ी रहती है।
- इस शब्द का अनुवाद “उदार” या “विनीत” या “मृदुस्वभाव” किया जा सकता है।
- “नम्रता” का अनुवाद “उदारता” या “दीनता” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दीन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 03:15-17
- 2 कुरिन्थियों 10:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:24-26
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 11:28-30
- भजन संहिता 037:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6035, H6037, H6038, G4235, G4236, G4239, G4240

नम्र, नम्रता

परिभाषा:

“नम्र” शब्द उस मनुष्य को दर्शाता है जो विनम्र, आज्ञाकारी और अन्याय का सहनेवाला है। नम्रता दीनता की क्षमता है जब कठोरता और बल प्रयोग किया जाए।

- नम्रता प्रायः दीनता के साथ जुड़ी रहती है।
- इस शब्द का अनुवाद “उदार” या “विनीत” या “मृदुस्वभाव” किया जा सकता है।
- “नम्रता” का अनुवाद “उदारता” या “दीनता” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दीन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 03:15-17
- 2 कुरिन्थियों 10:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:24-26
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 11:28-30
- भजन संहिता 037:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6035, H6037, H6038, G4235, G4236, G4239, G4240

नम्र, नम्रता

परिभाषा:

“नम्र” शब्द उस मनुष्य को दर्शाता है जो विनम्र, आज्ञाकारी और अन्याय का सहनेवाला है। नम्रता दीनता की क्षमता है जब कठोरता और बल प्रयोग किया जाए।

- नम्रता प्रायः दीनता के साथ जुड़ी रहती है।
- इस शब्द का अनुवाद “उदार” या “विनीत” या “मृदुस्वभाव” किया जा सकता है।
- “नम्रता” का अनुवाद “उदारता” या “दीनता” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दीन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 03:15-17
- 2 कुरिन्थियों 10:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:24-26
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 11:28-30
- भजन संहिता 037:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6035, H6037, H6038, G4235, G4236, G4239, G4240

नम्र, नम्रता

परिभाषा:

“नम्र” शब्द उस मनुष्य को दर्शाता है जो विनम्र, आज्ञाकारी और अन्याय का सहनेवाला है। नम्रता दीनता की क्षमता है जब कठोरता और बल प्रयोग किया जाए।

- नम्रता प्रायः दीनता के साथ जुड़ी रहती है।
- इस शब्द का अनुवाद “उदार” या “विनीत” या “मृदुस्वभाव” किया जा सकता है।
- “नम्रता” का अनुवाद “उदारता” या “दीनता” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दीन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 03:15-17
- 2 कुरिन्थियों 10:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:24-26
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 11:28-30
- भजन संहिता 037:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6035, H6037, H6038, G4235, G4236, G4239, G4240

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

नम्र, नम्रता

परिभाषा:

"नम्र" शब्द उस मनुष्य को दर्शाता है जो विनम्र, आज्ञाकारी और अन्याय का सहनेवाला है। नम्रता दीनता की क्षमता है जब कठोरता और बल प्रयोग किया जाए।

- नम्रता प्रायः दीनता के साथ जुड़ी रहती है।
- इस शब्द का अनुवाद "उदार" या "विनीत" या "मृदुस्वभाव" किया जा सकता है।
- "नम्रता" का अनुवाद "उदारता" या "दीनता" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दीन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 03:15-17
- 2 कुरिन्थियों 10:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:24-26
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 11:28-30
- भजन संहिता 037:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6035, H6037, H6038, G4235, G4236, G4239, G4240

नरक, आग की झील

परिभाषा:

नरक अनन्त पीड़ा और कष्टों का वह अन्तिम स्थान है जहां परमेश्वर उसके द्रोहियों को और यीशु के बलिदान के द्वारा उनके उद्धार की योजना का तिरस्कार करनेवालों को दण्ड देगा। इसे "आग की झील" भी कहा गया है।

- नरक को आग और घोर पीड़ा का स्थान कहा गया है।
- शैतान और उसके साथ की दुष्टात्माएं अनन्त दण्ड के लिए नरक में डाली जाएंगी।
- जो लोग उनके पापों के लिए यीशु के बलिदान में विश्वास नहीं करते और उद्धार के लिए उसमें विश्वास नहीं करते उन्हें भी सदा के लिए दण्ड हेतु नरक में डाला जाएगा।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इन शब्दों का अनुवाद अलग-अलग शब्दों द्वारा किया जाए क्योंकि वे अलग-अलग प्रकरणों में आते हैं।
- कुछ भाषाओं में "आग की झील" का झील शब्द काम में नहीं लिया जा सकता क्योंकि उस भाषा में झील का अर्थ पानी की झील है।
- "नरक" शब्द का अनुवाद "पीड़ा का स्थान" या "अन्धकार और पीड़ा का अन्तिम स्थान" किया जा सकता है।
- "आग की झील" का अनुवाद "आग का समुद्र" या "विशाल अग्नि" या "आग का क्षेत्र" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, मर जाए, अधोलोक, अथाह कुण्ड)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 03:5-6
- लूका 12:4-5
- मरकुस 09:42-44
- मत्ती 05:21-22
- मत्ती 05:29-30
- मत्ती 10:28-31
- मत्ती 23:32-33
- मत्ती 25:41-43
- प्रकाशितवाक्य 20:13-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **50:14** वह (परमेश्वर) उन्हें नरक में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे। वह आग जो कभी नही बुझती उन्हें हमेशा जलाती रहेगी और कीड़े उन्हें हमेशा खाते रहेंगे।
- **50:15** वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7585, G86, G439, G440, G1067, G3041, G4442, G4443, G4447, G4448, G5020, G5394, G5457

नरक, आग की झील

परिभाषा:

नरक अनन्त पीड़ा और कष्टों का वह अन्तिम स्थान है जहां परमेश्वर उसके द्रोहियों को और यीशु के बलिदान के द्वारा उनके उद्धार की योजना का तिरस्कार करनेवालों को दण्ड देगा। इसे “आग की झील” भी कहा गया है।

- नरक को आग और घोर पीड़ा का स्थान कहा गया है।
- शैतान और उसके साथ की दुष्टात्माएं अनन्त दण्ड के लिए नरक में डाली जाएंगी।
- जो लोग उनके पापों के लिए यीशु के बलिदान में विश्वास नहीं करते और उद्धार के लिए उसमें विश्वास नहीं करते उन्हें भी सदा के लिए दण्ड हेतु नरक में डाला जाएगा।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इन शब्दों का अनुवाद अलग-अलग शब्दों द्वारा किया जाए क्योंकि वे अलग-अलग प्रकरणों में आते हैं।
- कुछ भाषाओं में “आग की झील” का झील शब्द काम में नहीं लिया जा सकता क्योंकि उस भाषा में झील का अर्थ पानी की झील है।
- “नरक” शब्द का अनुवाद “पीड़ा का स्थान” या “अन्धकार और पीड़ा का अन्तिम स्थान” किया जा सकता है।
- “आग की झील” का अनुवाद “आग का समुद्र” या “विशाल अग्नि” या “आग का क्षेत्र” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, मर जाए, अधोलोक, अथाह कुण्ड)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 03:5-6
- लूका 12:4-5
- मरकुस 09:42-44
- मत्ती 05:21-22
- मत्ती 05:29-30
- मत्ती 10:28-31
- मत्ती 23:32-33
- मत्ती 25:41-43
- प्रकाशितवाक्य 20:13-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **50:14** वह (परमेश्वर) उन्हें नरक में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे। वह आग जो कभी नही बुझती उन्हें हमेशा जलाती रहेगी और कीड़े उन्हें हमेशा खाते रहेंगे।
- **50:15** वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7585, G86, G439, G440, G1067, G3041, G4442, G4443, G4447, G4448, G5020, G5394, G5457

नरक, आग की झील

परिभाषा:

नरक अनन्त पीड़ा और कष्टों का वह अन्तिम स्थान है जहां परमेश्वर उसके द्रोहियों को और यीशु के बलिदान के द्वारा उनके उद्धार की योजना का तिरस्कार करनेवालों को दण्ड देगा। इसे "आग की झील" भी कहा गया है।

- नरक को आग और घोर पीड़ा का स्थान कहा गया है।
- शैतान और उसके साथ की दुष्टात्माएं अनन्त दण्ड के लिए नरक में डाली जाएंगी।
- जो लोग उनके पापों के लिए यीशु के बलिदान में विश्वास नहीं करते और उद्धार के लिए उसमें विश्वास नहीं करते उन्हें भी सदा के लिए दण्ड हेतु नरक में डाला जाएगा।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इन शब्दों का अनुवाद अलग-अलग शब्दों द्वारा किया जाए क्योंकि वे अलग-अलग प्रकरणों में आते हैं।
- कुछ भाषाओं में "आग की झील" का झील शब्द काम में नहीं लिया जा सकता क्योंकि उस भाषा में झील का अर्थ पानी की झील है।
- "नरक" शब्द का अनुवाद "पीड़ा का स्थान" या "अन्धकार और पीड़ा का अन्तिम स्थान" किया जा सकता है।
- "आग की झील" का अनुवाद "आग का समुद्र" या "विशाल अग्नि" या "आग का क्षेत्र" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, मर जाए, अधोलोक, अथाह कुण्ड)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 03:5-6
- लूका 12:4-5
- मरकुस 09:42-44
- मत्ती 05:21-22
- मत्ती 05:29-30
- मत्ती 10:28-31
- मत्ती 23:32-33
- मत्ती 25:41-43
- प्रकाशितवाक्य 20:13-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **50:14** वह (परमेश्वर) उन्हें नरक में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे। वह आग जो कभी नही बुझती उन्हें हमेशा जलाती रहेगी और कीड़े उन्हें हमेशा खाते रहेंगे।
- **50:15** वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7585, G86, G439, G440, G1067, G3041, G4442, G4443, G4447, G4448, G5020, G5394, G5457

नरक, आग की झील

परिभाषा:

नरक अनन्त पीड़ा और कष्टों का वह अन्तिम स्थान है जहां परमेश्वर उसके द्रोहियों को और यीशु के बलिदान के द्वारा उनके उद्धार की योजना का तिरस्कार करनेवालों को दण्ड देगा। इसे "आग की झील" भी कहा गया है।

- नरक को आग और घोर पीड़ा का स्थान कहा गया है।
- शैतान और उसके साथ की दुष्टात्माएं अनन्त दण्ड के लिए नरक में डाली जाएंगी।
- जो लोग उनके पापों के लिए यीशु के बलिदान में विश्वास नहीं करते और उद्धार के लिए उसमें विश्वास नहीं करते उन्हें भी सदा के लिए दण्ड हेतु नरक में डाला जाएगा।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इन शब्दों का अनुवाद अलग-अलग शब्दों द्वारा किया जाए क्योंकि वे अलग-अलग प्रकरणों में आते हैं।
- कुछ भाषाओं में “आग की झील” का झील शब्द काम में नहीं लिया जा सकता क्योंकि उस भाषा में झील का अर्थ पानी की झील है।
- “नरक” शब्द का अनुवाद “पीड़ा का स्थान” या “अन्धकार और पीड़ा का अन्तिम स्थान” किया जा सकता है।
- “आग की झील” का अनुवाद “आग का समुद्र” या “विशाल अग्नि” या “आग का क्षेत्र” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, मर जाए, अधोलोक, अथाह कुण्ड)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 03:5-6
- लूका 12:4-5
- मरकुस 09:42-44
- मत्ती 05:21-22
- मत्ती 05:29-30
- मत्ती 10:28-31
- मत्ती 23:32-33
- मत्ती 25:41-43
- प्रकाशितवाक्य 20:13-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **50:14** वह (परमेश्वर) उन्हें नरक में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे। वह आग जो कभी नही बुझती उन्हें हमेशा जलाती रहेगी और कीड़े उन्हें हमेशा खाते रहेंगे।
- **50:15** वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7585, G86, G439, G440, G1067, G3041, G4442, G4443, G4447, G4448, G5020, G5394, G5457

नरक, आग की झील

परिभाषा:

नरक अनन्त पीड़ा और कष्टों का वह अन्तिम स्थान है जहां परमेश्वर उसके द्रोहियों को और यीशु के बलिदान के द्वारा उनके उद्धार की योजना का तिरस्कार करनेवालों को दण्ड देगा। इसे “आग की झील” भी कहा गया है।

- नरक को आग और घोर पीड़ा का स्थान कहा गया है।
- शैतान और उसके साथ की दुष्टात्माएं अनन्त दण्ड के लिए नरक में डाली जाएंगी।
- जो लोग उनके पापों के लिए यीशु के बलिदान में विश्वास नहीं करते और उद्धार के लिए उसमें विश्वास नहीं करते उन्हें भी सदा के लिए दण्ड हेतु नरक में डाला जाएगा।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इन शब्दों का अनुवाद अलग-अलग शब्दों द्वारा किया जाए क्योंकि वे अलग-अलग प्रकरणों में आते हैं।
- कुछ भाषाओं में “आग की झील” का झील शब्द काम में नहीं लिया जा सकता क्योंकि उस भाषा में झील का अर्थ पानी की झील है।
- “नरक” शब्द का अनुवाद “पीड़ा का स्थान” या “अन्धकार और पीड़ा का अन्तिम स्थान” किया जा सकता है।
- “आग की झील” का अनुवाद “आग का समुद्र” या “विशाल अग्नि” या “आग का क्षेत्र” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, मर जाए, अधोलोक, अथाह कुण्ड)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 03:5-6
- लूका 12:4-5
- मरकुस 09:42-44

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 05:21-22
- मत्ती 05:29-30
- मत्ती 10:28-31
- मत्ती 23:32-33
- मत्ती 25:41-43
- प्रकाशितवाक्य 20:13-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **50:14** वह (परमेश्वर) उन्हें नरक में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे। वह आग जो कभी नही बुझती उन्हें हमेशा जलाती रहेगी और कीड़े उन्हें हमेशा खाते रहेंगे।
- **50:15** वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7585, G86, G439, G440, G1067, G3041, G4442, G4443, G4447, G4448, G5020, G5394, G5457

नरक, आग की झील

परिभाषा:

नरक अनन्त पीड़ा और कष्टों का वह अन्तिम स्थान है जहां परमेश्वर उसके द्रोहियों को और यीशु के बलिदान के द्वारा उनके उद्धार की योजना का तिरस्कार करनेवालों को दण्ड देगा। इसे “आग की झील” भी कहा गया है।

- नरक को आग और घोर पीड़ा का स्थान कहा गया है।
- शैतान और उसके साथ की दुष्टात्माएं अनन्त दण्ड के लिए नरक में डाली जाएंगी।
- जो लोग उनके पापों के लिए यीशु के बलिदान में विश्वास नहीं करते और उद्धार के लिए उसमें विश्वास नहीं करते उन्हें भी सदा के लिए दण्ड हेतु नरक में डाला जाएगा।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इन शब्दों का अनुवाद अलग-अलग शब्दों द्वारा किया जाए क्योंकि वे अलग-अलग प्रकरणों में आते हैं।
- कुछ भाषाओं में “आग की झील” का झील शब्द काम में नहीं लिया जा सकता क्योंकि उस भाषा में झील का अर्थ पानी की झील है।
- “नरक” शब्द का अनुवाद “पीड़ा का स्थान” या “अन्धकार और पीड़ा का अन्तिम स्थान” किया जा सकता है।
- “आग की झील” का अनुवाद “आग का समुद्र” या “विशाल अग्नि” या “आग का क्षेत्र” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, मर जाए, अधोलोक, अथाह कुण्ड)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 03:5-6
- लूका 12:4-5
- मरकुस 09:42-44
- मत्ती 05:21-22
- मत्ती 05:29-30
- मत्ती 10:28-31
- मत्ती 23:32-33
- मत्ती 25:41-43
- प्रकाशितवाक्य 20:13-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **50:14** वह (परमेश्वर) उन्हें नरक में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे। वह आग जो कभी नही बुझती उन्हें हमेशा जलाती रहेगी और कीड़े उन्हें हमेशा खाते रहेंगे।
- **50:15** वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7585, G86, G439, G440, G1067, G3041, G4442, G4443, G4447, G4448, G5020, G5394, G5457

नहूम

तथ्य:

नहूम एक भविष्यद्वक्ता था जो प्रचार करता था उस समय में जब दुष्ट राजा मनश्शे यहूदा पर राज करता था।

- नहूम यरूशलेम से 20 मील दूर एल्कोश नामक एक नगर का निवासी था।
- पुराने नियम में नहूम की पुस्तक में अश्शूरों के नगर नीनवे की विनाश की भविष्यद्वाणियां हैं।

(यह भी देखें: अश्शूर, मनश्शे, भविष्यद्वक्ता, नीनवे)

बाइबल सन्दर्भ:

- नहूम 01:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5151, G3486

नहूम

तथ्य:

नहूम एक भविष्यद्वक्ता था जो प्रचार करता था उस समय में जब दुष्ट राजा मनश्शे यहूदा पर राज करता था।

- नहूम यरूशलेम से 20 मील दूर एल्कोश नामक एक नगर का निवासी था।
- पुराने नियम में नहूम की पुस्तक में अश्शूरों के नगर नीनवे की विनाश की भविष्यद्वाणियां हैं।

(यह भी देखें: अश्शूर, मनश्शे, भविष्यद्वक्ता, नीनवे)

बाइबल सन्दर्भ:

- नहूम 01:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5151, G3486

नहूम

तथ्य:

नहूम एक भविष्यद्वक्ता था जो प्रचार करता था उस समय में जब दुष्ट राजा मनश्शे यहूदा पर राज करता था।

- नहूम यरूशलेम से 20 मील दूर एल्कोश नामक एक नगर का निवासी था।
- पुराने नियम में नहूम की पुस्तक में अश्शूरों के नगर नीनवे की विनाश की भविष्यद्वाणियां हैं।

(यह भी देखें: अश्शूर, मनश्शे, भविष्यद्वक्ता, नीनवे)

बाइबल सन्दर्भ:

- नहूम 01:1

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5151, G3486

नहूम

तथ्य:

नहूम एक भविष्यद्वक्ता था जो प्रचार करता था उस समय में जब दुष्ट राजा मनश्शे यहूदा पर राज करता था।

- नहूम यरूशलेम से 20 मील दूर एल्कोश नामक एक नगर का निवासी था।
- पुराने नियम में नहूम की पुस्तक में अश्शूरों के नगर नीनवे की विनाश की भविष्यद्वाणियां हैं।

(यह भी देखें: अश्शूर, मनश्शे, भविष्यद्वक्ता, नीनवे)

बाइबल सन्दर्भ:

- नहूम 01:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5151, G3486

नातान

तथ्य:

नातान परमेश्वर का एक विश्वासयोग्य भविष्यद्वक्ता था, और दाऊद के राज्यकाल में सेवा कर रहा था।

- उरिय्याह के विरुद्ध दाऊद के पाप का पर्दाफाश करने के लिए परमेश्वर ने नातान को भेजा था।
- नातान ने दाऊद को झिड़का था, यद्यपि दाऊद राजा था।
- नातान के आगमन के बाद दाऊद ने अपने पाप का प्रायश्चित किया।

(यह भी देखें: दाऊद, विश्वासयोग्य, भविष्यद्वक्ता, ऊरिय्याह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:1-2
- 2 इतिहास 09:29-31
- 2 शमूएल 12:1-3
- भजन संहिता 051:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:07__परन्तु परमेश्वर ने __नातान भविष्यद्वक्ता के द्वारा दाऊद को संदेश भेजा, “क्योंकि तू एक योद्धा है, तू मेरे लिए वह भवन नहीं बनाएगा |
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5416, G3481

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।

- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27

- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।

- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"

- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।

- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27

- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।

- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7

- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"

- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम

परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

- कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
- “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
- “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
- किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
- “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
- यह अभिव्यक्ति है: "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
- "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- प्रे.का. 04:5-7
- प्रे.का. 04:11-12
- प्रे.का. 09:26-27
- उत्पत्ति 12:1-3
- उत्पत्ति 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

नाम लिखाई

परिभाषा:

“नाम लिखाई (जनगणना)” किसी देश या साम्राज्य में नागरिकों की औपचारिक गणना करना।

- पुराने नियम के अभिलेखों में उन समयों का उल्लेख किया गया है जब परमेश्वर ने इस्राएल के पुरूषों की गिनती करने का आदेश दिया था जैसे जब इस्राएलियों ने मिस्र से पलायन किया था और दूसरी बार जब वे कनान में प्रवेश करने पर थे।
- जनगणना का उद्देश्य प्रायः यह होता था कि कर भुगतान करने के लिए मनुष्यों की संख्या ज्ञात हो।
- उदाहरणार्थ, निर्गमन की पुस्तक में एक बार पुरुषों की गिनती की गई थी कि प्रत्येक पुरुष मन्दिर के रखरखाव के लिए आधा शेकेल कर दे।
- जब यीशु शिशु ही था तब रोमी प्रशासन ने जनगणना करवाई थी कि अपने संपूर्ण साम्राज्य की जनसंख्या ज्ञात करके कर अनिवार्य किया जाए।

अनुवाद के सुझाव

- इस उक्ति का संभावित अनुवाद हो सकता है, “नाम गिनना” या “नामों की सूचि” या “पंजीकरण”।
- “नाम लिखाई करवाना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जनता के नाम पंजीकृत करना” या “मनुष्यों का पंजीकरण करना” या “मनुष्यों के नाम लिखकर रखना”।

(यह भी देखें: जाति, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:35-37
- निर्गमन 30:11-14
- निर्गमन 38:24-26
- लूका 02:1-3
- गिनती 04:1-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3789, H5674, H5921, H6485, H7218, G582, G583

नाम लिखाई

परिभाषा:

“नाम लिखाई (जनगणना)” किसी देश या साम्राज्य में नागरिकों की औपचारिक गणना करना।

- पुराने नियम के अभिलेखों में उन समयों का उल्लेख किया गया है जब परमेश्वर ने इस्राएल के पुरूषों की गिनती करने का आदेश दिया था जैसे जब इस्राएलियों ने मिस्र से पलायन किया था और दूसरी बार जब वे कनान में प्रवेश करने पर थे।
- जनगणना का उद्देश्य प्रायः यह होता था कि कर भुगतान करने के लिए मनुष्यों की संख्या ज्ञात हो।
- उदाहरणार्थ, निर्गमन की पुस्तक में एक बार पुरुषों की गिनती की गई थी कि प्रत्येक पुरुष मन्दिर के रखरखाव के लिए आधा शेकेल कर दे।
- जब यीशु शिशु ही था तब रोमी प्रशासन ने जनगणना करवाई थी कि अपने संपूर्ण साम्राज्य की जनसंख्या ज्ञात करके कर अनिवार्य किया जाए।

अनुवाद के सुझाव

- इस उक्ति का संभावित अनुवाद हो सकता है, “नाम गिनना” या “नामों की सूचि” या “पंजीकरण”।
- “नाम लिखाई करवाना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जनता के नाम पंजीकृत करना” या “मनुष्यों का पंजीकरण करना” या “मनुष्यों के नाम लिखकर रखना”।

(यह भी देखें: जाति, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:35-37
- निर्गमन 30:11-14
- निर्गमन 38:24-26
- लूका 02:1-3
- गिनती 04:1-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3789, H5674, H5921, H6485, H7218, G582, G583

नामान

तथ्य:

पुराने नियम में नामान अरामी सेना का प्रधान था।

- नामान को एक असाध्य त्वचा रोग कोढ़ थी जो ठीक नहीं हो सकती थी।
- नामान के घर में एक यहूदी दासी थी जिसने उसे सुझाव दिया कि वह रोग-मुक्ति के लिए भविष्यद्वक्ता एलीशा के पास जाए।
- एलीशा ने नामान के पास सन्देश भेज दिया कि वह सात बार यरदन नदी में डुबकी लगाए। नामान ने आज्ञा का पालन किया तो परमेश्वर ने उसे संपूर्ण चंगाई दे दी।
- इसका परिणाम यह हुआ कि नामान एकमात्र सच्चे परमेश्वर, यहोवा में विश्वास करने लगा।
- नामान नाम के दो और पुरुष भी हुए है जो याकूब के पुत्र बिन्यामीन के वंशज थे।

(यह भी देखें: अराम, यरदन नदी, कोढ़ी, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 08:6-7
- 2 राजा 05:1-2
- लूका 04:25-27

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:14** जिनमे से एक चमत्कार नामान नामक व्यक्ति के जीवन में हुआ, वह शत्रुओं का सेनापति था और कोढ़ी था |
- **19:15** पहले तो नामान क्रोधित हुआ, और वह ऐसा नहीं करना चाहता था, क्योंकि उसे यह मूर्खता पूर्ण कार्य लग रहा था | परन्तु शीघ्र ही उसने अपना विचार बदल लिया और यरदन को जाकर उसमे सात बार डुबकी मारी |
- **26:06** लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी ठीक नहीं किया, उसने केवल इस्राएल के दुश्मनों के एक सेनापति, नामान के त्वचा रोग को चंगा किया।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5283, G3497

नाश करना, विनाश, नाश करनेवाला, सत्यानाश करना

परिभाषा:

"नष्ट करना," इस उक्ति का अर्थ है, किसी वास्तु को पूर्णतः ध्वंस कर देना कि उसका अस्तित्व ही मिट जाए। "नाश करनेवाला" अर्थात "विनाश ढाने वाला मनुष्य"।

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्यों का नाश करनेवालों के लिए काम में लिया गया है, जैसे आक्रमण करने वाली सेना।
- जब परमेश्वर ने मिस्र के एक पहिलौठों को मार डालने के लिए स्वर्गदूत भेजा था तब उस स्वर्गदूत को "पहिलौठे का नाश करनेवाला कहा गया है" इसका अनुवाद हो सकता है, "वह स्वर्गदूत जिसने पहिलौठे पुत्रों का नाश किया"।
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में अन्त समय के संबन्ध में शैतान या किसी दुष्टात्मा को "नाश करनेवाला" कहा गया है। वही "नाश करने वाला" है क्योंकि उसका उद्देश्य परमेश्वर द्वारा सृजित सब वस्तुओं का नाश करना है।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, मिस्र, पहलौठे, फ़सह)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 12:23
- इब्रानियों 11:28
- यिर्मयाह 06:26
- न्यायियों16:24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6, H7, h622, H398, H1104, H1197, H1820, H1826, H1942,H2000, H2015, H2026, H2040, H2254, H2255, H2717, H2718, H2763, H2764, H3238, H3341, H3381, H3423, H3582, H3615, H3617, H3772, H3807,H4191, H4229, H4591, H4658, H4889, H5218, H5221, H5307, H5362, H5420,H5422, H5428, H5595, H5642, H6365, H6789, H6979, H7665, H7667, H7703, H7722, H7760, H7843, H7921, H8045, H8074, H8077, H8316, H8552, G355, G396, G622, G853, G1311, G1842, G2049, G2506, G2507, G2647, G2673, G2704, G3089, G3645, G4199, G5351, G5356

नाश किया, नाश करे, काटकर

परिभाषा:

"काटा जाए" एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, मूल समुदाय से अलग किया जाना, देश निकाला देना, या संबन्ध विच्छेद कर देना। इसका संदर्भ पाप के दण्ड के परमेश्वर के कार्य द्वारा घात किया जाना।

- पुराने नियम में परमेश्वर की आज्ञाएं नहीं मानने का परिणाम होता था काटा जाना या परमेश्वर की प्रजा या उसकी उपस्थिति से अलग कर दिया जाना।
- परमेश्वर ने यह भी कहा था कि वह अन्य जातियों को "नाश किया" या नष्ट कर देगा क्योंकि वे उसकी उपासना नहीं करते थे न ही उसकी आज्ञा का पालन करते थे वरन् वे इस्राएल के शत्रु थे।

- “नाश किया” परमेश्वर द्वारा नदी के प्रवाह को रोकने के संदर्भ में भी काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “काट दिया जाए” का अनुवाद हो सकता है, “देश से निकाल दिया जाए”, या “दूर भेज दिया जाए” या “विच्छेदित कर दिया जाए” या “मार डाला जाए” या “नष्ट कर दिया जाए”।
- प्रकरण के अनुसार “काट देना” का अनुवाद किया जा सकता है, “नष्ट करना” या “दूर कर देना” या “विच्छेदित करना” या “नाश करना”।
- प्रवाहित जल काट देने का अनुवाद हो सकता है, “रोक देना” या “जल प्रवाह रोक देना” या “जल विभाजित कर देना”।
- चाकू द्वारा किसी वस्तु को काटने का अर्थ इस शब्द के प्रतीकात्मक अनुवादों से सर्वथा भिन्न होना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 17:12-14
- न्यायियों 21:6-7
- नीतिवचन 23:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: G609, G851, G1581, G2407, G5257, H1214, H1219, H1438, H1468, H1494, H1504, H1629, H1820, H1824, H1826, H2498, H2686, H3582, H3772, H5243, H5352, H6202, H6789, H6990, H7082, H7088, H7096, H7112, H7113

नाश किया, नाश करे, काटकर

परिभाषा:

“काटा जाए” एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, मूल समुदाय से अलग किया जाना, देश निकाला देना, या संबन्ध विच्छेद कर देना। इसका संदर्भ पाप के दण्ड के परमेश्वर के कार्य द्वारा घात किया जाना।

- पुराने नियम में परमेश्वर की आज्ञाएं नहीं मानने का परिणाम होता था काटा जाना या परमेश्वर की प्रजा या उसकी उपस्थिति से अलग कर दिया जाना।
- परमेश्वर ने यह भी कहा था कि वह अन्य जातियों को “नाश किया” या नष्ट कर देगा क्योंकि वे उसकी उपासना नहीं करते थे न ही उसकी आज्ञा का पालन करते थे वरन् वे इस्राएल के शत्रु थे।
- “नाश किया” परमेश्वर द्वारा नदी के प्रवाह को रोकने के संदर्भ में भी काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “काट दिया जाए” का अनुवाद हो सकता है, “देश से निकाल दिया जाए”, या “दूर भेज दिया जाए” या “विच्छेदित कर दिया जाए” या “मार डाला जाए” या “नष्ट कर दिया जाए”।
- प्रकरण के अनुसार “काट देना” का अनुवाद किया जा सकता है, “नष्ट करना” या “दूर कर देना” या “विच्छेदित करना” या “नाश करना”।
- प्रवाहित जल काट देने का अनुवाद हो सकता है, “रोक देना” या “जल प्रवाह रोक देना” या “जल विभाजित कर देना”।
- चाकू द्वारा किसी वस्तु को काटने का अर्थ इस शब्द के प्रतीकात्मक अनुवादों से सर्वथा भिन्न होना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 17:12-14
- न्यायियों 21:6-7
- नीतिवचन 23:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: G609, G851, G1581, G2407, G5257, H1214, H1219, H1438, H1468, H1494, H1504, H1629, H1820, H1824, H1826, H2498, H2686, H3582, H3772, H5243, H5352, H6202, H6789, H6990, H7082, H7088, H7096, H7112, H7113

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

नाश किया, नाश करे, काटकर

परिभाषा:

“काटा जाए” एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, मूल समुदाय से अलग किया जाना, देश निकाला देना, या संबन्ध विच्छेद कर देना। इसका संदर्भ पाप के दण्ड के परमेश्वर के कार्य द्वारा घात किया जाना।

- पुराने नियम में परमेश्वर की आज्ञाएं नहीं मानने का परिणाम होता था काटा जाना या परमेश्वर की प्रजा या उसकी उपस्थिति से अलग कर दिया जाना।
- परमेश्वर ने यह भी कहा था कि वह अन्य जातियों को “नाश किया” या नष्ट कर देगा क्योंकि वे उसकी उपासना नहीं करते थे न ही उसकी आज्ञा का पालन करते थे वरन् वे इस्राएल के शत्रु थे।
- “नाश किया” परमेश्वर द्वारा नदी के प्रवाह को रोकने के संदर्भ में भी काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “काट दिया जाए” का अनुवाद हो सकता है, “देश से निकाल दिया जाए”, या “दूर भेज दिया जाए” या “विच्छेदित कर दिया जाए” या “मार डाला जाए” या “नष्ट कर दिया जाए”।
- प्रकरण के अनुसार “काट देना” का अनुवाद किया जा सकता है, “नष्ट करना” या “दूर कर देना” या “विच्छेदित करना” या “नाश करना”।
- प्रवाहित जल काट देने का अनुवाद हो सकता है, “रोक देना” या “जल प्रवाह रोक देना” या “जल विभाजित कर देना”।
- चाकू द्वारा किसी वस्तु को काटने का अर्थ इस शब्द के प्रतीकात्मक अनुवादों से सर्वथा भिन्न होना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 17:12-14
- न्यायियों 21:6-7
- नीतिवचन 23:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: G609, G851, G1581, G2407, G5257, H1214, H1219, H1438, H1468, H1494, H1504, H1629, H1820, H1824, H1826, H2498, H2686, H3582, H3772, H5243, H5352, H6202, H6789, H6990, H7082, H7088, H7096, H7112, H7113

नाश किया, नाश करे, काटकर

परिभाषा:

“काटा जाए” एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, मूल समुदाय से अलग किया जाना, देश निकाला देना, या संबन्ध विच्छेद कर देना। इसका संदर्भ पाप के दण्ड के परमेश्वर के कार्य द्वारा घात किया जाना।

- पुराने नियम में परमेश्वर की आज्ञाएं नहीं मानने का परिणाम होता था काटा जाना या परमेश्वर की प्रजा या उसकी उपस्थिति से अलग कर दिया जाना।
- परमेश्वर ने यह भी कहा था कि वह अन्य जातियों को “नाश किया” या नष्ट कर देगा क्योंकि वे उसकी उपासना नहीं करते थे न ही उसकी आज्ञा का पालन करते थे वरन् वे इस्राएल के शत्रु थे।
- “नाश किया” परमेश्वर द्वारा नदी के प्रवाह को रोकने के संदर्भ में भी काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “काट दिया जाए” का अनुवाद हो सकता है, “देश से निकाल दिया जाए”, या “दूर भेज दिया जाए” या “विच्छेदित कर दिया जाए” या “मार डाला जाए” या “नष्ट कर दिया जाए”।
- प्रकरण के अनुसार “काट देना” का अनुवाद किया जा सकता है, “नष्ट करना” या “दूर कर देना” या “विच्छेदित करना” या “नाश करना”।
- प्रवाहित जल काट देने का अनुवाद हो सकता है, “रोक देना” या “जल प्रवाह रोक देना” या “जल विभाजित कर देना”।
- चाकू द्वारा किसी वस्तु को काटने का अर्थ इस शब्द के प्रतीकात्मक अनुवादों से सर्वथा भिन्न होना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 17:12-14
- न्यायियों 21:6-7
- नीतिवचन 23:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: G609, G851, G1581, G2407, G5257, H1214, H1219, H1438, H1468, H1494, H1504, H1629, H1820, H1824, H1826, H2498, H2686, H3582, H3772, H5243, H5352, H6202, H6789, H6990, H7082, H7088, H7096, H7112, H7113

नाश किया, नाश करे, काटकर

परिभाषा:

"काटा जाए" एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, मूल समुदाय से अलग किया जाना, देश निकाला देना, या संबन्ध विच्छेद कर देना। इसका संदर्भ पाप के दण्ड के परमेश्वर के कार्य द्वारा घात किया जाना।

- पुराने नियम में परमेश्वर की आज्ञाएं नहीं मानने का परिणाम होता था काटा जाना या परमेश्वर की प्रजा या उसकी उपस्थिति से अलग कर दिया जाना।
- परमेश्वर ने यह भी कहा था कि वह अन्य जातियों को "नाश किया" या नष्ट कर देगा क्योंकि वे उसकी उपासना नहीं करते थे न ही उसकी आज्ञा का पालन करते थे वरन् वे इस्राएल के शत्रु थे।
- "नाश किया" परमेश्वर द्वारा नदी के प्रवाह को रोकने के संदर्भ में भी काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- "काट दिया जाए" का अनुवाद हो सकता है, "देश से निकाल दिया जाए", या "दूर भेज दिया जाए" या "विच्छेदित कर दिया जाए" या "मार डाला जाए" या "नष्ट कर दिया जाए"।
- प्रकरण के अनुसार "काट देना" का अनुवाद किया जा सकता है, "नष्ट करना" या "दूर कर देना" या "विच्छेदित करना" या "नाश करना"।
- प्रवाहित जल काट देने का अनुवाद हो सकता है, "रोक देना" या "जल प्रवाह रोक देना" या "जल विभाजित कर देना"।
- चाकू द्वारा किसी वस्तु को काटने का अर्थ इस शब्द के प्रतीकात्मक अनुवादों से सर्वथा भिन्न होना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 17:12-14
- न्यायियों 21:6-7
- नीतिवचन 23:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: G609, G851, G1581, G2407, G5257, H1214, H1219, H1438, H1468, H1494, H1504, H1629, H1820, H1824, H1826, H2498, H2686, H3582, H3772, H5243, H5352, H6202, H6789, H6990, H7082, H7088, H7096, H7112, H7113

नाश किया, नाश करे, काटकर

परिभाषा:

"काटा जाए" एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, मूल समुदाय से अलग किया जाना, देश निकाला देना, या संबन्ध विच्छेद कर देना। इसका संदर्भ पाप के दण्ड के परमेश्वर के कार्य द्वारा घात किया जाना।

- पुराने नियम में परमेश्वर की आज्ञाएं नहीं मानने का परिणाम होता था काटा जाना या परमेश्वर की प्रजा या उसकी उपस्थिति से अलग कर दिया जाना।
- परमेश्वर ने यह भी कहा था कि वह अन्य जातियों को "नाश किया" या नष्ट कर देगा क्योंकि वे उसकी उपासना नहीं करते थे न ही उसकी आज्ञा का पालन करते थे वरन् वे इस्राएल के शत्रु थे।
- "नाश किया" परमेश्वर द्वारा नदी के प्रवाह को रोकने के संदर्भ में भी काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- "काट दिया जाए" का अनुवाद हो सकता है, "देश से निकाल दिया जाए", या "दूर भेज दिया जाए" या "विच्छेदित कर दिया जाए" या "मार डाला जाए" या "नष्ट कर दिया जाए"।
- प्रकरण के अनुसार "काट देना" का अनुवाद किया जा सकता है, "नष्ट करना" या "दूर कर देना" या "विच्छेदित करना" या "नाश करना"।
- प्रवाहित जल काट देने का अनुवाद हो सकता है, "रोक देना" या "जल प्रवाह रोक देना" या "जल विभाजित कर देना"।
- चाकू द्वारा किसी वस्तु को काटने का अर्थ इस शब्द के प्रतीकात्मक अनुवादों से सर्वथा भिन्न होना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 17:12-14
- न्यायियों 21:6-7
- नीतिवचन 23:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: G609, G851, G1581, G2407, G5257, H1214, H1219, H1438, H1468, H1494, H1504, H1629, H1820, H1824, H1826, H2498, H2686, H3582, H3772, H5243, H5352, H6202, H6789, H6990, H7082, H7088, H7096, H7112, H7113

नासरत, नासरियों

तथ्य:

नासरत उत्तरी इस्राएल के गलील क्षेत्र में एक नगर है। * वह यरूशलेम के उत्तर में लगभग 100 मील दूर है। इसकी पद-यात्रा में तीन से पांच दिन लगते हैं।

- यूसुफ और मरियम नासरतवासी थे और यीशु का पालन-पोषण वहीं हुआ था। यही कारण है कि यीशु को “नासरी” कहते थे।
- नासरत के अनेक यहूदी यीशु की शिक्षाओं को स्वीकार नहीं करते थे क्योंकि वह उनके साथ पला-बड़ा था इसलिए वे उसे एक साधारण मनुष्य मानते थे।
- एक बार यीशु नासरत के आराधनालय में शिक्षा दे रहा था तब वहां के यहूदियों ने उसे मार डालना चाहा क्योंकि उसने मसीह होने का दावा किया और उनके द्वारा उसके परित्याग के लिए उन्हें झिड़का था।
- जब नतनएल ने सुना कि यीशु नासरत से है तब उसकी टिप्पणी से प्रकट होता है कि उस नगर की प्रतिष्ठा नहीं थी।

(यह भी देखें: मसीह, गलील, यूसुफ (नया नियम), मरियम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:9-11
- यूहन्ना 01:43-45
- लूका 01:26-29
- मरकुस 16:5-7
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 21:9-11
- मत्ती 26:71-72

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** अत: यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया |
- **26:02** यीशु नासरत शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था |
- **26:07** नासरत के लोगों ने आराधना के स्थान से यीशु को बाहर घसीटा और उसे मारने की मनसा से चट्टान के किनारे ले आए, कि उसे वहाँ से नीचे गिरा दें |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3478, G3479, G3480

नासरत, नासरियों

तथ्य:

नासरत उत्तरी इस्राएल के गलील क्षेत्र में एक नगर है। * वह यरूशलेम के उत्तर में लगभग 100 मील दूर है। इसकी पद-यात्रा में तीन से पांच दिन लगते हैं।

- यूसुफ और मरियम नासरतवासी थे और यीशु का पालन-पोषण वहीं हुआ था। यही कारण है कि यीशु को “नासरी” कहते थे।
- नासरत के अनेक यहूदी यीशु की शिक्षाओं को स्वीकार नहीं करते थे क्योंकि वह उनके साथ पला-बड़ा था इसलिए वे उसे एक साधारण मनुष्य मानते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- एक बार यीशु नासरत के आराधनालय में शिक्षा दे रहा था तब वहां के यहूदियों ने उसे मार डालना चाहा क्योंकि उसने मसीह होने का दावा किया और उनके द्वारा उसके परित्याग के लिए उन्हें झिड़का था।
- जब नतनएल ने सुना कि यीशु नासरत से है तब उसकी टिप्पणी से प्रकट होता है कि उस नगर की प्रतिष्ठा नहीं थी।

(यह भी देखें: मसीह, गलील, यूसुफ (नया नियम), मरियम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:9-11
- यूहन्ना 01:43-45
- लूका 01:26-29
- मरकुस 16:5-7
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 21:9-11
- मत्ती 26:71-72

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** अत: यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया |
- **26:02** यीशु नासरत शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था |
- **26:07** नासरत के लोगों ने आराधना के स्थान से यीशु को बाहर घसीटा और उसे मारने की मनसा से चट्टान के किनारे ले आए, कि उसे वहाँ से नीचे गिरा दें |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3478, G3479, G3480

नासरत, नासरियों

तथ्य:

नासरत उत्तरी इस्राएल के गलील क्षेत्र में एक नगर है। * वह यरूशलेम के उत्तर में लगभग 100 मील दूर है। इसकी पद-यात्रा में तीन से पांच दिन लगते हैं।

- यूसुफ और मरियम नासरतवासी थे और यीशु का पालन-पोषण वहीं हुआ था। यही कारण है कि यीशु को “नासरी” कहते थे।
- नासरत के अनेक यहूदी यीशु की शिक्षाओं को स्वीकार नहीं करते थे क्योंकि वह उनके साथ पला-बड़ा था इसलिए वे उसे एक साधारण मनुष्य मानते थे।
- एक बार यीशु नासरत के आराधनालय में शिक्षा दे रहा था तब वहां के यहूदियों ने उसे मार डालना चाहा क्योंकि उसने मसीह होने का दावा किया और उनके द्वारा उसके परित्याग के लिए उन्हें झिड़का था।
- जब नतनएल ने सुना कि यीशु नासरत से है तब उसकी टिप्पणी से प्रकट होता है कि उस नगर की प्रतिष्ठा नहीं थी।

(यह भी देखें: मसीह, गलील, यूसुफ (नया नियम), मरियम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:9-11
- यूहन्ना 01:43-45
- लूका 01:26-29
- मरकुस 16:5-7
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 21:9-11
- मत्ती 26:71-72

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** अत: यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया |
- **26:02** यीशु नासरत शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था |

- **26:07** नासरत के लोगों ने आराधना के स्थान से यीशु को बाहर घसीटा और उसे मारने की मनसा से चट्टान के किनारे ले आए, कि उसे वहाँ से नीचे गिरा दें |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3478, G3479, G3480

नासरत, नासरियों

तथ्य:

नासरत उत्तरी इस्राएल के गलील क्षेत्र में एक नगर है। * वह यरूशलेम के उत्तर में लगभग 100 मील दूर है। इसकी पद-यात्रा में तीन से पांच दिन लगते हैं।

- यूसुफ और मरियम नासरतवासी थे और यीशु का पालन-पोषण वहीं हुआ था। यही कारण है कि यीशु को “नासरी” कहते थे।
- नासरत के अनेक यहूदी यीशु की शिक्षाओं को स्वीकार नहीं करते थे क्योंकि वह उनके साथ पला-बड़ा था इसलिए वे उसे एक साधारण मनुष्य मानते थे।
- एक बार यीशु नासरत के आराधनालय में शिक्षा दे रहा था तब वहां के यहूदियों ने उसे मार डालना चाहा क्योंकि उसने मसीह होने का दावा किया और उनके द्वारा उसके परित्याग के लिए उन्हें झिड़का था।
- जब नतनएल ने सुना कि यीशु नासरत से है तब उसकी टिप्पणी से प्रकट होता है कि उस नगर की प्रतिष्ठा नहीं थी।

(यह भी देखें: मसीह, गलील, यूसुफ (नया नियम), मरियम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:9-11
- यूहन्ना 01:43-45
- लूका 01:26-29
- मरकुस 16:5-7
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 21:9-11
- मत्ती 26:71-72

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** अत: यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया |
- **26:02** यीशु नासरत शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था |
- **26:07** नासरत के लोगों ने आराधना के स्थान से यीशु को बाहर घसीटा और उसे मारने की मनसा से चट्टान के किनारे ले आए, कि उसे वहाँ से नीचे गिरा दें |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3478, G3479, G3480

नाहोर

तथ्य:

नाहोर अब्राहम के दो परिजनों का नाम था, उसका दादा और उसका भाई।

- अब्राहम का भाई नाहोर इसहाक की पत्नी रिबका का दादा था।
- “नाहोर नगर” अर्थात “नाहोर नामक नगर” या “वह नगर जहां नाहोर रहता था” या “नाहोर का नगर”

(यह भी देखें: अब्राहम, रिबका)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:24-27
- उत्पत्ति 31:51-53

- यहोशू 24:1-2
- लूका 03:33-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5152, G3493

निडर, निडर होकर, साहस, साहसी

परिभाषा:

इन शब्दों का संदर्भ कठिन एवं जोखिम भरी स्थिति में सत्य बोलने और उचित काम करने में साहस और आत्मविश्वास से है।

- "निडर" मनुष्य उचित एवं अच्छी बात कहने तथा दुर्व्यवहार सहनेवालों को बचाने में निर्भीक रहता है। इसका अनुवाद "साहसी" या "निर्भीक" भी हो सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सार्वजनिक स्थानों में यीशु की चर्चा करने में निडर थे चाहे उन पर बन्दीगृह में डालने या हत्या का संकट था। इसका अनुवाद, "आत्मविश्वास के साथ" या "प्रबल साहस के साथ" या "साहसपूर्वक" हो सकता है।
- इन आरंभिक शिष्यों द्वारा मसीह की क्रूस पर मृत्यु के द्वारा उद्धार का शुभ सन्देश सुनाने में "निडर" रहने का परिणाम यह हुआ कि यीशु का शुभ सन्देश इस्राएल और आसपास के देशों में और अन्ततः संपूर्ण संसार में फैल गया। "निडर" का अनुवाद, "आत्म बल का साहस" हो सकता है।

(यह भी देखें: भरोसा, शुभ समाचार, छुड़ा ले)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:27-29
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:1-2
- 2 कुरिन्थियों 03:12-13
- प्रे.का. 04:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H4834, H5797, G662, G2292, G3618, G3954, G3955, G5111, G5112

निडर, निडर होकर, साहस, साहसी

परिभाषा:

इन शब्दों का संदर्भ कठिन एवं जोखिम भरी स्थिति में सत्य बोलने और उचित काम करने में साहस और आत्मविश्वास से है।

- "निडर" मनुष्य उचित एवं अच्छी बात कहने तथा दुर्व्यवहार सहनेवालों को बचाने में निर्भीक रहता है। इसका अनुवाद "साहसी" या "निर्भीक" भी हो सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सार्वजनिक स्थानों में यीशु की चर्चा करने में निडर थे चाहे उन पर बन्दीगृह में डालने या हत्या का संकट था। इसका अनुवाद, "आत्मविश्वास के साथ" या "प्रबल साहस के साथ" या "साहसपूर्वक" हो सकता है।
- इन आरंभिक शिष्यों द्वारा मसीह की क्रूस पर मृत्यु के द्वारा उद्धार का शुभ सन्देश सुनाने में "निडर" रहने का परिणाम यह हुआ कि यीशु का शुभ सन्देश इस्राएल और आसपास के देशों में और अन्ततः संपूर्ण संसार में फैल गया। "निडर" का अनुवाद, "आत्म बल का साहस" हो सकता है।

(यह भी देखें: भरोसा, शुभ समाचार, छुड़ा ले)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:27-29
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:1-2
- 2 कुरिन्थियों 03:12-13
- प्रे.का. 04:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H4834, H5797, G662, G2292, G3618, G3954, G3955, G5111, G5112

निडर, निडर होकर, साहस, साहसी

परिभाषा:

इन शब्दों का संदर्भ कठिन एवं जोखिम भरी स्थिति में सत्य बोलने और उचित काम करने में साहस और आत्मविश्वास से है।

- "निडर" मनुष्य उचित एवं अच्छी बात कहने तथा दुर्व्यवहार सहनेवालों को बचाने में निर्भीक रहता है। इसका अनुवाद "साहसी" या "निर्भीक" भी हो सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सार्वजनिक स्थानों में यीशु की चर्चा करने में निडर थे चाहे उन पर बन्दीगृह में डालने या हत्या का संकट था। इसका अनुवाद, "आत्मविश्वास के साथ" या "प्रबल साहस के साथ" या "साहसपूर्वक" हो सकता है।
- इन आरंभिक शिष्यों द्वारा मसीह की क्रूस पर मृत्यु के द्वारा उद्धार का शुभ सन्देश सुनाने में "निडर" रहने का परिणाम यह हुआ कि यीशु का शुभ सन्देश इस्राएल और आसपास के देशों में और अन्ततः संपूर्ण संसार में फैल गया। "निडर" का अनुवाद, "आत्म बल का साहस" हो सकता है।

(यह भी देखें: भरोसा, शुभ समाचार, छुड़ा ले)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:27-29
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:1-2
- 2 कुरिन्थियों 03:12-13
- प्रे.का. 04:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H4834, H5797, G662, G2292, G3618, G3954, G3955, G5111, G5112

निडर, निडर होकर, साहस, साहसी

परिभाषा:

इन शब्दों का संदर्भ कठिन एवं जोखिम भरी स्थिति में सत्य बोलने और उचित काम करने में साहस और आत्मविश्वास से है।

- "निडर" मनुष्य उचित एवं अच्छी बात कहने तथा दुर्व्यवहार सहनेवालों को बचाने में निर्भीक रहता है। इसका अनुवाद "साहसी" या "निर्भीक" भी हो सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सार्वजनिक स्थानों में यीशु की चर्चा करने में निडर थे चाहे उन पर बन्दीगृह में डालने या हत्या का संकट था। इसका अनुवाद, "आत्मविश्वास के साथ" या "प्रबल साहस के साथ" या "साहसपूर्वक" हो सकता है।
- इन आरंभिक शिष्यों द्वारा मसीह की क्रूस पर मृत्यु के द्वारा उद्धार का शुभ सन्देश सुनाने में "निडर" रहने का परिणाम यह हुआ कि यीशु का शुभ सन्देश इस्राएल और आसपास के देशों में और अन्ततः संपूर्ण संसार में फैल गया। "निडर" का अनुवाद, "आत्म बल का साहस" हो सकता है।

(यह भी देखें: भरोसा, शुभ समाचार, छुड़ा ले)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:27-29
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:1-2
- 2 कुरिन्थियों 03:12-13
- प्रे.का. 04:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H4834, H5797, G662, G2292, G3618, G3954, G3955, G5111, G5112

निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

परिभाषा:

बाइबल में “निन्दा” शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की “निन्दा” शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे “मानहानि” (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “निन्दा” का अनुवाद किया जा सकता है, “किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना” या “परमेश्वर का अपमान करना” या “मानहानि करना”
- “निन्दा” के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना” या “मानहानि करना” या “झूठी अफवाह उड़ाना”।

(यह भी देखें: निरादर, बदनामी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- प्रे.का. 06:10-11
- प्रे.का. 26:9-11
- याकूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूका 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- भजन संहिता 074:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

परिभाषा:

बाइबल में “निन्दा” शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की “निन्दा” शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे “मानहानि” (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “निन्दा” का अनुवाद किया जा सकता है, “किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना” या “परमेश्वर का अपमान करना” या “मानहानि करना”
- “निन्दा” के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना” या “मानहानि करना” या “झूठी अफवाह उड़ाना”।

(यह भी देखें: निरादर, बदनामी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- प्रे.का. 06:10-11

- प्रे.का. 26:9-11
- याकूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूका 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- भजन संहिता 074:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

परिभाषा:

बाइबल में "निन्दा" शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की "निन्दा" शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे "मानहानि" (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "निन्दा" का अनुवाद किया जा सकता है, "किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना" या "परमेश्वर का अपमान करना" या "मानहानि करना"
- "निन्दा" के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना" या "मानहानि करना" या "झूठी अफवाह उड़ाना"।

(यह भी देखें: निरादर, बदनामी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- प्रे.का. 06:10-11
- प्रे.का. 26:9-11
- याकूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूका 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- भजन संहिता 074:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

परिभाषा:

बाइबल में "निन्दा" शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की "निन्दा" शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।

- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे “मानहानि” (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “निन्दा” का अनुवाद किया जा सकता है, “किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना” या “परमेश्वर का अपमान करना” या “मानहानि करना”
- “निन्दा” के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना” या “मानहानि करना” या “झूठी अफवाह उड़ाना”।

(यह भी देखें: निरादर, बदनामी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- प्रे.का. 06:10-11
- प्रे.का. 26:9-11
- याकूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूका 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- भजन संहिता 074:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

परिभाषा:

बाइबल में “निन्दा” शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की “निन्दा” शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे “मानहानि” (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “निन्दा” का अनुवाद किया जा सकता है, “किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना” या “परमेश्वर का अपमान करना” या “मानहानि करना”
- “निन्दा” के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना” या “मानहानि करना” या “झूठी अफवाह उड़ाना”।

(यह भी देखें: निरादर, बदनामी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- प्रे.का. 06:10-11
- प्रे.का. 26:9-11
- याकूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूका 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- भजन संहिता 074:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

परिभाषा:

बाइबल में "निन्दा" शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की "निन्दा" शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे "मानहानि" (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "निन्दा" का अनुवाद किया जा सकता है, "किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना" या "परमेश्वर का अपमान करना" या "मानहानि करना"
- "निन्दा" के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना" या "मानहानि करना" या "झूठी अफवाह उड़ाना"।

(यह भी देखें: निरादर, बदनामी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- प्रे.का. 06:10-11
- प्रे.का. 26:9-11
- याकूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूका 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- भजन संहिता 074:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

परिभाषा:

बाइबल में "निन्दा" शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की "निन्दा" शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे "मानहानि" (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "निन्दा" का अनुवाद किया जा सकता है, "किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना" या "परमेश्वर का अपमान करना" या "मानहानि करना"
- "निन्दा" के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना" या "मानहानि करना" या "झूठी अफवाह उड़ाना"।

(यह भी देखें: निरादर, बदनामी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- प्रे.का. 06:10-11
- प्रे.का. 26:9-11
- याकूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूका 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- भजन संहिता 074:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

परिभाषा:

बाइबल में "निन्दा" शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की "निन्दा" शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे "मानहानि" (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "निन्दा" का अनुवाद किया जा सकता है, "किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना" या "परमेश्वर का अपमान करना" या "मानहानि करना"
- "निन्दा" के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना" या "मानहानि करना" या "झूठी अफवाह उड़ाना"।

(यह भी देखें: निरादर, बदनामी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- प्रे.का. 06:10-11
- प्रे.का. 26:9-11
- याकूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूका 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- भजन संहिता 074:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

परिभाषा:

बाइबल में “निन्दा” शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की “निन्दा” शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे “मानहानि” (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “निन्दा” का अनुवाद किया जा सकता है, “किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना” या “परमेश्वर का अपमान करना” या “मानहानि करना”
- “निन्दा” के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना” या “मानहानि करना” या “झूठी अफवाह उड़ाना”।

(यह भी देखें: निरादर, बदनामी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- प्रे.का. 06:10-11
- प्रे.का. 26:9-11
- याकूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूका 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- भजन संहिता 074:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

परिभाषा:

बाइबल में “निन्दा” शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की “निन्दा” शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे “मानहानि” (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “निन्दा” का अनुवाद किया जा सकता है, “किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना” या “परमेश्वर का अपमान करना” या “मानहानि करना”
- “निन्दा” के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना” या “मानहानि करना” या “झूठी अफवाह उड़ाना”।

(यह भी देखें: निरादर, बदनामी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- प्रे.का. 06:10-11

- प्रे.का. 26:9-11
- याकूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूका 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- भजन संहिता 074:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

परिभाषा:

बाइबल में "निन्दा" शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की "निन्दा" शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे "मानहानि" (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "निन्दा" का अनुवाद किया जा सकता है, "किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना" या "परमेश्वर का अपमान करना" या "मानहानि करना"
- "निन्दा" के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना" या "मानहानि करना" या "झूठी अफवाह उड़ाना"।

(यह भी देखें: निरादर, बदनामी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- प्रे.का. 06:10-11
- प्रे.का. 26:9-11
- याकूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूका 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- भजन संहिता 074:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

परिभाषा:

बाइबल में "निन्दा" शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की "निन्दा" शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।

- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे “मानहानि” (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “निन्दा” का अनुवाद किया जा सकता है, “किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना” या “परमेश्वर का अपमान करना” या “मानहानि करना”
- “निन्दा” के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना” या “मानहानि करना” या “झूठी अफवाह उड़ाना”।

(यह भी देखें: निरादर, बदनामी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- प्रे.का. 06:10-11
- प्रे.का. 26:9-11
- याकूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूका 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- भजन संहिता 074:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

परिभाषा:

बाइबल में “निन्दा” शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की “निन्दा” शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे “मानहानि” (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “निन्दा” का अनुवाद किया जा सकता है, “किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना” या “परमेश्वर का अपमान करना” या “मानहानि करना”
- “निन्दा” के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना” या “मानहानि करना” या “झूठी अफवाह उड़ाना”।

(यह भी देखें: निरादर, बदनामी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- प्रे.का. 06:10-11
- प्रे.का. 26:9-11
- याकूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूका 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- भजन संहिता 074:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

परिभाषा:

बाइबल में "निन्दा" शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की "निन्दा" शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे "मानहानि" (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "निन्दा" का अनुवाद किया जा सकता है, "किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना" या "परमेश्वर का अपमान करना" या "मानहानि करना"
- "निन्दा" के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना" या "मानहानि करना" या "झूठी अफवाह उड़ाना"।

(यह भी देखें: निरादर, बदनामी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- प्रे.का. 06:10-11
- प्रे.का. 26:9-11
- याकूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूका 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- भजन संहिता 074:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

परिभाषा:

बाइबल में "निन्दा" शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की "निन्दा" शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे "मानहानि" (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "निन्दा" का अनुवाद किया जा सकता है, "किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना" या "परमेश्वर का अपमान करना" या "मानहानि करना"
- "निन्दा" के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना" या "मानहानि करना" या "झूठी अफवाह उड़ाना"।

(यह भी देखें: निरादर, बदनामी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- प्रे.का. 06:10-11
- प्रे.का. 26:9-11
- याकूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूका 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- भजन संहिता 074:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

परिभाषा:

बाइबल में "निन्दा" शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की "निन्दा" शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे "मानहानि" (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "निन्दा" का अनुवाद किया जा सकता है, "किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना" या "परमेश्वर का अपमान करना" या "मानहानि करना"
- "निन्दा" के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना" या "मानहानि करना" या "झूठी अफवाह उड़ाना"।

(यह भी देखें: निरादर, बदनामी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- प्रे.का. 06:10-11
- प्रे.का. 26:9-11
- याकूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूका 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- भजन संहिता 074:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
- युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:3-4
- प्रे.का. 02:34-36
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 39:13-15
- लूका 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका मजाक उड़ाया |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
- युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:3-4
- प्रे.का. 02:34-36
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 39:13-15
- लूका 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका मजाक उड़ाया |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
- युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:3-4
- प्रे.का. 02:34-36
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 39:13-15
- लूका 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।

- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका मजाक उड़ाया |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
- युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:3-4
- प्रे.का. 02:34-36
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 39:13-15
- लूका 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका मजाक उड़ाया |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
- युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:3-4
- प्रे.का. 02:34-36
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 39:13-15
- लूका 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका मजाक उड़ाया |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
- युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:3-4
- प्रे.का. 02:34-36
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 39:13-15
- लूका 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका मजाक उड़ाया |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
- युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:3-4
- प्रे.का. 02:34-36
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 39:13-15
- लूका 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।

- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका मजाक उड़ाया |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
- युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:3-4
- प्रे.का. 02:34-36
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 39:13-15
- लूका 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका मजाक उड़ाया |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
- युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:3-4
- प्रे.का. 02:34-36
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 39:13-15
- लूका 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका मजाक उड़ाया |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
- युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:3-4
- प्रे.का. 02:34-36
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 39:13-15
- लूका 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका मजाक उड़ाया |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
- युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:3-4
- प्रे.का. 02:34-36
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 39:13-15
- लूका 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।

- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका मजाक उड़ाया |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
- युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:3-4
- प्रे.का. 02:34-36
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 39:13-15
- लूका 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका मजाक उड़ाया |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
- युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:3-4
- प्रे.का. 02:34-36
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 39:13-15
- लूका 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका मजाक उड़ाया |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
- युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:3-4
- प्रे.का. 02:34-36
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 39:13-15
- लूका 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका मजाक उड़ाया |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
- युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:3-4
- प्रे.का. 02:34-36
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 39:13-15
- लूका 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।

- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका मजाक उड़ाया |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
- युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:3-4
- प्रे.का. 02:34-36
- गलातियों 06:6-8
- उत्पत्ति 39:13-15
- लूका 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका मजाक उड़ाया |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |
- **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मज़ाक उड़ा रहे थे यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

- मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
- शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: दोष, झिड़कना, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यिर्मयाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- नीतिवचन 18:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

- मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
- शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: दोष, झिड़कना, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यिर्मयाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- नीतिवचन 18:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

- मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
- शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: दोष, झिड़कना, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यिर्मयाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- नीतिवचन 18:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

- मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
- शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: दोष, झिड़कना, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यिर्मयाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- नीतिवचन 18:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

- मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
- शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: दोष, झिड़कना, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यिर्मयाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- नीतिवचन 18:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

- मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
- शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: दोष, झिड़कना, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यिर्मयाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- नीतिवचन 18:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

- मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
- शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: दोष, झिड़कना, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यिर्मयाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- नीतिवचन 18:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

- मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
- शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: दोष, झिड़कना, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यिर्मयाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- नीतिवचन 18:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

- मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
- शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: दोष, झिड़कना, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यिर्मयाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- नीतिवचन 18:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

- मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
- शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: दोष, झिड़कना, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यिर्मयाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- नीतिवचन 18:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

- मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
- शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: दोष, झिड़कना, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यिर्मयाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- नीतिवचन 18:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

- मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
- शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: दोष, झिड़कना, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यिर्मयाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- नीतिवचन 18:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

- मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
- शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: दोष, झिड़कना, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यिर्मयाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- नीतिवचन 18:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

- मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
- शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: दोष, झिड़कना, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यिर्मयाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- नीतिवचन 18:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

- मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
- शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: दोष, झिड़कना, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यिर्मयाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- नीतिवचन 18:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

- मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
- शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: दोष, झिड़कना, नामधराई)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यिर्मयाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- नीतिवचन 18:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

नियुक्त, ठहराना, सामान्य, नियुक्ति

परिभाषा:

नियुक्त करने का अर्थ है किसी विशेष कार्य या भूमिका हेतु किसी मनुष्य की औपचारिक नियुक्ति का कार्य। इसका संदर्भ औपचारिक रूप से नियम या आदेश भी हो सकता है।

- "नियुक्त" का संदर्भ अक्सर याजक, सेवक या रब्बी नियुक्त करने की औपचारिक प्रक्रिया से भी है।
- उदाहरणार्थ, परमेश्वर ने हारून और उसके वंशजों को याजक होने के लिए ठहराया है।
- इसका अर्थ धार्मिक पर्व या वाचा के निर्धारण से भी हो सकता है।
- संदर्भ के अनुसार, “अभिषेक करना” का अनुवाद हो सकता है ”कार्य-भार सौंपना” या “नियुक्त करना” या “आज्ञा देना” या “नियम बनाना ” या “स्थापना करना”।

(यह भी देखें: आज्ञा, वाचा, आज्ञा, व्यवस्था, व्यवस्था, याजक)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 12:31-32
- 2 शमूएल 17:13-14
- निर्गमन 28:40-41
- गिनती 03:3-4
- भजन संहिता 111:7-9

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3245, H4390, H6186, H6213, H6680, H7760, H8239, G1299, G2525, G4270, G4282

नियुक्त, ठहराना, सामान्य, नियुक्ति

परिभाषा:

नियुक्त करने का अर्थ है किसी विशेष कार्य या भूमिका हेतु किसी मनुष्य की औपचारिक नियुक्ति का कार्य। इसका संदर्भ औपचारिक रूप से नियम या आदेश भी हो सकता है।

- "नियुक्त" का संदर्भ अक्सर याजक, सेवक या रब्बी नियुक्त करने की औपचारिक प्रक्रिया से भी है।
- उदाहरणार्थ, परमेश्वर ने हारून और उसके वंशजों को याजक होने के लिए ठहराया है।
- इसका अर्थ धार्मिक पर्व या वाचा के निर्धारण से भी हो सकता है।
- संदर्भ के अनुसार, “अभिषेक करना” का अनुवाद हो सकता है ”कार्य-भार सौंपना” या “नियुक्त करना” या “आज्ञा देना” या “नियम बनाना ” या “स्थापना करना”।

(यह भी देखें: आज्ञा, वाचा, आज्ञा, व्यवस्था, व्यवस्था, याजक)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 12:31-32
- 2 शमूएल 17:13-14
- निर्गमन 28:40-41
- गिनती 03:3-4
- भजन संहिता 111:7-9

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3245, H4390, H6186, H6213, H6680, H7760, H8239, G1299, G2525, G4270, G4282

नियुक्त, ठहराना, सामान्य, नियुक्ति

परिभाषा:

नियुक्त करने का अर्थ है किसी विशेष कार्य या भूमिका हेतु किसी मनुष्य की औपचारिक नियुक्ति का कार्य। इसका संदर्भ औपचारिक रूप से नियम या आदेश भी हो सकता है।

- "नियुक्त" का संदर्भ अक्सर याजक, सेवक या रब्बी नियुक्त करने की औपचारिक प्रक्रिया से भी है।
- उदाहरणार्थ, परमेश्वर ने हारून और उसके वंशजों को याजक होने के लिए ठहराया है।
- इसका अर्थ धार्मिक पर्व या वाचा के निर्धारण से भी हो सकता है।
- संदर्भ के अनुसार, “अभिषेक करना” का अनुवाद हो सकता है ”कार्य-भार सौंपना” या “नियुक्त करना” या “आज्ञा देना” या “नियम बनाना ” या “स्थापना करना”।

(यह भी देखें: आज्ञा, वाचा, आज्ञा, व्यवस्था, व्यवस्था, याजक)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 12:31-32
- 2 शमूएल 17:13-14
- निर्गमन 28:40-41
- गिनती 03:3-4
- भजन संहिता 111:7-9

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3245, H4390, H6186, H6213, H6680, H7760, H8239, G1299, G2525, G4270, G4282

नियुक्त, ठहराना, सामान्य, नियुक्ति

परिभाषा:

नियुक्त करने का अर्थ है किसी विशेष कार्य या भूमिका हेतु किसी मनुष्य की औपचारिक नियुक्ति का कार्य। इसका संदर्भ औपचारिक रूप से नियम या आदेश भी हो सकता है।

- "नियुक्त" का संदर्भ अक्सर याजक, सेवक या रब्बी नियुक्त करने की औपचारिक प्रक्रिया से भी है।
- उदाहरणार्थ, परमेश्वर ने हारून और उसके वंशजों को याजक होने के लिए ठहराया है।
- इसका अर्थ धार्मिक पर्व या वाचा के निर्धारण से भी हो सकता है।
- संदर्भ के अनुसार, “अभिषेक करना” का अनुवाद हो सकता है ”कार्य-भार सौंपना” या “नियुक्त करना” या “आज्ञा देना” या “नियम बनाना ” या “स्थापना करना”।

(यह भी देखें: आज्ञा, वाचा, आज्ञा, व्यवस्था, व्यवस्था, याजक)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 12:31-32
- 2 शमूएल 17:13-14
- निर्गमन 28:40-41
- गिनती 03:3-4
- भजन संहिता 111:7-9

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3245, H4390, H6186, H6213, H6680, H7760, H8239, G1299, G2525, G4270, G4282

नियुक्त, ठहराना, सामान्य, नियुक्ति

परिभाषा:

नियुक्त करने का अर्थ है किसी विशेष कार्य या भूमिका हेतु किसी मनुष्य की औपचारिक नियुक्ति का कार्य। इसका संदर्भ औपचारिक रूप से नियम या आदेश भी हो सकता है।

- "नियुक्त" का संदर्भ अक्सर याजक, सेवक या रब्बी नियुक्त करने की औपचारिक प्रक्रिया से भी है।
- उदाहरणार्थ, परमेश्वर ने हारून और उसके वंशजों को याजक होने के लिए ठहराया है।
- इसका अर्थ धार्मिक पर्व या वाचा के निर्धारण से भी हो सकता है।
- संदर्भ के अनुसार, “अभिषेक करना” का अनुवाद हो सकता है ”कार्य-भार सौंपना” या “नियुक्त करना” या “आज्ञा देना” या “नियम बनाना ” या “स्थापना करना”।

(यह भी देखें: आज्ञा, वाचा, आज्ञा, व्यवस्था, व्यवस्था, याजक)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 12:31-32
- 2 शमूएल 17:13-14
- निर्गमन 28:40-41
- गिनती 03:3-4
- भजन संहिता 111:7-9

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3245, H4390, H6186, H6213, H6680, H7760, H8239, G1299, G2525, G4270, G4282

नियुक्त, ठहराना, सामान्य, नियुक्ति

परिभाषा:

नियुक्त करने का अर्थ है किसी विशेष कार्य या भूमिका हेतु किसी मनुष्य की औपचारिक नियुक्ति का कार्य। इसका संदर्भ औपचारिक रूप से नियम या आदेश भी हो सकता है।

- "नियुक्त" का संदर्भ अक्सर याजक, सेवक या रब्बी नियुक्त करने की औपचारिक प्रक्रिया से भी है।
- उदाहरणार्थ, परमेश्वर ने हारून और उसके वंशजों को याजक होने के लिए ठहराया है।
- इसका अर्थ धार्मिक पर्व या वाचा के निर्धारण से भी हो सकता है।
- संदर्भ के अनुसार, “अभिषेक करना” का अनुवाद हो सकता है ”कार्य-भार सौंपना” या “नियुक्त करना” या “आज्ञा देना” या “नियम बनाना ” या “स्थापना करना”।

(यह भी देखें: आज्ञा, वाचा, आज्ञा, व्यवस्था, व्यवस्था, याजक)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 12:31-32
- 2 शमूएल 17:13-14
- निर्गमन 28:40-41
- गिनती 03:3-4
- भजन संहिता 111:7-9

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3245, H4390, H6186, H6213, H6680, H7760, H8239, G1299, G2525, G4270, G4282

नियुक्त, ठहराना, सामान्य, नियुक्ति

परिभाषा:

नियुक्त करने का अर्थ है किसी विशेष कार्य या भूमिका हेतु किसी मनुष्य की औपचारिक नियुक्ति का कार्य। इसका संदर्भ औपचारिक रूप से नियम या आदेश भी हो सकता है।

- "नियुक्त" का संदर्भ अक्सर याजक, सेवक या रब्बी नियुक्त करने की औपचारिक प्रक्रिया से भी है।
- उदाहरणार्थ, परमेश्वर ने हारून और उसके वंशजों को याजक होने के लिए ठहराया है।
- इसका अर्थ धार्मिक पर्व या वाचा के निर्धारण से भी हो सकता है।
- संदर्भ के अनुसार, “अभिषेक करना” का अनुवाद हो सकता है ”कार्य-भार सौंपना” या “नियुक्त करना” या “आज्ञा देना” या “नियम बनाना ” या “स्थापना करना”।

(यह भी देखें: आज्ञा, वाचा, आज्ञा, व्यवस्था, व्यवस्था, याजक)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 12:31-32
- 2 शमूएल 17:13-14
- निर्गमन 28:40-41
- गिनती 03:3-4
- भजन संहिता 111:7-9

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3245, H4390, H6186, H6213, H6680, H7760, H8239, G1299, G2525, G4270, G4282

निरादर, अपमान करता, अनादर किया, नीच

परिभाषा:

“निरादर” का अर्थ है कि किसी की मानहानि का काम करना। इससे उस व्यक्ति के लिए लज्जा और अपमान उत्पन्न होता है।

- “नीच” शब्द का अर्थ है एक लज्जाजनक कार्य या किसी का अपमान करना व्यक्त करता है।
- कभी-कभी निरादर शब्द ऐसी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो किसी महत्व के नहीं हैं।
- सन्तानों के लिए आज्ञा है कि वे अपने-अपने माता-पिता का आदर करें और उनकी आज्ञा मानें। * बच्चे अवज्ञा करते हैं तो वे अपने माता-पिता का अनादर करते हैं। वे अपने माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जिससे उनको सम्मान प्राप्त नहीं होता है।
- मूर्तिपूजा करके और अनैतिक आचरण द्वारा इस्राएल यहोवा का अपमान करते थे।
- यहूदी यीशु को दुष्टात्माग्रस्त कहकर उसका अपमान करते थे।
- इसका अनुवाद “सम्मान नहीं करना” या “सम्मानपूर्वक व्यवहार” न करना” हो सकता है।
- “निरादर” संज्ञा शब्द का अनुवाद “अपमान” या “मानहानि” किया जा सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “निरादर” का अनुवाद “आदर नहीं” या “लज्जाजनक” या “महत्वहीन” या “मूल्यवान नहीं” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अपमान, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:10-11
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 कुरिन्थियों 06:8-10
- यहेजकेल 22:6-9
- यूहन्ना 08:48-49
- लैव्यव्यवस्था 18:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1540, H2490, H2781, H3637, H3639, H5006, H5034, H6172, H6173, H7034, H7036, H7043, G818, G819, G820, G987, G2617

निरादर, अपमान करता, अनादर किया, नीच

परिभाषा:

“निरादर” का अर्थ है कि किसी की मानहानि का काम करना। इससे उस व्यक्ति के लिए लज्जा और अपमान उत्पन्न होता है।

- “नीच” शब्द का अर्थ है एक लज्जाजनक कार्य या किसी का अपमान करना व्यक्त करता है।
- कभी-कभी निरादर शब्द ऐसी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो किसी महत्व के नहीं हैं।
- सन्तानों के लिए आज्ञा है कि वे अपने-अपने माता-पिता का आदर करें और उनकी आज्ञा मानें। * बच्चे अवज्ञा करते हैं तो वे अपने माता-पिता का अनादर करते हैं। वे अपने माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जिससे उनको सम्मान प्राप्त नहीं होता है।
- मूर्तिपूजा करके और अनैतिक आचरण द्वारा इस्राएल यहोवा का अपमान करते थे।
- यहूदी यीशु को दुष्टात्माग्रस्त कहकर उसका अपमान करते थे।
- इसका अनुवाद “सम्मान नहीं करना” या “सम्मानपूर्वक व्यवहार” न करना” हो सकता है।
- “निरादर” संज्ञा शब्द का अनुवाद “अपमान” या “मानहानि” किया जा सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “निरादर” का अनुवाद “आदर नहीं” या “लज्जाजनक” या “महत्वहीन” या “मूल्यवान नहीं” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अपमान, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:10-11
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 कुरिन्थियों 06:8-10
- यहेजकेल 22:6-9
- यूहन्ना 08:48-49
- लैव्यव्यवस्था 18:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1540, H2490, H2781, H3637, H3639, H5006, H5034, H6172, H6173, H7034, H7036, H7043, G818, G819, G820, G987, G2617

निरादर, अपमान करता, अनादर किया, नीच

परिभाषा:

“निरादर” का अर्थ है कि किसी की मानहानि का काम करना। इससे उस व्यक्ति के लिए लज्जा और अपमान उत्पन्न होता है।

- “नीच” शब्द का अर्थ है एक लज्जाजनक कार्य या किसी का अपमान करना व्यक्त करता है।
- कभी-कभी निरादर शब्द ऐसी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो किसी महत्व के नहीं हैं।
- सन्तानों के लिए आज्ञा है कि वे अपने-अपने माता-पिता का आदर करें और उनकी आज्ञा मानें। * बच्चे अवज्ञा करते हैं तो वे अपने माता-पिता का अनादर करते हैं। वे अपने माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जिससे उनको सम्मान प्राप्त नहीं होता है।
- मूर्तिपूजा करके और अनैतिक आचरण द्वारा इस्राएल यहोवा का अपमान करते थे।
- यहूदी यीशु को दुष्टात्माग्रस्त कहकर उसका अपमान करते थे।
- इसका अनुवाद “सम्मान नहीं करना” या “सम्मानपूर्वक व्यवहार” न करना” हो सकता है।
- “निरादर” संज्ञा शब्द का अनुवाद “अपमान” या “मानहानि” किया जा सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “निरादर” का अनुवाद “आदर नहीं” या “लज्जाजनक” या “महत्वहीन” या “मूल्यवान नहीं” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अपमान, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:10-11
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 कुरिन्थियों 06:8-10
- यहेजकेल 22:6-9
- यूहन्ना 08:48-49
- लैव्यव्यवस्था 18:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1540, H2490, H2781, H3637, H3639, H5006, H5034, H6172, H6173, H7034, H7036, H7043, G818, G819, G820, G987, G2617

निरादर, अपमान करता, अनादर किया, नीच

परिभाषा:

“निरादर” का अर्थ है कि किसी की मानहानि का काम करना। इससे उस व्यक्ति के लिए लज्जा और अपमान उत्पन्न होता है।

- “नीच” शब्द का अर्थ है एक लज्जाजनक कार्य या किसी का अपमान करना व्यक्त करता है।
- कभी-कभी निरादर शब्द ऐसी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो किसी महत्व के नहीं हैं।
- सन्तानों के लिए आज्ञा है कि वे अपने-अपने माता-पिता का आदर करें और उनकी आज्ञा मानें। * बच्चे अवज्ञा करते हैं तो वे अपने माता-पिता का अनादर करते हैं। वे अपने माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जिससे उनको सम्मान प्राप्त नहीं होता है।
- मूर्तिपूजा करके और अनैतिक आचरण द्वारा इस्राएल यहोवा का अपमान करते थे।
- यहूदी यीशु को दुष्टात्माग्रस्त कहकर उसका अपमान करते थे।
- इसका अनुवाद “सम्मान नहीं करना” या “सम्मानपूर्वक व्यवहार” न करना” हो सकता है।
- “निरादर” संज्ञा शब्द का अनुवाद “अपमान” या “मानहानि” किया जा सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “निरादर” का अनुवाद “आदर नहीं” या “लज्जाजनक” या “महत्वहीन” या “मूल्यवान नहीं” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अपमान, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:10-11
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 कुरिन्थियों 06:8-10
- यहेजकेल 22:6-9
- यूहन्ना 08:48-49
- लैव्यव्यवस्था 18:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1540, H2490, H2781, H3637, H3639, H5006, H5034, H6172, H6173, H7034, H7036, H7043, G818, G819, G820, G987, G2617

निरादर, अपमान करता, अनादर किया, नीच

परिभाषा:

“निरादर” का अर्थ है कि किसी की मानहानि का काम करना। इससे उस व्यक्ति के लिए लज्जा और अपमान उत्पन्न होता है।

- “नीच” शब्द का अर्थ है एक लज्जाजनक कार्य या किसी का अपमान करना व्यक्त करता है।
- कभी-कभी निरादर शब्द ऐसी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो किसी महत्व के नहीं हैं।
- सन्तानों के लिए आज्ञा है कि वे अपने-अपने माता-पिता का आदर करें और उनकी आज्ञा मानें। * बच्चे अवज्ञा करते हैं तो वे अपने माता-पिता का अनादर करते हैं। वे अपने माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जिससे उनको सम्मान प्राप्त नहीं होता है।
- मूर्तिपूजा करके और अनैतिक आचरण द्वारा इस्राएल यहोवा का अपमान करते थे।
- यहूदी यीशु को दुष्टात्माग्रस्त कहकर उसका अपमान करते थे।
- इसका अनुवाद “सम्मान नहीं करना” या “सम्मानपूर्वक व्यवहार” न करना” हो सकता है।
- “निरादर” संज्ञा शब्द का अनुवाद “अपमान” या “मानहानि” किया जा सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “निरादर” का अनुवाद “आदर नहीं” या “लज्जाजनक” या “महत्वहीन” या “मूल्यवान नहीं” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अपमान, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:10-11
- 1 शमूएल 20:32-34

- 2 कुरिन्थियों 06:8-10
- यहेजकेल 22:6-9
- यूहन्ना 08:48-49
- लैव्यव्यवस्था 18:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1540, H2490, H2781, H3637, H3639, H5006, H5034, H6172, H6173, H7034, H7036, H7043, G818, G819, G820, G987, G2617

निरादर, अपमान करता, अनादर किया, नीच

परिभाषा:

“निरादर” का अर्थ है कि किसी की मानहानि का काम करना। इससे उस व्यक्ति के लिए लज्जा और अपमान उत्पन्न होता है।

- “नीच” शब्द का अर्थ है एक लज्जाजनक कार्य या किसी का अपमान करना व्यक्त करता है।
- कभी-कभी निरादर शब्द ऐसी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो किसी महत्व के नहीं हैं।
- सन्तानों के लिए आज्ञा है कि वे अपने-अपने माता-पिता का आदर करें और उनकी आज्ञा मानें। * बच्चे अवज्ञा करते हैं तो वे अपने माता-पिता का अनादर करते हैं। वे अपने माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जिससे उनको सम्मान प्राप्त नहीं होता है।
- मूर्तिपूजा करके और अनैतिक आचरण द्वारा इस्राएल यहोवा का अपमान करते थे।
- यहूदी यीशु को दुष्टात्माग्रस्त कहकर उसका अपमान करते थे।
- इसका अनुवाद “सम्मान नहीं करना” या “सम्मानपूर्वक व्यवहार” न करना” हो सकता है।
- “निरादर” संज्ञा शब्द का अनुवाद “अपमान” या “मानहानि” किया जा सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “निरादर” का अनुवाद “आदर नहीं” या “लज्जाजनक” या “महत्वहीन” या “मूल्यवान नहीं” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अपमान, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:10-11
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 कुरिन्थियों 06:8-10
- यहेजकेल 22:6-9
- यूहन्ना 08:48-49
- लैव्यव्यवस्था 18:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1540, H2490, H2781, H3637, H3639, H5006, H5034, H6172, H6173, H7034, H7036, H7043, G818, G819, G820, G987, G2617

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27
- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27
- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27
- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27
- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27
- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27
- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।

- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27
- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27

- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27
- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27
- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27
- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27
- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यत: निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27
- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27
- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27
- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27
- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।

- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- प्रे.का. 20:25-27
- निर्गमन 23:6-9
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, निर्दोष होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।

- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।

- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2

- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15
- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।

- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।

- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2
- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15
- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।

- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।

- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2
- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15
- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।

- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।

- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2
- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15
- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।

- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।

- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2
- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15
- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।

- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।

- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2
- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15
- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।
- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।
- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2
- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15
- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।
- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।
- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2
- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15

- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।

- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।

- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2
- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15
- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।

- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।

- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2
- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15
- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।

- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।

- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2
- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15
- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।

- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।

- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2
- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15
- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।

- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।

- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2
- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15
- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।
- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।
- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2
- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15
- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।
- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।
- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2
- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15

- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।

- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।

- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2
- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15
- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।

- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।

- अनुवाद के सुझाव:

??

- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14
- कुलुस्सियों 01: 2, 2
- उत्पत्ति 17: 1-2
- फिलिप्पियों02:, 15
- फिलिप्पियों03:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोष घोषित करना” या “दोषी ना होने का निर्णय देना”

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोष घोषित करना” या “दोषी ना होने का निर्णय देना”

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, "निर्दोष घोषित करना" या "दोषी ना होने का निर्णय देना"

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, "निर्दोष घोषित करना" या "दोषी ना होने का निर्णय देना"

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोष घोषित करना” या “दोषी ना होने का निर्णय देना”

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोष घोषित करना” या “दोषी ना होने का निर्णय देना”

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोष घोषित करना” या “दोषी ना होने का निर्णय देना”

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोष घोषित करना” या “दोषी ना होने का निर्णय देना”

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोष घोषित करना” या “दोषी ना होने का निर्णय देना”

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोष घोषित करना” या “दोषी ना होने का निर्णय देना”

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोष घोषित करना” या “दोषी ना होने का निर्णय देना”

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोष घोषित करना” या “दोषी ना होने का निर्णय देना”

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोष घोषित करना” या “दोषी ना होने का निर्णय देना”

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोष घोषित करना” या “दोषी ना होने का निर्णय देना”

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोष घोषित करना” या “दोषी ना होने का निर्णय देना”

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोष घोषित करना” या “दोषी ना होने का निर्णय देना”

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

- बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोष घोषित करना” या “दोषी ना होने का निर्णय देना”

(यह भी देखें: क्षमा कर, दोष, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 25:1-2
- निर्गमन 21:28-30
- निर्गमन 23:6-9
- यशायाह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

निवासस्थान

परिभाषा:

“परमेश्वर का डेरा” (निवास स्थान) एक विशेष मण्डप था जिसमें इस्राएली जंगल के 40 वर्षों में परमेश्वर की आराधना करते थे।

- परमेश्वर ने इस विशाल मण्डप को बनाने के लिए इस्राएलियों को सविस्तार निर्देशन प्रदान किए थे। इसके दो कक्ष थे और यह एक बन्द आंगन से घिरा हुआ था।
- इस्राएली जब भी जंगल में एक स्थान से दूसरे स्थान को जाते थे तब याजक इस मण्डप को उखाड़कर नये स्थान में ले जाते थे। और अपनी छावनी के केन्द्र में उसे खड़ा करते थे।
- यह मण्डप लकड़ी के ढांचे पर कपड़े, बकरी के बाल तथा पशुओं की खाल से बना हुआ था। उसके चारों ओर का प्रांगण परदों द्वारा घिरा हुआ था।
- मण्डप के दो कक्ष, पवित्र स्थान (जिसमें धूप जलाने की वेदी थी) और परम-पवित्र स्थान (जिसमें वाचा का सन्दूक रखा था) थे।
- मण्डप के प्रागण में एक वेदी थी जिस पर पशु-बलि जलाई जाती थी और एक हौदा था जिसमें शोधन अनुष्ठान का पानी रहता था।
- इस्राएलियों ने इस मण्डप का उपयोग समापत हो गया था जब सुलैमान ने यरूशलेम में मन्दिर बना दिया।

अनुवाद के सुझाव:

- “मण्डप” का अर्थ है “रहने का स्थान”। इसका अनुवाद हो सकता है, “पवित्र मण्डप” या “मण्डप जिसमें परमेश्वर था” या “परमेश्वर का मण्डप”
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद “मन्दिर” शब्द के अनुवाद से भिन्न हो।

(यह भी देखें: वेदी, धूप की वेदी, वाचा का सन्दूक, मन्दिर, मिलापवाला तम्बू)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 21:28-30
- 2 इतिहास 01:2-5
- प्रे.का. 07:43
- प्रे.का. 07:44-46
- निर्गमन 38:21-23
- यहोशू 22:19-20
- लैव्यव्यवस्था 10:16-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H168, H4908, H5520, H5521, H5522, H7900, G4633, G4634, G4636, G4638

निवासी, निवासियों

परिभाषा:

निवासी उस व्यक्ति को कहते हैं जो किसी नगर, देश या राज्य में रहता है। अर्थात जो उस स्थान का अधिकृत निवासी माना जाता है।

- सन्दर्भ के अनुसार, इसका अनुवाद, “निवासियों” या “आधिकारिक निवासी” भी किया जा सकता है।
- निवासी एक क्षेत्र में रहता है जो किसी राज्य का एक भाग हो सकता है जिस पर राजा या सम्राट या शासक राज करता है। उदाहरणार्थ, पौलुस रोमी नागरिक था, रोम के अनेक प्रान्त थे, पौलुस इनमें से एक प्रान्त में रहता था।
- प्रतीकात्मक रूप में यीशु के विश्वासी स्वर्ग के नागरिक कहलाते हैं, अर्थात वे एक दिन वहां होंगे। किसी देश के नागरिकों के समान विश्वासी परमेश्वर के राज्य के नागरिक हैं।

(देखें: राज्य, पौलुस, प्रांत, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 21:39-40
- यशायाह 03:1-3
- लूका 15:15-16
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6440, G4175, G4177, G4847

निवासी, निवासियों

परिभाषा:

निवासी उस व्यक्ति को कहते हैं जो किसी नगर, देश या राज्य में रहता है। अर्थात जो उस स्थान का अधिकृत निवासी माना जाता है।

- सन्दर्भ के अनुसार, इसका अनुवाद, “निवासियों” या “आधिकारिक निवासी” भी किया जा सकता है।
- निवासी एक क्षेत्र में रहता है जो किसी राज्य का एक भाग हो सकता है जिस पर राजा या सम्राट या शासक राज करता है। उदाहरणार्थ, पौलुस रोमी नागरिक था, रोम के अनेक प्रान्त थे, पौलुस इनमें से एक प्रान्त में रहता था।
- प्रतीकात्मक रूप में यीशु के विश्वासी स्वर्ग के नागरिक कहलाते हैं, अर्थात वे एक दिन वहां होंगे। किसी देश के नागरिकों के समान विश्वासी परमेश्वर के राज्य के नागरिक हैं।

(देखें: राज्य, पौलुस, प्रांत, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 21:39-40
- यशायाह 03:1-3
- लूका 15:15-16
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6440, G4175, G4177, G4847

निष्फल

परिभाषा:

“निष्फल” (लाभहीन) अर्थात अनुपयोगी।

- इसका शाब्दिक अर्थ है कि कुछ भी लाभ न करें या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करें।
- जो निष्फल है वह कुछ करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है
- इसका अनुवाद “निष्प्रयोजन” या “निकम्मा” या “व्यर्थ” या “अयोग्य” या “अलाभकारी” या "कोई लाभ नहीं दे रहा है" हो सकता है।

(यह भी देखें: लाभ, योग्य)

बाइबल संदर्भ:

- यिर्मयाह 02:7-8
- अय्यूब 15:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3276, H5532, G255, G512, G888, G889, G890

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

निष्फल

परिभाषा:

“निष्फल” (लाभहीन) अर्थात अनुपयोगी।

- इसका शाब्दिक अर्थ है कि कुछ भी लाभ न करें या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करें।
- जो निष्फल है वह कुछ करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है
- इसका अनुवाद “निष्प्रयोजन” या “निकम्मा” या “व्यर्थ” या “अयोग्य” या “अलाभकारी” या "कोई लाभ नहीं दे रहा है" हो सकता है।

(यह भी देखें: लाभ, योग्य)

बाइबल संदर्भ:

- यिर्मयाह 02:7-8
- अय्यूब 15:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3276, H5532, G255, G512, G888, G889, G890

निष्फल

परिभाषा:

“निष्फल” (लाभहीन) अर्थात अनुपयोगी।

- इसका शाब्दिक अर्थ है कि कुछ भी लाभ न करें या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करें।
- जो निष्फल है वह कुछ करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है
- इसका अनुवाद “निष्प्रयोजन” या “निकम्मा” या “व्यर्थ” या “अयोग्य” या “अलाभकारी” या "कोई लाभ नहीं दे रहा है" हो सकता है।

(यह भी देखें: लाभ, योग्य)

बाइबल संदर्भ:

- यिर्मयाह 02:7-8
- अय्यूब 15:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3276, H5532, G255, G512, G888, G889, G890

निष्फल

परिभाषा:

“निष्फल” (लाभहीन) अर्थात अनुपयोगी।

- इसका शाब्दिक अर्थ है कि कुछ भी लाभ न करें या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करें।
- जो निष्फल है वह कुछ करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है
- इसका अनुवाद “निष्प्रयोजन” या “निकम्मा” या “व्यर्थ” या “अयोग्य” या “अलाभकारी” या "कोई लाभ नहीं दे रहा है" हो सकता है।

(यह भी देखें: लाभ, योग्य)

बाइबल संदर्भ:

- यिर्मयाह 02:7-8
- अय्यूब 15:1-3

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3276, H5532, G255, G512, G888, G889, G890

निष्फल

परिभाषा:

“निष्फल” (लाभहीन) अर्थात अनुपयोगी।

- इसका शाब्दिक अर्थ है कि कुछ भी लाभ न करें या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करें।
- जो निष्फल है वह कुछ करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है
- इसका अनुवाद “निष्प्रयोजन” या “निकम्मा” या “व्यर्थ” या “अयोग्य” या “अलाभकारी” या "कोई लाभ नहीं दे रहा है" हो सकता है।

(यह भी देखें: लाभ, योग्य)

बाइबल संदर्भ:

- यिर्मयाह 02:7-8
- अय्यूब 15:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3276, H5532, G255, G512, G888, G889, G890

निष्फल

परिभाषा:

“निष्फल” (लाभहीन) अर्थात अनुपयोगी।

- इसका शाब्दिक अर्थ है कि कुछ भी लाभ न करें या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करें।
- जो निष्फल है वह कुछ करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है
- इसका अनुवाद “निष्प्रयोजन” या “निकम्मा” या “व्यर्थ” या “अयोग्य” या “अलाभकारी” या "कोई लाभ नहीं दे रहा है" हो सकता है।

(यह भी देखें: लाभ, योग्य)

बाइबल संदर्भ:

- यिर्मयाह 02:7-8
- अय्यूब 15:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3276, H5532, G255, G512, G888, G889, G890

निष्फल

परिभाषा:

“निष्फल” (लाभहीन) अर्थात अनुपयोगी।

- इसका शाब्दिक अर्थ है कि कुछ भी लाभ न करें या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करें।
- जो निष्फल है वह कुछ करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है
- इसका अनुवाद “निष्प्रयोजन” या “निकम्मा” या “व्यर्थ” या “अयोग्य” या “अलाभकारी” या "कोई लाभ नहीं दे रहा है" हो सकता है।

(यह भी देखें: लाभ, योग्य)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल संदर्भ:

- यिर्मयाह 02:7-8
- अय्यूब 15:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3276, H5532, G255, G512, G888, G889, G890

नींद, सो जाना, सो गए थे, सोना, सोना, “उसे नींद आ गई”, सोना, सोना, नींद ना आना, नींद

परिभाषा:

इन शब्दों के प्रतीकात्मक अर्थ हैं मृत्यु।

- “नींद” या “सोये रहो ” एक उपमा जिसका अर्थ है "मर जाना" हो सकता है। (देख: उपमा)
- अभिव्यक्ति "सो जाओ" का अर्थ है सोना शुरू करना, या, अर्थात् मरना।
- 'अपने पितरों के साथ सो जाओ' का मतलब है, जैसा कि किसी के पूर्वजों की तरह मरना, मरने के लिए या मरने का मतलब है।

अनुवाद के सुझाव:

- “सो जाना” का अनुवाद हो सकता है, “अक्स्मात ही सो जाना” या “सोने लगना” या “मरना” जैसा भी अभिप्राय हो उसके अनुसार।
- टिप्पणी: विशेष महत्त्व की बात है कि प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियां प्रकरण के अनुरूप हों, जहाँ पाठक अर्थ न समझा पाते हों। उदाहरणार्थ, जब यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि लाज़र “सोता है” तब वे समझे कि वह सो रहा है। ऐसे में “सोता है” का अनुवाद “मर गया” करना अनुचित होगा।
- यदि लक्षित भाषा में “सोता है” या “सोया हुआ है” समझ में न आए तो इस भाषा में मृत्यु या मरने के भिन्न शब्दों का उपयोग किया जाए।

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:27-29
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:13-15
- प्रे.का. 07:59-60
- दानिय्येल 12:1-2
- भजन-संहिता 044:23-24
- रोमियो 13:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1957, H3462, H3463, H7290, H7901, H8139, H8142, H8153, H8639, G879, G1852, G1853, G2518, G2837, G5258

नींद, सो जाना, सो गए थे, सोना, सोना, “उसे नींद आ गई”, सोना, सोना, नींद ना आना, नींद

परिभाषा:

इन शब्दों के प्रतीकात्मक अर्थ हैं मृत्यु।

- “नींद” या “सोये रहो ” एक उपमा जिसका अर्थ है "मर जाना" हो सकता है। (देख: उपमा)
- अभिव्यक्ति "सो जाओ" का अर्थ है सोना शुरू करना, या, अर्थात् मरना।
- 'अपने पितरों के साथ सो जाओ' का मतलब है, जैसा कि किसी के पूर्वजों की तरह मरना, मरने के लिए या मरने का मतलब है।

अनुवाद के सुझाव:

- “सो जाना” का अनुवाद हो सकता है, “अक्स्मात ही सो जाना” या “सोने लगना” या “मरना” जैसा भी अभिप्राय हो उसके अनुसार।
- टिप्पणी: विशेष महत्त्व की बात है कि प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियां प्रकरण के अनुरूप हों, जहाँ पाठक अर्थ न समझा पाते हों। उदाहरणार्थ, जब यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि लाज़र “सोता है” तब वे समझे कि वह सो रहा है। ऐसे में “सोता है” का अनुवाद “मर गया” करना अनुचित होगा।
- यदि लक्षित भाषा में “सोता है” या “सोया हुआ है” समझ में न आए तो इस भाषा में मृत्यु या मरने के भिन्न शब्दों का उपयोग किया जाए।

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:27-29
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:13-15
- प्रे.का. 07:59-60
- दानिय्येल 12:1-2
- भजन-संहिता 044:23-24
- रोमियो 13:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1957, H3462, H3463, H7290, H7901, H8139, H8142, H8153, H8639, G879, G1852, G1853, G2518, G2837, G5258

नींद, सो जाना, सो गए थे, सोना, सोना, “उसे नींद आ गई”, सोना, सोना, नींद ना आना, नींद

परिभाषा:

इन शब्दों के प्रतीकात्मक अर्थ हैं मृत्यु।

- “नींद” या “सोये रहो ” एक उपमा जिसका अर्थ है "मर जाना" हो सकता है। (देख: उपमा)
- अभिव्यक्ति "सो जाओ" का अर्थ है सोना शुरू करना, या, अर्थात् मरना।
- 'अपने पितरों के साथ सो जाओ' का मतलब है, जैसा कि किसी के पूर्वजों की तरह मरना, मरने के लिए या मरने का मतलब है।

अनुवाद के सुझाव:

- “सो जाना” का अनुवाद हो सकता है, “अक्स्मात ही सो जाना” या “सोने लगना” या “मरना” जैसा भी अभिप्राय हो उसके अनुसार।
- टिप्पणी: विशेष महत्त्व की बात है कि प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियां प्रकरण के अनुरूप हों, जहाँ पाठक अर्थ न समझा पाते हों। उदाहरणार्थ, जब यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि लाज़र “सोता है” तब वे समझे कि वह सो रहा है। ऐसे में “सोता है” का अनुवाद “मर गया” करना अनुचित होगा।
- यदि लक्षित भाषा में “सोता है” या “सोया हुआ है” समझ में न आए तो इस भाषा में मृत्यु या मरने के भिन्न शब्दों का उपयोग किया जाए।

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:27-29
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:13-15
- प्रे.का. 07:59-60
- दानिय्येल 12:1-2
- भजन-संहिता 044:23-24
- रोमियो 13:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1957, H3462, H3463, H7290, H7901, H8139, H8142, H8153, H8639, G879, G1852, G1853, G2518, G2837, G5258

नींद, सो जाना, सो गए थे, सोना, सोना, “उसे नींद आ गई”, सोना, सोना, नींद ना आना, नींद

परिभाषा:

इन शब्दों के प्रतीकात्मक अर्थ हैं मृत्यु।

- “नींद” या “सोये रहो ” एक उपमा जिसका अर्थ है "मर जाना" हो सकता है। (देख: उपमा)
- अभिव्यक्ति "सो जाओ" का अर्थ है सोना शुरू करना, या, अर्थात् मरना।
- 'अपने पितरों के साथ सो जाओ' का मतलब है, जैसा कि किसी के पूर्वजों की तरह मरना, मरने के लिए या मरने का मतलब है।

अनुवाद के सुझाव:

- “सो जाना” का अनुवाद हो सकता है, “अक्स्मात ही सो जाना” या “सोने लगना” या “मरना” जैसा भी अभिप्राय हो उसके अनुसार।

- टिप्पणी: विशेष महत्त्व की बात है कि प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियां प्रकरण के अनुरूप हों, जहाँ पाठक अर्थ न समझा पाते हों। उदाहरणार्थ, जब यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि लाज़र “सोता है” तब वे समझे कि वह सो रहा है। ऐसे में “सोता है” का अनुवाद “मर गया” करना अनुचित होगा।
- यदि लक्षित भाषा में “सोता है” या “सोया हुआ है” समझ में न आए तो इस भाषा में मृत्यु या मरने के भिन्न शब्दों का उपयोग किया जाए।

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:27-29
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:13-15
- प्रे.का. 07:59-60
- दानिय्येल 12:1-2
- भजन-संहिता 044:23-24
- रोमियो 13:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1957, H3462, H3463, H7290, H7901, H8139, H8142, H8153, H8639, G879, G1852, G1853, G2518, G2837, G5258

नींद, सो जाना, सो गए थे, सोना, सोना, “उसे नींद आ गई”, सोना, सोना, नींद ना आना, नींद

परिभाषा:

इन शब्दों के प्रतीकात्मक अर्थ हैं मृत्यु।

- “नींद” या “सोये रहो ” एक उपमा जिसका अर्थ है "मर जाना" हो सकता है। (देख: उपमा)
- अभिव्यक्ति "सो जाओ" का अर्थ है सोना शुरू करना, या, अर्थात् मरना।
- 'अपने पितरों के साथ सो जाओ' का मतलब है, जैसा कि किसी के पूर्वजों की तरह मरना, मरने के लिए या मरने का मतलब है।

अनुवाद के सुझाव:

- “सो जाना” का अनुवाद हो सकता है, “अक्स्मात ही सो जाना” या “सोने लगना” या “मरना” जैसा भी अभिप्राय हो उसके अनुसार।
- टिप्पणी: विशेष महत्त्व की बात है कि प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियां प्रकरण के अनुरूप हों, जहाँ पाठक अर्थ न समझा पाते हों। उदाहरणार्थ, जब यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि लाज़र “सोता है” तब वे समझे कि वह सो रहा है। ऐसे में “सोता है” का अनुवाद “मर गया” करना अनुचित होगा।
- यदि लक्षित भाषा में “सोता है” या “सोया हुआ है” समझ में न आए तो इस भाषा में मृत्यु या मरने के भिन्न शब्दों का उपयोग किया जाए।

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:27-29
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:13-15
- प्रे.का. 07:59-60
- दानिय्येल 12:1-2
- भजन-संहिता 044:23-24
- रोमियो 13:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1957, H3462, H3463, H7290, H7901, H8139, H8142, H8153, H8639, G879, G1852, G1853, G2518, G2837, G5258

नींद, सो जाना, सो गए थे, सोना, सोना, “उसे नींद आ गई”, सोना, सोना, नींद ना आना, नींद

परिभाषा:

इन शब्दों के प्रतीकात्मक अर्थ हैं मृत्यु।

- “नींद” या “सोये रहो ” एक उपमा जिसका अर्थ है "मर जाना" हो सकता है। (देख: उपमा)
- अभिव्यक्ति "सो जाओ" का अर्थ है सोना शुरू करना, या, अर्थात् मरना।
- 'अपने पितरों के साथ सो जाओ' का मतलब है, जैसा कि किसी के पूर्वजों की तरह मरना, मरने के लिए या मरने का मतलब है।

अनुवाद के सुझाव:

- “सो जाना” का अनुवाद हो सकता है, “अक्स्मात ही सो जाना” या “सोने लगना” या “मरना” जैसा भी अभिप्राय हो उसके अनुसार।
- टिप्पणी: विशेष महत्त्व की बात है कि प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियां प्रकरण के अनुरूप हों, जहाँ पाठक अर्थ न समझा पाते हों। उदाहरणार्थ, जब यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि लाज़र “सोता है” तब वे समझे कि वह सो रहा है। ऐसे में “सोता है” का अनुवाद “मर गया” करना अनुचित होगा।
- यदि लक्षित भाषा में “सोता है” या “सोया हुआ है” समझ में न आए तो इस भाषा में मृत्यु या मरने के भिन्न शब्दों का उपयोग किया जाए।

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:27-29
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:13-15
- प्रे.का. 07:59-60
- दानिय्येल 12:1-2
- भजन-संहिता 044:23-24
- रोमियो 13:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1957, H3462, H3463, H7290, H7901, H8139, H8142, H8153, H8639, G879, G1852, G1853, G2518, G2837, G5258

नीनवे, नीनवे के लोग

तथ्य:

नीनवे अश्शूरों की राजधानी थी। “नीनवेवासी” वह है जो नीनवे में रहते थे।

- परमेश्वर ने योना को भेजा था कि नीनवे के लोगों को दुष्टता से फिरने की चेतावनी दे। उन्होंने मन फिराया और परमेश्वर ने उन्हें नष्ट नहीं किया।
- बाद में अश्शूरों ने परमेश्वर की सेवा करना छोड़ दिया। उन्होंने इस्राएल राज्य को जीतकर प्रजा को बन्दी बना लिया था।

(यह भी देखें: अश्शूर, योना, मन फिराकर, मुड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 10:11-14
- योना 01:1-3
- योना 03:1-3
- लूका 11:32
- मत्ती 12:41

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5210, G3535, G3536

नीनवे, नीनवे के लोग

तथ्य:

नीनवे अश्शूरों की राजधानी थी। “नीनवेवासी” वह है जो नीनवे में रहते थे।

- परमेश्वर ने योना को भेजा था कि नीनवे के लोगों को दुष्टता से फिरने की चेतावनी दे। उन्होंने मन फिराया और परमेश्वर ने उन्हें नष्ट नहीं किया।
- बाद में अश्शूरों ने परमेश्वर की सेवा करना छोड़ दिया। उन्होंने इस्राएल राज्य को जीतकर प्रजा को बन्दी बना लिया था।

(यह भी देखें: अश्शूर, योना, मन फिराकर, मुड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 10:11-14
- योना 01:1-3

- योना 03:1-3
- लूका 11:32
- मत्ती 12:41

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5210, G3535, G3536

नूह

तथ्य:

नूह लगभग 4000 वर्ष पूर्व था जब परमेश्वर ने पृथ्वी पर से सब पापियों को नष्ट करने के लिए जलप्रलय किया था। परमेश्वर ने नूह को आज्ञा दी कि वह एक विशाल नाव बनाए जिसमें बाढ़ का पानी पृथ्वी पर भरने तक उसका परिवार सुरक्षित रहे।

- नूह एक धर्मी पुरूष था जो हर एक बात में परमेश्वर की आज्ञा मानता था।
- नूह ने उस नाव को ठीक वैसा ही बनाया जैसा परमेश्वर ने कहा था।
- इस नाव में नूह और उसका परिवार सुरक्षित रहे और बाद में पृथ्वी पर फैल गए।
- तब के बाद सब मनुष्य नूह के वंशज हैं।

(यह भी देखें: उतरेगा, जहाज़)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 05:30-31
- उत्पत्ति 05:32
- उत्पत्ति 06:7-8
- उत्पत्ति 08:1-3
- इब्रानियों 11:7
- मत्ती 24:37-39

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही |
- **03:04** नूह और उसके तीन बेटों ने नाव की रचना वैसे ही की जैसे परमेश्वर ने उनसे कहा था |
- **03:13** दो महीने बाद परमेश्वर ने नूह से कहा कि तू अपने पुत्रों, पत्नी और बहुओ समेत जहाज में से निकल आ | परमेश्वर ने नूह को आशीष दी “फलों-फूलो, और बढ़ो, और पृथ्वी में भर जाओ | तब नूह और उसका परिवार जहाज में से निकल आए |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5146, G3575

नूह

तथ्य:

नूह लगभग 4000 वर्ष पूर्व था जब परमेश्वर ने पृथ्वी पर से सब पापियों को नष्ट करने के लिए जलप्रलय किया था। परमेश्वर ने नूह को आज्ञा दी कि वह एक विशाल नाव बनाए जिसमें बाढ़ का पानी पृथ्वी पर भरने तक उसका परिवार सुरक्षित रहे।

- नूह एक धर्मी पुरूष था जो हर एक बात में परमेश्वर की आज्ञा मानता था।
- नूह ने उस नाव को ठीक वैसा ही बनाया जैसा परमेश्वर ने कहा था।
- इस नाव में नूह और उसका परिवार सुरक्षित रहे और बाद में पृथ्वी पर फैल गए।
- तब के बाद सब मनुष्य नूह के वंशज हैं।

(यह भी देखें: उतरेगा, जहाज़)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 05:30-31

- उत्पत्ति 05:32
- उत्पत्ति 06:7-8
- उत्पत्ति 08:1-3
- इब्रानियों 11:7
- मत्ती 24:37-39

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही |
- **03:04** नूह और उसके तीन बेटों ने नाव की रचना वैसे ही की जैसे परमेश्वर ने उनसे कहा था |
- **03:13** दो महीने बाद परमेश्वर ने नूह से कहा कि तू अपने पुत्रों, पत्नी और बहुओ समेत जहाज में से निकल आ | परमेश्वर ने नूह को आशीष दी “फलों-फूलो, और बढ़ो, और पृथ्वी में भर जाओ | तब नूह और उसका परिवार जहाज में से निकल आए |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5146, G3575

नूह

तथ्य:

नूह लगभग 4000 वर्ष पूर्व था जब परमेश्वर ने पृथ्वी पर से सब पापियों को नष्ट करने के लिए जलप्रलय किया था। परमेश्वर ने नूह को आज्ञा दी कि वह एक विशाल नाव बनाए जिसमें बाढ़ का पानी पृथ्वी पर भरने तक उसका परिवार सुरक्षित रहे।

- नूह एक धर्मी पुरूष था जो हर एक बात में परमेश्वर की आज्ञा मानता था।
- नूह ने उस नाव को ठीक वैसा ही बनाया जैसा परमेश्वर ने कहा था।
- इस नाव में नूह और उसका परिवार सुरक्षित रहे और बाद में पृथ्वी पर फैल गए।
- तब के बाद सब मनुष्य नूह के वंशज हैं।

(यह भी देखें: उतरेगा, जहाज़)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 05:30-31
- उत्पत्ति 05:32
- उत्पत्ति 06:7-8
- उत्पत्ति 08:1-3
- इब्रानियों 11:7
- मत्ती 24:37-39

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही |
- **03:04** नूह और उसके तीन बेटों ने नाव की रचना वैसे ही की जैसे परमेश्वर ने उनसे कहा था |
- **03:13** दो महीने बाद परमेश्वर ने नूह से कहा कि तू अपने पुत्रों, पत्नी और बहुओ समेत जहाज में से निकल आ | परमेश्वर ने नूह को आशीष दी “फलों-फूलो, और बढ़ो, और पृथ्वी में भर जाओ | तब नूह और उसका परिवार जहाज में से निकल आए |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5146, G3575

नूह

तथ्य:

नूह लगभग 4000 वर्ष पूर्व था जब परमेश्वर ने पृथ्वी पर से सब पापियों को नष्ट करने के लिए जलप्रलय किया था। परमेश्वर ने नूह को आज्ञा दी कि वह एक विशाल नाव बनाए जिसमें बाढ़ का पानी पृथ्वी पर भरने तक उसका परिवार सुरक्षित रहे।

- नूह एक धर्मी पुरूष था जो हर एक बात में परमेश्वर की आज्ञा मानता था।

- नूह ने उस नाव को ठीक वैसा ही बनाया जैसा परमेश्वर ने कहा था।
- इस नाव में नूह और उसका परिवार सुरक्षित रहे और बाद में पृथ्वी पर फैल गए।
- तब के बाद सब मनुष्य नूह के वंशज हैं।

(यह भी देखें: उतरेगा, जहाज़)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 05:30-31
- उत्पत्ति 05:32
- उत्पत्ति 06:7-8
- उत्पत्ति 08:1-3
- इब्रानियों 11:7
- मत्ती 24:37-39

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही |
- **03:04** नूह और उसके तीन बेटों ने नाव की रचना वैसे ही की जैसे परमेश्वर ने उनसे कहा था |
- **03:13** दो महीने बाद परमेश्वर ने नूह से कहा कि तू अपने पुत्रों, पत्नी और बहुओ समेत जहाज में से निकल आ | परमेश्वर ने नूह को आशीष दी “फलों-फूलो, और बढ़ो, और पृथ्वी में भर जाओ | तब नूह और उसका परिवार जहाज में से निकल आए |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5146, G3575

नूह

तथ्य:

नूह लगभग 4000 वर्ष पूर्व था जब परमेश्वर ने पृथ्वी पर से सब पापियों को नष्ट करने के लिए जलप्रलय किया था। परमेश्वर ने नूह को आज्ञा दी कि वह एक विशाल नाव बनाए जिसमें बाढ़ का पानी पृथ्वी पर भरने तक उसका परिवार सुरक्षित रहे।

- नूह एक धर्मी पुरूष था जो हर एक बात में परमेश्वर की आज्ञा मानता था।
- नूह ने उस नाव को ठीक वैसा ही बनाया जैसा परमेश्वर ने कहा था।
- इस नाव में नूह और उसका परिवार सुरक्षित रहे और बाद में पृथ्वी पर फैल गए।
- तब के बाद सब मनुष्य नूह के वंशज हैं।

(यह भी देखें: उतरेगा, जहाज़)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 05:30-31
- उत्पत्ति 05:32
- उत्पत्ति 06:7-8
- उत्पत्ति 08:1-3
- इब्रानियों 11:7
- मत्ती 24:37-39

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:02** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही |
- **03:04** नूह और उसके तीन बेटों ने नाव की रचना वैसे ही की जैसे परमेश्वर ने उनसे कहा था |
- **03:13** दो महीने बाद परमेश्वर ने नूह से कहा कि तू अपने पुत्रों, पत्नी और बहुओ समेत जहाज में से निकल आ | परमेश्वर ने नूह को आशीष दी “फलों-फूलो, और बढ़ो, और पृथ्वी में भर जाओ | तब नूह और उसका परिवार जहाज में से निकल आए |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5146, G3575

न्यायाधीश, हाकिमों

परिभाषा:

हाकिम नियुक्त अधिकारी होता है जो न्यायाधीश का काम करता है और न्याय के विषयों पर निर्णय देता है।

- बाइबल के युग में हाकिम मतभेदों का निर्णय करता था।
- प्रकरण पर आधारित इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "शास्त्रीय न्यायाधीश" या "वैधानिक अधिकारी" या "नगर का अगुआ"।

(यह भी देखें: न्यायी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 16:19-21
- प्रे.का. 16:35-36
- दानिय्येल 03:1-2
- लूका 12:57-59

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6114, H8200, H8614, G758, G3980, G4755

न्यायाधीश, हाकिमों

परिभाषा:

हाकिम नियुक्त अधिकारी होता है जो न्यायाधीश का काम करता है और न्याय के विषयों पर निर्णय देता है।

- बाइबल के युग में हाकिम मतभेदों का निर्णय करता था।
- प्रकरण पर आधारित इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "शास्त्रीय न्यायाधीश" या "वैधानिक अधिकारी" या "नगर का अगुआ"।

(यह भी देखें: न्यायी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 16:19-21
- प्रे.का. 16:35-36
- दानिय्येल 03:1-2
- लूका 12:57-59

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6114, H8200, H8614, G758, G3980, G4755

न्यायाधीश, हाकिमों

परिभाषा:

हाकिम नियुक्त अधिकारी होता है जो न्यायाधीश का काम करता है और न्याय के विषयों पर निर्णय देता है।

- बाइबल के युग में हाकिम मतभेदों का निर्णय करता था।
- प्रकरण पर आधारित इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "शास्त्रीय न्यायाधीश" या "वैधानिक अधिकारी" या "नगर का अगुआ"।

(यह भी देखें: न्यायी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 16:19-21
- प्रे.का. 16:35-36

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- दानिय्येल 03:1-2
- लूका 12:57-59

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6114, H8200, H8614, G758, G3980, G4755

न्यायाधीश, हाकिमों

परिभाषा:

हाकिम नियुक्त अधिकारी होता है जो न्यायाधीश का काम करता है और न्याय के विषयों पर निर्णय देता है।

- बाइबल के युग में हाकिम मतभेदों का निर्णय करता था।
- प्रकरण पर आधारित इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शास्त्रीय न्यायाधीश” या “वैधानिक अधिकारी” या “नगर का अगुआ”।

(यह भी देखें: न्यायी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 16:19-21
- प्रे.का. 16:35-36
- दानिय्येल 03:1-2
- लूका 12:57-59

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6114, H8200, H8614, G758, G3980, G4755

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

“न्यायी” और “न्याय” का संदर्भ किसी नैतिक या अनैतिक काम के इस बारे में निर्णय लेने का उल्लेख करते हैं।

- “परमेश्वर का न्याय” अर्थात किसी न किसी को पापी के रूप में निंदा करने के उसके निर्णय को संदर्भित करता है।
- परमेश्वर का न्याय प्रायः मनुष्यों को पाप का दण्ड देना होता है।
- “न्याय करने” का अर्थ “दोषी ठहराना” है। परमेश्वर अपने लोगों से कहता है कि वे एक दूसरे का ऐसा न्याय नहीं करें।
- इसका एक और अर्थ है “के बीच मध्यस्थता” या “दो मनुष्यों का न्याय करना” कि मतभेद में कौन सही है।
- कुछ प्रकरणों में परमेश्वर के “न्याय” का अर्थ है परमेश्वर ने किस बात को उचित एवं न्याय सम्मत ठहराया है। यह उसके आदेश, नियमों या अध्यादेशों को सम्मानार्थक है।
- “न्याय” का संदर्भ बुद्धिमानी की निर्णय लेने की क्षमता। जिस मनुष्य में “न्याय” की कमी है उसमें बुद्धिमानी के निर्णय लेने की योग्यता नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “न्याय करना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “निर्णय लेना” या “दोषी ठहराना” या “दण्ड देना” या “आज्ञा देना”
- “न्याय” का अनुवाद “दण्ड” या “निर्णय” या “आदेश” या “आज्ञा” या “दोष” के रूप में किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में “न्याय में” का अनुवाद “न्याय के दिन” या “परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के न्याय का समय” हो सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, न्यायी, दण्ड के दिन, सच्चा, व्यवस्था, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- 1 राजा 03:7-9
- प्रे.का. 10:42-43
- यशायाह 03:13-15
- याकूब 02:1-4
- लूका 06:37

- मीका 03:9-11
- भजन संहिता 054:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन भविष्यवक्ताओं ने लोगों को चेतावनी देना आरंभ किया कि, यदि उन्होंने दुष्ट कार्य करना बंद न किया, और परमेश्वर कि आज्ञा का पालन करना आरंभ न किया, तब परमेश्वर उन्हें दोषी ठहराएगा और उन्हें दण्डित करेंगा।
- 21:08__राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का __न्याय करता है। मसीह एक सिद्ध राजा होगा जो की दाऊद के सिंहासन पर विराजमान होगा। वह हमेशा के लिए संसार पर राज्य करेगा, और सदैव सच्चाई से न्याय करेगा और उचित निर्णय लेगा।
- **39:04** इस पर महा याजक ने क्रोध में अपने वस्त्र फाड़े और अन्य धार्मिक नेताओं से कहा कि, “अब हमें गवाहों की क्या जरुरत। तुमने अभी सुना है कि इसने अपने को परमेश्वर का पुत्र कहा है। तुम्हारा क्या न्याय है?”
- **50:14** परन्तु जो यीशु पर विश्वास नहीं करेंगे परमेश्वर उनमें से हर एक का न्याय करेंगे। वह उन्हें नरक में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H4941, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H6485, H8196, H8199, H8201, G144, G350, G968, G1106, G1252, G1341, G1345, G1348, G1349, G2917, G2919, G2920, G2922, G2923, G4232

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

“न्यायी” और “न्याय” का संदर्भ किसी नैतिक या अनैतिक काम के इस बारे में निर्णय लेने का उल्लेख करते हैं।

- “परमेश्वर का न्याय” अर्थात किसी न किसी को पापी के रूप में निंदा करने के उसके निर्णय को संदर्भित करता है।
- परमेश्वर का न्याय प्रायः मनुष्यों को पाप का दण्ड देना होता है।
- “न्याय करने” का अर्थ “दोषी ठहराना” है। परमेश्वर अपने लोगों से कहता है कि वे एक दूसरे का ऐसा न्याय नहीं करें।
- इसका एक और अर्थ है “के बीच मध्यस्थता” या “दो मनुष्यों का न्याय करना” कि मतभेद में कौन सही है।
- कुछ प्रकरणों में परमेश्वर के “न्याय” का अर्थ है परमेश्वर ने किस बात को उचित एवं न्याय सम्मत ठहराया है। यह उसके आदेश, नियमों या अध्यादेशों को सम्मानार्थक है।
- “न्याय” का संदर्भ बुद्धिमानी की निर्णय लेने की क्षमता। जिस मनुष्य में “न्याय” की कमी है उसमें बुद्धिमानी के निर्णय लेने की योग्यता नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “न्याय करना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “निर्णय लेना” या “दोषी ठहराना” या “दण्ड देना” या “आज्ञा देना”
- “न्याय” का अनुवाद “दण्ड” या “निर्णय” या “आदेश” या “आज्ञा” या “दोष” के रूप में किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में “न्याय में” का अनुवाद “न्याय के दिन” या “परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के न्याय का समय” हो सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, न्यायी, दण्ड के दिन, सच्चा, व्यवस्था, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- 1 राजा 03:7-9
- प्रे.का. 10:42-43
- यशायाह 03:13-15
- याकूब 02:1-4
- लूका 06:37
- मीका 03:9-11
- भजन संहिता 054:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन भविष्यवक्ताओं ने लोगों को चेतावनी देना आरंभ किया कि, यदि उन्होंने दुष्ट कार्य करना बंद न किया, और परमेश्वर कि आज्ञा का पालन करना आरंभ न किया, तब परमेश्वर उन्हें दोषी ठहराएगा और उन्हें दण्डित करेंगा।
- 21:08__राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का __न्याय करता है। मसीह एक सिद्ध राजा होगा जो की दाऊद के सिंहासन पर विराजमान होगा। वह हमेशा के लिए संसार पर राज्य करेगा, और सदैव सच्चाई से न्याय करेगा और उचित निर्णय लेगा।

- **39:04** इस पर महा याजक ने क्रोध में अपने वस्त्र फाड़े और अन्य धार्मिक नेताओं से कहा कि, “अब हमें गवाहों की क्या जरुरत। तुमने अभी सुना है कि इसने अपने को परमेश्वर का पुत्र कहा है। तुम्हारा क्या न्याय है?”
- **50:14** परन्तु जो यीशु पर विश्वास नहीं करेंगे परमेश्वर उनमें से हर एक का न्याय करेंगे। वह उन्हें नरक में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H4941, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H6485, H8196, H8199, H8201, G144, G350, G968, G1106, G1252, G1341, G1345, G1348, G1349, G2917, G2919, G2920, G2922, G2923, G4232

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

“न्यायी” और “न्याय” का संदर्भ किसी नैतिक या अनैतिक काम के इस बारे में निर्णय लेने का उल्लेख करते हैं।

- “परमेश्वर का न्याय” अर्थात किसी न किसी को पापी के रूप में निंदा करने के उसके निर्णय को संदर्भित करता है।
- परमेश्वर का न्याय प्रायः मनुष्यों को पाप का दण्ड देना होता है।
- “न्याय करने” का अर्थ “दोषी ठहराना” है। परमेश्वर अपने लोगों से कहता है कि वे एक दूसरे का ऐसा न्याय नहीं करें।
- इसका एक और अर्थ है “के बीच मध्यस्थता” या “दो मनुष्यों का न्याय करना” कि मतभेद में कौन सही है।
- कुछ प्रकरणों में परमेश्वर के “न्याय” का अर्थ है परमेश्वर ने किस बात को उचित एवं न्याय सम्मत ठहराया है। यह उसके आदेश, नियमों या अध्यादेशों को सम्मानार्थक है।
- “न्याय” का संदर्भ बुद्धिमानी की निर्णय लेने की क्षमता। जिस मनुष्य में “न्याय” की कमी है उसमें बुद्धिमानी के निर्णय लेने की योग्यता नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “न्याय करना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “निर्णय लेना” या “दोषी ठहराना” या “दण्ड देना” या “आज्ञा देना”
- “न्याय” का अनुवाद “दण्ड” या “निर्णय” या “आदेश” या “आज्ञा” या “दोष” के रूप में किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में “न्याय में” का अनुवाद “न्याय के दिन” या “परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के न्याय का समय” हो सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, न्यायी, दण्ड के दिन, सच्चा, व्यवस्था, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- 1 राजा 03:7-9
- प्रे.का. 10:42-43
- यशायाह 03:13-15
- याकूब 02:1-4
- लूका 06:37
- मीका 03:9-11
- भजन संहिता 054:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन भविष्यवक्ताओं ने लोगों को चेतावनी देना आरंभ किया कि, यदि उन्होंने दुष्ट कार्य करना बंद न किया, और परमेश्वर कि आज्ञा का पालन करना आरंभ न किया, तब परमेश्वर उन्हें दोषी ठहराएगा और उन्हें दण्डित करेंगा।
- 21:08__राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का __न्याय करता है। मसीह एक सिद्ध राजा होगा जो की दाऊद के सिंहासन पर विराजमान होगा। वह हमेशा के लिए संसार पर राज्य करेगा, और सदैव सच्चाई से न्याय करेगा और उचित निर्णय लेगा।
- **39:04** इस पर महा याजक ने क्रोध में अपने वस्त्र फाड़े और अन्य धार्मिक नेताओं से कहा कि, “अब हमें गवाहों की क्या जरुरत। तुमने अभी सुना है कि इसने अपने को परमेश्वर का पुत्र कहा है। तुम्हारा क्या न्याय है?”
- **50:14** परन्तु जो यीशु पर विश्वास नहीं करेंगे परमेश्वर उनमें से हर एक का न्याय करेंगे। वह उन्हें नरक में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H4941, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H6485, H8196, H8199, H8201, G144, G350, G968, G1106, G1252, G1341, G1345, G1348, G1349, G2917, G2919, G2920, G2922, G2923, G4232

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

"न्यायी" और "न्याय" का संदर्भ किसी नैतिक या अनैतिक काम के इस बारे में निर्णय लेने का उल्लेख करते हैं।

- "परमेश्वर का न्याय" अर्थात किसी न किसी को पापी के रूप में निंदा करने के उसके निर्णय को संदर्भित करता है।
- परमेश्वर का न्याय प्राय: मनुष्यों को पाप का दण्ड देना होता है।
- "न्याय करने" का अर्थ "दोषी ठहराना" है। परमेश्वर अपने लोगों से कहता है कि वे एक दूसरे का ऐसा न्याय नहीं करें।
- इसका एक और अर्थ है "के बीच मध्यस्थता" या "दो मनुष्यों का न्याय करना" कि मतभेद में कौन सही है।
- कुछ प्रकरणों में परमेश्वर के "न्याय" का अर्थ है परमेश्वर ने किस बात को उचित एवं न्याय सम्मत ठहराया है। यह उसके आदेश, नियमों या अध्यादेशों को सम्मानार्थक है।
- "न्याय" का संदर्भ बुद्धिमानी की निर्णय लेने की क्षमता। जिस मनुष्य में "न्याय" की कमी है उसमें बुद्धिमानी के निर्णय लेने की योग्यता नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "न्याय करना" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "निर्णय लेना" या "दोषी ठहराना" या "दण्ड देना" या "आज्ञा देना"
- "न्याय" का अनुवाद "दण्ड" या "निर्णय" या "आदेश" या "आज्ञा" या "दोष" के रूप में किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में "न्याय में" का अनुवाद "न्याय के दिन" या "परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के न्याय का समय" हो सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, न्यायी, दण्ड के दिन, सच्चा, व्यवस्था, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- 1 राजा 03:7-9
- प्रे.का. 10:42-43
- यशायाह 03:13-15
- याकूब 02:1-4
- लूका 06:37
- मीका 03:9-11
- भजन संहिता 054:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन भविष्यवक्ताओं ने लोगों को चेतावनी देना आरंभ किया कि, यदि उन्होंने दुष्ट कार्य करना बंद न किया, और परमेश्वर कि आज्ञा का पालन करना आरंभ न किया, तब परमेश्वर उन्हें दोषी ठहराएगा और उन्हें दण्डित करेंगा।
- 21:08__राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का __न्याय करता है। मसीह एक सिद्ध राजा होगा जो की दाऊद के सिंहासन पर विराजमान होगा। वह हमेशा के लिए संसार पर राज्य करेगा, और सदैव सच्चाई से न्याय करेगा और उचित निर्णय लेगा।
- **39:04** इस पर महा याजक ने क्रोध में अपने वस्त्र फाड़े और अन्य धार्मिक नेताओं से कहा कि, "अब हमें गवाहों की क्या जरुरत। तुमने अभी सुना है कि इसने अपने को परमेश्वर का पुत्र कहा है। तुम्हारा क्या न्याय है?"
- **50:14** परन्तु जो यीशु पर विश्वास नहीं करेंगे परमेश्वर उनमें से हर एक का न्याय करेंगे। वह उन्हें नरक में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H4941, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H6485, H8196, H8199, H8201, G144, G350, G968, G1106, G1252, G1341, G1345, G1348, G1349, G2917, G2919, G2920, G2922, G2923, G4232

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

“न्यायी” और “न्याय” का संदर्भ किसी नैतिक या अनैतिक काम के इस बारे में निर्णय लेने का उल्लेख करते हैं।

- “परमेश्वर का न्याय” अर्थात किसी न किसी को पापी के रूप में निंदा करने के उसके निर्णय को संदर्भित करता है।
- परमेश्वर का न्याय प्राय: मनुष्यों को पाप का दण्ड देना होता है।
- “न्याय करने” का अर्थ “दोषी ठहराना” है। परमेश्वर अपने लोगों से कहता है कि वे एक दूसरे का ऐसा न्याय नहीं करें।
- इसका एक और अर्थ है “के बीच मध्यस्थता” या “दो मनुष्यों का न्याय करना” कि मतभेद में कौन सही है।
- कुछ प्रकरणों में परमेश्वर के “न्याय” का अर्थ है परमेश्वर ने किस बात को उचित एवं न्याय सम्मत ठहराया है। यह उसके आदेश, नियमों या अध्यादेशों को सम्मानार्थक है।
- “न्याय” का संदर्भ बुद्धिमानी की निर्णय लेने की क्षमता। जिस मनुष्य में “न्याय” की कमी है उसमें बुद्धिमानी के निर्णय लेने की योग्यता नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “न्याय करना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “निर्णय लेना” या “दोषी ठहराना” या “दण्ड देना” या “आज्ञा देना”
- “न्याय” का अनुवाद “दण्ड” या “निर्णय” या “आदेश” या “आज्ञा” या “दोष” के रूप में किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में “न्याय में” का अनुवाद “न्याय के दिन” या “परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के न्याय का समय” हो सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, न्यायी, दण्ड के दिन, सच्चा, व्यवस्था, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- 1 राजा 03:7-9
- प्रे.का. 10:42-43
- यशायाह 03:13-15
- याकूब 02:1-4
- लूका 06:37
- मीका 03:9-11
- भजन संहिता 054:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन भविष्यवक्ताओं ने लोगों को चेतावनी देना आरंभ किया कि, यदि उन्होंने दुष्ट कार्य करना बंद न किया, और परमेश्वर कि आज्ञा का पालन करना आरंभ न किया, तब परमेश्वर उन्हें दोषी ठहराएगा और उन्हें दण्डित करेंगा।
- 21:08__राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का __न्याय करता है। मसीह एक सिद्ध राजा होगा जो की दाऊद के सिंहासन पर विराजमान होगा। वह हमेशा के लिए संसार पर राज्य करेगा, और सदैव सच्चाई से न्याय करेगा और उचित निर्णय लेगा।
- **39:04** इस पर महा याजक ने क्रोध में अपने वस्त्र फाड़े और अन्य धार्मिक नेताओं से कहा कि, “अब हमें गवाहों की क्या जरुरत। तुमने अभी सुना है कि इसने अपने को परमेश्वर का पुत्र कहा है। तुम्हारा क्या न्याय है?”
- **50:14** परन्तु जो यीशु पर विश्वास नहीं करेंगे परमेश्वर उनमें से हर एक का न्याय करेंगे। वह उन्हें नरक में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H4941, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H6485, H8196, H8199, H8201, G144, G350, G968, G1106, G1252, G1341, G1345, G1348, G1349, G2917, G2919, G2920, G2922, G2923, G4232

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

“न्यायी” और “न्याय” का संदर्भ किसी नैतिक या अनैतिक काम के इस बारे में निर्णय लेने का उल्लेख करते हैं।

- “परमेश्वर का न्याय” अर्थात किसी न किसी को पापी के रूप में निंदा करने के उसके निर्णय को संदर्भित करता है।
- परमेश्वर का न्याय प्राय: मनुष्यों को पाप का दण्ड देना होता है।
- “न्याय करने” का अर्थ “दोषी ठहराना” है। परमेश्वर अपने लोगों से कहता है कि वे एक दूसरे का ऐसा न्याय नहीं करें।

- इसका एक और अर्थ है “के बीच मध्यस्थता” या “दो मनुष्यों का न्याय करना” कि मतभेद में कौन सही है।
- कुछ प्रकरणों में परमेश्वर के “न्याय” का अर्थ है परमेश्वर ने किस बात को उचित एवं न्याय सम्मत ठहराया है। यह उसके आदेश, नियमों या अध्यादेशों को सम्मानार्थक है।
- “न्याय” का संदर्भ बुद्धिमानी की निर्णय लेने की क्षमता। जिस मनुष्य में “न्याय” की कमी है उसमें बुद्धिमानी के निर्णय लेने की योग्यता नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “न्याय करना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “निर्णय लेना” या “दोषी ठहराना” या “दण्ड देना” या “आज्ञा देना”
- “न्याय” का अनुवाद “दण्ड” या “निर्णय” या “आदेश” या “आज्ञा” या “दोष” के रूप में किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में “न्याय में” का अनुवाद “न्याय के दिन” या “परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के न्याय का समय” हो सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, न्यायी, दण्ड के दिन, सच्चा, व्यवस्था, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- 1 राजा 03:7-9
- प्रे.का. 10:42-43
- यशायाह 03:13-15
- याकूब 02:1-4
- लूका 06:37
- मीका 03:9-11
- भजन संहिता 054:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन भविष्यवक्ताओं ने लोगों को चेतावनी देना आरंभ किया कि, यदि उन्होंने दुष्ट कार्य करना बंद न किया, और परमेश्वर कि आज्ञा का पालन करना आरंभ न किया, तब परमेश्वर उन्हें दोषी ठहराएगा और उन्हें दण्डित करेंगा।
- 21:08__राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का __न्याय करता है। मसीह एक सिद्ध राजा होगा जो की दाऊद के सिंहासन पर विराजमान होगा। वह हमेशा के लिए संसार पर राज्य करेगा, और सदैव सच्चाई से न्याय करेगा और उचित निर्णय लेगा।
- **39:04** इस पर महा याजक ने क्रोध में अपने वस्त्र फाड़े और अन्य धार्मिक नेताओं से कहा कि, “अब हमें गवाहों की क्या जरुरत। तुमने अभी सुना है कि इसने अपने को परमेश्वर का पुत्र कहा है। तुम्हारा क्या न्याय है?”
- **50:14** परन्तु जो यीशु पर विश्वास नहीं करेंगे परमेश्वर उनमें से हर एक का न्याय करेंगे। वह उन्हें नरक में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H4941, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H6485, H8196, H8199, H8201, G144, G350, G968, G1106, G1252, G1341, G1345, G1348, G1349, G2917, G2919, G2920, G2922, G2923, G4232

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

“न्यायी” और “न्याय” का संदर्भ किसी नैतिक या अनैतिक काम के इस बारे में निर्णय लेने का उल्लेख करते हैं।

- “परमेश्वर का न्याय” अर्थात किसी न किसी को पापी के रूप में निंदा करने के उसके निर्णय को संदर्भित करता है।
- परमेश्वर का न्याय प्रायः मनुष्यों को पाप का दण्ड देना होता है।
- “न्याय करने” का अर्थ “दोषी ठहराना” है। परमेश्वर अपने लोगों से कहता है कि वे एक दूसरे का ऐसा न्याय नहीं करें।
- इसका एक और अर्थ है “के बीच मध्यस्थता” या “दो मनुष्यों का न्याय करना” कि मतभेद में कौन सही है।
- कुछ प्रकरणों में परमेश्वर के “न्याय” का अर्थ है परमेश्वर ने किस बात को उचित एवं न्याय सम्मत ठहराया है। यह उसके आदेश, नियमों या अध्यादेशों को सम्मानार्थक है।
- “न्याय” का संदर्भ बुद्धिमानी की निर्णय लेने की क्षमता। जिस मनुष्य में “न्याय” की कमी है उसमें बुद्धिमानी के निर्णय लेने की योग्यता नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “न्याय करना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “निर्णय लेना” या “दोषी ठहराना” या “दण्ड देना” या “आज्ञा देना”
- “न्याय” का अनुवाद “दण्ड” या “निर्णय” या “आदेश” या “आज्ञा” या “दोष” के रूप में किया जा सकता है।

- कुछ प्रकरणों में “न्याय में” का अनुवाद “न्याय के दिन” या “परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के न्याय का समय” हो सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, न्यायी, दण्ड के दिन, सच्चा, व्यवस्था, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- 1 राजा 03:7-9
- प्रे.का. 10:42-43
- यशायाह 03:13-15
- याकूब 02:1-4
- लूका 06:37
- मीका 03:9-11
- भजन संहिता 054:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन भविष्यवक्ताओं ने लोगों को चेतावनी देना आरंभ किया कि, यदि उन्होंने दुष्ट कार्य करना बंद न किया, और परमेश्वर कि आज्ञा का पालन करना आरंभ न किया, तब परमेश्वर उन्हें दोषी ठहराएगा और उन्हें दण्डित करेंगा।
- 21:08__राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का __न्याय करता है। मसीह एक सिद्ध राजा होगा जो की दाऊद के सिंहासन पर विराजमान होगा। वह हमेशा के लिए संसार पर राज्य करेगा, और सदैव सच्चाई से न्याय करेगा और उचित निर्णय लेगा।
- **39:04** इस पर महा याजक ने क्रोध में अपने वस्त्र फाड़े और अन्य धार्मिक नेताओं से कहा कि, “अब हमें गवाहों की क्या जरुरत। तुमने अभी सुना है कि इसने अपने को परमेश्वर का पुत्र कहा है। तुम्हारा क्या न्याय है?”
- **50:14** परन्तु जो यीशु पर विश्वास नहीं करेंगे परमेश्वर उनमें से हर एक का न्याय करेंगे। वह उन्हें नरक में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H4941, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H6485, H8196, H8199, H8201, G144, G350, G968, G1106, G1252, G1341, G1345, G1348, G1349, G2917, G2919, G2920, G2922, G2923, G4232

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

“न्यायी” और “न्याय” का संदर्भ किसी नैतिक या अनैतिक काम के इस बारे में निर्णय लेने का उल्लेख करते हैं।

- “परमेश्वर का न्याय” अर्थात किसी न किसी को पापी के रूप में निंदा करने के उसके निर्णय को संदर्भित करता है।
- परमेश्वर का न्याय प्रायः मनुष्यों को पाप का दण्ड देना होता है।
- “न्याय करने” का अर्थ “दोषी ठहराना” है। परमेश्वर अपने लोगों से कहता है कि वे एक दूसरे का ऐसा न्याय नहीं करें।
- इसका एक और अर्थ है “के बीच मध्यस्थता” या “दो मनुष्यों का न्याय करना” कि मतभेद में कौन सही है।
- कुछ प्रकरणों में परमेश्वर के “न्याय” का अर्थ है परमेश्वर ने किस बात को उचित एवं न्याय सम्मत ठहराया है। यह उसके आदेश, नियमों या अध्यादेशों को सम्मानार्थक है।
- “न्याय” का संदर्भ बुद्धिमानी की निर्णय लेने की क्षमता। जिस मनुष्य में “न्याय” की कमी है उसमें बुद्धिमानी के निर्णय लेने की योग्यता नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “न्याय करना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “निर्णय लेना” या “दोषी ठहराना” या “दण्ड देना” या “आज्ञा देना”
- “न्याय” का अनुवाद “दण्ड” या “निर्णय” या “आदेश” या “आज्ञा” या “दोष” के रूप में किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में “न्याय में” का अनुवाद “न्याय के दिन” या “परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के न्याय का समय” हो सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, न्यायी, दण्ड के दिन, सच्चा, व्यवस्था, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- 1 राजा 03:7-9
- प्रे.का. 10:42-43

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- यशायाह 03:13-15
- याकूब 02:1-4
- लूका 06:37
- मीका 03:9-11
- भजन संहिता 054:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन भविष्यवक्ताओं ने लोगों को चेतावनी देना आरंभ किया कि, यदि उन्होंने दुष्ट कार्य करना बंद न किया, और परमेश्वर कि आज्ञा का पालन करना आरंभ न किया, तब परमेश्वर उन्हें दोषी ठहराएगा और उन्हें दण्डित करेंगा।
- 21:08__राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का __न्याय करता है। मसीह एक सिद्ध राजा होगा जो की दाऊद के सिंहासन पर विराजमान होगा। वह हमेशा के लिए संसार पर राज्य करेगा, और सदैव सच्चाई से न्याय करेगा और उचित निर्णय लेगा।
- **39:04** इस पर महा याजक ने क्रोध में अपने वस्त्र फाड़े और अन्य धार्मिक नेताओं से कहा कि, “अब हमें गवाहों की क्या जरुरत। तुमने अभी सुना है कि इसने अपने को परमेश्वर का पुत्र कहा है। तुम्हारा क्या न्याय है?”
- **50:14** परन्तु जो यीशु पर विश्वास नहीं करेंगे परमेश्वर उनमें से हर एक का न्याय करेंगे। वह उन्हें नरक में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H4941, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H6485, H8196, H8199, H8201, G144, G350, G968, G1106, G1252, G1341, G1345, G1348, G1349, G2917, G2919, G2920, G2922, G2923, G4232

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

“न्यायी” और “न्याय” का संदर्भ किसी नैतिक या अनैतिक काम के इस बारे में निर्णय लेने का उल्लेख करते हैं।

- “परमेश्वर का न्याय” अर्थात किसी न किसी को पापी के रूप में निंदा करने के उसके निर्णय को संदर्भित करता है।
- परमेश्वर का न्याय प्रायः मनुष्यों को पाप का दण्ड देना होता है।
- “न्याय करने” का अर्थ “दोषी ठहराना” है। परमेश्वर अपने लोगों से कहता है कि वे एक दूसरे का ऐसा न्याय नहीं करें।
- इसका एक और अर्थ है “के बीच मध्यस्थता” या “दो मनुष्यों का न्याय करना” कि मतभेद में कौन सही है।
- कुछ प्रकरणों में परमेश्वर के “न्याय” का अर्थ है परमेश्वर ने किस बात को उचित एवं न्याय सम्मत ठहराया है। यह उसके आदेश, नियमों या अध्यादेशों को सम्मानार्थक है।
- “न्याय” का संदर्भ बुद्धिमानी की निर्णय लेने की क्षमता। जिस मनुष्य में “न्याय” की कमी है उसमें बुद्धिमानी के निर्णय लेने की योग्यता नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “न्याय करना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “निर्णय लेना” या “दोषी ठहराना” या “दण्ड देना” या “आज्ञा देना”
- “न्याय” का अनुवाद “दण्ड” या “निर्णय” या “आदेश” या “आज्ञा” या “दोष” के रूप में किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में “न्याय में” का अनुवाद “न्याय के दिन” या “परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के न्याय का समय” हो सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, न्यायी, दण्ड के दिन, सच्चा, व्यवस्था, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- 1 राजा 03:7-9
- प्रे.का. 10:42-43
- यशायाह 03:13-15
- याकूब 02:1-4
- लूका 06:37
- मीका 03:9-11
- भजन संहिता 054:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:16** उन भविष्यवक्ताओं ने लोगों को चेतावनी देना आरंभ किया कि, यदि उन्होंने दुष्ट कार्य करना बंद न किया, और परमेश्वर कि आज्ञा का पालन करना आरंभ न किया, तब परमेश्वर उन्हें दोषी ठहराएगा और उन्हें दण्डित करेंगा।
- 21:08__राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का __न्याय करता है। मसीह एक सिद्ध राजा होगा जो की दाऊद के सिंहासन पर विराजमान होगा। वह हमेशा के लिए संसार पर राज्य करेगा, और सदैव सच्चाई से न्याय करेगा और उचित निर्णय लेगा।
- **39:04** इस पर महा याजक ने क्रोध में अपने वस्त्र फाड़े और अन्य धार्मिक नेताओं से कहा कि, “अब हमें गवाहों की क्या जरुरत। तुमने अभी सुना है कि इसने अपने को परमेश्वर का पुत्र कहा है। तुम्हारा क्या न्याय है?”
- **50:14** परन्तु जो यीशु पर विश्वास नहीं करेंगे परमेश्वर उनमें से हर एक का न्याय करेंगे। वह उन्हें नरक में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H4941, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H6485, H8196, H8199, H8201, G144, G350, G968, G1106, G1252, G1341, G1345, G1348, G1349, G2917, G2919, G2920, G2922, G2923, G4232

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

न्यायी वह व्यक्ति है जो सही और गलत का निर्णय लेता है, विशेष करके व्यवस्था संबन्धित विषयों में जब लोगों में मतभेद हो।

- बाइबल में परमेश्वर को अधिकतर एक न्यायी कहा गया है क्योंकि वही एकमात्र सिद्ध न्यायी है जो सही या गलत का अन्तिम निर्णय देता है।
- इस्राएल जब कनान में प्रवेश कर गया और उनके राजाओं से पूर्व परमेश्वर उनके लिए अगुवे नियुक्त करता था कि संकट के समय उनकी अगुआई करे इन अगुओं का न्यायी कहा गया है। ये न्यायी अधिकतर सैनिक अगुवे थे जिन्होंने शत्रु को पराजित करके इस्राएलियों का उद्धार किया था।
- “न्यायी” को “निर्णय लेने वाला” या “अगुआ” या “मुक्तिदाता” या “अधिपति” कह सकते हैं परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: शासन करना, न्यायी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 07:26-28
- लूका 11:18-20
- लूका 12:13-15
- लूका 18:1-2
- मत्ती 05:25-26
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H8196, H8199, H8201, G350, G1252, G1348, G2919, G2922, G2923

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

न्यायी वह व्यक्ति है जो सही और गलत का निर्णय लेता है, विशेष करके व्यवस्था संबन्धित विषयों में जब लोगों में मतभेद हो।

- बाइबल में परमेश्वर को अधिकतर एक न्यायी कहा गया है क्योंकि वही एकमात्र सिद्ध न्यायी है जो सही या गलत का अन्तिम निर्णय देता है।
- इस्राएल जब कनान में प्रवेश कर गया और उनके राजाओं से पूर्व परमेश्वर उनके लिए अगुवे नियुक्त करता था कि संकट के समय उनकी अगुआई करे इन अगुओं का न्यायी कहा गया है। ये न्यायी अधिकतर सैनिक अगुवे थे जिन्होंने शत्रु को पराजित करके इस्राएलियों का उद्धार किया था।
- “न्यायी” को “निर्णय लेने वाला” या “अगुआ” या “मुक्तिदाता” या “अधिपति” कह सकते हैं परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: शासन करना, न्यायी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 07:26-28
- लूका 11:18-20
- लूका 12:13-15
- लूका 18:1-2
- मत्ती 05:25-26
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H8196, H8199, H8201, G350, G1252, G1348, G2919, G2922, G2923

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

न्यायी वह व्यक्ति है जो सही और गलत का निर्णय लेता है, विशेष करके व्यवस्था संबन्धित विषयों में जब लोगों में मतभेद हो।

- बाइबल में परमेश्वर को अधिकतर एक न्यायी कहा गया है क्योंकि वही एकमात्र सिद्ध न्यायी है जो सही या गलत का अन्तिम निर्णय देता है।
- इस्राएल जब कनान में प्रवेश कर गया और उनके राजाओं से पूर्व परमेश्वर उनके लिए अगुवे नियुक्त करता था कि संकट के समय उनकी अगुआई करे इन अगुओं का न्यायी कहा गया है। ये न्यायी अधिकतर सैनिक अगुवे थे जिन्होंने शत्रु को पराजित करके इस्राएलियों का उद्धार किया था।
- “न्यायी” को “निर्णय लेने वाला” या “अगुआ” या “मुक्तिदाता” या “अधिपति” कह सकते हैं परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: शासन करना, न्यायी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 07:26-28
- लूका 11:18-20
- लूका 12:13-15
- लूका 18:1-2
- मत्ती 05:25-26
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H8196, H8199, H8201, G350, G1252, G1348, G2919, G2922, G2923

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

न्यायी वह व्यक्ति है जो सही और गलत का निर्णय लेता है, विशेष करके व्यवस्था संबन्धित विषयों में जब लोगों में मतभेद हो।

- बाइबल में परमेश्वर को अधिकतर एक न्यायी कहा गया है क्योंकि वही एकमात्र सिद्ध न्यायी है जो सही या गलत का अन्तिम निर्णय देता है।
- इस्राएल जब कनान में प्रवेश कर गया और उनके राजाओं से पूर्व परमेश्वर उनके लिए अगुवे नियुक्त करता था कि संकट के समय उनकी अगुआई करे इन अगुओं का न्यायी कहा गया है। ये न्यायी अधिकतर सैनिक अगुवे थे जिन्होंने शत्रु को पराजित करके इस्राएलियों का उद्धार किया था।
- “न्यायी” को “निर्णय लेने वाला” या “अगुआ” या “मुक्तिदाता” या “अधिपति” कह सकते हैं परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: शासन करना, न्यायी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 07:26-28
- लूका 11:18-20
- लूका 12:13-15
- लूका 18:1-2
- मत्ती 05:25-26
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H8196, H8199, H8201, G350, G1252, G1348, G2919, G2922, G2923

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

न्यायी वह व्यक्ति है जो सही और गलत का निर्णय लेता है, विशेष करके व्यवस्था संबन्धित विषयों में जब लोगों में मतभेद हो।

- बाइबल में परमेश्वर को अधिकतर एक न्यायी कहा गया है क्योंकि वही एकमात्र सिद्ध न्यायी है जो सही या गलत का अन्तिम निर्णय देता है।
- इस्राएल जब कनान में प्रवेश कर गया और उनके राजाओं से पूर्व परमेश्वर उनके लिए अगुवे नियुक्त करता था कि संकट के समय उनकी अगुआई करे इन अगुओं का न्यायी कहा गया है। ये न्यायी अधिकतर सैनिक अगुवे थे जिन्होंने शत्रु को पराजित करके इस्राएलियों का उद्धार किया था।
- “न्यायी” को “निर्णय लेने वाला” या “अगुआ” या “मुक्तिदाता” या “अधिपति” कह सकते हैं परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: शासन करना, न्यायी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 07:26-28
- लूका 11:18-20
- लूका 12:13-15
- लूका 18:1-2
- मत्ती 05:25-26
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H8196, H8199, H8201, G350, G1252, G1348, G2919, G2922, G2923

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

न्यायी वह व्यक्ति है जो सही और गलत का निर्णय लेता है, विशेष करके व्यवस्था संबन्धित विषयों में जब लोगों में मतभेद हो।

- बाइबल में परमेश्वर को अधिकतर एक न्यायी कहा गया है क्योंकि वही एकमात्र सिद्ध न्यायी है जो सही या गलत का अन्तिम निर्णय देता है।
- इस्राएल जब कनान में प्रवेश कर गया और उनके राजाओं से पूर्व परमेश्वर उनके लिए अगुवे नियुक्त करता था कि संकट के समय उनकी अगुआई करे इन अगुओं का न्यायी कहा गया है। ये न्यायी अधिकतर सैनिक अगुवे थे जिन्होंने शत्रु को पराजित करके इस्राएलियों का उद्धार किया था।
- “न्यायी” को “निर्णय लेने वाला” या “अगुआ” या “मुक्तिदाता” या “अधिपति” कह सकते हैं परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: शासन करना, न्यायी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 07:26-28
- लूका 11:18-20
- लूका 12:13-15
- लूका 18:1-2
- मत्ती 05:25-26
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H8196, H8199, H8201, G350, G1252, G1348, G2919, G2922, G2923

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

न्यायी वह व्यक्ति है जो सही और गलत का निर्णय लेता है, विशेष करके व्यवस्था संबन्धित विषयों में जब लोगों में मतभेद हो।

- बाइबल में परमेश्वर को अधिकतर एक न्यायी कहा गया है क्योंकि वही एकमात्र सिद्ध न्यायी है जो सही या गलत का अन्तिम निर्णय देता है।
- इस्राएल जब कनान में प्रवेश कर गया और उनके राजाओं से पूर्व परमेश्वर उनके लिए अगुवे नियुक्त करता था कि संकट के समय उनकी अगुआई करे इन अगुओं का न्यायी कहा गया है। ये न्यायी अधिकतर सैनिक अगुवे थे जिन्होंने शत्रु को पराजित करके इस्राएलियों का उद्धार किया था।
- “न्यायी” को “निर्णय लेने वाला” या “अगुआ” या “मुक्तिदाता” या “अधिपति” कह सकते हैं परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: शासन करना, न्यायी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 07:26-28
- लूका 11:18-20
- लूका 12:13-15
- लूका 18:1-2
- मत्ती 05:25-26
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H8196, H8199, H8201, G350, G1252, G1348, G2919, G2922, G2923

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

न्यायी वह व्यक्ति है जो सही और गलत का निर्णय लेता है, विशेष करके व्यवस्था संबन्धित विषयों में जब लोगों में मतभेद हो।

- बाइबल में परमेश्वर को अधिकतर एक न्यायी कहा गया है क्योंकि वही एकमात्र सिद्ध न्यायी है जो सही या गलत का अन्तिम निर्णय देता है।
- इस्राएल जब कनान में प्रवेश कर गया और उनके राजाओं से पूर्व परमेश्वर उनके लिए अगुवे नियुक्त करता था कि संकट के समय उनकी अगुआई करे इन अगुओं का न्यायी कहा गया है। ये न्यायी अधिकतर सैनिक अगुवे थे जिन्होंने शत्रु को पराजित करके इस्राएलियों का उद्धार किया था।
- “न्यायी” को “निर्णय लेने वाला” या “अगुआ” या “मुक्तिदाता” या “अधिपति” कह सकते हैं परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: शासन करना, न्यायी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 07:26-28
- लूका 11:18-20
- लूका 12:13-15
- लूका 18:1-2
- मत्ती 05:25-26
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H8196, H8199, H8201, G350, G1252, G1348, G2919, G2922, G2923

न्यायी, न्याय

परिभाषा:

न्यायी वह व्यक्ति है जो सही और गलत का निर्णय लेता है, विशेष करके व्यवस्था संबन्धित विषयों में जब लोगों में मतभेद हो।

- बाइबल में परमेश्वर को अधिकतर एक न्यायी कहा गया है क्योंकि वही एकमात्र सिद्ध न्यायी है जो सही या गलत का अन्तिम निर्णय देता है।
- इस्राएल जब कनान में प्रवेश कर गया और उनके राजाओं से पूर्व परमेश्वर उनके लिए अगुवे नियुक्त करता था कि संकट के समय उनकी अगुआई करे इन अगुओं का न्यायी कहा गया है। ये न्यायी अधिकतर सैनिक अगुवे थे जिन्होंने शत्रु को पराजित करके इस्राएलियों का उद्धार किया था।
- "न्यायी" को "निर्णय लेने वाला" या "अगुआ" या "मुक्तिदाता" या "अधिपति" कह सकते हैं परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: शासन करना, न्यायी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 07:26-28
- लूका 11:18-20
- लूका 12:13-15
- लूका 18:1-2
- मत्ती 05:25-26
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H8196, H8199, H8201, G350, G1252, G1348, G2919, G2922, G2923

पड़ोसी, पड़ोसियों, पडोस, आस पास के

परिभाषा:

पड़ोसी अर्थात निकट रहनेवाला मनुष्य। यह सामान्यत: उस व्यक्ति के लिए है जो किसी समुदाय या जाति के बीच वास करता है।

- पड़ोसी मनुष्य एक ही समुदाय का होने के कारण सुरक्षा एवं दया का पात्र होता है।
- नये नियम में नेक सामरी को दृष्टान्त में यीशु ने पड़ोसी शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया है जिसमें वह सब मनुष्यों को समाहित करता है, यहां तक कि जिसे हम अपना बैरी समझते हैं।
- यदि संभव हो तो इसका अनुवाद शाब्दिक अर्थ में ही किया जाए जिसका अर्थ है, "निकट रहनेवाला व्यक्ति"।

(यह भी देखें: विरोधी, दृष्टान्त, जाति, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- इफिसियों 04:25-27
- गलातियों 05:13-15
- याकूब 02:8-9
- यूहन्ना 09:8-9
- लूका 01:56-58
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 19:18-19
- मत्ती 22:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5997, H7138, H7453, H7468, H7934, G1069, G2087, G4040, G4139

पड़ोसी, पड़ोसियों, पडोस, आस पास के

परिभाषा:

पड़ोसी अर्थात निकट रहनेवाला मनुष्य। यह सामान्यत: उस व्यक्ति के लिए है जो किसी समुदाय या जाति के बीच वास करता है।

- पड़ोसी मनुष्य एक ही समुदाय का होने के कारण सुरक्षा एवं दया का पात्र होता है।
- नये नियम में नेक सामरी को दृष्टान्त में यीशु ने पड़ोसी शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया है जिसमें वह सब मनुष्यों को समाहित करता है, यहां तक कि जिसे हम अपना बैरी समझते हैं।
- यदि संभव हो तो इसका अनुवाद शाब्दिक अर्थ में ही किया जाए जिसका अर्थ है, “निकट रहनेवाला व्यक्ति”।

(यह भी देखें: विरोधी, दृष्टान्त, जाति, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- इफिसियों 04:25-27
- गलातियों 05:13-15
- याकूब 02:8-9
- यूहन्ना 09:8-9
- लूका 01:56-58
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 19:18-19
- मत्ती 22:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5997, H7138, H7453, H7468, H7934, G1069, G2087, G4040, G4139

पड़ोसी, पड़ोसियों, पडोस, आस पास के

परिभाषा:

पड़ोसी अर्थात निकट रहनेवाला मनुष्य। यह सामान्यत: उस व्यक्ति के लिए है जो किसी समुदाय या जाति के बीच वास करता है।

- पड़ोसी मनुष्य एक ही समुदाय का होने के कारण सुरक्षा एवं दया का पात्र होता है।
- नये नियम में नेक सामरी को दृष्टान्त में यीशु ने पड़ोसी शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया है जिसमें वह सब मनुष्यों को समाहित करता है, यहां तक कि जिसे हम अपना बैरी समझते हैं।
- यदि संभव हो तो इसका अनुवाद शाब्दिक अर्थ में ही किया जाए जिसका अर्थ है, “निकट रहनेवाला व्यक्ति”।

(यह भी देखें: विरोधी, दृष्टान्त, जाति, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- इफिसियों 04:25-27
- गलातियों 05:13-15
- याकूब 02:8-9
- यूहन्ना 09:8-9
- लूका 01:56-58
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 19:18-19
- मत्ती 22:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5997, H7138, H7453, H7468, H7934, G1069, G2087, G4040, G4139

पड़ोसी, पड़ोसियों, पडोस, आस पास के

परिभाषा:

पड़ोसी अर्थात निकट रहनेवाला मनुष्य। यह सामान्यत: उस व्यक्ति के लिए है जो किसी समुदाय या जाति के बीच वास करता है।

- पड़ोसी मनुष्य एक ही समुदाय का होने के कारण सुरक्षा एवं दया का पात्र होता है।
- नये नियम में नेक सामरी को दृष्टान्त में यीशु ने पड़ोसी शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया है जिसमें वह सब मनुष्यों को समाहित करता है, यहां तक कि जिसे हम अपना बैरी समझते हैं।
- यदि संभव हो तो इसका अनुवाद शाब्दिक अर्थ में ही किया जाए जिसका अर्थ है, “निकट रहनेवाला व्यक्ति”।

(यह भी देखें: विरोधी, दृष्टान्त, जाति, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- इफिसियों 04:25-27
- गलातियों 05:13-15
- याकूब 02:8-9
- यूहन्ना 09:8-9
- लूका 01:56-58
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 19:18-19
- मत्ती 22:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5997, H7138, H7453, H7468, H7934, G1069, G2087, G4040, G4139

पड़ोसी, पड़ोसियों, पडोस, आस पास के

परिभाषा:

पड़ोसी अर्थात निकट रहनेवाला मनुष्य। यह सामान्यत: उस व्यक्ति के लिए है जो किसी समुदाय या जाति के बीच वास करता है।

- पड़ोसी मनुष्य एक ही समुदाय का होने के कारण सुरक्षा एवं दया का पात्र होता है।
- नये नियम में नेक सामरी को दृष्टान्त में यीशु ने पड़ोसी शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया है जिसमें वह सब मनुष्यों को समाहित करता है, यहां तक कि जिसे हम अपना बैरी समझते हैं।
- यदि संभव हो तो इसका अनुवाद शाब्दिक अर्थ में ही किया जाए जिसका अर्थ है, “निकट रहनेवाला व्यक्ति”।

(यह भी देखें: विरोधी, दृष्टान्त, जाति, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- इफिसियों 04:25-27
- गलातियों 05:13-15
- याकूब 02:8-9
- यूहन्ना 09:8-9
- लूका 01:56-58
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 19:18-19
- मत्ती 22:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5997, H7138, H7453, H7468, H7934, G1069, G2087, G4040, G4139

पड़ोसी, पड़ोसियों, पडोस, आस पास के

परिभाषा:

पड़ोसी अर्थात निकट रहनेवाला मनुष्य। यह सामान्यत: उस व्यक्ति के लिए है जो किसी समुदाय या जाति के बीच वास करता है।

- पड़ोसी मनुष्य एक ही समुदाय का होने के कारण सुरक्षा एवं दया का पात्र होता है।
- नये नियम में नेक सामरी को दृष्टान्त में यीशु ने पड़ोसी शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया है जिसमें वह सब मनुष्यों को समाहित करता है, यहां तक कि जिसे हम अपना बैरी समझते हैं।
- यदि संभव हो तो इसका अनुवाद शाब्दिक अर्थ में ही किया जाए जिसका अर्थ है, “निकट रहनेवाला व्यक्ति”।

(यह भी देखें: विरोधी, दृष्टान्त, जाति, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- इफिसियों 04:25-27
- गलातियों 05:13-15
- याकूब 02:8-9
- यूहन्ना 09:8-9
- लूका 01:56-58
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 19:18-19
- मत्ती 22:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5997, H7138, H7453, H7468, H7934, G1069, G2087, G4040, G4139

पड़ोसी, पड़ोसियों, पडोस, आस पास के

परिभाषा:

पड़ोसी अर्थात निकट रहनेवाला मनुष्य। यह सामान्यत: उस व्यक्ति के लिए है जो किसी समुदाय या जाति के बीच वास करता है।

- पड़ोसी मनुष्य एक ही समुदाय का होने के कारण सुरक्षा एवं दया का पात्र होता है।
- नये नियम में नेक सामरी को दृष्टान्त में यीशु ने पड़ोसी शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया है जिसमें वह सब मनुष्यों को समाहित करता है, यहां तक कि जिसे हम अपना बैरी समझते हैं।
- यदि संभव हो तो इसका अनुवाद शाब्दिक अर्थ में ही किया जाए जिसका अर्थ है, “निकट रहनेवाला व्यक्ति”।

(यह भी देखें: विरोधी, दृष्टान्त, जाति, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- इफिसियों 04:25-27
- गलातियों 05:13-15
- याकूब 02:8-9
- यूहन्ना 09:8-9
- लूका 01:56-58
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 19:18-19
- मत्ती 22:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5997, H7138, H7453, H7468, H7934, G1069, G2087, G4040, G4139

पड़ोसी, पड़ोसियों, पडोस, आस पास के

परिभाषा:

पड़ोसी अर्थात निकट रहनेवाला मनुष्य। यह सामान्यत: उस व्यक्ति के लिए है जो किसी समुदाय या जाति के बीच वास करता है।

- पड़ोसी मनुष्य एक ही समुदाय का होने के कारण सुरक्षा एवं दया का पात्र होता है।
- नये नियम में नेक सामरी को दृष्टान्त में यीशु ने पड़ोसी शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया है जिसमें वह सब मनुष्यों को समाहित करता है, यहां तक कि जिसे हम अपना बैरी समझते हैं।
- यदि संभव हो तो इसका अनुवाद शाब्दिक अर्थ में ही किया जाए जिसका अर्थ है, “निकट रहनेवाला व्यक्ति”।

(यह भी देखें: विरोधी, दृष्टान्त, जाति, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- इफिसियों 04:25-27
- गलातियों 05:13-15
- याकूब 02:8-9
- यूहन्ना 09:8-9
- लूका 01:56-58
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 19:18-19
- मत्ती 22:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5997, H7138, H7453, H7468, H7934, G1069, G2087, G4040, G4139

पड़ोसी, पड़ोसियों, पडोस, आस पास के

परिभाषा:

पड़ोसी अर्थात निकट रहनेवाला मनुष्य। यह सामान्यत: उस व्यक्ति के लिए है जो किसी समुदाय या जाति के बीच वास करता है।

- पड़ोसी मनुष्य एक ही समुदाय का होने के कारण सुरक्षा एवं दया का पात्र होता है।
- नये नियम में नेक सामरी को दृष्टान्त में यीशु ने पड़ोसी शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया है जिसमें वह सब मनुष्यों को समाहित करता है, यहां तक कि जिसे हम अपना बैरी समझते हैं।
- यदि संभव हो तो इसका अनुवाद शाब्दिक अर्थ में ही किया जाए जिसका अर्थ है, “निकट रहनेवाला व्यक्ति”।

(यह भी देखें: विरोधी, दृष्टान्त, जाति, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- इफिसियों 04:25-27
- गलातियों 05:13-15
- याकूब 02:8-9
- यूहन्ना 09:8-9
- लूका 01:56-58
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 19:18-19
- मत्ती 22:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5997, H7138, H7453, H7468, H7934, G1069, G2087, G4040, G4139

पतरस, शमौन पतरस, कैफा

तथ्य:

पतरस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह आरंभिक कलीसिया का एक महत्वपूर्ण अगुआ था।

- यीशु द्वारा शिष्य होने के लिए बुलाए जाने से पूर्व पतरस का नाम शमौन था।
- बाद में यीशु ने उसे “कैफा” नाम दिया जिसका अर्थ है “पत्थर या चट्टान” अरामी भाषा में। * पतरस का अर्थ यूनानी भाषा में “पत्थर” या “चट्टान” होता है।
- परमेश्वर ने पतरस के माध्यम से लोगों को चंगा किया और यीशु के सुसमाचार का प्रचार किया।
- नये नियम में दो पुस्तकें पतरस के पत्र हैं जो विश्वासियों को प्रोत्साहित करने तथा शिक्षा देने के लिए हैं।

(यह भी देखें: चेला, प्रेरित)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:25
- गलातियों 02:6-8
- गलातियों 02:11-12
- लूका 22:56-58
- मरकुस 03:13-16
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 08:14-15
- मत्ती 14:28-30
- मत्ती 26:33-35

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **28:09** इस पर पतरस ने उससे कहा, “देख हम तो सब कुछ छोड़ के तेरे पीछे हो लिए हैं | तो हमें इसका क्या प्रतिफल मिलेगा ?”
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ? क्या सात बार तक?”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे” यीशु ने पतरस से कहा, “ आ |”
- **36:01** एक दिन यीशु ने अपने तीन चेलों, पतरस, याकूब और यूहन्ना को अपने साथ लिया |
- **38:09** पतरस ने कहा, “यदि सब तुझे छोड़ दे तोभी, मैं नहीं छोड़ूँगा | यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा | फिर भी आज की रात, मुर्ग़ के दो बार बाँग देने से पहले, तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा |”
- **38:15** जैसे ही सैनिकों ने यीशु को पकड़ लिया, पतरस ने अपनी तलवार निकाल ली और महा याजक के एक दास पर चलाकर उसका कान काट दिया |
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2786, G4074, G4613

पतरस, शमौन पतरस, कैफा

तथ्य:

पतरस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह आरंभिक कलीसिया का एक महत्वपूर्ण अगुआ था।

- यीशु द्वारा शिष्य होने के लिए बुलाए जाने से पूर्व पतरस का नाम शमौन था।
- बाद में यीशु ने उसे "कैफा" नाम दिया जिसका अर्थ है "पत्थर या चट्टान" अरामी भाषा में। * पतरस का अर्थ यूनानी भाषा में "पत्थर" या "चट्टान" होता है।
- परमेश्वर ने पतरस के माध्यम से लोगों को चंगा किया और यीशु के सुसमाचार का प्रचार किया।
- नये नियम में दो पुस्तकें पतरस के पत्र हैं जो विश्वासियों को प्रोत्साहित करने तथा शिक्षा देने के लिए हैं।

(यह भी देखें: चेला, प्रेरित)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:25
- गलातियों 02:6-8
- गलातियों 02:11-12
- लूका 22:56-58
- मरकुस 03:13-16
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 08:14-15
- मत्ती 14:28-30
- मत्ती 26:33-35

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **28:09** इस पर पतरस ने उससे कहा, "देख हम तो सब कुछ छोड़ के तेरे पीछे हो लिए हैं | तो हमें इसका क्या प्रतिफल मिलेगा ?"
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , "हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ? क्या सात बार तक?"
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा 'हे गुरु' यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे" यीशु ने पतरस से कहा, " आ |"
- **36:01** एक दिन यीशु ने अपने तीन चेलों, पतरस, याकूब और यूहन्ना को अपने साथ लिया |
- **38:09** पतरस ने कहा, "यदि सब तुझे छोड़ दे तोभी, मैं नहीं छोड़ूँगा | यीशु ने पतरस से कहा, "शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा | फिर भी आज की रात, मुर्ग़ के दो बार बाँग देने से पहले, तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा |"
- **38:15** जैसे ही सैनिकों ने यीशु को पकड़ लिया, पतरस ने अपनी तलवार निकाल ली और महा याजक के एक दास पर चलाकर उसका कान काट दिया |
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, "मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2786, G4074, G4613

पतरस, शमौन पतरस, कैफा

तथ्य:

पतरस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह आरंभिक कलीसिया का एक महत्वपूर्ण अगुआ था।

- यीशु द्वारा शिष्य होने के लिए बुलाए जाने से पूर्व पतरस का नाम शमौन था।
- बाद में यीशु ने उसे "कैफा" नाम दिया जिसका अर्थ है "पत्थर या चट्टान" अरामी भाषा में। * पतरस का अर्थ यूनानी भाषा में "पत्थर" या "चट्टान" होता है।
- परमेश्वर ने पतरस के माध्यम से लोगों को चंगा किया और यीशु के सुसमाचार का प्रचार किया।

- नये नियम में दो पुस्तकें पतरस के पत्र हैं जो विश्वासियों को प्रोत्साहित करने तथा शिक्षा देने के लिए हैं।

(यह भी देखें: चेला, प्रेरित)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:25
- गलातियों 02:6-8
- गलातियों 02:11-12
- लूका 22:56-58
- मरकुस 03:13-16
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 08:14-15
- मत्ती 14:28-30
- मत्ती 26:33-35

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **28:09** इस पर पतरस ने उससे कहा, “देख हम तो सब कुछ छोड़ के तेरे पीछे हो लिए हैं | तो हमें इसका क्या प्रतिफल मिलेगा ?”
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ? क्या सात बार तक?”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे” यीशु ने पतरस से कहा, “ आ |”
- **36:01** एक दिन यीशु ने अपने तीन चेलों, पतरस, याकूब और यूहन्ना को अपने साथ लिया |
- **38:09** पतरस ने कहा, “यदि सब तुझे छोड़ दे तोभी, मैं नहीं छोडूँगा | यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा | फिर भी आज की रात, मुर्ग़ के दो बार बाँग देने से पहले, तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा |”
- **38:15** जैसे ही सैनिकों ने यीशु को पकड़ लिया, पतरस ने अपनी तलवार निकाल ली और महा याजक के एक दास पर चलाकर उसका कान काट दिया |
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2786, G4074, G4613

पतरस, शमौन पतरस, कैफा

तथ्य:

पतरस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह आरंभिक कलीसिया का एक महत्वपूर्ण अगुआ था।

- यीशु द्वारा शिष्य होने के लिए बुलाए जाने से पूर्व पतरस का नाम शमौन था।
- बाद में यीशु ने उसे “कैफा” नाम दिया जिसका अर्थ है “पत्थर या चट्टान” अरामी भाषा में। * पतरस का अर्थ यूनानी भाषा में “पत्थर” या “चट्टान” होता है।
- परमेश्वर ने पतरस के माध्यम से लोगों को चंगा किया और यीशु के सुसमाचार का प्रचार किया।
- नये नियम में दो पुस्तकें पतरस के पत्र हैं जो विश्वासियों को प्रोत्साहित करने तथा शिक्षा देने के लिए हैं।

(यह भी देखें: चेला, प्रेरित)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:25
- गलातियों 02:6-8
- गलातियों 02:11-12
- लूका 22:56-58
- मरकुस 03:13-16
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 08:14-15
- मत्ती 14:28-30

- मत्ती 26:33-35

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **28:09** इस पर पतरस ने उससे कहा, “देख हम तो सब कुछ छोड़ के तेरे पीछे हो लिए हैं | तो हमें इसका क्या प्रतिफल मिलेगा ?”
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ? क्या सात बार तक?”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे” यीशु ने पतरस से कहा, “ आ |”
- **36:01** एक दिन यीशु ने अपने तीन चेलों, पतरस, याकूब और यूहन्ना को अपने साथ लिया |
- **38:09** पतरस ने कहा, “यदि सब तुझे छोड़ दे तोभी, मैं नहीं छोड़ूँगा | यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा | फिर भी आज की रात, मुर्ग़ के दो बार बाँग देने से पहले, तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा |”
- **38:15** जैसे ही सैनिकों ने यीशु को पकड़ लिया, पतरस ने अपनी तलवार निकाल ली और महा याजक के एक दास पर चलाकर उसका कान काट दिया |
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2786, G4074, G4613

पतरस, शमौन पतरस, कैफा

तथ्य:

पतरस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह आरंभिक कलीसिया का एक महत्वपूर्ण अगुआ था।

- यीशु द्वारा शिष्य होने के लिए बुलाए जाने से पूर्व पतरस का नाम शमौन था।
- बाद में यीशु ने उसे “कैफा” नाम दिया जिसका अर्थ है “पत्थर या चट्टान” अरामी भाषा में। * पतरस का अर्थ यूनानी भाषा में “पत्थर” या “चट्टान” होता है।
- परमेश्वर ने पतरस के माध्यम से लोगों को चंगा किया और यीशु के सुसमाचार का प्रचार किया।
- नये नियम में दो पुस्तकें पतरस के पत्र हैं जो विश्वासियों को प्रोत्साहित करने तथा शिक्षा देने के लिए हैं।

(यह भी देखें: चेला, प्रेरित)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:25
- गलातियों 02:6-8
- गलातियों 02:11-12
- लूका 22:56-58
- मरकुस 03:13-16
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 08:14-15
- मत्ती 14:28-30
- मत्ती 26:33-35

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **28:09** इस पर पतरस ने उससे कहा, “देख हम तो सब कुछ छोड़ के तेरे पीछे हो लिए हैं | तो हमें इसका क्या प्रतिफल मिलेगा ?”
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ? क्या सात बार तक?”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे” यीशु ने पतरस से कहा, “ आ |”
- **36:01** एक दिन यीशु ने अपने तीन चेलों, पतरस, याकूब और यूहन्ना को अपने साथ लिया |
- **38:09** पतरस ने कहा, “यदि सब तुझे छोड़ दे तोभी, मैं नहीं छोड़ूँगा | यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा | फिर भी आज की रात, मुर्ग़ के दो बार बाँग देने से पहले, तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा |”
- **38:15** जैसे ही सैनिकों ने यीशु को पकड़ लिया, पतरस ने अपनी तलवार निकाल ली और महा याजक के एक दास पर चलाकर उसका कान काट दिया |

- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2786, G4074, G4613

पतरस, शमौन पतरस, कैफा

तथ्य:

पतरस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह आरंभिक कलीसिया का एक महत्वपूर्ण अगुआ था।

- यीशु द्वारा शिष्य होने के लिए बुलाए जाने से पूर्व पतरस का नाम शमौन था।
- बाद में यीशु ने उसे “कैफा” नाम दिया जिसका अर्थ है “पत्थर या चट्टान” अरामी भाषा में। * पतरस का अर्थ यूनानी भाषा में “पत्थर” या “चट्टान” होता है।
- परमेश्वर ने पतरस के माध्यम से लोगों को चंगा किया और यीशु के सुसमाचार का प्रचार किया।
- नये नियम में दो पुस्तकें पतरस के पत्र हैं जो विश्वासियों को प्रोत्साहित करने तथा शिक्षा देने के लिए हैं।

(यह भी देखें: चेला, प्रेरित)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:25
- गलातियों 02:6-8
- गलातियों 02:11-12
- लूका 22:56-58
- मरकुस 03:13-16
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 08:14-15
- मत्ती 14:28-30
- मत्ती 26:33-35

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **28:09** इस पर पतरस ने उससे कहा, “देख हम तो सब कुछ छोड़ के तेरे पीछे हो लिए हैं | तो हमें इसका क्या प्रतिफल मिलेगा ?”
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ? क्या सात बार तक?”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे” यीशु ने पतरस से कहा, “ आ |”
- **36:01** एक दिन यीशु ने अपने तीन चेलों, पतरस, याकूब और यूहन्ना को अपने साथ लिया |
- **38:09** पतरस ने कहा, “यदि सब तुझे छोड़ दे तोभी, मैं नहीं छोडूँगा | यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा | फिर भी आज की रात, मुर्ग़ के दो बार बाँग देने से पहले, तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा |”
- **38:15** जैसे ही सैनिकों ने यीशु को पकड़ लिया, पतरस ने अपनी तलवार निकाल ली और महा याजक के एक दास पर चलाकर उसका कान काट दिया |
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2786, G4074, G4613

पतरस, शमौन पतरस, कैफा

तथ्य:

पतरस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह आरंभिक कलीसिया का एक महत्वपूर्ण अगुआ था।

- यीशु द्वारा शिष्य होने के लिए बुलाए जाने से पूर्व पतरस का नाम शमौन था।

- बाद में यीशु ने उसे “कैफा” नाम दिया जिसका अर्थ है “पत्थर या चट्टान” अरामी भाषा में। * पतरस का अर्थ यूनानी भाषा में “पत्थर” या “चट्टान” होता है।
- परमेश्वर ने पतरस के माध्यम से लोगों को चंगा किया और यीशु के सुसमाचार का प्रचार किया।
- नये नियम में दो पुस्तकें पतरस के पत्र हैं जो विश्वासियों को प्रोत्साहित करने तथा शिक्षा देने के लिए हैं।

(यह भी देखें: चेला, प्रेरित)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:25
- गलातियों 02:6-8
- गलातियों 02:11-12
- लूका 22:56-58
- मरकुस 03:13-16
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 08:14-15
- मत्ती 14:28-30
- मत्ती 26:33-35

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **28:09** इस पर पतरस ने उससे कहा, “देख हम तो सब कुछ छोड़ के तेरे पीछे हो लिए हैं | तो हमें इसका क्या प्रतिफल मिलेगा ?”
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ? क्या सात बार तक?”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे” यीशु ने पतरस से कहा, “ आ |”
- **36:01** एक दिन यीशु ने अपने तीन चेलों, पतरस, याकूब और यूहन्ना को अपने साथ लिया |
- **38:09** पतरस ने कहा, “यदि सब तुझे छोड़ दे तोभी, मैं नहीं छोड़ूँगा | यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा | फिर भी आज की रात, मुर्ग़ के दो बार बाँग देने से पहले, तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा |”
- **38:15** जैसे ही सैनिकों ने यीशु को पकड़ लिया, पतरस ने अपनी तलवार निकाल ली और महा याजक के एक दास पर चलाकर उसका कान काट दिया |
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2786, G4074, G4613

पतरस, शमौन पतरस, कैफा

तथ्य:

पतरस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह आरंभिक कलीसिया का एक महत्वपूर्ण अगुआ था।

- यीशु द्वारा शिष्य होने के लिए बुलाए जाने से पूर्व पतरस का नाम शमौन था।
- बाद में यीशु ने उसे “कैफा” नाम दिया जिसका अर्थ है “पत्थर या चट्टान” अरामी भाषा में। * पतरस का अर्थ यूनानी भाषा में “पत्थर” या “चट्टान” होता है।
- परमेश्वर ने पतरस के माध्यम से लोगों को चंगा किया और यीशु के सुसमाचार का प्रचार किया।
- नये नियम में दो पुस्तकें पतरस के पत्र हैं जो विश्वासियों को प्रोत्साहित करने तथा शिक्षा देने के लिए हैं।

(यह भी देखें: चेला, प्रेरित)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:25
- गलातियों 02:6-8
- गलातियों 02:11-12
- लूका 22:56-58
- मरकुस 03:13-16

- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 08:14-15
- मत्ती 14:28-30
- मत्ती 26:33-35

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **28:09** इस पर पतरस ने उससे कहा, “देख हम तो सब कुछ छोड़ के तेरे पीछे हो लिए हैं | तो हमें इसका क्या प्रतिफल मिलेगा ?”
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ? क्या सात बार तक?”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे” यीशु ने पतरस से कहा, “ आ |”
- **36:01** एक दिन यीशु ने अपने तीन चेलों, पतरस, याकूब और यूहन्ना को अपने साथ लिया |
- **38:09** पतरस ने कहा, “यदि सब तुझे छोड़ दे तोभी, मैं नहीं छोड़ूँगा | यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा | फिर भी आज की रात, मुर्ग़ के दो बार बाँग देने से पहले, तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा |”
- **38:15** जैसे ही सैनिकों ने यीशु को पकड़ लिया, पतरस ने अपनी तलवार निकाल ली और महा याजक के एक दास पर चलाकर उसका कान काट दिया |
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2786, G4074, G4613

पत्थर, पत्थर, पत्थर

परिभाषा:

पत्थर एक छोटी चट्टान का टुकड़ा होता है। "पत्थर" करने के लिए किसी ने उसे मारने के इरादे से उस व्यक्ति पर पत्थर और बड़ी चट्टानें फेंकना है एक "पत्थरवाह" एक घटना है जिसमें किसी को पत्थरवाह किया गया था।

- प्राचीन समय में, पत्थरों को लोगों द्वारा किए गए अपराधों की सजा के रूप में लोगों को निष्पादित करने का एक सामान्य तरीका था।
- परमेश्वर ने इस्राएल के अगुवों को आज्ञा दी थी कि वे लोगों को कुछ पापों के लिए मार डालें, जैसे व्यभिचार।
- नए नियम में, यीशु ने व्यभिचार में एक महिला को माफ कर दिया और लोगों को उसे मारने से रोक दिया
- स्तिफनुस, जो यीशु के बारे में गवाही देने के लिए बाइबल में पहली व्यक्ति जिसको हत्या कर दी गई थी, उसे पत्थरवाह करके मार डाला गया था
- लुस्त्रा शहर में, प्रेरित पौलुस को पत्थरवाह किया गया था, लेकिन वह अपने घावों से मरा नहीं।

(यह भी देखें: व्यभिचार, करना, दोष, मर जाए, लुस्त्रा, गवाही)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:57-58
- प्रे.का. 07:59-60
- प्रे.का. 14:5-7
- प्रे.का. 14:19-20
- यूह. 08:4-6
- लूका 13:34-35
- लूका 20:5-6
- मत्ती. 23:37-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H68, H69, H810, H1382, H1496, H1530, H2106, H2672, H2687, H2789, H4676, H4678, H5553, H5601, H5619, H6344, H6443, H6697, H6864, H6872, H7275, H7671, H8068, G2642, G2991, G3034, G3035, G3036, G3037, G4074, G4348, G5586

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पत्थर, पत्थर, पत्थर

परिभाषा:

पत्थर एक छोटी चट्टान का टुकड़ा होता है। "पत्थर" करने के लिए किसी ने उसे मारने के इरादे से उस व्यक्ति पर पत्थर और बड़ी चट्टानें फेंकना है एक "पत्थरवाह" एक घटना है जिसमें किसी को पत्थरवाह किया गया था।

- प्राचीन समय में, पत्थरों को लोगों द्वारा किए गए अपराधों की सजा के रूप में लोगों को निष्पादित करने का एक सामान्य तरीका था।
- परमेश्वर ने इस्राएल के अगुवों को आज्ञा दी थी कि वे लोगों को कुछ पापों के लिए मार डालें, जैसे व्यभिचार।
- नए नियम में, यीशु ने व्यभिचार में एक महिला को माफ कर दिया और लोगों को उसे मारने से रोक दिया
- स्तिफनुस, जो यीशु के बारे में गवाही देने के लिए बाइबल में पहली व्यक्ति जिसको हत्या कर दी गई थी, उसे पत्थरवाह करके मार डाला गया था
- लुस्त्रा शहर में, प्रेरित पौलुस को पत्थरवाह किया गया था, लेकिन वह अपने घावों से मरा नहीं।

(यह भी देखें: व्यभिचार, करना, दोष, मर जाए, लुस्त्रा, गवाही)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:57-58
- प्रे.का. 07:59-60
- प्रे.का. 14:5-7
- प्रे.का. 14:19-20
- यूह. 08:4-6
- लूका 13:34-35
- लूका 20:5-6
- मत्ती. 23:37-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H68, H69, H810, H1382, H1496, H1530, H2106, H2672, H2687, H2789, H4676, H4678, H5553, H5601, H5619, H6344, H6443, H6697, H6864, H6872, H7275, H7671, H8068, G2642, G2991, G3034, G3035, G3036, G3037, G4074, G4348, G5586

पत्थर, पत्थर, पत्थर

परिभाषा:

पत्थर एक छोटी चट्टान का टुकड़ा होता है। "पत्थर" करने के लिए किसी ने उसे मारने के इरादे से उस व्यक्ति पर पत्थर और बड़ी चट्टानें फेंकना है एक "पत्थरवाह" एक घटना है जिसमें किसी को पत्थरवाह किया गया था।

- प्राचीन समय में, पत्थरों को लोगों द्वारा किए गए अपराधों की सजा के रूप में लोगों को निष्पादित करने का एक सामान्य तरीका था।
- परमेश्वर ने इस्राएल के अगुवों को आज्ञा दी थी कि वे लोगों को कुछ पापों के लिए मार डालें, जैसे व्यभिचार।
- नए नियम में, यीशु ने व्यभिचार में एक महिला को माफ कर दिया और लोगों को उसे मारने से रोक दिया
- स्तिफनुस, जो यीशु के बारे में गवाही देने के लिए बाइबल में पहली व्यक्ति जिसको हत्या कर दी गई थी, उसे पत्थरवाह करके मार डाला गया था
- लुस्त्रा शहर में, प्रेरित पौलुस को पत्थरवाह किया गया था, लेकिन वह अपने घावों से मरा नहीं।

(यह भी देखें: व्यभिचार, करना, दोष, मर जाए, लुस्त्रा, गवाही)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:57-58
- प्रे.का. 07:59-60
- प्रे.का. 14:5-7
- प्रे.का. 14:19-20
- यूह. 08:4-6
- लूका 13:34-35
- लूका 20:5-6
- मत्ती. 23:37-39

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H68, H69, H810, H1382, H1496, H1530, H2106, H2672, H2687, H2789, H4676, H4678, H5553, H5601, H5619, H6344, H6443, H6697, H6864, H6872, H7275, H7671, H8068, G2642, G2991, G3034, G3035, G3036, G3037, G4074, G4348, G5586

पत्थर, पत्थर, पत्थर

परिभाषा:

पत्थर एक छोटी चट्टान का टुकड़ा होता है। "पत्थर" करने के लिए किसी ने उसे मारने के इरादे से उस व्यक्ति पर पत्थर और बड़ी चट्टानें फेंकना है एक "पत्थरवाह" एक घटना है जिसमें किसी को पत्थरवाह किया गया था।

- प्राचीन समय में, पत्थरों को लोगों द्वारा किए गए अपराधों की सजा के रूप में लोगों को निष्पादित करने का एक सामान्य तरीका था।
- परमेश्वर ने इस्राएल के अगुवों को आज्ञा दी थी कि वे लोगों को कुछ पापों के लिए मार डालें, जैसे व्यभिचार।
- नए नियम में, यीशु ने व्यभिचार में एक महिला को माफ कर दिया और लोगों को उसे मारने से रोक दिया
- स्तिफनुस, जो यीशु के बारे में गवाही देने के लिए बाइबल में पहली व्यक्ति जिसको हत्या कर दी गई थी, उसे पत्थरवाह करके मार डाला गया था
- लुस्त्रा शहर में, प्रेरित पौलुस को पत्थरवाह किया गया था, लेकिन वह अपने घावों से मरा नहीं।

(यह भी देखें: व्यभिचार, करना, दोष, मर जाए, लुस्त्रा, गवाही)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:57-58
- प्रे.का. 07:59-60
- प्रे.का. 14:5-7
- प्रे.का. 14:19-20
- यूह. 08:4-6
- लूका 13:34-35
- लूका 20:5-6
- मत्ती. 23:37-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H68, H69, H810, H1382, H1496, H1530, H2106, H2672, H2687, H2789, H4676, H4678, H5553, H5601, H5619, H6344, H6443, H6697, H6864, H6872, H7275, H7671, H8068, G2642, G2991, G3034, G3035, G3036, G3037, G4074, G4348, G5586

पत्थर, पत्थर, पत्थर

परिभाषा:

पत्थर एक छोटी चट्टान का टुकड़ा होता है। "पत्थर" करने के लिए किसी ने उसे मारने के इरादे से उस व्यक्ति पर पत्थर और बड़ी चट्टानें फेंकना है एक "पत्थरवाह" एक घटना है जिसमें किसी को पत्थरवाह किया गया था।

- प्राचीन समय में, पत्थरों को लोगों द्वारा किए गए अपराधों की सजा के रूप में लोगों को निष्पादित करने का एक सामान्य तरीका था।
- परमेश्वर ने इस्राएल के अगुवों को आज्ञा दी थी कि वे लोगों को कुछ पापों के लिए मार डालें, जैसे व्यभिचार।
- नए नियम में, यीशु ने व्यभिचार में एक महिला को माफ कर दिया और लोगों को उसे मारने से रोक दिया
- स्तिफनुस, जो यीशु के बारे में गवाही देने के लिए बाइबल में पहली व्यक्ति जिसको हत्या कर दी गई थी, उसे पत्थरवाह करके मार डाला गया था
- लुस्त्रा शहर में, प्रेरित पौलुस को पत्थरवाह किया गया था, लेकिन वह अपने घावों से मरा नहीं।

(यह भी देखें: व्यभिचार, करना, दोष, मर जाए, लुस्त्रा, गवाही)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:57-58
- प्रे.का. 07:59-60
- प्रे.का. 14:5-7
- प्रे.का. 14:19-20
- यूह. 08:4-6

- लूका 13:34-35
- लूका 20:5-6
- मत्ती. 23:37-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H68, H69, H810, H1382, H1496, H1530, H2106, H2672, H2687, H2789, H4676, H4678, H5553, H5601, H5619, H6344, H6443, H6697, H6864, H6872, H7275, H7671, H8068, G2642, G2991, G3034, G3035, G3036, G3037, G4074, G4348, G5586

पत्थर, पत्थर, पत्थर

परिभाषा:

पत्थर एक छोटी चट्टान का टुकड़ा होता है। "पत्थर" करने के लिए किसी ने उसे मारने के इरादे से उस व्यक्ति पर पत्थर और बड़ी चट्टानें फेंकना है एक "पत्थरवाह" एक घटना है जिसमें किसी को पत्थरवाह किया गया था।

- प्राचीन समय में, पत्थरों को लोगों द्वारा किए गए अपराधों की सजा के रूप में लोगों को निष्पादित करने का एक सामान्य तरीका था।
- परमेश्वर ने इस्राएल के अगुवों को आज्ञा दी थी कि वे लोगों को कुछ पापों के लिए मार डालें, जैसे व्यभिचार।
- नए नियम में, यीशु ने व्यभिचार में एक महिला को माफ कर दिया और लोगों को उसे मारने से रोक दिया
- स्तिफनुस, जो यीशु के बारे में गवाही देने के लिए बाइबल में पहली व्यक्ति जिसको हत्या कर दी गई थी, उसे पत्थरवाह करके मार डाला गया था
- लुस्त्रा शहर में, प्रेरित पौलुस को पत्थरवाह किया गया था, लेकिन वह अपने घावों से मरा नहीं।

(यह भी देखें: व्यभिचार, करना, दोष, मर जाए, लुस्त्रा, गवाही)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:57-58
- प्रे.का. 07:59-60
- प्रे.का. 14:5-7
- प्रे.का. 14:19-20
- यूह. 08:4-6
- लूका 13:34-35
- लूका 20:5-6
- मत्ती. 23:37-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H68, H69, H810, H1382, H1496, H1530, H2106, H2672, H2687, H2789, H4676, H4678, H5553, H5601, H5619, H6344, H6443, H6697, H6864, H6872, H7275, H7671, H8068, G2642, G2991, G3034, G3035, G3036, G3037, G4074, G4348, G5586

पत्थर, पत्थर, पत्थर

परिभाषा:

पत्थर एक छोटी चट्टान का टुकड़ा होता है। "पत्थर" करने के लिए किसी ने उसे मारने के इरादे से उस व्यक्ति पर पत्थर और बड़ी चट्टानें फेंकना है एक "पत्थरवाह" एक घटना है जिसमें किसी को पत्थरवाह किया गया था।

- प्राचीन समय में, पत्थरों को लोगों द्वारा किए गए अपराधों की सजा के रूप में लोगों को निष्पादित करने का एक सामान्य तरीका था।
- परमेश्वर ने इस्राएल के अगुवों को आज्ञा दी थी कि वे लोगों को कुछ पापों के लिए मार डालें, जैसे व्यभिचार।
- नए नियम में, यीशु ने व्यभिचार में एक महिला को माफ कर दिया और लोगों को उसे मारने से रोक दिया
- स्तिफनुस, जो यीशु के बारे में गवाही देने के लिए बाइबल में पहली व्यक्ति जिसको हत्या कर दी गई थी, उसे पत्थरवाह करके मार डाला गया था
- लुस्त्रा शहर में, प्रेरित पौलुस को पत्थरवाह किया गया था, लेकिन वह अपने घावों से मरा नहीं।

(यह भी देखें: व्यभिचार, करना, दोष, मर जाए, लुस्त्रा, गवाही)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:57-58

- प्रे.का. 07:59-60
- प्रे.का. 14:5-7
- प्रे.का. 14:19-20
- यूह. 08:4-6
- लूका 13:34-35
- लूका 20:5-6
- मत्ती. 23:37-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H68, H69, H810, H1382, H1496, H1530, H2106, H2672, H2687, H2789, H4676, H4678, H5553, H5601, H5619, H6344, H6443, H6697, H6864, H6872, H7275, H7671, H8068, G2642, G2991, G3034, G3035, G3036, G3037, G4074, G4348, G5586

पत्थर, पत्थर, पत्थर

परिभाषा:

पत्थर एक छोटी चट्टान का टुकड़ा होता है। "पत्थर" करने के लिए किसी ने उसे मारने के इरादे से उस व्यक्ति पर पत्थर और बड़ी चट्टानें फेंकना है एक "पत्थरवाह" एक घटना है जिसमें किसी को पत्थरवाह किया गया था।

- प्राचीन समय में, पत्थरों को लोगों द्वारा किए गए अपराधों की सजा के रूप में लोगों को निष्पादित करने का एक सामान्य तरीका था।
- परमेश्वर ने इस्राएल के अगुवों को आज्ञा दी थी कि वे लोगों को कुछ पापों के लिए मार डालें, जैसे व्यभिचार।
- नए नियम में, यीशु ने व्यभिचार में एक महिला को माफ कर दिया और लोगों को उसे मारने से रोक दिया
- स्तिफनुस, जो यीशु के बारे में गवाही देने के लिए बाइबल में पहली व्यक्ति जिसको हत्या कर दी गई थी, उसे पत्थरवाह करके मार डाला गया था
- लुस्त्रा शहर में, प्रेरित पौलुस को पत्थरवाह किया गया था, लेकिन वह अपने घावों से मरा नहीं।

(यह भी देखें: व्यभिचार, करना, दोष, मर जाए, लुस्त्रा, गवाही)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:57-58
- प्रे.का. 07:59-60
- प्रे.का. 14:5-7
- प्रे.का. 14:19-20
- यूह. 08:4-6
- लूका 13:34-35
- लूका 20:5-6
- मत्ती. 23:37-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H68, H69, H810, H1382, H1496, H1530, H2106, H2672, H2687, H2789, H4676, H4678, H5553, H5601, H5619, H6344, H6443, H6697, H6864, H6872, H7275, H7671, H8068, G2642, G2991, G3034, G3035, G3036, G3037, G4074, G4348, G5586

पत्थर, पत्थर, पत्थर

परिभाषा:

पत्थर एक छोटी चट्टान का टुकड़ा होता है। "पत्थर" करने के लिए किसी ने उसे मारने के इरादे से उस व्यक्ति पर पत्थर और बड़ी चट्टानें फेंकना है एक "पत्थरवाह" एक घटना है जिसमें किसी को पत्थरवाह किया गया था।

- प्राचीन समय में, पत्थरों को लोगों द्वारा किए गए अपराधों की सजा के रूप में लोगों को निष्पादित करने का एक सामान्य तरीका था।
- परमेश्वर ने इस्राएल के अगुवों को आज्ञा दी थी कि वे लोगों को कुछ पापों के लिए मार डालें, जैसे व्यभिचार।
- नए नियम में, यीशु ने व्यभिचार में एक महिला को माफ कर दिया और लोगों को उसे मारने से रोक दिया
- स्तिफनुस, जो यीशु के बारे में गवाही देने के लिए बाइबल में पहली व्यक्ति जिसको हत्या कर दी गई थी, उसे पत्थरवाह करके मार डाला गया था
- लुस्त्रा शहर में, प्रेरित पौलुस को पत्थरवाह किया गया था, लेकिन वह अपने घावों से मरा नहीं।

(यह भी देखें: व्यभिचार, करना, दोष, मर जाए, लुस्त्रा, गवाही)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:57-58
- प्रे.का. 07:59-60
- प्रे.का. 14:5-7
- प्रे.का. 14:19-20
- यूह. 08:4-6
- लूका 13:34-35
- लूका 20:5-6
- मत्ती. 23:37-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H68, H69, H810, H1382, H1496, H1530, H2106, H2672, H2687, H2789, H4676, H4678, H5553, H5601, H5619, H6344, H6443, H6697, H6864, H6872, H7275, H7671, H8068, G2642, G2991, G3034, G3035, G3036, G3037, G4074, G4348, G5586

पत्थर, पत्थर, पत्थर

परिभाषा:

पत्थर एक छोटी चट्टान का टुकड़ा होता है। "पत्थर" करने के लिए किसी ने उसे मारने के इरादे से उस व्यक्ति पर पत्थर और बड़ी चट्टानें फेंकना है एक "पत्थरवाह" एक घटना है जिसमें किसी को पत्थरवाह किया गया था।

- प्राचीन समय में, पत्थरों को लोगों द्वारा किए गए अपराधों की सजा के रूप में लोगों को निष्पादित करने का एक सामान्य तरीका था।
- परमेश्वर ने इस्राएल के अगुवों को आज्ञा दी थी कि वे लोगों को कुछ पापों के लिए मार डालें, जैसे व्यभिचार।
- नए नियम में, यीशु ने व्यभिचार में एक महिला को माफ कर दिया और लोगों को उसे मारने से रोक दिया
- स्तिफनुस, जो यीशु के बारे में गवाही देने के लिए बाइबल में पहली व्यक्ति जिसको हत्या कर दी गई थी, उसे पत्थरवाह करके मार डाला गया था
- लुस्त्रा शहर में, प्रेरित पौलुस को पत्थरवाह किया गया था, लेकिन वह अपने घावों से मरा नहीं।

(यह भी देखें: व्यभिचार, करना, दोष, मर जाए, लुस्त्रा, गवाही)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:57-58
- प्रे.का. 07:59-60
- प्रे.का. 14:5-7
- प्रे.का. 14:19-20
- यूह. 08:4-6
- लूका 13:34-35
- लूका 20:5-6
- मत्ती. 23:37-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H68, H69, H810, H1382, H1496, H1530, H2106, H2672, H2687, H2789, H4676, H4678, H5553, H5601, H5619, H6344, H6443, H6697, H6864, H6872, H7275, H7671, H8068, G2642, G2991, G3034, G3035, G3036, G3037, G4074, G4348, G5586

पत्थर, पत्थर, पत्थर

परिभाषा:

पत्थर एक छोटी चट्टान का टुकड़ा होता है। "पत्थर" करने के लिए किसी ने उसे मारने के इरादे से उस व्यक्ति पर पत्थर और बड़ी चट्टानें फेंकना है एक "पत्थरवाह" एक घटना है जिसमें किसी को पत्थरवाह किया गया था।

- प्राचीन समय में, पत्थरों को लोगों द्वारा किए गए अपराधों की सजा के रूप में लोगों को निष्पादित करने का एक सामान्य तरीका था।
- परमेश्वर ने इस्राएल के अगुवों को आज्ञा दी थी कि वे लोगों को कुछ पापों के लिए मार डालें, जैसे व्यभिचार।
- नए नियम में, यीशु ने व्यभिचार में एक महिला को माफ कर दिया और लोगों को उसे मारने से रोक दिया

- स्तिफनुस, जो यीशु के बारे में गवाही देने के लिए बाइबल में पहली व्यक्ति जिसको हत्या कर दी गई थी, उसे पत्थरवाह करके मार डाला गया था
- लुस्त्रा शहर में, प्रेरित पौलुस को पत्थरवाह किया गया था, लेकिन वह अपने घावों से मरा नहीं।

(यह भी देखें: व्यभिचार, करना, दोष, मर जाए, लुस्त्रा, गवाही)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:57-58
- प्रे.का. 07:59-60
- प्रे.का. 14:5-7
- प्रे.का. 14:19-20
- यूह. 08:4-6
- लूका 13:34-35
- लूका 20:5-6
- मत्ती. 23:37-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H68, H69, H810, H1382, H1496, H1530, H2106, H2672, H2687, H2789, H4676, H4678, H5553, H5601, H5619, H6344, H6443, H6697, H6864, H6872, H7275, H7671, H8068, G2642, G2991, G3034, G3035, G3036, G3037, G4074, G4348, G5586

पत्थर, पत्थर, पत्थर

परिभाषा:

पत्थर एक छोटी चट्टान का टुकड़ा होता है। "पत्थर" करने के लिए किसी ने उसे मारने के इरादे से उस व्यक्ति पर पत्थर और बड़ी चट्टानें फेंकना है एक "पत्थरवाह" एक घटना है जिसमें किसी को पत्थरवाह किया गया था।

- प्राचीन समय में, पत्थरों को लोगों द्वारा किए गए अपराधों की सजा के रूप में लोगों को निष्पादित करने का एक सामान्य तरीका था।
- परमेश्वर ने इस्राएल के अगुवों को आज्ञा दी थी कि वे लोगों को कुछ पापों के लिए मार डालें, जैसे व्यभिचार।
- नए नियम में, यीशु ने व्यभिचार में एक महिला को माफ कर दिया और लोगों को उसे मारने से रोक दिया
- स्तिफनुस, जो यीशु के बारे में गवाही देने के लिए बाइबल में पहली व्यक्ति जिसको हत्या कर दी गई थी, उसे पत्थरवाह करके मार डाला गया था
- लुस्त्रा शहर में, प्रेरित पौलुस को पत्थरवाह किया गया था, लेकिन वह अपने घावों से मरा नहीं।

(यह भी देखें: व्यभिचार, करना, दोष, मर जाए, लुस्त्रा, गवाही)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:57-58
- प्रे.का. 07:59-60
- प्रे.का. 14:5-7
- प्रे.का. 14:19-20
- यूह. 08:4-6
- लूका 13:34-35
- लूका 20:5-6
- मत्ती. 23:37-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H68, H69, H810, H1382, H1496, H1530, H2106, H2672, H2687, H2789, H4676, H4678, H5553, H5601, H5619, H6344, H6443, H6697, H6864, H6872, H7275, H7671, H8068, G2642, G2991, G3034, G3035, G3036, G3037, G4074, G4348, G5586

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पत्री, पत्र, चिट्ठियाँ

परिभाषा:

पत्र किसी को या किसी समुदाय को भेजा गया लिखित सन्देश है जो लेखक से बहुत दूर है। यह एक विशेष पत्र होता है जो अधिक विधिवत शैली में लिखा होता है जिसका उद्देश्य विशेष करके शिक्षा देना होता है।

- नये नियम के युग में पशु की त्वचा से बने चर्मपत्र थे या वृक्षों की खाल से बने कागजों पर लिखे जाते थे।
- नये नियम के पत्र जिन्हें पौलुस, यूसुफ, याकूब और यहूदा और पतरस ने लिखे वे निर्देशन थे जो संपूर्ण रोमी राज्य के विभिन्न स्थानों में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने का उपदेश देने तथा शिक्षा देने के उद्देश्य से लिखे गए थे।
- इस शब्द का अनुवाद “लिखित सन्देश” या “लिखे हुए शब्द” या “लेख” हो सकता है।

(यह भी देखें: समझा, समझा, सिखाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:25-28
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- प्रे.का. 09:1-2
- प्रे.का. 28:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H104, H107, H3791, H4385, H5406, H5407, H5612, H6600, G1121, G1989, G1992

पत्री, पत्र, चिट्ठियाँ

परिभाषा:

पत्र किसी को या किसी समुदाय को भेजा गया लिखित सन्देश है जो लेखक से बहुत दूर है। यह एक विशेष पत्र होता है जो अधिक विधिवत शैली में लिखा होता है जिसका उद्देश्य विशेष करके शिक्षा देना होता है।

- नये नियम के युग में पशु की त्वचा से बने चर्मपत्र थे या वृक्षों की खाल से बने कागजों पर लिखे जाते थे।
- नये नियम के पत्र जिन्हें पौलुस, यूसुफ, याकूब और यहूदा और पतरस ने लिखे वे निर्देशन थे जो संपूर्ण रोमी राज्य के विभिन्न स्थानों में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने का उपदेश देने तथा शिक्षा देने के उद्देश्य से लिखे गए थे।
- इस शब्द का अनुवाद “लिखित सन्देश” या “लिखे हुए शब्द” या “लेख” हो सकता है।

(यह भी देखें: समझा, समझा, सिखाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:25-28
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- प्रे.का. 09:1-2
- प्रे.का. 28:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H104, H107, H3791, H4385, H5406, H5407, H5612, H6600, G1121, G1989, G1992

पत्री, पत्र, चिट्ठियाँ

परिभाषा:

पत्र किसी को या किसी समुदाय को भेजा गया लिखित सन्देश है जो लेखक से बहुत दूर है। यह एक विशेष पत्र होता है जो अधिक विधिवत शैली में लिखा होता है जिसका उद्देश्य विशेष करके शिक्षा देना होता है।

- नये नियम के युग में पशु की त्वचा से बने चर्मपत्र थे या वृक्षों की खाल से बने कागजों पर लिखे जाते थे।

- नये नियम के पत्र जिन्हें पौलुस, यूसुफ, याकूब और यहूदा और पतरस ने लिखे वे निर्देशन थे जो संपूर्ण रोमी राज्य के विभिन्न स्थानों में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने का उपदेश देने तथा शिक्षा देने के उद्देश्य से लिखे गए थे।
- इस शब्द का अनुवाद “लिखित सन्देश” या “लिखे हुए शब्द” या “लेख” हो सकता है।

(यह भी देखें: समझा, समझा, सिखाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:25-28
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- प्रे.का. 09:1-2
- प्रे.का. 28:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H104, H107, H3791, H4385, H5406, H5407, H5612, H6600, G1121, G1989, G1992

पत्री, पत्र, चिट्ठियाँ

परिभाषा:

पत्र किसी को या किसी समुदाय को भेजा गया लिखित सन्देश है जो लेखक से बहुत दूर है। यह एक विशेष पत्र होता है जो अधिक विधिवत शैली में लिखा होता है जिसका उद्देश्य विशेष करके शिक्षा देना होता है।

- नये नियम के युग में पशु की त्वचा से बने चर्मपत्र थे या वृक्षों की खाल से बने कागजों पर लिखे जाते थे।
- नये नियम के पत्र जिन्हें पौलुस, यूसुफ, याकूब और यहूदा और पतरस ने लिखे वे निर्देशन थे जो संपूर्ण रोमी राज्य के विभिन्न स्थानों में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने का उपदेश देने तथा शिक्षा देने के उद्देश्य से लिखे गए थे।
- इस शब्द का अनुवाद “लिखित सन्देश” या “लिखे हुए शब्द” या “लेख” हो सकता है।

(यह भी देखें: समझा, समझा, सिखाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:25-28
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- प्रे.का. 09:1-2
- प्रे.का. 28:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H104, H107, H3791, H4385, H5406, H5407, H5612, H6600, G1121, G1989, G1992

पत्री, पत्र, चिट्ठियाँ

परिभाषा:

पत्र किसी को या किसी समुदाय को भेजा गया लिखित सन्देश है जो लेखक से बहुत दूर है। यह एक विशेष पत्र होता है जो अधिक विधिवत शैली में लिखा होता है जिसका उद्देश्य विशेष करके शिक्षा देना होता है।

- नये नियम के युग में पशु की त्वचा से बने चर्मपत्र थे या वृक्षों की खाल से बने कागजों पर लिखे जाते थे।
- नये नियम के पत्र जिन्हें पौलुस, यूसुफ, याकूब और यहूदा और पतरस ने लिखे वे निर्देशन थे जो संपूर्ण रोमी राज्य के विभिन्न स्थानों में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने का उपदेश देने तथा शिक्षा देने के उद्देश्य से लिखे गए थे।
- इस शब्द का अनुवाद “लिखित सन्देश” या “लिखे हुए शब्द” या “लेख” हो सकता है।

(यह भी देखें: समझा, समझा, सिखाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:25-28

- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- प्रे.का. 09:1-2
- प्रे.का. 28:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H104, H107, H3791, H4385, H5406, H5407, H5612, H6600, G1121, G1989, G1992

पत्री, पत्र, चिट्ठियाँ

परिभाषा:

पत्र किसी को या किसी समुदाय को भेजा गया लिखित सन्देश है जो लेखक से बहुत दूर है। यह एक विशेष पत्र होता है जो अधिक विधिवत शैली में लिखा होता है जिसका उद्देश्य विशेष करके शिक्षा देना होता है।

- नये नियम के युग में पशु की त्वचा से बने चर्मपत्र थे या वृक्षों की खाल से बने कागजों पर लिखे जाते थे।
- नये नियम के पत्र जिन्हें पौलुस, यूसुफ, याकूब और यहूदा और पतरस ने लिखे वे निर्देशन थे जो संपूर्ण रोमी राज्य के विभिन्न स्थानों में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने का उपदेश देने तथा शिक्षा देने के उद्देश्य से लिखे गए थे।
- इस शब्द का अनुवाद “लिखित सन्देश” या “लिखे हुए शब्द” या “लेख” हो सकता है।

(यह भी देखें: समझा, समझा, सिखाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:25-28
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- प्रे.का. 09:1-2
- प्रे.का. 28:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H104, H107, H3791, H4385, H5406, H5407, H5612, H6600, G1121, G1989, G1992

पत्री, पत्र, चिट्ठियाँ

परिभाषा:

पत्र किसी को या किसी समुदाय को भेजा गया लिखित सन्देश है जो लेखक से बहुत दूर है। यह एक विशेष पत्र होता है जो अधिक विधिवत शैली में लिखा होता है जिसका उद्देश्य विशेष करके शिक्षा देना होता है।

- नये नियम के युग में पशु की त्वचा से बने चर्मपत्र थे या वृक्षों की खाल से बने कागजों पर लिखे जाते थे।
- नये नियम के पत्र जिन्हें पौलुस, यूसुफ, याकूब और यहूदा और पतरस ने लिखे वे निर्देशन थे जो संपूर्ण रोमी राज्य के विभिन्न स्थानों में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने का उपदेश देने तथा शिक्षा देने के उद्देश्य से लिखे गए थे।
- इस शब्द का अनुवाद “लिखित सन्देश” या “लिखे हुए शब्द” या “लेख” हो सकता है।

(यह भी देखें: समझा, समझा, सिखाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:25-28
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- प्रे.का. 09:1-2
- प्रे.का. 28:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H104, H107, H3791, H4385, H5406, H5407, H5612, H6600, G1121, G1989, G1992

परदा, परदे

परिभाषा:

बाइबल में “परदा” शब्द निवास के स्थान और मन्दिर में काम में आनेवाला कपड़े का बहुत मोटा परदा था।

- निवास स्थान परदों की चार परतों द्वारा बनाया गया था। ऊपर के लिए और पक्षों के लिए। ये परदे पशुओं की खाल या कपड़ो के थे।
- निवास के चारों ओर प्रांगण को ढांपने के लिए दीवार स्वरूप परदे डाले गए थे। ये परदे “लिनन” से बने थे ये जो एक प्रकार का कपड़ा है जो सन के पौधे से बनाया जाता था।
- निवास (मण्डप) और मन्दिर में पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान के मध्य कपड़े का एक बहुत मोटा परदा था। यही वह परदा था जो यीशु की मृत्यु पर चमत्कारी रूप से फट गया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्योंकि आधुनिक युग के परदे बाइबल के समय में काम में आनेवाले परदों से सर्वथा भिन्न थे, भिन्न शब्द का उपयोग करना या व्याख्या हेतु अन्य शब्दों को जोड़ना उचित होगा।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “परदे का आवरण” या “आवरण” या “मोटा कपड़ा” या “पशु की खाल का आवरण” या “लटकनेवाला कपड़ा”।

(यह भी देखें: पवित्रस्थान, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 10:19-22
- लैव्यव्यवस्था 04:16-17
- लूका 23:44-45
- मत्ती 27:51-53
- गिनती 04:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1852, H3407, H4539, H6532, H7050, G2665

परदा, परदे

परिभाषा:

बाइबल में “परदा” शब्द निवास के स्थान और मन्दिर में काम में आनेवाला कपड़े का बहुत मोटा परदा था।

- निवास स्थान परदों की चार परतों द्वारा बनाया गया था। ऊपर के लिए और पक्षों के लिए। ये परदे पशुओं की खाल या कपड़ो के थे।
- निवास के चारों ओर प्रांगण को ढांपने के लिए दीवार स्वरूप परदे डाले गए थे। ये परदे “लिनन” से बने थे ये जो एक प्रकार का कपड़ा है जो सन के पौधे से बनाया जाता था।
- निवास (मण्डप) और मन्दिर में पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान के मध्य कपड़े का एक बहुत मोटा परदा था। यही वह परदा था जो यीशु की मृत्यु पर चमत्कारी रूप से फट गया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्योंकि आधुनिक युग के परदे बाइबल के समय में काम में आनेवाले परदों से सर्वथा भिन्न थे, भिन्न शब्द का उपयोग करना या व्याख्या हेतु अन्य शब्दों को जोड़ना उचित होगा।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “परदे का आवरण” या “आवरण” या “मोटा कपड़ा” या “पशु की खाल का आवरण” या “लटकनेवाला कपड़ा”।

(यह भी देखें: पवित्रस्थान, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 10:19-22
- लैव्यव्यवस्था 04:16-17
- लूका 23:44-45

- मत्ती 27:51-53
- गिनती 04:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1852, H3407, H4539, H6532, H7050, G2665

परदा, परदे

परिभाषा:

बाइबल में “परदा” शब्द निवास के स्थान और मन्दिर में काम में आनेवाला कपड़े का बहुत मोटा परदा था।

- निवास स्थान परदों की चार परतों द्वारा बनाया गया था। ऊपर के लिए और पक्षों के लिए। ये परदे पशुओं की खाल या कपड़ो के थे।
- निवास के चारों ओर प्रांगण को ढांपने के लिए दीवार स्वरूप परदे डाले गए थे। ये परदे “लिनन” से बने थे ये जो एक प्रकार का कपड़ा है जो सन के पौधे से बनाया जाता था।
- निवास (मण्डप) और मन्दिर में पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान के मध्य कपड़े का एक बहुत मोटा परदा था। यही वह परदा था जो यीशु की मृत्यु पर चमत्कारी रूप से फट गया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्योंकि आधुनिक युग के परदे बाइबल के समय में काम में आनेवाले परदों से सर्वथा भिन्न थे, भिन्न शब्द का उपयोग करना या व्याख्या हेतु अन्य शब्दों को जोड़ना उचित होगा।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “परदे का आवरण” या “आवरण” या “मोटा कपड़ा” या “पशु की खाल का आवरण” या “लटकनेवाला कपड़ा”।

(यह भी देखें: पवित्रस्थान, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 10:19-22
- लैव्यव्यवस्था 04:16-17
- लूका 23:44-45
- मत्ती 27:51-53
- गिनती 04:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1852, H3407, H4539, H6532, H7050, G2665

परदा, परदे

परिभाषा:

बाइबल में “परदा” शब्द निवास के स्थान और मन्दिर में काम में आनेवाला कपड़े का बहुत मोटा परदा था।

- निवास स्थान परदों की चार परतों द्वारा बनाया गया था। ऊपर के लिए और पक्षों के लिए। ये परदे पशुओं की खाल या कपड़ो के थे।
- निवास के चारों ओर प्रांगण को ढांपने के लिए दीवार स्वरूप परदे डाले गए थे। ये परदे “लिनन” से बने थे ये जो एक प्रकार का कपड़ा है जो सन के पौधे से बनाया जाता था।
- निवास (मण्डप) और मन्दिर में पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान के मध्य कपड़े का एक बहुत मोटा परदा था। यही वह परदा था जो यीशु की मृत्यु पर चमत्कारी रूप से फट गया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्योंकि आधुनिक युग के परदे बाइबल के समय में काम में आनेवाले परदों से सर्वथा भिन्न थे, भिन्न शब्द का उपयोग करना या व्याख्या हेतु अन्य शब्दों को जोड़ना उचित होगा।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “परदे का आवरण” या “आवरण” या “मोटा कपड़ा” या “पशु की खाल का आवरण” या “लटकनेवाला कपड़ा”।

(यह भी देखें: पवित्रस्थान, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 10:19-22
- लैव्यव्यवस्था 04:16-17
- लूका 23:44-45
- मत्ती 27:51-53
- गिनती 04:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1852, H3407, H4539, H6532, H7050, G2665

परदा, परदे

परिभाषा:

बाइबल में “परदा” शब्द निवास के स्थान और मन्दिर में काम में आनेवाला कपड़े का बहुत मोटा परदा था।

- निवास स्थान परदों की चार परतों द्वारा बनाया गया था। ऊपर के लिए और पक्षों के लिए। ये परदे पशुओं की खाल या कपड़ो के थे।
- निवास के चारों ओर प्रांगण को ढांपने के लिए दीवार स्वरूप परदे डाले गए थे। ये परदे “लिनन” से बने थे ये जो एक प्रकार का कपड़ा है जो सन के पौधे से बनाया जाता था।
- निवास (मण्डप) और मन्दिर में पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान के मध्य कपड़े का एक बहुत मोटा परदा था। यही वह परदा था जो यीशु की मृत्यु पर चमत्कारी रूप से फट गया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्योंकि आधुनिक युग के परदे बाइबल के समय में काम में आनेवाले परदों से सर्वथा भिन्न थे, भिन्न शब्द का उपयोग करना या व्याख्या हेतु अन्य शब्दों को जोड़ना उचित होगा।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “परदे का आवरण” या “आवरण” या “मोटा कपड़ा” या “पशु की खाल का आवरण” या “लटकनेवाला कपड़ा”।

(यह भी देखें: पवित्रस्थान, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 10:19-22
- लैव्यव्यवस्था 04:16-17
- लूका 23:44-45
- मत्ती 27:51-53
- गिनती 04:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1852, H3407, H4539, H6532, H7050, G2665

परदा, घूँघटों, परदा पड़ा, उघाड़े

परिभाषा:

“परदा” शब्द पतले कपड़े का सिर या चेहरा ढांकने का एक पतला कपड़ा होता है।

- यहोवा की उपस्थिति में रहने के बाद मूसा ने अपने चेहरे पर परदा डाल लिया था कि उसके चेहरे की चमक इस्राएलियों से छिपी रहे।
- बाइबल में स्त्रियां सिर ढांकने के लिए और अधिकतर चेहरा भी ढांकने के लिए परदा डालती थी, पुरुषों के सामने या सार्वजनिक स्थानों में।
- “परदा डालना” अर्थात किसी वस्तु को ढांकना।
- अंग्रेजी संस्करणों में परमपवित्र स्थान को विभाजित करने वाले मोटी यवनिका को भी परदा कहा गया है परन्तु यवनिका शब्द अधिक उचित है क्योंकि वह एक मोटा कपड़ा हुआ करता था। इस संदर्भ में "परदा" शब्द उचित है क्योंकि वह एक मोटा कपड़ा था।

अनुवाद के सुझाव:

- “परदा” शब्द का अनुवाद “पतले कपड़े का आवरण” या “कपड़े का आवरण” या “सिर ढांकना” हो सकता है।
- कुछ संस्कृतियों में स्त्रियों के परदे के लिए अलग शब्द होगा। मूसा के लिए एक अन्य शब्द काम में लेना होगा।

(यह भी देखें: मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 03:12-13
- 2 कुरिन्थियों 03:14-16
- यहेजकेल 13:17-18
- यशायाह 47:1-2
- श्रेष्ठगीत 04:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7289, G2665

परदा, घूँघटों, परदा पड़ा, उघाड़े

परिभाषा:

“परदा” शब्द पतले कपड़े का सिर या चेहरा ढांकने का एक पतला कपड़ा होता है।

- यहोवा की उपस्थिति में रहने के बाद मूसा ने अपने चेहरे पर परदा डाल लिया था कि उसके चेहरे की चमक इस्राएलियों से छिपी रहे।
- बाइबल में स्त्रियां सिर ढांकने के लिए और अधिकतर चेहरा भी ढांकने के लिए परदा डालती थी, पुरुषों के सामने या सार्वजनिक स्थानों में।
- “परदा डालना” अर्थात किसी वस्तु को ढांकना।
- अंग्रेजी संस्करणों में परमपवित्र स्थान को विभाजित करने वाले मोटी यवनिका को भी परदा कहा गया है परन्तु यवनिका शब्द अधिक उचित है क्योंकि वह एक मोटा कपड़ा हुआ करता था। इस संदर्भ में "परदा" शब्द उचित है क्योंकि वह एक मोटा कपड़ा था।

अनुवाद के सुझाव:

- “परदा” शब्द का अनुवाद “पतले कपड़े का आवरण” या “कपड़े का आवरण” या “सिर ढांकना” हो सकता है।
- कुछ संस्कृतियों में स्त्रियों के परदे के लिए अलग शब्द होगा। मूसा के लिए एक अन्य शब्द काम में लेना होगा।

(यह भी देखें: मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 03:12-13
- 2 कुरिन्थियों 03:14-16
- यहेजकेल 13:17-18
- यशायाह 47:1-2
- श्रेष्ठगीत 04:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7289, G2665

परदा, घूँघटों, परदा पड़ा, उघाड़े

परिभाषा:

“परदा” शब्द पतले कपड़े का सिर या चेहरा ढांकने का एक पतला कपड़ा होता है।

- यहोवा की उपस्थिति में रहने के बाद मूसा ने अपने चेहरे पर परदा डाल लिया था कि उसके चेहरे की चमक इस्राएलियों से छिपी रहे।
- बाइबल में स्त्रियां सिर ढांकने के लिए और अधिकतर चेहरा भी ढांकने के लिए परदा डालती थी, पुरुषों के सामने या सार्वजनिक स्थानों में।
- “परदा डालना” अर्थात किसी वस्तु को ढांकना।

- अंग्रेजी संस्करणों में परमपवित्र स्थान को विभाजित करने वाले मोटी यवनिका को भी परदा कहा गया है परन्तु यवनिका शब्द अधिक उचित है क्योंकि वह एक मोटा कपड़ा हुआ करता था। इस संदर्भ में "परदा" शब्द उचित है क्योंकि वह एक मोटा कपड़ा था।

अनुवाद के सुझाव:

- “परदा” शब्द का अनुवाद “पतले कपड़े का आवरण” या “कपड़े का आवरण” या “सिर ढांकना” हो सकता है।
- कुछ संस्कृतियों में स्त्रियों के परदे के लिए अलग शब्द होगा। मूसा के लिए एक अन्य शब्द काम में लेना होगा।

(यह भी देखें: मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 03:12-13
- 2 कुरिन्थियों 03:14-16
- यहेजकेल 13:17-18
- यशायाह 47:1-2
- श्रेष्ठगीत 04:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7289, G2665

परदा, घूँघटों, परदा पड़ा, उघाड़े

परिभाषा:

“परदा” शब्द पतले कपड़े का सिर या चेहरा ढांकने का एक पतला कपड़ा होता है।

- यहोवा की उपस्थिति में रहने के बाद मूसा ने अपने चेहरे पर परदा डाल लिया था कि उसके चेहरे की चमक इस्राएलियों से छिपी रहे।
- बाइबल में स्त्रियां सिर ढांकने के लिए और अधिकतर चेहरा भी ढांकने के लिए परदा डालती थी, पुरुषों के सामने या सार्वजनिक स्थानों में।
- “परदा डालना” अर्थात किसी वस्तु को ढांकना।
- अंग्रेजी संस्करणों में परमपवित्र स्थान को विभाजित करने वाले मोटी यवनिका को भी परदा कहा गया है परन्तु यवनिका शब्द अधिक उचित है क्योंकि वह एक मोटा कपड़ा हुआ करता था। इस संदर्भ में "परदा" शब्द उचित है क्योंकि वह एक मोटा कपड़ा था।

अनुवाद के सुझाव:

- “परदा” शब्द का अनुवाद “पतले कपड़े का आवरण” या “कपड़े का आवरण” या “सिर ढांकना” हो सकता है।
- कुछ संस्कृतियों में स्त्रियों के परदे के लिए अलग शब्द होगा। मूसा के लिए एक अन्य शब्द काम में लेना होगा।

(यह भी देखें: मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 03:12-13
- 2 कुरिन्थियों 03:14-16
- यहेजकेल 13:17-18
- यशायाह 47:1-2
- श्रेष्ठगीत 04:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7289, G2665

परदा, घूँघटों, परदा पड़ा, उघाड़े

परिभाषा:

“परदा” शब्द पतले कपड़े का सिर या चेहरा ढांकने का एक पतला कपड़ा होता है।

- यहोवा की उपस्थिति में रहने के बाद मूसा ने अपने चेहरे पर परदा डाल लिया था कि उसके चेहरे की चमक इस्राएलियों से छिपी रहे।
- बाइबल में स्त्रियां सिर ढांकने के लिए और अधिकतर चेहरा भी ढांकने के लिए परदा डालती थी, पुरुषों के सामने या सार्वजनिक स्थानों में।
- “परदा डालना” अर्थात किसी वस्तु को ढांकना।
- अंग्रेजी संस्करणों में परमपवित्र स्थान को विभाजित करने वाले मोटी यवनिका को भी परदा कहा गया है परन्तु यवनिका शब्द अधिक उचित है क्योंकि वह एक मोटा कपड़ा हुआ करता था। इस संदर्भ में "परदा" शब्द उचित है क्योंकि वह एक मोटा कपड़ा था।

अनुवाद के सुझाव:

- “परदा” शब्द का अनुवाद “पतले कपड़े का आवरण” या “कपड़े का आवरण” या “सिर ढांकना” हो सकता है।
- कुछ संस्कृतियों में स्त्रियों के परदे के लिए अलग शब्द होगा। मूसा के लिए एक अन्य शब्द काम में लेना होगा।

(यह भी देखें: मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 03:12-13
- 2 कुरिन्थियों 03:14-16
- यहेजकेल 13:17-18
- यशायाह 47:1-2
- श्रेष्ठगीत 04:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7289, G2665

परदेशी, फूट करा, अलग किए, पराई

परिभाषा:

“परदेशी” अर्थात किसी अन्य देश में रहनेवाला। “परदेशी” का दूसरा शब्द है, विदेशी।

- पुराने नियम में यह शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो किसी अन्य समुदाय से आकर एक समुदाय में रह रहा है।
- परदेशी वह मनुष्य भी है जिसकी भाषा और संस्कृति किसी विशेष क्षेत्र से भिन्न होती है।
- उदाहरणार्थ, जब नाओमी और उसका परिवार मोआब गए थे तब वहां परदेशी हो कर रहते थे। जब नाओमी और उसकी बहू रूत इस्राएल लौटे तब रूत को “परदेशी” कहा गया क्योंकि वह मूल इस्राएली नहीं थी।
- प्रेरित पौलुस ने इफिसियों की कलीसियाँ को लिखा कि मसीह को जानने से पूर्व वे परमेश्वर के विधान के लिए “परदेशी” थे।
- कभी-कभी “परदेशी” का अनुवाद “अनजान” भी किया जा सकता है परन्तु इसका अर्थ गहन हो कि वह “अपरिचित” या “अज्ञात मनुष्य” है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 02:17-18
- प्रे.का. 07:29-30
- व्यवस्थाविवरण 01:15-16
- उत्पत्ति 15:12-13
- उत्पत्ति 17:24-27
- लूका 17:17-19
- मत्ती 17:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H312, H628, H776, H1471, H1481, H1616, H2114, H3363, H3937, H4033, H5236, H5237, H5361, H6154, H8453, G241, G245, G526, G915, G1854, G3581, G3927, G3941

परदेशी, फूट करा, अलग किए, पराई

परिभाषा:

“परदेशी” अर्थात किसी अन्य देश में रहनेवाला। “परदेशी” का दूसरा शब्द है, विदेशी।

- पुराने नियम में यह शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो किसी अन्य समुदाय से आकर एक समुदाय में रह रहा है।
- परदेशी वह मनुष्य भी है जिसकी भाषा और संस्कृति किसी विशेष क्षेत्र से भिन्न होती है।
- उदाहरणार्थ, जब नाओमी और उसका परिवार मोआब गए थे तब वहां परदेशी हो कर रहते थे। जब नाओमी और उसकी बहू रूत इस्राएल लौटे तब रूत को “परदेशी” कहा गया क्योंकि वह मूल इस्राएली नहीं थी।
- प्रेरित पौलुस ने इफिसियों की कलीसियाँ को लिखा कि मसीह को जानने से पूर्व वे परमेश्वर के विधान के लिए “परदेशी” थे।
- कभी-कभी “परदेशी” का अनुवाद “अनजान” भी किया जा सकता है परन्तु इसका अर्थ गहन हो कि वह “अपरिचित” या “अज्ञात मनुष्य” है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 02:17-18
- प्रे.का. 07:29-30
- व्यवस्थाविवरण 01:15-16
- उत्पत्ति 15:12-13
- उत्पत्ति 17:24-27
- लूका 17:17-19
- मत्ती 17:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H312, H628, H776, H1471, H1481, H1616, H2114, H3363, H3937, H4033, H5236, H5237, H5361, H6154, H8453, G241, G245, G526, G915, G1854, G3581, G3927, G3941

परदेशी, फूट करा, अलग किए, पराई

परिभाषा:

“परदेशी” अर्थात किसी अन्य देश में रहनेवाला। “परदेशी” का दूसरा शब्द है, विदेशी।

- पुराने नियम में यह शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो किसी अन्य समुदाय से आकर एक समुदाय में रह रहा है।
- परदेशी वह मनुष्य भी है जिसकी भाषा और संस्कृति किसी विशेष क्षेत्र से भिन्न होती है।
- उदाहरणार्थ, जब नाओमी और उसका परिवार मोआब गए थे तब वहां परदेशी हो कर रहते थे। जब नाओमी और उसकी बहू रूत इस्राएल लौटे तब रूत को “परदेशी” कहा गया क्योंकि वह मूल इस्राएली नहीं थी।
- प्रेरित पौलुस ने इफिसियों की कलीसियाँ को लिखा कि मसीह को जानने से पूर्व वे परमेश्वर के विधान के लिए “परदेशी” थे।
- कभी-कभी “परदेशी” का अनुवाद “अनजान” भी किया जा सकता है परन्तु इसका अर्थ गहन हो कि वह “अपरिचित” या “अज्ञात मनुष्य” है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 02:17-18
- प्रे.का. 07:29-30
- व्यवस्थाविवरण 01:15-16
- उत्पत्ति 15:12-13
- उत्पत्ति 17:24-27
- लूका 17:17-19
- मत्ती 17:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H312, H628, H776, H1471, H1481, H1616, H2114, H3363, H3937, H4033, H5236, H5237, H5361, H6154, H8453, G241, G245, G526, G915, G1854, G3581, G3927, G3941

परदेशी, फूट करा, अलग किए, पराई

परिभाषा:

“परदेशी” अर्थात किसी अन्य देश में रहनेवाला। “परदेशी” का दूसरा शब्द है, विदेशी।

- पुराने नियम में यह शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो किसी अन्य समुदाय से आकर एक समुदाय में रह रहा है।
- परदेशी वह मनुष्य भी है जिसकी भाषा और संस्कृति किसी विशेष क्षेत्र से भिन्न होती है।
- उदाहरणार्थ, जब नाओमी और उसका परिवार मोआब गए थे तब वहां परदेशी हो कर रहते थे। जब नाओमी और उसकी बहू रूत इस्राएल लौटे तब रूत को “परदेशी” कहा गया क्योंकि वह मूल इस्राएली नहीं थी।
- प्रेरित पौलुस ने इफिसियों की कलीसियाँ को लिखा कि मसीह को जानने से पूर्व वे परमेश्वर के विधान के लिए “परदेशी” थे।
- कभी-कभी “परदेशी” का अनुवाद “अनजान” भी किया जा सकता है परन्तु इसका अर्थ गहन हो कि वह “अपरिचित” या “अज्ञात मनुष्य” है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 02:17-18
- प्रे.का. 07:29-30
- व्यवस्थाविवरण 01:15-16
- उत्पत्ति 15:12-13
- उत्पत्ति 17:24-27
- लूका 17:17-19
- मत्ती 17:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H312, H628, H776, H1471, H1481, H1616, H2114, H3363, H3937, H4033, H5236, H5237, H5361, H6154, H8453, G241, G245, G526, G915, G1854, G3581, G3927, G3941

परदेशी, फूट करा, अलग किए, पराई

परिभाषा:

“परदेशी” अर्थात किसी अन्य देश में रहनेवाला। “परदेशी” का दूसरा शब्द है, विदेशी।

- पुराने नियम में यह शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो किसी अन्य समुदाय से आकर एक समुदाय में रह रहा है।
- परदेशी वह मनुष्य भी है जिसकी भाषा और संस्कृति किसी विशेष क्षेत्र से भिन्न होती है।
- उदाहरणार्थ, जब नाओमी और उसका परिवार मोआब गए थे तब वहां परदेशी हो कर रहते थे। जब नाओमी और उसकी बहू रूत इस्राएल लौटे तब रूत को “परदेशी” कहा गया क्योंकि वह मूल इस्राएली नहीं थी।
- प्रेरित पौलुस ने इफिसियों की कलीसियाँ को लिखा कि मसीह को जानने से पूर्व वे परमेश्वर के विधान के लिए “परदेशी” थे।
- कभी-कभी “परदेशी” का अनुवाद “अनजान” भी किया जा सकता है परन्तु इसका अर्थ गहन हो कि वह “अपरिचित” या “अज्ञात मनुष्य” है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 02:17-18
- प्रे.का. 07:29-30
- व्यवस्थाविवरण 01:15-16
- उत्पत्ति 15:12-13
- उत्पत्ति 17:24-27
- लूका 17:17-19
- मत्ती 17:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H312, H628, H776, H1471, H1481, H1616, H2114, H3363, H3937, H4033, H5236, H5237, H5361, H6154, H8453, G241, G245, G526, G915, G1854, G3581, G3927, G3941

परदेशी, फूट करा, अलग किए, पराई

परिभाषा:

“परदेशी” अर्थात किसी अन्य देश में रहनेवाला। “परदेशी” का दूसरा शब्द है, विदेशी।

- पुराने नियम में यह शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो किसी अन्य समुदाय से आकर एक समुदाय में रह रहा है।
- परदेशी वह मनुष्य भी है जिसकी भाषा और संस्कृति किसी विशेष क्षेत्र से भिन्न होती है।
- उदाहरणार्थ, जब नाओमी और उसका परिवार मोआब गए थे तब वहां परदेशी हो कर रहते थे। जब नाओमी और उसकी बहू रूत इस्राएल लौटे तब रूत को “परदेशी” कहा गया क्योंकि वह मूल इस्राएली नहीं थी।
- प्रेरित पौलुस ने इफिसियों की कलीसियाँ को लिखा कि मसीह को जानने से पूर्व वे परमेश्वर के विधान के लिए “परदेशी” थे।
- कभी-कभी “परदेशी” का अनुवाद “अनजान” भी किया जा सकता है परन्तु इसका अर्थ गहन हो कि वह “अपरिचित” या “अज्ञात मनुष्य” है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 02:17-18
- प्रे.का. 07:29-30
- व्यवस्थाविवरण 01:15-16
- उत्पत्ति 15:12-13
- उत्पत्ति 17:24-27
- लूका 17:17-19
- मत्ती 17:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H312, H628, H776, H1471, H1481, H1616, H2114, H3363, H3937, H4033, H5236, H5237, H5361, H6154, H8453, G241, G245, G526, G915, G1854, G3581, G3927, G3941

परदेशी, फूट करा, अलग किए, पराई

परिभाषा:

“परदेशी” अर्थात किसी अन्य देश में रहनेवाला। “परदेशी” का दूसरा शब्द है, विदेशी।

- पुराने नियम में यह शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो किसी अन्य समुदाय से आकर एक समुदाय में रह रहा है।
- परदेशी वह मनुष्य भी है जिसकी भाषा और संस्कृति किसी विशेष क्षेत्र से भिन्न होती है।
- उदाहरणार्थ, जब नाओमी और उसका परिवार मोआब गए थे तब वहां परदेशी हो कर रहते थे। जब नाओमी और उसकी बहू रूत इस्राएल लौटे तब रूत को “परदेशी” कहा गया क्योंकि वह मूल इस्राएली नहीं थी।
- प्रेरित पौलुस ने इफिसियों की कलीसियाँ को लिखा कि मसीह को जानने से पूर्व वे परमेश्वर के विधान के लिए “परदेशी” थे।
- कभी-कभी “परदेशी” का अनुवाद “अनजान” भी किया जा सकता है परन्तु इसका अर्थ गहन हो कि वह “अपरिचित” या “अज्ञात मनुष्य” है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 02:17-18
- प्रे.का. 07:29-30
- व्यवस्थाविवरण 01:15-16
- उत्पत्ति 15:12-13
- उत्पत्ति 17:24-27
- लूका 17:17-19
- मत्ती 17:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H312, H628, H776, H1471, H1481, H1616, H2114, H3363, H3937, H4033, H5236, H5237, H5361, H6154, H8453, G241, G245, G526, G915, G1854, G3581, G3927, G3941

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

परमप्रधान

तथ्य:

“परमप्रधान” शब्द परमेश्वर का पदनाम है। इसका संदर्भ उसकी महानता और अधिकार से है।

- इस शब्द का अर्थ “प्रभुता संपन्न” या “सर्वोच्च” जैसा ही है।
- इस पदनाम में ऊँचा का अभिप्राय भौतिक ऊँचाई या दूरी से नहीं है। इसका संदर्भ महानता से है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “परमप्रधान परमेश्वर” या “ सर्वोच्च प्राणी” या “सर्वोच्च परमेश्वर” या “सबसे बड़ा” या “सर्वोपरि” या “सबसे महान परमेश्वर”
- यदि “ऊँचा” शब्द का उपयोग किया गया तो सुनिश्चित करें कि उसका अभिप्राय ऊँचाई या लम्बाई न हो।

(यह भी देखें: परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:47-50
- प्रे.का. 16:16-18
- दानिय्येल 04:17-18
- व्यवस्थाविवरण 32:7-8
- उत्पत्ति 14:17-18
- इब्रानियों 07:1-3
- होशे 07:16
- विलापगीत 03:34-36
- लूका 01:30-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5945, G5310

परमप्रधान

तथ्य:

“परमप्रधान” शब्द परमेश्वर का पदनाम है। इसका संदर्भ उसकी महानता और अधिकार से है।

- इस शब्द का अर्थ “प्रभुता संपन्न” या “सर्वोच्च” जैसा ही है।
- इस पदनाम में ऊँचा का अभिप्राय भौतिक ऊँचाई या दूरी से नहीं है। इसका संदर्भ महानता से है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “परमप्रधान परमेश्वर” या “ सर्वोच्च प्राणी” या “सर्वोच्च परमेश्वर” या “सबसे बड़ा” या “सर्वोपरि” या “सबसे महान परमेश्वर”
- यदि “ऊँचा” शब्द का उपयोग किया गया तो सुनिश्चित करें कि उसका अभिप्राय ऊँचाई या लम्बाई न हो।

(यह भी देखें: परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:47-50
- प्रे.का. 16:16-18
- दानिय्येल 04:17-18
- व्यवस्थाविवरण 32:7-8
- उत्पत्ति 14:17-18
- इब्रानियों 07:1-3
- होशे 07:16

- विलापगीत 03:34-36
- लूका 01:30-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5945, G5310

परमप्रधान

तथ्य:

“परमप्रधान” शब्द परमेश्वर का पदनाम है। इसका संदर्भ उसकी महानता और अधिकार से है।

- इस शब्द का अर्थ “प्रभुता संपन्न” या “सर्वोच्च” जैसा ही है।
- इस पदनाम में ऊँचा का अभिप्राय भौतिक ऊँचाई या दूरी से नहीं है। इसका संदर्भ महानता से है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “परमप्रधान परमेश्वर” या “ सर्वोच्च प्राणी” या “सर्वोच्च परमेश्वर” या “सबसे बड़ा” या “सर्वोपरि” या “सबसे महान परमेश्वर”
- यदि “ऊँचा” शब्द का उपयोग किया गया तो सुनिश्चित करें कि उसका अभिप्राय ऊँचाई या लम्बाई न हो।

(यह भी देखें: परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:47-50
- प्रे.का. 16:16-18
- दानिय्येल 04:17-18
- व्यवस्थाविवरण 32:7-8
- उत्पत्ति 14:17-18
- इब्रानियों 07:1-3
- होशे 07:16
- विलापगीत 03:34-36
- लूका 01:30-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5945, G5310

परमप्रधान

तथ्य:

“परमप्रधान” शब्द परमेश्वर का पदनाम है। इसका संदर्भ उसकी महानता और अधिकार से है।

- इस शब्द का अर्थ “प्रभुता संपन्न” या “सर्वोच्च” जैसा ही है।
- इस पदनाम में ऊँचा का अभिप्राय भौतिक ऊँचाई या दूरी से नहीं है। इसका संदर्भ महानता से है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “परमप्रधान परमेश्वर” या “ सर्वोच्च प्राणी” या “सर्वोच्च परमेश्वर” या “सबसे बड़ा” या “सर्वोपरि” या “सबसे महान परमेश्वर”
- यदि “ऊँचा” शब्द का उपयोग किया गया तो सुनिश्चित करें कि उसका अभिप्राय ऊँचाई या लम्बाई न हो।

(यह भी देखें: परमेश्वर)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:47-50
- प्रे.का. 16:16-18
- दानिय्येल 04:17-18
- व्यवस्थाविवरण 32:7-8
- उत्पत्ति 14:17-18
- इब्रानियों 07:1-3
- होशे 07:16
- विलापगीत 03:34-36
- लूका 01:30-33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5945, G5310

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"

- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153,

G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में “परमेश्वर” का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम “यहोवा” बताया है जिसका अर्थ है, “वह है” या “मैं हूँ” या “जो हमेशा से है।”
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दिव्य शक्ति” या “सृजनहार” या “अलौकिक प्राणी”।
- “परमेश्वर” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “अलौकिक सृजनहार” या “अनन्त परम प्रधान प्रभु” या “शाश्वत अलौकिक प्राणी”
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- “मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।”

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** ” केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में “परमेश्वर” का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम “यहोवा” बताया है जिसका अर्थ है, “वह है” या “मैं हूँ” या “जो हमेशा से है।”
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दिव्य शक्ति” या “सृजनहार” या “अलौकिक प्राणी”।
- “परमेश्वर” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “अलौकिक सृजनहार” या “अनन्त परम प्रधान प्रभु” या “शाश्वत अलौकिक प्राणी”
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- “मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।”

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** ” केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में “परमेश्वर” का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।

- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम “यहोवा” बताया है जिसका अर्थ है, “वह है” या “मैं हूँ” या “जो हमेशा से है।”
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दिव्य शक्ति” या “सृजनहार” या “अलौकिक प्राणी”।
- “परमेश्वर” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “अलौकिक सृजनहार” या “अनन्त परम प्रधान प्रभु” या “शाश्वत अलौकिक प्राणी”
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- “मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।”

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** ” केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** ” केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में “परमेश्वर” का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम “यहोवा” बताया है जिसका अर्थ है, “वह है” या “मैं हूँ” या “जो हमेशा से है।”
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दिव्य शक्ति” या “सृजनहार” या “अलौकिक प्राणी”।
- “परमेश्वर” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “अलौकिक सृजनहार” या “अनन्त परम प्रधान प्रभु” या “शाश्वत अलौकिक प्राणी”
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।

- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- “मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।”

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** ” केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।

- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"

- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153,

G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में “परमेश्वर” का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम “यहोवा” बताया है जिसका अर्थ है, “वह है” या “मैं हूँ” या “जो हमेशा से है।”
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दिव्य शक्ति” या “सृजनहार” या “अलौकिक प्राणी”।
- “परमेश्वर” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “अलौकिक सृजनहार” या “अनन्त परम प्रधान प्रभु” या “शाश्वत अलौकिक प्राणी”
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- “मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।”

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है

- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6

- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** ” केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में “परमेश्वर” का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।

- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम “यहोवा” बताया है जिसका अर्थ है, “वह है” या “मैं हूँ” या “जो हमेशा से है।”
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दिव्य शक्ति” या “सृजनहार” या “अलौकिक प्राणी”।
- “परमेश्वर” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “अलौकिक सृजनहार” या “अनन्त परम प्रधान प्रभु” या “शाश्वत अलौकिक प्राणी”
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- “मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।”

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** ” केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** ” केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में “परमेश्वर” का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम “यहोवा” बताया है जिसका अर्थ है, “वह है” या “मैं हूँ” या “जो हमेशा से है।”
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दिव्य शक्ति” या “सृजनहार” या “अलौकिक प्राणी”।
- “परमेश्वर” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “अलौकिक सृजनहार” या “अनन्त परम प्रधान प्रभु” या “शाश्वत अलौकिक प्राणी”
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।

- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- “मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।”

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** ” केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।

- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"

- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153,

G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में “परमेश्वर” का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम “यहोवा” बताया है जिसका अर्थ है, “वह है” या “मैं हूँ” या “जो हमेशा से है।”
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दिव्य शक्ति” या “सृजनहार” या “अलौकिक प्राणी”।
- “परमेश्वर” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “अलौकिक सृजनहार” या “अनन्त परम प्रधान प्रभु” या “शाश्वत अलौकिक प्राणी”
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- “मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।”

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6
- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है

- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा रखनेवाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्य को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "अलौकिक प्राणी"।
- "परमेश्वर" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अलौकिक सृजनहार" या "अनन्त परम प्रधान प्रभु" या "शाश्वत अलौकिक प्राणी"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
- अनेक भाषाओं में परमेश्वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
- इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(यह भी देखें: उत्पन्न, देवता, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- व्य. 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- उत्पत्ति 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यशा. 36:6-7
- याकूब 02:18-20
- यिर्मयाह 05:4-6

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- यूह. 01:1-3
- यहोशू 03:9-11
- विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फिलिप्पुस 02:5-8
- नीतिवचन 24:11-12
- भजन-संहिता 047:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **01:15** परमेश्वर ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **09:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:07** और तू हे बालक, परमप्रधान परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** " केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:07** "कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।"
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

परमेश्वर का जन

तथ्य:

"परमेश्वर का जन" यहोवा के भविष्यद्वक्ता को संबोधित करने की एक सम्मान-सूचक उक्ति है. यह उक्ति यहोवा के स्वर्गदूत के संदर्भ में भी काम में ली गई है.

- भविष्यद्वक्ता के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का अपना जन" या "परमेश्वर का चुना हुआ मनुष्य" या "परमेश्वर का सेवक जन."
- स्वर्गदूत के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का सन्देश-वाहक" या "तेरा स्वर्गदूत" या "परमेश्वर की ओर से एक स्वार्गिक प्राणी जो मनुष्य जैसा दिखता ह."

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, आदर, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 23:12-14
- 1 राजा 12:22
- 1 शमूएल 09:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H376, H430, G444, G2316

परमेश्वर का प्रतिरूप, स्वरूप

परिभाषा:

मूरत का अर्थ है किसी के स्वरूप में या चरित्र या तत्त्व में किसी के समान। "परमेश्वर का प्रतिरूप" प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न रूप में काम में लिया गया है।

- आरंभ में परमेश्वर ने मनुष्य को "अपने स्वरूप" में सृजा था अर्थात् उसकी समानता में। इसका अर्थ है कि मनुष्य के कुछ गुण परमेश्वर के स्वरूप को दर्शाते हैं जैसे भावनाओं की अनुभूति की क्षमता, तर्क करने और विचारों का आदान प्रदान करने की क्षमता और अनश्वर आत्मा।
- बाइबल की शिक्षा के अनुसार यीशु, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर का प्रतिरूप है अर्थात् वह परमेश्वर है। यीशु सृजा नहीं गया था जैसे मनुष्य सृजा गया था। अनादिकाल से पुत्र परमेश्वर में परमेश्वर के सब गुण हैं, क्योंकि उसके पास पिता परमेश्वर का संपूर्ण तत्त्व है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब यीशु को परमेश्वर का प्रतिरूप कहा जाता है तो अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर की यथार्थ समानता में" या "परमेश्वर के तत्त्व में" या "परमेश्वर के अस्तित्व में"।
- मनुष्यों के संदर्भ में "परमेश्वर ने उसे अपने स्वरूप में बनाया" का अनुवाद इस प्रकार की उक्तियों से किया जाए जिनका अर्थ है, "परमेश्वर ने उसे अपनी समानता में बनाया" या "परमेश्वर ने उसे अपने जैसे गुणों में बनाया"।

(यह भी देखें: मूरत, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 04:3-4
- कुलुस्सियों 03:9-11
- उत्पत्ति 01:26-27
- उत्पत्ति 09:5-7
- याकूब 03:9-10
- रोमियो 08:28-30

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4541, H1544, H2553, H6456, H6459, H6754, H6816, H8403, G504, G179

परमेश्वर का प्रतिरूप, स्वरूप

परिभाषा:

मूरत का अर्थ है किसी के स्वरूप में या चरित्र या तत्त्व में किसी के समान। "परमेश्वर का प्रतिरूप" प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न रूप में काम में लिया गया है।

- आरंभ में परमेश्वर ने मनुष्य को "अपने स्वरूप" में सृजा था अर्थात् उसकी समानता में। इसका अर्थ है कि मनुष्य के कुछ गुण परमेश्वर के स्वरूप को दर्शाते हैं जैसे भावनाओं की अनुभूति की क्षमता, तर्क करने और विचारों का आदान प्रदान करने की क्षमता और अनश्वर आत्मा।
- बाइबल की शिक्षा के अनुसार यीशु, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर का प्रतिरूप है अर्थात् वह परमेश्वर है। यीशु सृजा नहीं गया था जैसे मनुष्य सृजा गया था। अनादिकाल से पुत्र परमेश्वर में परमेश्वर के सब गुण हैं, क्योंकि उसके पास पिता परमेश्वर का संपूर्ण तत्त्व है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब यीशु को परमेश्वर का प्रतिरूप कहा जाता है तो अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर की यथार्थ समानता में" या "परमेश्वर के तत्त्व में" या "परमेश्वर के अस्तित्व में"।
- मनुष्यों के संदर्भ में "परमेश्वर ने उसे अपने स्वरूप में बनाया" का अनुवाद इस प्रकार की उक्तियों से किया जाए जिनका अर्थ है, "परमेश्वर ने उसे अपनी समानता में बनाया" या "परमेश्वर ने उसे अपने जैसे गुणों में बनाया"।

(यह भी देखें: मूरत, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 04:3-4
- कुलुस्सियों 03:9-11
- उत्पत्ति 01:26-27
- उत्पत्ति 09:5-7

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- याकूब 03:9-10
- रोमियो 08:28-30

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4541, H1544, H2553, H6456, H6459, H6754, H6816, H8403, G504, G179

परमेश्वर का राज्य, स्वर्ग का राज्य

परिभाषा:

“परमेश्वर का राज्य” और “स्वर्ग का राज्य” दोनों ही परमेश्वर के राज्य एवं अधिकार के संदर्भ में है और जो उसकी प्रजा और संपूर्ण सृष्टि पर है।

- यहूदी “स्वर्ग” शब्द को प्रायः परमेश्वर के संदर्भ में काम में लेते थे कि उसका सीधे तौर से नाम न लें।
- नये नियम में मत्ती रचित सुसमाचार वृत्तान्त में मत्ती परमेश्वर के राज्य को “स्वर्ग का राज्य” कहता है क्योंकि उसका लक्षित समूह संभवतः यहूदी समुदाय था।
- परमेश्वर के राज्य का अर्थ है परमेश्वर मनुष्यों पर आत्मिक परिप्रेक्ष्य में राज करता है वरन् लौकिक संसार पर भी राज करता है।
- पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं ने कहा था कि परमेश्वर अपना मसीह भेजेगा कि वह धार्मिकता के साथ राज करे। परमेश्वर का पुत्र, यीशु ही वह मसीह है जो परमेश्वर के राज्य में सदाकालीन राज करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण पर आधारित “परमेश्वर का राज्य” का अनुवाद, “परमेश्वर का शासन(राजा के रूप में)” या “जब परमेश्वर राजा के रूप में राज करेगा” या “सब पर परमेश्वर का राज” किया जा सकता है।
- शब्द “स्वर्ग का राज्य” का अनुवाद “राजा के रूप में स्वर्ग से परमेश्वर का शासन” या “परमेश्वर जो स्वर्ग में है राज्य करता है” या “स्वर्ग का राज्य” या “सब कुछ पर स्वर्ग का शासन” के रूप में भी किया जा सकता है। यदि यह सरल और स्पष्ट रूप से अनुवाद करना संभव नहीं है, तो अनुवाद "परमेश्वर का राज्य" किया जा सकता है।
- कुछ अनुवादक अंग्रेज़ी में हेवन(स्वर्ग)शब्द का पहला अक्षर बड़ा रखते हैं ताकि ये परमेश्वर को संदर्भित करे। अन्य पाठ में एक टिप्पणी शामिल कर सकते हैं, जैसे "स्वर्ग का राज्य" (अर्थात् 'परमेश्वर का राज्य')। "
- छपे हुए बाइबल के पृष्ठ के नीचे इस अभिव्यक्ति में "स्वर्ग" के अर्थ को समझाने के लिए पाद टिप्पणी का उपयोग कर सकते है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, स्वर्ग, राजा, राज्य, यहूदियों का राजा, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 01:3-5
- प्रे.का. 08:12-13
- प्रे.का. 28:23-24
- कुलुस्सियों 04:10-11
- यूहन्ना 03:3-4
- लूका 07:27-28
- लूका 10:8-9
- लूका 12:31-32
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:17
- मत्ती 05:9-10
- रोमियो 14:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:02** यूहन्ना ने उनसे कहा, “मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है !”
- **28:06** तब यीशु ने अपने चेलों से कहा, "मैं तुम से सच सच कहता हुँ कि धनवान का स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करना कठिन है। तुमसे, फिर कहता हूँ कि परमेश्वर के राज्य में धनवान के प्रवेश करने से ऊँट का सूई के नाके में से निकल जाना सहज है।”
- **29:02** यीशु ने कहा “ इसलिये स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है, जिसने अपने दासों से लेखा लेना चाहा।
- **34:01** यीशु ने उन्हें स्वर्ग के राज्य के बारे में और कहानियाँ बताई। उदहारण के लिये, उसने कहा, “स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने लेकर अपने खेत में बो दिया।
- **34:03** यीशु ने एक और कहानी उन्हें बताई, “स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है जिसको किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते-होते वह सारा आटा खमीरा हो गया।”

- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया।”
- **34:05** “परमेश्वर का राज्य बहुमूल्य सर्वोतम मोती की तरह भी है।”
- **42:09** उसने ऐसे कई तरीको से अपने चेलों को साबित किया कि वह जीवित है और उन्हें परमेश्वर के राज्य की शिक्षा देता रहा।
- **49:05** यीशु ने कहा कि परमेश्वर का राज्य इस संसार की सारी वस्तुओं से कहीं अधिक मूल्यवान है।
- **50:02** जब यीशु पृथ्वी पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे चेले दुनिया में हर जगह लोगों को परमेश्वर के राज्य के बारे में शुभ समाचार का प्रचार करेंगे, और फिर अन्त आ जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: G932, G2316, G3772

परमेश्वर का राज्य, स्वर्ग का राज्य

परिभाषा:

“परमेश्वर का राज्य” और “स्वर्ग का राज्य” दोनों ही परमेश्वर के राज्य एवं अधिकार के संदर्भ में है और जो उसकी प्रजा और संपूर्ण सृष्टि पर है।

- यहूदी “स्वर्ग” शब्द को प्रायः परमेश्वर के संदर्भ में काम में लेते थे कि उसका सीधे तौर से नाम न लें।
- नये नियम में मत्ती रचित सुसमाचार वृत्तान्त में मत्ती परमेश्वर के राज्य को “स्वर्ग का राज्य” कहता है क्योंकि उसका लक्षित समूह संभवतः यहूदी समुदाय था।
- परमेश्वर के राज्य का अर्थ है परमेश्वर मनुष्यों पर आत्मिक परिप्रेक्ष्य में राज करता है वरन् लौकिक संसार पर भी राज करता है।
- पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं ने कहा था कि परमेश्वर अपना मसीह भेजेगा कि वह धार्मिकता के साथ राज करे। परमेश्वर का पुत्र, यीशु ही वह मसीह है जो परमेश्वर के राज्य में सदाकालीन राज करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण पर आधारित “परमेश्वर का राज्य” का अनुवाद, “परमेश्वर का शासन(राजा के रूप में)” या “जब परमेश्वर राजा के रूप में राज करेगा” या “सब पर परमेश्वर का राज” किया जा सकता है।
- शब्द “स्वर्ग का राज्य” का अनुवाद “राजा के रूप में स्वर्ग से परमेश्वर का शासन” या “परमेश्वर जो स्वर्ग में है राज्य करता है” या “स्वर्ग का राज्य” या “सब कुछ पर स्वर्ग का शासन” के रूप में भी किया जा सकता है। यदि यह सरल और स्पष्ट रूप से अनुवाद करना संभव नहीं है, तो अनुवाद "परमेश्वर का राज्य" किया जा सकता है।
- कुछ अनुवादक अग्रेज़ी में हेवन(स्वर्ग)शब्द का पहला अक्षर बड़ा रखते हैं ताकि ये परमेश्वर को संदर्भित करे। अन्य पाठ में एक टिप्पणी शामिल कर सकते हैं, जैसे "स्वर्ग का राज्य" (अर्थात् 'परमेश्वर का राज्य')। "
- छपे हुए बाइबल के पृष्ठ के नीचे इस अभिव्यक्ति में "स्वर्ग" के अर्थ को समझाने के लिए पाद टिप्पणी का उपयोग कर सकते है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, स्वर्ग, राजा, राज्य, यहूदियों का राजा, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 01:3-5
- प्रे.का. 08:12-13
- प्रे.का. 28:23-24
- कुलुस्सियों 04:10-11
- यूहन्ना 03:3-4
- लूका 07:27-28
- लूका 10:8-9
- लूका 12:31-32
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:17
- मत्ती 05:9-10
- रोमियो 14:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:02** यूहन्ना ने उनसे कहा, “मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है !”
- **28:06** तब यीशु ने अपने चेलों से कहा, "मैं तुम से सच सच कहता हुँ कि धनवान का स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करना कठिन है। तुमसे, फिर कहता हूँ कि परमेश्वर के राज्य में धनवान के प्रवेश करने से ऊँट का सूई के नाके में से निकल जाना सहज है।”
- **29:02** यीशु ने कहा “ इसलिये स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है, जिसने अपने दासों से लेखा लेना चाहा।

- **34:01** यीशु ने उन्हें स्वर्ग के राज्य के बारे में और कहानियाँ बताई। उदहारण के लिये, उसने कहा, “स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने लेकर अपने खेत में बो दिया।
- **34:03** यीशु ने एक और कहानी उन्हें बताई, “स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है जिसको किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते-होते वह सारा आटा खमीरा हो गया।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया।”
- **34:05** “परमेश्वर का राज्य बहुमूल्य सर्वोतम मोती की तरह भी है।”
- **42:09** उसने ऐसे कई तरीको से अपने चेलों को साबित किया कि वह जीवित है और उन्हें परमेश्वर के राज्य की शिक्षा देता रहा।
- **49:05** यीशु ने कहा कि परमेश्वर का राज्य इस संसार की सारी वस्तुओं से कहीं अधिक मूल्यवान है।
- **50:02** जब यीशु पृथ्वी पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे चेले दुनिया में हर जगह लोगों को परमेश्वर के राज्य के बारे में शुभ समाचार का प्रचार करेंगे, और फिर अन्त आ जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: G932, G2316, G3772

परमेश्वर का राज्य, स्वर्ग का राज्य

परिभाषा:

“परमेश्वर का राज्य” और “स्वर्ग का राज्य” दोनों ही परमेश्वर के राज्य एवं अधिकार के संदर्भ में है और जो उसकी प्रजा और संपूर्ण सृष्टि पर है।

- यहूदी “स्वर्ग” शब्द को प्रायः परमेश्वर के संदर्भ में काम में लेते थे कि उसका सीधे तौर से नाम न लें।
- नये नियम में मत्ती रचित सुसमाचार वृत्तान्त में मत्ती परमेश्वर के राज्य को “स्वर्ग का राज्य” कहता है क्योंकि उसका लक्षित समूह संभवतः यहूदी समुदाय था।
- परमेश्वर के राज्य का अर्थ है परमेश्वर मनुष्यों पर आत्मिक परिप्रेक्ष्य में राज करता है वरन् लौकिक संसार पर भी राज करता है।
- पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं ने कहा था कि परमेश्वर अपना मसीह भेजेगा कि वह धार्मिकता के साथ राज करे। परमेश्वर का पुत्र, यीशु ही वह मसीह है जो परमेश्वर के राज्य में सदाकालीन राज करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण पर आधारित “परमेश्वर का राज्य” का अनुवाद, “परमेश्वर का शासन(राजा के रूप में)” या “जब परमेश्वर राजा के रूप में राज करेगा” या “सब पर परमेश्वर का राज” किया जा सकता है।
- शब्द “स्वर्ग का राज्य” का अनुवाद “राजा के रूप में स्वर्ग से परमेश्वर का शासन” या “परमेश्वर जो स्वर्ग में है राज्य करता है” या “स्वर्ग का राज्य” या “सब कुछ पर स्वर्ग का शासन” के रूप में भी किया जा सकता है। यदि यह सरल और स्पष्ट रूप से अनुवाद करना संभव नहीं है, तो अनुवाद "परमेश्वर का राज्य" किया जा सकता है।
- कुछ अनुवादक अंग्रेज़ी में हेवन(स्वर्ग)शब्द का पहला अक्षर बड़ा रखते हैं ताकि ये परमेश्वर को संदर्भित करे। अन्य पाठ में एक टिप्पणी शामिल कर सकते हैं, जैसे "स्वर्ग का राज्य" (अर्थात् 'परमेश्वर का राज्य')। "
- छपे हुए बाइबल के पृष्ठ के नीचे इस अभिव्यक्ति में "स्वर्ग" के अर्थ को समझाने के लिए पाद टिप्पणी का उपयोग कर सकते है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, स्वर्ग, राजा, राज्य, यहूदियों का राजा, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 01:3-5
- प्रे.का. 08:12-13
- प्रे.का. 28:23-24
- कुलुस्सियों 04:10-11
- यूहन्ना 03:3-4
- लूका 07:27-28
- लूका 10:8-9
- लूका 12:31-32
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:17
- मत्ती 05:9-10
- रोमियो 14:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:02** यूहन्ना ने उनसे कहा, “मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है !”
- **28:06** तब यीशु ने अपने चेलों से कहा, "मैं तुम से सच सच कहता हुँ कि धनवान का स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करना कठिन है। तुमसे, फिर कहता हूँ कि परमेश्वर के राज्य में धनवान के प्रवेश करने से ऊँट का सूई के नाके में से निकल जाना सहज है।”
- **29:02** यीशु ने कहा “ इसलिये स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है, जिसने अपने दासों से लेखा लेना चाहा।
- **34:01** यीशु ने उन्हें स्वर्ग के राज्य के बारे में और कहानियाँ बताई। उदहारण के लिये, उसने कहा, “स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने लेकर अपने खेत में बो दिया।
- **34:03** यीशु ने एक और कहानी उन्हें बताई, “स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है जिसको किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते-होते वह सारा आटा खमीरा हो गया।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया।”
- **34:05** “परमेश्वर का राज्य बहुमूल्य सर्वोतम मोती की तरह भी है।”
- **42:09** उसने ऐसे कई तरीको से अपने चेलों को साबित किया कि वह जीवित है और उन्हें परमेश्वर के राज्य की शिक्षा देता रहा।
- **49:05** यीशु ने कहा कि परमेश्वर का राज्य इस संसार की सारी वस्तुओं से कहीं अधिक मूल्यवान है।
- **50:02** जब यीशु पृथ्वी पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे चेले दुनिया में हर जगह लोगों को परमेश्वर के राज्य के बारे में शुभ समाचार का प्रचार करेंगे, और फिर अन्त आ जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: G932, G2316, G3772

परमेश्वर का राज्य, स्वर्ग का राज्य

परिभाषा:

“परमेश्वर का राज्य” और “स्वर्ग का राज्य” दोनों ही परमेश्वर के राज्य एवं अधिकार के संदर्भ में है और जो उसकी प्रजा और संपूर्ण सृष्टि पर है।

- यहूदी “स्वर्ग” शब्द को प्रायः परमेश्वर के संदर्भ में काम में लेते थे कि उसका सीधे तौर से नाम न लें।
- नये नियम में मत्ती रचित सुसमाचार वृत्तान्त में मत्ती परमेश्वर के राज्य को “स्वर्ग का राज्य” कहता है क्योंकि उसका लक्षित समूह संभवतः यहूदी समुदाय था।
- परमेश्वर के राज्य का अर्थ है परमेश्वर मनुष्यों पर आत्मिक परिप्रेक्ष्य में राज करता है वरन् लौकिक संसार पर भी राज करता है।
- पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं ने कहा था कि परमेश्वर अपना मसीह भेजेगा कि वह धार्मिकता के साथ राज करे। परमेश्वर का पुत्र, यीशु ही वह मसीह है जो परमेश्वर के राज्य में सदाकालीन राज करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण पर आधारित “परमेश्वर का राज्य” का अनुवाद, “परमेश्वर का शासन(राजा के रूप में)” या “जब परमेश्वर राजा के रूप में राज करेगा” या “सब पर परमेश्वर का राज” किया जा सकता है।
- शब्द “स्वर्ग का राज्य” का अनुवाद “राजा के रूप में स्वर्ग से परमेश्वर का शासन” या “परमेश्वर जो स्वर्ग में है राज्य करता है” या “स्वर्ग का राज्य” या “सब कुछ पर स्वर्ग का शासन” के रूप में भी किया जा सकता है। यदि यह सरल और स्पष्ट रूप से अनुवाद करना संभव नहीं है, तो अनुवाद "परमेश्वर का राज्य" किया जा सकता है।
- कुछ अनुवादक अग्रेज़ी में हेवन(स्वर्ग)शब्द का पहला अक्षर बड़ा रखते हैं ताकि ये परमेश्वर को संदर्भित करे। अन्य पाठ में एक टिप्पणी शामिल कर सकते हैं, जैसे "स्वर्ग का राज्य" (अर्थात् 'परमेश्वर का राज्य')। "
- छपे हुए बाइबल के पृष्ठ के नीचे इस अभिव्यक्ति में "स्वर्ग" के अर्थ को समझाने के लिए पाद टिप्पणी का उपयोग कर सकते है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, स्वर्ग, राजा, राज्य, यहूदियों का राजा, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 01:3-5
- प्रे.का. 08:12-13
- प्रे.का. 28:23-24
- कुलुस्सियों 04:10-11
- यूहन्ना 03:3-4
- लूका 07:27-28
- लूका 10:8-9
- लूका 12:31-32
- मत्ती 03:1-3

- मत्ती 04:17
- मत्ती 05:9-10
- रोमियो 14:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:02** यूहन्ना ने उनसे कहा, “मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है !”
- **28:06** तब यीशु ने अपने चेलों से कहा, "मैं तुम से सच सच कहता हुँ कि धनवान का स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करना कठिन है। तुमसे, फिर कहता हूँ कि परमेश्वर के राज्य में धनवान के प्रवेश करने से ऊँट का सूई के नाके में से निकल जाना सहज है।”
- **29:02** यीशु ने कहा “ इसलिये स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है, जिसने अपने दासों से लेखा लेना चाहा।
- **34:01** यीशु ने उन्हें स्वर्ग के राज्य के बारे में और कहानियाँ बताई। उदहारण के लिये, उसने कहा, “स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने लेकर अपने खेत में बो दिया।
- **34:03** यीशु ने एक और कहानी उन्हें बताई, “स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है जिसको किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते-होते वह सारा आटा खमीरा हो गया।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया।”
- **34:05** “परमेश्वर का राज्य बहुमूल्य सर्वोतम मोती की तरह भी है।”
- **42:09** उसने ऐसे कई तरीको से अपने चेलों को साबित किया कि वह जीवित है और उन्हें परमेश्वर के राज्य की शिक्षा देता रहा।
- **49:05** यीशु ने कहा कि परमेश्वर का राज्य इस संसार की सारी वस्तुओं से कहीं अधिक मूल्यवान है।
- **50:02** जब यीशु पृथ्वी पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे चेले दुनिया में हर जगह लोगों को परमेश्वर के राज्य के बारे में शुभ समाचार का प्रचार करेंगे, और फिर अन्त आ जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: G932, G2316, G3772

परमेश्वर का राज्य, स्वर्ग का राज्य

परिभाषा:

“परमेश्वर का राज्य” और “स्वर्ग का राज्य” दोनों ही परमेश्वर के राज्य एवं अधिकार के संदर्भ में है और जो उसकी प्रजा और संपूर्ण सृष्टि पर है।

- यहूदी “स्वर्ग” शब्द को प्रायः परमेश्वर के संदर्भ में काम में लेते थे कि उसका सीधे तौर से नाम न लें।
- नये नियम में मत्ती रचित सुसमाचार वृत्तान्त में मत्ती परमेश्वर के राज्य को “स्वर्ग का राज्य” कहता है क्योंकि उसका लक्षित समूह संभवतः यहूदी समुदाय था।
- परमेश्वर के राज्य का अर्थ है परमेश्वर मनुष्यों पर आत्मिक परिप्रेक्ष्य में राज करता है वरन् लौकिक संसार पर भी राज करता है।
- पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं ने कहा था कि परमेश्वर अपना मसीह भेजेगा कि वह धार्मिकता के साथ राज करे। परमेश्वर का पुत्र, यीशु ही वह मसीह है जो परमेश्वर के राज्य में सदाकालीन राज करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण पर आधारित “परमेश्वर का राज्य” का अनुवाद, “परमेश्वर का शासन(राजा के रूप में)” या “जब परमेश्वर राजा के रूप में राज करेगा” या “सब पर परमेश्वर का राज” किया जा सकता है।
- शब्द “स्वर्ग का राज्य” का अनुवाद “राजा के रूप में स्वर्ग से परमेश्वर का शासन” या “परमेश्वर जो स्वर्ग में है राज्य करता है” या “स्वर्ग का राज्य” या “सब कुछ पर स्वर्ग का शासन” के रूप में भी किया जा सकता है। यदि यह सरल और स्पष्ट रूप से अनुवाद करना संभव नहीं है, तो अनुवाद "परमेश्वर का राज्य" किया जा सकता है।
- कुछ अनुवादक अग्रेज़ी में हेवन(स्वर्ग)शब्द का पहला अक्षर बड़ा रखते हैं ताकि ये परमेश्वर को संदर्भित करे। अन्य पाठ में एक टिप्पणी शामिल कर सकते हैं, जैसे "स्वर्ग का राज्य" (अर्थात् 'परमेश्वर का राज्य')। "
- छपे हुए बाइबल के पृष्ठ के नीचे इस अभिव्यक्ति में "स्वर्ग" के अर्थ को समझाने के लिए पाद टिप्पणी का उपयोग कर सकते है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, स्वर्ग, राजा, राज्य, यहूदियों का राजा, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 01:3-5
- प्रे.का. 08:12-13
- प्रे.का. 28:23-24
- कुलुस्सियों 04:10-11
- यूहन्ना 03:3-4

- लूका 07:27-28
- लूका 10:8-9
- लूका 12:31-32
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:17
- मत्ती 05:9-10
- रोमियो 14:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:02** यूहन्ना ने उनसे कहा, “मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है !”
- **28:06** तब यीशु ने अपने चेलों से कहा, "मैं तुम से सच सच कहता हुँ कि धनवान का स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करना कठिन है। तुमसे, फिर कहता हूँ कि परमेश्वर के राज्य में धनवान के प्रवेश करने से ऊँट का सूई के नाके में से निकल जाना सहज है।”
- **29:02** यीशु ने कहा “ इसलिये स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है, जिसने अपने दासों से लेखा लेना चाहा।
- **34:01** यीशु ने उन्हें स्वर्ग के राज्य के बारे में और कहानियाँ बताई। उदहारण के लिये, उसने कहा, “स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने लेकर अपने खेत में बो दिया।
- **34:03** यीशु ने एक और कहानी उन्हें बताई, “स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है जिसको किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते-होते वह सारा आटा खमीरा हो गया।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया।”
- **34:05** “परमेश्वर का राज्य बहुमूल्य सर्वोतम मोती की तरह भी है।”
- **42:09** उसने ऐसे कई तरीको से अपने चेलों को साबित किया कि वह जीवित है और उन्हें परमेश्वर के राज्य की शिक्षा देता रहा।
- **49:05** यीशु ने कहा कि परमेश्वर का राज्य इस संसार की सारी वस्तुओं से कहीं अधिक मूल्यवान है।
- **50:02** जब यीशु पृथ्वी पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे चेले दुनिया में हर जगह लोगों को परमेश्वर के राज्य के बारे में शुभ समाचार का प्रचार करेंगे, और फिर अन्त आ जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: G932, G2316, G3772

परमेश्वर का राज्य, स्वर्ग का राज्य

परिभाषा:

“परमेश्वर का राज्य” और “स्वर्ग का राज्य” दोनों ही परमेश्वर के राज्य एवं अधिकार के संदर्भ में है और जो उसकी प्रजा और संपूर्ण सृष्टि पर है।

- यहूदी “स्वर्ग” शब्द को प्रायः परमेश्वर के संदर्भ में काम में लेते थे कि उसका सीधे तौर से नाम न लें।
- नये नियम में मत्ती रचित सुसमाचार वृत्तान्त में मत्ती परमेश्वर के राज्य को “स्वर्ग का राज्य” कहता है क्योंकि उसका लक्षित समूह संभवतः यहूदी समुदाय था।
- परमेश्वर के राज्य का अर्थ है परमेश्वर मनुष्यों पर आत्मिक परिप्रेक्ष्य में राज करता है वरन् लौकिक संसार पर भी राज करता है।
- पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं ने कहा था कि परमेश्वर अपना मसीह भेजेगा कि वह धार्मिकता के साथ राज करे। परमेश्वर का पुत्र, यीशु ही वह मसीह है जो परमेश्वर के राज्य में सदाकालीन राज करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण पर आधारित “परमेश्वर का राज्य” का अनुवाद, “परमेश्वर का शासन(राजा के रूप में)” या “जब परमेश्वर राजा के रूप में राज करेगा” या “सब पर परमेश्वर का राज” किया जा सकता है।
- शब्द “स्वर्ग का राज्य” का अनुवाद “राजा के रूप में स्वर्ग से परमेश्वर का शासन” या “परमेश्वर जो स्वर्ग में है राज्य करता है” या “स्वर्ग का राज्य” या “सब कुछ पर स्वर्ग का शासन” के रूप में भी किया जा सकता है। यदि यह सरल और स्पष्ट रूप से अनुवाद करना संभव नहीं है, तो अनुवाद "परमेश्वर का राज्य" किया जा सकता है।
- कुछ अनुवादक अंग्रेज़ी में हेवन(स्वर्ग)शब्द का पहला अक्षर बड़ा रखते हैं ताकि ये परमेश्वर को संदर्भित करे। अन्य पाठ में एक टिप्पणी शामिल कर सकते हैं, जैसे "स्वर्ग का राज्य" (अर्थात् 'परमेश्वर का राज्य')। "
- छपे हुए बाइबल के पृष्ठ के नीचे इस अभिव्यक्ति में "स्वर्ग" के अर्थ को समझाने के लिए पाद टिप्पणी का उपयोग कर सकते है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, स्वर्ग, राजा, राज्य, यहूदियों का राजा, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 01:3-5

- प्रे.का. 08:12-13
- प्रे.का. 28:23-24
- कुलुस्सियों 04:10-11
- यूहन्ना 03:3-4
- लूका 07:27-28
- लूका 10:8-9
- लूका 12:31-32
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:17
- मत्ती 05:9-10
- रोमियो 14:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:02** यूहन्ना ने उनसे कहा, “मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है !”
- **28:06** तब यीशु ने अपने चेलों से कहा, "मैं तुम से सच सच कहता हुँ कि धनवान का स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करना कठिन है। तुमसे, फिर कहता हूँ कि परमेश्वर के राज्य में धनवान के प्रवेश करने से ऊँट का सूई के नाके में से निकल जाना सहज है।”
- **29:02** यीशु ने कहा “ इसलिये स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है, जिसने अपने दासों से लेखा लेना चाहा।
- **34:01** यीशु ने उन्हें स्वर्ग के राज्य के बारे में और कहानियाँ बताई। उदहारण के लिये, उसने कहा, “स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने लेकर अपने खेत में बो दिया।
- **34:03** यीशु ने एक और कहानी उन्हें बताई, “स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है जिसको किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते-होते वह सारा आटा खमीरा हो गया।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया।”
- **34:05** “परमेश्वर का राज्य बहुमूल्य सर्वोतम मोती की तरह भी है।”
- **42:09** उसने ऐसे कई तरीको से अपने चेलों को साबित किया कि वह जीवित है और उन्हें परमेश्वर के राज्य की शिक्षा देता रहा।
- **49:05** यीशु ने कहा कि परमेश्वर का राज्य इस संसार की सारी वस्तुओं से कहीं अधिक मूल्यवान है।
- **50:02** जब यीशु पृथ्वी पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे चेले दुनिया में हर जगह लोगों को परमेश्वर के राज्य के बारे में शुभ समाचार का प्रचार करेंगे, और फिर अन्त आ जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: G932, G2316, G3772

परमेश्वर की इच्छा

परिभाषा:

“परमेश्वर की इच्छा” का संदर्भ परमेश्वर के मनोरथ और योजना से है।

- परमेश्वर की इच्छा विशेष करके मनुष्यों के साथ उनकी बातचीत से है और वह मनुष्यों से अपने प्रति कैसी प्रतिक्रिया चाहता है, उससे संबन्धित है।
- इसका संदर्भ उसकी योजनाओं और मनोरथों से है जो उसकी संपूर्ण सृष्टि के संबन्ध में हैं।
- “इच्छा करना” का अर्थ है, “ठान लेना” या “इच्छा करना” से है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर की इच्छा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का मनोरथ क्या है” या “परमेश्वर ने क्या योजना बनाई है” या “परमेश्वर का उद्देश्य” या “परमेश्वर को क्या प्रसन्न करता है”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:3-6
- कुलुस्सियों 04:12-14
- इफिसियों 01:1-2
- यूहन्ना 05:30-32
- मरकुस 03:33-35
- मत्ती 06:8-10
- भजन संहिता 103:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6310, H6634, H7522, G1012, G1013, G2307, G2308, G2309, G2596

परमेश्वर की इच्छा

परिभाषा:

“परमेश्वर की इच्छा” का संदर्भ परमेश्वर के मनोरथ और योजना से है।

- परमेश्वर की इच्छा विशेष करके मनुष्यों के साथ उनकी बातचीत से है और वह मनुष्यों से अपने प्रति कैसी प्रतिक्रिया चाहता है, उससे संबन्धित है।
- इसका संदर्भ उसकी योजनाओं और मनोरथों से है जो उसकी संपूर्ण सृष्टि के संबन्ध में हैं।
- “इच्छा करना” का अर्थ है, “ठान लेना” या “इच्छा करना” से है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर की इच्छा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का मनोरथ क्या है” या “परमेश्वर ने क्या योजना बनाई है” या “परमेश्वर का उद्देश्य” या “परमेश्वर को क्या प्रसन्न करता है”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:3-6
- कुलुस्सियों 04:12-14
- इफिसियों 01:1-2
- यूहन्ना 05:30-32
- मरकुस 03:33-35
- मत्ती 06:8-10
- भजन संहिता 103:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6310, H6634, H7522, G1012, G1013, G2307, G2308, G2309, G2596

परमेश्वर की इच्छा

परिभाषा:

“परमेश्वर की इच्छा” का संदर्भ परमेश्वर के मनोरथ और योजना से है।

- परमेश्वर की इच्छा विशेष करके मनुष्यों के साथ उनकी बातचीत से है और वह मनुष्यों से अपने प्रति कैसी प्रतिक्रिया चाहता है, उससे संबन्धित है।
- इसका संदर्भ उसकी योजनाओं और मनोरथों से है जो उसकी संपूर्ण सृष्टि के संबन्ध में हैं।
- “इच्छा करना” का अर्थ है, “ठान लेना” या “इच्छा करना” से है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर की इच्छा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का मनोरथ क्या है” या “परमेश्वर ने क्या योजना बनाई है” या “परमेश्वर का उद्देश्य” या “परमेश्वर को क्या प्रसन्न करता है”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:3-6
- कुलुस्सियों 04:12-14
- इफिसियों 01:1-2
- यूहन्ना 05:30-32
- मरकुस 03:33-35
- मत्ती 06:8-10
- भजन संहिता 103:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6310, H6634, H7522, G1012, G1013, G2307, G2308, G2309, G2596

परमेश्वर की इच्छा

परिभाषा:

“परमेश्वर की इच्छा” का संदर्भ परमेश्वर के मनोरथ और योजना से है।

- परमेश्वर की इच्छा विशेष करके मनुष्यों के साथ उनकी बातचीत से है और वह मनुष्यों से अपने प्रति कैसी प्रतिक्रिया चाहता है, उससे संबन्धित है।
- इसका संदर्भ उसकी योजनाओं और मनोरथों से है जो उसकी संपूर्ण सृष्टि के संबन्ध में हैं।
- “इच्छा करना” का अर्थ है, “ठान लेना” या “इच्छा करना” से है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर की इच्छा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का मनोरथ क्या है” या “परमेश्वर ने क्या योजना बनाई है” या “परमेश्वर का उद्देश्य” या “परमेश्वर को क्या प्रसन्न करता है”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:3-6
- कुलुस्सियों 04:12-14
- इफिसियों 01:1-2
- यूहन्ना 05:30-32
- मरकुस 03:33-35
- मत्ती 06:8-10
- भजन संहिता 103:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6310, H6634, H7522, G1012, G1013, G2307, G2308, G2309, G2596

परमेश्वर की इच्छा

परिभाषा:

“परमेश्वर की इच्छा” का संदर्भ परमेश्वर के मनोरथ और योजना से है।

- परमेश्वर की इच्छा विशेष करके मनुष्यों के साथ उनकी बातचीत से है और वह मनुष्यों से अपने प्रति कैसी प्रतिक्रिया चाहता है, उससे संबन्धित है।
- इसका संदर्भ उसकी योजनाओं और मनोरथों से है जो उसकी संपूर्ण सृष्टि के संबन्ध में हैं।
- “इच्छा करना” का अर्थ है, “ठान लेना” या “इच्छा करना” से है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर की इच्छा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का मनोरथ क्या है” या “परमेश्वर ने क्या योजना बनाई है” या “परमेश्वर का उद्देश्य” या “परमेश्वर को क्या प्रसन्न करता है”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:3-6
- कुलुस्सियों 04:12-14
- इफिसियों 01:1-2
- यूहन्ना 05:30-32
- मरकुस 03:33-35
- मत्ती 06:8-10
- भजन संहिता 103:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6310, H6634, H7522, G1012, G1013, G2307, G2308, G2309, G2596

परमेश्वर की इच्छा

परिभाषा:

“परमेश्वर की इच्छा” का संदर्भ परमेश्वर के मनोरथ और योजना से है।

- परमेश्वर की इच्छा विशेष करके मनुष्यों के साथ उनकी बातचीत से है और वह मनुष्यों से अपने प्रति कैसी प्रतिक्रिया चाहता है, उससे संबन्धित है।
- इसका संदर्भ उसकी योजनाओं और मनोरथों से है जो उसकी संपूर्ण सृष्टि के संबन्ध में हैं।
- “इच्छा करना” का अर्थ है, “ठान लेना” या “इच्छा करना” से है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर की इच्छा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का मनोरथ क्या है” या “परमेश्वर ने क्या योजना बनाई है” या “परमेश्वर का उद्देश्य” या “परमेश्वर को क्या प्रसन्न करता है”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:3-6
- कुलुस्सियों 04:12-14
- इफिसियों 01:1-2
- यूहन्ना 05:30-32
- मरकुस 03:33-35
- मत्ती 06:8-10
- भजन संहिता 103:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6310, H6634, H7522, G1012, G1013, G2307, G2308, G2309, G2596

परमेश्वर की इच्छा

परिभाषा:

“परमेश्वर की इच्छा” का संदर्भ परमेश्वर के मनोरथ और योजना से है।

- परमेश्वर की इच्छा विशेष करके मनुष्यों के साथ उनकी बातचीत से है और वह मनुष्यों से अपने प्रति कैसी प्रतिक्रिया चाहता है, उससे संबन्धित है।
- इसका संदर्भ उसकी योजनाओं और मनोरथों से है जो उसकी संपूर्ण सृष्टि के संबन्ध में हैं।
- “इच्छा करना” का अर्थ है, “ठान लेना” या “इच्छा करना” से है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर की इच्छा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का मनोरथ क्या है” या “परमेश्वर ने क्या योजना बनाई है” या “परमेश्वर का उद्देश्य” या “परमेश्वर को क्या प्रसन्न करता है”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:3-6
- कुलुस्सियों 04:12-14
- इफिसियों 01:1-2
- यूहन्ना 05:30-32
- मरकुस 03:33-35
- मत्ती 06:8-10
- भजन संहिता 103:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6310, H6634, H7522, G1012, G1013, G2307, G2308, G2309, G2596

परमेश्वर की इच्छा

परिभाषा:

“परमेश्वर की इच्छा” का संदर्भ परमेश्वर के मनोरथ और योजना से है।

- परमेश्वर की इच्छा विशेष करके मनुष्यों के साथ उनकी बातचीत से है और वह मनुष्यों से अपने प्रति कैसी प्रतिक्रिया चाहता है, उससे संबन्धित है।
- इसका संदर्भ उसकी योजनाओं और मनोरथों से है जो उसकी संपूर्ण सृष्टि के संबन्ध में हैं।
- “इच्छा करना” का अर्थ है, “ठान लेना” या “इच्छा करना” से है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर की इच्छा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का मनोरथ क्या है” या “परमेश्वर ने क्या योजना बनाई है” या “परमेश्वर का उद्देश्य” या “परमेश्वर को क्या प्रसन्न करता है”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:3-6
- कुलुस्सियों 04:12-14
- इफिसियों 01:1-2
- यूहन्ना 05:30-32
- मरकुस 03:33-35
- मत्ती 06:8-10
- भजन संहिता 103:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6310, H6634, H7522, G1012, G1013, G2307, G2308, G2309, G2596

परमेश्वर की इच्छा

परिभाषा:

“परमेश्वर की इच्छा” का संदर्भ परमेश्वर के मनोरथ और योजना से है।

- परमेश्वर की इच्छा विशेष करके मनुष्यों के साथ उनकी बातचीत से है और वह मनुष्यों से अपने प्रति कैसी प्रतिक्रिया चाहता है, उससे संबन्धित है।
- इसका संदर्भ उसकी योजनाओं और मनोरथों से है जो उसकी संपूर्ण सृष्टि के संबन्ध में हैं।
- “इच्छा करना” का अर्थ है, “ठान लेना” या “इच्छा करना” से है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर की इच्छा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का मनोरथ क्या है” या “परमेश्वर ने क्या योजना बनाई है” या “परमेश्वर का उद्देश्य” या “परमेश्वर को क्या प्रसन्न करता है”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:3-6
- कुलुस्सियों 04:12-14
- इफिसियों 01:1-2
- यूहन्ना 05:30-32
- मरकुस 03:33-35
- मत्ती 06:8-10
- भजन संहिता 103:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6310, H6634, H7522, G1012, G1013, G2307, G2308, G2309, G2596

परमेश्वर की इच्छा

परिभाषा:

“परमेश्वर की इच्छा” का संदर्भ परमेश्वर के मनोरथ और योजना से है।

- परमेश्वर की इच्छा विशेष करके मनुष्यों के साथ उनकी बातचीत से है और वह मनुष्यों से अपने प्रति कैसी प्रतिक्रिया चाहता है, उससे संबन्धित है।
- इसका संदर्भ उसकी योजनाओं और मनोरथों से है जो उसकी संपूर्ण सृष्टि के संबन्ध में हैं।
- “इच्छा करना” का अर्थ है, “ठान लेना” या “इच्छा करना” से है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर की इच्छा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का मनोरथ क्या है” या “परमेश्वर ने क्या योजना बनाई है” या “परमेश्वर का उद्देश्य” या “परमेश्वर को क्या प्रसन्न करता है”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:3-6
- कुलुस्सियों 04:12-14
- इफिसियों 01:1-2
- यूहन्ना 05:30-32
- मरकुस 03:33-35
- मत्ती 06:8-10
- भजन संहिता 103:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6310, H6634, H7522, G1012, G1013, G2307, G2308, G2309, G2596

परमेश्वर की इच्छा

परिभाषा:

“परमेश्वर की इच्छा” का संदर्भ परमेश्वर के मनोरथ और योजना से है।

- परमेश्वर की इच्छा विशेष करके मनुष्यों के साथ उनकी बातचीत से है और वह मनुष्यों से अपने प्रति कैसी प्रतिक्रिया चाहता है, उससे संबन्धित है।
- इसका संदर्भ उसकी योजनाओं और मनोरथों से है जो उसकी संपूर्ण सृष्टि के संबन्ध में हैं।
- “इच्छा करना” का अर्थ है, “ठान लेना” या “इच्छा करना” से है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर की इच्छा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का मनोरथ क्या है” या “परमेश्वर ने क्या योजना बनाई है” या “परमेश्वर का उद्देश्य” या “परमेश्वर को क्या प्रसन्न करता है”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:3-6
- कुलुस्सियों 04:12-14
- इफिसियों 01:1-2
- यूहन्ना 05:30-32
- मरकुस 03:33-35
- मत्ती 06:8-10
- भजन संहिता 103:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6310, H6634, H7522, G1012, G1013, G2307, G2308, G2309, G2596

परमेश्वर की इच्छा

परिभाषा:

“परमेश्वर की इच्छा” का संदर्भ परमेश्वर के मनोरथ और योजना से है।

- परमेश्वर की इच्छा विशेष करके मनुष्यों के साथ उनकी बातचीत से है और वह मनुष्यों से अपने प्रति कैसी प्रतिक्रिया चाहता है, उससे संबन्धित है।
- इसका संदर्भ उसकी योजनाओं और मनोरथों से है जो उसकी संपूर्ण सृष्टि के संबन्ध में हैं।
- “इच्छा करना” का अर्थ है, “ठान लेना” या “इच्छा करना” से है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर की इच्छा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का मनोरथ क्या है” या “परमेश्वर ने क्या योजना बनाई है” या “परमेश्वर का उद्देश्य” या “परमेश्वर को क्या प्रसन्न करता है”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:3-6
- कुलुस्सियों 04:12-14
- इफिसियों 01:1-2
- यूहन्ना 05:30-32
- मरकुस 03:33-35
- मत्ती 06:8-10
- भजन संहिता 103:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6310, H6634, H7522, G1012, G1013, G2307, G2308, G2309, G2596

परमेश्वर की प्रजा, मेरी प्रजा

परिभाषा:

“परमेश्वर की प्रजा” अर्थात परमेश्वर ने संसार में से जिन लोगों को बुलाकर अलग कर लिया कि उसके साथ विशेष संबन्ध में रहें।

- पुराने नियम में परमेश्वर के लोग (प्रजा) इस्राएल के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने चुन कर अन्यजातियों से अलग कर लिया कि उसकी सेवा करें और उसकी आज्ञा मानें।
- नये नियम में “परमेश्वर के लोग” का अभिप्राय उन सब मनुष्यों से है जो यीशु में विश्वास करते हैं और उन्हें कलीसिया कहा गया है। कलीसिया में यहूदी और अन्यजाति विश्वासी दोनों हैं। नए नियम में, कभी-कभी लोगों के इस समूह को "परमेश्वर के पुत्र" या "परमेश्वर की संतान" कहा जाता है।
- परमेश्वर कहता है “मेरी प्रजा” तो वह उन लोगों के बारे में कह रहा है जिन्हें उसने चुन लिया है और उनके साथ उसका संबन्ध सबसे अलग है। परमेश्वर की प्रजा उसके द्वारा चुनी हुई है और संसार से पृथक की गई है कि उसे प्रसन्न करने का जीवन जीएं। परमेश्वर उन्हें अपनी सन्तान भी कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर की प्रजा” का अनुवाद “परमेश्वर के लोग” या “परमेश्वर की आराधना करने वाले लोग” या “परमेश्वर की सेवा करने वाले लोग” या “परमेश्वर के अपने लोग”।
- जब परमेश्वर कहता है, “मेरी प्रजा” तब उसका अनुवाद हो सकता है, “जिन लोगों को मैंने चुन लिया है” या “मेरी आराधना करने वाले लोग” या “मेरे अपने लोग”
- इसी प्रकार “तेरी प्रजा” का अनुवाद “तेरे अपने लोग” या “तुझे चुन लेने वाले लोग” हो सकता है।
- “उसकी प्रजा” का अनुवाद “उसके अपने लोग” या “जिन लोगों को परमेश्वर ने अपना भाग चुन लिया” हो सकता है।

(यह भी देखें: इस्राएल, जाति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 11:1-3
- प्रे.का. 07:33-34
- प्रे.का. 07:51-53
- प्रे.का. 10:36-38
- दानिय्येल 09:24-25
- यशायाह 02:5-6
- यिर्मयाह 06:20-22
- योएल 03:16-17
- मीका 06: 3-5
- प्रकाशितवाक्य 13:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H5971, G2316, G2992

परमेश्वर के भवन, यहोवा के भवन

परिभाषा:

बाइबल में “परमेश्वर के भवन” (परमेश्वर का घर) और “यहोवा के भवन (यहोवा का घर) अर्थात परमेश्वर की आराधना का स्थान।

- यह शब्द अधिक विशिष्टता में मिलापवाले तम्बू या मन्दिर के लिए काम में आता था।कभी-कभी “परमेश्वर का भवन”, परमेश्वर की प्रजा के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- आराधना स्थल के संबन्ध में इस उक्ति का अनुवाद “परमेश्वर की आराधना का भवन” या “परमेश्वर की आराधना का स्थान” किया जा सकता है।
- यदि यह मन्दिर का मिलापवाले तम्बू के विषय में है तो इसका अनुवाद “मन्दिर(या मिलापवाले तम्बू)” किया जा सकता है जहाँ परमेश्वर की आराधना की जाती है(या “जहा परमेश्वर उपस्थित” या “जहाँ परमेश्वर अपने लोगों से मिलता है।”)
- शब्द “घर” का अनुवाद में उपयोग करना महत्त्वपूर्ण है ताकि ये व्यक्त कर सकें कि परमेश्वर "निवास" करता है, परमेश्वर की आत्मा अपने लोगों के साथ है जो उसकी आराधना करने की जगह में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर की प्रजा, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:14-15
- 2 इतिहास 23:8-9
- एज्रा 05:12-13
- उत्पत्ति 28:16-17
- न्यायियों 18:30-31
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 12:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H426, H430, H1004, H1005, H3068, G2316, G3624

परमेश्वर के वचन, परमेश्वर के वचनों, यहोवा के वचन, प्रभु का वचन, पवित्रशास्त्र, पवित्रशास्त्र

परिभाषा:

बाइबल में “परमेश्वर का वचन” उन सभी चीजों को संदर्भित करता है जो परमेश्वर ने लोगों को बताया था। इसमें बोले गए तथा लिखित सन्देश शामिल हैं। यीशु को भी “परमेश्वर का वचन” कहा गया है।

- “पवित्रशास्त्र” का अर्थ है “लेख”। नये नियम में “पवित्रशास्त्र” का संदर्भ इब्रानी धर्मशास्त्र या पुराना नियम से है। ये लेख परमेश्वर का सन्देश है जो उसने मनुष्यों से लिखने को कहा कि भविष्य में पढ़ा जा सके।

- इससे संबन्धित शब्द है, “यहोवा का वचन” या “प्रभु का वचन” आमतौर पर परमेश्वर के विशिष्ट सन्देश के संदर्भ में है जो किसी भविष्यद्वक्ता या किसी मनुष्य को दिया गया।
- कभी-कभी मात्र यही लिखा है, “वचन” या “मेरा वचन” या “तेरा वचन” (परमेश्वर के वचन के संदर्भ में)
- नये नियम में यीशु को “वचन” या “परमेश्वर का वचन” कहा गया है। इन पदनामों का अर्थ है कि यीशु परमेश्वर को पूर्णतः प्रकट करता है क्योंकि वह स्वयं परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के आधार पर इस शब्द के अनुवाद की विधियां है, “यहोवा का सन्देश था” “परमेश्वर का सन्देश” या “परमेश्वर की शिक्षाएं”
- कुछ भाषाओं में इसका बहुवचन अधिक व्यवहारिक होगा, “परमेश्वर के वचन” या “यहोवा के वचन”
- “यहोवा का वचन पहुंचा” यह अभिव्यक्ति प्रायः परमेश्वर द्वारा भविष्यद्वक्ताओं या मनुष्यों को दिए गए सन्देश का आरंभ व्यक्त करती हैं। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यहोवा ने यह सन्देश दिया” या “परमेश्वर ने ये वचन कहे”।
- “पवित्रशास्त्र” या “पवित्रशास्त्रों” का अनुवाद “लेखे” या “परमेश्वर का लिखित सन्देश” के रूप में किया जा सकता है। इस पद का अनुवाद "शब्द" से अलग तरह से किया जाना चाहिए।
- जब "शब्द" अकेला होता है और यह परमेश्वर के वचन को दर्शाता है, इसका अनुवाद "संदेश" या " परमेश्वर का शब्द" या "शिक्षाओं" के रूप में किया जा सकता है। उपरोक्त सुझाव के अनुसार अनुवादों पर भी ध्यान दें।
- जब बाइबल यीशु को "शब्द" के रूप में संदर्भित करती है, तो इस शब्द का अनुवाद "संदेश" या "सत्य" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, वचन, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति, 15:01
- 1, राजा 13:01
- यिर्मयाह, 36:1-3
- लूका, 08:11
- यूहन्ना 05:39
- प्रे.का. 06:02
- प्रे.का., 12:24
- रोमियो, 01:02
- 2 कुरिन्थियों 06:07
- इफिस्सियों 01:13
- 2, तीमुथियुस 03:16
- याकूब, 01:18
- याकूब, 02:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

??

- **25:07** परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, “बीज परमेश्वर का वचन है ।
- **42:03** फिर यीशु ने उन्हें समझाया कि परमेश्वर का वचन मसीहा के बारे में क्या कहता है
- **42:07** यीशु ने कहा, जो बाते मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम्हे बताई थी कि परमेश्वर के वचन में जो कुछ भी मेरे बारे में लिखा है वह सब पूरा होगा।" तब उसने पवित्र शास्त्र बूझने के लिये उनकी समझ खोल दी।
- **45:10** फिलिप्पुस ने अन्य शास्त्रों का भी इस्तेमाल करके उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया।
- **48:12** लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वह परमेश्वर का वचन है।
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H565, H1697, H3068, G3056, G4487

परमेश्वर के वचन, परमेश्वर के वचनों, यहोवा के वचन, प्रभु का वचन, पवित्रशास्त्र, पवित्रशास्त्र

परिभाषा:

बाइबल में “परमेश्वर का वचन” उन सभी चीजों को संदर्भित करता है जो परमेश्वर ने लोगों को बताया था। इसमें बोले गए तथा लिखित सन्देश शामिल हैं। यीशु को भी “परमेश्वर का वचन” कहा गया है।

- “पवित्रशास्त्र” का अर्थ है “लेख”। नये नियम में “पवित्रशास्त्र” का संदर्भ इब्रानी धर्मशास्त्र या पुराना नियम से है। ये लेख परमेश्वर का सन्देश है जो उसने मनुष्यों से लिखने को कहा कि भविष्य में पढ़ा जा सके।
- इससे संबन्धित शब्द है, “यहोवा का वचन” या “प्रभु का वचन” आमतौर पर परमेश्वर के विशिष्ट सन्देश के संदर्भ में है जो किसी भविष्यद्वक्ता या किसी मनुष्य को दिया गया।
- कभी-कभी मात्र यही लिखा है, “वचन” या “मेरा वचन” या “तेरा वचन” (परमेश्वर के वचन के संदर्भ में)
- नये नियम में यीशु को “वचन” या “परमेश्वर का वचन” कहा गया है। इन पदनामों का अर्थ है कि यीशु परमेश्वर को पूर्णतः प्रकट करता है क्योंकि वह स्वयं परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के आधार पर इस शब्द के अनुवाद की विधियां है, “यहोवा का सन्देश था” “परमेश्वर का सन्देश” या “परमेश्वर की शिक्षाएं”
- कुछ भाषाओं में इसका बहुवचन अधिक व्यवहारिक होगा, “परमेश्वर के वचन” या “यहोवा के वचन”
- “यहोवा का वचन पहुंचा” यह अभिव्यक्ति प्रायः परमेश्वर द्वारा भविष्यद्वक्ताओं या मनुष्यों को दिए गए सन्देश का आरंभ व्यक्त करती हैं। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यहोवा ने यह सन्देश दिया” या “परमेश्वर ने ये वचन कहे”।
- “पवित्रशास्त्र” या “पवित्रशास्त्रों” का अनुवाद “लेखे” या “परमेश्वर का लिखित सन्देश” के रूप में किया जा सकता है। इस पद का अनुवाद "शब्द" से अलग तरह से किया जाना चाहिए।
- जब "शब्द" अकेला होता है और यह परमेश्वर के वचन को दर्शाता है, इसका अनुवाद "संदेश" या " परमेश्वर का शब्द" या "शिक्षाओं" के रूप में किया जा सकता है। उपरोक्त सुझाव के अनुसार अनुवादों पर भी ध्यान दें।
- जब बाइबल यीशु को "शब्द" के रूप में संदर्भित करती है, तो इस शब्द का अनुवाद "संदेश" या "सत्य" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, वचन, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति, 15:01
- 1, राजा 13:01
- यिर्मयाह, 36:1-3
- लूका, 08:11
- यूहन्ना 05:39
- प्रे.का. 06:02
- प्रे.का., 12:24
- रोमियो, 01:02
- 2 कुरिन्थियों 06:07
- इफिस्सियों 01:13
- 2, तीमुथियुस 03:16
- याकूब, 01:18
- याकूब, 02:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

??

- **25:07** परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, “बीज परमेश्वर का वचन है ।
- **42:03** फिर यीशु ने उन्हें समझाया कि परमेश्वर का वचन मसीहा के बारे में क्या कहता है
- **42:07** यीशु ने कहा, जो बाते मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम्हे बताई थी कि परमेश्वर के वचन में जो कुछ भी मेरे बारे में लिखा है वह सब पूरा होगा।" तब उसने पवित्र शास्त्र बूझने के लिये उनकी समझ खोल दी।
- **45:10** फिलिप्पुस ने अन्य शास्त्रों का भी इस्तेमाल करके उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया।
- **48:12** लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वह परमेश्वर का वचन है।
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H565, H1697, H3068, G3056, G4487

परमेश्वर के वचन, परमेश्वर के वचनों, यहोवा के वचन, प्रभु का वचन, पवित्रशास्त्र, पवित्रशास्त्र

परिभाषा:

बाइबल में “परमेश्वर का वचन” उन सभी चीजों को संदर्भित करता है जो परमेश्वर ने लोगों को बताया था। इसमें बोले गए तथा लिखित सन्देश शामिल हैं। यीशु को भी “परमेश्वर का वचन” कहा गया है।

- “पवित्रशास्त्र” का अर्थ है “लेख”। नये नियम में “पवित्रशास्त्र” का संदर्भ इब्रानी धर्मशास्त्र या पुराना नियम से है। ये लेख परमेश्वर का सन्देश है जो उसने मनुष्यों से लिखने को कहा कि भविष्य में पढ़ा जा सके।
- इससे संबन्धित शब्द है, “यहोवा का वचन” या “प्रभु का वचन” आमतौर पर परमेश्वर के विशिष्ट सन्देश के संदर्भ में है जो किसी भविष्यद्वक्ता या किसी मनुष्य को दिया गया।
- कभी-कभी मात्र यही लिखा है, “वचन” या “मेरा वचन” या “तेरा वचन” (परमेश्वर के वचन के संदर्भ में)
- नये नियम में यीशु को “वचन” या “परमेश्वर का वचन” कहा गया है। इन पदनामों का अर्थ है कि यीशु परमेश्वर को पूर्णतः प्रकट करता है क्योंकि वह स्वयं परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के आधार पर इस शब्द के अनुवाद की विधियां है, “यहोवा का सन्देश था” “परमेश्वर का सन्देश” या “परमेश्वर की शिक्षाएं”
- कुछ भाषाओं में इसका बहुवचन अधिक व्यवहारिक होगा, “परमेश्वर के वचन” या “यहोवा के वचन”
- “यहोवा का वचन पहुंचा” यह अभिव्यक्ति प्रायः परमेश्वर द्वारा भविष्यद्वक्ताओं या मनुष्यों को दिए गए सन्देश का आरंभ व्यक्त करती हैं। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यहोवा ने यह सन्देश दिया” या “परमेश्वर ने ये वचन कहे”।
- “पवित्रशास्त्र” या “पवित्रशास्त्रों” का अनुवाद “लेखे” या “परमेश्वर का लिखित सन्देश” के रूप में किया जा सकता है। इस पद का अनुवाद "शब्द" से अलग तरह से किया जाना चाहिए।
- जब "शब्द" अकेला होता है और यह परमेश्वर के वचन को दर्शाता है, इसका अनुवाद "संदेश" या " परमेश्वर का शब्द" या "शिक्षाओं" के रूप में किया जा सकता है। उपरोक्त सुझाव के अनुसार अनुवादों पर भी ध्यान दें।
- जब बाइबल यीशु को "शब्द" के रूप में संदर्भित करती है, तो इस शब्द का अनुवाद "संदेश" या "सत्य" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, वचन, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति, 15:01
- 1, राजा 13:01
- यिर्मयाह, 36:1-3
- लूका, 08:11
- यूहन्ना 05:39
- प्रे.का. 06:02
- प्रे.का., 12:24
- रोमियो, 01:02
- 2 कुरिन्थियों 06:07
- इफिस्सियों 01:13
- 2, तीमुथियुस 03:16
- याकूब, 01:18
- याकूब, 02:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

??

- **25:07** परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, “बीज परमेश्वर का वचन है ।
- **42:03** फिर यीशु ने उन्हें समझाया कि परमेश्वर का वचन मसीहा के बारे में क्या कहता है
- **42:07** यीशु ने कहा, जो बाते मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम्हे बताई थी कि परमेश्वर के वचन में जो कुछ भी मेरे बारे में लिखा है वह सब पूरा होगा।" तब उसने पवित्र शास्त्र बूझने के लिये उनकी समझ खोल दी।
- **45:10** फिलिप्पुस ने अन्य शास्त्रों का भी इस्तेमाल करके उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया।

- **48:12** लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वह परमेश्वर का वचन है।
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H565, H1697, H3068, G3056, G4487

परमेश्वर के वचन, परमेश्वर के वचनों, यहोवा के वचन, प्रभु का वचन, पवित्रशास्त्र, पवित्रशास्त्र

परिभाषा:

बाइबल में “परमेश्वर का वचन” उन सभी चीजों को संदर्भित करता है जो परमेश्वर ने लोगों को बताया था। इसमें बोले गए तथा लिखित सन्देश शामिल हैं। यीशु को भी “परमेश्वर का वचन” कहा गया है।

- “पवित्रशास्त्र” का अर्थ है “लेख”। नये नियम में “पवित्रशास्त्र” का संदर्भ इब्रानी धर्मशास्त्र या पुराना नियम से है। ये लेख परमेश्वर का सन्देश है जो उसने मनुष्यों से लिखने को कहा कि भविष्य में पढ़ा जा सके।
- इससे संबन्धित शब्द है, “यहोवा का वचन” या “प्रभु का वचन” आमतौर पर परमेश्वर के विशिष्ट सन्देश के संदर्भ में है जो किसी भविष्यद्वक्ता या किसी मनुष्य को दिया गया।
- कभी-कभी मात्र यही लिखा है, “वचन” या “मेरा वचन” या “तेरा वचन” (परमेश्वर के वचन के संदर्भ में)
- नये नियम में यीशु को “वचन” या “परमेश्वर का वचन” कहा गया है। इन पदनामों का अर्थ है कि यीशु परमेश्वर को पूर्णतः प्रकट करता है क्योंकि वह स्वयं परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के आधार पर इस शब्द के अनुवाद की विधियां है, “यहोवा का सन्देश था” “परमेश्वर का सन्देश” या “परमेश्वर की शिक्षाएं”
- कुछ भाषाओं में इसका बहुवचन अधिक व्यवहारिक होगा, “परमेश्वर के वचन” या “यहोवा के वचन”
- “यहोवा का वचन पहुंचा” यह अभिव्यक्ति प्रायः परमेश्वर द्वारा भविष्यद्वक्ताओं या मनुष्यों को दिए गए सन्देश का आरंभ व्यक्त करती हैं। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यहोवा ने यह सन्देश दिया” या “परमेश्वर ने ये वचन कहे”।
- “पवित्रशास्त्र” या “पवित्रशास्त्रों” का अनुवाद “लेखे” या “परमेश्वर का लिखित सन्देश” के रूप में किया जा सकता है। इस पद का अनुवाद "शब्द" से अलग तरह से किया जाना चाहिए।
- जब "शब्द" अकेला होता है और यह परमेश्वर के वचन को दर्शाता है, इसका अनुवाद "संदेश" या " परमेश्वर का शब्द" या "शिक्षाओं" के रूप में किया जा सकता है। उपरोक्त सुझाव के अनुसार अनुवादों पर भी ध्यान दें।
- जब बाइबल यीशु को "शब्द" के रूप में संदर्भित करती है, तो इस शब्द का अनुवाद "संदेश" या "सत्य" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, वचन, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति, 15:01
- 1, राजा 13:01
- यिर्मयाह, 36:1-3
- लूका, 08:11
- यूहन्ना 05:39
- प्रे.का. 06:02
- प्रे.का., 12:24
- रोमियो, 01:02
- 2 कुरिन्थियों 06:07
- इफिस्सियों 01:13
- 2, तीमुथियुस 03:16
- याकूब, 01:18
- याकूब, 02:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

??

- **25:07** परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, “बीज परमेश्वर का वचन है ।

- **42:03** फिर यीशु ने उन्हें समझाया कि परमेश्वर का वचन मसीहा के बारे में क्या कहता है
- **42:07** यीशु ने कहा, जो बाते मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम्हे बताई थी कि परमेश्वर के वचन में जो कुछ भी मेरे बारे में लिखा है वह सब पूरा होगा।" तब उसने पवित्र शास्त्र बूझने के लिये उनकी समझ खोल दी।
- **45:10** फिलिप्पुस ने अन्य शास्त्रों का भी इस्तेमाल करके उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया।
- **48:12** लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वह परमेश्वर का वचन है।
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H565, H1697, H3068, G3056, G4487

परमेश्वर के वचन, परमेश्वर के वचनों, यहोवा के वचन, प्रभु का वचन, पवित्रशास्त्र, पवित्रशास्त्र

परिभाषा:

बाइबल में “परमेश्वर का वचन” उन सभी चीजों को संदर्भित करता है जो परमेश्वर ने लोगों को बताया था। इसमें बोले गए तथा लिखित सन्देश शामिल हैं। यीशु को भी “परमेश्वर का वचन” कहा गया है।

- “पवित्रशास्त्र” का अर्थ है “लेख”। नये नियम में “पवित्रशास्त्र” का संदर्भ इब्रानी धर्मशास्त्र या पुराना नियम से है। ये लेख परमेश्वर का सन्देश है जो उसने मनुष्यों से लिखने को कहा कि भविष्य में पढ़ा जा सके।
- इससे संबन्धित शब्द है, “यहोवा का वचन” या “प्रभु का वचन” आमतौर पर परमेश्वर के विशिष्ट सन्देश के संदर्भ में है जो किसी भविष्यद्वक्ता या किसी मनुष्य को दिया गया।
- कभी-कभी मात्र यही लिखा है, “वचन” या “मेरा वचन” या “तेरा वचन” (परमेश्वर के वचन के संदर्भ में)
- नये नियम में यीशु को “वचन” या “परमेश्वर का वचन” कहा गया है। इन पदनामों का अर्थ है कि यीशु परमेश्वर को पूर्णतः प्रकट करता है क्योंकि वह स्वयं परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के आधार पर इस शब्द के अनुवाद की विधियां है, “यहोवा का सन्देश था” “परमेश्वर का सन्देश” या “परमेश्वर की शिक्षाएं”
- कुछ भाषाओं में इसका बहुवचन अधिक व्यवहारिक होगा, “परमेश्वर के वचन” या “यहोवा के वचन”
- “यहोवा का वचन पहुंचा” यह अभिव्यक्ति प्रायः परमेश्वर द्वारा भविष्यद्वक्ताओं या मनुष्यों को दिए गए सन्देश का आरंभ व्यक्त करती हैं। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यहोवा ने यह सन्देश दिया” या “परमेश्वर ने ये वचन कहे”।
- “पवित्रशास्त्र” या “पवित्रशास्त्रों” का अनुवाद “लेखे” या “परमेश्वर का लिखित सन्देश” के रूप में किया जा सकता है। इस पद का अनुवाद "शब्द" से अलग तरह से किया जाना चाहिए।
- जब "शब्द" अकेला होता है और यह परमेश्वर के वचन को दर्शाता है, इसका अनुवाद "संदेश" या " परमेश्वर का शब्द" या "शिक्षाओं" के रूप में किया जा सकता है। उपरोक्त सुझाव के अनुसार अनुवादों पर भी ध्यान दें।
- जब बाइबल यीशु को "शब्द" के रूप में संदर्भित करती है, तो इस शब्द का अनुवाद "संदेश" या "सत्य" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, वचन, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति, 15:01
- 1, राजा 13:01
- यिर्मयाह, 36:1-3
- लूका, 08:11
- यूहन्ना 05:39
- प्रे.का. 06:02
- प्रे.का., 12:24
- रोमियो, 01:02
- 2 कुरिन्थियों 06:07
- इफिस्सियों 01:13
- 2, तीमुथियुस 03:16
- याकूब, 01:18
- याकूब, 02:8-9

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

??

- **25:07** परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है ।
- **42:03** फिर यीशु ने उन्हें समझाया कि परमेश्वर का वचन मसीहा के बारे में क्या कहता है
- **42:07** यीशु ने कहा, जो बाते मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम्हे बताई थी कि परमेश्वर के वचन में जो कुछ भी मेरे बारे में लिखा है वह सब पूरा होगा।" तब उसने पवित्र शास्त्र बूझने के लिये उनकी समझ खोल दी।
- **45:10** फिलिप्पुस ने अन्य शास्त्रों का भी इस्तेमाल करके उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया।
- **48:12** लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वह परमेश्वर का वचन है।
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H565, H1697, H3068, G3056, G4487

परमेश्वर के वचन, परमेश्वर के वचनों, यहोवा के वचन, प्रभु का वचन, पवित्रशास्त्र, पवित्रशास्त्र

परिभाषा:

बाइबल में "परमेश्वर का वचन" उन सभी चीजों को संदर्भित करता है जो परमेश्वर ने लोगों को बताया था। इसमें बोले गए तथा लिखित सन्देश शामिल हैं। यीशु को भी "परमेश्वर का वचन" कहा गया है।

- "पवित्रशास्त्र" का अर्थ है "लेख"। नये नियम में "पवित्रशास्त्र" का संदर्भ इब्रानी धर्मशास्त्र या पुराना नियम से है। ये लेख परमेश्वर का सन्देश है जो उसने मनुष्यों से लिखने को कहा कि भविष्य में पढ़ा जा सके।
- इससे संबन्धित शब्द है, "यहोवा का वचन" या "प्रभु का वचन" आमतौर पर परमेश्वर के विशिष्ट सन्देश के संदर्भ में है जो किसी भविष्यद्वक्ता या किसी मनुष्य को दिया गया।
- कभी-कभी मात्र यही लिखा है, "वचन" या "मेरा वचन" या "तेरा वचन" (परमेश्वर के वचन के संदर्भ में)
- नये नियम में यीशु को "वचन" या "परमेश्वर का वचन" कहा गया है। इन पदनामों का अर्थ है कि यीशु परमेश्वर को पूर्णतः प्रकट करता है क्योंकि वह स्वयं परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के आधार पर इस शब्द के अनुवाद की विधियां है, "यहोवा का सन्देश था" "परमेश्वर का सन्देश" या "परमेश्वर की शिक्षाएं"
- कुछ भाषाओं में इसका बहुवचन अधिक व्यवहारिक होगा, "परमेश्वर के वचन" या "यहोवा के वचन"
- "यहोवा का वचन पहुंचा" यह अभिव्यक्ति प्रायः परमेश्वर द्वारा भविष्यद्वक्ताओं या मनुष्यों को दिए गए सन्देश का आरंभ व्यक्त करती हैं। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "यहोवा ने यह सन्देश दिया" या "परमेश्वर ने ये वचन कहे"।
- "पवित्रशास्त्र" या "पवित्रशास्त्रों" का अनुवाद "लेखे" या "परमेश्वर का लिखित सन्देश" के रूप में किया जा सकता है। इस पद का अनुवाद "शब्द" से अलग तरह से किया जाना चाहिए।
- जब "शब्द" अकेला होता है और यह परमेश्वर के वचन को दर्शाता है, इसका अनुवाद "संदेश" या " परमेश्वर का शब्द" या "शिक्षाओं" के रूप में किया जा सकता है। उपरोक्त सुझाव के अनुसार अनुवादों पर भी ध्यान दें।
- जब बाइबल यीशु को "शब्द" के रूप में संदर्भित करती है, तो इस शब्द का अनुवाद "संदेश" या "सत्य" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, वचन, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति, 15:01
- 1, राजा 13:01
- यिर्मयाह, 36:1-3
- लूका, 08:11
- यूहन्ना 05:39
- प्रे.का. 06:02
- प्रे.का., 12:24
- रोमियो, 01:02
- 2 कुरिन्थियों 06:07
- इफिस्सियों 01:13

- 2, तीमुथियुस 03:16
- याकूब, 01:18
- याकूब, 02:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

??

- **25:07** परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है ।
- **42:03** फिर यीशु ने उन्हें समझाया कि परमेश्वर का वचन मसीहा के बारे में क्या कहता है
- **42:07** यीशु ने कहा, जो बाते मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम्हे बताई थी कि परमेश्वर के वचन में जो कुछ भी मेरे बारे में लिखा है वह सब पूरा होगा।" तब उसने पवित्र शास्त्र बूझने के लिये उनकी समझ खोल दी।
- **45:10** फिलिप्पुस ने अन्य शास्त्रों का भी इस्तेमाल करके उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया।
- **48:12** लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वह परमेश्वर का वचन है।
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H565, H1697, H3068, G3056, G4487

परमेश्वर के वचन, परमेश्वर के वचनों, यहोवा के वचन, प्रभु का वचन, पवित्रशास्त्र, पवित्रशास्त्र

परिभाषा:

बाइबल में "परमेश्वर का वचन" उन सभी चीजों को संदर्भित करता है जो परमेश्वर ने लोगों को बताया था। इसमें बोले गए तथा लिखित सन्देश शामिल हैं। यीशु को भी "परमेश्वर का वचन" कहा गया है।

- "पवित्रशास्त्र" का अर्थ है "लेख"। नये नियम में "पवित्रशास्त्र" का संदर्भ इब्रानी धर्मशास्त्र या पुराना नियम से है। ये लेख परमेश्वर का सन्देश है जो उसने मनुष्यों से लिखने को कहा कि भविष्य में पढ़ा जा सके।
- इससे संबन्धित शब्द है, "यहोवा का वचन" या "प्रभु का वचन" आमतौर पर परमेश्वर के विशिष्ट सन्देश के संदर्भ में है जो किसी भविष्यद्वक्ता या किसी मनुष्य को दिया गया।
- कभी-कभी मात्र यही लिखा है, "वचन" या "मेरा वचन" या "तेरा वचन" (परमेश्वर के वचन के संदर्भ में)
- नये नियम में यीशु को "वचन" या "परमेश्वर का वचन" कहा गया है। इन पदनामों का अर्थ है कि यीशु परमेश्वर को पूर्णतः प्रकट करता है क्योंकि वह स्वयं परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के आधार पर इस शब्द के अनुवाद की विधियां है, "यहोवा का सन्देश था" "परमेश्वर का सन्देश" या "परमेश्वर की शिक्षाएं"
- कुछ भाषाओं में इसका बहुवचन अधिक व्यवहारिक होगा, "परमेश्वर के वचन" या "यहोवा के वचन"
- "यहोवा का वचन पहुंचा" यह अभिव्यक्ति प्रायः परमेश्वर द्वारा भविष्यद्वक्ताओं या मनुष्यों को दिए गए सन्देश का आरंभ व्यक्त करती हैं। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "यहोवा ने यह सन्देश दिया" या "परमेश्वर ने ये वचन कहे"।
- "पवित्रशास्त्र" या "पवित्रशास्त्रों" का अनुवाद "लेखे" या "परमेश्वर का लिखित सन्देश" के रूप में किया जा सकता है। इस पद का अनुवाद "शब्द" से अलग तरह से किया जाना चाहिए।
- जब "शब्द" अकेला होता है और यह परमेश्वर के वचन को दर्शाता है, इसका अनुवाद "संदेश" या " परमेश्वर का शब्द" या "शिक्षाओं" के रूप में किया जा सकता है। उपरोक्त सुझाव के अनुसार अनुवादों पर भी ध्यान दें।
- जब बाइबल यीशु को "शब्द" के रूप में संदर्भित करती है, तो इस शब्द का अनुवाद "संदेश" या "सत्य" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, वचन, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति, 15:01
- 1, राजा 13:01
- यिर्मयाह, 36:1-3
- लूका, 08:11
- यूहन्ना 05:39
- प्रे.का. 06:02

- प्रे.का., 12:24
- रोमियो, 01:02
- 2 कुरिन्थियों 06:07
- इफिस्सियों 01:13
- 2, तीमुथियुस 03:16
- याकूब, 01:18
- याकूब, 02:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

??

- **25:07** परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है ।
- **42:03** फिर यीशु ने उन्हें समझाया कि परमेश्वर का वचन मसीहा के बारे में क्या कहता है
- **42:07** यीशु ने कहा, जो बाते मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम्हे बताई थी कि परमेश्वर के वचन में जो कुछ भी मेरे बारे में लिखा है वह सब पूरा होगा।" तब उसने पवित्र शास्त्र बूझने के लिये उनकी समझ खोल दी।
- **45:10** फिलिप्पुस ने अन्य शास्त्रों का भी इस्तेमाल करके उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया।
- **48:12** लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वह परमेश्वर का वचन है।
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H565, H1697, H3068, G3056, G4487

परमेश्वर के वचन, परमेश्वर के वचनों, यहोवा के वचन, प्रभु का वचन, पवित्रशास्त्र, पवित्रशास्त्र

परिभाषा:

बाइबल में "परमेश्वर का वचन" उन सभी चीजों को संदर्भित करता है जो परमेश्वर ने लोगों को बताया था। इसमें बोले गए तथा लिखित सन्देश शामिल हैं। यीशु को भी "परमेश्वर का वचन" कहा गया है।

- "पवित्रशास्त्र" का अर्थ है "लेख"। नये नियम में "पवित्रशास्त्र" का संदर्भ इब्रानी धर्मशास्त्र या पुराना नियम से है। ये लेख परमेश्वर का सन्देश है जो उसने मनुष्यों से लिखने को कहा कि भविष्य में पढ़ा जा सके।
- इससे संबन्धित शब्द है, "यहोवा का वचन" या "प्रभु का वचन" आमतौर पर परमेश्वर के विशिष्ट सन्देश के संदर्भ में है जो किसी भविष्यद्वक्ता या किसी मनुष्य को दिया गया।
- कभी-कभी मात्र यही लिखा है, "वचन" या "मेरा वचन" या "तेरा वचन" (परमेश्वर के वचन के संदर्भ में)
- नये नियम में यीशु को "वचन" या "परमेश्वर का वचन" कहा गया है। इन पदनामों का अर्थ है कि यीशु परमेश्वर को पूर्णतः प्रकट करता है क्योंकि वह स्वयं परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के आधार पर इस शब्द के अनुवाद की विधियां है, "यहोवा का सन्देश था" "परमेश्वर का सन्देश" या "परमेश्वर की शिक्षाएं"
- कुछ भाषाओं में इसका बहुवचन अधिक व्यवहारिक होगा, "परमेश्वर के वचन" या "यहोवा के वचन"
- "यहोवा का वचन पहुंचा" यह अभिव्यक्ति प्रायः परमेश्वर द्वारा भविष्यद्वक्ताओं या मनुष्यों को दिए गए सन्देश का आरंभ व्यक्त करती हैं। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "यहोवा ने यह सन्देश दिया" या "परमेश्वर ने ये वचन कहे"।
- "पवित्रशास्त्र" या "पवित्रशास्त्रों" का अनुवाद "लेखे" या "परमेश्वर का लिखित सन्देश" के रूप में किया जा सकता है। इस पद का अनुवाद "शब्द" से अलग तरह से किया जाना चाहिए।
- जब "शब्द" अकेला होता है और यह परमेश्वर के वचन को दर्शाता है, इसका अनुवाद "संदेश" या " परमेश्वर का शब्द" या "शिक्षाओं" के रूप में किया जा सकता है। उपरोक्त सुझाव के अनुसार अनुवादों पर भी ध्यान दें।
- जब बाइबल यीशु को "शब्द" के रूप में संदर्भित करती है, तो इस शब्द का अनुवाद "संदेश" या "सत्य" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, वचन, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति, 15:01
- 1, राजा 13:01

- यिर्मयाह, 36:1-3
- लूका, 08:11
- यूहन्ना 05:39
- प्रे.का. 06:02
- प्रे.का., 12:24
- रोमियो, 01:02
- 2 कुरिन्थियों 06:07
- इफिस्सियों 01:13
- 2, तीमुथियुस 03:16
- याकूब, 01:18
- याकूब, 02:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

??

- **25:07** परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है ।
- **42:03** फिर यीशु ने उन्हें समझाया कि परमेश्वर का वचन मसीहा के बारे में क्या कहता है
- **42:07** यीशु ने कहा, जो बाते मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम्हे बताई थी कि परमेश्वर के वचन में जो कुछ भी मेरे बारे में लिखा है वह सब पूरा होगा।" तब उसने पवित्र शास्त्र बूझने के लिये उनकी समझ खोल दी।
- **45:10** फिलिप्पुस ने अन्य शास्त्रों का भी इस्तेमाल करके उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया।
- **48:12** लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वह परमेश्वर का वचन है।
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H565, H1697, H3068, G3056, G4487

परमेश्वर के वचन, परमेश्वर के वचनों, यहोवा के वचन, प्रभु का वचन, पवित्रशास्त्र, पवित्रशास्त्र

परिभाषा:

बाइबल में "परमेश्वर का वचन" उन सभी चीजों को संदर्भित करता है जो परमेश्वर ने लोगों को बताया था। इसमें बोले गए तथा लिखित सन्देश शामिल हैं। यीशु को भी "परमेश्वर का वचन" कहा गया है।

- "पवित्रशास्त्र" का अर्थ है "लेख"। नये नियम में "पवित्रशास्त्र" का संदर्भ इब्रानी धर्मशास्त्र या पुराना नियम से है। ये लेख परमेश्वर का सन्देश है जो उसने मनुष्यों से लिखने को कहा कि भविष्य में पढ़ा जा सके।
- इससे संबन्धित शब्द है, "यहोवा का वचन" या "प्रभु का वचन" आमतौर पर परमेश्वर के विशिष्ट सन्देश के संदर्भ में है जो किसी भविष्यद्वक्ता या किसी मनुष्य को दिया गया।
- कभी-कभी मात्र यही लिखा है, "वचन" या "मेरा वचन" या "तेरा वचन" (परमेश्वर के वचन के संदर्भ में)
- नये नियम में यीशु को "वचन" या "परमेश्वर का वचन" कहा गया है। इन पदनामों का अर्थ है कि यीशु परमेश्वर को पूर्णतः प्रकट करता है क्योंकि वह स्वयं परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के आधार पर इस शब्द के अनुवाद की विधियां है, "यहोवा का सन्देश था" "परमेश्वर का सन्देश" या "परमेश्वर की शिक्षाएं"
- कुछ भाषाओं में इसका बहुवचन अधिक व्यवहारिक होगा, "परमेश्वर के वचन" या "यहोवा के वचन"
- "यहोवा का वचन पहुंचा" यह अभिव्यक्ति प्रायः परमेश्वर द्वारा भविष्यद्वक्ताओं या मनुष्यों को दिए गए सन्देश का आरंभ व्यक्त करती हैं। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "यहोवा ने यह सन्देश दिया" या "परमेश्वर ने ये वचन कहे"।
- "पवित्रशास्त्र" या "पवित्रशास्त्रों" का अनुवाद "लेखे" या "परमेश्वर का लिखित सन्देश" के रूप में किया जा सकता है। इस पद का अनुवाद "शब्द" से अलग तरह से किया जाना चाहिए।
- जब "शब्द" अकेला होता है और यह परमेश्वर के वचन को दर्शाता है, इसका अनुवाद "संदेश" या " परमेश्वर का शब्द" या "शिक्षाओं" के रूप में किया जा सकता है। उपरोक्त सुझाव के अनुसार अनुवादों पर भी ध्यान दें।
- जब बाइबल यीशु को "शब्द" के रूप में संदर्भित करती है, तो इस शब्द का अनुवाद "संदेश" या "सत्य" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, वचन, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति, 15:01
- 1, राजा 13:01
- यिर्मयाह, 36:1-3
- लूका, 08:11
- यूहन्ना 05:39
- प्रे.का. 06:02
- प्रे.का., 12:24
- रोमियो, 01:02
- 2 कुरिन्थियों 06:07
- इफिस्सियों 01:13
- 2, तीमुथियुस 03:16
- याकूब, 01:18
- याकूब, 02:8-9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

??

- **25:07** परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है ।
- **42:03** फिर यीशु ने उन्हें समझाया कि परमेश्वर का वचन मसीहा के बारे में क्या कहता है
- **42:07** यीशु ने कहा, जो बाते मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम्हे बताई थी कि परमेश्वर के वचन में जो कुछ भी मेरे बारे में लिखा है वह सब पूरा होगा।" तब उसने पवित्र शास्त्र बूझने के लिये उनकी समझ खोल दी।
- **45:10** फिलिप्पुस ने अन्य शास्त्रों का भी इस्तेमाल करके उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया।
- **48:12** लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वह परमेश्वर का वचन है।
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H565, H1697, H3068, G3056, G4487

परम्परा, परम्पराओं

परिभाषा:

परम्परा, प्रथाएं एवं अभ्यास थे जो दीर्घकालीन व्यवहारगत रहे और आनेवाली पीढ़ियों को दिए गए।

- बाइबल में अक्सर "परम्पराओं" शब्द जो कि लोगों द्वारा किए गए शिक्षाओं और प्रथाओं के बारे में बताया जाता है, परमेश्वर के व्यवस्थाओं के अनुसार नहीं। अभिव्यक्ति "पुरुषों की परंपरा" या "मानव परंपरा" इस स्पष्ट करता है।
- वाक्यांश जैसे कि "पुरखों की परंपराओं" या "मेरे पिता की परंपराओं" विशेष रूप से यहूदी रीति-रिवाजों और प्रथाओं के लिए विशेष रूप को संदर्भित करता हैं, जो समय के साथ यहूदी अगुवों ने मूसा के द्वारा इस्राएलियों को दिए गए नियमों में समय के साथ जोड़ा गया था। यद्यपि इन जोड़े गए परंपराएं परमेश्वर से नहीं आई थीं, और लोगों ने सोचा कि उन्हें धर्मी होना के लिए उन्हें इनका पालन करना होगा।
- प्रेरित पौलुस ने "परम्परा" को अलग तरीके से उपयोग किया मसीही अभ्यास के बारे में शिक्षाओं को जो परमेश्वर से आया था संदर्भित करने के लिए जो उसने और अन्य प्रेरितों ने नए विश्वासियों को सिखाया।
- आधुनिक समय में, कई मसीही परंपराएं हैं जो बाइबल में सिखाई नहीं जाती हैं बल्कि ऐतिहासिक रूप से स्वीकार किए गए रीति-रिवाजों और प्रथाओं का नतीजा है। ये परंपराएं हमेशा बाइबल में परमेश्वर के बारे में हमें सिखाए गए कार्यों के आधार पर मूल्यांकन की जानी चाहिए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वासी, मसीही, मूलपिता, पीढ़ी, यहूदी, व्यवस्था, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 03:6-9
- कुलुस्सियों 02:8-9
- गलातियों 01:13-14
- मरकुस 07:2-4
- मत्ती 15:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3862, G3970

परम्परा, परम्पराओं

परिभाषा:

परम्परा, प्रथाएं एवं अभ्यास थे जो दीर्घकालीन व्यवहारगत रहे और आनेवाली पीढ़ियों को दिए गए।

- बाइबल में अक्सर "परम्पराओं" शब्द जो कि लोगों द्वारा किए गए शिक्षाओं और प्रथाओं के बारे में बताया जाता है, परमेश्वर के व्यवस्थाओं के अनुसार नहीं। अभिव्यक्ति "पुरुषों की परंपरा" या "मानव परंपरा" इस स्पष्ट करता है।
- वाक्यांश जैसे कि "पुरखों की परंपराओं" या "मेरे पिता की परंपराओं" विशेष रूप से यहूदी रीति-रिवाजों और प्रथाओं के लिए विशेष रूप को संदर्भित करता हैं, जो समय के साथ यहूदी अगुवों ने मूसा के द्वारा इस्राएलियों को दिए गए नियमों में समय के साथ जोड़ा गया था। यद्यपि इन जोड़े गए परंपराएं परमेश्वर से नहीं आई थीं, और लोगों ने सोचा कि उन्हें धर्मी होना के लिए उन्हें इनका पालन करना होगा।
- प्रेरित पौलुस ने “परम्परा” को अलग तरीके से उपयोग किया मसीही अभ्यास के बारे में शिक्षाओं को जो परमेश्वर से आया था संदर्भित करने के लिए जो उसने और अन्य प्रेरितों ने नए विश्वासियों को सिखाया।
- आधुनिक समय में, कई मसीही परंपराएं हैं जो बाइबल में सिखाई नहीं जाती हैं बल्कि ऐतिहासिक रूप से स्वीकार किए गए रीति-रिवाजों और प्रथाओं का नतीजा है। ये परंपराएं हमेशा बाइबल में परमेश्वर के बारे में हमें सिखाए गए कार्यों के आधार पर मूल्यांकन की जानी चाहिए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वासी, मसीही, मूलपिता, पीढ़ी, यहूदी, व्यवस्था, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 03:6-9
- कुलुस्सियों 02:8-9
- गलातियों 01:13-14
- मरकुस 07:2-4
- मत्ती 15:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3862, G3970

परम्परा, परम्पराओं

परिभाषा:

परम्परा, प्रथाएं एवं अभ्यास थे जो दीर्घकालीन व्यवहारगत रहे और आनेवाली पीढ़ियों को दिए गए।

- बाइबल में अक्सर "परम्पराओं" शब्द जो कि लोगों द्वारा किए गए शिक्षाओं और प्रथाओं के बारे में बताया जाता है, परमेश्वर के व्यवस्थाओं के अनुसार नहीं। अभिव्यक्ति "पुरुषों की परंपरा" या "मानव परंपरा" इस स्पष्ट करता है।
- वाक्यांश जैसे कि "पुरखों की परंपराओं" या "मेरे पिता की परंपराओं" विशेष रूप से यहूदी रीति-रिवाजों और प्रथाओं के लिए विशेष रूप को संदर्भित करता हैं, जो समय के साथ यहूदी अगुवों ने मूसा के द्वारा इस्राएलियों को दिए गए नियमों में समय के साथ जोड़ा गया था। यद्यपि इन जोड़े गए परंपराएं परमेश्वर से नहीं आई थीं, और लोगों ने सोचा कि उन्हें धर्मी होना के लिए उन्हें इनका पालन करना होगा।
- प्रेरित पौलुस ने “परम्परा” को अलग तरीके से उपयोग किया मसीही अभ्यास के बारे में शिक्षाओं को जो परमेश्वर से आया था संदर्भित करने के लिए जो उसने और अन्य प्रेरितों ने नए विश्वासियों को सिखाया।
- आधुनिक समय में, कई मसीही परंपराएं हैं जो बाइबल में सिखाई नहीं जाती हैं बल्कि ऐतिहासिक रूप से स्वीकार किए गए रीति-रिवाजों और प्रथाओं का नतीजा है। ये परंपराएं हमेशा बाइबल में परमेश्वर के बारे में हमें सिखाए गए कार्यों के आधार पर मूल्यांकन की जानी चाहिए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वासी, मसीही, मूलपिता, पीढ़ी, यहूदी, व्यवस्था, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 03:6-9
- कुलुस्सियों 02:8-9
- गलातियों 01:13-14
- मरकुस 07:2-4
- मत्ती 15:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3862, G3970

परम्परा, परम्पराओं

परिभाषा:

परम्परा, प्रथाएं एवं अभ्यास थे जो दीर्घकालीन व्यवहारगत रहे और आनेवाली पीढ़ियों को दिए गए।

- बाइबल में अक्सर "परम्पराओं" शब्द जो कि लोगों द्वारा किए गए शिक्षाओं और प्रथाओं के बारे में बताया जाता है, परमेश्वर के व्यवस्थाओं के अनुसार नहीं। अभिव्यक्ति "पुरुषों की परंपरा" या "मानव परंपरा" इस स्पष्ट करता है।
- वाक्यांश जैसे कि "पुरखों की परंपराओं" या "मेरे पिता की परंपराओं" विशेष रूप से यहूदी रीति-रिवाजों और प्रथाओं के लिए विशेष रूप को संदर्भित करता हैं, जो समय के साथ यहूदी अगुवों ने मूसा के द्वारा इस्राएलियों को दिए गए नियमों में समय के साथ जोड़ा गया था। यद्यपि इन जोड़े गए परंपराएं परमेश्वर से नहीं आई थीं, और लोगों ने सोचा कि उन्हें धर्मी होना के लिए उन्हें इनका पालन करना होगा।
- प्रेरित पौलुस ने “परम्परा” को अलग तरीके से उपयोग किया मसीही अभ्यास के बारे में शिक्षाओं को जो परमेश्वर से आया था संदर्भित करने के लिए जो उसने और अन्य प्रेरितों ने नए विश्वासियों को सिखाया।
- आधुनिक समय में, कई मसीही परंपराएं हैं जो बाइबल में सिखाई नहीं जाती हैं बल्कि ऐतिहासिक रूप से स्वीकार किए गए रीति-रिवाजों और प्रथाओं का नतीजा है। ये परंपराएं हमेशा बाइबल में परमेश्वर के बारे में हमें सिखाए गए कार्यों के आधार पर मूल्यांकन की जानी चाहिए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वासी, मसीही, मूलपिता, पीढ़ी, यहूदी, व्यवस्था, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 03:6-9
- कुलुस्सियों 02:8-9
- गलातियों 01:13-14
- मरकुस 07:2-4
- मत्ती 15:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3862, G3970

परिवार, घरानों

परिभाषा:

“परिवार” शब्द रक्त संबन्धियों के समूह का संदर्भ देता है, प्रायः माता-पिता और सन्तान। बाइबल में, इस शब्द में अन्य सदस्य भी होते हैं जैसे दादा-दादी, पोता-पोती, चाचा-चाची आदि।

- बाइबिल के समय में, आमतौर पर, सबसे बुजुर्ग व्यक्ति एक परिवार का प्रमुख अधिकार होता था।
- परिवार में सेवक, रखेलियाँ और परदेशी भी होते थे।
- कुछ भाषाओं में एक व्यापक शब्द होता है जैसे “कुल” या “कुटुम्ब” जो उन परिप्रेक्षों में अधिक उचित होंगे जहाँ अभिप्राय मात्र माता-पिता और सन्तान से अधिक सदस्यों का हो।
- आत्मिकता में संघटित जन जैसे यीशु के विश्वासियों पर परमेश्वर का परिवार ही “घराना” कहलाता था।

(यह भी देखें: कुल, मूलपिता, घर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:1-2
- 1 शमूएल 18:17-18
- निर्गमन 01:20-22
- यहोशू 02:12-13
- लूका 02:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H251, H272, H504, H1004, H1121, H2233, H2859, H2945, H3187, H4138, H4940, H5387, H5712, G1085, G3614, G3624, G3965

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में "परिश्रम" (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- "परिश्रम" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "कार्य" या "कठोर कार्य करना" या "कठिन कार्य" या "शारीरिक श्रम करना"।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में "परिश्रम" (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- "परिश्रम" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "कार्य" या "कठोर कार्य करना" या "कठिन कार्य" या "शारीरिक श्रम करना"।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में "परिश्रम" (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- "परिश्रम" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "कार्य" या "कठोर कार्य करना" या "कठिन कार्य" या "शारीरिक श्रम करना"।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में "परिश्रम" (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- "परिश्रम" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "कार्य" या "कठोर कार्य करना" या "कठिन कार्य" या "शारीरिक श्रम करना"।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2

- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में “परिश्रम” (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- “परिश्रम” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “कार्य” या “कठोर कार्य करना” या “कठिन कार्य” या “शारीरिक श्रम करना”।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में “परिश्रम” (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- “परिश्रम” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “कार्य” या “कठोर कार्य करना” या “कठिन कार्य” या “शारीरिक श्रम करना”।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6

- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में "परिश्रम" (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- "परिश्रम" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "कार्य" या "कठोर कार्य करना" या "कठिन कार्य" या "शारीरिक श्रम करना"।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में "परिश्रम" (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- "परिश्रम" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "कार्य" या "कठोर कार्य करना" या "कठिन कार्य" या "शारीरिक श्रम करना"।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5

- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में “परिश्रम” (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- “परिश्रम” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “कार्य” या “कठोर कार्य करना” या “कठिन कार्य” या “शारीरिक श्रम करना”।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में “परिश्रम” (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- “परिश्रम” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “कार्य” या “कठोर कार्य करना” या “कठिन कार्य” या “शारीरिक श्रम करना”।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में “परिश्रम” (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- “परिश्रम” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “कार्य” या “कठोर कार्य करना” या “कठिन कार्य” या “शारीरिक श्रम करना”।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में “परिश्रम” (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- “परिश्रम” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “कार्य” या “कठोर कार्य करना” या “कठिन कार्य” या “शारीरिक श्रम करना”।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में “परिश्रम” (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- “परिश्रम” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “कार्य” या “कठोर कार्य करना” या “कठिन कार्य” या “शारीरिक श्रम करना”।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में “परिश्रम” (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- “परिश्रम” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “कार्य” या “कठोर कार्य करना” या “कठिन कार्य” या “शारीरिक श्रम करना”।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में “परिश्रम” (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- “परिश्रम” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “कार्य” या “कठोर कार्य करना” या “कठिन कार्य” या “शारीरिक श्रम करना”।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।

- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में "परिश्रम" (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- "परिश्रम" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "कार्य" या "कठोर कार्य करना" या "कठिन कार्य" या "शारीरिक श्रम करना"।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में "परिश्रम" (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- "परिश्रम" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "कार्य" या "कठोर कार्य करना" या "कठिन कार्य" या "शारीरिक श्रम करना"।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परिश्रम, परिश्रम करे, परिश्रम किया, मजदूर, मजदूरों

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक शक्ति काम में लेना। इसका अर्थ है कि कार्य कठिन है।
- मजदूर वह मनुष्य है जो शारीरिक परिश्रम का काम करता है।

अंग्रेजी भाषा में "परिश्रम" (लेबर) का अर्थ बच्चे को जन्म देने की क्रिया से भी होता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा एक भिन्न शब्द होता है।

- "परिश्रम" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "कार्य" या "कठोर कार्य करना" या "कठिन कार्य" या "शारीरिक श्रम करना"।

(यह भी देखें: कठिन, प्रसव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- याकूब 05:4-6
- यूहन्ना 04:37-38
- लूका 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

परीक्षा, परीक्षण, परीक्षण

परिभाषा:

"परीक्षा" का संदर्भ कठिन या दुःखदायी अनुभव से है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति या दुर्बलता को दर्शाता है।

- परमेश्वर मनुष्य को जांचता है, परन्तु उनको पाप में नहीं गिराता था। परन्तु शैतान मनुष्यों को पाप करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर कभी-कभी कसौटी पर रखकर मनुष्य के पाप को प्रकट करता है। परीक्षा एक व्यक्ति को पाप से दूर करने और परमेश्वर के करीब आने में मदद करती है।
- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी शुद्धता और मज़बूती देखी जाती है। यह कष्टदायक परिस्थितियों द्वारा मनुष्यों को परखने का चित्रण है।
- "परख कर देखना" अर्थात् "किसी को चुनौती देना कि अपने महत्व को सिद्ध करे।"
- परमेश्वर की परीक्षा लेने का अर्थ है, उससे हमारे लिए एक चमत्कार कराने कि कोशिश करना है, उसकी दया का अनुचित लाभ उठाना।
- यीशु ने शैतान से कहा था कि परमेश्वर की परीक्षा लेना उचित नहीं है। वह सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर है जो सबके ऊपर है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परखना" का अनुवाद हो सकता है, "चुनौती देना" या "कठिनाइयों का अनुभव करवाना" या "सिद्ध करना"।
- "परखना" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "चुनौती" या "कठिनाई"।
- "परख कर देखना" का अनुवाद हो सकता है, "परीक्षा करना" या "चुनौती देना" या "किसी के स्वयं को सिद्ध करने पर विवश करना।"
- परमेश्वर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर को विवश करने का प्रयास करना कि वह अपना प्रेम सिद्ध करे।"
- कुछ संदर्भों में, जब विषय परमेश्वर नहीं है, "परखना" का अर्थ "परीक्षा" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:19-22
- प्रे.का. 15:10-11

- उत्पत्ति 22:1-3
- यशा. 07:13-15
- याकूब 01:12-13
- विलापगीत 03:40-43
- मलाकी 03:10-12
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- भजन संहिता 026:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G4303, G4828, G6020

परीक्षा, परीक्षण, परीक्षण

परिभाषा:

"परीक्षा" का संदर्भ कठिन या दुःखदायी अनुभव से है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति या दुर्बलता को दर्शाता है।

- परमेश्वर मनुष्य को जांचता है, परन्तु उनको पाप में नहीं गिराता था। परन्तु शैतान मनुष्यों को पाप करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर कभी-कभी कसौटी पर रखकर मनुष्य के पाप को प्रकट करता है। परीक्षा एक व्यक्ति को पाप से दूर करने और परमेश्वर के करीब आने में मदद करती है।
- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी शुद्धता और मज़बूती देखी जाती है। यह कष्टदायक परिस्थितियों द्वारा मनुष्यों को परखने का चित्रण है।
- "परख कर देखना" अर्थात् "किसी को चुनौती देना कि अपने महत्व को सिद्ध करे।"
- परमेश्वर की परीक्षा लेने का अर्थ है, उससे हमारे लिए एक चमत्कार कराने कि कोशिश करना है, उसकी दया का अनुचित लाभ उठाना।
- यीशु ने शैतान से कहा था कि परमेश्वर की परीक्षा लेना उचित नहीं है। वह सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर है जो सबके ऊपर है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परखना" का अनुवाद हो सकता है, "चुनौती देना" या "कठिनाइयों का अनुभव करवाना" या "सिद्ध करना"।
- "परखना" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "चुनौती" या "कठिनाई"।
- "परख कर देखना" का अनुवाद हो सकता है, "परीक्षा करना" या "चुनौती देना" या "किसी के स्वयं को सिद्ध करने पर विवश करना।"
- परमेश्वर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर को विवश करने का प्रयास करना कि वह अपना प्रेम सिद्ध करे।"
- कुछ संदर्भों में, जब विषय परमेश्वर नहीं है, "परखना" का अर्थ "परीक्षा" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:19-22
- प्रे.का. 15:10-11
- उत्पत्ति 22:1-3
- यशा. 07:13-15
- याकूब 01:12-13
- विलापगीत 03:40-43
- मलाकी 03:10-12
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- भजन संहिता 026:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G4303, G4828, G6020

परीक्षा, परीक्षण, परीक्षण

परिभाषा:

“परीक्षा” का संदर्भ कठिन या दुःखदायी अनुभव से है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति या दुर्बलता को दर्शाता है।

- परमेश्वर मनुष्य को जांचता है, परन्तु उनको पाप में नहीं गिराता था। परन्तु शैतान मनुष्यों को पाप करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर कभी-कभी कसौटी पर रखकर मनुष्य के पाप को प्रकट करता है। परीक्षा एक व्यक्ति को पाप से दूर करने और परमेश्वर के करीब आने में मदद करती है।
- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी शुद्धता और मज़बूती देखी जाती है। यह कष्टदायक परिस्थितियों द्वारा मनुष्यों को परखने का चित्रण है।
- “परख कर देखना” अर्थात् “किसी को चुनौती देना कि अपने महत्व को सिद्ध करे।”
- परमेश्वर की परीक्षा लेने का अर्थ है, उससे हमारे लिए एक चमत्कार कराने कि कोशिश करना है, उसकी दया का अनुचित लाभ उठाना।
- यीशु ने शैतान से कहा था कि परमेश्वर की परीक्षा लेना उचित नहीं है। वह सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर है जो सबके ऊपर है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परखना” का अनुवाद हो सकता है, “चुनौती देना” या “कठिनाइयों का अनुभव करवाना” या “सिद्ध करना”।
- “परखना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “चुनौती” या “कठिनाई”।
- “परख कर देखना” का अनुवाद हो सकता है, “परीक्षा करना” या “चुनौती देना” या “किसी के स्वयं को सिद्ध करने पर विवश करना।”
- परमेश्वर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर को विवश करने का प्रयास करना कि वह अपना प्रेम सिद्ध करे।”
- कुछ संदर्भों में, जब विषय परमेश्वर नहीं है, “परखना” का अर्थ “परीक्षा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:19-22
- प्रे.का. 15:10-11
- उत्पत्ति 22:1-3
- यशा. 07:13-15
- याकूब 01:12-13
- विलापगीत 03:40-43
- मलाकी 03:10-12
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- भजन संहिता 026:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G4303, G4828, G6020

परीक्षा, परीक्षण, परीक्षण

परिभाषा:

“परीक्षा” का संदर्भ कठिन या दुःखदायी अनुभव से है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति या दुर्बलता को दर्शाता है।

- परमेश्वर मनुष्य को जांचता है, परन्तु उनको पाप में नहीं गिराता था। परन्तु शैतान मनुष्यों को पाप करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर कभी-कभी कसौटी पर रखकर मनुष्य के पाप को प्रकट करता है। परीक्षा एक व्यक्ति को पाप से दूर करने और परमेश्वर के करीब आने में मदद करती है।
- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी शुद्धता और मज़बूती देखी जाती है। यह कष्टदायक परिस्थितियों द्वारा मनुष्यों को परखने का चित्रण है।
- “परख कर देखना” अर्थात् “किसी को चुनौती देना कि अपने महत्व को सिद्ध करे।”
- परमेश्वर की परीक्षा लेने का अर्थ है, उससे हमारे लिए एक चमत्कार कराने कि कोशिश करना है, उसकी दया का अनुचित लाभ उठाना।
- यीशु ने शैतान से कहा था कि परमेश्वर की परीक्षा लेना उचित नहीं है। वह सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर है जो सबके ऊपर है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परखना” का अनुवाद हो सकता है, “चुनौती देना” या “कठिनाइयों का अनुभव करवाना” या “सिद्ध करना”।

- “परखना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “चुनौती” या “कठिनाई”।
- “परख कर देखना” का अनुवाद हो सकता है, “परीक्षा करना” या “चुनौती देना” या “किसी के स्वयं को सिद्ध करने पर विवश करना।”
- परमेश्वर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर को विवश करने का प्रयास करना कि वह अपना प्रेम सिद्ध करे।”
- कुछ संदर्भों में, जब विषय परमेश्वर नहीं है, “परखना” का अर्थ “परीक्षा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:19-22
- प्रे.का. 15:10-11
- उत्पत्ति 22:1-3
- यशा. 07:13-15
- याकूब 01:12-13
- विलापगीत 03:40-43
- मलाकी 03:10-12
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- भजन संहिता 026:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G4303, G4828, G6020

परीक्षा, परीक्षण, परीक्षण

परिभाषा:

“परीक्षा” का संदर्भ कठिन या दुःखदायी अनुभव से है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति या दुर्बलता को दर्शाता है।

- परमेश्वर मनुष्य को जांचता है, परन्तु उनको पाप में नहीं गिराता था। परन्तु शैतान मनुष्यों को पाप करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर कभी-कभी कसौटी पर रखकर मनुष्य के पाप को प्रकट करता है। परीक्षा एक व्यक्ति को पाप से दूर करने और परमेश्वर के करीब आने में मदद करती है।
- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी शुद्धता और मज़बूती देखी जाती है। यह कष्टदायक परिस्थितियों द्वारा मनुष्यों को परखने का चित्रण है।
- “परख कर देखना” अर्थात् “किसी को चुनौती देना कि अपने महत्व को सिद्ध करे।”
- परमेश्वर की परीक्षा लेने का अर्थ है, उससे हमारे लिए एक चमत्कार कराने कि कोशिश करना है, उसकी दया का अनुचित लाभ उठाना।
- यीशु ने शैतान से कहा था कि परमेश्वर की परीक्षा लेना उचित नहीं है। वह सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर है जो सबके ऊपर है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परखना” का अनुवाद हो सकता है, “चुनौती देना” या “कठिनाइयों का अनुभव करवाना” या “सिद्ध करना”।
- “परखना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “चुनौती” या “कठिनाई”।
- “परख कर देखना” का अनुवाद हो सकता है, “परीक्षा करना” या “चुनौती देना” या “किसी के स्वयं को सिद्ध करने पर विवश करना।”
- परमेश्वर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर को विवश करने का प्रयास करना कि वह अपना प्रेम सिद्ध करे।”
- कुछ संदर्भों में, जब विषय परमेश्वर नहीं है, “परखना” का अर्थ “परीक्षा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:19-22
- प्रे.का. 15:10-11
- उत्पत्ति 22:1-3
- यशा. 07:13-15
- याकूब 01:12-13
- विलापगीत 03:40-43
- मलाकी 03:10-12

- फिलिप्पियों 1: 9-11
- भजन संहिता 026:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G4303, G4828, G6020

परीक्षा, परीक्षण, परीक्षण

परिभाषा:

“परीक्षा” का संदर्भ कठिन या दुःखदायी अनुभव से है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति या दुर्बलता को दर्शाता है।

- परमेश्वर मनुष्य को जांचता है, परन्तु उनको पाप में नहीं गिराता था। परन्तु शैतान मनुष्यों को पाप करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर कभी-कभी कसौटी पर रखकर मनुष्य के पाप को प्रकट करता है। परीक्षा एक व्यक्ति को पाप से दूर करने और परमेश्वर के करीब आने में मदद करती है।
- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी शुद्धता और मज़बूती देखी जाती है। यह कष्टदायक परिस्थितियों द्वारा मनुष्यों को परखने का चित्रण है।
- “परख कर देखना” अर्थात् “किसी को चुनौती देना कि अपने महत्व को सिद्ध करे।”
- परमेश्वर की परीक्षा लेने का अर्थ है, उससे हमारे लिए एक चमत्कार कराने कि कोशिश करना है, उसकी दया का अनुचित लाभ उठाना।
- यीशु ने शैतान से कहा था कि परमेश्वर की परीक्षा लेना उचित नहीं है। वह सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर है जो सबके ऊपर है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परखना” का अनुवाद हो सकता है, “चुनौती देना” या “कठिनाइयों का अनुभव करवाना” या “सिद्ध करना”।
- “परखना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “चुनौती” या “कठिनाई”।
- “परख कर देखना” का अनुवाद हो सकता है, “परीक्षा करना” या “चुनौती देना” या “किसी के स्वयं को सिद्ध करने पर विवश करना।”
- परमेश्वर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर को विवश करने का प्रयास करना कि वह अपना प्रेम सिद्ध करे।”
- कुछ संदर्भों में, जब विषय परमेश्वर नहीं है, “परखना” का अर्थ “परीक्षा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:19-22
- प्रे.का. 15:10-11
- उत्पत्ति 22:1-3
- यशा. 07:13-15
- याकूब 01:12-13
- विलापगीत 03:40-43
- मलाकी 03:10-12
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- भजन संहिता 026:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G4303, G4828, G6020

परीक्षा, परीक्षण, परीक्षण

परिभाषा:

“परीक्षा” का संदर्भ कठिन या दुःखदायी अनुभव से है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति या दुर्बलता को दर्शाता है।

- परमेश्वर मनुष्य को जांचता है, परन्तु उनको पाप में नहीं गिराता था। परन्तु शैतान मनुष्यों को पाप करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर कभी-कभी कसौटी पर रखकर मनुष्य के पाप को प्रकट करता है। परीक्षा एक व्यक्ति को पाप से दूर करने और परमेश्वर के करीब आने में मदद करती है।

- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी शुद्धता और मज़बूती देखी जाती है। यह कष्टदायक परिस्थितियों द्वारा मनुष्यों को परखने का चित्रण है।
- “परख कर देखना” अर्थात् “किसी को चुनौती देना कि अपने महत्व को सिद्ध करे।”
- परमेश्वर की परीक्षा लेने का अर्थ है, उससे हमारे लिए एक चमत्कार कराने कि कोशिश करना है, उसकी दया का अनुचित लाभ उठाना।
- यीशु ने शैतान से कहा था कि परमेश्वर की परीक्षा लेना उचित नहीं है। वह सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर है जो सबके ऊपर है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परखना” का अनुवाद हो सकता है, “चुनौती देना” या “कठिनाइयों का अनुभव करवाना” या “सिद्ध करना”।
- “परखना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “चुनौती” या “कठिनाई”।
- “परख कर देखना” का अनुवाद हो सकता है, “परीक्षा करना” या “चुनौती देना” या “किसी के स्वयं को सिद्ध करने पर विवश करना।”
- परमेश्वर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर को विवश करने का प्रयास करना कि वह अपना प्रेम सिद्ध करे।”
- कुछ संदर्भों में, जब विषय परमेश्वर नहीं है, “परखना” का अर्थ “परीक्षा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:19-22
- प्रे.का. 15:10-11
- उत्पत्ति 22:1-3
- यशा. 07:13-15
- याकूब 01:12-13
- विलापगीत 03:40-43
- मलाकी 03:10-12
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- भजन संहिता 026:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G4303, G4828, G6020

परीक्षा, परीक्षण, परीक्षण

परिभाषा:

“परीक्षा” का संदर्भ कठिन या दुःखदायी अनुभव से है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति या दुर्बलता को दर्शाता है।

- परमेश्वर मनुष्य को जांचता है, परन्तु उनको पाप में नहीं गिराता था। परन्तु शैतान मनुष्यों को पाप करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर कभी-कभी कसौटी पर रखकर मनुष्य के पाप को प्रकट करता है। परीक्षा एक व्यक्ति को पाप से दूर करने और परमेश्वर के करीब आने में मदद करती है।
- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी शुद्धता और मज़बूती देखी जाती है। यह कष्टदायक परिस्थितियों द्वारा मनुष्यों को परखने का चित्रण है।
- “परख कर देखना” अर्थात् “किसी को चुनौती देना कि अपने महत्व को सिद्ध करे।”
- परमेश्वर की परीक्षा लेने का अर्थ है, उससे हमारे लिए एक चमत्कार कराने कि कोशिश करना है, उसकी दया का अनुचित लाभ उठाना।
- यीशु ने शैतान से कहा था कि परमेश्वर की परीक्षा लेना उचित नहीं है। वह सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर है जो सबके ऊपर है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परखना” का अनुवाद हो सकता है, “चुनौती देना” या “कठिनाइयों का अनुभव करवाना” या “सिद्ध करना”।
- “परखना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “चुनौती” या “कठिनाई”।
- “परख कर देखना” का अनुवाद हो सकता है, “परीक्षा करना” या “चुनौती देना” या “किसी के स्वयं को सिद्ध करने पर विवश करना।”
- परमेश्वर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर को विवश करने का प्रयास करना कि वह अपना प्रेम सिद्ध करे।”
- कुछ संदर्भों में, जब विषय परमेश्वर नहीं है, “परखना” का अर्थ “परीक्षा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:19-22
- प्रे.का. 15:10-11
- उत्पत्ति 22:1-3
- यशा. 07:13-15
- याकूब 01:12-13
- विलापगीत 03:40-43
- मलाकी 03:10-12
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- भजन संहिता 026:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G4303, G4828, G6020

परीक्षा, परीक्षण, परीक्षण

परिभाषा:

"परीक्षा" का संदर्भ कठिन या दुःखदायी अनुभव से है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति या दुर्बलता को दर्शाता है।

- परमेश्वर मनुष्य को जांचता है, परन्तु उनको पाप में नहीं गिराता था। परन्तु शैतान मनुष्यों को पाप करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर कभी-कभी कसौटी पर रखकर मनुष्य के पाप को प्रकट करता है। परीक्षा एक व्यक्ति को पाप से दूर करने और परमेश्वर के करीब आने में मदद करती है।
- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी शुद्धता और मज़बूती देखी जाती है। यह कष्टदायक परिस्थितियों द्वारा मनुष्यों को परखने का चित्रण है।
- "परख कर देखना" अर्थात् "किसी को चुनौती देना कि अपने महत्व को सिद्ध करे।"
- परमेश्वर की परीक्षा लेने का अर्थ है, उससे हमारे लिए एक चमत्कार कराने कि कोशिश करना है, उसकी दया का अनुचित लाभ उठाना।
- यीशु ने शैतान से कहा था कि परमेश्वर की परीक्षा लेना उचित नहीं है। वह सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर है जो सबके ऊपर है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परखना" का अनुवाद हो सकता है, "चुनौती देना" या "कठिनाइयों का अनुभव करवाना" या "सिद्ध करना"।
- "परखना" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "चुनौती" या "कठिनाई"।
- "परख कर देखना" का अनुवाद हो सकता है, "परीक्षा करना" या "चुनौती देना" या "किसी के स्वयं को सिद्ध करने पर विवश करना।"
- परमेश्वर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर को विवश करने का प्रयास करना कि वह अपना प्रेम सिद्ध करे।"
- कुछ संदर्भों में, जब विषय परमेश्वर नहीं है, "परखना" का अर्थ "परीक्षा" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:19-22
- प्रे.का. 15:10-11
- उत्पत्ति 22:1-3
- यशा. 07:13-15
- याकूब 01:12-13
- विलापगीत 03:40-43
- मलाकी 03:10-12
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- भजन संहिता 026:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G4303, G4828, G6020

परीक्षा, परीक्षण, परीक्षण

परिभाषा:

“परीक्षा” का संदर्भ कठिन या दुःखदायी अनुभव से है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति या दुर्बलता को दर्शाता है।

- परमेश्वर मनुष्य को जांचता है, परन्तु उनको पाप में नहीं गिराता था। परन्तु शैतान मनुष्यों को पाप करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर कभी-कभी कसौटी पर रखकर मनुष्य के पाप को प्रकट करता है। परीक्षा एक व्यक्ति को पाप से दूर करने और परमेश्वर के करीब आने में मदद करती है।
- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी शुद्धता और मज़बूती देखी जाती है। यह कष्टदायक परिस्थितियों द्वारा मनुष्यों को परखने का चित्रण है।
- “परख कर देखना” अर्थात् “किसी को चुनौती देना कि अपने महत्व को सिद्ध करे।”
- परमेश्वर की परीक्षा लेने का अर्थ है, उससे हमारे लिए एक चमत्कार कराने कि कोशिश करना है, उसकी दया का अनुचित लाभ उठाना।
- यीशु ने शैतान से कहा था कि परमेश्वर की परीक्षा लेना उचित नहीं है। वह सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर है जो सबके ऊपर है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परखना” का अनुवाद हो सकता है, “चुनौती देना” या “कठिनाइयों का अनुभव करवाना” या “सिद्ध करना”।
- “परखना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “चुनौती” या “कठिनाई”।
- “परख कर देखना” का अनुवाद हो सकता है, “परीक्षा करना” या “चुनौती देना” या “किसी के स्वयं को सिद्ध करने पर विवश करना।”
- परमेश्वर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर को विवश करने का प्रयास करना कि वह अपना प्रेम सिद्ध करे।”
- कुछ संदर्भों में, जब विषय परमेश्वर नहीं है, “परखना” का अर्थ “परीक्षा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:19-22
- प्रे.का. 15:10-11
- उत्पत्ति 22:1-3
- यशा. 07:13-15
- याकूब 01:12-13
- विलापगीत 03:40-43
- मलाकी 03:10-12
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- भजन संहिता 026:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G4303, G4828, G6020

परीक्षा, परीक्षण, परीक्षण

परिभाषा:

“परीक्षा” का संदर्भ कठिन या दुःखदायी अनुभव से है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति या दुर्बलता को दर्शाता है।

- परमेश्वर मनुष्य को जांचता है, परन्तु उनको पाप में नहीं गिराता था। परन्तु शैतान मनुष्यों को पाप करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर कभी-कभी कसौटी पर रखकर मनुष्य के पाप को प्रकट करता है। परीक्षा एक व्यक्ति को पाप से दूर करने और परमेश्वर के करीब आने में मदद करती है।
- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी शुद्धता और मज़बूती देखी जाती है। यह कष्टदायक परिस्थितियों द्वारा मनुष्यों को परखने का चित्रण है।
- “परख कर देखना” अर्थात् “किसी को चुनौती देना कि अपने महत्व को सिद्ध करे।”
- परमेश्वर की परीक्षा लेने का अर्थ है, उससे हमारे लिए एक चमत्कार कराने कि कोशिश करना है, उसकी दया का अनुचित लाभ उठाना।
- यीशु ने शैतान से कहा था कि परमेश्वर की परीक्षा लेना उचित नहीं है। वह सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर है जो सबके ऊपर है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परखना” का अनुवाद हो सकता है, “चुनौती देना” या “कठिनाइयों का अनुभव करवाना” या “सिद्ध करना”।

- “परखना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “चुनौती” या “कठिनाई”।
- “परख कर देखना” का अनुवाद हो सकता है, “परीक्षा करना” या “चुनौती देना” या “किसी के स्वयं को सिद्ध करने पर विवश करना।”
- परमेश्वर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर को विवश करने का प्रयास करना कि वह अपना प्रेम सिद्ध करे।”
- कुछ संदर्भों में, जब विषय परमेश्वर नहीं है, “परखना” का अर्थ “परीक्षा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:19-22
- प्रे.का. 15:10-11
- उत्पत्ति 22:1-3
- यशा. 07:13-15
- याकूब 01:12-13
- विलापगीत 03:40-43
- मलाकी 03:10-12
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- भजन संहिता 026:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G4303, G4828, G6020

परीक्षा, परीक्षण, परीक्षण

परिभाषा:

“परीक्षा” का संदर्भ कठिन या दुःखदायी अनुभव से है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति या दुर्बलता को दर्शाता है।

- परमेश्वर मनुष्य को जांचता है, परन्तु उनको पाप में नहीं गिराता था। परन्तु शैतान मनुष्यों को पाप करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर कभी-कभी कसौटी पर रखकर मनुष्य के पाप को प्रकट करता है। परीक्षा एक व्यक्ति को पाप से दूर करने और परमेश्वर के करीब आने में मदद करती है।
- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी शुद्धता और मज़बूती देखी जाती है। यह कष्टदायक परिस्थितियों द्वारा मनुष्यों को परखने का चित्रण है।
- “परख कर देखना” अर्थात् “किसी को चुनौती देना कि अपने महत्व को सिद्ध करे।”
- परमेश्वर की परीक्षा लेने का अर्थ है, उससे हमारे लिए एक चमत्कार कराने कि कोशिश करना है, उसकी दया का अनुचित लाभ उठाना।
- यीशु ने शैतान से कहा था कि परमेश्वर की परीक्षा लेना उचित नहीं है। वह सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर है जो सबके ऊपर है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परखना” का अनुवाद हो सकता है, “चुनौती देना” या “कठिनाइयों का अनुभव करवाना” या “सिद्ध करना”।
- “परखना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “चुनौती” या “कठिनाई”।
- “परख कर देखना” का अनुवाद हो सकता है, “परीक्षा करना” या “चुनौती देना” या “किसी के स्वयं को सिद्ध करने पर विवश करना।”
- परमेश्वर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर को विवश करने का प्रयास करना कि वह अपना प्रेम सिद्ध करे।”
- कुछ संदर्भों में, जब विषय परमेश्वर नहीं है, “परखना” का अर्थ “परीक्षा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:19-22
- प्रे.का. 15:10-11
- उत्पत्ति 22:1-3
- यशा. 07:13-15
- याकूब 01:12-13
- विलापगीत 03:40-43
- मलाकी 03:10-12

- फिलिप्पियों 1: 9-11
- भजन संहिता 026:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G4303, G4828, G6020

परीक्षा, परीक्षण, परीक्षण

परिभाषा:

“परीक्षा” का संदर्भ कठिन या दुःखदायी अनुभव से है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति या दुर्बलता को दर्शाता है।

- परमेश्वर मनुष्य को जांचता है, परन्तु उनको पाप में नहीं गिराता था। परन्तु शैतान मनुष्यों को पाप करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर कभी-कभी कसौटी पर रखकर मनुष्य के पाप को प्रकट करता है। परीक्षा एक व्यक्ति को पाप से दूर करने और परमेश्वर के करीब आने में मदद करती है।
- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी शुद्धता और मज़बूती देखी जाती है। यह कष्टदायक परिस्थितियों द्वारा मनुष्यों को परखने का चित्रण है।
- “परख कर देखना” अर्थात् “किसी को चुनौती देना कि अपने महत्व को सिद्ध करे।”
- परमेश्वर की परीक्षा लेने का अर्थ है, उससे हमारे लिए एक चमत्कार कराने कि कोशिश करना है, उसकी दया का अनुचित लाभ उठाना।
- यीशु ने शैतान से कहा था कि परमेश्वर की परीक्षा लेना उचित नहीं है। वह सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर है जो सबके ऊपर है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परखना” का अनुवाद हो सकता है, “चुनौती देना” या “कठिनाइयों का अनुभव करवाना” या “सिद्ध करना”।
- “परखना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “चुनौती” या “कठिनाई”।
- “परख कर देखना” का अनुवाद हो सकता है, “परीक्षा करना” या “चुनौती देना” या “किसी के स्वयं को सिद्ध करने पर विवश करना।”
- परमेश्वर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर को विवश करने का प्रयास करना कि वह अपना प्रेम सिद्ध करे।”
- कुछ संदर्भों में, जब विषय परमेश्वर नहीं है, “परखना” का अर्थ “परीक्षा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:19-22
- प्रे.का. 15:10-11
- उत्पत्ति 22:1-3
- यशा. 07:13-15
- याकूब 01:12-13
- विलापगीत 03:40-43
- मलाकी 03:10-12
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- भजन संहिता 026:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G4303, G4828, G6020

परीक्षा, परीक्षण, परीक्षण

परिभाषा:

“परीक्षा” का संदर्भ कठिन या दुःखदायी अनुभव से है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति या दुर्बलता को दर्शाता है।

- परमेश्वर मनुष्य को जांचता है, परन्तु उनको पाप में नहीं गिराता था। परन्तु शैतान मनुष्यों को पाप करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर कभी-कभी कसौटी पर रखकर मनुष्य के पाप को प्रकट करता है। परीक्षा एक व्यक्ति को पाप से दूर करने और परमेश्वर के करीब आने में मदद करती है।

- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी शुद्धता और मज़बूती देखी जाती है। यह कष्टदायक परिस्थितियों द्वारा मनुष्यों को परखने का चित्रण है।
- “परख कर देखना” अर्थात् “किसी को चुनौती देना कि अपने महत्व को सिद्ध करे।”
- परमेश्वर की परीक्षा लेने का अर्थ है, उससे हमारे लिए एक चमत्कार कराने कि कोशिश करना है, उसकी दया का अनुचित लाभ उठाना।
- यीशु ने शैतान से कहा था कि परमेश्वर की परीक्षा लेना उचित नहीं है। वह सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर है जो सबके ऊपर है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परखना” का अनुवाद हो सकता है, “चुनौती देना” या “कठिनाइयों का अनुभव करवाना” या “सिद्ध करना”।
- “परखना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “चुनौती” या “कठिनाई”।
- “परख कर देखना” का अनुवाद हो सकता है, “परीक्षा करना” या “चुनौती देना” या “किसी के स्वयं को सिद्ध करने पर विवश करना।”
- परमेश्वर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर को विवश करने का प्रयास करना कि वह अपना प्रेम सिद्ध करे।”
- कुछ संदर्भों में, जब विषय परमेश्वर नहीं है, “परखना” का अर्थ “परीक्षा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:19-22
- प्रे.का. 15:10-11
- उत्पत्ति 22:1-3
- यशा. 07:13-15
- याकूब 01:12-13
- विलापगीत 03:40-43
- मलाकी 03:10-12
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- भजन संहिता 026:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G4303, G4828, G6020

परीक्षा, दुःख

परिभाषा:

“परीक्षा” का अर्थ है किसी वस्तु या मनुष्य को “परखना” या “जांचना”।

- अभियोग अर्थात् न्यायिक सुनवाई जिसमें मनुष्य को दोषी या निर्दोष सिद्ध करने के लिए प्रमाणों को प्रस्तुत किया जाता है।
- परमेश्वर द्वारा विश्वास को परखने के लिए उत्पन्न की गई कठिन परिस्थितियों को भी “परीक्षा” कहा जाता है। इसके लिए अन्य शब्द है "परीक्षण" या "प्रलोभन" विशेष प्रकार का परीक्षण है।
- बाइबल में अनेक मनुष्यों की परीक्षा ली गई थी कि परमेश्वर के प्रति उनके विश्वास एवं आज्ञाकारिता का निश्चय किया जाए। वे नाना प्रकार की परीक्षाओं से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, बन्दीगृह में डाले जाना या विश्वास के कारण घात किए जाना।

(यह भी देखें: परीक्षा करने, परीक्षा, निर्दोष, दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:34
- यहेजकेल 21:12-13
- विलापगीत 03:58-61
- नीतिवचन 25:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3984, G3986, G4451

परीक्षा, दुःख

परिभाषा:

“परीक्षा” का अर्थ है किसी वस्तु या मनुष्य को “परखना” या “जांचना”।

- अभियोग अर्थात् न्यायिक सुनवाई जिसमें मनुष्य को दोषी या निर्दोष सिद्ध करने के लिए प्रमाणों को प्रस्तुत किया जाता है।
- परमेश्वर द्वारा विश्वास को परखने के लिए उत्पन्न की गई कठिन परिस्थितियों को भी “परीक्षा” कहा जाता है। इसके लिए अन्य शब्द है "परीक्षण" या "प्रलोभन" विशेष प्रकार का परीक्षण है।
- बाइबल में अनेक मनुष्यों की परीक्षा ली गई थी कि परमेश्वर के प्रति उनके विश्वास एवं आज्ञाकारिता का निश्चय किया जाए। वे नाना प्रकार की परीक्षाओं से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, बन्दीगृह में डाले जाना या विश्वास के कारण घात किए जाना।

(यह भी देखें: परीक्षा करने, परीक्षा, निर्दोष, दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:34
- यहेजकेल 21:12-13
- विलापगीत 03:58-61
- नीतिवचन 25:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3984, G3986, G4451

परीक्षा, दुःख

परिभाषा:

“परीक्षा” का अर्थ है किसी वस्तु या मनुष्य को “परखना” या “जांचना”।

- अभियोग अर्थात् न्यायिक सुनवाई जिसमें मनुष्य को दोषी या निर्दोष सिद्ध करने के लिए प्रमाणों को प्रस्तुत किया जाता है।
- परमेश्वर द्वारा विश्वास को परखने के लिए उत्पन्न की गई कठिन परिस्थितियों को भी “परीक्षा” कहा जाता है। इसके लिए अन्य शब्द है "परीक्षण" या "प्रलोभन" विशेष प्रकार का परीक्षण है।
- बाइबल में अनेक मनुष्यों की परीक्षा ली गई थी कि परमेश्वर के प्रति उनके विश्वास एवं आज्ञाकारिता का निश्चय किया जाए। वे नाना प्रकार की परीक्षाओं से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, बन्दीगृह में डाले जाना या विश्वास के कारण घात किए जाना।

(यह भी देखें: परीक्षा करने, परीक्षा, निर्दोष, दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:34
- यहेजकेल 21:12-13
- विलापगीत 03:58-61
- नीतिवचन 25:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3984, G3986, G4451

परीक्षा, दुःख

परिभाषा:

“परीक्षा” का अर्थ है किसी वस्तु या मनुष्य को “परखना” या “जांचना”।

- अभियोग अर्थात् न्यायिक सुनवाई जिसमें मनुष्य को दोषी या निर्दोष सिद्ध करने के लिए प्रमाणों को प्रस्तुत किया जाता है।
- परमेश्वर द्वारा विश्वास को परखने के लिए उत्पन्न की गई कठिन परिस्थितियों को भी “परीक्षा” कहा जाता है। इसके लिए अन्य शब्द है "परीक्षण" या "प्रलोभन" विशेष प्रकार का परीक्षण है।

- बाइबल में अनेक मनुष्यों की परीक्षा ली गई थी कि परमेश्वर के प्रति उनके विश्वास एवं आज्ञाकारिता का निश्चय किया जाए। वे नाना प्रकार की परीक्षाओं से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, बन्दीगृह में डाले जाना या विश्वास के कारण घात किए जाना।

(यह भी देखें: परीक्षा करने, परीक्षा, निर्दोष, दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:34
- यहेजकेल 21:12-13
- विलापगीत 03:58-61
- नीतिवचन 25:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3984, G3986, G4451

परीक्षा, दुःख

परिभाषा:

“परीक्षा” का अर्थ है किसी वस्तु या मनुष्य को “परखना” या “जांचना”।

- अभियोग अर्थात् न्यायिक सुनवाई जिसमें मनुष्य को दोषी या निर्दोष सिद्ध करने के लिए प्रमाणों को प्रस्तुत किया जाता है।
- परमेश्वर द्वारा विश्वास को परखने के लिए उत्पन्न की गई कठिन परिस्थितियों को भी “परीक्षा” कहा जाता है। इसके लिए अन्य शब्द है "परीक्षण" या "प्रलोभन" विशेष प्रकार का परीक्षण है।
- बाइबल में अनेक मनुष्यों की परीक्षा ली गई थी कि परमेश्वर के प्रति उनके विश्वास एवं आज्ञाकारिता का निश्चय किया जाए। वे नाना प्रकार की परीक्षाओं से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, बन्दीगृह में डाले जाना या विश्वास के कारण घात किए जाना।

(यह भी देखें: परीक्षा करने, परीक्षा, निर्दोष, दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:34
- यहेजकेल 21:12-13
- विलापगीत 03:58-61
- नीतिवचन 25:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3984, G3986, G4451

परीक्षा, दुःख

परिभाषा:

“परीक्षा” का अर्थ है किसी वस्तु या मनुष्य को “परखना” या “जांचना”।

- अभियोग अर्थात् न्यायिक सुनवाई जिसमें मनुष्य को दोषी या निर्दोष सिद्ध करने के लिए प्रमाणों को प्रस्तुत किया जाता है।
- परमेश्वर द्वारा विश्वास को परखने के लिए उत्पन्न की गई कठिन परिस्थितियों को भी “परीक्षा” कहा जाता है। इसके लिए अन्य शब्द है "परीक्षण" या "प्रलोभन" विशेष प्रकार का परीक्षण है।
- बाइबल में अनेक मनुष्यों की परीक्षा ली गई थी कि परमेश्वर के प्रति उनके विश्वास एवं आज्ञाकारिता का निश्चय किया जाए। वे नाना प्रकार की परीक्षाओं से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, बन्दीगृह में डाले जाना या विश्वास के कारण घात किए जाना।

(यह भी देखें: परीक्षा करने, परीक्षा, निर्दोष, दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:34
- यहेजकेल 21:12-13

- विलापगीत 03:58-61
- नीतिवचन 25:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3984, G3986, G4451

परीक्षा, दुःख

परिभाषा:

“परीक्षा” का अर्थ है किसी वस्तु या मनुष्य को “परखना” या “जांचना”।

- अभियोग अर्थात् न्यायिक सुनवाई जिसमें मनुष्य को दोषी या निर्दोष सिद्ध करने के लिए प्रमाणों को प्रस्तुत किया जाता है।
- परमेश्वर द्वारा विश्वास को परखने के लिए उत्पन्न की गई कठिन परिस्थितियों को भी “परीक्षा” कहा जाता है। इसके लिए अन्य शब्द है "परीक्षण" या "प्रलोभन" विशेष प्रकार का परीक्षण है।
- बाइबल में अनेक मनुष्यों की परीक्षा ली गई थी कि परमेश्वर के प्रति उनके विश्वास एवं आज्ञाकारिता का निश्चय किया जाए। वे नाना प्रकार की परीक्षाओं से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, बन्दीगृह में डाले जाना या विश्वास के कारण घात किए जाना।

(यह भी देखें: परीक्षा करने, परीक्षा, निर्दोष, दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:34
- यहेजकेल 21:12-13
- विलापगीत 03:58-61
- नीतिवचन 25:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3984, G3986, G4451

परीक्षा, दुःख

परिभाषा:

“परीक्षा” का अर्थ है किसी वस्तु या मनुष्य को “परखना” या “जांचना”।

- अभियोग अर्थात् न्यायिक सुनवाई जिसमें मनुष्य को दोषी या निर्दोष सिद्ध करने के लिए प्रमाणों को प्रस्तुत किया जाता है।
- परमेश्वर द्वारा विश्वास को परखने के लिए उत्पन्न की गई कठिन परिस्थितियों को भी “परीक्षा” कहा जाता है। इसके लिए अन्य शब्द है "परीक्षण" या "प्रलोभन" विशेष प्रकार का परीक्षण है।
- बाइबल में अनेक मनुष्यों की परीक्षा ली गई थी कि परमेश्वर के प्रति उनके विश्वास एवं आज्ञाकारिता का निश्चय किया जाए। वे नाना प्रकार की परीक्षाओं से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, बन्दीगृह में डाले जाना या विश्वास के कारण घात किए जाना।

(यह भी देखें: परीक्षा करने, परीक्षा, निर्दोष, दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:34
- यहेजकेल 21:12-13
- विलापगीत 03:58-61
- नीतिवचन 25:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3984, G3986, G4451

परीक्षा, दुःख

परिभाषा:

“परीक्षा” का अर्थ है किसी वस्तु या मनुष्य को “परखना” या “जांचना”।

- अभियोग अर्थात् न्यायिक सुनवाई जिसमें मनुष्य को दोषी या निर्दोष सिद्ध करने के लिए प्रमाणों को प्रस्तुत किया जाता है।
- परमेश्वर द्वारा विश्वास को परखने के लिए उत्पन्न की गई कठिन परिस्थितियों को भी “परीक्षा” कहा जाता है। इसके लिए अन्य शब्द है "परीक्षण" या "प्रलोभन" विशेष प्रकार का परीक्षण है।
- बाइबल में अनेक मनुष्यों की परीक्षा ली गई थी कि परमेश्वर के प्रति उनके विश्वास एवं आज्ञाकारिता का निश्चय किया जाए। वे नाना प्रकार की परीक्षाओं से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, बन्दीगृह में डाले जाना या विश्वास के कारण घात किए जाना।

(यह भी देखें: परीक्षा करने, परीक्षा, निर्दोष, दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:34
- यहेजकेल 21:12-13
- विलापगीत 03:58-61
- नीतिवचन 25:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3984, G3986, G4451

परीक्षा, दुःख

परिभाषा:

“परीक्षा” का अर्थ है किसी वस्तु या मनुष्य को “परखना” या “जांचना”।

- अभियोग अर्थात् न्यायिक सुनवाई जिसमें मनुष्य को दोषी या निर्दोष सिद्ध करने के लिए प्रमाणों को प्रस्तुत किया जाता है।
- परमेश्वर द्वारा विश्वास को परखने के लिए उत्पन्न की गई कठिन परिस्थितियों को भी “परीक्षा” कहा जाता है। इसके लिए अन्य शब्द है "परीक्षण" या "प्रलोभन" विशेष प्रकार का परीक्षण है।
- बाइबल में अनेक मनुष्यों की परीक्षा ली गई थी कि परमेश्वर के प्रति उनके विश्वास एवं आज्ञाकारिता का निश्चय किया जाए। वे नाना प्रकार की परीक्षाओं से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, बन्दीगृह में डाले जाना या विश्वास के कारण घात किए जाना।

(यह भी देखें: परीक्षा करने, परीक्षा, निर्दोष, दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:34
- यहेजकेल 21:12-13
- विलापगीत 03:58-61
- नीतिवचन 25:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3984, G3986, G4451

परीक्षा, दुःख

परिभाषा:

“परीक्षा” का अर्थ है किसी वस्तु या मनुष्य को “परखना” या “जांचना”।

- अभियोग अर्थात् न्यायिक सुनवाई जिसमें मनुष्य को दोषी या निर्दोष सिद्ध करने के लिए प्रमाणों को प्रस्तुत किया जाता है।
- परमेश्वर द्वारा विश्वास को परखने के लिए उत्पन्न की गई कठिन परिस्थितियों को भी “परीक्षा” कहा जाता है। इसके लिए अन्य शब्द है "परीक्षण" या "प्रलोभन" विशेष प्रकार का परीक्षण है।

- बाइबल में अनेक मनुष्यों की परीक्षा ली गई थी कि परमेश्वर के प्रति उनके विश्वास एवं आज्ञाकारिता का निश्चय किया जाए। वे नाना प्रकार की परीक्षाओं से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, बन्दीगृह में डाले जाना या विश्वास के कारण घात किए जाना।

(यह भी देखें: परीक्षा करने, परीक्षा, निर्दोष, दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:34
- यहेजकेल 21:12-13
- विलापगीत 03:58-61
- नीतिवचन 25:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3984, G3986, G4451

परीक्षा, दुःख

परिभाषा:

“परीक्षा” का अर्थ है किसी वस्तु या मनुष्य को “परखना” या “जांचना”।

- अभियोग अर्थात् न्यायिक सुनवाई जिसमें मनुष्य को दोषी या निर्दोष सिद्ध करने के लिए प्रमाणों को प्रस्तुत किया जाता है।
- परमेश्वर द्वारा विश्वास को परखने के लिए उत्पन्न की गई कठिन परिस्थितियों को भी “परीक्षा” कहा जाता है। इसके लिए अन्य शब्द है "परीक्षण" या "प्रलोभन" विशेष प्रकार का परीक्षण है।
- बाइबल में अनेक मनुष्यों की परीक्षा ली गई थी कि परमेश्वर के प्रति उनके विश्वास एवं आज्ञाकारिता का निश्चय किया जाए। वे नाना प्रकार की परीक्षाओं से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, बन्दीगृह में डाले जाना या विश्वास के कारण घात किए जाना।

(यह भी देखें: परीक्षा करने, परीक्षा, निर्दोष, दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:34
- यहेजकेल 21:12-13
- विलापगीत 03:58-61
- नीतिवचन 25:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3984, G3986, G4451

परीक्षा, दुःख

परिभाषा:

“परीक्षा” का अर्थ है किसी वस्तु या मनुष्य को “परखना” या “जांचना”।

- अभियोग अर्थात् न्यायिक सुनवाई जिसमें मनुष्य को दोषी या निर्दोष सिद्ध करने के लिए प्रमाणों को प्रस्तुत किया जाता है।
- परमेश्वर द्वारा विश्वास को परखने के लिए उत्पन्न की गई कठिन परिस्थितियों को भी “परीक्षा” कहा जाता है। इसके लिए अन्य शब्द है "परीक्षण" या "प्रलोभन" विशेष प्रकार का परीक्षण है।
- बाइबल में अनेक मनुष्यों की परीक्षा ली गई थी कि परमेश्वर के प्रति उनके विश्वास एवं आज्ञाकारिता का निश्चय किया जाए। वे नाना प्रकार की परीक्षाओं से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, बन्दीगृह में डाले जाना या विश्वास के कारण घात किए जाना।

(यह भी देखें: परीक्षा करने, परीक्षा, निर्दोष, दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:34
- यहेजकेल 21:12-13

- विलापगीत 03:58-61
- नीतिवचन 25:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3984, G3986, G4451

परीक्षा, दुःख

परिभाषा:

“परीक्षा” का अर्थ है किसी वस्तु या मनुष्य को “परखना” या “जांचना”।

- अभियोग अर्थात् न्यायिक सुनवाई जिसमें मनुष्य को दोषी या निर्दोष सिद्ध करने के लिए प्रमाणों को प्रस्तुत किया जाता है।
- परमेश्वर द्वारा विश्वास को परखने के लिए उत्पन्न की गई कठिन परिस्थितियों को भी “परीक्षा” कहा जाता है। इसके लिए अन्य शब्द है "परीक्षण" या "प्रलोभन" विशेष प्रकार का परीक्षण है।
- बाइबल में अनेक मनुष्यों की परीक्षा ली गई थी कि परमेश्वर के प्रति उनके विश्वास एवं आज्ञाकारिता का निश्चय किया जाए। वे नाना प्रकार की परीक्षाओं से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, बन्दीगृह में डाले जाना या विश्वास के कारण घात किए जाना।

(यह भी देखें: परीक्षा करने, परीक्षा, निर्दोष, दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:34
- यहेजकेल 21:12-13
- विलापगीत 03:58-61
- नीतिवचन 25:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3984, G3986, G4451

परीक्षा करने, परीक्षा

परिभाषा:

किसी को परीक्षा में डालने का अर्थ है कि उससे गलत काम करवाना.

- परीक्षा में मनुष्य को गलत काम करने की प्रेरणा मिलती है.
- मनुष्य अपने पापी स्वभाव या अन्य मनुष्यों द्वारा परीक्षा में गिरते हैं.
- शैतान भी मनुष्यों को परमेश्वर की अवज्ञा औरअनुचित कार्यों द्वारा परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने की परीक्षा में डालता है.
- शैतान ने यीशु की परीक्षा ली थी और उसने अनुचित काम करवाने का प्रयास किया था परन्तु यीशु ने उसकी परीक्षाओं पर जय पाकर पाप नहीं किया.
- मनुष्य “परमेश्वर की परीक्षा” लेता है तो वह उससे कुछ गलत करवाने की कोशिश नहीं करता है, बल्कि वह हठीली अवज्ञा करता है, यहाँ तक कि परमेश्वर उसको दंड देने पर विवश हो. यह भी परमेश्वर की परिक्षा लेना कहलाता है.

अनुवाद के सुझाव:

- "परीक्षा करना" का अनुवाद “पाप करवाने का प्रयास करना” या “प्रलोभन देना” या “पाप करने की अभिलाषा जगाना.”
- “परीक्षा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परीक्षा में गिरानेवाली बातें” या “किसी को पाप का लालच देने वाली बातें” या “ऐसी बातें जो अनुचित काम करने की अभिलाषा उत्पन्न करें.”
- परमेश्वर की परीक्षा के संदर्भ में इसका अनुवाद “परमेश्वर को परखना” या “परमेश्वर को जांचना” या “परमेश्वर के धीरज को परखना” या “परमेश्वर द्वारा दण्ड का कारण होना” या “हठीलेपन के कारण परमेश्वर की अवज्ञा करते रहना.”

(यह भी देखें: अवज्ञा, शैतान, पाप, परीक्षा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- इब्रानियों 04: 15

- याकूब 01:13
- लूका 04:02
- लूका 11:04
- मत्ती 26:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:01** तब शैतान यीशु से पाप कराने के लिये उनकी परीक्षा करने आया.
- **25:08** यीशु शैतान के __लालच में __नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया.
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे प्रार्थना करते रहें कि परीक्षा में न पड़ें.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H974, H4531, H5254, G551, G1598, G3985, G3986, G3987

परीक्षा करने, परीक्षा

परिभाषा:

किसी को परीक्षा में डालने का अर्थ है कि उससे गलत काम करवाना.

- परीक्षा में मनुष्य को गलत काम करने की प्रेरणा मिलती है.
- मनुष्य अपने पापी स्वभाव या अन्य मनुष्यों द्वारा परीक्षा में गिरते हैं.
- शैतान भी मनुष्यों को परमेश्वर की अवज्ञा औरअनुचित कार्यों द्वारा परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने की परीक्षा में डालता है.
- शैतान ने यीशु की परीक्षा ली थी और उसने अनुचित काम करवाने का प्रयास किया था परन्तु यीशु ने उसकी परीक्षाओं पर जय पाकर पाप नहीं किया.
- मनुष्य “परमेश्वर की परीक्षा” लेता है तो वह उससे कुछ गलत करवाने की कोशिश नहीं करता है, बल्कि वह हठीली अवज्ञा करता है, यहाँ तक कि परमेश्वर उसको दंड देने पर विवश हो. यह भी परमेश्वर की परिक्षा लेना कहलाता है.

अनुवाद के सुझाव:

- "परीक्षा करना" का अनुवाद “पाप करवाने का प्रयास करना” या “प्रलोभन देना” या “पाप करने की अभिलाषा जगाना.”
- “परीक्षा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परीक्षा में गिरानेवाली बातें” या “किसी को पाप का लालच देने वाली बातें” या “ऐसी बातें जो अनुचित काम करने की अभिलाषा उत्पन्न करें.”
- परमेश्वर की परीक्षा के संदर्भ में इसका अनुवाद “परमेश्वर को परखना” या “परमेश्वर को जांचना” या “परमेश्वर के धीरज को परखना” या “परमेश्वर द्वारा दण्ड का कारण होना” या “हठीलेपन के कारण परमेश्वर की अवज्ञा करते रहना.”

(यह भी देखें: अवज्ञा, शैतान, पाप, परीक्षा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- इब्रानियों 04: 15
- याकूब 01:13
- लूका 04:02
- लूका 11:04
- मत्ती 26:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:01** तब शैतान यीशु से पाप कराने के लिये उनकी परीक्षा करने आया.
- **25:08** यीशु शैतान के __लालच में __नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया.
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे प्रार्थना करते रहें कि परीक्षा में न पड़ें.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H974, H4531, H5254, G551, G1598, G3985, G3986, G3987

परीक्षा करने, परीक्षा

परिभाषा:

किसी को परीक्षा में डालने का अर्थ है कि उससे गलत काम करवाना.

- परीक्षा में मनुष्य को गलत काम करने की प्रेरणा मिलती है.
- मनुष्य अपने पापी स्वभाव या अन्य मनुष्यों द्वारा परीक्षा में गिरते हैं.
- शैतान भी मनुष्यों को परमेश्वर की अवज्ञा औरअनुचित कार्यों द्वारा परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने की परीक्षा में डालता है.
- शैतान ने यीशु की परीक्षा ली थी और उसने अनुचित काम करवाने का प्रयास किया था परन्तु यीशु ने उसकी परीक्षाओं पर जय पाकर पाप नहीं किया.
- मनुष्य “परमेश्वर की परीक्षा” लेता है तो वह उससे कुछ गलत करवाने की कोशिश नहीं करता है, बल्कि वह हठीली अवज्ञा करता है, यहाँ तक कि परमेश्वर उसको दंड देने पर विवश हो. यह भी परमेश्वर की परिक्षा लेना कहलाता है.

अनुवाद के सुझाव:

- "परीक्षा करना" का अनुवाद “पाप करवाने का प्रयास करना” या “प्रलोभन देना” या “पाप करने की अभिलाषा जगाना.”
- “परीक्षा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परीक्षा में गिरानेवाली बातें” या “किसी को पाप का लालच देने वाली बातें” या “ऐसी बातें जो अनुचित काम करने की अभिलाषा उत्पन्न करें.”
- परमेश्वर की परीक्षा के संदर्भ में इसका अनुवाद “परमेश्वर को परखना” या “परमेश्वर को जांचना” या “परमेश्वर के धीरज को परखना” या “परमेश्वर द्वारा दण्ड का कारण होना” या “हठीलेपन के कारण परमेश्वर की अवज्ञा करते रहना.”

(यह भी देखें: अवज्ञा, शैतान, पाप, परीक्षा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- इब्रानियों 04: 15
- याकूब 01:13
- लूका 04:02
- लूका 11:04
- मत्ती 26:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:01** तब शैतान यीशु से पाप कराने के लिये उनकी परीक्षा करने आया.
- **25:08** यीशु शैतान के __लालच में __नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया.
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे प्रार्थना करते रहें कि परीक्षा में न पड़ें.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H974, H4531, H5254, G551, G1598, G3985, G3986, G3987

परीक्षा करने, परीक्षा

परिभाषा:

किसी को परीक्षा में डालने का अर्थ है कि उससे गलत काम करवाना.

- परीक्षा में मनुष्य को गलत काम करने की प्रेरणा मिलती है.
- मनुष्य अपने पापी स्वभाव या अन्य मनुष्यों द्वारा परीक्षा में गिरते हैं.
- शैतान भी मनुष्यों को परमेश्वर की अवज्ञा औरअनुचित कार्यों द्वारा परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने की परीक्षा में डालता है.
- शैतान ने यीशु की परीक्षा ली थी और उसने अनुचित काम करवाने का प्रयास किया था परन्तु यीशु ने उसकी परीक्षाओं पर जय पाकर पाप नहीं किया.
- मनुष्य “परमेश्वर की परीक्षा” लेता है तो वह उससे कुछ गलत करवाने की कोशिश नहीं करता है, बल्कि वह हठीली अवज्ञा करता है, यहाँ तक कि परमेश्वर उसको दंड देने पर विवश हो. यह भी परमेश्वर की परिक्षा लेना कहलाता है.

अनुवाद के सुझाव:

- "परीक्षा करना" का अनुवाद “पाप करवाने का प्रयास करना” या “प्रलोभन देना” या “पाप करने की अभिलाषा जगाना.”

- “परीक्षा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परीक्षा में गिरानेवाली बातें” या “किसी को पाप का लालच देने वाली बातें” या “ऐसी बातें जो अनुचित काम करने की अभिलाषा उत्पन्न करें.”
- परमेश्वर की परीक्षा के संदर्भ में इसका अनुवाद “परमेश्वर को परखना” या “परमेश्वर को जांचना” या “परमेश्वर के धीरज को परखना” या “परमेश्वर द्वारा दण्ड का कारण होना” या “हठीलेपन के कारण परमेश्वर की अवज्ञा करते रहना.”

(यह भी देखें: अवज्ञा, शैतान, पाप, परीक्षा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- इब्रानियों 04: 15
- याकूब 01:13
- लूका 04:02
- लूका 11:04
- मत्ती 26:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:01** तब शैतान यीशु से पाप कराने के लिये उनकी परीक्षा करने आया.
- **25:08** यीशु शैतान के __लालच में __नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया.
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे प्रार्थना करते रहें कि परीक्षा में न पड़ें.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H974, H4531, H5254, G551, G1598, G3985, G3986, G3987

पर्व, पर्व

परिभाषा:

सामान्य अर्थ में पर्व किसी जन समुदाय द्वारा उत्सव मनाना होता है।

- पुराने नियम में “पर्व” का मूल अर्थ था “नियुक्त समय”
- इस्राएल के पर्व परमेश्वर द्वारा नियुक्त समय एवं ऋतुएं थे जिसके पालन की आज्ञा परमेश्वर ने उन्हें दी थी।
- कुछ अंग्रेजी अनुवादों में "पर्व" के स्थान में भोज शब्द का उपयोग किया गया है क्योंकि पर्वों में विशाल भोज का आयोजन किया जाता था।
- इस्राएल के अनेक मुख्य पर्व थे जिन्हें वे प्रति वर्ष मनाया करते थे:
- फसह
- अखमीरी रोटी का पर्व
- पहली उपज
- सप्ताहों का पर्व (पिन्तेकुस्त)
- तुरहियों का पर्व
- प्रायश्चित का दिन
- झोपड़ियों का पर्व
- इन पर्वों का उद्देश्य था परमेश्वर को धन्यवाद व्यक्त करना और उसकी प्रजा के उद्धार, सुरक्षा और प्रावधानों के निमित्त उसके आश्चर्यकर्मों को स्मरण करना।

(यह भी देखें: पर्व)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 23:30-31
- 2 इतिहास 08:12-13
- निर्गमन 05:1-2
- यूहन्ना 04:43-45
- लूका 22:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1974, H2166, H2282, H2287, H6213, H4150, G1456, G1858, G1859

पर्व, पर्व

परिभाषा:

सामान्य अर्थ में पर्व किसी जन समुदाय द्वारा उत्सव मनाना होता है।

- पुराने नियम में “पर्व” का मूल अर्थ था “नियुक्त समय”
- इस्राएल के पर्व परमेश्वर द्वारा नियुक्त समय एवं ऋतुएं थे जिसके पालन की आज्ञा परमेश्वर ने उन्हें दी थी।
- कुछ अंग्रेजी अनुवादों में "पर्व" के स्थान में भोज शब्द का उपयोग किया गया है क्योंकि पर्वों में विशाल भोज का आयोजन किया जाता था।
- इस्राएल के अनेक मुख्य पर्व थे जिन्हें वे प्रति वर्ष मनाया करते थे:
- फसह
- अखमीरी रोटी का पर्व
- पहली उपज
- सप्ताहों का पर्व (पिन्तेकुस्त)
- तुरहियों का पर्व
- प्रायश्चित का दिन
- झोपड़ियों का पर्व
- इन पर्वों का उद्देश्य था परमेश्वर को धन्यवाद व्यक्त करना और उसकी प्रजा के उद्धार, सुरक्षा और प्रावधानों के निमित्त उसके आश्चर्यकर्मों को स्मरण करना।

(यह भी देखें: पर्व)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 23:30-31
- 2 इतिहास 08:12-13
- निर्गमन 05:1-2
- यूहन्ना 04:43-45
- लूका 22:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1974, H2166, H2282, H2287, H6213, H4150, G1456, G1858, G1859

पर्व, पर्व

परिभाषा:

सामान्य अर्थ में पर्व किसी जन समुदाय द्वारा उत्सव मनाना होता है।

- पुराने नियम में “पर्व” का मूल अर्थ था “नियुक्त समय”
- इस्राएल के पर्व परमेश्वर द्वारा नियुक्त समय एवं ऋतुएं थे जिसके पालन की आज्ञा परमेश्वर ने उन्हें दी थी।
- कुछ अंग्रेजी अनुवादों में "पर्व" के स्थान में भोज शब्द का उपयोग किया गया है क्योंकि पर्वों में विशाल भोज का आयोजन किया जाता था।
- इस्राएल के अनेक मुख्य पर्व थे जिन्हें वे प्रति वर्ष मनाया करते थे:
- फसह
- अखमीरी रोटी का पर्व
- पहली उपज
- सप्ताहों का पर्व (पिन्तेकुस्त)
- तुरहियों का पर्व
- प्रायश्चित का दिन
- झोपड़ियों का पर्व
- इन पर्वों का उद्देश्य था परमेश्वर को धन्यवाद व्यक्त करना और उसकी प्रजा के उद्धार, सुरक्षा और प्रावधानों के निमित्त उसके आश्चर्यकर्मों को स्मरण करना।

(यह भी देखें: पर्व)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 23:30-31

- 2 इतिहास 08:12-13
- निर्गमन 05:1-2
- यूहन्ना 04:43-45
- लूका 22:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1974, H2166, H2282, H2287, H6213, H4150, G1456, G1858, G1859

पर्व, पर्व

परिभाषा:

सामान्य अर्थ में पर्व किसी जन समुदाय द्वारा उत्सव मनाना होता है।

- पुराने नियम में “पर्व” का मूल अर्थ था “नियुक्त समय”
- इस्राएल के पर्व परमेश्वर द्वारा नियुक्त समय एवं ऋतुएं थे जिसके पालन की आज्ञा परमेश्वर ने उन्हें दी थी।
- कुछ अंग्रेजी अनुवादों में "पर्व" के स्थान में भोज शब्द का उपयोग किया गया है क्योंकि पर्वों में विशाल भोज का आयोजन किया जाता था।
- इस्राएल के अनेक मुख्य पर्व थे जिन्हें वे प्रति वर्ष मनाया करते थे:
- फसह
- अखमीरी रोटी का पर्व
- पहली उपज
- सप्ताहों का पर्व (पिन्तेकुस्त)
- तुरहियों का पर्व
- प्रायश्चित का दिन
- झोपड़ियों का पर्व
- इन पर्वों का उद्देश्य था परमेश्वर को धन्यवाद व्यक्त करना और उसकी प्रजा के उद्धार, सुरक्षा और प्रावधानों के निमित्त उसके आश्चर्यकर्मों को स्मरण करना।

(यह भी देखें: पर्व)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 23:30-31
- 2 इतिहास 08:12-13
- निर्गमन 05:1-2
- यूहन्ना 04:43-45
- लूका 22:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1974, H2166, H2282, H2287, H6213, H4150, G1456, G1858, G1859

पर्व, पर्व

परिभाषा:

सामान्य अर्थ में पर्व किसी जन समुदाय द्वारा उत्सव मनाना होता है।

- पुराने नियम में “पर्व” का मूल अर्थ था “नियुक्त समय”
- इस्राएल के पर्व परमेश्वर द्वारा नियुक्त समय एवं ऋतुएं थे जिसके पालन की आज्ञा परमेश्वर ने उन्हें दी थी।
- कुछ अंग्रेजी अनुवादों में "पर्व" के स्थान में भोज शब्द का उपयोग किया गया है क्योंकि पर्वों में विशाल भोज का आयोजन किया जाता था।
- इस्राएल के अनेक मुख्य पर्व थे जिन्हें वे प्रति वर्ष मनाया करते थे:
- फसह
- अखमीरी रोटी का पर्व
- पहली उपज
- सप्ताहों का पर्व (पिन्तेकुस्त)
- तुरहियों का पर्व
- प्रायश्चित का दिन

- झोपड़ियों का पर्व
- इन पर्वों का उद्देश्य था परमेश्वर को धन्यवाद व्यक्त करना और उसकी प्रजा के उद्धार, सुरक्षा और प्रावधानों के निमित्त उसके आश्चर्यकर्मों को स्मरण करना।

(यह भी देखें: पर्व)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 23:30-31
- 2 इतिहास 08:12-13
- निर्गमन 05:1-2
- यूहन्ना 04:43-45
- लूका 22:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1974, H2166, H2282, H2287, H6213, H4150, G1456, G1858, G1859

पर्व, पर्वों, भोज

परिभाषा:

“पर्व” शब्द का अर्थ अति सामान्य है, जिसका सन्दर्भ ऐसे कार्यक्रम से है जिसमें जनसमूह उत्सव मनाने के उद्देश्य से एक वृहत भोज में सहभागी होता है। बैबले के युग में भोज कई दिन वरन अधिक समय तक चलता था।

- पर्व विशेष में भोजन परिस्थिति के अनुकूल विशेष होते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को जिन धार्मिक पर्वों को मनाने की आज्ञा दी थी उनमें अधिकतर सहभागिता भोज होते थे। यही कारण है कि उत्सवों को पर्व कहा गया था।
- बाइबल के युग में राजा और अन्य धनवान, प्रतिष्ठित जन अपने परिवार या मित्रों का अतिथि सत्कार करने के लिए अधिकतर भोज का आयोजन करते रहते थे।
- ऊड़ाऊ पुत्र की कहानी में पिता ने पुत्र के लौट आने के उपलक्ष में विशेष भोज का आयोजन किया था।
- “पर्व मनाना” का अनुवाद हो सकता है, “बहुत अधिक खाना” या “बहुत खाकर उत्सव मनाना” या “विशेष व्यापक भोजन करना।""
- प्रकरण के अनुसार “पर्व” का अनुवाद हो सकता है, “विशाल भोज के साथ उत्सव मनाना” या “नाना विविध व्यंजनों का भोजन करना” या “उत्सव का भोज।”

(यह भी देखें: पर्व)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:12-14
- उत्पत्ति 26:30
- उत्पत्ति 29:22
- उत्पत्ति 40:20
- यहूदा 01:12-13
- लूका 02:43
- लूका 14:7-9
- मत्ती 22:01

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H2077, H2282, H3899, H3900, H4150, H4797, H4960, H7646, H8057, H8354, G26, G1062, G1173, G1859, G2165, G4910

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पर्व, पर्वों, भोज

परिभाषा:

“पर्व” शब्द का अर्थ अति सामान्य है, जिसका सन्दर्भ ऐसे कार्यक्रम से है जिसमें जनसमूह उत्सव मनाने के उद्देश्य से एक वृहत भोज में सहभागी होता है। बैबले के युग में भोज कई दिन वरन अधिक समय तक चलता था।

- पर्व विशेष में भोजन परिस्थिति के अनुकूल विशेष होते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को जिन धार्मिक पर्वों को मनाने की आज्ञा दी थी उनमें अधिकतर सहभागिता भोज होते थे। यही कारण है कि उत्सवों को पर्व कहा गया था।
- बाइबल के युग में राजा और अन्य धनवान, प्रतिष्ठित जन अपने परिवार या मित्रों का अतिथि सत्कार करने के लिए अधिकतर भोज का आयोजन करते रहते थे।
- ऊड़ाऊ पुत्र की कहानी में पिता ने पुत्र के लौट आने के उपलक्ष में विशेष भोज का आयोजन किया था।
- “पर्व मनाना” का अनुवाद हो सकता है, “बहुत अधिक खाना” या “बहुत खाकर उत्सव मनाना” या “विशेष व्यापक भोजन करना।""
- प्रकरण के अनुसार “पर्व” का अनुवाद हो सकता है, “विशाल भोज के साथ उत्सव मनाना” या “नाना विविध व्यंजनों का भोजन करना” या “उत्सव का भोज।”

(यह भी देखें: पर्व)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:12-14
- उत्पत्ति 26:30
- उत्पत्ति 29:22
- उत्पत्ति 40:20
- यहूदा 01:12-13
- लूका 02:43
- लूका 14:7-9
- मत्ती 22:01

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H2077, H2282, H3899, H3900, H4150, H4797, H4960, H7646, H8057, H8354, G26, G1062, G1173, G1859, G2165, G4910

पर्व, पर्वों, भोज

परिभाषा:

“पर्व” शब्द का अर्थ अति सामान्य है, जिसका सन्दर्भ ऐसे कार्यक्रम से है जिसमें जनसमूह उत्सव मनाने के उद्देश्य से एक वृहत भोज में सहभागी होता है। बैबले के युग में भोज कई दिन वरन अधिक समय तक चलता था।

- पर्व विशेष में भोजन परिस्थिति के अनुकूल विशेष होते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को जिन धार्मिक पर्वों को मनाने की आज्ञा दी थी उनमें अधिकतर सहभागिता भोज होते थे। यही कारण है कि उत्सवों को पर्व कहा गया था।
- बाइबल के युग में राजा और अन्य धनवान, प्रतिष्ठित जन अपने परिवार या मित्रों का अतिथि सत्कार करने के लिए अधिकतर भोज का आयोजन करते रहते थे।
- ऊड़ाऊ पुत्र की कहानी में पिता ने पुत्र के लौट आने के उपलक्ष में विशेष भोज का आयोजन किया था।
- “पर्व मनाना” का अनुवाद हो सकता है, “बहुत अधिक खाना” या “बहुत खाकर उत्सव मनाना” या “विशेष व्यापक भोजन करना।""
- प्रकरण के अनुसार “पर्व” का अनुवाद हो सकता है, “विशाल भोज के साथ उत्सव मनाना” या “नाना विविध व्यंजनों का भोजन करना” या “उत्सव का भोज।”

(यह भी देखें: पर्व)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:12-14
- उत्पत्ति 26:30
- उत्पत्ति 29:22
- उत्पत्ति 40:20
- यहूदा 01:12-13
- लूका 02:43
- लूका 14:7-9
- मत्ती 22:01

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H2077, H2282, H3899, H3900, H4150, H4797, H4960, H7646, H8057, H8354, G26, G1062, G1173, G1859, G2165, G4910

पर्व, पर्वों, भोज

परिभाषा:

“पर्व” शब्द का अर्थ अति सामान्य है, जिसका सन्दर्भ ऐसे कार्यक्रम से है जिसमें जनसमूह उत्सव मनाने के उद्देश्य से एक वृहत भोज में सहभागी होता है। बैबले के युग में भोज कई दिन वरन अधिक समय तक चलता था।

- पर्व विशेष में भोजन परिस्थिति के अनुकूल विशेष होते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को जिन धार्मिक पर्वों को मनाने की आज्ञा दी थी उनमें अधिकतर सहभागिता भोज होते थे। यही कारण है कि उत्सवों को पर्व कहा गया था।
- बाइबल के युग में राजा और अन्य धनवान, प्रतिष्ठित जन अपने परिवार या मित्रों का अतिथि सत्कार करने के लिए अधिकतर भोज का आयोजन करते रहते थे।

- ऊड़ाऊ पुत्र की कहानी में पिता ने पुत्र के लौट आने के उपलक्ष में विशेष भोज का आयोजन किया था।

- “पर्व मनाना” का अनुवाद हो सकता है, “बहुत अधिक खाना” या “बहुत खाकर उत्सव मनाना” या “विशेष व्यापक भोजन करना।""

- प्रकरण के अनुसार “पर्व” का अनुवाद हो सकता है, “विशाल भोज के साथ उत्सव मनाना” या “नाना विविध व्यंजनों का भोजन करना” या “उत्सव का भोज।”

(यह भी देखें: पर्व)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:12-14
- उत्पत्ति 26:30
- उत्पत्ति 29:22
- उत्पत्ति 40:20
- यहूदा 01:12-13
- लूका 02:43
- लूका 14:7-9
- मत्ती 22:01

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H2077, H2282, H3899, H3900, H4150, H4797, H4960, H7646, H8057, H8354, G26, G1062, G1173, G1859, G2165, G4910

पर्व, पर्वों, भोज

परिभाषा:

“पर्व” शब्द का अर्थ अति सामान्य है, जिसका सन्दर्भ ऐसे कार्यक्रम से है जिसमें जनसमूह उत्सव मनाने के उद्देश्य से एक वृहत भोज में सहभागी होता है। बैबले के युग में भोज कई दिन वरन अधिक समय तक चलता था।

- पर्व विशेष में भोजन परिस्थिति के अनुकूल विशेष होते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को जिन धार्मिक पर्वों को मनाने की आज्ञा दी थी उनमें अधिकतर सहभागिता भोज होते थे। यही कारण है कि उत्सवों को पर्व कहा गया था।
- बाइबल के युग में राजा और अन्य धनवान, प्रतिष्ठित जन अपने परिवार या मित्रों का अतिथि सत्कार करने के लिए अधिकतर भोज का आयोजन करते रहते थे।
- ऊड़ाऊ पुत्र की कहानी में पिता ने पुत्र के लौट आने के उपलक्ष में विशेष भोज का आयोजन किया था।
- “पर्व मनाना” का अनुवाद हो सकता है, “बहुत अधिक खाना” या “बहुत खाकर उत्सव मनाना” या “विशेष व्यापक भोजन करना।""
- प्रकरण के अनुसार “पर्व” का अनुवाद हो सकता है, “विशाल भोज के साथ उत्सव मनाना” या “नाना विविध व्यंजनों का भोजन करना” या “उत्सव का भोज।”

(यह भी देखें: पर्व)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:12-14
- उत्पत्ति 26:30
- उत्पत्ति 29:22
- उत्पत्ति 40:20
- यहूदा 01:12-13
- लूका 02:43
- लूका 14:7-9
- मत्ती 22:01

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H2077, H2282, H3899, H3900, H4150, H4797, H4960, H7646, H8057, H8354, G26, G1062, G1173, G1859, G2165, G4910

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

“पवित्र” और पवित्रता” का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- “पवित्र” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर के लिए पृथक” या “परमेश्वर का” या “पूर्णतः शुद्ध” या “सिद्धता में निष्पाप” या “पाप से पृथक”।
- “पवित्र करना” का अनुवाद प्रायः “शोधन” होता है। इसका अनुवाद “परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णत: पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णत: पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णत: शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्राय: "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01

- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णत: पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णत: पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णत: शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्राय: "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08

- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07

- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।

- **09:12** “जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।”
- **13:02** ,”इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**“इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।”
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

“पवित्र” और पवित्रता” का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णत: पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णत: पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- “पवित्र” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर के लिए पृथक” या “परमेश्वर का” या “पूर्णत: शुद्ध” या “सिद्धता में निष्पाप” या “पाप से पृथक”।
- “पवित्र करना” का अनुवाद प्राय: “शोधन” होता है। इसका अनुवाद “परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** “जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।”
- **13:02** ,”इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**“इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।”

- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णत: पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णत: पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णत: शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्राय: "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, पवित्र करना, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1, थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21

- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21

- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21

- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21

- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21

- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
- इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 2 राजा 19:20-22
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 03:13-14
- यशायाह 05:15-17
- यशायाह 41:14-15
- लूका 04:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

- पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
- "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र करना, याजक))

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 12:3-5
- 2 राजा 03:1-3
- 2 तीमु. 03:14-15
- उत्पत्ति 28:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, प्रभु की आत्मा, आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्रआत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

- पवित्र आत्मा को केवल “आत्मा” या “यहोवा का आत्मा” या “सत्य का आत्मा” भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अत्यधिक शुद्ध और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “पवित्र” और “आत्मा” शब्दों के अनुवाद से किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, “शुद्ध आत्मा”, या “आत्मा जो पवित्र है” या “परमेश्वर जो आत्मा है” हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, परमेश्वर पिता, परमेश्वर का पुत्र,दान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 01:1-2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 051:10-11

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** लेकिन परमेश्वर की आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:08** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए __पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **26: 3** यीशु ने पढ़ा, " प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, स्वर्गीय पिता और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों के समूह के चेले बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का पालन करने के लिए सिखाओ जिसकी मैंने तुमको आज्ञा दी है। "
- **43:03** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और यीशु ने पवित्र आत्मा को भेजा है जैसा कि उसने वादा किया था कि वह करेंगे। पवित्र आत्मा उन चीजों का कारण बन रहा है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, "मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें पवित्र आत्मा का दान देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, प्रभु की आत्मा, आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्रआत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

- पवित्र आत्मा को केवल "आत्मा" या "यहोवा का आत्मा" या "सत्य का आत्मा" भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अत्यधिक शुद्ध और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद "पवित्र" और "आत्मा" शब्दों के अनुवाद से किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, "शुद्ध आत्मा", या "आत्मा जो पवित्र है" या "परमेश्वर जो आत्मा है" हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, परमेश्वर पिता, परमेश्वर का पुत्र,दान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 01:1-2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 051:10-11

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** लेकिन परमेश्वर की आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:08** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।

- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए __पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **26: 3** यीशु ने पढ़ा, " प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, स्वर्गीय पिता और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों के समूह के चेले बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का पालन करने के लिए सिखाओ जिसकी मैंने तुमको आज्ञा दी है। "
- **43:03** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और यीशु ने पवित्र आत्मा को भेजा है जैसा कि उसने वादा किया था कि वह करेंगे। पवित्र आत्मा उन चीजों का कारण बन रहा है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, "मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें पवित्र आत्मा का दान देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, प्रभु की आत्मा, आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्रआत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

- पवित्र आत्मा को केवल "आत्मा" या "यहोवा का आत्मा" या "सत्य का आत्मा" भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अत्यधिक शुद्ध और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद "पवित्र" और "आत्मा" शब्दों के अनुवाद से किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, "शुद्ध आत्मा", या "आत्मा जो पवित्र है" या "परमेश्वर जो आत्मा है" हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, परमेश्वर पिता, परमेश्वर का पुत्र,दान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 01:1-2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 051:10-11

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** लेकिन परमेश्वर की आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:08** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए __पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **26: 3** यीशु ने पढ़ा, " प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, स्वर्गीय पिता और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों के समूह के चेले बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का पालन करने के लिए सिखाओ जिसकी मैंने तुमको आज्ञा दी है। "

- **43:03** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और यीशु ने पवित्र आत्मा को भेजा है जैसा कि उसने वादा किया था कि वह करेंगे। पवित्र आत्मा उन चीजों का कारण बन रहा है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें पवित्र आत्मा का दान देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, प्रभु की आत्मा, आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्रआत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

- पवित्र आत्मा को केवल “आत्मा” या “यहोवा का आत्मा” या “सत्य का आत्मा” भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अत्यधिक शुद्ध और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “पवित्र” और “आत्मा” शब्दों के अनुवाद से किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, “शुद्ध आत्मा”, या “आत्मा जो पवित्र है” या “परमेश्वर जो आत्मा है” हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, परमेश्वर पिता, परमेश्वर का पुत्र,दान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 01:1-2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 051:10-11

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** लेकिन परमेश्वर की आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:08** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए __पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **26: 3** यीशु ने पढ़ा, “ प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, स्वर्गीय पिता और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों के समूह के चेले बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का पालन करने के लिए सिखाओ जिसकी मैंने तुमको आज्ञा दी है। "
- **43:03** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और यीशु ने पवित्र आत्मा को भेजा है जैसा कि उसने वादा किया था कि वह करेंगे। पवित्र आत्मा उन चीजों का कारण बन रहा है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें पवित्र आत्मा का दान देगा।।"

- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, प्रभु की आत्मा, आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्रआत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

- पवित्र आत्मा को केवल “आत्मा” या “यहोवा का आत्मा” या “सत्य का आत्मा” भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अत्यधिक शुद्ध और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “पवित्र” और “आत्मा” शब्दों के अनुवाद से किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, “शुद्ध आत्मा”, या “आत्मा जो पवित्र है” या “परमेश्वर जो आत्मा है” हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, परमेश्वर पिता, परमेश्वर का पुत्र,दान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 01:1-2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 051:10-11

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** लेकिन परमेश्वर की आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:08** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए __पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **26: 3** यीशु ने पढ़ा, “ प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, स्वर्गीय पिता और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों के समूह के चेले बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का पालन करने के लिए सिखाओ जिसकी मैंने तुमको आज्ञा दी है। "
- **43:03** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और यीशु ने पवित्र आत्मा को भेजा है जैसा कि उसने वादा किया था कि वह करेंगे। पवित्र आत्मा उन चीजों का कारण बन रहा है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें पवित्र आत्मा का दान देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, प्रभु की आत्मा, आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्रआत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

- पवित्र आत्मा को केवल “आत्मा” या “यहोवा का आत्मा” या “सत्य का आत्मा” भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अत्यधिक शुद्ध और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “पवित्र” और “आत्मा” शब्दों के अनुवाद से किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, “शुद्ध आत्मा”, या “आत्मा जो पवित्र है” या “परमेश्वर जो आत्मा है” हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, परमेश्वर पिता, परमेश्वर का पुत्र,दान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 01:1-2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 051:10-11

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** लेकिन परमेश्वर की आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:08** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए __पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **26: 3** यीशु ने पढ़ा, “ प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, स्वर्गीय पिता और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों के समूह के चेले बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का पालन करने के लिए सिखाओ जिसकी मैंने तुमको आज्ञा दी है। "
- **43:03** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और यीशु ने पवित्र आत्मा को भेजा है जैसा कि उसने वादा किया था कि वह करेंगे। पवित्र आत्मा उन चीजों का कारण बन रहा है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें पवित्र आत्मा का दान देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, प्रभु की आत्मा, आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्रआत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

- पवित्र आत्मा को केवल “आत्मा” या “यहोवा का आत्मा” या “सत्य का आत्मा” भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अत्यधिक शुद्ध और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “पवित्र” और “आत्मा” शब्दों के अनुवाद से किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, “शुद्ध आत्मा”, या “आत्मा जो पवित्र है” या “परमेश्वर जो आत्मा है” हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, परमेश्वर पिता, परमेश्वर का पुत्र,दान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 01:1-2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 051:10-11

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** लेकिन परमेश्वर की आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:08** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए __पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **26: 3** यीशु ने पढ़ा, “ प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, स्वर्गीय पिता और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों के समूह के चेले बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का पालन करने के लिए सिखाओ जिसकी मैंने तुमको आज्ञा दी है। "
- **43:03** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और यीशु ने पवित्र आत्मा को भेजा है जैसा कि उसने वादा किया था कि वह करेंगे। पवित्र आत्मा उन चीजों का कारण बन रहा है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें पवित्र आत्मा का दान देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, प्रभु की आत्मा, आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्रआत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

- पवित्र आत्मा को केवल “आत्मा” या “यहोवा का आत्मा” या “सत्य का आत्मा” भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अत्यधिक शुद्ध और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “पवित्र” और “आत्मा” शब्दों के अनुवाद से किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, “शुद्ध आत्मा”, या “आत्मा जो पवित्र है” या “परमेश्वर जो आत्मा है” हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, परमेश्वर पिता, परमेश्वर का पुत्र,दान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 01:1-2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 051:10-11

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** लेकिन परमेश्वर की आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:08** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए __पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **26: 3** यीशु ने पढ़ा, “ प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, स्वर्गीय पिता और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों के समूह के चेले बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का पालन करने के लिए सिखाओ जिसकी मैंने तुमको आज्ञा दी है। "
- **43:03** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और यीशु ने पवित्र आत्मा को भेजा है जैसा कि उसने वादा किया था कि वह करेंगे। पवित्र आत्मा उन चीजों का कारण बन रहा है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें पवित्र आत्मा का दान देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, प्रभु की आत्मा, आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्रआत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

- पवित्र आत्मा को केवल “आत्मा” या “यहोवा का आत्मा” या “सत्य का आत्मा” भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अत्यधिक शुद्ध और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “पवित्र” और “आत्मा” शब्दों के अनुवाद से किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, “शुद्ध आत्मा”, या “आत्मा जो पवित्र है” या “परमेश्वर जो आत्मा है” हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, परमेश्वर पिता, परमेश्वर का पुत्र,दान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 01:1-2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 051:10-11

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** लेकिन परमेश्वर की आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:08** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए __पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **26: 3** यीशु ने पढ़ा, “ प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, स्वर्गीय पिता और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों के समूह के चेले बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का पालन करने के लिए सिखाओ जिसकी मैंने तुमको आज्ञा दी है। "
- **43:03** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और यीशु ने पवित्र आत्मा को भेजा है जैसा कि उसने वादा किया था कि वह करेंगे। पवित्र आत्मा उन चीजों का कारण बन रहा है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें पवित्र आत्मा का दान देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, प्रभु की आत्मा, आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्रआत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

- पवित्र आत्मा को केवल “आत्मा” या “यहोवा का आत्मा” या “सत्य का आत्मा” भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अत्यधिक शुद्ध और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “पवित्र” और “आत्मा” शब्दों के अनुवाद से किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, “शुद्ध आत्मा”, या “आत्मा जो पवित्र है” या “परमेश्वर जो आत्मा है” हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, परमेश्वर पिता, परमेश्वर का पुत्र,दान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 01:1-2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 051:10-11

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** लेकिन परमेश्वर की आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:08** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए __पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **26: 3** यीशु ने पढ़ा, “ प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, स्वर्गीय पिता और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों के समूह के चेले बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का पालन करने के लिए सिखाओ जिसकी मैंने तुमको आज्ञा दी है। "
- **43:03** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और यीशु ने पवित्र आत्मा को भेजा है जैसा कि उसने वादा किया था कि वह करेंगे। पवित्र आत्मा उन चीजों का कारण बन रहा है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें पवित्र आत्मा का दान देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, प्रभु की आत्मा, आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्रआत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

- पवित्र आत्मा को केवल “आत्मा” या “यहोवा का आत्मा” या “सत्य का आत्मा” भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अत्यधिक शुद्ध और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “पवित्र” और “आत्मा” शब्दों के अनुवाद से किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, “शुद्ध आत्मा”, या “आत्मा जो पवित्र है” या “परमेश्वर जो आत्मा है” हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, परमेश्वर पिता, परमेश्वर का पुत्र,दान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 01:1-2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 051:10-11

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** लेकिन परमेश्वर की आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:08** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए __पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **26: 3** यीशु ने पढ़ा, “ प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, स्वर्गीय पिता और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों के समूह के चेले बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का पालन करने के लिए सिखाओ जिसकी मैंने तुमको आज्ञा दी है। "
- **43:03** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और यीशु ने पवित्र आत्मा को भेजा है जैसा कि उसने वादा किया था कि वह करेंगे। पवित्र आत्मा उन चीजों का कारण बन रहा है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें पवित्र आत्मा का दान देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, प्रभु की आत्मा, आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्रआत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

- पवित्र आत्मा को केवल “आत्मा” या “यहोवा का आत्मा” या “सत्य का आत्मा” भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अत्यधिक शुद्ध और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “पवित्र” और “आत्मा” शब्दों के अनुवाद से किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, “शुद्ध आत्मा”, या “आत्मा जो पवित्र है” या “परमेश्वर जो आत्मा है” हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, परमेश्वर पिता, परमेश्वर का पुत्र,दान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 01:1-2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 051:10-11

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** लेकिन परमेश्वर की आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:08** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए __पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **26: 3** यीशु ने पढ़ा, “ प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, स्वर्गीय पिता और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों के समूह के चेले बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का पालन करने के लिए सिखाओ जिसकी मैंने तुमको आज्ञा दी है। "
- **43:03** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और यीशु ने पवित्र आत्मा को भेजा है जैसा कि उसने वादा किया था कि वह करेंगे। पवित्र आत्मा उन चीजों का कारण बन रहा है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें पवित्र आत्मा का दान देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, प्रभु की आत्मा, आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्रआत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

- पवित्र आत्मा को केवल “आत्मा” या “यहोवा का आत्मा” या “सत्य का आत्मा” भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अत्यधिक शुद्ध और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “पवित्र” और “आत्मा” शब्दों के अनुवाद से किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, “शुद्ध आत्मा”, या “आत्मा जो पवित्र है” या “परमेश्वर जो आत्मा है” हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, परमेश्वर पिता, परमेश्वर का पुत्र,दान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 01:1-2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 051:10-11

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** लेकिन परमेश्वर की आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:08** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए __पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **26: 3** यीशु ने पढ़ा, “ प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, स्वर्गीय पिता और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों के समूह के चेले बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का पालन करने के लिए सिखाओ जिसकी मैंने तुमको आज्ञा दी है। "
- **43:03** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और यीशु ने पवित्र आत्मा को भेजा है जैसा कि उसने वादा किया था कि वह करेंगे। पवित्र आत्मा उन चीजों का कारण बन रहा है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें पवित्र आत्मा का दान देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, प्रभु की आत्मा, आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्रआत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

- पवित्र आत्मा को केवल “आत्मा” या “यहोवा का आत्मा” या “सत्य का आत्मा” भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अत्यधिक शुद्ध और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “पवित्र” और “आत्मा” शब्दों के अनुवाद से किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, “शुद्ध आत्मा”, या “आत्मा जो पवित्र है” या “परमेश्वर जो आत्मा है” हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, परमेश्वर पिता, परमेश्वर का पुत्र,दान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 01:1-2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 051:10-11

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** लेकिन परमेश्वर की आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:08** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए __पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **26: 3** यीशु ने पढ़ा, “ प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, स्वर्गीय पिता और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों के समूह के चेले बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का पालन करने के लिए सिखाओ जिसकी मैंने तुमको आज्ञा दी है। "
- **43:03** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और यीशु ने पवित्र आत्मा को भेजा है जैसा कि उसने वादा किया था कि वह करेंगे। पवित्र आत्मा उन चीजों का कारण बन रहा है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें पवित्र आत्मा का दान देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, प्रभु की आत्मा, आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्रआत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

- पवित्र आत्मा को केवल “आत्मा” या “यहोवा का आत्मा” या “सत्य का आत्मा” भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अत्यधिक शुद्ध और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “पवित्र” और “आत्मा” शब्दों के अनुवाद से किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, “शुद्ध आत्मा”, या “आत्मा जो पवित्र है” या “परमेश्वर जो आत्मा है” हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, परमेश्वर पिता, परमेश्वर का पुत्र,दान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 01:1-2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 051:10-11

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** लेकिन परमेश्वर की आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:08** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए __पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **26: 3** यीशु ने पढ़ा, “ प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, स्वर्गीय पिता और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों के समूह के चेले बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का पालन करने के लिए सिखाओ जिसकी मैंने तुमको आज्ञा दी है। "
- **43:03** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और यीशु ने पवित्र आत्मा को भेजा है जैसा कि उसने वादा किया था कि वह करेंगे। पवित्र आत्मा उन चीजों का कारण बन रहा है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें पवित्र आत्मा का दान देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, प्रभु की आत्मा, आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्रआत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

- पवित्र आत्मा को केवल “आत्मा” या “यहोवा का आत्मा” या “सत्य का आत्मा” भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अत्यधिक शुद्ध और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “पवित्र” और “आत्मा” शब्दों के अनुवाद से किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, “शुद्ध आत्मा”, या “आत्मा जो पवित्र है” या “परमेश्वर जो आत्मा है” हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, परमेश्वर पिता, परमेश्वर का पुत्र,दान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- प्रे.का. 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- उत्पत्ति 01:1-2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 051:10-11

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:01** लेकिन परमेश्वर की आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:08** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए __पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
- **26: 3** यीशु ने पढ़ा, “ प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, स्वर्गीय पिता और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों के समूह के चेले बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का पालन करने के लिए सिखाओ जिसकी मैंने तुमको आज्ञा दी है। "
- **43:03** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और यीशु ने पवित्र आत्मा को भेजा है जैसा कि उसने वादा किया था कि वह करेंगे। पवित्र आत्मा उन चीजों का कारण बन रहा है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें पवित्र आत्मा का दान देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पवित्र आत्मा से भर गए

परिभाषा:

"आत्मा से भर गए" प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि पवित्र आत्मा मनुष्य को शक्ति देता है कि परमेश्वर की इच्छा पूरी करे।

- "भर जाना" एक वाक्शैली है जिसका अर्थ प्रायः "नियंत्रित होना" होता है।
- मनुष्य "पवित्र आत्मा से भर जाते हैं, जब वे पवित्र आत्मा की अगुआई में रहते हैं और परमेश्वर की इच्छा पूरी करने के लिए उस पर पूर्णतः निर्भर करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस का अनुवाद "पवित्र आत्मा की शक्ति में" या "पवित्र आत्मा के वश में" हो सकता है। परन्तु इसका अर्थ ऐसा न प्रकट हो कि पवित्र आत्मा विवश कर रहा है।
- "वह पवित्र आत्मा से भर गया" का अनुवाद "वह पूर्णतः पवित्र आत्मा के सामर्थ्य में जी रहा था" या "वह पवित्र आत्मा की पूर्ण अगुआई में था" या "पवित्र आत्मा उसकी अगुआई कर रहा था"।
- यह उक्ति "आत्मा का जीवन" के अनुरूप है परन्तु "आत्मा से भर गया" पूर्णता पर बल देता है कि जिसके द्वारा मनुष्य पवित्र आत्मा को अपने जीवन का नियंत्रण एवं प्रभाव सौंप देता है। अतः संभव हो तो इन दोनों का अनुवाद अलग-अलग किया जाए।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:29-31
- प्रे.का. 05:17-18
- प्रे.का. 06:8-9
- लूका 01:14-15
- लूका 01:39-41
- लूका 04:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G40, G4130, G4137, G4151

पवित्र नगर, पवित्र नगरों

परिभाषा:

बाइबल में पवित्र नगर यरूशलेम के संदर्भ में आता है।

- यह उक्ति यरूशलेम के प्राचीन नगर तथा स्वर्गिक यरूशलेम के लिए भी काम में ली गई है जहां परमेश्वर स्वयं वास करके अपने लोगों के मध्य राज करेगा।
- इस उक्ति के अनुवाद में "पवित्र" और "नगर" के अर्थों की संधि करके लिखा जा सकता है जिसे शेष अनुवाद में ज्यों का त्यों रखा जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, पवित्र, यरूशलेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 04:5-6
- मत्ती 27:51-53
- प्रकाशितवाक्य 21:1-2
- प्रकाशितवाक्य 21:9-10
- प्रकाशितवाक्य 22:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5892, H6944, G40, G4172

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पवित्र नगर, पवित्र नगरों

परिभाषा:

बाइबल में पवित्र नगर यरूशलेम के संदर्भ में आता है।

- यह उक्ति यरूशलेम के प्राचीन नगर तथा स्वर्गिक यरूशलेम के लिए भी काम में ली गई है जहां परमेश्वर स्वयं वास करके अपने लोगों के मध्य राज करेगा।
- इस उक्ति के अनुवाद में "पवित्र" और "नगर" के अर्थों की संधि करके लिखा जा सकता है जिसे शेष अनुवाद में ज्यों का त्यों रखा जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, पवित्र, यरूशलेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 04:5-6
- मत्ती 27:51-53
- प्रकाशितवाक्य 21:1-2
- प्रकाशितवाक्य 21:9-10
- प्रकाशितवाक्य 22:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5892, H6944, G40, G4172

पवित्रस्थान

परिभाषा:

बाइबल में "पवित्रस्थान" और "परम पवित्रस्थान" मिलापवाले तम्बू या मन्दिर के दो कक्षों के संदर्भ में आते हैं।

- "पवित्र स्थान" पहला कक्ष था जिसमें धूप जलाने की वेदी और भेंट की रोटियाँ रखने की मेज थी।
- "परम पवित्र स्थान" अन्तरतम कक्ष या जिसमें वाचा का सन्दूक रखा हुआ था।
- एक मोटी, भारी पर्दे बाहरी कक्ष को भीतरी कक्ष से अलग करता है।
- परमपवित्र स्थान में केवल महायाजक प्रवेश कर सकता था।
- कभी-कभी पवित्र स्थान संपूर्ण मन्दिर या मिलापवाले तम्बू के लिए काम में लिया गया है। कभी-कभी पवित्र स्थान परमेश्वर की लिए पृथक किए गए किसी भी स्थान के संदर्भ में होते हैं।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- "पवित्र स्थान" का अनुवाद "परमेश्वर के लिए पृथक किया गया कक्ष" या "परमेश्वर से भेंट करने का विशेष कक्ष" या "परमेश्वर का आरक्षित स्थान"
- "परम पवित्र स्थान" का अनुवाद "परमेश्वर के लिए सर्वथा पृथक कक्ष" या "परमेश्वर से भेंट करने का अति विशेष कक्ष"
- प्रकरण के अनुसार "पवित्र स्थान" का अनुवाद "परमेश्वर का अभिषिक्त स्थान" या "परमेश्वर द्वारा पृथक किया गया स्थान" या "मन्दिर में पवित्र स्थान" या "परमेश्वर के मन्दिर का परिसर"।

(यह भी देखें: धूप की वेदी, वाचा का सन्दूक, रोटी, पवित्र करना, आँगन, परदा, पवित्र, पृथक करना, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:16-18
- प्रे.का. 06:12-15
- निर्गमन 26:31-33
- निर्गमन 31:10-11
- यहेजकेल 41:1-2
- एज्रा 09:8-9
- इब्रानियों 09:1-2
- लैव्यव्यवस्था 16:17-19
- मत्ती 24:15-18
- प्रकाशितवाक्य 15:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1964, H4720, H4725, H5116, H6918, H6944, G39, G40, G3485, G5117

पवित्रस्थान

परिभाषा:

बाइबल में “पवित्रस्थान” और “परम पवित्रस्थान” मिलापवाले तम्बू या मन्दिर के दो कक्षों के संदर्भ में आते हैं।

- “पवित्र स्थान” पहला कक्ष था जिसमें धूप जलाने की वेदी और भेंट की रोटियाँ रखने की मेज थी।
- “परम पवित्र स्थान” अन्तरतम कक्ष या जिसमें वाचा का सन्दूक रखा हुआ था।
- एक मोटी, भारी पर्दे बाहरी कक्ष को भीतरी कक्ष से अलग करता है।
- परमपवित्र स्थान में केवल महायाजक प्रवेश कर सकता था।
- कभी-कभी पवित्र स्थान संपूर्ण मन्दिर या मिलापवाले तम्बू के लिए काम में लिया गया है। कभी-कभी पवित्र स्थान परमेश्वर की लिए पृथक किए गए किसी भी स्थान के संदर्भ में होते हैं।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “पवित्र स्थान” का अनुवाद “परमेश्वर के लिए पृथक किया गया कक्ष” या “परमेश्वर से भेंट करने का विशेष कक्ष” या “परमेश्वर का आरक्षित स्थान”
- “परम पवित्र स्थान” का अनुवाद “परमेश्वर के लिए सर्वथा पृथक कक्ष” या “परमेश्वर से भेंट करने का अति विशेष कक्ष”
- प्रकरण के अनुसार “पवित्र स्थान” का अनुवाद “परमेश्वर का अभिषिक्त स्थान” या “परमेश्वर द्वारा पृथक किया गया स्थान” या “मन्दिर में पवित्र स्थान” या “परमेश्वर के मन्दिर का परिसर”।

(यह भी देखें: धूप की वेदी, वाचा का सन्दूक, रोटी, पवित्र करना, आँगन, परदा, पवित्र, पृथक करना, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:16-18
- प्रे.का. 06:12-15
- निर्गमन 26:31-33
- निर्गमन 31:10-11
- यहेजकेल 41:1-2
- एज्रा 09:8-9
- इब्रानियों 09:1-2
- लैव्यव्यवस्था 16:17-19
- मत्ती 24:15-18
- प्रकाशितवाक्य 15:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1964, H4720, H4725, H5116, H6918, H6944, G39, G40, G3485, G5117

पवित्रस्थान

परिभाषा:

बाइबल में “पवित्रस्थान” और “परम पवित्रस्थान” मिलापवाले तम्बू या मन्दिर के दो कक्षों के संदर्भ में आते हैं।

- “पवित्र स्थान” पहला कक्ष था जिसमें धूप जलाने की वेदी और भेंट की रोटियाँ रखने की मेज थी।
- “परम पवित्र स्थान” अन्तरतम कक्ष या जिसमें वाचा का सन्दूक रखा हुआ था।
- एक मोटी, भारी पर्दे बाहरी कक्ष को भीतरी कक्ष से अलग करता है।
- परमपवित्र स्थान में केवल महायाजक प्रवेश कर सकता था।
- कभी-कभी पवित्र स्थान संपूर्ण मन्दिर या मिलापवाले तम्बू के लिए काम में लिया गया है। कभी-कभी पवित्र स्थान परमेश्वर की लिए पृथक किए गए किसी भी स्थान के संदर्भ में होते हैं।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “पवित्र स्थान” का अनुवाद “परमेश्वर के लिए पृथक किया गया कक्ष” या “परमेश्वर से भेंट करने का विशेष कक्ष” या “परमेश्वर का आरक्षित स्थान”

- “परम पवित्र स्थान” का अनुवाद “परमेश्वर के लिए सर्वथा पृथक कक्ष” या “परमेश्वर से भेंट करने का अति विशेष कक्ष”
- प्रकरण के अनुसार “पवित्र स्थान” का अनुवाद “परमेश्वर का अभिषिक्त स्थान” या “परमेश्वर द्वारा पृथक किया गया स्थान” या “मन्दिर में पवित्र स्थान” या “परमेश्वर के मन्दिर का परिसर”।

(यह भी देखें: धूप की वेदी, वाचा का सन्दूक, रोटी, पवित्र करना, आँगन, परदा, पवित्र, पृथक करना, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:16-18
- प्रे.का. 06:12-15
- निर्गमन 26:31-33
- निर्गमन 31:10-11
- यहेजकेल 41:1-2
- एज्रा 09:8-9
- इब्रानियों 09:1-2
- लैव्यव्यवस्था 16:17-19
- मत्ती 24:15-18
- प्रकाशितवाक्य 15:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1964, H4720, H4725, H5116, H6918, H6944, G39, G40, G3485, G5117

पशु

तथ्य:

“पशु” उन पशुओं को कहते हैं जो भोजन एवं अन्य उपयोगी उत्पाद उत्पन्न करते हैं। कुछ पशुओं को काम के लिए पाला जाता है

- पशु में भेड़, मवेशी, बकरियां, घोड़े और गधे आते हैं।
- बाइबल के युग में सम्पदा का एक भाग पशु भी गिना जाता था।
- पशु से ऊन, दूध, पनीर, घरेलू सामग्री तथा कपड़ों का कच्चा सामान उत्पन्न होता था।
- इसका अनुवाद, “पालतू पशु” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: गाय, गदहा, बकरा, घोड़ा, गाय, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 03:15-17
- उत्पत्ति 30:29-30
- यहोशू 01:14-15
- नहेम्याह 09:36-37
- गिनती 01:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H929, H4399, H4735

पशु

तथ्य:

“पशु” उन पशुओं को कहते हैं जो भोजन एवं अन्य उपयोगी उत्पाद उत्पन्न करते हैं। कुछ पशुओं को काम के लिए पाला जाता है

- पशु में भेड़, मवेशी, बकरियां, घोड़े और गधे आते हैं।
- बाइबल के युग में सम्पदा का एक भाग पशु भी गिना जाता था।
- पशु से ऊन, दूध, पनीर, घरेलू सामग्री तथा कपड़ों का कच्चा सामान उत्पन्न होता था।
- इसका अनुवाद, “पालतू पशु” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: गाय, गदहा, बकरा, घोड़ा, गाय, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 03:15-17
- उत्पत्ति 30:29-30
- यहोशू 01:14-15
- नहेम्याह 09:36-37
- गिनती 01:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H929, H4399, H4735

पशु

तथ्य:

“पशु” उन पशुओं को कहते हैं जो भोजन एवं अन्य उपयोगी उत्पाद उत्पन्न करते हैं। कुछ पशुओं को काम के लिए पाला जाता है

- पशु में भेड़, मवेशी, बकरियां, घोड़े और गधे आते हैं।
- बाइबल के युग में सम्पदा का एक भाग पशु भी गिना जाता था।
- पशु से ऊन, दूध, पनीर, घरेलू सामग्री तथा कपड़ों का कच्चा सामान उत्पन्न होता था।
- इसका अनुवाद, “पालतू पशु” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: गाय, गदहा, बकरा, घोड़ा, गाय, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 03:15-17
- उत्पत्ति 30:29-30
- यहोशू 01:14-15
- नहेम्याह 09:36-37
- गिनती 01:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H929, H4399, H4735

पशु

तथ्य:

“पशु” उन पशुओं को कहते हैं जो भोजन एवं अन्य उपयोगी उत्पाद उत्पन्न करते हैं। कुछ पशुओं को काम के लिए पाला जाता है

- पशु में भेड़, मवेशी, बकरियां, घोड़े और गधे आते हैं।
- बाइबल के युग में सम्पदा का एक भाग पशु भी गिना जाता था।
- पशु से ऊन, दूध, पनीर, घरेलू सामग्री तथा कपड़ों का कच्चा सामान उत्पन्न होता था।
- इसका अनुवाद, “पालतू पशु” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: गाय, गदहा, बकरा, घोड़ा, गाय, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 03:15-17
- उत्पत्ति 30:29-30
- यहोशू 01:14-15
- नहेम्याह 09:36-37
- गिनती 01:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H929, H4399, H4735

पशु

तथ्य:

“पशु” उन पशुओं को कहते हैं जो भोजन एवं अन्य उपयोगी उत्पाद उत्पन्न करते हैं। कुछ पशुओं को काम के लिए पाला जाता है

- पशु में भेड़, मवेशी, बकरियां, घोड़े और गधे आते हैं।
- बाइबल के युग में सम्पदा का एक भाग पशु भी गिना जाता था।
- पशु से ऊन, दूध, पनीर, घरेलू सामग्री तथा कपड़ों का कच्चा सामान उत्पन्न होता था।
- इसका अनुवाद, “पालतू पशु” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: गाय, गदहा, बकरा, घोड़ा, गाय, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 03:15-17
- उत्पत्ति 30:29-30
- यहोशू 01:14-15
- नहेम्याह 09:36-37
- गिनती 01:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H929, H4399, H4735

पशु

तथ्य:

“पशु” उन पशुओं को कहते हैं जो भोजन एवं अन्य उपयोगी उत्पाद उत्पन्न करते हैं। कुछ पशुओं को काम के लिए पाला जाता है

- पशु में भेड़, मवेशी, बकरियां, घोड़े और गधे आते हैं।
- बाइबल के युग में सम्पदा का एक भाग पशु भी गिना जाता था।
- पशु से ऊन, दूध, पनीर, घरेलू सामग्री तथा कपड़ों का कच्चा सामान उत्पन्न होता था।
- इसका अनुवाद, “पालतू पशु” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: गाय, गदहा, बकरा, घोड़ा, गाय, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 03:15-17
- उत्पत्ति 30:29-30
- यहोशू 01:14-15
- नहेम्याह 09:36-37
- गिनती 01:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H929, H4399, H4735

पशु

तथ्य:

“पशु” उन पशुओं को कहते हैं जो भोजन एवं अन्य उपयोगी उत्पाद उत्पन्न करते हैं। कुछ पशुओं को काम के लिए पाला जाता है

- पशु में भेड़, मवेशी, बकरियां, घोड़े और गधे आते हैं।
- बाइबल के युग में सम्पदा का एक भाग पशु भी गिना जाता था।
- पशु से ऊन, दूध, पनीर, घरेलू सामग्री तथा कपड़ों का कच्चा सामान उत्पन्न होता था।
- इसका अनुवाद, “पालतू पशु” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: गाय, गदहा, बकरा, घोड़ा, गाय, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 03:15-17
- उत्पत्ति 30:29-30
- यहोशू 01:14-15
- नहेम्याह 09:36-37
- गिनती 01:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H929, H4399, H4735

पशु

तथ्य:

“पशु” उन पशुओं को कहते हैं जो भोजन एवं अन्य उपयोगी उत्पाद उत्पन्न करते हैं। कुछ पशुओं को काम के लिए पाला जाता है

- पशु में भेड़, मवेशी, बकरियां, घोड़े और गधे आते हैं।
- बाइबल के युग में सम्पदा का एक भाग पशु भी गिना जाता था।
- पशु से ऊन, दूध, पनीर, घरेलू सामग्री तथा कपड़ों का कच्चा सामान उत्पन्न होता था।
- इसका अनुवाद, “पालतू पशु” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: गाय, गदहा, बकरा, घोड़ा, गाय, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 03:15-17
- उत्पत्ति 30:29-30
- यहोशू 01:14-15
- नहेम्याह 09:36-37
- गिनती 01:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H929, H4399, H4735

पशु

तथ्य:

“पशु” उन पशुओं को कहते हैं जो भोजन एवं अन्य उपयोगी उत्पाद उत्पन्न करते हैं। कुछ पशुओं को काम के लिए पाला जाता है

- पशु में भेड़, मवेशी, बकरियां, घोड़े और गधे आते हैं।
- बाइबल के युग में सम्पदा का एक भाग पशु भी गिना जाता था।
- पशु से ऊन, दूध, पनीर, घरेलू सामग्री तथा कपड़ों का कच्चा सामान उत्पन्न होता था।

- इसका अनुवाद, “पालतू पशु” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: गाय, गदहा, बकरा, घोड़ा, गाय, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 03:15-17
- उत्पत्ति 30:29-30
- यहोशू 01:14-15
- नहेम्याह 09:36-37
- गिनती 01:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H929, H4399, H4735

पशु

तथ्य:

“पशु” उन पशुओं को कहते हैं जो भोजन एवं अन्य उपयोगी उत्पाद उत्पन्न करते हैं। कुछ पशुओं को काम के लिए पाला जाता है

- पशु में भेड़, मवेशी, बकरियां, घोड़े और गधे आते हैं।
- बाइबल के युग में सम्पदा का एक भाग पशु भी गिना जाता था।
- पशु से ऊन, दूध, पनीर, घरेलू सामग्री तथा कपड़ों का कच्चा सामान उत्पन्न होता था।
- इसका अनुवाद, “पालतू पशु” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: गाय, गदहा, बकरा, घोड़ा, गाय, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 03:15-17
- उत्पत्ति 30:29-30
- यहोशू 01:14-15
- नहेम्याह 09:36-37
- गिनती 01:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H929, H4399, H4735

पशु

तथ्य:

“पशु” उन पशुओं को कहते हैं जो भोजन एवं अन्य उपयोगी उत्पाद उत्पन्न करते हैं। कुछ पशुओं को काम के लिए पाला जाता है

- पशु में भेड़, मवेशी, बकरियां, घोड़े और गधे आते हैं।
- बाइबल के युग में सम्पदा का एक भाग पशु भी गिना जाता था।
- पशु से ऊन, दूध, पनीर, घरेलू सामग्री तथा कपड़ों का कच्चा सामान उत्पन्न होता था।
- इसका अनुवाद, “पालतू पशु” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: गाय, गदहा, बकरा, घोड़ा, गाय, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 03:15-17
- उत्पत्ति 30:29-30
- यहोशू 01:14-15

- नहेम्याह 09:36-37
- गिनती 01:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H929, H4399, H4735

पशु, पशुओं, जानवर

तथ्य:

बाइबल में “पशु” शब्द “जानवर” को कहने के लिए दूसरा शब्द है।

- जंगली जानवर एक प्रकार का जानवर है जो जंगल या खेतों में स्वतंत्र रूप से रहता है और लोगों द्वारा प्रशिक्षित नहीं किया गया है।
- घरेलु पशु मनुष्यों के साथ रहता है और भोजन के लिए या काम करने के लिए रखा जाता है जैसे कि हल चलाना। अक्सर "पशुधन" शब्द का उपयोग इस तरह के जानवरों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।
- पुराने नियम में दानिय्येल की पुस्तक और नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दर्शनों की चर्चा की गई है जिनमें बुराई की शक्तियों और परमेश्वर विरोधी अधिकारों को पशु कहा गया है।
- इनमें कुछ पशुओं को विचित्र दर्शाया गया है जैसे अनेक सिर और अनेक सींग। उनके पास सामर्थ्य और अधिकार हैं जो दर्शाते हैं कि वे देश, जाति या राजनीतिक शक्तियों का प्रतीक हैं।
- अनुवाद करने के तरीकों में संदर्भ के आधार पर, “प्राणी” या “सृजित वस्तु”, "जानवर" या “वनपशु” शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अधिकारी, दानिय्येल, पशु, जाति, सामर्थ्य, प्रकट करना, बालजबूल(शैतान))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:32
- 1 शमूएल 17:44
- 2 इतिहास 25:18
- यिर्मयाह 16:1-4
- लैव्यव्यवस्था 07:21
- भजन संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H338, H929, H1165, H2123, H2416, H2423, H2874, H3753, H4806, H7409, G2226, G2341, G2342, G2934, G4968, G5074

पशु, पशुओं, जानवर

तथ्य:

बाइबल में “पशु” शब्द “जानवर” को कहने के लिए दूसरा शब्द है।

- जंगली जानवर एक प्रकार का जानवर है जो जंगल या खेतों में स्वतंत्र रूप से रहता है और लोगों द्वारा प्रशिक्षित नहीं किया गया है।
- घरेलु पशु मनुष्यों के साथ रहता है और भोजन के लिए या काम करने के लिए रखा जाता है जैसे कि हल चलाना। अक्सर "पशुधन" शब्द का उपयोग इस तरह के जानवरों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।
- पुराने नियम में दानिय्येल की पुस्तक और नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दर्शनों की चर्चा की गई है जिनमें बुराई की शक्तियों और परमेश्वर विरोधी अधिकारों को पशु कहा गया है।
- इनमें कुछ पशुओं को विचित्र दर्शाया गया है जैसे अनेक सिर और अनेक सींग। उनके पास सामर्थ्य और अधिकार हैं जो दर्शाते हैं कि वे देश, जाति या राजनीतिक शक्तियों का प्रतीक हैं।
- अनुवाद करने के तरीकों में संदर्भ के आधार पर, “प्राणी” या “सृजित वस्तु”, "जानवर" या “वनपशु” शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अधिकारी, दानिय्येल, पशु, जाति, सामर्थ्य, प्रकट करना, बालजबूल(शैतान))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:32
- 1 शमूएल 17:44

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- 2 इतिहास 25:18
- यिर्मयाह 16:1-4
- लैव्यव्यवस्था 07:21
- भजन संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H338, H929, H1165, H2123, H2416, H2423, H2874, H3753, H4806, H7409, G2226, G2341, G2342, G2934, G4968, G5074

पशु, पशुओं, जानवर

तथ्य:

बाइबल में “पशु” शब्द “जानवर” को कहने के लिए दूसरा शब्द है।

- जंगली जानवर एक प्रकार का जानवर है जो जंगल या खेतों में स्वतंत्र रूप से रहता है और लोगों द्वारा प्रशिक्षित नहीं किया गया है।
- घरेलु पशु मनुष्यों के साथ रहता है और भोजन के लिए या काम करने के लिए रखा जाता है जैसे कि हल चलाना। अक्सर "पशुधन" शब्द का उपयोग इस तरह के जानवरों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।
- पुराने नियम में दानिय्येल की पुस्तक और नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दर्शनों की चर्चा की गई है जिनमें बुराई की शक्तियों और परमेश्वर विरोधी अधिकारों को पशु कहा गया है।
- इनमें कुछ पशुओं को विचित्र दर्शाया गया है जैसे अनेक सिर और अनेक सींग। उनके पास सामर्थ्य और अधिकार हैं जो दर्शाते हैं कि वे देश, जाति या राजनीतिक शक्तियों का प्रतीक हैं।
- अनुवाद करने के तरीकों में संदर्भ के आधार पर, “प्राणी” या “सृजित वस्तु”, "जानवर" या “वनपशु” शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अधिकारी, दानिय्येल, पशु, जाति, सामर्थ्य, प्रकट करना, बालजबूल(शैतान))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:32
- 1 शमूएल 17:44
- 2 इतिहास 25:18
- यिर्मयाह 16:1-4
- लैव्यव्यवस्था 07:21
- भजन संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H338, H929, H1165, H2123, H2416, H2423, H2874, H3753, H4806, H7409, G2226, G2341, G2342, G2934, G4968, G5074

पशु, पशुओं, जानवर

तथ्य:

बाइबल में “पशु” शब्द “जानवर” को कहने के लिए दूसरा शब्द है।

- जंगली जानवर एक प्रकार का जानवर है जो जंगल या खेतों में स्वतंत्र रूप से रहता है और लोगों द्वारा प्रशिक्षित नहीं किया गया है।
- घरेलु पशु मनुष्यों के साथ रहता है और भोजन के लिए या काम करने के लिए रखा जाता है जैसे कि हल चलाना। अक्सर "पशुधन" शब्द का उपयोग इस तरह के जानवरों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।
- पुराने नियम में दानिय्येल की पुस्तक और नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दर्शनों की चर्चा की गई है जिनमें बुराई की शक्तियों और परमेश्वर विरोधी अधिकारों को पशु कहा गया है।
- इनमें कुछ पशुओं को विचित्र दर्शाया गया है जैसे अनेक सिर और अनेक सींग। उनके पास सामर्थ्य और अधिकार हैं जो दर्शाते हैं कि वे देश, जाति या राजनीतिक शक्तियों का प्रतीक हैं।
- अनुवाद करने के तरीकों में संदर्भ के आधार पर, “प्राणी” या “सृजित वस्तु”, "जानवर" या “वनपशु” शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अधिकारी, दानिय्येल, पशु, जाति, सामर्थ्य, प्रकट करना, बालजबूल(शैतान))

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:32
- 1 शमूएल 17:44
- 2 इतिहास 25:18
- यिर्मयाह 16:1-4
- लैव्यव्यवस्था 07:21
- भजन संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H338, H929, H1165, H2123, H2416, H2423, H2874, H3753, H4806, H7409, G2226, G2341, G2342, G2934, G4968, G5074

पशु, पशुओं, जानवर

तथ्य:

बाइबल में “पशु” शब्द “जानवर” को कहने के लिए दूसरा शब्द है।

- जंगली जानवर एक प्रकार का जानवर है जो जंगल या खेतों में स्वतंत्र रूप से रहता है और लोगों द्वारा प्रशिक्षित नहीं किया गया है।
- घरेलु पशु मनुष्यों के साथ रहता है और भोजन के लिए या काम करने के लिए रखा जाता है जैसे कि हल चलाना। अक्सर "पशुधन" शब्द का उपयोग इस तरह के जानवरों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।
- पुराने नियम में दानिय्येल की पुस्तक और नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दर्शनों की चर्चा की गई है जिनमें बुराई की शक्तियों और परमेश्वर विरोधी अधिकारों को पशु कहा गया है।
- इनमें कुछ पशुओं को विचित्र दर्शाया गया है जैसे अनेक सिर और अनेक सींग। उनके पास सामर्थ्य और अधिकार हैं जो दर्शाते हैं कि वे देश, जाति या राजनीतिक शक्तियों का प्रतीक हैं।
- अनुवाद करने के तरीकों में संदर्भ के आधार पर, “प्राणी” या “सृजित वस्तु”, "जानवर" या “वनपशु” शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अधिकारी, दानिय्येल, पशु, जाति, सामर्थ्य, प्रकट करना, बालजबूल(शैतान))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:32
- 1 शमूएल 17:44
- 2 इतिहास 25:18
- यिर्मयाह 16:1-4
- लैव्यव्यवस्था 07:21
- भजन संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H338, H929, H1165, H2123, H2416, H2423, H2874, H3753, H4806, H7409, G2226, G2341, G2342, G2934, G4968, G5074

पशु, पशुओं, जानवर

तथ्य:

बाइबल में “पशु” शब्द “जानवर” को कहने के लिए दूसरा शब्द है।

- जंगली जानवर एक प्रकार का जानवर है जो जंगल या खेतों में स्वतंत्र रूप से रहता है और लोगों द्वारा प्रशिक्षित नहीं किया गया है।
- घरेलु पशु मनुष्यों के साथ रहता है और भोजन के लिए या काम करने के लिए रखा जाता है जैसे कि हल चलाना। अक्सर "पशुधन" शब्द का उपयोग इस तरह के जानवरों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।
- पुराने नियम में दानिय्येल की पुस्तक और नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दर्शनों की चर्चा की गई है जिनमें बुराई की शक्तियों और परमेश्वर विरोधी अधिकारों को पशु कहा गया है।
- इनमें कुछ पशुओं को विचित्र दर्शाया गया है जैसे अनेक सिर और अनेक सींग। उनके पास सामर्थ्य और अधिकार हैं जो दर्शाते हैं कि वे देश, जाति या राजनीतिक शक्तियों का प्रतीक हैं।
- अनुवाद करने के तरीकों में संदर्भ के आधार पर, “प्राणी” या “सृजित वस्तु”, "जानवर" या “वनपशु” शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अधिकारी, दानिय्येल, पशु, जाति, सामर्थ्य, प्रकट करना, बालजबूल(शैतान))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:32
- 1 शमूएल 17:44
- 2 इतिहास 25:18
- यिर्मयाह 16:1-4
- लैव्यव्यवस्था 07:21
- भजन संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H338, H929, H1165, H2123, H2416, H2423, H2874, H3753, H4806, H7409, G2226, G2341, G2342, G2934, G4968, G5074

पशु, पशुओं, जानवर

तथ्य:

बाइबल में “पशु” शब्द “जानवर” को कहने के लिए दूसरा शब्द है।

- जंगली जानवर एक प्रकार का जानवर है जो जंगल या खेतों में स्वतंत्र रूप से रहता है और लोगों द्वारा प्रशिक्षित नहीं किया गया है।
- घरेलु पशु मनुष्यों के साथ रहता है और भोजन के लिए या काम करने के लिए रखा जाता है जैसे कि हल चलाना। अक्सर "पशुधन" शब्द का उपयोग इस तरह के जानवरों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।
- पुराने नियम में दानिय्येल की पुस्तक और नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दर्शनों की चर्चा की गई है जिनमें बुराई की शक्तियों और परमेश्वर विरोधी अधिकारों को पशु कहा गया है।
- इनमें कुछ पशुओं को विचित्र दर्शाया गया है जैसे अनेक सिर और अनेक सींग। उनके पास सामर्थ्य और अधिकार हैं जो दर्शाते हैं कि वे देश, जाति या राजनीतिक शक्तियों का प्रतीक हैं।
- अनुवाद करने के तरीकों में संदर्भ के आधार पर, “प्राणी” या “सृजित वस्तु”, "जानवर" या “वनपशु” शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अधिकारी, दानिय्येल, पशु, जाति, सामर्थ्य, प्रकट करना, बालजबूल(शैतान))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:32
- 1 शमूएल 17:44
- 2 इतिहास 25:18
- यिर्मयाह 16:1-4
- लैव्यव्यवस्था 07:21
- भजन संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H338, H929, H1165, H2123, H2416, H2423, H2874, H3753, H4806, H7409, G2226, G2341, G2342, G2934, G4968, G5074

पशु, पशुओं, जानवर

तथ्य:

बाइबल में “पशु” शब्द “जानवर” को कहने के लिए दूसरा शब्द है।

- जंगली जानवर एक प्रकार का जानवर है जो जंगल या खेतों में स्वतंत्र रूप से रहता है और लोगों द्वारा प्रशिक्षित नहीं किया गया है।
- घरेलु पशु मनुष्यों के साथ रहता है और भोजन के लिए या काम करने के लिए रखा जाता है जैसे कि हल चलाना। अक्सर "पशुधन" शब्द का उपयोग इस तरह के जानवरों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।
- पुराने नियम में दानिय्येल की पुस्तक और नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दर्शनों की चर्चा की गई है जिनमें बुराई की शक्तियों और परमेश्वर विरोधी अधिकारों को पशु कहा गया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- इनमें कुछ पशुओं को विचित्र दर्शाया गया है जैसे अनेक सिर और अनेक सींग। उनके पास सामर्थ्य और अधिकार हैं जो दर्शाते हैं कि वे देश, जाति या राजनीतिक शक्तियों का प्रतीक हैं।
- अनुवाद करने के तरीकों में संदर्भ के आधार पर, “प्राणी” या “सृजित वस्तु”, "जानवर" या “वनपशु” शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अधिकारी, दानिय्येल, पशु, जाति, सामर्थ्य, प्रकट करना, बालजबूल(शैतान))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:32
- 1 शमूएल 17:44
- 2 इतिहास 25:18
- यिर्मयाह 16:1-4
- लैव्यव्यवस्था 07:21
- भजन संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H338, H929, H1165, H2123, H2416, H2423, H2874, H3753, H4806, H7409, G2226, G2341, G2342, G2934, G4968, G5074

पशु, पशुओं, जानवर

तथ्य:

बाइबल में “पशु” शब्द “जानवर” को कहने के लिए दूसरा शब्द है।

- जंगली जानवर एक प्रकार का जानवर है जो जंगल या खेतों में स्वतंत्र रूप से रहता है और लोगों द्वारा प्रशिक्षित नहीं किया गया है।
- घरेलु पशु मनुष्यों के साथ रहता है और भोजन के लिए या काम करने के लिए रखा जाता है जैसे कि हल चलाना। अक्सर "पशुधन" शब्द का उपयोग इस तरह के जानवरों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।
- पुराने नियम में दानिय्येल की पुस्तक और नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दर्शनों की चर्चा की गई है जिनमें बुराई की शक्तियों और परमेश्वर विरोधी अधिकारों को पशु कहा गया है।
- इनमें कुछ पशुओं को विचित्र दर्शाया गया है जैसे अनेक सिर और अनेक सींग। उनके पास सामर्थ्य और अधिकार हैं जो दर्शाते हैं कि वे देश, जाति या राजनीतिक शक्तियों का प्रतीक हैं।
- अनुवाद करने के तरीकों में संदर्भ के आधार पर, “प्राणी” या “सृजित वस्तु”, "जानवर" या “वनपशु” शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अधिकारी, दानिय्येल, पशु, जाति, सामर्थ्य, प्रकट करना, बालजबूल(शैतान))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:32
- 1 शमूएल 17:44
- 2 इतिहास 25:18
- यिर्मयाह 16:1-4
- लैव्यव्यवस्था 07:21
- भजन संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H338, H929, H1165, H2123, H2416, H2423, H2874, H3753, H4806, H7409, G2226, G2341, G2342, G2934, G4968, G5074

पशु, पशुओं, जानवर

तथ्य:

बाइबल में “पशु” शब्द “जानवर” को कहने के लिए दूसरा शब्द है।

- जंगली जानवर एक प्रकार का जानवर है जो जंगल या खेतों में स्वतंत्र रूप से रहता है और लोगों द्वारा प्रशिक्षित नहीं किया गया है।

- घरेलु पशु मनुष्यों के साथ रहता है और भोजन के लिए या काम करने के लिए रखा जाता है जैसे कि हल चलाना। अक्सर "पशुधन" शब्द का उपयोग इस तरह के जानवरों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।
- पुराने नियम में दानिय्येल की पुस्तक और नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दर्शनों की चर्चा की गई है जिनमें बुराई की शक्तियों और परमेश्वर विरोधी अधिकारों को पशु कहा गया है।
- इनमें कुछ पशुओं को विचित्र दर्शाया गया है जैसे अनेक सिर और अनेक सींग। उनके पास सामर्थ्य और अधिकार हैं जो दर्शाते हैं कि वे देश, जाति या राजनीतिक शक्तियों का प्रतीक हैं।
- अनुवाद करने के तरीकों में संदर्भ के आधार पर, “प्राणी” या “सृजित वस्तु”, "जानवर" या “वनपशु” शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अधिकारी, दानिय्येल, पशु, जाति, सामर्थ्य, प्रकट करना, बालजबूल(शैतान))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:32
- 1 शमूएल 17:44
- 2 इतिहास 25:18
- यिर्मयाह 16:1-4
- लैव्यव्यवस्था 07:21
- भजन संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H338, H929, H1165, H2123, H2416, H2423, H2874, H3753, H4806, H7409, G2226, G2341, G2342, G2934, G4968, G5074

पशु, पशुओं, जानवर

तथ्य:

बाइबल में “पशु” शब्द “जानवर” को कहने के लिए दूसरा शब्द है।

- जंगली जानवर एक प्रकार का जानवर है जो जंगल या खेतों में स्वतंत्र रूप से रहता है और लोगों द्वारा प्रशिक्षित नहीं किया गया है।
- घरेलु पशु मनुष्यों के साथ रहता है और भोजन के लिए या काम करने के लिए रखा जाता है जैसे कि हल चलाना। अक्सर "पशुधन" शब्द का उपयोग इस तरह के जानवरों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।
- पुराने नियम में दानिय्येल की पुस्तक और नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दर्शनों की चर्चा की गई है जिनमें बुराई की शक्तियों और परमेश्वर विरोधी अधिकारों को पशु कहा गया है।
- इनमें कुछ पशुओं को विचित्र दर्शाया गया है जैसे अनेक सिर और अनेक सींग। उनके पास सामर्थ्य और अधिकार हैं जो दर्शाते हैं कि वे देश, जाति या राजनीतिक शक्तियों का प्रतीक हैं।
- अनुवाद करने के तरीकों में संदर्भ के आधार पर, “प्राणी” या “सृजित वस्तु”, "जानवर" या “वनपशु” शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अधिकारी, दानिय्येल, पशु, जाति, सामर्थ्य, प्रकट करना, बालजबूल(शैतान))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:32
- 1 शमूएल 17:44
- 2 इतिहास 25:18
- यिर्मयाह 16:1-4
- लैव्यव्यवस्था 07:21
- भजन संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H338, H929, H1165, H2123, H2416, H2423, H2874, H3753, H4806, H7409, G2226, G2341, G2342, G2934, G4968, G5074

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 03:7-9
- उत्पत्ति 41: 33-34
- नीतिवचन 01:4-6
- भजन संहिता 019:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

पहर, घंटे

परिभाषा:

“पहर” बाइबल में प्रायः दिन के किस समय कोई घटना घटी। इसका प्रतीकात्मक उपयोग “समय” या “पल” के लिए भी किया जाता है।

- यहूदी दिन को सूर्योदय से गिनते थे। (लगभग सुबह 6 बजे) उदाहरण के तौर पर, “नौवें घन्टे” अर्थात लगभग दो या तीन बजे।
- रात का समय सूर्यास्त के समय (लगभग संध्या 6 बजे) से गिना जाता था। उदाहरणार्थ “रात के तीसरे पहर” अर्थात आज के प्रणाली में "रात में नौ बजे के लगभग"।
- क्योंकि बाइबल में समय का संदर्भ आज की समय पद्धति के अनुकूल नहीं होगा। अतः “लगभग नौ बजे” या “लगभग छः बजे” जैसी अभिव्यक्तियां काम में ली जा सकती हैं।
- कुछ अनुवादों में ऐसी उक्तियां काम में ली गई हैं जैसे “संध्या समय” या “प्रातःकाल के समय” या “दोपहर के समय” कि दिन के समय को स्पष्ट किया जाए।
- “उस घड़ी में” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल”
- यीशु के संदर्भ में “घड़ी आ पहुंची है” का अनुवाद हो सकता है, “उसका समय आ गया है कि” या “उसका निर्धारित समय आ चूका है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:14-15
- यूहन्ना 04:51-52
- लूका 23:44-45
- मत्ती 20:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8160, G5610

पहर, घंटे

परिभाषा:

“पहर” बाइबल में प्रायः दिन के किस समय कोई घटना घटी। इसका प्रतीकात्मक उपयोग “समय” या “पल” के लिए भी किया जाता है।

- यहूदी दिन को सूर्योदय से गिनते थे। (लगभग सुबह 6 बजे) उदाहरण के तौर पर, “नौवें घन्टे” अर्थात लगभग दो या तीन बजे।
- रात का समय सूर्यास्त के समय (लगभग संध्या 6 बजे) से गिना जाता था। उदाहरणार्थ “रात के तीसरे पहर” अर्थात आज के प्रणाली में "रात में नौ बजे के लगभग"।
- क्योंकि बाइबल में समय का संदर्भ आज की समय पद्धति के अनुकूल नहीं होगा। अतः “लगभग नौ बजे” या “लगभग छः बजे” जैसी अभिव्यक्तियां काम में ली जा सकती हैं।
- कुछ अनुवादों में ऐसी उक्तियां काम में ली गई हैं जैसे “संध्या समय” या “प्रातःकाल के समय” या “दोपहर के समय” कि दिन के समय को स्पष्ट किया जाए।
- “उस घड़ी में” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल”
- यीशु के संदर्भ में “घड़ी आ पहुंची है” का अनुवाद हो सकता है, “उसका समय आ गया है कि” या “उसका निर्धारित समय आ चूका है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:14-15
- यूहन्ना 04:51-52
- लूका 23:44-45
- मत्ती 20:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8160, G5610

पहर, घंटे

परिभाषा:

“पहर” बाइबल में प्रायः दिन के किस समय कोई घटना घटी। इसका प्रतीकात्मक उपयोग “समय” या “पल” के लिए भी किया जाता है।

- यहूदी दिन को सूर्योदय से गिनते थे। (लगभग सुबह 6 बजे) उदाहरण के तौर पर, “नौवें घन्टे” अर्थात लगभग दो या तीन बजे।
- रात का समय सूर्यास्त के समय (लगभग संध्या 6 बजे) से गिना जाता था। उदाहरणार्थ “रात के तीसरे पहर” अर्थात आज के प्रणाली में "रात में नौ बजे के लगभग"।
- क्योंकि बाइबल में समय का संदर्भ आज की समय पद्धति के अनुकूल नहीं होगा। अतः “लगभग नौ बजे” या “लगभग छः बजे” जैसी अभिव्यक्तियां काम में ली जा सकती हैं।
- कुछ अनुवादों में ऐसी उक्तियां काम में ली गई हैं जैसे “संध्या समय” या “प्रातःकाल के समय” या “दोपहर के समय” कि दिन के समय को स्पष्ट किया जाए।
- “उस घड़ी में” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल”
- यीशु के संदर्भ में “घड़ी आ पहुंची है” का अनुवाद हो सकता है, “उसका समय आ गया है कि” या “उसका निर्धारित समय आ चूका है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:14-15
- यूहन्ना 04:51-52
- लूका 23:44-45
- मत्ती 20:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8160, G5610

पहर, घंटे

परिभाषा:

“पहर” बाइबल में प्रायः दिन के किस समय कोई घटना घटी। इसका प्रतीकात्मक उपयोग “समय” या “पल” के लिए भी किया जाता है।

- यहूदी दिन को सूर्योदय से गिनते थे। (लगभग सुबह 6 बजे) उदाहरण के तौर पर, “नौवें घन्टे” अर्थात लगभग दो या तीन बजे।
- रात का समय सूर्यास्त के समय (लगभग संध्या 6 बजे) से गिना जाता था। उदाहरणार्थ “रात के तीसरे पहर” अर्थात आज के प्रणाली में "रात में नौ बजे के लगभग"।
- क्योंकि बाइबल में समय का संदर्भ आज की समय पद्धति के अनुकूल नहीं होगा। अतः “लगभग नौ बजे” या “लगभग छः बजे” जैसी अभिव्यक्तियां काम में ली जा सकती हैं।
- कुछ अनुवादों में ऐसी उक्तियां काम में ली गई हैं जैसे “संध्या समय” या “प्रातःकाल के समय” या “दोपहर के समय” कि दिन के समय को स्पष्ट किया जाए।
- “उस घड़ी में” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल”
- यीशु के संदर्भ में “घड़ी आ पहुंची है” का अनुवाद हो सकता है, “उसका समय आ गया है कि” या “उसका निर्धारित समय आ चूका है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:14-15
- यूहन्ना 04:51-52
- लूका 23:44-45
- मत्ती 20:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8160, G5610

पहर, घंटे

परिभाषा:

“पहर” बाइबल में प्रायः दिन के किस समय कोई घटना घटी। इसका प्रतीकात्मक उपयोग “समय” या “पल” के लिए भी किया जाता है।

- यहूदी दिन को सूर्योदय से गिनते थे। (लगभग सुबह 6 बजे) उदाहरण के तौर पर, “नौवें घन्टे” अर्थात लगभग दो या तीन बजे।
- रात का समय सूर्यास्त के समय (लगभग संध्या 6 बजे) से गिना जाता था। उदाहरणार्थ “रात के तीसरे पहर” अर्थात आज के प्रणाली में "रात में नौ बजे के लगभग"।
- क्योंकि बाइबल में समय का संदर्भ आज की समय पद्धति के अनुकूल नहीं होगा। अतः “लगभग नौ बजे” या “लगभग छः बजे” जैसी अभिव्यक्तियां काम में ली जा सकती हैं।
- कुछ अनुवादों में ऐसी उक्तियां काम में ली गई हैं जैसे “संध्या समय” या “प्रातःकाल के समय” या “दोपहर के समय” कि दिन के समय को स्पष्ट किया जाए।
- “उस घड़ी में” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल”
- यीशु के संदर्भ में “घड़ी आ पहुंची है” का अनुवाद हो सकता है, “उसका समय आ गया है कि” या “उसका निर्धारित समय आ चूका है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:14-15
- यूहन्ना 04:51-52
- लूका 23:44-45
- मत्ती 20:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8160, G5610

पहर, घंटे

परिभाषा:

“पहर” बाइबल में प्रायः दिन के किस समय कोई घटना घटी। इसका प्रतीकात्मक उपयोग “समय” या “पल” के लिए भी किया जाता है।

- यहूदी दिन को सूर्योदय से गिनते थे। (लगभग सुबह 6 बजे) उदाहरण के तौर पर, “नौवें घन्टे” अर्थात लगभग दो या तीन बजे।
- रात का समय सूर्यास्त के समय (लगभग संध्या 6 बजे) से गिना जाता था। उदाहरणार्थ “रात के तीसरे पहर” अर्थात आज के प्रणाली में "रात में नौ बजे के लगभग"।
- क्योंकि बाइबल में समय का संदर्भ आज की समय पद्धति के अनुकूल नहीं होगा। अतः “लगभग नौ बजे” या “लगभग छः बजे” जैसी अभिव्यक्तियां काम में ली जा सकती हैं।
- कुछ अनुवादों में ऐसी उक्तियां काम में ली गई हैं जैसे “संध्या समय” या “प्रातःकाल के समय” या “दोपहर के समय” कि दिन के समय को स्पष्ट किया जाए।
- “उस घड़ी में” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल”
- यीशु के संदर्भ में “घड़ी आ पहुंची है” का अनुवाद हो सकता है, “उसका समय आ गया है कि” या “उसका निर्धारित समय आ चूका है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:14-15
- यूहन्ना 04:51-52
- लूका 23:44-45
- मत्ती 20:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8160, G5610

पहर, घंटे

परिभाषा:

“पहर” बाइबल में प्राय: दिन के किस समय कोई घटना घटी। इसका प्रतीकात्मक उपयोग “समय” या “पल” के लिए भी किया जाता है।

- यहूदी दिन को सूर्योदय से गिनते थे। (लगभग सुबह 6 बजे) उदाहरण के तौर पर, “नौवें घन्टे” अर्थात लगभग दो या तीन बजे।
- रात का समय सूर्यास्त के समय (लगभग संध्या 6 बजे) से गिना जाता था। उदाहरणार्थ “रात के तीसरे पहर” अर्थात आज के प्रणाली में "रात में नौ बजे के लगभग"।
- क्योंकि बाइबल में समय का संदर्भ आज की समय पद्धति के अनुकूल नहीं होगा। अत: “लगभग नौ बजे” या “लगभग छ: बजे” जैसी अभिव्यक्तियां काम में ली जा सकती हैं।
- कुछ अनुवादों में ऐसी उक्तियां काम में ली गई हैं जैसे “संध्या समय” या “प्रात:काल के समय” या “दोपहर के समय” कि दिन के समय को स्पष्ट किया जाए।
- “उस घड़ी में” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल”
- यीशु के संदर्भ में “घड़ी आ पहुंची है” का अनुवाद हो सकता है, “उसका समय आ गया है कि” या “उसका निर्धारित समय आ चूका है”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:14-15
- यूहन्ना 04:51-52
- लूका 23:44-45
- मत्ती 20:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8160, G5610

पहले से जान लिया, पूर्व ज्ञान

परिभाषा:

“पहले से जान लिया”, या “पूर्व ज्ञान” “पहले से जानना” क्रिया से व्युत्पन्न शब्द है जिसका अर्थ है घटना होने से पूर्व उसका बोध हो जाना।

- परमेश्वर समय से बंधा नहीं है। वह भूत काल, वर्तमान काल और भविष्य की सब बातें जानता है।
- यह शब्द अधिकतर इस संदर्भ में काम में लिया जाता है कि परमेश्वर पहले से ही जानता है कि यीशु को अपना उद्धारकर्ता ग्रहण करने के द्वारा किसका उद्धार होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- “पहले ही से जानता था” का अनुवाद हो सकता है, “पूर्वज्ञान था” या “समय से पहले जानता था” या “पहले से जानता था” या “पहले से ही पता था।”
- “पूर्व ज्ञान” का अनुवाद “पहले से जानना” या “समय से पूर्व जानना” या “पहले से जानना” या “समय से पूर्व जानना”।

(यह भी देखें: जानना, पहले से ठहराना)

बाइबल सन्दर्भ:

- रोमियो 08:28-30
- रोमियो 11:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4267, G4268

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पहलौठे

परिभाषा:

“पहलौठे” शब्द मनुष्य या पशु के सबसे पहले बच्चे को कहते हैं।

- बाइबल में “पहलौठे” का संदर्भ सबसे पहले जन्म लेनेवाले पुत्र से है।
- बाइबल के युग में सबसे पहले जन्म लेने वाले पुत्र को प्रमुख स्थान दिया जाता था और माता-पिता की सम्पदा में से अन्य पुत्रों की तुलना में दो गुणा भाग दिया जाता था।
- परमेश्वर के लिए जिस पशु की बली चढ़ाई जाती थी वह पहला नर बच्चा होता था।
- इसका उपयोग रूपक स्वरूप भी किया जा सकता है। उदाहरणार्थ, इस्राएल जाति को परमेश्वर का पहलौठा कहा गया है क्योंकि परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों की तुलना में विशेष सौभाग्य प्रदान किए हैं।
- परमेश्वर का पुत्र यीशु को पहिलौठा कहा गया है, उसके महत्व और सब मनुष्यों पर उसके अधिकार के कारण।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि पहलौठा अभिलेख में अकेला शब्द है तो इसका अनुवाद हो सकता है, “पहलौठा पुरुष” या “पहलौठा पुत्र” क्योंकि इसका अभिप्राय यही है।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “बेटा जो पहले पैदा हुआ” या “सबसे बड़ा बेटा” या “पहला बेटा”।
- प्रतीकात्मक उपयोग में यीशु, एक शब्द या वाक्यांश के साथ अनुवाद किया जा सकता है जिसका अर्थ है "पुत्र जो सब कुछ पर अधिकार रखता है" या "पुत्र, जो सम्मान में पहला है।"
- सावधान: सुनिश्चित करें कि यीशु शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि वह बनाया गया था।

(यह भी देखें: अधिकारी होना, बलिदान करना, पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 01: 15-17
- उत्पत्ति 04:3-5
- उत्पत्ति 29:26-27
- उत्पत्ति 43:32-34
- लूका 02:6-7
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1062, H1067, H1069, G4416, G5207

पाँवों की चौकी

परिभाषा:

“पाँवों की चौकी” बैठते समय पाँवों को आराम देने के लिए रखने की चौकी। इस उक्ति का प्रतीकात्मक अर्थ है, अधीन रहना या कनिष्ठ पद।

- बाइबल के युग में पाँवों को शरीर का सबसे तुच्छ अंग माना जाता है। अत: पाँवों की चौकी और भी अधिक तुच्छ वस्तु थी, क्योंकि उस पर पाँव रखे जाते थे।
- परमेश्वर कहता है, मैं अपने शत्रुओं को अपने पाँवों की चौकी कर दूँगा तो वह विद्रोहियों पर अपने सामर्थ्य, नियंत्रण और विजय की घोषणा कर रहा है। वे पराजित होकर इतने दीन हो जाएंगे कि परमेश्वर की इच्छा के अधीन समर्पण कर देंगे।
- “परमेश्वर के पाँवों की चौकी पर आराधना करना” अर्थात परमेश्वर सिंहासन पर बैठा है और उपासक उसके चरणों में दण्डवत् करता है। उसके द्वारा परमेश्वर के प्रति दीनता एवं आत्म समर्पण प्रकट होता है।
- दाऊद मन्दिर को परमेश्वर के पाँवों की चौकी कहता है। इसका संदर्भ उसके अपने लोगों पर उसके संपूर्ण अधिकार से है। यह सिंहासन पर बैठे परमेश्वर का चित्रण भी है जिसके पाँव चौकी पर रखे हुए हैं जो उसके अधीन सबका समपर्ण दर्शाता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:47-50
- यशायाह 66:1
- लूका 20:41-44
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 22:43-44

- भजन संहिता 110:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1916, H3534, H7272, G4228, G5286

पाँवों की चौकी

परिभाषा:

“पाँवों की चौकी” बैठते समय पाँवों को आराम देने के लिए रखने की चौकी। इस उक्ति का प्रतीकात्मक अर्थ है, अधीन रहना या कनिष्ठ पद।

- बाइबल के युग में पाँवों को शरीर का सबसे तुच्छ अंग माना जाता है। अतः पाँवों की चौकी और भी अधिक तुच्छ वस्तु थी, क्योंकि उस पर पाँव रखे जाते थे।
- परमेश्वर कहता है, मैं अपने शत्रुओं को अपने पाँवों की चौकी कर दूँगा तो वह विद्रोहियों पर अपने सामर्थ्य, नियंत्रण और विजय की घोषणा कर रहा है। वे पराजित होकर इतने दीन हो जाएंगे कि परमेश्वर की इच्छा के अधीन समर्पण कर देंगे।
- “परमेश्वर के पाँवों की चौकी पर आराधना करना” अर्थात परमेश्वर सिंहासन पर बैठा है और उपासक उसके चरणों में दण्डवत् करता है। उसके द्वारा परमेश्वर के प्रति दीनता एवं आत्म समर्पण प्रकट होता है।
- दाऊद मन्दिर को परमेश्वर के पाँवों की चौकी कहता है। इसका संदर्भ उसके अपने लोगों पर उसके संपूर्ण अधिकार से है। यह सिंहासन पर बैठे परमेश्वर का चित्रण भी है जिसके पाँव चौकी पर रखे हुए हैं जो उसके अधीन सबका समपर्ण दर्शाता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:47-50
- यशायाह 66:1
- लूका 20:41-44
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 22:43-44
- भजन संहिता 110:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1916, H3534, H7272, G4228, G5286

पानी, जल, पानी पिलाया, पानी देना

परिभाषा:

“पानी” का मूल अर्थ के अतिरिक्त अर्थ जलाशयों से भी है जैसे समुद्र, सागर, झील या नदी भी है।

- "जल" इस वाक्यांश का सन्दर्भ जलाशयों या अनेक जल स्रोतों से है। इसका सन्दर्भ सामान्यतः जल की बड़ी मात्रा से भी है।
- “पानी” का प्रतीकात्मक उपयोग घोर निराशा, कठिनाइयों और कष्टों के लिए भी किया जाता है। उदाहरणार्थ, परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है कि जब हम “पानी से होकर चलें” तब वह हमारे साथ-साथ होगा।
- “बहुत जल” का अर्थ है परेशानियां बहुत बड़ी हैं।
- मवेशियों और अन्य पशुओं को पानी पिलाने का अर्थ है उनके लिए "पीने के पानी की व्यवस्था करना"। बाइबल के युग में पानी बाल्टी द्वारा कुएँ से निकाल कर होदे में या किसी और पात्र में डाला जाता था कि पशु उसमें से पानी पीएं।
- पुराने नियम में परमेश्वर को उसके लोगों के लिए “जीवन जल” का सोता कहा गया है। इसका अर्थ है कि वह आत्मिक शक्ति और नवजीवन का सोत है
- नये नियम में यीशु ने “जीवन जल” उक्ति का उपयोग किया है जो मनुष्य को बदलने तथा नवजीवन देने के लिए पवित्र आत्मा का कार्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “पानी भरना” का अनुवाद होगा, “बाल्टी द्वारा कूएँ से पानी निकालना”
- “उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियां बह निकलेंगी”। इसका अनुवाद हो सकता है, “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य और आशिषें उनमें से नदियों के सदृश्य बहने लगेंगी” “आशिषों” के स्थान में “वरदान” या “फल” या “ईश्वरीय गुण” का उपयोग किया जा सकता है।
- कूएँ पर उस सामरी स्त्री से बातें करते समय “जीवन जल” का अनुवाद “जीवनदायक जल” या “पानी जो जीवन देता है” किया जा सकता है। इस संदर्भ में पानी की उपमा को अनुवाद में प्रकट करना है।
- प्रकरण के अनुसार, “पानी” और “बहुत पानी” का अनुवाद “घोर कष्ट” हो सकता है (जो आपको पानी की तरह चारों ओर से घेरे होता है) "या" भारी कठिनाइयों (जैसे पानी की बाढ़) "या "बड़ी मात्रा में पानी "।

(यह भी देखें: जीवन, आत्मा, पवित्र आत्मा, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:36-38
- निर्गमन 14:21-22
- यूहन्ना 04:9-10
- यूहन्ना 04:13-14
- यूहन्ना 04:15-16
- मत्ती 14:28-30

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2222, H4325, H4529, H4857, H7301, H7783, H8248, G504, G4215, G4222, G5202, G5204

पानी, जल, पानी पिलाया, पानी देना

परिभाषा:

“पानी” का मूल अर्थ के अतिरिक्त अर्थ जलाशयों से भी है जैसे समुद्र, सागर, झील या नदी भी है।

- "जल" इस वाक्यांश का सन्दर्भ जलाशयों या अनेक जल स्रोतों से है। इसका सन्दर्भ सामान्यतः जल की बड़ी मात्रा से भी है।
- “पानी” का प्रतीकात्मक उपयोग घोर निराशा, कठिनाइयों और कष्टों के लिए भी किया जाता है। उदाहरणार्थ, परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है कि जब हम “पानी से होकर चलें” तब वह हमारे साथ-साथ होगा।
- “बहुत जल” का अर्थ है परेशानियां बहुत बड़ी हैं।
- मवेशियों और अन्य पशुओं को पानी पिलाने का अर्थ है उनके लिए "पीने के पानी की व्यवस्था करना"। बाइबल के युग में पानी बाल्टी द्वारा कुएँ से निकाल कर होदे में या किसी और पात्र में डाला जाता था कि पशु उसमें से पानी पीएं।
- पुराने नियम में परमेश्वर को उसके लोगों के लिए “जीवन जल” का सोता कहा गया है। इसका अर्थ है कि वह आत्मिक शक्ति और नवजीवन का सोत है
- नये नियम में यीशु ने “जीवन जल” उक्ति का उपयोग किया है जो मनुष्य को बदलने तथा नवजीवन देने के लिए पवित्र आत्मा का कार्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “पानी भरना” का अनुवाद होगा, “बाल्टी द्वारा कूएँ से पानी निकालना”
- “उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियां बह निकलेंगी”। इसका अनुवाद हो सकता है, “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य और आशिषें उनमें से नदियों के सदृश्य बहने लगेंगी” “आशिषों” के स्थान में “वरदान” या “फल” या “ईश्वरीय गुण” का उपयोग किया जा सकता है।
- कूएँ पर उस सामरी स्त्री से बातें करते समय “जीवन जल” का अनुवाद “जीवनदायक जल” या “पानी जो जीवन देता है” किया जा सकता है। इस संदर्भ में पानी की उपमा को अनुवाद में प्रकट करना है।
- प्रकरण के अनुसार, “पानी” और “बहुत पानी” का अनुवाद “घोर कष्ट” हो सकता है (जो आपको पानी की तरह चारों ओर से घेरे होता है) "या" भारी कठिनाइयों (जैसे पानी की बाढ़) "या "बड़ी मात्रा में पानी "।

(यह भी देखें: जीवन, आत्मा, पवित्र आत्मा, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:36-38
- निर्गमन 14:21-22
- यूहन्ना 04:9-10
- यूहन्ना 04:13-14
- यूहन्ना 04:15-16
- मत्ती 14:28-30

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2222, H4325, H4529, H4857, H7301, H7783, H8248, G504, G4215, G4222, G5202, G5204

पानी, जल, पानी पिलाया, पानी देना

परिभाषा:

“पानी” का मूल अर्थ के अतिरिक्त अर्थ जलाशयों से भी है जैसे समुद्र, सागर, झील या नदी भी है।

- "जल" इस वाक्यांश का सन्दर्भ जलाशयों या अनेक जल स्रोतों से है। इसका सन्दर्भ सामान्यतः जल की बड़ी मात्रा से भी है।
- “पानी” का प्रतीकात्मक उपयोग घोर निराशा, कठिनाइयों और कष्टों के लिए भी किया जाता है। उदाहरणार्थ, परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है कि जब हम “पानी से होकर चलें” तब वह हमारे साथ-साथ होगा।
- “बहुत जल” का अर्थ है परेशानियां बहुत बड़ी हैं।
- मवेशियों और अन्य पशुओं को पानी पिलाने का अर्थ है उनके लिए "पीने के पानी की व्यवस्था करना"। बाइबल के युग में पानी बाल्टी द्वारा कुएँ से निकाल कर होदे में या किसी और पात्र में डाला जाता था कि पशु उसमें से पानी पीएं।
- पुराने नियम में परमेश्वर को उसके लोगों के लिए “जीवन जल” का सोता कहा गया है। इसका अर्थ है कि वह आत्मिक शक्ति और नवजीवन का सोत है
- नये नियम में यीशु ने “जीवन जल” उक्ति का उपयोग किया है जो मनुष्य को बदलने तथा नवजीवन देने के लिए पवित्र आत्मा का कार्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “पानी भरना” का अनुवाद होगा, “बाल्टी द्वारा कूएँ से पानी निकालना”
- “उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियां बह निकलेंगी”। इसका अनुवाद हो सकता है, “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य और आशिषें उनमें से नदियों के सदृश्य बहने लगेंगी” “आशिषों” के स्थान में “वरदान” या “फल” या “ईश्वरीय गुण” का उपयोग किया जा सकता है।
- कूएँ पर उस सामरी स्त्री से बातें करते समय “जीवन जल” का अनुवाद “जीवनदायक जल” या “पानी जो जीवन देता है” किया जा सकता है। इस संदर्भ में पानी की उपमा को अनुवाद में प्रकट करना है।
- प्रकरण के अनुसार, “पानी” और “बहुत पानी” का अनुवाद “घोर कष्ट” हो सकता है (जो आपको पानी की तरह चारों ओर से घेरे होता है) "या" भारी कठिनाइयों (जैसे पानी की बाढ़) "या "बड़ी मात्रा में पानी "।

(यह भी देखें: जीवन, आत्मा, पवित्र आत्मा, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:36-38
- निर्गमन 14:21-22
- यूहन्ना 04:9-10
- यूहन्ना 04:13-14
- यूहन्ना 04:15-16
- मत्ती 14:28-30

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2222, H4325, H4529, H4857, H7301, H7783, H8248, G504, G4215, G4222, G5202, G5204

पानी, जल, पानी पिलाया, पानी देना

परिभाषा:

“पानी” का मूल अर्थ के अतिरिक्त अर्थ जलाशयों से भी है जैसे समुद्र, सागर, झील या नदी भी है।

- "जल" इस वाक्यांश का सन्दर्भ जलाशयों या अनेक जल स्रोतों से है। इसका सन्दर्भ सामान्यतः जल की बड़ी मात्रा से भी है।
- “पानी” का प्रतीकात्मक उपयोग घोर निराशा, कठिनाइयों और कष्टों के लिए भी किया जाता है। उदाहरणार्थ, परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है कि जब हम “पानी से होकर चलें” तब वह हमारे साथ-साथ होगा।
- “बहुत जल” का अर्थ है परेशानियां बहुत बड़ी हैं।
- मवेशियों और अन्य पशुओं को पानी पिलाने का अर्थ है उनके लिए "पीने के पानी की व्यवस्था करना"। बाइबल के युग में पानी बाल्टी द्वारा कुएँ से निकाल कर होदे में या किसी और पात्र में डाला जाता था कि पशु उसमें से पानी पीएं।
- पुराने नियम में परमेश्वर को उसके लोगों के लिए “जीवन जल” का सोता कहा गया है। इसका अर्थ है कि वह आत्मिक शक्ति और नवजीवन का सोत है
- नये नियम में यीशु ने “जीवन जल” उक्ति का उपयोग किया है जो मनुष्य को बदलने तथा नवजीवन देने के लिए पवित्र आत्मा का कार्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “पानी भरना” का अनुवाद होगा, “बाल्टी द्वारा कूएँ से पानी निकालना”
- “उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियां बह निकलेंगी”। इसका अनुवाद हो सकता है, “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य और आशिषें उनमें से नदियों के सदृश्य बहने लगेंगी” “आशिषों” के स्थान में “वरदान” या “फल” या “ईश्वरीय गुण” का उपयोग किया जा सकता है।
- कूएँ पर उस सामरी स्त्री से बातें करते समय “जीवन जल” का अनुवाद “जीवनदायक जल” या “पानी जो जीवन देता है” किया जा सकता है। इस संदर्भ में पानी की उपमा को अनुवाद में प्रकट करना है।
- प्रकरण के अनुसार, “पानी” और “बहुत पानी” का अनुवाद “घोर कष्ट” हो सकता है (जो आपको पानी की तरह चारों ओर से घेरे होता है) "या" भारी कठिनाइयों (जैसे पानी की बाढ़) "या "बड़ी मात्रा में पानी "।

(यह भी देखें: जीवन, आत्मा, पवित्र आत्मा, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:36-38
- निर्गमन 14:21-22
- यूहन्ना 04:9-10
- यूहन्ना 04:13-14
- यूहन्ना 04:15-16
- मत्ती 14:28-30

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2222, H4325, H4529, H4857, H7301, H7783, H8248, G504, G4215, G4222, G5202, G5204

पानी, जल, पानी पिलाया, पानी देना

परिभाषा:

“पानी” का मूल अर्थ के अतिरिक्त अर्थ जलाशयों से भी है जैसे समुद्र, सागर, झील या नदी भी है।

- "जल" इस वाक्यांश का सन्दर्भ जलाशयों या अनेक जल स्रोतों से है। इसका सन्दर्भ सामान्यतः जल की बड़ी मात्रा से भी है।
- “पानी” का प्रतीकात्मक उपयोग घोर निराशा, कठिनाइयों और कष्टों के लिए भी किया जाता है। उदाहरणार्थ, परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है कि जब हम “पानी से होकर चलें” तब वह हमारे साथ-साथ होगा।
- “बहुत जल” का अर्थ है परेशानियां बहुत बड़ी हैं।
- मवेशियों और अन्य पशुओं को पानी पिलाने का अर्थ है उनके लिए "पीने के पानी की व्यवस्था करना"। बाइबल के युग में पानी बाल्टी द्वारा कुएँ से निकाल कर होदे में या किसी और पात्र में डाला जाता था कि पशु उसमें से पानी पीएं।
- पुराने नियम में परमेश्वर को उसके लोगों के लिए “जीवन जल” का सोता कहा गया है। इसका अर्थ है कि वह आत्मिक शक्ति और नवजीवन का सोत है
- नये नियम में यीशु ने “जीवन जल” उक्ति का उपयोग किया है जो मनुष्य को बदलने तथा नवजीवन देने के लिए पवित्र आत्मा का कार्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “पानी भरना” का अनुवाद होगा, “बाल्टी द्वारा कूएँ से पानी निकालना”
- “उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियां बह निकलेंगी”। इसका अनुवाद हो सकता है, “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य और आशिषें उनमें से नदियों के सदृश्य बहने लगेंगी” “आशिषों” के स्थान में “वरदान” या “फल” या “ईश्वरीय गुण” का उपयोग किया जा सकता है।
- कूएँ पर उस सामरी स्त्री से बातें करते समय “जीवन जल” का अनुवाद “जीवनदायक जल” या “पानी जो जीवन देता है” किया जा सकता है। इस संदर्भ में पानी की उपमा को अनुवाद में प्रकट करना है।
- प्रकरण के अनुसार, “पानी” और “बहुत पानी” का अनुवाद “घोर कष्ट” हो सकता है (जो आपको पानी की तरह चारों ओर से घेरे होता है) "या" भारी कठिनाइयों (जैसे पानी की बाढ़) "या "बड़ी मात्रा में पानी "।

(यह भी देखें: जीवन, आत्मा, पवित्र आत्मा, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:36-38
- निर्गमन 14:21-22
- यूहन्ना 04:9-10

- यूहन्ना 04:13-14
- यूहन्ना 04:15-16
- मत्ती 14:28-30

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2222, H4325, H4529, H4857, H7301, H7783, H8248, G504, G4215, G4222, G5202, G5204

पानी, जल, पानी पिलाया, पानी देना

परिभाषा:

“पानी” का मूल अर्थ के अतिरिक्त अर्थ जलाशयों से भी है जैसे समुद्र, सागर, झील या नदी भी है।

- "जल" इस वाक्यांश का सन्दर्भ जलाशयों या अनेक जल स्रोतों से है। इसका सन्दर्भ सामान्यतः जल की बड़ी मात्रा से भी है।
- “पानी” का प्रतीकात्मक उपयोग घोर निराशा, कठिनाइयों और कष्टों के लिए भी किया जाता है। उदाहरणार्थ, परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है कि जब हम “पानी से होकर चलें” तब वह हमारे साथ-साथ होगा।
- “बहुत जल” का अर्थ है परेशानियां बहुत बड़ी हैं।
- मवेशियों और अन्य पशुओं को पानी पिलाने का अर्थ है उनके लिए "पीने के पानी की व्यवस्था करना"। बाइबल के युग में पानी बाल्टी द्वारा कुएँ से निकाल कर होदे में या किसी और पात्र में डाला जाता था कि पशु उसमें से पानी पीएं।
- पुराने नियम में परमेश्वर को उसके लोगों के लिए “जीवन जल” का सोता कहा गया है। इसका अर्थ है कि वह आत्मिक शक्ति और नवजीवन का सोत है
- नये नियम में यीशु ने “जीवन जल” उक्ति का उपयोग किया है जो मनुष्य को बदलने तथा नवजीवन देने के लिए पवित्र आत्मा का कार्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “पानी भरना” का अनुवाद होगा, “बाल्टी द्वारा कूएँ से पानी निकालना”
- “उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियां बह निकलेंगी”। इसका अनुवाद हो सकता है, “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य और आशिषें उनमें से नदियों के सदृश्य बहने लगेंगी” “आशिषों” के स्थान में “वरदान” या “फल” या “ईश्वरीय गुण” का उपयोग किया जा सकता है।
- कूएँ पर उस सामरी स्त्री से बातें करते समय “जीवन जल” का अनुवाद “जीवनदायक जल” या “पानी जो जीवन देता है” किया जा सकता है। इस संदर्भ में पानी की उपमा को अनुवाद में प्रकट करना है।
- प्रकरण के अनुसार, “पानी” और “बहुत पानी” का अनुवाद “घोर कष्ट” हो सकता है (जो आपको पानी की तरह चारों ओर से घेरे होता है) "या" भारी कठिनाइयों (जैसे पानी की बाढ़) "या "बड़ी मात्रा में पानी "।

(यह भी देखें: जीवन, आत्मा, पवित्र आत्मा, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:36-38
- निर्गमन 14:21-22
- यूहन्ना 04:9-10
- यूहन्ना 04:13-14
- यूहन्ना 04:15-16
- मत्ती 14:28-30

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2222, H4325, H4529, H4857, H7301, H7783, H8248, G504, G4215, G4222, G5202, G5204

पानी, जल, पानी पिलाया, पानी देना

परिभाषा:

“पानी” का मूल अर्थ के अतिरिक्त अर्थ जलाशयों से भी है जैसे समुद्र, सागर, झील या नदी भी है।

- "जल" इस वाक्यांश का सन्दर्भ जलाशयों या अनेक जल स्रोतों से है। इसका सन्दर्भ सामान्यतः जल की बड़ी मात्रा से भी है।

- “पानी” का प्रतीकात्मक उपयोग घोर निराशा, कठिनाइयों और कष्टों के लिए भी किया जाता है। उदाहरणार्थ, परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है कि जब हम “पानी से होकर चलें” तब वह हमारे साथ-साथ होगा।
- “बहुत जल” का अर्थ है परेशानियां बहुत बड़ी हैं।
- मवेशियों और अन्य पशुओं को पानी पिलाने का अर्थ है उनके लिए "पीने के पानी की व्यवस्था करना"। बाइबल के युग में पानी बाल्टी द्वारा कुएँ से निकाल कर होदे में या किसी और पात्र में डाला जाता था कि पशु उसमें से पानी पीएं।
- पुराने नियम में परमेश्वर को उसके लोगों के लिए “जीवन जल” का सोता कहा गया है। इसका अर्थ है कि वह आत्मिक शक्ति और नवजीवन का सोत है
- नये नियम में यीशु ने “जीवन जल” उक्ति का उपयोग किया है जो मनुष्य को बदलने तथा नवजीवन देने के लिए पवित्र आत्मा का कार्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “पानी भरना” का अनुवाद होगा, “बाल्टी द्वारा कूएँ से पानी निकालना”
- “उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियां बह निकलेंगी”। इसका अनुवाद हो सकता है, “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य और आशिषें उनमें से नदियों के सदृश्य बहने लगेंगी” “आशिषों” के स्थान में “वरदान” या “फल” या “ईश्वरीय गुण” का उपयोग किया जा सकता है।
- कूएँ पर उस सामरी स्त्री से बातें करते समय “जीवन जल” का अनुवाद “जीवनदायक जल” या “पानी जो जीवन देता है” किया जा सकता है। इस संदर्भ में पानी की उपमा को अनुवाद में प्रकट करना है।
- प्रकरण के अनुसार, “पानी” और “बहुत पानी” का अनुवाद “घोर कष्ट” हो सकता है (जो आपको पानी की तरह चारों ओर से घेरे होता है) "या" भारी कठिनाइयों (जैसे पानी की बाढ़) "या "बड़ी मात्रा में पानी "।

(यह भी देखें: जीवन, आत्मा, पवित्र आत्मा, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:36-38
- निर्गमन 14:21-22
- यूहन्ना 04:9-10
- यूहन्ना 04:13-14
- यूहन्ना 04:15-16
- मत्ती 14:28-30

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2222, H4325, H4529, H4857, H7301, H7783, H8248, G504, G4215, G4222, G5202, G5204

पानी, जल, पानी पिलाया, पानी देना

परिभाषा:

“पानी” का मूल अर्थ के अतिरिक्त अर्थ जलाशयों से भी है जैसे समुद्र, सागर, झील या नदी भी है।

- "जल" इस वाक्यांश का सन्दर्भ जलाशयों या अनेक जल स्रोतों से है। इसका सन्दर्भ सामान्यतः जल की बड़ी मात्रा से भी है।
- “पानी” का प्रतीकात्मक उपयोग घोर निराशा, कठिनाइयों और कष्टों के लिए भी किया जाता है। उदाहरणार्थ, परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है कि जब हम “पानी से होकर चलें” तब वह हमारे साथ-साथ होगा।
- “बहुत जल” का अर्थ है परेशानियां बहुत बड़ी हैं।
- मवेशियों और अन्य पशुओं को पानी पिलाने का अर्थ है उनके लिए "पीने के पानी की व्यवस्था करना"। बाइबल के युग में पानी बाल्टी द्वारा कुएँ से निकाल कर होदे में या किसी और पात्र में डाला जाता था कि पशु उसमें से पानी पीएं।
- पुराने नियम में परमेश्वर को उसके लोगों के लिए “जीवन जल” का सोता कहा गया है। इसका अर्थ है कि वह आत्मिक शक्ति और नवजीवन का सोत है
- नये नियम में यीशु ने “जीवन जल” उक्ति का उपयोग किया है जो मनुष्य को बदलने तथा नवजीवन देने के लिए पवित्र आत्मा का कार्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “पानी भरना” का अनुवाद होगा, “बाल्टी द्वारा कूएँ से पानी निकालना”
- “उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियां बह निकलेंगी”। इसका अनुवाद हो सकता है, “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य और आशिषें उनमें से नदियों के सदृश्य बहने लगेंगी” “आशिषों” के स्थान में “वरदान” या “फल” या “ईश्वरीय गुण” का उपयोग किया जा सकता है।
- कूएँ पर उस सामरी स्त्री से बातें करते समय “जीवन जल” का अनुवाद “जीवनदायक जल” या “पानी जो जीवन देता है” किया जा सकता है। इस संदर्भ में पानी की उपमा को अनुवाद में प्रकट करना है।

- प्रकरण के अनुसार, “पानी” और “बहुत पानी” का अनुवाद “घोर कष्ट” हो सकता है (जो आपको पानी की तरह चारों ओर से घेरे होता है) "या" भारी कठिनाइयों (जैसे पानी की बाढ़) "या "बड़ी मात्रा में पानी "।

(यह भी देखें: जीवन, आत्मा, पवित्र आत्मा, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:36-38
- निर्गमन 14:21-22
- यूहन्ना 04:9-10
- यूहन्ना 04:13-14
- यूहन्ना 04:15-16
- मत्ती 14:28-30

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2222, H4325, H4529, H4857, H7301, H7783, H8248, G504, G4215, G4222, G5202, G5204

पानी, जल, पानी पिलाया, पानी देना

परिभाषा:

“पानी” का मूल अर्थ के अतिरिक्त अर्थ जलाशयों से भी है जैसे समुद्र, सागर, झील या नदी भी है।

- "जल" इस वाक्यांश का सन्दर्भ जलाशयों या अनेक जल स्रोतों से है। इसका सन्दर्भ सामान्यतः जल की बड़ी मात्रा से भी है।
- “पानी” का प्रतीकात्मक उपयोग घोर निराशा, कठिनाइयों और कष्टों के लिए भी किया जाता है। उदाहरणार्थ, परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है कि जब हम “पानी से होकर चलें” तब वह हमारे साथ-साथ होगा।
- “बहुत जल” का अर्थ है परेशानियां बहुत बड़ी हैं।
- मवेशियों और अन्य पशुओं को पानी पिलाने का अर्थ है उनके लिए "पीने के पानी की व्यवस्था करना"। बाइबल के युग में पानी बाल्टी द्वारा कुएँ से निकाल कर होदे में या किसी और पात्र में डाला जाता था कि पशु उसमें से पानी पीएं।
- पुराने नियम में परमेश्वर को उसके लोगों के लिए “जीवन जल” का सोता कहा गया है। इसका अर्थ है कि वह आत्मिक शक्ति और नवजीवन का सोत है
- नये नियम में यीशु ने “जीवन जल” उक्ति का उपयोग किया है जो मनुष्य को बदलने तथा नवजीवन देने के लिए पवित्र आत्मा का कार्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “पानी भरना” का अनुवाद होगा, “बाल्टी द्वारा कूएँ से पानी निकालना”
- “उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियां बह निकलेंगी”। इसका अनुवाद हो सकता है, “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य और आशिषें उनमें से नदियों के सदृश्य बहने लगेंगी” “आशिषों” के स्थान में “वरदान” या “फल” या “ईश्वरीय गुण” का उपयोग किया जा सकता है।
- कूएँ पर उस सामरी स्त्री से बातें करते समय “जीवन जल” का अनुवाद “जीवनदायक जल” या “पानी जो जीवन देता है” किया जा सकता है। इस संदर्भ में पानी की उपमा को अनुवाद में प्रकट करना है।
- प्रकरण के अनुसार, “पानी” और “बहुत पानी” का अनुवाद “घोर कष्ट” हो सकता है (जो आपको पानी की तरह चारों ओर से घेरे होता है) "या" भारी कठिनाइयों (जैसे पानी की बाढ़) "या "बड़ी मात्रा में पानी "।

(यह भी देखें: जीवन, आत्मा, पवित्र आत्मा, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:36-38
- निर्गमन 14:21-22
- यूहन्ना 04:9-10
- यूहन्ना 04:13-14
- यूहन्ना 04:15-16
- मत्ती 14:28-30

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2222, H4325, H4529, H4857, H7301, H7783, H8248, G504, G4215, G4222, G5202, G5204

पानी, जल, पानी पिलाया, पानी देना

परिभाषा:

“पानी” का मूल अर्थ के अतिरिक्त अर्थ जलाशयों से भी है जैसे समुद्र, सागर, झील या नदी भी है।

- "जल" इस वाक्यांश का सन्दर्भ जलाशयों या अनेक जल स्रोतों से है। इसका सन्दर्भ सामान्यतः जल की बड़ी मात्रा से भी है।
- “पानी” का प्रतीकात्मक उपयोग घोर निराशा, कठिनाइयों और कष्टों के लिए भी किया जाता है। उदाहरणार्थ, परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है कि जब हम “पानी से होकर चलें” तब वह हमारे साथ-साथ होगा।
- “बहुत जल” का अर्थ है परेशानियां बहुत बड़ी हैं।
- मवेशियों और अन्य पशुओं को पानी पिलाने का अर्थ है उनके लिए "पीने के पानी की व्यवस्था करना"। बाइबल के युग में पानी बाल्टी द्वारा कुएँ से निकाल कर होदे में या किसी और पात्र में डाला जाता था कि पशु उसमें से पानी पीएं।
- पुराने नियम में परमेश्वर को उसके लोगों के लिए “जीवन जल” का सोता कहा गया है। इसका अर्थ है कि वह आत्मिक शक्ति और नवजीवन का सोत है
- नये नियम में यीशु ने “जीवन जल” उक्ति का उपयोग किया है जो मनुष्य को बदलने तथा नवजीवन देने के लिए पवित्र आत्मा का कार्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “पानी भरना” का अनुवाद होगा, “बाल्टी द्वारा कूएँ से पानी निकालना”
- “उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियां बह निकलेंगी”। इसका अनुवाद हो सकता है, “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य और आशिषें उनमें से नदियों के सदृश्य बहने लगेंगी” “आशिषों” के स्थान में “वरदान” या “फल” या “ईश्वरीय गुण” का उपयोग किया जा सकता है।
- कूएँ पर उस सामरी स्त्री से बातें करते समय “जीवन जल” का अनुवाद “जीवनदायक जल” या “पानी जो जीवन देता है” किया जा सकता है। इस संदर्भ में पानी की उपमा को अनुवाद में प्रकट करना है।
- प्रकरण के अनुसार, “पानी” और “बहुत पानी” का अनुवाद “घोर कष्ट” हो सकता है (जो आपको पानी की तरह चारों ओर से घेरे होता है) "या" भारी कठिनाइयों (जैसे पानी की बाढ़) "या "बड़ी मात्रा में पानी "।

(यह भी देखें: जीवन, आत्मा, पवित्र आत्मा, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:36-38
- निर्गमन 14:21-22
- यूहन्ना 04:9-10
- यूहन्ना 04:13-14
- यूहन्ना 04:15-16
- मत्ती 14:28-30

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2222, H4325, H4529, H4857, H7301, H7783, H8248, G504, G4215, G4222, G5202, G5204

पानी, जल, पानी पिलाया, पानी देना

परिभाषा:

“पानी” का मूल अर्थ के अतिरिक्त अर्थ जलाशयों से भी है जैसे समुद्र, सागर, झील या नदी भी है।

- "जल" इस वाक्यांश का सन्दर्भ जलाशयों या अनेक जल स्रोतों से है। इसका सन्दर्भ सामान्यतः जल की बड़ी मात्रा से भी है।
- “पानी” का प्रतीकात्मक उपयोग घोर निराशा, कठिनाइयों और कष्टों के लिए भी किया जाता है। उदाहरणार्थ, परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है कि जब हम “पानी से होकर चलें” तब वह हमारे साथ-साथ होगा।
- “बहुत जल” का अर्थ है परेशानियां बहुत बड़ी हैं।
- मवेशियों और अन्य पशुओं को पानी पिलाने का अर्थ है उनके लिए "पीने के पानी की व्यवस्था करना"। बाइबल के युग में पानी बाल्टी द्वारा कुएँ से निकाल कर होदे में या किसी और पात्र में डाला जाता था कि पशु उसमें से पानी पीएं।

- पुराने नियम में परमेश्वर को उसके लोगों के लिए “जीवन जल” का सोता कहा गया है। इसका अर्थ है कि वह आत्मिक शक्ति और नवजीवन का सोत है
- नये नियम में यीशु ने “जीवन जल” उक्ति का उपयोग किया है जो मनुष्य को बदलने तथा नवजीवन देने के लिए पवित्र आत्मा का कार्य है।

अनुवाद के सुझाव:

- “पानी भरना” का अनुवाद होगा, “बाल्टी द्वारा कूएँ से पानी निकालना”
- “उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियां बह निकलेंगी”। इसका अनुवाद हो सकता है, “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य और आशिषें उनमें से नदियों के सदृश्य बहने लगेंगी” “आशिषों” के स्थान में “वरदान” या “फल” या “ईश्वरीय गुण” का उपयोग किया जा सकता है।
- कूएँ पर उस सामरी स्त्री से बातें करते समय “जीवन जल” का अनुवाद “जीवनदायक जल” या “पानी जो जीवन देता है” किया जा सकता है। इस संदर्भ में पानी की उपमा को अनुवाद में प्रकट करना है।
- प्रकरण के अनुसार, “पानी” और “बहुत पानी” का अनुवाद “घोर कष्ट” हो सकता है (जो आपको पानी की तरह चारों ओर से घेरे होता है) "या" भारी कठिनाइयों (जैसे पानी की बाढ़) "या "बड़ी मात्रा में पानी "।

(यह भी देखें: जीवन, आत्मा, पवित्र आत्मा, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:36-38
- निर्गमन 14:21-22
- यूहन्ना 04:9-10
- यूहन्ना 04:13-14
- यूहन्ना 04:15-16
- मत्ती 14:28-30

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2222, H4325, H4529, H4857, H7301, H7783, H8248, G504, G4215, G4222, G5202, G5204

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अत: सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।

- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अत: सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अत: सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।

- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अत: सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11

- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अतः सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अतः सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अत: सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।

- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अत: सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11

- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अतः सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अतः सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अत: सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।

- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अत: सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11

- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अतः सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अतः सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अत: सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।

- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अत: सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11

- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अतः सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अतः सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अत: सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।

- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अत: सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11

- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अतः सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अतः सब मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
- "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, माँस, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- प्रे.का. 03:19-20
- दानिय्येल 09:24-25
- उत्पत्ति 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यशायाह 53:10-11
- यिर्मयाह 18:21-23
- लैव्यव्यवस्था 04:13-15
- लूका 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23
- रोमियो 08:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पापबलि, पापबलि

परिभाषा:

“पापबलि ” उन बलियों में से एक थी जिनकी आज्ञा परमेश्वर ने इस्राएलियों को दी थी।

- इस बलि में बैल की बलि चढ़ानी होती थी, वेदी पर उसका लहू और चर्बी जलाए जाते थे और पशु की लोथ को इस्राएल की छावनी के बाहर धरती पर जला दिया जाता था।
- इस पशु को पूर्णतः भस्म करने का अर्थ था कि परमेश्वर अति पवित्र है और पाप अत्यधिक भयानक है।
- बाइबल की शिक्षा में पाप से शुद्ध होने के लिए पाप का मूल्य चुकाने के लिए लहू का बहाना आवश्यक है।
- पशुबलि पाप के लिए स्थाई क्षमा नहीं उपलब्ध करवा सकती थी।
- क्रूस पर यीशु की मृत्यु ने सदा के लिए पाप का दण्ड चुका दिया। वह एक सिद्ध पापबलि था।

(यह भी देखें: वेदी, गाय, क्षमा कर, बलिदान करना, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 29:20-21
- निर्गमन 29:35-37
- यहेजकेल 44:25-27
- लैव्यव्यवस्था 05:11
- गिनती 07:15-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2401, H2402, H2398, H2403

पिन्तेकुस्त, सप्ताहों का पर्व

तथ्य:

“सप्ताहों का पर्व” एक यहूदी पर्व है जो फसह के पर्व के पचास दिन बाद मनाया जाता था। जिसे बाद में "पिन्तेकुस्त" कहा जाता था।

- सप्ताहों का पर्व, पहले फलों के पर्व के सात सप्ताहों (पचास दिन) बाद मनाया जाता था। नये नियम के युग में इस पर्व को “पिन्तेकुस्त” का पर्व कहते थे जिसके अर्थ में एक भाग “पचास” है।
- सप्ताहों का पर्व अन्न की कटनी के आरंभ के उत्सव में मनाया जाता था। यह वह समय था जब परमेश्वर ने इस्राएल के लिए सर्वप्रथम पत्थर की तख्तियों पर मूसा को व्यवस्था दी थी।
- नये नियम में पिन्तेकुस्त का दिन विशेष करके महत्वपूर्ण था क्योंकि उस दिन यीशु पर विश्वास करनेवालों ने एक नए तरीके से पवित्र आत्मा प्राप्त किया था।

(यह भी देखें: पर्व, पहली उपज, उपज, पवित्र आत्मा, खड़ा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 08:12-13
- प्रे.का. 02:1-4
- प्रे.का. 20:15-16
- व्यवस्थाविवरण 16:16-17
- गिनती 28:26-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2282, H7620, G4005

पिन्तेकुस्त, सप्ताहों का पर्व

तथ्य:

“सप्ताहों का पर्व” एक यहूदी पर्व है जो फसह के पर्व के पचास दिन बाद मनाया जाता था। जिसे बाद में "पिन्तेकुस्त" कहा जाता था।

- सप्ताहों का पर्व, पहले फलों के पर्व के सात सप्ताहों (पचास दिन) बाद मनाया जाता था। नये नियम के युग में इस पर्व को “पिन्तेकुस्त” का पर्व कहते थे जिसके अर्थ में एक भाग “पचास” है।
- सप्ताहों का पर्व अन्न की कटनी के आरंभ के उत्सव में मनाया जाता था। यह वह समय था जब परमेश्वर ने इस्राएल के लिए सर्वप्रथम पत्थर की तख्तियों पर मूसा को व्यवस्था दी थी।
- नये नियम में पिन्तेकुस्त का दिन विशेष करके महत्वपूर्ण था क्योंकि उस दिन यीशु पर विश्वास करनेवालों ने एक नए तरीके से पवित्र आत्मा प्राप्त किया था।

(यह भी देखें: पर्व, पहली उपज, उपज, पवित्र आत्मा, खड़ा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 08:12-13
- प्रे.का. 02:1-4
- प्रे.का. 20:15-16
- व्यवस्थाविवरण 16:16-17
- गिनती 28:26-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2282, H7620, G4005

पिलातुस

तथ्य:

रोमी प्रान्त यहूदिया का प्रशासक पिलातुस था जिसने यीशु को मृत्युदण्ड दिया था.

- प्रशासक होने के कारण पिलातुस के पास अपराधियों को मृत्यु दण्ड देने का अधिकार था.
- यहूदी धर्म गुरू चाहते थे कि पिलातुस यीशु को मृत्यु-दण्ड दे, अतः उन्होंने यीशु पर झूठा आरोप लगाया कि वह एक अपराधी है.
- पिलातुस समझ गया था कि यीशु ने कोई अपराध नहीं किया है परन्तु वह जनसमूह से डरता था और उन्हें प्रसन्न करना चाहता था, इसलिए उसने सैनिकों को आज्ञा दी कि यीशु को क्रूस पर चढ़ा दें.

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, शासन करना, दोष, यहूदिया, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:27-28
- प्रे.का. 13:28
- लूका 23:02
- मरकुस 15:02
- मत्ती 27:13
- मत्ती 27:58

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था. वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उसे मरवा डाले. पिलातुस ने यीशु से पूछा, “ क्या तू यहूदियों का राजा है?”
- **39:10** _पिलातुस_ ने कहा, “सच क्या है?”
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता.” परन्तु यहूदी गुरुओं ने और जनसमूह ने चिल्लाकर कहा, “इसे क्रूस पर चढ़ा दे.” पिलातुस ने कहा, “यह दोषी नहीं है.” वह और जोर से चिल्लाने लगे. तब पिलातुस ने तीसरी बार कहा, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता.”
- **39:12** पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिको को सौंप दिया.
- **40:02** __ पिलातुस__ ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर से ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए, “यह यहूदियों का राजा है. ”

- **\41:02**** पिलातुस** ने कहा, “कुछ सैनिक लो और जाकर कब्र को जितना अधिक सुरक्शि कर सकते हो कर लो."

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G4091, G4194

पिलातुस

तथ्य:

रोमी प्रान्त यहूदिया का प्रशासक पिलातुस था जिसने यीशु को मृत्युदण्ड दिया था.

- प्रशासक होने के कारण पिलातुस के पास अपराधियों को मृत्यु दण्ड देने का अधिकार था.
- यहूदी धर्म गुरू चाहते थे कि पिलातुस यीशु को मृत्यु-दण्ड दे, अतः उन्होंने यीशु पर झूठा आरोप लगाया कि वह एक अपराधी है.
- पिलातुस समझ गया था कि यीशु ने कोई अपराध नहीं किया है परन्तु वह जनसमूह से डरता था और उन्हें प्रसन्न करना चाहता था, इसलिए उसने सैनिकों को आज्ञा दी कि यीशु को क्रूस पर चढ़ा दें.

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, शासन करना, दोष, यहूदिया, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:27-28
- प्रे.का. 13:28
- लूका 23:02
- मरकुस 15:02
- मत्ती 27:13
- मत्ती 27:58

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था. वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उसे मरवा डाले. पिलातुस ने यीशु से पूछा, “ क्या तू यहूदियों का राजा है?”
- **39:10** _पिलातुस_ ने कहा, “सच क्या है?”
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता.” परन्तु यहूदी गुरुओं ने और जनसमूह ने चिल्लाकर कहा, “इसे क्रूस पर चढ़ा दे.” पिलातुस ने कहा, “यह दोषी नहीं है.” वह और जोर से चिल्लाने लगे. तब पिलातुस ने तीसरी बार कहा, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता.”
- **39:12** पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिको को सौंप दिया.
- **40:02** __ पिलातुस__ ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर से ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए, “यह यहूदियों का राजा है. ”
- **\41:02**** पिलातुस** ने कहा, “कुछ सैनिक लो और जाकर कब्र को जितना अधिक सुरक्शि कर सकते हो कर लो."

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G4091, G4194

पिलातुस

तथ्य:

रोमी प्रान्त यहूदिया का प्रशासक पिलातुस था जिसने यीशु को मृत्युदण्ड दिया था.

- प्रशासक होने के कारण पिलातुस के पास अपराधियों को मृत्यु दण्ड देने का अधिकार था.
- यहूदी धर्म गुरू चाहते थे कि पिलातुस यीशु को मृत्यु-दण्ड दे, अतः उन्होंने यीशु पर झूठा आरोप लगाया कि वह एक अपराधी है.
- पिलातुस समझ गया था कि यीशु ने कोई अपराध नहीं किया है परन्तु वह जनसमूह से डरता था और उन्हें प्रसन्न करना चाहता था, इसलिए उसने सैनिकों को आज्ञा दी कि यीशु को क्रूस पर चढ़ा दें.

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, शासन करना, दोष, यहूदिया, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:27-28
- प्रे.का. 13:28
- लूका 23:02
- मरकुस 15:02
- मत्ती 27:13
- मत्ती 27:58

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था. वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उसे मरवा डाले. पिलातुस ने यीशु से पूछा, " क्या तू यहूदियों का राजा है?"
- **39:10** _पिलातुस_ ने कहा, "सच क्या है?"
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, "मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता." परन्तु यहूदी गुरुओं ने और जनसमूह ने चिल्लाकर कहा, "इसे क्रूस पर चढ़ा दे." पिलातुस ने कहा, "यह दोषी नहीं है." वह और जोर से चिल्लाने लगे. तब पिलातुस ने तीसरी बार कहा, "मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता."
- **39:12** पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिको को सौंप दिया.
- **40:02** __ पिलातुस__ ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर से ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए, "यह यहूदियों का राजा है. "
- **\41:02**** पिलातुस** ने कहा, "कुछ सैनिक लो और जाकर कब्र को जितना अधिक सुरक्शि कर सकते हो कर लो."

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4091, G4194

पिलातुस

तथ्य:

रोमी प्रान्त यहूदिया का प्रशासक पिलातुस था जिसने यीशु को मृत्युदण्ड दिया था.

- प्रशासक होने के कारण पिलातुस के पास अपराधियों को मृत्यु दण्ड देने का अधिकार था.
- यहूदी धर्म गुरू चाहते थे कि पिलातुस यीशु को मृत्यु-दण्ड दे, अतः उन्होंने यीशु पर झूठा आरोप लगाया कि वह एक अपराधी है.
- पिलातुस समझ गया था कि यीशु ने कोई अपराध नहीं किया है परन्तु वह जनसमूह से डरता था और उन्हें प्रसन्न करना चाहता था, इसलिए उसने सैनिकों को आज्ञा दी कि यीशु को क्रूस पर चढ़ा दें.

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, शासन करना, दोष, यहूदिया, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:27-28
- प्रे.का. 13:28
- लूका 23:02
- मरकुस 15:02
- मत्ती 27:13
- मत्ती 27:58

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था. वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उसे मरवा डाले. पिलातुस ने यीशु से पूछा, " क्या तू यहूदियों का राजा है?"
- **39:10** _पिलातुस_ ने कहा, "सच क्या है?"
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, "मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता." परन्तु यहूदी गुरुओं ने और जनसमूह ने चिल्लाकर कहा, "इसे क्रूस पर चढ़ा दे." पिलातुस ने कहा, "यह दोषी नहीं है." वह और जोर से चिल्लाने लगे. तब पिलातुस ने तीसरी बार कहा, "मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता."
- **39:12** पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिको को सौंप दिया.
- **40:02** __ पिलातुस__ ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर से ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए, "यह यहूदियों का राजा है. "
- **\41:02**** पिलातुस** ने कहा, "कुछ सैनिक लो और जाकर कब्र को जितना अधिक सुरक्शि कर सकते हो कर लो."

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G4091, G4194

पिलातुस

तथ्य:

रोमी प्रान्त यहूदिया का प्रशासक पिलातुस था जिसने यीशु को मृत्युदण्ड दिया था.

- प्रशासक होने के कारण पिलातुस के पास अपराधियों को मृत्यु दण्ड देने का अधिकार था.
- यहूदी धर्म गुरू चाहते थे कि पिलातुस यीशु को मृत्यु-दण्ड दे, अतः उन्होंने यीशु पर झूठा आरोप लगाया कि वह एक अपराधी है.
- पिलातुस समझ गया था कि यीशु ने कोई अपराध नहीं किया है परन्तु वह जनसमूह से डरता था और उन्हें प्रसन्न करना चाहता था, इसलिए उसने सैनिकों को आज्ञा दी कि यीशु को क्रूस पर चढ़ा दें.

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, शासन करना, दोष, यहूदिया, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:27-28
- प्रे.का. 13:28
- लूका 23:02
- मरकुस 15:02
- मत्ती 27:13
- मत्ती 27:58

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था. वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उसे मरवा डाले. पिलातुस ने यीशु से पूछा, “ क्या तू यहूदियों का राजा है?”
- **39:10** _पिलातुस_ ने कहा, “सच क्या है?”
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता.” परन्तु यहूदी गुरुओं ने और जनसमूह ने चिल्लाकर कहा, “इसे क्रूस पर चढ़ा दे.” पिलातुस ने कहा, “यह दोषी नहीं है.” वह और जोर से चिल्लाने लगे. तब पिलातुस ने तीसरी बार कहा, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता.”
- **39:12** पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिको को सौंप दिया.
- **40:02** __ पिलातुस__ ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर से ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए, “यह यहूदियों का राजा है. ”
- **\41:02**** पिलातुस** ने कहा, “कुछ सैनिक लो और जाकर कब्र को जितना अधिक सुरक्शि कर सकते हो कर लो."

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G4091, G4194

पिलातुस

तथ्य:

रोमी प्रान्त यहूदिया का प्रशासक पिलातुस था जिसने यीशु को मृत्युदण्ड दिया था.

- प्रशासक होने के कारण पिलातुस के पास अपराधियों को मृत्यु दण्ड देने का अधिकार था.
- यहूदी धर्म गुरू चाहते थे कि पिलातुस यीशु को मृत्यु-दण्ड दे, अतः उन्होंने यीशु पर झूठा आरोप लगाया कि वह एक अपराधी है.
- पिलातुस समझ गया था कि यीशु ने कोई अपराध नहीं किया है परन्तु वह जनसमूह से डरता था और उन्हें प्रसन्न करना चाहता था, इसलिए उसने सैनिकों को आज्ञा दी कि यीशु को क्रूस पर चढ़ा दें.

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ा, शासन करना, दोष, यहूदिया, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:27-28
- प्रे.का. 13:28

- लूका 23:02
- मरकुस 15:02
- मत्ती 27:13
- मत्ती 27:58

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था. वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उसे मरवा डाले. पिलातुस ने यीशु से पूछा, " क्या तू यहूदियों का राजा है?"
- **39:10** _पिलातुस_ ने कहा, "सच क्या है?"
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, "मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता." परन्तु यहूदी गुरुओं ने और जनसमूह ने चिल्लाकर कहा, "इसे क्रूस पर चढ़ा दे." पिलातुस ने कहा, "यह दोषी नहीं है." वह और जोर से चिल्लाने लगे. तब पिलातुस ने तीसरी बार कहा, "मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता."
- **39:12** पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिको को सौंप दिया.
- **40:02** __ पिलातुस__ ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर से ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए, "यह यहूदियों का राजा है. "
- **\41:02**** पिलातुस** ने कहा, "कुछ सैनिक लो और जाकर कब्र को जितना अधिक सुरक्शि कर सकते हो कर लो."

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4091, G4194

पीढ़ी

परिभाषा:

"पीढ़ी" शब्द उन मनुष्यों के संदर्भ में है जो एक ही समय जन्में हों। वे सभी एक ही सामान्य समय अवधि में पैदा हुए हैं और इसलिए समान उम्र के बारे में हैं।

- पीढ़ी समय का अन्तराल भी हो सकती है। बाइबल के युग में एक पीढ़ी को लगभग चालीस वर्ष माना जाता था।
- माता-पिता और सन्तान दो अलग-अलग पीढ़ियों के होते है।
- बाइबल में पीढ़ी शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में उन लोगों के लिए भी काम में लिया गया है जिनके लक्षण सर्वनिष्ठ होते हैं।

अनुवाद के सुझाव

- "यह पीढ़ी" या "इस पीढ़ी के लोग" का अनुवाद हो सकता है, "वर्तमान में जीवित मनुष्य" या "तुम लोग"
- "दुष्ट पीढ़ी" का अनुवाद हो सकता है, "इस समय के दुष्ट लोग"।
- "पीढ़ी से पीढ़ी" या "एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक" का अनुवाद हो सकता है, "वर्तमान में जो लोग है वे और उनके पोते-परपोते" या "हर एक युग के लोग" या "इस समय और आनेवाले समय के लोग" या "सब लोग और उनके वंशज"।
- "आनेवाली पीढ़ी उसकी सेवा करेगी, वे आनेवाली पीढ़ी को परमेश्वर का ज्ञान देंगे"। इसका अनुवाद हो सकता है, "भविष्य में अनेक लोग परमेश्वर की सेवा करेंगे और अपनी सन्तान वरन सन्तान की सन्तान को उसके बारे में बताएंगे"।

(यह भी देखें: उतरेगा, बुराई, मूलपिता)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- निर्गमन 03:13-15
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 17:7-8
- मरकुस 08:11-13
- मत्ती 11:16-17
- मत्ती 23:34-36
- मत्ती 24:34-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1755, H1859, H8435, G1074

पीढ़ी

परिभाषा:

“पीढ़ी” शब्द उन मनुष्यों के संदर्भ में है जो एक ही समय जन्में हों। वे सभी एक ही सामान्य समय अवधि में पैदा हुए हैं और इसलिए समान उम्र के बारे में हैं।

- पीढ़ी समय का अन्तराल भी हो सकती है। बाइबल के युग में एक पीढ़ी को लगभग चालीस वर्ष माना जाता था।
- माता-पिता और सन्तान दो अलग-अलग पीढ़ियों के होते है।
- बाइबल में पीढ़ी शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में उन लोगों के लिए भी काम में लिया गया है जिनके लक्षण सर्वनिष्ठ होते हैं।

अनुवाद के सुझाव

- “यह पीढ़ी” या “इस पीढ़ी के लोग” का अनुवाद हो सकता है, “वर्तमान में जीवित मनुष्य” या “तुम लोग”
- “दुष्ट पीढ़ी” का अनुवाद हो सकता है, “इस समय के दुष्ट लोग”।
- “पीढ़ी से पीढ़ी” या “एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक” का अनुवाद हो सकता है, “वर्तमान में जो लोग है वे और उनके पोते-परपोते” या “हर एक युग के लोग” या “इस समय और आनेवाले समय के लोग” या “सब लोग और उनके वंशज”।
- “आनेवाली पीढ़ी उसकी सेवा करेगी, वे आनेवाली पीढ़ी को परमेश्वर का ज्ञान देंगे”। इसका अनुवाद हो सकता है, “भविष्य में अनेक लोग परमेश्वर की सेवा करेंगे और अपनी सन्तान वरन सन्तान की सन्तान को उसके बारे में बताएंगे”।

(यह भी देखें: उतरेगा, बुराई, मूलपिता)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- निर्गमन 03:13-15
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 17:7-8
- मरकुस 08:11-13
- मत्ती 11:16-17
- मत्ती 23:34-36
- मत्ती 24:34-35

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H1755, H1859, H8435, G1074

पीढ़ी

परिभाषा:

“पीढ़ी” शब्द उन मनुष्यों के संदर्भ में है जो एक ही समय जन्में हों। वे सभी एक ही सामान्य समय अवधि में पैदा हुए हैं और इसलिए समान उम्र के बारे में हैं।

- पीढ़ी समय का अन्तराल भी हो सकती है। बाइबल के युग में एक पीढ़ी को लगभग चालीस वर्ष माना जाता था।
- माता-पिता और सन्तान दो अलग-अलग पीढ़ियों के होते है।
- बाइबल में पीढ़ी शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में उन लोगों के लिए भी काम में लिया गया है जिनके लक्षण सर्वनिष्ठ होते हैं।

अनुवाद के सुझाव

- “यह पीढ़ी” या “इस पीढ़ी के लोग” का अनुवाद हो सकता है, “वर्तमान में जीवित मनुष्य” या “तुम लोग”
- “दुष्ट पीढ़ी” का अनुवाद हो सकता है, “इस समय के दुष्ट लोग”।
- “पीढ़ी से पीढ़ी” या “एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक” का अनुवाद हो सकता है, “वर्तमान में जो लोग है वे और उनके पोते-परपोते” या “हर एक युग के लोग” या “इस समय और आनेवाले समय के लोग” या “सब लोग और उनके वंशज”।
- “आनेवाली पीढ़ी उसकी सेवा करेगी, वे आनेवाली पीढ़ी को परमेश्वर का ज्ञान देंगे”। इसका अनुवाद हो सकता है, “भविष्य में अनेक लोग परमेश्वर की सेवा करेंगे और अपनी सन्तान वरन सन्तान की सन्तान को उसके बारे में बताएंगे”।

(यह भी देखें: उतरेगा, बुराई, मूलपिता)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- निर्गमन 03:13-15
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 17:7-8
- मरकुस 08:11-13
- मत्ती 11:16-17
- मत्ती 23:34-36
- मत्ती 24:34-35

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H1755, H1859, H8435, G1074

पीढ़ी

परिभाषा:

“पीढ़ी” शब्द उन मनुष्यों के संदर्भ में है जो एक ही समय जन्में हों। वे सभी एक ही सामान्य समय अवधि में पैदा हुए हैं और इसलिए समान उम्र के बारे में हैं।

- पीढ़ी समय का अन्तराल भी हो सकती है। बाइबल के युग में एक पीढ़ी को लगभग चालीस वर्ष माना जाता था।
- माता-पिता और सन्तान दो अलग-अलग पीढ़ियों के होते है।
- बाइबल में पीढ़ी शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में उन लोगों के लिए भी काम में लिया गया है जिनके लक्षण सर्वनिष्ठ होते हैं।

अनुवाद के सुझाव

- “यह पीढ़ी” या “इस पीढ़ी के लोग” का अनुवाद हो सकता है, “वर्तमान में जीवित मनुष्य” या “तुम लोग”
- “दुष्ट पीढ़ी” का अनुवाद हो सकता है, “इस समय के दुष्ट लोग”।
- “पीढ़ी से पीढ़ी” या “एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक” का अनुवाद हो सकता है, “वर्तमान में जो लोग है वे और उनके पोते-परपोते” या “हर एक युग के लोग” या “इस समय और आनेवाले समय के लोग” या “सब लोग और उनके वंशज”।
- “आनेवाली पीढ़ी उसकी सेवा करेगी, वे आनेवाली पीढ़ी को परमेश्वर का ज्ञान देंगे”। इसका अनुवाद हो सकता है, “भविष्य में अनेक लोग परमेश्वर की सेवा करेंगे और अपनी सन्तान वरन सन्तान की सन्तान को उसके बारे में बताएंगे”।

(यह भी देखें: उतरेगा, बुराई, मूलपिता)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- निर्गमन 03:13-15
- उत्पत्ति 15:14-16
- उत्पत्ति 17:7-8
- मरकुस 08:11-13
- मत्ती 11:16-17
- मत्ती 23:34-36
- मत्ती 24:34-35

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H1755, H1859, H8435, G1074

पीतल

परिभाषा:

“पीतल” (कांसा) एक धातु है जिसे तांबा और टिन के मिश्रण से तैयार किया जाता है। इसका रंग हल्की लालिमा लिए भूरा होता है।

- यह धातु पानी से होने वाली हानि से सुरक्षित रहता है और गर्मी का उत्तम चालक होता है।
- प्राचीन युग में पीतल उपकरणों, हथियारों, कलाकृतियों, वेदियों, खाना पकाने के बर्तन, सैनिकों के रक्षा कवच आदि अनेक वस्तुओं के निर्माण में काम आता था।
- मिलाप वाला तम्बू और मन्दिर में अनेक समान तांबे के बने हुए थे।
- देवी-देवताओं की मूर्तियां भी तांबे से बनती थी।
- तांबे से वस्तुएं बनाने के लिए पहले तांबे को पिघलाया जाता था उसके बाद सांचों में डाला जाता था। इस प्रक्रिया को "ढालना" कहते थे।

(यह भी देखें: हथियार, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 07:15-17
- 1 शमूएल 17:37-38
- दानिय्येल 02:44-45
- निर्गमन 25:3-7
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5153, H5154, H5174, H5178, G5470, G5474, G5475

पीतल

परिभाषा:

“पीतल” (कांसा) एक धातु है जिसे तांबा और टिन के मिश्रण से तैयार किया जाता है। इसका रंग हल्की लालिमा लिए भूरा होता है।

- यह धातु पानी से होने वाली हानि से सुरक्षित रहता है और गर्मी का उत्तम चालक होता है।
- प्राचीन युग में पीतल उपकरणों, हथियारों, कलाकृतियों, वेदियों, खाना पकाने के बर्तन, सैनिकों के रक्षा कवच आदि अनेक वस्तुओं के निर्माण में काम आता था।
- मिलाप वाला तम्बू और मन्दिर में अनेक समान तांबे के बने हुए थे।
- देवी-देवताओं की मूर्तियां भी तांबे से बनती थी।
- तांबे से वस्तुएं बनाने के लिए पहले तांबे को पिघलाया जाता था उसके बाद सांचों में डाला जाता था। इस प्रक्रिया को "ढालना" कहते थे।

(यह भी देखें: हथियार, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 07:15-17
- 1 शमूएल 17:37-38
- दानिय्येल 02:44-45
- निर्गमन 25:3-7
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5153, H5154, H5174, H5178, G5470, G5474, G5475

पीड़ा

परिभाषा:

“पीड़ा” अर्थात भयानक दर्द या व्यथा।

- पीड़ा शारीरिक या मानसिक कष्ट या व्यथा हो सकती है।
- भयानक पीड़ा में पड़े लोगों के चेहरे या व्यवहार से वह प्रकट होती है।
- उदाहरण के तौर पर, पीड़ित मनुष्य दांत पीसता है या रोता है।
- “पीड़ा” का अनुवाद हो सकता है, “मानसिक व्यथा” या “महादुःख” या “घोर कष्ट”।

बाइबल सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 06:23-24
- यिर्मयाह 19:6-9
- अय्यूब 15:22-24
- लूका 16:24
- भजन संहिता 116:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2342, H2479, H3708, H4164, H4689, H4691, H5100, H6695, H6862, H6869, H7267, H7581, G928, G3600, G4928

पुकार, चिल्लाहट, पुकारकर, रोना, दोहाई, दोहाई,

परिभाषा:

“पुकार” या “दोहाई” प्रायः किसी बात को उच्च स्वर में कहना और आवश्यकता व्यक्त करना। कोई “दोहाई” पीड़ा या निराशा या क्रोध में भी पुकार सकता है।

- “दोहाई” का अर्थ चिल्लाना या आवाज देना, अधिकतर सहायता के लिए।
- इसका अनुवाद “ऊंचे स्वर में घोषणा करना” या “शीघ्रता में सहायता मांगना” हो सकता है-प्रकरण के अनुसार।
- “मैं तुझे पुकारता हूं” इस उक्ति का अनुवाद “मैं सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं” या “मैं आपातकालीन सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं” हो सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना, गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- अय्यूब 27:8-10
- मरकुस 05:5-6
- मरकुस 06:48-50
- भजन 022:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H603, H1058, H2199, H2201, H6030, H6463, H6670, H6682, H6817, H6818, H6873, H6963, H7121, H7123, H7321, H7440, H7442, H7723, H7737, H7768, H7769, H7771, H7773, H7775, H8173, H8663, G310, G349, G863, G994, G995, G1916, G2019, G2799, G2805, G2896, G2905, G2906, G2929, G4377, G5455

पुकार, चिल्लाहट, पुकारकर, रोना, दोहाई, दोहाई,

परिभाषा:

“पुकार” या “दोहाई” प्रायः किसी बात को उच्च स्वर में कहना और आवश्यकता व्यक्त करना। कोई “दोहाई” पीड़ा या निराशा या क्रोध में भी पुकार सकता है।

- “दोहाई” का अर्थ चिल्लाना या आवाज देना, अधिकतर सहायता के लिए।
- इसका अनुवाद “ऊंचे स्वर में घोषणा करना” या “शीघ्रता में सहायता मांगना” हो सकता है-प्रकरण के अनुसार।

- “मैं तुझे पुकारता हूं” इस उक्ति का अनुवाद “मैं सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं” या “मैं आपातकालीन सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं” हो सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना, गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- अय्यूब 27:8-10
- मरकुस 05:5-6
- मरकुस 06:48-50
- भजन 022:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H603, H1058, H2199, H2201, H6030, H6463, H6670, H6682, H6817, H6818, H6873, H6963, H7121, H7123, H7321, H7440, H7442, H7723, H7737, H7768, H7769, H7771, H7773, H7775, H8173, H8663, G310, G349, G863, G994, G995, G1916, G2019, G2799, G2805, G2896, G2905, G2906, G2929, G4377, G5455

पुकार, चिल्लाहट, पुकारकर, रोना, दोहाई, दोहाई,

परिभाषा:

“पुकार” या “दोहाई” प्रायः किसी बात को उच्च स्वर में कहना और आवश्यकता व्यक्त करना। कोई “दोहाई” पीड़ा या निराशा या क्रोध में भी पुकार सकता है।

- “दोहाई” का अर्थ चिल्लाना या आवाज देना, अधिकतर सहायता के लिए।
- इसका अनुवाद “ऊंचे स्वर में घोषणा करना” या “शीघ्रता में सहायता मांगना” हो सकता है-प्रकरण के अनुसार।
- “मैं तुझे पुकारता हूं” इस उक्ति का अनुवाद “मैं सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं” या “मैं आपातकालीन सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं” हो सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना, गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- अय्यूब 27:8-10
- मरकुस 05:5-6
- मरकुस 06:48-50
- भजन 022:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H603, H1058, H2199, H2201, H6030, H6463, H6670, H6682, H6817, H6818, H6873, H6963, H7121, H7123, H7321, H7440, H7442, H7723, H7737, H7768, H7769, H7771, H7773, H7775, H8173, H8663, G310, G349, G863, G994, G995, G1916, G2019, G2799, G2805, G2896, G2905, G2906, G2929, G4377, G5455

पुकार, चिल्लाहट, पुकारकर, रोना, दोहाई, दोहाई,

परिभाषा:

“पुकार” या “दोहाई” प्रायः किसी बात को उच्च स्वर में कहना और आवश्यकता व्यक्त करना। कोई “दोहाई” पीड़ा या निराशा या क्रोध में भी पुकार सकता है।

- “दोहाई” का अर्थ चिल्लाना या आवाज देना, अधिकतर सहायता के लिए।
- इसका अनुवाद “ऊंचे स्वर में घोषणा करना” या “शीघ्रता में सहायता मांगना” हो सकता है-प्रकरण के अनुसार।
- “मैं तुझे पुकारता हूं” इस उक्ति का अनुवाद “मैं सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं” या “मैं आपातकालीन सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं” हो सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना, गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- अय्यूब 27:8-10
- मरकुस 05:5-6
- मरकुस 06:48-50
- भजन 022:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H603, H1058, H2199, H2201, H6030, H6463, H6670, H6682, H6817, H6818, H6873, H6963, H7121, H7123, H7321, H7440, H7442, H7723, H7737, H7768, H7769, H7771, H7773, H7775, H8173, H8663, G310, G349, G863, G994, G995, G1916, G2019, G2799, G2805, G2896, G2905, G2906, G2929, G4377, G5455

पुकार, चिल्लाहट, पुकारकर, रोना, दोहाई, दोहाई,

परिभाषा:

"पुकार" या "दोहाई" प्रायः किसी बात को उच्च स्वर में कहना और आवश्यकता व्यक्त करना। कोई "दोहाई" पीड़ा या निराशा या क्रोध में भी पुकार सकता है।

- "दोहाई" का अर्थ चिल्लाना या आवाज देना, अधिकतर सहायता के लिए।
- इसका अनुवाद "ऊंचे स्वर में घोषणा करना" या "शीघ्रता में सहायता मांगना" हो सकता है-प्रकरण के अनुसार।
- "मैं तुझे पुकारता हूं" इस उक्ति का अनुवाद "मैं सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं" या "मैं आपातकालीन सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं" हो सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना, गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- अय्यूब 27:8-10
- मरकुस 05:5-6
- मरकुस 06:48-50
- भजन 022:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H603, H1058, H2199, H2201, H6030, H6463, H6670, H6682, H6817, H6818, H6873, H6963, H7121, H7123, H7321, H7440, H7442, H7723, H7737, H7768, H7769, H7771, H7773, H7775, H8173, H8663, G310, G349, G863, G994, G995, G1916, G2019, G2799, G2805, G2896, G2905, G2906, G2929, G4377, G5455

पुकार, चिल्लाहट, पुकारकर, रोना, दोहाई, दोहाई,

परिभाषा:

"पुकार" या "दोहाई" प्रायः किसी बात को उच्च स्वर में कहना और आवश्यकता व्यक्त करना। कोई "दोहाई" पीड़ा या निराशा या क्रोध में भी पुकार सकता है।

- "दोहाई" का अर्थ चिल्लाना या आवाज देना, अधिकतर सहायता के लिए।
- इसका अनुवाद "ऊंचे स्वर में घोषणा करना" या "शीघ्रता में सहायता मांगना" हो सकता है-प्रकरण के अनुसार।
- "मैं तुझे पुकारता हूं" इस उक्ति का अनुवाद "मैं सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं" या "मैं आपातकालीन सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं" हो सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना, गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- अय्यूब 27:8-10
- मरकुस 05:5-6
- मरकुस 06:48-50
- भजन 022:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H603, H1058, H2199, H2201, H6030, H6463, H6670, H6682, H6817, H6818, H6873, H6963, H7121, H7123, H7321, H7440, H7442, H7723, H7737, H7768, H7769, H7771, H7773, H7775, H8173, H8663, G310, G349, G863, G994, G995, G1916, G2019, G2799, G2805, G2896, G2905, G2906, G2929, G4377, G5455

पुकार, चिल्लाहट, पुकारकर, रोना, दोहाई, दोहाई,

परिभाषा:

"पुकार" या "दोहाई" प्रायः किसी बात को उच्च स्वर में कहना और आवश्यकता व्यक्त करना। कोई "दोहाई" पीड़ा या निराशा या क्रोध में भी पुकार सकता है।

- "दोहाई" का अर्थ चिल्लाना या आवाज देना, अधिकतर सहायता के लिए।
- इसका अनुवाद "ऊंचे स्वर में घोषणा करना" या "शीघ्रता में सहायता मांगना" हो सकता है-प्रकरण के अनुसार।
- "मैं तुझे पुकारता हूं" इस उक्ति का अनुवाद "मैं सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं" या "मैं आपातकालीन सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं" हो सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना, गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- अय्यूब 27:8-10
- मरकुस 05:5-6
- मरकुस 06:48-50
- भजन 022:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H603, H1058, H2199, H2201, H6030, H6463, H6670, H6682, H6817, H6818, H6873, H6963, H7121, H7123, H7321, H7440, H7442, H7723, H7737, H7768, H7769, H7771, H7773, H7775, H8173, H8663, G310, G349, G863, G994, G995, G1916, G2019, G2799, G2805, G2896, G2905, G2906, G2929, G4377, G5455

पुकार, चिल्लाहट, पुकारकर, रोना, दोहाई, दोहाई,

परिभाषा:

"पुकार" या "दोहाई" प्रायः किसी बात को उच्च स्वर में कहना और आवश्यकता व्यक्त करना। कोई "दोहाई" पीड़ा या निराशा या क्रोध में भी पुकार सकता है।

- "दोहाई" का अर्थ चिल्लाना या आवाज देना, अधिकतर सहायता के लिए।
- इसका अनुवाद "ऊंचे स्वर में घोषणा करना" या "शीघ्रता में सहायता मांगना" हो सकता है-प्रकरण के अनुसार।
- "मैं तुझे पुकारता हूं" इस उक्ति का अनुवाद "मैं सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं" या "मैं आपातकालीन सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं" हो सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना, गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- अय्यूब 27:8-10
- मरकुस 05:5-6
- मरकुस 06:48-50
- भजन 022:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H603, H1058, H2199, H2201, H6030, H6463, H6670, H6682, H6817, H6818, H6873, H6963, H7121, H7123, H7321, H7440, H7442, H7723, H7737, H7768, H7769, H7771, H7773, H7775, H8173, H8663, G310, G349, G863, G994, G995, G1916, G2019, G2799, G2805, G2896, G2905, G2906, G2929, G4377, G5455

पुकार, चिल्लाहट, पुकारकर, रोना, दोहाई, दोहाई,

परिभाषा:

“पुकार” या “दोहाई” प्राय: किसी बात को उच्च स्वर में कहना और आवश्यकता व्यक्त करना। कोई “दोहाई” पीड़ा या निराशा या क्रोध में भी पुकार सकता है।

- “दोहाई” का अर्थ चिल्लाना या आवाज देना, अधिकतर सहायता के लिए।
- इसका अनुवाद “ऊंचे स्वर में घोषणा करना” या “शीघ्रता में सहायता मांगना” हो सकता है-प्रकरण के अनुसार।
- “मैं तुझे पुकारता हूं” इस उक्ति का अनुवाद “मैं सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं” या “मैं आपातकालीन सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं” हो सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना, गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- अय्यूब 27:8-10
- मरकुस 05:5-6
- मरकुस 06:48-50
- भजन 022:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H603, H1058, H2199, H2201, H6030, H6463, H6670, H6682, H6817, H6818, H6873, H6963, H7121, H7123, H7321, H7440, H7442, H7723, H7737, H7768, H7769, H7771, H7773, H7775, H8173, H8663, G310, G349, G863, G994, G995, G1916, G2019, G2799, G2805, G2896, G2905, G2906, G2929, G4377, G5455

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्राय: प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्राय: होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यत: किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्राय: प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्राय: होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यत: किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्राय: प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्राय: होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।

- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यत: किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्राय: प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्राय: होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।

- पिता का नाम उजागर करने के लिए" "का पुत्र" अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह" और "नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में "अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो "पुत्र" के लिए काम आता है।
- "परमेश्वर का पुत्र" उक्ति के अनुवाद में "पुत्र" के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यतः किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब "पुत्र" के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब "वंशज" शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां "पुत्र" शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी "पुत्रों" का अनुवाद "सन्तान" किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ "परमेश्वर का पुत्र" का अनुवाद, "परमेश्वर की सन्तान" किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, "का पुत्र" का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "जिसमें गुण हैं" या "के स्वरूप" या "में गुण हैं" या "के समान व्यवहार है"

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में "पुत्र" शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- "पुत्र" शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- "नये नियम में परमेश्वर के पुत्र" मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।

- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्रायः होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यतः किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्रायः होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्रायः यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यतः किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्रायः होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यतः किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"

- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्राय: प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्राय: होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यत: किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।

- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्राय: प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्राय: होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यत: किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13

- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्राय: प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्राय: होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यत: किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7

- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्रायः होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यतः किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्राय: प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्राय: होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यत: किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्राय: प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्राय: होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।

- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यत: किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्राय: प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्राय: होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।

- पिता का नाम उजागर करने के लिए" "का पुत्र" अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह" और "नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में "अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो "पुत्र" के लिए काम आता है।
- "परमेश्वर का पुत्र" उक्ति के अनुवाद में "पुत्र" के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यतः किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब "पुत्र" के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब "वंशज" शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां "पुत्र" शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी "पुत्रों" का अनुवाद "सन्तान" किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ "परमेश्वर का पुत्र" का अनुवाद, "परमेश्वर की सन्तान" किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, "का पुत्र" का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "जिसमें गुण हैं" या "के स्वरूप" या "में गुण हैं" या "के समान व्यवहार है"

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में "पुत्र" शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- "पुत्र" शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- "नये नियम में परमेश्वर के पुत्र" मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।

- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्रायः होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यतः किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्रायः होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्रायः यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यतः किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्रायः होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यतः किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"

- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्राय: प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्राय: होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यत: किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।

- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्राय: प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्राय: होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यत: किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13

- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्राय: प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्राय: होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यत: किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7

- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्रायः होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यतः किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्राय: प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्राय: होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यत: किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।

- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्राय: प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्राय: होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
- पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।

- “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यत: किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुत्र, पुत्रों

परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

- बाइबल में “पुत्र” शब्द प्राय: प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
- “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
- “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
- परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
- “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्राय: होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
- "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।

- पिता का नाम उजागर करने के लिए" "का पुत्र" अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह" और "नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में "अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो "पुत्र" के लिए काम आता है।
- "परमेश्वर का पुत्र" उक्ति के अनुवाद में "पुत्र" के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यतः किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
- जब "पुत्र" के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब "वंशज" शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां "पुत्र" शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
- कभी-कभी "पुत्रों" का अनुवाद "सन्तान" किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ "परमेश्वर का पुत्र" का अनुवाद, "परमेश्वर की सन्तान" किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, "का पुत्र" का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "जिसमें गुण हैं" या "के स्वरूप" या "में गुण हैं" या "के समान व्यवहार है"

(यह भी देखें: अजर्याह, उतरेगा, मूलपिता, पहलौठे, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर की सन्तान)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 18:14-17
- 1 राजा 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यशायाह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक पुत्र होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
- **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक पुत्र दूँगा।"
- **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- 05:08__जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने __पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने पुत्र को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने पुत्र को भी न रख छोड़ा।"
- 09:07__जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने __पुत्र के रूप में ले लिया।
- 11:06__परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे __पुत्रों को मार डाला।
- 18:01__कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके __पुत्र सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ पुत्र है?â€š" उन्होंने कहा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

पुन्तुस

तथ्य:

पुन्तुस रोमी साम्राज्य और आरंभिक कलीसिया के समय एक रोमी प्रान्त था। वह काला सागर के दक्षिणी तट पर था जो आज के तुर्किस्तान का उत्तरी भाग था।

- जैसा प्रेरितों के काम की पुस्तक में लिखा है पुन्तस के यहूदी भी यरूशलेम में थे जब पवित्र आत्मा पिन्तेकुस्त के दिन प्रेरितों पर उतरा था।
- अक्विला नामक एक विश्वासी पुन्तुस से था।
- विभिन्न प्रान्तों में विसर्जित विश्वासियों को पत्र लिखते समय पतरस ने पुन्तुस प्रान्त के नाम का भी उल्लेख किया था।

(यह भी देखें: अक्विला, पिन्तेकुस्त)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:1-2
- प्रे.का. 02:8-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4193, G4195

पुन्तुस

तथ्य:

पुन्तुस रोमी साम्राज्य और आरंभिक कलीसिया के समय एक रोमी प्रान्त था। वह काला सागर के दक्षिणी तट पर था जो आज के तुर्किस्तान का उत्तरी भाग था।

- जैसा प्रेरितों के काम की पुस्तक में लिखा है पुन्तस के यहूदी भी यरूशलेम में थे जब पवित्र आत्मा पिन्तेकुस्त के दिन प्रेरितों पर उतरा था।
- अक्विला नामक एक विश्वासी पुन्तुस से था।
- विभिन्न प्रान्तों में विसर्जित विश्वासियों को पत्र लिखते समय पतरस ने पुन्तुस प्रान्त के नाम का भी उल्लेख किया था।

(यह भी देखें: अक्विला, पिन्तेकुस्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:1-2
- प्रे.का. 02:8-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4193, G4195

पुस्तक, दस्तावेज़ों

परिभाषा:

प्राचीन युग में, एक पुस्तक पेपीरस घास या चमड़े की बनी एक छोटी चादर होती थी जिस पर लिखकर उसे लपेट लिया जाता था।

- लिखकर या पढ़ कर उसे पुनः दोनों सिरों पर लगे डंडों पर लपेट दिया जाता था।
- वैध अभिलेखों ओर धर्म-शास्त्रों के लिए पुस्तक काम में लिए जाते थे।
- सन्देशवाहक के हाथ लाए गए उन पुस्तक पर मोम की मुहर लगी होती थी। जब पुस्तक (दस्तावेज़ों) प्राप्त होने पर मोम अभी भी मौजूद था, तो प्राप्तिकर्ता को पता था कि पुस्तक को पढ़ने के लिए कोई भी इसे खोला नहीं था या उस पर लिखने के बाद से इसे सील कर दिया गया था।
- इब्रानी धर्म-शास्त्र के पुस्तक (दस्तावेज़ों) आराधनालयों में पढ़े जाते थे।

(यह भी देखें: मुहर, आराधनालय, परमेश्वर के वचन)

बाइबल के सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 29:1-3
- लूका 04:16-17
- गिनती 21:14-15
- प्रकाशितवाक्य 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4039, H4040, H5612, G974, G975

पुस्तक, दस्तावेज़ों

परिभाषा:

प्राचीन युग में, एक पुस्तक पेपीरस घास या चमड़े की बनी एक छोटी चादर होती थी जिस पर लिखकर उसे लपेट लिया जाता था।

- लिखकर या पढ़ कर उसे पुनः दोनों सिरों पर लगे डंडों पर लपेट दिया जाता था।
- वैध अभिलेखों ओर धर्म-शास्त्रों के लिए पुस्तक काम में लिए जाते थे।
- सन्देशवाहक के हाथ लाए गए उन पुस्तक पर मोम की मुहर लगी होती थी। जब पुस्तक (दस्तावेज़ों) प्राप्त होने पर मोम अभी भी मौजूद था, तो प्राप्तिकर्ता को पता था कि पुस्तक को पढ़ने के लिए कोई भी इसे खोला नहीं था या उस पर लिखने के बाद से इसे सील कर दिया गया था।
- इब्रानी धर्म-शास्त्र के पुस्तक (दस्तावेज़ों) आराधनालयों में पढ़े जाते थे।

(यह भी देखें: मुहर, आराधनालय, परमेश्वर के वचन)

बाइबल के सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 29:1-3
- लूका 04:16-17
- गिनती 21:14-15
- प्रकाशितवाक्य 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4039, H4040, H5612, G974, G975

पुस्तक, दस्तावेज़ों

परिभाषा:

प्राचीन युग में, एक पुस्तक पेपीरस घास या चमड़े की बनी एक छोटी चादर होती थी जिस पर लिखकर उसे लपेट लिया जाता था।

- लिखकर या पढ़ कर उसे पुनः दोनों सिरों पर लगे डंडों पर लपेट दिया जाता था।
- वैध अभिलेखों ओर धर्म-शास्त्रों के लिए पुस्तक काम में लिए जाते थे।
- सन्देशवाहक के हाथ लाए गए उन पुस्तक पर मोम की मुहर लगी होती थी। जब पुस्तक (दस्तावेज़ों) प्राप्त होने पर मोम अभी भी मौजूद था, तो प्राप्तिकर्ता को पता था कि पुस्तक को पढ़ने के लिए कोई भी इसे खोला नहीं था या उस पर लिखने के बाद से इसे सील कर दिया गया था।
- इब्रानी धर्म-शास्त्र के पुस्तक (दस्तावेज़ों) आराधनालयों में पढ़े जाते थे।

(यह भी देखें: मुहर, आराधनालय, परमेश्वर के वचन)

बाइबल के सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 29:1-3
- लूका 04:16-17
- गिनती 21:14-15
- प्रकाशितवाक्य 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4039, H4040, H5612, G974, G975

पुस्तक, दस्तावेज़ों

परिभाषा:

प्राचीन युग में, एक पुस्तक पेपीरस घास या चमड़े की बनी एक छोटी चादर होती थी जिस पर लिखकर उसे लपेट लिया जाता था।

- लिखकर या पढ़ कर उसे पुनः दोनों सिरों पर लगे डंडों पर लपेट दिया जाता था।
- वैध अभिलेखों ओर धर्म-शास्त्रों के लिए पुस्तक काम में लिए जाते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- सन्देशवाहक के हाथ लाए गए उन पुस्तक पर मोम की मुहर लगी होती थी। जब पुस्तक (दस्तावेज़ों) प्राप्त होने पर मोम अभी भी मौजूद था, तो प्राप्तिकर्ता को पता था कि पुस्तक को पढ़ने के लिए कोई भी इसे खोला नहीं था या उस पर लिखने के बाद से इसे सील कर दिया गया था।
- इब्रानी धर्म-शास्त्र के पुस्तक (दस्तावेज़ों) आराधनालयों में पढ़े जाते थे।

(यह भी देखें: मुहर, आराधनालय, परमेश्वर के वचन)

बाइबल के सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 29:1-3
- लूका 04:16-17
- गिनती 21:14-15
- प्रकाशितवाक्य 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4039, H4040, H5612, G974, G975

पुस्तक, दस्तावेज़ों

परिभाषा:

प्राचीन युग में, एक पुस्तक पेपीरस घास या चमड़े की बनी एक छोटी चादर होती थी जिस पर लिखकर उसे लपेट लिया जाता था।

- लिखकर या पढ़ कर उसे पुनः दोनों सिरों पर लगे डंडों पर लपेट दिया जाता था।
- वैध अभिलेखों ओर धर्म-शास्त्रों के लिए पुस्तक काम में लिए जाते थे।
- सन्देशवाहक के हाथ लाए गए उन पुस्तक पर मोम की मुहर लगी होती थी। जब पुस्तक (दस्तावेज़ों) प्राप्त होने पर मोम अभी भी मौजूद था, तो प्राप्तिकर्ता को पता था कि पुस्तक को पढ़ने के लिए कोई भी इसे खोला नहीं था या उस पर लिखने के बाद से इसे सील कर दिया गया था।
- इब्रानी धर्म-शास्त्र के पुस्तक (दस्तावेज़ों) आराधनालयों में पढ़े जाते थे।

(यह भी देखें: मुहर, आराधनालय, परमेश्वर के वचन)

बाइबल के सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 29:1-3
- लूका 04:16-17
- गिनती 21:14-15
- प्रकाशितवाक्य 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4039, H4040, H5612, G974, G975

पुस्तक, दस्तावेज़ों

परिभाषा:

प्राचीन युग में, एक पुस्तक पेपीरस घास या चमड़े की बनी एक छोटी चादर होती थी जिस पर लिखकर उसे लपेट लिया जाता था।

- लिखकर या पढ़ कर उसे पुनः दोनों सिरों पर लगे डंडों पर लपेट दिया जाता था।
- वैध अभिलेखों ओर धर्म-शास्त्रों के लिए पुस्तक काम में लिए जाते थे।
- सन्देशवाहक के हाथ लाए गए उन पुस्तक पर मोम की मुहर लगी होती थी। जब पुस्तक (दस्तावेज़ों) प्राप्त होने पर मोम अभी भी मौजूद था, तो प्राप्तिकर्ता को पता था कि पुस्तक को पढ़ने के लिए कोई भी इसे खोला नहीं था या उस पर लिखने के बाद से इसे सील कर दिया गया था।
- इब्रानी धर्म-शास्त्र के पुस्तक (दस्तावेज़ों) आराधनालयों में पढ़े जाते थे।

(यह भी देखें: मुहर, आराधनालय, परमेश्वर के वचन)

बाइबल के सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 29:1-3

- लूका 04:16-17
- गिनती 21:14-15
- प्रकाशितवाक्य 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4039, H4040, H5612, G974, G975

पुस्तक, दस्तावेज़ों

परिभाषा:

प्राचीन युग में, एक पुस्तक पेपीरस घास या चमड़े की बनी एक छोटी चादर होती थी जिस पर लिखकर उसे लपेट लिया जाता था।

- लिखकर या पढ़ कर उसे पुनः दोनों सिरों पर लगे डंडों पर लपेट दिया जाता था।
- वैध अभिलेखों ओर धर्म-शास्त्रों के लिए पुस्तक काम में लिए जाते थे।
- सन्देशवाहक के हाथ लाए गए उन पुस्तक पर मोम की मुहर लगी होती थी। जब पुस्तक (दस्तावेज़ों) प्राप्त होने पर मोम अभी भी मौजूद था, तो प्राप्तिकर्ता को पता था कि पुस्तक को पढ़ने के लिए कोई भी इसे खोला नहीं था या उस पर लिखने के बाद से इसे सील कर दिया गया था।
- इब्रानी धर्म-शास्त्र के पुस्तक (दस्तावेज़ों) आराधनालयों में पढ़े जाते थे।

(यह भी देखें: मुहर, आराधनालय, परमेश्वर के वचन)

बाइबल के सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 29:1-3
- लूका 04:16-17
- गिनती 21:14-15
- प्रकाशितवाक्य 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4039, H4040, H5612, G974, G975

पुस्तक, दस्तावेज़ों

परिभाषा:

प्राचीन युग में, एक पुस्तक पेपीरस घास या चमड़े की बनी एक छोटी चादर होती थी जिस पर लिखकर उसे लपेट लिया जाता था।

- लिखकर या पढ़ कर उसे पुनः दोनों सिरों पर लगे डंडों पर लपेट दिया जाता था।
- वैध अभिलेखों ओर धर्म-शास्त्रों के लिए पुस्तक काम में लिए जाते थे।
- सन्देशवाहक के हाथ लाए गए उन पुस्तक पर मोम की मुहर लगी होती थी। जब पुस्तक (दस्तावेज़ों) प्राप्त होने पर मोम अभी भी मौजूद था, तो प्राप्तिकर्ता को पता था कि पुस्तक को पढ़ने के लिए कोई भी इसे खोला नहीं था या उस पर लिखने के बाद से इसे सील कर दिया गया था।
- इब्रानी धर्म-शास्त्र के पुस्तक (दस्तावेज़ों) आराधनालयों में पढ़े जाते थे।

(यह भी देखें: मुहर, आराधनालय, परमेश्वर के वचन)

बाइबल के सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 29:1-3
- लूका 04:16-17
- गिनती 21:14-15
- प्रकाशितवाक्य 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4039, H4040, H5612, G974, G975

पुस्तक, दस्तावेज़ों

परिभाषा:

प्राचीन युग में, एक पुस्तक पेपीरस घास या चमड़े की बनी एक छोटी चादर होती थी जिस पर लिखकर उसे लपेट लिया जाता था।

- लिखकर या पढ़ कर उसे पुनः दोनों सिरों पर लगे डंडों पर लपेट दिया जाता था।
- वैध अभिलेखों ओर धर्म-शास्त्रों के लिए पुस्तक काम में लिए जाते थे।
- सन्देशवाहक के हाथ लाए गए उन पुस्तक पर मोम की मुहर लगी होती थी। जब पुस्तक (दस्तावेज़ों) प्राप्त होने पर मोम अभी भी मौजूद था, तो प्राप्तिकर्ता को पता था कि पुस्तक को पढ़ने के लिए कोई भी इसे खोला नहीं था या उस पर लिखने के बाद से इसे सील कर दिया गया था।
- इब्रानी धर्म-शास्त्र के पुस्तक (दस्तावेज़ों) आराधनालयों में पढ़े जाते थे।

(यह भी देखें: मुहर, आराधनालय, परमेश्वर के वचन)

बाइबल के सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 29:1-3
- लूका 04:16-17
- गिनती 21:14-15
- प्रकाशितवाक्य 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4039, H4040, H5612, G974, G975

पुस्तक, दस्तावेज़ों

परिभाषा:

प्राचीन युग में, एक पुस्तक पेपीरस घास या चमड़े की बनी एक छोटी चादर होती थी जिस पर लिखकर उसे लपेट लिया जाता था।

- लिखकर या पढ़ कर उसे पुनः दोनों सिरों पर लगे डंडों पर लपेट दिया जाता था।
- वैध अभिलेखों ओर धर्म-शास्त्रों के लिए पुस्तक काम में लिए जाते थे।
- सन्देशवाहक के हाथ लाए गए उन पुस्तक पर मोम की मुहर लगी होती थी। जब पुस्तक (दस्तावेज़ों) प्राप्त होने पर मोम अभी भी मौजूद था, तो प्राप्तिकर्ता को पता था कि पुस्तक को पढ़ने के लिए कोई भी इसे खोला नहीं था या उस पर लिखने के बाद से इसे सील कर दिया गया था।
- इब्रानी धर्म-शास्त्र के पुस्तक (दस्तावेज़ों) आराधनालयों में पढ़े जाते थे।

(यह भी देखें: मुहर, आराधनालय, परमेश्वर के वचन)

बाइबल के सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 29:1-3
- लूका 04:16-17
- गिनती 21:14-15
- प्रकाशितवाक्य 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4039, H4040, H5612, G974, G975

पुस्तक, दस्तावेज़ों

परिभाषा:

प्राचीन युग में, एक पुस्तक पेपीरस घास या चमड़े की बनी एक छोटी चादर होती थी जिस पर लिखकर उसे लपेट लिया जाता था।

- लिखकर या पढ़ कर उसे पुनः दोनों सिरों पर लगे डंडों पर लपेट दिया जाता था।
- वैध अभिलेखों ओर धर्म-शास्त्रों के लिए पुस्तक काम में लिए जाते थे।

- सन्देशवाहक के हाथ लाए गए उन पुस्तक पर मोम की मुहर लगी होती थी। जब पुस्तक (दस्तावेज़ों) प्राप्त होने पर मोम अभी भी मौजूद था, तो प्राप्तिकर्ता को पता था कि पुस्तक को पढ़ने के लिए कोई भी इसे खोला नहीं था या उस पर लिखने के बाद से इसे सील कर दिया गया था।
- इब्रानी धर्म-शास्त्र के पुस्तक (दस्तावेज़ों) आराधनालयों में पढ़े जाते थे।

(यह भी देखें: मुहर, आराधनालय, परमेश्वर के वचन)

बाइबल के सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 29:1-3
- लूका 04:16-17
- गिनती 21:14-15
- प्रकाशितवाक्य 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4039, H4040, H5612, G974, G975

पूछना, जांच करना, जाँच-पड़ताल, पूछ-ताछ

तथ्य:

“पूछना” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। * “से पूछना” प्रायः परमेश्वर से सम्मति या बुद्धि मांगने के लिए काम में लिया गया है।

- पुराने नियम में अनेक उदाहरण हैं जब मनुष्यों ने परमेश्वर से बातें पूछी हैं।
- यह शब्द राजा या किसी सरकारी अधिकारी द्वारा लिखित अभिलेख के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने के लिए भी काम में लिया जाता था।
- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “पूछना” या “जानकारी मांगते हैं।”
- “यहोवा से पूछना” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा से मार्गदर्शन खोजना” या “यहोवा से पूछना कि क्या किया जाए”।
- "पूछताछ करने के लिए" का अनुवाद "प्रश्न पूछें" या "जानकारी के लिए पूछें" के रूप में किया जा सकता है।
- जब यहोवा कहता है, “मैं उत्तर नहीं दूंगा” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं तुम्हें जानकारी पूछने की अनुमति नहीं दूंगा” या “तुम्हें मुझसे सहायता मांगने की अनुमति नहीं मिलेगी”।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:17-19
- यहेजकेल 20:1
- यहेजकेल 20:30-32
- एज्रा 07:14-16
- अय्यूब 10:4-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1240, H1245, H1875, G1830

पूछना, जांच करना, जाँच-पड़ताल, पूछ-ताछ

तथ्य:

“पूछना” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। * “से पूछना” प्रायः परमेश्वर से सम्मति या बुद्धि मांगने के लिए काम में लिया गया है।

- पुराने नियम में अनेक उदाहरण हैं जब मनुष्यों ने परमेश्वर से बातें पूछी हैं।
- यह शब्द राजा या किसी सरकारी अधिकारी द्वारा लिखित अभिलेख के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने के लिए भी काम में लिया जाता था।
- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “पूछना” या “जानकारी मांगते हैं।”
- “यहोवा से पूछना” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा से मार्गदर्शन खोजना” या “यहोवा से पूछना कि क्या किया जाए”।
- "पूछताछ करने के लिए" का अनुवाद "प्रश्न पूछें" या "जानकारी के लिए पूछें" के रूप में किया जा सकता है।
- जब यहोवा कहता है, “मैं उत्तर नहीं दूंगा” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं तुम्हें जानकारी पूछने की अनुमति नहीं दूंगा” या “तुम्हें मुझसे सहायता मांगने की अनुमति नहीं मिलेगी”।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:17-19
- यहेजकेल 20:1
- यहेजकेल 20:30-32
- एज्रा 07:14-16
- अय्यूब 10:4-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1240, H1245, H1875, G1830

पूरा कर, पूरा हुआ

परिभाषा:

“पूरा कर” अर्थात किसी अपेक्षित कार्य को पूरा करना।

- जब भविष्यद्वाणी पूरी होती है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने जिस बात की भविष्यद्वाणी की थी उसे पूरा किया।
- यदि मनुष्य अपनी प्रतिज्ञा या शपथ पूरी करता है तो इसका अर्थ है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।
- उत्तरदायित्व को पूरा करने का अर्थ है किसी दिए गए कार्य या अनिवार्य कार्य को पूरा करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “संपन्न करना” या “समापन करना” या “होने के लिए कुछ करना” या “आज्ञा मानना” या “प्रदर्शन करना”
- “पूरा किया जा चुका” का अनुवाद हो सकता है, “सच हो गया” या “हो चुका है” या “संपन्न हो चुका है”
- “पूरा करना” जैसे “अपनी सेवा पूरी करो” इसका अनुवाद हो सकता है, “पूर्ण करो” या “निभाओ” या “मनुष्यों की सेवा वैसी करो जैसे परमेश्वर ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है”।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, मसीह, सेवा करना, बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:26-27
- प्रे.का. 03:17-18
- लैव्यव्यवस्था 22:17-19
- लूका 04:20-22
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 116:12-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:04** यूहन्ना न वह पूरा किया जो यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा था, “देख मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए मार्ग सुधारेगा।”
- **40:03** सैनिकों ने यीशु के कपड़ों के लिये जुआ खेला। जब उन्होंने ये किया तो उन्होंने यह भविष्यवाणी को पूरा किया कि, “वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे पहिरावे के लिए जुआ खेलते हैं।”
- **42:07** यीशु ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि परमेश्वर के शब्द में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह पूरा होना चाहिए।"
- __43:05__परन्तु यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी। परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा।”
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया, और यह भविष्यद्वाणी की गई थी कि, ‘न तो उसका प्राण अधोलोक में छोड़ा गया और न उसकी देह सड़ने पाई।’
- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को __पूरा करने __के लिए, कि उसका मसीह दु:ख उठाएगा, और मारा जाएँगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H5487, G1096, G4138

पूरा कर, पूरा हुआ

परिभाषा:

“पूरा कर” अर्थात किसी अपेक्षित कार्य को पूरा करना।

- जब भविष्यद्वाणी पूरी होती है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने जिस बात की भविष्यद्वाणी की थी उसे पूरा किया।
- यदि मनुष्य अपनी प्रतिज्ञा या शपथ पूरी करता है तो इसका अर्थ है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।
- उत्तरदायित्व को पूरा करने का अर्थ है किसी दिए गए कार्य या अनिवार्य कार्य को पूरा करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “संपन्न करना” या “समापन करना” या “होने के लिए कुछ करना” या “आज्ञा मानना” या “प्रदर्शन करना”
- “पूरा किया जा चुका” का अनुवाद हो सकता है, “सच हो गया” या “हो चुका है” या “संपन्न हो चुका है”
- “पूरा करना” जैसे “अपनी सेवा पूरी करो” इसका अनुवाद हो सकता है, “पूर्ण करो” या “निभाओ” या “मनुष्यों की सेवा वैसी करो जैसे परमेश्वर ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है”।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, मसीह, सेवा करना, बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:26-27
- प्रे.का. 03:17-18
- लैव्यव्यवस्था 22:17-19
- लूका 04:20-22
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 116:12-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:04** यूहन्ना न वह पूरा किया जो यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा था, “देख मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए मार्ग सुधारेगा।”
- **40:03** सैनिकों ने यीशु के कपड़ों के लिये जुआ खेला। जब उन्होंने ये किया तो उन्होंने यह भविष्यवाणी को पूरा किया कि, “वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे पहिरावे के लिए जुआ खेलते हैं।”
- **42:07** यीशु ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि परमेश्वर के शब्द में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह पूरा होना चाहिए।"
- __43:05__परन्तु यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी। परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा।”
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया, और यह भविष्यद्वाणी की गई थी कि, ‘न तो उसका प्राण अधोलोक में छोड़ा गया और न उसकी देह सड़ने पाई।’
- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को __पूरा करने __के लिए, कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H5487, G1096, G4138

पूरा कर, पूरा हुआ

परिभाषा:

“पूरा कर” अर्थात किसी अपेक्षित कार्य को पूरा करना।

- जब भविष्यद्वाणी पूरी होती है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने जिस बात की भविष्यद्वाणी की थी उसे पूरा किया।
- यदि मनुष्य अपनी प्रतिज्ञा या शपथ पूरी करता है तो इसका अर्थ है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।
- उत्तरदायित्व को पूरा करने का अर्थ है किसी दिए गए कार्य या अनिवार्य कार्य को पूरा करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “संपन्न करना” या “समापन करना” या “होने के लिए कुछ करना” या “आज्ञा मानना” या “प्रदर्शन करना”
- “पूरा किया जा चुका” का अनुवाद हो सकता है, “सच हो गया” या “हो चुका है” या “संपन्न हो चुका है”
- “पूरा करना” जैसे “अपनी सेवा पूरी करो” इसका अनुवाद हो सकता है, “पूर्ण करो” या “निभाओ” या “मनुष्यों की सेवा वैसी करो जैसे परमेश्वर ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है”।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, मसीह, सेवा करना, बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:26-27
- प्रे.का. 03:17-18
- लैव्यव्यवस्था 22:17-19
- लूका 04:20-22
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 116:12-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:04** यूहन्ना न वह पूरा किया जो यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा था, “देख मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए मार्ग सुधारेगा।”
- **40:03** सैनिकों ने यीशु के कपड़ों के लिये जुआ खेला। जब उन्होंने ये किया तो उन्होंने यह भविष्यवाणी को पूरा किया कि, “वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे पहिरावे के लिए जुआ खेलते हैं।”
- **42:07** यीशु ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि परमेश्वर के शब्द में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह पूरा होना चाहिए।"
- __43:05__परन्तु यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी। परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा।”
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया, और यह भविष्यद्वाणी की गई थी कि, ‘न तो उसका प्राण अधोलोक में छोड़ा गया और न उसकी देह सड़ने पाई।’
- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को __पूरा करने __के लिए, कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H5487, G1096, G4138

पूरा कर, पूरा हुआ

परिभाषा:

“पूरा कर” अर्थात किसी अपेक्षित कार्य को पूरा करना।

- जब भविष्यद्वाणी पूरी होती है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने जिस बात की भविष्यद्वाणी की थी उसे पूरा किया।
- यदि मनुष्य अपनी प्रतिज्ञा या शपथ पूरी करता है तो इसका अर्थ है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।
- उत्तरदायित्व को पूरा करने का अर्थ है किसी दिए गए कार्य या अनिवार्य कार्य को पूरा करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “संपन्न करना” या “समापन करना” या “होने के लिए कुछ करना” या “आज्ञा मानना” या “प्रदर्शन करना”
- “पूरा किया जा चुका” का अनुवाद हो सकता है, “सच हो गया” या “हो चुका है” या “संपन्न हो चुका है”
- “पूरा करना” जैसे “अपनी सेवा पूरी करो” इसका अनुवाद हो सकता है, “पूर्ण करो” या “निभाओ” या “मनुष्यों की सेवा वैसी करो जैसे परमेश्वर ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है”।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, मसीह, सेवा करना, बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:26-27

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- प्रे.का. 03:17-18
- लैव्यव्यवस्था 22:17-19
- लूका 04:20-22
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 116:12-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:04** यूहन्ना न वह पूरा किया जो यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा था, “देख मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए मार्ग सुधारेगा।”
- **40:03** सैनिकों ने यीशु के कपड़ों के लिये जुआ खेला। जब उन्होंने ये किया तो उन्होंने यह भविष्यवाणी को पूरा किया कि, “वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे पहिरावे के लिए जुआ खेलते हैं।”
- **42:07** यीशु ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि परमेश्वर के शब्द में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह पूरा होना चाहिए।"
- __43:05__परन्तु यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी। परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा।”
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया, और यह भविष्यद्वाणी की गई थी कि, ‘न तो उसका प्राण अधोलोक में छोड़ा गया और न उसकी देह सड़ने पाई।’
- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को __पूरा करने __के लिए, कि उसका मसीह दु:ख उठाएगा, और मारा जाएँगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H5487, G1096, G4138

पूरा कर, पूरा हुआ

परिभाषा:

“पूरा कर” अर्थात किसी अपेक्षित कार्य को पूरा करना।

- जब भविष्यद्वाणी पूरी होती है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने जिस बात की भविष्यद्वाणी की थी उसे पूरा किया।
- यदि मनुष्य अपनी प्रतिज्ञा या शपथ पूरी करता है तो इसका अर्थ है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।
- उत्तरदायित्व को पूरा करने का अर्थ है किसी दिए गए कार्य या अनिवार्य कार्य को पूरा करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “संपन्न करना” या “समापन करना” या “होने के लिए कुछ करना” या “आज्ञा मानना” या “प्रदर्शन करना”
- “पूरा किया जा चुका” का अनुवाद हो सकता है, “सच हो गया” या “हो चुका है” या “संपन्न हो चुका है”
- “पूरा करना” जैसे “अपनी सेवा पूरी करो” इसका अनुवाद हो सकता है, “पूर्ण करो” या “निभाओ” या “मनुष्यों की सेवा वैसी करो जैसे परमेश्वर ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है”।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, मसीह, सेवा करना, बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:26-27
- प्रे.का. 03:17-18
- लैव्यव्यवस्था 22:17-19
- लूका 04:20-22
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 116:12-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:04** यूहन्ना न वह पूरा किया जो यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा था, “देख मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए मार्ग सुधारेगा।”

- **40:03** सैनिकों ने यीशु के कपड़ों के लिये जुआ खेला। जब उन्होंने ये किया तो उन्होंने यह भविष्यवाणी को पूरा किया कि, “वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे पहिरावे के लिए जुआ खेलते हैं।”
- **42:07** यीशु ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि परमेश्वर के शब्द में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह पूरा होना चाहिए।"
- __43:05__परन्तु यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी। परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा।”
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया, और यह भविष्यद्वाणी की गई थी कि, ‘न तो उसका प्राण अधोलोक में छोड़ा गया और न उसकी देह सड़ने पाई।’
- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को __पूरा करने __के लिए, कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H5487, G1096, G4138

पूरा कर, पूरा हुआ

परिभाषा:

“पूरा कर” अर्थात किसी अपेक्षित कार्य को पूरा करना।

- जब भविष्यद्वाणी पूरी होती है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने जिस बात की भविष्यद्वाणी की थी उसे पूरा किया।
- यदि मनुष्य अपनी प्रतिज्ञा या शपथ पूरी करता है तो इसका अर्थ है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।
- उत्तरदायित्व को पूरा करने का अर्थ है किसी दिए गए कार्य या अनिवार्य कार्य को पूरा करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “संपन्न करना” या “समापन करना” या “होने के लिए कुछ करना” या “आज्ञा मानना” या “प्रदर्शन करना”
- “पूरा किया जा चुका” का अनुवाद हो सकता है, “सच हो गया” या “हो चुका है” या “संपन्न हो चुका है”
- “पूरा करना” जैसे “अपनी सेवा पूरी करो” इसका अनुवाद हो सकता है, “पूर्ण करो” या “निभाओ” या “मनुष्यों की सेवा वैसी करो जैसे परमेश्वर ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है”।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, मसीह, सेवा करना, बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:26-27
- प्रे.का. 03:17-18
- लैव्यव्यवस्था 22:17-19
- लूका 04:20-22
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 116:12-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:04** यूहन्ना न वह पूरा किया जो यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा था, “देख मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए मार्ग सुधारेगा।”
- **40:03** सैनिकों ने यीशु के कपड़ों के लिये जुआ खेला। जब उन्होंने ये किया तो उन्होंने यह भविष्यवाणी को पूरा किया कि, “वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे पहिरावे के लिए जुआ खेलते हैं।”
- **42:07** यीशु ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि परमेश्वर के शब्द में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह पूरा होना चाहिए।"
- __43:05__परन्तु यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी। परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा।”
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया, और यह भविष्यद्वाणी की गई थी कि, ‘न तो उसका प्राण अधोलोक में छोड़ा गया और न उसकी देह सड़ने पाई।’
- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को __पूरा करने __के लिए, कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H5487, G1096, G4138

पूरा कर, पूरा हुआ

परिभाषा:

“पूरा कर” अर्थात किसी अपेक्षित कार्य को पूरा करना।

- जब भविष्यद्वाणी पूरी होती है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने जिस बात की भविष्यद्वाणी की थी उसे पूरा किया।
- यदि मनुष्य अपनी प्रतिज्ञा या शपथ पूरी करता है तो इसका अर्थ है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।
- उत्तरदायित्व को पूरा करने का अर्थ है किसी दिए गए कार्य या अनिवार्य कार्य को पूरा करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “संपन्न करना” या “समापन करना” या “होने के लिए कुछ करना” या “आज्ञा मानना” या “प्रदर्शन करना”
- “पूरा किया जा चुका” का अनुवाद हो सकता है, “सच हो गया” या “हो चुका है” या “संपन्न हो चुका है”
- “पूरा करना” जैसे “अपनी सेवा पूरी करो” इसका अनुवाद हो सकता है, “पूर्ण करो” या “निभाओ” या “मनुष्यों की सेवा वैसी करो जैसे परमेश्वर ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है”।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, मसीह, सेवा करना, बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:26-27
- प्रे.का. 03:17-18
- लैव्यव्यवस्था 22:17-19
- लूका 04:20-22
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 116:12-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:04** यूहन्ना न वह पूरा किया जो यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा था, “देख मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए मार्ग सुधारेगा।”
- **40:03** सैनिकों ने यीशु के कपड़ों के लिये जुआ खेला। जब उन्होंने ये किया तो उन्होंने यह भविष्यवाणी को पूरा किया कि, “वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे पहिरावे के लिए जुआ खेलते हैं।”
- **42:07** यीशु ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि परमेश्वर के शब्द में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह पूरा होना चाहिए।"
- __43:05__परन्तु यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी। परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा।”
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया, और यह भविष्यद्वाणी की गई थी कि, ‘न तो उसका प्राण अधोलोक में छोड़ा गया और न उसकी देह सड़ने पाई।’
- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को __पूरा करने __के लिए, कि उसका मसीह दु:ख उठाएगा, और मारा जाएँगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H5487, G1096, G4138

पूरा कर, पूरा हुआ

परिभाषा:

“पूरा कर” अर्थात किसी अपेक्षित कार्य को पूरा करना।

- जब भविष्यद्वाणी पूरी होती है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने जिस बात की भविष्यद्वाणी की थी उसे पूरा किया।
- यदि मनुष्य अपनी प्रतिज्ञा या शपथ पूरी करता है तो इसका अर्थ है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।

- उत्तरदायित्व को पूरा करने का अर्थ है किसी दिए गए कार्य या अनिवार्य कार्य को पूरा करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “संपन्न करना” या “समापन करना” या “होने के लिए कुछ करना” या “आज्ञा मानना” या “प्रदर्शन करना”
- “पूरा किया जा चुका” का अनुवाद हो सकता है, “सच हो गया” या “हो चुका है” या “संपन्न हो चुका है”
- “पूरा करना” जैसे “अपनी सेवा पूरी करो” इसका अनुवाद हो सकता है, “पूर्ण करो” या “निभाओ” या “मनुष्यों की सेवा वैसी करो जैसे परमेश्वर ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है”।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, मसीह, सेवा करना, बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:26-27
- प्रे.का. 03:17-18
- लैव्यव्यवस्था 22:17-19
- लूका 04:20-22
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 116:12-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:04** यूहन्ना न वह पूरा किया जो यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा था, “देख मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए मार्ग सुधारेगा।”
- **40:03** सैनिकों ने यीशु के कपड़ों के लिये जुआ खेला। जब उन्होंने ये किया तो उन्होंने यह भविष्यवाणी को पूरा किया कि, “वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे पहिरावे के लिए जुआ खेलते हैं।”
- **42:07** यीशु ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि परमेश्वर के शब्द में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह पूरा होना चाहिए।"
- __43:05__परन्तु यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी। परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा।”
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया, और यह भविष्यद्वाणी की गई थी कि, ‘न तो उसका प्राण अधोलोक में छोड़ा गया और न उसकी देह सड़ने पाई।’
- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को __पूरा करने __के लिए, कि उसका मसीह दु:ख उठाएगा, और मारा जाएँगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H5487, G1096, G4138

पूरा कर, पूरा हुआ

परिभाषा:

“पूरा कर” अर्थात किसी अपेक्षित कार्य को पूरा करना।

- जब भविष्यद्वाणी पूरी होती है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने जिस बात की भविष्यद्वाणी की थी उसे पूरा किया।
- यदि मनुष्य अपनी प्रतिज्ञा या शपथ पूरी करता है तो इसका अर्थ है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।
- उत्तरदायित्व को पूरा करने का अर्थ है किसी दिए गए कार्य या अनिवार्य कार्य को पूरा करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “संपन्न करना” या “समापन करना” या “होने के लिए कुछ करना” या “आज्ञा मानना” या “प्रदर्शन करना”
- “पूरा किया जा चुका” का अनुवाद हो सकता है, “सच हो गया” या “हो चुका है” या “संपन्न हो चुका है”
- “पूरा करना” जैसे “अपनी सेवा पूरी करो” इसका अनुवाद हो सकता है, “पूर्ण करो” या “निभाओ” या “मनुष्यों की सेवा वैसी करो जैसे परमेश्वर ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है”।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, मसीह, सेवा करना, बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:26-27
- प्रे.का. 03:17-18
- लैव्यव्यवस्था 22:17-19
- लूका 04:20-22
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 116:12-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:04** यूहन्ना न वह पूरा किया जो यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा था, “देख मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए मार्ग सुधारेगा।”
- **40:03** सैनिकों ने यीशु के कपड़ों के लिये जुआ खेला। जब उन्होंने ये किया तो उन्होंने यह भविष्यवाणी को पूरा किया कि, “वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे पहिरावे के लिए जुआ खेलते हैं।”
- **42:07** यीशु ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि परमेश्वर के शब्द में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह पूरा होना चाहिए।"
- __43:05__परन्तु यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी। परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा।”
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया, और यह भविष्यद्वाणी की गई थी कि, ‘न तो उसका प्राण अधोलोक में छोड़ा गया और न उसकी देह सड़ने पाई।’
- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को __पूरा करने __के लिए, कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H5487, G1096, G4138

पूरा कर, पूरा हुआ

परिभाषा:

“पूरा कर” अर्थात किसी अपेक्षित कार्य को पूरा करना।

- जब भविष्यद्वाणी पूरी होती है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने जिस बात की भविष्यद्वाणी की थी उसे पूरा किया।
- यदि मनुष्य अपनी प्रतिज्ञा या शपथ पूरी करता है तो इसका अर्थ है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।
- उत्तरदायित्व को पूरा करने का अर्थ है किसी दिए गए कार्य या अनिवार्य कार्य को पूरा करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “संपन्न करना” या “समापन करना” या “होने के लिए कुछ करना” या “आज्ञा मानना” या “प्रदर्शन करना”
- “पूरा किया जा चुका” का अनुवाद हो सकता है, “सच हो गया” या “हो चुका है” या “संपन्न हो चुका है”
- “पूरा करना” जैसे “अपनी सेवा पूरी करो” इसका अनुवाद हो सकता है, “पूर्ण करो” या “निभाओ” या “मनुष्यों की सेवा वैसी करो जैसे परमेश्वर ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है”।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, मसीह, सेवा करना, बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:26-27
- प्रे.का. 03:17-18
- लैव्यव्यवस्था 22:17-19
- लूका 04:20-22
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 116:12-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:04** यूहन्ना न वह पूरा किया जो यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा था, “देख मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए मार्ग सुधारेगा।”
- **40:03** सैनिकों ने यीशु के कपड़ों के लिये जुआ खेला। जब उन्होंने ये किया तो उन्होंने यह भविष्यवाणी को पूरा किया कि, “वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे पहिरावे के लिए जुआ खेलते हैं।”
- **42:07** यीशु ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि परमेश्वर के शब्द में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह पूरा होना चाहिए।"
- __43:05__परन्तु यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी। परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा।”
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया, और यह भविष्यद्वाणी की गई थी कि, ‘न तो उसका प्राण अधोलोक में छोड़ा गया और न उसकी देह सड़ने पाई।’
- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को __पूरा करने __के लिए, कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H5487, G1096, G4138

पूरा कर, पूरा हुआ

परिभाषा:

“पूरा कर” अर्थात किसी अपेक्षित कार्य को पूरा करना।

- जब भविष्यद्वाणी पूरी होती है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने जिस बात की भविष्यद्वाणी की थी उसे पूरा किया।
- यदि मनुष्य अपनी प्रतिज्ञा या शपथ पूरी करता है तो इसका अर्थ है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।
- उत्तरदायित्व को पूरा करने का अर्थ है किसी दिए गए कार्य या अनिवार्य कार्य को पूरा करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “संपन्न करना” या “समापन करना” या “होने के लिए कुछ करना” या “आज्ञा मानना” या “प्रदर्शन करना”
- “पूरा किया जा चुका” का अनुवाद हो सकता है, “सच हो गया” या “हो चुका है” या “संपन्न हो चुका है”
- “पूरा करना” जैसे “अपनी सेवा पूरी करो” इसका अनुवाद हो सकता है, “पूर्ण करो” या “निभाओ” या “मनुष्यों की सेवा वैसी करो जैसे परमेश्वर ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है”।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, मसीह, सेवा करना, बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:26-27
- प्रे.का. 03:17-18
- लैव्यव्यवस्था 22:17-19
- लूका 04:20-22
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 116:12-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:04** यूहन्ना न वह पूरा किया जो यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा था, “देख मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए मार्ग सुधारेगा।”
- **40:03** सैनिकों ने यीशु के कपड़ों के लिये जुआ खेला। जब उन्होंने ये किया तो उन्होंने यह भविष्यवाणी को पूरा किया कि, “वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे पहिरावे के लिए जुआ खेलते हैं।”
- **42:07** यीशु ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि परमेश्वर के शब्द में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह पूरा होना चाहिए।"
- __43:05__परन्तु यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी। परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा।”
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया, और यह भविष्यद्वाणी की गई थी कि, ‘न तो उसका प्राण अधोलोक में छोड़ा गया और न उसकी देह सड़ने पाई।’

- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को __पूरा करने __के लिए, कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H5487, G1096, G4138

पूरा कर, पूरा हुआ

परिभाषा:

“पूरा कर” अर्थात किसी अपेक्षित कार्य को पूरा करना।

- जब भविष्यद्वाणी पूरी होती है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने जिस बात की भविष्यद्वाणी की थी उसे पूरा किया।
- यदि मनुष्य अपनी प्रतिज्ञा या शपथ पूरी करता है तो इसका अर्थ है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।
- उत्तरदायित्व को पूरा करने का अर्थ है किसी दिए गए कार्य या अनिवार्य कार्य को पूरा करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “संपन्न करना” या “समापन करना” या “होने के लिए कुछ करना” या “आज्ञा मानना” या “प्रदर्शन करना”
- “पूरा किया जा चुका” का अनुवाद हो सकता है, “सच हो गया” या “हो चुका है” या “संपन्न हो चुका है”
- “पूरा करना” जैसे “अपनी सेवा पूरी करो” इसका अनुवाद हो सकता है, “पूर्ण करो” या “निभाओ” या “मनुष्यों की सेवा वैसी करो जैसे परमेश्वर ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है”।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, मसीह, सेवा करना, बुलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:26-27
- प्रे.का. 03:17-18
- लैव्यव्यवस्था 22:17-19
- लूका 04:20-22
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 116:12-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:04** यूहन्ना न वह पूरा किया जो यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा था, “देख मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए मार्ग सुधारेगा।”
- **40:03** सैनिकों ने यीशु के कपड़ों के लिये जुआ खेला। जब उन्होंने ये किया तो उन्होंने यह भविष्यवाणी को पूरा किया कि, “वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे पहिरावे के लिए जुआ खेलते हैं।”
- **42:07** यीशु ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि परमेश्वर के शब्द में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह पूरा होना चाहिए।"
- __43:05__परन्तु यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी। परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा।”
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया, और यह भविष्यद्वाणी की गई थी कि, ‘न तो उसका प्राण अधोलोक में छोड़ा गया और न उसकी देह सड़ने पाई।’
- **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को __पूरा करने __के लिए, कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H5487, G1096, G4138

पृथ्वी, मिट्टी का, पार्थिव

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का आम तौर पर "भूमि" अनुवाद किया जाता है जब उन लोगों से संबंधित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए लोगों के समूह के नाम के साथ जोड़ा जाता है, जैसे कि "कनान की भूमि"।
- शब्द "सांसारिक" कभी-कभी उन चीजों को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो भौतिक या उन चीजों के विपरीत दिखाई देते हैं जो गैर-भौतिक और अदृश्य हैं।
- इस शब्द का इस्तेमाल लाक्षणिक रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है जो पृथ्वी पर रहते हैं या पृथ्वी में क्या है, जैसे कि "पृथ्वी को खुश रहने दें" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के काम में आनेवाले शब्द का उक्ति द्वारा किया जा सकता है जो वे पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं उस ग्रह के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में पृथ्वी का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
- “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आत्मा, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:38-40
- 2 इतिहास 02:11-12
- दानिय्येल 04:35
- लूका 12:51-53
- मत्ती 06:8-10
- मत्ती 11:25-27
- जकर्याह 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पृथ्वी, मिट्टी का, पार्थिव

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का आम तौर पर "भूमि" अनुवाद किया जाता है जब उन लोगों से संबंधित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए लोगों के समूह के नाम के साथ जोड़ा जाता है, जैसे कि "कनान की भूमि"।
- शब्द "सांसारिक" कभी-कभी उन चीजों को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो भौतिक या उन चीजों के विपरीत दिखाई देते हैं जो गैर-भौतिक और अदृश्य हैं।
- इस शब्द का इस्तेमाल लाक्षणिक रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है जो पृथ्वी पर रहते हैं या पृथ्वी में क्या है, जैसे कि "पृथ्वी को खुश रहने दें" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के काम में आनेवाले शब्द का उक्ति द्वारा किया जा सकता है जो वे पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं उस ग्रह के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में पृथ्वी का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
- “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आत्मा, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:38-40
- 2 इतिहास 02:11-12
- दानिय्येल 04:35
- लूका 12:51-53
- मत्ती 06:8-10
- मत्ती 11:25-27
- जकर्याह 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पृथ्वी, मिट्टी का, पार्थिव

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का आम तौर पर "भूमि" अनुवाद किया जाता है जब उन लोगों से संबंधित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए लोगों के समूह के नाम के साथ जोड़ा जाता है, जैसे कि "कनान की भूमि"।
- शब्द "सांसारिक" कभी-कभी उन चीजों को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो भौतिक या उन चीजों के विपरीत दिखाई देते हैं जो गैर-भौतिक और अदृश्य हैं।
- इस शब्द का इस्तेमाल लाक्षणिक रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है जो पृथ्वी पर रहते हैं या पृथ्वी में क्या है, जैसे कि "पृथ्वी को खुश रहने दें" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के काम में आनेवाले शब्द का उक्ति द्वारा किया जा सकता है जो वे पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं उस ग्रह के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में पृथ्वी का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
- “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आत्मा, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:38-40
- 2 इतिहास 02:11-12
- दानिय्येल 04:35
- लूका 12:51-53
- मत्ती 06:8-10

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 11:25-27
- जकर्याह 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पृथ्वी, मिट्टी का, पार्थिव

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का आम तौर पर "भूमि" अनुवाद किया जाता है जब उन लोगों से संबंधित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए लोगों के समूह के नाम के साथ जोड़ा जाता है, जैसे कि "कनान की भूमि"।
- शब्द "सांसारिक" कभी-कभी उन चीजों को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो भौतिक या उन चीजों के विपरीत दिखाई देते हैं जो गैर-भौतिक और अदृश्य हैं।
- इस शब्द का इस्तेमाल लाक्षणिक रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है जो पृथ्वी पर रहते हैं या पृथ्वी में क्या है, जैसे कि "पृथ्वी को खुश रहने दें" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के काम में आनेवाले शब्द का उक्ति द्वारा किया जा सकता है जो वे पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं उस ग्रह के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में पृथ्वी का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
- “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आत्मा, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:38-40
- 2 इतिहास 02:11-12
- दानिय्येल 04:35
- लूका 12:51-53
- मत्ती 06:8-10
- मत्ती 11:25-27
- जकर्याह 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पृथ्वी, मिट्टी का, पार्थिव

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का आम तौर पर "भूमि" अनुवाद किया जाता है जब उन लोगों से संबंधित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए लोगों के समूह के नाम के साथ जोड़ा जाता है, जैसे कि "कनान की भूमि"।
- शब्द "सांसारिक" कभी-कभी उन चीजों को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो भौतिक या उन चीजों के विपरीत दिखाई देते हैं जो गैर-भौतिक और अदृश्य हैं।
- इस शब्द का इस्तेमाल लाक्षणिक रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है जो पृथ्वी पर रहते हैं या पृथ्वी में क्या है, जैसे कि "पृथ्वी को खुश रहने दें" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के काम में आनेवाले शब्द का उक्ति द्वारा किया जा सकता है जो वे पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं उस ग्रह के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में पृथ्वी का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
- “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आत्मा, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:38-40
- 2 इतिहास 02:11-12
- दानिय्येल 04:35
- लूका 12:51-53
- मत्ती 06:8-10
- मत्ती 11:25-27
- जकर्याह 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पृथ्वी, मिट्टी का, पार्थिव

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का आम तौर पर "भूमि" अनुवाद किया जाता है जब उन लोगों से संबंधित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए लोगों के समूह के नाम के साथ जोड़ा जाता है, जैसे कि "कनान की भूमि"।
- शब्द "सांसारिक" कभी-कभी उन चीजों को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो भौतिक या उन चीजों के विपरीत दिखाई देते हैं जो गैर-भौतिक और अदृश्य हैं।
- इस शब्द का इस्तेमाल लाक्षणिक रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है जो पृथ्वी पर रहते हैं या पृथ्वी में क्या है, जैसे कि "पृथ्वी को खुश रहने दें" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के काम में आनेवाले शब्द का उक्ति द्वारा किया जा सकता है जो वे पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं उस ग्रह के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में पृथ्वी का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
- “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आत्मा, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:38-40
- 2 इतिहास 02:11-12
- दानिय्येल 04:35
- लूका 12:51-53
- मत्ती 06:8-10
- मत्ती 11:25-27
- जकर्याह 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पृथ्वी, मिट्टी का, पार्थिव

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का आम तौर पर "भूमि" अनुवाद किया जाता है जब उन लोगों से संबंधित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए लोगों के समूह के नाम के साथ जोड़ा जाता है, जैसे कि "कनान की भूमि"।
- शब्द "सांसारिक" कभी-कभी उन चीजों को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो भौतिक या उन चीजों के विपरीत दिखाई देते हैं जो गैर-भौतिक और अदृश्य हैं।
- इस शब्द का इस्तेमाल लाक्षणिक रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है जो पृथ्वी पर रहते हैं या पृथ्वी में क्या है, जैसे कि "पृथ्वी को खुश रहने दें" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के काम में आनेवाले शब्द का उक्ति द्वारा किया जा सकता है जो वे पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं उस ग्रह के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में पृथ्वी का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
- “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आत्मा, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:38-40
- 2 इतिहास 02:11-12
- दानिय्येल 04:35
- लूका 12:51-53
- मत्ती 06:8-10

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 11:25-27
- जकर्याह 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पृथ्वी, मिट्टी का, पार्थिव

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का आम तौर पर "भूमि" अनुवाद किया जाता है जब उन लोगों से संबंधित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए लोगों के समूह के नाम के साथ जोड़ा जाता है, जैसे कि "कनान की भूमि"।
- शब्द "सांसारिक" कभी-कभी उन चीजों को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो भौतिक या उन चीजों के विपरीत दिखाई देते हैं जो गैर-भौतिक और अदृश्य हैं।
- इस शब्द का इस्तेमाल लाक्षणिक रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है जो पृथ्वी पर रहते हैं या पृथ्वी में क्या है, जैसे कि "पृथ्वी को खुश रहने दें" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के काम में आनेवाले शब्द का उक्ति द्वारा किया जा सकता है जो वे पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं उस ग्रह के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में पृथ्वी का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
- “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आत्मा, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:38-40
- 2 इतिहास 02:11-12
- दानिय्येल 04:35
- लूका 12:51-53
- मत्ती 06:8-10
- मत्ती 11:25-27
- जकर्याह 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पृथ्वी, मिट्टी का, पार्थिव

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का आम तौर पर "भूमि" अनुवाद किया जाता है जब उन लोगों से संबंधित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए लोगों के समूह के नाम के साथ जोड़ा जाता है, जैसे कि "कनान की भूमि"।
- शब्द "सांसारिक" कभी-कभी उन चीजों को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो भौतिक या उन चीजों के विपरीत दिखाई देते हैं जो गैर-भौतिक और अदृश्य हैं।
- इस शब्द का इस्तेमाल लाक्षणिक रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है जो पृथ्वी पर रहते हैं या पृथ्वी में क्या है, जैसे कि "पृथ्वी को खुश रहने दें" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के काम में आनेवाले शब्द का उक्ति द्वारा किया जा सकता है जो वे पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं उस ग्रह के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में पृथ्वी का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
- “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आत्मा, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:38-40
- 2 इतिहास 02:11-12
- दानिय्येल 04:35
- लूका 12:51-53
- मत्ती 06:8-10
- मत्ती 11:25-27
- जकर्याह 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पृथ्वी, मिट्टी का, पार्थिव

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का आम तौर पर "भूमि" अनुवाद किया जाता है जब उन लोगों से संबंधित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए लोगों के समूह के नाम के साथ जोड़ा जाता है, जैसे कि "कनान की भूमि"।
- शब्द "सांसारिक" कभी-कभी उन चीजों को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो भौतिक या उन चीजों के विपरीत दिखाई देते हैं जो गैर-भौतिक और अदृश्य हैं।
- इस शब्द का इस्तेमाल लाक्षणिक रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है जो पृथ्वी पर रहते हैं या पृथ्वी में क्या है, जैसे कि "पृथ्वी को खुश रहने दें" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के काम में आनेवाले शब्द का उक्ति द्वारा किया जा सकता है जो वे पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं उस ग्रह के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में पृथ्वी का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
- “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आत्मा, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:38-40
- 2 इतिहास 02:11-12
- दानिय्येल 04:35
- लूका 12:51-53
- मत्ती 06:8-10
- मत्ती 11:25-27
- जकर्याह 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पृथ्वी, मिट्टी का, पार्थिव

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का आम तौर पर "भूमि" अनुवाद किया जाता है जब उन लोगों से संबंधित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए लोगों के समूह के नाम के साथ जोड़ा जाता है, जैसे कि "कनान की भूमि"।
- शब्द "सांसारिक" कभी-कभी उन चीजों को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो भौतिक या उन चीजों के विपरीत दिखाई देते हैं जो गैर-भौतिक और अदृश्य हैं।
- इस शब्द का इस्तेमाल लाक्षणिक रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है जो पृथ्वी पर रहते हैं या पृथ्वी में क्या है, जैसे कि "पृथ्वी को खुश रहने दें" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के काम में आनेवाले शब्द का उक्ति द्वारा किया जा सकता है जो वे पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं उस ग्रह के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में पृथ्वी का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
- “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आत्मा, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:38-40
- 2 इतिहास 02:11-12
- दानिय्येल 04:35
- लूका 12:51-53
- मत्ती 06:8-10

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 11:25-27
- जकर्याह 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पृथ्वी, मिट्टी का, पार्थिव

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का आम तौर पर "भूमि" अनुवाद किया जाता है जब उन लोगों से संबंधित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए लोगों के समूह के नाम के साथ जोड़ा जाता है, जैसे कि "कनान की भूमि"।
- शब्द "सांसारिक" कभी-कभी उन चीजों को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो भौतिक या उन चीजों के विपरीत दिखाई देते हैं जो गैर-भौतिक और अदृश्य हैं।
- इस शब्द का इस्तेमाल लाक्षणिक रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है जो पृथ्वी पर रहते हैं या पृथ्वी में क्या है, जैसे कि "पृथ्वी को खुश रहने दें" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के काम में आनेवाले शब्द का उक्ति द्वारा किया जा सकता है जो वे पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं उस ग्रह के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में पृथ्वी का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
- “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आत्मा, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:38-40
- 2 इतिहास 02:11-12
- दानिय्येल 04:35
- लूका 12:51-53
- मत्ती 06:8-10
- मत्ती 11:25-27
- जकर्याह 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पृथ्वी, मिट्टी का, पार्थिव

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का आम तौर पर "भूमि" अनुवाद किया जाता है जब उन लोगों से संबंधित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए लोगों के समूह के नाम के साथ जोड़ा जाता है, जैसे कि "कनान की भूमि"।
- शब्द "सांसारिक" कभी-कभी उन चीजों को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो भौतिक या उन चीजों के विपरीत दिखाई देते हैं जो गैर-भौतिक और अदृश्य हैं।
- इस शब्द का इस्तेमाल लाक्षणिक रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है जो पृथ्वी पर रहते हैं या पृथ्वी में क्या है, जैसे कि "पृथ्वी को खुश रहने दें" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के काम में आनेवाले शब्द का उक्ति द्वारा किया जा सकता है जो वे पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं उस ग्रह के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में पृथ्वी का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
- “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आत्मा, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:38-40
- 2 इतिहास 02:11-12
- दानिय्येल 04:35
- लूका 12:51-53
- मत्ती 06:8-10
- मत्ती 11:25-27
- जकर्याह 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पृथ्वी, मिट्टी का, पार्थिव

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का आम तौर पर "भूमि" अनुवाद किया जाता है जब उन लोगों से संबंधित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए लोगों के समूह के नाम के साथ जोड़ा जाता है, जैसे कि "कनान की भूमि"।
- शब्द "सांसारिक" कभी-कभी उन चीजों को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो भौतिक या उन चीजों के विपरीत दिखाई देते हैं जो गैर-भौतिक और अदृश्य हैं।
- इस शब्द का इस्तेमाल लाक्षणिक रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है जो पृथ्वी पर रहते हैं या पृथ्वी में क्या है, जैसे कि "पृथ्वी को खुश रहने दें" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के काम में आनेवाले शब्द का उक्ति द्वारा किया जा सकता है जो वे पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं उस ग्रह के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में पृथ्वी का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
- “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आत्मा, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:38-40
- 2 इतिहास 02:11-12
- दानिय्येल 04:35
- लूका 12:51-53
- मत्ती 06:8-10
- मत्ती 11:25-27
- जकर्याह 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पृथ्वी, मिट्टी का, पार्थिव

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का आम तौर पर "भूमि" अनुवाद किया जाता है जब उन लोगों से संबंधित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए लोगों के समूह के नाम के साथ जोड़ा जाता है, जैसे कि "कनान की भूमि"।
- शब्द "सांसारिक" कभी-कभी उन चीजों को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो भौतिक या उन चीजों के विपरीत दिखाई देते हैं जो गैर-भौतिक और अदृश्य हैं।
- इस शब्द का इस्तेमाल लाक्षणिक रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है जो पृथ्वी पर रहते हैं या पृथ्वी में क्या है, जैसे कि "पृथ्वी को खुश रहने दें" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा।"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के काम में आनेवाले शब्द का उक्ति द्वारा किया जा सकता है जो वे पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं उस ग्रह के लिए काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में पृथ्वी का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
- “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आत्मा, संसार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:38-40
- 2 इतिहास 02:11-12
- दानिय्येल 04:35
- लूका 12:51-53
- मत्ती 06:8-10

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 11:25-27
- जकर्याह 06:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पौधे, पौधे, लगाए गए, रोपण, प्रत्यारोपित, पुनर्नामित, प्रत्यारोपित, बोना, बोआ, बोया, बोया, बुवाई

परिभाषा:

एक "पौधे" आम तौर पर कुछ ऐसा होता है जो बढ़ता है और जमीन से जुड़ा होता है। “बोना” अर्थात भूमि में बीज डालना कि पौधे उगें। “बोनेवाला” वह मनुष्य है जो बीज डालता है या पौधे लगाता है।

- बीज बोने और पौधे लगाने की प्रक्रिया भिन्न-भिन्न होती है। एक विधि में बीज हाथ में लेकर भूमि पर बोया जाता हैं।
- एक और विधि है जिसमें भूमि में छेद करके बीज डाले जाते हैं।
- “बोना” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता है जैसे, मनुष्य जो बोता है वही काटता है। कहने का अर्थ है कि मनुष्य बुरा करता है तो नकारात्मक परिणाम भोगता है, अगर कोई व्यक्ति अच्छा करता है, तो उसे सकारात्मक परिणाम प्राप्त होगा ।

अनुवाद के सुझाव

- 'बोना' शब्द को "पौधे" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है। सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद करने के लिए शब्द रोपण बीज शामिल कर सकते हैं ।
- "बोनेवाला" का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में "बोनेबाला" या "किसान" या "व्यक्ति जो पौधों के बीज बोते हैं" शामिल हो सकते हैं।
- अंग्रेजी में, "बो" का उपयोग केवल बीज लगाए जाने के लिए किया जाता है, लेकिन अंग्रेजी शब्द "पौधे" का उपयोग बीज के साथ-साथ बड़ी चीजों जैसे कि वृक्षों के लिए किया जा सकता है। अन्य भाषाओं में भी अलग-अलग शब्दों का इस्तेमाल किया जा सकता है, जो कि लगाए जा रहे हैं पर निर्भर करता है।
- अभिव्यक्ति "किसी व्यक्ति ने जो कुछ भी बोता है" का भी अनुवाद किया जा सकता है "एक निश्चित प्रकार के बीज की तरह ही एक निश्चित प्रकार का पौधा पैदा होता है, इसी तरह से किसी व्यक्ति की अच्छी कार्रवाइयों से अच्छे परिणाम आएंगे और एक व्यक्ति की बुरी क्रियाएं से बुरा परिणाम आएंगी। "

(यह भी देखें: बुराई, अच्छा, लवनी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- गलातियों 06:6-8
- लूका 08:4-6
- मत्ती. 06:25-26
- मत्ती 13:3-6
- मत्ती. 13:18-19
- मत्ती. 25:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2221, H2232, H2233, H2236, H4218, H4302, H5193, H7971, H8362, G4687, G4703, G5300, G5452 , G6037

पौलुस, शाऊल

तथ्य:

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अतः वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।

- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियो को उसकी शिक्षा देने लगा।
- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(यह भी देखें: मसीही, यहूदियों, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:03
- प्रेरि. 08:03
- प्रेरि. 09:26
- प्रेरि. 13:10
- गलातियों 01:01
- फिलेमोन 01:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक शाऊल नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगो से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया| शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल! तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर शाउल के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" शाउल तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे शाऊल पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "पौलुस" का इस्तेमाल करना शुरू किया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3972, G4569

पौलुस, शाऊल

तथ्य:

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अत: वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।
- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियो को उसकी शिक्षा देने लगा।
- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(यह भी देखें: मसीही, यहूदियों, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:03
- प्रेरि. 08:03
- प्रेरि. 09:26
- प्रेरि. 13:10

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- गलातियों 01:01
- फिलेमोन 01:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक शाऊल नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगो से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया| शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल! तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर शाउल के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" शाउल तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे शाऊल पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "पौलुस" का इस्तेमाल करना शुरू किया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3972, G4569

पौलुस, शाऊल

तथ्य:

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अत: वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।
- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियो को उसकी शिक्षा देने लगा।
- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(यह भी देखें: मसीही, यहूदियों, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:03
- प्रेरि. 08:03
- प्रेरि. 09:26
- प्रेरि. 13:10
- गलातियों 01:01
- फिलेमोन 01:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक शाऊल नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगो से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया| शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल! तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर शाउल के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" शाउल तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।

- **46:06** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे शाऊल पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "पौलुस" का इस्तेमाल करना शुरू किया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3972, G4569

पौलुस, शाऊल

तथ्य:

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अतः वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।
- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियो को उसकी शिक्षा देने लगा।
- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(यह भी देखें: मसीही, यहूदियों, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:03
- प्रेरि. 08:03
- प्रेरि. 09:26
- प्रेरि. 13:10
- गलातियों 01:01
- फिलेमोन 01:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक शाऊल नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगो से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया| शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल! तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर शाउल के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" शाउल तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे शाऊल पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "पौलुस" का इस्तेमाल करना शुरू किया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3972, G4569

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

पौलुस, शाऊल

तथ्य:

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अतः वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।
- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियों को उसकी शिक्षा देने लगा।
- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(यह भी देखें: मसीही, यहूदियों, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:03
- प्रेरि. 08:03
- प्रेरि. 09:26
- प्रेरि. 13:10
- गलातियों 01:01
- फिलेमोन 01:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक शाऊल नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगो से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया| शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल! तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर शाउल के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" शाउल तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे शाऊल पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "पौलुस" का इस्तेमाल करना शुरू किया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3972, G4569

पौलुस, शाऊल

तथ्य:

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अतः वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।
- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियों को उसकी शिक्षा देने लगा।

- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(यह भी देखें: मसीही, यहूदियों, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:03
- प्रेरि. 08:03
- प्रेरि. 09:26
- प्रेरि. 13:10
- गलातियों 01:01
- फिलेमोन 01:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक शाऊल नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगो से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया| शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल! तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर शाउल के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" शाउल तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे शाऊल पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "पौलुस" का इस्तेमाल करना शुरू किया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3972, G4569

पौलुस, शाऊल

तथ्य:

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अतः वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।
- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियो को उसकी शिक्षा देने लगा।
- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(यह भी देखें: मसीही, यहूदियों, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:03
- प्रेरि. 08:03
- प्रेरि. 09:26
- प्रेरि. 13:10
- गलातियों 01:01

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- फिलेमोन 01:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक शाऊल नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगो से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया| शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल! तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर शाउल के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" शाउल तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे शाऊल पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "पौलुस" का इस्तेमाल करना शुरू किया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3972, G4569

पौलुस, शाऊल

तथ्य:

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अतः वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।
- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियो को उसकी शिक्षा देने लगा।
- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(यह भी देखें: मसीही, यहूदियों, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:03
- प्रेरि. 08:03
- प्रेरि. 09:26
- प्रेरि. 13:10
- गलातियों 01:01
- फिलेमोन 01:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक शाऊल नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगो से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया| शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल! तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर शाउल के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" शाउल तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"

- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे शाऊल पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "पौलुस" का इस्तेमाल करना शुरू किया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3972, G4569

पौलुस, शाऊल

तथ्य:

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अतः वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।
- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियो को उसकी शिक्षा देने लगा।
- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(यह भी देखें: मसीही, यहूदियों, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:03
- प्रेरि. 08:03
- प्रेरि. 09:26
- प्रेरि. 13:10
- गलातियों 01:01
- फिलेमोन 01:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक शाऊल नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगो से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया| शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल! तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर शाउल के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" शाउल तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे शाऊल पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "पौलुस" का इस्तेमाल करना शुरू किया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3972, G4569

पौलुस, शाऊल

तथ्य:

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अतः वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।
- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियों को उसकी शिक्षा देने लगा।
- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(यह भी देखें: मसीही, यहूदियों, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:03
- प्रेरि. 08:03
- प्रेरि. 09:26
- प्रेरि. 13:10
- गलातियों 01:01
- फिलेमोन 01:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक शाऊल नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगो से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया| शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल! तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर शाउल के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" शाउल तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे शाऊल पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "पौलुस" का इस्तेमाल करना शुरू किया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3972, G4569

पौलुस, शाऊल

तथ्य:

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अतः वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।
- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियों को उसकी शिक्षा देने लगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(यह भी देखें: मसीही, यहूदियों, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:03
- प्रेरि. 08:03
- प्रेरि. 09:26
- प्रेरि. 13:10
- गलातियों 01:01
- फिलेमोन 01:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक शाऊल नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगो से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया| शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल! तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर शाउल के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" शाउल तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे शाऊल पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "पौलुस" का इस्तेमाल करना शुरू किया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3972, G4569

पौलुस, शाऊल

तथ्य:

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अतः वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।
- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियो को उसकी शिक्षा देने लगा।
- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(यह भी देखें: मसीही, यहूदियों, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:03
- प्रेरि. 08:03
- प्रेरि. 09:26
- प्रेरि. 13:10
- गलातियों 01:01

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- फिलेमोन 01:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक शाऊल नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगो से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया| शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल! तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर शाउल के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" शाउल तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे शाऊल पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "पौलुस" का इस्तेमाल करना शुरू किया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3972, G4569

पौलुस, शाऊल

तथ्य:

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अतः वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।
- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियो को उसकी शिक्षा देने लगा।
- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(यह भी देखें: मसीही, यहूदियों, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:03
- प्रेरि. 08:03
- प्रेरि. 09:26
- प्रेरि. 13:10
- गलातियों 01:01
- फिलेमोन 01:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक शाऊल नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगो से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया| शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल! तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर शाउल के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" शाउल तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे शाऊल पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "पौलुस" का इस्तेमाल करना शुरू किया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3972, G4569

पौलुस, शाऊल

तथ्य:

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अतः वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।
- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियो को उसकी शिक्षा देने लगा।
- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(यह भी देखें: मसीही, यहूदियों, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:03
- प्रेरि. 08:03
- प्रेरि. 09:26
- प्रेरि. 13:10
- गलातियों 01:01
- फिलेमोन 01:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक शाऊल नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगो से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया| शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल! तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर शाउल के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" शाउल तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे शाऊल पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "पौलुस" का इस्तेमाल करना शुरू किया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3972, G4569

पौलुस, शाऊल

तथ्य:

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अतः वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।
- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियों को उसकी शिक्षा देने लगा।
- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(यह भी देखें: मसीही, यहूदियों, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:03
- प्रेरि. 08:03
- प्रेरि. 09:26
- प्रेरि. 13:10
- गलातियों 01:01
- फिलेमोन 01:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक शाऊल नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगो से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब शाऊल दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया| शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल! तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर शाउल के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" शाउल तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे शाऊल पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "पौलुस" का इस्तेमाल करना शुरू किया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3972, G4569

प्रकट करना, प्रकट करना, प्रगट किया, प्रकाशन

परिभाषा:

“प्रकट करना” अर्थात किसी बात को जानने योग्य बनाना। “प्रकाशन” प्रकट की गई कोई बात है।

- परमेश्वर ने अपनी सृष्टि की हर एक रचना के माध्यम से स्वयं को प्रकट किया है और उच्चारित एवं लिखित सन्देश के मनुष्य के साथ संपर्क द्वारा भी।
- परमेश्वर स्वप्नों एवं दर्शनों द्वारा भी स्वयं को प्रकट करता है।
- पौलुस कहता है कि उसने “मसीह यीशु के प्रकाशन द्वारा” सुसमाचार प्राप्त किया है तो उसके कहने का अर्थ है कि यीशु स्वयं ने उसे सुसमाचार समझाया है।
- नये नियम की पुस्तक, “प्रकाशितवाक्य” अन्त समय के संबन्धित घटनाओं का परमेश्वर द्वारा प्रकाशन है। उसने दर्शनों द्वारा प्रेरित यूहन्ना को सब प्रकट किया था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रकट करना” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “समझाना” या “अनावरण करना” या “स्पष्ट दिखाना”
- सन्दर्भ के अनुसार “प्रकाशन” के संभावित अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर से संपर्क” या “परमेश्वर ने जो बातें प्रकट की” या “परमेश्वर के विषय में शिक्षाएं”। अच्छा तो यही होगा कि इसी शब्द में “प्रकट करना” का अर्थ रखा जाए।

“जहां प्रकाशन नहीं” इस उक्ति का अनुवाद “जब परमेश्वर मनुष्यों पर स्वयं को प्रकट न करे” या “जब परमेश्वर मनुष्यों से बातें न करे” या “परमेश्वर ने मनुष्यों से संपर्क न किया” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, शुभ समाचार, स्वप्न, दर्शन)

बाइबल संदर्भ:

- दानिय्येल 11:1-2
- इफिसियों 03:3-5
- गलातियों 01:11-12
- विलाप. 02: 13-14
- मत्ती 10:26-27
- फिलिप्पियों 03:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H241, H1540, H1541, G601, G602, G5537

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।

- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

- बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
- प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 01:20-21
- उत्पत्ति 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

प्रचार करना, प्रचार करना, प्रचार, घोषणा, उद्घोषणा, उद्घोषणा

परिभाषा:

“घोषणा करने का अर्थ है, किसी बात की सार्वजनिक एवं निर्भीक उद्घोषणा की जाए।

- बाइबल में “प्रचार” शब्द का अर्थ है परमेश्वर के आदेश की सार्वजनिक घोषणा करना या मनुष्यों को परमेश्वर के बारे में और उसकी महानता के बारे में बताना।
- नये नियम में प्रेरित विभिन्न नगरों और स्थानों में मनुष्यों को यीशु का शुभ सन्देश सुनाते थे।
- “प्रचार करना” राजाओं के उपदेशों या बुराई को सार्वजनिक त्याग के लिए भी काम में लिया गया है।
- “प्रचार” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “घोषणा करना” खुलकर प्रसारण करना” या “सार्वजनिक उद्घोषणा करना”।
- “प्रचार” का अनुवाद “घोषणा” या “सार्वजनिक उपदेश” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:20-22
- प्रे.का. 13:38-39
- योना 03:1-3
- लूका 04:18-19
- मरकुस 01:14-15
- मत्ती 10:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H1696, H1697, H2199, H3045, H3745, H4161, H5046, H5608, H6963, H7121, H7440, H8085, G518, G591, G1229, G1861, G2097, G2605, G2782, G2784, G2980, G3142, G3853, G4135

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

प्रचार करना, प्रचार करना, प्रचार, घोषणा, उद्घोषणा, उद्घोषणा

परिभाषा:

“घोषणा करने का अर्थ है, किसी बात की सार्वजनिक एवं निर्भीक उद्घोषणा की जाए।

- बाइबल में “प्रचार” शब्द का अर्थ है परमेश्वर के आदेश की सार्वजनिक घोषणा करना या मनुष्यों को परमेश्वर के बारे में और उसकी महानता के बारे में बताना।
- नये नियम में प्रेरित विभिन्न नगरों और स्थानों में मनुष्यों को यीशु का शुभ सन्देश सुनाते थे।
- “प्रचार करना” राजाओं के उपदेशों या बुराई को सार्वजनिक त्याग के लिए भी काम में लिया गया है।
- “प्रचार” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “घोषणा करना” खुलकर प्रसारण करना” या “सार्वजनिक उद्घोषणा करना”।
- “प्रचार” का अनुवाद “घोषणा” या “सार्वजनिक उपदेश” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:20-22
- प्रे.का. 13:38-39
- योना 03:1-3
- लूका 04:18-19
- मरकुस 01:14-15
- मत्ती 10:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H1696, H1697, H2199, H3045, H3745, H4161, H5046, H5608, H6963, H7121, H7440, H8085, G518, G591, G1229, G1861, G2097, G2605, G2782, G2784, G2980, G3142, G3853, G4135

प्रचार करना, प्रचार किया, प्रचार, प्रचारक

परिभाषा:

"प्रचार करना" का अर्थ जनसमूह से बातें करना, उन्हें परमेश्वर के बारे में शिक्षा देना और परमेश्वर की आज्ञाएं मानने के लिए प्रेरित करना। "प्रचार" करने का अर्थ सार्वजनिक रूप से साहसपूर्वक किसी चीज़ की घोषित या घोषणा करना है।

- प्रचार प्रायः एक मनुष्य द्वारा जनसमूह में किया जाता है। प्रचार बोलकर किया जाता है, लिखकर नहीं।
- “प्रचार” और “शिक्षण” समान बात है परन्तु एक से नहीं हैं।
- “प्रचार” अर्थात आत्मिक या नैतिक सत्य की उद्घोषणा करना और श्रोताओं से प्रतिक्रिया का आग्रह करना है। “शिक्षण” में निर्देशनों पर बल दिया जाता है, अर्थात् मनुष्यों को जानकारी देना या उन्हें शिक्षण देना की उन्हें कैसे कार्य करना है।
- “प्रचार” अधिकतर “सुसमाचार” के साथ किया जाता है।
- प्रचारक मनुष्यों में प्रचार करता है तो उसे सामान्यतः उसकी “शिक्षाएं” कहते हैं।
- अक्सर बाइबल में, “प्रचार” का मतलब सार्वजनिक रूप से किसी ऐसी चीज़ की घोषणा करना है, जिसे परमेश्वर ने आज्ञा दी है, या दूसरों को परमेश्वर के बारे में और कितना महान है।
- नए नियम में, प्रेरितों ने यीशु के बारे में कई अलग-अलग शहरों और क्षेत्रों के लोगों को सुसमाचार सुनाया।
- "प्रचार" शब्द का उपयोग राजाओं द्वारा किए गए फरमानों के लिए या सार्वजनिक रूप से बुराई की निंदा करने के लिए भी किया जा सकता है।
- "प्रचार" अनुवाद करने के अन्य तरीकों में "घोषणा" या "खुले तौर पर उपदेश" या "सार्वजनिक रूप से घोषित" शामिल हो सकते हैं।
- "उद्घोषणा" शब्द का अनुवाद "घोषणा" या "सार्वजनिक उपदेश" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, यीशु, परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रेरि.08:4-5
- प्रेरि.10:42-43
- प्रेरि.14:21-22
- प्रेरि. 20:25

- लूका 04:42
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:17
- मत्ती 12:41
- मत्ती 24:14
- प्रेरि.09:20-22
- प्रेरि.13:38-39
- योना 03:1-3
- लूका 04:18-19
- मर. 01:14-15
- मत्ती 10:26

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:02** यूहन्ना ने उनसे कहा, “मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है !”
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:01** यीशु मसीह के सार्वजनिक उपदेशों के तीन साल बाद अपना पहला उपदेश शुरू किया। यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का जश्न मनाना चाहता था, और यह वही जगह है जहाँ उसे मार डाला जाएगा।
- **45:06** तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे|
- **45:07** वह सामरिया नगर में गया और वहा लोगों को यीशु के बारे में बताया और बहुत से लोगों बचाए गए |
- 46:06__तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से __प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:10** फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया |
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।
- **50:02** जब यीशु पृथ्वी पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे चेले दुनिया में हर जगह लोगों को परमेश्वर के राज्य के बारे में शुभ समाचार का प्रचार करेंगे, और फिर अन्त आ जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स:
- प्रचार करना: H1319, H7121, H7150, G1229, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G4283
- प्रचार: H1319, H1696, H1697, H2199, H3045, H3745, H4161, H5046, H5608, H6963, H7121, H7440, H8085, G518, G591, G1229, G1861, G2097, G2605, G2782, G2784, G2980, G3142, G4135

प्रचार करना, प्रचार किया, प्रचार, प्रचारक

परिभाषा:

"प्रचार करना" का अर्थ जनसमूह से बातें करना, उन्हें परमेश्वर के बारे में शिक्षा देना और परमेश्वर की आज्ञाएं मानने के लिए प्रेरित करना। "प्रचार" करने का अर्थ सार्वजनिक रूप से साहसपूर्वक किसी चीज़ की घोषित या घोषणा करना है।

- प्रचार प्रायः एक मनुष्य द्वारा जनसमूह में किया जाता है। प्रचार बोलकर किया जाता है, लिखकर नहीं।
- “प्रचार” और “शिक्षण” समान बात है परन्तु एक से नहीं हैं।
- “प्रचार” अर्थात आत्मिक या नैतिक सत्य की उद्घोषणा करना और श्रोताओं से प्रतिक्रिया का आग्रह करना है। “शिक्षण” में निर्देशनों पर बल दिया जाता है, अर्थात् मनुष्यों को जानकारी देना या उन्हें शिक्षण देना की उन्हें कैसे कार्य करना है।
- “प्रचार” अधिकतर “सुसमाचार” के साथ किया जाता है।
- प्रचारक मनुष्यों में प्रचार करता है तो उसे सामान्यतः उसकी “शिक्षाएं” कहते हैं।
- अक्सर बाइबल में, “प्रचार” का मतलब सार्वजनिक रूप से किसी ऐसी चीज़ की घोषणा करना है, जिसे परमेश्वर ने आज्ञा दी है, या दूसरों को परमेश्वर के बारे में और कितना महान है।
- नए नियम में, प्रेरितों ने यीशु के बारे में कई अलग-अलग शहरों और क्षेत्रों के लोगों को सुसमाचार सुनाया।
- "प्रचार" शब्द का उपयोग राजाओं द्वारा किए गए फरमानों के लिए या सार्वजनिक रूप से बुराई की निंदा करने के लिए भी किया जा सकता है।
- "प्रचार" अनुवाद करने के अन्य तरीकों में "घोषणा" या "खुले तौर पर उपदेश" या "सार्वजनिक रूप से घोषित" शामिल हो सकते हैं।
- "उद्घोषणा" शब्द का अनुवाद "घोषणा" या "सार्वजनिक उपदेश" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, यीशु, परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रेरि.08:4-5

- प्रेरि.10:42-43
- प्रेरि.14:21-22
- प्रेरि. 20:25
- लूका 04:42
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:17
- मत्ती 12:41
- मत्ती 24:14
- प्रेरि.09:20-22
- प्रेरि.13:38-39
- योना 03:1-3
- लूका 04:18-19
- मर. 01:14-15
- मत्ती 10:26

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:02** यूहन्ना ने उनसे कहा, “मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है !”
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:01** यीशु मसीह के सार्वजनिक उपदेशों के तीन साल बाद अपना पहला उपदेश शुरू किया। यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का जश्न मनाना चाहता था, और यह वही जगह है जहाँ उसे मार डाला जाएगा।
- **45:06** तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे|
- **45:07** वह सामरिया नगर में गया और वहा लोगों को यीशु के बारे में बताया और बहुत से लोगों बचाए गए |
- 46:06__तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से __प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:10** फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया |
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।
- **50:02** जब यीशु पृथ्वी पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे चेले दुनिया में हर जगह लोगों को परमेश्वर के राज्य के बारे में शुभ समाचार का प्रचार करेंगे, और फिर अन्त आ जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स:
- प्रचार करना: H1319, H7121, H7150, G1229, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G4283
- प्रचार: H1319, H1696, H1697, H2199, H3045, H3745, H4161, H5046, H5608, H6963, H7121, H7440, H8085, G518, G591, G1229, G1861, G2097, G2605, G2782, G2784, G2980, G3142, G4135

प्रतिज्ञा, प्रतिज्ञाएं, प्रतिज्ञा किया

परिभाषा:

प्रतिज्ञा किसी काम को करने का प्रण है मनुष्य किसी बात की प्रतिज्ञा करता है तो वह उसे करने का समर्पण करता है।

- बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों से अनेक प्रतिज्ञाएं की हैं।
- प्रतिज्ञाएं औपचारिक समझौतों जैसे वाचाओं का एक महत्वपूर्ण भाग होती हैं।
- प्रतिज्ञा अक्सर शपथ के साथ की जाती है कि उसका पूरा किया जाना निश्चित है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रतिज्ञा” शब्द का अनुवाद, “समर्पण” या “आश्वासन” या “विश्वास” हो सकता है।
- “किसी काम को करने की प्रतिज्ञा” का अनुवाद, “किसी को विश्वास दिलाना कि आप कुछ करेंगे” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”हो सकता है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, मन्नत)

बाइबल संदर्भ:

- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 25:31-34
- इब्रानियों 11:8-10

- याकूब 01:12-13
- गिनती 30:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **03:16** परमेश्वर ने बादल में पहला धनुष बनाया रखा वाचा के चिह्न के स्वरुप में। जब भी आकाश में धनुष दिखाई देगा, परमेश्वर अपनी _वाचा को याद करेगा और लोग भी।
- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से कहा और दुबारा वाचा किया कि उसको एक पुत्र की प्राप्ति होगी और उसकी संतान आकाश में तारो के सामान होगी। अब्राम ने परमेश्वर के वाचा पर विश्वास किया।
- **05:04** तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा - वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।
- **08:15** वाचा परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम से बाँधी थी , अब्राहम के बाद इसहाक से, इसहाक के बाद याकूब और उसके बारह पुत्रों व उसके परिवार से|
- **17:14** जबकि दाऊद परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य न रहा, परन्तु परमेश्वर अपनी वाचा पर खरा था।
- **50:01** यीशु ने वादा किया कि संसार के अंत में वह वापस आएगा। यद्यपि वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपना वादा पूरा करेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

प्रतिज्ञा, प्रतिज्ञाएं, प्रतिज्ञा किया

परिभाषा:

प्रतिज्ञा किसी काम को करने का प्रण है मनुष्य किसी बात की प्रतिज्ञा करता है तो वह उसे करने का समर्पण करता है।

- बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों से अनेक प्रतिज्ञाएं की हैं।
- प्रतिज्ञाएं औपचारिक समझौतों जैसे वाचाओं का एक महत्वपूर्ण भाग होती हैं।
- प्रतिज्ञा अक्सर शपथ के साथ की जाती है कि उसका पूरा किया जाना निश्चित है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रतिज्ञा” शब्द का अनुवाद, “समर्पण” या “आश्वासन” या “विश्वास” हो सकता है।
- “किसी काम को करने की प्रतिज्ञा” का अनुवाद, “किसी को विश्वास दिलाना कि आप कुछ करेंगे” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”हो सकता है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, मन्नत)

बाइबल संदर्भ:

- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 25:31-34
- इब्रानियों 11:8-10
- याकूब 01:12-13
- गिनती 30:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **03:16** परमेश्वर ने बादल में पहला धनुष बनाया रखा वाचा के चिह्न के स्वरुप में। जब भी आकाश में धनुष दिखाई देगा, परमेश्वर अपनी _वाचा को याद करेगा और लोग भी।
- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से कहा और दुबारा वाचा किया कि उसको एक पुत्र की प्राप्ति होगी और उसकी संतान आकाश में तारो के सामान होगी। अब्राम ने परमेश्वर के वाचा पर विश्वास किया।
- **05:04** तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा - वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।
- **08:15** वाचा परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम से बाँधी थी , अब्राहम के बाद इसहाक से, इसहाक के बाद याकूब और उसके बारह पुत्रों व उसके परिवार से|
- **17:14** जबकि दाऊद परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य न रहा, परन्तु परमेश्वर अपनी वाचा पर खरा था।

- **50:01** यीशु ने वादा किया कि संसार के अंत में वह वापस आएगा। यद्यपि वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपना वादा पूरा करेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

प्रतिज्ञा, प्रतिज्ञाएं, प्रतिज्ञा किया

परिभाषा:

प्रतिज्ञा किसी काम को करने का प्रण है मनुष्य किसी बात की प्रतिज्ञा करता है तो वह उसे करने का समर्पण करता है।

- बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों से अनेक प्रतिज्ञाएं की हैं।
- प्रतिज्ञाएं औपचारिक समझौतों जैसे वाचाओं का एक महत्वपूर्ण भाग होती हैं।
- प्रतिज्ञा अक्सर शपथ के साथ की जाती है कि उसका पूरा किया जाना निश्चित है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रतिज्ञा” शब्द का अनुवाद, “समर्पण” या “आश्वासन” या “विश्वास” हो सकता है।
- “किसी काम को करने की प्रतिज्ञा” का अनुवाद, “किसी को विश्वास दिलाना कि आप कुछ करेंगे” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”हो सकता है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, मन्नत)

बाइबल संदर्भ:

- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 25:31-34
- इब्रानियों 11:8-10
- याकूब 01:12-13
- गिनती 30:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **03:16** परमेश्वर ने बादल में पहला धनुष बनाया रखा वाचा के चिह्न के स्वरुप में। जब भी आकाश में धनुष दिखाई देगा, परमेश्वर अपनी _वाचा को याद करेगा और लोग भी।
- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से कहा और दुबारा वाचा किया कि उसको एक पुत्र की प्राप्ति होगी और उसकी संतान आकाश में तारो के सामान होगी। अब्राम ने परमेश्वर के वाचा पर विश्वास किया।
- **05:04** तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा - वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।
- **08:15** वाचा परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम से बाँधी थी , अब्राहम के बाद इसहाक से, इसहाक के बाद याकूब और उसके बारह पुत्रों व उसके परिवार से|
- **17:14** जबकि दाऊद परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य न रहा, परन्तु परमेश्वर अपनी वाचा पर खरा था।
- **50:01** यीशु ने वादा किया कि संसार के अंत में वह वापस आएगा। यद्यपि वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपना वादा पूरा करेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

प्रतिज्ञा, प्रतिज्ञाएं, प्रतिज्ञा किया

परिभाषा:

प्रतिज्ञा किसी काम को करने का प्रण है मनुष्य किसी बात की प्रतिज्ञा करता है तो वह उसे करने का समर्पण करता है।

- बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों से अनेक प्रतिज्ञाएं की हैं।
- प्रतिज्ञाएं औपचारिक समझौतों जैसे वाचाओं का एक महत्वपूर्ण भाग होती हैं।
- प्रतिज्ञा अक्सर शपथ के साथ की जाती है कि उसका पूरा किया जाना निश्चित है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रतिज्ञा” शब्द का अनुवाद, “समर्पण” या “आश्वासन” या “विश्वास” हो सकता है।
- “किसी काम को करने की प्रतिज्ञा” का अनुवाद, “किसी को विश्वास दिलाना कि आप कुछ करेंगे” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”हो सकता है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, मन्नत)

बाइबल संदर्भ:

- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 25:31-34
- इब्रानियों 11:8-10
- याकूब 01:12-13
- गिनती 30:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **03:16** परमेश्वर ने बादल में पहला धनुष बनाया रखा वाचा के चिह्न के स्वरुप में। जब भी आकाश में धनुष दिखाई देगा, परमेश्वर अपनी _वाचा को याद करेगा और लोग भी।
- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से कहा और दुबारा वाचा किया कि उसको एक पुत्र की प्राप्ति होगी और उसकी संतान आकाश में तारो के सामान होगी। अब्राम ने परमेश्वर के वाचा पर विश्वास किया।
- **05:04** तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा - वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।
- **08:15** वाचा परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम से बाँधी थी , अब्राहम के बाद इसहाक से, इसहाक के बाद याकूब और उसके बारह पुत्रों व उसके परिवार से|
- **17:14** जबकि दाऊद परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य न रहा, परन्तु परमेश्वर अपनी वाचा पर खरा था।
- **50:01** यीशु ने वादा किया कि संसार के अंत में वह वापस आएगा। यद्यपि वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपना वादा पूरा करेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

प्रतिज्ञा, प्रतिज्ञाएं, प्रतिज्ञा किया

परिभाषा:

प्रतिज्ञा किसी काम को करने का प्रण है मनुष्य किसी बात की प्रतिज्ञा करता है तो वह उसे करने का समर्पण करता है।

- बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों से अनेक प्रतिज्ञाएं की हैं।
- प्रतिज्ञाएं औपचारिक समझौतों जैसे वाचाओं का एक महत्वपूर्ण भाग होती हैं।
- प्रतिज्ञा अक्सर शपथ के साथ की जाती है कि उसका पूरा किया जाना निश्चित है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रतिज्ञा” शब्द का अनुवाद, “समर्पण” या “आश्वासन” या “विश्वास” हो सकता है।
- “किसी काम को करने की प्रतिज्ञा” का अनुवाद, “किसी को विश्वास दिलाना कि आप कुछ करेंगे” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”हो सकता है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, मन्नत)

बाइबल संदर्भ:

- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 25:31-34
- इब्रानियों 11:8-10
- याकूब 01:12-13
- गिनती 30:1-2

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **03:16** परमेश्वर ने बादल में पहला धनुष बनाया रखा वाचा के चिह्न के स्वरुप में। जब भी आकाश में धनुष दिखाई देगा, परमेश्वर अपनी _वाचा को याद करेगा और लोग भी।
- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से कहा और दुबारा वाचा किया कि उसको एक पुत्र की प्राप्ति होगी और उसकी संतान आकाश में तारो के सामान होगी। अब्राम ने परमेश्वर के वाचा पर विश्वास किया।
- **05:04** तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा - वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।
- **08:15** वाचा परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम से बाँधी थी , अब्राहम के बाद इसहाक से, इसहाक के बाद याकूब और उसके बारह पुत्रों व उसके परिवार से|
- **17:14** जबकि दाऊद परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य न रहा, परन्तु परमेश्वर अपनी वाचा पर खरा था।
- **50:01** यीशु ने वादा किया कि संसार के अंत में वह वापस आएगा। यद्यपि वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपना वादा पूरा करेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

प्रतिज्ञा, प्रतिज्ञाएं, प्रतिज्ञा किया

परिभाषा:

प्रतिज्ञा किसी काम को करने का प्रण है मनुष्य किसी बात की प्रतिज्ञा करता है तो वह उसे करने का समर्पण करता है।

- बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों से अनेक प्रतिज्ञाएं की हैं।
- प्रतिज्ञाएं औपचारिक समझौतों जैसे वाचाओं का एक महत्वपूर्ण भाग होती हैं।
- प्रतिज्ञा अक्सर शपथ के साथ की जाती है कि उसका पूरा किया जाना निश्चित है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रतिज्ञा” शब्द का अनुवाद, “समर्पण” या “आश्वासन” या “विश्वास” हो सकता है।
- “किसी काम को करने की प्रतिज्ञा” का अनुवाद, “किसी को विश्वास दिलाना कि आप कुछ करेंगे” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”हो सकता है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, मन्नत)

बाइबल संदर्भ:

- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 25:31-34
- इब्रानियों 11:8-10
- याकूब 01:12-13
- गिनती 30:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **03:16** परमेश्वर ने बादल में पहला धनुष बनाया रखा वाचा के चिह्न के स्वरुप में। जब भी आकाश में धनुष दिखाई देगा, परमेश्वर अपनी _वाचा को याद करेगा और लोग भी।
- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से कहा और दुबारा वाचा किया कि उसको एक पुत्र की प्राप्ति होगी और उसकी संतान आकाश में तारो के सामान होगी। अब्राम ने परमेश्वर के वाचा पर विश्वास किया।
- **05:04** तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा - वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।
- **08:15** वाचा परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम से बाँधी थी , अब्राहम के बाद इसहाक से, इसहाक के बाद याकूब और उसके बारह पुत्रों व उसके परिवार से|
- **17:14** जबकि दाऊद परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य न रहा, परन्तु परमेश्वर अपनी वाचा पर खरा था।
- **50:01** यीशु ने वादा किया कि संसार के अंत में वह वापस आएगा। यद्यपि वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपना वादा पूरा करेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

प्रतिज्ञा, प्रतिज्ञाएं, प्रतिज्ञा किया

परिभाषा:

प्रतिज्ञा किसी काम को करने का प्रण है मनुष्य किसी बात की प्रतिज्ञा करता है तो वह उसे करने का समर्पण करता है।

- बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों से अनेक प्रतिज्ञाएं की हैं।
- प्रतिज्ञाएं औपचारिक समझौतों जैसे वाचाओं का एक महत्वपूर्ण भाग होती हैं।
- प्रतिज्ञा अक्सर शपथ के साथ की जाती है कि उसका पूरा किया जाना निश्चित है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रतिज्ञा” शब्द का अनुवाद, “समर्पण” या “आश्वासन” या “विश्वास” हो सकता है।
- “किसी काम को करने की प्रतिज्ञा” का अनुवाद, “किसी को विश्वास दिलाना कि आप कुछ करेंगे” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”हो सकता है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, मन्नत)

बाइबल संदर्भ:

- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 25:31-34
- इब्रानियों 11:8-10
- याकूब 01:12-13
- गिनती 30:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **03:16** परमेश्वर ने बादल में पहला धनुष बनाया रखा वाचा के चिह्न के स्वरुप में। जब भी आकाश में धनुष दिखाई देगा, परमेश्वर अपनी _वाचा को याद करेगा और लोग भी।
- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से कहा और दुबारा वाचा किया कि उसको एक पुत्र की प्राप्ति होगी और उसकी संतान आकाश में तारो के सामान होगी। अब्राम ने परमेश्वर के वाचा पर विश्वास किया।
- **05:04** तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा - वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।
- **08:15** वाचा परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम से बाँधी थी , अब्राहम के बाद इसहाक से, इसहाक के बाद याकूब और उसके बारह पुत्रों व उसके परिवार से|
- **17:14** जबकि दाऊद परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य न रहा, परन्तु परमेश्वर अपनी वाचा पर खरा था।
- **50:01** यीशु ने वादा किया कि संसार के अंत में वह वापस आएगा। यद्यपि वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपना वादा पूरा करेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

प्रतिज्ञा, प्रतिज्ञाएं, प्रतिज्ञा किया

परिभाषा:

प्रतिज्ञा किसी काम को करने का प्रण है मनुष्य किसी बात की प्रतिज्ञा करता है तो वह उसे करने का समर्पण करता है।

- बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों से अनेक प्रतिज्ञाएं की हैं।
- प्रतिज्ञाएं औपचारिक समझौतों जैसे वाचाओं का एक महत्वपूर्ण भाग होती हैं।
- प्रतिज्ञा अक्सर शपथ के साथ की जाती है कि उसका पूरा किया जाना निश्चित है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रतिज्ञा” शब्द का अनुवाद, “समर्पण” या “आश्वासन” या “विश्वास” हो सकता है।
- “किसी काम को करने की प्रतिज्ञा” का अनुवाद, “किसी को विश्वास दिलाना कि आप कुछ करेंगे” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”हो सकता है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, मन्नत)

बाइबल संदर्भ:

- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 25:31-34
- इब्रानियों 11:8-10
- याकूब 01:12-13
- गिनती 30:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **03:16** परमेश्वर ने बादल में पहला धनुष बनाया रखा वाचा के चिह्न के स्वरुप में। जब भी आकाश में धनुष दिखाई देगा, परमेश्वर अपनी _वाचा को याद करेगा और लोग भी।
- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से कहा और दुबारा वाचा किया कि उसको एक पुत्र की प्राप्ति होगी और उसकी संतान आकाश में तारो के सामान होगी। अब्राम ने परमेश्वर के वाचा पर विश्वास किया।
- **05:04** तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा - वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।
- **08:15** वाचा परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम से बाँधी थी , अब्राहम के बाद इसहाक से, इसहाक के बाद याकूब और उसके बारह पुत्रों व उसके परिवार से|
- **17:14** जबकि दाऊद परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य न रहा, परन्तु परमेश्वर अपनी वाचा पर खरा था।
- **50:01** यीशु ने वादा किया कि संसार के अंत में वह वापस आएगा। यद्यपि वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपना वादा पूरा करेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

प्रतिज्ञा, प्रतिज्ञाएं, प्रतिज्ञा किया

परिभाषा:

प्रतिज्ञा किसी काम को करने का प्रण है मनुष्य किसी बात की प्रतिज्ञा करता है तो वह उसे करने का समर्पण करता है।

- बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों से अनेक प्रतिज्ञाएं की हैं।
- प्रतिज्ञाएं औपचारिक समझौतों जैसे वाचाओं का एक महत्वपूर्ण भाग होती हैं।
- प्रतिज्ञा अक्सर शपथ के साथ की जाती है कि उसका पूरा किया जाना निश्चित है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रतिज्ञा” शब्द का अनुवाद, “समर्पण” या “आश्वासन” या “विश्वास” हो सकता है।
- “किसी काम को करने की प्रतिज्ञा” का अनुवाद, “किसी को विश्वास दिलाना कि आप कुछ करेंगे” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”हो सकता है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, मन्नत)

बाइबल संदर्भ:

- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 25:31-34
- इब्रानियों 11:8-10
- याकूब 01:12-13
- गिनती 30:1-2

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **03:16** परमेश्वर ने बादल में पहला धनुष बनाया रखा वाचा के चिह्न के स्वरुप में। जब भी आकाश में धनुष दिखाई देगा, परमेश्वर अपनी _वाचा को याद करेगा और लोग भी।
- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से कहा और दुबारा वाचा किया कि उसको एक पुत्र की प्राप्ति होगी और उसकी संतान आकाश में तारो के सामान होगी। अब्राम ने परमेश्वर के वाचा पर विश्वास किया।
- **05:04** तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा - वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।
- **08:15** वाचा परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम से बाँधी थी , अब्राहम के बाद इसहाक से, इसहाक के बाद याकूब और उसके बारह पुत्रों व उसके परिवार से|
- **17:14** जबकि दाऊद परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य न रहा, परन्तु परमेश्वर अपनी वाचा पर खरा था।
- **50:01** यीशु ने वादा किया कि संसार के अंत में वह वापस आएगा। यद्यपि वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपना वादा पूरा करेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

प्रतिज्ञा, प्रतिज्ञाएं, प्रतिज्ञा किया

परिभाषा:

प्रतिज्ञा किसी काम को करने का प्रण है मनुष्य किसी बात की प्रतिज्ञा करता है तो वह उसे करने का समर्पण करता है।

- बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों से अनेक प्रतिज्ञाएं की हैं।
- प्रतिज्ञाएं औपचारिक समझौतों जैसे वाचाओं का एक महत्वपूर्ण भाग होती हैं।
- प्रतिज्ञा अक्सर शपथ के साथ की जाती है कि उसका पूरा किया जाना निश्चित है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रतिज्ञा” शब्द का अनुवाद, “समर्पण” या “आश्वासन” या “विश्वास” हो सकता है।
- “किसी काम को करने की प्रतिज्ञा” का अनुवाद, “किसी को विश्वास दिलाना कि आप कुछ करेंगे” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”हो सकता है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, मन्नत)

बाइबल संदर्भ:

- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 25:31-34
- इब्रानियों 11:8-10
- याकूब 01:12-13
- गिनती 30:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **03:16** परमेश्वर ने बादल में पहला धनुष बनाया रखा वाचा के चिह्न के स्वरुप में। जब भी आकाश में धनुष दिखाई देगा, परमेश्वर अपनी _वाचा को याद करेगा और लोग भी।
- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से कहा और दुबारा वाचा किया कि उसको एक पुत्र की प्राप्ति होगी और उसकी संतान आकाश में तारो के सामान होगी। अब्राम ने परमेश्वर के वाचा पर विश्वास किया।
- **05:04** तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा - वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।
- **08:15** वाचा परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम से बाँधी थी , अब्राहम के बाद इसहाक से, इसहाक के बाद याकूब और उसके बारह पुत्रों व उसके परिवार से|
- **17:14** जबकि दाऊद परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य न रहा, परन्तु परमेश्वर अपनी वाचा पर खरा था।
- **50:01** यीशु ने वादा किया कि संसार के अंत में वह वापस आएगा। यद्यपि वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपना वादा पूरा करेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

प्रतिज्ञा, प्रतिज्ञाएं, प्रतिज्ञा किया

परिभाषा:

प्रतिज्ञा किसी काम को करने का प्रण है मनुष्य किसी बात की प्रतिज्ञा करता है तो वह उसे करने का समर्पण करता है।

- बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों से अनेक प्रतिज्ञाएं की हैं।
- प्रतिज्ञाएं औपचारिक समझौतों जैसे वाचाओं का एक महत्वपूर्ण भाग होती हैं।
- प्रतिज्ञा अक्सर शपथ के साथ की जाती है कि उसका पूरा किया जाना निश्चित है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रतिज्ञा” शब्द का अनुवाद, “समर्पण” या “आश्वासन” या “विश्वास” हो सकता है।
- “किसी काम को करने की प्रतिज्ञा” का अनुवाद, “किसी को विश्वास दिलाना कि आप कुछ करेंगे” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”हो सकता है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, मन्नत)

बाइबल संदर्भ:

- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 25:31-34
- इब्रानियों 11:8-10
- याकूब 01:12-13
- गिनती 30:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **03:16** परमेश्वर ने बादल में पहला धनुष बनाया रखा वाचा के चिह्न के स्वरुप में। जब भी आकाश में धनुष दिखाई देगा, परमेश्वर अपनी _वाचा को याद करेगा और लोग भी।
- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से कहा और दुबारा वाचा किया कि उसको एक पुत्र की प्राप्ति होगी और उसकी संतान आकाश में तारो के सामान होगी। अब्राम ने परमेश्वर के वाचा पर विश्वास किया।
- **05:04** तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा - वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।
- **08:15** वाचा परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम से बाँधी थी , अब्राहम के बाद इसहाक से, इसहाक के बाद याकूब और उसके बारह पुत्रों व उसके परिवार से|
- **17:14** जबकि दाऊद परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य न रहा, परन्तु परमेश्वर अपनी वाचा पर खरा था।
- **50:01** यीशु ने वादा किया कि संसार के अंत में वह वापस आएगा। यद्यपि वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपना वादा पूरा करेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

प्रतिज्ञा, प्रतिज्ञाएं, प्रतिज्ञा किया

परिभाषा:

प्रतिज्ञा किसी काम को करने का प्रण है मनुष्य किसी बात की प्रतिज्ञा करता है तो वह उसे करने का समर्पण करता है।

- बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों से अनेक प्रतिज्ञाएं की हैं।
- प्रतिज्ञाएं औपचारिक समझौतों जैसे वाचाओं का एक महत्वपूर्ण भाग होती हैं।
- प्रतिज्ञा अक्सर शपथ के साथ की जाती है कि उसका पूरा किया जाना निश्चित है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रतिज्ञा” शब्द का अनुवाद, “समर्पण” या “आश्वासन” या “विश्वास” हो सकता है।
- “किसी काम को करने की प्रतिज्ञा” का अनुवाद, “किसी को विश्वास दिलाना कि आप कुछ करेंगे” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”हो सकता है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, मन्नत)

बाइबल संदर्भ:

- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 25:31-34
- इब्रानियों 11:8-10
- याकूब 01:12-13
- गिनती 30:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **03:16** परमेश्वर ने बादल में पहला धनुष बनाया रखा वाचा के चिह्न के स्वरुप में। जब भी आकाश में धनुष दिखाई देगा, परमेश्वर अपनी _वाचा को याद करेगा और लोग भी।
- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से कहा और दुबारा वाचा किया कि उसको एक पुत्र की प्राप्ति होगी और उसकी संतान आकाश में तारो के सामान होगी। अब्राम ने परमेश्वर के वाचा पर विश्वास किया।
- **05:04** तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा - वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।
- **08:15** वाचा परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम से बाँधी थी , अब्राहम के बाद इसहाक से, इसहाक के बाद याकूब और उसके बारह पुत्रों व उसके परिवार से|
- **17:14** जबकि दाऊद परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य न रहा, परन्तु परमेश्वर अपनी वाचा पर खरा था।
- **50:01** यीशु ने वादा किया कि संसार के अंत में वह वापस आएगा। यद्यपि वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपना वादा पूरा करेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

प्रतिज्ञा, प्रतिज्ञाएं, प्रतिज्ञा किया

परिभाषा:

प्रतिज्ञा किसी काम को करने का प्रण है मनुष्य किसी बात की प्रतिज्ञा करता है तो वह उसे करने का समर्पण करता है।

- बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों से अनेक प्रतिज्ञाएं की हैं।
- प्रतिज्ञाएं औपचारिक समझौतों जैसे वाचाओं का एक महत्वपूर्ण भाग होती हैं।
- प्रतिज्ञा अक्सर शपथ के साथ की जाती है कि उसका पूरा किया जाना निश्चित है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रतिज्ञा” शब्द का अनुवाद, “समर्पण” या “आश्वासन” या “विश्वास” हो सकता है।
- “किसी काम को करने की प्रतिज्ञा” का अनुवाद, “किसी को विश्वास दिलाना कि आप कुछ करेंगे” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”हो सकता है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, मन्नत)

बाइबल संदर्भ:

- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 25:31-34
- इब्रानियों 11:8-10
- याकूब 01:12-13
- गिनती 30:1-2

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **03:16** परमेश्वर ने बादल में पहला धनुष बनाया रखा वाचा के चिह्न के स्वरुप में। जब भी आकाश में धनुष दिखाई देगा, परमेश्वर अपनी _वाचा को याद करेगा और लोग भी।
- **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से कहा और दुबारा वाचा किया कि उसको एक पुत्र की प्राप्ति होगी और उसकी संतान आकाश में तारो के सामान होगी। अब्राम ने परमेश्वर के वाचा पर विश्वास किया।
- **05:04** तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा - वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।
- **08:15** वाचा परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम से बाँधी थी , अब्राहम के बाद इसहाक से, इसहाक के बाद याकूब और उसके बारह पुत्रों व उसके परिवार से|
- **17:14** जबकि दाऊद परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य न रहा, परन्तु परमेश्वर अपनी वाचा पर खरा था।
- **50:01** यीशु ने वादा किया कि संसार के अंत में वह वापस आएगा। यद्यपि वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपना वादा पूरा करेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

प्रतिफल, प्रतिफल, प्रतिफल देना, पुरस्कृत, प्रतिफल देने बाला

परिभाषा:

“प्रतिफल” शब्द का अर्थ है कि किसी व्यक्ति का अच्छा या बुरा किया हुआ कार्य के लिए जो कुछ उसको मिलता है उसको सूचित करता है। “पुरूस्कार” अर्थात् किसी को उसकी योग्यता के लिए कुछ देना।

- प्रतिफल अच्छा और सकारात्मक होता है जिससे भलाई करनेवाला या परमेश्वर की आज्ञा मानने वाला प्राप्त करता है।
- कभी-कभी प्रतिफल नकारात्मक होता है जो बुरे व्यवहार का परिणाम होता है जैसे “दुष्टता का प्रतिफल” इस संदर्भ में “प्रतिफल” नकारात्मक परिणाम या पाप का दण्ड होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “प्रतिफल” का अनुवाद “भुगतान” या “योग्य कोई बात” या “दण्ड” हो सकता है।
- “प्रतिफल देना” का अनुवाद हो सकता है, “बदले में देना” या “जो योग्य है वह देना”।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद का अर्थ मजदूरी न हो। प्रतिफल काम का वेतन नहीं है।

(यह भी देखें: दण्ड देना)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 32:5-6
- यशायाह 40:9-10
- लूका 06:35-36
- मरकुस 09:40-41
- मत्ती 05:11-12
- मत्ती 06:3-4
- भजन-संहिता 127:3-5
- प्रकाशितवाक्य 11:18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H319, H866, H868, H1576, H1578, H1580, H4864, H4909, H4991, H5023, H6118, H6468, H6529, H7809, H7810, H7936, H7938, H7939, H7966, H7999, H8011, H8021, G469, G514, G591, G2603, G3405, G3406, G3408

प्रतिफल, प्रतिफल, प्रतिफल देना, पुरस्कृत, प्रतिफल देने बाला

परिभाषा:

“प्रतिफल” शब्द का अर्थ है कि किसी व्यक्ति का अच्छा या बुरा किया हुआ कार्य के लिए जो कुछ उसको मिलता है उसको सूचित करता है। “पुरूस्कार” अर्थात् किसी को उसकी योग्यता के लिए कुछ देना।

- प्रतिफल अच्छा और सकारात्मक होता है जिससे भलाई करनेवाला या परमेश्वर की आज्ञा मानने वाला प्राप्त करता है।
- कभी-कभी प्रतिफल नकारात्मक होता है जो बुरे व्यवहार का परिणाम होता है जैसे “दुष्टता का प्रतिफल” इस संदर्भ में “प्रतिफल” नकारात्मक परिणाम या पाप का दण्ड होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “प्रतिफल” का अनुवाद “भुगतान” या “योग्य कोई बात” या “दण्ड” हो सकता है।
- “प्रतिफल देना” का अनुवाद हो सकता है, “बदले में देना” या “जो योग्य है वह देना”।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद का अर्थ मजदूरी न हो। प्रतिफल काम का वेतन नहीं है।

(यह भी देखें: दण्ड देना)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 32:5-6
- यशायाह 40:9-10
- लूका 06:35-36
- मरकुस 09:40-41
- मत्ती 05:11-12
- मत्ती 06:3-4
- भजन-संहिता 127:3-5
- प्रकाशितवाक्य 11:18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H319, H866, H868, H1576, H1578, H1580, H4864, H4909, H4991, H5023, H6118, H6468, H6529, H7809, H7810, H7936, H7938, H7939, H7966, H7999, H8011, H8021, G469, G514, G591, G2603, G3405, G3406, G3408

प्रतिफल, प्रतिफल, प्रतिफल देना, पुरस्कृत, प्रतिफल देने बाला

परिभाषा:

“प्रतिफल” शब्द का अर्थ है कि किसी व्यक्ति का अच्छा या बुरा किया हुआ कार्य के लिए जो कुछ उसको मिलता है उसको सूचित करता है। “पुरूस्कार” अर्थात् किसी को उसकी योग्यता के लिए कुछ देना।

- प्रतिफल अच्छा और सकारात्मक होता है जिससे भलाई करनेवाला या परमेश्वर की आज्ञा मानने वाला प्राप्त करता है।
- कभी-कभी प्रतिफल नकारात्मक होता है जो बुरे व्यवहार का परिणाम होता है जैसे “दुष्टता का प्रतिफल” इस संदर्भ में “प्रतिफल” नकारात्मक परिणाम या पाप का दण्ड होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “प्रतिफल” का अनुवाद “भुगतान” या “योग्य कोई बात” या “दण्ड” हो सकता है।
- “प्रतिफल देना” का अनुवाद हो सकता है, “बदले में देना” या “जो योग्य है वह देना”।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद का अर्थ मजदूरी न हो। प्रतिफल काम का वेतन नहीं है।

(यह भी देखें: दण्ड देना)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 32:5-6
- यशायाह 40:9-10

- लूका 06:35-36
- मरकुस 09:40-41
- मत्ती 05:11-12
- मत्ती 06:3-4
- भजन-संहिता 127:3-5
- प्रकाशितवाक्य 11:18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H319, H866, H868, H1576, H1578, H1580, H4864, H4909, H4991, H5023, H6118, H6468, H6529, H7809, H7810, H7936, H7938, H7939, H7966, H7999, H8011, H8021, G469, G514, G591, G2603, G3405, G3406, G3408

प्रतिफल, प्रतिफल, प्रतिफल देना, पुरस्कृत, प्रतिफल देने बाला

परिभाषा:

“प्रतिफल” शब्द का अर्थ है कि किसी व्यक्ति का अच्छा या बुरा किया हुआ कार्य के लिए जो कुछ उसको मिलता है उसको सूचित करता है। “पुरूस्कार” अर्थात् किसी को उसकी योग्यता के लिए कुछ देना।

- प्रतिफल अच्छा और सकारात्मक होता है जिससे भलाई करनेवाला या परमेश्वर की आज्ञा मानने वाला प्राप्त करता है।
- कभी-कभी प्रतिफल नकारात्मक होता है जो बुरे व्यवहार का परिणाम होता है जैसे “दुष्टता का प्रतिफल” इस संदर्भ में “प्रतिफल” नकारात्मक परिणाम या पाप का दण्ड होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “प्रतिफल” का अनुवाद “भुगतान” या “योग्य कोई बात” या “दण्ड” हो सकता है।
- “प्रतिफल देना” का अनुवाद हो सकता है, “बदले में देना” या “जो योग्य है वह देना”।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद का अर्थ मजदूरी न हो। प्रतिफल काम का वेतन नहीं है।

(यह भी देखें: दण्ड देना)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 32:5-6
- यशायाह 40:9-10
- लूका 06:35-36
- मरकुस 09:40-41
- मत्ती 05:11-12
- मत्ती 06:3-4
- भजन-संहिता 127:3-5
- प्रकाशितवाक्य 11:18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H319, H866, H868, H1576, H1578, H1580, H4864, H4909, H4991, H5023, H6118, H6468, H6529, H7809, H7810, H7936, H7938, H7939, H7966, H7999, H8011, H8021, G469, G514, G591, G2603, G3405, G3406, G3408

प्रतिफल, प्रतिफल, प्रतिफल देना, पुरस्कृत, प्रतिफल देने बाला

परिभाषा:

“प्रतिफल” शब्द का अर्थ है कि किसी व्यक्ति का अच्छा या बुरा किया हुआ कार्य के लिए जो कुछ उसको मिलता है उसको सूचित करता है। “पुरूस्कार” अर्थात् किसी को उसकी योग्यता के लिए कुछ देना।

- प्रतिफल अच्छा और सकारात्मक होता है जिससे भलाई करनेवाला या परमेश्वर की आज्ञा मानने वाला प्राप्त करता है।
- कभी-कभी प्रतिफल नकारात्मक होता है जो बुरे व्यवहार का परिणाम होता है जैसे “दुष्टता का प्रतिफल” इस संदर्भ में “प्रतिफल” नकारात्मक परिणाम या पाप का दण्ड होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "प्रतिफल" का अनुवाद "भुगतान" या "योग्य कोई बात" या "दण्ड" हो सकता है।
- "प्रतिफल देना" का अनुवाद हो सकता है, "बदले में देना" या "जो योग्य है वह देना"।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद का अर्थ मजदूरी न हो। प्रतिफल काम का वेतन नहीं है।

(यह भी देखें: दण्ड देना)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 32:5-6
- यशायाह 40:9-10
- लूका 06:35-36
- मरकुस 09:40-41
- मत्ती 05:11-12
- मत्ती 06:3-4
- भजन-संहिता 127:3-5
- प्रकाशितवाक्य 11:18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H319, H866, H868, H1576, H1578, H1580, H4864, H4909, H4991, H5023, H6118, H6468, H6529, H7809, H7810, H7936, H7938, H7939, H7966, H7999, H8011, H8021, G469, G514, G591, G2603, G3405, G3406, G3408

प्रतिफल, प्रतिफल, प्रतिफल देना, पुरस्कृत, प्रतिफल देने बाला

परिभाषा:

"प्रतिफल" शब्द का अर्थ है कि किसी व्यक्ति का अच्छा या बुरा किया हुआ कार्य के लिए जो कुछ उसको मिलता है उसको सूचित करता है। "पुरूस्कार" अर्थात् किसी को उसकी योग्यता के लिए कुछ देना।

- प्रतिफल अच्छा और सकारात्मक होता है जिससे भलाई करनेवाला या परमेश्वर की आज्ञा मानने वाला प्राप्त करता है।
- कभी-कभी प्रतिफल नकारात्मक होता है जो बुरे व्यवहार का परिणाम होता है जैसे "दुष्टता का प्रतिफल" इस संदर्भ में "प्रतिफल" नकारात्मक परिणाम या पाप का दण्ड होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "प्रतिफल" का अनुवाद "भुगतान" या "योग्य कोई बात" या "दण्ड" हो सकता है।
- "प्रतिफल देना" का अनुवाद हो सकता है, "बदले में देना" या "जो योग्य है वह देना"।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद का अर्थ मजदूरी न हो। प्रतिफल काम का वेतन नहीं है।

(यह भी देखें: दण्ड देना)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 32:5-6
- यशायाह 40:9-10
- लूका 06:35-36
- मरकुस 09:40-41
- मत्ती 05:11-12
- मत्ती 06:3-4
- भजन-संहिता 127:3-5
- प्रकाशितवाक्य 11:18

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H319, H866, H868, H1576, H1578, H1580, H4864, H4909, H4991, H5023, H6118, H6468, H6529, H7809, H7810, H7936, H7938, H7939, H7966, H7999, H8011, H8021, G469, G514, G591, G2603, G3405, G3406, G3408

प्रतिफल, प्रतिफल, प्रतिफल देना, पुरस्कृत, प्रतिफल देने बाला

परिभाषा:

“प्रतिफल” शब्द का अर्थ है कि किसी व्यक्ति का अच्छा या बुरा किया हुआ कार्य के लिए जो कुछ उसको मिलता है उसको सूचित करता है। “पुरूस्कार” अर्थात् किसी को उसकी योग्यता के लिए कुछ देना।

- प्रतिफल अच्छा और सकारात्मक होता है जिससे भलाई करनेवाला या परमेश्वर की आज्ञा मानने वाला प्राप्त करता है।
- कभी-कभी प्रतिफल नकारात्मक होता है जो बुरे व्यवहार का परिणाम होता है जैसे “दुष्टता का प्रतिफल” इस संदर्भ में “प्रतिफल” नकारात्मक परिणाम या पाप का दण्ड होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “प्रतिफल” का अनुवाद “भुगतान” या “योग्य कोई बात” या “दण्ड” हो सकता है।
- “प्रतिफल देना” का अनुवाद हो सकता है, “बदले में देना” या “जो योग्य है वह देना”।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद का अर्थ मजदूरी न हो। प्रतिफल काम का वेतन नहीं है।

(यह भी देखें: दण्ड देना)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 32:5-6
- यशायाह 40:9-10
- लूका 06:35-36
- मरकुस 09:40-41
- मत्ती 05:11-12
- मत्ती 06:3-4
- भजन-संहिता 127:3-5
- प्रकाशितवाक्य 11:18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H319, H866, H868, H1576, H1578, H1580, H4864, H4909, H4991, H5023, H6118, H6468, H6529, H7809, H7810, H7936, H7938, H7939, H7966, H7999, H8011, H8021, G469, G514, G591, G2603, G3405, G3406, G3408

प्रतिफल, प्रतिफल, प्रतिफल देना, पुरस्कृत, प्रतिफल देने बाला

परिभाषा:

“प्रतिफल” शब्द का अर्थ है कि किसी व्यक्ति का अच्छा या बुरा किया हुआ कार्य के लिए जो कुछ उसको मिलता है उसको सूचित करता है। “पुरूस्कार” अर्थात् किसी को उसकी योग्यता के लिए कुछ देना।

- प्रतिफल अच्छा और सकारात्मक होता है जिससे भलाई करनेवाला या परमेश्वर की आज्ञा मानने वाला प्राप्त करता है।
- कभी-कभी प्रतिफल नकारात्मक होता है जो बुरे व्यवहार का परिणाम होता है जैसे “दुष्टता का प्रतिफल” इस संदर्भ में “प्रतिफल” नकारात्मक परिणाम या पाप का दण्ड होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “प्रतिफल” का अनुवाद “भुगतान” या “योग्य कोई बात” या “दण्ड” हो सकता है।
- “प्रतिफल देना” का अनुवाद हो सकता है, “बदले में देना” या “जो योग्य है वह देना”।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद का अर्थ मजदूरी न हो। प्रतिफल काम का वेतन नहीं है।

(यह भी देखें: दण्ड देना)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 32:5-6
- यशायाह 40:9-10
- लूका 06:35-36
- मरकुस 09:40-41
- मत्ती 05:11-12
- मत्ती 06:3-4
- भजन-संहिता 127:3-5
- प्रकाशितवाक्य 11:18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H319, H866, H868, H1576, H1578, H1580, H4864, H4909, H4991, H5023, H6118, H6468, H6529, H7809, H7810, H7936, H7938, H7939, H7966, H7999, H8011, H8021, G469, G514, G591, G2603, G3405, G3406, G3408

प्रतिफल, प्रतिफल, प्रतिफल देना, पुरस्कृत, प्रतिफल देने बाला

परिभाषा:

“प्रतिफल” शब्द का अर्थ है कि किसी व्यक्ति का अच्छा या बुरा किया हुआ कार्य के लिए जो कुछ उसको मिलता है उसको सूचित करता है। “पुरूस्कार” अर्थात् किसी को उसकी योग्यता के लिए कुछ देना।

- प्रतिफल अच्छा और सकारात्मक होता है जिससे भलाई करनेवाला या परमेश्वर की आज्ञा मानने वाला प्राप्त करता है।
- कभी-कभी प्रतिफल नकारात्मक होता है जो बुरे व्यवहार का परिणाम होता है जैसे “दुष्टता का प्रतिफल” इस संदर्भ में “प्रतिफल” नकारात्मक परिणाम या पाप का दण्ड होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “प्रतिफल” का अनुवाद “भुगतान” या “योग्य कोई बात” या “दण्ड” हो सकता है।
- “प्रतिफल देना” का अनुवाद हो सकता है, “बदले में देना” या “जो योग्य है वह देना”।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद का अर्थ मजदूरी न हो। प्रतिफल काम का वेतन नहीं है।

(यह भी देखें: दण्ड देना)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 32:5-6
- यशायाह 40:9-10
- लूका 06:35-36
- मरकुस 09:40-41
- मत्ती 05:11-12
- मत्ती 06:3-4
- भजन-संहिता 127:3-5
- प्रकाशितवाक्य 11:18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H319, H866, H868, H1576, H1578, H1580, H4864, H4909, H4991, H5023, H6118, H6468, H6529, H7809, H7810, H7936, H7938, H7939, H7966, H7999, H8011, H8021, G469, G514, G591, G2603, G3405, G3406, G3408

प्रतिफल, प्रतिफल, प्रतिफल देना, पुरस्कृत, प्रतिफल देने बाला

परिभाषा:

“प्रतिफल” शब्द का अर्थ है कि किसी व्यक्ति का अच्छा या बुरा किया हुआ कार्य के लिए जो कुछ उसको मिलता है उसको सूचित करता है। “पुरूस्कार” अर्थात् किसी को उसकी योग्यता के लिए कुछ देना।

- प्रतिफल अच्छा और सकारात्मक होता है जिससे भलाई करनेवाला या परमेश्वर की आज्ञा मानने वाला प्राप्त करता है।
- कभी-कभी प्रतिफल नकारात्मक होता है जो बुरे व्यवहार का परिणाम होता है जैसे “दुष्टता का प्रतिफल” इस संदर्भ में “प्रतिफल” नकारात्मक परिणाम या पाप का दण्ड होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “प्रतिफल” का अनुवाद “भुगतान” या “योग्य कोई बात” या “दण्ड” हो सकता है।
- “प्रतिफल देना” का अनुवाद हो सकता है, “बदले में देना” या “जो योग्य है वह देना”।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद का अर्थ मजदूरी न हो। प्रतिफल काम का वेतन नहीं है।

(यह भी देखें: दण्ड देना)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 32:5-6
- यशायाह 40:9-10
- लूका 06:35-36
- मरकुस 09:40-41
- मत्ती 05:11-12
- मत्ती 06:3-4
- भजन-संहिता 127:3-5
- प्रकाशितवाक्य 11:18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H319, H866, H868, H1576, H1578, H1580, H4864, H4909, H4991, H5023, H6118, H6468, H6529, H7809, H7810, H7936, H7938, H7939, H7966, H7999, H8011, H8021, G469, G514, G591, G2603, G3405, G3406, G3408

प्रतिष्ठित, रईसों, धनी मनुष्य, प्रधान लोग

परिभाषा:

“प्रतिष्ठित” अर्थात श्रेष्ठ और उच्च गुण की वस्तु। “रईस” उच्च राजनीतिक या सामाजिक स्तर का मनुष्य। एक व्यक्ति "कुलीन जन्म का" व्यक्ति वह है जो जन्म से ही एक कुलीन व्यक्ति है।

- रईस प्रायः किसी राज्य का अधिकारी,होता था और राजा का निकट कर्मचारी होता था।
- “रईस” शब्द का अनुवाद “राजा का अधिकारी” या “सरकारी अधिकारी” किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 23:20-21
- दानिय्येल 04:36
- सभोपदेशक 10:17
- लूका 19:12
- भजन संहिता 016:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H117, H1419, H2715, H3358, H3513, H5057, H5081, H6440, H6579, H7336, H7261, H8282, H8269, G937, G2104,

प्रधान, प्रधानों

परिभाषा:

“प्रधान” शब्द किसी जाति के सबसे महत्वपूर्ण अगुवे का बोध कराता है।

- इसके उदाहरण हैं, “प्रधान बजानेवाला”, “प्रधान याजक” और “चुंगी लेने वालों का प्रधान” तथा “प्रधान शासक”।
- इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल को “प्रधानों” कहा गया है। इस संदर्भ में "प्रधान" का अनुवाद "अगुआ" या "प्रमुख पिता" हो सकता है।
- संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद “प्रमुख” या “शासक” किया जा सकता है जैसे “प्रमुख बजानेवाला” या “सत्ताधारी याजक”।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, याजक, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:11-13
- यहेजकेल 26:15-16
- लूका 19:1-2
- भजन संहिता 004:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G749, G750, G754, G4410, G4413, G5506

प्रधान, प्रधानों

परिभाषा:

“प्रधान” शब्द किसी जाति के सबसे महत्वपूर्ण अगुवे का बोध कराता है।

- इसके उदाहरण हैं, “प्रधान बजानेवाला”, “प्रधान याजक” और “चुंगी लेने वालों का प्रधान” तथा “प्रधान शासक”।
- इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल को “प्रधानों” कहा गया है। इस संदर्भ में "प्रधान" का अनुवाद "अगुआ" या "प्रमुख पिता" हो सकता है।
- संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद “प्रमुख” या “शासक” किया जा सकता है जैसे “प्रमुख बजानेवाला” या “सत्ताधारी याजक”।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, याजक, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:11-13
- यहेजकेल 26:15-16
- लूका 19:1-2
- भजन संहिता 004:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G749, G750, G754, G4410, G4413, G5506

प्रधान, प्रधानों

परिभाषा:

“प्रधान” शब्द किसी जाति के सबसे महत्वपूर्ण अगुवे का बोध कराता है।

- इसके उदाहरण हैं, “प्रधान बजानेवाला”, “प्रधान याजक” और “चुंगी लेने वालों का प्रधान” तथा “प्रधान शासक”।
- इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल को “प्रधानों” कहा गया है। इस संदर्भ में "प्रधान" का अनुवाद "अगुआ" या "प्रमुख पिता" हो सकता है।

- संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद “प्रमुख” या “शासक” किया जा सकता है जैसे “प्रमुख बजानेवाला” या “सत्ताधारी याजक”।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, याजक, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:11-13
- यहेजकेल 26:15-16
- लूका 19:1-2
- भजन संहिता 004:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G749, G750, G754, G4410, G4413, G5506

प्रधान, प्रधानों

परिभाषा:

“प्रधान” शब्द किसी जाति के सबसे महत्वपूर्ण अगुवे का बोध कराता है।

- इसके उदाहरण हैं, “प्रधान बजानेवाला”, “प्रधान याजक” और “चुंगी लेने वालों का प्रधान” तथा “प्रधान शासक”।
- इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल को “प्रधानों” कहा गया है। इस संदर्भ में "प्रधान" का अनुवाद "अगुआ" या "प्रमुख पिता" हो सकता है।
- संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद “प्रमुख” या “शासक” किया जा सकता है जैसे “प्रमुख बजानेवाला” या “सत्ताधारी याजक”।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, याजक, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:11-13
- यहेजकेल 26:15-16
- लूका 19:1-2
- भजन संहिता 004:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G749, G750, G754, G4410, G4413, G5506

प्रधान, प्रधानों

परिभाषा:

“प्रधान” शब्द किसी जाति के सबसे महत्वपूर्ण अगुवे का बोध कराता है।

- इसके उदाहरण हैं, “प्रधान बजानेवाला”, “प्रधान याजक” और “चुंगी लेने वालों का प्रधान” तथा “प्रधान शासक”।
- इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल को “प्रधानों” कहा गया है। इस संदर्भ में "प्रधान" का अनुवाद "अगुआ" या "प्रमुख पिता" हो सकता है।
- संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद “प्रमुख” या “शासक” किया जा सकता है जैसे “प्रमुख बजानेवाला” या “सत्ताधारी याजक”।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, याजक, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:11-13
- यहेजकेल 26:15-16
- लूका 19:1-2

- भजन संहिता 004:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G749, G750, G754, G4410, G4413, G5506

प्रधान, प्रधानों

परिभाषा:

“प्रधान” शब्द किसी जाति के सबसे महत्वपूर्ण अगुवे का बोध कराता है।

- इसके उदाहरण हैं, “प्रधान बजानेवाला”, “प्रधान याजक” और “चुंगी लेने वालों का प्रधान” तथा “प्रधान शासक”।
- इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल को “प्रधानों” कहा गया है। इस संदर्भ में "प्रधान" का अनुवाद "अगुआ" या "प्रमुख पिता" हो सकता है।
- संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद “प्रमुख” या “शासक” किया जा सकता है जैसे “प्रमुख बजानेवाला” या “सत्ताधारी याजक”।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, याजक, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:11-13
- यहेजकेल 26:15-16
- लूका 19:1-2
- भजन संहिता 004:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G749, G750, G754, G4410, G4413, G5506

प्रधान, प्रधानों

परिभाषा:

“प्रधान” शब्द किसी जाति के सबसे महत्वपूर्ण अगुवे का बोध कराता है।

- इसके उदाहरण हैं, “प्रधान बजानेवाला”, “प्रधान याजक” और “चुंगी लेने वालों का प्रधान” तथा “प्रधान शासक”।
- इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल को “प्रधानों” कहा गया है। इस संदर्भ में "प्रधान" का अनुवाद "अगुआ" या "प्रमुख पिता" हो सकता है।
- संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद “प्रमुख” या “शासक” किया जा सकता है जैसे “प्रमुख बजानेवाला” या “सत्ताधारी याजक”।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, याजक, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:11-13
- यहेजकेल 26:15-16
- लूका 19:1-2
- भजन संहिता 004:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G749, G750, G754, G4410, G4413, G5506

प्रधान, प्रधानों

परिभाषा:

“प्रधान” शब्द किसी जाति के सबसे महत्वपूर्ण अगुवे का बोध कराता है।

- इसके उदाहरण हैं, “प्रधान बजानेवाला”, “प्रधान याजक” और “चुंगी लेने वालों का प्रधान” तथा “प्रधान शासक”।
- इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल को “प्रधानों” कहा गया है। इस संदर्भ में "प्रधान" का अनुवाद "अगुआ" या "प्रमुख पिता" हो सकता है।
- संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद “प्रमुख” या “शासक” किया जा सकता है जैसे “प्रमुख बजानेवाला” या “सत्ताधारी याजक”।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, याजक, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:11-13
- यहेजकेल 26:15-16
- लूका 19:1-2
- भजन संहिता 004:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G749, G750, G754, G4410, G4413, G5506

प्रधान, प्रधानों

परिभाषा:

“प्रधान” शब्द किसी जाति के सबसे महत्वपूर्ण अगुवे का बोध कराता है।

- इसके उदाहरण हैं, “प्रधान बजानेवाला”, “प्रधान याजक” और “चुंगी लेने वालों का प्रधान” तथा “प्रधान शासक”।
- इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल को “प्रधानों” कहा गया है। इस संदर्भ में "प्रधान" का अनुवाद "अगुआ" या "प्रमुख पिता" हो सकता है।
- संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद “प्रमुख” या “शासक” किया जा सकता है जैसे “प्रमुख बजानेवाला” या “सत्ताधारी याजक”।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, याजक, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:11-13
- यहेजकेल 26:15-16
- लूका 19:1-2
- भजन संहिता 004:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G749, G750, G754, G4410, G4413, G5506

प्रधान, प्रधानों

परिभाषा:

“प्रधान” शब्द किसी जाति के सबसे महत्वपूर्ण अगुवे का बोध कराता है।

- इसके उदाहरण हैं, “प्रधान बजानेवाला”, “प्रधान याजक” और “चुंगी लेने वालों का प्रधान” तथा “प्रधान शासक”।
- इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल को “प्रधानों” कहा गया है। इस संदर्भ में "प्रधान" का अनुवाद "अगुआ" या "प्रमुख पिता" हो सकता है।

- संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद “प्रमुख” या “शासक” किया जा सकता है जैसे “प्रमुख बजानेवाला” या “सत्ताधारी याजक”।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, याजक, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:11-13
- यहेजकेल 26:15-16
- लूका 19:1-2
- भजन संहिता 004:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G749, G750, G754, G4410, G4413, G5506

प्रधान, प्रधानों

परिभाषा:

“प्रधान” शब्द किसी जाति के सबसे महत्वपूर्ण अगुवे का बोध कराता है।

- इसके उदाहरण हैं, “प्रधान बजानेवाला”, “प्रधान याजक” और “चुंगी लेने वालों का प्रधान” तथा “प्रधान शासक”।
- इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल को “प्रधानों” कहा गया है। इस संदर्भ में "प्रधान" का अनुवाद "अगुआ" या "प्रमुख पिता" हो सकता है।
- संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद “प्रमुख” या “शासक” किया जा सकता है जैसे “प्रमुख बजानेवाला” या “सत्ताधारी याजक”।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, याजक, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:11-13
- यहेजकेल 26:15-16
- लूका 19:1-2
- भजन संहिता 004:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G749, G750, G754, G4410, G4413, G5506

प्रधान, प्रधानों

परिभाषा:

“प्रधान” शब्द किसी जाति के सबसे महत्वपूर्ण अगुवे का बोध कराता है।

- इसके उदाहरण हैं, “प्रधान बजानेवाला”, “प्रधान याजक” और “चुंगी लेने वालों का प्रधान” तथा “प्रधान शासक”।
- इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल को “प्रधानों” कहा गया है। इस संदर्भ में "प्रधान" का अनुवाद "अगुआ" या "प्रमुख पिता" हो सकता है।
- संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद “प्रमुख” या “शासक” किया जा सकता है जैसे “प्रमुख बजानेवाला” या “सत्ताधारी याजक”।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, याजक, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:11-13
- यहेजकेल 26:15-16
- लूका 19:1-2

- भजन संहिता 004:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G749, G750, G754, G4410, G4413, G5506

प्रधान, प्रधानों

परिभाषा:

“प्रधान” शब्द किसी जाति के सबसे महत्वपूर्ण अगुवे का बोध कराता है।

- इसके उदाहरण हैं, “प्रधान बजानेवाला”, “प्रधान याजक” और “चुंगी लेने वालों का प्रधान” तथा “प्रधान शासक”।
- इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल को “प्रधानों” कहा गया है। इस संदर्भ में "प्रधान" का अनुवाद "अगुआ" या "प्रमुख पिता" हो सकता है।
- संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद “प्रमुख” या “शासक” किया जा सकता है जैसे “प्रमुख बजानेवाला” या “सत्ताधारी याजक”।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, याजक, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:11-13
- यहेजकेल 26:15-16
- लूका 19:1-2
- भजन संहिता 004:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G749, G750, G754, G4410, G4413, G5506

प्रधान, प्रधानों

परिभाषा:

“प्रधान” शब्द किसी जाति के सबसे महत्वपूर्ण अगुवे का बोध कराता है।

- इसके उदाहरण हैं, “प्रधान बजानेवाला”, “प्रधान याजक” और “चुंगी लेने वालों का प्रधान” तथा “प्रधान शासक”।
- इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल को “प्रधानों” कहा गया है। इस संदर्भ में "प्रधान" का अनुवाद "अगुआ" या "प्रमुख पिता" हो सकता है।
- संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद “प्रमुख” या “शासक” किया जा सकता है जैसे “प्रमुख बजानेवाला” या “सत्ताधारी याजक”।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, याजक, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:11-13
- यहेजकेल 26:15-16
- लूका 19:1-2
- भजन संहिता 004:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G749, G750, G754, G4410, G4413, G5506

प्रधान याजकों

परिभाषा:

महायाजक यीशु के समय महत्वपूर्ण यहूदी धर्म के अगुवे थे

- मन्दिर में आराधना के लिए आवश्यक हर एक बात के लिए महायाजक उत्तरदायी थे। वे मन्दिर में आनेवाली संपूर्ण धनराशि के प्रभारी थे।
- वे साधारण याजकों से पद और अधिकार में अधिक मान्यवर थे। केवल महायाजक का अधिकार सबसे अधिक था।
- महायाजक यीशु के प्रमुख बैरियों में थे और उन्होंने रोमी अधिकारियों को यीशु को बन्दी बनाने और मृत्यु-दण्ड देने के लिए विवश किया था।

अनुवाद के सुझाव:

- "प्रधान याजक" का अनुवाद "प्रधान पुरोहित" या "प्रमुख पुरोहित" या "शास्त्रीय पुरोहित" किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि यह अनुवाद "महायाजक" के अनुवाद से भिन्न हो।

(यह भी देखें: प्रधान, महायाजक, यहूदियों, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 22:30
- प्रे.का. 26:12-14
- लूका 20:1-2
- मरकुस 08:31-32
- मत्ती 16:21-23
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:59-61
- मत्ती 27:41-42

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3548, H7218, G749

प्रधान याजकों

परिभाषा:

महायाजक यीशु के समय महत्वपूर्ण यहूदी धर्म के अगुवे थे

- मन्दिर में आराधना के लिए आवश्यक हर एक बात के लिए महायाजक उत्तरदायी थे। वे मन्दिर में आनेवाली संपूर्ण धनराशि के प्रभारी थे।
- वे साधारण याजकों से पद और अधिकार में अधिक मान्यवर थे। केवल महायाजक का अधिकार सबसे अधिक था।
- महायाजक यीशु के प्रमुख बैरियों में थे और उन्होंने रोमी अधिकारियों को यीशु को बन्दी बनाने और मृत्यु-दण्ड देने के लिए विवश किया था।

अनुवाद के सुझाव:

- "प्रधान याजक" का अनुवाद "प्रधान पुरोहित" या "प्रमुख पुरोहित" या "शास्त्रीय पुरोहित" किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि यह अनुवाद "महायाजक" के अनुवाद से भिन्न हो।

(यह भी देखें: प्रधान, महायाजक, यहूदियों, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 22:30
- प्रे.का. 26:12-14
- लूका 20:1-2
- मरकुस 08:31-32
- मत्ती 16:21-23
- मत्ती 26:3-5

- मत्ती 26:59-61
- मत्ती 27:41-42

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3548, H7218, G749

प्रधान याजकों

परिभाषा:

महायाजक यीशु के समय महत्वपूर्ण यहूदी धर्म के अगुवे थे

- मन्दिर में आराधना के लिए आवश्यक हर एक बात के लिए महायाजक उत्तरदायी थे। वे मन्दिर में आनेवाली संपूर्ण धनराशि के प्रभारी थे।
- वे साधारण याजकों से पद और अधिकार में अधिक मान्यवर थे। केवल महायाजक का अधिकार सबसे अधिक था।
- महायाजक यीशु के प्रमुख बैरियों में थे और उन्होंने रोमी अधिकारियों को यीशु को बन्दी बनाने और मृत्यु-दण्ड देने के लिए विवश किया था।

अनुवाद के सुझाव:

- "प्रधान याजक" का अनुवाद "प्रधान पुरोहित" या "प्रमुख पुरोहित" या "शास्त्रीय पुरोहित" किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि यह अनुवाद "महायाजक" के अनुवाद से भिन्न हो।

(यह भी देखें: प्रधान, महायाजक, यहूदियों, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 22:30
- प्रे.का. 26:12-14
- लूका 20:1-2
- मरकुस 08:31-32
- मत्ती 16:21-23
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:59-61
- मत्ती 27:41-42

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3548, H7218, G749

प्रधान याजकों

परिभाषा:

महायाजक यीशु के समय महत्वपूर्ण यहूदी धर्म के अगुवे थे

- मन्दिर में आराधना के लिए आवश्यक हर एक बात के लिए महायाजक उत्तरदायी थे। वे मन्दिर में आनेवाली संपूर्ण धनराशि के प्रभारी थे।
- वे साधारण याजकों से पद और अधिकार में अधिक मान्यवर थे। केवल महायाजक का अधिकार सबसे अधिक था।
- महायाजक यीशु के प्रमुख बैरियों में थे और उन्होंने रोमी अधिकारियों को यीशु को बन्दी बनाने और मृत्यु-दण्ड देने के लिए विवश किया था।

अनुवाद के सुझाव:

- "प्रधान याजक" का अनुवाद "प्रधान पुरोहित" या "प्रमुख पुरोहित" या "शास्त्रीय पुरोहित" किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि यह अनुवाद "महायाजक" के अनुवाद से भिन्न हो।

(यह भी देखें: प्रधान, महायाजक, यहूदियों, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 22:30
- प्रे.का. 26:12-14
- लूका 20:1-2
- मरकुस 08:31-32
- मत्ती 16:21-23
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:59-61
- मत्ती 27:41-42

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3548, H7218, G749

प्रधान याजकों

परिभाषा:

महायाजक यीशु के समय महत्वपूर्ण यहूदी धर्म के अगुवे थे

- मन्दिर में आराधना के लिए आवश्यक हर एक बात के लिए महायाजक उत्तरदायी थे। वे मन्दिर में आनेवाली संपूर्ण धनराशि के प्रभारी थे।
- वे साधारण याजकों से पद और अधिकार में अधिक मान्यवर थे। केवल महायाजक का अधिकार सबसे अधिक था।
- महायाजक यीशु के प्रमुख बैरियों में थे और उन्होंने रोमी अधिकारियों को यीशु को बन्दी बनाने और मृत्यु-दण्ड देने के लिए विवश किया था।

अनुवाद के सुझाव:

- "प्रधान याजक" का अनुवाद "प्रधान पुरोहित" या "प्रमुख पुरोहित" या "शास्त्रीय पुरोहित" किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि यह अनुवाद "महायाजक" के अनुवाद से भिन्न हो।

(यह भी देखें: प्रधान, महायाजक, यहूदियों, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:13-16
- प्रे.का. 22:30
- प्रे.का. 26:12-14
- लूका 20:1-2
- मरकुस 08:31-32
- मत्ती 16:21-23
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:59-61
- मत्ती 27:41-42

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3548, H7218, G749

प्रभु

तथ्य:

"प्रभु" शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ "श्रीमान" या "स्वामी" होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे "सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर" या "प्रभु यहोवा" या "हमारा प्रभु यहोवा।"
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को "प्रभु यीशु" और "प्रभु यीशु मसीह" जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।

- “प्रभु” शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, “धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है” और नये नियम में है, “धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।”
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में “प्रभु” का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ “प्रभु” है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” या “शासक” या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां “प्रभु परमेश्वर” का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

“प्रभु” शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ “श्रीमान” या “स्वामी” होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” या “प्रभु यहोवा” या “हमारा प्रभु यहोवा।”
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को “प्रभु यीशु” और “प्रभु यीशु मसीह” जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- “प्रभु” शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, “धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है” और नये नियम में है, “धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।”
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में “प्रभु” का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ “प्रभु” है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” या “शासक” या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां “प्रभु परमेश्वर” का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

"प्रभु" शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ "श्रीमान" या "स्वामी" होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे "सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर" या "प्रभु यहोवा" या "हमारा प्रभु यहोवा।"
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को "प्रभु यीशु" और "प्रभु यीशु मसीह" जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- "प्रभु" शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, "धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है" और नये नियम में है, "धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।"
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में "प्रभु" का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ "प्रभु" है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद "स्वामी" या "शासक" या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां "प्रभु परमेश्वर" का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33

- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

“प्रभु” शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ “श्रीमान” या “स्वामी” होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” या “प्रभु यहोवा” या “हमारा प्रभु यहोवा।”
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को “प्रभु यीशु” और “प्रभु यीशु मसीह” जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- “प्रभु” शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, “धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है” और नये नियम में है, “धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।”
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में “प्रभु” का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ “प्रभु” है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” या “शासक” या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां “प्रभु परमेश्वर” का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

“प्रभु” शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ “श्रीमान” या “स्वामी” होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” या “प्रभु यहोवा” या “हमारा प्रभु यहोवा।”
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को “प्रभु यीशु” और “प्रभु यीशु मसीह” जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- “प्रभु” शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, “धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है” और नये नियम में है, “धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।”
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में “प्रभु” का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ “प्रभु” है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” या “शासक” या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां “प्रभु परमेश्वर” का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

“प्रभु” शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ “श्रीमान” या “स्वामी” होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” या “प्रभु यहोवा” या “हमारा प्रभु यहोवा।”
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को “प्रभु यीशु” और “प्रभु यीशु मसीह” जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- “प्रभु” शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, “धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है” और नये नियम में है, “धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में "प्रभु" का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ "प्रभु" है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद "स्वामी" या "शासक" या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां "प्रभु परमेश्वर" का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

"प्रभु" शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ "श्रीमान" या "स्वामी" होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे "सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर" या "प्रभु यहोवा" या "हमारा प्रभु यहोवा।"
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को "प्रभु यीशु" और "प्रभु यीशु मसीह" जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- "प्रभु" शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, "धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है" और नये नियम में है, "धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।"
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में "प्रभु" का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ "प्रभु" है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद "स्वामी" या "शासक" या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां "प्रभु परमेश्वर" का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

“प्रभु” शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ “श्रीमान” या “स्वामी” होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” या “प्रभु यहोवा” या “हमारा प्रभु यहोवा।”
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को “प्रभु यीशु” और “प्रभु यीशु मसीह” जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- “प्रभु” शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, “धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है” और नये नियम में है, “धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।”
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में “प्रभु” का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ “प्रभु” है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” या “शासक” या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां “प्रभु परमेश्वर” का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23

- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

"प्रभु" शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ "श्रीमान" या "स्वामी" होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे "सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर" या "प्रभु यहोवा" या "हमारा प्रभु यहोवा।"
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को "प्रभु यीशु" और "प्रभु यीशु मसीह" जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- "प्रभु" शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, "धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है" और नये नियम में है, "धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।"
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में "प्रभु" का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ "प्रभु" है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद "स्वामी" या "शासक" या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां "प्रभु परमेश्वर" का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

“प्रभु” शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ “श्रीमान” या “स्वामी” होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” या “प्रभु यहोवा” या “हमारा प्रभु यहोवा।”
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को “प्रभु यीशु” और “प्रभु यीशु मसीह” जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- “प्रभु” शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, “धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है” और नये नियम में है, “धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।”
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में “प्रभु” का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ “प्रभु” है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” या “शासक” या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां “प्रभु परमेश्वर” का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

“प्रभु” शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ “श्रीमान” या “स्वामी” होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” या “प्रभु यहोवा” या “हमारा प्रभु यहोवा।”
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को “प्रभु यीशु” और “प्रभु यीशु मसीह” जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- “प्रभु” शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, “धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है” और नये नियम में है, “धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।”

- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में "प्रभु" का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ "प्रभु" है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद "स्वामी" या "शासक" या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां "प्रभु परमेश्वर" का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

"प्रभु" शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ "श्रीमान" या "स्वामी" होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे "सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर" या "प्रभु यहोवा" या "हमारा प्रभु यहोवा।"
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को "प्रभु यीशु" और "प्रभु यीशु मसीह" जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- "प्रभु" शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, "धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है" और नये नियम में है, "धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।"
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में "प्रभु" का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ "प्रभु" है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद "स्वामी" या "शासक" या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां "प्रभु परमेश्वर" का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

“प्रभु” शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ “श्रीमान” या “स्वामी” होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” या “प्रभु यहोवा” या “हमारा प्रभु यहोवा।”
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को “प्रभु यीशु” और “प्रभु यीशु मसीह” जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- “प्रभु” शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, “धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है” और नये नियम में है, “धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।”
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में “प्रभु” का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ “प्रभु” है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” या “शासक” या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां “प्रभु परमेश्वर” का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23

- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

"प्रभु" शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ "श्रीमान" या "स्वामी" होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे "सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर" या "प्रभु यहोवा" या "हमारा प्रभु यहोवा।"
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को "प्रभु यीशु" और "प्रभु यीशु मसीह" जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- "प्रभु" शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, "धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है" और नये नियम में है, "धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।"
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में "प्रभु" का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ "प्रभु" है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद "स्वामी" या "शासक" या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां "प्रभु परमेश्वर" का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

“प्रभु” शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ “श्रीमान” या “स्वामी” होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” या “प्रभु यहोवा” या “हमारा प्रभु यहोवा।”
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को “प्रभु यीशु” और “प्रभु यीशु मसीह” जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- “प्रभु” शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, “धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है” और नये नियम में है, “धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।”
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में “प्रभु” का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ “प्रभु” है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” या “शासक” या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां “प्रभु परमेश्वर” का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

“प्रभु” शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ “श्रीमान” या “स्वामी” होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” या “प्रभु यहोवा” या “हमारा प्रभु यहोवा।”
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को “प्रभु यीशु” और “प्रभु यीशु मसीह” जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- “प्रभु” शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, “धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है” और नये नियम में है, “धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।”

- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में "प्रभु" का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ "प्रभु" है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद "स्वामी" या "शासक" या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां "प्रभु परमेश्वर" का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

"प्रभु" शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ "श्रीमान" या "स्वामी" होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे "सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर" या "प्रभु यहोवा" या "हमारा प्रभु यहोवा।"
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को "प्रभु यीशु" और "प्रभु यीशु मसीह" जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- "प्रभु" शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, "धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है" और नये नियम में है, "धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।"
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में "प्रभु" का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ "प्रभु" है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद "स्वामी" या "शासक" या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां "प्रभु परमेश्वर" का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

“प्रभु” शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ “श्रीमान” या “स्वामी” होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” या “प्रभु यहोवा” या “हमारा प्रभु यहोवा।”
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को “प्रभु यीशु” और “प्रभु यीशु मसीह” जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- “प्रभु” शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, “धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है” और नये नियम में है, “धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।”
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में “प्रभु” का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ “प्रभु” है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” या “शासक” या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां “प्रभु परमेश्वर” का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23

- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

"प्रभु" शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ "श्रीमान" या "स्वामी" होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे "सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर" या "प्रभु यहोवा" या "हमारा प्रभु यहोवा।"
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को "प्रभु यीशु" और "प्रभु यीशु मसीह" जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- "प्रभु" शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, "धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है" और नये नियम में है, "धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।"
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में "प्रभु" का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ "प्रभु" है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद "स्वामी" या "शासक" या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां "प्रभु परमेश्वर" का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

“प्रभु” शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ “श्रीमान” या “स्वामी” होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” या “प्रभु यहोवा” या “हमारा प्रभु यहोवा।”
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को “प्रभु यीशु” और “प्रभु यीशु मसीह” जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- “प्रभु” शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, “धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है” और नये नियम में है, “धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।”
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में “प्रभु” का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ “प्रभु” है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” या “शासक” या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां “प्रभु परमेश्वर” का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

“प्रभु” शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ “श्रीमान” या “स्वामी” होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” या “प्रभु यहोवा” या “हमारा प्रभु यहोवा।”
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को “प्रभु यीशु” और “प्रभु यीशु मसीह” जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- “प्रभु” शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, “धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है” और नये नियम में है, “धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।”

- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में "प्रभु" का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ "प्रभु" है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद "स्वामी" या "शासक" या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां "प्रभु परमेश्वर" का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

"प्रभु" शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ "श्रीमान" या "स्वामी" होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे "सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर" या "प्रभु यहोवा" या "हमारा प्रभु यहोवा।"
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को "प्रभु यीशु" और "प्रभु यीशु मसीह" जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- "प्रभु" शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, "धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है" और नये नियम में है, "धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।"
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में "प्रभु" का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ "प्रभु" है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद "स्वामी" या "शासक" या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां "प्रभु परमेश्वर" का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु

तथ्य:

“प्रभु” शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ “श्रीमान” या “स्वामी” होता है।)

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” या “प्रभु यहोवा” या “हमारा प्रभु यहोवा।”
- नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को “प्रभु यीशु” और “प्रभु यीशु मसीह” जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
- “प्रभु” शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। * उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, “धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है” और नये नियम में है, “धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।”
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में “प्रभु” का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ “प्रभु” है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” या “शासक” या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
- उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
- नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां “प्रभु परमेश्वर” का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु, प्रभु, शासन, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:3-5
- दानिय्येल 09:9-11
- दानिय्येल 09:17-19
- यहेजकेल 18:29-30
- इब्रानियों 12:14-17
- यहोशू 03:9-11
- यहूदा 01:5-6
- विलापगीत 02:1-2
- लूका 01:30-33
- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23

- भजन संहिता 086:15-17
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 06:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”

- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01

- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9

- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23

- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29

- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11

- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।

- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।

- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे हृदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”

- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”

- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01

- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9

- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23

- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29

- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11

- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।

- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। * एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।

- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: प्रभु)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 39:02
- यहोशु 03:9-11
- भजन., 086:15-17
- यिर्मयाह 27:04
- विलापगीत 02:02
- यहेजकेल 18:29
- दानिएल 09:09
- दानिएल 09:17-19
- मलाकी 03:01
- मत्ती 07:21-23
- लूका 01:30-33
- लूका 16:13
- रोमियों 06:23
- इफिसियों 06:9
- फिलिप्पियों 02:9-11
- कुलुस्सियों, 03:23
- इब्रानियों 12:14
- याकूब 02:01
- 1 पतरस 01:03
- यहूदा 01:05
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:03** यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।
- 27:02__व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने __परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
- **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47: 3__इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने __स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

प्रभु का दिन, यहोवा का दिन

वर्णन:

पुराने नियम में “यहोवा का दिन” एक निश्चित समय के संबन्ध में है जब परमेश्वर मनुष्यों को पाप का दण्ड देगा।

- नये नियम में “प्रभु का दिन” उस समय के संदर्भ में है जब प्रभु यीशु पुनः आएगा और अन्त के समय में मनुष्यों का न्याय करेगा।
- न्याय और पुनरुत्थान का यह अन्तिम भावी समय जिसे “अन्तिम दिन” भी कहते हैं। यह समय तब आरंभ होगा जब प्रभु यीशु पापियों का न्याय करने आएगा और अपना स्थाई राज्य स्थापित करेगा।

- इन उक्तियों में “दिन” कभी-कभी वास्तव में दिन के ही संदर्भ में होता है या यह कभी “समय” या “अवसर” के संदर्भ में हो सकता है जिसकी अवधि दिन से अधिक हो सकती है।
- कभी-कभी दण्ड को “परमेश्वर के क्रोध का पड़ना” भी कहते हैं जो विश्वास नहीं करने वालों पर आएगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के आधार पर “यहोवा का दिन” का अनुवाद होगा, “यहोवा का समय” या “वह समय जब यहोवा अपने बैरियों को दण्ड देगा” या “यहोवा के क्रोध का समय."
- “प्रभु का दिन” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “प्रभु के न्याय का समय” या “वह समय जब प्रभु यीशु मनुष्यों का न्याय करने आएगा”

(यह भी देखें: दिन, दण्ड के दिन, प्रभु, जी उठने, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- 2 पतरस 03:10
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:1-2
- प्रे.का. 02:20-21
- फिलिप्पियों 1: 9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H3117, G2250, G2962

प्रभु का दिन, यहोवा का दिन

वर्णन:

पुराने नियम में “यहोवा का दिन” एक निश्चित समय के संबन्ध में है जब परमेश्वर मनुष्यों को पाप का दण्ड देगा।

- नये नियम में “प्रभु का दिन” उस समय के संदर्भ में है जब प्रभु यीशु पुनः आएगा और अन्त के समय में मनुष्यों का न्याय करेगा।
- न्याय और पुनरुत्थान का यह अन्तिम भावी समय जिसे “अन्तिम दिन” भी कहते हैं। यह समय तब आरंभ होगा जब प्रभु यीशु पापियों का न्याय करने आएगा और अपना स्थाई राज्य स्थापित करेगा।
- इन उक्तियों में “दिन” कभी-कभी वास्तव में दिन के ही संदर्भ में होता है या यह कभी “समय” या “अवसर” के संदर्भ में हो सकता है जिसकी अवधि दिन से अधिक हो सकती है।
- कभी-कभी दण्ड को “परमेश्वर के क्रोध का पड़ना” भी कहते हैं जो विश्वास नहीं करने वालों पर आएगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के आधार पर “यहोवा का दिन” का अनुवाद होगा, “यहोवा का समय” या “वह समय जब यहोवा अपने बैरियों को दण्ड देगा” या “यहोवा के क्रोध का समय."
- “प्रभु का दिन” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “प्रभु के न्याय का समय” या “वह समय जब प्रभु यीशु मनुष्यों का न्याय करने आएगा”

(यह भी देखें: दिन, दण्ड के दिन, प्रभु, जी उठने, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- 2 पतरस 03:10
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:1-2
- प्रे.का. 02:20-21
- फिलिप्पियों 1: 9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H3117, G2250, G2962

प्रभु का दिन, यहोवा का दिन

वर्णन:

पुराने नियम में "यहोवा का दिन" एक निश्चित समय के संबन्ध में है जब परमेश्वर मनुष्यों को पाप का दण्ड देगा।

- नये नियम में "प्रभु का दिन" उस समय के संदर्भ में है जब प्रभु यीशु पुनः आएगा और अन्त के समय में मनुष्यों का न्याय करेगा।
- न्याय और पुनरुत्थान का यह अन्तिम भावी समय जिसे "अन्तिम दिन" भी कहते हैं। यह समय तब आरंभ होगा जब प्रभु यीशु पापियों का न्याय करने आएगा और अपना स्थाई राज्य स्थापित करेगा।
- इन उक्तियों में "दिन" कभी-कभी वास्तव में दिन के ही संदर्भ में होता है या यह कभी "समय" या "अवसर" के संदर्भ में हो सकता है जिसकी अवधि दिन से अधिक हो सकती है।
- कभी-कभी दण्ड को "परमेश्वर के क्रोध का पड़ना" भी कहते हैं जो विश्वास नहीं करने वालों पर आएगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के आधार पर "यहोवा का दिन" का अनुवाद होगा, "यहोवा का समय" या "वह समय जब यहोवा अपने बैरियों को दण्ड देगा" या "यहोवा के क्रोध का समय."
- "प्रभु का दिन" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "प्रभु के न्याय का समय" या "वह समय जब प्रभु यीशु मनुष्यों का न्याय करने आएगा"

(यह भी देखें: दिन, दण्ड के दिन, प्रभु, जी उठने, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- 2 पतरस 03:10
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:1-2
- प्रे.का. 02:20-21
- फिलिप्पियों 1: 9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H3117, G2250, G2962

प्रभु भोज

परिभाषा:

- "प्रभु भोज" प्रेरित पौलुस इस उक्ति को फसह के भोज के लिए काम में लेता है जो यीशु ने अपने शिष्यों के साथ उस रात खाया था जब यहूदी अगुओं ने उसे बन्दी बनाया था।

- इस भोजन के समय यीशु ने फसह की रोटी को तोड़कर अपनी देह से कहा जो शीघ्र ही प्रताड़ित की जाएगी और मार डाली जायेगी।

- दाखरस के कटोरे को उसने अपना लहू कहा जो शीघ्र ही बहाया जायेगा जब वह पापबलि होकर मरेगा।
- यीशु ने आज्ञा दी थी कि उसके शिष्य जब भी इस भोज में सहभागी हों तब वे उसकी मृत्यु और पुनरूत्थान को सदैव स्मरण करें।
- कुरिन्थियों की कलीसिया को लिखे पत्र में प्रेरित पौलुस ने मसीह के विश्वासियों के लिए इस भोज को एक नियमित अभ्यास बना दिया था।
- आज कलीसियाएं प्रभु भोज के लिए "सहभागिता" उक्ति का उपयोग करती हैं। "अन्तिम भोज" उक्ति का भी कभी-कभी उपयोग किया जाता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इस उक्ति का अनुवाद "प्रभु का भोजन" या "हमारे प्रभु यीशु का भोजन" या "प्रभु यीशु को स्मरण करने का भोजन" भी कहा जा सकता है।

(यह भी देखें: फसह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 11:20-22
- 1 कुरिन्थियों 11:25-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1173, G2960

प्रभुता

परिभाषा:

“प्रभुता” शब्द का अर्थ है मनुष्यों, पशुओं और भूमि पर अधिकार, नियंत्रण या सत्ता।

- यीशु के लिए कहा गया है कि भविष्यद्वक्ता, याजक और राजा होने के कारण उसे संपूर्ण पृथ्वी का अधिकार है।
- मसीह यीशु के क्रूस की मृत्यु के द्वारा शैतान की प्रभुता सदा के लिए पराजित हो गई है।
- सृष्टि के समय परमेश्वर ने कहा था कि मनुष्य को मछली, पक्षियों और पृथ्वी के सब प्राणियों पर अधिकार है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद होगा, “अधिकार”, “सामर्थ्य” या “नियंत्रण”।
- “पर प्रभुता” का अनुवाद हो सकता है, “पर शासन” या “प्रबन्धन”।

(यह भी देखें: अधिकारी, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:10-11
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यहूदा 01:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1166, H4474, H4475, H4896, H4910, H4915, H7287, H7300, H7980, H7985, G2634, G2904, G2961, G2963

प्रभुता

परिभाषा:

“प्रभुता” शब्द का अर्थ है मनुष्यों, पशुओं और भूमि पर अधिकार, नियंत्रण या सत्ता।

- यीशु के लिए कहा गया है कि भविष्यद्वक्ता, याजक और राजा होने के कारण उसे संपूर्ण पृथ्वी का अधिकार है।
- मसीह यीशु के क्रूस की मृत्यु के द्वारा शैतान की प्रभुता सदा के लिए पराजित हो गई है।
- सृष्टि के समय परमेश्वर ने कहा था कि मनुष्य को मछली, पक्षियों और पृथ्वी के सब प्राणियों पर अधिकार है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद होगा, “अधिकार”, “सामर्थ्य” या “नियंत्रण”।
- “पर प्रभुता” का अनुवाद हो सकता है, “पर शासन” या “प्रबन्धन”।

(यह भी देखें: अधिकारी, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:10-11
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यहूदा 01:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1166, H4474, H4475, H4896, H4910, H4915, H7287, H7300, H7980, H7985, G2634, G2904, G2961, G2963

प्रभुता

परिभाषा:

“प्रभुता” शब्द का अर्थ है मनुष्यों, पशुओं और भूमि पर अधिकार, नियंत्रण या सत्ता।

- यीशु के लिए कहा गया है कि भविष्यद्वक्ता, याजक और राजा होने के कारण उसे संपूर्ण पृथ्वी का अधिकार है।
- मसीह यीशु के क्रूस की मृत्यु के द्वारा शैतान की प्रभुता सदा के लिए पराजित हो गई है।
- सृष्टि के समय परमेश्वर ने कहा था कि मनुष्य को मछली, पक्षियों और पृथ्वी के सब प्राणियों पर अधिकार है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद होगा, “अधिकार”, “सामर्थ्य” या “नियंत्रण”।
- “पर प्रभुता” का अनुवाद हो सकता है, “पर शासन” या “प्रबन्धन”।

(यह भी देखें: अधिकारी, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:10-11
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यहूदा 01:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1166, H4474, H4475, H4896, H4910, H4915, H7287, H7300, H7980, H7985, G2634, G2904, G2961, G2963

प्रभुता

परिभाषा:

“प्रभुता” शब्द का अर्थ है मनुष्यों, पशुओं और भूमि पर अधिकार, नियंत्रण या सत्ता।

- यीशु के लिए कहा गया है कि भविष्यद्वक्ता, याजक और राजा होने के कारण उसे संपूर्ण पृथ्वी का अधिकार है।
- मसीह यीशु के क्रूस की मृत्यु के द्वारा शैतान की प्रभुता सदा के लिए पराजित हो गई है।
- सृष्टि के समय परमेश्वर ने कहा था कि मनुष्य को मछली, पक्षियों और पृथ्वी के सब प्राणियों पर अधिकार है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद होगा, “अधिकार”, “सामर्थ्य” या “नियंत्रण”।
- “पर प्रभुता” का अनुवाद हो सकता है, “पर शासन” या “प्रबन्धन”।

(यह भी देखें: अधिकारी, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:10-11
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यहूदा 01:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1166, H4474, H4475, H4896, H4910, H4915, H7287, H7300, H7980, H7985, G2634, G2904, G2961, G2963

प्रभुता

परिभाषा:

“प्रभुता” शब्द का अर्थ है मनुष्यों, पशुओं और भूमि पर अधिकार, नियंत्रण या सत्ता।

- यीशु के लिए कहा गया है कि भविष्यद्वक्ता, याजक और राजा होने के कारण उसे संपूर्ण पृथ्वी का अधिकार है।
- मसीह यीशु के क्रूस की मृत्यु के द्वारा शैतान की प्रभुता सदा के लिए पराजित हो गई है।
- सृष्टि के समय परमेश्वर ने कहा था कि मनुष्य को मछली, पक्षियों और पृथ्वी के सब प्राणियों पर अधिकार है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद होगा, “अधिकार”, “सामर्थ्य” या “नियंत्रण”।
- “पर प्रभुता” का अनुवाद हो सकता है, “पर शासन” या “प्रबन्धन”।

(यह भी देखें: अधिकारी, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:10-11
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यहूदा 01:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1166, H4474, H4475, H4896, H4910, H4915, H7287, H7300, H7980, H7985, G2634, G2904, G2961, G2963

प्रभुता

परिभाषा:

“प्रभुता” शब्द का अर्थ है मनुष्यों, पशुओं और भूमि पर अधिकार, नियंत्रण या सत्ता।

- यीशु के लिए कहा गया है कि भविष्यद्वक्ता, याजक और राजा होने के कारण उसे संपूर्ण पृथ्वी का अधिकार है।
- मसीह यीशु के क्रूस की मृत्यु के द्वारा शैतान की प्रभुता सदा के लिए पराजित हो गई है।
- सृष्टि के समय परमेश्वर ने कहा था कि मनुष्य को मछली, पक्षियों और पृथ्वी के सब प्राणियों पर अधिकार है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद होगा, “अधिकार”, “सामर्थ्य” या “नियंत्रण”।
- “पर प्रभुता” का अनुवाद हो सकता है, “पर शासन” या “प्रबन्धन”।

(यह भी देखें: अधिकारी, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:10-11
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यहूदा 01:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1166, H4474, H4475, H4896, H4910, H4915, H7287, H7300, H7980, H7985, G2634, G2904, G2961, G2963

प्रभुता

परिभाषा:

“प्रभुता” शब्द का अर्थ है मनुष्यों, पशुओं और भूमि पर अधिकार, नियंत्रण या सत्ता।

- यीशु के लिए कहा गया है कि भविष्यद्वक्ता, याजक और राजा होने के कारण उसे संपूर्ण पृथ्वी का अधिकार है।
- मसीह यीशु के क्रूस की मृत्यु के द्वारा शैतान की प्रभुता सदा के लिए पराजित हो गई है।
- सृष्टि के समय परमेश्वर ने कहा था कि मनुष्य को मछली, पक्षियों और पृथ्वी के सब प्राणियों पर अधिकार है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद होगा, “अधिकार”, “सामर्थ्य” या “नियंत्रण”।
- “पर प्रभुता” का अनुवाद हो सकता है, “पर शासन” या “प्रबन्धन”।

(यह भी देखें: अधिकारी, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:10-11
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यहूदा 01:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1166, H4474, H4475, H4896, H4910, H4915, H7287, H7300, H7980, H7985, G2634, G2904, G2961, G2963

प्रभुता

परिभाषा:

“प्रभुता” शब्द का अर्थ है मनुष्यों, पशुओं और भूमि पर अधिकार, नियंत्रण या सत्ता।

- यीशु के लिए कहा गया है कि भविष्यद्वक्ता, याजक और राजा होने के कारण उसे संपूर्ण पृथ्वी का अधिकार है।
- मसीह यीशु के क्रूस की मृत्यु के द्वारा शैतान की प्रभुता सदा के लिए पराजित हो गई है।
- सृष्टि के समय परमेश्वर ने कहा था कि मनुष्य को मछली, पक्षियों और पृथ्वी के सब प्राणियों पर अधिकार है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद होगा, “अधिकार”, “सामर्थ्य” या “नियंत्रण”।
- “पर प्रभुता” का अनुवाद हो सकता है, “पर शासन” या “प्रबन्धन”।

(यह भी देखें: अधिकारी, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:10-11
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यहूदा 01:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1166, H4474, H4475, H4896, H4910, H4915, H7287, H7300, H7980, H7985, G2634, G2904, G2961, G2963

प्रभुता

परिभाषा:

“प्रभुता” शब्द का अर्थ है मनुष्यों, पशुओं और भूमि पर अधिकार, नियंत्रण या सत्ता।

- यीशु के लिए कहा गया है कि भविष्यद्वक्ता, याजक और राजा होने के कारण उसे संपूर्ण पृथ्वी का अधिकार है।
- मसीह यीशु के क्रूस की मृत्यु के द्वारा शैतान की प्रभुता सदा के लिए पराजित हो गई है।
- सृष्टि के समय परमेश्वर ने कहा था कि मनुष्य को मछली, पक्षियों और पृथ्वी के सब प्राणियों पर अधिकार है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद होगा, “अधिकार”, “सामर्थ्य” या “नियंत्रण”।
- “पर प्रभुता” का अनुवाद हो सकता है, “पर शासन” या “प्रबन्धन”।

(यह भी देखें: अधिकारी, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:10-11
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यहूदा 01:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1166, H4474, H4475, H4896, H4910, H4915, H7287, H7300, H7980, H7985, G2634, G2904, G2961, G2963

प्रसव, जच्चा की सी, जच्चा की सी पीड़ाएँ

परिभाषा:

एक स्त्री “जच्चा की सी” पीड़ा में उस दर्द को अनुभव करती है जिसके द्वारा वह शिशु को जन्म देती है। इसे “जच्चा की सी पीड़ाएँ” कहते हैं।

- गलातिया प्रदेश की कलीसियाओं को लिखे पत्र में पौलुस इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में करता है जिसका अर्थ है कि पौलुस अपने विश्वासी भाइयों को अधिकाधिक मसीह की समानता में लाने के लिए प्रबल प्रयास करता है।
- बाइबल में प्रसव पीड़ा की उपमा अन्तिम दिनों के विनाश को व्यक्त करने के लिए भी दी गई है कि वह अधिकाधिक आवृत्ति एवं प्रबलता में होगा।

(यह भी देखें: परिश्रम, आखरी दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 04:19-20
- गलातियों 04:19-20
- यशायाह 13:6-8
- यिर्मयाह 13:20-21
- भजन संहिता 048:4-6
- रोमियो 08:20-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2342, H2470, H3018, H3205, H5999, H6045, H6887, H8513, G3449, G4944, G5088, G5604, G5605

प्राचीन, प्राचीनों, अगुवों, बूढ़े

परिभाषा:

"प्राचीन" या "बूढ़े" शब्द का संदर्भ ऐसे लोगों से है (बाइबल में, आमतौर पर पुरुष) जो वृद्ध हो चुके हैं जो एक समुदाय के भीतर परिपक्व वयस्क और अगुएं बन गए हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीनों के भूरे बाल हो सकते हैं, वयस्क बच्चे हो सकते हैं, या शायद नाते - पोते भी हो सकते हैं।

- “प्राचीन” शब्द का मूल इस तथ्य में है कि ये पुरूष आयु में अधिक होते थे और आयु एवं अनुभव के कारण उनमें अधिक बुद्धि होती थी।
- पुराने नियम में प्राचीन सामाजिक आचरण और मूसा की व्यवस्था से संबन्धित विषयों में इस्त्राएलियों की अगुआई एवं सहायता करते थे।
- नये नियम में यहूदी प्राचीन अपने समुदायों में अगुवों की भूमिका निभाते थे और समुदाय के न्यायाधीश भी थे।
- आरंभिक मसीही कलीसियाओं में मसीही प्राचीन विश्वासियों की स्थानीय मण्डली की आत्मिक क्षेत्र में अगुआई करते थे।उन कलीसियाओं में प्राचीन में नौजवान शामिल थे जो आत्मिक रूप से परिपक्व थे।
- इस शब्द का अनुवाद "वृद्ध पुरुषों" या "आत्मिक रूप से परिपक्व लोगों” के रूप में किया जा सकता है जो कलीसिया का नेतृत्व कर रहे हैं।

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 11:1-3
- 1 तीमुथियुस 03:1-3
- 1 तीमुथियुस 04:14
- प्रेरि. 05:19-21
- प्रेरि. 14:23
- मरकुस 11:28
- मत्ती 21:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1419, H2205, H7868, G1087, G3187, G4244, G4245, G4850

प्राचीन, प्राचीनों, अगुवों, बूढ़े

परिभाषा:

"प्राचीन" या "बूढ़े" शब्द का संदर्भ ऐसे लोगों से है (बाइबल में, आमतौर पर पुरुष) जो वृद्ध हो चुके हैं जो एक समुदाय के भीतर परिपक्व वयस्क और अगुएं बन गए हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीनों के भूरे बाल हो सकते हैं, वयस्क बच्चे हो सकते हैं, या शायद नाते - पोते भी हो सकते हैं।

- “प्राचीन” शब्द का मूल इस तथ्य में है कि ये पुरूष आयु में अधिक होते थे और आयु एवं अनुभव के कारण उनमें अधिक बुद्धि होती थी।
- पुराने नियम में प्राचीन सामाजिक आचरण और मूसा की व्यवस्था से संबन्धित विषयों में इस्त्राएलियों की अगुआई एवं सहायता करते थे।
- नये नियम में यहूदी प्राचीन अपने समुदायों में अगुवों की भूमिका निभाते थे और समुदाय के न्यायाधीश भी थे।
- आरंभिक मसीही कलीसियाओं में मसीही प्राचीन विश्वासियों की स्थानीय मण्डली की आत्मिक क्षेत्र में अगुआई करते थे।उन कलीसियाओं में प्राचीन में नौजवान शामिल थे जो आत्मिक रूप से परिपक्व थे।
- इस शब्द का अनुवाद "वृद्ध पुरुषों" या "आत्मिक रूप से परिपक्व लोगों” के रूप में किया जा सकता है जो कलीसिया का नेतृत्व कर रहे हैं।

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 11:1-3
- 1 तीमुथियुस 03:1-3
- 1 तीमुथियुस 04:14
- प्रेरि. 05:19-21
- प्रेरि. 14:23
- मरकुस 11:28
- मत्ती 21:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1419, H2205, H7868, G1087, G3187, G4244, G4245, G4850

प्राचीन, प्राचीनों, अगुवों, बूढ़े

परिभाषा:

"प्राचीन" या "बूढ़े" शब्द का संदर्भ ऐसे लोगों से है (बाइबल में, आमतौर पर पुरुष) जो वृद्ध हो चुके हैं जो एक समुदाय के भीतर परिपक्व वयस्क और अगुएं बन गए हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीनों के भूरे बाल हो सकते हैं, वयस्क बच्चे हो सकते हैं, या शायद नाते - पोते भी हो सकते हैं।

- “प्राचीन” शब्द का मूल इस तथ्य में है कि ये पुरूष आयु में अधिक होते थे और आयु एवं अनुभव के कारण उनमें अधिक बुद्धि होती थी।
- पुराने नियम में प्राचीन सामाजिक आचरण और मूसा की व्यवस्था से संबन्धित विषयों में इस्त्राएलियों की अगुआई एवं सहायता करते थे।
- नये नियम में यहूदी प्राचीन अपने समुदायों में अगुवों की भूमिका निभाते थे और समुदाय के न्यायाधीश भी थे।
- आरंभिक मसीही कलीसियाओं में मसीही प्राचीन विश्वासियों की स्थानीय मण्डली की आत्मिक क्षेत्र में अगुआई करते थे।उन कलीसियाओं में प्राचीन में नौजवान शामिल थे जो आत्मिक रूप से परिपक्व थे।
- इस शब्द का अनुवाद "वृद्ध पुरुषों" या "आत्मिक रूप से परिपक्व लोगों” के रूप में किया जा सकता है जो कलीसिया का नेतृत्व कर रहे हैं।

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 11:1-3
- 1 तीमुथियुस 03:1-3
- 1 तीमुथियुस 04:14
- प्रेरि. 05:19-21
- प्रेरि. 14:23
- मरकुस 11:28
- मत्ती 21:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1419, H2205, H7868, G1087, G3187, G4244, G4245, G4850

प्राचीन, प्राचीनों, अगुवों, बूढ़े

परिभाषा:

"प्राचीन" या "बूढ़े" शब्द का संदर्भ ऐसे लोगों से है (बाइबल में, आमतौर पर पुरुष) जो वृद्ध हो चुके हैं जो एक समुदाय के भीतर परिपक्व वयस्क और अगुएं बन गए हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीनों के भूरे बाल हो सकते हैं, वयस्क बच्चे हो सकते हैं, या शायद नाते - पोते भी हो सकते हैं।

- “प्राचीन” शब्द का मूल इस तथ्य में है कि ये पुरूष आयु में अधिक होते थे और आयु एवं अनुभव के कारण उनमें अधिक बुद्धि होती थी।
- पुराने नियम में प्राचीन सामाजिक आचरण और मूसा की व्यवस्था से संबन्धित विषयों में इस्त्राएलियों की अगुआई एवं सहायता करते थे।
- नये नियम में यहूदी प्राचीन अपने समुदायों में अगुवों की भूमिका निभाते थे और समुदाय के न्यायाधीश भी थे।
- आरंभिक मसीही कलीसियाओं में मसीही प्राचीन विश्वासियों की स्थानीय मण्डली की आत्मिक क्षेत्र में अगुआई करते थे।उन कलीसियाओं में प्राचीन में नौजवान शामिल थे जो आत्मिक रूप से परिपक्व थे।
- इस शब्द का अनुवाद "वृद्ध पुरुषों" या "आत्मिक रूप से परिपक्व लोगों” के रूप में किया जा सकता है जो कलीसिया का नेतृत्व कर रहे हैं।

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 11:1-3
- 1 तीमुथियुस 03:1-3
- 1 तीमुथियुस 04:14
- प्रेरि. 05:19-21
- प्रेरि. 14:23
- मरकुस 11:28
- मत्ती 21:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1419, H2205, H7868, G1087, G3187, G4244, G4245, G4850

प्राचीन, प्राचीनों, अगुवों, बूढ़े

परिभाषा:

"प्राचीन" या "बूढ़े" शब्द का संदर्भ ऐसे लोगों से है (बाइबल में, आमतौर पर पुरुष) जो वृद्ध हो चुके हैं जो एक समुदाय के भीतर परिपक्व वयस्क और अगुएं बन गए हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीनों के भूरे बाल हो सकते हैं, वयस्क बच्चे हो सकते हैं, या शायद नाते - पोते भी हो सकते हैं।

- “प्राचीन” शब्द का मूल इस तथ्य में है कि ये पुरूष आयु में अधिक होते थे और आयु एवं अनुभव के कारण उनमें अधिक बुद्धि होती थी।
- पुराने नियम में प्राचीन सामाजिक आचरण और मूसा की व्यवस्था से संबन्धित विषयों में इस्त्राएलियों की अगुआई एवं सहायता करते थे।
- नये नियम में यहूदी प्राचीन अपने समुदायों में अगुवों की भूमिका निभाते थे और समुदाय के न्यायाधीश भी थे।
- आरंभिक मसीही कलीसियाओं में मसीही प्राचीन विश्वासियों की स्थानीय मण्डली की आत्मिक क्षेत्र में अगुआई करते थे।उन कलीसियाओं में प्राचीन में नौजवान शामिल थे जो आत्मिक रूप से परिपक्व थे।
- इस शब्द का अनुवाद "वृद्ध पुरुषों" या "आत्मिक रूप से परिपक्व लोगों” के रूप में किया जा सकता है जो कलीसिया का नेतृत्व कर रहे हैं।

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 11:1-3
- 1 तीमुथियुस 03:1-3
- 1 तीमुथियुस 04:14
- प्रेरि. 05:19-21
- प्रेरि. 14:23
- मरकुस 11:28
- मत्ती 21:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1419, H2205, H7868, G1087, G3187, G4244, G4245, G4850

प्राचीन, प्राचीनों, अगुवों, बूढ़े

परिभाषा:

"प्राचीन" या "बूढ़े" शब्द का संदर्भ ऐसे लोगों से है (बाइबल में, आमतौर पर पुरुष) जो वृद्ध हो चुके हैं जो एक समुदाय के भीतर परिपक्व वयस्क और अगुएं बन गए हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीनों के भूरे बाल हो सकते हैं, वयस्क बच्चे हो सकते हैं, या शायद नाते - पोते भी हो सकते हैं।

- “प्राचीन” शब्द का मूल इस तथ्य में है कि ये पुरूष आयु में अधिक होते थे और आयु एवं अनुभव के कारण उनमें अधिक बुद्धि होती थी।
- पुराने नियम में प्राचीन सामाजिक आचरण और मूसा की व्यवस्था से संबन्धित विषयों में इस्त्राएलियों की अगुआई एवं सहायता करते थे।
- नये नियम में यहूदी प्राचीन अपने समुदायों में अगुवों की भूमिका निभाते थे और समुदाय के न्यायाधीश भी थे।
- आरंभिक मसीही कलीसियाओं में मसीही प्राचीन विश्वासियों की स्थानीय मण्डली की आत्मिक क्षेत्र में अगुआई करते थे।उन कलीसियाओं में प्राचीन में नौजवान शामिल थे जो आत्मिक रूप से परिपक्व थे।
- इस शब्द का अनुवाद "वृद्ध पुरुषों" या "आत्मिक रूप से परिपक्व लोगों” के रूप में किया जा सकता है जो कलीसिया का नेतृत्व कर रहे हैं।

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 11:1-3
- 1 तीमुथियुस 03:1-3
- 1 तीमुथियुस 04:14
- प्रेरि. 05:19-21
- प्रेरि. 14:23
- मरकुस 11:28
- मत्ती 21:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1419, H2205, H7868, G1087, G3187, G4244, G4245, G4850

प्राचीन, प्राचीनों, अगुवों, बूढ़े

परिभाषा:

"प्राचीन" या "बूढ़े" शब्द का संदर्भ ऐसे लोगों से है (बाइबल में, आमतौर पर पुरुष) जो वृद्ध हो चुके हैं जो एक समुदाय के भीतर परिपक्व वयस्क और अगुएं बन गए हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीनों के भूरे बाल हो सकते हैं, वयस्क बच्चे हो सकते हैं, या शायद नाते - पोते भी हो सकते हैं।

- “प्राचीन” शब्द का मूल इस तथ्य में है कि ये पुरूष आयु में अधिक होते थे और आयु एवं अनुभव के कारण उनमें अधिक बुद्धि होती थी।
- पुराने नियम में प्राचीन सामाजिक आचरण और मूसा की व्यवस्था से संबन्धित विषयों में इस्त्राएलियों की अगुआई एवं सहायता करते थे।
- नये नियम में यहूदी प्राचीन अपने समुदायों में अगुवों की भूमिका निभाते थे और समुदाय के न्यायाधीश भी थे।
- आरंभिक मसीही कलीसियाओं में मसीही प्राचीन विश्वासियों की स्थानीय मण्डली की आत्मिक क्षेत्र में अगुआई करते थे।उन कलीसियाओं में प्राचीन में नौजवान शामिल थे जो आत्मिक रूप से परिपक्व थे।
- इस शब्द का अनुवाद "वृद्ध पुरुषों" या "आत्मिक रूप से परिपक्व लोगों” के रूप में किया जा सकता है जो कलीसिया का नेतृत्व कर रहे हैं।

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 11:1-3
- 1 तीमुथियुस 03:1-3
- 1 तीमुथियुस 04:14
- प्रेरि. 05:19-21
- प्रेरि. 14:23
- मरकुस 11:28
- मत्ती 21:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1419, H2205, H7868, G1087, G3187, G4244, G4245, G4850

प्राचीन, प्राचीनों, अगुवों, बूढ़े

परिभाषा:

"प्राचीन" या "बूढ़े" शब्द का संदर्भ ऐसे लोगों से है (बाइबल में, आमतौर पर पुरुष) जो वृद्ध हो चुके हैं जो एक समुदाय के भीतर परिपक्व वयस्क और अगुएं बन गए हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीनों के भूरे बाल हो सकते हैं, वयस्क बच्चे हो सकते हैं, या शायद नाते - पोते भी हो सकते हैं।

- “प्राचीन” शब्द का मूल इस तथ्य में है कि ये पुरूष आयु में अधिक होते थे और आयु एवं अनुभव के कारण उनमें अधिक बुद्धि होती थी।
- पुराने नियम में प्राचीन सामाजिक आचरण और मूसा की व्यवस्था से संबन्धित विषयों में इस्त्राएलियों की अगुआई एवं सहायता करते थे।
- नये नियम में यहूदी प्राचीन अपने समुदायों में अगुवों की भूमिका निभाते थे और समुदाय के न्यायाधीश भी थे।
- आरंभिक मसीही कलीसियाओं में मसीही प्राचीन विश्वासियों की स्थानीय मण्डली की आत्मिक क्षेत्र में अगुआई करते थे।उन कलीसियाओं में प्राचीन में नौजवान शामिल थे जो आत्मिक रूप से परिपक्व थे।
- इस शब्द का अनुवाद "वृद्ध पुरुषों" या "आत्मिक रूप से परिपक्व लोगों” के रूप में किया जा सकता है जो कलीसिया का नेतृत्व कर रहे हैं।

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 11:1-3
- 1 तीमुथियुस 03:1-3
- 1 तीमुथियुस 04:14
- प्रेरि. 05:19-21
- प्रेरि. 14:23
- मरकुस 11:28
- मत्ती 21:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1419, H2205, H7868, G1087, G3187, G4244, G4245, G4850

प्राचीन, प्राचीनों, अगुवों, बूढ़े

परिभाषा:

"प्राचीन" या "बूढ़े" शब्द का संदर्भ ऐसे लोगों से है (बाइबल में, आमतौर पर पुरुष) जो वृद्ध हो चुके हैं जो एक समुदाय के भीतर परिपक्व वयस्क और अगुएं बन गए हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीनों के भूरे बाल हो सकते हैं, वयस्क बच्चे हो सकते हैं, या शायद नाते - पोते भी हो सकते हैं।

- “प्राचीन” शब्द का मूल इस तथ्य में है कि ये पुरूष आयु में अधिक होते थे और आयु एवं अनुभव के कारण उनमें अधिक बुद्धि होती थी।
- पुराने नियम में प्राचीन सामाजिक आचरण और मूसा की व्यवस्था से संबन्धित विषयों में इस्त्राएलियों की अगुआई एवं सहायता करते थे।
- नये नियम में यहूदी प्राचीन अपने समुदायों में अगुवों की भूमिका निभाते थे और समुदाय के न्यायाधीश भी थे।
- आरंभिक मसीही कलीसियाओं में मसीही प्राचीन विश्वासियों की स्थानीय मण्डली की आत्मिक क्षेत्र में अगुआई करते थे।उन कलीसियाओं में प्राचीन में नौजवान शामिल थे जो आत्मिक रूप से परिपक्व थे।
- इस शब्द का अनुवाद "वृद्ध पुरुषों" या "आत्मिक रूप से परिपक्व लोगों” के रूप में किया जा सकता है जो कलीसिया का नेतृत्व कर रहे हैं।

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 11:1-3
- 1 तीमुथियुस 03:1-3
- 1 तीमुथियुस 04:14
- प्रेरि. 05:19-21
- प्रेरि. 14:23
- मरकुस 11:28
- मत्ती 21:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1419, H2205, H7868, G1087, G3187, G4244, G4245, G4850

प्राचीन, प्राचीनों, अगुवों, बूढ़े

परिभाषा:

"प्राचीन" या "बूढ़े" शब्द का संदर्भ ऐसे लोगों से है (बाइबल में, आमतौर पर पुरुष) जो वृद्ध हो चुके हैं जो एक समुदाय के भीतर परिपक्व वयस्क और अगुएं बन गए हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीनों के भूरे बाल हो सकते हैं, वयस्क बच्चे हो सकते हैं, या शायद नाते - पोते भी हो सकते हैं।

- “प्राचीन” शब्द का मूल इस तथ्य में है कि ये पुरूष आयु में अधिक होते थे और आयु एवं अनुभव के कारण उनमें अधिक बुद्धि होती थी।
- पुराने नियम में प्राचीन सामाजिक आचरण और मूसा की व्यवस्था से संबन्धित विषयों में इस्त्राएलियों की अगुआई एवं सहायता करते थे।
- नये नियम में यहूदी प्राचीन अपने समुदायों में अगुवों की भूमिका निभाते थे और समुदाय के न्यायाधीश भी थे।
- आरंभिक मसीही कलीसियाओं में मसीही प्राचीन विश्वासियों की स्थानीय मण्डली की आत्मिक क्षेत्र में अगुआई करते थे।उन कलीसियाओं में प्राचीन में नौजवान शामिल थे जो आत्मिक रूप से परिपक्व थे।
- इस शब्द का अनुवाद "वृद्ध पुरुषों" या "आत्मिक रूप से परिपक्व लोगों” के रूप में किया जा सकता है जो कलीसिया का नेतृत्व कर रहे हैं।

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 11:1-3
- 1 तीमुथियुस 03:1-3
- 1 तीमुथियुस 04:14
- प्रेरि. 05:19-21
- प्रेरि. 14:23
- मरकुस 11:28
- मत्ती 21:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1419, H2205, H7868, G1087, G3187, G4244, G4245, G4850

प्राचीन, प्राचीनों, अगुवों, बूढ़े

परिभाषा:

"प्राचीन" या "बूढ़े" शब्द का संदर्भ ऐसे लोगों से है (बाइबल में, आमतौर पर पुरुष) जो वृद्ध हो चुके हैं जो एक समुदाय के भीतर परिपक्व वयस्क और अगुएं बन गए हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीनों के भूरे बाल हो सकते हैं, वयस्क बच्चे हो सकते हैं, या शायद नाते - पोते भी हो सकते हैं।

- “प्राचीन” शब्द का मूल इस तथ्य में है कि ये पुरूष आयु में अधिक होते थे और आयु एवं अनुभव के कारण उनमें अधिक बुद्धि होती थी।
- पुराने नियम में प्राचीन सामाजिक आचरण और मूसा की व्यवस्था से संबन्धित विषयों में इस्त्राएलियों की अगुआई एवं सहायता करते थे।
- नये नियम में यहूदी प्राचीन अपने समुदायों में अगुवों की भूमिका निभाते थे और समुदाय के न्यायाधीश भी थे।
- आरंभिक मसीही कलीसियाओं में मसीही प्राचीन विश्वासियों की स्थानीय मण्डली की आत्मिक क्षेत्र में अगुआई करते थे।उन कलीसियाओं में प्राचीन में नौजवान शामिल थे जो आत्मिक रूप से परिपक्व थे।
- इस शब्द का अनुवाद "वृद्ध पुरुषों" या "आत्मिक रूप से परिपक्व लोगों” के रूप में किया जा सकता है जो कलीसिया का नेतृत्व कर रहे हैं।

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 11:1-3
- 1 तीमुथियुस 03:1-3
- 1 तीमुथियुस 04:14
- प्रेरि. 05:19-21
- प्रेरि. 14:23
- मरकुस 11:28
- मत्ती 21:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1419, H2205, H7868, G1087, G3187, G4244, G4245, G4850

प्राचीन, प्राचीनों, अगुवों, बूढ़े

परिभाषा:

"प्राचीन" या "बूढ़े" शब्द का संदर्भ ऐसे लोगों से है (बाइबल में, आमतौर पर पुरुष) जो वृद्ध हो चुके हैं जो एक समुदाय के भीतर परिपक्व वयस्क और अगुएं बन गए हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीनों के भूरे बाल हो सकते हैं, वयस्क बच्चे हो सकते हैं, या शायद नाते - पोते भी हो सकते हैं।

- “प्राचीन” शब्द का मूल इस तथ्य में है कि ये पुरूष आयु में अधिक होते थे और आयु एवं अनुभव के कारण उनमें अधिक बुद्धि होती थी।
- पुराने नियम में प्राचीन सामाजिक आचरण और मूसा की व्यवस्था से संबन्धित विषयों में इस्त्राएलियों की अगुआई एवं सहायता करते थे।
- नये नियम में यहूदी प्राचीन अपने समुदायों में अगुवों की भूमिका निभाते थे और समुदाय के न्यायाधीश भी थे।
- आरंभिक मसीही कलीसियाओं में मसीही प्राचीन विश्वासियों की स्थानीय मण्डली की आत्मिक क्षेत्र में अगुआई करते थे।उन कलीसियाओं में प्राचीन में नौजवान शामिल थे जो आत्मिक रूप से परिपक्व थे।
- इस शब्द का अनुवाद "वृद्ध पुरुषों" या "आत्मिक रूप से परिपक्व लोगों” के रूप में किया जा सकता है जो कलीसिया का नेतृत्व कर रहे हैं।

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 11:1-3
- 1 तीमुथियुस 03:1-3
- 1 तीमुथियुस 04:14
- प्रेरि. 05:19-21
- प्रेरि. 14:23
- मरकुस 11:28
- मत्ती 21:23-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1419, H2205, H7868, G1087, G3187, G4244, G4245, G4850

प्राण, स्वयं

परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।
- शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"
- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यतः “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 02:40-42
- उत्पत्ति 49: 5-6
- यशायाह 53:10-11
- याकूब 01:19-21
- यिर्मयाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूका 01:46-47
- मत्ती 22:37-38
- भजन-संहिता 019:7-8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राण, स्वयं

परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।
- शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"

- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यतः “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 02:40-42
- उत्पत्ति 49: 5-6
- यशायाह 53:10-11
- याकूब 01:19-21
- यिर्मयाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूका 01:46-47
- मत्ती 22:37-38
- भजन-संहिता 019:7-8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राण, स्वयं

परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।
- शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"
- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यतः “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 02:40-42
- उत्पत्ति 49: 5-6
- यशायाह 53:10-11
- याकूब 01:19-21
- यिर्मयाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूका 01:46-47
- मत्ती 22:37-38
- भजन-संहिता 019:7-8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राण, स्वयं

परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।
- शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"
- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यतः “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 02:40-42
- उत्पत्ति 49: 5-6
- यशायाह 53:10-11
- याकूब 01:19-21
- यिर्मयाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूका 01:46-47
- मत्ती 22:37-38
- भजन-संहिता 019:7-8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राण, स्वयं

परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।
- शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"
- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यत: “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 02:40-42
- उत्पत्ति 49: 5-6
- यशायाह 53:10-11
- याकूब 01:19-21
- यिर्मयाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूका 01:46-47
- मत्ती 22:37-38
- भजन-संहिता 019:7-8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राण, स्वयं

परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।

- शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"
- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यतः “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 02:40-42
- उत्पत्ति 49: 5-6
- यशायाह 53:10-11
- याकूब 01:19-21
- यिर्मयाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूका 01:46-47
- मत्ती 22:37-38
- भजन-संहिता 019:7-8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राण, स्वयं

परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।
- शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"
- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यतः “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 02:40-42
- उत्पत्ति 49: 5-6
- यशायाह 53:10-11
- याकूब 01:19-21
- यिर्मयाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूका 01:46-47
- मत्ती 22:37-38
- भजन-संहिता 019:7-8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राण, स्वयं

परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।
- शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"
- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यत: “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 02:40-42
- उत्पत्ति 49: 5-6
- यशायाह 53:10-11
- याकूब 01:19-21
- यिर्मयाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूका 01:46-47
- मत्ती 22:37-38

- भजन-संहिता 019:7-8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राण, स्वयं

परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।
- शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"
- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यतः “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 02:40-42
- उत्पत्ति 49: 5-6
- यशायाह 53:10-11
- याकूब 01:19-21
- यिर्मयाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूका 01:46-47
- मत्ती 22:37-38
- भजन-संहिता 019:7-8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

प्राण, स्वयं

परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।
- शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"
- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यतः “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 02:40-42
- उत्पत्ति 49: 5-6
- यशायाह 53:10-11
- याकूब 01:19-21
- यिर्मयाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूका 01:46-47
- मत्ती 22:37-38
- भजन-संहिता 019:7-8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राण, स्वयं

परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।
- शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"

- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यतः “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 02:40-42
- उत्पत्ति 49: 5-6
- यशायाह 53:10-11
- याकूब 01:19-21
- यिर्मयाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूका 01:46-47
- मत्ती 22:37-38
- भजन-संहिता 019:7-8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राण, स्वयं

परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।
- शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"
- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यतः “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 02:40-42
- उत्पत्ति 49: 5-6
- यशायाह 53:10-11
- याकूब 01:19-21
- यिर्मयाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूका 01:46-47
- मत्ती 22:37-38
- भजन-संहिता 019:7-8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राण, स्वयं

परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।
- शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"
- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यतः “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 02:40-42
- उत्पत्ति 49: 5-6
- यशायाह 53:10-11
- याकूब 01:19-21
- यिर्मयाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूका 01:46-47
- मत्ती 22:37-38
- भजन-संहिता 019:7-8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राण, स्वयं

परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।
- शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"
- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यत: “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 02:40-42
- उत्पत्ति 49: 5-6
- यशायाह 53:10-11
- याकूब 01:19-21
- यिर्मयाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूका 01:46-47
- मत्ती 22:37-38
- भजन-संहिता 019:7-8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राण, स्वयं

परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।

- शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"
- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यतः “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 02:40-42
- उत्पत्ति 49: 5-6
- यशायाह 53:10-11
- याकूब 01:19-21
- यिर्मयाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूका 01:46-47
- मत्ती 22:37-38
- भजन-संहिता 019:7-8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राण, स्वयं

परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।
- शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"
- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

अनुवाद के सुझाव:

- “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यतः “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- प्रे.का. 02:27-28
- प्रे.का. 02:40-42
- उत्पत्ति 49: 5-6
- यशायाह 53:10-11
- याकूब 01:19-21
- यिर्मयाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूका 01:46-47
- मत्ती 22:37-38
- भजन-संहिता 019:7-8
- प्रका 20:4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राणी, प्राणियों

परिभाषा:

“प्राणी” का अर्थ है परमेश्वर द्वारा सृजित सब जीव चाहे मनुष्य हो या पशु।

- भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा के दर्शन में "जीवित प्राणियों" का वर्णन किया है। वह उन्हें पहचानता नहीं था इसलिए उसने उन्हें यह नाम दिया।
- ध्यान दें कि सृष्टि का अर्थ यहां भिन्न है क्योंकि परमेश्वर ने सब कुछ बनाया है जीवित एवं निर्जीव वस्तुएं (जैसे भूमि, जल, सितारे)। “प्राणी” शब्द का अर्थ है केवल जीवित वस्तुएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “प्राणी” का अनुवाद “जीव” या “जीवित प्राणी” या “सृजा प्राणी” भी किया जा सकता है।
- इस शब्द का बहुवचन “प्राणियों” का अनुवाद “सभी जीवित प्राणी" या “मनुष्य और पशु” या "पशु" या “मनुष्य।”

(यह भी देखें: उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 04:10-12
- यहेजकेल 01:7-9
- यहोशू 10:28
- लैव्यव्यवस्था 11:46-47
- प्रकाशितवाक्य 19:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H255, H1320, H1321, H1870, H2119, H2416, H4639, H5315, H5971, H7430, H8318, G2226, G2937, G2938

प्राणी, प्राणियों

परिभाषा:

“प्राणी” का अर्थ है परमेश्वर द्वारा सृजित सब जीव चाहे मनुष्य हो या पशु।

- भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा के दर्शन में "जीवित प्राणियों" का वर्णन किया है। वह उन्हें पहचानता नहीं था इसलिए उसने उन्हें यह नाम दिया।
- ध्यान दें कि सृष्टि का अर्थ यहां भिन्न है क्योंकि परमेश्वर ने सब कुछ बनाया है जीवित एवं निर्जीव वस्तुएं (जैसे भूमि, जल, सितारे)। “प्राणी” शब्द का अर्थ है केवल जीवित वस्तुएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “प्राणी” का अनुवाद “जीव” या “जीवित प्राणी” या “सृजा प्राणी” भी किया जा सकता है।
- इस शब्द का बहुवचन “प्राणियों” का अनुवाद “सभी जीवित प्राणी" या “मनुष्य और पशु” या "पशु" या “मनुष्य।”

(यह भी देखें: उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 04:10-12
- यहेजकेल 01:7-9
- यहोशू 10:28
- लैव्यव्यवस्था 11:46-47
- प्रकाशितवाक्य 19:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H255, H1320, H1321, H1870, H2119, H2416, H4639, H5315, H5971, H7430, H8318, G2226, G2937, G2938

प्राणी, प्राणियों

परिभाषा:

“प्राणी” का अर्थ है परमेश्वर द्वारा सृजित सब जीव चाहे मनुष्य हो या पशु।

- भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा के दर्शन में "जीवित प्राणियों" का वर्णन किया है। वह उन्हें पहचानता नहीं था इसलिए उसने उन्हें यह नाम दिया।
- ध्यान दें कि सृष्टि का अर्थ यहां भिन्न है क्योंकि परमेश्वर ने सब कुछ बनाया है जीवित एवं निर्जीव वस्तुएं (जैसे भूमि, जल, सितारे)। “प्राणी” शब्द का अर्थ है केवल जीवित वस्तुएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “प्राणी” का अनुवाद “जीव” या “जीवित प्राणी” या “सृजा प्राणी” भी किया जा सकता है।
- इस शब्द का बहुवचन “प्राणियों” का अनुवाद “सभी जीवित प्राणी" या “मनुष्य और पशु” या "पशु" या “मनुष्य।”

(यह भी देखें: उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 04:10-12
- यहेजकेल 01:7-9
- यहोशू 10:28
- लैव्यव्यवस्था 11:46-47
- प्रकाशितवाक्य 19:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H255, H1320, H1321, H1870, H2119, H2416, H4639, H5315, H5971, H7430, H8318, G2226, G2937, G2938

प्राणी, प्राणियों

परिभाषा:

“प्राणी” का अर्थ है परमेश्वर द्वारा सृजित सब जीव चाहे मनुष्य हो या पशु।

- भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा के दर्शन में "जीवित प्राणियों" का वर्णन किया है। वह उन्हें पहचानता नहीं था इसलिए उसने उन्हें यह नाम दिया।
- ध्यान दें कि सृष्टि का अर्थ यहां भिन्न है क्योंकि परमेश्वर ने सब कुछ बनाया है जीवित एवं निर्जीव वस्तुएं (जैसे भूमि, जल, सितारे)। “प्राणी” शब्द का अर्थ है केवल जीवित वस्तुएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “प्राणी” का अनुवाद “जीव” या “जीवित प्राणी” या “सृजा प्राणी” भी किया जा सकता है।
- इस शब्द का बहुवचन “प्राणियों” का अनुवाद “सभी जीवित प्राणी" या “मनुष्य और पशु” या "पशु" या “मनुष्य।”

(यह भी देखें: उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 04:10-12
- यहेजकेल 01:7-9
- यहोशू 10:28
- लैव्यव्यवस्था 11:46-47
- प्रकाशितवाक्य 19:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H255, H1320, H1321, H1870, H2119, H2416, H4639, H5315, H5971, H7430, H8318, G2226, G2937, G2938

प्राणी, प्राणियों

परिभाषा:

“प्राणी” का अर्थ है परमेश्वर द्वारा सृजित सब जीव चाहे मनुष्य हो या पशु।

- भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा के दर्शन में "जीवित प्राणियों" का वर्णन किया है। वह उन्हें पहचानता नहीं था इसलिए उसने उन्हें यह नाम दिया।
- ध्यान दें कि सृष्टि का अर्थ यहां भिन्न है क्योंकि परमेश्वर ने सब कुछ बनाया है जीवित एवं निर्जीव वस्तुएं (जैसे भूमि, जल, सितारे)। “प्राणी” शब्द का अर्थ है केवल जीवित वस्तुएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “प्राणी” का अनुवाद “जीव” या “जीवित प्राणी” या “सृजा प्राणी” भी किया जा सकता है।
- इस शब्द का बहुवचन “प्राणियों” का अनुवाद “सभी जीवित प्राणी" या “मनुष्य और पशु” या "पशु" या “मनुष्य।”

(यह भी देखें: उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 04:10-12
- यहेजकेल 01:7-9
- यहोशू 10:28

- लैव्यव्यवस्था 11:46-47
- प्रकाशितवाक्य 19:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H255, H1320, H1321, H1870, H2119, H2416, H4639, H5315, H5971, H7430, H8318, G2226, G2937, G2938

प्राणी, प्राणियों

परिभाषा:

“प्राणी” का अर्थ है परमेश्वर द्वारा सृजित सब जीव चाहे मनुष्य हो या पशु।

- भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा के दर्शन में "जीवित प्राणियों" का वर्णन किया है। वह उन्हें पहचानता नहीं था इसलिए उसने उन्हें यह नाम दिया।
- ध्यान दें कि सृष्टि का अर्थ यहां भिन्न है क्योंकि परमेश्वर ने सब कुछ बनाया है जीवित एवं निर्जीव वस्तुएं (जैसे भूमि, जल, सितारे)। “प्राणी” शब्द का अर्थ है केवल जीवित वस्तुएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “प्राणी” का अनुवाद “जीव” या “जीवित प्राणी” या “सृजा प्राणी” भी किया जा सकता है।
- इस शब्द का बहुवचन “प्राणियों” का अनुवाद “सभी जीवित प्राणी" या “मनुष्य और पशु” या "पशु" या “मनुष्य।”

(यह भी देखें: उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 04:10-12
- यहेजकेल 01:7-9
- यहोशू 10:28
- लैव्यव्यवस्था 11:46-47
- प्रकाशितवाक्य 19:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H255, H1320, H1321, H1870, H2119, H2416, H4639, H5315, H5971, H7430, H8318, G2226, G2937, G2938

प्राणी, प्राणियों

परिभाषा:

“प्राणी” का अर्थ है परमेश्वर द्वारा सृजित सब जीव चाहे मनुष्य हो या पशु।

- भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा के दर्शन में "जीवित प्राणियों" का वर्णन किया है। वह उन्हें पहचानता नहीं था इसलिए उसने उन्हें यह नाम दिया।
- ध्यान दें कि सृष्टि का अर्थ यहां भिन्न है क्योंकि परमेश्वर ने सब कुछ बनाया है जीवित एवं निर्जीव वस्तुएं (जैसे भूमि, जल, सितारे)। “प्राणी” शब्द का अर्थ है केवल जीवित वस्तुएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “प्राणी” का अनुवाद “जीव” या “जीवित प्राणी” या “सृजा प्राणी” भी किया जा सकता है।
- इस शब्द का बहुवचन “प्राणियों” का अनुवाद “सभी जीवित प्राणी" या “मनुष्य और पशु” या "पशु" या “मनुष्य।”

(यह भी देखें: उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 04:10-12
- यहेजकेल 01:7-9
- यहोशू 10:28
- लैव्यव्यवस्था 11:46-47
- प्रकाशितवाक्य 19:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H255, H1320, H1321, H1870, H2119, H2416, H4639, H5315, H5971, H7430, H8318, G2226, G2937, G2938

प्राणी, प्राणियों

परिभाषा:

“प्राणी” का अर्थ है परमेश्वर द्वारा सृजित सब जीव चाहे मनुष्य हो या पशु।

- भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा के दर्शन में "जीवित प्राणियों" का वर्णन किया है। वह उन्हें पहचानता नहीं था इसलिए उसने उन्हें यह नाम दिया।
- ध्यान दें कि सृष्टि का अर्थ यहां भिन्न है क्योंकि परमेश्वर ने सब कुछ बनाया है जीवित एवं निर्जीव वस्तुएं (जैसे भूमि, जल, सितारे)। “प्राणी” शब्द का अर्थ है केवल जीवित वस्तुएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “प्राणी” का अनुवाद “जीव” या “जीवित प्राणी” या “सृजा प्राणी” भी किया जा सकता है।
- इस शब्द का बहुवचन “प्राणियों” का अनुवाद “सभी जीवित प्राणी" या “मनुष्य और पशु” या "पशु" या “मनुष्य।”

(यह भी देखें: उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 04:10-12
- यहेजकेल 01:7-9
- यहोशू 10:28
- लैव्यव्यवस्था 11:46-47
- प्रकाशितवाक्य 19:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H255, H1320, H1321, H1870, H2119, H2416, H4639, H5315, H5971, H7430, H8318, G2226, G2937, G2938

प्रायश्चित, प्रायश्चित करना, प्रायश्चित किया जाए, प्रायश्चित किया

परिभाषा:

“प्रायश्चित करना” और “प्रायश्चित” का संदर्भ परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के पापों की बलि का प्रावधान एवं पाप के लिए उसके क्रोध को शान्त करने से है।

- पुराने नियम के युग में परमेश्वर ने इस्राएल के लिए अस्थाई प्रबन्ध किया था कि उनके पापों का प्रायश्चित लहू की बलि चढ़ाने से किया जाए जिसमें पशु का वध किया जाता था।
- जैसा नये नियम में लिखा है, क्रूस पर मसीह की मृत्यु ही पाप का एक मात्र सच्चा एवं स्थाई प्रायश्चित है।
- यीशु ने मरकर मनुष्यों के पाप का दण्ड उठा लिया था। उसने अपनी पापबलि की मृत्यु द्वारा प्रायश्चित का मूल्य चुका दिया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रायश्चित करना” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ “मूल्य चुकाना” या “के लिए मूल्य देना” या “किसी के पाप क्षमा करवाना” या “अपराध का शोधन करना”।

- “प्रायश्चित” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “भुगतान” या “पाप का मूल्य चुकाने की बलि” या “क्षमादान का मार्ग उपलब्ध करवाना”।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद में पैसों के भुगतान का भाव व्यक्त न हो।

(यह भी देखें: प्रायश्चित का ढकना, क्षमा कर, प्रायश्चित, मेल करना, छुड़ा ले)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 43:25-27
- यहेजकेल 45:18-20
- लैव्यव्यवस्था 04:20-21
- गिनती 05:8-10
- गिनती 28:19-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H3725, G2643

प्रायश्चित, प्रायश्चित करना, प्रायश्चित किया जाए, प्रायश्चित किया

परिभाषा:

“प्रायश्चित करना” और “प्रायश्चित” का संदर्भ परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के पापों की बलि का प्रावधान एवं पाप के लिए उसके क्रोध को शान्त करने से है।

- पुराने नियम के युग में परमेश्वर ने इस्राएल के लिए अस्थाई प्रबन्ध किया था कि उनके पापों का प्रायश्चित लहू की बलि चढ़ाने से किया जाए जिसमें पशु का वध किया जाता था।
- जैसा नये नियम में लिखा है, क्रूस पर मसीह की मृत्यु ही पाप का एक मात्र सच्चा एवं स्थाई प्रायश्चित है।
- यीशु ने मरकर मनुष्यों के पाप का दण्ड उठा लिया था। उसने अपनी पापबलि की मृत्यु द्वारा प्रायश्चित का मूल्य चुका दिया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रायश्चित करना” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ “मूल्य चुकाना” या “के लिए मूल्य देना” या “किसी के पाप क्षमा करवाना” या “अपराध का शोधन करना”।
- “प्रायश्चित” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “भुगतान” या “पाप का मूल्य चुकाने की बलि” या “क्षमादान का मार्ग उपलब्ध करवाना”।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद में पैसों के भुगतान का भाव व्यक्त न हो।

(यह भी देखें: प्रायश्चित का ढकना, क्षमा कर, प्रायश्चित, मेल करना, छुड़ा ले)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 43:25-27
- यहेजकेल 45:18-20
- लैव्यव्यवस्था 04:20-21
- गिनती 05:8-10
- गिनती 28:19-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H3725, G2643

प्रायश्चित, प्रायश्चित करना, प्रायश्चित किया जाए, प्रायश्चित किया

परिभाषा:

“प्रायश्चित करना” और “प्रायश्चित” का संदर्भ परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के पापों की बलि का प्रावधान एवं पाप के लिए उसके क्रोध को शान्त करने से है।

- पुराने नियम के युग में परमेश्वर ने इस्राएल के लिए अस्थाई प्रबन्ध किया था कि उनके पापों का प्रायश्चित लहू की बलि चढ़ाने से किया जाए जिसमें पशु का वध किया जाता था।
- जैसा नये नियम में लिखा है, क्रूस पर मसीह की मृत्यु ही पाप का एक मात्र सच्चा एवं स्थाई प्रायश्चित है।
- यीशु ने मरकर मनुष्यों के पाप का दण्ड उठा लिया था। उसने अपनी पापबलि की मृत्यु द्वारा प्रायश्चित का मूल्य चुका दिया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रायश्चित करना” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ “मूल्य चुकाना” या “के लिए मूल्य देना” या “किसी के पाप क्षमा करवाना” या “अपराध का शोधन करना”।
- “प्रायश्चित” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “भुगतान” या “पाप का मूल्य चुकाने की बलि” या “क्षमादान का मार्ग उपलब्ध करवाना”।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद में पैसों के भुगतान का भाव व्यक्त न हो।

(यह भी देखें: प्रायश्चित का ढकना, क्षमा कर, प्रायश्चित, मेल करना, छुड़ा ले)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 43:25-27
- यहेजकेल 45:18-20
- लैव्यव्यवस्था 04:20-21
- गिनती 05:8-10
- गिनती 28:19-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H3725, G2643

प्रायश्चित

परिभाषा:

“प्रायश्चित” यह एक ऐसी बलि है जो परमेश्वर के न्याय को सन्तुष्ट करने और उसके क्रोध को शान्त करने के लिए होती है।

- यीशु मसीह के लहू का बलिदान मानव जाति के पापों के लिए परमेश्वर का प्रायश्चित है।
- क्रूस पर यीशु की मृत्यु ने पाप के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध को शान्त कर दिया है। इसके द्वारा परमेश्वर मनुष्य पर कृपा दृष्टि कर पाता है और उन्हें अनन्त जीवन देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “तुष्टीकरण” या “परमेश्वर से पाप क्षमा करवाना तथा मनुष्यों को आग्रह प्रदान करना” हो सकता है।
- “प्रायश्चित” शब्द अर्थ में “प्रसादन” के निकट है। इन दोनों शब्दों के उपयोग की तुलना करना महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, सनातन, क्षमा कर, बलिदान करना

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:9-10
- रोमियो 03:25-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2434, G2435

प्रायश्चित

परिभाषा:

“प्रायश्चित” यह एक ऐसी बलि है जो परमेश्वर के न्याय को सन्तुष्ट करने और उसके क्रोध को शान्त करने के लिए होती है।

- यीशु मसीह के लहू का बलिदान मानव जाति के पापों के लिए परमेश्वर का प्रायश्चित है।
- क्रूस पर यीशु की मृत्यु ने पाप के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध को शान्त कर दिया है। इसके द्वारा परमेश्वर मनुष्य पर कृपा दृष्टि कर पाता है और उन्हें अनन्त जीवन देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “तुष्टीकरण” या “परमेश्वर से पाप क्षमा करवाना तथा मनुष्यों को आग्रह प्रदान करना” हो सकता है।
- “प्रायश्चित” शब्द अर्थ में “प्रसादन” के निकट है। इन दोनों शब्दों के उपयोग की तुलना करना महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, सनातन, क्षमा कर, बलिदान करना

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:9-10
- रोमियो 03:25-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2434, G2435

प्रायश्चित

परिभाषा:

“प्रायश्चित” यह एक ऐसी बलि है जो परमेश्वर के न्याय को सन्तुष्ट करने और उसके क्रोध को शान्त करने के लिए होती है।

- यीशु मसीह के लहू का बलिदान मानव जाति के पापों के लिए परमेश्वर का प्रायश्चित है।
- क्रूस पर यीशु की मृत्यु ने पाप के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध को शान्त कर दिया है। इसके द्वारा परमेश्वर मनुष्य पर कृपा दृष्टि कर पाता है और उन्हें अनन्त जीवन देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “तुष्टीकरण” या “परमेश्वर से पाप क्षमा करवाना तथा मनुष्यों को आग्रह प्रदान करना” हो सकता है।
- “प्रायश्चित” शब्द अर्थ में “प्रसादन” के निकट है। इन दोनों शब्दों के उपयोग की तुलना करना महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, सनातन, क्षमा कर, बलिदान करना

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:9-10
- रोमियो 03:25-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2434, G2435

प्रार्थना कर, प्रार्थना, प्रार्थनाओं, प्रार्थना की

परिभाषा:

“प्रार्थना कर” और “प्रार्थना” का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनायें लिखित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर राशियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना होता है।
- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं। जब हमारी आत्मा उसकी आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।

- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर से बात करना” या “परमेश्वर से संपर्क साधना” हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना के शब्द होना है।

(यह भी देखें: देवता, क्षमा कर, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- प्रे.का. 08:24
- प्रे.का. 14:23-26
- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11
- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई |
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल, हमारी सुन |”
- **21:07** पुरोहित परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे |
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H5315, H5375, H6293, H6419, H6739, H6963, H7121, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना कर, प्रार्थना, प्रार्थनाओं, प्रार्थना की

परिभाषा:

“प्रार्थना कर” और “प्रार्थना” का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनायें लिखित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर राशियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना होता है।
- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं। जब हमारी आत्मा उसकी आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर से बात करना” या “परमेश्वर से संपर्क साधना” हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना के शब्द होना है।

(यह भी देखें: देवता, क्षमा कर, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- प्रे.का. 08:24
- प्रे.का. 14:23-26
- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11

- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई |
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल, हमारी सुन |”
- **21:07** पुरोहित परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे |
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H5315, H5375, H6293, H6419, H6739, H6963, H7121, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना कर, प्रार्थना, प्रार्थनाओं, प्रार्थना की

परिभाषा:

“प्रार्थना कर” और “प्रार्थना” का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनायें लिखित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर राशियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना होता है।
- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं। जब हमारी आत्मा उसकी आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर से बात करना” या “परमेश्वर से संपर्क साधना” हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना के शब्द होना है।

(यह भी देखें: देवता, क्षमा कर, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- प्रे.का. 08:24
- प्रे.का. 14:23-26
- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11
- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई |
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल, हमारी सुन |”
- **21:07** पुरोहित परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे |

- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H5315, H5375, H6293, H6419, H6739, H6963, H7121, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना कर, प्रार्थना, प्रार्थनाओं, प्रार्थना की

परिभाषा:

“प्रार्थना कर” और “प्रार्थना” का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनायें लिखित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर राशियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना होता है।
- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं। जब हमारी आत्मा उसकी आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर से बात करना” या “परमेश्वर से संपर्क साधना” हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना के शब्द होना है।

(यह भी देखें: देवता, क्षमा कर, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- प्रे.का. 08:24
- प्रे.का. 14:23-26
- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11
- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई |
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल, हमारी सुन |”
- **21:07** पुरोहित परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे |
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H5315, H5375, H6293, H6419, H6739, H6963, H7121, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना कर, प्रार्थना, प्रार्थनाओं, प्रार्थना की

परिभाषा:

"प्रार्थना कर" और "प्रार्थना" का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनायें लिखित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर राशियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना होता है।
- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं। जब हमारी आत्मा उसकी आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
- इस शब्द का अनुवाद "परमेश्वर से बात करना" या "परमेश्वर से संपर्क साधना" हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना के शब्द होना है।

(यह भी देखें: देवता, क्षमा कर, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- प्रे.का. 08:24
- प्रे.का. 14:23-26
- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11
- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई |
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, "हे बाल, हमारी सुन |"
- **21:07** पुरोहित परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे |
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H5315, H5375, H6293, H6419, H6739, H6963, H7121, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना कर, प्रार्थना, प्रार्थनाओं, प्रार्थना की

परिभाषा:

"प्रार्थना कर" और "प्रार्थना" का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनायें लिखित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर राशियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना होता है।

- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं। जब हमारी आत्मा उसकी आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
- इस शब्द का अनुवाद "परमेश्वर से बात करना" या "परमेश्वर से संपर्क साधना" हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना के शब्द होना है।

(यह भी देखें: देवता, क्षमा कर, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- प्रे.का. 08:24
- प्रे.का. 14:23-26
- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11
- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई |
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, "हे बाल, हमारी सुन |"
- **21:07** पुरोहित परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे |
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H5315, H5375, H6293, H6419, H6739, H6963, H7121, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना कर, प्रार्थना, प्रार्थनाओं, प्रार्थना की

परिभाषा:

"प्रार्थना कर" और "प्रार्थना" का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनायें लिखित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर राशियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना होता है।
- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं। जब हमारी आत्मा उसकी आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
- इस शब्द का अनुवाद "परमेश्वर से बात करना" या "परमेश्वर से संपर्क साधना" हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना के शब्द होना है।

(यह भी देखें: देवता, क्षमा कर, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- प्रे.का. 08:24
- प्रे.का. 14:23-26

- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11
- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई |
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल, हमारी सुन |”
- **21:07** पुरोहित परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे |
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H5315, H5375, H6293, H6419, H6739, H6963, H7121, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना कर, प्रार्थना, प्रार्थनाओं, प्रार्थना की

परिभाषा:

“प्रार्थना कर” और “प्रार्थना” का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनायें लिखित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर राशियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना होता है।
- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं। जब हमारी आत्मा उसकी आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर से बात करना” या “परमेश्वर से संपर्क साधना” हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना के शब्द होना है।

(यह भी देखें: देवता, क्षमा कर, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- प्रे.का. 08:24
- प्रे.का. 14:23-26
- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11
- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई |
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल, हमारी सुन |”
- **21:07** पुरोहित परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |

- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे |
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H5315, H5375, H6293, H6419, H6739, H6963, H7121, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना कर, प्रार्थना, प्रार्थनाओं, प्रार्थना की

परिभाषा:

“प्रार्थना कर” और “प्रार्थना” का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनायें लिखित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर राशियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना होता है।
- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं। जब हमारी आत्मा उसकी आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर से बात करना” या “परमेश्वर से संपर्क साधना” हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना के शब्द होना है।

(यह भी देखें: देवता, क्षमा कर, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- प्रे.का. 08:24
- प्रे.का. 14:23-26
- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11
- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई |
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल, हमारी सुन |”
- **21:07** पुरोहित परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे |
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H5315, H5375, H6293, H6419, H6739, H6963, H7121, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना कर, प्रार्थना, प्रार्थनाओं, प्रार्थना की

परिभाषा:

"प्रार्थना कर" और "प्रार्थना" का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनायें लिखित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर राशियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना होता है।
- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं। जब हमारी आत्मा उसकी आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
- इस शब्द का अनुवाद "परमेश्वर से बात करना" या "परमेश्वर से संपर्क साधना" हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना के शब्द होना है।

(यह भी देखें: देवता, क्षमा कर, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- प्रे.का. 08:24
- प्रे.का. 14:23-26
- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11
- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई |
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, "हे बाल, हमारी सुन |"
- **21:07** पुरोहित परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे |
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H5315, H5375, H6293, H6419, H6739, H6963, H7121, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना कर, प्रार्थना, प्रार्थनाओं, प्रार्थना की

परिभाषा:

"प्रार्थना कर" और "प्रार्थना" का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनायें लिखित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर राशियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना होता है।

- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं। जब हमारी आत्मा उसकी आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
- इस शब्द का अनुवाद "परमेश्वर से बात करना" या "परमेश्वर से संपर्क साधना" हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना के शब्द होना है।

(यह भी देखें: देवता, क्षमा कर, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- प्रे.का. 08:24
- प्रे.का. 14:23-26
- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11
- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई |
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, "हे बाल, हमारी सुन |"
- **21:07** पुरोहित परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे |
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H5315, H5375, H6293, H6419, H6739, H6963, H7121, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना कर, प्रार्थना, प्रार्थनाओं, प्रार्थना की

परिभाषा:

"प्रार्थना कर" और "प्रार्थना" का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनायें लिखित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर राशियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना होता है।
- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं। जब हमारी आत्मा उसकी आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
- इस शब्द का अनुवाद "परमेश्वर से बात करना" या "परमेश्वर से संपर्क साधना" हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना के शब्द होना है।

(यह भी देखें: देवता, क्षमा कर, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- प्रे.का. 08:24
- प्रे.का. 14:23-26

- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11
- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई |
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल, हमारी सुन |”
- **21:07** पुरोहित परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे |
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H5315, H5375, H6293, H6419, H6739, H6963, H7121, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना कर, प्रार्थना, प्रार्थनाओं, प्रार्थना की

परिभाषा:

“प्रार्थना कर” और “प्रार्थना” का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनायें लिखित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर राशियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना होता है।
- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं। जब हमारी आत्मा उसकी आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर से बात करना” या “परमेश्वर से संपर्क साधना” हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना के शब्द होना है।

(यह भी देखें: देवता, क्षमा कर, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- प्रे.का. 08:24
- प्रे.का. 14:23-26
- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11
- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई |
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल, हमारी सुन |”
- **21:07** पुरोहित परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |

- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे |
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H5315, H5375, H6293, H6419, H6739, H6963, H7121, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना कर, प्रार्थना, प्रार्थनाओं, प्रार्थना की

परिभाषा:

“प्रार्थना कर” और “प्रार्थना” का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनायें लिखित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर राशियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना होता है।
- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं। जब हमारी आत्मा उसकी आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर से बात करना” या “परमेश्वर से संपर्क साधना” हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना के शब्द होना है।

(यह भी देखें: देवता, क्षमा कर, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- प्रे.का. 08:24
- प्रे.का. 14:23-26
- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11
- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई |
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल, हमारी सुन |”
- **21:07** पुरोहित परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे |
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H5315, H5375, H6293, H6419, H6739, H6963, H7121, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना कर, प्रार्थना, प्रार्थनाओं, प्रार्थना की

परिभाषा:

"प्रार्थना कर" और "प्रार्थना" का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनायें लिखित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर राशियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना होता है।
- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं। जब हमारी आत्मा उसकी आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
- इस शब्द का अनुवाद "परमेश्वर से बात करना" या "परमेश्वर से संपर्क साधना" हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना के शब्द होना है।

(यह भी देखें: देवता, क्षमा कर, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- प्रे.का. 08:24
- प्रे.का. 14:23-26
- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11
- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई |
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, "हे बाल, हमारी सुन |"
- **21:07** पुरोहित परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे |
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H5315, H5375, H6293, H6419, H6739, H6963, H7121, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना किया, मध्यस्थता की, मध्यस्थता

परिभाषा:

"प्रार्थना किया" या "मध्यस्थता" का अर्थ है किसी के लिए किसी से विनती करना। बाइबल यह शब्द अन्यों के लिए प्रार्थना करने के लिए काम में लिया गया है।

- "के लिए मध्यस्थता करना" और "मध्यस्थता" का अर्थ है मनुष्यों के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करना।
- बाइबल में लिखा है कि पवित्र आत्मा हमारे लिए विनती करता है,अर्थात वह हमारे लिए परमेश्वर से प्रार्थना करता है।
- मनुष्य किसी अधिकारी से किसी अनुवाद के लिए विनती करके मध्यस्थता करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “मध्यस्थता के अन्य अनुवाद रूप, “याचना करना”, या (किसी से) “निवेदन करना” (किसी और के लिए) कुछ करने के लिए हो सकते हैं।
- संज्ञा "और निवेदन" का अनुवाद "आग्रह" या "अनुरोध" या "तत्काल प्रार्थना" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "के लिए मध्यस्थता" का अनुवाद "के लिए अनुरोध करने के लिए" या "की ओर से अपील करें" या "परमेश्वर से मदद मांगे" या "(किसी के लिए) परमेश्वर से निवेदन करना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: प्रार्थना कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 07:25-26
- यशायाह 53:12
- यिर्मयाह 29:6-7
- रोमियो 08:26-27
- रोमियो 08:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6293, G1783, G1793, G5241

प्रार्थना किया, मध्यस्थता की, मध्यस्थता

परिभाषा:

“प्रार्थना किया” या “मध्यस्थता” का अर्थ है किसी के लिए किसी से विनती करना। बाइबल यह शब्द अन्यों के लिए प्रार्थना करने के लिए काम में लिया गया है।

- “के लिए मध्यस्थता करना” और “मध्यस्थता” का अर्थ है मनुष्यों के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करना।
- बाइबल में लिखा है कि पवित्र आत्मा हमारे लिए विनती करता है,अर्थात वह हमारे लिए परमेश्वर से प्रार्थना करता है।
- मनुष्य किसी अधिकारी से किसी अनुवाद के लिए विनती करके मध्यस्थता करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “मध्यस्थता के अन्य अनुवाद रूप, “याचना करना”, या (किसी से) “निवेदन करना” (किसी और के लिए) कुछ करने के लिए हो सकते हैं।
- संज्ञा "और निवेदन" का अनुवाद "आग्रह" या "अनुरोध" या "तत्काल प्रार्थना" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "के लिए मध्यस्थता" का अनुवाद "के लिए अनुरोध करने के लिए" या "की ओर से अपील करें" या "परमेश्वर से मदद मांगे" या "(किसी के लिए) परमेश्वर से निवेदन करना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: प्रार्थना कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 07:25-26
- यशायाह 53:12
- यिर्मयाह 29:6-7
- रोमियो 08:26-27
- रोमियो 08:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6293, G1783, G1793, G5241

प्रार्थना किया, मध्यस्थता की, मध्यस्थता

परिभाषा:

“प्रार्थना किया” या “मध्यस्थता” का अर्थ है किसी के लिए किसी से विनती करना। बाइबल यह शब्द अन्यों के लिए प्रार्थना करने के लिए काम में लिया गया है।

- “के लिए मध्यस्थता करना” और “मध्यस्थता” का अर्थ है मनुष्यों के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करना।

- बाइबल में लिखा है कि पवित्र आत्मा हमारे लिए विनती करता है,अर्थात वह हमारे लिए परमेश्वर से प्रार्थना करता है।
- मनुष्य किसी अधिकारी से किसी अनुवाद के लिए विनती करके मध्यस्थता करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “मध्यस्थता के अन्य अनुवाद रूप, “याचना करना”, या (किसी से) “निवेदन करना” (किसी और के लिए) कुछ करने के लिए हो सकते हैं।
- संज्ञा "और निवेदन" का अनुवाद "आग्रह" या "अनुरोध" या "तत्काल प्रार्थना" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "के लिए मध्यस्थता" का अनुवाद "के लिए अनुरोध करने के लिए" या "की ओर से अपील करें" या "परमेश्वर से मदद मांगे" या "(किसी के लिए) परमेश्वर से निवेदन करना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: प्रार्थना कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 07:25-26
- यशायाह 53:12
- यिर्मयाह 29:6-7
- रोमियो 08:26-27
- रोमियो 08:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6293, G1783, G1793, G5241

प्रार्थना किया, मध्यस्थता की, मध्यस्थता

परिभाषा:

“प्रार्थना किया” या “मध्यस्थता” का अर्थ है किसी के लिए किसी से विनती करना। बाइबल यह शब्द अन्यों के लिए प्रार्थना करने के लिए काम में लिया गया है।

- “के लिए मध्यस्थता करना” और “मध्यस्थता” का अर्थ है मनुष्यों के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करना।
- बाइबल में लिखा है कि पवित्र आत्मा हमारे लिए विनती करता है,अर्थात वह हमारे लिए परमेश्वर से प्रार्थना करता है।
- मनुष्य किसी अधिकारी से किसी अनुवाद के लिए विनती करके मध्यस्थता करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “मध्यस्थता के अन्य अनुवाद रूप, “याचना करना”, या (किसी से) “निवेदन करना” (किसी और के लिए) कुछ करने के लिए हो सकते हैं।
- संज्ञा "और निवेदन" का अनुवाद "आग्रह" या "अनुरोध" या "तत्काल प्रार्थना" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "के लिए मध्यस्थता" का अनुवाद "के लिए अनुरोध करने के लिए" या "की ओर से अपील करें" या "परमेश्वर से मदद मांगे" या "(किसी के लिए) परमेश्वर से निवेदन करना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: प्रार्थना कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 07:25-26
- यशायाह 53:12
- यिर्मयाह 29:6-7
- रोमियो 08:26-27
- रोमियो 08:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6293, G1783, G1793, G5241

प्रार्थना किया, मध्यस्थता की, मध्यस्थता

परिभाषा:

“प्रार्थना किया” या “मध्यस्थता” का अर्थ है किसी के लिए किसी से विनती करना। बाइबल यह शब्द अन्यों के लिए प्रार्थना करने के लिए काम में लिया गया है।

- “के लिए मध्यस्थता करना” और “मध्यस्थता” का अर्थ है मनुष्यों के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करना।
- बाइबल में लिखा है कि पवित्र आत्मा हमारे लिए विनती करता है,अर्थात वह हमारे लिए परमेश्वर से प्रार्थना करता है।
- मनुष्य किसी अधिकारी से किसी अनुवाद के लिए विनती करके मध्यस्थता करता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “मध्यस्थता के अन्य अनुवाद रूप, “याचना करना”, या (किसी से) “निवेदन करना” (किसी और के लिए) कुछ करने के लिए हो सकते हैं।
- संज्ञा "और निवेदन" का अनुवाद "आग्रह" या "अनुरोध" या "तत्काल प्रार्थना" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "के लिए मध्यस्थता" का अनुवाद "के लिए अनुरोध करने के लिए" या "की ओर से अपील करें" या "परमेश्वर से मदद मांगे" या "(किसी के लिए) परमेश्वर से निवेदन करना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: प्रार्थना कर)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 07:25-26
- यशायाह 53:12
- यिर्मयाह 29:6-7
- रोमियो 08:26-27
- रोमियो 08:33-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6293, G1783, G1793, G5241

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8

- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11

- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”

- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11

- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”

- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11

- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है कि जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा लिखे मसीह कलीसियाओं के पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में अलग-अलग उक्तियां अधिक स्वाभाविक होंगी।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द परमेश्वर के प्रेम से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और बलिदान का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- प्रकाशितवाक्य 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- श्रेष्ठगीत 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

प्रिस्किल्ला

तथ्य:

प्रिस्किल्ला और उसका पति अक्विला यहूदियों से आए विश्वासी थे जिन्होंने प्रचार सेवा में पौलुस को सहयोग दिया था।

- प्रिस्किल्ला और अक्विला ने रोम से निर्वासन किया था क्योंकि सम्राट ने मसीही विश्वासियों को वहाँ से चले जाने की आज्ञा दी थी।
- पौलुस ने अक्विला और प्रिस्किल्ला से कुरिन्थ नगर में भेंट की थी। वे तम्बू बनाने वाले थे और पौलुस ने उनके साथ काम किया।
- पौलुस जब कुरिन्थ नगर से सीरिया गया तब प्रिस्किल्ला और अक्विला भी उसके साथ गए।
- सीरिया से ये तीनों इफिसुस नगर गए थे। पौलुस तो इफिसुस से चला गया था परन्तु प्रिस्किल्ला और अक्विला वहीं रूक गए और सुसमाचार प्रचार करते रहे।
- उन्होंने इफिसुस में अपुल्लोस नामक एक मनुष्य को विशेष शिक्षा दी थी, वह यीशु पर विश्वास करता था और एक अच्छा वक्ता एवं शिक्षक था।

(यह भी देखें: विश्वास, मसीही, कुरिन्थुस, इफिसुस, पौलुस, रोम, सीरिया)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:19-20
- 2 तीमुथियुस 04:19-22
- प्रे.का. 18:1-3
- प्रे.का. 18:24-26

शब्द तथ्य:

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। “प्रेम” के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या “मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम”

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की “अत्यधिक लालसा” या “ गहरी इच्छा”

“प्रेम” शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, “मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।” यहां “प्रेम” शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद “चुना” भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। “अप्रिय” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है “परित्याग किया” या “नहीं चुना।”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “समर्पित निष्ठावान देखरेख” या “निःस्वार्थ सेवा करना” या “परमेश्वर का प्रेम।” सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24

- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **33:08** “कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।”
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : “ यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ”
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।”
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। “प्रेम” के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या “मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम”

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की “अत्यधिक लालसा” या “ गहरी इच्छा”

“प्रेम” शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, “मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।” यहां “प्रेम” शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद “चुना” भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। “अप्रिय” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है “परित्याग किया” या “नहीं चुना।”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “समर्पित निष्ठावान देखरेख” या “निःस्वार्थ सेवा करना” या “परमेश्वर का प्रेम।” सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **33:08** “कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।”
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : “ यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ”
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।”
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। "प्रेम" के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, "मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।" यहां "प्रेम" शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद "चुना" भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। "अप्रिय" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है "परित्याग किया" या "नहीं चुना।"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "समर्पित निष्ठावान देखरेख" या "निःस्वार्थ सेवा करना" या "परमेश्वर का प्रेम।" सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी "प्रेम" शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, "बहुत प्रिय समझना" या "सुधि लेना" या "गहरा लगाव होना।"
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, "प्रबल अधिमान्यता" या "बहुत अधिक चाहना" या "अत्यधिक पसन्द करना"।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें "प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।"

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3

- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, "तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।"
- **33:08** "कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।"
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : " यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ"
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।"
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। "प्रेम" के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, "मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।" यहां "प्रेम" शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद "चुना" भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। "अप्रिय" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है "परित्याग किया" या "नहीं चुना।"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “समर्पित निष्ठावान देखरेख” या “निःस्वार्थ सेवा करना” या “परमेश्वर का प्रेम।” सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **33:08** “कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।”
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : “ यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ”
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।”
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। “प्रेम” के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या “मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम”

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की “अत्यधिक लालसा” या “ गहरी इच्छा”

“प्रेम” शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, “मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।” यहां “प्रेम” शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद “चुना” भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। “अप्रिय” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है “परित्याग किया” या “नहीं चुना।”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “समर्पित निष्ठावान देखरेख” या “निःस्वार्थ सेवा करना” या “परमेश्वर का प्रेम।” सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, "तू अपने परमेश्वर से अपने सारे हृदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।"
- **33:08** "कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।"
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : " यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ"
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।"
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। "प्रेम" के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, "मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।" यहां "प्रेम" शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद "चुना" भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। "अप्रिय" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है "परित्याग किया" या "नहीं चुना।"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "समर्पित निष्ठावान देखरेख" या "निःस्वार्थ सेवा करना" या "परमेश्वर का प्रेम।" सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।

- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **33:08** “कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।”
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : “ यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ”
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।”
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। “प्रेम” के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, "मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।" यहां "प्रेम" शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद "चुना" भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। "अप्रिय" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है "परित्याग किया" या "नहीं चुना।"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "समर्पित निष्ठावान देखरेख" या "निःस्वार्थ सेवा करना" या "परमेश्वर का प्रेम।" सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी "प्रेम" शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, "बहुत प्रिय समझना" या "सुधि लेना" या "गहरा लगाव होना।"
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, "प्रबल अधिमान्यता" या "बहुत अधिक चाहना" या "अत्यधिक पसन्द करना"।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें "प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।"

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, "तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।"
- **33:08** "कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।"

- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : " यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ"
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।"
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। "प्रेम" के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, "मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।" यहां "प्रेम" शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद "चुना" भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। "अप्रिय" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है "परित्याग किया" या "नहीं चुना।"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "समर्पित निष्ठावान देखरेख" या "निःस्वार्थ सेवा करना" या "परमेश्वर का प्रेम।" सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी "प्रेम" शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, "बहुत प्रिय समझना" या "सुधि लेना" या "गहरा लगाव होना।"
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, "प्रबल अधिमान्यता" या "बहुत अधिक चाहना" या "अत्यधिक पसन्द करना"।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।

- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **33:08** “कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।”
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : “ यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ”
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।”
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। “प्रेम” के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।

- यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या “मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम”

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की “अत्यधिक लालसा” या “ गहरी इच्छा”

“प्रेम” शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, “मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।” यहां “प्रेम” शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद “चुना” भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। “अप्रिय” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है “परित्याग किया” या “नहीं चुना।”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “समर्पित निष्ठावान देखरेख” या “निःस्वार्थ सेवा करना” या “परमेश्वर का प्रेम।” सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **33:08** “कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।”
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : “ यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ”
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।”
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।

- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। “प्रेम” के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या “मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम”

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की “अत्यधिक लालसा” या “ गहरी इच्छा”

“प्रेम” शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, “मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।” यहां “प्रेम” शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद “चुना” भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। “अप्रिय” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है “परित्याग किया” या “नहीं चुना।”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के नि:स्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “समर्पित निष्ठावान देखरेख” या “नि:स्वार्थ सेवा करना” या “परमेश्वर का प्रेम।” सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, "तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।"
- **33:08** "कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।"
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : " यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ"
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।"
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। "प्रेम" के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, “मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।” यहां “प्रेम” शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद “चुना” भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। “अप्रिय” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है “परित्याग किया” या “नहीं चुना।”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “समर्पित निष्ठावान देखरेख” या “निःस्वार्थ सेवा करना” या “परमेश्वर का प्रेम।” सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **33:08** “कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।”
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : “ यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ”
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।”
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। "प्रेम" के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, "मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।" यहां "प्रेम" शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद "चुना" भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। "अप्रिय" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है "परित्याग किया" या "नहीं चुना।"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "समर्पित निष्ठावान देखरेख" या "निःस्वार्थ सेवा करना" या "परमेश्वर का प्रेम।" सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी "प्रेम" शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, "बहुत प्रिय समझना" या "सुधि लेना" या "गहरा लगाव होना।"
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, "प्रबल अधिमान्यता" या "बहुत अधिक चाहना" या "अत्यधिक पसन्द करना"।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें "प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।"

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3

- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, "तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।"
- **33:08** "कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।"
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : " यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ"
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।"
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। "प्रेम" के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, "मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।" यहां "प्रेम" शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद "चुना" भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। "अप्रिय" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है "परित्याग किया" या "नहीं चुना।"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “समर्पित निष्ठावान देखरेख” या “निःस्वार्थ सेवा करना” या “परमेश्वर का प्रेम।” सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **33:08** “कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।”
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : “ यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ”
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।”
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। “प्रेम” के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या “मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम”

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की “अत्यधिक लालसा” या “ गहरी इच्छा”

“प्रेम” शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, “मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।” यहां “प्रेम” शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद “चुना” भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। “अप्रिय” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है “परित्याग किया” या “नहीं चुना।”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “समर्पित निष्ठावान देखरेख” या “निःस्वार्थ सेवा करना” या “परमेश्वर का प्रेम।” सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, "तू अपने परमेश्वर से अपने सारे हृदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।"
- **33:08** "कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।"
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : " यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ"
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।"
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। "प्रेम" के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, "मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।" यहां "प्रेम" शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद "चुना" भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। "अप्रिय" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है "परित्याग किया" या "नहीं चुना।"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "समर्पित निष्ठावान देखरेख" या "निःस्वार्थ सेवा करना" या "परमेश्वर का प्रेम।" सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।

- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **33:08** “कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।”
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : “ यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ”
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।”
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। “प्रेम” के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, "मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।" यहां "प्रेम" शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद "चुना" भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। "अप्रिय" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है "परित्याग किया" या "नहीं चुना।"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "समर्पित निष्ठावान देखरेख" या "निःस्वार्थ सेवा करना" या "परमेश्वर का प्रेम।" सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी "प्रेम" शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, "बहुत प्रिय समझना" या "सुधि लेना" या "गहरा लगाव होना।"
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, "प्रबल अधिमान्यता" या "बहुत अधिक चाहना" या "अत्यधिक पसन्द करना"।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें "प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।"

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, "तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।"
- **33:08** "कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।"

- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : " यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ"
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।"
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। "प्रेम" के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, "मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।" यहां "प्रेम" शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद "चुना" भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। "अप्रिय" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है "परित्याग किया" या "नहीं चुना।"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "समर्पित निष्ठावान देखरेख" या "निःस्वार्थ सेवा करना" या "परमेश्वर का प्रेम।" सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी "प्रेम" शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, "बहुत प्रिय समझना" या "सुधि लेना" या "गहरा लगाव होना।"
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, "प्रबल अधिमान्यता" या "बहुत अधिक चाहना" या "अत्यधिक पसन्द करना"।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।

- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **33:08** “कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।”
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : “ यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ”
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।”
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। “प्रेम” के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।

- यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या “मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम”

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की “अत्यधिक लालसा” या “ गहरी इच्छा”

“प्रेम” शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, “मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।” यहां “प्रेम” शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद “चुना” भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। “अप्रिय” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है “परित्याग किया” या “नहीं चुना।”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “समर्पित निष्ठावान देखरेख” या “निःस्वार्थ सेवा करना” या “परमेश्वर का प्रेम।” सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **33:08** “कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।”
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : “ यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ”
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।”
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।

- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। “प्रेम” के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या “मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम”

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की “अत्यधिक लालसा” या “ गहरी इच्छा”

“प्रेम” शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, “मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।” यहां “प्रेम” शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद “चुना” भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। “अप्रिय” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है “परित्याग किया” या “नहीं चुना।”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के नि:स्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “समर्पित निष्ठावान देखरेख” या “नि:स्वार्थ सेवा करना” या “परमेश्वर का प्रेम।” सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, "तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।"
- **33:08** "कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।"
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : " यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ"
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।"
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। "प्रेम" के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, “मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।” यहां “प्रेम” शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद “चुना” भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। “अप्रिय” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है “परित्याग किया” या “नहीं चुना।”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “समर्पित निष्ठावान देखरेख” या “निःस्वार्थ सेवा करना” या “परमेश्वर का प्रेम।” सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **33:08** “कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।”
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : “ यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ”
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।”
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। "प्रेम" के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, "मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।" यहां "प्रेम" शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद "चुना" भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। "अप्रिय" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है "परित्याग किया" या "नहीं चुना।"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "समर्पित निष्ठावान देखरेख" या "निःस्वार्थ सेवा करना" या "परमेश्वर का प्रेम।" सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी "प्रेम" शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, "बहुत प्रिय समझना" या "सुधि लेना" या "गहरा लगाव होना।"
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, "प्रबल अधिमान्यता" या "बहुत अधिक चाहना" या "अत्यधिक पसन्द करना"।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें "प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।"

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3

- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, "तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।"
- **33:08** "कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।"
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : " यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ"
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।"
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। "प्रेम" के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, "मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।" यहां "प्रेम" शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद "चुना" भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। "अप्रिय" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है "परित्याग किया" या "नहीं चुना।"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “समर्पित निष्ठावान देखरेख” या “निःस्वार्थ सेवा करना” या “परमेश्वर का प्रेम।” सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **33:08** “कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।”
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : “ यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ”
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।”
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। “प्रेम” के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या “मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम”

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की “अत्यधिक लालसा” या “ गहरी इच्छा”

“प्रेम” शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, “मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।” यहां “प्रेम” शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद “चुना” भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। “अप्रिय” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है “परित्याग किया” या “नहीं चुना।”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में “प्रेम” शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “समर्पित निष्ठावान देखरेख” या “निःस्वार्थ सेवा करना” या “परमेश्वर का प्रेम।” सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, "तू अपने परमेश्वर से अपने सारे हृदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।"
- **33:08** "कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।"
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : " यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ"
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।"
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। "प्रेम" के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, "मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।" यहां "प्रेम" शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद "चुना" भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। "अप्रिय" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है "परित्याग किया" या "नहीं चुना।"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "समर्पित निष्ठावान देखरेख" या "निःस्वार्थ सेवा करना" या "परमेश्वर का प्रेम।" सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।

- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना”।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **33:08** “कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।”
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : “ यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ”
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।”
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। “प्रेम” के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, "मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।" यहां "प्रेम" शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद "चुना" भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। "अप्रिय" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है "परित्याग किया" या "नहीं चुना।"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "समर्पित निष्ठावान देखरेख" या "निःस्वार्थ सेवा करना" या "परमेश्वर का प्रेम।" सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी "प्रेम" शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, "बहुत प्रिय समझना" या "सुधि लेना" या "गहरा लगाव होना।"
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, "प्रबल अधिमान्यता" या "बहुत अधिक चाहना" या "अत्यधिक पसन्द करना"।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।
- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें "प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।"

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, "तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।"
- **33:08** "कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।"

- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : " यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ"
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।"
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेम, प्रेम करता है, प्रिय, प्रेम किया

परिभाषा:

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। "प्रेम" के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

परमेश्वर का प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की परवाह करता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।

- यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि है कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
- जब लोग इस तरह के प्रेम से दूसरों को प्रेम करते हैं, तो वे उन तरीकों से कार्य करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों के विकास के लिए क्या कारण होगा। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
- यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द ऐसा ही आत्म त्याग या प्रेम है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।

नये नियम में शब्द का एक और संदर्भ है, भाईचारे का प्रेम या "मित्र का प्रेम या पारिवारिक सदस्य का प्रेम"

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात उन्हें ऐसा करने की "अत्यधिक लालसा" या " गहरी इच्छा"

"प्रेम" शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरूष में प्रसंगयुक्त संबन्धित प्रेम।

प्रतीकात्मक रूप में, "मैंने याकूब से प्रेम किया है और एसाव को अप्रिय जाना है।" यहां "प्रेम" शब्द का आशय है कि परमेश्वर ने याकूब को चुना कि परमेश्वर के साथ वाचा के संबंध में रहे। इसका अनुवाद "चुना" भी हो सकता है। यद्यपि एसाव को भी परमेश्वर ने आशिषें दी थी, उसे वाचा के संबन्ध के सौभाग्य प्राप्त नहीं थे। "अप्रिय" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है "परित्याग किया" या "नहीं चुना।"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए यू.एल.बी. में "प्रेम" शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "समर्पित निष्ठावान देखरेख" या "निःस्वार्थ सेवा करना" या "परमेश्वर का प्रेम।" सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी "प्रेम" शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, "बहुत प्रिय समझना" या "सुधि लेना" या "गहरा लगाव होना।"
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, "प्रबल अधिमान्यता" या "बहुत अधिक चाहना" या "अत्यधिक पसन्द करना"।
- कुछ भाषाओं में एक अलग शब्द होता है जिसके द्वारा पति-पत्नी के बीच प्रसंगयुक्त सम्बन्धित प्रेम या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त किया जाता है।

- अनेक भाषाओं में "प्रेम" शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मर जाए, बलिदान करना, बचाना, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24
- उत्पत्ति 29:15-18
- यशायाह 56:6-7
- यिर्मयाह 02:1-3
- यूहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहेमायाह 09:32-34
- फिलिप्पियों 1: 9-11
- श्रेष्ठगीत 01:1-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने परमेश्वर से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
- **33:08** “कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।”
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : “ यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे में प्रेम करता हूँ”
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।”
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- 48:01__परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की , तो सब कुछ एकदम सही था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से वा परमेश्वर से __प्रेम करते थे।
- __49:03__उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि आप स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:04** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:07** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:09** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे एक निकटतम सम्बन्ध स्थापित रख सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

प्रेमी, यारों

परिभाषा:

“प्रेमी” अर्थात् “प्रेम करने वाला व्यक्ति।” यह शब्द प्रायः उन मनुष्यों के लिए है जिनके यौन संबन्ध होते हैं।

- बाइबल में “प्रेमी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो किसी के साथ यौन संबन्ध रखता है, जिससे उसका विवाह नहीं हुआ है।
- ऐसा अवैध संबन्ध बाइबल में इस्राएल द्वारा मूर्तिपूजा करके परमेश्वर की अवज्ञा के लिए काम में लिया जाता है। अतः “प्रेमी” शब्द प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल द्वारा पूजा की जानेवाली मूर्तियों के लिए भी काम में लिया गया है। इन प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद संभव हो तो इस प्रकार किया जाए, “अवैध साथी” या “व्यभिचार के साथी” या “मूर्तियां”, (देखें: उपमा)
- पैसों के “लोभी” (प्रेमी) ऐसा मनुष्य जो धनोपार्जन और धनवान होने को बहुत अधिक महत्व देता है।
- पुराने नियम में श्रेष्ठगीत की पुस्तक में “प्रेमी” शब्द का उपयोग सकारात्मक रूप में किया गया है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, मूर्ति, प्रेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 02:4-5
- यिर्मयाह 03:1-2
- विलापगीत 01:1-2
- लूका 16:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H157, H158, H868, H5689, H7453, H8566, G865, G866, G5358, G5366, G5367, G5369, G5377, G5381, G5382

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- "प्रेरित" शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ "भेजा गया मनुष्य" या "भेजा गया" या "मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य"।
- "प्रेरित" और "शिष्य" शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

"प्रेरितों", यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। "प्रेरिताई" अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- "प्रेरित" शब्द का अर्थ है, "विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य"। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- "प्रेरित" शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ "भेजा गया मनुष्य" या "भेजा गया" या "मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य"।
- "प्रेरित" और "शिष्य" शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।

- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।

- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: अधिकारी, चेला, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारहों)

बाइबल संदर्भ:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:02** यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

फरीसी, फरीसियों

तथ्य:

फरीसी यीशु के समय यहूदी अगुओं का एक महत्वपूर्ण प्रभावशाली पंथ था।

- उनमें से अधिकांश जन मध्यम वर्ग के व्यापारी थे वरन कुछ फरीसी याजक भी थे।
- सब यहूदी अगुओं में फरीसी मूसा की व्यवस्था के पालन में तथा अन्य यहूदी नियमों एवं परम्पराओं के पालन में सबसे अधिक कट्टर मनुष्य थे।
- वे यहूदियों को आसपास की अन्यजातियो के प्रभाव से दूर रखने के विषय अत्यधिक चिन्तित रहते थे। फरीसी शब्द “पृथक करना” से आता है।
- फरीसी मरने के बाद के जीवन को मानते थे, वे स्वर्गदूतों और अन्य आत्मिक प्राणियों को भी मानते थे।
- फरीसी और सदूकी यीशु और आरंभिक कलीसिया के बैरी थे।

(यह भी देखें: महासभा, यहूदियों, व्यवस्था, सदूकी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:4-5
- यूहन्ना 03:1-2
- लूका 11:43-44
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 05:19-20

- मत्ती 09:10-11
- मत्ती 12:1-2
- मत्ती 12:38-40
- फिलिप्पियों 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5330

फरीसी, फरीसियों

तथ्य:

फरीसी यीशु के समय यहूदी अगुओं का एक महत्वपूर्ण प्रभावशाली पंथ था।

- उनमें से अधिकांश जन मध्यम वर्ग के व्यापारी थे वरन कुछ फरीसी याजक भी थे।
- सब यहूदी अगुओं में फरीसी मूसा की व्यवस्था के पालन में तथा अन्य यहूदी नियमों एवं परम्पराओं के पालन में सबसे अधिक कट्टर मनुष्य थे।
- वे यहूदियों को आसपास की अन्यजातियो के प्रभाव से दूर रखने के विषय अत्यधिक चिन्तित रहते थे। फरीसी शब्द “पृथक करना” से आता है।
- फरीसी मरने के बाद के जीवन को मानते थे, वे स्वर्गदूतों और अन्य आत्मिक प्राणियों को भी मानते थे।
- फरीसी और सदूकी यीशु और आरंभिक कलीसिया के बैरी थे।

(यह भी देखें: महासभा, यहूदियों, व्यवस्था, सदूकी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:4-5
- यूहन्ना 03:1-2
- लूका 11:43-44
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 05:19-20
- मत्ती 09:10-11
- मत्ती 12:1-2
- मत्ती 12:38-40
- फिलिप्पियों 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5330

फरीसी, फरीसियों

तथ्य:

फरीसी यीशु के समय यहूदी अगुओं का एक महत्वपूर्ण प्रभावशाली पंथ था।

- उनमें से अधिकांश जन मध्यम वर्ग के व्यापारी थे वरन कुछ फरीसी याजक भी थे।
- सब यहूदी अगुओं में फरीसी मूसा की व्यवस्था के पालन में तथा अन्य यहूदी नियमों एवं परम्पराओं के पालन में सबसे अधिक कट्टर मनुष्य थे।
- वे यहूदियों को आसपास की अन्यजातियो के प्रभाव से दूर रखने के विषय अत्यधिक चिन्तित रहते थे। फरीसी शब्द “पृथक करना” से आता है।
- फरीसी मरने के बाद के जीवन को मानते थे, वे स्वर्गदूतों और अन्य आत्मिक प्राणियों को भी मानते थे।
- फरीसी और सदूकी यीशु और आरंभिक कलीसिया के बैरी थे।

(यह भी देखें: महासभा, यहूदियों, व्यवस्था, सदूकी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:4-5
- यूहन्ना 03:1-2
- लूका 11:43-44
- मत्ती 03:7-9

- मत्ती 05:19-20
- मत्ती 09:10-11
- मत्ती 12:1-2
- मत्ती 12:38-40
- फिलिप्पियों 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5330

फरीसी, फरीसियों

तथ्य:

फरीसी यीशु के समय यहूदी अगुओं का एक महत्वपूर्ण प्रभावशाली पंथ था।

- उनमें से अधिकांश जन मध्यम वर्ग के व्यापारी थे वरन कुछ फरीसी याजक भी थे।
- सब यहूदी अगुओं में फरीसी मूसा की व्यवस्था के पालन में तथा अन्य यहूदी नियमों एवं परम्पराओं के पालन में सबसे अधिक कट्टर मनुष्य थे।
- वे यहूदियों को आसपास की अन्यजातियो के प्रभाव से दूर रखने के विषय अत्यधिक चिन्तित रहते थे। फरीसी शब्द “पृथक करना” से आता है।
- फरीसी मरने के बाद के जीवन को मानते थे, वे स्वर्गदूतों और अन्य आत्मिक प्राणियों को भी मानते थे।
- फरीसी और सदूकी यीशु और आरंभिक कलीसिया के बैरी थे।

(यह भी देखें: महासभा, यहूदियों, व्यवस्था, सदूकी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:4-5
- यूहन्ना 03:1-2
- लूका 11:43-44
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 05:19-20
- मत्ती 09:10-11
- मत्ती 12:1-2
- मत्ती 12:38-40
- फिलिप्पियों 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5330

फरीसी, फरीसियों

तथ्य:

फरीसी यीशु के समय यहूदी अगुओं का एक महत्वपूर्ण प्रभावशाली पंथ था।

- उनमें से अधिकांश जन मध्यम वर्ग के व्यापारी थे वरन कुछ फरीसी याजक भी थे।
- सब यहूदी अगुओं में फरीसी मूसा की व्यवस्था के पालन में तथा अन्य यहूदी नियमों एवं परम्पराओं के पालन में सबसे अधिक कट्टर मनुष्य थे।
- वे यहूदियों को आसपास की अन्यजातियो के प्रभाव से दूर रखने के विषय अत्यधिक चिन्तित रहते थे। फरीसी शब्द “पृथक करना” से आता है।
- फरीसी मरने के बाद के जीवन को मानते थे, वे स्वर्गदूतों और अन्य आत्मिक प्राणियों को भी मानते थे।
- फरीसी और सदूकी यीशु और आरंभिक कलीसिया के बैरी थे।

(यह भी देखें: महासभा, यहूदियों, व्यवस्था, सदूकी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:4-5
- यूहन्ना 03:1-2
- लूका 11:43-44

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 05:19-20
- मत्ती 09:10-11
- मत्ती 12:1-2
- मत्ती 12:38-40
- फिलिप्पियों 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5330

फरीसी, फरीसियों

तथ्य:

फरीसी यीशु के समय यहूदी अगुओं का एक महत्वपूर्ण प्रभावशाली पंथ था।

- उनमें से अधिकांश जन मध्यम वर्ग के व्यापारी थे वरन कुछ फरीसी याजक भी थे।
- सब यहूदी अगुओं में फरीसी मूसा की व्यवस्था के पालन में तथा अन्य यहूदी नियमों एवं परम्पराओं के पालन में सबसे अधिक कट्टर मनुष्य थे।
- वे यहूदियों को आसपास की अन्यजातियो के प्रभाव से दूर रखने के विषय अत्यधिक चिन्तित रहते थे। फरीसी शब्द “पृथक करना” से आता है।
- फरीसी मरने के बाद के जीवन को मानते थे, वे स्वर्गदूतों और अन्य आत्मिक प्राणियों को भी मानते थे।
- फरीसी और सदूकी यीशु और आरंभिक कलीसिया के बैरी थे।

(यह भी देखें: महासभा, यहूदियों, व्यवस्था, सदूकी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:4-5
- यूहन्ना 03:1-2
- लूका 11:43-44
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 05:19-20
- मत्ती 09:10-11
- मत्ती 12:1-2
- मत्ती 12:38-40
- फिलिप्पियों 03:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5330

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।

- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

"फल" अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। "फलवन्त" अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में "फल" शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु "फलवन्त" का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- "फलवन्त" का प्रतीकात्मक अर्थ है, "समृद्धि" इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः "का फल" का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, "बुद्धि का फल" का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- "भूमि का फल" मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति "आत्मा का फल" आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- "गर्भ का फल" अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद "फल" के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द "फलों" अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, "फलवन्त" का अनुवाद हो सकता है, "अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना" या "अनेक सन्तान होना" या "समृद्ध होना"
- "भूमि की उपज" का अनुवाद "भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन" या "उस क्षेत्र की फसल"।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी "फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो"। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद "अनेक सन्तान होना" या "अनेक सन्तान एवं वंशज होना" या "अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों"।
- "गर्भ का फल" अनुवाद हो सकता है, "गर्भ से उत्पन्न" या "स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान" या केवल "सन्तान"। एलीशिबा ने मरियम से कहा, "धन्य तेरे गर्भ का फल" तो उसका अर्थ था "जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है"। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- "दाख का फल" का अनुवाद "दाखलता का फल" या "अंगूर" हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, "अधिक फलवन्त होना" का अनुवाद हो सकता है, "अधिक फल देगी" या "अधिक सन्तान होगी" या "समृद्ध होगे"।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति "फलदायक परिश्रम" का अनुवाद हो सकता है, "अच्छे परिणाम लाने वाला काम" या "मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास"।
- "आत्मा का फल" का अनुवाद "पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य" या "शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है" हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।

- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।

- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

"फल" अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। "फलवन्त" अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में "फल" शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु "फलवन्त" का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- "फलवन्त" का प्रतीकात्मक अर्थ है, "समृद्धि" इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः "का फल" का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, "बुद्धि का फल" का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- "भूमि का फल" मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति "आत्मा का फल" आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- "गर्भ का फल" अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद "फल" के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द "फलों" अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, "फलवन्त" का अनुवाद हो सकता है, "अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना" या "अनेक सन्तान होना" या "समृद्ध होना"
- "भूमि की उपज" का अनुवाद "भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन" या "उस क्षेत्र की फसल"।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी "फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो"। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद "अनेक सन्तान होना" या "अनेक सन्तान एवं वंशज होना" या "अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों"।
- "गर्भ का फल" अनुवाद हो सकता है, "गर्भ से उत्पन्न" या "स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान" या केवल "सन्तान"। एलीशिबा ने मरियम से कहा, "धन्य तेरे गर्भ का फल" तो उसका अर्थ था "जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है"। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- "दाख का फल" का अनुवाद "दाखलता का फल" या "अंगूर" हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, "अधिक फलवन्त होना" का अनुवाद हो सकता है, "अधिक फल देगी" या "अधिक सन्तान होगी" या "समृद्ध होगे"।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति "फलदायक परिश्रम" का अनुवाद हो सकता है, "अच्छे परिणाम लाने वाला काम" या "मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास"।
- "आत्मा का फल" का अनुवाद "पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य" या "शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है" हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।

- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।

- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

"फल" अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। "फलवन्त" अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में "फल" शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु "फलवन्त" का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- "फलवन्त" का प्रतीकात्मक अर्थ है, "समृद्धि" इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः "का फल" का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, "बुद्धि का फल" का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- "भूमि का फल" मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति "आत्मा का फल" आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- "गर्भ का फल" अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद "फल" के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द "फलों" अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, "फलवन्त" का अनुवाद हो सकता है, "अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना" या "अनेक सन्तान होना" या "समृद्ध होना"
- "भूमि की उपज" का अनुवाद "भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन" या "उस क्षेत्र की फसल"।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी "फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो"। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद "अनेक सन्तान होना" या "अनेक सन्तान एवं वंशज होना" या "अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों"।
- "गर्भ का फल" अनुवाद हो सकता है, "गर्भ से उत्पन्न" या "स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान" या केवल "सन्तान"। एलीशिबा ने मरियम से कहा, "धन्य तेरे गर्भ का फल" तो उसका अर्थ था "जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है"। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- "दाख का फल" का अनुवाद "दाखलता का फल" या "अंगूर" हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, "अधिक फलवन्त होना" का अनुवाद हो सकता है, "अधिक फल देगी" या "अधिक सन्तान होगी" या "समृद्ध होगे"।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति "फलदायक परिश्रम" का अनुवाद हो सकता है, "अच्छे परिणाम लाने वाला काम" या "मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास"।
- "आत्मा का फल" का अनुवाद "पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य" या "शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है" हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।

- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद "फल" के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द "फलों" अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, "फलवन्त" का अनुवाद हो सकता है, "अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना" या "अनेक सन्तान होना" या "समृद्ध होना"
- "भूमि की उपज" का अनुवाद "भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन" या "उस क्षेत्र की फसल"।
- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी "फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो"। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद "अनेक सन्तान होना" या "अनेक सन्तान एवं वंशज होना" या "अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों"।
- "गर्भ का फल" अनुवाद हो सकता है, "गर्भ से उत्पन्न" या "स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान" या केवल "सन्तान"। एलीशिबा ने मरियम से कहा, "धन्य तेरे गर्भ का फल" तो उसका अर्थ था "जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है"। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- "दाख का फल" का अनुवाद "दाखलता का फल" या "अंगूर" हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, "अधिक फलवन्त होना" का अनुवाद हो सकता है, "अधिक फल देगी" या "अधिक सन्तान होगी" या "समृद्ध होगे"।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति "फलदायक परिश्रम" का अनुवाद हो सकता है, "अच्छे परिणाम लाने वाला काम" या "मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास"।
- "आत्मा का फल" का अनुवाद "पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य" या "शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है" हो सकता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फसह

तथ्य:

"फसह" यहूदियों के एक धार्मिक पर्व का नाम है जिसमें वे स्मरण करते हैं कि परमेश्वर ने उनके पूर्वजों को मिस्र के दासत्व में से कैसे निकाला था।

- इस पर्व का नाम उस तथ्य से आता है कि परमेश्वर इस्राएलियों के घरों से होकर निकला परन्तु उसने उनके पुत्रों का घात नहीं किया जबकि मिस्र के सब पहिलौठे मारे गए थे।
- फसह में एक सिद्ध मेमने का मांस भूनकर खाया जाता था और रोटी ख़मीरी नहीं होती थी। इस भोजन से उन्हें उस भोजन का स्मरण होता है जो उनके पूर्वजों ने मिस्र से पलायन करने से पूर्व रात को खाया था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे प्रतिवर्ष ऐसा भोजन खाकर स्मरण करें वरन उत्सव मनाएं कि परमेश्वर कैसे उनके परिवारों में से निकलकर गया और उन्हें दासत्व से मुक्ति दिलाई।

अनुवाद के सुझाव:

फसह का शब्द के अनुवाद में "होकर निकलने" की संधि के शब्द या अन्य समानार्थक शब्दों का संयोजन द्वारा किया जा सकता है।

- यदि इस पर्व का नाम स्वर्गदूत के द्वारा इस्राएलियों के पुत्रों की हत्या न करते हुए आगे बढना स्पष्ट रूप से दर्शाए तो अति सहायक होगा।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 2 इतिहास 30:13-15
- 2 राजा 23:21-23
- व्यवस्थाविवरण 16:1-2
- निर्गमन 12:26-28
- एज्रा 06:21-22

- यूहन्ना 13:1-2
- यहोशू 05:10-11
- लैव्यव्यवस्था 23:4-6
- गिनती 09:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:14** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वह हर साल फसह का पर्व मनाया करे, इस बात को स्मरण करते हुए कि परमेश्वर ने उन्हें मिस्रियो की गुलामी से बचाया व उन्हें मिस्रियो पर विजयी किया |
- **38:01** हर साल, यहूदी फसह का पर्व मनाते थे | यह एक उत्सव था, जब वह याद करते थे कि परमेश्वर ने कई सदियों पहले मिस्र की गुलामी से उनके पूर्वजों को बचाया था |
- 38:04__यीशु यरूशलेम में अपने चेलों के साथ __फसह का दिन मना रहा था |
- **48:09** जब परमेश्वर ने लहू को देखा तो वह उनके घरों के पास से गुजर गया और उसने उनके जेठे पुत्रों का वध नहीं किया | इस घटना को फसह कहा जाता है |
- **48:10** यीशु हमारा फसह का मेम्ना है | वह सिद्ध और निष्पाप था, और फसह के उत्सव के दिन मारा गया था |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6453, G3957

फसह

तथ्य:

“फसह” यहूदियों के एक धार्मिक पर्व का नाम है जिसमें वे स्मरण करते हैं कि परमेश्वर ने उनके पूर्वजों को मिस्र के दासत्व में से कैसे निकाला था।

- इस पर्व का नाम उस तथ्य से आता है कि परमेश्वर इस्राएलियों के घरों से होकर निकला परन्तु उसने उनके पुत्रों का घात नहीं किया जबकि मिस्र के सब पहिलौठे मारे गए थे।
- फसह में एक सिद्ध मेमने का मांस भूनकर खाया जाता था और रोटी ख़मीरी नहीं होती थी। इस भोजन से उन्हें उस भोजन का स्मरण होता है जो उनके पूर्वजों ने मिस्र से पलायन करने से पूर्व रात को खाया था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे प्रतिवर्ष ऐसा भोजन खाकर स्मरण करें वरन उत्सव मनाएं कि परमेश्वर कैसे उनके परिवारों में से निकलकर गया और उन्हें दासत्व से मुक्ति दिलाई।

अनुवाद के सुझाव:

फसह का शब्द के अनुवाद में “होकर निकलने” की संधि के शब्द या अन्य समानार्थक शब्दों का संयोजन द्वारा किया जा सकता है।

- यदि इस पर्व का नाम स्वर्गदूत के द्वारा इस्राएलियों के पुत्रों की हत्या न करते हुए आगे बढना स्पष्ट रूप से दर्शाए तो अति सहायक होगा।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 2 इतिहास 30:13-15
- 2 राजा 23:21-23
- व्यवस्थाविवरण 16:1-2
- निर्गमन 12:26-28
- एज्रा 06:21-22
- यूहन्ना 13:1-2
- यहोशू 05:10-11
- लैव्यव्यवस्था 23:4-6
- गिनती 09:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:14** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वह हर साल फसह का पर्व मनाया करे, इस बात को स्मरण करते हुए कि परमेश्वर ने उन्हें मिस्रियो की गुलामी से बचाया व उन्हें मिस्रियो पर विजयी किया |
- **38:01** हर साल, यहूदी फसह का पर्व मनाते थे | यह एक उत्सव था, जब वह याद करते थे कि परमेश्वर ने कई सदियों पहले मिस्र की गुलामी से उनके पूर्वजों को बचाया था |
- 38:04__यीशु यरूशलेम में अपने चेलों के साथ __फसह का दिन मना रहा था |

- **48:09** जब परमेश्वर ने लहू को देखा तो वह उनके घरों के पास से गुजर गया और उसने उनके जेठे पुत्रों का वध नहीं किया | इस घटना को फसह कहा जाता है |
- **48:10** यीशु हमारा फसह का मेम्ना है | वह सिद्ध और निष्पाप था, और फसह के उत्सव के दिन मारा गया था |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6453, G3957

फसह

तथ्य:

“फसह” यहूदियों के एक धार्मिक पर्व का नाम है जिसमें वे स्मरण करते हैं कि परमेश्वर ने उनके पूर्वजों को मिस्र के दासत्व में से कैसे निकाला था।

- इस पर्व का नाम उस तथ्य से आता है कि परमेश्वर इस्राएलियों के घरों से होकर निकला परन्तु उसने उनके पुत्रों का घात नहीं किया जबकि मिस्र के सब पहिलौठे मारे गए थे।
- फसह में एक सिद्ध मेमने का मांस भूनकर खाया जाता था और रोटी ख़मीरी नहीं होती थी। इस भोजन से उन्हें उस भोजन का स्मरण होता है जो उनके पूर्वजों ने मिस्र से पलायन करने से पूर्व रात को खाया था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे प्रतिवर्ष ऐसा भोजन खाकर स्मरण करें वरन उत्सव मनाएं कि परमेश्वर कैसे उनके परिवारों में से निकलकर गया और उन्हें दासत्व से मुक्ति दिलाई।

अनुवाद के सुझाव:

फसह का शब्द के अनुवाद में “होकर निकलने” की संधि के शब्द या अन्य समानार्थक शब्दों का संयोजन द्वारा किया जा सकता है।

- यदि इस पर्व का नाम स्वर्गदूत के द्वारा इस्राएलियों के पुत्रों की हत्या न करते हुए आगे बढना स्पष्ट रूप से दर्शाए तो अति सहायक होगा।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 2 इतिहास 30:13-15
- 2 राजा 23:21-23
- व्यवस्थाविवरण 16:1-2
- निर्गमन 12:26-28
- एज्रा 06:21-22
- यूहन्ना 13:1-2
- यहोशू 05:10-11
- लैव्यव्यवस्था 23:4-6
- गिनती 09:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:14** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वह हर साल फसह का पर्व मनाया करे, इस बात को स्मरण करते हुए कि परमेश्वर ने उन्हें मिस्रियो की गुलामी से बचाया व उन्हें मिस्रियो पर विजयी किया |
- **38:01** हर साल, यहूदी फसह का पर्व मनाते थे | यह एक उत्सव था, जब वह याद करते थे कि परमेश्वर ने कई सदियों पहले मिस्र की गुलामी से उनके पूर्वजों को बचाया था |
- 38:04__यीशु यरूशलेम में अपने चेलों के साथ __फसह का दिन मना रहा था |
- **48:09** जब परमेश्वर ने लहू को देखा तो वह उनके घरों के पास से गुजर गया और उसने उनके जेठे पुत्रों का वध नहीं किया | इस घटना को फसह कहा जाता है |
- **48:10** यीशु हमारा फसह का मेम्ना है | वह सिद्ध और निष्पाप था, और फसह के उत्सव के दिन मारा गया था |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6453, G3957

फसह

तथ्य:

“फसह” यहूदियों के एक धार्मिक पर्व का नाम है जिसमें वे स्मरण करते हैं कि परमेश्वर ने उनके पूर्वजों को मिस्र के दासत्व में से कैसे निकाला था।

- इस पर्व का नाम उस तथ्य से आता है कि परमेश्वर इस्राएलियों के घरों से होकर निकला परन्तु उसने उनके पुत्रों का घात नहीं किया जबकि मिस्र के सब पहिलौठे मारे गए थे।
- फसह में एक सिद्ध मेमने का मांस भूनकर खाया जाता था और रोटी ख़मीरी नहीं होती थी। इस भोजन से उन्हें उस भोजन का स्मरण होता है जो उनके पूर्वजों ने मिस्र से पलायन करने से पूर्व रात को खाया था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे प्रतिवर्ष ऐसा भोजन खाकर स्मरण करें वरन उत्सव मनाएं कि परमेश्वर कैसे उनके परिवारों में से निकलकर गया और उन्हें दासत्व से मुक्ति दिलाई।

अनुवाद के सुझाव:

फसह का शब्द के अनुवाद में “होकर निकलने” की संधि के शब्द या अन्य समानार्थक शब्दों का संयोजन द्वारा किया जा सकता है।

- यदि इस पर्व का नाम स्वर्गदूत के द्वारा इस्राएलियों के पुत्रों की हत्या न करते हुए आगे बढना स्पष्ट रूप से दर्शाए तो अति सहायक होगा।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 2 इतिहास 30:13-15
- 2 राजा 23:21-23
- व्यवस्थाविवरण 16:1-2
- निर्गमन 12:26-28
- एज्रा 06:21-22
- यूहन्ना 13:1-2
- यहोशू 05:10-11
- लैव्यव्यवस्था 23:4-6
- गिनती 09:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:14** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वह हर साल फसह का पर्व मनाया करे, इस बात को स्मरण करते हुए कि परमेश्वर ने उन्हें मिस्रियो की गुलामी से बचाया व उन्हें मिस्रियो पर विजयी किया |
- **38:01** हर साल, यहूदी फसह का पर्व मनाते थे | यह एक उत्सव था, जब वह याद करते थे कि परमेश्वर ने कई सदियों पहले मिस्र की गुलामी से उनके पूर्वजों को बचाया था |
- 38:04__यीशु यरूशलेम में अपने चेलों के साथ __फसह का दिन मना रहा था |
- **48:09** जब परमेश्वर ने लहू को देखा तो वह उनके घरों के पास से गुजर गया और उसने उनके जेठे पुत्रों का वध नहीं किया | इस घटना को फसह कहा जाता है |
- **48:10** यीशु हमारा फसह का मेम्ना है | वह सिद्ध और निष्पाप था, और फसह के उत्सव के दिन मारा गया था |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6453, G3957

फसह

तथ्य:

“फसह” यहूदियों के एक धार्मिक पर्व का नाम है जिसमें वे स्मरण करते हैं कि परमेश्वर ने उनके पूर्वजों को मिस्र के दासत्व में से कैसे निकाला था।

- इस पर्व का नाम उस तथ्य से आता है कि परमेश्वर इस्राएलियों के घरों से होकर निकला परन्तु उसने उनके पुत्रों का घात नहीं किया जबकि मिस्र के सब पहिलौठे मारे गए थे।
- फसह में एक सिद्ध मेमने का मांस भूनकर खाया जाता था और रोटी ख़मीरी नहीं होती थी। इस भोजन से उन्हें उस भोजन का स्मरण होता है जो उनके पूर्वजों ने मिस्र से पलायन करने से पूर्व रात को खाया था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे प्रतिवर्ष ऐसा भोजन खाकर स्मरण करें वरन उत्सव मनाएं कि परमेश्वर कैसे उनके परिवारों में से निकलकर गया और उन्हें दासत्व से मुक्ति दिलाई।

अनुवाद के सुझाव:

फसह का शब्द के अनुवाद में "होकर निकलने" की संधि के शब्द या अन्य समानार्थक शब्दों का संयोजन द्वारा किया जा सकता है।

- यदि इस पर्व का नाम स्वर्गदूत के द्वारा इस्राएलियों के पुत्रों की हत्या न करते हुए आगे बढना स्पष्ट रूप से दर्शाए तो अति सहायक होगा।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 2 इतिहास 30:13-15
- 2 राजा 23:21-23
- व्यवस्थाविवरण 16:1-2
- निर्गमन 12:26-28
- एज्रा 06:21-22
- यूहन्ना 13:1-2
- यहोशू 05:10-11
- लैव्यव्यवस्था 23:4-6
- गिनती 09:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:14** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वह हर साल फसह का पर्व मनाया करे, इस बात को स्मरण करते हुए कि परमेश्वर ने उन्हें मिस्रियो की गुलामी से बचाया व उन्हें मिस्रियो पर विजयी किया |
- **38:01** हर साल, यहूदी फसह का पर्व मनाते थे | यह एक उत्सव था, जब वह याद करते थे कि परमेश्वर ने कई सदियों पहले मिस्र की गुलामी से उनके पूर्वजों को बचाया था |
- 38:04__यीशु यरूशलेम में अपने चेलों के साथ __फसह का दिन मना रहा था |
- **48:09** जब परमेश्वर ने लहू को देखा तो वह उनके घरों के पास से गुजर गया और उसने उनके जेठे पुत्रों का वध नहीं किया | इस घटना को फसह कहा जाता है |
- **48:10** यीशु हमारा फसह का मेम्ना है | वह सिद्ध और निष्पाप था, और फसह के उत्सव के दिन मारा गया था |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6453, G3957

फसह

तथ्य:

"फसह" यहूदियों के एक धार्मिक पर्व का नाम है जिसमें वे स्मरण करते हैं कि परमेश्वर ने उनके पूर्वजों को मिस्र के दासत्व में से कैसे निकाला था।

- इस पर्व का नाम उस तथ्य से आता है कि परमेश्वर इस्राएलियों के घरों से होकर निकला परन्तु उसने उनके पुत्रों का घात नहीं किया जबकि मिस्र के सब पहिलौठे मारे गए थे।
- फसह में एक सिद्ध मेमने का मांस भूनकर खाया जाता था और रोटी ख़मीरी नहीं होती थी। इस भोजन से उन्हें उस भोजन का स्मरण होता है जो उनके पूर्वजों ने मिस्र से पलायन करने से पूर्व रात को खाया था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे प्रतिवर्ष ऐसा भोजन खाकर स्मरण करें वरन उत्सव मनाएं कि परमेश्वर कैसे उनके परिवारों में से निकलकर गया और उन्हें दासत्व से मुक्ति दिलाई।

अनुवाद के सुझाव:

फसह का शब्द के अनुवाद में "होकर निकलने" की संधि के शब्द या अन्य समानार्थक शब्दों का संयोजन द्वारा किया जा सकता है।

- यदि इस पर्व का नाम स्वर्गदूत के द्वारा इस्राएलियों के पुत्रों की हत्या न करते हुए आगे बढना स्पष्ट रूप से दर्शाए तो अति सहायक होगा।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 2 इतिहास 30:13-15
- 2 राजा 23:21-23
- व्यवस्थाविवरण 16:1-2

- निर्गमन 12:26-28
- एज्रा 06:21-22
- यूहन्ना 13:1-2
- यहोशू 05:10-11
- लैव्यव्यवस्था 23:4-6
- गिनती 09:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:14** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वह हर साल फसह का पर्व मनाया करे, इस बात को स्मरण करते हुए कि परमेश्वर ने उन्हें मिस्रियो की गुलामी से बचाया व उन्हें मिस्रियो पर विजयी किया |
- **38:01** हर साल, यहूदी फसह का पर्व मनाते थे | यह एक उत्सव था, जब वह याद करते थे कि परमेश्वर ने कई सदियों पहले मिस्र की गुलामी से उनके पूर्वजों को बचाया था |
- 38:04__यीशु यरूशलेम में अपने चेलों के साथ __फसह का दिन मना रहा था |
- **48:09** जब परमेश्वर ने लहू को देखा तो वह उनके घरों के पास से गुजर गया और उसने उनके जेठे पुत्रों का वध नहीं किया | इस घटना को फसह कहा जाता है |
- **48:10** यीशु हमारा फसह का मेम्ना है | वह सिद्ध और निष्पाप था, और फसह के उत्सव के दिन मारा गया था |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6453, G3957

फसह

तथ्य:

“फसह” यहूदियों के एक धार्मिक पर्व का नाम है जिसमें वे स्मरण करते हैं कि परमेश्वर ने उनके पूर्वजों को मिस्र के दासत्व में से कैसे निकाला था।

- इस पर्व का नाम उस तथ्य से आता है कि परमेश्वर इस्राएलियों के घरों से होकर निकला परन्तु उसने उनके पुत्रों का घात नहीं किया जबकि मिस्र के सब पहिलौठे मारे गए थे।
- फसह में एक सिद्ध मेमने का मांस भूनकर खाया जाता था और रोटी ख़मीरी नहीं होती थी। इस भोजन से उन्हें उस भोजन का स्मरण होता है जो उनके पूर्वजों ने मिस्र से पलायन करने से पूर्व रात को खाया था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे प्रतिवर्ष ऐसा भोजन खाकर स्मरण करें वरन उत्सव मनाएं कि परमेश्वर कैसे उनके परिवारों में से निकलकर गया और उन्हें दासत्व से मुक्ति दिलाई।

अनुवाद के सुझाव:

फसह का शब्द के अनुवाद में “होकर निकलने” की संधि के शब्द या अन्य समानार्थक शब्दों का संयोजन द्वारा किया जा सकता है।

- यदि इस पर्व का नाम स्वर्गदूत के द्वारा इस्राएलियों के पुत्रों की हत्या न करते हुए आगे बढना स्पष्ट रूप से दर्शाए तो अति सहायक होगा।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 2 इतिहास 30:13-15
- 2 राजा 23:21-23
- व्यवस्थाविवरण 16:1-2
- निर्गमन 12:26-28
- एज्रा 06:21-22
- यूहन्ना 13:1-2
- यहोशू 05:10-11
- लैव्यव्यवस्था 23:4-6
- गिनती 09:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:14** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वह हर साल फसह का पर्व मनाया करे, इस बात को स्मरण करते हुए कि परमेश्वर ने उन्हें मिस्रियो की गुलामी से बचाया व उन्हें मिस्रियो पर विजयी किया |

- **38:01** हर साल, यहूदी फसह का पर्व मनाते थे | यह एक उत्सव था, जब वह याद करते थे कि परमेश्वर ने कई सदियों पहले मिस्र की गुलामी से उनके पूर्वजों को बचाया था |
- 38:04__यीशु यरूशलेम में अपने चेलों के साथ __फसह का दिन मना रहा था |
- **48:09** जब परमेश्वर ने लहू को देखा तो वह उनके घरों के पास से गुजर गया और उसने उनके जेठे पुत्रों का वध नहीं किया | इस घटना को फसह कहा जाता है |
- **48:10** यीशु हमारा फसह का मेम्ना है | वह सिद्ध और निष्पाप था, और फसह के उत्सव के दिन मारा गया था |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6453, G3957

फ़िरौन, मिस्र के राजा

तथ्य:

प्राचीन युग में मिस्र देश के राजा फ़िरौन कहलाते थे।

- कुल 300 फ़िरौन हुए थे जिन्होंने मिस्र पर 2000 से अधिक वर्ष राज किया था।
- मिस्त्र के ये राजा अति शक्तिशाली एवं धनवान मनुष्य थे।
- बाइबल में भी कुछ फिरौन का नाम आता है।
- अक्सर यह शीर्षक एक शीर्षक के बजाय नाम के रूप में प्रयोग किया जाता है। ऐसी स्थिति में फिरौन शब्द को अंग्रेजी में बड़े “पी” अक्षर से लिखा गया है।

(यह भी देखें: मिस्र, राजा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:9-10
- प्रे.का. 07:43
- प्रे.का. 07:20-21
- उत्पत्ति 12:14-16
- उत्पत्ति 40:6-8
- उत्पत्ति 41:25-26

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे |
- **08:08** फ़िरौन यूसुफ से बहुत प्रभावित हुआ, और उसे मिस्र का दूसरा सबसे शक्तिशाली आदमी नियुक्त किया |
- **09:02** उस समय जो फ़िरौन मिस्र पर राज्य करता था, इस्राएलियों को मिस्रियो का गुलाम बनाया।
- **09:13** इसलिये आ मैं तुझे फ़िरौन के पास भेजता हूँ कि तू मेरी इस्राएली प्रजा को मिस्र में से निकाल ले आए |
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4428, H4714, H6547, G5328

फ़िरौन, मिस्र के राजा

तथ्य:

प्राचीन युग में मिस्र देश के राजा फ़िरौन कहलाते थे।

- कुल 300 फ़िरौन हुए थे जिन्होंने मिस्र पर 2000 से अधिक वर्ष राज किया था।
- मिस्त्र के ये राजा अति शक्तिशाली एवं धनवान मनुष्य थे।
- बाइबल में भी कुछ फिरौन का नाम आता है।
- अक्सर यह शीर्षक एक शीर्षक के बजाय नाम के रूप में प्रयोग किया जाता है। ऐसी स्थिति में फिरौन शब्द को अंग्रेजी में बड़े “पी” अक्षर से लिखा गया है।

(यह भी देखें: मिस्र, राजा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:9-10
- प्रे.का. 07:43
- प्रे.का. 07:20-21
- उत्पत्ति 12:14-16
- उत्पत्ति 40:6-8
- उत्पत्ति 41:25-26

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे |
- **08:08** फ़िरौन यूसुफ से बहुत प्रभावित हुआ, और उसे मिस्र का दूसरा सबसे शक्तिशाली आदमी नियुक्त किया |
- **09:02** उस समय जो फ़िरौन मिस्र पर राज्य करता था, इस्राएलियों को मिस्रियो का गुलाम बनाया।
- **09:13** इसलिये आ मैं तुझे फ़िरौन के पास भेजता हूँ कि तू मेरी इस्राएली प्रजा को मिस्र में से निकाल ले आए |
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4428, H4714, H6547, G5328

फ़िरौन, मिस्र के राजा

तथ्य:

प्राचीन युग में मिस्र देश के राजा फ़िरौन कहलाते थे।

- कुल 300 फ़िरौन हुए थे जिन्होंने मिस्र पर 2000 से अधिक वर्ष राज किया था।
- मिस्त्र के ये राजा अति शक्तिशाली एवं धनवान मनुष्य थे।
- बाइबल में भी कुछ फिरौन का नाम आता है।
- अक्सर यह शीर्षक एक शीर्षक के बजाय नाम के रूप में प्रयोग किया जाता है। ऐसी स्थिति में फिरौन शब्द को अंग्रेजी में बड़े “पी” अक्षर से लिखा गया है।

(यह भी देखें: मिस्र, राजा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:9-10
- प्रे.का. 07:43
- प्रे.का. 07:20-21
- उत्पत्ति 12:14-16
- उत्पत्ति 40:6-8
- उत्पत्ति 41:25-26

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे |
- **08:08** फ़िरौन यूसुफ से बहुत प्रभावित हुआ, और उसे मिस्र का दूसरा सबसे शक्तिशाली आदमी नियुक्त किया |
- **09:02** उस समय जो फ़िरौन मिस्र पर राज्य करता था, इस्राएलियों को मिस्रियो का गुलाम बनाया।
- **09:13** इसलिये आ मैं तुझे फ़िरौन के पास भेजता हूँ कि तू मेरी इस्राएली प्रजा को मिस्र में से निकाल ले आए |
- **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4428, H4714, H6547, G5328

फाटक, फाटकों, बेंड़ों, द्वारपाल, चौकीदारों, द्वार के खम्भे, द्वार

परिभाषा:

“फाटक” किसी बाढ़े में या दीवार में जो नगर या घर के चारों ओर से उसमें चूल पर लगी एक बाधा होती है। “बेड़ों” फाटक को बन्द करने के लिए लकड़ी या धातु की सांकल।

- नगर के फाटकों को खोला जाता था कि मनुष्य, पशु और सामानवाहक नगर में आ सकें और नगर से जा सकें।
- नगर को सुरक्षित रखने के लिए शहरपनाह और फाटक बहुत मोटे होते थे। फाटकों को सांकलों से बन्द किया जाता था कि शत्रु की सेना का नगर प्रवेश रोका जाए।
- फाटकों के लिए "बेड़ों" एक लकड़ी या धातु की पट्टी को संदर्भित करता है जिसे जगह में ले जाया जा सकता है ताकि फाटक बाहर से नहीं खुल सकें।
- बाइबल के समय में, नगर का फाटक नगर का समाचार एवं सामाजिक केन्द्र होता था। वहां व्यापारिक विनिमय एवं न्याय भी किया जाता था क्योंकि शहरपनाह के मोटे होने के कारण वहां धूप से बचने के लिए पर्याप्त ठंडी छांव होती थी। नागरिकों को उसकी छांव में बैठना मनभावन लगता था कि वहां बैठकर न्याय करें या व्यापार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “फाटक” का अनुवाद “द्वार” या “दीवार का प्रवेश स्थान” या “बाधक” या “प्रवेश द्वार” किया जा सकता है।
- “फाटक की सलाखों” का अनुवाद “फाटक की सिटकनी” या “द्वार को बन्द करने की लम्बी लट्ठा” या “द्वार को बन्द करने की धातु की सांकल”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:23-25
- प्रे.का. 10:17-18
- व्यवस्थाविवरण 21:18-19
- उत्पत्ति 19:1-3
- उत्पत्ति 24:59-60
- मत्ती. 07:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1817, H5592, H6607, H8179, H8651, G2374, G4439, G4440

फाटक, फाटकों, बेंड़ों, द्वारपाल, चौकीदारों, द्वार के खम्भे, द्वार

परिभाषा:

“फाटक” किसी बाढ़े में या दीवार में जो नगर या घर के चारों ओर से उसमें चूल पर लगी एक बाधा होती है। “बेड़ों” फाटक को बन्द करने के लिए लकड़ी या धातु की सांकल।

- नगर के फाटकों को खोला जाता था कि मनुष्य, पशु और सामानवाहक नगर में आ सकें और नगर से जा सकें।
- नगर को सुरक्षित रखने के लिए शहरपनाह और फाटक बहुत मोटे होते थे। फाटकों को सांकलों से बन्द किया जाता था कि शत्रु की सेना का नगर प्रवेश रोका जाए।
- फाटकों के लिए "बेड़ों" एक लकड़ी या धातु की पट्टी को संदर्भित करता है जिसे जगह में ले जाया जा सकता है ताकि फाटक बाहर से नहीं खुल सकें।
- बाइबल के समय में, नगर का फाटक नगर का समाचार एवं सामाजिक केन्द्र होता था। वहां व्यापारिक विनिमय एवं न्याय भी किया जाता था क्योंकि शहरपनाह के मोटे होने के कारण वहां धूप से बचने के लिए पर्याप्त ठंडी छांव होती थी। नागरिकों को उसकी छांव में बैठना मनभावन लगता था कि वहां बैठकर न्याय करें या व्यापार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “फाटक” का अनुवाद “द्वार” या “दीवार का प्रवेश स्थान” या “बाधक” या “प्रवेश द्वार” किया जा सकता है।
- “फाटक की सलाखों” का अनुवाद “फाटक की सिटकनी” या “द्वार को बन्द करने की लम्बी लट्ठा” या “द्वार को बन्द करने की धातु की सांकल”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:23-25
- प्रे.का. 10:17-18
- व्यवस्थाविवरण 21:18-19
- उत्पत्ति 19:1-3
- उत्पत्ति 24:59-60
- मत्ती. 07:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1817, H5592, H6607, H8179, H8651, G2374, G4439, G4440

फाटक, फाटकों, बेंड़ों, द्वारपाल, चौकीदारों, द्वार के खम्भे, द्वार

परिभाषा:

“फाटक” किसी बाढ़े में या दीवार में जो नगर या घर के चारों ओर से उसमें चूल पर लगी एक बाधा होती है। “बेड़ों” फाटक को बन्द करने के लिए लकड़ी या धातु की सांकल।

- नगर के फाटकों को खोला जाता था कि मनुष्य, पशु और सामानवाहक नगर में आ सकें और नगर से जा सकें।
- नगर को सुरक्षित रखने के लिए शहरपनाह और फाटक बहुत मोटे होते थे। फाटकों को सांकलों से बन्द किया जाता था कि शत्रु की सेना का नगर प्रवेश रोका जाए।
- फाटकों के लिए "बेड़ों" एक लकड़ी या धातु की पट्टी को संदर्भित करता है जिसे जगह में ले जाया जा सकता है ताकि फाटक बाहर से नहीं खुल सकें।
- बाइबल के समय में, नगर का फाटक नगर का समाचार एवं सामाजिक केन्द्र होता था। वहां व्यापारिक विनिमय एवं न्याय भी किया जाता था क्योंकि शहरपनाह के मोटे होने के कारण वहां धूप से बचने के लिए पर्याप्त ठंडी छांव होती थी। नागरिकों को उसकी छांव में बैठना मनभावन लगता था कि वहां बैठकर न्याय करें या व्यापार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “फाटक” का अनुवाद “द्वार” या “दीवार का प्रवेश स्थान” या “बाधक” या “प्रवेश द्वार” किया जा सकता है।
- “फाटक की सलाखों” का अनुवाद “फाटक की सिटकनी” या “द्वार को बन्द करने की लम्बी लट्ठा” या “द्वार को बन्द करने की धातु की सांकल”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:23-25
- प्रे.का. 10:17-18
- व्यवस्थाविवरण 21:18-19
- उत्पत्ति 19:1-3
- उत्पत्ति 24:59-60
- मत्ती. 07:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1817, H5592, H6607, H8179, H8651, G2374, G4439, G4440

फाटक, फाटकों, बेंड़ों, द्वारपाल, चौकीदारों, द्वार के खम्भे, द्वार

परिभाषा:

“फाटक” किसी बाढ़े में या दीवार में जो नगर या घर के चारों ओर से उसमें चूल पर लगी एक बाधा होती है। “बेड़ों” फाटक को बन्द करने के लिए लकड़ी या धातु की सांकल।

- नगर के फाटकों को खोला जाता था कि मनुष्य, पशु और सामानवाहक नगर में आ सकें और नगर से जा सकें।
- नगर को सुरक्षित रखने के लिए शहरपनाह और फाटक बहुत मोटे होते थे। फाटकों को सांकलों से बन्द किया जाता था कि शत्रु की सेना का नगर प्रवेश रोका जाए।

- फाटकों के लिए "बेड़ों" एक लकड़ी या धातु की पट्टी को संदर्भित करता है जिसे जगह में ले जाया जा सकता है ताकि फाटक बाहर से नहीं खुल सकें।
- बाइबल के समय में, नगर का फाटक नगर का समाचार एवं सामाजिक केन्द्र होता था। वहां व्यापारिक विनिमय एवं न्याय भी किया जाता था क्योंकि शहरपनाह के मोटे होने के कारण वहां धूप से बचने के लिए पर्याप्त ठंडी छांव होती थी। नागरिकों को उसकी छांव में बैठना मनभावन लगता था कि वहां बैठकर न्याय करें या व्यापार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “फाटक” का अनुवाद “द्वार” या “दीवार का प्रवेश स्थान” या “बाधक” या “प्रवेश द्वार” किया जा सकता है।
- “फाटक की सलाखों” का अनुवाद “फाटक की सिटकनी” या “द्वार को बन्द करने की लम्बी लट्ठा” या “द्वार को बन्द करने की धातु की सांकल”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:23-25
- प्रे.का. 10:17-18
- व्यवस्थाविवरण 21:18-19
- उत्पत्ति 19:1-3
- उत्पत्ति 24:59-60
- मत्ती. 07:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1817, H5592, H6607, H8179, H8651, G2374, G4439, G4440

फाटक, फाटकों, बेंड़ों, द्वारपाल, चौकीदारों, द्वार के खम्भे, द्वार

परिभाषा:

“फाटक” किसी बाढ़े में या दीवार में जो नगर या घर के चारों ओर से उसमें चूल पर लगी एक बाधा होती है। “बेड़ों” फाटक को बन्द करने के लिए लकड़ी या धातु की सांकल।

- नगर के फाटकों को खोला जाता था कि मनुष्य, पशु और सामानवाहक नगर में आ सकें और नगर से जा सकें।
- नगर को सुरक्षित रखने के लिए शहरपनाह और फाटक बहुत मोटे होते थे। फाटकों को सांकलों से बन्द किया जाता था कि शत्रु की सेना का नगर प्रवेश रोका जाए।
- फाटकों के लिए "बेड़ों" एक लकड़ी या धातु की पट्टी को संदर्भित करता है जिसे जगह में ले जाया जा सकता है ताकि फाटक बाहर से नहीं खुल सकें।
- बाइबल के समय में, नगर का फाटक नगर का समाचार एवं सामाजिक केन्द्र होता था। वहां व्यापारिक विनिमय एवं न्याय भी किया जाता था क्योंकि शहरपनाह के मोटे होने के कारण वहां धूप से बचने के लिए पर्याप्त ठंडी छांव होती थी। नागरिकों को उसकी छांव में बैठना मनभावन लगता था कि वहां बैठकर न्याय करें या व्यापार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “फाटक” का अनुवाद “द्वार” या “दीवार का प्रवेश स्थान” या “बाधक” या “प्रवेश द्वार” किया जा सकता है।
- “फाटक की सलाखों” का अनुवाद “फाटक की सिटकनी” या “द्वार को बन्द करने की लम्बी लट्ठा” या “द्वार को बन्द करने की धातु की सांकल”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:23-25
- प्रे.का. 10:17-18
- व्यवस्थाविवरण 21:18-19
- उत्पत्ति 19:1-3
- उत्पत्ति 24:59-60
- मत्ती. 07:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1817, H5592, H6607, H8179, H8651, G2374, G4439, G4440

फाटक, फाटकों, बेंड़ों, द्वारपाल, चौकीदारों, द्वार के खम्भे, द्वार

परिभाषा:

“फाटक” किसी बाढ़े में या दीवार में जो नगर या घर के चारों ओर से उसमें चूल पर लगी एक बाधा होती है। “बेड़ों” फाटक को बन्द करने के लिए लकड़ी या धातु की सांकल।

- नगर के फाटकों को खोला जाता था कि मनुष्य, पशु और सामानवाहक नगर में आ सकें और नगर से जा सकें।
- नगर को सुरक्षित रखने के लिए शहरपनाह और फाटक बहुत मोटे होते थे। फाटकों को सांकलों से बन्द किया जाता था कि शत्रु की सेना का नगर प्रवेश रोका जाए।
- फाटकों के लिए "बेड़ों" एक लकड़ी या धातु की पट्टी को संदर्भित करता है जिसे जगह में ले जाया जा सकता है ताकि फाटक बाहर से नहीं खुल सकें।
- बाइबल के समय में, नगर का फाटक नगर का समाचार एवं सामाजिक केन्द्र होता था। वहां व्यापारिक विनिमय एवं न्याय भी किया जाता था क्योंकि शहरपनाह के मोटे होने के कारण वहां धूप से बचने के लिए पर्याप्त ठंडी छांव होती थी। नागरिकों को उसकी छांव में बैठना मनभावन लगता था कि वहां बैठकर न्याय करें या व्यापार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “फाटक” का अनुवाद “द्वार” या “दीवार का प्रवेश स्थान” या “बाधक” या “प्रवेश द्वार” किया जा सकता है।
- “फाटक की सलाखों” का अनुवाद “फाटक की सिटकनी” या “द्वार को बन्द करने की लम्बी लट्ठा” या “द्वार को बन्द करने की धातु की सांकल”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:23-25
- प्रे.का. 10:17-18
- व्यवस्थाविवरण 21:18-19
- उत्पत्ति 19:1-3
- उत्पत्ति 24:59-60
- मत्ती. 07:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1817, H5592, H6607, H8179, H8651, G2374, G4439, G4440

फिलिप्पी, फिलिप्पियों

तथ्य:

फिलिप्पी एक मुख्य नगर एवं रोमी उपनगर था जो प्राचीन यूनान के उत्तरी भाग में मकिदुनिया प्रान्त में था।

- पौलुस और सीलास ने फिलिप्पी नगर जाकर वहां के लोगों को यीशु के बारे में बताया।
- फिलिप्पी में पौलुस और सीलास को बन्दी बना लिया गया था परन्तु परमेश्वर ने चमत्कारी रूप से उन्हें बचाया।
- नये नियम में फिलिप्पियों की पत्री पौलुस ने फिलिप्पी के विश्वासियों की कलीसिया को लिखा था।
- ध्यान रखें कि यह नगर कैसरिया फिलिप्पी नहीं है, कैसरिया फिलिप्पी उत्तर पूर्वी इस्राएल में हर्मन पर्वत के निकट था।

(यह भी देखें: कैसरिया, मसीही, कलीसिया, मकिदुनिया, पौलुस, सीलास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:1-2
- प्रे.का. 16:11-13
- मत्ती 16:13-16
- फिलिप्पियों 01:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **47:01** एक दिन पौलुस और उसका मित्र सीलास फिलिप्पी में यीशु का प्रचार करने को गए |

- **47:13** जब दिन हुआ तो सिपाहियों ने पौलुस और सीलास को छोड़ दिया और उन्हें आज्ञा दी कि फिलिप्पी छोड़ दे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5374, G5375

फिलिप्पी, फिलिप्पियों

तथ्य:

फिलिप्पी एक मुख्य नगर एवं रोमी उपनगर था जो प्राचीन यूनान के उत्तरी भाग में मकिदुनिया प्रान्त में था।

- पौलुस और सीलास ने फिलिप्पी नगर जाकर वहां के लोगों को यीशु के बारे में बताया।
- फिलिप्पी में पौलुस और सीलास को बन्दी बना लिया गया था परन्तु परमेश्वर ने चमत्कारी रूप से उन्हें बचाया।
- नये नियम में फिलिप्पियों की पत्री पौलुस ने फिलिप्पी के विश्वासियों की कलीसिया को लिखा था।
- ध्यान रखें कि यह नगर कैसरिया फिलिप्पी नहीं है, कैसरिया फिलिप्पी उत्तर पूर्वी इस्राएल में हर्मन पर्वत के निकट था।

(यह भी देखें: कैसरिया, मसीही, कलीसिया, मकिदुनिया, पौलुस, सीलास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:1-2
- प्रे.का. 16:11-13
- मत्ती 16:13-16
- फिलिप्पियों 01:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **47:01** एक दिन पौलुस और उसका मित्र सीलास फिलिप्पी में यीशु का प्रचार करने को गए |
- **47:13** जब दिन हुआ तो सिपाहियों ने पौलुस और सीलास को छोड़ दिया और उन्हें आज्ञा दी कि फिलिप्पी छोड़ दे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5374, G5375

फिलिप्पी, फिलिप्पियों

तथ्य:

फिलिप्पी एक मुख्य नगर एवं रोमी उपनगर था जो प्राचीन यूनान के उत्तरी भाग में मकिदुनिया प्रान्त में था।

- पौलुस और सीलास ने फिलिप्पी नगर जाकर वहां के लोगों को यीशु के बारे में बताया।
- फिलिप्पी में पौलुस और सीलास को बन्दी बना लिया गया था परन्तु परमेश्वर ने चमत्कारी रूप से उन्हें बचाया।
- नये नियम में फिलिप्पियों की पत्री पौलुस ने फिलिप्पी के विश्वासियों की कलीसिया को लिखा था।
- ध्यान रखें कि यह नगर कैसरिया फिलिप्पी नहीं है, कैसरिया फिलिप्पी उत्तर पूर्वी इस्राएल में हर्मन पर्वत के निकट था।

(यह भी देखें: कैसरिया, मसीही, कलीसिया, मकिदुनिया, पौलुस, सीलास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:1-2
- प्रे.का. 16:11-13
- मत्ती 16:13-16
- फिलिप्पियों 01:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **47:01** एक दिन पौलुस और उसका मित्र सीलास फिलिप्पी में यीशु का प्रचार करने को गए |
- **47:13** जब दिन हुआ तो सिपाहियों ने पौलुस और सीलास को छोड़ दिया और उन्हें आज्ञा दी कि फिलिप्पी छोड़ दे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5374, G5375

फिलिप्पी, फिलिप्पियों

तथ्य:

फिलिप्पी एक मुख्य नगर एवं रोमी उपनगर था जो प्राचीन यूनान के उत्तरी भाग में मकिदुनिया प्रान्त में था।

- पौलुस और सीलास ने फिलिप्पी नगर जाकर वहां के लोगों को यीशु के बारे में बताया।
- फिलिप्पी में पौलुस और सीलास को बन्दी बना लिया गया था परन्तु परमेश्वर ने चमत्कारी रूप से उन्हें बचाया।
- नये नियम में फिलिप्पियों की पत्री पौलुस ने फिलिप्पी के विश्वासियों की कलीसिया को लिखा था।
- ध्यान रखें कि यह नगर कैसरिया फिलिप्पी नहीं है, कैसरिया फिलिप्पी उत्तर पूर्वी इस्राएल में हर्मन पर्वत के निकट था।

(यह भी देखें: कैसरिया, मसीही, कलीसिया, मकिदुनिया, पौलुस, सीलास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:1-2
- प्रे.का. 16:11-13
- मत्ती 16:13-16
- फिलिप्पियों 01:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **47:01** एक दिन पौलुस और उसका मित्र सीलास फिलिप्पी में यीशु का प्रचार करने को गए |
- **47:13** जब दिन हुआ तो सिपाहियों ने पौलुस और सीलास को छोड़ दिया और उन्हें आज्ञा दी कि फिलिप्पी छोड़ दे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5374, G5375

फिलिप्पी, फिलिप्पियों

तथ्य:

फिलिप्पी एक मुख्य नगर एवं रोमी उपनगर था जो प्राचीन यूनान के उत्तरी भाग में मकिदुनिया प्रान्त में था।

- पौलुस और सीलास ने फिलिप्पी नगर जाकर वहां के लोगों को यीशु के बारे में बताया।
- फिलिप्पी में पौलुस और सीलास को बन्दी बना लिया गया था परन्तु परमेश्वर ने चमत्कारी रूप से उन्हें बचाया।
- नये नियम में फिलिप्पियों की पत्री पौलुस ने फिलिप्पी के विश्वासियों की कलीसिया को लिखा था।
- ध्यान रखें कि यह नगर कैसरिया फिलिप्पी नहीं है, कैसरिया फिलिप्पी उत्तर पूर्वी इस्राएल में हर्मन पर्वत के निकट था।

(यह भी देखें: कैसरिया, मसीही, कलीसिया, मकिदुनिया, पौलुस, सीलास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:1-2
- प्रे.का. 16:11-13
- मत्ती 16:13-16
- फिलिप्पियों 01:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **47:01** एक दिन पौलुस और उसका मित्र सीलास फिलिप्पी में यीशु का प्रचार करने को गए |
- **47:13** जब दिन हुआ तो सिपाहियों ने पौलुस और सीलास को छोड़ दिया और उन्हें आज्ञा दी कि फिलिप्पी छोड़ दे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5374, G5375

फिलिप्पुस, सुसमाचार प्रचारक

तथ्य:

यरूशलेम में आरंभिक कलीसिया में फिलिप्पुस सात सेवकों में से एक था जिन्हें गरीब और आवश्यकताग्रस्त विश्वासियों की सुधि लेने के लिए चुना गया था, विशेष करके विधवाओं को।

- परमेश्वर ने यहूदिया और गलील के विभिन्न क्षेत्रों में सुसमाचार सुनाने के लिए फिलिप्पुस का उपयोग किया था उसने यरूशलेम से गाजा जाने वाले यरूशलेम के मार्ग में एक कूशी पुरुष को भी सुसमाचार सुनाया था।
- वर्षों बाद जब फिलिप्पुस कैसरिया में रह रहा था तब यरूशलेम लौटते समय पौलुस और उसके साथी उसके घर में ठहरे थे।
- अधिकांश बाइबलविद् के विचार में यह फिलिप्पुस यीशु का शिष्य फिलिप्पुस नहीं था। कुछ भाषाओं में इन दोनों के नामों की वर्तनी में परिवर्तन कर दिया गया है कि उनका अलग-अलग व्यक्ति होना स्पष्ट हो।

(यह भी देखें: फिलिप्पुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:5-6
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 08:12-13
- प्रे.का. 08:29-31
- प्रे.का. 08:36-38
- प्रे.का. 08:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5376

फिलिप्पुस, सुसमाचार प्रचारक

तथ्य:

यरूशलेम में आरंभिक कलीसिया में फिलिप्पुस सात सेवकों में से एक था जिन्हें गरीब और आवश्यकताग्रस्त विश्वासियों की सुधि लेने के लिए चुना गया था, विशेष करके विधवाओं को।

- परमेश्वर ने यहूदिया और गलील के विभिन्न क्षेत्रों में सुसमाचार सुनाने के लिए फिलिप्पुस का उपयोग किया था उसने यरूशलेम से गाजा जाने वाले यरूशलेम के मार्ग में एक कूशी पुरुष को भी सुसमाचार सुनाया था।
- वर्षों बाद जब फिलिप्पुस कैसरिया में रह रहा था तब यरूशलेम लौटते समय पौलुस और उसके साथी उसके घर में ठहरे थे।
- अधिकांश बाइबलविद् के विचार में यह फिलिप्पुस यीशु का शिष्य फिलिप्पुस नहीं था। कुछ भाषाओं में इन दोनों के नामों की वर्तनी में परिवर्तन कर दिया गया है कि उनका अलग-अलग व्यक्ति होना स्पष्ट हो।

(यह भी देखें: फिलिप्पुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:5-6
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 08:12-13
- प्रे.का. 08:29-31
- प्रे.का. 08:36-38
- प्रे.का. 08:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5376

फिलिप्पुस, सुसमाचार प्रचारक

तथ्य:

यरूशलेम में आरंभिक कलीसिया में फिलिप्पुस सात सेवकों में से एक था जिन्हें गरीब और आवश्यकताग्रस्त विश्वासियों की सुधि लेने के लिए चुना गया था, विशेष करके विधवाओं को।

- परमेश्वर ने यहूदिया और गलील के विभिन्न क्षेत्रों में सुसमाचार सुनाने के लिए फिलिप्पुस का उपयोग किया था उसने यरूशलेम से गाजा जाने वाले यरूशलेम के मार्ग में एक कूशी पुरुष को भी सुसमाचार सुनाया था।
- वर्षों बाद जब फिलिप्पुस कैसरिया में रह रहा था तब यरूशलेम लौटते समय पौलुस और उसके साथी उसके घर में ठहरे थे।
- अधिकांश बाइबलविद् के विचार में यह फिलिप्पुस यीशु का शिष्य फिलिप्पुस नहीं था। कुछ भाषाओं में इन दोनों के नामों की वर्तनी में परिवर्तन कर दिया गया है कि उनका अलग-अलग व्यक्ति होना स्पष्ट हो।

(यह भी देखें: फिलिप्पुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:5-6
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 08:12-13
- प्रे.का. 08:29-31
- प्रे.का. 08:36-38
- प्रे.का. 08:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5376

फिलिप्पुस, सुसमाचार प्रचारक

तथ्य:

यरूशलेम में आरंभिक कलीसिया में फिलिप्पुस सात सेवकों में से एक था जिन्हें गरीब और आवश्यकताग्रस्त विश्वासियों की सुधि लेने के लिए चुना गया था, विशेष करके विधवाओं को।

- परमेश्वर ने यहूदिया और गलील के विभिन्न क्षेत्रों में सुसमाचार सुनाने के लिए फिलिप्पुस का उपयोग किया था उसने यरूशलेम से गाजा जाने वाले यरूशलेम के मार्ग में एक कूशी पुरुष को भी सुसमाचार सुनाया था।
- वर्षों बाद जब फिलिप्पुस कैसरिया में रह रहा था तब यरूशलेम लौटते समय पौलुस और उसके साथी उसके घर में ठहरे थे।
- अधिकांश बाइबलविद् के विचार में यह फिलिप्पुस यीशु का शिष्य फिलिप्पुस नहीं था। कुछ भाषाओं में इन दोनों के नामों की वर्तनी में परिवर्तन कर दिया गया है कि उनका अलग-अलग व्यक्ति होना स्पष्ट हो।

(यह भी देखें: फिलिप्पुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:5-6
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 08:12-13
- प्रे.का. 08:29-31
- प्रे.का. 08:36-38
- प्रे.का. 08:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5376

फिलिप्पुस, सुसमाचार प्रचारक

तथ्य:

यरूशलेम में आरंभिक कलीसिया में फिलिप्पुस सात सेवकों में से एक था जिन्हें गरीब और आवश्यकताग्रस्त विश्वासियों की सुधि लेने के लिए चुना गया था, विशेष करके विधवाओं को।

- परमेश्वर ने यहूदिया और गलील के विभिन्न क्षेत्रों में सुसमाचार सुनाने के लिए फिलिप्पुस का उपयोग किया था उसने यरूशलेम से गाजा जाने वाले यरूशलेम के मार्ग में एक कूशी पुरुष को भी सुसमाचार सुनाया था।
- वर्षों बाद जब फिलिप्पुस कैसरिया में रह रहा था तब यरूशलेम लौटते समय पौलुस और उसके साथी उसके घर में ठहरे थे।
- अधिकांश बाइबलविद् के विचार में यह फिलिप्पुस यीशु का शिष्य फिलिप्पुस नहीं था। कुछ भाषाओं में इन दोनों के नामों की वर्तनी में परिवर्तन कर दिया गया है कि उनका अलग-अलग व्यक्ति होना स्पष्ट हो।

(यह भी देखें: फिलिप्पुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:5-6
- प्रे.का. 08:6-8
- प्रे.का. 08:12-13
- प्रे.का. 08:29-31
- प्रे.का. 08:36-38
- प्रे.का. 08:39-40

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5376

फिलिप्पुस, प्रेरित

तथ्य:

फिलिप्पुस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह बेतसैदा नगर का था।

- फिलिप्पुस नतनएल को यीशु के पास लाया था।
- यीशु ने फिलिप्पुस से कहा था कि वह 5000 मनुष्यों के जनसमूह के लिए भोजन व्यवस्था करे।
- अन्तिम फसह के भोज में यीशु ने अपने शिष्यों के साथ पिता परमेश्वर के विषय चर्चा की थी। फिलिप्पुस ने यीशु से निवेदन किया था कि वह उन्हें पिता परमेश्वर का दर्शन कराए।
- कुछ भाषाओं में इस फिलिप्पुस का नाम प्रचारक फिलिप्पुस के नाम की वर्तनी से भिन्न लिखना उचित समझा गया है जिससे कि देनों नामों में उलझन उत्पन्न न हो।

(यह भी देखें: फिलिप्पुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- यूहन्ना 01:43-45
- यूहन्ना 06:4-6
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

फिलिप्पुस, प्रेरित

तथ्य:

फिलिप्पुस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह बेतसैदा नगर का था।

- फिलिप्पुस नतनएल को यीशु के पास लाया था।
- यीशु ने फिलिप्पुस से कहा था कि वह 5000 मनुष्यों के जनसमूह के लिए भोजन व्यवस्था करे।
- अन्तिम फसह के भोज में यीशु ने अपने शिष्यों के साथ पिता परमेश्वर के विषय चर्चा की थी। फिलिप्पुस ने यीशु से निवेदन किया था कि वह उन्हें पिता परमेश्वर का दर्शन कराए।
- कुछ भाषाओं में इस फिलिप्पुस का नाम प्रचारक फिलिप्पुस के नाम की वर्तनी से भिन्न लिखना उचित समझा गया है जिससे कि देनों नामों में उलझन उत्पन्न न हो।

(यह भी देखें: फिलिप्पुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- यूहन्ना 01:43-45
- यूहन्ना 06:4-6
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19

शब्द तथ्य:

फिलिप्पुस, प्रेरित

तथ्य:

फिलिप्पुस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह बेतसैदा नगर का था।

- फिलिप्पुस नतनएल को यीशु के पास लाया था।
- यीशु ने फिलिप्पुस से कहा था कि वह 5000 मनुष्यों के जनसमूह के लिए भोजन व्यवस्था करे।
- अन्तिम फसह के भोज में यीशु ने अपने शिष्यों के साथ पिता परमेश्वर के विषय चर्चा की थी। फिलिप्पुस ने यीशु से निवेदन किया था कि वह उन्हें पिता परमेश्वर का दर्शन कराए।
- कुछ भाषाओं में इस फिलिप्पुस का नाम प्रचारक फिलिप्पुस के नाम की वर्तनी से भिन्न लिखना उचित समझा गया है जिससे कि देनों नामों में उलझन उत्पन्न न हो।

(यह भी देखें: फिलिप्पुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- यूहन्ना 01:43-45
- यूहन्ना 06:4-6
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19

शब्द तथ्य:

फिलिप्पुस, प्रेरित

तथ्य:

फिलिप्पुस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह बेतसैदा नगर का था।

- फिलिप्पुस नतनएल को यीशु के पास लाया था।

- यीशु ने फिलिप्पुस से कहा था कि वह 5000 मनुष्यों के जनसमूह के लिए भोजन व्यवस्था करे।
- अन्तिम फसह के भोज में यीशु ने अपने शिष्यों के साथ पिता परमेश्वर के विषय चर्चा की थी। फिलिप्पुस ने यीशु से निवेदन किया था कि वह उन्हें पिता परमेश्वर का दर्शन कराए।
- कुछ भाषाओं में इस फिलिप्पुस का नाम प्रचारक फिलिप्पुस के नाम की वर्तनी से भिन्न लिखना उचित समझा गया है जिससे कि देनों नामों में उलझन उत्पन्न न हो।

(यह भी देखें: फिलिप्पुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- यूहन्ना 01:43-45
- यूहन्ना 06:4-6
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19

शब्द तथ्य:

फिलिप्पुस, प्रेरित

तथ्य:

फिलिप्पुस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह बेतसैदा नगर का था।

- फिलिप्पुस नतनएल को यीशु के पास लाया था।
- यीशु ने फिलिप्पुस से कहा था कि वह 5000 मनुष्यों के जनसमूह के लिए भोजन व्यवस्था करे।
- अन्तिम फसह के भोज में यीशु ने अपने शिष्यों के साथ पिता परमेश्वर के विषय चर्चा की थी। फिलिप्पुस ने यीशु से निवेदन किया था कि वह उन्हें पिता परमेश्वर का दर्शन कराए।
- कुछ भाषाओं में इस फिलिप्पुस का नाम प्रचारक फिलिप्पुस के नाम की वर्तनी से भिन्न लिखना उचित समझा गया है जिससे कि देनों नामों में उलझन उत्पन्न न हो।

(यह भी देखें: फिलिप्पुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- यूहन्ना 01:43-45
- यूहन्ना 06:4-6
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19

शब्द तथ्य:

फीनीके

तथ्य:

प्राचीन युग मे फिनिके इस्राएल के उत्तर में भूमध्य सागर के तट पर एक धनाढ्य नगर था।

- फिनिके आज के लेबनान देश के पश्चिमी में स्थित एक भू भाग था।
- नये नियम के युग में फिनिके की राजधानी सूर नगर थी। एक और महत्त्वपूर्ण फीनीके नगर सैदा था।
- फीनीकेवासी काष्ठकला के लिए प्रसिद्ध थे, वे अपने देश के देवदारों की लकड़ी काम में लेते थे और बैंजनी रंग तैयार करते थे, जो बहुत मंहगा होता था। वे समुद्री यात्रा और व्यापार करने के लिए प्रसिद्ध थे। वे अत्यधिक कुशल नाव बनानेवाले भी थे।
- पूर्व के अक्षरों में से एक अक्षर फीनीकेवासी द्वारा बनाया गया था। व्यापार के माध्यम से कई लोगों के समूह के साथ उनके संपर्क के कारण उनकी वर्णमाला व्यापक रूप से इस्तेमाल की गई थी।

(यह भी देखें: देवदारू, बैंगनी, सीदोन, सोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 11:19-21
- प्रे.का. 15:3-4
- प्रे.का. 21:1-2
- यशायाह 23:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3667, G4949, G5403

बचाना, बचाता है, उद्धार, सुरक्षा

परिभाषा:

“बचाना” अर्थात किसी बुरी या हानिकारक बात से बचना। “सुरक्षित रहना” अर्थात हानि या खतरे से बचना।

- शारीरिक रूप से मनुष्य हानि, खतरे या मृत्यु से बचाया या निकला जा सकता है।
- आत्मिक अर्थ में मनुष्य का "उद्धार" का अर्थ है क्रूस पर यीशु की मृत्यु के द्वारा, पाप से क्षमा किया गया और नरक में दण्ड का भागी होने से परमेश्वर ने उसे "बचा लिया" है।
- मनुष्य खतरे से मनुष्यों को बचा सकते हैं परन्तु पापों के अनन्त दण्ड से केवल परमेश्वर ही मनुष्यों को बचा सकता है।

अनुवाद सुझाव:

- “बचाना” शब्द के अनुवाद “मुक्ति दिलाना” या “हानि से बचाना” या “हानि के मार्ग से निकाल लेना” या “मरने से बचा लेना” हो सकता हैं।
- इस अभिव्यक्ति में “जो कोई अपना जीवन बचाएगा”, शब्द “बचाएगा” का अनुवाद, “संभालना” या “सुरक्षित रखना” हो सकता है।
- “सुरक्षित” का अनुवाद हो सकता है, “खतरे से बचना” “वह स्थान जहां कोई हानि न पहुंचा पाए”।

(यह भी देखें: क्रूस, छुड़ाना, दण्ड देना, उद्धार, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति, 49:18
- उत्पत्ति 47:25-26
- भजन, 080:03
- यिर्मयाह, 16:19-21
- मीका, 06:3-5
- लूका, 02:30
- लूका, 08:36-37
- प्रे.का., 04:12
- प्रे.का., 28:28
- प्रे.का. 02:21
- रोमियो, 01:16
- रोमियो, 10:10
- इफिस्सियों 06:17
- फिलिप्पियों 01:28
- 1 तीमुथियुस 01:15-17
- प्रका. 19:1-2

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- 09:08__मूसा ने अपने साथी इस्राएली को__बचाने का प्रयास किया |
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा ।
- 12:05__मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत! परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे __बचाएगा
- **12:13** इस्राएलियों ने अपनी स्वतंत्रता का उत्साह मनाने के लिये बहुत से गाने गाए, और परमेश्वर की आराधना की जिसने उन्हें मिस्रियो की सेना से बचाया
- **16:17** यह पद्धति कई बार दोहराई गई, इस्राएली पाप करते थे , परमेश्वर उन्हें दण्ड देता था, और फिर वह पश्चाताप करते थे, और फिर परमेश्वर उन्हें बचाने के लिए एक उद्धारक भेजता था

- **44:08** तुमने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया। तुमने उसे अस्वीकार किया, परन्तु और कोई दूसरा मार्ग नहीं है केवल यीशु के सामर्थ्य के द्वारा ही उद्धार मिल सकता है ।”
- 47:11__दारोगा घबरा गया और पौलुस और सीलास के पास आकर पूछा, “हे सज्जनों __उद्धार पाने के लिये मैं क्या करूँ ?” पौलुस ने उत्तर दिया, "यीशु, जो मालिक है, उसपर विश्वास करो तो तुम और तुमारा परिवार उद्धार पाएगा।"
- **49:12** अच्छे कार्य तुम्हें बचा नहीं सकते।
- **49:13** जो कोई भी यीशु पर विश्वास करता और उसे प्रभु के रूप में स्वीकार करता है परमेश्वर उसे बचाएगा। परन्तु जो उसमें विश्वास नहीं करता है ऐसे किसी व्यक्ति को वह नहीं बचाएगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H983, H2421, H2502, H3444, H3467, H3468, H4190, H4422, H4931, H5338, H6308, H6403, H7682, H7951, H7965, H8104, H8199, H8668, G803, G804, G806, G1295, G1508, G4982, G4991, G4992, G5198

बचाना, बचाता है, उद्धार, सुरक्षा

परिभाषा:

“बचाना” अर्थात किसी बुरी या हानिकारक बात से बचना। “सुरक्षित रहना” अर्थात हानि या खतरे से बचना।

- शारीरिक रूप से मनुष्य हानि, खतरे या मृत्यु से बचाया या निकला जा सकता है।
- आत्मिक अर्थ में मनुष्य का "उद्धार" का अर्थ है क्रूस पर यीशु की मृत्यु के द्वारा, पाप से क्षमा किया गया और नरक में दण्ड का भागी होने से परमेश्वर ने उसे "बचा लिया" है।
- मनुष्य खतरे से मनुष्यों को बचा सकते हैं परन्तु पापों के अनन्त दण्ड से केवल परमेश्वर ही मनुष्यों को बचा सकता है।

अनुवाद सुझाव:

- “बचाना” शब्द के अनुवाद “मुक्ति दिलाना” या “हानि से बचाना” या “हानि के मार्ग से निकाल लेना” या “मरने से बचा लेना” हो सकता हैं।
- इस अभिव्यक्ति में “जो कोई अपना जीवन बचाएगा”, शब्द “बचाएगा” का अनुवाद, “संभालना” या “सुरक्षित रखना” हो सकता है।
- “सुरक्षित” का अनुवाद हो सकता है, “खतरे से बचना” “वह स्थान जहां कोई हानि न पहुंचा पाए”।

(यह भी देखें: क्रूस, छुड़ाना, दण्ड देना, उद्धार, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति, 49:18
- उत्पत्ति 47:25-26
- भजन, 080:03
- यिर्मयाह, 16:19-21
- मीका, 06:3-5
- लूका, 02:30
- लूका, 08:36-37
- प्रे.का., 04:12
- प्रे.का., 28:28
- प्रे.का. 02:21
- रोमियो, 01:16
- रोमियो, 10:10
- इफिस्सियों 06:17
- फिलिप्पियों 01:28
- 1 तीमुथियुस 01:15-17
- प्रका. 19:1-2

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- 09:08__मूसा ने अपने साथी इस्राएली को__बचाने का प्रयास किया |
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा ।
- 12:05__मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत! परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे __बचाएगा
- **12:13** इस्राएलियों ने अपनी स्वतंत्रता का उत्साह मनाने के लिये बहुत से गाने गाए, और परमेश्वर की आराधना की जिसने उन्हें मिस्रियो की सेना से बचाया

- **16:17** यह पद्धति कई बार दोहराई गई, इस्राएली पाप करते थे , परमेश्वर उन्हें दण्ड देता था, और फिर वह पश्चाताप करते थे, और फिर परमेश्वर उन्हें बचाने के लिए एक उद्धारक भेजता था
- **44:08** तुमने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया। तुमने उसे अस्वीकार किया, परन्तु और कोई दूसरा मार्ग नहीं है केवल यीशु के सामर्थ्य के द्वारा ही उद्धार मिल सकता है ।”
- 47:11__दारोगा घबरा गया और पौलुस और सीलास के पास आकर पूछा, “हे सज्जनों __उद्धार पाने के लिये मैं क्या करूँ ?” पौलुस ने उत्तर दिया, "यीशु, जो मालिक है, उसपर विश्वास करो तो तुम और तुमारा परिवार उद्धार पाएगा।"
- **49:12** अच्छे कार्य तुम्हें बचा नहीं सकते।
- **49:13** जो कोई भी यीशु पर विश्वास करता और उसे प्रभु के रूप में स्वीकार करता है परमेश्वर उसे बचाएगा। परन्तु जो उसमें विश्वास नहीं करता है ऐसे किसी व्यक्ति को वह नहीं बचाएगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H983, H2421, H2502, H3444, H3467, H3468, H4190, H4422, H4931, H5338, H6308, H6403, H7682, H7951, H7965, H8104, H8199, H8668, G803, G804, G806, G1295, G1508, G4982, G4991, G4992, G5198

बचाना, बचाता है, उद्धार, सुरक्षा

परिभाषा:

“बचाना” अर्थात किसी बुरी या हानिकारक बात से बचना। “सुरक्षित रहना” अर्थात हानि या खतरे से बचना।

- शारीरिक रूप से मनुष्य हानि, खतरे या मृत्यु से बचाया या निकला जा सकता है।
- आत्मिक अर्थ में मनुष्य का "उद्धार" का अर्थ है क्रूस पर यीशु की मृत्यु के द्वारा, पाप से क्षमा किया गया और नरक में दण्ड का भागी होने से परमेश्वर ने उसे "बचा लिया" है।
- मनुष्य खतरे से मनुष्यों को बचा सकते हैं परन्तु पापों के अनन्त दण्ड से केवल परमेश्वर ही मनुष्यों को बचा सकता है।

अनुवाद सुझाव:

- “बचाना” शब्द के अनुवाद “मुक्ति दिलाना” या “हानि से बचाना” या “हानि के मार्ग से निकाल लेना” या “मरने से बचा लेना” हो सकता हैं।
- इस अभिव्यक्ति में “जो कोई अपना जीवन बचाएगा”, शब्द “बचाएगा” का अनुवाद, “संभालना” या “सुरक्षित रखना” हो सकता है।
- “सुरक्षित” का अनुवाद हो सकता है, “खतरे से बचना” “वह स्थान जहां कोई हानि न पहुंचा पाए”।

(यह भी देखें: क्रूस, छुड़ाना, दण्ड देना, उद्धार, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति, 49:18
- उत्पत्ति 47:25-26
- भजन, 080:03
- यिर्मयाह, 16:19-21
- मीका, 06:3-5
- लूका, 02:30
- लूका, 08:36-37
- प्रे.का., 04:12
- प्रे.का., 28:28
- प्रे.का. 02:21
- रोमियो, 01:16
- रोमियो, 10:10
- इफिस्सियों 06:17
- फिलिप्पियों 01:28
- 1 तीमुथियुस 01:15-17
- प्रका. 19:1-2

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- 09:08__मूसा ने अपने साथी इस्राएली को__बचाने का प्रयास किया |
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा ।
- 12:05__मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत! परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे __बचाएगा

- **12:13** इस्राएलियों ने अपनी स्वतंत्रता का उत्साह मनाने के लिये बहुत से गाने गाए, और परमेश्वर की आराधना की जिसने उन्हें मिस्रियो की सेना से बचाया
- **16:17** यह पद्धति कई बार दोहराई गई, इस्राएली पाप करते थे , परमेश्वर उन्हें दण्ड देता था, और फिर वह पश्चाताप करते थे, और फिर परमेश्वर उन्हें बचाने के लिए एक उद्धारक भेजता था
- **44:08** तुमने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया। तुमने उसे अस्वीकार किया, परन्तु और कोई दूसरा मार्ग नहीं है केवल यीशु के सामर्थ्य के द्वारा ही उद्धार मिल सकता है ।”
- 47:11__दारोगा घबरा गया और पौलुस और सीलास के पास आकर पूछा, “हे सज्जनों __उद्धार पाने के लिये मैं क्या करूँ ?” पौलुस ने उत्तर दिया, "यीशु, जो मालिक है, उसपर विश्वास करो तो तुम और तुमारा परिवार उद्धार पाएगा।"
- **49:12** अच्छे कार्य तुम्हें बचा नहीं सकते।
- **49:13** जो कोई भी यीशु पर विश्वास करता और उसे प्रभु के रूप में स्वीकार करता है परमेश्वर उसे बचाएगा। परन्तु जो उसमें विश्वास नहीं करता है ऐसे किसी व्यक्ति को वह नहीं बचाएगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H983, H2421, H2502, H3444, H3467, H3468, H4190, H4422, H4931, H5338, H6308, H6403, H7682, H7951, H7965, H8104, H8199, H8668, G803, G804, G806, G1295, G1508, G4982, G4991, G4992, G5198

बचाना, बचाता है, उद्धार, सुरक्षा

परिभाषा:

“बचाना” अर्थात किसी बुरी या हानिकारक बात से बचना। “सुरक्षित रहना” अर्थात हानि या खतरे से बचना।

- शारीरिक रूप से मनुष्य हानि, खतरे या मृत्यु से बचाया या निकला जा सकता है।
- आत्मिक अर्थ में मनुष्य का "उद्धार" का अर्थ है क्रूस पर यीशु की मृत्यु के द्वारा, पाप से क्षमा किया गया और नरक में दण्ड का भागी होने से परमेश्वर ने उसे "बचा लिया" है।
- मनुष्य खतरे से मनुष्यों को बचा सकते हैं परन्तु पापों के अनन्त दण्ड से केवल परमेश्वर ही मनुष्यों को बचा सकता है।

अनुवाद सुझाव:

- “बचाना” शब्द के अनुवाद “मुक्ति दिलाना” या “हानि से बचाना” या “हानि के मार्ग से निकाल लेना” या “मरने से बचा लेना” हो सकता हैं।
- इस अभिव्यक्ति में “जो कोई अपना जीवन बचाएगा”, शब्द “बचाएगा” का अनुवाद, “संभालना” या “सुरक्षित रखना” हो सकता है।
- “सुरक्षित” का अनुवाद हो सकता है, “खतरे से बचना” “वह स्थान जहां कोई हानि न पहुंचा पाए”।

(यह भी देखें: क्रूस, छुड़ाना, दण्ड देना, उद्धार, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति, 49:18
- उत्पत्ति 47:25-26
- भजन, 080:03
- यिर्मयाह, 16:19-21
- मीका, 06:3-5
- लूका, 02:30
- लूका, 08:36-37
- प्रे.का., 04:12
- प्रे.का., 28:28
- प्रे.का. 02:21
- रोमियो, 01:16
- रोमियो, 10:10
- इफिस्सियों 06:17
- फिलिप्पियों 01:28
- 1 तीमुथियुस 01:15-17
- प्रका. 19:1-2

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- 09:08__मूसा ने अपने साथी इस्राएली को__बचाने का प्रयास किया |

- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा ।
- 12:05__मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत! परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे __बचाएगा
- **12:13** इस्राएलियों ने अपनी स्वतंत्रता का उत्साह मनाने के लिये बहुत से गाने गाए, और परमेश्वर की आराधना की जिसने उन्हें मिस्रियो की सेना से बचाया
- **16:17** यह पद्धति कई बार दोहराई गई, इस्राएली पाप करते थे , परमेश्वर उन्हें दण्ड देता था, और फिर वह पश्चाताप करते थे, और फिर परमेश्वर उन्हें बचाने के लिए एक उद्धारक भेजता था
- **44:08** तुमने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया। तुमने उसे अस्वीकार किया, परन्तु और कोई दूसरा मार्ग नहीं है केवल यीशु के सामर्थ्य के द्वारा ही उद्धार मिल सकता है ।”
- 47:11__दारोगा घबरा गया और पौलुस और सीलास के पास आकर पूछा, “हे सज्जनों __उद्धार पाने के लिये मैं क्या करूँ ?” पौलुस ने उत्तर दिया, "यीशु, जो मालिक है, उसपर विश्वास करो तो तुम और तुमारा परिवार उद्धार पाएगा।"
- **49:12** अच्छे कार्य तुम्हें बचा नहीं सकते।
- **49:13** जो कोई भी यीशु पर विश्वास करता और उसे प्रभु के रूप में स्वीकार करता है परमेश्वर उसे बचाएगा। परन्तु जो उसमें विश्वास नहीं करता है ऐसे किसी व्यक्ति को वह नहीं बचाएगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H983, H2421, H2502, H3444, H3467, H3468, H4190, H4422, H4931, H5338, H6308, H6403, H7682, H7951, H7965, H8104, H8199, H8668, G803, G804, G806, G1295, G1508, G4982, G4991, G4992, G5198

बचे हुए

परिभाषा:

शब्द “बचे हुए लोग” वास्तव में बचे हुए लोगों या वस्तुओं के संदर्भ में है। इसका अर्थ बड़ी मात्रा में से छोड़ी गई वस्तु भी है।

- “बचे हुए” प्रायः उन लोगों को व्यक्त करता है जो जान के जोखिम से बच गए या सताव के उपरान्त भी जो मनुष्य परमेश्वर के निष्ठावान रहे।
- यशायाह यहूदियों के एक समूह को बचे हुए लोग कहता है जो शत्रुओं के आक्रमण से बच निकले और प्रतिज्ञा के देश कनान लौटे।
- पौलुस भी “बचे हुए” लोगों की चर्चा करता है जिन्हें परमेश्वर ने चुना कि उसके अनुग्रह के वारिस हों।
- “बचे हुए” से यह भी अर्थ निकलता है कि कुछ अन्य लोग निष्ठावान नहीं थे, या जो बचे नहीं या जो चुने नहीं गए।

अनुवाद के सुझाव:

- “इनमें से बचे हुए लोग” इस उक्ति का अनुवाद, “इन लोगों में से जो बाकी रह गए” या “जो लोग विश्वासी रहे” या “शेष मनुष्य” हो सकता है।
- “बाकी सब लोग” का अनुवाद, “शेष सब लोग” या “बचे हुए लोग” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:15-18
- आमोस 09:11-12
- यहेजकेल 06:8-10
- उत्पत्ति 45:7-8
- यशायाह 11:10-11
- मीका 04:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3498, H3499, H5629, H6413, H7604, H7605, H7611, H8281, H8300, G2640, G3005, G3062

बचे हुए

परिभाषा:

शब्द “बचे हुए लोग” वास्तव में बचे हुए लोगों या वस्तुओं के संदर्भ में है। इसका अर्थ बड़ी मात्रा में से छोड़ी गई वस्तु भी है।

- “बचे हुए” प्रायः उन लोगों को व्यक्त करता है जो जान के जोखिम से बच गए या सताव के उपरान्त भी जो मनुष्य परमेश्वर के निष्ठावान रहे।
- यशायाह यहूदियों के एक समूह को बचे हुए लोग कहता है जो शत्रुओं के आक्रमण से बच निकले और प्रतिज्ञा के देश कनान लौटे।
- पौलुस भी “बचे हुए” लोगों की चर्चा करता है जिन्हें परमेश्वर ने चुना कि उसके अनुग्रह के वारिस हों।

- “बचे हुए” से यह भी अर्थ निकलता है कि कुछ अन्य लोग निष्ठावान नहीं थे, या जो बचे नहीं या जो चुने नहीं गए।

अनुवाद के सुझाव:

- “इनमें से बचे हुए लोग” इस उक्ति का अनुवाद, “इन लोगों में से जो बाकी रह गए” या “जो लोग विश्वासी रहे” या “शेष मनुष्य” हो सकता है।
- “बाकी सब लोग” का अनुवाद, “शेष सब लोग” या “बचे हुए लोग” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:15-18
- आमोस 09:11-12
- यहेजकेल 06:8-10
- उत्पत्ति 45:7-8
- यशायाह 11:10-11
- मीका 04:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3498, H3499, H5629, H6413, H7604, H7605, H7611, H8281, H8300, G2640, G3005, G3062

बचे हुए

परिभाषा:

शब्द “बचे हुए लोग” वास्तव में बचे हुए लोगों या वस्तुओं के संदर्भ में है। इसका अर्थ बड़ी मात्रा में से छोड़ी गई वस्तु भी है।

- “बचे हुए” प्रायः उन लोगों को व्यक्त करता है जो जान के जोखिम से बच गए या सताव के उपरान्त भी जो मनुष्य परमेश्वर के निष्ठावान रहे।
- यशायाह यहूदियों के एक समूह को बचे हुए लोग कहता है जो शत्रुओं के आक्रमण से बच निकले और प्रतिज्ञा के देश कनान लौटे।
- पौलुस भी “बचे हुए” लोगों की चर्चा करता है जिन्हें परमेश्वर ने चुना कि उसके अनुग्रह के वारिस हों।
- “बचे हुए” से यह भी अर्थ निकलता है कि कुछ अन्य लोग निष्ठावान नहीं थे, या जो बचे नहीं या जो चुने नहीं गए।

अनुवाद के सुझाव:

- “इनमें से बचे हुए लोग” इस उक्ति का अनुवाद, “इन लोगों में से जो बाकी रह गए” या “जो लोग विश्वासी रहे” या “शेष मनुष्य” हो सकता है।
- “बाकी सब लोग” का अनुवाद, “शेष सब लोग” या “बचे हुए लोग” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:15-18
- आमोस 09:11-12
- यहेजकेल 06:8-10
- उत्पत्ति 45:7-8
- यशायाह 11:10-11
- मीका 04:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3498, H3499, H5629, H6413, H7604, H7605, H7611, H8281, H8300, G2640, G3005, G3062

बच्चे, बालक, वंशज

परिभाषा:

बाइबल में “बालक” शब्द प्रायः बच्चे के लिए काम में लिया गया है, शिशु के लिए भी इसका प्रयोग करा गया है। “बच्चे” बहुवचन है और इसके प्रतीकात्मक उपयोग भी हैं।

- बाइबल में शिष्यों को या अनुयायियों को भी कभी-कभी "बच्चे" कहा गया है।

- “बच्चे” शब्द सामान्यत: वंशजों के लिए प्रयोग करा गया है।
- “की बच्चे” का अभिप्राय किसी बात के लक्षण प्रकट करने से भी होता है। इसके कुछ उदाहरण है:
- ज्योति की सन्तान
- आज्ञा मानने वाली सन्तान
- शैतान की संतान
- यह शब्द आत्मिक पुत्र/पुत्रियों के संदर्भ में भी आता है। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर की सन्तान” अर्थात यीशु में विश्वास करने के कारण परमेश्वर के लोग।

अनुवाद के सुझाव:

- “सन्तान” का अनुवाद “वंशज” किया जा सकता है जब इसका संदर्भ किसी के पोते-परतोतों से हो।
- प्रकरण के अनुसार “की सन्तान” का अनुवाद “का गुण रखने वाले लोग” या “के सदृश्य व्यवहार करनेवाले लोग” भी किया जा सकता है।
- यदि संभव हो तो “परमेश्वर की सन्तान” को ज्यों का त्यों रखा जाएँ क्योंकि बाइबल का एक महत्वपूर्ण विषय है, परमेश्वर हमारा स्वर्गीय पिता है। इसका संभावित वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के लोग” या “परमेश्वर की आत्मिक सन्तान”।
- यीशु अपने शिष्यों को “सन्तान” कहता है तो इसका अनुवाद “प्रियमित्रों” या “मेरे प्रिय शिष्यों” हो सकता है।
- पौलुस और यूहन्ना यीशु के विश्वासियों को “बालकों” कहते हैं तो इसका अनुवाद “प्रिय सहविश्वासियों” हो सकता है।
- “प्रतिज्ञा की सन्तान” का अनुवाद हो सकता है “परमेश्वर की प्रतिज्ञा प्राप्त किए हुए लोग”।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश, प्रतिज्ञा, पुत्र, आत्मा, विश्वासी, प्रिय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 02:28
- 3 यूहन्ना 01:04
- गलातियों 04:19
- उत्पत्ति 45:11
- यहोशू 08: 34-35
- नहेम्याह 05:5
- प्रे.का. 17:29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति, 24:07
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1069, H1121, H1123, H1129, H1323, H1397, H1580, H2029, H2030, H2056, H2138, H2145, H2233, H2945, H3173, H3205, H3206, H3208, H3211, H3243, H3490, H4392, H5271, H5288, H5290, H5759, H5764, H5768, H5953, H6185, H7908, H7909, H7921, G730, G815, G1025, G1064, G1471, G3439, G3515, G3516, G3808, G3812, G3813, G3816, G5040, G5041, G5042, G5043, G5044, G5206, G5207, G5388

बच्चे, बालक, वंशज

परिभाषा:

बाइबल में “बालक” शब्द प्राय: बच्चे के लिए काम में लिया गया है, शिशु के लिए भी इसका प्रयोग करा गया है। “बच्चे” बहुवचन है और इसके प्रतीकात्मक उपयोग भी हैं।

- बाइबल में शिष्यों को या अनुयायियों को भी कभी-कभी "बच्चे" कहा गया है।
- “बच्चे” शब्द सामान्यत: वंशजों के लिए प्रयोग करा गया है।
- “की बच्चे” का अभिप्राय किसी बात के लक्षण प्रकट करने से भी होता है। इसके कुछ उदाहरण है:
- ज्योति की सन्तान
- आज्ञा मानने वाली सन्तान
- शैतान की संतान
- यह शब्द आत्मिक पुत्र/पुत्रियों के संदर्भ में भी आता है। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर की सन्तान” अर्थात यीशु में विश्वास करने के कारण परमेश्वर के लोग।

अनुवाद के सुझाव:

- “सन्तान” का अनुवाद “वंशज” किया जा सकता है जब इसका संदर्भ किसी के पोते-परतोतों से हो।
- प्रकरण के अनुसार “की सन्तान” का अनुवाद “का गुण रखने वाले लोग” या “के सदृश्य व्यवहार करनेवाले लोग” भी किया जा सकता है।
- यदि संभव हो तो “परमेश्वर की सन्तान” को ज्यों का त्यों रखा जाएँ क्योंकि बाइबल का एक महत्वपूर्ण विषय है, परमेश्वर हमारा स्वर्गीय पिता है। इसका संभावित वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के लोग” या “परमेश्वर की आत्मिक सन्तान”।
- यीशु अपने शिष्यों को “सन्तान” कहता है तो इसका अनुवाद “प्रियमित्रों” या “मेरे प्रिय शिष्यों” हो सकता है।
- पौलुस और यूहन्ना यीशु के विश्वासियों को “बालकों” कहते हैं तो इसका अनुवाद “प्रिय सहविश्वासियों” हो सकता है।
- “प्रतिज्ञा की सन्तान” का अनुवाद हो सकता है “परमेश्वर की प्रतिज्ञा प्राप्त किए हुए लोग”।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश, प्रतिज्ञा, पुत्र, आत्मा, विश्वासी, प्रिय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 02:28
- 3 यूहन्ना 01:04
- गलातियों 04:19
- उत्पत्ति 45:11
- यहोशू 08: 34-35
- नहेम्याह 05:5
- प्रे.का. 17:29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति, 24:07
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1069, H1121, H1123, H1129, H1323, H1397, H1580, H2029, H2030, H2056, H2138, H2145, H2233, H2945, H3173, H3205, H3206, H3208, H3211, H3243, H3490, H4392, H5271, H5288, H5290, H5759, H5764, H5768, H5953, H6185, H7908, H7909, H7921, G730, G815, G1025, G1064, G1471, G3439, G3515, G3516, G3808, G3812, G3813, G3816, G5040, G5041, G5042, G5043, G5044, G5206, G5207, G5388

बच्चे, बालक, वंशज

परिभाषा:

बाइबल में “बालक” शब्द प्रायः बच्चे के लिए काम में लिया गया है, शिशु के लिए भी इसका प्रयोग करा गया है। “बच्चे” बहुवचन है और इसके प्रतीकात्मक उपयोग भी हैं।

- बाइबल में शिष्यों को या अनुयायियों को भी कभी-कभी "बच्चे" कहा गया है।
- “बच्चे” शब्द सामान्यतः वंशजों के लिए प्रयोग करा गया है।
- “की बच्चे” का अभिप्राय किसी बात के लक्षण प्रकट करने से भी होता है। इसके कुछ उदाहरण हैः
- ज्योति की सन्तान
- आज्ञा मानने वाली सन्तान
- शैतान की संतान
- यह शब्द आत्मिक पुत्र/पुत्रियों के संदर्भ में भी आता है। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर की सन्तान” अर्थात यीशु में विश्वास करने के कारण परमेश्वर के लोग।

अनुवाद के सुझाव:

- “सन्तान” का अनुवाद “वंशज” किया जा सकता है जब इसका संदर्भ किसी के पोते-परतोतों से हो।
- प्रकरण के अनुसार “की सन्तान” का अनुवाद “का गुण रखने वाले लोग” या “के सदृश्य व्यवहार करनेवाले लोग” भी किया जा सकता है।
- यदि संभव हो तो “परमेश्वर की सन्तान” को ज्यों का त्यों रखा जाएँ क्योंकि बाइबल का एक महत्वपूर्ण विषय है, परमेश्वर हमारा स्वर्गीय पिता है। इसका संभावित वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के लोग” या “परमेश्वर की आत्मिक सन्तान”।
- यीशु अपने शिष्यों को “सन्तान” कहता है तो इसका अनुवाद “प्रियमित्रों” या “मेरे प्रिय शिष्यों” हो सकता है।
- पौलुस और यूहन्ना यीशु के विश्वासियों को “बालकों” कहते हैं तो इसका अनुवाद “प्रिय सहविश्वासियों” हो सकता है।

- “प्रतिज्ञा की सन्तान” का अनुवाद हो सकता है “परमेश्वर की प्रतिज्ञा प्राप्त किए हुए लोग”।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश, प्रतिज्ञा, पुत्र, आत्मा, विश्वासी, प्रिय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 02:28
- 3 यूहन्ना 01:04
- गलातियों 04:19
- उत्पत्ति 45:11
- यहोशू 08: 34-35
- नहेम्याह 05:5
- प्रे.का. 17:29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति, 24:07
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1069, H1121, H1123, H1129, H1323, H1397, H1580, H2029, H2030, H2056, H2138, H2145, H2233, H2945, H3173, H3205, H3206, H3208, H3211, H3243, H3490, H4392, H5271, H5288, H5290, H5759, H5764, H5768, H5953, H6185, H7908, H7909, H7921, G730, G815, G1025, G1064, G1471, G3439, G3515, G3516, G3808, G3812, G3813, G3816, G5040, G5041, G5042, G5043, G5044, G5206, G5207, G5388

बच्चे, बालक, वंशज

परिभाषा:

बाइबल में “बालक” शब्द प्रायः बच्चे के लिए काम में लिया गया है, शिशु के लिए भी इसका प्रयोग करा गया है। “बच्चे” बहुवचन है और इसके प्रतीकात्मक उपयोग भी हैं।

- बाइबल में शिष्यों को या अनुयायियों को भी कभी-कभी "बच्चे" कहा गया है।
- “बच्चे” शब्द सामान्यतः वंशजों के लिए प्रयोग करा गया है।
- “की बच्चे” का अभिप्राय किसी बात के लक्षण प्रकट करने से भी होता है। इसके कुछ उदाहरण हैः
- ज्योति की सन्तान
- आज्ञा मानने वाली सन्तान
- शैतान की संतान
- यह शब्द आत्मिक पुत्र/पुत्रियों के संदर्भ में भी आता है। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर की सन्तान” अर्थात यीशु में विश्वास करने के कारण परमेश्वर के लोग।

अनुवाद के सुझाव:

- “सन्तान” का अनुवाद “वंशज” किया जा सकता है जब इसका संदर्भ किसी के पोते-परतोतों से हो।
- प्रकरण के अनुसार “की सन्तान” का अनुवाद “का गुण रखने वाले लोग” या “के सदृश्य व्यवहार करनेवाले लोग” भी किया जा सकता है।
- यदि संभव हो तो “परमेश्वर की सन्तान” को ज्यों का त्यों रखा जाएँ क्योंकि बाइबल का एक महत्वपूर्ण विषय है, परमेश्वर हमारा स्वर्गीय पिता है। इसका संभावित वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के लोग” या “परमेश्वर की आत्मिक सन्तान”।
- यीशु अपने शिष्यों को “सन्तान” कहता है तो इसका अनुवाद “प्रियमित्रों” या “मेरे प्रिय शिष्यों” हो सकता है।
- पौलुस और यूहन्ना यीशु के विश्वासियों को “बालकों” कहते हैं तो इसका अनुवाद “प्रिय सहविश्वासियों” हो सकता है।
- “प्रतिज्ञा की सन्तान” का अनुवाद हो सकता है “परमेश्वर की प्रतिज्ञा प्राप्त किए हुए लोग”।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश, प्रतिज्ञा, पुत्र, आत्मा, विश्वासी, प्रिय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 02:28
- 3 यूहन्ना 01:04

- गलातियों 04:19
- उत्पत्ति 45:11
- यहोशू 08: 34-35
- नहेम्याह 05:5
- प्रे.का. 17:29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति, 24:07
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1069, H1121, H1123, H1129, H1323, H1397, H1580, H2029, H2030, H2056, H2138, H2145, H2233, H2945, H3173, H3205, H3206, H3208, H3211, H3243, H3490, H4392, H5271, H5288, H5290, H5759, H5764, H5768, H5953, H6185, H7908, H7909, H7921, G730, G815, G1025, G1064, G1471, G3439, G3515, G3516, G3808, G3812, G3813, G3816, G5040, G5041, G5042, G5043, G5044, G5206, G5207, G5388

बच्चे, बालक, वंशज

परिभाषा:

बाइबल में “बालक” शब्द प्रायः बच्चे के लिए काम में लिया गया है, शिशु के लिए भी इसका प्रयोग करा गया है। “बच्चे” बहुवचन है और इसके प्रतीकात्मक उपयोग भी हैं।

- बाइबल में शिष्यों को या अनुयायियों को भी कभी-कभी "बच्चे" कहा गया है।
- “बच्चे” शब्द सामान्यतः वंशजों के लिए प्रयोग करा गया है।
- “की बच्चे” का अभिप्राय किसी बात के लक्षण प्रकट करने से भी होता है। इसके कुछ उदाहरण है:
- ज्योति की सन्तान
- आज्ञा मानने वाली सन्तान
- शैतान की संतान
- यह शब्द आत्मिक पुत्र/पुत्रियों के संदर्भ में भी आता है। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर की सन्तान” अर्थात यीशु में विश्वास करने के कारण परमेश्वर के लोग।

अनुवाद के सुझाव:

- “सन्तान” का अनुवाद “वंशज” किया जा सकता है जब इसका संदर्भ किसी के पोते-परतोतों से हो।
- प्रकरण के अनुसार “की सन्तान” का अनुवाद “का गुण रखने वाले लोग” या “के सदृश्य व्यवहार करनेवाले लोग” भी किया जा सकता है।
- यदि संभव हो तो “परमेश्वर की सन्तान” को ज्यों का त्यों रखा जाएँ क्योंकि बाइबल का एक महत्वपूर्ण विषय है, परमेश्वर हमारा स्वर्गीय पिता है। इसका संभावित वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के लोग” या “परमेश्वर की आत्मिक सन्तान”।
- यीशु अपने शिष्यों को “सन्तान” कहता है तो इसका अनुवाद “प्रियमित्रों” या “मेरे प्रिय शिष्यों” हो सकता है।
- पौलुस और यूहन्ना यीशु के विश्वासियों को “बालकों” कहते हैं तो इसका अनुवाद “प्रिय सहविश्वासियों” हो सकता है।
- “प्रतिज्ञा की सन्तान” का अनुवाद हो सकता है “परमेश्वर की प्रतिज्ञा प्राप्त किए हुए लोग”।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश, प्रतिज्ञा, पुत्र, आत्मा, विश्वासी, प्रिय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 02:28
- 3 यूहन्ना 01:04
- गलातियों 04:19
- उत्पत्ति 45:11
- यहोशू 08: 34-35
- नहेम्याह 05:5
- प्रे.का. 17:29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति, 24:07
- यशायाह 41:8-9

- अय्यूब 05:25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1069, H1121, H1123, H1129, H1323, H1397, H1580, H2029, H2030, H2056, H2138, H2145, H2233, H2945, H3173, H3205, H3206, H3208, H3211, H3243, H3490, H4392, H5271, H5288, H5290, H5759, H5764, H5768, H5953, H6185, H7908, H7909, H7921, G730, G815, G1025, G1064, G1471, G3439, G3515, G3516, G3808, G3812, G3813, G3816, G5040, G5041, G5042, G5043, G5044, G5206, G5207, G5388

बच्चे, बालक, वंशज

परिभाषा:

बाइबल में “बालक” शब्द प्रायः बच्चे के लिए काम में लिया गया है, शिशु के लिए भी इसका प्रयोग करा गया है। “बच्चे” बहुवचन है और इसके प्रतीकात्मक उपयोग भी हैं।

- बाइबल में शिष्यों को या अनुयायियों को भी कभी-कभी "बच्चे" कहा गया है।
- “बच्चे” शब्द सामान्यतः वंशजों के लिए प्रयोग करा गया है।
- “की बच्चे” का अभिप्राय किसी बात के लक्षण प्रकट करने से भी होता है। इसके कुछ उदाहरण हैः
- ज्योति की सन्तान
- आज्ञा मानने वाली सन्तान
- शैतान की संतान
- यह शब्द आत्मिक पुत्र/पुत्रियों के संदर्भ में भी आता है। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर की सन्तान” अर्थात यीशु में विश्वास करने के कारण परमेश्वर के लोग।

अनुवाद के सुझाव:

- “सन्तान” का अनुवाद “वंशज” किया जा सकता है जब इसका संदर्भ किसी के पोते-परतोतों से हो।
- प्रकरण के अनुसार “की सन्तान” का अनुवाद “का गुण रखने वाले लोग” या “के सदृश्य व्यवहार करनेवाले लोग” भी किया जा सकता है।
- यदि संभव हो तो “परमेश्वर की सन्तान” को ज्यों का त्यों रखा जाएँ क्योंकि बाइबल का एक महत्वपूर्ण विषय है, परमेश्वर हमारा स्वर्गीय पिता है। इसका संभावित वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के लोग” या “परमेश्वर की आत्मिक सन्तान”।
- यीशु अपने शिष्यों को “सन्तान” कहता है तो इसका अनुवाद “प्रियमित्रों” या “मेरे प्रिय शिष्यों” हो सकता है।
- पौलुस और यूहन्ना यीशु के विश्वासियों को “बालकों” कहते हैं तो इसका अनुवाद “प्रिय सहविश्वासियों” हो सकता है।
- “प्रतिज्ञा की सन्तान” का अनुवाद हो सकता है “परमेश्वर की प्रतिज्ञा प्राप्त किए हुए लोग”।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश, प्रतिज्ञा, पुत्र, आत्मा, विश्वासी, प्रिय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 02:28
- 3 यूहन्ना 01:04
- गलातियों 04:19
- उत्पत्ति 45:11
- यहोशू 08: 34-35
- नहेम्याह 05:5
- प्रे.का. 17:29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति, 24:07
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1069, H1121, H1123, H1129, H1323, H1397, H1580, H2029, H2030, H2056, H2138, H2145, H2233, H2945, H3173, H3205, H3206, H3208, H3211, H3243, H3490, H4392, H5271, H5288, H5290, H5759, H5764, H5768, H5953, H6185, H7908, H7909, H7921, G730, G815,

G1025, G1064, G1471, G3439, G3515, G3516, G3808, G3812, G3813, G3816, G5040, G5041, G5042, G5043, G5044, G5206, G5207, G5388

बच्चे, बालक, वंशज

परिभाषा:

बाइबल में “बालक” शब्द प्रायः बच्चे के लिए काम में लिया गया है, शिशु के लिए भी इसका प्रयोग करा गया है। “बच्चे” बहुवचन है और इसके प्रतीकात्मक उपयोग भी हैं।

- बाइबल में शिष्यों को या अनुयायियों को भी कभी-कभी "बच्चे" कहा गया है।
- “बच्चे” शब्द सामान्यतः वंशजों के लिए प्रयोग करा गया है।
- “की बच्चे” का अभिप्राय किसी बात के लक्षण प्रकट करने से भी होता है। इसके कुछ उदाहरण हैः
- ज्योति की सन्तान
- आज्ञा मानने वाली सन्तान
- शैतान की संतान
- यह शब्द आत्मिक पुत्र/पुत्रियों के संदर्भ में भी आता है। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर की सन्तान” अर्थात यीशु में विश्वास करने के कारण परमेश्वर के लोग।

अनुवाद के सुझाव:

- “सन्तान” का अनुवाद “वंशज” किया जा सकता है जब इसका संदर्भ किसी के पोते-परतोतों से हो।
- प्रकरण के अनुसार “की सन्तान” का अनुवाद “का गुण रखने वाले लोग” या “के सदृश्य व्यवहार करनेवाले लोग” भी किया जा सकता है।
- यदि संभव हो तो “परमेश्वर की सन्तान” को ज्यों का त्यों रखा जाएँ क्योंकि बाइबल का एक महत्वपूर्ण विषय है, परमेश्वर हमारा स्वर्गीय पिता है। इसका संभावित वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के लोग” या “परमेश्वर की आत्मिक सन्तान”।
- यीशु अपने शिष्यों को “सन्तान” कहता है तो इसका अनुवाद “प्रियमित्रों” या “मेरे प्रिय शिष्यों” हो सकता है।
- पौलुस और यूहन्ना यीशु के विश्वासियों को “बालकों” कहते हैं तो इसका अनुवाद “प्रिय सहविश्वासियों” हो सकता है।
- “प्रतिज्ञा की सन्तान” का अनुवाद हो सकता है “परमेश्वर की प्रतिज्ञा प्राप्त किए हुए लोग”।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश, प्रतिज्ञा, पुत्र, आत्मा, विश्वासी, प्रिय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 02:28
- 3 यूहन्ना 01:04
- गलातियों 04:19
- उत्पत्ति 45:11
- यहोशू 08: 34-35
- नहेम्याह 05:5
- प्रे.का. 17:29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति, 24:07
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1069, H1121, H1123, H1129, H1323, H1397, H1580, H2029, H2030, H2056, H2138, H2145, H2233, H2945, H3173, H3205, H3206, H3208, H3211, H3243, H3490, H4392, H5271, H5288, H5290, H5759, H5764, H5768, H5953, H6185, H7908, H7909, H7921, G730, G815, G1025, G1064, G1471, G3439, G3515, G3516, G3808, G3812, G3813, G3816, G5040, G5041, G5042, G5043, G5044, G5206, G5207, G5388

बच्चे, बालक, वंशज

परिभाषा:

बाइबल में “बालक” शब्द प्राय: बच्चे के लिए काम में लिया गया है, शिशु के लिए भी इसका प्रयोग करा गया है। “बच्चे” बहुवचन है और इसके प्रतीकात्मक उपयोग भी हैं।

- बाइबल में शिष्यों को या अनुयायियों को भी कभी-कभी "बच्चे" कहा गया है।
- “बच्चे” शब्द सामान्यत: वंशजों के लिए प्रयोग करा गया है।
- “की बच्चे” का अभिप्राय किसी बात के लक्षण प्रकट करने से भी होता है। इसके कुछ उदाहरण है:
- ज्योति की सन्तान
- आज्ञा मानने वाली सन्तान
- शैतान की संतान
- यह शब्द आत्मिक पुत्र/पुत्रियों के संदर्भ में भी आता है। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर की सन्तान” अर्थात यीशु में विश्वास करने के कारण परमेश्वर के लोग।

अनुवाद के सुझाव:

- “सन्तान” का अनुवाद “वंशज” किया जा सकता है जब इसका संदर्भ किसी के पोते-परतोतों से हो।
- प्रकरण के अनुसार “की सन्तान” का अनुवाद “का गुण रखने वाले लोग” या “के सदृश्य व्यवहार करनेवाले लोग” भी किया जा सकता है।
- यदि संभव हो तो “परमेश्वर की सन्तान” को ज्यों का त्यों रखा जाएँ क्योंकि बाइबल का एक महत्वपूर्ण विषय है, परमेश्वर हमारा स्वर्गीय पिता है। इसका संभावित वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के लोग” या “परमेश्वर की आत्मिक सन्तान”।
- यीशु अपने शिष्यों को “सन्तान” कहता है तो इसका अनुवाद “प्रियमित्रों” या “मेरे प्रिय शिष्यों” हो सकता है।
- पौलुस और यूहन्ना यीशु के विश्वासियों को “बालकों” कहते हैं तो इसका अनुवाद “प्रिय सहविश्वासियों” हो सकता है।
- “प्रतिज्ञा की सन्तान” का अनुवाद हो सकता है “परमेश्वर की प्रतिज्ञा प्राप्त किए हुए लोग”।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश, प्रतिज्ञा, पुत्र, आत्मा, विश्वासी, प्रिय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 02:28
- 3 यूहन्ना 01:04
- गलातियों 04:19
- उत्पत्ति 45:11
- यहोशू 08: 34-35
- नहेम्याह 05:5
- प्रे.का. 17:29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति, 24:07
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1069, H1121, H1123, H1129, H1323, H1397, H1580, H2029, H2030, H2056, H2138, H2145, H2233, H2945, H3173, H3205, H3206, H3208, H3211, H3243, H3490, H4392, H5271, H5288, H5290, H5759, H5764, H5768, H5953, H6185, H7908, H7909, H7921, G730, G815, G1025, G1064, G1471, G3439, G3515, G3516, G3808, G3812, G3813, G3816, G5040, G5041, G5042, G5043, G5044, G5206, G5207, G5388

बच्चे, बालक, वंशज

परिभाषा:

बाइबल में “बालक” शब्द प्राय: बच्चे के लिए काम में लिया गया है, शिशु के लिए भी इसका प्रयोग करा गया है। “बच्चे” बहुवचन है और इसके प्रतीकात्मक उपयोग भी हैं।

- बाइबल में शिष्यों को या अनुयायियों को भी कभी-कभी "बच्चे" कहा गया है।

- “बच्चे” शब्द सामान्यत: वंशजों के लिए प्रयोग करा गया है।
- “की बच्चे” का अभिप्राय किसी बात के लक्षण प्रकट करने से भी होता है। इसके कुछ उदाहरण है:
- ज्योति की सन्तान
- आज्ञा मानने वाली सन्तान
- शैतान की संतान
- यह शब्द आत्मिक पुत्र/पुत्रियों के संदर्भ में भी आता है। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर की सन्तान” अर्थात यीशु में विश्वास करने के कारण परमेश्वर के लोग।

अनुवाद के सुझाव:

- “सन्तान” का अनुवाद “वंशज” किया जा सकता है जब इसका संदर्भ किसी के पोते-परतोतों से हो।
- प्रकरण के अनुसार “की सन्तान” का अनुवाद “का गुण रखने वाले लोग” या “के सदृश्य व्यवहार करनेवाले लोग” भी किया जा सकता है।
- यदि संभव हो तो “परमेश्वर की सन्तान” को ज्यों का त्यों रखा जाएँ क्योंकि बाइबल का एक महत्वपूर्ण विषय है, परमेश्वर हमारा स्वर्गीय पिता है। इसका संभावित वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के लोग” या “परमेश्वर की आत्मिक सन्तान”।
- यीशु अपने शिष्यों को “सन्तान” कहता है तो इसका अनुवाद “प्रियमित्रों” या “मेरे प्रिय शिष्यों” हो सकता है।
- पौलुस और यूहन्ना यीशु के विश्वासियों को “बालकों” कहते हैं तो इसका अनुवाद “प्रिय सहविश्वासियों” हो सकता है।
- “प्रतिज्ञा की सन्तान” का अनुवाद हो सकता है “परमेश्वर की प्रतिज्ञा प्राप्त किए हुए लोग”।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश, प्रतिज्ञा, पुत्र, आत्मा, विश्वासी, प्रिय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 02:28
- 3 यूहन्ना 01:04
- गलातियों 04:19
- उत्पत्ति 45:11
- यहोशू 08: 34-35
- नहेम्याह 05:5
- प्रे.का. 17:29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति, 24:07
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1069, H1121, H1123, H1129, H1323, H1397, H1580, H2029, H2030, H2056, H2138, H2145, H2233, H2945, H3173, H3205, H3206, H3208, H3211, H3243, H3490, H4392, H5271, H5288, H5290, H5759, H5764, H5768, H5953, H6185, H7908, H7909, H7921, G730, G815, G1025, G1064, G1471, G3439, G3515, G3516, G3808, G3812, G3813, G3816, G5040, G5041, G5042, G5043, G5044, G5206, G5207, G5388

बच्चे, बालक, वंशज

परिभाषा:

बाइबल में “बालक” शब्द प्राय: बच्चे के लिए काम में लिया गया है, शिशु के लिए भी इसका प्रयोग करा गया है। “बच्चे” बहुवचन है और इसके प्रतीकात्मक उपयोग भी हैं।

- बाइबल में शिष्यों को या अनुयायियों को भी कभी-कभी "बच्चे" कहा गया है।
- “बच्चे” शब्द सामान्यत: वंशजों के लिए प्रयोग करा गया है।
- “की बच्चे” का अभिप्राय किसी बात के लक्षण प्रकट करने से भी होता है। इसके कुछ उदाहरण है:
- ज्योति की सन्तान
- आज्ञा मानने वाली सन्तान
- शैतान की संतान
- यह शब्द आत्मिक पुत्र/पुत्रियों के संदर्भ में भी आता है। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर की सन्तान” अर्थात यीशु में विश्वास करने के कारण परमेश्वर के लोग।

अनुवाद के सुझाव:

- “सन्तान” का अनुवाद “वंशज” किया जा सकता है जब इसका संदर्भ किसी के पोते-परतोतों से हो।
- प्रकरण के अनुसार “की सन्तान” का अनुवाद “का गुण रखने वाले लोग” या “के सदृश्य व्यवहार करनेवाले लोग” भी किया जा सकता है।
- यदि संभव हो तो “परमेश्वर की सन्तान” को ज्यों का त्यों रखा जाएँ क्योंकि बाइबल का एक महत्वपूर्ण विषय है, परमेश्वर हमारा स्वर्गीय पिता है। इसका संभावित वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के लोग” या “परमेश्वर की आत्मिक सन्तान”।
- यीशु अपने शिष्यों को “सन्तान” कहता है तो इसका अनुवाद “प्रियमित्रों” या “मेरे प्रिय शिष्यों” हो सकता है।
- पौलुस और यूहन्ना यीशु के विश्वासियों को “बालकों” कहते हैं तो इसका अनुवाद “प्रिय सहविश्वासियों” हो सकता है।
- “प्रतिज्ञा की सन्तान” का अनुवाद हो सकता है “परमेश्वर की प्रतिज्ञा प्राप्त किए हुए लोग”।

(यह भी देखें: उत्तरेगा, वंश, प्रतिज्ञा, पुत्र, आत्मा, विश्वासी, प्रिय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 02:28
- 3 यूहन्ना 01:04
- गलातियों 04:19
- उत्पत्ति 45:11
- यहोशू 08: 34-35
- नहेम्याह 05:5
- प्रे.का. 17:29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति, 24:07
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1069, H1121, H1123, H1129, H1323, H1397, H1580, H2029, H2030, H2056, H2138, H2145, H2233, H2945, H3173, H3205, H3206, H3208, H3211, H3243, H3490, H4392, H5271, H5288, H5290, H5759, H5764, H5768, H5953, H6185, H7908, H7909, H7921, G730, G815, G1025, G1064, G1471, G3439, G3515, G3516, G3808, G3812, G3813, G3816, G5040, G5041, G5042, G5043, G5044, G5206, G5207, G5388

बच्चे, बालक, वंशज

परिभाषा:

बाइबल में “बालक” शब्द प्रायः बच्चे के लिए काम में लिया गया है, शिशु के लिए भी इसका प्रयोग करा गया है। “बच्चे” बहुवचन है और इसके प्रतीकात्मक उपयोग भी हैं।

- बाइबल में शिष्यों को या अनुयायियों को भी कभी-कभी "बच्चे" कहा गया है।
- “बच्चे” शब्द सामान्यतः वंशजों के लिए प्रयोग करा गया है।
- “की बच्चे” का अभिप्राय किसी बात के लक्षण प्रकट करने से भी होता है। इसके कुछ उदाहरण हैः
- ज्योति की सन्तान
- आज्ञा मानने वाली सन्तान
- शैतान की संतान
- यह शब्द आत्मिक पुत्र/पुत्रियों के संदर्भ में भी आता है। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर की सन्तान” अर्थात यीशु में विश्वास करने के कारण परमेश्वर के लोग।

अनुवाद के सुझाव:

- “सन्तान” का अनुवाद “वंशज” किया जा सकता है जब इसका संदर्भ किसी के पोते-परतोतों से हो।
- प्रकरण के अनुसार “की सन्तान” का अनुवाद “का गुण रखने वाले लोग” या “के सदृश्य व्यवहार करनेवाले लोग” भी किया जा सकता है।
- यदि संभव हो तो “परमेश्वर की सन्तान” को ज्यों का त्यों रखा जाएँ क्योंकि बाइबल का एक महत्वपूर्ण विषय है, परमेश्वर हमारा स्वर्गीय पिता है। इसका संभावित वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के लोग” या “परमेश्वर की आत्मिक सन्तान”।
- यीशु अपने शिष्यों को “सन्तान” कहता है तो इसका अनुवाद “प्रियमित्रों” या “मेरे प्रिय शिष्यों” हो सकता है।
- पौलुस और यूहन्ना यीशु के विश्वासियों को “बालकों” कहते हैं तो इसका अनुवाद “प्रिय सहविश्वासियों” हो सकता है।

- “प्रतिज्ञा की सन्तान” का अनुवाद हो सकता है “परमेश्वर की प्रतिज्ञा प्राप्त किए हुए लोग”।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश, प्रतिज्ञा, पुत्र, आत्मा, विश्वासी, प्रिय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 02:28
- 3 यूहन्ना 01:04
- गलातियों 04:19
- उत्पत्ति 45:11
- यहोशू 08: 34-35
- नहेम्याह 05:5
- प्रे.का. 17:29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति, 24:07
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1069, H1121, H1123, H1129, H1323, H1397, H1580, H2029, H2030, H2056, H2138, H2145, H2233, H2945, H3173, H3205, H3206, H3208, H3211, H3243, H3490, H4392, H5271, H5288, H5290, H5759, H5764, H5768, H5953, H6185, H7908, H7909, H7921, G730, G815, G1025, G1064, G1471, G3439, G3515, G3516, G3808, G3812, G3813, G3816, G5040, G5041, G5042, G5043, G5044, G5206, G5207, G5388

बच्चे, बालक, वंशज

परिभाषा:

बाइबल में “बालक” शब्द प्रायः बच्चे के लिए काम में लिया गया है, शिशु के लिए भी इसका प्रयोग करा गया है। “बच्चे” बहुवचन है और इसके प्रतीकात्मक उपयोग भी हैं।

- बाइबल में शिष्यों को या अनुयायियों को भी कभी-कभी "बच्चे" कहा गया है।
- “बच्चे” शब्द सामान्यतः वंशजों के लिए प्रयोग करा गया है।
- “की बच्चे” का अभिप्राय किसी बात के लक्षण प्रकट करने से भी होता है। इसके कुछ उदाहरण हैः
- ज्योति की सन्तान
- आज्ञा मानने वाली सन्तान
- शैतान की संतान
- यह शब्द आत्मिक पुत्र/पुत्रियों के संदर्भ में भी आता है। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर की सन्तान” अर्थात यीशु में विश्वास करने के कारण परमेश्वर के लोग।

अनुवाद के सुझाव:

- “सन्तान” का अनुवाद “वंशज” किया जा सकता है जब इसका संदर्भ किसी के पोते-परतोतों से हो।
- प्रकरण के अनुसार “की सन्तान” का अनुवाद “का गुण रखने वाले लोग” या “के सदृश्य व्यवहार करनेवाले लोग” भी किया जा सकता है।
- यदि संभव हो तो “परमेश्वर की सन्तान” को ज्यों का त्यों रखा जाएँ क्योंकि बाइबल का एक महत्वपूर्ण विषय है, परमेश्वर हमारा स्वर्गीय पिता है। इसका संभावित वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के लोग” या “परमेश्वर की आत्मिक सन्तान”।
- यीशु अपने शिष्यों को “सन्तान” कहता है तो इसका अनुवाद “प्रियमित्रों” या “मेरे प्रिय शिष्यों” हो सकता है।
- पौलुस और यूहन्ना यीशु के विश्वासियों को “बालकों” कहते हैं तो इसका अनुवाद “प्रिय सहविश्वासियों” हो सकता है।
- “प्रतिज्ञा की सन्तान” का अनुवाद हो सकता है “परमेश्वर की प्रतिज्ञा प्राप्त किए हुए लोग”।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश, प्रतिज्ञा, पुत्र, आत्मा, विश्वासी, प्रिय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 02:28
- 3 यूहन्ना 01:04

- गलातियों 04:19
- उत्पत्ति 45:11
- यहोशू 08: 34-35
- नहेम्याह 05:5
- प्रे.का. 17:29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति, 24:07
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1069, H1121, H1123, H1129, H1323, H1397, H1580, H2029, H2030, H2056, H2138, H2145, H2233, H2945, H3173, H3205, H3206, H3208, H3211, H3243, H3490, H4392, H5271, H5288, H5290, H5759, H5764, H5768, H5953, H6185, H7908, H7909, H7921, G730, G815, G1025, G1064, G1471, G3439, G3515, G3516, G3808, G3812, G3813, G3816, G5040, G5041, G5042, G5043, G5044, G5206, G5207, G5388

बच्चे, बालक, वंशज

परिभाषा:

बाइबल में “बालक” शब्द प्रायः बच्चे के लिए काम में लिया गया है, शिशु के लिए भी इसका प्रयोग करा गया है। “बच्चे” बहुवचन है और इसके प्रतीकात्मक उपयोग भी हैं।

- बाइबल में शिष्यों को या अनुयायियों को भी कभी-कभी "बच्चे" कहा गया है।
- “बच्चे” शब्द सामान्यतः वंशजों के लिए प्रयोग करा गया है।
- “की बच्चे” का अभिप्राय किसी बात के लक्षण प्रकट करने से भी होता है। इसके कुछ उदाहरण है:
- ज्योति की सन्तान
- आज्ञा मानने वाली सन्तान
- शैतान की संतान
- यह शब्द आत्मिक पुत्र/पुत्रियों के संदर्भ में भी आता है। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर की सन्तान” अर्थात यीशु में विश्वास करने के कारण परमेश्वर के लोग।

अनुवाद के सुझाव:

- “सन्तान” का अनुवाद “वंशज” किया जा सकता है जब इसका संदर्भ किसी के पोते-परतोतों से हो।
- प्रकरण के अनुसार “की सन्तान” का अनुवाद “का गुण रखने वाले लोग” या “के सदृश्य व्यवहार करनेवाले लोग” भी किया जा सकता है।
- यदि संभव हो तो “परमेश्वर की सन्तान” को ज्यों का त्यों रखा जाएँ क्योंकि बाइबल का एक महत्वपूर्ण विषय है, परमेश्वर हमारा स्वर्गीय पिता है। इसका संभावित वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के लोग” या “परमेश्वर की आत्मिक सन्तान”।
- यीशु अपने शिष्यों को “सन्तान” कहता है तो इसका अनुवाद “प्रियमित्रों” या “मेरे प्रिय शिष्यों” हो सकता है।
- पौलुस और यूहन्ना यीशु के विश्वासियों को “बालकों” कहते हैं तो इसका अनुवाद “प्रिय सहविश्वासियों” हो सकता है।
- “प्रतिज्ञा की सन्तान” का अनुवाद हो सकता है “परमेश्वर की प्रतिज्ञा प्राप्त किए हुए लोग”।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश, प्रतिज्ञा, पुत्र, आत्मा, विश्वासी, प्रिय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 02:28
- 3 यूहन्ना 01:04
- गलातियों 04:19
- उत्पत्ति 45:11
- यहोशू 08: 34-35
- नहेम्याह 05:5
- प्रे.का. 17:29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति, 24:07
- यशायाह 41:8-9

- अय्यूब 05:25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1069, H1121, H1123, H1129, H1323, H1397, H1580, H2029, H2030, H2056, H2138, H2145, H2233, H2945, H3173, H3205, H3206, H3208, H3211, H3243, H3490, H4392, H5271, H5288, H5290, H5759, H5764, H5768, H5953, H6185, H7908, H7909, H7921, G730, G815, G1025, G1064, G1471, G3439, G3515, G3516, G3808, G3812, G3813, G3816, G5040, G5041, G5042, G5043, G5044, G5206, G5207, G5388

बढ़ाएगा, बढ़ाता रहता, बढ़ गए, बढ़ने लगी, बढ़ती करेगा

परिभाषा:

“बढ़ाएगा” अर्थात जनसंख्या बहुत बढ़ जाना। इसका संदर्भ और बातों से भी होता है जैसे पीड़ा का बढ़ना।

- परमेश्वर ने मनुष्यों और पशुओं से कहा था कि वे बढ़ कर (फूलो फलो) पृथ्वी को भर दें। यह सन्तति वृद्धि की आज्ञा थी।
- यीशु ने 5,000 पुरुषों को भोजन करवाने के लिए रोटी और मछलियों की मात्रा बढ़ाई थी। भोजन की मात्रा बढ़ती गई कि सबके लिए आवश्यकता से अधिक भोजन हो।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “फैलना” या “वृद्धि का कारण होना” या “संख्या वृद्धि होना” या “संख्या अधिक होना” या “असंख्या हो जाना” भी हो सकता है।
- “तेरी पीड़ा को बहुत बढ़ा देगा” का अनुवाद हो सकता है, “तेरी पीड़ा को अधिक उग्र बना दे” या “तुझे बहुत अधिक पीड़ा दे”।
- “घोड़े बढ़ाना” अर्थात “लालच करके घोड़ों का संग्रह करना” या “बहुत अधिक घोड़े एकत्र करना”

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 08:1-2
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 22:15-17
- होशे 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3254, H3527, H6280, H7231, H7233, H7235, H7680, G4052, G4129

बढ़ाएगा, बढ़ाता रहता, बढ़ गए, बढ़ने लगी, बढ़ती करेगा

परिभाषा:

“बढ़ाएगा” अर्थात जनसंख्या बहुत बढ़ जाना। इसका संदर्भ और बातों से भी होता है जैसे पीड़ा का बढ़ना।

- परमेश्वर ने मनुष्यों और पशुओं से कहा था कि वे बढ़ कर (फूलो फलो) पृथ्वी को भर दें। यह सन्तति वृद्धि की आज्ञा थी।
- यीशु ने 5,000 पुरुषों को भोजन करवाने के लिए रोटी और मछलियों की मात्रा बढ़ाई थी। भोजन की मात्रा बढ़ती गई कि सबके लिए आवश्यकता से अधिक भोजन हो।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “फैलना” या “वृद्धि का कारण होना” या “संख्या वृद्धि होना” या “संख्या अधिक होना” या “असंख्या हो जाना” भी हो सकता है।
- “तेरी पीड़ा को बहुत बढ़ा देगा” का अनुवाद हो सकता है, “तेरी पीड़ा को अधिक उग्र बना दे” या “तुझे बहुत अधिक पीड़ा दे”।
- “घोड़े बढ़ाना” अर्थात “लालच करके घोड़ों का संग्रह करना” या “बहुत अधिक घोड़े एकत्र करना”

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 08:1-2
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 22:15-17
- होशे 04:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3254, H3527, H6280, H7231, H7233, H7235, H7680, G4052, G4129

बदनामी, बदनाम, निंदक, निंदा, नृशंस, झूठी बातें, बुरा-भला, दोष लगानेवाली

परिभाषा:

बदनामी एक नकारात्मक हैं, किसी अन्य व्यक्ति के बारे में बोली जाने वाली बातें (लिखित नहीं) जो बदनाम करती हैं। किसी व्यक्ति के बारे में ऐसी बातें (लिखने के लिए नहीं) कहने के लिए उस व्यक्ति को बदनाम करना है । ऐसी बातें कहने वाला व्यक्ति एक निंदक है।

- बदनामी सच्ची बात नहीं होती है, या झूठा आरोप होता है परन्तु इससे सुननेवाला किसी मनुष्य के बारे में गलत सोचता है।
- 'बदनामी' का अनुवाद "के खिलाफ बोलना" या "बुराई फैलाने" या "अपवाद करना" के रूप में किया जा सकता है।
- बदनामी करने वाले को “सूचना देनेवाला” या “अफवाह फैलाने वाला” भी कहते हैं।

(यह भी देखें: निन्दा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:13
- 1 तीमुथियुस 03:11
- 2 कुरिन्थियों 06:8-10
- मरकुस 07:20-23

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1681, H1696, H1848, H3960, H5791, H7270, H7400, H8267, G987, G988, G1228, G1426, G2636, G2637, G3059, G3060

बदनामी, बदनाम, निंदक, निंदा, नृशंस, झूठी बातें, बुरा-भला, दोष लगानेवाली

परिभाषा:

बदनामी एक नकारात्मक हैं, किसी अन्य व्यक्ति के बारे में बोली जाने वाली बातें (लिखित नहीं) जो बदनाम करती हैं। किसी व्यक्ति के बारे में ऐसी बातें (लिखने के लिए नहीं) कहने के लिए उस व्यक्ति को बदनाम करना है । ऐसी बातें कहने वाला व्यक्ति एक निंदक है।

- बदनामी सच्ची बात नहीं होती है, या झूठा आरोप होता है परन्तु इससे सुननेवाला किसी मनुष्य के बारे में गलत सोचता है।
- 'बदनामी' का अनुवाद "के खिलाफ बोलना" या "बुराई फैलाने" या "अपवाद करना" के रूप में किया जा सकता है।
- बदनामी करने वाले को “सूचना देनेवाला” या “अफवाह फैलाने वाला” भी कहते हैं।

(यह भी देखें: निन्दा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:13
- 1 तीमुथियुस 03:11
- 2 कुरिन्थियों 06:8-10
- मरकुस 07:20-23

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1681, H1696, H1848, H3960, H5791, H7270, H7400, H8267, G987, G988, G1228, G1426, G2636, G2637, G3059, G3060

बदला लेना, पलटा लेनेवाला, पलटा लिया, बदला लेने, पलटा लेनेवाला, बदला, पलटा लेना

परिभाषा:

“बदला लेना”,“प्रतिकार” या “प्रतिशोध करना” किसी को उसके द्वारा की गई हानि का पलटा लेने के लिए दण्ड देना। बदला लेने का काम, प्रतिशोध कहलाता है।

- “बदला लेना” प्रायः न्याय करने या गलत को सही करने के अभिप्राय से होता है।
- जब मनुष्यों के संदर्भ में हो तो “बदला लेना” या “प्रतिशोध” हानि करने वाले तक पहुंचने के लिए होता है।
- जब परमेश्वर “बदला लेता ” या “प्रतिशोध लागू करता है” तो वह उसकी धर्मनिष्ठा का दावा है क्योंकि वह पाप और विद्रोह का दण्ड देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बदला लेना” का अनुवाद “गलतियों को सुधारना” या “न्याय चुकाना” भी हो सकता है।
- जब मनुष्यों से “बदला लेना” हो तब इसका अनुवाद “हिसाब चुकाना” या “दण्ड देने के लिए हानि पहुंचाना”, या “पलटा लेना” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “बदला” का अनुवाद हो सकता है, “दण्ड” या “पाप का दण्ड” या “गलत काम का बदला देना” “पलटा” शब्द मनुष्यों के संदर्भ में उपयोग किया गया है।
- परमेश्वर कहता है “मेरा पलटा लो” तो इसका अनुवाद किया जा सकता है, “मेरे विरूद्ध किए गए गलत काम का दण्ड उन्हें दो” या “उनका बुरा करो क्योंकि उन्होंने मेरे विरूद्ध पाप किया है।”
- परमेश्वर के बदले की चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि आपके अनुवाद में स्पष्ट हो कि पाप का दण्ड देने में परमेश्वर न्यायोचित है ।

(यह भी देखें: दण्ड देना, सच्चा, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 24:12-13
- यहेजकेल 25:15-17
- यशायाह 47:3-5
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- भजन संहिता 018:46-47
- रोमियो 12:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1350, H3467, H5358, H5359, H5360, H6544, H6546, H8199, G1349, G1556, G1557, G1558, G2917, G3709

बना रहेगा, धीरज धरेगा, सहते, स्थिर रहता, धीरज

परिभाषा:

“बना रहेगा” अर्थात् “लम्बा समय बिताना या किसी कठिनाई को धीरज धरकर सहन करना.”

- इसका अर्थ यह भी है कि परीक्षा के समय हिम्मत न हारना वरन दृढ़ रहना.
- “धीरज” शब्द का अर्थ “सहनशीलता” या “परीक्षा में सहनशील बने रहना” या “सताव में सहनशीलता दिखाना.”
- विश्वासियों को प्रोत्साहित किया गया है कि “अन्त तक धीरज धरे रहें” अर्थात् उन्हें कहा गया है कि यीशु का आज्ञापालन करें चाहे इसके कारण उन्हें दुख भी उठाना पड़े.
- “क्लेश सहने” का अर्थ, “दुख उठाना” भी हो सकता है.

अनुवाद के सुझाव:

- “धीरज से सहते रहना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “डटा रहना” या “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर जो चाहता है वह करते रहना” या “दृढ़ खड़े रहना."
- कुछ संदर्भों में “धीरज से सहने” का अनुवाद हो सकता है, “अनुभव करना” या “भोगना.”
- दीर्घकालीन अभिप्राय में “सहन” का अनुवाद हो सकता है, “लम्बे समय रहना” या “होते रहना.” “सहन नहीं करे” का अनुवाद हो सकता है “सदैव नहीं रहेगा” या “अस्तित्व में नहीं रहेगा.”
- “धीरज” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दृढ़ता” या “विश्वास करते रहना” या “विश्वासयोग्य बने रहना.”

(यह भी देखें: धीरज धरना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:11-13
- याकूब 01:03
- याकूब 01:12
- लूका 21:19
- मत्ती 13:21
- प्रकाशितवाक्य 01:09
- रोमियो 05:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H386, H3201, H3557, H5331, H5375, H5975, G430, G907, G1526, G2005, G2076, G2594, G3306, G4722, G5278, G5281, G5297, G5342

बना रहेगा, धीरज धरेगा, सहते, स्थिर रहता, धीरज

परिभाषा:

"बना रहेगा" अर्थात् "लम्बा समय बिताना या किसी कठिनाई को धीरज धरकर सहन करना."

- इसका अर्थ यह भी है कि परीक्षा के समय हिम्मत न हारना वरन दृढ़ रहना.
- "धीरज" शब्द का अर्थ "सहनशीलता" या "परीक्षा में सहनशील बने रहना" या "सताव में सहनशीलता दिखाना."
- विश्वासियों को प्रोत्साहित किया गया है कि "अन्त तक धीरज धरे रहें" अर्थात् उन्हें कहा गया है कि यीशु का आज्ञापालन करें चाहे इसके कारण उन्हें दुख भी उठाना पड़े.
- "क्लेश सहने" का अर्थ, "दुख उठाना" भी हो सकता है.

अनुवाद के सुझाव:

- "धीरज से सहते रहना" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "डटा रहना" या "विश्वास करते रहना" या "परमेश्वर जो चाहता है वह करते रहना" या "दृढ़ खड़े रहना."
- कुछ संदर्भों में "धीरज से सहने" का अनुवाद हो सकता है, "अनुभव करना" या "भोगना."
- दीर्घकालीन अभिप्राय में "सहन" का अनुवाद हो सकता है, "लम्बे समय रहना" या "होते रहना." "सहन नहीं करे" का अनुवाद हो सकता है "सदैव नहीं रहेगा" या "अस्तित्व में नहीं रहेगा."
- "धीरज" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "दृढ़ता" या "विश्वास करते रहना" या "विश्वासयोग्य बने रहना."

(यह भी देखें: धीरज धरना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:11-13
- याकूब 01:03
- याकूब 01:12
- लूका 21:19
- मत्ती 13:21
- प्रकाशितवाक्य 01:09
- रोमियो 05:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H386, H3201, H3557, H5331, H5375, H5975, G430, G907, G1526, G2005, G2076, G2594, G3306, G4722, G5278, G5281, G5297, G5342

बना रहेगा, धीरज धरेगा, सहते, स्थिर रहता, धीरज

परिभाषा:

“बना रहेगा” अर्थात् “लम्बा समय बिताना या किसी कठिनाई को धीरज धरकर सहन करना.”

- इसका अर्थ यह भी है कि परीक्षा के समय हिम्मत न हारना वरन दृढ़ रहना.
- “धीरज” शब्द का अर्थ “सहनशीलता” या “परीक्षा में सहनशील बने रहना” या “सताव में सहनशीलता दिखाना.”
- विश्वासियों को प्रोत्साहित किया गया है कि “अन्त तक धीरज धरे रहें” अर्थात् उन्हें कहा गया है कि यीशु का आज्ञापालन करें चाहे इसके कारण उन्हें दुख भी उठाना पड़े.
- “क्लेश सहने” का अर्थ, “दुख उठाना” भी हो सकता है.

अनुवाद के सुझाव:

- “धीरज से सहते रहना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “डटा रहना” या “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर जो चाहता है वह करते रहना” या “दृढ़ खड़े रहना."
- कुछ संदर्भों में “धीरज से सहने” का अनुवाद हो सकता है, “अनुभव करना” या “भोगना.”
- दीर्घकालीन अभिप्राय में “सहन” का अनुवाद हो सकता है, “लम्बे समय रहना” या “होते रहना.” “सहन नहीं करे” का अनुवाद हो सकता है “सदैव नहीं रहेगा” या “अस्तित्व में नहीं रहेगा.”
- “धीरज” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दृढ़ता” या “विश्वास करते रहना” या “विश्वासयोग्य बने रहना.”

(यह भी देखें: धीरज धरना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:11-13
- याकूब 01:03
- याकूब 01:12
- लूका 21:19
- मत्ती 13:21
- प्रकाशितवाक्य 01:09
- रोमियो 05:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H386, H3201, H3557, H5331, H5375, H5975, G430, G907, G1526, G2005, G2076, G2594, G3306, G4722, G5278, G5281, G5297, G5342

बना रहेगा, धीरज धरेगा, सहते, स्थिर रहता, धीरज

परिभाषा:

“बना रहेगा” अर्थात् “लम्बा समय बिताना या किसी कठिनाई को धीरज धरकर सहन करना.”

- इसका अर्थ यह भी है कि परीक्षा के समय हिम्मत न हारना वरन दृढ़ रहना.
- “धीरज” शब्द का अर्थ “सहनशीलता” या “परीक्षा में सहनशील बने रहना” या “सताव में सहनशीलता दिखाना.”
- विश्वासियों को प्रोत्साहित किया गया है कि “अन्त तक धीरज धरे रहें” अर्थात् उन्हें कहा गया है कि यीशु का आज्ञापालन करें चाहे इसके कारण उन्हें दुख भी उठाना पड़े.
- “क्लेश सहने” का अर्थ, “दुख उठाना” भी हो सकता है.

अनुवाद के सुझाव:

- “धीरज से सहते रहना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “डटा रहना” या “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर जो चाहता है वह करते रहना” या “दृढ़ खड़े रहना."
- कुछ संदर्भों में “धीरज से सहने” का अनुवाद हो सकता है, “अनुभव करना” या “भोगना.”
- दीर्घकालीन अभिप्राय में “सहन” का अनुवाद हो सकता है, “लम्बे समय रहना” या “होते रहना.” “सहन नहीं करे” का अनुवाद हो सकता है “सदैव नहीं रहेगा” या “अस्तित्व में नहीं रहेगा.”
- “धीरज” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दृढ़ता” या “विश्वास करते रहना” या “विश्वासयोग्य बने रहना.”

(यह भी देखें: धीरज धरना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:11-13
- याकूब 01:03
- याकूब 01:12
- लूका 21:19
- मत्ती 13:21
- प्रकाशितवाक्य 01:09
- रोमियो 05:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H386, H3201, H3557, H5331, H5375, H5975, G430, G907, G1526, G2005, G2076, G2594, G3306, G4722, G5278, G5281, G5297, G5342

बना रहेगा, धीरज धरेगा, सहते, स्थिर रहता, धीरज

परिभाषा:

"बना रहेगा" अर्थात् "लम्बा समय बिताना या किसी कठिनाई को धीरज धरकर सहन करना."

- इसका अर्थ यह भी है कि परीक्षा के समय हिम्मत न हारना वरन दृढ़ रहना.
- "धीरज" शब्द का अर्थ "सहनशीलता" या "परीक्षा में सहनशील बने रहना" या "सताव में सहनशीलता दिखाना."
- विश्वासियों को प्रोत्साहित किया गया है कि "अन्त तक धीरज धरे रहें" अर्थात् उन्हें कहा गया है कि यीशु का आज्ञापालन करें चाहे इसके कारण उन्हें दुख भी उठाना पड़े.
- "क्लेश सहने" का अर्थ, "दुख उठाना" भी हो सकता है.

अनुवाद के सुझाव:

- "धीरज से सहते रहना" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "डटा रहना" या "विश्वास करते रहना" या "परमेश्वर जो चाहता है वह करते रहना" या "दृढ़ खड़े रहना."
- कुछ संदर्भों में "धीरज से सहने" का अनुवाद हो सकता है, "अनुभव करना" या "भोगना."
- दीर्घकालीन अभिप्राय में "सहन" का अनुवाद हो सकता है, "लम्बे समय रहना" या "होते रहना." "सहन नहीं करे" का अनुवाद हो सकता है "सदैव नहीं रहेगा" या "अस्तित्व में नहीं रहेगा."
- "धीरज" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "दृढ़ता" या "विश्वास करते रहना" या "विश्वासयोग्य बने रहना."

(यह भी देखें: धीरज धरना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:11-13
- याकूब 01:03
- याकूब 01:12
- लूका 21:19
- मत्ती 13:21
- प्रकाशितवाक्य 01:09
- रोमियो 05:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H386, H3201, H3557, H5331, H5375, H5975, G430, G907, G1526, G2005, G2076, G2594, G3306, G4722, G5278, G5281, G5297, G5342

बन्दीगृह, बन्दी, बन्दी, बन्दीगृह, कैद में, कैद में, बन्दी बनाना, बन्दी बनना, बन्दी बनना

परिभाषा:

“बन्दीगृह” वह स्थान है जहाँ अपराधियों को उनके अपराध का दण्ड देने के लिए रखा जाता है। “बन्दी” वह व्यक्ति जो बन्दीगृह में रखा गया है।

- अभियुक्त को अभियोग के समय तक बन्दीगृह में रखा जाता है।
- “बन्दी बनाया” अर्थात् “बन्दीगृह में रखा” या “दासत्व में रखा”।
- अनेक भविष्यद्वक्ता और परमेश्वर के सेवक निरपराध बन्दीगृह में डाले गए थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “बन्दीगृह” का दूसरा शब्द “कारावास” है।
- इस शब्द का अनुवाद “कालकोठरी” भी किया जा सकता है, जब कारावास किसी भवन या राजमहल के तहखाने में हो।
- “बन्दी” का संदर्भ उन लोगों से भी हो सकता है जिन्हें उनके शत्रु बन्दी बनाकर उनकी इच्छा के विरूद्ध किसी स्थान में रखते हैं। इसका अनुवाद “दास” भी किया जा सकता है।
- “बन्दी बनाने” के अनुवाद हो सकते हैं, “बन्दी बनाकर रखना” या “दासता में रखना” या “कैद कर लेना”

(यह भी देखें: बन्दी बनाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 25:4-5
- इफिसियों 04:1-3
- लूका 12:57-59
- लूका 22:33-34
- मरकुस 06:16-17
- मत्ती 05:25-26
- मत्ती 14:3-5
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H612, H613, H615, H616, H631, H1004, H1540, H3608, H3628, H3947, H4115, H4307, H4455, H4525, H4929, H5470, H6115, H6495, H7617, H7622, H7628, G1198, G1199, G1200, G1201, G1202, G1210, G2252, G3612, G4788, G4869, G5083, G5084, G5438, G5439

बन्दीगृह, बन्दी, बन्दी, बन्दीगृह, कैद में, कैद में, बन्दी बनाना, बन्दी बनना, बन्दी बनना

परिभाषा:

“बन्दीगृह” वह स्थान है जहाँ अपराधियों को उनके अपराध का दण्ड देने के लिए रखा जाता है। “बन्दी” वह व्यक्ति जो बन्दीगृह में रखा गया है।

- अभियुक्त को अभियोग के समय तक बन्दीगृह में रखा जाता है।
- “बन्दी बनाया” अर्थात् “बन्दीगृह में रखा” या “दासत्व में रखा”।
- अनेक भविष्यद्वक्ता और परमेश्वर के सेवक निरपराध बन्दीगृह में डाले गए थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “बन्दीगृह” का दूसरा शब्द “कारावास” है।
- इस शब्द का अनुवाद “कालकोठरी” भी किया जा सकता है, जब कारावास किसी भवन या राजमहल के तहखाने में हो।
- “बन्दी” का संदर्भ उन लोगों से भी हो सकता है जिन्हें उनके शत्रु बन्दी बनाकर उनकी इच्छा के विरूद्ध किसी स्थान में रखते हैं। इसका अनुवाद “दास” भी किया जा सकता है।
- “बन्दी बनाने” के अनुवाद हो सकते हैं, “बन्दी बनाकर रखना” या “दासता में रखना” या “कैद कर लेना”

(यह भी देखें: बन्दी बनाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 25:4-5
- इफिसियों 04:1-3
- लूका 12:57-59
- लूका 22:33-34
- मरकुस 06:16-17
- मत्ती 05:25-26
- मत्ती 14:3-5
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H612, H613, H615, H616, H631, H1004, H1540, H3608, H3628, H3947, H4115, H4307, H4455, H4525, H4929, H5470, H6115, H6495, H7617, H7622, H7628, G1198, G1199, G1200, G1201, G1202, G1210, G2252, G3612, G4788, G4869, G5083, G5084, G5438, G5439

बन्दीगृह, बन्दी, बन्दी, बन्दीगृह, कैद में, कैद में, बन्दी बनाना, बन्दी बनना, बन्दी बनना

परिभाषा:

“बन्दीगृह” वह स्थान है जहाँ अपराधियों को उनके अपराध का दण्ड देने के लिए रखा जाता है। “बन्दी” वह व्यक्ति जो बन्दीगृह में रखा गया है।

- अभियुक्त को अभियोग के समय तक बन्दीगृह में रखा जाता है।
- “बन्दी बनाया” अर्थात् “बन्दीगृह में रखा” या “दासत्व में रखा”।
- अनेक भविष्यद्वक्ता और परमेश्वर के सेवक निरपराध बन्दीगृह में डाले गए थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “बन्दीगृह” का दूसरा शब्द “कारावास” है।
- इस शब्द का अनुवाद “कालकोठरी” भी किया जा सकता है, जब कारावास किसी भवन या राजमहल के तहखाने में हो।
- “बन्दी” का संदर्भ उन लोगों से भी हो सकता है जिन्हें उनके शत्रु बन्दी बनाकर उनकी इच्छा के विरूद्ध किसी स्थान में रखते हैं। इसका अनुवाद “दास” भी किया जा सकता है।
- “बन्दी बनाने” के अनुवाद हो सकते हैं, “बन्दी बनाकर रखना” या “दासता में रखना” या “कैद कर लेना”

(यह भी देखें: बन्दी बनाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 25:4-5
- इफिसियों 04:1-3
- लूका 12:57-59
- लूका 22:33-34
- मरकुस 06:16-17
- मत्ती 05:25-26
- मत्ती 14:3-5
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H612, H613, H615, H616, H631, H1004, H1540, H3608, H3628, H3947, H4115, H4307, H4455, H4525, H4929, H5470, H6115, H6495, H7617, H7622, H7628, G1198, G1199, G1200, G1201, G1202, G1210, G2252, G3612, G4788, G4869, G5083, G5084, G5438, G5439

बन्दीगृह, बन्दी, बन्दी, बन्दीगृह, कैद में, कैद में, बन्दी बनाना, बन्दी बनना, बन्दी बनना

परिभाषा:

"बन्दीगृह" वह स्थान है जहाँ अपराधियों को उनके अपराध का दण्ड देने के लिए रखा जाता है। "बन्दी" वह व्यक्ति जो बन्दीगृह में रखा गया है।

- अभियुक्त को अभियोग के समय तक बन्दीगृह में रखा जाता है।
- "बन्दी बनाया" अर्थात् "बन्दीगृह में रखा" या "दासत्व में रखा"।
- अनेक भविष्यद्वक्ता और परमेश्वर के सेवक निरपराध बन्दीगृह में डाले गए थे।

अनुवाद के सुझाव:

- "बन्दीगृह" का दूसरा शब्द "कारावास" है।
- इस शब्द का अनुवाद "कालकोठरी" भी किया जा सकता है, जब कारावास किसी भवन या राजमहल के तहखाने में हो।
- "बन्दी" का संदर्भ उन लोगों से भी हो सकता है जिन्हें उनके शत्रु बन्दी बनाकर उनकी इच्छा के विरूद्ध किसी स्थान में रखते हैं। इसका अनुवाद "दास" भी किया जा सकता है।
- "बन्दी बनाने" के अनुवाद हो सकते हैं, "बन्दी बनाकर रखना" या "दासता में रखना" या "कैद कर लेना"

(यह भी देखें: बन्दी बनाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 25:4-5
- इफिसियों 04:1-3
- लूका 12:57-59
- लूका 22:33-34
- मरकुस 06:16-17
- मत्ती 05:25-26
- मत्ती 14:3-5
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H612, H613, H615, H616, H631, H1004, H1540, H3608, H3628, H3947, H4115, H4307, H4455, H4525, H4929, H5470, H6115, H6495, H7617, H7622, H7628, G1198, G1199, G1200, G1201, G1202, G1210, G2252, G3612, G4788, G4869, G5083, G5084, G5438, G5439

बरअब्बा

तथ्य:

जब यीशु को बन्दी बनाया गया उस समय बरअब्बा यरूशलेम में एक बन्दी था।

- बरअब्बा एक अपराधी था जिसने हत्याएं की थी और रोमी सरकार के विरूद्ध विद्रोह किया था।
- जब पेन्तुस पिलातुस ने बरअब्बा और यीशु में से एक को छोड़ देने का प्रस्ताव रखा तो प्रजा ने बरअब्बा को चुना।
- अतः पिलातुस ने बरअब्बा को छोड़ दिया और यीशु को मृत्यु दण्ड दिया।

(यह भी देखें: पिलातुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 18:38-40
- लूका 23:18-19
- मरकुस 15:6-8
- मत्ती 27:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G912

बरअब्बा

तथ्य:

जब यीशु को बन्दी बनाया गया उस समय बरअब्बा यरूशलेम में एक बन्दी था।

- बरअब्बा एक अपराधी था जिसने हत्याएं की थी और रोमी सरकार के विरूद्ध विद्रोह किया था।
- जब पेन्तुस पिलातुस ने बरअब्बा और यीशु में से एक को छोड़ देने का प्रस्ताव रखा तो प्रजा ने बरअब्बा को चुना।
- अत: पिलातुस ने बरअब्बा को छोड़ दिया और यीशु को मृत्यु दण्ड दिया।

(यह भी देखें: पिलातुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 18:38-40
- लूका 23:18-19
- मरकुस 15:6-8
- मत्ती 27:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G912

बरअब्बा

तथ्य:

जब यीशु को बन्दी बनाया गया उस समय बरअब्बा यरूशलेम में एक बन्दी था।

- बरअब्बा एक अपराधी था जिसने हत्याएं की थी और रोमी सरकार के विरूद्ध विद्रोह किया था।
- जब पेन्तुस पिलातुस ने बरअब्बा और यीशु में से एक को छोड़ देने का प्रस्ताव रखा तो प्रजा ने बरअब्बा को चुना।
- अत: पिलातुस ने बरअब्बा को छोड़ दिया और यीशु को मृत्यु दण्ड दिया।

(यह भी देखें: पिलातुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 18:38-40
- लूका 23:18-19
- मरकुस 15:6-8
- मत्ती 27:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G912

बरअब्बा

तथ्य:

जब यीशु को बन्दी बनाया गया उस समय बरअब्बा यरूशलेम में एक बन्दी था।

- बरअब्बा एक अपराधी था जिसने हत्याएं की थी और रोमी सरकार के विरूद्ध विद्रोह किया था।
- जब पेन्तुस पिलातुस ने बरअब्बा और यीशु में से एक को छोड़ देने का प्रस्ताव रखा तो प्रजा ने बरअब्बा को चुना।
- अत: पिलातुस ने बरअब्बा को छोड़ दिया और यीशु को मृत्यु दण्ड दिया।

(यह भी देखें: पिलातुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 18:38-40
- लूका 23:18-19
- मरकुस 15:6-8
- मत्ती 27:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G912

बरतुल्मै

तथ्य:

बरतुल्मै यीशु के बारह चेलों में से एक था।

- अन्य चेलों के साथ बरतुल्मै को सुसमाचार प्रचार और यीशु के नाम में आश्चर्यकर्म करने के लिए भेजा गया था।
- वह भी यीशु के स्वर्गारोहण के साक्षात गवाहों में था।
- कुछ सप्ताह बाद पिन्तेकुस्त के दिन जब शिष्यों पर पवित्र-आत्मा उतरा तब वह भी यरूशलेम नगर में अन्य शिष्यों के साथ था।

(यह भी देखें: प्रेरित, शुभ समाचार, पवित्र आत्मा, चमत्कार, पिन्तेकुस्त, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: G918

बरतुल्मै

तथ्य:

बरतुल्मै यीशु के बारह चेलों में से एक था।

- अन्य चेलों के साथ बरतुल्मै को सुसमाचार प्रचार और यीशु के नाम में आश्चर्यकर्म करने के लिए भेजा गया था।
- वह भी यीशु के स्वर्गारोहण के साक्षात गवाहों में था।
- कुछ सप्ताह बाद पिन्तेकुस्त के दिन जब शिष्यों पर पवित्र-आत्मा उतरा तब वह भी यरूशलेम नगर में अन्य शिष्यों के साथ था।

(यह भी देखें: प्रेरित, शुभ समाचार, पवित्र आत्मा, चमत्कार, पिन्तेकुस्त, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: G918

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बरतुल्मै

तथ्य:

बरतुल्मै यीशु के बारह चेलों में से एक था।

- अन्य चेलों के साथ बरतुल्मै को सुसमाचार प्रचार और यीशु के नाम में आश्चर्यकर्म करने के लिए भेजा गया था।
- वह भी यीशु के स्वर्गारोहण के साक्षात गवाहों में था।
- कुछ सप्ताह बाद पिन्तेकुस्त के दिन जब शिष्यों पर पवित्र-आत्मा उतरा तब वह भी यरूशलेम नगर में अन्य शिष्यों के साथ था।

(यह भी देखें: प्रेरित, शुभ समाचार, पवित्र आत्मा, चमत्कार, पिन्तेकुस्त, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: G918

बरतुल्मै

तथ्य:

बरतुल्मै यीशु के बारह चेलों में से एक था।

- अन्य चेलों के साथ बरतुल्मै को सुसमाचार प्रचार और यीशु के नाम में आश्चर्यकर्म करने के लिए भेजा गया था।
- वह भी यीशु के स्वर्गारोहण के साक्षात गवाहों में था।
- कुछ सप्ताह बाद पिन्तेकुस्त के दिन जब शिष्यों पर पवित्र-आत्मा उतरा तब वह भी यरूशलेम नगर में अन्य शिष्यों के साथ था।

(यह भी देखें: प्रेरित, शुभ समाचार, पवित्र आत्मा, चमत्कार, पिन्तेकुस्त, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: G918

बरनबास

तथ्य:

प्रेरितों के समय में वास करनेवाला बरनबास एक आरंभिक मसीही विश्वासी था।

- बरनबास इस्राएल के लेवी गोत्र का था जो कुप्रुस द्वीप का निवासी था।
- शाऊल (पौलुस) ने जब यीशु को स्वीकार किया तब बरनबास ने अन्य विश्वासियों से आग्रह किया कि वे उसे स्वीकार कर ले।
- बरनबास और पौलुस एक साथ विभिन्न नगरों में गए कि वहां यीशु के बारे में शुभ सन्देश सुनाए।
- उसका नाम यूसुफ था परन्तु उसे "बरनबास" अर्थात प्रोत्साहन का पुत्र कहा जाता था।

(यह भी देखें: मसीही, साइप्रस, शुभ समाचार, लेवी, पौलुस)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:36-37
- प्रे.का. 11:25-26
- प्रे.का. 13:1-3
- प्रे.का. 15:33-35
- कुलुस्सियों 04:10-11
- गलातियों 02:9-10
- गलातियों 02:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए। I
- **46:10** एक दिन जब अन्ताकिया की कलीसिया के मसीही उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा, "मेरे लिये बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिसके लिये मैं ने उन्हें बुलाया है।" तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G921

बरनबास

तथ्य:

प्रेरितों के समय में वास करनेवाला बरनबास एक आरंभिक मसीही विश्वासी था।

- बरनबास इस्राएल के लेवी गोत्र का था जो कुप्रुस द्वीप का निवासी था।
- शाऊल (पौलुस) ने जब यीशु को स्वीकार किया तब बरनबास ने अन्य विश्वासियों से आग्रह किया कि वे उसे स्वीकार कर ले।
- बरनबास और पौलुस एक साथ विभिन्न नगरों में गए कि वहां यीशु के बारे में शुभ सन्देश सुनाए।
- उसका नाम यूसुफ था परन्तु उसे "बरनबास" अर्थात प्रोत्साहन का पुत्र कहा जाता था।

(यह भी देखें: मसीही, साइप्रस, शुभ समाचार, लेवी, पौलुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:36-37
- प्रे.का. 11:25-26
- प्रे.का. 13:1-3
- प्रे.का. 15:33-35
- कुलुस्सियों 04:10-11
- गलातियों 02:9-10
- गलातियों 02:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए। I
- **46:10** एक दिन जब अन्ताकिया की कलीसिया के मसीही उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा, "मेरे लिये बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिसके लिये मैं ने उन्हें बुलाया है।" तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G921

बरनबास

तथ्य:

प्रेरितों के समय में वास करनेवाला बरनबास एक आरंभिक मसीही विश्वासी था।

- बरनबास इस्राएल के लेवी गोत्र का था जो कुप्रुस द्वीप का निवासी था।
- शाऊल (पौलुस) ने जब यीशु को स्वीकार किया तब बरनबास ने अन्य विश्वासियों से आग्रह किया कि वे उसे स्वीकार कर ले।
- बरनबास और पौलुस एक साथ विभिन्न नगरों में गए कि वहां यीशु के बारे में शुभ सन्देश सुनाए।
- उसका नाम यूसुफ था परन्तु उसे "बरनबास" अर्थात प्रोत्साहन का पुत्र कहा जाता था।

(यह भी देखें: मसीही, साइप्रस, शुभ समाचार, लेवी, पौलुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:36-37
- प्रे.का. 11:25-26
- प्रे.का. 13:1-3
- प्रे.का. 15:33-35
- कुलुस्सियों 04:10-11
- गलातियों 02:9-10
- गलातियों 02:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए। I
- **46:10** एक दिन जब अन्ताकिया की कलीसिया के मसीही उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा, "मेरे लिये बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिसके लिये मैं ने उन्हें बुलाया है।" तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G921

बरनबास

तथ्य:

प्रेरितों के समय में वास करनेवाला बरनबास एक आरंभिक मसीही विश्वासी था।

- बरनबास इस्राएल के लेवी गोत्र का था जो कुप्रुस द्वीप का निवासी था।
- शाऊल (पौलुस) ने जब यीशु को स्वीकार किया तब बरनबास ने अन्य विश्वासियों से आग्रह किया कि वे उसे स्वीकार कर ले।
- बरनबास और पौलुस एक साथ विभिन्न नगरों में गए कि वहां यीशु के बारे में शुभ सन्देश सुनाए।
- उसका नाम यूसुफ था परन्तु उसे "बरनबास" अर्थात प्रोत्साहन का पुत्र कहा जाता था।

(यह भी देखें: मसीही, साइप्रस, शुभ समाचार, लेवी, पौलुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:36-37
- प्रे.का. 11:25-26
- प्रे.का. 13:1-3
- प्रे.का. 15:33-35
- कुलुस्सियों 04:10-11
- गलातियों 02:9-10
- गलातियों 02:13-14

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।
- **46:09** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए। I
- **46:10** एक दिन जब अन्ताकिया की कलीसिया के मसीही उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा, "मेरे लिये बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिसके लिये मैं ने उन्हें बुलाया है।" तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाउल और बरनबास के लिए प्रार्थना करी और उन पर हाथ रखा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G921

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे"।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510,

H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे"।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।

- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे"।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।

- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे”।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे”।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”

- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे”।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे”।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे”।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।

- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे"।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।

- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे"।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे"।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।

- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे"।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे"।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे”।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।

- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे"।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।

- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे"।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे"।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।

- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे"।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

- “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
- परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
- भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
- दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

अनुवाद के सुझाव

- “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
- आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
- निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
- “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
- “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
- "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे"।
- "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
- “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
- “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
- “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
- “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
- “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: विश्वासयोग्य, धीरज धरना, दाहिना हाथ, उद्धार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:1-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूका 10:2-28
- भजन संहिता 021:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

बलवा , बलवा, बलवा किया, विद्रोह, विद्रोही, बलवाई, विद्रोह शीलता

परिभाषा:

“बलवा” शब्द का अर्थ है किसी के अधिकार के अधीन होने से इन्कार करना। “बलवा करने वाला” आज्ञा नहीं मानता है और बुरा काम करता है। ऐसा मनुष्य “बलवाई” कहलाता है

- मनुष्य बलवा करता है जब वह ऐसा काम करता है जिसके लिए अधिकारियों ने मना किया है।
- मनुष्य अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट कार्य न करे तो वह बलवा करता है।
- कभी-कभी मनुष्य अपने सरकार या शासकों से भी बलवा (विद्रोह) करते हैं।
- प्रकरण के अनुसार “बलवा करना” का अनुवाद “आज्ञा न मानना” या “विद्रोह करना” भी हो सकता है।
- “बलवाई” का अनुवाद “लगातार अवज्ञाकारी” या “आज्ञापालन से इन्कार” भी किया जा सकता है।
- “बलवा” का अर्थ है, “आज्ञा मानने से इन्कार” या “अवज्ञा” या “नियम विरोधी”
- “बलवा” का संदर्भ एक संगठित जनसमूह से भी हो सकता है जो नियम को तोड़कर अगुओं और जनता पर सार्वजनिक आक्रमण कर देते हैं। ये लोग अन्य मनुष्यों को भी साथ देने के लिए भड़काते हैं।

(यह भी देखें: अधिकारी, शासन करना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 12:18-19
- 1 शमूएल 12:14
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 2 इतिहास 10:17-19
- प्रेरि. 21:37-38
- लूका 23:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:14** इस्राएलियों के चालीस वर्ष तक जंगल में भटकने के बाद, वह सभी जो परमेश्वर के विरुद्ध बोलते थे मर गए।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध बलवा किया।
- **18:09** यारोबाम ने परमेश्वर का विद्रोह किया और लोगों को पाप में धकेल दिया।
- **18:13** यहूदा के बहुत से लोग परमेश्वर के विरुद्ध हो गए और अन्य देवताओं की उपासना करने लगे।
- **20:07** परन्तु कुछ वर्षों के बाद, यहूदा के राजा ने बेबीलोन के विरुद्ध विद्रोह किया।
- **45:03** फिर स्तिफनुस ने कहा, “हे हठीले और परमेश्वर से बलवा करने वालों, तुम सदा पवित्र आत्मा का विरोध करते हो, जैसा तुम्हारे पूर्वजों ने सदैव परमेश्वर का विरोध किया और उसके भविष्यवक्ताओं को मार डाला।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4775, H4776, H4777, H4779, H4780, H4784, H4805, H5327, H5627, H5637, H6586, H6588, H7846, G3893, G4955

बलवा , बलवा, बलवा किया, विद्रोह, विद्रोही, बलवाई, विद्रोह शीलता

परिभाषा:

“बलवा” शब्द का अर्थ है किसी के अधिकार के अधीन होने से इन्कार करना। “बलवा करने वाला” आज्ञा नहीं मानता है और बुरा काम करता है। ऐसा मनुष्य “बलवाई” कहलाता है

- मनुष्य बलवा करता है जब वह ऐसा काम करता है जिसके लिए अधिकारियों ने मना किया है।
- मनुष्य अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट कार्य न करे तो वह बलवा करता है।
- कभी-कभी मनुष्य अपने सरकार या शासकों से भी बलवा (विद्रोह) करते हैं।
- प्रकरण के अनुसार “बलवा करना” का अनुवाद “आज्ञा न मानना” या “विद्रोह करना” भी हो सकता है।
- “बलवाई” का अनुवाद “लगातार अवज्ञाकारी” या “आज्ञापालन से इन्कार” भी किया जा सकता है।
- “बलवा” का अर्थ है, “आज्ञा मानने से इन्कार” या “अवज्ञा” या “नियम विरोधी”
- “बलवा” का संदर्भ एक संगठित जनसमूह से भी हो सकता है जो नियम को तोड़कर अगुओं और जनता पर सार्वजनिक आक्रमण कर देते हैं। ये लोग अन्य मनुष्यों को भी साथ देने के लिए भड़काते हैं।

(यह भी देखें: अधिकारी, शासन करना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 12:18-19
- 1 शमूएल 12:14
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 2 इतिहास 10:17-19
- प्रेरि. 21:37-38
- लूका 23:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:14** इस्राएलियों के चालीस वर्ष तक जंगल में भटकने के बाद, वह सभी जो परमेश्वर के विरुद्ध बोलते थे मर गए।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध बलवा किया।
- **18:09** यारोबाम ने परमेश्वर का विद्रोह किया और लोगों को पाप में धकेल दिया।
- **18:13** यहूदा के बहुत से लोग परमेश्वर के विरुद्ध हो गए और अन्य देवताओं की उपासना करने लगे।
- **20:07** परन्तु कुछ वर्षों के बाद, यहूदा के राजा ने बेबीलोन के विरुद्ध विद्रोह किया।
- **45:03** फिर स्तिफनुस ने कहा, “हे हठीले और परमेश्वर से बलवा करने वालों, तुम सदा पवित्र आत्मा का विरोध करते हो, जैसा तुम्हारे पूर्वजों ने सदैव परमेश्वर का विरोध किया और उसके भविष्यवक्ताओं को मार डाला।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4775, H4776, H4777, H4779, H4780, H4784, H4805, H5327, H5627, H5637, H6586, H6588, H7846, G3893, G4955

बलवा , बलवा, बलवा किया, विद्रोह, विद्रोही, बलवाई, विद्रोह शीलता

परिभाषा:

“बलवा” शब्द का अर्थ है किसी के अधिकार के अधीन होने से इन्कार करना। “बलवा करने वाला” आज्ञा नहीं मानता है और बुरा काम करता है। ऐसा मनुष्य “बलवाई” कहलाता है

- मनुष्य बलवा करता है जब वह ऐसा काम करता है जिसके लिए अधिकारियों ने मना किया है।
- मनुष्य अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट कार्य न करे तो वह बलवा करता है।
- कभी-कभी मनुष्य अपने सरकार या शासकों से भी बलवा (विद्रोह) करते हैं।
- प्रकरण के अनुसार “बलवा करना” का अनुवाद “आज्ञा न मानना” या “विद्रोह करना” भी हो सकता है।
- “बलवाई” का अनुवाद “लगातार अवज्ञाकारी” या “आज्ञापालन से इन्कार” भी किया जा सकता है।
- “बलवा” का अर्थ है, “आज्ञा मानने से इन्कार” या “अवज्ञा” या “नियम विरोधी”
- “बलवा” का संदर्भ एक संगठित जनसमूह से भी हो सकता है जो नियम को तोड़कर अगुओं और जनता पर सार्वजनिक आक्रमण कर देते हैं। ये लोग अन्य मनुष्यों को भी साथ देने के लिए भड़काते हैं।

(यह भी देखें: अधिकारी, शासन करना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 12:18-19
- 1 शमूएल 12:14
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 2 इतिहास 10:17-19
- प्रेरि. 21:37-38
- लूका 23:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:14** इस्राएलियों के चालीस वर्ष तक जंगल में भटकने के बाद, वह सभी जो परमेश्वर के विरुद्ध बोलते थे मर गए।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध बलवा किया।
- **18:09** यारोबाम ने परमेश्वर का विद्रोह किया और लोगों को पाप में धकेल दिया।
- **18:13** यहूदा के बहुत से लोग परमेश्वर के विरुद्ध हो गए और अन्य देवताओं की उपासना करने लगे।
- **20:07** परन्तु कुछ वर्षों के बाद, यहूदा के राजा ने बेबीलोन के विरुद्ध विद्रोह किया।

- **45:03** फिर स्तिफनुस ने कहा, “हे हठीले और परमेश्वर से बलवा करने वालों, तुम सदा पवित्र आत्मा का विरोध करते हो, जैसा तुम्हारे पूर्वजों ने सदैव परमेश्वर का विरोध किया और उसके भविष्यवक्ताओं को मार डाला।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4775, H4776, H4777, H4779, H4780, H4784, H4805, H5327, H5627, H5637, H6586, H6588, H7846, G3893, G4955

बलवा , बलवा, बलवा किया, विद्रोह, विद्रोही, बलवाई, विद्रोह शीलता

परिभाषा:

“बलवा” शब्द का अर्थ है किसी के अधिकार के अधीन होने से इन्कार करना। “बलवा करने वाला” आज्ञा नहीं मानता है और बुरा काम करता है। ऐसा मनुष्य “बलवाई” कहलाता है

- मनुष्य बलवा करता है जब वह ऐसा काम करता है जिसके लिए अधिकारियों ने मना किया है।
- मनुष्य अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट कार्य न करे तो वह बलवा करता है।
- कभी-कभी मनुष्य अपने सरकार या शासकों से भी बलवा (विद्रोह) करते हैं।
- प्रकरण के अनुसार “बलवा करना” का अनुवाद “आज्ञा न मानना” या “विद्रोह करना” भी हो सकता है।
- “बलवाई” का अनुवाद “लगातार अवज्ञाकारी” या “आज्ञापालन से इन्कार” भी किया जा सकता है।
- “बलवा” का अर्थ है, “आज्ञा मानने से इन्कार” या “अवज्ञा” या “नियम विरोधी”
- “बलवा” का संदर्भ एक संगठित जनसमूह से भी हो सकता है जो नियम को तोड़कर अगुओं और जनता पर सार्वजनिक आक्रमण कर देते हैं। ये लोग अन्य मनुष्यों को भी साथ देने के लिए भड़काते हैं।

(यह भी देखें: अधिकारी, शासन करना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 12:18-19
- 1 शमूएल 12:14
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 2 इतिहास 10:17-19
- प्रेरि. 21:37-38
- लूका 23:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:14** इस्राएलियों के चालीस वर्ष तक जंगल में भटकने के बाद, वह सभी जो परमेश्वर के विरुद्ध बोलते थे मर गए।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध बलवा किया।
- **18:09** यारोबाम ने परमेश्वर का विद्रोह किया और लोगों को पाप में धकेल दिया।
- **18:13** यहूदा के बहुत से लोग परमेश्वर के विरुद्ध हो गए और अन्य देवताओं की उपासना करने लगे।
- **20:07** परन्तु कुछ वर्षों के बाद, यहूदा के राजा ने बेबीलोन के विरुद्ध विद्रोह किया।
- **45:03** फिर स्तिफनुस ने कहा, “हे हठीले और परमेश्वर से बलवा करने वालों, तुम सदा पवित्र आत्मा का विरोध करते हो, जैसा तुम्हारे पूर्वजों ने सदैव परमेश्वर का विरोध किया और उसके भविष्यवक्ताओं को मार डाला।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4775, H4776, H4777, H4779, H4780, H4784, H4805, H5327, H5627, H5637, H6586, H6588, H7846, G3893, G4955

बलवा , बलवा, बलवा किया, विद्रोह, विद्रोही, बलवाई, विद्रोह शीलता

परिभाषा:

“बलवा” शब्द का अर्थ है किसी के अधिकार के अधीन होने से इन्कार करना। “बलवा करने वाला” आज्ञा नहीं मानता है और बुरा काम करता है। ऐसा मनुष्य “बलवाई” कहलाता है

- मनुष्य बलवा करता है जब वह ऐसा काम करता है जिसके लिए अधिकारियों ने मना किया है।
- मनुष्य अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट कार्य न करे तो वह बलवा करता है।

- कभी-कभी मनुष्य अपने सरकार या शासकों से भी बलवा (विद्रोह) करते हैं।
- प्रकरण के अनुसार “बलवा करना” का अनुवाद “आज्ञा न मानना” या “विद्रोह करना” भी हो सकता है।
- “बलवाई” का अनुवाद “लगातार अवज्ञाकारी” या “आज्ञापालन से इन्कार” भी किया जा सकता है।
- “बलवा” का अर्थ है, “आज्ञा मानने से इन्कार” या “अवज्ञा” या “नियम विरोधी”
- “बलवा” का संदर्भ एक संगठित जनसमूह से भी हो सकता है जो नियम को तोड़कर अगुओं और जनता पर सार्वजनिक आक्रमण कर देते हैं। ये लोग अन्य मनुष्यों को भी साथ देने के लिए भड़काते हैं।

(यह भी देखें: अधिकारी, शासन करना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 12:18-19
- 1 शमूएल 12:14
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 2 इतिहास 10:17-19
- प्रेरि. 21:37-38
- लूका 23:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:14** इस्राएलियों के चालीस वर्ष तक जंगल में भटकने के बाद, वह सभी जो परमेश्वर के विरुद्ध बोलते थे मर गए।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध बलवा किया।
- **18:09** यारोबाम ने परमेश्वर का विद्रोह किया और लोगों को पाप में धकेल दिया।
- **18:13** यहूदा के बहुत से लोग परमेश्वर के विरुद्ध हो गए और अन्य देवताओं की उपासना करने लगे।
- **20:07** परन्तु कुछ वर्षों के बाद, यहूदा के राजा ने बेबीलोन के विरुद्ध विद्रोह किया।
- **45:03** फिर स्तिफनुस ने कहा, “हे हठीले और परमेश्वर से बलवा करने वालों, तुम सदा पवित्र आत्मा का विरोध करते हो, जैसा तुम्हारे पूर्वजों ने सदैव परमेश्वर का विरोध किया और उसके भविष्यवक्ताओं को मार डाला।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4775, H4776, H4777, H4779, H4780, H4784, H4805, H5327, H5627, H5637, H6586, H6588, H7846, G3893, G4955

बलिदान करना, बलि, भेंट, भेंट की वस्तुओं

परिभाषा:

बाइबल में "बलि" और "भेंट का" संदर्भ परमेश्वर की आराधना में विशेष भेंट चढ़ाने से है। लोगों ने भी झूठे देवताओं के लिए बलिदान चढ़ाये।

बलि

- परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाने में प्रायः पशु को वध किया जाता था।
- केवल यीशु- परमेश्वर का सिद्ध निष्पाप पुत्र, की बलि मनुष्यों के पापों से पूर्ण शोधन प्रदान कर सकती है, जानवरों का बलिदान कभी ऐसा नहीं कर सकता था।

भेंट

- "भेंट" शब्द का अर्थ है सामान्यतः है कि जो कुछ भी चढ़ाया गया था दिया गया। "बलि" का संदर्भ उस हर एक बात से था जो चढ़ाने वाले के लिए बहुत मूल्य की होती थी।
- परमेंश्वर के लिए भेंट को विशिष्ट चीजें थीं, जिन्हें उसने इस्राएलियों को भक्ति और आज्ञाकारिता व्यक्त करने के लिए आदेश दिया था।
- विभिन्न बलियों के नाम थे "होमबलि" और "मेलबलि" आदि से प्रकट था कि कैसी बलि चढ़ाए।

अनुवाद सुझाव

- "चढ़ाओ" का अनुवाद "परमेश्वर के लिए भेंट" या "परमेश्वर को दी हुई कोई वस्तु" या "कोई मूल्यवान वस्तु जो परमेश्वर को दी गई है" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, शब्द "बलि" का अनुवाद "आराधना में कुछ मूल्यवान" या "एक विशेष जानवर को मार डाला और परमेश्वर को दिया गया" के रूप में भी किया जा सकता है।

- "बलिदान के लिए" क्रिया का अनुवाद "मूल्यवान" या "किसी जानवर को मारने और इसे परमेश्वर को दे" देने के लिए किया जा सकता है।
- "जीवित बलिदान के रूप में अपने आप को पेश करने" का अनुवाद करने का एक और तरीका हो सकता है "जैसे कि आप अपना जीवन जीते हैं, अपने आप को परमेश्वर के लिए पूरी तरह से वेदी पर चढ़ाया जाता जानवर के जैसे अपने आप को परमेश्वर को दे देना।"

(यह भी देखें: वेदी, होमबलि, अर्घ, देवता, मेलबलि, स्वेच्छाबलि, मेलबलि, याजक, पापबलि, दंडवत करना।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 21:25-26
- उत्पत्ति 04:3-5
- याकूब 02:21-24
- मरकुस 01:21-22
- मरकुस 14:12-14
- मत्ती. 05:23-24

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 03:14__तब नूह जहाज में से निकल आने के बाद, उसने एक वेदी बनाई, जिसे __बलिदान के लिये इस्तमाल किया जा सके और सभी तरह के जन्तुओ का बलिदान दिया| परमेश्वर उस बलिदान से प्रसन्न हुआ और नूह और उसके परिवार को आशीष दी|
- **05:06**"अपने एकमात्र बेटे, इसहाक को ले, और बलिदान के रूप में मार डालो।" फिर अब्राहम ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन किया, और अपने पुत्र का बलिदान देने के लिये तैयार हो गया|
- **05:09** ईश्वर ने इसहाक के बदले बलिदान के लिए मेढ़ा प्रदान किया था|
- 13:09__जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का __बलिदान चढ़ाएगा। एक याजक जानवर को मारकर वेदी पर जला देगा। उस जानवर का खून जो बलिदान किया गया था, उस व्यक्ति के पाप को आच्छादन किया और उस व्यक्ति को परमेश्वर की दृष्टि से साफ कर दिया।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- **48:06** यीशु सबसे महान महायाजक है| दूसरे याजकों से भिन्न, उसने अपने आप को उस एकलौते बलिदान के रूप में अर्पण किया जो संसार के सभी मनुष्य के पाप को हटा सकती है|
- **48:08** परन्तु परमेश्वर ने यीशु को भेजा, परमेश्वर का मेम्ना, कि वह हमारे स्थान पर अपने आप को बलिदान करे|
- **49:11** क्योंकि यीशु ने स्वयं का बलिदान दिया, इसलिये परमेश्वर किसी भी पाप को क्षमा कर सकता है, यहाँ तक कि भयानक पापों को भी|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H801, H817, H819, H1685, H1890, H1974, H2076, H2077, H2281, H2282, H2398, H2401, H2402, H2403, H2409, H3632, H4394, H4469, H4503, H4504, H5066, H5068, H5069, H5071, H5257, H5258, H5261, H5262, H5927, H5928, H5930, H6453, H6944, H6999, H7133, H7311, H8002, H8426, H8548, H8573, H8641, G266, G334, G1049, G1435, G1494, G2378, G2380, G3646, G4376, G5485

बहन, बहनों

परिभाषा:

बहन वह स्त्री होती है जो किसी की माता याकिसी के पिता के द्वारा अनुवांशिक संबन्ध रखती है. उसे कहा जाता है कि किसी की बहन है या उस व्यक्ति की बहन है।

- नये नियम में "बहन" शब्द का आलंकारिक उपयोग उस स्त्री के लिए किया जाता है जो यीशु में सहविश्वासी है।
- कभी-कभी,"भाइयों और बहनों" शब्द मसीह के सब विश्वासी स्त्री-पुरुष के लिए उपयोग किया गया है।
- पुराने नियम की पुस्तक श्रेष्ठगीत में "बहन" शब्द प्रेमी या जीवन साथी के लिए उपयोग किया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- अतः उचित होगा कि लक्षित भाषा में इस शब्द का अनुवाद करते समय अनुवांशिक या प्राकृतिक बहन के लिए काम में आने वाले शब्द का ज्यों का त्यों ही उपयोग करें, जब तक कि इसका अभिप्राय गलत न हो।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मसीह में बहन” या “आत्मिक बहन” या “मसीह की विश्वासी स्त्री” या “सहविश्वासी महिला”।
- संभव हो तो पारिवारिक शब्द काम में लेना सबसे अच्छा है।
- यदि लक्षित भाषा में विश्वासी शब्द का स्त्रीलिंग रूप हो तो इसे काम में लेना संभावित अनुवाद हो सकता है।

- प्रेमी या पत्नी के संदर्भ में “प्रिय” या “प्रियतम” का स्त्रीलिंग शब्द काम में ले।

(यह भी देखें: भाई, मसीह में, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:16-17
- व्यवस्थाविवरण 27:22
- फिलेमोन 01:02
- रोमियो16:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H269, H1323, G27, G79

बहन, बहनों

परिभाषा:

बहन वह स्त्री होती है जो किसी की माता याकिसी के पिता के द्वारा अनुवांशिक संबन्ध रखती है. उसे कहा जाता है कि किसी की बहन है या उस व्यक्ति की बहन है।

- नये नियम में "बहन" शब्द का आलंकारिक उपयोग उस स्त्री के लिए किया जाता है जो यीशु में सहविश्वासी है।
- कभी-कभी,"भाइयों और बहनों" शब्द मसीह के सब विश्वासी स्त्री-पुरुष के लिए उपयोग किया गया है।
- पुराने नियम की पुस्तक श्रेष्ठगीत में "बहन" शब्द प्रेमी या जीवन साथी के लिए उपयोग किया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- अतः उचित होगा कि लक्षित भाषा में इस शब्द का अनुवाद करते समय अनुवांशिक या प्राकृतिक बहन के लिए काम में आने वाले शब्द का ज्यों का त्यों ही उपयोग करें, जब तक कि इसका अभिप्राय गलत न हो।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मसीह में बहन” या “आत्मिक बहन” या “मसीह की विश्वासी स्त्री” या “सहविश्वासी महिला”।
- संभव हो तो पारिवारिक शब्द काम में लेना सबसे अच्छा है।
- यदि लक्षित भाषा में विश्वासी शब्द का स्त्रीलिंग रूप हो तो इसे काम में लेना संभावित अनुवाद हो सकता है।
- प्रेमी या पत्नी के संदर्भ में “प्रिय” या “प्रियतम” का स्त्रीलिंग शब्द काम में ले।

(यह भी देखें: भाई, मसीह में, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:16-17
- व्यवस्थाविवरण 27:22
- फिलेमोन 01:02
- रोमियो16:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H269, H1323, G27, G79

बहन, बहनों

परिभाषा:

बहन वह स्त्री होती है जो किसी की माता याकिसी के पिता के द्वारा अनुवांशिक संबन्ध रखती है. उसे कहा जाता है कि किसी की बहन है या उस व्यक्ति की बहन है।

- नये नियम में "बहन" शब्द का आलंकारिक उपयोग उस स्त्री के लिए किया जाता है जो यीशु में सहविश्वासी है।
- कभी-कभी,"भाइयों और बहनों" शब्द मसीह के सब विश्वासी स्त्री-पुरुष के लिए उपयोग किया गया है।
- पुराने नियम की पुस्तक श्रेष्ठगीत में "बहन" शब्द प्रेमी या जीवन साथी के लिए उपयोग किया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- अत: उचित होगा कि लक्षित भाषा में इस शब्द का अनुवाद करते समय अनुवांशिक या प्राकृतिक बहन के लिए काम में आने वाले शब्द का ज्यों का त्यों ही उपयोग करें, जब तक कि इसका अभिप्राय गलत न हो।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मसीह में बहन” या “आत्मिक बहन” या “मसीह की विश्वासी स्त्री” या “सहविश्वासी महिला”।
- संभव हो तो पारिवारिक शब्द काम में लेना सबसे अच्छा है।
- यदि लक्षित भाषा में विश्वासी शब्द का स्त्रीलिंग रूप हो तो इसे काम में लेना संभावित अनुवाद हो सकता है।
- प्रेमी या पत्नी के संदर्भ में “प्रिय” या “प्रियतम” का स्त्रीलिंग शब्द काम में ले।

(यह भी देखें: भाई, मसीह में, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:16-17
- व्यवस्थाविवरण 27:22
- फिलेमोन 01:02
- रोमियो16:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H269, H1323, G27, G79

बहन, बहनों

परिभाषा:

बहन वह स्त्री होती है जो किसी की माता याकिसी के पिता के द्वारा अनुवांशिक संबन्ध रखती है. उसे कहा जाता है कि किसी की बहन है या उस व्यक्ति की बहन है।

- नये नियम में "बहन" शब्द का आलंकारिक उपयोग उस स्त्री के लिए किया जाता है जो यीशु में सहविश्वासी है।
- कभी-कभी,"भाइयों और बहनों" शब्द मसीह के सब विश्वासी स्त्री-पुरुष के लिए उपयोग किया गया है।
- पुराने नियम की पुस्तक श्रेष्ठगीत में "बहन" शब्द प्रेमी या जीवन साथी के लिए उपयोग किया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- अत: उचित होगा कि लक्षित भाषा में इस शब्द का अनुवाद करते समय अनुवांशिक या प्राकृतिक बहन के लिए काम में आने वाले शब्द का ज्यों का त्यों ही उपयोग करें, जब तक कि इसका अभिप्राय गलत न हो।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मसीह में बहन” या “आत्मिक बहन” या “मसीह की विश्वासी स्त्री” या “सहविश्वासी महिला”।
- संभव हो तो पारिवारिक शब्द काम में लेना सबसे अच्छा है।
- यदि लक्षित भाषा में विश्वासी शब्द का स्त्रीलिंग रूप हो तो इसे काम में लेना संभावित अनुवाद हो सकता है।
- प्रेमी या पत्नी के संदर्भ में “प्रिय” या “प्रियतम” का स्त्रीलिंग शब्द काम में ले।

(यह भी देखें: भाई, मसीह में, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:16-17
- व्यवस्थाविवरण 27:22
- फिलेमोन 01:02
- रोमियो16:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H269, H1323, G27, G79

बहन, बहनों

परिभाषा:

बहन वह स्त्री होती है जो किसी की माता याकिसी के पिता के द्वारा अनुवांशिक संबन्ध रखती है. उसे कहा जाता है कि किसी की बहन है या उस व्यक्ति की बहन है।

- नये नियम में "बहन" शब्द का आलंकारिक उपयोग उस स्त्री के लिए किया जाता है जो यीशु में सहविश्वासी है।
- कभी-कभी,"भाइयों और बहनों" शब्द मसीह के सब विश्वासी स्त्री-पुरुष के लिए उपयोग किया गया है।
- पुराने नियम की पुस्तक श्रेष्ठगीत में "बहन" शब्द प्रेमी या जीवन साथी के लिए उपयोग किया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- अतः उचित होगा कि लक्षित भाषा में इस शब्द का अनुवाद करते समय अनुवांशिक या प्राकृतिक बहन के लिए काम में आने वाले शब्द का ज्यों का त्यों ही उपयोग करें, जब तक कि इसका अभिप्राय गलत न हो।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मसीह में बहन” या “आत्मिक बहन” या “मसीह की विश्वासी स्त्री” या “सहविश्वासी महिला”।
- संभव हो तो पारिवारिक शब्द काम में लेना सबसे अच्छा है।
- यदि लक्षित भाषा में विश्वासी शब्द का स्त्रीलिंग रूप हो तो इसे काम में लेना संभावित अनुवाद हो सकता है।
- प्रेमी या पत्नी के संदर्भ में “प्रिय” या “प्रियतम” का स्त्रीलिंग शब्द काम में ले।

(यह भी देखें: भाई, मसीह में, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:16-17
- व्यवस्थाविवरण 27:22
- फिलेमोन 01:02
- रोमियो16:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H269, H1323, G27, G79

बहन, बहनों

परिभाषा:

बहन वह स्त्री होती है जो किसी की माता याकिसी के पिता के द्वारा अनुवांशिक संबन्ध रखती है. उसे कहा जाता है कि किसी की बहन है या उस व्यक्ति की बहन है।

- नये नियम में "बहन" शब्द का आलंकारिक उपयोग उस स्त्री के लिए किया जाता है जो यीशु में सहविश्वासी है।
- कभी-कभी,"भाइयों और बहनों" शब्द मसीह के सब विश्वासी स्त्री-पुरुष के लिए उपयोग किया गया है।
- पुराने नियम की पुस्तक श्रेष्ठगीत में "बहन" शब्द प्रेमी या जीवन साथी के लिए उपयोग किया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- अतः उचित होगा कि लक्षित भाषा में इस शब्द का अनुवाद करते समय अनुवांशिक या प्राकृतिक बहन के लिए काम में आने वाले शब्द का ज्यों का त्यों ही उपयोग करें, जब तक कि इसका अभिप्राय गलत न हो।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मसीह में बहन” या “आत्मिक बहन” या “मसीह की विश्वासी स्त्री” या “सहविश्वासी महिला”।
- संभव हो तो पारिवारिक शब्द काम में लेना सबसे अच्छा है।
- यदि लक्षित भाषा में विश्वासी शब्द का स्त्रीलिंग रूप हो तो इसे काम में लेना संभावित अनुवाद हो सकता है।
- प्रेमी या पत्नी के संदर्भ में “प्रिय” या “प्रियतम” का स्त्रीलिंग शब्द काम में ले।

(यह भी देखें: भाई, मसीह में, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:16-17
- व्यवस्थाविवरण 27:22

- फिलेमोन 01:02
- रोमियो16:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H269, H1323, G27, G79

बहन, बहनों

परिभाषा:

बहन वह स्त्री होती है जो किसी की माता याकिसी के पिता के द्वारा अनुवांशिक संबन्ध रखती है. उसे कहा जाता है कि किसी की बहन है या उस व्यक्ति की बहन है।

- नये नियम में "बहन" शब्द का आलंकारिक उपयोग उस स्त्री के लिए किया जाता है जो यीशु में सहविश्वासी है।
- कभी-कभी,"भाइयों और बहनों" शब्द मसीह के सब विश्वासी स्त्री-पुरुष के लिए उपयोग किया गया है।
- पुराने नियम की पुस्तक श्रेष्ठगीत में "बहन" शब्द प्रेमी या जीवन साथी के लिए उपयोग किया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- अत: उचित होगा कि लक्षित भाषा में इस शब्द का अनुवाद करते समय अनुवांशिक या प्राकृतिक बहन के लिए काम में आने वाले शब्द का ज्यों का त्यों ही उपयोग करें, जब तक कि इसका अभिप्राय गलत न हो।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मसीह में बहन” या “आत्मिक बहन” या “मसीह की विश्वासी स्त्री” या “सहविश्वासी महिला”।
- संभव हो तो पारिवारिक शब्द काम में लेना सबसे अच्छा है।
- यदि लक्षित भाषा में विश्वासी शब्द का स्त्रीलिंग रूप हो तो इसे काम में लेना संभावित अनुवाद हो सकता है।
- प्रेमी या पत्नी के संदर्भ में “प्रिय” या “प्रियतम” का स्त्रीलिंग शब्द काम में ले।

(यह भी देखें: भाई, मसीह में, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:16-17
- व्यवस्थाविवरण 27:22
- फिलेमोन 01:02
- रोमियो16:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H269, H1323, G27, G79

बहन, बहनों

परिभाषा:

बहन वह स्त्री होती है जो किसी की माता याकिसी के पिता के द्वारा अनुवांशिक संबन्ध रखती है. उसे कहा जाता है कि किसी की बहन है या उस व्यक्ति की बहन है।

- नये नियम में "बहन" शब्द का आलंकारिक उपयोग उस स्त्री के लिए किया जाता है जो यीशु में सहविश्वासी है।
- कभी-कभी,"भाइयों और बहनों" शब्द मसीह के सब विश्वासी स्त्री-पुरुष के लिए उपयोग किया गया है।
- पुराने नियम की पुस्तक श्रेष्ठगीत में "बहन" शब्द प्रेमी या जीवन साथी के लिए उपयोग किया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- अत: उचित होगा कि लक्षित भाषा में इस शब्द का अनुवाद करते समय अनुवांशिक या प्राकृतिक बहन के लिए काम में आने वाले शब्द का ज्यों का त्यों ही उपयोग करें, जब तक कि इसका अभिप्राय गलत न हो।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मसीह में बहन” या “आत्मिक बहन” या “मसीह की विश्वासी स्त्री” या “सहविश्वासी महिला”।
- संभव हो तो पारिवारिक शब्द काम में लेना सबसे अच्छा है।
- यदि लक्षित भाषा में विश्वासी शब्द का स्त्रीलिंग रूप हो तो इसे काम में लेना संभावित अनुवाद हो सकता है।
- प्रेमी या पत्नी के संदर्भ में “प्रिय” या “प्रियतम” का स्त्रीलिंग शब्द काम में ले।

(यह भी देखें: भाई, मसीह में, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:16-17
- व्यवस्थाविवरण 27:22
- फिलेमोन 01:02
- रोमियो16:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H269, H1323, G27, G79

बहन, बहनों

परिभाषा:

बहन वह स्त्री होती है जो किसी की माता याकिसी के पिता के द्वारा अनुवांशिक संबन्ध रखती है. उसे कहा जाता है कि किसी की बहन है या उस व्यक्ति की बहन है।

- नये नियम में "बहन" शब्द का आलंकारिक उपयोग उस स्त्री के लिए किया जाता है जो यीशु में सहविश्वासी है।
- कभी-कभी,"भाइयों और बहनों" शब्द मसीह के सब विश्वासी स्त्री-पुरुष के लिए उपयोग किया गया है।
- पुराने नियम की पुस्तक श्रेष्ठगीत में "बहन" शब्द प्रेमी या जीवन साथी के लिए उपयोग किया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- अत: उचित होगा कि लक्षित भाषा में इस शब्द का अनुवाद करते समय अनुवांशिक या प्राकृतिक बहन के लिए काम में आने वाले शब्द का ज्यों का त्यों ही उपयोग करें, जब तक कि इसका अभिप्राय गलत न हो।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मसीह में बहन” या “आत्मिक बहन” या “मसीह की विश्वासी स्त्री” या “सहविश्वासी महिला”।
- संभव हो तो पारिवारिक शब्द काम में लेना सबसे अच्छा है।
- यदि लक्षित भाषा में विश्वासी शब्द का स्त्रीलिंग रूप हो तो इसे काम में लेना संभावित अनुवाद हो सकता है।
- प्रेमी या पत्नी के संदर्भ में “प्रिय” या “प्रियतम” का स्त्रीलिंग शब्द काम में ले।

(यह भी देखें: भाई, मसीह में, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:16-17
- व्यवस्थाविवरण 27:22
- फिलेमोन 01:02
- रोमियो16:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H269, H1323, G27, G79

बहन, बहनों

परिभाषा:

बहन वह स्त्री होती है जो किसी की माता याकिसी के पिता के द्वारा अनुवांशिक संबन्ध रखती है. उसे कहा जाता है कि किसी की बहन है या उस व्यक्ति की बहन है।

- नये नियम में "बहन" शब्द का आलंकारिक उपयोग उस स्त्री के लिए किया जाता है जो यीशु में सहविश्वासी है।
- कभी-कभी,"भाइयों और बहनों" शब्द मसीह के सब विश्वासी स्त्री-पुरुष के लिए उपयोग किया गया है।
- पुराने नियम की पुस्तक श्रेष्ठगीत में "बहन" शब्द प्रेमी या जीवन साथी के लिए उपयोग किया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- अतः उचित होगा कि लक्षित भाषा में इस शब्द का अनुवाद करते समय अनुवांशिक या प्राकृतिक बहन के लिए काम में आने वाले शब्द का ज्यों का त्यों ही उपयोग करें, जब तक कि इसका अभिप्राय गलत न हो।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मसीह में बहन” या “आत्मिक बहन” या “मसीह की विश्वासी स्त्री” या “सहविश्वासी महिला”।
- संभव हो तो पारिवारिक शब्द काम में लेना सबसे अच्छा है।
- यदि लक्षित भाषा में विश्वासी शब्द का स्त्रीलिंग रूप हो तो इसे काम में लेना संभावित अनुवाद हो सकता है।
- प्रेमी या पत्नी के संदर्भ में “प्रिय” या “प्रियतम” का स्त्रीलिंग शब्द काम में ले।

(यह भी देखें: भाई, मसीह में, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:16-17
- व्यवस्थाविवरण 27:22
- फिलेमोन 01:02
- रोमियो16:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H269, H1323, G27, G79

बहन, बहनों

परिभाषा:

बहन वह स्त्री होती है जो किसी की माता याकिसी के पिता के द्वारा अनुवांशिक संबन्ध रखती है. उसे कहा जाता है कि किसी की बहन है या उस व्यक्ति की बहन है।

- नये नियम में "बहन" शब्द का आलंकारिक उपयोग उस स्त्री के लिए किया जाता है जो यीशु में सहविश्वासी है।
- कभी-कभी,"भाइयों और बहनों" शब्द मसीह के सब विश्वासी स्त्री-पुरुष के लिए उपयोग किया गया है।
- पुराने नियम की पुस्तक श्रेष्ठगीत में "बहन" शब्द प्रेमी या जीवन साथी के लिए उपयोग किया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- अतः उचित होगा कि लक्षित भाषा में इस शब्द का अनुवाद करते समय अनुवांशिक या प्राकृतिक बहन के लिए काम में आने वाले शब्द का ज्यों का त्यों ही उपयोग करें, जब तक कि इसका अभिप्राय गलत न हो।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मसीह में बहन” या “आत्मिक बहन” या “मसीह की विश्वासी स्त्री” या “सहविश्वासी महिला”।
- संभव हो तो पारिवारिक शब्द काम में लेना सबसे अच्छा है।
- यदि लक्षित भाषा में विश्वासी शब्द का स्त्रीलिंग रूप हो तो इसे काम में लेना संभावित अनुवाद हो सकता है।
- प्रेमी या पत्नी के संदर्भ में “प्रिय” या “प्रियतम” का स्त्रीलिंग शब्द काम में ले।

(यह भी देखें: भाई, मसीह में, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:16-17
- व्यवस्थाविवरण 27:22
- फिलेमोन 01:02
- रोमियो16:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H269, H1323, G27, G79

बाँधे, बांधा हुआ

परिभाषा:

“बाँधे” अर्थात किसी वस्तु पर कुछ बान्धना। इसका अर्थ प्रायः बागा की कमर पर पट्टा बान्धना होता है कि वह अपने स्थान पर रहे।

- “कमर कसना” अर्थात वस्त्र का नीचे का भाग उठाकर कमर में बांधना कि मनुष्य आसानी से काम कर पाए।
- इस मुहावरे का अर्थ है "काम करने के लिए तैयार होना" या कठिन काम करने की तैयारी करना।
- “कमर कसना” के अनुवाद में लक्षित भाषा के समानार्थक उक्ति काम में ली जा सकती है। या इसका सरल अनुवाद भी किया जा सकता है, “कार्य करने के लिए तैयार होना” या “तैयार हो जाना।”
- “लिपटा हुआ” अर्थात “चारों ओर लपेटा हुआ” या “घिरा हुआ” या “बन्धा हुआ”

(यह भी देखें: कमर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:13-14
- अय्यूब 38:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H247, H640, H2290, H2296, H8151, G328, G1241, G2224, G4024

बाँधे, बांधा हुआ

परिभाषा:

“बाँधे” अर्थात किसी वस्तु पर कुछ बान्धना। इसका अर्थ प्रायः बागा की कमर पर पट्टा बान्धना होता है कि वह अपने स्थान पर रहे।

- “कमर कसना” अर्थात वस्त्र का नीचे का भाग उठाकर कमर में बांधना कि मनुष्य आसानी से काम कर पाए।
- इस मुहावरे का अर्थ है "काम करने के लिए तैयार होना" या कठिन काम करने की तैयारी करना।
- “कमर कसना” के अनुवाद में लक्षित भाषा के समानार्थक उक्ति काम में ली जा सकती है। या इसका सरल अनुवाद भी किया जा सकता है, “कार्य करने के लिए तैयार होना” या “तैयार हो जाना।”
- “लिपटा हुआ” अर्थात “चारों ओर लपेटा हुआ” या “घिरा हुआ” या “बन्धा हुआ”

(यह भी देखें: कमर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:13-14
- अय्यूब 38:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H247, H640, H2290, H2296, H8151, G328, G1241, G2224, G4024

बाँधे, बांधा हुआ

परिभाषा:

“बाँधे” अर्थात किसी वस्तु पर कुछ बान्धना। इसका अर्थ प्रायः बागा की कमर पर पट्टा बान्धना होता है कि वह अपने स्थान पर रहे।

- “कमर कसना” अर्थात वस्त्र का नीचे का भाग उठाकर कमर में बांधना कि मनुष्य आसानी से काम कर पाए।
- इस मुहावरे का अर्थ है "काम करने के लिए तैयार होना" या कठिन काम करने की तैयारी करना।
- “कमर कसना” के अनुवाद में लक्षित भाषा के समानार्थक उक्ति काम में ली जा सकती है। या इसका सरल अनुवाद भी किया जा सकता है, “कार्य करने के लिए तैयार होना” या “तैयार हो जाना।”
- “लिपटा हुआ” अर्थात “चारों ओर लपेटा हुआ” या “घिरा हुआ” या “बन्धा हुआ”

(यह भी देखें: कमर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:13-14
- अय्यूब 38:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H247, H640, H2290, H2296, H8151, G328, G1241, G2224, G4024

बाँधे, बांधा हुआ

परिभाषा:

“बाँधे” अर्थात किसी वस्तु पर कुछ बान्धना। इसका अर्थ प्रायः बागा की कमर पर पट्टा बान्धना होता है कि वह अपने स्थान पर रहे।

- “कमर कसना” अर्थात वस्त्र का नीचे का भाग उठाकर कमर में बांधना कि मनुष्य आसानी से काम कर पाए।
- इस मुहावरे का अर्थ है "काम करने के लिए तैयार होना" या कठिन काम करने की तैयारी करना।
- “कमर कसना” के अनुवाद में लक्षित भाषा के समानार्थक उक्ति काम में ली जा सकती है। या इसका सरल अनुवाद भी किया जा सकता है, “कार्य करने के लिए तैयार होना” या “तैयार हो जाना।”
- “लिपटा हुआ” अर्थात “चारों ओर लपेटा हुआ” या “घिरा हुआ” या “बन्धा हुआ”

(यह भी देखें: कमर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:13-14
- अय्यूब 38:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H247, H640, H2290, H2296, H8151, G328, G1241, G2224, G4024

बाँधे, बांधा हुआ

परिभाषा:

“बाँधे” अर्थात किसी वस्तु पर कुछ बान्धना। इसका अर्थ प्रायः बागा की कमर पर पट्टा बान्धना होता है कि वह अपने स्थान पर रहे।

- “कमर कसना” अर्थात वस्त्र का नीचे का भाग उठाकर कमर में बांधना कि मनुष्य आसानी से काम कर पाए।
- इस मुहावरे का अर्थ है "काम करने के लिए तैयार होना" या कठिन काम करने की तैयारी करना।
- “कमर कसना” के अनुवाद में लक्षित भाषा के समानार्थक उक्ति काम में ली जा सकती है। या इसका सरल अनुवाद भी किया जा सकता है, “कार्य करने के लिए तैयार होना” या “तैयार हो जाना।”
- “लिपटा हुआ” अर्थात “चारों ओर लपेटा हुआ” या “घिरा हुआ” या “बन्धा हुआ”

(यह भी देखें: कमर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:13-14
- अय्यूब 38:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H247, H640, H2290, H2296, H8151, G328, G1241, G2224, G4024

बाँधे, बांधा हुआ

परिभाषा:

“बाँधे” अर्थात किसी वस्तु पर कुछ बान्धना। इसका अर्थ प्रायः बागा की कमर पर पट्टा बान्धना होता है कि वह अपने स्थान पर रहे।

- “कमर कसना” अर्थात वस्त्र का नीचे का भाग उठाकर कमर में बांधना कि मनुष्य आसानी से काम कर पाए।
- इस मुहावरे का अर्थ है "काम करने के लिए तैयार होना" या कठिन काम करने की तैयारी करना।
- “कमर कसना” के अनुवाद में लक्षित भाषा के समानार्थक उक्ति काम में ली जा सकती है। या इसका सरल अनुवाद भी किया जा सकता है, “कार्य करने के लिए तैयार होना” या “तैयार हो जाना।”
- “लिपटा हुआ” अर्थात “चारों ओर लपेटा हुआ” या “घिरा हुआ” या “बन्धा हुआ”

(यह भी देखें: कमर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:13-14
- अय्यूब 38:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H247, H640, H2290, H2296, H8151, G328, G1241, G2224, G4024

बाँधे, बांधा हुआ

परिभाषा:

“बाँधे” अर्थात किसी वस्तु पर कुछ बान्धना। इसका अर्थ प्रायः बागा की कमर पर पट्टा बान्धना होता है कि वह अपने स्थान पर रहे।

- “कमर कसना” अर्थात वस्त्र का नीचे का भाग उठाकर कमर में बांधना कि मनुष्य आसानी से काम कर पाए।
- इस मुहावरे का अर्थ है "काम करने के लिए तैयार होना" या कठिन काम करने की तैयारी करना।
- “कमर कसना” के अनुवाद में लक्षित भाषा के समानार्थक उक्ति काम में ली जा सकती है। या इसका सरल अनुवाद भी किया जा सकता है, “कार्य करने के लिए तैयार होना” या “तैयार हो जाना।”
- “लिपटा हुआ” अर्थात “चारों ओर लपेटा हुआ” या “घिरा हुआ” या “बन्धा हुआ”

(यह भी देखें: कमर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:13-14
- अय्यूब 38:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H247, H640, H2290, H2296, H8151, G328, G1241, G2224, G4024

बाँधे, बांधा हुआ

परिभाषा:

“बाँधे” अर्थात किसी वस्तु पर कुछ बान्धना। इसका अर्थ प्रायः बागा की कमर पर पट्टा बान्धना होता है कि वह अपने स्थान पर रहे।

- “कमर कसना” अर्थात वस्त्र का नीचे का भाग उठाकर कमर में बांधना कि मनुष्य आसानी से काम कर पाए।
- इस मुहावरे का अर्थ है "काम करने के लिए तैयार होना" या कठिन काम करने की तैयारी करना।
- “कमर कसना” के अनुवाद में लक्षित भाषा के समानार्थक उक्ति काम में ली जा सकती है। या इसका सरल अनुवाद भी किया जा सकता है, “कार्य करने के लिए तैयार होना” या “तैयार हो जाना।”
- “लिपटा हुआ” अर्थात “चारों ओर लपेटा हुआ” या “घिरा हुआ” या “बन्धा हुआ”

(यह भी देखें: कमर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:13-14
- अय्यूब 38:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H247, H640, H2290, H2296, H8151, G328, G1241, G2224, G4024

बाँसुरी, बाँसुरी, बाँसुरी, सीटी बजाने का यंत्र

परिभाषा:

बाइबल के युग में बाँसुरी हड्डियों या लकड़ी के खोखले वाद्य-यन्त्र थे जिनसे ध्वनि निकलती थी। बाँसुरी एक प्रकार की नली थी।

- अधिकांश नलियों में सरकंडे जो मोटे घास के बने थे, हवा फूंकने पर कम्पन उत्पन्न होता था।
- एक नली जिसमें सरकंडे नहीं होते थे उन्हें बाँसुरी कहते थे।
- चरवाहे अपनी भेड़ों को शान्ति देने क लिए सीटी बजाते थे।
- इन वाद्यों द्वारा सुख या दुःख का संगीत बजाया जाता था।

(यह भी देखें: भेड़-बकरियों, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 14:7-9
- 1 राजा 01:38-40
- दानिय्येल 03:3-5
- लूका 07:31-32
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 11:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4953, H5748, H2485, H2490, G832, G834, G836

बाँसुरी, बाँसुरी, बाँसुरी, सीटी बजाने का यंत्र

परिभाषा:

बाइबल के युग में बाँसुरी हड्डियों या लकड़ी के खोखले वाद्य-यन्त्र थे जिनसे ध्वनि निकलती थी। बाँसुरी एक प्रकार की नली थी।

- अधिकांश नलियों में सरकंडे जो मोटे घास के बने थे, हवा फूंकने पर कम्पन उत्पन्न होता था।
- एक नली जिसमें सरकंडे नहीं होते थे उन्हें बाँसुरी कहते थे।
- चरवाहे अपनी भेड़ों को शान्ति देने क लिए सीटी बजाते थे।
- इन वाद्यों द्वारा सुख या दुःख का संगीत बजाया जाता था।

(यह भी देखें: भेड़-बकरियों, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 14:7-9
- 1 राजा 01:38-40
- दानिय्येल 03:3-5
- लूका 07:31-32
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 11:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4953, H5748, H2485, H2490, G832, G834, G836

बाँसुरी, बाँसुरी, बाँसुरी, सीटी बजाने का यंत्र

परिभाषा:

बाइबल के युग में बाँसुरी हड्डियों या लकड़ी के खोखले वाद्य-यन्त्र थे जिनसे ध्वनि निकलती थी। बाँसुरी एक प्रकार की नली थी।

- अधिकांश नलियों में सरकंडे जो मोटे घास के बने थे, हवा फूंकने पर कम्पन उत्पन्न होता था।
- एक नली जिसमें सरकंडे नहीं होते थे उन्हें बाँसुरी कहते थे।
- चरवाहे अपनी भेड़ों को शान्ति देने क लिए सीटी बजाते थे।
- इन वाद्यों द्वारा सुख या दु:ख का संगीत बजाया जाता था।

(यह भी देखें: भेड़-बकरियों, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 14:7-9
- 1 राजा 01:38-40
- दानिय्येल 03:3-5
- लूका 07:31-32
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 11:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4953, H5748, H2485, H2490, G832, G834, G836

बाबेल

तथ्य:

बाबेल मेसोपोटामिया क्षेत्र के दक्षिण में शिनार प्रदेश का एक मुख्य नगर था। शिनार आगे चलकर बेबीलोन कहलाया था।

- बाबेल नगर हाम के परपोते, निम्रोद-शिनार का शासक-द्वारा स्थापित किया गया था।
- शिनारवासी घमण्ड से भरकर स्वर्ग तक ऊंचे मन्दिर का निर्माण करना चाहते थे। इस मीनार का नाम आगे चलकर “बेबीलोन का गुम्मट” पड़ा था।
- इस मीनार का निर्माण करने वालों ने पृथ्वी पर फैल जाने की परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया था, इसलिए परमेश्वर ने उनकी भाषाओं को अलग-अलग कर दिया जिससे कि वे एक दूसरे की बात समझ नहीं पाए। इस कारण वे विवश होकर एक दूसरे से अलग हो गए और पृथ्वी के विभिन्न स्थानों में जाकर बस गए।
- “बाबेल” शब्द का अर्थ है “उलझन” परमेश्वर ने उनकी भाषा में उलझन उत्पन्न कर दी थी इसलिए उस स्थान का यह नाम पड़ गया था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, हाम, मेसोपोटामिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 10:8-10
- उत्पत्ति 11:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H894

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाबेल

तथ्य:

बाबेल मेसोपोटामिया क्षेत्र के दक्षिण में शिनार प्रदेश का एक मुख्य नगर था। शिनार आगे चलकर बेबीलोन कहलाया था।

- बाबेल नगर हाम के परपोते, निम्रोद-शिनार का शासक-द्वारा स्थापित किया गया था।
- शिनारवासी घमण्ड से भरकर स्वर्ग तक ऊंचे मन्दिर का निर्माण करना चाहते थे। इस मीनार का नाम आगे चलकर “बेबीलोन का गुम्मट” पड़ा था।
- इस मीनार का निर्माण करने वालों ने पृथ्वी पर फैल जाने की परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया था, इसलिए परमेश्वर ने उनकी भाषाओं को अलग-अलग कर दिया जिससे कि वे एक दूसरे की बात समझ नहीं पाए। इस कारण वे विवश होकर एक दूसरे से अलग हो गए और पृथ्वी के विभिन्न स्थानों में जाकर बस गए।
- “बाबेल” शब्द का अर्थ है “उलझन” परमेश्वर ने उनकी भाषा में उलझन उत्पन्न कर दी थी इसलिए उस स्थान का यह नाम पड़ गया था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, हाम, मेसोपोटामिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 10:8-10
- उत्पत्ति 11:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H894

बाबेल

तथ्य:

बाबेल मेसोपोटामिया क्षेत्र के दक्षिण में शिनार प्रदेश का एक मुख्य नगर था। शिनार आगे चलकर बेबीलोन कहलाया था।

- बाबेल नगर हाम के परपोते, निम्रोद-शिनार का शासक-द्वारा स्थापित किया गया था।
- शिनारवासी घमण्ड से भरकर स्वर्ग तक ऊंचे मन्दिर का निर्माण करना चाहते थे। इस मीनार का नाम आगे चलकर “बेबीलोन का गुम्मट” पड़ा था।
- इस मीनार का निर्माण करने वालों ने पृथ्वी पर फैल जाने की परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया था, इसलिए परमेश्वर ने उनकी भाषाओं को अलग-अलग कर दिया जिससे कि वे एक दूसरे की बात समझ नहीं पाए। इस कारण वे विवश होकर एक दूसरे से अलग हो गए और पृथ्वी के विभिन्न स्थानों में जाकर बस गए।
- “बाबेल” शब्द का अर्थ है “उलझन” परमेश्वर ने उनकी भाषा में उलझन उत्पन्न कर दी थी इसलिए उस स्थान का यह नाम पड़ गया था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, हाम, मेसोपोटामिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 10:8-10
- उत्पत्ति 11:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H894

बाबेल

तथ्य:

बाबेल मेसोपोटामिया क्षेत्र के दक्षिण में शिनार प्रदेश का एक मुख्य नगर था। शिनार आगे चलकर बेबीलोन कहलाया था।

- बाबेल नगर हाम के परपोते, निम्रोद-शिनार का शासक-द्वारा स्थापित किया गया था।
- शिनारवासी घमण्ड से भरकर स्वर्ग तक ऊंचे मन्दिर का निर्माण करना चाहते थे। इस मीनार का नाम आगे चलकर “बेबीलोन का गुम्मट” पड़ा था।
- इस मीनार का निर्माण करने वालों ने पृथ्वी पर फैल जाने की परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया था, इसलिए परमेश्वर ने उनकी भाषाओं को अलग-अलग कर दिया जिससे कि वे एक दूसरे की बात समझ नहीं पाए। इस कारण वे विवश होकर एक दूसरे से अलग हो गए और पृथ्वी के विभिन्न स्थानों में जाकर बस गए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- “बाबेल” शब्द का अर्थ है “उलझन” परमेश्वर ने उनकी भाषा में उलझन उत्पन्न कर दी थी इसलिए उस स्थान का यह नाम पड़ गया था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, हाम, मेसोपोटामिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 10:8-10
- उत्पत्ति 11:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H894

बाबेल

तथ्य:

बाबेल मेसोपोटामिया क्षेत्र के दक्षिण में शिनार प्रदेश का एक मुख्य नगर था। शिनार आगे चलकर बेबीलोन कहलाया था।

- बाबेल नगर हाम के परपोते, निम्रोद-शिनार का शासक-द्वारा स्थापित किया गया था।
- शिनारवासी घमण्ड से भरकर स्वर्ग तक ऊंचे मन्दिर का निर्माण करना चाहते थे। इस मीनार का नाम आगे चलकर “बेबीलोन का गुम्मट” पड़ा था।
- इस मीनार का निर्माण करने वालों ने पृथ्वी पर फैल जाने की परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया था, इसलिए परमेश्वर ने उनकी भाषाओं को अलग-अलग कर दिया जिससे कि वे एक दूसरे की बात समझ नहीं पाए। इस कारण वे विवश होकर एक दूसरे से अलग हो गए और पृथ्वी के विभिन्न स्थानों में जाकर बस गए।
- “बाबेल” शब्द का अर्थ है “उलझन” परमेश्वर ने उनकी भाषा में उलझन उत्पन्न कर दी थी इसलिए उस स्थान का यह नाम पड़ गया था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, हाम, मेसोपोटामिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 10:8-10
- उत्पत्ति 11:8-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H894

बारहों, ग्यारहों

परिभाषा:

“बारहों” का संदर्भ उन पुरुषों से है जिन्हें यीशु ने चुना कि उसके घनिष्ठतम शिष्य या प्रेरित हों। यहूदा की आत्महत्या के बाद, वे “ग्यारहों” कहलाते थे।

- यीशु के अनेक अन्य शिष्य थे परन्तु “बारहों” यह पदनाम उन्हें इसलिए दिया गया था क्योंकि वह यीशु के बहुत करीब थे।
- इन बारह शिष्यों के नाम, मत्ती 10, मरकुस 3, तथा लूका 6 में सूचीबद्ध हैं।
- यीशु के स्वर्गारोहण के बाद इन ग्यारहों ने मत्तिय्याह को यहूदा के स्थान में चुन लिया था। तब वे फिर से “बारहों” कहलाए।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में संज्ञा शब्द इसमें जोड़ना अधिक स्पष्ट एवं अधिक व्यावहारिक होता है, “बारह शिष्य” या “यीशु के घनिष्ठ बारह शिष्य”।
- “ग्यारहों” का अनुवाद हो सकता है, “यीशु के शेष ग्यारह शिष्य”।
- कुछ अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा काम में लेकर दर्शाया जाता है कि यह पदनाम था जैसे “वे बारह” या “वे ग्यारह”।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:5-7
- प्रे.का. 06:2-4

- लूका 09:1-2
- लूका 18:31-33
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती. 10:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1427, G1733

बारहों, ग्यारहों

परिभाषा:

“बारहों” का संदर्भ उन पुरुषों से है जिन्हें यीशु ने चुना कि उसके घनिष्ठतम शिष्य या प्रेरित हों। यहूदा की आत्महत्या के बाद, वे “ग्यारहों” कहलाते थे।

- यीशु के अनेक अन्य शिष्य थे परन्तु “बारहों” यह पदनाम उन्हें इसलिए दिया गया था क्योंकि वह यीशु के बहुत करीब थे।
- इन बारह शिष्यों के नाम, मत्ती 10, मरकुस 3, तथा लूका 6 में सूचीबद्ध हैं।
- यीशु के स्वर्गारोहण के बाद इन ग्यारहों ने मत्तिय्याह को यहूदा के स्थान में चुन लिया था। तब वे फिर से “बारहों” कहलाए।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में संज्ञा शब्द इसमें जोड़ना अधिक स्पष्ट एवं अधिक व्यावहारिक होता है, “बारह शिष्य” या “यीशु के घनिष्ठ बारह शिष्य”।
- “ग्यारहों” का अनुवाद हो सकता है, “यीशु के शेष ग्यारह शिष्य”।
- कुछ अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा काम में लेकर दर्शाया जाता है कि यह पदनाम था जैसे “वे बारह” या “वे ग्यारह”।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:5-7
- प्रे.का. 06:2-4
- लूका 09:1-2
- लूका 18:31-33
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती. 10:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1427, G1733

बारहों, ग्यारहों

परिभाषा:

“बारहों” का संदर्भ उन पुरुषों से है जिन्हें यीशु ने चुना कि उसके घनिष्ठतम शिष्य या प्रेरित हों। यहूदा की आत्महत्या के बाद, वे “ग्यारहों” कहलाते थे।

- यीशु के अनेक अन्य शिष्य थे परन्तु “बारहों” यह पदनाम उन्हें इसलिए दिया गया था क्योंकि वह यीशु के बहुत करीब थे।
- इन बारह शिष्यों के नाम, मत्ती 10, मरकुस 3, तथा लूका 6 में सूचीबद्ध हैं।
- यीशु के स्वर्गारोहण के बाद इन ग्यारहों ने मत्तिय्याह को यहूदा के स्थान में चुन लिया था। तब वे फिर से “बारहों” कहलाए।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में संज्ञा शब्द इसमें जोड़ना अधिक स्पष्ट एवं अधिक व्यावहारिक होता है, “बारह शिष्य” या “यीशु के घनिष्ठ बारह शिष्य”।
- “ग्यारहों” का अनुवाद हो सकता है, “यीशु के शेष ग्यारह शिष्य”।
- कुछ अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा काम में लेकर दर्शाया जाता है कि यह पदनाम था जैसे “वे बारह” या “वे ग्यारह”।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:5-7
- प्रे.का. 06:2-4
- लूका 09:1-2
- लूका 18:31-33
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती. 10:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1427, G1733

बारहों, ग्यारहों

परिभाषा:

“बारहों” का संदर्भ उन पुरुषों से है जिन्हें यीशु ने चुना कि उसके घनिष्ठतम शिष्य या प्रेरित हों। यहूदा की आत्महत्या के बाद, वे “ग्यारहों” कहलाते थे।

- यीशु के अनेक अन्य शिष्य थे परन्तु “बारहों” यह पदनाम उन्हें इसलिए दिया गया था क्योंकि वह यीशु के बहुत करीब थे।
- इन बारह शिष्यों के नाम, मत्ती 10, मरकुस 3, तथा लूका 6 में सूचीबद्ध हैं।
- यीशु के स्वर्गारोहण के बाद इन ग्यारहों ने मत्तिय्याह को यहूदा के स्थान में चुन लिया था। तब वे फिर से “बारहों” कहलाए।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में संज्ञा शब्द इसमें जोड़ना अधिक स्पष्ट एवं अधिक व्यावहारिक होता है, “बारह शिष्य” या “यीशु के घनिष्ठ बारह शिष्य”।
- “ग्यारहों” का अनुवाद हो सकता है, “यीशु के शेष ग्यारह शिष्य”।
- कुछ अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा काम में लेकर दर्शाया जाता है कि यह पदनाम था जैसे “वे बारह” या “वे ग्यारह”।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:5-7
- प्रे.का. 06:2-4
- लूका 09:1-2
- लूका 18:31-33
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती. 10:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1427, G1733

बारहों, ग्यारहों

परिभाषा:

“बारहों” का संदर्भ उन पुरुषों से है जिन्हें यीशु ने चुना कि उसके घनिष्ठतम शिष्य या प्रेरित हों। यहूदा की आत्महत्या के बाद, वे “ग्यारहों” कहलाते थे।

- यीशु के अनेक अन्य शिष्य थे परन्तु “बारहों” यह पदनाम उन्हें इसलिए दिया गया था क्योंकि वह यीशु के बहुत करीब थे।
- इन बारह शिष्यों के नाम, मत्ती 10, मरकुस 3, तथा लूका 6 में सूचीबद्ध हैं।
- यीशु के स्वर्गारोहण के बाद इन ग्यारहों ने मत्तिय्याह को यहूदा के स्थान में चुन लिया था। तब वे फिर से “बारहों” कहलाए।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में संज्ञा शब्द इसमें जोड़ना अधिक स्पष्ट एवं अधिक व्यावहारिक होता है, “बारह शिष्य” या “यीशु के घनिष्ठ बारह शिष्य”।
- “ग्यारहों” का अनुवाद हो सकता है, “यीशु के शेष ग्यारह शिष्य”।
- कुछ अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा काम में लेकर दर्शाया जाता है कि यह पदनाम था जैसे “वे बारह” या “वे ग्यारह”।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:5-7
- प्रे.का. 06:2-4
- लूका 09:1-2
- लूका 18:31-33
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती. 10:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1427, G1733

बारहों, ग्यारहों

परिभाषा:

“बारहों” का संदर्भ उन पुरुषों से है जिन्हें यीशु ने चुना कि उसके घनिष्ठतम शिष्य या प्रेरित हों। यहूदा की आत्महत्या के बाद, वे “ग्यारहों” कहलाते थे।

- यीशु के अनेक अन्य शिष्य थे परन्तु “बारहों” यह पदनाम उन्हें इसलिए दिया गया था क्योंकि वह यीशु के बहुत करीब थे।
- इन बारह शिष्यों के नाम, मत्ती 10, मरकुस 3, तथा लूका 6 में सूचीबद्ध हैं।
- यीशु के स्वर्गारोहण के बाद इन ग्यारहों ने मत्तिय्याह को यहूदा के स्थान में चुन लिया था। तब वे फिर से “बारहों” कहलाए।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में संज्ञा शब्द इसमें जोड़ना अधिक स्पष्ट एवं अधिक व्यावहारिक होता है, “बारह शिष्य” या “यीशु के घनिष्ठ बारह शिष्य”।
- “ग्यारहों” का अनुवाद हो सकता है, “यीशु के शेष ग्यारह शिष्य”।
- कुछ अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा काम में लेकर दर्शाया जाता है कि यह पदनाम था जैसे “वे बारह” या “वे ग्यारह”।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:5-7
- प्रे.का. 06:2-4
- लूका 09:1-2
- लूका 18:31-33
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती. 10:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1427, G1733

बारहों, ग्यारहों

परिभाषा:

“बारहों” का संदर्भ उन पुरुषों से है जिन्हें यीशु ने चुना कि उसके घनिष्ठतम शिष्य या प्रेरित हों। यहूदा की आत्महत्या के बाद, वे “ग्यारहों” कहलाते थे।

- यीशु के अनेक अन्य शिष्य थे परन्तु “बारहों” यह पदनाम उन्हें इसलिए दिया गया था क्योंकि वह यीशु के बहुत करीब थे।
- इन बारह शिष्यों के नाम, मत्ती 10, मरकुस 3, तथा लूका 6 में सूचीबद्ध हैं।
- यीशु के स्वर्गारोहण के बाद इन ग्यारहों ने मत्तिय्याह को यहूदा के स्थान में चुन लिया था। तब वे फिर से “बारहों” कहलाए।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में संज्ञा शब्द इसमें जोड़ना अधिक स्पष्ट एवं अधिक व्यावहारिक होता है, “बारह शिष्य” या “यीशु के घनिष्ठ बारह शिष्य”।

- “ग्यारहों” का अनुवाद हो सकता है, “यीशु के शेष ग्यारह शिष्य”।
- कुछ अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा काम में लेकर दर्शाया जाता है कि यह पदनाम था जैसे “वे बारह” या “वे ग्यारह”।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:5-7
- प्रे.का. 06:2-4
- लूका 09:1-2
- लूका 18:31-33
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती. 10:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1427, G1733

बारहों, ग्यारहों

परिभाषा:

“बारहों” का संदर्भ उन पुरुषों से है जिन्हें यीशु ने चुना कि उसके घनिष्ठतम शिष्य या प्रेरित हों। यहूदा की आत्महत्या के बाद, वे “ग्यारहों” कहलाते थे।

- यीशु के अनेक अन्य शिष्य थे परन्तु “बारहों” यह पदनाम उन्हें इसलिए दिया गया था क्योंकि वह यीशु के बहुत करीब थे।
- इन बारह शिष्यों के नाम, मत्ती 10, मरकुस 3, तथा लूका 6 में सूचीबद्ध हैं।
- यीशु के स्वर्गारोहण के बाद इन ग्यारहों ने मत्तिय्याह को यहूदा के स्थान में चुन लिया था। तब वे फिर से “बारहों” कहलाए।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में संज्ञा शब्द इसमें जोड़ना अधिक स्पष्ट एवं अधिक व्यावहारिक होता है, “बारह शिष्य” या “यीशु के घनिष्ठ बारह शिष्य”।
- “ग्यारहों” का अनुवाद हो सकता है, “यीशु के शेष ग्यारह शिष्य”।
- कुछ अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा काम में लेकर दर्शाया जाता है कि यह पदनाम था जैसे “वे बारह” या “वे ग्यारह”।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:5-7
- प्रे.का. 06:2-4
- लूका 09:1-2
- लूका 18:31-33
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती. 10:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1427, G1733

बाल

तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

- बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
- कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
- बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
- उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।

- राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: आहाब, अशेरा, एलिय्याह, देवता, वैश्या, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4
- यिर्मयाह 02:7-8
- न्यायियों 02:11-13
- गिनती 22:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, __बाल__नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- __19:12__तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1120, G896

बाल

तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

- बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
- कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
- बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
- उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।
- राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: आहाब, अशेरा, एलिय्याह, देवता, वैश्या, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4
- यिर्मयाह 02:7-8
- न्यायियों 02:11-13
- गिनती 22:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, __बाल__नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- __19:12__तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1120, G896

बाल

तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

- बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
- कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
- बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
- उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।
- राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: आहाब, अशेरा, एलिय्याह, देवता, वैश्या, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4
- यिर्मयाह 02:7-8
- न्यायियों 02:11-13
- गिनती 22:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, __बाल__नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- __19:12__तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1120, G896

बाल

तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

- बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
- कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
- बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
- उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।
- राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: आहाब, अशेरा, एलिय्याह, देवता, वैश्या, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4

- यिर्मयाह 02:7-8
- न्यायियों 02:11-13
- गिनती 22:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, __बाल__नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- __19:12__तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1120, G896

बाल

तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

- बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
- कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
- बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
- उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।
- राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: आहाब, अशेरा, एलिय्याह, देवता, वैश्या, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4
- यिर्मयाह 02:7-8
- न्यायियों 02:11-13
- गिनती 22:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, __बाल__नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- __19:12__तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1120, G896

बाल

तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

- बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
- कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
- बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
- उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।
- राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: आहाब, अशेरा, एलिय्याह, देवता, वैश्या, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4
- यिर्मयाह 02:7-8
- न्यायियों 02:11-13
- गिनती 22:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, __बाल__नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- __19:12__तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1120, G896

बाल

तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

- बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
- कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
- बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
- उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।
- राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: आहाब, अशेरा, एलिय्याह, देवता, वैश्या, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4
- यिर्मयाह 02:7-8
- न्यायियों 02:11-13
- गिनती 22:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, __बाल__नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- __19:12__तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1120, G896

बाल

तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

- बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
- कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
- बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
- उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।
- राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: आहाब, अशेरा, एलिय्याह, देवता, वैश्या, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4
- यिर्मयाह 02:7-8
- न्यायियों 02:11-13
- गिनती 22:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, __बाल__नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- __19:12__तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1120, G896

बाल

तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

- बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
- कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
- बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
- उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।

- राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: आहाब, अशेरा, एलिय्याह, देवता, वैश्या, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4
- यिर्मयाह 02:7-8
- न्यायियों 02:11-13
- गिनती 22:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, __बाल__नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- __19:12__तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1120, G896

बाल

तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

- बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
- कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
- बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
- उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।
- राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: आहाब, अशेरा, एलिय्याह, देवता, वैश्या, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4
- यिर्मयाह 02:7-8
- न्यायियों 02:11-13
- गिनती 22:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, __बाल__नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- __19:12__तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1120, G896

बाल

तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

- बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
- कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
- बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
- उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।
- राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: आहाब, अशेरा, एलिय्याह, देवता, वैश्या, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4
- यिर्मयाह 02:7-8
- न्यायियों 02:11-13
- गिनती 22:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, __बाल__नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- __19:12__तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1120, G896

बाल

तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

- बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
- कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
- बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
- उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।
- राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: आहाब, अशेरा, एलिय्याह, देवता, वैश्या, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4

- यिर्मयाह 02:7-8
- न्यायियों 02:11-13
- गिनती 22:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, __बाल__नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- __19:12__तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1120, G896

बाल

तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

- बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
- कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
- बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
- उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।
- राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: आहाब, अशेरा, एलिय्याह, देवता, वैश्या, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4
- यिर्मयाह 02:7-8
- न्यायियों 02:11-13
- गिनती 22:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, __बाल__नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- __19:12__तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1120, G896

बाल

तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

- बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
- कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
- बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
- उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।
- राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: आहाब, अशेरा, एलिय्याह, देवता, वैश्या, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4
- यिर्मयाह 02:7-8
- न्यायियों 02:11-13
- गिनती 22:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, __बाल__नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- __19:12__तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1120, G896

बाल

तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

- बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
- कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
- बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
- उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।
- राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: आहाब, अशेरा, एलिय्याह, देवता, वैश्या, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4
- यिर्मयाह 02:7-8
- न्यायियों 02:11-13
- गिनती 22:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, __बाल__नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- __19:12__तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1120, G896

बाल

तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

- बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
- कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
- बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
- उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।
- राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: आहाब, अशेरा, एलिय्याह, देवता, वैश्या, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4
- यिर्मयाह 02:7-8
- न्यायियों 02:11-13
- गिनती 22:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, __बाल__नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- __19:12__तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1120, G896

बिन्यामीन, बिन्यामीनी, बिन्यामीनियों

तथ्य:

बिन्यामीन याकूब और उसकी पत्नी राहेल का सबसे छोटा पुत्र था। उसके नाम का अर्थ है, “मेरे दाहिने हाथ का पुत्र”

बिन्यामीन और उसका बड़ा भाई यूसुफ राहेल के दो ही पुत्र थे, राहेल बिन्यामीन के जन्म के बाद मर गई थी।

- बिन्यामीन के वंशज इस्राएल का एक गोत्र का था।
- राजा शाऊल इस्राएल के बिन्यामीन गोत्र का था।

- प्रेरित पौलुस भी बिन्यामीन के गोत्र का था।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यूसुफ (पुराना नियम), पौलुस, राहेल, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 02:08
- प्रे.का. 13:21-22
- उत्पत्ति 35:18
- उत्पत्ति 42:04
- उत्पत्ति 42:35-36
- फिलिप्पुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- strongs: H1144, G958

बिन्यामीन, बिन्यामीनी, बिन्यामीनियों

तथ्य:

बिन्यामीन याकूब और उसकी पत्नी राहेल का सबसे छोटा पुत्र था। उसके नाम का अर्थ है, “मेरे दाहिने हाथ का पुत्र”

बिन्यामीन और उसका बड़ा भाई यूसुफ राहेल के दो ही पुत्र थे, राहेल बिन्यामीन के जन्म के बाद मर गई थी।

- बिन्यामीन के वंशज इस्राएल का एक गोत्र का था।
- राजा शाऊल इस्राएल के बिन्यामीन गोत्र का था।
- प्रेरित पौलुस भी बिन्यामीन के गोत्र का था।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यूसुफ (पुराना नियम), पौलुस, राहेल, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 02:08
- प्रे.का. 13:21-22
- उत्पत्ति 35:18
- उत्पत्ति 42:04
- उत्पत्ति 42:35-36
- फिलिप्पुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- strongs: H1144, G958

बिन्यामीन, बिन्यामीनी, बिन्यामीनियों

तथ्य:

बिन्यामीन याकूब और उसकी पत्नी राहेल का सबसे छोटा पुत्र था। उसके नाम का अर्थ है, “मेरे दाहिने हाथ का पुत्र”

बिन्यामीन और उसका बड़ा भाई यूसुफ राहेल के दो ही पुत्र थे, राहेल बिन्यामीन के जन्म के बाद मर गई थी।

- बिन्यामीन के वंशज इस्राएल का एक गोत्र का था।
- राजा शाऊल इस्राएल के बिन्यामीन गोत्र का था।
- प्रेरित पौलुस भी बिन्यामीन के गोत्र का था।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यूसुफ (पुराना नियम), पौलुस, राहेल, इस्राएल के बारह गोत्र)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 02:08
- प्रे.का. 13:21-22
- उत्पत्ति 35:18
- उत्पत्ति 42:04
- उत्पत्ति 42:35-36
- फिलिप्पुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- strongs: H1144, G958

बिन्यामीन, बिन्यामीनी, बिन्यामीनियों

तथ्य:

बिन्यामीन याकूब और उसकी पत्नी राहेल का सबसे छोटा पुत्र था। उसके नाम का अर्थ है, “मेरे दाहिने हाथ का पुत्र”

बिन्यामीन और उसका बड़ा भाई यूसुफ राहेल के दो ही पुत्र थे, राहेल बिन्यामीन के जन्म के बाद मर गई थी।

- बिन्यामीन के वंशज इस्राएल का एक गोत्र का था।
- राजा शाऊल इस्राएल के बिन्यामीन गोत्र का था।
- प्रेरित पौलुस भी बिन्यामीन के गोत्र का था।

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल, यूसुफ (पुराना नियम), पौलुस, राहेल, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 02:08
- प्रे.का. 13:21-22
- उत्पत्ति 35:18
- उत्पत्ति 42:04
- उत्पत्ति 42:35-36
- फिलिप्पुस 03:4-5

शब्द तथ्य:

- strongs: H1144, G958

बिरीया

तथ्य:

नये नियम में बिरीया एक समृद्ध नगर था, मकिदुनिया के दक्षिण पूर्व में थिस्सलुनीके नगर से 80 कि.मी. दूर।

- थिस्सलुनीके नगर में कुछ यहूदियों ने उनके लिए संकट उत्पन्न किया तो उनके विश्वासी भाइयों ने उन्हें वहां से निकल जाने में सहायता की और पौलुस सीलास के साथ बिरीया नगर चला गया।
- बिरीया के लोगों ने पौलुस का प्रचार सुनकर धर्मशास्त्र से तुलना की तो पाया कि पौलुस की बातें सच थी।

(यह भी देखें: मकिदुनिया, पौलुस, सीलास, थिस्सलुनीके)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 17:10-12
- प्रे.का. 17:13-15
- प्रे.का. 20:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: G960

बिलाम

तथ्य:

बिलाम एक अन्यजाति भविष्यद्वक्ता था जिसे राजा बालक ने रिश्वत देकर बुलवाया था कि इस्राएलियों को श्राप दे क्योंकि वे उत्तरी मोआब में, यरदन के तट पर छावनी डाले हुए कनान में प्रवेश करने की तैयारी में थे।

- बिलाम पतोर नगर का निवासी था, यह स्थान मोआब से 400 मील दूर फरात नदी के क्षेत्र में था।
- मिद्यानी राजा बालाक इस्राएलियों की बड़ी संख्या से डरता था इसलिए उसने बिलाम को बुलाया था कि उन्हें श्राप दे।
- जब बिलाम इस्राएलियों की ओर जा रहा था तब परमेश्वर का एक दूत उनका मार्ग अवरूद्ध करके खड़ा हो गया, जिसके कारण बिलाम का गधा रूक गया था। परमेश्वर ने उस गधे को मानवीय भाषा में बिलाम से बोलने की क्षमता प्रदान की।
- परमेश्वर ने बिलाम को अनुमति नहीं दी कि वह इस्राएल को श्राप दे परन्तु बिलाम को उन्हें आशिष देने पर विवश किया।
- परन्तु बिलाम ने इस्राएल की बुराई की और उन पर बाल पिओर की पूजा करने का प्रभाव डाला।

(यह भी देखें: आशीष, कनान, श्राप, गदहा, फरात महानद, यरदन नदी, मिद्यान, मोआब, पोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:15-16
- व्यवस्थाविवरण 23:3-4
- यहोशू 13:22-23
- गिनती 22:5-6
- प्रकाशितवाक्य 02:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1109, G903

बिलाम

तथ्य:

बिलाम एक अन्यजाति भविष्यद्वक्ता था जिसे राजा बालक ने रिश्वत देकर बुलवाया था कि इस्राएलियों को श्राप दे क्योंकि वे उत्तरी मोआब में, यरदन के तट पर छावनी डाले हुए कनान में प्रवेश करने की तैयारी में थे।

- बिलाम पतोर नगर का निवासी था, यह स्थान मोआब से 400 मील दूर फरात नदी के क्षेत्र में था।
- मिद्यानी राजा बालाक इस्राएलियों की बड़ी संख्या से डरता था इसलिए उसने बिलाम को बुलाया था कि उन्हें श्राप दे।
- जब बिलाम इस्राएलियों की ओर जा रहा था तब परमेश्वर का एक दूत उनका मार्ग अवरूद्ध करके खड़ा हो गया, जिसके कारण बिलाम का गधा रूक गया था। परमेश्वर ने उस गधे को मानवीय भाषा में बिलाम से बोलने की क्षमता प्रदान की।
- परमेश्वर ने बिलाम को अनुमति नहीं दी कि वह इस्राएल को श्राप दे परन्तु बिलाम को उन्हें आशिष देने पर विवश किया।
- परन्तु बिलाम ने इस्राएल की बुराई की और उन पर बाल पिओर की पूजा करने का प्रभाव डाला।

(यह भी देखें: आशीष, कनान, श्राप, गदहा, फरात महानद, यरदन नदी, मिद्यान, मोआब, पोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:15-16
- व्यवस्थाविवरण 23:3-4
- यहोशू 13:22-23
- गिनती 22:5-6
- प्रकाशितवाक्य 02:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1109, G903

बिलाम

तथ्य:

बिलाम एक अन्यजाति भविष्यद्वक्ता था जिसे राजा बालक ने रिश्वत देकर बुलवाया था कि इस्राएलियों को श्राप दे क्योंकि वे उत्तरी मोआब में, यरदन के तट पर छावनी डाले हुए कनान में प्रवेश करने की तैयारी में थे।

- बिलाम पतोर नगर का निवासी था, यह स्थान मोआब से 400 मील दूर फरात नदी के क्षेत्र में था।
- मिद्यानी राजा बालाक इस्राएलियों की बड़ी संख्या से डरता था इसलिए उसने बिलाम को बुलाया था कि उन्हें श्राप दे।
- जब बिलाम इस्राएलियों की ओर जा रहा था तब परमेश्वर का एक दूत उनका मार्ग अवरूद्ध करके खड़ा हो गया, जिसके कारण बिलाम का गधा रूक गया था। परमेश्वर ने उस गधे को मानवीय भाषा में बिलाम से बोलने की क्षमता प्रदान की।
- परमेश्वर ने बिलाम को अनुमति नहीं दी कि वह इस्राएल को श्राप दे परन्तु बिलाम को उन्हें आशिष देने पर विवश किया।
- परन्तु बिलाम ने इस्राएल की बुराई की और उन पर बाल पिओर की पूजा करने का प्रभाव डाला।

(यह भी देखें: आशीष, कनान, श्राप, गदहा, फरात महानद, यरदन नदी, मिद्यान, मोआब, पोर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:15-16
- व्यवस्थाविवरण 23:3-4
- यहोशू 13:22-23
- गिनती 22:5-6
- प्रकाशितवाक्य 02:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1109, G903

बीज, वीर्य

परिभाषा:

बीज पौधे का वह भाग है जिसे भूमि में डालने पर उसी जाति का पौधा अंकुरित होता है।तथापि बाइबल में "बीज" शब्द का उपयोग लाक्षणिक रूप में भी किया गया है जिसके अनेक भिन्न-भिन्न अर्थ हैं।

- "बीज" शब्द प्रतीकात्मक और शिष्टोक्ति रूप में स्त्री-पुरुष की सन्तानोत्पत्ति की सूक्ष्म कोशिकाओं के लिए भी काम में लिया गया है। इनको वीर्य कहा जाता है।
- इसी संदर्भ में "बीज" शब्द मनुष्य की सन्तान या वंशजों के लिए भी काम में लिया जाता है।
- इस शब्द का अर्थ प्राय: बहुवचन में होता है जो एक से अधिक बीज के दानों या एक से अधिक वंशजों के संदर्भ में होता है।
- बीज बोनेवाले के दृष्टान्त में यीशु उसके बीजों की तुलना परमेश्वर के वचनसे करता है, जब यह मनुष्यों के मन में अंकुरित होता है तब उत्तम आत्मिक फल लाता है।
- प्रेरित पौलुस भी "बीज" शब्द का उपयोग परमेश्वर के वचन के संदर्भ में करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब संदर्भ वास्तव में बीज का ही हो, तो अनुवाद में "बीज" शब्द का ही उपयोग किया जाए, जो लक्षित भाषा में उपयोग किया जाता है,अर्तात किसान द्वारा अपने खेत में बोया जाने वाला बीज।
- जब परमेश्वर के वचन का लाक्षणिक संदर्भ हो तब बीज शब्द को ज्यों का त्यों ही काम में लेना होगा.
- प्रतीकात्मक उपयोग में जब सन्दर्भ एक ही वंश के पारिवारिक सदसयों से हो तब "बीज" की अपेक्षा "वंशज" या "वंशजों" शब्दों का उपयोग अधिक स्पष्ट होगा। कुछ भाषाओं में ऐसा शब्द भी हो सकता है जिसका अर्थ "सन्तान और नाती-पोते" हो।
- स्त्री या पुरुष का "बीज" के लिए देखें कि लक्षित भाषा में इसे किस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है जिससे पाठकों को बुरा न लगे या लज्जा का अनुभव न हो।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:32
- उत्पत्ति 01:11

- यिर्मयाह 02:21
- मत्ती 13:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2232, H2233, H3610, H6507, G4615, G4687, G4690, G4701, G4703

बीज, वीर्य

परिभाषा:

बीज पौधे का वह भाग है जिसे भूमि में डालने पर उसी जाति का पौधा अंकुरित होता है।तथापि बाइबल में "बीज" शब्द का उपयोग लाक्षणिक रूप में भी किया गया है जिसके अनेक भिन्न-भिन्न अर्थ हैं।

- "बीज" शब्द प्रतीकात्मक और शिष्टोक्ति रूप में स्त्री-पुरुष की सन्तानोत्पत्ति की सूक्ष्म कोशिकाओं के लिए भी काम में लिया गया है। इनको वीर्य कहा जाता है।
- इसी संदर्भ में "बीज" शब्द मनुष्य की सन्तान या वंशजों के लिए भी काम में लिया जाता है।
- इस शब्द का अर्थ प्रायः बहुवचन में होता है जो एक से अधिक बीज के दानों या एक से अधिक वंशजों के संदर्भ में होता है।
- बीज बोनेवाले के दृष्टान्त में यीशु उसके बीजों की तुलना परमेश्वर के वचनसे करता है, जब यह मनुष्यों के मन में अंकुरित होता है तब उत्तम आत्मिक फल लाता है।
- प्रेरित पौलुस भी "बीज" शब्द का उपयोग परमेश्वर के वचन के संदर्भ में करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब संदर्भ वास्तव में बीज का ही हो, तो अनुवाद में "बीज" शब्द का ही उपयोग किया जाए, जो लक्षित भाषा में उपयोग किया जाता है,अर्तात किसान द्वारा अपने खेत में बोया जाने वाला बीज।
- जब परमेश्वर के वचन का लाक्षणिक संदर्भ हो तब बीज शब्द को ज्यों का त्यों ही काम में लेना होगा.
- प्रतीकात्मक उपयोग में जब सन्दर्भ एक ही वंश के पारिवारिक सदसयों से हो तब "बीज" की अपेक्षा "वंशज" या "वंशजों" शब्दों का उपयोग अधिक स्पष्ट होगा। कुछ भाषाओं में ऐसा शब्द भी हो सकता है जिसका अर्थ "सन्तान और नाती-पोते" हो।
- स्त्री या पुरुष का "बीज" के लिए देखें कि लक्षित भाषा में इसे किस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है जिससे पाठकों को बुरा न लगे या लज्जा का अनुभव न हो।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:32
- उत्पत्ति 01:11
- यिर्मयाह 02:21
- मत्ती 13:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2232, H2233, H3610, H6507, G4615, G4687, G4690, G4701, G4703

बीज, वीर्य

परिभाषा:

बीज पौधे का वह भाग है जिसे भूमि में डालने पर उसी जाति का पौधा अंकुरित होता है।तथापि बाइबल में "बीज" शब्द का उपयोग लाक्षणिक रूप में भी किया गया है जिसके अनेक भिन्न-भिन्न अर्थ हैं।

- "बीज" शब्द प्रतीकात्मक और शिष्टोक्ति रूप में स्त्री-पुरुष की सन्तानोत्पत्ति की सूक्ष्म कोशिकाओं के लिए भी काम में लिया गया है। इनको वीर्य कहा जाता है।
- इसी संदर्भ में "बीज" शब्द मनुष्य की सन्तान या वंशजों के लिए भी काम में लिया जाता है।
- इस शब्द का अर्थ प्रायः बहुवचन में होता है जो एक से अधिक बीज के दानों या एक से अधिक वंशजों के संदर्भ में होता है।
- बीज बोनेवाले के दृष्टान्त में यीशु उसके बीजों की तुलना परमेश्वर के वचनसे करता है, जब यह मनुष्यों के मन में अंकुरित होता है तब उत्तम आत्मिक फल लाता है।
- प्रेरित पौलुस भी "बीज" शब्द का उपयोग परमेश्वर के वचन के संदर्भ में करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब संदर्भ वास्तव में बीज का ही हो, तो अनुवाद में "बीज" शब्द का ही उपयोग किया जाए, जो लक्षित भाषा में उपयोग किया जाता है,अर्तात किसान द्वारा अपने खेत में बोया जाने वाला बीज।
- जब परमेश्वर के वचन का लाक्षणिक संदर्भ हो तब बीज शब्द को ज्यों का त्यों ही काम में लेना होगा.
- प्रतीकात्मक उपयोग में जब सन्दर्भ एक ही वंश के पारिवारिक सदसयों से हो तब "बीज" की अपेक्षा "वंशज" या "वंशजों" शब्दों का उपयोग अधिक स्पष्ट होगा। कुछ भाषाओं में ऐसा शब्द भी हो सकता है जिसका अर्थ "सन्तान और नाती-पोते" हो।
- स्त्री या पुरुष का "बीज" के लिए देखें कि लक्षित भाषा में इसे किस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है जिससे पाठकों को बुरा न लगे या लज्जा का अनुभव न हो।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:32
- उत्पत्ति 01:11
- यिर्मयाह 02:21
- मत्ती 13:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2232, H2233, H3610, H6507, G4615, G4687, G4690, G4701, G4703

बीज, वीर्य

परिभाषा:

बीज पौधे का वह भाग है जिसे भूमि में डालने पर उसी जाति का पौधा अंकुरित होता है।तथापि बाइबल में "बीज" शब्द का उपयोग लाक्षणिक रूप में भी किया गया है जिसके अनेक भिन्न-भिन्न अर्थ हैं।

- "बीज" शब्द प्रतीकात्मक और शिष्टोक्ति रूप में स्त्री-पुरुष की सन्तानोत्पत्ति की सूक्ष्म कोशिकाओं के लिए भी काम में लिया गया है। इनको वीर्य कहा जाता है।
- इसी संदर्भ में "बीज" शब्द मनुष्य की सन्तान या वंशजों के लिए भी काम में लिया जाता है।
- इस शब्द का अर्थ प्रायः बहुवचन में होता है जो एक से अधिक बीज के दानों या एक से अधिक वंशजों के संदर्भ में होता है।
- बीज बोनेवाले के दृष्टान्त में यीशु उसके बीजों की तुलना परमेश्वर के वचनसे करता है, जब यह मनुष्यों के मन में अंकुरित होता है तब उत्तम आत्मिक फल लाता है।
- प्रेरित पौलुस भी "बीज" शब्द का उपयोग परमेश्वर के वचन के संदर्भ में करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब संदर्भ वास्तव में बीज का ही हो, तो अनुवाद में "बीज" शब्द का ही उपयोग किया जाए, जो लक्षित भाषा में उपयोग किया जाता है,अर्तात किसान द्वारा अपने खेत में बोया जाने वाला बीज।
- जब परमेश्वर के वचन का लाक्षणिक संदर्भ हो तब बीज शब्द को ज्यों का त्यों ही काम में लेना होगा.
- प्रतीकात्मक उपयोग में जब सन्दर्भ एक ही वंश के पारिवारिक सदसयों से हो तब "बीज" की अपेक्षा "वंशज" या "वंशजों" शब्दों का उपयोग अधिक स्पष्ट होगा। कुछ भाषाओं में ऐसा शब्द भी हो सकता है जिसका अर्थ "सन्तान और नाती-पोते" हो।
- स्त्री या पुरुष का "बीज" के लिए देखें कि लक्षित भाषा में इसे किस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है जिससे पाठकों को बुरा न लगे या लज्जा का अनुभव न हो।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:32
- उत्पत्ति 01:11
- यिर्मयाह 02:21
- मत्ती 13:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2232, H2233, H3610, H6507, G4615, G4687, G4690, G4701, G4703

बीज, वीर्य

परिभाषा:

बीज पौधे का वह भाग है जिसे भूमि में डालने पर उसी जाति का पौधा अंकुरित होता है।तथापि बाइबल में "बीज" शब्द का उपयोग लाक्षणिक रूप में भी किया गया है जिसके अनेक भिन्न-भिन्न अर्थ हैं।

- "बीज" शब्द प्रतीकात्मक और शिष्टोक्ति रूप में स्त्री-पुरुष की सन्तानोत्पत्ति की सूक्ष्म कोशिकाओं के लिए भी काम में लिया गया है। इनको वीर्य कहा जाता है।
- इसी संदर्भ में "बीज" शब्द मनुष्य की सन्तान या वंशजों के लिए भी काम में लिया जाता है।
- इस शब्द का अर्थ प्रायः बहुवचन में होता है जो एक से अधिक बीज के दानों या एक से अधिक वंशजों के संदर्भ में होता है।
- बीज बोनेवाले के दृष्टान्त में यीशु उसके बीजों की तुलना परमेश्वर के वचनसे करता है, जब यह मनुष्यों के मन में अंकुरित होता है तब उत्तम आत्मिक फल लाता है।
- प्रेरित पौलुस भी "बीज" शब्द का उपयोग परमेश्वर के वचन के संदर्भ में करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब संदर्भ वास्तव में बीज का ही हो, तो अनुवाद में "बीज" शब्द का ही उपयोग किया जाए, जो लक्षित भाषा में उपयोग किया जाता है,अर्तात किसान द्वारा अपने खेत में बोया जाने वाला बीज।
- जब परमेश्वर के वचन का लाक्षणिक संदर्भ हो तब बीज शब्द को ज्यों का त्यों ही काम में लेना होगा.
- प्रतीकात्मक उपयोग में जब सन्दर्भ एक ही वंश के पारिवारिक सदसयों से हो तब "बीज" की अपेक्षा "वंशज" या "वंशजों" शब्दों का उपयोग अधिक स्पष्ट होगा। कुछ भाषाओं में ऐसा शब्द भी हो सकता है जिसका अर्थ "सन्तान और नाती-पोते" हो।
- स्त्री या पुरुष का "बीज" के लिए देखें कि लक्षित भाषा में इसे किस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है जिससे पाठकों को बुरा न लगे या लज्जा का अनुभव न हो।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:32
- उत्पत्ति 01:11
- यिर्मयाह 02:21
- मत्ती 13:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2232, H2233, H3610, H6507, G4615, G4687, G4690, G4701, G4703

बीज, वीर्य

परिभाषा:

बीज पौधे का वह भाग है जिसे भूमि में डालने पर उसी जाति का पौधा अंकुरित होता है।तथापि बाइबल में "बीज" शब्द का उपयोग लाक्षणिक रूप में भी किया गया है जिसके अनेक भिन्न-भिन्न अर्थ हैं।

- "बीज" शब्द प्रतीकात्मक और शिष्टोक्ति रूप में स्त्री-पुरुष की सन्तानोत्पत्ति की सूक्ष्म कोशिकाओं के लिए भी काम में लिया गया है। इनको वीर्य कहा जाता है।
- इसी संदर्भ में "बीज" शब्द मनुष्य की सन्तान या वंशजों के लिए भी काम में लिया जाता है।
- इस शब्द का अर्थ प्रायः बहुवचन में होता है जो एक से अधिक बीज के दानों या एक से अधिक वंशजों के संदर्भ में होता है।
- बीज बोनेवाले के दृष्टान्त में यीशु उसके बीजों की तुलना परमेश्वर के वचनसे करता है, जब यह मनुष्यों के मन में अंकुरित होता है तब उत्तम आत्मिक फल लाता है।
- प्रेरित पौलुस भी "बीज" शब्द का उपयोग परमेश्वर के वचन के संदर्भ में करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब संदर्भ वास्तव में बीज का ही हो, तो अनुवाद में "बीज" शब्द का ही उपयोग किया जाए, जो लक्षित भाषा में उपयोग किया जाता है,अर्तात किसान द्वारा अपने खेत में बोया जाने वाला बीज।
- जब परमेश्वर के वचन का लाक्षणिक संदर्भ हो तब बीज शब्द को ज्यों का त्यों ही काम में लेना होगा.
- प्रतीकात्मक उपयोग में जब सन्दर्भ एक ही वंश के पारिवारिक सदसयों से हो तब "बीज" की अपेक्षा "वंशज" या "वंशजों" शब्दों का उपयोग अधिक स्पष्ट होगा। कुछ भाषाओं में ऐसा शब्द भी हो सकता है जिसका अर्थ "सन्तान और नाती-पोते" हो।
- स्त्री या पुरुष का "बीज" के लिए देखें कि लक्षित भाषा में इसे किस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है जिससे पाठकों को बुरा न लगे या लज्जा का अनुभव न हो।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:32
- उत्पत्ति 01:11
- यिर्मयाह 02:21
- मत्ती 13:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2232, H2233, H3610, H6507, G4615, G4687, G4690, G4701, G4703

बीज, वीर्य

परिभाषा:

बीज पौधे का वह भाग है जिसे भूमि में डालने पर उसी जाति का पौधा अंकुरित होता है।तथापि बाइबल में "बीज" शब्द का उपयोग लाक्षणिक रूप में भी किया गया है जिसके अनेक भिन्न-भिन्न अर्थ हैं।

- "बीज" शब्द प्रतीकात्मक और शिष्टोक्ति रूप में स्त्री-पुरुष की सन्तानोत्पत्ति की सूक्ष्म कोशिकाओं के लिए भी काम में लिया गया है। इनको वीर्य कहा जाता है।
- इसी संदर्भ में "बीज" शब्द मनुष्य की सन्तान या वंशजों के लिए भी काम में लिया जाता है।
- इस शब्द का अर्थ प्रायः बहुवचन में होता है जो एक से अधिक बीज के दानों या एक से अधिक वंशजों के संदर्भ में होता है।
- बीज बोनेवाले के दृष्टान्त में यीशु उसके बीजों की तुलना परमेश्वर के वचनसे करता है, जब यह मनुष्यों के मन में अंकुरित होता है तब उत्तम आत्मिक फल लाता है।
- प्रेरित पौलुस भी "बीज" शब्द का उपयोग परमेश्वर के वचन के संदर्भ में करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब संदर्भ वास्तव में बीज का ही हो, तो अनुवाद में "बीज" शब्द का ही उपयोग किया जाए, जो लक्षित भाषा में उपयोग किया जाता है,अर्तात किसान द्वारा अपने खेत में बोया जाने वाला बीज।
- जब परमेश्वर के वचन का लाक्षणिक संदर्भ हो तब बीज शब्द को ज्यों का त्यों ही काम में लेना होगा.
- प्रतीकात्मक उपयोग में जब सन्दर्भ एक ही वंश के पारिवारिक सदसयों से हो तब "बीज" की अपेक्षा "वंशज" या "वंशजों" शब्दों का उपयोग अधिक स्पष्ट होगा। कुछ भाषाओं में ऐसा शब्द भी हो सकता है जिसका अर्थ "सन्तान और नाती-पोते" हो।
- स्त्री या पुरुष का "बीज" के लिए देखें कि लक्षित भाषा में इसे किस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है जिससे पाठकों को बुरा न लगे या लज्जा का अनुभव न हो।

(यह भी देखें: उतरेगा, वंश

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:32
- उत्पत्ति 01:11
- यिर्मयाह 02:21
- मत्ती 13:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2232, H2233, H3610, H6507, G4615, G4687, G4690, G4701, G4703

बुद्धिमान, बुद्धि

परिभाषा:

“बुद्धिमान” वह मनुष्य है जो समझता है कि करने के लिए क्या उचित एवं नैतिक है और उसे करता है। “बुद्धि” जो सच एवं नैतिकता में उचित है उसे समझना और उसका अभ्यास करना।

- बुद्धिमान होना अर्थात उचित निर्णय लेने की क्षमता, विशेष करके परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले काम करना।
- मनुष्य परमेश्वर की बात सुनकर और दीनतापूर्वक उसकी इच्छा का पालन करके बुद्धिमान बनते हैं।
- बुद्धिमान मनुष्य अपने जीवन में पवित्र-आत्मा के फल-आनंद, दया, प्रेम, धीरज-प्रकट करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुद्धिमान” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर के आज्ञाकारी” या “समझदार और आज्ञाकारी” या “परमेश्वर का भय माननेवाले।”
- “बुद्धि” के अनुवाद में एक ऐसा शब्द या उक्ति काम में लें जिसका अर्थ है, “बुद्धिमानी का जीवन” या “समझदारी और आज्ञापालन का जीवन” या “उचित निर्णय।”
- “बुद्धि” और “बुद्धिमान” के अनुवाद अन्य प्रमुख शब्दों जैसे धार्मिक या आज्ञाकारी से भिन्न होना उचित है।

(यह भी देखें: आज्ञा मानना, फल)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 06:2-4
- कुलुस्सियों 03:15-17
- निर्गमन 31:6-9
- उत्पत्ति 03:4-6
- यशा. 19:11-12
- यिर्मयाह 18:18-20
- मत्ती. 07:24-25

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- 02:05__वह __बुद्धिमान भी बनना चाहती थी, इसलिये उसने कुछ फल लिये और उसे खा लिया।
- **18:01** जब सुलैमान ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया।
- **23:09** कुछ समय बाद ज्योतिषियों ने पूर्व में एक तारा देखा।
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H998, H1350, H2445, H2449, H2450, H2451, H2452, H2454, H2942, H3820, H3823, H6195, H6493, H6912, H7535, H7919, H7922, H8454, G4678, G4679, G4680, G4920, G5428, G5429, G5430

बुद्धिमान, बुद्धि

परिभाषा:

“बुद्धिमान” वह मनुष्य है जो समझता है कि करने के लिए क्या उचित एवं नैतिक है और उसे करता है। “बुद्धि” जो सच एवं नैतिकता में उचित है उसे समझना और उसका अभ्यास करना।

- बुद्धिमान होना अर्थात उचित निर्णय लेने की क्षमता, विशेष करके परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले काम करना।
- मनुष्य परमेश्वर की बात सुनकर और दीनतापूर्वक उसकी इच्छा का पालन करके बुद्धिमान बनते हैं।
- बुद्धिमान मनुष्य अपने जीवन में पवित्र-आत्मा के फल-आनंद, दया, प्रेम, धीरज-प्रकट करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुद्धिमान” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर के आज्ञाकारी” या “समझदार और आज्ञाकारी” या “परमेश्वर का भय माननेवाले।”
- “बुद्धि” के अनुवाद में एक ऐसा शब्द या उक्ति काम में लें जिसका अर्थ है, “बुद्धिमानी का जीवन” या “समझदारी और आज्ञापालन का जीवन” या “उचित निर्णय।”
- “बुद्धि” और “बुद्धिमान” के अनुवाद अन्य प्रमुख शब्दों जैसे धार्मिक या आज्ञाकारी से भिन्न होना उचित है।

(यह भी देखें: आज्ञा मानना, फल)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 06:2-4
- कुलुस्सियों 03:15-17
- निर्गमन 31:6-9
- उत्पत्ति 03:4-6
- यशा. 19:11-12
- यिर्मयाह 18:18-20
- मत्ती. 07:24-25

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- 02:05__वह __बुद्धिमान भी बनना चाहती थी, इसलिये उसने कुछ फल लिये और उसे खा लिया।
- **18:01** जब सुलैमान ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया।
- **23:09** कुछ समय बाद ज्योतिषियों ने पूर्व में एक तारा देखा।
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H998, H1350, H2445, H2449, H2450, H2451, H2452, H2454, H2942, H3820, H3823, H6195, H6493, H6912, H7535, H7919, H7922, H8454, G4678, G4679, G4680, G4920, G5428, G5429, G5430

बुद्धिमान, बुद्धि

परिभाषा:

“बुद्धिमान” वह मनुष्य है जो समझता है कि करने के लिए क्या उचित एवं नैतिक है और उसे करता है। “बुद्धि” जो सच एवं नैतिकता में उचित है उसे समझना और उसका अभ्यास करना।

- बुद्धिमान होना अर्थात उचित निर्णय लेने की क्षमता, विशेष करके परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले काम करना।
- मनुष्य परमेश्वर की बात सुनकर और दीनतापूर्वक उसकी इच्छा का पालन करके बुद्धिमान बनते हैं।
- बुद्धिमान मनुष्य अपने जीवन में पवित्र-आत्मा के फल-आनंद, दया, प्रेम, धीरज-प्रकट करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुद्धिमान” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर के आज्ञाकारी” या “समझदार और आज्ञाकारी” या “परमेश्वर का भय माननेवाले।”
- “बुद्धि” के अनुवाद में एक ऐसा शब्द या उक्ति काम में लें जिसका अर्थ है, “बुद्धिमानी का जीवन” या “समझदारी और आज्ञापालन का जीवन” या “उचित निर्णय।”
- “बुद्धि” और “बुद्धिमान” के अनुवाद अन्य प्रमुख शब्दों जैसे धार्मिक या आज्ञाकारी से भिन्न होना उचित है।

(यह भी देखें: आज्ञा मानना, फल)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 06:2-4
- कुलुस्सियों 03:15-17
- निर्गमन 31:6-9

- उत्पत्ति 03:4-6
- यशा. 19:11-12
- यिर्मयाह 18:18-20
- मत्ती. 07:24-25

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- 02:05__वह __बुद्धिमान भी बनना चाहती थी, इसलिये उसने कुछ फल लिये और उसे खा लिया।
- **18:01** जब सुलैमान ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया।
- **23:09** कुछ समय बाद ज्योतिषियों ने पूर्व में एक तारा देखा।
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H998, H1350, H2445, H2449, H2450, H2451, H2452, H2454, H2942, H3820, H3823, H6195, H6493, H6912, H7535, H7919, H7922, H8454, G4678, G4679, G4680, G4920, G5428, G5429, G5430

बुद्धिमान, बुद्धि

परिभाषा:

“बुद्धिमान” वह मनुष्य है जो समझता है कि करने के लिए क्या उचित एवं नैतिक है और उसे करता है। “बुद्धि” जो सच एवं नैतिकता में उचित है उसे समझना और उसका अभ्यास करना।

- बुद्धिमान होना अर्थात उचित निर्णय लेने की क्षमता, विशेष करके परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले काम करना।
- मनुष्य परमेश्वर की बात सुनकर और दीनतापूर्वक उसकी इच्छा का पालन करके बुद्धिमान बनते हैं।
- बुद्धिमान मनुष्य अपने जीवन में पवित्र-आत्मा के फल-आनंद, दया, प्रेम, धीरज-प्रकट करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुद्धिमान” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर के आज्ञाकारी” या “समझदार और आज्ञाकारी” या “परमेश्वर का भय माननेवाले।”
- “बुद्धि” के अनुवाद में एक ऐसा शब्द या उक्ति काम में लें जिसका अर्थ है, “बुद्धिमानी का जीवन” या “समझदारी और आज्ञापालन का जीवन” या “उचित निर्णय।”
- “बुद्धि” और “बुद्धिमान” के अनुवाद अन्य प्रमुख शब्दों जैसे धार्मिक या आज्ञाकारी से भिन्न होना उचित है।

(यह भी देखें: आज्ञा मानना, फल)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 06:2-4
- कुलुस्सियों 03:15-17
- निर्गमन 31:6-9
- उत्पत्ति 03:4-6
- यशा. 19:11-12
- यिर्मयाह 18:18-20
- मत्ती. 07:24-25

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- 02:05__वह __बुद्धिमान भी बनना चाहती थी, इसलिये उसने कुछ फल लिये और उसे खा लिया।
- **18:01** जब सुलैमान ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया।
- **23:09** कुछ समय बाद ज्योतिषियों ने पूर्व में एक तारा देखा।
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H998, H1350, H2445, H2449, H2450, H2451, H2452, H2454, H2942, H3820, H3823, H6195, H6493, H6912, H7535, H7919, H7922, H8454, G4678, G4679, G4680, G4920, G5428, G5429, G5430

बुद्धिमान, बुद्धि

परिभाषा:

“बुद्धिमान” वह मनुष्य है जो समझता है कि करने के लिए क्या उचित एवं नैतिक है और उसे करता है। “बुद्धि” जो सच एवं नैतिकता में उचित है उसे समझना और उसका अभ्यास करना।

- बुद्धिमान होना अर्थात उचित निर्णय लेने की क्षमता, विशेष करके परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले काम करना।
- मनुष्य परमेश्वर की बात सुनकर और दीनतापूर्वक उसकी इच्छा का पालन करके बुद्धिमान बनते हैं।
- बुद्धिमान मनुष्य अपने जीवन में पवित्र-आत्मा के फल-आनंद, दया, प्रेम, धीरज-प्रकट करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुद्धिमान” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर के आज्ञाकारी” या “समझदार और आज्ञाकारी” या “परमेश्वर का भय माननेवाले।”
- “बुद्धि” के अनुवाद में एक ऐसा शब्द या उक्ति काम में लें जिसका अर्थ है, “बुद्धिमानी का जीवन” या “समझदारी और आज्ञापालन का जीवन” या “उचित निर्णय।”
- “बुद्धि” और “बुद्धिमान” के अनुवाद अन्य प्रमुख शब्दों जैसे धार्मिक या आज्ञाकारी से भिन्न होना उचित है।

(यह भी देखें: आज्ञा मानना, फल)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 06:2-4
- कुलुस्सियों 03:15-17
- निर्गमन 31:6-9
- उत्पत्ति 03:4-6
- यशा. 19:11-12
- यिर्मयाह 18:18-20
- मत्ती. 07:24-25

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- 02:05__वह __बुद्धिमान भी बनना चाहती थी, इसलिये उसने कुछ फल लिये और उसे खा लिया।
- **18:01** जब सुलैमान ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया।
- **23:09** कुछ समय बाद ज्योतिषियों ने पूर्व में एक तारा देखा।
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H998, H1350, H2445, H2449, H2450, H2451, H2452, H2454, H2942, H3820, H3823, H6195, H6493, H6912, H7535, H7919, H7922, H8454, G4678, G4679, G4680, G4920, G5428, G5429, G5430

बुद्धिमान, बुद्धि

परिभाषा:

“बुद्धिमान” वह मनुष्य है जो समझता है कि करने के लिए क्या उचित एवं नैतिक है और उसे करता है। “बुद्धि” जो सच एवं नैतिकता में उचित है उसे समझना और उसका अभ्यास करना।

- बुद्धिमान होना अर्थात उचित निर्णय लेने की क्षमता, विशेष करके परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले काम करना।
- मनुष्य परमेश्वर की बात सुनकर और दीनतापूर्वक उसकी इच्छा का पालन करके बुद्धिमान बनते हैं।

- बुद्धिमान मनुष्य अपने जीवन में पवित्र-आत्मा के फल-आनंद, दया, प्रेम, धीरज-प्रकट करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुद्धिमान” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर के आज्ञाकारी” या “समझदार और आज्ञाकारी” या “परमेश्वर का भय माननेवाले।”
- “बुद्धि” के अनुवाद में एक ऐसा शब्द या उक्ति काम में लें जिसका अर्थ है, “बुद्धिमानी का जीवन” या “समझदारी और आज्ञापालन का जीवन” या “उचित निर्णय।”
- “बुद्धि” और “बुद्धिमान” के अनुवाद अन्य प्रमुख शब्दों जैसे धार्मिक या आज्ञाकारी से भिन्न होना उचित है।

(यह भी देखें: आज्ञा मानना, फल)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 06:2-4
- कुलुस्सियों 03:15-17
- निर्गमन 31:6-9
- उत्पत्ति 03:4-6
- यशा. 19:11-12
- यिर्मयाह 18:18-20
- मत्ती. 07:24-25

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- 02:05__वह __बुद्धिमान भी बनना चाहती थी, इसलिये उसने कुछ फल लिये और उसे खा लिया।
- **18:01** जब सुलैमान ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया।
- **23:09** कुछ समय बाद ज्योतिषियों ने पूर्व में एक तारा देखा।
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H998, H1350, H2445, H2449, H2450, H2451, H2452, H2454, H2942, H3820, H3823, H6195, H6493, H6912, H7535, H7919, H7922, H8454, G4678, G4679, G4680, G4920, G5428, G5429, G5430

बुद्धिमान, बुद्धि

परिभाषा:

“बुद्धिमान” वह मनुष्य है जो समझता है कि करने के लिए क्या उचित एवं नैतिक है और उसे करता है। “बुद्धि” जो सच एवं नैतिकता में उचित है उसे समझना और उसका अभ्यास करना।

- बुद्धिमान होना अर्थात उचित निर्णय लेने की क्षमता, विशेष करके परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले काम करना।
- मनुष्य परमेश्वर की बात सुनकर और दीनतापूर्वक उसकी इच्छा का पालन करके बुद्धिमान बनते हैं।
- बुद्धिमान मनुष्य अपने जीवन में पवित्र-आत्मा के फल-आनंद, दया, प्रेम, धीरज-प्रकट करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुद्धिमान” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर के आज्ञाकारी” या “समझदार और आज्ञाकारी” या “परमेश्वर का भय माननेवाले।”
- “बुद्धि” के अनुवाद में एक ऐसा शब्द या उक्ति काम में लें जिसका अर्थ है, “बुद्धिमानी का जीवन” या “समझदारी और आज्ञापालन का जीवन” या “उचित निर्णय।”
- “बुद्धि” और “बुद्धिमान” के अनुवाद अन्य प्रमुख शब्दों जैसे धार्मिक या आज्ञाकारी से भिन्न होना उचित है।

(यह भी देखें: आज्ञा मानना, फल)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 06:2-4

- कुलुस्सियों 03:15-17
- निर्गमन 31:6-9
- उत्पत्ति 03:4-6
- यशा. 19:11-12
- यिर्मयाह 18:18-20
- मत्ती. 07:24-25

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- 02:05__वह __बुद्धिमान भी बनना चाहती थी, इसलिये उसने कुछ फल लिये और उसे खा लिया।
- **18:01** जब सुलैमान ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया।
- **23:09** कुछ समय बाद ज्योतिषियों ने पूर्व में एक तारा देखा।
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H998, H1350, H2445, H2449, H2450, H2451, H2452, H2454, H2942, H3820, H3823, H6195, H6493, H6912, H7535, H7919, H7922, H8454, G4678, G4679, G4680, G4920, G5428, G5429, G5430

बुद्धिमान, बुद्धि

परिभाषा:

“बुद्धिमान” वह मनुष्य है जो समझता है कि करने के लिए क्या उचित एवं नैतिक है और उसे करता है। “बुद्धि” जो सच एवं नैतिकता में उचित है उसे समझना और उसका अभ्यास करना।

- बुद्धिमान होना अर्थात उचित निर्णय लेने की क्षमता, विशेष करके परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले काम करना।
- मनुष्य परमेश्वर की बात सुनकर और दीनतापूर्वक उसकी इच्छा का पालन करके बुद्धिमान बनते हैं।
- बुद्धिमान मनुष्य अपने जीवन में पवित्र-आत्मा के फल-आनंद, दया, प्रेम, धीरज-प्रकट करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुद्धिमान” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर के आज्ञाकारी” या “समझदार और आज्ञाकारी” या “परमेश्वर का भय माननेवाले।”
- “बुद्धि” के अनुवाद में एक ऐसा शब्द या उक्ति काम में लें जिसका अर्थ है, “बुद्धिमानी का जीवन” या “समझदारी और आज्ञापालन का जीवन” या “उचित निर्णय।”
- “बुद्धि” और “बुद्धिमान” के अनुवाद अन्य प्रमुख शब्दों जैसे धार्मिक या आज्ञाकारी से भिन्न होना उचित है।

(यह भी देखें: आज्ञा मानना, फल)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 06:2-4
- कुलुस्सियों 03:15-17
- निर्गमन 31:6-9
- उत्पत्ति 03:4-6
- यशा. 19:11-12
- यिर्मयाह 18:18-20
- मत्ती. 07:24-25

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- 02:05__वह __बुद्धिमान भी बनना चाहती थी, इसलिये उसने कुछ फल लिये और उसे खा लिया।
- **18:01** जब सुलैमान ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया।
- **23:09** कुछ समय बाद ज्योतिषियों ने पूर्व में एक तारा देखा।
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H998, H1350, H2445, H2449, H2450, H2451, H2452, H2454, H2942, H3820, H3823, H6195, H6493, H6912, H7535, H7919, H7922, H8454, G4678, G4679, G4680, G4920, G5428, G5429, G5430

बुद्धिमान, बुद्धि

परिभाषा:

"बुद्धिमान" वह मनुष्य है जो समझता है कि करने के लिए क्या उचित एवं नैतिक है और उसे करता है। "बुद्धि" जो सच एवं नैतिकता में उचित है उसे समझना और उसका अभ्यास करना।

- बुद्धिमान होना अर्थात उचित निर्णय लेने की क्षमता, विशेष करके परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले काम करना।
- मनुष्य परमेश्वर की बात सुनकर और दीनतापूर्वक उसकी इच्छा का पालन करके बुद्धिमान बनते हैं।
- बुद्धिमान मनुष्य अपने जीवन में पवित्र-आत्मा के फल-आनंद, दया, प्रेम, धीरज-प्रकट करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "बुद्धिमान" शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "परमेश्वर के आज्ञाकारी" या "समझदार और आज्ञाकारी" या "परमेश्वर का भय माननेवाले।"
- "बुद्धि" के अनुवाद में एक ऐसा शब्द या उक्ति काम में लें जिसका अर्थ है, "बुद्धिमानी का जीवन" या "समझदारी और आज्ञापालन का जीवन" या "उचित निर्णय।"
- "बुद्धि" और "बुद्धिमान" के अनुवाद अन्य प्रमुख शब्दों जैसे धार्मिक या आज्ञाकारी से भिन्न होना उचित है।

(यह भी देखें: आज्ञा मानना, फल)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 06:2-4
- कुलुस्सियों 03:15-17
- निर्गमन 31:6-9
- उत्पत्ति 03:4-6
- यशा. 19:11-12
- यिर्मयाह 18:18-20
- मत्ती. 07:24-25

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- 02:05__वह __बुद्धिमान भी बनना चाहती थी, इसलिये उसने कुछ फल लिये और उसे खा लिया।
- **18:01** जब सुलैमान ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया।
- **23:09** कुछ समय बाद ज्योतिषियों ने पूर्व में एक तारा देखा।
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H998, H1350, H2445, H2449, H2450, H2451, H2452, H2454, H2942, H3820, H3823, H6195, H6493, H6912, H7535, H7919, H7922, H8454, G4678, G4679, G4680, G4920, G5428, G5429, G5430

बुद्धिमानी, बुद्धिमानी, बुद्धिपूर्वक

तथ्य:

"बुद्धिमान" (चतुर) वह मनुष्य जो अपने कामों के बारे में सावधानी पूर्वक विचार करता है और समझदारी के निर्णय लेता है।

- "बुद्धिमानी" प्रायः उस क्षमता के संदर्भ में होती है जिसके द्वारा व्यावहारिक, सांसारिक बातों के निर्णय लिए जाते हैं, जैसे पैसे या सम्पदा का प्रबन्ध करना।
- यद्यपि "बुद्धिमानी" और "बुद्धि" अर्थ में एक से हैं, बुद्धि अधिक सामान्य और आत्मिक या नैतिक बातों पर केन्द्रित होती है।

- प्रकरण के अनुसार "बुद्धिमान का अनुवाद हो सकता है: "चतुर" या "सर्तक" या समझदार।"

(यह भी देखें: धूर्त, आत्मा, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:4-5
- नीतिवचन 12:23-24
- नीतिवचन 27:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H5843, H6175, H6191, H6195, H7080, H7919, H7922, G4908, G5428

बुद्धिमानी, बुद्धिमानी, बुद्धिपूर्वक

तथ्य:

“बुद्धिमान” (चतुर) वह मनुष्य जो अपने कामों के बारे में सावधानी पूर्वक विचार करता है और समझदारी के निर्णय लेता है।

- “बुद्धिमानी” प्रायः उस क्षमता के संदर्भ में होती है जिसके द्वारा व्यावहारिक, सांसारिक बातों के निर्णय लिए जाते हैं, जैसे पैसे या सम्पदा का प्रबन्ध करना।
- यद्यपि “बुद्धिमानी” और “बुद्धि” अर्थ में एक से हैं, बुद्धि अधिक सामान्य और आत्मिक या नैतिक बातों पर केन्द्रित होती है।
- प्रकरण के अनुसार "बुद्धिमान का अनुवाद हो सकता है: "चतुर" या "सर्तक" या समझदार।"

(यह भी देखें: धूर्त, आत्मा, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:4-5
- नीतिवचन 12:23-24
- नीतिवचन 27:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H5843, H6175, H6191, H6195, H7080, H7919, H7922, G4908, G5428

बुद्धिमानी, बुद्धिमानी, बुद्धिपूर्वक

तथ्य:

“बुद्धिमान” (चतुर) वह मनुष्य जो अपने कामों के बारे में सावधानी पूर्वक विचार करता है और समझदारी के निर्णय लेता है।

- “बुद्धिमानी” प्रायः उस क्षमता के संदर्भ में होती है जिसके द्वारा व्यावहारिक, सांसारिक बातों के निर्णय लिए जाते हैं, जैसे पैसे या सम्पदा का प्रबन्ध करना।
- यद्यपि “बुद्धिमानी” और “बुद्धि” अर्थ में एक से हैं, बुद्धि अधिक सामान्य और आत्मिक या नैतिक बातों पर केन्द्रित होती है।
- प्रकरण के अनुसार "बुद्धिमान का अनुवाद हो सकता है: "चतुर" या "सर्तक" या समझदार।"

(यह भी देखें: धूर्त, आत्मा, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- नीतिवचन 08:4-5
- नीतिवचन 12:23-24
- नीतिवचन 27:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H5843, H6175, H6191, H6195, H7080, H7919, H7922, G4908, G5428

बुद्धिमानों, मंत्री

तथ्य:

"बुद्धिमान मनुष्य" का साधारण सा अर्थ है, बुद्धि से परिपूर्ण लोग।बाइबल में, "बुद्धिमान" शब्द अक्सर उन मनुष्यों को दर्शाता है जो असाधारण ज्ञान और योग्यताएं रखते थे और राजा के दरबार में या उच्च अधिकारियों के लिए परामर्शदाता थे।

पुराना नियम

- कभी-कभी शब्द "बुद्धिमान पुरुष" को पाठ में "विवेकपूर्ण पुरुष" या "समझ वाला पुरुष" भी कहा गया है। यह उन लोगों को संदर्भित करता है जो बुद्धिमानी और सत्य से कार्य करते हैं क्योंकि वे परमेश्वर की आज्ञा मानते हैं।
- "बुद्धिमानों" जिन्होंने फिरौन और अन्य राजाओं की सेवा की थी, वे अक्सर विद्वान थे, जिन्होंने सितारों का अध्ययन किया था, विशेषकर उन सितारों के विशेष अर्थों की खोज करते थे जिन सितारों ने आकाश में विशिष्ट स्थिति बनायी होती थी। कभी-कभी, "बुद्धिमान मनुष्य" शकुन भी विचारते थे, जादू टोना करते थे,संभवतः दुष्टात्माओं की सहायता से।
- अक्सर बुद्धिमान पुरुषों से स्वप्न के अर्थ की व्याख्या करने की उम्मीद की जाती थी। उदाहरण के लिए, राजा नबूकदनेस्सर ने मांग की कि उसके बुद्धिमान पुरुष उसके सपनों का वर्णन करें और उसे बताएं कि उसका अर्थ क्या है, लेकिन उनमें से दानिय्येल के सिवाय कोई भी ऐसा करने के लिए, सक्षम नहीं था क्योंकि उसने परमेश्वर की ओर से इसका ज्ञान प्राप्त किया था।

नया नियम

- यीशु के दर्शनार्थ पूर्वी क्षेत्रों से आने वाले पुरुषों के समूह को "ज्योतिशिओं" कहा जाता था, जिसे अक्सर "बुद्धिमान पुरुष" के रूप में अनुवादित किया जाता है, क्योंकि यह शायद उन विद्वानों को दर्शाता है जिन्होंने पूर्वी देश के किसी शासक की सेवा की थी।

अनुवाद के सुझाव

- संदर्भ के आधार पर इस उक्ति, "बुद्धिमान पुरुष" शब्द का अनुवाद "बुद्धिमान" या "प्रतिभाशाली पुरुषों" या "शिक्षित पुरुषों" या किसी अन्य कोई शब्द जो किसी शासक के अधीन महत्वपूर्ण कार्य करने वाले मनुष्यों के सन्दर्भ में हो।
- जब "बुद्धिमान पुरुष" का अभिप्राय मात्र बुद्धिमान मनुष्यों से हो तो "बुद्धिमान" शब्द का अनुवाद वैसे ही किया जाय जैसे बाइबल में अन्य स्थानों में किया गया है।

(यह भी देखें: बेबीलोन, दानिय्येल, भावी कहने, जादू, नबूकदनेस्सर, शासन, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:32-34
- दानिय्येल 02:1-2
- दानिय्येल 02:10-11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2445, H2450, H3778, H3779, G4680

बुद्धिमानों, मंत्री

तथ्य:

"बुद्धिमान मनुष्य" का साधारण सा अर्थ है, बुद्धि से परिपूर्ण लोग।बाइबल में, "बुद्धिमान" शब्द अक्सर उन मनुष्यों को दर्शाता है जो असाधारण ज्ञान और योग्यताएं रखते थे और राजा के दरबार में या उच्च अधिकारियों के लिए परामर्शदाता थे।

पुराना नियम

- कभी-कभी शब्द "बुद्धिमान पुरुष" को पाठ में "विवेकपूर्ण पुरुष" या "समझ वाला पुरुष" भी कहा गया है। यह उन लोगों को संदर्भित करता है जो बुद्धिमानी और सत्य से कार्य करते हैं क्योंकि वे परमेश्वर की आज्ञा मानते हैं।
- "बुद्धिमानों" जिन्होंने फिरौन और अन्य राजाओं की सेवा की थी, वे अक्सर विद्वान थे, जिन्होंने सितारों का अध्ययन किया था, विशेषकर उन सितारों के विशेष अर्थों की खोज करते थे जिन सितारों ने आकाश में विशिष्ट स्थिति बनायी होती थी। कभी-कभी, "बुद्धिमान मनुष्य" शकुन भी विचारते थे, जादू टोना करते थे,संभवतः दुष्टात्माओं की सहायता से।

- अक्सर बुद्धिमान पुरुषों से स्वप्न के अर्थ की व्याख्या करने की उम्मीद की जाती थी। उदाहरण के लिए, राजा नबूकदनेस्सर ने मांग की कि उसके बुद्धिमान पुरुष उसके सपनों का वर्णन करें और उसे बताएं कि उसका अर्थ क्या है, लेकिन उनमें से दानिय्येल के सिवाय कोई भी ऐसा करने के लिए, सक्षम नहीं था क्योंकि उसने परमेश्वर की ओर से इसका ज्ञान प्राप्त किया था।

नया नियम

- यीशु के दर्शनार्थ पूर्वी क्षेत्रों से आने वाले पुरुषों के समूह को "ज्योतिशिओं" कहा जाता था, जिसे अक्सर "बुद्धिमान पुरुष" के रूप में अनुवादित किया जाता है, क्योंकि यह शायद उन विद्वानों को दर्शाता है जिन्होंने पूर्वी देश के किसी शासक की सेवा की थी।

अनुवाद के सुझाव

- संदर्भ के आधार पर इस उक्ति, "बुद्धिमान पुरुष" शब्द का अनुवाद "बुद्धिमान" या "प्रतिभाशाली पुरुषों" या "शिक्षित पुरुषों" या किसी अन्य कोई शब्द जो किसी शासक के अधीन महत्वपूर्ण कार्य करने वाले मनुष्यों के सन्दर्भ में हो।
- जब "बुद्धिमान पुरुष" का अभिप्राय मात्र बुद्धिमान मनुष्यों से हो तो "बुद्धिमान" शब्द का अनुवाद वैसे ही किया जाय जैसे बाइबल में अन्य स्थानों में किया गया है।

(यह भी देखें: बेबीलोन, दानिय्येल, भावी कहने, जादू, नबूकदनेस्सर, शासन, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:32-34
- दानिय्येल 02:1-2
- दानिय्येल 02:10-11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2445, H2450, H3778, H3779, G4680

बुद्धिमानों, मंत्री

तथ्य:

"बुद्धिमान मनुष्य" का साधारण सा अर्थ है, बुद्धि से परिपूर्ण लोग।बाइबल में, "बुद्धिमान" शब्द अक्सर उन मनुष्यों को दर्शाता है जो असाधारण ज्ञान और योग्यताएं रखते थे और राजा के दरबार में या उच्च अधिकारियों के लिए परामर्शदाता थे।

पुराना नियम

- कभी-कभी शब्द "बुद्धिमान पुरुष" को पाठ में "विवेकपूर्ण पुरुष" या "समझ वाला पुरुष" भी कहा गया है। यह उन लोगों को संदर्भित करता है जो बुद्धिमानी और सत्य से कार्य करते हैं क्योंकि वे परमेश्वर की आज्ञा मानते हैं।
- "बुद्धिमानों" जिन्होंने फिरौन और अन्य राजाओं की सेवा की थी, वे अक्सर विद्वान थे, जिन्होंने सितारों का अध्ययन किया था, विशेषकर उन सितारों के विशेष अर्थों की खोज करते थे जिन सितारों ने आकाश में विशिष्ट स्थिति बनायी होती थी। कभी-कभी, "बुद्धिमान मनुष्य" शकुन भी विचारते थे, जादू टोना करते थे,संभवतः दुष्टात्माओं की सहायता से।
- अक्सर बुद्धिमान पुरुषों से स्वप्न के अर्थ की व्याख्या करने की उम्मीद की जाती थी। उदाहरण के लिए, राजा नबूकदनेस्सर ने मांग की कि उसके बुद्धिमान पुरुष उसके सपनों का वर्णन करें और उसे बताएं कि उसका अर्थ क्या है, लेकिन उनमें से दानिय्येल के सिवाय कोई भी ऐसा करने के लिए, सक्षम नहीं था क्योंकि उसने परमेश्वर की ओर से इसका ज्ञान प्राप्त किया था।

नया नियम

- यीशु के दर्शनार्थ पूर्वी क्षेत्रों से आने वाले पुरुषों के समूह को "ज्योतिशिओं" कहा जाता था, जिसे अक्सर "बुद्धिमान पुरुष" के रूप में अनुवादित किया जाता है, क्योंकि यह शायद उन विद्वानों को दर्शाता है जिन्होंने पूर्वी देश के किसी शासक की सेवा की थी।

अनुवाद के सुझाव

- संदर्भ के आधार पर इस उक्ति, "बुद्धिमान पुरुष" शब्द का अनुवाद "बुद्धिमान" या "प्रतिभाशाली पुरुषों" या "शिक्षित पुरुषों" या किसी अन्य कोई शब्द जो किसी शासक के अधीन महत्वपूर्ण कार्य करने वाले मनुष्यों के सन्दर्भ में हो।
- जब "बुद्धिमान पुरुष" का अभिप्राय मात्र बुद्धिमान मनुष्यों से हो तो "बुद्धिमान" शब्द का अनुवाद वैसे ही किया जाय जैसे बाइबल में अन्य स्थानों में किया गया है।

(यह भी देखें: बेबीलोन, दानिय्येल, भावी कहने, जादू, नबूकदनेस्सर, शासन, बुद्धिमान)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:32-34
- दानिय्येल 02:1-2
- दानिय्येल 02:10-11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2445, H2450, H3778, H3779, G4680

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

- शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
- शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:26
- निर्गमन 22:21
- उत्पत्ति 16:05
- लूका 06:28
- मत्ती. 20:13-14
- भजन संहिता 071:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुराई, दुष्ट, दुष्टता

परिभाषा:

"बुरा और दुष्ट" दोनों का संदर्भ उन बातों से है जो परमेश्वर के गुण एवं इच्छा के विरूद्ध है।

- "बुरा" शब्द मनुष्य के चरित्र का वर्णन करता है, "दुष्ट" शब्द मनुष्य के व्यवहार का वर्णन करता है। तथापि अर्थ में दोनों शब्द समान हैं।
- "दुष्टता" का अभिप्राय मनुष्य द्वारा किए गए बुरे काम को दर्शाते हैं।
- बुराई के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाए जाते हैं कि लोग कैसे हत्या करते हैं, चोरी करते हैं, बदनाम करते हैं और क्रूर और निर्दयी होते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "बुराई" और दुष्टता का अनुवाद "बुरा" या "पापी" या "अनैतिक" हो सकता है।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हैं, "अच्छी नहीं" या "धर्मी नहीं" या "नैतिक नहीं"
- सुनिश्चित करें कि इनके अनुवाद के शब्द और उक्तियां लक्षित भाषा में व्यावहारिक संदर्भ सहित हों।

(यह भी देखें: अवज्ञा, पाप, अच्छा, धर्मी, दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 24:10-11
- 1 तीमुथियुस 06:9-10
- 3 यूहन्ना 01:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 06:5-6
- अय्यूब 01:1-3
- अय्यूब 08:19-20
- न्यायियों 09:55-57
- लूका 06:22-23
- मत्ती. 07:11-12
- नीतिवचन 03:7-8
- भजन-संहिता 022:16-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे। वे बहुत दुष्ट और हिंसक थे।
- **03:02** लेकिन नूह ने परमेश्वर से अनुग्रह पाया। वह दुष्ट लोगों के बीच रहने वाला एक धर्मी व्यक्ति था।
- **04:02** परमेश्वर ने देखा कि अगर वे सभी एक साथ मिलकर बुराई करते हैं, तो वे और भी अधिक पाप करेंगे।
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:02** वे (कनानी) ने झूठे देवताओं की पूजा की और कई __ बुरे__ काम किए।
- **17:01** लेकिन फिर वह (शाऊल) एक दुष्ट व्यक्ति बन गया, जिसने परमेश्वर का आज्ञा पालन नहीं किया, इसलिए परमेश्वर ने एक अलग व्यक्ति को चुना जो एक दिन उसके स्थान पर राजा बनेगा।
- **18:11** इस्राएलियों के नए राज्य में, सभी राजा बुरे थे
- **29:08** राजा इतना क्रोधित था कि उसने दुष्ट दास को जेल में फेंक दिया जब तक कि वह उसके सारे कर्ज का भुगतान न कर दे।
- **45:02** उन्होंने कहा, "हमने सुना है वह(स्तिफनुस) मूसा और परमेश्वर के बारे में __ बुरी__ बातें कहता है!"
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H605, H1100, H1681, H1942, H2154, H2162, H2254, H2617, H3399, H3415, H4209, H4849, H5753, H5766, H5767, H5999, H6001, H6090, H7451, H7455, H7489, H7561, H7562, H7563, H7564, G92, G113, G459, G932, G987, G988, G1426, G2549, G2551, G2554, G2555, G2556, G2557, G2559, G2560, G2635, G2636, G4151, G4189, G4190, G4191, G5337

बुराई, दुष्ट, दुष्टता

परिभाषा:

“बुरा और दुष्ट” दोनों का संदर्भ उन बातों से है जो परमेश्वर के गुण एवं इच्छा के विरूद्ध है।

- “बुरा” शब्द मनुष्य के चरित्र का वर्णन करता है, “दुष्ट” शब्द मनुष्य के व्यवहार का वर्णन करता है। तथापि अर्थ में दोनों शब्द समान हैं।
- “दुष्टता” का अभिप्राय मनुष्य द्वारा किए गए बुरे काम को दर्शाते हैं।
- बुराई के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाए जाते हैं कि लोग कैसे हत्या करते हैं, चोरी करते हैं, बदनाम करते हैं और क्रूर और निर्दयी होते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुराई” और दुष्टता का अनुवाद “बुरा” या “पापी” या “अनैतिक” हो सकता है।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हैं, “अच्छी नहीं” या “धर्मी नहीं” या “नैतिक नहीं”
- सुनिश्चित करें कि इनके अनुवाद के शब्द और उक्तियां लक्षित भाषा में व्यावहारिक संदर्भ सहित हों।

(यह भी देखें: अवज्ञा, पाप, अच्छा, धर्मी, दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 24:10-11
- 1 तीमुथियुस 06:9-10
- 3 यूहन्ना 01:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 06:5-6
- अय्यूब 01:1-3
- अय्यूब 08:19-20
- न्यायियों 09:55-57
- लूका 06:22-23
- मत्ती. 07:11-12
- नीतिवचन 03:7-8
- भजन-संहिता 022:16-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे। वे बहुत दुष्ट और हिंसक थे।
- **03:02** लेकिन नूह ने परमेश्वर से अनुग्रह पाया। वह दुष्ट लोगों के बीच रहने वाला एक धर्मी व्यक्ति था।
- **04:02** परमेश्वर ने देखा कि अगर वे सभी एक साथ मिलकर बुराई करते हैं, तो वे और भी अधिक पाप करेंगे।
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:02** वे (कनानी) ने झूठे देवताओं की पूजा की और कई __ बुरे__ काम किए।
- **17:01** लेकिन फिर वह (शाऊल) एक दुष्ट व्यक्ति बन गया, जिसने परमेश्वर का आज्ञा पालन नहीं किया, इसलिए परमेश्वर ने एक अलग व्यक्ति को चुना जो एक दिन उसके स्थान पर राजा बनेगा।
- **18:11** इस्राएलियों के नए राज्य में, सभी राजा बुरे थे
- **29:08** राजा इतना क्रोधित था कि उसने दुष्ट दास को जेल में फेंक दिया जब तक कि वह उसके सारे कर्ज का भुगतान न कर दे।
- **45:02** उन्होंने कहा, "हमने सुना है वह(स्तिफनुस) मूसा और परमेश्वर के बारे में __ बुरी__ बातें कहता है!"
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H605, H1100, H1681, H1942, H2154, H2162, H2254, H2617, H3399, H3415, H4209, H4849, H5753, H5766, H5767, H5999, H6001, H6090, H7451, H7455, H7489, H7561, H7562, H7563, H7564, G92, G113, G459, G932, G987, G988, G1426, G2549, G2551, G2554, G2555, G2556, G2557, G2559, G2560, G2635, G2636, G4151, G4189, G4190, G4191, G5337

बुराई, दुष्ट, दुष्टता

परिभाषा:

“बुरा और दुष्ट” दोनों का संदर्भ उन बातों से है जो परमेश्वर के गुण एवं इच्छा के विरूद्ध है।

- “बुरा” शब्द मनुष्य के चरित्र का वर्णन करता है, “दुष्ट” शब्द मनुष्य के व्यवहार का वर्णन करता है। तथापि अर्थ में दोनों शब्द समान हैं।
- “दुष्टता” का अभिप्राय मनुष्य द्वारा किए गए बुरे काम को दर्शाते हैं।
- बुराई के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाए जाते हैं कि लोग कैसे हत्या करते हैं, चोरी करते हैं, बदनाम करते हैं और क्रूर और निर्दयी होते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुराई” और दुष्टता का अनुवाद “बुरा” या “पापी” या “अनैतिक” हो सकता है।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हैं, “अच्छी नहीं” या “धर्मी नहीं” या “नैतिक नहीं”
- सुनिश्चित करें कि इनके अनुवाद के शब्द और उक्तियां लक्षित भाषा में व्यावहारिक संदर्भ सहित हों।

(यह भी देखें: अवज्ञा, पाप, अच्छा, धर्मी, दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 24:10-11
- 1 तीमुथियुस 06:9-10
- 3 यूहन्ना 01:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 06:5-6
- अय्यूब 01:1-3
- अय्यूब 08:19-20
- न्यायियों 09:55-57
- लूका 06:22-23
- मत्ती. 07:11-12
- नीतिवचन 03:7-8
- भजन-संहिता 022:16-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे। वे बहुत दुष्ट और हिंसक थे।
- **03:02** लेकिन नूह ने परमेश्वर से अनुग्रह पाया। वह दुष्ट लोगों के बीच रहने वाला एक धर्मी व्यक्ति था।
- **04:02** परमेश्वर ने देखा कि अगर वे सभी एक साथ मिलकर बुराई करते हैं, तो वे और भी अधिक पाप करेंगे।
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:02** वे (कनानी) ने झूठे देवताओं की पूजा की और कई __ बुरे__ काम किए।
- **17:01** लेकिन फिर वह (शाऊल) एक दुष्ट व्यक्ति बन गया, जिसने परमेश्वर का आज्ञा पालन नहीं किया, इसलिए परमेश्वर ने एक अलग व्यक्ति को चुना जो एक दिन उसके स्थान पर राजा बनेगा।
- **18:11** इस्राएलियों के नए राज्य में, सभी राजा बुरे थे
- **29:08** राजा इतना क्रोधित था कि उसने दुष्ट दास को जेल में फेंक दिया जब तक कि वह उसके सारे कर्ज का भुगतान न कर दे।
- **45:02** उन्होंने कहा, "हमने सुना है वह(स्तिफनुस) मूसा और परमेश्वर के बारे में __ बुरी__ बातें कहता है!"
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H605, H1100, H1681, H1942, H2154, H2162, H2254, H2617, H3399, H3415, H4209, H4849, H5753, H5766, H5767, H5999, H6001, H6090, H7451, H7455, H7489, H7561, H7562, H7563, H7564, G92, G113, G459, G932, G987, G988, G1426, G2549, G2551, G2554, G2555, G2556, G2557, G2559, G2560, G2635, G2636, G4151, G4189, G4190, G4191, G5337

बुराई, दुष्ट, दुष्टता

परिभाषा:

"बुरा और दुष्ट" दोनों का संदर्भ उन बातों से है जो परमेश्वर के गुण एवं इच्छा के विरूद्ध है।

- "बुरा" शब्द मनुष्य के चरित्र का वर्णन करता है, "दुष्ट" शब्द मनुष्य के व्यवहार का वर्णन करता है। तथापि अर्थ में दोनों शब्द समान हैं।
- "दुष्टता" का अभिप्राय मनुष्य द्वारा किए गए बुरे काम को दर्शाते हैं।
- बुराई के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाए जाते हैं कि लोग कैसे हत्या करते हैं, चोरी करते हैं, बदनाम करते हैं और क्रूर और निर्दयी होते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "बुराई" और दुष्टता का अनुवाद "बुरा" या "पापी" या "अनैतिक" हो सकता है।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हैं, "अच्छी नहीं" या "धर्मी नहीं" या "नैतिक नहीं"
- सुनिश्चित करें कि इनके अनुवाद के शब्द और उक्तियां लक्षित भाषा में व्यावहारिक संदर्भ सहित हों।

(यह भी देखें: अवज्ञा, पाप, अच्छा, धर्मी, दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 24:10-11
- 1 तीमुथियुस 06:9-10
- 3 यूहन्ना 01:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 06:5-6
- अय्यूब 01:1-3
- अय्यूब 08:19-20
- न्यायियों 09:55-57
- लूका 06:22-23
- मत्ती. 07:11-12
- नीतिवचन 03:7-8
- भजन-संहिता 022:16-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे। वे बहुत दुष्ट और हिंसक थे।
- **03:02** लेकिन नूह ने परमेश्वर से अनुग्रह पाया। वह दुष्ट लोगों के बीच रहने वाला एक धर्मी व्यक्ति था।
- **04:02** परमेश्वर ने देखा कि अगर वे सभी एक साथ मिलकर बुराई करते हैं, तो वे और भी अधिक पाप करेंगे।
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:02** वे (कनानी) ने झूठे देवताओं की पूजा की और कई __ बुरे__ काम किए।
- **17:01** लेकिन फिर वह (शाऊल) एक दुष्ट व्यक्ति बन गया, जिसने परमेश्वर का आज्ञा पालन नहीं किया, इसलिए परमेश्वर ने एक अलग व्यक्ति को चुना जो एक दिन उसके स्थान पर राजा बनेगा।
- **18:11** इस्राएलियों के नए राज्य में, सभी राजा बुरे थे
- **29:08** राजा इतना क्रोधित था कि उसने दुष्ट दास को जेल में फेंक दिया जब तक कि वह उसके सारे कर्ज का भुगतान न कर दे।
- **45:02** उन्होंने कहा, "हमने सुना है वह(स्तिफनुस) मूसा और परमेश्वर के बारे में __ बुरी__ बातें कहता है!"
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H605, H1100, H1681, H1942, H2154, H2162, H2254, H2617, H3399, H3415, H4209, H4849, H5753, H5766, H5767, H5999, H6001, H6090, H7451, H7455, H7489, H7561, H7562, H7563, H7564, G92, G113, G459, G932, G987, G988, G1426, G2549, G2551, G2554, G2555, G2556, G2557, G2559, G2560, G2635, G2636, G4151, G4189, G4190, G4191, G5337

बुराई, दुष्ट, दुष्टता

परिभाषा:

“बुरा और दुष्ट” दोनों का संदर्भ उन बातों से है जो परमेश्वर के गुण एवं इच्छा के विरूद्ध है।

- “बुरा” शब्द मनुष्य के चरित्र का वर्णन करता है, “दुष्ट” शब्द मनुष्य के व्यवहार का वर्णन करता है। तथापि अर्थ में दोनों शब्द समान हैं।
- “दुष्टता” का अभिप्राय मनुष्य द्वारा किए गए बुरे काम को दर्शाते हैं।
- बुराई के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाए जाते हैं कि लोग कैसे हत्या करते हैं, चोरी करते हैं, बदनाम करते हैं और क्रूर और निर्दयी होते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुराई” और दुष्टता का अनुवाद “बुरा” या “पापी” या “अनैतिक” हो सकता है।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हैं, “अच्छी नहीं” या “धर्मी नहीं” या “नैतिक नहीं”
- सुनिश्चित करें कि इनके अनुवाद के शब्द और उक्तियां लक्षित भाषा में व्यावहारिक संदर्भ सहित हों।

(यह भी देखें: अवज्ञा, पाप, अच्छा, धर्मी, दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 24:10-11
- 1 तीमुथियुस 06:9-10
- 3 यूहन्ना 01:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 06:5-6
- अय्यूब 01:1-3
- अय्यूब 08:19-20
- न्यायियों 09:55-57
- लूका 06:22-23
- मत्ती. 07:11-12
- नीतिवचन 03:7-8
- भजन-संहिता 022:16-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे। वे बहुत दुष्ट और हिंसक थे।
- **03:02** लेकिन नूह ने परमेश्वर से अनुग्रह पाया। वह दुष्ट लोगों के बीच रहने वाला एक धर्मी व्यक्ति था।
- **04:02** परमेश्वर ने देखा कि अगर वे सभी एक साथ मिलकर बुराई करते हैं, तो वे और भी अधिक पाप करेंगे।
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:02** वे (कनानी) ने झूठे देवताओं की पूजा की और कई __ बुरे__ काम किए।
- **17:01** लेकिन फिर वह (शाऊल) एक दुष्ट व्यक्ति बन गया, जिसने परमेश्वर का आज्ञा पालन नहीं किया, इसलिए परमेश्वर ने एक अलग व्यक्ति को चुना जो एक दिन उसके स्थान पर राजा बनेगा।
- **18:11** इस्राएलियों के नए राज्य में, सभी राजा बुरे थे
- **29:08** राजा इतना क्रोधित था कि उसने दुष्ट दास को जेल में फेंक दिया जब तक कि वह उसके सारे कर्ज का भुगतान न कर दे।
- **45:02** उन्होंने कहा, "हमने सुना है वह(स्तिफनुस) मूसा और परमेश्वर के बारे में __ बुरी__ बातें कहता है!"
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H605, H1100, H1681, H1942, H2154, H2162, H2254, H2617, H3399, H3415, H4209, H4849, H5753, H5766, H5767, H5999, H6001, H6090, H7451, H7455, H7489, H7561, H7562, H7563, H7564, G92, G113, G459, G932, G987, G988, G1426, G2549, G2551, G2554, G2555, G2556, G2557, G2559, G2560, G2635, G2636, G4151, G4189, G4190, G4191, G5337

बुराई, दुष्ट, दुष्टता

परिभाषा:

“बुरा और दुष्ट” दोनों का संदर्भ उन बातों से है जो परमेश्वर के गुण एवं इच्छा के विरूद्ध है।

- “बुरा” शब्द मनुष्य के चरित्र का वर्णन करता है, “दुष्ट” शब्द मनुष्य के व्यवहार का वर्णन करता है। तथापि अर्थ में दोनों शब्द समान हैं।
- “दुष्टता” का अभिप्राय मनुष्य द्वारा किए गए बुरे काम को दर्शाते हैं।
- बुराई के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाए जाते हैं कि लोग कैसे हत्या करते हैं, चोरी करते हैं, बदनाम करते हैं और क्रूर और निर्दयी होते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुराई” और दुष्टता का अनुवाद “बुरा” या “पापी” या “अनैतिक” हो सकता है।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हैं, “अच्छी नहीं” या “धर्मी नहीं” या “नैतिक नहीं”
- सुनिश्चित करें कि इनके अनुवाद के शब्द और उक्तियां लक्षित भाषा में व्यावहारिक संदर्भ सहित हों।

(यह भी देखें: अवज्ञा, पाप, अच्छा, धर्मी, दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 24:10-11
- 1 तीमुथियुस 06:9-10
- 3 यूहन्ना 01:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 06:5-6
- अय्यूब 01:1-3
- अय्यूब 08:19-20
- न्यायियों 09:55-57
- लूका 06:22-23
- मत्ती. 07:11-12
- नीतिवचन 03:7-8
- भजन-संहिता 022:16-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे। वे बहुत दुष्ट और हिंसक थे।
- **03:02** लेकिन नूह ने परमेश्वर से अनुग्रह पाया। वह दुष्ट लोगों के बीच रहने वाला एक धर्मी व्यक्ति था।
- **04:02** परमेश्वर ने देखा कि अगर वे सभी एक साथ मिलकर बुराई करते हैं, तो वे और भी अधिक पाप करेंगे।
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:02** वे (कनानी) ने झूठे देवताओं की पूजा की और कई __ बुरे__ काम किए।
- **17:01** लेकिन फिर वह (शाऊल) एक दुष्ट व्यक्ति बन गया, जिसने परमेश्वर का आज्ञा पालन नहीं किया, इसलिए परमेश्वर ने एक अलग व्यक्ति को चुना जो एक दिन उसके स्थान पर राजा बनेगा।
- **18:11** इस्राएलियों के नए राज्य में, सभी राजा बुरे थे
- **29:08** राजा इतना क्रोधित था कि उसने दुष्ट दास को जेल में फेंक दिया जब तक कि वह उसके सारे कर्ज का भुगतान न कर दे।
- **45:02** उन्होंने कहा, "हमने सुना है वह(स्तिफनुस) मूसा और परमेश्वर के बारे में __ बुरी__ बातें कहता है!"
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H605, H1100, H1681, H1942, H2154, H2162, H2254, H2617, H3399, H3415, H4209, H4849, H5753, H5766, H5767, H5999, H6001, H6090, H7451, H7455, H7489, H7561, H7562, H7563, H7564, G92, G113, G459, G932, G987, G988, G1426, G2549, G2551, G2554, G2555, G2556, G2557, G2559, G2560, G2635, G2636, G4151, G4189, G4190, G4191, G5337

बुराई, दुष्ट, दुष्टता

परिभाषा:

“बुरा और दुष्ट” दोनों का संदर्भ उन बातों से है जो परमेश्वर के गुण एवं इच्छा के विरूद्ध है।

- “बुरा” शब्द मनुष्य के चरित्र का वर्णन करता है, “दुष्ट” शब्द मनुष्य के व्यवहार का वर्णन करता है। तथापि अर्थ में दोनों शब्द समान हैं।
- “दुष्टता” का अभिप्राय मनुष्य द्वारा किए गए बुरे काम को दर्शाते हैं।
- बुराई के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाए जाते हैं कि लोग कैसे हत्या करते हैं, चोरी करते हैं, बदनाम करते हैं और क्रूर और निर्दयी होते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुराई” और दुष्टता का अनुवाद “बुरा” या “पापी” या “अनैतिक” हो सकता है।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हैं, “अच्छी नहीं” या “धर्मी नहीं” या “नैतिक नहीं”
- सुनिश्चित करें कि इनके अनुवाद के शब्द और उक्तियां लक्षित भाषा में व्यावहारिक संदर्भ सहित हों।

(यह भी देखें: अवज्ञा, पाप, अच्छा, धर्मी, दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 24:10-11
- 1 तीमुथियुस 06:9-10
- 3 यूहन्ना 01:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 06:5-6
- अय्यूब 01:1-3
- अय्यूब 08:19-20
- न्यायियों 09:55-57
- लूका 06:22-23
- मत्ती. 07:11-12
- नीतिवचन 03:7-8
- भजन-संहिता 022:16-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे। वे बहुत दुष्ट और हिंसक थे।
- **03:02** लेकिन नूह ने परमेश्वर से अनुग्रह पाया। वह दुष्ट लोगों के बीच रहने वाला एक धर्मी व्यक्ति था।
- **04:02** परमेश्वर ने देखा कि अगर वे सभी एक साथ मिलकर बुराई करते हैं, तो वे और भी अधिक पाप करेंगे।
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:02** वे (कनानी) ने झूठे देवताओं की पूजा की और कई __ बुरे__ काम किए।
- **17:01** लेकिन फिर वह (शाऊल) एक दुष्ट व्यक्ति बन गया, जिसने परमेश्वर का आज्ञा पालन नहीं किया, इसलिए परमेश्वर ने एक अलग व्यक्ति को चुना जो एक दिन उसके स्थान पर राजा बनेगा।
- **18:11** इस्राएलियों के नए राज्य में, सभी राजा बुरे थे
- **29:08** राजा इतना क्रोधित था कि उसने दुष्ट दास को जेल में फेंक दिया जब तक कि वह उसके सारे कर्ज का भुगतान न कर दे।
- **45:02** उन्होंने कहा, "हमने सुना है वह(स्तिफनुस) मूसा और परमेश्वर के बारे में __ बुरी__ बातें कहता है!"
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H605, H1100, H1681, H1942, H2154, H2162, H2254, H2617, H3399, H3415, H4209, H4849, H5753, H5766, H5767, H5999, H6001, H6090, H7451, H7455, H7489, H7561, H7562, H7563, H7564, G92, G113, G459, G932, G987, G988, G1426, G2549, G2551, G2554, G2555, G2556, G2557, G2559, G2560, G2635, G2636, G4151, G4189, G4190, G4191, G5337

बुराई, दुष्ट, दुष्टता

परिभाषा:

“बुरा और दुष्ट” दोनों का संदर्भ उन बातों से है जो परमेश्वर के गुण एवं इच्छा के विरूद्ध है।

- “बुरा” शब्द मनुष्य के चरित्र का वर्णन करता है, “दुष्ट” शब्द मनुष्य के व्यवहार का वर्णन करता है। तथापि अर्थ में दोनों शब्द समान हैं।
- “दुष्टता” का अभिप्राय मनुष्य द्वारा किए गए बुरे काम को दर्शाते हैं।
- बुराई के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाए जाते हैं कि लोग कैसे हत्या करते हैं, चोरी करते हैं, बदनाम करते हैं और क्रूर और निर्दयी होते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुराई” और दुष्टता का अनुवाद “बुरा” या “पापी” या “अनैतिक” हो सकता है।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हैं, “अच्छी नहीं” या “धर्मी नहीं” या “नैतिक नहीं”
- सुनिश्चित करें कि इनके अनुवाद के शब्द और उक्तियां लक्षित भाषा में व्यावहारिक संदर्भ सहित हों।

(यह भी देखें: अवज्ञा, पाप, अच्छा, धर्मी, दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 24:10-11
- 1 तीमुथियुस 06:9-10
- 3 यूहन्ना 01:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 06:5-6
- अय्यूब 01:1-3
- अय्यूब 08:19-20
- न्यायियों 09:55-57
- लूका 06:22-23
- मत्ती. 07:11-12
- नीतिवचन 03:7-8
- भजन-संहिता 022:16-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे। वे बहुत दुष्ट और हिंसक थे।
- **03:02** लेकिन नूह ने परमेश्वर से अनुग्रह पाया। वह दुष्ट लोगों के बीच रहने वाला एक धर्मी व्यक्ति था।
- **04:02** परमेश्वर ने देखा कि अगर वे सभी एक साथ मिलकर बुराई करते हैं, तो वे और भी अधिक पाप करेंगे।
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:02** वे (कनानी) ने झूठे देवताओं की पूजा की और कई __ बुरे__ काम किए।
- **17:01** लेकिन फिर वह (शाऊल) एक दुष्ट व्यक्ति बन गया, जिसने परमेश्वर का आज्ञा पालन नहीं किया, इसलिए परमेश्वर ने एक अलग व्यक्ति को चुना जो एक दिन उसके स्थान पर राजा बनेगा।
- **18:11** इस्राएलियों के नए राज्य में, सभी राजा बुरे थे
- **29:08** राजा इतना क्रोधित था कि उसने दुष्ट दास को जेल में फेंक दिया जब तक कि वह उसके सारे कर्ज का भुगतान न कर दे।
- **45:02** उन्होंने कहा, "हमने सुना है वह(स्तिफनुस) मूसा और परमेश्वर के बारे में __ बुरी__ बातें कहता है!"
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H605, H1100, H1681, H1942, H2154, H2162, H2254, H2617, H3399, H3415, H4209, H4849, H5753, H5766, H5767, H5999, H6001, H6090, H7451, H7455, H7489, H7561, H7562, H7563, H7564, G92, G113, G459, G932, G987, G988, G1426, G2549, G2551, G2554, G2555, G2556, G2557, G2559, G2560, G2635, G2636, G4151, G4189, G4190, G4191, G5337

बुराई, दुष्ट, दुष्टता

परिभाषा:

“बुरा और दुष्ट” दोनों का संदर्भ उन बातों से है जो परमेश्वर के गुण एवं इच्छा के विरूद्ध है।

- “बुरा” शब्द मनुष्य के चरित्र का वर्णन करता है, “दुष्ट” शब्द मनुष्य के व्यवहार का वर्णन करता है। तथापि अर्थ में दोनों शब्द समान हैं।
- “दुष्टता” का अभिप्राय मनुष्य द्वारा किए गए बुरे काम को दर्शाते हैं।
- बुराई के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाए जाते हैं कि लोग कैसे हत्या करते हैं, चोरी करते हैं, बदनाम करते हैं और क्रूर और निर्दयी होते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुराई” और दुष्टता का अनुवाद “बुरा” या “पापी” या “अनैतिक” हो सकता है।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हैं, “अच्छी नहीं” या “धर्मी नहीं” या “नैतिक नहीं”
- सुनिश्चित करें कि इनके अनुवाद के शब्द और उक्तियां लक्षित भाषा में व्यावहारिक संदर्भ सहित हों।

(यह भी देखें: अवज्ञा, पाप, अच्छा, धर्मी, दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 24:10-11
- 1 तीमुथियुस 06:9-10
- 3 यूहन्ना 01:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 06:5-6
- अय्यूब 01:1-3
- अय्यूब 08:19-20
- न्यायियों 09:55-57
- लूका 06:22-23
- मत्ती. 07:11-12
- नीतिवचन 03:7-8
- भजन-संहिता 022:16-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे। वे बहुत दुष्ट और हिंसक थे।
- **03:02** लेकिन नूह ने परमेश्वर से अनुग्रह पाया। वह दुष्ट लोगों के बीच रहने वाला एक धर्मी व्यक्ति था।
- **04:02** परमेश्वर ने देखा कि अगर वे सभी एक साथ मिलकर बुराई करते हैं, तो वे और भी अधिक पाप करेंगे।
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:02** वे (कनानी) ने झूठे देवताओं की पूजा की और कई __ बुरे__ काम किए।
- **17:01** लेकिन फिर वह (शाऊल) एक दुष्ट व्यक्ति बन गया, जिसने परमेश्वर का आज्ञा पालन नहीं किया, इसलिए परमेश्वर ने एक अलग व्यक्ति को चुना जो एक दिन उसके स्थान पर राजा बनेगा।
- **18:11** इस्राएलियों के नए राज्य में, सभी राजा बुरे थे
- **29:08** राजा इतना क्रोधित था कि उसने दुष्ट दास को जेल में फेंक दिया जब तक कि वह उसके सारे कर्ज का भुगतान न कर दे।
- **45:02** उन्होंने कहा, "हमने सुना है वह(स्तिफनुस) मूसा और परमेश्वर के बारे में __ बुरी__ बातें कहता है!"
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H605, H1100, H1681, H1942, H2154, H2162, H2254, H2617, H3399, H3415, H4209, H4849, H5753, H5766, H5767, H5999, H6001, H6090, H7451, H7455, H7489, H7561, H7562, H7563, H7564, G92, G113, G459, G932, G987, G988, G1426, G2549, G2551, G2554, G2555, G2556, G2557, G2559, G2560, G2635, G2636, G4151, G4189, G4190, G4191, G5337

बुराई, दुष्ट, दुष्टता

परिभाषा:

“बुरा और दुष्ट” दोनों का संदर्भ उन बातों से है जो परमेश्वर के गुण एवं इच्छा के विरूद्ध है।

- “बुरा” शब्द मनुष्य के चरित्र का वर्णन करता है, “दुष्ट” शब्द मनुष्य के व्यवहार का वर्णन करता है। तथापि अर्थ में दोनों शब्द समान हैं।
- “दुष्टता” का अभिप्राय मनुष्य द्वारा किए गए बुरे काम को दर्शाते हैं।
- बुराई के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाए जाते हैं कि लोग कैसे हत्या करते हैं, चोरी करते हैं, बदनाम करते हैं और क्रूर और निर्दयी होते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुराई” और दुष्टता का अनुवाद “बुरा” या “पापी” या “अनैतिक” हो सकता है।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हैं, “अच्छी नहीं” या “धर्मी नहीं” या “नैतिक नहीं”
- सुनिश्चित करें कि इनके अनुवाद के शब्द और उक्तियां लक्षित भाषा में व्यावहारिक संदर्भ सहित हों।

(यह भी देखें: अवज्ञा, पाप, अच्छा, धर्मी, दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 24:10-11
- 1 तीमुथियुस 06:9-10
- 3 यूहन्ना 01:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 06:5-6
- अय्यूब 01:1-3
- अय्यूब 08:19-20
- न्यायियों 09:55-57
- लूका 06:22-23
- मत्ती. 07:11-12
- नीतिवचन 03:7-8
- भजन-संहिता 022:16-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे। वे बहुत दुष्ट और हिंसक थे।
- **03:02** लेकिन नूह ने परमेश्वर से अनुग्रह पाया। वह दुष्ट लोगों के बीच रहने वाला एक धर्मी व्यक्ति था।
- **04:02** परमेश्वर ने देखा कि अगर वे सभी एक साथ मिलकर बुराई करते हैं, तो वे और भी अधिक पाप करेंगे।
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:02** वे (कनानी) ने झूठे देवताओं की पूजा की और कई __ बुरे__ काम किए।
- **17:01** लेकिन फिर वह (शाऊल) एक दुष्ट व्यक्ति बन गया, जिसने परमेश्वर का आज्ञा पालन नहीं किया, इसलिए परमेश्वर ने एक अलग व्यक्ति को चुना जो एक दिन उसके स्थान पर राजा बनेगा।
- **18:11** इस्राएलियों के नए राज्य में, सभी राजा बुरे थे
- **29:08** राजा इतना क्रोधित था कि उसने दुष्ट दास को जेल में फेंक दिया जब तक कि वह उसके सारे कर्ज का भुगतान न कर दे।
- **45:02** उन्होंने कहा, "हमने सुना है वह(स्तिफनुस) मूसा और परमेश्वर के बारे में __ बुरी__ बातें कहता है!"
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H605, H1100, H1681, H1942, H2154, H2162, H2254, H2617, H3399, H3415, H4209, H4849, H5753, H5766, H5767, H5999, H6001, H6090, H7451, H7455, H7489, H7561, H7562, H7563, H7564, G92, G113, G459, G932, G987, G988, G1426, G2549, G2551, G2554, G2555, G2556, G2557, G2559, G2560, G2635, G2636, G4151, G4189, G4190, G4191, G5337

बुराई, दुष्ट, दुष्टता

परिभाषा:

“बुरा और दुष्ट” दोनों का संदर्भ उन बातों से है जो परमेश्वर के गुण एवं इच्छा के विरूद्ध है।

- “बुरा” शब्द मनुष्य के चरित्र का वर्णन करता है, “दुष्ट” शब्द मनुष्य के व्यवहार का वर्णन करता है। तथापि अर्थ में दोनों शब्द समान हैं।
- “दुष्टता” का अभिप्राय मनुष्य द्वारा किए गए बुरे काम को दर्शाते हैं।
- बुराई के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाए जाते हैं कि लोग कैसे हत्या करते हैं, चोरी करते हैं, बदनाम करते हैं और क्रूर और निर्दयी होते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुराई” और दुष्टता का अनुवाद “बुरा” या “पापी” या “अनैतिक” हो सकता है।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हैं, “अच्छी नहीं” या “धर्मी नहीं” या “नैतिक नहीं”
- सुनिश्चित करें कि इनके अनुवाद के शब्द और उक्तियां लक्षित भाषा में व्यावहारिक संदर्भ सहित हों।

(यह भी देखें: अवज्ञा, पाप, अच्छा, धर्मी, दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 24:10-11
- 1 तीमुथियुस 06:9-10
- 3 यूहन्ना 01:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 06:5-6
- अय्यूब 01:1-3
- अय्यूब 08:19-20
- न्यायियों 09:55-57
- लूका 06:22-23
- मत्ती. 07:11-12
- नीतिवचन 03:7-8
- भजन-संहिता 022:16-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे। वे बहुत दुष्ट और हिंसक थे।
- **03:02** लेकिन नूह ने परमेश्वर से अनुग्रह पाया। वह दुष्ट लोगों के बीच रहने वाला एक धर्मी व्यक्ति था।
- **04:02** परमेश्वर ने देखा कि अगर वे सभी एक साथ मिलकर बुराई करते हैं, तो वे और भी अधिक पाप करेंगे।
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:02** वे (कनानी) ने झूठे देवताओं की पूजा की और कई __ बुरे__ काम किए।
- **17:01** लेकिन फिर वह (शाऊल) एक दुष्ट व्यक्ति बन गया, जिसने परमेश्वर का आज्ञा पालन नहीं किया, इसलिए परमेश्वर ने एक अलग व्यक्ति को चुना जो एक दिन उसके स्थान पर राजा बनेगा।
- **18:11** इस्राएलियों के नए राज्य में, सभी राजा बुरे थे
- **29:08** राजा इतना क्रोधित था कि उसने दुष्ट दास को जेल में फेंक दिया जब तक कि वह उसके सारे कर्ज का भुगतान न कर दे।
- **45:02** उन्होंने कहा, "हमने सुना है वह(स्तिफनुस) मूसा और परमेश्वर के बारे में __ बुरी__ बातें कहता है!"
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H605, H1100, H1681, H1942, H2154, H2162, H2254, H2617, H3399, H3415, H4209, H4849, H5753, H5766, H5767, H5999, H6001, H6090, H7451, H7455, H7489, H7561, H7562, H7563, H7564, G92, G113, G459, G932, G987, G988, G1426, G2549, G2551, G2554, G2555, G2556, G2557, G2559, G2560, G2635, G2636, G4151, G4189, G4190, G4191, G5337

बुराई, दुष्ट, दुष्टता

परिभाषा:

“बुरा और दुष्ट” दोनों का संदर्भ उन बातों से है जो परमेश्वर के गुण एवं इच्छा के विरूद्ध है।

- “बुरा” शब्द मनुष्य के चरित्र का वर्णन करता है, “दुष्ट” शब्द मनुष्य के व्यवहार का वर्णन करता है। तथापि अर्थ में दोनों शब्द समान हैं।
- “दुष्टता” का अभिप्राय मनुष्य द्वारा किए गए बुरे काम को दर्शाते हैं।
- बुराई के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाए जाते हैं कि लोग कैसे हत्या करते हैं, चोरी करते हैं, बदनाम करते हैं और क्रूर और निर्दयी होते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुराई” और दुष्टता का अनुवाद “बुरा” या “पापी” या “अनैतिक” हो सकता है।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हैं, “अच्छी नहीं” या “धर्मी नहीं” या “नैतिक नहीं”
- सुनिश्चित करें कि इनके अनुवाद के शब्द और उक्तियां लक्षित भाषा में व्यावहारिक संदर्भ सहित हों।

(यह भी देखें: अवज्ञा, पाप, अच्छा, धर्मी, दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 24:10-11
- 1 तीमुथियुस 06:9-10
- 3 यूहन्ना 01:9-10
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 06:5-6
- अय्यूब 01:1-3
- अय्यूब 08:19-20
- न्यायियों 09:55-57
- लूका 06:22-23
- मत्ती. 07:11-12
- नीतिवचन 03:7-8
- भजन-संहिता 022:16-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे। वे बहुत दुष्ट और हिंसक थे।
- **03:02** लेकिन नूह ने परमेश्वर से अनुग्रह पाया। वह दुष्ट लोगों के बीच रहने वाला एक धर्मी व्यक्ति था।
- **04:02** परमेश्वर ने देखा कि अगर वे सभी एक साथ मिलकर बुराई करते हैं, तो वे और भी अधिक पाप करेंगे।
- **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:02** वे (कनानी) ने झूठे देवताओं की पूजा की और कई __ बुरे__ काम किए।
- **17:01** लेकिन फिर वह (शाऊल) एक दुष्ट व्यक्ति बन गया, जिसने परमेश्वर का आज्ञा पालन नहीं किया, इसलिए परमेश्वर ने एक अलग व्यक्ति को चुना जो एक दिन उसके स्थान पर राजा बनेगा।
- **18:11** इस्राएलियों के नए राज्य में, सभी राजा बुरे थे
- **29:08** राजा इतना क्रोधित था कि उसने दुष्ट दास को जेल में फेंक दिया जब तक कि वह उसके सारे कर्ज का भुगतान न कर दे।
- **45:02** उन्होंने कहा, "हमने सुना है वह(स्तिफनुस) मूसा और परमेश्वर के बारे में __ बुरी__ बातें कहता है!"
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H605, H1100, H1681, H1942, H2154, H2162, H2254, H2617, H3399, H3415, H4209, H4849, H5753, H5766, H5767, H5999, H6001, H6090, H7451, H7455, H7489, H7561, H7562, H7563, H7564, G92, G113, G459, G932, G987, G988, G1426, G2549, G2551, G2554, G2555, G2556, G2557, G2559, G2560, G2635, G2636, G4151, G4189, G4190, G4191, G5337

बेसुध होकर

परिभाषा:

“बेसुध होकर” मस्तिष्क की वह दशा है जिसमें मनुष्य जागृत तो रहता है परन्तु उसे अपने आसपास की अनुभूति नहीं होती है, क्योंकि वह किसी और बात को देख रहा और अनुभव कर रहा होता है।

- नये नियम में यह शब्द मस्तिष्क की अलौकिक स्थिति का वर्णन करता है जैसी पतरस और पौलुस की थी जब परमेश्वर ने उनसे दर्शन में बातें की थीं।
- पतरस और पौलुस दोनों ही प्रार्थना कर रहे थे जब वे बेसुध हो गए थे।
- परमेश्वर ने उन्हें मूर्छा की स्थिति में किया था।
- "बेसुध" न तो एक "दर्शन" है और न ही एक "सपना" है और अलग ढंग से अनुवाद किया जाना चाहिए।
- “बेसुध होना” अर्थात् “जागते हुए नींद में आ गया”।

(यह भी देखें: स्वप्न, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1611

बैंगनी

तथ्य:

“बैंगनी” शब्द एक रंग का नाम है जिसमें नीले और लाल रंग को मिश्रित किया जाता है।

- प्राचीन युग में, बैंगनी रंग दुर्लभ था और अत्यधिक मूल्यवान रंग था। राजाओं तथा उच्च स्तरीय अधिकारियों के वस्त्र इसी मसाले से रंगे जाते थे।
- इस रंग का निर्माण महंगा और समय लेनेवाला होता था, बैंगनी वस्त्र धनवान होने, विशिष्ट होने तथा राजसी होने का प्रतीक था।
- निवास के मण्डप और मन्दिर के परदों का रंग भी बैंगनी था याजकों को एपोद का रंग भी बैंगनी था।
- बैंगनी रंग समुद्री घोंघे को कुचल कर या उबलते हुए पानी में डालकर निकाला जाता था, या घोंघों को जीवित रखकर यह रंग छोड़ने के लिए उकसाया जाता था। यह एक मंहगी प्रक्रिया थी।
- रोमी सैनिकों ने यीशु के क्रूसीकरण से पूर्व उसे बैंगनी वस्त्र पहनाकर उसकी निन्दा की थी क्योंकि उस पर दोष लगाया गया था कि वह यहूदियों का राजा है।
- फिलिप्पी नगर की लुदिया बैंगनी वस्त्र बेचकर जीविकोपार्जन करती थी।

(यह भी देखें: एपोद, फिलिप्पी, राजकीय, निवासस्थान, मन्दिर

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 02:13-14
- दानिय्येल 05:7
- दानिय्येल 05:29-31
- नीतिवचन 31:22-23

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H710, H711, H713, G4209, G4210, G4211

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बैंगनी

तथ्य:

“बैंगनी” शब्द एक रंग का नाम है जिसमें नीले और लाल रंग को मिश्रित किया जाता है।

- प्राचीन युग में, बैंगनी रंग दुर्लभ था और अत्यधिक मूल्यवान रंग था। राजाओं तथा उच्च स्तरीय अधिकारियों के वस्त्र इसी मसाले से रंगे जाते थे।
- इस रंग का निर्माण महंगा और समय लेनेवाला होता था, बैंगनी वस्त्र धनवान होने, विशिष्ट होने तथा राजसी होने का प्रतीक था।
- निवास के मण्डप और मन्दिर के परदों का रंग भी बैंगनी था याजकों को एपोद का रंग भी बैंगनी था।
- बैंगनी रंग समुद्री घोंघे को कुचल कर या उबलते हुए पानी में डालकर निकाला जाता था, या घोंघों को जीवित रखकर यह रंग छोड़ने के लिए उकसाया जाता था। यह एक मंहगी प्रक्रिया थी।
- रोमी सैनिकों ने यीशु के क्रूसीकरण से पूर्व उसे बैंगनी वस्त्र पहनाकर उसकी निन्दा की थी क्योंकि उस पर दोष लगाया गया था कि वह यहूदियों का राजा है।
- फिलिप्पी नगर की लुदिया बैंगनी वस्त्र बेचकर जीविकोपार्जन करती थी।

(यह भी देखें: एपोद, फिलिप्पी, राजकीय, निवासस्थान, मन्दिर

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 02:13-14
- दानिय्येल 05:7
- दानिय्येल 05:29-31
- नीतिवचन 31:22-23

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H710, H711, H713, G4209, G4210, G4211

बैंगनी

तथ्य:

“बैंगनी” शब्द एक रंग का नाम है जिसमें नीले और लाल रंग को मिश्रित किया जाता है।

- प्राचीन युग में, बैंगनी रंग दुर्लभ था और अत्यधिक मूल्यवान रंग था। राजाओं तथा उच्च स्तरीय अधिकारियों के वस्त्र इसी मसाले से रंगे जाते थे।
- इस रंग का निर्माण महंगा और समय लेनेवाला होता था, बैंगनी वस्त्र धनवान होने, विशिष्ट होने तथा राजसी होने का प्रतीक था।
- निवास के मण्डप और मन्दिर के परदों का रंग भी बैंगनी था याजकों को एपोद का रंग भी बैंगनी था।
- बैंगनी रंग समुद्री घोंघे को कुचल कर या उबलते हुए पानी में डालकर निकाला जाता था, या घोंघों को जीवित रखकर यह रंग छोड़ने के लिए उकसाया जाता था। यह एक मंहगी प्रक्रिया थी।
- रोमी सैनिकों ने यीशु के क्रूसीकरण से पूर्व उसे बैंगनी वस्त्र पहनाकर उसकी निन्दा की थी क्योंकि उस पर दोष लगाया गया था कि वह यहूदियों का राजा है।
- फिलिप्पी नगर की लुदिया बैंगनी वस्त्र बेचकर जीविकोपार्जन करती थी।

(यह भी देखें: एपोद, फिलिप्पी, राजकीय, निवासस्थान, मन्दिर

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 02:13-14
- दानिय्येल 05:7
- दानिय्येल 05:29-31
- नीतिवचन 31:22-23

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H710, H711, H713, G4209, G4210, G4211

बैंगनी

तथ्य:

“बैंगनी” शब्द एक रंग का नाम है जिसमें नीले और लाल रंग को मिश्रित किया जाता है।

- प्राचीन युग में, बैंगनी रंग दुर्लभ था और अत्यधिक मूल्यवान रंग था। राजाओं तथा उच्च स्तरीय अधिकारियों के वस्त्र इसी मसाले से रंगे जाते थे।
- इस रंग का निर्माण महंगा और समय लेनेवाला होता था, बैंगनी वस्त्र धनवान होने, विशिष्ट होने तथा राजसी होने का प्रतीक था।
- निवास के मण्डप और मन्दिर के परदों का रंग भी बैंगनी था याजकों को एपोद का रंग भी बैंगनी था।
- बैंगनी रंग समुद्री घोंघे को कुचल कर या उबलते हुए पानी में डालकर निकाला जाता था, या घोंघों को जीवित रखकर यह रंग छोड़ने के लिए उकसाया जाता था। यह एक मंहगी प्रक्रिया थी।
- रोमी सैनिकों ने यीशु के क्रूसीकरण से पूर्व उसे बैंगनी वस्त्र पहनाकर उसकी निन्दा की थी क्योंकि उस पर दोष लगाया गया था कि वह यहूदियों का राजा है।
- फिलिप्पी नगर की लुदिया बैंगनी वस्त्र बेचकर जीविकोपार्जन करती थी।

(यह भी देखें: एपोद, फिलिप्पी, राजकीय, निवासस्थान, मन्दिर

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 02:13-14
- दानिय्येल 05:7
- दानिय्येल 05:29-31
- नीतिवचन 31:22-23

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H710, H711, H713, G4209, G4210, G4211

बैंगनी

तथ्य:

“बैंगनी” शब्द एक रंग का नाम है जिसमें नीले और लाल रंग को मिश्रित किया जाता है।

- प्राचीन युग में, बैंगनी रंग दुर्लभ था और अत्यधिक मूल्यवान रंग था। राजाओं तथा उच्च स्तरीय अधिकारियों के वस्त्र इसी मसाले से रंगे जाते थे।
- इस रंग का निर्माण महंगा और समय लेनेवाला होता था, बैंगनी वस्त्र धनवान होने, विशिष्ट होने तथा राजसी होने का प्रतीक था।
- निवास के मण्डप और मन्दिर के परदों का रंग भी बैंगनी था याजकों को एपोद का रंग भी बैंगनी था।
- बैंगनी रंग समुद्री घोंघे को कुचल कर या उबलते हुए पानी में डालकर निकाला जाता था, या घोंघों को जीवित रखकर यह रंग छोड़ने के लिए उकसाया जाता था। यह एक मंहगी प्रक्रिया थी।
- रोमी सैनिकों ने यीशु के क्रूसीकरण से पूर्व उसे बैंगनी वस्त्र पहनाकर उसकी निन्दा की थी क्योंकि उस पर दोष लगाया गया था कि वह यहूदियों का राजा है।
- फिलिप्पी नगर की लुदिया बैंगनी वस्त्र बेचकर जीविकोपार्जन करती थी।

(यह भी देखें: एपोद, फिलिप्पी, राजकीय, निवासस्थान, मन्दिर

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 02:13-14
- दानिय्येल 05:7
- दानिय्येल 05:29-31
- नीतिवचन 31:22-23

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H710, H711, H713, G4209, G4210, G4211

बैतनिय्याह

तथ्य:

बैतनिय्याह नगर जैतून पर्वत को पूर्वी ढलान पर यरूशलेम से लगभग 2 मील दूर था।

- बैतनिय्याह यरूशलेम से यरीहो के मार्ग में था।
- यीशु प्राय: बैतनिय्याह जाता था जहां उसके घनिष्ठ मित्र लाजर, मार्था और मरियम थे।
- बैतनिय्याह को विशेष रूप से जाना जाता था क्योंकि वहां यीशु ने लाजर को मरने के बाद जीवित किया था।

(यह भी देखें: यरीहो, यरूशलेम, लाज़र, मार्था, मरियम (मार्था की बहन), जैतून के पहाड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 01:26-28
- लूका 24:50-51
- मरकुस 11:1-3
- मत्ती 21:15-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: G963

बैतनिय्याह

तथ्य:

बैतनिय्याह नगर जैतून पर्वत को पूर्वी ढलान पर यरूशलेम से लगभग 2 मील दूर था।

- बैतनिय्याह यरूशलेम से यरीहो के मार्ग में था।
- यीशु प्राय: बैतनिय्याह जाता था जहां उसके घनिष्ठ मित्र लाजर, मार्था और मरियम थे।
- बैतनिय्याह को विशेष रूप से जाना जाता था क्योंकि वहां यीशु ने लाजर को मरने के बाद जीवित किया था।

(यह भी देखें: यरीहो, यरूशलेम, लाज़र, मार्था, मरियम (मार्था की बहन), जैतून के पहाड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 01:26-28
- लूका 24:50-51
- मरकुस 11:1-3
- मत्ती 21:15-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: G963

बैतनिय्याह

तथ्य:

बैतनिय्याह नगर जैतून पर्वत को पूर्वी ढलान पर यरूशलेम से लगभग 2 मील दूर था।

- बैतनिय्याह यरूशलेम से यरीहो के मार्ग में था।
- यीशु प्राय: बैतनिय्याह जाता था जहां उसके घनिष्ठ मित्र लाजर, मार्था और मरियम थे।
- बैतनिय्याह को विशेष रूप से जाना जाता था क्योंकि वहां यीशु ने लाजर को मरने के बाद जीवित किया था।

(यह भी देखें: यरीहो, यरूशलेम, लाज़र, मार्था, मरियम (मार्था की बहन), जैतून के पहाड़)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 01:26-28
- लूका 24:50-51
- मरकुस 11:1-3
- मत्ती 21:15-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: G963

बैतनिय्याह

तथ्य:

बैतनिय्याह नगर जैतून पर्वत को पूर्वी ढलान पर यरूशलेम से लगभग 2 मील दूर था।

- बैतनिय्याह यरूशलेम से यरीहो के मार्ग में था।
- यीशु प्रायः बैतनिय्याह जाता था जहां उसके घनिष्ठ मित्र लाजर, मार्था और मरियम थे।
- बैतनिय्याह को विशेष रूप से जाना जाता था क्योंकि वहां यीशु ने लाजर को मरने के बाद जीवित किया था।

(यह भी देखें: यरीहो, यरूशलेम, लाज़र, मार्था, मरियम (मार्था की बहन), जैतून के पहाड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 01:26-28
- लूका 24:50-51
- मरकुस 11:1-3
- मत्ती 21:15-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: G963

बैतलहम, एप्रात

तथ्य:

बैतलहम इस्राएल में एक छोटा सा नगर था जो यरूशलेम के निकट स्थित था। इसका नाम “एप्रात” भी था, संभवतः उसका मूल नाम।

- बैतलहम को “दाऊद का नगर” भी कहते थे क्योंकि दाऊद का जन्म वहीं हुआ था।
- भविष्यद्वक्ता मीका ने कहा था कि मसीह बैतलहम एप्रात से आएगा।
- इस भविष्यद्वाणी की पूर्ति हुई जब वर्षों बाद यीशु का जन्म बैतलहम नगर में हुआ था।
- “बैतलहम” का अर्थ है “रोटी का घर” या “भोजन का घर”

(यह भी देखें: कालेब, दाऊद, मीका)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 35:16-20
- यूहन्ना 07:40-42
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 02:16
- रूत 01:1-2
- रूत 01:19-21

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था

- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा। मीका भविष्यवक्ता ने कहा कि उसका जन्म बैतलहम के नगर में होगा।
- **23:04** अत: यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया।
- **23:06** " आज बैतलहम नगर में तुम्हारे लिये एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H376, H672, H1035, G965

बैतलहम, एप्रात

तथ्य:

बैतलहम इस्राएल में एक छोटा सा नगर था जो यरूशलेम के निकट स्थित था। इसका नाम "एप्रात" भी था, संभवतः उसका मूल नाम।

- बैतलहम को "दाऊद का नगर" भी कहते थे क्योंकि दाऊद का जन्म वहीं हुआ था।
- भविष्यद्वक्ता मीका ने कहा था कि मसीह बैतलहम एप्रात से आएगा।
- इस भविष्यद्वाणी की पूर्ति हुई जब वर्षों बाद यीशु का जन्म बैतलहम नगर में हुआ था।
- "बैतलहम" का अर्थ है "रोटी का घर" या "भोजन का घर"

(यह भी देखें: कालेब, दाऊद, मीका)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 35:16-20
- यूहन्ना 07:40-42
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 02:16
- रूत 01:1-2
- रूत 01:19-21

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा। मीका भविष्यवक्ता ने कहा कि उसका जन्म बैतलहम के नगर में होगा।
- **23:04** अत: यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया।
- **23:06** " आज बैतलहम नगर में तुम्हारे लिये एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H376, H672, H1035, G965

बैतलहम, एप्रात

तथ्य:

बैतलहम इस्राएल में एक छोटा सा नगर था जो यरूशलेम के निकट स्थित था। इसका नाम "एप्रात" भी था, संभवतः उसका मूल नाम।

- बैतलहम को "दाऊद का नगर" भी कहते थे क्योंकि दाऊद का जन्म वहीं हुआ था।
- भविष्यद्वक्ता मीका ने कहा था कि मसीह बैतलहम एप्रात से आएगा।
- इस भविष्यद्वाणी की पूर्ति हुई जब वर्षों बाद यीशु का जन्म बैतलहम नगर में हुआ था।
- "बैतलहम" का अर्थ है "रोटी का घर" या "भोजन का घर"

(यह भी देखें: कालेब, दाऊद, मीका)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 35:16-20
- यूहन्ना 07:40-42
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 02:16
- रूत 01:1-2
- रूत 01:19-21

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा। मीका भविष्यवक्ता ने कहा कि उसका जन्म बैतलहम के नगर में होगा।
- **23:04** अत: यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया।
- **23:06** " आज बैतलहम नगर में तुम्हारे लिये एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H376, H672, H1035, G965

बोझ, भारी, कठोर परिश्रम, अभिव्यक्तियाँ

परिभाषा:

बोझ कोई भारी वस्तु हो सकता है. इसका मूल अर्थ में सन्दर्भ किसी पदार्थ सम्बन्धी भार से होता है जिसे पशु द्वारा उठाया जाता है. "बोझ" शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं.

- बोझ का सन्दर्भ किसी मनुष्य के कठिन दायित्व या महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व से भी होता है. उसके लिए कहा जाता है कि वह "भारी बोझ" "उठा रहा है" या "से दबा है."
- निर्दयी शासक अपनी जनता पर बोझ डालता है जैसे उनसे बलात बहुत अधिक कर वसूल करना.
- जो मनुष्य किसी पर बोझ होना नहीं चाहता वह किसी के लिए कष्ट का कारण नहीं होना चाहता है.
- मनुष्य के लिए दोष उसके लिए एक बोझ है.
- "प्रभु का भारी वचन" भविष्यद्वक्ता द्वारा परमेश्वर की प्रजा को सुनाए गए "परमेश्वर के सन्देश" की आलंकारिक अभिव्यक्ति है.
- "बोझ" जिसका अनुवाद हो सकता है, "दायित्व" या "कर्तव्य" या "भारी बोझ" या "सन्देश" प्रकरण के अनुसार जैसा भी हो.

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 03:6-9
- गलातियों 06:1-2
- गलातियों 06:03
- उत्पत्ति 49:15
- मत्ती 11:30
- मत्ती 23:04

शब्द तथ्य:

- Strong's: H9260, H3053, H4614, H4853, H4864, H5445, H5447, H5448, H5449, H6006, G4, G916, G922, G2347, G2599, G2655, G5413

बोझ, भारी, कठोर परिश्रम, अभिव्यक्तियाँ

परिभाषा:

बोझ कोई भारी वस्तु हो सकता है. इसका मूल अर्थ में सन्दर्भ किसी पदार्थ सम्बन्धी भार से होता है जिसे पशु द्वारा उठाया जाता है. "बोझ" शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं.

- बोझ का सन्दर्भ किसी मनुष्य के कठिन दायित्व या महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व से भी होता है. उसके लिए कहा जाता है कि वह “भारी बोझ” "उठा रहा है" या “से दबा है.”
- निर्दयी शासक अपनी जनता पर बोझ डालता है जैसे उनसे बलात बहुत अधिक कर वसूल करना.
- जो मनुष्य किसी पर बोझ होना नहीं चाहता वह किसी के लिए कष्ट का कारण नहीं होना चाहता है.
- मनुष्य के लिए दोष उसके लिए एक बोझ है.
- “प्रभु का भारी वचन” भविष्यद्वक्ता द्वारा परमेश्वर की प्रजा को सुनाए गए “परमेश्वर के सन्देश” की आलंकारिक अभिव्यक्ति है.
- ”बोझ” जिसका अनुवाद हो सकता है, “दायित्व” या “कर्तव्य” या “भारी बोझ” या “सन्देश” प्रकरण के अनुसार जैसा भी हो.

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 03:6-9
- गलातियों 06:1-2
- गलातियों 06:03
- उत्पत्ति 49:15
- मत्ती 11:30
- मत्ती 23:04

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H9260, H3053, H4614, H4853, H4864, H5445, H5447, H5448, H5449, H6006, G4, G916, G922, G2347, G2599, G2655, G5413

बोझ, भारी, कठोर परिश्रम, अभिव्यक्तियाँ

परिभाषा:

बोझ कोई भारी वस्तु हो सकता है. इसका मूल अर्थ में सन्दर्भ किसी पदार्थ सम्बन्धी भार से होता है जिसे पशु द्वारा उठाया जाता है. "बोझ" शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं.

- बोझ का सन्दर्भ किसी मनुष्य के कठिन दायित्व या महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व से भी होता है. उसके लिए कहा जाता है कि वह “भारी बोझ” "उठा रहा है" या “से दबा है.”
- निर्दयी शासक अपनी जनता पर बोझ डालता है जैसे उनसे बलात बहुत अधिक कर वसूल करना.
- जो मनुष्य किसी पर बोझ होना नहीं चाहता वह किसी के लिए कष्ट का कारण नहीं होना चाहता है.
- मनुष्य के लिए दोष उसके लिए एक बोझ है.
- “प्रभु का भारी वचन” भविष्यद्वक्ता द्वारा परमेश्वर की प्रजा को सुनाए गए “परमेश्वर के सन्देश” की आलंकारिक अभिव्यक्ति है.
- ”बोझ” जिसका अनुवाद हो सकता है, “दायित्व” या “कर्तव्य” या “भारी बोझ” या “सन्देश” प्रकरण के अनुसार जैसा भी हो.

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 03:6-9
- गलातियों 06:1-2
- गलातियों 06:03
- उत्पत्ति 49:15
- मत्ती 11:30
- मत्ती 23:04

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H9260, H3053, H4614, H4853, H4864, H5445, H5447, H5448, H5449, H6006, G4, G916, G922, G2347, G2599, G2655, G5413

बोझ, भारी, कठोर परिश्रम, अभिव्यक्तियाँ

परिभाषा:

बोझ कोई भारी वस्तु हो सकता है. इसका मूल अर्थ में सन्दर्भ किसी पदार्थ सम्बन्धी भार से होता है जिसे पशु द्वारा उठाया जाता है. "बोझ" शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं.

- बोझ का सन्दर्भ किसी मनुष्य के कठिन दायित्व या महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व से भी होता है. उसके लिए कहा जाता है कि वह “भारी बोझ” "उठा रहा है" या “से दबा है.”
- निर्दयी शासक अपनी जनता पर बोझ डालता है जैसे उनसे बलात बहुत अधिक कर वसूल करना.
- जो मनुष्य किसी पर बोझ होना नहीं चाहता वह किसी के लिए कष्ट का कारण नहीं होना चाहता है.
- मनुष्य के लिए दोष उसके लिए एक बोझ है.
- “प्रभु का भारी वचन” भविष्यद्वक्ता द्वारा परमेश्वर की प्रजा को सुनाए गए “परमेश्वर के सन्देश” की आलंकारिक अभिव्यक्ति है.
- ”बोझ” जिसका अनुवाद हो सकता है, “दायित्व” या “कर्तव्य” या “भारी बोझ” या “सन्देश” प्रकरण के अनुसार जैसा भी हो.

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 03:6-9
- गलातियों 06:1-2
- गलातियों 06:03
- उत्पत्ति 49:15
- मत्ती 11:30
- मत्ती 23:04

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H9260, H3053, H4614, H4853, H4864, H5445, H5447, H5448, H5449, H6006, G4, G916, G922, G2347, G2599, G2655, G5413

बोझ, भारी, कठोर परिश्रम, अभिव्यक्तियाँ

परिभाषा:

बोझ कोई भारी वस्तु हो सकता है. इसका मूल अर्थ में सन्दर्भ किसी पदार्थ सम्बन्धी भार से होता है जिसे पशु द्वारा उठाया जाता है. "बोझ" शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं.

- बोझ का सन्दर्भ किसी मनुष्य के कठिन दायित्व या महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व से भी होता है. उसके लिए कहा जाता है कि वह “भारी बोझ” "उठा रहा है" या “से दबा है.”
- निर्दयी शासक अपनी जनता पर बोझ डालता है जैसे उनसे बलात बहुत अधिक कर वसूल करना.
- जो मनुष्य किसी पर बोझ होना नहीं चाहता वह किसी के लिए कष्ट का कारण नहीं होना चाहता है.
- मनुष्य के लिए दोष उसके लिए एक बोझ है.
- “प्रभु का भारी वचन” भविष्यद्वक्ता द्वारा परमेश्वर की प्रजा को सुनाए गए “परमेश्वर के सन्देश” की आलंकारिक अभिव्यक्ति है.
- ”बोझ” जिसका अनुवाद हो सकता है, “दायित्व” या “कर्तव्य” या “भारी बोझ” या “सन्देश” प्रकरण के अनुसार जैसा भी हो.

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 03:6-9
- गलातियों 06:1-2
- गलातियों 06:03
- उत्पत्ति 49:15
- मत्ती 11:30
- मत्ती 23:04

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H9260, H3053, H4614, H4853, H4864, H5445, H5447, H5448, H5449, H6006, G4, G916, G922, G2347, G2599, G2655, G5413

बोझ, भारी, कठोर परिश्रम, अभिव्यक्तियाँ

परिभाषा:

बोझ कोई भारी वस्तु हो सकता है. इसका मूल अर्थ में सन्दर्भ किसी पदार्थ सम्बन्धी भार से होता है जिसे पशु द्वारा उठाया जाता है. "बोझ" शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं.

- बोझ का सन्दर्भ किसी मनुष्य के कठिन दायित्व या महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व से भी होता है. उसके लिए कहा जाता है कि वह “भारी बोझ” "उठा रहा है" या “से दबा है.”
- निर्दयी शासक अपनी जनता पर बोझ डालता है जैसे उनसे बलात बहुत अधिक कर वसूल करना.
- जो मनुष्य किसी पर बोझ होना नहीं चाहता वह किसी के लिए कष्ट का कारण नहीं होना चाहता है.
- मनुष्य के लिए दोष उसके लिए एक बोझ है.
- “प्रभु का भारी वचन” भविष्यद्वक्ता द्वारा परमेश्वर की प्रजा को सुनाए गए “परमेश्वर के सन्देश” की आलंकारिक अभिव्यक्ति है.
- ”बोझ” जिसका अनुवाद हो सकता है, “दायित्व” या “कर्तव्य” या “भारी बोझ” या “सन्देश” प्रकरण के अनुसार जैसा भी हो.

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 03:6-9
- गलातियों 06:1-2
- गलातियों 06:03
- उत्पत्ति 49:15
- मत्ती 11:30
- मत्ती 23:04

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H9260, H3053, H4614, H4853, H4864, H5445, H5447, H5448, H5449, H6006, G4, G916, G922, G2347, G2599, G2655, G5413

बोझ, भारी, कठोर परिश्रम, अभिव्यक्तियाँ

परिभाषा:

बोझ कोई भारी वस्तु हो सकता है. इसका मूल अर्थ में सन्दर्भ किसी पदार्थ सम्बन्धी भार से होता है जिसे पशु द्वारा उठाया जाता है. "बोझ" शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं.

- बोझ का सन्दर्भ किसी मनुष्य के कठिन दायित्व या महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व से भी होता है. उसके लिए कहा जाता है कि वह “भारी बोझ” "उठा रहा है" या “से दबा है.”
- निर्दयी शासक अपनी जनता पर बोझ डालता है जैसे उनसे बलात बहुत अधिक कर वसूल करना.
- जो मनुष्य किसी पर बोझ होना नहीं चाहता वह किसी के लिए कष्ट का कारण नहीं होना चाहता है.
- मनुष्य के लिए दोष उसके लिए एक बोझ है.
- “प्रभु का भारी वचन” भविष्यद्वक्ता द्वारा परमेश्वर की प्रजा को सुनाए गए “परमेश्वर के सन्देश” की आलंकारिक अभिव्यक्ति है.
- ”बोझ” जिसका अनुवाद हो सकता है, “दायित्व” या “कर्तव्य” या “भारी बोझ” या “सन्देश” प्रकरण के अनुसार जैसा भी हो.

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 03:6-9
- गलातियों 06:1-2
- गलातियों 06:03
- उत्पत्ति 49:15
- मत्ती 11:30
- मत्ती 23:04

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H9260, H3053, H4614, H4853, H4864, H5445, H5447, H5448, H5449, H6006, G4, G916, G922, G2347, G2599, G2655, G5413

बोझ, भारी, कठोर परिश्रम, अभिव्यक्तियाँ

परिभाषा:

बोझ कोई भारी वस्तु हो सकता है. इसका मूल अर्थ में सन्दर्भ किसी पदार्थ सम्बन्धी भार से होता है जिसे पशु द्वारा उठाया जाता है. "बोझ" शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं.

- बोझ का सन्दर्भ किसी मनुष्य के कठिन दायित्व या महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व से भी होता है. उसके लिए कहा जाता है कि वह “भारी बोझ” "उठा रहा है" या “से दबा है.”
- निर्दयी शासक अपनी जनता पर बोझ डालता है जैसे उनसे बलात बहुत अधिक कर वसूल करना.
- जो मनुष्य किसी पर बोझ होना नहीं चाहता वह किसी के लिए कष्ट का कारण नहीं होना चाहता है.
- मनुष्य के लिए दोष उसके लिए एक बोझ है.
- “प्रभु का भारी वचन” भविष्यद्वक्ता द्वारा परमेश्वर की प्रजा को सुनाए गए “परमेश्वर के सन्देश” की आलंकारिक अभिव्यक्ति है.
- ”बोझ” जिसका अनुवाद हो सकता है, “दायित्व” या “कर्तव्य” या “भारी बोझ” या “सन्देश” प्रकरण के अनुसार जैसा भी हो.

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 03:6-9
- गलातियों 06:1-2
- गलातियों 06:03
- उत्पत्ति 49:15
- मत्ती 11:30
- मत्ती 23:04

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H9260, H3053, H4614, H4853, H4864, H5445, H5447, H5448, H5449, H6006, G4, G916, G922, G2347, G2599, G2655, G5413

भजन

परिभाषा:

“भजन” शब्द एक पवित्र गीत का संदर्भ देता है जो कविता रूप में लिखा गया है कि गाया जाए।

- पुराने नियम में भजन संहिता इन भजनों का संग्रह है, राजा दाऊद तथा अन्य इस्राएलियों जैसे मूसा, सुलैमान, आसाप तथा अन्यों ने इन भजनों को लिखा था।
- भजन इस्राएलियों द्वारा परमेश्वर की आराधना में गाए जाते थे।
- भजन आनन्द, विश्वास, श्रद्धा तथा दुःख और व्यथा का वर्णन करते हैं।
- नये नियम में विश्वासियों से आग्रह किया गया है कि परमेश्वर की आराधना में भजन गाएं।

(यह भी देखें: दाऊद, विश्वास, आनन्द, मूसा, पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:32-34
- प्रे.का. 13:35-37
- कुलुस्सियों 03:15-17
- लूका 20:41-44

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2158, H2167, H2172, H4210, G5567, G5568

भजन

परिभाषा:

“भजन” शब्द एक पवित्र गीत का संदर्भ देता है जो कविता रूप में लिखा गया है कि गाया जाए।

- पुराने नियम में भजन संहिता इन भजनों का संग्रह है, राजा दाऊद तथा अन्य इस्राएलियों जैसे मूसा, सुलैमान, आसाप तथा अन्यों ने इन भजनों को लिखा था।
- भजन इस्राएलियों द्वारा परमेश्वर की आराधना में गाए जाते थे।
- भजन आनन्द, विश्वास, श्रद्धा तथा दुःख और व्यथा का वर्णन करते हैं।
- नये नियम में विश्वासियों से आग्रह किया गया है कि परमेश्वर की आराधना में भजन गाएं।

(यह भी देखें: दाऊद, विश्वास, आनन्द, मूसा, पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:32-34
- प्रे.का. 13:35-37
- कुलुस्सियों 03:15-17
- लूका 20:41-44

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2158, H2167, H2172, H4210, G5567, G5568

भजन

परिभाषा:

“भजन” शब्द एक पवित्र गीत का संदर्भ देता है जो कविता रूप में लिखा गया है कि गाया जाए।

- पुराने नियम में भजन संहिता इन भजनों का संग्रह है, राजा दाऊद तथा अन्य इस्राएलियों जैसे मूसा, सुलैमान, आसाप तथा अन्यों ने इन भजनों को लिखा था।
- भजन इस्राएलियों द्वारा परमेश्वर की आराधना में गाए जाते थे।
- भजन आनन्द, विश्वास, श्रद्धा तथा दुःख और व्यथा का वर्णन करते हैं।
- नये नियम में विश्वासियों से आग्रह किया गया है कि परमेश्वर की आराधना में भजन गाएं।

(यह भी देखें: दाऊद, विश्वास, आनन्द, मूसा, पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:32-34
- प्रे.का. 13:35-37
- कुलुस्सियों 03:15-17
- लूका 20:41-44

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2158, H2167, H2172, H4210, G5567, G5568

भजन

परिभाषा:

“भजन” शब्द एक पवित्र गीत का संदर्भ देता है जो कविता रूप में लिखा गया है कि गाया जाए।

- पुराने नियम में भजन संहिता इन भजनों का संग्रह है, राजा दाऊद तथा अन्य इस्राएलियों जैसे मूसा, सुलैमान, आसाप तथा अन्यों ने इन भजनों को लिखा था।
- भजन इस्राएलियों द्वारा परमेश्वर की आराधना में गाए जाते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- भजन आनन्द, विश्वास, श्रद्धा तथा दुःख और व्यथा का वर्णन करते हैं।
- नये नियम में विश्वासियों से आग्रह किया गया है कि परमेश्वर की आराधना में भजन गाएं।

(यह भी देखें: दाऊद, विश्वास, आनन्द, मूसा, पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:32-34
- प्रे.का. 13:35-37
- कुलुस्सियों 03:15-17
- लूका 20:41-44

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2158, H2167, H2172, H4210, G5567, G5568

भजन

परिभाषा:

“भजन” शब्द एक पवित्र गीत का संदर्भ देता है जो कविता रूप में लिखा गया है कि गाया जाए।

- पुराने नियम में भजन संहिता इन भजनों का संग्रह है, राजा दाऊद तथा अन्य इस्राएलियों जैसे मूसा, सुलैमान, आसाप तथा अन्यों ने इन भजनों को लिखा था।
- भजन इस्राएलियों द्वारा परमेश्वर की आराधना में गाए जाते थे।
- भजन आनन्द, विश्वास, श्रद्धा तथा दुःख और व्यथा का वर्णन करते हैं।
- नये नियम में विश्वासियों से आग्रह किया गया है कि परमेश्वर की आराधना में भजन गाएं।

(यह भी देखें: दाऊद, विश्वास, आनन्द, मूसा, पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:32-34
- प्रे.का. 13:35-37
- कुलुस्सियों 03:15-17
- लूका 20:41-44

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2158, H2167, H2172, H4210, G5567, G5568

भजन

परिभाषा:

“भजन” शब्द एक पवित्र गीत का संदर्भ देता है जो कविता रूप में लिखा गया है कि गाया जाए।

- पुराने नियम में भजन संहिता इन भजनों का संग्रह है, राजा दाऊद तथा अन्य इस्राएलियों जैसे मूसा, सुलैमान, आसाप तथा अन्यों ने इन भजनों को लिखा था।
- भजन इस्राएलियों द्वारा परमेश्वर की आराधना में गाए जाते थे।
- भजन आनन्द, विश्वास, श्रद्धा तथा दुःख और व्यथा का वर्णन करते हैं।
- नये नियम में विश्वासियों से आग्रह किया गया है कि परमेश्वर की आराधना में भजन गाएं।

(यह भी देखें: दाऊद, विश्वास, आनन्द, मूसा, पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:32-34
- प्रे.का. 13:35-37

- कुलुस्सियों 03:15-17
- लूका 20:41-44

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2158, H2167, H2172, H4210, G5567, G5568

भजन

परिभाषा:

“भजन” शब्द एक पवित्र गीत का संदर्भ देता है जो कविता रूप में लिखा गया है कि गाया जाए।

- पुराने नियम में भजन संहिता इन भजनों का संग्रह है, राजा दाऊद तथा अन्य इस्राएलियों जैसे मूसा, सुलैमान, आसाप तथा अन्यों ने इन भजनों को लिखा था।
- भजन इस्राएलियों द्वारा परमेश्वर की आराधना में गाए जाते थे।
- भजन आनन्द, विश्वास, श्रद्धा तथा दुःख और व्यथा का वर्णन करते हैं।
- नये नियम में विश्वासियों से आग्रह किया गया है कि परमेश्वर की आराधना में भजन गाएं।

(यह भी देखें: दाऊद, विश्वास, आनन्द, मूसा, पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:32-34
- प्रे.का. 13:35-37
- कुलुस्सियों 03:15-17
- लूका 20:41-44

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2158, H2167, H2172, H4210, G5567, G5568

भजन

परिभाषा:

“भजन” शब्द एक पवित्र गीत का संदर्भ देता है जो कविता रूप में लिखा गया है कि गाया जाए।

- पुराने नियम में भजन संहिता इन भजनों का संग्रह है, राजा दाऊद तथा अन्य इस्राएलियों जैसे मूसा, सुलैमान, आसाप तथा अन्यों ने इन भजनों को लिखा था।
- भजन इस्राएलियों द्वारा परमेश्वर की आराधना में गाए जाते थे।
- भजन आनन्द, विश्वास, श्रद्धा तथा दुःख और व्यथा का वर्णन करते हैं।
- नये नियम में विश्वासियों से आग्रह किया गया है कि परमेश्वर की आराधना में भजन गाएं।

(यह भी देखें: दाऊद, विश्वास, आनन्द, मूसा, पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:32-34
- प्रे.का. 13:35-37
- कुलुस्सियों 03:15-17
- लूका 20:41-44

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2158, H2167, H2172, H4210, G5567, G5568

भजन

परिभाषा:

“भजन” शब्द एक पवित्र गीत का संदर्भ देता है जो कविता रूप में लिखा गया है कि गाया जाए।

- पुराने नियम में भजन संहिता इन भजनों का संग्रह है, राजा दाऊद तथा अन्य इस्राएलियों जैसे मूसा, सुलैमान, आसाप तथा अन्यों ने इन भजनों को लिखा था।
- भजन इस्राएलियों द्वारा परमेश्वर की आराधना में गाए जाते थे।
- भजन आनन्द, विश्वास, श्रद्धा तथा दुःख और व्यथा का वर्णन करते हैं।
- नये नियम में विश्वासियों से आग्रह किया गया है कि परमेश्वर की आराधना में भजन गाएं।

(यह भी देखें: दाऊद, विश्वास, आनन्द, मूसा, पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:32-34
- प्रे.का. 13:35-37
- कुलुस्सियों 03:15-17
- लूका 20:41-44

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2158, H2167, H2172, H4210, G5567, G5568

भजन

परिभाषा:

“भजन” शब्द एक पवित्र गीत का संदर्भ देता है जो कविता रूप में लिखा गया है कि गाया जाए।

- पुराने नियम में भजन संहिता इन भजनों का संग्रह है, राजा दाऊद तथा अन्य इस्राएलियों जैसे मूसा, सुलैमान, आसाप तथा अन्यों ने इन भजनों को लिखा था।
- भजन इस्राएलियों द्वारा परमेश्वर की आराधना में गाए जाते थे।
- भजन आनन्द, विश्वास, श्रद्धा तथा दुःख और व्यथा का वर्णन करते हैं।
- नये नियम में विश्वासियों से आग्रह किया गया है कि परमेश्वर की आराधना में भजन गाएं।

(यह भी देखें: दाऊद, विश्वास, आनन्द, मूसा, पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:32-34
- प्रे.का. 13:35-37
- कुलुस्सियों 03:15-17
- लूका 20:41-44

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2158, H2167, H2172, H4210, G5567, G5568

भजन

परिभाषा:

“भजन” शब्द एक पवित्र गीत का संदर्भ देता है जो कविता रूप में लिखा गया है कि गाया जाए।

- पुराने नियम में भजन संहिता इन भजनों का संग्रह है, राजा दाऊद तथा अन्य इस्राएलियों जैसे मूसा, सुलैमान, आसाप तथा अन्यों ने इन भजनों को लिखा था।
- भजन इस्राएलियों द्वारा परमेश्वर की आराधना में गाए जाते थे।

- भजन आनन्द, विश्वास, श्रद्धा तथा दुःख और व्यथा का वर्णन करते हैं।
- नये नियम में विश्वासियों से आग्रह किया गया है कि परमेश्वर की आराधना में भजन गाएं।

(यह भी देखें: दाऊद, विश्वास, आनन्द, मूसा, पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:32-34
- प्रे.का. 13:35-37
- कुलुस्सियों 03:15-17
- लूका 20:41-44

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2158, H2167, H2172, H4210, G5567, G5568

भजन

परिभाषा:

“भजन” शब्द एक पवित्र गीत का संदर्भ देता है जो कविता रूप में लिखा गया है कि गाया जाए।

- पुराने नियम में भजन संहिता इन भजनों का संग्रह है, राजा दाऊद तथा अन्य इस्राएलियों जैसे मूसा, सुलैमान, आसाप तथा अन्यों ने इन भजनों को लिखा था।
- भजन इस्राएलियों द्वारा परमेश्वर की आराधना में गाए जाते थे।
- भजन आनन्द, विश्वास, श्रद्धा तथा दुःख और व्यथा का वर्णन करते हैं।
- नये नियम में विश्वासियों से आग्रह किया गया है कि परमेश्वर की आराधना में भजन गाएं।

(यह भी देखें: दाऊद, विश्वास, आनन्द, मूसा, पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 13:32-34
- प्रे.का. 13:35-37
- कुलुस्सियों 03:15-17
- लूका 20:41-44

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2158, H2167, H2172, H4210, G5567, G5568

भटक, भटक जाते हैं, भटक गए, भटका देना, भटका दिया, भटकना, भ्रम में पड़े, गलत दिशा की ओर

परिभाषा:

“भटका दिया” और “भटकना” का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा न मानना। मनुष्य जो “भटक गए” उन्होंने अन्य मनुष्यों या परिस्थितियों से प्रभावित होकर परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी।

- “भटकना” शब्द समतल पथ या सुरक्षा के स्थान को छोड़कर गलत और खतरनाक मार्ग में जाने का भाव व्यक्त करता है।
- चरवाहे की चारागाह से दूर जानेवाली भेड़ को “भटकी हुई” कहते हैं। परमेश्वर पापियों की तुलना उन भेड़ों से करता है जो उसका त्याग करके “भटक गई” हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “भटकने” का अनुवाद, “परमेश्वर से दूर हो जाना” या “परमेश्वर की इच्छा से अलग गलत मार्ग पर चलना” या “परमेश्वर की आज्ञा मानना छोड़ देना” या “ऐसे तरीके से जियो जो परमेश्वर से दूर चला जाए।” हो सकता है।
- “किसी को भरमाना” का अनुवाद, “किसी को परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए प्रेरित करना” या “किसी को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए प्रभावित करना” या “किसी को गलत मार्ग पर अपने पीछे चलाना”हो सकता है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 03:7
- 2 तीमु. 03:13
- निर्गमन 23:4-5
- यहेजकेल 48:10-12
- मत्ती. 18:13
- मत्ती. 24:05
- भजन-संहिता 058:03
- भजन-संहिता 119:110

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5080, H7683, H7686, H8582, G4105

भटक, भटक जाते हैं, भटक गए, भटका देना, भटका दिया, भटकना, भ्रम में पड़े, गलत दिशा की ओर

परिभाषा:

“भटका दिया” और “भटकना” का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा न मानना। मनुष्य जो “भटक गए” उन्होंने अन्य मनुष्यों या परिस्थितियों से प्रभावित होकर परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी।

- “भटकना” शब्द समतल पथ या सुरक्षा के स्थान को छोड़कर गलत और खतरनाक मार्ग में जाने का भाव व्यक्त करता है।
- चरवाहे की चारागाह से दूर जानेवाली भेड़ को “भटकी हुई” कहते हैं। परमेश्वर पापियों की तुलना उन भेड़ों से करता है जो उसका त्याग करके “भटक गई” हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “भटकने” का अनुवाद, “परमेश्वर से दूर हो जाना” या “परमेश्वर की इच्छा से अलग गलत मार्ग पर चलना” या “परमेश्वर की आज्ञा मानना छोड़ देना” या “ऐसे तरीके से जियो जो परमेश्वर से दूर चला जाए।” हो सकता है।
- “किसी को भरमाना” का अनुवाद, “किसी को परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए प्रेरित करना” या “किसी को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए प्रभावित करना” या “किसी को गलत मार्ग पर अपने पीछे चलाना”हो सकता है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 03:7
- 2 तीमु. 03:13
- निर्गमन 23:4-5
- यहेजकेल 48:10-12
- मत्ती. 18:13
- मत्ती. 24:05
- भजन-संहिता 058:03
- भजन-संहिता 119:110

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5080, H7683, H7686, H8582, G4105

भटक, भटक जाते हैं, भटक गए, भटका देना, भटका दिया, भटकना, भ्रम में पड़े, गलत दिशा की ओर

परिभाषा:

"भटका दिया" और "भटकना" का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा न मानना। मनुष्य जो "भटक गए" उन्होंने अन्य मनुष्यों या परिस्थितियों से प्रभावित होकर परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी।

- "भटकना" शब्द समतल पथ या सुरक्षा के स्थान को छोड़कर गलत और खतरनाक मार्ग में जाने का भाव व्यक्त करता है।
- चरवाहे की चारागाह से दूर जानेवाली भेड़ को "भटकी हुई" कहते हैं। परमेश्वर पापियों की तुलना उन भेड़ों से करता है जो उसका त्याग करके "भटक गई" हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "भटकने" का अनुवाद, "परमेश्वर से दूर हो जाना" या "परमेश्वर की इच्छा से अलग गलत मार्ग पर चलना" या "परमेश्वर की आज्ञा मानना छोड़ देना" या "ऐसे तरीके से जियो जो परमेश्वर से दूर चला जाए।" हो सकता है।
- "किसी को भरमाना" का अनुवाद, "किसी को परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए प्रेरित करना" या "किसी को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए प्रभावित करना" या "किसी को गलत मार्ग पर अपने पीछे चलाना"हो सकता है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 03:7
- 2 तीमु. 03:13
- निर्गमन 23:4-5
- यहेजकेल 48:10-12
- मत्ती. 18:13
- मत्ती. 24:05
- भजन-संहिता 058:03
- भजन-संहिता 119:110

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5080, H7683, H7686, H8582, G4105

भटक, भटक जाते हैं, भटक गए, भटका देना, भटका दिया, भटकना, भ्रम में पड़े, गलत दिशा की ओर

परिभाषा:

"भटका दिया" और "भटकना" का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा न मानना। मनुष्य जो "भटक गए" उन्होंने अन्य मनुष्यों या परिस्थितियों से प्रभावित होकर परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी।

- "भटकना" शब्द समतल पथ या सुरक्षा के स्थान को छोड़कर गलत और खतरनाक मार्ग में जाने का भाव व्यक्त करता है।
- चरवाहे की चारागाह से दूर जानेवाली भेड़ को "भटकी हुई" कहते हैं। परमेश्वर पापियों की तुलना उन भेड़ों से करता है जो उसका त्याग करके "भटक गई" हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "भटकने" का अनुवाद, "परमेश्वर से दूर हो जाना" या "परमेश्वर की इच्छा से अलग गलत मार्ग पर चलना" या "परमेश्वर की आज्ञा मानना छोड़ देना" या "ऐसे तरीके से जियो जो परमेश्वर से दूर चला जाए।" हो सकता है।
- "किसी को भरमाना" का अनुवाद, "किसी को परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए प्रेरित करना" या "किसी को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए प्रभावित करना" या "किसी को गलत मार्ग पर अपने पीछे चलाना"हो सकता है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 03:7
- 2 तीमु. 03:13

- निर्गमन 23:4-5
- यहेजकेल 48:10-12
- मत्ती. 18:13
- मत्ती. 24:05
- भजन-संहिता 058:03
- भजन-संहिता 119:110

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5080, H7683, H7686, H8582, G4105

भटक, भटक जाते हैं, भटक गए, भटका देना, भटका दिया, भटकना, भ्रम में पड़े, गलत दिशा की ओर

परिभाषा:

“भटका दिया” और “भटकना” का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा न मानना। मनुष्य जो “भटक गए” उन्होंने अन्य मनुष्यों या परिस्थितियों से प्रभावित होकर परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी।

- “भटकना” शब्द समतल पथ या सुरक्षा के स्थान को छोड़कर गलत और खतरनाक मार्ग में जाने का भाव व्यक्त करता है।
- चरवाहे की चारागाह से दूर जानेवाली भेड़ को “भटकी हुई” कहते हैं। परमेश्वर पापियों की तुलना उन भेड़ों से करता है जो उसका त्याग करके “भटक गई” हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “भटकने” का अनुवाद, “परमेश्वर से दूर हो जाना” या “परमेश्वर की इच्छा से अलग गलत मार्ग पर चलना” या “परमेश्वर की आज्ञा मानना छोड़ देना” या “ऐसे तरीके से जियो जो परमेश्वर से दूर चला जाए।” हो सकता है।
- “किसी को भरमाना” का अनुवाद, “किसी को परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए प्रेरित करना” या “किसी को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए प्रभावित करना” या “किसी को गलत मार्ग पर अपने पीछे चलाना”हो सकता है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 03:7
- 2 तीमु. 03:13
- निर्गमन 23:4-5
- यहेजकेल 48:10-12
- मत्ती. 18:13
- मत्ती. 24:05
- भजन-संहिता 058:03
- भजन-संहिता 119:110

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5080, H7683, H7686, H8582, G4105

भटक, भटक जाते हैं, भटक गए, भटका देना, भटका दिया, भटकना, भ्रम में पड़े, गलत दिशा की ओर

परिभाषा:

“भटका दिया” और “भटकना” का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा न मानना। मनुष्य जो “भटक गए” उन्होंने अन्य मनुष्यों या परिस्थितियों से प्रभावित होकर परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी।

- “भटकना” शब्द समतल पथ या सुरक्षा के स्थान को छोड़कर गलत और खतरनाक मार्ग में जाने का भाव व्यक्त करता है।
- चरवाहे की चारागाह से दूर जानेवाली भेड़ को “भटकी हुई” कहते हैं। परमेश्वर पापियों की तुलना उन भेड़ों से करता है जो उसका त्याग करके “भटक गई” हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “भटकने” का अनुवाद, “परमेश्वर से दूर हो जाना” या “परमेश्वर की इच्छा से अलग गलत मार्ग पर चलना” या “परमेश्वर की आज्ञा मानना छोड़ देना” या “ऐसे तरीके से जियो जो परमेश्वर से दूर चला जाए।” हो सकता है।
- “किसी को भरमाना” का अनुवाद, “किसी को परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए प्रेरित करना” या “किसी को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए प्रभावित करना” या “किसी को गलत मार्ग पर अपने पीछे चलाना”हो सकता है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 03:7
- 2 तीमु. 03:13
- निर्गमन 23:4-5
- यहेजकेल 48:10-12
- मत्ती. 18:13
- मत्ती. 24:05
- भजन-संहिता 058:03
- भजन-संहिता 119:110

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5080, H7683, H7686, H8582, G4105

भटक, भटक जाते हैं, भटक गए, भटका देना, भटका दिया, भटकना, भ्रम में पड़े, गलत दिशा की ओर

परिभाषा:

“भटका दिया” और “भटकना” का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा न मानना। मनुष्य जो “भटक गए” उन्होंने अन्य मनुष्यों या परिस्थितियों से प्रभावित होकर परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी।

- “भटकना” शब्द समतल पथ या सुरक्षा के स्थान को छोड़कर गलत और खतरनाक मार्ग में जाने का भाव व्यक्त करता है।
- चरवाहे की चारागाह से दूर जानेवाली भेड़ को “भटकी हुई” कहते हैं। परमेश्वर पापियों की तुलना उन भेड़ों से करता है जो उसका त्याग करके “भटक गई” हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “भटकने” का अनुवाद, “परमेश्वर से दूर हो जाना” या “परमेश्वर की इच्छा से अलग गलत मार्ग पर चलना” या “परमेश्वर की आज्ञा मानना छोड़ देना” या “ऐसे तरीके से जियो जो परमेश्वर से दूर चला जाए।” हो सकता है।
- “किसी को भरमाना” का अनुवाद, “किसी को परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए प्रेरित करना” या “किसी को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए प्रभावित करना” या “किसी को गलत मार्ग पर अपने पीछे चलाना”हो सकता है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 03:7
- 2 तीमु. 03:13
- निर्गमन 23:4-5
- यहेजकेल 48:10-12
- मत्ती. 18:13
- मत्ती. 24:05
- भजन-संहिता 058:03
- भजन-संहिता 119:110

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5080, H7683, H7686, H8582, G4105

भटक, भटक जाते हैं, भटक गए, भटका देना, भटका दिया, भटकना, भ्रम में पड़े, गलत दिशा की ओर

परिभाषा:

"भटका दिया" और "भटकना" का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा न मानना। मनुष्य जो "भटक गए" उन्होंने अन्य मनुष्यों या परिस्थितियों से प्रभावित होकर परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी।

- "भटकना" शब्द समतल पथ या सुरक्षा के स्थान को छोड़कर गलत और खतरनाक मार्ग में जाने का भाव व्यक्त करता है।
- चरवाहे की चारागाह से दूर जानेवाली भेड़ को "भटकी हुई" कहते हैं। परमेश्वर पापियों की तुलना उन भेड़ों से करता है जो उसका त्याग करके "भटक गई" हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "भटकने" का अनुवाद, "परमेश्वर से दूर हो जाना" या "परमेश्वर की इच्छा से अलग गलत मार्ग पर चलना" या "परमेश्वर की आज्ञा मानना छोड़ देना" या "ऐसे तरीके से जियो जो परमेश्वर से दूर चला जाए।" हो सकता है।
- "किसी को भरमाना" का अनुवाद, "किसी को परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए प्रेरित करना" या "किसी को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए प्रभावित करना" या "किसी को गलत मार्ग पर अपने पीछे चलाना"हो सकता है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 03:7
- 2 तीमु. 03:13
- निर्गमन 23:4-5
- यहेजकेल 48:10-12
- मत्ती. 18:13
- मत्ती. 24:05
- भजन-संहिता 058:03
- भजन-संहिता 119:110

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5080, H7683, H7686, H8582, G4105

भटक, भटक जाते हैं, भटक गए, भटका देना, भटका दिया, भटकना, भ्रम में पड़े, गलत दिशा की ओर

परिभाषा:

"भटका दिया" और "भटकना" का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा न मानना। मनुष्य जो "भटक गए" उन्होंने अन्य मनुष्यों या परिस्थितियों से प्रभावित होकर परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी।

- "भटकना" शब्द समतल पथ या सुरक्षा के स्थान को छोड़कर गलत और खतरनाक मार्ग में जाने का भाव व्यक्त करता है।
- चरवाहे की चारागाह से दूर जानेवाली भेड़ को "भटकी हुई" कहते हैं। परमेश्वर पापियों की तुलना उन भेड़ों से करता है जो उसका त्याग करके "भटक गई" हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "भटकने" का अनुवाद, "परमेश्वर से दूर हो जाना" या "परमेश्वर की इच्छा से अलग गलत मार्ग पर चलना" या "परमेश्वर की आज्ञा मानना छोड़ देना" या "ऐसे तरीके से जियो जो परमेश्वर से दूर चला जाए।" हो सकता है।
- "किसी को भरमाना" का अनुवाद, "किसी को परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए प्रेरित करना" या "किसी को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए प्रभावित करना" या "किसी को गलत मार्ग पर अपने पीछे चलाना"हो सकता है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 03:7
- 2 तीमु. 03:13

- निर्गमन 23:4-5
- यहेजकेल 48:10-12
- मत्ती. 18:13
- मत्ती. 24:05
- भजन-संहिता 058:03
- भजन-संहिता 119:110

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5080, H7683, H7686, H8582, G4105

भटक, भटक जाते हैं, भटक गए, भटका देना, भटका दिया, भटकना, भ्रम में पड़े, गलत दिशा की ओर

परिभाषा:

“भटका दिया” और “भटकना” का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा न मानना। मनुष्य जो “भटक गए” उन्होंने अन्य मनुष्यों या परिस्थितियों से प्रभावित होकर परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी।

- “भटकना” शब्द समतल पथ या सुरक्षा के स्थान को छोड़कर गलत और खतरनाक मार्ग में जाने का भाव व्यक्त करता है।
- चरवाहे की चारागाह से दूर जानेवाली भेड़ को “भटकी हुई” कहते हैं। परमेश्वर पापियों की तुलना उन भेड़ों से करता है जो उसका त्याग करके “भटक गई” हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “भटकने” का अनुवाद, “परमेश्वर से दूर हो जाना” या “परमेश्वर की इच्छा से अलग गलत मार्ग पर चलना” या “परमेश्वर की आज्ञा मानना छोड़ देना” या “ऐसे तरीके से जियो जो परमेश्वर से दूर चला जाए।” हो सकता है।
- “किसी को भरमाना” का अनुवाद, “किसी को परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए प्रेरित करना” या “किसी को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए प्रभावित करना” या “किसी को गलत मार्ग पर अपने पीछे चलाना”हो सकता है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 03:7
- 2 तीमु. 03:13
- निर्गमन 23:4-5
- यहेजकेल 48:10-12
- मत्ती. 18:13
- मत्ती. 24:05
- भजन-संहिता 058:03
- भजन-संहिता 119:110

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5080, H7683, H7686, H8582, G4105

भटक, भटक जाते हैं, भटक गए, भटका देना, भटका दिया, भटकना, भ्रम में पड़े, गलत दिशा की ओर

परिभाषा:

“भटका दिया” और “भटकना” का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा न मानना। मनुष्य जो “भटक गए” उन्होंने अन्य मनुष्यों या परिस्थितियों से प्रभावित होकर परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी।

- “भटकना” शब्द समतल पथ या सुरक्षा के स्थान को छोड़कर गलत और खतरनाक मार्ग में जाने का भाव व्यक्त करता है।
- चरवाहे की चारागाह से दूर जानेवाली भेड़ को “भटकी हुई” कहते हैं। परमेश्वर पापियों की तुलना उन भेड़ों से करता है जो उसका त्याग करके “भटक गई” हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “भटकने” का अनुवाद, “परमेश्वर से दूर हो जाना” या “परमेश्वर की इच्छा से अलग गलत मार्ग पर चलना” या “परमेश्वर की आज्ञा मानना छोड़ देना” या “ऐसे तरीके से जियो जो परमेश्वर से दूर चला जाए।” हो सकता है।
- “किसी को भरमाना” का अनुवाद, “किसी को परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए प्रेरित करना” या “किसी को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए प्रभावित करना” या “किसी को गलत मार्ग पर अपने पीछे चलाना”हो सकता है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 03:7
- 2 तीमु. 03:13
- निर्गमन 23:4-5
- यहेजकेल 48:10-12
- मत्ती. 18:13
- मत्ती. 24:05
- भजन-संहिता 058:03
- भजन-संहिता 119:110

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5080, H7683, H7686, H8582, G4105

भण्डार, भण्डार

परिभाषा:

"भण्डार" अन्न और अन्य वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए बनाये गए विशेष गृह।

- बाइबल में “भण्डार” प्रायः अतिरिक्त अन्न तथा भोजन सामग्री को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाता था, जब अकाल के कारण भोजन की कमी हो जाए।
- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन सब अच्छी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो परमेश्वर अपने लोगों को देना चाहता है।
- मंदिर के भण्डार में मूल्यवान चीजें थीं जो यहोवा को समर्पित थीं, जैसे सोने और चांदी। मंदिर में मरम्मत और रखरखाव करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली इनमें से कुछ चीजों को भी वहां रखा गया था।
- “भण्डार” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं “अन्न भण्डार का गोदाम” या “भोजन संरक्षण का स्थान” या “मूल्यवान वस्तुओं को सुरक्षित रखने का कक्ष”।

(यह भी देखें: पवित्र करना, समर्पण करे, अकाल, सोना, अन्न, चाँदी, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 16:2-3
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- भजन-संहिता 033:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H214, H618, H624, H4035, H4200, H4543, G596

भण्डार, भण्डार

परिभाषा:

"भण्डार" अन्न और अन्य वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए बनाये गए विशेष गृह।

- बाइबल में “भण्डार” प्रायः अतिरिक्त अन्न तथा भोजन सामग्री को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाता था, जब अकाल के कारण भोजन की कमी हो जाए।

- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन सब अच्छी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो परमेश्वर अपने लोगों को देना चाहता है।
- मंदिर के भण्डार में मूल्यवान चीजें थीं जो यहोवा को समर्पित थीं, जैसे सोने और चांदी। मंदिर में मरम्मत और रखरखाव करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली इनमें से कुछ चीजों को भी वहां रखा गया था।
- “भण्डार” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं “अन्न भण्डार का गोदाम” या “भोजन संरक्षण का स्थान” या “मूल्यवान वस्तुओं को सुरक्षित रखने का कक्ष”।

(यह भी देखें: पवित्र करना, समर्पण करे, अकाल, सोना, अन्न, चाँदी, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 16:2-3
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- भजन-संहिता 033:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H214, H618, H624, H4035, H4200, H4543, G596

भण्डार, भण्डार

परिभाषा:

"भण्डार" अन्न और अन्य वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए बनाये गए विशेष गृह।

- बाइबल में “भण्डार” प्रायः अतिरिक्त अन्न तथा भोजन सामग्री को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाता था, जब अकाल के कारण भोजन की कमी हो जाए।
- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन सब अच्छी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो परमेश्वर अपने लोगों को देना चाहता है।
- मंदिर के भण्डार में मूल्यवान चीजें थीं जो यहोवा को समर्पित थीं, जैसे सोने और चांदी। मंदिर में मरम्मत और रखरखाव करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली इनमें से कुछ चीजों को भी वहां रखा गया था।
- “भण्डार” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं “अन्न भण्डार का गोदाम” या “भोजन संरक्षण का स्थान” या “मूल्यवान वस्तुओं को सुरक्षित रखने का कक्ष”।

(यह भी देखें: पवित्र करना, समर्पण करे, अकाल, सोना, अन्न, चाँदी, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 16:2-3
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- भजन-संहिता 033:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H214, H618, H624, H4035, H4200, H4543, G596

भण्डार, भण्डार

परिभाषा:

"भण्डार" अन्न और अन्य वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए बनाये गए विशेष गृह।

- बाइबल में “भण्डार” प्रायः अतिरिक्त अन्न तथा भोजन सामग्री को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाता था, जब अकाल के कारण भोजन की कमी हो जाए।
- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन सब अच्छी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो परमेश्वर अपने लोगों को देना चाहता है।
- मंदिर के भण्डार में मूल्यवान चीजें थीं जो यहोवा को समर्पित थीं, जैसे सोने और चांदी। मंदिर में मरम्मत और रखरखाव करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली इनमें से कुछ चीजों को भी वहां रखा गया था।
- “भण्डार” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं “अन्न भण्डार का गोदाम” या “भोजन संरक्षण का स्थान” या “मूल्यवान वस्तुओं को सुरक्षित रखने का कक्ष”।

(यह भी देखें: पवित्र करना, समर्पण करे, अकाल, सोना, अन्न, चाँदी, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 16:2-3
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- भजन-संहिता 033:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H214, H618, H624, H4035, H4200, H4543, G596

भण्डार, भण्डार

परिभाषा:

"भण्डार" अन्न और अन्य वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए बनाये गए विशेष गृह।

- बाइबल में “भण्डार” प्रायः अतिरिक्त अन्न तथा भोजन सामग्री को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाता था, जब अकाल के कारण भोजन की कमी हो जाए।
- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन सब अच्छी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो परमेश्वर अपने लोगों को देना चाहता है।
- मंदिर के भण्डार में मूल्यवान चीजें थीं जो यहोवा को समर्पित थीं, जैसे सोने और चांदी। मंदिर में मरम्मत और रखरखाव करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली इनमें से कुछ चीजों को भी वहां रखा गया था।
- “भण्डार” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं “अन्न भण्डार का गोदाम” या “भोजन संरक्षण का स्थान” या “मूल्यवान वस्तुओं को सुरक्षित रखने का कक्ष”।

(यह भी देखें: पवित्र करना, समर्पण करे, अकाल, सोना, अन्न, चाँदी, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 16:2-3
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- भजन-संहिता 033:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H214, H618, H624, H4035, H4200, H4543, G596

भण्डार, भण्डार

परिभाषा:

"भण्डार" अन्न और अन्य वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए बनाये गए विशेष गृह।

- बाइबल में “भण्डार” प्रायः अतिरिक्त अन्न तथा भोजन सामग्री को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाता था, जब अकाल के कारण भोजन की कमी हो जाए।
- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन सब अच्छी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो परमेश्वर अपने लोगों को देना चाहता है।
- मंदिर के भण्डार में मूल्यवान चीजें थीं जो यहोवा को समर्पित थीं, जैसे सोने और चांदी। मंदिर में मरम्मत और रखरखाव करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली इनमें से कुछ चीजों को भी वहां रखा गया था।
- “भण्डार” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं “अन्न भण्डार का गोदाम” या “भोजन संरक्षण का स्थान” या “मूल्यवान वस्तुओं को सुरक्षित रखने का कक्ष”।

(यह भी देखें: पवित्र करना, समर्पण करे, अकाल, सोना, अन्न, चाँदी, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 16:2-3

- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- भजन-संहिता 033:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H214, H618, H624, H4035, H4200, H4543, G596

भण्डार, भण्डार

परिभाषा:

"भण्डार" अन्न और अन्य वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए बनाये गए विशेष गृह।

- बाइबल में “भण्डार” प्रायः अतिरिक्त अन्न तथा भोजन सामग्री को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाता था, जब अकाल के कारण भोजन की कमी हो जाए।
- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन सब अच्छी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो परमेश्वर अपने लोगों को देना चाहता है।
- मंदिर के भण्डार में मूल्यवान चीजें थीं जो यहोवा को समर्पित थीं, जैसे सोने और चांदी। मंदिर में मरम्मत और रखरखाव करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली इनमें से कुछ चीजों को भी वहां रखा गया था।
- “भण्डार” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं “अन्न भण्डार का गोदाम” या “भोजन संरक्षण का स्थान” या “मूल्यवान वस्तुओं को सुरक्षित रखने का कक्ष”।

(यह भी देखें: पवित्र करना, समर्पण करे, अकाल, सोना, अन्न, चाँदी, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 16:2-3
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- भजन-संहिता 033:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H214, H618, H624, H4035, H4200, H4543, G596

भण्डार, भण्डार

परिभाषा:

"भण्डार" अन्न और अन्य वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए बनाये गए विशेष गृह।

- बाइबल में “भण्डार” प्रायः अतिरिक्त अन्न तथा भोजन सामग्री को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाता था, जब अकाल के कारण भोजन की कमी हो जाए।
- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन सब अच्छी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो परमेश्वर अपने लोगों को देना चाहता है।
- मंदिर के भण्डार में मूल्यवान चीजें थीं जो यहोवा को समर्पित थीं, जैसे सोने और चांदी। मंदिर में मरम्मत और रखरखाव करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली इनमें से कुछ चीजों को भी वहां रखा गया था।
- “भण्डार” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं “अन्न भण्डार का गोदाम” या “भोजन संरक्षण का स्थान” या “मूल्यवान वस्तुओं को सुरक्षित रखने का कक्ष”।

(यह भी देखें: पवित्र करना, समर्पण करे, अकाल, सोना, अन्न, चाँदी, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 16:2-3
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- भजन-संहिता 033:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H214, H618, H624, H4035, H4200, H4543, G596

भण्डार, भण्डार

परिभाषा:

"भण्डार" अन्न और अन्य वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए बनाये गए विशेष गृह।

- बाइबल में “भण्डार” प्रायः अतिरिक्त अन्न तथा भोजन सामग्री को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाता था, जब अकाल के कारण भोजन की कमी हो जाए।
- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन सब अच्छी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो परमेश्वर अपने लोगों को देना चाहता है।
- मंदिर के भण्डार में मूल्यवान चीजें थीं जो यहोवा को समर्पित थीं, जैसे सोने और चांदी। मंदिर में मरम्मत और रखरखाव करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली इनमें से कुछ चीजों को भी वहां रखा गया था।
- “भण्डार” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं “अन्न भण्डार का गोदाम” या “भोजन संरक्षण का स्थान” या “मूल्यवान वस्तुओं को सुरक्षित रखने का कक्ष”।

(यह भी देखें: पवित्र करना, समर्पण करे, अकाल, सोना, अन्न, चाँदी, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 16:2-3
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- भजन-संहिता 033:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H214, H618, H624, H4035, H4200, H4543, G596

भण्डार, भण्डार

परिभाषा:

"भण्डार" अन्न और अन्य वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए बनाये गए विशेष गृह।

- बाइबल में “भण्डार” प्रायः अतिरिक्त अन्न तथा भोजन सामग्री को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाता था, जब अकाल के कारण भोजन की कमी हो जाए।
- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन सब अच्छी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो परमेश्वर अपने लोगों को देना चाहता है।
- मंदिर के भण्डार में मूल्यवान चीजें थीं जो यहोवा को समर्पित थीं, जैसे सोने और चांदी। मंदिर में मरम्मत और रखरखाव करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली इनमें से कुछ चीजों को भी वहां रखा गया था।
- “भण्डार” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं “अन्न भण्डार का गोदाम” या “भोजन संरक्षण का स्थान” या “मूल्यवान वस्तुओं को सुरक्षित रखने का कक्ष”।

(यह भी देखें: पवित्र करना, समर्पण करे, अकाल, सोना, अन्न, चाँदी, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 16:2-3
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- भजन-संहिता 033:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H214, H618, H624, H4035, H4200, H4543, G596

भण्डार, भण्डार

परिभाषा:

"भण्डार" अन्न और अन्य वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए बनाये गए विशेष गृह।

- बाइबल में “भण्डार” प्रायः अतिरिक्त अन्न तथा भोजन सामग्री को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाता था, जब अकाल के कारण भोजन की कमी हो जाए।
- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन सब अच्छी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो परमेश्वर अपने लोगों को देना चाहता है।
- मंदिर के भण्डार में मूल्यवान चीजें थीं जो यहोवा को समर्पित थीं, जैसे सोने और चांदी। मंदिर में मरम्मत और रखरखाव करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली इनमें से कुछ चीजों को भी वहां रखा गया था।
- “भण्डार” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं “अन्न भण्डार का गोदाम” या “भोजन संरक्षण का स्थान” या “मूल्यवान वस्तुओं को सुरक्षित रखने का कक्ष”।

(यह भी देखें: पवित्र करना, समर्पण करे, अकाल, सोना, अन्न, चाँदी, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 16:2-3
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- भजन-संहिता 033:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H214, H618, H624, H4035, H4200, H4543, G596

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, भययोग्य

परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: डर, महिमा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:19-21
- उत्पत्ति 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34
- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34
- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34
- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34
- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34
- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34
- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34
- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34
- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34
- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34

- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34
- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34
- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34
- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34
- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34
- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34
- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: डर, डर)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 28:36-37
- यहेजकेल 23:33-34
- यिर्मयाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भरोसा, भरोसा करना, आत्मविश्वास से

परिभाषा:

“भरोसा” (हियाव) निश्चय होना कि कोई बात सच है या उसका होना निश्चित है।

- बाइबल में, "आशा" शब्द का अर्थ अक्सर कुछ के लिए इंतजार करना है जो निश्चित रूप से होने वाला है। यूएलबी अक्सर इसका अनुवाद "भरोसा" या "भविष्य के लिए भरोसा" या "भविष्य के भरोसे" के रूप में करते हैं, खासकर जब इसका मतलब है कि परमेश्वर ने यीशु में विश्वासियों के लिए किए हुए वादों पर भरोसा करना है।
- अक्सर शब्द "भरोसा" विशेष रूप से निश्चित रूप से यह स्पष्ट करता है कि यीशु के विश्वासियों में यह है कि वे किसी दिन स्वर्ग में हमेशा के लिए परमेश्वर के साथ होंगे।
- “परमेश्वर पर भरोसा” इस उक्ति का अर्थ है कि परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की है उसे प्राप्त करने और उसका अनुभव करने की आशा।
- “भरोसा करना” का अर्थ है परमेश्वर की वादों में विश्वास करना और निश्चय के साथ काम करना कि परमेश्वर ने जो कह दिया है, उसे वह पूरा करेगा। इस शब्द का अर्थ निडर या साहसी व्यवहार है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भरोसा” शब्द का अनुवाद “निश्चय” या “पूर्ण विश्वास” भी हो सकता है।
- वाक्यांश "भरोसा करना"; का अनुवाद "पूरी तरह से विश्वास" या "पूरी तरह से सुनिश्चित" या "निश्चित रूप से पता" के रूप में किया जा सकता है।
- शब्द "आत्मविश्वास" का अनुवाद "साहसपूर्वक" या "निश्चित रूप से" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "भरोसा" का अनुवाद करने के तरीके में "पूर्ण आश्वासन" या "निश्चित उम्मीद" या "निश्चितता" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासी, निडर, विश्वासयोग्य, आशा, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H3689, H3690, H4009, G2292, G3954, G3982, G4006, G5287

भरोसा, भरोसा करना, आत्मविश्वास से

परिभाषा:

“भरोसा” (हियाव) निश्चय होना कि कोई बात सच है या उसका होना निश्चित है।

- बाइबल में, "आशा" शब्द का अर्थ अक्सर कुछ के लिए इंतजार करना है जो निश्चित रूप से होने वाला है। यूएलबी अक्सर इसका अनुवाद "भरोसा" या "भविष्य के लिए भरोसा" या "भविष्य के भरोसे" के रूप में करते हैं, खासकर जब इसका मतलब है कि परमेश्वर ने यीशु में विश्वासियों के लिए किए हुए वादों पर भरोसा करना है।
- अक्सर शब्द "भरोसा" विशेष रूप से निश्चित रूप से यह स्पष्ट करता है कि यीशु के विश्वासियों में यह है कि वे किसी दिन स्वर्ग में हमेशा के लिए परमेश्वर के साथ होंगे।
- “परमेश्वर पर भरोसा” इस उक्ति का अर्थ है कि परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की है उसे प्राप्त करने और उसका अनुभव करने की आशा।
- “भरोसा करना” का अर्थ है परमेश्वर की वादों में विश्वास करना और निश्चय के साथ काम करना कि परमेश्वर ने जो कह दिया है, उसे वह पूरा करेगा। इस शब्द का अर्थ निडर या साहसी व्यवहार है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भरोसा” शब्द का अनुवाद “निश्चय” या “पूर्ण विश्वास” भी हो सकता है।
- वाक्यांश "भरोसा करना"; का अनुवाद "पूरी तरह से विश्वास" या "पूरी तरह से सुनिश्चित" या "निश्चित रूप से पता" के रूप में किया जा सकता है।
- शब्द "आत्मविश्वास" का अनुवाद "साहसपूर्वक" या "निश्चित रूप से" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "भरोसा" का अनुवाद करने के तरीके में "पूर्ण आश्वासन" या "निश्चित उम्मीद" या "निश्चितता" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासी, निडर, विश्वासयोग्य, आशा, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H3689, H3690, H4009, G2292, G3954, G3982, G4006, G5287

भरोसा, भरोसा करना, आत्मविश्वास से

परिभाषा:

“भरोसा” (हियाव) निश्चय होना कि कोई बात सच है या उसका होना निश्चित है।

- बाइबल में, "आशा" शब्द का अर्थ अक्सर कुछ के लिए इंतजार करना है जो निश्चित रूप से होने वाला है। यूएलबी अक्सर इसका अनुवाद "भरोसा" या "भविष्य के लिए भरोसा" या "भविष्य के भरोसे" के रूप में करते हैं, खासकर जब इसका मतलब है कि परमेश्वर ने यीशु में विश्वासियों के लिए किए हुए वादों पर भरोसा करना है।
- अक्सर शब्द "भरोसा" विशेष रूप से निश्चित रूप से यह स्पष्ट करता है कि यीशु के विश्वासियों में यह है कि वे किसी दिन स्वर्ग में हमेशा के लिए परमेश्वर के साथ होंगे।
- “परमेश्वर पर भरोसा” इस उक्ति का अर्थ है कि परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की है उसे प्राप्त करने और उसका अनुभव करने की आशा।
- “भरोसा करना” का अर्थ है परमेश्वर की वादों में विश्वास करना और निश्चय के साथ काम करना कि परमेश्वर ने जो कह दिया है, उसे वह पूरा करेगा। इस शब्द का अर्थ निडर या साहसी व्यवहार है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भरोसा” शब्द का अनुवाद “निश्चय” या “पूर्ण विश्वास” भी हो सकता है।
- वाक्यांश "भरोसा करना"; का अनुवाद "पूरी तरह से विश्वास" या "पूरी तरह से सुनिश्चित" या "निश्चित रूप से पता" के रूप में किया जा सकता है।
- शब्द "आत्मविश्वास" का अनुवाद "साहसपूर्वक" या "निश्चित रूप से" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "भरोसा" का अनुवाद करने के तरीके में "पूर्ण आश्वासन" या "निश्चित उम्मीद" या "निश्चितता" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासी, निडर, विश्वासयोग्य, आशा, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H3689, H3690, H4009, G2292, G3954, G3982, G4006, G5287

भरोसा, भरोसा करना, आत्मविश्वास से

परिभाषा:

“भरोसा” (हियाव) निश्चय होना कि कोई बात सच है या उसका होना निश्चित है।

- बाइबल में, "आशा" शब्द का अर्थ अक्सर कुछ के लिए इंतजार करना है जो निश्चित रूप से होने वाला है। यूएलबी अक्सर इसका अनुवाद "भरोसा" या "भविष्य के लिए भरोसा" या "भविष्य के भरोसे" के रूप में करते हैं, खासकर जब इसका मतलब है कि परमेश्वर ने यीशु में विश्वासियों के लिए किए हुए वादों पर भरोसा करना है।
- अक्सर शब्द "भरोसा" विशेष रूप से निश्चित रूप से यह स्पष्ट करता है कि यीशु के विश्वासियों में यह है कि वे किसी दिन स्वर्ग में हमेशा के लिए परमेश्वर के साथ होंगे।
- “परमेश्वर पर भरोसा” इस उक्ति का अर्थ है कि परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की है उसे प्राप्त करने और उसका अनुभव करने की आशा।
- “भरोसा करना” का अर्थ है परमेश्वर की वादों में विश्वास करना और निश्चय के साथ काम करना कि परमेश्वर ने जो कह दिया है, उसे वह पूरा करेगा। इस शब्द का अर्थ निडर या साहसी व्यवहार है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भरोसा” शब्द का अनुवाद “निश्चय” या “पूर्ण विश्वास” भी हो सकता है।
- वाक्यांश "भरोसा करना"; का अनुवाद "पूरी तरह से विश्वास" या "पूरी तरह से सुनिश्चित" या "निश्चित रूप से पता" के रूप में किया जा सकता है।
- शब्द "आत्मविश्वास" का अनुवाद "साहसपूर्वक" या "निश्चित रूप से" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "भरोसा" का अनुवाद करने के तरीके में "पूर्ण आश्वासन" या "निश्चित उम्मीद" या "निश्चितता" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासी, निडर, विश्वासयोग्य, आशा, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H3689, H3690, H4009, G2292, G3954, G3982, G4006, G5287

भरोसा, भरोसा करना, आत्मविश्वास से

परिभाषा:

“भरोसा” (हियाव) निश्चय होना कि कोई बात सच है या उसका होना निश्चित है।

- बाइबल में, "आशा" शब्द का अर्थ अक्सर कुछ के लिए इंतजार करना है जो निश्चित रूप से होने वाला है। यूएलबी अक्सर इसका अनुवाद "भरोसा" या "भविष्य के लिए भरोसा" या "भविष्य के भरोसे" के रूप में करते हैं, खासकर जब इसका मतलब है कि परमेश्वर ने यीशु में विश्वासियों के लिए किए हुए वादों पर भरोसा करना है।
- अक्सर शब्द "भरोसा" विशेष रूप से निश्चित रूप से यह स्पष्ट करता है कि यीशु के विश्वासियों में यह है कि वे किसी दिन स्वर्ग में हमेशा के लिए परमेश्वर के साथ होंगे।
- “परमेश्वर पर भरोसा” इस उक्ति का अर्थ है कि परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की है उसे प्राप्त करने और उसका अनुभव करने की आशा।
- “भरोसा करना” का अर्थ है परमेश्वर की वादों में विश्वास करना और निश्चय के साथ काम करना कि परमेश्वर ने जो कह दिया है, उसे वह पूरा करेगा। इस शब्द का अर्थ निडर या साहसी व्यवहार है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भरोसा” शब्द का अनुवाद “निश्चय” या “पूर्ण विश्वास” भी हो सकता है।
- वाक्यांश "भरोसा करना"; का अनुवाद "पूरी तरह से विश्वास" या "पूरी तरह से सुनिश्चित" या "निश्चित रूप से पता" के रूप में किया जा सकता है।
- शब्द "आत्मविश्वास" का अनुवाद "साहसपूर्वक" या "निश्चित रूप से" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "भरोसा" का अनुवाद करने के तरीके में "पूर्ण आश्वासन" या "निश्चित उम्मीद" या "निश्चितता" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासी, निडर, विश्वासयोग्य, आशा, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H3689, H3690, H4009, G2292, G3954, G3982, G4006, G5287

भरोसा, भरोसा करना, आत्मविश्वास से

परिभाषा:

“भरोसा” (हियाव) निश्चय होना कि कोई बात सच है या उसका होना निश्चित है।

- बाइबल में, "आशा" शब्द का अर्थ अक्सर कुछ के लिए इंतजार करना है जो निश्चित रूप से होने वाला है। यूएलबी अक्सर इसका अनुवाद "भरोसा" या "भविष्य के लिए भरोसा" या "भविष्य के भरोसे" के रूप में करते हैं, खासकर जब इसका मतलब है कि परमेश्वर ने यीशु में विश्वासियों के लिए किए हुए वादों पर भरोसा करना है।
- अक्सर शब्द "भरोसा" विशेष रूप से निश्चित रूप से यह स्पष्ट करता है कि यीशु के विश्वासियों में यह है कि वे किसी दिन स्वर्ग में हमेशा के लिए परमेश्वर के साथ होंगे।
- “परमेश्वर पर भरोसा” इस उक्ति का अर्थ है कि परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की है उसे प्राप्त करने और उसका अनुभव करने की आशा।
- “भरोसा करना” का अर्थ है परमेश्वर की वादों में विश्वास करना और निश्चय के साथ काम करना कि परमेश्वर ने जो कह दिया है, उसे वह पूरा करेगा। इस शब्द का अर्थ निडर या साहसी व्यवहार है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भरोसा” शब्द का अनुवाद “निश्चय” या “पूर्ण विश्वास” भी हो सकता है।
- वाक्यांश "भरोसा करना"; का अनुवाद "पूरी तरह से विश्वास" या "पूरी तरह से सुनिश्चित" या "निश्चित रूप से पता" के रूप में किया जा सकता है।
- शब्द "आत्मविश्वास" का अनुवाद "साहसपूर्वक" या "निश्चित रूप से" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "भरोसा" का अनुवाद करने के तरीके में "पूर्ण आश्वासन" या "निश्चित उम्मीद" या "निश्चितता" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासी, निडर, विश्वासयोग्य, आशा, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H3689, H3690, H4009, G2292, G3954, G3982, G4006, G5287

भरोसा, भरोसा करना, आत्मविश्वास से

परिभाषा:

“भरोसा” (हियाव) निश्चय होना कि कोई बात सच है या उसका होना निश्चित है।

- बाइबल में, "आशा" शब्द का अर्थ अक्सर कुछ के लिए इंतजार करना है जो निश्चित रूप से होने वाला है। यूएलबी अक्सर इसका अनुवाद "भरोसा" या "भविष्य के लिए भरोसा" या "भविष्य के भरोसे" के रूप में करते हैं, खासकर जब इसका मतलब है कि परमेश्वर ने यीशु में विश्वासियों के लिए किए हुए वादों पर भरोसा करना है।
- अक्सर शब्द "भरोसा" विशेष रूप से निश्चित रूप से यह स्पष्ट करता है कि यीशु के विश्वासियों में यह है कि वे किसी दिन स्वर्ग में हमेशा के लिए परमेश्वर के साथ होंगे।
- “परमेश्वर पर भरोसा” इस उक्ति का अर्थ है कि परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की है उसे प्राप्त करने और उसका अनुभव करने की आशा।
- “भरोसा करना” का अर्थ है परमेश्वर की वादों में विश्वास करना और निश्चय के साथ काम करना कि परमेश्वर ने जो कह दिया है, उसे वह पूरा करेगा। इस शब्द का अर्थ निडर या साहसी व्यवहार है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भरोसा” शब्द का अनुवाद “निश्चय” या “पूर्ण विश्वास” भी हो सकता है।
- वाक्यांश "भरोसा करना"; का अनुवाद "पूरी तरह से विश्वास" या "पूरी तरह से सुनिश्चित" या "निश्चित रूप से पता" के रूप में किया जा सकता है।
- शब्द "आत्मविश्वास" का अनुवाद "साहसपूर्वक" या "निश्चित रूप से" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "भरोसा" का अनुवाद करने के तरीके में "पूर्ण आश्वासन" या "निश्चित उम्मीद" या "निश्चितता" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासी, निडर, विश्वासयोग्य, आशा, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H3689, H3690, H4009, G2292, G3954, G3982, G4006, G5287

भरोसा, भरोसा करना, आत्मविश्वास से

परिभाषा:

“भरोसा” (हियाव) निश्चय होना कि कोई बात सच है या उसका होना निश्चित है।

- बाइबल में, "आशा" शब्द का अर्थ अक्सर कुछ के लिए इंतजार करना है जो निश्चित रूप से होने वाला है। यूएलबी अक्सर इसका अनुवाद "भरोसा" या "भविष्य के लिए भरोसा" या "भविष्य के भरोसे" के रूप में करते हैं, खासकर जब इसका मतलब है कि परमेश्वर ने यीशु में विश्वासियों के लिए किए हुए वादों पर भरोसा करना है।
- अक्सर शब्द "भरोसा" विशेष रूप से निश्चित रूप से यह स्पष्ट करता है कि यीशु के विश्वासियों में यह है कि वे किसी दिन स्वर्ग में हमेशा के लिए परमेश्वर के साथ होंगे।
- “परमेश्वर पर भरोसा” इस उक्ति का अर्थ है कि परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की है उसे प्राप्त करने और उसका अनुभव करने की आशा।
- “भरोसा करना” का अर्थ है परमेश्वर की वादों में विश्वास करना और निश्चय के साथ काम करना कि परमेश्वर ने जो कह दिया है, उसे वह पूरा करेगा। इस शब्द का अर्थ निडर या साहसी व्यवहार है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भरोसा” शब्द का अनुवाद “निश्चय” या “पूर्ण विश्वास” भी हो सकता है।
- वाक्यांश "भरोसा करना"; का अनुवाद "पूरी तरह से विश्वास" या "पूरी तरह से सुनिश्चित" या "निश्चित रूप से पता" के रूप में किया जा सकता है।
- शब्द "आत्मविश्वास" का अनुवाद "साहसपूर्वक" या "निश्चित रूप से" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "भरोसा" का अनुवाद करने के तरीके में "पूर्ण आश्वासन" या "निश्चित उम्मीद" या "निश्चितता" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासी, निडर, विश्वासयोग्य, आशा, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H3689, H3690, H4009, G2292, G3954, G3982, G4006, G5287

भरोसा, भरोसा करना, आत्मविश्वास से

परिभाषा:

“भरोसा” (हियाव) निश्चय होना कि कोई बात सच है या उसका होना निश्चित है।

- बाइबल में, "आशा" शब्द का अर्थ अक्सर कुछ के लिए इंतजार करना है जो निश्चित रूप से होने वाला है। यूएलबी अक्सर इसका अनुवाद "भरोसा" या "भविष्य के लिए भरोसा" या "भविष्य के भरोसे" के रूप में करते हैं, खासकर जब इसका मतलब है कि परमेश्वर ने यीशु में विश्वासियों के लिए किए हुए वादों पर भरोसा करना है।
- अक्सर शब्द "भरोसा" विशेष रूप से निश्चित रूप से यह स्पष्ट करता है कि यीशु के विश्वासियों में यह है कि वे किसी दिन स्वर्ग में हमेशा के लिए परमेश्वर के साथ होंगे।
- “परमेश्वर पर भरोसा” इस उक्ति का अर्थ है कि परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की है उसे प्राप्त करने और उसका अनुभव करने की आशा।
- “भरोसा करना” का अर्थ है परमेश्वर की वादों में विश्वास करना और निश्चय के साथ काम करना कि परमेश्वर ने जो कह दिया है, उसे वह पूरा करेगा। इस शब्द का अर्थ निडर या साहसी व्यवहार है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भरोसा” शब्द का अनुवाद “निश्चय” या “पूर्ण विश्वास” भी हो सकता है।
- वाक्यांश "भरोसा करना"; का अनुवाद "पूरी तरह से विश्वास" या "पूरी तरह से सुनिश्चित" या "निश्चित रूप से पता" के रूप में किया जा सकता है।
- शब्द "आत्मविश्वास" का अनुवाद "साहसपूर्वक" या "निश्चित रूप से" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "भरोसा" का अनुवाद करने के तरीके में "पूर्ण आश्वासन" या "निश्चित उम्मीद" या "निश्चितता" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासी, निडर, विश्वासयोग्य, आशा, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H3689, H3690, H4009, G2292, G3954, G3982, G4006, G5287

भरोसा, भरोसा करना, आत्मविश्वास से

परिभाषा:

“भरोसा” (हियाव) निश्चय होना कि कोई बात सच है या उसका होना निश्चित है।

- बाइबल में, "आशा" शब्द का अर्थ अक्सर कुछ के लिए इंतजार करना है जो निश्चित रूप से होने वाला है। यूएलबी अक्सर इसका अनुवाद "भरोसा" या "भविष्य के लिए भरोसा" या "भविष्य के भरोसे" के रूप में करते हैं, खासकर जब इसका मतलब है कि परमेश्वर ने यीशु में विश्वासियों के लिए किए हुए वादों पर भरोसा करना है।
- अक्सर शब्द "भरोसा" विशेष रूप से निश्चित रूप से यह स्पष्ट करता है कि यीशु के विश्वासियों में यह है कि वे किसी दिन स्वर्ग में हमेशा के लिए परमेश्वर के साथ होंगे।
- “परमेश्वर पर भरोसा” इस उक्ति का अर्थ है कि परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की है उसे प्राप्त करने और उसका अनुभव करने की आशा।
- “भरोसा करना” का अर्थ है परमेश्वर की वादों में विश्वास करना और निश्चय के साथ काम करना कि परमेश्वर ने जो कह दिया है, उसे वह पूरा करेगा। इस शब्द का अर्थ निडर या साहसी व्यवहार है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भरोसा” शब्द का अनुवाद “निश्चय” या “पूर्ण विश्वास” भी हो सकता है।
- वाक्यांश "भरोसा करना"; का अनुवाद "पूरी तरह से विश्वास" या "पूरी तरह से सुनिश्चित" या "निश्चित रूप से पता" के रूप में किया जा सकता है।
- शब्द "आत्मविश्वास" का अनुवाद "साहसपूर्वक" या "निश्चित रूप से" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "भरोसा" का अनुवाद करने के तरीके में "पूर्ण आश्वासन" या "निश्चित उम्मीद" या "निश्चितता" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासी, निडर, विश्वासयोग्य, आशा, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H3689, H3690, H4009, G2292, G3954, G3982, G4006, G5287

भरोसा, भरोसा करना, आत्मविश्वास से

परिभाषा:

“भरोसा” (हियाव) निश्चय होना कि कोई बात सच है या उसका होना निश्चित है।

- बाइबल में, "आशा" शब्द का अर्थ अक्सर कुछ के लिए इंतजार करना है जो निश्चित रूप से होने वाला है। यूएलबी अक्सर इसका अनुवाद "भरोसा" या "भविष्य के लिए भरोसा" या "भविष्य के भरोसे" के रूप में करते हैं, खासकर जब इसका मतलब है कि परमेश्वर ने यीशु में विश्वासियों के लिए किए हुए वादों पर भरोसा करना है।
- अक्सर शब्द "भरोसा" विशेष रूप से निश्चित रूप से यह स्पष्ट करता है कि यीशु के विश्वासियों में यह है कि वे किसी दिन स्वर्ग में हमेशा के लिए परमेश्वर के साथ होंगे।
- “परमेश्वर पर भरोसा” इस उक्ति का अर्थ है कि परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की है उसे प्राप्त करने और उसका अनुभव करने की आशा।
- “भरोसा करना” का अर्थ है परमेश्वर की वादों में विश्वास करना और निश्चय के साथ काम करना कि परमेश्वर ने जो कह दिया है, उसे वह पूरा करेगा। इस शब्द का अर्थ निडर या साहसी व्यवहार है।

अनुवाद के सुझाव:

- “भरोसा” शब्द का अनुवाद “निश्चय” या “पूर्ण विश्वास” भी हो सकता है।
- वाक्यांश "भरोसा करना"; का अनुवाद "पूरी तरह से विश्वास" या "पूरी तरह से सुनिश्चित" या "निश्चित रूप से पता" के रूप में किया जा सकता है।
- शब्द "आत्मविश्वास" का अनुवाद "साहसपूर्वक" या "निश्चित रूप से" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "भरोसा" का अनुवाद करने के तरीके में "पूर्ण आश्वासन" या "निश्चित उम्मीद" या "निश्चितता" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासी, निडर, विश्वासयोग्य, आशा, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H982, H983, H986, H3689, H3690, H4009, G2292, G3954, G3982, G4006, G5287

भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।
- भविष्यद्वाणी प्रायः भावी घटनाओं का वर्णन था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
- कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
- एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
- “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
- “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”

- प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
- इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” उपलक्षण)
- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: बाल, भावी कहने, देवता, झूठा भविष्यद्वक्ता, पूरा कर, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 03:24-26
- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 051:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे | भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर भविष्यद्वक्ता के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:05** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस भविष्यवाणी को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा भविष्यद्वक्ता था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।
- भविष्यद्वाणी प्रायः भावी घटनाओं का वर्णन था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
- कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
- एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
- “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
- “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”
- प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
- इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” उपलक्षण)
- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: बाल, भावी कहने, देवता, झूठा भविष्यद्वक्ता, पूरा कर, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 03:24-26
- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 051:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे | भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर भविष्यद्वक्ता के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:05** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस भविष्यवाणी को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा भविष्यद्वक्ता था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।

- भविष्यद्वाणी प्रायः भावी घटनाओं का वर्णन था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
- कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
- एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
- “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
- “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”
- प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
- इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” उपलक्षण)
- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: बाल, भावी कहने, देवता, झूठा भविष्यद्वक्ता, पूरा कर, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 03:24-26
- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 051:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे | भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर भविष्यद्वक्ता के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:05** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस भविष्यवाणी को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा भविष्यद्वक्ता था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।
- भविष्यद्वाणी प्राय: भावी घटनाओं का वर्णन था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
- कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
- एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
- “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
- “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”
- प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
- इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” उपलक्षण)
- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: बाल, भावी कहने, देवता, झूठा भविष्यद्वक्ता, पूरा कर, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 03:24-26
- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 051:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे | भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर भविष्यद्वक्ता के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:05** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस भविष्यवाणी को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"

- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा भविष्यद्वक्ता था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।
- भविष्यद्वाणी प्राय: भावी घटनाओं का वर्णन था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
- कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
- एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
- “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
- “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”
- प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
- इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” उपलक्षण)
- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: बाल, भावी कहने, देवता, झूठा भविष्यद्वक्ता, पूरा कर, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 03:24-26
- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 051:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे | भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |

- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर भविष्यद्वक्ता के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:05** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस भविष्यवाणी को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा भविष्यद्वक्ता था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।
- भविष्यद्वाणी प्रायः भावी घटनाओं का वर्णन था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
- कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
- एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
- “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
- “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”
- प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
- इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” उपलक्षण)
- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: बाल, भावी कहने, देवता, झूठा भविष्यद्वक्ता, पूरा कर, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 03:24-26
- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 051:1-2

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे | भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर भविष्यद्वक्ता के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:05** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस भविष्यवाणी को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा भविष्यद्वक्ता था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।
- भविष्यद्वाणी प्रायः भावी घटनाओं का वर्णन था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
- कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
- एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
- “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
- “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”
- प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
- इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” उपलक्षण)
- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: बाल, भावी कहने, देवता, झूठा भविष्यद्वक्ता, पूरा कर, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 03:24-26

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 051:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे | भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर भविष्यद्वक्ता के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:05** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस भविष्यवाणी को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा भविष्यद्वक्ता था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।
- भविष्यद्वाणी प्राय: भावी घटनाओं का वर्णन था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
- कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
- एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
- “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
- “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”
- प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
- इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” उपलक्षण)
- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: बाल, भावी कहने, देवता, झूठा भविष्यद्वक्ता, पूरा कर, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 03:24-26
- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 051:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे | भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर भविष्यद्वक्ता के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:05** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस भविष्यवाणी को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा भविष्यद्वक्ता था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।
- भविष्यद्वाणी प्रायः भावी घटनाओं का वर्णन था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
- कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
- एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
- “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
- “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”

- प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
- इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” उपलक्षण)
- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: बाल, भावी कहने, देवता, झूठा भविष्यद्वक्ता, पूरा कर, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 03:24-26
- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 051:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे | भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर भविष्यद्वक्ता के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:05** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस भविष्यवाणी को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा भविष्यद्वक्ता था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।
- भविष्यद्वाणी प्रायः भावी घटनाओं का वर्णन था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
- कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
- एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
- “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
- “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”
- प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
- इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” उपलक्षण)
- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: बाल, भावी कहने, देवता, झूठा भविष्यद्वक्ता, पूरा कर, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 03:24-26
- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 051:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे | भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर भविष्यद्वक्ता के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:05** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस भविष्यवाणी को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा भविष्यद्वक्ता था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।

- भविष्यद्वाणी प्रायः भावी घटनाओं का वर्णन था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
- कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
- एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
- “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
- “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”
- प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
- इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” उपलक्षण)
- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: बाल, भावी कहने, देवता, झूठा भविष्यद्वक्ता, पूरा कर, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 03:24-26
- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 051:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे | भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर भविष्यद्वक्ता के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:05** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस भविष्यवाणी को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा भविष्यद्वक्ता था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।
- भविष्यद्वाणी प्राय: भावी घटनाओं का वर्णन था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
- कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
- एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
- “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
- “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”
- प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
- इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” उपलक्षण)
- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: बाल, भावी कहने, देवता, झूठा भविष्यद्वक्ता, पूरा कर, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 03:24-26
- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 051:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे | भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर भविष्यद्वक्ता के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:05** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस भविष्यवाणी को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"

- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा भविष्यद्वक्ता था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।
- भविष्यद्वाणी प्रायः भावी घटनाओं का वर्णन था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
- कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
- एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
- “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
- “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”
- प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
- इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” उपलक्षण)
- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: बाल, भावी कहने, देवता, झूठा भविष्यद्वक्ता, पूरा कर, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 03:24-26
- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 051:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे | भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |

- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर भविष्यद्वक्ता के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:05** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस भविष्यवाणी को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा भविष्यद्वक्ता था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।
- भविष्यद्वाणी प्रायः भावी घटनाओं का वर्णन था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
- कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
- एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
- “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
- “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”
- प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
- इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” उपलक्षण)
- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: बाल, भावी कहने, देवता, झूठा भविष्यद्वक्ता, पूरा कर, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 03:24-26
- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 051:1-2

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे | भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर भविष्यद्वक्ता के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:05** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस भविष्यवाणी को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा भविष्यद्वक्ता था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।
- भविष्यद्वाणी प्रायः भावी घटनाओं का वर्णन था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
- कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
- एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
- “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
- “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”
- प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
- इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” उपलक्षण)
- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: बाल, भावी कहने, देवता, झूठा भविष्यद्वक्ता, पूरा कर, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 03:24-26

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 051:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे | भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर भविष्यद्वक्ता के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:05** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस भविष्यवाणी को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा भविष्यद्वक्ता था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।
- भविष्यद्वाणी प्राय: भावी घटनाओं का वर्णन था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
- कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
- एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
- “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
- “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”
- प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
- इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” उपलक्षण)
- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: बाल, भावी कहने, देवता, झूठा भविष्यद्वक्ता, पूरा कर, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 03:24-26
- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- भजन संहिता 051:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे | भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर भविष्यद्वक्ता के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:05** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस भविष्यवाणी को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा भविष्यद्वक्ता था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भस्म कर देगा, खाए, भस्म किया, भस्म करती जाएगी

परिभाषा:

“भस्म करना” (खा जाना) का मूल अर्थ है, समाप्त करना इसके अनेक प्रतीकात्मक उपयोग हैं।

- बाइबल में "खाए" शब्द को नष्ट करने के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- आग भस्म करती है अर्थात जलाकर राख कर देती है।
- परमेश्वर को “भस्म करने वाली आग” कहा गया है जो पाप के विरूद्ध उसके क्रोध का वर्णन है। उसका क्रोध पश्चातापरहित पापियों को भयानक दण्ड देता है।
- भोजन खा जाना अर्थात किसी भोजन वस्तु को खाना-पीना।
- "भूमि को नष्ट करना" का अनुवाद "उसका विनाश करना।" हो सकता है।

अनुवाद के सुझाव

- भूमि और मनुष्यों के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद “विनाश” किया जा सकता है।
- जब संदर्भ आग का हो तो इसका अनुवाद “जलाकर राख कर देना” हो सकता है।
- मूसा ने जिस जलती हुई झाड़ी को देखा था वह "भस्म नहीं हो रही थी", इसका अनुवाद हो सकता है, “जल कर राख नहीं हुई” या “जल कर समाप्त नहीं हुई”
- भोजन के संदर्भ में "भस्म कर देगा" का अनुवाद हो सकता है, “खाना” या “चट कर जाना”
- किसी की शक्ति के संदर्भ में "भस्म किया" का अनुवाद हो सकता है, उसकी शक्ति “समाप्त हो गई” या “क्षीण हो गई”।
- “परमेश्वर भस्म करने वाली आग है” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ऐसी आग है जो खाक कर देती है” या “परमेश्वर पाप से क्रोधित होकर पापियों को आग की तरह जलाकर राख कर देता है।”

(यह भी देखें: भस्म हो जाएगा, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:38-40
- व्यवस्थाविवरण 07:16
- यिर्मयाह 03:23-25
- अय्यूब 07:8-10
- गिनती 11:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H398, H402, H1086, H1104, H1197, H1497, H1846, H2000, H2628, H3615, H3617, H3631, H3857, H4127, H4529, H4743, H5486, H5487, H5595, H6244, H6789, H7332, H7646, H7829, H8046, H8552, G355, G1159, G2618, G2654, G2719, G5315, G5723

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भाई

परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

- पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
- नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
- कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

अनुवाद के सुझाव:

- उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
- पुराने नियम में विशेष करके "भाइयों" शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है "परिजन" या "सगोत्र" या "इस्राएली भाई।"
- मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है "मसीही भाई" या "आत्मिक भाई"।
- यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, "सहविश्वासी" या "मसीही भाई-बहन"।
- यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: प्रेरित, परमेश्वर पिता, बहन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:26-28
- उत्पत्ति 29:9-10
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- नहेम्याह 03:1-2
- फिलिप्पियों 04: 21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

भावी कहने, भावी कहनेवालों, भूत सिद्धिवालों, ज्योतिषी

परिभाषा:

"भावी कहने" तथा "भूत सिद्धिवालों" एक अभ्यास था जिसमें लोग अलौकिक संसार में आत्माओं से जानकारी लेते थे। ऐसा काम करने वाले को "भावी कहने वाला" या "भूत सिद्धी करनेवाला" कहते थे।

- पुराने नियम के समय, परमेश्वर की आज्ञा थी कि इस्राएली भावी कहना या भूत सिद्धि का अभ्यास न करे।
- ऊरिम और तुमिम द्वारा परमेश्वर ने अपनी इच्छा जानने की उन्हें अनुमति दी थी। ये दो पत्थर थे जिन्हें परमेश्वर ने प्रधान पुरोहित के लिए दिए थे कि वह इस उद्देश्य के निमित्त उन्हें काम में ले। परन्तु दुष्टात्माओं के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने की अनुमति उसने उन्हें नहीं दी थी।
- अन्यजाति दर्शी आत्मिक संसार से जानकारियां प्राप्त करने के लिए विभिन्न विधियां काम में लेते थे जैसे पशुओं की आंतड़ियों का परीक्षण करके या हड्डियों को भूमि पर डालकर उनका आकार देखना।
- नए नियम में, यीशु और प्रेरितों ने भी भविष्यवाणी, भूत-सिद्धी, जादू टोना और जादू को खारिज किया है। इन सभी प्रथाओं में बुरी आत्माओं की शक्ति का उपयोग करना शामिल है और ईश्वर द्वारा निंदा की जाती है।

(यह भी देखें: प्रेरित, देवता, जादू, जादूगर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 06:1-2
- प्रे.का. 16:16-18
- यहेजकेल 12:24-25
- उत्पत्ति 44:3-5
- यिर्मयाह 27:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1870, H4738, H5172, H6049, H7080, H7081, G4436

भूसी

परिभाषा:

भूसी गेहूं की रक्षात्मक आवरण होती है जिसे सूखे गेहूं से अलग किया जाता है। भूसी खाने योग्य नहीं होती है इसलिए उसे गेहूं से अलग करके फेंक दिया जाता था।

- अन्न को हवा में उछालने से भूसी उड़कर गेहूं से अलग हो जाती है। भूसी हवा में उड़ जाती थी और अन्न के दाने नीचे भूमि पर गिर जाते थे। इस प्रक्रिया को "सूप" कहते हैं।
- बाइबल में इस शब्द को दुष्ट जनों तथा दुष्टता के लिए प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: अन्न, गेहूँ, फटकना)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 02:34-35
- अय्यूब 21:16-18
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2842, H4671, H5784, H8401, G892

भूसी

परिभाषा:

भूसी गेहूं की रक्षात्मक आवरण होती है जिसे सूखे गेहूं से अलग किया जाता है। भूसी खाने योग्य नहीं होती है इसलिए उसे गेहूं से अलग करके फेंक दिया जाता था।

- अन्न को हवा में उछालने से भूसी उड़कर गेहूं से अलग हो जाती है। भूसी हवा में उड़ जाती थी और अन्न के दाने नीचे भूमि पर गिर जाते थे। इस प्रक्रिया को "सूप" कहते हैं।
- बाइबल में इस शब्द को दुष्ट जनों तथा दुष्टता के लिए प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: अन्न, गेहूँ, फटकना)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 02:34-35
- अय्यूब 21:16-18
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2842, H4671, H5784, H8401, G892

भेजना, भेजूँ, भेजा जाता, भेजा गया, भेजा जाना, बाहर भेजना, बाहर भेजा गया, बाहर भेजा जाना

परिभाषा:

“भेजना” अर्थात किसी को या किसी वस्तु को कहीं जाने के लिए विवश करना। “बाहर भेजना” अर्थात किसी को किसी दूत कार्य पर ले जाना।

- "बाहर भेजा गया" मनुष्य प्रायः किसी विशेष कार्य के लिए नियुक्त किया जाता है।
- “वर्षा भेजना” या “विनाश लाना” अर्थात “आने का कारण होना” ऐसी अभिव्यक्ति परमेश्वर के लिए काम में ली जाती है कि वह ऐसा कर रहा है।
- “भेजना” शब्द का उपयोग “सन्देश भेजना” या “समाचार भेजना” में भी काम में लिया जाता है अर्थात किसी को सन्देश सौंपना कि किसी को सुनाए।
- किसी को किसी वस्तु के साथ “भेजना” अर्थात किसी और की वह वस्तु ले जाकर देना, प्रायः कुछ दूर जाना कि उद्देशित मनुष्य को वह प्राप्त हो।

- यीशु बार-बार कहता था “वह जिसने मुझे भेजा है” अर्थात पिता परमेश्वर जिसने उसे पृथ्वी पर मनुष्यों को मुक्ति दिलाने या “उनका उद्धार करने के लिए भेजा है”। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “वह है जिसे परमेश्वर ने चुना है”

(यह भी देखें: नियुक्त करना, छुड़ा ले)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 07:33-34
- प्रेरि. 08:14-17
- यूह. 20:21-23
- मत्ती 09:37-38
- मत्ती. 10:05
- मत्ती. 10:40
- मत्ती. 21:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H935, H1540, H1980, H2199, H2904, H3318, H3474, H3947, H4916, H4917, H5042, H5130, H5375, H5414, H5674, H6963, H7368, H7725, H7964, H7971, H7972, H7993, H8421, H8446, G782, G375, G630, G649, G652, G657, G1026, G1032, G1544, G1599, G1821, G3333, G3343, G3936, G3992, G4311, G4341, G4369, G4842, G4882

भेजना, भेजूँ, भेजा जाता, भेजा गया, भेजा जाना, बाहर भेजना, बाहर भेजा गया, बाहर भेजा जाना

परिभाषा:

“भेजना” अर्थात किसी को या किसी वस्तु को कहीं जाने के लिए विवश करना। “बाहर भेजना” अर्थात किसी को किसी दूत कार्य पर ले जाना।

- "बाहर भेजा गया" मनुष्य प्रायः किसी विशेष कार्य के लिए नियुक्त किया जाता है।
- “वर्षा भेजना” या “विनाश लाना” अर्थात “आने का कारण होना” ऐसी अभिव्यक्ति परमेश्वर के लिए काम में ली जाती है कि वह ऐसा कर रहा है।
- “भेजना” शब्द का उपयोग “सन्देश भेजना” या “समाचार भेजना” में भी काम में लिया जाता है अर्थात किसी को सन्देश सौंपना कि किसी को सुनाए।
- किसी को किसी वस्तु के साथ “भेजना” अर्थात किसी और की वह वस्तु ले जाकर देना, प्रायः कुछ दूर जाना कि उद्देशित मनुष्य को वह प्राप्त हो।
- यीशु बार-बार कहता था “वह जिसने मुझे भेजा है” अर्थात पिता परमेश्वर जिसने उसे पृथ्वी पर मनुष्यों को मुक्ति दिलाने या “उनका उद्धार करने के लिए भेजा है”। इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “वह है जिसे परमेश्वर ने चुना है”

(यह भी देखें: नियुक्त करना, छुड़ा ले)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 07:33-34
- प्रेरि. 08:14-17
- यूह. 20:21-23
- मत्ती 09:37-38
- मत्ती. 10:05
- मत्ती. 10:40
- मत्ती. 21:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H935, H1540, H1980, H2199, H2904, H3318, H3474, H3947, H4916, H4917, H5042, H5130, H5375, H5414, H5674, H6963, H7368, H7725, H7964, H7971, H7972, H7993, H8421, H8446, G782, G375, G630, G649, G652, G657, G1026, G1032, G1544, G1599, G1821, G3333, G3343, G3936, G3992, G4311, G4341, G4369, G4842, G4882

भेद, भेदों, भेद, भेदों

परिभाषा:

बाइबल में “भेद” शब्द का संदर्भ किसी अज्ञात या समझने में दुर्बोध बात से है जिसे परमेश्वर अब प्रकट कर रहा है।

- नये नियम में कहा गया है कि मसीह का सुसमाचार पूर्वकाल में एक भेद की बात थी।
- एक विशेष बात जिसे भेद कहा गया है, वह है कि यहूदी और अन्यजाति मसीह में एक हैं।
- इस शब्द का अनुवाद “रहस्य” या “गोपनीय बात” या “अज्ञात बात” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अन्यजाति, शुभ समाचार, यहूदी, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 04:2-4
- इफिसियों 06:19-20
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:10-12
- मत्ती 13:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1219, H7328, G3466

भेद, भेदों, भेद, भेदों

परिभाषा:

बाइबल में “भेद” शब्द का संदर्भ किसी अज्ञात या समझने में दुर्बोध बात से है जिसे परमेश्वर अब प्रकट कर रहा है।

- नये नियम में कहा गया है कि मसीह का सुसमाचार पूर्वकाल में एक भेद की बात थी।
- एक विशेष बात जिसे भेद कहा गया है, वह है कि यहूदी और अन्यजाति मसीह में एक हैं।
- इस शब्द का अनुवाद “रहस्य” या “गोपनीय बात” या “अज्ञात बात” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अन्यजाति, शुभ समाचार, यहूदी, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 04:2-4
- इफिसियों 06:19-20
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:10-12
- मत्ती 13:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1219, H7328, G3466

भेद, भेदों, भेद, भेदों

परिभाषा:

बाइबल में “भेद” शब्द का संदर्भ किसी अज्ञात या समझने में दुर्बोध बात से है जिसे परमेश्वर अब प्रकट कर रहा है।

- नये नियम में कहा गया है कि मसीह का सुसमाचार पूर्वकाल में एक भेद की बात थी।
- एक विशेष बात जिसे भेद कहा गया है, वह है कि यहूदी और अन्यजाति मसीह में एक हैं।
- इस शब्द का अनुवाद “रहस्य” या “गोपनीय बात” या “अज्ञात बात” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अन्यजाति, शुभ समाचार, यहूदी, सच्चा)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 04:2-4
- इफिसियों 06:19-20
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:10-12
- मत्ती 13:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1219, H7328, G3466

भेद, भेदों, भेद, भेदों

परिभाषा:

बाइबल में "भेद" शब्द का संदर्भ किसी अज्ञात या समझने में दुर्बोध बात से है जिसे परमेश्वर अब प्रकट कर रहा है।

- नये नियम में कहा गया है कि मसीह का सुसमाचार पूर्वकाल में एक भेद की बात थी।
- एक विशेष बात जिसे भेद कहा गया है, वह है कि यहूदी और अन्यजाति मसीह में एक हैं।
- इस शब्द का अनुवाद "रहस्य" या "गोपनीय बात" या "अज्ञात बात" भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अन्यजाति, शुभ समाचार, यहूदी, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 04:2-4
- इफिसियों 06:19-20
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:10-12
- मत्ती 13:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1219, H7328, G3466

भेद, भेदों, भेद, भेदों

परिभाषा:

बाइबल में "भेद" शब्द का संदर्भ किसी अज्ञात या समझने में दुर्बोध बात से है जिसे परमेश्वर अब प्रकट कर रहा है।

- नये नियम में कहा गया है कि मसीह का सुसमाचार पूर्वकाल में एक भेद की बात थी।
- एक विशेष बात जिसे भेद कहा गया है, वह है कि यहूदी और अन्यजाति मसीह में एक हैं।
- इस शब्द का अनुवाद "रहस्य" या "गोपनीय बात" या "अज्ञात बात" भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अन्यजाति, शुभ समाचार, यहूदी, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 04:2-4
- इफिसियों 06:19-20
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:10-12
- मत्ती 13:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1219, H7328, G3466

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

भेद, भेदों, भेद, भेदों

परिभाषा:

बाइबल में “भेद” शब्द का संदर्भ किसी अज्ञात या समझने में दुर्बोध बात से है जिसे परमेश्वर अब प्रकट कर रहा है।

- नये नियम में कहा गया है कि मसीह का सुसमाचार पूर्वकाल में एक भेद की बात थी।
- एक विशेष बात जिसे भेद कहा गया है, वह है कि यहूदी और अन्यजाति मसीह में एक हैं।
- इस शब्द का अनुवाद “रहस्य” या “गोपनीय बात” या “अज्ञात बात” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अन्यजाति, शुभ समाचार, यहूदी, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 04:2-4
- इफिसियों 06:19-20
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:10-12
- मत्ती 13:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1219, H7328, G3466

भेद, भेदों, भेद, भेदों

परिभाषा:

बाइबल में “भेद” शब्द का संदर्भ किसी अज्ञात या समझने में दुर्बोध बात से है जिसे परमेश्वर अब प्रकट कर रहा है।

- नये नियम में कहा गया है कि मसीह का सुसमाचार पूर्वकाल में एक भेद की बात थी।
- एक विशेष बात जिसे भेद कहा गया है, वह है कि यहूदी और अन्यजाति मसीह में एक हैं।
- इस शब्द का अनुवाद “रहस्य” या “गोपनीय बात” या “अज्ञात बात” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अन्यजाति, शुभ समाचार, यहूदी, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 04:2-4
- इफिसियों 06:19-20
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:10-12
- मत्ती 13:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1219, H7328, G3466

भेद, भेदों, भेद, भेदों

परिभाषा:

बाइबल में “भेद” शब्द का संदर्भ किसी अज्ञात या समझने में दुर्बोध बात से है जिसे परमेश्वर अब प्रकट कर रहा है।

- नये नियम में कहा गया है कि मसीह का सुसमाचार पूर्वकाल में एक भेद की बात थी।
- एक विशेष बात जिसे भेद कहा गया है, वह है कि यहूदी और अन्यजाति मसीह में एक हैं।
- इस शब्द का अनुवाद “रहस्य” या “गोपनीय बात” या “अज्ञात बात” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अन्यजाति, शुभ समाचार, यहूदी, सच्चा)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 04:2-4
- इफिसियों 06:19-20
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:10-12
- मत्ती 13:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1219, H7328, G3466

भेद, भेदों, भेद, भेदों

परिभाषा:

बाइबल में "भेद" शब्द का संदर्भ किसी अज्ञात या समझने में दुर्बोध बात से है जिसे परमेश्वर अब प्रकट कर रहा है।

- नये नियम में कहा गया है कि मसीह का सुसमाचार पूर्वकाल में एक भेद की बात थी।
- एक विशेष बात जिसे भेद कहा गया है, वह है कि यहूदी और अन्यजाति मसीह में एक हैं।
- इस शब्द का अनुवाद "रहस्य" या "गोपनीय बात" या "अज्ञात बात" भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अन्यजाति, शुभ समाचार, यहूदी, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 04:2-4
- इफिसियों 06:19-20
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:10-12
- मत्ती 13:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1219, H7328, G3466

भेद, भेदों, भेद, भेदों

परिभाषा:

बाइबल में "भेद" शब्द का संदर्भ किसी अज्ञात या समझने में दुर्बोध बात से है जिसे परमेश्वर अब प्रकट कर रहा है।

- नये नियम में कहा गया है कि मसीह का सुसमाचार पूर्वकाल में एक भेद की बात थी।
- एक विशेष बात जिसे भेद कहा गया है, वह है कि यहूदी और अन्यजाति मसीह में एक हैं।
- इस शब्द का अनुवाद "रहस्य" या "गोपनीय बात" या "अज्ञात बात" भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अन्यजाति, शुभ समाचार, यहूदी, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 04:2-4
- इफिसियों 06:19-20
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:10-12
- मत्ती 13:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1219, H7328, G3466

भेद, भेदों, भेद, भेदों

परिभाषा:

बाइबल में “भेद” शब्द का संदर्भ किसी अज्ञात या समझने में दुर्बोध बात से है जिसे परमेश्वर अब प्रकट कर रहा है।

- नये नियम में कहा गया है कि मसीह का सुसमाचार पूर्वकाल में एक भेद की बात थी।
- एक विशेष बात जिसे भेद कहा गया है, वह है कि यहूदी और अन्यजाति मसीह में एक हैं।
- इस शब्द का अनुवाद “रहस्य” या “गोपनीय बात” या “अज्ञात बात” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अन्यजाति, शुभ समाचार, यहूदी, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 04:2-4
- इफिसियों 06:19-20
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:10-12
- मत्ती 13:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1219, H7328, G3466

भेद, भेदों, भेद, भेदों

परिभाषा:

बाइबल में “भेद” शब्द का संदर्भ किसी अज्ञात या समझने में दुर्बोध बात से है जिसे परमेश्वर अब प्रकट कर रहा है।

- नये नियम में कहा गया है कि मसीह का सुसमाचार पूर्वकाल में एक भेद की बात थी।
- एक विशेष बात जिसे भेद कहा गया है, वह है कि यहूदी और अन्यजाति मसीह में एक हैं।
- इस शब्द का अनुवाद “रहस्य” या “गोपनीय बात” या “अज्ञात बात” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अन्यजाति, शुभ समाचार, यहूदी, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 04:2-4
- इफिसियों 06:19-20
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:10-12
- मत्ती 13:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1219, H7328, G3466

भेद, भेदों, भेद, भेदों

परिभाषा:

बाइबल में “भेद” शब्द का संदर्भ किसी अज्ञात या समझने में दुर्बोध बात से है जिसे परमेश्वर अब प्रकट कर रहा है।

- नये नियम में कहा गया है कि मसीह का सुसमाचार पूर्वकाल में एक भेद की बात थी।
- एक विशेष बात जिसे भेद कहा गया है, वह है कि यहूदी और अन्यजाति मसीह में एक हैं।
- इस शब्द का अनुवाद “रहस्य” या “गोपनीय बात” या “अज्ञात बात” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अन्यजाति, शुभ समाचार, यहूदी, सच्चा)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 04:2-4
- इफिसियों 06:19-20
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:10-12
- मत्ती 13:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1219, H7328, G3466

भेद, भेदों, भेद, भेदों

परिभाषा:

बाइबल में "भेद" शब्द का संदर्भ किसी अज्ञात या समझने में दुर्बोध बात से है जिसे परमेश्वर अब प्रकट कर रहा है।

- नये नियम में कहा गया है कि मसीह का सुसमाचार पूर्वकाल में एक भेद की बात थी।
- एक विशेष बात जिसे भेद कहा गया है, वह है कि यहूदी और अन्यजाति मसीह में एक हैं।
- इस शब्द का अनुवाद "रहस्य" या "गोपनीय बात" या "अज्ञात बात" भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अन्यजाति, शुभ समाचार, यहूदी, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 04:2-4
- इफिसियों 06:19-20
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:10-12
- मत्ती 13:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1219, H7328, G3466

भेद करना, अनुवाद करना, समझा दिया, व्याख्या, अर्थ बताना, व्याख्याओं, फल का बतानेवाला

तथ्य:

"भेद करना" और "अर्थ बताना" का अर्थ है किसी अस्पष्ट बात का अर्थ समझाना।

- बाइबल में इन शब्दों का संदर्भ स्वप्नों एवं दर्शनों के अर्थ बताने से है।
- बेबीलोन के राजा ने स्वप्न देखा और वह परेशान हो गया तब परमेश्वर ने दानिय्येल की सहायता की कि वह उसका स्वप्न बताए और उसका अर्थ समझाता।
- स्वप्न का "अर्थ" बताना अर्थात उस स्वप्न का समझाना।
- पुराने नियम में परमेश्वर कभी-कभी स्वप्नों द्वारा मनुष्यों को भविष्य की बातें बताता था। अतः उन स्वप्नों का अर्थ भविष्यद्वाणी होता था।

"अर्थ बताना" अन्य बातों का भेद समझाना भी होता है, जैसे कि यह पता लगाना कि मौसम कितना ठंडा या गर्म है, कैसी हवा है, और आकाश कैसा दिखता है।

- "अर्थ बताना" का अनुवाद "अर्थ निर्धारण" या "व्याख्या करना" या "अर्थ समझाना" भी हो सकता है।
- "अर्थ बताना" का अनुवाद "व्याख्या" या "अर्थ निर्धारण" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: बेबीलोन, दानिय्येल, स्वप्न, भविष्यद्वक्ता, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:9-11
- दानिय्येल 04:4-6

- उत्पत्ति 40:4-5
- न्यायियों 07:15-16
- लूका 12:54-56

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H3887, H6591, H6622, H6623, H7667, H7760, H7922, G1252, G1328, G1329, G1381, G1955, G2058, G3177, G4793

भेड़, भेड़ें, मेंढ़ा, मेंढ़ा, भेड़, भेड़शाला, भेड़शाला, भेड़-बकरी, भेड़-काज

परिभाषा:

“भेड़” एक छोटा चैपाया होती है जिसके शरीर पर ऊन होती है। नर भेड़ को मेढ़ा कहते हैं। मादा भेड़ को भेड़ कहते हैं "भेड़" का बहुवचन भी "भेड़" है।

- भेड़ के बच्चे को मेम्ना कहते हैं।
- इस्राएली अधिकतर भेड़ को बलि के लिए काम में लेते थे, विशेष करके नर भेड़ और मेम्ना।
- लोग भेड़ का मांस खाने के लिए और उसके ऊन को वस्त्र और अन्य चीज़े बनाने के लिए उपयोग करते है।
- भेड़ बहुत भरोसेमंद, दुर्बल एवं भीरू प्राणी होता है। वे भटकने के लिए आसानी से प्रभावित हो जाते हैं। उन्हें अगुआई, सुरक्षा, भोजन-पानी एवं रहने के लिए चरवाहे की आवश्यकता होती है।
- बाइबल में मनुष्य की तुलना भेड़ से की गई है जिनका चरवाहा परमेश्वर है।

(यह भी देखें: इस्राएल, मेम्ना, बलिदान करना, चरवाहे)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:32-33
- उत्पत्ति 30:31-32
- यूहन्ना 02:13-14
- लूका 15:3-5
- मरकुस 06:33-34
- मत्ती. 09:35-36
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 12:11-12
- मत्ती 25:31-33

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- 17:02__बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था | वह अपने पिता की __भेड़ो की रखवाली करता था, दाऊद ने अलग-अलग समय पर भालू व शेर दोनों को मार गिराया जिन्होंने भेड़ों पर आक्रमण किया था |
- **30:03** यीशु ने लोगों की बड़ी भीड़ देखी और उन पर तरस खाया | क्योंकि वह उन भेड़ो के समान थे जिनका कोई रखवाला न हो |
- **38:08** तब यीशु ने उनसे कहा, “तुम सब मुझे छोड़ दोगे, क्योंकि लिखा है: मैं रखवाले को मारूँगा, और भेड़े तितर-बितर हो जाएँगी |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H352, H1494, H1798, H2169, H3104, H3532, H3535, H3733, H3775, H5739, H5763, H6260, H6629, H6792, H7353, H7462, H7716, G4165, G4262, G4263

भेड़, भेड़ें, मेंढ़ा, मेंढ़ा, भेड़, भेड़शाला, भेड़शाला, भेड़-बकरी, भेड़-काज

परिभाषा:

“भेड़” एक छोटा चैपाया होती है जिसके शरीर पर ऊन होती है। नर भेड़ को मेढ़ा कहते हैं। मादा भेड़ को भेड़ कहते हैं "भेड़" का बहुवचन भी "भेड़" है।

- भेड़ के बच्चे को मेम्ना कहते हैं।
- इस्राएली अधिकतर भेड़ को बलि के लिए काम में लेते थे, विशेष करके नर भेड़ और मेम्ना।
- लोग भेड़ का मांस खाने के लिए और उसके ऊन को वस्त्र और अन्य चीज़े बनाने के लिए उपयोग करते है।

- भेड़ बहुत भरोसेमंद, दुर्बल एवं भीरू प्राणी होता है। वे भटकने के लिए आसानी से प्रभावित हो जाते हैं। उन्हें अगुआई, सुरक्षा, भोजन-पानी एवं रहने के लिए चरवाहे की आवश्यकता होती है।
- बाइबल में मनुष्य की तुलना भेड़ से की गई है जिनका चरवाहा परमेश्वर है।

(यह भी देखें: इस्राएल, मेम्ना, बलिदान करना, चरवाहे)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:32-33
- उत्पत्ति 30:31-32
- यूहन्ना 02:13-14
- लूका 15:3-5
- मरकुस 06:33-34
- मत्ती. 09:35-36
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 12:11-12
- मत्ती 25:31-33

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- 17:02__बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था | वह अपने पिता की __भेड़ो की रखवाली करता था, दाऊद ने अलग-अलग समय पर भालू व शेर दोनों को मार गिराया जिन्होंने भेड़ों पर आक्रमण किया था |
- **30:03** यीशु ने लोगों की बड़ी भीड़ देखी और उन पर तरस खाया | क्योंकि वह उन भेड़ो के समान थे जिनका कोई रखवाला न हो |
- **38:08** तब यीशु ने उनसे कहा, “तुम सब मुझे छोड़ दोगे, क्योंकि लिखा है: मैं रखवाले को मारूँगा, और भेड़े तितर-बितर हो जाएँगी |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H352, H1494, H1798, H2169, H3104, H3532, H3535, H3733, H3775, H5739, H5763, H6260, H6629, H6792, H7353, H7462, H7716, G4165, G4262, G4263

भेड़, भेड़ें, मेंढ़ा, मेंढ़ा, भेड़, भेड़शाला, भेड़शाला, भेड़-बकरी, भेड़-काज

परिभाषा:

“भेड़” एक छोटा चैपाया होती है जिसके शरीर पर ऊन होती है। नर भेड़ को मेढ़ा कहते हैं। मादा भेड़ को भेड़ कहते हैं "भेड़" का बहुवचन भी "भेड़" है।

- भेड़ के बच्चे को मेम्ना कहते हैं।
- इस्राएली अधिकतर भेड़ को बलि के लिए काम में लेते थे, विशेष करके नर भेड़ और मेम्ना।
- लोग भेड़ का मांस खाने के लिए और उसके ऊन को वस्त्र और अन्य चीज़े बनाने के लिए उपयोग करते है।
- भेड़ बहुत भरोसेमंद, दुर्बल एवं भीरू प्राणी होता है। वे भटकने के लिए आसानी से प्रभावित हो जाते हैं। उन्हें अगुआई, सुरक्षा, भोजन-पानी एवं रहने के लिए चरवाहे की आवश्यकता होती है।
- बाइबल में मनुष्य की तुलना भेड़ से की गई है जिनका चरवाहा परमेश्वर है।

(यह भी देखें: इस्राएल, मेम्ना, बलिदान करना, चरवाहे)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:32-33
- उत्पत्ति 30:31-32
- यूहन्ना 02:13-14
- लूका 15:3-5
- मरकुस 06:33-34
- मत्ती. 09:35-36
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 12:11-12
- मत्ती 25:31-33

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- 17:02__बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था | वह अपने पिता की __भेड़ो की रखवाली करता था, दाऊद ने अलग-अलग समय पर भालू व शेर दोनों को मार गिराया जिन्होंने भेड़ों पर आक्रमण किया था |
- **30:03** यीशु ने लोगों की बड़ी भीड़ देखी और उन पर तरस खाया | क्योंकि वह उन भेड़ो के समान थे जिनका कोई रखवाला न हो |
- **38:08** तब यीशु ने उनसे कहा, “तुम सब मुझे छोड़ दोगे, क्योंकि लिखा है: मैं रखवाले को मारूँगा, और भेड़े तितर-बितर हो जाएँगी |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H352, H1494, H1798, H2169, H3104, H3532, H3535, H3733, H3775, H5739, H5763, H6260, H6629, H6792, H7353, H7462, H7716, G4165, G4262, G4263

भेड़, भेड़ें, मेंढ़ा, मेंढ़ा, भेड़, भेड़शाला, भेड़शाला, भेड़-बकरी, भेड़-काज

परिभाषा:

“भेड़” एक छोटा चैपाया होती है जिसके शरीर पर ऊन होती है। नर भेड़ को मेढ़ा कहते हैं। मादा भेड़ को भेड़ कहते हैं "भेड़" का बहुवचन भी "भेड़" है।

- भेड़ के बच्चे को मेम्ना कहते हैं।
- इस्राएली अधिकतर भेड़ को बलि के लिए काम में लेते थे, विशेष करके नर भेड़ और मेम्ना।
- लोग भेड़ का मांस खाने के लिए और उसके ऊन को वस्त्र और अन्य चीज़े बनाने के लिए उपयोग करते है।
- भेड़ बहुत भरोसेमंद, दुर्बल एवं भीरू प्राणी होता है। वे भटकने के लिए आसानी से प्रभावित हो जाते हैं। उन्हें अगुआई, सुरक्षा, भोजन-पानी एवं रहने के लिए चरवाहे की आवश्यकता होती है।
- बाइबल में मनुष्य की तुलना भेड़ से की गई है जिनका चरवाहा परमेश्वर है।

(यह भी देखें: इस्राएल, मेम्ना, बलिदान करना, चरवाहे)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:32-33
- उत्पत्ति 30:31-32
- यूहन्ना 02:13-14
- लूका 15:3-5
- मरकुस 06:33-34
- मत्ती. 09:35-36
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 12:11-12
- मत्ती 25:31-33

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- 17:02__बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था | वह अपने पिता की __भेड़ो की रखवाली करता था, दाऊद ने अलग-अलग समय पर भालू व शेर दोनों को मार गिराया जिन्होंने भेड़ों पर आक्रमण किया था |
- **30:03** यीशु ने लोगों की बड़ी भीड़ देखी और उन पर तरस खाया | क्योंकि वह उन भेड़ो के समान थे जिनका कोई रखवाला न हो |
- **38:08** तब यीशु ने उनसे कहा, “तुम सब मुझे छोड़ दोगे, क्योंकि लिखा है: मैं रखवाले को मारूँगा, और भेड़े तितर-बितर हो जाएँगी |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H352, H1494, H1798, H2169, H3104, H3532, H3535, H3733, H3775, H5739, H5763, H6260, H6629, H6792, H7353, H7462, H7716, G4165, G4262, G4263

भोज

परिभाषा

“भोज” एक बड़ा औपचारिक भोजन है जिसमें अनेक व्यंजन होते थे।

- प्राचीन युग में राजा राजनीतिक अगुओं तथा महत्वपूर्ण लोगों के लिए प्रायः भोज का आयोजन करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक भोज” या “महत्वपूर्ण भोज” या “बहु-व्यंजन भोज”।

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:10
- यशायाह 05:11-12
- यिर्मयाह 16:08
- लूका 05:29-32
- श्रेष्ठगीत 02:3-4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4960, H4961, H8354, G1173, G1403

भोज

परिभाषा

“भोज” एक बड़ा औपचारिक भोजन है जिसमें अनेक व्यंजन होते थे।

- प्राचीन युग में राजा राजनीतिक अगुओं तथा महत्वपूर्ण लोगों के लिए प्रायः भोज का आयोजन करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक भोज” या “महत्वपूर्ण भोज” या “बहु-व्यंजन भोज”।

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:10
- यशायाह 05:11-12
- यिर्मयाह 16:08
- लूका 05:29-32
- श्रेष्ठगीत 02:3-4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4960, H4961, H8354, G1173, G1403

भोज

परिभाषा

“भोज” एक बड़ा औपचारिक भोजन है जिसमें अनेक व्यंजन होते थे।

- प्राचीन युग में राजा राजनीतिक अगुओं तथा महत्वपूर्ण लोगों के लिए प्रायः भोज का आयोजन करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक भोज” या “महत्वपूर्ण भोज” या “बहु-व्यंजन भोज”।

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:10
- यशायाह 05:11-12
- यिर्मयाह 16:08
- लूका 05:29-32
- श्रेष्ठगीत 02:3-4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4960, H4961, H8354, G1173, G1403

भोज

परिभाषा

“भोज” एक बड़ा औपचारिक भोजन है जिसमें अनेक व्यंजन होते थे।

- प्राचीन युग में राजा राजनीतिक अगुओं तथा महत्वपूर्ण लोगों के लिए प्रायः भोज का आयोजन करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक भोज” या “महत्वपूर्ण भोज” या “बहु-व्यंजन भोज”।

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:10
- यशायाह 05:11-12
- यिर्मयाह 16:08
- लूका 05:29-32
- श्रेष्ठगीत 02:3-4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4960, H4961, H8354, G1173, G1403

भोज

परिभाषा

“भोज” एक बड़ा औपचारिक भोजन है जिसमें अनेक व्यंजन होते थे।

- प्राचीन युग में राजा राजनीतिक अगुओं तथा महत्वपूर्ण लोगों के लिए प्रायः भोज का आयोजन करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक भोज” या “महत्वपूर्ण भोज” या “बहु-व्यंजन भोज”।

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:10
- यशायाह 05:11-12
- यिर्मयाह 16:08
- लूका 05:29-32
- श्रेष्ठगीत 02:3-4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4960, H4961, H8354, G1173, G1403

भोज

परिभाषा

“भोज” एक बड़ा औपचारिक भोजन है जिसमें अनेक व्यंजन होते थे।

- प्राचीन युग में राजा राजनीतिक अगुओं तथा महत्वपूर्ण लोगों के लिए प्रायः भोज का आयोजन करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक भोज” या “महत्वपूर्ण भोज” या “बहु-व्यंजन भोज”।

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:10

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- यशायाह 05:11-12
- यिर्मयाह 16:08
- लूका 05:29-32
- श्रेष्ठगीत 02:3-4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4960, H4961, H8354, G1173, G1403

भोज

परिभाषा

“भोज” एक बड़ा औपचारिक भोजन है जिसमें अनेक व्यंजन होते थे।

- प्राचीन युग में राजा राजनीतिक अगुओं तथा महत्वपूर्ण लोगों के लिए प्रायः भोज का आयोजन करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक भोज” या “महत्वपूर्ण भोज” या “बहु-व्यंजन भोज”।

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:10
- यशायाह 05:11-12
- यिर्मयाह 16:08
- लूका 05:29-32
- श्रेष्ठगीत 02:3-4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4960, H4961, H8354, G1173, G1403

भोज

परिभाषा

“भोज” एक बड़ा औपचारिक भोजन है जिसमें अनेक व्यंजन होते थे।

- प्राचीन युग में राजा राजनीतिक अगुओं तथा महत्वपूर्ण लोगों के लिए प्रायः भोज का आयोजन करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक भोज” या “महत्वपूर्ण भोज” या “बहु-व्यंजन भोज”।

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:10
- यशायाह 05:11-12
- यिर्मयाह 16:08
- लूका 05:29-32
- श्रेष्ठगीत 02:3-4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4960, H4961, H8354, G1173, G1403

भोज

परिभाषा

“भोज” एक बड़ा औपचारिक भोजन है जिसमें अनेक व्यंजन होते थे।

- प्राचीन युग में राजा राजनीतिक अगुओं तथा महत्वपूर्ण लोगों के लिए प्रायः भोज का आयोजन करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक भोज” या “महत्वपूर्ण भोज” या “बहु-व्यंजन भोज”।

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:10
- यशायाह 05:11-12
- यिर्मयाह 16:08
- लूका 05:29-32
- श्रेष्ठगीत 02:3-4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4960, H4961, H8354, G1173, G1403

भोज

परिभाषा

“भोज” एक बड़ा औपचारिक भोजन है जिसमें अनेक व्यंजन होते थे।

- प्राचीन युग में राजा राजनीतिक अगुओं तथा महत्वपूर्ण लोगों के लिए प्रायः भोज का आयोजन करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक भोज” या “महत्वपूर्ण भोज” या “बहु-व्यंजन भोज”।

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:10
- यशायाह 05:11-12
- यिर्मयाह 16:08
- लूका 05:29-32
- श्रेष्ठगीत 02:3-4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4960, H4961, H8354, G1173, G1403

भोज

परिभाषा

“भोज” एक बड़ा औपचारिक भोजन है जिसमें अनेक व्यंजन होते थे।

- प्राचीन युग में राजा राजनीतिक अगुओं तथा महत्वपूर्ण लोगों के लिए प्रायः भोज का आयोजन करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक भोज” या “महत्वपूर्ण भोज” या “बहु-व्यंजन भोज”।

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:10
- यशायाह 05:11-12
- यिर्मयाह 16:08
- लूका 05:29-32
- श्रेष्ठगीत 02:3-4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4960, H4961, H8354, G1173, G1403

भोज

परिभाषा

“भोज” एक बड़ा औपचारिक भोजन है जिसमें अनेक व्यंजन होते थे।

- प्राचीन युग में राजा राजनीतिक अगुओं तथा महत्वपूर्ण लोगों के लिए प्रायः भोज का आयोजन करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक भोज” या “महत्वपूर्ण भोज” या “बहु-व्यंजन भोज”।

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:10
- यशायाह 05:11-12
- यिर्मयाह 16:08
- लूका 05:29-32
- श्रेष्ठगीत 02:3-4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4960, H4961, H8354, G1173, G1403

भोज

परिभाषा

“भोज” एक बड़ा औपचारिक भोजन है जिसमें अनेक व्यंजन होते थे।

- प्राचीन युग में राजा राजनीतिक अगुओं तथा महत्वपूर्ण लोगों के लिए प्रायः भोज का आयोजन करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक भोज” या “महत्वपूर्ण भोज” या “बहु-व्यंजन भोज”।

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:10
- यशायाह 05:11-12
- यिर्मयाह 16:08
- लूका 05:29-32
- श्रेष्ठगीत 02:3-4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4960, H4961, H8354, G1173, G1403

भोज

परिभाषा

“भोज” एक बड़ा औपचारिक भोजन है जिसमें अनेक व्यंजन होते थे।

- प्राचीन युग में राजा राजनीतिक अगुओं तथा महत्वपूर्ण लोगों के लिए प्रायः भोज का आयोजन करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक भोज” या “महत्वपूर्ण भोज” या “बहु-व्यंजन भोज”।

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 05:10
- यशायाह 05:11-12
- यिर्मयाह 16:08
- लूका 05:29-32
- श्रेष्ठगीत 02:3-4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4960, H4961, H8354, G1173, G1403

मकिदुनिया

तथ्य:

नये नियम के युग में मकिदुनिया एक रोमी प्रान्त था जो प्राचीन यूनान के ठीक उत्तर में था.

- मकिदुनिया के कुछ महत्वपूर्ण नगरों का नाम बाइबल में है, बीरिया, फिलिप्पी और थिस्सलुनीके.
- परमेश्वर ने पौलुस को दर्शन में कहा कि वह मकिदुनिया के लोगों को सुसमाचार सुनाए.
- पौलुस और उसके सहकर्मी मकिदुनिया गए और वहाँ के लोगों को यीशु के बारे में शिक्षा दी तथा नए-विश्वासियों को विश्वास में दृढ़ होने में सहायता की.
- बाइबल में मकिदुनिया के नगरों की कलीसियाओं को लिखे पौलुस के पत्र हैं:- फिलिप्पियों की पत्री, थिस्सलुनिकियों की पत्रिया.

(यह भी देखें: विश्वासी, बिरीया, विश्वास, शुभ समाचार, यूनान, फिलिप्पी, थिस्सलुनीके)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:10
- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- प्रे.का. 16:10
- प्रे.का. 20:1-3
- फिलिप्पियों 04:14-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3109, G3110

मकिदुनिया

तथ्य:

नये नियम के युग में मकिदुनिया एक रोमी प्रान्त था जो प्राचीन यूनान के ठीक उत्तर में था.

- मकिदुनिया के कुछ महत्वपूर्ण नगरों का नाम बाइबल में है, बीरिया, फिलिप्पी और थिस्सलुनीके.
- परमेश्वर ने पौलुस को दर्शन में कहा कि वह मकिदुनिया के लोगों को सुसमाचार सुनाए.
- पौलुस और उसके सहकर्मी मकिदुनिया गए और वहाँ के लोगों को यीशु के बारे में शिक्षा दी तथा नए-विश्वासियों को विश्वास में दृढ़ होने में सहायता की.
- बाइबल में मकिदुनिया के नगरों की कलीसियाओं को लिखे पौलुस के पत्र हैं:- फिलिप्पियों की पत्री, थिस्सलुनिकियों की पत्रिया.

(यह भी देखें: विश्वासी, बिरीया, विश्वास, शुभ समाचार, यूनान, फिलिप्पी, थिस्सलुनीके)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:10
- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- प्रे.का. 16:10
- प्रे.का. 20:1-3
- फिलिप्पियों 04:14-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3109, G3110

मकिदुनिया

तथ्य:

नये नियम के युग में मकिदुनिया एक रोमी प्रान्त था जो प्राचीन यूनान के ठीक उत्तर में था.

- मकिदुनिया के कुछ महत्वपूर्ण नगरों का नाम बाइबल में है, बीरिया, फिलिप्पी और थिस्सलुनीके.
- परमेश्वर ने पौलुस को दर्शन में कहा कि वह मकिदुनिया के लोगों को सुसमाचार सुनाए.
- पौलुस और उसके सहकर्मी मकिदुनिया गए और वहाँ के लोगों को यीशु के बारे में शिक्षा दी तथा नए-विश्वासियों को विश्वास में दृढ़ होने में सहायता की.
- बाइबल में मकिदुनिया के नगरों की कलीसियाओं को लिखे पौलुस के पत्र हैं:- फिलिप्पियों की पत्री, थिस्सलुनिकियों की पत्रिया.

(यह भी देखें: विश्वासी, बिरीया, विश्वास, शुभ समाचार, यूनान, फिलिप्पी, थिस्सलुनीके)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:10
- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- प्रे.का. 16:10
- प्रे.का. 20:1-3
- फिलिप्पियों 04:14-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3109, G3110

मकिदुनिया

तथ्य:

नये नियम के युग में मकिदुनिया एक रोमी प्रान्त था जो प्राचीन यूनान के ठीक उत्तर में था.

- मकिदुनिया के कुछ महत्वपूर्ण नगरों का नाम बाइबल में है, बीरिया, फिलिप्पी और थिस्सलुनीके.
- परमेश्वर ने पौलुस को दर्शन में कहा कि वह मकिदुनिया के लोगों को सुसमाचार सुनाए.
- पौलुस और उसके सहकर्मी मकिदुनिया गए और वहाँ के लोगों को यीशु के बारे में शिक्षा दी तथा नए-विश्वासियों को विश्वास में दृढ़ होने में सहायता की.
- बाइबल में मकिदुनिया के नगरों की कलीसियाओं को लिखे पौलुस के पत्र हैं:- फिलिप्पियों की पत्री, थिस्सलुनिकियों की पत्रिया.

(यह भी देखें: विश्वासी, बिरीया, विश्वास, शुभ समाचार, यूनान, फिलिप्पी, थिस्सलुनीके)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:10
- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- प्रे.का. 16:10
- प्रे.का. 20:1-3
- फिलिप्पियों 04:14-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3109, G3110

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मकिदुनिया

तथ्य:

नये नियम के युग में मकिदुनिया एक रोमी प्रान्त था जो प्राचीन यूनान के ठीक उत्तर में था.

- मकिदुनिया के कुछ महत्वपूर्ण नगरों का नाम बाइबल में है, बीरिया, फिलिप्पी और थिस्सलुनीके.
- परमेश्वर ने पौलुस को दर्शन में कहा कि वह मकिदुनिया के लोगों को सुसमाचार सुनाए.
- पौलुस और उसके सहकर्मी मकिदुनिया गए और वहाँ के लोगों को यीशु के बारे में शिक्षा दी तथा नए-विश्वासियों को विश्वास में दृढ़ होने में सहायता की.
- बाइबल में मकिदुनिया के नगरों की कलीसियाओं को लिखे पौलुस के पत्र हैं:- फिलिप्पियों की पत्री, थिस्सलुनिकियों की पत्रिया.

(यह भी देखें: विश्वासी, बिरीया, विश्वास, शुभ समाचार, यूनान, फिलिप्पी, थिस्सलुनीके)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:10
- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- प्रे.का. 16:10
- प्रे.का. 20:1-3
- फिलिप्पियों 04:14-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3109, G3110

मकिदुनिया

तथ्य:

नये नियम के युग में मकिदुनिया एक रोमी प्रान्त था जो प्राचीन यूनान के ठीक उत्तर में था.

- मकिदुनिया के कुछ महत्वपूर्ण नगरों का नाम बाइबल में है, बीरिया, फिलिप्पी और थिस्सलुनीके.
- परमेश्वर ने पौलुस को दर्शन में कहा कि वह मकिदुनिया के लोगों को सुसमाचार सुनाए.
- पौलुस और उसके सहकर्मी मकिदुनिया गए और वहाँ के लोगों को यीशु के बारे में शिक्षा दी तथा नए-विश्वासियों को विश्वास में दृढ़ होने में सहायता की.
- बाइबल में मकिदुनिया के नगरों की कलीसियाओं को लिखे पौलुस के पत्र हैं:- फिलिप्पियों की पत्री, थिस्सलुनिकियों की पत्रिया.

(यह भी देखें: विश्वासी, बिरीया, विश्वास, शुभ समाचार, यूनान, फिलिप्पी, थिस्सलुनीके)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:10
- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- प्रे.का. 16:10
- प्रे.का. 20:1-3
- फिलिप्पियों 04:14-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3109, G3110

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मकिदुनिया

तथ्य:

नये नियम के युग में मकिदुनिया एक रोमी प्रान्त था जो प्राचीन यूनान के ठीक उत्तर में था.

- मकिदुनिया के कुछ महत्वपूर्ण नगरों का नाम बाइबल में है, बीरिया, फिलिप्पी और थिस्सलुनीके.
- परमेश्वर ने पौलुस को दर्शन में कहा कि वह मकिदुनिया के लोगों को सुसमाचार सुनाए.
- पौलुस और उसके सहकर्मी मकिदुनिया गए और वहाँ के लोगों को यीशु के बारे में शिक्षा दी तथा नए-विश्वासियों को विश्वास में दृढ़ होने में सहायता की.
- बाइबल में मकिदुनिया के नगरों की कलीसियाओं को लिखे पौलुस के पत्र हैं:- फिलिप्पियों की पत्री, थिस्सलुनिकियों की पत्रिया.

(यह भी देखें: विश्वासी, बिरीया, विश्वास, शुभ समाचार, यूनान, फिलिप्पी, थिस्सलुनीके)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:10
- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- प्रे.का. 16:10
- प्रे.का. 20:1-3
- फिलिप्पियों 04:14-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3109, G3110

मण्डली, सभा, इकट्ठा होना, सभा,

परिभाषा:

“मण्डली” का संदर्भ मनुष्यों के एक समूह से है जो किसी कारण, प्रायः समस्या पर विचार करने के लिए, राय देने के लिए, या निर्णय लेने के लिए एकत्र होता है। सभा मनुष्यों का एक ऐसा समूह हो सकता है जो अधिकृत और एक प्रकार से स्थाई रूप में संगठित किया गया है या वह मनुष्यों का एक समूह हो सकता है जो किसी विशेष उद्देश्य या अवसर के निमित्त अस्थाई रूप से एकत्र होता है।

पुराना नियम

- पुराने नियम में एक विशेष सभा होती थी जिसे “पवित्र सभा” कहते थे, वह इस्राएलियों द्वारा यहोवा की आराधना के लिए एकत्र समूह होता था।
- कभी-कभी “मण्डली” शब्द इस्राएलियों के समूह को भी कहा जाता था।

नया नियम

- नये नियम में यरूशलेम जैसे प्रमुख नगरों में 70 यहूदी अगुओं की सभा वैधानिक विषयों पर निर्णय लेने और मनुष्यों में वाद-विवाद निपटाने के लिए बैठक करती थी। इस मण्डली को "महासभा" कहते थे।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “मण्डली” का अनुवाद “विशेष समूह” या “सभा” या “परिषद” या “सेना” या “बड़ा समूह” भी किया जा सकता है।
- जब “मण्डली” शब्द सामान्य उपयोग में इस्राएल के लिए काम में लिया जाता है तो इसका अनुवाद “समुदाय” या “इस्राएल की प्रजा” किया जा सकता है।
- “पूरी सभा” का अनुवाद “सब लोग” या “सब इस्राएलियों का संपूर्ण समूह” या “हर एक जन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:14
- प्रे.का. 07:38
- एज्रा 10:12-13

- इब्रानियों 12:22-24
- लैव्यव्यवस्था 04:20-21
- नहेम्याह 08:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H622, H1481, H2199, H3259, H4150, H4186, H4744, H5475, H5712, H6116, H6633, H6908, H6950, H6951, H6952, G1577, G3831, G4863, G4864, G4871, G4905

मण्डली, सभा, इकट्ठा होना, सभा,

परिभाषा:

“मण्डली” का संदर्भ मनुष्यों के एक समूह से है जो किसी कारण, प्रायः समस्या पर विचार करने के लिए, राय देने के लिए, या निर्णय लेने के लिए एकत्र होता है। सभा मनुष्यों का एक ऐसा समूह हो सकता है जो अधिकृत और एक प्रकार से स्थाई रूप में संगठित किया गया है या वह मनुष्यों का एक समूह हो सकता है जो किसी विशेष उद्देश्य या अवसर के निमित्त अस्थाई रूप से एकत्र होता है।

पुराना नियम

- पुराने नियम में एक विशेष सभा होती थी जिसे “पवित्र सभा” कहते थे, वह इस्राएलियों द्वारा यहोवा की आराधना के लिए एकत्र समूह होता था।
- कभी-कभी “मण्डली” शब्द इस्राएलियों के समूह को भी कहा जाता था।

नया नियम

- नये नियम में यरूशलेम जैसे प्रमुख नगरों में 70 यहूदी अगुओं की सभा वैधानिक विषयों पर निर्णय लेने और मनुष्यों में वाद-विवाद निपटाने के लिए बैठक करती थी। इस मण्डली को "महासभा" कहते थे।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “मण्डली” का अनुवाद “विशेष समूह” या “सभा” या “परिषद” या “सेना” या “बड़ा समूह” भी किया जा सकता है।
- जब “मण्डली” शब्द सामान्य उपयोग में इस्राएल के लिए काम में लिया जाता है तो इसका अनुवाद “समुदाय” या “इस्राएल की प्रजा” किया जा सकता है।
- “पूरी सभा” का अनुवाद “सब लोग” या “सब इस्राएलियों का संपूर्ण समूह” या “हर एक जन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:14
- प्रे.का. 07:38
- एज्रा 10:12-13
- इब्रानियों 12:22-24
- लैव्यव्यवस्था 04:20-21
- नहेम्याह 08:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H622, H1481, H2199, H3259, H4150, H4186, H4744, H5475, H5712, H6116, H6633, H6908, H6950, H6951, H6952, G1577, G3831, G4863, G4864, G4871, G4905

मतवाले, पियक्कड़

तथ्य:

“मतवाले” अर्थात अत्यधिक मदिरापान करने का प्रभाव।

- “पियक्कड़” मनुष्य सदैव मदिरापान करता है। ऐसे मनुष्य को मतवाला भी कहते हैं।
- बाइबल में विश्वासियों से कहा गया है कि मदिरा से मतवाले होने की अपेक्षा पवित्र-आत्मा के वश में हो जाएं।
- बाइबल की शिक्षा के अनुसार मतवालापन निर्बुद्धि है और मनुष्य को पाप में गिराता है।

- “मतवालापन” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मतवाले” या “नशे में चूर” या “अत्यधिक मदिरापन” या “मदिरा से तृप्त”।

(यह भी देखें: दाखरस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 शमूएल 25:36
- यिर्मयाह 13:12-14
- लूका 07:33-35
- लूका 21:34-35
- नीतिवचन 23:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5433, H7301, H7910, H7937, H7941, H7943, H8354, H8358, G3178, G3182, G3183, G3184, G3630, G3632

मतवाले, पियक्कड़

तथ्य:

“मतवाले” अर्थात अत्यधिक मदिरापान करने का प्रभाव।

- “पियक्कड़” मनुष्य सदैव मदिरापान करता है। ऐसे मनुष्य को मतवाला भी कहते हैं।
- बाइबल में विश्वासियों से कहा गया है कि मदिरा से मतवाले होने की अपेक्षा पवित्र-आत्मा के वश में हो जाएं।
- बाइबल की शिक्षा के अनुसार मतवालापन निर्बुद्धि है और मनुष्य को पाप में गिराता है।
- “मतवालापन” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मतवाले” या “नशे में चूर” या “अत्यधिक मदिरापन” या “मदिरा से तृप्त”।

(यह भी देखें: दाखरस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 शमूएल 25:36
- यिर्मयाह 13:12-14
- लूका 07:33-35
- लूका 21:34-35
- नीतिवचन 23:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5433, H7301, H7910, H7937, H7941, H7943, H8354, H8358, G3178, G3182, G3183, G3184, G3630, G3632

मतवाले, पियक्कड़

तथ्य:

“मतवाले” अर्थात अत्यधिक मदिरापान करने का प्रभाव।

- “पियक्कड़” मनुष्य सदैव मदिरापान करता है। ऐसे मनुष्य को मतवाला भी कहते हैं।
- बाइबल में विश्वासियों से कहा गया है कि मदिरा से मतवाले होने की अपेक्षा पवित्र-आत्मा के वश में हो जाएं।
- बाइबल की शिक्षा के अनुसार मतवालापन निर्बुद्धि है और मनुष्य को पाप में गिराता है।
- “मतवालापन” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मतवाले” या “नशे में चूर” या “अत्यधिक मदिरापन” या “मदिरा से तृप्त”।

(यह भी देखें: दाखरस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 शमूएल 25:36
- यिर्मयाह 13:12-14
- लूका 07:33-35
- लूका 21:34-35
- नीतिवचन 23:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5433, H7301, H7910, H7937, H7941, H7943, H8354, H8358, G3178, G3182, G3183, G3184, G3630, G3632

मतवाले, पियक्कड़

तथ्य:

“मतवाले” अर्थात अत्यधिक मदिरापान करने का प्रभाव।

- “पियक्कड़” मनुष्य सदैव मदिरापान करता है। ऐसे मनुष्य को मतवाला भी कहते हैं।
- बाइबल में विश्वासियों से कहा गया है कि मदिरा से मतवाले होने की अपेक्षा पवित्र-आत्मा के वश में हो जाएं।
- बाइबल की शिक्षा के अनुसार मतवालापन निर्बुद्धि है और मनुष्य को पाप में गिराता है।
- “मतवालापन” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मतवाले” या “नशे में चूर” या “अत्यधिक मदिरापन” या “मदिरा से तृप्त”।

(यह भी देखें: दाखरस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 शमूएल 25:36
- यिर्मयाह 13:12-14
- लूका 07:33-35
- लूका 21:34-35
- नीतिवचन 23:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5433, H7301, H7910, H7937, H7941, H7943, H8354, H8358, G3178, G3182, G3183, G3184, G3630, G3632

मत्ती, लेवी

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:27-28
- लूका 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 09:7-9
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3017, G3156

मत्ती, लेवी

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:27-28
- लूका 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 09:7-9
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3017, G3156

मत्ती, लेवी

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:27-28
- लूका 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 09:7-9
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3017, G3156

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मत्ती, लेवी

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई़स का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:27-28
- लूका 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 09:7-9
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3017, G3156

मत्ती, लेवी

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई़स का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:27-28
- लूका 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 09:7-9
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3017, G3156

मत्ती, लेवी

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई़स का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:27-28
- लूका 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 09:7-9
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3017, G3156

मत्ती, लेवी

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:27-28
- लूका 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 09:7-9
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3017, G3156

मत्ती, लेवी

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:27-28
- लूका 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 09:7-9

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3017, G3156

मत्ती, लेवी

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:27-28
- लूका 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 09:7-9
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3017, G3156

मत्ती, लेवी

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:27-28
- लूका 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 09:7-9
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3017, G3156

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मत्ती, लेवी

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:27-28
- लूका 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 09:7-9
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3017, G3156

मत्ती, लेवी

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:27-28
- लूका 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 09:7-9
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3017, G3156

मत्ती, लेवी

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:27-28
- लूका 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 09:7-9
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3017, G3156

मत्ती, लेवी

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:27-28
- लूका 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 09:7-9
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3017, G3156

मत्ती, लेवी

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:27-28
- लूका 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 09:7-9

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3017, G3156

मत्ती, लेवी

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई़स का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 05:27-28
- लूका 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 09:7-9
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3017, G3156

मधु, मधु का छत्ता

परिभाषा:

“मधु” खानेवाला एक चिपचिपा मीठा पदार्थ होता है जो मधु मक्खियाँ फूलों के रस से तैयार करती हैं। छत्ता मोम का बनाया मधु संग्रह का एक साधन है, जिसमें मधु मक्खियाँ मधु एकत्र करती हैं।

- मधु का रंग कुछ पीला या कुछ भूरा होता है।
- मधु पेड़ के खोखले स्थान में या जहाँ भी मधुमक्खी छत्ता बनाए वहाँ मिलेगा। लोग मधुमक्खियों को पालकर मधु खाते हैं या बेचते हैं परन्तु बाइबल में जिस मधु की चर्चा की गई है वह वन मधु है।
- बाइबल में तीन मनुष्यों को मधु खाते हुए दर्शाया गया है, योनातान, शिमशोन और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला।
- इस शब्द का प्रतिकात्मक उपयोग किसी मधु या आनन्ददायक बात के लिए भी किया गया है। उदारहणार्थ, परमेश्वर का वचन और आज्ञाएं "मधु से भी अधिक मीठी" कहीं गई हैं।
- कभी-कभी मनुष्य के शब्दों को भी मधु तुल्य मीठा कहा जाता है परन्तु जिसका परिणाम मनुष्यों से छल और हानि होता है।

(यह भी देखें: यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), योनातान, पलिश्तियों, शिमशोन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 14:1-3
- व्यवस्थाविवरण 06:3
- निर्गमन 13:3-5
- यहोशू 05:6-7
- नीतिवचन 05:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1706, H3293, H3295, H5317, H6688, G2781, G3192, G3193

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मधु, मधु का छत्ता

परिभाषा:

“मधु” खानेवाला एक चिपचिपा मीठा पदार्थ होता है जो मधु मक्खियाँ फूलों के रस से तैयार करती हैं। छत्ता मोम का बनाया मधु संग्रह का एक साधन है, जिसमें मधु मक्खियाँ मधु एकत्र करती हैं।

- मधु का रंग कुछ पीला या कुछ भूरा होता है।
- मधु पेड़ के खोखले स्थान में या जहाँ भी मधुमक्खी छत्ता बनाए वहाँ मिलेगा। लोग मधुमक्खियों को पालकर मधु खाते हैं या बेचते हैं परन्तु बाइबल में जिस मधु की चर्चा की गई है वह वन मधु है।
- बाइबल में तीन मनुष्यों को मधु खाते हुए दर्शाया गया है, योनातान, शिमशोन और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला।
- इस शब्द का प्रतिकात्मक उपयोग किसी मधु या आनन्ददायक बात के लिए भी किया गया है। उदारहणार्थ, परमेश्वर का वचन और आज्ञाएं "मधु से भी अधिक मीठी" कहीं गई हैं।
- कभी-कभी मनुष्य के शब्दों को भी मधु तुल्य मीठा कहा जाता है परन्तु जिसका परिणाम मनुष्यों से छल और हानि होता है।

(यह भी देखें: यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), योनातान, पलिश्तियों, शिमशोन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 14:1-3
- व्यवस्थाविवरण 06:3
- निर्गमन 13:3-5
- यहोशू 05:6-7
- नीतिवचन 05:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1706, H3293, H3295, H5317, H6688, G2781, G3192, G3193

मधु, मधु का छत्ता

परिभाषा:

“मधु” खानेवाला एक चिपचिपा मीठा पदार्थ होता है जो मधु मक्खियाँ फूलों के रस से तैयार करती हैं। छत्ता मोम का बनाया मधु संग्रह का एक साधन है, जिसमें मधु मक्खियाँ मधु एकत्र करती हैं।

- मधु का रंग कुछ पीला या कुछ भूरा होता है।
- मधु पेड़ के खोखले स्थान में या जहाँ भी मधुमक्खी छत्ता बनाए वहाँ मिलेगा। लोग मधुमक्खियों को पालकर मधु खाते हैं या बेचते हैं परन्तु बाइबल में जिस मधु की चर्चा की गई है वह वन मधु है।
- बाइबल में तीन मनुष्यों को मधु खाते हुए दर्शाया गया है, योनातान, शिमशोन और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला।
- इस शब्द का प्रतिकात्मक उपयोग किसी मधु या आनन्ददायक बात के लिए भी किया गया है। उदारहणार्थ, परमेश्वर का वचन और आज्ञाएं "मधु से भी अधिक मीठी" कहीं गई हैं।
- कभी-कभी मनुष्य के शब्दों को भी मधु तुल्य मीठा कहा जाता है परन्तु जिसका परिणाम मनुष्यों से छल और हानि होता है।

(यह भी देखें: यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), योनातान, पलिश्तियों, शिमशोन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 14:1-3
- व्यवस्थाविवरण 06:3
- निर्गमन 13:3-5
- यहोशू 05:6-7
- नीतिवचन 05:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1706, H3293, H3295, H5317, H6688, G2781, G3192, G3193

मध्यस्थ

परिभाषा:

“मध्यस्थ” दो पक्षों या अधिक मनुष्यों के मध्य मतभेद या कलह का समाधान करता है। वह आपसी मेल में उनकी सहायता करता है।

- पाप के कारण मनुष्य परमेश्वर का बैरी है जो उसके क्रोध और दण्ड का भागी है। पाप के कारण, परमेश्वर और उसके लोगों के मध्य संबन्ध विच्छेद है।
- यीशु पिता परमेश्वर और उसके लोगों के बीच मध्यस्थ है उसने उनके पाप का मूल्य चुकानेवाली अपनी मृत्यु के द्वारा इस विच्छेदित संबन्ध को पुन: स्थापित कर दिया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “मध्यस्थ का अनुवाद हो सकता है”, “बिचौलियाँ” या “मेल कराने वाला” या “शान्ति स्थापित करनेवाला”
- इस शब्द के अनुवाद की तुलना “याजक” शब्द के अनुवाद से करें। “मध्यस्थ” का अनुवाद भिन्न शब्द से करें तो उचित होगा।

(यह भी देखें: याजक, मेल करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 02:05
- गलातियों 03:20
- इब्रानियों 08:06
- इब्रानियों 12:24
- लूका 12:14

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H3887, G3312, G3316

मध्यस्थ

परिभाषा:

“मध्यस्थ” दो पक्षों या अधिक मनुष्यों के मध्य मतभेद या कलह का समाधान करता है। वह आपसी मेल में उनकी सहायता करता है।

- पाप के कारण मनुष्य परमेश्वर का बैरी है जो उसके क्रोध और दण्ड का भागी है। पाप के कारण, परमेश्वर और उसके लोगों के मध्य संबन्ध विच्छेद है।
- यीशु पिता परमेश्वर और उसके लोगों के बीच मध्यस्थ है उसने उनके पाप का मूल्य चुकानेवाली अपनी मृत्यु के द्वारा इस विच्छेदित संबन्ध को पुन: स्थापित कर दिया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “मध्यस्थ का अनुवाद हो सकता है”, “बिचौलियाँ” या “मेल कराने वाला” या “शान्ति स्थापित करनेवाला”
- इस शब्द के अनुवाद की तुलना “याजक” शब्द के अनुवाद से करें। “मध्यस्थ” का अनुवाद भिन्न शब्द से करें तो उचित होगा।

(यह भी देखें: याजक, मेल करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 02:05
- गलातियों 03:20
- इब्रानियों 08:06
- इब्रानियों 12:24
- लूका 12:14

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H3887, G3312, G3316

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।

- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।

- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।

- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
- “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- ◦ अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, हृदय, प्राण)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 04:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन फिराकर, पश्चाताप, फिराया, फिराव

परिभाषा:

“मन फिराकर” और “मन फिराव” का संदर्भ पाप से विमुख होकर परमेश्वर के पास आने से है।

- “मन फिराकर” का मूल अर्थ है, “मन को फेरना”
- बाइबल में “मन फिराने” का अर्थ है मानवीय सोचने और काम करने के पापी स्वभाव विमुख होकर परमेश्वर के सोचने और कार्य करने की विधि अपनाना।
- जब मनुष्य सच में पापों से मन फिराते हैं, तब परमेश्वर उन्हें क्षमा कर देता है और उसके आज्ञा पालन में उनकी सहायता करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “मन फिराना” का अनुवाद ऐसे एक शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ हो, “पीछे मुड़ना(परमेश्वर को)” या “पाप से हटे और परमेश्वर की ओर मुड़ें” या “परमेश्वर की ओर मुड़ें, पाप से दूर।”।
- अक्सर शब्द "फिराव" क्रिया का प्रयोग करके अनुवाद "मन फिराकर"किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, "परमेश्वर ने इस्राएल को मन फिराव दिया" का अनुवाद किया जा सकता है "परमेश्वर ने पश्चाताप करने के लिए सक्षम किया है।"
- 'फिराव' का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में "पाप से दूर होना" या "परमेश्वर की ओर मुड़कर पाप से दूर" हो सकता है।

(यह भी देखें: क्षमा कर, पाप, मुड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:19-20
- लूका 03:3
- लूका 03:8
- लूका 05:29-32
- लूका 24:45-47
- मरकुस 01:14-15
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 03:10-12
- मत्ती 04:17
- रोमियो 02:3-4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **16:02** कई वर्षों बाद, इस्राएलियों ने पश्चाताप किया और परमेश्वर से कहा कि वह उन्हें बचाए |
- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया।
- **19:18** भविष्यवक्ताओं ने परमेश्वर के बारे में लोगों को बताना निरंतर जारी रखा भले ही लोग उनसे बैर रखते थे |
- **24:02** बहुत से आस पास के लोग यूहन्ना को सुनने के लिए बाहर निकल आए | यूहन्ना ने उनसे कहा, “मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है !”
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए।”

“तो अब इसलिये मन फिराओ और परमेश्वर की ओर लौट आओ कि तुम्हारे पाप मिटाए जाएँ |”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5150, H5162, H5164, G278, G3338, G3340, G3341

मनश्शे

तथ्य:

मनश्शे नामक पाँच पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

- यूसुफ के पहिलौठे का नाम मनश्शे था।
- मनश्शे और एप्रैम दोनों को यूसुफ के पिता याकूब ने गोद लिया था। जिसके कारण उनके वंशजों को इस्राएल के बारह गोत्रों में गिने जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।
- मनश्शे के वंशज इस्राएल का एक गोत्र हुए।

- मनश्शे का गोत्र "मनश्शे का आधा गोत्र" कहलाता था क्योंकि कनान देश में इस गोत्र के एक भाग ने ही निवास किया था, यरदन नदी के पश्चिम में। इस गोत्र का शेष भाग यरदन नदी के पूर्व में बस गया।

- यहूदा के एक राजा का नाम भी मनश्शे था।

- मनश्शे एक दुष्ट राजा था जिसने अपने बच्चों को झूठे देवताओं के समक्ष होम बलि चढ़ाया था।
- परमेश्वर ने राजा मनश्शे को शत्रु की सेना द्वारा बन्दी बनाये जाने का दण्ड दिया। मनश्शे मन फिराकर परमेश्वर के निकट आया और सब मूर्ति-पूजा की सब वेदियों को नष्ट कर दिया।
- एज्रा के समय में भी मनश्शे नामक दो पुरुष थे। उन्हें अपनी-अपनी अन्यजाति पत्नियों को तलाक देना पड़ा था क्योंकि उन्होंने मूर्ति-पूजा पर दबाव डाला था।
- मनश्शे नामक एक और पुरुष था वह दान वंशियों में कुछ का दादा था, वे झूठे देवताओं के पुजारी थे ।

(यह भी देखें: वेदी, दान, एप्रैम, एज्रा, मूर्ति, इस्राएल, यहूदा, अन्यजाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 15:8-9
- व्यवस्थाविवरण 03:12-13
- उत्पत्ति 41:50-52
- उत्पत्ति 48:1-2
- न्यायियों 01:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4519, H4520, G3128

मनश्शे

तथ्य:

मनश्शे नामक पाँच पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

- यूसुफ के पहिलौठे का नाम मनश्शे था।
- मनश्शे और एप्रैम दोनों को यूसुफ के पिता याकूब ने गोद लिया था। जिसके कारण उनके वंशजों को इस्राएल के बारह गोत्रों में गिने जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।
- मनश्शे के वंशज इस्राएल का एक गोत्र हुए।

- मनश्शे का गोत्र "मनश्शे का आधा गोत्र" कहलाता था क्योंकि कनान देश में इस गोत्र के एक भाग ने ही निवास किया था, यरदन नदी के पश्चिम में। इस गोत्र का शेष भाग यरदन नदी के पूर्व में बस गया।

- यहूदा के एक राजा का नाम भी मनश्शे था।

- मनश्शे एक दुष्ट राजा था जिसने अपने बच्चों को झूठे देवताओं के समक्ष होम बलि चढ़ाया था।
- परमेश्वर ने राजा मनश्शे को शत्रु की सेना द्वारा बन्दी बनाये जाने का दण्ड दिया। मनश्शे मन फिराकर परमेश्वर के निकट आया और सब मूर्ति-पूजा की सब वेदियों को नष्ट कर दिया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- एज्रा के समय में भी मनश्शे नामक दो पुरुष थे। उन्हें अपनी-अपनी अन्यजाति पत्नियों को तलाक देना पड़ा था क्योंकि उन्होंने मूर्ति-पूजा पर दबाव डाला था।
- मनश्शे नामक एक और पुरुष था वह दान वंशियों में कुछ का दादा था, वे झूठे देवताओं के पुजारी थे ।

(यह भी देखें: वेदी, दान, एप्रैम, एज्रा, मूर्ति, इस्राएल, यहूदा, अन्यजाति, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 15:8-9
- व्यवस्थाविवरण 03:12-13
- उत्पत्ति 41:50-52
- उत्पत्ति 48:1-2
- न्यायियों 01:27-28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4519, H4520, G3128

मनुष्य का पुत्र, मनुष्य का पुत्र

परिभाषा:

“मनुष्य का पुत्र” यह पदनाम यीशु अपने लिए काम में लेता था। वह “मैं” या “मेरे” की अपेक्षा इसी के द्वारा स्वयं को संबोधित करता था।

- बाइबल में “मनुष्य का पुत्र” किसी पुरुष के संदर्भ देने या उसे संबोधित करने के लिए काम में लिया जाता था। इसका अर्थ “मनुष्य” भी हो सकता है।
- पुराने नियम की पुस्तक, यहेजकेल में परमेश्वर यहेजकेल को बार-बार “मनुष्य का पुत्र” कहता है। उदाहरणार्थ, वह कहता है, “हे मनुष्य के पुत्र, भविष्यद्वाणी कर” ।
- दानिय्येल ने “मनुष्य के पुत्र” का दर्शन देखा कि वह बादलों पर सवार आ रहा है जो आनेवाले मसीह के संदर्भ में है।
- यीशु स्वयं कहता है कि मनुष्य का पुत्र एक दिन बादलों में सवार होकर आएगा।
- मनुष्य के पुत्र का बादलों पर सवार होकर आना दर्शाता है कि मसीह यीशु परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव:

- यीशु “मनुष्य का पुत्र” उक्ति को काम में लेता है तो इसका अनुवाद “वह जो मनुष्य बना” या “स्वार्गिक मनुष्य”।
- कुछ अनुवादकों ने कभी-कभी "मैं" या "मुझे" इस शीर्षक के साथ ("मैं, मनुष्य के पुत्र रूप में) यह स्पष्ट करने के लिए शामिल करते है कि यीशु अपने बारे में बात कर रहे थे ।
- यह सुनिश्चित करने के लिए जांचें कि इस कार्यकाल का अनुवाद गलत अर्थ नहीं देता (जैसे कि किसी नाजायज पुत्र की ओर इशारा करते हुए या गलत धारणा देकर कि यीशु केवल इंसान थे)
- जब किसी व्यक्ति को संदर्भित किया जाता है, "मनुष्य के पुत्र" का अनुवाद "आप, एक इंसान" या "आप, मनुष्य" या "इंसान" या "मनुष्य" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, पुत्र, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:54-56
- दानिय्येल 07:13-14
- यहेजकेल 43:6-8
- यूह. 03:12-13
- लूका 06:3-5
- मरकुस 02:10-12
- मत्ती 13:36-39
- भजन-संहिता 080:17-18
- प्रकाशितवाक्य 14:14-16

{{tag>publish ktlink}

शब्द तथ्य:

- Strong's: H120, H606, H1121, H1247, G444, G5207

मनुष्य का पुत्र, मनुष्य का पुत्र

परिभाषा:

“मनुष्य का पुत्र” यह पदनाम यीशु अपने लिए काम में लेता था। वह “मैं” या “मेरे” की अपेक्षा इसी के द्वारा स्वयं को संबोधित करता था।

- बाइबल में “मनुष्य का पुत्र” किसी पुरुष के संदर्भ देने या उसे संबोधित करने के लिए काम में लिया जाता था। इसका अर्थ “मनुष्य” भी हो सकता है।
- पुराने नियम की पुस्तक, यहेजकेल में परमेश्वर यहेजकेल को बार-बार “मनुष्य का पुत्र” कहता है। उदाहरणार्थ, वह कहता है, “हे मनुष्य के पुत्र, भविष्यद्वाणी कर” ।
- दानिय्येल ने “मनुष्य के पुत्र” का दर्शन देखा कि वह बादलों पर सवार आ रहा है जो आनेवाले मसीह के संदर्भ में है।
- यीशु स्वयं कहता है कि मनुष्य का पुत्र एक दिन बादलों में सवार होकर आएगा।
- मनुष्य के पुत्र का बादलों पर सवार होकर आना दर्शाता है कि मसीह यीशु परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव:

- यीशु “मनुष्य का पुत्र” उक्ति को काम में लेता है तो इसका अनुवाद “वह जो मनुष्य बना” या “स्वार्गिक मनुष्य”।
- कुछ अनुवादकों ने कभी-कभी "मैं" या "मुझे" इस शीर्षक के साथ ("मैं, मनुष्य के पुत्र रूप में) यह स्पष्ट करने के लिए शामिल करते है कि यीशु अपने बारे में बात कर रहे थे ।
- यह सुनिश्चित करने के लिए जांचें कि इस कार्यकाल का अनुवाद गलत अर्थ नहीं देता (जैसे कि किसी नाजायज पुत्र की ओर इशारा करते हुए या गलत धारणा देकर कि यीशु केवल इंसान थे)
- जब किसी व्यक्ति को संदर्भित किया जाता है, "मनुष्य के पुत्र" का अनुवाद "आप, एक इंसान" या "आप, मनुष्य" या "इंसान" या "मनुष्य" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, पुत्र, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:54-56
- दानिय्येल 07:13-14
- यहेजकेल 43:6-8
- यूह. 03:12-13
- लूका 06:3-5
- मरकुस 02:10-12
- मत्ती 13:36-39
- भजन-संहिता 080:17-18
- प्रकाशितवाक्य 14:14-16

{{tag>publish ktlink}

शब्द तथ्य:

- Strong's: H120, H606, H1121, H1247, G444, G5207

मनुष्य का पुत्र, मनुष्य का पुत्र

परिभाषा:

“मनुष्य का पुत्र” यह पदनाम यीशु अपने लिए काम में लेता था। वह “मैं” या “मेरे” की अपेक्षा इसी के द्वारा स्वयं को संबोधित करता था।

- बाइबल में “मनुष्य का पुत्र” किसी पुरुष के संदर्भ देने या उसे संबोधित करने के लिए काम में लिया जाता था। इसका अर्थ “मनुष्य” भी हो सकता है।
- पुराने नियम की पुस्तक, यहेजकेल में परमेश्वर यहेजकेल को बार-बार “मनुष्य का पुत्र” कहता है। उदाहरणार्थ, वह कहता है, “हे मनुष्य के पुत्र, भविष्यद्वाणी कर” ।
- दानिय्येल ने “मनुष्य के पुत्र” का दर्शन देखा कि वह बादलों पर सवार आ रहा है जो आनेवाले मसीह के संदर्भ में है।
- यीशु स्वयं कहता है कि मनुष्य का पुत्र एक दिन बादलों में सवार होकर आएगा।
- मनुष्य के पुत्र का बादलों पर सवार होकर आना दर्शाता है कि मसीह यीशु परमेश्वर है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अनुवाद के सुझाव:

- यीशु “मनुष्य का पुत्र” उक्ति को काम में लेता है तो इसका अनुवाद “वह जो मनुष्य बना” या “स्वार्गिक मनुष्य”।
- कुछ अनुवादकों ने कभी-कभी "मैं" या "मुझे" इस शीर्षक के साथ ("मैं, मनुष्य के पुत्र रूप में) यह स्पष्ट करने के लिए शामिल करते है कि यीशु अपने बारे में बात कर रहे थे ।
- यह सुनिश्चित करने के लिए जांचें कि इस कार्यकाल का अनुवाद गलत अर्थ नहीं देता (जैसे कि किसी नाजायज पुत्र की ओर इशारा करते हुए या गलत धारणा देकर कि यीशु केवल इंसान थे)
- जब किसी व्यक्ति को संदर्भित किया जाता है, "मनुष्य के पुत्र" का अनुवाद "आप, एक इंसान" या "आप, मनुष्य" या "इंसान" या "मनुष्य" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, पुत्र, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:54-56
- दानिय्येल 07:13-14
- यहेजकेल 43:6-8
- यूह. 03:12-13
- लूका 06:3-5
- मरकुस 02:10-12
- मत्ती 13:36-39
- भजन-संहिता 080:17-18
- प्रकाशितवाक्य 14:14-16

{{tag>publish ktlink}

शब्द तथ्य:

- Strong's: H120, H606, H1121, H1247, G444, G5207

मनुष्य का पुत्र, मनुष्य का पुत्र

परिभाषा:

“मनुष्य का पुत्र” यह पदनाम यीशु अपने लिए काम में लेता था। वह “मैं” या “मेरे” की अपेक्षा इसी के द्वारा स्वयं को संबोधित करता था।

- बाइबल में “मनुष्य का पुत्र” किसी पुरुष के संदर्भ देने या उसे संबोधित करने के लिए काम में लिया जाता था। इसका अर्थ “मनुष्य” भी हो सकता है।
- पुराने नियम की पुस्तक, यहेजकेल में परमेश्वर यहेजकेल को बार-बार “मनुष्य का पुत्र” कहता है। उदाहरणार्थ, वह कहता है, “हे मनुष्य के पुत्र, भविष्यद्वाणी कर” ।
- दानिय्येल ने “मनुष्य के पुत्र” का दर्शन देखा कि वह बादलों पर सवार आ रहा है जो आनेवाले मसीह के संदर्भ में है।
- यीशु स्वयं कहता है कि मनुष्य का पुत्र एक दिन बादलों में सवार होकर आएगा।
- मनुष्य के पुत्र का बादलों पर सवार होकर आना दर्शाता है कि मसीह यीशु परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव:

- यीशु “मनुष्य का पुत्र” उक्ति को काम में लेता है तो इसका अनुवाद “वह जो मनुष्य बना” या “स्वार्गिक मनुष्य”।
- कुछ अनुवादकों ने कभी-कभी "मैं" या "मुझे" इस शीर्षक के साथ ("मैं, मनुष्य के पुत्र रूप में) यह स्पष्ट करने के लिए शामिल करते है कि यीशु अपने बारे में बात कर रहे थे ।
- यह सुनिश्चित करने के लिए जांचें कि इस कार्यकाल का अनुवाद गलत अर्थ नहीं देता (जैसे कि किसी नाजायज पुत्र की ओर इशारा करते हुए या गलत धारणा देकर कि यीशु केवल इंसान थे)
- जब किसी व्यक्ति को संदर्भित किया जाता है, "मनुष्य के पुत्र" का अनुवाद "आप, एक इंसान" या "आप, मनुष्य" या "इंसान" या "मनुष्य" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, पुत्र, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:54-56
- दानिय्येल 07:13-14

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- यहेजकेल 43:6-8
- यूह. 03:12-13
- लूका 06:3-5
- मरकुस 02:10-12
- मत्ती 13:36-39
- भजन-संहिता 080:17-18
- प्रकाशितवाक्य 14:14-16

{{tag>publish ktlink}

शब्द तथ्य:

- Strong's: H120, H606, H1121, H1247, G444, G5207

मनुष्य का पुत्र, मनुष्य का पुत्र

परिभाषा:

“मनुष्य का पुत्र” यह पदनाम यीशु अपने लिए काम में लेता था। वह “मैं” या “मेरे” की अपेक्षा इसी के द्वारा स्वयं को संबोधित करता था।

- बाइबल में “मनुष्य का पुत्र” किसी पुरुष के संदर्भ देने या उसे संबोधित करने के लिए काम में लिया जाता था। इसका अर्थ “मनुष्य” भी हो सकता है।
- पुराने नियम की पुस्तक, यहेजकेल में परमेश्वर यहेजकेल को बार-बार “मनुष्य का पुत्र” कहता है। उदाहरणार्थ, वह कहता है, “हे मनुष्य के पुत्र, भविष्यद्वाणी कर” ।
- दानिय्येल ने “मनुष्य के पुत्र” का दर्शन देखा कि वह बादलों पर सवार आ रहा है जो आनेवाले मसीह के संदर्भ में है।
- यीशु स्वयं कहता है कि मनुष्य का पुत्र एक दिन बादलों में सवार होकर आएगा।
- मनुष्य के पुत्र का बादलों पर सवार होकर आना दर्शाता है कि मसीह यीशु परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव:

- यीशु “मनुष्य का पुत्र” उक्ति को काम में लेता है तो इसका अनुवाद “वह जो मनुष्य बना” या “स्वार्गिक मनुष्य”।
- कुछ अनुवादकों ने कभी-कभी "मैं" या "मुझे" इस शीर्षक के साथ ("मैं, मनुष्य के पुत्र रूप में) यह स्पष्ट करने के लिए शामिल करते है कि यीशु अपने बारे में बात कर रहे थे ।
- यह सुनिश्चित करने के लिए जांचें कि इस कार्यकाल का अनुवाद गलत अर्थ नहीं देता (जैसे कि किसी नाजायज पुत्र की ओर इशारा करते हुए या गलत धारणा देकर कि यीशु केवल इंसान थे)
- जब किसी व्यक्ति को संदर्भित किया जाता है, "मनुष्य के पुत्र" का अनुवाद "आप, एक इंसान" या "आप, मनुष्य" या "इंसान" या "मनुष्य" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, पुत्र, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:54-56
- दानिय्येल 07:13-14
- यहेजकेल 43:6-8
- यूह. 03:12-13
- लूका 06:3-5
- मरकुस 02:10-12
- मत्ती 13:36-39
- भजन-संहिता 080:17-18
- प्रकाशितवाक्य 14:14-16

{{tag>publish ktlink}

शब्द तथ्य:

- Strong's: H120, H606, H1121, H1247, G444, G5207

मन्दिर, भवन, परमेश्वर का भवन

तथ्य:

मन्दिर पर कोटे से घिरा हुआ एक भवन था जहां इस्राएली प्रार्थना करने और बलि चढ़ाने आते थे। यह मन्दिर मोरिय्याह पर्वत पर यरूशलेम नगर में था।

- मन्दिर शब्द संपूर्ण मन्दिर क्षेत्र के संदर्भ में काम में लिया जाता था जिसमें प्रमुख भवन का घिरा हुआ प्रांगण भी था। कभी-कभी यह मात्र भवन के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मन्दिर के दो भाग थे, पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान।
- परमेश्वर मन्दिर को अपना निवास स्थान कहता था।
- राजा सुलैमान ने अपने शासनकाल के दौरान मंदिर का निर्माण किया। यह यरूशलेम में पूजा का स्थायी स्थान माना जाता था।
- नये नियम में कहा गया है, “पवित्र-आत्मा का मन्दिर” तो वह विश्वासियों के समूह को संदर्भित करता है क्योंकि पवित्र आत्मा उनमें वास करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मन्दिर में मनुष्यों की उपस्थिति की जब चर्चा की गई है तो इसका अर्थ है कि वे भवन के बाहर प्रांगण में थे। इसका अनुवाद किया जा सकता है, “मन्दिर के आंगनों में” या “मन्दिर के प्रांगण में”।
- जब भवन की चर्चा की जा रही हो तो कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद होगा, “मन्दिर में” या “मन्दिर के भवन में” कि स्पष्ट समझ में आए।
- “मन्दिर” अनुवाद के रूप “परमेश्वर का पवित्र घर” या “पवित्र आराधना स्थल” किया जा सकता है।
- बाइबल में मन्दिर का संदर्भ “यहोवा का भवन” या “परमेश्वर का घर” से है।

(यह भी देखें: बलिदान करना, सुलैमान, बेबीलोन, पवित्र आत्मा, निवासस्थान, आँगन, सिय्योन, घर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- प्रे.का. 03:7-8
- यहेजकेल 45:18-20
- लूका 19:45-46
- नहेमायाह 10:28-29
- भजन संहिता 079:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- 18:02__यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक __भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया | अब लोग मिलापवाले तम्बू के स्थान पर उस भवन में परमेश्वर की उपासना करते और बलिदान चढ़ाते थे | परमेश्वर भवन में उपस्थित था, और वह अपने लोगों के साथ रहता था |
- **20:07** उन्होंने यरूशलेम को जित लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उनसे छीन कर ले गए |
- **20:13** जब वह लोग वापस यरूशलेम लौटे, उन्होंने मंदिर और साथ ही शहर की आस पास की दीवारों का भी पुनर्निर्माण किया |
- **25:04** तब शैतान यीशु को मंदिर के ऊचे स्थान पर ले गया और उससे कहा, “ यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है: ‘वह तेरे लिये अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे | कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे |'"
- **40:07** जैसे ही यीशु की मृत्यु हुई, वहा भूकंप आया और मंदिर का बड़ा परदा जो मनुष्यों को परमेश्वर की उपस्तिथि से दूर रखता था ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1964, H1965, H7541, G1493, G2411, G3485

मन्दिर, भवन, परमेश्वर का भवन

तथ्य:

मन्दिर पर कोटे से घिरा हुआ एक भवन था जहां इस्राएली प्रार्थना करने और बलि चढ़ाने आते थे। यह मन्दिर मोरिय्याह पर्वत पर यरूशलेम नगर में था।

- मन्दिर शब्द संपूर्ण मन्दिर क्षेत्र के संदर्भ में काम में लिया जाता था जिसमें प्रमुख भवन का घिरा हुआ प्रांगण भी था। कभी-कभी यह मात्र भवन के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मन्दिर के दो भाग थे, पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान।
- परमेश्वर मन्दिर को अपना निवास स्थान कहता था।

- राजा सुलैमान ने अपने शासनकाल के दौरान मंदिर का निर्माण किया। यह यरूशलेम में पूजा का स्थायी स्थान माना जाता था।
- नये नियम में कहा गया है, “पवित्र-आत्मा का मन्दिर” तो वह विश्वासियों के समूह को संदर्भित करता है क्योंकि पवित्र आत्मा उनमें वास करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मन्दिर में मनुष्यों की उपस्थिति की जब चर्चा की गई है तो इसका अर्थ है कि वे भवन के बाहर प्रांगण में थे। इसका अनुवाद किया जा सकता है, “मन्दिर के आंगनों में” या “मन्दिर के प्रांगण में”।
- जब भवन की चर्चा की जा रही हो तो कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद होगा, “मन्दिर में” या “मन्दिर के भवन में” कि स्पष्ट समझ में आए।
- “मन्दिर” अनुवाद के रूप “परमेश्वर का पवित्र घर” या “पवित्र आराधना स्थल” किया जा सकता है।
- बाइबल में मन्दिर का संदर्भ “यहोवा का भवन” या “परमेश्वर का घर” से है।

(यह भी देखें: बलिदान करना, सुलैमान, बेबीलोन, पवित्र आत्मा, निवासस्थान, आँगन, सिय्योन, घर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- प्रे.का. 03:7-8
- यहेजकेल 45:18-20
- लूका 19:45-46
- नहेमायाह 10:28-29
- भजन संहिता 079:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- 18:02__यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक __भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया | अब लोग मिलापवाले तम्बू के स्थान पर उस भवन में परमेश्वर की उपासना करते और बलिदान चढ़ाते थे | परमेश्वर भवन में उपस्थित था, और वह अपने लोगों के साथ रहता था |
- **20:07** उन्होंने यरूशलेम को जित लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उनसे छीन कर ले गए |
- **20:13** जब वह लोग वापस यरूशलेम लौटे, उन्होंने मंदिर और साथ ही शहर की आस पास की दीवारों का भी पुनर्निर्माण किया |
- **25:04** तब शैतान यीशु को मंदिर के ऊचे स्थान पर ले गया और उससे कहा, “ यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है: ‘वह तेरे लिये अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे | कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे |'"
- **40:07** जैसे ही यीशु की मृत्यु हुई, वहा भूकंप आया और मंदिर का बड़ा परदा जो मनुष्यों को परमेश्वर की उपस्तिथि से दूर रखता था ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1964, H1965, H7541, G1493, G2411, G3485

मन्दिर, भवन, परमेश्वर का भवन

तथ्य:

मन्दिर पर कोटे से घिरा हुआ एक भवन था जहां इस्राएली प्रार्थना करने और बलि चढ़ाने आते थे। यह मन्दिर मोरिय्याह पर्वत पर यरूशलेम नगर में था।

- मन्दिर शब्द संपूर्ण मन्दिर क्षेत्र के संदर्भ में काम में लिया जाता था जिसमें प्रमुख भवन का घिरा हुआ प्रांगण भी था। कभी-कभी यह मात्र भवन के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मन्दिर के दो भाग थे, पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान।
- परमेश्वर मन्दिर को अपना निवास स्थान कहता था।
- राजा सुलैमान ने अपने शासनकाल के दौरान मंदिर का निर्माण किया। यह यरूशलेम में पूजा का स्थायी स्थान माना जाता था।
- नये नियम में कहा गया है, “पवित्र-आत्मा का मन्दिर” तो वह विश्वासियों के समूह को संदर्भित करता है क्योंकि पवित्र आत्मा उनमें वास करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मन्दिर में मनुष्यों की उपस्थिति की जब चर्चा की गई है तो इसका अर्थ है कि वे भवन के बाहर प्रांगण में थे। इसका अनुवाद किया जा सकता है, “मन्दिर के आंगनों में” या “मन्दिर के प्रांगण में”।
- जब भवन की चर्चा की जा रही हो तो कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद होगा, “मन्दिर में” या “मन्दिर के भवन में” कि स्पष्ट समझ में आए।
- “मन्दिर” अनुवाद के रूप “परमेश्वर का पवित्र घर” या “पवित्र आराधना स्थल” किया जा सकता है।
- बाइबल में मन्दिर का संदर्भ “यहोवा का भवन” या “परमेश्वर का घर” से है।

(यह भी देखें: बलिदान करना, सुलैमान, बेबीलोन, पवित्र आत्मा, निवासस्थान, आँगन, सिय्योन, घर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- प्रे.का. 03:7-8
- यहेजकेल 45:18-20
- लूका 19:45-46
- नहेमायाह 10:28-29
- भजन संहिता 079:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- 18:02__यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक __भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया | अब लोग मिलापवाले तम्बू के स्थान पर उस भवन में परमेश्वर की उपासना करते और बलिदान चढ़ाते थे | परमेश्वर भवन में उपस्थित था, और वह अपने लोगों के साथ रहता था |
- **20:07** उन्होंने यरूशलेम को जित लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उनसे छीन कर ले गए |
- **20:13** जब वह लोग वापस यरूशलेम लौटे, उन्होंने मंदिर और साथ ही शहर की आस पास की दीवारों का भी पुनर्निर्माण किया |
- **25:04** तब शैतान यीशु को मंदिर के ऊचे स्थान पर ले गया और उससे कहा, " यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है: 'वह तेरे लिये अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे | कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे |'"
- **40:07** जैसे ही यीशु की मृत्यु हुई, वहा भूकंप आया और मंदिर का बड़ा परदा जो मनुष्यों को परमेश्वर की उपस्तिथि से दूर रखता था ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1964, H1965, H7541, G1493, G2411, G3485

मन्दिर, भवन, परमेश्वर का भवन

तथ्य:

मन्दिर पर कोटे से घिरा हुआ एक भवन था जहां इस्राएली प्रार्थना करने और बलि चढ़ाने आते थे। यह मन्दिर मोरिय्याह पर्वत पर यरूशलेम नगर में था।

- मन्दिर शब्द संपूर्ण मन्दिर क्षेत्र के संदर्भ में काम में लिया जाता था जिसमें प्रमुख भवन का घिरा हुआ प्रांगण भी था। कभी-कभी यह मात्र भवन के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मन्दिर के दो भाग थे, पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान।
- परमेश्वर मन्दिर को अपना निवास स्थान कहता था।
- राजा सुलैमान ने अपने शासनकाल के दौरान मंदिर का निर्माण किया। यह यरूशलेम में पूजा का स्थायी स्थान माना जाता था।
- नये नियम में कहा गया है, "पवित्र-आत्मा का मन्दिर" तो वह विश्वासियों के समूह को संदर्भित करता है क्योंकि पवित्र आत्मा उनमें वास करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मन्दिर में मनुष्यों की उपस्थिति की जब चर्चा की गई है तो इसका अर्थ है कि वे भवन के बाहर प्रांगण में थे। इसका अनुवाद किया जा सकता है, "मन्दिर के आंगनों में" या "मन्दिर के प्रांगण में"।
- जब भवन की चर्चा की जा रही हो तो कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद होगा, "मन्दिर में" या "मन्दिर के भवन में" कि स्पष्ट समझ में आए।
- "मन्दिर" अनुवाद के रूप "परमेश्वर का पवित्र घर" या "पवित्र आराधना स्थल" किया जा सकता है।
- बाइबल में मन्दिर का संदर्भ "यहोवा का भवन" या "परमेश्वर का घर" से है।

(यह भी देखें: बलिदान करना, सुलैमान, बेबीलोन, पवित्र आत्मा, निवासस्थान, आँगन, सिय्योन, घर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- प्रे.का. 03:7-8
- यहेजकेल 45:18-20
- लूका 19:45-46
- नहेमायाह 10:28-29
- भजन संहिता 079:1-3

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- 18:02__यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक __भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया | अब लोग मिलापवाले तम्बू के स्थान पर उस भवन में परमेश्वर की उपासना करते और बलिदान चढ़ाते थे | परमेश्वर भवन में उपस्थित था, और वह अपने लोगों के साथ रहता था |
- **20:07** उन्होंने यरूशलेम को जित लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उनसे छीन कर ले गए |
- **20:13** जब वह लोग वापस यरूशलेम लौटे, उन्होंने मंदिर और साथ ही शहर की आस पास की दीवारों का भी पुनर्निर्माण किया |
- **25:04** तब शैतान यीशु को मंदिर के ऊचे स्थान पर ले गया और उससे कहा, " यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है: 'वह तेरे लिये अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे | कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे |'"
- **40:07** जैसे ही यीशु की मृत्यु हुई, वहा भूकंप आया और मंदिर का बड़ा परदा जो मनुष्यों को परमेश्वर की उपस्तिथि से दूर रखता था ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1964, H1965, H7541, G1493, G2411, G3485

मन्दिर, भवन, परमेश्वर का भवन

तथ्य:

मन्दिर पर कोटे से घिरा हुआ एक भवन था जहां इस्राएली प्रार्थना करने और बलि चढ़ाने आते थे। यह मन्दिर मोरिय्याह पर्वत पर यरूशलेम नगर में था।

- मन्दिर शब्द संपूर्ण मन्दिर क्षेत्र के संदर्भ में काम में लिया जाता था जिसमें प्रमुख भवन का घिरा हुआ प्रांगण भी था। कभी-कभी यह मात्र भवन के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मन्दिर के दो भाग थे, पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान।
- परमेश्वर मन्दिर को अपना निवास स्थान कहता था।
- राजा सुलैमान ने अपने शासनकाल के दौरान मंदिर का निर्माण किया। यह यरूशलेम में पूजा का स्थायी स्थान माना जाता था।
- नये नियम में कहा गया है, "पवित्र-आत्मा का मन्दिर" तो वह विश्वासियों के समूह को संदर्भित करता है क्योंकि पवित्र आत्मा उनमें वास करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मन्दिर में मनुष्यों की उपस्थिति की जब चर्चा की गई है तो इसका अर्थ है कि वे भवन के बाहर प्रांगण में थे। इसका अनुवाद किया जा सकता है, "मन्दिर के आंगनों में" या "मन्दिर के प्रांगण में"।
- जब भवन की चर्चा की जा रही हो तो कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद होगा, "मन्दिर में" या "मन्दिर के भवन में" कि स्पष्ट समझ में आए।
- "मन्दिर" अनुवाद के रूप "परमेश्वर का पवित्र घर" या "पवित्र आराधना स्थल" किया जा सकता है।
- बाइबल में मन्दिर का संदर्भ "यहोवा का भवन" या "परमेश्वर का घर" से है।

(यह भी देखें: बलिदान करना, सुलैमान, बेबीलोन, पवित्र आत्मा, निवासस्थान, आँगन, सिय्योन, घर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- प्रे.का. 03:7-8
- यहेजकेल 45:18-20
- लूका 19:45-46
- नहेमायाह 10:28-29
- भजन संहिता 079:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- 18:02__यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक __भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया | अब लोग मिलापवाले तम्बू के स्थान पर उस भवन में परमेश्वर की उपासना करते और बलिदान चढ़ाते थे | परमेश्वर भवन में उपस्थित था, और वह अपने लोगों के साथ रहता था |
- **20:07** उन्होंने यरूशलेम को जित लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उनसे छीन कर ले गए |
- **20:13** जब वह लोग वापस यरूशलेम लौटे, उन्होंने मंदिर और साथ ही शहर की आस पास की दीवारों का भी पुनर्निर्माण किया |
- **25:04** तब शैतान यीशु को मंदिर के ऊचे स्थान पर ले गया और उससे कहा, " यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है: 'वह तेरे लिये अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे | कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे |'"

- **40:07** जैसे ही यीशु की मृत्यु हुई, वहा भूकंप आया और मंदिर का बड़ा परदा जो मनुष्यों को परमेश्वर की उपस्तिथि से दूर रखता था ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1964, H1965, H7541, G1493, G2411, G3485

मन्दिर, भवन, परमेश्वर का भवन

तथ्य:

मन्दिर पर कोटे से घिरा हुआ एक भवन था जहां इस्राएली प्रार्थना करने और बलि चढ़ाने आते थे। यह मन्दिर मोरिय्याह पर्वत पर यरूशलेम नगर में था।

- मन्दिर शब्द संपूर्ण मन्दिर क्षेत्र के संदर्भ में काम में लिया जाता था जिसमें प्रमुख भवन का घिरा हुआ प्रांगण भी था। कभी-कभी यह मात्र भवन के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मन्दिर के दो भाग थे, पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान।
- परमेश्वर मन्दिर को अपना निवास स्थान कहता था।
- राजा सुलैमान ने अपने शासनकाल के दौरान मंदिर का निर्माण किया। यह यरूशलेम में पूजा का स्थायी स्थान माना जाता था।
- नये नियम में कहा गया है, “पवित्र-आत्मा का मन्दिर” तो वह विश्वासियों के समूह को संदर्भित करता है क्योंकि पवित्र आत्मा उनमें वास करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मन्दिर में मनुष्यों की उपस्थिति की जब चर्चा की गई है तो इसका अर्थ है कि वे भवन के बाहर प्रांगण में थे। इसका अनुवाद किया जा सकता है, “मन्दिर के आंगनों में” या “मन्दिर के प्रांगण में”।
- जब भवन की चर्चा की जा रही हो तो कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद होगा, “मन्दिर में” या “मन्दिर के भवन में” कि स्पष्ट समझ में आए।
- “मन्दिर” अनुवाद के रूप “परमेश्वर का पवित्र घर” या “पवित्र आराधना स्थल” किया जा सकता है।
- बाइबल में मन्दिर का संदर्भ “यहोवा का भवन” या “परमेश्वर का घर” से है।

(यह भी देखें: बलिदान करना, सुलैमान, बेबीलोन, पवित्र आत्मा, निवासस्थान, आँगन, सिय्योन, घर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- प्रे.का. 03:7-8
- यहेजकेल 45:18-20
- लूका 19:45-46
- नहेमायाह 10:28-29
- भजन संहिता 079:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- 18:02__यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक __भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया | अब लोग मिलापवाले तम्बू के स्थान पर उस भवन में परमेश्वर की उपासना करते और बलिदान चढ़ाते थे | परमेश्वर भवन में उपस्थित था, और वह अपने लोगों के साथ रहता था |
- **20:07** उन्होंने यरूशलेम को जित लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उनसे छीन कर ले गए |
- **20:13** जब वह लोग वापस यरूशलेम लौटे, उन्होंने मंदिर और साथ ही शहर की आस पास की दीवारों का भी पुनर्निर्माण किया |
- **25:04** तब शैतान यीशु को मंदिर के ऊचे स्थान पर ले गया और उससे कहा, “ यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है: ‘वह तेरे लिये अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे | कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे |'"
- **40:07** जैसे ही यीशु की मृत्यु हुई, वहा भूकंप आया और मंदिर का बड़ा परदा जो मनुष्यों को परमेश्वर की उपस्तिथि से दूर रखता था ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1964, H1965, H7541, G1493, G2411, G3485

मन्दिर, भवन, परमेश्वर का भवन

तथ्य:

मन्दिर पर कोटे से घिरा हुआ एक भवन था जहां इस्राएली प्रार्थना करने और बलि चढ़ाने आते थे। यह मन्दिर मोरिय्याह पर्वत पर यरूशलेम नगर में था।

- मन्दिर शब्द संपूर्ण मन्दिर क्षेत्र के संदर्भ में काम में लिया जाता था जिसमें प्रमुख भवन का घिरा हुआ प्रांगण भी था। कभी-कभी यह मात्र भवन के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मन्दिर के दो भाग थे, पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान।
- परमेश्वर मन्दिर को अपना निवास स्थान कहता था।
- राजा सुलैमान ने अपने शासनकाल के दौरान मंदिर का निर्माण किया। यह यरूशलेम में पूजा का स्थायी स्थान माना जाता था।
- नये नियम में कहा गया है, “पवित्र-आत्मा का मन्दिर” तो वह विश्वासियों के समूह को संदर्भित करता है क्योंकि पवित्र आत्मा उनमें वास करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मन्दिर में मनुष्यों की उपस्थिति की जब चर्चा की गई है तो इसका अर्थ है कि वे भवन के बाहर प्रांगण में थे। इसका अनुवाद किया जा सकता है, “मन्दिर के आंगनों में” या “मन्दिर के प्रांगण में”।
- जब भवन की चर्चा की जा रही हो तो कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद होगा, “मन्दिर में” या “मन्दिर के भवन में” कि स्पष्ट समझ में आए।
- “मन्दिर” अनुवाद के रूप “परमेश्वर का पवित्र घर” या “पवित्र आराधना स्थल” किया जा सकता है।
- बाइबल में मन्दिर का संदर्भ “यहोवा का भवन” या “परमेश्वर का घर” से है।

(यह भी देखें: बलिदान करना, सुलैमान, बेबीलोन, पवित्र आत्मा, निवासस्थान, आँगन, सिय्योन, घर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- प्रे.का. 03:7-8
- यहेजकेल 45:18-20
- लूका 19:45-46
- नहेमायाह 10:28-29
- भजन संहिता 079:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- 18:02__यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक __भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया | अब लोग मिलापवाले तम्बू के स्थान पर उस भवन में परमेश्वर की उपासना करते और बलिदान चढ़ाते थे | परमेश्वर भवन में उपस्थित था, और वह अपने लोगों के साथ रहता था |
- **20:07** उन्होंने यरूशलेम को जित लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उनसे छीन कर ले गए |
- **20:13** जब वह लोग वापस यरूशलेम लौटे, उन्होंने मंदिर और साथ ही शहर की आस पास की दीवारों का भी पुनर्निर्माण किया |
- **25:04** तब शैतान यीशु को मंदिर के ऊचे स्थान पर ले गया और उससे कहा, “ यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है: ‘वह तेरे लिये अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे | कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे |'"
- **40:07** जैसे ही यीशु की मृत्यु हुई, वहा भूकंप आया और मंदिर का बड़ा परदा जो मनुष्यों को परमेश्वर की उपस्तिथि से दूर रखता था ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1964, H1965, H7541, G1493, G2411, G3485

मन्दिर, भवन, परमेश्वर का भवन

तथ्य:

मन्दिर पर कोटे से घिरा हुआ एक भवन था जहां इस्राएली प्रार्थना करने और बलि चढ़ाने आते थे। यह मन्दिर मोरिय्याह पर्वत पर यरूशलेम नगर में था।

- मन्दिर शब्द संपूर्ण मन्दिर क्षेत्र के संदर्भ में काम में लिया जाता था जिसमें प्रमुख भवन का घिरा हुआ प्रांगण भी था। कभी-कभी यह मात्र भवन के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मन्दिर के दो भाग थे, पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान।
- परमेश्वर मन्दिर को अपना निवास स्थान कहता था।

- राजा सुलैमान ने अपने शासनकाल के दौरान मंदिर का निर्माण किया। यह यरूशलेम में पूजा का स्थायी स्थान माना जाता था।
- नये नियम में कहा गया है, “पवित्र-आत्मा का मन्दिर” तो वह विश्वासियों के समूह को संदर्भित करता है क्योंकि पवित्र आत्मा उनमें वास करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मन्दिर में मनुष्यों की उपस्थिति की जब चर्चा की गई है तो इसका अर्थ है कि वे भवन के बाहर प्रांगण में थे। इसका अनुवाद किया जा सकता है, “मन्दिर के आंगनों में” या “मन्दिर के प्रांगण में”।
- जब भवन की चर्चा की जा रही हो तो कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद होगा, “मन्दिर में” या “मन्दिर के भवन में” कि स्पष्ट समझ में आए।
- “मन्दिर” अनुवाद के रूप “परमेश्वर का पवित्र घर” या “पवित्र आराधना स्थल” किया जा सकता है।
- बाइबल में मन्दिर का संदर्भ “यहोवा का भवन” या “परमेश्वर का घर” से है।

(यह भी देखें: बलिदान करना, सुलैमान, बेबीलोन, पवित्र आत्मा, निवासस्थान, आँगन, सिय्योन, घर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- प्रे.का. 03:7-8
- यहेजकेल 45:18-20
- लूका 19:45-46
- नहेमायाह 10:28-29
- भजन संहिता 079:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- 18:02__यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक __भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया | अब लोग मिलापवाले तम्बू के स्थान पर उस भवन में परमेश्वर की उपासना करते और बलिदान चढ़ाते थे | परमेश्वर भवन में उपस्थित था, और वह अपने लोगों के साथ रहता था |
- **20:07** उन्होंने यरूशलेम को जित लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उनसे छीन कर ले गए |
- **20:13** जब वह लोग वापस यरूशलेम लौटे, उन्होंने मंदिर और साथ ही शहर की आस पास की दीवारों का भी पुनर्निर्माण किया |
- **25:04** तब शैतान यीशु को मंदिर के ऊचे स्थान पर ले गया और उससे कहा, “ यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है: ‘वह तेरे लिये अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे | कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे |'"
- **40:07** जैसे ही यीशु की मृत्यु हुई, वहा भूकंप आया और मंदिर का बड़ा परदा जो मनुष्यों को परमेश्वर की उपस्तिथि से दूर रखता था ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1964, H1965, H7541, G1493, G2411, G3485

मन्दिर, भवन, परमेश्वर का भवन

तथ्य:

मन्दिर पर कोटे से घिरा हुआ एक भवन था जहां इस्राएली प्रार्थना करने और बलि चढ़ाने आते थे। यह मन्दिर मोरिय्याह पर्वत पर यरूशलेम नगर में था।

- मन्दिर शब्द संपूर्ण मन्दिर क्षेत्र के संदर्भ में काम में लिया जाता था जिसमें प्रमुख भवन का घिरा हुआ प्रांगण भी था। कभी-कभी यह मात्र भवन के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मन्दिर के दो भाग थे, पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान।
- परमेश्वर मन्दिर को अपना निवास स्थान कहता था।
- राजा सुलैमान ने अपने शासनकाल के दौरान मंदिर का निर्माण किया। यह यरूशलेम में पूजा का स्थायी स्थान माना जाता था।
- नये नियम में कहा गया है, “पवित्र-आत्मा का मन्दिर” तो वह विश्वासियों के समूह को संदर्भित करता है क्योंकि पवित्र आत्मा उनमें वास करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मन्दिर में मनुष्यों की उपस्थिति की जब चर्चा की गई है तो इसका अर्थ है कि वे भवन के बाहर प्रांगण में थे। इसका अनुवाद किया जा सकता है, “मन्दिर के आंगनों में” या “मन्दिर के प्रांगण में”।
- जब भवन की चर्चा की जा रही हो तो कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद होगा, “मन्दिर में” या “मन्दिर के भवन में” कि स्पष्ट समझ में आए।
- “मन्दिर” अनुवाद के रूप “परमेश्वर का पवित्र घर” या “पवित्र आराधना स्थल” किया जा सकता है।
- बाइबल में मन्दिर का संदर्भ “यहोवा का भवन” या “परमेश्वर का घर” से है।

(यह भी देखें: बलिदान करना, सुलैमान, बेबीलोन, पवित्र आत्मा, निवासस्थान, आँगन, सिय्योन, घर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- प्रे.का. 03:7-8
- यहेजकेल 45:18-20
- लूका 19:45-46
- नहेमायाह 10:28-29
- भजन संहिता 079:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- 18:02__यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक __भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया | अब लोग मिलापवाले तम्बू के स्थान पर उस भवन में परमेश्वर की उपासना करते और बलिदान चढ़ाते थे | परमेश्वर भवन में उपस्थित था, और वह अपने लोगों के साथ रहता था |
- **20:07** उन्होंने यरूशलेम को जित लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उनसे छीन कर ले गए |
- **20:13** जब वह लोग वापस यरूशलेम लौटे, उन्होंने मंदिर और साथ ही शहर की आस पास की दीवारों का भी पुनर्निर्माण किया |
- **25:04** तब शैतान यीशु को मंदिर के ऊचे स्थान पर ले गया और उससे कहा, " यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है: 'वह तेरे लिये अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे | कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे |'"
- **40:07** जैसे ही यीशु की मृत्यु हुई, वहा भूकंप आया और मंदिर का बड़ा परदा जो मनुष्यों को परमेश्वर की उपस्तिथि से दूर रखता था ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1964, H1965, H7541, G1493, G2411, G3485

मन्दिर, भवन, परमेश्वर का भवन

तथ्य:

मन्दिर पर कोटे से घिरा हुआ एक भवन था जहां इस्राएली प्रार्थना करने और बलि चढ़ाने आते थे। यह मन्दिर मोरिय्याह पर्वत पर यरूशलेम नगर में था।

- मन्दिर शब्द संपूर्ण मन्दिर क्षेत्र के संदर्भ में काम में लिया जाता था जिसमें प्रमुख भवन का घिरा हुआ प्रांगण भी था। कभी-कभी यह मात्र भवन के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मन्दिर के दो भाग थे, पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान।
- परमेश्वर मन्दिर को अपना निवास स्थान कहता था।
- राजा सुलैमान ने अपने शासनकाल के दौरान मंदिर का निर्माण किया। यह यरूशलेम में पूजा का स्थायी स्थान माना जाता था।
- नये नियम में कहा गया है, "पवित्र-आत्मा का मन्दिर" तो वह विश्वासियों के समूह को संदर्भित करता है क्योंकि पवित्र आत्मा उनमें वास करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मन्दिर में मनुष्यों की उपस्थिति की जब चर्चा की गई है तो इसका अर्थ है कि वे भवन के बाहर प्रांगण में थे। इसका अनुवाद किया जा सकता है, "मन्दिर के आंगनों में" या "मन्दिर के प्रांगण में"।
- जब भवन की चर्चा की जा रही हो तो कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद होगा, "मन्दिर में" या "मन्दिर के भवन में" कि स्पष्ट समझ में आए।
- "मन्दिर" अनुवाद के रूप "परमेश्वर का पवित्र घर" या "पवित्र आराधना स्थल" किया जा सकता है।
- बाइबल में मन्दिर का संदर्भ "यहोवा का भवन" या "परमेश्वर का घर" से है।

(यह भी देखें: बलिदान करना, सुलैमान, बेबीलोन, पवित्र आत्मा, निवासस्थान, आँगन, सिय्योन, घर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- प्रे.का. 03:7-8
- यहेजकेल 45:18-20
- लूका 19:45-46
- नहेमायाह 10:28-29
- भजन संहिता 079:1-3

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- 18:02__यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक __भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया | अब लोग मिलापवाले तम्बू के स्थान पर उस भवन में परमेश्वर की उपासना करते और बलिदान चढ़ाते थे | परमेश्वर भवन में उपस्थित था, और वह अपने लोगों के साथ रहता था |
- **20:07** उन्होंने यरूशलेम को जित लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उनसे छीन कर ले गए |
- **20:13** जब वह लोग वापस यरूशलेम लौटे, उन्होंने मंदिर और साथ ही शहर की आस पास की दीवारों का भी पुनर्निर्माण किया |
- **25:04** तब शैतान यीशु को मंदिर के ऊचे स्थान पर ले गया और उससे कहा, " यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है: 'वह तेरे लिये अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे | कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे |'"
- **40:07** जैसे ही यीशु की मृत्यु हुई, वहा भूकंप आया और मंदिर का बड़ा परदा जो मनुष्यों को परमेश्वर की उपस्तिथि से दूर रखता था ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1964, H1965, H7541, G1493, G2411, G3485

मन्दिर, भवन, परमेश्वर का भवन

तथ्य:

मन्दिर पर कोटे से घिरा हुआ एक भवन था जहां इस्राएली प्रार्थना करने और बलि चढ़ाने आते थे। यह मन्दिर मोरिय्याह पर्वत पर यरूशलेम नगर में था।

- मन्दिर शब्द संपूर्ण मन्दिर क्षेत्र के संदर्भ में काम में लिया जाता था जिसमें प्रमुख भवन का घिरा हुआ प्रांगण भी था। कभी-कभी यह मात्र भवन के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मन्दिर के दो भाग थे, पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान।
- परमेश्वर मन्दिर को अपना निवास स्थान कहता था।
- राजा सुलैमान ने अपने शासनकाल के दौरान मंदिर का निर्माण किया। यह यरूशलेम में पूजा का स्थायी स्थान माना जाता था।
- नये नियम में कहा गया है, "पवित्र-आत्मा का मन्दिर" तो वह विश्वासियों के समूह को संदर्भित करता है क्योंकि पवित्र आत्मा उनमें वास करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मन्दिर में मनुष्यों की उपस्थिति की जब चर्चा की गई है तो इसका अर्थ है कि वे भवन के बाहर प्रांगण में थे। इसका अनुवाद किया जा सकता है, "मन्दिर के आंगनों में" या "मन्दिर के प्रांगण में"।
- जब भवन की चर्चा की जा रही हो तो कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद होगा, "मन्दिर में" या "मन्दिर के भवन में" कि स्पष्ट समझ में आए।
- "मन्दिर" अनुवाद के रूप "परमेश्वर का पवित्र घर" या "पवित्र आराधना स्थल" किया जा सकता है।
- बाइबल में मन्दिर का संदर्भ "यहोवा का भवन" या "परमेश्वर का घर" से है।

(यह भी देखें: बलिदान करना, सुलैमान, बेबीलोन, पवित्र आत्मा, निवासस्थान, आँगन, सिय्योन, घर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1-3
- प्रे.का. 03:7-8
- यहेजकेल 45:18-20
- लूका 19:45-46
- नहेमायाह 10:28-29
- भजन संहिता 079:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- 18:02__यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक __भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया | अब लोग मिलापवाले तम्बू के स्थान पर उस भवन में परमेश्वर की उपासना करते और बलिदान चढ़ाते थे | परमेश्वर भवन में उपस्थित था, और वह अपने लोगों के साथ रहता था |
- **20:07** उन्होंने यरूशलेम को जित लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उनसे छीन कर ले गए |
- **20:13** जब वह लोग वापस यरूशलेम लौटे, उन्होंने मंदिर और साथ ही शहर की आस पास की दीवारों का भी पुनर्निर्माण किया |
- **25:04** तब शैतान यीशु को मंदिर के ऊचे स्थान पर ले गया और उससे कहा, " यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है: 'वह तेरे लिये अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे | कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे |'"

- **40:07** जैसे ही यीशु की मृत्यु हुई, वहा भूकंप आया और मंदिर का बड़ा परदा जो मनुष्यों को परमेश्वर की उपस्तिथि से दूर रखता था ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1964, H1965, H7541, G1493, G2411, G3485

मन्नत, शपथ खाई

परिभाषा:

मन्नत एक शपथ है जो मनुष्य परमेश्वर के सम्मुख करता है।

- यदि प्राचीन इस्राएल में एक व्यक्ति ने परमेश्वर के लिए मन्नत मानी, तो वह व्यक्ति मन्नत पूरी करने के लिए बाध्य था। प्राचीन इस्राएलियों का मानना था कि परमेश्वर उस व्यक्ति को दंडित कर सकता है जिसने उसके द्वारा मानी गयी मन्नत को पूरा नहीं किया।
- प्राचीन इस्राएल में, कभी-कभी एक व्यक्ति परमेश्वर से उसकी रक्षा करने या मन्नत मांगने के बदले में अपने आप को प्रदान करने के लिए कहता था। हालाँकि, प्राचीन इस्राएलियों को विश्वास नहीं था कि परमेश्वर इन अनुरोधों को पूरा करने के लिए बाध्य है।
- प्रकरण के अनुसार, “मन्नत” का अनुवाद हो सकता है, “पावन प्रतिज्ञा” या “परमेश्वर से की गई प्रतिज्ञा”।

(यह भी देखें: प्रतिज्ञा, शपथ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 07:27-28
- प्रे.का. 21:22-24
- उत्पत्ति 28:20-22
- उत्पत्ति 31:12-13
- योना 01:14-16
- योना 02:9-10
- नीतिवचन 07:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5087, H5088, G2171

मन्ना

परिभाषा:

मन्ना सफेद रंग का एक प्रकार का अन्न था जिसका प्रावधान परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए किया था जब वे मिस्र से पलायन करके 40 वर्ष जंगल में थे।

- मन्ना सफेद रंग का रूई जैसा पदार्थ था जो प्रतिदिन प्रातःकाल के समय ओस में पाया जाता था। इसका स्वाद मीठा होता है, शहद की तरह।
- सब्त की अपेक्षा प्रतिदिन इस्राएली मन्ना बटोरते थे।
- सब्त के एक दिन पहले परमेश्वर के आदेश के अनुसार इस्राएलियों को दोगुणा मन्ना एकत्र करना होता था कि सब्त के दिन उन्हें परिश्रम न करना पड़े।
- “मन्ना” शब्द का अर्थ है, “यह क्या है?”
- बाइबल में मन्ना को “स्वर्ग की रोटी” या “स्वार्गिक अन्न” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “सफेद रूई जैसा पदार्थ” या “स्वार्गिक भोजन”।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: रोटी, जंगल, अन्न, स्वर्ग, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 08:3
- निर्गमन 16:26-27

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- इब्रानियों 09:3-5
- यूहन्ना 06:30-31
- यहोशू 05:12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4478, G3131

मन्ना

परिभाषा:

मन्ना सफेद रंग का एक प्रकार का अन्न था जिसका प्रावधान परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए किया था जब वे मिस्र से पलायन करके 40 वर्ष जंगल में थे।

- मन्ना सफेद रंग का रूई जैसा पदार्थ था जो प्रतिदिन प्रातःकाल के समय ओस में पाया जाता था। इसका स्वाद मीठा होता है, शहद की तरह।
- सब्त की अपेक्षा प्रतिदिन इस्राएली मन्ना बटोरते थे।
- सब्त के एक दिन पहले परमेश्वर के आदेश के अनुसार इस्राएलियों को दोगुणा मन्ना एकत्र करना होता था कि सब्त के दिन उन्हें परिश्रम न करना पड़े।
- "मन्ना" शब्द का अर्थ है, "यह क्या है?"
- बाइबल में मन्ना को "स्वर्ग की रोटी" या "स्वार्गिक अन्न" कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "सफेद रूई जैसा पदार्थ" या "स्वार्गिक भोजन"।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: रोटी, जंगल, अन्न, स्वर्ग, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 08:3
- निर्गमन 16:26-27
- इब्रानियों 09:3-5
- यूहन्ना 06:30-31
- यहोशू 05:12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4478, G3131

मन्ना

परिभाषा:

मन्ना सफेद रंग का एक प्रकार का अन्न था जिसका प्रावधान परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए किया था जब वे मिस्र से पलायन करके 40 वर्ष जंगल में थे।

- मन्ना सफेद रंग का रूई जैसा पदार्थ था जो प्रतिदिन प्रातःकाल के समय ओस में पाया जाता था। इसका स्वाद मीठा होता है, शहद की तरह।
- सब्त की अपेक्षा प्रतिदिन इस्राएली मन्ना बटोरते थे।
- सब्त के एक दिन पहले परमेश्वर के आदेश के अनुसार इस्राएलियों को दोगुणा मन्ना एकत्र करना होता था कि सब्त के दिन उन्हें परिश्रम न करना पड़े।
- "मन्ना" शब्द का अर्थ है, "यह क्या है?"
- बाइबल में मन्ना को "स्वर्ग की रोटी" या "स्वार्गिक अन्न" कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "सफेद रूई जैसा पदार्थ" या "स्वार्गिक भोजन"।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: रोटी, जंगल, अन्न, स्वर्ग, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 08:3
- निर्गमन 16:26-27
- इब्रानियों 09:3-5
- यूहन्ना 06:30-31
- यहोशू 05:12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4478, G3131

मर जाए, मर गया, मरे हुओं, प्राणनाशक, मृत्यु,

परिभाषा:

यह शब्द शारीरिक और आत्मिक मृत्यु दोनों के लिए काम में लिया गया है। शारीरिक रूप में जब देह का जीना समाप्त हो जाता है आत्मिक रूप में जब पापी मनुष्य पाप के कारण पवित्र परमेश्वर से अलग हो जाते हैं।

1. शारीरिक मृत्यु

- “मरने” का अर्थ जीवन समाप्त होना। मृत्यु शारीरिक जीवन का अंत है।
- “मार डाला जाए” अभिव्यक्ति से किसी को मारने या हत्या करने का उल्लेख करता है, खासकर जब कोई राजा या अन्य शासक किसी को मारने के लिए आदेश देता है।

2. आत्मिक मृत्यु

- आत्मिक मृत्यु में जब मनुष्य पाप के कारण परमेश्वर से अलग हो जाते हैं।
- आदम की आत्मिक मृत्यु तब हुई जब उसने परमेश्वर की अवज्ञा की। उसका परमेश्वर से सम्बन्ध टूट गया था। वह लज्जित हो गया और परमेश्वर से छिपने की कोशिश की।
- आदम की पूरी वंशज पापी है, और आत्मिक रूप से मृत है। यीशु मसीह पर विश्वास के द्वारा परमेश्वर ने हमे आत्मिक रूप से पुन:जीवित किया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में मृत्यु के लिए प्रचलित शब्द या अभिव्यक्ति द्वारा ही किया जाए।
- कुछ भाषाओं में “मरने” को “जीवित नहीं रहना” व्यक्त किया जाता है। “मृतक” शब्द का अनुवाद “निर्जीव” या “जीवनरहित” या “जीवत न रहना” किया जा सकता है।
- अनेक भाषाओं में मृत्यु को प्रतीकात्मक शब्दों द्वारा व्यक्त किया जाता है जैसे “गुजर गया”। तथापि बाइबल में मृत्यु के लिए प्रचलित शब्द का सीधा उपयोग ही उचित है।
- बाइबल में दैहिक मृत्यु एवं जीवन की तुलना प्राय: आत्मिक जीवन एवं मृत्यु से की गई है। अनुवाद में दैहिक मृत्यु एवं आत्मिक मृत्यु दोनों के लिए एक ही शब्द काम में लेना महत्वपूर्ण है।
- कुछ भाषाओं में “आत्मिक मृत्यु” कहना अधिक स्पष्ट होता है जब प्रकरण में उस अर्थ की आवश्यकता हो। कुछ अनुवादकों के लिए “दैहिक मृत्यु” शब्द का उपयोग सर्वोचित होता है जब इसकी तुलना आत्मिक मृत्यु से होती है।
- “मृतक” शब्द एक विशेषता है जो मृतकों के संदर्भ में काम में लिया जाता है। कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद “मृतक मनुष्यों” या “जो मनुष्य मर गए हैं” किया गया है। (देखें: नाममात्र विशेषण
- “मार डाला जाए” का अनुवाद "मरने" या "हत्या" या "प्राण दण्ड देना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास, जीवन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:20-21
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- प्रे.का. 10:42-43

- प्रे.का. 14:19-20
- कुलुस्सियों 02:13-15
- कुलुस्सियों 02:20-23
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 34:27-29
- मत्ती 16:27-28
- रोमियो 05:10-11
- रोमियो 05:12-13
- रोमियो 06:10-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:11** परमेश्वर ने आदम से कहा कि वह अच्छे और बुरे के ज्ञान के पेड़ के फल को छोड़ वाटिका के किसी भी पेड़ से खा सकता है। अगर वह इस पेड़ के फल को खाए, तो वह मर जाएगा।
- **02:11** “फिर तुम मर जाओगे, और तुम्हारा शरीर वापस मिट्टी में मिल जाएगा।”
- **07:10** इसहाक की मृत्यु हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी।
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा।”
- **40:08** अपनी __ मृत्यु__ के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया,
- **48:02** क्योंकि आदम और हव्वा ने पाप किया, इसलिये पृथ्वी पर लोग बीमारी से पीड़ित हुए व मृत्यु हुई।
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दु:ख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H6, H1478, H1826, H1934, H2491, H4191, H4192, H4193, H4194, H4463, H5038, H5315, H6297, H6757, H7496, H7523, H8045, H8546, H8552, G336, G337, G520, G599, G615, G622, G1634, G1935, G2079, G2253, G2286, G2287, G2288, G2289, G2348, G2837, G2966, G3498, G3499, G3500, G4430, G4880, G4881, G5053, G5054

मर जाए, मर गया, मरे हुओं, प्राणनाशक, मृत्यु,

परिभाषा:

यह शब्द शारीरिक और आत्मिक मृत्यु दोनों के लिए काम में लिया गया है। शारीरिक रूप में जब देह का जीना समाप्त हो जाता है आत्मिक रूप में जब पापी मनुष्य पाप के कारण पवित्र परमेश्वर से अलग हो जाते हैं।

1. शारीरिक मृत्यु

- “मरने” का अर्थ जीवन समाप्त होना। मृत्यु शारीरिक जीवन का अंत है।
- “मार डाला जाए” अभिव्यक्ति से किसी को मारने या हत्या करने का उल्लेख करता है, खासकर जब कोई राजा या अन्य शासक किसी को मारने के लिए आदेश देता है।

2. आत्मिक मृत्यु

- आत्मिक मृत्यु में जब मनुष्य पाप के कारण परमेश्वर से अलग हो जाते हैं।
- आदम की आत्मिक मृत्यु तब हुई जब उसने परमेश्वर की अवज्ञा की। उसका परमेश्वर से सम्बन्ध टूट गया था। वह लज्जित हो गया और परमेश्वर से छिपने की कोशिश की।
- आदम की पूरी वंशज पापी है, और आत्मिक रूप से मृत है। यीशु मसीह पर विश्वास के द्वारा परमेश्वर ने हमे आत्मिक रूप से पुन:जीवित किया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में मृत्यु के लिए प्रचलित शब्द या अभिव्यक्ति द्वारा ही किया जाए।
- कुछ भाषाओं में “मरने” को “जीवित नहीं रहना” व्यक्त किया जाता है। “मृतक” शब्द का अनुवाद “निर्जीव” या “जीवनरहित” या “जीवत न रहना” किया जा सकता है।
- अनेक भाषाओं में मृत्यु को प्रतीकात्मक शब्दों द्वारा व्यक्त किया जाता है जैसे “गुजर गया”। तथापि बाइबल में मृत्यु के लिए प्रचलित शब्द का सीधा उपयोग ही उचित है।

- बाइबल में दैहिक मृत्यु एवं जीवन की तुलना प्रायः आत्मिक जीवन एवं मृत्यु से की गई है। अनुवाद में दैहिक मृत्यु एवं आत्मिक मृत्यु दोनों के लिए एक ही शब्द काम में लेना महत्वपूर्ण है।
- कुछ भाषाओं में “आत्मिक मृत्यु” कहना अधिक स्पष्ट होता है जब प्रकरण में उस अर्थ की आवश्यकता हो। कुछ अनुवादकों के लिए “दैहिक मृत्यु” शब्द का उपयोग सर्वोचित होता है जब इसकी तुलना आत्मिक मृत्यु से होती है।
- “मृतक” शब्द एक विशेषता है जो मृतकों के संदर्भ में काम में लिया जाता है। कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद “मृतक मनुष्यों” या “जो मनुष्य मर गए हैं” किया गया है। (देखें: नाममात्र विशेषण
- “मार डाला जाए” का अनुवाद "मरने" या "हत्या" या "प्राण दण्ड देना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास, जीवन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:20-21
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- प्रे.का. 10:42-43
- प्रे.का. 14:19-20
- कुलुस्सियों 02:13-15
- कुलुस्सियों 02:20-23
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 34:27-29
- मत्ती 16:27-28
- रोमियो 05:10-11
- रोमियो 05:12-13
- रोमियो 06:10-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:11** परमेश्वर ने आदम से कहा कि वह अच्छे और बुरे के ज्ञान के पेड़ के फल को छोड़ वाटिका के किसी भी पेड़ से खा सकता है। अगर वह इस पेड़ के फल को खाए, तो वह मर जाएगा।
- **02:11** “फिर तुम मर जाओगे, और तुम्हारा शरीर वापस मिट्टी में मिल जाएगा।”
- **07:10** इसहाक की मृत्यु हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी।
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा।”
- **40:08** अपनी __ मृत्यु__ के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया,
- **48:02** क्योंकि आदम और हव्वा ने पाप किया, इसलिये पृथ्वी पर लोग बीमारी से पीड़ित हुए व मृत्यु हुई।
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H6, H1478, H1826, H1934, H2491, H4191, H4192, H4193, H4194, H4463, H5038, H5315, H6297, H6757, H7496, H7523, H8045, H8546, H8552, G336, G337, G520, G599, G615, G622, G1634, G1935, G2079, G2253, G2286, G2287, G2288, G2289, G2348, G2837, G2966, G3498, G3499, G3500, G4430, G4880, G4881, G5053, G5054

मर जाए, मर गया, मरे हुओं, प्राणनाशक, मृत्यु,

परिभाषा:

यह शब्द शारीरिक और आत्मिक मृत्यु दोनों के लिए काम में लिया गया है। शारीरिक रूप में जब देह का जीना समाप्त हो जाता है आत्मिक रूप में जब पापी मनुष्य पाप के कारण पवित्र परमेश्वर से अलग हो जाते हैं।

1. शारीरिक मृत्यु

- “मरने” का अर्थ जीवन समाप्त होना। मृत्यु शारीरिक जीवन का अंत है।
- “मार डाला जाए” अभिव्यक्ति से किसी को मारने या हत्या करने का उल्लेख करता है, खासकर जब कोई राजा या अन्य शासक किसी को मारने के लिए आदेश देता है।

2. आत्मिक मृत्यु

- आत्मिक मृत्यु में जब मनुष्य पाप के कारण परमेश्वर से अलग हो जाते हैं।
- आदम की आत्मिक मृत्यु तब हुई जब उसने परमेश्वर की अवज्ञा की। उसका परमेश्वर से सम्बन्ध टूट गया था। वह लज्जित हो गया और परमेश्वर से छिपने की कोशिश की।
- आदम की पूरी वंशज पापी है, और आत्मिक रूप से मृत है। यीशु मसीह पर विश्वास के द्वारा परमेश्वर ने हमे आत्मिक रूप से पुन:जीवित किया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में मृत्यु के लिए प्रचलित शब्द या अभिव्यक्ति द्वारा ही किया जाए।
- कुछ भाषाओं में “मरने” को “जीवित नहीं रहना” व्यक्त किया जाता है। “मृतक” शब्द का अनुवाद “निर्जीव” या “जीवनरहित” या “जीवत न रहना” किया जा सकता है।
- अनेक भाषाओं में मृत्यु को प्रतीकात्मक शब्दों द्वारा व्यक्त किया जाता है जैसे “गुजर गया”। तथापि बाइबल में मृत्यु के लिए प्रचलित शब्द का सीधा उपयोग ही उचित है।
- बाइबल में दैहिक मृत्यु एवं जीवन की तुलना प्राय: आत्मिक जीवन एवं मृत्यु से की गई है। अनुवाद में दैहिक मृत्यु एवं आत्मिक मृत्यु दोनों के लिए एक ही शब्द काम में लेना महत्वपूर्ण है।
- कुछ भाषाओं में “आत्मिक मृत्यु” कहना अधिक स्पष्ट होता है जब प्रकरण में उस अर्थ की आवश्यकता हो। कुछ अनुवादकों के लिए “दैहिक मृत्यु” शब्द का उपयोग सर्वोचित होता है जब इसकी तुलना आत्मिक मृत्यु से होती है।
- “मृतक” शब्द एक विशेषता है जो मृतकों के संदर्भ में काम में लिया जाता है। कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद “मृतक मनुष्यों” या “जो मनुष्य मर गए हैं” किया गया है। (देखें: नाममात्र विशेषण
- “मार डाला जाए” का अनुवाद "मरने" या "हत्या" या "प्राण दण्ड देना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास, जीवन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:20-21
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- प्रे.का. 10:42-43
- प्रे.का. 14:19-20
- कुलुस्सियों 02:13-15
- कुलुस्सियों 02:20-23
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 34:27-29
- मत्ती 16:27-28
- रोमियो 05:10-11
- रोमियो 05:12-13
- रोमियो 06:10-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:11** परमेश्वर ने आदम से कहा कि वह अच्छे और बुरे के ज्ञान के पेड़ के फल को छोड़ वाटिका के किसी भी पेड़ से खा सकता है। अगर वह इस पेड़ के फल को खाए, तो वह मर जाएगा।
- **02:11** “फिर तुम मर जाओगे, और तुम्हारा शरीर वापस मिट्टी में मिल जाएगा।”
- **07:10** इसहाक की मृत्यु हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी।
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा।”
- **40:08** अपनी __ मृत्यु__ के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया,
- **48:02** क्योंकि आदम और हव्वा ने पाप किया, इसलिये पृथ्वी पर लोग बीमारी से पीड़ित हुए व मृत्यु हुई।
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दु:ख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6, H1478, H1826, H1934, H2491, H4191, H4192, H4193, H4194, H4463, H5038, H5315, H6297, H6757, H7496, H7523, H8045, H8546, H8552, G336, G337, G520, G599, G615, G622, G1634, G1935, G2079, G2253, G2286, G2287, G2288, G2289, G2348, G2837, G2966, G3498, G3499, G3500, G4430, G4880, G4881, G5053, G5054

मर जाए, मर गया, मरे हुओं, प्राणनाशक, मृत्यु,

परिभाषा:

यह शब्द शारीरिक और आत्मिक मृत्यु दोनों के लिए काम में लिया गया है। शारीरिक रूप में जब देह का जीना समाप्त हो जाता है आत्मिक रूप में जब पापी मनुष्य पाप के कारण पवित्र परमेश्वर से अलग हो जाते हैं।

1. शारीरिक मृत्यु

- "मरने" का अर्थ जीवन समाप्त होना। मृत्यु शारीरिक जीवन का अंत है।
- "मार डाला जाए" अभिव्यक्ति से किसी को मारने या हत्या करने का उल्लेख करता है, खासकर जब कोई राजा या अन्य शासक किसी को मारने के लिए आदेश देता है।

2. आत्मिक मृत्यु

- आत्मिक मृत्यु में जब मनुष्य पाप के कारण परमेश्वर से अलग हो जाते हैं।
- आदम की आत्मिक मृत्यु तब हुई जब उसने परमेश्वर की अवज्ञा की। उसका परमेश्वर से सम्बन्ध टूट गया था। वह लज्जित हो गया और परमेश्वर से छिपने की कोशिश की।
- आदम की पूरी वंशज पापी है, और आत्मिक रूप से मृत है। यीशु मसीह पर विश्वास के द्वारा परमेश्वर ने हमे आत्मिक रूप से पुन:जीवित किया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में मृत्यु के लिए प्रचलित शब्द या अभिव्यक्ति द्वारा ही किया जाए।
- कुछ भाषाओं में "मरने" को "जीवित नहीं रहना" व्यक्त किया जाता है। "मृतक" शब्द का अनुवाद "निर्जीव" या "जीवनरहित" या "जीवत न रहना" किया जा सकता है।
- अनेक भाषाओं में मृत्यु को प्रतीकात्मक शब्दों द्वारा व्यक्त किया जाता है जैसे "गुजर गया"। तथापि बाइबल में मृत्यु के लिए प्रचलित शब्द का सीधा उपयोग ही उचित है।
- बाइबल में दैहिक मृत्यु एवं जीवन की तुलना प्राय: आत्मिक जीवन एवं मृत्यु से की गई है। अनुवाद में दैहिक मृत्यु एवं आत्मिक मृत्यु दोनों के लिए एक ही शब्द काम में लेना महत्वपूर्ण है।
- कुछ भाषाओं में "आत्मिक मृत्यु" कहना अधिक स्पष्ट होता है जब प्रकरण में उस अर्थ की आवश्यकता हो। कुछ अनुवादकों के लिए "दैहिक मृत्यु" शब्द का उपयोग सर्वोचित होता है जब इसकी तुलना आत्मिक मृत्यु से होती है।
- "मृतक" शब्द एक विशेषता है जो मृतकों के संदर्भ में काम में लिया जाता है। कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद "मृतक मनुष्यों" या "जो मनुष्य मर गए हैं" किया गया है। (देखें: नाममात्र विशेषण
- "मार डाला जाए" का अनुवाद "मरने" या "हत्या" या "प्राण दण्ड देना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास, जीवन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:20-21
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- प्रे.का. 10:42-43
- प्रे.का. 14:19-20
- कुलुस्सियों 02:13-15
- कुलुस्सियों 02:20-23
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 34:27-29

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 16:27-28
- रोमियो 05:10-11
- रोमियो 05:12-13
- रोमियो 06:10-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:11** परमेश्वर ने आदम से कहा कि वह अच्छे और बुरे के ज्ञान के पेड़ के फल को छोड़ वाटिका के किसी भी पेड़ से खा सकता है। अगर वह इस पेड़ के फल को खाए, तो वह मर जाएगा।
- **02:11** “फिर तुम मर जाओगे, और तुम्हारा शरीर वापस मिट्टी में मिल जाएगा।”
- **07:10** इसहाक की मृत्यु हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी।
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा।”
- **40:08** अपनी __ मृत्यु__ के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया,
- **48:02** क्योंकि आदम और हव्वा ने पाप किया, इसलिये पृथ्वी पर लोग बीमारी से पीड़ित हुए व मृत्यु हुई।
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H6, H1478, H1826, H1934, H2491, H4191, H4192, H4193, H4194, H4463, H5038, H5315, H6297, H6757, H7496, H7523, H8045, H8546, H8552, G336, G337, G520, G599, G615, G622, G1634, G1935, G2079, G2253, G2286, G2287, G2288, G2289, G2348, G2837, G2966, G3498, G3499, G3500, G4430, G4880, G4881, G5053, G5054

मर जाए, मर गया, मरे हुओं, प्राणनाशक, मृत्यु,

परिभाषा:

यह शब्द शारीरिक और आत्मिक मृत्यु दोनों के लिए काम में लिया गया है। शारीरिक रूप में जब देह का जीना समाप्त हो जाता है आत्मिक रूप में जब पापी मनुष्य पाप के कारण पवित्र परमेश्वर से अलग हो जाते हैं।

1. शारीरिक मृत्यु

- “मरने” का अर्थ जीवन समाप्त होना। मृत्यु शारीरिक जीवन का अंत है।
- “मार डाला जाए” अभिव्यक्ति से किसी को मारने या हत्या करने का उल्लेख करता है, खासकर जब कोई राजा या अन्य शासक किसी को मारने के लिए आदेश देता है।

2. आत्मिक मृत्यु

- आत्मिक मृत्यु में जब मनुष्य पाप के कारण परमेश्वर से अलग हो जाते हैं।
- आदम की आत्मिक मृत्यु तब हुई जब उसने परमेश्वर की अवज्ञा की। उसका परमेश्वर से सम्बन्ध टूट गया था। वह लज्जित हो गया और परमेश्वर से छिपने की कोशिश की।
- आदम की पूरी वंशज पापी है, और आत्मिक रूप से मृत है। यीशु मसीह पर विश्वास के द्वारा परमेश्वर ने हमे आत्मिक रूप से पुन:जीवित किया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में मृत्यु के लिए प्रचलित शब्द या अभिव्यक्ति द्वारा ही किया जाए।
- कुछ भाषाओं में “मरने” को “जीवित नहीं रहना” व्यक्त किया जाता है। “मृतक” शब्द का अनुवाद “निर्जीव” या “जीवनरहित” या “जीवत न रहना” किया जा सकता है।
- अनेक भाषाओं में मृत्यु को प्रतीकात्मक शब्दों द्वारा व्यक्त किया जाता है जैसे “गुजर गया”। तथापि बाइबल में मृत्यु के लिए प्रचलित शब्द का सीधा उपयोग ही उचित है।
- बाइबल में दैहिक मृत्यु एवं जीवन की तुलना प्राय: आत्मिक जीवन एवं मृत्यु से की गई है। अनुवाद में दैहिक मृत्यु एवं आत्मिक मृत्यु दोनों के लिए एक ही शब्द काम में लेना महत्वपूर्ण है।

- कुछ भाषाओं में “आत्मिक मृत्यु” कहना अधिक स्पष्ट होता है जब प्रकरण में उस अर्थ की आवश्यकता हो। कुछ अनुवादकों के लिए “दैहिक मृत्यु” शब्द का उपयोग सर्वोचित होता है जब इसकी तुलना आत्मिक मृत्यु से होती है।
- “मृतक” शब्द एक विशेषता है जो मृतकों के संदर्भ में काम में लिया जाता है। कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद “मृतक मनुष्यों” या “जो मनुष्य मर गए हैं” किया गया है। (देखें: नाममात्र विशेषण
- “मार डाला जाए” का अनुवाद "मरने" या "हत्या" या "प्राण दण्ड देना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास, जीवन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:20-21
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- प्रे.का. 10:42-43
- प्रे.का. 14:19-20
- कुलुस्सियों 02:13-15
- कुलुस्सियों 02:20-23
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 34:27-29
- मत्ती 16:27-28
- रोमियो 05:10-11
- रोमियो 05:12-13
- रोमियो 06:10-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:11** परमेश्वर ने आदम से कहा कि वह अच्छे और बुरे के ज्ञान के पेड़ के फल को छोड़ वाटिका के किसी भी पेड़ से खा सकता है। अगर वह इस पेड़ के फल को खाए, तो वह मर जाएगा।
- **02:11** “फिर तुम मर जाओगे, और तुम्हारा शरीर वापस मिट्टी में मिल जाएगा।”
- **07:10** इसहाक की मृत्यु हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी।
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा।”
- **40:08** अपनी __ मृत्यु__ के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया,
- **48:02** क्योंकि आदम और हव्वा ने पाप किया, इसलिये पृथ्वी पर लोग बीमारी से पीड़ित हुए व मृत्यु हुई।
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दु:ख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H6, H1478, H1826, H1934, H2491, H4191, H4192, H4193, H4194, H4463, H5038, H5315, H6297, H6757, H7496, H7523, H8045, H8546, H8552, G336, G337, G520, G599, G615, G622, G1634, G1935, G2079, G2253, G2286, G2287, G2288, G2289, G2348, G2837, G2966, G3498, G3499, G3500, G4430, G4880, G4881, G5053, G5054

मर जाए, मर गया, मरे हुओं, प्राणनाशक, मृत्यु,

परिभाषा:

यह शब्द शारीरिक और आत्मिक मृत्यु दोनों के लिए काम में लिया गया है। शारीरिक रूप में जब देह का जीना समाप्त हो जाता है आत्मिक रूप में जब पापी मनुष्य पाप के कारण पवित्र परमेश्वर से अलग हो जाते हैं।

1. शारीरिक मृत्यु

- “मरने” का अर्थ जीवन समाप्त होना। मृत्यु शारीरिक जीवन का अंत है।
- “मार डाला जाए” अभिव्यक्ति से किसी को मारने या हत्या करने का उल्लेख करता है, खासकर जब कोई राजा या अन्य शासक किसी को मारने के लिए आदेश देता है।

2. आत्मिक मृत्यु

- आत्मिक मृत्यु में जब मनुष्य पाप के कारण परमेश्वर से अलग हो जाते हैं।
- आदम की आत्मिक मृत्यु तब हुई जब उसने परमेश्वर की अवज्ञा की। उसका परमेश्वर से सम्बन्ध टूट गया था। वह लज्जित हो गया और परमेश्वर से छिपने की कोशिश की।
- आदम की पूरी वंशज पापी है, और आत्मिक रूप से मृत है। यीशु मसीह पर विश्वास के द्वारा परमेश्वर ने हमे आत्मिक रूप से पुन:जीवित किया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में मृत्यु के लिए प्रचलित शब्द या अभिव्यक्ति द्वारा ही किया जाए।
- कुछ भाषाओं में “मरने” को “जीवित नहीं रहना” व्यक्त किया जाता है। “मृतक” शब्द का अनुवाद “निर्जीव” या “जीवनरहित” या “जीवत न रहना” किया जा सकता है।
- अनेक भाषाओं में मृत्यु को प्रतीकात्मक शब्दों द्वारा व्यक्त किया जाता है जैसे “गुजर गया”। तथापि बाइबल में मृत्यु के लिए प्रचलित शब्द का सीधा उपयोग ही उचित है।
- बाइबल में दैहिक मृत्यु एवं जीवन की तुलना प्राय: आत्मिक जीवन एवं मृत्यु से की गई है। अनुवाद में दैहिक मृत्यु एवं आत्मिक मृत्यु दोनों के लिए एक ही शब्द काम में लेना महत्वपूर्ण है।
- कुछ भाषाओं में “आत्मिक मृत्यु” कहना अधिक स्पष्ट होता है जब प्रकरण में उस अर्थ की आवश्यकता हो। कुछ अनुवादकों के लिए “दैहिक मृत्यु” शब्द का उपयोग सर्वोचित होता है जब इसकी तुलना आत्मिक मृत्यु से होती है।
- “मृतक” शब्द एक विशेषता है जो मृतकों के संदर्भ में काम में लिया जाता है। कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद “मृतक मनुष्यों” या “जो मनुष्य मर गए हैं” किया गया है। (देखें: नाममात्र विशेषण
- “मार डाला जाए” का अनुवाद "मरने" या "हत्या" या "प्राण दण्ड देना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास, जीवन, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:20-21
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- प्रे.का. 10:42-43
- प्रे.का. 14:19-20
- कुलुस्सियों 02:13-15
- कुलुस्सियों 02:20-23
- उत्पत्ति 02:15-17
- उत्पत्ति 34:27-29
- मत्ती 16:27-28
- रोमियो 05:10-11
- रोमियो 05:12-13
- रोमियो 06:10-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:11** परमेश्वर ने आदम से कहा कि वह अच्छे और बुरे के ज्ञान के पेड़ के फल को छोड़ वाटिका के किसी भी पेड़ से खा सकता है। अगर वह इस पेड़ के फल को खाए, तो वह मर जाएगा।
- **02:11** “फिर तुम मर जाओगे, और तुम्हारा शरीर वापस मिट्टी में मिल जाएगा।”
- **07:10** इसहाक की मृत्यु हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी।
- **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा।”
- **40:08** अपनी __ मृत्यु__ के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया,
- **48:02** क्योंकि आदम और हव्वा ने पाप किया, इसलिये पृथ्वी पर लोग बीमारी से पीड़ित हुए व मृत्यु हुई।
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दु:ख, रोने, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6, H1478, H1826, H1934, H2491, H4191, H4192, H4193, H4194, H4463, H5038, H5315, H6297, H6757, H7496, H7523, H8045, H8546, H8552, G336, G337, G520, G599, G615, G622, G1634, G1935, G2079, G2253, G2286, G2287, G2288, G2289, G2348, G2837, G2966, G3498, G3499, G3500, G4430, G4880, G4881, G5053, G5054

मरियम, यीशु की माता

तथ्य:

मरियम एक युवती थी जो नासरत में रहती थी। उसकी मंगनी यूसुफ से हुई थी। परमेश्वर ने मरियम को चुना कि वह परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीहा की माता बने, हमारे मसीह की।

- पवित्र आत्मा ने अलौकिक कार्य से मरियम को गर्भवती किया जब कि वह कुँवारी थी।
- स्वर्गदूत ने मरियम से कहा था कि उसका पुत्र परमेश्वर का पुत्र है और उसका नाम यीशु रखा जाए।
- मरियम परमेश्वर से प्रेम करती थी और उसके इस अनुग्रह के लिए उसने परमेश्वर को धन्यवाद दिया।
- यूसुफ ने मरियम से विवाह किया परन्तु वह यीशु के जन्म तक कुँवारी ही थी।
- मरियम ने चरवाहों और ज्योतिषियों द्वारा शिशु यीशु के लिए कहे गए वचनों को मन में बसा लिया था।
- यूसुफ और मरियम यीशु को समर्पित करने के लिए मन्दिर में ले गए। * वे यीशु को हेरोदेस के हाथों हत्या से बचाने के लिए मिस्र ले गए थे। अन्त में वे नासरत लौट आए।
- जब यीशु वयस्क हो गया तब उसने काना में एक विवाह उत्सव के समय पानी से मदिरा बनाई, मरियम भी वहां थी।
- सुसमाचार वृत्तान्तों में लिखा है कि यीशु के क्रूसीकरण के समय मरियम भी वहां थी। यीशु ने अपने शिष्य यूहन्ना को आदेश दिया कि वह मरियम को अपनी माता के जैसा संभाले।

(यह भी देखें: काना, मिस्र, हेरोदेस महान, यीशु, यूसुफ (नया नियम), परमेश्वर का पुत्र, कुँवारी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:12
- लूका 01:26-29
- लूका 01:34-35
- मरकुस 06:1-3
- मत्ती 01:15-17
- मत्ती 01:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** जब इलीशिबा छ: माह गर्भवती थी, वहीं स्वर्गदूत इलीशिबा की कुटुम्बी मरियम के पास गया | वह एक कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ नामक पुरुष के साथ हुई थी | स्वर्गदूत ने उससे कहा, "तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा |" "तू उसका नाम यीशु रखना | वह महान होगा और परम प्रधान का पुत्र कहलाएगा और हमेशा के लिए राज्य करेगा |"
- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, "पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |" जो कुछ स्वर्गदूत ने मरियम से कहा, उसने उस पर विश्वास किया |
- **22:06** स्वर्गदूत ने मरियम से बात की, उसके कुछ समय बाद वह इलीशिबा से भेंट करने को गई | ज्योंही इलीशिबा ने मरियम का नमस्कार सुना, त्योंही बच्चा उसके पेट में उछला |
- **23:02** स्वर्गदूत ने उससे कहा, "हे यूसुफ ! तू अपनी पत्नी मरियम को यहाँ ले आने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है |
- **23:04** अत: यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया |
- **49:01** एक दूत ने मरियम नाम की एक कुंवारी से कहा कि वह परमेश्वर के पुत्र को जन्म देगी | अत: जबकि वह एक कुँवारी ही थी, तो उसने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम यीशु रखा |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3137

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मरियम, यीशु की माता

तथ्य:

मरियम एक युवती थी जो नासरत में रहती थी। उसकी मंगनी यूसुफ से हुई थी। परमेश्वर ने मरियम को चुना कि वह परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीहा की माता बने, हमारे मसीह की।

- पवित्र आत्मा ने अलौकिक कार्य से मरियम को गर्भवती किया जब कि वह कुँवारी थी।
- स्वर्गदूत ने मरियम से कहा था कि उसका पुत्र परमेश्वर का पुत्र है और उसका नाम यीशु रखा जाए।
- मरियम परमेश्वर से प्रेम करती थी और उसके इस अनुग्रह के लिए उसने परमेश्वर को धन्यवाद दिया।
- यूसुफ ने मरियम से विवाह किया परन्तु वह यीशु के जन्म तक कुँवारी ही थी।
- मरियम ने चरवाहों और ज्योतिषियों द्वारा शिशु यीशु के लिए कहे गए वचनों को मन में बसा लिया था।
- यूसुफ और मरियम यीशु को समर्पित करने के लिए मन्दिर में ले गए। * वे यीशु को हेरोदेस के हाथों हत्या से बचाने के लिए मिस्र ले गए थे। अन्त में वे नासरत लौट आए।
- जब यीशु वयस्क हो गया तब उसने काना में एक विवाह उत्सव के समय पानी से मदिरा बनाई, मरियम भी वहां थी।
- सुसमाचार वृत्तान्तों में लिखा है कि यीशु के क्रूसीकरण के समय मरियम भी वहां थी। यीशु ने अपने शिष्य यूहन्ना को आदेश दिया कि वह मरियम को अपनी माता के जैसा संभाले।

(यह भी देखें: काना, मिस्र, हेरोदेस महान, यीशु, यूसुफ (नया नियम), परमेश्वर का पुत्र, कुँवारी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:12
- लूका 01:26-29
- लूका 01:34-35
- मरकुस 06:1-3
- मत्ती 01:15-17
- मत्ती 01:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** जब इलीशिबा छ: माह गर्भवती थी, वहीं स्वर्गदूत इलीशिबा की कुटुम्बी मरियम के पास गया | वह एक कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ नामक पुरुष के साथ हुई थी | स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा |” “तू उसका नाम यीशु रखना | वह महान होगा और परम प्रधान का पुत्र कहलाएगा और हमेशा के लिए राज्य करेगा |”
- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |” जो कुछ स्वर्गदूत ने मरियम से कहा, उसने उस पर विश्वास किया |
- **22:06** स्वर्गदूत ने मरियम से बात की, उसके कुछ समय बाद वह इलीशिबा से भेंट करने को गई | ज्योंही इलीशिबा ने मरियम का नमस्कार सुना, त्योंही बच्चा उसके पेट में उछला |
- **23:02** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “हे यूसुफ ! तू अपनी पत्नी मरियम को यहाँ ले आने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है |
- **23:04** अत: यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया |
- **49:01** एक दूत ने मरियम नाम की एक कुंवारी से कहा कि वह परमेश्वर के पुत्र को जन्म देगी | अतः जबकि वह एक कुँवारी ही थी, तो उसने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम यीशु रखा |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3137

मरियम, यीशु की माता

तथ्य:

मरियम एक युवती थी जो नासरत में रहती थी। उसकी मंगनी यूसुफ से हुई थी। परमेश्वर ने मरियम को चुना कि वह परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीहा की माता बने, हमारे मसीह की।

- पवित्र आत्मा ने अलौकिक कार्य से मरियम को गर्भवती किया जब कि वह कुँवारी थी।
- स्वर्गदूत ने मरियम से कहा था कि उसका पुत्र परमेश्वर का पुत्र है और उसका नाम यीशु रखा जाए।

- मरियम परमेश्वर से प्रेम करती थी और उसके इस अनुग्रह के लिए उसने परमेश्वर को धन्यवाद दिया।
- यूसुफ ने मरियम से विवाह किया परन्तु वह यीशु के जन्म तक कुँवारी ही थी।
- मरियम ने चरवाहों और ज्योतिषियों द्वारा शिशु यीशु के लिए कहे गए वचनों को मन में बसा लिया था।
- यूसुफ और मरियम यीशु को समर्पित करने के लिए मन्दिर में ले गए। * वे यीशु को हेरोदेस के हाथों हत्या से बचाने के लिए मिस्र ले गए थे। अन्त में वे नासरत लौट आए।
- जब यीशु वयस्क हो गया तब उसने काना में एक विवाह उत्सव के समय पानी से मदिरा बनाई, मरियम भी वहां थी।
- सुसमाचार वृत्तान्तों में लिखा है कि यीशु के क्रूसीकरण के समय मरियम भी वहां थी। यीशु ने अपने शिष्य यूहन्ना को आदेश दिया कि वह मरियम को अपनी माता के जैसा संभाले।

(यह भी देखें: काना, मिस्र, हेरोदेस महान, यीशु, यूसुफ (नया नियम), परमेश्वर का पुत्र, कुँवारी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:12
- लूका 01:26-29
- लूका 01:34-35
- मरकुस 06:1-3
- मत्ती 01:15-17
- मत्ती 01:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** जब इलीशिबा छ: माह गर्भवती थी, वहीं स्वर्गदूत इलीशिबा की कुटुम्बी मरियम के पास गया | वह एक कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ नामक पुरुष के साथ हुई थी | स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा |” “तू उसका नाम यीशु रखना | वह महान होगा और परम प्रधान का पुत्र कहलाएगा और हमेशा के लिए राज्य करेगा |”
- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |” जो कुछ स्वर्गदूत ने मरियम से कहा, उसने उस पर विश्वास किया |
- **22:06** स्वर्गदूत ने मरियम से बात की, उसके कुछ समय बाद वह इलीशिबा से भेंट करने को गई | ज्योंही इलीशिबा ने मरियम का नमस्कार सुना, त्योंही बच्चा उसके पेट में उछला |
- **23:02** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “हे यूसुफ ! तू अपनी पत्नी मरियम को यहाँ ले आने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है |
- **23:04** अत: यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया |
- **49:01** एक दूत ने मरियम नाम की एक कुंवारी से कहा कि वह परमेश्वर के पुत्र को जन्म देगी | अत: जबकि वह एक कुँवारी ही थी, तो उसने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम यीशु रखा |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3137

मरियम, यीशु की माता

तथ्य:

मरियम एक युवती थी जो नासरत में रहती थी। उसकी मंगनी यूसुफ से हुई थी। परमेश्वर ने मरियम को चुना कि वह परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीहा की माता बने, हमारे मसीह की।

- पवित्र आत्मा ने अलौकिक कार्य से मरियम को गर्भवती किया जब कि वह कुँवारी थी।
- स्वर्गदूत ने मरियम से कहा था कि उसका पुत्र परमेश्वर का पुत्र है और उसका नाम यीशु रखा जाए।
- मरियम परमेश्वर से प्रेम करती थी और उसके इस अनुग्रह के लिए उसने परमेश्वर को धन्यवाद दिया।
- यूसुफ ने मरियम से विवाह किया परन्तु वह यीशु के जन्म तक कुँवारी ही थी।
- मरियम ने चरवाहों और ज्योतिषियों द्वारा शिशु यीशु के लिए कहे गए वचनों को मन में बसा लिया था।
- यूसुफ और मरियम यीशु को समर्पित करने के लिए मन्दिर में ले गए। * वे यीशु को हेरोदेस के हाथों हत्या से बचाने के लिए मिस्र ले गए थे। अन्त में वे नासरत लौट आए।
- जब यीशु वयस्क हो गया तब उसने काना में एक विवाह उत्सव के समय पानी से मदिरा बनाई, मरियम भी वहां थी।
- सुसमाचार वृत्तान्तों में लिखा है कि यीशु के क्रूसीकरण के समय मरियम भी वहां थी। यीशु ने अपने शिष्य यूहन्ना को आदेश दिया कि वह मरियम को अपनी माता के जैसा संभाले।

(यह भी देखें: काना, मिस्र, हेरोदेस महान, यीशु, यूसुफ (नया नियम), परमेश्वर का पुत्र, कुँवारी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:12
- लूका 01:26-29
- लूका 01:34-35
- मरकुस 06:1-3
- मत्ती 01:15-17
- मत्ती 01:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** जब इलीशिबा छ: माह गर्भवती थी, वहीं स्वर्गदूत इलीशिबा की कुटुम्बी मरियम के पास गया | वह एक कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ नामक पुरुष के साथ हुई थी | स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा |” “तू उसका नाम यीशु रखना | वह महान होगा और परम प्रधान का पुत्र कहलाएगा और हमेशा के लिए राज्य करेगा |”
- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |” जो कुछ स्वर्गदूत ने मरियम से कहा, उसने उस पर विश्वास किया |
- **22:06** स्वर्गदूत ने मरियम से बात की, उसके कुछ समय बाद वह इलीशिबा से भेंट करने को गई | ज्योंही इलीशिबा ने मरियम का नमस्कार सुना, त्योंही बच्चा उसके पेट में उछला |
- **23:02** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “हे यूसुफ ! तू अपनी पत्नी मरियम को यहाँ ले आने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है |
- **23:04** अत: यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया |
- **49:01** एक दूत ने मरियम नाम की एक कुंवारी से कहा कि वह परमेश्वर के पुत्र को जन्म देगी | अतः जबकि वह एक कुँवारी ही थी, तो उसने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम यीशु रखा |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3137

मरियम, यीशु की माता

तथ्य:

मरियम एक युवती थी जो नासरत में रहती थी। उसकी मंगनी यूसुफ से हुई थी। परमेश्वर ने मरियम को चुना कि वह परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीहा की माता बने, हमारे मसीह की।

- पवित्र आत्मा ने अलौकिक कार्य से मरियम को गर्भवती किया जब कि वह कुँवारी थी।
- स्वर्गदूत ने मरियम से कहा था कि उसका पुत्र परमेश्वर का पुत्र है और उसका नाम यीशु रखा जाए।
- मरियम परमेश्वर से प्रेम करती थी और उसके इस अनुग्रह के लिए उसने परमेश्वर को धन्यवाद दिया।
- यूसुफ ने मरियम से विवाह किया परन्तु वह यीशु के जन्म तक कुँवारी ही थी।
- मरियम ने चरवाहों और ज्योतिषियों द्वारा शिशु यीशु के लिए कहे गए वचनों को मन में बसा लिया था।
- यूसुफ और मरियम यीशु को समर्पित करने के लिए मन्दिर में ले गए। * वे यीशु को हेरोदेस के हाथों हत्या से बचाने के लिए मिस्र ले गए थे। अन्त में वे नासरत लौट आए।
- जब यीशु वयस्क हो गया तब उसने काना में एक विवाह उत्सव के समय पानी से मदिरा बनाई, मरियम भी वहां थी।
- सुसमाचार वृत्तान्तों में लिखा है कि यीशु के क्रूसीकरण के समय मरियम भी वहां थी। यीशु ने अपने शिष्य यूहन्ना को आदेश दिया कि वह मरियम को अपनी माता के जैसा संभाले।

(यह भी देखें: काना, मिस्र, हेरोदेस महान, यीशु, यूसुफ (नया नियम), परमेश्वर का पुत्र, कुँवारी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:12
- लूका 01:26-29
- लूका 01:34-35
- मरकुस 06:1-3

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 01:15-17
- मत्ती 01:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** जब इलीशिबा छ: माह गर्भवती थी, वहीं स्वर्गदूत इलीशिबा की कुटुम्बी मरियम के पास गया | वह एक कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ नामक पुरुष के साथ हुई थी | स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा |” “तू उसका नाम यीशु रखना | वह महान होगा और परम प्रधान का पुत्र कहलाएगा और हमेशा के लिए राज्य करेगा |”
- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |” जो कुछ स्वर्गदूत ने मरियम से कहा, उसने उस पर विश्वास किया |
- **22:06** स्वर्गदूत ने मरियम से बात की, उसके कुछ समय बाद वह इलीशिबा से भेंट करने को गई | ज्योंही इलीशिबा ने मरियम का नमस्कार सुना, त्योंही बच्चा उसके पेट में उछला |
- **23:02** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “हे यूसुफ ! तू अपनी पत्नी मरियम को यहाँ ले आने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है |
- **23:04** अत: यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया |
- **49:01** एक दूत ने मरियम नाम की एक कुंवारी से कहा कि वह परमेश्वर के पुत्र को जन्म देगी | अत: जबकि वह एक कुँवारी ही थी, तो उसने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम यीशु रखा |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3137

मरियम, यीशु की माता

तथ्य:

मरियम एक युवती थी जो नासरत में रहती थी। उसकी मंगनी यूसुफ से हुई थी। परमेश्वर ने मरियम को चुना कि वह परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीहा की माता बने, हमारे मसीह की।

- पवित्र आत्मा ने अलौकिक कार्य से मरियम को गर्भवती किया जब कि वह कुँवारी थी।
- स्वर्गदूत ने मरियम से कहा था कि उसका पुत्र परमेश्वर का पुत्र है और उसका नाम यीशु रखा जाए।
- मरियम परमेश्वर से प्रेम करती थी और उसके इस अनुग्रह के लिए उसने परमेश्वर को धन्यवाद दिया।
- यूसुफ ने मरियम से विवाह किया परन्तु वह यीशु के जन्म तक कुँवारी ही थी।
- मरियम ने चरवाहों और ज्योतिषियों द्वारा शिशु यीशु के लिए कहे गए वचनों को मन में बसा लिया था।
- यूसुफ और मरियम यीशु को समर्पित करने के लिए मन्दिर में ले गए। * वे यीशु को हेरोदेस के हाथों हत्या से बचाने के लिए मिस्र ले गए थे। अन्त में वे नासरत लौट आए।
- जब यीशु वयस्क हो गया तब उसने काना में एक विवाह उत्सव के समय पानी से मदिरा बनाई, मरियम भी वहां थी।
- सुसमाचार वृत्तान्तों में लिखा है कि यीशु के क्रूसीकरण के समय मरियम भी वहां थी। यीशु ने अपने शिष्य यूहन्ना को आदेश दिया कि वह मरियम को अपनी माता के जैसा संभाले।

(यह भी देखें: काना, मिस्र, हेरोदेस महान, यीशु, यूसुफ (नया नियम), परमेश्वर का पुत्र, कुँवारी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:12
- लूका 01:26-29
- लूका 01:34-35
- मरकुस 06:1-3
- मत्ती 01:15-17
- मत्ती 01:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** जब इलीशिबा छ: माह गर्भवती थी, वहीं स्वर्गदूत इलीशिबा की कुटुम्बी मरियम के पास गया | वह एक कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ नामक पुरुष के साथ हुई थी | स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा |” “तू उसका नाम यीशु रखना | वह महान होगा और परम प्रधान का पुत्र कहलाएगा और हमेशा के लिए राज्य करेगा |”

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |” जो कुछ स्वर्गदूत ने मरियम से कहा, उसने उस पर विश्वास किया |
- **22:06** स्वर्गदूत ने मरियम से बात की, उसके कुछ समय बाद वह इलीशिबा से भेंट करने को गई | ज्योंही इलीशिबा ने मरियम का नमस्कार सुना, त्योंही बच्चा उसके पेट में उछला |
- **23:02** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “हे यूसुफ ! तू अपनी पत्नी मरियम को यहाँ ले आने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है |
- **23:04** अत: यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया |
- **49:01** एक दूत ने मरियम नाम की एक कुंवारी से कहा कि वह परमेश्वर के पुत्र को जन्म देगी | अत: जबकि वह एक कुँवारी ही थी, तो उसने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम यीशु रखा |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3137

मरियम मगदलीनी

तथ्य:

मरियम मगदलीनी उन सब स्त्रियों में से एक थी जो यीशु में विश्वास करती थी और उसकी सेवा में उसके साथ रहती थी। वह यीशु द्वारा सात दुष्टात्माओं से मुक्ति पाने के लिए प्रसिद्ध थी।

- मरियम मगदलीनी और अन्य कुछ स्त्रियाँ यीशु और उसके शिष्यों को सहयोग प्रदान करती थी।
- वह यीशु को मृतकों में से जी उठने के बाद देखनेवाली सर्वप्रथम महिला थीं।
- जब मरियम मगदलीनी खाली कब्र के बाहर खड़ी थी तब उसने यीशु को वहां खड़े देखा और यीशु ने उससे कहा कि वह जाकर शिष्यों से कहे कि वह जी उठा है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, दुष्टात्माएँ थीं)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 08: 1-3
- लूका 24:8-10
- मरकुस 15:39-41
- मत्ती 27:54-56

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3094, G3137

मरियम मगदलीनी

तथ्य:

मरियम मगदलीनी उन सब स्त्रियों में से एक थी जो यीशु में विश्वास करती थी और उसकी सेवा में उसके साथ रहती थी। वह यीशु द्वारा सात दुष्टात्माओं से मुक्ति पाने के लिए प्रसिद्ध थी।

- मरियम मगदलीनी और अन्य कुछ स्त्रियाँ यीशु और उसके शिष्यों को सहयोग प्रदान करती थी।
- वह यीशु को मृतकों में से जी उठने के बाद देखनेवाली सर्वप्रथम महिला थीं।
- जब मरियम मगदलीनी खाली कब्र के बाहर खड़ी थी तब उसने यीशु को वहां खड़े देखा और यीशु ने उससे कहा कि वह जाकर शिष्यों से कहे कि वह जी उठा है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, दुष्टात्माएँ थीं)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 08: 1-3
- लूका 24:8-10
- मरकुस 15:39-41

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 27:54-56

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3094, G3137

मरियम मगदलीनी

तथ्य:

मरियम मगदलीनी उन सब स्त्रियों में से एक थी जो यीशु में विश्वास करती थी और उसकी सेवा में उसके साथ रहती थी। वह यीशु द्वारा सात दुष्टात्माओं से मुक्ति पाने के लिए प्रसिद्ध थी।

- मरियम मगदलीनी और अन्य कुछ स्त्रियाँ यीशु और उसके शिष्यों को सहयोग प्रदान करती थी।
- वह यीशु को मृतकों में से जी उठने के बाद देखनेवाली सर्वप्रथम महिला थीं।
- जब मरियम मगदलीनी खाली कब्र के बाहर खड़ी थी तब उसने यीशु को वहां खड़े देखा और यीशु ने उससे कहा कि वह जाकर शिष्यों से कहे कि वह जी उठा है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, दुष्टात्माएँ थीं)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 08: 1-3
- लूका 24:8-10
- मरकुस 15:39-41
- मत्ती 27:54-56

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3094, G3137

मरियम मगदलीनी

तथ्य:

मरियम मगदलीनी उन सब स्त्रियों में से एक थी जो यीशु में विश्वास करती थी और उसकी सेवा में उसके साथ रहती थी। वह यीशु द्वारा सात दुष्टात्माओं से मुक्ति पाने के लिए प्रसिद्ध थी।

- मरियम मगदलीनी और अन्य कुछ स्त्रियाँ यीशु और उसके शिष्यों को सहयोग प्रदान करती थी।
- वह यीशु को मृतकों में से जी उठने के बाद देखनेवाली सर्वप्रथम महिला थीं।
- जब मरियम मगदलीनी खाली कब्र के बाहर खड़ी थी तब उसने यीशु को वहां खड़े देखा और यीशु ने उससे कहा कि वह जाकर शिष्यों से कहे कि वह जी उठा है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, दुष्टात्माएँ थीं)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 08: 1-3
- लूका 24:8-10
- मरकुस 15:39-41
- मत्ती 27:54-56

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3094, G3137

मरी, विपत्तियों

परिभाषा:

विपत्तियों ऐसी घटनाएं होती है जिनके कारण बड़ी संख्या में मनुष्यों पर कष्ट आते हैं या मनुष्य मरने लगते हैं। विपत्तियों में महामारी रोग भी होता है जिसके कारण उपचार से पूर्व ही बड़ी संख्या में लोग मर जाते हैं।

- अनेक विपत्तियों को प्राकृतिक कारण होते हैं परन्तु कुछ परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के पाप स्वरूप भेजी जाती हैं।
- मूसा के समय परमेश्वर ने मिस्र पर दस विपत्तियां भेजी थी कि इस्राएल के मिस्र से पलायन हेतु फिरौन को विवश करे। उन विपत्तियों में पानी लहू में बदल गया था, शारीरक रोग थे, टिड्डियों और ओला वृष्टि द्वारा फसल का नष्ट होना, तीन दिन पूर्ण अंधकार होना तथा पहिलौठों की मृत्यु।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक विनाश” या “व्यापक रोग” प्रकरण के अनुसार करे।

(यह भी देखें: ओलों, इस्राएल, मूसा, फ़िरौन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:13-14
- निर्गमन 09:13-14
- उत्पत्ति 12:17-20
- लूका 21:10-11
- प्रकाशितवाक्य 09:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1698, H4046, H4194, H4347, H5061, H5062, H5063, H7752, G3061, G3148, G4127

मरी, विपत्तियों

परिभाषा:

विपत्तियों ऐसी घटनाएं होती है जिनके कारण बड़ी संख्या में मनुष्यों पर कष्ट आते हैं या मनुष्य मरने लगते हैं। विपत्तियों में महामारी रोग भी होता है जिसके कारण उपचार से पूर्व ही बड़ी संख्या में लोग मर जाते हैं।

- अनेक विपत्तियों को प्राकृतिक कारण होते हैं परन्तु कुछ परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के पाप स्वरूप भेजी जाती हैं।
- मूसा के समय परमेश्वर ने मिस्र पर दस विपत्तियां भेजी थी कि इस्राएल के मिस्र से पलायन हेतु फिरौन को विवश करे। उन विपत्तियों में पानी लहू में बदल गया था, शारीरक रोग थे, टिड्डियों और ओला वृष्टि द्वारा फसल का नष्ट होना, तीन दिन पूर्ण अंधकार होना तथा पहिलौठों की मृत्यु।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक विनाश” या “व्यापक रोग” प्रकरण के अनुसार करे।

(यह भी देखें: ओलों, इस्राएल, मूसा, फ़िरौन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:13-14
- निर्गमन 09:13-14
- उत्पत्ति 12:17-20
- लूका 21:10-11
- प्रकाशितवाक्य 09:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1698, H4046, H4194, H4347, H5061, H5062, H5063, H7752, G3061, G3148, G4127

मरी, विपत्तियों

परिभाषा:

विपत्तियों ऐसी घटनाएं होती है जिनके कारण बड़ी संख्या में मनुष्यों पर कष्ट आते हैं या मनुष्य मरने लगते हैं। विपत्तियों में महामारी रोग भी होता है जिसके कारण उपचार से पूर्व ही बड़ी संख्या में लोग मर जाते हैं।

- अनेक विपत्तियों को प्राकृतिक कारण होते हैं परन्तु कुछ परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के पाप स्वरूप भेजी जाती हैं।
- मूसा के समय परमेश्वर ने मिस्र पर दस विपत्तियां भेजी थी कि इस्राएल के मिस्र से पलायन हेतु फिरौन को विवश करे। उन विपत्तियों में पानी लहू में बदल गया था, शारीरक रोग थे, टिड्डियों और ओला वृष्टि द्वारा फसल का नष्ट होना, तीन दिन पूर्ण अंधकार होना तथा पहिलौठों की मृत्यु।
- इसका अनुवाद हो सकता है, "व्यापक विनाश" या "व्यापक रोग" प्रकरण के अनुसार करे।

(यह भी देखें: ओलों, इस्राएल, मूसा, फ़िरौन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:13-14
- निर्गमन 09:13-14
- उत्पत्ति 12:17-20
- लूका 21:10-11
- प्रकाशितवाक्य 09:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1698, H4046, H4194, H4347, H5061, H5062, H5063, H7752, G3061, G3148, G4127

मरी, विपत्तियों

परिभाषा:

विपत्तियों ऐसी घटनाएं होती है जिनके कारण बड़ी संख्या में मनुष्यों पर कष्ट आते हैं या मनुष्य मरने लगते हैं। विपत्तियों में महामारी रोग भी होता है जिसके कारण उपचार से पूर्व ही बड़ी संख्या में लोग मर जाते हैं।

- अनेक विपत्तियों को प्राकृतिक कारण होते हैं परन्तु कुछ परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के पाप स्वरूप भेजी जाती हैं।
- मूसा के समय परमेश्वर ने मिस्र पर दस विपत्तियां भेजी थी कि इस्राएल के मिस्र से पलायन हेतु फिरौन को विवश करे। उन विपत्तियों में पानी लहू में बदल गया था, शारीरक रोग थे, टिड्डियों और ओला वृष्टि द्वारा फसल का नष्ट होना, तीन दिन पूर्ण अंधकार होना तथा पहिलौठों की मृत्यु।
- इसका अनुवाद हो सकता है, "व्यापक विनाश" या "व्यापक रोग" प्रकरण के अनुसार करे।

(यह भी देखें: ओलों, इस्राएल, मूसा, फ़िरौन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:13-14
- निर्गमन 09:13-14
- उत्पत्ति 12:17-20
- लूका 21:10-11
- प्रकाशितवाक्य 09:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1698, H4046, H4194, H4347, H5061, H5062, H5063, H7752, G3061, G3148, G4127

मरी, विपत्तियों

परिभाषा:

विपत्तियों ऐसी घटनाएं होती है जिनके कारण बड़ी संख्या में मनुष्यों पर कष्ट आते हैं या मनुष्य मरने लगते हैं। विपत्तियों में महामारी रोग भी होता है जिसके कारण उपचार से पूर्व ही बड़ी संख्या में लोग मर जाते हैं।

- अनेक विपत्तियों को प्राकृतिक कारण होते हैं परन्तु कुछ परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के पाप स्वरूप भेजी जाती हैं।
- मूसा के समय परमेश्वर ने मिस्र पर दस विपत्तियां भेजी थी कि इस्राएल के मिस्र से पलायन हेतु फिरौन को विवश करे। उन विपत्तियों में पानी लहू में बदल गया था, शारीरक रोग थे, टिड्डियों और ओला वृष्टि द्वारा फसल का नष्ट होना, तीन दिन पूर्ण अंधकार होना तथा पहिलौठों की मृत्यु।
- इसका अनुवाद हो सकता है, "व्यापक विनाश" या "व्यापक रोग" प्रकरण के अनुसार करे।

(यह भी देखें: ओलों, इस्राएल, मूसा, फ़िरौन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:13-14
- निर्गमन 09:13-14
- उत्पत्ति 12:17-20
- लूका 21:10-11
- प्रकाशितवाक्य 09:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1698, H4046, H4194, H4347, H5061, H5062, H5063, H7752, G3061, G3148, G4127

मरी, विपत्तियों

परिभाषा:

विपत्तियों ऐसी घटनाएं होती है जिनके कारण बड़ी संख्या में मनुष्यों पर कष्ट आते हैं या मनुष्य मरने लगते हैं। विपत्तियों में महामारी रोग भी होता है जिसके कारण उपचार से पूर्व ही बड़ी संख्या में लोग मर जाते हैं।

- अनेक विपत्तियों को प्राकृतिक कारण होते हैं परन्तु कुछ परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के पाप स्वरूप भेजी जाती हैं।
- मूसा के समय परमेश्वर ने मिस्र पर दस विपत्तियां भेजी थी कि इस्राएल के मिस्र से पलायन हेतु फिरौन को विवश करे। उन विपत्तियों में पानी लहू में बदल गया था, शारीरक रोग थे, टिड्डियों और ओला वृष्टि द्वारा फसल का नष्ट होना, तीन दिन पूर्ण अंधकार होना तथा पहिलौठों की मृत्यु।
- इसका अनुवाद हो सकता है, "व्यापक विनाश" या "व्यापक रोग" प्रकरण के अनुसार करे।

(यह भी देखें: ओलों, इस्राएल, मूसा, फ़िरौन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:13-14
- निर्गमन 09:13-14
- उत्पत्ति 12:17-20
- लूका 21:10-11
- प्रकाशितवाक्य 09:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1698, H4046, H4194, H4347, H5061, H5062, H5063, H7752, G3061, G3148, G4127

मरी, विपत्तियों

परिभाषा:

विपत्तियों ऐसी घटनाएं होती है जिनके कारण बड़ी संख्या में मनुष्यों पर कष्ट आते हैं या मनुष्य मरने लगते हैं। विपत्तियों में महामारी रोग भी होता है जिसके कारण उपचार से पूर्व ही बड़ी संख्या में लोग मर जाते हैं।

- अनेक विपत्तियों को प्राकृतिक कारण होते हैं परन्तु कुछ परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के पाप स्वरूप भेजी जाती हैं।
- मूसा के समय परमेश्वर ने मिस्र पर दस विपत्तियां भेजी थी कि इस्राएल के मिस्र से पलायन हेतु फिरौन को विवश करे। उन विपत्तियों में पानी लहू में बदल गया था, शारीरक रोग थे, टिड्डियों और ओला वृष्टि द्वारा फसल का नष्ट होना, तीन दिन पूर्ण अंधकार होना तथा पहिलौठों की मृत्यु।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक विनाश” या “व्यापक रोग” प्रकरण के अनुसार करे।

(यह भी देखें: ओलों, इस्राएल, मूसा, फ़िरौन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:13-14
- निर्गमन 09:13-14
- उत्पत्ति 12:17-20
- लूका 21:10-11
- प्रकाशितवाक्य 09:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1698, H4046, H4194, H4347, H5061, H5062, H5063, H7752, G3061, G3148, G4127

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42

- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28

- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26

- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12

- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह, मसीहा

तथ्य:

“मसीह” या “ख्रिस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए अभिषेक किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने पृथ्वी पर मसीह के आगमन से सैंकड़ों वर्ष पूर्व इसकी भविष्यद्वाणी की थी।
- पुराने नियम में “अभिषिक्त(जन)” आनेवाले मसीह के संदर्भ में कहा गया है।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो साबित करता है कि वह मसीहा है; और बाकि बची हुई भविष्यवाणियों यीशु के वापस आने पर पूरी होगी।
- "मसीह" शब्द को अक्सर "मसीह" और "मसीह यीशु" के शीर्षक के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- "मसीह" भी उसके नाम के रूप में "यीशु मसीह" के रूप में इस्तेमाल किया गया।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- लिप्यंतरण शब्द के रूप में शब्द की परिभाषा के द्वारा पीछा किया जा सकता है, ”मसीह, अभिषिक्त एक।”
- यह बाइबल में इसका अनुवाद निरन्तरता बनाए रखें, ताकि इसे स्पष्ट किया जा सके कि एक ही शब्द का प्रयोग किया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि "मसीहा" और "मसीह" के अनुवाद उन संदर्भों में अच्छी तरह से काम करते हैं जहां दोनों पद एक ही वचन में होते हैं (जैसे यूह. 1:41)।

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाऊद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- प्रे.का. 02:34-36
- प्रे.का. 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **17:07** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन वास्तव में, मसीह के आने से पहले इस्राएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:01** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने मसीह को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:04** परमेश्वर ने राजा दाऊद से वादा किया है कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **21:05** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **43:07** "लेकिन परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "आप में से हर एक को पश्चाताप करना चाहिए और यीशु _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि परमेश्वर आपके पापों को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से तर्क करता था, और इस बात का प्रमाण देता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

मसीह का विरोधी, मसीह के विरोधी

परिभाषा:

“मसीह का विरोधी” शब्द का संदर्भ उस व्यक्ति या शिक्षा से है जो मसीह यीशु और उसके काम के विरूद्ध है। संसार में अनेक मसीह के विरोधी हैं।

- प्रेरित यूहन्ना लिखता है कि यदि कोई यह शिक्षा देकर मनुष्यों को पथ-भ्रष्ट करे कि यीशु मसीह नहीं है या इन्कार करे कि यीशु परमेश्वर एवं मनुष्य दोनों है तो वह मसीह का विरोधी है।
- बाइबल की शिक्षा के अनुसार संसार में मसीह के विरोधी की आत्मा है जो यीशु क काम का विरोध करती है।
- नये नियम की पुस्तक प्रकाशितवाक्य में लिखा हे कि एक पुरूष “मसीह का विरोधी” होगा जो अन्त समय में प्रकट होगा। वह परमेश्वर के लोगों को नष्ट करने का प्रयास करेगा परन्तु वह यीशु द्वारा परास्त किया जाएगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, ऐसे शब्द या उक्तियां हो सकती हैं जिनका अर्थ हो, “मसीह का विरोधी” या “मसीह का बैरी” या “मसीह का विरोध करनेवाला मनुष्य”
- “मसीह का विरोधी की आत्मा” का अनुवाद हो सकता है, “आत्मा जो मसीह के विरुद्ध है”। या “(कोई) मसीह के बारे झूठी शिक्षा देता है” या “मसीह के बारे में झूठी शिक्षा पर विश्वास करने का रवैया” या “बुरी आत्मा जो मसीह के बारे में झूठ शिक्षा देता है।”
- इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: मसीह, प्रकट करना, क्लेश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:18-19
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 2 यूहन्ना 01:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: G500

मसीह का विरोधी, मसीह के विरोधी

परिभाषा:

“मसीह का विरोधी” शब्द का संदर्भ उस व्यक्ति या शिक्षा से है जो मसीह यीशु और उसके काम के विरूद्ध है। संसार में अनेक मसीह के विरोधी हैं।

- प्रेरित यूहन्ना लिखता है कि यदि कोई यह शिक्षा देकर मनुष्यों को पथ-भ्रष्ट करे कि यीशु मसीह नहीं है या इन्कार करे कि यीशु परमेश्वर एवं मनुष्य दोनों है तो वह मसीह का विरोधी है।
- बाइबल की शिक्षा के अनुसार संसार में मसीह के विरोधी की आत्मा है जो यीशु क काम का विरोध करती है।
- नये नियम की पुस्तक प्रकाशितवाक्य में लिखा हे कि एक पुरूष “मसीह का विरोधी” होगा जो अन्त समय में प्रकट होगा। वह परमेश्वर के लोगों को नष्ट करने का प्रयास करेगा परन्तु वह यीशु द्वारा परास्त किया जाएगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, ऐसे शब्द या उक्तियां हो सकती हैं जिनका अर्थ हो, “मसीह का विरोधी” या “मसीह का बैरी” या “मसीह का विरोध करनेवाला मनुष्य”
- “मसीह का विरोधी की आत्मा” का अनुवाद हो सकता है, “आत्मा जो मसीह के विरुद्ध है”। या “(कोई) मसीह के बारे झूठी शिक्षा देता है” या “मसीह के बारे में झूठी शिक्षा पर विश्वास करने का रवैया” या “बुरी आत्मा जो मसीह के बारे में झूठ शिक्षा देता है।”
- इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: मसीह, प्रकट करना, क्लेश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:18-19
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 2 यूहन्ना 01:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: G500

मसीह में, यीशु में, प्रभु में, उसमें

परिभाषा:

“मसीह में” तथा समानार्थक शब्दों का अर्थ है विश्वास के द्वारा मसीह यीशु में संबन्ध रखना।

- इसके समानार्थक अन्य शब्द हैं, “मसीह यीशु में, यीशु मसीह में, प्रभु यीशु में, प्रभु यीशु मसीह में”।
- “मसीह में” इस उक्ति के संभावित अर्थ हैं, “क्योंकि तुम मसीह के हो” या “मसीह के साथ तुम्हारे संबन्ध के द्वारा” या “मसीह में तुम्हारे विश्वास के आधार पर”
- इन सब उक्तियों के अर्थ हैं, यीशु में विश्वास और उसके शिष्य होने की स्थिति में।
- ध्यान रखें: कभी-कभी “में” शब्द क्रिया के साथ प्रबल है। उदाहरण, “मसीह में सहभागी” अर्थात मसीह के ज्ञान से जो लाभ प्राप्त होते हैं, उसमें सहभागी होना। “मसीह” में महिमा करना अर्थात आनन्दित होकर परमेश्वर की स्तुति करना कि यीशु क्या है और उसने क्या किया। मसीह में “विश्वास करना” अर्थात उसमें उद्धारक का विश्वास करना और उसे जानना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “मसीह में” और “प्रभु में” (और सम्बन्धित वाक्यांश) अनुवाद करने के विभिन्न तरीके ये हो सकते हैं:
- “जो मसीह के है”
- “क्योंकि तुम मसीह में विश्वास करते हो”
- "क्योंकि मसीह ने हमें बचा लिया"
- "प्रभु की सेवा में"
- "प्रभु पर निर्भर"
- “क्योंकि प्रभु ने जो कुछ किया”
- जो लोग मसीह में "विश्वास करते हैं" या जो मसीह पर "विश्वास रखते हैं," वे विश्वास करते हैं कि यीशु ने क्या सिखाया है और उन पर विश्वास कर रहे हैं ताकि क्रूस पर उनके बलिदान के कारण उन्हें बचाया जा सके ताकि उनके पापों के लिए दंड का भुगतान किया जा सके। कुछ भाषाओं में एक शब्द हो सकता है जो क्रियाओं का अनुवाद करता है जैसे "विश्वास करना" या "साझा करें" या "विश्वास में"।

(यह भी देखें: मसीह, प्रभु, यीशु, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:4-6
- 2 कुरिन्थियों 02:16-17
- 2 तीमुथियुस 01:1-2
- गलातियों 01:21-24
- गलातियों 02:17-19
- फिलेमोन 01:4-7
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11
- रोमियो 09:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1519, G2962, G5547

मसीह में, यीशु में, प्रभु में, उसमें

परिभाषा:

“मसीह में” तथा समानार्थक शब्दों का अर्थ है विश्वास के द्वारा मसीह यीशु में संबन्ध रखना।

- इसके समानार्थक अन्य शब्द हैं, “मसीह यीशु में, यीशु मसीह में, प्रभु यीशु में, प्रभु यीशु मसीह में”।
- “मसीह में” इस उक्ति के संभावित अर्थ हैं, “क्योंकि तुम मसीह के हो” या “मसीह के साथ तुम्हारे संबन्ध के द्वारा” या “मसीह में तुम्हारे विश्वास के आधार पर”
- इन सब उक्तियों के अर्थ हैं, यीशु में विश्वास और उसके शिष्य होने की स्थिति में।
- ध्यान रखें: कभी-कभी “में” शब्द क्रिया के साथ प्रबल है। उदाहरण, “मसीह में सहभागी” अर्थात मसीह के ज्ञान से जो लाभ प्राप्त होते हैं, उसमें सहभागी होना। “मसीह” में महिमा करना अर्थात आनन्दित होकर परमेश्वर की स्तुति करना कि यीशु क्या है और उसने क्या किया। मसीह में “विश्वास करना” अर्थात उसमें उद्धारक का विश्वास करना और उसे जानना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “मसीह में” और “प्रभु में” (और सम्बन्धित वाक्यांश) अनुवाद करने के विभिन्न तरीके ये हो सकते हैं:
- “जो मसीह के है”
- “क्योंकि तुम मसीह में विश्वास करते हो”
- "क्योंकि मसीह ने हमें बचा लिया"
- "प्रभु की सेवा में"
- "प्रभु पर निर्भर"
- “क्योंकि प्रभु ने जो कुछ किया”
- जो लोग मसीह में "विश्वास करते हैं" या जो मसीह पर "विश्वास रखते हैं," वे विश्वास करते हैं कि यीशु ने क्या सिखाया है और उन पर विश्वास कर रहे हैं ताकि क्रूस पर उनके बलिदान के कारण उन्हें बचाया जा सके ताकि उनके पापों के लिए दंड का भुगतान किया जा सके। कुछ भाषाओं में एक शब्द हो सकता है जो क्रियाओं का अनुवाद करता है जैसे "विश्वास करना" या "साझा करें" या "विश्वास में"।

(यह भी देखें: मसीह, प्रभु, यीशु, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:4-6
- 2 कुरिन्थियों 02:16-17
- 2 तीमुथियुस 01:1-2
- गलातियों 01:21-24
- गलातियों 02:17-19
- फिलेमोन 01:4-7
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11
- रोमियो 09:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1519, G2962, G5547

मसीह में, यीशु में, प्रभु में, उसमें

परिभाषा:

“मसीह में” तथा समानार्थक शब्दों का अर्थ है विश्वास के द्वारा मसीह यीशु में संबन्ध रखना।

- इसके समानार्थक अन्य शब्द हैं, “मसीह यीशु में, यीशु मसीह में, प्रभु यीशु में, प्रभु यीशु मसीह में”।
- “मसीह में” इस उक्ति के संभावित अर्थ हैं, “क्योंकि तुम मसीह के हो” या “मसीह के साथ तुम्हारे संबन्ध के द्वारा” या “मसीह में तुम्हारे विश्वास के आधार पर”
- इन सब उक्तियों के अर्थ हैं, यीशु में विश्वास और उसके शिष्य होने की स्थिति में।
- ध्यान रखें: कभी-कभी “में” शब्द क्रिया के साथ प्रबल है। उदाहरण, “मसीह में सहभागी” अर्थात मसीह के ज्ञान से जो लाभ प्राप्त होते हैं, उसमें सहभागी होना। “मसीह” में महिमा करना अर्थात आनन्दित होकर परमेश्वर की स्तुति करना कि यीशु क्या है और उसने क्या किया। मसीह में “विश्वास करना” अर्थात उसमें उद्धारक का विश्वास करना और उसे जानना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “मसीह में” और “प्रभु में” (और सम्बन्धित वाक्यांश) अनुवाद करने के विभिन्न तरीके ये हो सकते हैं:
- “जो मसीह के है”
- “क्योंकि तुम मसीह में विश्वास करते हो”
- "क्योंकि मसीह ने हमें बचा लिया"
- "प्रभु की सेवा में"
- "प्रभु पर निर्भर"
- “क्योंकि प्रभु ने जो कुछ किया”
- जो लोग मसीह में "विश्वास करते हैं" या जो मसीह पर "विश्वास रखते हैं," वे विश्वास करते हैं कि यीशु ने क्या सिखाया है और उन पर विश्वास कर रहे हैं ताकि क्रूस पर उनके बलिदान के कारण उन्हें बचाया जा सके ताकि उनके पापों के लिए दंड का भुगतान किया जा सके। कुछ भाषाओं में एक शब्द हो सकता है जो क्रियाओं का अनुवाद करता है जैसे "विश्वास करना" या "साझा करें" या "विश्वास में"।

(यह भी देखें: मसीह, प्रभु, यीशु, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:4-6
- 2 कुरिन्थियों 02:16-17
- 2 तीमुथियुस 01:1-2
- गलातियों 01:21-24
- गलातियों 02:17-19
- फिलेमोन 01:4-7
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11
- रोमियो 09:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1519, G2962, G5547

मसीह में, यीशु में, प्रभु में, उसमें

परिभाषा:

“मसीह में” तथा समानार्थक शब्दों का अर्थ है विश्वास के द्वारा मसीह यीशु में संबन्ध रखना।

- इसके समानार्थक अन्य शब्द हैं, “मसीह यीशु में, यीशु मसीह में, प्रभु यीशु में, प्रभु यीशु मसीह में”।
- “मसीह में” इस उक्ति के संभावित अर्थ हैं, “क्योंकि तुम मसीह के हो” या “मसीह के साथ तुम्हारे संबन्ध के द्वारा” या “मसीह में तुम्हारे विश्वास के आधार पर”
- इन सब उक्तियों के अर्थ हैं, यीशु में विश्वास और उसके शिष्य होने की स्थिति में।

- ध्यान रखें: कभी-कभी “में” शब्द क्रिया के साथ प्रबल है। उदाहरण, “मसीह में सहभागी” अर्थात मसीह के ज्ञान से जो लाभ प्राप्त होते हैं, उसमें सहभागी होना। “मसीह” में महिमा करना अर्थात आनन्दित होकर परमेश्वर की स्तुति करना कि यीशु क्या है और उसने क्या किया। मसीह में “विश्वास करना” अर्थात उसमें उद्धारक का विश्वास करना और उसे जानना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “मसीह में” और “प्रभु में” (और सम्बन्धित वाक्यांश) अनुवाद करने के विभिन्न तरीके ये हो सकते हैं:
- “जो मसीह के है”
- “क्योंकि तुम मसीह में विश्वास करते हो”
- "क्योंकि मसीह ने हमें बचा लिया"
- "प्रभु की सेवा में"
- "प्रभु पर निर्भर"
- “क्योंकि प्रभु ने जो कुछ किया”
- जो लोग मसीह में "विश्वास करते हैं" या जो मसीह पर "विश्वास रखते हैं," वे विश्वास करते हैं कि यीशु ने क्या सिखाया है और उन पर विश्वास कर रहे हैं ताकि क्रूस पर उनके बलिदान के कारण उन्हें बचाया जा सके ताकि उनके पापों के लिए दंड का भुगतान किया जा सके। कुछ भाषाओं में एक शब्द हो सकता है जो क्रियाओं का अनुवाद करता है जैसे "विश्वास करना" या "साझा करें" या "विश्वास में"।

(यह भी देखें: मसीह, प्रभु, यीशु, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:4-6
- 2 कुरिन्थियों 02:16-17
- 2 तीमुथियुस 01:1-2
- गलातियों 01:21-24
- गलातियों 02:17-19
- फिलेमोन 01:4-7
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11
- रोमियो 09:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1519, G2962, G5547

मसीह में, यीशु में, प्रभु में, उसमें

परिभाषा:

“मसीह में” तथा समानार्थक शब्दों का अर्थ है विश्वास के द्वारा मसीह यीशु में संबन्ध रखना।

- इसके समानार्थक अन्य शब्द हैं, “मसीह यीशु में, यीशु मसीह में, प्रभु यीशु में, प्रभु यीशु मसीह में”।
- “मसीह में” इस उक्ति के संभावित अर्थ हैं, “क्योंकि तुम मसीह के हो” या “मसीह के साथ तुम्हारे संबन्ध के द्वारा” या “मसीह में तुम्हारे विश्वास के आधार पर”
- इन सब उक्तियों के अर्थ हैं, यीशु में विश्वास और उसके शिष्य होने की स्थिति में।
- ध्यान रखें: कभी-कभी “में” शब्द क्रिया के साथ प्रबल है। उदाहरण, “मसीह में सहभागी” अर्थात मसीह के ज्ञान से जो लाभ प्राप्त होते हैं, उसमें सहभागी होना। “मसीह” में महिमा करना अर्थात आनन्दित होकर परमेश्वर की स्तुति करना कि यीशु क्या है और उसने क्या किया। मसीह में “विश्वास करना” अर्थात उसमें उद्धारक का विश्वास करना और उसे जानना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “मसीह में” और “प्रभु में” (और सम्बन्धित वाक्यांश) अनुवाद करने के विभिन्न तरीके ये हो सकते हैं:
- “जो मसीह के है”
- “क्योंकि तुम मसीह में विश्वास करते हो”
- "क्योंकि मसीह ने हमें बचा लिया"
- "प्रभु की सेवा में"
- "प्रभु पर निर्भर"
- “क्योंकि प्रभु ने जो कुछ किया”

- जो लोग मसीह में "विश्वास करते हैं" या जो मसीह पर "विश्वास रखते हैं," वे विश्वास करते हैं कि यीशु ने क्या सिखाया है और उन पर विश्वास कर रहे हैं ताकि क्रूस पर उनके बलिदान के कारण उन्हें बचाया जा सके ताकि उनके पापों के लिए दंड का भुगतान किया जा सके। कुछ भाषाओं में एक शब्द हो सकता है जो क्रियाओं का अनुवाद करता है जैसे "विश्वास करना" या "साझा करें" या "विश्वास में"।

(यह भी देखें: मसीह, प्रभु, यीशु, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:4-6
- 2 कुरिन्थियों 02:16-17
- 2 तीमुथियुस 01:1-2
- गलातियों 01:21-24
- गलातियों 02:17-19
- फिलेमोन 01:4-7
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11
- रोमियो 09:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1519, G2962, G5547

मसीह में, यीशु में, प्रभु में, उसमें

परिभाषा:

“मसीह में” तथा समानार्थक शब्दों का अर्थ है विश्वास के द्वारा मसीह यीशु में संबन्ध रखना।

- इसके समानार्थक अन्य शब्द हैं, “मसीह यीशु में, यीशु मसीह में, प्रभु यीशु में, प्रभु यीशु मसीह में”।
- “मसीह में” इस उक्ति के संभावित अर्थ हैं, “क्योंकि तुम मसीह के हो” या “मसीह के साथ तुम्हारे संबन्ध के द्वारा” या “मसीह में तुम्हारे विश्वास के आधार पर”
- इन सब उक्तियों के अर्थ हैं, यीशु में विश्वास और उसके शिष्य होने की स्थिति में।
- ध्यान रखें: कभी-कभी “में” शब्द क्रिया के साथ प्रबल है। उदाहरण, “मसीह में सहभागी” अर्थात मसीह के ज्ञान से जो लाभ प्राप्त होते हैं, उसमें सहभागी होना। “मसीह” में महिमा करना अर्थात आनन्दित होकर परमेश्वर की स्तुति करना कि यीशु क्या है और उसने क्या किया। मसीह में “विश्वास करना” अर्थात उसमें उद्धारक का विश्वास करना और उसे जानना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “मसीह में” और “प्रभु में” (और सम्बन्धित वाक्यांश) अनुवाद करने के विभिन्न तरीके ये हो सकते हैं:
- “जो मसीह के है”
- “क्योंकि तुम मसीह में विश्वास करते हो”
- "क्योंकि मसीह ने हमें बचा लिया"
- "प्रभु की सेवा में"
- "प्रभु पर निर्भर"
- “क्योंकि प्रभु ने जो कुछ किया”
- जो लोग मसीह में "विश्वास करते हैं" या जो मसीह पर "विश्वास रखते हैं," वे विश्वास करते हैं कि यीशु ने क्या सिखाया है और उन पर विश्वास कर रहे हैं ताकि क्रूस पर उनके बलिदान के कारण उन्हें बचाया जा सके ताकि उनके पापों के लिए दंड का भुगतान किया जा सके। कुछ भाषाओं में एक शब्द हो सकता है जो क्रियाओं का अनुवाद करता है जैसे "विश्वास करना" या "साझा करें" या "विश्वास में"।

(यह भी देखें: मसीह, प्रभु, यीशु, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:4-6
- 2 कुरिन्थियों 02:16-17
- 2 तीमुथियुस 01:1-2
- गलातियों 01:21-24
- गलातियों 02:17-19
- फिलेमोन 01:4-7
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- रोमियो 09:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1519, G2962, G5547

मसीह में, यीशु में, प्रभु में, उसमें

परिभाषा:

“मसीह में” तथा समानार्थक शब्दों का अर्थ है विश्वास के द्वारा मसीह यीशु में संबन्ध रखना।

- इसके समानार्थक अन्य शब्द हैं, “मसीह यीशु में, यीशु मसीह में, प्रभु यीशु में, प्रभु यीशु मसीह में”।
- “मसीह में” इस उक्ति के संभावित अर्थ हैं, “क्योंकि तुम मसीह के हो” या “मसीह के साथ तुम्हारे संबन्ध के द्वारा” या “मसीह में तुम्हारे विश्वास के आधार पर”
- इन सब उक्तियों के अर्थ हैं, यीशु में विश्वास और उसके शिष्य होने की स्थिति में।
- ध्यान रखें: कभी-कभी “में” शब्द क्रिया के साथ प्रबल है। उदाहरण, “मसीह में सहभागी” अर्थात मसीह के ज्ञान से जो लाभ प्राप्त होते हैं, उसमें सहभागी होना। “मसीह” में महिमा करना अर्थात आनन्दित होकर परमेश्वर की स्तुति करना कि यीशु क्या है और उसने क्या किया। मसीह में “विश्वास करना” अर्थात उसमें उद्धारक का विश्वास करना और उसे जानना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “मसीह में” और “प्रभु में” (और सम्बन्धित वाक्यांश) अनुवाद करने के विभिन्न तरीके ये हो सकते हैं:
- “जो मसीह के है”
- “क्योंकि तुम मसीह में विश्वास करते हो”
- "क्योंकि मसीह ने हमें बचा लिया"
- "प्रभु की सेवा में"
- "प्रभु पर निर्भर"
- “क्योंकि प्रभु ने जो कुछ किया”
- जो लोग मसीह में "विश्वास करते हैं" या जो मसीह पर "विश्वास रखते हैं," वे विश्वास करते हैं कि यीशु ने क्या सिखाया है और उन पर विश्वास कर रहे हैं ताकि क्रूस पर उनके बलिदान के कारण उन्हें बचाया जा सके ताकि उनके पापों के लिए दंड का भुगतान किया जा सके। कुछ भाषाओं में एक शब्द हो सकता है जो क्रियाओं का अनुवाद करता है जैसे "विश्वास करना" या "साझा करें" या "विश्वास में"।

(यह भी देखें: मसीह, प्रभु, यीशु, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:4-6
- 2 कुरिन्थियों 02:16-17
- 2 तीमुथियुस 01:1-2
- गलातियों 01:21-24
- गलातियों 02:17-19
- फिलेमोन 01:4-7
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11
- रोमियो 09:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1519, G2962, G5547

मसीह में, यीशु में, प्रभु में, उसमें

परिभाषा:

“मसीह में” तथा समानार्थक शब्दों का अर्थ है विश्वास के द्वारा मसीह यीशु में संबन्ध रखना।

- इसके समानार्थक अन्य शब्द हैं, “मसीह यीशु में, यीशु मसीह में, प्रभु यीशु में, प्रभु यीशु मसीह में”।
- “मसीह में” इस उक्ति के संभावित अर्थ हैं, “क्योंकि तुम मसीह के हो” या “मसीह के साथ तुम्हारे संबन्ध के द्वारा” या “मसीह में तुम्हारे विश्वास के आधार पर”

- इन सब उक्तियों के अर्थ हैं, यीशु में विश्वास और उसके शिष्य होने की स्थिति में।
- ध्यान रखें: कभी-कभी “में” शब्द क्रिया के साथ प्रबल है। उदाहरण, “मसीह में सहभागी” अर्थात मसीह के ज्ञान से जो लाभ प्राप्त होते हैं, उसमें सहभागी होना। “मसीह” में महिमा करना अर्थात आनन्दित होकर परमेश्वर की स्तुति करना कि यीशु क्या है और उसने क्या किया। मसीह में “विश्वास करना” अर्थात उसमें उद्धारक का विश्वास करना और उसे जानना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “मसीह में” और “प्रभु में” (और सम्बन्धित वाक्यांश) अनुवाद करने के विभिन्न तरीके ये हो सकते हैं:
- “जो मसीह के है”
- “क्योंकि तुम मसीह में विश्वास करते हो”
- "क्योंकि मसीह ने हमें बचा लिया"
- "प्रभु की सेवा में"
- "प्रभु पर निर्भर"
- “क्योंकि प्रभु ने जो कुछ किया”
- जो लोग मसीह में "विश्वास करते हैं" या जो मसीह पर "विश्वास रखते हैं," वे विश्वास करते हैं कि यीशु ने क्या सिखाया है और उन पर विश्वास कर रहे हैं ताकि क्रूस पर उनके बलिदान के कारण उन्हें बचाया जा सके ताकि उनके पापों के लिए दंड का भुगतान किया जा सके। कुछ भाषाओं में एक शब्द हो सकता है जो क्रियाओं का अनुवाद करता है जैसे "विश्वास करना" या "साझा करें" या "विश्वास में"।

(यह भी देखें: मसीह, प्रभु, यीशु, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:4-6
- 2 कुरिन्थियों 02:16-17
- 2 तीमुथियुस 01:1-2
- गलातियों 01:21-24
- गलातियों 02:17-19
- फिलेमोन 01:4-7
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11
- रोमियो 09:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1519, G2962, G5547

मसीह में, यीशु में, प्रभु में, उसमें

परिभाषा:

“मसीह में” तथा समानार्थक शब्दों का अर्थ है विश्वास के द्वारा मसीह यीशु में संबन्ध रखना।

- इसके समानार्थक अन्य शब्द हैं, “मसीह यीशु में, यीशु मसीह में, प्रभु यीशु में, प्रभु यीशु मसीह में”।
- “मसीह में” इस उक्ति के संभावित अर्थ हैं, “क्योंकि तुम मसीह के हो” या “मसीह के साथ तुम्हारे संबन्ध के द्वारा” या “मसीह में तुम्हारे विश्वास के आधार पर”
- इन सब उक्तियों के अर्थ हैं, यीशु में विश्वास और उसके शिष्य होने की स्थिति में।
- ध्यान रखें: कभी-कभी “में” शब्द क्रिया के साथ प्रबल है। उदाहरण, “मसीह में सहभागी” अर्थात मसीह के ज्ञान से जो लाभ प्राप्त होते हैं, उसमें सहभागी होना। “मसीह” में महिमा करना अर्थात आनन्दित होकर परमेश्वर की स्तुति करना कि यीशु क्या है और उसने क्या किया। मसीह में “विश्वास करना” अर्थात उसमें उद्धारक का विश्वास करना और उसे जानना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “मसीह में” और “प्रभु में” (और सम्बन्धित वाक्यांश) अनुवाद करने के विभिन्न तरीके ये हो सकते हैं:
- “जो मसीह के है”
- “क्योंकि तुम मसीह में विश्वास करते हो”
- "क्योंकि मसीह ने हमें बचा लिया"
- "प्रभु की सेवा में"
- "प्रभु पर निर्भर"
- “क्योंकि प्रभु ने जो कुछ किया”

- जो लोग मसीह में "विश्वास करते हैं" या जो मसीह पर "विश्वास रखते हैं," वे विश्वास करते हैं कि यीशु ने क्या सिखाया है और उन पर विश्वास कर रहे हैं ताकि क्रूस पर उनके बलिदान के कारण उन्हें बचाया जा सके ताकि उनके पापों के लिए दंड का भुगतान किया जा सके। कुछ भाषाओं में एक शब्द हो सकता है जो क्रियाओं का अनुवाद करता है जैसे "विश्वास करना" या "साझा करें" या "विश्वास में"।

(यह भी देखें: मसीह, प्रभु, यीशु, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:4-6
- 2 कुरिन्थियों 02:16-17
- 2 तीमुथियुस 01:1-2
- गलातियों 01:21-24
- गलातियों 02:17-19
- फिलेमोन 01:4-7
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11
- रोमियो 09:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1519, G2962, G5547

मसीह में, यीशु में, प्रभु में, उसमें

परिभाषा:

“मसीह में” तथा समानार्थक शब्दों का अर्थ है विश्वास के द्वारा मसीह यीशु में संबन्ध रखना।

- इसके समानार्थक अन्य शब्द हैं, “मसीह यीशु में, यीशु मसीह में, प्रभु यीशु में, प्रभु यीशु मसीह में”।
- “मसीह में” इस उक्ति के संभावित अर्थ हैं, “क्योंकि तुम मसीह के हो” या “मसीह के साथ तुम्हारे संबन्ध के द्वारा” या “मसीह में तुम्हारे विश्वास के आधार पर”
- इन सब उक्तियों के अर्थ हैं, यीशु में विश्वास और उसके शिष्य होने की स्थिति में।
- ध्यान रखें: कभी-कभी “में” शब्द क्रिया के साथ प्रबल है। उदाहरण, “मसीह में सहभागी” अर्थात मसीह के ज्ञान से जो लाभ प्राप्त होते हैं, उसमें सहभागी होना। “मसीह” में महिमा करना अर्थात आनन्दित होकर परमेश्वर की स्तुति करना कि यीशु क्या है और उसने क्या किया। मसीह में “विश्वास करना” अर्थात उसमें उद्धारक का विश्वास करना और उसे जानना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “मसीह में” और “प्रभु में” (और सम्बन्धित वाक्यांश) अनुवाद करने के विभिन्न तरीके ये हो सकते हैं:
- “जो मसीह के है”
- “क्योंकि तुम मसीह में विश्वास करते हो”
- "क्योंकि मसीह ने हमें बचा लिया"
- "प्रभु की सेवा में"
- "प्रभु पर निर्भर"
- “क्योंकि प्रभु ने जो कुछ किया”
- जो लोग मसीह में "विश्वास करते हैं" या जो मसीह पर "विश्वास रखते हैं," वे विश्वास करते हैं कि यीशु ने क्या सिखाया है और उन पर विश्वास कर रहे हैं ताकि क्रूस पर उनके बलिदान के कारण उन्हें बचाया जा सके ताकि उनके पापों के लिए दंड का भुगतान किया जा सके। कुछ भाषाओं में एक शब्द हो सकता है जो क्रियाओं का अनुवाद करता है जैसे "विश्वास करना" या "साझा करें" या "विश्वास में"।

(यह भी देखें: मसीह, प्रभु, यीशु, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:4-6
- 2 कुरिन्थियों 02:16-17
- 2 तीमुथियुस 01:1-2
- गलातियों 01:21-24
- गलातियों 02:17-19
- फिलेमोन 01:4-7
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- रोमियो 09:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1519, G2962, G5547

मसीह में, यीशु में, प्रभु में, उसमें

परिभाषा:

“मसीह में” तथा समानार्थक शब्दों का अर्थ है विश्वास के द्वारा मसीह यीशु में संबन्ध रखना।

- इसके समानार्थक अन्य शब्द हैं, “मसीह यीशु में, यीशु मसीह में, प्रभु यीशु में, प्रभु यीशु मसीह में”।
- “मसीह में” इस उक्ति के संभावित अर्थ हैं, “क्योंकि तुम मसीह के हो” या “मसीह के साथ तुम्हारे संबन्ध के द्वारा” या “मसीह में तुम्हारे विश्वास के आधार पर”
- इन सब उक्तियों के अर्थ हैं, यीशु में विश्वास और उसके शिष्य होने की स्थिति में।
- ध्यान रखें: कभी-कभी “में” शब्द क्रिया के साथ प्रबल है। उदाहरण, “मसीह में सहभागी” अर्थात मसीह के ज्ञान से जो लाभ प्राप्त होते हैं, उसमें सहभागी होना। “मसीह” में महिमा करना अर्थात आनन्दित होकर परमेश्वर की स्तुति करना कि यीशु क्या है और उसने क्या किया। मसीह में “विश्वास करना” अर्थात उसमें उद्धारक का विश्वास करना और उसे जानना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “मसीह में” और “प्रभु में” (और सम्बन्धित वाक्यांश) अनुवाद करने के विभिन्न तरीके ये हो सकते हैं:
- “जो मसीह के है”
- “क्योंकि तुम मसीह में विश्वास करते हो”
- "क्योंकि मसीह ने हमें बचा लिया"
- "प्रभु की सेवा में"
- "प्रभु पर निर्भर"
- “क्योंकि प्रभु ने जो कुछ किया”
- जो लोग मसीह में "विश्वास करते हैं" या जो मसीह पर "विश्वास रखते हैं," वे विश्वास करते हैं कि यीशु ने क्या सिखाया है और उन पर विश्वास कर रहे हैं ताकि क्रूस पर उनके बलिदान के कारण उन्हें बचाया जा सके ताकि उनके पापों के लिए दंड का भुगतान किया जा सके। कुछ भाषाओं में एक शब्द हो सकता है जो क्रियाओं का अनुवाद करता है जैसे "विश्वास करना" या "साझा करें" या "विश्वास में"।

(यह भी देखें: मसीह, प्रभु, यीशु, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:4-6
- 2 कुरिन्थियों 02:16-17
- 2 तीमुथियुस 01:1-2
- गलातियों 01:21-24
- गलातियों 02:17-19
- फिलेमोन 01:4-7
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11
- रोमियो 09:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1519, G2962, G5547

मसीह में, यीशु में, प्रभु में, उसमें

परिभाषा:

“मसीह में” तथा समानार्थक शब्दों का अर्थ है विश्वास के द्वारा मसीह यीशु में संबन्ध रखना।

- इसके समानार्थक अन्य शब्द हैं, “मसीह यीशु में, यीशु मसीह में, प्रभु यीशु में, प्रभु यीशु मसीह में”।
- “मसीह में” इस उक्ति के संभावित अर्थ हैं, “क्योंकि तुम मसीह के हो” या “मसीह के साथ तुम्हारे संबन्ध के द्वारा” या “मसीह में तुम्हारे विश्वास के आधार पर”

- इन सब उक्तियों के अर्थ हैं, यीशु में विश्वास और उसके शिष्य होने की स्थिति में।
- ध्यान रखें: कभी-कभी “में” शब्द क्रिया के साथ प्रबल है। उदाहरण, “मसीह में सहभागी” अर्थात मसीह के ज्ञान से जो लाभ प्राप्त होते हैं, उसमें सहभागी होना। “मसीह” में महिमा करना अर्थात आनन्दित होकर परमेश्वर की स्तुति करना कि यीशु क्या है और उसने क्या किया। मसीह में “विश्वास करना” अर्थात उसमें उद्धारक का विश्वास करना और उसे जानना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “मसीह में” और “प्रभु में” (और सम्बन्धित वाक्यांश) अनुवाद करने के विभिन्न तरीके ये हो सकते हैं:
- “जो मसीह के है”
- “क्योंकि तुम मसीह में विश्वास करते हो”
- "क्योंकि मसीह ने हमें बचा लिया"
- "प्रभु की सेवा में"
- "प्रभु पर निर्भर"
- “क्योंकि प्रभु ने जो कुछ किया”
- जो लोग मसीह में "विश्वास करते हैं" या जो मसीह पर "विश्वास रखते हैं," वे विश्वास करते हैं कि यीशु ने क्या सिखाया है और उन पर विश्वास कर रहे हैं ताकि क्रूस पर उनके बलिदान के कारण उन्हें बचाया जा सके ताकि उनके पापों के लिए दंड का भुगतान किया जा सके। कुछ भाषाओं में एक शब्द हो सकता है जो क्रियाओं का अनुवाद करता है जैसे "विश्वास करना" या "साझा करें" या "विश्वास में"।

(यह भी देखें: मसीह, प्रभु, यीशु, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:4-6
- 2 कुरिन्थियों 02:16-17
- 2 तीमुथियुस 01:1-2
- गलातियों 01:21-24
- गलातियों 02:17-19
- फिलेमोन 01:4-7
- प्रकाशितवाक्य 01:9-11
- रोमियो 09:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1519, G2962, G5547

मसीही

परिभाषा:

यीशु के स्वर्गारोहण के कुछ समय बाद विश्वासियों को “मसीही” कहा गया जिसका अर्थ है, “मसीह के अनुयायी”

- अन्ताकिया नगर में यीशु के अनुयायियों को सबसे पहले “मसीही” कहा गया था।
- मसीही जन वह मनुष्य है जो विश्वास करता है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है और यीशु में विश्वास करता है कि उसने उसका पाप मोचन किया।
- आज “मसीही” शब्द मसीही धर्म मानने वाले के संदर्भ में काम में लिया जाता है परन्तु वह व्यक्ति वास्तव में यीशु का अनुसरण नहीं करता है। बाइबल में "मसीही" शब्द का अर्थ यह नहीं है।
- क्योंकि बाइबल में “मसीही” शब्द सदैव उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो वास्तव में यीशु में विश्वास करता है, मसीही जन को "विश्वासी" भी कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

इस शब्द का अनुवाद “मसीही अनुयायी” या “मसीह का अनुयायी” या “मसीह पुरुष” जैसा।

- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद शिष्य और प्रेरित शब्दों के अनुवाद से भिन्न हो।
- सावधानी-पूर्वक अनुवाद करें कि इस शब्द का अनुवाद यीशु में विश्वास करनेवाले सब जनों के संदर्भ में हो न कि किसी एक समुदाय या जाति से हो।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, मसीह, कलीसिया, चेला, विश्वासी, यीशु, परमेश्वर का पुत्र)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:7-8
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रे.का. 11:25-26
- प्रे.का. 26:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **46:09** और चेलें सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।
- **49:15** यदि तुम यीशु पर और जो कुछ उसने आपके लिए किया उस पर विश्वास करते हो, तो आप एक मसीही हो!
- **49:16** यदि तुम एक मसीही हो, तो जो कुछ यीशु ने किया उसके कारण परमेश्वर ने तुम्हारे पाप माफ़ कर दिए हैं।
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे।
- **50:03** स्वर्ग में वापस जाने से पहले, यीशु ने मसीहों से कहा कि वे उन लोगों को शुभ समाचार सुनाएँ जिन्होंने इसे कभी नहीं सुना।
- **50:11** जब यीशु वापस आएगा, तो हर मसीही जो मरा है वह मृतकों में से जी उठेगा और उससे आकाश में मिलेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5546

मसीही

परिभाषा:

यीशु के स्वर्गारोहण के कुछ समय बाद विश्वासियों को “मसीही” कहा गया जिसका अर्थ है, “मसीह के अनुयायी”

- अन्ताकिया नगर में यीशु के अनुयायियों को सबसे पहले “मसीही” कहा गया था।
- मसीही जन वह मनुष्य है जो विश्वास करता है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है और यीशु में विश्वास करता है कि उसने उसका पाप मोचन किया।
- आज “मसीही” शब्द मसीही धर्म मानने वाले के संदर्भ में काम में लिया जाता है परन्तु वह व्यक्ति वास्तव में यीशु का अनुसरण नहीं करता है। बाइबल में "मसीही" शब्द का अर्थ यह नहीं है।
- क्योंकि बाइबल में “मसीही” शब्द सदैव उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो वास्तव में यीशु में विश्वास करता है, मसीही जन को "विश्वासी" भी कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

इस शब्द का अनुवाद “मसीही अनुयायी” या “मसीह का अनुयायी” या “मसीह पुरुष” जैसा।

- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद शिष्य और प्रेरित शब्दों के अनुवाद से भिन्न हो।
- सावधानी-पूर्वक अनुवाद करें कि इस शब्द का अनुवाद यीशु में विश्वास करनेवाले सब जनों के संदर्भ में हो न कि किसी एक समुदाय या जाति से हो।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, मसीह, कलीसिया, चेला, विश्वासी, यीशु, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:7-8
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रे.का. 11:25-26
- प्रे.का. 26:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **46:09** और चेलें सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।
- **49:15** यदि तुम यीशु पर और जो कुछ उसने आपके लिए किया उस पर विश्वास करते हो, तो आप एक मसीही हो!
- **49:16** यदि तुम एक मसीही हो, तो जो कुछ यीशु ने किया उसके कारण परमेश्वर ने तुम्हारे पाप माफ़ कर दिए हैं।
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे।
- **50:03** स्वर्ग में वापस जाने से पहले, यीशु ने मसीहों से कहा कि वे उन लोगों को शुभ समाचार सुनाएँ जिन्होंने इसे कभी नहीं सुना।

- **50:11** जब यीशु वापस आएगा, तो हर मसीही जो मरा है वह मृतकों में से जी उठेगा और उससे आकाश में मिलेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5546

मसीही

परिभाषा:

यीशु के स्वर्गारोहण के कुछ समय बाद विश्वासियों को “मसीही” कहा गया जिसका अर्थ है, “मसीह के अनुयायी”

- अन्ताकिया नगर में यीशु के अनुयायियों को सबसे पहले “मसीही” कहा गया था।
- मसीही जन वह मनुष्य है जो विश्वास करता है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है और यीशु में विश्वास करता है कि उसने उसका पाप मोचन किया।
- आज “मसीही” शब्द मसीही धर्म मानने वाले के संदर्भ में काम में लिया जाता है परन्तु वह व्यक्ति वास्तव में यीशु का अनुसरण नहीं करता है। बाइबल में "मसीही" शब्द का अर्थ यह नहीं है।
- क्योंकि बाइबल में “मसीही” शब्द सदैव उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो वास्तव में यीशु में विश्वास करता है, मसीही जन को "विश्वासी" भी कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

इस शब्द का अनुवाद “मसीही अनुयायी” या “मसीह का अनुयायी” या “मसीह पुरुष” जैसा।

- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद शिष्य और प्रेरित शब्दों के अनुवाद से भिन्न हो।
- सावधानी-पूर्वक अनुवाद करें कि इस शब्द का अनुवाद यीशु में विश्वास करनेवाले सब जनों के संदर्भ में हो न कि किसी एक समुदाय या जाति से हो।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, मसीह, कलीसिया, चेला, विश्वासी, यीशु, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:7-8
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रे.का. 11:25-26
- प्रे.का. 26:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **46:09** और चेलें सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।
- **49:15** यदि तुम यीशु पर और जो कुछ उसने आपके लिए किया उस पर विश्वास करते हो, तो आप एक मसीही हो!
- **49:16** यदि तुम एक मसीही हो, तो जो कुछ यीशु ने किया उसके कारण परमेश्वर ने तुम्हारे पाप माफ़ कर दिए हैं।
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे।
- **50:03** स्वर्ग में वापस जाने से पहले, यीशु ने मसीहों से कहा कि वे उन लोगों को शुभ समाचार सुनाएँ जिन्होंने इसे कभी नहीं सुना।
- **50:11** जब यीशु वापस आएगा, तो हर मसीही जो मरा है वह मृतकों में से जी उठेगा और उससे आकाश में मिलेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5546

मसीही

परिभाषा:

यीशु के स्वर्गारोहण के कुछ समय बाद विश्वासियों को “मसीही” कहा गया जिसका अर्थ है, “मसीह के अनुयायी”

- अन्ताकिया नगर में यीशु के अनुयायियों को सबसे पहले “मसीही” कहा गया था।
- मसीही जन वह मनुष्य है जो विश्वास करता है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है और यीशु में विश्वास करता है कि उसने उसका पाप मोचन किया।

- आज “मसीही” शब्द मसीही धर्म मानने वाले के संदर्भ में काम में लिया जाता है परन्तु वह व्यक्ति वास्तव में यीशु का अनुसरण नहीं करता है। बाइबल में "मसीही" शब्द का अर्थ यह नहीं है।
- क्योंकि बाइबल में “मसीही” शब्द सदैव उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो वास्तव में यीशु में विश्वास करता है, मसीही जन को "विश्वासी" भी कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

इस शब्द का अनुवाद “मसीही अनुयायी” या “मसीह का अनुयायी” या “मसीह पुरुष” जैसा।

- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद शिष्य और प्रेरित शब्दों के अनुवाद से भिन्न हो।
- सावधानी-पूर्वक अनुवाद करें कि इस शब्द का अनुवाद यीशु में विश्वास करनेवाले सब जनों के संदर्भ में हो न कि किसी एक समुदाय या जाति से हो।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, मसीह, कलीसिया, चेला, विश्वासी, यीशु, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:7-8
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रे.का. 11:25-26
- प्रे.का. 26:27-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **46:09** और चेलें सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।
- **49:15** यदि तुम यीशु पर और जो कुछ उसने आपके लिए किया उस पर विश्वास करते हो, तो आप एक मसीही हो!
- **49:16** यदि तुम एक मसीही हो, तो जो कुछ यीशु ने किया उसके कारण परमेश्वर ने तुम्हारे पाप माफ़ कर दिए हैं।
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे।
- **50:03** स्वर्ग में वापस जाने से पहले, यीशु ने मसीहों से कहा कि वे उन लोगों को शुभ समाचार सुनाएँ जिन्होंने इसे कभी नहीं सुना।
- **50:11** जब यीशु वापस आएगा, तो हर मसीही जो मरा है वह मृतकों में से जी उठेगा और उससे आकाश में मिलेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5546

महल, महलों

परिभाषा:

“महल” उस इमारत या घर को संदर्भित करता है जहां एक राजा अपने परिवार के सदस्यों के साथ तथा सेवकों के साथ रहता था।

- महायाजक भी महल में रहता था जैसा नये नियम से विदित है।
- महल सजे हुए होते थे, उनकी वास्तुकला और साज-सज्जा उत्कृष्ट होती थी।
- महल पत्थर या लकड़ी के बने होते थे और उन पर मूल्यवान लकड़ी, सोना या हाथी दांत की नक्काशी की साज सज्जा होती थी।
- महलों में और भी लोग रहते थे और काम करते थे, जो आमतौर पर महलों में कई अन्य ईमारतें तथा प्रांगण थे।

(यह भी देखें: आँगन, महायाजक, राजा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 28:7-8
- 2 शमूएल 11:2-3
- दानिय्येल 05:5-6
- मत्ती 26:3-5
- भजन संहिता 045:08

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H759, H1002, H1004, H1055, H1406, H1964, H1965, G833, G933, G4232

महामहिमन्

परिभाषा:

“महामहिमन्” शब्द का अर्थ है महानता और ऐश्वर्य विशेष करके राजा के गुणों का।

- बाइबल में “महामहिमन्” शब्द अधिकतर परमेश्वर की महानता के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वह ब्रह्माण्ड के ऊपर सबसे बड़ा राजा है।
- “महामहिम” राजा को संबोधित करने की विधि है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “राजसी महानता” या “राजसी ऐश्वर्य
- “महामहिमन्” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “राजाधिराज” या “परम-श्रेष्ठ” या लक्षित भाषा में एक शासक को संबोधित करने का एक स्वाभाविक तरीका।

(यह भी देखें: राजा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 01:16-18
- दानिय्येल 04:36-37
- यशायाह 02:9-11
- यहूदा 01:24-25
- मीका 05:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1347, H1348, H1420, H1923, H1926, H1935, H7238, G3168, G3172

महायाजक

परिभाषा:

“महायाजक” वह याजक था जो सब इस्राएली भाषाओं का अगुआ नियुक्त किया जाता था जिसका कार्यकाल एक वर्ष था।

- महायाजक के विशेष उत्तरदायित्व थे। एकमात्र वही था जो वर्ष में एक बार विशेष बलि चढ़ाने के लिए वर्ष में एक बार मन्दिर के परम-पवित्र स्थान में प्रवेश कर सकता था।
- इस्राएल में याजक तो अनेक थे परन्तु एक बार में एक ही महायाजक होता था।
- जब यीशु को बन्दी बनाया गया था तब कैफा अधिकृत महायाजक था। कभी-कभी कैफा के ससुर हन्ना का भी उल्लेख किया गया है, वह पूर्व महायाजक था और संभवतः प्रजा पर उसका सामर्थ्य और अधिकार अब भी था।

अनुवाद के सुझाव:

- “महायाजक” का अनुवाद “ सर्वोच्च याजक” या “सबसे बड़ा याजक” किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद “प्रधान पुरोहित” से भिन्न किया जाए।

(यह भी देखें: हन्ना, कैफा, प्रधान याजकों, याजक, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:26-28
- प्रे.का. 07:1-3
- प्रे.का. 09:1-2
- निर्गमन 30:10
- इब्रानियों 06:19-20

- लैव्यव्यवस्था 16:32-33
- लूका 03:1-2
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:51-54

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:08** केवल उच्च परोहित को ही उन कमरों में जाने की अनुमति थी क्योंकि परमेश्वर उसमे वास करता था।
- **21:07** मसीह एक सिद्ध उच्च पुरोहित होगा जो परमेश्वर के लिए स्वयं का बलिदान देगा।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए |
- **39:01** तब यीशु के पकड़ने वाले उसको महा याजक के पास ले गए, कि वह(महा याजक) यीशु से प्रश्न करें।
- **39:03** अंत में, महा याजक ने यीशु की ओर देखकर उससे कहा कि, “हमें बता कि क्या तू मसीह है, जीवते परमेश्वर का पुत्र?”
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि यहूदी याजक पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।
- **45:02** तब स्तिफनुस को पकड़कर महासभा में ले गए और उसे महायाजक और अन्य यहूदी नेताओं के सामने खड़ा किया गया जहाँ कई ओर झूठे गवाहों ने स्तिफनुस के बारे में झूठ बोला।
- **46:01** महायाजक ने शाउल को यह अनुमति दी की वह दमिश्क शहर में जाकर वहा के मसीहियों को पकड़कर वापस यरूशलेम ले आए।
- **48:06** यीशु सबसे महान पुरोहित है। दूसरे याजकों से भिन्न, उसने अपने आप को उस एकलौते बलिदान के रूप में अर्पण किया जो संसार के सभी मनुष्य के पाप को हटा सकती है। यीशु सबसे उत्तम महान पुरोहित है क्योंकि उसने सभी मनुष्यों के सभी पापों का दण्ड, जो उन्होंने अपने जीवन काल में कभी भी किया हो, अपने ऊपर ले लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7218, H1419, H3548, G748, G749

महायाजक

परिभाषा:

“महायाजक” वह याजक था जो सब इस्राएली भाषाओं का अगुआ नियुक्त किया जाता था जिसका कार्यकाल एक वर्ष था।

- महायाजक के विशेष उत्तरदायित्व थे। एकमात्र वही था जो वर्ष में एक बार विशेष बलि चढ़ाने के लिए वर्ष में एक बार मन्दिर के परम-पवित्र स्थान में प्रवेश कर सकता था।
- इस्राएल में याजक तो अनेक थे परन्तु एक बार में एक ही महायाजक होता था।
- जब यीशु को बन्दी बनाया गया था तब कैफा अधिकृत महायाजक था। कभी-कभी कैफा के ससुर हन्ना का भी उल्लेख किया गया है, वह पूर्व महायाजक था और संभवतः प्रजा पर उसका सामर्थ्य और अधिकार अब भी था।

अनुवाद के सुझाव:

- “महायाजक” का अनुवाद “ सर्वोच्च याजक” या “सबसे बड़ा याजक” किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद “प्रधान पुरोहित” से भिन्न किया जाए।

(यह भी देखें: हन्ना, कैफा, प्रधान याजकों, याजक, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:26-28
- प्रे.का. 07:1-3
- प्रे.का. 09:1-2
- निर्गमन 30:10
- इब्रानियों 06:19-20
- लैव्यव्यवस्था 16:32-33
- लूका 03:1-2
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:51-54

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:08** केवल उच्च परोहित को ही उन कमरों में जाने की अनुमति थी क्योंकि परमेश्वर उसमे वास करता था।
- **21:07** मसीह एक सिद्ध उच्च पुरोहित होगा जो परमेश्वर के लिए स्वयं का बलिदान देगा।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए |
- **39:01** तब यीशु के पकड़ने वाले उसको महा याजक के पास ले गए, कि वह(महा याजक) यीशु से प्रश्न करें।
- **39:03** अंत में, महा याजक ने यीशु की ओर देखकर उससे कहा कि, “हमें बता कि क्या तू मसीह है, जीवते परमेश्वर का पुत्र?”
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि यहूदी याजक पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।
- **45:02** तब स्तिफनुस को पकड़कर महासभा में ले गए और उसे महायाजक और अन्य यहूदी नेताओं के सामने खड़ा किया गया जहाँ कई ओर झूठे गवाहों ने स्तिफनुस के बारे में झूठ बोला।
- **46:01** महायाजक ने शाउल को यह अनुमति दी की वह दमिश्क शहर में जाकर वहा के मसीहियों को पकड़कर वापस यरूशलेम ले आए।
- **48:06** यीशु सबसे महान पुरोहित है। दूसरे याजकों से भिन्न, उसने अपने आप को उस एकलौते बलिदान के रूप में अर्पण किया जो संसार के सभी मनुष्य के पाप को हटा सकती है। यीशु सबसे उत्तम महान पुरोहित है क्योंकि उसने सभी मनुष्यों के सभी पापों का दण्ड, जो उन्होंने अपने जीवन काल में कभी भी किया हो, अपने ऊपर ले लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7218, H1419, H3548, G748, G749

महायाजक

परिभाषा:

“महायाजक” वह याजक था जो सब इस्राएली भाषाओं का अगुआ नियुक्त किया जाता था जिसका कार्यकाल एक वर्ष था।

- महायाजक के विशेष उत्तरदायित्व थे। एकमात्र वही था जो वर्ष में एक बार विशेष बलि चढ़ाने के लिए वर्ष में एक बार मन्दिर के परम-पवित्र स्थान में प्रवेश कर सकता था।
- इस्राएल में याजक तो अनेक थे परन्तु एक बार में एक ही महायाजक होता था।
- जब यीशु को बन्दी बनाया गया था तब कैफा अधिकृत महायाजक था। कभी-कभी कैफा के ससुर हन्ना का भी उल्लेख किया गया है, वह पूर्व महायाजक था और संभवतः प्रजा पर उसका सामर्थ्य और अधिकार अब भी था।

अनुवाद के सुझाव:

- “महायाजक” का अनुवाद “ सर्वोच्च याजक” या “सबसे बड़ा याजक” किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद “प्रधान पुरोहित” से भिन्न किया जाए।

(यह भी देखें: हन्ना, कैफा, प्रधान याजकों, याजक, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:26-28
- प्रे.का. 07:1-3
- प्रे.का. 09:1-2
- निर्गमन 30:10
- इब्रानियों 06:19-20
- लैव्यव्यवस्था 16:32-33
- लूका 03:1-2
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:51-54

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:08** केवल उच्च परोहित को ही उन कमरों में जाने की अनुमति थी क्योंकि परमेश्वर उसमे वास करता था।
- **21:07** मसीह एक सिद्ध उच्च पुरोहित होगा जो परमेश्वर के लिए स्वयं का बलिदान देगा।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए |
- **39:01** तब यीशु के पकड़ने वाले उसको महा याजक के पास ले गए, कि वह(महा याजक) यीशु से प्रश्न करें।
- **39:03** अंत में, महा याजक ने यीशु की ओर देखकर उससे कहा कि, “हमें बता कि क्या तू मसीह है, जीवते परमेश्वर का पुत्र?”
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि यहूदी याजक पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।

- **45:02** तब स्तिफनुस को पकड़कर महासभा में ले गए और उसे महायाजक और अन्य यहूदी नेताओं के सामने खड़ा किया गया जहाँ कई ओर झूठे गवाहों ने स्तिफनुस के बारे में झूठ बोला।
- **46:01** महायाजक ने शाउल को यह अनुमति दी की वह दमिश्क शहर में जाकर वहा के मसीहियों को पकड़कर वापस यरूशलेम ले आए।
- **48:06** यीशु सबसे महान पुरोहित है। दूसरे याजकों से भिन्न, उसने अपने आप को उस एकलौते बलिदान के रूप में अर्पण किया जो संसार के सभी मनुष्य के पाप को हटा सकती है। यीशु सबसे उत्तम महान पुरोहित है क्योंकि उसने सभी मनुष्यों के सभी पापों का दण्ड, जो उन्होंने अपने जीवन काल में कभी भी किया हो, अपने ऊपर ले लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7218, H1419, H3548, G748, G749

महायाजक

परिभाषा:

“महायाजक” वह याजक था जो सब इस्राएली भाषाओं का अगुआ नियुक्त किया जाता था जिसका कार्यकाल एक वर्ष था।

- महायाजक के विशेष उत्तरदायित्व थे। एकमात्र वही था जो वर्ष में एक बार विशेष बलि चढ़ाने के लिए वर्ष में एक बार मन्दिर के परम-पवित्र स्थान में प्रवेश कर सकता था।
- इस्राएल में याजक तो अनेक थे परन्तु एक बार में एक ही महायाजक होता था।
- जब यीशु को बन्दी बनाया गया था तब कैफा अधिकृत महायाजक था। कभी-कभी कैफा के ससुर हन्ना का भी उल्लेख किया गया है, वह पूर्व महायाजक था और संभवतः प्रजा पर उसका सामर्थ्य और अधिकार अब भी था।

अनुवाद के सुझाव:

- “महायाजक” का अनुवाद “ सर्वोच्च याजक” या “सबसे बड़ा याजक” किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद “प्रधान पुरोहित” से भिन्न किया जाए।

(यह भी देखें: हन्ना, कैफा, प्रधान याजकों, याजक, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:26-28
- प्रे.का. 07:1-3
- प्रे.का. 09:1-2
- निर्गमन 30:10
- इब्रानियों 06:19-20
- लैव्यव्यवस्था 16:32-33
- लूका 03:1-2
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:51-54

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:08** केवल उच्च परोहित को ही उन कमरों में जाने की अनुमति थी क्योंकि परमेश्वर उसमे वास करता था।
- **21:07** मसीह एक सिद्ध उच्च पुरोहित होगा जो परमेश्वर के लिए स्वयं का बलिदान देगा।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए |
- **39:01** तब यीशु के पकड़ने वाले उसको महा याजक के पास ले गए, कि वह(महा याजक) यीशु से प्रश्न करें।
- **39:03** अंत में, महा याजक ने यीशु की ओर देखकर उससे कहा कि, “हमें बता कि क्या तू मसीह है, जीवते परमेश्वर का पुत्र?”
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि यहूदी याजक पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।
- **45:02** तब स्तिफनुस को पकड़कर महासभा में ले गए और उसे महायाजक और अन्य यहूदी नेताओं के सामने खड़ा किया गया जहाँ कई ओर झूठे गवाहों ने स्तिफनुस के बारे में झूठ बोला।
- **46:01** महायाजक ने शाउल को यह अनुमति दी की वह दमिश्क शहर में जाकर वहा के मसीहियों को पकड़कर वापस यरूशलेम ले आए।
- **48:06** यीशु सबसे महान पुरोहित है। दूसरे याजकों से भिन्न, उसने अपने आप को उस एकलौते बलिदान के रूप में अर्पण किया जो संसार के सभी मनुष्य के पाप को हटा सकती है। यीशु सबसे उत्तम महान पुरोहित है क्योंकि उसने सभी मनुष्यों के सभी पापों का दण्ड, जो उन्होंने अपने जीवन काल में कभी भी किया हो, अपने ऊपर ले लिया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7218, H1419, H3548, G748, G749

महायाजक

परिभाषा:

“महायाजक” वह याजक था जो सब इस्राएली भाषाओं का अगुआ नियुक्त किया जाता था जिसका कार्यकाल एक वर्ष था।

- महायाजक के विशेष उत्तरदायित्व थे। एकमात्र वही था जो वर्ष में एक बार विशेष बलि चढ़ाने के लिए वर्ष में एक बार मन्दिर के परम-पवित्र स्थान में प्रवेश कर सकता था।
- इस्राएल में याजक तो अनेक थे परन्तु एक बार में एक ही महायाजक होता था।
- जब यीशु को बन्दी बनाया गया था तब कैफा अधिकृत महायाजक था। कभी-कभी कैफा के ससुर हन्ना का भी उल्लेख किया गया है, वह पूर्व महायाजक था और संभवतः प्रजा पर उसका सामर्थ्य और अधिकार अब भी था।

अनुवाद के सुझाव:

- “महायाजक” का अनुवाद “ सर्वोच्च याजक” या “सबसे बड़ा याजक” किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद “प्रधान पुरोहित” से भिन्न किया जाए।

(यह भी देखें: हन्ना, कैफा, प्रधान याजकों, याजक, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:26-28
- प्रे.का. 07:1-3
- प्रे.का. 09:1-2
- निर्गमन 30:10
- इब्रानियों 06:19-20
- लैव्यव्यवस्था 16:32-33
- लूका 03:1-2
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:51-54

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:08** केवल उच्च परोहित को ही उन कमरों में जाने की अनुमति थी क्योंकि परमेश्वर उसमे वास करता था।
- **21:07** मसीह एक सिद्ध उच्च पुरोहित होगा जो परमेश्वर के लिए स्वयं का बलिदान देगा।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए |
- **39:01** तब यीशु के पकड़ने वाले उसको महा याजक के पास ले गए, कि वह(महा याजक) यीशु से प्रश्न करें।
- **39:03** अंत में, महा याजक ने यीशु की ओर देखकर उससे कहा कि, “हमें बता कि क्या तू मसीह है, जीवते परमेश्वर का पुत्र?”
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि यहूदी याजक पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।
- **45:02** तब स्तिफनुस को पकड़कर महासभा में ले गए और उसे महायाजक और अन्य यहूदी नेताओं के सामने खड़ा किया गया जहाँ कई ओर झूठे गवाहों ने स्तिफनुस के बारे में झूठ बोला।
- **46:01** महायाजक ने शाउल को यह अनुमति दी की वह दमिश्क शहर में जाकर वहा के मसीहियों को पकड़कर वापस यरूशलेम ले आए।
- **48:06** यीशु सबसे महान पुरोहित है। दूसरे याजकों से भिन्न, उसने अपने आप को उस एकलौते बलिदान के रूप में अर्पण किया जो संसार के सभी मनुष्य के पाप को हटा सकती है। यीशु सबसे उत्तम महान पुरोहित है क्योंकि उसने सभी मनुष्यों के सभी पापों का दण्ड, जो उन्होंने अपने जीवन काल में कभी भी किया हो, अपने ऊपर ले लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7218, H1419, H3548, G748, G749

महायाजक

परिभाषा:

"महायाजक" वह याजक था जो सब इस्राएली भाषाओं का अगुआ नियुक्त किया जाता था जिसका कार्यकाल एक वर्ष था।

- महायाजक के विशेष उत्तरदायित्व थे। एकमात्र वही था जो वर्ष में एक बार विशेष बलि चढ़ाने के लिए वर्ष में एक बार मन्दिर के परम-पवित्र स्थान में प्रवेश कर सकता था।
- इस्राएल में याजक तो अनेक थे परन्तु एक बार में एक ही महायाजक होता था।
- जब यीशु को बन्दी बनाया गया था तब कैफा अधिकृत महायाजक था। कभी-कभी कैफा के ससुर हन्ना का भी उल्लेख किया गया है, वह पूर्व महायाजक था और संभवतः प्रजा पर उसका सामर्थ्य और अधिकार अब भी था।

अनुवाद के सुझाव:

- "महायाजक" का अनुवाद " सर्वोच्च याजक" या "सबसे बड़ा याजक" किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद "प्रधान पुरोहित" से भिन्न किया जाए।

(यह भी देखें: हन्ना, कैफा, प्रधान याजकों, याजक, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:26-28
- प्रे.का. 07:1-3
- प्रे.का. 09:1-2
- निर्गमन 30:10
- इब्रानियों 06:19-20
- लैव्यव्यवस्था 16:32-33
- लूका 03:1-2
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:51-54

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:08** केवल उच्च परोहित को ही उन कमरों में जाने की अनुमति थी क्योंकि परमेश्वर उसमे वास करता था।
- **21:07** मसीह एक सिद्ध उच्च पुरोहित होगा जो परमेश्वर के लिए स्वयं का बलिदान देगा।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए |
- **39:01** तब यीशु के पकड़ने वाले उसको महा याजक के पास ले गए, कि वह(महा याजक) यीशु से प्रश्न करें।
- **39:03** अंत में, महा याजक ने यीशु की ओर देखकर उससे कहा कि, "हमें बता कि क्या तू मसीह है, जीवते परमेश्वर का पुत्र?"
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि यहूदी याजक पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।
- **45:02** तब स्तिफनुस को पकड़कर महासभा में ले गए और उसे महायाजक और अन्य यहूदी नेताओं के सामने खड़ा किया गया जहाँ कई ओर झूठे गवाहों ने स्तिफनुस के बारे में झूठ बोला।
- **46:01** महायाजक ने शाउल को यह अनुमति दी की वह दमिश्क शहर में जाकर वहा के मसीहियों को पकड़कर वापस यरूशलेम ले आए।
- **48:06** यीशु सबसे महान पुरोहित है। दूसरे याजकों से भिन्न, उसने अपने आप को उस एकलौते बलिदान के रूप में अर्पण किया जो संसार के सभी मनुष्य के पाप को हटा सकती है। यीशु सबसे उत्तम महान पुरोहित है क्योंकि उसने सभी मनुष्यों के सभी पापों का दण्ड, जो उन्होंने अपने जीवन काल में कभी भी किया हो, अपने ऊपर ले लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7218, H1419, H3548, G748, G749

महासभा, सभाओं

परिभाषा:

महासभा मनुष्यों का एक समूह था जो महत्वपूर्ण विषयों पर विचार करने, परामर्श देने तथा निर्णय लेने के लिए बैठता है।

- किसी विशेष उद्देश्य के निमित्त सभा की व्यवस्था अधिकृत एवं स्थाई रूप में की जाती है जैसे वैधानिक विषयों पर निर्णय लेना।

- “यहूदी महासभा” यरूशलेम, को “सेनहड्रिन” कहते थे, उसके 70 सदस्य थे जिनमें यहूदी अगुवे जैसे महायाजक, प्राचीन, शास्त्री, फरीसी, सदूकी थे, वे यहूदी व्यवस्था से संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए नियमित रूप से सभा करते थे। इसी महासभा ने यीशु पर अभियोग चलाकर उसे मृत्यु देने का निर्णय लिया था।
- अन्य नगरों में भी छोटी यहूदी सभाएं थी।
- प्रेरित पौलुस को रोमी प्रशासक के समक्ष उपस्थित किया गया था क्योंकि वह सुसमाचार प्रचार कर रहा था।
- प्रकरण के अनुसार “सभा” का अनुवाद हो सकता है, “विधान सभा” या “राजनीतिक सभा”
- “सभा में होना” अर्थात किसी बात का निर्णय लेने के लिए सभा में उपस्थित होना।
- ध्यान दें कि यह शब्द “सम्मति” से भिन्न है जिसका अर्थ है, “बुद्धिमानी का परामर्श देना”

(यह भी देखें: मण्डली, सम्मति, फरीसी, व्यवस्था, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:57-58
- प्रे.का. 24:20-21
- यूहन्ना 03:1-2
- लूका 22:66-68
- मरकुस 13:9-10
- मत्ती 05:21-22
- मत्ती 26:59-61

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4186, H5475, H7277, G1010, G4824, G4892

महासभा, सभाओं

परिभाषा:

महासभा मनुष्यों का एक समूह था जो महत्वपूर्ण विषयों पर विचार करने, परामर्श देने तथा निर्णय लेने के लिए बैठता है।

- किसी विशेष उद्देश्य के निमित्त सभा की व्यवस्था अधिकृत एवं स्थाई रूप में की जाती है जैसे वैधानिक विषयों पर निर्णय लेना।
- “यहूदी महासभा” यरूशलेम, को “सेनहड्रिन” कहते थे, उसके 70 सदस्य थे जिनमें यहूदी अगुवे जैसे महायाजक, प्राचीन, शास्त्री, फरीसी, सदूकी थे, वे यहूदी व्यवस्था से संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए नियमित रूप से सभा करते थे। इसी महासभा ने यीशु पर अभियोग चलाकर उसे मृत्यु देने का निर्णय लिया था।
- अन्य नगरों में भी छोटी यहूदी सभाएं थी।
- प्रेरित पौलुस को रोमी प्रशासक के समक्ष उपस्थित किया गया था क्योंकि वह सुसमाचार प्रचार कर रहा था।
- प्रकरण के अनुसार “सभा” का अनुवाद हो सकता है, “विधान सभा” या “राजनीतिक सभा”
- “सभा में होना” अर्थात किसी बात का निर्णय लेने के लिए सभा में उपस्थित होना।
- ध्यान दें कि यह शब्द “सम्मति” से भिन्न है जिसका अर्थ है, “बुद्धिमानी का परामर्श देना”

(यह भी देखें: मण्डली, सम्मति, फरीसी, व्यवस्था, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:57-58
- प्रे.का. 24:20-21
- यूहन्ना 03:1-2
- लूका 22:66-68
- मरकुस 13:9-10
- मत्ती 05:21-22
- मत्ती 26:59-61

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4186, H5475, H7277, G1010, G4824, G4892

महासभा, सभाओं

परिभाषा:

महासभा मनुष्यों का एक समूह था जो महत्वपूर्ण विषयों पर विचार करने, परामर्श देने तथा निर्णय लेने के लिए बैठता है।

- किसी विशेष उद्देश्य के निमित्त सभा की व्यवस्था अधिकृत एवं स्थाई रूप में की जाती है जैसे वैधानिक विषयों पर निर्णय लेना।
- "यहूदी महासभा" यरूशलेम, को "सेनहड्रिन" कहते थे, उसके 70 सदस्य थे जिनमें यहूदी अगुवे जैसे महायाजक, प्राचीन, शास्त्री, फरीसी, सदूकी थे, वे यहूदी व्यवस्था से संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए नियमित रूप से सभा करते थे। इसी महासभा ने यीशु पर अभियोग चलाकर उसे मृत्यु देने का निर्णय लिया था।
- अन्य नगरों में भी छोटी यहूदी सभाएं थी।
- प्रेरित पौलुस को रोमी प्रशासक के समक्ष उपस्थित किया गया था क्योंकि वह सुसमाचार प्रचार कर रहा था।
- प्रकरण के अनुसार "सभा" का अनुवाद हो सकता है, "विधान सभा" या "राजनीतिक सभा"
- "सभा में होना" अर्थात किसी बात का निर्णय लेने के लिए सभा में उपस्थित होना।
- ध्यान दें कि यह शब्द "सम्मति" से भिन्न है जिसका अर्थ है, "बुद्धिमानी का परामर्श देना"

(यह भी देखें: मण्डली, सम्मति, फरीसी, व्यवस्था, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:57-58
- प्रे.का. 24:20-21
- यूहन्ना 03:1-2
- लूका 22:66-68
- मरकुस 13:9-10
- मत्ती 05:21-22
- मत्ती 26:59-61

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4186, H5475, H7277, G1010, G4824, G4892

महासभा, सभाओं

परिभाषा:

महासभा मनुष्यों का एक समूह था जो महत्वपूर्ण विषयों पर विचार करने, परामर्श देने तथा निर्णय लेने के लिए बैठता है।

- किसी विशेष उद्देश्य के निमित्त सभा की व्यवस्था अधिकृत एवं स्थाई रूप में की जाती है जैसे वैधानिक विषयों पर निर्णय लेना।
- "यहूदी महासभा" यरूशलेम, को "सेनहड्रिन" कहते थे, उसके 70 सदस्य थे जिनमें यहूदी अगुवे जैसे महायाजक, प्राचीन, शास्त्री, फरीसी, सदूकी थे, वे यहूदी व्यवस्था से संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए नियमित रूप से सभा करते थे। इसी महासभा ने यीशु पर अभियोग चलाकर उसे मृत्यु देने का निर्णय लिया था।
- अन्य नगरों में भी छोटी यहूदी सभाएं थी।
- प्रेरित पौलुस को रोमी प्रशासक के समक्ष उपस्थित किया गया था क्योंकि वह सुसमाचार प्रचार कर रहा था।
- प्रकरण के अनुसार "सभा" का अनुवाद हो सकता है, "विधान सभा" या "राजनीतिक सभा"
- "सभा में होना" अर्थात किसी बात का निर्णय लेने के लिए सभा में उपस्थित होना।
- ध्यान दें कि यह शब्द "सम्मति" से भिन्न है जिसका अर्थ है, "बुद्धिमानी का परामर्श देना"

(यह भी देखें: मण्डली, सम्मति, फरीसी, व्यवस्था, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:57-58
- प्रे.का. 24:20-21
- यूहन्ना 03:1-2
- लूका 22:66-68
- मरकुस 13:9-10
- मत्ती 05:21-22
- मत्ती 26:59-61

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4186, H5475, H7277, G1010, G4824, G4892

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा, महिमामय, गौरव

परिभाषा:

सामान्यत: “महिमा” का अर्थ है, सम्मान, वैभव तथा अति महानता। जिसमें महिमा हो वह "महिमामय" कहलाता है।

- कभी-कभी "महिमा" का अर्थ महान मूल्य एवं महत्व भी होता है। अन्य संदर्भों में इसका भावार्थ, वैभव, कान्ति या न्याय भी होता है।
- उदाहरण के लिए, "चरवाहों की महिमा" का अर्थ रसीला चरागाहों को दर्शाता है जहां उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होता है।
- महिमा विशेष करके परमेश्वर का वर्णन करने में काम में ली जाती है क्योंकि वह संपूर्ण ब्रह्माण्ड में सबसे अधिक महिमामय है उसके व्यक्तित्व में हर एक बात उसकी महिमा और उसका वैभव प्रकट करती है।
- अभिव्यक्ति "महिमा करने के लिए" का अर्थ है कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप, “वैभव” या “तेज” या “प्रतापी” या “अति महानता” या “परम मूल्य” हो सकते हैं।
- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा" की अभिव्यक्ति "परमेश्वर की महानता का सम्मान" या "उसकी महिमा के कारण परमेश्वर की स्तुति" या "दूसरों को बताओं कि महान परमेश्वर कितना महान है" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "महिमा" का अनुवाद "प्रशंसा" या "में अभिमान" या "घमण्ड" या "आनंद लेना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा करे, सम्मान, ऐश्वर्य, उच्चाटन, पालन, प्रशंसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9-10
- यशायाह 35:02
- लूका 18:43
- लूका 02:09
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 03:13-14
- प्रे.का 07:1-3
- रोमियों 08:17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फिलिपियों 02:14-16
- फिलिपियों 04:19
- कुलुसियों 03:1-4
- 1 थिस्लुनिकियों 02:05
- याकूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रका. 15:04

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है।
- **37:08** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2744, G4888

महिमा करे, महिमा होती है

परिभाषा:

“महिमा करे” अर्थात किसी वस्तु या मनुष्य की महानता एवं महत्व को दर्शाना। इसका मूल अर्थ है, “महिमान्वित करना”।

- मनुष्य परमेश्वर के अद्भुत कामों का गुणगान करके उसका महिमा कर सकते हैं।
- वे परमेश्वर की महिमा भी कर सकते है इस तरीके से जीकर की उसे सम्मान मिले और दिखाते हुए की वह कितना महान और अद्भुत है।
- बाइबल में लिखा है कि परमेश्वर अपनी महिमा प्रकट करता है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्यों पर अपनी अद्भुत महानता प्रकट करता है, जो प्रायः चमत्कारों द्वारा होती है।
- पिता परमेश्वर, पुत्र परमेश्वर की महिमा द्वारा पुत्र की सिद्धता, वैभव एवं महानता प्रकट करता है।
- मसीह में विश्वास करनेवाला प्रत्येक जन उसके साथ महिमा पाएगा। जब जीवन के लिए उनका पुनरुत्थान होगा तब वे उसकी महिमा प्रकाशित करने के लिए रूपान्तरिक हो जाएंगे और संपूर्ण सृष्टि पर उसका अनुग्रह प्रकट होगा।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “को महिमा देना” या “का महिमान्वन करना” या “महान दिखाई देने का कारण होना”।
- “परमेश्वर की महिमा करना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की स्तुति करना” या “परमेश्वर की महानता की चर्चा करना” या “दिखाना कि परमेश्वर कैसा महान है”, या “परमेश्वर को (आज्ञा मानकर)प्रतिष्ठित करना”।
- शब्द "महिमा हो" का अनुवाद भी किया जा सकता है, "बहुत महान होना दिखाया जाए" या "स्तुति की जाए" या "ऊंचा हो।"

(यह भी देखें: ऊँचा, महिमा, आज्ञा मानना, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रे.का. 03:13-14
- यूहन्ना 12:27-29
- लूका 18:42-43
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 08:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3513, H6286, G1392, G1740, G4888

महिमा करे, महिमा होती है

परिभाषा:

“महिमा करे” अर्थात किसी वस्तु या मनुष्य की महानता एवं महत्व को दर्शाना। इसका मूल अर्थ है, “महिमान्वित करना”।

- मनुष्य परमेश्वर के अद्भुत कामों का गुणगान करके उसका महिमा कर सकते हैं।
- वे परमेश्वर की महिमा भी कर सकते है इस तरीके से जीकर की उसे सम्मान मिले और दिखाते हुए की वह कितना महान और अद्भुत है।
- बाइबल में लिखा है कि परमेश्वर अपनी महिमा प्रकट करता है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्यों पर अपनी अद्भुत महानता प्रकट करता है, जो प्रायः चमत्कारों द्वारा होती है।
- पिता परमेश्वर, पुत्र परमेश्वर की महिमा द्वारा पुत्र की सिद्धता, वैभव एवं महानता प्रकट करता है।
- मसीह में विश्वास करनेवाला प्रत्येक जन उसके साथ महिमा पाएगा। जब जीवन के लिए उनका पुनरुत्थान होगा तब वे उसकी महिमा प्रकाशित करने के लिए रूपान्तरिक हो जाएंगे और संपूर्ण सृष्टि पर उसका अनुग्रह प्रकट होगा।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “को महिमा देना” या “का महिमान्वन करना” या “महान दिखाई देने का कारण होना”।
- “परमेश्वर की महिमा करना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की स्तुति करना” या “परमेश्वर की महानता की चर्चा करना” या “दिखाना कि परमेश्वर कैसा महान है”, या “परमेश्वर को (आज्ञा मानकर)प्रतिष्ठित करना”।
- शब्द "महिमा हो" का अनुवाद भी किया जा सकता है, "बहुत महान होना दिखाया जाए" या "स्तुति की जाए" या "ऊंचा हो।"

(यह भी देखें: ऊँचा, महिमा, आज्ञा मानना, स्तुति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- 1 पतरस 04:15-16
- प्रे.का. 03:13-14
- यूहन्ना 12:27-29
- लूका 18:42-43
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4
- रोमियो 08:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3513, H6286, G1392, G1740, G4888

महीने, महीनों, महीने के

परिभाषा:

“महीना” शब्द चार सप्ताहों के समय के संदर्भ में है। प्रत्येक महीने के दिनों में अन्तर तब आ जाता है जब चांद या सूर्य का कैलेण्डर काम में लिया जाता है।

- चांद के कैलेण्डर में महीने का समय चांद द्वारा पृथ्वी की परिक्रमा के दिनों पर आधारित होता है अर्थात 29 दिन। इस प्रणाली में वर्ष 12 या 13 महीनों का होता है। 12 या 13 महीनों का वर्ष होने के उपरान्त भी प्रथम माह का नाम वही होता है यद्यपि ऋतु अलग होगी।
- “नया चांद” या चांद का आरंभिक चरण-चांदी का सा प्रकाश, चांद के प्रत्येक महीने का आरंभ है।
- बाइबल में जिन महीनों का उल्लेख किया गया है वे चन्द्र वर्ष के महीने हैं क्योंकि इस्राएल इसी कैलेण्डर को मानता था। आज के यहूदी धार्मिक उद्देश्यों में इसी कैलेण्डर को मानते हैं।
- आज का प्रचलित कैलेण्डर सौर कैलेण्डर निर्भर करता है कि पृथ्वी सूर्य के परिक्रमा करने में कितने दिन लगाती है (लगभग 365 दिन) इस कैलेण्डर में वर्ष बारह महीनों में विभाजित होता है, प्रत्येक वर्ष 28 से 31 दिन तक का होता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 20:32-34
- प्रे.का. 18:9-11
- इब्रानियों 11:23-26
- गिनती 10:10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2320, H3391, H3393, G3376

महीने, महीनों, महीने के

परिभाषा:

“महीना” शब्द चार सप्ताहों के समय के संदर्भ में है। प्रत्येक महीने के दिनों में अन्तर तब आ जाता है जब चांद या सूर्य का कैलेण्डर काम में लिया जाता है।

- चांद के कैलेण्डर में महीने का समय चांद द्वारा पृथ्वी की परिक्रमा के दिनों पर आधारित होता है अर्थात 29 दिन। इस प्रणाली में वर्ष 12 या 13 महीनों का होता है। 12 या 13 महीनों का वर्ष होने के उपरान्त भी प्रथम माह का नाम वही होता है यद्यपि ऋतु अलग होगी।
- “नया चांद” या चांद का आरंभिक चरण-चांदी का सा प्रकाश, चांद के प्रत्येक महीने का आरंभ है।
- बाइबल में जिन महीनों का उल्लेख किया गया है वे चन्द्र वर्ष के महीने हैं क्योंकि इस्राएल इसी कैलेण्डर को मानता था। आज के यहूदी धार्मिक उद्देश्यों में इसी कैलेण्डर को मानते हैं।
- आज का प्रचलित कैलेण्डर सौर कैलेण्डर निर्भर करता है कि पृथ्वी सूर्य के परिक्रमा करने में कितने दिन लगाती है (लगभग 365 दिन) इस कैलेण्डर में वर्ष बारह महीनों में विभाजित होता है, प्रत्येक वर्ष 28 से 31 दिन तक का होता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 20:32-34
- प्रे.का. 18:9-11
- इब्रानियों 11:23-26
- गिनती 10:10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2320, H3391, H3393, G3376

महीने, महीनों, महीने के

परिभाषा:

“महीना” शब्द चार सप्ताहों के समय के संदर्भ में है। प्रत्येक महीने के दिनों में अन्तर तब आ जाता है जब चांद या सूर्य का कैलेण्डर काम में लिया जाता है।

- चांद के कैलेण्डर में महीने का समय चांद द्वारा पृथ्वी की परिक्रमा के दिनों पर आधारित होता है अर्थात 29 दिन। इस प्रणाली में वर्ष 12 या 13 महीनों का होता है। 12 या 13 महीनों का वर्ष होने के उपरान्त भी प्रथम माह का नाम वही होता है यद्यपि ऋतु अलग होगी।
- “नया चांद” या चांद का आरंभिक चरण-चांदी का सा प्रकाश, चांद के प्रत्येक महीने का आरंभ है।
- बाइबल में जिन महीनों का उल्लेख किया गया है वे चन्द्र वर्ष के महीने हैं क्योंकि इस्राएल इसी कैलेण्डर को मानता था। आज के यहूदी धार्मिक उद्देश्यों में इसी कैलेण्डर को मानते हैं।
- आज का प्रचलित कैलेण्डर सौर कैलेण्डर निर्भर करता है कि पृथ्वी सूर्य के परिक्रमा करने में कितने दिन लगाती है (लगभग 365 दिन) इस कैलेण्डर में वर्ष बारह महीनों में विभाजित होता है, प्रत्येक वर्ष 28 से 31 दिन तक का होता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 20:32-34
- प्रे.का. 18:9-11
- इब्रानियों 11:23-26
- गिनती 10:10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2320, H3391, H3393, G3376

महीने, महीनों, महीने के

परिभाषा:

“महीना” शब्द चार सप्ताहों के समय के संदर्भ में है। प्रत्येक महीने के दिनों में अन्तर तब आ जाता है जब चांद या सूर्य का कैलेण्डर काम में लिया जाता है।

- चांद के कैलेण्डर में महीने का समय चांद द्वारा पृथ्वी की परिक्रमा के दिनों पर आधारित होता है अर्थात 29 दिन। इस प्रणाली में वर्ष 12 या 13 महीनों का होता है। 12 या 13 महीनों का वर्ष होने के उपरान्त भी प्रथम माह का नाम वही होता है यद्यपि ऋतु अलग होगी।
- “नया चांद” या चांद का आरंभिक चरण-चांदी का सा प्रकाश, चांद के प्रत्येक महीने का आरंभ है।
- बाइबल में जिन महीनों का उल्लेख किया गया है वे चन्द्र वर्ष के महीने हैं क्योंकि इस्राएल इसी कैलेण्डर को मानता था। आज के यहूदी धार्मिक उद्देश्यों में इसी कैलेण्डर को मानते हैं।
- आज का प्रचलित कैलेण्डर सौर कैलेण्डर निर्भर करता है कि पृथ्वी सूर्य के परिक्रमा करने में कितने दिन लगाती है (लगभग 365 दिन) इस कैलेण्डर में वर्ष बारह महीनों में विभाजित होता है, प्रत्येक वर्ष 28 से 31 दिन तक का होता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 20:32-34
- प्रे.का. 18:9-11
- इब्रानियों 11:23-26
- गिनती 10:10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2320, H3391, H3393, G3376

महीने, महीनों, महीने के

परिभाषा:

“महीना” शब्द चार सप्ताहों के समय के संदर्भ में है। प्रत्येक महीने के दिनों में अन्तर तब आ जाता है जब चांद या सूर्य का कैलेण्डर काम में लिया जाता है।

- चांद के कैलेण्डर में महीने का समय चांद द्वारा पृथ्वी की परिक्रमा के दिनों पर आधारित होता है अर्थात 29 दिन। इस प्रणाली में वर्ष 12 या 13 महीनों का होता है। 12 या 13 महीनों का वर्ष होने के उपरान्त भी प्रथम माह का नाम वही होता है यद्यपि ऋतु अलग होगी।
- “नया चांद” या चांद का आरंभिक चरण-चांदी का सा प्रकाश, चांद के प्रत्येक महीने का आरंभ है।
- बाइबल में जिन महीनों का उल्लेख किया गया है वे चन्द्र वर्ष के महीने हैं क्योंकि इस्राएल इसी कैलेण्डर को मानता था। आज के यहूदी धार्मिक उद्देश्यों में इसी कैलेण्डर को मानते हैं।
- आज का प्रचलित कैलेण्डर सौर कैलेण्डर निर्भर करता है कि पृथ्वी सूर्य के परिक्रमा करने में कितने दिन लगाती है (लगभग 365 दिन) इस कैलेण्डर में वर्ष बारह महीनों में विभाजित होता है, प्रत्येक वर्ष 28 से 31 दिन तक का होता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 20:32-34
- प्रे.का. 18:9-11
- इब्रानियों 11:23-26
- गिनती 10:10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2320, H3391, H3393, G3376

माँस

परिभाषा:

बाइबल में “माँस” मनुष्य या पशु के कोमल उत्तकों का संदर्भ देता है।

- बाइबल “माँस” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी करती है जिसके द्वारा सब मनुष्यों या सब पशुओं का उल्लेख करती है।
- नये नियम में “माँस” शब्द मनुष्यों के पापी स्वभाव के लिए काम में लिया गया है। इसका उपयोग प्रायः आत्मिक स्वभाव के विपरीत किया जाता है।
- “अपना माँस और लहू” किसी के साथ लहू के संबन्ध का संदर्भ देता है जैसे माता-पिता, भाई-बहन, सन्तान, नाती-पोते।
- इसका संदर्भ पूर्वजों या वंशजो से भी है।
- “एक देह” अर्थात विवाहित संबन्ध से भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- पशु की देह के संदर्भ में शरीर का अनुवाद हो सकता है, “देह” या “त्वचा” या “माँस”
- जब सब प्राणियों के संदर्भ में काम में लिया जाए तो इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “जीवित प्राणी” या “सब जीवित वस्तुएं”।
- जब मनुष्यों के लिए सामान्य उपयोग किया जाए तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य” या “मानव जाति” या “सब जीवित लोग”
- “माँस और लहू” का अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “परिवार” या “संबन्धी” या “पारिवारिक कुल”। कुछ संदर्भों में यह शब्द "पूर्वजों" या “वंशज” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में अभिव्यक्ति हो सकती है जो "माँस और लहू" के समान है।
- अभिव्यक्ति "एक माँस बन गया" का अनुवाद "यौन एकजुट" या "एक शरीर के रूप में हो" या "शरीर और आत्मा में एक व्यक्ति के समान हो" के रूप में किया जा सकता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद, यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए कि यह परियोजना भाषा और संस्कृति में स्वीकार्य है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 2 यूहन्ना 01:7-8
- इफिसियों 06:12-13
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 02:24-25
- यूहन्ना 01:14-15
- मत्ती 16:17-18
- रोमियो 08:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H829, H1320, H1321, H2878, H3894, H4207, H7607, H7683, G2907, G4559, G4560, G4561

माँस

परिभाषा:

बाइबल में “माँस” मनुष्य या पशु के कोमल उत्तकों का संदर्भ देता है।

- बाइबल “माँस” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी करती है जिसके द्वारा सब मनुष्यों या सब पशुओं का उल्लेख करती है।
- नये नियम में “माँस” शब्द मनुष्यों के पापी स्वभाव के लिए काम में लिया गया है। इसका उपयोग प्रायः आत्मिक स्वभाव के विपरीत किया जाता है।
- “अपना माँस और लहू” किसी के साथ लहू के संबन्ध का संदर्भ देता है जैसे माता-पिता, भाई-बहन, सन्तान, नाती-पोते।
- इसका संदर्भ पूर्वजों या वंशजो से भी है।
- “एक देह” अर्थात विवाहित संबन्ध से भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- पशु की देह के संदर्भ में शरीर का अनुवाद हो सकता है, “देह” या “त्वचा” या “माँस”
- जब सब प्राणियों के संदर्भ में काम में लिया जाए तो इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “जीवित प्राणी” या “सब जीवित वस्तुएं”।
- जब मनुष्यों के लिए सामान्य उपयोग किया जाए तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य” या “मानव जाति” या “सब जीवित लोग”
- “माँस और लहू” का अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “परिवार” या “संबन्धी” या “पारिवारिक कुल”। कुछ संदर्भों में यह शब्द "पूर्वजों" या “वंशज” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में अभिव्यक्ति हो सकती है जो "माँस और लहू" के समान है।
- अभिव्यक्ति "एक माँस बन गया" का अनुवाद "यौन एकजुट" या "एक शरीर के रूप में हो" या "शरीर और आत्मा में एक व्यक्ति के समान हो" के रूप में किया जा सकता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद, यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए कि यह परियोजना भाषा और संस्कृति में स्वीकार्य है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 2 यूहन्ना 01:7-8
- इफिसियों 06:12-13
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 02:24-25
- यूहन्ना 01:14-15
- मत्ती 16:17-18
- रोमियो 08:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H829, H1320, H1321, H2878, H3894, H4207, H7607, H7683, G2907, G4559, G4560, G4561

माँस

परिभाषा:

बाइबल में “माँस” मनुष्य या पशु के कोमल उत्तकों का संदर्भ देता है।

- बाइबल “माँस” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी करती है जिसके द्वारा सब मनुष्यों या सब पशुओं का उल्लेख करती है।
- नये नियम में “माँस” शब्द मनुष्यों के पापी स्वभाव के लिए काम में लिया गया है। इसका उपयोग प्रायः आत्मिक स्वभाव के विपरीत किया जाता है।
- “अपना माँस और लहू” किसी के साथ लहू के संबन्ध का संदर्भ देता है जैसे माता-पिता, भाई-बहन, सन्तान, नाती-पोते।
- इसका संदर्भ पूर्वजों या वंशजो से भी है।
- “एक देह” अर्थात विवाहित संबन्ध से भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- पशु की देह के संदर्भ में शरीर का अनुवाद हो सकता है, “देह” या “त्वचा” या “माँस”
- जब सब प्राणियों के संदर्भ में काम में लिया जाए तो इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “जीवित प्राणी” या “सब जीवित वस्तुएं”।
- जब मनुष्यों के लिए सामान्य उपयोग किया जाए तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य” या “मानव जाति” या “सब जीवित लोग”
- “माँस और लहू” का अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “परिवार” या “संबन्धी” या “पारिवारिक कुल”। कुछ संदर्भों में यह शब्द "पूर्वजों" या “वंशज” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में अभिव्यक्ति हो सकती है जो "माँस और लहू" के समान है।
- अभिव्यक्ति "एक माँस बन गया" का अनुवाद "यौन एकजुट" या "एक शरीर के रूप में हो" या "शरीर और आत्मा में एक व्यक्ति के समान हो" के रूप में किया जा सकता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद, यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए कि यह परियोजना भाषा और संस्कृति में स्वीकार्य है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 2 यूहन्ना 01:7-8
- इफिसियों 06:12-13
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 02:24-25
- यूहन्ना 01:14-15
- मत्ती 16:17-18
- रोमियो 08:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H829, H1320, H1321, H2878, H3894, H4207, H7607, H7683, G2907, G4559, G4560, G4561

माँस

परिभाषा:

बाइबल में “माँस” मनुष्य या पशु के कोमल उत्तकों का संदर्भ देता है।

- बाइबल “माँस” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी करती है जिसके द्वारा सब मनुष्यों या सब पशुओं का उल्लेख करती है।
- नये नियम में “माँस” शब्द मनुष्यों के पापी स्वभाव के लिए काम में लिया गया है। इसका उपयोग प्रायः आत्मिक स्वभाव के विपरीत किया जाता है।
- “अपना माँस और लहू” किसी के साथ लहू के संबन्ध का संदर्भ देता है जैसे माता-पिता, भाई-बहन, सन्तान, नाती-पोते।
- इसका संदर्भ पूर्वजों या वंशजो से भी है।
- “एक देह” अर्थात विवाहित संबन्ध से भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- पशु की देह के संदर्भ में शरीर का अनुवाद हो सकता है, “देह” या “त्वचा” या “माँस”
- जब सब प्राणियों के संदर्भ में काम में लिया जाए तो इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “जीवित प्राणी” या “सब जीवित वस्तुएं”।
- जब मनुष्यों के लिए सामान्य उपयोग किया जाए तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य” या “मानव जाति” या “सब जीवित लोग”
- “माँस और लहू” का अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “परिवार” या “संबन्धी” या “पारिवारिक कुल”। कुछ संदर्भों में यह शब्द "पूर्वजों" या “वंशज” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में अभिव्यक्ति हो सकती है जो "माँस और लहू" के समान है।
- अभिव्यक्ति "एक माँस बन गया" का अनुवाद "यौन एकजुट" या "एक शरीर के रूप में हो" या "शरीर और आत्मा में एक व्यक्ति के समान हो" के रूप में किया जा सकता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद, यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए कि यह परियोजना भाषा और संस्कृति में स्वीकार्य है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 2 यूहन्ना 01:7-8
- इफिसियों 06:12-13
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 02:24-25

- यूहन्ना 01:14-15
- मत्ती 16:17-18
- रोमियो 08:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H829, H1320, H1321, H2878, H3894, H4207, H7607, H7683, G2907, G4559, G4560, G4561

माँस

परिभाषा:

बाइबल में “माँस” मनुष्य या पशु के कोमल उत्तकों का संदर्भ देता है।

- बाइबल “माँस” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी करती है जिसके द्वारा सब मनुष्यों या सब पशुओं का उल्लेख करती है।
- नये नियम में “माँस” शब्द मनुष्यों के पापी स्वभाव के लिए काम में लिया गया है। इसका उपयोग प्रायः आत्मिक स्वभाव के विपरीत किया जाता है।
- “अपना माँस और लहू” किसी के साथ लहू के संबन्ध का संदर्भ देता है जैसे माता-पिता, भाई-बहन, सन्तान, नाती-पोते।
- इसका संदर्भ पूर्वजों या वंशजो से भी है।
- “एक देह” अर्थात विवाहित संबन्ध से भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- पशु की देह के संदर्भ में शरीर का अनुवाद हो सकता है, “देह” या “त्वचा” या “माँस”
- जब सब प्राणियों के संदर्भ में काम में लिया जाए तो इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “जीवित प्राणी” या “सब जीवित वस्तुएं”।
- जब मनुष्यों के लिए सामान्य उपयोग किया जाए तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य” या “मानव जाति” या “सब जीवित लोग”
- “माँस और लहू” का अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “परिवार” या “संबन्धी” या “पारिवारिक कुल”। कुछ संदर्भों में यह शब्द "पूर्वजों" या “वंशज” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में अभिव्यक्ति हो सकती है जो "माँस और लहू" के समान है।
- अभिव्यक्ति "एक माँस बन गया" का अनुवाद "यौन एकजुट" या "एक शरीर के रूप में हो" या "शरीर और आत्मा में एक व्यक्ति के समान हो" के रूप में किया जा सकता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद, यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए कि यह परियोजना भाषा और संस्कृति में स्वीकार्य है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 2 यूहन्ना 01:7-8
- इफिसियों 06:12-13
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 02:24-25
- यूहन्ना 01:14-15
- मत्ती 16:17-18
- रोमियो 08:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H829, H1320, H1321, H2878, H3894, H4207, H7607, H7683, G2907, G4559, G4560, G4561

माँस

परिभाषा:

बाइबल में “माँस” मनुष्य या पशु के कोमल उत्तकों का संदर्भ देता है।

- बाइबल “माँस” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी करती है जिसके द्वारा सब मनुष्यों या सब पशुओं का उल्लेख करती है।
- नये नियम में “माँस” शब्द मनुष्यों के पापी स्वभाव के लिए काम में लिया गया है। इसका उपयोग प्रायः आत्मिक स्वभाव के विपरीत किया जाता है।
- “अपना माँस और लहू” किसी के साथ लहू के संबन्ध का संदर्भ देता है जैसे माता-पिता, भाई-बहन, सन्तान, नाती-पोते।
- इसका संदर्भ पूर्वजों या वंशजो से भी है।

- “एक देह” अर्थात विवाहित संबन्ध से भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- पशु की देह के संदर्भ में शरीर का अनुवाद हो सकता है, “देह” या “त्वचा” या “माँस”
- जब सब प्राणियों के संदर्भ में काम में लिया जाए तो इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “जीवित प्राणी” या “सब जीवित वस्तुएं”।
- जब मनुष्यों के लिए सामान्य उपयोग किया जाए तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य” या “मानव जाति” या “सब जीवित लोग”
- “माँस और लहू” का अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “परिवार” या “संबन्धी” या “पारिवारिक कुल”। कुछ संदर्भों में यह शब्द "पूर्वजों" या “वंशज” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में अभिव्यक्ति हो सकती है जो "माँस और लहू" के समान है।
- अभिव्यक्ति "एक माँस बन गया" का अनुवाद "यौन एकजुट" या "एक शरीर के रूप में हो" या "शरीर और आत्मा में एक व्यक्ति के समान हो" के रूप में किया जा सकता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद, यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए कि यह परियोजना भाषा और संस्कृति में स्वीकार्य है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 2 यूहन्ना 01:7-8
- इफिसियों 06:12-13
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 02:24-25
- यूहन्ना 01:14-15
- मत्ती 16:17-18
- रोमियो 08:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H829, H1320, H1321, H2878, H3894, H4207, H7607, H7683, G2907, G4559, G4560, G4561

माँस

परिभाषा:

बाइबल में “माँस” मनुष्य या पशु के कोमल उत्तकों का संदर्भ देता है।

- बाइबल “माँस” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी करती है जिसके द्वारा सब मनुष्यों या सब पशुओं का उल्लेख करती है।
- नये नियम में “माँस” शब्द मनुष्यों के पापी स्वभाव के लिए काम में लिया गया है। इसका उपयोग प्रायः आत्मिक स्वभाव के विपरीत किया जाता है।
- “अपना माँस और लहू” किसी के साथ लहू के संबन्ध का संदर्भ देता है जैसे माता-पिता, भाई-बहन, सन्तान, नाती-पोते।
- इसका संदर्भ पूर्वजों या वंशजो से भी है।
- “एक देह” अर्थात विवाहित संबन्ध से भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- पशु की देह के संदर्भ में शरीर का अनुवाद हो सकता है, “देह” या “त्वचा” या “माँस”
- जब सब प्राणियों के संदर्भ में काम में लिया जाए तो इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “जीवित प्राणी” या “सब जीवित वस्तुएं”।
- जब मनुष्यों के लिए सामान्य उपयोग किया जाए तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य” या “मानव जाति” या “सब जीवित लोग”
- “माँस और लहू” का अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “परिवार” या “संबन्धी” या “पारिवारिक कुल”। कुछ संदर्भों में यह शब्द "पूर्वजों" या “वंशज” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में अभिव्यक्ति हो सकती है जो "माँस और लहू" के समान है।
- अभिव्यक्ति "एक माँस बन गया" का अनुवाद "यौन एकजुट" या "एक शरीर के रूप में हो" या "शरीर और आत्मा में एक व्यक्ति के समान हो" के रूप में किया जा सकता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद, यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए कि यह परियोजना भाषा और संस्कृति में स्वीकार्य है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 2 यूहन्ना 01:7-8
- इफिसियों 06:12-13

- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 02:24-25
- यूहन्ना 01:14-15
- मत्ती 16:17-18
- रोमियो 08:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H829, H1320, H1321, H2878, H3894, H4207, H7607, H7683, G2907, G4559, G4560, G4561

माँस

परिभाषा:

बाइबल में “माँस” मनुष्य या पशु के कोमल उत्तकों का संदर्भ देता है।

- बाइबल “माँस” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी करती है जिसके द्वारा सब मनुष्यों या सब पशुओं का उल्लेख करती है।
- नये नियम में “माँस” शब्द मनुष्यों के पापी स्वभाव के लिए काम में लिया गया है। इसका उपयोग प्रायः आत्मिक स्वभाव के विपरीत किया जाता है।
- “अपना माँस और लहू” किसी के साथ लहू के संबन्ध का संदर्भ देता है जैसे माता-पिता, भाई-बहन, सन्तान, नाती-पोते।
- इसका संदर्भ पूर्वजों या वंशजो से भी है।
- “एक देह” अर्थात विवाहित संबन्ध से भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- पशु की देह के संदर्भ में शरीर का अनुवाद हो सकता है, “देह” या “त्वचा” या “माँस”
- जब सब प्राणियों के संदर्भ में काम में लिया जाए तो इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “जीवित प्राणी” या “सब जीवित वस्तुएं”।
- जब मनुष्यों के लिए सामान्य उपयोग किया जाए तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य” या “मानव जाति” या “सब जीवित लोग”
- “माँस और लहू” का अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “परिवार” या “संबन्धी” या “पारिवारिक कुल”। कुछ संदर्भों में यह शब्द "पूर्वजों" या “वंशज” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में अभिव्यक्ति हो सकती है जो "माँस और लहू" के समान है।
- अभिव्यक्ति "एक माँस बन गया" का अनुवाद "यौन एकजुट" या "एक शरीर के रूप में हो" या "शरीर और आत्मा में एक व्यक्ति के समान हो" के रूप में किया जा सकता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद, यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए कि यह परियोजना भाषा और संस्कृति में स्वीकार्य है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 2 यूहन्ना 01:7-8
- इफिसियों 06:12-13
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 02:24-25
- यूहन्ना 01:14-15
- मत्ती 16:17-18
- रोमियो 08:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H829, H1320, H1321, H2878, H3894, H4207, H7607, H7683, G2907, G4559, G4560, G4561

माँस

परिभाषा:

बाइबल में “माँस” मनुष्य या पशु के कोमल उत्तकों का संदर्भ देता है।

- बाइबल “माँस” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी करती है जिसके द्वारा सब मनुष्यों या सब पशुओं का उल्लेख करती है।
- नये नियम में “माँस” शब्द मनुष्यों के पापी स्वभाव के लिए काम में लिया गया है। इसका उपयोग प्रायः आत्मिक स्वभाव के विपरीत किया जाता है।

- “अपना माँस और लहू” किसी के साथ लहू के संबन्ध का संदर्भ देता है जैसे माता-पिता, भाई-बहन, सन्तान, नाती-पोते।
- इसका संदर्भ पूर्वजों या वंशजो से भी है।
- “एक देह” अर्थात विवाहित संबन्ध से भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- पशु की देह के संदर्भ में शरीर का अनुवाद हो सकता है, “देह” या “त्वचा” या “माँस”
- जब सब प्राणियों के संदर्भ में काम में लिया जाए तो इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “जीवित प्राणी” या “सब जीवित वस्तुएं”।
- जब मनुष्यों के लिए सामान्य उपयोग किया जाए तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य” या “मानव जाति” या “सब जीवित लोग”
- “माँस और लहू” का अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “परिवार” या “संबन्धी” या “पारिवारिक कुल”। कुछ संदर्भों में यह शब्द "पूर्वजों" या “वंशज” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में अभिव्यक्ति हो सकती है जो "माँस और लहू" के समान है।
- अभिव्यक्ति "एक माँस बन गया" का अनुवाद "यौन एकजुट" या "एक शरीर के रूप में हो" या "शरीर और आत्मा में एक व्यक्ति के समान हो" के रूप में किया जा सकता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद, यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए कि यह परियोजना भाषा और संस्कृति में स्वीकार्य है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 2 यूहन्ना 01:7-8
- इफिसियों 06:12-13
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 02:24-25
- यूहन्ना 01:14-15
- मत्ती 16:17-18
- रोमियो 08:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H829, H1320, H1321, H2878, H3894, H4207, H7607, H7683, G2907, G4559, G4560, G4561

माँस

परिभाषा:

बाइबल में “माँस” मनुष्य या पशु के कोमल उत्तकों का संदर्भ देता है।

- बाइबल “माँस” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी करती है जिसके द्वारा सब मनुष्यों या सब पशुओं का उल्लेख करती है।
- नये नियम में “माँस” शब्द मनुष्यों के पापी स्वभाव के लिए काम में लिया गया है। इसका उपयोग प्राय: आत्मिक स्वभाव के विपरीत किया जाता है।
- “अपना माँस और लहू” किसी के साथ लहू के संबन्ध का संदर्भ देता है जैसे माता-पिता, भाई-बहन, सन्तान, नाती-पोते।
- इसका संदर्भ पूर्वजों या वंशजो से भी है।
- “एक देह” अर्थात विवाहित संबन्ध से भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- पशु की देह के संदर्भ में शरीर का अनुवाद हो सकता है, “देह” या “त्वचा” या “माँस”
- जब सब प्राणियों के संदर्भ में काम में लिया जाए तो इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “जीवित प्राणी” या “सब जीवित वस्तुएं”।
- जब मनुष्यों के लिए सामान्य उपयोग किया जाए तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य” या “मानव जाति” या “सब जीवित लोग”
- “माँस और लहू” का अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “परिवार” या “संबन्धी” या “पारिवारिक कुल”। कुछ संदर्भों में यह शब्द "पूर्वजों" या “वंशज” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में अभिव्यक्ति हो सकती है जो "माँस और लहू" के समान है।
- अभिव्यक्ति "एक माँस बन गया" का अनुवाद "यौन एकजुट" या "एक शरीर के रूप में हो" या "शरीर और आत्मा में एक व्यक्ति के समान हो" के रूप में किया जा सकता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद, यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए कि यह परियोजना भाषा और संस्कृति में स्वीकार्य है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17

- 2 यूहन्ना 01:7-8
- इफिसियों 06:12-13
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 02:24-25
- यूहन्ना 01:14-15
- मत्ती 16:17-18
- रोमियो 08:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H829, H1320, H1321, H2878, H3894, H4207, H7607, H7683, G2907, G4559, G4560, G4561

माँस

परिभाषा:

बाइबल में “माँस” मनुष्य या पशु के कोमल उत्तकों का संदर्भ देता है।

- बाइबल “माँस” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी करती है जिसके द्वारा सब मनुष्यों या सब पशुओं का उल्लेख करती है।
- नये नियम में “माँस” शब्द मनुष्यों के पापी स्वभाव के लिए काम में लिया गया है। इसका उपयोग प्रायः आत्मिक स्वभाव के विपरीत किया जाता है।
- “अपना माँस और लहू” किसी के साथ लहू के संबन्ध का संदर्भ देता है जैसे माता-पिता, भाई-बहन, सन्तान, नाती-पोते।
- इसका संदर्भ पूर्वजों या वंशजो से भी है।
- “एक देह” अर्थात विवाहित संबन्ध से भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- पशु की देह के संदर्भ में शरीर का अनुवाद हो सकता है, “देह” या “त्वचा” या “माँस”
- जब सब प्राणियों के संदर्भ में काम में लिया जाए तो इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “जीवित प्राणी” या “सब जीवित वस्तुएं”।
- जब मनुष्यों के लिए सामान्य उपयोग किया जाए तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य” या “मानव जाति” या “सब जीवित लोग”
- “माँस और लहू” का अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “परिवार” या “संबन्धी” या “पारिवारिक कुल”। कुछ संदर्भों में यह शब्द "पूर्वजों" या “वंशज” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में अभिव्यक्ति हो सकती है जो "माँस और लहू" के समान है।
- अभिव्यक्ति "एक माँस बन गया" का अनुवाद "यौन एकजुट" या "एक शरीर के रूप में हो" या "शरीर और आत्मा में एक व्यक्ति के समान हो" के रूप में किया जा सकता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद, यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए कि यह परियोजना भाषा और संस्कृति में स्वीकार्य है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 2 यूहन्ना 01:7-8
- इफिसियों 06:12-13
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 02:24-25
- यूहन्ना 01:14-15
- मत्ती 16:17-18
- रोमियो 08:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H829, H1320, H1321, H2878, H3894, H4207, H7607, H7683, G2907, G4559, G4560, G4561

माँस

परिभाषा:

बाइबल में “माँस” मनुष्य या पशु के कोमल उत्तकों का संदर्भ देता है।

- बाइबल “माँस” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी करती है जिसके द्वारा सब मनुष्यों या सब पशुओं का उल्लेख करती है।
- नये नियम में “माँस” शब्द मनुष्यों के पापी स्वभाव के लिए काम में लिया गया है। इसका उपयोग प्रायः आत्मिक स्वभाव के विपरीत किया जाता है।
- “अपना माँस और लहू” किसी के साथ लहू के संबन्ध का संदर्भ देता है जैसे माता-पिता, भाई-बहन, सन्तान, नाती-पोते।
- इसका संदर्भ पूर्वजों या वंशजो से भी है।
- “एक देह” अर्थात विवाहित संबन्ध से भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- पशु की देह के संदर्भ में शरीर का अनुवाद हो सकता है, “देह” या “त्वचा” या “माँस”
- जब सब प्राणियों के संदर्भ में काम में लिया जाए तो इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “जीवित प्राणी” या “सब जीवित वस्तुएं”।
- जब मनुष्यों के लिए सामान्य उपयोग किया जाए तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य” या “मानव जाति” या “सब जीवित लोग”
- “माँस और लहू” का अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “परिवार” या “संबन्धी” या “पारिवारिक कुल”। कुछ संदर्भों में यह शब्द "पूर्वजों" या “वंशज” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में अभिव्यक्ति हो सकती है जो "माँस और लहू" के समान है।
- अभिव्यक्ति "एक माँस बन गया" का अनुवाद "यौन एकजुट" या "एक शरीर के रूप में हो" या "शरीर और आत्मा में एक व्यक्ति के समान हो" के रूप में किया जा सकता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद, यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए कि यह परियोजना भाषा और संस्कृति में स्वीकार्य है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 2 यूहन्ना 01:7-8
- इफिसियों 06:12-13
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 02:24-25
- यूहन्ना 01:14-15
- मत्ती 16:17-18
- रोमियो 08:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H829, H1320, H1321, H2878, H3894, H4207, H7607, H7683, G2907, G4559, G4560, G4561

मानना, मान लेता है, मानकर, मान लेता, मान लिया

तथ्य:

“पहचानना” (मानना) अर्थात किसी मनुष्य को या वस्तु को यथा उचित मान देना।

- परमेश्वर का मानना (पहचानना) में ऐसा आचरण आता है जिससे प्रकट हो कि वह जो कहता है वह सच है।
- परमेश्वर को माननेवाले उसके आज्ञापालन द्वारा प्रकट करते हैं, जिससे उसके नाम का महिमा होती है।
- किसी बात को मानने का अर्थ है कि उसकी सच्चाई को स्वीकार करना, कार्यों एवं शब्दों द्वारा उसकी पुष्टि करना।

अनुवाद के सुझाव:

- किसी बात की सत्यता के संदर्भ में “मानना” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार करना” या “घोषित करना” या “सत्य का अंगीकार करना” या “विश्वास करना”।
- किसी मनुष्य को मानने (पहचान लो) के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार करना” या “के महत्व को पहचानना” या “अन्यों से कहना कि वह विश्वासयोग्य है।”
- इस सन्दर्भ में परमेश्वर को मानना का अनुवाद "परमेश्वर पर विश्वास और उसकी आज्ञापालन करना" या "घोषित करे कि परमेश्वर कौन है" या "अन्य लोगों को बताएं कि परमेश्वर कितना महान है" या "अंगीकार करे की परमेश्वर जो कहता है और करता है सच है।"

(यह भी देखें: आज्ञा मानना, महिमा, उद्धार)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 11:38-39
- यिर्मयाह 09:4-6
- अय्यूब 34:26-28
- लैव्यव्यवस्था 22:31-33
- भजन 029:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3045, H3046, H5046, H5234, H6942, G1492, G1921, G3670

मानना, मान लेता है, मानकर, मान लेता, मान लिया

तथ्य:

“पहचानना” (मानना) अर्थात किसी मनुष्य को या वस्तु को यथा उचित मान देना।

- परमेश्वर का मानना (पहचानना) में ऐसा आचरण आता है जिससे प्रकट हो कि वह जो कहता है वह सच है।
- परमेश्वर को माननेवाले उसके आज्ञापालन द्वारा प्रकट करते हैं, जिससे उसके नाम का महिमा होती है।
- किसी बात को मानने का अर्थ है कि उसकी सच्चाई को स्वीकार करना, कार्यों एवं शब्दों द्वारा उसकी पुष्टि करना।

अनुवाद के सुझाव:

- किसी बात की सत्यता के संदर्भ में “मानना” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार करना” या “घोषित करना” या “सत्य का अंगीकार करना” या “विश्वास करना”।
- किसी मनुष्य को मानने (पहचान लो) के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार करना” या “के महत्व को पहचानना” या “अन्यों से कहना कि वह विश्वासयोग्य है।”
- इस सन्दर्भ में परमेश्वर को मानना का अनुवाद "परमेश्वर पर विश्वास और उसकी आज्ञापालन करना" या "घोषित करे कि परमेश्वर कौन है" या "अन्य लोगों को बताएं कि परमेश्वर कितना महान है" या "अंगीकार करे की परमेश्वर जो कहता है और करता है सच है।"

(यह भी देखें: आज्ञा मानना, महिमा, उद्धार)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 11:38-39
- यिर्मयाह 09:4-6
- अय्यूब 34:26-28
- लैव्यव्यवस्था 22:31-33
- भजन 029:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3045, H3046, H5046, H5234, H6942, G1492, G1921, G3670

मानना, मान लेता है, मानकर, मान लेता, मान लिया

तथ्य:

“पहचानना” (मानना) अर्थात किसी मनुष्य को या वस्तु को यथा उचित मान देना।

- परमेश्वर का मानना (पहचानना) में ऐसा आचरण आता है जिससे प्रकट हो कि वह जो कहता है वह सच है।
- परमेश्वर को माननेवाले उसके आज्ञापालन द्वारा प्रकट करते हैं, जिससे उसके नाम का महिमा होती है।
- किसी बात को मानने का अर्थ है कि उसकी सच्चाई को स्वीकार करना, कार्यों एवं शब्दों द्वारा उसकी पुष्टि करना।

अनुवाद के सुझाव:

- किसी बात की सत्यता के संदर्भ में “मानना” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार करना” या “घोषित करना” या “सत्य का अंगीकार करना” या “विश्वास करना”।
- किसी मनुष्य को मानने (पहचान लो) के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार करना” या “के महत्व को पहचानना” या “अन्यों से कहना कि वह विश्वासयोग्य है।”
- इस सन्दर्भ में परमेश्वर को मानना का अनुवाद "परमेश्वर पर विश्वास और उसकी आज्ञापालन करना" या "घोषित करे कि परमेश्वर कौन है" या "अन्य लोगों को बताएं कि परमेश्वर कितना महान है" या "अंगीकार करे की परमेश्वर जो कहता है और करता है सच है।"

(यह भी देखें: आज्ञा मानना, महिमा, उद्धार)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 11:38-39
- यिर्मयाह 09:4-6
- अय्यूब 34:26-28
- लैव्यव्यवस्था 22:31-33
- भजन 029:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3045, H3046, H5046, H5234, H6942, G1492, G1921, G3670

मानना, मान लेता है, मानकर, मान लेता, मान लिया

तथ्य:

“पहचानना” (मानना) अर्थात किसी मनुष्य को या वस्तु को यथा उचित मान देना।

- परमेश्वर का मानना (पहचानना) में ऐसा आचरण आता है जिससे प्रकट हो कि वह जो कहता है वह सच है।
- परमेश्वर को माननेवाले उसके आज्ञापालन द्वारा प्रकट करते हैं, जिससे उसके नाम का महिमा होती है।
- किसी बात को मानने का अर्थ है कि उसकी सच्चाई को स्वीकार करना, कार्यों एवं शब्दों द्वारा उसकी पुष्टि करना।

अनुवाद के सुझाव:

- किसी बात की सत्यता के संदर्भ में “मानना” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार करना” या “घोषित करना” या “सत्य का अंगीकार करना” या “विश्वास करना”।
- किसी मनुष्य को मानने (पहचान लो) के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार करना” या “के महत्व को पहचानना” या “अन्यों से कहना कि वह विश्वासयोग्य है।”
- इस सन्दर्भ में परमेश्वर को मानना का अनुवाद "परमेश्वर पर विश्वास और उसकी आज्ञापालन करना" या "घोषित करे कि परमेश्वर कौन है" या "अन्य लोगों को बताएं कि परमेश्वर कितना महान है" या "अंगीकार करे की परमेश्वर जो कहता है और करता है सच है।"

(यह भी देखें: आज्ञा मानना, महिमा, उद्धार)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 11:38-39
- यिर्मयाह 09:4-6
- अय्यूब 34:26-28
- लैव्यव्यवस्था 22:31-33
- भजन 029:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3045, H3046, H5046, H5234, H6942, G1492, G1921, G3670

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

मार्था

तथ्य:

मार्था बैतनिय्याह की निवासी थी जो यीशु की अनुयायी थी।

- मार्था की बहन मरियम और भाई लाज़र भी यीशु के अनुयायी थे।
- एक बार यीशु उनके घर गया तब मार्था तो खाना तैयार करने में व्यस्त हो गई परन्तु मरियम यीशु के पास बैठकर उसकी शिक्षा सुनने लगी।
- लाज़र की मृत्यु पर मार्था ने यीशु के समक्ष स्वीकार किया कि वह परमेश्वर का पुत्र है।

(यह भी देखें: लाज़र, मरियम (मार्था की बहन))

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 11:1-2
- यूहन्ना 12:1-3
- लूका 10:38-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3136

मार्था

तथ्य:

मार्था बैतनिय्याह की निवासी थी जो यीशु की अनुयायी थी।

- मार्था की बहन मरियम और भाई लाज़र भी यीशु के अनुयायी थे।
- एक बार यीशु उनके घर गया तब मार्था तो खाना तैयार करने में व्यस्त हो गई परन्तु मरियम यीशु के पास बैठकर उसकी शिक्षा सुनने लगी।
- लाज़र की मृत्यु पर मार्था ने यीशु के समक्ष स्वीकार किया कि वह परमेश्वर का पुत्र है।

(यह भी देखें: लाज़र, मरियम (मार्था की बहन))

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 11:1-2
- यूहन्ना 12:1-3
- लूका 10:38-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3136

मिद्यान, मिद्यानी, मिद्यानियों

तथ्य:

मिद्यान अब्राहम और उसकी पत्नी कतूरा का पुत्र था। यह एक जाति और स्थान का भी नाम पड़ गया जो कनान के दक्षिण में अरब के रेगिस्तान के उत्तर में था। इस जाति के लोग मिद्यानी थे।

- जब मूसा मिस्र से भागा था तब वह मिद्यान देश में ही गया था जहाँ उसकी भेंट यित्रों की पुत्री से हुई थी जिसकी भेड़ों को पानी पिलाने में उसने सहायता की थी। बाद में मूसा ने यित्रों की पुत्रियों में से एक से विवाह कर लिया था।
- यूसुफ को मिद्यानी व्यापारी ही खरीदकर मिस्र ले गए थे।

वर्षों बाद मिद्यानियों ने कनान देश में इस्राएलियों पर आक्रमण करके उन्हें लूटा था। गिदोन ने इस्राएलियों को लेकर उन्हें हराया था।

- आज की अनेक अरब-जातियां इनकी वंशज हैं।

(देखें अरब, मिस्र, भेड़-बकरियों, गिदोन, यित्रो, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:29-30
- निर्गमन 02:15-17
- उत्पत्ति 25:1-4
- उत्पत्ति 36:34-36
- उत्पत्ति 37:27-28
- न्यायियों 07:1

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **16:03** परन्तु लोग परमेश्वर को भूलने लगे और पराये देवताओं के पीछे चलकर उनकी उपासना करने लगे | तो परमेश्वर ने पास के ही एक शत्रुओं के समूह मिद्यानियों को अनुमति दी कि वह उन्हें पराजित करे |
- **16:04** मिद्यानियों के डर के मारे इस्राएलियों ने पहाड़ो के गहरे खड्डों, और गुफाओं, और किलों को अपने निवास बना लिया
- **16:11** वह जन अपने संगी से कह रहा था, " कि इस स्वप्न का अर्थ यह हुआ कि गिदोन की सेना हरा देंगी मिद्यानियों की सेना को |
- 16:14__परमेश्वर ने __मिद्यानियों को हक्का-बक्का कर दिया, अत: उन्होंने एक दूसरे पर आक्रमण करना व मारना शुरू कर दिया |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4080, H4084, H4092

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।

- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।

- प्रकरण के अनुसार “नींव” का अनुवाद “दृढ़ आधार” या “ठोस आधार” या “आरंभ” या “सृष्टि”।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द “मिला” का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश “पर स्थापित”का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। “नींव” वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- “नींव” का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- “नींव का पत्थर” नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- “जगत की उत्पत्ति से पूर्ण” का अनुवाद किया जा सकता है, “ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व”, या “ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व” या “संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व”।
- “नींव... दृढ़ करके रखी” का अनुवाद हो सकता है, “सुरक्षित बनाया” या “दृढ़ता से आधारित”।
- प्रकरण के अनुसार “नींव” का अनुवाद “दृढ़ आधार” या “ठोस आधार” या “आरंभ” या “सृष्टि”।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।

- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।

- प्रकरण के अनुसार “नींव” का अनुवाद “दृढ़ आधार” या “ठोस आधार” या “आरंभ” या “सृष्टि”।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द “मिला” का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश “पर स्थापित”का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। “नींव” वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- “नींव” का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- “नींव का पत्थर” नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- “जगत की उत्पत्ति से पूर्ण” का अनुवाद किया जा सकता है, “ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व”, या “ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व” या “संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व”।
- “नींव... दृढ़ करके रखी” का अनुवाद हो सकता है, “सुरक्षित बनाया” या “दृढ़ता से आधारित”।
- प्रकरण के अनुसार “नींव” का अनुवाद “दृढ़ आधार” या “ठोस आधार” या “आरंभ” या “सृष्टि”।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

परिभाषा:

क्रिया शब्द "मिला" का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश "पर स्थापित"का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्ण" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:37-38
- 2 इतिहास 03:1-3
- यहेजकेल 13:13-14
- लूका 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

तथ्य:

मिस्र अफ्रीका के उत्तर पूर्व से कनान के दक्षिण पश्चिम तक एक देश है। मिस्री जन मिस्र देश का निवासी है।

- प्राचीन युग में मिस्र एक शक्तिशाली एवं धनी देश था।
- प्राचीन मिस्र दो भागों में विभाजित था, निचला मिस्र (उत्तरी भाग जहां से नील नदी बहकर समुद्र में गिरती है) ऊपरी मिस्र (दक्षिणी भाग)। पुराने नियम में इन दोनों भागों को "मिस्र" और "पत्रोस" कहा गया है।

- जब कनान में भोजन की कमी होती थी तब इस्राएल के पित्र भोजन खरीदने मिस्र जाया करते थे।
- इस्राएली सैंकड़ों वर्ष मिस्र में दास बन कर रहते थे।
- यूसुफ और मरियम भी बालक यीशु को हेरोदेस महान से बचाने के लिए मिस्र चले गए थे।

(यह भी देखें: हेरोदेस महान, यूसुफ (नया नियम), नील नदी, कुलपति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 04:7-9
- प्रे.का. 07:9-10
- निर्गमन 03:7-8
- उत्पत्ति 41:27-29
- उत्पत्ति 41:55-57
- मत्ती 02:13-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:04** और व्यापारी यूसुफ को मिस्र ले गए। मिस्र नील नदी के किनारे स्थित एक बड़ा, शक्तिशाली देश था।
- **08:08** फ़िरौन यूसुफ से बहुत प्रभावित हुआ, और उसे मिस्र का दूसरा सबसे शक्तिशाली आदमी नियुक्त किया।
- **08:11** याकूब ने अपने बेटों को मिस्र से अन्न लाने के लिये भेजा।
- **08:14** याकूब वृद्ध हो गया था, वह अपने परिवार के साथ मिस्र देश गया और वह सब वहा रहने लगे।
- **09:01** यूसुफ की मृत्यु के पश्चात्, उसके सभी कुटुम्बी ने मिस्र में ही वास किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4713, H4714, G124, G125

मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

तथ्य:

मिस्र अफ्रीका के उत्तर पूर्व से कनान के दक्षिण पश्चिम तक एक देश है। मिस्री जन मिस्र देश का निवासी है।

- प्राचीन युग में मिस्र एक शक्तिशाली एवं धनी देश था।
- प्राचीन मिस्र दो भागों में विभाजित था, निचला मिस्र (उत्तरी भाग जहां से नील नदी बहकर समुद्र में गिरती है) ऊपरी मिस्र (दक्षिणी भाग)। पुराने नियम में इन दोनों भागों को “मिस्र” और “पत्रोस” कहा गया है।
- जब कनान में भोजन की कमी होती थी तब इस्राएल के पित्र भोजन खरीदने मिस्र जाया करते थे।
- इस्राएली सैंकड़ों वर्ष मिस्र में दास बन कर रहते थे।
- यूसुफ और मरियम भी बालक यीशु को हेरोदेस महान से बचाने के लिए मिस्र चले गए थे।

(यह भी देखें: हेरोदेस महान, यूसुफ (नया नियम), नील नदी, कुलपति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 04:7-9
- प्रे.का. 07:9-10
- निर्गमन 03:7-8
- उत्पत्ति 41:27-29
- उत्पत्ति 41:55-57
- मत्ती 02:13-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:04** और व्यापारी यूसुफ को मिस्र ले गए। मिस्र नील नदी के किनारे स्थित एक बड़ा, शक्तिशाली देश था।
- **08:08** फ़िरौन यूसुफ से बहुत प्रभावित हुआ, और उसे मिस्र का दूसरा सबसे शक्तिशाली आदमी नियुक्त किया।
- **08:11** याकूब ने अपने बेटों को मिस्र से अन्न लाने के लिये भेजा।
- **08:14** याकूब वृद्ध हो गया था, वह अपने परिवार के साथ मिस्र देश गया और वह सब वहा रहने लगे।
- **09:01** यूसुफ की मृत्यु के पश्चात्, उसके सभी कुटुम्बी ने मिस्र में ही वास किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4713, H4714, G124, G125

मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

तथ्य:

मिस्र अफ्रीका के उत्तर पूर्व से कनान के दक्षिण पश्चिम तक एक देश है। मिस्री जन मिस्र देश का निवासी है।

- प्राचीन युग में मिस्र एक शक्तिशाली एवं धनी देश था।
- प्राचीन मिस्र दो भागों में विभाजित था, निचला मिस्र (उत्तरी भाग जहां से नील नदी बहकर समुद्र में गिरती है) ऊपरी मिस्र (दक्षिणी भाग)। पुराने नियम में इन दोनों भागों को “मिस्र” और “पत्रोस” कहा गया है।
- जब कनान में भोजन की कमी होती थी तब इस्राएल के पित्र भोजन खरीदने मिस्र जाया करते थे।
- इस्राएली सैंकड़ों वर्ष मिस्र में दास बन कर रहते थे।
- यूसुफ और मरियम भी बालक यीशु को हेरोदेस महान से बचाने के लिए मिस्र चले गए थे।

(यह भी देखें: हेरोदेस महान, यूसुफ (नया नियम), नील नदी, कुलपति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 04:7-9
- प्रे.का. 07:9-10
- निर्गमन 03:7-8
- उत्पत्ति 41:27-29
- उत्पत्ति 41:55-57
- मत्ती 02:13-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:04** और व्यापारी यूसुफ को मिस्र ले गए। मिस्र नील नदी के किनारे स्थित एक बड़ा, शक्तिशाली देश था।
- **08:08** फ़िरौन यूसुफ से बहुत प्रभावित हुआ, और उसे मिस्र का दूसरा सबसे शक्तिशाली आदमी नियुक्त किया।
- **08:11** याकूब ने अपने बेटों को मिस्र से अन्न लाने के लिये भेजा।
- **08:14** याकूब वृद्ध हो गया था, वह अपने परिवार के साथ मिस्र देश गया और वह सब वहा रहने लगे।
- **09:01** यूसुफ की मृत्यु के पश्चात्, उसके सभी कुटुम्बी ने मिस्र में ही वास किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4713, H4714, G124, G125

मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

तथ्य:

मिस्र अफ्रीका के उत्तर पूर्व से कनान के दक्षिण पश्चिम तक एक देश है। मिस्री जन मिस्र देश का निवासी है।

- प्राचीन युग में मिस्र एक शक्तिशाली एवं धनी देश था।
- प्राचीन मिस्र दो भागों में विभाजित था, निचला मिस्र (उत्तरी भाग जहां से नील नदी बहकर समुद्र में गिरती है) ऊपरी मिस्र (दक्षिणी भाग)। पुराने नियम में इन दोनों भागों को “मिस्र” और “पत्रोस” कहा गया है।
- जब कनान में भोजन की कमी होती थी तब इस्राएल के पित्र भोजन खरीदने मिस्र जाया करते थे।
- इस्राएली सैंकड़ों वर्ष मिस्र में दास बन कर रहते थे।
- यूसुफ और मरियम भी बालक यीशु को हेरोदेस महान से बचाने के लिए मिस्र चले गए थे।

(यह भी देखें: हेरोदेस महान, यूसुफ (नया नियम), नील नदी, कुलपति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 04:7-9
- प्रे.का. 07:9-10

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- निर्गमन 03:7-8
- उत्पत्ति 41:27-29
- उत्पत्ति 41:55-57
- मत्ती 02:13-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:04** और व्यापारी यूसुफ को मिस्र ले गए। मिस्र नील नदी के किनारे स्थित एक बड़ा, शक्तिशाली देश था।
- **08:08** फ़िरौन यूसुफ से बहुत प्रभावित हुआ, और उसे मिस्र का दूसरा सबसे शक्तिशाली आदमी नियुक्त किया।
- **08:11** याकूब ने अपने बेटों को मिस्र से अन्न लाने के लिये भेजा।
- **08:14** याकूब वृद्ध हो गया था, वह अपने परिवार के साथ मिस्र देश गया और वह सब वहा रहने लगे।
- **09:01** यूसुफ की मृत्यु के पश्चात्, उसके सभी कुटुम्बी ने मिस्र में ही वास किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4713, H4714, G124, G125

मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

तथ्य:

मिस्र अफ्रीका के उत्तर पूर्व से कनान के दक्षिण पश्चिम तक एक देश है। मिस्री जन मिस्र देश का निवासी है।

- प्राचीन युग में मिस्र एक शक्तिशाली एवं धनी देश था।
- प्राचीन मिस्र दो भागों में विभाजित था, निचला मिस्र (उत्तरी भाग जहां से नील नदी बहकर समुद्र में गिरती है) ऊपरी मिस्र (दक्षिणी भाग)। पुराने नियम में इन दोनों भागों को “मिस्र” और “पत्रोस” कहा गया है।
- जब कनान में भोजन की कमी होती थी तब इस्राएल के पित्र भोजन खरीदने मिस्र जाया करते थे।
- इस्राएली सैंकड़ों वर्ष मिस्र में दास बन कर रहते थे।
- यूसुफ और मरियम भी बालक यीशु को हेरोदेस महान से बचाने के लिए मिस्र चले गए थे।

(यह भी देखें: हेरोदेस महान, यूसुफ (नया नियम), नील नदी, कुलपति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 04:7-9
- प्रे.का. 07:9-10
- निर्गमन 03:7-8
- उत्पत्ति 41:27-29
- उत्पत्ति 41:55-57
- मत्ती 02:13-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:04** और व्यापारी यूसुफ को मिस्र ले गए। मिस्र नील नदी के किनारे स्थित एक बड़ा, शक्तिशाली देश था।
- **08:08** फ़िरौन यूसुफ से बहुत प्रभावित हुआ, और उसे मिस्र का दूसरा सबसे शक्तिशाली आदमी नियुक्त किया।
- **08:11** याकूब ने अपने बेटों को मिस्र से अन्न लाने के लिये भेजा।
- **08:14** याकूब वृद्ध हो गया था, वह अपने परिवार के साथ मिस्र देश गया और वह सब वहा रहने लगे।
- **09:01** यूसुफ की मृत्यु के पश्चात्, उसके सभी कुटुम्बी ने मिस्र में ही वास किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4713, H4714, G124, G125

मीका

तथ्य:

मीका, मसीह से 700 वर्ष पूर्व यहूदा में यशायाह के सेवाकाल के समय यहूदा ही में एक भविष्यद्वक्ता था। मीका नामक एक और पुरुष था जो न्यायियों के युग में था।

- मीका की पुस्तक पुराने नियम के अन्त में है।
- मीका ने अश्शूरों द्वारा सामरिया के विनाश की भविष्यद्वाणी की थी।
- मीका ने यहूदा की प्रजा को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए झिड़का था और उन्हें चेतावनी दी थी कि शत्रु उन पर आक्रमण करेंगे।
- उसकी भविष्यद्वाणी के अन्त में परमेश्वर में आशा का सन्देश भी था, परमेश्वर विश्वासयोग्य है और अपने लोगों का उद्धार करता है।
- न्यायियों की पुस्तक में मीका नामक एक पुरुष की कहानी है जो एप्रैम में रहता जो चाँदी की मूर्तियां बनाता था। एक युवा लेवी याजक उसके घर में रहने के लिए आया था, उसने उसके घर से वह मूर्ति और अन्य सामान चुराया तथा दान के एक समूह के साथ भाग गया था। अन्त में वह लेवी और दानवंशी लैश नगर में जा बसे और उस चाँदी की मूर्ति को खड़ा करके पूजा आरंभ कर दी।

(यह भी देखें: अश्शूर, दान, एप्रैम, मूर्ति, यशायाह, यहूदा, न्यायी, लेवी, याजक, भविष्यद्वक्ता, सामरिया, चाँदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 26:18-19
- मीका 01:1
- मीका 06:1-2

{{tag>publish ktlink}

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4316, H4318

मीका

तथ्य:

मीका, मसीह से 700 वर्ष पूर्व यहूदा में यशायाह के सेवाकाल के समय यहूदा ही में एक भविष्यद्वक्ता था। मीका नामक एक और पुरुष था जो न्यायियों के युग में था।

- मीका की पुस्तक पुराने नियम के अन्त में है।
- मीका ने अश्शूरों द्वारा सामरिया के विनाश की भविष्यद्वाणी की थी।
- मीका ने यहूदा की प्रजा को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए झिड़का था और उन्हें चेतावनी दी थी कि शत्रु उन पर आक्रमण करेंगे।
- उसकी भविष्यद्वाणी के अन्त में परमेश्वर में आशा का सन्देश भी था, परमेश्वर विश्वासयोग्य है और अपने लोगों का उद्धार करता है।
- न्यायियों की पुस्तक में मीका नामक एक पुरुष की कहानी है जो एप्रैम में रहता जो चाँदी की मूर्तियां बनाता था। एक युवा लेवी याजक उसके घर में रहने के लिए आया था, उसने उसके घर से वह मूर्ति और अन्य सामान चुराया तथा दान के एक समूह के साथ भाग गया था। अन्त में वह लेवी और दानवंशी लैश नगर में जा बसे और उस चाँदी की मूर्ति को खड़ा करके पूजा आरंभ कर दी।

(यह भी देखें: अश्शूर, दान, एप्रैम, मूर्ति, यशायाह, यहूदा, न्यायी, लेवी, याजक, भविष्यद्वक्ता, सामरिया, चाँदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 26:18-19
- मीका 01:1
- मीका 06:1-2

{{tag>publish ktlink}

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4316, H4318

मीका

तथ्य:

मीका, मसीह से 700 वर्ष पूर्व यहूदा में यशायाह के सेवाकाल के समय यहूदा ही में एक भविष्यद्वक्ता था। मीका नामक एक और पुरुष था जो न्यायियों के युग में था।

- मीका की पुस्तक पुराने नियम के अन्त में है।
- मीका ने अश्शूरों द्वारा सामरिया के विनाश की भविष्यद्वाणी की थी।
- मीका ने यहूदा की प्रजा को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए झिड़का था और उन्हें चेतावनी दी थी कि शत्रु उन पर आक्रमण करेंगे।
- उसकी भविष्यद्वाणी के अन्त में परमेश्वर में आशा का सन्देश भी था, परमेश्वर विश्वासयोग्य है और अपने लोगों का उद्धार करता है।
- न्यायियों की पुस्तक में मीका नामक एक पुरुष की कहानी है जो एप्रैम में रहता जो चाँदी की मूर्तियां बनाता था। एक युवा लेवी याजक उसके घर में रहने के लिए आया था, उसने उसके घर से वह मूर्ति और अन्य सामान चुराया तथा दान के एक समूह के साथ भाग गया था। अन्त में वह लेवी और दानवंशी लैश नगर में जा बसे और उस चाँदी की मूर्ति को खड़ा करके पूजा आरंभ कर दी।

(यह भी देखें: अश्शूर, दान, एप्रैम, मूर्ति, यशायाह, यहूदा, न्यायी, लेवी, याजक, भविष्यद्वक्ता, सामरिया, चाँदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 26:18-19
- मीका 01:1
- मीका 06:1-2

{{tag>publish ktlink}

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4316, H4318

मीका

तथ्य:

मीका, मसीह से 700 वर्ष पूर्व यहूदा में यशायाह के सेवाकाल के समय यहूदा ही में एक भविष्यद्वक्ता था। मीका नामक एक और पुरुष था जो न्यायियों के युग में था।

- मीका की पुस्तक पुराने नियम के अन्त में है।
- मीका ने अश्शूरों द्वारा सामरिया के विनाश की भविष्यद्वाणी की थी।
- मीका ने यहूदा की प्रजा को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए झिड़का था और उन्हें चेतावनी दी थी कि शत्रु उन पर आक्रमण करेंगे।
- उसकी भविष्यद्वाणी के अन्त में परमेश्वर में आशा का सन्देश भी था, परमेश्वर विश्वासयोग्य है और अपने लोगों का उद्धार करता है।
- न्यायियों की पुस्तक में मीका नामक एक पुरुष की कहानी है जो एप्रैम में रहता जो चाँदी की मूर्तियां बनाता था। एक युवा लेवी याजक उसके घर में रहने के लिए आया था, उसने उसके घर से वह मूर्ति और अन्य सामान चुराया तथा दान के एक समूह के साथ भाग गया था। अन्त में वह लेवी और दानवंशी लैश नगर में जा बसे और उस चाँदी की मूर्ति को खड़ा करके पूजा आरंभ कर दी।

(यह भी देखें: अश्शूर, दान, एप्रैम, मूर्ति, यशायाह, यहूदा, न्यायी, लेवी, याजक, भविष्यद्वक्ता, सामरिया, चाँदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 26:18-19
- मीका 01:1
- मीका 06:1-2

{{tag>publish ktlink}

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4316, H4318

मीका

तथ्य:

मीका, मसीह से 700 वर्ष पूर्व यहूदा में यशायाह के सेवाकाल के समय यहूदा ही में एक भविष्यद्वक्ता था। मीका नामक एक और पुरुष था जो न्यायियों के युग में था।

- मीका की पुस्तक पुराने नियम के अन्त में है।
- मीका ने अश्शूरों द्वारा सामरिया के विनाश की भविष्यद्वाणी की थी।
- मीका ने यहूदा की प्रजा को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए झिड़का था और उन्हें चेतावनी दी थी कि शत्रु उन पर आक्रमण करेंगे।
- उसकी भविष्यद्वाणी के अन्त में परमेश्वर में आशा का सन्देश भी था, परमेश्वर विश्वासयोग्य है और अपने लोगों का उद्धार करता है।
- न्यायियों की पुस्तक में मीका नामक एक पुरुष की कहानी है जो एप्रैम में रहता जो चाँदी की मूर्तियां बनाता था। एक युवा लेवी याजक उसके घर में रहने के लिए आया था, उसने उसके घर से वह मूर्ति और अन्य सामान चुराया तथा दान के एक समूह के साथ भाग गया था। अन्त में वह लेवी और दानवंशी लैश नगर में जा बसे और उस चाँदी की मूर्ति को खड़ा करके पूजा आरंभ कर दी।

(यह भी देखें: अश्शूर, दान, एप्रैम, मूर्ति, यशायाह, यहूदा, न्यायी, लेवी, याजक, भविष्यद्वक्ता, सामरिया, चाँदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 26:18-19
- मीका 01:1
- मीका 06:1-2

{{tag>publish ktlink}

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4316, H4318

मीका

तथ्य:

मीका, मसीह से 700 वर्ष पूर्व यहूदा में यशायाह के सेवाकाल के समय यहूदा ही में एक भविष्यद्वक्ता था। मीका नामक एक और पुरुष था जो न्यायियों के युग में था।

- मीका की पुस्तक पुराने नियम के अन्त में है।
- मीका ने अश्शूरों द्वारा सामरिया के विनाश की भविष्यद्वाणी की थी।
- मीका ने यहूदा की प्रजा को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए झिड़का था और उन्हें चेतावनी दी थी कि शत्रु उन पर आक्रमण करेंगे।
- उसकी भविष्यद्वाणी के अन्त में परमेश्वर में आशा का सन्देश भी था, परमेश्वर विश्वासयोग्य है और अपने लोगों का उद्धार करता है।
- न्यायियों की पुस्तक में मीका नामक एक पुरुष की कहानी है जो एप्रैम में रहता जो चाँदी की मूर्तियां बनाता था। एक युवा लेवी याजक उसके घर में रहने के लिए आया था, उसने उसके घर से वह मूर्ति और अन्य सामान चुराया तथा दान के एक समूह के साथ भाग गया था। अन्त में वह लेवी और दानवंशी लैश नगर में जा बसे और उस चाँदी की मूर्ति को खड़ा करके पूजा आरंभ कर दी।

(यह भी देखें: अश्शूर, दान, एप्रैम, मूर्ति, यशायाह, यहूदा, न्यायी, लेवी, याजक, भविष्यद्वक्ता, सामरिया, चाँदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 26:18-19
- मीका 01:1
- मीका 06:1-2

{{tag>publish ktlink}

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4316, H4318

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।

- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।

- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।

- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।

- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।

- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।

- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।

- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।

- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।

- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

- बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
- “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
- किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
- “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
- “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
- “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
- “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
- यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

अनुवाद के सुझाव:

- इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
- शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
- "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
- अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
- अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 05:4-6
- उत्पत्ति 33:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

मुकुट, मुकुट पहनाना, मुकुट रखा

परिभाषा:

मुकुट राजा रानी द्वारा सिर पर पहना जानेवाला गोलाकार आभूषण हैं। “मुकुट पहनाना” का अर्थ किसी के सिर पर मुकुट रखना; जिसका प्रतीकात्मक अर्थ है “सम्मानित करना।”

- मुकुट सोने या चांदी के बने होते थे और उनमे बहुमूल्य पत्थर मरकत और माणिक जड़े होते थे।
- मुकुट राजा की शक्ति एवं धन-धान्य का प्रतीक था।
- इसके विपरीत सैनिकों ने यीशु के सिर पर कांटों का मुकुट रखा था तो वह उसका ठट्ठा करने और उसे दुःख देने के लिए था।
- प्राचीन युग में जीतने वाले खिलाड़ियों को जैतून के वृक्ष की टहनियों का मुकुट पहनाया जाता था। प्रेरित पौलुस तीमुथियुस को लिखे दूसरे पत्र में इस मुकुट की चर्चा करता है।
- प्रतीकात्मक रूप में “मुकुट पहनाने” का अर्थ है सम्मानित करना। हम परमेश्वर की आज्ञा मानकर और अन्यों में उसका गुणगान करके उसका सम्मान करते हैं। यह ऐसा है जैसे उसके सिर पर मुकुट रखना और उसे राजा स्वीकार करना।

- पौलुस विश्वासियों को अपना "आनन्द और मुकुट" कहता है। इस अभिव्यक्ति में "मुकुट" का अर्थ प्रतीकात्मक है जिसका अर्थ है कि पौलुस बहुत आशिषित और सम्मानित है क्योंकि विश्वासी परमेश्वर की सेवा में विश्वासयोग्य रहे हैं।
- प्रतीकात्मक रूप में उपयोग करने पर मुकुट का अनुवाद "पुरस्कार" या "सम्मान" या "प्रतिफल" किया जा सकता है।
- "मुकुट पहनाने" को जब प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाए तो इसका अनुवाद "सम्मान देना" या "विभूषित करना" हो सकता है।
- किसी को मुकुट पहनाने का अनुवाद हो सकता है, "उसके सिर पर मुकुट रखा गया"।
- "महिमा और आदर का मुकुट" का अनुवाद "उसे महिमा और सम्मान दिया गया" या "उसे महिमान्वित या सम्मानित किया गया" या "वह महिमा और सम्मान से सुसंपन्न था"।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, जैतून)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 19:03
- विलापगीत 05:16
- मत्ती 27:29
- फिलिप्पियों 04:01
- भजन संहिता 021:03
- प्रकाशितवाक्य 03:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3803, H3804, H5145, H5849, H5850, H6936, G1238, G4735, G4737

मुकुट, मुकुट पहनाना, मुकुट रखा

परिभाषा:

मुकुट राजा रानी द्वारा सिर पर पहना जानेवाला गोलाकार आभूषण हैं। "मुकुट पहनाना" का अर्थ किसी के सिर पर मुकुट रखना; जिसका प्रतीकात्मक अर्थ है "सम्मानित करना।"

- मुकुट सोने या चांदी के बने होते थे और उनमे बहुमूल्य पत्थर मरकत और माणिक जड़े होते थे।
- मुकुट राजा की शक्ति एवं धन-धान्य का प्रतीक था।
- इसके विपरीत सैनिकों ने यीशु के सिर पर कांटों का मुकुट रखा था तो वह उसका ठट्ठा करने और उसे दुःख देने के लिए था।
- प्राचीन युग में जीतने वाले खिलाड़ियों को जैतून के वृक्ष की टहनियों का मुकुट पहनाया जाता था। प्रेरित पौलुस तीमुथियुस को लिखे दूसरे पत्र में इस मुकुट की चर्चा करता है।
- प्रतीकात्मक रूप में "मुकुट पहनाने" का अर्थ है सम्मानित करना। हम परमेश्वर की आज्ञा मानकर और अन्यों में उसका गुणगान करके उसका सम्मान करते हैं। यह ऐसा है जैसे उसके सिर पर मुकुट रखना और उसे राजा स्वीकार करना।
- पौलुस विश्वासियों को अपना "आनन्द और मुकुट" कहता है। इस अभिव्यक्ति में "मुकुट" का अर्थ प्रतीकात्मक है जिसका अर्थ है कि पौलुस बहुत आशिषित और सम्मानित है क्योंकि विश्वासी परमेश्वर की सेवा में विश्वासयोग्य रहे हैं।
- प्रतीकात्मक रूप में उपयोग करने पर मुकुट का अनुवाद "पुरस्कार" या "सम्मान" या "प्रतिफल" किया जा सकता है।
- "मुकुट पहनाने" को जब प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाए तो इसका अनुवाद "सम्मान देना" या "विभूषित करना" हो सकता है।
- किसी को मुकुट पहनाने का अनुवाद हो सकता है, "उसके सिर पर मुकुट रखा गया"।
- "महिमा और आदर का मुकुट" का अनुवाद "उसे महिमा और सम्मान दिया गया" या "उसे महिमान्वित या सम्मानित किया गया" या "वह महिमा और सम्मान से सुसंपन्न था"।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, जैतून)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 19:03
- विलापगीत 05:16
- मत्ती 27:29
- फिलिप्पियों 04:01
- भजन संहिता 021:03
- प्रकाशितवाक्य 03:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3803, H3804, H5145, H5849, H5850, H6936, G1238, G4735, G4737

मुकुट, मुकुट पहनाना, मुकुट रखा

परिभाषा:

मुकुट राजा रानी द्वारा सिर पर पहना जानेवाला गोलाकार आभूषण हैं। "मुकुट पहनाना" का अर्थ किसी के सिर पर मुकुट रखना; जिसका प्रतीकात्मक अर्थ है "सम्मानित करना।"

- मुकुट सोने या चांदी के बने होते थे और उनमे बहुमूल्य पत्थर मरकत और माणिक जड़े होते थे।
- मुकुट राजा की शक्ति एवं धन-धान्य का प्रतीक था।
- इसके विपरीत सैनिकों ने यीशु के सिर पर कांटों का मुकुट रखा था तो वह उसका ठट्ठा करने और उसे दुःख देने के लिए था।
- प्राचीन युग में जीतने वाले खिलाड़ियों को जैतून के वृक्ष की टहनियों का मुकुट पहनाया जाता था। प्रेरित पौलुस तीमुथियुस को लिखे दूसरे पत्र में इस मुकुट की चर्चा करता है।
- प्रतीकात्मक रूप में "मुकुट पहनाने" का अर्थ है सम्मानित करना। हम परमेश्वर की आज्ञा मानकर और अन्यों में उसका गुणगान करके उसका सम्मान करते हैं। यह ऐसा है जैसे उसके सिर पर मुकुट रखना और उसे राजा स्वीकार करना।
- पौलुस विश्वासियों को अपना "आनन्द और मुकुट" कहता है। इस अभिव्यक्ति में "मुकुट" का अर्थ प्रतीकात्मक है जिसका अर्थ है कि पौलुस बहुत आशिषित और सम्मानित है क्योंकि विश्वासी परमेश्वर की सेवा में विश्वासयोग्य रहे हैं।
- प्रतीकात्मक रूप में उपयोग करने पर मुकुट का अनुवाद "पुरस्कार" या "सम्मान" या "प्रतिफल" किया जा सकता है।
- "मुकुट पहनाने" को जब प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाए तो इसका अनुवाद "सम्मान देना" या "विभूषित करना" हो सकता है।
- किसी को मुकुट पहनाने का अनुवाद हो सकता है, "उसके सिर पर मुकुट रखा गया"।
- "महिमा और आदर का मुकुट" का अनुवाद "उसे महिमा और सम्मान दिया गया" या "उसे महिमान्वित या सम्मानित किया गया" या "वह महिमा और सम्मान से सुसंपन्न था"।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, जैतून)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 19:03
- विलापगीत 05:16
- मत्ती 27:29
- फिलिप्पियों 04:01
- भजन संहिता 021:03
- प्रकाशितवाक्य 03:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3803, H3804, H5145, H5849, H5850, H6936, G1238, G4735, G4737

मुकुट, मुकुट पहनाना, मुकुट रखा

परिभाषा:

मुकुट राजा रानी द्वारा सिर पर पहना जानेवाला गोलाकार आभूषण हैं। "मुकुट पहनाना" का अर्थ किसी के सिर पर मुकुट रखना; जिसका प्रतीकात्मक अर्थ है "सम्मानित करना।"

- मुकुट सोने या चांदी के बने होते थे और उनमे बहुमूल्य पत्थर मरकत और माणिक जड़े होते थे।
- मुकुट राजा की शक्ति एवं धन-धान्य का प्रतीक था।
- इसके विपरीत सैनिकों ने यीशु के सिर पर कांटों का मुकुट रखा था तो वह उसका ठट्ठा करने और उसे दुःख देने के लिए था।
- प्राचीन युग में जीतने वाले खिलाड़ियों को जैतून के वृक्ष की टहनियों का मुकुट पहनाया जाता था। प्रेरित पौलुस तीमुथियुस को लिखे दूसरे पत्र में इस मुकुट की चर्चा करता है।
- प्रतीकात्मक रूप में "मुकुट पहनाने" का अर्थ है सम्मानित करना। हम परमेश्वर की आज्ञा मानकर और अन्यों में उसका गुणगान करके उसका सम्मान करते हैं। यह ऐसा है जैसे उसके सिर पर मुकुट रखना और उसे राजा स्वीकार करना।
- पौलुस विश्वासियों को अपना "आनन्द और मुकुट" कहता है। इस अभिव्यक्ति में "मुकुट" का अर्थ प्रतीकात्मक है जिसका अर्थ है कि पौलुस बहुत आशिषित और सम्मानित है क्योंकि विश्वासी परमेश्वर की सेवा में विश्वासयोग्य रहे हैं।
- प्रतीकात्मक रूप में उपयोग करने पर मुकुट का अनुवाद "पुरस्कार" या "सम्मान" या "प्रतिफल" किया जा सकता है।
- "मुकुट पहनाने" को जब प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाए तो इसका अनुवाद "सम्मान देना" या "विभूषित करना" हो सकता है।
- किसी को मुकुट पहनाने का अनुवाद हो सकता है, "उसके सिर पर मुकुट रखा गया"।
- "महिमा और आदर का मुकुट" का अनुवाद "उसे महिमा और सम्मान दिया गया" या "उसे महिमान्वित या सम्मानित किया गया" या "वह महिमा और सम्मान से सुसंपन्न था"।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, जैतून)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 19:03
- विलापगीत 05:16
- मत्ती 27:29
- फिलिप्पियों 04:01
- भजन संहिता 021:03
- प्रकाशितवाक्य 03:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3803, H3804, H5145, H5849, H5850, H6936, G1238, G4735, G4737

मुकुट, मुकुट पहनाना, मुकुट रखा

परिभाषा:

मुकुट राजा रानी द्वारा सिर पर पहना जानेवाला गोलाकार आभूषण हैं। "मुकुट पहनाना" का अर्थ किसी के सिर पर मुकुट रखना; जिसका प्रतीकात्मक अर्थ है "सम्मानित करना।"

- मुकुट सोने या चांदी के बने होते थे और उनमे बहुमूल्य पत्थर मरकत और माणिक जड़े होते थे।
- मुकुट राजा की शक्ति एवं धन-धान्य का प्रतीक था।
- इसके विपरीत सैनिकों ने यीशु के सिर पर कांटों का मुकुट रखा था तो वह उसका ठट्ठा करने और उसे दुःख देने के लिए था।
- प्राचीन युग में जीतने वाले खिलाड़ियों को जैतून के वृक्ष की टहनियों का मुकुट पहनाया जाता था। प्रेरित पौलुस तीमुथियुस को लिखे दूसरे पत्र में इस मुकुट की चर्चा करता है।
- प्रतीकात्मक रूप में "मुकुट पहनाने" का अर्थ है सम्मानित करना। हम परमेश्वर की आज्ञा मानकर और अन्यों में उसका गुणगान करके उसका सम्मान करते हैं। यह ऐसा है जैसे उसके सिर पर मुकुट रखना और उसे राजा स्वीकार करना।
- पौलुस विश्वासियों को अपना "आनन्द और मुकुट" कहता है। इस अभिव्यक्ति में "मुकुट" का अर्थ प्रतीकात्मक है जिसका अर्थ है कि पौलुस बहुत आशिषित और सम्मानित है क्योंकि विश्वासी परमेश्वर की सेवा में विश्वासयोग्य रहे हैं।
- प्रतीकात्मक रूप में उपयोग करने पर मुकुट का अनुवाद "पुरस्कार" या "सम्मान" या "प्रतिफल" किया जा सकता है।
- "मुकुट पहनाने" को जब प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाए तो इसका अनुवाद "सम्मान देना" या "विभूषित करना" हो सकता है।
- किसी को मुकुट पहनाने का अनुवाद हो सकता है, "उसके सिर पर मुकुट रखा गया"।
- "महिमा और आदर का मुकुट" का अनुवाद "उसे महिमा और सम्मान दिया गया" या "उसे महिमान्वित या सम्मानित किया गया" या "वह महिमा और सम्मान से सुसंपन्न था"।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, जैतून)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 19:03
- विलापगीत 05:16
- मत्ती 27:29
- फिलिप्पियों 04:01
- भजन संहिता 021:03
- प्रकाशितवाक्य 03:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3803, H3804, H5145, H5849, H5850, H6936, G1238, G4735, G4737

मुकुट, मुकुट पहनाना, मुकुट रखा

परिभाषा:

मुकुट राजा रानी द्वारा सिर पर पहना जानेवाला गोलाकार आभूषण हैं। "मुकुट पहनाना" का अर्थ किसी के सिर पर मुकुट रखना; जिसका प्रतीकात्मक अर्थ है "सम्मानित करना।"

- मुकुट सोने या चांदी के बने होते थे और उनमे बहुमूल्य पत्थर मरकत और माणिक जड़े होते थे।
- मुकुट राजा की शक्ति एवं धन-धान्य का प्रतीक था।
- इसके विपरीत सैनिकों ने यीशु के सिर पर कांटों का मुकुट रखा था तो वह उसका ठट्ठा करने और उसे दुःख देने के लिए था।
- प्राचीन युग में जीतने वाले खिलाड़ियों को जैतून के वृक्ष की टहनियों का मुकुट पहनाया जाता था। प्रेरित पौलुस तीमुथियुस को लिखे दूसरे पत्र में इस मुकुट की चर्चा करता है।
- प्रतीकात्मक रूप में "मुकुट पहनाने" का अर्थ है सम्मानित करना। हम परमेश्वर की आज्ञा मानकर और अन्यों में उसका गुणगान करके उसका सम्मान करते हैं। यह ऐसा है जैसे उसके सिर पर मुकुट रखना और उसे राजा स्वीकार करना।
- पौलुस विश्वासियों को अपना "आनन्द और मुकुट" कहता है। इस अभिव्यक्ति में "मुकुट" का अर्थ प्रतीकात्मक है जिसका अर्थ है कि पौलुस बहुत आशिषित और सम्मानित है क्योंकि विश्वासी परमेश्वर की सेवा में विश्वासयोग्य रहे हैं।
- प्रतीकात्मक रूप में उपयोग करने पर मुकुट का अनुवाद "पुरस्कार" या "सम्मान" या "प्रतिफल" किया जा सकता है।
- "मुकुट पहनाने" को जब प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाए तो इसका अनुवाद "सम्मान देना" या "विभूषित करना" हो सकता है।
- किसी को मुकुट पहनाने का अनुवाद हो सकता है, "उसके सिर पर मुकुट रखा गया"।
- "महिमा और आदर का मुकुट" का अनुवाद "उसे महिमा और सम्मान दिया गया" या "उसे महिमान्वित या सम्मानित किया गया" या "वह महिमा और सम्मान से सुसंपन्न था"।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, जैतून)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 19:03
- विलापगीत 05:16
- मत्ती 27:29
- फिलिप्पियों 04:01
- भजन संहिता 021:03
- प्रकाशितवाक्य 03:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3803, H3804, H5145, H5849, H5850, H6936, G1238, G4735, G4737

मुकुट, मुकुट पहनाना, मुकुट रखा

परिभाषा:

मुकुट राजा रानी द्वारा सिर पर पहना जानेवाला गोलाकार आभूषण हैं। "मुकुट पहनाना" का अर्थ किसी के सिर पर मुकुट रखना; जिसका प्रतीकात्मक अर्थ है "सम्मानित करना।"

- मुकुट सोने या चांदी के बने होते थे और उनमे बहुमूल्य पत्थर मरकत और माणिक जड़े होते थे।
- मुकुट राजा की शक्ति एवं धन-धान्य का प्रतीक था।
- इसके विपरीत सैनिकों ने यीशु के सिर पर कांटों का मुकुट रखा था तो वह उसका ठट्ठा करने और उसे दुःख देने के लिए था।
- प्राचीन युग में जीतने वाले खिलाड़ियों को जैतून के वृक्ष की टहनियों का मुकुट पहनाया जाता था। प्रेरित पौलुस तीमुथियुस को लिखे दूसरे पत्र में इस मुकुट की चर्चा करता है।
- प्रतीकात्मक रूप में "मुकुट पहनाने" का अर्थ है सम्मानित करना। हम परमेश्वर की आज्ञा मानकर और अन्यों में उसका गुणगान करके उसका सम्मान करते हैं। यह ऐसा है जैसे उसके सिर पर मुकुट रखना और उसे राजा स्वीकार करना।
- पौलुस विश्वासियों को अपना "आनन्द और मुकुट" कहता है। इस अभिव्यक्ति में "मुकुट" का अर्थ प्रतीकात्मक है जिसका अर्थ है कि पौलुस बहुत आशिषित और सम्मानित है क्योंकि विश्वासी परमेश्वर की सेवा में विश्वासयोग्य रहे हैं।
- प्रतीकात्मक रूप में उपयोग करने पर मुकुट का अनुवाद "पुरस्कार" या "सम्मान" या "प्रतिफल" किया जा सकता है।
- "मुकुट पहनाने" को जब प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाए तो इसका अनुवाद "सम्मान देना" या "विभूषित करना" हो सकता है।
- किसी को मुकुट पहनाने का अनुवाद हो सकता है, "उसके सिर पर मुकुट रखा गया"।
- "महिमा और आदर का मुकुट" का अनुवाद "उसे महिमा और सम्मान दिया गया" या "उसे महिमान्वित या सम्मानित किया गया" या "वह महिमा और सम्मान से सुसंपन्न था"।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, जैतून)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 19:03
- विलापगीत 05:16
- मत्ती 27:29
- फिलिप्पियों 04:01
- भजन संहिता 021:03
- प्रकाशितवाक्य 03:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3803, H3804, H5145, H5849, H5850, H6936, G1238, G4735, G4737

मुकुट, मुकुट पहनाना, मुकुट रखा

परिभाषा:

मुकुट राजा रानी द्वारा सिर पर पहना जानेवाला गोलाकार आभूषण हैं। "मुकुट पहनाना" का अर्थ किसी के सिर पर मुकुट रखना; जिसका प्रतीकात्मक अर्थ है "सम्मानित करना।"

- मुकुट सोने या चांदी के बने होते थे और उनमे बहुमूल्य पत्थर मरकत और माणिक जड़े होते थे।
- मुकुट राजा की शक्ति एवं धन-धान्य का प्रतीक था।
- इसके विपरीत सैनिकों ने यीशु के सिर पर कांटों का मुकुट रखा था तो वह उसका ठट्ठा करने और उसे दुःख देने के लिए था।
- प्राचीन युग में जीतने वाले खिलाड़ियों को जैतून के वृक्ष की टहनियों का मुकुट पहनाया जाता था। प्रेरित पौलुस तीमुथियुस को लिखे दूसरे पत्र में इस मुकुट की चर्चा करता है।
- प्रतीकात्मक रूप में "मुकुट पहनाने" का अर्थ है सम्मानित करना। हम परमेश्वर की आज्ञा मानकर और अन्यों में उसका गुणगान करके उसका सम्मान करते हैं। यह ऐसा है जैसे उसके सिर पर मुकुट रखना और उसे राजा स्वीकार करना।
- पौलुस विश्वासियों को अपना "आनन्द और मुकुट" कहता है। इस अभिव्यक्ति में "मुकुट" का अर्थ प्रतीकात्मक है जिसका अर्थ है कि पौलुस बहुत आशिषित और सम्मानित है क्योंकि विश्वासी परमेश्वर की सेवा में विश्वासयोग्य रहे हैं।
- प्रतीकात्मक रूप में उपयोग करने पर मुकुट का अनुवाद "पुरस्कार" या "सम्मान" या "प्रतिफल" किया जा सकता है।
- "मुकुट पहनाने" को जब प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाए तो इसका अनुवाद "सम्मान देना" या "विभूषित करना" हो सकता है।
- किसी को मुकुट पहनाने का अनुवाद हो सकता है, "उसके सिर पर मुकुट रखा गया"।
- "महिमा और आदर का मुकुट" का अनुवाद "उसे महिमा और सम्मान दिया गया" या "उसे महिमान्वित या सम्मानित किया गया" या "वह महिमा और सम्मान से सुसंपन्न था"।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, जैतून)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 19:03
- विलापगीत 05:16
- मत्ती 27:29
- फिलिप्पियों 04:01
- भजन संहिता 021:03
- प्रकाशितवाक्य 03:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3803, H3804, H5145, H5849, H5850, H6936, G1238, G4735, G4737

मुकुट, मुकुट पहनाना, मुकुट रखा

परिभाषा:

मुकुट राजा रानी द्वारा सिर पर पहना जानेवाला गोलाकार आभूषण हैं। "मुकुट पहनाना" का अर्थ किसी के सिर पर मुकुट रखना; जिसका प्रतीकात्मक अर्थ है "सम्मानित करना।"

- मुकुट सोने या चांदी के बने होते थे और उनमे बहुमूल्य पत्थर मरकत और माणिक जड़े होते थे।
- मुकुट राजा की शक्ति एवं धन-धान्य का प्रतीक था।
- इसके विपरीत सैनिकों ने यीशु के सिर पर कांटों का मुकुट रखा था तो वह उसका ठट्ठा करने और उसे दुःख देने के लिए था।
- प्राचीन युग में जीतने वाले खिलाड़ियों को जैतून के वृक्ष की टहनियों का मुकुट पहनाया जाता था। प्रेरित पौलुस तीमुथियुस को लिखे दूसरे पत्र में इस मुकुट की चर्चा करता है।
- प्रतीकात्मक रूप में "मुकुट पहनाने" का अर्थ है सम्मानित करना। हम परमेश्वर की आज्ञा मानकर और अन्यों में उसका गुणगान करके उसका सम्मान करते हैं। यह ऐसा है जैसे उसके सिर पर मुकुट रखना और उसे राजा स्वीकार करना।
- पौलुस विश्वासियों को अपना "आनन्द और मुकुट" कहता है। इस अभिव्यक्ति में "मुकुट" का अर्थ प्रतीकात्मक है जिसका अर्थ है कि पौलुस बहुत आशिषित और सम्मानित है क्योंकि विश्वासी परमेश्वर की सेवा में विश्वासयोग्य रहे हैं।
- प्रतीकात्मक रूप में उपयोग करने पर मुकुट का अनुवाद "पुरस्कार" या "सम्मान" या "प्रतिफल" किया जा सकता है।
- "मुकुट पहनाने" को जब प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाए तो इसका अनुवाद "सम्मान देना" या "विभूषित करना" हो सकता है।
- किसी को मुकुट पहनाने का अनुवाद हो सकता है, "उसके सिर पर मुकुट रखा गया"।
- "महिमा और आदर का मुकुट" का अनुवाद "उसे महिमा और सम्मान दिया गया" या "उसे महिमान्वित या सम्मानित किया गया" या "वह महिमा और सम्मान से सुसंपन्न था"।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, जैतून)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 19:03
- विलापगीत 05:16
- मत्ती 27:29
- फिलिप्पियों 04:01
- भजन संहिता 021:03
- प्रकाशितवाक्य 03:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3803, H3804, H5145, H5849, H5850, H6936, G1238, G4735, G4737

मुकुट, मुकुट पहनाना, मुकुट रखा

परिभाषा:

मुकुट राजा रानी द्वारा सिर पर पहना जानेवाला गोलाकार आभूषण हैं। "मुकुट पहनाना" का अर्थ किसी के सिर पर मुकुट रखना; जिसका प्रतीकात्मक अर्थ है "सम्मानित करना।"

- मुकुट सोने या चांदी के बने होते थे और उनमे बहुमूल्य पत्थर मरकत और माणिक जड़े होते थे।
- मुकुट राजा की शक्ति एवं धन-धान्य का प्रतीक था।
- इसके विपरीत सैनिकों ने यीशु के सिर पर कांटों का मुकुट रखा था तो वह उसका ठट्ठा करने और उसे दुःख देने के लिए था।
- प्राचीन युग में जीतने वाले खिलाड़ियों को जैतून के वृक्ष की टहनियों का मुकुट पहनाया जाता था। प्रेरित पौलुस तीमुथियुस को लिखे दूसरे पत्र में इस मुकुट की चर्चा करता है।
- प्रतीकात्मक रूप में "मुकुट पहनाने" का अर्थ है सम्मानित करना। हम परमेश्वर की आज्ञा मानकर और अन्यों में उसका गुणगान करके उसका सम्मान करते हैं। यह ऐसा है जैसे उसके सिर पर मुकुट रखना और उसे राजा स्वीकार करना।
- पौलुस विश्वासियों को अपना "आनन्द और मुकुट" कहता है। इस अभिव्यक्ति में "मुकुट" का अर्थ प्रतीकात्मक है जिसका अर्थ है कि पौलुस बहुत आशिषित और सम्मानित है क्योंकि विश्वासी परमेश्वर की सेवा में विश्वासयोग्य रहे हैं।
- प्रतीकात्मक रूप में उपयोग करने पर मुकुट का अनुवाद "पुरस्कार" या "सम्मान" या "प्रतिफल" किया जा सकता है।
- "मुकुट पहनाने" को जब प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाए तो इसका अनुवाद "सम्मान देना" या "विभूषित करना" हो सकता है।
- किसी को मुकुट पहनाने का अनुवाद हो सकता है, "उसके सिर पर मुकुट रखा गया"।
- "महिमा और आदर का मुकुट" का अनुवाद "उसे महिमा और सम्मान दिया गया" या "उसे महिमान्वित या सम्मानित किया गया" या "वह महिमा और सम्मान से सुसंपन्न था"।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, जैतून)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 19:03
- विलापगीत 05:16
- मत्ती 27:29
- फिलिप्पियों 04:01
- भजन संहिता 021:03
- प्रकाशितवाक्य 03:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3803, H3804, H5145, H5849, H5850, H6936, G1238, G4735, G4737

मुकुट, मुकुट पहनाना, मुकुट रखा

परिभाषा:

मुकुट राजा रानी द्वारा सिर पर पहना जानेवाला गोलाकार आभूषण हैं। "मुकुट पहनाना" का अर्थ किसी के सिर पर मुकुट रखना; जिसका प्रतीकात्मक अर्थ है "सम्मानित करना।"

- मुकुट सोने या चांदी के बने होते थे और उनमे बहुमूल्य पत्थर मरकत और माणिक जड़े होते थे।
- मुकुट राजा की शक्ति एवं धन-धान्य का प्रतीक था।
- इसके विपरीत सैनिकों ने यीशु के सिर पर कांटों का मुकुट रखा था तो वह उसका ठट्ठा करने और उसे दुःख देने के लिए था।
- प्राचीन युग में जीतने वाले खिलाड़ियों को जैतून के वृक्ष की टहनियों का मुकुट पहनाया जाता था। प्रेरित पौलुस तीमुथियुस को लिखे दूसरे पत्र में इस मुकुट की चर्चा करता है।
- प्रतीकात्मक रूप में "मुकुट पहनाने" का अर्थ है सम्मानित करना। हम परमेश्वर की आज्ञा मानकर और अन्यों में उसका गुणगान करके उसका सम्मान करते हैं। यह ऐसा है जैसे उसके सिर पर मुकुट रखना और उसे राजा स्वीकार करना।
- पौलुस विश्वासियों को अपना "आनन्द और मुकुट" कहता है। इस अभिव्यक्ति में "मुकुट" का अर्थ प्रतीकात्मक है जिसका अर्थ है कि पौलुस बहुत आशिषित और सम्मानित है क्योंकि विश्वासी परमेश्वर की सेवा में विश्वासयोग्य रहे हैं।
- प्रतीकात्मक रूप में उपयोग करने पर मुकुट का अनुवाद "पुरस्कार" या "सम्मान" या "प्रतिफल" किया जा सकता है।
- "मुकुट पहनाने" को जब प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाए तो इसका अनुवाद "सम्मान देना" या "विभूषित करना" हो सकता है।
- किसी को मुकुट पहनाने का अनुवाद हो सकता है, "उसके सिर पर मुकुट रखा गया"।
- "महिमा और आदर का मुकुट" का अनुवाद "उसे महिमा और सम्मान दिया गया" या "उसे महिमान्वित या सम्मानित किया गया" या "वह महिमा और सम्मान से सुसंपन्न था"।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, जैतून)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 19:03
- विलापगीत 05:16
- मत्ती 27:29
- फिलिप्पियों 04:01
- भजन संहिता 021:03
- प्रकाशितवाक्य 03:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3803, H3804, H5145, H5849, H5850, H6936, G1238, G4735, G4737

मुहर, मुहर, मुहर लगाना, खुली

परिभाषा:

मुहर लगाने का अर्थ है कि मुहरबन्द वस्तु मुहर जोड़े बिना खोली नहीं जा सकती है।

- मुहर में प्राय कोई चिन्ह होता था जिससे प्रकट होता था कि वह किस की है।

- पत्रों तथा अन्य अभिलेखों पर मुहर लगाने के लिए मोम को पिघलाकर काम में लिया जाता था। मोम जब ठंडा होकर कठोर हो जाता था तब मुहर को तोड़े बिना पत्र खोला नहीं जा सकता था।
- यीशु की कब्र के द्वार पर रखे पत्थर पर मुहर लगाई गई थी कि कोई उस पत्थर को हटाए नहीं।
- पौलुस पवित्र आत्मा को प्रतीकात्मक रूप में मुहर कहता है जिससे हमारा उद्धार सुनिश्चित होता है

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, कब्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 02:3-4
- यशायाह 29:11-12
- यूहन्ना 06:26-27
- मत्ती 27:65-66
- प्रकाशितवाक्य 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2368, H2560, H2856, H2857, H2858, H5640, G2696, G4972, G4973

मुहर, मुहर, मुहर लगाना, खुली

परिभाषा:

मुहर लगाने का अर्थ है कि मुहरबन्द वस्तु मुहर जोड़े बिना खोली नहीं जा सकती है।

- मुहर में प्राय कोई चिन्ह होता था जिससे प्रकट होता था कि वह किस की है।
- पत्रों तथा अन्य अभिलेखों पर मुहर लगाने के लिए मोम को पिघलाकर काम में लिया जाता था। मोम जब ठंडा होकर कठोर हो जाता था तब मुहर को तोड़े बिना पत्र खोला नहीं जा सकता था।
- यीशु की कब्र के द्वार पर रखे पत्थर पर मुहर लगाई गई थी कि कोई उस पत्थर को हटाए नहीं।
- पौलुस पवित्र आत्मा को प्रतीकात्मक रूप में मुहर कहता है जिससे हमारा उद्धार सुनिश्चित होता है

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, कब्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 02:3-4
- यशायाह 29:11-12
- यूहन्ना 06:26-27
- मत्ती 27:65-66
- प्रकाशितवाक्य 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2368, H2560, H2856, H2857, H2858, H5640, G2696, G4972, G4973

मुहर, मुहर, मुहर लगाना, खुली

परिभाषा:

मुहर लगाने का अर्थ है कि मुहरबन्द वस्तु मुहर जोड़े बिना खोली नहीं जा सकती है।

- मुहर में प्राय कोई चिन्ह होता था जिससे प्रकट होता था कि वह किस की है।
- पत्रों तथा अन्य अभिलेखों पर मुहर लगाने के लिए मोम को पिघलाकर काम में लिया जाता था। मोम जब ठंडा होकर कठोर हो जाता था तब मुहर को तोड़े बिना पत्र खोला नहीं जा सकता था।
- यीशु की कब्र के द्वार पर रखे पत्थर पर मुहर लगाई गई थी कि कोई उस पत्थर को हटाए नहीं।
- पौलुस पवित्र आत्मा को प्रतीकात्मक रूप में मुहर कहता है जिससे हमारा उद्धार सुनिश्चित होता है

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, कब्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 02:3-4
- यशायाह 29:11-12
- यूहन्ना 06:26-27
- मत्ती 27:65-66
- प्रकाशितवाक्य 05:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2368, H2560, H2856, H2857, H2858, H5640, G2696, G4972, G4973

मुड़, मुड़ता, लौटना, पीछे मुड़ता है, वापस मुड़ता है, वापस मुड़ना, वापस मुड़ा, भटक जाते, मुड़ जाना, वापस मुड़ा,मोड़, मुड़ कर दूर जा रहा है, लौटता है, वापस लौटाया, वापस लौट रहा है, वापस लौट जाता है

परिभाषा:

“मुड़” का अर्थ है शारीरिक रूप से दिशा बदलने या किसी बात के कारण किसी की दिशा बदलना।

- “मुड़” का अर्थ “पीछे मुड़ना” कि पीछे देखें या दूसरी दिशा में उन्मुख हों।
- “वापस मुड़ना” या “चाल से फिरना” का अर्थ है “लौट जाना” या “दूर हो जाना” या “दूर करने का कारण होना”
- “किसी बात से फिर जाने” का अर्थ है कुछ करने का “त्याग” या किसी का परित्याग करना।
- “की ओर मुड़ें” अर्थात किसी को सीधा देखना।
- “मुड़कर चल देना” या “मुंह मोड़कर चल देना” अर्थात “चले जाना”
- " वापस मुड़ना" का अर्थ है "कुछ फिर से शुरू करना।"
- “किसी बात से फिर जाने” अर्थात “किसी कार्य का त्याग करना”

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “मुड़” का अनुवाद “दिशा परिवर्तन” या “जाना” या “चलना” हो सकता है।
- कुछ संदर्भों में “मुड़” का अनुवाद “कारण” (कोई) कुछ करने के लिए। "(किसी) से दूर मुड़ना" का अनुवाद "कारण (कोई) जाने के लिए" या "कारण (किसी) को रोकने के लिए किया जा सकता है।"
- " परमेश्वर से दूर हो जाना" वाक्यांश का अनुवाद " परमेश्वर की आराधना करना बंद करना" के रूप में किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की ओर मुड़ना" वाक्यांश का अनुवाद "फिर से परमेश्वर की आराधना करना शुरू करना" किया जा सकता है।
- जब दुश्मन "पीछे मुड़ें," इसका मतलब है कि वे "पीछे हटना" "दुश्मन को पीछे मुड़ना" का मतलब है "दुश्मन के पीछे हटने का कारण।"
- लाक्षणिक रूप से प्रयुक्त, जब इस्राएल झूठे देवताओं के पास "लौट आए", तब वे "उनकी उपासना करने लगे" जब वे मूर्तियों से "मुड़ गए", उन्होंने "उनकी पूजा करना बंद कर दिया"
- जब परमेश्वर अपने विद्रोही लोगों से "दूर हो गया", तब उसने "उनकी रक्षा करना बंद कर दिया" या "उनकी मदद करना बंद कर दिया"
- वाक्यांश "अपने बच्चों के लिए पिता के दिलों को मोड़ना" का अनुवाद "पिता अपने बच्चों की देखभाल फिर से करे" किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "मेरी महिमा को शर्मिंदगी में बदलना" का अनुवाद "मेरी महिमा को शर्मिंदा बनाने का कारण" या "मुझे अपमानित करना है कि मैं शर्मिंदा हो जाऊ" या "मुझे शर्मिंदा करना (बुरा काम करके) ताकि लोग मुझे सम्मान न दें ।" के रूप में किया जा सकता है।
- "मैं तुम्हारे नगरों को बर्बाद कर दूंगा" का अनुवाद किया जा सकता है, "मैं तुम्हारे नगरों को नष्ट कर दूंगा" या "मैं शत्रुओं को तुम्हारे शहरों को नष्ट करने का कारण बनाऊंगा।"
- वाक्यांश "में बदलना" का अनुवाद "बन जाना हैं" के रूप में किया जा सकता है। जब मूसा की छड़ी एक साँप "में बदल गई", तो यह एक सांप "बन गया"। इसका अनुवाद भी "में बदल गया" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: देवता, कोढ़ी, दंडवत करना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 11:2
- प्रे.का. 07:42
- प्रे.का. 11:21
- यिर्मयाह 36:1-3
- लूका 01:17
- मलाकी 04:06
- प्रकाशितवाक्य 11:06

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H541, H2015, H2017, H2186, H2559, H3943, H4672, H4740, H4878, H5186, H5253, H5414, H5437, H5472, H5493, H5528, H5627, H5753, H6437, H7227, H7725, H7734, H7750, H7760, H7847, H8159, H8447, G344, G387, G402, G654, G665, G868, G1294, G1578, G1612, G1624, G1994, G3179, G3313, G3329, G3344, G3346, G4762, G5157, G5290

मुड़, मुड़ता, लौटना, पीछे मुड़ता है, वापस मुड़ता है, वापस मुड़ना, वापस मुड़ा, भटक जाते, मुड़ जाना, वापस मुड़ा,मोड़, मुड़ कर दूर जा रहा है, लौटता है, वापस लौटाया, वापस लौट रहा है, वापस लौट जाता है

परिभाषा:

“मुड़” का अर्थ है शारीरिक रूप से दिशा बदलने या किसी बात के कारण किसी की दिशा बदलना।

- “मुड़” का अर्थ “पीछे मुड़ना” कि पीछे देखें या दूसरी दिशा में उन्मुख हों।
- “वापस मुड़ना” या “चाल से फिरना” का अर्थ है “लौट जाना” या “दूर हो जाना” या “दूर करने का कारण होना”
- “किसी बात से फिर जाने” का अर्थ है कुछ करने का “त्याग” या किसी का परित्याग करना।
- “की ओर मुड़ें” अर्थात किसी को सीधा देखना।
- “मुड़कर चल देना” या “मुंह मोड़कर चल देना” अर्थात “चले जाना”
- " वापस मुड़ना" का अर्थ है "कुछ फिर से शुरू करना।"
- “किसी बात से फिर जाने” अर्थात “किसी कार्य का त्याग करना”

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “मुड़” का अनुवाद “दिशा परिवर्तन” या “जाना” या “चलना” हो सकता है।
- कुछ संदर्भों में “मुड़” का अनुवाद “कारण” (कोई) कुछ करने के लिए। "(किसी) से दूर मुड़ना" का अनुवाद "कारण (कोई) जाने के लिए" या "कारण (किसी) को रोकने के लिए किया जा सकता है।"
- " परमेश्वर से दूर हो जाना" वाक्यांश का अनुवाद " परमेश्वर की आराधना करना बंद करना" के रूप में किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की ओर मुड़ना" वाक्यांश का अनुवाद "फिर से परमेश्वर की आराधना करना शुरू करना" किया जा सकता है।
- जब दुश्मन "पीछे मुड़ें," इसका मतलब है कि वे "पीछे हटना" "दुश्मन को पीछे मुड़ना" का मतलब है "दुश्मन के पीछे हटने का कारण।"
- लाक्षणिक रूप से प्रयुक्त, जब इस्राएल झूठे देवताओं के पास "लौट आए", तब वे "उनकी उपासना करने लगे" जब वे मूर्तियों से "मुड़ गए", उन्होंने "उनकी पूजा करना बंद कर दिया"
- जब परमेश्वर अपने विद्रोही लोगों से "दूर हो गया", तब उसने "उनकी रक्षा करना बंद कर दिया" या "उनकी मदद करना बंद कर दिया"
- वाक्यांश "अपने बच्चों के लिए पिता के दिलों को मोड़ना" का अनुवाद "पिता अपने बच्चों की देखभाल फिर से करे" किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "मेरी महिमा को शर्मिंदगी में बदलना" का अनुवाद "मेरी महिमा को शर्मिंदा बनाने का कारण" या "मुझे अपमानित करना है कि मैं शर्मिंदा हो जाऊ" या "मुझे शर्मिंदा करना (बुरा काम करके) ताकि लोग मुझे सम्मान न दें ।" के रूप में किया जा सकता है।
- "मैं तुम्हारे नगरों को बर्बाद कर दूंगा" का अनुवाद किया जा सकता है, "मैं तुम्हारे नगरों को नष्ट कर दूंगा" या "मैं शत्रुओं को तुम्हारे शहरों को नष्ट करने का कारण बनाऊंगा।"
- वाक्यांश "में बदलना" का अनुवाद "बन जाना हैं" के रूप में किया जा सकता है। जब मूसा की छड़ी एक साँप "में बदल गई", तो यह एक सांप "बन गया"। इसका अनुवाद भी "में बदल गया" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: देवता, कोढ़ी, दंडवत करना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 11:2
- प्रे.का. 07:42
- प्रे.का. 11:21
- यिर्मयाह 36:1-3
- लूका 01:17
- मलाकी 04:06
- प्रकाशितवाक्य 11:06

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H541, H2015, H2017, H2186, H2559, H3943, H4672, H4740, H4878, H5186, H5253, H5414, H5437, H5472, H5493, H5528, H5627, H5753, H6437, H7227, H7725, H7734, H7750, H7760, H7847, H8159, H8447, G344, G387, G402, G654, G665, G868, G1294, G1578, G1612, G1624, G1994, G3179, G3313, G3329, G3344, G3346, G4762, G5157, G5290

मुड़, मुड़ता, लौटना, पीछे मुड़ता है, वापस मुड़ता है, वापस मुड़ना, वापस मुड़ा, भटक जाते, मुड़ जाना, वापस मुड़ा,मोड़, मुड़ कर दूर जा रहा है, लौटता है, वापस लौटाया, वापस लौट रहा है, वापस लौट जाता है

परिभाषा:

“मुड़” का अर्थ है शारीरिक रूप से दिशा बदलने या किसी बात के कारण किसी की दिशा बदलना।

- “मुड़” का अर्थ “पीछे मुड़ना” कि पीछे देखें या दूसरी दिशा में उन्मुख हों।
- “वापस मुड़ना” या “चाल से फिरना” का अर्थ है “लौट जाना” या “दूर हो जाना” या “दूर करने का कारण होना”
- “किसी बात से फिर जाने” का अर्थ है कुछ करने का “त्याग” या किसी का परित्याग करना।
- “की ओर मुड़ें” अर्थात किसी को सीधा देखना।
- “मुड़कर चल देना” या “मुंह मोड़कर चल देना” अर्थात “चले जाना”
- " वापस मुड़ना" का अर्थ है "कुछ फिर से शुरू करना।"
- “किसी बात से फिर जाने” अर्थात “किसी कार्य का त्याग करना”

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “मुड़” का अनुवाद “दिशा परिवर्तन” या “जाना” या “चलना” हो सकता है।
- कुछ संदर्भों में “मुड़” का अनुवाद “कारण” (कोई) कुछ करने के लिए। "(किसी) से दूर मुड़ना" का अनुवाद "कारण (कोई) जाने के लिए" या "कारण (किसी) को रोकने के लिए किया जा सकता है।"
- " परमेश्वर से दूर हो जाना" वाक्यांश का अनुवाद " परमेश्वर की आराधना करना बंद करना" के रूप में किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की ओर मुड़ना" वाक्यांश का अनुवाद "फिर से परमेश्वर की आराधना करना शुरू करना" किया जा सकता है।
- जब दुश्मन "पीछे मुड़ें," इसका मतलब है कि वे "पीछे हटना" "दुश्मन को पीछे मुड़ना" का मतलब है "दुश्मन के पीछे हटने का कारण।"
- लाक्षणिक रूप से प्रयुक्त, जब इस्राएल झूठे देवताओं के पास "लौट आए", तब वे "उनकी उपासना करने लगे" जब वे मूर्तियों से "मुड़ गए", उन्होंने "उनकी पूजा करना बंद कर दिया"
- जब परमेश्वर अपने विद्रोही लोगों से "दूर हो गया", तब उसने "उनकी रक्षा करना बंद कर दिया" या "उनकी मदद करना बंद कर दिया"
- वाक्यांश "अपने बच्चों के लिए पिता के दिलों को मोड़ना" का अनुवाद "पिता अपने बच्चों की देखभाल फिर से करे" किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "मेरी महिमा को शर्मिंदगी में बदलना" का अनुवाद "मेरी महिमा को शर्मिंदा बनाने का कारण" या "मुझे अपमानित करना है कि मैं शर्मिंदा हो जाऊ" या "मुझे शर्मिंदा करना (बुरा काम करके) ताकि लोग मुझे सम्मान न दें ।" के रूप में किया जा सकता है।
- "मैं तुम्हारे नगरों को बर्बाद कर दूंगा" का अनुवाद किया जा सकता है, "मैं तुम्हारे नगरों को नष्ट कर दूंगा" या "मैं शत्रुओं को तुम्हारे शहरों को नष्ट करने का कारण बनाऊंगा।"
- वाक्यांश "में बदलना" का अनुवाद "बन जाना हैं" के रूप में किया जा सकता है। जब मूसा की छड़ी एक साँप "में बदल गई", तो यह एक सांप "बन गया"। इसका अनुवाद भी "में बदल गया" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: देवता, कोढ़ी, दंडवत करना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 11:2
- प्रे.का. 07:42
- प्रे.का. 11:21
- यिर्मयाह 36:1-3
- लूका 01:17
- मलाकी 04:06
- प्रकाशितवाक्य 11:06

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H541, H2015, H2017, H2186, H2559, H3943, H4672, H4740, H4878, H5186, H5253, H5414, H5437, H5472, H5493, H5528, H5627, H5753, H6437, H7227, H7725, H7734, H7750, H7760, H7847, H8159, H8447, G344, G387, G402, G654, G665, G868, G1294, G1578, G1612, G1624, G1994, G3179, G3313, G3329, G3344, G3346, G4762, G5157, G5290

मूरत, मूरतों, मूर्ति खोदकर, खोदी हुई मूरतें, धातु की मूरतें ढालकर, मूर्ति, मूरतों, खुदी हुई मूरत, खुदी हुई मूर्तियों, धातु की खुदी हुई मूरत, ढली हुई मूर्तियाँ

परिभाषा:

यह सब शब्द मिथ्या देवताओं की आराधना में मूर्तों के संदर्भ में हैं। मूर्तिपूजा के संबन्ध में मूरत का अर्थ था, तराशी हुई मूर्तियां।

- "मूर्ति खोदकर" या "खुदी हुई मूरत" लकड़ी से बनाई हुई पशु, मनुष्य या किसी वस्तु की प्रतिछाया थी।
- "धातु की खुदी हुई मूरत" धातु को पिघला कर सांचे में डालकर किसी वस्तु, पशु या मनुष्य का रूप देना।
- ये लकड़ी के या धातु के प्रतिरूप झूठे देवी-देवताओं की उपासना के काम में लिए जाते थे।
- किसी मूर्ति के लिए "मूरत" शब्द का अर्थ है लकड़ी या धातु की मूर्ति।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- मूर्ति के संदर्भ में "मूरत" का अनुवाद "प्रतिमा" या "खुदी हुई मूरत" या "खुदी धार्मिक वस्तु" किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इस शब्द के साथ व्याख्यात्मक शब्द काम में लेना अधिक उचित होगा जैसे "खुदी हुई मूरत" या "ढली हुई मूर्ति" चाहे कहीं-कहीं केवल "मूरत" या "लाठ" शब्द हो जो मूल भाषा के हैं।
- सुनिश्चित करें कि यह शब्द परमेश्वर के स्वरूप से भिन्न हो।

(यह भी देखें: देवता, परमेश्वर, मूर्ति, परमेश्वर का प्रतिरूप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 14:9-10
- प्रे.का. 07:43
- यशायाह 21:8-9
- मत्ती 22:20-22
- रोमियो 01:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H457, H1544, H2553, H4541, H4676, H4853, H4906, H5257, H5262, H5566, H6091, H6456, H6459, H6754, H6755, H6816, H8403, H8544, H8655, G1504, G5179, G5481

मूरत, मूरतों, मूर्ति खोदकर, खोदी हुई मूरतें, धातु की मूरतें ढालकर, मूर्ति, मूरतों, खुदी हुई मूरत, खुदी हुई मूर्तियों, धातु की खुदी हुई मूरत, ढली हुई मूर्तियाँ

परिभाषा:

यह सब शब्द मिथ्या देवताओं की आराधना में मूर्तों के संदर्भ में हैं। मूर्तिपूजा के संबन्ध में मूरत का अर्थ था, तराशी हुई मूर्तियां।

- "मूर्ति खोदकर" या "खुदी हुई मूरत" लकड़ी से बनाई हुई पशु, मनुष्य या किसी वस्तु की प्रतिछाया थी।
- "धातु की खुदी हुई मूरत" धातु को पिघला कर सांचे में डालकर किसी वस्तु, पशु या मनुष्य का रूप देना।
- ये लकड़ी के या धातु के प्रतिरूप झूठे देवी-देवताओं की उपासना के काम में लिए जाते थे।
- किसी मूर्ति के लिए "मूरत" शब्द का अर्थ है लकड़ी या धातु की मूर्ति।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- मूर्ति के संदर्भ में "मूरत" का अनुवाद "प्रतिमा" या "खुदी हुई मूरत" या "खुदी धार्मिक वस्तु" किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इस शब्द के साथ व्याख्यात्मक शब्द काम में लेना अधिक उचित होगा जैसे "खुदी हुई मूरत" या "ढली हुई मूर्ति" चाहे कहीं-कहीं केवल "मूरत" या "लाठ" शब्द हो जो मूल भाषा के हैं।
- सुनिश्चित करें कि यह शब्द परमेश्वर के स्वरूप से भिन्न हो।

(यह भी देखें: देवता, परमेश्वर, मूर्ति, परमेश्वर का प्रतिरूप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 14:9-10
- प्रे.का. 07:43

- यशायाह 21:8-9
- मत्ती 22:20-22
- रोमियो 01:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H457, H1544, H2553, H4541, H4676, H4853, H4906, H5257, H5262, H5566, H6091, H6456, H6459, H6754, H6755, H6816, H8403, H8544, H8655, G1504, G5179, G5481

मूरत, मूरतों, मूर्ति खोदकर, खोदी हुई मूरतें, धातु की मूरतें ढालकर, मूर्ति, मूरतों, खुदी हुई मूरत, खुदी हुई मूर्तियों, धातु की खुदी हुई मूरत, ढली हुई मूर्तियाँ

परिभाषा:

यह सब शब्द मिथ्या देवताओं की आराधना में मूर्तों के संदर्भ में हैं। मूर्तिपूजा के संबन्ध में मूरत का अर्थ था, तराशी हुई मूर्तियां।

- “मूर्ति खोदकर” या “खुदी हुई मूरत” लकड़ी से बनाई हुई पशु, मनुष्य या किसी वस्तु की प्रतिछाया थी।
- “धातु की खुदी हुई मूरत” धातु को पिघला कर सांचे में डालकर किसी वस्तु, पशु या मनुष्य का रूप देना।
- ये लकड़ी के या धातु के प्रतिरूप झूठे देवी-देवताओं की उपासना के काम में लिए जाते थे।
- किसी मूर्ति के लिए “मूरत” शब्द का अर्थ है लकड़ी या धातु की मूर्ति।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- मूर्ति के संदर्भ में “मूरत” का अनुवाद “प्रतिमा” या “खुदी हुई मूरत” या “खुदी धार्मिक वस्तु” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इस शब्द के साथ व्याख्यात्मक शब्द काम में लेना अधिक उचित होगा जैसे “खुदी हुई मूरत” या “ढली हुई मूर्ति” चाहे कहीं-कहीं केवल “मूरत” या “लाठ” शब्द हो जो मूल भाषा के हैं।
- सुनिश्चित करें कि यह शब्द परमेश्वर के स्वरूप से भिन्न हो।

(यह भी देखें: देवता, परमेश्वर, मूर्ति, परमेश्वर का प्रतिरूप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 14:9-10
- प्रे.का. 07:43
- यशायाह 21:8-9
- मत्ती 22:20-22
- रोमियो 01:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H457, H1544, H2553, H4541, H4676, H4853, H4906, H5257, H5262, H5566, H6091, H6456, H6459, H6754, H6755, H6816, H8403, H8544, H8655, G1504, G5179, G5481

मूरत, मूरतों, मूर्ति खोदकर, खोदी हुई मूरतें, धातु की मूरतें ढालकर, मूर्ति, मूरतों, खुदी हुई मूरत, खुदी हुई मूर्तियों, धातु की खुदी हुई मूरत, ढली हुई मूर्तियाँ

परिभाषा:

यह सब शब्द मिथ्या देवताओं की आराधना में मूर्तों के संदर्भ में हैं। मूर्तिपूजा के संबन्ध में मूरत का अर्थ था, तराशी हुई मूर्तियां।

- “मूर्ति खोदकर” या “खुदी हुई मूरत” लकड़ी से बनाई हुई पशु, मनुष्य या किसी वस्तु की प्रतिछाया थी।
- “धातु की खुदी हुई मूरत” धातु को पिघला कर सांचे में डालकर किसी वस्तु, पशु या मनुष्य का रूप देना।
- ये लकड़ी के या धातु के प्रतिरूप झूठे देवी-देवताओं की उपासना के काम में लिए जाते थे।
- किसी मूर्ति के लिए “मूरत” शब्द का अर्थ है लकड़ी या धातु की मूर्ति।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- मूर्ति के संदर्भ में “मूरत” का अनुवाद “प्रतिमा” या “खुदी हुई मूरत” या “खुदी धार्मिक वस्तु” किया जा सकता है।

- कुछ भाषाओं में इस शब्द के साथ व्याख्यात्मक शब्द काम में लेना अधिक उचित होगा जैसे “खुदी हुई मूरत” या “ढली हुई मूर्ति” चाहे कहीं-कहीं केवल “मूरत” या “लाठ” शब्द हो जो मूल भाषा के हैं।
- सुनिश्चित करें कि यह शब्द परमेश्वर के स्वरूप से भिन्न हो।

(यह भी देखें: देवता, परमेश्वर, मूर्ति, परमेश्वर का प्रतिरूप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 14:9-10
- प्रे.का. 07:43
- यशायाह 21:8-9
- मत्ती 22:20-22
- रोमियो 01:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H457, H1544, H2553, H4541, H4676, H4853, H4906, H5257, H5262, H5566, H6091, H6456, H6459, H6754, H6755, H6816, H8403, H8544, H8655, G1504, G5179, G5481

मूरत, मूरतों, मूर्ति खोदकर, खोदी हुई मूरतें, धातु की मूरतें ढालकर, मूर्ति, मूरतों, खुदी हुई मूरत, खुदी हुई मूर्तियों, धातु की खुदी हुई मूरत, ढली हुई मूर्तियाँ

परिभाषा:

यह सब शब्द मिथ्या देवताओं की आराधना में मूर्तों के संदर्भ में हैं। मूर्तिपूजा के संबन्ध में मूरत का अर्थ था, तराशी हुई मूर्तियां।

- “मूर्ति खोदकर” या “खुदी हुई मूरत” लकड़ी से बनाई हुई पशु, मनुष्य या किसी वस्तु की प्रतिछाया थी।
- “धातु की खुदी हुई मूरत” धातु को पिघला कर सांचे में डालकर किसी वस्तु, पशु या मनुष्य का रूप देना।
- ये लकड़ी के या धातु के प्रतिरूप झूठे देवी-देवताओं की उपासना के काम में लिए जाते थे।
- किसी मूर्ति के लिए “मूरत” शब्द का अर्थ है लकड़ी या धातु की मूर्ति।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- मूर्ति के संदर्भ में “मूरत” का अनुवाद “प्रतिमा” या “खुदी हुई मूरत” या “खुदी धार्मिक वस्तु” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इस शब्द के साथ व्याख्यात्मक शब्द काम में लेना अधिक उचित होगा जैसे “खुदी हुई मूरत” या “ढली हुई मूर्ति” चाहे कहीं-कहीं केवल “मूरत” या “लाठ” शब्द हो जो मूल भाषा के हैं।
- सुनिश्चित करें कि यह शब्द परमेश्वर के स्वरूप से भिन्न हो।

(यह भी देखें: देवता, परमेश्वर, मूर्ति, परमेश्वर का प्रतिरूप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 14:9-10
- प्रे.का. 07:43
- यशायाह 21:8-9
- मत्ती 22:20-22
- रोमियो 01:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H457, H1544, H2553, H4541, H4676, H4853, H4906, H5257, H5262, H5566, H6091, H6456, H6459, H6754, H6755, H6816, H8403, H8544, H8655, G1504, G5179, G5481

मूरत, मूरतों, मूर्ति खोदकर, खोदी हुई मूरतें, धातु की मूरतें ढालकर, मूर्ति, मूरतों, खुदी हुई मूरत, खुदी हुई मूर्तियों, धातु की खुदी हुई मूरत, ढली हुई मूर्तियाँ

परिभाषा:

यह सब शब्द मिथ्या देवताओं की आराधना में मूर्तों के संदर्भ में हैं। मूर्तिपूजा के संबन्ध में मूरत का अर्थ था, तराशी हुई मूर्तियां।

- “मूर्ति खोदकर” या “खुदी हुई मूरत” लकड़ी से बनाई हुई पशु, मनुष्य या किसी वस्तु की प्रतिछाया थी।
- “धातु की खुदी हुई मूरत” धातु को पिघला कर सांचे में डालकर किसी वस्तु, पशु या मनुष्य का रूप देना।
- ये लकड़ी के या धातु के प्रतिरूप झूठे देवी-देवताओं की उपासना के काम में लिए जाते थे।
- किसी मूर्ति के लिए “मूरत” शब्द का अर्थ है लकड़ी या धातु की मूर्ति।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- मूर्ति के संदर्भ में “मूरत” का अनुवाद “प्रतिमा” या “खुदी हुई मूरत” या “खुदी धार्मिक वस्तु” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इस शब्द के साथ व्याख्यात्मक शब्द काम में लेना अधिक उचित होगा जैसे “खुदी हुई मूरत” या “ढली हुई मूर्ति” चाहे कहीं-कहीं केवल “मूरत” या “लाठ” शब्द हो जो मूल भाषा के हैं।
- सुनिश्चित करें कि यह शब्द परमेश्वर के स्वरूप से भिन्न हो।

(यह भी देखें: देवता, परमेश्वर, मूर्ति, परमेश्वर का प्रतिरूप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 14:9-10
- प्रे.का. 07:43
- यशायाह 21:8-9
- मत्ती 22:20-22
- रोमियो 01:22-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H457, H1544, H2553, H4541, H4676, H4853, H4906, H5257, H5262, H5566, H6091, H6456, H6459, H6754, H6755, H6816, H8403, H8544, H8655, G1504, G5179, G5481

मूर्ख, मुर्ख लोग, मूर्खता

परिभाषा:

“मूढ़” अर्थात अनुचित चुनाव करनेवाला विशेष करके अवज्ञा का चुनाव करनेवाला। “मूर्ख” शब्द निर्बुद्धि मनुष्य या व्यवहार का वर्णन करता है।

- बाइबल में मूढ़/मूर्ख शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर को नहीं मानता था या उसकी आज्ञा नहीं मानता है इसकी विपरीत तुलना प्रायः उस मनुष्य से की गई है जो परमेश्वर में विश्वास करता है और उसकी आज्ञाओं का पालन करता है।
- भजनों में दाऊद मूर्ख को ऐसा मनुष्य कहता है जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करता या उसकी आज्ञाएं नहीं मानता है। वह सृष्टि में परमेश्वर के अस्तित्व के सब प्रमाणों को अनदेखा करता है।
- पुराने नियम की पुस्तक नीतिवचन में भी मूर्ख या मूढ़ का चरित्र चित्रण दिया गया है।
- “मूर्खता” वह कार्य है जो निर्बुद्धि का है क्योंकि वह कार्य परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध है। “मूर्खता” का अभिप्राय बेतुका या खतरनाक भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “मूर्खता” का अनुवाद “मूर्ख मनुष्य” या “निर्बुद्धि मनुष्य” या “मन्द बुद्धि मनुष्य” या “अमुक्त मनुष्य” किया जा सकता है।
- “मूर्ख” के अनुवाद रूप हैं, “समझ में कम” या “निर्बुद्धि” या “मन्द बुद्धि”।

(यह भी देखें: बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 01:16-18
- इफिसियों 05:15-17
- गलातियों 03:1-3

- उत्पत्ति 31:26-28
- मत्ती. 07:26-27
- मत्ती. 25:7-9
- नीतिवचन 13:15-16
- भजन-संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H191, H196, H200, H1198, H1984, H2973, H3684, H3687, H3688, H3689, H3690, H5014, H5034, H5036, H5039, H5528, H5529, H5530, H5531, H6612, H8417, H8602, H8604, G453, G454, G781, G801, G877, G878, G2757, G3150, G3154, G3471, G3472, G3473, G3474, G3912

मूर्ख, मुर्ख लोग, मूर्खता

परिभाषा:

“मूढ़” अर्थात अनुचित चुनाव करनेवाला विशेष करके अवज्ञा का चुनाव करनेवाला। “मूर्ख” शब्द निर्बुद्धि मनुष्य या व्यवहार का वर्णन करता है।

- बाइबल में मूढ़/मूर्ख शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर को नहीं मानता था या उसकी आज्ञा नहीं मानता है इसकी विपरीत तुलना प्रायः उस मनुष्य से की गई है जो परमेश्वर में विश्वास करता है और उसकी आज्ञाओं का पालन करता है।
- भजनों में दाऊद मूर्ख को ऐसा मनुष्य कहता है जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करता या उसकी आज्ञाएं नहीं मानता है। वह सृष्टि में परमेश्वर के अस्तित्व के सब प्रमाणों को अनदेखा करता है।
- पुराने नियम की पुस्तक नीतिवचन में भी मूर्ख या मूढ़ का चरित्र चित्रण दिया गया है।
- “मूर्खता” वह कार्य है जो निर्बुद्धि का है क्योंकि वह कार्य परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध है। “मूर्खता” का अभिप्राय बेतुका या खतरनाक भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “मूर्खता” का अनुवाद “मूर्ख मनुष्य” या “निर्बुद्धि मनुष्य” या “मन्द बुद्धि मनुष्य” या “अमुक्त मनुष्य” किया जा सकता है।
- “मूर्ख” के अनुवाद रूप हैं, “समझ में कम” या “निर्बुद्धि” या “मन्द बुद्धि”।

(यह भी देखें: बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 01:16-18
- इफिसियों 05:15-17
- गलातियों 03:1-3
- उत्पत्ति 31:26-28
- मत्ती. 07:26-27
- मत्ती. 25:7-9
- नीतिवचन 13:15-16
- भजन-संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H191, H196, H200, H1198, H1984, H2973, H3684, H3687, H3688, H3689, H3690, H5014, H5034, H5036, H5039, H5528, H5529, H5530, H5531, H6612, H8417, H8602, H8604, G453, G454, G781, G801, G877, G878, G2757, G3150, G3154, G3471, G3472, G3473, G3474, G3912

मूर्ख, मुर्ख लोग, मूर्खता

परिभाषा:

“मूढ़” अर्थात अनुचित चुनाव करनेवाला विशेष करके अवज्ञा का चुनाव करनेवाला। “मूर्ख” शब्द निर्बुद्धि मनुष्य या व्यवहार का वर्णन करता है।

- बाइबल में मूढ़/मूर्ख शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर को नहीं मानता था या उसकी आज्ञा नहीं मानता है इसकी विपरीत तुलना प्रायः उस मनुष्य से की गई है जो परमेश्वर में विश्वास करता है और उसकी आज्ञाओं का पालन करता है।

- भजनों में दाऊद मूर्ख को ऐसा मनुष्य कहता है जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करता या उसकी आज्ञाएं नहीं मानता है। वह सृष्टि में परमेश्वर के अस्तित्व के सब प्रमाणों को अनदेखा करता है।
- पुराने नियम की पुस्तक नीतिवचन में भी मूर्ख या मूढ़ का चरित्र चित्रण दिया गया है।
- "मूर्खता" वह कार्य है जो निर्बुद्धि का है क्योंकि वह कार्य परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध है। "मूर्खता" का अभिप्राय बेतुका या खतरनाक भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "मूर्खता" का अनुवाद "मूर्ख मनुष्य" या "निर्बुद्धि मनुष्य" या "मन्द बुद्धि मनुष्य" या "अमुक्त मनुष्य" किया जा सकता है।
- "मूर्ख" के अनुवाद रूप हैं, "समझ में कम" या "निर्बुद्धि" या "मन्द बुद्धि"।

(यह भी देखें: बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 01:16-18
- इफिसियों 05:15-17
- गलातियों 03:1-3
- उत्पत्ति 31:26-28
- मत्ती. 07:26-27
- मत्ती. 25:7-9
- नीतिवचन 13:15-16
- भजन-संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H191, H196, H200, H1198, H1984, H2973, H3684, H3687, H3688, H3689, H3690, H5014, H5034, H5036, H5039, H5528, H5529, H5530, H5531, H6612, H8417, H8602, H8604, G453, G454, G781, G801, G877, G878, G2757, G3150, G3154, G3471, G3472, G3473, G3474, G3912

मूर्ख, मुर्ख लोग, मूर्खता

परिभाषा:

"मूढ़" अर्थात अनुचित चुनाव करनेवाला विशेष करके अवज्ञा का चुनाव करनेवाला। "मूर्ख" शब्द निर्बुद्धि मनुष्य या व्यवहार का वर्णन करता है।

- बाइबल में मूढ़/मूर्ख शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर को नहीं मानता था या उसकी आज्ञा नहीं मानता है इसकी विपरीत तुलना प्रायः उस मनुष्य से की गई है जो परमेश्वर में विश्वास करता है और उसकी आज्ञाओं का पालन करता है।
- भजनों में दाऊद मूर्ख को ऐसा मनुष्य कहता है जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करता या उसकी आज्ञाएं नहीं मानता है। वह सृष्टि में परमेश्वर के अस्तित्व के सब प्रमाणों को अनदेखा करता है।
- पुराने नियम की पुस्तक नीतिवचन में भी मूर्ख या मूढ़ का चरित्र चित्रण दिया गया है।
- "मूर्खता" वह कार्य है जो निर्बुद्धि का है क्योंकि वह कार्य परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध है। "मूर्खता" का अभिप्राय बेतुका या खतरनाक भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "मूर्खता" का अनुवाद "मूर्ख मनुष्य" या "निर्बुद्धि मनुष्य" या "मन्द बुद्धि मनुष्य" या "अमुक्त मनुष्य" किया जा सकता है।
- "मूर्ख" के अनुवाद रूप हैं, "समझ में कम" या "निर्बुद्धि" या "मन्द बुद्धि"।

(यह भी देखें: बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 01:16-18
- इफिसियों 05:15-17
- गलातियों 03:1-3
- उत्पत्ति 31:26-28
- मत्ती. 07:26-27
- मत्ती. 25:7-9
- नीतिवचन 13:15-16

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- भजन-संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H191, H196, H200, H1198, H1984, H2973, H3684, H3687, H3688, H3689, H3690, H5014, H5034, H5036, H5039, H5528, H5529, H5530, H5531, H6612, H8417, H8602, H8604, G453, G454, G781, G801, G877, G878, G2757, G3150, G3154, G3471, G3472, G3473, G3474, G3912

मूर्ख, मुर्ख लोग, मूर्खता

परिभाषा:

“मूढ़” अर्थात अनुचित चुनाव करनेवाला विशेष करके अवज्ञा का चुनाव करनेवाला। “मूर्ख” शब्द निर्बुद्धि मनुष्य या व्यवहार का वर्णन करता है।

- बाइबल में मूढ़/मूर्ख शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर को नहीं मानता था या उसकी आज्ञा नहीं मानता है इसकी विपरीत तुलना प्रायः उस मनुष्य से की गई है जो परमेश्वर में विश्वास करता है और उसकी आज्ञाओं का पालन करता है।
- भजनों में दाऊद मूर्ख को ऐसा मनुष्य कहता है जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करता या उसकी आज्ञाएं नहीं मानता है। वह सृष्टि में परमेश्वर के अस्तित्व के सब प्रमाणों को अनदेखा करता है।
- पुराने नियम की पुस्तक नीतिवचन में भी मूर्ख या मूढ़ का चरित्र चित्रण दिया गया है।
- “मूर्खता” वह कार्य है जो निर्बुद्धि का है क्योंकि वह कार्य परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध है। “मूर्खता” का अभिप्राय बेतुका या खतरनाक भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “मूर्खता” का अनुवाद “मूर्ख मनुष्य” या “निर्बुद्धि मनुष्य” या “मन्द बुद्धि मनुष्य” या “अमुक्त मनुष्य” किया जा सकता है।
- “मूर्ख” के अनुवाद रूप हैं, “समझ में कम” या “निर्बुद्धि” या “मन्द बुद्धि”।

(यह भी देखें: बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 01:16-18
- इफिसियों 05:15-17
- गलातियों 03:1-3
- उत्पत्ति 31:26-28
- मत्ती. 07:26-27
- मत्ती. 25:7-9
- नीतिवचन 13:15-16
- भजन-संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H191, H196, H200, H1198, H1984, H2973, H3684, H3687, H3688, H3689, H3690, H5014, H5034, H5036, H5039, H5528, H5529, H5530, H5531, H6612, H8417, H8602, H8604, G453, G454, G781, G801, G877, G878, G2757, G3150, G3154, G3471, G3472, G3473, G3474, G3912

मूर्ख, मुर्ख लोग, मूर्खता

परिभाषा:

“मूढ़” अर्थात अनुचित चुनाव करनेवाला विशेष करके अवज्ञा का चुनाव करनेवाला। “मूर्ख” शब्द निर्बुद्धि मनुष्य या व्यवहार का वर्णन करता है।

- बाइबल में मूढ़/मूर्ख शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर को नहीं मानता था या उसकी आज्ञा नहीं मानता है इसकी विपरीत तुलना प्रायः उस मनुष्य से की गई है जो परमेश्वर में विश्वास करता है और उसकी आज्ञाओं का पालन करता है।
- भजनों में दाऊद मूर्ख को ऐसा मनुष्य कहता है जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करता या उसकी आज्ञाएं नहीं मानता है। वह सृष्टि में परमेश्वर के अस्तित्व के सब प्रमाणों को अनदेखा करता है।
- पुराने नियम की पुस्तक नीतिवचन में भी मूर्ख या मूढ़ का चरित्र चित्रण दिया गया है।
- “मूर्खता” वह कार्य है जो निर्बुद्धि का है क्योंकि वह कार्य परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध है। “मूर्खता” का अभिप्राय बेतुका या खतरनाक भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "मूर्खता" का अनुवाद "मूर्ख मनुष्य" या "निर्बुद्धि मनुष्य" या "मन्द बुद्धि मनुष्य" या "अमुक्त मनुष्य" किया जा सकता है।
- "मूर्ख" के अनुवाद रूप हैं, "समझ में कम" या "निर्बुद्धि" या "मन्द बुद्धि"।

(यह भी देखें: बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 01:16-18
- इफिसियों 05:15-17
- गलातियों 03:1-3
- उत्पत्ति 31:26-28
- मत्ती. 07:26-27
- मत्ती. 25:7-9
- नीतिवचन 13:15-16
- भजन-संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H191, H196, H200, H1198, H1984, H2973, H3684, H3687, H3688, H3689, H3690, H5014, H5034, H5036, H5039, H5528, H5529, H5530, H5531, H6612, H8417, H8602, H8604, G453, G454, G781, G801, G877, G878, G2757, G3150, G3154, G3471, G3472, G3473, G3474, G3912

मूर्ख, मुर्ख लोग, मूर्खता

परिभाषा:

"मूढ़" अर्थात अनुचित चुनाव करनेवाला विशेष करके अवज्ञा का चुनाव करनेवाला। "मूर्ख" शब्द निर्बुद्धि मनुष्य या व्यवहार का वर्णन करता है।

- बाइबल में मूढ़/मूर्ख शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर को नहीं मानता था या उसकी आज्ञा नहीं मानता है इसकी विपरीत तुलना प्रायः उस मनुष्य से की गई है जो परमेश्वर में विश्वास करता है और उसकी आज्ञाओं का पालन करता है।
- भजनों में दाऊद मूर्ख को ऐसा मनुष्य कहता है जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करता या उसकी आज्ञाएं नहीं मानता है। वह सृष्टि में परमेश्वर के अस्तित्व के सब प्रमाणों को अनदेखा करता है।
- पुराने नियम की पुस्तक नीतिवचन में भी मूर्ख या मूढ़ का चरित्र चित्रण दिया गया है।
- "मूर्खता" वह कार्य है जो निर्बुद्धि का है क्योंकि वह कार्य परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध है। "मूर्खता" का अभिप्राय बेतुका या खतरनाक भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "मूर्खता" का अनुवाद "मूर्ख मनुष्य" या "निर्बुद्धि मनुष्य" या "मन्द बुद्धि मनुष्य" या "अमुक्त मनुष्य" किया जा सकता है।
- "मूर्ख" के अनुवाद रूप हैं, "समझ में कम" या "निर्बुद्धि" या "मन्द बुद्धि"।

(यह भी देखें: बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 01:16-18
- इफिसियों 05:15-17
- गलातियों 03:1-3
- उत्पत्ति 31:26-28
- मत्ती. 07:26-27
- मत्ती. 25:7-9
- नीतिवचन 13:15-16
- भजन-संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H191, H196, H200, H1198, H1984, H2973, H3684, H3687, H3688, H3689, H3690, H5014, H5034, H5036, H5039, H5528, H5529, H5530, H5531, H6612, H8417, H8602, H8604, G453, G454, G781, G801, G877, G878, G2757, G3150, G3154, G3471, G3472, G3473, G3474, G3912

मूर्ख, मुर्ख लोग, मूर्खता

परिभाषा:

“मूढ़” अर्थात अनुचित चुनाव करनेवाला विशेष करके अवज्ञा का चुनाव करनेवाला। “मूर्ख” शब्द निर्बुद्धि मनुष्य या व्यवहार का वर्णन करता है।

- बाइबल में मूढ़/मूर्ख शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर को नहीं मानता था या उसकी आज्ञा नहीं मानता है इसकी विपरीत तुलना प्रायः उस मनुष्य से की गई है जो परमेश्वर में विश्वास करता है और उसकी आज्ञाओं का पालन करता है।
- भजनों में दाऊद मूर्ख को ऐसा मनुष्य कहता है जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करता या उसकी आज्ञाएं नहीं मानता है। वह सृष्टि में परमेश्वर के अस्तित्व के सब प्रमाणों को अनदेखा करता है।
- पुराने नियम की पुस्तक नीतिवचन में भी मूर्ख या मूढ़ का चरित्र चित्रण दिया गया है।
- “मूर्खता” वह कार्य है जो निर्बुद्धि का है क्योंकि वह कार्य परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध है। “मूर्खता” का अभिप्राय बेतुका या खतरनाक भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “मूर्खता” का अनुवाद “मूर्ख मनुष्य” या “निर्बुद्धि मनुष्य” या “मन्द बुद्धि मनुष्य” या “अमुक्त मनुष्य” किया जा सकता है।
- “मूर्ख” के अनुवाद रूप हैं, “समझ में कम” या “निर्बुद्धि” या “मन्द बुद्धि”।

(यह भी देखें: बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 01:16-18
- इफिसियों 05:15-17
- गलातियों 03:1-3
- उत्पत्ति 31:26-28
- मत्ती. 07:26-27
- मत्ती. 25:7-9
- नीतिवचन 13:15-16
- भजन-संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H191, H196, H200, H1198, H1984, H2973, H3684, H3687, H3688, H3689, H3690, H5014, H5034, H5036, H5039, H5528, H5529, H5530, H5531, H6612, H8417, H8602, H8604, G453, G454, G781, G801, G877, G878, G2757, G3150, G3154, G3471, G3472, G3473, G3474, G3912

मूर्ख, मुर्ख लोग, मूर्खता

परिभाषा:

“मूढ़” अर्थात अनुचित चुनाव करनेवाला विशेष करके अवज्ञा का चुनाव करनेवाला। “मूर्ख” शब्द निर्बुद्धि मनुष्य या व्यवहार का वर्णन करता है।

- बाइबल में मूढ़/मूर्ख शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर को नहीं मानता था या उसकी आज्ञा नहीं मानता है इसकी विपरीत तुलना प्रायः उस मनुष्य से की गई है जो परमेश्वर में विश्वास करता है और उसकी आज्ञाओं का पालन करता है।
- भजनों में दाऊद मूर्ख को ऐसा मनुष्य कहता है जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करता या उसकी आज्ञाएं नहीं मानता है। वह सृष्टि में परमेश्वर के अस्तित्व के सब प्रमाणों को अनदेखा करता है।
- पुराने नियम की पुस्तक नीतिवचन में भी मूर्ख या मूढ़ का चरित्र चित्रण दिया गया है।
- “मूर्खता” वह कार्य है जो निर्बुद्धि का है क्योंकि वह कार्य परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध है। “मूर्खता” का अभिप्राय बेतुका या खतरनाक भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "मूर्खता" का अनुवाद "मूर्ख मनुष्य" या "निर्बुद्धि मनुष्य" या "मन्द बुद्धि मनुष्य" या "अमुक्त मनुष्य" किया जा सकता है।
- "मूर्ख" के अनुवाद रूप हैं, "समझ में कम" या "निर्बुद्धि" या "मन्द बुद्धि"।

(यह भी देखें: बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 01:16-18
- इफिसियों 05:15-17
- गलातियों 03:1-3
- उत्पत्ति 31:26-28
- मत्ती. 07:26-27
- मत्ती. 25:7-9
- नीतिवचन 13:15-16
- भजन-संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H191, H196, H200, H1198, H1984, H2973, H3684, H3687, H3688, H3689, H3690, H5014, H5034, H5036, H5039, H5528, H5529, H5530, H5531, H6612, H8417, H8602, H8604, G453, G454, G781, G801, G877, G878, G2757, G3150, G3154, G3471, G3472, G3473, G3474, G3912

मूर्ख, मुर्ख लोग, मूर्खता

परिभाषा:

"मूढ़" अर्थात अनुचित चुनाव करनेवाला विशेष करके अवज्ञा का चुनाव करनेवाला। "मूर्ख" शब्द निर्बुद्धि मनुष्य या व्यवहार का वर्णन करता है।

- बाइबल में मूढ़/मूर्ख शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर को नहीं मानता था या उसकी आज्ञा नहीं मानता है इसकी विपरीत तुलना प्रायः उस मनुष्य से की गई है जो परमेश्वर में विश्वास करता है और उसकी आज्ञाओं का पालन करता है।
- भजनों में दाऊद मूर्ख को ऐसा मनुष्य कहता है जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करता या उसकी आज्ञाएं नहीं मानता है। वह सृष्टि में परमेश्वर के अस्तित्व के सब प्रमाणों को अनदेखा करता है।
- पुराने नियम की पुस्तक नीतिवचन में भी मूर्ख या मूढ़ का चरित्र चित्रण दिया गया है।
- "मूर्खता" वह कार्य है जो निर्बुद्धि का है क्योंकि वह कार्य परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध है। "मूर्खता" का अभिप्राय बेतुका या खतरनाक भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "मूर्खता" का अनुवाद "मूर्ख मनुष्य" या "निर्बुद्धि मनुष्य" या "मन्द बुद्धि मनुष्य" या "अमुक्त मनुष्य" किया जा सकता है।
- "मूर्ख" के अनुवाद रूप हैं, "समझ में कम" या "निर्बुद्धि" या "मन्द बुद्धि"।

(यह भी देखें: बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 01:16-18
- इफिसियों 05:15-17
- गलातियों 03:1-3
- उत्पत्ति 31:26-28
- मत्ती. 07:26-27
- मत्ती. 25:7-9
- नीतिवचन 13:15-16
- भजन-संहिता 049:12-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H191, H196, H200, H1198, H1984, H2973, H3684, H3687, H3688, H3689, H3690, H5014, H5034, H5036, H5039, H5528, H5529, H5530, H5531, H6612, H8417, H8602, H8604, G453, G454, G781, G801, G877, G878, G2757, G3150, G3154, G3471, G3472, G3473, G3474, G3912

मूर्ति, मूरतें, मूर्तिपूजक, मूर्तिपूजकों, मूर्ति-पूजक, मूर्ति पूजा

परिभाषा:

मूर्ति मनुष्यों द्वारा हाथ से बनायी गई एक प्रतिभा होती है जिसकी वे पूजा करते हैं। एक सच्चे परमेश्वर के स्थान में किसी और को सम्मान देना मूर्ति-पूजा कहलाती है।

- मनुष्य देवी-देवताओं की पूजा के लिए मूर्तियां बनाता है।
- देवी-देवताओं का कोई अस्तित्व नहीं है, यहोवा के अलावा और कोई देवता नहीं।
- कभी-कभी दुष्टात्माएं मूर्तियों के माध्यम से काम करके ऐसा प्रकट करती हैं कि उनमें शक्ति है जबकि है नहीं।
- मूर्तियां सोने, चांदी, तांबे या मूल्यवान लकड़ी से बनाई जाती हैं।
- “मूर्ति-पूजकों का राज्य” अर्थात् “मूर्तिपूजा करने वालों का राज्य” या "लोगों का राज्य जो सांसारिक वस्तुओं की आराधना करते है।”
- “मूरत” शब्द भी “खुदी हुई छवि”,“मूर्ति” के लिए ही काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: देवता, मूरत, राज्य, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 15:19-21
- कुलुस्सियों 03:5-8
- निर्गमन 32:1-2
- गलातियों 05:19-21
- भजन 031:5-7
- रोमियो 02:21-22

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:05**“तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी की प्रतिमा बनाना, तू उनकी उपासना न करना क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा जलन रखने वाला परमेश्वर हूँ।”
- **13:12** हारून ने सोने से एक बछड़े के आकार की मूर्ति बना दी। लोग उस मूर्ति की उपासना करने लगे और उसके लिये बलिदान चढ़ाने लगे!
- **14:03** “तुम उनके देवताओं को पूरी तरह से नष्ट कर देना। यदि तुम मेरी आज्ञाओ का पालन न करो, और मेरे बदले उनके देवताओं की उपासना करों तो तुम दण्ड के पात्र बनोगे।”
- **18:12** इस्राएली राज्य के सभी राजा और बहुत से लोग मूर्तियों की उपासना करते थे। उनकी मूर्ति पुजाओ में कई बार अनैतिकता और कभी- कभी बच्चों का बलिदान भी शामिल होता था।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2712

मूर्ति, मूरतें, मूर्तिपूजक, मूर्तिपूजकों, मूर्ति-पूजक, मूर्ति पूजा

परिभाषा:

मूर्ति मनुष्यों द्वारा हाथ से बनायी गई एक प्रतिभा होती है जिसकी वे पूजा करते हैं। एक सच्चे परमेश्वर के स्थान में किसी और को सम्मान देना मूर्ति-पूजा कहलाती है।

- मनुष्य देवी-देवताओं की पूजा के लिए मूर्तियां बनाता है।

- देवी-देवताओं का कोई अस्तित्व नहीं है, यहोवा के अलावा और कोई देवता नहीं।
- कभी-कभी दुष्टात्माएं मूर्तियों के माध्यम से काम करके ऐसा प्रकट करती हैं कि उनमें शक्ति है जबकि है नहीं।
- मूर्तियां सोने, चांदी, तांबे या मूल्यवान लकड़ी से बनाई जाती हैं।
- “मूर्ति-पूजकों का राज्य” अर्थात् “मूर्तिपूजा करने वालों का राज्य” या "लोगों का राज्य जो सांसारिक वस्तुओं की आराधना करते है।”
- “मूरत” शब्द भी “खुदी हुई छवि”,“मूर्ति” के लिए ही काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: देवता, मूरत, राज्य, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 15:19-21
- कुलुस्सियों 03:5-8
- निर्गमन 32:1-2
- गलातियों 05:19-21
- भजन 031:5-7
- रोमियो 02:21-22

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:05**“तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी की प्रतिमा बनाना, तू उनकी उपासना न करना क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा जलन रखने वाला परमेश्वर हूँ।”
- **13:12** हारून ने सोने से एक बछड़े के आकार की मूर्ति बना दी। लोग उस मूर्ति की उपासना करने लगे और उसके लिये बलिदान चढ़ाने लगे!
- **14:03** “तुम उनके देवताओं को पूरी तरह से नष्ट कर देना। यदि तुम मेरी आज्ञाओ का पालन न करो, और मेरे बदले उनके देवताओं की उपासना करों तो तुम दण्ड के पात्र बनोगे।”
- **18:12** इस्राएली राज्य के सभी राजा और बहुत से लोग मूर्तियों की उपासना करते थे। उनकी मूर्ति पुजाओ में कई बार अनैतिकता और कभी- कभी बच्चों का बलिदान भी शामिल होता था।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2712

मूर्ति, मूरतें, मूर्तिपूजक, मूर्तिपूजकों, मूर्ति-पूजक, मूर्ति पूजा

परिभाषा:

मूर्ति मनुष्यों द्वारा हाथ से बनायी गई एक प्रतिभा होती है जिसकी वे पूजा करते हैं। एक सच्चे परमेश्वर के स्थान में किसी और को सम्मान देना मूर्ति-पूजा कहलाती है।

- मनुष्य देवी-देवताओं की पूजा के लिए मूर्तियां बनाता है।
- देवी-देवताओं का कोई अस्तित्व नहीं है, यहोवा के अलावा और कोई देवता नहीं।
- कभी-कभी दुष्टात्माएं मूर्तियों के माध्यम से काम करके ऐसा प्रकट करती हैं कि उनमें शक्ति है जबकि है नहीं।
- मूर्तियां सोने, चांदी, तांबे या मूल्यवान लकड़ी से बनाई जाती हैं।
- “मूर्ति-पूजकों का राज्य” अर्थात् “मूर्तिपूजा करने वालों का राज्य” या "लोगों का राज्य जो सांसारिक वस्तुओं की आराधना करते है।”
- “मूरत” शब्द भी “खुदी हुई छवि”,“मूर्ति” के लिए ही काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: देवता, मूरत, राज्य, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 15:19-21
- कुलुस्सियों 03:5-8
- निर्गमन 32:1-2

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- गलातियों 05:19-21
- भजन 031:5-7
- रोमियो 02:21-22

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:05**"तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी की प्रतिमा बनाना, तू उनकी उपासना न करना क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा जलन रखने वाला परमेश्वर हूँ।"
- **13:12** हारून ने सोने से एक बछड़े के आकार की मूर्ति बना दी। लोग उस मूर्ति की उपासना करने लगे और उसके लिये बलिदान चढ़ाने लगे!
- **14:03** "तुम उनके देवताओं को पूरी तरह से नष्ट कर देना। यदि तुम मेरी आज्ञाओ का पालन न करो, और मेरे बदले उनके देवताओं की उपासना करों तो तुम दण्ड के पात्र बनोगे।"
- **18:12** इस्राएली राज्य के सभी राजा और बहुत से लोग मूर्तियों की उपासना करते थे। उनकी मूर्ति पुजाओ में कई बार अनैतिकता और कभी- कभी बच्चों का बलिदान भी शामिल होता था।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2712

मूर्ति, मूरतें, मूर्तिपूजक, मूर्तिपूजकों, मूर्ति-पूजक, मूर्ति पूजा

परिभाषा:

मूर्ति मनुष्यों द्वारा हाथ से बनायी गई एक प्रतिभा होती है जिसकी वे पूजा करते हैं। एक सच्चे परमेश्वर के स्थान में किसी और को सम्मान देना मूर्ति-पूजा कहलाती है।

- मनुष्य देवी-देवताओं की पूजा के लिए मूर्तियां बनाता है।
- देवी-देवताओं का कोई अस्तित्व नहीं है, यहोवा के अलावा और कोई देवता नहीं।
- कभी-कभी दुष्टात्माएं मूर्तियों के माध्यम से काम करके ऐसा प्रकट करती हैं कि उनमें शक्ति है जबकि है नहीं।
- मूर्तियां सोने, चांदी, तांबे या मूल्यवान लकड़ी से बनाई जाती हैं।
- "मूर्ति-पूजकों का राज्य" अर्थात् "मूर्तिपूजा करने वालों का राज्य" या "लोगों का राज्य जो सांसारिक वस्तुओं की आराधना करते है।"
- "मूरत" शब्द भी "खुदी हुई छवि","मूर्ति" के लिए ही काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: देवता, मूरत, राज्य, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 15:19-21
- कुलुस्सियों 03:5-8
- निर्गमन 32:1-2
- गलातियों 05:19-21
- भजन 031:5-7
- रोमियो 02:21-22

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:05**"तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी की प्रतिमा बनाना, तू उनकी उपासना न करना क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा जलन रखने वाला परमेश्वर हूँ।"
- **13:12** हारून ने सोने से एक बछड़े के आकार की मूर्ति बना दी। लोग उस मूर्ति की उपासना करने लगे और उसके लिये बलिदान चढ़ाने लगे!
- **14:03** "तुम उनके देवताओं को पूरी तरह से नष्ट कर देना। यदि तुम मेरी आज्ञाओ का पालन न करो, और मेरे बदले उनके देवताओं की उपासना करों तो तुम दण्ड के पात्र बनोगे।"
- **18:12** इस्राएली राज्य के सभी राजा और बहुत से लोग मूर्तियों की उपासना करते थे। उनकी मूर्ति पुजाओ में कई बार अनैतिकता और कभी- कभी बच्चों का बलिदान भी शामिल होता था।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2712

मूर्ति, मूरतें, मूर्तिपूजक, मूर्तिपूजकों, मूर्ति-पूजक, मूर्ति पूजा

परिभाषा:

मूर्ति मनुष्यों द्वारा हाथ से बनायी गई एक प्रतिभा होती है जिसकी वे पूजा करते हैं। एक सच्चे परमेश्वर के स्थान में किसी और को सम्मान देना मूर्ति-पूजा कहलाती है।

- मनुष्य देवी-देवताओं की पूजा के लिए मूर्तियां बनाता है।
- देवी-देवताओं का कोई अस्तित्व नहीं है, यहोवा के अलावा और कोई देवता नहीं।
- कभी-कभी दुष्टात्माएं मूर्तियों के माध्यम से काम करके ऐसा प्रकट करती हैं कि उनमें शक्ति है जबकि है नहीं।
- मूर्तियां सोने, चांदी, तांबे या मूल्यवान लकड़ी से बनाई जाती हैं।
- “मूर्ति-पूजकों का राज्य” अर्थात् “मूर्तिपूजा करने वालों का राज्य” या "लोगों का राज्य जो सांसारिक वस्तुओं की आराधना करते है।”
- “मूरत” शब्द भी “खुदी हुई छवि”,“मूर्ति” के लिए ही काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: देवता, मूरत, राज्य, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 15:19-21
- कुलुस्सियों 03:5-8
- निर्गमन 32:1-2
- गलातियों 05:19-21
- भजन 031:5-7
- रोमियो 02:21-22

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:05**“तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी की प्रतिमा बनाना, तू उनकी उपासना न करना क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा जलन रखने वाला परमेश्वर हूँ।”
- **13:12** हारून ने सोने से एक बछड़े के आकार की मूर्ति बना दी। लोग उस मूर्ति की उपासना करने लगे और उसके लिये बलिदान चढ़ाने लगे!
- **14:03** “तुम उनके देवताओं को पूरी तरह से नष्ट कर देना। यदि तुम मेरी आज्ञाओ का पालन न करो, और मेरे बदले उनके देवताओं की उपासना करों तो तुम दण्ड के पात्र बनोगे।”
- **18:12** इस्राएली राज्य के सभी राजा और बहुत से लोग मूर्तियों की उपासना करते थे। उनकी मूर्ति पुजाओ में कई बार अनैतिकता और कभी- कभी बच्चों का बलिदान भी शामिल होता था।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2712

मूर्ति, मूरतें, मूर्तिपूजक, मूर्तिपूजकों, मूर्ति-पूजक, मूर्ति पूजा

परिभाषा:

मूर्ति मनुष्यों द्वारा हाथ से बनायी गई एक प्रतिभा होती है जिसकी वे पूजा करते हैं। एक सच्चे परमेश्वर के स्थान में किसी और को सम्मान देना मूर्ति-पूजा कहलाती है।

- मनुष्य देवी-देवताओं की पूजा के लिए मूर्तियां बनाता है।
- देवी-देवताओं का कोई अस्तित्व नहीं है, यहोवा के अलावा और कोई देवता नहीं।

- कभी-कभी दुष्टात्माएं मूर्तियों के माध्यम से काम करके ऐसा प्रकट करती हैं कि उनमें शक्ति है जबकि है नहीं।
- मूर्तियां सोने, चांदी, तांबे या मूल्यवान लकड़ी से बनाई जाती हैं।
- “मूर्ति-पूजकों का राज्य” अर्थात् “मूर्तिपूजा करने वालों का राज्य” या "लोगों का राज्य जो सांसारिक वस्तुओं की आराधना करते है।”
- “मूरत” शब्द भी “खुदी हुई छवि”,“मूर्ति” के लिए ही काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: देवता, मूरत, राज्य, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 15:19-21
- कुलुस्सियों 03:5-8
- निर्गमन 32:1-2
- गलातियों 05:19-21
- भजन 031:5-7
- रोमियो 02:21-22

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:05**“तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी की प्रतिमा बनाना, तू उनकी उपासना न करना क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा जलन रखने वाला परमेश्वर हूँ।”
- **13:12** हारून ने सोने से एक बछड़े के आकार की मूर्ति बना दी। लोग उस मूर्ति की उपासना करने लगे और उसके लिये बलिदान चढ़ाने लगे!
- **14:03** “तुम उनके देवताओं को पूरी तरह से नष्ट कर देना। यदि तुम मेरी आज्ञाओ का पालन न करो, और मेरे बदले उनके देवताओं की उपासना करों तो तुम दण्ड के पात्र बनोगे।”
- **18:12** इस्राएली राज्य के सभी राजा और बहुत से लोग मूर्तियों की उपासना करते थे। उनकी मूर्ति पुजाओ में कई बार अनैतिकता और कभी- कभी बच्चों का बलिदान भी शामिल होता था।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2712

मूर्ति, मूरतें, मूर्तिपूजक, मूर्तिपूजकों, मूर्ति-पूजक, मूर्ति पूजा

परिभाषा:

मूर्ति मनुष्यों द्वारा हाथ से बनायी गई एक प्रतिभा होती है जिसकी वे पूजा करते हैं। एक सच्चे परमेश्वर के स्थान में किसी और को सम्मान देना मूर्ति-पूजा कहलाती है।

- मनुष्य देवी-देवताओं की पूजा के लिए मूर्तियां बनाता है।
- देवी-देवताओं का कोई अस्तित्व नहीं है, यहोवा के अलावा और कोई देवता नहीं।
- कभी-कभी दुष्टात्माएं मूर्तियों के माध्यम से काम करके ऐसा प्रकट करती हैं कि उनमें शक्ति है जबकि है नहीं।
- मूर्तियां सोने, चांदी, तांबे या मूल्यवान लकड़ी से बनाई जाती हैं।
- “मूर्ति-पूजकों का राज्य” अर्थात् “मूर्तिपूजा करने वालों का राज्य” या "लोगों का राज्य जो सांसारिक वस्तुओं की आराधना करते है।”
- “मूरत” शब्द भी “खुदी हुई छवि”,“मूर्ति” के लिए ही काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: देवता, मूरत, राज्य, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 15:19-21
- कुलुस्सियों 03:5-8
- निर्गमन 32:1-2
- गलातियों 05:19-21

- भजन 031:5-7
- रोमियो 02:21-22

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:05**“तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी की प्रतिमा बनाना, तू उनकी उपासना न करना क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा जलन रखने वाला परमेश्वर हूँ।”
- **13:12** हारून ने सोने से एक बछड़े के आकार की मूर्ति बना दी। लोग उस मूर्ति की उपासना करने लगे और उसके लिये बलिदान चढ़ाने लगे!
- **14:03** “तुम उनके देवताओं को पूरी तरह से नष्ट कर देना। यदि तुम मेरी आज्ञाओ का पालन न करो, और मेरे बदले उनके देवताओं की उपासना करों तो तुम दण्ड के पात्र बनोगे।”
- **18:12** इस्राएली राज्य के सभी राजा और बहुत से लोग मूर्तियों की उपासना करते थे। उनकी मूर्ति पुजाओ में कई बार अनैतिकता और कभी- कभी बच्चों का बलिदान भी शामिल होता था।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2712

मूर्ति, मूरतें, मूर्तिपूजक, मूर्तिपूजकों, मूर्ति-पूजक, मूर्ति पूजा

परिभाषा:

मूर्ति मनुष्यों द्वारा हाथ से बनायी गई एक प्रतिभा होती है जिसकी वे पूजा करते हैं। एक सच्चे परमेश्वर के स्थान में किसी और को सम्मान देना मूर्ति-पूजा कहलाती है।

- मनुष्य देवी-देवताओं की पूजा के लिए मूर्तियां बनाता है।
- देवी-देवताओं का कोई अस्तित्व नहीं है, यहोवा के अलावा और कोई देवता नहीं।
- कभी-कभी दुष्टात्माएं मूर्तियों के माध्यम से काम करके ऐसा प्रकट करती हैं कि उनमें शक्ति है जबकि है नहीं।
- मूर्तियां सोने, चांदी, तांबे या मूल्यवान लकड़ी से बनाई जाती हैं।
- “मूर्ति-पूजकों का राज्य” अर्थात् “मूर्तिपूजा करने वालों का राज्य” या "लोगों का राज्य जो सांसारिक वस्तुओं की आराधना करते है।”
- “मूरत” शब्द भी “खुदी हुई छवि”,“मूर्ति” के लिए ही काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: देवता, मूरत, राज्य, दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- प्रे.का. 07:41-42
- प्रे.का. 15:19-21
- कुलुस्सियों 03:5-8
- निर्गमन 32:1-2
- गलातियों 05:19-21
- भजन 031:5-7
- रोमियो 02:21-22

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:05**“तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी की प्रतिमा बनाना, तू उनकी उपासना न करना क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा जलन रखने वाला परमेश्वर हूँ।”
- **13:12** हारून ने सोने से एक बछड़े के आकार की मूर्ति बना दी। लोग उस मूर्ति की उपासना करने लगे और उसके लिये बलिदान चढ़ाने लगे!
- **14:03** “तुम उनके देवताओं को पूरी तरह से नष्ट कर देना। यदि तुम मेरी आज्ञाओ का पालन न करो, और मेरे बदले उनके देवताओं की उपासना करों तो तुम दण्ड के पात्र बनोगे।”
- **18:12** इस्राएली राज्य के सभी राजा और बहुत से लोग मूर्तियों की उपासना करते थे। उनकी मूर्ति पुजाओ में कई बार अनैतिकता और कभी- कभी बच्चों का बलिदान भी शामिल होता था।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2712

मूसा

तथ्य:

मूसा एक भविष्यद्वक्ता और इस्राएलियों का अगुआ था, उसने 40 वर्ष उनकी अगुआई की थी।

- शिशु अवस्था में मूसा के माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के नरकटों में मध्य छोड़ दिया था, वे उसे मिस्र के फिरौन से सुरक्षित रखना चाहते थे। मूसा की बहन मिर्याम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्योंकि फिरौन की पुत्री उसे अपने महल में ले गई कि अपना पुत्र बनाकर उसका पालन पोषण करे।
- परमेश्वर ने मूसा को चुना कि इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व से निकाल कर प्रतिज्ञा के देश में ले जाए।
- मिस्र से निकलने के बाद जब इस्राएली जंगल में थे तब परमेश्वर ने मूसा को पत्थर की पट्टियों पर लिखकर दस आज्ञाएं दी थी।
- अपने जीवन के अन्त में मूसा ने प्रतिज्ञा के देश को तो देखा परन्तु वहाँ प्रवेश नहीं कर पाया क्योंकि उसने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार कार्य नहीं किया था।

(यह भी देखें: मिर्याम, प्रतिज्ञा का देश, दस आज्ञाएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:20-21
- प्रे.का. 07:29-30
- निर्गमन 02:9-10
- निर्गमन 09:1-4
- मत्ती 17:3-4
- रोमियो 05:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **12:05** मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत, परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा |”
- **12:07** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा और वह दो भाग हो जाएगा |
- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 13:07__परमेश्वर ने यह दस आज्ञाएँ __मूसा को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4872, H4873, G3475

मूसा

तथ्य:

मूसा एक भविष्यद्वक्ता और इस्राएलियों का अगुआ था, उसने 40 वर्ष उनकी अगुआई की थी।

- शिशु अवस्था में मूसा के माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के नरकटों में मध्य छोड़ दिया था, वे उसे मिस्र के फिरौन से सुरक्षित रखना चाहते थे। मूसा की बहन मिर्याम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्योंकि फिरौन की पुत्री उसे अपने महल में ले गई कि अपना पुत्र बनाकर उसका पालन पोषण करे।
- परमेश्वर ने मूसा को चुना कि इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व से निकाल कर प्रतिज्ञा के देश में ले जाए।
- मिस्र से निकलने के बाद जब इस्राएली जंगल में थे तब परमेश्वर ने मूसा को पत्थर की पट्टियों पर लिखकर दस आज्ञाएं दी थी।
- अपने जीवन के अन्त में मूसा ने प्रतिज्ञा के देश को तो देखा परन्तु वहाँ प्रवेश नहीं कर पाया क्योंकि उसने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार कार्य नहीं किया था।

(यह भी देखें: मिर्याम, प्रतिज्ञा का देश, दस आज्ञाएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:20-21
- प्रे.का. 07:29-30
- निर्गमन 02:9-10
- निर्गमन 09:1-4
- मत्ती 17:3-4
- रोमियो 05:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **12:05** मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत, परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा |”
- **12:07** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा और वह दो भाग हो जाएगा |
- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 13:07__परमेश्वर ने यह दस आज्ञाएँ __मूसा को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4872, H4873, G3475

मूसा

तथ्य:

मूसा एक भविष्यद्वक्ता और इस्राएलियों का अगुआ था, उसने 40 वर्ष उनकी अगुआई की थी।

- शिशु अवस्था में मूसा के माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के नरकटों में मध्य छोड़ दिया था, वे उसे मिस्र के फिरौन से सुरक्षित रखना चाहते थे। मूसा की बहन मिर्याम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्योंकि फिरौन की पुत्री उसे अपने महल में ले गई कि अपना पुत्र बनाकर उसका पालन पोषण करे।
- परमेश्वर ने मूसा को चुना कि इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व से निकाल कर प्रतिज्ञा के देश में ले जाए।
- मिस्र से निकलने के बाद जब इस्राएली जंगल में थे तब परमेश्वर ने मूसा को पत्थर की पट्टियों पर लिखकर दस आज्ञाएं दी थी।
- अपने जीवन के अन्त में मूसा ने प्रतिज्ञा के देश को तो देखा परन्तु वहाँ प्रवेश नहीं कर पाया क्योंकि उसने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार कार्य नहीं किया था।

(यह भी देखें: मिर्याम, प्रतिज्ञा का देश, दस आज्ञाएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:20-21
- प्रे.का. 07:29-30
- निर्गमन 02:9-10
- निर्गमन 09:1-4
- मत्ती 17:3-4
- रोमियो 05:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **12:05** मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत, परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा |”
- **12:07** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा और वह दो भाग हो जाएगा |
- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 13:07__परमेश्वर ने यह दस आज्ञाएँ __मूसा को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4872, H4873, G3475

मूसा

तथ्य:

मूसा एक भविष्यद्वक्ता और इस्राएलियों का अगुआ था, उसने 40 वर्ष उनकी अगुआई की थी।

- शिशु अवस्था में मूसा के माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के नरकटों में मध्य छोड़ दिया था, वे उसे मिस्र के फिरौन से सुरक्षित रखना चाहते थे। मूसा की बहन मिर्याम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्योंकि फिरौन की पुत्री उसे अपने महल में ले गई कि अपना पुत्र बनाकर उसका पालन पोषण करे।
- परमेश्वर ने मूसा को चुना कि इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व से निकाल कर प्रतिज्ञा के देश में ले जाए।
- मिस्र से निकलने के बाद जब इस्राएली जंगल में थे तब परमेश्वर ने मूसा को पत्थर की पट्टियों पर लिखकर दस आज्ञाएं दी थी।
- अपने जीवन के अन्त में मूसा ने प्रतिज्ञा के देश को तो देखा परन्तु वहाँ प्रवेश नहीं कर पाया क्योंकि उसने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार कार्य नहीं किया था।

(यह भी देखें: मिर्याम, प्रतिज्ञा का देश, दस आज्ञाएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:20-21
- प्रे.का. 07:29-30
- निर्गमन 02:9-10
- निर्गमन 09:1-4
- मत्ती 17:3-4
- रोमियो 05:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **12:05** मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत, परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा |”
- **12:07** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा और वह दो भाग हो जाएगा |
- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 13:07__परमेश्वर ने यह दस आज्ञाएँ __मूसा को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4872, H4873, G3475

मूसा

तथ्य:

मूसा एक भविष्यद्वक्ता और इस्राएलियों का अगुआ था, उसने 40 वर्ष उनकी अगुआई की थी।

- शिशु अवस्था में मूसा के माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के नरकटों में मध्य छोड़ दिया था, वे उसे मिस्र के फिरौन से सुरक्षित रखना चाहते थे। मूसा की बहन मिर्याम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्योंकि फिरौन की पुत्री उसे अपने महल में ले गई कि अपना पुत्र बनाकर उसका पालन पोषण करे।
- परमेश्वर ने मूसा को चुना कि इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व से निकाल कर प्रतिज्ञा के देश में ले जाए।
- मिस्र से निकलने के बाद जब इस्राएली जंगल में थे तब परमेश्वर ने मूसा को पत्थर की पट्टियों पर लिखकर दस आज्ञाएं दी थी।
- अपने जीवन के अन्त में मूसा ने प्रतिज्ञा के देश को तो देखा परन्तु वहाँ प्रवेश नहीं कर पाया क्योंकि उसने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार कार्य नहीं किया था।

(यह भी देखें: मिर्याम, प्रतिज्ञा का देश, दस आज्ञाएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:20-21
- प्रे.का. 07:29-30
- निर्गमन 02:9-10

- निर्गमन 09:1-4
- मत्ती 17:3-4
- रोमियो 05:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **12:05** मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत, परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा |”
- **12:07** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा और वह दो भाग हो जाएगा |
- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 13:07__परमेश्वर ने यह दस आज्ञाएँ __मूसा को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4872, H4873, G3475

मूसा

तथ्य:

मूसा एक भविष्यद्वक्ता और इस्राएलियों का अगुआ था, उसने 40 वर्ष उनकी अगुआई की थी।

- शिशु अवस्था में मूसा के माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के नरकटों में मध्य छोड़ दिया था, वे उसे मिस्र के फिरौन से सुरक्षित रखना चाहते थे। मूसा की बहन मिर्याम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्योंकि फिरौन की पुत्री उसे अपने महल में ले गई कि अपना पुत्र बनाकर उसका पालन पोषण करे।
- परमेश्वर ने मूसा को चुना कि इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व से निकाल कर प्रतिज्ञा के देश में ले जाए।
- मिस्र से निकलने के बाद जब इस्राएली जंगल में थे तब परमेश्वर ने मूसा को पत्थर की पट्टियों पर लिखकर दस आज्ञाएं दी थी।
- अपने जीवन के अन्त में मूसा ने प्रतिज्ञा के देश को तो देखा परन्तु वहाँ प्रवेश नहीं कर पाया क्योंकि उसने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार कार्य नहीं किया था।

(यह भी देखें: मिर्याम, प्रतिज्ञा का देश, दस आज्ञाएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:20-21
- प्रे.का. 07:29-30
- निर्गमन 02:9-10
- निर्गमन 09:1-4
- मत्ती 17:3-4
- रोमियो 05:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **12:05** मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत, परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा |”
- **12:07** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा और वह दो भाग हो जाएगा |
- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 13:07__परमेश्वर ने यह दस आज्ञाएँ __मूसा को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4872, H4873, G3475

मूसा

तथ्य:

मूसा एक भविष्यद्वक्ता और इस्राएलियों का अगुआ था, उसने 40 वर्ष उनकी अगुआई की थी।

- शिशु अवस्था में मूसा के माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के नरकटों में मध्य छोड़ दिया था, वे उसे मिस्र के फिरौन से सुरक्षित रखना चाहते थे। मूसा की बहन मिर्याम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्योंकि फिरौन की पुत्री उसे अपने महल में ले गई कि अपना पुत्र बनाकर उसका पालन पोषण करे।
- परमेश्वर ने मूसा को चुना कि इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व से निकाल कर प्रतिज्ञा के देश में ले जाए।
- मिस्र से निकलने के बाद जब इस्राएली जंगल में थे तब परमेश्वर ने मूसा को पत्थर की पट्टियों पर लिखकर दस आज्ञाएं दी थी।
- अपने जीवन के अन्त में मूसा ने प्रतिज्ञा के देश को तो देखा परन्तु वहाँ प्रवेश नहीं कर पाया क्योंकि उसने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार कार्य नहीं किया था।

(यह भी देखें: मिर्याम, प्रतिज्ञा का देश, दस आज्ञाएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:20-21
- प्रे.का. 07:29-30
- निर्गमन 02:9-10
- निर्गमन 09:1-4
- मत्ती 17:3-4
- रोमियो 05:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **12:05** मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत, परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा |”
- **12:07** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा और वह दो भाग हो जाएगा |
- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 13:07__परमेश्वर ने यह दस आज्ञाएँ __मूसा को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4872, H4873, G3475

मूसा

तथ्य:

मूसा एक भविष्यद्वक्ता और इस्राएलियों का अगुआ था, उसने 40 वर्ष उनकी अगुआई की थी।

- शिशु अवस्था में मूसा के माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के नरकटों में मध्य छोड़ दिया था, वे उसे मिस्र के फिरौन से सुरक्षित रखना चाहते थे। मूसा की बहन मिर्याम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्योंकि फिरौन की पुत्री उसे अपने महल में ले गई कि अपना पुत्र बनाकर उसका पालन पोषण करे।
- परमेश्वर ने मूसा को चुना कि इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व से निकाल कर प्रतिज्ञा के देश में ले जाए।
- मिस्र से निकलने के बाद जब इस्राएली जंगल में थे तब परमेश्वर ने मूसा को पत्थर की पट्टियों पर लिखकर दस आज्ञाएं दी थी।
- अपने जीवन के अन्त में मूसा ने प्रतिज्ञा के देश को तो देखा परन्तु वहाँ प्रवेश नहीं कर पाया क्योंकि उसने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार कार्य नहीं किया था।

(यह भी देखें: मिर्याम, प्रतिज्ञा का देश, दस आज्ञाएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:20-21
- प्रे.का. 07:29-30
- निर्गमन 02:9-10

- निर्गमन 09:1-4
- मत्ती 17:3-4
- रोमियो 05:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **12:05** मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत, परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा |”
- **12:07** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा और वह दो भाग हो जाएगा |
- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 13:07__परमेश्वर ने यह दस आज्ञाएँ __मूसा को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4872, H4873, G3475

मूसा

तथ्य:

मूसा एक भविष्यद्वक्ता और इस्राएलियों का अगुआ था, उसने 40 वर्ष उनकी अगुआई की थी।

- शिशु अवस्था में मूसा के माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के नरकटों में मध्य छोड़ दिया था, वे उसे मिस्र के फिरौन से सुरक्षित रखना चाहते थे। मूसा की बहन मिर्याम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्योंकि फिरौन की पुत्री उसे अपने महल में ले गई कि अपना पुत्र बनाकर उसका पालन पोषण करे।
- परमेश्वर ने मूसा को चुना कि इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व से निकाल कर प्रतिज्ञा के देश में ले जाए।
- मिस्र से निकलने के बाद जब इस्राएली जंगल में थे तब परमेश्वर ने मूसा को पत्थर की पट्टियों पर लिखकर दस आज्ञाएं दी थी।
- अपने जीवन के अन्त में मूसा ने प्रतिज्ञा के देश को तो देखा परन्तु वहाँ प्रवेश नहीं कर पाया क्योंकि उसने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार कार्य नहीं किया था।

(यह भी देखें: मिर्याम, प्रतिज्ञा का देश, दस आज्ञाएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:20-21
- प्रे.का. 07:29-30
- निर्गमन 02:9-10
- निर्गमन 09:1-4
- मत्ती 17:3-4
- रोमियो 05:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **12:05** मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत, परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा |”
- **12:07** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा और वह दो भाग हो जाएगा |
- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 13:07__परमेश्वर ने यह दस आज्ञाएँ __मूसा को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4872, H4873, G3475

मूसा

तथ्य:

मूसा एक भविष्यद्वक्ता और इस्राएलियों का अगुआ था, उसने 40 वर्ष उनकी अगुआई की थी।

- शिशु अवस्था में मूसा के माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के नरकटों में मध्य छोड़ दिया था, वे उसे मिस्र के फिरौन से सुरक्षित रखना चाहते थे। मूसा की बहन मिर्याम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्योंकि फिरौन की पुत्री उसे अपने महल में ले गई कि अपना पुत्र बनाकर उसका पालन पोषण करे।
- परमेश्वर ने मूसा को चुना कि इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व से निकाल कर प्रतिज्ञा के देश में ले जाए।
- मिस्र से निकलने के बाद जब इस्राएली जंगल में थे तब परमेश्वर ने मूसा को पत्थर की पट्टियों पर लिखकर दस आज्ञाएं दी थी।
- अपने जीवन के अन्त में मूसा ने प्रतिज्ञा के देश को तो देखा परन्तु वहाँ प्रवेश नहीं कर पाया क्योंकि उसने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार कार्य नहीं किया था।

(यह भी देखें: मिर्याम, प्रतिज्ञा का देश, दस आज्ञाएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:20-21
- प्रे.का. 07:29-30
- निर्गमन 02:9-10
- निर्गमन 09:1-4
- मत्ती 17:3-4
- रोमियो 05:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **12:05** मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत, परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा |”
- **12:07** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा और वह दो भाग हो जाएगा |
- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 13:07__परमेश्वर ने यह दस आज्ञाएँ __मूसा को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4872, H4873, G3475

मूसा

तथ्य:

मूसा एक भविष्यद्वक्ता और इस्राएलियों का अगुआ था, उसने 40 वर्ष उनकी अगुआई की थी।

- शिशु अवस्था में मूसा के माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के नरकटों में मध्य छोड़ दिया था, वे उसे मिस्र के फिरौन से सुरक्षित रखना चाहते थे। मूसा की बहन मिर्याम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्योंकि फिरौन की पुत्री उसे अपने महल में ले गई कि अपना पुत्र बनाकर उसका पालन पोषण करे।
- परमेश्वर ने मूसा को चुना कि इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व से निकाल कर प्रतिज्ञा के देश में ले जाए।
- मिस्र से निकलने के बाद जब इस्राएली जंगल में थे तब परमेश्वर ने मूसा को पत्थर की पट्टियों पर लिखकर दस आज्ञाएं दी थी।
- अपने जीवन के अन्त में मूसा ने प्रतिज्ञा के देश को तो देखा परन्तु वहाँ प्रवेश नहीं कर पाया क्योंकि उसने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार कार्य नहीं किया था।

(यह भी देखें: मिर्याम, प्रतिज्ञा का देश, दस आज्ञाएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:20-21
- प्रे.का. 07:29-30
- निर्गमन 02:9-10

- निर्गमन 09:1-4
- मत्ती 17:3-4
- रोमियो 05:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **12:05** मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत, परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा |”
- **12:07** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा और वह दो भाग हो जाएगा |
- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 13:07__परमेश्वर ने यह दस आज्ञाएँ __मूसा को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4872, H4873, G3475

मूसा

तथ्य:

मूसा एक भविष्यद्वक्ता और इस्राएलियों का अगुआ था, उसने 40 वर्ष उनकी अगुआई की थी।

- शिशु अवस्था में मूसा के माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के नरकटों में मध्य छोड़ दिया था, वे उसे मिस्र के फिरौन से सुरक्षित रखना चाहते थे। मूसा की बहन मिर्याम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्योंकि फिरौन की पुत्री उसे अपने महल में ले गई कि अपना पुत्र बनाकर उसका पालन पोषण करे।
- परमेश्वर ने मूसा को चुना कि इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व से निकाल कर प्रतिज्ञा के देश में ले जाए।
- मिस्र से निकलने के बाद जब इस्राएली जंगल में थे तब परमेश्वर ने मूसा को पत्थर की पट्टियों पर लिखकर दस आज्ञाएं दी थी।
- अपने जीवन के अन्त में मूसा ने प्रतिज्ञा के देश को तो देखा परन्तु वहाँ प्रवेश नहीं कर पाया क्योंकि उसने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार कार्य नहीं किया था।

(यह भी देखें: मिर्याम, प्रतिज्ञा का देश, दस आज्ञाएँ)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:20-21
- प्रे.का. 07:29-30
- निर्गमन 02:9-10
- निर्गमन 09:1-4
- मत्ती 17:3-4
- रोमियो 05:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **12:05** मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत, परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा |”
- **12:07** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा और वह दो भाग हो जाएगा |
- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 13:07__परमेश्वर ने यह दस आज्ञाएँ __मूसा को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दी |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4872, H4873, G3475

मेम्ना, परमेश्वर का मेम्ना

परिभाषा:

“मेम्ना” भेड़ का बच्चा। भेड़ चौपाया पशु होता है जिसके घने ऊन जैसे बाल होते हैं, और परमेश्वर को उसकी बलि चढ़ाई जाती थी। यीशु को “परमेश्वर का मेम्ना” कहा जाता था क्योंकि उसे मनुष्यों के पापों का मोल चुकाना पड़ा था।

- इन पशुओं का आसानी से भटक जाना संभव था अतः उन्हें सुरक्षा की आवश्यकता थी। परमेश्वर मनुष्यों की तुलना भेड़ों से करता है।
- परमेश्वर के निर्देशानुसार इसे भेंट चढ़ाने के लिए भेड़ या मेम्ने को शारीरिक रूप से निष्कलंक होना था।
- यीशु को परमेश्वर का मेम्ना कहा गया है, क्योंकि वह मनुष्यों के पापों के लिए बलि चढ़ाया गया था। वह एक सिद्ध निष्कलंक बलिदान था क्योंकि वह पाप से मुक्त था।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में भेड़ परिचित शब्द है तो उसके बच्चे का नाम के स्थान में अनुवाद किया जाए जैसे “मेम्ना” या “परमेश्वर का मेम्ना” ।
- "परमेश्वर का मेम्ना" का अनुवाद "परमेश्वर का (बलि)मेम्ना" या "मेम्ना, परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाया गया" या " परमेश्वर की ओर से (बलिदान)मेम्ना" के रूप में किया जा सकता है।
- यदि लक्षित भाषा में भेड़ परिचित शब्द नहीं है तो इस शब्द का अनुवाद "एक भेड़ का बच्चा" किया जा सकता है और पाद टिप्पणी में उस भेड़ का वर्णन करें। टिप्पणी में भेड़ और भेड़ के बच्चों की तुलना पशुओं से किया जाता है जो झुंडों में रहता है, जो कि डरपोक और निराश्रित है, और वह अक्सर भटकते हैं।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: भेड़, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 12:1-3
- एज्रा 08:35-36
- यशायाह 66:3
- यिर्मयाह 11:18-20
- यूहन्ना 01:29-31
- यूहन्ना 01:35-36
- लैव्यव्यवस्था 14:21-23
- लैव्यव्यवस्था 17:1-4
- लूका 10:3-4
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 05:07__जब अब्राहम और इसहाक बलिदान की जगह की ओर जा रहे थे, इसहाक ने पूछा, " हे मेरे पिता, देख, आग और लकड़ी तो हैं; पर होमबलि के लिए __भेड़ कहा है?"
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा। हर परिवार एक सिद्ध मेम्ने का बलिदान देंगा।
- **24:06** अगले दिन, यीशु यूहन्ना के पास उससे बपतिस्मा लेने को आया | जब यूहन्ना ने उसे देखा, तो कहा, “देख ! यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो संसार के पापों को दूर ले जाएगा।”
- **45:08** वो पढ़ रहा था, “वह भेड़ के समान वध होने को पहुँचाया गया, और जैसा मेमना अपने ऊन कतरने वालों के सामने चुपचाप रहता है, वैसे ही उसने भी अपना मुँह न खोला।
- **48:08** जब परमेश्वर ने अब्राहम से उसके पुत्र इसहाक को बलिदान करने को कहा, तब परमेश्वर ने इसहाक के जगह पर अब्राहम को बलिदान चढ़ाने के लिए एक भेड़ का बच्चा प्रदान किया। हम सब मनुष्य अपने पापों के कारण मृत्यु के योग्य है। परन्तु परमेश्वर ने यीशु को भेजा, परमेश्वर का मेम्ना, कि वह हमारे स्थान पर अपने आप को बलिदान करे।
- **48:09** जब परमेश्वर ने मिस्र पर अंतिम महामारी भेजी, उसने हर इस्राएली परिवार से कहा कि वह एक सिद्ध मेम्ने का बलिदान दे और उसका लहू अपने द्वार के ऊपर व चारों ओर उंडेले।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7716, G721, G2316

मेम्ना, परमेश्वर का मेम्ना

परिभाषा:

“मेम्ना” भेड़ का बच्चा। भेड़ चौपाया पशु होता है जिसके घने ऊन जैसे बाल होते हैं, और परमेश्वर को उसकी बलि चढ़ाई जाती थी। यीशु को “परमेश्वर का मेम्ना” कहा जाता था क्योंकि उसे मनुष्यों के पापों का मोल चुकाना पड़ा था।

- इन पशुओं का आसानी से भटक जाना संभव था अतः उन्हें सुरक्षा की आवश्यकता थी। परमेश्वर मनुष्यों की तुलना भेड़ों से करता है।
- परमेश्वर के निर्देशानुसार इसे भेंट चढ़ाने के लिए भेड़ या मेम्ने को शारीरिक रूप से निष्कलंक होना था।
- यीशु को परमेश्वर का मेम्ना कहा गया है, क्योंकि वह मनुष्यों के पापों के लिए बलि चढ़ाया गया था। वह एक सिद्ध निष्कलंक बलिदान था क्योंकि वह पाप से मुक्त था।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में भेड़ परिचित शब्द है तो उसके बच्चे का नाम के स्थान में अनुवाद किया जाए जैसे “मेम्ना” या “परमेश्वर का मेम्ना” ।
- "परमेश्वर का मेम्ना" का अनुवाद "परमेश्वर का (बलि)मेम्ना" या "मेम्ना, परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाया गया" या " परमेश्वर की ओर से (बलिदान)मेम्ना" के रूप में किया जा सकता है।
- यदि लक्षित भाषा में भेड़ परिचित शब्द नहीं है तो इस शब्द का अनुवाद "एक भेड़ का बच्चा" किया जा सकता है और पाद टिप्पणी में उस भेड़ का वर्णन करें। टिप्पणी में भेड़ और भेड़ के बच्चों की तुलना पशुओं से किया जाता है जो झुंडों में रहता है, जो कि डरपोक और निराश्रित है, और वह अक्सर भटकते हैं।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: भेड़, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 12:1-3
- एज्रा 08:35-36
- यशायाह 66:3
- यिर्मयाह 11:18-20
- यूहन्ना 01:29-31
- यूहन्ना 01:35-36
- लैव्यव्यवस्था 14:21-23
- लैव्यव्यवस्था 17:1-4
- लूका 10:3-4
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 05:07__जब अब्राहम और इसहाक बलिदान की जगह की ओर जा रहे थे, इसहाक ने पूछा, " हे मेरे पिता, देख, आग और लकड़ी तो हैं; पर होमबलि के लिए __भेड़ कहा है?"
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा। हर परिवार एक सिद्ध मेम्ने का बलिदान देंगा।
- **24:06** अगले दिन, यीशु यूहन्ना के पास उससे बपतिस्मा लेने को आया | जब यूहन्ना ने उसे देखा, तो कहा, “देख ! यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो संसार के पापों को दूर ले जाएगा।”
- **45:08** वो पढ़ रहा था, “वह भेड़ के समान वध होने को पहुँचाया गया, और जैसा मेमना अपने ऊन कतरने वालों के सामने चुपचाप रहता है, वैसे ही उसने भी अपना मुँह न खोला।
- **48:08** जब परमेश्वर ने अब्राहम से उसके पुत्र इसहाक को बलिदान करने को कहा, तब परमेश्वर ने इसहाक के जगह पर अब्राहम को बलिदान चढ़ाने के लिए एक भेड़ का बच्चा प्रदान किया। हम सब मनुष्य अपने पापों के कारण मृत्यु के योग्य है। परन्तु परमेश्वर ने यीशु को भेजा, परमेश्वर का मेम्ना, कि वह हमारे स्थान पर अपने आप को बलिदान करे।
- **48:09** जब परमेश्वर ने मिस्र पर अंतिम महामारी भेजी, उसने हर इस्राएली परिवार से कहा कि वह एक सिद्ध मेम्ने का बलिदान दे और उसका लहू अपने द्वार के ऊपर व चारों ओर उंडेले।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7716, G721, G2316

मेम्ना, परमेश्वर का मेम्ना

परिभाषा:

“मेम्ना” भेड़ का बच्चा। भेड़ चौपाया पशु होता है जिसके घने ऊन जैसे बाल होते हैं, और परमेश्वर को उसकी बलि चढ़ाई जाती थी। यीशु को “परमेश्वर का मेम्ना” कहा जाता था क्योंकि उसे मनुष्यों के पापों का मोल चुकाना पड़ा था।

- इन पशुओं का आसानी से भटक जाना संभव था अतः उन्हें सुरक्षा की आवश्यकता थी। परमेश्वर मनुष्यों की तुलना भेड़ों से करता है।
- परमेश्वर के निर्देशानुसार इसे भेंट चढ़ाने के लिए भेड़ या मेम्ने को शारीरिक रूप से निष्कलंक होना था।
- यीशु को परमेश्वर का मेम्ना कहा गया है, क्योंकि वह मनुष्यों के पापों के लिए बलि चढ़ाया गया था। वह एक सिद्ध निष्कलंक बलिदान था क्योंकि वह पाप से मुक्त था।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में भेड़ परिचित शब्द है तो उसके बच्चे का नाम के स्थान में अनुवाद किया जाए जैसे “मेम्ना” या “परमेश्वर का मेम्ना” ।
- "परमेश्वर का मेम्ना" का अनुवाद "परमेश्वर का (बलि)मेम्ना" या "मेम्ना, परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाया गया" या " परमेश्वर की ओर से (बलिदान)मेम्ना" के रूप में किया जा सकता है।
- यदि लक्षित भाषा में भेड़ परिचित शब्द नहीं है तो इस शब्द का अनुवाद "एक भेड़ का बच्चा" किया जा सकता है और पाद टिप्पणी में उस भेड़ का वर्णन करें। टिप्पणी में भेड़ और भेड़ के बच्चों की तुलना पशुओं से किया जाता है जो झुंडों में रहता है, जो कि डरपोक और निराश्रित है, और वह अक्सर भटकते हैं।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: भेड़, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 12:1-3
- एज्रा 08:35-36
- यशायाह 66:3
- यिर्मयाह 11:18-20
- यूहन्ना 01:29-31
- यूहन्ना 01:35-36
- लैव्यव्यवस्था 14:21-23
- लैव्यव्यवस्था 17:1-4
- लूका 10:3-4
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 05:07__जब अब्राहम और इसहाक बलिदान की जगह की ओर जा रहे थे, इसहाक ने पूछा, " हे मेरे पिता, देख, आग और लकड़ी तो हैं; पर होमबलि के लिए __भेड़ कहा है?"
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा। हर परिवार एक सिद्ध मेम्ने का बलिदान देंगा।
- **24:06** अगले दिन, यीशु यूहन्ना के पास उससे बपतिस्मा लेने को आया | जब यूहन्ना ने उसे देखा, तो कहा, “देख ! यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो संसार के पापों को दूर ले जाएगा।”
- **45:08** वो पढ़ रहा था, “वह भेड़ के समान वध होने को पहुँचाया गया, और जैसा मेमना अपने ऊन कतरने वालों के सामने चुपचाप रहता है, वैसे ही उसने भी अपना मुँह न खोला।
- **48:08** जब परमेश्वर ने अब्राहम से उसके पुत्र इसहाक को बलिदान करने को कहा, तब परमेश्वर ने इसहाक के जगह पर अब्राहम को बलिदान चढ़ाने के लिए एक भेड़ का बच्चा प्रदान किया। हम सब मनुष्य अपने पापों के कारण मृत्यु के योग्य है। परन्तु परमेश्वर ने यीशु को भेजा, परमेश्वर का मेम्ना, कि वह हमारे स्थान पर अपने आप को बलिदान करे।
- **48:09** जब परमेश्वर ने मिस्र पर अंतिम महामारी भेजी, उसने हर इस्राएली परिवार से कहा कि वह एक सिद्ध मेम्ने का बलिदान दे और उसका लहू अपने द्वार के ऊपर व चारों ओर उंडेले।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7716, G721, G2316

मेम्ना, परमेश्वर का मेम्ना

परिभाषा:

“मेम्ना” भेड़ का बच्चा। भेड़ चौपाया पशु होता है जिसके घने ऊन जैसे बाल होते हैं, और परमेश्वर को उसकी बलि चढ़ाई जाती थी। यीशु को “परमेश्वर का मेम्ना” कहा जाता था क्योंकि उसे मनुष्यों के पापों का मोल चुकाना पड़ा था।

- इन पशुओं का आसानी से भटक जाना संभव था अतः उन्हें सुरक्षा की आवश्यकता थी। परमेश्वर मनुष्यों की तुलना भेड़ों से करता है।
- परमेश्वर के निर्देशानुसार इसे भेंट चढ़ाने के लिए भेड़ या मेम्ने को शारीरिक रूप से निष्कलंक होना था।
- यीशु को परमेश्वर का मेम्ना कहा गया है, क्योंकि वह मनुष्यों के पापों के लिए बलि चढ़ाया गया था। वह एक सिद्ध निष्कलंक बलिदान था क्योंकि वह पाप से मुक्त था।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में भेड़ परिचित शब्द है तो उसके बच्चे का नाम के स्थान में अनुवाद किया जाए जैसे “मेम्ना” या “परमेश्वर का मेम्ना” ।
- "परमेश्वर का मेम्ना" का अनुवाद "परमेश्वर का (बलि)मेम्ना" या "मेम्ना, परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाया गया" या " परमेश्वर की ओर से (बलिदान)मेम्ना" के रूप में किया जा सकता है।
- यदि लक्षित भाषा में भेड़ परिचित शब्द नहीं है तो इस शब्द का अनुवाद "एक भेड़ का बच्चा" किया जा सकता है और पाद टिप्पणी में उस भेड़ का वर्णन करें। टिप्पणी में भेड़ और भेड़ के बच्चों की तुलना पशुओं से किया जाता है जो झुंडों में रहता है, जो कि डरपोक और निराश्रित है, और वह अक्सर भटकते हैं।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: भेड़, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 12:1-3
- एज्रा 08:35-36
- यशायाह 66:3
- यिर्मयाह 11:18-20
- यूहन्ना 01:29-31
- यूहन्ना 01:35-36
- लैव्यव्यवस्था 14:21-23
- लैव्यव्यवस्था 17:1-4
- लूका 10:3-4
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 05:07__जब अब्राहम और इसहाक बलिदान की जगह की ओर जा रहे थे, इसहाक ने पूछा, " हे मेरे पिता, देख, आग और लकड़ी तो हैं; पर होमबलि के लिए __भेड़ कहा है?"
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा। हर परिवार एक सिद्ध मेम्ने का बलिदान देंगा।
- **24:06** अगले दिन, यीशु यूहन्ना के पास उससे बपतिस्मा लेने को आया | जब यूहन्ना ने उसे देखा, तो कहा, “देख ! यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो संसार के पापों को दूर ले जाएगा।”
- **45:08** वो पढ़ रहा था, “वह भेड़ के समान वध होने को पहुँचाया गया, और जैसा मेमना अपने ऊन कतरने वालों के सामने चुपचाप रहता है, वैसे ही उसने भी अपना मुँह न खोला।
- **48:08** जब परमेश्वर ने अब्राहम से उसके पुत्र इसहाक को बलिदान करने को कहा, तब परमेश्वर ने इसहाक के जगह पर अब्राहम को बलिदान चढ़ाने के लिए एक भेड़ का बच्चा प्रदान किया। हम सब मनुष्य अपने पापों के कारण मृत्यु के योग्य है। परन्तु परमेश्वर ने यीशु को भेजा, परमेश्वर का मेम्ना, कि वह हमारे स्थान पर अपने आप को बलिदान करे।
- **48:09** जब परमेश्वर ने मिस्र पर अंतिम महामारी भेजी, उसने हर इस्राएली परिवार से कहा कि वह एक सिद्ध मेम्ने का बलिदान दे और उसका लहू अपने द्वार के ऊपर व चारों ओर उंडेले।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7716, G721, G2316

मेल करना, मेल-मिलाप, मेल मिलाप कर लिया, मिलाप

परिभाषा:

“मेल करना” और “मेल मिलाप” का संदर्भ “शान्ति बनाना” से है, उनके मध्य जो पहले एक दूसरे के शत्रु थे। "मिलाप" शांति बनाने का कार्य है

- बाइबल में यह शब्द प्रायः परमेश्वर के संदर्भ में है कि वह मनुष्यों के साथ मेल करता है जो मसीह यीशु उसके पुत्र के बलिदान के द्वारा है।
- पाप के कारण सब मनुष्य परमेश्वर के बैरी हैं। परन्तु उसकी करूणा प्रेम के कारण, परमेश्वर ने यीशु के द्वारा उसके साथ मेल करने का मार्ग बनाया है।
- पापों का मूल्य चुकाने के लिए यीशु के बलिदान में विश्वास करके मनुष्य क्षमा किए जाते हैं और परमेश्वर के साथ उनका मेल होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- शब्द "मेल करना" का अनुवाद "शांति बनाने" या "अच्छे संबंधों को पुनर्स्थापित" या "मित्र बनने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- “मेल-मिलाप” का अनुवाद “अच्छे संबन्धों को रचना” या “शान्ति बनाना” या “शान्तिदायक संबन्ध उत्पन्न करना” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: शान्ति, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 05:18-19
- कुलुस्सियों 01:18-20
- मत्ती 05:23-24
- नीतिवचन 13:17-18
- रोमियो 05:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2398 , H3722 , G604 , G1259 , G2433 , G2643, G2644

मेलिकिसिदक

तथ्य:

अब्राहम के युग में मेलिकिसिदक सालेम का राजा था। (उत्तरकालीन, यरूशलेम का)

- मेलिकिसिदक के नाम का अर्थ है, “धार्मिकता का राजा” और “शलेम का राजा” पद्वी का अर्थ है, “शान्ति का राजा”।
- उसे “सर्वोच्च परमेश्वर का याजक” भी कहा गया है।
- मलिकिसिदक का नाम बाइबल में सर्वप्रथम तब आया था जब उसने अब्राम को रोटी और दाखरस दिया था, उसके भतीजे लूत को उन सामर्थी राजाओं से छुड़ाकर लाने के बाद। अब्राम ने मेलिकिसिदक को अपनी लूट के माल का दसवां भाग दिया था।
- नये नियम में मेलिकिसिदक को ऐसे व्यक्ति के रूप में वर्णित किया गया है जिसका कोई माता पिता नहीं। उसे सदाकालीन राज करनेवाला याजक एवं राजा कहा गया है।
- नये नियम में यीशु को “मलिकिसिदक की रीति पर” याजक कहा गया है। यीशु इस्राएल के याजकों के तुल्य लेवियों के वंश से नहीं था। उसका याजक होना परमेश्वर से था जैसा मलीकिसिदक का था।
- बाइबल में उसके इस वर्णन के आधार पर मलिकिसिदक एक मानवीय याजक था जो परमेश्वर द्वारा चुना गया था कि यीशु का प्रतिनिधित्व करे या उसकी ओर संकेत करे, यीशु शान्ति और धार्मिकता का सदाकालीन राजा और हमारा महान महायाजक।

(यह भी देखें: अब्राहम, सनातन, महायाजक, यरूशलेम, लेवी, याजक, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 14:17-18
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 07:15-17
- भजन संहिता 110:4

मेसोपोटामिया,अरम्नहरैम

तथ्य:

मेसोपोटामिया वह क्षेत्र है जो हिद्देकेल और फरात नदियों के मध्य का भूभाग है। यह स्थान आज के ईराक में है।

- पुराने नियम में इस क्षेत्र को अरम्नहरैम कहते थे।
- "मेसोपोटामिया" का अर्थ है "नदियों के मध्य"। * "अरम्नहरैम" का अर्थ है, "दो नदियों का अराम"
- अब्राहम मेसोपोटामिया क्षेत्र ऊर और हारान में रहता था, इससे पूर्व कि वह कनान के लिए प्रस्थान करता।
- मेसोपोटामिया का एक और महत्वपूर्ण नगर बेबीलोन था।
- "कसादियों" का देश भी मेसोपोटामिया में था।

(यह भी देखें: अराम, बेबीलोन, कसदी, फरात महानद)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:8-11
- प्रे.का. 07:1-3
- उत्पत्ति 24:10-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H763, G3318

मोलेक, **Moloch**

तथ्य:

मोलेक कनानियों का झूठे देवता था जिसकी वे उपासना करते थे। उसे मोलेक भी लिखा गया है।

- मोलेक के उपासक अपने बच्चों को उसकी मूर्ति के समक्ष होम करते थे।
- कुछ इस्राएली भी सच्चे परमेश्वर यहोवा को त्याग कर मोलेक की पूजा करने लगे थे। उन्होंने मोलेक उपासकों की बुरी आदतों का पालन किया, जिसमें उनके बच्चों का त्याग भी शामिल था।

(यह भी देखें: कनान, बुराई, देवता, परमेश्वर, मूर्ति, बलिदान करना, सच्चा, दंडवत करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 11:7-8
- 2 राजा 23:10-11
- प्रे.का. 07:43
- यिर्मयाह 32:33-35
- लैव्यव्यवस्था 18:21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4428, H4432, G3434

यरदन नदी, यरदन

तथ्य:

यरदन नदी उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है और कनान देश की पूर्वी सीमा बनाती है।

- आज यरदन नदी पश्चिम में इस्राएल और पूर्व में यरदन को विभाजित करती है।
- यरदन नदी गलील सागर से बहती हुई मृत सागर में गिरती है।
- यहोशू जब इस्राएलियों को लेकर कनान आ रहा था तब उन्हें यरदन नदी पार करनी पड़ी थी। क्योंकि पानी बहुत गहरा था परमेश्वर ने यरदन नदी का प्रवाह रोक दिया और इस्राएलियों ने उसे पार किया।
- बाइबल में यरदन नदी का संदर्भ "यरदन " से है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

(यह भी देखें: कनान, खारा ताल, गलील सागर)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 32:9-10
- यूहन्ना 01:26-28
- यूहन्ना 03:25-26
- लूका 03:3
- मत्ती 03:4-6
- मत्ती 03:13-15
- मत्ती 04:14-16
- मत्ती 19:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:02** इस्राएलियों को वाचा की भूमि में प्रवेश करने से पहले यरदन नदी को पार करना था।
- 15:03__जब सब इस्राएलियों ने __यरदन नदी को पार कर लिया, तब परमेश्वर ने यहोशू को बताया कि किस प्रकार से यरीहो के शक्तिशाली शहर पर आक्रमण करना है।
- **19:14** एलीशा ने उसे कहा, “तू जाकर यरदन नदी में सात बार डुबकी मार।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3383, G2446

यरदन नदी, यरदन

तथ्य:

यरदन नदी उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है और कनान देश की पूर्वी सीमा बनाती है।

- आज यरदन नदी पश्चिम में इस्राएल और पूर्व में यरदन को विभाजित करती है।
- यरदन नदी गलील सागर से बहती हुई मृत सागर में गिरती है।
- यहोशू जब इस्राएलियों को लेकर कनान आ रहा था तब उन्हें यरदन नदी पार करनी पड़ी थी। क्योंकि पानी बहुत गहरा था परमेश्वर ने यरदन नदी का प्रवाह रोक दिया और इस्राएलियों ने उसे पार किया।
- बाइबल में यरदन नदी का संदर्भ “यरदन ” से है।

(यह भी देखें: कनान, खारा ताल, गलील सागर)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 32:9-10
- यूहन्ना 01:26-28
- यूहन्ना 03:25-26
- लूका 03:3
- मत्ती 03:4-6
- मत्ती 03:13-15
- मत्ती 04:14-16
- मत्ती 19:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:02** इस्राएलियों को वाचा की भूमि में प्रवेश करने से पहले यरदन नदी को पार करना था।
- 15:03__जब सब इस्राएलियों ने __यरदन नदी को पार कर लिया, तब परमेश्वर ने यहोशू को बताया कि किस प्रकार से यरीहो के शक्तिशाली शहर पर आक्रमण करना है।
- **19:14** एलीशा ने उसे कहा, “तू जाकर यरदन नदी में सात बार डुबकी मार।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3383, G2446

यरीहो

तथ्य:

यरीहो कनान देश में एक शक्तिशाली शहर था। वह यरदन के पश्चिम में और मृत सागर के उत्तर में था।

- अन्य सब कनानियों के सदृश्य यरीहोवासी भी मूर्तिपूजक थे।
- यरीहो कनान देश में पहला नगर था, जिसे परमेश्वर ने इस्राएलियों को जीतने के लिए कहा था।
- जब यहोशू ने यरीहो के विरूद्ध इस्राएलियों की अगुआई की तब यरीहो को पराजित करने में परमेश्वर ने चमत्कारी कार्य किया था।

(यह भी देखें: कनान, यरदन नदी, यहोशू, चमत्कार, खारा ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:77-79
- यहोशू 02:1-3
- यहोशू 07:2-3
- लूका 18:35-37
- मरकुस 10:46-48
- मत्ती 20:29-31
- गिनती 22:1

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:01** होशू ने दो भेदियों को कनानियो के शहर यरीहो में भेजा।
- **15:03** जब सब इस्राएलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब परमेश्वर ने यहोशू को बताया कि किस प्रकार से यरीहो के शक्तिशाली शहर पर आक्रमण करना है।
- **15:05** यरीहो की शहरपनाह नींव से गिर पड़ी! तब इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार, जो कुछ उस शहर में था सब कुछ नष्ट कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3405, G2410

यरीहो

तथ्य:

यरीहो कनान देश में एक शक्तिशाली शहर था। वह यरदन के पश्चिम में और मृत सागर के उत्तर में था।

- अन्य सब कनानियों के सदृश्य यरीहोवासी भी मूर्तिपूजक थे।
- यरीहो कनान देश में पहला नगर था, जिसे परमेश्वर ने इस्राएलियों को जीतने के लिए कहा था।
- जब यहोशू ने यरीहो के विरूद्ध इस्राएलियों की अगुआई की तब यरीहो को पराजित करने में परमेश्वर ने चमत्कारी कार्य किया था।

(यह भी देखें: कनान, यरदन नदी, यहोशू, चमत्कार, खारा ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:77-79
- यहोशू 02:1-3
- यहोशू 07:2-3
- लूका 18:35-37
- मरकुस 10:46-48
- मत्ती 20:29-31
- गिनती 22:1

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:01** होशू ने दो भेदियों को कनानियो के शहर यरीहो में भेजा।

- **15:03** जब सब इस्राएलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब परमेश्वर ने यहोशू को बताया कि किस प्रकार से यरीहो के शक्तिशाली शहर पर आक्रमण करना है।
- **15:05** यरीहो की शहरपनाह नींव से गिर पड़ी! तब इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार, जो कुछ उस शहर में था सब कुछ नष्ट कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3405, G2410

यरीहो

तथ्य:

यरीहो कनान देश में एक शक्तिशाली शहर था। वह यरदन के पश्चिम में और मृत सागर के उत्तर में था।

- अन्य सब कनानियों के सदृश्य यरीहोवासी भी मूर्तिपूजक थे।
- यरीहो कनान देश में पहला नगर था, जिसे परमेश्वर ने इस्राएलियों को जीतने के लिए कहा था।
- जब यहोशू ने यरीहो के विरूद्ध इस्राएलियों की अगुआई की तब यरीहो को पराजित करने में परमेश्वर ने चमत्कारी कार्य किया था।

(यह भी देखें: कनान, यरदन नदी, यहोशू, चमत्कार, खारा ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:77-79
- यहोशू 02:1-3
- यहोशू 07:2-3
- लूका 18:35-37
- मरकुस 10:46-48
- मत्ती 20:29-31
- गिनती 22:1

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:01** होशू ने दो भेदियों को कनानियो के शहर यरीहो में भेजा।
- **15:03** जब सब इस्राएलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब परमेश्वर ने यहोशू को बताया कि किस प्रकार से यरीहो के शक्तिशाली शहर पर आक्रमण करना है।
- **15:05** यरीहो की शहरपनाह नींव से गिर पड़ी! तब इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार, जो कुछ उस शहर में था सब कुछ नष्ट कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3405, G2410

यरीहो

तथ्य:

यरीहो कनान देश में एक शक्तिशाली शहर था। वह यरदन के पश्चिम में और मृत सागर के उत्तर में था।

- अन्य सब कनानियों के सदृश्य यरीहोवासी भी मूर्तिपूजक थे।
- यरीहो कनान देश में पहला नगर था, जिसे परमेश्वर ने इस्राएलियों को जीतने के लिए कहा था।
- जब यहोशू ने यरीहो के विरूद्ध इस्राएलियों की अगुआई की तब यरीहो को पराजित करने में परमेश्वर ने चमत्कारी कार्य किया था।

(यह भी देखें: कनान, यरदन नदी, यहोशू, चमत्कार, खारा ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:77-79
- यहोशू 02:1-3
- यहोशू 07:2-3
- लूका 18:35-37

- मरकुस 10:46-48
- मत्ती 20:29-31
- गिनती 22:1

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:01** होशू ने दो भेदियों को कनानियो के शहर यरीहो में भेजा।
- **15:03** जब सब इस्राएलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब परमेश्वर ने यहोशू को बताया कि किस प्रकार से यरीहो के शक्तिशाली शहर पर आक्रमण करना है।
- **15:05** यरीहो की शहरपनाह नींव से गिर पड़ी! तब इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार, जो कुछ उस शहर में था सब कुछ नष्ट कर दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3405, G2410

यरूशलेम

तथ्य:

यरूशलेम वास्तव में एक प्राचीन कनानी नगर था जो बाद में इस्राएल का एक प्रमुख नगर बन गया था। यह नगर खारे ताल के पश्चिम में 34 किलोमीटर दूर और बैतलहम के ठीक उत्तर में स्थित है। यह नगर आज भी इस्राएल की राजधानी है।

- “यरूशलेम” नाम सबसे पहले यहोशू की पुस्तक में आया है। इस नगर के अन्य नाम जो पुराने नियम में हैं वे हैं, “शालेम”, “यबूसियों का नगर” और “सिय्योन” यरूशलेम और शालेम दोनों शब्दों का मूल अर्थ है, “शान्ति”।
- यरूशलेम मूल रूप से यबूसी गढ़ था जिसका नाम “सिय्योन” था, राजा दाऊद ने इस नगर को जीत कर अपनी राजधानी बना लिया था।
- राजा दाऊद के पुत्र, सुलैमान ने सबसे पहला मन्दिर यरूशलेम में मोरियाह पर्वत पर बनाया था। मोरियाह पर्वत वह स्थान था जहां अब्राहम ने अपने पुत्र, इसहाक की बलि चढ़ाई थी। बेबीलोन की सेना द्वारा मन्दिर के विनाश के उपरान्त उसका पुनः निर्माण किया गया था।
- मन्दिर यरूशलेम में था इसलिए यहूदियों के मुख्य पर्व वहीं मनाए जाते थे।
- लोग कहते थे कि वे "ऊपर" यरूशलेम को जा रहे हैं क्योंकि यह नगर पहाड़ पर बसा हुआ था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, मसीह, दाऊद, यबूस, यीशु, सुलैमान, मन्दिर, सिय्योन)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- यूहन्ना 02:13
- लूका 04:9-11
- लूका 13:05
- मरकुस 03:7-8
- मरकुस 03:20-22
- मत्ती 03:06
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 20:17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:05** दाऊद ने यरूशलेम पर विजय प्राप्त की और उसे अपनी राजधानी बनाया।
- **18:02** यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया।
- **20:07** उन्होंने(बेबीलोनियों ने) यरूशलेम को जीत लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उठा कर ले गए।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन में रहने के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यहूदा में यरूशलेम वापस लौट आया।
- **38:01** यीशु मसीह ने सार्वजनिक उपदेशों के आरम्भ के लगभग तीन साल बाद अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का त्यौहार मनाना चाहता था, और वहीं वह मार डाला जाएगा।
- **38:02** यीशु और चेलों के यरूशलेम में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वासघात करने का प्रस्ताव रखा।
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे।”
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरा पिता पवित्र आत्मा का सामर्थ्य तुम्हे न दे।”

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3389, H3390, G2414, G2415, G2419

यरूशलेम

तथ्य:

यरूशलेम वास्तव में एक प्राचीन कनानी नगर था जो बाद में इस्राएल का एक प्रमुख नगर बन गया था। यह नगर खारे ताल के पश्चिम में 34 किलोमीटर दूर और बैतलहम के ठीक उत्तर में स्थित है। यह नगर आज भी इस्राएल की राजधानी है।

- "यरूशलेम" नाम सबसे पहले यहोशू की पुस्तक में आया है। इस नगर के अन्य नाम जो पुराने नियम में हैं वे हैं, "शालेम", "यबूसियों का नगर" और "सिय्योन" यरूशलेम और शालेम दोनों शब्दों का मूल अर्थ है, "शान्ति"।
- यरूशलेम मूल रूप से यबूसी गढ़ था जिसका नाम "सिय्योन" था, राजा दाऊद ने इस नगर को जीत कर अपनी राजधानी बना लिया था।
- राजा दाऊद के पुत्र, सुलैमान ने सबसे पहला मन्दिर यरूशलेम में मोरियाह पर्वत पर बनाया था। मोरियाह पर्वत वह स्थान था जहां अब्राहम ने अपने पुत्र, इसहाक की बलि चढ़ाई थी। बेबीलोन की सेना द्वारा मन्दिर के विनाश के उपरान्त उसका पुनः निर्माण किया गया था।
- मन्दिर यरूशलेम में था इसलिए यहूदियों के मुख्य पर्व वहीं मनाए जाते थे।
- लोग कहते थे कि वे "ऊपर" यरूशलेम को जा रहे हैं क्योंकि यह नगर पहाड़ पर बसा हुआ था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, मसीह, दाऊद, यबूस, यीशु, सुलैमान, मन्दिर, सिय्योन)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- यूहन्ना 02:13
- लूका 04:9-11
- लूका 13:05
- मरकुस 03:7-8
- मरकुस 03:20-22
- मत्ती 03:06
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 20:17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:05** दाऊद ने यरूशलेम पर विजय प्राप्त की और उसे अपनी राजधानी बनाया।
- **18:02** यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया।
- **20:07** उन्होंने(बेबीलोनियों ने) यरूशलेम को जीत लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उठा कर ले गए।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन में रहने के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यहूदा में यरूशलेम वापस लौट आया।
- **38:01** यीशु मसीह ने सार्वजनिक उपदेशों के आरम्भ के लगभग तीन साल बाद अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का त्यौहार मनाना चाहता था, और वहीं वह मार डाला जाएगा।
- **38:02** यीशु और चेलों के यरूशलेम में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वासघात करने का प्रस्ताव रखा।
- **42:08** "पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे।"
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरा पिता पवित्र आत्मा का सामर्थ्य तुम्हे न दे।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3389, H3390, G2414, G2415, G2419

यरूशलेम

तथ्य:

यरूशलेम वास्तव में एक प्राचीन कनानी नगर था जो बाद में इस्राएल का एक प्रमुख नगर बन गया था। यह नगर खारे ताल के पश्चिम में 34 किलोमीटर दूर और बैतलहम के ठीक उत्तर में स्थित है। यह नगर आज भी इस्राएल की राजधानी है।

- "यरूशलेम" नाम सबसे पहले यहोशू की पुस्तक में आया है। इस नगर के अन्य नाम जो पुराने नियम में हैं वे हैं, "शालेम", "यबूसियों का नगर" और "सिय्योन" यरूशलेम और शालेम दोनों शब्दों का मूल अर्थ है, "शान्ति"।
- यरूशलेम मूल रूप से यबूसी गढ़ था जिसका नाम "सिय्योन" था, राजा दाऊद ने इस नगर को जीत कर अपनी राजधानी बना लिया था।
- राजा दाऊद के पुत्र, सुलैमान ने सबसे पहला मन्दिर यरूशलेम में मोरियाह पर्वत पर बनाया था। मोरियाह पर्वत वह स्थान था जहां अब्राहम ने अपने पुत्र, इसहाक की बलि चढ़ाई थी। बेबीलोन की सेना द्वारा मन्दिर के विनाश के उपरान्त उसका पुनः निर्माण किया गया था।
- मन्दिर यरूशलेम में था इसलिए यहूदियों के मुख्य पर्व वहीं मनाए जाते थे।
- लोग कहते थे कि वे "ऊपर" यरूशलेम को जा रहे हैं क्योंकि यह नगर पहाड़ पर बसा हुआ था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, मसीह, दाऊद, यबूस, यीशु, सुलैमान, मन्दिर, सिय्योन)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- यूहन्ना 02:13
- लूका 04:9-11
- लूका 13:05
- मरकुस 03:7-8
- मरकुस 03:20-22
- मत्ती 03:06
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 20:17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:05** दाऊद ने यरूशलेम पर विजय प्राप्त की और उसे अपनी राजधानी बनाया।
- **18:02** यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया।
- **20:07** उन्होंने(बेबीलोनियों ने) यरूशलेम को जीत लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उठा कर ले गए।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन में रहने के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यहूदा में यरूशलेम वापस लौट आया।
- **38:01** यीशु मसीह ने सार्वजनिक उपदेशों के आरम्भ के लगभग तीन साल बाद अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का त्यौहार मनाना चाहता था, और वहीं वह मार डाला जाएगा।
- **38:02** यीशु और चेलों के यरूशलेम में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वासघात करने का प्रस्ताव रखा।
- **42:08** "पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे।"
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरा पिता पवित्र आत्मा का सामर्थ्य तुम्हे न दे।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3389, H3390, G2414, G2415, G2419

यरूशलेम

तथ्य:

यरूशलेम वास्तव में एक प्राचीन कनानी नगर था जो बाद में इस्राएल का एक प्रमुख नगर बन गया था। यह नगर खारे ताल के पश्चिम में 34 किलोमीटर दूर और बैतलहम के ठीक उत्तर में स्थित है। यह नगर आज भी इस्राएल की राजधानी है।

- "यरूशलेम" नाम सबसे पहले यहोशू की पुस्तक में आया है। इस नगर के अन्य नाम जो पुराने नियम में हैं वे हैं, "शालेम", "यबूसियों का नगर" और "सिय्योन" यरूशलेम और शालेम दोनों शब्दों का मूल अर्थ है, "शान्ति"।
- यरूशलेम मूल रूप से यबूसी गढ़ था जिसका नाम "सिय्योन" था, राजा दाऊद ने इस नगर को जीत कर अपनी राजधानी बना लिया था।

- राजा दाऊद के पुत्र, सुलैमान ने सबसे पहला मन्दिर यरूशलेम में मोरियाह पर्वत पर बनाया था। मोरियाह पर्वत वह स्थान था जहां अब्राहम ने अपने पुत्र, इसहाक की बलि चढ़ाई थी। बेबीलोन की सेना द्वारा मन्दिर के विनाश के उपरान्त उसका पुनः निर्माण किया गया था।
- मन्दिर यरूशलेम में था इसलिए यहूदियों के मुख्य पर्व वहीं मनाए जाते थे।
- लोग कहते थे कि वे "ऊपर" यरूशलेम को जा रहे हैं क्योंकि यह नगर पहाड़ पर बसा हुआ था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, मसीह, दाऊद, यबूस, यीशु, सुलैमान, मन्दिर, सिय्योन)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- यूहन्ना 02:13
- लूका 04:9-11
- लूका 13:05
- मरकुस 03:7-8
- मरकुस 03:20-22
- मत्ती 03:06
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 20:17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:05** दाऊद ने यरूशलेम पर विजय प्राप्त की और उसे अपनी राजधानी बनाया।
- **18:02** यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया।
- **20:07** उन्होंने(बेबीलोनियों ने) यरूशलेम को जीत लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उठा कर ले गए।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन में रहने के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यहूदा में यरूशलेम वापस लौट आया।
- **38:01** यीशु मसीह ने सार्वजनिक उपदेशों के आरम्भ के लगभग तीन साल बाद अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का त्यौहार मनाना चाहता था, और वहीं वह मार डाला जाएगा।
- **38:02** यीशु और चेलों के यरूशलेम में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वासघात करने का प्रस्ताव रखा।
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे।”
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरा पिता पवित्र आत्मा का सामर्थ्य तुम्हे न दे।”

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3389, H3390, G2414, G2415, G2419

यरूशलेम

तथ्य:

यरूशलेम वास्तव में एक प्राचीन कनानी नगर था जो बाद में इस्राएल का एक प्रमुख नगर बन गया था। यह नगर खारे ताल के पश्चिम में 34 किलोमीटर दूर और बैतलहम के ठीक उत्तर में स्थित है। यह नगर आज भी इस्राएल की राजधानी है।

- “यरूशलेम” नाम सबसे पहले यहोशू की पुस्तक में आया है। इस नगर के अन्य नाम जो पुराने नियम में हैं वे हैं, “शालेम”, “यबूसियों का नगर” और “सिय्योन” यरूशलेम और शालेम दोनों शब्दों का मूल अर्थ है, “शान्ति”।
- यरूशलेम मूल रूप से यबूसी गढ़ था जिसका नाम “सिय्योन” था, राजा दाऊद ने इस नगर को जीत कर अपनी राजधानी बना लिया था।
- राजा दाऊद के पुत्र, सुलैमान ने सबसे पहला मन्दिर यरूशलेम में मोरियाह पर्वत पर बनाया था। मोरियाह पर्वत वह स्थान था जहां अब्राहम ने अपने पुत्र, इसहाक की बलि चढ़ाई थी। बेबीलोन की सेना द्वारा मन्दिर के विनाश के उपरान्त उसका पुनः निर्माण किया गया था।
- मन्दिर यरूशलेम में था इसलिए यहूदियों के मुख्य पर्व वहीं मनाए जाते थे।
- लोग कहते थे कि वे "ऊपर" यरूशलेम को जा रहे हैं क्योंकि यह नगर पहाड़ पर बसा हुआ था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, मसीह, दाऊद, यबूस, यीशु, सुलैमान, मन्दिर, सिय्योन)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27

- यूहन्ना 02:13
- लूका 04:9-11
- लूका 13:05
- मरकुस 03:7-8
- मरकुस 03:20-22
- मत्ती 03:06
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 20:17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:05** दाऊद ने यरूशलेम पर विजय प्राप्त की और उसे अपनी राजधानी बनाया।
- **18:02** यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया।
- **20:07** उन्होंने(बेबीलोनियों ने) यरूशलेम को जीत लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उठा कर ले गए।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन में रहने के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यहूदा में यरूशलेम वापस लौट आया।
- **38:01** यीशु मसीह ने सार्वजनिक उपदेशों के आरम्भ के लगभग तीन साल बाद अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का त्यौहार मनाना चाहता था, और वहीं वह मार डाला जाएगा।
- **38:02** यीशु और चेलों के यरूशलेम में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वासघात करने का प्रस्ताव रखा।
- **42:08** "पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे।"
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरा पिता पवित्र आत्मा का सामर्थ्य तुम्हे न दे।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3389, H3390, G2414, G2415, G2419

यरूशलेम

तथ्य:

यरूशलेम वास्तव में एक प्राचीन कनानी नगर था जो बाद में इस्राएल का एक प्रमुख नगर बन गया था। यह नगर खारे ताल के पश्चिम में 34 किलोमीटर दूर और बैतलहम के ठीक उत्तर में स्थित है। यह नगर आज भी इस्राएल की राजधानी है।

- "यरूशलेम" नाम सबसे पहले यहोशू की पुस्तक में आया है। इस नगर के अन्य नाम जो पुराने नियम में हैं वे हैं, "शालेम", "यबूसियों का नगर" और "सिय्योन" यरूशलेम और शालेम दोनों शब्दों का मूल अर्थ है, "शान्ति"।
- यरूशलेम मूल रूप से यबूसी गढ़ था जिसका नाम "सिय्योन" था, राजा दाऊद ने इस नगर को जीत कर अपनी राजधानी बना लिया था।
- राजा दाऊद के पुत्र, सुलैमान ने सबसे पहला मन्दिर यरूशलेम में मोरियाह पर्वत पर बनाया था। मोरियाह पर्वत वह स्थान था जहां अब्राहम ने अपने पुत्र, इसहाक की बलि चढ़ाई थी। बेबीलोन की सेना द्वारा मन्दिर के विनाश के उपरान्त उसका पुनः निर्माण किया गया था।
- मन्दिर यरूशलेम में था इसलिए यहूदियों के मुख्य पर्व वहीं मनाए जाते थे।
- लोग कहते थे कि वे "ऊपर" यरूशलेम को जा रहे हैं क्योंकि यह नगर पहाड़ पर बसा हुआ था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, मसीह, दाऊद, यबूस, यीशु, सुलैमान, मन्दिर, सिय्योन)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- यूहन्ना 02:13
- लूका 04:9-11
- लूका 13:05
- मरकुस 03:7-8
- मरकुस 03:20-22
- मत्ती 03:06
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 20:17

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:05** दाऊद ने यरूशलेम पर विजय प्राप्त की और उसे अपनी राजधानी बनाया।
- **18:02** यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया।
- **20:07** उन्होंने(बेबीलोनियों ने) यरूशलेम को जीत लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उठा कर ले गए।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन में रहने के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यहूदा में यरूशलेम वापस लौट आया।
- **38:01** यीशु मसीह ने सार्वजनिक उपदेशों के आरम्भ के लगभग तीन साल बाद अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का त्यौहार मनाना चाहता था, और वहीं वह मार डाला जाएगा।
- **38:02** यीशु और चेलों के यरूशलेम में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वासघात करने का प्रस्ताव रखा।
- **42:08** "पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे।"
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरा पिता पवित्र आत्मा का सामर्थ्य तुम्हे न दे।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3389, H3390, G2414, G2415, G2419

यरूशलेम

तथ्य:

यरूशलेम वास्तव में एक प्राचीन कनानी नगर था जो बाद में इस्राएल का एक प्रमुख नगर बन गया था। यह नगर खारे ताल के पश्चिम में 34 किलोमीटर दूर और बैतलहम के ठीक उत्तर में स्थित है। यह नगर आज भी इस्राएल की राजधानी है।

- "यरूशलेम" नाम सबसे पहले यहोशू की पुस्तक में आया है। इस नगर के अन्य नाम जो पुराने नियम में हैं वे हैं, "शालेम", "यबूसियों का नगर" और "सिय्योन" यरूशलेम और शालेम दोनों शब्दों का मूल अर्थ है, "शान्ति"।
- यरूशलेम मूल रूप से यबूसी गढ़ था जिसका नाम "सिय्योन" था, राजा दाऊद ने इस नगर को जीत कर अपनी राजधानी बना लिया था।
- राजा दाऊद के पुत्र, सुलैमान ने सबसे पहला मन्दिर यरूशलेम में मोरियाह पर्वत पर बनाया था। मोरियाह पर्वत वह स्थान था जहां अब्राहम ने अपने पुत्र, इसहाक की बलि चढ़ाई थी। बेबीलोन की सेना द्वारा मन्दिर के विनाश के उपरान्त उसका पुनः निर्माण किया गया था।
- मन्दिर यरूशलेम में था इसलिए यहूदियों के मुख्य पर्व वहीं मनाए जाते थे।
- लोग कहते थे कि वे "ऊपर" यरूशलेम को जा रहे हैं क्योंकि यह नगर पहाड़ पर बसा हुआ था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, मसीह, दाऊद, यबूस, यीशु, सुलैमान, मन्दिर, सिय्योन)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- यूहन्ना 02:13
- लूका 04:9-11
- लूका 13:05
- मरकुस 03:7-8
- मरकुस 03:20-22
- मत्ती 03:06
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 20:17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:05** दाऊद ने यरूशलेम पर विजय प्राप्त की और उसे अपनी राजधानी बनाया।
- **18:02** यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया।
- **20:07** उन्होंने(बेबीलोनियों ने) यरूशलेम को जीत लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उठा कर ले गए।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन में रहने के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यहूदा में यरूशलेम वापस लौट आया।
- **38:01** यीशु मसीह ने सार्वजनिक उपदेशों के आरम्भ के लगभग तीन साल बाद अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का त्यौहार मनाना चाहता था, और वहीं वह मार डाला जाएगा।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- **38:02** यीशु और चेलों के यरूशलेम में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वासघात करने का प्रस्ताव रखा।
- **42:08** "पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे।"
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरा पिता पवित्र आत्मा का सामर्थ्य तुम्हे न दे।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3389, H3390, G2414, G2415, G2419

यरूशलेम

तथ्य:

यरूशलेम वास्तव में एक प्राचीन कनानी नगर था जो बाद में इस्राएल का एक प्रमुख नगर बन गया था। यह नगर खारे ताल के पश्चिम में 34 किलोमीटर दूर और बैतलहम के ठीक उत्तर में स्थित है। यह नगर आज भी इस्राएल की राजधानी है।

- "यरूशलेम" नाम सबसे पहले यहोशू की पुस्तक में आया है। इस नगर के अन्य नाम जो पुराने नियम में हैं वे हैं, "शालेम", "यबूसियों का नगर" और "सिय्योन" यरूशलेम और शालेम दोनों शब्दों का मूल अर्थ है, "शान्ति"।
- यरूशलेम मूल रूप से यबूसी गढ़ था जिसका नाम "सिय्योन" था, राजा दाऊद ने इस नगर को जीत कर अपनी राजधानी बना लिया था।
- राजा दाऊद के पुत्र, सुलैमान ने सबसे पहला मन्दिर यरूशलेम में मोरियाह पर्वत पर बनाया था। मोरियाह पर्वत वह स्थान था जहां अब्राहम ने अपने पुत्र, इसहाक की बलि चढ़ाई थी। बेबीलोन की सेना द्वारा मन्दिर के विनाश के उपरान्त उसका पुनः निर्माण किया गया था।
- मन्दिर यरूशलेम में था इसलिए यहूदियों के मुख्य पर्व वहीं मनाए जाते थे।
- लोग कहते थे कि वे "ऊपर" यरूशलेम को जा रहे हैं क्योंकि यह नगर पहाड़ पर बसा हुआ था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, मसीह, दाऊद, यबूस, यीशु, सुलैमान, मन्दिर, सिय्योन)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- यूहन्ना 02:13
- लूका 04:9-11
- लूका 13:05
- मरकुस 03:7-8
- मरकुस 03:20-22
- मत्ती 03:06
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 20:17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:05** दाऊद ने यरूशलेम पर विजय प्राप्त की और उसे अपनी राजधानी बनाया।
- **18:02** यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया।
- **20:07** उन्होंने(बेबीलोनियों ने) यरूशलेम को जीत लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उठा कर ले गए।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन में रहने के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यहूदा में यरूशलेम वापस लौट आया।
- **38:01** यीशु मसीह ने सार्वजनिक उपदेशों के आरम्भ के लगभग तीन साल बाद अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का त्यौहार मनाना चाहता था, और वहीं वह मार डाला जाएगा।
- **38:02** यीशु और चेलों के यरूशलेम में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वासघात करने का प्रस्ताव रखा।
- **42:08** "पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे।"
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरा पिता पवित्र आत्मा का सामर्थ्य तुम्हे न दे।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3389, H3390, G2414, G2415, G2419

यरूशलेम

तथ्य:

यरूशलेम वास्तव में एक प्राचीन कनानी नगर था जो बाद में इस्राएल का एक प्रमुख नगर बन गया था। यह नगर खारे ताल के पश्चिम में 34 किलोमीटर दूर और बैतलहम के ठीक उत्तर में स्थित है। यह नगर आज भी इस्राएल की राजधानी है।

- "यरूशलेम" नाम सबसे पहले यहोशू की पुस्तक में आया है। इस नगर के अन्य नाम जो पुराने नियम में हैं वे हैं, "शालेम", "यबूसियों का नगर" और "सिय्योन" यरूशलेम और शालेम दोनों शब्दों का मूल अर्थ है, "शान्ति"।
- यरूशलेम मूल रूप से यबूसी गढ़ था जिसका नाम "सिय्योन" था, राजा दाऊद ने इस नगर को जीत कर अपनी राजधानी बना लिया था।
- राजा दाऊद के पुत्र, सुलैमान ने सबसे पहला मन्दिर यरूशलेम में मोरियाह पर्वत पर बनाया था। मोरियाह पर्वत वह स्थान था जहां अब्राहम ने अपने पुत्र, इसहाक की बलि चढ़ाई थी। बेबीलोन की सेना द्वारा मन्दिर के विनाश के उपरान्त उसका पुनः निर्माण किया गया था।
- मन्दिर यरूशलेम में था इसलिए यहूदियों के मुख्य पर्व वहीं मनाए जाते थे।
- लोग कहते थे कि वे "ऊपर" यरूशलेम को जा रहे हैं क्योंकि यह नगर पहाड़ पर बसा हुआ था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, मसीह, दाऊद, यबूस, यीशु, सुलैमान, मन्दिर, सिय्योन)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- यूहन्ना 02:13
- लूका 04:9-11
- लूका 13:05
- मरकुस 03:7-8
- मरकुस 03:20-22
- मत्ती 03:06
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 20:17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:05** दाऊद ने यरूशलेम पर विजय प्राप्त की और उसे अपनी राजधानी बनाया।
- **18:02** यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया।
- **20:07** उन्होंने(बेबीलोनियों ने) यरूशलेम को जीत लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उठा कर ले गए।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन में रहने के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यहूदा में यरूशलेम वापस लौट आया।
- **38:01** यीशु मसीह ने सार्वजनिक उपदेशों के आरम्भ के लगभग तीन साल बाद अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का त्यौहार मनाना चाहता था, और वहीं वह मार डाला जाएगा।
- **38:02** यीशु और चेलों के यरूशलेम में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वासघात करने का प्रस्ताव रखा।
- **42:08** "पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे।"
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरा पिता पवित्र आत्मा का सामर्थ्य तुम्हे न दे।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3389, H3390, G2414, G2415, G2419

यरूशलेम

तथ्य:

यरूशलेम वास्तव में एक प्राचीन कनानी नगर था जो बाद में इस्राएल का एक प्रमुख नगर बन गया था। यह नगर खारे ताल के पश्चिम में 34 किलोमीटर दूर और बैतलहम के ठीक उत्तर में स्थित है। यह नगर आज भी इस्राएल की राजधानी है।

- "यरूशलेम" नाम सबसे पहले यहोशू की पुस्तक में आया है। इस नगर के अन्य नाम जो पुराने नियम में हैं वे हैं, "शालेम", "यबूसियों का नगर" और "सिय्योन" यरूशलेम और शालेम दोनों शब्दों का मूल अर्थ है, "शान्ति"।
- यरूशलेम मूल रूप से यबूसी गढ़ था जिसका नाम "सिय्योन" था, राजा दाऊद ने इस नगर को जीत कर अपनी राजधानी बना लिया था।

- राजा दाऊद के पुत्र, सुलैमान ने सबसे पहला मन्दिर यरूशलेम में मोरियाह पर्वत पर बनाया था। मोरियाह पर्वत वह स्थान था जहां अब्राहम ने अपने पुत्र, इसहाक की बलि चढ़ाई थी। बेबीलोन की सेना द्वारा मन्दिर के विनाश के उपरान्त उसका पुनः निर्माण किया गया था।
- मन्दिर यरूशलेम में था इसलिए यहूदियों के मुख्य पर्व वहीं मनाए जाते थे।
- लोग कहते थे कि वे "ऊपर" यरूशलेम को जा रहे हैं क्योंकि यह नगर पहाड़ पर बसा हुआ था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, मसीह, दाऊद, यबूस, यीशु, सुलैमान, मन्दिर, सिय्योन)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- यूहन्ना 02:13
- लूका 04:9-11
- लूका 13:05
- मरकुस 03:7-8
- मरकुस 03:20-22
- मत्ती 03:06
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 20:17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:05** दाऊद ने यरूशलेम पर विजय प्राप्त की और उसे अपनी राजधानी बनाया।
- **18:02** यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया।
- **20:07** उन्होंने(बेबीलोनियों ने) यरूशलेम को जीत लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उठा कर ले गए।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन में रहने के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यहूदा में यरूशलेम वापस लौट आया।
- **38:01** यीशु मसीह ने सार्वजनिक उपदेशों के आरम्भ के लगभग तीन साल बाद अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का त्यौहार मनाना चाहता था, और वहीं वह मार डाला जाएगा।
- **38:02** यीशु और चेलों के यरूशलेम में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वासघात करने का प्रस्ताव रखा।
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे।”
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरा पिता पवित्र आत्मा का सामर्थ्य तुम्हे न दे।”

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3389, H3390, G2414, G2415, G2419

यशायाह

तथ्य:

यशायाह परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था जिसने यहूदा में चार राजाओं के राज्यकाल में सेवा की थी। उज्जियाह, योताम, आहाज और हिज्जकियाह

- जब अश्शूर हिजकिय्याह के युग में नगर पर आक्रमण कर रहे थे तब वह यरूशलेम में वास कर रहा था।
- पुराने नियम की पुस्तक यशायाह बाइबल की बड़ी प्रमुख पुस्तक में से एक है।
- यशायाह ने अनेक भविष्यद्वाणियां लिपिबद्ध की है जिनकी पूर्ति उसके जीवनकाल ही में हो गई थी।
- यशायाह मसीह की भविष्यद्वाणी के लिए विशेष करके जाना जाता है, जिसकी पूर्ति 700 वर्ष बाद यीशु के समय में हुई थी।
- यीशु और उसके शिष्यों ने यशायाह की भविष्यद्वाणियों द्वारा मनुष्यों को मसीह के बारे में शिक्षा दी थी।

(यह भी देखें: अहाज, अश्शूर, मसीह, हिजकिय्याह, योताम, यहूदा, भविष्यद्वक्ता, उज्जियाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:1-3
- प्रे.का. 28:25-26
- यशायाह 01:1
- लूका 03:4

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मरकुस 01:1-3
- मरकुस 07:6-7
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **21:10** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह खेदित मन के लोगों को शान्ति देगा और बंदियों के लिए स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारा देगा।
- **21:11** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने यह भी भविष्यवाणी की कि मसीह से लोग बिना कारण के बैर करेंगे और उसे अस्वीकार करेंगे।
- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **26:02** उसे(यीशु)यशायाह नबी की पुस्तक दी गयी कि वह उसमे से पढ़े। यीशु ने पुस्तक खोल दी और लोगों को इसके बारे में पढ़कर सुनाया।
- **45:08** जब फिलिप्पुस रथ के पास पहुँचा, उसने कुश देश के अधिकारी को यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक से पढ़ते हुए सुना।
- **45:10** फिर फिलिप्पुस ने उसे समझाया कि यशायाह यह यीशु मसीह के बारे में बता रहा है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3470, G2268

यशायाह

तथ्य:

यशायाह परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था जिसने यहूदा में चार राजाओं के राज्यकाल में सेवा की थी। उज्जियाह, योताम, आहाज और हिज्जकियाह

- जब अश्शूर हिजकिय्याह के युग में नगर पर आक्रमण कर रहे थे तब वह यरूशलेम में वास कर रहा था।
- पुराने नियम की पुस्तक यशायाह बाइबल की बड़ी प्रमुख पुस्तक में से एक है।
- यशायाह ने अनेक भविष्यद्वाणियां लिपिबद्ध की है जिनकी पूर्ति उसके जीवनकाल ही में हो गई थी।
- यशायाह मसीह की भविष्यद्वाणी के लिए विशेष करके जाना जाता है, जिसकी पूर्ति 700 वर्ष बाद यीशु के समय में हुई थी।
- यीशु और उसके शिष्यों ने यशायाह की भविष्यद्वाणियों द्वारा मनुष्यों को मसीह के बारे में शिक्षा दी थी।

(यह भी देखें: अहाज, अश्शूर, मसीह, हिजकिय्याह, योताम, यहूदा, भविष्यद्वक्ता, उज्जियाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:1-3
- प्रे.का. 28:25-26
- यशायाह 01:1
- लूका 03:4
- मरकुस 01:1-3
- मरकुस 07:6-7
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **21:10** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह खेदित मन के लोगों को शान्ति देगा और बंदियों के लिए स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारा देगा।
- **21:11** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने यह भी भविष्यवाणी की कि मसीह से लोग बिना कारण के बैर करेंगे और उसे अस्वीकार करेंगे।
- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **26:02** उसे(यीशु)यशायाह नबी की पुस्तक दी गयी कि वह उसमे से पढ़े। यीशु ने पुस्तक खोल दी और लोगों को इसके बारे में पढ़कर सुनाया।
- **45:08** जब फिलिप्पुस रथ के पास पहुँचा, उसने कुश देश के अधिकारी को यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक से पढ़ते हुए सुना।
- **45:10** फिर फिलिप्पुस ने उसे समझाया कि यशायाह यह यीशु मसीह के बारे में बता रहा है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3470, G2268

यशायाह

तथ्य:

यशायाह परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था जिसने यहूदा में चार राजाओं के राज्यकाल में सेवा की थी। उज्जियाह, योताम, आहाज और हिज्जकियाह

- जब अश्शूर हिजकिय्याह के युग में नगर पर आक्रमण कर रहे थे तब वह यरूशलेम में वास कर रहा था।
- पुराने नियम की पुस्तक यशायाह बाइबल की बड़ी प्रमुख पुस्तक में से एक है।
- यशायाह ने अनेक भविष्यद्वाणियां लिपिबद्ध की है जिनकी पूर्ति उसके जीवनकाल ही में हो गई थी।
- यशायाह मसीह की भविष्यद्वाणी के लिए विशेष करके जाना जाता है, जिसकी पूर्ति 700 वर्ष बाद यीशु के समय में हुई थी।
- यीशु और उसके शिष्यों ने यशायाह की भविष्यद्वाणियों द्वारा मनुष्यों को मसीह के बारे में शिक्षा दी थी।

(यह भी देखें: अहाज, अश्शूर, मसीह, हिजकिय्याह, योताम, यहूदा, भविष्यद्वक्ता, उज्जियाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:1-3
- प्रे.का. 28:25-26
- यशायाह 01:1
- लूका 03:4
- मरकुस 01:1-3
- मरकुस 07:6-7
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **21:10** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह खेदित मन के लोगों को शान्ति देगा और बंदियों के लिए स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारा देगा।
- **21:11** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने यह भी भविष्यवाणी की कि मसीह से लोग बिना कारण के बैर करेंगे और उसे अस्वीकार करेंगे।
- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **26:02** उसे(यीशु)यशायाह नबी की पुस्तक दी गयी कि वह उसमे से पढ़े। यीशु ने पुस्तक खोल दी और लोगों को इसके बारे में पढ़कर सुनाया।
- **45:08** जब फिलिप्पुस रथ के पास पहुँचा, उसने कुश देश के अधिकारी को यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक से पढ़ते हुए सुना।
- **45:10** फिर फिलिप्पुस ने उसे समझाया कि यशायाह यह यीशु मसीह के बारे में बता रहा है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3470, G2268

यशायाह

तथ्य:

यशायाह परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था जिसने यहूदा में चार राजाओं के राज्यकाल में सेवा की थी। उज्जियाह, योताम, आहाज और हिज्जकियाह

- जब अश्शूर हिजकिय्याह के युग में नगर पर आक्रमण कर रहे थे तब वह यरूशलेम में वास कर रहा था।
- पुराने नियम की पुस्तक यशायाह बाइबल की बड़ी प्रमुख पुस्तक में से एक है।
- यशायाह ने अनेक भविष्यद्वाणियां लिपिबद्ध की है जिनकी पूर्ति उसके जीवनकाल ही में हो गई थी।
- यशायाह मसीह की भविष्यद्वाणी के लिए विशेष करके जाना जाता है, जिसकी पूर्ति 700 वर्ष बाद यीशु के समय में हुई थी।
- यीशु और उसके शिष्यों ने यशायाह की भविष्यद्वाणियों द्वारा मनुष्यों को मसीह के बारे में शिक्षा दी थी।

(यह भी देखें: अहाज, अश्शूर, मसीह, हिजकिय्याह, योताम, यहूदा, भविष्यद्वक्ता, उज्जियाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:1-3
- प्रे.का. 28:25-26
- यशायाह 01:1

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- लूका 03:4
- मरकुस 01:1-3
- मरकुस 07:6-7
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **21:10** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह खेदित मन के लोगों को शान्ति देगा और बंदियों के लिए स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारा देगा।
- **21:11** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने यह भी भविष्यवाणी की कि मसीह से लोग बिना कारण के बैर करेंगे और उसे अस्वीकार करेंगे।
- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **26:02** उसे(यीशु)यशायाह नबी की पुस्तक दी गयी कि वह उसमे से पढ़े। यीशु ने पुस्तक खोल दी और लोगों को इसके बारे में पढ़कर सुनाया।
- **45:08** जब फिलिप्पुस रथ के पास पहुँचा, उसने कुश देश के अधिकारी को यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक से पढ़ते हुए सुना।
- **45:10** फिर फिलिप्पुस ने उसे समझाया कि यशायाह यह यीशु मसीह के बारे में बता रहा है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3470, G2268

यशायाह

तथ्य:

यशायाह परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था जिसने यहूदा में चार राजाओं के राज्यकाल में सेवा की थी। उज्जियाह, योताम, आहाज और हिज्जकियाह

- जब अश्शूर हिजकिय्याह के युग में नगर पर आक्रमण कर रहे थे तब वह यरूशलेम में वास कर रहा था।
- पुराने नियम की पुस्तक यशायाह बाइबल की बड़ी प्रमुख पुस्तक में से एक है।
- यशायाह ने अनेक भविष्यद्वाणियां लिपिबद्ध की है जिनकी पूर्ति उसके जीवनकाल ही में हो गई थी।
- यशायाह मसीह की भविष्यद्वाणी के लिए विशेष करके जाना जाता है, जिसकी पूर्ति 700 वर्ष बाद यीशु के समय में हुई थी।
- यीशु और उसके शिष्यों ने यशायाह की भविष्यद्वाणियों द्वारा मनुष्यों को मसीह के बारे में शिक्षा दी थी।

(यह भी देखें: अहाज, अश्शूर, मसीह, हिजकिय्याह, योताम, यहूदा, भविष्यद्वक्ता, उज्जियाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:1-3
- प्रे.का. 28:25-26
- यशायाह 01:1
- लूका 03:4
- मरकुस 01:1-3
- मरकुस 07:6-7
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **21:10** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह खेदित मन के लोगों को शान्ति देगा और बंदियों के लिए स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारा देगा।
- **21:11** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने यह भी भविष्यवाणी की कि मसीह से लोग बिना कारण के बैर करेंगे और उसे अस्वीकार करेंगे।
- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **26:02** उसे(यीशु)यशायाह नबी की पुस्तक दी गयी कि वह उसमे से पढ़े। यीशु ने पुस्तक खोल दी और लोगों को इसके बारे में पढ़कर सुनाया।
- **45:08** जब फिलिप्पुस रथ के पास पहुँचा, उसने कुश देश के अधिकारी को यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक से पढ़ते हुए सुना।
- **45:10** फिर फिलिप्पुस ने उसे समझाया कि यशायाह यह यीशु मसीह के बारे में बता रहा है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3470, G2268

यशायाह

तथ्य:

यशायाह परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था जिसने यहूदा में चार राजाओं के राज्यकाल में सेवा की थी। उज्जियाह, योताम, आहाज और हिज्जकियाह

- जब अश्शूर हिजकिय्याह के युग में नगर पर आक्रमण कर रहे थे तब वह यरूशलेम में वास कर रहा था।
- पुराने नियम की पुस्तक यशायाह बाइबल की बड़ी प्रमुख पुस्तक में से एक है।
- यशायाह ने अनेक भविष्यद्वाणियां लिपिबद्ध की है जिनकी पूर्ति उसके जीवनकाल ही में हो गई थी।
- यशायाह मसीह की भविष्यद्वाणी के लिए विशेष करके जाना जाता है, जिसकी पूर्ति 700 वर्ष बाद यीशु के समय में हुई थी।
- यीशु और उसके शिष्यों ने यशायाह की भविष्यद्वाणियों द्वारा मनुष्यों को मसीह के बारे में शिक्षा दी थी।

(यह भी देखें: अहाज, अश्शूर, मसीह, हिजकिय्याह, योताम, यहूदा, भविष्यद्वक्ता, उज्जियाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 20:1-3
- प्रे.का. 28:25-26
- यशायाह 01:1
- लूका 03:4
- मरकुस 01:1-3
- मरकुस 07:6-7
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:14-16

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **21:10** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह खेदित मन के लोगों को शान्ति देगा और बंदियों के लिए स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारा देगा।
- **21:11** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने यह भी भविष्यवाणी की कि मसीह से लोग बिना कारण के बैर करेंगे और उसे अस्वीकार करेंगे।
- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **26:02** उसे(यीशु)यशायाह नबी की पुस्तक दी गयी कि वह उसमे से पढ़े। यीशु ने पुस्तक खोल दी और लोगों को इसके बारे में पढ़कर सुनाया।
- **45:08** जब फिलिप्पुस रथ के पास पहुँचा, उसने कुश देश के अधिकारी को यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक से पढ़ते हुए सुना।
- **45:10** फिर फिलिप्पुस ने उसे समझाया कि यशायाह यह यीशु मसीह के बारे में बता रहा है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3470, G2268

यहूदा

तथ्य:

यहूदा याकूब के बड़े बेटों में से एक था। उनकी मां लिआ थी। उनके वंशजों को "यहूदा का गोत्र" कहा जाता था। जब भूमि के एक क्षेत्र के नाम के रूप में उपयोग किया जाता है, तो "यहूदा" शब्द यहूदा के जनजाति को दी गई भूमि को संदर्भित करता है, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र यरूशलेम के दक्षिण में स्थित है।

- यहूदा ने ही अपने भाइयों को राय दी थी कि यूसुफ को गड्ढे में मरने के लिए छोड़ने की अपेक्षा उसे बेच दिया जाए।
- राजा दाऊद और उसके बाद के सब राजा यहूदा के वंशज थे। यीशु भी यहूदा का वंशज था।
- सुलैमान के बाद जब इस्राएल राज्य का विभाजन हो गया था तब यहूदा राज्य इस्राएल का दक्षिणी क्षेत्र हुआ।
- नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक यीशु को “यहूदा का सिंह” कहा गया है।
- “यहूदी” और “यहूदिया” शब्द “यहूदा” से ही व्युत्पन्न शब्द हैं।

(यह भी देखें: इस्राएल, यहूदी, यहूदा, यहूदिया, इस्राएल के बारह गोत्र)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 01:9-10
- उत्पत्ति 29:35
- उत्पत्ति 38:1-2
- लूका 03:33-35
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3063

यहूदा

तथ्य:

यहूदा याकूब के बड़े बेटों में से एक था। उनकी मां लिआ थी। उनके वंशजों को "यहूदा का गोत्र" कहा जाता था। जब भूमि के एक क्षेत्र के नाम के रूप में उपयोग किया जाता है, तो "यहूदा" शब्द यहूदा के जनजाति को दी गई भूमि को संदर्भित करता है, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र यरूशलेम के दक्षिण में स्थित है।

- यहूदा ने ही अपने भाइयों को राय दी थी कि यूसुफ को गड्ढे में मरने के लिए छोड़ने की अपेक्षा उसे बेच दिया जाए।
- राजा दाऊद और उसके बाद के सब राजा यहूदा के वंशज थे। यीशु भी यहूदा का वंशज था।
- सुलैमान के बाद जब इस्राएल राज्य का विभाजन हो गया था तब यहूदा राज्य इस्राएल का दक्षिणी क्षेत्र हुआ।
- नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक यीशु को “यहूदा का सिंह” कहा गया है।
- “यहूदी” और “यहूदिया” शब्द “यहूदा” से ही व्युत्पन्न शब्द हैं।

(यह भी देखें: इस्राएल, यहूदी, यहूदा, यहूदिया, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 01:9-10
- उत्पत्ति 29:35
- उत्पत्ति 38:1-2
- लूका 03:33-35
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3063

यहूदा

तथ्य:

यहूदा याकूब के बड़े बेटों में से एक था। उनकी मां लिआ थी। उनके वंशजों को "यहूदा का गोत्र" कहा जाता था। जब भूमि के एक क्षेत्र के नाम के रूप में उपयोग किया जाता है, तो "यहूदा" शब्द यहूदा के जनजाति को दी गई भूमि को संदर्भित करता है, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र यरूशलेम के दक्षिण में स्थित है।

- यहूदा ने ही अपने भाइयों को राय दी थी कि यूसुफ को गड्ढे में मरने के लिए छोड़ने की अपेक्षा उसे बेच दिया जाए।
- राजा दाऊद और उसके बाद के सब राजा यहूदा के वंशज थे। यीशु भी यहूदा का वंशज था।
- सुलैमान के बाद जब इस्राएल राज्य का विभाजन हो गया था तब यहूदा राज्य इस्राएल का दक्षिणी क्षेत्र हुआ।
- नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक यीशु को “यहूदा का सिंह” कहा गया है।
- “यहूदी” और “यहूदिया” शब्द “यहूदा” से ही व्युत्पन्न शब्द हैं।

(यह भी देखें: इस्राएल, यहूदी, यहूदा, यहूदिया, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2

- 1 राजा 01:9-10
- उत्पत्ति 29:35
- उत्पत्ति 38:1-2
- लूका 03:33-35
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3063

यहूदा

तथ्य:

यहूदा याकूब के बड़े बेटों में से एक था। उनकी मां लिआ थी। उनके वंशजों को "यहूदा का गोत्र" कहा जाता था। जब भूमि के एक क्षेत्र के नाम के रूप में उपयोग किया जाता है, तो "यहूदा" शब्द यहूदा के जनजाति को दी गई भूमि को संदर्भित करता है, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र यरूशलेम के दक्षिण में स्थित है।

- यहूदा ने ही अपने भाइयों को राय दी थी कि यूसुफ को गड्ढे में मरने के लिए छोड़ने की अपेक्षा उसे बेच दिया जाए।
- राजा दाऊद और उसके बाद के सब राजा यहूदा के वंशज थे। यीशु भी यहूदा का वंशज था।
- सुलैमान के बाद जब इस्राएल राज्य का विभाजन हो गया था तब यहूदा राज्य इस्राएल का दक्षिणी क्षेत्र हुआ।
- नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक यीशु को “यहूदा का सिंह” कहा गया है।
- “यहूदी” और “यहूदिया” शब्द “यहूदा” से ही व्युत्पन्न शब्द हैं।

(यह भी देखें: इस्राएल, यहूदी, यहूदा, यहूदिया, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 01:9-10
- उत्पत्ति 29:35
- उत्पत्ति 38:1-2
- लूका 03:33-35
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3063

यहूदा

तथ्य:

यहूदा याकूब के बड़े बेटों में से एक था। उनकी मां लिआ थी। उनके वंशजों को "यहूदा का गोत्र" कहा जाता था। जब भूमि के एक क्षेत्र के नाम के रूप में उपयोग किया जाता है, तो "यहूदा" शब्द यहूदा के जनजाति को दी गई भूमि को संदर्भित करता है, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र यरूशलेम के दक्षिण में स्थित है।

- यहूदा ने ही अपने भाइयों को राय दी थी कि यूसुफ को गड्ढे में मरने के लिए छोड़ने की अपेक्षा उसे बेच दिया जाए।
- राजा दाऊद और उसके बाद के सब राजा यहूदा के वंशज थे। यीशु भी यहूदा का वंशज था।
- सुलैमान के बाद जब इस्राएल राज्य का विभाजन हो गया था तब यहूदा राज्य इस्राएल का दक्षिणी क्षेत्र हुआ।
- नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक यीशु को “यहूदा का सिंह” कहा गया है।
- “यहूदी” और “यहूदिया” शब्द “यहूदा” से ही व्युत्पन्न शब्द हैं।

(यह भी देखें: इस्राएल, यहूदी, यहूदा, यहूदिया, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 01:9-10
- उत्पत्ति 29:35
- उत्पत्ति 38:1-2

- लूका 03:33-35
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3063

यहूदा

तथ्य:

यहूदा याकूब के बड़े बेटों में से एक था। उनकी मां लिआ थी। उनके वंशजों को "यहूदा का गोत्र" कहा जाता था। जब भूमि के एक क्षेत्र के नाम के रूप में उपयोग किया जाता है, तो "यहूदा" शब्द यहूदा के जनजाति को दी गई भूमि को संदर्भित करता है, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र यरूशलेम के दक्षिण में स्थित है।

- यहूदा ने ही अपने भाइयों को राय दी थी कि यूसुफ को गड्ढे में मरने के लिए छोड़ने की अपेक्षा उसे बेच दिया जाए।
- राजा दाऊद और उसके बाद के सब राजा यहूदा के वंशज थे। यीशु भी यहूदा का वंशज था।
- सुलैमान के बाद जब इस्राएल राज्य का विभाजन हो गया था तब यहूदा राज्य इस्राएल का दक्षिणी क्षेत्र हुआ।
- नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक यीशु को “यहूदा का सिंह” कहा गया है।
- “यहूदी” और “यहूदिया” शब्द “यहूदा” से ही व्युत्पन्न शब्द हैं।

(यह भी देखें: इस्राएल, यहूदी, यहूदा, यहूदिया, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 01:9-10
- उत्पत्ति 29:35
- उत्पत्ति 38:1-2
- लूका 03:33-35
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3063

यहूदा

तथ्य:

यहूदा याकूब के बड़े बेटों में से एक था। उनकी मां लिआ थी। उनके वंशजों को "यहूदा का गोत्र" कहा जाता था। जब भूमि के एक क्षेत्र के नाम के रूप में उपयोग किया जाता है, तो "यहूदा" शब्द यहूदा के जनजाति को दी गई भूमि को संदर्भित करता है, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र यरूशलेम के दक्षिण में स्थित है।

- यहूदा ने ही अपने भाइयों को राय दी थी कि यूसुफ को गड्ढे में मरने के लिए छोड़ने की अपेक्षा उसे बेच दिया जाए।
- राजा दाऊद और उसके बाद के सब राजा यहूदा के वंशज थे। यीशु भी यहूदा का वंशज था।
- सुलैमान के बाद जब इस्राएल राज्य का विभाजन हो गया था तब यहूदा राज्य इस्राएल का दक्षिणी क्षेत्र हुआ।
- नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक यीशु को “यहूदा का सिंह” कहा गया है।
- “यहूदी” और “यहूदिया” शब्द “यहूदा” से ही व्युत्पन्न शब्द हैं।

(यह भी देखें: इस्राएल, यहूदी, यहूदा, यहूदिया, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 01:9-10
- उत्पत्ति 29:35
- उत्पत्ति 38:1-2
- लूका 03:33-35
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3063

यहूदा

तथ्य:

यहूदा याकूब के बड़े बेटों में से एक था। उनकी मां लिआ थी। उनके वंशजों को "यहूदा का गोत्र" कहा जाता था। जब भूमि के एक क्षेत्र के नाम के रूप में उपयोग किया जाता है, तो "यहूदा" शब्द यहूदा के जनजाति को दी गई भूमि को संदर्भित करता है, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र यरूशलेम के दक्षिण में स्थित है।

- यहूदा ने ही अपने भाइयों को राय दी थी कि यूसुफ को गड्ढे में मरने के लिए छोड़ने की अपेक्षा उसे बेच दिया जाए।
- राजा दाऊद और उसके बाद के सब राजा यहूदा के वंशज थे। यीशु भी यहूदा का वंशज था।
- सुलैमान के बाद जब इस्राएल राज्य का विभाजन हो गया था तब यहूदा राज्य इस्राएल का दक्षिणी क्षेत्र हुआ।
- नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक यीशु को “यहूदा का सिंह” कहा गया है।
- “यहूदी” और “यहूदिया” शब्द “यहूदा” से ही व्युत्पन्न शब्द हैं।

(यह भी देखें: इस्राएल, यहूदी, यहूदा, यहूदिया, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 01:9-10
- उत्पत्ति 29:35
- उत्पत्ति 38:1-2
- लूका 03:33-35
- रूत 01:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3063

यहूदा, यहूदा का राज्य

तथ्य:

यहूदा का गोत्र इस्राएल के बारह गोत्रों में सबसे बड़ा था। यहूदा राज्य यहूदा और बिन्यामीन गोत्रों से था।

- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल राज्य दो भागों में विभाजित हो गया था: इस्राएल और यहूदा राज्य। यहूदा राज्य, दक्षिणी राज्य था जो खारे ताल के पश्चिम में था।
- यहूदा राज्य की राजधानी यरूशलेम थी।
- यहूदा के आठ राजा यहोवा की आज्ञाओं पर चले और प्रजा को उसकी आराधना की प्रेरणा दी। यहूदा के अन्य राजा दुष्ट थे और उन्होंने प्रजा को मूर्तिपूजा के लिए प्रेरित किया।
- अश्शूरों द्वारा इस्राएल को पराजित करने के 120 वर्ष से अधिक समय बाद यहूदा राज्य बेबीलोन द्वारा पराजित किया गया। बेबीलोन की सेना ने नगर को और मन्दिर को नष्ट कर दिया और अधिकांश यहूदावासियों को बन्दी बनाकर ले गए।

(यह भी देखें: यहूदा, खारा ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 30:26-28
- 2 शमूएल 12:7-8
- होशे 05:14-15
- यिर्मयाह 07:33-34
- न्यायियों 01:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **18:07** केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- **18:10** यहूदा और इस्राएली राज्य शत्रु बन गए और अक्सर एक दूसरे के विरुद्ध लड़े।
- **18:13** यहूदा के राजा दाऊद के वंशज के थे। कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की। परन्तु बहुत से यहूदा के राजा दुष्ट, विकृत और मूर्तियों की उपासना करने वाले थे।
- **20:01** इस्राएल के राज्य और यहूदा के राज्य दोनों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया।
- **20:05** यहूदा राज्य के लोगों ने देखा कि परमेश्वर की आज्ञा का पालन न करने और उस पर विश्वास न रखने के कारण इस्राएलियों को उसने कैसे दण्डित किया। फिर भी उन्होंने कनानियों के देवताओं सहित मूर्तियों की उपासना करनी न छोड़ी।
- **20:06** अश्शूरियों द्वारा इस्राएली शासन को नष्ट करने के लगभग सौ वर्षों बाद, परमेश्वर ने बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर को भेजा, यहूदी शासन को नष्ट करने के लिए।
- **20:09** नबूकदनेस्सर और उसके सैनिक लगभग सभी यहूदियों को बंदी बनाकर बेबीलोन ले गए, वहाँ पर केवल कंगालों को छोड़ दिया गया ताकि वह वहा खेती कर सके

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4438, H3063

यहूदा, यहूदा का राज्य

तथ्य:

यहूदा का गोत्र इस्राएल के बारह गोत्रों में सबसे बड़ा था। यहूदा राज्य यहूदा और बिन्यामीन गोत्रों से था।

- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल राज्य दो भागों में विभाजित हो गया था: इस्राएल और यहूदा राज्य। यहूदा राज्य, दक्षिणी राज्य था जो खारे ताल के पश्चिम में था।
- यहूदा राज्य की राजधानी यरूशलेम थी।
- यहूदा के आठ राजा यहोवा की आज्ञाओं पर चले और प्रजा को उसकी आराधना की प्रेरणा दी। यहूदा के अन्य राजा दुष्ट थे और उन्होंने प्रजा को मूर्तिपूजा के लिए प्रेरित किया।
- अश्शूरों द्वारा इस्राएल को पराजित करने के 120 वर्ष से अधिक समय बाद यहूदा राज्य बेबीलोन द्वारा पराजित किया गया। बेबीलोन की सेना ने नगर को और मन्दिर को नष्ट कर दिया और अधिकांश यहूदावासियों को बन्दी बनाकर ले गए।

(यह भी देखें: यहूदा, खारा ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 30:26-28
- 2 शमूएल 12:7-8
- होशे 05:14-15
- यिर्मयाह 07:33-34
- न्यायियों 01:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **18:07** केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:10** यहूदा और इस्राएली राज्य शत्रु बन गए और अक्सर एक दूसरे के विरुद्ध लड़े।
- **18:13** यहूदा के राजा दाऊद के वंशज के थे। कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की। परन्तु बहुत से यहूदा के राजा दुष्ट, विकृत और मूर्तियों की उपासना करने वाले थे।
- **20:01** इस्राएल के राज्य और यहूदा के राज्य दोनों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया।
- **20:05** यहूदा राज्य के लोगों ने देखा कि परमेश्वर की आज्ञा का पालन न करने और उस पर विश्वास न रखने के कारण इस्राएलियों को उसने कैसे दण्डित किया। फिर भी उन्होंने कनानियों के देवताओं सहित मूर्तियों की उपासना करनी न छोड़ी।
- **20:06** अश्शूरियों द्वारा इस्राएली शासन को नष्ट करने के लगभग सौ वर्षों बाद, परमेश्वर ने बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर को भेजा, यहूदी शासन को नष्ट करने के लिए।
- **20:09** नबूकदनेस्सर और उसके सैनिक लगभग सभी यहूदियों को बंदी बनाकर बेबीलोन ले गए, वहाँ पर केवल कंगालों को छोड़ दिया गया ताकि वह वहा खेती कर सके

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4438, H3063

यहूदा, यहूदा का राज्य

तथ्य:

यहूदा का गोत्र इस्राएल के बारह गोत्रों में सबसे बड़ा था। यहूदा राज्य यहूदा और बिन्यामीन गोत्रों से था।

- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल राज्य दो भागों में विभाजित हो गया था: इस्राएल और यहूदा राज्य। यहूदा राज्य, दक्षिणी राज्य था जो खारे ताल के पश्चिम में था।
- यहूदा राज्य की राजधानी यरूशलेम थी।
- यहूदा के आठ राजा यहोवा की आज्ञाओं पर चले और प्रजा को उसकी आराधना की प्रेरणा दी। यहूदा के अन्य राजा दुष्ट थे और उन्होंने प्रजा को मूर्तिपूजा के लिए प्रेरित किया।
- अश्शूरों द्वारा इस्राएल को पराजित करने के 120 वर्ष से अधिक समय बाद यहूदा राज्य बेबीलोन द्वारा पराजित किया गया। बेबीलोन की सेना ने नगर को और मन्दिर को नष्ट कर दिया और अधिकांश यहूदावासियों को बन्दी बनाकर ले गए।

(यह भी देखें: यहूदा, खारा ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 30:26-28
- 2 शमूएल 12:7-8
- होशे 05:14-15
- यिर्मयाह 07:33-34
- न्यायियों 01:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **18:07** केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:10** यहूदा और इस्राएली राज्य शत्रु बन गए और अक्सर एक दूसरे के विरुद्ध लड़े।
- **18:13** यहूदा के राजा दाऊद के वंशज के थे। कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की। परन्तु बहुत से यहूदा के राजा दुष्ट, विकृत और मूर्तियों की उपासना करने वाले थे।
- **20:01** इस्राएल के राज्य और यहूदा के राज्य दोनों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया।
- **20:05** यहूदा राज्य के लोगों ने देखा कि परमेश्वर की आज्ञा का पालन न करने और उस पर विश्वास न रखने के कारण इस्राएलियों को उसने कैसे दण्डित किया। फिर भी उन्होंने कनानियों के देवताओं सहित मूर्तियों की उपासना करनी न छोड़ी।
- **20:06** अश्शूरियों द्वारा इस्राएली शासन को नष्ट करने के लगभग सौ वर्षों बाद, परमेश्वर ने बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर को भेजा, यहूदी शासन को नष्ट करने के लिए।
- **20:09** नबूकदनेस्सर और उसके सैनिक लगभग सभी यहूदियों को बंदी बनाकर बेबीलोन ले गए, वहाँ पर केवल कंगालों को छोड़ दिया गया ताकि वह वहा खेती कर सके

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4438, H3063

यहूदा, यहूदा का राज्य

तथ्य:

यहूदा का गोत्र इस्राएल के बारह गोत्रों में सबसे बड़ा था। यहूदा राज्य यहूदा और बिन्यामीन गोत्रों से था।

- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल राज्य दो भागों में विभाजित हो गया था: इस्राएल और यहूदा राज्य। यहूदा राज्य, दक्षिणी राज्य था जो खारे ताल के पश्चिम में था।
- यहूदा राज्य की राजधानी यरूशलेम थी।
- यहूदा के आठ राजा यहोवा की आज्ञाओं पर चले और प्रजा को उसकी आराधना की प्रेरणा दी। यहूदा के अन्य राजा दुष्ट थे और उन्होंने प्रजा को मूर्तिपूजा के लिए प्रेरित किया।
- अश्शूरों द्वारा इस्राएल को पराजित करने के 120 वर्ष से अधिक समय बाद यहूदा राज्य बेबीलोन द्वारा पराजित किया गया। बेबीलोन की सेना ने नगर को और मन्दिर को नष्ट कर दिया और अधिकांश यहूदावासियों को बन्दी बनाकर ले गए।

(यह भी देखें: यहूदा, खारा ताल)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 30:26-28
- 2 शमूएल 12:7-8
- होशे 05:14-15
- यिर्मयाह 07:33-34
- न्यायियों 01:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **18:07** केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:10** यहूदा और इस्राएली राज्य शत्रु बन गए और अक्सर एक दूसरे के विरुद्ध लड़े।
- **18:13** यहूदा के राजा दाऊद के वंशज के थे। कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की। परन्तु बहुत से यहूदा के राजा दुष्ट, विकृत और मूर्तियों की उपासना करने वाले थे।
- **20:01** इस्राएल के राज्य और यहूदा के राज्य दोनों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया।
- **20:05** यहूदा राज्य के लोगों ने देखा कि परमेश्वर की आज्ञा का पालन न करने और उस पर विश्वास न रखने के कारण इस्राएलियों को उसने कैसे दण्डित किया। फिर भी उन्होंने कनानियों के देवताओं सहित मूर्तियों की उपासना करनी न छोड़ी।
- **20:06** अश्शूरियों द्वारा इस्राएली शासन को नष्ट करने के लगभग सौ वर्षों बाद, परमेश्वर ने बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर को भेजा, यहूदी शासन को नष्ट करने के लिए।
- **20:09** नबूकदनेस्सर और उसके सैनिक लगभग सभी यहूदियों को बंदी बनाकर बेबीलोन ले गए, वहाँ पर केवल कंगालों को छोड़ दिया गया ताकि वह वहा खेती कर सके

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4438, H3063

यहूदा, यहूदा का राज्य

तथ्य:

यहूदा का गोत्र इस्राएल के बारह गोत्रों में सबसे बड़ा था। यहूदा राज्य यहूदा और बिन्यामीन गोत्रों से था।

- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल राज्य दो भागों में विभाजित हो गया था: इस्राएल और यहूदा राज्य। यहूदा राज्य, दक्षिणी राज्य था जो खारे ताल के पश्चिम में था।
- यहूदा राज्य की राजधानी यरूशलेम थी।
- यहूदा के आठ राजा यहोवा की आज्ञाओं पर चले और प्रजा को उसकी आराधना की प्रेरणा दी। यहूदा के अन्य राजा दुष्ट थे और उन्होंने प्रजा को मूर्तिपूजा के लिए प्रेरित किया।
- अश्शूरों द्वारा इस्राएल को पराजित करने के 120 वर्ष से अधिक समय बाद यहूदा राज्य बेबीलोन द्वारा पराजित किया गया। बेबीलोन की सेना ने नगर को और मन्दिर को नष्ट कर दिया और अधिकांश यहूदावासियों को बन्दी बनाकर ले गए।

(यह भी देखें: यहूदा, खारा ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 30:26-28
- 2 शमूएल 12:7-8
- होशे 05:14-15
- यिर्मयाह 07:33-34
- न्यायियों 01:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **18:07** केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:10** यहूदा और इस्राएली राज्य शत्रु बन गए और अक्सर एक दूसरे के विरुद्ध लड़े।
- **18:13** यहूदा के राजा दाऊद के वंशज के थे। कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की। परन्तु बहुत से यहूदा के राजा दुष्ट, विकृत और मूर्तियों की उपासना करने वाले थे।
- **20:01** इस्राएल के राज्य और यहूदा के राज्य दोनों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया।
- **20:05** यहूदा राज्य के लोगों ने देखा कि परमेश्वर की आज्ञा का पालन न करने और उस पर विश्वास न रखने के कारण इस्राएलियों को उसने कैसे दण्डित किया। फिर भी उन्होंने कनानियों के देवताओं सहित मूर्तियों की उपासना करनी न छोड़ी।

- **20:06** अश्शूरियों द्वारा इस्राएली शासन को नष्ट करने के लगभग सौ वर्षों बाद, परमेश्वर ने बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर को भेजा, यहूदी शासन को नष्ट करने के लिए।
- **20:09** नबूकदनेस्सर और उसके सैनिक लगभग सभी यहूदियों को बंदी बनाकर बेबीलोन ले गए, वहाँ पर केवल कंगालों को छोड़ दिया गया ताकि वह वहा खेती कर सके

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4438, H3063

यहूदा, यहूदा का राज्य

तथ्य:

यहूदा का गोत्र इस्राएल के बारह गोत्रों में सबसे बड़ा था। यहूदा राज्य यहूदा और बिन्यामीन गोत्रों से था।

- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल राज्य दो भागों में विभाजित हो गया था: इस्राएल और यहूदा राज्य। यहूदा राज्य, दक्षिणी राज्य था जो खारे ताल के पश्चिम में था।
- यहूदा राज्य की राजधानी यरूशलेम थी।
- यहूदा के आठ राजा यहोवा की आज्ञाओं पर चले और प्रजा को उसकी आराधना की प्रेरणा दी। यहूदा के अन्य राजा दुष्ट थे और उन्होंने प्रजा को मूर्तिपूजा के लिए प्रेरित किया।
- अश्शूरों द्वारा इस्राएल को पराजित करने के 120 वर्ष से अधिक समय बाद यहूदा राज्य बेबीलोन द्वारा पराजित किया गया। बेबीलोन की सेना ने नगर को और मन्दिर को नष्ट कर दिया और अधिकांश यहूदावासियों को बन्दी बनाकर ले गए।

(यह भी देखें: यहूदा, खारा ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 30:26-28
- 2 शमूएल 12:7-8
- होशे 05:14-15
- यिर्मयाह 07:33-34
- न्यायियों 01:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **18:07** केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:10** यहूदा और इस्राएली राज्य शत्रु बन गए और अक्सर एक दूसरे के विरुद्ध लड़े।
- **18:13** यहूदा के राजा दाऊद के वंशज के थे। कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की। परन्तु बहुत से यहूदा के राजा दुष्ट, विकृत और मूर्तियों की उपासना करने वाले थे।
- **20:01** इस्राएल के राज्य और यहूदा के राज्य दोनों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया।
- **20:05** यहूदा राज्य के लोगों ने देखा कि परमेश्वर की आज्ञा का पालन न करने और उस पर विश्वास न रखने के कारण इस्राएलियों को उसने कैसे दण्डित किया। फिर भी उन्होंने कनानियों के देवताओं सहित मूर्तियों की उपासना करनी न छोड़ी।
- **20:06** अश्शूरियों द्वारा इस्राएली शासन को नष्ट करने के लगभग सौ वर्षों बाद, परमेश्वर ने बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर को भेजा, यहूदी शासन को नष्ट करने के लिए।
- **20:09** नबूकदनेस्सर और उसके सैनिक लगभग सभी यहूदियों को बंदी बनाकर बेबीलोन ले गए, वहाँ पर केवल कंगालों को छोड़ दिया गया ताकि वह वहा खेती कर सके

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4438, H3063

यहूदा, यहूदा का राज्य

तथ्य:

यहूदा का गोत्र इस्राएल के बारह गोत्रों में सबसे बड़ा था। यहूदा राज्य यहूदा और बिन्यामीन गोत्रों से था।

- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल राज्य दो भागों में विभाजित हो गया था: इस्राएल और यहूदा राज्य। यहूदा राज्य, दक्षिणी राज्य था जो खारे ताल के पश्चिम में था।

- यहूदा राज्य की राजधानी यरूशलेम थी।
- यहूदा के आठ राजा यहोवा की आज्ञाओं पर चले और प्रजा को उसकी आराधना की प्रेरणा दी। यहूदा के अन्य राजा दुष्ट थे और उन्होंने प्रजा को मूर्तिपूजा के लिए प्रेरित किया।
- अश्शूरों द्वारा इस्राएल को पराजित करने के 120 वर्ष से अधिक समय बाद यहूदा राज्य बेबीलोन द्वारा पराजित किया गया। बेबीलोन की सेना ने नगर को और मन्दिर को नष्ट कर दिया और अधिकांश यहूदावासियों को बन्दी बनाकर ले गए।

(यह भी देखें: यहूदा, खारा ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 30:26-28
- 2 शमूएल 12:7-8
- होशे 05:14-15
- यिर्मयाह 07:33-34
- न्यायियों 01:16-17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **18:07** केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:10** यहूदा और इस्राएली राज्य शत्रु बन गए और अक्सर एक दूसरे के विरुद्ध लड़े।
- **18:13** यहूदा के राजा दाऊद के वंशज के थे। कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की। परन्तु बहुत से यहूदा के राजा दुष्ट, विकृत और मूर्तियों की उपासना करने वाले थे।
- **20:01** इस्राएल के राज्य और यहूदा के राज्य दोनों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया।
- **20:05** यहूदा राज्य के लोगों ने देखा कि परमेश्वर की आज्ञा का पालन न करने और उस पर विश्वास न रखने के कारण इस्राएलियों को उसने कैसे दण्डित किया। फिर भी उन्होंने कनानियों के देवताओं सहित मूर्तियों की उपासना करनी न छोड़ी।
- **20:06** अश्शूरियों द्वारा इस्राएली शासन को नष्ट करने के लगभग सौ वर्षों बाद, परमेश्वर ने बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर को भेजा, यहूदी शासन को नष्ट करने के लिए।
- **20:09** नबूकदनेस्सर और उसके सैनिक लगभग सभी यहूदियों को बंदी बनाकर बेबीलोन ले गए, वहाँ पर केवल कंगालों को छोड़ दिया गया ताकि वह वहा खेती कर सके

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4438, H3063

यहूदा, यहूदा का राज्य

तथ्य:

यहूदा का गोत्र इस्राएल के बारह गोत्रों में सबसे बड़ा था। यहूदा राज्य यहूदा और बिन्यामीन गोत्रों से था।

- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल राज्य दो भागों में विभाजित हो गया था: इस्राएल और यहूदा राज्य। यहूदा राज्य, दक्षिणी राज्य था जो खारे ताल के पश्चिम में था।
- यहूदा राज्य की राजधानी यरूशलेम थी।
- यहूदा के आठ राजा यहोवा की आज्ञाओं पर चले और प्रजा को उसकी आराधना की प्रेरणा दी। यहूदा के अन्य राजा दुष्ट थे और उन्होंने प्रजा को मूर्तिपूजा के लिए प्रेरित किया।
- अश्शूरों द्वारा इस्राएल को पराजित करने के 120 वर्ष से अधिक समय बाद यहूदा राज्य बेबीलोन द्वारा पराजित किया गया। बेबीलोन की सेना ने नगर को और मन्दिर को नष्ट कर दिया और अधिकांश यहूदावासियों को बन्दी बनाकर ले गए।

(यह भी देखें: यहूदा, खारा ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 30:26-28
- 2 शमूएल 12:7-8
- होशे 05:14-15
- यिर्मयाह 07:33-34
- न्यायियों 01:16-17

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **18:07** केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:10** यहूदा और इस्राएली राज्य शत्रु बन गए और अक्सर एक दूसरे के विरुद्ध लड़े।
- **18:13** यहूदा के राजा दाऊद के वंशज के थे। कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की। परन्तु बहुत से यहूदा के राजा दुष्ट, विकृत और मूर्तियों की उपासना करने वाले थे।
- **20:01** इस्राएल के राज्य और यहूदा के राज्य दोनों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया।
- **20:05** यहूदा राज्य के लोगों ने देखा कि परमेश्वर की आज्ञा का पालन न करने और उस पर विश्वास न रखने के कारण इस्राएलियों को उसने कैसे दण्डित किया। फिर भी उन्होंने कनानियों के देवताओं सहित मूर्तियों की उपासना करनी न छोड़ी।
- **20:06** अश्शूरियों द्वारा इस्राएली शासन को नष्ट करने के लगभग सौ वर्षों बाद, परमेश्वर ने बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर को भेजा, यहूदी शासन को नष्ट करने के लिए।
- **20:09** नबूकदनेस्सर और उसके सैनिक लगभग सभी यहूदियों को बंदी बनाकर बेबीलोन ले गए, वहाँ पर केवल कंगालों को छोड़ दिया गया ताकि वह वहा खेती कर सके

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4438, H3063

यहूदा इस्करियोती

तथ्य:

यहूदा इस्करियोती यीशु के शिष्यों में से एक था। उसने यीशु को छल करके यहूदी अगुओं के हाथों पकड़वा दिया था।

- इस्करियोती का अर्थ हो सकता है, “कारियोथवासी” संभवत: यूहदा उस नगर में पाला- पोसा गया था।
- यहूदा इस्करियोती शिष्यों का पैसा संभालता था और संभवत: उसमें से चोरी भी करता था।
- यहूदा ने धर्म के अगुओ को उसका पता बताकर उससे विश्वासघात किया और इस प्रकार उन्होंने यीशु को बन्दी बना लिया।
- जब धर्म के अगुओं ने यीशु को मृत्युदण्ड के योग्य ठहरा दिया तब यीशु के साथ विश्वासघात करने क लिए यहूदा पछताया और यहूदी अगुओं का पैसा लौटाकर आत्म-हत्या कर ली।
- एक और शिष्य का नाम यहूदा था तथा यीशु के भाई का नाम भी यहूदा था।

(यह भी देखें: प्रेरित, पकड़वाना, यहूदियों, याकूब का पुत्र यहूदा)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 06:14-16
- लूका 22:47-48
- मरकुस 03:17-19
- मरकुस 14:10-11
- मत्ती 26:23-25

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **38:02** 'यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था । ...यीशु और चेलों के यरूशलेम में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वास घात करने का प्रस्ताव रखा।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **38:14** यहूदा प्रधान याजकों, सैनिकों और एक बड़ी भीड़ को तलवार और लाठियों के साथ लाया। यहूदा यीशु के पास आया और कहा, “ नमस्कार, गुरु,” और उसे चूमा।
- **39:08** इसी दौरान जब यहूदा, विश्वासघाती ने देखा कि यहूदी याजक यीशु को अपराधी घोषित कर उसे मारना चाहते है। यह देख यहूदा शोक से भर गया और खुद को मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2455, G2469

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

यहूदा इस्करियोती

तथ्य:

यहूदा इस्करियोती यीशु के शिष्यों में से एक था। उसने यीशु को छल करके यहूदी अगुओं के हाथों पकड़वा दिया था।

- इस्करियोती का अर्थ हो सकता है, “कारियोथवासी” संभवतः यूहदा उस नगर में पाला- पोसा गया था।
- यहूदा इस्करियोती शिष्यों का पैसा संभालता था और संभवतः उसमें से चोरी भी करता था।
- यहूदा ने धर्म के अगुओ को उसका पता बताकर उससे विश्वासघात किया और इस प्रकार उन्होंने यीशु को बन्दी बना लिया।
- जब धर्म के अगुओं ने यीशु को मृत्युदण्ड के योग्य ठहरा दिया तब यीशु के साथ विश्वासघात करने क लिए यहूदा पछताया और यहूदी अगुओं का पैसा लौटाकर आत्म-हत्या कर ली।
- एक और शिष्य का नाम यहूदा था तथा यीशु के भाई का नाम भी यहूदा था।

(यह भी देखें: प्रेरित, पकड़वाना, यहूदियों, याकूब का पुत्र यहूदा)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 06:14-16
- लूका 22:47-48
- मरकुस 03:17-19
- मरकुस 14:10-11
- मत्ती 26:23-25

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **38:02** 'यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था । ...यीशु और चेलों के यरूशलेम में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वास घात करने का प्रस्ताव रखा।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **38:14** यहूदा प्रधान याजकों, सैनिकों और एक बड़ी भीड़ को तलवार और लाठियों के साथ लाया। यहूदा यीशु के पास आया और कहा, “ नमस्कार, गुरु,” और उसे चूमा।
- **39:08** इसी दौरान जब यहूदा, विश्वासघाती ने देखा कि यहूदी याजक यीशु को अपराधी घोषित कर उसे मारना चाहते है। यह देख यहूदा शोक से भर गया और खुद को मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2455, G2469

यहूदा इस्करियोती

तथ्य:

यहूदा इस्करियोती यीशु के शिष्यों में से एक था। उसने यीशु को छल करके यहूदी अगुओं के हाथों पकड़वा दिया था।

- इस्करियोती का अर्थ हो सकता है, “कारियोथवासी” संभवतः यूहदा उस नगर में पाला- पोसा गया था।
- यहूदा इस्करियोती शिष्यों का पैसा संभालता था और संभवतः उसमें से चोरी भी करता था।
- यहूदा ने धर्म के अगुओ को उसका पता बताकर उससे विश्वासघात किया और इस प्रकार उन्होंने यीशु को बन्दी बना लिया।
- जब धर्म के अगुओं ने यीशु को मृत्युदण्ड के योग्य ठहरा दिया तब यीशु के साथ विश्वासघात करने क लिए यहूदा पछताया और यहूदी अगुओं का पैसा लौटाकर आत्म-हत्या कर ली।
- एक और शिष्य का नाम यहूदा था तथा यीशु के भाई का नाम भी यहूदा था।

(यह भी देखें: प्रेरित, पकड़वाना, यहूदियों, याकूब का पुत्र यहूदा)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 06:14-16
- लूका 22:47-48
- मरकुस 03:17-19
- मरकुस 14:10-11
- मत्ती 26:23-25

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **38:02** 'यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था । ...यीशु और चेलों के यरूशलेम में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वास घात करने का प्रस्ताव रखा।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **38:14** यहूदा प्रधान याजकों, सैनिकों और एक बड़ी भीड़ को तलवार और लाठियों के साथ लाया। यहूदा यीशु के पास आया और कहा, " नमस्कार, गुरु," और उसे चूमा।
- **39:08** इसी दौरान जब यहूदा, विश्वासघाती ने देखा कि यहूदी याजक यीशु को अपराधी घोषित कर उसे मारना चाहते है। यह देख यहूदा शोक से भर गया और खुद को मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2455, G2469

यहूदा इस्करियोती

तथ्य:

यहूदा इस्करियोती यीशु के शिष्यों में से एक था। उसने यीशु को छल करके यहूदी अगुओं के हाथों पकड़वा दिया था।

- इस्करियोती का अर्थ हो सकता है, "कारियोथवासी" संभवतः यूहदा उस नगर में पाला- पोसा गया था।
- यहूदा इस्करियोती शिष्यों का पैसा संभालता था और संभवतः उसमें से चोरी भी करता था।
- यहूदा ने धर्म के अगुओ को उसका पता बताकर उससे विश्वासघात किया और इस प्रकार उन्होंने यीशु को बन्दी बना लिया।
- जब धर्म के अगुओं ने यीशु को मृत्युदण्ड के योग्य ठहरा दिया तब यीशु के साथ विश्वासघात करने क लिए यहूदा पछताया और यहूदी अगुओं का पैसा लौटाकर आत्म-हत्या कर ली।
- एक और शिष्य का नाम यहूदा था तथा यीशु के भाई का नाम भी यहूदा था।

(यह भी देखें: प्रेरित, पकड़वाना, यहूदियों, याकूब का पुत्र यहूदा)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 06:14-16
- लूका 22:47-48
- मरकुस 03:17-19
- मरकुस 14:10-11
- मत्ती 26:23-25

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **38:02** 'यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था । ...यीशु और चेलों के यरूशलेम में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वास घात करने का प्रस्ताव रखा।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **38:14** यहूदा प्रधान याजकों, सैनिकों और एक बड़ी भीड़ को तलवार और लाठियों के साथ लाया। यहूदा यीशु के पास आया और कहा, " नमस्कार, गुरु," और उसे चूमा।
- **39:08** इसी दौरान जब यहूदा, विश्वासघाती ने देखा कि यहूदी याजक यीशु को अपराधी घोषित कर उसे मारना चाहते है। यह देख यहूदा शोक से भर गया और खुद को मार डाला।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2455, G2469

यहूदिया

तथ्य:

"यहूदिया" प्राचीन इस्राएल के एक भू-भाग को कहा जाता था। इस शब्द का उपयोग कभी संकीर्ण अर्थ में तो कभी वृहत् अर्थ में किया गया है

- संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का संदर्भ प्राचीन इस्राएल, दक्षिणी भाग, मृत-सागर के पश्चिमी क्षेत्र से था। कुछ अनुवादों में इस क्षेत्र को "यहूदा" कहा गया है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- व्यापक अर्थ में यहूदिया शब्द प्राचीन इस्राएल के सब प्रान्तों, गलील, सामरिया, पेरिया, इदुमिया, यहूदिया (यहूदा) आदि सर्वसमाहित क्षेत्रों के संदर्भ में था।
- यदि अनुवादक स्पष्टता को स्पष्ट करना चाहते हैं, तो यहूदिया का व्यापक अर्थ "यहूदी देश" और संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का अनुवाद “यहूदिया प्रान्त” या “यहूदा प्रान्त” किया जा सकता है क्योंकि यह प्राचीन इस्राएल का वह भूभाग था जहां यहूदा का गोत्र वास करता था।

(यह भी देखें: गलील, एदोम, यहूदा, यहूदा, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 02:8-11
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 12:18-19
- यूहन्ना 03:22-24
- लूका 01:5-7
- लूका 04:42-44
- लूका 05:17
- मरकुस 10:1-4
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 19:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3061, G2453

यहूदिया

तथ्य:

“यहूदिया” प्राचीन इस्राएल के एक भू-भाग को कहा जाता था। इस शब्द का उपयोग कभी संकीर्ण अर्थ में तो कभी वृहत् अर्थ में किया गया है

- संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का संदर्भ प्राचीन इस्राएल, दक्षिणी भाग, मृत-सागर के पश्चिमी क्षेत्र से था। कुछ अनुवादों में इस क्षेत्र को “यहूदा” कहा गया है।
- व्यापक अर्थ में यहूदिया शब्द प्राचीन इस्राएल के सब प्रान्तों, गलील, सामरिया, पेरिया, इदुमिया, यहूदिया (यहूदा) आदि सर्वसमाहित क्षेत्रों के संदर्भ में था।
- यदि अनुवादक स्पष्टता को स्पष्ट करना चाहते हैं, तो यहूदिया का व्यापक अर्थ "यहूदी देश" और संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का अनुवाद “यहूदिया प्रान्त” या “यहूदा प्रान्त” किया जा सकता है क्योंकि यह प्राचीन इस्राएल का वह भूभाग था जहां यहूदा का गोत्र वास करता था।

(यह भी देखें: गलील, एदोम, यहूदा, यहूदा, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 02:8-11
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 12:18-19
- यूहन्ना 03:22-24
- लूका 01:5-7
- लूका 04:42-44
- लूका 05:17
- मरकुस 10:1-4
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 19:1-2

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3061, G2453

यहूदिया

तथ्य:

“यहूदिया” प्राचीन इस्राएल के एक भू-भाग को कहा जाता था। इस शब्द का उपयोग कभी संकीर्ण अर्थ में तो कभी वृहत् अर्थ में किया गया है

- संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का संदर्भ प्राचीन इस्राएल, दक्षिणी भाग, मृत-सागर के पश्चिमी क्षेत्र से था। कुछ अनुवादों में इस क्षेत्र को “यहूदा” कहा गया है।
- व्यापक अर्थ में यहूदिया शब्द प्राचीन इस्राएल के सब प्रान्तों, गलील, सामरिया, पेरिया, इदुमिया, यहूदिया (यहूदा) आदि सर्वसमाहित क्षेत्रों के संदर्भ में था।
- यदि अनुवादक स्पष्टता को स्पष्ट करना चाहते हैं, तो यहूदिया का व्यापक अर्थ "यहूदी देश" और संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का अनुवाद “यहूदिया प्रान्त” या “यहूदा प्रान्त” किया जा सकता है क्योंकि यह प्राचीन इस्राएल का वह भूभाग था जहां यहूदा का गोत्र वास करता था।

(यह भी देखें: गलील, एदोम, यहूदा, यहूदा, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 02:8-11
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 12:18-19
- यूहन्ना 03:22-24
- लूका 01:5-7
- लूका 04:42-44
- लूका 05:17
- मरकुस 10:1-4
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 19:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3061, G2453

यहूदिया

तथ्य:

“यहूदिया” प्राचीन इस्राएल के एक भू-भाग को कहा जाता था। इस शब्द का उपयोग कभी संकीर्ण अर्थ में तो कभी वृहत् अर्थ में किया गया है

- संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का संदर्भ प्राचीन इस्राएल, दक्षिणी भाग, मृत-सागर के पश्चिमी क्षेत्र से था। कुछ अनुवादों में इस क्षेत्र को “यहूदा” कहा गया है।
- व्यापक अर्थ में यहूदिया शब्द प्राचीन इस्राएल के सब प्रान्तों, गलील, सामरिया, पेरिया, इदुमिया, यहूदिया (यहूदा) आदि सर्वसमाहित क्षेत्रों के संदर्भ में था।
- यदि अनुवादक स्पष्टता को स्पष्ट करना चाहते हैं, तो यहूदिया का व्यापक अर्थ "यहूदी देश" और संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का अनुवाद “यहूदिया प्रान्त” या “यहूदा प्रान्त” किया जा सकता है क्योंकि यह प्राचीन इस्राएल का वह भूभाग था जहां यहूदा का गोत्र वास करता था।

(यह भी देखें: गलील, एदोम, यहूदा, यहूदा, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 02:8-11

- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 12:18-19
- यूहन्ना 03:22-24
- लूका 01:5-7
- लूका 04:42-44
- लूका 05:17
- मरकुस 10:1-4
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 19:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3061, G2453

यहूदिया

तथ्य:

“यहूदिया” प्राचीन इस्राएल के एक भू-भाग को कहा जाता था। इस शब्द का उपयोग कभी संकीर्ण अर्थ में तो कभी वृहत् अर्थ में किया गया है

- संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का संदर्भ प्राचीन इस्राएल, दक्षिणी भाग, मृत-सागर के पश्चिमी क्षेत्र से था। कुछ अनुवादों में इस क्षेत्र को “यहूदा” कहा गया है।
- व्यापक अर्थ में यहूदिया शब्द प्राचीन इस्राएल के सब प्रान्तों, गलील, सामरिया, पेरिया, इदुमिया, यहूदिया (यहूदा) आदि सर्वसमाहित क्षेत्रों के संदर्भ में था।
- यदि अनुवादक स्पष्टता को स्पष्ट करना चाहते हैं, तो यहूदिया का व्यापक अर्थ "यहूदी देश" और संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का अनुवाद “यहूदिया प्रान्त” या “यहूदा प्रान्त” किया जा सकता है क्योंकि यह प्राचीन इस्राएल का वह भूभाग था जहां यहूदा का गोत्र वास करता था।

(यह भी देखें: गलील, एदोम, यहूदा, यहूदा, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 02:8-11
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 12:18-19
- यूहन्ना 03:22-24
- लूका 01:5-7
- लूका 04:42-44
- लूका 05:17
- मरकुस 10:1-4
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 19:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3061, G2453

यहूदिया

तथ्य:

“यहूदिया” प्राचीन इस्राएल के एक भू-भाग को कहा जाता था। इस शब्द का उपयोग कभी संकीर्ण अर्थ में तो कभी वृहत् अर्थ में किया गया है

- संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का संदर्भ प्राचीन इस्राएल, दक्षिणी भाग, मृत-सागर के पश्चिमी क्षेत्र से था। कुछ अनुवादों में इस क्षेत्र को “यहूदा” कहा गया है।
- व्यापक अर्थ में यहूदिया शब्द प्राचीन इस्राएल के सब प्रान्तों, गलील, सामरिया, पेरिया, इदुमिया, यहूदिया (यहूदा) आदि सर्वसमाहित क्षेत्रों के संदर्भ में था।
- यदि अनुवादक स्पष्टता को स्पष्ट करना चाहते हैं, तो यहूदिया का व्यापक अर्थ "यहूदी देश" और संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का अनुवाद “यहूदिया प्रान्त” या “यहूदा प्रान्त” किया जा सकता है क्योंकि यह प्राचीन इस्राएल का वह भूभाग था जहां यहूदा का गोत्र वास करता था।

(यह भी देखें: गलील, एदोम, यहूदा, यहूदा, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 02:8-11
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 12:18-19
- यूहन्ना 03:22-24
- लूका 01:5-7
- लूका 04:42-44
- लूका 05:17
- मरकुस 10:1-4
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 19:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3061, G2453

यहूदिया

तथ्य:

“यहूदिया” प्राचीन इस्राएल के एक भू-भाग को कहा जाता था। इस शब्द का उपयोग कभी संकीर्ण अर्थ में तो कभी वृहत् अर्थ में किया गया है

- संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का संदर्भ प्राचीन इस्राएल, दक्षिणी भाग, मृत-सागर के पश्चिमी क्षेत्र से था। कुछ अनुवादों में इस क्षेत्र को “यहूदा” कहा गया है।
- व्यापक अर्थ में यहूदिया शब्द प्राचीन इस्राएल के सब प्रान्तों, गलील, सामरिया, पेरिया, इदुमिया, यहूदिया (यहूदा) आदि सर्वसमाहित क्षेत्रों के संदर्भ में था।
- यदि अनुवादक स्पष्टता को स्पष्ट करना चाहते हैं, तो यहूदिया का व्यापक अर्थ "यहूदी देश" और संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का अनुवाद “यहूदिया प्रान्त” या “यहूदा प्रान्त” किया जा सकता है क्योंकि यह प्राचीन इस्राएल का वह भूभाग था जहां यहूदा का गोत्र वास करता था।

(यह भी देखें: गलील, एदोम, यहूदा, यहूदा, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 02:8-11
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 12:18-19
- यूहन्ना 03:22-24
- लूका 01:5-7

- लूका 04:42-44
- लूका 05:17
- मरकुस 10:1-4
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 19:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3061, G2453

यहूदिया

तथ्य:

“यहूदिया” प्राचीन इस्राएल के एक भू-भाग को कहा जाता था। इस शब्द का उपयोग कभी संकीर्ण अर्थ में तो कभी वृहत् अर्थ में किया गया है

- संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का संदर्भ प्राचीन इस्राएल, दक्षिणी भाग, मृत-सागर के पश्चिमी क्षेत्र से था। कुछ अनुवादों में इस क्षेत्र को “यहूदा” कहा गया है।
- व्यापक अर्थ में यहूदिया शब्द प्राचीन इस्राएल के सब प्रान्तों, गलील, सामरिया, पेरिया, इदुमिया, यहूदिया (यहूदा) आदि सर्वसमाहित क्षेत्रों के संदर्भ में था।
- यदि अनुवादक स्पष्टता को स्पष्ट करना चाहते हैं, तो यहूदिया का व्यापक अर्थ "यहूदी देश" और संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का अनुवाद “यहूदिया प्रान्त” या “यहूदा प्रान्त” किया जा सकता है क्योंकि यह प्राचीन इस्राएल का वह भूभाग था जहां यहूदा का गोत्र वास करता था।

(यह भी देखें: गलील, एदोम, यहूदा, यहूदा, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 02:8-11
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 12:18-19
- यूहन्ना 03:22-24
- लूका 01:5-7
- लूका 04:42-44
- लूका 05:17
- मरकुस 10:1-4
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 19:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3061, G2453

यहूदिया

तथ्य:

“यहूदिया” प्राचीन इस्राएल के एक भू-भाग को कहा जाता था। इस शब्द का उपयोग कभी संकीर्ण अर्थ में तो कभी वृहत् अर्थ में किया गया है

- संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का संदर्भ प्राचीन इस्राएल, दक्षिणी भाग, मृत-सागर के पश्चिमी क्षेत्र से था। कुछ अनुवादों में इस क्षेत्र को “यहूदा” कहा गया है।
- व्यापक अर्थ में यहूदिया शब्द प्राचीन इस्राएल के सब प्रान्तों, गलील, सामरिया, पेरिया, इदुमिया, यहूदिया (यहूदा) आदि सर्वसमाहित क्षेत्रों के संदर्भ में था।

- यदि अनुवादक स्पष्टता को स्पष्ट करना चाहते हैं, तो यहूदिया का व्यापक अर्थ "यहूदी देश" और संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का अनुवाद “यहूदिया प्रान्त” या “यहूदा प्रान्त” किया जा सकता है क्योंकि यह प्राचीन इस्राएल का वह भूभाग था जहां यहूदा का गोत्र वास करता था।

(यह भी देखें: गलील, एदोम, यहूदा, यहूदा, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- प्रे.का. 02:8-11
- प्रे.का. 09:31-32
- प्रे.का. 12:18-19
- यूहन्ना 03:22-24
- लूका 01:5-7
- लूका 04:42-44
- लूका 05:17
- मरकुस 10:1-4
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 19:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3061, G2453

यहूदियों, यहूदी

तथ्य:

“यहूदी अगुवे” या “यहूदियों के हाकिम” अर्थात धर्म के अगुवे जैसे पुरोहित और परमेश्वर के वचन के शिक्षक। उन्हें धर्म की अपेक्षा अन्य विषयों के संबन्ध में भी निर्णय देने का अधिकार था।

- यहूदियों के अगुवे थे प्रधान पुरोहित, प्रमुख पुरोहित और विधि शिक्षक (परमेश्वर प्रदत्त विधान के शिक्षक)
- यहूदी अगुवों के प्रमुख पंथों में थे फरीसी और सदूकी।
- यरूशलेम की महासभा में विधान संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए सत्तर यहूदी अगुवे एकत्र हुए थे।
- अनेक यहूदी अगुवे घमण्डी थे और अपने आप को धर्मपरायण समझते थे। * वे यीशु से ईर्ष्या करते थे और उसे हानि पहुंचाना चाहते थे। वे परमेश्वर को जानने का दावा तो करते थे, परन्तु उसकी आज्ञाओं को नहीं मानते थे।
- “यहूदी” शब्द अधिकतर यहूदी अगुवों के लिए काम में लिया जाता था। विशेष करके जब वे यीशु पर कुपित होकर उसे जाल में फंसाना चाहते थे या उसे हानि पहुंचाना चाहते थे।
- इन शब्दों का अनुवाद किया जा सकता है, “यहूदी शासक” या “यहूदियों के प्रशासनिक अधिकारी” या “यहूदी धर्मगुरू”

(यह भी देखें: यहूदी, प्रधान याजकों, महासभा, महायाजक, फ़रीसी, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 16:22-23
- यूहन्ना 02:17-19
- यूहन्ना 05:10-11
- यूहन्ना 05:16-18
- लूका 19:47-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:03** उन्होंने अपने-अपने पापों को मानकर, बपतिस्मा लिया, बहुत से धर्मी याजक यूहन्ना से बपतिस्मा लेने को आए, परन्तु उन्होंने अपने पापों का अंगीकार न किया |
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।

- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है।”
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।
- **39:11** परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।”
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा।
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि __यहूदी याजक __पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2453

यहूदियों, यहूदी

तथ्य:

“यहूदी अगुवे” या “यहूदियों के हाकिम” अर्थात धर्म के अगुवे जैसे पुरोहित और परमेश्वर के वचन के शिक्षक। उन्हें धर्म की अपेक्षा अन्य विषयों के संबन्ध में भी निर्णय देने का अधिकार था।

- यहूदियों के अगुवे थे प्रधान पुरोहित, प्रमुख पुरोहित और विधि शिक्षक (परमेश्वर प्रदत्त विधान के शिक्षक)
- यहूदी अगुवों के प्रमुख पंथों में थे फरीसी और सदूकी।
- यरूशलेम की महासभा में विधान संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए सत्तर यहूदी अगुवे एकत्र हुए थे।
- अनेक यहूदी अगुवे घमण्डी थे और अपने आप को धर्मपरायण समझते थे। * वे यीशु से ईर्ष्या करते थे और उसे हानि पहुंचाना चाहते थे। वे परमेश्वर को जानने का दावा तो करते थे, परन्तु उसकी आज्ञाओं को नहीं मानते थे।
- “यहूदी” शब्द अधिकतर यहूदी अगुवों के लिए काम में लिया जाता था। विशेष करके जब वे यीशु पर कुपित होकर उसे जाल में फंसाना चाहते थे या उसे हानि पहुंचाना चाहते थे।
- इन शब्दों का अनुवाद किया जा सकता है, “यहूदी शासक” या “यहूदियों के प्रशासनिक अधिकारी” या “यहूदी धर्मगुरू”

(यह भी देखें: यहूदी, प्रधान याजकों, महासभा, महायाजक, फरीसी, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 16:22-23
- यूहन्ना 02:17-19
- यूहन्ना 05:10-11
- यूहन्ना 05:16-18
- लूका 19:47-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:03** उन्होंने अपने-अपने पापों को मानकर, बपतिस्मा लिया, बहुत से धर्मी याजक यूहन्ना से बपतिस्मा लेने को आए, परन्तु उन्होंने अपने पापों का अंगीकार न किया |
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है।”
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।
- **39:11** परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।”
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा।
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि __यहूदी याजक __पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2453

यहूदियों, यहूदी

तथ्य:

“यहूदी अगुवे” या “यहूदियों के हाकिम” अर्थात धर्म के अगुवे जैसे पुरोहित और परमेश्वर के वचन के शिक्षक। उन्हें धर्म की अपेक्षा अन्य विषयों के संबन्ध में भी निर्णय देने का अधिकार था।

- यहूदियों के अगुवे थे प्रधान पुरोहित, प्रमुख पुरोहित और विधि शिक्षक (परमेश्वर प्रदत्त विधान के शिक्षक)
- यहूदी अगुवों के प्रमुख पंथों में थे फरीसी और सदूकी।
- यरूशलेम की महासभा में विधान संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए सत्तर यहूदी अगुवे एकत्र हुए थे।
- अनेक यहूदी अगुवे घमण्डी थे और अपने आप को धर्मपरायण समझते थे। * वे यीशु से ईर्ष्या करते थे और उसे हानि पहुंचाना चाहते थे। वे परमेश्वर को जानने का दावा तो करते थे, परन्तु उसकी आज्ञाओं को नहीं मानते थे।
- “यहूदी” शब्द अधिकतर यहूदी अगुवों के लिए काम में लिया जाता था। विशेष करके जब वे यीशु पर कुपित होकर उसे जाल में फंसाना चाहते थे या उसे हानि पहुंचाना चाहते थे।
- इन शब्दों का अनुवाद किया जा सकता है, “यहूदी शासक” या “यहूदियों के प्रशासनिक अधिकारी” या “यहूदी धर्मगुरू”

(यह भी देखें: यहूदी, प्रधान याजकों, महासभा, महायाजक, फरीसी, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 16:22-23
- यूहन्ना 02:17-19
- यूहन्ना 05:10-11
- यूहन्ना 05:16-18
- लूका 19:47-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:03** उन्होंने अपने-अपने पापों को मानकर, बपतिस्मा लिया, बहुत से धर्मी याजक यूहन्ना से बपतिस्मा लेने को आए, परन्तु उन्होंने अपने पापों का अंगीकार न किया |
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है।”
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।
- **39:11** परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।”
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा।
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि __यहूदी याजक __पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2453

यहूदियों, यहूदी

तथ्य:

“यहूदी अगुवे” या “यहूदियों के हाकिम” अर्थात धर्म के अगुवे जैसे पुरोहित और परमेश्वर के वचन के शिक्षक। उन्हें धर्म की अपेक्षा अन्य विषयों के संबन्ध में भी निर्णय देने का अधिकार था।

- यहूदियों के अगुवे थे प्रधान पुरोहित, प्रमुख पुरोहित और विधि शिक्षक (परमेश्वर प्रदत्त विधान के शिक्षक)
- यहूदी अगुवों के प्रमुख पंथों में थे फरीसी और सदूकी।
- यरूशलेम की महासभा में विधान संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए सत्तर यहूदी अगुवे एकत्र हुए थे।
- अनेक यहूदी अगुवे घमण्डी थे और अपने आप को धर्मपरायण समझते थे। * वे यीशु से ईर्ष्या करते थे और उसे हानि पहुंचाना चाहते थे। वे परमेश्वर को जानने का दावा तो करते थे, परन्तु उसकी आज्ञाओं को नहीं मानते थे।
- “यहूदी” शब्द अधिकतर यहूदी अगुवों के लिए काम में लिया जाता था। विशेष करके जब वे यीशु पर कुपित होकर उसे जाल में फंसाना चाहते थे या उसे हानि पहुंचाना चाहते थे।

- इन शब्दों का अनुवाद किया जा सकता है, “यहूदी शासक” या “यहूदियों के प्रशासनिक अधिकारी” या “यहूदी धर्मगुरू”

(यह भी देखें: यहूदी, प्रधान याजकों, महासभा, महायाजक, फरीसी, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 16:22-23
- यूहन्ना 02:17-19
- यूहन्ना 05:10-11
- यूहन्ना 05:16-18
- लूका 19:47-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:03** उन्होंने अपने-अपने पापों को मानकर, बपतिस्मा लिया, बहुत से धर्मी याजक यूहन्ना से बपतिस्मा लेने को आए, परन्तु उन्होंने अपने पापों का अंगीकार न किया |
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है।”
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।
- **39:11** परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।”
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा।
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि __यहूदी याजक __पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2453

यहूदियों, यहूदी

तथ्य:

“यहूदी अगुवे” या “यहूदियों के हाकिम” अर्थात धर्म के अगुवे जैसे पुरोहित और परमेश्वर के वचन के शिक्षक। उन्हें धर्म की अपेक्षा अन्य विषयों के संबन्ध में भी निर्णय देने का अधिकार था।

- यहूदियों के अगुवे थे प्रधान पुरोहित, प्रमुख पुरोहित और विधि शिक्षक (परमेश्वर प्रदत्त विधान के शिक्षक)
- यहूदी अगुवों के प्रमुख पंथों में थे फरीसी और सदूकी।
- यरूशलेम की महासभा में विधान संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए सत्तर यहूदी अगुवे एकत्र हुए थे।
- अनेक यहूदी अगुवे घमण्डी थे और अपने आप को धर्मपरायण समझते थे। * वे यीशु से ईर्ष्या करते थे और उसे हानि पहुंचाना चाहते थे। वे परमेश्वर को जानने का दावा तो करते थे, परन्तु उसकी आज्ञाओं को नहीं मानते थे।
- “यहूदी” शब्द अधिकतर यहूदी अगुवों के लिए काम में लिया जाता था। विशेष करके जब वे यीशु पर कुपित होकर उसे जाल में फंसाना चाहते थे या उसे हानि पहुंचाना चाहते थे।
- इन शब्दों का अनुवाद किया जा सकता है, “यहूदी शासक” या “यहूदियों के प्रशासनिक अधिकारी” या “यहूदी धर्मगुरू”

(यह भी देखें: यहूदी, प्रधान याजकों, महासभा, महायाजक, फरीसी, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 16:22-23
- यूहन्ना 02:17-19
- यूहन्ना 05:10-11
- यूहन्ना 05:16-18
- लूका 19:47-48

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:03** उन्होंने अपने-अपने पापों को मानकर, बपतिस्मा लिया, बहुत से धर्मी याजक यूहन्ना से बपतिस्मा लेने को आए, परन्तु उन्होंने अपने पापों का अंगीकार न किया |
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है।”
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।
- **39:11** परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।”
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा।
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि __यहूदी याजक __पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2453

यहूदियों, यहूदी

तथ्य:

“यहूदी अगुवे” या “यहूदियों के हाकिम” अर्थात धर्म के अगुवे जैसे पुरोहित और परमेश्वर के वचन के शिक्षक। उन्हें धर्म की अपेक्षा अन्य विषयों के संबन्ध में भी निर्णय देने का अधिकार था।

- यहूदियों के अगुवे थे प्रधान पुरोहित, प्रमुख पुरोहित और विधि शिक्षक (परमेश्वर प्रदत्त विधान के शिक्षक)
- यहूदी अगुवों के प्रमुख पंथों में थे फरीसी और सदूकी।
- यरूशलेम की महासभा में विधान संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए सत्तर यहूदी अगुवे एकत्र हुए थे।
- अनेक यहूदी अगुवे घमण्डी थे और अपने आप को धर्मपरायण समझते थे। * वे यीशु से ईर्ष्या करते थे और उसे हानि पहुंचाना चाहते थे। वे परमेश्वर को जानने का दावा तो करते थे, परन्तु उसकी आज्ञाओं को नहीं मानते थे।
- “यहूदी” शब्द अधिकतर यहूदी अगुवों के लिए काम में लिया जाता था। विशेष करके जब वे यीशु पर कुपित होकर उसे जाल में फंसाना चाहते थे या उसे हानि पहुंचाना चाहते थे।
- इन शब्दों का अनुवाद किया जा सकता है, “यहूदी शासक” या “यहूदियों के प्रशासनिक अधिकारी” या “यहूदी धर्मगुरू”

(यह भी देखें: यहूदी, प्रधान याजकों, महासभा, महायाजक, फरीसी, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 16:22-23
- यूहन्ना 02:17-19
- यूहन्ना 05:10-11
- यूहन्ना 05:16-18
- लूका 19:47-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:03** उन्होंने अपने-अपने पापों को मानकर, बपतिस्मा लिया, बहुत से धर्मी याजक यूहन्ना से बपतिस्मा लेने को आए, परन्तु उन्होंने अपने पापों का अंगीकार न किया |
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है।”
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।
- **39:11** परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।”
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा।
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि __यहूदी याजक __पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2453

यहूदियों, यहूदी

तथ्य:

“यहूदी अगुवे” या “यहूदियों के हाकिम” अर्थात धर्म के अगुवे जैसे पुरोहित और परमेश्वर के वचन के शिक्षक। उन्हें धर्म की अपेक्षा अन्य विषयों के संबन्ध में भी निर्णय देने का अधिकार था।

- यहूदियों के अगुवे थे प्रधान पुरोहित, प्रमुख पुरोहित और विधि शिक्षक (परमेश्वर प्रदत्त विधान के शिक्षक)
- यहूदी अगुवों के प्रमुख पंथों में थे फरीसी और सदूकी।
- यरूशलेम की महासभा में विधान संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए सत्तर यहूदी अगुवे एकत्र हुए थे।
- अनेक यहूदी अगुवे घमण्डी थे और अपने आप को धर्मपरायण समझते थे। * वे यीशु से ईर्ष्या करते थे और उसे हानि पहुंचाना चाहते थे। वे परमेश्वर को जानने का दावा तो करते थे, परन्तु उसकी आज्ञाओं को नहीं मानते थे।
- “यहूदी” शब्द अधिकतर यहूदी अगुवों के लिए काम में लिया जाता था। विशेष करके जब वे यीशु पर कुपित होकर उसे जाल में फंसाना चाहते थे या उसे हानि पहुंचाना चाहते थे।
- इन शब्दों का अनुवाद किया जा सकता है, “यहूदी शासक” या “यहूदियों के प्रशासनिक अधिकारी” या “यहूदी धर्मगुरू”

(यह भी देखें: यहूदी, प्रधान याजकों, महासभा, महायाजक, फरीसी, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 16:22-23
- यूहन्ना 02:17-19
- यूहन्ना 05:10-11
- यूहन्ना 05:16-18
- लूका 19:47-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:03** उन्होंने अपने-अपने पापों को मानकर, बपतिस्मा लिया, बहुत से धर्मी याजक यूहन्ना से बपतिस्मा लेने को आए, परन्तु उन्होंने अपने पापों का अंगीकार न किया |
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है।”
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।
- **39:11** परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।”
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा।
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि __यहूदी याजक __पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2453

यहूदियों, यहूदी

तथ्य:

“यहूदी अगुवे” या “यहूदियों के हाकिम” अर्थात धर्म के अगुवे जैसे पुरोहित और परमेश्वर के वचन के शिक्षक। उन्हें धर्म की अपेक्षा अन्य विषयों के संबन्ध में भी निर्णय देने का अधिकार था।

- यहूदियों के अगुवे थे प्रधान पुरोहित, प्रमुख पुरोहित और विधि शिक्षक (परमेश्वर प्रदत्त विधान के शिक्षक)
- यहूदी अगुवों के प्रमुख पंथों में थे फरीसी और सदूकी।
- यरूशलेम की महासभा में विधान संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए सत्तर यहूदी अगुवे एकत्र हुए थे।

- अनेक यहूदी अगुवे घमण्डी थे और अपने आप को धर्मपरायण समझते थे। * वे यीशु से ईर्ष्या करते थे और उसे हानि पहुंचाना चाहते थे। वे परमेश्वर को जानने का दावा तो करते थे, परन्तु उसकी आज्ञाओं को नहीं मानते थे।
- "यहूदी" शब्द अधिकतर यहूदी अगुवों के लिए काम में लिया जाता था। विशेष करके जब वे यीशु पर कुपित होकर उसे जाल में फंसाना चाहते थे या उसे हानि पहुंचाना चाहते थे।
- इन शब्दों का अनुवाद किया जा सकता है, "यहूदी शासक" या "यहूदियों के प्रशासनिक अधिकारी" या "यहूदी धर्मगुरू"

(यह भी देखें: यहूदी, प्रधान याजकों, महासभा, महायाजक, फरीसी, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 16:22-23
- यूहन्ना 02:17-19
- यूहन्ना 05:10-11
- यूहन्ना 05:16-18
- लूका 19:47-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:03** उन्होंने अपने-अपने पापों को मानकर, बपतिस्मा लिया, बहुत से धर्मी याजक यूहन्ना से बपतिस्मा लेने को आए, परन्तु उन्होंने अपने पापों का अंगीकार न किया |
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, "यह मरने के योग्य है।"
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।
- **39:11** परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, "इसे क्रूस में चढ़ा दो।"
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा।
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि __यहूदी याजक __पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2453

यहूदियों, यहूदी

तथ्य:

"यहूदी अगुवे" या "यहूदियों के हाकिम" अर्थात धर्म के अगुवे जैसे पुरोहित और परमेश्वर के वचन के शिक्षक। उन्हें धर्म की अपेक्षा अन्य विषयों के संबन्ध में भी निर्णय देने का अधिकार था।

- यहूदियों के अगुवे थे प्रधान पुरोहित, प्रमुख पुरोहित और विधि शिक्षक (परमेश्वर प्रदत्त विधान के शिक्षक)
- यहूदी अगुवों के प्रमुख पंथों में थे फरीसी और सदूकी।
- यरूशलेम की महासभा में विधान संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए सत्तर यहूदी अगुवे एकत्र हुए थे।
- अनेक यहूदी अगुवे घमण्डी थे और अपने आप को धर्मपरायण समझते थे। * वे यीशु से ईर्ष्या करते थे और उसे हानि पहुंचाना चाहते थे। वे परमेश्वर को जानने का दावा तो करते थे, परन्तु उसकी आज्ञाओं को नहीं मानते थे।
- "यहूदी" शब्द अधिकतर यहूदी अगुवों के लिए काम में लिया जाता था। विशेष करके जब वे यीशु पर कुपित होकर उसे जाल में फंसाना चाहते थे या उसे हानि पहुंचाना चाहते थे।
- इन शब्दों का अनुवाद किया जा सकता है, "यहूदी शासक" या "यहूदियों के प्रशासनिक अधिकारी" या "यहूदी धर्मगुरू"

(यह भी देखें: यहूदी, प्रधान याजकों, महासभा, महायाजक, फरीसी, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 16:22-23
- यूहन्ना 02:17-19
- यूहन्ना 05:10-11
- यूहन्ना 05:16-18

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- लूका 19:47-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:03** उन्होंने अपने-अपने पापों को मानकर, बपतिस्मा लिया, बहुत से धर्मी याजक यूहन्ना से बपतिस्मा लेने को आए, परन्तु उन्होंने अपने पापों का अंगीकार न किया |
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है।”
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।
- **39:11** परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।”
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा।
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि __यहूदी याजक __पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2453

यहूदियों, यहूदी

तथ्य:

“यहूदी अगुवे” या “यहूदियों के हाकिम” अर्थात धर्म के अगुवे जैसे पुरोहित और परमेश्वर के वचन के शिक्षक। उन्हें धर्म की अपेक्षा अन्य विषयों के संबन्ध में भी निर्णय देने का अधिकार था।

- यहूदियों के अगुवे थे प्रधान पुरोहित, प्रमुख पुरोहित और विधि शिक्षक (परमेश्वर प्रदत्त विधान के शिक्षक)
- यहूदी अगुवों के प्रमुख पंथों में थे फरीसी और सदूकी।
- यरूशलेम की महासभा में विधान संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए सत्तर यहूदी अगुवे एकत्र हुए थे।
- अनेक यहूदी अगुवे घमण्डी थे और अपने आप को धर्मपरायण समझते थे। * वे यीशु से ईर्ष्या करते थे और उसे हानि पहुंचाना चाहते थे। वे परमेश्वर को जानने का दावा तो करते थे, परन्तु उसकी आज्ञाओं को नहीं मानते थे।
- “यहूदी” शब्द अधिकतर यहूदी अगुवों के लिए काम में लिया जाता था। विशेष करके जब वे यीशु पर कुपित होकर उसे जाल में फंसाना चाहते थे या उसे हानि पहुंचाना चाहते थे।
- इन शब्दों का अनुवाद किया जा सकता है, “यहूदी शासक” या “यहूदियों के प्रशासनिक अधिकारी” या “यहूदी धर्मगुरू”

(यह भी देखें: यहूदी, प्रधान याजकों, महासभा, महायाजक, फरीसी, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 16:22-23
- यूहन्ना 02:17-19
- यूहन्ना 05:10-11
- यूहन्ना 05:16-18
- लूका 19:47-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:03** उन्होंने अपने-अपने पापों को मानकर, बपतिस्मा लिया, बहुत से धर्मी याजक यूहन्ना से बपतिस्मा लेने को आए, परन्तु उन्होंने अपने पापों का अंगीकार न किया |
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है।”
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।
- **39:11** परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।”

- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा।
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि __यहूदी याजक __पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2453

यहूदियों, यहूदी

तथ्य:

“यहूदी अगुवे” या “यहूदियों के हाकिम” अर्थात धर्म के अगुवे जैसे पुरोहित और परमेश्वर के वचन के शिक्षक। उन्हें धर्म की अपेक्षा अन्य विषयों के संबन्ध में भी निर्णय देने का अधिकार था।

- यहूदियों के अगुवे थे प्रधान पुरोहित, प्रमुख पुरोहित और विधि शिक्षक (परमेश्वर प्रदत्त विधान के शिक्षक)
- यहूदी अगुवों के प्रमुख पंथों में थे फरीसी और सदूकी।
- यरूशलेम की महासभा में विधान संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए सत्तर यहूदी अगुवे एकत्र हुए थे।
- अनेक यहूदी अगुवे घमण्डी थे और अपने आप को धर्मपरायण समझते थे। * वे यीशु से ईर्ष्या करते थे और उसे हानि पहुंचाना चाहते थे। वे परमेश्वर को जानने का दावा तो करते थे, परन्तु उसकी आज्ञाओं को नहीं मानते थे।
- “यहूदी” शब्द अधिकतर यहूदी अगुवों के लिए काम में लिया जाता था। विशेष करके जब वे यीशु पर कुपित होकर उसे जाल में फंसाना चाहते थे या उसे हानि पहुंचाना चाहते थे।
- इन शब्दों का अनुवाद किया जा सकता है, “यहूदी शासक” या “यहूदियों के प्रशासनिक अधिकारी” या “यहूदी धर्मगुरू”

(यह भी देखें: यहूदी, प्रधान याजकों, महासभा, महायाजक, फरीसी, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 16:22-23
- यूहन्ना 02:17-19
- यूहन्ना 05:10-11
- यूहन्ना 05:16-18
- लूका 19:47-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:03** उन्होंने अपने-अपने पापों को मानकर, बपतिस्मा लिया, बहुत से धर्मी याजक यूहन्ना से बपतिस्मा लेने को आए, परन्तु उन्होंने अपने पापों का अंगीकार न किया |
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है।”
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।
- **39:11** परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।”
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा।
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि __यहूदी याजक __पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2453

यहूदियों, यहूदी

तथ्य:

“यहूदी अगुवे” या “यहूदियों के हाकिम” अर्थात धर्म के अगुवे जैसे पुरोहित और परमेश्वर के वचन के शिक्षक। उन्हें धर्म की अपेक्षा अन्य विषयों के संबन्ध में भी निर्णय देने का अधिकार था।

- यहूदियों के अगुवे थे प्रधान पुरोहित, प्रमुख पुरोहित और विधि शिक्षक (परमेश्वर प्रदत्त विधान के शिक्षक)
- यहूदी अगुवों के प्रमुख पंथों में थे फरीसी और सदूकी।
- यरूशलेम की महासभा में विधान संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए सत्तर यहूदी अगुवे एकत्र हुए थे।
- अनेक यहूदी अगुवे घमण्डी थे और अपने आप को धर्मपरायण समझते थे। * वे यीशु से ईर्ष्या करते थे और उसे हानि पहुंचाना चाहते थे। वे परमेश्वर को जानने का दावा तो करते थे, परन्तु उसकी आज्ञाओं को नहीं मानते थे।
- “यहूदी” शब्द अधिकतर यहूदी अगुवों के लिए काम में लिया जाता था। विशेष करके जब वे यीशु पर कुपित होकर उसे जाल में फंसाना चाहते थे या उसे हानि पहुंचाना चाहते थे।
- इन शब्दों का अनुवाद किया जा सकता है, “यहूदी शासक” या “यहूदियों के प्रशासनिक अधिकारी” या “यहूदी धर्मगुरू”

(यह भी देखें: यहूदी, प्रधान याजकों, महासभा, महायाजक, फरीसी, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 16:22-23
- यूहन्ना 02:17-19
- यूहन्ना 05:10-11
- यूहन्ना 05:16-18
- लूका 19:47-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:03** उन्होंने अपने-अपने पापों को मानकर, बपतिस्मा लिया, बहुत से धर्मी याजक यूहन्ना से बपतिस्मा लेने को आए, परन्तु उन्होंने अपने पापों का अंगीकार न किया |
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **38:03** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है।”
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।
- **39:11** परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।”
- **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा।
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि __यहूदी याजक __पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2453

यहूदियों का राजा, यहूदियों का राजा

परिभाषा:

- “यहूदियों का राजा” यीशु मसीह का पदनाम है।

- पहली बार बाइबल में यह पदनाम उस समय आया है जब बैतलहम आनेवाले ज्योतिषियों ने “यहूदियों के राजा” होने वाले शिशु को खोजने के लिए काम में लिया था।

- स्वर्गदूत ने मरियम से कहा था कि उसका पुत्र, दाऊद का वंशज एक राजा होगा जिसका राज्य सदाकालीन होगा।
- यीशु के क्रूसीकरण से पूर्व रोमी सैनिकों ने ठट्ठा करके यीशु को “यहूदियों का राजा” कहा था। यह पदनाम एक तख्ती पर लिखकर यीशु के क्रूस पर भी लगाया गया था।
- यीशु वास्तव में यहूदियों का राजा और संपूर्ण सृष्टि का राजा था।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- "यहूदियों का राजा" का अनुवाद "यहूदियों पर राजा" या "यहूदियों पर राज करने वाला राजा" या "यहूदियों का परम प्रधान शासक हो सकता है"।
- देखें कि "का राजा" अन्य स्थानों में किस प्रकार अनुवाद किया गया है।

(यह भी देखें: उतरेगा, यहूदी, यीशु, राजा, राज्य, परमेश्वर का राज्य, बुद्धिमानों)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 23:3-5
- लूका 23:36-38
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 27:11-14
- मत्ती 27:35-37

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **23:09** कुछ समय बाद ज्योतिषियों ने पूर्व में एक तारा देखा। इससे उन्होंने जाना कि, यहूदियों का नया राजा उत्पन्न हुआ है।
- **39:09** पिलातुस ने यीशु से पूछा, " क्या तू यहूदियों का राजा है?"
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा। तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया "यहूदियों का राजा देखो"।
- **40:02** पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, "यह यहूदियों का राजा है।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: G935, G2453

यहूदियों का राजा, यहूदियों का राजा

परिभाषा:

- "यहूदियों का राजा" यीशु मसीह का पदनाम है।

- पहली बार बाइबल में यह पदनाम उस समय आया है जब बैतलहम आनेवाले ज्योतिषियों ने "यहूदियों के राजा" होने वाले शिशु को खोजने के लिए काम में लिया था।

- स्वर्गदूत ने मरियम से कहा था कि उसका पुत्र, दाऊद का वंशज एक राजा होगा जिसका राज्य सदाकालीन होगा।
- यीशु के क्रूसीकरण से पूर्व रोमी सैनिकों ने ठट्ठा करके यीशु को "यहूदियों का राजा" कहा था। यह पदनाम एक तख्ती पर लिखकर यीशु के क्रूस पर भी लगाया गया था।
- यीशु वास्तव में यहूदियों का राजा और संपूर्ण सृष्टि का राजा था।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- "यहूदियों का राजा" का अनुवाद "यहूदियों पर राजा" या "यहूदियों पर राज करने वाला राजा" या "यहूदियों का परम प्रधान शासक हो सकता है"।
- देखें कि "का राजा" अन्य स्थानों में किस प्रकार अनुवाद किया गया है।

(यह भी देखें: उतरेगा, यहूदी, यीशु, राजा, राज्य, परमेश्वर का राज्य, बुद्धिमानों)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 23:3-5
- लूका 23:36-38
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 27:11-14
- मत्ती 27:35-37

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **23:09** कुछ समय बाद ज्योतिषियों ने पूर्व में एक तारा देखा। इससे उन्होंने जाना कि, यहूदियों का नया राजा उत्पन्न हुआ है।

- **39:09** पिलातुस ने यीशु से पूछा, " क्या तू यहूदियों का राजा है?"
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा। तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया "यहूदियों का राजा देखो"।
- **40:02** पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, "यह यहूदियों का राजा है।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: G935, G2453

यहूदियों का राजा, यहूदियों का राजा

परिभाषा:

- "यहूदियों का राजा" यीशु मसीह का पदनाम है।
- पहली बार बाइबल में यह पदनाम उस समय आया है जब बैतलहम आनेवाले ज्योतिषियों ने "यहूदियों के राजा" होने वाले शिशु को खोजने के लिए काम में लिया था।
- स्वर्गदूत ने मरियम से कहा था कि उसका पुत्र, दाऊद का वंशज एक राजा होगा जिसका राज्य सदाकालीन होगा।
- यीशु के क्रूसीकरण से पूर्व रोमी सैनिकों ने ठट्ठा करके यीशु को "यहूदियों का राजा" कहा था। यह पदनाम एक तख्ती पर लिखकर यीशु के क्रूस पर भी लगाया गया था।
- यीशु वास्तव में यहूदियों का राजा और संपूर्ण सृष्टि का राजा था।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- "यहूदियों का राजा" का अनुवाद "यहूदियों पर राजा" या "यहूदियों पर राज करने वाला राजा" या "यहूदियों का परम प्रधान शासक हो सकता है"।
- देखें कि "का राजा" अन्य स्थानों में किस प्रकार अनुवाद किया गया है।

(यह भी देखें: उतरेगा, यहूदी, यीशु, राजा, राज्य, परमेश्वर का राज्य, बुद्धिमानों)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 23:3-5
- लूका 23:36-38
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 27:11-14
- मत्ती 27:35-37

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **23:09** कुछ समय बाद ज्योतिषियों ने पूर्व में एक तारा देखा। इससे उन्होंने जाना कि, यहूदियों का नया राजा उत्पन्न हुआ है।
- **39:09** पिलातुस ने यीशु से पूछा, " क्या तू यहूदियों का राजा है?"
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा। तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया "यहूदियों का राजा देखो"।
- **40:02** पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, "यह यहूदियों का राजा है।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: G935, G2453

यहूदियों का राजा, यहूदियों का राजा

परिभाषा:

- "यहूदियों का राजा" यीशु मसीह का पदनाम है।
- पहली बार बाइबल में यह पदनाम उस समय आया है जब बैतलहम आनेवाले ज्योतिषियों ने "यहूदियों के राजा" होने वाले शिशु को खोजने के लिए काम में लिया था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- स्वर्गदूत ने मरियम से कहा था कि उसका पुत्र, दाऊद का वंशज एक राजा होगा जिसका राज्य सदाकालीन होगा।
- यीशु के क्रूसीकरण से पूर्व रोमी सैनिकों ने ठट्ठा करके यीशु को "यहूदियों का राजा" कहा था। यह पदनाम एक तख्ती पर लिखकर यीशु के क्रूस पर भी लगाया गया था।
- यीशु वास्तव में यहूदियों का राजा और संपूर्ण सृष्टि का राजा था।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- "यहूदियों का राजा" का अनुवाद "यहूदियों पर राजा" या "यहूदियों पर राज करने वाला राजा" या "यहूदियों का परम प्रधान शासक हो सकता है"।
- देखें कि "का राजा" अन्य स्थानों में किस प्रकार अनुवाद किया गया है।

(यह भी देखें: उतरेगा, यहूदी, यीशु, राजा, राज्य, परमेश्वर का राज्य, बुद्धिमानों)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 23:3-5
- लूका 23:36-38
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 27:11-14
- मत्ती 27:35-37

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **23:09** कुछ समय बाद ज्योतिषियों ने पूर्व में एक तारा देखा। इससे उन्होंने जाना कि, यहूदियों का नया राजा उत्पन्न हुआ है।
- **39:09** पिलातुस ने यीशु से पूछा, " क्या तू यहूदियों का राजा है?"
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा। तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया "यहूदियों का राजा देखो"।
- **40:02** पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, "यह यहूदियों का राजा है।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: G935, G2453

यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों

तथ्य:

यहूदी वे लोग है जो अब्राहम के पोते याकूब के वंशज थे। "यहूदी" शब्द "यहूदा" से आया था।

लोग इस्राएलियों को यहूदी तब कहने लगे जब वे बेबीलोन से यहूदा देश लौट आएँ थे।

- मसीह यीशु यहूदी था। परन्तु यहूदी धर्म के अगुओं ने यीशु का इन्कार किया और उसको मार डालने की मांग की।
- "यहूदी शब्द प्रायः यहूदियों के अगुओं के संदर्भ में लिया जाता था, सब यहूदियों के लिए नहीं। इन संदर्भों में कुछ अनुवादों में "के अगुवे" जोड़ा जाता है कि अर्थ स्पष्ट व्यक्त हो।

(यह भी देखें: अब्राहम, इस्राएल, इस्राएल, बेबीलोन, यहूदियों)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 02:5-7
- प्रे.का. 10:27-29
- प्रे.का. 14:5-7
- कुलुस्सियों 03:9-11
- यूहन्ना 02:13-14
- मत्ती 28:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **20:11** इस्राएलियों को अब यहूदी कहा जाता था और उनमें से अधिकतर लोगों ने अपना पूरा जीवन बेबीलोन में व्यतीत किया था।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यरूशलेम को वापस लौट आया।

- **37:10** अनेक यहूदी उसका यह काम देखकर, उस पर विश्वास किया।
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **40:02** पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, “यह यहूदियों का राजा है।”
- 46:06__तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के __यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3054, H3061, H3062, H3064, H3066, G2450, G2451, G2452, G2453, G2454

यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों

तथ्य:

यहूदी वे लोग है जो अब्राहम के पोते याकूब के वंशज थे। “यहूदी” शब्द “यहूदा” से आया था।

लोग इस्राएलियों को यहूदी तब कहने लगे जब वे बेबीलोन से यहूदा देश लौट आएँ थे।

- मसीह यीशु यहूदी था। परन्तु यहूदी धर्म के अगुओं ने यीशु का इन्कार किया और उसको मार डालने की मांग की।
- “यहूदी शब्द प्रायः यहूदियों के अगुओं के संदर्भ में लिया जाता था, सब यहूदियों के लिए नहीं। इन संदर्भों में कुछ अनुवादों में “के अगुवे” जोड़ा जाता है कि अर्थ स्पष्ट व्यक्त हो।

(यह भी देखें: अब्राहम, इस्राएल, इस्राएल, बेबीलोन, यहूदियों)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 02:5-7
- प्रे.का. 10:27-29
- प्रे.का. 14:5-7
- कुलुस्सियों 03:9-11
- यूहन्ना 02:13-14
- मत्ती 28:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **20:11** इस्राएलियों को अब यहूदी कहा जाता था और उनमें से अधिकतर लोगों ने अपना पूरा जीवन बेबीलोन में व्यतीत किया था।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यरूशलेम को वापस लौट आया।
- **37:10** अनेक यहूदी उसका यह काम देखकर, उस पर विश्वास किया।
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **40:02** पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, “यह यहूदियों का राजा है।”
- 46:06__तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के __यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3054, H3061, H3062, H3064, H3066, G2450, G2451, G2452, G2453, G2454

यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों

तथ्य:

यहूदी वे लोग है जो अब्राहम के पोते याकूब के वंशज थे। “यहूदी” शब्द “यहूदा” से आया था।

लोग इस्राएलियों को यहूदी तब कहने लगे जब वे बेबीलोन से यहूदा देश लौट आएँ थे।

- मसीह यीशु यहूदी था। परन्तु यहूदी धर्म के अगुओं ने यीशु का इन्कार किया और उसको मार डालने की मांग की।
- “यहूदी शब्द प्रायः यहूदियों के अगुओं के संदर्भ में लिया जाता था, सब यहूदियों के लिए नहीं। इन संदर्भों में कुछ अनुवादों में “के अगुवे” जोड़ा जाता है कि अर्थ स्पष्ट व्यक्त हो।

(यह भी देखें: अब्राहम, इस्राएल, इस्राएल, बेबीलोन, यहूदियों)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 02:5-7
- प्रे.का. 10:27-29
- प्रे.का. 14:5-7
- कुलुस्सियों 03:9-11
- यूहन्ना 02:13-14
- मत्ती 28:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **20:11** इस्राएलियों को अब यहूदी कहा जाता था और उनमें से अधिकतर लोगों ने अपना पूरा जीवन बेबीलोन में व्यतीत किया था।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यरूशलेम को वापस लौट आया।
- **37:10** अनेक यहूदी उसका यह काम देखकर, उस पर विश्वास किया।
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **40:02** पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, “यह यहूदियों का राजा है।”
- 46:06__तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के __यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3054, H3061, H3062, H3064, H3066, G2450, G2451, G2452, G2453, G2454

यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों

तथ्य:

यहूदी वे लोग है जो अब्राहम के पोते याकूब के वंशज थे। “यहूदी” शब्द “यहूदा” से आया था।

लोग इस्राएलियों को यहूदी तब कहने लगे जब वे बेबीलोन से यहूदा देश लौट आएँ थे।

- मसीह यीशु यहूदी था। परन्तु यहूदी धर्म के अगुओं ने यीशु का इन्कार किया और उसको मार डालने की मांग की।
- “यहूदी शब्द प्रायः यहूदियों के अगुओं के संदर्भ में लिया जाता था, सब यहूदियों के लिए नहीं। इन संदर्भों में कुछ अनुवादों में “के अगुवे” जोड़ा जाता है कि अर्थ स्पष्ट व्यक्त हो।

(यह भी देखें: अब्राहम, इस्राएल, इस्राएल, बेबीलोन, यहूदियों)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 02:5-7
- प्रे.का. 10:27-29
- प्रे.का. 14:5-7
- कुलुस्सियों 03:9-11
- यूहन्ना 02:13-14
- मत्ती 28:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **20:11** इस्राएलियों को अब यहूदी कहा जाता था और उनमें से अधिकतर लोगों ने अपना पूरा जीवन बेबीलोन में व्यतीत किया था।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यरूशलेम को वापस लौट आया।
- **37:10** अनेक यहूदी उसका यह काम देखकर, उस पर विश्वास किया।
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **40:02** पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, “यह यहूदियों का राजा है।”
- 46:06__तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के __यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3054, H3061, H3062, H3064, H3066, G2450, G2451, G2452, G2453, G2454

यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों

तथ्य:

यहूदी वे लोग है जो अब्राहम के पोते याकूब के वंशज थे। “यहूदी” शब्द “यहूदा” से आया था।

लोग इस्राएलियों को यहूदी तब कहने लगे जब वे बेबीलोन से यहूदा देश लौट आएँ थे।

- मसीह यीशु यहूदी था। परन्तु यहूदी धर्म के अगुओं ने यीशु का इन्कार किया और उसको मार डालने की मांग की।
- “यहूदी शब्द प्रायः यहूदियों के अगुओं के संदर्भ में लिया जाता था, सब यहूदियों के लिए नहीं। इन संदर्भों में कुछ अनुवादों में “के अगुवे” जोड़ा जाता है कि अर्थ स्पष्ट व्यक्त हो।

(यह भी देखें: अब्राहम, इस्राएल, इस्राएल, बेबीलोन, यहूदियों)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 02:5-7
- प्रे.का. 10:27-29
- प्रे.का. 14:5-7
- कुलुस्सियों 03:9-11
- यूहन्ना 02:13-14
- मत्ती 28:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **20:11** इस्राएलियों को अब यहूदी कहा जाता था और उनमें से अधिकतर लोगों ने अपना पूरा जीवन बेबीलोन में व्यतीत किया था।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यरूशलेम को वापस लौट आया।
- **37:10** अनेक यहूदी उसका यह काम देखकर, उस पर विश्वास किया।
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **40:02** पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, “यह यहूदियों का राजा है।”
- 46:06__तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के __यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3054, H3061, H3062, H3064, H3066, G2450, G2451, G2452, G2453, G2454

यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों

तथ्य:

यहूदी वे लोग है जो अब्राहम के पोते याकूब के वंशज थे। “यहूदी” शब्द “यहूदा” से आया था।

लोग इस्राएलियों को यहूदी तब कहने लगे जब वे बेबीलोन से यहूदा देश लौट आएँ थे।

- मसीह यीशु यहूदी था। परन्तु यहूदी धर्म के अगुओं ने यीशु का इन्कार किया और उसको मार डालने की मांग की।
- “यहूदी शब्द प्रायः यहूदियों के अगुओं के संदर्भ में लिया जाता था, सब यहूदियों के लिए नहीं। इन संदर्भों में कुछ अनुवादों में “के अगुवे” जोड़ा जाता है कि अर्थ स्पष्ट व्यक्त हो।

(यह भी देखें: अब्राहम, इस्राएल, इस्राएल, बेबीलोन, यहूदियों)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 02:5-7
- प्रे.का. 10:27-29
- प्रे.का. 14:5-7
- कुलुस्सियों 03:9-11
- यूहन्ना 02:13-14
- मत्ती 28:14-15

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **20:11** इस्राएलियों को अब यहूदी कहा जाता था और उनमें से अधिकतर लोगों ने अपना पूरा जीवन बेबीलोन में व्यतीत किया था।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यरूशलेम को वापस लौट आया।
- **37:10** अनेक यहूदी उसका यह काम देखकर, उस पर विश्वास किया।
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **40:02** पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, “यह यहूदियों का राजा है।”
- 46:06__तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के __यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3054, H3061, H3062, H3064, H3066, G2450, G2451, G2452, G2453, G2454

यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों

तथ्य:

यहूदी वे लोग है जो अब्राहम के पोते याकूब के वंशज थे। “यहूदी” शब्द “यहूदा” से आया था।

लोग इस्राएलियों को यहूदी तब कहने लगे जब वे बेबीलोन से यहूदा देश लौट आएँ थे।

- मसीह यीशु यहूदी था। परन्तु यहूदी धर्म के अगुओं ने यीशु का इन्कार किया और उसको मार डालने की मांग की।
- “यहूदी शब्द प्रायः यहूदियों के अगुओं के संदर्भ में लिया जाता था, सब यहूदियों के लिए नहीं। इन संदर्भों में कुछ अनुवादों में “के अगुवे” जोड़ा जाता है कि अर्थ स्पष्ट व्यक्त हो।

(यह भी देखें: अब्राहम, इस्राएल, इस्राएल, बेबीलोन, यहूदियों)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 02:5-7
- प्रे.का. 10:27-29
- प्रे.का. 14:5-7
- कुलुस्सियों 03:9-11
- यूहन्ना 02:13-14
- मत्ती 28:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **20:11** इस्राएलियों को अब यहूदी कहा जाता था और उनमें से अधिकतर लोगों ने अपना पूरा जीवन बेबीलोन में व्यतीत किया था।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यरूशलेम को वापस लौट आया।
- **37:10** अनेक यहूदी उसका यह काम देखकर, उस पर विश्वास किया।
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **40:02** पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, “यह यहूदियों का राजा है।”
- 46:06__तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के __यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3054, H3061, H3062, H3064, H3066, G2450, G2451, G2452, G2453, G2454

यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों

तथ्य:

यहूदी वे लोग है जो अब्राहम के पोते याकूब के वंशज थे। “यहूदी” शब्द “यहूदा” से आया था।

लोग इस्राएलियों को यहूदी तब कहने लगे जब वे बेबीलोन से यहूदा देश लौट आएँ थे।

- मसीह यीशु यहूदी था। परन्तु यहूदी धर्म के अगुओं ने यीशु का इन्कार किया और उसको मार डालने की मांग की।
- “यहूदी शब्द प्रायः यहूदियों के अगुओं के संदर्भ में लिया जाता था, सब यहूदियों के लिए नहीं। इन संदर्भों में कुछ अनुवादों में “के अगुवे” जोड़ा जाता है कि अर्थ स्पष्ट व्यक्त हो।

(यह भी देखें: अब्राहम, इस्राएल, इस्राएल, बेबीलोन, यहूदियों)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 02:5-7
- प्रे.का. 10:27-29
- प्रे.का. 14:5-7
- कुलुस्सियों 03:9-11
- यूहन्ना 02:13-14
- मत्ती 28:14-15

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **20:11** इस्राएलियों को अब यहूदी कहा जाता था और उनमें से अधिकतर लोगों ने अपना पूरा जीवन बेबीलोन में व्यतीत किया था।
- **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यरूशलेम को वापस लौट आया।
- **37:10** अनेक यहूदी उसका यह काम देखकर, उस पर विश्वास किया।
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- **40:02** पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, “यह यहूदियों का राजा है।”
- 46:06__तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के __यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3054, H3061, H3062, H3064, H3066, G2450, G2451, G2452, G2453, G2454

यहूदी धर्म, यहूदी मत

परिभाषा:

“यहूदी धर्म” का अंश है यहूदियों का अभ्यासमत धर्म इसे “यहूदी धर्म” भी कहा गया है।

- पुराने नियम में “यहूदी धर्म” की चर्चा है जबकि नये नियम में “यहूदी धर्म” को काम में लिया गया है।
- यहूदी धर्म में पुराना नियम की व्यवस्था तथा इस्राएलियों के पालन हेतु परमेश्वर के आदेश थे। उसमें समय के साथ कार्य में जुड़ने वाली प्रथाएं एवं परम्पराएं भी थी।
- यहूदी धर्म के अनुवाद में दोनों पुराने और नये नियमों में भी “यहूदी धर्म” काम में लिया जा सकता है।
- “यहूदी धर्म” का उपयोग केवल नये नियम में किया जाए क्योंकि यह शब्द इससे पहले नहीं था।

(यह भी देखें: यहूदी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 01:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2454

यहोशू

तथ्य:

बाइबल में यहोशू नाम के अनेक इस्राएली पुरुष हुए हैं। सबसे अधिक प्रसिद्ध नून का पुत्र यहोशू है, वह मूसा का सहायक था और परमेश्वर की प्रजा का एक महत्वपूर्ण अगुआ हुआ था।

- यहोशू उन बारह भेदियों में से एक था जिन्हें मूसा ने प्रतिज्ञा के देश की जानकारी लेने के लिए भेजा था।
- कालेब के साथ यहोशू ने इस्राएलियों से आग्रह किया कि वे परमेश्वर की आज्ञा मानकर प्रतिज्ञा के देश में प्रवेश करके उसे कनानियों से जीत लें।
- वर्षों बाद जब मूसा का स्वर्गवास हो गया तब परमेश्वर ने यहोशू को नियुक्त किया कि वह इस्राएलियों को प्रतिज्ञा के देश में लेकर जाए।
- कनानियों के विरूद्ध प्रथम एवं सर्वाधिक प्रसिद्ध युद्ध में यहोशू ने यरीहो को जीतने में इस्राएलियों की अगुआई की थी।
- पुराने नियम में यहोशू की पुस्तक में वर्णन किया गया है कि यहोशू ने प्रतिज्ञा के देश पर अधिकार और इस्राएल के प्रत्येक गोत्र को रहने के लिए भूमि सौंपा था।
- योसादाक का पुत्र यहोशू महायाजक की चर्चा हाग्गै तथा जकर्याह की पुस्तकों में की गई है, उसने यरूशलेम की शहरपनाह के पुनरूद्धार में सहायता की थी।
- यहोशू नाम के अन्य अनेक पुरुष हुए हैं जिनका उल्लेख वंशावलियों और बाइबल में अन्य स्थानों में किया गया है।

(यह भी देखें: कनान, हाग्गै, यरीहो, मूसा, प्रतिज्ञा का देश, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 07:25-27
- व्यवस्थाविवरण 03:21-22
- निर्गमन 17:8-10
- यहोशू 01:1-3
- गिनती 27:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- __14:04__जब इस्राएली कनान की सीमा पर पहुँचे, तब मूसा ने बारह पुरषों को चुना इस्राएल के हर गोत्र में से उसने उन पुरुषों को आदेश दिया कि जाओ और भूमि का पता लगाओ कि वह कैसी दिखती है।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे !
- **14:08** उनमे से कालेब और यहोशू को छोड़ जितने बीस वर्ष के या उससे अधिक आयु के जितने गिने गए थे ,और मुझ पर बुड़बुड़ाते थे, कोई भी उस देश में न जाने पाएगा, जिसके विषय मैं ने शपथ खाई है ,कि तुम को उसमें बसाऊँगा।
- **14:14** मूसा बहुत वृद्ध हो गया था, उसकी सहायता करने के लिए परमेश्वर ने यहोशू को चुना जिससे वे लोगों का मार्गदर्शन कर सके।
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **15:03** जब सब इस्राएलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब परमेश्वर ने यहोशू को बताया कि किस प्रकार से यरीहो के शक्तिशाली शहर पर आक्रमण करना है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3091, G2424

यहोशू

तथ्य:

बाइबल में यहोशू नाम के अनेक इस्राएली पुरुष हुए हैं। सबसे अधिक प्रसिद्ध नून का पुत्र यहोशू है, वह मूसा का सहायक था और परमेश्वर की प्रजा का एक महत्वपूर्ण अगुआ हुआ था।

- यहोशू उन बारह भेदियों में से एक था जिन्हें मूसा ने प्रतिज्ञा के देश की जानकारी लेने के लिए भेजा था।
- कालेब के साथ यहोशू ने इस्राएलियों से आग्रह किया कि वे परमेश्वर की आज्ञा मानकर प्रतिज्ञा के देश में प्रवेश करके उसे कनानियों से जीत लें।
- वर्षों बाद जब मूसा का स्वर्गवास हो गया तब परमेश्वर ने यहोशू को नियुक्त किया कि वह इस्राएलियों को प्रतिज्ञा के देश में लेकर जाए।
- कनानियों के विरूद्ध प्रथम एवं सर्वाधिक प्रसिद्ध युद्ध में यहोशू ने यरीहो को जीतने में इस्राएलियों की अगुआई की थी।
- पुराने नियम में यहोशू की पुस्तक में वर्णन किया गया है कि यहोशू ने प्रतिज्ञा के देश पर अधिकार और इस्राएल के प्रत्येक गोत्र को रहने के लिए भूमि सौंपा था।
- योसादाक का पुत्र यहोशू महायाजक की चर्चा हाग्गै तथा जकर्याह की पुस्तकों में की गई है, उसने यरूशलेम की शहरपनाह के पुनरूद्धार में सहायता की थी।

- यहोशू नाम के अन्य अनेक पुरुष हुए हैं जिनका उल्लेख वंशावलियों और बाइबल में अन्य स्थानों में किया गया है।

(यह भी देखें: कनान, हाग्गै, यरीहो, मूसा, प्रतिज्ञा का देश, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 07:25-27
- व्यवस्थाविवरण 03:21-22
- निर्गमन 17:8-10
- यहोशू 01:1-3
- गिनती 27:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- __14:04__जब इस्राएली कनान की सीमा पर पहुँचे, तब मूसा ने बारह पुरषों को चुना इस्राएल के हर गोत्र में से उसने उन पुरुषों को आदेश दिया कि जाओ और भूमि का पता लगाओ कि वह कैसी दिखती है।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे !
- **14:08** उनमे से कालेब और यहोशू को छोड़ जितने बीस वर्ष के या उससे अधिक आयु के जितने गिने गए थे ,और मुझ पर बुड़बुड़ाते थे, कोई भी उस देश में न जाने पाएगा, जिसके विषय मैं ने शपथ खाई है ,कि तुम को उसमें बसाऊँगा।
- **14:14** मूसा बहुत वृद्ध हो गया था, उसकी सहायता करने के लिए परमेश्वर ने यहोशू को चुना जिससे वे लोगों का मार्गदर्शन कर सके।
- **14:15** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- **15:03** जब सब इस्राएलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब परमेश्वर ने यहोशू को बताया कि किस प्रकार से यरीहो के शक्तिशाली शहर पर आक्रमण करना है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3091, G2424

याकूब का पुत्र यहूदा

तथ्य:

याकूब का पुत्र यहूदा, यीशु के बारह शिष्यों में से एक था। ध्यान दें कि यह व्यक्ति यहूदा इस्करियोती नहीं था।

- बाइबल में एक ही नाम के विभिन्न व्यक्तियों के उनके पिता का नाम देकर अलग दर्शाया जाता है। यहां इस यहूदा को “याकूब का पुत्र” कहा गया है।
- एक और यहूदा था जो यीशु का भाई था। उसे “यहूदा” भी कहा गया था।
- नये नियम में यहूदा की पत्री संभवतः यीशु के भाई यहूदा द्वारा लिखी गई थी क्योंकि वह स्वयं को “याकूब का भाई” कहता है। याकूब भी यीशु का भाई था।
- यह भी संभव है कि यहूदा की पत्री यीशु के शिष्य याकूब के पुत्र, यहूदा द्वारा लिखी गई थी।

(यह भी देखें: याकूब (जब्दी का पुत्र), यहूदा इस्करियोती, पुत्र, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- लूका 06:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2455

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

याजक, याजकों, याजक पद

परिभाषा:

बाइबल में याजक परमेश्वर की प्रजा की ओर से परमेश्वर के लिए चढ़ते चढ़ावे के लिए चुना गया मनुष्य। “याजक पद” उसके पद भार या उसकी सेवावृत्ति का नाम है।

- पुराने नियम में परमेश्वर ने हारून और उसके वंश को इस्राएल के लिए याजक होने हेतु चुना था।
- “याजक पद” एक अधिकार एवं उत्तरदायित्व था जो लेवियों के गोत्र में पिता से पुत्र को प्राप्त होता था।
- इस्राएल के याजकों का उत्तरदायित्व था कि वे मनुष्यों द्वारा लाए गए बलिदान परमेश्वर को चढ़ाए, इसके साथ मन्दिर के अन्य कार्य भी उनका उत्तरदायित्व थे।
- याजक नियमित प्रार्थनाएं भी परमेश्वर को चढ़ाते थे तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को पूरा करते थे।
- याजक मनुष्यों को विधिवत आशीर्वाद भी देते थे और उन्हें परमेश्वर की व्यवस्था के बारे में सिखाते थे।
- यीशु के युग में याजकों के अलग-अलग स्तर थे जिनमें प्रधान याजक और महायाजक भी थे।
- यीशु हमारा “बड़ा महायाजक” है जो परमेश्वर की उपस्थिति में हमारे लिए विनती करता है। उसने स्वयं को पाप की अन्तिम बलि करके चढ़ा दिया। इसका अर्थ है कि याजकों द्वारा चढ़ाए गए बलिदानों की अब आवश्यकता नहीं है।
- नये नियम में यीशु का प्रत्येक विश्वासी “याजक” कहा गया है, वह स्वयं के लिए और मनुष्यों के लिए विनती करने के लिए सीधा परमेश्वर के पास आ सकता है।
- प्राचीन युग में अन्यजातियों के भी पुजारी थे जो झूठे देवता को बलि चढाते थे, जैसे बाल देवता को।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “याजक” का अनुवाद “बलि चढ़ानेवाला व्यक्ति” या “परमेश्वर का मध्यस्थ” या “बलि चढ़ानेवाला मध्यस्थ” या “परमेश्वर द्वारा उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त मनुष्य”।
- “याजक” का अनुवाद “मध्यस्थ” के अनुवाद से भिन्न होना है।
- कुछ अनुवादों में सदैव कहा जाता है, “इस्राएली याजक” या “यहूदी याजक” या “यहोवा का याजक” या “बाल पुजारी” कि सुनिश्चित किया जाए कि वे आज के पुजारियों के समान नहीं थे।
- “याजक” शब्द का अनुवाद करने के लिए प्रयुक्त शब्द “प्रधान याजक” और “महायाजक” और “लेवीय” और “भविष्यद्वक्ता” से भिन्न होना चाहिए।

(यह भी देखें: हारून, प्रधान याजकों, महायाजक, मध्यस्थ, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 06:40-42
- उत्पत्ति 14:17-18
- उत्पत्ति 47:20-22
- यूहन्ना 01:19-21
- लूका 10:31-32
- मरकुस 01:43-44
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 08:4
- मत्ती 12:3-4
- मीका 03:9-11
- नहेमायाह 10:28-29
- नहेमायाह 10:34-36
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:07** "मलिकिसिदक, परमप्रधान परमेश्वर के याजक "
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के नियमों का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा | एक याजक पशु को मारकर उसे वेदी पर जलाएगा | उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, परमेश्वर की दृष्टी में पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा | परमेश्वर ने मूसा के भाई हारून और हारून के वंश को याजक पद के लिये चुना |
- **19:07** तब बाल के याजकों ने उस बछड़े को जो उन्हें दिया गया था, लेकर बलिदान के लिए तैयार किया, परन्तु उमसे आग न लगाई
- **21:07** याजक वो है जो लोगों के स्थान पर परमेश्वर के लिए बलिदान चढ़ाता है, जिससे कि परमेश्वर उनके पापों के कारण उन्हें दण्डित न करें | याजक परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3547, H3548, H3549, H3550, G748, G749, G2405, G2406, G2407, G2409, G2420

याजक, याजकों, याजक पद

परिभाषा:

बाइबल में याजक परमेश्वर की प्रजा की ओर से परमेश्वर के लिए चढ़ते चढ़ावे के लिए चुना गया मनुष्य। “याजक पद” उसके पद भार या उसकी सेवावृत्ति का नाम है।

- पुराने नियम में परमेश्वर ने हारून और उसके वंश को इस्राएल के लिए याजक होने हेतु चुना था।
- “याजक पद” एक अधिकार एवं उत्तरदायित्व था जो लेवियों के गोत्र में पिता से पुत्र को प्राप्त होता था।
- इस्राएल के याजकों का उत्तरदायित्व था कि वे मनुष्यों द्वारा लाए गए बलिदान परमेश्वर को चढ़ाए, इसके साथ मन्दिर के अन्य कार्य भी उनका उत्तरदायित्व थे।
- याजक नियमित प्रार्थनाएं भी परमेश्वर को चढ़ाते थे तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को पूरा करते थे।
- याजक मनुष्यों को विधिवत आशीर्वाद भी देते थे और उन्हें परमेश्वर की व्यवस्था के बारे में सिखाते थे।
- यीशु के युग में याजकों के अलग-अलग स्तर थे जिनमें प्रधान याजक और महायाजक भी थे।
- यीशु हमारा “बड़ा महायाजक” है जो परमेश्वर की उपस्थिति में हमारे लिए विनती करता है। उसने स्वयं को पाप की अन्तिम बलि करके चढ़ा दिया। इसका अर्थ है कि याजकों द्वारा चढ़ाए गए बलिदानों की अब आवश्यकता नहीं है।
- नये नियम में यीशु का प्रत्येक विश्वासी “याजक” कहा गया है, वह स्वयं के लिए और मनुष्यों के लिए विनती करने के लिए सीधा परमेश्वर के पास आ सकता है।
- प्राचीन युग में अन्यजातियों के भी पुजारी थे जो झूठे देवता को बलि चढाते थे, जैसे बाल देवता को।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “याजक” का अनुवाद “बलि चढ़ानेवाला व्यक्ति” या “परमेश्वर का मध्यस्थ” या “बलि चढ़ानेवाला मध्यस्थ” या “परमेश्वर द्वारा उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त मनुष्य”।
- “याजक” का अनुवाद “मध्यस्थ” के अनुवाद से भिन्न होना है।
- कुछ अनुवादों में सदैव कहा जाता है, “इस्राएली याजक” या “यहूदी याजक” या “यहोवा का याजक” या “बाल पुजारी” कि सुनिश्चित किया जाए कि वे आज के पुजारियों के समान नहीं थे।
- “याजक” शब्द का अनुवाद करने के लिए प्रयुक्त शब्द “प्रधान याजक” और “महायाजक” और “लेवीय” और “भविष्यद्वक्ता” से भिन्न होना चाहिए।

(यह भी देखें: हारून, प्रधान याजकों, महायाजक, मध्यस्थ, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 06:40-42
- उत्पत्ति 14:17-18
- उत्पत्ति 47:20-22
- यूहन्ना 01:19-21
- लूका 10:31-32
- मरकुस 01:43-44
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 08:4
- मत्ती 12:3-4
- मीका 03:9-11
- नहेमायाह 10:28-29
- नहेमायाह 10:34-36
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:07** "मलिकिसिदक, परमप्रधान परमेश्वर के याजक "
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के नियमों का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा | एक याजक पशु को मारकर उसे वेदी पर जलाएगा | उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, परमेश्वर की दृष्टी में पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा | परमेश्वर ने मूसा के भाई हारून और हारून के वंश को याजक पद के लिये चुना |
- **19:07** तब बाल के याजकों ने उस बछड़े को जो उन्हें दिया गया था, लेकर बलिदान के लिए तैयार किया, परन्तु उमसे आग न लगाई

- **21:07** याजक वो है जो लोगों के स्थान पर परमेश्वर के लिए बलिदान चढ़ाता है, जिससे कि परमेश्वर उनके पापों के कारण उन्हें दण्डित न करें | याजक परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3547, H3548, H3549, H3550, G748, G749, G2405, G2406, G2407, G2409, G2420

याजक, याजकों, याजक पद

परिभाषा:

बाइबल में याजक परमेश्वर की प्रजा की ओर से परमेश्वर के लिए चढ़ते चढ़ावे के लिए चुना गया मनुष्य। “याजक पद” उसके पद भार या उसकी सेवावृत्ति का नाम है।

- पुराने नियम में परमेश्वर ने हारून और उसके वंश को इस्राएल के लिए याजक होने हेतु चुना था।
- “याजक पद” एक अधिकार एवं उत्तरदायित्व था जो लेवियों के गोत्र में पिता से पुत्र को प्राप्त होता था।
- इस्राएल के याजकों का उत्तरदायित्व था कि वे मनुष्यों द्वारा लाए गए बलिदान परमेश्वर को चढ़ाए, इसके साथ मन्दिर के अन्य कार्य भी उनका उत्तरदायित्व थे।
- याजक नियमित प्रार्थनाएं भी परमेश्वर को चढ़ाते थे तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को पूरा करते थे।
- याजक मनुष्यों को विधिवत आशीर्वाद भी देते थे और उन्हें परमेश्वर की व्यवस्था के बारे में सिखाते थे।
- यीशु के युग में याजकों के अलग-अलग स्तर थे जिनमें प्रधान याजक और महायाजक भी थे।
- यीशु हमारा “बड़ा महायाजक” है जो परमेश्वर की उपस्थिति में हमारे लिए विनती करता है। उसने स्वयं को पाप की अन्तिम बलि करके चढ़ा दिया। इसका अर्थ है कि याजकों द्वारा चढ़ाए गए बलिदानों की अब आवश्यकता नहीं है।
- नये नियम में यीशु का प्रत्येक विश्वासी “याजक” कहा गया है, वह स्वयं के लिए और मनुष्यों के लिए विनती करने के लिए सीधा परमेश्वर के पास आ सकता है।
- प्राचीन युग में अन्यजातियों के भी पुजारी थे जो झूठे देवता को बलि चढाते थे, जैसे बाल देवता को।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “याजक” का अनुवाद “बलि चढ़ानेवाला व्यक्ति” या “परमेश्वर का मध्यस्थ” या “बलि चढ़ानेवाला मध्यस्थ” या “परमेश्वर द्वारा उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त मनुष्य”।
- “याजक” का अनुवाद “मध्यस्थ” के अनुवाद से भिन्न होना है।
- कुछ अनुवादों में सदैव कहा जाता है, “इस्राएली याजक” या “यहूदी याजक” या “यहोवा का याजक” या “बाल पुजारी” कि सुनिश्चित किया जाए कि वे आज के पुजारियों के समान नहीं थे।
- “याजक” शब्द का अनुवाद करने के लिए प्रयुक्त शब्द “प्रधान याजक” और “महायाजक” और “लेवीय” और “भविष्यद्वक्ता” से भिन्न होना चाहिए।

(यह भी देखें: हारून, प्रधान याजकों, महायाजक, मध्यस्थ, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 06:40-42
- उत्पत्ति 14:17-18
- उत्पत्ति 47:20-22
- यूहन्ना 01:19-21
- लूका 10:31-32
- मरकुस 01:43-44
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 08:4
- मत्ती 12:3-4
- मीका 03:9-11
- नहेमायाह 10:28-29
- नहेमायाह 10:34-36
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:07** "मलिकिसिदक, परमप्रधान परमेश्वर के याजक "

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के नियमों का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा | एक याजक पशु को मारकर उसे वेदी पर जलाएगा | उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, परमेश्वर की दृष्टी में पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा | परमेश्वर ने मूसा के भाई हारून और हारून के वंश को याजक पद के लिये चुना |
- **19:07** तब बाल के याजकों ने उस बछड़े को जो उन्हें दिया गया था, लेकर बलिदान के लिए तैयार किया, परन्तु उमसे आग न लगाई
- **21:07** याजक वो है जो लोगों के स्थान पर परमेश्वर के लिए बलिदान चढ़ाता है, जिससे कि परमेश्वर उनके पापों के कारण उन्हें दण्डित न करें | याजक परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3547, H3548, H3549, H3550, G748, G749, G2405, G2406, G2407, G2409, G2420

याजक, याजकों, याजक पद

परिभाषा:

बाइबल में याजक परमेश्वर की प्रजा की ओर से परमेश्वर के लिए चढ़ते चढ़ावे के लिए चुना गया मनुष्य। “याजक पद” उसके पद भार या उसकी सेवावृत्ति का नाम है।

- पुराने नियम में परमेश्वर ने हारून और उसके वंश को इस्राएल के लिए याजक होने हेतु चुना था।
- “याजक पद” एक अधिकार एवं उत्तरदायित्व था जो लेवियों के गोत्र में पिता से पुत्र को प्राप्त होता था।
- इस्राएल के याजकों का उत्तरदायित्व था कि वे मनुष्यों द्वारा लाए गए बलिदान परमेश्वर को चढ़ाए, इसके साथ मन्दिर के अन्य कार्य भी उनका उत्तरदायित्व थे।
- याजक नियमित प्रार्थनाएं भी परमेश्वर को चढ़ाते थे तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को पूरा करते थे।
- याजक मनुष्यों को विधिवत आशीर्वाद भी देते थे और उन्हें परमेश्वर की व्यवस्था के बारे में सिखाते थे।
- यीशु के युग में याजकों के अलग-अलग स्तर थे जिनमें प्रधान याजक और महायाजक भी थे।
- यीशु हमारा “बड़ा महायाजक” है जो परमेश्वर की उपस्थिति में हमारे लिए विनती करता है। उसने स्वयं को पाप की अन्तिम बलि करके चढ़ा दिया। इसका अर्थ है कि याजकों द्वारा चढ़ाए गए बलिदानों की अब आवश्यकता नहीं है।
- नये नियम में यीशु का प्रत्येक विश्वासी “याजक” कहा गया है, वह स्वयं के लिए और मनुष्यों के लिए विनती करने के लिए सीधा परमेश्वर के पास आ सकता है।
- प्राचीन युग में अन्यजातियों के भी पुजारी थे जो झूठे देवता को बलि चढाते थे, जैसे बाल देवता को।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “याजक” का अनुवाद “बलि चढ़ानेवाला व्यक्ति” या “परमेश्वर का मध्यस्थ” या “बलि चढ़ानेवाला मध्यस्थ” या “परमेश्वर द्वारा उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त मनुष्य”।
- “याजक” का अनुवाद “मध्यस्थ” के अनुवाद से भिन्न होना है।
- कुछ अनुवादों में सदैव कहा जाता है, “इस्राएली याजक” या “यहूदी याजक” या “यहोवा का याजक” या “बाल पुजारी” कि सुनिश्चित किया जाए कि वे आज के पुजारियों के समान नहीं थे।
- “याजक” शब्द का अनुवाद करने के लिए प्रयुक्त शब्द “प्रधान याजक” और “महायाजक” और “लेवीय” और “भविष्यद्वक्ता” से भिन्न होना चाहिए।

(यह भी देखें: हारून, प्रधान याजकों, महायाजक, मध्यस्थ, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 06:40-42
- उत्पत्ति 14:17-18
- उत्पत्ति 47:20-22
- यूहन्ना 01:19-21
- लूका 10:31-32
- मरकुस 01:43-44
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 08:4
- मत्ती 12:3-4
- मीका 03:9-11
- नहेमायाह 10:28-29
- नहेमायाह 10:34-36
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:07** "मलिकिसिदक, परमप्रधान परमेश्वर के याजक "
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के नियमों का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा | एक याजक पशु को मारकर उसे वेदी पर जलाएगा | उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, परमेश्वर की दृष्टी में पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा | परमेश्वर ने मूसा के भाई हारून और हारून के वंश को याजक पद के लिये चुना |
- **19:07** तब बाल के याजकों ने उस बछड़े को जो उन्हें दिया गया था, लेकर बलिदान के लिए तैयार किया, परन्तु उमसे आग न लगाई
- **21:07** याजक वो है जो लोगों के स्थान पर परमेश्वर के लिए बलिदान चढ़ाता है, जिससे कि परमेश्वर उनके पापों के कारण उन्हें दण्डित न करें | याजक परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3547, H3548, H3549, H3550, G748, G749, G2405, G2406, G2407, G2409, G2420

याजक, याजकों, याजक पद

परिभाषा:

बाइबल में याजक परमेश्वर की प्रजा की ओर से परमेश्वर के लिए चढ़ते चढ़ावे के लिए चुना गया मनुष्य। “याजक पद” उसके पद भार या उसकी सेवावृत्ति का नाम है।

- पुराने नियम में परमेश्वर ने हारून और उसके वंश को इस्राएल के लिए याजक होने हेतु चुना था।
- “याजक पद” एक अधिकार एवं उत्तरदायित्व था जो लेवियों के गोत्र में पिता से पुत्र को प्राप्त होता था।
- इस्राएल के याजकों का उत्तरदायित्व था कि वे मनुष्यों द्वारा लाए गए बलिदान परमेश्वर को चढ़ाए, इसके साथ मन्दिर के अन्य कार्य भी उनका उत्तरदायित्व थे।
- याजक नियमित प्रार्थनाएं भी परमेश्वर को चढ़ाते थे तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को पूरा करते थे।
- याजक मनुष्यों को विधिवत आशीर्वाद भी देते थे और उन्हें परमेश्वर की व्यवस्था के बारे में सिखाते थे।
- यीशु के युग में याजकों के अलग-अलग स्तर थे जिनमें प्रधान याजक और महायाजक भी थे।
- यीशु हमारा “बड़ा महायाजक” है जो परमेश्वर की उपस्थिति में हमारे लिए विनती करता है। उसने स्वयं को पाप की अन्तिम बलि करके चढ़ा दिया। इसका अर्थ है कि याजकों द्वारा चढ़ाए गए बलिदानों की अब आवश्यकता नहीं है।
- नये नियम में यीशु का प्रत्येक विश्वासी “याजक” कहा गया है, वह स्वयं के लिए और मनुष्यों के लिए विनती करने के लिए सीधा परमेश्वर के पास आ सकता है।
- प्राचीन युग में अन्यजातियों के भी पुजारी थे जो झूठे देवता को बलि चढाते थे, जैसे बाल देवता को।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “याजक” का अनुवाद “बलि चढ़ानेवाला व्यक्ति” या “परमेश्वर का मध्यस्थ” या “बलि चढ़ानेवाला मध्यस्थ” या “परमेश्वर द्वारा उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त मनुष्य”।
- “याजक” का अनुवाद “मध्यस्थ” के अनुवाद से भिन्न होना है।
- कुछ अनुवादों में सदैव कहा जाता है, “इस्राएली याजक” या “यहूदी याजक” या “यहोवा का याजक” या “बाल पुजारी” कि सुनिश्चित किया जाए कि वे आज के पुजारियों के समान नहीं थे।
- “याजक” शब्द का अनुवाद करने के लिए प्रयुक्त शब्द “प्रधान याजक” और “महायाजक” और “लेवीय” और “भविष्यद्वक्ता” से भिन्न होना चाहिए।

(यह भी देखें: हारून, प्रधान याजकों, महायाजक, मध्यस्थ, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 06:40-42
- उत्पत्ति 14:17-18
- उत्पत्ति 47:20-22
- यूहन्ना 01:19-21
- लूका 10:31-32
- मरकुस 01:43-44
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 08:4
- मत्ती 12:3-4
- मीका 03:9-11
- नहेमायाह 10:28-29
- नहेमायाह 10:34-36

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:07** "मलिकिसिदक, परमप्रधान परमेश्वर के याजक "
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के नियमों का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा | एक याजक पशु को मारकर उसे वेदी पर जलाएगा | उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, परमेश्वर की दृष्टी में पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा | परमेश्वर ने मूसा के भाई हारून और हारून के वंश को याजक पद के लिये चुना |
- **19:07** तब बाल के याजकों ने उस बछड़े को जो उन्हें दिया गया था, लेकर बलिदान के लिए तैयार किया, परन्तु उमसे आग न लगाई
- **21:07** याजक वो है जो लोगों के स्थान पर परमेश्वर के लिए बलिदान चढ़ाता है, जिससे कि परमेश्वर उनके पापों के कारण उन्हें दण्डित न करें | याजक परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3547, H3548, H3549, H3550, G748, G749, G2405, G2406, G2407, G2409, G2420

याजक, याजकों, याजक पद

परिभाषा:

बाइबल में याजक परमेश्वर की प्रजा की ओर से परमेश्वर के लिए चढ़ते चढ़ावे के लिए चुना गया मनुष्य। “याजक पद” उसके पद भार या उसकी सेवावृत्ति का नाम है।

- पुराने नियम में परमेश्वर ने हारून और उसके वंश को इस्राएल के लिए याजक होने हेतु चुना था।
- “याजक पद” एक अधिकार एवं उत्तरदायित्व था जो लेवियों के गोत्र में पिता से पुत्र को प्राप्त होता था।
- इस्राएल के याजकों का उत्तरदायित्व था कि वे मनुष्यों द्वारा लाए गए बलिदान परमेश्वर को चढ़ाए, इसके साथ मन्दिर के अन्य कार्य भी उनका उत्तरदायित्व थे।
- याजक नियमित प्रार्थनाएं भी परमेश्वर को चढ़ाते थे तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को पूरा करते थे।
- याजक मनुष्यों को विधिवत आशीर्वाद भी देते थे और उन्हें परमेश्वर की व्यवस्था के बारे में सिखाते थे।
- यीशु के युग में याजकों के अलग-अलग स्तर थे जिनमें प्रधान याजक और महायाजक भी थे।
- यीशु हमारा “बड़ा महायाजक” है जो परमेश्वर की उपस्थिति में हमारे लिए विनती करता है। उसने स्वयं को पाप की अन्तिम बलि करके चढ़ा दिया। इसका अर्थ है कि याजकों द्वारा चढ़ाए गए बलिदानों की अब आवश्यकता नहीं है।
- नये नियम में यीशु का प्रत्येक विश्वासी “याजक” कहा गया है, वह स्वयं के लिए और मनुष्यों के लिए विनती करने के लिए सीधा परमेश्वर के पास आ सकता है।
- प्राचीन युग में अन्यजातियों के भी पुजारी थे जो झूठे देवता को बलि चढाते थे, जैसे बाल देवता को।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “याजक” का अनुवाद “बलि चढ़ानेवाला व्यक्ति” या “परमेश्वर का मध्यस्थ” या “बलि चढ़ानेवाला मध्यस्थ” या “परमेश्वर द्वारा उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त मनुष्य”।
- “याजक” का अनुवाद “मध्यस्थ” के अनुवाद से भिन्न होना है।
- कुछ अनुवादों में सदैव कहा जाता है, “इस्राएली याजक” या “यहूदी याजक” या “यहोवा का याजक” या “बाल पुजारी” कि सुनिश्चित किया जाए कि वे आज के पुजारियों के समान नहीं थे।
- “याजक” शब्द का अनुवाद करने के लिए प्रयुक्त शब्द “प्रधान याजक” और “महायाजक” और “लेवीय” और “भविष्यद्वक्ता” से भिन्न होना चाहिए।

(यह भी देखें: हारून, प्रधान याजकों, महायाजक, मध्यस्थ, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 06:40-42
- उत्पत्ति 14:17-18
- उत्पत्ति 47:20-22
- यूहन्ना 01:19-21
- लूका 10:31-32
- मरकुस 01:43-44
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 08:4
- मत्ती 12:3-4
- मीका 03:9-11

- नहेमायाह 10:28-29
- नहेमायाह 10:34-36
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:07** "मलिकिसिदक, परमप्रधान परमेश्वर के याजक "
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के नियमों का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा | एक याजक पशु को मारकर उसे वेदी पर जलाएगा | उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, परमेश्वर की दृष्टी में पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा | परमेश्वर ने मूसा के भाई हारून और हारून के वंश को याजक पद के लिये चुना |
- **19:07** तब बाल के याजकों ने उस बछड़े को जो उन्हें दिया गया था, लेकर बलिदान के लिए तैयार किया, परन्तु उमसे आग न लगाई
- **21:07** याजक वो है जो लोगों के स्थान पर परमेश्वर के लिए बलिदान चढ़ाता है, जिससे कि परमेश्वर उनके पापों के कारण उन्हें दण्डित न करें | याजक परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3547, H3548, H3549, H3550, G748, G749, G2405, G2406, G2407, G2409, G2420

याजक, याजकों, याजक पद

परिभाषा:

बाइबल में याजक परमेश्वर की प्रजा की ओर से परमेश्वर के लिए चढ़ते चढ़ावे के लिए चुना गया मनुष्य। “याजक पद” उसके पद भार या उसकी सेवावृत्ति का नाम है।

- पुराने नियम में परमेश्वर ने हारून और उसके वंश को इस्राएल के लिए याजक होने हेतु चुना था।
- “याजक पद” एक अधिकार एवं उत्तरदायित्व था जो लेवियों के गोत्र में पिता से पुत्र को प्राप्त होता था।
- इस्राएल के याजकों का उत्तरदायित्व था कि वे मनुष्यों द्वारा लाए गए बलिदान परमेश्वर को चढ़ाए, इसके साथ मन्दिर के अन्य कार्य भी उनका उत्तरदायित्व थे।
- याजक नियमित प्रार्थनाएं भी परमेश्वर को चढ़ाते थे तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को पूरा करते थे।
- याजक मनुष्यों को विधिवत आशीर्वाद भी देते थे और उन्हें परमेश्वर की व्यवस्था के बारे में सिखाते थे।
- यीशु के युग में याजकों के अलग-अलग स्तर थे जिनमें प्रधान याजक और महायाजक भी थे।
- यीशु हमारा “बड़ा महायाजक” है जो परमेश्वर की उपस्थिति में हमारे लिए विनती करता है। उसने स्वयं को पाप की अन्तिम बलि करके चढ़ा दिया। इसका अर्थ है कि याजकों द्वारा चढ़ाए गए बलिदानों की अब आवश्यकता नहीं है।
- नये नियम में यीशु का प्रत्येक विश्वासी “याजक” कहा गया है, वह स्वयं के लिए और मनुष्यों के लिए विनती करने के लिए सीधा परमेश्वर के पास आ सकता है।
- प्राचीन युग में अन्यजातियों के भी पुजारी थे जो झूठे देवता को बलि चढाते थे, जैसे बाल देवता को।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “याजक” का अनुवाद “बलि चढ़ानेवाला व्यक्ति” या “परमेश्वर का मध्यस्थ” या “बलि चढ़ानेवाला मध्यस्थ” या “परमेश्वर द्वारा उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त मनुष्य”।
- “याजक” का अनुवाद “मध्यस्थ” के अनुवाद से भिन्न होना है।
- कुछ अनुवादों में सदैव कहा जाता है, “इस्राएली याजक” या “यहूदी याजक” या “यहोवा का याजक” या “बाल पुजारी” कि सुनिश्चित किया जाए कि वे आज के पुजारियों के समान नहीं थे।
- “याजक” शब्द का अनुवाद करने के लिए प्रयुक्त शब्द “प्रधान याजक” और “महायाजक” और “लेवीय” और “भविष्यद्वक्ता” से भिन्न होना चाहिए।

(यह भी देखें: हारून, प्रधान याजकों, महायाजक, मध्यस्थ, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 06:40-42
- उत्पत्ति 14:17-18
- उत्पत्ति 47:20-22
- यूहन्ना 01:19-21
- लूका 10:31-32
- मरकुस 01:43-44
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 08:4

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 12:3-4
- मीका 03:9-11
- नहेमायाह 10:28-29
- नहेमायाह 10:34-36
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:07** "मलिकिसिदक, परमप्रधान परमेश्वर के याजक "
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के नियमों का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा | एक याजक पशु को मारकर उसे वेदी पर जलाएगा | उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, परमेश्वर की दृष्टी में पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा | परमेश्वर ने मूसा के भाई हारून और हारून के वंश को याजक पद के लिये चुना |
- **19:07** तब बाल के याजकों ने उस बछड़े को जो उन्हें दिया गया था, लेकर बलिदान के लिए तैयार किया, परन्तु उमसे आग न लगाई
- **21:07** याजक वो है जो लोगों के स्थान पर परमेश्वर के लिए बलिदान चढ़ाता है, जिससे कि परमेश्वर उनके पापों के कारण उन्हें दण्डित न करें | याजक परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3547, H3548, H3549, H3550, G748, G749, G2405, G2406, G2407, G2409, G2420

याजक, याजकों, याजक पद

परिभाषा:

बाइबल में याजक परमेश्वर की प्रजा की ओर से परमेश्वर के लिए चढ़ते चढ़ावे के लिए चुना गया मनुष्य। “याजक पद” उसके पद भार या उसकी सेवावृत्ति का नाम है।

- पुराने नियम में परमेश्वर ने हारून और उसके वंश को इस्राएल के लिए याजक होने हेतु चुना था।
- “याजक पद” एक अधिकार एवं उत्तरदायित्व था जो लेवियों के गोत्र में पिता से पुत्र को प्राप्त होता था।
- इस्राएल के याजकों का उत्तरदायित्व था कि वे मनुष्यों द्वारा लाए गए बलिदान परमेश्वर को चढ़ाए, इसके साथ मन्दिर के अन्य कार्य भी उनका उत्तरदायित्व थे।
- याजक नियमित प्रार्थनाएं भी परमेश्वर को चढ़ाते थे तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को पूरा करते थे।
- याजक मनुष्यों को विधिवत आशीर्वाद भी देते थे और उन्हें परमेश्वर की व्यवस्था के बारे में सिखाते थे।
- यीशु के युग में याजकों के अलग-अलग स्तर थे जिनमें प्रधान याजक और महायाजक भी थे।
- यीशु हमारा “बड़ा महायाजक” है जो परमेश्वर की उपस्थिति में हमारे लिए विनती करता है। उसने स्वयं को पाप की अन्तिम बलि करके चढ़ा दिया। इसका अर्थ है कि याजकों द्वारा चढ़ाए गए बलिदानों की अब आवश्यकता नहीं है।
- नये नियम में यीशु का प्रत्येक विश्वासी “याजक” कहा गया है, वह स्वयं के लिए और मनुष्यों के लिए विनती करने के लिए सीधा परमेश्वर के पास आ सकता है।
- प्राचीन युग में अन्यजातियों के भी पुजारी थे जो झूठे देवता को बलि चढाते थे, जैसे बाल देवता को।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “याजक” का अनुवाद “बलि चढ़ानेवाला व्यक्ति” या “परमेश्वर का मध्यस्थ” या “बलि चढ़ानेवाला मध्यस्थ” या “परमेश्वर द्वारा उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त मनुष्य”।
- “याजक” का अनुवाद “मध्यस्थ” के अनुवाद से भिन्न होना है।
- कुछ अनुवादों में सदैव कहा जाता है, “इस्राएली याजक” या “यहूदी याजक” या “यहोवा का याजक” या “बाल पुजारी” कि सुनिश्चित किया जाए कि वे आज के पुजारियों के समान नहीं थे।
- “याजक” शब्द का अनुवाद करने के लिए प्रयुक्त शब्द “प्रधान याजक” और “महायाजक” और “लेवीय” और “भविष्यद्वक्ता” से भिन्न होना चाहिए।

(यह भी देखें: हारून, प्रधान याजकों, महायाजक, मध्यस्थ, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 06:40-42
- उत्पत्ति 14:17-18
- उत्पत्ति 47:20-22
- यूहन्ना 01:19-21
- लूका 10:31-32
- मरकुस 01:43-44

- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 08:4
- मत्ती 12:3-4
- मीका 03:9-11
- नहेमायाह 10:28-29
- नहेमायाह 10:34-36
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:07** "मलिकिसिदक, परमप्रधान परमेश्वर के याजक "
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के नियमों का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा | एक याजक पशु को मारकर उसे वेदी पर जलाएगा | उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, परमेश्वर की दृष्टी में पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा | परमेश्वर ने मूसा के भाई हारून और हारून के वंश को याजक पद के लिये चुना |
- **19:07** तब बाल के याजकों ने उस बछड़े को जो उन्हें दिया गया था, लेकर बलिदान के लिए तैयार किया, परन्तु उमसे आग न लगाई
- **21:07** याजक वो है जो लोगों के स्थान पर परमेश्वर के लिए बलिदान चढ़ाता है, जिससे कि परमेश्वर उनके पापों के कारण उन्हें दण्डित न करें | याजक परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3547, H3548, H3549, H3550, G748, G749, G2405, G2406, G2407, G2409, G2420

याजक, याजकों, याजक पद

परिभाषा:

बाइबल में याजक परमेश्वर की प्रजा की ओर से परमेश्वर के लिए चढ़ते चढ़ावे के लिए चुना गया मनुष्य। “याजक पद” उसके पद भार या उसकी सेवावृत्ति का नाम है।

- पुराने नियम में परमेश्वर ने हारून और उसके वंश को इस्राएल के लिए याजक होने हेतु चुना था।
- “याजक पद” एक अधिकार एवं उत्तरदायित्व था जो लेवियों के गोत्र में पिता से पुत्र को प्राप्त होता था।
- इस्राएल के याजकों का उत्तरदायित्व था कि वे मनुष्यों द्वारा लाए गए बलिदान परमेश्वर को चढ़ाए, इसके साथ मन्दिर के अन्य कार्य भी उनका उत्तरदायित्व थे।
- याजक नियमित प्रार्थनाएं भी परमेश्वर को चढ़ाते थे तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को पूरा करते थे।
- याजक मनुष्यों को विधिवत आशीर्वाद भी देते थे और उन्हें परमेश्वर की व्यवस्था के बारे में सिखाते थे।
- यीशु के युग में याजकों के अलग-अलग स्तर थे जिनमें प्रधान याजक और महायाजक भी थे।
- यीशु हमारा “बड़ा महायाजक” है जो परमेश्वर की उपस्थिति में हमारे लिए विनती करता है। उसने स्वयं को पाप की अन्तिम बलि करके चढ़ा दिया। इसका अर्थ है कि याजकों द्वारा चढ़ाए गए बलिदानों की अब आवश्यकता नहीं है।
- नये नियम में यीशु का प्रत्येक विश्वासी “याजक” कहा गया है, वह स्वयं के लिए और मनुष्यों के लिए विनती करने के लिए सीधा परमेश्वर के पास आ सकता है।
- प्राचीन युग में अन्यजातियों के भी पुजारी थे जो झूठे देवता को बलि चढाते थे, जैसे बाल देवता को।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “याजक” का अनुवाद “बलि चढ़ानेवाला व्यक्ति” या “परमेश्वर का मध्यस्थ” या “बलि चढ़ानेवाला मध्यस्थ” या “परमेश्वर द्वारा उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त मनुष्य”।
- “याजक” का अनुवाद “मध्यस्थ” के अनुवाद से भिन्न होना है।
- कुछ अनुवादों में सदैव कहा जाता है, “इस्राएली याजक” या “यहूदी याजक” या “यहोवा का याजक” या “बाल पुजारी” कि सुनिश्चित किया जाए कि वे आज के पुजारियों के समान नहीं थे।
- “याजक” शब्द का अनुवाद करने के लिए प्रयुक्त शब्द “प्रधान याजक” और “महायाजक” और “लेवीय” और “भविष्यद्वक्ता” से भिन्न होना चाहिए।

(यह भी देखें: हारून, प्रधान याजकों, महायाजक, मध्यस्थ, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 06:40-42
- उत्पत्ति 14:17-18
- उत्पत्ति 47:20-22
- यूहन्ना 01:19-21

- लूका 10:31-32
- मरकुस 01:43-44
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 08:4
- मत्ती 12:3-4
- मीका 03:9-11
- नहेमायाह 10:28-29
- नहेमायाह 10:34-36
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:07** "मलिकिसिदक, परमप्रधान परमेश्वर के याजक "
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के नियमों का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा | एक याजक पशु को मारकर उसे वेदी पर जलाएगा | उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, परमेश्वर की दृष्टी में पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा | परमेश्वर ने मूसा के भाई हारून और हारून के वंश को याजक पद के लिये चुना |
- **19:07** तब बाल के याजकों ने उस बछड़े को जो उन्हें दिया गया था, लेकर बलिदान के लिए तैयार किया, परन्तु उमसे आग न लगाई
- **21:07** याजक वो है जो लोगों के स्थान पर परमेश्वर के लिए बलिदान चढ़ाता है, जिससे कि परमेश्वर उनके पापों के कारण उन्हें दण्डित न करें | याजक परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3547, H3548, H3549, H3550, G748, G749, G2405, G2406, G2407, G2409, G2420

याफा

तथ्य:

बाइबल के युग में याफा नगर एक महत्वपूर्ण व्यापारिक बन्दरगाह था जिसकी भौगोलिक स्थिति शारोन के मैदान के दक्षिण में भूमध्य सागर के तट पर थी।

- प्राचीन याफा वर्तमान समय में जाफ़ा शहर के रूप में स्थित है, जो अब तेल अवीव शहर में शामिल हो गया है।
- पुराने नियम में याफा वह स्थान था जहां से जहाज पर चढ़कर योना तर्शीश जाना चाहता था।
- नये नियम में तबिता नामक एक मसीह स्त्री याफा नगर में मृत्यु को प्राप्त हुई थी जिसे पतरस ने जिलाया था।

(यह भी देखें: समुद्र, यरूशलेम, शारोन, तर्शीश)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:36-37
- प्रे.का. 10:7-8
- प्रे.का. 11:4-6
- प्रे.का. 11:11-14
- योना 01:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3305, G2445

यिर्मयाह

तथ्य:

यिर्मयाह यहूदा राज्य में परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था। पुराने नियम में यिर्मयाह नाम की पुस्तक में उसकी भविष्यद्वाणियां हैं।

- अन्य भविष्यद्वक्ताओं के सदृश्य यिर्मयाह ने भी इस्राएलियों को चेतावनी दी थी कि परमेश्वर उनके पापों का दण्ड देगा।
- यिर्मयाह की भविष्यद्वाणी के अनुवार बेबीलोन, यरूशलेम को बन्दी बनाएगा, इस कारण अनेक यहूदावासी उससे क्रोधित थे। परिणामस्वरूप उन्होंने उसे एक सूखे कूएं में डाल दिया कि वह मर जाए। परन्तु यहूदा के राजा ने अपने सेवकों को आज्ञा देकर उसे कूएं में से निकलवाया।

(यह भी देखें: बेबीलोन, यहूदा, भविष्यद्वक्ता, बलवा, दुःख उठाए, गड्ढे)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 35:25
- यिर्मयाह 01:1-3
- यिर्मयाह 11:1-2
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 16:13-16
- मत्ती 27:9-10

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **21:05** यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा बनाएगा परन्तु वह उस वाचा के समान न होंगी जो परमेश्वर ने इस्राएलियों के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3414, G2408

यिशै

तथ्य:

यिशै राजा दाऊद का पिता और रूत एवं बोआज़ का पोता था।

- यिशै यहूदा का गोत्र का था।
- वह “एप्राती” था अर्थात एप्राता (बैतलहम) नगर का निवासी था।
- भविष्यद्वक्ता यशायाह ने एक “जड़” या “डाली” की भविष्यद्वाणी की थी, कि वह “यिशै की जड़” से फूट निकलेगी और फलवन्त होगी। यह यीशु के संदर्भ में था क्योंकि वह यिशै का वंशज था।

(यह भी देखें: बैतलहम, बोआज़, उतरेगा, फल, यीशु, राजा, भविष्यद्वक्ता, रूत, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:9-12
- 1 राजा 12:16-17
- 1 शमूएल 16:1
- लूका 03:30-32
- मत्ती 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3448, G2421

यिशै

तथ्य:

यिशै राजा दाऊद का पिता और रूत एवं बोआज़ का पोता था।

- यिशै यहूदा का गोत्र का था।
- वह “एप्राती” था अर्थात एप्राता (बैतलहम) नगर का निवासी था।
- भविष्यद्वक्ता यशायाह ने एक “जड़” या “डाली” की भविष्यद्वाणी की थी, कि वह “यिशै की जड़” से फूट निकलेगी और फलवन्त होगी। यह यीशु के संदर्भ में था क्योंकि वह यिशै का वंशज था।

(यह भी देखें: बैतलहम, बोआज़, उतरेगा, फल, यीशु, राजा, भविष्यद्वक्ता, रूत, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:9-12
- 1 राजा 12:16-17
- 1 शमूएल 16:1
- लूका 03:30-32
- मत्ती 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3448, G2421

यिशै

तथ्य:

यिशै राजा दाऊद का पिता और रूत एवं बोआज़ का पोता था।

- यिशै यहूदा का गोत्र का था।
- वह “एप्राती” था अर्थात एप्राता (बैतलहम) नगर का निवासी था।
- भविष्यद्वक्ता यशायाह ने एक “जड़” या “डाली” की भविष्यद्वाणी की थी, कि वह “यिशै की जड़” से फूट निकलेगी और फलवन्त होगी। यह यीशु के संदर्भ में था क्योंकि वह यिशै का वंशज था।

(यह भी देखें: बैतलहम, बोआज़, उतरेगा, फल, यीशु, राजा, भविष्यद्वक्ता, रूत, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:9-12
- 1 राजा 12:16-17
- 1 शमूएल 16:1
- लूका 03:30-32
- मत्ती 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3448, G2421

यिशै

तथ्य:

यिशै राजा दाऊद का पिता और रूत एवं बोआज़ का पोता था।

- यिशै यहूदा का गोत्र का था।
- वह “एप्राती” था अर्थात एप्राता (बैतलहम) नगर का निवासी था।
- भविष्यद्वक्ता यशायाह ने एक “जड़” या “डाली” की भविष्यद्वाणी की थी, कि वह “यिशै की जड़” से फूट निकलेगी और फलवन्त होगी। यह यीशु के संदर्भ में था क्योंकि वह यिशै का वंशज था।

(यह भी देखें: बैतलहम, बोआज़, उतरेगा, फल, यीशु, राजा, भविष्यद्वक्ता, रूत, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:9-12
- 1 राजा 12:16-17
- 1 शमूएल 16:1
- लूका 03:30-32
- मत्ती 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3448, G2421

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,

- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** " प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। "यीशु" नाम का अर्थ है, "यहोवा बचाता है" "मसीह" एक पदनाम है जिसका अर्थ है, "अभिषिक्त जन" इसका दूसरा शब्द है, "मसीहा"

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, "मसीह यीशु" या "यीशु मसीह"। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम "यीशु" रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में "यीशु" और "मसीह" की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, "जेसुक्रिस्तो", "जीज़स ख्रिस्तसो", "येसुस क्रिस्तुस" और "हेतुक्रिस्तो" ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- "ख्रीस्त" शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र "मसीह" शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2

- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।

- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** " प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। "यीशु" नाम का अर्थ है, "यहोवा बचाता है" "मसीह" एक पदनाम है जिसका अर्थ है, "अभिषिक्त जन" इसका दूसरा शब्द है, "मसीहा"

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, "मसीह यीशु" या "यीशु मसीह"। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम "यीशु" रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में "यीशु" और "मसीह" की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, "जेसुक्रिस्तो", "जीज़स ख्रिस्तसो", "येसुस क्रिस्तुस" और "हेतुक्रिस्तो" ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- "ख्रीस्त" शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र "मसीह" शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24

- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,

- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** " प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। "यीशु" नाम का अर्थ है, "यहोवा बचाता है" "मसीह" एक पदनाम है जिसका अर्थ है, "अभिषिक्त जन" इसका दूसरा शब्द है, "मसीहा"

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, "मसीह यीशु" या "यीशु मसीह"। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम "यीशु" रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में "यीशु" और "मसीह" की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, "जेसुक्रिस्तो", "जीज़स ख्रिस्तसो", "येसुस क्रिस्तुस" और "हेतुक्रिस्तो" ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- "ख्रीस्त" शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र "मसीह" शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2

- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।

- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** " प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। "यीशु" नाम का अर्थ है, "यहोवा बचाता है" "मसीह" एक पदनाम है जिसका अर्थ है, "अभिषिक्त जन" इसका दूसरा शब्द है, "मसीहा"

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, "मसीह यीशु" या "यीशु मसीह"। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम "यीशु" रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में "यीशु" और "मसीह" की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, "जेसुक्रिस्तो", "जीज़स ख्रिस्तसो", "येसुस क्रिस्तुस" और "हेतुक्रिस्तो" ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- "ख्रीस्त" शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र "मसीह" शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24

- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,

- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** " प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। "यीशु" नाम का अर्थ है, "यहोवा बचाता है" "मसीह" एक पदनाम है जिसका अर्थ है, "अभिषिक्त जन" इसका दूसरा शब्द है, "मसीहा"

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, "मसीह यीशु" या "यीशु मसीह"। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम "यीशु" रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में "यीशु" और "मसीह" की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, "जेसुक्रिस्तो", "जीज़स ख्रिस्तसो", "येसुस क्रिस्तुस" और "हेतुक्रिस्तो" ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- "ख्रीस्त" शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र "मसीह" शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8

- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2

- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।

- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** " प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। "यीशु" नाम का अर्थ है, "यहोवा बचाता है" "मसीह" एक पदनाम है जिसका अर्थ है, "अभिषिक्त जन" इसका दूसरा शब्द है, "मसीहा"

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, "मसीह यीशु" या "यीशु मसीह"। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम "यीशु" रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में "यीशु" और "मसीह" की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, "जेसुक्रिस्तो", "जीज़स ख्रिस्तसो", "येसुस क्रिस्तुस" और "हेतुक्रिस्तो" ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- "ख्रीस्त" शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र "मसीह" शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24

- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यीशु, यीशु मसीह, मसीह यीशु

तथ्य:

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक पदनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीहा”

ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह यीशु” या “यीशु मसीह”। इन नामों से बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।

- पवित्र आत्मा ने चमत्कारी रूप से परमेश्वर के अनन्त पुत्र को मानव रूप में जन्म दिया। उसके माता से स्वर्गदूत ने कहा था कि उसका नाम “यीशु” रखा जाए क्योंकि उसकी नियति में मनुष्यों का पापमोचन था।
- यीशु ने अनेक चमत्कारी कार्य किए जिससे सिद्ध हो गया था कि वह परमेश्वर है और वह ख्रिस्त या मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में “यीशु” और “मसीह” की वर्तनी ऐसी काम में ली जाती है कि उसका उच्चारण मूल भाषा के निकटतम हो। उदाहरणार्थ, “जेसुक्रिस्तो”, “जीज़स ख्रिस्तसो”, “येसुस क्रिस्तुस” और “हेतुक्रिस्तो” ये कुछ ऐसे तरीके हैं जो इन नामों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित करते हैं।
- “ख्रीस्त” शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र “मसीह” शब्द था उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्धारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- प्रे.का. 02:22-24
- प्रे.का. 05:29-32
- प्रे.का. 10:36-38
- इब्रानियों 09:13-15
- इब्रानियों 10:19-22
- लूका 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फिलिप्पियों 02:5-8
- फिलिप्पियों 02:9-11
- फिलिप्पियों 04:21-23
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:04** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम यीशु रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है')क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:07** तो यहून्ना ने उनको (यीशु) बपतिस्मा दिया,यद्यपि यीशु ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:09** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, यीशु पुत्र को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:08** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:03** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मृत्यु के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” प्रभु यीशु स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातो पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2424, G5547

यूनान, यूनानी

तथ्य:

नए नियम के युग में यूनान रोमी साम्राज्य का एक प्रान्त था।

- आज के यूनान के स्थान ही में वह यूनान भूमध्य-सागर, एजियन सागर और आयोनियन सागर के तटों पर एक प्रायद्वीप था।
- प्रेरित पौलुस यूनान के अनेक नगरों में गया था और वहां कलीसियाओं की स्थापना की, कुरिन्थ, थिस्सलुनीके, फिलिप्पी तथा अन्य।
- यूनान के नागरिक यूनानी कहलाते हैं और उनकी भाषा भी यूनानी ही कहलाती है। रोम के अन्य प्रान्तों के लोग भी यूनानी भाषा बोलते थे जिनमे यहूदी भी थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- कभी-कभी यूनानी शब्द अन्य जाति के लिए भी काम में लिया जाता था।

(यह भी देखें: कुरिन्थुस, अन्यजाति, यूनानी, इब्रानी, फिलिप्पी, थिस्सलुनीके)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 08:20-21
- दानिय्येल 10:20-21
- दानिय्येल 11:1-2
- जकर्याह 09:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3120, G1671

यूनान, यूनानी

तथ्य:

नए नियम के युग में यूनान रोमी साम्राज्य का एक प्रान्त था।

- आज के यूनान के स्थान ही में वह यूनान भूमध्य-सागर, एजियन सागर और आयोनियन सागर के तटों पर एक प्रायद्वीप था।
- प्रेरित पौलुस यूनान के अनेक नगरों में गया था और वहां कलीसियाओं की स्थापना की, कुरिन्थ, थिस्सलुनीके, फिलिप्पी तथा अन्य।
- यूनान के नागरिक यूनानी कहलाते हैं और उनकी भाषा भी यूनानी ही कहलाती है। रोम के अन्य प्रान्तों के लोग भी यूनानी भाषा बोलते थे जिनमे यहूदी भी थे।
- कभी-कभी यूनानी शब्द अन्य जाति के लिए भी काम में लिया जाता था।

(यह भी देखें: कुरिन्थुस, अन्यजाति, यूनानी, इब्रानी, फिलिप्पी, थिस्सलुनीके)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 08:20-21
- दानिय्येल 10:20-21
- दानिय्येल 11:1-2
- जकर्याह 09:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3120, G1671

यूनान, यूनानी

तथ्य:

नए नियम के युग में यूनान रोमी साम्राज्य का एक प्रान्त था।

- आज के यूनान के स्थान ही में वह यूनान भूमध्य-सागर, एजियन सागर और आयोनियन सागर के तटों पर एक प्रायद्वीप था।
- प्रेरित पौलुस यूनान के अनेक नगरों में गया था और वहां कलीसियाओं की स्थापना की, कुरिन्थ, थिस्सलुनीके, फिलिप्पी तथा अन्य।
- यूनान के नागरिक यूनानी कहलाते हैं और उनकी भाषा भी यूनानी ही कहलाती है। रोम के अन्य प्रान्तों के लोग भी यूनानी भाषा बोलते थे जिनमे यहूदी भी थे।
- कभी-कभी यूनानी शब्द अन्य जाति के लिए भी काम में लिया जाता था।

(यह भी देखें: कुरिन्थुस, अन्यजाति, यूनानी, इब्रानी, फिलिप्पी, थिस्सलुनीके)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 08:20-21
- दानिय्येल 10:20-21
- दानिय्येल 11:1-2

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- जकर्याह 09:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3120, G1671

यूनान, यूनानी

तथ्य:

नए नियम के युग में यूनान रोमी साम्राज्य का एक प्रान्त था।

- आज के यूनान के स्थान ही में वह यूनान भूमध्य-सागर, एजियन सागर और आयोनियन सागर के तटों पर एक प्रायद्वीप था।
- प्रेरित पौलुस यूनान के अनेक नगरों में गया था और वहां कलीसियाओं की स्थापना की, कुरिन्थ, थिस्सलुनीके, फिलिप्पी तथा अन्य।
- यूनान के नागरिक यूनानी कहलाते हैं और उनकी भाषा भी यूनानी ही कहलाती है। रोम के अन्य प्रान्तों के लोग भी यूनानी भाषा बोलते थे जिनमे यहूदी भी थे।
- कभी-कभी यूनानी शब्द अन्य जाति के लिए भी काम में लिया जाता था।

(यह भी देखें: कुरिन्थुस, अन्यजाति, यूनानी, इब्रानी, फिलिप्पी, थिस्सलुनीके)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 08:20-21
- दानिय्येल 10:20-21
- दानिय्येल 11:1-2
- जकर्याह 09:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3120, G1671

यूनान, यूनानी

तथ्य:

नए नियम के युग में यूनान रोमी साम्राज्य का एक प्रान्त था।

- आज के यूनान के स्थान ही में वह यूनान भूमध्य-सागर, एजियन सागर और आयोनियन सागर के तटों पर एक प्रायद्वीप था।
- प्रेरित पौलुस यूनान के अनेक नगरों में गया था और वहां कलीसियाओं की स्थापना की, कुरिन्थ, थिस्सलुनीके, फिलिप्पी तथा अन्य।
- यूनान के नागरिक यूनानी कहलाते हैं और उनकी भाषा भी यूनानी ही कहलाती है। रोम के अन्य प्रान्तों के लोग भी यूनानी भाषा बोलते थे जिनमे यहूदी भी थे।
- कभी-कभी यूनानी शब्द अन्य जाति के लिए भी काम में लिया जाता था।

(यह भी देखें: कुरिन्थुस, अन्यजाति, यूनानी, इब्रानी, फिलिप्पी, थिस्सलुनीके)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 08:20-21
- दानिय्येल 10:20-21
- दानिय्येल 11:1-2
- जकर्याह 09:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3120, G1671

यूनान, यूनानी

तथ्य:

नए नियम के युग में यूनान रोमी साम्राज्य का एक प्रान्त था।

- आज के यूनान के स्थान ही में वह यूनान भूमध्य-सागर, एजियन सागर और आयोनियन सागर के तटों पर एक प्रायद्वीप था।
- प्रेरित पौलुस यूनान के अनेक नगरों में गया था और वहां कलीसियाओं की स्थापना की, कुरिन्थ, थिस्सलुनीके, फिलिप्पी तथा अन्य।
- यूनान के नागरिक यूनानी कहलाते हैं और उनकी भाषा भी यूनानी ही कहलाती है। रोम के अन्य प्रान्तों के लोग भी यूनानी भाषा बोलते थे जिनमे यहूदी भी थे।
- कभी-कभी यूनानी शब्द अन्य जाति के लिए भी काम में लिया जाता था।

(यह भी देखें: कुरिन्थुस, अन्यजाति, यूनानी, इब्रानी, फिलिप्पी, थिस्सलुनीके)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 08:20-21
- दानिय्येल 10:20-21
- दानिय्येल 11:1-2
- जकर्याह 09:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3120, G1671

यूनान, यूनानी

तथ्य:

नए नियम के युग में यूनान रोमी साम्राज्य का एक प्रान्त था।

- आज के यूनान के स्थान ही में वह यूनान भूमध्य-सागर, एजियन सागर और आयोनियन सागर के तटों पर एक प्रायद्वीप था।
- प्रेरित पौलुस यूनान के अनेक नगरों में गया था और वहां कलीसियाओं की स्थापना की, कुरिन्थ, थिस्सलुनीके, फिलिप्पी तथा अन्य।
- यूनान के नागरिक यूनानी कहलाते हैं और उनकी भाषा भी यूनानी ही कहलाती है। रोम के अन्य प्रान्तों के लोग भी यूनानी भाषा बोलते थे जिनमे यहूदी भी थे।
- कभी-कभी यूनानी शब्द अन्य जाति के लिए भी काम में लिया जाता था।

(यह भी देखें: कुरिन्थुस, अन्यजाति, यूनानी, इब्रानी, फिलिप्पी, थिस्सलुनीके)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 08:20-21
- दानिय्येल 10:20-21
- दानिय्येल 11:1-2
- जकर्याह 09:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3120, G1671

यूनान, यूनानी

तथ्य:

नए नियम के युग में यूनान रोमी साम्राज्य का एक प्रान्त था।

- आज के यूनान के स्थान ही में वह यूनान भूमध्य-सागर, एजियन सागर और आयोनियन सागर के तटों पर एक प्रायद्वीप था।
- प्रेरित पौलुस यूनान के अनेक नगरों में गया था और वहां कलीसियाओं की स्थापना की, कुरिन्थ, थिस्सलुनीके, फिलिप्पी तथा अन्य।

- यूनान के नागरिक यूनानी कहलाते हैं और उनकी भाषा भी यूनानी ही कहलाती है। रोम के अन्य प्रान्तों के लोग भी यूनानी भाषा बोलते थे जिनमे यहूदी भी थे।
- कभी-कभी यूनानी शब्द अन्य जाति के लिए भी काम में लिया जाता था।

(यह भी देखें: कुरिन्थुस, अन्यजाति, यूनानी, इब्रानी, फिलिप्पी, थिस्सलुनीके)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 08:20-21
- दानिय्येल 10:20-21
- दानिय्येल 11:1-2
- जकर्याह 09:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3120, G1671

यूनानी, यूनानी

तथ्य:

शब्द "यूनानी" यूनान देश में बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करता है, यह शब्द यूनान देश के व्यक्ति के लिए भी उपयोग किया है। यूनानी भी रोमन साम्राज्य भर में बोली जाती थी यूनानी का अर्थ था “यूनानी भाषा बोलने”

- क्योंकि रोमन साम्राज्य में अधिकांश गैर-यहूदी लोग यूनानी भाषा बोलते हैं, इसलिए नए नियम में अन्यजातियों को अक्सर "यूनानी" कहा जाता है, विशेष रूप से जब यहूदियों के साथ विषम हो।
- वाक्यांश "यूनानी यहूदी" का सन्दर्भ यहूदियों से है जो यूनानी भाषा बोलते है न कि "इब्रानी भाषा से संबंधित यहूदी" जो केवल इब्रानी या शायद अरामी भाषा बोलते है।
- “यूनानी” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं; “यूनानी बोलनेवाले” या “यूनानी संस्कृति के” या “यूनानी”।
- गैर-यहूदी के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “यूनानी” या “अन्य-जाति” हो सकता है।

(यह भी देखें: अराम, अन्यजाति, यूनान, इब्रानी, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:1
- प्रे.का. 09:28-30
- प्रे.का. 11:19-21
- प्रे.का. 14:1-2
- कुलुस्सियों 03:9-11
- गलातियों 02:3-5
- यूहन्ना 07:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3125, G1672, G1673, G1674, G1675, G1676

यूनानी, यूनानी

तथ्य:

शब्द "यूनानी" यूनान देश में बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करता है, यह शब्द यूनान देश के व्यक्ति के लिए भी उपयोग किया है। यूनानी भी रोमन साम्राज्य भर में बोली जाती थी यूनानी का अर्थ था “यूनानी भाषा बोलने”

- क्योंकि रोमन साम्राज्य में अधिकांश गैर-यहूदी लोग यूनानी भाषा बोलते हैं, इसलिए नए नियम में अन्यजातियों को अक्सर "यूनानी" कहा जाता है, विशेष रूप से जब यहूदियों के साथ विषम हो।
- वाक्यांश "यूनानी यहूदी" का सन्दर्भ यहूदियों से है जो यूनानी भाषा बोलते है न कि "इब्रानी भाषा से संबंधित यहूदी" जो केवल इब्रानी या शायद अरामी भाषा बोलते है।
- “यूनानी” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं; “यूनानी बोलनेवाले” या “यूनानी संस्कृति के” या “यूनानी”।

- गैर-यहूदी के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “यूनानी” या “अन्य-जाति” हो सकता है।

(यह भी देखें: अराम, अन्यजाति, यूनान, इब्रानी, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:1
- प्रे.का. 09:28-30
- प्रे.का. 11:19-21
- प्रे.का. 14:1-2
- कुलुस्सियों 03:9-11
- गलातियों 02:3-5
- यूहन्ना 07:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3125, G1672, G1673, G1674, G1675, G1676

यूनानी, यूनानी

तथ्य:

शब्द "यूनानी" यूनान देश में बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करता है, यह शब्द यूनान देश के व्यक्ति के लिए भी उपयोग किया है। यूनानी भी रोमन साम्राज्य भर में बोली जाती थी यूनानी का अर्थ था “यूनानी भाषा बोलने”

- क्योंकि रोमन साम्राज्य में अधिकांश गैर-यहूदी लोग यूनानी भाषा बोलते हैं, इसलिए नए नियम में अन्यजातियों को अक्सर "यूनानी" कहा जाता है, विशेष रूप से जब यहूदियों के साथ विषम हो।
- वाक्यांश "यूनानी यहूदी" का सन्दर्भ यहूदियों से है जो यूनानी भाषा बोलते है न कि "इब्रानी भाषा से संबंधित यहूदी" जो केवल इब्रानी या शायद अरामी भाषा बोलते है।
- “यूनानी” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं; “यूनानी बोलनेवाले” या “यूनानी संस्कृति के” या “यूनानी”।
- गैर-यहूदी के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “यूनानी” या “अन्य-जाति” हो सकता है।

(यह भी देखें: अराम, अन्यजाति, यूनान, इब्रानी, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:1
- प्रे.का. 09:28-30
- प्रे.का. 11:19-21
- प्रे.का. 14:1-2
- कुलुस्सियों 03:9-11
- गलातियों 02:3-5
- यूहन्ना 07:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3125, G1672, G1673, G1674, G1675, G1676

यूनानी, यूनानी

तथ्य:

शब्द "यूनानी" यूनान देश में बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करता है, यह शब्द यूनान देश के व्यक्ति के लिए भी उपयोग किया है। यूनानी भी रोमन साम्राज्य भर में बोली जाती थी यूनानी का अर्थ था “यूनानी भाषा बोलने”

- क्योंकि रोमन साम्राज्य में अधिकांश गैर-यहूदी लोग यूनानी भाषा बोलते हैं, इसलिए नए नियम में अन्यजातियों को अक्सर "यूनानी" कहा जाता है, विशेष रूप से जब यहूदियों के साथ विषम हो।
- वाक्यांश "यूनानी यहूदी" का सन्दर्भ यहूदियों से है जो यूनानी भाषा बोलते है न कि "इब्रानी भाषा से संबंधित यहूदी" जो केवल इब्रानी या शायद अरामी भाषा बोलते है।

- “यूनानी” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं; “यूनानी बोलनेवाले” या “यूनानी संस्कृति के” या “यूनानी”।
- गैर-यहूदी के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “यूनानी” या “अन्य-जाति” हो सकता है।

(यह भी देखें: अराम, अन्यजाति, यूनान, इब्रानी, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:1
- प्रे.का. 09:28-30
- प्रे.का. 11:19-21
- प्रे.का. 14:1-2
- कुलुस्सियों 03:9-11
- गलातियों 02:3-5
- यूहन्ना 07:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3125, G1672, G1673, G1674, G1675, G1676

यूनानी, यूनानी

तथ्य:

शब्द "यूनानी" यूनान देश में बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करता है, यह शब्द यूनान देश के व्यक्ति के लिए भी उपयोग किया है। यूनानी भी रोमन साम्राज्य भर में बोली जाती थी यूनानी का अर्थ था “यूनानी भाषा बोलने”

- क्योंकि रोमन साम्राज्य में अधिकांश गैर-यहूदी लोग यूनानी भाषा बोलते हैं, इसलिए नए नियम में अन्यजातियों को अक्सर "यूनानी" कहा जाता है, विशेष रूप से जब यहूदियों के साथ विषम हो।
- वाक्यांश "यूनानी यहूदी" का सन्दर्भ यहूदियों से है जो यूनानी भाषा बोलते है न कि "इब्रानी भाषा से संबंधित यहूदी" जो केवल इब्रानी या शायद अरामी भाषा बोलते है।
- “यूनानी” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं; “यूनानी बोलनेवाले” या “यूनानी संस्कृति के” या “यूनानी”।
- गैर-यहूदी के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “यूनानी” या “अन्य-जाति” हो सकता है।

(यह भी देखें: अराम, अन्यजाति, यूनान, इब्रानी, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:1
- प्रे.का. 09:28-30
- प्रे.का. 11:19-21
- प्रे.का. 14:1-2
- कुलुस्सियों 03:9-11
- गलातियों 02:3-5
- यूहन्ना 07:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3125, G1672, G1673, G1674, G1675, G1676

यूनानी, यूनानी

तथ्य:

शब्द "यूनानी" यूनान देश में बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करता है, यह शब्द यूनान देश के व्यक्ति के लिए भी उपयोग किया है। यूनानी भी रोमन साम्राज्य भर में बोली जाती थी यूनानी का अर्थ था “यूनानी भाषा बोलने”

- क्योंकि रोमन साम्राज्य में अधिकांश गैर-यहूदी लोग यूनानी भाषा बोलते हैं, इसलिए नए नियम में अन्यजातियों को अक्सर "यूनानी" कहा जाता है, विशेष रूप से जब यहूदियों के साथ विषम हो।

- वाक्यांश "यूनानी यहूदी" का सन्दर्भ यहूदियों से है जो यूनानी भाषा बोलते है न कि "इब्रानी भाषा से संबंधित यहूदी" जो केवल इब्रानी या शायद अरामी भाषा बोलते है।
- “यूनानी” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं; “यूनानी बोलनेवाले” या “यूनानी संस्कृति के” या “यूनानी”।
- गैर-यहूदी के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “यूनानी” या “अन्य-जाति” हो सकता है।

(यह भी देखें: अराम, अन्यजाति, यूनान, इब्रानी, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:1
- प्रे.का. 09:28-30
- प्रे.का. 11:19-21
- प्रे.का. 14:1-2
- कुलुस्सियों 03:9-11
- गलातियों 02:3-5
- यूहन्ना 07:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3125, G1672, G1673, G1674, G1675, G1676

यूनानी, यूनानी

तथ्य:

शब्द "यूनानी" यूनान देश में बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करता है, यह शब्द यूनान देश के व्यक्ति के लिए भी उपयोग किया है। यूनानी भी रोमन साम्राज्य भर में बोली जाती थी यूनानी का अर्थ था “यूनानी भाषा बोलने”

- क्योंकि रोमन साम्राज्य में अधिकांश गैर-यहूदी लोग यूनानी भाषा बोलते हैं, इसलिए नए नियम में अन्यजातियों को अक्सर "यूनानी" कहा जाता है, विशेष रूप से जब यहूदियों के साथ विषम हो।
- वाक्यांश "यूनानी यहूदी" का सन्दर्भ यहूदियों से है जो यूनानी भाषा बोलते है न कि "इब्रानी भाषा से संबंधित यहूदी" जो केवल इब्रानी या शायद अरामी भाषा बोलते है।
- “यूनानी” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं; “यूनानी बोलनेवाले” या “यूनानी संस्कृति के” या “यूनानी”।
- गैर-यहूदी के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “यूनानी” या “अन्य-जाति” हो सकता है।

(यह भी देखें: अराम, अन्यजाति, यूनान, इब्रानी, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:1
- प्रे.का. 09:28-30
- प्रे.का. 11:19-21
- प्रे.का. 14:1-2
- कुलुस्सियों 03:9-11
- गलातियों 02:3-5
- यूहन्ना 07:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3125, G1672, G1673, G1674, G1675, G1676

यूनानी, यूनानी

तथ्य:

शब्द "यूनानी" यूनान देश में बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करता है, यह शब्द यूनान देश के व्यक्ति के लिए भी उपयोग किया है। यूनानी भी रोमन साम्राज्य भर में बोली जाती थी यूनानी का अर्थ था “यूनानी भाषा बोलने”

- क्योंकि रोमन साम्राज्य में अधिकांश गैर-यहूदी लोग यूनानी भाषा बोलते हैं, इसलिए नए नियम में अन्यजातियों को अक्सर "यूनानी" कहा जाता है, विशेष रूप से जब यहूदियों के साथ विषम हो।
- वाक्यांश "यूनानी यहूदी" का सन्दर्भ यहूदियों से है जो यूनानी भाषा बोलते है न कि "इब्रानी भाषा से संबंधित यहूदी" जो केवल इब्रानी या शायद अरामी भाषा बोलते है।
- “यूनानी” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं; “यूनानी बोलनेवाले” या “यूनानी संस्कृति के” या “यूनानी”।
- गैर-यहूदी के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “यूनानी” या “अन्य-जाति” हो सकता है।

(यह भी देखें: अराम, अन्यजाति, यूनान, इब्रानी, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:1
- प्रे.का. 09:28-30
- प्रे.का. 11:19-21
- प्रे.का. 14:1-2
- कुलुस्सियों 03:9-11
- गलातियों 02:3-5
- यूहन्ना 07:35-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3125, G1672, G1673, G1674, G1675, G1676

योएल

तथ्य:

योएल एक भविष्यद्वक्ता था, वह यहूदा के राजा योआश के राज्यकाल में सेवा कर रहा था। योएल नाम अनेक अन्य पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

- योएल की पुस्तक पुराने नियम के अन्तिम भाग में बारह छोटे भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों में से एक है।
- हमें योएल की व्यक्तिगत जानकारी में केवल इतना ही ज्ञात है कि उसके पिता का नाम पतूएल था।
- पिन्तेकुस्त के दिन अपने भाषण में प्रेरित पतरस ने योएल की भविष्यद्वाणी का संदर्भ दिया था।

(यह भी देखें: योआश, यहूदा, पिन्तेकुस्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:33-35
- 1 शमूएल 08:1-3
- प्रे.का. 02:16-17
- एज्रा 10:41-44
- योएल 01:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3100, G2493

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है

- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना

- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है

- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना

- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है

- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना

- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

- “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
- “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
- योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
- “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

अनुवाद के सुझाव

- “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
- “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
- “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
- “उसका मूल्य.... से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
- “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- प्रे.का. 13:23-25
- प्रे.का. 25:25-27
- प्रे.का. 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यिर्मयाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

योताम

परिभाषा:

पुराने नियम में योताम नाम के तीन पुरुष हुए हैं।

- एक योताम गिदोन का सबसे छोटा पुत्र था। योताम ने अपने बड़े भाई अबीमेलेक को पराजित करने में सहायता की जिसने अपने अन्य सभी भाइयों को मार डाला था।
- यहूदा के राजा का नाम भी योताम था, उसने अपने पिता उज्जिय्याह(अजर्याह) के मरणोपरान्त सोलह वर्ष राज किया था।
- अपने पिता के समान योताम भी परमेश्वर का आज्ञाकारी था और एक अच्छा राजा हुआ था।
- तथापि उसने मूर्तियों के स्थानों को नष्ट नहीं किया था जिसका परिणाम यह हुआ कि बाद में यहूदावासी फिर मूर्ति-पूजा करने लगे थे।
- यीशु की वंशावली में भी एक योतान है, मत्ती रचित सुसमाचार में।

(यह भी देखें: अबीमेलेक, अहाज, गिदोन, उज्जियाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 26:21
- 2 राजा 15:4-5
- यशायाह 01:1
- न्यायियों 09:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3147

योना

परिभाषा:

योना पुराने नियम का एक इब्रानी भविष्यद्वक्ता था।

- योना की पुस्तक में योना की कहानी है कि उसे परमेश्वर ने नीनवे के लोगों में सन्देश सुनाने भेजा था।
- योना नीनवे जाने की अपेक्षा किसी और तर्शीश देश को जानेवाले जहाज में चढ़ गया था।
- परमेश्वर ने उस जहाज को एक भयानक आंधी से घेर लिया था।
- उसने लोगों को जहाज से नौकायन करने वाले से कहा कि वह परमेश्वर से दूर भाग रहा था, और उन्होंने सुझाव दिया कि वे उसे समुद्र में फेंक दें। जब उन्होंने ऐसा किया तब तूफान थम गया।
- योना को समुद्र में एक बहुत बड़ी मछली ने निगल लिया, वह उस मछली के पेट में तीन दिन तीन रात रहा।
- मछली ने जब योना को उगल दिया तब उसने जाकर नीनवे में परमेश्वर का सन्देश सुनाया, परिणामस्वरूप नीनवे वासियों ने पापों का पश्चाताप किया।
- योना नीनवे को नष्ट न करने के लिए परमेश्वर पर क्रोधित हो गया, और परमेश्वर ने योना को करुणा का सबक सिखाने के लिए एक पौधे और कीड़े का इस्तेमाल किया।

(यह भी देखें: अवज्ञा, नीनवे, मुड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- योना 01:1-3
- लूका 11:29-30
- मत्ती 12:38-40
- मत्ती 16:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3124, G2495

योना

परिभाषा:

योना पुराने नियम का एक इब्रानी भविष्यद्वक्ता था।

- योना की पुस्तक में योना की कहानी है कि उसे परमेश्वर ने नीनवे के लोगों में सन्देश सुनाने भेजा था।
- योना नीनवे जाने की अपेक्षा किसी और तर्शीश देश को जानेवाले जहाज में चढ़ गया था।
- परमेश्वर ने उस जहाज को एक भयानक आंधी से घेर लिया था।
- उसने लोगों को जहाज से नौकायन करने वाले से कहा कि वह परमेश्वर से दूर भाग रहा था, और उन्होंने सुझाव दिया कि वे उसे समुद्र में फेंक दें। जब उन्होंने ऐसा किया तब तूफान थम गया।
- योना को समुद्र में एक बहुत बड़ी मछली ने निगल लिया, वह उस मछली के पेट में तीन दिन तीन रात रहा।
- मछली ने जब योना को उगल दिया तब उसने जाकर नीनवे में परमेश्वर का सन्देश सुनाया, परिणामस्वरूप नीनवे वासियों ने पापों का पश्चाताप किया।
- योना नीनवे को नष्ट न करने के लिए परमेश्वर पर क्रोधित हो गया, और परमेश्वर ने योना को करुणा का सबक सिखाने के लिए एक पौधे और कीड़े का इस्तेमाल किया।

(यह भी देखें: अवज्ञा, नीनवे, मुड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- योना 01:1-3
- लूका 11:29-30
- मत्ती 12:38-40
- मत्ती 16:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3124, G2495

योराम

तथ्य:

योराम, जो अहाब का पुत्र, इस्राएल का राजा था। वह यहोराम के नाम से भी जाना जाता है।

- राजा योराम उसी समय इस्राएल पर राज कर रहा था जब यहूदा में भी यहोराम नामक राजा राज्य कर रहा था।
- योराम एक दुष्ट राजा था जिसने स्वयं तो मूर्तिपूजा की और इस्राएल का पाप करने के कारण बना।
- इस्राएल के राजा योराम ने एलिय्याह और ओबद्याह के भविष्यवक्ताओं के समय में राज्य किया।
- योराम नाम का एक और व्यक्ति था जो हमात के राजा तू का पुत्र और राजा दाऊद के राज्यकाल में।

(यह भी देखें: आहाब, दाऊद, एलिय्याह, हामात, यहोराम, इस्राएल के राज्य, यहूदा, ओबद्याह, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 03:10-12
- 2 इतिहास 22:4-5
- 2 राजा 01:17-18
- 2 राजा 08:16-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3088, H3141, G2496

योशिय्याह

तथ्य:

योशिय्याह एक ईश्वर भक्त राजा था जिसने 31 वर्ष यहूदा पर राज किया था। उसने यहूदावासियों को मन फिराकर यहोवा की आराधना करने के लिए अगुवाई किया था।

- उसके पिता आमोन की हत्या के बाद योशिय्याह, उसके पुत्र ने आठ वर्ष की आयु में राजा का दायित्व संभाला।
- अपने राज्यकाल के अठारहवें वर्ष राजा योशिय्याह ने महायाजक हिलकिय्याह को आदेश दिया कि यहोवा के मन्दिर का पुनरुद्धार किया जाए। मन्दिर के पुनरुद्धार कार्य के समय व्यवस्था की पुस्तक मिली थी।
- जब व्यवस्था की पुस्तक योशिय्याह को पढ़कर सुनाई गई तब उसे बोध हुआ कि उसकी प्रजा परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन नहीं कर रही थी, इससे उसे बहुत दुःख हुआ। उसने आज्ञा दी कि मूर्ति-पूजा के सब स्थल नष्ट कर दिए जाएं और उनके पुजारियों को मार डाला जाए।
- उसने प्रजा को आज्ञा दी कि फसह के पर्व का उत्सव मनाना आरंभ किया जाए।

(यह भी देखें: मूर्ति, यहूदा, व्यवस्था, फसह, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 03:13-14
- 2 इतिहास 33:24-25
- 2 इतिहास 34:1-3
- यिर्मयाह 01:1-3
- मत्ती 01:9-11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2977, G2502

रखवाला, रखवाले

परिभाषा:

“रखवाला” शब्द का वास्तविक अर्थ है चरवाहा। इसका उपयोग विश्वासी समुदाय के आत्मिक अगुवे के लिए भी किया जाता है।

- अंग्रेजी बाइबल में यह शब्द एक ही बार इफिसियों की पत्री में आया है। यह शब्द वही है जिसको “चरवाहा” कहा गया है।
- कुछ भाषाओं में “रखवाले” के लिए “चरवाहा” शब्द काम में लिया गया है।
- यह वही है जो यीशु के लिए काम में लिया गया था, “अच्छा चरवाहा”

अनुवाद के सुझाव:

- सबसे अच्छा तो यही होगा कि इस शब्द का अनुवाद, “चरवाहा” किया जाए।
- इस शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “आत्मिक चरवाहा” या “चरानेवाला मसीही अगुआ”।

(यह भी देखें: चरवाहे, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 04:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7462, G4166

रखवाला, रखवाले

परिभाषा:

“रखवाला” शब्द का वास्तविक अर्थ है चरवाहा। इसका उपयोग विश्वासी समुदाय के आत्मिक अगुवे के लिए भी किया जाता है।

- अंग्रेजी बाइबल में यह शब्द एक ही बार इफिसियों की पत्री में आया है। यह शब्द वही है जिसको “चरवाहा” कहा गया है।
- कुछ भाषाओं में “रखवाले” के लिए “चरवाहा” शब्द काम में लिया गया है।
- यह वही है जो यीशु के लिए काम में लिया गया था, “अच्छा चरवाहा”

अनुवाद के सुझाव:

- सबसे अच्छा तो यही होगा कि इस शब्द का अनुवाद, “चरवाहा” किया जाए।
- इस शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “आत्मिक चरवाहा” या “चरानेवाला मसीही अगुआ”।

(यह भी देखें: चरवाहे, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 04:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7462, G4166

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

रखवाला, रखवाले

परिभाषा:

“रखवाला” शब्द का वास्तविक अर्थ है चरवाहा। इसका उपयोग विश्वासी समुदाय के आत्मिक अगुवे के लिए भी किया जाता है।

- अंग्रेजी बाइबल में यह शब्द एक ही बार इफिसियों की पत्री में आया है। यह शब्द वही है जिसको “चरवाहा” कहा गया है।
- कुछ भाषाओं में “रखवाले” के लिए “चरवाहा” शब्द काम में लिया गया है।
- यह वही है जो यीशु के लिए काम में लिया गया था, “अच्छा चरवाहा”

अनुवाद के सुझाव:

- सबसे अच्छा तो यही होगा कि इस शब्द का अनुवाद, “चरवाहा” किया जाए।
- इस शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “आत्मिक चरवाहा” या “चरानेवाला मसीही अगुआ”।

(यह भी देखें: चरवाहे, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 04:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7462, G4166

रखवाला, रखवाले

परिभाषा:

“रखवाला” शब्द का वास्तविक अर्थ है चरवाहा। इसका उपयोग विश्वासी समुदाय के आत्मिक अगुवे के लिए भी किया जाता है।

- अंग्रेजी बाइबल में यह शब्द एक ही बार इफिसियों की पत्री में आया है। यह शब्द वही है जिसको “चरवाहा” कहा गया है।
- कुछ भाषाओं में “रखवाले” के लिए “चरवाहा” शब्द काम में लिया गया है।
- यह वही है जो यीशु के लिए काम में लिया गया था, “अच्छा चरवाहा”

अनुवाद के सुझाव:

- सबसे अच्छा तो यही होगा कि इस शब्द का अनुवाद, “चरवाहा” किया जाए।
- इस शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “आत्मिक चरवाहा” या “चरानेवाला मसीही अगुआ”।

(यह भी देखें: चरवाहे, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 04:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7462, G4166

रथ, रथों, रथियों

परिभाषा:

प्राचीन युग में रथ घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाली दो पहियों की गाड़ियां होती थी।

- सवार रथ में बैठते थे या खड़े होते थे और उन्हें साधारण सवारी के लिए या युद्ध के लिए काम में लेते थे।

युद्ध में जिस सेना के पास रथ थे वह सामने वाली सेना जिसके पास रथ नहीं थे, उससे अधिक गति एवं परिवहन क्षमता रखती थी। प्राचीन युग में मिस्र और रोमी रथों के उपयोग के लिए जाने जाते थे

(यह भी देखें: मिस्र, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 09:22
- 2 इतिहास 18:28-30
- प्रे.का. 08:29-31
- प्रे.का. 08:36-38
- दानिय्येल 11:40-41
- निर्गमन 14:23-25
- उत्पत्ति 41:42-43

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:10** इसलिए वे समुद्र के रास्ते में इस्राएलियों के पीछे चल रहे थे, लेकिन परमेश्वर ने उन्हें घबरा दिया, और उनके रथों के पहियों को निकाल डाला जिससे उनका चलाना कठिन हो गया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H668, H2021, H4817, H4818, H5699, H7393, H7395, H7396, H7398, G716, G4480

रथ, रथों, रथियों

परिभाषा:

प्राचीन युग में रथ घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाली दो पहियों की गाड़ियां होती थी।

- सवार रथ में बैठते थे या खड़े होते थे और उन्हें साधारण सवारी के लिए या युद्ध के लिए काम में लेते थे।

युद्ध में जिस सेना के पास रथ थे वह सामने वाली सेना जिसके पास रथ नहीं थे, उससे अधिक गति एवं परिवहन क्षमता रखती थी। प्राचीन युग में मिस्र और रोमी रथों के उपयोग के लिए जाने जाते थे

(यह भी देखें: मिस्र, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 09:22
- 2 इतिहास 18:28-30
- प्रे.का. 08:29-31
- प्रे.का. 08:36-38
- दानिय्येल 11:40-41
- निर्गमन 14:23-25
- उत्पत्ति 41:42-43

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:10** इसलिए वे समुद्र के रास्ते में इस्राएलियों के पीछे चल रहे थे, लेकिन परमेश्वर ने उन्हें घबरा दिया, और उनके रथों के पहियों को निकाल डाला जिससे उनका चलाना कठिन हो गया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H668, H2021, H4817, H4818, H5699, H7393, H7395, H7396, H7398, G716, G4480

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

रथ, रथों, रथियों

परिभाषा:

प्राचीन युग में रथ घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाली दो पहियों की गाड़ियां होती थी।

- सवार रथ में बैठते थे या खड़े होते थे और उन्हें साधारण सवारी के लिए या युद्ध के लिए काम में लेते थे।

युद्ध में जिस सेना के पास रथ थे वह सामने वाली सेना जिसके पास रथ नहीं थे, उससे अधिक गति एवं परिवहन क्षमता रखती थी। प्राचीन युग में मिस्र और रोमी रथों के उपयोग के लिए जाने जाते थे

(यह भी देखें: मिस्र, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 09:22
- 2 इतिहास 18:28-30
- प्रे.का. 08:29-31
- प्रे.का. 08:36-38
- दानिय्येल 11:40-41
- निर्गमन 14:23-25
- उत्पत्ति 41:42-43

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:10** इसलिए वे समुद्र के रास्ते में इस्राएलियों के पीछे चल रहे थे, लेकिन परमेश्वर ने उन्हें घबरा दिया, और उनके रथों के पहियों को निकाल डाला जिससे उनका चलाना कठिन हो गया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H668, H2021, H4817, H4818, H5699, H7393, H7395, H7396, H7398, G716, G4480

रथ, रथों, रथियों

परिभाषा:

प्राचीन युग में रथ घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाली दो पहियों की गाड़ियां होती थी।

- सवार रथ में बैठते थे या खड़े होते थे और उन्हें साधारण सवारी के लिए या युद्ध के लिए काम में लेते थे।

युद्ध में जिस सेना के पास रथ थे वह सामने वाली सेना जिसके पास रथ नहीं थे, उससे अधिक गति एवं परिवहन क्षमता रखती थी। प्राचीन युग में मिस्र और रोमी रथों के उपयोग के लिए जाने जाते थे

(यह भी देखें: मिस्र, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 09:22
- 2 इतिहास 18:28-30
- प्रे.का. 08:29-31
- प्रे.का. 08:36-38
- दानिय्येल 11:40-41
- निर्गमन 14:23-25
- उत्पत्ति 41:42-43

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:10** इसलिए वे समुद्र के रास्ते में इस्राएलियों के पीछे चल रहे थे, लेकिन परमेश्वर ने उन्हें घबरा दिया, और उनके रथों के पहियों को निकाल डाला जिससे उनका चलाना कठिन हो गया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H668, H2021, H4817, H4818, H5699, H7393, H7395, H7396, H7398, G716, G4480

रथ, रथों, रथियों

परिभाषा:

प्राचीन युग में रथ घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाली दो पहियों की गाड़ियां होती थी।

- सवार रथ में बैठते थे या खड़े होते थे और उन्हें साधारण सवारी के लिए या युद्ध के लिए काम में लेते थे।

युद्ध में जिस सेना के पास रथ थे वह सामने वाली सेना जिसके पास रथ नहीं थे, उससे अधिक गति एवं परिवहन क्षमता रखती थी। प्राचीन युग में मिस्र और रोमी रथों के उपयोग के लिए जाने जाते थे

(यह भी देखें: मिस्र, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 09:22
- 2 इतिहास 18:28-30
- प्रे.का. 08:29-31
- प्रे.का. 08:36-38
- दानिय्येल 11:40-41
- निर्गमन 14:23-25
- उत्पत्ति 41:42-43

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:10** इसलिए वे समुद्र के रास्ते में इस्राएलियों के पीछे चल रहे थे, लेकिन परमेश्वर ने उन्हें घबरा दिया, और उनके रथों के पहियों को निकाल डाला जिससे उनका चलाना कठिन हो गया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H668, H2021, H4817, H4818, H5699, H7393, H7395, H7396, H7398, G716, G4480

रथ, रथों, रथियों

परिभाषा:

प्राचीन युग में रथ घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाली दो पहियों की गाड़ियां होती थी।

- सवार रथ में बैठते थे या खड़े होते थे और उन्हें साधारण सवारी के लिए या युद्ध के लिए काम में लेते थे।

युद्ध में जिस सेना के पास रथ थे वह सामने वाली सेना जिसके पास रथ नहीं थे, उससे अधिक गति एवं परिवहन क्षमता रखती थी। प्राचीन युग में मिस्र और रोमी रथों के उपयोग के लिए जाने जाते थे

(यह भी देखें: मिस्र, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 09:22
- 2 इतिहास 18:28-30
- प्रे.का. 08:29-31
- प्रे.का. 08:36-38
- दानिय्येल 11:40-41
- निर्गमन 14:23-25
- उत्पत्ति 41:42-43

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:10** इसलिए वे समुद्र के रास्ते में इस्राएलियों के पीछे चल रहे थे, लेकिन परमेश्वर ने उन्हें घबरा दिया, और उनके रथों के पहियों को निकाल डाला जिससे उनका चलाना कठिन हो गया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H668, H2021, H4817, H4818, H5699, H7393, H7395, H7396, H7398, G716, G4480

रथ, रथों, रथियों

परिभाषा:

प्राचीन युग में रथ घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाली दो पहियों की गाड़ियां होती थी।

- सवार रथ में बैठते थे या खड़े होते थे और उन्हें साधारण सवारी के लिए या युद्ध के लिए काम में लेते थे।

युद्ध में जिस सेना के पास रथ थे वह सामने वाली सेना जिसके पास रथ नहीं थे, उससे अधिक गति एवं परिवहन क्षमता रखती थी। प्राचीन युग में मिस्र और रोमी रथों के उपयोग के लिए जाने जाते थे

(यह भी देखें: मिस्र, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 09:22
- 2 इतिहास 18:28-30
- प्रे.का. 08:29-31
- प्रे.का. 08:36-38
- दानिय्येल 11:40-41
- निर्गमन 14:23-25
- उत्पत्ति 41:42-43

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:10** इसलिए वे समुद्र के रास्ते में इस्राएलियों के पीछे चल रहे थे, लेकिन परमेश्वर ने उन्हें घबरा दिया, और उनके रथों के पहियों को निकाल डाला जिससे उनका चलाना कठिन हो गया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H668, H2021, H4817, H4818, H5699, H7393, H7395, H7396, H7398, G716, G4480

रथ, रथों, रथियों

परिभाषा:

प्राचीन युग में रथ घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाली दो पहियों की गाड़ियां होती थी।

- सवार रथ में बैठते थे या खड़े होते थे और उन्हें साधारण सवारी के लिए या युद्ध के लिए काम में लेते थे।

युद्ध में जिस सेना के पास रथ थे वह सामने वाली सेना जिसके पास रथ नहीं थे, उससे अधिक गति एवं परिवहन क्षमता रखती थी। प्राचीन युग में मिस्र और रोमी रथों के उपयोग के लिए जाने जाते थे

(यह भी देखें: मिस्र, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 09:22
- 2 इतिहास 18:28-30
- प्रे.का. 08:29-31

- प्रे.का. 08:36-38
- दानिय्येल 11:40-41
- निर्गमन 14:23-25
- उत्पत्ति 41:42-43

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:10** इसलिए वे समुद्र के रास्ते में इस्राएलियों के पीछे चल रहे थे, लेकिन परमेश्वर ने उन्हें घबरा दिया, और उनके रथों के पहियों को निकाल डाला जिससे उनका चलाना कठिन हो गया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H668, H2021, H4817, H4818, H5699, H7393, H7395, H7396, H7398, G716, G4480

रथ, रथों, रथियों

परिभाषा:

प्राचीन युग में रथ घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाली दो पहियों की गाड़ियां होती थी।

- सवार रथ में बैठते थे या खड़े होते थे और उन्हें साधारण सवारी के लिए या युद्ध के लिए काम में लेते थे।

युद्ध में जिस सेना के पास रथ थे वह सामने वाली सेना जिसके पास रथ नहीं थे, उससे अधिक गति एवं परिवहन क्षमता रखती थी। प्राचीन युग में मिस्र और रोमी रथों के उपयोग के लिए जाने जाते थे

(यह भी देखें: मिस्र, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 09:22
- 2 इतिहास 18:28-30
- प्रे.का. 08:29-31
- प्रे.का. 08:36-38
- दानिय्येल 11:40-41
- निर्गमन 14:23-25
- उत्पत्ति 41:42-43

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:10** इसलिए वे समुद्र के रास्ते में इस्राएलियों के पीछे चल रहे थे, लेकिन परमेश्वर ने उन्हें घबरा दिया, और उनके रथों के पहियों को निकाल डाला जिससे उनका चलाना कठिन हो गया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H668, H2021, H4817, H4818, H5699, H7393, H7395, H7396, H7398, G716, G4480

रब्बी

परिभाषा:

“रब्बी” शब्द का वास्तविक अर्थ है “मेरा स्वामी” या “मेरा गुरू”

- यह एक सम्मानित पदनाम है जो यहूदी धर्मगुरू के लिए काम में लिया जाता था, विशेष करके परमेश्वर की व्यवस्था का शिक्षक।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले को और यीशु को भी कभी-कभी शिष्य “रब्बी” कहते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मेरे गुरू” या “माननीय शिक्षक महोदय” या “धर्म गुरू” कुछ भाषाओं में ऐसे अभिवादन को बड़े अक्षरों में लिखा जाता है तो कुछ में नहीं लिखा जाता है।

- लक्षित भाषा में शिक्षकों को संबोधित करने का एक विशेष तरीका हो सकता हैं।
- परन्तु सुनिश्चित करें कि इस शब्द के ऐसे अनुवाद से यीशु किसी पाठशाला का शिक्षक न समझ में आए।
- उसी भाषा के या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में “रब्बी” के अनुवाद पर भी ध्यान दें।

देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: गुरु)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 06:24-25
- मरकुस 14:43-46
- मत्ती 23:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4461

रब्बी

परिभाषा:

“रब्बी” शब्द का वास्तविक अर्थ है “मेरा स्वामी” या “मेरा गुरू”

- यह एक सम्मानित पदनाम है जो यहूदी धर्मगुरू के लिए काम में लिया जाता था, विशेष करके परमेश्वर की व्यवस्था का शिक्षक।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले को और यीशु को भी कभी-कभी शिष्य “रब्बी” कहते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मेरे गुरू” या “माननीय शिक्षक महोदय” या “धर्म गुरू” कुछ भाषाओं में ऐसे अभिवादन को बड़े अक्षरों में लिखा जाता है तो कुछ में नहीं लिखा जाता है।
- लक्षित भाषा में शिक्षकों को संबोधित करने का एक विशेष तरीका हो सकता हैं।
- परन्तु सुनिश्चित करें कि इस शब्द के ऐसे अनुवाद से यीशु किसी पाठशाला का शिक्षक न समझ में आए।
- उसी भाषा के या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में “रब्बी” के अनुवाद पर भी ध्यान दें।

देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: गुरु)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 06:24-25
- मरकुस 14:43-46
- मत्ती 23:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4461

रब्बी

परिभाषा:

“रब्बी” शब्द का वास्तविक अर्थ है “मेरा स्वामी” या “मेरा गुरू”

- यह एक सम्मानित पदनाम है जो यहूदी धर्मगुरू के लिए काम में लिया जाता था, विशेष करके परमेश्वर की व्यवस्था का शिक्षक।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले को और यीशु को भी कभी-कभी शिष्य “रब्बी” कहते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मेरे गुरू” या “माननीय शिक्षक महोदय” या “धर्म गुरू” कुछ भाषाओं में ऐसे अभिवादन को बड़े अक्षरों में लिखा जाता है तो कुछ में नहीं लिखा जाता है।
- लक्षित भाषा में शिक्षकों को संबोधित करने का एक विशेष तरीका हो सकता हैं।
- परन्तु सुनिश्चित करें कि इस शब्द के ऐसे अनुवाद से यीशु किसी पाठशाला का शिक्षक न समझ में आए।
- उसी भाषा के या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में “रब्बी” के अनुवाद पर भी ध्यान दें।

देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: गुरु)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 06:24-25
- मरकुस 14:43-46
- मत्ती 23:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4461

राख, धूल

तथ्य:

“राख” शब्द उस काले पावडर के संबन्ध में काम में लिया जाता है जो लकड़ी के जलने के बाद रह जाता है।

- प्राचीन युग में राख में बैठना दु:ख और विलाप का संकेत देता था। विलाप के समय टाट का बना कड़ा चुभनेवाला वस्त्र पहन कर राख में बैठना या सिर में राख डालना होता था।
- सिर में राख डालना अपमान और लज्जा का भी प्रतीक था।
- “राख का ढेर” अर्थात बहुत राख का ढेर पड़ा है।
- बाइबल में कभी-कभी राख के लिए "धूल" शब्द का उपयोग भी किया गया है। इसका संदर्भ सूखी भूमि की मिट्टी से भी है।
- “राख” शब्द का अनुवाद करते समय लक्षित भाषा में ऐसा शब्द काम में लें जो जली लकड़ी के जल जाने के बाद काले चूर्ण को व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: आग, टाट)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 20:9-10
- यिर्मयाह 06:25-26
- भजन संहिता 102:9-10
- भजन संहिता 113:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H80, H665, H1854, H6083, H6368, H7834, G2868, G4700, G5077, G5522

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

राख, धूल

तथ्य:

“राख” शब्द उस काले पावडर के संबन्ध में काम में लिया जाता है जो लकड़ी के जलने के बाद रह जाता है।

- प्राचीन युग में राख में बैठना दु:ख और विलाप का संकेत देता था। विलाप के समय टाट का बना कड़ा चुभनेवाला वस्त्र पहन कर राख में बैठना या सिर में राख डालना होता था।
- सिर में राख डालना अपमान और लज्जा का भी प्रतीक था।
- “राख का ढेर” अर्थात बहुत राख का ढेर पड़ा है।
- बाइबल में कभी-कभी राख के लिए "धूल" शब्द का उपयोग भी किया गया है। इसका संदर्भ सूखी भूमि की मिट्टी से भी है।
- “राख” शब्द का अनुवाद करते समय लक्षित भाषा में ऐसा शब्द काम में लें जो जली लकड़ी के जल जाने के बाद काले चूर्ण को व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: आग, टाट)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 20:9-10
- यिर्मयाह 06:25-26
- भजन संहिता 102:9-10
- भजन संहिता 113:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H80, H665, H1854, H6083, H6368, H7834, G2868, G4700, G5077, G5522

राख, धूल

तथ्य:

“राख” शब्द उस काले पावडर के संबन्ध में काम में लिया जाता है जो लकड़ी के जलने के बाद रह जाता है।

- प्राचीन युग में राख में बैठना दु:ख और विलाप का संकेत देता था। विलाप के समय टाट का बना कड़ा चुभनेवाला वस्त्र पहन कर राख में बैठना या सिर में राख डालना होता था।
- सिर में राख डालना अपमान और लज्जा का भी प्रतीक था।
- “राख का ढेर” अर्थात बहुत राख का ढेर पड़ा है।
- बाइबल में कभी-कभी राख के लिए "धूल" शब्द का उपयोग भी किया गया है। इसका संदर्भ सूखी भूमि की मिट्टी से भी है।
- “राख” शब्द का अनुवाद करते समय लक्षित भाषा में ऐसा शब्द काम में लें जो जली लकड़ी के जल जाने के बाद काले चूर्ण को व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: आग, टाट)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 20:9-10
- यिर्मयाह 06:25-26
- भजन संहिता 102:9-10
- भजन संहिता 113:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H80, H665, H1854, H6083, H6368, H7834, G2868, G4700, G5077, G5522

राख, धूल

तथ्य:

“राख” शब्द उस काले पावडर के संबन्ध में काम में लिया जाता है जो लकड़ी के जलने के बाद रह जाता है।

- प्राचीन युग में राख में बैठना दु:ख और विलाप का संकेत देता था। विलाप के समय टाट का बना कड़ा चुभनेवाला वस्त्र पहन कर राख में बैठना या सिर में राख डालना होता था।
- सिर में राख डालना अपमान और लज्जा का भी प्रतीक था।
- “राख का ढेर” अर्थात बहुत राख का ढेर पड़ा है।
- बाइबल में कभी-कभी राख के लिए "धूल" शब्द का उपयोग भी किया गया है। इसका संदर्भ सूखी भूमि की मिट्टी से भी है।
- “राख” शब्द का अनुवाद करते समय लक्षित भाषा में ऐसा शब्द काम में लें जो जली लकड़ी के जल जाने के बाद काले चूर्ण को व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: आग, टाट)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 20:9-10
- यिर्मयाह 06:25-26
- भजन संहिता 102:9-10
- भजन संहिता 113:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H80, H665, H1854, H6083, H6368, H7834, G2868, G4700, G5077, G5522

राजदण्ड, राजदण्डों

परिभाषा:

"राजदण्ड" शब्द राजा जैसे शासक द्वारा पकड़े जानेवाले एक सजावटी डंडा को सूचित करता हैं।

- राजदण्ड नक्काशी की हुई पेड़ की एक लकड़ी होता था। बाद में सोने जैसी मूल्यवान धातुओं के भी राजदण्ड बनाए गए थे।
- राजदण्ड राजसी शैली और अधिकार का प्रतीक होता था जो राजा के सम्मान एवं मर्यादा को दर्शाता था।
- पुराने नियम में, परमेश्वर को हाथ में धार्मिकता का राजदण्ड पकड़े दर्शया गया है क्योंकि परमेश्वर अपने लोगों पर राजा होकर शासन करता हैं।
- पुराने नियम की एक भविष्यवाणी में मसीह को प्रतीकात्मक रूप में राजदण्ड कहा गया है जो इस्राएल से निकलकर सब जातियों पर राज करेगा।
- इसका अनुवाद "शासन करने का दण्ड" या 'शासक का दंड" या "राजा का दण्ड" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, मसीह, राजा, धर्मी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- आमोस 01:5
- एस्तेर 04:11
- उत्पत्ति 49:10
- इब्रानियों 01:08
- गिनती 21:18
- भजन संहिता 045:06

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2710, H4294, H7626, H8275, G4464

राजदण्ड, राजदण्डों

परिभाषा:

"राजदण्ड" शब्द राजा जैसे शासक द्वारा पकड़े जानेवाले एक सजावटी डंडा को सूचित करता हैं।

- राजदण्ड नक्काशी की हुई पेड़ की एक लकड़ी होता था। बाद में सोने जैसी मूल्यवान धातुओं के भी राजदण्ड बनाए गए थे।
- राजदण्ड राजसी शैली और अधिकार का प्रतीक होता था जो राजा के सम्मान एवं मर्यादा को दर्शाता था।
- पुराने नियम में, परमेश्वर को हाथ में धार्मिकता का राजदण्ड पकड़े दर्शया गया है क्योंकि परमेश्वर अपने लोगों पर राजा होकर शासन करता हैं।
- पुराने नियम की एक भविष्यवाणी में मसीह को प्रतीकात्मक रूप में राजदण्ड कहा गया है जो इस्राएल से निकलकर सब जातियों पर राज करेगा।
- इसका अनुवाद "शासन करने का दण्ड" या 'शासक का दंड" या "राजा का दण्ड" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, मसीह, राजा, धर्मी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- आमोस 01:5
- एस्तेर 04:11
- उत्पत्ति 49:10
- इब्रानियों 01:08
- गिनती 21:18
- भजन संहिता 045:06

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2710, H4294, H7626, H8275, G4464

राजा, राज्य, राजसी

परिभाषा:

बाइबल में, "राजा" शब्द से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो लोगों के किसी विशेष समूह अर्थात नगर, राज्य या देश (या दोनों) का सर्वोच्च शासक है।

- बाइबिल के समय में, आमतौर पर एक राजा को पिछले राजा (ओं) के पारिवारिक संबंध के आधार पर शासन करने के लिए चुना जाता था। राजा के मरणोपरांत उसका जेठा पुत्र ही राजा बनता था।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों पर राज करता है।“परमेश्वर का राज्य” अर्थात अपने लोगों पर परमेश्वर का राज।
- नये नियम में यीशु को “यहूदियों का राजा”, “इस्राएल का राजा” और “राजाओं का राजा” कहा गया है।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “सर्वोच्च प्रधान” या “परम अगुआ” या “सत्ताधारी शासक”
- “राजाओं का राजा” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “सब राजाओं पर राज करने वाला राजा” या “सर्वोच्च शासक जिसे सब शासकों पर अधिकार है”।

(यह भी देखें: अधिकारी, हेरोदेस अन्तिपास, राज्य, परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 06:15-16
- 2 राजा 05:17-19
- 2 शमूएल 05:3-5
- प्रे.का. 07:9-10
- प्रे.का. 13:21-22
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 01:5-7
- लूका 22:24-25
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 14:8-9

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे।
- **16:01** इस्राएलियों का उस समय कोई राजा न था, इसलिये हर कोई वही करता था जो उन्हें ठीक लगता था।
- **16:18** अत: लोगों ने परमेश्वर से कहा कि उन्हें भी सभी राष्ट्रों के समान एक राजा चाहिए।
- **17:05** अंततः शाऊल युद्ध में मारा गया, और दाऊद इस्राएल का राजा बन गया। वह एक अच्छा राजा था, और लोग उससे प्रेम करते थे।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है!

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

राजा, राज्य, राजसी

परिभाषा:

बाइबल में, "राजा" शब्द से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो लोगों के किसी विशेष समूह अर्थात नगर, राज्य या देश (या दोनों) का सर्वोच्च शासक है।

- बाइबिल के समय में, आमतौर पर एक राजा को पिछले राजा (ओं) के पारिवारिक संबंध के आधार पर शासन करने के लिए चुना जाता था। राजा के मरणोपरांत उसका जेठा पुत्र ही राजा बनता था।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों पर राज करता है।“परमेश्वर का राज्य” अर्थात अपने लोगों पर परमेश्वर का राज।
- नये नियम में यीशु को “यहूदियों का राजा”, “इस्राएल का राजा” और “राजाओं का राजा” कहा गया है।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “सर्वोच्च प्रधान” या “परम अगुआ” या “सत्ताधारी शासक”
- “राजाओं का राजा” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “सब राजाओं पर राज करने वाला राजा” या “सर्वोच्च शासक जिसे सब शासकों पर अधिकार है”।

(यह भी देखें: अधिकारी, हेरोदेस अन्तिपास, राज्य, परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 06:15-16
- 2 राजा 05:17-19
- 2 शमूएल 05:3-5
- प्रे.का. 07:9-10
- प्रे.का. 13:21-22
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 01:5-7
- लूका 22:24-25
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 14:8-9

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे।
- **16:01** इस्राएलियों का उस समय कोई राजा न था, इसलिये हर कोई वही करता था जो उन्हें ठीक लगता था।
- **16:18** अत: लोगों ने परमेश्वर से कहा कि उन्हें भी सभी राष्ट्रों के समान एक राजा चाहिए।
- **17:05** अंततः शाऊल युद्ध में मारा गया, और दाऊद इस्राएल का राजा बन गया। वह एक अच्छा राजा था, और लोग उससे प्रेम करते थे।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है!

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

राजा, राज्य, राजसी

परिभाषा:

बाइबल में, "राजा" शब्द से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो लोगों के किसी विशेष समूह अर्थात नगर, राज्य या देश (या दोनों) का सर्वोच्च शासक है।

- बाइबिल के समय में, आमतौर पर एक राजा को पिछले राजा (ओं) के पारिवारिक संबंध के आधार पर शासन करने के लिए चुना जाता था। राजा के मरणोपरांत उसका जेठा पुत्र ही राजा बनता था।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों पर राज करता है।“परमेश्वर का राज्य” अर्थात अपने लोगों पर परमेश्वर का राज।
- नये नियम में यीशु को “यहूदियों का राजा”, “इस्राएल का राजा” और “राजाओं का राजा” कहा गया है।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “सर्वोच्च प्रधान” या “परम अगुआ” या “सत्ताधारी शासक”
- “राजाओं का राजा” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “सब राजाओं पर राज करने वाला राजा” या “सर्वोच्च शासक जिसे सब शासकों पर अधिकार है”।

(यह भी देखें: अधिकारी, हेरोदेस अन्तिपास, राज्य, परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 06:15-16
- 2 राजा 05:17-19
- 2 शमूएल 05:3-5
- प्रे.का. 07:9-10
- प्रे.का. 13:21-22
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 01:5-7
- लूका 22:24-25
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 14:8-9

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे।
- **16:01** इस्राएलियों का उस समय कोई राजा न था, इसलिये हर कोई वही करता था जो उन्हें ठीक लगता था।
- **16:18** अत: लोगों ने परमेश्वर से कहा कि उन्हें भी सभी राष्ट्रों के समान एक राजा चाहिए।
- **17:05** अंततः शाऊल युद्ध में मारा गया, और दाऊद इस्राएल का राजा बन गया। वह एक अच्छा राजा था, और लोग उससे प्रेम करते थे।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है!

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

राजा, राज्य, राजसी

परिभाषा:

बाइबल में, "राजा" शब्द से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो लोगों के किसी विशेष समूह अर्थात नगर, राज्य या देश (या दोनों) का सर्वोच्च शासक है।

- बाइबिल के समय में, आमतौर पर एक राजा को पिछले राजा (ओं) के पारिवारिक संबंध के आधार पर शासन करने के लिए चुना जाता था। राजा के मरणोपरांत उसका जेठा पुत्र ही राजा बनता था।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों पर राज करता है।“परमेश्वर का राज्य” अर्थात अपने लोगों पर परमेश्वर का राज।
- नये नियम में यीशु को “यहूदियों का राजा”, “इस्राएल का राजा” और “राजाओं का राजा” कहा गया है।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “सर्वोच्च प्रधान” या “परम अगुआ” या “सत्ताधारी शासक”

- “राजाओं का राजा” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “सब राजाओं पर राज करने वाला राजा” या “सर्वोच्च शासक जिसे सब शासकों पर अधिकार है”।

(यह भी देखें: अधिकारी, हेरोदेस अन्तिपास, राज्य, परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 06:15-16
- 2 राजा 05:17-19
- 2 शमूएल 05:3-5
- प्रे.का. 07:9-10
- प्रे.का. 13:21-22
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 01:5-7
- लूका 22:24-25
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 14:8-9

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे।
- **16:01** इस्राएलियों का उस समय कोई राजा न था, इसलिये हर कोई वही करता था जो उन्हें ठीक लगता था।
- **16:18** अत: लोगों ने परमेश्वर से कहा कि उन्हें भी सभी राष्ट्रों के समान एक राजा चाहिए।
- **17:05** अंततः शाऊल युद्ध में मारा गया, और दाऊद इस्राएल का राजा बन गया। वह एक अच्छा राजा था, और लोग उससे प्रेम करते थे।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है!

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

राजा, राज्य, राजसी

परिभाषा:

बाइबल में, "राजा" शब्द से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो लोगों के किसी विशेष समूह अर्थात नगर, राज्य या देश (या दोनों) का सर्वोच्च शासक है।

- बाइबिल के समय में, आमतौर पर एक राजा को पिछले राजा (ओं) के पारिवारिक संबंध के आधार पर शासन करने के लिए चुना जाता था। राजा के मरणोपरांत उसका जेठा पुत्र ही राजा बनता था।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों पर राज करता है।“परमेश्वर का राज्य” अर्थात अपने लोगों पर परमेश्वर का राज।
- नये नियम में यीशु को “यहूदियों का राजा”, “इस्राएल का राजा” और “राजाओं का राजा” कहा गया है।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “सर्वोच्च प्रधान” या “परम अगुआ” या “सत्ताधारी शासक”
- “राजाओं का राजा” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “सब राजाओं पर राज करने वाला राजा” या “सर्वोच्च शासक जिसे सब शासकों पर अधिकार है”।

(यह भी देखें: अधिकारी, हेरोदेस अन्तिपास, राज्य, परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 06:15-16
- 2 राजा 05:17-19
- 2 शमूएल 05:3-5
- प्रे.का. 07:9-10
- प्रे.का. 13:21-22
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 01:5-7

- लूका 22:24-25
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 14:8-9

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे।
- **16:01** इस्राएलियों का उस समय कोई राजा न था, इसलिये हर कोई वही करता था जो उन्हें ठीक लगता था।
- **16:18** अत: लोगों ने परमेश्वर से कहा कि उन्हें भी सभी राष्ट्रों के समान एक राजा चाहिए।
- **17:05** अंततः शाऊल युद्ध में मारा गया, और दाऊद इस्राएल का राजा बन गया। वह एक अच्छा राजा था, और लोग उससे प्रेम करते थे।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है!

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

राजा, राज्य, राजसी

परिभाषा:

बाइबल में, "राजा" शब्द से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो लोगों के किसी विशेष समूह अर्थात नगर, राज्य या देश (या दोनों) का सर्वोच्च शासक है।

- बाइबिल के समय में, आमतौर पर एक राजा को पिछले राजा (ओं) के पारिवारिक संबंध के आधार पर शासन करने के लिए चुना जाता था। राजा के मरणोपरांत उसका जेठा पुत्र ही राजा बनता था।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों पर राज करता है।“परमेश्वर का राज्य” अर्थात अपने लोगों पर परमेश्वर का राज।
- नये नियम में यीशु को “यहूदियों का राजा”, “इस्राएल का राजा” और “राजाओं का राजा” कहा गया है।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “सर्वोच्च प्रधान” या “परम अगुआ” या “सत्ताधारी शासक”
- “राजाओं का राजा” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “सब राजाओं पर राज करने वाला राजा” या “सर्वोच्च शासक जिसे सब शासकों पर अधिकार है”।

(यह भी देखें: अधिकारी, हेरोदेस अन्तिपास, राज्य, परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 06:15-16
- 2 राजा 05:17-19
- 2 शमूएल 05:3-5
- प्रे.का. 07:9-10
- प्रे.का. 13:21-22
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 01:5-7
- लूका 22:24-25
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 14:8-9

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे।
- **16:01** इस्राएलियों का उस समय कोई राजा न था, इसलिये हर कोई वही करता था जो उन्हें ठीक लगता था।
- **16:18** अत: लोगों ने परमेश्वर से कहा कि उन्हें भी सभी राष्ट्रों के समान एक राजा चाहिए।
- **17:05** अंततः शाऊल युद्ध में मारा गया, और दाऊद इस्राएल का राजा बन गया। वह एक अच्छा राजा था, और लोग उससे प्रेम करते थे।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है!

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

राजा, राज्य, राजसी

परिभाषा:

बाइबल में, "राजा" शब्द से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो लोगों के किसी विशेष समूह अर्थात नगर, राज्य या देश (या दोनों) का सर्वोच्च शासक है।

- बाइबिल के समय में, आमतौर पर एक राजा को पिछले राजा (ओं) के पारिवारिक संबंध के आधार पर शासन करने के लिए चुना जाता था। राजा के मरणोपरांत उसका जेठा पुत्र ही राजा बनता था।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों पर राज करता है।“परमेश्वर का राज्य” अर्थात अपने लोगों पर परमेश्वर का राज।
- नये नियम में यीशु को “यहूदियों का राजा”, “इस्राएल का राजा” और “राजाओं का राजा” कहा गया है।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “सर्वोच्च प्रधान” या “परम अगुआ” या “सत्ताधारी शासक”
- “राजाओं का राजा” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “सब राजाओं पर राज करने वाला राजा” या “सर्वोच्च शासक जिसे सब शासकों पर अधिकार है”।

(यह भी देखें: अधिकारी, हेरोदेस अन्तिपास, राज्य, परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 06:15-16
- 2 राजा 05:17-19
- 2 शमूएल 05:3-5
- प्रे.का. 07:9-10
- प्रे.का. 13:21-22
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 01:5-7
- लूका 22:24-25
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 14:8-9

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे।
- **16:01** इस्राएलियों का उस समय कोई राजा न था, इसलिये हर कोई वही करता था जो उन्हें ठीक लगता था।
- **16:18** अत: लोगों ने परमेश्वर से कहा कि उन्हें भी सभी राष्ट्रों के समान एक राजा चाहिए।
- **17:05** अंततः शाऊल युद्ध में मारा गया, और दाऊद इस्राएल का राजा बन गया। वह एक अच्छा राजा था, और लोग उससे प्रेम करते थे।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है!

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

राजा, राज्य, राजसी

परिभाषा:

बाइबल में, "राजा" शब्द से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो लोगों के किसी विशेष समूह अर्थात नगर, राज्य या देश (या दोनों) का सर्वोच्च शासक है।

- बाइबिल के समय में, आमतौर पर एक राजा को पिछले राजा (ओं) के पारिवारिक संबंध के आधार पर शासन करने के लिए चुना जाता था। राजा के मरणोपरांत उसका जेठा पुत्र ही राजा बनता था।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों पर राज करता है।“परमेश्वर का राज्य” अर्थात अपने लोगों पर परमेश्वर का राज।

- नये नियम में यीशु को “यहूदियों का राजा”, “इस्राएल का राजा” और “राजाओं का राजा” कहा गया है।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “सर्वोच्च प्रधान” या “परम अगुआ” या “सत्ताधारी शासक”
- “राजाओं का राजा” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “सब राजाओं पर राज करने वाला राजा” या “सर्वोच्च शासक जिसे सब शासकों पर अधिकार है”।

(यह भी देखें: अधिकारी, हेरोदेस अन्तिपास, राज्य, परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 06:15-16
- 2 राजा 05:17-19
- 2 शमूएल 05:3-5
- प्रे.का. 07:9-10
- प्रे.का. 13:21-22
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 01:5-7
- लूका 22:24-25
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 14:8-9

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे।
- **16:01** इस्राएलियों का उस समय कोई राजा न था, इसलिये हर कोई वही करता था जो उन्हें ठीक लगता था।
- **16:18** अत: लोगों ने परमेश्वर से कहा कि उन्हें भी सभी राष्ट्रों के समान एक राजा चाहिए।
- **17:05** अंततः शाऊल युद्ध में मारा गया, और दाऊद इस्राएल का राजा बन गया। वह एक अच्छा राजा था, और लोग उससे प्रेम करते थे।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है!

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

राजा, राज्य, राजसी

परिभाषा:

बाइबल में, "राजा" शब्द से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो लोगों के किसी विशेष समूह अर्थात नगर, राज्य या देश (या दोनों) का सर्वोच्च शासक है।

- बाइबिल के समय में, आमतौर पर एक राजा को पिछले राजा (ओं) के पारिवारिक संबंध के आधार पर शासन करने के लिए चुना जाता था। राजा के मरणोपरांत उसका जेठा पुत्र ही राजा बनता था।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों पर राज करता है।“परमेश्वर का राज्य” अर्थात अपने लोगों पर परमेश्वर का राज।
- नये नियम में यीशु को “यहूदियों का राजा”, “इस्राएल का राजा” और “राजाओं का राजा” कहा गया है।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “सर्वोच्च प्रधान” या “परम अगुआ” या “सत्ताधारी शासक”
- “राजाओं का राजा” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “सब राजाओं पर राज करने वाला राजा” या “सर्वोच्च शासक जिसे सब शासकों पर अधिकार है”।

(यह भी देखें: अधिकारी, हेरोदेस अन्तिपास, राज्य, परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 06:15-16
- 2 राजा 05:17-19
- 2 शमूएल 05:3-5

- प्रे.का. 07:9-10
- प्रे.का. 13:21-22
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 01:5-7
- लूका 22:24-25
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 14:8-9

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे।
- **16:01** इस्राएलियों का उस समय कोई राजा न था, इसलिये हर कोई वही करता था जो उन्हें ठीक लगता था।
- **16:18** अत: लोगों ने परमेश्वर से कहा कि उन्हें भी सभी राष्ट्रों के समान एक राजा चाहिए।
- **17:05** अंततः शाऊल युद्ध में मारा गया, और दाऊद इस्राएल का राजा बन गया। वह एक अच्छा राजा था, और लोग उससे प्रेम करते थे।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है!

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

राजा, राज्य, राजसी

परिभाषा:

बाइबल में, "राजा" शब्द से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो लोगों के किसी विशेष समूह अर्थात नगर, राज्य या देश (या दोनों) का सर्वोच्च शासक है।

- बाइबिल के समय में, आमतौर पर एक राजा को पिछले राजा (ओं) के पारिवारिक संबंध के आधार पर शासन करने के लिए चुना जाता था। राजा के मरणोपरांत उसका जेठा पुत्र ही राजा बनता था।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों पर राज करता है।“परमेश्वर का राज्य” अर्थात अपने लोगों पर परमेश्वर का राज।
- नये नियम में यीशु को “यहूदियों का राजा”, “इस्राएल का राजा” और “राजाओं का राजा” कहा गया है।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “सर्वोच्च प्रधान” या “परम अगुआ” या “सत्ताधारी शासक”
- “राजाओं का राजा” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “सब राजाओं पर राज करने वाला राजा” या “सर्वोच्च शासक जिसे सब शासकों पर अधिकार है”।

(यह भी देखें: अधिकारी, हेरोदेस अन्तिपास, राज्य, परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 06:15-16
- 2 राजा 05:17-19
- 2 शमूएल 05:3-5
- प्रे.का. 07:9-10
- प्रे.का. 13:21-22
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 01:5-7
- लूका 22:24-25
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 14:8-9

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे।
- **16:01** इस्राएलियों का उस समय कोई राजा न था, इसलिये हर कोई वही करता था जो उन्हें ठीक लगता था।
- **16:18** अत: लोगों ने परमेश्वर से कहा कि उन्हें भी सभी राष्ट्रों के समान एक राजा चाहिए।
- **17:05** अंततः शाऊल युद्ध में मारा गया, और दाऊद इस्राएल का राजा बन गया। वह एक अच्छा राजा था, और लोग उससे प्रेम करते थे।

- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है!

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

राजा, राज्य, राजसी

परिभाषा:

बाइबल में, "राजा" शब्द से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो लोगों के किसी विशेष समूह अर्थात नगर, राज्य या देश (या दोनों) का सर्वोच्च शासक है।

- बाइबिल के समय में, आमतौर पर एक राजा को पिछले राजा (ओं) के पारिवारिक संबंध के आधार पर शासन करने के लिए चुना जाता था। राजा के मरणोपरांत उसका जेठा पुत्र ही राजा बनता था।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों पर राज करता है।“परमेश्वर का राज्य” अर्थात अपने लोगों पर परमेश्वर का राज।
- नये नियम में यीशु को “यहूदियों का राजा”, “इस्राएल का राजा” और “राजाओं का राजा” कहा गया है।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “सर्वोच्च प्रधान” या “परम अगुआ” या “सत्ताधारी शासक”
- “राजाओं का राजा” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “सब राजाओं पर राज करने वाला राजा” या “सर्वोच्च शासक जिसे सब शासकों पर अधिकार है”।

(यह भी देखें: अधिकारी, हेरोदेस अन्तिपास, राज्य, परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 06:15-16
- 2 राजा 05:17-19
- 2 शमूएल 05:3-5
- प्रे.का. 07:9-10
- प्रे.का. 13:21-22
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 01:5-7
- लूका 22:24-25
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 14:8-9

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे।
- **16:01** इस्राएलियों का उस समय कोई राजा न था, इसलिये हर कोई वही करता था जो उन्हें ठीक लगता था।
- **16:18** अत: लोगों ने परमेश्वर से कहा कि उन्हें भी सभी राष्ट्रों के समान एक राजा चाहिए।
- **17:05** अंततः शाऊल युद्ध में मारा गया, और दाऊद इस्राएल का राजा बन गया। वह एक अच्छा राजा था, और लोग उससे प्रेम करते थे।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है!

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

राजा, राज्य, राजसी

परिभाषा:

बाइबल में, "राजा" शब्द से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो लोगों के किसी विशेष समूह अर्थात नगर, राज्य या देश (या दोनों) का सर्वोच्च शासक है।

- बाइबिल के समय में, आमतौर पर एक राजा को पिछले राजा (ओं) के पारिवारिक संबंध के आधार पर शासन करने के लिए चुना जाता था। राजा के मरणोपरांत उसका जेठा पुत्र ही राजा बनता था।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों पर राज करता है।“परमेश्वर का राज्य” अर्थात अपने लोगों पर परमेश्वर का राज।
- नये नियम में यीशु को “यहूदियों का राजा”, “इस्राएल का राजा” और “राजाओं का राजा” कहा गया है।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “सर्वोच्च प्रधान” या “परम अगुआ” या “सत्ताधारी शासक”
- “राजाओं का राजा” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “सब राजाओं पर राज करने वाला राजा” या “सर्वोच्च शासक जिसे सब शासकों पर अधिकार है”।

(यह भी देखें: अधिकारी, हेरोदेस अन्तिपास, राज्य, परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 06:15-16
- 2 राजा 05:17-19
- 2 शमूएल 05:3-5
- प्रे.का. 07:9-10
- प्रे.का. 13:21-22
- यूहन्ना 01:49-51
- लूका 01:5-7
- लूका 22:24-25
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 14:8-9

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे।
- **16:01** इस्राएलियों का उस समय कोई राजा न था, इसलिये हर कोई वही करता था जो उन्हें ठीक लगता था।
- **16:18** अत: लोगों ने परमेश्वर से कहा कि उन्हें भी सभी राष्ट्रों के समान एक राजा चाहिए।
- **17:05** अंततः शाऊल युद्ध में मारा गया, और दाऊद इस्राएल का राजा बन गया। वह एक अच्छा राजा था, और लोग उससे प्रेम करते थे।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है!

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।

- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12

- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9

- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”

- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।

- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

राज्य, राज्यों

परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
- आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
- "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
- "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, राजा, परमेश्वर का राज्य, इस्राएल के राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यूहन्ना 18:36
- मरकुस 03:24
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:19
- मत्ती 16:28
- प्रकाशितवाक्य 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का राज्य बन गए।
- **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे इस्राएल का राज्य कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

रानी, रानियाँ

परिभाषा:

रानी अर्थात् राजा की पत्नी या किसी देश की शासक।

- राजा क्षयर्ष से विवाह करके एस्तेर फारस साम्राज्य की रानी बन गई थी।
- रानी ईज़ेबेल दुष्ट राजा अहाब की पत्नी थी।
- शीबा की रानी एक प्रसिद्ध शासक थी जो सुलैमान से भेंट करने आई थी।
- "राज माता" राज करने वाले राजा की माता या दादी को कहते है या दिवंगत राजा की पत्नी को कहते हैं। "राज माता" का बहुत प्रभाव होता है जैसा अतल्याह में देखा गया है जिसने मूर्तिपूजा को बढ़ावा दिया था।

(यह भी देखें: क्षयर्ष, अतल्याह, एस्तेर, राजा. फारस, शासन, शीबा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:10
- 1 राजा 11:18-19
- 2 राजा 10:12-14
- प्रे.का. 08:27
- एस्तेर 01:17
- लूका 11:31
- मत्ती 12:42

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1404, H1377, H4410, H4427, H4433, H4436, H4438, H4446, H7694, H8282, G938

रानी, रानियाँ

परिभाषा:

रानी अर्थात् राजा की पत्नी या किसी देश की शासक।

- राजा क्षयर्ष से विवाह करके एस्तेर फारस साम्राज्य की रानी बन गई थी।
- रानी ईज़ेबेल दुष्ट राजा अहाब की पत्नी थी।
- शीबा की रानी एक प्रसिद्ध शासक थी जो सुलैमान से भेंट करने आई थी।
- "राज माता" राज करने वाले राजा की माता या दादी को कहते है या दिवंगत राजा की पत्नी को कहते हैं। "राज माता" का बहुत प्रभाव होता है जैसा अतल्याह में देखा गया है जिसने मूर्तिपूजा को बढ़ावा दिया था।

(यह भी देखें: क्षयर्ष, अतल्याह, एस्तेर, राजा. फारस, शासन, शीबा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:10
- 1 राजा 11:18-19
- 2 राजा 10:12-14
- प्रे.का. 08:27
- एस्तेर 01:17
- लूका 11:31
- मत्ती 12:42

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1404, H1377, H4410, H4427, H4433, H4436, H4438, H4446, H7694, H8282, G938

रानी, रानियाँ

परिभाषा:

रानी अर्थात् राजा की पत्नी या किसी देश की शासक।

- राजा क्षयर्ष से विवाह करके एस्तेर फारस साम्राज्य की रानी बन गई थी।
- रानी ईज़ेबेल दुष्ट राजा अहाब की पत्नी थी।
- शीबा की रानी एक प्रसिद्ध शासक थी जो सुलैमान से भेंट करने आई थी।
- "राज माता" राज करने वाले राजा की माता या दादी को कहते है या दिवंगत राजा की पत्नी को कहते हैं। "राज माता" का बहुत प्रभाव होता है जैसा अतल्याह में देखा गया है जिसने मूर्तिपूजा को बढ़ावा दिया था।

(यह भी देखें: क्षयर्ष, अतल्याह, एस्तेर, राजा. फारस, शासन, शीबा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:10
- 1 राजा 11:18-19
- 2 राजा 10:12-14
- प्रे.का. 08:27
- एस्तेर 01:17
- लूका 11:31
- मत्ती 12:42

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1404, H1377, H4410, H4427, H4433, H4436, H4438, H4446, H7694, H8282, G938

रानी, रानियाँ

परिभाषा:

रानी अर्थात् राजा की पत्नी या किसी देश की शासक।

- राजा क्षयर्ष से विवाह करके एस्तेर फारस साम्राज्य की रानी बन गई थी।
- रानी ईज़ेबेल दुष्ट राजा अहाब की पत्नी थी।
- शीबा की रानी एक प्रसिद्ध शासक थी जो सुलैमान से भेंट करने आई थी।
- "राज माता" राज करने वाले राजा की माता या दादी को कहते है या दिवंगत राजा की पत्नी को कहते हैं। "राज माता" का बहुत प्रभाव होता है जैसा अतल्याह में देखा गया है जिसने मूर्तिपूजा को बढ़ावा दिया था।

(यह भी देखें: क्षयर्ष, अतल्याह, एस्तेर, राजा. फारस, शासन, शीबा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:10
- 1 राजा 11:18-19
- 2 राजा 10:12-14
- प्रे.का. 08:27
- एस्तेर 01:17
- लूका 11:31
- मत्ती 12:42

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1404, H1377, H4410, H4427, H4433, H4436, H4438, H4446, H7694, H8282, G938

रानी, रानियाँ

परिभाषा:

रानी अर्थात् राजा की पत्नी या किसी देश की शासक।

- राजा क्षयर्ष से विवाह करके एस्तेर फारस साम्राज्य की रानी बन गई थी।
- रानी ईज़ेबेल दुष्ट राजा अहाब की पत्नी थी।
- शीबा की रानी एक प्रसिद्ध शासक थी जो सुलैमान से भेंट करने आई थी।
- "राज माता" राज करने वाले राजा की माता या दादी को कहते है या दिवंगत राजा की पत्नी को कहते हैं। "राज माता" का बहुत प्रभाव होता है जैसा अतल्याह में देखा गया है जिसने मूर्तिपूजा को बढ़ावा दिया था।

(यह भी देखें: क्षयर्ष, अतल्याह, एस्तेर, राजा. फारस, शासन, शीबा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:10
- 1 राजा 11:18-19
- 2 राजा 10:12-14
- प्रे.का. 08:27
- एस्तेर 01:17
- लूका 11:31
- मत्ती 12:42

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1404, H1377, H4410, H4427, H4433, H4436, H4438, H4446, H7694, H8282, G938

रानी, रानियाँ

परिभाषा:

रानी अर्थात् राजा की पत्नी या किसी देश की शासक।

- राजा क्षयर्ष से विवाह करके एस्तेर फारस साम्राज्य की रानी बन गई थी।
- रानी ईज़ेबेल दुष्ट राजा अहाब की पत्नी थी।
- शीबा की रानी एक प्रसिद्ध शासक थी जो सुलैमान से भेंट करने आई थी।
- "राज माता" राज करने वाले राजा की माता या दादी को कहते है या दिवंगत राजा की पत्नी को कहते हैं। "राज माता" का बहुत प्रभाव होता है जैसा अतल्याह में देखा गया है जिसने मूर्तिपूजा को बढ़ावा दिया था।

(यह भी देखें: क्षयर्ष, अतल्याह, एस्तेर, राजा. फारस, शासन, शीबा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:10
- 1 राजा 11:18-19
- 2 राजा 10:12-14
- प्रे.का. 08:27
- एस्तेर 01:17
- लूका 11:31
- मत्ती 12:42

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1404, H1377, H4410, H4427, H4433, H4436, H4438, H4446, H7694, H8282, G938

रानी, रानियाँ

परिभाषा:

रानी अर्थात् राजा की पत्नी या किसी देश की शासक।

- राजा क्षयर्ष से विवाह करके एस्तेर फारस साम्राज्य की रानी बन गई थी।
- रानी ईज़ेबेल दुष्ट राजा अहाब की पत्नी थी।
- शीबा की रानी एक प्रसिद्ध शासक थी जो सुलैमान से भेंट करने आई थी।
- "राज माता" राज करने वाले राजा की माता या दादी को कहते है या दिवंगत राजा की पत्नी को कहते हैं। "राज माता" का बहुत प्रभाव होता है जैसा अतल्याह में देखा गया है जिसने मूर्तिपूजा को बढ़ावा दिया था।

(यह भी देखें: क्षयर्ष, अतल्याह, एस्तेर, राजा. फारस, शासन, शीबा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:10
- 1 राजा 11:18-19
- 2 राजा 10:12-14
- प्रे.का. 08:27
- एस्तेर 01:17
- लूका 11:31
- मत्ती 12:42

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1404, H1377, H4410, H4427, H4433, H4436, H4438, H4446, H7694, H8282, G938

रानी, रानियाँ

परिभाषा:

रानी अर्थात् राजा की पत्नी या किसी देश की शासक।

- राजा क्षयर्ष से विवाह करके एस्तेर फारस साम्राज्य की रानी बन गई थी।
- रानी ईज़ेबेल दुष्ट राजा अहाब की पत्नी थी।
- शीबा की रानी एक प्रसिद्ध शासक थी जो सुलैमान से भेंट करने आई थी।
- "राज माता" राज करने वाले राजा की माता या दादी को कहते है या दिवंगत राजा की पत्नी को कहते हैं। "राज माता" का बहुत प्रभाव होता है जैसा अतल्याह में देखा गया है जिसने मूर्तिपूजा को बढ़ावा दिया था।

(यह भी देखें: क्षयर्ष, अतल्याह, एस्तेर, राजा. फारस, शासन, शीबा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:10
- 1 राजा 11:18-19
- 2 राजा 10:12-14
- प्रे.का. 08:27
- एस्तेर 01:17
- लूका 11:31
- मत्ती 12:42

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1404, H1377, H4410, H4427, H4433, H4436, H4438, H4446, H7694, H8282, G938

रानी, रानियाँ

परिभाषा:

रानी अर्थात् राजा की पत्नी या किसी देश की शासक।

- राजा क्षयर्ष से विवाह करके एस्तेर फारस साम्राज्य की रानी बन गई थी।
- रानी ईज़ेबेल दुष्ट राजा अहाब की पत्नी थी।
- शीबा की रानी एक प्रसिद्ध शासक थी जो सुलैमान से भेंट करने आई थी।
- "राज माता" राज करने वाले राजा की माता या दादी को कहते है या दिवंगत राजा की पत्नी को कहते हैं। "राज माता" का बहुत प्रभाव होता है जैसा अतल्याह में देखा गया है जिसने मूर्तिपूजा को बढ़ावा दिया था।

(यह भी देखें: क्षयर्ष, अतल्याह, एस्तेर, राजा. फारस, शासन, शीबा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:10
- 1 राजा 11:18-19
- 2 राजा 10:12-14
- प्रे.का. 08:27
- एस्तेर 01:17
- लूका 11:31
- मत्ती 12:42

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1404, H1377, H4410, H4427, H4433, H4436, H4438, H4446, H7694, H8282, G938

रानी, रानियाँ

परिभाषा:

रानी अर्थात् राजा की पत्नी या किसी देश की शासक।

- राजा क्षयर्ष से विवाह करके एस्तेर फारस साम्राज्य की रानी बन गई थी।
- रानी ईज़ेबेल दुष्ट राजा अहाब की पत्नी थी।
- शीबा की रानी एक प्रसिद्ध शासक थी जो सुलैमान से भेंट करने आई थी।
- "राज माता" राज करने वाले राजा की माता या दादी को कहते है या दिवंगत राजा की पत्नी को कहते हैं। "राज माता" का बहुत प्रभाव होता है जैसा अतल्याह में देखा गया है जिसने मूर्तिपूजा को बढ़ावा दिया था।

(यह भी देखें: क्षयर्ष, अतल्याह, एस्तेर, राजा. फारस, शासन, शीबा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:10
- 1 राजा 11:18-19
- 2 राजा 10:12-14
- प्रे.का. 08:27
- एस्तेर 01:17
- लूका 11:31
- मत्ती 12:42

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1404, H1377, H4410, H4427, H4433, H4436, H4438, H4446, H7694, H8282, G938

रानी, रानियाँ

परिभाषा:

रानी अर्थात् राजा की पत्नी या किसी देश की शासक।

- राजा क्षयर्ष से विवाह करके एस्तेर फारस साम्राज्य की रानी बन गई थी।
- रानी ईज़ेबेल दुष्ट राजा अहाब की पत्नी थी।
- शीबा की रानी एक प्रसिद्ध शासक थी जो सुलैमान से भेंट करने आई थी।
- "राज माता" राज करने वाले राजा की माता या दादी को कहते है या दिवंगत राजा की पत्नी को कहते हैं। "राज माता" का बहुत प्रभाव होता है जैसा अतल्याह में देखा गया है जिसने मूर्तिपूजा को बढ़ावा दिया था।

(यह भी देखें: क्षयर्ष, अतल्याह, एस्तेर, राजा. फारस, शासन, शीबा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:10
- 1 राजा 11:18-19
- 2 राजा 10:12-14
- प्रे.का. 08:27
- एस्तेर 01:17
- लूका 11:31
- मत्ती 12:42

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1404, H1377, H4410, H4427, H4433, H4436, H4438, H4446, H7694, H8282, G938

रानी, रानियाँ

परिभाषा:

रानी अर्थात् राजा की पत्नी या किसी देश की शासक।

- राजा क्षयर्ष से विवाह करके एस्तेर फारस साम्राज्य की रानी बन गई थी।
- रानी ईज़ेबेल दुष्ट राजा अहाब की पत्नी थी।
- शीबा की रानी एक प्रसिद्ध शासक थी जो सुलैमान से भेंट करने आई थी।
- "राज माता" राज करने वाले राजा की माता या दादी को कहते है या दिवंगत राजा की पत्नी को कहते हैं। "राज माता" का बहुत प्रभाव होता है जैसा अतल्याह में देखा गया है जिसने मूर्तिपूजा को बढ़ावा दिया था।

(यह भी देखें: क्षयर्ष, अतल्याह, एस्तेर, राजा. फारस, शासन, शीबा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:10
- 1 राजा 11:18-19
- 2 राजा 10:12-14
- प्रे.का. 08:27
- एस्तेर 01:17
- लूका 11:31
- मत्ती 12:42

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1404, H1377, H4410, H4427, H4433, H4436, H4438, H4446, H7694, H8282, G938

रामाह

तथ्य:

रामाह यरूशलेम से आठ कि.मी. दूर एक प्राचीन इस्राएली नगर था। यह नगर बिन्यामीन गोत्र के प्रदेश में था जहाँ वे रहते थे।

- रामाह में राहेल की मृत्यु हुई थी जब उसने बिन्यामीन को जन्म दिया था।
- बेबीलोन की सेना इस्राएलियों को बन्दी बना कर ले जा रही थी तब वे बेबीलोन पहुंचने से पूर्व रामाह लाए गए थे।
- शमूएल के माता पिता का घर भी रामाह में था।

(यह भी देखें: बिन्यामीन, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:25-27
- 1 शमूएल 02:11
- 2 इतिहास 16:1
- यिर्मयाह 31:15
- यहोशू 18:25-28
- मत्ती 02:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7414, G4471

राहाब

तथ्य:

राहाब यरीहो वासी स्त्री थी जब इस्राएल ने यरीहो पर आक्रमण किया था। वह एक वैश्या थी।

- आक्रमण करने से पूर्व इस्राएल के दो भेदिये यरीहो में गए थे, उन्हें बचाने के लिए राहाब ने उन्हें छिपा लिया था। पुनः छावनी पहुंचने में उसने उनकी सहायता की थी।
- राहाब यहोवा की विश्वासिनी हो गई थी।
- राहाब और उसका परिवार यरीहो विनाश के समय छोड़ दिया गया था और वे सदैव इस्राएलियों के साथ रहने आए।

(यह भी देखें: इस्राएल, यरीहो, वैश्या)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 11:29-31
- याकूब 02:25-26
- यहोशू 02:20-21
- यहोशू 06:17-19
- मत्ती 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:01** उस शहर में राहाब नामक एक वेश्या रहती थी, उसने उन दोनों भेदियों को छिपा रखा और उन्हें भगाने में भी सहायता की क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करती थी। उन्होंने शपथ खाई कि इस्राएली जब यरीहो को नष्ट करेंगे तब राहाब और उसके परिवार की वे रक्षा करेंगे।
- 15:05__तब इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार, जो कुछ उस शहर में था सब कुछ नष्ट कर दिया। उन्होंने केवल __राहाब और उसके परिवार को छोड़ा, क्योंकि वे इस्राएलियों का ही भाग बन गए थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7343, G4460

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

राहाब

तथ्य:

राहाब यरीहो वासी स्त्री थी जब इस्राएल ने यरीहो पर आक्रमण किया था। वह एक वैश्या थी।

- आक्रमण करने से पूर्व इस्राएल के दो भेदिये यरीहो में गए थे, उन्हें बचाने के लिए राहाब ने उन्हें छिपा लिया था। पुनः छावनी पहुंचने में उसने उनकी सहायता की थी।
- राहाब यहोवा की विश्वासिनी हो गई थी।
- राहाब और उसका परिवार यरीहो विनाश के समय छोड़ दिया गया था और वे सदैव इस्राएलियों के साथ रहने आए।

(यह भी देखें: इस्राएल, यरीहो, वैश्या)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 11:29-31
- याकूब 02:25-26
- यहोशू 02:20-21
- यहोशू 06:17-19
- मत्ती 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:01** उस शहर में राहाब नामक एक वेश्या रहती थी, उसने उन दोनों भेदियों को छिपा रखा और उन्हें भगाने में भी सहायता की क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करती थी। उन्होंने शपथ खाई कि इस्राएली जब यरीहो को नष्ट करेंगे तब राहाब और उसके परिवार की वे रक्षा करेंगे।
- 15:05__तब इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार, जो कुछ उस शहर में था सब कुछ नष्ट कर दिया। उन्होंने केवल __राहाब और उसके परिवार को छोड़ा, क्योंकि वे इस्राएलियों का ही भाग बन गए थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7343, G4460

राहाब

तथ्य:

राहाब यरीहो वासी स्त्री थी जब इस्राएल ने यरीहो पर आक्रमण किया था। वह एक वैश्या थी।

- आक्रमण करने से पूर्व इस्राएल के दो भेदिये यरीहो में गए थे, उन्हें बचाने के लिए राहाब ने उन्हें छिपा लिया था। पुनः छावनी पहुंचने में उसने उनकी सहायता की थी।
- राहाब यहोवा की विश्वासिनी हो गई थी।
- राहाब और उसका परिवार यरीहो विनाश के समय छोड़ दिया गया था और वे सदैव इस्राएलियों के साथ रहने आए।

(यह भी देखें: इस्राएल, यरीहो, वैश्या)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 11:29-31
- याकूब 02:25-26
- यहोशू 02:20-21
- यहोशू 06:17-19
- मत्ती 01:4-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:01** उस शहर में राहाब नामक एक वेश्या रहती थी, उसने उन दोनों भेदियों को छिपा रखा और उन्हें भगाने में भी सहायता की क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करती थी। उन्होंने शपथ खाई कि इस्राएली जब यरीहो को नष्ट करेंगे तब राहाब और उसके परिवार की वे रक्षा करेंगे।
- 15:05__तब इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार, जो कुछ उस शहर में था सब कुछ नष्ट कर दिया। उन्होंने केवल __राहाब और उसके परिवार को छोड़ा, क्योंकि वे इस्राएलियों का ही भाग बन गए थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7343, G4460

राहेल

तथ्य:

राहेल याकूब की पत्नियों में से एक थी। राहेल यूसुफ और बिन्यामीन की माता थी, ये दोनों इस्राएल के दो गोत्र हुए।

- राहेल और उसकी बहन लिआ: याकूब के मामा लाबान की पुत्रियां थी।
- वर्षों तक राहेल को सन्तान प्राप्ति नहीं हुई थी। तब परमेश्वर ने उसे योग्य बनाया और उसने यूसुफ को जन्म दिया।
- वर्षों बाद जब राहेल ने बिन्यामीन को जन्म दिया तब उसकी मृत्यु हो गई और याकूब ने उसे बैतलहम के पास दफन किया।

(यह भी देखें: बैतलहम, इस्राएल, लाबान, लिआ:, यूसुफ (पुराना नियम), इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 29:4-6
- उत्पत्ति 29:19-20
- उत्पत्ति 29:28-30
- उत्पत्ति 31:4-6
- उत्पत्ति 33:1-3
- मत्ती 02:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7354, G4478

रिबका

तथ्य:

रिबका अब्राहम के भाई नाहोर की पोती थी।

- परमेश्वर ने रिबका को अब्राहम के पुत्र इसहाक की पत्नी होने के लिए चुन लिया था।
- सेवक रिबका अपना देश अरम्नहरैम को त्याग कर अब्राहम के सेवक के साथ अब्राहम के निवास स्थान नेगेब चली गई।
- लम्बे समय तक रिबका को सन्तान प्राप्ति नहीं हुई परन्तु परमेश्वर ने अन्ततः उसे जुड़वा बालक दिए एसाव और याकूब।

(यह भी देखें: अब्राहम, अराम, एसाव, इसहाक, इस्राएल, नाहोर, दक्षिण देश)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 24:15-16
- उत्पत्ति 24:45-46
- उत्पत्ति 24:56-58
- उत्पत्ति 24:63-65
- उत्पत्ति 25:27-28
- उत्पत्ति 26:6-8

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **06:02** एक लंबी यात्रा के बाद, जब वह दास उस नगर में गया जहाँ अब्राहम के कुटुम्बी रहते थे, तब परमेश्वर ने उस दास के सामने रिबका को भेजा। वह अब्राहम के भाई की पोती थी।
- **06:06** परमेश्वर ने रिबका से कहा, "तेरे गर्भ में दो जातियाँ हैं, "
- **07:01** फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका याकूब से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था।
- **07:03** इसहाक बहुत बूढा हो गया था, वह अपना आशीर्वाद एसाव को देना चाहता था। पर इससे पहले वह ऐसा करता, रिबका ने याकूब को एसाव के स्थान पर इसहाक के पास भेज दिया।
- **07:06** जब रिबका को एसाव की योजना का पता चला। तो उसने याकूब को अपने कुटुम्बियों के पास भेज दिया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7259

रूत

तथ्य:

रूत एक मोआबी स्त्री थी, जो इस्राएल में न्यायियों के युग में थी। उसने एक इस्राएली से विवाह मोआब में किया था, जब वह अकाल के कारण अपने परिवार के साथ वहां चले गए थे जब न्यायधीश इस्राएल में थे। रूत के पति की मृत्यु हो गई, कुछ समय पश्चात उसकी सास, नाओमी अपने अधिवास बैतलहम लौट रही थी तो उसने भी अपनी सास के साथ जाने का निर्णय लिया।

- रूत नाओमी की निष्ठावान रही और उसके लिए भोजन व्यवस्था करती रही।
- वह इस्राएल के एकमात्र सच्चे परमेश्वर की सेवा में समर्पित हो गई थी।
- रूत का विवाह एक इस्राएली पुरुष बोआज़ के साथ हो गया था, उसका पुत्र यीशु के पूर्वज राजा दाऊद का दादा था। क्योंकि राजा दाऊद यीशु मसीह का पूर्वज था इसलिए रूत भी थी।

(यह भी देखें: बैतलहम, बोआज़, दाऊद, न्यायी)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 01:4-6
- रूत 01:3-5
- रूत 03:8-9
- रूत 04:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7327, G4503

रूत

तथ्य:

रूत एक मोआबी स्त्री थी, जो इस्राएल में न्यायियों के युग में थी। उसने एक इस्राएली से विवाह मोआब में किया था, जब वह अकाल के कारण अपने परिवार के साथ वहां चले गए थे जब न्यायधीश इस्राएल में थे। रूत के पति की मृत्यु हो गई, कुछ समय पश्चात उसकी सास, नाओमी अपने अधिवास बैतलहम लौट रही थी तो उसने भी अपनी सास के साथ जाने का निर्णय लिया।

- रूत नाओमी की निष्ठावान रही और उसके लिए भोजन व्यवस्था करती रही।
- वह इस्राएल के एकमात्र सच्चे परमेश्वर की सेवा में समर्पित हो गई थी।
- रूत का विवाह एक इस्राएली पुरुष बोआज़ के साथ हो गया था, उसका पुत्र यीशु के पूर्वज राजा दाऊद का दादा था। क्योंकि राजा दाऊद यीशु मसीह का पूर्वज था इसलिए रूत भी थी।

(यह भी देखें: बैतलहम, बोआज़, दाऊद, न्यायी)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 01:4-6
- रूत 01:3-5
- रूत 03:8-9
- रूत 04:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7327, G4503

रूबेन

तथ्य:

रूबेन याकूब का पहिलौठा था। उसकी माता का नाम लिआ था।

- यूसुफ के भाई जब उसकी हत्या करना चाहते थे तब रूबेन ने उसे गड्ढे में डलवा कर उसकी जान बचाई थी।
- रूबेन बाद में यूसुफ को गड्ढे से निकालने आया, परन्तु उसके अन्य भाइयों ने उसे वहां से जानेवाले व्यापारियों के हाथ दास होने के लिए बेच दिया था।
- रूबेन के वंशज इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक बने थे।

(यह भी देखें: इस्राएल, यूसुफ (पुराना नियम), लिआ:, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 29:31-32
- उत्पत्ति 35:21-22
- उत्पत्ति 42:21-22
- उत्पत्ति 42:37-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7205, H7206, G4502

रोटी

परिभाषा:

रोटी, आटे में पानी और तेल मिलाकर बनाई जाती है। आटे को बेलकर रोटी का आकार देकर सेंका जाता है।

- जब “रोटी” शब्द अकेला हो तो इसका अर्थ है, रोटी।
- रोटी के आटे को फूलाने के लिए उसमें खमीर मिलाया जाता है। रोटी बिना खमीर के भी बनाई जाती है। * बाइबल में ऐसी रोटी को “अखमीरी रोटी” कहा गया है, यह रोटी यहूदी फसह के पर्व में खाते थे।
- रोटी बाइबल के युग में मुख्य भोजन होता था, इसे भोजन के स्थान में भी काम में लिया गया है।
- “भेंट की रोटियां” निवास के मण्डप या मन्दिर में परमेश्वर को अर्पित की गई बारह रोटियां थी जिन्हें एक सोने की मेज पर रखा जाता था। ये रोटियां इस्राएल के बारह गोत्रों का प्रतिनिधित्व करती थी और केवल याजक ही उन्हें खा सकता था। इसका अनुवाद हो सकता है, “उनमें परमेश्वर की उपस्थिति के दर्शन वाली रोटियां।” प्रतीकात्मक शब्द, “स्वर्ग की रोटी” विशेष सफेद रंग की अन्न, मन्ना के संदर्भ में है, परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए जंगल में इसका उल्लेख किया था।
- यीशु ने स्वयं को “स्वर्ग से उतरने वाली रोटी” और “जीवन की रोटी” कहा है। यीशु अपने शिष्यों के साथ फसह का भोजन खा रहा था तब उसने अपनी देह को अखमीरी रोटी कहा था जो घायल की जायेगी और अन्त में क्रूस पर मार दी जायेगी। अनेक स्थानों में “रोटी” का अनुवाद “भोजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: फसह, निवासस्थान, मन्दिर, अखमीरी रोटी, खमीर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 27:33-35
- निर्गमन 16:13-15
- लूका 09:12-14
- मरकुस 06:37-38
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2557, H3899, H4635, H4682, G106, G740, G4286

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

रोटी

परिभाषा:

रोटी, आटे में पानी और तेल मिलाकर बनाई जाती है। आटे को बेलकर रोटी का आकार देकर सेंका जाता है।

- जब “रोटी” शब्द अकेला हो तो इसका अर्थ है, रोटी।
- रोटी के आटे को फूलाने के लिए उसमें खमीर मिलाया जाता है। रोटी बिना खमीर के भी बनाई जाती है। * बाइबल में ऐसी रोटी को “अखमीरी रोटी” कहा गया है, यह रोटी यहूदी फसह के पर्व में खाते थे।
- रोटी बाइबल के युग में मुख्य भोजन होता था, इसे भोजन के स्थान में भी काम में लिया गया है।
- “भेंट की रोटियां” निवास के मण्डप या मन्दिर में परमेश्वर को अर्पित की गई बारह रोटियां थी जिन्हें एक सोने की मेज पर रखा जाता था। ये रोटियां इस्राएल के बारह गोत्रों का प्रतिनिधित्व करती थी और केवल याजक ही उन्हें खा सकता था। इसका अनुवाद हो सकता है, “उनमें परमेश्वर की उपस्थिति के दर्शन वाली रोटियां।” प्रतीकात्मक शब्द, “स्वर्ग की रोटी” विशेष सफेद रंग की अन्न, मन्ना के संदर्भ में है, परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए जंगल में इसका उल्लेख किया था।
- यीशु ने स्वयं को “स्वर्ग से उतरने वाली रोटी” और “जीवन की रोटी” कहा है। यीशु अपने शिष्यों के साथ फसह का भोजन खा रहा था तब उसने अपनी देह को अखमीरी रोटी कहा था जो घायल की जायेगी और अन्त में क्रूस पर मार दी जायेगी। अनेक स्थानों में “रोटी” का अनुवाद “भोजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: फसह, निवासस्थान, मन्दिर, अखमीरी रोटी, खमीर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 27:33-35
- निर्गमन 16:13-15
- लूका 09:12-14
- मरकुस 06:37-38
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2557, H3899, H4635, H4682, G106, G740, G4286

रोटी

परिभाषा:

रोटी, आटे में पानी और तेल मिलाकर बनाई जाती है। आटे को बेलकर रोटी का आकार देकर सेंका जाता है।

- जब “रोटी” शब्द अकेला हो तो इसका अर्थ है, रोटी।
- रोटी के आटे को फूलाने के लिए उसमें खमीर मिलाया जाता है। रोटी बिना खमीर के भी बनाई जाती है। * बाइबल में ऐसी रोटी को “अखमीरी रोटी” कहा गया है, यह रोटी यहूदी फसह के पर्व में खाते थे।
- रोटी बाइबल के युग में मुख्य भोजन होता था, इसे भोजन के स्थान में भी काम में लिया गया है।
- “भेंट की रोटियां” निवास के मण्डप या मन्दिर में परमेश्वर को अर्पित की गई बारह रोटियां थी जिन्हें एक सोने की मेज पर रखा जाता था। ये रोटियां इस्राएल के बारह गोत्रों का प्रतिनिधित्व करती थी और केवल याजक ही उन्हें खा सकता था। इसका अनुवाद हो सकता है, “उनमें परमेश्वर की उपस्थिति के दर्शन वाली रोटियां।” प्रतीकात्मक शब्द, “स्वर्ग की रोटी” विशेष सफेद रंग की अन्न, मन्ना के संदर्भ में है, परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए जंगल में इसका उल्लेख किया था।
- यीशु ने स्वयं को “स्वर्ग से उतरने वाली रोटी” और “जीवन की रोटी” कहा है। यीशु अपने शिष्यों के साथ फसह का भोजन खा रहा था तब उसने अपनी देह को अखमीरी रोटी कहा था जो घायल की जायेगी और अन्त में क्रूस पर मार दी जायेगी। अनेक स्थानों में “रोटी” का अनुवाद “भोजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: फसह, निवासस्थान, मन्दिर, अखमीरी रोटी, खमीर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 27:33-35
- निर्गमन 16:13-15

- लूका 09:12-14
- मरकुस 06:37-38
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2557, H3899, H4635, H4682, G106, G740, G4286

रोटी

परिभाषा:

रोटी, आटे में पानी और तेल मिलाकर बनाई जाती है। आटे को बेलकर रोटी का आकार देकर सेंका जाता है।

- जब “रोटी” शब्द अकेला हो तो इसका अर्थ है, रोटी।
- रोटी के आटे को फूलाने के लिए उसमें खमीर मिलाया जाता है। रोटी बिना खमीर के भी बनाई जाती है। * बाइबल में ऐसी रोटी को “अखमीरी रोटी” कहा गया है, यह रोटी यहूदी फसह के पर्व में खाते थे।
- रोटी बाइबल के युग में मुख्य भोजन होता था, इसे भोजन के स्थान में भी काम में लिया गया है।
- “भेंट की रोटियां” निवास के मण्डप या मन्दिर में परमेश्वर को अर्पित की गई बारह रोटियां थी जिन्हें एक सोने की मेज पर रखा जाता था। ये रोटियां इस्राएल के बारह गोत्रों का प्रतिनिधित्व करती थी और केवल याजक ही उन्हें खा सकता था। इसका अनुवाद हो सकता है, “उनमें परमेश्वर की उपस्थिति के दर्शन वाली रोटियां।” प्रतीकात्मक शब्द, “स्वर्ग की रोटी” विशेष सफेद रंग की अन्न, मन्ना के संदर्भ में है, परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए जंगल में इसका उल्लेख किया था।
- यीशु ने स्वयं को “स्वर्ग से उतरने वाली रोटी” और “जीवन की रोटी” कहा है। यीशु अपने शिष्यों के साथ फसह का भोजन खा रहा था तब उसने अपनी देह को अखमीरी रोटी कहा था जो घायल की जायेगी और अन्त में क्रूस पर मार दी जायेगी। अनेक स्थानों में “रोटी” का अनुवाद “भोजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: फसह, निवासस्थान, मन्दिर, अखमीरी रोटी, खमीर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 27:33-35
- निर्गमन 16:13-15
- लूका 09:12-14
- मरकुस 06:37-38
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2557, H3899, H4635, H4682, G106, G740, G4286

रोटी

परिभाषा:

रोटी, आटे में पानी और तेल मिलाकर बनाई जाती है। आटे को बेलकर रोटी का आकार देकर सेंका जाता है।

- जब “रोटी” शब्द अकेला हो तो इसका अर्थ है, रोटी।
- रोटी के आटे को फूलाने के लिए उसमें खमीर मिलाया जाता है। रोटी बिना खमीर के भी बनाई जाती है। * बाइबल में ऐसी रोटी को “अखमीरी रोटी” कहा गया है, यह रोटी यहूदी फसह के पर्व में खाते थे।
- रोटी बाइबल के युग में मुख्य भोजन होता था, इसे भोजन के स्थान में भी काम में लिया गया है।
- “भेंट की रोटियां” निवास के मण्डप या मन्दिर में परमेश्वर को अर्पित की गई बारह रोटियां थी जिन्हें एक सोने की मेज पर रखा जाता था। ये रोटियां इस्राएल के बारह गोत्रों का प्रतिनिधित्व करती थी और केवल याजक ही उन्हें खा सकता था। इसका अनुवाद हो सकता है, “उनमें परमेश्वर की उपस्थिति के दर्शन वाली रोटियां।” प्रतीकात्मक शब्द, “स्वर्ग की रोटी” विशेष सफेद रंग की अन्न, मन्ना के संदर्भ में है, परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए जंगल में इसका उल्लेख किया था।

- यीशु ने स्वयं को “स्वर्ग से उतरने वाली रोटी” और “जीवन की रोटी” कहा है। यीशु अपने शिष्यों के साथ फसह का भोजन खा रहा था तब उसने अपनी देह को अखमीरी रोटी कहा था जो घायल की जायेगी और अन्त में क्रूस पर मार दी जायेगी। अनेक स्थानों में “रोटी” का अनुवाद “भोजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: फसह, निवासस्थान, मन्दिर, अख़मीरी रोटी, ख़मीर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 27:33-35
- निर्गमन 16:13-15
- लूका 09:12-14
- मरकुस 06:37-38
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2557, H3899, H4635, H4682, G106, G740, G4286

रोटी

परिभाषा:

रोटी, आटे में पानी और तेल मिलाकर बनाई जाती है। आटे को बेलकर रोटी का आकार देकर सेंका जाता है।

- जब “रोटी” शब्द अकेला हो तो इसका अर्थ है, रोटी।
- रोटी के आटे को फूलाने के लिए उसमें खमीर मिलाया जाता है। रोटी बिना खमीर के भी बनाई जाती है। * बाइबल में ऐसी रोटी को “अखमीरी रोटी” कहा गया है, यह रोटी यहूदी फसह के पर्व में खाते थे।
- रोटी बाइबल के युग में मुख्य भोजन होता था, इसे भोजन के स्थान में भी काम में लिया गया है।
- “भेंट की रोटियां” निवास के मण्डप या मन्दिर में परमेश्वर को अर्पित की गई बारह रोटियां थी जिन्हें एक सोने की मेज पर रखा जाता था। ये रोटियां इस्राएल के बारह गोत्रों का प्रतिनिधित्व करती थी और केवल याजक ही उन्हें खा सकता था। इसका अनुवाद हो सकता है, “उनमें परमेश्वर की उपस्थिति के दर्शन वाली रोटियां।” प्रतीकात्मक शब्द, “स्वर्ग की रोटी” विशेष सफेद रंग की अन्न, मन्ना के संदर्भ में है, परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए जंगल में इसका उल्लेख किया था।
- यीशु ने स्वयं को “स्वर्ग से उतरने वाली रोटी” और “जीवन की रोटी” कहा है। यीशु अपने शिष्यों के साथ फसह का भोजन खा रहा था तब उसने अपनी देह को अखमीरी रोटी कहा था जो घायल की जायेगी और अन्त में क्रूस पर मार दी जायेगी। अनेक स्थानों में “रोटी” का अनुवाद “भोजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: फसह, निवासस्थान, मन्दिर, अख़मीरी रोटी, ख़मीर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 27:33-35
- निर्गमन 16:13-15
- लूका 09:12-14
- मरकुस 06:37-38
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2557, H3899, H4635, H4682, G106, G740, G4286

रोटी

परिभाषा:

रोटी, आटे में पानी और तेल मिलाकर बनाई जाती है। आटे को बेलकर रोटी का आकार देकर सेंका जाता है।

- जब “रोटी” शब्द अकेला हो तो इसका अर्थ है, रोटी।
- रोटी के आटे को फूलाने के लिए उसमें खमीर मिलाया जाता है। रोटी बिना खमीर के भी बनाई जाती है। * बाइबल में ऐसी रोटी को “अखमीरी रोटी” कहा गया है, यह रोटी यहूदी फसह के पर्व में खाते थे।
- रोटी बाइबल के युग में मुख्य भोजन होता था, इसे भोजन के स्थान में भी काम में लिया गया है।
- “भेंट की रोटियां” निवास के मण्डप या मन्दिर में परमेश्वर को अर्पित की गई बारह रोटियां थी जिन्हें एक सोने की मेज पर रखा जाता था। ये रोटियां इस्राएल के बारह गोत्रों का प्रतिनिधित्व करती थी और केवल याजक ही उन्हें खा सकता था। इसका अनुवाद हो सकता है, “उनमें परमेश्वर की उपस्थिति के दर्शन वाली रोटियां।” प्रतीकात्मक शब्द, “स्वर्ग की रोटी” विशेष सफेद रंग की अन्न, मन्ना के संदर्भ में है, परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए जंगल में इसका उल्लेख किया था।
- यीशु ने स्वयं को “स्वर्ग से उतरने वाली रोटी” और “जीवन की रोटी” कहा है। यीशु अपने शिष्यों के साथ फसह का भोजन खा रहा था तब उसने अपनी देह को अखमीरी रोटी कहा था जो घायल की जायेगी और अन्त में क्रूस पर मार दी जायेगी। अनेक स्थानों में “रोटी” का अनुवाद “भोजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: फसह, निवासस्थान, मन्दिर, अखमीरी रोटी, खमीर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 27:33-35
- निर्गमन 16:13-15
- लूका 09:12-14
- मरकुस 06:37-38
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2557, H3899, H4635, H4682, G106, G740, G4286

रोटी

परिभाषा:

रोटी, आटे में पानी और तेल मिलाकर बनाई जाती है। आटे को बेलकर रोटी का आकार देकर सेंका जाता है।

- जब “रोटी” शब्द अकेला हो तो इसका अर्थ है, रोटी।
- रोटी के आटे को फूलाने के लिए उसमें खमीर मिलाया जाता है। रोटी बिना खमीर के भी बनाई जाती है। * बाइबल में ऐसी रोटी को “अखमीरी रोटी” कहा गया है, यह रोटी यहूदी फसह के पर्व में खाते थे।
- रोटी बाइबल के युग में मुख्य भोजन होता था, इसे भोजन के स्थान में भी काम में लिया गया है।
- “भेंट की रोटियां” निवास के मण्डप या मन्दिर में परमेश्वर को अर्पित की गई बारह रोटियां थी जिन्हें एक सोने की मेज पर रखा जाता था। ये रोटियां इस्राएल के बारह गोत्रों का प्रतिनिधित्व करती थी और केवल याजक ही उन्हें खा सकता था। इसका अनुवाद हो सकता है, “उनमें परमेश्वर की उपस्थिति के दर्शन वाली रोटियां।” प्रतीकात्मक शब्द, “स्वर्ग की रोटी” विशेष सफेद रंग की अन्न, मन्ना के संदर्भ में है, परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए जंगल में इसका उल्लेख किया था।
- यीशु ने स्वयं को “स्वर्ग से उतरने वाली रोटी” और “जीवन की रोटी” कहा है। यीशु अपने शिष्यों के साथ फसह का भोजन खा रहा था तब उसने अपनी देह को अखमीरी रोटी कहा था जो घायल की जायेगी और अन्त में क्रूस पर मार दी जायेगी। अनेक स्थानों में “रोटी” का अनुवाद “भोजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: फसह, निवासस्थान, मन्दिर, अखमीरी रोटी, खमीर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 27:33-35
- निर्गमन 16:13-15

- लूका 09:12-14
- मरकुस 06:37-38
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2557, H3899, H4635, H4682, G106, G740, G4286

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18

- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)

- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18

- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रोम, रोमी

तथ्यों:

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक "रोमियों की पत्री" पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ समाचार, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- प्रे.का. 22:25-26
- प्रे.का. 28:13-15
- यूहन्ना 11:47-48

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमन साम्राज्य ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए |
- **32:06** तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत है |” (सेना 6000 सैनिकों का दल होता है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया वे इस आशा में थे कि पिलातुस उसे दोषी ठहरा कर उससे मरवा डाले |
- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा” देखो |

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4514, G4516

रौंदे, रौंदेगा, रौंदा, रौंदना

परिभाषा:

“कुचलना” अर्थात् पांव रखकर नष्ट कर देना। बाइबल में इस उक्ति का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता है, “नष्ट करना” या “हराना” या “अपमान करना” है।

- "रौंदना" का एक और उदाहरण हो सकता है लोगों द्वारा मैदान में दौड़ने के कारण घास का कुचला जाना ।
- प्राचीन युग में, अंगूर को पांवों से कुचला (रौंधा) जाता था कि उसका रस निकले।
- कभी-कभी "रौंदना" का प्रतीकात्मक अर्थ है "अपमानित करके दंडित करना" की तुलना यह खलिहान के लिए कीचड़ कुचलता है।
- “रौंदना” शब्द परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दण्ड देने के लिए प्रायः प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया गया है कि उन्हें उनके अभिमान और विद्रोही प्रकृति से गिराया जाए।
- "रौंदे" का अन्य अनुवाद हो सकता है, “पांवों तले कुचलना” या “पांवों से रौंदना” या “ठोकना और कुचलना” या “जमीन में रौंदना”।
- सन्दर्भ के अनुसार, इस शब्द का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अंगूर, लज्जित करना, दण्ड देना, बलवा, दाँवना, दाखरस)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 10:28-29
- भजन संहिता 007:5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H947, H1758, H1869, H4001, H4823, H7429, H7512, G2662, G3961

रौंदे, रौंदेगा, रौंदा, रौंदना

परिभाषा:

“कुचलना” अर्थात् पांव रखकर नष्ट कर देना। बाइबल में इस उक्ति का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता है, “नष्ट करना” या “हराना” या “अपमान करना” है।

- "रौंदना" का एक और उदाहरण हो सकता है लोगों द्वारा मैदान में दौड़ने के कारण घास का कुचला जाना ।
- प्राचीन युग में, अंगूर को पांवों से कुचला (रौंधा) जाता था कि उसका रस निकले।
- कभी-कभी "रौंदना" का प्रतीकात्मक अर्थ है "अपमानित करके दंडित करना" की तुलना यह खलिहान के लिए कीचड़ कुचलता है।
- “रौंदना” शब्द परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दण्ड देने के लिए प्रायः प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया गया है कि उन्हें उनके अभिमान और विद्रोही प्रकृति से गिराया जाए।
- "रौंदे" का अन्य अनुवाद हो सकता है, “पांवों तले कुचलना” या “पांवों से रौंदना” या “ठोकना और कुचलना” या “जमीन में रौंदना”।
- सन्दर्भ के अनुसार, इस शब्द का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अंगूर, लज्जित करना, दण्ड देना, बलवा, दाँवना, दाखरस)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 10:28-29
- भजन संहिता 007:5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H947, H1758, H1869, H4001, H4823, H7429, H7512, G2662, G3961

लवनी, लवनेवाला, काटा, लवनेवाले, लवनेवालों, लवती

परिभाषा:

“लवनी” अर्थात अनाज जैसे फसलों की फसल काटना। “लवनी करने वाला” अर्थात फसल काटने वाला।

आम तौर पर लवनेवाले फसल को हाथ से काटा करते थे, पौधों को खींच कर या उन्हें तेज काटने वाले उपकरण के साथ काटकर। फसल काटना का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया गया है जिसका संदर्भ मनुष्यों को यीशु के बारे में सुसमाचार सुनाकर उन्हें परमेश्वर के परिवार में लाने से है। इस शब्द का उपयोग मनुष्यों के कर्मों के परिणाम के संदर्भ में भी किया जाता है। जैसे कहा जाता है “मनुष्य जो बोता है वही काटता है” “लवनी” और “लवनेवाले” के अनुवाद रूप और भी हो सकते हैं, “फसल काटना” और “फसल काटने वाला” (या मनुष्य जो फसल काटता है।)

(यह भी देखें: शुभ समाचार,उपज)

बाइबल सन्दर्भ:

गलातियों* गलातियों 06:9-10

- मत्ती 06:25-26
- मत्ती 13:29-30
- मत्ती 13:36-39
- मत्ती 25:24-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4672, H7114, H7938, G270, G2325, G2327

लहू

परिभाषा:

“लहू” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के शरीर में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का तरल पदार्थ है। लहू मनुष्यों के शरीर में जीवनदायक पोषक तत्त्वों का प्रवाह करता है। लहू जीवन का प्रतीक है और जब वह बहाया जाता है तो इसका अर्थ है जान जाना या मृत्यु।

- जब मनुष्य परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाते थे तब वे पशु का वध करके उसका लहू वेदी पर उण्डेलते थे। यह पशु के जीवन की बलि द्वारा मनुष्यों के पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।
- “मांस और लहू” एक अभिव्यक्ति है जो मनुष्य को संदर्भित करता है।
- “अपना लहू और मांस” मनुष्यों के लहू का संबन्ध दर्शाती है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द/उक्ति द्वारा किया जाए जो लहू के लिए काम में लिया जाता है।
- “मांस और लहू” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्य” या “मानवजाति”।
- प्रकरण के अनुसार “मेरा मांस और मेरा लहू” का अनुवाद हो सकता है, “मेरा अपना परिवार” या “मेरे अपने परिजन” या “मेरे अपने लोग”।
- यदि लक्षित भाषा में ऐसे अभिप्राय के शब्द हैं तो “मांस और लहू” के अनुवाद में उनका उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: लहू, माँस, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- प्रे.का. 02:20-21
- प्रे.का. 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 04:10-12
- भजन संहिता 016:4
- भजन संहिता 105:28-30

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 08:03__जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके __लहू में उसे डुबा दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने नील नदी को लहू से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।
- **11:05** सभी इस्राएलियों के घरों के द्वार पर लहू था , परमेश्वर ने उन घरों को छोड़ दिया और वह सब अन्दर सुरक्षित थे। वे मेम्ने के लहू के द्वारा बच गए।
- **13:09** उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा परमेश्वर की दृष्टी में।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का दण्ड उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

लहू

परिभाषा:

“लहू” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के शरीर में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का तरल पदार्थ है। लहू मनुष्यों के शरीर में जीवनदायक पोषक तत्त्वों का प्रवाह करता है। लहू जीवन का प्रतीक है और जब वह बहाया जाता है तो इसका अर्थ है जान जाना या मृत्यु।

- जब मनुष्य परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाते थे तब वे पशु का वध करके उसका लहू वेदी पर उण्डेलते थे। यह पशु के जीवन की बलि द्वारा मनुष्यों के पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।
- “मांस और लहू” एक अभिव्यक्ति है जो मनुष्य को संदर्भित करता है।
- “अपना लहू और मांस” मनुष्यों के लहू का संबन्ध दर्शाती है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द/उक्ति द्वारा किया जाए जो लहू के लिए काम में लिया जाता है।
- “मांस और लहू” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्य” या “मानवजाति”।
- प्रकरण के अनुसार “मेरा मांस और मेरा लहू” का अनुवाद हो सकता है, “मेरा अपना परिवार” या “मेरे अपने परिजन” या “मेरे अपने लोग”।
- यदि लक्षित भाषा में ऐसे अभिप्राय के शब्द हैं तो “मांस और लहू” के अनुवाद में उनका उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: लहू, माँस, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- प्रे.का. 02:20-21
- प्रे.का. 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 04:10-12

- भजन संहिता 016:4
- भजन संहिता 105:28-30

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 08:03__जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके __लहू में उसे डुबा दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने नील नदी को लहू से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।
- **11:05** सभी इस्राएलियों के घरों के द्वार पर लहू था , परमेश्वर ने उन घरों को छोड़ दिया और वह सब अन्दर सुरक्षित थे। वे मेम्ने के लहू के द्वारा बच गए।
- **13:09** उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा परमेश्वर की दृष्टी में।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का दण्ड उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

लहू

परिभाषा:

“लहू” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के शरीर में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का तरल पदार्थ है। लहू मनुष्यों के शरीर में जीवनदायक पोषक तत्त्वों का प्रवाह करता है। लहू जीवन का प्रतीक है और जब वह बहाया जाता है तो इसका अर्थ है जान जाना या मृत्यु।

- जब मनुष्य परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाते थे तब वे पशु का वध करके उसका लहू वेदी पर उण्डेलते थे। यह पशु के जीवन की बलि द्वारा मनुष्यों के पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।
- “मांस और लहू” एक अभिव्यक्ति है जो मनुष्य को संदर्भित करता है।
- “अपना लहू और मांस” मनुष्यों के लहू का संबन्ध दर्शाती है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द/उक्ति द्वारा किया जाए जो लहू के लिए काम में लिया जाता है।
- “मांस और लहू” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्य” या “मानवजाति”।
- प्रकरण के अनुसार “मेरा मांस और मेरा लहू” का अनुवाद हो सकता है, “मेरा अपना परिवार” या “मेरे अपने परिजन” या “मेरे अपने लोग”।
- यदि लक्षित भाषा में ऐसे अभिप्राय के शब्द हैं तो “मांस और लहू” के अनुवाद में उनका उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: लहू, माँस, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- प्रे.का. 02:20-21
- प्रे.का. 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 04:10-12
- भजन संहिता 016:4
- भजन संहिता 105:28-30

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 08:03__जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके __लहू में उसे डुबा दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने नील नदी को लहू से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।
- **11:05** सभी इस्राएलियों के घरों के द्वार पर लहू था , परमेश्वर ने उन घरों को छोड़ दिया और वह सब अन्दर सुरक्षित थे। वे मेम्ने के लहू के द्वारा बच गए।

- **13:09** उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा परमेश्वर की दृष्टी में।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का दण्ड उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

लहू

परिभाषा:

“लहू” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के शरीर में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का तरल पदार्थ है। लहू मनुष्यों के शरीर में जीवनदायक पोषक तत्त्वों का प्रवाह करता है। लहू जीवन का प्रतीक है और जब वह बहाया जाता है तो इसका अर्थ है जान जाना या मृत्यु।

- जब मनुष्य परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाते थे तब वे पशु का वध करके उसका लहू वेदी पर उण्डेलते थे। यह पशु के जीवन की बलि द्वारा मनुष्यों के पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।
- “मांस और लहू” एक अभिव्यक्ति है जो मनुष्य को संदर्भित करता है।
- “अपना लहू और मांस” मनुष्यों के लहू का संबन्ध दर्शाती है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द/उक्ति द्वारा किया जाए जो लहू के लिए काम में लिया जाता है।
- “मांस और लहू” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्य” या “मानवजाति”।
- प्रकरण के अनुसार “मेरा मांस और मेरा लहू” का अनुवाद हो सकता है, “मेरा अपना परिवार” या “मेरे अपने परिजन” या “मेरे अपने लोग”।
- यदि लक्षित भाषा में ऐसे अभिप्राय के शब्द हैं तो “मांस और लहू” के अनुवाद में उनका उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: लहू, माँस, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- प्रे.का. 02:20-21
- प्रे.का. 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 04:10-12
- भजन संहिता 016:4
- भजन संहिता 105:28-30

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 08:03__जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके __लहू में उसे डुबा दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने नील नदी को लहू से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।
- **11:05** सभी इस्राएलियों के घरों के द्वार पर लहू था , परमेश्वर ने उन घरों को छोड़ दिया और वह सब अन्दर सुरक्षित थे। वे मेम्ने के लहू के द्वारा बच गए।
- **13:09** उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा परमेश्वर की दृष्टी में।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का दण्ड उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

लहू

परिभाषा:

“लहू” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के शरीर में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का तरल पदार्थ है। लहू मनुष्यों के शरीर में जीवनदायक पोषक तत्त्वों का प्रवाह करता है। लहू जीवन का प्रतीक है और जब वह बहाया जाता है तो इसका अर्थ है जान जाना या मृत्यु।

- जब मनुष्य परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाते थे तब वे पशु का वध करके उसका लहू वेदी पर उण्डेलते थे। यह पशु के जीवन की बलि द्वारा मनुष्यों के पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।
- “मांस और लहू” एक अभिव्यक्ति है जो मनुष्य को संदर्भित करता है।
- “अपना लहू और मांस” मनुष्यों के लहू का संबन्ध दर्शाती है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द/उक्ति द्वारा किया जाए जो लहू के लिए काम में लिया जाता है।
- “मांस और लहू” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्य” या “मानवजाति”।
- प्रकरण के अनुसार “मेरा मांस और मेरा लहू” का अनुवाद हो सकता है, “मेरा अपना परिवार” या “मेरे अपने परिजन” या “मेरे अपने लोग”।
- यदि लक्षित भाषा में ऐसे अभिप्राय के शब्द हैं तो “मांस और लहू” के अनुवाद में उनका उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: लहू, माँस, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- प्रे.का. 02:20-21
- प्रे.का. 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 04:10-12
- भजन संहिता 016:4
- भजन संहिता 105:28-30

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 08:03__जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके __लहू में उसे डुबा दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने नील नदी को लहू से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।
- **11:05** सभी इस्राएलियों के घरों के द्वार पर लहू था , परमेश्वर ने उन घरों को छोड़ दिया और वह सब अन्दर सुरक्षित थे। वे मेम्ने के लहू के द्वारा बच गए।
- **13:09** उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा परमेश्वर की दृष्टी में।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का दण्ड उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

लहू

परिभाषा:

“लहू” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के शरीर में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का तरल पदार्थ है। लहू मनुष्यों के शरीर में जीवनदायक पोषक तत्त्वों का प्रवाह करता है। लहू जीवन का प्रतीक है और जब वह बहाया जाता है तो इसका अर्थ है जान जाना या मृत्यु।

- जब मनुष्य परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाते थे तब वे पशु का वध करके उसका लहू वेदी पर उण्डेलते थे। यह पशु के जीवन की बलि द्वारा मनुष्यों के पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।

- “मांस और लहू” एक अभिव्यक्ति है जो मनुष्य को संदर्भित करता है।
- “अपना लहू और मांस” मनुष्यों के लहू का संबन्ध दर्शाती है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द/उक्ति द्वारा किया जाए जो लहू के लिए काम में लिया जाता है।
- “मांस और लहू” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्य” या “मानवजाति”।
- प्रकरण के अनुसार “मेरा मांस और मेरा लहू” का अनुवाद हो सकता है, “मेरा अपना परिवार” या “मेरे अपने परिजन” या “मेरे अपने लोग”।
- यदि लक्षित भाषा में ऐसे अभिप्राय के शब्द हैं तो “मांस और लहू” के अनुवाद में उनका उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: लहू, माँस, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- प्रे.का. 02:20-21
- प्रे.का. 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 04:10-12
- भजन संहिता 016:4
- भजन संहिता 105:28-30

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 08:03__जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके __लहू में उसे डुबा दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने नील नदी को लहू से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।
- **11:05** सभी इस्राएलियों के घरों के द्वार पर लहू था , परमेश्वर ने उन घरों को छोड़ दिया और वह सब अन्दर सुरक्षित थे। वे मेम्ने के लहू के द्वारा बच गए।
- **13:09** उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा परमेश्वर की दृष्टी में।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का दण्ड उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

लहू

परिभाषा:

“लहू” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के शरीर में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का तरल पदार्थ है। लहू मनुष्यों के शरीर में जीवनदायक पोषक तत्त्वों का प्रवाह करता है। लहू जीवन का प्रतीक है और जब वह बहाया जाता है तो इसका अर्थ है जान जाना या मृत्यु।

- जब मनुष्य परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाते थे तब वे पशु का वध करके उसका लहू वेदी पर उण्डेलते थे। यह पशु के जीवन की बलि द्वारा मनुष्यों के पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।
- “मांस और लहू” एक अभिव्यक्ति है जो मनुष्य को संदर्भित करता है।
- “अपना लहू और मांस” मनुष्यों के लहू का संबन्ध दर्शाती है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द/उक्ति द्वारा किया जाए जो लहू के लिए काम में लिया जाता है।
- “मांस और लहू” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्य” या “मानवजाति”।
- प्रकरण के अनुसार “मेरा मांस और मेरा लहू” का अनुवाद हो सकता है, “मेरा अपना परिवार” या “मेरे अपने परिजन” या “मेरे अपने लोग”।

- यदि लक्षित भाषा में ऐसे अभिप्राय के शब्द हैं तो “मांस और लहू” के अनुवाद में उनका उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: लहू, माँस, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- प्रे.का. 02:20-21
- प्रे.का. 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 04:10-12
- भजन संहिता 016:4
- भजन संहिता 105:28-30

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 08:03__जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके __लहू में उसे डुबा दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने नील नदी को लहू से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।
- **11:05** सभी इस्राएलियों के घरों के द्वार पर लहू था , परमेश्वर ने उन घरों को छोड़ दिया और वह सब अन्दर सुरक्षित थे। वे मेम्ने के लहू के द्वारा बच गए।
- **13:09** उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा परमेश्वर की दृष्टी में।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का दण्ड उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

लहू

परिभाषा:

“लहू” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के शरीर में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का तरल पदार्थ है। लहू मनुष्यों के शरीर में जीवनदायक पोषक तत्त्वों का प्रवाह करता है। लहू जीवन का प्रतीक है और जब वह बहाया जाता है तो इसका अर्थ है जान जाना या मृत्यु।

- जब मनुष्य परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाते थे तब वे पशु का वध करके उसका लहू वेदी पर उण्डेलते थे। यह पशु के जीवन की बलि द्वारा मनुष्यों के पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।
- “मांस और लहू” एक अभिव्यक्ति है जो मनुष्य को संदर्भित करता है।
- “अपना लहू और मांस” मनुष्यों के लहू का संबन्ध दर्शाती है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द/उक्ति द्वारा किया जाए जो लहू के लिए काम में लिया जाता है।
- “मांस और लहू” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्य” या “मानवजाति”।
- प्रकरण के अनुसार “मेरा मांस और मेरा लहू” का अनुवाद हो सकता है, “मेरा अपना परिवार” या “मेरे अपने परिजन” या “मेरे अपने लोग”।
- यदि लक्षित भाषा में ऐसे अभिप्राय के शब्द हैं तो “मांस और लहू” के अनुवाद में उनका उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: लहू, माँस, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- प्रे.का. 02:20-21

- प्रे.का. 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 04:10-12
- भजन संहिता 016:4
- भजन संहिता 105:28-30

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 08:03__जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके __लहू में उसे डुबा दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने नील नदी को लहू से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।
- **11:05** सभी इस्राएलियों के घरों के द्वार पर लहू था , परमेश्वर ने उन घरों को छोड़ दिया और वह सब अन्दर सुरक्षित थे। वे मेम्ने के लहू के द्वारा बच गए।
- **13:09** उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा परमेश्वर की दृष्टी में।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का दण्ड उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

लहू

परिभाषा:

“लहू” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के शरीर में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का तरल पदार्थ है। लहू मनुष्यों के शरीर में जीवनदायक पोषक तत्त्वों का प्रवाह करता है। लहू जीवन का प्रतीक है और जब वह बहाया जाता है तो इसका अर्थ है जान जाना या मृत्यु।

- जब मनुष्य परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाते थे तब वे पशु का वध करके उसका लहू वेदी पर उण्डेलते थे। यह पशु के जीवन की बलि द्वारा मनुष्यों के पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।
- “मांस और लहू” एक अभिव्यक्ति है जो मनुष्य को संदर्भित करता है।
- “अपना लहू और मांस” मनुष्यों के लहू का संबन्ध दर्शाती है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द/उक्ति द्वारा किया जाए जो लहू के लिए काम में लिया जाता है।
- “मांस और लहू” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्य” या “मानवजाति”।
- प्रकरण के अनुसार “मेरा मांस और मेरा लहू” का अनुवाद हो सकता है, “मेरा अपना परिवार” या “मेरे अपने परिजन” या “मेरे अपने लोग”।
- यदि लक्षित भाषा में ऐसे अभिप्राय के शब्द हैं तो “मांस और लहू” के अनुवाद में उनका उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: लहू, माँस, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- प्रे.का. 02:20-21
- प्रे.का. 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 04:10-12
- भजन संहिता 016:4
- भजन संहिता 105:28-30

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 08:03__जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके __लहू में उसे डुबा दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने नील नदी को लहू से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।
- **11:05** सभी इस्राएलियों के घरों के द्वार पर लहू था , परमेश्वर ने उन घरों को छोड़ दिया और वह सब अन्दर सुरक्षित थे। वे मेम्ने के लहू के द्वारा बच गए।
- **13:09** उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा परमेश्वर की दृष्टी में।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का दण्ड उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

लहू

परिभाषा:

“लहू” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के शरीर में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का तरल पदार्थ है। लहू मनुष्यों के शरीर में जीवनदायक पोषक तत्त्वों का प्रवाह करता है। लहू जीवन का प्रतीक है और जब वह बहाया जाता है तो इसका अर्थ है जान जाना या मृत्यु।

- जब मनुष्य परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाते थे तब वे पशु का वध करके उसका लहू वेदी पर उण्डेलते थे। यह पशु के जीवन की बलि द्वारा मनुष्यों के पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।
- “मांस और लहू” एक अभिव्यक्ति है जो मनुष्य को संदर्भित करता है।
- “अपना लहू और मांस” मनुष्यों के लहू का संबन्ध दर्शाती है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द/उक्ति द्वारा किया जाए जो लहू के लिए काम में लिया जाता है।
- “मांस और लहू” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्य” या “मानवजाति”।
- प्रकरण के अनुसार “मेरा मांस और मेरा लहू” का अनुवाद हो सकता है, “मेरा अपना परिवार” या “मेरे अपने परिजन” या “मेरे अपने लोग”।
- यदि लक्षित भाषा में ऐसे अभिप्राय के शब्द हैं तो “मांस और लहू” के अनुवाद में उनका उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: लहू, माँस, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- प्रे.का. 02:20-21
- प्रे.का. 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 04:10-12
- भजन संहिता 016:4
- भजन संहिता 105:28-30

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 08:03__जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके __लहू में उसे डुबा दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने नील नदी को लहू से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।
- **11:05** सभी इस्राएलियों के घरों के द्वार पर लहू था , परमेश्वर ने उन घरों को छोड़ दिया और वह सब अन्दर सुरक्षित थे। वे मेम्ने के लहू के द्वारा बच गए।
- **13:09** उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा परमेश्वर की दृष्टी में।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।

- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का दण्ड उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

लहू

परिभाषा:

“लहू” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के शरीर में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का तरल पदार्थ है। लहू मनुष्यों के शरीर में जीवनदायक पोषक तत्त्वों का प्रवाह करता है। लहू जीवन का प्रतीक है और जब वह बहाया जाता है तो इसका अर्थ है जान जाना या मृत्यु।

- जब मनुष्य परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाते थे तब वे पशु का वध करके उसका लहू वेदी पर उण्डेलते थे। यह पशु के जीवन की बलि द्वारा मनुष्यों के पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।
- “मांस और लहू” एक अभिव्यक्ति है जो मनुष्य को संदर्भित करता है।
- “अपना लहू और मांस” मनुष्यों के लहू का संबन्ध दर्शाती है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द/उक्ति द्वारा किया जाए जो लहू के लिए काम में लिया जाता है।
- “मांस और लहू” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्य” या “मानवजाति”।
- प्रकरण के अनुसार “मेरा मांस और मेरा लहू” का अनुवाद हो सकता है, “मेरा अपना परिवार” या “मेरे अपने परिजन” या “मेरे अपने लोग”।
- यदि लक्षित भाषा में ऐसे अभिप्राय के शब्द हैं तो “मांस और लहू” के अनुवाद में उनका उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: लहू, माँस, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- प्रे.का. 02:20-21
- प्रे.का. 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 04:10-12
- भजन संहिता 016:4
- भजन संहिता 105:28-30

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 08:03__जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके __लहू में उसे डुबा दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने नील नदी को लहू से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।
- **11:05** सभी इस्राएलियों के घरों के द्वार पर लहू था , परमेश्वर ने उन घरों को छोड़ दिया और वह सब अन्दर सुरक्षित थे। वे मेम्ने के लहू के द्वारा बच गए।
- **13:09** उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा परमेश्वर की दृष्टी में।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का दण्ड उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

लहू

परिभाषा:

“लहू” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के शरीर में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का तरल पदार्थ है। लहू मनुष्यों के शरीर में जीवनदायक पोषक तत्त्वों का प्रवाह करता है। लहू जीवन का प्रतीक है और जब वह बहाया जाता है तो इसका अर्थ है जान जाना या मृत्यु।

- जब मनुष्य परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाते थे तब वे पशु का वध करके उसका लहू वेदी पर उण्डेलते थे। यह पशु के जीवन की बलि द्वारा मनुष्यों के पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।
- “मांस और लहू” एक अभिव्यक्ति है जो मनुष्य को संदर्भित करता है।
- “अपना लहू और मांस” मनुष्यों के लहू का संबन्ध दर्शाती है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द/उक्ति द्वारा किया जाए जो लहू के लिए काम में लिया जाता है।
- “मांस और लहू” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्य” या “मानवजाति”।
- प्रकरण के अनुसार “मेरा मांस और मेरा लहू” का अनुवाद हो सकता है, “मेरा अपना परिवार” या “मेरे अपने परिजन” या “मेरे अपने लोग”।
- यदि लक्षित भाषा में ऐसे अभिप्राय के शब्द हैं तो “मांस और लहू” के अनुवाद में उनका उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: लहू, माँस, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- प्रे.का. 02:20-21
- प्रे.का. 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 04:10-12
- भजन संहिता 016:4
- भजन संहिता 105:28-30

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 08:03__जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके __लहू में उसे डुबा दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने नील नदी को लहू से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।
- **11:05** सभी इस्राएलियों के घरों के द्वार पर लहू था , परमेश्वर ने उन घरों को छोड़ दिया और वह सब अन्दर सुरक्षित थे। वे मेम्ने के लहू के द्वारा बच गए।
- **13:09** उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा परमेश्वर की दृष्टी में।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का दण्ड उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

लहू

परिभाषा:

“लहू” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के शरीर में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का तरल पदार्थ है। लहू मनुष्यों के शरीर में जीवनदायक पोषक तत्त्वों का प्रवाह करता है। लहू जीवन का प्रतीक है और जब वह बहाया जाता है तो इसका अर्थ है जान जाना या मृत्यु।

- जब मनुष्य परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाते थे तब वे पशु का वध करके उसका लहू वेदी पर उण्डेलते थे। यह पशु के जीवन की बलि द्वारा मनुष्यों के पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।

- “मांस और लहू” एक अभिव्यक्ति है जो मनुष्य को संदर्भित करता है।
- “अपना लहू और मांस” मनुष्यों के लहू का संबन्ध दर्शाती है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द/उक्ति द्वारा किया जाए जो लहू के लिए काम में लिया जाता है।
- “मांस और लहू” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्य” या “मानवजाति”।
- प्रकरण के अनुसार “मेरा मांस और मेरा लहू” का अनुवाद हो सकता है, “मेरा अपना परिवार” या “मेरे अपने परिजन” या “मेरे अपने लोग”।
- यदि लक्षित भाषा में ऐसे अभिप्राय के शब्द हैं तो “मांस और लहू” के अनुवाद में उनका उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: लहू, माँस, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- प्रे.का. 02:20-21
- प्रे.का. 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 04:10-12
- भजन संहिता 016:4
- भजन संहिता 105:28-30

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 08:03__जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके __लहू में उसे डुबा दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने नील नदी को लहू से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।
- **11:05** सभी इस्राएलियों के घरों के द्वार पर लहू था , परमेश्वर ने उन घरों को छोड़ दिया और वह सब अन्दर सुरक्षित थे। वे मेम्ने के लहू के द्वारा बच गए।
- **13:09** उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा परमेश्वर की दृष्टी में।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का दण्ड उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

लहू

परिभाषा:

“लहू” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के शरीर में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का तरल पदार्थ है। लहू मनुष्यों के शरीर में जीवनदायक पोषक तत्त्वों का प्रवाह करता है। लहू जीवन का प्रतीक है और जब वह बहाया जाता है तो इसका अर्थ है जान जाना या मृत्यु।

- जब मनुष्य परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाते थे तब वे पशु का वध करके उसका लहू वेदी पर उण्डेलते थे। यह पशु के जीवन की बलि द्वारा मनुष्यों के पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।
- “मांस और लहू” एक अभिव्यक्ति है जो मनुष्य को संदर्भित करता है।
- “अपना लहू और मांस” मनुष्यों के लहू का संबन्ध दर्शाती है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द/उक्ति द्वारा किया जाए जो लहू के लिए काम में लिया जाता है।
- “मांस और लहू” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्य” या “मानवजाति”।
- प्रकरण के अनुसार “मेरा मांस और मेरा लहू” का अनुवाद हो सकता है, “मेरा अपना परिवार” या “मेरे अपने परिजन” या “मेरे अपने लोग”।

- यदि लक्षित भाषा में ऐसे अभिप्राय के शब्द हैं तो “मांस और लहू” के अनुवाद में उनका उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: लहू, माँस, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- प्रे.का. 02:20-21
- प्रे.का. 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 04:10-12
- भजन संहिता 016:4
- भजन संहिता 105:28-30

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 08:03__जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके __लहू में उसे डुबा दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने नील नदी को लहू से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।
- **11:05** सभी इस्राएलियों के घरों के द्वार पर लहू था , परमेश्वर ने उन घरों को छोड़ दिया और वह सब अन्दर सुरक्षित थे। वे मेम्ने के लहू के द्वारा बच गए।
- **13:09** उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा परमेश्वर की दृष्टी में।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का दण्ड उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

लहू

परिभाषा:

“लहू” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के शरीर में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का तरल पदार्थ है। लहू मनुष्यों के शरीर में जीवनदायक पोषक तत्त्वों का प्रवाह करता है। लहू जीवन का प्रतीक है और जब वह बहाया जाता है तो इसका अर्थ है जान जाना या मृत्यु।

- जब मनुष्य परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाते थे तब वे पशु का वध करके उसका लहू वेदी पर उण्डेलते थे। यह पशु के जीवन की बलि द्वारा मनुष्यों के पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।
- “मांस और लहू” एक अभिव्यक्ति है जो मनुष्य को संदर्भित करता है।
- “अपना लहू और मांस” मनुष्यों के लहू का संबन्ध दर्शाती है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द/उक्ति द्वारा किया जाए जो लहू के लिए काम में लिया जाता है।
- “मांस और लहू” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्य” या “मानवजाति”।
- प्रकरण के अनुसार “मेरा मांस और मेरा लहू” का अनुवाद हो सकता है, “मेरा अपना परिवार” या “मेरे अपने परिजन” या “मेरे अपने लोग”।
- यदि लक्षित भाषा में ऐसे अभिप्राय के शब्द हैं तो “मांस और लहू” के अनुवाद में उनका उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: लहू, माँस, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- प्रे.का. 02:20-21

- प्रे.का. 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- उत्पत्ति 04:10-12
- भजन संहिता 016:4
- भजन संहिता 105:28-30

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 08:03__जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके __लहू में उसे डुबा दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने नील नदी को लहू से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।
- **11:05** सभी इस्राएलियों के घरों के द्वार पर लहू था , परमेश्वर ने उन घरों को छोड़ दिया और वह सब अन्दर सुरक्षित थे। वे मेम्ने के लहू के द्वारा बच गए।
- **13:09** उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा परमेश्वर की दृष्टी में।
- **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का दण्ड उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

लाठी, छड़ें

परिभाषा:

“लाठी” एक पतली लम्बी लकड़ी होती है जिसका उपयोग नाना प्रकार से किया जाता है। इसकी लम्बाई लगभग एक मीटर की होती थी

- चरवाहे हिंसक पशुओं से भेड़ों की रक्षा करने के लिए लाठी साथ रखते थे। लाठी फेंक कर भटकती हुई भेड़ को झुण्ड में लाया जाता था।
- भजन 23 में राजा दाऊद ने “छड़ी” और “लाठी” शब्दों को काम में लिया हैं जो उसके लोगों के लिए उसके मार्गदर्शन और अनुशासन के रूपक हैं।
- चरवाहा अपनी लाठी उठाकर भेड़ों की गिनती करता था।
- “लोहे का दण्ड” भी परमेश्वर से विमुख काम करने वालों के लिए परमेश्वर के दण्ड का प्रतीक है।
- प्राचीन युग में मापदण्ड धातु, लकड़ी या पत्थर के बने होते थे जिनकी सहायता से किसी ईमारत या वस्तु की लम्बाई नापी जाती थी।
- बाइबल में लकड़ी की छड़ी बच्चों के अनुशासन के लिए काम में ली जाती थी।

(यह भी देखें: लाठी, भेड़, चरवाहे)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:19-21
- 1 शमूएल 14:43-44
- प्रे.का. 16:22-24
- निर्गमन 27:9-10
- प्रकाशितवाक्य 11:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2415, H4294, H4731, H7626, G2563, G4463, G4464

लाठी, छड़ें

परिभाषा:

“लाठी” एक पतली लम्बी लकड़ी होती है जिसका उपयोग नाना प्रकार से किया जाता है। इसकी लम्बाई लगभग एक मीटर की होती थी

- चरवाहे हिंसक पशुओं से भेड़ों की रक्षा करने के लिए लाठी साथ रखते थे। लाठी फेंक कर भटकती हुई भेड़ को झुण्ड में लाया जाता था।
- भजन 23 में राजा दाऊद ने “छड़ी” और “लाठी” शब्दों को काम में लिया हैं जो उसके लोगों के लिए उसके मार्गदर्शन और अनुशासन के रूपक हैं।
- चरवाहा अपनी लाठी उठाकर भेड़ों की गिनती करता था।
- “लोहे का दण्ड” भी परमेश्वर से विमुख काम करने वालों के लिए परमेश्वर के दण्ड का प्रतीक है।

- प्राचीन युग में मापदण्ड धातु, लकड़ी या पत्थर के बने होते थे जिनकी सहायता से किसी ईमारत या वस्तु की लम्बाई नापी जाती थी।
- बाइबल में लकड़ी की छड़ी बच्चों के अनुशासन के लिए काम में ली जाती थी।

(यह भी देखें: लाठी, भेड़, चरवाहे)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:19-21
- 1 शमूएल 14:43-44
- प्रे.का. 16:22-24
- निर्गमन 27:9-10
- प्रकाशितवाक्य 11:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2415, H4294, H4731, H7626, G2563, G4463, G4464

लाठी, छड़ें

परिभाषा:

“लाठी” एक पतली लम्बी लकड़ी होती है जिसका उपयोग नाना प्रकार से किया जाता है। इसकी लम्बाई लगभग एक मीटर की होती थी

- चरवाहे हिंसक पशुओं से भेड़ों की रक्षा करने के लिए लाठी साथ रखते थे। लाठी फेंक कर भटकती हुई भेड़ को झुण्ड में लाया जाता था।
- भजन 23 में राजा दाऊद ने “छड़ी” और “लाठी” शब्दों को काम में लिया हैं जो उसके लोगों के लिए उसके मार्गदर्शन और अनुशासन के रूपक हैं।
- चरवाहा अपनी लाठी उठाकर भेड़ों की गिनती करता था।
- “लोहे का दण्ड” भी परमेश्वर से विमुख काम करने वालों के लिए परमेश्वर के दण्ड का प्रतीक है।
- प्राचीन युग में मापदण्ड धातु, लकड़ी या पत्थर के बने होते थे जिनकी सहायता से किसी ईमारत या वस्तु की लम्बाई नापी जाती थी।
- बाइबल में लकड़ी की छड़ी बच्चों के अनुशासन के लिए काम में ली जाती थी।

(यह भी देखें: लाठी, भेड़, चरवाहे)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:19-21
- 1 शमूएल 14:43-44
- प्रे.का. 16:22-24
- निर्गमन 27:9-10
- प्रकाशितवाक्य 11:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2415, H4294, H4731, H7626, G2563, G4463, G4464

लाठी, छड़ें

परिभाषा:

“लाठी” एक पतली लम्बी लकड़ी होती है जिसका उपयोग नाना प्रकार से किया जाता है। इसकी लम्बाई लगभग एक मीटर की होती थी

- चरवाहे हिंसक पशुओं से भेड़ों की रक्षा करने के लिए लाठी साथ रखते थे। लाठी फेंक कर भटकती हुई भेड़ को झुण्ड में लाया जाता था।
- भजन 23 में राजा दाऊद ने “छड़ी” और “लाठी” शब्दों को काम में लिया हैं जो उसके लोगों के लिए उसके मार्गदर्शन और अनुशासन के रूपक हैं।
- चरवाहा अपनी लाठी उठाकर भेड़ों की गिनती करता था।
- “लोहे का दण्ड” भी परमेश्वर से विमुख काम करने वालों के लिए परमेश्वर के दण्ड का प्रतीक है।
- प्राचीन युग में मापदण्ड धातु, लकड़ी या पत्थर के बने होते थे जिनकी सहायता से किसी ईमारत या वस्तु की लम्बाई नापी जाती थी।
- बाइबल में लकड़ी की छड़ी बच्चों के अनुशासन के लिए काम में ली जाती थी।

(यह भी देखें: लाठी, भेड़, चरवाहे)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:19-21
- 1 शमूएल 14:43-44
- प्रे.का. 16:22-24
- निर्गमन 27:9-10
- प्रकाशितवाक्य 11:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2415, H4294, H4731, H7626, G2563, G4463, G4464

लाठी, लाठी

परिभाषा:

लाठी एक लम्बी लकड़ी होती थी जिसका उपयोग चलने में सहारा लेने के लिए किया जाता था।

याकूब अपनी वृद्धावस्था में चलने के लिए लाठी का सहारा लेता था। परमेश्वर ने अपना सामर्थ्य प्रकट करने के लिए मूसा की लाठी को सांप बना दिया था। चरवाहे भी लाठी का उपयोग करके भेड़ों को चलाते थे या वे गिर जाएं या भटक जाएं तो उनका बचाव करते थे। लाठी के सिरे पर एक कांटा होता था परन्तु वह चरवाहे की लाठी से भिन्न होती थी क्योंकि चरवाहे की लाठी सीधी होती थी और भेड़ों पर आक्रमण करने वाले वन पशुओं को मारने के लिए काम में ली जाती थी।

(यह भी देखें: फ़िरौन, सामर्थ्य, भेड़, चरवाहे)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:1-3
- निर्गमन 07:8-10
- लूका 09:3-4
- मरकुस 06:7-9
- मत्ती. 10:8-10
- मत्ती. 27:27-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4132, H4294, H4731, H4938, H6086, H6418, H7626, G2563, G3586, G4464

लाठी, लाठी

परिभाषा:

लाठी एक लम्बी लकड़ी होती थी जिसका उपयोग चलने में सहारा लेने के लिए किया जाता था।

याकूब अपनी वृद्धावस्था में चलने के लिए लाठी का सहारा लेता था। परमेश्वर ने अपना सामर्थ्य प्रकट करने के लिए मूसा की लाठी को सांप बना दिया था। चरवाहे भी लाठी का उपयोग करके भेड़ों को चलाते थे या वे गिर जाएं या भटक जाएं तो उनका बचाव करते थे। लाठी के सिरे पर एक कांटा होता था परन्तु वह चरवाहे की लाठी से भिन्न होती थी क्योंकि चरवाहे की लाठी सीधी होती थी और भेड़ों पर आक्रमण करने वाले वन पशुओं को मारने के लिए काम में ली जाती थी।

(यह भी देखें: फ़िरौन, सामर्थ्य, भेड़, चरवाहे)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:1-3
- निर्गमन 07:8-10
- लूका 09:3-4
- मरकुस 06:7-9
- मत्ती. 10:8-10
- मत्ती. 27:27-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4132, H4294, H4731, H4938, H6086, H6418, H7626, G2563, G3586, G4464

लाठी, लाठी

परिभाषा:

लाठी एक लम्बी लकड़ी होती थी जिसका उपयोग चलने में सहारा लेने के लिए किया जाता था।

याकूब अपनी वृद्धावस्था में चलने के लिए लाठी का सहारा लेता था। परमेश्वर ने अपना सामर्थ्य प्रकट करने के लिए मूसा की लाठी को सांप बना दिया था। चरवाहे भी लाठी का उपयोग करके भेड़ों को चलाते थे या वे गिर जाएं या भटक जाएं तो उनका बचाव करते थे। लाठी के सिरे पर एक कांटा होता था परन्तु वह चरवाहे की लाठी से भिन्न होती थी क्योंकि चरवाहे की लाठी सीधी होती थी और भेड़ों पर आक्रमण करने वाले वन पशुओं को मारने के लिए काम में ली जाती थी।

(यह भी देखें: फ़िरौन, सामर्थ्य, भेड़, चरवाहे)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:1-3
- निर्गमन 07:8-10
- लूका 09:3-4
- मरकुस 06:7-9
- मत्ती. 10:8-10
- मत्ती. 27:27-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4132, H4294, H4731, H4938, H6086, H6418, H7626, G2563, G3586, G4464

लाठी, लाठी

परिभाषा:

लाठी एक लम्बी लकड़ी होती थी जिसका उपयोग चलने में सहारा लेने के लिए किया जाता था।

याकूब अपनी वृद्धावस्था में चलने के लिए लाठी का सहारा लेता था। परमेश्वर ने अपना सामर्थ्य प्रकट करने के लिए मूसा की लाठी को सांप बना दिया था। चरवाहे भी लाठी का उपयोग करके भेड़ों को चलाते थे या वे गिर जाएं या भटक जाएं तो उनका बचाव करते थे। लाठी के सिरे पर एक कांटा होता था परन्तु वह चरवाहे की लाठी से भिन्न होती थी क्योंकि चरवाहे की लाठी सीधी होती थी और भेड़ों पर आक्रमण करने वाले वन पशुओं को मारने के लिए काम में ली जाती थी।

(यह भी देखें: फ़िरौन, सामर्थ्य, भेड़, चरवाहे)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:1-3
- निर्गमन 07:8-10
- लूका 09:3-4
- मरकुस 06:7-9
- मत्ती. 10:8-10
- मत्ती. 27:27-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4132, H4294, H4731, H4938, H6086, H6418, H7626, G2563, G3586, G4464

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।
- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13
- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।
- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13
- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।

- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13
- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।
- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13
- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।
- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13
- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।
- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13
- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।
- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13
- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।
- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13

- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।
- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13
- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।
- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13
- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।
- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13
- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।

- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13
- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।
- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13
- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।
- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13
- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।
- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13
- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।
- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13
- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ, कमाई, निष्फल, लाभदायक

परिभाषा:

सामान्य तौर पर, "लाभ" और "लाभदायक" शब्द कुछ कार्य या व्यवहार करने के माध्यम से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “लाभदायक” होन अर्थात किसी को अच्छी वस्तुएँ प्राप्त कराता है या किसी को अच्छी वस्तु प्राप्त करने में मददकारी है।

- “लाभ” विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभकारी होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए “लाभदायक” है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायक और उपयोगी हैं।

"निष्फल" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी चीज को लाभ पहुंचाना या किसी को कुछ हासिल करने में मदद न करना।
- कुछ ऐसा जो लाभहीन है, करने योग्य नहीं है क्योंकि यह कोई लाभ नहीं देता है।
- इसका अनुवाद "निकम्मा" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "अयोग्य" या "लाभकारी नहीं" या "कोई लाभ नहीं" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: योग्य)

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “लाभ” का अनुवाद “हितकारी” या “सहायता” या “प्राप्ति” हो सकता है।
- “लाभदायक” का अनुवाद “उपयोगी” या “हितकारी” या “सहायक” हो सकता है।
- “से लाभ प्राप्त करना” का अनुवाद “से लाभ उठाना” या “से पैसा प्राप्त करना” था, “से सहायता प्राप्त करना” हो सकता है।
- व्यापार के संदर्भ में “लाभ” का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाएँ जिसका अर्थ “पैसों का लाभ” या “पैसों की अधिकता” या “अतिरिक्त पैसा” हो।

बाइबल संदर्भ:

- अय्यू.15:03
- नीति. 10:16
- यिर्म. 02:08
- यहे. 18:12-13

- यूह. 06:63
- मरकुस 08:36
- मत्ती 16:26
- 2 पतरस 02:1-3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लालच, अभिलाषाओं, मोहित, लालसा करना, लुचपन

परिभाषा:

लालसा, प्रायः पाप या अनैतिक बात की गहरी अभिलाषा को कहते हैं। लालसा का अर्थ है लालसा करना।

- बाइबल में "लालसा" अपने जीवन साथी के अतिरिक्त किसी और के लिए यौन लालसा को कहा गया है।
- कभी-कभी इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया गया है, मूर्तिपूजा के लिए।
- प्रकरण के अनुसार, "लालसा" का अनुवाद "अनुचित इच्छा" या "गहरी इच्छा" या "अनुचित यौन वासना" या "प्रबल अनैतिक कामना" या "पाप करने की प्रबल इच्छा" किया जा सकता है।
- "की लालसा करना" का अनुवाद हो सकता है, "अनुचित इच्छा रखना" या "के बारे में अनुचित मनोकामना करना" या "किसी बात की अनुचित अभिलाषा करना" या "अनैतिक इच्छाएं।"

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:16
- 2 तीमुथियुस 02:22
- गलातियों 05:16
- गलातियों 05:19-21
- उत्पत्ति 39:7-9
- मत्ती 05:28

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H183, H185, H310, H1730, H2181, H2183, H2530, H5178, H5375, H5689, H5691, H5869, H7843, G766, G1937, G1939, G2237, G3715, G3806

लालच, अभिलाषाओं, मोहित, लालसा करना, लुचपन

परिभाषा:

लालसा, प्रायः पाप या अनैतिक बात की गहरी अभिलाषा को कहते हैं। लालसा का अर्थ है लालसा करना।

- बाइबल में "लालसा" अपने जीवन साथी के अतिरिक्त किसी और के लिए यौन लालसा को कहा गया है।
- कभी-कभी इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया गया है, मूर्तिपूजा के लिए।
- प्रकरण के अनुसार, "लालसा" का अनुवाद "अनुचित इच्छा" या "गहरी इच्छा" या "अनुचित यौन वासना" या "प्रबल अनैतिक कामना" या "पाप करने की प्रबल इच्छा" किया जा सकता है।
- "की लालसा करना" का अनुवाद हो सकता है, "अनुचित इच्छा रखना" या "के बारे में अनुचित मनोकामना करना" या "किसी बात की अनुचित अभिलाषा करना" या "अनैतिक इच्छाएं।"

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:16
- 2 तीमुथियुस 02:22

- गलातियों 05:16
- गलातियों 05:19-21
- उत्पत्ति 39:7-9
- मत्ती 05:28

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H183, H185, H310, H1730, H2181, H2183, H2530, H5178, H5375, H5689, H5691, H5869, H7843, G766, G1937, G1939, G2237, G3715, G3806

लालच, अभिलाषाओं, मोहित, लालसा करना, लुचपन

परिभाषा:

लालसा, प्रायः पाप या अनैतिक बात की गहरी अभिलाषा को कहते हैं। लालसा का अर्थ है लालसा करना।

- बाइबल में "लालसा" अपने जीवन साथी के अतिरिक्त किसी और के लिए यौन लालसा को कहा गया है।
- कभी-कभी इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया गया है, मूर्तिपूजा के लिए।
- प्रकरण के अनुसार, "लालसा" का अनुवाद "अनुचित इच्छा" या "गहरी इच्छा" या "अनुचित यौन वासना" या "प्रबल अनैतिक कामना" या "पाप करने की प्रबल इच्छा" किया जा सकता है।
- "की लालसा करना" का अनुवाद हो सकता है, "अनुचित इच्छा रखना" या "के बारे में अनुचित मनोकामना करना" या "किसी बात की अनुचित अभिलाषा करना" या "अनैतिक इच्छाएं।"

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:16
- 2 तीमुथियुस 02:22
- गलातियों 05:16
- गलातियों 05:19-21
- उत्पत्ति 39:7-9
- मत्ती 05:28

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H183, H185, H310, H1730, H2181, H2183, H2530, H5178, H5375, H5689, H5691, H5869, H7843, G766, G1937, G1939, G2237, G3715, G3806

लाज़र

तथ्य:

लाज़र और उसकी बहनें, मार्था और मरियम यीशु के विशेष मित्र थे। यीशु उनके बैतनिय्याह के घर में प्रायः ठहरा करता था।

- लाज़र इसलिए जाना जाता है कि यीशु ने उसे मरने के बाद फिर जीवित किया था, वह अनेक दिन कब्र में रहा था।
- यहूदी अगुवे यीशु के इस आश्चर्यकर्म से क्रोधित थे वरन् डाह करते थे, अतः वे यीशु और लाज़र दोनों ही की हत्या करने का अवसर खोज रहे थे।
- यीशु ने एक दृष्टान्त भी सुनाया था जिसमें एक गरीब मनुष्य था और एक धनवान मनुष्य था, उस गरीब मनुष्य का नाम भी "लाज़र" था।

(यह भी देखें: विनती, यहूदियों, मार्था, मरियम, खड़ा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 11:10-11
- यूहन्ना 12:1-3
- लूका 16:19-21

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **37:01** एक दिन, यीशु को संदेश मिला कि लाजर बहुत बीमार है। लाजर और उसकी दो बहिन, मार्था और मरियम, यीशु के बहुत प्रिय थे।
- **37:02** यीशु ने कहा, “हमारा मित्र लाजर सो गया है, परन्तु मैं उसे जगाने जाता हूँ।”
- **37:03** यीशु के चेलो ने उत्तर दिया, “हे प्रभु, यदि वह सो गया है, तो स्वस्थ हो जाएगा।” तब यीशु ने उनसे साफ साफ कह दिया, “ लाजर मर गया है”
- 37:04__जब यीशु __लाज़र के गृहनगर पहुँचा, तो लाजर को कब्र में रखे चार दिन हो चुके थे।
- **37:06** यीशु ने उनसे पूछा “तुमने लाज़र को कहाँ रखा है?”
- **37:09** यह कहकर उसने बड़े शब्द से पुकारा, “हे लाजर निकल आ।”
- **37:10** लाजर बाहर निकल आया। वह अभी भी कपड़ो में लिपटा हुआ था।
- 37:11__परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और __लाजर को मरवा सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2976

लाज़र

तथ्य:

लाज़र और उसकी बहनें, मार्था और मरियम यीशु के विशेष मित्र थे। यीशु उनके बैतनिय्याह के घर में प्रायः ठहरा करता था।

- लाज़र इसलिए जाना जाता है कि यीशु ने उसे मरने के बाद फिर जीवित किया था, वह अनेक दिन कब्र में रहा था।
- यहूदी अगुवे यीशु के इस आश्चर्यकर्म से क्रोधित थे वरन् डाह करते थे, अतः वे यीशु और लाज़र दोनों ही की हत्या करने का अवसर खोज रहे थे।
- यीशु ने एक दृष्टान्त भी सुनाया था जिसमें एक गरीब मनुष्य था और एक धनवान मनुष्य था, उस गरीब मनुष्य का नाम भी “लाज़र” था।

(यह भी देखें: विनती, यहूदियों, मार्था, मरियम, खड़ा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 11:10-11
- यूहन्ना 12:1-3
- लूका 16:19-21

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **37:01** एक दिन, यीशु को संदेश मिला कि लाजर बहुत बीमार है। लाजर और उसकी दो बहिन, मार्था और मरियम, यीशु के बहुत प्रिय थे।
- **37:02** यीशु ने कहा, “हमारा मित्र लाजर सो गया है, परन्तु मैं उसे जगाने जाता हूँ।”
- **37:03** यीशु के चेलो ने उत्तर दिया, “हे प्रभु, यदि वह सो गया है, तो स्वस्थ हो जाएगा।” तब यीशु ने उनसे साफ साफ कह दिया, “ लाजर मर गया है”
- 37:04__जब यीशु __लाज़र के गृहनगर पहुँचा, तो लाजर को कब्र में रखे चार दिन हो चुके थे।
- **37:06** यीशु ने उनसे पूछा “तुमने लाज़र को कहाँ रखा है?”
- **37:09** यह कहकर उसने बड़े शब्द से पुकारा, “हे लाजर निकल आ।”
- **37:10** लाजर बाहर निकल आया। वह अभी भी कपड़ो में लिपटा हुआ था।
- 37:11__परन्तु यहूदियों के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और __लाजर को मरवा सके।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2976

लिखा गया

परिभाषा:

“जैसा लिखा है” या “जो लिखा है” नये नियम में यह उक्ति बार-बार आती है जो इब्रानी धर्मशास्त्र की आज्ञाओं और भविष्यद्वक्ताओं के संदर्भ में है।

- कभी कभी “जैसा लिखा है” मूसा की व्यवस्था की बातों के संदर्भ में भी काम में लिया गया है।

- अन्यथा यह उक्ति पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं के उद्धरण के संदर्भ में हैं।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “जैसा मूसा की व्यवस्था में लिखा है” या “जैसा भविष्यद्वक्ताओं ने वर्षों पूर्व लिखा था” या “मूसा लिखित परमेश्वर की व्यवस्था में कहा गया है”।
- एक विकल्प यह भी है कि इसे ज्यों का त्यों रखें, “लिखा है कि” और पाद टिप्पणी में इसका अर्थ स्पष्ट करें।

(यह भी देखें: आज्ञा, व्यवस्था, भविष्यद्वक्ता, परमेश्वर के वचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:13-15
- प्रे.का. 13:28-29
- निर्गमन 32:15-16
- यूहन्ना 21:24-25
- लूका 03:4
- मरकुस 09:11-13
- मत्ती 04:5-6
- प्रकाशितवाक्य 01:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3789, H7559, G1125

लिखा गया

परिभाषा:

“जैसा लिखा है” या “जो लिखा है” नये नियम में यह उक्ति बार-बार आती है जो इब्रानी धर्मशास्त्र की आज्ञाओं और भविष्यद्वक्ताओं के संदर्भ में है।

- कभी कभी “जैसा लिखा है” मूसा की व्यवस्था की बातों के संदर्भ में भी काम में लिया गया है।
- अन्यथा यह उक्ति पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं के उद्धरण के संदर्भ में हैं।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “जैसा मूसा की व्यवस्था में लिखा है” या “जैसा भविष्यद्वक्ताओं ने वर्षों पूर्व लिखा था” या “मूसा लिखित परमेश्वर की व्यवस्था में कहा गया है”।
- एक विकल्प यह भी है कि इसे ज्यों का त्यों रखें, “लिखा है कि” और पाद टिप्पणी में इसका अर्थ स्पष्ट करें।

(यह भी देखें: आज्ञा, व्यवस्था, भविष्यद्वक्ता, परमेश्वर के वचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:13-15
- प्रे.का. 13:28-29
- निर्गमन 32:15-16
- यूहन्ना 21:24-25
- लूका 03:4
- मरकुस 09:11-13
- मत्ती 04:5-6
- प्रकाशितवाक्य 01:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3789, H7559, G1125

लिखा गया

परिभाषा:

“जैसा लिखा है” या “जो लिखा है” नये नियम में यह उक्ति बार-बार आती है जो इब्रानी धर्मशास्त्र की आज्ञाओं और भविष्यद्वक्ताओं के संदर्भ में है।

- कभी कभी “जैसा लिखा है” मूसा की व्यवस्था की बातों के संदर्भ में भी काम में लिया गया है।
- अन्यथा यह उक्ति पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं के उद्धरण के संदर्भ में हैं।

- इसका अनुवाद हो सकता है, “जैसा मूसा की व्यवस्था में लिखा है” या “जैसा भविष्यद्वक्ताओं ने वर्षों पूर्व लिखा था” या “मूसा लिखित परमेश्वर की व्यवस्था में कहा गया है”।
- एक विकल्प यह भी है कि इसे ज्यों का त्यों रखें, “लिखा है कि” और पाद टिप्पणी में इसका अर्थ स्पष्ट करें।

(यह भी देखें: आज्ञा, व्यवस्था, भविष्यद्वक्ता, परमेश्वर के वचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:13-15
- प्रे.का. 13:28-29
- निर्गमन 32:15-16
- यूहन्ना 21:24-25
- लूका 03:4
- मरकुस 09:11-13
- मत्ती 04:5-6
- प्रकाशितवाक्य 01:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3789, H7559, G1125

लिखा गया

परिभाषा:

“जैसा लिखा है” या “जो लिखा है” नये नियम में यह उक्ति बार-बार आती है जो इब्रानी धर्मशास्त्र की आज्ञाओं और भविष्यद्वक्ताओं के संदर्भ में है।

- कभी कभी “जैसा लिखा है” मूसा की व्यवस्था की बातों के संदर्भ में भी काम में लिया गया है।
- अन्यथा यह उक्ति पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं के उद्धरण के संदर्भ में हैं।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “जैसा मूसा की व्यवस्था में लिखा है” या “जैसा भविष्यद्वक्ताओं ने वर्षों पूर्व लिखा था” या “मूसा लिखित परमेश्वर की व्यवस्था में कहा गया है”।
- एक विकल्प यह भी है कि इसे ज्यों का त्यों रखें, “लिखा है कि” और पाद टिप्पणी में इसका अर्थ स्पष्ट करें।

(यह भी देखें: आज्ञा, व्यवस्था, भविष्यद्वक्ता, परमेश्वर के वचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:13-15
- प्रे.का. 13:28-29
- निर्गमन 32:15-16
- यूहन्ना 21:24-25
- लूका 03:4
- मरकुस 09:11-13
- मत्ती 04:5-6
- प्रकाशितवाक्य 01:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3789, H7559, G1125

लुस्त्रा

तथ्य:

लुस्त्रा प्राचीन एशिया माइनर में एक नगर था जहां पौलुस ने अपने प्रचार यात्रा के दौरान दौरा किया था। वह लुकाउनिया क्षेत्र में था जो आज के तुर्किस्तान का भाग है।

- पौलुस और उसके साथी इकुनियुम में यहूदियों की धमकी के कारण दिरबे और लुस्त्रा चले गए थे।
- लुस्त्रा में पौलुस की भेंट तीमुथियुस से हुई थी, तीमुथियुस पौलुस का साथी प्रचारक और कलीसिया का संस्थापक हुआ।

- लुस्त्रा में एक लंगड़े मनुष्य को स्वास्थ्य प्रदान करने के कारण वहां के लोगों ने पौलुस और बरनबास की पूजा करने का प्रबन्ध किया वे उन्हें देवता समझने लगे थे परन्तु पौलुस ने उन्हें झिड़क कर ऐसा अनर्थ करने से रोका।

(यह भी देखें: सुसमाचार प्रचारक, इकुनियुम, तीमुथियुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 03:10-13
- प्रे.का. 14:5-7
- प्रे.का. 14:8-10
- प्रे.का. 14:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3082

लुस्त्रा

तथ्य:

लुस्त्रा प्राचीन एशिया माइनर में एक नगर था जहां पौलुस ने अपने प्रचार यात्रा के दौरान दौरा किया था। वह लुकाउनिया क्षेत्र में था जो आज के तुर्किस्तान का भाग है।

- पौलुस और उसके साथी इकुनियुम में यहूदियों की धमकी के कारण दिरबे और लुस्त्रा चले गए थे।
- लुस्त्रा में पौलुस की भेंट तीमुथियुस से हुई थी, तीमुथियुस पौलुस का साथी प्रचारक और कलीसिया का संस्थापक हुआ।
- लुस्त्रा में एक लंगड़े मनुष्य को स्वास्थ्य प्रदान करने के कारण वहां के लोगों ने पौलुस और बरनबास की पूजा करने का प्रबन्ध किया वे उन्हें देवता समझने लगे थे परन्तु पौलुस ने उन्हें झिड़क कर ऐसा अनर्थ करने से रोका।

(यह भी देखें: सुसमाचार प्रचारक, इकुनियुम, तीमुथियुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 03:10-13
- प्रे.का. 14:5-7
- प्रे.का. 14:8-10
- प्रे.का. 14:21-22

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3082

लूका

तथ्य:

लूका नये नियम की दो पुस्तकों का लेखक था, लूका रचित सुसमाचार और प्रेरितों के काम की पुस्तक।

- कुलुस्से की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस लूका को वैद्य कहता है। पौलुस अपने दो अन्य पत्रों में भी लूका का नाम लेता है।
- ऐसा माना जाता है कि मसीह का अनुयायी बनने से पूर्व लूका एक यूनानी और अन्यजाति मनुष्य था। अपने सुसमाचार वृत्तान्त में लूका अनेक ऐसी बातों का उल्लेख करता है जिसके द्वारा यीशु का प्रेम सबके लिए, यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए प्रकट होता है।
- लूका पौलुस के साथ दो प्रचार यात्राओं में गया था और उसके कार्यों में उसकी सहायता की थी।
- कुछ आरंभिक कलीसियाई लेखों से जानकारी मिलती है कि लूका सीरिया के अन्ताकिया में जन्मा था।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, पौलुस, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:12-14

- फिलेमोन 01:23-25

शब्द तथ्य:

लूका

तथ्य:

लूका नये नियम की दो पुस्तकों का लेखक था, लूका रचित सुसमाचार और प्रेरितों के काम की पुस्तक।

- कुलुस्से की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस लूका को वैद्य कहता है। पौलुस अपने दो अन्य पत्रों में भी लूका का नाम लेता है।
- ऐसा माना जाता है कि मसीह का अनुयायी बनने से पूर्व लूका एक यूनानी और अन्यजाति मनुष्य था। अपने सुसमाचार वृत्तान्त में लूका अनेक ऐसी बातों का उल्लेख करता है जिसके द्वारा यीशु का प्रेम सबके लिए, यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए प्रकट होता है।
- लूका पौलुस के साथ दो प्रचार यात्राओं में गया था और उसके कार्यों में उसकी सहायता की थी।
- कुछ आरंभिक कलीसियाई लेखों से जानकारी मिलती है कि लूका सीरिया के अन्ताकिया में जन्मा था।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, पौलुस, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:12-14
- फिलेमोन 01:23-25

शब्द तथ्य:

लूका

तथ्य:

लूका नये नियम की दो पुस्तकों का लेखक था, लूका रचित सुसमाचार और प्रेरितों के काम की पुस्तक।

- कुलुस्से की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस लूका को वैद्य कहता है। पौलुस अपने दो अन्य पत्रों में भी लूका का नाम लेता है।
- ऐसा माना जाता है कि मसीह का अनुयायी बनने से पूर्व लूका एक यूनानी और अन्यजाति मनुष्य था। अपने सुसमाचार वृत्तान्त में लूका अनेक ऐसी बातों का उल्लेख करता है जिसके द्वारा यीशु का प्रेम सबके लिए, यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए प्रकट होता है।
- लूका पौलुस के साथ दो प्रचार यात्राओं में गया था और उसके कार्यों में उसकी सहायता की थी।
- कुछ आरंभिक कलीसियाई लेखों से जानकारी मिलती है कि लूका सीरिया के अन्ताकिया में जन्मा था।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, पौलुस, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:12-14
- फिलेमोन 01:23-25

शब्द तथ्य:

लूका

तथ्य:

लूका नये नियम की दो पुस्तकों का लेखक था, लूका रचित सुसमाचार और प्रेरितों के काम की पुस्तक।

- कुलुस्से की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस लूका को वैद्य कहता है। पौलुस अपने दो अन्य पत्रों में भी लूका का नाम लेता है।
- ऐसा माना जाता है कि मसीह का अनुयायी बनने से पूर्व लूका एक यूनानी और अन्यजाति मनुष्य था। अपने सुसमाचार वृत्तान्त में लूका अनेक ऐसी बातों का उल्लेख करता है जिसके द्वारा यीशु का प्रेम सबके लिए, यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए प्रकट होता है।
- लूका पौलुस के साथ दो प्रचार यात्राओं में गया था और उसके कार्यों में उसकी सहायता की थी।
- कुछ आरंभिक कलीसियाई लेखों से जानकारी मिलती है कि लूका सीरिया के अन्ताकिया में जन्मा था।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, पौलुस, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:12-14
- फिलेमोन 01:23-25

शब्द तथ्य:

लूका

तथ्य:

लूका नये नियम की दो पुस्तकों का लेखक था, लूका रचित सुसमाचार और प्रेरितों के काम की पुस्तक।

- कुलुस्से की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस लूका को वैद्य कहता है। पौलुस अपने दो अन्य पत्रों में भी लूका का नाम लेता है।
- ऐसा माना जाता है कि मसीह का अनुयायी बनने से पूर्व लूका एक यूनानी और अन्यजाति मनुष्य था। अपने सुसमाचार वृत्तान्त में लूका अनेक ऐसी बातों का उल्लेख करता है जिसके द्वारा यीशु का प्रेम सबके लिए, यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए प्रकट होता है।
- लूका पौलुस के साथ दो प्रचार यात्राओं में गया था और उसके कार्यों में उसकी सहायता की थी।
- कुछ आरंभिक कलीसियाई लेखों से जानकारी मिलती है कि लूका सीरिया के अन्ताकिया में जन्मा था।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, पौलुस, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:12-14
- फिलेमोन 01:23-25

शब्द तथ्य:

लूका

तथ्य:

लूका नये नियम की दो पुस्तकों का लेखक था, लूका रचित सुसमाचार और प्रेरितों के काम की पुस्तक।

- कुलुस्से की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस लूका को वैद्य कहता है। पौलुस अपने दो अन्य पत्रों में भी लूका का नाम लेता है।
- ऐसा माना जाता है कि मसीह का अनुयायी बनने से पूर्व लूका एक यूनानी और अन्यजाति मनुष्य था। अपने सुसमाचार वृत्तान्त में लूका अनेक ऐसी बातों का उल्लेख करता है जिसके द्वारा यीशु का प्रेम सबके लिए, यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए प्रकट होता है।
- लूका पौलुस के साथ दो प्रचार यात्राओं में गया था और उसके कार्यों में उसकी सहायता की थी।
- कुछ आरंभिक कलीसियाई लेखों से जानकारी मिलती है कि लूका सीरिया के अन्ताकिया में जन्मा था।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, पौलुस, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:12-14
- फिलेमोन 01:23-25

शब्द तथ्य:

लूका

तथ्य:

लूका नये नियम की दो पुस्तकों का लेखक था, लूका रचित सुसमाचार और प्रेरितों के काम की पुस्तक।

- कुलुस्से की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस लूका को वैद्य कहता है। पौलुस अपने दो अन्य पत्रों में भी लूका का नाम लेता है।
- ऐसा माना जाता है कि मसीह का अनुयायी बनने से पूर्व लूका एक यूनानी और अन्यजाति मनुष्य था। अपने सुसमाचार वृत्तान्त में लूका अनेक ऐसी बातों का उल्लेख करता है जिसके द्वारा यीशु का प्रेम सबके लिए, यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए प्रकट होता है।
- लूका पौलुस के साथ दो प्रचार यात्राओं में गया था और उसके कार्यों में उसकी सहायता की थी।
- कुछ आरंभिक कलीसियाई लेखों से जानकारी मिलती है कि लूका सीरिया के अन्ताकिया में जन्मा था।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, पौलुस, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:12-14
- फिलेमोन 01:23-25

शब्द तथ्य:

लूका

तथ्य:

लूका नये नियम की दो पुस्तकों का लेखक था, लूका रचित सुसमाचार और प्रेरितों के काम की पुस्तक।

- कुलुस्से की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस लूका को वैद्य कहता है। पौलुस अपने दो अन्य पत्रों में भी लूका का नाम लेता है।
- ऐसा माना जाता है कि मसीह का अनुयायी बनने से पूर्व लूका एक यूनानी और अन्यजाति मनुष्य था। अपने सुसमाचार वृत्तान्त में लूका अनेक ऐसी बातों का उल्लेख करता है जिसके द्वारा यीशु का प्रेम सबके लिए, यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए प्रकट होता है।
- लूका पौलुस के साथ दो प्रचार यात्राओं में गया था और उसके कार्यों में उसकी सहायता की थी।
- कुछ आरंभिक कलीसियाई लेखों से जानकारी मिलती है कि लूका सीरिया के अन्ताकिया में जन्मा था।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, पौलुस, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:12-14
- फिलेमोन 01:23-25

शब्द तथ्य:

लूका

तथ्य:

लूका नये नियम की दो पुस्तकों का लेखक था, लूका रचित सुसमाचार और प्रेरितों के काम की पुस्तक।

- कुलुस्से की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस लूका को वैद्य कहता है। पौलुस अपने दो अन्य पत्रों में भी लूका का नाम लेता है।
- ऐसा माना जाता है कि मसीह का अनुयायी बनने से पूर्व लूका एक यूनानी और अन्यजाति मनुष्य था। अपने सुसमाचार वृत्तान्त में लूका अनेक ऐसी बातों का उल्लेख करता है जिसके द्वारा यीशु का प्रेम सबके लिए, यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए प्रकट होता है।
- लूका पौलुस के साथ दो प्रचार यात्राओं में गया था और उसके कार्यों में उसकी सहायता की थी।
- कुछ आरंभिक कलीसियाई लेखों से जानकारी मिलती है कि लूका सीरिया के अन्ताकिया में जन्मा था।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, पौलुस, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:12-14
- फिलेमोन 01:23-25

शब्द तथ्य:

लूका

तथ्य:

लूका नये नियम की दो पुस्तकों का लेखक था, लूका रचित सुसमाचार और प्रेरितों के काम की पुस्तक।

- कुलुस्से की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस लूका को वैद्य कहता है। पौलुस अपने दो अन्य पत्रों में भी लूका का नाम लेता है।
- ऐसा माना जाता है कि मसीह का अनुयायी बनने से पूर्व लूका एक यूनानी और अन्यजाति मनुष्य था। अपने सुसमाचार वृत्तान्त में लूका अनेक ऐसी बातों का उल्लेख करता है जिसके द्वारा यीशु का प्रेम सबके लिए, यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए प्रकट होता है।
- लूका पौलुस के साथ दो प्रचार यात्राओं में गया था और उसके कार्यों में उसकी सहायता की थी।
- कुछ आरंभिक कलीसियाई लेखों से जानकारी मिलती है कि लूका सीरिया के अन्ताकिया में जन्मा था।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, पौलुस, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:12-14
- फिलेमोन 01:23-25

शब्द तथ्य:

लूका

तथ्य:

लूका नये नियम की दो पुस्तकों का लेखक था, लूका रचित सुसमाचार और प्रेरितों के काम की पुस्तक।

- कुलुस्से की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस लूका को वैद्य कहता है। पौलुस अपने दो अन्य पत्रों में भी लूका का नाम लेता है।
- ऐसा माना जाता है कि मसीह का अनुयायी बनने से पूर्व लूका एक यूनानी और अन्यजाति मनुष्य था। अपने सुसमाचार वृत्तान्त में लूका अनेक ऐसी बातों का उल्लेख करता है जिसके द्वारा यीशु का प्रेम सबके लिए, यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए प्रकट होता है।
- लूका पौलुस के साथ दो प्रचार यात्राओं में गया था और उसके कार्यों में उसकी सहायता की थी।
- कुछ आरंभिक कलीसियाई लेखों से जानकारी मिलती है कि लूका सीरिया के अन्ताकिया में जन्मा था।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, पौलुस, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:12-14
- फिलेमोन 01:23-25

शब्द तथ्य:

लूका

तथ्य:

लूका नये नियम की दो पुस्तकों का लेखक था, लूका रचित सुसमाचार और प्रेरितों के काम की पुस्तक।

- कुलुस्से की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस लूका को वैद्य कहता है। पौलुस अपने दो अन्य पत्रों में भी लूका का नाम लेता है।

- ऐसा माना जाता है कि मसीह का अनुयायी बनने से पूर्व लूका एक यूनानी और अन्यजाति मनुष्य था। अपने सुसमाचार वृत्तान्त में लूका अनेक ऐसी बातों का उल्लेख करता है जिसके द्वारा यीशु का प्रेम सबके लिए, यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए प्रकट होता है।
- लूका पौलुस के साथ दो प्रचार यात्राओं में गया था और उसके कार्यों में उसकी सहायता की थी।
- कुछ आरंभिक कलीसियाई लेखों से जानकारी मिलती है कि लूका सीरिया के अन्ताकिया में जन्मा था।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, पौलुस, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:12-14
- फिलेमोन 01:23-25

शब्द तथ्य:

लूका

तथ्य:

लूका नये नियम की दो पुस्तकों का लेखक था, लूका रचित सुसमाचार और प्रेरितों के काम की पुस्तक।

- कुलुस्से की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस लूका को वैद्य कहता है। पौलुस अपने दो अन्य पत्रों में भी लूका का नाम लेता है।
- ऐसा माना जाता है कि मसीह का अनुयायी बनने से पूर्व लूका एक यूनानी और अन्यजाति मनुष्य था। अपने सुसमाचार वृत्तान्त में लूका अनेक ऐसी बातों का उल्लेख करता है जिसके द्वारा यीशु का प्रेम सबके लिए, यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए प्रकट होता है।
- लूका पौलुस के साथ दो प्रचार यात्राओं में गया था और उसके कार्यों में उसकी सहायता की थी।
- कुछ आरंभिक कलीसियाई लेखों से जानकारी मिलती है कि लूका सीरिया के अन्ताकिया में जन्मा था।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, पौलुस, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमु. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:12-14
- फिलेमोन 01:23-25

शब्द तथ्य:

लूत

तथ्य:

लूत अब्राहम का भतीजा था।

- वह अब्राहम के भाई हारान का पुत्र था।
- लूत अब्राहम के साथ कनान आया था और सदोम नगर में बस गया।
- लूत मोआबियों और अम्मोनियों का मूल पुरुष था।
- जब बैरियों ने सदोम पर आक्रमण करके वहां के निवासियों में लूत को भी बन्दी बना लिया था तब अब्राहम अपने सैंकड़ों पुरुषों को लेकर गया और उन सब को तथा सम्पूर्ण लूट को छुड़ा लाया था।
- सदोम के निवासी दुष्टता की सीमा पार कर गए थे इसलिए परमेश्वर ने उस नगर को नष्ट कर दिया। परन्तु उन्होंने लूत और उसके परिवार को पहले बाहर निकाला कि वे बच जाएं।

(यह भी देखें: अब्राहम, अम्मोन, हारान, मोआब, सदोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- उत्पत्ति 11:27-28
- उत्पत्ति 12:4-5

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3876, G3091

लूत

तथ्य:

लूत अब्राहम का भतीजा था।

- वह अब्राहम के भाई हारान का पुत्र था।
- लूत अब्राहम के साथ कनान आया था और सदोम नगर में बस गया।
- लूत मोआबियों और अम्मोनियों का मूल पुरुष था।
- जब बैरियों ने सदोम पर आक्रमण करके वहां के निवासियों में लूत को भी बन्दी बना लिया था तब अब्राहम अपने सैंकड़ों पुरुषों को लेकर गया और उन सब को तथा सम्पूर्ण लूट को छुड़ा लाया था।
- सदोम के निवासी दुष्टता की सीमा पार कर गए थे इसलिए परमेश्वर ने उस नगर को नष्ट कर दिया। परन्तु उन्होंने लूत और उसके परिवार को पहले बाहर निकाला कि वे बच जाएं।

(यह भी देखें: अब्राहम, अम्मोन, हारान, मोआब, सदोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:7-9
- उत्पत्ति 11:27-28
- उत्पत्ति 12:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3876, G3091

लेपालक, गोद लेना, दत्तक

परिभाषा:

“गोद लेना” और “लेपालक” अर्थात माता-पिता के अतिरिक्त किसी के द्वारा किसी को कानूनन रूप से गोद लेने की प्रक्रिया।

- बाइबल में “लेपालक” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया गया है जो प्रकट करता है कि परमेश्वर, मनुष्यों अपने परिवार का सदस्य बनाता है, उन्हें अपना आत्मिक पुत्र-पुत्री बना लेता है।
- लेपालक सन्तान होने के कारण विश्वासी मसीह यीशु के संगी वारिस हो गए हैं और उन्हें परमेश्वर के पुत्र-पुत्री के सब सौभाग्य प्राप्त हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में ऐसा शब्द काम में लिया जाए जो माता-पिता और सन्तान के विशिष्ट संबन्ध को दर्शाए। सुनिश्चित करें कि इसका प्रतीकात्मक या आत्मिक अर्थ स्पष्ट हो।
- “लेपालक पुत्रों का अनुभव” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर द्वारा पुत्र होने के लिए गोद ले लेना” या “परमेश्वर की (आत्मिक)सन्तान होना”।
- "पुत्रों की गोद लेने की प्रतीक्षा करें" इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर के बच्चे बनने के लिए तत्पर हैं " या "उम्मीद में परमेश्वर के लिए प्रतीक्षा करे बच्चों के रूप में प्राप्त करने के लिए"
- वाक्यांश "उन्हें अपनाना" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "उन्हें अपने बच्चों के रूप में प्राप्त करें" या "उन्हें स्वयं (आध्यात्मिक) बच्चों को बनाते हैं।"

(यह भी देखें: उत्तराधिकारी, अधिकारी होना, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 01:5-6
- गलातियों 04:3-5
- रोमियो 08:14-15
- रोमियो 08:23-25
- रोमियो 09:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5206

लेपालक, गोद लेना, दत्तक

परिभाषा:

“गोद लेना” और “लेपालक” अर्थात माता-पिता के अतिरिक्त किसी के द्वारा किसी को कानूनन रूप से गोद लेने की प्रक्रिया।

- बाइबल में “लेपालक” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया गया है जो प्रकट करता है कि परमेश्वर, मनुष्यों अपने परिवार का सदस्य बनाता है, उन्हें अपना आत्मिक पुत्र-पुत्री बना लेता है।
- लेपालक सन्तान होने के कारण विश्वासी मसीह यीशु के संगी वारिस हो गए हैं और उन्हें परमेश्वर के पुत्र-पुत्री के सब सौभाग्य प्राप्त हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में ऐसा शब्द काम में लिया जाए जो माता-पिता और सन्तान के विशिष्ट संबन्ध को दर्शाए। सुनिश्चित करें कि इसका प्रतीकात्मक या आत्मिक अर्थ स्पष्ट हो।
- “लेपालक पुत्रों का अनुभव” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर द्वारा पुत्र होने के लिए गोद ले लेना” या “परमेश्वर की (आत्मिक)सन्तान होना”।
- "पुत्रों की गोद लेने की प्रतीक्षा करें" इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर के बच्चे बनने के लिए तत्पर हैं " या "उम्मीद में परमेश्वर के लिए प्रतीक्षा करे बच्चों के रूप में प्राप्त करने के लिए"
- वाक्यांश "उन्हें अपनाना" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "उन्हें अपने बच्चों के रूप में प्राप्त करें" या "उन्हें स्वयं (आध्यात्मिक) बच्चों को बनाते हैं।"

(यह भी देखें: उत्तराधिकारी, अधिकारी होना, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 01:5-6
- गलातियों 04:3-5
- रोमियो 08:14-15
- रोमियो 08:23-25
- रोमियो 09:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5206

लेपालक, गोद लेना, दत्तक

परिभाषा:

“गोद लेना” और “लेपालक” अर्थात माता-पिता के अतिरिक्त किसी के द्वारा किसी को कानूनन रूप से गोद लेने की प्रक्रिया।

- बाइबल में “लेपालक” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया गया है जो प्रकट करता है कि परमेश्वर, मनुष्यों अपने परिवार का सदस्य बनाता है, उन्हें अपना आत्मिक पुत्र-पुत्री बना लेता है।
- लेपालक सन्तान होने के कारण विश्वासी मसीह यीशु के संगी वारिस हो गए हैं और उन्हें परमेश्वर के पुत्र-पुत्री के सब सौभाग्य प्राप्त हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में ऐसा शब्द काम में लिया जाए जो माता-पिता और सन्तान के विशिष्ट संबन्ध को दर्शाए। सुनिश्चित करें कि इसका प्रतीकात्मक या आत्मिक अर्थ स्पष्ट हो।
- “लेपालक पुत्रों का अनुभव” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर द्वारा पुत्र होने के लिए गोद ले लेना” या “परमेश्वर की (आत्मिक)सन्तान होना”।
- "पुत्रों की गोद लेने की प्रतीक्षा करें" इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर के बच्चे बनने के लिए तत्पर हैं " या "उम्मीद में परमेश्वर के लिए प्रतीक्षा करे बच्चों के रूप में प्राप्त करने के लिए"
- वाक्यांश "उन्हें अपनाना" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "उन्हें अपने बच्चों के रूप में प्राप्त करें" या "उन्हें स्वयं (आध्यात्मिक) बच्चों को बनाते हैं।"

(यह भी देखें: उत्तराधिकारी, अधिकारी होना, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- इफिसियों 01:5-6
- गलातियों 04:3-5
- रोमियो 08:14-15
- रोमियो 08:23-25
- रोमियो 09:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5206

लेमेक

तथ्य:

लेमेक नामक दो पुरुष पुराने नियम में हैं।

- पहला लेमेक केन का वंशज था। उसने अपनी पत्नियों से बड़े घमण्ड से कहा कि उसने हानि करने वाले एक पुरुष की हत्या कर दी है।
- दूसरा लेमेक शेत का वंशज था। वह नूह का पिता था।

(यह भी देखें: कैन, नूह, शेत)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 04:18-19
- उत्पत्ति 04:23-24
- उत्पत्ति 05:25-27
- उत्पत्ति 05:28-29
- उत्पत्ति 05:30-31
- लूका 03:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3929, G2984

लेवी, लेवीय, लेवियों, लेवीय

परिभाषा:

लेवी याकूब या इस्राएल के बारह पुत्रों में से एक था। “लेवीय” अर्थात इस्राएल के लेवी गोत्र जिसका कुलपति लेवी था, उसका सदस्य।

- लेवी मंदिर की देखभाल के उत्तरदायी थे, वे धार्मिक अनुष्ठानों को भी करते थे जिसमें बली चढ़ाना तथा प्रार्थना करना भी था।
- सब यहूदी याजक लेवी थे, लेवी के वंशज और लेवी गोत्र के सदस्य। (तथापि सब लेवी याजक नहीं थे।)
- लेवी याजक मंदिर में परमेश्वर की सेवा के लिए अलग किए गए थे और अभिषिक्त जन थे।
- लेवी नामक दो पुरुष यीशू के पूर्वजों में थे जिनके नाम लूका रचित सुसमाचार में दी गई वंशावली में हैं।
- यीशु का शिष्य मत्ती भी लेवी था।

(यह भी देखें: मत्ती, याजक, बलिदान करना, मन्दिर, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 08:3-5
- प्रे.का. 04:36-37
- उत्पत्ति 29:33-34
- यूहन्ना 01:19-21
- लूका 10:31-32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3878, H3879, H3881, G3017, G3018, G3019, G3020

लेवी, लेवीय, लेवियों, लेवीय

परिभाषा:

लेवी याकूब या इस्राएल के बारह पुत्रों में से एक था। “लेवीय” अर्थात इस्राएल के लेवी गोत्र जिसका कुलपति लेवी था, उसका सदस्य।

- लेवी मंदिर की देखभाल के उत्तरदायी थे, वे धार्मिक अनुष्ठानों को भी करते थे जिसमें बली चढ़ाना तथा प्रार्थना करना भी था।
- सब यहूदी याजक लेवी थे, लेवी के वंशज और लेवी गोत्र के सदस्य। (तथापि सब लेवी याजक नहीं थे।)
- लेवी याजक मंदिर में परमेश्वर की सेवा के लिए अलग किए गए थे और अभिषिक्त जन थे।
- लेवी नामक दो पुरुष यीशू के पूर्वजों में थे जिनके नाम लूका रचित सुसमाचार में दी गई वंशावली में हैं।
- यीशु का शिष्य मत्ती भी लेवी था।

(यह भी देखें: मत्ती, याजक, बलिदान करना, मन्दिर, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 08:3-5
- प्रे.का. 04:36-37
- उत्पत्ति 29:33-34
- यूहन्ना 01:19-21
- लूका 10:31-32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3878, H3879, H3881, G3017, G3018, G3019, G3020

लेवी, लेवीय, लेवियों, लेवीय

परिभाषा:

लेवी याकूब या इस्राएल के बारह पुत्रों में से एक था। “लेवीय” अर्थात इस्राएल के लेवी गोत्र जिसका कुलपति लेवी था, उसका सदस्य।

- लेवी मंदिर की देखभाल के उत्तरदायी थे, वे धार्मिक अनुष्ठानों को भी करते थे जिसमें बली चढ़ाना तथा प्रार्थना करना भी था।
- सब यहूदी याजक लेवी थे, लेवी के वंशज और लेवी गोत्र के सदस्य। (तथापि सब लेवी याजक नहीं थे।)
- लेवी याजक मंदिर में परमेश्वर की सेवा के लिए अलग किए गए थे और अभिषिक्त जन थे।
- लेवी नामक दो पुरुष यीशू के पूर्वजों में थे जिनके नाम लूका रचित सुसमाचार में दी गई वंशावली में हैं।
- यीशु का शिष्य मत्ती भी लेवी था।

(यह भी देखें: मत्ती, याजक, बलिदान करना, मन्दिर, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 08:3-5
- प्रे.का. 04:36-37
- उत्पत्ति 29:33-34
- यूहन्ना 01:19-21
- लूका 10:31-32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3878, H3879, H3881, G3017, G3018, G3019, G3020

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

लेवी, लेवीय, लेवियों, लेवीय

परिभाषा:

लेवी याकूब या इस्राएल के बारह पुत्रों में से एक था। “लेवीय” अर्थात इस्राएल के लेवी गोत्र जिसका कुलपति लेवी था, उसका सदस्य।

- लेवी मंदिर की देखभाल के उत्तरदायी थे, वे धार्मिक अनुष्ठानों को भी करते थे जिसमें बली चढ़ाना तथा प्रार्थना करना भी था।
- सब यहूदी याजक लेवी थे, लेवी के वंशज और लेवी गोत्र के सदस्य। (तथापि सब लेवी याजक नहीं थे।)
- लेवी याजक मंदिर में परमेश्वर की सेवा के लिए अलग किए गए थे और अभिषिक्त जन थे।
- लेवी नामक दो पुरुष यीशू के पूर्वजों में थे जिनके नाम लूका रचित सुसमाचार में दी गई वंशावली में हैं।
- यीशु का शिष्य मत्ती भी लेवी था।

(यह भी देखें: मत्ती, याजक, बलिदान करना, मन्दिर, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 08:3-5
- प्रे.का. 04:36-37
- उत्पत्ति 29:33-34
- यूहन्ना 01:19-21
- लूका 10:31-32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3878, H3879, H3881, G3017, G3018, G3019, G3020

लेवी, लेवीय, लेवियों, लेवीय

परिभाषा:

लेवी याकूब या इस्राएल के बारह पुत्रों में से एक था। “लेवीय” अर्थात इस्राएल के लेवी गोत्र जिसका कुलपति लेवी था, उसका सदस्य।

- लेवी मंदिर की देखभाल के उत्तरदायी थे, वे धार्मिक अनुष्ठानों को भी करते थे जिसमें बली चढ़ाना तथा प्रार्थना करना भी था।
- सब यहूदी याजक लेवी थे, लेवी के वंशज और लेवी गोत्र के सदस्य। (तथापि सब लेवी याजक नहीं थे।)
- लेवी याजक मंदिर में परमेश्वर की सेवा के लिए अलग किए गए थे और अभिषिक्त जन थे।
- लेवी नामक दो पुरुष यीशू के पूर्वजों में थे जिनके नाम लूका रचित सुसमाचार में दी गई वंशावली में हैं।
- यीशु का शिष्य मत्ती भी लेवी था।

(यह भी देखें: मत्ती, याजक, बलिदान करना, मन्दिर, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:1-2
- 1 राजा 08:3-5
- प्रे.का. 04:36-37
- उत्पत्ति 29:33-34
- यूहन्ना 01:19-21
- लूका 10:31-32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3878, H3879, H3881, G3017, G3018, G3019, G3020

लोबान

परिभाषा:

लोबान पेड़ के रस से बना एक सुगंधित द्रव्य है। इससे इत्र और धूप बनाए जाते थे।

- बाइबल के युग में शवों को दफन के लिए तैयार करने में लोबान एक अत्यधिक महत्वपूर्ण द्रव्य था।
- यह पदार्थ चंगाई और शक्ति देने के गुणों के लिए मान्यता रखता है।
- जब ज्योतिषी बालक यीशु से भेंट करने पूर्व से चलकर बैतलहम आए थे तब जो उपहार वे लाए थे उनमें लोबान भी था।

(यह भी देखें: बैतलहम, ज्योतिषी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 09:28-29
- निर्गमन 30:34-36
- मत्ती 02:11-12
- गिनती 05:15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3828, G3030

लोबान

परिभाषा:

लोबान पेड़ के रस से बना एक सुगंधित द्रव्य है। इससे इत्र और धूप बनाए जाते थे।

- बाइबल के युग में शवों को दफन के लिए तैयार करने में लोबान एक अत्यधिक महत्वपूर्ण द्रव्य था।
- यह पदार्थ चंगाई और शक्ति देने के गुणों के लिए मान्यता रखता है।
- जब ज्योतिषी बालक यीशु से भेंट करने पूर्व से चलकर बैतलहम आए थे तब जो उपहार वे लाए थे उनमें लोबान भी था।

(यह भी देखें: बैतलहम, ज्योतिषी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 09:28-29
- निर्गमन 30:34-36
- मत्ती 02:11-12
- गिनती 05:15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3828, G3030

वंश

परिभाषा:

“वंश” शब्द मनुष्य या पशु की सांसारिक सन्तति के लिए काम में लिया जाता है।

- बाइबल में “वंश” का अर्थ “सन्तान” या “सन्तति” होता है।
- कभी-कभी “बीज” शब्द प्रतीकातमक रूप से सन्तान के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, बीज)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 17:28-29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति 24:5-7
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:23-25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:33-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

वंश

परिभाषा:

“वंश” शब्द मनुष्य या पशु की सांसारिक सन्तति के लिए काम में लिया जाता है।

- बाइबल में “वंश” का अर्थ “सन्तान” या “सन्तति” होता है।
- कभी-कभी “बीज” शब्द प्रतीकातमक रूप से सन्तान के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, बीज)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 17:28-29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति 24:5-7
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:23-25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:33-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

वंश

परिभाषा:

“वंश” शब्द मनुष्य या पशु की सांसारिक सन्तति के लिए काम में लिया जाता है।

- बाइबल में “वंश” का अर्थ “सन्तान” या “सन्तति” होता है।
- कभी-कभी “बीज” शब्द प्रतीकातमक रूप से सन्तान के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, बीज)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 17:28-29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति 24:5-7
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:23-25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:33-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

वंश

परिभाषा:

“वंश” शब्द मनुष्य या पशु की सांसारिक सन्तति के लिए काम में लिया जाता है।

- बाइबल में “वंश” का अर्थ “सन्तान” या “सन्तति” होता है।
- कभी-कभी “बीज” शब्द प्रतीकातमक रूप से सन्तान के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, बीज)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 17:28-29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति 24:5-7
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:23-25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:33-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

वंश

परिभाषा:

“वंश” शब्द मनुष्य या पशु की सांसारिक सन्तति के लिए काम में लिया जाता है।

- बाइबल में “वंश” का अर्थ “सन्तान” या “सन्तति” होता है।
- कभी-कभी “बीज” शब्द प्रतीकातमक रूप से सन्तान के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, बीज)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 17:28-29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति 24:5-7
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:23-25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:33-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

वंश

परिभाषा:

“वंश” शब्द मनुष्य या पशु की सांसारिक सन्तति के लिए काम में लिया जाता है।

- बाइबल में “वंश” का अर्थ “सन्तान” या “सन्तति” होता है।
- कभी-कभी “बीज” शब्द प्रतीकातमक रूप से सन्तान के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, बीज)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 17:28-29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति 24:5-7
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:23-25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:33-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

वंश

परिभाषा:

“वंश” शब्द मनुष्य या पशु की सांसारिक सन्तति के लिए काम में लिया जाता है।

- बाइबल में “वंश” का अर्थ “सन्तान” या “सन्तति” होता है।
- कभी-कभी “बीज” शब्द प्रतीकातमक रूप से सन्तान के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, बीज)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 17:28-29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति 24:5-7
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:23-25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:33-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

वंश

परिभाषा:

“वंश” शब्द मनुष्य या पशु की सांसारिक सन्तति के लिए काम में लिया जाता है।

- बाइबल में “वंश” का अर्थ “सन्तान” या “सन्तति” होता है।
- कभी-कभी “बीज” शब्द प्रतीकातमक रूप से सन्तान के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, बीज)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 17:28-29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति 24:5-7
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:23-25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:33-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

वंश

परिभाषा:

“वंश” शब्द मनुष्य या पशु की सांसारिक सन्तति के लिए काम में लिया जाता है।

- बाइबल में “वंश” का अर्थ “सन्तान” या “सन्तति” होता है।
- कभी-कभी “बीज” शब्द प्रतीकातमक रूप से सन्तान के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, बीज)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 17:28-29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति 24:5-7
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:23-25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:33-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

वंश

परिभाषा:

“वंश” शब्द मनुष्य या पशु की सांसारिक सन्तति के लिए काम में लिया जाता है।

- बाइबल में “वंश” का अर्थ “सन्तान” या “सन्तति” होता है।
- कभी-कभी “बीज” शब्द प्रतीकातमक रूप से सन्तान के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, बीज)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 17:28-29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति 24:5-7
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:23-25

- लूका 03:7
- मत्ती 12:33-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

वंश

परिभाषा:

“वंश” शब्द मनुष्य या पशु की सांसारिक सन्तति के लिए काम में लिया जाता है।

- बाइबल में “वंश” का अर्थ “सन्तान” या “सन्तति” होता है।
- कभी-कभी “बीज” शब्द प्रतीकातमक रूप से सन्तान के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, बीज)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 17:28-29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति 24:5-7
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:23-25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:33-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

वंश

परिभाषा:

“वंश” शब्द मनुष्य या पशु की सांसारिक सन्तति के लिए काम में लिया जाता है।

- बाइबल में “वंश” का अर्थ “सन्तान” या “सन्तति” होता है।
- कभी-कभी “बीज” शब्द प्रतीकातमक रूप से सन्तान के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, बीज)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 17:28-29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति 24:5-7
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:23-25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:33-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

वंश

परिभाषा:

“वंश” शब्द मनुष्य या पशु की सांसारिक सन्तति के लिए काम में लिया जाता है।

- बाइबल में “वंश” का अर्थ “सन्तान” या “सन्तति” होता है।
- कभी-कभी “बीज” शब्द प्रतीकातमक रूप से सन्तान के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, बीज)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 17:28-29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति 24:5-7
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:23-25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:33-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

वंश

परिभाषा:

“वंश” शब्द मनुष्य या पशु की सांसारिक सन्तति के लिए काम में लिया जाता है।

- बाइबल में “वंश” का अर्थ “सन्तान” या “सन्तति” होता है।
- कभी-कभी “बीज” शब्द प्रतीकातमक रूप से सन्तान के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, बीज)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 17:28-29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति 24:5-7
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:23-25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:33-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

वंश

परिभाषा:

“वंश” शब्द मनुष्य या पशु की सांसारिक सन्तति के लिए काम में लिया जाता है।

- बाइबल में “वंश” का अर्थ “सन्तान” या “सन्तति” होता है।
- कभी-कभी “बीज” शब्द प्रतीकातमक रूप से सन्तान के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: उतरेगा, बीज)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 17:28-29
- निर्गमन 13:11-13
- उत्पत्ति 24:5-7
- यशायाह 41:8-9
- अय्यूब 05:23-25
- लूका 03:7
- मत्ती 12:33-35

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”

- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4

- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।

- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4

- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।

- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वचन, शब्द

परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

- उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
- यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
- कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
- बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
- इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें परमेश्वर के वचन

अनुवाद के सुझाव

- “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 2 तीमु. 04:1-2
- प्रे.का. 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याकूब 01:17-18
- यिर्मयाह 27:1-4
- यूह. 01:1-3
- यूह. 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

वर्णन, ठहराया, कहता है, घोषणा

परिभाषा:

“वर्णन” और “वाणी” अर्थात “औपचारिक या सार्वजनिक कथन”, प्रायः किसी बात पर बल देने के लिए। “वाणी” में कही जाने वाली बात के महत्व पर ही बल नहीं दिया जाता है परन्तु इसमें घोषणा करने वाले की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है।

- एक "घोषणा" न केवल घोषित की जा रही के महत्व पर जोर देती है, बल्कि यह घोषणा करने वाले पर भी ध्यान देती है।

- उदाहरणार्थ, पुराने नियम में परमेश्वर के सन्देश से पूर्व, “यहोवा यों कहता है” या “यहोवा का यह वचन” उक्ति आती है। इस उक्ति से इस बात पर बल दिया जाता है कि इस सन्देश को पहुंचाने वाला यहोवा ही है। यह तथ्य कि सन्देश यहोवा का है दर्शाता है कि सन्देश अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “वर्णन” का अनुवाद हो सकता है, “घोषणा करना” या “सार्वजनिक कथन प्रस्तुत करना” या “बलपूर्वक कहना” या “बल देकर कहना”।
- “वाणी” शब्द का अनुवाद “कथन” या “उद्घोषण” भी हो सकता है।
- “यहोवा यों कहता है” का अनुवाद “यहोवा घोषणा करता है” या “यहोवा का कहना है” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रचार करना)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 16:23-24
- 1 कुरिन्थियों15:31-32
- 1 शमूएल 24:17-18
- आमोस 02:15-16
- यहेजकेल 05:11-12
- मत्ती 07:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H262, H559, H816, H874, H1696, H3045, H4853, H5002, H5042, H5046, H5608, H6567, H7121, H7561, H7878, H8085, G312, G518, G669, G1229, G1344, G1555, G1718, G1834, G2097, G2511, G2605, G2607, G3140, G3670, G3724, G3822, G3870, G3955, G4296

वर्णन, ठहराया, कहता है, घोषणा

परिभाषा:

“वर्णन” और “वाणी” अर्थात “औपचारिक या सार्वजनिक कथन”, प्रायः किसी बात पर बल देने के लिए। “वाणी” में कही जाने वाली बात के महत्व पर ही बल नहीं दिया जाता है परन्तु इसमें घोषणा करने वाले की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है।

- एक "घोषणा" न केवल घोषित की जा रही के महत्व पर जोर देती है, बल्कि यह घोषणा करने वाले पर भी ध्यान देती है।

- उदाहरणार्थ, पुराने नियम में परमेश्वर के सन्देश से पूर्व, “यहोवा यों कहता है” या “यहोवा का यह वचन” उक्ति आती है। इस उक्ति से इस बात पर बल दिया जाता है कि इस सन्देश को पहुंचाने वाला यहोवा ही है। यह तथ्य कि सन्देश यहोवा का है दर्शाता है कि सन्देश अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “वर्णन” का अनुवाद हो सकता है, “घोषणा करना” या “सार्वजनिक कथन प्रस्तुत करना” या “बलपूर्वक कहना” या “बल देकर कहना”।
- “वाणी” शब्द का अनुवाद “कथन” या “उद्घोषण” भी हो सकता है।
- “यहोवा यों कहता है” का अनुवाद “यहोवा घोषणा करता है” या “यहोवा का कहना है” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 16:23-24
- 1 कुरिन्थियों15:31-32
- 1 शमूएल 24:17-18
- आमोस 02:15-16
- यहेजकेल 05:11-12
- मत्ती 07:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H262, H559, H816, H874, H1696, H3045, H4853, H5002, H5042, H5046, H5608, H6567, H7121, H7561, H7878, H8085, G312, G518, G669, G1229, G1344, G1555, G1718, G1834, G2097, G2511, G2605, G2607, G3140, G3670, G3724, G3822, G3870, G3955, G4296

वर्णन, ठहराया, कहता है, घोषणा

परिभाषा:

“वर्णन” और “वाणी” अर्थात “औपचारिक या सार्वजनिक कथन”, प्रायः किसी बात पर बल देने के लिए। “वाणी” में कही जाने वाली बात के महत्व पर ही बल नहीं दिया जाता है परन्तु इसमें घोषणा करने वाले की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है।

- एक "घोषणा" न केवल घोषित की जा रही के महत्व पर जोर देती है, बल्कि यह घोषणा करने वाले पर भी ध्यान देती है।

- उदाहरणार्थ, पुराने नियम में परमेश्वर के सन्देश से पूर्व, “यहोवा यों कहता है” या “यहोवा का यह वचन” उक्ति आती है। इस उक्ति से इस बात पर बल दिया जाता है कि इस सन्देश को पहुंचाने वाला यहोवा ही है। यह तथ्य कि सन्देश यहोवा का है दर्शाता है कि सन्देश अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “वर्णन” का अनुवाद हो सकता है, “घोषणा करना” या “सार्वजनिक कथन प्रस्तुत करना” या “बलपूर्वक कहना” या “बल देकर कहना”।
- “वाणी” शब्द का अनुवाद “कथन” या “उद्घोषण” भी हो सकता है।
- “यहोवा यों कहता है” का अनुवाद “यहोवा घोषणा करता है” या “यहोवा का कहना है” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 16:23-24
- 1 कुरिन्थियों15:31-32
- 1 शमूएल 24:17-18
- आमोस 02:15-16
- यहेजकेल 05:11-12
- मत्ती 07:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H262, H559, H816, H874, H1696, H3045, H4853, H5002, H5042, H5046, H5608, H6567, H7121, H7561, H7878, H8085, G312, G518, G669, G1229, G1344, G1555, G1718, G1834, G2097, G2511, G2605, G2607, G3140, G3670, G3724, G3822, G3870, G3955, G4296

वर्णन, ठहराया, कहता है, घोषणा

परिभाषा:

“वर्णन” और “वाणी” अर्थात “औपचारिक या सार्वजनिक कथन”, प्रायः किसी बात पर बल देने के लिए। “वाणी” में कही जाने वाली बात के महत्व पर ही बल नहीं दिया जाता है परन्तु इसमें घोषणा करने वाले की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है।

- एक "घोषणा" न केवल घोषित की जा रही के महत्व पर जोर देती है, बल्कि यह घोषणा करने वाले पर भी ध्यान देती है।

- उदाहरणार्थ, पुराने नियम में परमेश्वर के सन्देश से पूर्व, “यहोवा यों कहता है” या “यहोवा का यह वचन” उक्ति आती है। इस उक्ति से इस बात पर बल दिया जाता है कि इस सन्देश को पहुंचाने वाला यहोवा ही है। यह तथ्य कि सन्देश यहोवा का है दर्शाता है कि सन्देश अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “वर्णन” का अनुवाद हो सकता है, “घोषणा करना” या “सार्वजनिक कथन प्रस्तुत करना” या “बलपूर्वक कहना” या “बल देकर कहना”।
- “वाणी” शब्द का अनुवाद “कथन” या “उद्घोषण” भी हो सकता है।
- “यहोवा यों कहता है” का अनुवाद “यहोवा घोषणा करता है” या “यहोवा का कहना है” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 16:23-24
- 1 कुरिन्थियों15:31-32
- 1 शमूएल 24:17-18
- आमोस 02:15-16
- यहेजकेल 05:11-12
- मत्ती 07:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H262, H559, H816, H874, H1696, H3045, H4853, H5002, H5042, H5046, H5608, H6567, H7121, H7561, H7878, H8085, G312, G518, G669, G1229, G1344, G1555, G1718, G1834, G2097, G2511, G2605, G2607, G3140, G3670, G3724, G3822, G3870, G3955, G4296

वर्णन, ठहराया, कहता है, घोषणा

परिभाषा:

“वर्णन” और “वाणी” अर्थात “औपचारिक या सार्वजनिक कथन”, प्रायः किसी बात पर बल देने के लिए। “वाणी” में कही जाने वाली बात के महत्व पर ही बल नहीं दिया जाता है परन्तु इसमें घोषणा करने वाले की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है।

- एक "घोषणा" न केवल घोषित की जा रही के महत्व पर जोर देती है, बल्कि यह घोषणा करने वाले पर भी ध्यान देती है।
- उदाहरणार्थ, पुराने नियम में परमेश्वर के सन्देश से पूर्व, “यहोवा यों कहता है” या “यहोवा का यह वचन” उक्ति आती है। इस उक्ति से इस बात पर बल दिया जाता है कि इस सन्देश को पहुंचाने वाला यहोवा ही है। यह तथ्य कि सन्देश यहोवा का है दर्शाता है कि सन्देश अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “वर्णन” का अनुवाद हो सकता है, “घोषणा करना” या “सार्वजनिक कथन प्रस्तुत करना” या “बलपूर्वक कहना” या “बल देकर कहना”।
- “वाणी” शब्द का अनुवाद “कथन” या “उद्घोषण” भी हो सकता है।
- “यहोवा यों कहता है” का अनुवाद “यहोवा घोषणा करता है” या “यहोवा का कहना है” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 16:23-24
- 1 कुरिन्थियों15:31-32
- 1 शमूएल 24:17-18
- आमोस 02:15-16
- यहेजकेल 05:11-12
- मत्ती 07:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H262, H559, H816, H874, H1696, H3045, H4853, H5002, H5042, H5046, H5608, H6567, H7121, H7561, H7878, H8085, G312, G518, G669, G1229, G1344, G1555, G1718, G1834, G2097, G2511, G2605, G2607, G3140, G3670, G3724, G3822, G3870, G3955, G4296

वर्णन, ठहराया, कहता है, घोषणा

परिभाषा:

“वर्णन” और “वाणी” अर्थात “औपचारिक या सार्वजनिक कथन”, प्रायः किसी बात पर बल देने के लिए। “वाणी” में कही जाने वाली बात के महत्व पर ही बल नहीं दिया जाता है परन्तु इसमें घोषणा करने वाले की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है।

- एक "घोषणा" न केवल घोषित की जा रही के महत्व पर जोर देती है, बल्कि यह घोषणा करने वाले पर भी ध्यान देती है।
- उदाहरणार्थ, पुराने नियम में परमेश्वर के सन्देश से पूर्व, “यहोवा यों कहता है” या “यहोवा का यह वचन” उक्ति आती है। इस उक्ति से इस बात पर बल दिया जाता है कि इस सन्देश को पहुंचाने वाला यहोवा ही है। यह तथ्य कि सन्देश यहोवा का है दर्शाता है कि सन्देश अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “वर्णन” का अनुवाद हो सकता है, “घोषणा करना” या “सार्वजनिक कथन प्रस्तुत करना” या “बलपूर्वक कहना” या “बल देकर कहना”।
- “वाणी” शब्द का अनुवाद “कथन” या “उद्घोषण” भी हो सकता है।
- “यहोवा यों कहता है” का अनुवाद “यहोवा घोषणा करता है” या “यहोवा का कहना है” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 16:23-24
- 1 कुरिन्थियों15:31-32
- 1 शमूएल 24:17-18
- आमोस 02:15-16
- यहेजकेल 05:11-12
- मत्ती 07:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H262, H559, H816, H874, H1696, H3045, H4853, H5002, H5042, H5046, H5608, H6567, H7121, H7561, H7878, H8085, G312, G518, G669, G1229, G1344, G1555, G1718, G1834, G2097, G2511, G2605, G2607, G3140, G3670, G3724, G3822, G3870, G3955, G4296

वर्णन, ठहराया, कहता है, घोषणा

परिभाषा:

“वर्णन” और “वाणी” अर्थात “औपचारिक या सार्वजनिक कथन”, प्राय: किसी बात पर बल देने के लिए। “वाणी” में कही जाने वाली बात के महत्व पर ही बल नहीं दिया जाता है परन्तु इसमें घोषणा करने वाले की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है।

- एक "घोषणा" न केवल घोषित की जा रही के महत्व पर जोर देती है, बल्कि यह घोषणा करने वाले पर भी ध्यान देती है।
- उदाहरणार्थ, पुराने नियम में परमेश्वर के सन्देश से पूर्व, “यहोवा यों कहता है” या “यहोवा का यह वचन” उक्ति आती है। इस उक्ति से इस बात पर बल दिया जाता है कि इस सन्देश को पहुंचाने वाला यहोवा ही है। यह तथ्य कि सन्देश यहोवा का है दर्शाता है कि सन्देश अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “वर्णन” का अनुवाद हो सकता है, “घोषणा करना” या “सार्वजनिक कथन प्रस्तुत करना” या “बलपूर्वक कहना” या “बल देकर कहना”।
- “वाणी” शब्द का अनुवाद “कथन” या “उद्घोषण” भी हो सकता है।
- “यहोवा यों कहता है” का अनुवाद “यहोवा घोषणा करता है” या “यहोवा का कहना है” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 16:23-24
- 1 कुरिन्थियों15:31-32
- 1 शमूएल 24:17-18
- आमोस 02:15-16
- यहेजकेल 05:11-12
- मत्ती 07:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H262, H559, H816, H874, H1696, H3045, H4853, H5002, H5042, H5046, H5608, H6567, H7121, H7561, H7878, H8085, G312, G518, G669, G1229, G1344, G1555, G1718, G1834, G2097, G2511, G2605, G2607, G3140, G3670, G3724, G3822, G3870, G3955, G4296

वर्णन, ठहराया, कहता है, घोषणा

परिभाषा:

“वर्णन” और “वाणी” अर्थात “औपचारिक या सार्वजनिक कथन”, प्रायः किसी बात पर बल देने के लिए। “वाणी” में कही जाने वाली बात के महत्व पर ही बल नहीं दिया जाता है परन्तु इसमें घोषणा करने वाले की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है।

- एक "घोषणा" न केवल घोषित की जा रही के महत्व पर जोर देती है, बल्कि यह घोषणा करने वाले पर भी ध्यान देती है।
- उदाहरणार्थ, पुराने नियम में परमेश्वर के सन्देश से पूर्व, “यहोवा यों कहता है” या “यहोवा का यह वचन” उक्ति आती है। इस उक्ति से इस बात पर बल दिया जाता है कि इस सन्देश को पहुंचाने वाला यहोवा ही है। यह तथ्य कि सन्देश यहोवा का है दर्शाता है कि सन्देश अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “वर्णन” का अनुवाद हो सकता है, “घोषणा करना” या “सार्वजनिक कथन प्रस्तुत करना” या “बलपूर्वक कहना” या “बल देकर कहना”।
- “वाणी” शब्द का अनुवाद “कथन” या “उद्घोषण” भी हो सकता है।
- “यहोवा यों कहता है” का अनुवाद “यहोवा घोषणा करता है” या “यहोवा का कहना है” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 16:23-24
- 1 कुरिन्थियों15:31-32
- 1 शमूएल 24:17-18
- आमोस 02:15-16
- यहेजकेल 05:11-12
- मत्ती 07:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H262, H559, H816, H874, H1696, H3045, H4853, H5002, H5042, H5046, H5608, H6567, H7121, H7561, H7878, H8085, G312, G518, G669, G1229, G1344, G1555, G1718, G1834, G2097, G2511, G2605, G2607, G3140, G3670, G3724, G3822, G3870, G3955, G4296

वर्णन, ठहराया, कहता है, घोषणा

परिभाषा:

“वर्णन” और “वाणी” अर्थात “औपचारिक या सार्वजनिक कथन”, प्रायः किसी बात पर बल देने के लिए। “वाणी” में कही जाने वाली बात के महत्व पर ही बल नहीं दिया जाता है परन्तु इसमें घोषणा करने वाले की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है।

- एक "घोषणा" न केवल घोषित की जा रही के महत्व पर जोर देती है, बल्कि यह घोषणा करने वाले पर भी ध्यान देती है।
- उदाहरणार्थ, पुराने नियम में परमेश्वर के सन्देश से पूर्व, “यहोवा यों कहता है” या “यहोवा का यह वचन” उक्ति आती है। इस उक्ति से इस बात पर बल दिया जाता है कि इस सन्देश को पहुंचाने वाला यहोवा ही है। यह तथ्य कि सन्देश यहोवा का है दर्शाता है कि सन्देश अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “वर्णन” का अनुवाद हो सकता है, “घोषणा करना” या “सार्वजनिक कथन प्रस्तुत करना” या “बलपूर्वक कहना” या “बल देकर कहना”।
- “वाणी” शब्द का अनुवाद “कथन” या “उद्घोषण” भी हो सकता है।
- “यहोवा यों कहता है” का अनुवाद “यहोवा घोषणा करता है” या “यहोवा का कहना है” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 16:23-24

- 1 कुरिन्थियों15:31-32
- 1 शमूएल 24:17-18
- आमोस 02:15-16
- यहेजकेल 05:11-12
- मत्ती 07:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H262, H559, H816, H874, H1696, H3045, H4853, H5002, H5042, H5046, H5608, H6567, H7121, H7561, H7878, H8085, G312, G518, G669, G1229, G1344, G1555, G1718, G1834, G2097, G2511, G2605, G2607, G3140, G3670, G3724, G3822, G3870, G3955, G4296

वर्णन, ठहराया, कहता है, घोषणा

परिभाषा:

“वर्णन” और “वाणी” अर्थात “औपचारिक या सार्वजनिक कथन”, प्राय: किसी बात पर बल देने के लिए। “वाणी” में कही जाने वाली बात के महत्व पर ही बल नहीं दिया जाता है परन्तु इसमें घोषणा करने वाले की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है।

- एक "घोषणा" न केवल घोषित की जा रही के महत्व पर जोर देती है, बल्कि यह घोषणा करने वाले पर भी ध्यान देती है।
- उदाहरणार्थ, पुराने नियम में परमेश्वर के सन्देश से पूर्व, “यहोवा यों कहता है” या “यहोवा का यह वचन” उक्ति आती है। इस उक्ति से इस बात पर बल दिया जाता है कि इस सन्देश को पहुंचाने वाला यहोवा ही है। यह तथ्य कि सन्देश यहोवा का है दर्शाता है कि सन्देश अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “वर्णन” का अनुवाद हो सकता है, “घोषणा करना” या “सार्वजनिक कथन प्रस्तुत करना” या “बलपूर्वक कहना” या “बल देकर कहना”।
- “वाणी” शब्द का अनुवाद “कथन” या “उद्घोषण” भी हो सकता है।
- “यहोवा यों कहता है” का अनुवाद “यहोवा घोषणा करता है” या “यहोवा का कहना है” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 16:23-24
- 1 कुरिन्थियों15:31-32
- 1 शमूएल 24:17-18
- आमोस 02:15-16
- यहेजकेल 05:11-12
- मत्ती 07:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H262, H559, H816, H874, H1696, H3045, H4853, H5002, H5042, H5046, H5608, H6567, H7121, H7561, H7878, H8085, G312, G518, G669, G1229, G1344, G1555, G1718, G1834, G2097, G2511, G2605, G2607, G3140, G3670, G3724, G3822, G3870, G3955, G4296

वर्णन, ठहराया, कहता है, घोषणा

परिभाषा:

“वर्णन” और “वाणी” अर्थात “औपचारिक या सार्वजनिक कथन”, प्राय: किसी बात पर बल देने के लिए। “वाणी” में कही जाने वाली बात के महत्व पर ही बल नहीं दिया जाता है परन्तु इसमें घोषणा करने वाले की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है।

- एक "घोषणा" न केवल घोषित की जा रही के महत्व पर जोर देती है, बल्कि यह घोषणा करने वाले पर भी ध्यान देती है।
- उदाहरणार्थ, पुराने नियम में परमेश्वर के सन्देश से पूर्व, “यहोवा यों कहता है” या “यहोवा का यह वचन” उक्ति आती है। इस उक्ति से इस बात पर बल दिया जाता है कि इस सन्देश को पहुंचाने वाला यहोवा ही है। यह तथ्य कि सन्देश यहोवा का है दर्शाता है कि सन्देश अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “वर्णन” का अनुवाद हो सकता है, “घोषणा करना” या “सार्वजनिक कथन प्रस्तुत करना” या “बलपूर्वक कहना” या “बल देकर कहना”।
- “वाणी” शब्द का अनुवाद “कथन” या “उद्घोषण” भी हो सकता है।
- “यहोवा यों कहता है” का अनुवाद “यहोवा घोषणा करता है” या “यहोवा का कहना है” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 16:23-24
- 1 कुरिन्थियों15:31-32
- 1 शमूएल 24:17-18
- आमोस 02:15-16
- यहेजकेल 05:11-12
- मत्ती 07:21-23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H262, H559, H816, H874, H1696, H3045, H4853, H5002, H5042, H5046, H5608, H6567, H7121, H7561, H7878, H8085, G312, G518, G669, G1229, G1344, G1555, G1718, G1834, G2097, G2511, G2605, G2607, G3140, G3670, G3724, G3822, G3870, G3955, G4296

वर्ष, वर्षों

परिभाषा:

बाइबल में “वर्ष” का वास्तविक अर्थ था 354 दिनों का समय। यह वर्ष चंद्र कैलेण्डर के अनुसार था जब चांद पृथ्वी की एक परिक्रमा कर लेता है।

- आज का वर्ष सौर कैलेण्डर के अनुसार 365 दिन का होता है और बारह महीने होते हैं, यह समय पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा का समय है।
- दोनों ही कैलेण्डरों में वर्ष के बारह महीने हैं। चंद्र कैलेण्डर के वर्ष में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस तथ्य की पूर्ति के लिए है कि चांद्र वर्ष सौर वर्ष से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को समानान्तर रखने में सहायता मिलती है।
- बाइबल में वर्षों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो किसी घटना के लिए समय की सामान्य चर्चा के लिए काम में लिया जाता है। इसके उदाहरण हैं “यहोवा का वर्ष” या “अकाल के वर्ष” या “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष”। ऐसे संदर्भों में “वर्ष” का अनुवाद “समय” या “ऋतु” या “समय का अन्तराल” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महीने)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:31-33
- प्रे.का. 19:8-10
- दानिय्येल 08:1-2
- निर्गमन 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

वर्ष, वर्षों

परिभाषा:

बाइबल में “वर्ष” का वास्तविक अर्थ था 354 दिनों का समय। यह वर्ष चंद्र कैलेण्डर के अनुसार था जब चांद पृथ्वी की एक परिक्रमा कर लेता है।

- आज का वर्ष सौर कैलेण्डर के अनुसार 365 दिन का होता है और बारह महीने होते हैं, यह समय पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा का समय है।
- दोनों ही कैलेण्डरों में वर्ष के बारह महीने हैं। चंद्र कैलेण्डर के वर्ष में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस तथ्य की पूर्ति के लिए है कि चांद्र वर्ष सौर वर्ष से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को समानान्तर रखने में सहायता मिलती है।

- बाइबल में वर्षों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो किसी घटना के लिए समय की सामान्य चर्चा के लिए काम में लिया जाता है। इसके उदाहरण हैं “यहोवा का वर्ष” या “अकाल के वर्ष” या “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष”। ऐसे संदर्भों में “वर्ष” का अनुवाद “समय” या “ऋतु” या “समय का अन्तराल” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महीने)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:31-33
- प्रे.का. 19:8-10
- दानिय्येल 08:1-2
- निर्गमन 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

वर्ष, वर्षों

परिभाषा:

बाइबल में “वर्ष” का वास्तविक अर्थ था 354 दिनों का समय। यह वर्ष चंद्र कैलेण्डर के अनुसार था जब चांद पृथ्वी की एक परिक्रमा कर लेता है।

- आज का वर्ष सौर कैलेण्डर के अनुसार 365 दिन का होता है और बारह महीने होते हैं, यह समय पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा का समय है।
- दोनों ही कैलेण्डरों में वर्ष के बारह महीने हैं। चंद्र कैलेण्डर के वर्ष में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस तथ्य की पूर्ति के लिए है कि चांद्र वर्ष सौर वर्ष से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को समानान्तर रखने में सहायता मिलती है।
- बाइबल में वर्षों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो किसी घटना के लिए समय की सामान्य चर्चा के लिए काम में लिया जाता है। इसके उदाहरण हैं “यहोवा का वर्ष” या “अकाल के वर्ष” या “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष”। ऐसे संदर्भों में “वर्ष” का अनुवाद “समय” या “ऋतु” या “समय का अन्तराल” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महीने)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:31-33
- प्रे.का. 19:8-10
- दानिय्येल 08:1-2
- निर्गमन 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

वर्ष, वर्षों

परिभाषा:

बाइबल में “वर्ष” का वास्तविक अर्थ था 354 दिनों का समय। यह वर्ष चंद्र कैलेण्डर के अनुसार था जब चांद पृथ्वी की एक परिक्रमा कर लेता है।

- आज का वर्ष सौर कैलेण्डर के अनुसार 365 दिन का होता है और बारह महीने होते हैं, यह समय पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा का समय है।
- दोनों ही कैलेण्डरों में वर्ष के बारह महीने हैं। चंद्र कैलेण्डर के वर्ष में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस तथ्य की पूर्ति के लिए है कि चांद्र वर्ष सौर वर्ष से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को समानान्तर रखने में सहायता मिलती है।
- बाइबल में वर्षों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो किसी घटना के लिए समय की सामान्य चर्चा के लिए काम में लिया जाता है। इसके उदाहरण हैं “यहोवा का वर्ष” या “अकाल के वर्ष” या “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष”। ऐसे संदर्भों में “वर्ष” का अनुवाद “समय” या “ऋतु” या “समय का अन्तराल” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महीने)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:31-33
- प्रे.का. 19:8-10
- दानिय्येल 08:1-2
- निर्गमन 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

वर्ष, वर्षों

परिभाषा:

बाइबल में "वर्ष" का वास्तविक अर्थ था 354 दिनों का समय। यह वर्ष चंद्र कैलेण्डर के अनुसार था जब चांद पृथ्वी की एक परिक्रमा कर लेता है।

- आज का वर्ष सौर कैलेण्डर के अनुसार 365 दिन का होता है और बारह महीने होते हैं, यह समय पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा का समय है।
- दोनों ही कैलेण्डरों में वर्ष के बारह महीने हैं। चंद्र कैलेण्डर के वर्ष में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस तथ्य की पूर्ति के लिए है कि चांद्र वर्ष सौर वर्ष से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को समानान्तर रखने में सहायता मिलती है।
- बाइबल में वर्षों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो किसी घटना के लिए समय की सामान्य चर्चा के लिए काम में लिया जाता है। इसके उदाहरण हैं "यहोवा का वर्ष" या "अकाल के वर्ष" या "यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष"। ऐसे संदर्भों में "वर्ष" का अनुवाद "समय" या "ऋतु" या "समय का अन्तराल" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महीने)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:31-33
- प्रे.का. 19:8-10
- दानिय्येल 08:1-2
- निर्गमन 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

वर्ष, वर्षों

परिभाषा:

बाइबल में "वर्ष" का वास्तविक अर्थ था 354 दिनों का समय। यह वर्ष चंद्र कैलेण्डर के अनुसार था जब चांद पृथ्वी की एक परिक्रमा कर लेता है।

- आज का वर्ष सौर कैलेण्डर के अनुसार 365 दिन का होता है और बारह महीने होते हैं, यह समय पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा का समय है।
- दोनों ही कैलेण्डरों में वर्ष के बारह महीने हैं। चंद्र कैलेण्डर के वर्ष में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस तथ्य की पूर्ति के लिए है कि चांद्र वर्ष सौर वर्ष से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को समानान्तर रखने में सहायता मिलती है।
- बाइबल में वर्षों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो किसी घटना के लिए समय की सामान्य चर्चा के लिए काम में लिया जाता है। इसके उदाहरण हैं "यहोवा का वर्ष" या "अकाल के वर्ष" या "यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष"। ऐसे संदर्भों में "वर्ष" का अनुवाद "समय" या "ऋतु" या "समय का अन्तराल" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महीने)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:31-33
- प्रे.का. 19:8-10
- दानिय्येल 08:1-2
- निर्गमन 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

वर्ष, वर्षों

परिभाषा:

बाइबल में “वर्ष” का वास्तविक अर्थ था 354 दिनों का समय। यह वर्ष चंद्र कैलेण्डर के अनुसार था जब चांद पृथ्वी की एक परिक्रमा कर लेता है।

- आज का वर्ष सौर कैलेण्डर के अनुसार 365 दिन का होता है और बारह महीने होते हैं, यह समय पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा का समय है।
- दोनों ही कैलेण्डरों में वर्ष के बारह महीने हैं। चंद्र कैलेण्डर के वर्ष में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस तथ्य की पूर्ति के लिए है कि चांद्र वर्ष सौर वर्ष से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को समानान्तर रखने में सहायता मिलती है।
- बाइबल में वर्षों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो किसी घटना के लिए समय की सामान्य चर्चा के लिए काम में लिया जाता है। इसके उदाहरण हैं “यहोवा का वर्ष” या “अकाल के वर्ष” या “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष”। ऐसे संदर्भों में “वर्ष” का अनुवाद “समय” या “ऋतु” या “समय का अन्तराल” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महीने)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:31-33
- प्रे.का. 19:8-10
- दानिय्येल 08:1-2
- निर्गमन 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

वर्ष, वर्षों

परिभाषा:

बाइबल में “वर्ष” का वास्तविक अर्थ था 354 दिनों का समय। यह वर्ष चंद्र कैलेण्डर के अनुसार था जब चांद पृथ्वी की एक परिक्रमा कर लेता है।

- आज का वर्ष सौर कैलेण्डर के अनुसार 365 दिन का होता है और बारह महीने होते हैं, यह समय पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा का समय है।
- दोनों ही कैलेण्डरों में वर्ष के बारह महीने हैं। चंद्र कैलेण्डर के वर्ष में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस तथ्य की पूर्ति के लिए है कि चांद्र वर्ष सौर वर्ष से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को समानान्तर रखने में सहायता मिलती है।
- बाइबल में वर्षों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो किसी घटना के लिए समय की सामान्य चर्चा के लिए काम में लिया जाता है। इसके उदाहरण हैं “यहोवा का वर्ष” या “अकाल के वर्ष” या “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष”। ऐसे संदर्भों में “वर्ष” का अनुवाद “समय” या “ऋतु” या “समय का अन्तराल” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महीने)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:31-33
- प्रे.का. 19:8-10
- दानिय्येल 08:1-2
- निर्गमन 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

वर्ष, वर्षों

परिभाषा:

बाइबल में “वर्ष” का वास्तविक अर्थ था 354 दिनों का समय। यह वर्ष चंद्र कैलेण्डर के अनुसार था जब चांद पृथ्वी की एक परिक्रमा कर लेता है।

- आज का वर्ष सौर कैलेण्डर के अनुसार 365 दिन का होता है और बारह महीने होते हैं, यह समय पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा का समय है।
- दोनों ही कैलेण्डरों में वर्ष के बारह महीने हैं। चंद्र कैलेण्डर के वर्ष में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस तथ्य की पूर्ति के लिए है कि चांद्र वर्ष सौर वर्ष से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को समानान्तर रखने में सहायता मिलती है।
- बाइबल में वर्षों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो किसी घटना के लिए समय की सामान्य चर्चा के लिए काम में लिया जाता है। इसके उदाहरण हैं “यहोवा का वर्ष” या “अकाल के वर्ष” या “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष”। ऐसे संदर्भों में “वर्ष” का अनुवाद “समय” या “ऋतु” या “समय का अन्तराल” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महीने)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:31-33
- प्रे.का. 19:8-10
- दानिय्येल 08:1-2
- निर्गमन 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

वर्ष, वर्षों

परिभाषा:

बाइबल में “वर्ष” का वास्तविक अर्थ था 354 दिनों का समय। यह वर्ष चंद्र कैलेण्डर के अनुसार था जब चांद पृथ्वी की एक परिक्रमा कर लेता है।

- आज का वर्ष सौर कैलेण्डर के अनुसार 365 दिन का होता है और बारह महीने होते हैं, यह समय पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा का समय है।
- दोनों ही कैलेण्डरों में वर्ष के बारह महीने हैं। चंद्र कैलेण्डर के वर्ष में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस तथ्य की पूर्ति के लिए है कि चांद्र वर्ष सौर वर्ष से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को समानान्तर रखने में सहायता मिलती है।
- बाइबल में वर्षों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो किसी घटना के लिए समय की सामान्य चर्चा के लिए काम में लिया जाता है। इसके उदाहरण हैं “यहोवा का वर्ष” या “अकाल के वर्ष” या “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष”। ऐसे संदर्भों में “वर्ष” का अनुवाद “समय” या “ऋतु” या “समय का अन्तराल” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महीने)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:31-33
- प्रे.का. 19:8-10
- दानिय्येल 08:1-2
- निर्गमन 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

वर्ष, वर्षों

परिभाषा:

बाइबल में “वर्ष” का वास्तविक अर्थ था 354 दिनों का समय। यह वर्ष चंद्र कैलेण्डर के अनुसार था जब चांद पृथ्वी की एक परिक्रमा कर लेता है।

- आज का वर्ष सौर कैलेण्डर के अनुसार 365 दिन का होता है और बारह महीने होते हैं, यह समय पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा का समय है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- दोनों ही कैलेण्डरों में वर्ष के बारह महीने हैं। चंद्र कैलेण्डर के वर्ष में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस तथ्य की पूर्ति के लिए है कि चांद्र वर्ष सौर वर्ष से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को समानान्तर रखने में सहायता मिलती है।
- बाइबल में वर्षों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो किसी घटना के लिए समय की सामान्य चर्चा के लिए काम में लिया जाता है। इसके उदाहरण हैं “यहोवा का वर्ष” या “अकाल के वर्ष” या “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष”। ऐसे संदर्भों में “वर्ष” का अनुवाद “समय” या “ऋतु” या “समय का अन्तराल” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महीने)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:31-33
- प्रे.का. 19:8-10
- दानिय्येल 08:1-2
- निर्गमन 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

वर्ष, वर्षों

परिभाषा:

बाइबल में “वर्ष” का वास्तविक अर्थ था 354 दिनों का समय। यह वर्ष चंद्र कैलेण्डर के अनुसार था जब चांद पृथ्वी की एक परिक्रमा कर लेता है।

- आज का वर्ष सौर कैलेण्डर के अनुसार 365 दिन का होता है और बारह महीने होते हैं, यह समय पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा का समय है।
- दोनों ही कैलेण्डरों में वर्ष के बारह महीने हैं। चंद्र कैलेण्डर के वर्ष में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस तथ्य की पूर्ति के लिए है कि चांद्र वर्ष सौर वर्ष से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को समानान्तर रखने में सहायता मिलती है।
- बाइबल में वर्षों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो किसी घटना के लिए समय की सामान्य चर्चा के लिए काम में लिया जाता है। इसके उदाहरण हैं “यहोवा का वर्ष” या “अकाल के वर्ष” या “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष”। ऐसे संदर्भों में “वर्ष” का अनुवाद “समय” या “ऋतु” या “समय का अन्तराल” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महीने)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:31-33
- प्रे.का. 19:8-10
- दानिय्येल 08:1-2
- निर्गमन 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

वर्ष, वर्षों

परिभाषा:

बाइबल में “वर्ष” का वास्तविक अर्थ था 354 दिनों का समय। यह वर्ष चंद्र कैलेण्डर के अनुसार था जब चांद पृथ्वी की एक परिक्रमा कर लेता है।

- आज का वर्ष सौर कैलेण्डर के अनुसार 365 दिन का होता है और बारह महीने होते हैं, यह समय पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा का समय है।
- दोनों ही कैलेण्डरों में वर्ष के बारह महीने हैं। चंद्र कैलेण्डर के वर्ष में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस तथ्य की पूर्ति के लिए है कि चांद्र वर्ष सौर वर्ष से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को समानान्तर रखने में सहायता मिलती है।
- बाइबल में वर्षों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो किसी घटना के लिए समय की सामान्य चर्चा के लिए काम में लिया जाता है। इसके उदाहरण हैं “यहोवा का वर्ष” या “अकाल के वर्ष” या “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष”। ऐसे संदर्भों में “वर्ष” का अनुवाद “समय” या “ऋतु” या “समय का अन्तराल” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महीने)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:31-33
- प्रे.का. 19:8-10
- दानिय्येल 08:1-2
- निर्गमन 12:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

वाचा, वाचाओं

परिभाषा:

बाइबल में, "वाचा" शब्द दो पक्षों के बीच एक औपचारिक, वाचा एक विधिवत बन्धक समझौता है जिसे दोनों पक्षों को निभाना होता है।

- यह समझौता दो मनुष्यों, दो जन समूहों में या परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य हो सकता है।
- मनुष्य जब एक दूसरे के साथ वाचा बांधते हैं तब वे कुछ प्रतिज्ञाएं करते हैं और उनका पूरा करना अनिवार्य होता है।
- मनुष्यों के मध्य वाचा के उदाहरण हैं, विवाह, व्यापारिक समझौते तथा देशों के मध्य संधि।
- संपूर्ण बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ अनेक वाचाएं बांधी हैं।
- कुछ वाचाओं में परमेश्वर ने बिना शर्त अपनी भूमिका निभाने की प्रतिज्ञा की है। * उदाहरणार्थ जब परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ बाचा बांधी थी कि वह पृथ्वी को जल प्रलय से कभी नष्ट नहीं करेगा तो उसमें मनुष्यों की कोई भूमिका नहीं थी।
- अन्य वाचाओं में परमेश्वर ने अपनी भूमिका निभाने की शर्तें रखी थी कि मनुष्य आज्ञाओं को मानें और अपना कर्तव्य निभाएं।

शब्द "नई वाचा" परमेश्वर, अपने पुत्र, यीशु के बलिदान के माध्यम से अपने लोगों के साथ की गई प्रतिबद्धता या समझौते को दर्शाता है।

- परमेश्वर के "नई वाचा" को बाइबल के भाग में समझाया गया जिसे "नया नियम" कहा जाता है।
- यह नई वाचा “पुराने” या “पूर्व” वाचा के विपरीत है जिसे परमेश्वर ने पुराने नियम के समय में इस्राएलियों के साथ बांधी थी।
- नई वाचा पुराने की तुलना में उत्तम है क्योंकि यह यीशु के बलिदान पर आधारित है, जो पूर्णरूप से लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित करता है। पुरानी वाचा के अधीन किए गए बलिदानों ने ऐसा नहीं किया।
- परमेश्वर यीशु पर विश्वास करने वालों के हृदयों पर नई वाचा लिखते हैं। इससे उन्हें परमेश्वर की आज्ञा मानना और पवित्र जीवन जीना शुरू करना पड़ता है।
- नई वाचा पूरी तरह से अंत के समय में पूरी होगी जब परमेश्वर पृथ्वी पर अपना शासन स्थापित करते हैं। सब कुछ एक बार फिर से बहुत अच्छा होगा, जैसा कि परमेश्वर ने पहली बार दुनिया को बनाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बन्धक समझौता” या “विधिवत समर्पण” या “अनुबन्ध” या “वचनबद्धता”।
- कुछ भाषाओं में वाचा बांधने की एकपक्षीय या द्विपक्षीय प्रतिज्ञाओं के अनुसार अलग-अलग शब्द होते हैं। यदि वाचा एक पक्षीय है तो इसका अनुवाद “प्रतिज्ञा” या “प्रण” हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न सुनाई दे कि मनुष्यों ने वाचा को प्रस्तावित किया है। परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य सब वाचाओं में परमेश्वर ही वाचा का प्रतिपादक है।
- "नई वाचा" शब्द का अनुवाद "नए औपचारिक समझौते" या "नए समझौते" या "नए अनुबंध" के रूप में किया जा सकता है।
- इन अभिव्यक्तियों में "नया" शब्द का अर्थ "ताजा" या "नए प्रकार का" या "दूसरा" है।

(यह भी देखें: नई वाचा, प्रतिज्ञा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:11-12
- 2 शमूएल 23:5
- प्रे.का. 07:6-8
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 03:17-18
- उत्पत्ति 09:11-13
- उत्पत्ति 17:7-8
- उत्पत्ति 31:43-44
- यहोशू 24:24-26

- लूका 01:72-75
- मरकुस 14:22-25

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:09** फिर परमेश्वर ने अब्राम के साथ एक वाचा बांधी। वाचा दो दलों के बीच एक सहमति होती है।
- **05:04** “मैं इश्माएल को भी एक बड़ी जाति बनाऊंगा, लेकिन मेरी वाचा इसहाक साथ होगी।”
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।”
- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।”
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे।
- **21:05** भविष्यवक्ता यिर्मयाह के माध्यम से, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा का निर्माण करेगा, लेकिन सिनाई में इस्राएल के साथ की गई वाचा की तरह नहीं। नई वाचा में, परमेश्वर लोगों के दिलों पर अपना नियम लिखेगा, लोग परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानेंगे, वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर उनके पापों को क्षमा करेगा। मसीहा नई वाचा शुरू करेगा।
- **21:14** मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, परमेश्वर पापियों को बचाने और नई वाचा शुरू करने की अपनी योजना को पूरा करेगा।
- **38:05** तब यीशु ने एक प्याला लिया और कहा, “इसे पी लो। यह मेरी नई वाचा का लहू है जो पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है। इसे पी कर हर बार मुझे याद करने के लिए करें।”
- **48:11** लेकिन परमेश्वर ने अब एक नई वाचा बाँधी है जो सभी के लिए उपलब्ध है। इस नई वाचा के कारण, किसी भी समूह का कोई भी व्यक्ति यीशु पर विश्वास करके परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बन सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1285, H2319, H3772, G802, G1242, G4934

वाचा, वाचाओं

परिभाषा:

बाइबल में, "वाचा" शब्द दो पक्षों के बीच एक औपचारिक, वाचा एक विधिवत बन्धक समझौता है जिसे दोनों पक्षों को निभाना होता है।

- यह समझौता दो मनुष्यों, दो जन समूहों में या परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य हो सकता है।
- मनुष्य जब एक दूसरे के साथ वाचा बांधते हैं तब वे कुछ प्रतिज्ञाएं करते हैं और उनका पूरा करना अनिवार्य होता है।
- मनुष्यों के मध्य वाचा के उदाहरण हैं, विवाह, व्यापारिक समझौते तथा देशों के मध्य संधि।
- संपूर्ण बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ अनेक वाचाएं बांधी हैं।
- कुछ वाचाओं में परमेश्वर ने बिना शर्त अपनी भूमिका निभाने की प्रतिज्ञा की है। * उदाहरणार्थ जब परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ बाचा बांधी थी कि वह पृथ्वी को जल प्रलय से कभी नष्ट नहीं करेगा तो उसमें मनुष्यों की कोई भूमिका नहीं थी।
- अन्य वाचाओं में परमेश्वर ने अपनी भूमिका निभाने की शर्तें रखी थी कि मनुष्य आज्ञाओं को मानें और अपना कर्तव्य निभाएं।

शब्द "नई वाचा" परमेश्वर, अपने पुत्र, यीशु के बलिदान के माध्यम से अपने लोगों के साथ की गई प्रतिबद्धता या समझौते को दर्शाता है।

- परमेश्वर के "नई वाचा" को बाइबल के भाग में समझाया गया जिसे "नया नियम" कहा जाता है।
- यह नई वाचा “पुराने” या “पूर्व” वाचा के विपरीत है जिसे परमेश्वर ने पुराने नियम के समय में इस्राएलियों के साथ बांधी थी।
- नई वाचा पुराने की तुलना में उत्तम है क्योंकि यह यीशु के बलिदान पर आधारित है, जो पूर्णरूप से लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित करता है। पुरानी वाचा के अधीन किए गए बलिदानों ने ऐसा नहीं किया।
- परमेश्वर यीशु पर विश्वास करने वालों के हृदयों पर नई वाचा लिखते हैं। इससे उन्हें परमेश्वर की आज्ञा मानना और पवित्र जीवन जीना शुरू करना पड़ता है।
- नई वाचा पूरी तरह से अंत के समय में पूरी होगी जब परमेश्वर पृथ्वी पर अपना शासन स्थापित करते हैं। सब कुछ एक बार फिर से बहुत अच्छा होगा, जैसा कि परमेश्वर ने पहली बार दुनिया को बनाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बन्धक समझौता” या “विधिवत समर्पण” या “अनुबन्ध” या “वचनबद्धता”।
- कुछ भाषाओं में वाचा बांधने की एकपक्षीय या द्विपक्षीय प्रतिज्ञाओं के अनुसार अलग-अलग शब्द होते हैं। यदि वाचा एक पक्षीय है तो इसका अनुवाद “प्रतिज्ञा” या “प्रण” हो सकता है।

- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न सुनाई दे कि मनुष्यों ने वाचा को प्रस्तावित किया है। परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य सब वाचाओं में परमेश्वर ही वाचा का प्रतिपादक है।
- "नई वाचा" शब्द का अनुवाद "नए औपचारिक समझौते" या "नए समझौते" या "नए अनुबंध" के रूप में किया जा सकता है।
- इन अभिव्यक्तियों में "नया" शब्द का अर्थ "ताजा" या "नए प्रकार का" या "दूसरा" है।

(यह भी देखें: नई वाचा, प्रतिज्ञा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:11-12
- 2 शमूएल 23:5
- प्रे.का. 07:6-8
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 03:17-18
- उत्पत्ति 09:11-13
- उत्पत्ति 17:7-8
- उत्पत्ति 31:43-44
- यहोशू 24:24-26
- लूका 01:72-75
- मरकुस 14:22-25

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:09** फिर परमेश्वर ने अब्राम के साथ एक वाचा बांधी। वाचा दो दलों के बीच एक सहमति होती है।
- **05:04** "मैं इश्माएल को भी एक बड़ी जाति बनाऊंगा, लेकिन मेरी वाचा इसहाक साथ होगी।"
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।"
- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,"लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, "मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अर्थात् मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।"
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे।
- **21:05** भविष्यवक्ता यिर्मयाह के माध्यम से, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा का निर्माण करेगा, लेकिन सिनाई में इस्राएल के साथ की गई वाचा की तरह नहीं। नई वाचा में, परमेश्वर लोगों के दिलों पर अपना नियम लिखेगा, लोग परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानेंगे, वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर उनके पापों को क्षमा करेगा। मसीहा नई वाचा शुरू करेगा।
- **21:14** मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, परमेश्वर पापियों को बचाने और नई वाचा शुरू करने की अपनी योजना को पूरा करेगा।
- **38:05** तब यीशु ने एक प्याला लिया और कहा, "इसे पी लो। यह मेरी नई वाचा का लहू है जो पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है। इसे पी कर हर बार मुझे याद करने के लिए करें।"
- **48:11** लेकिन परमेश्वर ने अब एक नई वाचा बाँधी है जो सभी के लिए उपलब्ध है। इस नई वाचा के कारण, किसी भी समूह का कोई भी व्यक्ति यीशु पर विश्वास करके परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बन सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1285, H2319, H3772, G802, G1242, G4934

वाचा, वाचाओं

परिभाषा:

बाइबल में, "वाचा" शब्द दो पक्षों के बीच एक औपचारिक, वाचा एक विधिवत बन्धक समझौता है जिसे दोनों पक्षों को निभाना होता है।

- यह समझौता दो मनुष्यों, दो जन समूहों में या परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य हो सकता है।
- मनुष्य जब एक दूसरे के साथ वाचा बांधते हैं तब वे कुछ प्रतिज्ञाएं करते हैं और उनका पूरा करना अनिवार्य होता है।
- मनुष्यों के मध्य वाचा के उदाहरण हैं, विवाह, व्यापारिक समझौते तथा देशों के मध्य संधि।
- संपूर्ण बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ अनेक वाचाएं बांधी हैं।
- कुछ वाचाओं में परमेश्वर ने बिना शर्त अपनी भूमिका निभाने की प्रतिज्ञा की है। * उदाहरणार्थ जब परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ बाचा बांधी थी कि वह पृथ्वी को जल प्रलय से कभी नष्ट नहीं करेगा तो उसमें मनुष्यों की कोई भूमिका नहीं थी।
- अन्य वाचाओं में परमेश्वर ने अपनी भूमिका निभाने की शर्तें रखी थी कि मनुष्य आज्ञाओं को मानें और अपना कर्तव्य निभाएं।

शब्द "नई वाचा" परमेश्वर, अपने पुत्र, यीशु के बलिदान के माध्यम से अपने लोगों के साथ की गई प्रतिबद्धता या समझौते को दर्शाता है।

- परमेश्वर के "नई वाचा" को बाइबल के भाग में समझाया गया जिसे "नया नियम" कहा जाता है।
- यह नई वाचा “पुराने” या “पूर्व” वाचा के विपरीत है जिसे परमेश्वर ने पुराने नियम के समय में इस्राएलियों के साथ बांधी थी।
- नई वाचा पुराने की तुलना में उत्तम है क्योंकि यह यीशु के बलिदान पर आधारित है, जो पूर्णरूप से लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित करता है। पुरानी वाचा के अधीन किए गए बलिदानों ने ऐसा नहीं किया।
- परमेश्वर यीशु पर विश्वास करने वालों के हृदयों पर नई वाचा लिखते हैं। इससे उन्हें परमेश्वर की आज्ञा मानना और पवित्र जीवन जीना शुरू करना पड़ता है।
- नई वाचा पूरी तरह से अंत के समय में पूरी होगी जब परमेश्वर पृथ्वी पर अपना शासन स्थापित करते हैं। सब कुछ एक बार फिर से बहुत अच्छा होगा, जैसा कि परमेश्वर ने पहली बार दुनिया को बनाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बन्धक समझौता” या “विधिवत समर्पण” या “अनुबन्ध” या “वचनबद्धता”।
- कुछ भाषाओं में वाचा बांधने की एकपक्षीय या द्विपक्षीय प्रतिज्ञाओं के अनुसार अलग-अलग शब्द होते हैं। यदि वाचा एक पक्षीय है तो इसका अनुवाद “प्रतिज्ञा” या “प्रण” हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न सुनाई दे कि मनुष्यों ने वाचा को प्रस्तावित किया है। परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य सब वाचाओं में परमेश्वर ही वाचा का प्रतिपादक है।
- "नई वाचा" शब्द का अनुवाद "नए औपचारिक समझौते" या "नए समझौते" या "नए अनुबंध" के रूप में किया जा सकता है।
- इन अभिव्यक्तियों में "नया" शब्द का अर्थ "ताजा" या "नए प्रकार का" या "दूसरा" है।

(यह भी देखें: नई वाचा, प्रतिज्ञा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:11-12
- 2 शमूएल 23:5
- प्रे.का. 07:6-8
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 03:17-18
- उत्पत्ति 09:11-13
- उत्पत्ति 17:7-8
- उत्पत्ति 31:43-44
- यहोशू 24:24-26
- लूका 01:72-75
- मरकुस 14:22-25

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:09** फिर परमेश्वर ने अब्राम के साथ एक वाचा बांधी। वाचा दो दलों के बीच एक सहमति होती है।
- **05:04** “मैं इश्माएल को भी एक बड़ी जाति बनाऊंगा, लेकिन मेरी वाचा इसहाक साथ होगी।”
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।”
- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।”
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे।
- **21:05** भविष्यवक्ता यिर्मयाह के माध्यम से, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा का निर्माण करेगा, लेकिन सिनाई में इस्राएल के साथ की गई वाचा की तरह नहीं। नई वाचा में, परमेश्वर लोगों के दिलों पर अपना नियम लिखेगा, लोग परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानेंगे, वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर उनके पापों को क्षमा करेगा। मसीहा नई वाचा शुरू करेगा।
- **21:14** मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, परमेश्वर पापियों को बचाने और नई वाचा शुरू करने की अपनी योजना को पूरा करेगा।
- **38:05** तब यीशु ने एक प्याला लिया और कहा, “इसे पी लो। यह मेरी नई वाचा का लहू है जो पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है। इसे पी कर हर बार मुझे याद करने के लिए करें।”
- **48:11** लेकिन परमेश्वर ने अब एक नई वाचा बाँधी है जो सभी के लिए उपलब्ध है। इस नई वाचा के कारण, किसी भी समूह का कोई भी व्यक्ति यीशु पर विश्वास करके परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बन सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1285, H2319, H3772, G802, G1242, G4934

वाचा, वाचाओं

परिभाषा:

बाइबल में, "वाचा" शब्द दो पक्षों के बीच एक औपचारिक, वाचा एक विधिवत बन्धक समझौता है जिसे दोनों पक्षों को निभाना होता है।

- यह समझौता दो मनुष्यों, दो जन समूहों में या परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य हो सकता है।
- मनुष्य जब एक दूसरे के साथ वाचा बांधते हैं तब वे कुछ प्रतिज्ञाएं करते हैं और उनका पूरा करना अनिवार्य होता है।
- मनुष्यों के मध्य वाचा के उदाहरण हैं, विवाह, व्यापारिक समझौते तथा देशों के मध्य संधि।
- संपूर्ण बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ अनेक वाचाएं बांधी हैं।
- कुछ वाचाओं में परमेश्वर ने बिना शर्त अपनी भूमिका निभाने की प्रतिज्ञा की है। * उदाहरणार्थ जब परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ बाचा बांधी थी कि वह पृथ्वी को जल प्रलय से कभी नष्ट नहीं करेगा तो उसमें मनुष्यों की कोई भूमिका नहीं थी।
- अन्य वाचाओं में परमेश्वर ने अपनी भूमिका निभाने की शर्तें रखी थी कि मनुष्य आज्ञाओं को मानें और अपना कर्तव्य निभाएं।

शब्द "नई वाचा" परमेश्वर, अपने पुत्र, यीशु के बलिदान के माध्यम से अपने लोगों के साथ की गई प्रतिबद्धता या समझौते को दर्शाता है।

- परमेश्वर के "नई वाचा" को बाइबल के भाग में समझाया गया जिसे "नया नियम" कहा जाता है।
- यह नई वाचा “पुराने” या “पूर्व” वाचा के विपरीत है जिसे परमेश्वर ने पुराने नियम के समय में इस्राएलियों के साथ बांधी थी।
- नई वाचा पुराने की तुलना में उत्तम है क्योंकि यह यीशु के बलिदान पर आधारित है, जो पूर्णरूप से लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित करता है। पुरानी वाचा के अधीन किए गए बलिदानों ने ऐसा नहीं किया।
- परमेश्वर यीशु पर विश्वास करने वालों के हृदयों पर नई वाचा लिखते हैं। इससे उन्हें परमेश्वर की आज्ञा मानना और पवित्र जीवन जीना शुरू करना पड़ता है।
- नई वाचा पूरी तरह से अंत के समय में पूरी होगी जब परमेश्वर पृथ्वी पर अपना शासन स्थापित करते हैं। सब कुछ एक बार फिर से बहुत अच्छा होगा, जैसा कि परमेश्वर ने पहली बार दुनिया को बनाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बन्धक समझौता” या “विधिवत समर्पण” या “अनुबन्ध” या “वचनबद्धता”।
- कुछ भाषाओं में वाचा बांधने की एकपक्षीय या द्विपक्षीय प्रतिज्ञाओं के अनुसार अलग-अलग शब्द होते हैं। यदि वाचा एक पक्षीय है तो इसका अनुवाद “प्रतिज्ञा” या “प्रण” हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न सुनाई दे कि मनुष्यों ने वाचा को प्रस्तावित किया है। परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य सब वाचाओं में परमेश्वर ही वाचा का प्रतिपादक है।
- "नई वाचा" शब्द का अनुवाद "नए औपचारिक समझौते" या "नए समझौते" या "नए अनुबंध" के रूप में किया जा सकता है।
- इन अभिव्यक्तियों में "नया" शब्द का अर्थ "ताजा" या "नए प्रकार का" या "दूसरा" है।

(यह भी देखें: नई वाचा, प्रतिज्ञा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:11-12
- 2 शमूएल 23:5
- प्रे.का. 07:6-8
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 03:17-18
- उत्पत्ति 09:11-13
- उत्पत्ति 17:7-8
- उत्पत्ति 31:43-44
- यहोशू 24:24-26
- लूका 01:72-75
- मरकुस 14:22-25

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:09** फिर परमेश्वर ने अब्राम के साथ एक वाचा बांधी। वाचा दो दलों के बीच एक सहमति होती है।
- **05:04** “मैं इश्माएल को भी एक बड़ी जाति बनाऊंगा, लेकिन मेरी वाचा इसहाक साथ होगी।”

- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।"
- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,"लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।"
- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, "मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अर्थात् मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।"
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे।
- **21:05** भविष्यवक्ता यिर्मयाह के माध्यम से, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा का निर्माण करेगा, लेकिन सिनाई में इस्राएल के साथ की गई वाचा की तरह नहीं। नई वाचा में, परमेश्वर लोगों के दिलों पर अपना नियम लिखेगा, लोग परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानेंगे, वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर उनके पापों को क्षमा करेगा। मसीहा नई वाचा शुरू करेगा।
- **21:14** मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, परमेश्वर पापियों को बचाने और नई वाचा शुरू करने की अपनी योजना को पूरा करेगा।
- **38:05** तब यीशु ने एक प्याला लिया और कहा, "इसे पी लो। यह मेरी नई वाचा का लहू है जो पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है। इसे पी कर हर बार मुझे याद करने के लिए करें।"
- **48:11** लेकिन परमेश्वर ने अब एक नई वाचा बाँधी है जो सभी के लिए उपलब्ध है। इस नई वाचा के कारण, किसी भी समूह का कोई भी व्यक्ति यीशु पर विश्वास करके परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बन सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1285, H2319, H3772, G802, G1242, G4934

वाचा, वाचाओं

परिभाषा:

बाइबल में, "वाचा" शब्द दो पक्षों के बीच एक औपचारिक, वाचा एक विधिवत बन्धक समझौता है जिसे दोनों पक्षों को निभाना होता है।

- यह समझौता दो मनुष्यों, दो जन समूहों में या परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य हो सकता है।
- मनुष्य जब एक दूसरे के साथ वाचा बांधते हैं तब वे कुछ प्रतिज्ञाएं करते हैं और उनका पूरा करना अनिवार्य होता है।
- मनुष्यों के मध्य वाचा के उदाहरण हैं, विवाह, व्यापारिक समझौते तथा देशों के मध्य संधि।
- संपूर्ण बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ अनेक वाचाएं बांधी हैं।
- कुछ वाचाओं में परमेश्वर ने बिना शर्त अपनी भूमिका निभाने की प्रतिज्ञा की है। * उदाहरणार्थ जब परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ बाचा बांधी थी कि वह पृथ्वी को जल प्रलय से कभी नष्ट नहीं करेगा तो उसमें मनुष्यों की कोई भूमिका नहीं थी।
- अन्य वाचाओं में परमेश्वर ने अपनी भूमिका निभाने की शर्तें रखी थी कि मनुष्य आज्ञाओं को मानें और अपना कर्तव्य निभाएं।

शब्द "नई वाचा" परमेश्वर, अपने पुत्र, यीशु के बलिदान के माध्यम से अपने लोगों के साथ की गई प्रतिबद्धता या समझौते को दर्शाता है।

- परमेश्वर के "नई वाचा" को बाइबल के भाग में समझाया गया जिसे "नया नियम" कहा जाता है।
- यह नई वाचा "पुराने" या "पूर्व" वाचा के विपरीत है जिसे परमेश्वर ने पुराने नियम के समय में इस्राएलियों के साथ बांधी थी।
- नई वाचा पुराने की तुलना में उत्तम है क्योंकि यह यीशु के बलिदान पर आधारित है, जो पूर्णरूप से लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित करता है। पुरानी वाचा के अधीन किए गए बलिदानों ने ऐसा नहीं किया।
- परमेश्वर यीशु पर विश्वास करने वालों के हृदयों पर नई वाचा लिखते हैं। इससे उन्हें परमेश्वर की आज्ञा मानना और पवित्र जीवन जीना शुरू करना पड़ता है।
- नई वाचा पूरी तरह से अंत के समय में पूरी होगी जब परमेश्वर पृथ्वी पर अपना शासन स्थापित करते हैं। सब कुछ एक बार फिर से बहुत अच्छा होगा, जैसा कि परमेश्वर ने पहली बार दुनिया को बनाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बन्धक समझौता" या "विधिवत समर्पण" या "अनुबन्ध" या "वचनबद्धता"।
- कुछ भाषाओं में वाचा बांधने की एकपक्षीय या द्विपक्षीय प्रतिज्ञाओं के अनुसार अलग-अलग शब्द होते हैं। यदि वाचा एक पक्षीय है तो इसका अनुवाद "प्रतिज्ञा" या "प्रण" हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न सुनाई दे कि मनुष्यों ने वाचा को प्रस्तावित किया है। परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य सब वाचाओं में परमेश्वर ही वाचा का प्रतिपादक है।
- "नई वाचा" शब्द का अनुवाद "नए औपचारिक समझौते" या "नए समझौते" या "नए अनुबंध" के रूप में किया जा सकता है।
- इन अभिव्यक्तियों में "नया" शब्द का अर्थ "ताजा" या "नए प्रकार का" या "दूसरा" है।

(यह भी देखें: नई वाचा, प्रतिज्ञा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:11-12
- 2 शमूएल 23:5
- प्रे.का. 07:6-8
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 03:17-18
- उत्पत्ति 09:11-13
- उत्पत्ति 17:7-8
- उत्पत्ति 31:43-44
- यहोशू 24:24-26
- लूका 01:72-75
- मरकुस 14:22-25

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:09** फिर परमेश्वर ने अब्राम के साथ एक वाचा बांधी। वाचा दो दलों के बीच एक सहमति होती है।
- **05:04** “मैं इश्माएल को भी एक बड़ी जाति बनाऊंगा, लेकिन मेरी वाचा इसहाक साथ होगी।”
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।”
- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।”
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे।
- **21:05** भविष्यवक्ता यिर्मयाह के माध्यम से, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा का निर्माण करेगा, लेकिन सिनाई में इस्राएल के साथ की गई वाचा की तरह नहीं। नई वाचा में, परमेश्वर लोगों के दिलों पर अपना नियम लिखेगा, लोग परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानेंगे, वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर उनके पापों को क्षमा करेगा। मसीहा नई वाचा शुरू करेगा।
- **21:14** मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, परमेश्वर पापियों को बचाने और नई वाचा शुरू करने की अपनी योजना को पूरा करेगा।
- **38:05** तब यीशु ने एक प्याला लिया और कहा, “इसे पी लो। यह मेरी नई वाचा का लहू है जो पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है। इसे पी कर हर बार मुझे याद करने के लिए करें।”
- **48:11** लेकिन परमेश्वर ने अब एक नई वाचा बाँधी है जो सभी के लिए उपलब्ध है। इस नई वाचा के कारण, किसी भी समूह का कोई भी व्यक्ति यीशु पर विश्वास करके परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बन सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1285, H2319, H3772, G802, G1242, G4934

वाचा, वाचाओं

परिभाषा:

बाइबल में, "वाचा" शब्द दो पक्षों के बीच एक औपचारिक, वाचा एक विधिवत बन्धक समझौता है जिसे दोनों पक्षों को निभाना होता है।

- यह समझौता दो मनुष्यों, दो जन समूहों में या परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य हो सकता है।
- मनुष्य जब एक दूसरे के साथ वाचा बांधते हैं तब वे कुछ प्रतिज्ञाएं करते हैं और उनका पूरा करना अनिवार्य होता है।
- मनुष्यों के मध्य वाचा के उदाहरण हैं, विवाह, व्यापारिक समझौते तथा देशों के मध्य संधि।
- संपूर्ण बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ अनेक वाचाएं बांधी हैं।
- कुछ वाचाओं में परमेश्वर ने बिना शर्त अपनी भूमिका निभाने की प्रतिज्ञा की है। * उदाहरणार्थ जब परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ बाचा बांधी थी कि वह पृथ्वी को जल प्रलय से कभी नष्ट नहीं करेगा तो उसमें मनुष्यों की कोई भूमिका नहीं थी।
- अन्य वाचाओं में परमेश्वर ने अपनी भूमिका निभाने की शर्तें रखी थी कि मनुष्य आज्ञाओं को मानें और अपना कर्तव्य निभाएं।

शब्द "नई वाचा" परमेश्वर, अपने पुत्र, यीशु के बलिदान के माध्यम से अपने लोगों के साथ की गई प्रतिबद्धता या समझौते को दर्शाता है।

- परमेश्वर के "नई वाचा" को बाइबल के भाग में समझाया गया जिसे "नया नियम" कहा जाता है।
- यह नई वाचा “पुराने” या “पूर्व” वाचा के विपरीत है जिसे परमेश्वर ने पुराने नियम के समय में इस्राएलियों के साथ बांधी थी।
- नई वाचा पुराने की तुलना में उत्तम है क्योंकि यह यीशु के बलिदान पर आधारित है, जो पूर्णरूप से लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित करता है। पुरानी वाचा के अधीन किए गए बलिदानों ने ऐसा नहीं किया।

- परमेश्वर यीशु पर विश्वास करने वालों के हृदयों पर नई वाचा लिखते हैं। इससे उन्हें परमेश्वर की आज्ञा मानना और पवित्र जीवन जीना शुरू करना पड़ता है।
- नई वाचा पूरी तरह से अंत के समय में पूरी होगी जब परमेश्वर पृथ्वी पर अपना शासन स्थापित करते हैं। सब कुछ एक बार फिर से बहुत अच्छा होगा, जैसा कि परमेश्वर ने पहली बार दुनिया को बनाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बन्धक समझौता” या “विधिवत समर्पण” या “अनुबन्ध” या “वचनबद्धता”।
- कुछ भाषाओं में वाचा बांधने की एकपक्षीय या द्विपक्षीय प्रतिज्ञाओं के अनुसार अलग-अलग शब्द होते हैं। यदि वाचा एक पक्षीय है तो इसका अनुवाद “प्रतिज्ञा” या “प्रण” हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न सुनाई दे कि मनुष्यों ने वाचा को प्रस्तावित किया है। परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य सब वाचाओं में परमेश्वर ही वाचा का प्रतिपादक है।
- "नई वाचा" शब्द का अनुवाद "नए औपचारिक समझौते" या "नए समझौते" या "नए अनुबंध" के रूप में किया जा सकता है।
- इन अभिव्यक्तियों में "नया" शब्द का अर्थ "ताजा" या "नए प्रकार का" या "दूसरा" है।

(यह भी देखें: नई वाचा, प्रतिज्ञा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:11-12
- 2 शमूएल 23:5
- प्रे.का. 07:6-8
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 03:17-18
- उत्पत्ति 09:11-13
- उत्पत्ति 17:7-8
- उत्पत्ति 31:43-44
- यहोशू 24:24-26
- लूका 01:72-75
- मरकुस 14:22-25

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:09** फिर परमेश्वर ने अब्राम के साथ एक वाचा बांधी। वाचा दो दलों के बीच एक सहमति होती है।
- **05:04** “मैं इश्माएल को भी एक बड़ी जाति बनाऊंगा, लेकिन मेरी वाचा इसहाक साथ होगी।”
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।”
- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अर्थात् मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।”
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे।
- **21:05** भविष्यवक्ता यिर्मयाह के माध्यम से, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा का निर्माण करेगा, लेकिन सिनाई में इस्राएल के साथ की गई वाचा की तरह नहीं। नई वाचा में, परमेश्वर लोगों के दिलों पर अपना नियम लिखेगा, लोग परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानेंगे, वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर उनके पापों को क्षमा करेगा। मसीहा नई वाचा शुरू करेगा।
- **21:14** मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, परमेश्वर पापियों को बचाने और नई वाचा शुरू करने की अपनी योजना को पूरा करेगा।
- **38:05** तब यीशु ने एक प्याला लिया और कहा, “इसे पी लो। यह मेरी नई वाचा का लहू है जो पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है। इसे पी कर हर बार मुझे याद करने के लिए करें।”
- **48:11** लेकिन परमेश्वर ने अब एक नई वाचा बाँधी है जो सभी के लिए उपलब्ध है। इस नई वाचा के कारण, किसी भी समूह का कोई भी व्यक्ति यीशु पर विश्वास करके परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बन सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1285, H2319, H3772, G802, G1242, G4934

वाचा, वाचाओं

परिभाषा:

बाइबल में, "वाचा" शब्द दो पक्षों के बीच एक औपचारिक, वाचा एक विधिवत बन्धक समझौता है जिसे दोनों पक्षों को निभाना होता है।

- यह समझौता दो मनुष्यों, दो जन समूहों में या परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य हो सकता है।
- मनुष्य जब एक दूसरे के साथ वाचा बांधते हैं तब वे कुछ प्रतिज्ञाएं करते हैं और उनका पूरा करना अनिवार्य होता है।
- मनुष्यों के मध्य वाचा के उदाहरण हैं, विवाह, व्यापारिक समझौते तथा देशों के मध्य संधि।
- संपूर्ण बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ अनेक वाचाएं बांधी हैं।
- कुछ वाचाओं में परमेश्वर ने बिना शर्त अपनी भूमिका निभाने की प्रतिज्ञा की है। * उदाहरणार्थ जब परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ बाचा बांधी थी कि वह पृथ्वी को जल प्रलय से कभी नष्ट नहीं करेगा तो उसमें मनुष्यों की कोई भूमिका नहीं थी।
- अन्य वाचाओं में परमेश्वर ने अपनी भूमिका निभाने की शर्तें रखी थी कि मनुष्य आज्ञाओं को मानें और अपना कर्तव्य निभाएं।

शब्द "नई वाचा" परमेश्वर, अपने पुत्र, यीशु के बलिदान के माध्यम से अपने लोगों के साथ की गई प्रतिबद्धता या समझौते को दर्शाता है।

- परमेश्वर के "नई वाचा" को बाइबल के भाग में समझाया गया जिसे "नया नियम" कहा जाता है।
- यह नई वाचा “पुराने” या “पूर्व” वाचा के विपरीत है जिसे परमेश्वर ने पुराने नियम के समय में इस्राएलियों के साथ बांधी थी।
- नई वाचा पुराने की तुलना में उत्तम है क्योंकि यह यीशु के बलिदान पर आधारित है, जो पूर्णरूप से लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित करता है। पुरानी वाचा के अधीन किए गए बलिदानों ने ऐसा नहीं किया।
- परमेश्वर यीशु पर विश्वास करने वालों के हृदयों पर नई वाचा लिखते हैं। इससे उन्हें परमेश्वर की आज्ञा मानना और पवित्र जीवन जीना शुरू करना पड़ता है।
- नई वाचा पूरी तरह से अंत के समय में पूरी होगी जब परमेश्वर पृथ्वी पर अपना शासन स्थापित करते हैं। सब कुछ एक बार फिर से बहुत अच्छा होगा, जैसा कि परमेश्वर ने पहली बार दुनिया को बनाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बन्धक समझौता” या “विधिवत समर्पण” या “अनुबन्ध” या “वचनबद्धता”।
- कुछ भाषाओं में वाचा बांधने की एकपक्षीय या द्विपक्षीय प्रतिज्ञाओं के अनुसार अलग-अलग शब्द होते हैं। यदि वाचा एक पक्षीय है तो इसका अनुवाद “प्रतिज्ञा” या “प्रण” हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न सुनाई दे कि मनुष्यों ने वाचा को प्रस्तावित किया है। परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य सब वाचाओं में परमेश्वर ही वाचा का प्रतिपादक है।
- "नई वाचा" शब्द का अनुवाद "नए औपचारिक समझौते" या "नए समझौते" या "नए अनुबंध" के रूप में किया जा सकता है।
- इन अभिव्यक्तियों में "नया" शब्द का अर्थ "ताजा" या "नए प्रकार का" या "दूसरा" है।

(यह भी देखें: नई वाचा, प्रतिज्ञा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:11-12
- 2 शमूएल 23:5
- प्रे.का. 07:6-8
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 03:17-18
- उत्पत्ति 09:11-13
- उत्पत्ति 17:7-8
- उत्पत्ति 31:43-44
- यहोशू 24:24-26
- लूका 01:72-75
- मरकुस 14:22-25

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:09** फिर परमेश्वर ने अब्राम के साथ एक वाचा बांधी। वाचा दो दलों के बीच एक सहमति होती है।
- **05:04** “मैं इश्माएल को भी एक बड़ी जाति बनाऊंगा, लेकिन मेरी वाचा इसहाक साथ होगी।”
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।”

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।”
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे।
- **21:05** भविष्यवक्ता यिर्मयाह के माध्यम से, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा का निर्माण करेगा, लेकिन सिनाई में इस्राएल के साथ की गई वाचा की तरह नहीं। नई वाचा में, परमेश्वर लोगों के दिलों पर अपना नियम लिखेगा, लोग परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानेंगे, वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर उनके पापों को क्षमा करेगा। मसीहा नई वाचा शुरू करेगा।
- **21:14** मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, परमेश्वर पापियों को बचाने और नई वाचा शुरू करने की अपनी योजना को पूरा करेगा।
- **38:05** तब यीशु ने एक प्याला लिया और कहा, “इसे पी लो। यह मेरी नई वाचा का लहू है जो पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है। इसे पी कर हर बार मुझे याद करने के लिए करें।”
- **48:11** लेकिन परमेश्वर ने अब एक नई वाचा बाँधी है जो सभी के लिए उपलब्ध है। इस नई वाचा के कारण, किसी भी समूह का कोई भी व्यक्ति यीशु पर विश्वास करके परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बन सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1285, H2319, H3772, G802, G1242, G4934

वाचा, वाचाओं

परिभाषा:

बाइबल में, "वाचा" शब्द दो पक्षों के बीच एक औपचारिक, वाचा एक विधिवत बन्धक समझौता है जिसे दोनों पक्षों को निभाना होता है।

- यह समझौता दो मनुष्यों, दो जन समूहों में या परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य हो सकता है।
- मनुष्य जब एक दूसरे के साथ वाचा बांधते हैं तब वे कुछ प्रतिज्ञाएं करते हैं और उनका पूरा करना अनिवार्य होता है।
- मनुष्यों के मध्य वाचा के उदाहरण हैं, विवाह, व्यापारिक समझौते तथा देशों के मध्य संधि।
- संपूर्ण बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ अनेक वाचाएं बांधी हैं।
- कुछ वाचाओं में परमेश्वर ने बिना शर्त अपनी भूमिका निभाने की प्रतिज्ञा की है। * उदाहरणार्थ जब परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ बाचा बांधी थी कि वह पृथ्वी को जल प्रलय से कभी नष्ट नहीं करेगा तो उसमें मनुष्यों की कोई भूमिका नहीं थी।
- अन्य वाचाओं में परमेश्वर ने अपनी भूमिका निभाने की शर्तें रखी थी कि मनुष्य आज्ञाओं को मानें और अपना कर्तव्य निभाएं।

शब्द "नई वाचा" परमेश्वर, अपने पुत्र, यीशु के बलिदान के माध्यम से अपने लोगों के साथ की गई प्रतिबद्धता या समझौते को दर्शाता है।

- परमेश्वर के "नई वाचा" को बाइबल के भाग में समझाया गया जिसे "नया नियम" कहा जाता है।
- यह नई वाचा “पुराने” या “पूर्व” वाचा के विपरीत है जिसे परमेश्वर ने पुराने नियम के समय में इस्राएलियों के साथ बांधी थी।
- नई वाचा पुराने की तुलना में उत्तम है क्योंकि यह यीशु के बलिदान पर आधारित है, जो पूर्णरूप से लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित करता है। पुरानी वाचा के अधीन किए गए बलिदानों ने ऐसा नहीं किया।
- परमेश्वर यीशु पर विश्वास करने वालों के हृदयों पर नई वाचा लिखते हैं। इससे उन्हें परमेश्वर की आज्ञा मानना और पवित्र जीवन जीना शुरू करना पड़ता है।
- नई वाचा पूरी तरह से अंत के समय में पूरी होगी जब परमेश्वर पृथ्वी पर अपना शासन स्थापित करते हैं। सब कुछ एक बार फिर से बहुत अच्छा होगा, जैसा कि परमेश्वर ने पहली बार दुनिया को बनाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बन्धक समझौता” या “विधिवत समर्पण” या “अनुबन्ध” या “वचनबद्धता”।
- कुछ भाषाओं में वाचा बांधने की एकपक्षीय या द्विपक्षीय प्रतिज्ञाओं के अनुसार अलग-अलग शब्द होते हैं। यदि वाचा एक पक्षीय है तो इसका अनुवाद “प्रतिज्ञा” या “प्रण” हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न सुनाई दे कि मनुष्यों ने वाचा को प्रस्तावित किया है। परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य सब वाचाओं में परमेश्वर ही वाचा का प्रतिपादक है।
- "नई वाचा" शब्द का अनुवाद "नए औपचारिक समझौते" या "नए समझौते" या "नए अनुबंध" के रूप में किया जा सकता है।
- इन अभिव्यक्तियों में "नया" शब्द का अर्थ "ताजा" या "नए प्रकार का" या "दूसरा" है।

(यह भी देखें: नई वाचा, प्रतिज्ञा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:11-12
- 2 शमूएल 23:5

- प्रे.का. 07:6-8
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 03:17-18
- उत्पत्ति 09:11-13
- उत्पत्ति 17:7-8
- उत्पत्ति 31:43-44
- यहोशू 24:24-26
- लूका 01:72-75
- मरकुस 14:22-25

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:09** फिर परमेश्वर ने अब्राम के साथ एक वाचा बांधी। वाचा दो दलों के बीच एक सहमति होती है।
- **05:04** “मैं इश्माएल को भी एक बड़ी जाति बनाऊंगा, लेकिन मेरी वाचा इसहाक साथ होगी।”
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।”
- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।”
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे।
- **21:05** भविष्यवक्ता यिर्मयाह के माध्यम से, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा का निर्माण करेगा, लेकिन सिनाई में इस्राएल के साथ की गई वाचा की तरह नहीं। नई वाचा में, परमेश्वर लोगों के दिलों पर अपना नियम लिखेगा, लोग परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानेंगे, वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर उनके पापों को क्षमा करेगा। मसीहा नई वाचा शुरू करेगा।
- **21:14** मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, परमेश्वर पापियों को बचाने और नई वाचा शुरू करने की अपनी योजना को पूरा करेगा।
- **38:05** तब यीशु ने एक प्याला लिया और कहा, “इसे पी लो। यह मेरी नई वाचा का लहू है जो पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है। इसे पी कर हर बार मुझे याद करने के लिए करें।”
- **48:11** लेकिन परमेश्वर ने अब एक नई वाचा बाँधी है जो सभी के लिए उपलब्ध है। इस नई वाचा के कारण, किसी भी समूह का कोई भी व्यक्ति यीशु पर विश्वास करके परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बन सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1285, H2319, H3772, G802, G1242, G4934

वाचा, वाचाओं

परिभाषा:

बाइबल में, "वाचा" शब्द दो पक्षों के बीच एक औपचारिक, वाचा एक विधिवत बन्धक समझौता है जिसे दोनों पक्षों को निभाना होता है।

- यह समझौता दो मनुष्यों, दो जन समूहों में या परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य हो सकता है।
- मनुष्य जब एक दूसरे के साथ वाचा बांधते हैं तब वे कुछ प्रतिज्ञाएं करते हैं और उनका पूरा करना अनिवार्य होता है।
- मनुष्यों के मध्य वाचा के उदाहरण हैं, विवाह, व्यापारिक समझौते तथा देशों के मध्य संधि।
- संपूर्ण बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ अनेक वाचाएं बांधी हैं।
- कुछ वाचाओं में परमेश्वर ने बिना शर्त अपनी भूमिका निभाने की प्रतिज्ञा की है। * उदाहरणार्थ जब परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ बाचा बांधी थी कि वह पृथ्वी को जल प्रलय से कभी नष्ट नहीं करेगा तो उसमें मनुष्यों की कोई भूमिका नहीं थी।
- अन्य वाचाओं में परमेश्वर ने अपनी भूमिका निभाने की शर्तें रखी थी कि मनुष्य आज्ञाओं को मानें और अपना कर्तव्य निभाएं।

शब्द "नई वाचा" परमेश्वर, अपने पुत्र, यीशु के बलिदान के माध्यम से अपने लोगों के साथ की गई प्रतिबद्धता या समझौते को दर्शाता है।

- परमेश्वर के "नई वाचा" को बाइबल के भाग में समझाया गया जिसे "नया नियम" कहा जाता है।
- यह नई वाचा “पुराने” या “पूर्व” वाचा के विपरीत है जिसे परमेश्वर ने पुराने नियम के समय में इस्राएलियों के साथ बांधी थी।
- नई वाचा पुराने की तुलना में उत्तम है क्योंकि यह यीशु के बलिदान पर आधारित है, जो पूर्णरूप से लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित करता है। पुरानी वाचा के अधीन किए गए बलिदानों ने ऐसा नहीं किया।
- परमेश्वर यीशु पर विश्वास करने वालों के हृदयों पर नई वाचा लिखते हैं। इससे उन्हें परमेश्वर की आज्ञा मानना और पवित्र जीवन जीना शुरू करना पड़ता है।
- नई वाचा पूरी तरह से अंत के समय में पूरी होगी जब परमेश्वर पृथ्वी पर अपना शासन स्थापित करते हैं। सब कुछ एक बार फिर से बहुत अच्छा होगा, जैसा कि परमेश्वर ने पहली बार दुनिया को बनाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बन्धक समझौता” या “विधिवत समर्पण” या “अनुबन्ध” या “वचनबद्धता”।
- कुछ भाषाओं में वाचा बांधने की एकपक्षीय या द्विपक्षीय प्रतिज्ञाओं के अनुसार अलग-अलग शब्द होते हैं। यदि वाचा एक पक्षीय है तो इसका अनुवाद “प्रतिज्ञा” या “प्रण” हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न सुनाई दे कि मनुष्यों ने वाचा को प्रस्तावित किया है। परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य सब वाचाओं में परमेश्वर ही वाचा का प्रतिपादक है।
- "नई वाचा" शब्द का अनुवाद "नए औपचारिक समझौते" या "नए समझौते" या "नए अनुबंध" के रूप में किया जा सकता है।
- इन अभिव्यक्तियों में "नया" शब्द का अर्थ "ताजा" या "नए प्रकार का" या "दूसरा" है।

(यह भी देखें: नई वाचा, प्रतिज्ञा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:11-12
- 2 शमूएल 23:5
- प्रे.का. 07:6-8
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 03:17-18
- उत्पत्ति 09:11-13
- उत्पत्ति 17:7-8
- उत्पत्ति 31:43-44
- यहोशू 24:24-26
- लूका 01:72-75
- मरकुस 14:22-25

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:09** फिर परमेश्वर ने अब्राम के साथ एक वाचा बांधी। वाचा दो दलों के बीच एक सहमति होती है।
- **05:04** “मैं इश्माएल को भी एक बड़ी जाति बनाऊंगा, लेकिन मेरी वाचा इसहाक साथ होगी।”
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।”
- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।”
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे।
- **21:05** भविष्यवक्ता यिर्मयाह के माध्यम से, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा का निर्माण करेगा, लेकिन सिनाई में इस्राएल के साथ की गई वाचा की तरह नहीं। नई वाचा में, परमेश्वर लोगों के दिलों पर अपना नियम लिखेगा, लोग परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानेंगे, वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर उनके पापों को क्षमा करेगा। मसीहा नई वाचा शुरू करेगा।
- **21:14** मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, परमेश्वर पापियों को बचाने और नई वाचा शुरू करने की अपनी योजना को पूरा करेगा।
- **38:05** तब यीशु ने एक प्याला लिया और कहा, “इसे पी लो। यह मेरी नई वाचा का लहू है जो पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है। इसे पी कर हर बार मुझे याद करने के लिए करें।”
- **48:11** लेकिन परमेश्वर ने अब एक नई वाचा बाँधी है जो सभी के लिए उपलब्ध है। इस नई वाचा के कारण, किसी भी समूह का कोई भी व्यक्ति यीशु पर विश्वास करके परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बन सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1285, H2319, H3772, G802, G1242, G4934

वाचा, वाचाओं

परिभाषा:

बाइबल में, "वाचा" शब्द दो पक्षों के बीच एक औपचारिक, वाचा एक विधिवत बन्धक समझौता है जिसे दोनों पक्षों को निभाना होता है।

- यह समझौता दो मनुष्यों, दो जन समूहों में या परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य हो सकता है।
- मनुष्य जब एक दूसरे के साथ वाचा बांधते हैं तब वे कुछ प्रतिज्ञाएं करते हैं और उनका पूरा करना अनिवार्य होता है।

- मनुष्यों के मध्य वाचा के उदाहरण हैं, विवाह, व्यापारिक समझौते तथा देशों के मध्य संधि।
- संपूर्ण बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ अनेक वाचाएं बांधी हैं।
- कुछ वाचाओं में परमेश्वर ने बिना शर्त अपनी भूमिका निभाने की प्रतिज्ञा की है। * उदाहरणार्थ जब परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ बाचा बांधी थी कि वह पृथ्वी को जल प्रलय से कभी नष्ट नहीं करेगा तो उसमें मनुष्यों की कोई भूमिका नहीं थी।
- अन्य वाचाओं में परमेश्वर ने अपनी भूमिका निभाने की शर्तें रखी थी कि मनुष्य आज्ञाओं को मानें और अपना कर्तव्य निभाएं।

शब्द "नई वाचा" परमेश्वर, अपने पुत्र, यीशु के बलिदान के माध्यम से अपने लोगों के साथ की गई प्रतिबद्धता या समझौते को दर्शाता है।

- परमेश्वर के "नई वाचा" को बाइबल के भाग में समझाया गया जिसे "नया नियम" कहा जाता है।
- यह नई वाचा “पुराने” या “पूर्व” वाचा के विपरीत है जिसे परमेश्वर ने पुराने नियम के समय में इस्राएलियों के साथ बांधी थी।
- नई वाचा पुराने की तुलना में उत्तम है क्योंकि यह यीशु के बलिदान पर आधारित है, जो पूर्णरूप से लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित करता है। पुरानी वाचा के अधीन किए गए बलिदानों ने ऐसा नहीं किया।
- परमेश्वर यीशु पर विश्वास करने वालों के हृदयों पर नई वाचा लिखते हैं। इससे उन्हें परमेश्वर की आज्ञा मानना और पवित्र जीवन जीना शुरू करना पड़ता है।
- नई वाचा पूरी तरह से अंत के समय में पूरी होगी जब परमेश्वर पृथ्वी पर अपना शासन स्थापित करते हैं। सब कुछ एक बार फिर से बहुत अच्छा होगा, जैसा कि परमेश्वर ने पहली बार दुनिया को बनाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बन्धक समझौता” या “विधिवत समर्पण” या “अनुबन्ध” या “वचनबद्धता”।
- कुछ भाषाओं में वाचा बांधने की एकपक्षीय या द्विपक्षीय प्रतिज्ञाओं के अनुसार अलग-अलग शब्द होते हैं। यदि वाचा एक पक्षीय है तो इसका अनुवाद “प्रतिज्ञा” या “प्रण” हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न सुनाई दे कि मनुष्यों ने वाचा को प्रस्तावित किया है। परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य सब वाचाओं में परमेश्वर ही वाचा का प्रतिपादक है।
- "नई वाचा" शब्द का अनुवाद "नए औपचारिक समझौते" या "नए समझौते" या "नए अनुबंध" के रूप में किया जा सकता है।
- इन अभिव्यक्तियों में "नया" शब्द का अर्थ "ताजा" या "नए प्रकार का" या "दूसरा" है।

(यह भी देखें: नई वाचा, प्रतिज्ञा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:11-12
- 2 शमूएल 23:5
- प्रे.का. 07:6-8
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 03:17-18
- उत्पत्ति 09:11-13
- उत्पत्ति 17:7-8
- उत्पत्ति 31:43-44
- यहोशू 24:24-26
- लूका 01:72-75
- मरकुस 14:22-25

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:09** फिर परमेश्वर ने अब्राम के साथ एक वाचा बांधी। वाचा दो दलों के बीच एक सहमति होती है।
- **05:04** “मैं इश्माएल को भी एक बड़ी जाति बनाऊंगा, लेकिन मेरी वाचा इसहाक साथ होगी।”
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।”
- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।”
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे।
- **21:05** भविष्यवक्ता यिर्मयाह के माध्यम से, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा का निर्माण करेगा, लेकिन सिनाई में इस्राएल के साथ की गई वाचा की तरह नहीं। नई वाचा में, परमेश्वर लोगों के दिलों पर अपना नियम लिखेगा, लोग परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानेंगे, वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर उनके पापों को क्षमा करेगा। मसीहा नई वाचा शुरू करेगा।
- **21:14** मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, परमेश्वर पापियों को बचाने और नई वाचा शुरू करने की अपनी योजना को पूरा करेगा।

- **38:05** तब यीशु ने एक प्याला लिया और कहा, “इसे पी लो। यह मेरी नई वाचा का लहू है जो पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है। इसे पी कर हर बार मुझे याद करने के लिए करें।”
- **48:11** लेकिन परमेश्वर ने अब एक नई वाचा बाँधी है जो सभी के लिए उपलब्ध है। इस नई वाचा के कारण, किसी भी समूह का कोई भी व्यक्ति यीशु पर विश्वास करके परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बन सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1285, H2319, H3772, G802, G1242, G4934

वाचा, वाचाओं

परिभाषा:

बाइबल में, "वाचा" शब्द दो पक्षों के बीच एक औपचारिक, वाचा एक विधिवत बन्धक समझौता है जिसे दोनों पक्षों को निभाना होता है।

- यह समझौता दो मनुष्यों, दो जन समूहों में या परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य हो सकता है।
- मनुष्य जब एक दूसरे के साथ वाचा बांधते हैं तब वे कुछ प्रतिज्ञाएं करते हैं और उनका पूरा करना अनिवार्य होता है।
- मनुष्यों के मध्य वाचा के उदाहरण हैं, विवाह, व्यापारिक समझौते तथा देशों के मध्य संधि।
- संपूर्ण बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ अनेक वाचाएं बांधी हैं।
- कुछ वाचाओं में परमेश्वर ने बिना शर्त अपनी भूमिका निभाने की प्रतिज्ञा की है। * उदाहरणार्थ जब परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ बाचा बांधी थी कि वह पृथ्वी को जल प्रलय से कभी नष्ट नहीं करेगा तो उसमें मनुष्यों की कोई भूमिका नहीं थी।
- अन्य वाचाओं में परमेश्वर ने अपनी भूमिका निभाने की शर्तें रखी थी कि मनुष्य आज्ञाओं को मानें और अपना कर्तव्य निभाएं।

शब्द "नई वाचा" परमेश्वर, अपने पुत्र, यीशु के बलिदान के माध्यम से अपने लोगों के साथ की गई प्रतिबद्धता या समझौते को दर्शाता है।

- परमेश्वर के "नई वाचा" को बाइबल के भाग में समझाया गया जिसे "नया नियम" कहा जाता है।
- यह नई वाचा “पुराने” या “पूर्व” वाचा के विपरीत है जिसे परमेश्वर ने पुराने नियम के समय में इस्राएलियों के साथ बांधी थी।
- नई वाचा पुराने की तुलना में उत्तम है क्योंकि यह यीशु के बलिदान पर आधारित है, जो पूर्णरूप से लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित करता है। पुरानी वाचा के अधीन किए गए बलिदानों ने ऐसा नहीं किया।
- परमेश्वर यीशु पर विश्वास करने वालों के हृदयों पर नई वाचा लिखते हैं। इससे उन्हें परमेश्वर की आज्ञा मानना और पवित्र जीवन जीना शुरू करना पड़ता है।
- नई वाचा पूरी तरह से अंत के समय में पूरी होगी जब परमेश्वर पृथ्वी पर अपना शासन स्थापित करते हैं। सब कुछ एक बार फिर से बहुत अच्छा होगा, जैसा कि परमेश्वर ने पहली बार दुनिया को बनाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बन्धक समझौता” या “विधिवत समर्पण” या “अनुबन्ध” या “वचनबद्धता”।
- कुछ भाषाओं में वाचा बांधने की एकपक्षीय या द्विपक्षीय प्रतिज्ञाओं के अनुसार अलग-अलग शब्द होते हैं। यदि वाचा एक पक्षीय है तो इसका अनुवाद “प्रतिज्ञा” या “प्रण” हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न सुनाई दे कि मनुष्यों ने वाचा को प्रस्तावित किया है। परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य सब वाचाओं में परमेश्वर ही वाचा का प्रतिपादक है।
- "नई वाचा" शब्द का अनुवाद "नए औपचारिक समझौते" या "नए समझौते" या "नए अनुबंध" के रूप में किया जा सकता है।
- इन अभिव्यक्तियों में "नया" शब्द का अर्थ "ताजा" या "नए प्रकार का" या "दूसरा" है।

(यह भी देखें: नई वाचा, प्रतिज्ञा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:11-12
- 2 शमूएल 23:5
- प्रे.का. 07:6-8
- निर्गमन 34:10-11
- गलातियों 03:17-18
- उत्पत्ति 09:11-13
- उत्पत्ति 17:7-8
- उत्पत्ति 31:43-44
- यहोशू 24:24-26
- लूका 01:72-75
- मरकुस 14:22-25

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:09** फिर परमेश्वर ने अब्राम के साथ एक वाचा बांधी। वाचा दो दलों के बीच एक सहमति होती है।
- **05:04** “मैं इश्माएल को भी एक बड़ी जाति बनाऊंगा, लेकिन मेरी वाचा इसहाक साथ होगी।”
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।”
- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।”
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे।
- **21:05** भविष्यवक्ता यिर्मयाह के माध्यम से, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा का निर्माण करेगा, लेकिन सिनाई में इस्राएल के साथ की गई वाचा की तरह नहीं। नई वाचा में, परमेश्वर लोगों के दिलों पर अपना नियम लिखेगा, लोग परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानेंगे, वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर उनके पापों को क्षमा करेगा। मसीहा नई वाचा शुरू करेगा।
- **21:14** मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, परमेश्वर पापियों को बचाने और नई वाचा शुरू करने की अपनी योजना को पूरा करेगा।
- **38:05** तब यीशु ने एक प्याला लिया और कहा, “इसे पी लो। यह मेरी नई वाचा का लहू है जो पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है। इसे पी कर हर बार मुझे याद करने के लिए करें।”
- **48:11** लेकिन परमेश्वर ने अब एक नई वाचा बाँधी है जो सभी के लिए उपलब्ध है। इस नई वाचा के कारण, किसी भी समूह का कोई भी व्यक्ति यीशु पर विश्वास करके परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बन सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1285, H2319, H3772, G802, G1242, G4934

वाचा का सन्दूक, यहोवा का सन्दूक

परिभाषा:

ये शब्द एक विशेष लकड़ी के सन्दूक के लिए है, जिस पर सोने की परत चढ़ाई हुई थी। उसमें दस आज्ञाओं की पत्थर की दो पट्टियां थी। उसमें हारून की लाठी और मन्ना का मर्तबान भी था।

- सन्दूक का अनुवाद “बक्सा”, "पेटी" और "तिजोरी" भी किया जा सकता है।इस सन्दूक में रखी वस्तुएं इस्राएल को परमेश्वर की वाचा का स्मरण कराती थी।
- वाचा का सन्दूक "परमपवित्र स्थान" में रखा हुआ था।
- मिलाप वाले तम्बू में परमेश्वर की उपस्थिति परमपवित्र स्थान में वाचा के सन्दूक के ऊपर थी। वहां वह इस्राएलियों के लिए मूसा से बातें करता था।
- जिस समय वाचा का सन्दूक मन्दिर के परमपवित्र स्थान में था, उस समय केवल प्रधान पुरोहित उस सन्दूक के निकट जा सकता था और वह भी वर्ष में एक बार प्रायश्चित दिवस पर।
- अनेक अंग्रजी अनुवादों में “वाचा के आदेशों” का अनुवाद शब्दशः “साक्षी(टेस्टीमनी)” किया गया है। यह इस तथ्य का संदर्भ देता है कि दस आज्ञाएं प्रजा के साथ परमेश्वर की वाचा की साक्षी या गवाही हैं। इसका अनुवाद “वाचा का विधान” भी किया गया है।

(यह भी देखें: जहाज़, वाचा, प्रायश्चित, पवित्रस्थान, गवाही, साक्षी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 06:14-15
- निर्गमन 25:10-11
- इब्रानियों 09:3-5
- न्यायियों 20:27-28
- गिनती 07:89
- प्रकाशितवाक्य 11:19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H727, H1285, H3068

विधि, विधियां

परिभाषा:

विधि विशेष लिखित नियम है जो मनुष्यों के जीवन के लिए मार्ग स्पष्ट करता है।

- शब्द "क़ानून" "अध्यादेश" और "आज्ञा" और "नियम" और "डिक्री" के समान है। इन सभी शर्तों में उन निर्देशों और आवश्यकताएं शामिल हैं जिनमें परमेश्वर अपने लोगों या शासकों को उनके लोगों को देता है।
- राजा दाऊद कहता था कि वह यहोवा की विधियों से प्रसन्न रहता था।
- “विधि” का अनुवाद “विशिष्ट आज्ञाएं” या “विशेष आदेश” रूप मैं किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, विधि, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 11:11-13
- व्यवस्थाविवरण 06:20-23
- यहेजकेल 33:14-16
- गिनती 19:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H6490, H7010

विधि, विधियां

परिभाषा:

विधि विशेष लिखित नियम है जो मनुष्यों के जीवन के लिए मार्ग स्पष्ट करता है।

- शब्द "क़ानून" "अध्यादेश" और "आज्ञा" और "नियम" और "डिक्री" के समान है। इन सभी शर्तों में उन निर्देशों और आवश्यकताएं शामिल हैं जिनमें परमेश्वर अपने लोगों या शासकों को उनके लोगों को देता है।
- राजा दाऊद कहता था कि वह यहोवा की विधियों से प्रसन्न रहता था।
- “विधि” का अनुवाद “विशिष्ट आज्ञाएं” या “विशेष आदेश” रूप मैं किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, विधि, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 11:11-13
- व्यवस्थाविवरण 06:20-23
- यहेजकेल 33:14-16
- गिनती 19:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H6490, H7010

विधि, विधियां

परिभाषा:

विधि विशेष लिखित नियम है जो मनुष्यों के जीवन के लिए मार्ग स्पष्ट करता है।

- शब्द "क़ानून" "अध्यादेश" और "आज्ञा" और "नियम" और "डिक्री" के समान है। इन सभी शर्तों में उन निर्देशों और आवश्यकताएं शामिल हैं जिनमें परमेश्वर अपने लोगों या शासकों को उनके लोगों को देता है।
- राजा दाऊद कहता था कि वह यहोवा की विधियों से प्रसन्न रहता था।
- “विधि” का अनुवाद “विशिष्ट आज्ञाएं” या “विशेष आदेश” रूप मैं किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, विधि, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 11:11-13
- व्यवस्थाविवरण 06:20-23
- यहेजकेल 33:14-16
- गिनती 19:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H6490, H7010

विधि, विधियां

परिभाषा:

विधि विशेष लिखित नियम है जो मनुष्यों के जीवन के लिए मार्ग स्पष्ट करता है।

- शब्द "क़ानून" "अध्यादेश" और "आज्ञा" और "नियम" और "डिक्री" के समान है। इन सभी शर्तों में उन निर्देशों और आवश्यकताएं शामिल हैं जिनमें परमेश्वर अपने लोगों या शासकों को उनके लोगों को देता है।
- राजा दाऊद कहता था कि वह यहोवा की विधियों से प्रसन्न रहता था।
- “विधि” का अनुवाद “विशिष्ट आज्ञाएं” या “विशेष आदेश” रूप मैं किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, विधि, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 11:11-13
- व्यवस्थाविवरण 06:20-23
- यहेजकेल 33:14-16
- गिनती 19:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H6490, H7010

विधि, विधियां

परिभाषा:

विधि विशेष लिखित नियम है जो मनुष्यों के जीवन के लिए मार्ग स्पष्ट करता है।

- शब्द "क़ानून" "अध्यादेश" और "आज्ञा" और "नियम" और "डिक्री" के समान है। इन सभी शर्तों में उन निर्देशों और आवश्यकताएं शामिल हैं जिनमें परमेश्वर अपने लोगों या शासकों को उनके लोगों को देता है।
- राजा दाऊद कहता था कि वह यहोवा की विधियों से प्रसन्न रहता था।
- “विधि” का अनुवाद “विशिष्ट आज्ञाएं” या “विशेष आदेश” रूप मैं किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, विधि, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 11:11-13
- व्यवस्थाविवरण 06:20-23
- यहेजकेल 33:14-16
- गिनती 19:1-2

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H6490, H7010

विधि, विधियां

परिभाषा:

विधि विशेष लिखित नियम है जो मनुष्यों के जीवन के लिए मार्ग स्पष्ट करता है।

- शब्द "क़ानून" "अध्यादेश" और "आज्ञा" और "नियम" और "डिक्री" के समान है। इन सभी शर्तों में उन निर्देशों और आवश्यकताएं शामिल हैं जिनमें परमेश्वर अपने लोगों या शासकों को उनके लोगों को देता है।
- राजा दाऊद कहता था कि वह यहोवा की विधियों से प्रसन्न रहता था।
- “विधि” का अनुवाद “विशिष्ट आज्ञाएं” या “विशेष आदेश” रूप मैं किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, विधि, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 11:11-13
- व्यवस्थाविवरण 06:20-23
- यहेजकेल 33:14-16
- गिनती 19:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H6490, H7010

विधि, विधियां

परिभाषा:

विधि विशेष लिखित नियम है जो मनुष्यों के जीवन के लिए मार्ग स्पष्ट करता है।

- शब्द "क़ानून" "अध्यादेश" और "आज्ञा" और "नियम" और "डिक्री" के समान है। इन सभी शर्तों में उन निर्देशों और आवश्यकताएं शामिल हैं जिनमें परमेश्वर अपने लोगों या शासकों को उनके लोगों को देता है।
- राजा दाऊद कहता था कि वह यहोवा की विधियों से प्रसन्न रहता था।
- “विधि” का अनुवाद “विशिष्ट आज्ञाएं” या “विशेष आदेश” रूप मैं किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, विधि, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 11:11-13
- व्यवस्थाविवरण 06:20-23
- यहेजकेल 33:14-16
- गिनती 19:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H6490, H7010

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

विधि, विधियां

परिभाषा:

विधि विशेष लिखित नियम है जो मनुष्यों के जीवन के लिए मार्ग स्पष्ट करता है।

- शब्द "क़ानून" "अध्यादेश" और "आज्ञा" और "नियम" और "डिक्री" के समान है। इन सभी शर्तों में उन निर्देशों और आवश्यकताएं शामिल हैं जिनमें परमेश्वर अपने लोगों या शासकों को उनके लोगों को देता है।
- राजा दाऊद कहता था कि वह यहोवा की विधियों से प्रसन्न रहता था।
- “विधि” का अनुवाद “विशिष्ट आज्ञाएं” या “विशेष आदेश” रूप मैं किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, विधि, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 11:11-13
- व्यवस्थाविवरण 06:20-23
- यहेजकेल 33:14-16
- गिनती 19:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H6490, H7010

विधि, विधियां

परिभाषा:

विधि विशेष लिखित नियम है जो मनुष्यों के जीवन के लिए मार्ग स्पष्ट करता है।

- शब्द "क़ानून" "अध्यादेश" और "आज्ञा" और "नियम" और "डिक्री" के समान है। इन सभी शर्तों में उन निर्देशों और आवश्यकताएं शामिल हैं जिनमें परमेश्वर अपने लोगों या शासकों को उनके लोगों को देता है।
- राजा दाऊद कहता था कि वह यहोवा की विधियों से प्रसन्न रहता था।
- “विधि” का अनुवाद “विशिष्ट आज्ञाएं” या “विशेष आदेश” रूप मैं किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, विधि, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 11:11-13
- व्यवस्थाविवरण 06:20-23
- यहेजकेल 33:14-16
- गिनती 19:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H6490, H7010

विधि, विधियों

परिभाषा:

विधि सार्वजनिक नियम या विधान होता है जिसमें जनता द्वारा पालन करने का निर्देशन एवं नियम होते हैं। यह शब्द “अभिषेक” का समानार्थक शब्द है।

- कभी-कभी नियम वर्षों के अभ्यास के बाद स्थापित प्रथा भी होता था।
- बाइबल में अध्यादेश या परमेश्वर की आज्ञाएं परमेश्वर द्वारा इस्राएलियों के दिए गए निर्देश थे कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है। कभी-कभी परमेश्वर ने उन्हें हमेशा के लिए ऐसा करने का आदेश दिया।
- “आज्ञाओं” को “सार्वजनिक आदेश” या “नियम” या “विधान” अनुवाद किया जा सकता है परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, नियुक्त, विधि)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:13-14
- निर्गमन 27:20-21
- लैव्यव्यवस्था 08:31-33
- मलाकी 03:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H4687, H4931, H4941, G1296, G1345, G1378, G1379, G2937, G3862

विधि, विधियों

परिभाषा:

विधि सार्वजनिक नियम या विधान होता है जिसमें जनता द्वारा पालन करने का निर्देशन एवं नियम होते हैं। यह शब्द "अभिषेक" का समानार्थक शब्द है।

- कभी-कभी नियम वर्षों के अभ्यास के बाद स्थापित प्रथा भी होता था।
- बाइबल में अध्यादेश या परमेश्वर की आज्ञाएं परमेश्वर द्वारा इस्राएलियों के दिए गए निर्देश थे कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है। कभी-कभी परमेश्वर ने उन्हें हमेशा के लिए ऐसा करने का आदेश दिया।
- "आज्ञाओं" को "सार्वजनिक आदेश" या "नियम" या "विधान" अनुवाद किया जा सकता है परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, नियुक्त, विधि)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:13-14
- निर्गमन 27:20-21
- लैव्यव्यवस्था 08:31-33
- मलाकी 03:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H4687, H4931, H4941, G1296, G1345, G1378, G1379, G2937, G3862

विधि, विधियों

परिभाषा:

विधि सार्वजनिक नियम या विधान होता है जिसमें जनता द्वारा पालन करने का निर्देशन एवं नियम होते हैं। यह शब्द "अभिषेक" का समानार्थक शब्द है।

- कभी-कभी नियम वर्षों के अभ्यास के बाद स्थापित प्रथा भी होता था।
- बाइबल में अध्यादेश या परमेश्वर की आज्ञाएं परमेश्वर द्वारा इस्राएलियों के दिए गए निर्देश थे कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है। कभी-कभी परमेश्वर ने उन्हें हमेशा के लिए ऐसा करने का आदेश दिया।
- "आज्ञाओं" को "सार्वजनिक आदेश" या "नियम" या "विधान" अनुवाद किया जा सकता है परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, नियुक्त, विधि)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:13-14
- निर्गमन 27:20-21
- लैव्यव्यवस्था 08:31-33
- मलाकी 03:6-7

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H4687, H4931, H4941, G1296, G1345, G1378, G1379, G2937, G3862

विधि, विधियों

परिभाषा:

विधि सार्वजनिक नियम या विधान होता है जिसमें जनता द्वारा पालन करने का निर्देशन एवं नियम होते हैं। यह शब्द “अभिषेक” का समानार्थक शब्द है।

- कभी-कभी नियम वर्षों के अभ्यास के बाद स्थापित प्रथा भी होता था।
- बाइबल में अध्यादेश या परमेश्वर की आज्ञाएं परमेश्वर द्वारा इस्राएलियों के दिए गए निर्देश थे कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है। कभी-कभी परमेश्वर ने उन्हें हमेशा के लिए ऐसा करने का आदेश दिया।
- “आज्ञाओं” को “सार्वजनिक आदेश” या “नियम” या “विधान” अनुवाद किया जा सकता है परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, नियुक्त, विधि)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:13-14
- निर्गमन 27:20-21
- लैव्यव्यवस्था 08:31-33
- मलाकी 03:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H4687, H4931, H4941, G1296, G1345, G1378, G1379, G2937, G3862

विधि, विधियों

परिभाषा:

विधि सार्वजनिक नियम या विधान होता है जिसमें जनता द्वारा पालन करने का निर्देशन एवं नियम होते हैं। यह शब्द “अभिषेक” का समानार्थक शब्द है।

- कभी-कभी नियम वर्षों के अभ्यास के बाद स्थापित प्रथा भी होता था।
- बाइबल में अध्यादेश या परमेश्वर की आज्ञाएं परमेश्वर द्वारा इस्राएलियों के दिए गए निर्देश थे कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है। कभी-कभी परमेश्वर ने उन्हें हमेशा के लिए ऐसा करने का आदेश दिया।
- “आज्ञाओं” को “सार्वजनिक आदेश” या “नियम” या “विधान” अनुवाद किया जा सकता है परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, नियुक्त, विधि)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:13-14
- निर्गमन 27:20-21
- लैव्यव्यवस्था 08:31-33
- मलाकी 03:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H4687, H4931, H4941, G1296, G1345, G1378, G1379, G2937, G3862

विधि, विधियों

परिभाषा:

विधि सार्वजनिक नियम या विधान होता है जिसमें जनता द्वारा पालन करने का निर्देशन एवं नियम होते हैं। यह शब्द “अभिषेक” का समानार्थक शब्द है।

- कभी-कभी नियम वर्षों के अभ्यास के बाद स्थापित प्रथा भी होता था।

- बाइबल में अध्यादेश या परमेश्वर की आज्ञाएं परमेश्वर द्वारा इस्राएलियों के दिए गए निर्देश थे कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है। कभी-कभी परमेश्वर ने उन्हें हमेशा के लिए ऐसा करने का आदेश दिया।
- "आज्ञाओं" को "सार्वजनिक आदेश" या "नियम" या "विधान" अनुवाद किया जा सकता है परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, नियुक्त, विधि)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:13-14
- निर्गमन 27:20-21
- लैव्यव्यवस्था 08:31-33
- मलाकी 03:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H4687, H4931, H4941, G1296, G1345, G1378, G1379, G2937, G3862

विधि, विधियों

परिभाषा:

विधि सार्वजनिक नियम या विधान होता है जिसमें जनता द्वारा पालन करने का निर्देशन एवं नियम होते हैं। यह शब्द "अभिषेक" का समानार्थक शब्द है।

- कभी-कभी नियम वर्षों के अभ्यास के बाद स्थापित प्रथा भी होता था।
- बाइबल में अध्यादेश या परमेश्वर की आज्ञाएं परमेश्वर द्वारा इस्राएलियों के दिए गए निर्देश थे कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है। कभी-कभी परमेश्वर ने उन्हें हमेशा के लिए ऐसा करने का आदेश दिया।
- "आज्ञाओं" को "सार्वजनिक आदेश" या "नियम" या "विधान" अनुवाद किया जा सकता है परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, नियुक्त, विधि)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:13-14
- निर्गमन 27:20-21
- लैव्यव्यवस्था 08:31-33
- मलाकी 03:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H4687, H4931, H4941, G1296, G1345, G1378, G1379, G2937, G3862

विधि, विधियों

परिभाषा:

विधि सार्वजनिक नियम या विधान होता है जिसमें जनता द्वारा पालन करने का निर्देशन एवं नियम होते हैं। यह शब्द "अभिषेक" का समानार्थक शब्द है।

- कभी-कभी नियम वर्षों के अभ्यास के बाद स्थापित प्रथा भी होता था।
- बाइबल में अध्यादेश या परमेश्वर की आज्ञाएं परमेश्वर द्वारा इस्राएलियों के दिए गए निर्देश थे कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है। कभी-कभी परमेश्वर ने उन्हें हमेशा के लिए ऐसा करने का आदेश दिया।
- "आज्ञाओं" को "सार्वजनिक आदेश" या "नियम" या "विधान" अनुवाद किया जा सकता है परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, नियुक्त, विधि)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:13-14
- निर्गमन 27:20-21
- लैव्यव्यवस्था 08:31-33

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मलाकी 03:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H4687, H4931, H4941, G1296, G1345, G1378, G1379, G2937, G3862

विधि, विधियों

परिभाषा:

विधि सार्वजनिक नियम या विधान होता है जिसमें जनता द्वारा पालन करने का निर्देशन एवं नियम होते हैं। यह शब्द "अभिषेक" का समानार्थक शब्द है।

- कभी-कभी नियम वर्षों के अभ्यास के बाद स्थापित प्रथा भी होता था।
- बाइबल में अध्यादेश या परमेश्वर की आज्ञाएं परमेश्वर द्वारा इस्राएलियों के दिए गए निर्देश थे कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है। कभी-कभी परमेश्वर ने उन्हें हमेशा के लिए ऐसा करने का आदेश दिया।
- "आज्ञाओं" को "सार्वजनिक आदेश" या "नियम" या "विधान" अनुवाद किया जा सकता है परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: आज्ञा, आज्ञा, व्यवस्था, नियुक्त, विधि)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 04:13-14
- निर्गमन 27:20-21
- लैव्यव्यवस्था 08:31-33
- मलाकी 03:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2706, H2708, H4687, H4931, H4941, G1296, G1345, G1378, G1379, G2937, G3862

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

"विनती" अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- "भिखारी" वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "विनती करना" या "साग्रह निवेदन करना" या "पैसा मांगना" या "सदैव पैसा मांगना"

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, 'हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।'
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, "हमें इस देश से बाहर न भेज।" वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा " कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!"
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, "यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।"
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

“विनती” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- “भिखारी” वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विनती करना” या “साग्रह निवेदन करना” या “पैसा मांगना” या “सदैव पैसा मांगना”

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, ‘हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।’
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, “हमें इस देश से बाहर न भेज।” वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा “ कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!”
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, “यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।”
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।”
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

“विनती” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- “भिखारी” वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विनती करना” या “साग्रह निवेदन करना” या “पैसा मांगना” या “सदैव पैसा मांगना”

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56

- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, 'हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।'
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, "हमें इस देश से बाहर न भेज।" वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा " कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!"
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, "यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।"
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।"
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

"विनती" अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- "भिखारी" वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "विनती करना" या "साग्रह निवेदन करना" या "पैसा मांगना" या "सदैव पैसा मांगना"

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, 'हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।'
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, "हमें इस देश से बाहर न भेज।" वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा " कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!"
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, "यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।"
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।"
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

“विनती” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- “भिखारी” वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विनती करना” या “साग्रह निवेदन करना” या “पैसा मांगना” या “सदैव पैसा मांगना”

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, ‘हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।’
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, “हमें इस देश से बाहर न भेज।” वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा “ कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!”
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, “यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।”
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।”
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

“विनती” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- “भिखारी” वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विनती करना” या “साग्रह निवेदन करना” या “पैसा मांगना” या “सदैव पैसा मांगना”

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, ‘हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।’

- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, “हमें इस देश से बाहर न भेज।” वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा “ कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!”
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, “यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।”
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।”
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

“विनती” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- “भिखारी” वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विनती करना” या “साग्रह निवेदन करना” या “पैसा मांगना” या “सदैव पैसा मांगना”

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, ‘हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।’
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, “हमें इस देश से बाहर न भेज।” वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा “ कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!”
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, “यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।”
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।”
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

“विनती” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- “भिखारी” वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विनती करना” या “साग्रह निवेदन करना” या “पैसा मांगना” या “सदैव पैसा मांगना”

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, 'हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।'
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, "हमें इस देश से बाहर न भेज।" वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा " कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!"
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, "यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।"
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।"
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

"विनती" अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- "भिखारी" वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "विनती करना" या "साग्रह निवेदन करना" या "पैसा मांगना" या "सदैव पैसा मांगना"

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, 'हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।'
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, "हमें इस देश से बाहर न भेज।" वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा " कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!"
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, "यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।"
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।"
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

“विनती” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- “भिखारी” वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विनती करना” या “साग्रह निवेदन करना” या “पैसा मांगना” या “सदैव पैसा मांगना”

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, ‘हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।’
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, “हमें इस देश से बाहर न भेज।” वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा “ कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!”
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, “यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।”
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।”
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

“विनती” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- “भिखारी” वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विनती करना” या “साग्रह निवेदन करना” या “पैसा मांगना” या “सदैव पैसा मांगना”

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, ‘हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।’

- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, “हमें इस देश से बाहर न भेज।” वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा “ कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!”
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, “यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।”
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।”
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

“विनती” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- “भिखारी” वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विनती करना” या “साग्रह निवेदन करना” या “पैसा मांगना” या “सदैव पैसा मांगना”

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, ‘हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।’
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, “हमें इस देश से बाहर न भेज।” वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा “ कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!”
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, “यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।”
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।”
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

“विनती” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- “भिखारी” वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विनती करना” या “साग्रह निवेदन करना” या “पैसा मांगना” या “सदैव पैसा मांगना”

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, 'हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।'
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, "हमें इस देश से बाहर न भेज।" वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा " कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!"
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, "यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।"
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।"
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

"विनती" अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- "भिखारी" वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "विनती करना" या "साग्रह निवेदन करना" या "पैसा मांगना" या "सदैव पैसा मांगना"

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, 'हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।'
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, "हमें इस देश से बाहर न भेज।" वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा " कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!"
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, "यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।"
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।"
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

“विनती” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- “भिखारी” वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विनती करना” या “साग्रह निवेदन करना” या “पैसा मांगना” या “सदैव पैसा मांगना”

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, ‘हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।’
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, “हमें इस देश से बाहर न भेज।” वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा “ कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!”
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, “यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।”
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।”
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

“विनती” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- “भिखारी” वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विनती करना” या “साग्रह निवेदन करना” या “पैसा मांगना” या “सदैव पैसा मांगना”

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, ‘हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।’

- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, “हमें इस देश से बाहर न भेज।” वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा “ कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!”
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, “यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।”
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।”
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

“विनती” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- “भिखारी” वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विनती करना” या “साग्रह निवेदन करना” या “पैसा मांगना” या “सदैव पैसा मांगना”

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, ‘हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।’
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, “हमें इस देश से बाहर न भेज।” वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा “ कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!”
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, “यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।”
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।”
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

“विनती” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- “भिखारी” वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विनती करना” या “साग्रह निवेदन करना” या “पैसा मांगना” या “सदैव पैसा मांगना”

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, 'हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।'
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, "हमें इस देश से बाहर न भेज।" वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा " कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!"
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, "यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।"
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।"
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

"विनती" अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- "भिखारी" वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "विनती करना" या "साग्रह निवेदन करना" या "पैसा मांगना" या "सदैव पैसा मांगना"

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, 'हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।'
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, "हमें इस देश से बाहर न भेज।" वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा " कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!"
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, "यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।"
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।"
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

परिभाषा:

“विनती” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- “भिखारी” वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विनती करना” या “साग्रह निवेदन करना” या “पैसा मांगना” या “सदैव पैसा मांगना”

(यह भी देखें: गिड़गिड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- भजन 045:12-13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से विनती की।
- **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, ‘हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।’
- **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, “हमें इस देश से बाहर न भेज।” वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे विनती करके कहा “ कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!”
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, “यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।”
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे विनती करने लगा परन्तु उसने मना कर दिया।”
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

विरोधी, द्रोहियों, बैरी, शत्रुओं

परिभाषा:

“विरोधी” वह मनुष्य (या समुदाय) है जो किसी के विरूद्ध हो। “बैरी” शब्द का भी यही अर्थ है।

- बैरी वह मनुष्य है जो किसी दूसरे मनुष्य का विरोध करता है या उसको हानि पहुंचाता है।
- जब दो राष्ट्रों की लड़ाई होती है, तो एक को दूसरे का "शत्रु" कहा जा सकता है।
- बाइबल में शैतान को "विरोधी" या "बैरी" कहा गया है।
- “बैरी” का अनुवाद “विरोधी” या “शत्रु” किया जा सकता है परन्तु यह शब्द विरोध का अधिक प्रबल भाव व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: शैतान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:14
- [यशायाह 09:11

](rc://*/tn/help/isa/09/11)

- अय्यूब 06:23
- विलाप. 04:12
- लूका 12:59
- मत्ती 13:25

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H341, H6146, H6887, H6862, H6965, H7790, H7854, H8130, H8324, G476, G480, G2189, G2190, G5227

विरोधी, द्रोहियों, बैरी, शत्रुओं

परिभाषा:

“विरोधी” वह मनुष्य (या समुदाय) है जो किसी के विरूद्ध हो। “बैरी” शब्द का भी यही अर्थ है।

- बैरी वह मनुष्य है जो किसी दूसरे मनुष्य का विरोध करता है या उसको हानि पहुंचाता है।
- जब दो राष्ट्रों की लड़ाई होती है, तो एक को दूसरे का "शत्रु" कहा जा सकता है।
- बाइबल में शैतान को "विरोधी" या "बैरी" कहा गया है।
- “बैरी” का अनुवाद “विरोधी” या “शत्रु” किया जा सकता है परन्तु यह शब्द विरोध का अधिक प्रबल भाव व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: शैतान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:14
- [यशायाह 09:11

](rc://*/tn/help/isa/09/11)

- अय्यूब 06:23
- विलाप. 04:12
- लूका 12:59
- मत्ती 13:25

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H341, H6146, H6887, H6862, H6965, H7790, H7854, H8130, H8324, G476, G480, G2189, G2190, G5227

विरोधी, द्रोहियों, बैरी, शत्रुओं

परिभाषा:

“विरोधी” वह मनुष्य (या समुदाय) है जो किसी के विरूद्ध हो। “बैरी” शब्द का भी यही अर्थ है।

- बैरी वह मनुष्य है जो किसी दूसरे मनुष्य का विरोध करता है या उसको हानि पहुंचाता है।
- जब दो राष्ट्रों की लड़ाई होती है, तो एक को दूसरे का "शत्रु" कहा जा सकता है।
- बाइबल में शैतान को "विरोधी" या "बैरी" कहा गया है।
- “बैरी” का अनुवाद “विरोधी” या “शत्रु” किया जा सकता है परन्तु यह शब्द विरोध का अधिक प्रबल भाव व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: शैतान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:14
- [यशायाह 09:11

](rc://*/tn/help/isa/09/11)

- अय्यूब 06:23
- विलाप. 04:12
- लूका 12:59
- मत्ती 13:25

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H341, H6146, H6887, H6862, H6965, H7790, H7854, H8130, H8324, G476, G480, G2189, G2190, G5227

विरोधी, द्रोहियों, बैरी, शत्रुओं

परिभाषा:

“विरोधी” वह मनुष्य (या समुदाय) है जो किसी के विरूद्ध हो। “बैरी” शब्द का भी यही अर्थ है।

- बैरी वह मनुष्य है जो किसी दूसरे मनुष्य का विरोध करता है या उसको हानि पहुंचाता है।
- जब दो राष्ट्रों की लड़ाई होती है, तो एक को दूसरे का "शत्रु" कहा जा सकता है।
- बाइबल में शैतान को "विरोधी" या "बैरी" कहा गया है।
- “बैरी” का अनुवाद “विरोधी” या “शत्रु” किया जा सकता है परन्तु यह शब्द विरोध का अधिक प्रबल भाव व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: शैतान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:14
- [यशायाह 09:11

](rc://*/tn/help/isa/09/11)

- अय्यूब 06:23
- विलाप. 04:12
- लूका 12:59
- मत्ती 13:25

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H341, H6146, H6887, H6862, H6965, H7790, H7854, H8130, H8324, G476, G480, G2189, G2190, G5227

विरोधी, द्रोहियों, बैरी, शत्रुओं

परिभाषा:

“विरोधी” वह मनुष्य (या समुदाय) है जो किसी के विरूद्ध हो। “बैरी” शब्द का भी यही अर्थ है।

- बैरी वह मनुष्य है जो किसी दूसरे मनुष्य का विरोध करता है या उसको हानि पहुंचाता है।
- जब दो राष्ट्रों की लड़ाई होती है, तो एक को दूसरे का "शत्रु" कहा जा सकता है।
- बाइबल में शैतान को "विरोधी" या "बैरी" कहा गया है।
- “बैरी” का अनुवाद “विरोधी” या “शत्रु” किया जा सकता है परन्तु यह शब्द विरोध का अधिक प्रबल भाव व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: शैतान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:14
- [यशायाह 09:11

](rc://*/tn/help/isa/09/11)

- अय्यूब 06:23
- विलाप. 04:12
- लूका 12:59
- मत्ती 13:25

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H341, H6146, H6887, H6862, H6965, H7790, H7854, H8130, H8324, G476, G480, G2189, G2190, G5227

विरोधी, द्रोहियों, बैरी, शत्रुओं

परिभाषा:

“विरोधी” वह मनुष्य (या समुदाय) है जो किसी के विरूद्ध हो। “बैरी” शब्द का भी यही अर्थ है।

- बैरी वह मनुष्य है जो किसी दूसरे मनुष्य का विरोध करता है या उसको हानि पहुंचाता है।
- जब दो राष्ट्रों की लड़ाई होती है, तो एक को दूसरे का "शत्रु" कहा जा सकता है।
- बाइबल में शैतान को "विरोधी" या "बैरी" कहा गया है।
- “बैरी” का अनुवाद “विरोधी” या “शत्रु” किया जा सकता है परन्तु यह शब्द विरोध का अधिक प्रबल भाव व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: शैतान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:14
- [यशायाह 09:11

](rc://*/tn/help/isa/09/11)

- अय्यूब 06:23
- विलाप. 04:12
- लूका 12:59
- मत्ती 13:25

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H341, H6146, H6887, H6862, H6965, H7790, H7854, H8130, H8324, G476, G480, G2189, G2190, G5227

विरोधी, द्रोहियों, बैरी, शत्रुओं

परिभाषा:

“विरोधी” वह मनुष्य (या समुदाय) है जो किसी के विरूद्ध हो। “बैरी” शब्द का भी यही अर्थ है।

- बैरी वह मनुष्य है जो किसी दूसरे मनुष्य का विरोध करता है या उसको हानि पहुंचाता है।
- जब दो राष्ट्रों की लड़ाई होती है, तो एक को दूसरे का "शत्रु" कहा जा सकता है।
- बाइबल में शैतान को "विरोधी" या "बैरी" कहा गया है।
- “बैरी” का अनुवाद “विरोधी” या “शत्रु” किया जा सकता है परन्तु यह शब्द विरोध का अधिक प्रबल भाव व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: शैतान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:14
- [यशायाह 09:11

](rc://*/tn/help/isa/09/11)

- अय्यूब 06:23
- विलाप. 04:12
- लूका 12:59
- मत्ती 13:25

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H341, H6146, H6887, H6862, H6965, H7790, H7854, H8130, H8324, G476, G480, G2189, G2190, G5227

विरोधी, द्रोहियों, बैरी, शत्रुओं

परिभाषा:

“विरोधी” वह मनुष्य (या समुदाय) है जो किसी के विरूद्ध हो। “बैरी” शब्द का भी यही अर्थ है।

- बैरी वह मनुष्य है जो किसी दूसरे मनुष्य का विरोध करता है या उसको हानि पहुंचाता है।
- जब दो राष्ट्रों की लड़ाई होती है, तो एक को दूसरे का "शत्रु" कहा जा सकता है।
- बाइबल में शैतान को "विरोधी" या "बैरी" कहा गया है।
- “बैरी” का अनुवाद “विरोधी” या “शत्रु” किया जा सकता है परन्तु यह शब्द विरोध का अधिक प्रबल भाव व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: शैतान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:14
- [यशायाह 09:11

](rc://*/tn/help/isa/09/11)

- अय्यूब 06:23
- विलाप. 04:12
- लूका 12:59
- मत्ती 13:25

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H341, H6146, H6887, H6862, H6965, H7790, H7854, H8130, H8324, G476, G480, G2189, G2190, G5227

विरोधी, द्रोहियों, बैरी, शत्रुओं

परिभाषा:

“विरोधी” वह मनुष्य (या समुदाय) है जो किसी के विरूद्ध हो। “बैरी” शब्द का भी यही अर्थ है।

- बैरी वह मनुष्य है जो किसी दूसरे मनुष्य का विरोध करता है या उसको हानि पहुंचाता है।
- जब दो राष्ट्रों की लड़ाई होती है, तो एक को दूसरे का "शत्रु" कहा जा सकता है।
- बाइबल में शैतान को "विरोधी" या "बैरी" कहा गया है।
- “बैरी” का अनुवाद “विरोधी” या “शत्रु” किया जा सकता है परन्तु यह शब्द विरोध का अधिक प्रबल भाव व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: शैतान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:14
- [यशायाह 09:11

](rc://*/tn/help/isa/09/11)

- अय्यूब 06:23
- विलाप. 04:12
- लूका 12:59
- मत्ती 13:25

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H341, H6146, H6887, H6862, H6965, H7790, H7854, H8130, H8324, G476, G480, G2189, G2190, G5227

विरोधी, द्रोहियों, बैरी, शत्रुओं

परिभाषा:

“विरोधी” वह मनुष्य (या समुदाय) है जो किसी के विरूद्ध हो। “बैरी” शब्द का भी यही अर्थ है।

- बैरी वह मनुष्य है जो किसी दूसरे मनुष्य का विरोध करता है या उसको हानि पहुंचाता है।
- जब दो राष्ट्रों की लड़ाई होती है, तो एक को दूसरे का "शत्रु" कहा जा सकता है।
- बाइबल में शैतान को "विरोधी" या "बैरी" कहा गया है।
- “बैरी” का अनुवाद “विरोधी” या “शत्रु” किया जा सकता है परन्तु यह शब्द विरोध का अधिक प्रबल भाव व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: शैतान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:14
- [यशायाह 09:11

](rc://*/tn/help/isa/09/11)

- अय्यूब 06:23
- विलाप. 04:12
- लूका 12:59
- मत्ती 13:25

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H341, H6146, H6887, H6862, H6965, H7790, H7854, H8130, H8324, G476, G480, G2189, G2190, G5227

विरोधी, द्रोहियों, बैरी, शत्रुओं

परिभाषा:

“विरोधी” वह मनुष्य (या समुदाय) है जो किसी के विरूद्ध हो। “बैरी” शब्द का भी यही अर्थ है।

- बैरी वह मनुष्य है जो किसी दूसरे मनुष्य का विरोध करता है या उसको हानि पहुंचाता है।
- जब दो राष्ट्रों की लड़ाई होती है, तो एक को दूसरे का "शत्रु" कहा जा सकता है।
- बाइबल में शैतान को "विरोधी" या "बैरी" कहा गया है।
- “बैरी” का अनुवाद “विरोधी” या “शत्रु” किया जा सकता है परन्तु यह शब्द विरोध का अधिक प्रबल भाव व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: शैतान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:14
- [यशायाह 09:11

](rc://*/tn/help/isa/09/11)

- अय्यूब 06:23
- विलाप. 04:12
- लूका 12:59
- मत्ती 13:25

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H341, H6146, H6887, H6862, H6965, H7790, H7854, H8130, H8324, G476, G480, G2189, G2190, G5227

विलाप, विलाप करना, विलाप किया

परिभाषा:

“विलाप करना” “विलाप” अर्थात शोक, दु:ख या विषाद की प्रबल भावना।

कभी-कभी यह पाप का गहन पछतावा या आपदाग्रस्त मनुष्य के प्रति अनुकंपा भी होता है।

- विलाप में कराहना, रोना या रोना-पीटना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “विलाप करना” का अनुवाद “गहन दुख मनाना” या “दुख से रोना पीटना” या “दु:खी होना” हो सकता है।
- "विलाप करना" (या "विलाप") का अनुवाद "जोर से विलाप और रोना" या "गहरी दु: ख" या "शोक में रोना" या "विलापपूर्ण कराहना" के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- आमोस 08:9-10
- यहेजकेल 32:1-2
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 27:15-17
- विलापगीत 02:5-6
- विलापगीत 02:8-9
- मीका 02:3-5
- भजन संहिता 102:1-2
- जकर्याह 11:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H56, H421, H578, H592, H1058, H4553, H5091, H5092, H5594, H6088, H6969, H7015, H8567, G2354, G2355, G2870, G2875

विलाप, विलाप करना, विलाप किया

परिभाषा:

“विलाप करना” “विलाप” अर्थात शोक, दु:ख या विषाद की प्रबल भावना।

कभी-कभी यह पाप का गहन पछतावा या आपदाग्रस्त मनुष्य के प्रति अनुकंपा भी होता है।

- विलाप में कराहना, रोना या रोना-पीटना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “विलाप करना” का अनुवाद “गहन दुख मनाना” या “दुख से रोना पीटना” या “दु:खी होना” हो सकता है।
- "विलाप करना" (या "विलाप") का अनुवाद "जोर से विलाप और रोना" या "गहरी दु: ख" या "शोक में रोना" या "विलापपूर्ण कराहना" के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- आमोस 08:9-10
- यहेजकेल 32:1-2
- यिर्मयाह 22:17-19

- अय्यूब 27:15-17
- विलापगीत 02:5-6
- विलापगीत 02:8-9
- मीका 02:3-5
- भजन संहिता 102:1-2
- जकर्याह 11:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H56, H421, H578, H592, H1058, H4553, H5091, H5092, H5594, H6088, H6969, H7015, H8567, G2354, G2355, G2870, G2875

विलाप, विलाप करना, विलाप किया

परिभाषा:

“विलाप करना” “विलाप” अर्थात शोक, दुःख या विषाद की प्रबल भावना।

कभी-कभी यह पाप का गहन पछतावा या आपदाग्रस्त मनुष्य के प्रति अनुकंपा भी होता है।

- विलाप में कराहना, रोना या रोना-पीटना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “विलाप करना” का अनुवाद “गहन दुख मनाना” या “दुख से रोना पीटना” या “दुःखी होना” हो सकता है।
- "विलाप करना" (या "विलाप") का अनुवाद "जोर से विलाप और रोना" या "गहरी दु: ख" या "शोक में रोना" या "विलापपूर्ण कराहना" के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- आमोस 08:9-10
- यहेजकेल 32:1-2
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 27:15-17
- विलापगीत 02:5-6
- विलापगीत 02:8-9
- मीका 02:3-5
- भजन संहिता 102:1-2
- जकर्याह 11:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H56, H421, H578, H592, H1058, H4553, H5091, H5092, H5594, H6088, H6969, H7015, H8567, G2354, G2355, G2870, G2875

विलाप, विलाप करना, विलाप किया

परिभाषा:

“विलाप करना” “विलाप” अर्थात शोक, दुःख या विषाद की प्रबल भावना।

कभी-कभी यह पाप का गहन पछतावा या आपदाग्रस्त मनुष्य के प्रति अनुकंपा भी होता है।

- विलाप में कराहना, रोना या रोना-पीटना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “विलाप करना” का अनुवाद “गहन दुख मनाना” या “दुख से रोना पीटना” या “दुःखी होना” हो सकता है।

- "विलाप करना" (या "विलाप") का अनुवाद "जोर से विलाप और रोना" या "गहरी दु: ख" या "शोक में रोना" या "विलापपूर्ण कराहना" के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- आमोस 08:9-10
- यहेजकेल 32:1-2
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 27:15-17
- विलापगीत 02:5-6
- विलापगीत 02:8-9
- मीका 02:3-5
- भजन संहिता 102:1-2
- जकर्याह 11:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H56, H421, H578, H592, H1058, H4553, H5091, H5092, H5594, H6088, H6969, H7015, H8567, G2354, G2355, G2870, G2875

विलाप, विलाप करना, विलाप किया

परिभाषा:

“विलाप करना” “विलाप” अर्थात शोक, दुःख या विषाद की प्रबल भावना।

कभी-कभी यह पाप का गहन पछतावा या आपदाग्रस्त मनुष्य के प्रति अनुकंपा भी होता है।

- विलाप में कराहना, रोना या रोना-पीटना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “विलाप करना” का अनुवाद “गहन दुख मनाना” या “दुख से रोना पीटना” या “दुःखी होना” हो सकता है।
- "विलाप करना" (या "विलाप") का अनुवाद "जोर से विलाप और रोना" या "गहरी दु: ख" या "शोक में रोना" या "विलापपूर्ण कराहना" के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- आमोस 08:9-10
- यहेजकेल 32:1-2
- यिर्मयाह 22:17-19
- अय्यूब 27:15-17
- विलापगीत 02:5-6
- विलापगीत 02:8-9
- मीका 02:3-5
- भजन संहिता 102:1-2
- जकर्याह 11:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H56, H421, H578, H592, H1058, H4553, H5091, H5092, H5594, H6088, H6969, H7015, H8567, G2354, G2355, G2870, G2875

विवेक

परिभाषा:

विवेक मनुष्य की सोच का हिस्सा है जिसके द्वारा परमेश्वर उसे जागरूक करता है जब वह कुछ पाप करता है।

- परमेश्वर ने मनुष्य को विवेक दिया कि वह उचित और अनुचित में अन्तर कर पाए।
- जो मनुष्य परमेश्वर की आज्ञा मानता है उसके लिए कहा जाता है कि उसका विवेक "शुद्ध" या "स्वच्छ" या "निर्मल" है।
- यदि मनुष्य का विवेक स्वच्छ है तो इसका अर्थ है कि वह किसी भी पाप को छिपा नहीं रहा है।
- यदि मनुष्य अपने विवेक की बात न सुने और पाप करते समय उसे अपराध-बोध न हो तो इसका अर्थ है कि उसका विवेक अनुचित कार्य के प्रति संवेदनशील नहीं है। बाइबल इसे दागा गया विवेक कहती है, जिस पर ऐसा चिन्ह लगा है जैसा गर्म लोहे से दागा जाता है। ऐसे विवेक को "संवेदनरहित" या "प्रदूषित" कहा जाता है।
- इस शब्द के संभावित अनुवाद हो सकते हैं, "आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन" या "नैतिक विचार"

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:18-20
- 1 तीमुथियुस 03:8-10
- 2 कुरिन्थियों 05: 11-12
- 2 तीमुथियुस 01:3-5
- रोमियो 09:1-2
- तीतुस 01:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4893

विवेक

परिभाषा:

विवेक मनुष्य की सोच का हिस्सा है जिसके द्वारा परमेश्वर उसे जागरूक करता है जब वह कुछ पाप करता है।

- परमेश्वर ने मनुष्य को विवेक दिया कि वह उचित और अनुचित में अन्तर कर पाए।
- जो मनुष्य परमेश्वर की आज्ञा मानता है उसके लिए कहा जाता है कि उसका विवेक "शुद्ध" या "स्वच्छ" या "निर्मल" है।
- यदि मनुष्य का विवेक स्वच्छ है तो इसका अर्थ है कि वह किसी भी पाप को छिपा नहीं रहा है।
- यदि मनुष्य अपने विवेक की बात न सुने और पाप करते समय उसे अपराध-बोध न हो तो इसका अर्थ है कि उसका विवेक अनुचित कार्य के प्रति संवेदनशील नहीं है। बाइबल इसे दागा गया विवेक कहती है, जिस पर ऐसा चिन्ह लगा है जैसा गर्म लोहे से दागा जाता है। ऐसे विवेक को "संवेदनरहित" या "प्रदूषित" कहा जाता है।
- इस शब्द के संभावित अनुवाद हो सकते हैं, "आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन" या "नैतिक विचार"

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:18-20
- 1 तीमुथियुस 03:8-10
- 2 कुरिन्थियों 05: 11-12
- 2 तीमुथियुस 01:3-5
- रोमियो 09:1-2
- तीतुस 01:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4893

विवेक

परिभाषा:

विवेक मनुष्य की सोच का हिस्सा है जिसके द्वारा परमेश्वर उसे जागरूक करता है जब वह कुछ पाप करता है।

- परमेश्वर ने मनुष्य को विवेक दिया कि वह उचित और अनुचित में अन्तर कर पाए।
- जो मनुष्य परमेश्वर की आज्ञा मानता है उसके लिए कहा जाता है कि उसका विवेक "शुद्ध" या "स्वच्छ" या "निर्मल" है।
- यदि मनुष्य का विवेक स्वच्छ है तो इसका अर्थ है कि वह किसी भी पाप को छिपा नहीं रहा है।
- यदि मनुष्य अपने विवेक की बात न सुने और पाप करते समय उसे अपराध-बोध न हो तो इसका अर्थ है कि उसका विवेक अनुचित कार्य के प्रति संवेदनशील नहीं है। बाइबल इसे दागा गया विवेक कहती है, जिस पर ऐसा चिन्ह लगा है जैसा गर्म लोहे से दागा जाता है। ऐसे विवेक को "संवेदनरहित" या "प्रदूषित" कहा जाता है।
- इस शब्द के संभावित अनुवाद हो सकते हैं, "आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन" या "नैतिक विचार"

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:18-20
- 1 तीमुथियुस 03:8-10
- 2 कुरिन्थियों 05: 11-12
- 2 तीमुथियुस 01:3-5
- रोमियो 09:1-2
- तीतुस 01:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4893

विवेक

परिभाषा:

विवेक मनुष्य की सोच का हिस्सा है जिसके द्वारा परमेश्वर उसे जागरूक करता है जब वह कुछ पाप करता है।

- परमेश्वर ने मनुष्य को विवेक दिया कि वह उचित और अनुचित में अन्तर कर पाए।
- जो मनुष्य परमेश्वर की आज्ञा मानता है उसके लिए कहा जाता है कि उसका विवेक "शुद्ध" या "स्वच्छ" या "निर्मल" है।
- यदि मनुष्य का विवेक स्वच्छ है तो इसका अर्थ है कि वह किसी भी पाप को छिपा नहीं रहा है।
- यदि मनुष्य अपने विवेक की बात न सुने और पाप करते समय उसे अपराध-बोध न हो तो इसका अर्थ है कि उसका विवेक अनुचित कार्य के प्रति संवेदनशील नहीं है। बाइबल इसे दागा गया विवेक कहती है, जिस पर ऐसा चिन्ह लगा है जैसा गर्म लोहे से दागा जाता है। ऐसे विवेक को "संवेदनरहित" या "प्रदूषित" कहा जाता है।
- इस शब्द के संभावित अनुवाद हो सकते हैं, "आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन" या "नैतिक विचार"

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:18-20
- 1 तीमुथियुस 03:8-10
- 2 कुरिन्थियों 05: 11-12
- 2 तीमुथियुस 01:3-5
- रोमियो 09:1-2
- तीतुस 01:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4893

विवेक

परिभाषा:

विवेक मनुष्य की सोच का हिस्सा है जिसके द्वारा परमेश्वर उसे जागरूक करता है जब वह कुछ पाप करता है।

- परमेश्वर ने मनुष्य को विवेक दिया कि वह उचित और अनुचित में अन्तर कर पाए।
- जो मनुष्य परमेश्वर की आज्ञा मानता है उसके लिए कहा जाता है कि उसका विवेक "शुद्ध" या "स्वच्छ" या "निर्मल" है।
- यदि मनुष्य का विवेक स्वच्छ है तो इसका अर्थ है कि वह किसी भी पाप को छिपा नहीं रहा है।
- यदि मनुष्य अपने विवेक की बात न सुने और पाप करते समय उसे अपराध-बोध न हो तो इसका अर्थ है कि उसका विवेक अनुचित कार्य के प्रति संवेदनशील नहीं है। बाइबल इसे दागा गया विवेक कहती है, जिस पर ऐसा चिन्ह लगा है जैसा गर्म लोहे से दागा जाता है। ऐसे विवेक को "संवेदनरहित" या "प्रदूषित" कहा जाता है।
- इस शब्द के संभावित अनुवाद हो सकते हैं, "आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन" या "नैतिक विचार"

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:18-20
- 1 तीमुथियुस 03:8-10
- 2 कुरिन्थियों 05: 11-12
- 2 तीमुथियुस 01:3-5
- रोमियो 09:1-2
- तीतुस 01:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4893

विवेक

परिभाषा:

विवेक मनुष्य की सोच का हिस्सा है जिसके द्वारा परमेश्वर उसे जागरूक करता है जब वह कुछ पाप करता है।

- परमेश्वर ने मनुष्य को विवेक दिया कि वह उचित और अनुचित में अन्तर कर पाए।
- जो मनुष्य परमेश्वर की आज्ञा मानता है उसके लिए कहा जाता है कि उसका विवेक "शुद्ध" या "स्वच्छ" या "निर्मल" है।
- यदि मनुष्य का विवेक स्वच्छ है तो इसका अर्थ है कि वह किसी भी पाप को छिपा नहीं रहा है।
- यदि मनुष्य अपने विवेक की बात न सुने और पाप करते समय उसे अपराध-बोध न हो तो इसका अर्थ है कि उसका विवेक अनुचित कार्य के प्रति संवेदनशील नहीं है। बाइबल इसे दागा गया विवेक कहती है, जिस पर ऐसा चिन्ह लगा है जैसा गर्म लोहे से दागा जाता है। ऐसे विवेक को "संवेदनरहित" या "प्रदूषित" कहा जाता है।
- इस शब्द के संभावित अनुवाद हो सकते हैं, "आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन" या "नैतिक विचार"

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:18-20
- 1 तीमुथियुस 03:8-10
- 2 कुरिन्थियों 05: 11-12
- 2 तीमुथियुस 01:3-5
- रोमियो 09:1-2
- तीतुस 01:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4893

विवेक

परिभाषा:

विवेक मनुष्य की सोच का हिस्सा है जिसके द्वारा परमेश्वर उसे जागरूक करता है जब वह कुछ पाप करता है।

- परमेश्वर ने मनुष्य को विवेक दिया कि वह उचित और अनुचित में अन्तर कर पाए।
- जो मनुष्य परमेश्वर की आज्ञा मानता है उसके लिए कहा जाता है कि उसका विवेक "शुद्ध" या "स्वच्छ" या "निर्मल" है।
- यदि मनुष्य का विवेक स्वच्छ है तो इसका अर्थ है कि वह किसी भी पाप को छिपा नहीं रहा है।
- यदि मनुष्य अपने विवेक की बात न सुने और पाप करते समय उसे अपराध-बोध न हो तो इसका अर्थ है कि उसका विवेक अनुचित कार्य के प्रति संवेदनशील नहीं है। बाइबल इसे दागा गया विवेक कहती है, जिस पर ऐसा चिन्ह लगा है जैसा गर्म लोहे से दागा जाता है। ऐसे विवेक को "संवेदनरहित" या "प्रदूषित" कहा जाता है।
- इस शब्द के संभावित अनुवाद हो सकते हैं, "आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन" या "नैतिक विचार"

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:18-20
- 1 तीमुथियुस 03:8-10
- 2 कुरिन्थियों 05: 11-12
- 2 तीमुथियुस 01:3-5
- रोमियो 09:1-2
- तीतुस 01:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4893

विवेक

परिभाषा:

विवेक मनुष्य की सोच का हिस्सा है जिसके द्वारा परमेश्वर उसे जागरूक करता है जब वह कुछ पाप करता है।

- परमेश्वर ने मनुष्य को विवेक दिया कि वह उचित और अनुचित में अन्तर कर पाए।
- जो मनुष्य परमेश्वर की आज्ञा मानता है उसके लिए कहा जाता है कि उसका विवेक "शुद्ध" या "स्वच्छ" या "निर्मल" है।
- यदि मनुष्य का विवेक स्वच्छ है तो इसका अर्थ है कि वह किसी भी पाप को छिपा नहीं रहा है।
- यदि मनुष्य अपने विवेक की बात न सुने और पाप करते समय उसे अपराध-बोध न हो तो इसका अर्थ है कि उसका विवेक अनुचित कार्य के प्रति संवेदनशील नहीं है। बाइबल इसे दागा गया विवेक कहती है, जिस पर ऐसा चिन्ह लगा है जैसा गर्म लोहे से दागा जाता है। ऐसे विवेक को "संवेदनरहित" या "प्रदूषित" कहा जाता है।
- इस शब्द के संभावित अनुवाद हो सकते हैं, "आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन" या "नैतिक विचार"

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:18-20
- 1 तीमुथियुस 03:8-10
- 2 कुरिन्थियों 05: 11-12
- 2 तीमुथियुस 01:3-5
- रोमियो 09:1-2
- तीतुस 01:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4893

विवेक

परिभाषा:

विवेक मनुष्य की सोच का हिस्सा है जिसके द्वारा परमेश्वर उसे जागरूक करता है जब वह कुछ पाप करता है।

- परमेश्वर ने मनुष्य को विवेक दिया कि वह उचित और अनुचित में अन्तर कर पाए।
- जो मनुष्य परमेश्वर की आज्ञा मानता है उसके लिए कहा जाता है कि उसका विवेक "शुद्ध" या "स्वच्छ" या "निर्मल" है।
- यदि मनुष्य का विवेक स्वच्छ है तो इसका अर्थ है कि वह किसी भी पाप को छिपा नहीं रहा है।
- यदि मनुष्य अपने विवेक की बात न सुने और पाप करते समय उसे अपराध-बोध न हो तो इसका अर्थ है कि उसका विवेक अनुचित कार्य के प्रति संवेदनशील नहीं है। बाइबल इसे दागा गया विवेक कहती है, जिस पर ऐसा चिन्ह लगा है जैसा गर्म लोहे से दागा जाता है। ऐसे विवेक को "संवेदनरहित" या "प्रदूषित" कहा जाता है।
- इस शब्द के संभावित अनुवाद हो सकते हैं, "आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन" या "नैतिक विचार"

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:18-20
- 1 तीमुथियुस 03:8-10
- 2 कुरिन्थियों 05: 11-12
- 2 तीमुथियुस 01:3-5
- रोमियो 09:1-2
- तीतुस 01:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4893

विवेक

परिभाषा:

विवेक मनुष्य की सोच का हिस्सा है जिसके द्वारा परमेश्वर उसे जागरूक करता है जब वह कुछ पाप करता है।

- परमेश्वर ने मनुष्य को विवेक दिया कि वह उचित और अनुचित में अन्तर कर पाए।
- जो मनुष्य परमेश्वर की आज्ञा मानता है उसके लिए कहा जाता है कि उसका विवेक "शुद्ध" या "स्वच्छ" या "निर्मल" है।
- यदि मनुष्य का विवेक स्वच्छ है तो इसका अर्थ है कि वह किसी भी पाप को छिपा नहीं रहा है।
- यदि मनुष्य अपने विवेक की बात न सुने और पाप करते समय उसे अपराध-बोध न हो तो इसका अर्थ है कि उसका विवेक अनुचित कार्य के प्रति संवेदनशील नहीं है। बाइबल इसे दागा गया विवेक कहती है, जिस पर ऐसा चिन्ह लगा है जैसा गर्म लोहे से दागा जाता है। ऐसे विवेक को "संवेदनरहित" या "प्रदूषित" कहा जाता है।
- इस शब्द के संभावित अनुवाद हो सकते हैं, "आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन" या "नैतिक विचार"

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:18-20
- 1 तीमुथियुस 03:8-10
- 2 कुरिन्थियों 05: 11-12
- 2 तीमुथियुस 01:3-5
- रोमियो 09:1-2
- तीतुस 01:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4893

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13

- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13

- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13

- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13

- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13

- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, भरोसा, विश्वास, विश्वासयोग्य, सच्चा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होशे 10:12-13
- यशा. 31:1-2
- नहेमायाह 13:12-14
- भजन 031:5-7
- तीतुस 03:8

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- 14:15__यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर __विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
- 17:02__दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर __विश्वास और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर विश्वास रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।

- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।

- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।

- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।

- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।

- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।

- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6

- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।

- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।

- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6

- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।

- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6

- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

1. विश्वास

- किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. विश्वास करने

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
- वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

अनुवाद के सुझाव:

- “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
- “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, प्रेरित, मसीह, शिष्य, विश्वासी, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 15:06
- उत्पत्ति, 45:26
- अय्यूब, 09:16-18
- हबक्कूक, 01:5-7
- मरकुस, 06:4-6
- मरकुस, 01:14-15
- लूका 09:41
- यूहन्ना, 01:12
- प्रे.का., 06:05
- प्रे.का., 09:42
- प्रे.का., 28:23-24
- रोमियों 03:03
- 1 कुरिन्थियों 06:01
- 1 कुरिन्थियों, 09:05
- 2, कुरिन्थियों 06:15
- इब्रानियों 03:12
- 1 यूहन्ना, 03:23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर विश्वास नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया है।
- **11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।
- **11:06** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।
- **37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?”
- **43:01** यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।
- _43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया_ । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये।
- **46:06** उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- **_46:01_** शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।
- **46:09** कुछ लोग यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को "मसीह" कहा गया था।
- **47:14** उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।

- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।

- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"

- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।

- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।

- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"

- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।

- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।

- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"

- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।

- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"

- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यत: “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

- “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
- "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा)
- "विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।
- ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"
- "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- प्रे.का. 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- याकूब 02:18-20

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के विश्वास की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े विश्वास वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
- **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

विश्वासघाती, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अविश्वासी” शब्द उन लोगों को व्यक्त करता है जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन नहीं करते हैं। विश्वास में खरे न उतरने की स्थिति या अभ्यास को “विश्वासघात किया” कहा गया है।

- इस्राएल को “विश्वासघाती” कहा गया था क्योंकि वे परमेश्वर की अवज्ञा करके मूर्ति-पूजा करने लगे थे।
- विवाहित संबन्ध में जब कोई व्यभिचार करता है तो उसे अपने जीवन साथी के साथ “विश्वासघात करना” कहते हैं।

- परमेश्वर ने “विश्वासघात किया” शब्द द्वारा इस्राएल के अवज्ञाकारी व्यवहार को दर्शाया था। वे परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते थे और उसका सम्मान भी नहीं करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “विश्वासघात किया” का अनुवाद “स्वामी-भक्ति से रहित” या “अविश्वासी” या “अवज्ञाकारी” या “अनिष्ठ” किया जा सकता है।
- “विश्वासघात” का अनुवाद “स्वामी-भक्ति से रहित प्रजा(परमेश्वर)” या" विश्वासघाती लोगों "या" जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं "या" जो लोग परमेश्वर के प्रति विद्रोही हैं। "
- “विश्वासघात किया” का अनुवाद “अवज्ञा” या “अनिष्ठा” या “विश्वास या आज्ञापालन नहीं करना है” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में, "विश्वासघाती" शब्द "अविश्वास" के लिए शब्द से संबंधित है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, अवज्ञा, विश्वासयोग्य, अविश्वासी)

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 05:5-7
- यिर्मयाह 09:7-9
- न्यायियों 02:16-17
- लैव्यव्यवस्था 26:40-42
- लूका 12:45-46

शब्द तथ्य:

- Strong's: H898

विश्वासघाती, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अविश्वासी” शब्द उन लोगों को व्यक्त करता है जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन नहीं करते हैं। विश्वास में खरे न उतरने की स्थिति या अभ्यास को “विश्वासघात किया” कहा गया है।

- इस्राएल को “विश्वासघाती” कहा गया था क्योंकि वे परमेश्वर की अवज्ञा करके मूर्ति-पूजा करने लगे थे।
- विवाहित संबन्ध में जब कोई व्यभिचार करता है तो उसे अपने जीवन साथी के साथ “विश्वासघात करना” कहते हैं।
- परमेश्वर ने “विश्वासघात किया” शब्द द्वारा इस्राएल के अवज्ञाकारी व्यवहार को दर्शाया था। वे परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते थे और उसका सम्मान भी नहीं करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “विश्वासघात किया” का अनुवाद “स्वामी-भक्ति से रहित” या “अविश्वासी” या “अवज्ञाकारी” या “अनिष्ठ” किया जा सकता है।
- “विश्वासघात” का अनुवाद “स्वामी-भक्ति से रहित प्रजा(परमेश्वर)” या" विश्वासघाती लोगों "या" जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं "या" जो लोग परमेश्वर के प्रति विद्रोही हैं। "
- “विश्वासघात किया” का अनुवाद “अवज्ञा” या “अनिष्ठा” या “विश्वास या आज्ञापालन नहीं करना है” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में, "विश्वासघाती" शब्द "अविश्वास" के लिए शब्द से संबंधित है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, अवज्ञा, विश्वासयोग्य, अविश्वासी)

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 05:5-7
- यिर्मयाह 09:7-9
- न्यायियों 02:16-17
- लैव्यव्यवस्था 26:40-42
- लूका 12:45-46

शब्द तथ्य:

- Strong's: H898

विश्वासघाती, विश्वासघात किया

परिभाषा:

“अविश्वासी” शब्द उन लोगों को व्यक्त करता है जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन नहीं करते हैं। विश्वास में खरे न उतरने की स्थिति या अभ्यास को “विश्वासघात किया” कहा गया है।

- इस्राएल को “विश्वासघाती” कहा गया था क्योंकि वे परमेश्वर की अवज्ञा करके मूर्ति-पूजा करने लगे थे।
- विवाहित संबन्ध में जब कोई व्यभिचार करता है तो उसे अपने जीवन साथी के साथ “विश्वासघात करना” कहते हैं।
- परमेश्वर ने “विश्वासघात किया” शब्द द्वारा इस्राएल के अवज्ञाकारी व्यवहार को दर्शाया था। वे परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते थे और उसका सम्मान भी नहीं करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “विश्वासघात किया” का अनुवाद “स्वामी-भक्ति से रहित” या “अविश्वासी” या “अवज्ञाकारी” या “अनिष्ठ” किया जा सकता है।
- “विश्वासघात” का अनुवाद “स्वामी-भक्ति से रहित प्रजा(परमेश्वर)” या" विश्वासघाती लोगों "या" जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं "या" जो लोग परमेश्वर के प्रति विद्रोही हैं। "
- “विश्वासघात किया” का अनुवाद “अवज्ञा” या “अनिष्ठा” या “विश्वास या आज्ञापालन नहीं करना है” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में, "विश्वासघाती" शब्द "अविश्वास" के लिए शब्द से संबंधित है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, अवज्ञा, विश्वासयोग्य, अविश्वासी)

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 05:5-7
- यिर्मयाह 09:7-9
- न्यायियों 02:16-17
- लैव्यव्यवस्था 26:40-42
- लूका 12:45-46

शब्द तथ्य:

- Strong's: H898

विश्वासयोग्य, विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंथर चलते रहने से है। अर्थात उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को "विश्वासयोग्यता" कहते है।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्त” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24

- 3 यूह. 01:5-8
- कुलुस्सियों 01: 7-8
- उत्पत्ति 24:49
- यशायाह 1:26
- यहोशू 02:14
- लूका 16: 10-12
- गिनती 12:6-8
- नीतिवचन 11:12-13
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर निष्ठावान रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये ईमानदारी से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- **50:04** यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

विश्वासयोग्य, विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंथर चलते रहने से है। अर्थात उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को "विश्वासयोग्यता" कहते है।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्त” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- 3 यूह. 01:5-8
- कुलुस्सियों 01: 7-8
- उत्पत्ति 24:49
- यशायाह 1:26
- यहोशू 02:14
- लूका 16: 10-12
- गिनती 12:6-8

- नीतिवचन 11:12-13
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर निष्ठावान रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये ईमानदारी से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- **50:04** यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

विश्वासयोग्य, विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंथर चलते रहने से है। अर्थात उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को "विश्वासयोग्यता" कहते है।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्त” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- 3 यूह. 01:5-8
- कुलुस्सियों 01: 7-8
- उत्पत्ति 24:49
- यशायाह 1:26
- यहोशू 02:14
- लूका 16: 10-12
- गिनती 12:6-8
- नीतिवचन 11:12-13
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर निष्ठावान रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।

- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये ईमानदारी से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- **50:04** यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

विश्वासयोग्य, विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंथर चलते रहने से है। अर्थात उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को "विश्वासयोग्यता" कहते है।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्त” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- 3 यूह. 01:5-8
- कुलुस्सियों 01: 7-8
- उत्पत्ति 24:49
- यशायाह 1:26
- यहोशू 02:14
- लूका 16: 10-12
- गिनती 12:6-8
- नीतिवचन 11:12-13
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर निष्ठावान रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये ईमानदारी से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।

- **50:04** यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

विश्वासयोग्य, विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंथर चलते रहने से है। अर्थात उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को "विश्वासयोग्यता" कहते है।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्त” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- 3 यूह. 01:5-8
- कुलुस्सियों 01: 7-8
- उत्पत्ति 24:49
- यशायाह 1:26
- यहोशू 02:14
- लूका 16: 10-12
- गिनती 12:6-8
- नीतिवचन 11:12-13
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर निष्ठावान रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये ईमानदारी से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- **50:04** यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

विश्वासयोग्य, विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंथर चलते रहने से है। अर्थात उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को "विश्वासयोग्यता" कहते है।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्त” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- 3 यूह. 01:5-8
- कुलुस्सियों 01: 7-8
- उत्पत्ति 24:49
- यशायाह 1:26
- यहोशू 02:14
- लूका 16: 10-12
- गिनती 12:6-8
- नीतिवचन 11:12-13
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर निष्ठावान रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये ईमानदारी से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- **50:04** यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

विश्वासयोग्य, विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंथर चलते रहने से है। अर्थात उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को "विश्वासयोग्यता" कहते है।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्त” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- 3 यूह. 01:5-8
- कुलुस्सियों 01: 7-8
- उत्पत्ति 24:49
- यशायाह 1:26
- यहोशू 02:14
- लूका 16: 10-12
- गिनती 12:6-8
- नीतिवचन 11:12-13
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर निष्ठावान रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये ईमानदारी से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- **50:04** यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

विश्वासयोग्य, विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंथर चलते रहने से है। अर्थात उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को "विश्वासयोग्यता" कहते है।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्त” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- 3 यूह. 01:5-8
- कुलुस्सियों 01: 7-8
- उत्पत्ति 24:49
- यशायाह 1:26
- यहोशू 02:14
- लूका 16: 10-12
- गिनती 12:6-8
- नीतिवचन 11:12-13
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर निष्ठावान रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये ईमानदारी से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- **50:04** यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

विश्वासयोग्य, विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंथर चलते रहने से है। अर्थात उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को "विश्वासयोग्यता" कहते है।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्त” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- 3 यूह. 01:5-8
- कुलुस्सियों 01: 7-8
- उत्पत्ति 24:49
- यशायाह 1:26
- यहोशू 02:14
- लूका 16: 10-12
- गिनती 12:6-8
- नीतिवचन 11:12-13
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर निष्ठावान रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये ईमानदारी से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- **50:04** यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

विश्वासयोग्य, विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंथर चलते रहने से है। अर्थात उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को "विश्वासयोग्यता" कहते है।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्त” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- 3 यूह. 01:5-8
- कुलुस्सियों 01: 7-8
- उत्पत्ति 24:49
- यशायाह 1:26
- यहोशू 02:14
- लूका 16: 10-12
- गिनती 12:6-8
- नीतिवचन 11:12-13
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर निष्ठावान रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये ईमानदारी से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- **50:04** यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

विश्वासयोग्य, विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंथर चलते रहने से है। अर्थात उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को "विश्वासयोग्यता" कहते है।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्त” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- 3 यूह. 01:5-8
- कुलुस्सियों 01: 7-8
- उत्पत्ति 24:49
- यशायाह 1:26
- यहोशू 02:14
- लूका 16: 10-12
- गिनती 12:6-8
- नीतिवचन 11:12-13
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर निष्ठावान रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये ईमानदारी से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- **50:04** यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

विश्वासयोग्य, विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंथर चलते रहने से है। अर्थात उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को "विश्वासयोग्यता" कहते है।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्त” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- 3 यूह. 01:5-8
- कुलुस्सियों 01: 7-8
- उत्पत्ति 24:49
- यशायाह 1:26
- यहोशू 02:14
- लूका 16: 10-12
- गिनती 12:6-8
- नीतिवचन 11:12-13
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर निष्ठावान रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये ईमानदारी से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- **50:04** यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

विश्वासयोग्य, विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंथर चलते रहने से है। अर्थात उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को "विश्वासयोग्यता" कहते है।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्त” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- 3 यूह. 01:5-8
- कुलुस्सियों 01: 7-8
- उत्पत्ति 24:49
- यशायाह 1:26
- यहोशू 02:14
- लूका 16: 10-12
- गिनती 12:6-8
- नीतिवचन 11:12-13
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर निष्ठावान रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये ईमानदारी से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- **50:04** यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

विश्वासयोग्य, विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंथर चलते रहने से है। अर्थात उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को "विश्वासयोग्यता" कहते है।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्त” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- 3 यूह. 01:5-8
- कुलुस्सियों 01: 7-8
- उत्पत्ति 24:49
- यशायाह 1:26
- यहोशू 02:14
- लूका 16: 10-12
- गिनती 12:6-8
- नीतिवचन 11:12-13
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर निष्ठावान रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये ईमानदारी से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- **50:04** यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

विश्वासयोग्य, विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंथर चलते रहने से है। अर्थात उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को "विश्वासयोग्यता" कहते है।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्त” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- 3 यूह. 01:5-8
- कुलुस्सियों 01: 7-8
- उत्पत्ति 24:49
- यशायाह 1:26
- यहोशू 02:14
- लूका 16: 10-12
- गिनती 12:6-8
- नीतिवचन 11:12-13
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर निष्ठावान रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये ईमानदारी से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- **50:04** यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

विश्वासयोग्य, विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंथर चलते रहने से है। अर्थात उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को "विश्वासयोग्यता" कहते है।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्त” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- 3 यूह. 01:5-8
- कुलुस्सियों 01: 7-8
- उत्पत्ति 24:49
- यशायाह 1:26
- यहोशू 02:14
- लूका 16: 10-12
- गिनती 12:6-8
- नीतिवचन 11:12-13
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर निष्ठावान रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये ईमानदारी से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- **50:04** यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

विश्वासी

परिभाषा:

“बाइबल में “विश्वासी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो यीशु मसीह में विश्वास करके उस पर उद्धार के लिए निर्भर करता है।

- "विश्वासी" शब्द का अर्थ है "विश्वास करनेवाला।"

- मसीही शब्द अन्ततः विश्वासियों का नाम हो गया क्योंकि इस शव्द से प्रकट होता है कि वे मसीह यीशु में विश्वास करते है और उसकी शिक्षाओं पर चलते है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “यीशु के विश्वासी” या “मसीह के विश्वासी” कहना अधिक उचित माना गया है।
- इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “यीशु पर भरोसा रखनेवाला मनुष्य” या “यीशु को जानने और उसके लिए जीने वाला मनुष्य”
- “विश्वासी” के अन्य अनुवाद, “यीशु का अनुयायी” या “यीशु को जानने और उसकी आज्ञा माननेवाला मनुष्य”।
- “विश्वासी” शब्द किसी भी मसीही विश्वासी के लिए एक सामान्य शब्द है जबकि “शिष्य” और “प्रेरित” शब्द उन मनुष्यों के लिए जो यीशु को इस सांसारिक जीवन में जानते थे। उचित होगा इन शब्दों का अनुवाद भिन्न-भिन्न शब्दों में किया जाए कि उन्हें अलग-अलग समझा जाए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:3-6
- प्रे.का. 06:5-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:01** यीशु के स्वर्ग में वापस जाने के बाद, चेले यीशु की आज्ञा के अनुसार यरूशलेम में ही ठहरे हुए थे। विश्वासी वहाँ लगातार प्रार्थना करने के लिये एक साथ एकत्र हुए।
- **43:03** जब सब विश्वासी एक जगह एकत्र हुए, अचानक वो घर जहा वे थे आकाश से बड़ी हवा की आवाज़ से भर गया। और उन्हें आग की लपटे सी कुछ दिखाई दीं और उनमें से हर एक के सिर पर आ ठहरीं।
- **43:13** हर दिन बहुत से लोग विश्वासी बन रहे थे।
- **46:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए। तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वास नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:09** कुछ लोग जो यरूशलेम में सताव के मारे तितर-बितर हो गए थे, वे फिरते-फिरते अन्ताकिया पहुँचे और प्रभु यीशु के सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। और विश्वासियों को सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- __47:14__उन्होंने अनेक खतो के द्वारा कलीसियाओं के विश्वासियों को शिक्षा और प्रोत्साहन प्रधान किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4100, G4103

विश्वासी

परिभाषा:

“बाइबल में “विश्वासी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो यीशु मसीह में विश्वास करके उस पर उद्धार के लिए निर्भर करता है।

- "विश्वासी" शब्द का अर्थ है "विश्वास करनेवाला।"
- मसीही शब्द अन्ततः विश्वासियों का नाम हो गया क्योंकि इस शव्द से प्रकट होता है कि वे मसीह यीशु में विश्वास करते है और उसकी शिक्षाओं पर चलते है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “यीशु के विश्वासी” या “मसीह के विश्वासी” कहना अधिक उचित माना गया है।
- इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “यीशु पर भरोसा रखनेवाला मनुष्य” या “यीशु को जानने और उसके लिए जीने वाला मनुष्य”
- “विश्वासी” के अन्य अनुवाद, “यीशु का अनुयायी” या “यीशु को जानने और उसकी आज्ञा माननेवाला मनुष्य”।
- “विश्वासी” शब्द किसी भी मसीही विश्वासी के लिए एक सामान्य शब्द है जबकि “शिष्य” और “प्रेरित” शब्द उन मनुष्यों के लिए जो यीशु को इस सांसारिक जीवन में जानते थे। उचित होगा इन शब्दों का अनुवाद भिन्न-भिन्न शब्दों में किया जाए कि उन्हें अलग-अलग समझा जाए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:3-6
- प्रे.का. 06:5-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:01** यीशु के स्वर्ग में वापस जाने के बाद, चेले यीशु की आज्ञा के अनुसार यरूशलेम में ही ठहरे हुए थे। विश्वासी वहाँ लगातार प्रार्थना करने के लिये एक साथ एकत्र हुए।
- **43:03** जब सब विश्वासी एक जगह एकत्र हुए, अचानक वो घर जहा वे थे आकाश से बड़ी हवा की आवाज़ से भर गया। और उन्हें आग की लपटे सी कुछ दिखाई दीं और उनमें से हर एक के सिर पर आ ठहरीं।
- **43:13** हर दिन बहुत से लोग विश्वासी बन रहे थे।
- **46:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए। तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वास नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:09** कुछ लोग जो यरूशलेम में सताव के मारे तितर-बितर हो गए थे, वे फिरते-फिरते अन्ताकिया पहुँचे और प्रभु यीशु के सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। और विश्वासियों को सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- __47:14__उन्होंने अनेक खतो के द्वारा कलीसियाओं के विश्वासियों को शिक्षा और प्रोत्साहन प्रधान किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4100, G4103

विश्वासी

परिभाषा:

“बाइबल में “विश्वासी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो यीशु मसीह में विश्वास करके उस पर उद्धार के लिए निर्भर करता है।

- "विश्वासी" शब्द का अर्थ है "विश्वास करनेवाला।"
- मसीही शब्द अन्ततः विश्वासियों का नाम हो गया क्योंकि इस शव्द से प्रकट होता है कि वे मसीह यीशु में विश्वास करते है और उसकी शिक्षाओं पर चलते है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “यीशु के विश्वासी” या “मसीह के विश्वासी” कहना अधिक उचित माना गया है।
- इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “यीशु पर भरोसा रखनेवाला मनुष्य” या “यीशु को जानने और उसके लिए जीने वाला मनुष्य”
- “विश्वासी” के अन्य अनुवाद, “यीशु का अनुयायी” या “यीशु को जानने और उसकी आज्ञा माननेवाला मनुष्य”।
- “विश्वासी” शब्द किसी भी मसीही विश्वासी के लिए एक सामान्य शब्द है जबकि “शिष्य” और “प्रेरित” शब्द उन मनुष्यों के लिए जो यीशु को इस सांसारिक जीवन में जानते थे। उचित होगा इन शब्दों का अनुवाद भिन्न-भिन्न शब्दों में किया जाए कि उन्हें अलग-अलग समझा जाए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:3-6
- प्रे.का. 06:5-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:01** यीशु के स्वर्ग में वापस जाने के बाद, चेले यीशु की आज्ञा के अनुसार यरूशलेम में ही ठहरे हुए थे। विश्वासी वहाँ लगातार प्रार्थना करने के लिये एक साथ एकत्र हुए।
- **43:03** जब सब विश्वासी एक जगह एकत्र हुए, अचानक वो घर जहा वे थे आकाश से बड़ी हवा की आवाज़ से भर गया। और उन्हें आग की लपटे सी कुछ दिखाई दीं और उनमें से हर एक के सिर पर आ ठहरीं।
- **43:13** हर दिन बहुत से लोग विश्वासी बन रहे थे।
- **46:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए। तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे।

- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वास नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:09** कुछ लोग जो यरूशलेम में सताव के मारे तितर-बितर हो गए थे, वे फिरते-फिरते अन्ताकिया पहुँचे और प्रभु यीशु के सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। और विश्वासियों को सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- __47:14__उन्होंने अनेक खतो के द्वारा कलीसियाओं के विश्वासियों को शिक्षा और प्रोत्साहन प्रधान किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4100, G4103

विश्वासी

परिभाषा:

“बाइबल में “विश्वासी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो यीशु मसीह में विश्वास करके उस पर उद्धार के लिए निर्भर करता है।

- "विश्वासी" शब्द का अर्थ है "विश्वास करनेवाला।"
- मसीही शब्द अन्ततः विश्वासियों का नाम हो गया क्योंकि इस शव्द से प्रकट होता है कि वे मसीह यीशु में विश्वास करते है और उसकी शिक्षाओं पर चलते है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “यीशु के विश्वासी” या “मसीह के विश्वासी” कहना अधिक उचित माना गया है।
- इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “यीशु पर भरोसा रखनेवाला मनुष्य” या “यीशु को जानने और उसके लिए जीने वाला मनुष्य”
- “विश्वासी” के अन्य अनुवाद, “यीशु का अनुयायी” या “यीशु को जानने और उसकी आज्ञा माननेवाला मनुष्य”।
- “विश्वासी” शब्द किसी भी मसीही विश्वासी के लिए एक सामान्य शब्द है जबकि “शिष्य” और “प्रेरित” शब्द उन मनुष्यों के लिए जो यीशु को इस सांसारिक जीवन में जानते थे। उचित होगा इन शब्दों का अनुवाद भिन्न-भिन्न शब्दों में किया जाए कि उन्हें अलग-अलग समझा जाए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:3-6
- प्रे.का. 06:5-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:01** यीशु के स्वर्ग में वापस जाने के बाद, चेले यीशु की आज्ञा के अनुसार यरूशलेम में ही ठहरे हुए थे। विश्वासी वहाँ लगातार प्रार्थना करने के लिये एक साथ एकत्र हुए।
- **43:03** जब सब विश्वासी एक जगह एकत्र हुए, अचानक वो घर जहा वे थे आकाश से बड़ी हवा की आवाज़ से भर गया। और उन्हें आग की लपटे सी कुछ दिखाई दीं और उनमें से हर एक के सिर पर आ ठहरीं।
- **43:13** हर दिन बहुत से लोग विश्वासी बन रहे थे।
- **46:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए। तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वास नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:09** कुछ लोग जो यरूशलेम में सताव के मारे तितर-बितर हो गए थे, वे फिरते-फिरते अन्ताकिया पहुँचे और प्रभु यीशु के सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। और विश्वासियों को सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- __47:14__उन्होंने अनेक खतो के द्वारा कलीसियाओं के विश्वासियों को शिक्षा और प्रोत्साहन प्रधान किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4100, G4103

विश्वासी

परिभाषा:

“बाइबल में “विश्वासी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो यीशु मसीह में विश्वास करके उस पर उद्धार के लिए निर्भर करता है।

- "विश्वासी" शब्द का अर्थ है "विश्वास करनेवाला।"
- मसीही शब्द अन्ततः विश्वासियों का नाम हो गया क्योंकि इस शव्द से प्रकट होता है कि वे मसीह यीशु में विश्वास करते है और उसकी शिक्षाओं पर चलते है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “यीशु के विश्वासी” या “मसीह के विश्वासी” कहना अधिक उचित माना गया है।
- इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “यीशु पर भरोसा रखनेवाला मनुष्य” या “यीशु को जानने और उसके लिए जीने वाला मनुष्य”
- “विश्वासी” के अन्य अनुवाद, “यीशु का अनुयायी” या “यीशु को जानने और उसकी आज्ञा माननेवाला मनुष्य”।
- “विश्वासी” शब्द किसी भी मसीही विश्वासी के लिए एक सामान्य शब्द है जबकि “शिष्य” और “प्रेरित” शब्द उन मनुष्यों के लिए जो यीशु को इस सांसारिक जीवन में जानते थे। उचित होगा इन शब्दों का अनुवाद भिन्न-भिन्न शब्दों में किया जाए कि उन्हें अलग-अलग समझा जाए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:3-6
- प्रे.का. 06:5-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:01** यीशु के स्वर्ग में वापस जाने के बाद, चेले यीशु की आज्ञा के अनुसार यरूशलेम में ही ठहरे हुए थे। विश्वासी वहाँ लगातार प्रार्थना करने के लिये एक साथ एकत्र हुए।
- **43:03** जब सब विश्वासी एक जगह एकत्र हुए, अचानक वो घर जहा वे थे आकाश से बड़ी हवा की आवाज़ से भर गया। और उन्हें आग की लपटे सी कुछ दिखाई दीं और उनमें से हर एक के सिर पर आ ठहरीं।
- **43:13** हर दिन बहुत से लोग विश्वासी बन रहे थे।
- **46:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए। तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वास नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:09** कुछ लोग जो यरूशलेम में सताव के मारे तितर-बितर हो गए थे, वे फिरते-फिरते अन्ताकिया पहुँचे और प्रभु यीशु के सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। और विश्वासियों को सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- __47:14__उन्होंने अनेक खतो के द्वारा कलीसियाओं के विश्वासियों को शिक्षा और प्रोत्साहन प्रधान किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4100, G4103

विश्वासी

परिभाषा:

“बाइबल में “विश्वासी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो यीशु मसीह में विश्वास करके उस पर उद्धार के लिए निर्भर करता है।

- "विश्वासी" शब्द का अर्थ है "विश्वास करनेवाला।"
- मसीही शब्द अन्ततः विश्वासियों का नाम हो गया क्योंकि इस शव्द से प्रकट होता है कि वे मसीह यीशु में विश्वास करते है और उसकी शिक्षाओं पर चलते है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “यीशु के विश्वासी” या “मसीह के विश्वासी” कहना अधिक उचित माना गया है।

- इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “यीशु पर भरोसा रखनेवाला मनुष्य” या “यीशु को जानने और उसके लिए जीने वाला मनुष्य”
- “विश्वासी” के अन्य अनुवाद, “यीशु का अनुयायी” या “यीशु को जानने और उसकी आज्ञा माननेवाला मनुष्य”।
- “विश्वासी” शब्द किसी भी मसीही विश्वासी के लिए एक सामान्य शब्द है जबकि “शिष्य” और “प्रेरित” शब्द उन मनुष्यों के लिए जो यीशु को इस सांसारिक जीवन में जानते थे। उचित होगा इन शब्दों का अनुवाद भिन्न-भिन्न शब्दों में किया जाए कि उन्हें अलग-अलग समझा जाए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:3-6
- प्रे.का. 06:5-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:01** यीशु के स्वर्ग में वापस जाने के बाद, चेले यीशु की आज्ञा के अनुसार यरूशलेम में ही ठहरे हुए थे। विश्वासी वहाँ लगातार प्रार्थना करने के लिये एक साथ एकत्र हुए।
- **43:03** जब सब विश्वासी एक जगह एकत्र हुए, अचानक वो घर जहा वे थे आकाश से बड़ी हवा की आवाज़ से भर गया। और उन्हें आग की लपटे सी कुछ दिखाई दीं और उनमें से हर एक के सिर पर आ ठहरीं।
- **43:13** हर दिन बहुत से लोग विश्वासी बन रहे थे।
- **46:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए। तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वास नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:09** कुछ लोग जो यरूशलेम में सताव के मारे तितर-बितर हो गए थे, वे फिरते-फिरते अन्ताकिया पहुँचे और प्रभु यीशु के सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। और विश्वासियों को सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- __47:14__उन्होंने अनेक खतो के द्वारा कलीसियाओं के विश्वासियों को शिक्षा और प्रोत्साहन प्रधान किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4100, G4103

विश्वासी

परिभाषा:

“बाइबल में “विश्वासी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो यीशु मसीह में विश्वास करके उस पर उद्धार के लिए निर्भर करता है।

- "विश्वासी" शब्द का अर्थ है "विश्वास करनेवाला।"
- मसीही शब्द अन्ततः विश्वासियों का नाम हो गया क्योंकि इस शव्द से प्रकट होता है कि वे मसीह यीशु में विश्वास करते है और उसकी शिक्षाओं पर चलते है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “यीशु के विश्वासी” या “मसीह के विश्वासी” कहना अधिक उचित माना गया है।
- इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “यीशु पर भरोसा रखनेवाला मनुष्य” या “यीशु को जानने और उसके लिए जीने वाला मनुष्य”
- “विश्वासी” के अन्य अनुवाद, “यीशु का अनुयायी” या “यीशु को जानने और उसकी आज्ञा माननेवाला मनुष्य”।
- “विश्वासी” शब्द किसी भी मसीही विश्वासी के लिए एक सामान्य शब्द है जबकि “शिष्य” और “प्रेरित” शब्द उन मनुष्यों के लिए जो यीशु को इस सांसारिक जीवन में जानते थे। उचित होगा इन शब्दों का अनुवाद भिन्न-भिन्न शब्दों में किया जाए कि उन्हें अलग-अलग समझा जाए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:3-6
- प्रे.का. 06:5-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:01** यीशु के स्वर्ग में वापस जाने के बाद, चेले यीशु की आज्ञा के अनुसार यरूशलेम में ही ठहरे हुए थे। विश्वासी वहाँ लगातार प्रार्थना करने के लिये एक साथ एकत्र हुए।
- **43:03** जब सब विश्वासी एक जगह एकत्र हुए, अचानक वो घर जहा वे थे आकाश से बड़ी हवा की आवाज़ से भर गया। और उन्हें आग की लपटे सी कुछ दिखाई दीं और उनमें से हर एक के सिर पर आ ठहरीं।
- **43:13** हर दिन बहुत से लोग विश्वासी बन रहे थे।
- **46:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए। तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वास नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:09** कुछ लोग जो यरूशलेम में सताव के मारे तितर-बितर हो गए थे, वे फिरते-फिरते अन्ताकिया पहुँचे और प्रभु यीशु के सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। और विश्वासियों को सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- __47:14__उन्होंने अनेक खतो के द्वारा कलीसियाओं के विश्वासियों को शिक्षा और प्रोत्साहन प्रधान किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4100, G4103

विश्वासी

परिभाषा:

“बाइबल में “विश्वासी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो यीशु मसीह में विश्वास करके उस पर उद्धार के लिए निर्भर करता है।

- "विश्वासी" शब्द का अर्थ है "विश्वास करनेवाला।"
- मसीही शब्द अन्ततः विश्वासियों का नाम हो गया क्योंकि इस शव्द से प्रकट होता है कि वे मसीह यीशु में विश्वास करते है और उसकी शिक्षाओं पर चलते है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “यीशु के विश्वासी” या “मसीह के विश्वासी” कहना अधिक उचित माना गया है।
- इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “यीशु पर भरोसा रखनेवाला मनुष्य” या “यीशु को जानने और उसके लिए जीने वाला मनुष्य”
- “विश्वासी” के अन्य अनुवाद, “यीशु का अनुयायी” या “यीशु को जानने और उसकी आज्ञा माननेवाला मनुष्य”।
- “विश्वासी” शब्द किसी भी मसीही विश्वासी के लिए एक सामान्य शब्द है जबकि “शिष्य” और “प्रेरित” शब्द उन मनुष्यों के लिए जो यीशु को इस सांसारिक जीवन में जानते थे। उचित होगा इन शब्दों का अनुवाद भिन्न-भिन्न शब्दों में किया जाए कि उन्हें अलग-अलग समझा जाए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:3-6
- प्रे.का. 06:5-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:01** यीशु के स्वर्ग में वापस जाने के बाद, चेले यीशु की आज्ञा के अनुसार यरूशलेम में ही ठहरे हुए थे। विश्वासी वहाँ लगातार प्रार्थना करने के लिये एक साथ एकत्र हुए।
- **43:03** जब सब विश्वासी एक जगह एकत्र हुए, अचानक वो घर जहा वे थे आकाश से बड़ी हवा की आवाज़ से भर गया। और उन्हें आग की लपटे सी कुछ दिखाई दीं और उनमें से हर एक के सिर पर आ ठहरीं।
- **43:13** हर दिन बहुत से लोग विश्वासी बन रहे थे।
- **46:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए। तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वास नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:09** कुछ लोग जो यरूशलेम में सताव के मारे तितर-बितर हो गए थे, वे फिरते-फिरते अन्ताकिया पहुँचे और प्रभु यीशु के सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। और विश्वासियों को सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- __47:14__उन्होंने अनेक खतो के द्वारा कलीसियाओं के विश्वासियों को शिक्षा और प्रोत्साहन प्रधान किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4100, G4103

विश्वासी

परिभाषा:

“बाइबल में “विश्वासी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो यीशु मसीह में विश्वास करके उस पर उद्धार के लिए निर्भर करता है।

- "विश्वासी" शब्द का अर्थ है "विश्वास करनेवाला।"
- मसीही शब्द अन्ततः विश्वासियों का नाम हो गया क्योंकि इस शव्द से प्रकट होता है कि वे मसीह यीशु में विश्वास करते है और उसकी शिक्षाओं पर चलते है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “यीशु के विश्वासी” या “मसीह के विश्वासी” कहना अधिक उचित माना गया है।
- इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “यीशु पर भरोसा रखनेवाला मनुष्य” या “यीशु को जानने और उसके लिए जीने वाला मनुष्य”
- “विश्वासी” के अन्य अनुवाद, “यीशु का अनुयायी” या “यीशु को जानने और उसकी आज्ञा माननेवाला मनुष्य”।
- “विश्वासी” शब्द किसी भी मसीही विश्वासी के लिए एक सामान्य शब्द है जबकि “शिष्य” और “प्रेरित” शब्द उन मनुष्यों के लिए जो यीशु को इस सांसारिक जीवन में जानते थे। उचित होगा इन शब्दों का अनुवाद भिन्न-भिन्न शब्दों में किया जाए कि उन्हें अलग-अलग समझा जाए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:3-6
- प्रे.का. 06:5-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:01** यीशु के स्वर्ग में वापस जाने के बाद, चेले यीशु की आज्ञा के अनुसार यरूशलेम में ही ठहरे हुए थे। विश्वासी वहाँ लगातार प्रार्थना करने के लिये एक साथ एकत्र हुए।
- **43:03** जब सब विश्वासी एक जगह एकत्र हुए, अचानक वो घर जहा वे थे आकाश से बड़ी हवा की आवाज़ से भर गया। और उन्हें आग की लपटे सी कुछ दिखाई दीं और उनमें से हर एक के सिर पर आ ठहरीं।
- **43:13** हर दिन बहुत से लोग विश्वासी बन रहे थे।
- **46:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए। तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वास नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:09** कुछ लोग जो यरूशलेम में सताव के मारे तितर-बितर हो गए थे, वे फिरते-फिरते अन्ताकिया पहुँचे और प्रभु यीशु के सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। और विश्वासियों को सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- __47:14__उन्होंने अनेक खतो के द्वारा कलीसियाओं के विश्वासियों को शिक्षा और प्रोत्साहन प्रधान किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4100, G4103

विश्वासी

परिभाषा:

“बाइबल में “विश्वासी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो यीशु मसीह में विश्वास करके उस पर उद्धार के लिए निर्भर करता है।

- "विश्वासी" शब्द का अर्थ है "विश्वास करनेवाला।"
- मसीही शब्द अन्ततः विश्वासियों का नाम हो गया क्योंकि इस शव्द से प्रकट होता है कि वे मसीह यीशु में विश्वास करते है और उसकी शिक्षाओं पर चलते है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “यीशु के विश्वासी” या “मसीह के विश्वासी” कहना अधिक उचित माना गया है।
- इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “यीशु पर भरोसा रखनेवाला मनुष्य” या “यीशु को जानने और उसके लिए जीने वाला मनुष्य”
- “विश्वासी” के अन्य अनुवाद, “यीशु का अनुयायी” या “यीशु को जानने और उसकी आज्ञा माननेवाला मनुष्य”।
- “विश्वासी” शब्द किसी भी मसीही विश्वासी के लिए एक सामान्य शब्द है जबकि “शिष्य” और “प्रेरित” शब्द उन मनुष्यों के लिए जो यीशु को इस सांसारिक जीवन में जानते थे। उचित होगा इन शब्दों का अनुवाद भिन्न-भिन्न शब्दों में किया जाए कि उन्हें अलग-अलग समझा जाए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:3-6
- प्रे.का. 06:5-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:01** यीशु के स्वर्ग में वापस जाने के बाद, चेले यीशु की आज्ञा के अनुसार यरूशलेम में ही ठहरे हुए थे। विश्वासी वहाँ लगातार प्रार्थना करने के लिये एक साथ एकत्र हुए।
- **43:03** जब सब विश्वासी एक जगह एकत्र हुए, अचानक वो घर जहा वे थे आकाश से बड़ी हवा की आवाज़ से भर गया। और उन्हें आग की लपटे सी कुछ दिखाई दीं और उनमें से हर एक के सिर पर आ ठहरीं।
- **43:13** हर दिन बहुत से लोग विश्वासी बन रहे थे।
- **46:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए। तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वास नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:09** कुछ लोग जो यरूशलेम में सताव के मारे तितर-बितर हो गए थे, वे फिरते-फिरते अन्ताकिया पहुँचे और प्रभु यीशु के सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। और विश्वासियों को सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- __47:14__उन्होंने अनेक खतो के द्वारा कलीसियाओं के विश्वासियों को शिक्षा और प्रोत्साहन प्रधान किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4100, G4103

विश्वासी

परिभाषा:

“बाइबल में “विश्वासी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो यीशु मसीह में विश्वास करके उस पर उद्धार के लिए निर्भर करता है।

- "विश्वासी" शब्द का अर्थ है "विश्वास करनेवाला।"
- मसीही शब्द अन्ततः विश्वासियों का नाम हो गया क्योंकि इस शव्द से प्रकट होता है कि वे मसीह यीशु में विश्वास करते है और उसकी शिक्षाओं पर चलते है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “यीशु के विश्वासी” या “मसीह के विश्वासी” कहना अधिक उचित माना गया है।
- इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “यीशु पर भरोसा रखनेवाला मनुष्य” या “यीशु को जानने और उसके लिए जीने वाला मनुष्य”
- “विश्वासी” के अन्य अनुवाद, “यीशु का अनुयायी” या “यीशु को जानने और उसकी आज्ञा माननेवाला मनुष्य”।
- “विश्वासी” शब्द किसी भी मसीही विश्वासी के लिए एक सामान्य शब्द है जबकि “शिष्य” और “प्रेरित” शब्द उन मनुष्यों के लिए जो यीशु को इस सांसारिक जीवन में जानते थे। उचित होगा इन शब्दों का अनुवाद भिन्न-भिन्न शब्दों में किया जाए कि उन्हें अलग-अलग समझा जाए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:3-6

- प्रे.का. 06:5-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:01** यीशु के स्वर्ग में वापस जाने के बाद, चेले यीशु की आज्ञा के अनुसार यरूशलेम में ही ठहरे हुए थे। विश्वासी वहाँ लगातार प्रार्थना करने के लिये एक साथ एकत्र हुए।
- **43:03** जब सब विश्वासी एक जगह एकत्र हुए, अचानक वो घर जहा वे थे आकाश से बड़ी हवा की आवाज़ से भर गया। और उन्हें आग की लपटे सी कुछ दिखाई दीं और उनमें से हर एक के सिर पर आ ठहरीं।
- **43:13** हर दिन बहुत से लोग विश्वासी बन रहे थे।
- **46:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए। तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वास नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:09** कुछ लोग जो यरूशलेम में सताव के मारे तितर-बितर हो गए थे, वे फिरते-फिरते अन्ताकिया पहुँचे और प्रभु यीशु के सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। और विश्वासियों को सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- __47:14__उन्होंने अनेक खतो के द्वारा कलीसियाओं के विश्वासियों को शिक्षा और प्रोत्साहन प्रधान किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4100, G4103

विश्वासी

परिभाषा:

“बाइबल में “विश्वासी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो यीशु मसीह में विश्वास करके उस पर उद्धार के लिए निर्भर करता है।

- "विश्वासी" शब्द का अर्थ है "विश्वास करनेवाला।"
- मसीही शब्द अन्ततः विश्वासियों का नाम हो गया क्योंकि इस शव्द से प्रकट होता है कि वे मसीह यीशु में विश्वास करते है और उसकी शिक्षाओं पर चलते है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “यीशु के विश्वासी” या “मसीह के विश्वासी” कहना अधिक उचित माना गया है।
- इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “यीशु पर भरोसा रखनेवाला मनुष्य” या “यीशु को जानने और उसके लिए जीने वाला मनुष्य”
- “विश्वासी” के अन्य अनुवाद, “यीशु का अनुयायी” या “यीशु को जानने और उसकी आज्ञा माननेवाला मनुष्य”।
- “विश्वासी” शब्द किसी भी मसीही विश्वासी के लिए एक सामान्य शब्द है जबकि “शिष्य” और “प्रेरित” शब्द उन मनुष्यों के लिए जो यीशु को इस सांसारिक जीवन में जानते थे। उचित होगा इन शब्दों का अनुवाद भिन्न-भिन्न शब्दों में किया जाए कि उन्हें अलग-अलग समझा जाए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:3-6
- प्रे.का. 06:5-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:01** यीशु के स्वर्ग में वापस जाने के बाद, चेले यीशु की आज्ञा के अनुसार यरूशलेम में ही ठहरे हुए थे। विश्वासी वहाँ लगातार प्रार्थना करने के लिये एक साथ एकत्र हुए।
- **43:03** जब सब विश्वासी एक जगह एकत्र हुए, अचानक वो घर जहा वे थे आकाश से बड़ी हवा की आवाज़ से भर गया। और उन्हें आग की लपटे सी कुछ दिखाई दीं और उनमें से हर एक के सिर पर आ ठहरीं।
- **43:13** हर दिन बहुत से लोग विश्वासी बन रहे थे।
- **46:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए। तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वास नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।

- **46:09** कुछ लोग जो यरूशलेम में सताव के मारे तितर-बितर हो गए थे, वे फिरते-फिरते अन्ताकिया पहुँचे और प्रभु यीशु के सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। और विश्वासियों को सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- __47:14__उन्होंने अनेक खतो के द्वारा कलीसियाओं के विश्वासियों को शिक्षा और प्रोत्साहन प्रधान किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4100, G4103

विश्वासी

परिभाषा:

“बाइबल में “विश्वासी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो यीशु मसीह में विश्वास करके उस पर उद्धार के लिए निर्भर करता है।

- "विश्वासी" शब्द का अर्थ है "विश्वास करनेवाला।"
- मसीही शब्द अन्ततः विश्वासियों का नाम हो गया क्योंकि इस शव्द से प्रकट होता है कि वे मसीह यीशु में विश्वास करते है और उसकी शिक्षाओं पर चलते है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “यीशु के विश्वासी” या “मसीह के विश्वासी” कहना अधिक उचित माना गया है।
- इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “यीशु पर भरोसा रखनेवाला मनुष्य” या “यीशु को जानने और उसके लिए जीने वाला मनुष्य”
- “विश्वासी” के अन्य अनुवाद, “यीशु का अनुयायी” या “यीशु को जानने और उसकी आज्ञा माननेवाला मनुष्य”।
- “विश्वासी” शब्द किसी भी मसीही विश्वासी के लिए एक सामान्य शब्द है जबकि “शिष्य” और “प्रेरित” शब्द उन मनुष्यों के लिए जो यीशु को इस सांसारिक जीवन में जानते थे। उचित होगा इन शब्दों का अनुवाद भिन्न-भिन्न शब्दों में किया जाए कि उन्हें अलग-अलग समझा जाए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:3-6
- प्रे.का. 06:5-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:01** यीशु के स्वर्ग में वापस जाने के बाद, चेले यीशु की आज्ञा के अनुसार यरूशलेम में ही ठहरे हुए थे। विश्वासी वहाँ लगातार प्रार्थना करने के लिये एक साथ एकत्र हुए।
- **43:03** जब सब विश्वासी एक जगह एकत्र हुए, अचानक वो घर जहा वे थे आकाश से बड़ी हवा की आवाज़ से भर गया। और उन्हें आग की लपटे सी कुछ दिखाई दीं और उनमें से हर एक के सिर पर आ ठहरीं।
- **43:13** हर दिन बहुत से लोग विश्वासी बन रहे थे।
- **46:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए। तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वास नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:09** कुछ लोग जो यरूशलेम में सताव के मारे तितर-बितर हो गए थे, वे फिरते-फिरते अन्ताकिया पहुँचे और प्रभु यीशु के सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। और विश्वासियों को सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- __47:14__उन्होंने अनेक खतो के द्वारा कलीसियाओं के विश्वासियों को शिक्षा और प्रोत्साहन प्रधान किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4100, G4103

विश्वासी

परिभाषा:

“बाइबल में “विश्वासी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो यीशु मसीह में विश्वास करके उस पर उद्धार के लिए निर्भर करता है।

- "विश्वासी" शब्द का अर्थ है "विश्वास करनेवाला।"
- मसीही शब्द अन्ततः विश्वासियों का नाम हो गया क्योंकि इस शव्द से प्रकट होता है कि वे मसीह यीशु में विश्वास करते है और उसकी शिक्षाओं पर चलते है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “यीशु के विश्वासी” या “मसीह के विश्वासी” कहना अधिक उचित माना गया है।
- इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “यीशु पर भरोसा रखनेवाला मनुष्य” या “यीशु को जानने और उसके लिए जीने वाला मनुष्य”
- “विश्वासी” के अन्य अनुवाद, “यीशु का अनुयायी” या “यीशु को जानने और उसकी आज्ञा माननेवाला मनुष्य”।
- “विश्वासी” शब्द किसी भी मसीही विश्वासी के लिए एक सामान्य शब्द है जबकि “शिष्य” और “प्रेरित” शब्द उन मनुष्यों के लिए जो यीशु को इस सांसारिक जीवन में जानते थे। उचित होगा इन शब्दों का अनुवाद भिन्न-भिन्न शब्दों में किया जाए कि उन्हें अलग-अलग समझा जाए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:3-6
- प्रे.का. 06:5-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:01** यीशु के स्वर्ग में वापस जाने के बाद, चेले यीशु की आज्ञा के अनुसार यरूशलेम में ही ठहरे हुए थे। विश्वासी वहाँ लगातार प्रार्थना करने के लिये एक साथ एकत्र हुए।
- **43:03** जब सब विश्वासी एक जगह एकत्र हुए, अचानक वो घर जहा वे थे आकाश से बड़ी हवा की आवाज़ से भर गया। और उन्हें आग की लपटे सी कुछ दिखाई दीं और उनमें से हर एक के सिर पर आ ठहरीं।
- **43:13** हर दिन बहुत से लोग विश्वासी बन रहे थे।
- **46:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए। तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वास नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:09** कुछ लोग जो यरूशलेम में सताव के मारे तितर-बितर हो गए थे, वे फिरते-फिरते अन्ताकिया पहुँचे और प्रभु यीशु के सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। और विश्वासियों को सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- __47:14__उन्होंने अनेक खतो के द्वारा कलीसियाओं के विश्वासियों को शिक्षा और प्रोत्साहन प्रधान किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4100, G4103

विश्वासी

परिभाषा:

“बाइबल में “विश्वासी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो यीशु मसीह में विश्वास करके उस पर उद्धार के लिए निर्भर करता है।

- "विश्वासी" शब्द का अर्थ है "विश्वास करनेवाला।"
- मसीही शब्द अन्ततः विश्वासियों का नाम हो गया क्योंकि इस शव्द से प्रकट होता है कि वे मसीह यीशु में विश्वास करते है और उसकी शिक्षाओं पर चलते है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “यीशु के विश्वासी” या “मसीह के विश्वासी” कहना अधिक उचित माना गया है।

- इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “यीशु पर भरोसा रखनेवाला मनुष्य” या “यीशु को जानने और उसके लिए जीने वाला मनुष्य”
- “विश्वासी” के अन्य अनुवाद, “यीशु का अनुयायी” या “यीशु को जानने और उसकी आज्ञा माननेवाला मनुष्य”।
- “विश्वासी” शब्द किसी भी मसीही विश्वासी के लिए एक सामान्य शब्द है जबकि “शिष्य” और “प्रेरित” शब्द उन मनुष्यों के लिए जो यीशु को इस सांसारिक जीवन में जानते थे। उचित होगा इन शब्दों का अनुवाद भिन्न-भिन्न शब्दों में किया जाए कि उन्हें अलग-अलग समझा जाए।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही, चेला)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 09:3-6
- प्रे.का. 06:5-6

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **43:01** यीशु के स्वर्ग में वापस जाने के बाद, चेले यीशु की आज्ञा के अनुसार यरूशलेम में ही ठहरे हुए थे। विश्वासी वहाँ लगातार प्रार्थना करने के लिये एक साथ एकत्र हुए।
- **43:03** जब सब विश्वासी एक जगह एकत्र हुए, अचानक वो घर जहा वे थे आकाश से बड़ी हवा की आवाज़ से भर गया। और उन्हें आग की लपटे सी कुछ दिखाई दीं और उनमें से हर एक के सिर पर आ ठहरीं।
- **43:13** हर दिन बहुत से लोग विश्वासी बन रहे थे।
- **46:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए। तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे।
- **46:01** शाऊल वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वास नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:09** कुछ लोग जो यरूशलेम में सताव के मारे तितर-बितर हो गए थे, वे फिरते-फिरते अन्ताकिया पहुँचे और प्रभु यीशु के सुसमाचार की बातें सुनाने लगे। और विश्वासियों को सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- __47:14__उन्होंने अनेक खतो के द्वारा कलीसियाओं के विश्वासियों को शिक्षा और प्रोत्साहन प्रधान किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4100, G4103

वीणा, तार वाला बाजा, सारंगियाँ

परिभाषा:

“वीणा” और “तारवाला बाजा” ये वाद्य-यंत्र परमेश्वर की आराधना में इस्राएल द्वारा काम में लिए जाते थे।

- वाद्य एक छोटे वीणा की तरह दिखती है, जिसमें एक चौखटे में तार लगा होता था।
- जिसे तारवाला बाजा कहा गया है वह काफी कुछ आज के गिटार जैसा होता था एक खोखला डब्बा और लम्बी डंडी जिस पर तार कसे होते थे।
- वाद्यों को बजाने के लिए एक हाथ से तारों को दबाया जाता था और दूसरे हाथ से उन तारों को छेड़ा जाता था।
- वीणा, तारवाला बाजा और सारंगी सबको तार छेड़ कर बजाया जाता था।
- इनके तारों की संख्या अलग-अलग थी परन्तु पुराने नियम में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि दस तार वाले बाजे।

(यह भी देखें: वीणा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:11-12
- 1 शमूएल 10:5-6
- 2 इतिहास 05:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3658, H5035, H5443

वीणा, वीणाओं, बजानेवाला, वीणा बजानेवाले

परिभाषा:

- वीणा, एक तारवाला वाद्य यन्त्र होता था।
- बाइबल में चीड़ की लकड़ी से वीणा एवं अन्य वाद्ययंत्र बनाए जाते थे।
- वीणा हाथ में उठाकर चलते हुए बजाया जाता था।
- बाइबल में वीणा परमेश्वर की स्तुति एवं उपासना में बजाई जाती थी।
- दाऊद के अनेक भजन वीणा के संगीत पर रचे गए थे।
- वह राजा शाऊल की परेशान आत्मा को शान्ति देने के लिए भी वीणा बजाता था।

(यह भी देखें: दाऊद, सनौबर, भजन, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:16-18
- आमोस 05:23-24
- दानिय्येल 03:3-5
- भजन संहिता 033:1-3
- प्रकाशितवाक्य 05:8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3658, H5035, H5059, H7030, G2788, G2789, G2790

वेदी, वेदियों

परिभाषा:

वेदी एक पत्थर निमित ऊंचा स्थान होता था जिस पर इस्राएली परमेश्वर के लिए पशु या अन्न होम करके बलि करते थे।

- बाइबल के युग में मिट्टी या बड़े-बड़े पत्थरों को एक साथ रखकर टीला सा बनाया जाता था।
- कुछ विशेष वेदियां लकड़ी के बक्से जैसी बनाई जाती थी जिन पर सोना, पीतल या कांसा चढ़ाया जाता था।
- इस्राएल के पड़ोस की जातियां भी अपने देवताओं के लिए वेदियां बनाती थी।

(यह भी देखें: धूप की वेदी, देवता, अन्नबलि, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 08:20-22
- उत्पत्ति 22:9-10
- याकूब 02:21-24
- लूका 11:49-51
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 23:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:14** उसने एक वेदी बनाई, जिसे बलिदान के लिये इस्तमाल किया जा सके और सभी तरह के जन्तुओ का बलिदान दिया।
- **05:08** जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया।
- **13:09** एक पुरोहित ने पशु को मारकर उसे वेदी पर जला दिया।
- **16:06** उसने(गिदोन) एक नई वेदी बनाई जो परमेश्वर यहोवा के लिए बनाई वह पहिले देवताओं की मूर्ति के वेदी के पास समर्पित किया जाता था और उसमें देवताओं को बलिदान दिया जाता था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H741, H2025, H4056, H4196, G1041, G2379

वेदी, वेदियों

परिभाषा:

वेदी एक पत्थर निमित ऊंचा स्थान होता था जिस पर इस्राएली परमेश्वर के लिए पशु या अन्न होम करके बलि करते थे।

- बाइबल के युग में मिट्टी या बड़े-बड़े पत्थरों को एक साथ रखकर टीला सा बनाया जाता था।
- कुछ विशेष वेदियां लकड़ी के बक्से जैसी बनाई जाती थी जिन पर सोना, पीतल या कांसा चढ़ाया जाता था।
- इस्राएल के पड़ोस की जातियां भी अपने देवताओं के लिए वेदियां बनाती थी।

(यह भी देखें: धूप की वेदी, देवता, अन्नबलि, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 08:20-22
- उत्पत्ति 22:9-10
- याकूब 02:21-24
- लूका 11:49-51
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 23:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:14** उसने एक वेदी बनाई, जिसे बलिदान के लिये इस्तमाल किया जा सके और सभी तरह के जन्तुओ का बलिदान दिया।
- **05:08** जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया।
- **13:09** एक पुरोहित ने पशु को मारकर उसे वेदी पर जला दिया।
- **16:06** उसने(गिदोन) एक नई वेदी बनाई जो परमेश्वर यहोवा के लिए बनाई वह पहिले देवताओं की मूर्ति के वेदी के पास समर्पित किया जाता था और उसमें देवताओं को बलिदान दिया जाता था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H741, H2025, H4056, H4196, G1041, G2379

वेदी, वेदियों

परिभाषा:

वेदी एक पत्थर निमित ऊंचा स्थान होता था जिस पर इस्राएली परमेश्वर के लिए पशु या अन्न होम करके बलि करते थे।

- बाइबल के युग में मिट्टी या बड़े-बड़े पत्थरों को एक साथ रखकर टीला सा बनाया जाता था।
- कुछ विशेष वेदियां लकड़ी के बक्से जैसी बनाई जाती थी जिन पर सोना, पीतल या कांसा चढ़ाया जाता था।
- इस्राएल के पड़ोस की जातियां भी अपने देवताओं के लिए वेदियां बनाती थी।

(यह भी देखें: धूप की वेदी, देवता, अन्नबलि, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 08:20-22
- उत्पत्ति 22:9-10
- याकूब 02:21-24
- लूका 11:49-51
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 23:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:14** उसने एक वेदी बनाई, जिसे बलिदान के लिये इस्तमाल किया जा सके और सभी तरह के जन्तुओ का बलिदान दिया।
- **05:08** जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया।
- **13:09** एक पुरोहित ने पशु को मारकर उसे वेदी पर जला दिया।

- **16:06** उसने(गिदोन) एक नई वेदी बनाई जो परमेश्वर यहोवा के लिए बनाई वह पहिले देवताओं की मूर्ति के वेदी के पास समर्पित किया जाता था और उसमें देवताओं को बलिदान दिया जाता था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H741, H2025, H4056, H4196, G1041, G2379

वेदी, वेदियों

परिभाषा:

वेदी एक पत्थर निमित ऊंचा स्थान होता था जिस पर इस्राएली परमेश्वर के लिए पशु या अन्न होम करके बलि करते थे।

- बाइबल के युग में मिट्टी या बड़े-बड़े पत्थरों को एक साथ रखकर टीला सा बनाया जाता था।
- कुछ विशेष वेदियां लकड़ी के बक्से जैसी बनाई जाती थी जिन पर सोना, पीतल या कांसा चढ़ाया जाता था।
- इस्राएल के पड़ोस की जातियां भी अपने देवताओं के लिए वेदियां बनाती थी।

(यह भी देखें: धूप की वेदी, देवता, अन्नबलि, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 08:20-22
- उत्पत्ति 22:9-10
- याकूब 02:21-24
- लूका 11:49-51
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 23:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:14** उसने एक वेदी बनाई, जिसे बलिदान के लिये इस्तमाल किया जा सके और सभी तरह के जन्तुओ का बलिदान दिया।
- **05:08** जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया।
- **13:09** एक पुरोहित ने पशु को मारकर उसे वेदी पर जला दिया।
- **16:06** उसने(गिदोन) एक नई वेदी बनाई जो परमेश्वर यहोवा के लिए बनाई वह पहिले देवताओं की मूर्ति के वेदी के पास समर्पित किया जाता था और उसमें देवताओं को बलिदान दिया जाता था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H741, H2025, H4056, H4196, G1041, G2379

वेदी, वेदियों

परिभाषा:

वेदी एक पत्थर निमित ऊंचा स्थान होता था जिस पर इस्राएली परमेश्वर के लिए पशु या अन्न होम करके बलि करते थे।

- बाइबल के युग में मिट्टी या बड़े-बड़े पत्थरों को एक साथ रखकर टीला सा बनाया जाता था।
- कुछ विशेष वेदियां लकड़ी के बक्से जैसी बनाई जाती थी जिन पर सोना, पीतल या कांसा चढ़ाया जाता था।
- इस्राएल के पड़ोस की जातियां भी अपने देवताओं के लिए वेदियां बनाती थी।

(यह भी देखें: धूप की वेदी, देवता, अन्नबलि, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 08:20-22
- उत्पत्ति 22:9-10
- याकूब 02:21-24
- लूका 11:49-51
- मत्ती 05:23-24

- मत्ती 23:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:14** उसने एक वेदी बनाई, जिसे बलिदान के लिये इस्तमाल किया जा सके और सभी तरह के जन्तुओ का बलिदान दिया।
- **05:08** जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया।
- **13:09** एक पुरोहित ने पशु को मारकर उसे वेदी पर जला दिया।
- **16:06** उसने(गिदोन) एक नई वेदी बनाई जो परमेश्वर यहोवा के लिए बनाई वह पहिले देवताओं की मूर्ति के वेदी के पास समर्पित किया जाता था और उसमें देवताओं को बलिदान दिया जाता था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H741, H2025, H4056, H4196, G1041, G2379

वेदी, वेदियों

परिभाषा:

वेदी एक पत्थर निमित ऊंचा स्थान होता था जिस पर इस्राएली परमेश्वर के लिए पशु या अन्न होम करके बलि करते थे।

- बाइबल के युग में मिट्टी या बड़े-बड़े पत्थरों को एक साथ रखकर टीला सा बनाया जाता था।
- कुछ विशेष वेदियां लकड़ी के बक्से जैसी बनाई जाती थी जिन पर सोना, पीतल या कांसा चढ़ाया जाता था।
- इस्राएल के पड़ोस की जातियां भी अपने देवताओं के लिए वेदियां बनाती थी।

(यह भी देखें: धूप की वेदी, देवता, अन्नबलि, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 08:20-22
- उत्पत्ति 22:9-10
- याकूब 02:21-24
- लूका 11:49-51
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 23:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:14** उसने एक वेदी बनाई, जिसे बलिदान के लिये इस्तमाल किया जा सके और सभी तरह के जन्तुओ का बलिदान दिया।
- **05:08** जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया।
- **13:09** एक पुरोहित ने पशु को मारकर उसे वेदी पर जला दिया।
- **16:06** उसने(गिदोन) एक नई वेदी बनाई जो परमेश्वर यहोवा के लिए बनाई वह पहिले देवताओं की मूर्ति के वेदी के पास समर्पित किया जाता था और उसमें देवताओं को बलिदान दिया जाता था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H741, H2025, H4056, H4196, G1041, G2379

वेदी, वेदियों

परिभाषा:

वेदी एक पत्थर निमित ऊंचा स्थान होता था जिस पर इस्राएली परमेश्वर के लिए पशु या अन्न होम करके बलि करते थे।

- बाइबल के युग में मिट्टी या बड़े-बड़े पत्थरों को एक साथ रखकर टीला सा बनाया जाता था।
- कुछ विशेष वेदियां लकड़ी के बक्से जैसी बनाई जाती थी जिन पर सोना, पीतल या कांसा चढ़ाया जाता था।
- इस्राएल के पड़ोस की जातियां भी अपने देवताओं के लिए वेदियां बनाती थी।

(यह भी देखें: धूप की वेदी, देवता, अन्नबलि, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 08:20-22
- उत्पत्ति 22:9-10
- याकूब 02:21-24
- लूका 11:49-51
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 23:18-19

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **03:14** उसने एक वेदी बनाई, जिसे बलिदान के लिये इस्तमाल किया जा सके और सभी तरह के जन्तुओ का बलिदान दिया।
- **05:08** जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया।
- **13:09** एक पुरोहित ने पशु को मारकर उसे वेदी पर जला दिया।
- **16:06** उसने(गिदोन) एक नई वेदी बनाई जो परमेश्वर यहोवा के लिए बनाई वह पहिले देवताओं की मूर्ति के वेदी के पास समर्पित किया जाता था और उसमें देवताओं को बलिदान दिया जाता था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H741, H2025, H4056, H4196, G1041, G2379

वैभव

परिभाषा:

"वैभव" का अर्थ परम सुंदरता और चारुता है जो अक्सर धन और एक तेजस्वी रूप से जुड़ा होता है ।

- “वैभव” शब्द उपयोग अधिकतर राजा के पास जो धन है या उसके बहुमूल्य सुन्दर वस्त्रों में उसके रूप का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
- "वैभव" शब्द वृक्षों, पर्वतों और परमेश्वर की सृष्टि की अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए भी किया जाता है।
- कुछ नगरों को भी वैभवशाली कहा जाता है, उनके प्रकृति संसाधनों, विस्तृत ईमारतों एवं सड़कों तथा निवासियों की धन-सम्पदा जैसे वेशभूषा, सोना-चांदी आदि के लिए भी वैभवशाली कहा जाता है।
- संदर्भ के आधार पर,

इस शब्द का अनुवाद, "शानदार सौंदर्य" या "अद्भुत महिमा" या "राजसी महानता" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, महामहिमन्)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 16:27
- निर्गमन 28:1-3
- यहेजकेल 28:07
- लूका 04:07
- भजन-संहिता 089:44-45
- प्रकाशितवाक्य 21:26-27

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1925, H1926, H1927, H1935, H2091, H2122, H2892, H3314, H3519, H6643, H7613, H8597

वैभव

परिभाषा:

"वैभव" का अर्थ परम सुंदरता और चारुता है जो अक्सर धन और एक तेजस्वी रूप से जुड़ा होता है ।

- “वैभव” शब्द उपयोग अधिकतर राजा के पास जो धन है या उसके बहुमूल्य सुन्दर वस्त्रों में उसके रूप का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

- "वैभव" शब्द वृक्षों, पर्वतों और परमेश्वर की सृष्टि की अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए भी किया जाता है।
- कुछ नगरों को भी वैभवशाली कहा जाता है, उनके प्रकृति संसाधनों, विस्तृत ईमारतों एवं सड़कों तथा निवासियों की धन-सम्पदा जैसे वेशभूषा, सोना-चांदी आदि के लिए भी वैभवशाली कहा जाता है।
- संदर्भ के आधार पर,

इस शब्द का अनुवाद, "शानदार सौंदर्य" या "अद्भुत महिमा" या "राजसी महानता" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, महामहिमन्)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 16:27
- निर्गमन 28:1-3
- यहेजकेल 28:07
- लूका 04:07
- भजन-संहिता 089:44-45
- प्रकाशितवाक्य 21:26-27

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1925, H1926, H1927, H1935, H2091, H2122, H2892, H3314, H3519, H6643, H7613, H8597

वैभव

परिभाषा:

"वैभव" का अर्थ परम सुंदरता और चारुता है जो अक्सर धन और एक तेजस्वी रूप से जुड़ा होता है ।

- “वैभव” शब्द उपयोग अधिकतर राजा के पास जो धन है या उसके बहुमूल्य सुन्दर वस्त्रों में उसके रूप का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
- "वैभव" शब्द वृक्षों, पर्वतों और परमेश्वर की सृष्टि की अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए भी किया जाता है।
- कुछ नगरों को भी वैभवशाली कहा जाता है, उनके प्रकृति संसाधनों, विस्तृत ईमारतों एवं सड़कों तथा निवासियों की धन-सम्पदा जैसे वेशभूषा, सोना-चांदी आदि के लिए भी वैभवशाली कहा जाता है।
- संदर्भ के आधार पर,

इस शब्द का अनुवाद, "शानदार सौंदर्य" या "अद्भुत महिमा" या "राजसी महानता" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, महामहिमन्)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 16:27
- निर्गमन 28:1-3
- यहेजकेल 28:07
- लूका 04:07
- भजन-संहिता 089:44-45
- प्रकाशितवाक्य 21:26-27

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1925, H1926, H1927, H1935, H2091, H2122, H2892, H3314, H3519, H6643, H7613, H8597

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यतः व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।

- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।
- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18
- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यत: व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।

- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18
- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यतः व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।
- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18

- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यत: व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।
- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18
- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यतः व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।
- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18
- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यतः व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।

- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।
- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18
- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यत: व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।

- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18
- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यतः व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।
- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18

- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यत: व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।
- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18
- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यतः व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।
- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18
- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यतः व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।

- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।
- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18
- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यत: व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।

- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18
- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यतः व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।
- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18

- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यत: व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।
- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18
- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यतः व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।
- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18
- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यतः व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।

- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।
- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18
- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यत: व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।

- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18
- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचारी, व्यभिचारी, व्यभिचारिणी, व्यभिचारी,व्यभिचारिणियों

परिभाषा:

“व्यभिचार” अर्थात विवाहित मनुष्य द्वारा विवाह की सीमा के बाहर यौन सम्बन्ध बनाने का पाप। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” ऐसा व्याहार या ऐसा पाप करने वाला मनुष्य।

- व्यभिचारी सामान्यतः व्यभिचार करनेवाला मनुष्य के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचारिणी-व्यभिचार करनेवाली स्त्री के सन्दर्भ में है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी द्वारा विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ना।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यभिचार नहीं करने का आदेश दिया।
- “व्यभिचारिणियों” प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल के लिए काम में लिया गया है जब वे परमेश्वर के स्वामीभक्त नहीं होते थे, विशेष करके जब वे छुठे ईश्वर की उपासना करते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में व्यभिचार के अनुवाद हेतु एक शब्द न होते। इसका अनुवाद एक उक्ति में किया जा सकता है, “किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”।
- जब '' व्यभिचारी '' का प्रयोग किसी आलंकारिक अर्थ में किया जाता है, तो अविश्वासी पति / पत्नी के साथ तुलना की जा रही उनके आज्ञा न मानने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर के विचारों के बारे में संवाद करने के लिए, यह सबसे अच्छा अनुवाद करना है। अगर यह लक्षित भाषा में सही ढंग से नहीं व्यक्त किया जाए, तो "व्यभिचारी" का आलंकारिक उपयोग "विश्वासघाती" या "अनैतिक" या "विश्वासघाती पति की तरह" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: करना, वाचा, व्यभिचार, के साथ संबंध थे, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:12-14
- होशे 04:1-2
- लूका 16:18

- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- प्रकाशितवाक्य 02:22-23

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:06** "तू व्यभिचार न करना।"
- **13:06** व्यभिचार मत करना
- **34:07** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

“व्यभिचार” स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- “व्यभिचार” का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अनुचित यौन संबन्ध” या “विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध”।
- इसका अनुवाद “व्यभिचार” से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

"व्यभिचार" स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- "व्यभिचार" का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "अनुचित यौन संबन्ध" या "विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध"।
- इसका अनुवाद "व्यभिचार" से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

"व्यभिचार" स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- "व्यभिचार" का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "अनुचित यौन संबन्ध" या "विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध"।
- इसका अनुवाद "व्यभिचार" से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

“व्यभिचार” स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- “व्यभिचार” का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अनुचित यौन संबन्ध” या “विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध”।
- इसका अनुवाद “व्यभिचार” से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

"व्यभिचार" स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- "व्यभिचार" का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "अनुचित यौन संबन्ध" या "विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध"।
- इसका अनुवाद "व्यभिचार" से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

"व्यभिचार" स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- "व्यभिचार" का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "अनुचित यौन संबन्ध" या "विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध"।
- इसका अनुवाद "व्यभिचार" से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

“व्यभिचार” स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- “व्यभिचार” का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अनुचित यौन संबन्ध” या “विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध”।
- इसका अनुवाद “व्यभिचार” से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

“व्यभिचार” स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- “व्यभिचार” का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अनुचित यौन संबन्ध” या “विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध”।
- इसका अनुवाद “व्यभिचार” से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

“व्यभिचार” स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- “व्यभिचार” का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अनुचित यौन संबन्ध” या “विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध”।
- इसका अनुवाद “व्यभिचार” से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

“व्यभिचार” स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- “व्यभिचार” का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अनुचित यौन संबन्ध” या “विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध”।
- इसका अनुवाद “व्यभिचार” से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

"व्यभिचार" स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- "व्यभिचार" का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "अनुचित यौन संबन्ध" या "विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध"।
- इसका अनुवाद "व्यभिचार" से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

"व्यभिचार" स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- "व्यभिचार" का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "अनुचित यौन संबन्ध" या "विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध"।
- इसका अनुवाद "व्यभिचार" से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

“व्यभिचार” स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- “व्यभिचार” का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अनुचित यौन संबन्ध” या “विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध”।
- इसका अनुवाद “व्यभिचार” से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

"व्यभिचार" स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- "व्यभिचार" का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "अनुचित यौन संबन्ध" या "विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध"।
- इसका अनुवाद "व्यभिचार" से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

"व्यभिचार" स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- "व्यभिचार" का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "अनुचित यौन संबन्ध" या "विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध"।
- इसका अनुवाद "व्यभिचार" से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

“व्यभिचार” स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- “व्यभिचार” का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अनुचित यौन संबन्ध” या “विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध”।
- इसका अनुवाद “व्यभिचार” से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

"व्यभिचार" स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- "व्यभिचार" का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "अनुचित यौन संबन्ध" या "विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध"।
- इसका अनुवाद "व्यभिचार" से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यभिचार, व्यभिचार, अनैतिक, परस्त्रीगमन

परिभाषा:

"व्यभिचार" स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- "व्यभिचार" का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "अनुचित यौन संबन्ध" या "विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध"।
- इसका अनुवाद "व्यभिचार" से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, देवता, वैश्या, विश्वासघाती)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19-21
- प्रे.का. 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- उत्पत्ति 38:24-26
- होशे 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यर्थ, अनर्थ, घमंड

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "घमंड" कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो बेकार या बेहद अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को व्यर्थ,चीजों के रूप में वर्णित किया जाता है जो बेकार हैं और कुछ भी नहीं कर सकती हैं।
- यदि कोई काम “व्यर्थ” में किया गया है तो इसका अर्थ है कि वहाँ प्रयास या कार्य से कुछ भी उपलब्ध नहीं हुआ है। "व्यर्थ" वाक्यांश का अनुवाद विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें शामिल हैं: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "बिना किसी वजह के;" "बिना किसी उद्देश्य के," या "बिना किसी उद्देश्य के।"
- प्रकरण के अनुसार “व्यर्थ” शब्द का अनुवाद “खाली” या “निकम्मा” या “निराशाजनक” या “घटिया” या “अर्थहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: देवता, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2
- 1 शमूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:18
- यशायाह 45:19
- यिर्मयाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-09

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यर्थ, अनर्थ, घमंड

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "घमंड" कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो बेकार या बेहद अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को व्यर्थ,चीजों के रूप में वर्णित किया जाता है जो बेकार हैं और कुछ भी नहीं कर सकती हैं।
- यदि कोई काम “व्यर्थ” में किया गया है तो इसका अर्थ है कि वहाँ प्रयास या कार्य से कुछ भी उपलब्ध नहीं हुआ है। "व्यर्थ" वाक्यांश का अनुवाद विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें शामिल हैं: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "बिना किसी वजह के;" "बिना किसी उद्देश्य के," या "बिना किसी उद्देश्य के।"
- प्रकरण के अनुसार “व्यर्थ” शब्द का अनुवाद “खाली” या “निकम्मा” या “निराशाजनक” या “घटिया” या “अर्थहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: देवता, योग्य)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2
- 1 शमूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:18
- यशायाह 45:19
- यिर्मयाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-09

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यर्थ, अनर्थ, घमंड

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "घमंड" कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो बेकार या बेहद अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को व्यर्थ,चीजों के रूप में वर्णित किया जाता है जो बेकार हैं और कुछ भी नहीं कर सकती हैं।
- यदि कोई काम “व्यर्थ” में किया गया है तो इसका अर्थ है कि वहाँ प्रयास या कार्य से कुछ भी उपलब्ध नहीं हुआ है। "व्यर्थ" वाक्यांश का अनुवाद विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें शामिल हैं: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "बिना किसी वजह के;" "बिना किसी उद्देश्य के," या "बिना किसी उद्देश्य के।"
- प्रकरण के अनुसार “व्यर्थ” शब्द का अनुवाद “खाली” या “निकम्मा” या “निराशाजनक” या “घटिया” या “अर्थहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: देवता, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2
- 1 शमूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:18
- यशायाह 45:19
- यिर्मयाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-09

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यर्थ, अनर्थ, घमंड

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "घमंड" कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो बेकार या बेहद अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को व्यर्थ,चीजों के रूप में वर्णित किया जाता है जो बेकार हैं और कुछ भी नहीं कर सकती हैं।
- यदि कोई काम “व्यर्थ” में किया गया है तो इसका अर्थ है कि वहाँ प्रयास या कार्य से कुछ भी उपलब्ध नहीं हुआ है। "व्यर्थ" वाक्यांश का अनुवाद विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें शामिल हैं: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "बिना किसी वजह के;" "बिना किसी उद्देश्य के," या "बिना किसी उद्देश्य के।"
- प्रकरण के अनुसार “व्यर्थ” शब्द का अनुवाद “खाली” या “निकम्मा” या “निराशाजनक” या “घटिया” या “अर्थहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: देवता, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2

- 1 शमूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:18
- यशायाह 45:19
- यिर्मयाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-09

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यर्थ, अनर्थ, घमंड

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "घमंड" कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो बेकार या बेहद अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को व्यर्थ,चीजों के रूप में वर्णित किया जाता है जो बेकार हैं और कुछ भी नहीं कर सकती हैं।
- यदि कोई काम “व्यर्थ” में किया गया है तो इसका अर्थ है कि वहाँ प्रयास या कार्य से कुछ भी उपलब्ध नहीं हुआ है। "व्यर्थ" वाक्यांश का अनुवाद विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें शामिल हैं: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "बिना किसी वजह के;" "बिना किसी उद्देश्य के," या "बिना किसी उद्देश्य के।"
- प्रकरण के अनुसार “व्यर्थ” शब्द का अनुवाद “खाली” या “निकम्मा” या “निराशाजनक” या “घटिया” या “अर्थहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: देवता, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2
- 1 शमूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:18
- यशायाह 45:19
- यिर्मयाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-09

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यर्थ, अनर्थ, घमंड

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "घमंड" कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो बेकार या बेहद अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को व्यर्थ,चीजों के रूप में वर्णित किया जाता है जो बेकार हैं और कुछ भी नहीं कर सकती हैं।
- यदि कोई काम “व्यर्थ” में किया गया है तो इसका अर्थ है कि वहाँ प्रयास या कार्य से कुछ भी उपलब्ध नहीं हुआ है। "व्यर्थ" वाक्यांश का अनुवाद विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें शामिल हैं: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "बिना किसी वजह के;" "बिना किसी उद्देश्य के," या "बिना किसी उद्देश्य के।"
- प्रकरण के अनुसार “व्यर्थ” शब्द का अनुवाद “खाली” या “निकम्मा” या “निराशाजनक” या “घटिया” या “अर्थहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: देवता, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2
- 1 शमूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:18
- यशायाह 45:19

- यिर्मयाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-09

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यर्थ, अनर्थ, घमंड

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "घमंड" कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो बेकार या बेहद अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को व्यर्थ,चीजों के रूप में वर्णित किया जाता है जो बेकार हैं और कुछ भी नहीं कर सकती हैं।
- यदि कोई काम “व्यर्थ” में किया गया है तो इसका अर्थ है कि वहाँ प्रयास या कार्य से कुछ भी उपलब्ध नहीं हुआ है। "व्यर्थ" वाक्यांश का अनुवाद विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें शामिल हैं: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "बिना किसी वजह के;" "बिना किसी उद्देश्य के," या "बिना किसी उद्देश्य के।"
- प्रकरण के अनुसार “व्यर्थ” शब्द का अनुवाद “खाली” या “निकम्मा” या “निराशाजनक” या “घटिया” या “अर्थहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: देवता, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2
- 1 शमूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:18
- यशायाह 45:19
- यिर्मयाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-09

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यर्थ, अनर्थ, घमंड

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "घमंड" कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो बेकार या बेहद अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को व्यर्थ,चीजों के रूप में वर्णित किया जाता है जो बेकार हैं और कुछ भी नहीं कर सकती हैं।
- यदि कोई काम “व्यर्थ” में किया गया है तो इसका अर्थ है कि वहाँ प्रयास या कार्य से कुछ भी उपलब्ध नहीं हुआ है। "व्यर्थ" वाक्यांश का अनुवाद विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें शामिल हैं: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "बिना किसी वजह के;" "बिना किसी उद्देश्य के," या "बिना किसी उद्देश्य के।"
- प्रकरण के अनुसार “व्यर्थ” शब्द का अनुवाद “खाली” या “निकम्मा” या “निराशाजनक” या “घटिया” या “अर्थहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: देवता, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2
- 1 शमूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:18
- यशायाह 45:19
- यिर्मयाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-09

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यर्थ, अनर्थ, घमंड

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "घमंड" कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो बेकार या बेहद अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को व्यर्थ,चीजों के रूप में वर्णित किया जाता है जो बेकार हैं और कुछ भी नहीं कर सकती हैं।
- यदि कोई काम “व्यर्थ” में किया गया है तो इसका अर्थ है कि वहाँ प्रयास या कार्य से कुछ भी उपलब्ध नहीं हुआ है। "व्यर्थ" वाक्यांश का अनुवाद विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें शामिल हैं: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "बिना किसी वजह के;" "बिना किसी उद्देश्य के," या "बिना किसी उद्देश्य के।"
- प्रकरण के अनुसार “व्यर्थ” शब्द का अनुवाद “खाली” या “निकम्मा” या “निराशाजनक” या “घटिया” या “अर्थहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: देवता, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2
- 1 शमूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:18
- यशायाह 45:19
- यिर्मयाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-09

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यर्थ, अनर्थ, घमंड

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "घमंड" कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो बेकार या बेहद अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को व्यर्थ,चीजों के रूप में वर्णित किया जाता है जो बेकार हैं और कुछ भी नहीं कर सकती हैं।
- यदि कोई काम “व्यर्थ” में किया गया है तो इसका अर्थ है कि वहाँ प्रयास या कार्य से कुछ भी उपलब्ध नहीं हुआ है। "व्यर्थ" वाक्यांश का अनुवाद विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें शामिल हैं: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "बिना किसी वजह के;" "बिना किसी उद्देश्य के," या "बिना किसी उद्देश्य के।"
- प्रकरण के अनुसार “व्यर्थ” शब्द का अनुवाद “खाली” या “निकम्मा” या “निराशाजनक” या “घटिया” या “अर्थहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: देवता, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2
- 1 शमूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:18
- यशायाह 45:19
- यिर्मयाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-09

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यर्थ, अनर्थ, घमंड

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "घमंड" कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो बेकार या बेहद अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को व्यर्थ,चीजों के रूप में वर्णित किया जाता है जो बेकार हैं और कुछ भी नहीं कर सकती हैं।
- यदि कोई काम “व्यर्थ” में किया गया है तो इसका अर्थ है कि वहाँ प्रयास या कार्य से कुछ भी उपलब्ध नहीं हुआ है। "व्यर्थ" वाक्यांश का अनुवाद विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें शामिल हैं: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "बिना किसी वजह के;" "बिना किसी उद्देश्य के," या "बिना किसी उद्देश्य के।"
- प्रकरण के अनुसार “व्यर्थ” शब्द का अनुवाद “खाली” या “निकम्मा” या “निराशाजनक” या “घटिया” या “अर्थहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: देवता, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2
- 1 शमूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:18
- यशायाह 45:19
- यिर्मयाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-09

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यर्थ, अनर्थ, घमंड

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "घमंड" कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो बेकार या बेहद अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को व्यर्थ,चीजों के रूप में वर्णित किया जाता है जो बेकार हैं और कुछ भी नहीं कर सकती हैं।
- यदि कोई काम “व्यर्थ” में किया गया है तो इसका अर्थ है कि वहाँ प्रयास या कार्य से कुछ भी उपलब्ध नहीं हुआ है। "व्यर्थ" वाक्यांश का अनुवाद विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें शामिल हैं: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "बिना किसी वजह के;" "बिना किसी उद्देश्य के," या "बिना किसी उद्देश्य के।"
- प्रकरण के अनुसार “व्यर्थ” शब्द का अनुवाद “खाली” या “निकम्मा” या “निराशाजनक” या “घटिया” या “अर्थहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: देवता, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2
- 1 शमूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:18
- यशायाह 45:19
- यिर्मयाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-09

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यर्थ, अनर्थ, घमंड

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "घमंड" कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो बेकार या बेहद अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को व्यर्थ,चीजों के रूप में वर्णित किया जाता है जो बेकार हैं और कुछ भी नहीं कर सकती हैं।
- यदि कोई काम “व्यर्थ” में किया गया है तो इसका अर्थ है कि वहाँ प्रयास या कार्य से कुछ भी उपलब्ध नहीं हुआ है। "व्यर्थ" वाक्यांश का अनुवाद विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें शामिल हैं: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "बिना किसी वजह के;" "बिना किसी उद्देश्य के," या "बिना किसी उद्देश्य के।"
- प्रकरण के अनुसार “व्यर्थ” शब्द का अनुवाद “खाली” या “निकम्मा” या “निराशाजनक” या “घटिया” या “अर्थहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: देवता, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2
- 1 शमूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:18
- यशायाह 45:19
- यिर्मयाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-09

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यर्थ, अनर्थ, घमंड

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "घमंड" कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो बेकार या बेहद अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को व्यर्थ,चीजों के रूप में वर्णित किया जाता है जो बेकार हैं और कुछ भी नहीं कर सकती हैं।
- यदि कोई काम “व्यर्थ” में किया गया है तो इसका अर्थ है कि वहाँ प्रयास या कार्य से कुछ भी उपलब्ध नहीं हुआ है। "व्यर्थ" वाक्यांश का अनुवाद विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें शामिल हैं: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "बिना किसी वजह के;" "बिना किसी उद्देश्य के," या "बिना किसी उद्देश्य के।"
- प्रकरण के अनुसार “व्यर्थ” शब्द का अनुवाद “खाली” या “निकम्मा” या “निराशाजनक” या “घटिया” या “अर्थहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: देवता, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2
- 1 शमूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:18
- यशायाह 45:19
- यिर्मयाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-09

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यर्थ, अनर्थ, घमंड

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "घमंड" कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो बेकार या बेहद अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को व्यर्थ,चीजों के रूप में वर्णित किया जाता है जो बेकार हैं और कुछ भी नहीं कर सकती हैं।
- यदि कोई काम “व्यर्थ” में किया गया है तो इसका अर्थ है कि वहाँ प्रयास या कार्य से कुछ भी उपलब्ध नहीं हुआ है। "व्यर्थ" वाक्यांश का अनुवाद विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें शामिल हैं: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "बिना किसी वजह के;" "बिना किसी उद्देश्य के," या "बिना किसी उद्देश्य के।"
- प्रकरण के अनुसार “व्यर्थ” शब्द का अनुवाद “खाली” या “निकम्मा” या “निराशाजनक” या “घटिया” या “अर्थहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: देवता, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2
- 1 शमूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:18
- यशायाह 45:19
- यिर्मयाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-09

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यर्थ, अनर्थ, घमंड

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "घमंड" कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो बेकार या बेहद अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को व्यर्थ,चीजों के रूप में वर्णित किया जाता है जो बेकार हैं और कुछ भी नहीं कर सकती हैं।
- यदि कोई काम “व्यर्थ” में किया गया है तो इसका अर्थ है कि वहाँ प्रयास या कार्य से कुछ भी उपलब्ध नहीं हुआ है। "व्यर्थ" वाक्यांश का अनुवाद विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जिसमें शामिल हैं: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "बिना किसी वजह के;" "बिना किसी उद्देश्य के," या "बिना किसी उद्देश्य के।"
- प्रकरण के अनुसार “व्यर्थ” शब्द का अनुवाद “खाली” या “निकम्मा” या “निराशाजनक” या “घटिया” या “अर्थहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: देवता, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2
- 1 शमूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:18
- यशायाह 45:19
- यिर्मयाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-09

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यवस्था, मूसा की व्यवस्था, परमेश्वर की व्यवस्था, यहोवा की व्यवस्था

परिभाषा:

ये सब शब्द आज्ञाओं और इस्राएल के पालन हेतु परमेश्वर द्वारा मूसा को दिए गए आदेशों का संदर्भ देते हैं। “व्यवस्था” और “परमेश्वर की व्यवस्था” सामान्यत: उन सब बातों के संदर्भ में उपयोग किए गए है जो परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा माने।

- प्रकरण के आधार पर “व्यवस्था” का अभिप्राय होगा:
- पत्थर की पट्टियों पर इस्राएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
- मूसा को दिए गए सब नियम
- पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
- संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रशास्त्र कहा गया है।)
- परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
- “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में “व्यवस्थाएं” किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक हैं।
- “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए”।
- प्रकरण के आधार पर “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद, “मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम” या “मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम” या "नियम जो कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के रूप में हो सकता है।
- “व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” के अनुवाद में, “परमेश्वर से प्राप्त नियम” या “परमेश्वर की आज्ञाएं” या “परमेश्वर ने जो नियम दिए” या “परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें” या “परमेश्वर के सब आदेश” भी शामिल हो सकते है।
- “यहोवा की व्यवस्था” का अनुवाद , “यहोवा की व्यवस्था” या “परमेश्वर द्वारा पालन हेतु उच्चारित नियम” या “यहोवा की आज्ञानुसार बातें” के रूप में भी हो सकता है।

(यह भी देखें: निर्देश देना, मूसा, दस आज्ञाएँ, उचित, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 15:5-6
- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 28:42-43
- एज्रा 07:25-26
- गलातियों 02:15-16
- लूका 24:44
- मत्ती 05:17-18
- नहेमायाह 10:28-29
- रोमियो 03:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:07** परमेश्वर ने और भी बहुत सी व्यवस्थाओं व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन व्यवस्थाओं का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।\
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।\
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्राएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- 16:01__यहोशू के मरने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही __परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\
- **21:05** नई वाचा में परमेश्वर अपनी व्यवस्था उनके हृदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।\
- **27:01** यीशु ने उत्तर दिया, “परमेश्वर की व्यवस्था में क्या लिखा है?”\

- **28:01** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है?” जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

व्यवस्था, मूसा की व्यवस्था, परमेश्वर की व्यवस्था, यहोवा की व्यवस्था

परिभाषा:

ये सब शब्द आज्ञाओं और इस्राएल के पालन हेतु परमेश्वर द्वारा मूसा को दिए गए आदेशों का संदर्भ देते हैं। “व्यवस्था” और “परमेश्वर की व्यवस्था” सामान्यत: उन सब बातों के संदर्भ में उपयोग किए गए है जो परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा माने।

- प्रकरण के आधार पर “व्यवस्था” का अभिप्राय होगा:
- पत्थर की पट्टियों पर इस्राएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
- मूसा को दिए गए सब नियम
- पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
- संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रशास्त्र कहा गया है।)
- परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
- “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में “व्यवस्थाएं” किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक हैं।
- “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए”।
- प्रकरण के आधार पर “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद, “मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम” या “मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम” या "नियम जो कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के रूप में हो सकता है।
- “व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” के अनुवाद में, “परमेश्वर से प्राप्त नियम” या “परमेश्वर की आज्ञाएं” या “परमेश्वर ने जो नियम दिए” या “परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें” या “परमेश्वर के सब आदेश” भी शामिल हो सकते है।
- “यहोवा की व्यवस्था” का अनुवाद , “यहोवा की व्यवस्था” या “परमेश्वर द्वारा पालन हेतु उच्चारित नियम” या “यहोवा की आज्ञानुसार बातें” के रूप में भी हो सकता है।

(यह भी देखें: निर्देश देना, मूसा, दस आज्ञाएँ, उचित, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 15:5-6
- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 28:42-43
- एज्रा 07:25-26
- गलातियों 02:15-16
- लूका 24:44
- मत्ती 05:17-18
- नहेमायाह 10:28-29
- रोमियो 03:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:07** परमेश्वर ने और भी बहुत सी व्यवस्थाओं व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन व्यवस्थाओं का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।\
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।\
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्राएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- 16:01__यहोशू के मरने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही __परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\

- **21:05** नई वाचा में परमेश्वर अपनी व्यवस्था उनके ह्रदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।\
- **27:01** यीशु ने उत्तर दिया, “परमेश्वर की व्यवस्था में क्या लिखा है?”\
- **28:01** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है?” जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

व्यवस्था, मूसा की व्यवस्था, परमेश्वर की व्यवस्था, यहोवा की व्यवस्था

परिभाषा:

ये सब शब्द आज्ञाओं और इस्राएल के पालन हेतु परमेश्वर द्वारा मूसा को दिए गए आदेशों का संदर्भ देते हैं। “व्यवस्था” और “परमेश्वर की व्यवस्था” सामान्यत: उन सब बातों के संदर्भ में उपयोग किए गए है जो परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा माने।

- प्रकरण के आधार पर “व्यवस्था” का अभिप्राय होगा:
- पत्थर की पट्टियों पर इस्राएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
- मूसा को दिए गए सब नियम
- पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
- संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रशास्त्र कहा गया है।)
- परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
- “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में “व्यवस्थाएं” किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक हैं।
- “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए”।
- प्रकरण के आधार पर “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद, “मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम” या “मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम” या "नियम जो कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के रूप में हो सकता है।
- “व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” के अनुवाद में, “परमेश्वर से प्राप्त नियम” या “परमेश्वर की आज्ञाएं” या “परमेश्वर ने जो नियम दिए” या “परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें” या “परमेश्वर के सब आदेश” भी शामिल हो सकते है।
- “यहोवा की व्यवस्था” का अनुवाद , “यहोवा की व्यवस्था” या “परमेश्वर द्वारा पालन हेतु उच्चारित नियम” या “यहोवा की आज्ञानुसार बातें” के रूप में भी हो सकता है।

(यह भी देखें: निर्देश देना, मूसा, दस आज्ञाएँ, उचित, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 15:5-6
- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 28:42-43
- एज्रा 07:25-26
- गलातियों 02:15-16
- लूका 24:44
- मत्ती 05:17-18
- नहेमायाह 10:28-29
- रोमियो 03:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:07** परमेश्वर ने और भी बहुत सी व्यवस्थाओं व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन व्यवस्थाओं का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।\
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।\
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्राएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।

- 16:01__यहोशू के मरने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही __परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\
- **21:05** नई वाचा में परमेश्वर अपनी व्यवस्था उनके हृदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।\
- **27:01** यीशु ने उत्तर दिया, “परमेश्वर की व्यवस्था में क्या लिखा है?”\
- **28:01** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है?” जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

व्यवस्था, मूसा की व्यवस्था, परमेश्वर की व्यवस्था, यहोवा की व्यवस्था

परिभाषा:

ये सब शब्द आज्ञाओं और इस्राएल के पालन हेतु परमेश्वर द्वारा मूसा को दिए गए आदेशों का संदर्भ देते हैं। “व्यवस्था” और “परमेश्वर की व्यवस्था” सामान्यत: उन सब बातों के संदर्भ में उपयोग किए गए है जो परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा माने।

- प्रकरण के आधार पर “व्यवस्था” का अभिप्राय होगा:
- पत्थर की पट्टियों पर इस्राएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
- मूसा को दिए गए सब नियम
- पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
- संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रशास्त्र कहा गया है।)
- परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
- “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में “व्यवस्थाएं” किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक हैं।
- “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए”।
- प्रकरण के आधार पर “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद, “मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम” या “मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम” या "नियम जो कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के रूप में हो सकता है।
- “व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” के अनुवाद में, “परमेश्वर से प्राप्त नियम” या “परमेश्वर की आज्ञाएं” या “परमेश्वर ने जो नियम दिए” या “परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें” या “परमेश्वर के सब आदेश” भी शामिल हो सकते है।
- “यहोवा की व्यवस्था” का अनुवाद , “यहोवा की व्यवस्था” या “परमेश्वर द्वारा पालन हेतु उच्चारित नियम” या “यहोवा की आज्ञानुसार बातें” के रूप में भी हो सकता है।

(यह भी देखें: निर्देश देना, मूसा, दस आज्ञाएँ, उचित, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 15:5-6
- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 28:42-43
- एज्रा 07:25-26
- गलातियों 02:15-16
- लूका 24:44
- मत्ती 05:17-18
- नहेमायाह 10:28-29
- रोमियो 03:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:07** परमेश्वर ने और भी बहुत सी व्यवस्थाओं व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन व्यवस्थाओं का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।\
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।\

- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्राएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- 16:01__यहोशू के मरने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही __परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\
- **21:05** नई वाचा में परमेश्वर अपनी व्यवस्था उनके हृदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।\
- **27:01** यीशु ने उत्तर दिया, "परमेश्वर की व्यवस्था में क्या लिखा है?"\
- **28:01** यीशु ने उससे कहा, "तू मुझे 'उत्तम' क्यों कहता है?" जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

व्यवस्था, मूसा की व्यवस्था, परमेश्वर की व्यवस्था, यहोवा की व्यवस्था

परिभाषा:

ये सब शब्द आज्ञाओं और इस्राएल के पालन हेतु परमेश्वर द्वारा मूसा को दिए गए आदेशों का संदर्भ देते हैं। "व्यवस्था" और "परमेश्वर की व्यवस्था" सामान्यतः उन सब बातों के संदर्भ में उपयोग किए गए है जो परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा माने।

- प्रकरण के आधार पर "व्यवस्था" का अभिप्राय होगा:
- पत्थर की पट्टियों पर इस्राएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
- मूसा को दिए गए सब नियम
- पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
- संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रशास्त्र कहा गया है।)
- परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
- "व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता" नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में "व्यवस्थाएं" किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक हैं।
- "मूसा की व्यवस्था" का अनुवाद हो सकता है, "इस्राएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए"।
- प्रकरण के आधार पर "मूसा की व्यवस्था" का अनुवाद, "मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम" या "मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम" या "नियम जो कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के रूप में हो सकता है।
- "व्यवस्था" या "परमेश्वर की व्यवस्था" या "परमेश्वर की व्यवस्था" के अनुवाद में, "परमेश्वर से प्राप्त नियम" या "परमेश्वर की आज्ञाएं" या "परमेश्वर ने जो नियम दिए" या "परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें" या "परमेश्वर के सब आदेश" भी शामिल हो सकते है।
- "यहोवा की व्यवस्था" का अनुवाद , "यहोवा की व्यवस्था" या "परमेश्वर द्वारा पालन हेतु उच्चारित नियम" या "यहोवा की आज्ञानुसार बातें" के रूप में भी हो सकता है।

(यह भी देखें: निर्देश देना, मूसा, दस आज्ञाएँ, उचित, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 15:5-6
- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 28:42-43
- एज्रा 07:25-26
- गलातियों 02:15-16
- लूका 24:44
- मत्ती 05:17-18
- नहेमायाह 10:28-29
- रोमियो 03:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:07** परमेश्वर ने और भी बहुत सी व्यवस्थाओं व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन व्यवस्थाओं का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।\

- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।\
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्राएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- 16:01__यहोशू के मरने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही __परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\
- **21:05** नई वाचा में परमेश्वर अपनी व्यवस्था उनके ह्रदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।\
- **27:01** यीशु ने उत्तर दिया, “परमेश्वर की व्यवस्था में क्या लिखा है?”\
- **28:01** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है?” जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

व्यवस्था, मूसा की व्यवस्था, परमेश्वर की व्यवस्था, यहोवा की व्यवस्था

परिभाषा:

ये सब शब्द आज्ञाओं और इस्राएल के पालन हेतु परमेश्वर द्वारा मूसा को दिए गए आदेशों का संदर्भ देते हैं। “व्यवस्था” और “परमेश्वर की व्यवस्था” सामान्यत: उन सब बातों के संदर्भ में उपयोग किए गए है जो परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा माने।

- प्रकरण के आधार पर “व्यवस्था” का अभिप्राय होगा:
- पत्थर की पट्टियों पर इस्राएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
- मूसा को दिए गए सब नियम
- पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
- संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रशास्त्र कहा गया है।)
- परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
- “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में “व्यवस्थाएं” किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक हैं।
- “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए”।
- प्रकरण के आधार पर “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद, “मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम” या “मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम” या "नियम जो कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के रूप में हो सकता है।
- “व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” के अनुवाद में, “परमेश्वर से प्राप्त नियम” या “परमेश्वर की आज्ञाएं” या “परमेश्वर ने जो नियम दिए” या “परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें” या “परमेश्वर के सब आदेश” भी शामिल हो सकते है।
- “यहोवा की व्यवस्था” का अनुवाद , “यहोवा की व्यवस्था” या “परमेश्वर द्वारा पालन हेतु उच्चारित नियम” या “यहोवा की आज्ञानुसार बातें” के रूप में भी हो सकता है।

(यह भी देखें: निर्देश देना, मूसा, दस आज्ञाएँ, उचित, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 15:5-6
- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 28:42-43
- एज्रा 07:25-26
- गलातियों 02:15-16
- लूका 24:44
- मत्ती 05:17-18
- नहेमायाह 10:28-29
- रोमियो 03:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:07** परमेश्वर ने और भी बहुत सी व्यवस्थाओं व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन व्यवस्थाओं का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।\
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।\
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्राएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- 16:01__यहोशू के मरने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही __परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\
- **21:05** नई वाचा में परमेश्वर अपनी व्यवस्था उनके ह्रदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।\
- **27:01** यीशु ने उत्तर दिया, “परमेश्वर की व्यवस्था में क्या लिखा है?”\
- **28:01** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है?” जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

व्यवस्था, मूसा की व्यवस्था, परमेश्वर की व्यवस्था, यहोवा की व्यवस्था

परिभाषा:

ये सब शब्द आज्ञाओं और इस्राएल के पालन हेतु परमेश्वर द्वारा मूसा को दिए गए आदेशों का संदर्भ देते हैं। “व्यवस्था” और “परमेश्वर की व्यवस्था” सामान्यत: उन सब बातों के संदर्भ में उपयोग किए गए है जो परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा माने।

- प्रकरण के आधार पर “व्यवस्था” का अभिप्राय होगा:
- पत्थर की पट्टियों पर इस्राएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
- मूसा को दिए गए सब नियम
- पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
- संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रशास्त्र कहा गया है।)
- परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
- “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में “व्यवस्थाएं” किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक हैं।
- “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए”।
- प्रकरण के आधार पर “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद, “मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम” या “मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम” या "नियम जो कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के रूप में हो सकता है।
- “व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” के अनुवाद में, “परमेश्वर से प्राप्त नियम” या “परमेश्वर की आज्ञाएं” या “परमेश्वर ने जो नियम दिए” या “परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें” या “परमेश्वर के सब आदेश” भी शामिल हो सकते है।
- “यहोवा की व्यवस्था” का अनुवाद , “यहोवा की व्यवस्था” या “परमेश्वर द्वारा पालन हेतु उच्चारित नियम” या “यहोवा की आज्ञानुसार बातें” के रूप में भी हो सकता है।

(यह भी देखें: निर्देश देना, मूसा, दस आज्ञाएँ, उचित, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 15:5-6
- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 28:42-43
- एज्रा 07:25-26
- गलातियों 02:15-16
- लूका 24:44
- मत्ती 05:17-18
- नहेमायाह 10:28-29

- रोमियो 03:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:07** परमेश्वर ने और भी बहुत सी व्यवस्थाओं व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन व्यवस्थाओं का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।\
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।\
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्राएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- 16:01__यहोशू के मरने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही __परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\
- **21:05** नई वाचा में परमेश्वर अपनी व्यवस्था उनके हृदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।\
- **27:01** यीशु ने उत्तर दिया, “परमेश्वर की व्यवस्था में क्या लिखा है?”\
- **28:01** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है?” जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

व्यवस्था, मूसा की व्यवस्था, परमेश्वर की व्यवस्था, यहोवा की व्यवस्था

परिभाषा:

ये सब शब्द आज्ञाओं और इस्राएल के पालन हेतु परमेश्वर द्वारा मूसा को दिए गए आदेशों का संदर्भ देते हैं। “व्यवस्था” और “परमेश्वर की व्यवस्था” सामान्यतः उन सब बातों के संदर्भ में उपयोग किए गए है जो परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा माने।

- प्रकरण के आधार पर “व्यवस्था” का अभिप्राय होगा:
- पत्थर की पट्टियों पर इस्राएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
- मूसा को दिए गए सब नियम
- पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
- संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रशास्त्र कहा गया है।)
- परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
- “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में “व्यवस्थाएं” किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक हैं।
- “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए”।
- प्रकरण के आधार पर “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद, “मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम” या “मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम” या "नियम जो कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के रूप में हो सकता है।
- “व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” के अनुवाद में, “परमेश्वर से प्राप्त नियम” या “परमेश्वर की आज्ञाएं” या “परमेश्वर ने जो नियम दिए” या “परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें” या “परमेश्वर के सब आदेश” भी शामिल हो सकते है।
- “यहोवा की व्यवस्था” का अनुवाद , “यहोवा की व्यवस्था” या “परमेश्वर द्वारा पालन हेतु उच्चारित नियम” या “यहोवा की आज्ञानुसार बातें” के रूप में भी हो सकता है।

(यह भी देखें: निर्देश देना, मूसा, दस आज्ञाएँ, उचित, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 15:5-6
- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 28:42-43
- एज्रा 07:25-26
- गलातियों 02:15-16
- लूका 24:44

- मत्ती 05:17-18
- नहेमायाह 10:28-29
- रोमियो 03:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:07** परमेश्वर ने और भी बहुत सी व्यवस्थाओं व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन व्यवस्थाओं का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।\
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।\
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्राएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- 16:01__यहोशू के मरने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही __परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\
- **21:05** नई वाचा में परमेश्वर अपनी व्यवस्था उनके हृदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।\
- **27:01** यीशु ने उत्तर दिया, “परमेश्वर की व्यवस्था में क्या लिखा है?”\
- **28:01** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है?” जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

व्यवस्था, मूसा की व्यवस्था, परमेश्वर की व्यवस्था, यहोवा की व्यवस्था

परिभाषा:

ये सब शब्द आज्ञाओं और इस्राएल के पालन हेतु परमेश्वर द्वारा मूसा को दिए गए आदेशों का संदर्भ देते हैं। “व्यवस्था” और “परमेश्वर की व्यवस्था” सामान्यतः उन सब बातों के संदर्भ में उपयोग किए गए है जो परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा माने।

- प्रकरण के आधार पर “व्यवस्था” का अभिप्राय होगा:
- पत्थर की पट्टियों पर इस्राएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
- मूसा को दिए गए सब नियम
- पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
- संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रशास्त्र कहा गया है।)
- परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
- “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में “व्यवस्थाएं” किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक हैं।
- “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए”।
- प्रकरण के आधार पर “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद, “मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम” या “मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम” या "नियम जो कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के रूप में हो सकता है।
- “व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” के अनुवाद में, “परमेश्वर से प्राप्त नियम” या “परमेश्वर की आज्ञाएं” या “परमेश्वर ने जो नियम दिए” या “परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें” या “परमेश्वर के सब आदेश” भी शामिल हो सकते है।
- “यहोवा की व्यवस्था” का अनुवाद , “यहोवा की व्यवस्था” या “परमेश्वर द्वारा पालन हेतु उच्चारित नियम” या “यहोवा की आज्ञानुसार बातें” के रूप में भी हो सकता है।

(यह भी देखें: निर्देश देना, मूसा, दस आज्ञाएँ, उचित, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 15:5-6
- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 28:42-43
- एज्रा 07:25-26

- गलातियों 02:15-16
- लूका 24:44
- मत्ती 05:17-18
- नहेमायाह 10:28-29
- रोमियो 03:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:07** परमेश्वर ने और भी बहुत सी व्यवस्थाओं व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन व्यवस्थाओं का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।\
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।\
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्राएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- 16:01__यहोशू के मरने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही __परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\
- **21:05** नई वाचा में परमेश्वर अपनी व्यवस्था उनके ह्रदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।\
- **27:01** यीशु ने उत्तर दिया, “परमेश्वर की व्यवस्था में क्या लिखा है?”\
- **28:01** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है?” जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

व्यवस्था, मूसा की व्यवस्था, परमेश्वर की व्यवस्था, यहोवा की व्यवस्था

परिभाषा:

ये सब शब्द आज्ञाओं और इस्राएल के पालन हेतु परमेश्वर द्वारा मूसा को दिए गए आदेशों का संदर्भ देते हैं। “व्यवस्था” और “परमेश्वर की व्यवस्था” सामान्यत: उन सब बातों के संदर्भ में उपयोग किए गए है जो परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा माने।

- प्रकरण के आधार पर “व्यवस्था” का अभिप्राय होगा:
- पत्थर की पट्टियों पर इस्राएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
- मूसा को दिए गए सब नियम
- पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
- संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रशास्त्र कहा गया है।)
- परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
- “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में “व्यवस्थाएं” किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक हैं।
- “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए”।
- प्रकरण के आधार पर “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद, “मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम” या “मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम” या "नियम जो कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के रूप में हो सकता है।
- “व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” के अनुवाद में, “परमेश्वर से प्राप्त नियम” या “परमेश्वर की आज्ञाएं” या “परमेश्वर ने जो नियम दिए” या “परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें” या “परमेश्वर के सब आदेश” भी शामिल हो सकते है।
- “यहोवा की व्यवस्था” का अनुवाद , “यहोवा की व्यवस्था” या “परमेश्वर द्वारा पालन हेतु उच्चारित नियम” या “यहोवा की आज्ञानुसार बातें” के रूप में भी हो सकता है।

(यह भी देखें: निर्देश देना, मूसा, दस आज्ञाएँ, उचित, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 15:5-6
- दानिय्येल 09:12-14

- निर्गमन 28:42-43
- एज्रा 07:25-26
- गलातियों 02:15-16
- लूका 24:44
- मत्ती 05:17-18
- नहेमायाह 10:28-29
- रोमियो 03:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:07** परमेश्वर ने और भी बहुत सी व्यवस्थाओं व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन व्यवस्थाओं का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।\
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।\
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्राएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- 16:01__यहोशू के मरने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही __परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\
- **21:05** नई वाचा में परमेश्वर अपनी व्यवस्था उनके हृदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।\
- **27:01** यीशु ने उत्तर दिया, “परमेश्वर की व्यवस्था में क्या लिखा है?”\
- **28:01** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है?” जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

व्यवस्था, मूसा की व्यवस्था, परमेश्वर की व्यवस्था, यहोवा की व्यवस्था

परिभाषा:

ये सब शब्द आज्ञाओं और इस्राएल के पालन हेतु परमेश्वर द्वारा मूसा को दिए गए आदेशों का संदर्भ देते हैं। “व्यवस्था” और “परमेश्वर की व्यवस्था” सामान्यत: उन सब बातों के संदर्भ में उपयोग किए गए है जो परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा माने।

- प्रकरण के आधार पर “व्यवस्था” का अभिप्राय होगा:
- पत्थर की पट्टियों पर इस्राएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
- मूसा को दिए गए सब नियम
- पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
- संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रशास्त्र कहा गया है।)
- परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
- “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में “व्यवस्थाएं” किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक हैं।
- “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए”।
- प्रकरण के आधार पर “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद, “मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम” या “मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम” या "नियम जो कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के रूप में हो सकता है।
- “व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” के अनुवाद में, “परमेश्वर से प्राप्त नियम” या “परमेश्वर की आज्ञाएं” या “परमेश्वर ने जो नियम दिए” या “परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें” या “परमेश्वर के सब आदेश” भी शामिल हो सकते है।
- “यहोवा की व्यवस्था” का अनुवाद , “यहोवा की व्यवस्था” या “परमेश्वर द्वारा पालन हेतु उच्चारित नियम” या “यहोवा की आज्ञानुसार बातें” के रूप में भी हो सकता है।

(यह भी देखें: निर्देश देना, मूसा, दस आज्ञाएँ, उचित, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 15:5-6
- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 28:42-43
- एज्रा 07:25-26
- गलातियों 02:15-16
- लूका 24:44
- मत्ती 05:17-18
- नहेमायाह 10:28-29
- रोमियो 03:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:07** परमेश्वर ने और भी बहुत सी व्यवस्थाओं व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन व्यवस्थाओं का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।\
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।\
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्राएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- 16:01__यहोशू के मरने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही __परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\
- **21:05** नई वाचा में परमेश्वर अपनी व्यवस्था उनके ह्रदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।\
- **27:01** यीशु ने उत्तर दिया, “परमेश्वर की व्यवस्था में क्या लिखा है?”\
- **28:01** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है?” जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

व्यवस्था, मूसा की व्यवस्था, परमेश्वर की व्यवस्था, यहोवा की व्यवस्था

परिभाषा:

ये सब शब्द आज्ञाओं और इस्राएल के पालन हेतु परमेश्वर द्वारा मूसा को दिए गए आदेशों का संदर्भ देते हैं। “व्यवस्था” और “परमेश्वर की व्यवस्था” सामान्यत: उन सब बातों के संदर्भ में उपयोग किए गए है जो परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा माने।

- प्रकरण के आधार पर “व्यवस्था” का अभिप्राय होगा:
- पत्थर की पट्टियों पर इस्राएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
- मूसा को दिए गए सब नियम
- पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
- संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रशास्त्र कहा गया है।)
- परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
- “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में “व्यवस्थाएं” किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक हैं।
- “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए”।
- प्रकरण के आधार पर “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद, “मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम” या “मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम” या "नियम जो कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के रूप में हो सकता है।
- “व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” के अनुवाद में, “परमेश्वर से प्राप्त नियम” या “परमेश्वर की आज्ञाएं” या “परमेश्वर ने जो नियम दिए” या “परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें” या “परमेश्वर के सब आदेश” भी शामिल हो सकते है।
- “यहोवा की व्यवस्था” का अनुवाद , “यहोवा की व्यवस्था” या “परमेश्वर द्वारा पालन हेतु उच्चारित नियम” या “यहोवा की आज्ञानुसार बातें” के रूप में भी हो सकता है।

(यह भी देखें: निर्देश देना, मूसा, दस आज्ञाएँ, उचित, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 15:5-6
- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 28:42-43
- एज्रा 07:25-26
- गलातियों 02:15-16
- लूका 24:44
- मत्ती 05:17-18
- नहेमायाह 10:28-29
- रोमियो 03:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:07** परमेश्वर ने और भी बहुत सी व्यवस्थाओं व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन व्यवस्थाओं का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।\
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।\
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्राएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- 16:01__यहोशू के मरने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही __परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\
- **21:05** नई वाचा में परमेश्वर अपनी व्यवस्था उनके ह्रदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।\
- **27:01** यीशु ने उत्तर दिया, “परमेश्वर की व्यवस्था में क्या लिखा है?”\
- **28:01** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है?” जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

व्यवस्था, मूसा की व्यवस्था, परमेश्वर की व्यवस्था, यहोवा की व्यवस्था

परिभाषा:

ये सब शब्द आज्ञाओं और इस्राएल के पालन हेतु परमेश्वर द्वारा मूसा को दिए गए आदेशों का संदर्भ देते हैं। “व्यवस्था” और “परमेश्वर की व्यवस्था” सामान्यतः उन सब बातों के संदर्भ में उपयोग किए गए है जो परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा माने।

- प्रकरण के आधार पर “व्यवस्था” का अभिप्राय होगा:
- पत्थर की पट्टियों पर इस्राएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
- मूसा को दिए गए सब नियम
- पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
- संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रशास्त्र कहा गया है।)
- परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
- “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में “व्यवस्थाएं” किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक हैं।
- “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए”।
- प्रकरण के आधार पर “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद, “मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम” या “मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम” या "नियम जो कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के रूप में हो सकता है।
- “व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” के अनुवाद में, “परमेश्वर से प्राप्त नियम” या “परमेश्वर की आज्ञाएं” या “परमेश्वर ने जो नियम दिए” या “परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें” या “परमेश्वर के सब आदेश” भी शामिल हो सकते है।

- “यहोवा की व्यवस्था” का अनुवाद , “यहोवा की व्यवस्था” या “परमेश्वर द्वारा पालन हेतु उच्चारित नियम” या “यहोवा की आज्ञानुसार बातें” के रूप में भी हो सकता है।

(यह भी देखें: निर्देश देना, मूसा, दस आज्ञाएँ, उचित, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 15:5-6
- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 28:42-43
- एज्रा 07:25-26
- गलातियों 02:15-16
- लूका 24:44
- मत्ती 05:17-18
- नहेमायाह 10:28-29
- रोमियो 03:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:07** परमेश्वर ने और भी बहुत सी व्यवस्थाओं व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन व्यवस्थाओं का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।\
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।\
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्राएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- 16:01__यहोशू के मरने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही __परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\
- **21:05** नई वाचा में परमेश्वर अपनी व्यवस्था उनके ह्रदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।\
- **27:01** यीशु ने उत्तर दिया, “परमेश्वर की व्यवस्था में क्या लिखा है?”\
- **28:01** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है?” जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

व्यवस्था, मूसा की व्यवस्था, परमेश्वर की व्यवस्था, यहोवा की व्यवस्था

परिभाषा:

ये सब शब्द आज्ञाओं और इस्राएल के पालन हेतु परमेश्वर द्वारा मूसा को दिए गए आदेशों का संदर्भ देते हैं। “व्यवस्था” और “परमेश्वर की व्यवस्था” सामान्यतः उन सब बातों के संदर्भ में उपयोग किए गए है जो परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा माने।

- प्रकरण के आधार पर “व्यवस्था” का अभिप्राय होगा:
- पत्थर की पट्टियों पर इस्राएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
- मूसा को दिए गए सब नियम
- पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
- संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रशास्त्र कहा गया है।)
- परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
- “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में “व्यवस्थाएं” किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक हैं।
- “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए”।
- प्रकरण के आधार पर “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद, “मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम” या “मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम” या "नियम जो कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के रूप में हो सकता है।

- “व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” के अनुवाद में, “परमेश्वर से प्राप्त नियम” या “परमेश्वर की आज्ञाएं” या “परमेश्वर ने जो नियम दिए” या “परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें” या “परमेश्वर के सब आदेश” भी शामिल हो सकते है।
- “यहोवा की व्यवस्था” का अनुवाद , “यहोवा की व्यवस्था” या “परमेश्वर द्वारा पालन हेतु उच्चारित नियम” या “यहोवा की आज्ञानुसार बातें” के रूप में भी हो सकता है।

(यह भी देखें: निर्देश देना, मूसा, दस आज्ञाएँ, उचित, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 15:5-6
- दानिय्येल 09:12-14
- निर्गमन 28:42-43
- एज्रा 07:25-26
- गलातियों 02:15-16
- लूका 24:44
- मत्ती 05:17-18
- नहेमायाह 10:28-29
- रोमियो 03:19-20

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:07** परमेश्वर ने और भी बहुत सी व्यवस्थाओं व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन व्यवस्थाओं का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।\
- **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।\
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्राएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञाओ का पालन करेंगे।
- 16:01__यहोशू के मरने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही __परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\
- **21:05** नई वाचा में परमेश्वर अपनी व्यवस्था उनके ह्रदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।\
- **27:01** यीशु ने उत्तर दिया, “परमेश्वर की व्यवस्था में क्या लिखा है?”\
- **28:01** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है?” जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

व्यवस्था, व्यवस्थाएं, व्यवस्था देनेवाला, अपराधी, अपराधियों, मुकदमा, वकील, सिद्धांत, सैद्धांतिक, सिद्धांत

परिभाषा:

“व्यवस्था” वैधानिक नियम होते हैं, जो प्राय: लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। “सिद्धान्त” निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैं।

- "व्यवस्था" एक "नियम" के समान है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर बोली जाने वाली किसी चीज़ के संदर्भ में किया जाता है।
- “व्यवस्था” और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
- “व्यवस्था” का अर्थ “मूसा की व्यवस्था” के अर्थ से भिन्न है क्योंकि यह परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
- जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया है “सिद्धान्त” या “सार्वजनिक नियम” के रूप में अनुवाद किया सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा, वर्णन)

बाइबल संदर्भ:

- व्यव. 04:02
- एस्तेर 03:8-9
- निर्गमन 12:12-14

- उत्पत्ति 26:05
- यूह. 18:31
- रोमियो 07:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

व्यवस्था, व्यवस्थाएं, व्यवस्था देनेवाला, अपराधी, अपराधियों, मुकदमा, वकील, सिद्धांत, सैद्धांतिक, सिद्धांत

परिभाषा:

“व्यवस्था” वैधानिक नियम होते हैं, जो प्रायः लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। “सिद्धान्त” निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैं।

- "व्यवस्था" एक "नियम" के समान है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर बोली जाने वाली किसी चीज़ के संदर्भ में किया जाता है।
- “व्यवस्था” और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
- “व्यवस्था” का अर्थ “मूसा की व्यवस्था” के अर्थ से भिन्न है क्योंकि यह परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
- जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया है “सिद्धान्त” या “सार्वजनिक नियम” के रूप में अनुवाद किया सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा, वर्णन)

बाइबल संदर्भ:

- व्यव. 04:02
- एस्तेर 03:8-9
- निर्गमन 12:12-14
- उत्पत्ति 26:05
- यूह. 18:31
- रोमियो 07:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

व्यवस्था, व्यवस्थाएं, व्यवस्था देनेवाला, अपराधी, अपराधियों, मुकदमा, वकील, सिद्धांत, सैद्धांतिक, सिद्धांत

परिभाषा:

“व्यवस्था” वैधानिक नियम होते हैं, जो प्रायः लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। “सिद्धान्त” निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैं।

- "व्यवस्था" एक "नियम" के समान है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर बोली जाने वाली किसी चीज़ के संदर्भ में किया जाता है।
- “व्यवस्था” और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
- “व्यवस्था” का अर्थ “मूसा की व्यवस्था” के अर्थ से भिन्न है क्योंकि यह परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
- जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया है “सिद्धान्त” या “सार्वजनिक नियम” के रूप में अनुवाद किया सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा, वर्णन)

बाइबल संदर्भ:

- व्यव. 04:02
- एस्तेर 03:8-9
- निर्गमन 12:12-14
- उत्पत्ति 26:05
- यूह. 18:31
- रोमियो 07:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

व्यवस्था, व्यवस्थाएं, व्यवस्था देनेवाला, अपराधी, अपराधियों, मुकदमा, वकील, सिद्धांत, सैद्धांतिक, सिद्धांत

परिभाषा:

“व्यवस्था” वैधानिक नियम होते हैं, जो प्रायः लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। “सिद्धान्त” निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैं।

- "व्यवस्था" एक "नियम" के समान है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर बोली जाने वाली किसी चीज़ के संदर्भ में किया जाता है।
- “व्यवस्था” और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
- “व्यवस्था” का अर्थ “मूसा की व्यवस्था” के अर्थ से भिन्न है क्योंकि यह परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
- जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया है “सिद्धान्त” या “सार्वजनिक नियम” के रूप में अनुवाद किया सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा, वर्णन)

बाइबल संदर्भ:

- व्यव. 04:02
- एस्तेर 03:8-9
- निर्गमन 12:12-14
- उत्पत्ति 26:05
- यूह. 18:31
- रोमियो 07:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

व्यवस्था, व्यवस्थाएं, व्यवस्था देनेवाला, अपराधी, अपराधियों, मुकदमा, वकील, सिद्धांत, सैद्धांतिक, सिद्धांत

परिभाषा:

“व्यवस्था” वैधानिक नियम होते हैं, जो प्रायः लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। “सिद्धान्त” निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैं।

- "व्यवस्था" एक "नियम" के समान है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर बोली जाने वाली किसी चीज़ के संदर्भ में किया जाता है।
- “व्यवस्था” और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
- “व्यवस्था” का अर्थ “मूसा की व्यवस्था” के अर्थ से भिन्न है क्योंकि यह परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
- जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया है “सिद्धान्त” या “सार्वजनिक नियम” के रूप में अनुवाद किया सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा, वर्णन)

बाइबल संदर्भ:

- व्यव. 04:02
- एस्तेर 03:8-9
- निर्गमन 12:12-14
- उत्पत्ति 26:05
- यूह. 18:31
- रोमियो 07:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

व्यवस्था, व्यवस्थाएं, व्यवस्था देनेवाला, अपराधी, अपराधियों, मुकदमा, वकील, सिद्धांत, सैद्धांतिक, सिद्धांत

परिभाषा:

“व्यवस्था” वैधानिक नियम होते हैं, जो प्रायः लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। “सिद्धान्त” निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैं।

- "व्यवस्था" एक "नियम" के समान है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर बोली जाने वाली किसी चीज़ के संदर्भ में किया जाता है।
- “व्यवस्था” और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
- “व्यवस्था” का अर्थ “मूसा की व्यवस्था” के अर्थ से भिन्न है क्योंकि यह परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
- जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया है “सिद्धान्त” या “सार्वजनिक नियम” के रूप में अनुवाद किया सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा, वर्णन)

बाइबल संदर्भ:

- व्यव. 04:02
- एस्तेर 03:8-9
- निर्गमन 12:12-14
- उत्पत्ति 26:05
- यूह. 18:31
- रोमियो 07:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

व्यवस्था, व्यवस्थाएं, व्यवस्था देनेवाला, अपराधी, अपराधियों, मुकदमा, वकील, सिद्धांत, सैद्धांतिक, सिद्धांत

परिभाषा:

“व्यवस्था” वैधानिक नियम होते हैं, जो प्रायः लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। “सिद्धान्त” निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैं।

- "व्यवस्था" एक "नियम" के समान है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर बोली जाने वाली किसी चीज़ के संदर्भ में किया जाता है।
- “व्यवस्था” और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
- “व्यवस्था” का अर्थ “मूसा की व्यवस्था” के अर्थ से भिन्न है क्योंकि यह परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
- जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया है “सिद्धान्त” या “सार्वजनिक नियम” के रूप में अनुवाद किया सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा, वर्णन)

बाइबल संदर्भ:

- व्यव. 04:02
- एस्तेर 03:8-9
- निर्गमन 12:12-14
- उत्पत्ति 26:05
- यूह. 18:31
- रोमियो 07:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

व्यवस्था, व्यवस्थाएं, व्यवस्था देनेवाला, अपराधी, अपराधियों, मुकदमा, वकील, सिद्धांत, सैद्धांतिक, सिद्धांत

परिभाषा:

“व्यवस्था” वैधानिक नियम होते हैं, जो प्रायः लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। “सिद्धान्त” निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैं।

- "व्यवस्था" एक "नियम" के समान है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर बोली जाने वाली किसी चीज़ के संदर्भ में किया जाता है।
- “व्यवस्था” और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
- “व्यवस्था” का अर्थ “मूसा की व्यवस्था” के अर्थ से भिन्न है क्योंकि यह परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
- जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया है “सिद्धान्त” या “सार्वजनिक नियम” के रूप में अनुवाद किया सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा, वर्णन)

बाइबल संदर्भ:

- व्यव. 04:02
- एस्तेर 03:8-9
- निर्गमन 12:12-14
- उत्पत्ति 26:05
- यूह. 18:31
- रोमियो 07:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

व्यवस्था, व्यवस्थाएं, व्यवस्था देनेवाला, अपराधी, अपराधियों, मुकदमा, वकील, सिद्धांत, सैद्धांतिक, सिद्धांत

परिभाषा:

“व्यवस्था” वैधानिक नियम होते हैं, जो प्रायः लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। “सिद्धान्त” निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैं।

- "व्यवस्था" एक "नियम" के समान है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर बोली जाने वाली किसी चीज़ के संदर्भ में किया जाता है।
- “व्यवस्था” और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
- “व्यवस्था” का अर्थ “मूसा की व्यवस्था” के अर्थ से भिन्न है क्योंकि यह परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
- जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया है “सिद्धान्त” या “सार्वजनिक नियम” के रूप में अनुवाद किया सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा, वर्णन)

बाइबल संदर्भ:

- व्यव. 04:02
- एस्तेर 03:8-9
- निर्गमन 12:12-14
- उत्पत्ति 26:05
- यूह. 18:31
- रोमियो 07:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

व्यवस्था, व्यवस्थाएं, व्यवस्था देनेवाला, अपराधी, अपराधियों, मुकदमा, वकील, सिद्धांत, सैद्धांतिक, सिद्धांत

परिभाषा:

“व्यवस्था” वैधानिक नियम होते हैं, जो प्रायः लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। “सिद्धान्त” निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैं।

- "व्यवस्था" एक "नियम" के समान है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर बोली जाने वाली किसी चीज़ के संदर्भ में किया जाता है।
- “व्यवस्था” और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
- “व्यवस्था” का अर्थ “मूसा की व्यवस्था” के अर्थ से भिन्न है क्योंकि यह परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
- जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया है “सिद्धान्त” या “सार्वजनिक नियम” के रूप में अनुवाद किया सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा, वर्णन)

बाइबल संदर्भ:

- व्यव. 04:02
- एस्तेर 03:8-9
- निर्गमन 12:12-14
- उत्पत्ति 26:05
- यूह. 18:31
- रोमियो 07:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

व्यवस्था, व्यवस्थाएं, व्यवस्था देनेवाला, अपराधी, अपराधियों, मुकदमा, वकील, सिद्धांत, सैद्धांतिक, सिद्धांत

परिभाषा:

“व्यवस्था” वैधानिक नियम होते हैं, जो प्रायः लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। “सिद्धान्त” निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैं।

- "व्यवस्था" एक "नियम" के समान है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर बोली जाने वाली किसी चीज़ के संदर्भ में किया जाता है।
- “व्यवस्था” और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
- “व्यवस्था” का अर्थ “मूसा की व्यवस्था” के अर्थ से भिन्न है क्योंकि यह परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
- जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया है “सिद्धान्त” या “सार्वजनिक नियम” के रूप में अनुवाद किया सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा, वर्णन)

बाइबल संदर्भ:

- व्यव. 04:02
- एस्तेर 03:8-9
- निर्गमन 12:12-14
- उत्पत्ति 26:05
- यूह. 18:31
- रोमियो 07:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

व्यवस्था, व्यवस्थाएं, व्यवस्था देनेवाला, अपराधी, अपराधियों, मुकदमा, वकील, सिद्धांत, सैद्धांतिक, सिद्धांत

परिभाषा:

“व्यवस्था” वैधानिक नियम होते हैं, जो प्रायः लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। “सिद्धान्त” निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैं।

- "व्यवस्था" एक "नियम" के समान है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर बोली जाने वाली किसी चीज़ के संदर्भ में किया जाता है।
- “व्यवस्था” और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
- “व्यवस्था” का अर्थ “मूसा की व्यवस्था” के अर्थ से भिन्न है क्योंकि यह परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
- जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया है “सिद्धान्त” या “सार्वजनिक नियम” के रूप में अनुवाद किया सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा, वर्णन)

बाइबल संदर्भ:

- व्यव. 04:02
- एस्तेर 03:8-9
- निर्गमन 12:12-14
- उत्पत्ति 26:05
- यूह. 18:31
- रोमियो 07:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

व्यवस्था, व्यवस्थाएं, व्यवस्था देनेवाला, अपराधी, अपराधियों, मुकदमा, वकील, सिद्धांत, सैद्धांतिक, सिद्धांत

परिभाषा:

“व्यवस्था” वैधानिक नियम होते हैं, जो प्रायः लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। “सिद्धान्त” निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैं।

- "व्यवस्था" एक "नियम" के समान है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर बोली जाने वाली किसी चीज़ के संदर्भ में किया जाता है।
- “व्यवस्था” और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
- “व्यवस्था” का अर्थ “मूसा की व्यवस्था” के अर्थ से भिन्न है क्योंकि यह परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
- जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया है “सिद्धान्त” या “सार्वजनिक नियम” के रूप में अनुवाद किया सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा, वर्णन)

बाइबल संदर्भ:

- व्यव. 04:02
- एस्तेर 03:8-9
- निर्गमन 12:12-14
- उत्पत्ति 26:05
- यूह. 18:31
- रोमियो 07:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

व्यवस्था, व्यवस्थाएं, व्यवस्था देनेवाला, अपराधी, अपराधियों, मुकदमा, वकील, सिद्धांत, सैद्धांतिक, सिद्धांत

परिभाषा:

“व्यवस्था” वैधानिक नियम होते हैं, जो प्रायः लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। “सिद्धान्त” निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैं।

- "व्यवस्था" एक "नियम" के समान है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर बोली जाने वाली किसी चीज़ के संदर्भ में किया जाता है।
- “व्यवस्था” और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
- “व्यवस्था” का अर्थ “मूसा की व्यवस्था” के अर्थ से भिन्न है क्योंकि यह परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
- जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया है “सिद्धान्त” या “सार्वजनिक नियम” के रूप में अनुवाद किया सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा, वर्णन)

बाइबल संदर्भ:

- व्यव. 04:02
- एस्तेर 03:8-9
- निर्गमन 12:12-14
- उत्पत्ति 26:05
- यूह. 18:31
- रोमियो 07:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

व्याकुल, ललकारने, घबरा गया

तथ्य:

व्याकुल का अर्थ है किसी हानि के प्रति सतर्क करना। “घबरा जाना” किसी खतरनाक या डरावनी बात से चिन्तित एवं भयभीत होना।

- राजा यहोशापात मोआबियों द्वारा यहूदा पर आक्रमण करने की योजना के बारे में सुनकर घबरा गया था।
- यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि जब वे अन्तिम दिनों में मुसीबतों की चर्चा सुनें तो घबराएं नहीं।
- “तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना” अर्थात सतर्क करना। प्राचीन युग में मनुष्य तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना बजाकर चेतावनी देता था।

अनुवाद के सुझाव

- “किसी को घबरा देना” अर्थात “किसी को चिन्तित करना” या “किसी को परेशानी में डाल देना”।
- “घबराना” का अनुवाद हो सकता है, “चिन्तित होना” या “डर जाना” या “बहुत परेशान हो जाना”।
- “तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना” का अनुवाद “सार्वजनिक चेतावनी” या “संकट के आने की घोषणा” या “खतरे के बारे में चेतावनी देने के लिए तुरही फूंका”।

(यह भी देखें: यहोशापात, मोआब)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 11:44-45
- यिर्मयाह 04:19-20
- गिनती 10:9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7321, H8643

व्याकुल, ललकारने, घबरा गया

तथ्य:

व्याकुल का अर्थ है किसी हानि के प्रति सतर्क करना। “घबरा जाना” किसी खतरनाक या डरावनी बात से चिन्तित एवं भयभीत होना।

- राजा यहोशापात मोआबियों द्वारा यहूदा पर आक्रमण करने की योजना के बारे में सुनकर घबरा गया था।
- यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि जब वे अन्तिम दिनों में मुसीबतों की चर्चा सुनें तो घबराएं नहीं।
- “तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना” अर्थात सतर्क करना। प्राचीन युग में मनुष्य तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना बजाकर चेतावनी देता था।

अनुवाद के सुझाव

- “किसी को घबरा देना” अर्थात “किसी को चिन्तित करना” या “किसी को परेशानी में डाल देना”।
- “घबराना” का अनुवाद हो सकता है, “चिन्तित होना” या “डर जाना” या “बहुत परेशान हो जाना”।
- “तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना” का अनुवाद “सार्वजनिक चेतावनी” या “संकट के आने की घोषणा” या “खतरे के बारे में चेतावनी देने के लिए तुरही फूंका”।

(यह भी देखें: यहोशापात, मोआब)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 11:44-45
- यिर्मयाह 04:19-20
- गिनती 10:9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7321, H8643

व्याकुल, ललकारने, घबरा गया

तथ्य:

व्याकुल का अर्थ है किसी हानि के प्रति सतर्क करना। “घबरा जाना” किसी खतरनाक या डरावनी बात से चिन्तित एवं भयभीत होना।

- राजा यहोशापात मोआबियों द्वारा यहूदा पर आक्रमण करने की योजना के बारे में सुनकर घबरा गया था।
- यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि जब वे अन्तिम दिनों में मुसीबतों की चर्चा सुनें तो घबराएं नहीं।
- “तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना” अर्थात सतर्क करना। प्राचीन युग में मनुष्य तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना बजाकर चेतावनी देता था।

अनुवाद के सुझाव

- “किसी को घबरा देना” अर्थात “किसी को चिन्तित करना” या “किसी को परेशानी में डाल देना”।
- “घबराना” का अनुवाद हो सकता है, “चिन्तित होना” या “डर जाना” या “बहुत परेशान हो जाना”।
- “तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना” का अनुवाद “सार्वजनिक चेतावनी” या “संकट के आने की घोषणा” या “खतरे के बारे में चेतावनी देने के लिए तुरही फूंका”।

(यह भी देखें: यहोशापात, मोआब)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 11:44-45
- यिर्मयाह 04:19-20
- गिनती 10:9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7321, H8643

व्याकुल, ललकारने, घबरा गया

तथ्य:

व्याकुल का अर्थ है किसी हानि के प्रति सतर्क करना। “घबरा जाना” किसी खतरनाक या डरावनी बात से चिन्तित एवं भयभीत होना।

- राजा यहोशापात मोआबियों द्वारा यहूदा पर आक्रमण करने की योजना के बारे में सुनकर घबरा गया था।
- यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि जब वे अन्तिम दिनों में मुसीबतों की चर्चा सुनें तो घबराएं नहीं।
- “तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना” अर्थात सतर्क करना। प्राचीन युग में मनुष्य तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना बजाकर चेतावनी देता था।

अनुवाद के सुझाव

- “किसी को घबरा देना” अर्थात “किसी को चिन्तित करना” या “किसी को परेशानी में डाल देना”।
- “घबराना” का अनुवाद हो सकता है, “चिन्तित होना” या “डर जाना” या “बहुत परेशान हो जाना”।
- “तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना” का अनुवाद “सार्वजनिक चेतावनी” या “संकट के आने की घोषणा” या “खतरे के बारे में चेतावनी देने के लिए तुरही फूंका”।

(यह भी देखें: यहोशापात, मोआब)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 11:44-45
- यिर्मयाह 04:19-20
- गिनती 10:9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7321, H8643

व्याकुल, ललकारने, घबरा गया

तथ्य:

व्याकुल का अर्थ है किसी हानि के प्रति सतर्क करना। “घबरा जाना” किसी खतरनाक या डरावनी बात से चिन्तित एवं भयभीत होना।

- राजा यहोशापात मोआबियों द्वारा यहूदा पर आक्रमण करने की योजना के बारे में सुनकर घबरा गया था।
- यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि जब वे अन्तिम दिनों में मुसीबतों की चर्चा सुनें तो घबराएं नहीं।
- “तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना” अर्थात सतर्क करना। प्राचीन युग में मनुष्य तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना बजाकर चेतावनी देता था।

अनुवाद के सुझाव

- “किसी को घबरा देना” अर्थात “किसी को चिन्तित करना” या “किसी को परेशानी में डाल देना”।
- “घबराना” का अनुवाद हो सकता है, “चिन्तित होना” या “डर जाना” या “बहुत परेशान हो जाना”।
- “तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना” का अनुवाद “सार्वजनिक चेतावनी” या “संकट के आने की घोषणा” या “खतरे के बारे में चेतावनी देने के लिए तुरही फूंका”।

(यह भी देखें: यहोशापात, मोआब)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 11:44-45
- यिर्मयाह 04:19-20
- गिनती 10:9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7321, H8643

शपथ, शपथ, शपथ खा, शपथ खाए, शपथ खाकर, शपथ खाके, की शपथ खाता है

परिभाषा:

बाइबल में “शपथ” का अर्थ है किसी काम को करने की औपचारिक प्रतिज्ञा। शपथ मानने वाले के लिए आवश्यक है कि वह उस प्रतिज्ञा को पूरा करे। शपथ में विश्वासयोग्य एवं सच्चा होने का समर्पण होता है।

- न्यायलय में गवाह शपथ खाता है कि वह जो भी कहेगा वह सच एवं तथ्य आधारित होगा।
- बाइबल में “शपथ” खाने का अर्थ है अखण्ड प्रतिज्ञा करना।
- “की शपथ खाना” अर्थात किसी स्थान या व्यक्ति के नाम को आधार या शक्ति मानना जिसके नाम पर शपथ खाई गई है।
- कभी-कभी इन दोनों शब्दों को एक साथ काम में लिया जाता है, “शपथ खिलाई”।
- अब्राहम और अबीमेलेक ने शपथ खाई थी जब उन्होंने कुएं को एक साथ उपयोग करने की वाचा बांधी थी।
- अब्राहम ने अपने सेवक को शपथ (विधिवत प्रतिज्ञा) खिलाई थी कि वह अब्राहम के परिजनों में से इसहाक के लिए पत्नी लाएगा।
- परमेश्वर भी शपथ खाता था जिसमें वह अपनी प्रजा से प्रतिज्ञा करता था।
- आज इस शब्द का अर्थ है “अभद्र भाषा का उपयोग करना”। बाइबल में ऐसा अर्थ नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शपथ” का अनुवाद “वचन देना” या “अखण्ड प्रतिज्ञा करना”
- “वचन देना” का अनुवाद “विधिवत प्रतिज्ञा करना” या “प्रण करना” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”।
- “मेरे नाम की शपथ खाना” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मेरे नाम से दृढ़ करने के लिए प्रतिज्ञा करना”
- “स्वर्ग और पृथ्वी की शपथ खाना” का अनुवाद “किसी बात की प्रतिज्ञा करके कहना कि आकाश और पृथ्वी उसे दृढ़ करते हैं”।
- सुनिश्चित करें कि “शपथ खाना” का अभिप्राय कोसने से न हो। बाइबल में ऐसा कोई आशय नहीं है।

(यह भी देखें: अबीमेलेक, वाचा, मन्नत)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 21:22-24
- उत्पत्ति 24:1-4
- उत्पत्ति 31:51-53
- उत्पत्ति 47:29-31
- लूका 01:72-75
- मरकुस 06:26-29
- मत्ती 05:36-37
- मत्ती 14:6-7
- मत्ती 26:71-72

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H3027, H5375, H7621, H7650, G332, G3660, G3727, G3728

शपथ, शपथ, शपथ खा, शपथ खाए, शपथ खाकर, शपथ खाके, की शपथ खाता है

परिभाषा:

बाइबल में “शपथ” का अर्थ है किसी काम को करने की औपचारिक प्रतिज्ञा। शपथ मानने वाले के लिए आवश्यक है कि वह उस प्रतिज्ञा को पूरा करे। शपथ में विश्वासयोग्य एवं सच्चा होने का समर्पण होता है।

- न्यायलय में गवाह शपथ खाता है कि वह जो भी कहेगा वह सच एवं तथ्य आधारित होगा।
- बाइबल में “शपथ” खाने का अर्थ है अखण्ड प्रतिज्ञा करना।
- “की शपथ खाना” अर्थात किसी स्थान या व्यक्ति के नाम को आधार या शक्ति मानना जिसके नाम पर शपथ खाई गई है।
- कभी-कभी इन दोनों शब्दों को एक साथ काम में लिया जाता है, “शपथ खिलाई”।
- अब्राहम और अबीमेलेक ने शपथ खाई थी जब उन्होंने कुएं को एक साथ उपयोग करने की वाचा बांधी थी।
- अब्राहम ने अपने सेवक को शपथ (विधिवत प्रतिज्ञा) खिलाई थी कि वह अब्राहम के परिजनों में से इसहाक के लिए पत्नी लाएगा।

- परमेश्वर भी शपथ खाता था जिसमें वह अपनी प्रजा से प्रतिज्ञा करता था।
- आज इस शब्द का अर्थ है "अभद्र भाषा का उपयोग करना"। बाइबल में ऐसा अर्थ नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "शपथ" का अनुवाद "वचन देना" या "अखण्ड प्रतिज्ञा करना"
- "वचन देना" का अनुवाद "विधिवत प्रतिज्ञा करना" या "प्रण करना" या "किसी काम को करने का समर्पण करना"।
- "मेरे नाम की शपथ खाना" के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "मेरे नाम से दृढ़ करने के लिए प्रतिज्ञा करना"
- "स्वर्ग और पृथ्वी की शपथ खाना" का अनुवाद "किसी बात की प्रतिज्ञा करके कहना कि आकाश और पृथ्वी उसे दृढ़ करते हैं"।
- सुनिश्चित करें कि "शपथ खाना" का अभिप्राय कोसने से न हो। बाइबल में ऐसा कोई आशय नहीं है।

(यह भी देखें: अबीमेलेक, वाचा, मन्नत)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 21:22-24
- उत्पत्ति 24:1-4
- उत्पत्ति 31:51-53
- उत्पत्ति 47:29-31
- लूका 01:72-75
- मरकुस 06:26-29
- मत्ती 05:36-37
- मत्ती 14:6-7
- मत्ती 26:71-72

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H3027, H5375, H7621, H7650, G332, G3660, G3727, G3728

शपथ, शपथ, शपथ खा, शपथ खाए, शपथ खाकर, शपथ खाके, की शपथ खाता है

परिभाषा:

बाइबल में "शपथ" का अर्थ है किसी काम को करने की औपचारिक प्रतिज्ञा। शपथ मानने वाले के लिए आवश्यक है कि वह उस प्रतिज्ञा को पूरा करे। शपथ में विश्वासयोग्य एवं सच्चा होने का समर्पण होता है।

- न्यायलय में गवाह शपथ खाता है कि वह जो भी कहेगा वह सच एवं तथ्य आधारित होगा।
- बाइबल में "शपथ" खाने का अर्थ है अखण्ड प्रतिज्ञा करना।
- "की शपथ खाना" अर्थात किसी स्थान या व्यक्ति के नाम को आधार या शक्ति मानना जिसके नाम पर शपथ खाई गई है।
- कभी-कभी इन दोनों शब्दों को एक साथ काम में लिया जाता है, "शपथ खिलाई"।
- अब्राहम और अबीमेलेक ने शपथ खाई थी जब उन्होंने कुएं को एक साथ उपयोग करने की वाचा बांधी थी।
- अब्राहम ने अपने सेवक को शपथ (विधिवत प्रतिज्ञा) खिलाई थी कि वह अब्राहम के परिजनों में से इसहाक के लिए पत्नी लाएगा।
- परमेश्वर भी शपथ खाता था जिसमें वह अपनी प्रजा से प्रतिज्ञा करता था।
- आज इस शब्द का अर्थ है "अभद्र भाषा का उपयोग करना"। बाइबल में ऐसा अर्थ नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "शपथ" का अनुवाद "वचन देना" या "अखण्ड प्रतिज्ञा करना"
- "वचन देना" का अनुवाद "विधिवत प्रतिज्ञा करना" या "प्रण करना" या "किसी काम को करने का समर्पण करना"।
- "मेरे नाम की शपथ खाना" के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "मेरे नाम से दृढ़ करने के लिए प्रतिज्ञा करना"
- "स्वर्ग और पृथ्वी की शपथ खाना" का अनुवाद "किसी बात की प्रतिज्ञा करके कहना कि आकाश और पृथ्वी उसे दृढ़ करते हैं"।
- सुनिश्चित करें कि "शपथ खाना" का अभिप्राय कोसने से न हो। बाइबल में ऐसा कोई आशय नहीं है।

(यह भी देखें: अबीमेलेक, वाचा, मन्नत)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 21:22-24
- उत्पत्ति 24:1-4

- उत्पत्ति 31:51-53
- उत्पत्ति 47:29-31
- लूका 01:72-75
- मरकुस 06:26-29
- मत्ती 05:36-37
- मत्ती 14:6-7
- मत्ती 26:71-72

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H3027, H5375, H7621, H7650, G332, G3660, G3727, G3728

शपथ, शपथ, शपथ खा, शपथ खाए, शपथ खाकर, शपथ खाके, की शपथ खाता है

परिभाषा:

बाइबल में "शपथ" का अर्थ है किसी काम को करने की औपचारिक प्रतिज्ञा। शपथ मानने वाले के लिए आवश्यक है कि वह उस प्रतिज्ञा को पूरा करे। शपथ में विश्वासयोग्य एवं सच्चा होने का समर्पण होता है।

- न्यायलय में गवाह शपथ खाता है कि वह जो भी कहेगा वह सच एवं तथ्य आधारित होगा।
- बाइबल में "शपथ" खाने का अर्थ है अखण्ड प्रतिज्ञा करना।
- "की शपथ खाना" अर्थात किसी स्थान या व्यक्ति के नाम को आधार या शक्ति मानना जिसके नाम पर शपथ खाई गई है।
- कभी-कभी इन दोनों शब्दों को एक साथ काम में लिया जाता है, "शपथ खिलाई"।
- अब्राहम और अबीमेलेक ने शपथ खाई थी जब उन्होंने कुएं को एक साथ उपयोग करने की वाचा बांधी थी।
- अब्राहम ने अपने सेवक को शपथ (विधिवत प्रतिज्ञा) खिलाई थी कि वह अब्राहम के परिजनों में से इसहाक के लिए पत्नी लाएगा।
- परमेश्वर भी शपथ खाता था जिसमें वह अपनी प्रजा से प्रतिज्ञा करता था।
- आज इस शब्द का अर्थ है "अभद्र भाषा का उपयोग करना"। बाइबल में ऐसा अर्थ नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "शपथ" का अनुवाद "वचन देना" या "अखण्ड प्रतिज्ञा करना"
- "वचन देना" का अनुवाद "विधिवत प्रतिज्ञा करना" या "प्रण करना" या "किसी काम को करने का समर्पण करना"।
- "मेरे नाम की शपथ खाना" के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "मेरे नाम से दृढ़ करने के लिए प्रतिज्ञा करना"
- "स्वर्ग और पृथ्वी की शपथ खाना" का अनुवाद "किसी बात की प्रतिज्ञा करके कहना कि आकाश और पृथ्वी उसे दृढ़ करते हैं"।
- सुनिश्चित करें कि "शपथ खाना" का अभिप्राय कोसने से न हो। बाइबल में ऐसा कोई आशय नहीं है।

(यह भी देखें: अबीमेलेक, वाचा, मन्नत)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 21:22-24
- उत्पत्ति 24:1-4
- उत्पत्ति 31:51-53
- उत्पत्ति 47:29-31
- लूका 01:72-75
- मरकुस 06:26-29
- मत्ती 05:36-37
- मत्ती 14:6-7
- मत्ती 26:71-72

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H3027, H5375, H7621, H7650, G332, G3660, G3727, G3728

शपथ, शपथ, शपथ खा, शपथ खाए, शपथ खाकर, शपथ खाके, की शपथ खाता है

परिभाषा:

बाइबल में "शपथ" का अर्थ है किसी काम को करने की औपचारिक प्रतिज्ञा। शपथ मानने वाले के लिए आवश्यक है कि वह उस प्रतिज्ञा को पूरा करे। शपथ में विश्वासयोग्य एवं सच्चा होने का समर्पण होता है।

- न्यायलय में गवाह शपथ खाता है कि वह जो भी कहेगा वह सच एवं तथ्य आधारित होगा।
- बाइबल में "शपथ" खाने का अर्थ है अखण्ड प्रतिज्ञा करना।
- "की शपथ खाना" अर्थात किसी स्थान या व्यक्ति के नाम को आधार या शक्ति मानना जिसके नाम पर शपथ खाई गई है।
- कभी-कभी इन दोनों शब्दों को एक साथ काम में लिया जाता है, "शपथ खिलाई"।
- अब्राहम और अबीमेलेक ने शपथ खाई थी जब उन्होंने कुएं को एक साथ उपयोग करने की वाचा बांधी थी।
- अब्राहम ने अपने सेवक को शपथ (विधिवत प्रतिज्ञा) खिलाई थी कि वह अब्राहम के परिजनों में से इसहाक के लिए पत्नी लाएगा।
- परमेश्वर भी शपथ खाता था जिसमें वह अपनी प्रजा से प्रतिज्ञा करता था।
- आज इस शब्द का अर्थ है "अभद्र भाषा का उपयोग करना"। बाइबल में ऐसा अर्थ नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "शपथ" का अनुवाद "वचन देना" या "अखण्ड प्रतिज्ञा करना"
- "वचन देना" का अनुवाद "विधिवत प्रतिज्ञा करना" या "प्रण करना" या "किसी काम को करने का समर्पण करना"।
- "मेरे नाम की शपथ खाना" के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "मेरे नाम से दृढ़ करने के लिए प्रतिज्ञा करना"
- "स्वर्ग और पृथ्वी की शपथ खाना" का अनुवाद "किसी बात की प्रतिज्ञा करके कहना कि आकाश और पृथ्वी उसे दृढ़ करते हैं"।
- सुनिश्चित करें कि "शपथ खाना" का अभिप्राय कोसने से न हो। बाइबल में ऐसा कोई आशय नहीं है।

(यह भी देखें: अबीमेलेक, वाचा, मन्नत)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 21:22-24
- उत्पत्ति 24:1-4
- उत्पत्ति 31:51-53
- उत्पत्ति 47:29-31
- लूका 01:72-75
- मरकुस 06:26-29
- मत्ती 05:36-37
- मत्ती 14:6-7
- मत्ती 26:71-72

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H3027, H5375, H7621, H7650, G332, G3660, G3727, G3728

शपथ, शपथ, शपथ खा, शपथ खाए, शपथ खाकर, शपथ खाके, की शपथ खाता है

परिभाषा:

बाइबल में "शपथ" का अर्थ है किसी काम को करने की औपचारिक प्रतिज्ञा। शपथ मानने वाले के लिए आवश्यक है कि वह उस प्रतिज्ञा को पूरा करे। शपथ में विश्वासयोग्य एवं सच्चा होने का समर्पण होता है।

- न्यायलय में गवाह शपथ खाता है कि वह जो भी कहेगा वह सच एवं तथ्य आधारित होगा।
- बाइबल में "शपथ" खाने का अर्थ है अखण्ड प्रतिज्ञा करना।
- "की शपथ खाना" अर्थात किसी स्थान या व्यक्ति के नाम को आधार या शक्ति मानना जिसके नाम पर शपथ खाई गई है।
- कभी-कभी इन दोनों शब्दों को एक साथ काम में लिया जाता है, "शपथ खिलाई"।
- अब्राहम और अबीमेलेक ने शपथ खाई थी जब उन्होंने कुएं को एक साथ उपयोग करने की वाचा बांधी थी।
- अब्राहम ने अपने सेवक को शपथ (विधिवत प्रतिज्ञा) खिलाई थी कि वह अब्राहम के परिजनों में से इसहाक के लिए पत्नी लाएगा।
- परमेश्वर भी शपथ खाता था जिसमें वह अपनी प्रजा से प्रतिज्ञा करता था।
- आज इस शब्द का अर्थ है "अभद्र भाषा का उपयोग करना"। बाइबल में ऐसा अर्थ नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "शपथ" का अनुवाद "वचन देना" या "अखण्ड प्रतिज्ञा करना"
- "वचन देना" का अनुवाद "विधिवत प्रतिज्ञा करना" या "प्रण करना" या "किसी काम को करने का समर्पण करना"।
- "मेरे नाम की शपथ खाना" के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "मेरे नाम से दृढ़ करने के लिए प्रतिज्ञा करना"
- "स्वर्ग और पृथ्वी की शपथ खाना" का अनुवाद "किसी बात की प्रतिज्ञा करके कहना कि आकाश और पृथ्वी उसे दृढ़ करते हैं"।
- सुनिश्चित करें कि "शपथ खाना" का अभिप्राय कोसने से न हो। बाइबल में ऐसा कोई आशय नहीं है।

(यह भी देखें: अबीमेलेक, वाचा, मन्नत)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 21:22-24
- उत्पत्ति 24:1-4
- उत्पत्ति 31:51-53
- उत्पत्ति 47:29-31
- लूका 01:72-75
- मरकुस 06:26-29
- मत्ती 05:36-37
- मत्ती 14:6-7
- मत्ती 26:71-72

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H3027, H5375, H7621, H7650, G332, G3660, G3727, G3728

शपथ, शपथ, शपथ खा, शपथ खाए, शपथ खाकर, शपथ खाके, की शपथ खाता है

परिभाषा:

बाइबल में "शपथ" का अर्थ है किसी काम को करने की औपचारिक प्रतिज्ञा। शपथ मानने वाले के लिए आवश्यक है कि वह उस प्रतिज्ञा को पूरा करे। शपथ में विश्वासयोग्य एवं सच्चा होने का समर्पण होता है।

- न्यायलय में गवाह शपथ खाता है कि वह जो भी कहेगा वह सच एवं तथ्य आधारित होगा।
- बाइबल में "शपथ" खाने का अर्थ है अखण्ड प्रतिज्ञा करना।
- "की शपथ खाना" अर्थात किसी स्थान या व्यक्ति के नाम को आधार या शक्ति मानना जिसके नाम पर शपथ खाई गई है।
- कभी-कभी इन दोनों शब्दों को एक साथ काम में लिया जाता है, "शपथ खिलाई"।
- अब्राहम और अबीमेलेक ने शपथ खाई थी जब उन्होंने कुएं को एक साथ उपयोग करने की वाचा बांधी थी।
- अब्राहम ने अपने सेवक को शपथ (विधिवत प्रतिज्ञा) खिलाई थी कि वह अब्राहम के परिजनों में से इसहाक के लिए पत्नी लाएगा।
- परमेश्वर भी शपथ खाता था जिसमें वह अपनी प्रजा से प्रतिज्ञा करता था।
- आज इस शब्द का अर्थ है "अभद्र भाषा का उपयोग करना"। बाइबल में ऐसा अर्थ नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "शपथ" का अनुवाद "वचन देना" या "अखण्ड प्रतिज्ञा करना"
- "वचन देना" का अनुवाद "विधिवत प्रतिज्ञा करना" या "प्रण करना" या "किसी काम को करने का समर्पण करना"।
- "मेरे नाम की शपथ खाना" के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "मेरे नाम से दृढ़ करने के लिए प्रतिज्ञा करना"
- "स्वर्ग और पृथ्वी की शपथ खाना" का अनुवाद "किसी बात की प्रतिज्ञा करके कहना कि आकाश और पृथ्वी उसे दृढ़ करते हैं"।
- सुनिश्चित करें कि "शपथ खाना" का अभिप्राय कोसने से न हो। बाइबल में ऐसा कोई आशय नहीं है।

(यह भी देखें: अबीमेलेक, वाचा, मन्नत)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 21:22-24
- उत्पत्ति 24:1-4
- उत्पत्ति 31:51-53
- उत्पत्ति 47:29-31
- लूका 01:72-75

- मरकुस 06:26-29
- मत्ती 05:36-37
- मत्ती 14:6-7
- मत्ती 26:71-72

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H3027, H5375, H7621, H7650, G332, G3660, G3727, G3728

शपथ, शपथ, शपथ खा, शपथ खाए, शपथ खाकर, शपथ खाके, की शपथ खाता है

परिभाषा:

बाइबल में "शपथ" का अर्थ है किसी काम को करने की औपचारिक प्रतिज्ञा। शपथ मानने वाले के लिए आवश्यक है कि वह उस प्रतिज्ञा को पूरा करे। शपथ में विश्वासयोग्य एवं सच्चा होने का समर्पण होता है।

- न्यायलय में गवाह शपथ खाता है कि वह जो भी कहेगा वह सच एवं तथ्य आधारित होगा।
- बाइबल में "शपथ" खाने का अर्थ है अखण्ड प्रतिज्ञा करना।
- "की शपथ खाना" अर्थात किसी स्थान या व्यक्ति के नाम को आधार या शक्ति मानना जिसके नाम पर शपथ खाई गई है।
- कभी-कभी इन दोनों शब्दों को एक साथ काम में लिया जाता है, "शपथ खिलाई"।
- अब्राहम और अबीमेलेक ने शपथ खाई थी जब उन्होंने कुएं को एक साथ उपयोग करने की वाचा बांधी थी।
- अब्राहम ने अपने सेवक को शपथ (विधिवत प्रतिज्ञा) खिलाई थी कि वह अब्राहम के परिजनों में से इसहाक के लिए पत्नी लाएगा।
- परमेश्वर भी शपथ खाता था जिसमें वह अपनी प्रजा से प्रतिज्ञा करता था।
- आज इस शब्द का अर्थ है "अभद्र भाषा का उपयोग करना"। बाइबल में ऐसा अर्थ नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "शपथ" का अनुवाद "वचन देना" या "अखण्ड प्रतिज्ञा करना"
- "वचन देना" का अनुवाद "विधिवत प्रतिज्ञा करना" या "प्रण करना" या "किसी काम को करने का समर्पण करना"।
- "मेरे नाम की शपथ खाना" के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "मेरे नाम से दृढ़ करने के लिए प्रतिज्ञा करना"
- "स्वर्ग और पृथ्वी की शपथ खाना" का अनुवाद "किसी बात की प्रतिज्ञा करके कहना कि आकाश और पृथ्वी उसे दृढ़ करते हैं"।
- सुनिश्चित करें कि "शपथ खाना" का अभिप्राय कोसने से न हो। बाइबल में ऐसा कोई आशय नहीं है।

(यह भी देखें: अबीमेलेक, वाचा, मन्नत)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 21:22-24
- उत्पत्ति 24:1-4
- उत्पत्ति 31:51-53
- उत्पत्ति 47:29-31
- लूका 01:72-75
- मरकुस 06:26-29
- मत्ती 05:36-37
- मत्ती 14:6-7
- मत्ती 26:71-72

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H3027, H5375, H7621, H7650, G332, G3660, G3727, G3728

शपथ, शपथ, शपथ खा, शपथ खाए, शपथ खाकर, शपथ खाके, की शपथ खाता है

परिभाषा:

बाइबल में "शपथ" का अर्थ है किसी काम को करने की औपचारिक प्रतिज्ञा। शपथ मानने वाले के लिए आवश्यक है कि वह उस प्रतिज्ञा को पूरा करे। शपथ में विश्वासयोग्य एवं सच्चा होने का समर्पण होता है।

- न्यायलय में गवाह शपथ खाता है कि वह जो भी कहेगा वह सच एवं तथ्य आधारित होगा।

- बाइबल में “शपथ” खाने का अर्थ है अखण्ड प्रतिज्ञा करना।
- “की शपथ खाना” अर्थात किसी स्थान या व्यक्ति के नाम को आधार या शक्ति मानना जिसके नाम पर शपथ खाई गई है।
- कभी-कभी इन दोनों शब्दों को एक साथ काम में लिया जाता है, “शपथ खिलाई”।
- अब्राहम और अबीमेलेक ने शपथ खाई थी जब उन्होंने कुएं को एक साथ उपयोग करने की वाचा बांधी थी।
- अब्राहम ने अपने सेवक को शपथ (विधिवत प्रतिज्ञा) खिलाई थी कि वह अब्राहम के परिजनों में से इसहाक के लिए पत्नी लाएगा।
- परमेश्वर भी शपथ खाता था जिसमें वह अपनी प्रजा से प्रतिज्ञा करता था।
- आज इस शब्द का अर्थ है “अभद्र भाषा का उपयोग करना”। बाइबल में ऐसा अर्थ नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शपथ” का अनुवाद “वचन देना” या “अखण्ड प्रतिज्ञा करना”
- “वचन देना” का अनुवाद “विधिवत प्रतिज्ञा करना” या “प्रण करना” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”।
- “मेरे नाम की शपथ खाना” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मेरे नाम से दृढ़ करने के लिए प्रतिज्ञा करना”
- “स्वर्ग और पृथ्वी की शपथ खाना” का अनुवाद “किसी बात की प्रतिज्ञा करके कहना कि आकाश और पृथ्वी उसे दृढ़ करते हैं”।
- सुनिश्चित करें कि “शपथ खाना” का अभिप्राय कोसने से न हो। बाइबल में ऐसा कोई आशय नहीं है।

(यह भी देखें: अबीमेलेक, वाचा, मन्नत)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 21:22-24
- उत्पत्ति 24:1-4
- उत्पत्ति 31:51-53
- उत्पत्ति 47:29-31
- लूका 01:72-75
- मरकुस 06:26-29
- मत्ती 05:36-37
- मत्ती 14:6-7
- मत्ती 26:71-72

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H3027, H5375, H7621, H7650, G332, G3660, G3727, G3728

शपथ, शपथ, शपथ खा, शपथ खाए, शपथ खाकर, शपथ खाके, की शपथ खाता है

परिभाषा:

बाइबल में “शपथ” का अर्थ है किसी काम को करने की औपचारिक प्रतिज्ञा। शपथ मानने वाले के लिए आवश्यक है कि वह उस प्रतिज्ञा को पूरा करे। शपथ में विश्वासयोग्य एवं सच्चा होने का समर्पण होता है।

- न्यायलय में गवाह शपथ खाता है कि वह जो भी कहेगा वह सच एवं तथ्य आधारित होगा।
- बाइबल में “शपथ” खाने का अर्थ है अखण्ड प्रतिज्ञा करना।
- “की शपथ खाना” अर्थात किसी स्थान या व्यक्ति के नाम को आधार या शक्ति मानना जिसके नाम पर शपथ खाई गई है।
- कभी-कभी इन दोनों शब्दों को एक साथ काम में लिया जाता है, “शपथ खिलाई”।
- अब्राहम और अबीमेलेक ने शपथ खाई थी जब उन्होंने कुएं को एक साथ उपयोग करने की वाचा बांधी थी।
- अब्राहम ने अपने सेवक को शपथ (विधिवत प्रतिज्ञा) खिलाई थी कि वह अब्राहम के परिजनों में से इसहाक के लिए पत्नी लाएगा।
- परमेश्वर भी शपथ खाता था जिसमें वह अपनी प्रजा से प्रतिज्ञा करता था।
- आज इस शब्द का अर्थ है “अभद्र भाषा का उपयोग करना”। बाइबल में ऐसा अर्थ नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शपथ” का अनुवाद “वचन देना” या “अखण्ड प्रतिज्ञा करना”
- “वचन देना” का अनुवाद “विधिवत प्रतिज्ञा करना” या “प्रण करना” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”।
- “मेरे नाम की शपथ खाना” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मेरे नाम से दृढ़ करने के लिए प्रतिज्ञा करना”
- “स्वर्ग और पृथ्वी की शपथ खाना” का अनुवाद “किसी बात की प्रतिज्ञा करके कहना कि आकाश और पृथ्वी उसे दृढ़ करते हैं”।
- सुनिश्चित करें कि “शपथ खाना” का अभिप्राय कोसने से न हो। बाइबल में ऐसा कोई आशय नहीं है।

(यह भी देखें: अबीमेलेक, वाचा, मन्नत)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 21:22-24
- उत्पत्ति 24:1-4
- उत्पत्ति 31:51-53
- उत्पत्ति 47:29-31
- लूका 01:72-75
- मरकुस 06:26-29
- मत्ती 05:36-37
- मत्ती 14:6-7
- मत्ती 26:71-72

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H3027, H5375, H7621, H7650, G332, G3660, G3727, G3728

शब्द, स्वर

परिभाषा:

“शब्द” का उपयोग प्रायः बोलने या विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए किया गया है।

- परमेश्वर अपने शब्द को कहता है यद्यपि उसका शब्द मनुष्य जैसी नहीं है।
- शब्द संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देती है जैसे “जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द सुनाई देता है, प्रभु का मार्ग तैयार करो।” इसका अनुवाद हो सकता है, “जंगल में एक मनुष्य की पुकार सुनी जाती है”।
- “किसी की वाणी सुनना” अर्थात “किसी को बोलते सुनना”।

कभी कभी "शब्द" का प्रयोग ऐसी वस्तुओं के लिए भी किया गया है जो बोल नहीं सकती, जैसे दाऊद लिखता है कि परमेश्वर की अद्भुत सृष्टि उसके कामों का वर्णन करती है, अर्थात् उनके शब्द उनकी महानता की घोषणा करती है। इसका अनुवाद हो सकता है: "उनकी गरिमा परमेश्वर की महिमा का वर्णन कर रही है।"

(यह भी देखें: बुलाना, प्रचार करना, वैभव)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 05:36-38
- लूका 01:42-45
- लूका 09:34-36
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 12:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6963, H7032, H7445, H8193, G2906, G5456, G5586

शब्द, स्वर

परिभाषा:

“शब्द” का उपयोग प्रायः बोलने या विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए किया गया है।

- परमेश्वर अपने शब्द को कहता है यद्यपि उसका शब्द मनुष्य जैसी नहीं है।
- शब्द संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देती है जैसे “जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द सुनाई देता है, प्रभु का मार्ग तैयार करो।” इसका अनुवाद हो सकता है, “जंगल में एक मनुष्य की पुकार सुनी जाती है”।
- “किसी की वाणी सुनना” अर्थात “किसी को बोलते सुनना”।

कभी कभी "शब्द" का प्रयोग ऐसी वस्तुओं के लिए भी किया गया है जो बोल नहीं सकती, जैसे दाऊद लिखता है कि परमेश्वर की अद्भुत सृष्टि उसके कामों का वर्णन करती है, अर्थात् उनके शब्द उनकी महानता की घोषणा करती है। इसका अनुवाद हो सकता है: "उनकी गरिमा परमेश्वर की महिमा का वर्णन कर रही है।"

(यह भी देखें: बुलाना, प्रचार करना, वैभव)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 05:36-38
- लूका 01:42-45
- लूका 09:34-36
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 12:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6963, H7032, H7445, H8193, G2906, G5456, G5586

शब्द, स्वर

परिभाषा:

“शब्द” का उपयोग प्राय: बोलने या विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए किया गया है।

- परमेश्वर अपने शब्द को कहता है यद्यपि उसका शब्द मनुष्य जैसी नहीं है।
- शब्द संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देती है जैसे “जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द सुनाई देता है, प्रभु का मार्ग तैयार करो।” इसका अनुवाद हो सकता है, “जंगल में एक मनुष्य की पुकार सुनी जाती है”।
- “किसी की वाणी सुनना” अर्थात “किसी को बोलते सुनना”।

कभी कभी "शब्द" का प्रयोग ऐसी वस्तुओं के लिए भी किया गया है जो बोल नहीं सकती, जैसे दाऊद लिखता है कि परमेश्वर की अद्भुत सृष्टि उसके कामों का वर्णन करती है, अर्थात् उनके शब्द उनकी महानता की घोषणा करती है। इसका अनुवाद हो सकता है: "उनकी गरिमा परमेश्वर की महिमा का वर्णन कर रही है।"

(यह भी देखें: बुलाना, प्रचार करना, वैभव)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 05:36-38
- लूका 01:42-45
- लूका 09:34-36
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 12:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6963, H7032, H7445, H8193, G2906, G5456, G5586

शब्द, स्वर

परिभाषा:

“शब्द” का उपयोग प्राय: बोलने या विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए किया गया है।

- परमेश्वर अपने शब्द को कहता है यद्यपि उसका शब्द मनुष्य जैसी नहीं है।
- शब्द संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देती है जैसे “जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द सुनाई देता है, प्रभु का मार्ग तैयार करो।” इसका अनुवाद हो सकता है, “जंगल में एक मनुष्य की पुकार सुनी जाती है”।

- “किसी की वाणी सुनना” अर्थात “किसी को बोलते सुनना”।

कभी कभी "शब्द" का प्रयोग ऐसी वस्तुओं के लिए भी किया गया है जो बोल नहीं सकती, जैसे दाऊद लिखता है कि परमेश्वर की अद्भुत सृष्टि उसके कामों का वर्णन करती है, अर्थात् उनके शब्द उनकी महानता की घोषणा करती है। इसका अनुवाद हो सकता है: "उनकी गरिमा परमेश्वर की महिमा का वर्णन कर रही है।"

(यह भी देखें: बुलाना, प्रचार करना, वैभव)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 05:36-38
- लूका 01:42-45
- लूका 09:34-36
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 12:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6963, H7032, H7445, H8193, G2906, G5456, G5586

शब्द, स्वर

परिभाषा:

“शब्द” का उपयोग प्राय: बोलने या विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए किया गया है।

- परमेश्वर अपने शब्द को कहता है यद्यपि उसका शब्द मनुष्य जैसी नहीं है।
- शब्द संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देती है जैसे “जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द सुनाई देता है, प्रभु का मार्ग तैयार करो।” इसका अनुवाद हो सकता है, “जंगल में एक मनुष्य की पुकार सुनी जाती है”।
- “किसी की वाणी सुनना” अर्थात “किसी को बोलते सुनना”।

कभी कभी "शब्द" का प्रयोग ऐसी वस्तुओं के लिए भी किया गया है जो बोल नहीं सकती, जैसे दाऊद लिखता है कि परमेश्वर की अद्भुत सृष्टि उसके कामों का वर्णन करती है, अर्थात् उनके शब्द उनकी महानता की घोषणा करती है। इसका अनुवाद हो सकता है: "उनकी गरिमा परमेश्वर की महिमा का वर्णन कर रही है।"

(यह भी देखें: बुलाना, प्रचार करना, वैभव)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 05:36-38
- लूका 01:42-45
- लूका 09:34-36
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 12:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6963, H7032, H7445, H8193, G2906, G5456, G5586

शब्द, स्वर

परिभाषा:

“शब्द” का उपयोग प्राय: बोलने या विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए किया गया है।

- परमेश्वर अपने शब्द को कहता है यद्यपि उसका शब्द मनुष्य जैसी नहीं है।

- शब्द संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देती है जैसे “जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द सुनाई देता है, प्रभु का मार्ग तैयार करो।” इसका अनुवाद हो सकता है, “जंगल में एक मनुष्य की पुकार सुनी जाती है”।
- “किसी की वाणी सुनना” अर्थात “किसी को बोलते सुनना”।

कभी कभी "शब्द" का प्रयोग ऐसी वस्तुओं के लिए भी किया गया है जो बोल नहीं सकती, जैसे दाऊद लिखता है कि परमेश्वर की अद्भुत सृष्टि उसके कामों का वर्णन करती है, अर्थात् उनके शब्द उनकी महानता की घोषणा करती है। इसका अनुवाद हो सकता है: "उनकी गरिमा परमेश्वर की महिमा का वर्णन कर रही है।"

(यह भी देखें: बुलाना, प्रचार करना, वैभव)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 05:36-38
- लूका 01:42-45
- लूका 09:34-36
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 12:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6963, H7032, H7445, H8193, G2906, G5456, G5586

शब्द, स्वर

परिभाषा:

“शब्द” का उपयोग प्राय: बोलने या विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए किया गया है।

- परमेश्वर अपने शब्द को कहता है यद्यपि उसका शब्द मनुष्य जैसी नहीं है।
- शब्द संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देती है जैसे “जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द सुनाई देता है, प्रभु का मार्ग तैयार करो।” इसका अनुवाद हो सकता है, “जंगल में एक मनुष्य की पुकार सुनी जाती है”।
- “किसी की वाणी सुनना” अर्थात “किसी को बोलते सुनना”।

कभी कभी "शब्द" का प्रयोग ऐसी वस्तुओं के लिए भी किया गया है जो बोल नहीं सकती, जैसे दाऊद लिखता है कि परमेश्वर की अद्भुत सृष्टि उसके कामों का वर्णन करती है, अर्थात् उनके शब्द उनकी महानता की घोषणा करती है। इसका अनुवाद हो सकता है: "उनकी गरिमा परमेश्वर की महिमा का वर्णन कर रही है।"

(यह भी देखें: बुलाना, प्रचार करना, वैभव)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 05:36-38
- लूका 01:42-45
- लूका 09:34-36
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 12:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6963, H7032, H7445, H8193, G2906, G5456, G5586

शब्द, स्वर

परिभाषा:

“शब्द” का उपयोग प्रायः बोलने या विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए किया गया है।

- परमेश्वर अपने शब्द को कहता है यद्यपि उसका शब्द मनुष्य जैसी नहीं है।
- शब्द संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देती है जैसे “जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द सुनाई देता है, प्रभु का मार्ग तैयार करो।” इसका अनुवाद हो सकता है, “जंगल में एक मनुष्य की पुकार सुनी जाती है”।
- “किसी की वाणी सुनना” अर्थात “किसी को बोलते सुनना”।

कभी कभी "शब्द" का प्रयोग ऐसी वस्तुओं के लिए भी किया गया है जो बोल नहीं सकती, जैसे दाऊद लिखता है कि परमेश्वर की अद्भुत सृष्टि उसके कामों का वर्णन करती है, अर्थात् उनके शब्द उनकी महानता की घोषणा करती है। इसका अनुवाद हो सकता है: "उनकी गरिमा परमेश्वर की महिमा का वर्णन कर रही है।"

(यह भी देखें: बुलाना, प्रचार करना, वैभव)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 05:36-38
- लूका 01:42-45
- लूका 09:34-36
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 12:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6963, H7032, H7445, H8193, G2906, G5456, G5586

शब्द, स्वर

परिभाषा:

“शब्द” का उपयोग प्रायः बोलने या विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए किया गया है।

- परमेश्वर अपने शब्द को कहता है यद्यपि उसका शब्द मनुष्य जैसी नहीं है।
- शब्द संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देती है जैसे “जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द सुनाई देता है, प्रभु का मार्ग तैयार करो।” इसका अनुवाद हो सकता है, “जंगल में एक मनुष्य की पुकार सुनी जाती है”।
- “किसी की वाणी सुनना” अर्थात “किसी को बोलते सुनना”।

कभी कभी "शब्द" का प्रयोग ऐसी वस्तुओं के लिए भी किया गया है जो बोल नहीं सकती, जैसे दाऊद लिखता है कि परमेश्वर की अद्भुत सृष्टि उसके कामों का वर्णन करती है, अर्थात् उनके शब्द उनकी महानता की घोषणा करती है। इसका अनुवाद हो सकता है: "उनकी गरिमा परमेश्वर की महिमा का वर्णन कर रही है।"

(यह भी देखें: बुलाना, प्रचार करना, वैभव)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 05:36-38
- लूका 01:42-45
- लूका 09:34-36
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 12:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6963, H7032, H7445, H8193, G2906, G5456, G5586

शब्द, स्वर

परिभाषा:

“शब्द” का उपयोग प्रायः बोलने या विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए किया गया है।

- परमेश्वर अपने शब्द को कहता है यद्यपि उसका शब्द मनुष्य जैसी नहीं है।
- शब्द संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देती है जैसे “जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द सुनाई देता है, प्रभु का मार्ग तैयार करो।” इसका अनुवाद हो सकता है, “जंगल में एक मनुष्य की पुकार सुनी जाती है”।
- “किसी की वाणी सुनना” अर्थात “किसी को बोलते सुनना”।

कभी कभी "शब्द" का प्रयोग ऐसी वस्तुओं के लिए भी किया गया है जो बोल नहीं सकती, जैसे दाऊद लिखता है कि परमेश्वर की अद्भुत सृष्टि उसके कामों का वर्णन करती है, अर्थात् उनके शब्द उनकी महानता की घोषणा करती है। इसका अनुवाद हो सकता है: "उनकी गरिमा परमेश्वर की महिमा का वर्णन कर रही है।"

(यह भी देखें: बुलाना, प्रचार करना, वैभव)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 05:36-38
- लूका 01:42-45
- लूका 09:34-36
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 12:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6963, H7032, H7445, H8193, G2906, G5456, G5586

शब्द, स्वर

परिभाषा:

“शब्द” का उपयोग प्रायः बोलने या विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए किया गया है।

- परमेश्वर अपने शब्द को कहता है यद्यपि उसका शब्द मनुष्य जैसी नहीं है।
- शब्द संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देती है जैसे “जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द सुनाई देता है, प्रभु का मार्ग तैयार करो।” इसका अनुवाद हो सकता है, “जंगल में एक मनुष्य की पुकार सुनी जाती है”।
- “किसी की वाणी सुनना” अर्थात “किसी को बोलते सुनना”।

कभी कभी "शब्द" का प्रयोग ऐसी वस्तुओं के लिए भी किया गया है जो बोल नहीं सकती, जैसे दाऊद लिखता है कि परमेश्वर की अद्भुत सृष्टि उसके कामों का वर्णन करती है, अर्थात् उनके शब्द उनकी महानता की घोषणा करती है। इसका अनुवाद हो सकता है: "उनकी गरिमा परमेश्वर की महिमा का वर्णन कर रही है।"

(यह भी देखें: बुलाना, प्रचार करना, वैभव)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 05:36-38
- लूका 01:42-45
- लूका 09:34-36
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 12:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6963, H7032, H7445, H8193, G2906, G5456, G5586

शब्द, स्वर

परिभाषा:

“शब्द” का उपयोग प्राय: बोलने या विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए किया गया है।

- परमेश्वर अपने शब्द को कहता है यद्यपि उसका शब्द मनुष्य जैसी नहीं है।
- शब्द संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देती है जैसे “जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द सुनाई देता है, प्रभु का मार्ग तैयार करो।” इसका अनुवाद हो सकता है, “जंगल में एक मनुष्य की पुकार सुनी जाती है”।
- “किसी की वाणी सुनना” अर्थात “किसी को बोलते सुनना”।

कभी कभी "शब्द" का प्रयोग ऐसी वस्तुओं के लिए भी किया गया है जो बोल नहीं सकती, जैसे दाऊद लिखता है कि परमेश्वर की अद्भुत सृष्टि उसके कामों का वर्णन करती है, अर्थात् उनके शब्द उनकी महानता की घोषणा करती है। इसका अनुवाद हो सकता है: "उनकी गरिमा परमेश्वर की महिमा का वर्णन कर रही है।"

(यह भी देखें: बुलाना, प्रचार करना, वैभव)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 05:36-38
- लूका 01:42-45
- लूका 09:34-36
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 12:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6963, H7032, H7445, H8193, G2906, G5456, G5586

शमूएल

तथ्य:

शमूएल एक भविष्यद्वक्ता था और इस्राएल का अन्तिम न्यायी था। उसने शाऊल और उसके बाद दाऊद दोनों को इस्राएल का राजा होने के लिए अभिषेक किया था।

- शमूएल रामा नगर में एल्काना और हन्ना से उत्पन्न हुआ था।
- हन्ना बांझ थी, उसने परमेश्वर से रो-रोकर प्रार्थना की कि उसे पुत्र दे। उसकी प्रार्थना सुन कर परमेश्वर ने उसे शमूएल दिया।
- हन्ना ने प्रतिज्ञा की थी कि, यदि परमेश्वर उसे पुत्र देगा तो वह उसे यहोवा की सेवा में अर्पित कर देगी।
- जब शमूएल बालक ही था, तब हन्ना ने उस याजक एली के पास दे दिया और परमेश्वर से की गई अपनी प्रतिज्ञा पूरी की।
- परमेश्वर ने शमूएल को अपना एक महान भविष्यद्वक्ता बनाया।

(यह भी देखें: हन्ना, न्यायी, भविष्यद्वक्ता, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 01:19-20
- 1 शमूएल 09:23-24
- 1 शमूएल 12:16-18
- प्रे.का. 03:24-26
- प्रे.का. 13:19-20
- इब्रानियों 11:32-34

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8050, G4545

शमूएल

तथ्य:

शमूएल एक भविष्यद्वक्ता था और इस्राएल का अन्तिम न्यायी था। उसने शाऊल और उसके बाद दाऊद दोनों को इस्राएल का राजा होने के लिए अभिषेक किया था।

- शमूएल रामा नगर में एल्काना और हन्ना से उत्पन्न हुआ था।
- हन्ना बांझ थी, उसने परमेश्वर से रो-रोकर प्रार्थना की कि उसे पुत्र दे। उसकी प्रार्थना सुन कर परमेश्वर ने उसे शमूएल दिया।
- हन्ना ने प्रतिज्ञा की थी कि, यदि परमेश्वर उसे पुत्र देगा तो वह उसे यहोवा की सेवा में अर्पित कर देगी।
- जब शमूएल बालक ही था, तब हन्ना ने उस याजक एली के पास दे दिया और परमेश्वर से की गई अपनी प्रतिज्ञा पूरी की।
- परमेश्वर ने शमूएल को अपना एक महान भविष्यद्वक्ता बनाया।

(यह भी देखें: हन्ना, न्यायी, भविष्यद्वक्ता, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 01:19-20
- 1 शमूएल 09:23-24
- 1 शमूएल 12:16-18
- प्रे.का. 03:24-26
- प्रे.का. 13:19-20
- इब्रानियों 11:32-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8050, G4545

शमौन

तथ्यों:

पुराने नियम में शमौन नामक अनेक पुरुष थे।

- पुराने नियम में याकूब (इस्राएल) के दूसरे पुत्र का नाम शमौन था । उसकी माता का नाम लीआ: था। उसके वंशज इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक हुए।
- शमौन के गोत्र ने प्रतिज्ञा के देश कनान में दूरस्थ दक्षिणी क्षेत्र प्राप्त किया था, उस क्षेत्र का एक भाग यहूदा के उत्तराधिकार में था।
- जब यूसुफ और मरियम यीशु को यरूशलेम के मन्दिर में समर्पित करने लाए थे तब शिमोन नामक एक वृद्ध पुरुष ने मसीह के दर्शन पाने हेतु यहोवा की स्तुति की थी।

(यह भी देखें: कनान, मसीह, समर्पण करे, इस्राएल, यहूदा, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 29:33-34
- उत्पत्ति 34:24-26
- उत्पत्ति 42: 35-36
- उत्पत्ति 43:21-23
- लूका 02:25-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8095, H8099, G4826

शमौन

तथ्यों:

पुराने नियम में शमौन नामक अनेक पुरुष थे।

- पुराने नियम में याकूब (इस्राएल) के दूसरे पुत्र का नाम शमौन था । उसकी माता का नाम लीआ: था। उसके वंशज इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक हुए।
- शमौन के गोत्र ने प्रतिज्ञा के देश कनान में दूरस्थ दक्षिणी क्षेत्र प्राप्त किया था, उस क्षेत्र का एक भाग यहूदा के उत्तराधिकार में था।
- जब यूसुफ और मरियम यीशु को यरूशलेम के मन्दिर में समर्पित करने लाए थे तब शिमोन नामक एक वृद्ध पुरुष ने मसीह के दर्शन पाने हेतु यहोवा की स्तुति की थी।

(यह भी देखें: कनान, मसीह, समर्पण करे, इस्राएल, यहूदा, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 29:33-34
- उत्पत्ति 34:24-26
- उत्पत्ति 42: 35-36
- उत्पत्ति 43:21-23
- लूका 02:25-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8095, H8099, G4826

शमौन

तथ्यों:

पुराने नियम में शमौन नामक अनेक पुरुष थे।

- पुराने नियम में याकूब (इस्राएल) के दूसरे पुत्र का नाम शमौन था । उसकी माता का नाम लीआ: था। उसके वंशज इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक हुए।
- शमौन के गोत्र ने प्रतिज्ञा के देश कनान में दूरस्थ दक्षिणी क्षेत्र प्राप्त किया था, उस क्षेत्र का एक भाग यहूदा के उत्तराधिकार में था।
- जब यूसुफ और मरियम यीशु को यरूशलेम के मन्दिर में समर्पित करने लाए थे तब शिमोन नामक एक वृद्ध पुरुष ने मसीह के दर्शन पाने हेतु यहोवा की स्तुति की थी।

(यह भी देखें: कनान, मसीह, समर्पण करे, इस्राएल, यहूदा, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 29:33-34
- उत्पत्ति 34:24-26
- उत्पत्ति 42: 35-36
- उत्पत्ति 43:21-23
- लूका 02:25-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8095, H8099, G4826

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शमौन

तथ्यों:

पुराने नियम में शमौन नामक अनेक पुरुष थे।

- पुराने नियम में याकूब (इस्राएल) के दूसरे पुत्र का नाम शमौन था । उसकी माता का नाम लीआ: था। उसके वंशज इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक हुए।
- शमौन के गोत्र ने प्रतिज्ञा के देश कनान में दूरस्थ दक्षिणी क्षेत्र प्राप्त किया था, उस क्षेत्र का एक भाग यहूदा के उत्तराधिकार में था।
- जब यूसुफ और मरियम यीशु को यरूशलेम के मन्दिर में समर्पित करने लाए थे तब शिमोन नामक एक वृद्ध पुरुष ने मसीह के दर्शन पाने हेतु यहोवा की स्तुति की थी।

(यह भी देखें: कनान, मसीह, समर्पण करे, इस्राएल, यहूदा, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 29:33-34
- उत्पत्ति 34:24-26
- उत्पत्ति 42: 35-36
- उत्पत्ति 43:21-23
- लूका 02:25-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8095, H8099, G4826

शमौन

तथ्यों:

पुराने नियम में शमौन नामक अनेक पुरुष थे।

- पुराने नियम में याकूब (इस्राएल) के दूसरे पुत्र का नाम शमौन था । उसकी माता का नाम लीआ: था। उसके वंशज इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक हुए।
- शमौन के गोत्र ने प्रतिज्ञा के देश कनान में दूरस्थ दक्षिणी क्षेत्र प्राप्त किया था, उस क्षेत्र का एक भाग यहूदा के उत्तराधिकार में था।
- जब यूसुफ और मरियम यीशु को यरूशलेम के मन्दिर में समर्पित करने लाए थे तब शिमोन नामक एक वृद्ध पुरुष ने मसीह के दर्शन पाने हेतु यहोवा की स्तुति की थी।

(यह भी देखें: कनान, मसीह, समर्पण करे, इस्राएल, यहूदा, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 29:33-34
- उत्पत्ति 34:24-26
- उत्पत्ति 42: 35-36
- उत्पत्ति 43:21-23
- लूका 02:25-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8095, H8099, G4826

शमौन

तथ्यों:

पुराने नियम में शमौन नामक अनेक पुरुष थे।

- पुराने नियम में याकूब (इस्राएल) के दूसरे पुत्र का नाम शमौन था । उसकी माता का नाम लीआ: था। उसके वंशज इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक हुए।
- शमौन के गोत्र ने प्रतिज्ञा के देश कनान में दूरस्थ दक्षिणी क्षेत्र प्राप्त किया था, उस क्षेत्र का एक भाग यहूदा के उत्तराधिकार में था।
- जब यूसुफ और मरियम यीशु को यरूशलेम के मन्दिर में समर्पित करने लाए थे तब शिमोन नामक एक वृद्ध पुरुष ने मसीह के दर्शन पाने हेतु यहोवा की स्तुति की थी।

(यह भी देखें: कनान, मसीह, समर्पण करे, इस्राएल, यहूदा, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 29:33-34
- उत्पत्ति 34:24-26
- उत्पत्ति 42: 35-36
- उत्पत्ति 43:21-23
- लूका 02:25-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8095, H8099, G4826

शमौन

तथ्यों:

पुराने नियम में शमौन नामक अनेक पुरुष थे।

- पुराने नियम में याकूब (इस्राएल) के दूसरे पुत्र का नाम शमौन था । उसकी माता का नाम लीआ: था। उसके वंशज इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक हुए।
- शमौन के गोत्र ने प्रतिज्ञा के देश कनान में दूरस्थ दक्षिणी क्षेत्र प्राप्त किया था, उस क्षेत्र का एक भाग यहूदा के उत्तराधिकार में था।
- जब यूसुफ और मरियम यीशु को यरूशलेम के मन्दिर में समर्पित करने लाए थे तब शिमोन नामक एक वृद्ध पुरुष ने मसीह के दर्शन पाने हेतु यहोवा की स्तुति की थी।

(यह भी देखें: कनान, मसीह, समर्पण करे, इस्राएल, यहूदा, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 29:33-34
- उत्पत्ति 34:24-26
- उत्पत्ति 42: 35-36
- उत्पत्ति 43:21-23
- लूका 02:25-26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8095, H8099, G4826

शमौन कनानी

तथ्यों:

शमौन कनानी यीशु के बारह चेलों में से एक था।

- इस शमौन का नाम यीशु के शिष्यों में तीन बार आया है परन्तु इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

- यह शमौन भी यीशु के स्वर्गारोहण के बाद ग्यारह शिष्यों में था जब वे यरूशलेम में प्रार्थना कर रहे थे ।
- जेलोतेस का अर्थ यह हो सकता है कि वह उस धार्मिक “जेलोतेस” संप्रदाय का था जो मूसा की व्यवस्था के पालन में और रोम विरोधी स्वभाव के कट्टर थे।
- या “जेलोतेस” का अर्थ मात्र “जोशीला” हो सकता है जो संभवतः उसके धर्मिक जोश के कारण हो।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला, बारहों)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2208, G2581, G4613

शमौन कनानी

तथ्यों:

शमौन कनानी यीशु के बारह चेलों में से एक था।

- इस शमौन का नाम यीशु के शिष्यों में तीन बार आया है परन्तु इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।
- यह शमौन भी यीशु के स्वर्गारोहण के बाद ग्यारह शिष्यों में था जब वे यरूशलेम में प्रार्थना कर रहे थे ।
- जेलोतेस का अर्थ यह हो सकता है कि वह उस धार्मिक “जेलोतेस” संप्रदाय का था जो मूसा की व्यवस्था के पालन में और रोम विरोधी स्वभाव के कट्टर थे।
- या “जेलोतेस” का अर्थ मात्र “जोशीला” हो सकता है जो संभवतः उसके धर्मिक जोश के कारण हो।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला, बारहों)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 01:12-14
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2208, G2581, G4613

शरण, शरणार्थी, शरणार्थियों, मण्डप, आड़, आड़ देना

परिभाषा:

“शरण” अर्थात सुरक्षा और रक्षा की स्थिति या स्थान “शरणस्थल” एक ऐसा स्थान जो मौसम और खतरों से सुरक्षित रखता है।

- बाइबल में प्रायः परमेश्वर को शरण-स्थान कहा गया है, जहां उसके लोग सुरक्षित और निगरानी में संभाले हुए रहते हैं।
- “शरण नगर” पुराने नियम में कुछ नगर ऐसे थे जिनमें यदि किसी ने गलती से हत्या कर दी तो वह बदला लेने वालों से भागकर वहां शरण ले सकता था।
- “शरण स्थान” एक ऐसी भौतिक संरचना होती है जैसे कोई भवन या छत जो मनुष्यों को या पशुओं को सुरक्षा प्रदान करती थी।
- कभी-कभी "आश्रय" का अर्थ "सुरक्षा" होता है, जैसा कि लूत ने कहा था कि उनके मेहमान "छत के नीचे" उसकी छत के। उसके कहने का अर्थ है कि वे उसके घर में हैं इसलिए वे सुरक्षित रहें।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “शरण स्थान” का अनुवाद “सुरक्षित स्थान” या “सुरक्षा का स्थान” हो सकता है।

- "शरणार्थी" एक खतरनाक स्थिति से बचने के लिए लोग अपने घरों को छोड़ रहे हैं, और उन्हें "विदेशी", "बेघर लोग" या "निर्वासित" के रूप में अनुवादित किया जा सकता है।

- प्रकरण के अनुसार “शरण” का अनुवाद “सुरक्षा देने वाला” या “सुरक्षा” या “सुरक्षित स्थान”।

- यदि उसका संदर्भित भौतिक संरचना है तो “शरण” का अनुवाद “सुरक्षित ईमारत” हो सकता है या
- “सुरक्षित स्थान में” का अनुवाद “सुरक्षित स्थान में” या “इस स्थान में जहां सुरक्षा प्राप्त होगी” के रूप में हो सकता है।
- “शरण पाना” या “शरण लेना” या “सुरक्षा का स्थान पाना” का अनुवाद “किसी के सुरक्षित स्थान में रखना” के रूप में हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 22:3-4
- व्य. 32:37-38
- यशायाह 23:13-14
- यिर्मयाह 16:19-21
- गिनती 35:24-25
- भजन संहिता 046:1-3
- भजन संहिता 028:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2620, H4268, H4498, H4585, H4733, H4869

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"

- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।

- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3

- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"

- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।

- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।

- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"

- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"

- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"

- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"

- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"

- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दु:खी होने के समय हमारी सहायता"।
- शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।
- जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"
- वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 शमूएल 10:1-3
- प्रे.का. 20:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।

- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51

- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।

- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51

- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।

- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51

- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।

- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51

- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।

- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51

- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।

- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51

- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- प्रेरि. 07:26
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15
- गलातियों 05:23
- लूका 07:50
- लूका 12:51
- मरकुस 04:39
- मत्ती 05:9
- मत्ती 10:13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- 15:12__तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ __शांति प्रदान की।
- 16:03__तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में __शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शारोन, शारोन का मैदान

तथ्यों:

शारोन पर्वत कर्मेल के दक्षिण में भूमध्य सागर के तट पर एक समतल उपजाऊ भू भाग था। इसे “शारोना का मैदान” भी कहते हैं

- बाइबल में वर्णित अनेक नगर यहाँ स्थित थे, याफा, लुद्दा तथा कैसरिया।
- इसका अनुवाद “शारोन का मैदान” या “शारोन नामक समतल भूभाग” किया जा सकता है।
- शारोन के निवासियों को शारोनवासी कहते थे।

(यह भी देखें: कैसरिया, कर्मेल, याफ़ा, समुद्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 05:16-17
- प्रे.का. 09:33-35
- यशायाह 33:9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8289, H8290

शासन, नियम, शासित, शासक, शासकों, हाकिमों, निर्णयों, फैसलों, अतिरंजित

परिभाषा:

“शासक” सामान्यत: एक व्यक्ति जो अन्य लोगों पर अधिकार रखता है, जैसे किसी देश, राज्य, या धार्मिक संप्रदाय का अगुआ। एक शासक एक है जो "नियम" और उसका अधिकार उसका "नियम" है।

- पुराने नियम में राजा को भी अधिपति कहा जाता था जैसे इस वाक्य में है, “इस्राएल पर अधिपति ठहराया”
- परमेश्वर को सबसे बड़ा राजा कहा गया है जो राजाओं का राजा है।
- नये नियम में आराधनालय के अगुवे को "अधिपति" कहा गया है।
- नये नियम में एक और अधिपति था जिसे हाकिम कहा गया है।
- प्रकरण के अनुसार “अधिपति” शब्द का अनुवाद “अगुआ” या “अधिकार रखनेवाला मनुष्य” किया जा सकता है।
- “शासन करने” के कार्य का अर्थ है, “अगुआई करना” या “किसी पर अधिकार रखना”। इसका अर्थ वही है जैसे “राज करना” जब राजा के संदर्भ में होता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, शासन करना, राजा, आराधनालय)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:17-18
- प्रे.का. 07:35-37
- लूका 12:11-12
- लूका 23:35
- मरकुस 10:42
- मत्ती. 09:32-34
- मत्ती. 20:25
- तीतुस 03:01

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H995, H1166, H1167, H1404, H2708, H2710, H3027, H3548, H3920, H4043, H4410, H4427, H4428, H4438, H4467, H4474, H4475, H4623, H4910, H4941, H5057, H5065, H5387, H5401, H5461, H5715, H6113, H6213, H6485, H6957, H7101, H7218, H7287, H7300, H7336, H7786, H7860, H7980, H7981, H7985, H7989, H7990, H8199, H8269, H8323, H8451, G746, G752, G755, G757, G758, G932, G936, G1018, G1203, G1299, G1778, G1785, G1849, G2232, G2233, G2525, G2583, G2888, G2961, G3545, G3841, G4165, G4173, G4291

शासन, नियम, शासित, शासक, शासकों, हाकिमों, निर्णयों, फैसलों, अतिरंजित

परिभाषा:

“शासक” सामान्यत: एक व्यक्ति जो अन्य लोगों पर अधिकार रखता है, जैसे किसी देश, राज्य, या धार्मिक संप्रदाय का अगुआ। एक शासक एक है जो "नियम" और उसका अधिकार उसका "नियम" है।

- पुराने नियम में राजा को भी अधिपति कहा जाता था जैसे इस वाक्य में है, “इस्राएल पर अधिपति ठहराया”
- परमेश्वर को सबसे बड़ा राजा कहा गया है जो राजाओं का राजा है।
- नये नियम में आराधनालय के अगुवे को "अधिपति" कहा गया है।

- नये नियम में एक और अधिपति था जिसे हाकिम कहा गया है।
- प्रकरण के अनुसार “अधिपति” शब्द का अनुवाद “अगुआ” या “अधिकार रखनेवाला मनुष्य” किया जा सकता है।
- “शासन करने” के कार्य का अर्थ है, “अगुआई करना” या “किसी पर अधिकार रखना”। इसका अर्थ वही है जैसे “राज करना” जब राजा के संदर्भ में होता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, शासन करना, राजा, आराधनालय)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:17-18
- प्रे.का. 07:35-37
- लूका 12:11-12
- लूका 23:35
- मरकुस 10:42
- मत्ती. 09:32-34
- मत्ती. 20:25
- तीतुस 03:01

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H995, H1166, H1167, H1404, H2708, H2710, H3027, H3548, H3920, H4043, H4410, H4427, H4428, H4438, H4467, H4474, H4475, H4623, H4910, H4941, H5057, H5065, H5387, H5401, H5461, H5715, H6113, H6213, H6485, H6957, H7101, H7218, H7287, H7300, H7336, H7786, H7860, H7980, H7981, H7985, H7989, H7990, H8199, H8269, H8323, H8451, G746, G752, G755, G757, G758, G932, G936, G1018, G1203, G1299, G1778, G1785, G1849, G2232, G2233, G2525, G2583, G2888, G2961, G3545, G3841, G4165, G4173, G4291

शास्त्री, शास्त्रियों

परिभाषा:

शास्त्री वे अधिकारी थे जो राजसी या धार्मिक अभिलेखों को हस्तलेख में लिखने या नकल करने के काम का दायित्व निभाते थे। यहूदी शास्त्रियों को "यहूदी व्यवस्था विशेषज्ञ" भी कहा जाता था।

- शास्त्रियों का उत्तरदायित्व था कि पुराने नियम की पुस्तकों की प्रतिलिपि बनाकर सुरक्षित रखें।
- वे परमेश्वर की व्यवस्था पर धर्म के विचारों की व्याख्या और टीका की प्रतिलिपि बनाकर सुरक्षित रखते थे।
- कभी-कभी शास्त्री महत्वपूर्ण शासकीय अधिकारी भी होते थे।
- बाइबल में महत्वपूर्ण शास्त्यों में बारूक और एज्रा भी थे।
- नये नियम में, इस शब्द शब्द, "शास्त्री" का अनुवाद "व्यवस्थापक" भी किया गया है।
- नये नियम के समय, शास्त्री प्रायः एक धार्मिक पंथ "फरीसी" के सदस्य थे और ये दोनों समूह बार-बार एक साथ चर्चा में रहे हैं।

(यह भी देखें: व्यवस्था, फ़रीसी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:05
- लूका 07:29-30
- लूका 20:47
- मरकुस 01:22
- मरकुस 02:16
- मत्ती 05:19-20
- मत्ती 07:28
- मत्ती 12:38
- मत्ती. 13:51-52

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5608, H5613, H7083, G1122

शास्त्री, शास्त्रियों

परिभाषा:

शास्त्री वे अधिकारी थे जो राजसी या धार्मिक अभिलेखों को हस्तलेख में लिखने या नकल करने के काम का दायित्व निभाते थे। यहूदी शास्त्रियों को "यहूदी व्यवस्था विशेषज्ञ" भी कहा जाता था।

- शास्त्रियों का उत्तरदायित्व था कि पुराने नियम की पुस्तकों की प्रतिलिपि बनाकर सुरक्षित रखें।
- वे परमेश्वर की व्यवस्था पर धर्म के विचारों की व्याख्या और टीका की प्रतिलिपि बनाकर सुरक्षित रखते थे।
- कभी-कभी शास्त्री महत्वपूर्ण शासकीय अधिकारी भी होते थे।
- बाइबल में महत्वपूर्ण शास्त्रियों में बारूक और एज्रा भी थे।
- नये नियम में, इस शब्द शब्द, "शास्त्री" का अनुवाद "व्यवस्थापक" भी किया गया है।
- नये नियम के समय, शास्त्री प्रायः एक धार्मिक पंथ "फरीसी" के सदस्य थे और ये दोनों समूह बार-बार एक साथ चर्चा में रहे हैं।

(यह भी देखें: व्यवस्था, फरीसी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:05
- लूका 07:29-30
- लूका 20:47
- मरकुस 01:22
- मरकुस 02:16
- मत्ती 05:19-20
- मत्ती 07:28
- मत्ती 12:38
- मत्ती. 13:51-52

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5608, H5613, H7083, G1122

शास्त्री, शास्त्रियों

परिभाषा:

शास्त्री वे अधिकारी थे जो राजसी या धार्मिक अभिलेखों को हस्तलेख में लिखने या नकल करने के काम का दायित्व निभाते थे। यहूदी शास्त्रियों को "यहूदी व्यवस्था विशेषज्ञ" भी कहा जाता था।

- शास्त्रियों का उत्तरदायित्व था कि पुराने नियम की पुस्तकों की प्रतिलिपि बनाकर सुरक्षित रखें।
- वे परमेश्वर की व्यवस्था पर धर्म के विचारों की व्याख्या और टीका की प्रतिलिपि बनाकर सुरक्षित रखते थे।
- कभी-कभी शास्त्री महत्वपूर्ण शासकीय अधिकारी भी होते थे।
- बाइबल में महत्वपूर्ण शास्त्रियों में बारूक और एज्रा भी थे।
- नये नियम में, इस शब्द शब्द, "शास्त्री" का अनुवाद "व्यवस्थापक" भी किया गया है।
- नये नियम के समय, शास्त्री प्रायः एक धार्मिक पंथ "फरीसी" के सदस्य थे और ये दोनों समूह बार-बार एक साथ चर्चा में रहे हैं।

(यह भी देखें: व्यवस्था, फरीसी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:05
- लूका 07:29-30
- लूका 20:47
- मरकुस 01:22
- मरकुस 02:16
- मत्ती 05:19-20
- मत्ती 07:28
- मत्ती 12:38
- मत्ती. 13:51-52

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5608, H5613, H7083, G1122

शास्त्री, शास्त्रियों

परिभाषा:

शास्त्री वे अधिकारी थे जो राजसी या धार्मिक अभिलेखों को हस्तलेख में लिखने या नकल करने के काम का दायित्व निभाते थे। यहूदी शास्त्रियों को "यहूदी व्यवस्था विशेषज्ञ" भी कहा जाता था।

- शास्त्रियों का उत्तरदायित्व था कि पुराने नियम की पुस्तकों की प्रतिलिपि बनाकर सुरक्षित रखें।
- वे परमेश्वर की व्यवस्था पर धर्म के विचारों की व्याख्या और टीका की प्रतिलिपि बनाकर सुरक्षित रखते थे।
- कभी-कभी शास्त्री महत्वपूर्ण शासकीय अधिकारी भी होते थे।
- बाइबल में महत्वपूर्ण शास्त्रियों में बारूक और एज्रा भी थे।
- नये नियम में, इस शब्द शब्द, "शास्त्री" का अनुवाद "व्यवस्थापक" भी किया गया है।
- नये नियम के समय, शास्त्री प्रायः एक धार्मिक पंथ "फरीसी" के सदस्य थे और ये दोनों समूह बार-बार एक साथ चर्चा में रहे हैं।

(यह भी देखें: व्यवस्था, फरीसी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:05
- लूका 07:29-30
- लूका 20:47
- मरकुस 01:22
- मरकुस 02:16
- मत्ती 05:19-20
- मत्ती 07:28
- मत्ती 12:38
- मत्ती. 13:51-52

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5608, H5613, H7083, G1122

शास्त्री, शास्त्रियों

परिभाषा:

शास्त्री वे अधिकारी थे जो राजसी या धार्मिक अभिलेखों को हस्तलेख में लिखने या नकल करने के काम का दायित्व निभाते थे। यहूदी शास्त्रियों को "यहूदी व्यवस्था विशेषज्ञ" भी कहा जाता था।

- शास्त्रियों का उत्तरदायित्व था कि पुराने नियम की पुस्तकों की प्रतिलिपि बनाकर सुरक्षित रखें।
- वे परमेश्वर की व्यवस्था पर धर्म के विचारों की व्याख्या और टीका की प्रतिलिपि बनाकर सुरक्षित रखते थे।
- कभी-कभी शास्त्री महत्वपूर्ण शासकीय अधिकारी भी होते थे।
- बाइबल में महत्वपूर्ण शास्त्रियों में बारूक और एज्रा भी थे।
- नये नियम में, इस शब्द शब्द, "शास्त्री" का अनुवाद "व्यवस्थापक" भी किया गया है।
- नये नियम के समय, शास्त्री प्रायः एक धार्मिक पंथ "फरीसी" के सदस्य थे और ये दोनों समूह बार-बार एक साथ चर्चा में रहे हैं।

(यह भी देखें: व्यवस्था, फरीसी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:05
- लूका 07:29-30
- लूका 20:47
- मरकुस 01:22
- मरकुस 02:16

- मत्ती 05:19-20
- मत्ती 07:28
- मत्ती 12:38
- मत्ती. 13:51-52

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5608, H5613, H7083, G1122

शास्त्री, शास्त्रियों

परिभाषा:

शास्त्री वे अधिकारी थे जो राजसी या धार्मिक अभिलेखों को हस्तलेख में लिखने या नकल करने के काम का दायित्व निभाते थे। यहूदी शास्त्रियों को "यहूदी व्यवस्था विशेषज्ञ" भी कहा जाता था।

- शास्त्रियों का उत्तरदायित्व था कि पुराने नियम की पुस्तकों की प्रतिलिपि बनाकर सुरक्षित रखें।
- वे परमेश्वर की व्यवस्था पर धर्म के विचारों की व्याख्या और टीका की प्रतिलिपि बनाकर सुरक्षित रखते थे।
- कभी-कभी शास्त्री महत्वपूर्ण शासकीय अधिकारी भी होते थे।
- बाइबल में महत्वपूर्ण शास्त्र्यों में बारूक और एज्रा भी थे।
- नये नियम में, इस शब्द शब्द, "शास्त्री" का अनुवाद "व्यवस्थापक" भी किया गया है।
- नये नियम के समय, शास्त्री प्रायः एक धार्मिक पंथ "फरीसी" के सदस्य थे और ये दोनों समूह बार-बार एक साथ चर्चा में रहे हैं।

(यह भी देखें: व्यवस्था, फरीसी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:05
- लूका 07:29-30
- लूका 20:47
- मरकुस 01:22
- मरकुस 02:16
- मत्ती 05:19-20
- मत्ती 07:28
- मत्ती 12:38
- मत्ती. 13:51-52

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5608, H5613, H7083, G1122

शिमशोन

तथ्य:

शिमशोन न्यायियों में से एक था, और इस्राएल का मुक्तिदाता था। वह दान के गोत्र का था।

- परमेश्वर ने उसे अलौकिक शक्ति दी थी जिससे उसने इस्राएल के शत्रु पलिश्तियों से लड़ने में काम में ली।
- शिमशोन शपथ के अधीन था कि वह न तो मदिरा पान करेगा, न ही किसी प्रकार का खमीरी पेय पदार्थ पीएगा। जब तक वह अपनी शपथ का निष्ठावान रहा, परमेश्वर उसे शक्ति देता रहा।
- उसने अपनी शक्ति का भेद प्रकट करके बाल कटवा लिए और पलिश्तियों ने उसे बन्दी बना लिया।
- जब शिमशोन बन्धुआई में था, परमेश्वर ने उसे शक्ति दी और अनेक पलिश्तियों के साथ उनके दागोन देवता के मन्दिर को नष्ट करवाया।

(यह भी देखें: छुड़ाना, पलिश्तियों, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- इब्रानियों 11:32-34
- न्यायियों 13:24-25

- न्यायियों 16:1-2
- न्यायियों 16:30-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8123, G4546

शिमी

परिभाषा:

पुराने नियम में शिमी नामक अनेक पुरूष हुए है।

- गेरा का पुत्र शिमी एक बिन्यामीनी था जिसने दाऊद को श्राप दिया और उस पर पत्थर फेंके थे जब वह अपने पुत्र अबशालोम से बच कर यरूशलेम से भाग रहा था।
- पुराने नियम में शिमी नामक अनेक लेवी याजक भी हुए हैं।

(यह भी देखें: अबशालोम, बिन्यामीन, लेवी, याजक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:16-18
- 1 राजा 01:7-8
- 2 शमूएल 16:13-14
- जकर्याह 12:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8096, H8097

शीलो

तथ्यों:

शीलो शहरपनाह का एक कनानी नगर था जिसे इस्राएल ने यहोशू की अगुआई में जीत लिया था।

शीलो नगर यरदन नदी के पश्चिम में और बेतेल के उत्तर-पूर्व में था। इस्त्राएल में यहोशू की अगुआई के समय शीलो नगर इस्त्राएलियों के लिए समागम स्थल था। इस्त्राएल के 12 गोत्र शीलों में उपस्थित होकर यहोशू की घोषणा सुनते थे कि कनान का कौन सा भाग किस गोत्र को दिया गया है। यरूशलेम के मन्दिर निर्माण से पूर्व इस्त्राएली शीलो में परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाने आते थे। बालक शमूएल को उसकी माता ने शीलो में रखा था कि याजक एली से यहोवा की सेवा करना सीखे।

(यह भी देखें: बेतेल, समर्पण करे, हन्ना, यरूशलेम, यरदन नदी, याजक, बलिदान करना, शमूएल, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:26-27
- 1 शमूएल 01:9-10
- यहोशू 18:1-2
- न्यायियों 18:30-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7886, H7887

शीलो

तथ्यों:

शीलो शहरपनाह का एक कनानी नगर था जिसे इस्राएल ने यहोशू की अगुआई में जीत लिया था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शीलो नगर यरदन नदी के पश्चिम में और बेतेल के उत्तर-पूर्व में था। इस्राएल में यहोशू की अगुआई के समय शीलो नगर इस्राएलियों के लिए समागम स्थल था। इस्राएल के 12 गोत्र शीलों में उपस्थित होकर यहोशू की घोषणा सुनते थे कि कनान का कौन सा भाग किस गोत्र को दिया गया है। यरूशलेम के मन्दिर निर्माण से पूर्व इस्राएली शीलो में परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाने आते थे। बालक शमूएल को उसकी माता ने शीलो में रखा था कि याजक एली से यहोवा की सेवा करना सीखे।

(यह भी देखें: बेतेल, समर्पण करे, हन्ना, यरूशलेम, यरदन नदी, याजक, बलिदान करना, शमूएल, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:26-27
- 1 शमूएल 01:9-10
- यहोशू 18:1-2
- न्यायियों 18:30-31

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7886, H7887

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।

- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29

- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।

- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29

- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।

- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29

- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।

- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29

- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

- “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अपवित्र, दुष्टात्मा, अशुद्ध, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 07:02
- उत्पत्ति, 07:08
- व्य., 12:15
- भजन-संहिता, 051:07
- नीतिवचन, 20:30
- यहेजकेल, 24:13
- मत्ती 23:27
- लूका 05:13
- प्रे.का. 08:07
- प्रे.का., 10:27-29
- कुलुसियों 03:05
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- याकूब, 04:08

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।

- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।

- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।

- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।

- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।

- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।

- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।

- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यत: किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अत: बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- निर्गमन 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15
- याकूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- प्रका. 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शेकेम

तथ्यों:

शेकेम कनान में एक नगर था जो यरूशलेम के उत्तर में 40 मील दूर स्थित था। शेकेम पुराने नियम में एक पुरुष का भी नाम था।

- शेकेम वह स्थान था जहाँ याकूब लौटने के बाद अपने भाई एसाव से मेल करके बस गया था।
- याकूब ने शेकेम के हिव्वी हामोर के पुत्रों से भूमि खरीदी जो उनका पारिवारिक कब्रिस्तान हो गया था, वहीं याकूब के पुत्रों ने उसे दफन किया था।
- हामोर के पुत्र शेकेम ने याकूब की पुत्री दीना के साथ बलात्कार किया था जिसके परिणाम स्वरूप याकूब के पुत्रों ने शेकेम नगर के सब पुरुषों को मार डाला था।

(अनुवाद के सुझाव: हामोर

(यह भी देखें: कनान, एसाव, हामोर, हिव्वी, इस्राएल)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:14-16
- उत्पत्ति 12: 6-7
- उत्पत्ति 33: 18-20

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- उत्पत्ति 37: 12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7928, H7930

शेत

तथ्य:

उत्पत्ति की पुस्तक में, शेत आदम और हव्वा का तीसरा पुत्र था।

- हव्वा ने कहा कि उसके पुत्र हाबिल के स्थान में उसे शेत दिया गया, हाबिल की हत्या उसके भाई कैन ने कर दी थी।
- नूह शेत के वंशजों में से था, अतः जलप्रलय के बाद सब शेत के वंशज हैं।
- शेत और उसका परिवार सबसे पहले मनुष्य थे जिन्होंने “प्रभु का नाम पुकारा था।"

(यह भी देखें: हाबिल, कैन, बुलाना, उतरेगा, मूलपिता, जल-प्रलय, नूह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:1-4
- लूका 03:36-38
- गिनती 24:17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8352, G4589

शेम

तथ्यों:

शेम नूह के तीन पुत्रों में से एक था, उत्पत्ति की पुस्तक में वर्णित विश्वव्यापी जल-प्रलय के समय वह नूह के साथ उसके जहाज में था।

- शेम अब्राहम और उसके “वंशजों” का पूर्वज था।
- शेम के वंशज “सामी” कहलाए जो इब्रानी और अरबी भाषा जैसी सामी भाषाएं बोलते थे।
- बाइबल बताती है कि शेम लगभग 600 साल जीवित रहा।

(यह भी देखें: अब्राहम, अरब, जहाज़, जल-प्रलय, नूह)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 05:32
- उत्पत्ति 06:9-10
- उत्पत्ति 07: 13-14
- उत्पत्ति 10:1
- उत्पत्ति 10:30-31
- उत्पत्ति 11: 10-11
- लूका 03:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8035, G4590

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शैतान, दुष्ट, बुराई

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के स्वरूप उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करने)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- प्रे.का. 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकर्याह 03:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह शैतान था | प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह शैतान को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा |
- **25:06** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- 25:08__यीशु __शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" पथ एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और शैतान उस वचन उससे ले जाता है।"
- 38:07__रोटी खाते ही, यहूदा में __शैतान समा गया।
- 48:04__परमेश्वर ने वादा किया कि हव्वा का ही एक वंशज __शैतान का सिर कुचलेगा, और शैतान उसकी एड़ी को डसेगा | इसका अर्थ यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा | यीशु शैतान की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा |
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें शैतान के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं| जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकठ्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा| वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शोक करना, विलाप कर रहा है, विलाप करने लगे, शोक करता हुआ, शोक करनेवाला, विलाप करनेवालों, उदासी, शोक

तथ्य:

“विलाप” और "विलाप करना” का अर्थ है शोक करना, प्रायः किसी की मृत्यु पर।

- अनेक संस्कृतियों में विलाप के लिए विशिष्ट बाहरी व्यवहार होता है जिससे दुःख एवं शोक प्रकट होता है।
- प्राचीन युग में इस्राएल और अन्य जातियां ऊंचे स्वर में रोकर और शोक प्रकट करके दुःख व्यक्त करते थे। वे टाट के बने वस्त्र पहनते थे और सिर में राख डालते थे।
- भाड़े के शोक मनाने वाले भी होते थे, प्रायः स्त्रियाँ, वे मृत्यु के समय से लेकर दफन के बहुत बाद तक रोती और विलाप करती थीं।
- शोक का समय सात दिन होता था परन्तु तीस दिन तक भी हो सकता था (जैसे मूसा और हारून के लिए था) या सत्तर दिन (जैसा याकूब के लिए किया गया था)।
- बाइबल इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी करती है, जैसे पाप के लिए “विलाप करना”। इसका संदर्भ गहरे दुःख की भावना से है क्योंकि पाप परमेश्वर और मनुष्य को कष्ट पहुँचाता है।

(यह भी देखें: टाट, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 15:34-35
- 2 शमूएल 01:11
- उत्पत्ति 23:02
- लूका 07:31-32
- मत्ती 11:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H56, H57, H60, H205, H578, H584, H585, H1058, H1065, H1068, H1671, H1897, H1899, H4553, H4798, H5092, H5098, H5110, H5594, H6937, H6941, H8386, G2354, G2875, G3602, G3996, G3997

श्राप, श्रापित, श्राप दे, कोसता है

परिभाषा:

यह शब्द “श्राप” का अर्थ है कि नकारात्मक चीज़े किसी व्यक्ति या चीज़ के साथ हो जिसे श्राप दिया जा रहा है।

- श्राप एक उच्चारण है कि किसी की हानि हो।
- किसी को श्राप देना एक अभिव्यक्ति या मनोकामना भी हो सकता है कि उस व्यक्ति के साथ बुरा हो।
- इसका संदर्भ किसी के लिए किसी के द्वारा दण्ड देना या दिया जाना या कुछ अशुभ सोचना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “अशुभ करवाना” या “अशुभ की घोषणा करना” या “बुरी बातें होने की शपथ खाना”, हो सकता है।
- आज्ञाकारी मनुष्यों पर परमेश्वर के श्राप के संदर्भ में अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “बुराई होने की अनुमति द्वारा दण्ड देना”
- “श्रापित” शब्द जब मनुष्यों के लिए हो तो इसका अनुवाद हो सकता है “(इस व्यक्ति) ज्यादा परेशानी का अनुभव होगा”।
- वाक्यांश "श्रापित होना" का अनुवाद किया जा सकता है, "(उस व्यक्ति) कठिनाइयों का अनुभव हो सकता है।"
- वाक्यांश, "श्रापित भूमि है" का अनुवाद किया जा सकता है, "भूमि उपजाऊ नहीं होगी।"
- “श्रापित हो, जिस दिन मेरा जन्म हुआ" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "मैं इतना दुखी हूं, बेहतर होता कि मेरा जन्म ही नहीं होता।"
- हालांकि, यदि लक्षित भाषा में वाक्यांश "श्रापित है" है और इसका अर्थ एक ही है, तो उसी वाक्यांश को रखना अच्छा है।

(यह भी देखें: आशीष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 14:24-26
- 2 पतरस 02:12-14
- गलातियों 03:10-12
- गलातियों 03:15-16

- उत्पत्ति 03:14-15
- उत्पत्ति 03:17-19
- याकूब 03:9-10
- गिनती 22:5-6
- भजन संहिता 109:28-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:09** परमेश्वर ने साँप से कहा, “तुम शापित हों।”
- **02:11** “अब भूमि शापित है, और तुम्हें उसकी उपज खाने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी।”
- **04:04** “जो तुझे आशीर्वाद देंगे उन्हें मैं आशीष दूँगा और जो तुझे श्राप देंगे उन्हें मैं श्राप दूँगा।”
- **39:07** तब पतरस शपथ खाने लगा, “यदि मैं उस व्यक्ति को जानता हूँ तो परमेश्वर मुझे श्राप दे।”
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने इसे श्राप दिया और इसे नष्ट करने का निर्णय किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H779, H1288, H2763, H2764, H3994, H5344, H6895, H7043, H7045, H7621, H8381, G331, G332, G685, G1944, G2551, G2652, G2653, G2671, G2672, G6035

श्राप, श्रापित, श्राप दे, कोसता है

परिभाषा:

यह शब्द “श्राप” का अर्थ है कि नकारात्मक चीज़े किसी व्यक्ति या चीज़ के साथ हो जिसे श्राप दिया जा रहा है।

- श्राप एक उच्चारण है कि किसी की हानि हो।
- किसी को श्राप देना एक अभिव्यक्ति या मनोकामना भी हो सकता है कि उस व्यक्ति के साथ बुरा हो।
- इसका संदर्भ किसी के लिए किसी के द्वारा दण्ड देना या दिया जाना या कुछ अशुभ सोचना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “अशुभ करवाना” या “अशुभ की घोषणा करना” या “बुरी बातें होने की शपथ खाना”, हो सकता है।
- आज्ञाकारी मनुष्यों पर परमेश्वर के श्राप के संदर्भ में अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “बुराई होने की अनुमति द्वारा दण्ड देना”
- “श्रापित” शब्द जब मनुष्यों के लिए हो तो इसका अनुवाद हो सकता है “(इस व्यक्ति) ज्यादा परेशानी का अनुभव होगा”।
- वाक्यांश "श्रापित होना" का अनुवाद किया जा सकता है, "(उस व्यक्ति) कठिनाइयों का अनुभव हो सकता है।"
- वाक्यांश, "श्रापित भूमि है" का अनुवाद किया जा सकता है, "भूमि उपजाऊ नहीं होगी।"
- “श्रापित हो, जिस दिन मेरा जन्म हुआ" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "मैं इतना दुखी हूं, बेहतर होता कि मेरा जन्म ही नहीं होता।"
- हालांकि, यदि लक्षित भाषा में वाक्यांश "श्रापित है" है और इसका अर्थ एक ही है, तो उसी वाक्यांश को रखना अच्छा है।

(यह भी देखें: आशीष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 14:24-26
- 2 पतरस 02:12-14
- गलातियों 03:10-12
- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 03:14-15
- उत्पत्ति 03:17-19
- याकूब 03:9-10
- गिनती 22:5-6
- भजन संहिता 109:28-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:09** परमेश्वर ने साँप से कहा, “तुम शापित हों।”
- **02:11** “अब भूमि शापित है, और तुम्हें उसकी उपज खाने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी।”
- **04:04** “जो तुझे आशीर्वाद देंगे उन्हें मैं आशीष दूँगा और जो तुझे श्राप देंगे उन्हें मैं श्राप दूँगा।”

- **39:07** तब पतरस शपथ खाने लगा, “यदि मैं उस व्यक्ति को जानता हूँ तो परमेश्वर मुझे श्राप दे।”
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने इसे श्राप दिया और इसे नष्ट करने का निर्णय किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H779, H1288, H2763, H2764, H3994, H5344, H6895, H7043, H7045, H7621, H8381, G331, G332, G685, G1944, G2551, G2652, G2653, G2671, G2672, G6035

श्राप, श्रापित, श्राप दे, कोसता है

परिभाषा:

यह शब्द “श्राप” का अर्थ है कि नकारात्मक चीज़े किसी व्यक्ति या चीज़ के साथ हो जिसे श्राप दिया जा रहा है।

- श्राप एक उच्चारण है कि किसी की हानि हो।
- किसी को श्राप देना एक अभिव्यक्ति या मनोकामना भी हो सकता है कि उस व्यक्ति के साथ बुरा हो।
- इसका संदर्भ किसी के लिए किसी के द्वारा दण्ड देना या दिया जाना या कुछ अशुभ सोचना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “अशुभ करवाना” या “अशुभ की घोषणा करना” या “बुरी बातें होने की शपथ खाना”, हो सकता है।
- आज्ञाकारी मनुष्यों पर परमेश्वर के श्राप के संदर्भ में अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “बुराई होने की अनुमति द्वारा दण्ड देना”
- “श्रापित” शब्द जब मनुष्यों के लिए हो तो इसका अनुवाद हो सकता है “(इस व्यक्ति) ज्यादा परेशानी का अनुभव होगा”।
- वाक्यांश "श्रापित होना" का अनुवाद किया जा सकता है, "(उस व्यक्ति) कठिनाइयों का अनुभव हो सकता है।"
- वाक्यांश, "श्रापित भूमि है" का अनुवाद किया जा सकता है, "भूमि उपजाऊ नहीं होगी।"
- “श्रापित हो, जिस दिन मेरा जन्म हुआ" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "मैं इतना दुखी हूं, बेहतर होता कि मेरा जन्म ही नहीं होता।"
- हालांकि, यदि लक्षित भाषा में वाक्यांश "श्रापित है" है और इसका अर्थ एक ही है, तो उसी वाक्यांश को रखना अच्छा है।

(यह भी देखें: आशीष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 14:24-26
- 2 पतरस 02:12-14
- गलातियों 03:10-12
- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 03:14-15
- उत्पत्ति 03:17-19
- याकूब 03:9-10
- गिनती 22:5-6
- भजन संहिता 109:28-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:09** परमेश्वर ने साँप से कहा, “तुम शापित हों।”
- **02:11** “अब भूमि शापित है, और तुम्हें उसकी उपज खाने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी।”
- **04:04** “जो तुझे आशीर्वाद देंगे उन्हें मैं आशीष दूँगा और जो तुझे श्राप देंगे उन्हें मैं श्राप दूँगा।”
- **39:07** तब पतरस शपथ खाने लगा, “यदि मैं उस व्यक्ति को जानता हूँ तो परमेश्वर मुझे श्राप दे।”
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने इसे श्राप दिया और इसे नष्ट करने का निर्णय किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H779, H1288, H2763, H2764, H3994, H5344, H6895, H7043, H7045, H7621, H8381, G331, G332, G685, G1944, G2551, G2652, G2653, G2671, G2672, G6035

श्राप, श्रापित, श्राप दे, कोसता है

परिभाषा:

यह शब्द “श्राप” का अर्थ है कि नकारात्मक चीज़े किसी व्यक्ति या चीज़ के साथ हो जिसे श्राप दिया जा रहा है।

- श्राप एक उच्चारण है कि किसी की हानि हो।
- किसी को श्राप देना एक अभिव्यक्ति या मनोकामना भी हो सकता है कि उस व्यक्ति के साथ बुरा हो।
- इसका संदर्भ किसी के लिए किसी के द्वारा दण्ड देना या दिया जाना या कुछ अशुभ सोचना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “अशुभ करवाना” या “अशुभ की घोषणा करना” या “बुरी बातें होने की शपथ खाना”, हो सकता है।
- आज्ञाकारी मनुष्यों पर परमेश्वर के श्राप के संदर्भ में अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “बुराई होने की अनुमति द्वारा दण्ड देना”
- “श्रापित” शब्द जब मनुष्यों के लिए हो तो इसका अनुवाद हो सकता है “(इस व्यक्ति) ज्यादा परेशानी का अनुभव होगा”।
- वाक्यांश "श्रापित होना" का अनुवाद किया जा सकता है, "(उस व्यक्ति) कठिनाइयों का अनुभव हो सकता है।"
- वाक्यांश, "श्रापित भूमि है" का अनुवाद किया जा सकता है, "भूमि उपजाऊ नहीं होगी।"
- “श्रापित हो, जिस दिन मेरा जन्म हुआ" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "मैं इतना दुखी हूं, बेहतर होता कि मेरा जन्म ही नहीं होता।"
- हालांकि, यदि लक्षित भाषा में वाक्यांश "श्रापित है" है और इसका अर्थ एक ही है, तो उसी वाक्यांश को रखना अच्छा है।

(यह भी देखें: आशीष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 14:24-26
- 2 पतरस 02:12-14
- गलातियों 03:10-12
- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 03:14-15
- उत्पत्ति 03:17-19
- याकूब 03:9-10
- गिनती 22:5-6
- भजन संहिता 109:28-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:09** परमेश्वर ने साँप से कहा, “तुम शापित हों।”
- **02:11** “अब भूमि शापित है, और तुम्हें उसकी उपज खाने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी।”
- **04:04** “जो तुझे आशीर्वाद देंगे उन्हें मैं आशीष दूँगा और जो तुझे श्राप देंगे उन्हें मैं श्राप दूँगा।”
- **39:07** तब पतरस शपथ खाने लगा, “यदि मैं उस व्यक्ति को जानता हूँ तो परमेश्वर मुझे श्राप दे।”
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने इसे श्राप दिया और इसे नष्ट करने का निर्णय किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H779, H1288, H2763, H2764, H3994, H5344, H6895, H7043, H7045, H7621, H8381, G331, G332, G685, G1944, G2551, G2652, G2653, G2671, G2672, G6035

श्राप, श्रापित, श्राप दे, कोसता है

परिभाषा:

यह शब्द “श्राप” का अर्थ है कि नकारात्मक चीज़े किसी व्यक्ति या चीज़ के साथ हो जिसे श्राप दिया जा रहा है।

- श्राप एक उच्चारण है कि किसी की हानि हो।
- किसी को श्राप देना एक अभिव्यक्ति या मनोकामना भी हो सकता है कि उस व्यक्ति के साथ बुरा हो।
- इसका संदर्भ किसी के लिए किसी के द्वारा दण्ड देना या दिया जाना या कुछ अशुभ सोचना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “अशुभ करवाना” या “अशुभ की घोषणा करना” या “बुरी बातें होने की शपथ खाना”, हो सकता है।
- आज्ञाकारी मनुष्यों पर परमेश्वर के श्राप के संदर्भ में अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “बुराई होने की अनुमति द्वारा दण्ड देना”
- “श्रापित” शब्द जब मनुष्यों के लिए हो तो इसका अनुवाद हो सकता है “(इस व्यक्ति) ज्यादा परेशानी का अनुभव होगा”।
- वाक्यांश "श्रापित होना" का अनुवाद किया जा सकता है, "(उस व्यक्ति) कठिनाइयों का अनुभव हो सकता है।"
- वाक्यांश, "श्रापित भूमि है" का अनुवाद किया जा सकता है, "भूमि उपजाऊ नहीं होगी।"
- “श्रापित हो, जिस दिन मेरा जन्म हुआ" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "मैं इतना दुखी हूं, बेहतर होता कि मेरा जन्म ही नहीं होता।"
- हालांकि, यदि लक्षित भाषा में वाक्यांश "श्रापित है" है और इसका अर्थ एक ही है, तो उसी वाक्यांश को रखना अच्छा है।

(यह भी देखें: आशीष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 14:24-26
- 2 पतरस 02:12-14
- गलातियों 03:10-12
- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 03:14-15
- उत्पत्ति 03:17-19
- याकूब 03:9-10
- गिनती 22:5-6
- भजन संहिता 109:28-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:09** परमेश्वर ने साँप से कहा, “तुम शापित हों।”
- **02:11** “अब भूमि शापित है, और तुम्हें उसकी उपज खाने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी।”
- **04:04** “जो तुझे आशीर्वाद देंगे उन्हें मैं आशीष दूँगा और जो तुझे श्राप देंगे उन्हें मैं श्राप दूँगा।”
- **39:07** तब पतरस शपथ खाने लगा, “यदि मैं उस व्यक्ति को जानता हूँ तो परमेश्वर मुझे श्राप दे।”
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने इसे श्राप दिया और इसे नष्ट करने का निर्णय किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H779, H1288, H2763, H2764, H3994, H5344, H6895, H7043, H7045, H7621, H8381, G331, G332, G685, G1944, G2551, G2652, G2653, G2671, G2672, G6035

श्राप, श्रापित, श्राप दे, कोसता है

परिभाषा:

यह शब्द “श्राप” का अर्थ है कि नकारात्मक चीज़े किसी व्यक्ति या चीज़ के साथ हो जिसे श्राप दिया जा रहा है।

- श्राप एक उच्चारण है कि किसी की हानि हो।
- किसी को श्राप देना एक अभिव्यक्ति या मनोकामना भी हो सकता है कि उस व्यक्ति के साथ बुरा हो।
- इसका संदर्भ किसी के लिए किसी के द्वारा दण्ड देना या दिया जाना या कुछ अशुभ सोचना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “अशुभ करवाना” या “अशुभ की घोषणा करना” या “बुरी बातें होने की शपथ खाना”, हो सकता है।
- आज्ञाकारी मनुष्यों पर परमेश्वर के श्राप के संदर्भ में अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “बुराई होने की अनुमति द्वारा दण्ड देना”
- “श्रापित” शब्द जब मनुष्यों के लिए हो तो इसका अनुवाद हो सकता है “(इस व्यक्ति) ज्यादा परेशानी का अनुभव होगा”।
- वाक्यांश "श्रापित होना" का अनुवाद किया जा सकता है, "(उस व्यक्ति) कठिनाइयों का अनुभव हो सकता है।"
- वाक्यांश, "श्रापित भूमि है" का अनुवाद किया जा सकता है, "भूमि उपजाऊ नहीं होगी।"
- “श्रापित हो, जिस दिन मेरा जन्म हुआ" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "मैं इतना दुखी हूं, बेहतर होता कि मेरा जन्म ही नहीं होता।"
- हालांकि, यदि लक्षित भाषा में वाक्यांश "श्रापित है" है और इसका अर्थ एक ही है, तो उसी वाक्यांश को रखना अच्छा है।

(यह भी देखें: आशीष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 14:24-26
- 2 पतरस 02:12-14
- गलातियों 03:10-12
- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 03:14-15
- उत्पत्ति 03:17-19
- याकूब 03:9-10
- गिनती 22:5-6
- भजन संहिता 109:28-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:09** परमेश्वर ने साँप से कहा, “तुम शापित हों।”
- **02:11** “अब भूमि शापित है, और तुम्हें उसकी उपज खाने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी।”
- **04:04** “जो तुझे आशीर्वाद देंगे उन्हें मैं आशीष दूँगा और जो तुझे श्राप देंगे उन्हें मैं श्राप दूँगा।”
- **39:07** तब पतरस शपथ खाने लगा, “यदि मैं उस व्यक्ति को जानता हूँ तो परमेश्वर मुझे श्राप दे।”
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने इसे श्राप दिया और इसे नष्ट करने का निर्णय किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H779, H1288, H2763, H2764, H3994, H5344, H6895, H7043, H7045, H7621, H8381, G331, G332, G685, G1944, G2551, G2652, G2653, G2671, G2672, G6035

श्राप, श्रापित, श्राप दे, कोसता है

परिभाषा:

यह शब्द “श्राप” का अर्थ है कि नकारात्मक चीज़े किसी व्यक्ति या चीज़ के साथ हो जिसे श्राप दिया जा रहा है।

- श्राप एक उच्चारण है कि किसी की हानि हो।
- किसी को श्राप देना एक अभिव्यक्ति या मनोकामना भी हो सकता है कि उस व्यक्ति के साथ बुरा हो।
- इसका संदर्भ किसी के लिए किसी के द्वारा दण्ड देना या दिया जाना या कुछ अशुभ सोचना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “अशुभ करवाना” या “अशुभ की घोषणा करना” या “बुरी बातें होने की शपथ खाना”, हो सकता है।
- आज्ञाकारी मनुष्यों पर परमेश्वर के श्राप के संदर्भ में अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “बुराई होने की अनुमति द्वारा दण्ड देना”
- “श्रापित” शब्द जब मनुष्यों के लिए हो तो इसका अनुवाद हो सकता है “(इस व्यक्ति) ज्यादा परेशानी का अनुभव होगा”।
- वाक्यांश "श्रापित होना" का अनुवाद किया जा सकता है, "(उस व्यक्ति) कठिनाइयों का अनुभव हो सकता है।"
- वाक्यांश, "श्रापित भूमि है" का अनुवाद किया जा सकता है, "भूमि उपजाऊ नहीं होगी।"
- “श्रापित हो, जिस दिन मेरा जन्म हुआ" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "मैं इतना दुखी हूं, बेहतर होता कि मेरा जन्म ही नहीं होता।"
- हालांकि, यदि लक्षित भाषा में वाक्यांश "श्रापित है" है और इसका अर्थ एक ही है, तो उसी वाक्यांश को रखना अच्छा है।

(यह भी देखें: आशीष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 14:24-26
- 2 पतरस 02:12-14
- गलातियों 03:10-12
- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 03:14-15
- उत्पत्ति 03:17-19
- याकूब 03:9-10
- गिनती 22:5-6
- भजन संहिता 109:28-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:09** परमेश्वर ने साँप से कहा, “तुम शापित हों।”
- **02:11** “अब भूमि शापित है, और तुम्हें उसकी उपज खाने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी।”
- **04:04** “जो तुझे आशीर्वाद देंगे उन्हें मैं आशीष दूँगा और जो तुझे श्राप देंगे उन्हें मैं श्राप दूँगा।”
- **39:07** तब पतरस शपथ खाने लगा, “यदि मैं उस व्यक्ति को जानता हूँ तो परमेश्वर मुझे श्राप दे।”
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने इसे श्राप दिया और इसे नष्ट करने का निर्णय किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H779, H1288, H2763, H2764, H3994, H5344, H6895, H7043, H7045, H7621, H8381, G331, G332, G685, G1944, G2551, G2652, G2653, G2671, G2672, G6035

श्राप, श्रापित, श्राप दे, कोसता है

परिभाषा:

यह शब्द “श्राप” का अर्थ है कि नकारात्मक चीज़े किसी व्यक्ति या चीज़ के साथ हो जिसे श्राप दिया जा रहा है।

- श्राप एक उच्चारण है कि किसी की हानि हो।
- किसी को श्राप देना एक अभिव्यक्ति या मनोकामना भी हो सकता है कि उस व्यक्ति के साथ बुरा हो।
- इसका संदर्भ किसी के लिए किसी के द्वारा दण्ड देना या दिया जाना या कुछ अशुभ सोचना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “अशुभ करवाना” या “अशुभ की घोषणा करना” या “बुरी बातें होने की शपथ खाना”, हो सकता है।
- आज्ञाकारी मनुष्यों पर परमेश्वर के श्राप के संदर्भ में अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “बुराई होने की अनुमति द्वारा दण्ड देना”
- “श्रापित” शब्द जब मनुष्यों के लिए हो तो इसका अनुवाद हो सकता है “(इस व्यक्ति) ज्यादा परेशानी का अनुभव होगा”।
- वाक्यांश "श्रापित होना" का अनुवाद किया जा सकता है, "(उस व्यक्ति) कठिनाइयों का अनुभव हो सकता है।"
- वाक्यांश, "श्रापित भूमि है" का अनुवाद किया जा सकता है, "भूमि उपजाऊ नहीं होगी।"
- “श्रापित हो, जिस दिन मेरा जन्म हुआ" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "मैं इतना दुखी हूं, बेहतर होता कि मेरा जन्म ही नहीं होता।"
- हालांकि, यदि लक्षित भाषा में वाक्यांश "श्रापित है" है और इसका अर्थ एक ही है, तो उसी वाक्यांश को रखना अच्छा है।

(यह भी देखें: आशीष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 14:24-26
- 2 पतरस 02:12-14
- गलातियों 03:10-12
- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 03:14-15
- उत्पत्ति 03:17-19
- याकूब 03:9-10
- गिनती 22:5-6
- भजन संहिता 109:28-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:09** परमेश्वर ने साँप से कहा, “तुम शापित हों।”
- **02:11** “अब भूमि शापित है, और तुम्हें उसकी उपज खाने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी।”
- **04:04** “जो तुझे आशीर्वाद देंगे उन्हें मैं आशीष दूँगा और जो तुझे श्राप देंगे उन्हें मैं श्राप दूँगा।”
- **39:07** तब पतरस शपथ खाने लगा, “यदि मैं उस व्यक्ति को जानता हूँ तो परमेश्वर मुझे श्राप दे।”
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने इसे श्राप दिया और इसे नष्ट करने का निर्णय किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H779, H1288, H2763, H2764, H3994, H5344, H6895, H7043, H7045, H7621, H8381, G331, G332, G685, G1944, G2551, G2652, G2653, G2671, G2672, G6035

श्राप, श्रापित, श्राप दे, कोसता है

परिभाषा:

यह शब्द “श्राप” का अर्थ है कि नकारात्मक चीज़े किसी व्यक्ति या चीज़ के साथ हो जिसे श्राप दिया जा रहा है।

- श्राप एक उच्चारण है कि किसी की हानि हो।
- किसी को श्राप देना एक अभिव्यक्ति या मनोकामना भी हो सकता है कि उस व्यक्ति के साथ बुरा हो।
- इसका संदर्भ किसी के लिए किसी के द्वारा दण्ड देना या दिया जाना या कुछ अशुभ सोचना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “अशुभ करवाना” या “अशुभ की घोषणा करना” या “बुरी बातें होने की शपथ खाना”, हो सकता है।
- आज्ञाकारी मनुष्यों पर परमेश्वर के श्राप के संदर्भ में अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “बुराई होने की अनुमति द्वारा दण्ड देना”
- “श्रापित” शब्द जब मनुष्यों के लिए हो तो इसका अनुवाद हो सकता है “(इस व्यक्ति) ज्यादा परेशानी का अनुभव होगा”।
- वाक्यांश "श्रापित होना" का अनुवाद किया जा सकता है, "(उस व्यक्ति) कठिनाइयों का अनुभव हो सकता है।"
- वाक्यांश, "श्रापित भूमि है" का अनुवाद किया जा सकता है, "भूमि उपजाऊ नहीं होगी।"
- “श्रापित हो, जिस दिन मेरा जन्म हुआ" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "मैं इतना दुखी हूं, बेहतर होता कि मेरा जन्म ही नहीं होता।"
- हालांकि, यदि लक्षित भाषा में वाक्यांश "श्रापित है" है और इसका अर्थ एक ही है, तो उसी वाक्यांश को रखना अच्छा है।

(यह भी देखें: आशीष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 14:24-26
- 2 पतरस 02:12-14
- गलातियों 03:10-12
- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 03:14-15
- उत्पत्ति 03:17-19
- याकूब 03:9-10
- गिनती 22:5-6
- भजन संहिता 109:28-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:09** परमेश्वर ने साँप से कहा, “तुम शापित हों।”
- **02:11** “अब भूमि शापित है, और तुम्हें उसकी उपज खाने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी।”
- **04:04** “जो तुझे आशीर्वाद देंगे उन्हें मैं आशीष दूँगा और जो तुझे श्राप देंगे उन्हें मैं श्राप दूँगा।”
- **39:07** तब पतरस शपथ खाने लगा, “यदि मैं उस व्यक्ति को जानता हूँ तो परमेश्वर मुझे श्राप दे।”
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने इसे श्राप दिया और इसे नष्ट करने का निर्णय किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H779, H1288, H2763, H2764, H3994, H5344, H6895, H7043, H7045, H7621, H8381, G331, G332, G685, G1944, G2551, G2652, G2653, G2671, G2672, G6035

श्राप, श्रापित, श्राप दे, कोसता है

परिभाषा:

यह शब्द “श्राप” का अर्थ है कि नकारात्मक चीज़े किसी व्यक्ति या चीज़ के साथ हो जिसे श्राप दिया जा रहा है।

- श्राप एक उच्चारण है कि किसी की हानि हो।
- किसी को श्राप देना एक अभिव्यक्ति या मनोकामना भी हो सकता है कि उस व्यक्ति के साथ बुरा हो।
- इसका संदर्भ किसी के लिए किसी के द्वारा दण्ड देना या दिया जाना या कुछ अशुभ सोचना होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “अशुभ करवाना” या “अशुभ की घोषणा करना” या “बुरी बातें होने की शपथ खाना”, हो सकता है।
- आज्ञाकारी मनुष्यों पर परमेश्वर के श्राप के संदर्भ में अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “बुराई होने की अनुमति द्वारा दण्ड देना”
- “श्रापित” शब्द जब मनुष्यों के लिए हो तो इसका अनुवाद हो सकता है “(इस व्यक्ति) ज्यादा परेशानी का अनुभव होगा”।
- वाक्यांश "श्रापित होना" का अनुवाद किया जा सकता है, "(उस व्यक्ति) कठिनाइयों का अनुभव हो सकता है।"
- वाक्यांश, "श्रापित भूमि है" का अनुवाद किया जा सकता है, "भूमि उपजाऊ नहीं होगी।"
- “श्रापित हो, जिस दिन मेरा जन्म हुआ" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "मैं इतना दुखी हूं, बेहतर होता कि मेरा जन्म ही नहीं होता।"
- हालांकि, यदि लक्षित भाषा में वाक्यांश "श्रापित है" है और इसका अर्थ एक ही है, तो उसी वाक्यांश को रखना अच्छा है।

(यह भी देखें: आशीष)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 14:24-26
- 2 पतरस 02:12-14
- गलातियों 03:10-12
- गलातियों 03:15-16
- उत्पत्ति 03:14-15
- उत्पत्ति 03:17-19
- याकूब 03:9-10
- गिनती 22:5-6
- भजन संहिता 109:28-29

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:09** परमेश्वर ने साँप से कहा, “तुम शापित हों।”
- **02:11** “अब भूमि शापित है, और तुम्हें उसकी उपज खाने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी।”
- **04:04** “जो तुझे आशीर्वाद देंगे उन्हें मैं आशीष दूँगा और जो तुझे श्राप देंगे उन्हें मैं श्राप दूँगा।”
- **39:07** तब पतरस शपथ खाने लगा, “यदि मैं उस व्यक्ति को जानता हूँ तो परमेश्वर मुझे श्राप दे।”
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने इसे श्राप दिया और इसे नष्ट करने का निर्णय किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H779, H1288, H2763, H2764, H3994, H5344, H6895, H7043, H7045, H7621, H8381, G331, G332, G685, G1944, G2551, G2652, G2653, G2671, G2672, G6035

श्वांस, श्वांस फूंकना, साँस लेता है, श्वांस फूँक दिया, सांस लेना

परिभाषा:

बाइबल “श्वांस फूंकना” और “श्वांस” प्रायः प्रतीकात्मक रूप में जीवन देना या “जीवन होने के संदर्भ में काम में लिए गए है।

- बाइबल में व्यक्त है कि परमेश्वर ने आदम में जीवन का श्वांस फूंका। उसी पल आदम जीवित प्राणी हो गया।
- जब यीशु ने शिष्यों पर फूंका और उनसे कहा “आत्मा में” तब वह वास्तव में उन पर सांस फूंक रहा था जो उन पर पवित्र आत्मा के अवतरण का प्रतीक था।
- कभी-कभी “सांस लेना” या “सांस छोड़ना” का संदर्भ उच्चारण करने से भी है।

- "परमेश्वर का श्वांस" या "यहोवा का श्वांस" इस उक्ति का प्रतीकात्मक अर्थ प्रायः विद्रोही और अभक्त जातियों पर परमेश्वर के प्रकोप में उण्डेले जाना है। इससे उसका सामर्थ्य प्रकट होता है।

अनुवाद के सुझाव

- "अन्तिम सांस लेना" अर्थात मरना। इसका अनुवाद हो सकता है, "उसने अपनी अन्तिम सांस ली" या "उसकी सांस बन्द हो गई और वह मर गया " या "उसने अन्तिम बार हवा में सांस ली"।
- धर्मशास्त्र को "परमेश्वर की श्वांस से रचित हैं" इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने वचन कहे या प्रेरित किए तब मानवीय लेखकों ने लिखा। यदि संभव हो तो अति उत्तम यही होगा कि "परमेश्वर की खोज" का अनुवाद ज्यों का त्यों ही रहने दिया जाए क्योंकि इसका अनुवाद करना कठिन होगा।
- यदि "परमेश्वर की श्वांस से रचा गया" को ज्यों का त्यों रखना स्वीकार्य न हो तो इसको अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "परमेश्वर प्रेरित" या "परमेश्वर द्वारा रचित" या "परमेश्वर द्वारा उच्चारित" यह भी कहा जा सकता है कि "परमेश्वर ने धर्मशास्त्र के वचनों को श्वांस द्वारा प्रसारित किया"।
- "सांस डालना" या "जान फूंकना" या "जीवन देना" का अनुवाद हो सकता है, "सांस लेने योग्य बनाना" या "पुनजीर्वित करना" या "जीने एवं सांस लेने योग्य करना" या "जीवन देना"
- यदि संभव हो तो "परमेश्वर के श्वांस" को लक्षित भाषा में सांस शब्द ही से अनुवाद करें। यदि परमेश्वर का श्वांस माना नहीं जाता है तो इसका अनुवाद "परमेश्वर का सामर्थ्य" या "परमेश्वर का उच्चारण" करें।
- "सांस भी लेने (देना)" का अनुवाद "अधिक शान्ति से सांस लेने के लिए विश्राम करना" या "सामान्य रूप से सांस लेने के लिए दौड़ना बंद करो"।
- "केवल एक सांस है" अर्थात "बहुत कम समय का है"।
- इसी प्रकार, "मनुष्य सांस भर का" होता है अर्थात "मनुष्य बहुत कम समय जीवित रहता है" या "मनुष्यों का जीवन बहुत छोटा है"। या "परमेश्वर की तुलना में मनुष्य का जीवन इतना छोटा है जितनी कि एक सांस होती है"।

(यह भी देखें: आदम, पौलुस, परमेश्वर के वचन, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 17:17-18
- सभोपदेशक 08:8-9
- अय्यूब 04:7-9
- प्रकाशितवाक्य 11:10-12
- प्रकाशितवाक्य13:15-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3307, H5301, H5396, H5397, H7307, H7309, G1709, G1720, G4157

श्वांस, श्वांस फूंकना, साँस लेता है, श्वांस फूँक दिया, सांस लेना

परिभाषा:

बाइबल "श्वांस फूंकना" और "श्वांस" प्रायः प्रतीकात्मक रूप में जीवन देना या "जीवन होने के संदर्भ में काम में लिए गए है।

- बाइबल में व्यक्त है कि परमेश्वर ने आदम में जीवन का श्वांस फूंका। उसी पल आदम जीवित प्राणी हो गया।
- जब यीशु ने शिष्यों पर फूंका और उनसे कहा "आत्मा में" तब वह वास्तव में उन पर सांस फूंक रहा था जो उन पर पवित्र आत्मा के अवतरण का प्रतीक था।
- कभी-कभी "सांस लेना" या "सांस छोड़ना" का संदर्भ उच्चारण करने से भी है।
- "परमेश्वर का श्वांस" या "यहोवा का श्वांस" इस उक्ति का प्रतीकात्मक अर्थ प्रायः विद्रोही और अभक्त जातियों पर परमेश्वर के प्रकोप में उण्डेले जाना है। इससे उसका सामर्थ्य प्रकट होता है।

अनुवाद के सुझाव

- "अन्तिम सांस लेना" अर्थात मरना। इसका अनुवाद हो सकता है, "उसने अपनी अन्तिम सांस ली" या "उसकी सांस बन्द हो गई और वह मर गया " या "उसने अन्तिम बार हवा में सांस ली"।
- धर्मशास्त्र को "परमेश्वर की श्वांस से रचित हैं" इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने वचन कहे या प्रेरित किए तब मानवीय लेखकों ने लिखा। यदि संभव हो तो अति उत्तम यही होगा कि "परमेश्वर की खोज" का अनुवाद ज्यों का त्यों ही रहने दिया जाए क्योंकि इसका अनुवाद करना कठिन होगा।
- यदि "परमेश्वर की श्वांस से रचा गया" को ज्यों का त्यों रखना स्वीकार्य न हो तो इसको अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "परमेश्वर प्रेरित" या "परमेश्वर द्वारा रचित" या "परमेश्वर द्वारा उच्चारित" यह भी कहा जा सकता है कि "परमेश्वर ने धर्मशास्त्र के वचनों को श्वांस द्वारा प्रसारित किया"।
- "सांस डालना" या "जान फूंकना" या "जीवन देना" का अनुवाद हो सकता है, "सांस लेने योग्य बनाना" या "पुनजीर्वित करना" या "जीने एवं सांस लेने योग्य करना" या "जीवन देना"
- यदि संभव हो तो "परमेश्वर के श्वांस" को लक्षित भाषा में सांस शब्द ही से अनुवाद करें। यदि परमेश्वर का श्वांस माना नहीं जाता है तो इसका अनुवाद "परमेश्वर का सामर्थ्य" या "परमेश्वर का उच्चारण" करें।

- “सांस भी लेने (देना)” का अनुवाद “अधिक शान्ति से सांस लेने के लिए विश्राम करना” या “सामान्य रूप से सांस लेने के लिए दौड़ना बंद करो”।
- “केवल एक सांस है” अर्थात “बहुत कम समय का है”।
- इसी प्रकार, “मनुष्य सांस भर का” होता है अर्थात “मनुष्य बहुत कम समय जीवित रहता है” या “मनुष्यों का जीवन बहुत छोटा है”। या “परमेश्वर की तुलना में मनुष्य का जीवन इतना छोटा है जितनी कि एक सांस होती है”।

(यह भी देखें: आदम, पौलुस, परमेश्वर के वचन, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 17:17-18
- सभोपदेशक 08:8-9
- अय्यूब 04:7-9
- प्रकाशितवाक्य 11:10-12
- प्रकाशितवाक्य13:15-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3307, H5301, H5396, H5397, H7307, H7309, G1709, G1720, G4157

संत, पवित्र जन

परिभाषा:

शब्द "संत" का शाब्दिक अर्थ है "पवित्र लोग" और यीशु में विश्वासियों को संदर्भित करता है।

- कलीसियाई इतिहास में, आगे चलकर भले कामों के लिए प्रसिद्ध मनुष्य के लिए "संत" शब्द का उपयोग किया गया है लेकिन यह शब्द नये नियम के समय के दौरान ऐसा इस्तेमाल नहीं किया गया था।
- यीशु के विश्वासियों को पवित्र जन इसलिए नहीं कहा गया है कि उन्होंने अच्छे काम किए परन्तु मसीह यीशु के मोक्षक कार्यों में विश्वास करने के कारण उन्हें पवित्र जन कहा गया है। वही उन्हें पवित्र बनाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र जन" या "यीशु के पवित्र विश्वासी" या "पवित्र" या "पवित्र लोग" या "यीशु के पवित्र विश्वासी" या "पृथक किए गए लोग।"
- सावधान रहें कि इस उक्ति द्वारा किसी समूह विशेष का भाव व्यक्त न हो।

(यह भी देखें: पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:9-10
- 2 कुरिन्थियों 09:12-15
- प्रका 16:4-7
- प्रका 20:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H6918, H6922, G40

संत, पवित्र जन

परिभाषा:

शब्द "संत" का शाब्दिक अर्थ है "पवित्र लोग" और यीशु में विश्वासियों को संदर्भित करता है।

- कलीसियाई इतिहास में, आगे चलकर भले कामों के लिए प्रसिद्ध मनुष्य के लिए "संत" शब्द का उपयोग किया गया है लेकिन यह शब्द नये नियम के समय के दौरान ऐसा इस्तेमाल नहीं किया गया था।
- यीशु के विश्वासियों को पवित्र जन इसलिए नहीं कहा गया है कि उन्होंने अच्छे काम किए परन्तु मसीह यीशु के मोक्षक कार्यों में विश्वास करने के कारण उन्हें पवित्र जन कहा गया है। वही उन्हें पवित्र बनाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र जन" या "यीशु के पवित्र विश्वासी" या "पवित्र" या "पवित्र लोग" या "यीशु के पवित्र विश्वासी" या "पृथक किए गए लोग।"
- सावधान रहें कि इस उक्ति द्वारा किसी समूह विशेष का भाव व्यक्त न हो।

(यह भी देखें: पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:9-10
- 2 कुरिन्थियों 09:12-15
- प्रका 16:4-7
- प्रका 20:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H6918, H6922, G40

संयम, संयमी, आत्म नियंत्रित

परिभाषा:

“संयम” पाप से बचने के लिए किसी के व्यवहार को नियंत्रित करने की क्षमता रखना।

- इसका संदर्भ सदाचार से है अर्थात् पाप के विचार, भाषा और कामों से बचना।
- संयम पवित्र-आत्मा द्वारा मसीहियों को दिया गया फल या गुण है।
- संयम रखने वाला मनुष्य किसी गलत काम को करने की इच्छा से अपने आप को रोक लेता है। परमेश्वर ही मनुष्य को संयम प्रदान करता है।

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 07:8-9
- 2 पतरस 01:5-7
- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- गलातियों 05:22-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4623, H7307, G192, G193, G1466, G1467, G1468, G4997

संयम, संयमी, आत्म नियंत्रित

परिभाषा:

“संयम” पाप से बचने के लिए किसी के व्यवहार को नियंत्रित करने की क्षमता रखना।

- इसका संदर्भ सदाचार से है अर्थात् पाप के विचार, भाषा और कामों से बचना।
- संयम पवित्र-आत्मा द्वारा मसीहियों को दिया गया फल या गुण है।
- संयम रखने वाला मनुष्य किसी गलत काम को करने की इच्छा से अपने आप को रोक लेता है। परमेश्वर ही मनुष्य को संयम प्रदान करता है।

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 07:8-9
- 2 पतरस 01:5-7
- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- गलातियों 05:22-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4623, H7307, G192, G193, G1466, G1467, G1468, G4997

संयम, संयमी, आत्म नियंत्रित

परिभाषा:

“संयम” पाप से बचने के लिए किसी के व्यवहार को नियंत्रित करने की क्षमता रखना।

- इसका संदर्भ सदाचार से है अर्थात् पाप के विचार, भाषा और कामों से बचना।
- संयम पवित्र-आत्मा द्वारा मसीहियों को दिया गया फल या गुण है।
- संयम रखने वाला मनुष्य किसी गलत काम को करने की इच्छा से अपने आप को रोक लेता है। परमेश्वर ही मनुष्य को संयम प्रदान करता है।

(यह भी देखें: फ़ल, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 07:8-9
- 2 पतरस 01:5-7
- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- गलातियों 05:22-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4623, H7307, G192, G193, G1466, G1467, G1468, G4997

संयम, संयमी, आत्म नियंत्रित

परिभाषा:

“संयम” पाप से बचने के लिए किसी के व्यवहार को नियंत्रित करने की क्षमता रखना।

- इसका संदर्भ सदाचार से है अर्थात् पाप के विचार, भाषा और कामों से बचना।
- संयम पवित्र-आत्मा द्वारा मसीहियों को दिया गया फल या गुण है।
- संयम रखने वाला मनुष्य किसी गलत काम को करने की इच्छा से अपने आप को रोक लेता है। परमेश्वर ही मनुष्य को संयम प्रदान करता है।

(यह भी देखें: फ़ल, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 07:8-9
- 2 पतरस 01:5-7
- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- गलातियों 05:22-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4623, H7307, G192, G193, G1466, G1467, G1468, G4997

संयम, संयमी, आत्म नियंत्रित

परिभाषा:

“संयम” पाप से बचने के लिए किसी के व्यवहार को नियंत्रित करने की क्षमता रखना।

- इसका संदर्भ सदाचार से है अर्थात् पाप के विचार, भाषा और कामों से बचना।
- संयम पवित्र-आत्मा द्वारा मसीहियों को दिया गया फल या गुण है।
- संयम रखने वाला मनुष्य किसी गलत काम को करने की इच्छा से अपने आप को रोक लेता है। परमेश्वर ही मनुष्य को संयम प्रदान करता है।

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 07:8-9
- 2 पतरस 01:5-7
- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- गलातियों 05:22-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4623, H7307, G192, G193, G1466, G1467, G1468, G4997

संयम, संयमी, आत्म नियंत्रित

परिभाषा:

“संयम” पाप से बचने के लिए किसी के व्यवहार को नियंत्रित करने की क्षमता रखना।

- इसका संदर्भ सदाचार से है अर्थात् पाप के विचार, भाषा और कामों से बचना।
- संयम पवित्र-आत्मा द्वारा मसीहियों को दिया गया फल या गुण है।
- संयम रखने वाला मनुष्य किसी गलत काम को करने की इच्छा से अपने आप को रोक लेता है। परमेश्वर ही मनुष्य को संयम प्रदान करता है।

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 07:8-9
- 2 पतरस 01:5-7
- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- गलातियों 05:22-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4623, H7307, G192, G193, G1466, G1467, G1468, G4997

संयम, संयमी, आत्म नियंत्रित

परिभाषा:

“संयम” पाप से बचने के लिए किसी के व्यवहार को नियंत्रित करने की क्षमता रखना।

- इसका संदर्भ सदाचार से है अर्थात् पाप के विचार, भाषा और कामों से बचना।
- संयम पवित्र-आत्मा द्वारा मसीहियों को दिया गया फल या गुण है।
- संयम रखने वाला मनुष्य किसी गलत काम को करने की इच्छा से अपने आप को रोक लेता है। परमेश्वर ही मनुष्य को संयम प्रदान करता है।

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 07:8-9
- 2 पतरस 01:5-7
- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- गलातियों 05:22-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4623, H7307, G192, G193, G1466, G1467, G1468, G4997

संयम, संयमी, आत्म नियंत्रित

परिभाषा:

“संयम” पाप से बचने के लिए किसी के व्यवहार को नियंत्रित करने की क्षमता रखना।

- इसका संदर्भ सदाचार से है अर्थात् पाप के विचार, भाषा और कामों से बचना।
- संयम पवित्र-आत्मा द्वारा मसीहियों को दिया गया फल या गुण है।
- संयम रखने वाला मनुष्य किसी गलत काम को करने की इच्छा से अपने आप को रोक लेता है। परमेश्वर ही मनुष्य को संयम प्रदान करता है।

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 07:8-9
- 2 पतरस 01:5-7
- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- गलातियों 05:22-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4623, H7307, G192, G193, G1466, G1467, G1468, G4997

संयम, संयमी, आत्म नियंत्रित

परिभाषा:

“संयम” पाप से बचने के लिए किसी के व्यवहार को नियंत्रित करने की क्षमता रखना।

- इसका संदर्भ सदाचार से है अर्थात् पाप के विचार, भाषा और कामों से बचना।
- संयम पवित्र-आत्मा द्वारा मसीहियों को दिया गया फल या गुण है।
- संयम रखने वाला मनुष्य किसी गलत काम को करने की इच्छा से अपने आप को रोक लेता है। परमेश्वर ही मनुष्य को संयम प्रदान करता है।

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 07:8-9
- 2 पतरस 01:5-7
- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- गलातियों 05:22-24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4623, H7307, G192, G193, G1466, G1467, G1468, G4997

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्राय: “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्राय: “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17

- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्राय: “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।

- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्रायः “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्रायः “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्राय: “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्राय: “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।

- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्राय: “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्राय: “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्राय: “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्राय: “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्राय: “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17

- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्राय: “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।

- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्रायः “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्रायः “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्राय: “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्राय: “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

संसार, सांसारिक

परिभाषा:

“संसार”शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता हैं: पृथ्वी “सांसारिक” शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।

- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्राय: “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- "रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए" इसका अनुवाद हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए..."।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या "स्वार्थी" या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: अशुद्ध, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22

- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14

- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08

- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03

- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24

- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19

- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45

- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8

- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17

- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03

- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4

- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14

- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16

- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

- “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
- “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
- “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
- कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
- “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
- “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
- कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मी, सीधे,क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मयाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों, 03:11
- गलातियों, 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- इब्रानियों 06:10
- याकूब 02:24
- प्रका. 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 17:09__दाऊद ने कई वर्षों तक __न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।

- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।

- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9

- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"

- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।

- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"

- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6

- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"

- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6

- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"

- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सच्चा, सच्चाई, सत्य

परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
- सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
- यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
- यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
- परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
- "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
- "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
- “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
- “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य, पूरा कर, आज्ञा मानना, भविष्यद्वक्ता, समझना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- प्रे.का. 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- उत्पत्ति 47:29-31
- याकूब 01:17-18
- याकूब 03:13-14
- याकूब 05:19-20
- यिर्मयाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यहोशू 07:19-21
- विलापगीत 05:19-22

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- भजन संहिता 026:1-3
- प्रकाशितवाक्य 01:19-20
- प्रकाशितवाक्य 15:3-4

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह सच नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
- **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- 31:08__उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, __सचमुच, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
- **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई __से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “__सच क्या है?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

सताएँ, सताए जाते, सताना, उपद्रव, उत्पीड़न, सतानेवाला, पीछा करनेवाले

परिभाषा:

“सताएँ” और “उपद्रव” अर्थात किसी मनुष्य को या समुदाय के साथ कठोर व्यवहार करना कि जिससे उन्हें हानि पहुंचे।

- उपद्रव किसी एक मनुष्य या अनेक मनुष्यों पर हो सकता है जिसमें बार-बार, लगातार वार करना होता है।
- इस्राएलियों को विभिन्न जातियों ने आक्रमण करके सताया था। उन्होंने उन्हें बन्दी बनाया और उनके नगरों को लूटा।
- मनुष्य प्रायः उन लोगों को सताता है जिनका धर्म अलग हो या जो दुर्बल हों।
- यहूदी धर्म के अगुवे यीशु को सताते थे क्योंकि उन्हें उसकी शिक्षाएं अच्छी नहीं लगती थी।
- यीशु के स्वर्गारोहण के बाद यहूदी धर्म के अगुवे और रोमी सरकार यीशु के अनुयायियों को सताने लगे थे।
- “सताना” का अनुवाद “अत्याचार करते रहना” या “कठोर व्यवहार करना” या “लगातार दुर्व्यवहार करना” भी हो सकता है।
- “सताव” के अनुवाद रूप हो सकते हैं “कठोर दुर्व्यवहार” या “अत्याचार” या “लगातार घातक व्यवहार”

(यह भी देखें: मसीही, कलीसिया, अत्याचार करना, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:52
- प्रे.का. 13:50
- गलातियों 01:13-14
- यूहन्ना 05:16-18
- मरकुस 10:30
- मत्ती 05:10
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 10:22
- \मत्ती 13:20-21\
- \फिलिप्पियों 03:06\

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वे हैं जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है | इसके बाद जब वचन के कारण उन पर उपद्रव होता है, तो वे तुरन्त ठोकर खाते है |”
- **45:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए |
- **46:02** शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?” उसने पूछा, “हे प्रभु तू कौन है?” यीशु ने उसे उत्तर दिया कि, “मैं यीशु हूँ जिसे तू सताता है |”
- **46:04** परन्तु हनन्याह ने कहा, "हे प्रभु मैनें इस मनुष्य के विषय में सुना है कि इसने तेरे पवित्र लोगों के साथ बड़ी बुराइयाँ की है |"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1814, H7291, H7852, G1375, G1376, G1377, G1559, G2347

सताएँ, सताए जाते, सताना, उपद्रव, उत्पीड़न, सतानेवाला, पीछा करनेवाले

परिभाषा:

"सताएँ" और "उपद्रव" अर्थात किसी मनुष्य को या समुदाय के साथ कठोर व्यवहार करना कि जिससे उन्हें हानि पहुंचे।

- उपद्रव किसी एक मनुष्य या अनेक मनुष्यों पर हो सकता है जिसमें बार-बार, लगातार वार करना होता है।
- इस्राएलियों को विभिन्न जातियों ने आक्रमण करके सताया था। उन्होंने उन्हें बन्दी बनाया और उनके नगरों को लूटा।
- मनुष्य प्रायः उन लोगों को सताता है जिनका धर्म अलग हो या जो दुर्बल हों।
- यहूदी धर्म के अगुवे यीशु को सताते थे क्योंकि उन्हें उसकी शिक्षाएं अच्छी नहीं लगती थी।
- यीशु के स्वर्गारोहण के बाद यहूदी धर्म के अगुवे और रोमी सरकार यीशु के अनुयायियों को सताने लगे थे।
- "सताना" का अनुवाद "अत्याचार करते रहना" या "कठोर व्यवहार करना" या "लगातार दुर्व्यवहार करना" भी हो सकता है।
- "सताव" के अनुवाद रूप हो सकते हैं "कठोर दुर्व्यवहार" या "अत्याचार" या "लगातार घातक व्यवहार"

(यह भी देखें: मसीही, कलीसिया, अत्याचार करना, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:52
- प्रे.का. 13:50
- गलातियों 01:13-14
- यूहन्ना 05:16-18
- मरकुस 10:30
- मत्ती 05:10
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 10:22
- \मत्ती 13:20-21\
- \फिलिप्पियों 03:06\

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** "वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वे हैं जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है | इसके बाद जब वचन के कारण उन पर उपद्रव होता है, तो वे तुरन्त ठोकर खाते है |"
- **45:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए |
- **46:02** शाऊल ने यह शब्द सुना, "हे शाऊल! हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?" उसने पूछा, "हे प्रभु तू कौन है?" यीशु ने उसे उत्तर दिया कि, "मैं यीशु हूँ जिसे तू सताता है |"
- **46:04** परन्तु हनन्याह ने कहा, "हे प्रभु मैनें इस मनुष्य के विषय में सुना है कि इसने तेरे पवित्र लोगों के साथ बड़ी बुराइयाँ की है |"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1814, H7291, H7852, G1375, G1376, G1377, G1559, G2347

सताएँ, सताए जाते, सताना, उपद्रव, उत्पीड़न, सतानेवाला, पीछा करनेवाले

परिभाषा:

"सताएँ" और "उपद्रव" अर्थात किसी मनुष्य को या समुदाय के साथ कठोर व्यवहार करना कि जिससे उन्हें हानि पहुंचे।

- उपद्रव किसी एक मनुष्य या अनेक मनुष्यों पर हो सकता है जिसमें बार-बार, लगातार वार करना होता है।
- इस्राएलियों को विभिन्न जातियों ने आक्रमण करके सताया था। उन्होंने उन्हें बन्दी बनाया और उनके नगरों को लूटा।
- मनुष्य प्रायः उन लोगों को सताता है जिनका धर्म अलग हो या जो दुर्बल हों।
- यहूदी धर्म के अगुवे यीशु को सताते थे क्योंकि उन्हें उसकी शिक्षाएं अच्छी नहीं लगती थी।
- यीशु के स्वर्गारोहण के बाद यहूदी धर्म के अगुवे और रोमी सरकार यीशु के अनुयायियों को सताने लगे थे।
- "सताना" का अनुवाद "अत्याचार करते रहना" या "कठोर व्यवहार करना" या "लगातार दुर्व्यवहार करना" भी हो सकता है।
- "सताव" के अनुवाद रूप हो सकते हैं "कठोर दुर्व्यवहार" या "अत्याचार" या "लगातार घातक व्यवहार"

(यह भी देखें: मसीही, कलीसिया, अत्याचार करना, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:52
- प्रे.का. 13:50
- गलातियों 01:13-14
- यूहन्ना 05:16-18
- मरकुस 10:30
- मत्ती 05:10
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 10:22
- \मत्ती 13:20-21\
- \फिलिप्पियों 03:06\

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वे हैं जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते है | इसके बाद जब वचन के कारण उन पर उपद्रव होता है, तो वे तुरन्त ठोकर खाते है |”
- **45:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालो पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए |
- **46:02** शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?” उसने पूछा, “हे प्रभु तू कौन है?” यीशु ने उसे उत्तर दिया कि, “मैं यीशु हूँ जिसे तू सताता है |”
- **46:04** परन्तु हनन्याह ने कहा, "हे प्रभु मैनें इस मनुष्य के विषय में सुना है कि इसने तेरे पवित्र लोगों के साथ बड़ी बुराइयाँ की है |"

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H1814, H7291, H7852, G1375, G1376, G1377, G1559, G2347

सत्य का वचन

परिभाषा:

“सत्य का वचन” परमेश्वर के वचन और शिक्षा के लिए एक और उक्ति है। इसका संदर्भ सिर्फ एक शब्द से नहीं है।

- परमेश्वर का सत्य का वचन वह है जो परमेश्वर ने अपने बारे में मनुष्यों को सिखाया अर्थात् उसका सृजन कार्य, यीशु के द्वारा उसके उद्धार की योजना।
- इस शब्द से उस तथ्य को महत्त्व प्रदान होता है कि परमेश्वर ने हमसे जो कहा है वह सच है, विश्वासयोग्य और वास्तविक है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इसका अनुवाद “परमेश्वर का सच्चा सन्देश” या “परमेश्वर का वचन जो सच्चा है” हो सकता है।
- इस शब्द के अनुवाद में सत्य होने का भाव प्रकट किया जाना अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: सच्चा, वचन, परमेश्वर के वचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 06:4-7
- इफिसियों 01:13-14
- याकूब 01:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H561, H565, H1697, H3068, G3056, G4487

सत्यानाश, नाश, नाश हो गया, नाश कर, उजाड़, खण्डहरों

परिभाषा:

किसी वस्तु को गवांना अर्थात उसे लापरवाही से फेंक देना या उसका निर्बुद्धि उपयोग करना। कुछ ऐसा जो "उजाड़" या "सत्यानाश" है, वह भूमि या एक शहर को संदर्भित करता है जिसे नष्ट कर दिया गया है कि इसमें कुछ भी नहीं रह सके।

- शब्द " नाश हो जाएँगे" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि अधिक से अधिक बीमार या बर्बाद हो जाए। जो व्यक्ति बर्बाद हो रहा है वह आमतौर पर बीमारी या भोजन की कमी के कारण बहुत पतला हो जाता है।
- किसी नगर या स्थान को “उजाड़ छोड़ देना” अर्थात उसे नष्ट कर देना।
- एक "उजाड़" के लिए एक और शब्द "रेगिस्तान" या "जंगल" हो सकता है। लेकिन एक बंजर भूमि भी यह दर्शाती है कि लोग वहाँ रहते थे और भूमि में पेड़ों और पौधों को खाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 06:6-7
- लैव्यव्यवस्था 26:37-39
- मत्ती 26:6-9
- प्रकाशितवाक्य 18:15-17
- जकर्याह 07:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H535, H1086, H1104, H1110, H1197, H1326, H2100, H2490, H2522, H2717, H2720, H2721, H2723, H3615, H3765, H3856, H4127, H4198, H4592, H4743, H4875, H5307, H5327, H7334, H7582, H7703, H7722, H7736, H7843, H8047, H8074, H8077, H8414, H8437, G684, G1287, G2049, G2673, G4199

सत्यानाश, नाश, नाश हो गया, नाश कर, उजाड़, खण्डहरों

परिभाषा:

किसी वस्तु को गवांना अर्थात उसे लापरवाही से फेंक देना या उसका निर्बुद्धि उपयोग करना। कुछ ऐसा जो "उजाड़" या "सत्यानाश" है, वह भूमि या एक शहर को संदर्भित करता है जिसे नष्ट कर दिया गया है कि इसमें कुछ भी नहीं रह सके।

- शब्द " नाश हो जाएँगे" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि अधिक से अधिक बीमार या बर्बाद हो जाए। जो व्यक्ति बर्बाद हो रहा है वह आमतौर पर बीमारी या भोजन की कमी के कारण बहुत पतला हो जाता है।
- किसी नगर या स्थान को “उजाड़ छोड़ देना” अर्थात उसे नष्ट कर देना।
- एक "उजाड़" के लिए एक और शब्द "रेगिस्तान" या "जंगल" हो सकता है। लेकिन एक बंजर भूमि भी यह दर्शाती है कि लोग वहाँ रहते थे और भूमि में पेड़ों और पौधों को खाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 06:6-7
- लैव्यव्यवस्था 26:37-39
- मत्ती 26:6-9
- प्रकाशितवाक्य 18:15-17
- जकर्याह 07:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H535, H1086, H1104, H1110, H1197, H1326, H2100, H2490, H2522, H2717, H2720, H2721, H2723, H3615, H3765, H3856, H4127, H4198, H4592, H4743, H4875, H5307, H5327, H7334, H7582, H7703, H7722, H7736, H7843, H8047, H8074, H8077, H8414, H8437, G684, G1287, G2049, G2673, G4199

सत्यानाश, नाश, नाश हो गया, नाश कर, उजाड़, खण्डहरों

परिभाषा:

किसी वस्तु को गवांना अर्थात उसे लापरवाही से फेंक देना या उसका निर्बुद्धि उपयोग करना। कुछ ऐसा जो "उजाड़" या "सत्यानाश" है, वह भूमि या एक शहर को संदर्भित करता है जिसे नष्ट कर दिया गया है कि इसमें कुछ भी नहीं रह सके।

- शब्द " नाश हो जाएँगे" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि अधिक से अधिक बीमार या बर्बाद हो जाए। जो व्यक्ति बर्बाद हो रहा है वह आमतौर पर बीमारी या भोजन की कमी के कारण बहुत पतला हो जाता है।
- किसी नगर या स्थान को “उजाड़ छोड़ देना” अर्थात उसे नष्ट कर देना।
- एक "उजाड़" के लिए एक और शब्द "रेगिस्तान" या "जंगल" हो सकता है। लेकिन एक बंजर भूमि भी यह दर्शाती है कि लोग वहाँ रहते थे और भूमि में पेड़ों और पौधों को खाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 06:6-7
- लैव्यव्यवस्था 26:37-39
- मत्ती 26:6-9
- प्रकाशितवाक्य 18:15-17
- जकर्याह 07:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H535, H1086, H1104, H1110, H1197, H1326, H2100, H2490, H2522, H2717, H2720, H2721, H2723, H3615, H3765, H3856, H4127, H4198, H4592, H4743, H4875, H5307, H5327, H7334, H7582, H7703, H7722, H7736, H7843, H8047, H8074, H8077, H8414, H8437, G684, G1287, G2049, G2673, G4199

सदूकी, सदूकियों

परिभाषा:

मसीह यीशु के युग में सदूकी यहूदियों के याजकों में से उभरा एक राजनीतिक दल था। जो रोमी राजा का विरोधी था और पुनरूत्थान में विश्वास नहीं करता था।

- अनेक सदूकी धनवान उच्चवर्गीय यहूदी थे जिनके हाथ में प्रभावशाली अगुआई के पद थे जैसे प्रधान याजक और महायाजक।
- सदूकियों के दायित्वों में मन्दिर के देखरेख करना तथा याजकीय सेवाएँ जैसे बलि चढ़ाना था।
- सदूकियों और फरीसियों ने यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए रोमी प्रशासकों को विवश किया था।
- यीशु ने इन दो पंथों के स्वार्थ और पाखण्ड की निन्दा की थी।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, महासभा, महायाजक, कपटी, यहूदियों, फरीसी, याजक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:1-4
- प्रे.का. 05:17-18
- लूका 20:27-28
- मत्ती. 03:7-9
- मत्ती 16:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4523

सदूकी, सदूकियों

परिभाषा:

मसीह यीशु के युग में सदूकी यहूदियों के याजकों में से उभरा एक राजनीतिक दल था। जो रोमी राजा का विरोधी था और पुनरूत्थान में विश्वास नहीं करता था।

- अनेक सदूकी धनवान उच्चवर्गीय यहूदी थे जिनके हाथ में प्रभावशाली अगुआई के पद थे जैसे प्रधान याजक और महायाजक।
- सदूकियों के दायित्वों में मन्दिर के देखरेख करना तथा याजकीय सेवाएँ जैसे बलि चढ़ाना था।
- सदूकियों और फरीसियों ने यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए रोमी प्रशासकों को विवश किया था।
- यीशु ने इन दो पंथों के स्वार्थ और पाखण्ड की निन्दा की थी।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, महासभा, महायाजक, कपटी, यहूदियों, फरीसी, याजक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:1-4
- प्रे.का. 05:17-18
- लूका 20:27-28
- मत्ती. 03:7-9
- मत्ती 16:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4523

सदूकी, सदूकियों

परिभाषा:

मसीह यीशु के युग में सदूकी यहूदियों के याजकों में से उभरा एक राजनीतिक दल था। जो रोमी राजा का विरोधी था और पुनरूत्थान में विश्वास नहीं करता था।

- अनेक सदूकी धनवान उच्चवर्गीय यहूदी थे जिनके हाथ में प्रभावशाली अगुआई के पद थे जैसे प्रधान याजक और महायाजक।
- सदूकियों के दायित्वों में मन्दिर के देखरेख करना तथा याजकीय सेवाएँ जैसे बलि चढ़ाना था।
- सदूकियों और फरीसियों ने यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए रोमी प्रशासकों को विवश किया था।
- यीशु ने इन दो पंथों के स्वार्थ और पाखण्ड की निन्दा की थी।

(यह भी देखें: प्रधान याजकों, महासभा, महायाजक, कपटी, यहूदियों, फरीसी, याजक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:1-4
- प्रे.का. 05:17-18
- लूका 20:27-28
- मत्ती. 03:7-9
- मत्ती 16:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4523

सदोम

परिभाषा:

सदोम कनान के दक्षिणी हिस्से में एक शहर था, जहाँ अब्राहम के भतीजे लूत अपने परिवार के साथ रहने गया था।

- सदोम का परिक्षेत्र जल प्राचुर्थ के कारण अत्यधिक उपजाऊ था, यही कारण था कि लूत ने वह स्थान अपने निवास के लिए चुना था।
- इस स्थान की भौगोलिक स्थिति अज्ञात है, क्योंकि वह संपूर्ण क्षेत्र, सदोम, अमोरा और आसपास का क्षेत्र वहाँ के निवासियों के भ्रष्ट कर्मों के दण्ड के परिणामस्वरूप परमेश्वर ने पूर्णतः नष्ट कर दिया था।

- वहाँ के लोगों का सबसे बड़ा पाप समलैंगिक योनाचार था।

(यह भी देखें: कनान, अमोरा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 10: 19-20
- उत्पत्ति 13: 12-13
- मत्ती. 10:14-15
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5467, G4670

सदोम

परिभाषा:

सदोम कनान के दक्षिणी हिस्से में एक शहर था, जहाँ अब्राहम के भतीजे लूत अपने परिवार के साथ रहने गया था।

- सदोम का परिक्षेत्र जल प्राचुर्थ के कारण अत्यधिक उपजाऊ था, यही कारण था कि लूत ने वह स्थान अपने निवास के लिए चुना था।
- इस स्थान की भौगोलिक स्थिति अज्ञात है, क्योंकि वह संपूर्ण क्षेत्र, सदोम, अमोरा और आसपास का क्षेत्र वहाँ के निवासियों के भ्रष्ट कर्मों के दण्ड के परिणामस्वरूप परमेश्वर ने पूर्णतः नष्ट कर दिया था।
- वहाँ के लोगों का सबसे बड़ा पाप समलैंगिक योनाचार था।

(यह भी देखें: कनान, अमोरा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 10: 19-20
- उत्पत्ति 13: 12-13
- मत्ती. 10:14-15
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5467, G4670

सदोम

परिभाषा:

सदोम कनान के दक्षिणी हिस्से में एक शहर था, जहाँ अब्राहम के भतीजे लूत अपने परिवार के साथ रहने गया था।

- सदोम का परिक्षेत्र जल प्राचुर्थ के कारण अत्यधिक उपजाऊ था, यही कारण था कि लूत ने वह स्थान अपने निवास के लिए चुना था।
- इस स्थान की भौगोलिक स्थिति अज्ञात है, क्योंकि वह संपूर्ण क्षेत्र, सदोम, अमोरा और आसपास का क्षेत्र वहाँ के निवासियों के भ्रष्ट कर्मों के दण्ड के परिणामस्वरूप परमेश्वर ने पूर्णतः नष्ट कर दिया था।
- वहाँ के लोगों का सबसे बड़ा पाप समलैंगिक योनाचार था।

(यह भी देखें: कनान, अमोरा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 10: 19-20
- उत्पत्ति 13: 12-13
- मत्ती. 10:14-15
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5467, G4670

सदोम

परिभाषा:

सदोम कनान के दक्षिणी हिस्से में एक शहर था, जहाँ अब्राहम के भतीजे लूत अपने परिवार के साथ रहने गया था।

- सदोम का परिक्षेत्र जल प्राचुर्थ के कारण अत्यधिक उपजाऊ था, यही कारण था कि लूत ने वह स्थान अपने निवास के लिए चुना था।
- इस स्थान की भौगोलिक स्थिति अज्ञात है, क्योंकि वह संपूर्ण क्षेत्र, सदोम, अमोरा और आसपास का क्षेत्र वहाँ के निवासियों के भ्रष्ट कर्मों के दण्ड के परिणामस्वरूप परमेश्वर ने पूर्णतः नष्ट कर दिया था।
- वहाँ के लोगों का सबसे बड़ा पाप समलैंगिक योनाचार था।

(यह भी देखें: कनान, अमोरा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 10: 19-20
- उत्पत्ति 13: 12-13
- मत्ती. 10:14-15
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5467, G4670

सदोम

परिभाषा:

सदोम कनान के दक्षिणी हिस्से में एक शहर था, जहाँ अब्राहम के भतीजे लूत अपने परिवार के साथ रहने गया था।

- सदोम का परिक्षेत्र जल प्राचुर्थ के कारण अत्यधिक उपजाऊ था, यही कारण था कि लूत ने वह स्थान अपने निवास के लिए चुना था।
- इस स्थान की भौगोलिक स्थिति अज्ञात है, क्योंकि वह संपूर्ण क्षेत्र, सदोम, अमोरा और आसपास का क्षेत्र वहाँ के निवासियों के भ्रष्ट कर्मों के दण्ड के परिणामस्वरूप परमेश्वर ने पूर्णतः नष्ट कर दिया था।
- वहाँ के लोगों का सबसे बड़ा पाप समलैंगिक योनाचार था।

(यह भी देखें: कनान, अमोरा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 10: 19-20
- उत्पत्ति 13: 12-13
- मत्ती. 10:14-15
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5467, G4670

सदोम

परिभाषा:

सदोम कनान के दक्षिणी हिस्से में एक शहर था, जहाँ अब्राहम के भतीजे लूत अपने परिवार के साथ रहने गया था।

- सदोम का परिक्षेत्र जल प्राचुर्थ के कारण अत्यधिक उपजाऊ था, यही कारण था कि लूत ने वह स्थान अपने निवास के लिए चुना था।

- इस स्थान की भौगोलिक स्थिति अज्ञात है, क्योंकि वह संपूर्ण क्षेत्र, सदोम, अमोरा और आसपास का क्षेत्र वहाँ के निवासियों के भ्रष्ट कर्मों के दण्ड के परिणामस्वरूप परमेश्वर ने पूर्णतः नष्ट कर दिया था।
- वहाँ के लोगों का सबसे बड़ा पाप समलैंगिक योनाचार था।

(यह भी देखें: कनान, अमोरा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 10: 19-20
- उत्पत्ति 13: 12-13
- मत्ती. 10:14-15
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5467, G4670

सनातन, अनन्त, अनंत काल

परिभाषा:

“सनातन” और “अनन्त” के अर्थ लगभग एक से ही हैं और सदा उपस्थित या सदाकालीन बात का संदर्भ देते हैं।

- “अनन्तकाल” इस बात का संदर्भ देते हैं जिसकी न आरंभ या न ही अन्त है। इसका संदर्भ ऐसे जीवन से भी है जिसका अन्त नहीं।
- इस वर्तमान पार्थिव जीवन के बाद, मनुष्य परमेश्वर के साथ स्वर्ग में या परमेश्वर से अलग नरक में अनन्त जीवन व्यतीत करेंगे।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” नये नियम में परमेश्वर के साथ स्वर्ग में सदा के जीवन के लिए काम में ली गई उक्तियां हैं।
- “ युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्त जीवन व्यक्त किया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनन्त” और “सदाकाल” का अनुवाद करने की अन्य विधियां, “अन्तरहित” या “कभी नहीं रूकनेवाला” या “सदा चलनेवाला” हो सकते है।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” का अनुवाद, “जीवन जिसका अन्त नहीं या “जीवन जो रुके बिना चलता है” या “ देह का पुनरूत्थान अनन्त जीवन पाने के लिए” हो सकता है।
- प्रकरण के आधार पर “अनन्तकाल” की अनुवाद विधियां, “समय के परे उपस्थित” या “समाप्त न होने वाला जीवन” या “स्वर्ग का जीवन” हो सकता है।
- *स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: सर्वदा, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 17:08
- उत्पत्ति, 48:04
- निर्गमन 15:17
- 2 शमूएल 03:28-30
- 1 राजा 02:32-33
- अय्यूब 04:20-21
- भ.स 021:04
- यशायाह, 09:6-7
- यशायाह, 40:27-28
- दानिएल 07:18
- लूका 18:18
- प्रे.का. 13:46
- रोमियों 05:21
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- 1 युहन्ना 01:02
- 1 युहन्ना 05:12
- प्रका. 01:4-6

- प्रका., 22:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **27:01** एक दिन, यहूदियों के कानून में एक विशेषज्ञ यीशु की परीक्षा लेने के लिए आया था, उन्होंने कहा, "शिक्षक, मुझे अनन्त जीवन पाने के लिए क्या करना चाहिए ?"
- **28:01** एक दिन, एक अमीर युवा शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा शिक्षक, मुझे क्या करना चाहिए अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए ?" यीशु ने उस से कहा, "तुम मुझसे क्यों पूछ रहे हो के अच्छा क्या है।? केवल एक ही है जो अच्छा है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तुम अनन्त जीवन पाना चाहते हो, तो परमेश्वर के नियमों का पालन करें। "
- **28:10** यीशु ने उत्तर दिया, "जिसने मेरे नाम के लिए घर, भाइयों, बहनों, पिता, माता, बच्चों या संपत्ति को छोड़ दिया है, उसे सौ गुणा अधिक मिलेगा और अनन्त जीवन भी प्राप्त करेगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5331, H5703, H5705, H5769, H5865, H5957, H6924, G126, G165, G166, G1336

सनातन, अनन्त, अनंत काल

परिभाषा:

“सनातन” और “अनन्त” के अर्थ लगभग एक से ही हैं और सदा उपस्थित या सदाकालीन बात का संदर्भ देते हैं।

- “अनन्तकाल” इस बात का संदर्भ देते हैं जिसकी न आरंभ या न ही अन्त है। इसका संदर्भ ऐसे जीवन से भी है जिसका अन्त नहीं।
- इस वर्तमान पार्थिव जीवन के बाद, मनुष्य परमेश्वर के साथ स्वर्ग में या परमेश्वर से अलग नरक में अनन्त जीवन व्यतीत करेंगे।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” नये नियम में परमेश्वर के साथ स्वर्ग में सदा के जीवन के लिए काम में ली गई उक्तियां हैं।
- “ युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्त जीवन व्यक्त किया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनन्त” और “सदाकाल” का अनुवाद करने की अन्य विधियां, “अन्तरहित” या “कभी नहीं रूकनेवाला” या “सदा चलनेवाला” हो सकते है।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” का अनुवाद, “जीवन जिसका अन्त नहीं या “जीवन जो रुके बिना चलता है” या “ देह का पुनरूत्थान अनन्त जीवन पाने के लिए” हो सकता है।
- प्रकरण के आधार पर “अनन्तकाल” की अनुवाद विधियां, “समय के परे उपस्थित” या “समाप्त न होने वाला जीवन” या “स्वर्ग का जीवन” हो सकता है।
- *स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: सर्वदा, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 17:08
- उत्पत्ति, 48:04
- निर्गमन 15:17
- 2 शमूएल 03:28-30
- 1 राजा 02:32-33
- अय्यूब 04:20-21
- भ.स 021:04
- यशायाह, 09:6-7
- यशायाह, 40:27-28
- दानिएल 07:18
- लूका 18:18
- प्रे.का. 13:46
- रोमियों 05:21
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- 1 युहन्ना 01:02
- 1 युहन्ना 05:12
- प्रका. 01:4-6

- प्रका., 22:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **27:01** एक दिन, यहूदियों के कानून में एक विशेषज्ञ यीशु की परीक्षा लेने के लिए आया था, उन्होंने कहा, "शिक्षक, मुझे अनन्त जीवन पाने के लिए क्या करना चाहिए ?"
- **28:01** एक दिन, एक अमीर युवा शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा शिक्षक, मुझे क्या करना चाहिए अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए ?" यीशु ने उस से कहा, "तुम मुझसे क्यों पूछ रहे हो के अच्छा क्या है।? केवल एक ही है जो अच्छा है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तुम अनन्त जीवन पाना चाहते हो, तो परमेश्वर के नियमों का पालन करें। "
- **28:10** यीशु ने उत्तर दिया, "जिसने मेरे नाम के लिए घर, भाइयों, बहनों, पिता, माता, बच्चों या संपत्ति को छोड़ दिया है, उसे सौ गुणा अधिक मिलेगा और अनन्त जीवन भी प्राप्त करेगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5331, H5703, H5705, H5769, H5865, H5957, H6924, G126, G165, G166, G1336

सनातन, अनन्त, अनंत काल

परिभाषा:

“सनातन” और “अनन्त” के अर्थ लगभग एक से ही हैं और सदा उपस्थित या सदाकालीन बात का संदर्भ देते हैं।

- “अनन्तकाल” इस बात का संदर्भ देते हैं जिसकी न आरंभ या न ही अन्त है। इसका संदर्भ ऐसे जीवन से भी है जिसका अन्त नहीं।
- इस वर्तमान पार्थिव जीवन के बाद, मनुष्य परमेश्वर के साथ स्वर्ग में या परमेश्वर से अलग नरक में अनन्त जीवन व्यतीत करेंगे।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” नये नियम में परमेश्वर के साथ स्वर्ग में सदा के जीवन के लिए काम में ली गई उक्तियां हैं।
- “ युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्त जीवन व्यक्त किया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनन्त” और “सदाकाल” का अनुवाद करने की अन्य विधियां, “अन्तरहित” या “कभी नहीं रूकनेवाला” या “सदा चलनेवाला” हो सकते है।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” का अनुवाद, “जीवन जिसका अन्त नहीं या “जीवन जो रुके बिना चलता है” या “ देह का पुनरूत्थान अनन्त जीवन पाने के लिए” हो सकता है।
- प्रकरण के आधार पर “अनन्तकाल” की अनुवाद विधियां, “समय के परे उपस्थित” या “समाप्त न होने वाला जीवन” या “स्वर्ग का जीवन” हो सकता है।
- *स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: सर्वदा, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 17:08
- उत्पत्ति, 48:04
- निर्गमन 15:17
- 2 शमूएल 03:28-30
- 1 राजा 02:32-33
- अय्यूब 04:20-21
- भ.स 021:04
- यशायाह, 09:6-7
- यशायाह, 40:27-28
- दानिएल 07:18
- लूका 18:18
- प्रे.का. 13:46
- रोमियों 05:21
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- 1 युहन्ना 01:02
- 1 युहन्ना 05:12
- प्रका. 01:4-6

- प्रका., 22:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **27:01** एक दिन, यहूदियों के कानून में एक विशेषज्ञ यीशु की परीक्षा लेने के लिए आया था, उन्होंने कहा, "शिक्षक, मुझे अनन्त जीवन पाने के लिए क्या करना चाहिए ?"
- **28:01** एक दिन, एक अमीर युवा शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा शिक्षक, मुझे क्या करना चाहिए अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए ?" यीशु ने उस से कहा, "तुम मुझसे क्यों पूछ रहे हो के अच्छा क्या है।? केवल एक ही है जो अच्छा है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तुम अनन्त जीवन पाना चाहते हो, तो परमेश्वर के नियमों का पालन करें। "
- **28:10** यीशु ने उत्तर दिया, "जिसने मेरे नाम के लिए घर, भाइयों, बहनों, पिता, माता, बच्चों या संपत्ति को छोड़ दिया है, उसे सौ गुणा अधिक मिलेगा और अनन्त जीवन भी प्राप्त करेगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5331, H5703, H5705, H5769, H5865, H5957, H6924, G126, G165, G166, G1336

सनातन, अनन्त, अनंत काल

परिभाषा:

“सनातन” और “अनन्त” के अर्थ लगभग एक से ही हैं और सदा उपस्थित या सदाकालीन बात का संदर्भ देते हैं।

- “अनन्तकाल” इस बात का संदर्भ देते हैं जिसकी न आरंभ या न ही अन्त है। इसका संदर्भ ऐसे जीवन से भी है जिसका अन्त नहीं।
- इस वर्तमान पार्थिव जीवन के बाद, मनुष्य परमेश्वर के साथ स्वर्ग में या परमेश्वर से अलग नरक में अनन्त जीवन व्यतीत करेंगे।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” नये नियम में परमेश्वर के साथ स्वर्ग में सदा के जीवन के लिए काम में ली गई उक्तियां हैं।
- “ युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्त जीवन व्यक्त किया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनन्त” और “सदाकाल” का अनुवाद करने की अन्य विधियां, “अन्तरहित” या “कभी नहीं रूकनेवाला” या “सदा चलनेवाला” हो सकते है।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” का अनुवाद, “जीवन जिसका अन्त नहीं या “जीवन जो रुके बिना चलता है” या “ देह का पुनरूत्थान अनन्त जीवन पाने के लिए” हो सकता है।
- प्रकरण के आधार पर “अनन्तकाल” की अनुवाद विधियां, “समय के परे उपस्थित” या “समाप्त न होने वाला जीवन” या “स्वर्ग का जीवन” हो सकता है।
- *स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: सर्वदा, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 17:08
- उत्पत्ति, 48:04
- निर्गमन 15:17
- 2 शमूएल 03:28-30
- 1 राजा 02:32-33
- अय्यूब 04:20-21
- भ.स 021:04
- यशायाह, 09:6-7
- यशायाह, 40:27-28
- दानिएल 07:18
- लूका 18:18
- प्रे.का. 13:46
- रोमियों 05:21
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- 1 युहन्ना 01:02
- 1 युहन्ना 05:12
- प्रका. 01:4-6

- प्रका., 22:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **27:01** एक दिन, यहूदियों के कानून में एक विशेषज्ञ यीशु की परीक्षा लेने के लिए आया था, उन्होंने कहा, "शिक्षक, मुझे अनन्त जीवन पाने के लिए क्या करना चाहिए ?"
- **28:01** एक दिन, एक अमीर युवा शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा शिक्षक, मुझे क्या करना चाहिए अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए ?" यीशु ने उस से कहा, "तुम मुझसे क्यों पूछ रहे हो के अच्छा क्या है।? केवल एक ही है जो अच्छा है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तुम अनन्त जीवन पाना चाहते हो, तो परमेश्वर के नियमों का पालन करें। "
- **28:10** यीशु ने उत्तर दिया, "जिसने मेरे नाम के लिए घर, भाइयों, बहनों, पिता, माता, बच्चों या संपत्ति को छोड़ दिया है, उसे सौ गुणा अधिक मिलेगा और अनन्त जीवन भी प्राप्त करेगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5331, H5703, H5705, H5769, H5865, H5957, H6924, G126, G165, G166, G1336

सनातन, अनन्त, अनंत काल

परिभाषा:

“सनातन” और “अनन्त” के अर्थ लगभग एक से ही हैं और सदा उपस्थित या सदाकालीन बात का संदर्भ देते हैं।

- “अनन्तकाल” इस बात का संदर्भ देते हैं जिसकी न आरंभ या न ही अन्त है। इसका संदर्भ ऐसे जीवन से भी है जिसका अन्त नहीं।
- इस वर्तमान पार्थिव जीवन के बाद, मनुष्य परमेश्वर के साथ स्वर्ग में या परमेश्वर से अलग नरक में अनन्त जीवन व्यतीत करेंगे।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” नये नियम में परमेश्वर के साथ स्वर्ग में सदा के जीवन के लिए काम में ली गई उक्तियां हैं।
- “ युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्त जीवन व्यक्त किया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनन्त” और “सदाकाल” का अनुवाद करने की अन्य विधियां, “अन्तरहित” या “कभी नहीं रूकनेवाला” या “सदा चलनेवाला” हो सकते है।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” का अनुवाद, “जीवन जिसका अन्त नहीं या “जीवन जो रुके बिना चलता है” या “ देह का पुनरूत्थान अनन्त जीवन पाने के लिए” हो सकता है।
- प्रकरण के आधार पर “अनन्तकाल” की अनुवाद विधियां, “समय के परे उपस्थित” या “समाप्त न होने वाला जीवन” या “स्वर्ग का जीवन” हो सकता है।
- *स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: सर्वदा, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 17:08
- उत्पत्ति, 48:04
- निर्गमन 15:17
- 2 शमूएल 03:28-30
- 1 राजा 02:32-33
- अय्यूब 04:20-21
- भ.स 021:04
- यशायाह, 09:6-7
- यशायाह, 40:27-28
- दानिएल 07:18
- लूका 18:18
- प्रे.का. 13:46
- रोमियों 05:21
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- 1 युहन्ना 01:02
- 1 युहन्ना 05:12
- प्रका. 01:4-6

- प्रका., 22:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **27:01** एक दिन, यहूदियों के कानून में एक विशेषज्ञ यीशु की परीक्षा लेने के लिए आया था, उन्होंने कहा, "शिक्षक, मुझे अनन्त जीवन पाने के लिए क्या करना चाहिए ?"
- **28:01** एक दिन, एक अमीर युवा शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा शिक्षक, मुझे क्या करना चाहिए अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए ?" यीशु ने उस से कहा, "तुम मुझसे क्यों पूछ रहे हो के अच्छा क्या है।? केवल एक ही है जो अच्छा है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तुम अनन्त जीवन पाना चाहते हो, तो परमेश्वर के नियमों का पालन करें। "
- **28:10** यीशु ने उत्तर दिया, "जिसने मेरे नाम के लिए घर, भाइयों, बहनों, पिता, माता, बच्चों या संपत्ति को छोड़ दिया है, उसे सौ गुणा अधिक मिलेगा और अनन्त जीवन भी प्राप्त करेगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5331, H5703, H5705, H5769, H5865, H5957, H6924, G126, G165, G166, G1336

सनातन, अनन्त, अनंत काल

परिभाषा:

“सनातन” और “अनन्त” के अर्थ लगभग एक से ही हैं और सदा उपस्थित या सदाकालीन बात का संदर्भ देते हैं।

- “अनन्तकाल” इस बात का संदर्भ देते हैं जिसकी न आरंभ या न ही अन्त है। इसका संदर्भ ऐसे जीवन से भी है जिसका अन्त नहीं।
- इस वर्तमान पार्थिव जीवन के बाद, मनुष्य परमेश्वर के साथ स्वर्ग में या परमेश्वर से अलग नरक में अनन्त जीवन व्यतीत करेंगे।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” नये नियम में परमेश्वर के साथ स्वर्ग में सदा के जीवन के लिए काम में ली गई उक्तियां हैं।
- “ युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्त जीवन व्यक्त किया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनन्त” और “सदाकाल” का अनुवाद करने की अन्य विधियां, “अन्तरहित” या “कभी नहीं रूकनेवाला” या “सदा चलनेवाला” हो सकते है।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” का अनुवाद, “जीवन जिसका अन्त नहीं या “जीवन जो रुके बिना चलता है” या “ देह का पुनरूत्थान अनन्त जीवन पाने के लिए” हो सकता है।
- प्रकरण के आधार पर “अनन्तकाल” की अनुवाद विधियां, “समय के परे उपस्थित” या “समाप्त न होने वाला जीवन” या “स्वर्ग का जीवन” हो सकता है।
- *स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: सर्वदा, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 17:08
- उत्पत्ति, 48:04
- निर्गमन 15:17
- 2 शमूएल 03:28-30
- 1 राजा 02:32-33
- अय्यूब 04:20-21
- भ.स 021:04
- यशायाह, 09:6-7
- यशायाह, 40:27-28
- दानिएल 07:18
- लूका 18:18
- प्रे.का. 13:46
- रोमियों 05:21
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- 1 युहन्ना 01:02
- 1 युहन्ना 05:12
- प्रका. 01:4-6

- प्रका., 22:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **27:01** एक दिन, यहूदियों के कानून में एक विशेषज्ञ यीशु की परीक्षा लेने के लिए आया था, उन्होंने कहा, "शिक्षक, मुझे अनन्त जीवन पाने के लिए क्या करना चाहिए ?"
- **28:01** एक दिन, एक अमीर युवा शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा शिक्षक, मुझे क्या करना चाहिए अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए ?" यीशु ने उस से कहा, "तुम मुझसे क्यों पूछ रहे हो के अच्छा क्या है।? केवल एक ही है जो अच्छा है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तुम अनन्त जीवन पाना चाहते हो, तो परमेश्वर के नियमों का पालन करें। "
- **28:10** यीशु ने उत्तर दिया, "जिसने मेरे नाम के लिए घर, भाइयों, बहनों, पिता, माता, बच्चों या संपत्ति को छोड़ दिया है, उसे सौ गुणा अधिक मिलेगा और अनन्त जीवन भी प्राप्त करेगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5331, H5703, H5705, H5769, H5865, H5957, H6924, G126, G165, G166, G1336

सनातन, अनन्त, अनंत काल

परिभाषा:

“सनातन” और “अनन्त” के अर्थ लगभग एक से ही हैं और सदा उपस्थित या सदाकालीन बात का संदर्भ देते हैं।

- “अनन्तकाल” इस बात का संदर्भ देते हैं जिसकी न आरंभ या न ही अन्त है। इसका संदर्भ ऐसे जीवन से भी है जिसका अन्त नहीं।
- इस वर्तमान पार्थिव जीवन के बाद, मनुष्य परमेश्वर के साथ स्वर्ग में या परमेश्वर से अलग नरक में अनन्त जीवन व्यतीत करेंगे।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” नये नियम में परमेश्वर के साथ स्वर्ग में सदा के जीवन के लिए काम में ली गई उक्तियां हैं।
- “ युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्त जीवन व्यक्त किया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनन्त” और “सदाकाल” का अनुवाद करने की अन्य विधियां, “अन्तरहित” या “कभी नहीं रूकनेवाला” या “सदा चलनेवाला” हो सकते है।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” का अनुवाद, “जीवन जिसका अन्त नहीं या “जीवन जो रुके बिना चलता है” या “ देह का पुनरूत्थान अनन्त जीवन पाने के लिए” हो सकता है।
- प्रकरण के आधार पर “अनन्तकाल” की अनुवाद विधियां, “समय के परे उपस्थित” या “समाप्त न होने वाला जीवन” या “स्वर्ग का जीवन” हो सकता है।
- *स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: सर्वदा, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 17:08
- उत्पत्ति, 48:04
- निर्गमन 15:17
- 2 शमूएल 03:28-30
- 1 राजा 02:32-33
- अय्यूब 04:20-21
- भ.स 021:04
- यशायाह, 09:6-7
- यशायाह, 40:27-28
- दानिएल 07:18
- लूका 18:18
- प्रे.का. 13:46
- रोमियों 05:21
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- 1 युहन्ना 01:02
- 1 युहन्ना 05:12
- प्रका. 01:4-6

- प्रका., 22:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **27:01** एक दिन, यहूदियों के कानून में एक विशेषज्ञ यीशु की परीक्षा लेने के लिए आया था, उन्होंने कहा, "शिक्षक, मुझे अनन्त जीवन पाने के लिए क्या करना चाहिए ?"
- **28:01** एक दिन, एक अमीर युवा शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा शिक्षक, मुझे क्या करना चाहिए अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए ?" यीशु ने उस से कहा, "तुम मुझसे क्यों पूछ रहे हो के अच्छा क्या है।? केवल एक ही है जो अच्छा है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तुम अनन्त जीवन पाना चाहते हो, तो परमेश्वर के नियमों का पालन करें। "
- **28:10** यीशु ने उत्तर दिया, "जिसने मेरे नाम के लिए घर, भाइयों, बहनों, पिता, माता, बच्चों या संपत्ति को छोड़ दिया है, उसे सौ गुणा अधिक मिलेगा और अनन्त जीवन भी प्राप्त करेगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5331, H5703, H5705, H5769, H5865, H5957, H6924, G126, G165, G166, G1336

सनातन, अनन्त, अनंत काल

परिभाषा:

“सनातन” और “अनन्त” के अर्थ लगभग एक से ही हैं और सदा उपस्थित या सदाकालीन बात का संदर्भ देते हैं।

- “अनन्तकाल” इस बात का संदर्भ देते हैं जिसकी न आरंभ या न ही अन्त है। इसका संदर्भ ऐसे जीवन से भी है जिसका अन्त नहीं।
- इस वर्तमान पार्थिव जीवन के बाद, मनुष्य परमेश्वर के साथ स्वर्ग में या परमेश्वर से अलग नरक में अनन्त जीवन व्यतीत करेंगे।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” नये नियम में परमेश्वर के साथ स्वर्ग में सदा के जीवन के लिए काम में ली गई उक्तियां हैं।
- “ युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्त जीवन व्यक्त किया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनन्त” और “सदाकाल” का अनुवाद करने की अन्य विधियां, “अन्तरहित” या “कभी नहीं रूकनेवाला” या “सदा चलनेवाला” हो सकते है।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” का अनुवाद, “जीवन जिसका अन्त नहीं या “जीवन जो रुके बिना चलता है” या “ देह का पुनरूत्थान अनन्त जीवन पाने के लिए” हो सकता है।
- प्रकरण के आधार पर “अनन्तकाल” की अनुवाद विधियां, “समय के परे उपस्थित” या “समाप्त न होने वाला जीवन” या “स्वर्ग का जीवन” हो सकता है।
- *स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें।

(यह भी देखें: सर्वदा, जीवन)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति, 17:08
- उत्पत्ति, 48:04
- निर्गमन 15:17
- 2 शमूएल 03:28-30
- 1 राजा 02:32-33
- अय्यूब 04:20-21
- भ.स 021:04
- यशायाह, 09:6-7
- यशायाह, 40:27-28
- दानिएल 07:18
- लूका 18:18
- प्रे.का. 13:46
- रोमियों 05:21
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- 1 युहन्ना 01:02
- 1 युहन्ना 05:12
- प्रका. 01:4-6

- प्रका., 22:3-5

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **27:01** एक दिन, यहूदियों के कानून में एक विशेषज्ञ यीशु की परीक्षा लेने के लिए आया था, उन्होंने कहा, "शिक्षक, मुझे अनन्त जीवन पाने के लिए क्या करना चाहिए ?"
- **28:01** एक दिन, एक अमीर युवा शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा शिक्षक, मुझे क्या करना चाहिए अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए ?" यीशु ने उस से कहा, "तुम मुझसे क्यों पूछ रहे हो के अच्छा क्या है।? केवल एक ही है जो अच्छा है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तुम अनन्त जीवन पाना चाहते हो, तो परमेश्वर के नियमों का पालन करें। "
- **28:10** यीशु ने उत्तर दिया, "जिसने मेरे नाम के लिए घर, भाइयों, बहनों, पिता, माता, बच्चों या संपत्ति को छोड़ दिया है, उसे सौ गुणा अधिक मिलेगा और अनन्त जीवन भी प्राप्त करेगा।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5331, H5703, H5705, H5769, H5865, H5957, H6924, G126, G165, G166, G1336

सप्ताह, सप्ताहों

परिभाषा:

“सप्ताह” शब्द सात दिन के समय के संदर्भ में है।

- यहूदी सप्ताह का आरंभ शनिवार के सूर्यास्त से गिनते थे और सप्ताह का अन्त अगले शनिवार के सूर्यास्त तक मानते थे।
- बाइबल में “सप्ताह” का प्रतीकात्मक उपयोग समय की सात ईकाइयों के संदर्भ में होता था जैसे सात वर्षों का सप्ताह।
- “सप्ताहों का पर्व” फसल का उत्सव जो फसह के सात सप्ताहों बाद आता था। इसे पिन्तेकुस्त भी कहते थे।

(यह भी देखें: पिन्तेकुस्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:7-8
- व्यवस्थाविवरण 16:9-10
- लैव्यव्यवस्था 23:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7620, G4521

सप्ताह, सप्ताहों

परिभाषा:

“सप्ताह” शब्द सात दिन के समय के संदर्भ में है।

- यहूदी सप्ताह का आरंभ शनिवार के सूर्यास्त से गिनते थे और सप्ताह का अन्त अगले शनिवार के सूर्यास्त तक मानते थे।
- बाइबल में “सप्ताह” का प्रतीकात्मक उपयोग समय की सात ईकाइयों के संदर्भ में होता था जैसे सात वर्षों का सप्ताह।
- “सप्ताहों का पर्व” फसल का उत्सव जो फसह के सात सप्ताहों बाद आता था। इसे पिन्तेकुस्त भी कहते थे।

(यह भी देखें: पिन्तेकुस्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:7-8
- व्यवस्थाविवरण 16:9-10
- लैव्यव्यवस्था 23:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7620, G4521

सप्ताह, सप्ताहों

परिभाषा:

“सप्ताह” शब्द सात दिन के समय के संदर्भ में है।

- यहूदी सप्ताह का आरंभ शनिवार के सूर्यास्त से गिनते थे और सप्ताह का अन्त अगले शनिवार के सूर्यास्त तक मानते थे।
- बाइबल में “सप्ताह” का प्रतीकात्मक उपयोग समय की सात ईकाइयों के संदर्भ में होता था जैसे सात वर्षों का सप्ताह।
- “सप्ताहों का पर्व” फसल का उत्सव जो फसह के सात सप्ताहों बाद आता था। इसे पिन्तेकुस्त भी कहते थे।

(यह भी देखें: पिन्तेकुस्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:7-8
- व्यवस्थाविवरण 16:9-10
- लैव्यव्यवस्था 23:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7620, G4521

सप्ताह, सप्ताहों

परिभाषा:

“सप्ताह” शब्द सात दिन के समय के संदर्भ में है।

- यहूदी सप्ताह का आरंभ शनिवार के सूर्यास्त से गिनते थे और सप्ताह का अन्त अगले शनिवार के सूर्यास्त तक मानते थे।
- बाइबल में “सप्ताह” का प्रतीकात्मक उपयोग समय की सात ईकाइयों के संदर्भ में होता था जैसे सात वर्षों का सप्ताह।
- “सप्ताहों का पर्व” फसल का उत्सव जो फसह के सात सप्ताहों बाद आता था। इसे पिन्तेकुस्त भी कहते थे।

(यह भी देखें: पिन्तेकुस्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:7-8
- व्यवस्थाविवरण 16:9-10
- लैव्यव्यवस्था 23:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7620, G4521

सप्ताह, सप्ताहों

परिभाषा:

“सप्ताह” शब्द सात दिन के समय के संदर्भ में है।

- यहूदी सप्ताह का आरंभ शनिवार के सूर्यास्त से गिनते थे और सप्ताह का अन्त अगले शनिवार के सूर्यास्त तक मानते थे।
- बाइबल में “सप्ताह” का प्रतीकात्मक उपयोग समय की सात ईकाइयों के संदर्भ में होता था जैसे सात वर्षों का सप्ताह।
- “सप्ताहों का पर्व” फसल का उत्सव जो फसह के सात सप्ताहों बाद आता था। इसे पिन्तेकुस्त भी कहते थे।

(यह भी देखें: पिन्तेकुस्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:7-8
- व्यवस्थाविवरण 16:9-10
- लैव्यव्यवस्था 23:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7620, G4521

सप्ताह, सप्ताहों

परिभाषा:

“सप्ताह” शब्द सात दिन के समय के संदर्भ में है।

- यहूदी सप्ताह का आरंभ शनिवार के सूर्यास्त से गिनते थे और सप्ताह का अन्त अगले शनिवार के सूर्यास्त तक मानते थे।
- बाइबल में “सप्ताह” का प्रतीकात्मक उपयोग समय की सात ईकाइयों के संदर्भ में होता था जैसे सात वर्षों का सप्ताह।
- “सप्ताहों का पर्व” फसल का उत्सव जो फसह के सात सप्ताहों बाद आता था। इसे पिन्तेकुस्त भी कहते थे।

(यह भी देखें: पिन्तेकुस्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:7-8
- व्यवस्थाविवरण 16:9-10
- लैव्यव्यवस्था 23:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7620, G4521

सब्त

परिभाषा:

"सब्त" शब्द का अर्थ है सप्ताह का सातवां दिन, जिसके लिए परमेश्वर ने इस्राएल को आज्ञा दी थी कि उस दिन, विश्राम करें, कोई कार्य नहीं करें।

- परमेश्वर ने छः दिन ब्रह्माण्ड की रचना की, और सातवें दिन विश्राम किया। इसी प्रकार, परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि सातवें दिन को पवित्र मानकर विश्राम का विशेष दिन रखें और उसकी आराधना करें।
- "सब्त के दिन को पवित्र रखने" की आज्ञा दस आज्ञाओं में से एक है जिन्हें परमेश्वर ने पत्थर की पट्टियों पर लिखकर मूसा को इस्राएल के लिए दिए थे।
- यहूदी दिनों की गिनती के अनुसार, सब्त का दिन शुक्रवार सूर्यास्त से आरंभ होकर शनिवार सूर्यास्त तक होता था।
- बाइबल में कभी-कभी मात्र सब्त के स्थान पर "सब्त का दिन" कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इसको इस प्रकार से भी अनुवाद किया जा सकता है जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम के लिए दिन" या "काम नहीं करने का दिन" या "परमेश्वर के विश्राम का दिन।"
- कुछ अनुवादों में इस शब्द को बड़े अक्षरों में लिखकर प्रकट किया जाता है कि यह एक विशेष दिन है, जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम का दिन।"
- ध्यान दें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: विश्राम करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 31:2-3
- प्रे.का. 13:26-27

- निर्गमन 31:12-15
- यशायाह 56:6-7
- विलापगीत 02:5-6
- लैव्यव्यवस्था 19:1-4
- लूका 13:12-14
- मरकुस 02:27-28
- मत्ती 12:1-2
- नहेम्याह 10:32-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:05**"तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना | छ: दिन तो तू परिश्रम करके अपना सब काम-काज करना, परन्तु सातवा दिन तेरे परमेश्वर यहोवा के लिये विश्रामदिन है |"
- 26:02__यीशु नासरत शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था | __सब्त के दिन वह आराधना करने के स्थान पर गया |
- 41:03__यीशु को दफ़नाने के दिन के बाद __सब्त का दिन था, और यहूदियों को उसी दिन कब्र पर जाने की अनुमति नहीं थी|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4868, H7676, H7677, G4315, G4521

सब्त

परिभाषा:

"सब्त" शब्द का अर्थ है सप्ताह का सातवां दिन, जिसके लिए परमेश्वर ने इस्राएल को आज्ञा दी थी कि उस दिन, विश्राम करें, कोई कार्य नहीं करें।

- परमेश्वर ने छः दिन ब्रह्माण्ड की रचना की, और सातवें दिन विश्राम किया। इसी प्रकार, परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि सातवें दिन को पवित्र मानकर विश्राम का विशेष दिन रखें और उसकी आराधना करें।
- "सब्त के दिन को पवित्र रखने" की आज्ञा दस आज्ञाओं में से एक है जिन्हें परमेश्वर ने पत्थर की पट्टियों पर लिखकर मूसा को इस्राएल के लिए दिए थे।
- यहूदी दिनों की गिनती के अनुसार, सब्त का दिन शुक्रवार सूर्यास्त से आरंभ होकर शनिवार सूर्यास्त तक होता था।
- बाइबल में कभी-कभी मात्र सब्त के स्थान पर "सब्त का दिन" कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इसको इस प्रकार से भी अनुवाद किया जा सकता है जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम के लिए दिन" या "काम नहीं करने का दिन" या "परमेश्वर के विश्राम का दिन।"
- कुछ अनुवादों में इस शब्द को बड़े अक्षरों में लिखकर प्रकट किया जाता है कि यह एक विशेष दिन है, जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम का दिन।"
- ध्यान दें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: विश्राम करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 31:2-3
- प्रे.का. 13:26-27
- निर्गमन 31:12-15
- यशायाह 56:6-7
- विलापगीत 02:5-6
- लैव्यव्यवस्था 19:1-4
- लूका 13:12-14
- मरकुस 02:27-28
- मत्ती 12:1-2
- नहेम्याह 10:32-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:05**"तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना | छ: दिन तो तू परिश्रम करके अपना सब काम-काज करना, परन्तु सातवा दिन तेरे परमेश्वर यहोवा के लिये विश्रामदिन है |"
- 26:02__यीशु नासरत शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था | __सब्त के दिन वह आराधना करने के स्थान पर गया |
- 41:03__यीशु को दफ़नाने के दिन के बाद __सब्त का दिन था, और यहूदियों को उसी दिन कब्र पर जाने की अनुमति नहीं थी|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4868, H7676, H7677, G4315, G4521

सब्त

परिभाषा:

"सब्त" शब्द का अर्थ है सप्ताह का सातवां दिन, जिसके लिए परमेश्वर ने इस्राएल को आज्ञा दी थी कि उस दिन, विश्राम करें, कोई कार्य नहीं करें।

- परमेश्वर ने छः दिन ब्रह्माण्ड की रचना की, और सातवें दिन विश्राम किया। इसी प्रकार, परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि सातवें दिन को पवित्र मानकर विश्राम का विशेष दिन रखें और उसकी आराधना करें।
- "सब्त के दिन को पवित्र रखने" की आज्ञा दस आज्ञाओं में से एक है जिन्हें परमेश्वर ने पत्थर की पट्टियों पर लिखकर मूसा को इस्राएल के लिए दिए थे।
- यहूदी दिनों की गिनती के अनुसार, सब्त का दिन शुक्रवार सूर्यास्त से आरंभ होकर शनिवार सूर्यास्त तक होता था।
- बाइबल में कभी-कभी मात्र सब्त के स्थान पर "सब्त का दिन" कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इसको इस प्रकार से भी अनुवाद किया जा सकता है जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम के लिए दिन" या "काम नहीं करने का दिन" या "परमेश्वर के विश्राम का दिन।"
- कुछ अनुवादों में इस शब्द को बड़े अक्षरों में लिखकर प्रकट किया जाता है कि यह एक विशेष दिन है, जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम का दिन।"
- ध्यान दें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: विश्राम करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 31:2-3
- प्रे.का. 13:26-27
- निर्गमन 31:12-15
- यशायाह 56:6-7
- विलापगीत 02:5-6
- लैव्यव्यवस्था 19:1-4
- लूका 13:12-14
- मरकुस 02:27-28
- मत्ती 12:1-2
- नहेम्याह 10:32-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:05**"तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना | छ: दिन तो तू परिश्रम करके अपना सब काम-काज करना, परन्तु सातवा दिन तेरे परमेश्वर यहोवा के लिये विश्रामदिन है |"
- 26:02__यीशु नासरत शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था | __सब्त के दिन वह आराधना करने के स्थान पर गया |
- 41:03__यीशु को दफ़नाने के दिन के बाद __सब्त का दिन था, और यहूदियों को उसी दिन कब्र पर जाने की अनुमति नहीं थी|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4868, H7676, H7677, G4315, G4521

सब्त

परिभाषा:

"सब्त" शब्द का अर्थ है सप्ताह का सातवां दिन, जिसके लिए परमेश्वर ने इस्राएल को आज्ञा दी थी कि उस दिन, विश्राम करें, कोई कार्य नहीं करें।

- परमेश्वर ने छः दिन ब्रह्माण्ड की रचना की, और सातवें दिन विश्राम किया। इसी प्रकार, परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि सातवें दिन को पवित्र मानकर विश्राम का विशेष दिन रखें और उसकी आराधना करें।
- "सब्त के दिन को पवित्र रखने" की आज्ञा दस आज्ञाओं में से एक है जिन्हें परमेश्वर ने पत्थर की पट्टियों पर लिखकर मूसा को इस्राएल के लिए दिए थे।
- यहूदी दिनों की गिनती के अनुसार, सब्त का दिन शुक्रवार सूर्यास्त से आरंभ होकर शनिवार सूर्यास्त तक होता था।
- बाइबल में कभी-कभी मात्र सब्त के स्थान पर "सब्त का दिन" कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इसको इस प्रकार से भी अनुवाद किया जा सकता है जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम के लिए दिन" या "काम नहीं करने का दिन" या "परमेश्वर के विश्राम का दिन।"
- कुछ अनुवादों में इस शब्द को बड़े अक्षरों में लिखकर प्रकट किया जाता है कि यह एक विशेष दिन है, जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम का दिन।"
- ध्यान दें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: विश्राम करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 31:2-3
- प्रे.का. 13:26-27
- निर्गमन 31:12-15
- यशायाह 56:6-7
- विलापगीत 02:5-6
- लैव्यव्यवस्था 19:1-4
- लूका 13:12-14
- मरकुस 02:27-28
- मत्ती 12:1-2
- नहेम्याह 10:32-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:05**"तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना | छः दिन तो तू परिश्रम करके अपना सब काम-काज करना, परन्तु सातवा दिन तेरे परमेश्वर यहोवा के लिये विश्रामदिन है |"
- 26:02__यीशु नासरत शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था | __सब्त के दिन वह आराधना करने के स्थान पर गया |
- 41:03__यीशु को दफ़नाने के दिन के बाद __सब्त का दिन था, और यहूदियों को उसी दिन कब्र पर जाने की अनुमति नहीं थी|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4868, H7676, H7677, G4315, G4521

सब्त

परिभाषा:

"सब्त" शब्द का अर्थ है सप्ताह का सातवां दिन, जिसके लिए परमेश्वर ने इस्राएल को आज्ञा दी थी कि उस दिन, विश्राम करें, कोई कार्य नहीं करें।

- परमेश्वर ने छः दिन ब्रह्माण्ड की रचना की, और सातवें दिन विश्राम किया। इसी प्रकार, परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि सातवें दिन को पवित्र मानकर विश्राम का विशेष दिन रखें और उसकी आराधना करें।
- "सब्त के दिन को पवित्र रखने" की आज्ञा दस आज्ञाओं में से एक है जिन्हें परमेश्वर ने पत्थर की पट्टियों पर लिखकर मूसा को इस्राएल के लिए दिए थे।
- यहूदी दिनों की गिनती के अनुसार, सब्त का दिन शुक्रवार सूर्यास्त से आरंभ होकर शनिवार सूर्यास्त तक होता था।
- बाइबल में कभी-कभी मात्र सब्त के स्थान पर "सब्त का दिन" कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इसको इस प्रकार से भी अनुवाद किया जा सकता है जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम के लिए दिन" या "काम नहीं करने का दिन" या "परमेश्वर के विश्राम का दिन।"
- कुछ अनुवादों में इस शब्द को बड़े अक्षरों में लिखकर प्रकट किया जाता है कि यह एक विशेष दिन है, जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम का दिन।"
- ध्यान दें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: विश्राम करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 31:2-3
- प्रे.का. 13:26-27
- निर्गमन 31:12-15
- यशायाह 56:6-7
- विलापगीत 02:5-6
- लैव्यव्यवस्था 19:1-4
- लूका 13:12-14
- मरकुस 02:27-28
- मत्ती 12:1-2
- नहेम्याह 10:32-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:05**"तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना | छ: दिन तो तू परिश्रम करके अपना सब काम-काज करना, परन्तु सातवा दिन तेरे परमेश्वर यहोवा के लिये विश्रामदिन है |"
- 26:02__यीशु नासरत शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था | __सब्त के दिन वह आराधना करने के स्थान पर गया |
- 41:03__यीशु को दफ़नाने के दिन के बाद __सब्त का दिन था, और यहूदियों को उसी दिन कब्र पर जाने की अनुमति नहीं थी|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4868, H7676, H7677, G4315, G4521

सब्त

परिभाषा:

"सब्त" शब्द का अर्थ है सप्ताह का सातवां दिन, जिसके लिए परमेश्वर ने इस्राएल को आज्ञा दी थी कि उस दिन, विश्राम करें, कोई कार्य नहीं करें।

- परमेश्वर ने छः दिन ब्रह्माण्ड की रचना की, और सातवें दिन विश्राम किया। इसी प्रकार, परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि सातवें दिन को पवित्र मानकर विश्राम का विशेष दिन रखें और उसकी आराधना करें।
- "सब्त के दिन को पवित्र रखने" की आज्ञा दस आज्ञाओं में से एक है जिन्हें परमेश्वर ने पत्थर की पट्टियों पर लिखकर मूसा को इस्राएल के लिए दिए थे।
- यहूदी दिनों की गिनती के अनुसार, सब्त का दिन शुक्रवार सूर्यास्त से आरंभ होकर शनिवार सूर्यास्त तक होता था।
- बाइबल में कभी-कभी मात्र सब्त के स्थान पर "सब्त का दिन" कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इसको इस प्रकार से भी अनुवाद किया जा सकता है जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम के लिए दिन" या "काम नहीं करने का दिन" या "परमेश्वर के विश्राम का दिन।"
- कुछ अनुवादों में इस शब्द को बड़े अक्षरों में लिखकर प्रकट किया जाता है कि यह एक विशेष दिन है, जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम का दिन।"
- ध्यान दें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: विश्राम करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 31:2-3
- प्रे.का. 13:26-27
- निर्गमन 31:12-15
- यशायाह 56:6-7
- विलापगीत 02:5-6
- लैव्यव्यवस्था 19:1-4
- लूका 13:12-14
- मरकुस 02:27-28
- मत्ती 12:1-2
- नहेम्याह 10:32-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:05**"तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना | छ: दिन तो तू परिश्रम करके अपना सब काम-काज करना, परन्तु सातवा दिन तेरे परमेश्वर यहोवा के लिये विश्रामदिन है |"
- 26:02__यीशु नासरत शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था | __सब्त के दिन वह आराधना करने के स्थान पर गया |
- 41:03__यीशु को दफ़नाने के दिन के बाद __सब्त का दिन था, और यहूदियों को उसी दिन कब्र पर जाने की अनुमति नहीं थी|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4868, H7676, H7677, G4315, G4521

सब्त

परिभाषा:

"सब्त" शब्द का अर्थ है सप्ताह का सातवां दिन, जिसके लिए परमेश्वर ने इस्राएल को आज्ञा दी थी कि उस दिन, विश्राम करें, कोई कार्य नहीं करें।

- परमेश्वर ने छः दिन ब्रह्माण्ड की रचना की, और सातवें दिन विश्राम किया। इसी प्रकार, परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि सातवें दिन को पवित्र मानकर विश्राम का विशेष दिन रखें और उसकी आराधना करें।
- "सब्त के दिन को पवित्र रखने" की आज्ञा दस आज्ञाओं में से एक है जिन्हें परमेश्वर ने पत्थर की पट्टियों पर लिखकर मूसा को इस्राएल के लिए दिए थे।
- यहूदी दिनों की गिनती के अनुसार, सब्त का दिन शुक्रवार सूर्यास्त से आरंभ होकर शनिवार सूर्यास्त तक होता था।
- बाइबल में कभी-कभी मात्र सब्त के स्थान पर "सब्त का दिन" कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इसको इस प्रकार से भी अनुवाद किया जा सकता है जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम के लिए दिन" या "काम नहीं करने का दिन" या "परमेश्वर के विश्राम का दिन।"
- कुछ अनुवादों में इस शब्द को बड़े अक्षरों में लिखकर प्रकट किया जाता है कि यह एक विशेष दिन है, जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम का दिन।"
- ध्यान दें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: विश्राम करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 31:2-3
- प्रे.का. 13:26-27
- निर्गमन 31:12-15
- यशायाह 56:6-7
- विलापगीत 02:5-6
- लैव्यव्यवस्था 19:1-4
- लूका 13:12-14
- मरकुस 02:27-28
- मत्ती 12:1-2
- नहेम्याह 10:32-33

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:05**"तू सब्त के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना | छ: दिन तो तू परिश्रम करके अपना सब काम-काज करना, परन्तु सातवा दिन तेरे परमेश्वर यहोवा के लिये विश्रामदिन है |"
- 26:02__यीशु नासरत शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था | __सब्त के दिन वह आराधना करने के स्थान पर गया |
- 41:03__यीशु को दफ़नाने के दिन के बाद __सब्त का दिन था, और यहूदियों को उसी दिन कब्र पर जाने की अनुमति नहीं थी|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4868, H7676, H7677, G4315, G4521

समझना, समझता है, समझ लिया, समझ

परिभाषा:

“समझना” शब्द का अर्थ है सुनना या किसी जानकारी को अंतर्ग्रहण करना और समझना कि वह क्या है।

- “समझ” शब्द का संदर्भ “ज्ञान” या “बुद्धि” से भी हो सकता है या “किसी काम को करने की समझ से भी”।
- किसी को समझने का अर्थ यह भी हो सकता है कि वह व्यक्ति कैसा महसूस कर रहा है।
- इम्माऊस के मार्ग में यीशु ने उन शिष्यों को धर्मशास्त्र से मसीह का अर्थ समझने में सहायता की थी।
- प्रकरण के अनुसार “समझ” का अनुवाद “जानना” या “विश्वास करना” या “अंतर्ग्रहण करना” या “अर्थ समझना” भी हो सकता है।
- “समझ” का अनुवादक प्रायः “ज्ञान” या “बुद्धि” या “अंतर्ग्रहण” किया गया है।

(यह भी देखें: विश्वास, जानना, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- अय्यूब 34:16-17
- लूका 02:45-47
- लूका 08:9-10
- मत्ती 13:10-12
- मत्ती 13:13-14
- नीतिवचन 03:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H998, H999, H1847, H2940, H3045, H3820, H3824, H4486, H7200, H7306, H7919, H7922, H7924, H8085, H8394, G50, G145, G191, G801, G1097, G1107, G1108, G1271, G1921, G1922, G1987, G1990, G2657, G3129, G3539, G3563, G3877, G4441, G4907, G4908, G4920, G5424, G5428, G5429, G6063

समझना, समझता है, समझ लिया, समझ

परिभाषा:

“समझना” शब्द का अर्थ है सुनना या किसी जानकारी को अंतर्ग्रहण करना और समझना कि वह क्या है।

- “समझ” शब्द का संदर्भ “ज्ञान” या “बुद्धि” से भी हो सकता है या “किसी काम को करने की समझ से भी”।
- किसी को समझने का अर्थ यह भी हो सकता है कि वह व्यक्ति कैसा महसूस कर रहा है।
- इम्माऊस के मार्ग में यीशु ने उन शिष्यों को धर्मशास्त्र से मसीह का अर्थ समझने में सहायता की थी।
- प्रकरण के अनुसार “समझ” का अनुवाद “जानना” या “विश्वास करना” या “अंतर्ग्रहण करना” या “अर्थ समझना” भी हो सकता है।
- “समझ” का अनुवादक प्रायः “ज्ञान” या “बुद्धि” या “अंतर्ग्रहण” किया गया है।

(यह भी देखें: विश्वास, जानना, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- अय्यूब 34:16-17
- लूका 02:45-47

- लूका 08:9-10
- मत्ती 13:10-12
- मत्ती 13:13-14
- नीतिवचन 03:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H998, H999, H1847, H2940, H3045, H3820, H3824, H4486, H7200, H7306, H7919, H7922, H7924, H8085, H8394, G50, G145, G191, G801, G1097, G1107, G1108, G1271, G1921, G1922, G1987, G1990, G2657, G3129, G3539, G3563, G3877, G4441, G4907, G4908, G4920, G5424, G5428, G5429, G6063

समझना, समझता है, समझ लिया, समझ

परिभाषा:

“समझना” शब्द का अर्थ है सुनना या किसी जानकारी को अंतर्ग्रहण करना और समझना कि वह क्या है।

- “समझ” शब्द का संदर्भ “ज्ञान” या “बुद्धि” से भी हो सकता है या “किसी काम को करने की समझ से भी”।
- किसी को समझने का अर्थ यह भी हो सकता है कि वह व्यक्ति कैसा महसूस कर रहा है।
- इम्माऊस के मार्ग में यीशु ने उन शिष्यों को धर्मशास्त्र से मसीह का अर्थ समझने में सहायता की थी।
- प्रकरण के अनुसार “समझ” का अनुवाद “जानना” या “विश्वास करना” या “अंतर्ग्रहण करना” या “अर्थ समझना” भी हो सकता है।
- “समझ” का अनुवादक प्रायः “ज्ञान” या “बुद्धि” या “अंतर्ग्रहण” किया गया है।

(यह भी देखें: विश्वास, जानना, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- अय्यूब 34:16-17
- लूका 02:45-47
- लूका 08:9-10
- मत्ती 13:10-12
- मत्ती 13:13-14
- नीतिवचन 03:5-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H998, H999, H1847, H2940, H3045, H3820, H3824, H4486, H7200, H7306, H7919, H7922, H7924, H8085, H8394, G50, G145, G191, G801, G1097, G1107, G1108, G1271, G1921, G1922, G1987, G1990, G2657, G3129, G3539, G3563, G3877, G4441, G4907, G4908, G4920, G5424, G5428, G5429, G6063

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समझा, उपदेश

परिभाषा:

“समझा” अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और आग्रह करना। ऐसा प्रोत्साहन “उपदेश” कहलाता है।

- “उपदेश देने” का उद्देश्य है मनुष्य को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर और कड़ा नहीं वरन् प्रेम से समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “समझाना” का अनुवाद “साग्रह निवेदन करना” या “कायल करना” या “परामर्श देना” भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में समझाने का अनुवाद “प्रोत्साहन” से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद “झिड़कना” से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूका 03:18-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11

- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।

- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750,

H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11

- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।

- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750,

H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11

- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।

- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750,

H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

- दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
- “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: आयु, क्लेश)

बाइबल संदर्भ:

- प्रेरि. 01:07
- दानिय्येल 12:1-2
- मरकुस 11:11
- मत्ती 08:29
- भजन संहिता 068:28-29
- प्रकाशितवाक्य 14:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35

- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है

- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है

- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है

- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समाचार, समाचारों, समाचार दिया

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
- “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:22-23
- यूहन्ना 12:37-38
- लूका 05:15-16
- लूका 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

समुद्र, महासमुद्र, पश्चिम के समुद्र, भूमध्य सागर

तथ्य:

बाइबल में "महानद" या "पश्चिमी सागर" आज के भूमध्य सागर के संदर्भ में है। यह बाइबल के युग के लोगों के लिए सबसे बड़ा समुद्र था।

- यह इस महानद (भूमध्य सागर) के चारों ओर थे: इस्राएल(पूर्व में), यूरोप (उत्तर और पश्चिम में) और अफ्रीका (दक्षिण में)।
- प्राचीन युग में यह समुद्र अत्यधिक महत्त्वपूर्ण था क्योंकि इसमें व्यापार और जलयात्रा की जाती थी क्योंकि इसके तट पर अनेक देश थे। इस समुद्र के तट पर स्थित नगर और जन समुदाय बहुत समृद्ध थे क्योंकि अन्य देशों से जहाज द्वारा सामान लाना आसान था।
- यह महासागर इस्राएल के पश्चिम में था इसलिए इसे "पश्चिमी सागर" भी कहा गया है।

(यह भी देखें: इस्राएल, जाति, समृद्ध होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 47:15-17
- यहेजकेल 47:18-20
- यहोशू 15:3-4
- गिनती 13:27-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H314, H1419, H3220

समुद्र, महासमुद्र, पश्चिम के समुद्र, भूमध्य सागर

तथ्य:

बाइबल में "महानद" या "पश्चिमी सागर" आज के भूमध्य सागर के संदर्भ में है। यह बाइबल के युग के लोगों के लिए सबसे बड़ा समुद्र था।

- यह इस महानद (भूमध्य सागर) के चारों ओर थे: इस्राएल(पूर्व में), यूरोप (उत्तर और पश्चिम में) और अफ्रीका (दक्षिण में)।
- प्राचीन युग में यह समुद्र अत्यधिक महत्त्वपूर्ण था क्योंकि इसमें व्यापार और जलयात्रा की जाती थी क्योंकि इसके तट पर अनेक देश थे। इस समुद्र के तट पर स्थित नगर और जन समुदाय बहुत समृद्ध थे क्योंकि अन्य देशों से जहाज द्वारा सामान लाना आसान था।
- यह महासागर इस्राएल के पश्चिम में था इसलिए इसे "पश्चिमी सागर" भी कहा गया है।

(यह भी देखें: इस्राएल, जाति, समृद्ध होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 47:15-17
- यहेजकेल 47:18-20
- यहोशू 15:3-4
- गिनती 13:27-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H314, H1419, H3220

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

समुद्र, महासमुद्र, पश्चिम के समुद्र, भूमध्य सागर

तथ्य:

बाइबल में “महानद” या “पश्चिमी सागर” आज के भूमध्य सागर के संदर्भ में है। यह बाइबल के युग के लोगों के लिए सबसे बड़ा समुद्र था।

- यह इस महानद (भूमध्य सागर) के चारों ओर थे: इस्राएल(पूर्व में), यूरोप (उत्तर और पश्चिम में) और अफ्रीका (दक्षिण में)।
- प्राचीन युग में यह समुद्र अत्यधिक महत्त्वपूर्ण था क्योंकि इसमें व्यापार और जलयात्रा की जाती थी क्योंकि इसके तट पर अनेक देश थे। इस समुद्र के तट पर स्थित नगर और जन समुदाय बहुत समृद्ध थे क्योंकि अन्य देशों से जहाज द्वारा सामान लाना आसान था।
- यह महासागर इस्राएल के पश्चिम में था इसलिए इसे “पश्चिमी सागर” भी कहा गया है।

(यह भी देखें: इस्राएल, जाति, समृद्ध होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 47:15-17
- यहेजकेल 47:18-20
- यहोशू 15:3-4
- गिनती 13:27-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H314, H1419, H3220

समुद्र, महासमुद्र, पश्चिम के समुद्र, भूमध्य सागर

तथ्य:

बाइबल में “महानद” या “पश्चिमी सागर” आज के भूमध्य सागर के संदर्भ में है। यह बाइबल के युग के लोगों के लिए सबसे बड़ा समुद्र था।

- यह इस महानद (भूमध्य सागर) के चारों ओर थे: इस्राएल(पूर्व में), यूरोप (उत्तर और पश्चिम में) और अफ्रीका (दक्षिण में)।
- प्राचीन युग में यह समुद्र अत्यधिक महत्त्वपूर्ण था क्योंकि इसमें व्यापार और जलयात्रा की जाती थी क्योंकि इसके तट पर अनेक देश थे। इस समुद्र के तट पर स्थित नगर और जन समुदाय बहुत समृद्ध थे क्योंकि अन्य देशों से जहाज द्वारा सामान लाना आसान था।
- यह महासागर इस्राएल के पश्चिम में था इसलिए इसे “पश्चिमी सागर” भी कहा गया है।

(यह भी देखें: इस्राएल, जाति, समृद्ध होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 47:15-17
- यहेजकेल 47:18-20
- यहोशू 15:3-4
- गिनती 13:27-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H314, H1419, H3220

समुद्र, महासमुद्र, पश्चिम के समुद्र, भूमध्य सागर

तथ्य:

बाइबल में “महानद” या “पश्चिमी सागर” आज के भूमध्य सागर के संदर्भ में है। यह बाइबल के युग के लोगों के लिए सबसे बड़ा समुद्र था।

- यह इस महानद (भूमध्य सागर) के चारों ओर थे: इस्राएल(पूर्व में), यूरोप (उत्तर और पश्चिम में) और अफ्रीका (दक्षिण में)।
- प्राचीन युग में यह समुद्र अत्यधिक महत्त्वपूर्ण था क्योंकि इसमें व्यापार और जलयात्रा की जाती थी क्योंकि इसके तट पर अनेक देश थे। इस समुद्र के तट पर स्थित नगर और जन समुदाय बहुत समृद्ध थे क्योंकि अन्य देशों से जहाज द्वारा सामान लाना आसान था।
- यह महासागर इस्राएल के पश्चिम में था इसलिए इसे “पश्चिमी सागर” भी कहा गया है।

(यह भी देखें: इस्राएल, जाति, समृद्ध होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 47:15-17
- यहेजकेल 47:18-20
- यहोशू 15:3-4
- गिनती 13:27-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H314, H1419, H3220

समुद्र, महासमुद्र, पश्चिम के समुद्र, भूमध्य सागर

तथ्य:

बाइबल में “महानद” या “पश्चिमी सागर” आज के भूमध्य सागर के संदर्भ में है। यह बाइबल के युग के लोगों के लिए सबसे बड़ा समुद्र था।

- यह इस महानद (भूमध्य सागर) के चारों ओर थे: इस्राएल(पूर्व में), यूरोप (उत्तर और पश्चिम में) और अफ्रीका (दक्षिण में)।
- प्राचीन युग में यह समुद्र अत्यधिक महत्त्वपूर्ण था क्योंकि इसमें व्यापार और जलयात्रा की जाती थी क्योंकि इसके तट पर अनेक देश थे। इस समुद्र के तट पर स्थित नगर और जन समुदाय बहुत समृद्ध थे क्योंकि अन्य देशों से जहाज द्वारा सामान लाना आसान था।
- यह महासागर इस्राएल के पश्चिम में था इसलिए इसे “पश्चिमी सागर” भी कहा गया है।

(यह भी देखें: इस्राएल, जाति, समृद्ध होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 47:15-17
- यहेजकेल 47:18-20
- यहोशू 15:3-4
- गिनती 13:27-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H314, H1419, H3220

समुद्र, महासमुद्र, पश्चिम के समुद्र, भूमध्य सागर

तथ्य:

बाइबल में “महानद” या “पश्चिमी सागर” आज के भूमध्य सागर के संदर्भ में है। यह बाइबल के युग के लोगों के लिए सबसे बड़ा समुद्र था।

- यह इस महानद (भूमध्य सागर) के चारों ओर थे: इस्राएल(पूर्व में), यूरोप (उत्तर और पश्चिम में) और अफ्रीका (दक्षिण में)।
- प्राचीन युग में यह समुद्र अत्यधिक महत्त्वपूर्ण था क्योंकि इसमें व्यापार और जलयात्रा की जाती थी क्योंकि इसके तट पर अनेक देश थे। इस समुद्र के तट पर स्थित नगर और जन समुदाय बहुत समृद्ध थे क्योंकि अन्य देशों से जहाज द्वारा सामान लाना आसान था।
- यह महासागर इस्राएल के पश्चिम में था इसलिए इसे “पश्चिमी सागर” भी कहा गया है।

(यह भी देखें: इस्राएल, जाति, समृद्ध होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 47:15-17
- यहेजकेल 47:18-20
- यहोशू 15:3-4
- गिनती 13:27-29

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

शब्द तथ्य:

- Strong's: H314, H1419, H3220

समुद्र, महासमुद्र, पश्चिम के समुद्र, भूमध्य सागर

तथ्य:

बाइबल में “महानद” या “पश्चिमी सागर” आज के भूमध्य सागर के संदर्भ में है। यह बाइबल के युग के लोगों के लिए सबसे बड़ा समुद्र था।

- यह इस महानद (भूमध्य सागर) के चारों ओर थे: इस्राएल(पूर्व में), यूरोप (उत्तर और पश्चिम में) और अफ्रीका (दक्षिण में)।
- प्राचीन युग में यह समुद्र अत्यधिक महत्त्वपूर्ण था क्योंकि इसमें व्यापार और जलयात्रा की जाती थी क्योंकि इसके तट पर अनेक देश थे। इस समुद्र के तट पर स्थित नगर और जन समुदाय बहुत समृद्ध थे क्योंकि अन्य देशों से जहाज द्वारा सामान लाना आसान था।
- यह महासागर इस्राएल के पश्चिम में था इसलिए इसे “पश्चिमी सागर” भी कहा गया है।

(यह भी देखें: इस्राएल, जाति, समृद्ध होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 47:15-17
- यहेजकेल 47:18-20
- यहोशू 15:3-4
- गिनती 13:27-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H314, H1419, H3220

समुद्र, महासमुद्र, पश्चिम के समुद्र, भूमध्य सागर

तथ्य:

बाइबल में “महानद” या “पश्चिमी सागर” आज के भूमध्य सागर के संदर्भ में है। यह बाइबल के युग के लोगों के लिए सबसे बड़ा समुद्र था।

- यह इस महानद (भूमध्य सागर) के चारों ओर थे: इस्राएल(पूर्व में), यूरोप (उत्तर और पश्चिम में) और अफ्रीका (दक्षिण में)।
- प्राचीन युग में यह समुद्र अत्यधिक महत्त्वपूर्ण था क्योंकि इसमें व्यापार और जलयात्रा की जाती थी क्योंकि इसके तट पर अनेक देश थे। इस समुद्र के तट पर स्थित नगर और जन समुदाय बहुत समृद्ध थे क्योंकि अन्य देशों से जहाज द्वारा सामान लाना आसान था।
- यह महासागर इस्राएल के पश्चिम में था इसलिए इसे “पश्चिमी सागर” भी कहा गया है।

(यह भी देखें: इस्राएल, जाति, समृद्ध होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 47:15-17
- यहेजकेल 47:18-20
- यहोशू 15:3-4
- गिनती 13:27-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H314, H1419, H3220

समुद्र, महासमुद्र, पश्चिम के समुद्र, भूमध्य सागर

तथ्य:

बाइबल में “महानद” या “पश्चिमी सागर” आज के भूमध्य सागर के संदर्भ में है। यह बाइबल के युग के लोगों के लिए सबसे बड़ा समुद्र था।

- यह इस महानद (भूमध्य सागर) के चारों ओर थे: इस्राएल(पूर्व में), यूरोप (उत्तर और पश्चिम में) और अफ्रीका (दक्षिण में)।

- प्राचीन युग में यह समुद्र अत्यधिक महत्त्वपूर्ण था क्योंकि इसमें व्यापार और जलयात्रा की जाती थी क्योंकि इसके तट पर अनेक देश थे। इस समुद्र के तट पर स्थित नगर और जन समुदाय बहुत समृद्ध थे क्योंकि अन्य देशों से जहाज द्वारा सामान लाना आसान था।
- यह महासागर इस्राएल के पश्चिम में था इसलिए इसे “पश्चिमी सागर” भी कहा गया है।

(यह भी देखें: इस्राएल, जाति, समृद्ध होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 47:15-17
- यहेजकेल 47:18-20
- यहोशू 15:3-4
- गिनती 13:27-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H314, H1419, H3220

समुद्र, महासमुद्र, पश्चिम के समुद्र, भूमध्य सागर

तथ्य:

बाइबल में “महानद” या “पश्चिमी सागर” आज के भूमध्य सागर के संदर्भ में है। यह बाइबल के युग के लोगों के लिए सबसे बड़ा समुद्र था।

- यह इस महानद (भूमध्य सागर) के चारों ओर थे: इस्राएल(पूर्व में), यूरोप (उत्तर और पश्चिम में) और अफ्रीका (दक्षिण में)।
- प्राचीन युग में यह समुद्र अत्यधिक महत्त्वपूर्ण था क्योंकि इसमें व्यापार और जलयात्रा की जाती थी क्योंकि इसके तट पर अनेक देश थे। इस समुद्र के तट पर स्थित नगर और जन समुदाय बहुत समृद्ध थे क्योंकि अन्य देशों से जहाज द्वारा सामान लाना आसान था।
- यह महासागर इस्राएल के पश्चिम में था इसलिए इसे “पश्चिमी सागर” भी कहा गया है।

(यह भी देखें: इस्राएल, जाति, समृद्ध होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 47:15-17
- यहेजकेल 47:18-20
- यहोशू 15:3-4
- गिनती 13:27-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H314, H1419, H3220

समुद्र, महासमुद्र, पश्चिम के समुद्र, भूमध्य सागर

तथ्य:

बाइबल में “महानद” या “पश्चिमी सागर” आज के भूमध्य सागर के संदर्भ में है। यह बाइबल के युग के लोगों के लिए सबसे बड़ा समुद्र था।

- यह इस महानद (भूमध्य सागर) के चारों ओर थे: इस्राएल(पूर्व में), यूरोप (उत्तर और पश्चिम में) और अफ्रीका (दक्षिण में)।
- प्राचीन युग में यह समुद्र अत्यधिक महत्त्वपूर्ण था क्योंकि इसमें व्यापार और जलयात्रा की जाती थी क्योंकि इसके तट पर अनेक देश थे। इस समुद्र के तट पर स्थित नगर और जन समुदाय बहुत समृद्ध थे क्योंकि अन्य देशों से जहाज द्वारा सामान लाना आसान था।
- यह महासागर इस्राएल के पश्चिम में था इसलिए इसे “पश्चिमी सागर” भी कहा गया है।

(यह भी देखें: इस्राएल, जाति, समृद्ध होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 47:15-17
- यहेजकेल 47:18-20
- यहोशू 15:3-4

- गिनती 13:27-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H314, H1419, H3220

सम्मति, मंत्री, सम्मति देनेवालों, युक्ति , युक्ति करनेवाला, मंत्रियों, सम्मति दी

परिभाषा:

“सम्मति” या “युक्ति” के अर्थ एक ही है जिसमें किसी को किसी परिस्थिति में काम करने के लिए बुद्धिमानी का निर्णय लेने में सहायता दी जाती है। बुद्धिमान “युक्ति करनेवाला” या “मंत्री”, वह व्यक्ति जो किसी को सही निर्णय लेने में सहायता करता है।

- राजाओं के पास सदैव अधिकृत मंत्री या परामर्शदाता होते थे जो जनता से संबन्धित महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लेने के लिए उनकी सहायता करते थे।
- कभी-कभी दी गई सम्मति या सुझाई गई युक्ति उचित नहीं होती थी। बुरे मंत्री राजा को ऐसी युक्ति सुझाते थे जिससे वह जनता को हानि की आज्ञा देता था।
- प्रकरण पर आधारित “युक्ति” या “सम्मति” का अनुवाद हो सकता है, “निर्णय लेने में सहायता करना” या “चेतावनी” या “समझना” या “मार्गदर्शन”
- “सम्मति” देने के कार्य का अनुवाद हो सकता है, “राय देना” या “सुझाव देना” या “प्रेरणा देना”।
- ध्यान दें कि “सम्मति” “सभा” से अलग शब्द है। सभा का अर्थ है मनुष्यों का समूह।

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1697, H1847, H1875, H1884, H1907, H3272, H3289, H3982, H4156, H4431, H5475, H5779, H6440, H6963, H6098, H7592, H8458, G1011, G1012, G1106, G4823, G4825

सम्मति, मंत्री, सम्मति देनेवालों, युक्ति , युक्ति करनेवाला, मंत्रियों, सम्मति दी

परिभाषा:

“सम्मति” या “युक्ति” के अर्थ एक ही है जिसमें किसी को किसी परिस्थिति में काम करने के लिए बुद्धिमानी का निर्णय लेने में सहायता दी जाती है। बुद्धिमान “युक्ति करनेवाला” या “मंत्री”, वह व्यक्ति जो किसी को सही निर्णय लेने में सहायता करता है।

- राजाओं के पास सदैव अधिकृत मंत्री या परामर्शदाता होते थे जो जनता से संबन्धित महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लेने के लिए उनकी सहायता करते थे।
- कभी-कभी दी गई सम्मति या सुझाई गई युक्ति उचित नहीं होती थी। बुरे मंत्री राजा को ऐसी युक्ति सुझाते थे जिससे वह जनता को हानि की आज्ञा देता था।
- प्रकरण पर आधारित “युक्ति” या “सम्मति” का अनुवाद हो सकता है, “निर्णय लेने में सहायता करना” या “चेतावनी” या “समझना” या “मार्गदर्शन”
- “सम्मति” देने के कार्य का अनुवाद हो सकता है, “राय देना” या “सुझाव देना” या “प्रेरणा देना”।
- ध्यान दें कि “सम्मति” “सभा” से अलग शब्द है। सभा का अर्थ है मनुष्यों का समूह।

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1697, H1847, H1875, H1884, H1907, H3272, H3289, H3982, H4156, H4431, H5475, H5779, H6440, H6963, H6098, H7592, H8458, G1011, G1012, G1106, G4823, G4825

सम्मति, मंत्री, सम्मति देनेवालों, युक्ति , युक्ति करनेवाला, मंत्रियों, सम्मति दी

परिभाषा:

“सम्मति” या “युक्ति” के अर्थ एक ही है जिसमें किसी को किसी परिस्थिति में काम करने के लिए बुद्धिमानी का निर्णय लेने में सहायता दी जाती है। बुद्धिमान “युक्ति करनेवाला” या “मंत्री”, वह व्यक्ति जो किसी को सही निर्णय लेने में सहायता करता है।

- राजाओं के पास सदैव अधिकृत मंत्री या परामर्शदाता होते थे जो जनता से संबन्धित महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लेने के लिए उनकी सहायता करते थे।
- कभी-कभी दी गई सम्मति या सुझाई गई युक्ति उचित नहीं होती थी। बुरे मंत्री राजा को ऐसी युक्ति सुझाते थे जिससे वह जनता को हानि की आज्ञा देता था।
- प्रकरण पर आधारित “युक्ति” या “सम्मति” का अनुवाद हो सकता है, “निर्णय लेने में सहायता करना” या “चेतावनी” या “समझना” या “मार्गदर्शन”
- “सम्मति” देने के कार्य का अनुवाद हो सकता है, “राय देना” या “सुझाव देना” या “प्रेरणा देना”।
- ध्यान दें कि “सम्मति” “सभा” से अलग शब्द है। सभा का अर्थ है मनुष्यों का समूह।

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1697, H1847, H1875, H1884, H1907, H3272, H3289, H3982, H4156, H4431, H5475, H5779, H6440, H6963, H6098, H7592, H8458, G1011, G1012, G1106, G4823, G4825

सम्मति, मंत्री, सम्मति देनेवालों, युक्ति , युक्ति करनेवाला, मंत्रियों, सम्मति दी

परिभाषा:

“सम्मति” या “युक्ति” के अर्थ एक ही है जिसमें किसी को किसी परिस्थिति में काम करने के लिए बुद्धिमानी का निर्णय लेने में सहायता दी जाती है। बुद्धिमान “युक्ति करनेवाला” या “मंत्री”, वह व्यक्ति जो किसी को सही निर्णय लेने में सहायता करता है।

- राजाओं के पास सदैव अधिकृत मंत्री या परामर्शदाता होते थे जो जनता से संबन्धित महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लेने के लिए उनकी सहायता करते थे।
- कभी-कभी दी गई सम्मति या सुझाई गई युक्ति उचित नहीं होती थी। बुरे मंत्री राजा को ऐसी युक्ति सुझाते थे जिससे वह जनता को हानि की आज्ञा देता था।
- प्रकरण पर आधारित “युक्ति” या “सम्मति” का अनुवाद हो सकता है, “निर्णय लेने में सहायता करना” या “चेतावनी” या “समझना” या “मार्गदर्शन”
- “सम्मति” देने के कार्य का अनुवाद हो सकता है, “राय देना” या “सुझाव देना” या “प्रेरणा देना”।
- ध्यान दें कि “सम्मति” “सभा” से अलग शब्द है। सभा का अर्थ है मनुष्यों का समूह।

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1697, H1847, H1875, H1884, H1907, H3272, H3289, H3982, H4156, H4431, H5475, H5779, H6440, H6963, H6098, H7592, H8458, G1011, G1012, G1106, G4823, G4825

सम्मति, मंत्री, सम्मति देनेवालों, युक्ति , युक्ति करनेवाला, मंत्रियों, सम्मति दी

परिभाषा:

“सम्मति” या “युक्ति” के अर्थ एक ही है जिसमें किसी को किसी परिस्थिति में काम करने के लिए बुद्धिमानी का निर्णय लेने में सहायता दी जाती है। बुद्धिमान “युक्ति करनेवाला” या “मंत्री”, वह व्यक्ति जो किसी को सही निर्णय लेने में सहायता करता है।

- राजाओं के पास सदैव अधिकृत मंत्री या परामर्शदाता होते थे जो जनता से संबन्धित महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लेने के लिए उनकी सहायता करते थे।
- कभी-कभी दी गई सम्मति या सुझाई गई युक्ति उचित नहीं होती थी। बुरे मंत्री राजा को ऐसी युक्ति सुझाते थे जिससे वह जनता को हानि की आज्ञा देता था।

- प्रकरण पर आधारित “युक्ति” या “सम्मति” का अनुवाद हो सकता है, “निर्णय लेने में सहायता करना” या “चेतावनी” या “समझना” या “मार्गदर्शन”
- “सम्मति” देने के कार्य का अनुवाद हो सकता है, “राय देना” या “सुझाव देना” या “प्रेरणा देना”।
- ध्यान दें कि “सम्मति” “सभा” से अलग शब्द है। सभा का अर्थ है मनुष्यों का समूह।

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1697, H1847, H1875, H1884, H1907, H3272, H3289, H3982, H4156, H4431, H5475, H5779, H6440, H6963, H6098, H7592, H8458, G1011, G1012, G1106, G4823, G4825

सम्मति, मंत्री, सम्मति देनेवालों, युक्ति , युक्ति करनेवाला, मंत्रियों, सम्मति दी

परिभाषा:

“सम्मति” या “युक्ति” के अर्थ एक ही है जिसमें किसी को किसी परिस्थिति में काम करने के लिए बुद्धिमानी का निर्णय लेने में सहायता दी जाती है। बुद्धिमान “युक्ति करनेवाला” या “मंत्री”, वह व्यक्ति जो किसी को सही निर्णय लेने में सहायता करता है।

- राजाओं के पास सदैव अधिकृत मंत्री या परामर्शदाता होते थे जो जनता से संबन्धित महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लेने के लिए उनकी सहायता करते थे।
- कभी-कभी दी गई सम्मति या सुझाई गई युक्ति उचित नहीं होती थी। बुरे मंत्री राजा को ऐसी युक्ति सुझाते थे जिससे वह जनता को हानि की आज्ञा देता था।
- प्रकरण पर आधारित “युक्ति” या “सम्मति” का अनुवाद हो सकता है, “निर्णय लेने में सहायता करना” या “चेतावनी” या “समझना” या “मार्गदर्शन”
- “सम्मति” देने के कार्य का अनुवाद हो सकता है, “राय देना” या “सुझाव देना” या “प्रेरणा देना”।
- ध्यान दें कि “सम्मति” “सभा” से अलग शब्द है। सभा का अर्थ है मनुष्यों का समूह।

(यह भी देखें: समझा, पवित्र आत्मा, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1697, H1847, H1875, H1884, H1907, H3272, H3289, H3982, H4156, H4431, H5475, H5779, H6440, H6963, H6098, H7592, H8458, G1011, G1012, G1106, G4823, G4825

सर्वदा

परिभाषा:

बाइबल में “सर्वदा” शब्द का अर्थ है, अनन्त समय। कभी-कभी इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है जिसका अर्थ है, “बहुत लम्बा समय”।

- “युगानुयुग” अर्थात सदा अस्तित्वान वस्तु।
- “युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्तजीवन व्यक्त किया जाता है। इसमें अनन्त समय का भाव निहित है।
- परमेश्वर ने कहा था कि दाऊद का राज्य “सर्वदा” का होगा। इसका अभिप्राय है कि दाऊद का वंशज यीशु राजा होकर सदा राज करता रहेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “सत्त” या “अनन्त” हो सकता है।
- "सदा का होगा" इसका अनुवाद हो सकता है: "सदा बना रहेगा" या “कभी समाप्त न होगा” या “सदा बना रहेगा”
- प्रभावोत्पादक उक्ति “युगानुयुग”, इसका अनुवाद हो सकता है, “सदा-सदा के लिए” या “कभी अन्त न होनेवाला” या “जो कभी समाप्त नहीं होगा”
- दाऊद का राज सदा का होगा, इसका अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का वंशज सदा राज करेगा” या “दाउद का वंशज सदा राज करता रहेगा”

(यह भी देखें: दाऊद, सनातन, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:32-33

- 2 शमूएल 03:28-30
- दानिय्येल 07:17-18
- निर्गमन 15:17-18
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- अय्यूब 04:20-21
- भजन संहिता 021:3-4
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- प्रकाशितवाक्य 22:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5705, H5331, H5703, H5769, H5865, H5957, G165, G166, G1336

सर्वदा

परिभाषा:

बाइबल में “सर्वदा” शब्द का अर्थ है, अनन्त समय। कभी-कभी इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है जिसका अर्थ है, “बहुत लम्बा समय”।

- “युगानुयुग” अर्थात सदा अस्तित्वान वस्तु।
- “युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्तजीवन व्यक्त किया जाता है। इसमें अनन्त समय का भाव निहित है।
- परमेश्वर ने कहा था कि दाऊद का राज्य “सर्वदा” का होगा। इसका अभिप्राय है कि दाऊद का वंशज यीशु राजा होकर सदा राज करता रहेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “सत्त” या “अनन्त” हो सकता है।
- "सदा का होगा" इसका अनुवाद हो सकता है: "सदा बना रहेगा" या “कभी समाप्त न होगा” या “सदा बना रहेगा”
- प्रभावोत्पादक उक्ति “युगानुयुग”, इसका अनुवाद हो सकता है, “सदा-सदा के लिए” या “कभी अन्त न होनेवाला” या “जो कभी समाप्त नहीं होगा”
- दाऊद का राज सदा का होगा, इसका अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का वंशज सदा राज करेगा” या “दाउद का वंशज सदा राज करता रहेगा”

(यह भी देखें: दाऊद, सनातन, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:32-33
- 2 शमूएल 03:28-30
- दानिय्येल 07:17-18
- निर्गमन 15:17-18
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- अय्यूब 04:20-21
- भजन संहिता 021:3-4
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- प्रकाशितवाक्य 22:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5705, H5331, H5703, H5769, H5865, H5957, G165, G166, G1336

सर्वदा

परिभाषा:

बाइबल में “सर्वदा” शब्द का अर्थ है, अनन्त समय। कभी-कभी इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है जिसका अर्थ है, “बहुत लम्बा समय”।

- “युगानुयुग” अर्थात सदा अस्तित्वान वस्तु।
- “युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्तजीवन व्यक्त किया जाता है। इसमें अनन्त समय का भाव निहित है।
- परमेश्वर ने कहा था कि दाऊद का राज्य “सर्वदा” का होगा। इसका अभिप्राय है कि दाऊद का वंशज यीशु राजा होकर सदा राज करता रहेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “सत्त” या “अनन्त” हो सकता है।
- "सदा का होगा" इसका अनुवाद हो सकता है: "सदा बना रहेगा" या “कभी समाप्त न होगा” या “सदा बना रहेगा”
- प्रभावोत्पादक उक्ति “युगानुयुग”, इसका अनुवाद हो सकता है, “सदा-सदा के लिए” या “कभी अन्त न होनेवाला” या “जो कभी समाप्त नहीं होगा”
- दाऊद का राज सदा का होगा, इसका अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का वंशज सदा राज करेगा” या “दाउद का वंशज सदा राज करता रहेगा”

(यह भी देखें: दाऊद, सनातन, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:32-33
- 2 शमूएल 03:28-30
- दानिय्येल 07:17-18
- निर्गमन 15:17-18
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- अय्यूब 04:20-21
- भजन संहिता 021:3-4
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- प्रकाशितवाक्य 22:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5705, H5331, H5703, H5769, H5865, H5957, G165, G166, G1336

सर्वदा

परिभाषा:

बाइबल में “सर्वदा” शब्द का अर्थ है, अनन्त समय। कभी-कभी इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है जिसका अर्थ है, “बहुत लम्बा समय”।

- “युगानुयुग” अर्थात सदा अस्तित्वान वस्तु।
- “युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्तजीवन व्यक्त किया जाता है। इसमें अनन्त समय का भाव निहित है।
- परमेश्वर ने कहा था कि दाऊद का राज्य “सर्वदा” का होगा। इसका अभिप्राय है कि दाऊद का वंशज यीशु राजा होकर सदा राज करता रहेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “सत्त” या “अनन्त” हो सकता है।
- "सदा का होगा" इसका अनुवाद हो सकता है: "सदा बना रहेगा" या “कभी समाप्त न होगा” या “सदा बना रहेगा”
- प्रभावोत्पादक उक्ति “युगानुयुग”, इसका अनुवाद हो सकता है, “सदा-सदा के लिए” या “कभी अन्त न होनेवाला” या “जो कभी समाप्त नहीं होगा”
- दाऊद का राज सदा का होगा, इसका अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का वंशज सदा राज करेगा” या “दाउद का वंशज सदा राज करता रहेगा”

(यह भी देखें: दाऊद, सनातन, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:32-33
- 2 शमूएल 03:28-30
- दानिय्येल 07:17-18
- निर्गमन 15:17-18
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- अय्यूब 04:20-21
- भजन संहिता 021:3-4
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- प्रकाशितवाक्य 22:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5705, H5331, H5703, H5769, H5865, H5957, G165, G166, G1336

सर्वदा

परिभाषा:

बाइबल में “सर्वदा” शब्द का अर्थ है, अनन्त समय। कभी-कभी इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है जिसका अर्थ है, “बहुत लम्बा समय”।

- “युगानुयुग” अर्थात सदा अस्तित्वान वस्तु।
- “युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्तजीवन व्यक्त किया जाता है। इसमें अनन्त समय का भाव निहित है।
- परमेश्वर ने कहा था कि दाऊद का राज्य “सर्वदा” का होगा। इसका अभिप्राय है कि दाऊद का वंशज यीशु राजा होकर सदा राज करता रहेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “सत्त” या “अनन्त” हो सकता है।
- "सदा का होगा" इसका अनुवाद हो सकता है: "सदा बना रहेगा" या “कभी समाप्त न होगा” या “सदा बना रहेगा”
- प्रभावोत्पादक उक्ति “युगानुयुग”, इसका अनुवाद हो सकता है, “सदा-सदा के लिए” या “कभी अन्त न होनेवाला” या “जो कभी समाप्त नहीं होगा”
- दाऊद का राज सदा का होगा, इसका अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का वंशज सदा राज करेगा” या “दाउद का वंशज सदा राज करता रहेगा”

(यह भी देखें: दाऊद, सनातन, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:32-33
- 2 शमूएल 03:28-30
- दानिय्येल 07:17-18
- निर्गमन 15:17-18
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- अय्यूब 04:20-21
- भजन संहिता 021:3-4
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- प्रकाशितवाक्य 22:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5705, H5331, H5703, H5769, H5865, H5957, G165, G166, G1336

सर्वदा

परिभाषा:

बाइबल में “सर्वदा” शब्द का अर्थ है, अनन्त समय। कभी-कभी इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है जिसका अर्थ है, “बहुत लम्बा समय”।

- “युगानुयुग” अर्थात सदा अस्तित्वान वस्तु।
- “युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्तजीवन व्यक्त किया जाता है। इसमें अनन्त समय का भाव निहित है।
- परमेश्वर ने कहा था कि दाऊद का राज्य “सर्वदा” का होगा। इसका अभिप्राय है कि दाऊद का वंशज यीशु राजा होकर सदा राज करता रहेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “सत्त” या “अनन्त” हो सकता है।
- "सदा का होगा" इसका अनुवाद हो सकता है: "सदा बना रहेगा" या “कभी समाप्त न होगा” या “सदा बना रहेगा”
- प्रभावोत्पादक उक्ति “युगानुयुग”, इसका अनुवाद हो सकता है, “सदा-सदा के लिए” या “कभी अन्त न होनेवाला” या “जो कभी समाप्त नहीं होगा”
- दाऊद का राज सदा का होगा, इसका अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का वंशज सदा राज करेगा” या “दाउद का वंशज सदा राज करता रहेगा”

(यह भी देखें: दाऊद, सनातन, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:32-33
- 2 शमूएल 03:28-30
- दानिय्येल 07:17-18
- निर्गमन 15:17-18
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- अय्यूब 04:20-21
- भजन संहिता 021:3-4
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- प्रकाशितवाक्य 22:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5705, H5331, H5703, H5769, H5865, H5957, G165, G166, G1336

सर्वदा

परिभाषा:

बाइबल में “सर्वदा” शब्द का अर्थ है, अनन्त समय। कभी-कभी इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है जिसका अर्थ है, “बहुत लम्बा समय”।

- “युगानुयुग” अर्थात सदा अस्तित्वान वस्तु।
- “युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्तजीवन व्यक्त किया जाता है। इसमें अनन्त समय का भाव निहित है।
- परमेश्वर ने कहा था कि दाऊद का राज्य “सर्वदा” का होगा। इसका अभिप्राय है कि दाऊद का वंशज यीशु राजा होकर सदा राज करता रहेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “सत्त” या “अनन्त” हो सकता है।
- "सदा का होगा" इसका अनुवाद हो सकता है: "सदा बना रहेगा" या “कभी समाप्त न होगा” या “सदा बना रहेगा”
- प्रभावोत्पादक उक्ति “युगानुयुग”, इसका अनुवाद हो सकता है, “सदा-सदा के लिए” या “कभी अन्त न होनेवाला” या “जो कभी समाप्त नहीं होगा”
- दाऊद का राज सदा का होगा, इसका अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का वंशज सदा राज करेगा” या “दाउद का वंशज सदा राज करता रहेगा”

(यह भी देखें: दाऊद, सनातन, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:32-33
- 2 शमूएल 03:28-30
- दानिय्येल 07:17-18
- निर्गमन 15:17-18
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- अय्यूब 04:20-21
- भजन संहिता 021:3-4
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- प्रकाशितवाक्य 22:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5705, H5331, H5703, H5769, H5865, H5957, G165, G166, G1336

सर्वदा

परिभाषा:

बाइबल में “सर्वदा” शब्द का अर्थ है, अनन्त समय। कभी-कभी इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है जिसका अर्थ है, “बहुत लम्बा समय”।

- “युगानुयुग” अर्थात सदा अस्तित्वान वस्तु।
- “युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्तजीवन व्यक्त किया जाता है। इसमें अनन्त समय का भाव निहित है।
- परमेश्वर ने कहा था कि दाऊद का राज्य “सर्वदा” का होगा। इसका अभिप्राय है कि दाऊद का वंशज यीशु राजा होकर सदा राज करता रहेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “सत्त” या “अनन्त” हो सकता है।
- "सदा का होगा" इसका अनुवाद हो सकता है: "सदा बना रहेगा" या “कभी समाप्त न होगा” या “सदा बना रहेगा”
- प्रभावोत्पादक उक्ति “युगानुयुग”, इसका अनुवाद हो सकता है, “सदा-सदा के लिए” या “कभी अन्त न होनेवाला” या “जो कभी समाप्त नहीं होगा”
- दाऊद का राज सदा का होगा, इसका अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का वंशज सदा राज करेगा” या “दाउद का वंशज सदा राज करता रहेगा”

(यह भी देखें: दाऊद, सनातन, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:32-33
- 2 शमूएल 03:28-30
- दानिय्येल 07:17-18
- निर्गमन 15:17-18
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- अय्यूब 04:20-21
- भजन संहिता 021:3-4
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- प्रकाशितवाक्य 22:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5705, H5331, H5703, H5769, H5865, H5957, G165, G166, G1336

सर्वदा

परिभाषा:

बाइबल में “सर्वदा” शब्द का अर्थ है, अनन्त समय। कभी-कभी इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है जिसका अर्थ है, “बहुत लम्बा समय”।

- “युगानुयुग” अर्थात सदा अस्तित्वान वस्तु।
- “युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्तजीवन व्यक्त किया जाता है। इसमें अनन्त समय का भाव निहित है।
- परमेश्वर ने कहा था कि दाऊद का राज्य “सर्वदा” का होगा। इसका अभिप्राय है कि दाऊद का वंशज यीशु राजा होकर सदा राज करता रहेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “सत्त” या “अनन्त” हो सकता है।
- "सदा का होगा" इसका अनुवाद हो सकता है: "सदा बना रहेगा" या “कभी समाप्त न होगा” या “सदा बना रहेगा”
- प्रभावोत्पादक उक्ति “युगानुयुग”, इसका अनुवाद हो सकता है, “सदा-सदा के लिए” या “कभी अन्त न होनेवाला” या “जो कभी समाप्त नहीं होगा”
- दाऊद का राज सदा का होगा, इसका अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का वंशज सदा राज करेगा” या “दाउद का वंशज सदा राज करता रहेगा”

(यह भी देखें: दाऊद, सनातन, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:32-33
- 2 शमूएल 03:28-30

- दानिय्येल 07:17-18
- निर्गमन 15:17-18
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- अय्यूब 04:20-21
- भजन संहिता 021:3-4
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- प्रकाशितवाक्य 22:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5705, H5331, H5703, H5769, H5865, H5957, G165, G166, G1336

सर्वदा

परिभाषा:

बाइबल में “सर्वदा” शब्द का अर्थ है, अनन्त समय। कभी-कभी इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है जिसका अर्थ है, “बहुत लम्बा समय”।

- “युगानुयुग” अर्थात सदा अस्तित्वान वस्तु।
- “युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्तजीवन व्यक्त किया जाता है। इसमें अनन्त समय का भाव निहित है।
- परमेश्वर ने कहा था कि दाऊद का राज्य “सर्वदा” का होगा। इसका अभिप्राय है कि दाऊद का वंशज यीशु राजा होकर सदा राज करता रहेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “सत्त” या “अनन्त” हो सकता है।
- "सदा का होगा" इसका अनुवाद हो सकता है: "सदा बना रहेगा" या “कभी समाप्त न होगा” या “सदा बना रहेगा”
- प्रभावोत्पादक उक्ति “युगानुयुग”, इसका अनुवाद हो सकता है, “सदा-सदा के लिए” या “कभी अन्त न होनेवाला” या “जो कभी समाप्त नहीं होगा”
- दाऊद का राज सदा का होगा, इसका अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का वंशज सदा राज करेगा” या “दाउद का वंशज सदा राज करता रहेगा”

(यह भी देखें: दाऊद, सनातन, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:32-33
- 2 शमूएल 03:28-30
- दानिय्येल 07:17-18
- निर्गमन 15:17-18
- इब्रानियों 06:19-20
- इब्रानियों 10:11-14
- अय्यूब 04:20-21
- भजन संहिता 021:3-4
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6
- प्रकाशितवाक्य 22:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3117, H4481, H5705, H5331, H5703, H5769, H5865, H5957, G165, G166, G1336

सर्वशक्तिमान

तथ्य:

“सर्वशक्तिमान” का वास्तविक अर्थ है “सबसे अधिक शक्तिशाली” बाइबल में यह शब्द परमेश्वर को सम्बोधित करता है।

- “सर्वशक्तिमान” या “सर्व-सामर्थी” शब्द परमेश्वर के संदर्भ में हैं और प्रकट करते है कि उसे सब पर पूर्व अधिकार एवं सामर्थ्य प्राप्त है।
- इस शब्द द्वारा परमेश्वर को पदनामों दिया गया है, “सर्वशक्तिमान परमेश्वर” या “सर्व-सामर्थी परमेश्वर” या “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर”

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है: “सर्वसामर्थी” या "सर्वशक्तिमान" या "परमेश्वर, जो सर्वशक्तिमान है"
- “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” के अनुवाद हो सकते हैं, “सामर्थी शासक परमेश्वर” या “सर्वशक्तिमान प्रभुता संपन्न परमेश्वर” या “सामर्थी परमेश्वर जो एक महान स्वामी है”।

(यह भी देखें: परमेश्वर, प्रभु, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 06:2-5
- उत्पत्ति 17:1-2
- उत्पत्ति 35:11-13
- अय्यूब 08:1-3
- गिनती 24:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:7-8
- रूत 01:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7706, G3841

सर्वशक्तिमान

तथ्य:

“सर्वशक्तिमान” का वास्तविक अर्थ है “सबसे अधिक शक्तिशाली” बाइबल में यह शब्द परमेश्वर को सम्बोधित करता है।

- “सर्वशक्तिमान” या “सर्व-सामर्थी” शब्द परमेश्वर के संदर्भ में हैं और प्रकट करते है कि उसे सब पर पूर्व अधिकार एवं सामर्थ्य प्राप्त है।
- इस शब्द द्वारा परमेश्वर को पदनामों दिया गया है, “सर्वशक्तिमान परमेश्वर” या “सर्व-सामर्थी परमेश्वर” या “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर”

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है: “सर्वसामर्थी” या "सर्वशक्तिमान" या "परमेश्वर, जो सर्वशक्तिमान है"
- “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” के अनुवाद हो सकते हैं, “सामर्थी शासक परमेश्वर” या “सर्वशक्तिमान प्रभुता संपन्न परमेश्वर” या “सामर्थी परमेश्वर जो एक महान स्वामी है”।

(यह भी देखें: परमेश्वर, प्रभु, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 06:2-5
- उत्पत्ति 17:1-2
- उत्पत्ति 35:11-13
- अय्यूब 08:1-3
- गिनती 24:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:7-8
- रूत 01:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7706, G3841

सर्वशक्तिमान

तथ्य:

“सर्वशक्तिमान” का वास्तविक अर्थ है “सबसे अधिक शक्तिशाली” बाइबल में यह शब्द परमेश्वर को सम्बोधित करता है।

- “सर्वशक्तिमान” या “सर्व-सामर्थी” शब्द परमेश्वर के संदर्भ में हैं और प्रकट करते है कि उसे सब पर पूर्व अधिकार एवं सामर्थ्य प्राप्त है।
- इस शब्द द्वारा परमेश्वर को पदनामों दिया गया है, “सर्वशक्तिमान परमेश्वर” या “सर्व-सामर्थी परमेश्वर” या “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर”

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है: “सर्वसामर्थी” या "सर्वशक्तिमान" या "परमेश्वर, जो सर्वशक्तिमान है"
- “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” के अनुवाद हो सकते हैं, “सामर्थी शासक परमेश्वर” या “सर्वशक्तिमान प्रभुता संपन्न परमेश्वर” या “सामर्थी परमेश्वर जो एक महान स्वामी है”।

(यह भी देखें: परमेश्वर, प्रभु, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 06:2-5
- उत्पत्ति 17:1-2
- उत्पत्ति 35:11-13
- अय्यूब 08:1-3
- गिनती 24:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:7-8
- रूत 01:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7706, G3841

सर्वशक्तिमान

तथ्य:

“सर्वशक्तिमान” का वास्तविक अर्थ है “सबसे अधिक शक्तिशाली” बाइबल में यह शब्द परमेश्वर को सम्बोधित करता है।

- “सर्वशक्तिमान” या “सर्व-सामर्थी” शब्द परमेश्वर के संदर्भ में हैं और प्रकट करते है कि उसे सब पर पूर्व अधिकार एवं सामर्थ्य प्राप्त है।
- इस शब्द द्वारा परमेश्वर को पदनामों दिया गया है, “सर्वशक्तिमान परमेश्वर” या “सर्व-सामर्थी परमेश्वर” या “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर”

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है: “सर्वसामर्थी” या "सर्वशक्तिमान" या "परमेश्वर, जो सर्वशक्तिमान है"
- “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” के अनुवाद हो सकते हैं, “सामर्थी शासक परमेश्वर” या “सर्वशक्तिमान प्रभुता संपन्न परमेश्वर” या “सामर्थी परमेश्वर जो एक महान स्वामी है”।

(यह भी देखें: परमेश्वर, प्रभु, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 06:2-5
- उत्पत्ति 17:1-2
- उत्पत्ति 35:11-13
- अय्यूब 08:1-3
- गिनती 24:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:7-8
- रूत 01:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7706, G3841

सर्वशक्तिमान

तथ्य:

“सर्वशक्तिमान” का वास्तविक अर्थ है “सबसे अधिक शक्तिशाली” बाइबल में यह शब्द परमेश्वर को सम्बोधित करता है।

- “सर्वशक्तिमान” या “सर्व-सामर्थी” शब्द परमेश्वर के संदर्भ में हैं और प्रकट करते है कि उसे सब पर पूर्व अधिकार एवं सामर्थ्य प्राप्त है।
- इस शब्द द्वारा परमेश्वर को पदनामों दिया गया है, “सर्वशक्तिमान परमेश्वर” या “सर्व-सामर्थी परमेश्वर” या “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर”

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है: “सर्वसामर्थी” या "सर्वशक्तिमान" या "परमेश्वर, जो सर्वशक्तिमान है"
- “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” के अनुवाद हो सकते हैं, “सामर्थी शासक परमेश्वर” या “सर्वशक्तिमान प्रभुता संपन्न परमेश्वर” या “सामर्थी परमेश्वर जो एक महान स्वामी है”।

(यह भी देखें: परमेश्वर, प्रभु, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 06:2-5
- उत्पत्ति 17:1-2
- उत्पत्ति 35:11-13
- अय्यूब 08:1-3
- गिनती 24:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:7-8
- रूत 01:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7706, G3841

सवार, सवारों

परिभाषा:

बाइबल के युग में “सवारों” का अर्थ था युद्ध में घोड़े की सवारी करनेवाला।

- रथों पर सवारी करनेवाले योद्धाओं को भी “सवारों” कहते थे। जबकि सवार वास्तव में घोड़े की सवारी करनेवाला होता है।
- इस्राएलियों का मानना था कि युद्ध में घोड़े काम में लेना यहोवा की अपेक्षा अपनी शक्ति पर अधिक भरोसा रखना था, अतः वे अधिक शक्ति पर अधिक भरोसा रखना था, अतः वे अधिक घुड़सवारों को नहीं रखते थे।
- इसका अनुवाद “घोड़े के सवार” या “घोड़े पर सवार मनुष्य” हो सकता है।

(यह भी देखें: रथ, घोड़ा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:5-6
- दानिय्येल 11:40-41
- निर्गमन 14:23-25
- उत्पत्ति 50:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6571, H7395, G2460

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सवार, सवारों

परिभाषा:

बाइबल के युग में “सवारों” का अर्थ था युद्ध में घोड़े की सवारी करनेवाला।

- रथों पर सवारी करनेवाले योद्धाओं को भी “सवारों” कहते थे। जबकि सवार वास्तव में घोड़े की सवारी करनेवाला होता है।
- इस्राएलियों का मानना था कि युद्ध में घोड़े काम में लेना यहोवा की अपेक्षा अपनी शक्ति पर अधिक भरोसा रखना था, अतः वे अधिक शक्ति पर अधिक भरोसा रखना था, अतः वे अधिक घुड़सवारों को नहीं रखते थे।
- इसका अनुवाद “घोड़े के सवार” या “घोड़े पर सवार मनुष्य” हो सकता है।

(यह भी देखें: रथ, घोड़ा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:5-6
- दानिय्येल 11:40-41
- निर्गमन 14:23-25
- उत्पत्ति 50:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6571, H7395, G2460

सवार, सवारों

परिभाषा:

बाइबल के युग में “सवारों” का अर्थ था युद्ध में घोड़े की सवारी करनेवाला।

- रथों पर सवारी करनेवाले योद्धाओं को भी “सवारों” कहते थे। जबकि सवार वास्तव में घोड़े की सवारी करनेवाला होता है।
- इस्राएलियों का मानना था कि युद्ध में घोड़े काम में लेना यहोवा की अपेक्षा अपनी शक्ति पर अधिक भरोसा रखना था, अतः वे अधिक शक्ति पर अधिक भरोसा रखना था, अतः वे अधिक घुड़सवारों को नहीं रखते थे।
- इसका अनुवाद “घोड़े के सवार” या “घोड़े पर सवार मनुष्य” हो सकता है।

(यह भी देखें: रथ, घोड़ा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 01:5-6
- दानिय्येल 11:40-41
- निर्गमन 14:23-25
- उत्पत्ति 50:7-9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6571, H7395, G2460

सहना, सह लेता है, उठाए, ढोनेवाला

तथ्य:

“सहना” का शाब्दिक अर्थ है "उठाना", लेकर चलना। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ हैं।

- सन्तानोत्पत्ति के संदर्भ में इसका अर्थ है, शिशु को "जन्म देना"।
- “बोझ उठाना” अर्थात "कठिनाइयों का सामना करना"। इन कठिनाइयों में शारीरिक एवं मानसिक कष्ट दोनों हैं।
- एक सामान्य अभिव्यक्ति है, “फल लाना” अर्थात “फल उत्पन्न करना” या “फल मिलता है।”
- “गवाही देना” अर्थात् “साक्षी देना” या “जो देखा है अनुभव किया है उसका वर्णन करना।”
- “पुत्र पिता के पाप का फल नहीं भोगेगा” अर्थात वह पिता का “उत्तरदायी नहीं होगा” या पिता के पापों का “दण्ड नहीं पाएगा।”

- सामान्यत: इस शब्द का अनुवाद “उठाना” या “जिम्मेदार होना” या “उत्पन्न करना” या “सहन करना” या “सहना” संदर्भ के आधार पर भी हो सकता है।

(यह भी देखें: बोझ, एलीशा, बना रहेगा, फल, अधर्म, समाचार, भेड़, बल, गवाही, साक्षी)

बाइबल सन्दर्भ:

- विलापगीत 03:25-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2232, H3201, H3205, H5375, H5445, H5449, H6030, H6509, H6779, G142, G430, G941, G1080, G1627, G2592, G3140, G4160, G4722, G4828, G5041, G5088, G5342, G5409, G5576

सहभागिता

परिभाषा:

सामान्यत: “सहभागिता” का अर्थ है किसी जन समुदाय के सदस्यों के मध्य मित्रतापूर्ण व्यवहार, एक सी रूचियों और अनुभवों के लोगों में।

- बाइबल में “सहभागिता” शब्द मसीह के विश्वासियों की एकता के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मसीही सहभागिता एक आपसी संबन्ध है जो एक दूसरे के साथ रखा जाता है जो मसीह और पवित्र-आत्मा के साथ संबन्ध से उत्पन्न होता है।
- आरंभिक विश्वासी अपनी सहभागिता को परमेश्वर के वचन की शिक्षा को सुनने और प्रार्थना करने तथा अपनी सम्पदा को आपस में बाँटने और एक साथ भोजन करने के द्वारा प्रकट करते थे।
- विश्वासियों की सहभागिता यीशु में विश्वास के द्वारा और क्रूस पर उसकी बलिदान की मृत्यु (जिसके कारण परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य की दीवार गिराई गई थी) द्वारा परमेश्वर के साथ भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- “सहभागिता के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “आपस में बाँटना” या “संबन्ध” या “संगति” या “मसीही समुदाय”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:3-4
- प्रे.का. 02:40-42
- फिलिप्पियों 01:3-6
- फिलिप्पियों 02:1-2
- फिलिप्पियों 03:8-11
- भजन संहिता 055:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2266, H8667, G2842, G2844, G3352, G4790

सहभागिता

परिभाषा:

सामान्यत: “सहभागिता” का अर्थ है किसी जन समुदाय के सदस्यों के मध्य मित्रतापूर्ण व्यवहार, एक सी रूचियों और अनुभवों के लोगों में।

- बाइबल में “सहभागिता” शब्द मसीह के विश्वासियों की एकता के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मसीही सहभागिता एक आपसी संबन्ध है जो एक दूसरे के साथ रखा जाता है जो मसीह और पवित्र-आत्मा के साथ संबन्ध से उत्पन्न होता है।
- आरंभिक विश्वासी अपनी सहभागिता को परमेश्वर के वचन की शिक्षा को सुनने और प्रार्थना करने तथा अपनी सम्पदा को आपस में बाँटने और एक साथ भोजन करने के द्वारा प्रकट करते थे।
- विश्वासियों की सहभागिता यीशु में विश्वास के द्वारा और क्रूस पर उसकी बलिदान की मृत्यु (जिसके कारण परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य की दीवार गिराई गई थी) द्वारा परमेश्वर के साथ भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- “सहभागिता के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “आपस में बाँटना” या “संबन्ध” या “संगति” या “मसीही समुदाय”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:3-4
- प्रे.का. 02:40-42
- फिलिप्पियों 01:3-6
- फिलिप्पियों 02:1-2
- फिलिप्पियों 03:8-11
- भजन संहिता 055:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2266, H8667, G2842, G2844, G3352, G4790

सहभागिता

परिभाषा:

सामान्यतः “सहभागिता” का अर्थ है किसी जन समुदाय के सदस्यों के मध्य मित्रतापूर्ण व्यवहार, एक सी रूचियों और अनुभवों के लोगों में।

- बाइबल में “सहभागिता” शब्द मसीह के विश्वासियों की एकता के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मसीही सहभागिता एक आपसी संबन्ध है जो एक दूसरे के साथ रखा जाता है जो मसीह और पवित्र-आत्मा के साथ संबन्ध से उत्पन्न होता है।
- आरंभिक विश्वासी अपनी सहभागिता को परमेश्वर के वचन की शिक्षा को सुनने और प्रार्थना करने तथा अपनी सम्पदा को आपस में बाँटने और एक साथ भोजन करने के द्वारा प्रकट करते थे।
- विश्वासियों की सहभागिता यीशु में विश्वास के द्वारा और क्रूस पर उसकी बलिदान की मृत्यु (जिसके कारण परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य की दीवार गिराई गई थी) द्वारा परमेश्वर के साथ भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- “सहभागिता के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “आपस में बाँटना” या “संबन्ध” या “संगति” या “मसीही समुदाय”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:3-4
- प्रे.का. 02:40-42
- फिलिप्पियों 01:3-6
- फिलिप्पियों 02:1-2
- फिलिप्पियों 03:8-11
- भजन संहिता 055:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2266, H8667, G2842, G2844, G3352, G4790

सहभागिता

परिभाषा:

सामान्यतः “सहभागिता” का अर्थ है किसी जन समुदाय के सदस्यों के मध्य मित्रतापूर्ण व्यवहार, एक सी रूचियों और अनुभवों के लोगों में।

- बाइबल में “सहभागिता” शब्द मसीह के विश्वासियों की एकता के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मसीही सहभागिता एक आपसी संबन्ध है जो एक दूसरे के साथ रखा जाता है जो मसीह और पवित्र-आत्मा के साथ संबन्ध से उत्पन्न होता है।
- आरंभिक विश्वासी अपनी सहभागिता को परमेश्वर के वचन की शिक्षा को सुनने और प्रार्थना करने तथा अपनी सम्पदा को आपस में बाँटने और एक साथ भोजन करने के द्वारा प्रकट करते थे।
- विश्वासियों की सहभागिता यीशु में विश्वास के द्वारा और क्रूस पर उसकी बलिदान की मृत्यु (जिसके कारण परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य की दीवार गिराई गई थी) द्वारा परमेश्वर के साथ भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- “सहभागिता के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “आपस में बाँटना” या “संबन्ध” या “संगति” या “मसीही समुदाय”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:3-4
- प्रे.का. 02:40-42
- फिलिप्पियों 01:3-6
- फिलिप्पियों 02:1-2
- फिलिप्पियों 03:8-11
- भजन संहिता 055:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2266, H8667, G2842, G2844, G3352, G4790

सहभागिता

परिभाषा:

सामान्यतः “सहभागिता” का अर्थ है किसी जन समुदाय के सदस्यों के मध्य मित्रतापूर्ण व्यवहार, एक सी रूचियों और अनुभवों के लोगों में।

- बाइबल में “सहभागिता” शब्द मसीह के विश्वासियों की एकता के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मसीही सहभागिता एक आपसी संबन्ध है जो एक दूसरे के साथ रखा जाता है जो मसीह और पवित्र-आत्मा के साथ संबन्ध से उत्पन्न होता है।
- आरंभिक विश्वासी अपनी सहभागिता को परमेश्वर के वचन की शिक्षा को सुनने और प्रार्थना करने तथा अपनी सम्पदा को आपस में बाँटने और एक साथ भोजन करने के द्वारा प्रकट करते थे।
- विश्वासियों की सहभागिता यीशु में विश्वास के द्वारा और क्रूस पर उसकी बलिदान की मृत्यु (जिसके कारण परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य की दीवार गिराई गई थी) द्वारा परमेश्वर के साथ भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- “सहभागिता के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “आपस में बाँटना” या “संबन्ध” या “संगति” या “मसीही समुदाय”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:3-4
- प्रे.का. 02:40-42
- फिलिप्पियों 01:3-6
- फिलिप्पियों 02:1-2
- फिलिप्पियों 03:8-11
- भजन संहिता 055:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2266, H8667, G2842, G2844, G3352, G4790

सहभागिता

परिभाषा:

सामान्यतः “सहभागिता” का अर्थ है किसी जन समुदाय के सदस्यों के मध्य मित्रतापूर्ण व्यवहार, एक सी रूचियों और अनुभवों के लोगों में।

- बाइबल में “सहभागिता” शब्द मसीह के विश्वासियों की एकता के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मसीही सहभागिता एक आपसी संबन्ध है जो एक दूसरे के साथ रखा जाता है जो मसीह और पवित्र-आत्मा के साथ संबन्ध से उत्पन्न होता है।
- आरंभिक विश्वासी अपनी सहभागिता को परमेश्वर के वचन की शिक्षा को सुनने और प्रार्थना करने तथा अपनी सम्पदा को आपस में बाँटने और एक साथ भोजन करने के द्वारा प्रकट करते थे।
- विश्वासियों की सहभागिता यीशु में विश्वास के द्वारा और क्रूस पर उसकी बलिदान की मृत्यु (जिसके कारण परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य की दीवार गिराई गई थी) द्वारा परमेश्वर के साथ भी है।

अनुवाद के सुझाव:

- “सहभागिता के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “आपस में बाँटना” या “संबन्ध” या “संगति” या “मसीही समुदाय”

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 01:3-4
- प्रे.का. 02:40-42
- फिलिप्पियों 01:3-6
- फिलिप्पियों 02:1-2
- फिलिप्पियों 03:8-11
- भजन संहिता 055:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2266, H8667, G2842, G2844, G3352, G4790

साइप्रस

तथ्य:

साइप्रस भूमध्य-सागर का अन्तर्देशीय भाग है जो आज के तुर्किस्तान से 64 किलोमीटर दक्षिण में था।

- बरनबास साइप्रस का निवासी था, अतः संभव है कि यूहन्ना मरकुस भी वहीं रहा होगा क्योंकि दोनों रिश्ते में भाई थे।
- पौलुस और बरनबास ने अपनी प्रथम प्रचार यात्रा के आरंभ में साइप्रस में सुसमाचार सुनाया था। उस यात्रा में यूहन्ना मरकुस उनकी सेवा में था।
- बाद में बरनबास और यूहन्ना मरकुस ने साइप्रस का पुनः भ्रमण किया था।
- पुराने नियम में साइप्रस सरू के वृक्षों की बहुतायत के लिए प्रसिद्ध था।

(यह भी देखें: बरनबास, यूहन्ना मरकुस, समुद्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:36-37
- प्रे.का. 13:4-5
- प्रे.का. 15:39-41
- प्रे.का. 27:3-6
- यहेजकेल 27:6-7
- यशायाह 23:10-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2953, G2954

साक्षी, गवाहों, गवाह, बातों के देखनेवाले

परिभाषा:

“साक्षी” उस व्यक्ति के संदर्भ में है, जिसने व्यक्तिगत रूप से किसी बात का अनुभव किया है। गवाह प्रायः वह मनुष्य है जो किसी सच बात का साक्षी है। साक्षात गवाह अर्थात अपनी आंखों से किसी घटना को देखने वाला।

- किसी बात का गवाह होना अर्थात उसे देखना।
- अभियोग में गवाह “साक्षी देता है” या “गवाही देता है” इसका अर्थ वही है जो गवाही देने का है।
- गवाहों से अपेक्षा की जाती है कि उन्होंने जो देखा या सुना है उसको सच-सच बताएं।
- जो गवाह सच नहीं बोलता उसे “झूठा गवाह” कहते हैं। उसके लिए कहा जाता है कि वह “झूठी गवाही देता है” या वह “झूठा साक्षी है”।
- “के बीच गवाह होना” अर्थात वाचा बांधने का कोई गवाह है या कोई वस्तु साक्षी है। ऐसा गवाह सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक पक्ष अपनी प्रतिज्ञा पूरी करे।

अनुवाद के सुझाव:

- “गवाह” और “साक्षात गवाह” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ, “देखने वाला व्यक्ति” या “जिसने होते हुए देखा” या “जिन्होंने देखा और सुना” हो।
- कुछ ऐसा "एक गवाह" का अनुवाद "वादा" या "हमारे वादे का चिन्ह" या "कुछ ऐसा साबित करता है जो यह सच है।"
- वाक्यांश "आप मेरे गवाह होंगे" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है "आप अन्य लोगों को मेरे बारे में बताएंगे" या "आप लोगों को सच्चाई सिखाना होगा जो मैंने आपको सिखाया था" या "आप लोगों को बताएंगे कि आपने मुझे क्या करते देखा है और सिखाते सुना। "
- '' गवाह होने के लिए '' का अनुवाद "जो देखा वह बताना" या "गवाही देने " या "क्या हुआ यह बताने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- "किसी का गवाह होने के लिए" का अनुवाद "कुछ देखना" या "कुछ अनुभव करने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दोष, न्यायी, सच्चा, गवाही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2 पतरस 01:16-18
- प्रे.का. 13:30-31
- व्यवस्थाविवरण 31:27-29
- यूहन्ना 01:6-8
- रोमियो 01:8-10

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** घर के अन्दर प्रधान याजकों ने यीशु की जाँच शुरू की। वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे।
- **39:04** इस पर महा याजक ने क्रोध में अपने वस्त्र फाड़े और अन्य धार्मिक नेताओं से कहा कि, “अब हमें गवाहों की क्या जरुरत। तुमने अभी सुना है कि इसने अपने को परमेश्वर का पुत्र कहा है। तुम्हारा क्या न्याय है?”
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए | वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **43:07**“इसी यीशु को परमेश्वर ने फिर से जिलाया, जिसके हम सब गवाह है।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, G267, G1263, G2649, G3140, G3141, G3142, G3144, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577

साक्षी, गवाहों, गवाह, बातों के देखनेवाले

परिभाषा:

“साक्षी” उस व्यक्ति के संदर्भ में है, जिसने व्यक्तिगत रूप से किसी बात का अनुभव किया है। गवाह प्रायः वह मनुष्य है जो किसी सच बात का साक्षी है। साक्षात गवाह अर्थात अपनी आंखों से किसी घटना को देखने वाला।

- किसी बात का गवाह होना अर्थात उसे देखना।
- अभियोग में गवाह “साक्षी देता है” या “गवाही देता है” इसका अर्थ वही है जो गवाही देने का है।
- गवाहों से अपेक्षा की जाती है कि उन्होंने जो देखा या सुना है उसको सच-सच बताएं।
- जो गवाह सच नहीं बोलता उसे “झूठा गवाह” कहते हैं। उसके लिए कहा जाता है कि वह “झूठी गवाही देता है” या वह “झूठा साक्षी है”।
- “के बीच गवाह होना” अर्थात वाचा बांधने का कोई गवाह है या कोई वस्तु साक्षी है। ऐसा गवाह सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक पक्ष अपनी प्रतिज्ञा पूरी करे।

अनुवाद के सुझाव:

- “गवाह” और “साक्षात गवाह” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ, “देखने वाला व्यक्ति” या “जिसने होते हुए देखा” या “जिन्होंने देखा और सुना” हो।
- कुछ ऐसा "एक गवाह" का अनुवाद "वादा" या "हमारे वादे का चिन्ह" या "कुछ ऐसा साबित करता है जो यह सच है।"
- वाक्यांश "आप मेरे गवाह होंगे" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है "आप अन्य लोगों को मेरे बारे में बताएंगे" या "आप लोगों को सच्चाई सिखाना होगा जो मैंने आपको सिखाया था" या "आप लोगों को बताएंगे कि आपने मुझे क्या करते देखा है और सिखाते सुना। "
- '' गवाह होने के लिए '' का अनुवाद "जो देखा वह बताना" या "गवाही देने " या "क्या हुआ यह बताने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।

- "किसी का गवाह होने के लिए" का अनुवाद "कुछ देखना" या "कुछ अनुभव करने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दोष, न्यायी, सच्चा, गवाही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2 पतरस 01:16-18
- प्रे.का. 13:30-31
- व्यवस्थाविवरण 31:27-29
- यूहन्ना 01:6-8
- रोमियो 01:8-10

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** घर के अन्दर प्रधान याजकों ने यीशु की जाँच शुरू की। वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे।
- **39:04** इस पर महा याजक ने क्रोध में अपने वस्त्र फाड़े और अन्य धार्मिक नेताओं से कहा कि, “अब हमें गवाहों की क्या जरुरत। तुमने अभी सुना है कि इसने अपने को परमेश्वर का पुत्र कहा है। तुम्हारा क्या न्याय है?”
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए | वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **43:07**“इसी यीशु को परमेश्वर ने फिर से जिलाया, जिसके हम सब गवाह है।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, G267, G1263, G2649, G3140, G3141, G3142, G3144, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577

साक्षी, गवाहों, गवाह, बातों के देखनेवाले

परिभाषा:

“साक्षी” उस व्यक्ति के संदर्भ में है, जिसने व्यक्तिगत रूप से किसी बात का अनुभव किया है। गवाह प्राय: वह मनुष्य है जो किसी सच बात का साक्षी है। साक्षात गवाह अर्थात अपनी आंखों से किसी घटना को देखने वाला।

- किसी बात का गवाह होना अर्थात उसे देखना।
- अभियोग में गवाह “साक्षी देता है” या “गवाही देता है” इसका अर्थ वही है जो गवाही देने का है।
- गवाहों से अपेक्षा की जाती है कि उन्होंने जो देखा या सुना है उसको सच-सच बताएं।
- जो गवाह सच नहीं बोलता उसे “झूठा गवाह” कहते हैं। उसके लिए कहा जाता है कि वह “झूठी गवाही देता है” या वह “झूठा साक्षी है”।
- “के बीच गवाह होना” अर्थात वाचा बांधने का कोई गवाह है या कोई वस्तु साक्षी है। ऐसा गवाह सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक पक्ष अपनी प्रतिज्ञा पूरी करे।

अनुवाद के सुझाव:

- “गवाह” और “साक्षात गवाह” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ, “देखने वाला व्यक्ति” या “जिसने होते हुए देखा” या “जिन्होंने देखा और सुना” हो।
- कुछ ऐसा "एक गवाह" का अनुवाद "वादा" या "हमारे वादे का चिन्ह" या "कुछ ऐसा साबित करता है जो यह सच है।"
- वाक्यांश "आप मेरे गवाह होंगे" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है "आप अन्य लोगों को मेरे बारे में बताएंगे" या "आप लोगों को सच्चाई सिखाना होगा जो मैंने आपको सिखाया था" या "आप लोगों को बताएंगे कि आपने मुझे क्या करते देखा है और सिखाते सुना। "
- '' गवाह होने के लिए '' का अनुवाद "जो देखा वह बताना" या "गवाही देने " या "क्या हुआ यह बताने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- "किसी का गवाह होने के लिए" का अनुवाद "कुछ देखना" या "कुछ अनुभव करने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दोष, न्यायी, सच्चा, गवाही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 05:6-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12

- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2 पतरस 01:16-18
- प्रे.का. 13:30-31
- व्यवस्थाविवरण 31:27-29
- यूहन्ना 01:6-8
- रोमियो 01:8-10

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **39:02** घर के अन्दर प्रधान याजकों ने यीशु की जाँच शुरू की। वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे।
- **39:04** इस पर महा याजक ने क्रोध में अपने वस्त्र फाड़े और अन्य धार्मिक नेताओं से कहा कि, “अब हमें गवाहों की क्या जरुरत। तुमने अभी सुना है कि इसने अपने को परमेश्वर का पुत्र कहा है। तुम्हारा क्या न्याय है?”
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए | वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **43:07**“इसी यीशु को परमेश्वर ने फिर से जिलाया, जिसके हम सब गवाह है।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, G267, G1263, G2649, G3140, G3141, G3142, G3144, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577

साथी, संगी, मित्र

तथ्य:

“साथी” का अर्थ है किसी के साथ रहनेवाला व्यक्ति या किसी से जुड़ा हुआ व्यक्ति, जैसे मित्रता या विवाह में। "संगी" शब्द किसी अन्य व्यक्ति के साथ काम करने वाले व्यक्ति को संदर्भित करता है।

- साथी एक ही अनुभव को अनुभूति करते हैं, एक साथ भोजन करते हैं और एक दूसरे को सहयोग देते हैं और प्रोत्साहित करते हैं।
- संदर्भ के आधार पर, इस शब्द का अनुवाद किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ भी किया जा सकता है, जिसका अर्थ है, "मित्र" या "साथी यात्री" या "सहायक-व्यक्ति जो साथ जाता है" या "वह व्यक्ति जो साथ काम करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 37:15-17
- इब्रानियों 01:8-9
- नीतिवचन 02:16-17
- भजन संहिता 038:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H441, H2269, H2270, H2273, H2278, H3674, H3675, H4828, H7453, H7462, H7464, G2844, G3353, G4898, G4904

साथी, संगी, मित्र

तथ्य:

“साथी” का अर्थ है किसी के साथ रहनेवाला व्यक्ति या किसी से जुड़ा हुआ व्यक्ति, जैसे मित्रता या विवाह में। "संगी" शब्द किसी अन्य व्यक्ति के साथ काम करने वाले व्यक्ति को संदर्भित करता है।

- साथी एक ही अनुभव को अनुभूति करते हैं, एक साथ भोजन करते हैं और एक दूसरे को सहयोग देते हैं और प्रोत्साहित करते हैं।
- संदर्भ के आधार पर, इस शब्द का अनुवाद किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ भी किया जा सकता है, जिसका अर्थ है, "मित्र" या "साथी यात्री" या "सहायक-व्यक्ति जो साथ जाता है" या "वह व्यक्ति जो साथ काम करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 37:15-17
- इब्रानियों 01:8-9

- नीतिवचन 02:16-17
- भजन संहिता 038:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H441, H2269, H2270, H2273, H2278, H3674, H3675, H4828, H7453, H7462, H7464, G2844, G3353, G4898, G4904

साथी, संगी, मित्र

तथ्य:

“साथी” का अर्थ है किसी के साथ रहनेवाला व्यक्ति या किसी से जुड़ा हुआ व्यक्ति, जैसे मित्रता या विवाह में। "संगी" शब्द किसी अन्य व्यक्ति के साथ काम करने वाले व्यक्ति को संदर्भित करता है।

- साथी एक ही अनुभव को अनुभूति करते हैं, एक साथ भोजन करते हैं और एक दूसरे को सहयोग देते हैं और प्रोत्साहित करते हैं।
- संदर्भ के आधार पर, इस शब्द का अनुवाद किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ भी किया जा सकता है, जिसका अर्थ है, "मित्र" या "साथी यात्री" या "सहायक-व्यक्ति जो साथ जाता है" या "वह व्यक्ति जो साथ काम करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 37:15-17
- इब्रानियों 01:8-9
- नीतिवचन 02:16-17
- भजन संहिता 038:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H441, H2269, H2270, H2273, H2278, H3674, H3675, H4828, H7453, H7462, H7464, G2844, G3353, G4898, G4904

साथी, संगी, मित्र

तथ्य:

“साथी” का अर्थ है किसी के साथ रहनेवाला व्यक्ति या किसी से जुड़ा हुआ व्यक्ति, जैसे मित्रता या विवाह में। "संगी" शब्द किसी अन्य व्यक्ति के साथ काम करने वाले व्यक्ति को संदर्भित करता है।

- साथी एक ही अनुभव को अनुभूति करते हैं, एक साथ भोजन करते हैं और एक दूसरे को सहयोग देते हैं और प्रोत्साहित करते हैं।
- संदर्भ के आधार पर, इस शब्द का अनुवाद किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ भी किया जा सकता है, जिसका अर्थ है, "मित्र" या "साथी यात्री" या "सहायक-व्यक्ति जो साथ जाता है" या "वह व्यक्ति जो साथ काम करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 37:15-17
- इब्रानियों 01:8-9
- नीतिवचन 02:16-17
- भजन संहिता 038:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H441, H2269, H2270, H2273, H2278, H3674, H3675, H4828, H7453, H7462, H7464, G2844, G3353, G4898, G4904

साथी, संगी, मित्र

तथ्य:

“साथी” का अर्थ है किसी के साथ रहनेवाला व्यक्ति या किसी से जुड़ा हुआ व्यक्ति, जैसे मित्रता या विवाह में। "संगी" शब्द किसी अन्य व्यक्ति के साथ काम करने वाले व्यक्ति को संदर्भित करता है।

- साथी एक ही अनुभव को अनुभूति करते हैं, एक साथ भोजन करते हैं और एक दूसरे को सहयोग देते हैं और प्रोत्साहित करते हैं।
- संदर्भ के आधार पर, इस शब्द का अनुवाद किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ भी किया जा सकता है, जिसका अर्थ है, "मित्र" या "साथी यात्री" या "सहायक-व्यक्ति जो साथ जाता है" या "वह व्यक्ति जो साथ काम करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 37:15-17
- इब्रानियों 01:8-9
- नीतिवचन 02:16-17
- भजन संहिता 038:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H441, H2269, H2270, H2273, H2278, H3674, H3675, H4828, H7453, H7462, H7464, G2844, G3353, G4898, G4904

साथी, संगी, मित्र

तथ्य:

“साथी” का अर्थ है किसी के साथ रहनेवाला व्यक्ति या किसी से जुड़ा हुआ व्यक्ति, जैसे मित्रता या विवाह में। "संगी" शब्द किसी अन्य व्यक्ति के साथ काम करने वाले व्यक्ति को संदर्भित करता है।

- साथी एक ही अनुभव को अनुभूति करते हैं, एक साथ भोजन करते हैं और एक दूसरे को सहयोग देते हैं और प्रोत्साहित करते हैं।
- संदर्भ के आधार पर, इस शब्द का अनुवाद किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ भी किया जा सकता है, जिसका अर्थ है, "मित्र" या "साथी यात्री" या "सहायक-व्यक्ति जो साथ जाता है" या "वह व्यक्ति जो साथ काम करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 37:15-17
- इब्रानियों 01:8-9
- नीतिवचन 02:16-17
- भजन संहिता 038:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H441, H2269, H2270, H2273, H2278, H3674, H3675, H4828, H7453, H7462, H7464, G2844, G3353, G4898, G4904

साथी, संगी, मित्र

तथ्य:

“साथी” का अर्थ है किसी के साथ रहनेवाला व्यक्ति या किसी से जुड़ा हुआ व्यक्ति, जैसे मित्रता या विवाह में। "संगी" शब्द किसी अन्य व्यक्ति के साथ काम करने वाले व्यक्ति को संदर्भित करता है।

- साथी एक ही अनुभव को अनुभूति करते हैं, एक साथ भोजन करते हैं और एक दूसरे को सहयोग देते हैं और प्रोत्साहित करते हैं।
- संदर्भ के आधार पर, इस शब्द का अनुवाद किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ भी किया जा सकता है, जिसका अर्थ है, "मित्र" या "साथी यात्री" या "सहायक-व्यक्ति जो साथ जाता है" या "वह व्यक्ति जो साथ काम करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 37:15-17
- इब्रानियों 01:8-9
- नीतिवचन 02:16-17
- भजन संहिता 038:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H251, H441, H2269, H2270, H2273, H2278, H3674, H3675, H4828, H7453, H7462, H7464, G2844, G3353, G4898, G4904

सादोक

तथ्य:

सादोक दाऊद राजा के राज्यकाल में इस्राएल का एक महत्वपूर्ण महायाजक था।

- जब अबशालोम ने राजा दाऊद के खिलाफ विद्रोह किया, तब सादोक दाऊद का समर्थन करता था और उसने वाचा के सन्दूक को यरूशलेम से वापस लाने में मदद की।
- वर्षों बाद उसने दाऊद के पुत्र सुलैमान का राज्य अभिषेक करने में योगदान किया था।
- सादोक नामक दो पुरुषों ने नहेम्याह के समय यरूशलेम की शहरपनाह का पुन: निर्माण करने में सहायता की थी।
- योताम राजा के दादा का नाम भी सादोक था।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, दाऊद, योताम, नहेम्याह, राज करना, सुलैमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 24:1-3
- 1 राजा 01:26-27
- 2 शमूएल 15:24-26
- मत्ती 01:12-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6659, G4524

सामरिया, सामरी

तथ्य:

सामरिया उत्तरी राज्य इस्राएल में एक नगर और उसके आसपास के क्षेत्रों का नाम था। यह स्थान पश्चिम में शारोन के मैदान और पूर्व में यरदन नदी के मध्य था।

- पुराने नियम के युग में, सामरिया उत्तरी राज्य इस्राएल की राजधानी थी। उत्तरकाल में इसके आसपास का क्षेत्र भी सामरिया कहलाने लगा था।
- जब अश्शूरों ने उत्तरी राज्य इस्राएल को जीत लिया था और अधिकांश इस्राएलियों को वहां से बलपूर्वक ले जाकर अश्शूर देश के विभिन्न नगरों में बसा दिया था।
- अश्शूर अनेक परदेशियों को वहां इस्राएलियों के स्थान में बसा कर चले गए थे।
- जो इस्राएली वहां रह गए थे उन्होंने उन परदेशियों से विवाह कर लिया था और इस प्रकार उनके वंशज सामरी कहलाए।
- यहूदी सामरियों से घृणा करते थे क्योंकि वे आधे यहूदी थे और क्योंकि उनके पूर्वज मूर्ति-पूजक थे।
- नये नियम के युग, सामरिया क्षेत्र उत्तर में गलील क्षेत्र ओर दक्षिण में यहूदिया की सीमाओं से घिरा हुआ था।

(यह भी देखें: अश्शूर, गलील, यहूदिया, शारोन, इस्राएल के राज्य)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:1-3
- प्रे.का. 08:4-5
- यूह. 04:4-5
- लूका 09:51-53

- लूका 10:33-35

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **20:04** ब अश्शूरियों ने अन्यजातियों को उस भूमि पर रहने को कहा जहाँ पर इस्राएली राज्य था| अन्यजातियों ने उस विनष्ट शहर का पुनर्निर्माण किया, और वहाँ शेष बचे इस्राएलियों से विवाह किया| इस्राएलियों के वह वंशज जिन्होंने अन्यजातियों से विवाह किया वह सामारी कहलाए|
- **27:08** "अगला मनुष्य जो वहाँ से जा रहा था वह एक सामरी था| (सामरी यहूदियों के वंश के थे, जिन्होंने अन्य राष्ट्र के लोगों से विवाह करा था | सामरी और यहूदियों को एक दूसरे से नफरत थी।)"
- **27:09**"सामरी व्यक्ति ने उस घायल व्यक्ति को अपने गधे पर लाध लिया और उसे सड़क के पार एक सराय में ले गया जहाँ उसकी देख-भाल की|"
- **45:07** वह (फिलिप्पुस)सामरिया नगर में गया और वहा लोगों को यीशु के बारे में बताया और बहुत से लोगों बचाए गए|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8111, H8115, H8118, G4540, G4541, G4542

सामरिया, सामरी

तथ्य:

सामरिया उत्तरी राज्य इस्राएल में एक नगर और उसके आसपास के क्षेत्रों का नाम था। यह स्थान पश्चिम में शारोन के मैदान और पूर्व में यरदन नदी के मध्य था।

- पुराने नियम के युग में, सामरिया उत्तरी राज्य इस्राएल की राजधानी थी। उत्तरकाल में इसके आसपास का क्षेत्र भी सामरिया कहलाने लगा था।
- जब अश्शूरों ने उत्तरी राज्य इस्राएल को जीत लिया था और अधिकांश इस्राएलियों को वहां से बलपूर्वक ले जाकर अश्शूर देश के विभिन्न नगरों में बसा दिया था।
- अश्शूर अनेक परदेशियों को वहां इस्राएलियों के स्थान में बसा कर चले गए थे।
- जो इस्राएली वहां रह गए थे उन्होंने उन परदेशियों से विवाह कर लिया था और इस प्रकार उनके वंशज सामरी कहलाए।
- यहूदी सामरियों से घृणा करते थे क्योंकि वे आधे यहूदी थे और क्योंकि उनके पूर्वज मूर्ति-पूजक थे।
- नये नियम के युग, सामरिया क्षेत्र उत्तर में गलील क्षेत्र ओर दक्षिण में यहूदिया की सीमाओं से घिरा हुआ था।

(यह भी देखें: अश्शूर, गलील, यहूदिया, शारोन, इस्राएल के राज्य)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:1-3
- प्रे.का. 08:4-5
- यूह. 04:4-5
- लूका 09:51-53
- लूका 10:33-35

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **20:04** ब अश्शूरियों ने अन्यजातियों को उस भूमि पर रहने को कहा जहाँ पर इस्राएली राज्य था| अन्यजातियों ने उस विनष्ट शहर का पुनर्निर्माण किया, और वहाँ शेष बचे इस्राएलियों से विवाह किया| इस्राएलियों के वह वंशज जिन्होंने अन्यजातियों से विवाह किया वह सामारी कहलाए|
- **27:08** "अगला मनुष्य जो वहाँ से जा रहा था वह एक सामरी था| (सामरी यहूदियों के वंश के थे, जिन्होंने अन्य राष्ट्र के लोगों से विवाह करा था | सामरी और यहूदियों को एक दूसरे से नफरत थी।)"
- **27:09**"सामरी व्यक्ति ने उस घायल व्यक्ति को अपने गधे पर लाध लिया और उसे सड़क के पार एक सराय में ले गया जहाँ उसकी देख-भाल की|"
- **45:07** वह (फिलिप्पुस)सामरिया नगर में गया और वहा लोगों को यीशु के बारे में बताया और बहुत से लोगों बचाए गए|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8111, H8115, H8118, G4540, G4541, G4542

सामरिया, सामरी

तथ्य:

सामरिया उत्तरी राज्य इस्राएल में एक नगर और उसके आसपास के क्षेत्रों का नाम था। यह स्थान पश्चिम में शारोन के मैदान और पूर्व में यरदन नदी के मध्य था।

- पुराने नियम के युग में, सामरिया उत्तरी राज्य इस्राएल की राजधानी थी। उत्तरकाल में इसके आसपास का क्षेत्र भी सामरिया कहलाने लगा था।

- जब अश्शूरों ने उत्तरी राज्य इस्राएल को जीत लिया था और अधिकांश इस्राएलियों को वहां से बलपूर्वक ले जाकर अश्शूर देश के विभिन्न नगरों में बसा दिया था।
- अश्शूर अनेक परदेशियों को वहां इस्राएलियों के स्थान में बसा कर चले गए थे।
- जो इस्राएली वहां रह गए थे उन्होंने उन परदेशियों से विवाह कर लिया था और इस प्रकार उनके वंशज सामरी कहलाए।
- यहूदी सामरियों से घृणा करते थे क्योंकि वे आधे यहूदी थे और क्योंकि उनके पूर्वज मूर्ति-पूजक थे।
- नये नियम के युग, सामरिया क्षेत्र उत्तर में गलील क्षेत्र ओर दक्षिण में यहूदिया की सीमाओं से घिरा हुआ था।

(यह भी देखें: अश्शूर, गलील, यहूदिया, शारोन, इस्राएल के राज्य)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 08:1-3
- प्रे.का. 08:4-5
- यूह. 04:4-5
- लूका 09:51-53
- लूका 10:33-35

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **20:04** ब अश्शूरियों ने अन्यजातियों को उस भूमि पर रहने को कहा जहाँ पर इस्राएली राज्य था| अन्यजातियों ने उस विनष्ट शहर का पुनर्निर्माण किया, और वहाँ शेष बचे इस्राएलियों से विवाह किया| इस्राएलियों के वह वंशज जिन्होंने अन्यजातियों से विवाह किया वह सामारी कहलाए|
- **27:08** "अगला मनुष्य जो वहाँ से जा रहा था वह एक सामरी था| (सामरी यहूदियों के वंश के थे, जिन्होंने अन्य राष्ट्र के लोगों से विवाह करा था | सामरी और यहूदियों को एक दूसरे से नफरत थी।)"
- **27:09**"सामरी व्यक्ति ने उस घायल व्यक्ति को अपने गधे पर लाध लिया और उसे सड़क के पार एक सराय में ले गया जहाँ उसकी देख-भाल की|"
- **45:07** वह (फिलिप्पुस)सामरिया नगर में गया और वहा लोगों को यीशु के बारे में बताया और बहुत से लोगों बचाए गए|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8111, H8115, H8118, G4540, G4541, G4542

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25

- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64

- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”

- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |"
- **43:06**"हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

"सामर्थ्य" शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। "शक्तियों" का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- "परमेश्वर का सामर्थ्य" अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "सामर्थ्य" का अनुवाद "क्षमता" या "शक्ति" या "ऊर्जा" या "चमत्कारों की क्षमता" या "नियंत्रण" हो सकता है।
- "शक्तियों" का अनुवाद हो सकता है, "शक्तिशाली प्राणी" या "वश में करने वाली आत्माएं" या "मनुष्यों को वशीभूत करने वाले"
- "हमें बैरी के हाथों से बचा" का अनुवाद होगा, "हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा" या "हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले"। * यहां "सामर्थ्य" का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता"।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, "पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |"
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |"

- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

"सामर्थ्य" शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। "शक्तियों" का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- "परमेश्वर का सामर्थ्य" अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "सामर्थ्य" का अनुवाद "क्षमता" या "शक्ति" या "ऊर्जा" या "चमत्कारों की क्षमता" या "नियंत्रण" हो सकता है।
- "शक्तियों" का अनुवाद हो सकता है, "शक्तिशाली प्राणी" या "वश में करने वाली आत्माएं" या "मनुष्यों को वशीभूत करने वाले"
- "हमें बैरी के हाथों से बचा" का अनुवाद होगा, "हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा" या "हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले"। * यहां "सामर्थ्य" का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता"।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, "पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |"
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |"
- **43:06**"हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280,

H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

"सामर्थ्य" शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। "शक्तियों" का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- "परमेश्वर का सामर्थ्य" अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "सामर्थ्य" का अनुवाद "क्षमता" या "शक्ति" या "ऊर्जा" या "चमत्कारों की क्षमता" या "नियंत्रण" हो सकता है।
- "शक्तियों" का अनुवाद हो सकता है, "शक्तिशाली प्राणी" या "वश में करने वाली आत्माएं" या "मनुष्यों को वशीभूत करने वाले"
- "हमें बैरी के हाथों से बचा" का अनुवाद होगा, "हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा" या "हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले"। * यहां "सामर्थ्य" का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता"।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, "पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |"
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |"
- **43:06**"हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, शक्तियाँ

परिभाषा:

“सामर्थ्य” शब्द का अर्थ है कुछ करने की क्षमता या बहुत अधिक बल लगाकर कुछ होना संभव करना। “शक्तियों” का संदर्भ मनुष्यों या आत्माओं से है जिनमें कुछ करने की महान शक्ति होती है।

- “परमेश्वर का सामर्थ्य” अर्थात् सब कुछ संभव बनाने की परमेश्वर की शक्ति, विशेष करके वे काम जो मनुष्य के लिए असंभव है।
- परमेश्वर को अपनी संपूर्ण सृष्टि का पूर्ण अधिकार है।
- परमेश्वर जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को सामर्थ्य प्रदान करता है जिससे कि जब वे मनुष्यों को रोगमुक्ति प्रदान करें या अन्य आश्चर्यकर्म करें तो वह परमेश्वर के सामर्थ्य से माने जाएं।
- यीशु और पवित्र-आत्मा भी परमेश्वर हैं इसलिए उनकी सामर्थ्य भी समान है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “सामर्थ्य” का अनुवाद “क्षमता” या “शक्ति” या “ऊर्जा” या “चमत्कारों की क्षमता” या “नियंत्रण” हो सकता है।
- “शक्तियों” का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिशाली प्राणी” या “वश में करने वाली आत्माएं” या “मनुष्यों को वशीभूत करने वाले”
- “हमें बैरी के हाथों से बचा” का अनुवाद होगा, “हमें अपने बैरियों के अत्याचार से बचा” या “हमें अपने शत्रुओं के वश से छुड़ा ले”। * यहां “सामर्थ्य” का अर्थ है मनुष्यों को वश में करने और उन पर अत्याचार करने की शारीरिक क्षमता”।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, चमत्कार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- उत्पत्ति 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- न्यायियों 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- भजन संहिता 080:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **22:05** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |”
- 26: 1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति__ में लौट आए।
- **32:15** यीशु ने तुरन्त जान लिया कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है |
- **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरे पिता तुम्हे पवित्र आत्मा का __सामर्थ्य __तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H410, H1369, H1370, H2220, H2393, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1754, G1756, G1849, G1850, G2159, G2478, G2479, G2904, G3168

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

“सर्वशक्तिमान” और “सामर्थ्य” का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- “सामर्थी” प्रायः “बल” के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ “शक्ति” हो सकता है।
- “सामर्थी पुरूष” का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार “सामर्थी पुरूष” कहा गया है।
- परमेश्वर को भी “सामर्थी” कहा गया है।
- “सामर्थी कार्य” प्रायः परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।
- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

“सर्वशक्तिमान” और “सामर्थ्य” का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- “सामर्थी” प्रायः “बल” के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ “शक्ति” हो सकता है।
- “सामर्थी पुरूष” का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार “सामर्थी पुरूष” कहा गया है।
- परमेश्वर को भी “सामर्थी” कहा गया है।
- “सामर्थी कार्य” प्रायः परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।

- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

“सर्वशक्तिमान” और “सामर्थ्य” का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- “सामर्थी” प्राय: “बल” के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ “शक्ति” हो सकता है।
- “सामर्थी पुरूष” का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार “सामर्थी पुरूष” कहा गया है।
- परमेश्वर को भी “सामर्थी” कहा गया है।
- “सामर्थी कार्य” प्राय: परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।
- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

"सर्वशक्तिमान" और "सामर्थ्य" का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- "सामर्थी" प्राय: "बल" के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ "शक्ति" हो सकता है।
- "सामर्थी पुरूष" का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार "सामर्थी पुरूष" कहा गया है।
- परमेश्वर को भी "सामर्थी" कहा गया है।
- "सामर्थी कार्य" प्राय: परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द "सर्व-शक्तिमान" के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "सामर्थी" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "शक्तिमान" या "आश्चर्यजनक" या "अत्यधिक बलवन्त"
- "उसका सामर्थ्य" का अनुवाद हो सकता है, "उसकी शक्ति" या "उसका बल"।
- प्रे.का. 7 में मूसा को "वचन और कर्म दोनों में सामर्थी" कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, "मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।" या "मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।"
- सन्दर्भ के अनुसार, "सामर्थी कार्य" का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य" या "आश्चर्यकर्म" या "परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।"
- "सामर्थ्य" का अनुवाद "शक्ति" या "महान बल" हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

"सर्वशक्तिमान" और "सामर्थ्य" का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- "सामर्थी" प्राय: "बल" के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ "शक्ति" हो सकता है।
- "सामर्थी पुरूष" का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार "सामर्थी पुरूष" कहा गया है।
- परमेश्वर को भी "सामर्थी" कहा गया है।
- "सामर्थी कार्य" प्राय: परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है

- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।
- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

“सर्वशक्तिमान” और “सामर्थ्य” का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- “सामर्थी” प्राय: “बल” के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ “शक्ति” हो सकता है।
- “सामर्थी पुरूष” का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार “सामर्थी पुरूष” कहा गया है।
- परमेश्वर को भी “सामर्थी” कहा गया है।
- “सामर्थी कार्य” प्राय: परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।
- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25

- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

“सर्वशक्तिमान” और “सामर्थ्य” का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- “सामर्थी” प्रायः “बल” के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ “शक्ति” हो सकता है।
- “सामर्थी पुरूष” का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार “सामर्थी पुरूष” कहा गया है।
- परमेश्वर को भी “सामर्थी” कहा गया है।
- “सामर्थी कार्य” प्रायः परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।
- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

“सर्वशक्तिमान” और “सामर्थ्य” का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- “सामर्थी” प्रायः “बल” के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ “शक्ति” हो सकता है।

- “सामर्थी पुरूष” का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार “सामर्थी पुरूष” कहा गया है।
- परमेश्वर को भी “सामर्थी” कहा गया है।
- “सामर्थी कार्य” प्रायः परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।
- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

“सर्वशक्तिमान” और “सामर्थ्य” का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- “सामर्थी” प्रायः “बल” के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ “शक्ति” हो सकता है।
- “सामर्थी पुरूष” का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार “सामर्थी पुरूष” कहा गया है।
- परमेश्वर को भी “सामर्थी” कहा गया है।
- “सामर्थी कार्य” प्रायः परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।
- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

“सर्वशक्तिमान” और “सामर्थ्य” का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- “सामर्थी” प्राय: “बल” के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ “शक्ति” हो सकता है।
- “सामर्थी पुरूष” का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार “सामर्थी पुरूष” कहा गया है।
- परमेश्वर को भी “सामर्थी” कहा गया है।
- “सामर्थी कार्य” प्राय: परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।
- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

“सर्वशक्तिमान” और “सामर्थ्य” का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- “सामर्थी” प्रायः “बल” के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ “शक्ति” हो सकता है।
- “सामर्थी पुरूष” का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार “सामर्थी पुरूष” कहा गया है।
- परमेश्वर को भी “सामर्थी” कहा गया है।
- “सामर्थी कार्य” प्रायः परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।
- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

“सर्वशक्तिमान” और “सामर्थ्य” का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- “सामर्थी” प्रायः “बल” के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ “शक्ति” हो सकता है।
- “सामर्थी पुरूष” का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार “सामर्थी पुरूष” कहा गया है।
- परमेश्वर को भी “सामर्थी” कहा गया है।
- “सामर्थी कार्य” प्रायः परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।

- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

“सर्वशक्तिमान” और “सामर्थ्य” का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- “सामर्थी” प्राय: “बल” के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ “शक्ति” हो सकता है।
- “सामर्थी पुरूष” का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार “सामर्थी पुरूष” कहा गया है।
- परमेश्वर को भी “सामर्थी” कहा गया है।
- “सामर्थी कार्य” प्राय: परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।
- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

"सर्वशक्तिमान" और "सामर्थ्य" का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- "सामर्थी" प्राय: "बल" के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ "शक्ति" हो सकता है।
- "सामर्थी पुरूष" का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार "सामर्थी पुरूष" कहा गया है।
- परमेश्वर को भी "सामर्थी" कहा गया है।
- "सामर्थी कार्य" प्राय: परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द "सर्व-शक्तिमान" के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "सामर्थी" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "शक्तिमान" या "आश्चर्यजनक" या "अत्यधिक बलवन्त"
- "उसका सामर्थ्य" का अनुवाद हो सकता है, "उसकी शक्ति" या "उसका बल"।
- प्रे.का. 7 में मूसा को "वचन और कर्म दोनों में सामर्थी" कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, "मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।" या "मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।"
- सन्दर्भ के अनुसार, "सामर्थी कार्य" का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य" या "आश्चर्यकर्म" या "परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।"
- "सामर्थ्य" का अनुवाद "शक्ति" या "महान बल" हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

"सर्वशक्तिमान" और "सामर्थ्य" का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- "सामर्थी" प्राय: "बल" के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ "शक्ति" हो सकता है।
- "सामर्थी पुरूष" का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार "सामर्थी पुरूष" कहा गया है।
- परमेश्वर को भी "सामर्थी" कहा गया है।
- "सामर्थी कार्य" प्राय: परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है

- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।
- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

“सर्वशक्तिमान” और “सामर्थ्य” का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- “सामर्थी” प्राय: “बल” के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ “शक्ति” हो सकता है।
- “सामर्थी पुरूष” का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार “सामर्थी पुरूष” कहा गया है।
- परमेश्वर को भी “सामर्थी” कहा गया है।
- “सामर्थी कार्य” प्राय: परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।
- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25

- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

“सर्वशक्तिमान” और “सामर्थ्य” का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- “सामर्थी” प्रायः “बल” के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ “शक्ति” हो सकता है।
- “सामर्थी पुरूष” का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार “सामर्थी पुरूष” कहा गया है।
- परमेश्वर को भी “सामर्थी” कहा गया है।
- “सामर्थी कार्य” प्रायः परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।
- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

“सर्वशक्तिमान” और “सामर्थ्य” का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- “सामर्थी” प्रायः “बल” के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ “शक्ति” हो सकता है।

- “सामर्थी पुरूष” का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार “सामर्थी पुरूष” कहा गया है।
- परमेश्वर को भी “सामर्थी” कहा गया है।
- “सामर्थी कार्य” प्रायः परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।
- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

“सर्वशक्तिमान” और “सामर्थ्य” का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- “सामर्थी” प्रायः “बल” के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ “शक्ति” हो सकता है।
- “सामर्थी पुरूष” का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार “सामर्थी पुरूष” कहा गया है।
- परमेश्वर को भी “सामर्थी” कहा गया है।
- “सामर्थी कार्य” प्रायः परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।
- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सामर्थ्य, सामर्थी, बहुत सामर्थी, पराक्रम से

परिभाषा:

“सर्वशक्तिमान” और “सामर्थ्य” का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- “सामर्थी” प्राय: “बल” के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ “शक्ति” हो सकता है।
- “सामर्थी पुरूष” का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरूषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार “सामर्थी पुरूष” कहा गया है।
- परमेश्वर को भी “सामर्थी” कहा गया है।
- “सामर्थी कार्य” प्राय: परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द “सर्व-शक्तिमान” के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार “सामर्थी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शक्तिमान” या “आश्चर्यजनक” या “अत्यधिक बलवन्त”
- “उसका सामर्थ्य” का अनुवाद हो सकता है, “उसकी शक्ति” या “उसका बल”।
- प्रे.का. 7 में मूसा को “वचन और कर्म दोनों में सामर्थी” कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।” या “मूसा परमेश्वर के वचन सामथ्र्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।”
- सन्दर्भ के अनुसार, “सामर्थी कार्य” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य” या "आश्चर्यकर्म" या “परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।”
- “सामर्थ्य” का अनुवाद “शक्ति” या “महान बल” हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, चमत्कार, सामर्थ्य, बल

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- उत्पत्ति 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सारा, सारै

तथ्य:

- सारा अब्राहम की पत्नी थी।
- उसका मूल नाम "सारै" था परन्तु परमेश्वर ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
- सारा ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार पुत्र को जन्म दिया।

(यह भी देखें: अब्राहम, इसहाक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 11:31-32
- उत्पत्ति 17:15-16
- उत्पत्ति 25:9-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:01** तो अब्राम की पत्नी सारै, ने उससे कहा, "देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा | तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके |
- **05:04** "तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा--वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।"
- **05:04**"परमेश्वर ने सारै का नाम बदलकर सारा रखा, जिसका अर्थ है, "मूलमाता"
- **05:05**"लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम सौ वर्ष का था और सारा नब्बे वर्ष की थी, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया| उन्होंने उसका नाम इसहाक रखा, जैसा कि परमेश्वर ने कहा था|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8283, H8297, G4564

सारा, सारै

तथ्य:

- सारा अब्राहम की पत्नी थी।
- उसका मूल नाम "सारै" था परन्तु परमेश्वर ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
- सारा ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार पुत्र को जन्म दिया।

(यह भी देखें: अब्राहम, इसहाक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 11:31-32
- उत्पत्ति 17:15-16
- उत्पत्ति 25:9-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:01** तो अब्राम की पत्नी सारै, ने उससे कहा, "देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा | तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके |
- **05:04** "तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा--वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।"
- **05:04**"परमेश्वर ने सारै का नाम बदलकर सारा रखा, जिसका अर्थ है, "मूलमाता"
- **05:05**"लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम सौ वर्ष का था और सारा नब्बे वर्ष की थी, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया| उन्होंने उसका नाम इसहाक रखा, जैसा कि परमेश्वर ने कहा था|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8283, H8297, G4564

सारा, सारै

तथ्य:

- सारा अब्राहम की पत्नी थी।
- उसका मूल नाम "सारै" था परन्तु परमेश्वर ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
- सारा ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार पुत्र को जन्म दिया।

(यह भी देखें: अब्राहम, इसहाक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 11:31-32
- उत्पत्ति 17:15-16
- उत्पत्ति 25:9-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:01** तो अब्राम की पत्नी सारै, ने उससे कहा, "देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा | तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके |
- **05:04** "तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा--वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।"
- **05:04**"परमेश्वर ने सारै का नाम बदलकर सारा रखा, जिसका अर्थ है, "मूलमाता"
- **05:05**"लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम सौ वर्ष का था और सारा नब्बे वर्ष की थी, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया| उन्होंने उसका नाम इसहाक रखा, जैसा कि परमेश्वर ने कहा था|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8283, H8297, G4564

सारा, सारै

तथ्य:

- सारा अब्राहम की पत्नी थी।
- उसका मूल नाम "सारै" था परन्तु परमेश्वर ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
- सारा ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार पुत्र को जन्म दिया।

(यह भी देखें: अब्राहम, इसहाक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 11:31-32
- उत्पत्ति 17:15-16
- उत्पत्ति 25:9-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:01** तो अब्राम की पत्नी सारै, ने उससे कहा, "देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा | तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके |
- **05:04** "तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा--वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।"
- **05:04**"परमेश्वर ने सारै का नाम बदलकर सारा रखा, जिसका अर्थ है, "मूलमाता"
- **05:05**"लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम सौ वर्ष का था और सारा नब्बे वर्ष की थी, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया| उन्होंने उसका नाम इसहाक रखा, जैसा कि परमेश्वर ने कहा था|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8283, H8297, G4564

सारा, सारै

तथ्य:

- सारा अब्राहम की पत्नी थी।
- उसका मूल नाम "सारै" था परन्तु परमेश्वर ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
- सारा ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार पुत्र को जन्म दिया।

(यह भी देखें: अब्राहम, इसहाक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 11:31-32
- उत्पत्ति 17:15-16
- उत्पत्ति 25:9-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:01** तो अब्राम की पत्नी सारै, ने उससे कहा, "देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा | तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके |
- **05:04** "तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा--वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।"
- **05:04**"परमेश्वर ने सारै का नाम बदलकर सारा रखा, जिसका अर्थ है, "मूलमाता"
- **05:05**"लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम सौ वर्ष का था और सारा नब्बे वर्ष की थी, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया| उन्होंने उसका नाम इसहाक रखा, जैसा कि परमेश्वर ने कहा था|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8283, H8297, G4564

सारा, सारै

तथ्य:

- सारा अब्राहम की पत्नी थी।
- उसका मूल नाम "सारै" था परन्तु परमेश्वर ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
- सारा ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार पुत्र को जन्म दिया।

(यह भी देखें: अब्राहम, इसहाक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 11:31-32
- उत्पत्ति 17:15-16
- उत्पत्ति 25:9-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:01** तो अब्राम की पत्नी सारै, ने उससे कहा, "देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा | तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके |
- **05:04** "तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा--वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।"
- **05:04**"परमेश्वर ने सारै का नाम बदलकर सारा रखा, जिसका अर्थ है, "मूलमाता"
- **05:05**"लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम सौ वर्ष का था और सारा नब्बे वर्ष की थी, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया| उन्होंने उसका नाम इसहाक रखा, जैसा कि परमेश्वर ने कहा था|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8283, H8297, G4564

सारा, सारै

तथ्य:

- सारा अब्राहम की पत्नी थी।
- उसका मूल नाम "सारै" था परन्तु परमेश्वर ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
- सारा ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार पुत्र को जन्म दिया।

(यह भी देखें: अब्राहम, इसहाक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 11:31-32
- उत्पत्ति 17:15-16
- उत्पत्ति 25:9-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:01** तो अब्राम की पत्नी सारै, ने उससे कहा, "देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा | तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके |
- **05:04** "तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा--वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।"
- **05:04**"परमेश्वर ने सारै का नाम बदलकर सारा रखा, जिसका अर्थ है, "मूलमाता"
- **05:05**"लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम सौ वर्ष का था और सारा नब्बे वर्ष की थी, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया| उन्होंने उसका नाम इसहाक रखा, जैसा कि परमेश्वर ने कहा था|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8283, H8297, G4564

सारा, सारै

तथ्य:

- सारा अब्राहम की पत्नी थी।
- उसका मूल नाम "सारै" था परन्तु परमेश्वर ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
- सारा ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार पुत्र को जन्म दिया।

(यह भी देखें: अब्राहम, इसहाक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 11:31-32
- उत्पत्ति 17:15-16
- उत्पत्ति 25:9-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:01** तो अब्राम की पत्नी सारै, ने उससे कहा, "देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा | तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके |
- **05:04** "तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा--वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।"
- **05:04**"परमेश्वर ने सारै का नाम बदलकर सारा रखा, जिसका अर्थ है, "मूलमाता"
- **05:05**"लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम सौ वर्ष का था और सारा नब्बे वर्ष की थी, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया| उन्होंने उसका नाम इसहाक रखा, जैसा कि परमेश्वर ने कहा था|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8283, H8297, G4564

सारा, सारै

तथ्य:

- सारा अब्राहम की पत्नी थी।
- उसका मूल नाम "सारै" था परन्तु परमेश्वर ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
- सारा ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार पुत्र को जन्म दिया।

(यह भी देखें: अब्राहम, इसहाक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 11:31-32
- उत्पत्ति 17:15-16
- उत्पत्ति 25:9-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:01** तो अब्राम की पत्नी सारै, ने उससे कहा, "देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा | तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके |
- **05:04** "तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा--वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।"
- **05:04**"परमेश्वर ने सारै का नाम बदलकर सारा रखा, जिसका अर्थ है, "मूलमाता"
- **05:05**"लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम सौ वर्ष का था और सारा नब्बे वर्ष की थी, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया| उन्होंने उसका नाम इसहाक रखा, जैसा कि परमेश्वर ने कहा था|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8283, H8297, G4564

सारा, सारै

तथ्य:

- सारा अब्राहम की पत्नी थी।
- उसका मूल नाम "सारै" था परन्तु परमेश्वर ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
- सारा ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार पुत्र को जन्म दिया।

(यह भी देखें: अब्राहम, इसहाक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 11:31-32
- उत्पत्ति 17:15-16
- उत्पत्ति 25:9-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:01** तो अब्राम की पत्नी सारै, ने उससे कहा, "देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा | तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके |
- **05:04** "तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा--वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।"
- **05:04**"परमेश्वर ने सारै का नाम बदलकर सारा रखा, जिसका अर्थ है, "मूलमाता"
- **05:05**"लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम सौ वर्ष का था और सारा नब्बे वर्ष की थी, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया| उन्होंने उसका नाम इसहाक रखा, जैसा कि परमेश्वर ने कहा था|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8283, H8297, G4564

सारा, सारै

तथ्य:

- सारा अब्राहम की पत्नी थी।
- उसका मूल नाम "सारै" था परन्तु परमेश्वर ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
- सारा ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार पुत्र को जन्म दिया।

(यह भी देखें: अब्राहम, इसहाक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 11:31-32
- उत्पत्ति 17:15-16
- उत्पत्ति 25:9-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:01** तो अब्राम की पत्नी सारै, ने उससे कहा, "देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा | तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके |
- **05:04** "तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा--वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।"
- **05:04**"परमेश्वर ने सारै का नाम बदलकर सारा रखा, जिसका अर्थ है, "मूलमाता"
- **05:05**"लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम सौ वर्ष का था और सारा नब्बे वर्ष की थी, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया| उन्होंने उसका नाम इसहाक रखा, जैसा कि परमेश्वर ने कहा था|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8283, H8297, G4564

सारा, सारै

तथ्य:

- सारा अब्राहम की पत्नी थी।
- उसका मूल नाम "सारै" था परन्तु परमेश्वर ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
- सारा ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार पुत्र को जन्म दिया।

(यह भी देखें: अब्राहम, इसहाक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 11:29-30
- उत्पत्ति 11:31-32
- उत्पत्ति 17:15-16
- उत्पत्ति 25:9-11

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:01** तो अब्राम की पत्नी सारै, ने उससे कहा, "देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा | तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके |
- **05:04** "तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा--वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।"
- **05:04**"परमेश्वर ने सारै का नाम बदलकर सारा रखा, जिसका अर्थ है, "मूलमाता"
- **05:05**"लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम सौ वर्ष का था और सारा नब्बे वर्ष की थी, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया| उन्होंने उसका नाम इसहाक रखा, जैसा कि परमेश्वर ने कहा था|

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8283, H8297, G4564

सिंहासन, विराजमान

परिभाषा:

एक सिंहासन एक विशेष रूप से बनाई गई कुर्सी है जहाँ एक शासक बैठता है जब वह महत्वपूर्ण मामलों का निर्णय करता है और अपने लोगों के अनुरोधों को सुनता है।

- सिंहासन शासक का अधिकार और शक्ति का प्रतीक है।
- "सिंहासन" शब्द का प्रतीकातमक उपयोग राजा या उसके राज्य या उसकी शक्ति के लिए भी किया जाता है।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा के रूप में सिंहासन पर विराजमान कहा गया है। यीशु को पिता परमेश्वर के दाहिनी ओर सिंहासन पर बैठा हुआ वर्णित किया गया था।
- यीशु ने कहा कि स्वर्ग परमेश्वर का सिंहासन है। इसका अनुवाद , "जहां परमेश्वर राजा के रूप में शासन करता है" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, सामर्थ्य, राजा, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 01:15-17
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 01:30-33
- लूका 22:28-30
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 19:28
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3427, H3676, H3678, H3764, H7675, G968, G2362

सिंहासन, विराजमान

परिभाषा:

एक सिंहासन एक विशेष रूप से बनाई गई कुर्सी है जहाँ एक शासक बैठता है जब वह महत्वपूर्ण मामलों का निर्णय करता है और अपने लोगों के अनुरोधों को सुनता है।

- सिंहासन शासक का अधिकार और शक्ति का प्रतीक है।
- "सिंहासन" शब्द का प्रतीकातमक उपयोग राजा या उसके राज्य या उसकी शक्ति के लिए भी किया जाता है।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा के रूप में सिंहासन पर विराजमान कहा गया है। यीशु को पिता परमेश्वर के दाहिनी ओर सिंहासन पर बैठा हुआ वर्णित किया गया था।
- यीशु ने कहा कि स्वर्ग परमेश्वर का सिंहासन है। इसका अनुवाद , "जहां परमेश्वर राजा के रूप में शासन करता है" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, सामर्थ्य, राजा, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 01:15-17
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 01:30-33
- लूका 22:28-30
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 19:28
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3427, H3676, H3678, H3764, H7675, G968, G2362

सिंहासन, विराजमान

परिभाषा:

एक सिंहासन एक विशेष रूप से बनाई गई कुर्सी है जहाँ एक शासक बैठता है जब वह महत्वपूर्ण मामलों का निर्णय करता है और अपने लोगों के अनुरोधों को सुनता है।

- सिंहासन शासक का अधिकार और शक्ति का प्रतीक है।
- "सिंहासन" शब्द का प्रतीकातमक उपयोग राजा या उसके राज्य या उसकी शक्ति के लिए भी किया जाता है।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा के रूप में सिंहासन पर विराजमान कहा गया है। यीशु को पिता परमेश्वर के दाहिनी ओर सिंहासन पर बैठा हुआ वर्णित किया गया था।
- यीशु ने कहा कि स्वर्ग परमेश्वर का सिंहासन है। इसका अनुवाद , "जहां परमेश्वर राजा के रूप में शासन करता है" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, सामर्थ्य, राजा, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 01:15-17
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 01:30-33
- लूका 22:28-30
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 19:28
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3427, H3676, H3678, H3764, H7675, G968, G2362

सिंहासन, विराजमान

परिभाषा:

एक सिंहासन एक विशेष रूप से बनाई गई कुर्सी है जहाँ एक शासक बैठता है जब वह महत्वपूर्ण मामलों का निर्णय करता है और अपने लोगों के अनुरोधों को सुनता है।

- सिंहासन शासक का अधिकार और शक्ति का प्रतीक है।
- "सिंहासन" शब्द का प्रतीकातमक उपयोग राजा या उसके राज्य या उसकी शक्ति के लिए भी किया जाता है।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा के रूप में सिंहासन पर विराजमान कहा गया है। यीशु को पिता परमेश्वर के दाहिनी ओर सिंहासन पर बैठा हुआ वर्णित किया गया था।
- यीशु ने कहा कि स्वर्ग परमेश्वर का सिंहासन है। इसका अनुवाद , "जहां परमेश्वर राजा के रूप में शासन करता है" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, सामर्थ्य, राजा, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 01:15-17
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 01:30-33
- लूका 22:28-30
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 19:28
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3427, H3676, H3678, H3764, H7675, G968, G2362

सिंहासन, विराजमान

परिभाषा:

एक सिंहासन एक विशेष रूप से बनाई गई कुर्सी है जहाँ एक शासक बैठता है जब वह महत्वपूर्ण मामलों का निर्णय करता है और अपने लोगों के अनुरोधों को सुनता है।

- सिंहासन शासक का अधिकार और शक्ति का प्रतीक है।
- "सिंहासन" शब्द का प्रतीकातमक उपयोग राजा या उसके राज्य या उसकी शक्ति के लिए भी किया जाता है।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा के रूप में सिंहासन पर विराजमान कहा गया है। यीशु को पिता परमेश्वर के दाहिनी ओर सिंहासन पर बैठा हुआ वर्णित किया गया था।
- यीशु ने कहा कि स्वर्ग परमेश्वर का सिंहासन है। इसका अनुवाद , "जहां परमेश्वर राजा के रूप में शासन करता है" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, सामर्थ्य, राजा, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 01:15-17
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 01:30-33
- लूका 22:28-30
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 19:28
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3427, H3676, H3678, H3764, H7675, G968, G2362

सिंहासन, विराजमान

परिभाषा:

एक सिंहासन एक विशेष रूप से बनाई गई कुर्सी है जहाँ एक शासक बैठता है जब वह महत्वपूर्ण मामलों का निर्णय करता है और अपने लोगों के अनुरोधों को सुनता है।

- सिंहासन शासक का अधिकार और शक्ति का प्रतीक है।
- "सिंहासन" शब्द का प्रतीकातमक उपयोग राजा या उसके राज्य या उसकी शक्ति के लिए भी किया जाता है।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा के रूप में सिंहासन पर विराजमान कहा गया है। यीशु को पिता परमेश्वर के दाहिनी ओर सिंहासन पर बैठा हुआ वर्णित किया गया था।
- यीशु ने कहा कि स्वर्ग परमेश्वर का सिंहासन है। इसका अनुवाद , "जहां परमेश्वर राजा के रूप में शासन करता है" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, सामर्थ्य, राजा, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 01:15-17
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 01:30-33
- लूका 22:28-30
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 19:28
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3427, H3676, H3678, H3764, H7675, G968, G2362

सिंहासन, विराजमान

परिभाषा:

एक सिंहासन एक विशेष रूप से बनाई गई कुर्सी है जहाँ एक शासक बैठता है जब वह महत्वपूर्ण मामलों का निर्णय करता है और अपने लोगों के अनुरोधों को सुनता है।

- सिंहासन शासक का अधिकार और शक्ति का प्रतीक है।
- "सिंहासन" शब्द का प्रतीकातमक उपयोग राजा या उसके राज्य या उसकी शक्ति के लिए भी किया जाता है।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा के रूप में सिंहासन पर विराजमान कहा गया है। यीशु को पिता परमेश्वर के दाहिनी ओर सिंहासन पर बैठा हुआ वर्णित किया गया था।
- यीशु ने कहा कि स्वर्ग परमेश्वर का सिंहासन है। इसका अनुवाद , "जहां परमेश्वर राजा के रूप में शासन करता है" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अधिकारी, सामर्थ्य, राजा, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 01:15-17
- उत्पत्ति 41:39-41
- लूका 01:30-33
- लूका 22:28-30
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 19:28
- प्रकाशितवाक्य 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3427, H3676, H3678, H3764, H7675, G968, G2362

सिंहों, सिंह, सिंहनी, सिंहनी

परिभाषा:

सिंह एक बड़ी बिल्ली जैसा वन पशु है जिसके दांत और नाखून नुकीले होते। जिससे वह अपना शिकार फाड़ता है।

- सिंह का शरीर शक्तिशाली होता है और उसकी गति अति तीव्र होती है कि शिकार को पकड़ पाए। उसके रोंए सुनहरे भूरे रंग के होते हैं।
- नर सिंह के गले में बालों का केसर होता है।
- शेर मांसाहारी होते हैं, वे मनुष्य के लिए हिंसक भी होते हैं।
- जब राजा दाऊद बालक था उसने अपनी भेड़ों पर आक्रमण करने वाले सिंहों को मारा था।
- शिमशोन ने भी निहत्थे सिंह को मारा था।

(यह भी देखें: दाऊद, चीता, शिमशोन, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 11:22-23
- 1 राजा 07:27-29
- नीतिवचन 19:11-12
- भजन संहिता 017:11-12
- प्रकाशितवाक्य 05:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H738, H739, H744, H3715, H3833, H3918, H7826, H7830, G3023

सिंहों, सिंह, सिंहनी, सिंहनी

परिभाषा:

सिंह एक बड़ी बिल्ली जैसा वन पशु है जिसके दांत और नाखून नुकीले होते। जिससे वह अपना शिकार फाड़ता है।

- सिंह का शरीर शक्तिशाली होता है और उसकी गति अति तीव्र होती है कि शिकार को पकड़ पाए। उसके रोंए सुनहरे भूरे रंग के होते हैं।
- नर सिंह के गले में बालों का केसर होता है।
- शेर मांसाहारी होते हैं, वे मनुष्य के लिए हिंसक भी होते हैं।
- जब राजा दाऊद बालक था उसने अपनी भेड़ों पर आक्रमण करने वाले सिंहों को मारा था।
- शिमशोन ने भी निहत्थे सिंह को मारा था।

(यह भी देखें: दाऊद, चीता, शिमशोन, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 11:22-23
- 1 राजा 07:27-29
- नीतिवचन 19:11-12
- भजन संहिता 017:11-12
- प्रकाशितवाक्य 05:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H738, H739, H744, H3715, H3833, H3918, H7826, H7830, G3023

सिखाना, सिखाता है, सिखाकर, पढ़ाया गया, शिक्षा, शिक्षायें, अशिक्षित

परिभाषा:

किसी को "सिखाने" का अर्थ है कि उसे वह बताना जो वह पहले से न जानता हो। इसका मतलब सामान्य रूप में "जानकारी प्रदान करने" का भी हो सकता है, जिसका संदर्भ सीखने वाले व्यक्ति से नहीं होता। सामान्यतः जानकारी औपचारिक या विधिवत रूप से दी जाती है। एक व्यक्ति का "शिक्षण" या उसकी "शिक्षा" वह हैं जो उसने पढ़ाया है।

- “गुरू” वह है जो शिक्षा देता है। “सिखाना” की भूतकालीन क्रिया है, “सिखाया”
- यीशु अपनी शिक्षाओं में परमेश्वर और उसके राज्य की बातें बताता था।
- यीशु के चेले उसे “गुरू” कहते थे। यह परमेश्वर के लिए मनुष्यों में शिक्षा देनेवाले के लिए एक सम्मानित पद था।
- जिन जानकारियों की शिक्षा दी जाती है उनका प्रदर्शन या बोला जा सकता है।
- “सिद्धांत” परमेश्वर के बारे में दी जानेवाली शिक्षाओं का समुच्य तथा जीवन शैली के बारे में परमेश्वर के निर्देश है। इसका अनुवाद “परमेश्वर की शिक्षाएं” या “परमेश्वर जो सिखाता है” के रूप में हो सकता है।
- प्रकरण पर आधारित “तुझे सिखाया गया” का अनुवाद, “इन लोगों ने तुझे जो सिखाया” या “परमेश्वर ने तुझे जो सिखाया” हो सकता है।
- “शिक्षा देना” के अन्य अनुवाद “कहना”, या “समझाना” या “निर्देश देना” हो सकते है।
- इस शब्द का अनुवाद इस प्रकार होता है, “मनुष्यों को परमेश्वर के बारे में समझाना”

(यह भी देखें: निर्देश देना, गुरु, परमेश्वर के वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 01:3
- प्रे.का. 02:40-42
- यूहन्ना 07:14
- लूका 04:31
- मत्ती. 04:23
- भजन संहिता 032:08

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H502, H2094, H2449, H3045, H3046, H3256, H3384, H3925, H3948, H7919, H8150, G1317, G1321, G1322, G2085, G2605, G2727, G3100, G2312, G2567, G3811, G4994

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में “सिद्ध” शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- “सिद्ध” शब्द का अर्थ “पूर्ण” एवं “समग्र” भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बिना त्रुटि के” या “बिना चूक के” या “निर्दोष” या “निष्कलंक” या “बिना किसी दोष के”।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में “सिद्ध” शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- “सिद्ध” शब्द का अर्थ “पूर्ण” एवं “समग्र” भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बिना त्रुटि के” या “बिना चूक के” या “निर्दोष” या “निष्कलंक” या “बिना किसी दोष के”।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में "सिद्ध" शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- "सिद्ध" शब्द का अर्थ "पूर्ण" एवं "समग्र" भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बिना त्रुटि के" या "बिना चूक के" या "निर्दोष" या "निष्कलंक" या "बिना किसी दोष के"।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में "सिद्ध" शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- "सिद्ध" शब्द का अर्थ "पूर्ण" एवं "समग्र" भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बिना त्रुटि के" या "बिना चूक के" या "निर्दोष" या "निष्कलंक" या "बिना किसी दोष के"।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में "सिद्ध" शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- "सिद्ध" शब्द का अर्थ "पूर्ण" एवं "समग्र" भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बिना त्रुटि के" या "बिना चूक के" या "निर्दोष" या "निष्कलंक" या "बिना किसी दोष के"।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में "सिद्ध" शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- "सिद्ध" शब्द का अर्थ "पूर्ण" एवं "समग्र" भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बिना त्रुटि के" या "बिना चूक के" या "निर्दोष" या "निष्कलंक" या "बिना किसी दोष के"।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में "सिद्ध" शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- "सिद्ध" शब्द का अर्थ "पूर्ण" एवं "समग्र" भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बिना त्रुटि के" या "बिना चूक के" या "निर्दोष" या "निष्कलंक" या "बिना किसी दोष के"।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में "सिद्ध" शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- "सिद्ध" शब्द का अर्थ "पूर्ण" एवं "समग्र" भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बिना त्रुटि के" या "बिना चूक के" या "निर्दोष" या "निष्कलंक" या "बिना किसी दोष के"।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में "सिद्ध" शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- "सिद्ध" शब्द का अर्थ "पूर्ण" एवं "समग्र" भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बिना त्रुटि के" या "बिना चूक के" या "निर्दोष" या "निष्कलंक" या "बिना किसी दोष के"।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में "सिद्ध" शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- "सिद्ध" शब्द का अर्थ "पूर्ण" एवं "समग्र" भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बिना त्रुटि के" या "बिना चूक के" या "निर्दोष" या "निष्कलंक" या "बिना किसी दोष के"।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में "सिद्ध" शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- "सिद्ध" शब्द का अर्थ "पूर्ण" एवं "समग्र" भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बिना त्रुटि के" या "बिना चूक के" या "निर्दोष" या "निष्कलंक" या "बिना किसी दोष के"।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में "सिद्ध" शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- "सिद्ध" शब्द का अर्थ "पूर्ण" एवं "समग्र" भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बिना त्रुटि के" या "बिना चूक के" या "निर्दोष" या "निष्कलंक" या "बिना किसी दोष के"।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में "सिद्ध" शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- "सिद्ध" शब्द का अर्थ "पूर्ण" एवं "समग्र" भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बिना त्रुटि के" या "बिना चूक के" या "निर्दोष" या "निष्कलंक" या "बिना किसी दोष के"।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में "सिद्ध" शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- "सिद्ध" शब्द का अर्थ "पूर्ण" एवं "समग्र" भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बिना त्रुटि के" या "बिना चूक के" या "निर्दोष" या "निष्कलंक" या "बिना किसी दोष के"।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में "सिद्ध" शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- "सिद्ध" शब्द का अर्थ "पूर्ण" एवं "समग्र" भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बिना त्रुटि के" या "बिना चूक के" या "निर्दोष" या "निष्कलंक" या "बिना किसी दोष के"।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में "सिद्ध" शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- "सिद्ध" शब्द का अर्थ "पूर्ण" एवं "समग्र" भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बिना त्रुटि के" या "बिना चूक के" या "निर्दोष" या "निष्कलंक" या "बिना किसी दोष के"।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

परिभाषा:

बाइबल में "सिद्ध" शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- "सिद्ध" शब्द का अर्थ "पूर्ण" एवं "समग्र" भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बिना त्रुटि के" या "बिना चूक के" या "निर्दोष" या "निष्कलंक" या "बिना किसी दोष के"।

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 12:1-3
- याकूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- भजन संहिता 019:7-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

सिय्योन, सिय्योन पर्वत

परिभाषा:

"सिय्योन" या "सिय्योन पर्वत" एक दृढ़ गढ़ के संदर्भ में है जिसे राजा दाऊद ने यबूसियों से जीता था। दोनो शब्द यरूशलेम के संबोधन के अन्य रूप हुए थे।

- सिय्योन पर्वत और मोरिय्याह पर्वत वे दो पर्वत थे जिन पर यरूशलेम नगर बसा हुआ था। आगे चलकर "सिय्योन" और "सिय्योन पर्वत" इन पर्वतों और यरूशलेम नगर के उपनाम हुए। कभी-कभी ये शब्द यरूशलेम के मन्दिर के संदर्भ में भी काम में लिए गए हैं।
- दाऊद ने सिय्योन या यरूशलेम को "दाऊद नगर" नाम दिया था। यह स्थान दाऊद के अपने स्थान, बैतलहम से भिन्न था जिसे दाऊद नगरी भी कहा गया है।
- "सिय्योन" शब्द के अन्य प्रतीकात्मक रूपों में भी काम में लिया गया है, जैसे इस्राएल के लिए या परमेश्वर के आत्मिक राज्य के लिए या उस नए स्वार्गिक यरूशलेम के लिए जिसे परमेश्वर रचेगा।

(यह भी देखें: अब्राहम, दाऊद, यरूशलेम, बैतलहम, यबूस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 11:4-6
- आमोस 01:1-2
- यिर्मयाह 51:34-35
- भजन संहिता 076:1-3
- रोमियो 11:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6726

सिय्योन, सिय्योन पर्वत

परिभाषा:

“सिय्योन” या “सिय्योन पर्वत” एक दृढ़ गढ़ के संदर्भ में है जिसे राजा दाऊद ने यबूसियों से जीता था। दोनो शब्द यरूशलेम के संबोधन के अन्य रूप हुए थे।

- सिय्योन पर्वत और मोरिय्याह पर्वत वे दो पर्वत थे जिन पर यरूशलेम नगर बसा हुआ था। आगे चलकर “सिय्योन” और “सिय्योन पर्वत” इन पर्वतों और यरूशलेम नगर के उपनाम हुए। कभी-कभी ये शब्द यरूशलेम के मन्दिर के संदर्भ में भी काम में लिए गए हैं।
- दाऊद ने सिय्योन या यरूशलेम को “दाऊद नगर” नाम दिया था। यह स्थान दाऊद के अपने स्थान, बैतलहम से भिन्न था जिसे दाऊद नगरी भी कहा गया है।
- “सिय्योन” शब्द के अन्य प्रतीकात्मक रूपों में भी काम में लिया गया है, जैसे इस्राएल के लिए या परमेश्वर के आत्मिक राज्य के लिए या उस नए स्वार्गिक यरूशलेम के लिए जिसे परमेश्वर रचेगा।

(यह भी देखें: अब्राहम, दाऊद, यरूशलेम, बैतलहम, यबूस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 11:4-6
- आमोस 01:1-2
- यिर्मयाह 51:34-35
- भजन संहिता 076:1-3
- रोमियो 11:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6726

सिय्योन, सिय्योन पर्वत

परिभाषा:

“सिय्योन” या “सिय्योन पर्वत” एक दृढ़ गढ़ के संदर्भ में है जिसे राजा दाऊद ने यबूसियों से जीता था। दोनो शब्द यरूशलेम के संबोधन के अन्य रूप हुए थे।

- सिय्योन पर्वत और मोरिय्याह पर्वत वे दो पर्वत थे जिन पर यरूशलेम नगर बसा हुआ था। आगे चलकर “सिय्योन” और “सिय्योन पर्वत” इन पर्वतों और यरूशलेम नगर के उपनाम हुए। कभी-कभी ये शब्द यरूशलेम के मन्दिर के संदर्भ में भी काम में लिए गए हैं।
- दाऊद ने सिय्योन या यरूशलेम को “दाऊद नगर” नाम दिया था। यह स्थान दाऊद के अपने स्थान, बैतलहम से भिन्न था जिसे दाऊद नगरी भी कहा गया है।
- “सिय्योन” शब्द के अन्य प्रतीकात्मक रूपों में भी काम में लिया गया है, जैसे इस्राएल के लिए या परमेश्वर के आत्मिक राज्य के लिए या उस नए स्वार्गिक यरूशलेम के लिए जिसे परमेश्वर रचेगा।

(यह भी देखें: अब्राहम, दाऊद, यरूशलेम, बैतलहम, यबूस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 11:4-6
- आमोस 01:1-2
- यिर्मयाह 51:34-35
- भजन संहिता 076:1-3
- रोमियो 11:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6726

सिय्योन, सिय्योन पर्वत

परिभाषा:

“सिय्योन” या “सिय्योन पर्वत” एक दृढ़ गढ़ के संदर्भ में है जिसे राजा दाऊद ने यबूसियों से जीता था। दोनो शब्द यरूशलेम के संबोधन के अन्य रूप हुए थे।

- सिय्योन पर्वत और मोरिय्याह पर्वत वे दो पर्वत थे जिन पर यरूशलेम नगर बसा हुआ था। आगे चलकर “सिय्योन” और “सिय्योन पर्वत” इन पर्वतों और यरूशलेम नगर के उपनाम हुए। कभी-कभी ये शब्द यरूशलेम के मन्दिर के संदर्भ में भी काम में लिए गए हैं।
- दाऊद ने सिय्योन या यरूशलेम को “दाऊद नगर” नाम दिया था। यह स्थान दाऊद के अपने स्थान, बैतलहम से भिन्न था जिसे दाऊद नगरी भी कहा गया है।
- “सिय्योन” शब्द के अन्य प्रतीकात्मक रूपों में भी काम में लिया गया है, जैसे इस्राएल के लिए या परमेश्वर के आत्मिक राज्य के लिए या उस नए स्वार्गिक यरूशलेम के लिए जिसे परमेश्वर रचेगा।

(यह भी देखें: अब्राहम, दाऊद, यरूशलेम, बैतलहम, यबूस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 11:4-6
- आमोस 01:1-2
- यिर्मयाह 51:34-35
- भजन संहिता 076:1-3
- रोमियो 11:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6726

सिय्योन, सिय्योन पर्वत

परिभाषा:

“सिय्योन” या “सिय्योन पर्वत” एक दृढ़ गढ़ के संदर्भ में है जिसे राजा दाऊद ने यबूसियों से जीता था। दोनो शब्द यरूशलेम के संबोधन के अन्य रूप हुए थे।

- सिय्योन पर्वत और मोरिय्याह पर्वत वे दो पर्वत थे जिन पर यरूशलेम नगर बसा हुआ था। आगे चलकर “सिय्योन” और “सिय्योन पर्वत” इन पर्वतों और यरूशलेम नगर के उपनाम हुए। कभी-कभी ये शब्द यरूशलेम के मन्दिर के संदर्भ में भी काम में लिए गए हैं।
- दाऊद ने सिय्योन या यरूशलेम को “दाऊद नगर” नाम दिया था। यह स्थान दाऊद के अपने स्थान, बैतलहम से भिन्न था जिसे दाऊद नगरी भी कहा गया है।
- “सिय्योन” शब्द के अन्य प्रतीकात्मक रूपों में भी काम में लिया गया है, जैसे इस्राएल के लिए या परमेश्वर के आत्मिक राज्य के लिए या उस नए स्वार्गिक यरूशलेम के लिए जिसे परमेश्वर रचेगा।

(यह भी देखें: अब्राहम, दाऊद, यरूशलेम, बैतलहम, यबूस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 11:4-6
- आमोस 01:1-2
- यिर्मयाह 51:34-35
- भजन संहिता 076:1-3
- रोमियो 11:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6726

सिय्योन, सिय्योन पर्वत

परिभाषा:

“सिय्योन” या “सिय्योन पर्वत” एक दृढ़ गढ़ के संदर्भ में है जिसे राजा दाऊद ने यबूसियों से जीता था। दोनो शब्द यरूशलेम के संबोधन के अन्य रूप हुए थे।

- सिय्योन पर्वत और मोरिय्याह पर्वत वे दो पर्वत थे जिन पर यरूशलेम नगर बसा हुआ था। आगे चलकर “सिय्योन” और “सिय्योन पर्वत” इन पर्वतों और यरूशलेम नगर के उपनाम हुए। कभी-कभी ये शब्द यरूशलेम के मन्दिर के संदर्भ में भी काम में लिए गए हैं।
- दाऊद ने सिय्योन या यरूशलेम को “दाऊद नगर” नाम दिया था। यह स्थान दाऊद के अपने स्थान, बैतलहम से भिन्न था जिसे दाऊद नगरी भी कहा गया है।
- “सिय्योन” शब्द के अन्य प्रतीकात्मक रूपों में भी काम में लिया गया है, जैसे इस्राएल के लिए या परमेश्वर के आत्मिक राज्य के लिए या उस नए स्वार्गिक यरूशलेम के लिए जिसे परमेश्वर रचेगा।

(यह भी देखें: अब्राहम, दाऊद, यरूशलेम, बैतलहम, यबूस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 11:4-6
- आमोस 01:1-2
- यिर्मयाह 51:34-35
- भजन संहिता 076:1-3
- रोमियो 11:26-27

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6726

सिय्योन की बेटी

परिभाषा:

“सिय्योन की पुत्री” इस्राएल के लिए प्रभुक्त प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है। इसका उपयोग प्रायः भविष्यद्वाणियों में किया जाता है।

- पुराने नियम में “सिय्योन” शब्द यरूशलेम का दूसरा नाम है।
- “सिय्योन” और “यरूशलेम” दोनों शब्द इस्राएल के लिए काम में लिए गए हैं।
- “पुत्री” शब्द अनुराग और प्रेमपूर्ण शब्द है। यह परमेश्वर द्वारा उसकी प्रजा के प्रति उसके धीरज और देखरेख का एक रूपक है।

अनुवाद के सुझाव:

- इसके अनुवाद रूप हो सकते हैं, “सिय्योन से मेरी पुत्री इस्राएल” या “सिय्योन के लोग जो मेरे लिए पुत्री जैसे हैं” या “सिय्योन मेरे प्रिय जन इस्राएल”।
- “सिय्योन” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि बाइबल में उसका अनेक बार उपयोग किया गया है। अनुवाद में एक टिप्पणी लिखी जा सकती है कि उसका प्रतिकात्मक अर्थ और भविष्यद्वाणी का उपयोग स्पष्ट किया जाए।
- “पुत्री” शब्द को भी ज्यों का त्यों रखना उचित है जब तक कि उसका अर्थ समझने में दुविधा न हो।

(यह भी देखें: यरूशलेम, भविष्यद्वक्ता, सिय्योन)

बाइबल सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 06:1-3
- यूहन्ना 12:14-15
- मत्ती 21:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1323, H6726

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सिय्योन की बेटी

परिभाषा:

“सिय्योन की पुत्री” इस्राएल के लिए प्रभुक्त प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है। इसका उपयोग प्रायः भविष्यद्वाणियों में किया जाता है।

- पुराने नियम में “सिय्योन” शब्द यरूशलेम का दूसरा नाम है।
- “सिय्योन” और “यरूशलेम” दोनों शब्द इस्राएल के लिए काम में लिए गए हैं।
- “पुत्री” शब्द अनुराग और प्रेमपूर्ण शब्द है। यह परमेश्वर द्वारा उसकी प्रजा के प्रति उसके धीरज और देखरेख का एक रूपक है।

अनुवाद के सुझाव:

- इसके अनुवाद रूप हो सकते हैं, “सिय्योन से मेरी पुत्री इस्राएल” या “सिय्योन के लोग जो मेरे लिए पुत्री जैसे हैं” या “सिय्योन मेरे प्रिय जन इस्राएल”।
- “सिय्योन” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि बाइबल में उसका अनेक बार उपयोग किया गया है। अनुवाद में एक टिप्पणी लिखी जा सकती है कि उसका प्रतिकात्मक अर्थ और भविष्यद्वाणी का उपयोग स्पष्ट किया जाए।
- “पुत्री” शब्द को भी ज्यों का त्यों रखना उचित है जब तक कि उसका अर्थ समझने में दुविधा न हो।

(यह भी देखें: यरूशलेम, भविष्यद्वक्ता, सिय्योन)

बाइबल सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 06:1-3
- यूहन्ना 12:14-15
- मत्ती 21:4-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1323, H6726

सिर, माथे, चन्दुए, टोपियाँ, गुलूबंद

परिभाषा:

शब्द "सिर" एक मानव शरीर के ऊपरी भाग को संदर्भित करता है, गर्दन के ऊपर। इस शब्द का प्रयोग अक्सर "शीर्ष", "पहले," "शुरुआत," "स्रोत," और अन्य अवधारणाओं सहित कई अलग-अलग चीजों का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

बाइबल में “सिर” शब्द को विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है।

- “उसके सिर पर उस्तरा न चलाया जाए” अर्थात “वह न तो कभी अपने बाल कटवाए और न ही कभी दाढ़ी बनवाए।”
- “इसका खून उसके सिर पर हो” अर्थात उसकी हत्या का उत्तरदायी यही मनुष्य हो और दण्ड पाए।
- अभिव्यक्ति “गेहूं का सिर” अर्थात गेहूं या जौ के पौधे का वह ऊपरी भाग को संदर्भित करता है जिसमें बीज होते हैं। इसी तरह, अभिव्यक्ति "एक पर्वत का सिर" पर्वत के शीर्ष भाग को संदर्भित करता है।
- “सिर” का अर्थ कभी-कभी किसी बात के आरंभिक चरण या स्रोत से होता है जैसे, “मार्ग का सिर (आरंभ)”
- इस शब्द का उपयोग मनुष्यों पर अधिकार रखने वाले के लिए किया गया है। “तूने मुझे जाति-जाति का सिर बनाया है।” इसका अनुवाद हो सकता है: "तू ने मुझे राजा बनाया है" या “तूने मुझे.... पर अधिकार दिया है।"

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “सिर” का अनुवाद हो सकता है, “अधिकार” या “अगुआई एवं निर्देशन देने वाला” या “उत्तरदायी व्यक्ति”
- “उसके ही सिर पर हो” इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “उस पर हो” या “वह दण्ड पाए” या “वही उत्तरदायी माना जाए” या “वह दोषी माना जाए”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “आरंभ” या “स्रोत” या “शासक” या “अगुआ” या “ऊपर”।

(यह भी देखें: अन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:51-54
- 1 राजा 08:1-2
- 1 शमूएल 09:22
- कुलुस्सियों 02:10-12
- कुलुस्सियों 02:18-19
- गिनती 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H441, H1270, H1538, H1627, H3852, H4425, H4761, H4763, H5110, H5324, H6285, H6287, H6797, H6915, H6936, H7139, H7144, H7146, H7217, H7226, H7218, H7541, H7636, H7641, H7872, G346, G755, G2775, G2776, G4719

सिर, माथे, चन्दुए, टोपियाँ, गुलूबंद

परिभाषा:

शब्द "सिर" एक मानव शरीर के ऊपरी भाग को संदर्भित करता है, गर्दन के ऊपर। इस शब्द का प्रयोग अक्सर "शीर्ष", "पहले," "शुरुआत," "स्रोत," और अन्य अवधारणाओं सहित कई अलग-अलग चीजों का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

बाइबल में “सिर” शब्द को विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है।

- “उसके सिर पर उस्तरा न चलाया जाए” अर्थात “वह न तो कभी अपने बाल कटवाए और न ही कभी दाढ़ी बनवाए।”
- “इसका खून उसके सिर पर हो” अर्थात उसकी हत्या का उत्तरदायी यही मनुष्य हो और दण्ड पाए।
- अभिव्यक्ति “गेहूं का सिर” अर्थात गेहूं या जौ के पौधे का वह ऊपरी भाग को संदर्भित करता है जिसमें बीज होते हैं। इसी तरह, अभिव्यक्ति "एक पर्वत का सिर" पर्वत के शीर्ष भाग को संदर्भित करता है।
- “सिर” का अर्थ कभी-कभी किसी बात के आरंभिक चरण या स्रोत से होता है जैसे, “मार्ग का सिर (आरंभ)”
- इस शब्द का उपयोग मनुष्यों पर अधिकार रखने वाले के लिए किया गया है। “तूने मुझे जाति-जाति का सिर बनाया है।” इसका अनुवाद हो सकता है: "तू ने मुझे राजा बनाया है" या “तूने मुझे.... पर अधिकार दिया है।"

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “सिर” का अनुवाद हो सकता है, “अधिकार” या “अगुआई एवं निर्देशन देने वाला” या “उत्तरदायी व्यक्ति”
- “उसके ही सिर पर हो” इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “उस पर हो” या “वह दण्ड पाए” या “वही उत्तरदायी माना जाए” या “वह दोषी माना जाए”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “आरंभ” या “स्रोत” या “शासक” या “अगुआ” या “ऊपर”।

(यह भी देखें: अन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:51-54
- 1 राजा 08:1-2
- 1 शमूएल 09:22
- कुलुस्सियों 02:10-12
- कुलुस्सियों 02:18-19
- गिनती 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H441, H1270, H1538, H1627, H3852, H4425, H4761, H4763, H5110, H5324, H6285, H6287, H6797, H6915, H6936, H7139, H7144, H7146, H7217, H7226, H7218, H7541, H7636, H7641, H7872, G346, G755, G2775, G2776, G4719

सिर, माथे, चन्दुए, टोपियाँ, गुलूबंद

परिभाषा:

शब्द "सिर" एक मानव शरीर के ऊपरी भाग को संदर्भित करता है, गर्दन के ऊपर। इस शब्द का प्रयोग अक्सर "शीर्ष", "पहले," "शुरुआत," "स्रोत," और अन्य अवधारणाओं सहित कई अलग-अलग चीजों का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

बाइबल में “सिर” शब्द को विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है।

- “उसके सिर पर उस्तरा न चलाया जाए” अर्थात “वह न तो कभी अपने बाल कटवाए और न ही कभी दाढ़ी बनवाए।”
- “इसका खून उसके सिर पर हो” अर्थात उसकी हत्या का उत्तरदायी यही मनुष्य हो और दण्ड पाए।
- अभिव्यक्ति “गेहूं का सिर” अर्थात गेहूं या जौ के पौधे का वह ऊपरी भाग को संदर्भित करता है जिसमें बीज होते हैं। इसी तरह, अभिव्यक्ति "एक पर्वत का सिर" पर्वत के शीर्ष भाग को संदर्भित करता है।
- “सिर” का अर्थ कभी-कभी किसी बात के आरंभिक चरण या स्रोत से होता है जैसे, “मार्ग का सिर (आरंभ)”
- इस शब्द का उपयोग मनुष्यों पर अधिकार रखने वाले के लिए किया गया है। “तूने मुझे जाति-जाति का सिर बनाया है।” इसका अनुवाद हो सकता हैः "तू ने मुझे राजा बनाया है" या “तूने मुझे.... पर अधिकार दिया है।"

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “सिर” का अनुवाद हो सकता है, “अधिकार” या “अगुआई एवं निर्देशन देने वाला” या “उत्तरदायी व्यक्ति”
- “उसके ही सिर पर हो” इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “उस पर हो” या “वह दण्ड पाए” या “वही उत्तरदायी माना जाए” या “वह दोषी माना जाए”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “आरंभ” या “स्रोत” या “शासक” या “अगुआ” या “ऊपर”।

(यह भी देखें: अन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:51-54
- 1 राजा 08:1-2
- 1 शमूएल 09:22
- कुलुस्सियों 02:10-12
- कुलुस्सियों 02:18-19
- गिनती 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H441, H1270, H1538, H1627, H3852, H4425, H4761, H4763, H5110, H5324, H6285, H6287, H6797, H6915, H6936, H7139, H7144, H7146, H7217, H7226, H7218, H7541, H7636, H7641, H7872, G346, G755, G2775, G2776, G4719

सिर, माथे, चन्दुए, टोपियाँ, गुलूबंद

परिभाषा:

शब्द "सिर" एक मानव शरीर के ऊपरी भाग को संदर्भित करता है, गर्दन के ऊपर। इस शब्द का प्रयोग अक्सर "शीर्ष", "पहले," "शुरुआत," "स्रोत," और अन्य अवधारणाओं सहित कई अलग-अलग चीजों का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

बाइबल में “सिर” शब्द को विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है।

- “उसके सिर पर उस्तरा न चलाया जाए” अर्थात “वह न तो कभी अपने बाल कटवाए और न ही कभी दाढ़ी बनवाए।”
- “इसका खून उसके सिर पर हो” अर्थात उसकी हत्या का उत्तरदायी यही मनुष्य हो और दण्ड पाए।
- अभिव्यक्ति “गेहूं का सिर” अर्थात गेहूं या जौ के पौधे का वह ऊपरी भाग को संदर्भित करता है जिसमें बीज होते हैं। इसी तरह, अभिव्यक्ति "एक पर्वत का सिर" पर्वत के शीर्ष भाग को संदर्भित करता है।

- “सिर” का अर्थ कभी-कभी किसी बात के आरंभिक चरण या स्रोत से होता है जैसे, “मार्ग का सिर (आरंभ)”
- इस शब्द का उपयोग मनुष्यों पर अधिकार रखने वाले के लिए किया गया है। “तूने मुझे जाति-जाति का सिर बनाया है।” इसका अनुवाद हो सकता है: "तू ने मुझे राजा बनाया है" या “तूने मुझे.... पर अधिकार दिया है।"

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “सिर” का अनुवाद हो सकता है, “अधिकार” या “अगुआई एवं निर्देशन देने वाला” या “उत्तरदायी व्यक्ति”
- “उसके ही सिर पर हो” इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “उस पर हो” या “वह दण्ड पाए” या “वही उत्तरदायी माना जाए” या “वह दोषी माना जाए”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “आरंभ” या “स्रोत” या “शासक” या “अगुआ” या “ऊपर”।

(यह भी देखें: अन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:51-54
- 1 राजा 08:1-2
- 1 शमूएल 09:22
- कुलुस्सियों 02:10-12
- कुलुस्सियों 02:18-19
- गिनती 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H441, H1270, H1538, H1627, H3852, H4425, H4761, H4763, H5110, H5324, H6285, H6287, H6797, H6915, H6936, H7139, H7144, H7146, H7217, H7226, H7218, H7541, H7636, H7641, H7872, G346, G755, G2775, G2776, G4719

सिर, माथे, चन्दुए, टोपियाँ, गुलूबंद

परिभाषा:

शब्द "सिर" एक मानव शरीर के ऊपरी भाग को संदर्भित करता है, गर्दन के ऊपर। इस शब्द का प्रयोग अक्सर "शीर्ष", "पहले," "शुरुआत," "स्रोत," और अन्य अवधारणाओं सहित कई अलग-अलग चीजों का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

बाइबल में “सिर” शब्द को विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है।

- “उसके सिर पर उस्तरा न चलाया जाए” अर्थात “वह न तो कभी अपने बाल कटवाए और न ही कभी दाढ़ी बनवाए।”
- “इसका खून उसके सिर पर हो” अर्थात उसकी हत्या का उत्तरदायी यही मनुष्य हो और दण्ड पाए।
- अभिव्यक्ति “गेहूं का सिर” अर्थात गेहूं या जौ के पौधे का वह ऊपरी भाग को संदर्भित करता है जिसमें बीज होते हैं। इसी तरह, अभिव्यक्ति "एक पर्वत का सिर" पर्वत के शीर्ष भाग को संदर्भित करता है।
- “सिर” का अर्थ कभी-कभी किसी बात के आरंभिक चरण या स्रोत से होता है जैसे, “मार्ग का सिर (आरंभ)”
- इस शब्द का उपयोग मनुष्यों पर अधिकार रखने वाले के लिए किया गया है। “तूने मुझे जाति-जाति का सिर बनाया है।” इसका अनुवाद हो सकता है: "तू ने मुझे राजा बनाया है" या “तूने मुझे.... पर अधिकार दिया है।"

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “सिर” का अनुवाद हो सकता है, “अधिकार” या “अगुआई एवं निर्देशन देने वाला” या “उत्तरदायी व्यक्ति”
- “उसके ही सिर पर हो” इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “उस पर हो” या “वह दण्ड पाए” या “वही उत्तरदायी माना जाए” या “वह दोषी माना जाए”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “आरंभ” या “स्रोत” या “शासक” या “अगुआ” या “ऊपर”।

(यह भी देखें: अन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:51-54
- 1 राजा 08:1-2
- 1 शमूएल 09:22
- कुलुस्सियों 02:10-12
- कुलुस्सियों 02:18-19
- गिनती 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H441, H1270, H1538, H1627, H3852, H4425, H4761, H4763, H5110, H5324, H6285, H6287, H6797, H6915, H6936, H7139, H7144, H7146, H7217, H7226, H7218, H7541, H7636, H7641, H7872, G346, G755, G2775, G2776, G4719

सिर, माथे, चन्दुए, टोपियाँ, गुलूबंद

परिभाषा:

शब्द "सिर" एक मानव शरीर के ऊपरी भाग को संदर्भित करता है, गर्दन के ऊपर। इस शब्द का प्रयोग अक्सर "शीर्ष", "पहले," "शुरुआत," "स्रोत," और अन्य अवधारणाओं सहित कई अलग-अलग चीजों का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

बाइबल में “सिर” शब्द को विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है।

- “उसके सिर पर उस्तरा न चलाया जाए” अर्थात “वह न तो कभी अपने बाल कटवाए और न ही कभी दाढ़ी बनवाए।”
- “इसका खून उसके सिर पर हो” अर्थात उसकी हत्या का उत्तरदायी यही मनुष्य हो और दण्ड पाए।
- अभिव्यक्ति “गेहूं का सिर” अर्थात गेहूं या जौ के पौधे का वह ऊपरी भाग को संदर्भित करता है जिसमें बीज होते हैं। इसी तरह, अभिव्यक्ति "एक पर्वत का सिर" पर्वत के शीर्ष भाग को संदर्भित करता है।
- “सिर” का अर्थ कभी-कभी किसी बात के आरंभिक चरण या स्रोत से होता है जैसे, “मार्ग का सिर (आरंभ)”
- इस शब्द का उपयोग मनुष्यों पर अधिकार रखने वाले के लिए किया गया है। “तूने मुझे जाति-जाति का सिर बनाया है।” इसका अनुवाद हो सकता है: "तू ने मुझे राजा बनाया है" या “तूने मुझे.... पर अधिकार दिया है।"

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “सिर” का अनुवाद हो सकता है, “अधिकार” या “अगुआई एवं निर्देशन देने वाला” या “उत्तरदायी व्यक्ति”
- “उसके ही सिर पर हो” इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “उस पर हो” या “वह दण्ड पाए” या “वही उत्तरदायी माना जाए” या “वह दोषी माना जाए”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “आरंभ” या “स्रोत” या “शासक” या “अगुआ” या “ऊपर”।

(यह भी देखें: अन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:51-54
- 1 राजा 08:1-2
- 1 शमूएल 09:22
- कुलुस्सियों 02:10-12
- कुलुस्सियों 02:18-19
- गिनती 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H441, H1270, H1538, H1627, H3852, H4425, H4761, H4763, H5110, H5324, H6285, H6287, H6797, H6915, H6936, H7139, H7144, H7146, H7217, H7226, H7218, H7541, H7636, H7641, H7872, G346, G755, G2775, G2776, G4719

सिर, माथे, चन्दुए, टोपियाँ, गुलूबंद

परिभाषा:

शब्द "सिर" एक मानव शरीर के ऊपरी भाग को संदर्भित करता है, गर्दन के ऊपर। इस शब्द का प्रयोग अक्सर "शीर्ष", "पहले," "शुरुआत," "स्रोत," और अन्य अवधारणाओं सहित कई अलग-अलग चीजों का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

बाइबल में “सिर” शब्द को विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है।

- “उसके सिर पर उस्तरा न चलाया जाए” अर्थात “वह न तो कभी अपने बाल कटवाए और न ही कभी दाढ़ी बनवाए।”
- “इसका खून उसके सिर पर हो” अर्थात उसकी हत्या का उत्तरदायी यही मनुष्य हो और दण्ड पाए।
- अभिव्यक्ति “गेहूं का सिर” अर्थात गेहूं या जौ के पौधे का वह ऊपरी भाग को संदर्भित करता है जिसमें बीज होते हैं। इसी तरह, अभिव्यक्ति "एक पर्वत का सिर" पर्वत के शीर्ष भाग को संदर्भित करता है।
- “सिर” का अर्थ कभी-कभी किसी बात के आरंभिक चरण या स्रोत से होता है जैसे, “मार्ग का सिर (आरंभ)”
- इस शब्द का उपयोग मनुष्यों पर अधिकार रखने वाले के लिए किया गया है। “तूने मुझे जाति-जाति का सिर बनाया है।” इसका अनुवाद हो सकता हैः "तू ने मुझे राजा बनाया है" या “तूने मुझे.... पर अधिकार दिया है।"

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “सिर” का अनुवाद हो सकता है, “अधिकार” या “अगुआई एवं निर्देशन देने वाला” या “उत्तरदायी व्यक्ति”
- “उसके ही सिर पर हो” इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “उस पर हो” या “वह दण्ड पाए” या “वही उत्तरदायी माना जाए” या “वह दोषी माना जाए”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “आरंभ” या “स्रोत” या “शासक” या “अगुआ” या “ऊपर”।

(यह भी देखें: अन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:51-54
- 1 राजा 08:1-2
- 1 शमूएल 09:22
- कुलुस्सियों 02:10-12
- कुलुस्सियों 02:18-19
- गिनती 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H441, H1270, H1538, H1627, H3852, H4425, H4761, H4763, H5110, H5324, H6285, H6287, H6797, H6915, H6936, H7139, H7144, H7146, H7217, H7226, H7218, H7541, H7636, H7641, H7872, G346, G755, G2775, G2776, G4719

सिर, माथे, चन्दुए, टोपियाँ, गुलूबंद

परिभाषा:

शब्द "सिर" एक मानव शरीर के ऊपरी भाग को संदर्भित करता है, गर्दन के ऊपर। इस शब्द का प्रयोग अक्सर "शीर्ष", "पहले," "शुरुआत," "स्रोत," और अन्य अवधारणाओं सहित कई अलग-अलग चीजों का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

बाइबल में “सिर” शब्द को विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है।

- “उसके सिर पर उस्तरा न चलाया जाए” अर्थात “वह न तो कभी अपने बाल कटवाए और न ही कभी दाढ़ी बनवाए।”
- “इसका खून उसके सिर पर हो” अर्थात उसकी हत्या का उत्तरदायी यही मनुष्य हो और दण्ड पाए।
- अभिव्यक्ति “गेहूं का सिर” अर्थात गेहूं या जौ के पौधे का वह ऊपरी भाग को संदर्भित करता है जिसमें बीज होते हैं। इसी तरह, अभिव्यक्ति "एक पर्वत का सिर" पर्वत के शीर्ष भाग को संदर्भित करता है।

- “सिर” का अर्थ कभी-कभी किसी बात के आरंभिक चरण या स्रोत से होता है जैसे, “मार्ग का सिर (आरंभ)”
- इस शब्द का उपयोग मनुष्यों पर अधिकार रखने वाले के लिए किया गया है। “तूने मुझे जाति-जाति का सिर बनाया है।” इसका अनुवाद हो सकता है: "तू ने मुझे राजा बनाया है" या “तूने मुझे.... पर अधिकार दिया है।"

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “सिर” का अनुवाद हो सकता है, “अधिकार” या “अगुआई एवं निर्देशन देने वाला” या “उत्तरदायी व्यक्ति”
- “उसके ही सिर पर हो” इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “उस पर हो” या “वह दण्ड पाए” या “वही उत्तरदायी माना जाए” या “वह दोषी माना जाए”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “आरंभ” या “स्रोत” या “शासक” या “अगुआ” या “ऊपर”।

(यह भी देखें: अन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:51-54
- 1 राजा 08:1-2
- 1 शमूएल 09:22
- कुलुस्सियों 02:10-12
- कुलुस्सियों 02:18-19
- गिनती 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H441, H1270, H1538, H1627, H3852, H4425, H4761, H4763, H5110, H5324, H6285, H6287, H6797, H6915, H6936, H7139, H7144, H7146, H7217, H7226, H7218, H7541, H7636, H7641, H7872, G346, G755, G2775, G2776, G4719

सिर, माथे, चन्दुए, टोपियाँ, गुलूबंद

परिभाषा:

शब्द "सिर" एक मानव शरीर के ऊपरी भाग को संदर्भित करता है, गर्दन के ऊपर। इस शब्द का प्रयोग अक्सर "शीर्ष", "पहले," "शुरुआत," "स्रोत," और अन्य अवधारणाओं सहित कई अलग-अलग चीजों का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

बाइबल में “सिर” शब्द को विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है।

- “उसके सिर पर उस्तरा न चलाया जाए” अर्थात “वह न तो कभी अपने बाल कटवाए और न ही कभी दाढ़ी बनवाए।”
- “इसका खून उसके सिर पर हो” अर्थात उसकी हत्या का उत्तरदायी यही मनुष्य हो और दण्ड पाए।
- अभिव्यक्ति “गेहूं का सिर” अर्थात गेहूं या जौ के पौधे का वह ऊपरी भाग को संदर्भित करता है जिसमें बीज होते हैं। इसी तरह, अभिव्यक्ति "एक पर्वत का सिर" पर्वत के शीर्ष भाग को संदर्भित करता है।
- “सिर” का अर्थ कभी-कभी किसी बात के आरंभिक चरण या स्रोत से होता है जैसे, “मार्ग का सिर (आरंभ)”
- इस शब्द का उपयोग मनुष्यों पर अधिकार रखने वाले के लिए किया गया है। “तूने मुझे जाति-जाति का सिर बनाया है।” इसका अनुवाद हो सकता है: "तू ने मुझे राजा बनाया है" या “तूने मुझे.... पर अधिकार दिया है।"

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “सिर” का अनुवाद हो सकता है, “अधिकार” या “अगुआई एवं निर्देशन देने वाला” या “उत्तरदायी व्यक्ति”
- “उसके ही सिर पर हो” इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “उस पर हो” या “वह दण्ड पाए” या “वही उत्तरदायी माना जाए” या “वह दोषी माना जाए”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “आरंभ” या “स्रोत” या “शासक” या “अगुआ” या “ऊपर”।

(यह भी देखें: अन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:51-54
- 1 राजा 08:1-2
- 1 शमूएल 09:22
- कुलुस्सियों 02:10-12
- कुलुस्सियों 02:18-19
- गिनती 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H441, H1270, H1538, H1627, H3852, H4425, H4761, H4763, H5110, H5324, H6285, H6287, H6797, H6915, H6936, H7139, H7144, H7146, H7217, H7226, H7218, H7541, H7636, H7641, H7872, G346, G755, G2775, G2776, G4719

सिर, माथे, चन्दुए, टोपियाँ, गुलूबंद

परिभाषा:

शब्द "सिर" एक मानव शरीर के ऊपरी भाग को संदर्भित करता है, गर्दन के ऊपर। इस शब्द का प्रयोग अक्सर "शीर्ष", "पहले," "शुरुआत," "स्रोत," और अन्य अवधारणाओं सहित कई अलग-अलग चीजों का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

बाइबल में “सिर” शब्द को विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है।

- “उसके सिर पर उस्तरा न चलाया जाए” अर्थात “वह न तो कभी अपने बाल कटवाए और न ही कभी दाढ़ी बनवाए।”
- “इसका खून उसके सिर पर हो” अर्थात उसकी हत्या का उत्तरदायी यही मनुष्य हो और दण्ड पाए।
- अभिव्यक्ति “गेहूं का सिर” अर्थात गेहूं या जौ के पौधे का वह ऊपरी भाग को संदर्भित करता है जिसमें बीज होते हैं। इसी तरह, अभिव्यक्ति "एक पर्वत का सिर" पर्वत के शीर्ष भाग को संदर्भित करता है।
- “सिर” का अर्थ कभी-कभी किसी बात के आरंभिक चरण या स्रोत से होता है जैसे, “मार्ग का सिर (आरंभ)”
- इस शब्द का उपयोग मनुष्यों पर अधिकार रखने वाले के लिए किया गया है। “तूने मुझे जाति-जाति का सिर बनाया है।” इसका अनुवाद हो सकता है: "तू ने मुझे राजा बनाया है" या “तूने मुझे.... पर अधिकार दिया है।"

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “सिर” का अनुवाद हो सकता है, “अधिकार” या “अगुआई एवं निर्देशन देने वाला” या “उत्तरदायी व्यक्ति”
- “उसके ही सिर पर हो” इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “उस पर हो” या “वह दण्ड पाए” या “वही उत्तरदायी माना जाए” या “वह दोषी माना जाए”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “आरंभ” या “स्रोत” या “शासक” या “अगुआ” या “ऊपर”।

(यह भी देखें: अन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:51-54
- 1 राजा 08:1-2
- 1 शमूएल 09:22
- कुलुस्सियों 02:10-12
- कुलुस्सियों 02:18-19
- गिनती 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H441, H1270, H1538, H1627, H3852, H4425, H4761, H4763, H5110, H5324, H6285, H6287, H6797, H6915, H6936, H7139, H7144, H7146, H7217, H7226, H7218, H7541, H7636, H7641, H7872, G346, G755, G2775, G2776, G4719

सिर, माथे, चन्दुए, टोपियाँ, गुलूबंद

परिभाषा:

शब्द "सिर" एक मानव शरीर के ऊपरी भाग को संदर्भित करता है, गर्दन के ऊपर। इस शब्द का प्रयोग अक्सर "शीर्ष", "पहले," "शुरुआत," "स्रोत," और अन्य अवधारणाओं सहित कई अलग-अलग चीजों का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

बाइबल में “सिर” शब्द को विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है।

- “उसके सिर पर उस्तरा न चलाया जाए” अर्थात “वह न तो कभी अपने बाल कटवाए और न ही कभी दाढ़ी बनवाए।”
- “इसका खून उसके सिर पर हो” अर्थात उसकी हत्या का उत्तरदायी यही मनुष्य हो और दण्ड पाए।
- अभिव्यक्ति “गेहूं का सिर” अर्थात गेहूं या जौ के पौधे का वह ऊपरी भाग को संदर्भित करता है जिसमें बीज होते हैं। इसी तरह, अभिव्यक्ति "एक पर्वत का सिर" पर्वत के शीर्ष भाग को संदर्भित करता है।
- “सिर” का अर्थ कभी-कभी किसी बात के आरंभिक चरण या स्रोत से होता है जैसे, “मार्ग का सिर (आरंभ)”
- इस शब्द का उपयोग मनुष्यों पर अधिकार रखने वाले के लिए किया गया है। “तूने मुझे जाति-जाति का सिर बनाया है।” इसका अनुवाद हो सकता है: "तू ने मुझे राजा बनाया है" या “तूने मुझे.... पर अधिकार दिया है।"

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “सिर” का अनुवाद हो सकता है, “अधिकार” या “अगुआई एवं निर्देशन देने वाला” या “उत्तरदायी व्यक्ति”
- “उसके ही सिर पर हो” इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “उस पर हो” या “वह दण्ड पाए” या “वही उत्तरदायी माना जाए” या “वह दोषी माना जाए”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “आरंभ” या “स्रोत” या “शासक” या “अगुआ” या “ऊपर”।

(यह भी देखें: अन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:51-54
- 1 राजा 08:1-2
- 1 शमूएल 09:22
- कुलुस्सियों 02:10-12
- कुलुस्सियों 02:18-19
- गिनती 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H441, H1270, H1538, H1627, H3852, H4425, H4761, H4763, H5110, H5324, H6285, H6287, H6797, H6915, H6936, H7139, H7144, H7146, H7217, H7226, H7218, H7541, H7636, H7641, H7872, G346, G755, G2775, G2776, G4719

सिर, माथे, चन्दुए, टोपियाँ, गुलूबंद

परिभाषा:

शब्द "सिर" एक मानव शरीर के ऊपरी भाग को संदर्भित करता है, गर्दन के ऊपर। इस शब्द का प्रयोग अक्सर "शीर्ष", "पहले," "शुरुआत," "स्रोत," और अन्य अवधारणाओं सहित कई अलग-अलग चीजों का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

बाइबल में “सिर” शब्द को विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है।

- “उसके सिर पर उस्तरा न चलाया जाए” अर्थात “वह न तो कभी अपने बाल कटवाए और न ही कभी दाढ़ी बनवाए।”
- “इसका खून उसके सिर पर हो” अर्थात उसकी हत्या का उत्तरदायी यही मनुष्य हो और दण्ड पाए।
- अभिव्यक्ति “गेहूं का सिर” अर्थात गेहूं या जौ के पौधे का वह ऊपरी भाग को संदर्भित करता है जिसमें बीज होते हैं। इसी तरह, अभिव्यक्ति "एक पर्वत का सिर" पर्वत के शीर्ष भाग को संदर्भित करता है।

- “सिर” का अर्थ कभी-कभी किसी बात के आरंभिक चरण या स्रोत से होता है जैसे, “मार्ग का सिर (आरंभ)”
- इस शब्द का उपयोग मनुष्यों पर अधिकार रखने वाले के लिए किया गया है। “तूने मुझे जाति-जाति का सिर बनाया है।” इसका अनुवाद हो सकता है: "तू ने मुझे राजा बनाया है" या “तूने मुझे.... पर अधिकार दिया है।"

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “सिर” का अनुवाद हो सकता है, “अधिकार” या “अगुआई एवं निर्देशन देने वाला” या “उत्तरदायी व्यक्ति”
- “उसके ही सिर पर हो” इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “उस पर हो” या “वह दण्ड पाए” या “वही उत्तरदायी माना जाए” या “वह दोषी माना जाए”।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “आरंभ” या “स्रोत” या “शासक” या “अगुआ” या “ऊपर”।

(यह भी देखें: अन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:51-54
- 1 राजा 08:1-2
- 1 शमूएल 09:22
- कुलुस्सियों 02:10-12
- कुलुस्सियों 02:18-19
- गिनती 01:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H441, H1270, H1538, H1627, H3852, H4425, H4761, H4763, H5110, H5324, H6285, H6287, H6797, H6915, H6936, H7139, H7144, H7146, H7217, H7226, H7218, H7541, H7636, H7641, H7872, G346, G755, G2775, G2776, G4719

सींग, सींगों, सींग वाले

तथ्य:

सींग, अनेक पशुओं के सिर पर कठोर नुकीले भाग होते हैं, जैसे मवेशी, भेड़, बकरी, हिरण।

- भेढ़े(नर भेड़) की सींग से संगीत वाद्य बनाया जाता था, जिसे “नरसिंगा” या “शोफार” कहता है जिसे खास उत्सव जैसे कि धार्मिक पर्वों पर फूंका जाता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि धूप जलाने की और पीतल की वेदियों के चारों कोनों पर सींग जैसी रचना करें। यद्यपि इन रचनाओं को सींग कहते थे, वे वास्तव में पशुओं के सींग नहीं थे।
- सींग कभी-कभी पानी या तेल के पात्र को भी कहा जाता था जिसका आकार सींग जैसा होता था। तेल का ऐसा सींग रूपक पात्र राजा के अभिषेक में काम आता था जैसे शमूएल ने दाऊद का अभिषेक किया था जब उसने काम में लिया था।
- इस शब्द का अनुवाद तुरही शब्द के अनुवाद से एक सर्वथा भिन्न शब्द द्वारा किया जाना चाहिए।
- सींग शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग शक्ति, सामर्थ्य, अधिकार और वैभव को दर्शाने के लिए भी काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: अधिकारी, गाय, हिरन, बकरा, सामर्थ्य, राजकीय, भेड़, तुरही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:27-28
- 1 राजा 01:38-40
- 2 शमूएल 22:3-4
- यिर्मयाह 17:1-2
- भजन संहिता 022:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2689, H3104, H7160, H7161, H7162, H7782, G2768

सींग, सींगों, सींग वाले

तथ्य:

सींग, अनेक पशुओं के सिर पर कठोर नुकीले भाग होते हैं, जैसे मवेशी, भेड़, बकरी, हिरण।

- भेढ़े(नर भेड़) की सींग से संगीत वाद्य बनाया जाता था, जिसे "नरसिंगा" या "शोफार" कहता है जिसे खास उत्सव जैसे कि धार्मिक पर्वों पर फूंका जाता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि धूप जलाने की और पीतल की वेदियों के चारों कोनों पर सींग जैसी रचना करें। यद्यपि इन रचनाओं को सींग कहते थे, वे वास्तव में पशुओं के सींग नहीं थे।
- सींग कभी-कभी पानी या तेल के पात्र को भी कहा जाता था जिसका आकार सींग जैसा होता था। तेल का ऐसा सींग रूपक पात्र राजा के अभिषेक में काम आता था जैसे शमूएल ने दाऊद का अभिषेक किया था जब उसने काम में लिया था।
- इस शब्द का अनुवाद तुरही शब्द के अनुवाद से एक सर्वथा भिन्न शब्द द्वारा किया जाना चाहिए।
- सींग शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग शक्ति, सामर्थ्य, अधिकार और वैभव को दर्शाने के लिए भी काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: अधिकारी, गाय, हिरन, बकरा, सामर्थ्य, राजकीय, भेड़, तुरही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 15:27-28
- 1 राजा 01:38-40
- 2 शमूएल 22:3-4
- यिर्मयाह 17:1-2
- भजन संहिता 022:20-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2689, H3104, H7160, H7161, H7162, H7782, G2768

सीधे, सिधाई

परिभाषा:

"सीधे" और "सिधाई" शब्दों का अर्थ है परमेश्वर के नियमानुसार आचरण करना।

- इन शब्दों के अर्थ में सीधा खड़ा होना और सीधा देखने का मूल विचार निहित है।
- एक खरा मनुष्य परमेश्वर के नियमों का पालन करता है और उसकी इच्छा के विरूद्ध कुछ नहीं करता है।
- "खराई" और "धार्मिकता" के समानार्थक शब्द हैं और कभी-कभी समानान्तर रचना में काम में लिए जाते हैं जैसे "खराई और धार्मिकता"

अनुवाद के लिए सुझाव:

- "सीधे" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "उचित व्यवहार करना" या "उचित काम करनेवाला" या "परमेश्वर के नियमानुसार चलना" या "परमेश्वर का आज्ञाकारी" या "उचित आचरण रखना"।
- "सिधाई" शब्द का अनुवाद "नैतिक शुद्धता" या "अच्छे नैतिक चरित्र" या "औचित्य"
- "खरे" का अनुवाद "सच्चे लोग" या "निष्कपट लोग" हो सकता है।

(यह भी देखें: खराई, व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा मानना, शुद्ध, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 12:10-11
- अय्यूब 01:6-8
- भजन संहिता 049:14-15
- भजन संहिता 107:41-43

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1368, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5977, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G3716, G3717

सीधे, सिधाई

परिभाषा:

“सीधे” और “सिधाई” शब्दों का अर्थ है परमेश्वर के नियमानुसार आचरण करना।

- इन शब्दों के अर्थ में सीधा खड़ा होना और सीधा देखने का मूल विचार निहित है।
- एक खरा मनुष्य परमेश्वर के नियमों का पालन करता है और उसकी इच्छा के विरूद्ध कुछ नहीं करता है।
- “खराई” और “धार्मिकता” के समानार्थक शब्द हैं और कभी-कभी समानान्तर रचना में काम में लिए जाते हैं जैसे “खराई और धार्मिकता”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “सीधे” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “उचित व्यवहार करना” या “उचित काम करनेवाला” या “परमेश्वर के नियमानुसार चलना” या “परमेश्वर का आज्ञाकारी” या “उचित आचरण रखना”।
- “सिधाई” शब्द का अनुवाद “नैतिक शुद्धता” या “अच्छे नैतिक चरित्र” या “औचित्य”
- “खरे” का अनुवाद “सच्चे लोग” या “निष्कपट लोग” हो सकता है।

(यह भी देखें: खराई, व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा मानना, शुद्ध, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 12:10-11
- अय्यूब 01:6-8
- भजन संहिता 049:14-15
- भजन संहिता 107:41-43

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1368, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5977, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G3716, G3717

सीधे, सिधाई

परिभाषा:

“सीधे” और “सिधाई” शब्दों का अर्थ है परमेश्वर के नियमानुसार आचरण करना।

- इन शब्दों के अर्थ में सीधा खड़ा होना और सीधा देखने का मूल विचार निहित है।
- एक खरा मनुष्य परमेश्वर के नियमों का पालन करता है और उसकी इच्छा के विरूद्ध कुछ नहीं करता है।
- “खराई” और “धार्मिकता” के समानार्थक शब्द हैं और कभी-कभी समानान्तर रचना में काम में लिए जाते हैं जैसे “खराई और धार्मिकता”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “सीधे” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “उचित व्यवहार करना” या “उचित काम करनेवाला” या “परमेश्वर के नियमानुसार चलना” या “परमेश्वर का आज्ञाकारी” या “उचित आचरण रखना”।
- “सिधाई” शब्द का अनुवाद “नैतिक शुद्धता” या “अच्छे नैतिक चरित्र” या “औचित्य”
- “खरे” का अनुवाद “सच्चे लोग” या “निष्कपट लोग” हो सकता है।

(यह भी देखें: खराई, व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा मानना, शुद्ध, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 12:10-11
- अय्यूब 01:6-8
- भजन संहिता 049:14-15
- भजन संहिता 107:41-43

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1368, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5977, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G3716, G3717

सीधे, सिधाई

परिभाषा:

“सीधे” और “सिधाई” शब्दों का अर्थ है परमेश्वर के नियमानुसार आचरण करना।

- इन शब्दों के अर्थ में सीधा खड़ा होना और सीधा देखने का मूल विचार निहित है।
- एक खरा मनुष्य परमेश्वर के नियमों का पालन करता है और उसकी इच्छा के विरूद्ध कुछ नहीं करता है।
- “खराई” और “धार्मिकता” के समानार्थक शब्द हैं और कभी-कभी समानान्तर रचना में काम में लिए जाते हैं जैसे “खराई और धार्मिकता”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “सीधे” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “उचित व्यवहार करना” या “उचित काम करनेवाला” या “परमेश्वर के नियमानुसार चलना” या “परमेश्वर का आज्ञाकारी” या “उचित आचरण रखना”।
- “सिधाई” शब्द का अनुवाद “नैतिक शुद्धता” या “अच्छे नैतिक चरित्र” या “औचित्य”
- “खरे” का अनुवाद “सच्चे लोग” या “निष्कपट लोग” हो सकता है।

(यह भी देखें: खराई, व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा मानना, शुद्ध, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 12:10-11
- अय्यूब 01:6-8
- भजन संहिता 049:14-15
- भजन संहिता 107:41-43

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1368, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5977, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G3716, G3717

सीधे, सिधाई

परिभाषा:

“सीधे” और “सिधाई” शब्दों का अर्थ है परमेश्वर के नियमानुसार आचरण करना।

- इन शब्दों के अर्थ में सीधा खड़ा होना और सीधा देखने का मूल विचार निहित है।
- एक खरा मनुष्य परमेश्वर के नियमों का पालन करता है और उसकी इच्छा के विरूद्ध कुछ नहीं करता है।
- “खराई” और “धार्मिकता” के समानार्थक शब्द हैं और कभी-कभी समानान्तर रचना में काम में लिए जाते हैं जैसे “खराई और धार्मिकता”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “सीधे” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “उचित व्यवहार करना” या “उचित काम करनेवाला” या “परमेश्वर के नियमानुसार चलना” या “परमेश्वर का आज्ञाकारी” या “उचित आचरण रखना”।
- “सिधाई” शब्द का अनुवाद “नैतिक शुद्धता” या “अच्छे नैतिक चरित्र” या “औचित्य”
- “खरे” का अनुवाद “सच्चे लोग” या “निष्कपट लोग” हो सकता है।

(यह भी देखें: खराई, व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा मानना, शुद्ध, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 12:10-11
- अय्यूब 01:6-8

- भजन संहिता 049:14-15
- भजन संहिता 107:41-43

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1368, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5977, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G3716, G3717

सीधे, सिधाई

परिभाषा:

“सीधे” और “सिधाई” शब्दों का अर्थ है परमेश्वर के नियमानुसार आचरण करना।

- इन शब्दों के अर्थ में सीधा खड़ा होना और सीधा देखने का मूल विचार निहित है।
- एक खरा मनुष्य परमेश्वर के नियमों का पालन करता है और उसकी इच्छा के विरूद्ध कुछ नहीं करता है।
- “खराई” और “धार्मिकता” के समानार्थक शब्द हैं और कभी-कभी समानान्तर रचना में काम में लिए जाते हैं जैसे “खराई और धार्मिकता”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “सीधे” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “उचित व्यवहार करना” या “उचित काम करनेवाला” या “परमेश्वर के नियमानुसार चलना” या “परमेश्वर का आज्ञाकारी” या “उचित आचरण रखना”।
- “सिधाई” शब्द का अनुवाद “नैतिक शुद्धता” या “अच्छे नैतिक चरित्र” या “औचित्य”
- “खरे” का अनुवाद “सच्चे लोग” या “निष्कपट लोग” हो सकता है।

(यह भी देखें: खराई, व्यवस्था, व्यवस्था, आज्ञा मानना, शुद्ध, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 12:10-11
- अय्यूब 01:6-8
- भजन संहिता 049:14-15
- भजन संहिता 107:41-43

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1368, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5977, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G3716, G3717

सीनै, सीनै पर्वत

तथ्यों:

सीनै पर्वत संभवतः एक पर्वत था जो आज के सीनै प्रायद्वीप के दक्षिण में है। यह "होरेब पर्वत" के रूप में भी जाना जाता था।

- सीनै पर्वत एक विशाल चट्टानी रेगिस्तान का भाग है।
- मिस्र से निकल कर प्रतिज्ञा के देश की यात्रा के समय इस्राएली सीनै पर्वत के निकट पहुँचे थे।
- परमेश्वर ने सीनै पर्वत पर ही मूसा को दस आज्ञाएं दी थी।

(यह भी देखें: जंगल, मिस्र, होरेब, प्रतिज्ञा का देश, दस आज्ञाएँ)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:29-30
- निर्गमन 16:1-3
- गलातियों 04:24-25
- लैव्यव्यवस्था 27:34
- गिनती 01:17-19

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:01** के बाद परमेश्वर लाल सागर के माध्यम से इस्राएलियों का नेतृत्व किया, वह उन्हें सीनै नाम की पहाड़ पर जंगल में ले गया।
- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **13:11** कई दिनों तक मूसा सीनै पर्वत के ऊपर परमेश्वर से बात करता रहा |
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2022, H5514, G3735, G4614

सीनै, सीनै पर्वत

तथ्यों:

सीनै पर्वत संभवत: एक पर्वत था जो आज के सीनै प्रायद्वीप के दक्षिण में है। यह "होरेब पर्वत" के रूप में भी जाना जाता था।

- सीनै पर्वत एक विशाल चट्टानी रेगिस्तान का भाग है।
- मिस्र से निकल कर प्रतिज्ञा के देश की यात्रा के समय इस्राएली सीनै पर्वत के निकट पहुँचे थे।
- परमेश्वर ने सीनै पर्वत पर ही मूसा को दस आज्ञाएं दी थी।

(यह भी देखें: जंगल, मिस्र, होरेब, प्रतिज्ञा का देश, दस आज्ञाएँ)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:29-30
- निर्गमन 16:1-3
- गलातियों 04:24-25
- लैव्यव्यवस्था 27:34
- गिनती 01:17-19

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:01** के बाद परमेश्वर लाल सागर के माध्यम से इस्राएलियों का नेतृत्व किया, वह उन्हें सीनै नाम की पहाड़ पर जंगल में ले गया।
- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
- **13:11** कई दिनों तक मूसा सीनै पर्वत के ऊपर परमेश्वर से बात करता रहा |
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2022, H5514, G3735, G4614

सीरिया

तथ्यों:

सीरिया इस्राएल के उत्तर पूर्व में है। नए नियम के समय, यह रोमन साम्राज्य के शासन के तहत एक प्रांत था।

- पुराने नियम के समय मैं सीरियाई सैन्य इस्राएलियों के मजबूत शत्रु थे।
- नामान सीरिया की सेना का सेनापति था जिसे एलीशा ने कुष्ठ रोग से मुक्त किया था।
- सीरिया के अनेक निवासी आराम के वंशज थे, जो नूह के पुत्र शेम का वंशज था।
- दमिश्क, सीरिया की राजधानी का नाम है जिसका चर्चा अनेक बार बाइबल में वर्णित है।
- शाऊल दमिश्क नगर में विश्वासियों को सताने की योजनाओं से गया था परन्तु यीशु ने उसे रोक दिया था।

(यह भी देखें: अराम, सेनापति, दमिश्क, उतरेगा, एलीशा, कोढ़ी, नामान, सताएँ, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:22-23
- प्रे.का. 15:39-41
- प्रे.का. 20:1-3
- गलातियों 01:21-24
- मत्ती. 04:23-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H130, H726, H758, H761, H762, H804, H1834, H4601, H7421, G4947, G4948

सीरिया

तथ्यों:

सीरिया इस्राएल के उत्तर पूर्व में है। नए नियम के समय, यह रोमन साम्राज्य के शासन के तहत एक प्रांत था।

- पुराने नियम के समय मैं सीरियाई सैन्य इस्राएलियों के मजबूत शत्रु थे।
- नामान सीरिया की सेना का सेनापति था जिसे एलीशा ने कुष्ठ रोग से मुक्त किया था।
- सीरिया के अनेक निवासी आराम के वंशज थे, जो नूह के पुत्र शेम का वंशज था।
- दमिश्क, सीरिया की राजधानी का नाम है जिसका चर्चा अनेक बार बाइबल में वर्णित है।
- शाऊल दमिश्क नगर में विश्वासियों को सताने की योजनाओं से गया था परन्तु यीशु ने उसे रोक दिया था।

(यह भी देखें: अराम, सेनापति, दमिश्क, उतरेगा, एलीशा, कोढ़ी, नामान, सताएँ, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:22-23
- प्रे.का. 15:39-41
- प्रे.का. 20:1-3
- गलातियों 01:21-24
- मत्ती. 04:23-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H130, H726, H758, H761, H762, H804, H1834, H4601, H7421, G4947, G4948

सीरिया

तथ्यों:

सीरिया इस्राएल के उत्तर पूर्व में है। नए नियम के समय, यह रोमन साम्राज्य के शासन के तहत एक प्रांत था।

- पुराने नियम के समय मैं सीरियाई सैन्य इस्राएलियों के मजबूत शत्रु थे।
- नामान सीरिया की सेना का सेनापति था जिसे एलीशा ने कुष्ठ रोग से मुक्त किया था।
- सीरिया के अनेक निवासी आराम के वंशज थे, जो नूह के पुत्र शेम का वंशज था।
- दमिश्क, सीरिया की राजधानी का नाम है जिसका चर्चा अनेक बार बाइबल में वर्णित है।
- शाऊल दमिश्क नगर में विश्वासियों को सताने की योजनाओं से गया था परन्तु यीशु ने उसे रोक दिया था।

(यह भी देखें: अराम, सेनापति, दमिश्क, उतरेगा, एलीशा, कोढ़ी, नामान, सताएँ, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:22-23
- प्रे.का. 15:39-41
- प्रे.का. 20:1-3
- गलातियों 01:21-24
- मत्ती. 04:23-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H130, H726, H758, H761, H762, H804, H1834, H4601, H7421, G4947, G4948

सीरिया

तथ्यों:

सीरिया इस्राएल के उत्तर पूर्व में है। नए नियम के समय, यह रोमन साम्राज्य के शासन के तहत एक प्रांत था।

- पुराने नियम के समय मैं सीरियाई सैन्य इस्राएलियों के मजबूत शत्रु थे।
- नामान सीरिया की सेना का सेनापति था जिसे एलीशा ने कुष्ठ रोग से मुक्त किया था।
- सीरिया के अनेक निवासी आराम के वंशज थे, जो नूह के पुत्र शेम का वंशज था।
- दमिश्क, सीरिया की राजधानी का नाम है जिसका चर्चा अनेक बार बाइबल में वर्णित है।
- शाऊल दमिश्क नगर में विश्वासियों को सताने की योजनाओं से गया था परन्तु यीशु ने उसे रोक दिया था।

(यह भी देखें: अराम, सेनापति, दमिश्क, उतरेगा, एलीशा, कोढ़ी, नामान, सताएँ, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:22-23
- प्रे.का. 15:39-41
- प्रे.का. 20:1-3
- गलातियों 01:21-24
- मत्ती. 04:23-25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H130, H726, H758, H761, H762, H804, H1834, H4601, H7421, G4947, G4948

सीलास, सिल्वानुस

तथ्यों:

सीलास यरूशलेम के मसीही विश्वासियों का अगुआ था।

- यरूशलेम की कलीसिया के प्राचीनों ने सीलास को पौलुस और बरनबास के साथ जाने के लिए नियुक्त किया कि अन्ताकिया के लिए पत्र ले जाए।
- आगे चलकर सिलास पौलुस के साथ अन्य नगरों में भी यीशु का प्रचार करने के लिए गया था।
- पौलुस और सीलास फिलिप्पी के बन्दीगृह में एक साथ थे। वहां वे परमेश्वर की स्तुति कर रहे थे और परमेश्वर ने उन्हें वहाँ से मुक्ति दिलाई। उनकी गवाही के परिणाम स्वरूप उस बन्दीगृह का अधीक्षक मसीही विश्वासी हो गया।

(यह भी देखें: अन्ताकिया, बरनबास, यरूशलेम, पौलुस, फिलिप्पी, बन्दीगृह, गवाही)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 पतरस 05:12-14
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:1
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:1-2
- प्रे.का. 15:22-23

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **47: 1** एक दिन, पौलुस और उसका मित्र सिलास फिलिप्पी के शहर में यीशु के बारे में शुभ सन्देश देने के लिए गए।
- **47:02** वह (लुदिया) ने पौलुस और सिलास को अपने घर में रहने के लिए आमंत्रित किया, इसलिए वे उसके और उसके परिवार के साथ रहे।
- **47:03** पौलुस और सिलास अक्सर प्रार्थना के स्थान पर लोगों के साथ मिले।
- **47:07** इसलिए गुलाम लड़की के मालिकों ने पौलुस और सिलास को रोमन अधिकारियों के पास ले लिया, जिन्होंने उन्हें मारा और उन्हें जेल में फेंक दिया।
- **47:08** उन्होंने पौलुस और सिलास को जेल के सबसे सुरक्षित भाग में रखा और यहां तक कि उनके पैरों को भी बंद कर दिया।
- **47:11** जेलर कांपते हुए' पौलुस और सिलास के पास आया और पूछा, "बचने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?"

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- **47:13** अगले दिन शहर के नेताओं ने पौलुस और सिलास को जेल से रिहा कर दिया और उन्हें फिलिप्पी छोड़ने के लिए कहा। पौलुस और सिलास ने लुदिया और कुछ अन्य दोस्तों सें मिले और फिर शहर छोड़ दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4609, G4610

सुलैमान

तथ्यों:

सुलैमान दाऊद के पुत्रों में से एक था। उसकी माता बतशेबा थी।

- जब सुलैमान राजगद्दी पर बैठा तब परमेश्वर ने उससे कहा था कि वह जो चाहे उससे मांग ले। अत: सुलैमान ने अपनी प्रजा पर उचित प्रशासन करने के लिए बुद्धि मांगी थी। परमेश्वर सुलैमान की इस विनती से प्रसन्न हुआ और उसे बुद्धि और धन दोनों दिया।
- सुलैमान यरूशलेम के वैभवशाली मन्दिर को बनाने के लिए भी प्रसिद्ध है।
- सुलैमान ने आरम्भिक वर्षों में तो बड़ी बुद्धिमानी से राज किया परन्तु उत्तरकाल में उसने अन्यजाति स्त्रियों से विवाह करके मूर्ति पूजा आरम्भ कर दी थी।
- सुलैमान के इस विश्वासघात के कारण परमेश्वर ने उसके मृत्यु के बाद इस्राएल को दो राज्यों में विभाजित कर दिया, इस्राएल और यहूदा। ये दोनों राज्य प्राय: लड़ते रहते थे।

(यह भी देखें: बतशेबा, दाऊद, इस्राएल, यहूदा, इस्राएल के राज्य, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:47-50
- लूका 12:27-28
- मत्ती. 01:7-8
- मत्ती. 06:27-29
- मत्ती 12:42

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **17:14** उसके बाद, दाऊद और बतशेबा का एक और पुत्र उत्पन्न हुआ उसका नाम उन्होंने सुलैमान रखा।
- **18:01** कई वर्षों बाद, जब दाऊद की मृत्यु हो गई, तब उसके पुत्र सुलैमान ने इस्राएल पर शासन करना आरंभ किया | परमेश्वर ने सुलैमान से बात की और उससे कहा, “जो कुछ तू चाहे कि मैं तुझे दूँ, वह माँग |” जब सुलैमान ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया | परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान मनुष्य बनाया |
- **18:02** यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया |
- **18:03** परन्तु सुलैमान अन्य देशों की महिलाओं से प्रेम करता था |...अत: जब सुलैमान बूढ़ा हुआ तब उसकी स्त्रियों ने उसका मन पराये देवताओं की ओर बहका दिया |
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8010, G4672

सुलैमान

तथ्यों:

सुलैमान दाऊद के पुत्रों में से एक था। उसकी माता बतशेबा थी।

- जब सुलैमान राजगद्दी पर बैठा तब परमेश्वर ने उससे कहा था कि वह जो चाहे उससे मांग ले। अत: सुलैमान ने अपनी प्रजा पर उचित प्रशासन करने के लिए बुद्धि मांगी थी। परमेश्वर सुलैमान की इस विनती से प्रसन्न हुआ और उसे बुद्धि और धन दोनों दिया।
- सुलैमान यरूशलेम के वैभवशाली मन्दिर को बनाने के लिए भी प्रसिद्ध है।
- सुलैमान ने आरम्भिक वर्षों में तो बड़ी बुद्धिमानी से राज किया परन्तु उत्तरकाल में उसने अन्यजाति स्त्रियों से विवाह करके मूर्ति पूजा आरम्भ कर दी थी।

- सुलैमान के इस विश्वासघात के कारण परमेश्वर ने उसके मृत्यु के बाद इस्राएल को दो राज्यों में विभाजित कर दिया, इस्राएल और यहूदा। ये दोनों राज्य प्राय: लड़ते रहते थे।

(यह भी देखें: बतशेबा, दाऊद, इस्राएल, यहूदा, इस्राएल के राज्य, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:47-50
- लूका 12:27-28
- मत्ती. 01:7-8
- मत्ती. 06:27-29
- मत्ती 12:42

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **17:14** उसके बाद, दाऊद और बतशेबा का एक और पुत्र उत्पन्न हुआ उसका नाम उन्होंने सुलैमान रखा।
- **18:01** कई वर्षों बाद, जब दाऊद की मृत्यु हो गई, तब उसके पुत्र सुलैमान ने इस्राएल पर शासन करना आरंभ किया | परमेश्वर ने सुलैमान से बात की और उससे कहा, “जो कुछ तू चाहे कि मैं तुझे दूँ, वह माँग |” जब सुलैमान ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया | परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान मनुष्य बनाया |
- **18:02** यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया |
- **18:03** परन्तु सुलैमान अन्य देशों की महिलाओं से प्रेम करता था |...अत: जब सुलैमान बूढ़ा हुआ तब उसकी स्त्रियों ने उसका मन पराये देवताओं की ओर बहका दिया |
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8010, G4672

सुलैमान

तथ्यों:

सुलैमान दाऊद के पुत्रों में से एक था। उसकी माता बतशेबा थी।

- जब सुलैमान राजगद्दी पर बैठा तब परमेश्वर ने उससे कहा था कि वह जो चाहे उससे मांग ले। अत: सुलैमान ने अपनी प्रजा पर उचित प्रशासन करने के लिए बुद्धि मांगी थी। परमेश्वर सुलैमान की इस विनती से प्रसन्न हुआ और उसे बुद्धि और धन दोनों दिया।
- सुलैमान यरूशलेम के वैभवशाली मन्दिर को बनाने के लिए भी प्रसिद्ध है।
- सुलैमान ने आरम्भिक वर्षों में तो बड़ी बुद्धिमानी से राज किया परन्तु उत्तरकाल में उसने अन्यजाति स्त्रियों से विवाह करके मूर्ति पूजा आरम्भ कर दी थी।
- सुलैमान के इस विश्वासघात के कारण परमेश्वर ने उसके मृत्यु के बाद इस्राएल को दो राज्यों में विभाजित कर दिया, इस्राएल और यहूदा। ये दोनों राज्य प्राय: लड़ते रहते थे।

(यह भी देखें: बतशेबा, दाऊद, इस्राएल, यहूदा, इस्राएल के राज्य, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:47-50
- लूका 12:27-28
- मत्ती. 01:7-8
- मत्ती. 06:27-29
- मत्ती 12:42

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **17:14** उसके बाद, दाऊद और बतशेबा का एक और पुत्र उत्पन्न हुआ उसका नाम उन्होंने सुलैमान रखा।
- **18:01** कई वर्षों बाद, जब दाऊद की मृत्यु हो गई, तब उसके पुत्र सुलैमान ने इस्राएल पर शासन करना आरंभ किया | परमेश्वर ने सुलैमान से बात की और उससे कहा, “जो कुछ तू चाहे कि मैं तुझे दूँ, वह माँग |” जब सुलैमान ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया | परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान मनुष्य बनाया |

- **18:02** यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया |
- **18:03** परन्तु सुलैमान अन्य देशों की महिलाओं से प्रेम करता था |...अत: जब सुलैमान बूढ़ा हुआ तब उसकी स्त्रियों ने उसका मन पराये देवताओं की ओर बहका दिया |
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8010, G4672

सुलैमान

तथ्यों:

सुलैमान दाऊद के पुत्रों में से एक था। उसकी माता बतशेबा थी।

- जब सुलैमान राजगद्दी पर बैठा तब परमेश्वर ने उससे कहा था कि वह जो चाहे उससे मांग ले। अत: सुलैमान ने अपनी प्रजा पर उचित प्रशासन करने के लिए बुद्धि मांगी थी। परमेश्वर सुलैमान की इस विनती से प्रसन्न हुआ और उसे बुद्धि और धन दोनों दिया।
- सुलैमान यरूशलेम के वैभवशाली मन्दिर को बनाने के लिए भी प्रसिद्ध है।
- सुलैमान ने आरम्भिक वर्षों में तो बड़ी बुद्धिमानी से राज किया परन्तु उत्तरकाल में उसने अन्यजाति स्त्रियों से विवाह करके मूर्ति पूजा आरम्भ कर दी थी।
- सुलैमान के इस विश्वासघात के कारण परमेश्वर ने उसके मृत्यु के बाद इस्राएल को दो राज्यों में विभाजित कर दिया, इस्राएल और यहूदा। ये दोनों राज्य प्राय: लड़ते रहते थे।

(यह भी देखें: बतशेबा, दाऊद, इस्राएल, यहूदा, इस्राएल के राज्य, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:47-50
- लूका 12:27-28
- मत्ती. 01:7-8
- मत्ती. 06:27-29
- मत्ती 12:42

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **17:14** उसके बाद, दाऊद और बतशेबा का एक और पुत्र उत्पन्न हुआ उसका नाम उन्होंने सुलैमान रखा।
- **18:01** कई वर्षों बाद, जब दाऊद की मृत्यु हो गई, तब उसके पुत्र सुलैमान ने इस्राएल पर शासन करना आरंभ किया | परमेश्वर ने सुलैमान से बात की और उससे कहा, “जो कुछ तू चाहे कि मैं तुझे दूँ, वह माँग |” जब सुलैमान ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया | परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान मनुष्य बनाया |
- **18:02** यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया |
- **18:03** परन्तु सुलैमान अन्य देशों की महिलाओं से प्रेम करता था |...अत: जब सुलैमान बूढ़ा हुआ तब उसकी स्त्रियों ने उसका मन पराये देवताओं की ओर बहका दिया |
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8010, G4672

सुसमाचार प्रचारक, सुसमाचार सुनानेवाले

परिभाषा:

“सुसमाचार प्रचारक” मनुष्यों को मसीह यीशु का सुसमाचार सुनाता है।

- “सुसमाचार प्रचारक” का मूल अर्थ है “शुभ सन्देश सुनानेवाला”।
- यीशु ने अपने चेलों को भेजा कि मनुष्यों में शुभ सन्देश प्रसारित करें कि यीशु और पाप के मोचन को उसके बलिदान द्वारा परमेश्वर के राज्य का भाग कैसे बनें।

- सब मसीही विश्वासियों से आग्रह किया जाता है कि इस शुभ सन्देश को सुनाए।
- कुछ विश्वासियों को विशेष आत्मिक वरदान प्राप्त है कि मनुष्यों में इस शुभ सन्देश का प्रभावी प्रचार करें। इन मनुष्यों के पास सुसमाचार प्रचार का वरदान है और इन्हें “सुसमाचार प्रचारक” कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “सुसमाचार प्रचारक” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “सुसमाचार सुनाने वाला” या “सुसमाचार का शिक्षक” या “सुसमाचार सुनानेवाला व्यक्ति(यीशु के बारे में)” या “शुभ समाचार घोषणा।”

(यह भी देखें: शुभ समाचार, आत्मा, दान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 04:3-5
- इफिसियों 04:11-13

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2099

सूअर, सूअरों, सूअर का माँस, सुअर

परिभाषा:

सूअर एक चौपाया है जिसे मांसाहारी भोजन के लिए पाला जाता है। उसका मांस “पोर्क” कहलाता है। "सूअर" शब्द सामान्यत: सुअर की सम्पूर्ण प्रजाति के लिए काम लिया जाता है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए सूअर का मांस खाना वर्जित किया था वरन् उसे अशुद्ध ठहराया था। यहूदी आज भी इसे अशुद्ध मानते है और उसके मांस से घृणा करते हैं।
- सूअरों को पाल कर मांस के लिए बेचा जाता है।
- एक प्रकार की सूअर प्रजाती जंगल में रहती है, उसे “जंगली सूअर” कहते हैं। जंगली सूअर के दांत बड़े होते हैं, और वह बहुत खतरनाक होता है।

बड़े सूअरों को “शूकर” कहा जाता है।

(यह भी देखें: अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:20-22
- मरकुस 05:11-13
- मत्ती 07:6
- मत्ती 08:30-32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2386, G5519

सूअर, सूअरों, सूअर का माँस, सुअर

परिभाषा:

सूअर एक चौपाया है जिसे मांसाहारी भोजन के लिए पाला जाता है। उसका मांस “पोर्क” कहलाता है। "सूअर" शब्द सामान्यत: सुअर की सम्पूर्ण प्रजाति के लिए काम लिया जाता है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए सूअर का मांस खाना वर्जित किया था वरन् उसे अशुद्ध ठहराया था। यहूदी आज भी इसे अशुद्ध मानते है और उसके मांस से घृणा करते हैं।
- सूअरों को पाल कर मांस के लिए बेचा जाता है।
- एक प्रकार की सूअर प्रजाती जंगल में रहती है, उसे “जंगली सूअर” कहते हैं। जंगली सूअर के दांत बड़े होते हैं, और वह बहुत खतरनाक होता है।

बड़े सूअरों को “शूकर” कहा जाता है।

(यह भी देखें: अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:20-22
- मरकुस 05:11-13
- मत्ती 07:6
- मत्ती 08:30-32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2386, G5519

सूअर, सूअरों, सूअर का माँस, सुअर

परिभाषा:

सूअर एक चौपाया है जिसे मांसाहारी भोजन के लिए पाला जाता है। उसका मांस “पोर्क” कहलाता है। "सूअर" शब्द सामान्यत: सुअर की सम्पूर्ण प्रजाति के लिए काम लिया जाता है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए सूअर का मांस खाना वर्जित किया था वरन् उसे अशुद्ध ठहराया था। यहूदी आज भी इसे अशुद्ध मानते है और उसके मांस से घृणा करते हैं।
- सूअरों को पाल कर मांस के लिए बेचा जाता है।
- एक प्रकार की सूअर प्रजाती जंगल में रहती है, उसे “जंगली सूअर” कहते हैं। जंगली सूअर के दांत बड़े होते हैं, और वह बहुत खतरनाक होता है।

बड़े सूअरों को “शूकर” कहा जाता है।

(यह भी देखें: अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:20-22
- मरकुस 05:11-13
- मत्ती 07:6
- मत्ती 08:30-32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2386, G5519

सूअर, सूअरों, सूअर का माँस, सुअर

परिभाषा:

सूअर एक चौपाया है जिसे मांसाहारी भोजन के लिए पाला जाता है। उसका मांस “पोर्क” कहलाता है। "सूअर" शब्द सामान्यत: सुअर की सम्पूर्ण प्रजाति के लिए काम लिया जाता है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए सूअर का मांस खाना वर्जित किया था वरन् उसे अशुद्ध ठहराया था। यहूदी आज भी इसे अशुद्ध मानते है और उसके मांस से घृणा करते हैं।
- सूअरों को पाल कर मांस के लिए बेचा जाता है।
- एक प्रकार की सूअर प्रजाती जंगल में रहती है, उसे “जंगली सूअर” कहते हैं। जंगली सूअर के दांत बड़े होते हैं, और वह बहुत खतरनाक होता है।

बड़े सूअरों को “शूकर” कहा जाता है।

(यह भी देखें: अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:20-22
- मरकुस 05:11-13

- मत्ती 07:6
- मत्ती 08:30-32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2386, G5519

सूबेदार, सूबेदारों

परिभाषा:

सूबेदार रोमी सेना का अधिकारी था जिसके अधीन सौ सैनिक होते थे।

- इसका अनुवाद ऐसे शब्द से किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “सौ पुरुषों का अगुआ” या “सैनिक अगुआ” या “सौ का प्रभावी अधिकारी”।
- एक सूबेदार यीशु के पास याचना लेकर आया था कि वह उसके सेवक को चंगा करे।
- यीशु के क्रूसीकरण का कर्ताधर्ता सूबेदार यीशु की मृत्यु को देखकर आश्चर्यचकित हो गया था।
- परमेश्वर ने एक सूबेदार को पतरस के पास भेजा कि पतरस उसे यीशु का सुसमाचार सुनाए।

(यह भी देखें: रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 10:1-2
- प्रे.का. 27:1-2
- प्रे.का. 27:42-44
- लूका 07:2-5
- लूका 23:46-47
- मरकुस 15:39-41
- मत्ती 08:5-7
- मत्ती 27:54-56

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1543, G2760

सूबेदार, सूबेदारों

परिभाषा:

सूबेदार रोमी सेना का अधिकारी था जिसके अधीन सौ सैनिक होते थे।

- इसका अनुवाद ऐसे शब्द से किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “सौ पुरुषों का अगुआ” या “सैनिक अगुआ” या “सौ का प्रभावी अधिकारी”।
- एक सूबेदार यीशु के पास याचना लेकर आया था कि वह उसके सेवक को चंगा करे।
- यीशु के क्रूसीकरण का कर्ताधर्ता सूबेदार यीशु की मृत्यु को देखकर आश्चर्यचकित हो गया था।
- परमेश्वर ने एक सूबेदार को पतरस के पास भेजा कि पतरस उसे यीशु का सुसमाचार सुनाए।

(यह भी देखें: रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 10:1-2
- प्रे.का. 27:1-2
- प्रे.का. 27:42-44
- लूका 07:2-5
- लूका 23:46-47
- मरकुस 15:39-41
- मत्ती 08:5-7
- मत्ती 27:54-56

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1543, G2760

सूबेदार, सूबेदारों

परिभाषा:

सूबेदार रोमी सेना का अधिकारी था जिसके अधीन सौ सैनिक होते थे।

- इसका अनुवाद ऐसे शब्द से किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “सौ पुरुषों का अगुआ” या “सैनिक अगुआ” या “सौ का प्रभावी अधिकारी”।
- एक सूबेदार यीशु के पास याचना लेकर आया था कि वह उसके सेवक को चंगा करे।
- यीशु के क्रूसीकरण का कर्ताधर्ता सूबेदार यीशु की मृत्यु को देखकर आश्चर्यचकित हो गया था।
- परमेश्वर ने एक सूबेदार को पतरस के पास भेजा कि पतरस उसे यीशु का सुसमाचार सुनाए।

(यह भी देखें: रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 10:1-2
- प्रे.का. 27:1-2
- प्रे.का. 27:42-44
- लूका 07:2-5
- लूका 23:46-47
- मरकुस 15:39-41
- मत्ती 08:5-7
- मत्ती 27:54-56

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1543, G2760

सूबेदार, सूबेदारों

परिभाषा:

सूबेदार रोमी सेना का अधिकारी था जिसके अधीन सौ सैनिक होते थे।

- इसका अनुवाद ऐसे शब्द से किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “सौ पुरुषों का अगुआ” या “सैनिक अगुआ” या “सौ का प्रभावी अधिकारी”।
- एक सूबेदार यीशु के पास याचना लेकर आया था कि वह उसके सेवक को चंगा करे।
- यीशु के क्रूसीकरण का कर्ताधर्ता सूबेदार यीशु की मृत्यु को देखकर आश्चर्यचकित हो गया था।
- परमेश्वर ने एक सूबेदार को पतरस के पास भेजा कि पतरस उसे यीशु का सुसमाचार सुनाए।

(यह भी देखें: रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 10:1-2
- प्रे.का. 27:1-2
- प्रे.का. 27:42-44
- लूका 07:2-5
- लूका 23:46-47
- मरकुस 15:39-41
- मत्ती 08:5-7
- मत्ती 27:54-56

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1543, G2760

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

सूबेदार, सूबेदारों

परिभाषा:

सूबेदार रोमी सेना का अधिकारी था जिसके अधीन सौ सैनिक होते थे।

- इसका अनुवाद ऐसे शब्द से किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “सौ पुरुषों का अगुआ” या “सैनिक अगुआ” या “सौ का प्रभावी अधिकारी”।
- एक सूबेदार यीशु के पास याचना लेकर आया था कि वह उसके सेवक को चंगा करे।
- यीशु के क्रूसीकरण का कर्ताधर्ता सूबेदार यीशु की मृत्यु को देखकर आश्चर्यचकित हो गया था।
- परमेश्वर ने एक सूबेदार को पतरस के पास भेजा कि पतरस उसे यीशु का सुसमाचार सुनाए।

(यह भी देखें: रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 10:1-2
- प्रे.का. 27:1-2
- प्रे.का. 27:42-44
- लूका 07:2-5
- लूका 23:46-47
- मरकुस 15:39-41
- मत्ती 08:5-7
- मत्ती 27:54-56

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1543, G2760

सृजनहार

तथ्य:

सामान्यतः “सृजनहार” वस्तुओं का बनानेवाला या निर्माण करने वाला होता है।

- बाइबल में “सृजनहार” कभी-कभी यहोवा के नाम या आदि स्वरूप काम में लिया जाता है क्योंकि उसने सब कुछ बनाया है।
- यह शब्द प्रायः “उसका” या “मेरा” या “तेरा” शब्दों के साथ जुड़ा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “सृजनहार” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “सृष्टिकर्ता” या “रचनेवाला परमेश्वर” या “जिसने सब कुछ बनाया”।
- “उसका सृजनहान” इसका अनुवाद हो सकता है, “जिसने उसे रचा” या “परमेश्वर जिसने उसे बनाया”।
- “तेरा सृजनहार” और “मेरा सृजनहार” इन उक्तियों का भी अनुवाद इसी प्रकार किया जा सकता है।

(यह भी देखें: उत्पन्न, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 08:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2796, H3335, H6213, H6466, H6467, G1217

सृजनहार

तथ्य:

सामान्यत: “सृजनहार” वस्तुओं का बनानेवाला या निर्माण करने वाला होता है।

- बाइबल में “सृजनहार” कभी-कभी यहोवा के नाम या आदि स्वरूप काम में लिया जाता है क्योंकि उसने सब कुछ बनाया है।
- यह शब्द प्राय: “उसका” या “मेरा” या “तेरा” शब्दों के साथ जुड़ा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “सृजनहार” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “सृष्टिकर्ता” या “रचनेवाला परमेश्वर” या “जिसने सब कुछ बनाया”।
- “उसका सृजनहान” इसका अनुवाद हो सकता है, “जिसने उसे रचा” या “परमेश्वर जिसने उसे बनाया”।
- “तेरा सृजनहार” और “मेरा सृजनहार” इन उक्तियों का भी अनुवाद इसी प्रकार किया जा सकता है।

(यह भी देखें: उत्पन्न, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 08:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2796, H3335, H6213, H6466, H6467, G1217

सृजनहार

तथ्य:

सामान्यत: “सृजनहार” वस्तुओं का बनानेवाला या निर्माण करने वाला होता है।

- बाइबल में “सृजनहार” कभी-कभी यहोवा के नाम या आदि स्वरूप काम में लिया जाता है क्योंकि उसने सब कुछ बनाया है।
- यह शब्द प्राय: “उसका” या “मेरा” या “तेरा” शब्दों के साथ जुड़ा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “सृजनहार” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “सृष्टिकर्ता” या “रचनेवाला परमेश्वर” या “जिसने सब कुछ बनाया”।
- “उसका सृजनहान” इसका अनुवाद हो सकता है, “जिसने उसे रचा” या “परमेश्वर जिसने उसे बनाया”।
- “तेरा सृजनहार” और “मेरा सृजनहार” इन उक्तियों का भी अनुवाद इसी प्रकार किया जा सकता है।

(यह भी देखें: उत्पन्न, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 08:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2796, H3335, H6213, H6466, H6467, G1217

सृजनहार

तथ्य:

सामान्यत: “सृजनहार” वस्तुओं का बनानेवाला या निर्माण करने वाला होता है।

- बाइबल में “सृजनहार” कभी-कभी यहोवा के नाम या आदि स्वरूप काम में लिया जाता है क्योंकि उसने सब कुछ बनाया है।
- यह शब्द प्राय: “उसका” या “मेरा” या “तेरा” शब्दों के साथ जुड़ा होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “सृजनहार” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “सृष्टिकर्ता” या “रचनेवाला परमेश्वर” या “जिसने सब कुछ बनाया”।
- “उसका सृजनहान” इसका अनुवाद हो सकता है, “जिसने उसे रचा” या “परमेश्वर जिसने उसे बनाया”।
- “तेरा सृजनहार” और “मेरा सृजनहार” इन उक्तियों का भी अनुवाद इसी प्रकार किया जा सकता है।

(यह भी देखें: उत्पन्न, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 08:13-14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2796, H3335, H6213, H6466, H6467, G1217

सेनापति, सरदारों

परिभाषा:

“सेनापति” शब्द सेना के अगुवे को संदर्भित करता है, जो सैनिकों के दल का नेतृत्व करने के लिए जिम्मेदार होता है।

- सेनापति एक छोटे दल या एक बड़े समूह का अगुआ हो सकता है, जैसे कि एक हजार पुरुष का समूह।
- यह शब्द यहोवा के संदर्भ में भी उपयोग होता है कि वह स्वर्गदूतों की सेना का अगुआ है।

सेनापति के अन्य अनुवाद रूप हैं “अगुआ” या “कप्तान” या “अधिकारी”

- सेना को “आज्ञा देना” का अनुवाद “अगुआई करना” या “प्रभारी होना” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, शासन, सूबेदार)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 11:4-6
- 2 इतिहास 11:11-12
- दानिय्येल 02:14-16
- मरकुस 06:21-22
- नीतिवचन 06:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2710, H2951, H1169, H4929, H5057, H6346, H7101, H7262, H7218, H7227, H7229, H7990, H8269, G5506

सेवक, सेवकों

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:10
- 1 तीमुथियुस 03:13
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G1249

सेवक, सेवकों

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:10
- 1 तीमुथियुस 03:13
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G1249

सेवक, सेवकों

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:10
- 1 तीमुथियुस 03:13
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G1249

सेवक, सेवकों

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:10
- 1 तीमुथियुस 03:13
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G1249

सेवक, सेवकों

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:10
- 1 तीमुथियुस 03:13
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G1249

सेवक, सेवकों

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:10
- 1 तीमुथियुस 03:13
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G1249

सेवक, सेवकों

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:10
- 1 तीमुथियुस 03:13
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G1249

सेवक, सेवकों

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:10
- 1 तीमुथियुस 03:13
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G1249

सेवक, सेवकों

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:10
- 1 तीमुथियुस 03:13
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G1249

सेवक, सेवकों

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:10
- 1 तीमुथियुस 03:13
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G1249

सेवक, सेवकों

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:10
- 1 तीमुथियुस 03:13
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G1249

सेवक, सेवकों

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:10
- 1 तीमुथियुस 03:13
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G1249

सेवक, सेवकों

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:10
- 1 तीमुथियुस 03:13
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G1249

सेवक, सेवकों

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:10
- 1 तीमुथियुस 03:13
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G1249

सेवक, सेवकों

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:10
- 1 तीमुथियुस 03:13
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G1249

सेवक, सेवकों

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 03:10
- 1 तीमुथियुस 03:13
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- Strong’s: G1249

सैनिक, सिपाहियों, योद्धा, शूरवीरों

तथ्य:

“योद्धा” और “सैनिक” दोनों शब्द सेना में युद्ध करनेवाले मनुष्य के संदर्भ में हैं। परन्तु इनमें कुछ अन्तर है।

- “योद्धा” एक सामान्य एवं एक व्यापक शब्द है जो युद्ध के राज्य में एक निपुण एवं साहसी मनुष्य होता है।
- यहोवा को प्रतीकात्मक रूप में “योद्धा” कहा गया है।
- “सैनिक” अर्थात सेना का एक सदस्य जो किसी युद्ध में लड़ता है।
- यरूशलेम में रोमी सैनिक व्यवस्था बनाए रखने और बन्दियों को मृत्युदण्ड देने के लिए नियुक्त किए गए थे। वे यीशु के क्रूसीकरण से पूर्व उसे बन्दी बनाए हुए थे और कुछ को उसकी कब्र पर चौकसी करने के लिए भी रखा गया था।
- अनुवादक को ध्यान देना है कि उसकी भाषा में “योद्धा” और “सैनिक” के लिए दो अलग-अलग शब्द हैं, जिनका अर्थ और उपयोग भी अलग अलग है।

(यह भी देखें: हियाव, क्रूस पर चढ़ा, रोम, कब्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 21:4-5
- प्रे.का. 21:32-33
- लूका 03:14
- लूका 23:11-12
- मत्ती. 08:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: , H352, H510, H1368, H1416, H1995, H2389, H2428, H2502, H3715, H4421, H5431, H5971, H6518, H6635, H7273, H7916, G4686, G4753, G4754, G4757, G4758, G4961

सैनिक, सिपाहियों, योद्धा, शूरवीरों

तथ्य:

“योद्धा” और “सैनिक” दोनों शब्द सेना में युद्ध करनेवाले मनुष्य के संदर्भ में हैं। परन्तु इनमें कुछ अन्तर है।

- “योद्धा” एक सामान्य एवं एक व्यापक शब्द है जो युद्ध के राज्य में एक निपुण एवं साहसी मनुष्य होता है।
- यहोवा को प्रतीकात्मक रूप में “योद्धा” कहा गया है।
- “सैनिक” अर्थात सेना का एक सदस्य जो किसी युद्ध में लड़ता है।
- यरूशलेम में रोमी सैनिक व्यवस्था बनाए रखने और बन्दियों को मृत्युदण्ड देने के लिए नियुक्त किए गए थे। वे यीशु के क्रूसीकरण से पूर्व उसे बन्दी बनाए हुए थे और कुछ को उसकी कब्र पर चौकसी करने के लिए भी रखा गया था।
- अनुवादक को ध्यान देना है कि उसकी भाषा में “योद्धा” और “सैनिक” के लिए दो अलग-अलग शब्द हैं, जिनका अर्थ और उपयोग भी अलग अलग है।

(यह भी देखें: हियाव, क्रूस पर चढ़ा, रोम, कब्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 21:4-5
- प्रे.का. 21:32-33
- लूका 03:14
- लूका 23:11-12
- मत्ती. 08:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: , H352, H510, H1368, H1416, H1995, H2389, H2428, H2502, H3715, H4421, H5431, H5971, H6518, H6635, H7273, H7916, G4686, G4753, G4754, G4757, G4758, G4961

सोता, सोते, झरना, झरने, उमड़ता

परिभाषा:

“सोता” और “झरना” अर्थात भूमि से निकल कर बहनेवाला पानी।

- बाइबल में इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है कि परमेश्वर से निकलने वाली आशीषों का संदर्भ दे या स्वच्छ करने वाली या पवित्र करनेवाली वस्तु का संदर्भ दे।
- आज सोता मनुष्य के द्वारा निर्मित वस्तु होती है जिसमें पानी का प्रवाह होता है, जैसे पीने के पानी का सोता। सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद प्राकृतिक जल स्रोत को व्यक्त करे।
- इस शब्द के अनुवाद की तुलना “जल प्रलय” के अनुवाद से करें।

(यह भी देखें: जल-प्रलय)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:17-19
- उत्पत्ति 07:11-12
- उत्पत्ति 08:1-3
- उत्पत्ति 24:12-14
- उत्पत्ति 24:42-44
- याकूब 03:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H794, H953, H1530, H1543, H1876, H3222, H4002, H4161, H4456, H4599, H4726, H5033, H5869, H5927, H6524, H6779, H6780, H7823, H8444, H8666, G242, G305, G393, G985, G1530, G1816, G4077, G4855, G5453

सोता, सोते, झरना, झरने, उमड़ता

परिभाषा:

“सोता” और “झरना” अर्थात भूमि से निकल कर बहनेवाला पानी।

- बाइबल में इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है कि परमेश्वर से निकलने वाली आशीषों का संदर्भ दे या स्वच्छ करने वाली या पवित्र करनेवाली वस्तु का संदर्भ दे।
- आज सोता मनुष्य के द्वारा निर्मित वस्तु होती है जिसमें पानी का प्रवाह होता है, जैसे पीने के पानी का सोता। सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद प्राकृतिक जल स्रोत को व्यक्त करे।
- इस शब्द के अनुवाद की तुलना “जल प्रलय” के अनुवाद से करें।

(यह भी देखें: जल-प्रलय)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:17-19
- उत्पत्ति 07:11-12
- उत्पत्ति 08:1-3
- उत्पत्ति 24:12-14
- उत्पत्ति 24:42-44
- याकूब 03:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H794, H953, H1530, H1543, H1876, H3222, H4002, H4161, H4456, H4599, H4726, H5033, H5869, H5927, H6524, H6779, H6780, H7823, H8444, H8666, G242, G305, G393, G985, G1530, G1816, G4077, G4855, G5453

सोता, सोते, झरना, झरने, उमड़ता

परिभाषा:

“सोता” और “झरना” अर्थात भूमि से निकल कर बहनेवाला पानी।

- बाइबल में इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है कि परमेश्वर से निकलने वाली आशीषों का संदर्भ दे या स्वच्छ करने वाली या पवित्र करनेवाली वस्तु का संदर्भ दे।
- आज सोता मनुष्य के द्वारा निर्मित वस्तु होती है जिसमें पानी का प्रवाह होता है, जैसे पीने के पानी का सोता। सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद प्राकृतिक जल स्रोत को व्यक्त करे।
- इस शब्द के अनुवाद की तुलना “जल प्रलय” के अनुवाद से करें।

(यह भी देखें: जल-प्रलय)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:17-19
- उत्पत्ति 07:11-12
- उत्पत्ति 08:1-3
- उत्पत्ति 24:12-14
- उत्पत्ति 24:42-44
- याकूब 03:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H794, H953, H1530, H1543, H1876, H3222, H4002, H4161, H4456, H4599, H4726, H5033, H5869, H5927, H6524, H6779, H6780, H7823, H8444, H8666, G242, G305, G393, G985, G1530, G1816, G4077, G4855, G5453

सोता, सोते, झरना, झरने, उमड़ता

परिभाषा:

“सोता” और “झरना” अर्थात भूमि से निकल कर बहनेवाला पानी।

- बाइबल में इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है कि परमेश्वर से निकलने वाली आशीषों का संदर्भ दे या स्वच्छ करने वाली या पवित्र करनेवाली वस्तु का संदर्भ दे।
- आज सोता मनुष्य के द्वारा निर्मित वस्तु होती है जिसमें पानी का प्रवाह होता है, जैसे पीने के पानी का सोता। सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद प्राकृतिक जल स्रोत को व्यक्त करे।
- इस शब्द के अनुवाद की तुलना “जल प्रलय” के अनुवाद से करें।

(यह भी देखें: जल-प्रलय)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:17-19
- उत्पत्ति 07:11-12
- उत्पत्ति 08:1-3
- उत्पत्ति 24:12-14
- उत्पत्ति 24:42-44
- याकूब 03:11-12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H794, H953, H1530, H1543, H1876, H3222, H4002, H4161, H4456, H4599, H4726, H5033, H5869, H5927, H6524, H6779, H6780, H7823, H8444, H8666, G242, G305, G393, G985, G1530, G1816, G4077, G4855, G5453

सोना, सोने का

परिभाषा:

सोना पीले रंग की उत्तम धातु है जिससे आभूषण तथा धार्मिक वस्तुएं बनाई जाती थीं। प्राचीन युग में यह सबसे अधिक मूल्यवान धातु थी।

- बाइबल के युग में, ठोस सोने की विभिन्न वस्तुएं बनाई जाती थीं या वस्तुओं पर सोना चढ़ाया जाता था।
- इन वस्तुओं में थे, कुन्दन तथा अन्य आभूषण, मूर्तियां, वेदियां, तथा निवास (मण्डप) या मन्दिर की अन्य वस्तुएं जैसे वाचा का सन्दूक।
- पुराने नियम के युग में सोना क्रय-विक्रय में मुद्रा स्वरुप काम में आता था। उसे तराजू में तोल कर उसका मूल्य ज्ञात किया जाता था।
- उत्तरकाल में सोने और चाँदी के सिक्के क्रय-विक्रय में काम में आने लगे।
- जब किसी ऐसी वस्तु की चर्चा हो जो ठोस सोने की नहीं है उस पर केवल सोना चढ़ा हुआ है तो “सुनहरा” या “सोना चढ़ा” या “स्वर्णआवृत” अनुवाद किया जा सकता है।
- कभी-कभी किसी वस्तु को “सुनहरा” कहा जाता है, अर्थात उसका रंग सोने जैसा है परन्तु यथार्थ में सोने से बनी नहीं है।

(यह भी देखें: वेदी, वाचा का सन्दूक, देवता, चाँदी, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:07
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- 2 इतिहास 01:15
- प्रे.का. 03:06
- दानिय्येल 02:32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1220, H1722, H2091, H2742, H3800, H5458, H6884, H6885, G5552, G5553, G5554, G5557

सोना, सोने का

परिभाषा:

सोना पीले रंग की उत्तम धातु है जिससे आभूषण तथा धार्मिक वस्तुएं बनाई जाती थीं। प्राचीन युग में यह सबसे अधिक मूल्यवान धातु थी।

- बाइबल के युग में, ठोस सोने की विभिन्न वस्तुएं बनाई जाती थीं या वस्तुओं पर सोना चढ़ाया जाता था।
- इन वस्तुओं में थे, कुन्दन तथा अन्य आभूषण, मूर्तियां, वेदियां, तथा निवास (मण्डप) या मन्दिर की अन्य वस्तुएं जैसे वाचा का सन्दूक।
- पुराने नियम के युग में सोना क्रय-विक्रय में मुद्रा स्वरुप काम में आता था। उसे तराजू में तोल कर उसका मूल्य ज्ञात किया जाता था।
- उत्तरकाल में सोने और चाँदी के सिक्के क्रय-विक्रय में काम में आने लगे।
- जब किसी ऐसी वस्तु की चर्चा हो जो ठोस सोने की नहीं है उस पर केवल सोना चढ़ा हुआ है तो "सुनहरा" या "सोना चढ़ा" या "स्वर्णआवृत" अनुवाद किया जा सकता है।
- कभी-कभी किसी वस्तु को "सुनहरा" कहा जाता है, अर्थात उसका रंग सोने जैसा है परन्तु यथार्थ में सोने से बनी नहीं है।

(यह भी देखें: वेदी, वाचा का सन्दूक, देवता, चाँदी, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:07
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- 2 इतिहास 01:15
- प्रे.का. 03:06
- दानिय्येल 02:32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1220, H1722, H2091, H2742, H3800, H5458, H6884, H6885, G5552, G5553, G5554, G5557

सोना, सोने का

परिभाषा:

सोना पीले रंग की उत्तम धातु है जिससे आभूषण तथा धार्मिक वस्तुएं बनाई जाती थीं। प्राचीन युग में यह सबसे अधिक मूल्यवान धातु थी।

- बाइबल के युग में, ठोस सोने की विभिन्न वस्तुएं बनाई जाती थीं या वस्तुओं पर सोना चढ़ाया जाता था।
- इन वस्तुओं में थे, कुन्दन तथा अन्य आभूषण, मूर्तियां, वेदियां, तथा निवास (मण्डप) या मन्दिर की अन्य वस्तुएं जैसे वाचा का सन्दूक।
- पुराने नियम के युग में सोना क्रय-विक्रय में मुद्रा स्वरुप काम में आता था। उसे तराजू में तोल कर उसका मूल्य ज्ञात किया जाता था।
- उत्तरकाल में सोने और चाँदी के सिक्के क्रय-विक्रय में काम में आने लगे।
- जब किसी ऐसी वस्तु की चर्चा हो जो ठोस सोने की नहीं है उस पर केवल सोना चढ़ा हुआ है तो "सुनहरा" या "सोना चढ़ा" या "स्वर्णआवृत" अनुवाद किया जा सकता है।
- कभी-कभी किसी वस्तु को "सुनहरा" कहा जाता है, अर्थात उसका रंग सोने जैसा है परन्तु यथार्थ में सोने से बनी नहीं है।

(यह भी देखें: वेदी, वाचा का सन्दूक, देवता, चाँदी, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:07
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- 2 इतिहास 01:15
- प्रे.का. 03:06
- दानिय्येल 02:32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1220, H1722, H2091, H2742, H3800, H5458, H6884, H6885, G5552, G5553, G5554, G5557

सोना, सोने का

परिभाषा:

सोना पीले रंग की उत्तम धातु है जिससे आभूषण तथा धार्मिक वस्तुएं बनाई जाती थीं। प्राचीन युग में यह सबसे अधिक मूल्यवान धातु थी।

- बाइबल के युग में, ठोस सोने की विभिन्न वस्तुएं बनाई जाती थीं या वस्तुओं पर सोना चढ़ाया जाता था।
- इन वस्तुओं में थे, कुन्दन तथा अन्य आभूषण, मूर्तियां, वेदियां, तथा निवास (मण्डप) या मन्दिर की अन्य वस्तुएं जैसे वाचा का सन्दूक।
- पुराने नियम के युग में सोना क्रय-विक्रय में मुद्रा स्वरुप काम में आता था। उसे तराजू में तोल कर उसका मूल्य ज्ञात किया जाता था।
- उत्तरकाल में सोने और चाँदी के सिक्के क्रय-विक्रय में काम में आने लगे।
- जब किसी ऐसी वस्तु की चर्चा हो जो ठोस सोने की नहीं है उस पर केवल सोना चढ़ा हुआ है तो "सुनहरा" या "सोना चढ़ा" या "स्वर्णआवृत" अनुवाद किया जा सकता है।
- कभी-कभी किसी वस्तु को "सुनहरा" कहा जाता है, अर्थात उसका रंग सोने जैसा है परन्तु यथार्थ में सोने से बनी नहीं है।

(यह भी देखें: वेदी, वाचा का सन्दूक, देवता, चाँदी, निवासस्थान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 01:07
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- 2 इतिहास 01:15
- प्रे.का. 03:06
- दानिय्येल 02:32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1220, H1722, H2091, H2742, H3800, H5458, H6884, H6885, G5552, G5553, G5554, G5557

स्तिफनुस

तथ्यों:

स्तिफनुस प्रथम मसीही शहीद अर्थात् मसीह में विश्वास के कारण मारा गया। उसके जीवन एवं मृत्यु के तथ्य प्रेरितों के काम की पुस्तक में हैं।

- स्तिफनुस को आरंभिक कलीसिया ने यरूशलेम में विधवाओं तथा अन्य आवश्यकताग्रस्त विश्वासियों के लिए भोजन व्यवस्था की सेवा हेतु एक सेवक चुना था।
- कुछ यहूदियों ने उस पर झूठा आरोप लगाया था कि वह परमेश्वर और मूसा की व्यवस्था के विरूद्ध बोलता है।
- स्तिफनुस ने मसीह यीशु के विषय निडर होकर सच्चाई की चर्चा की और इस्राएल के साथ आरंभ से लेकर परमेश्वर के व्यवहार का वर्णन किया था।
- उसकी बातें सुनकर यहूदी अगुवे आग बबूला हो गए और उसे शहर के बाहर ले जाकर पथराव कर के मार डाला।
- उसकी हत्या का साक्षी तर्शिश का शाऊल भी था जो बाद में प्रेरित पौलुस हुआ।
- स्तिफनुस ने मरने से पूर्व जो अन्तिम प्रार्थना की वह स्मरणीय है, "हे प्रभु उनसे इस पाप का लेखा मत लेना" इससे मनुष्यों के प्रति उसका प्रेम प्रकट होता है।

(यह भी देखें: नियुक्त करना, सेवक, यरूशलेम, पौलुस, पत्थर, सच्चा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:5-6
- प्रे.का. 06:8-9
- प्रे.का. 06:10-11
- प्रे.का. 06:12-15
- प्रे.का. 07:59-60
- प्रे.का. 11:19-21

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- प्रे.का. 22:19-21

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4736

स्तुति, भजन, स्तुति की, स्तुति करते, बड़ाई की बात

परिभाषा:

किसी की प्रशंसा करना अर्थात उस व्यक्ति की सराहना तथा उसको सम्मानित करना।

- मनुष्य परमेश्वर की स्तुति करता है क्योंकि वह महान है और उसने जगत का उद्धारकर्ता एवं सृजनहार होने के कारण अद्भुत काम किए हैं।
- परमेश्वर की स्तुति में उसके कामों के लिए धन्यवाद होता है।
- परमेश्वर की स्तुति में प्रायः संगीत और भजन गान होते हैं।
- परमेश्वर की स्तुति उसकी आराधना का एक भाग है।
- "स्तुति करना" का अनुवाद हो सकता है, "किसी के बारे में अच्छी बात कहना" या "शब्दों द्वारा उच्च सम्मान प्रदान करना" या "किसी का गुणगान करना"।
- "स्तुति" संज्ञा शब्द का अनुवाद "सम्मानित व्यक्ति" या "सम्मान सूचक उदगार" या "अच्छाईयों का वर्णन"।

(यह भी देखें: दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 13:48-49
- दानिय्येल 03:28
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 49:8
- याकूब 03:9-10
- यूहन्ना 05:41-42
- लूका 01:46-47
- लूका 01:64-66
- लूका 19:37-38
- मत्ती 11:25-27
- मत्ती 15:29-31

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:13** इस्राएलियों ने बहुत उत्साहित होकर आनन्द मनाया क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें मृत्यु व गुलामी से बचाया! अब वह परमेश्वर की आराधना करने की लिये स्वतंत्र थे |
- **17:08** जब दाऊद ने यह शब्द सुने, उसने तुरन्त ही परमेश्वर को धन्यवाद दिया और उसकी प्रशंसा की, क्योंकि परमेश्वर ने दाऊद से महान गौरव और बहुत सी आशीषों की वाचा बाँधी थी |
- **22:07** तब जकरयाह ने कहा कि, "प्रभु परमेश्वर धन्य हो, क्योंकि उसने अपने लोगों पर दृष्टि की और उनका छुटकारा किया है |
- **43:13** और परमेश्वर की स्तुति करते हुए आनन्द करते थे और वे हर वस्तुए एक दुसरे से बाटते थे |
- **47:08** उन्होंने पौलुस और सीलास को बंदीगृह के सबसे सुरक्षित क्षेत्र में रखा था और यहां तक कि उनके पैरों को भी बांध रखा था| फिर भी आधी रात को पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H6953, H7121, H7150, G1229, G1256, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G3853, G3955, G4283, G4296

स्तुति, भजन, स्तुति की, स्तुति करते, बड़ाई की बात

परिभाषा:

किसी की प्रशंसा करना अर्थात उस व्यक्ति की सराहना तथा उसको सम्मानित करना।

- मनुष्य परमेश्वर की स्तुति करता है क्योंकि वह महान है और उसने जगत का उद्धारकर्ता एवं सृजनहार होने के कारण अद्भुत काम किए हैं।
- परमेश्वर की स्तुति में उसके कामों के लिए धन्यवाद होता है।
- परमेश्वर की स्तुति में प्रायः संगीत और भजन गान होते हैं।
- परमेश्वर की स्तुति उसकी आराधना का एक भाग है।
- "स्तुति करना" का अनुवाद हो सकता है, "किसी के बारे में अच्छी बात कहना" या "शब्दों द्वारा उच्च सम्मान प्रदान करना" या "किसी का गुणगान करना"।
- "स्तुति" संज्ञा शब्द का अनुवाद "सम्मानित व्यक्ति" या "सम्मान सूचक उदगार" या "अच्छाईयों का वर्णन"।

(यह भी देखें: दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 13:48-49
- दानिय्येल 03:28
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 49:8
- याकूब 03:9-10
- यूहन्ना 05:41-42
- लूका 01:46-47
- लूका 01:64-66
- लूका 19:37-38
- मत्ती 11:25-27
- मत्ती 15:29-31

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:13** इस्राएलियों ने बहुत उत्साहित होकर आनन्द मनाया क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें मृत्यु व गुलामी से बचाया! अब वह परमेश्वर की आराधना करने की लिये स्वतंत्र थे |
- **17:08** जब दाऊद ने यह शब्द सुने, उसने तुरन्त ही परमेश्वर को धन्यवाद दिया और उसकी प्रशंसा की, क्योंकि परमेश्वर ने दाऊद से महान गौरव और बहुत सी आशीषों की वाचा बाँधी थी |
- **22:07** तब जकरयाह ने कहा कि, "प्रभु परमेश्वर धन्य हो, क्योंकि उसने अपने लोगों पर दृष्टि की और उनका छुटकारा किया है |
- **43:13** और परमेश्वर की स्तुति करते हुए आनन्द करते थे और वे हर वस्तुए एक दुसरे से बाटते थे |
- **47:08** उन्होंने पौलुस और सीलास को बंदीगृह के सबसे सुरक्षित क्षेत्र में रखा था और यहां तक कि उनके पैरों को भी बांध रखा था| फिर भी आधी रात को पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H6953, H7121, H7150, G1229, G1256, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G3853, G3955, G4283, G4296

स्तुति, भजन, स्तुति की, स्तुति करते, बड़ाई की बात

परिभाषा:

किसी की प्रशंसा करना अर्थात उस व्यक्ति की सराहना तथा उसको सम्मानित करना।

- मनुष्य परमेश्वर की स्तुति करता है क्योंकि वह महान है और उसने जगत का उद्धारकर्ता एवं सृजनहार होने के कारण अद्भुत काम किए हैं।
- परमेश्वर की स्तुति में उसके कामों के लिए धन्यवाद होता है।
- परमेश्वर की स्तुति में प्रायः संगीत और भजन गान होते हैं।
- परमेश्वर की स्तुति उसकी आराधना का एक भाग है।

- “स्तुति करना” का अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में अच्छी बात कहना” या “शब्दों द्वारा उच्च सम्मान प्रदान करना” या “किसी का गुणगान करना”।
- “स्तुति” संज्ञा शब्द का अनुवाद “सम्मानित व्यक्ति” या “सम्मान सूचक उदगार” या “अच्छाईयों का वर्णन”।

(यह भी देखें: दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 13:48-49
- दानिय्येल 03:28
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 49:8
- याकूब 03:9-10
- यूहन्ना 05:41-42
- लूका 01:46-47
- लूका 01:64-66
- लूका 19:37-38
- मत्ती 11:25-27
- मत्ती 15:29-31

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:13** इस्राएलियों ने बहुत उत्साहित होकर आनन्द मनाया क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें मृत्यु व गुलामी से बचाया! अब वह परमेश्वर की आराधना करने की लिये स्वतंत्र थे |
- **17:08** जब दाऊद ने यह शब्द सुने, उसने तुरन्त ही परमेश्वर को धन्यवाद दिया और उसकी प्रशंसा की, क्योंकि परमेश्वर ने दाऊद से महान गौरव और बहुत सी आशीषों की वाचा बाँधी थी |
- **22:07** तब जकरयाह ने कहा कि, “प्रभु परमेश्वर धन्य हो, क्योंकि उसने अपने लोगों पर दृष्टि की और उनका छुटकारा किया है |
- **43:13** और परमेश्वर की स्तुति करते हुए आनन्द करते थे और वे हर वस्तुए एक दुसरे से बाटते थे |
- **47:08** उन्होंने पौलुस और सीलास को बंदीगृह के सबसे सुरक्षित क्षेत्र में रखा था और यहां तक कि उनके पैरों को भी बांध रखा था| फिर भी आधी रात को पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H6953, H7121, H7150, G1229, G1256, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G3853, G3955, G4283, G4296

स्तुति, भजन, स्तुति की, स्तुति करते, बड़ाई की बात

परिभाषा:

किसी की प्रशंसा करना अर्थात उस व्यक्ति की सराहना तथा उसको सम्मानित करना।

- मनुष्य परमेश्वर की स्तुति करता है क्योंकि वह महान है और उसने जगत का उद्धारकर्ता एवं सृजनहार होने के कारण अद्भुत काम किए हैं।
- परमेश्वर की स्तुति में उसके कामों के लिए धन्यवाद होता है।
- परमेश्वर की स्तुति में प्रायः संगीत और भजन गान होते हैं।
- परमेश्वर की स्तुति उसकी आराधना का एक भाग है।
- “स्तुति करना” का अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में अच्छी बात कहना” या “शब्दों द्वारा उच्च सम्मान प्रदान करना” या “किसी का गुणगान करना”।
- “स्तुति” संज्ञा शब्द का अनुवाद “सम्मानित व्यक्ति” या “सम्मान सूचक उदगार” या “अच्छाईयों का वर्णन”।

(यह भी देखें: दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 13:48-49

- दानिय्येल 03:28
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 49:8
- याकूब 03:9-10
- यूहन्ना 05:41-42
- लूका 01:46-47
- लूका 01:64-66
- लूका 19:37-38
- मत्ती 11:25-27
- मत्ती 15:29-31

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:13** इस्राएलियों ने बहुत उत्साहित होकर आनन्द मनाया क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें मृत्यु व गुलामी से बचाया! अब वह परमेश्वर की आराधना करने की लिये स्वतंत्र थे |
- **17:08** जब दाऊद ने यह शब्द सुने, उसने तुरन्त ही परमेश्वर को धन्यवाद दिया और उसकी प्रशंसा की, क्योंकि परमेश्वर ने दाऊद से महान गौरव और बहुत सी आशीषों की वाचा बाँधी थी |
- **22:07** तब जकरयाह ने कहा कि, “प्रभु परमेश्वर धन्य हो, क्योंकि उसने अपने लोगों पर दृष्टि की और उनका छुटकारा किया है |
- **43:13** और परमेश्वर की स्तुति करते हुए आनन्द करते थे और वे हर वस्तुए एक दुसरे से बाटते थे |
- **47:08** उन्होंने पौलुस और सीलास को बंदीगृह के सबसे सुरक्षित क्षेत्र में रखा था और यहां तक कि उनके पैरों को भी बांध रखा था| फिर भी आधी रात को पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H6953, H7121, H7150, G1229, G1256, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G3853, G3955, G4283, G4296

स्तुति, भजन, स्तुति की, स्तुति करते, बड़ाई की बात

परिभाषा:

किसी की प्रशंसा करना अर्थात उस व्यक्ति की सराहना तथा उसको सम्मानित करना।

- मनुष्य परमेश्वर की स्तुति करता है क्योंकि वह महान है और उसने जगत का उद्धारकर्ता एवं सृजनहार होने के कारण अद्भुत काम किए हैं।
- परमेश्वर की स्तुति में उसके कामों के लिए धन्यवाद होता है।
- परमेश्वर की स्तुति में प्रायः संगीत और भजन गान होते हैं।
- परमेश्वर की स्तुति उसकी आराधना का एक भाग है।
- “स्तुति करना” का अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में अच्छी बात कहना” या “शब्दों द्वारा उच्च सम्मान प्रदान करना” या “किसी का गुणगान करना”।
- “स्तुति” संज्ञा शब्द का अनुवाद “सम्मानित व्यक्ति” या “सम्मान सूचक उदगार” या “अच्छाईयों का वर्णन”।

(यह भी देखें: दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 13:48-49
- दानिय्येल 03:28
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 49:8
- याकूब 03:9-10
- यूहन्ना 05:41-42
- लूका 01:46-47
- लूका 01:64-66
- लूका 19:37-38
- मत्ती 11:25-27
- मत्ती 15:29-31

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:13** इस्राएलियों ने बहुत उत्साहित होकर आनन्द मनाया क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें मृत्यु व गुलामी से बचाया! अब वह परमेश्वर की आराधना करने की लिये स्वतंत्र थे |
- **17:08** जब दाऊद ने यह शब्द सुने, उसने तुरन्त ही परमेश्वर को धन्यवाद दिया और उसकी प्रशंसा की, क्योंकि परमेश्वर ने दाऊद से महान गौरव और बहुत सी आशीषों की वाचा बाँधी थी |
- **22:07** तब जकरयाह ने कहा कि, “प्रभु परमेश्वर धन्य हो, क्योंकि उसने अपने लोगों पर दृष्टि की और उनका छुटकारा किया है |
- **43:13** और परमेश्वर की स्तुति करते हुए आनन्द करते थे और वे हर वस्तुए एक दुसरे से बाटते थे |
- **47:08** उन्होंने पौलुस और सीलास को बंदीगृह के सबसे सुरक्षित क्षेत्र में रखा था और यहां तक कि उनके पैरों को भी बांध रखा था| फिर भी आधी रात को पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H6953, H7121, H7150, G1229, G1256, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G3853, G3955, G4283, G4296

स्तुति, भजन, स्तुति की, स्तुति करते, बड़ाई की बात

परिभाषा:

किसी की प्रशंसा करना अर्थात उस व्यक्ति की सराहना तथा उसको सम्मानित करना।

- मनुष्य परमेश्वर की स्तुति करता है क्योंकि वह महान है और उसने जगत का उद्धारकर्ता एवं सृजनहार होने के कारण अद्भुत काम किए हैं।
- परमेश्वर की स्तुति में उसके कामों के लिए धन्यवाद होता है।
- परमेश्वर की स्तुति में प्रायः संगीत और भजन गान होते हैं।
- परमेश्वर की स्तुति उसकी आराधना का एक भाग है।
- “स्तुति करना” का अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में अच्छी बात कहना” या “शब्दों द्वारा उच्च सम्मान प्रदान करना” या “किसी का गुणगान करना”।
- “स्तुति” संज्ञा शब्द का अनुवाद “सम्मानित व्यक्ति” या “सम्मान सूचक उदगार” या “अच्छाईयों का वर्णन”।

(यह भी देखें: दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 13:48-49
- दानिय्येल 03:28
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 49:8
- याकूब 03:9-10
- यूहन्ना 05:41-42
- लूका 01:46-47
- लूका 01:64-66
- लूका 19:37-38
- मत्ती 11:25-27
- मत्ती 15:29-31

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:13** इस्राएलियों ने बहुत उत्साहित होकर आनन्द मनाया क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें मृत्यु व गुलामी से बचाया! अब वह परमेश्वर की आराधना करने की लिये स्वतंत्र थे |
- **17:08** जब दाऊद ने यह शब्द सुने, उसने तुरन्त ही परमेश्वर को धन्यवाद दिया और उसकी प्रशंसा की, क्योंकि परमेश्वर ने दाऊद से महान गौरव और बहुत सी आशीषों की वाचा बाँधी थी |
- **22:07** तब जकरयाह ने कहा कि, “प्रभु परमेश्वर धन्य हो, क्योंकि उसने अपने लोगों पर दृष्टि की और उनका छुटकारा किया है |
- **43:13** और परमेश्वर की स्तुति करते हुए आनन्द करते थे और वे हर वस्तुए एक दुसरे से बाटते थे |
- **47:08** उन्होंने पौलुस और सीलास को बंदीगृह के सबसे सुरक्षित क्षेत्र में रखा था और यहां तक कि उनके पैरों को भी बांध रखा था| फिर भी आधी रात को पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H6953, H7121, H7150, G1229, G1256, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G3853, G3955, G4283, G4296

स्तुति, भजन, स्तुति की, स्तुति करते, बड़ाई की बात

परिभाषा:

किसी की प्रशंसा करना अर्थात उस व्यक्ति की सराहना तथा उसको सम्मानित करना।

- मनुष्य परमेश्वर की स्तुति करता है क्योंकि वह महान है और उसने जगत का उद्धारकर्ता एवं सृजनहार होने के कारण अद्भुत काम किए हैं।
- परमेश्वर की स्तुति में उसके कामों के लिए धन्यवाद होता है।
- परमेश्वर की स्तुति में प्रायः संगीत और भजन गान होते हैं।
- परमेश्वर की स्तुति उसकी आराधना का एक भाग है।
- “स्तुति करना” का अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में अच्छी बात कहना” या “शब्दों द्वारा उच्च सम्मान प्रदान करना” या “किसी का गुणगान करना”।
- “स्तुति” संज्ञा शब्द का अनुवाद “सम्मानित व्यक्ति” या “सम्मान सूचक उदगार” या “अच्छाईयों का वर्णन”।

(यह भी देखें: दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 13:48-49
- दानिय्येल 03:28
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 49:8
- याकूब 03:9-10
- यूहन्ना 05:41-42
- लूका 01:46-47
- लूका 01:64-66
- लूका 19:37-38
- मत्ती 11:25-27
- मत्ती 15:29-31

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:13** इस्राएलियों ने बहुत उत्साहित होकर आनन्द मनाया क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें मृत्यु व गुलामी से बचाया! अब वह परमेश्वर की आराधना करने की लिये स्वतंत्र थे |
- **17:08** जब दाऊद ने यह शब्द सुने, उसने तुरन्त ही परमेश्वर को धन्यवाद दिया और उसकी प्रशंसा की, क्योंकि परमेश्वर ने दाऊद से महान गौरव और बहुत सी आशीषों की वाचा बाँधी थी |
- **22:07** तब जकरयाह ने कहा कि, “प्रभु परमेश्वर धन्य हो, क्योंकि उसने अपने लोगों पर दृष्टि की और उनका छुटकारा किया है |
- **43:13** और परमेश्वर की स्तुति करते हुए आनन्द करते थे और वे हर वस्तुए एक दुसरे से बाटते थे |
- **47:08** उन्होंने पौलुस और सीलास को बंदीगृह के सबसे सुरक्षित क्षेत्र में रखा था और यहां तक कि उनके पैरों को भी बांध रखा था| फिर भी आधी रात को पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H6953, H7121, H7150, G1229, G1256, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G3853, G3955, G4283, G4296

स्तुति, भजन, स्तुति की, स्तुति करते, बड़ाई की बात

परिभाषा:

किसी की प्रशंसा करना अर्थात उस व्यक्ति की सराहना तथा उसको सम्मानित करना।

- मनुष्य परमेश्वर की स्तुति करता है क्योंकि वह महान है और उसने जगत का उद्धारकर्ता एवं सृजनहार होने के कारण अद्भुत काम किए हैं।
- परमेश्वर की स्तुति में उसके कामों के लिए धन्यवाद होता है।
- परमेश्वर की स्तुति में प्रायः संगीत और भजन गान होते हैं।
- परमेश्वर की स्तुति उसकी आराधना का एक भाग है।
- "स्तुति करना" का अनुवाद हो सकता है, "किसी के बारे में अच्छी बात कहना" या "शब्दों द्वारा उच्च सम्मान प्रदान करना" या "किसी का गुणगान करना"।
- "स्तुति" संज्ञा शब्द का अनुवाद "सम्मानित व्यक्ति" या "सम्मान सूचक उदगार" या "अच्छाईयों का वर्णन"।

(यह भी देखें: दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 13:48-49
- दानिय्येल 03:28
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 49:8
- याकूब 03:9-10
- यूहन्ना 05:41-42
- लूका 01:46-47
- लूका 01:64-66
- लूका 19:37-38
- मत्ती 11:25-27
- मत्ती 15:29-31

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:13** इस्राएलियों ने बहुत उत्साहित होकर आनन्द मनाया क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें मृत्यु व गुलामी से बचाया! अब वह परमेश्वर की आराधना करने की लिये स्वतंत्र थे |
- **17:08** जब दाऊद ने यह शब्द सुने, उसने तुरन्त ही परमेश्वर को धन्यवाद दिया और उसकी प्रशंसा की, क्योंकि परमेश्वर ने दाऊद से महान गौरव और बहुत सी आशीषों की वाचा बाँधी थी |
- **22:07** तब जकरयाह ने कहा कि, "प्रभु परमेश्वर धन्य हो, क्योंकि उसने अपने लोगों पर दृष्टि की और उनका छुटकारा किया है |
- **43:13** और परमेश्वर की स्तुति करते हुए आनन्द करते थे और वे हर वस्तुए एक दुसरे से बाटते थे |
- **47:08** उन्होंने पौलुस और सीलास को बंदीगृह के सबसे सुरक्षित क्षेत्र में रखा था और यहां तक कि उनके पैरों को भी बांध रखा था| फिर भी आधी रात को पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H6953, H7121, H7150, G1229, G1256, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G3853, G3955, G4283, G4296

स्तुति, भजन, स्तुति की, स्तुति करते, बड़ाई की बात

परिभाषा:

किसी की प्रशंसा करना अर्थात उस व्यक्ति की सराहना तथा उसको सम्मानित करना।

- मनुष्य परमेश्वर की स्तुति करता है क्योंकि वह महान है और उसने जगत का उद्धारकर्ता एवं सृजनहार होने के कारण अद्भुत काम किए हैं।
- परमेश्वर की स्तुति में उसके कामों के लिए धन्यवाद होता है।
- परमेश्वर की स्तुति में प्रायः संगीत और भजन गान होते हैं।
- परमेश्वर की स्तुति उसकी आराधना का एक भाग है।

- “स्तुति करना” का अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में अच्छी बात कहना” या “शब्दों द्वारा उच्च सम्मान प्रदान करना” या “किसी का गुणगान करना”।
- “स्तुति” संज्ञा शब्द का अनुवाद “सम्मानित व्यक्ति” या “सम्मान सूचक उदगार” या “अच्छाईयों का वर्णन”।

(यह भी देखें: दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 13:48-49
- दानिय्येल 03:28
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 49:8
- याकूब 03:9-10
- यूहन्ना 05:41-42
- लूका 01:46-47
- लूका 01:64-66
- लूका 19:37-38
- मत्ती 11:25-27
- मत्ती 15:29-31

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:13** इस्राएलियों ने बहुत उत्साहित होकर आनन्द मनाया क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें मृत्यु व गुलामी से बचाया! अब वह परमेश्वर की आराधना करने की लिये स्वतंत्र थे |
- **17:08** जब दाऊद ने यह शब्द सुने, उसने तुरन्त ही परमेश्वर को धन्यवाद दिया और उसकी प्रशंसा की, क्योंकि परमेश्वर ने दाऊद से महान गौरव और बहुत सी आशीषों की वाचा बाँधी थी |
- **22:07** तब जकरयाह ने कहा कि, “प्रभु परमेश्वर धन्य हो, क्योंकि उसने अपने लोगों पर दृष्टि की और उनका छुटकारा किया है |
- **43:13** और परमेश्वर की स्तुति करते हुए आनन्द करते थे और वे हर वस्तुए एक दुसरे से बाटते थे |
- **47:08** उन्होंने पौलुस और सीलास को बंदीगृह के सबसे सुरक्षित क्षेत्र में रखा था और यहां तक कि उनके पैरों को भी बांध रखा था| फिर भी आधी रात को पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H6953, H7121, H7150, G1229, G1256, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G3853, G3955, G4283, G4296

स्तुति, भजन, स्तुति की, स्तुति करते, बड़ाई की बात

परिभाषा:

किसी की प्रशंसा करना अर्थात उस व्यक्ति की सराहना तथा उसको सम्मानित करना।

- मनुष्य परमेश्वर की स्तुति करता है क्योंकि वह महान है और उसने जगत का उद्धारकर्ता एवं सृजनहार होने के कारण अद्भुत काम किए हैं।
- परमेश्वर की स्तुति में उसके कामों के लिए धन्यवाद होता है।
- परमेश्वर की स्तुति में प्रायः संगीत और भजन गान होते हैं।
- परमेश्वर की स्तुति उसकी आराधना का एक भाग है।
- “स्तुति करना” का अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में अच्छी बात कहना” या “शब्दों द्वारा उच्च सम्मान प्रदान करना” या “किसी का गुणगान करना”।
- “स्तुति” संज्ञा शब्द का अनुवाद “सम्मानित व्यक्ति” या “सम्मान सूचक उदगार” या “अच्छाईयों का वर्णन”।

(यह भी देखें: दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 13:48-49

- दानिय्येल 03:28
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 49:8
- याकूब 03:9-10
- यूहन्ना 05:41-42
- लूका 01:46-47
- लूका 01:64-66
- लूका 19:37-38
- मत्ती 11:25-27
- मत्ती 15:29-31

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:13** इस्राएलियों ने बहुत उत्साहित होकर आनन्द मनाया क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें मृत्यु व गुलामी से बचाया! अब वह परमेश्वर की आराधना करने की लिये स्वतंत्र थे |
- **17:08** जब दाऊद ने यह शब्द सुने, उसने तुरन्त ही परमेश्वर को धन्यवाद दिया और उसकी प्रशंसा की, क्योंकि परमेश्वर ने दाऊद से महान गौरव और बहुत सी आशीषों की वाचा बाँधी थी |
- **22:07** तब जकरयाह ने कहा कि, “प्रभु परमेश्वर धन्य हो, क्योंकि उसने अपने लोगों पर दृष्टि की और उनका छुटकारा किया है |
- **43:13** और परमेश्वर की स्तुति करते हुए आनन्द करते थे और वे हर वस्तुए एक दुसरे से बाटते थे |
- **47:08** उन्होंने पौलुस और सीलास को बंदीगृह के सबसे सुरक्षित क्षेत्र में रखा था और यहां तक कि उनके पैरों को भी बांध रखा था| फिर भी आधी रात को पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H6953, H7121, H7150, G1229, G1256, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G3853, G3955, G4283, G4296

स्तुति, भजन, स्तुति की, स्तुति करते, बड़ाई की बात

परिभाषा:

किसी की प्रशंसा करना अर्थात उस व्यक्ति की सराहना तथा उसको सम्मानित करना।

- मनुष्य परमेश्वर की स्तुति करता है क्योंकि वह महान है और उसने जगत का उद्धारकर्ता एवं सृजनहार होने के कारण अद्भुत काम किए हैं।
- परमेश्वर की स्तुति में उसके कामों के लिए धन्यवाद होता है।
- परमेश्वर की स्तुति में प्रायः संगीत और भजन गान होते हैं।
- परमेश्वर की स्तुति उसकी आराधना का एक भाग है।
- “स्तुति करना” का अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में अच्छी बात कहना” या “शब्दों द्वारा उच्च सम्मान प्रदान करना” या “किसी का गुणगान करना”।
- “स्तुति” संज्ञा शब्द का अनुवाद “सम्मानित व्यक्ति” या “सम्मान सूचक उदगार” या “अच्छाईयों का वर्णन”।

(यह भी देखें: दंडवत करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- प्रे.का. 02:46-47
- प्रे.का. 13:48-49
- दानिय्येल 03:28
- इफिसियों 01:3-4
- उत्पत्ति 49:8
- याकूब 03:9-10
- यूहन्ना 05:41-42
- लूका 01:46-47
- लूका 01:64-66
- लूका 19:37-38
- मत्ती 11:25-27
- मत्ती 15:29-31

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:13** इस्राएलियों ने बहुत उत्साहित होकर आनन्द मनाया क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें मृत्यु व गुलामी से बचाया! अब वह परमेश्वर की आराधना करने की लिये स्वतंत्र थे |
- **17:08** जब दाऊद ने यह शब्द सुने, उसने तुरन्त ही परमेश्वर को धन्यवाद दिया और उसकी प्रशंसा की, क्योंकि परमेश्वर ने दाऊद से महान गौरव और बहुत सी आशीषों की वाचा बाँधी थी |
- **22:07** तब जकरयाह ने कहा कि, "प्रभु परमेश्वर धन्य हो, क्योंकि उसने अपने लोगों पर दृष्टि की और उनका छुटकारा किया है |
- **43:13** और परमेश्वर की स्तुति करते हुए आनन्द करते थे और वे हर वस्तुए एक दुसरे से बाटते थे |
- **47:08** उन्होंने पौलुस और सीलास को बंदीगृह के सबसे सुरक्षित क्षेत्र में रखा था और यहां तक कि उनके पैरों को भी बांध रखा था| फिर भी आधी रात को पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H6953, H7121, H7150, G1229, G1256, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G3853, G3955, G4283, G4296

स्वतंत्र, छुड़ाता, छूट गया, मुक्त, स्वतंत्रता, सेंत-मेंत, स्वतंत्र मनुष्य, स्वेच्छा, स्वतंत्रता

परिभाषा:

"स्वतंत्र" और "स्वतंत्रता" का अर्थ है दासत्व या अन्य किसी बन्धन में न रहना। "स्वतंत्रता" के लिए दूसरा शब्द है "मुक्ति"

- "किसी को स्वंतत्र करना" या "मुक्त करना" अर्थात किसी के दासत्व या बन्धुआई से निकल आने का मार्ग प्रदान करना।
- बाइबल में ये शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए गए हैं कि दर्शाया जाए कि यीशु में विश्वास करनेवाला अब पाप के वश में नहीं है।
- "मुक्ति" या "स्वतंत्रता" का अर्थ यह भी है कि मूसा की व्यवस्था की अनिवार्यताओं का पालन करने के अधीन नहीं वरन पवित्र आत्मा की शिक्षाओं तथा अगुआई में रहने के लिए स्वतंत्र।

अनुवाद के सुझाव:

- "स्वतंत्र" शब्द ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा अनुवाद किए जा सकते हैं जैसे "बन्धन मुक्त" या "दासत्व में नहीं" या "दासत्व मुक्त" या "बन्धुआ नहीं"।
- "स्वतंत्रता" या "मुक्ति" का अनुवाद ऐसे शब्दों से हो जैसे "स्वतंत्र होने की अवस्था" या "दास न होने की अवस्था" या "बन्धुआ नहीं"।
- "स्वतंत्र करना" इसका अनुवाद "मुक्त होने का कारण" या "दासत्व से बचाना" या "बन्धन से मुक्ति दिलाना"
- जो मनुष्य "स्वतंत्र किया गया" वह बन्धुआई या दासत्व से "छुड़ाया गया" या "बाहर निकाला गया"।

(यह भी देखें: बांधना, सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- गलातियों 05:1-2
- यशायाह 61:1
- लैव्यव्यवस्था 25:10
- रोमियो 06:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1865, H2600, H2666, H2668, H2670, H3318, H4800, H5068, H5069, H5071, H5081, H5337, H5352, H5355, H5425, H5674, H5800, H6299, H6362, H7342, H7971, G425, G525, G558, G572, G629, G630, G859, G1344, G1432, G1657, G1658, G1659, G1849, G2010, G3032, G3089, G3955, G4174, G4506, G5483, G5486

स्वतंत्र, छुड़ाता, छूट गया, मुक्त, स्वतंत्रता, सेंत-मेंत, स्वतंत्र मनुष्य, स्वेच्छा, स्वतंत्रता

परिभाषा:

"स्वतंत्र" और "स्वतंत्रता" का अर्थ है दासत्व या अन्य किसी बन्धन में न रहना। "स्वतंत्रता" के लिए दूसरा शब्द है "मुक्ति"

- "किसी को स्वंतत्र करना" या "मुक्त करना" अर्थात किसी के दासत्व या बन्धुआई से निकल आने का मार्ग प्रदान करना।
- बाइबल में ये शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए गए हैं कि दर्शाया जाए कि यीशु में विश्वास करनेवाला अब पाप के वश में नहीं है।

- “मुक्ति” या “स्वतंत्रता” का अर्थ यह भी है कि मूसा की व्यवस्था की अनिवार्यताओं का पालन करने के अधीन नहीं वरन पवित्र आत्मा की शिक्षाओं तथा अगुआई में रहने के लिए स्वतंत्र।

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वतंत्र” शब्द ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा अनुवाद किए जा सकते हैं जैसे “बन्धन मुक्त” या “दासत्व में नहीं” या “दासत्व मुक्त” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्रता” या “मुक्ति” का अनुवाद ऐसे शब्दों से हो जैसे “स्वतंत्र होने की अवस्था” या “दास न होने की अवस्था” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्र करना” इसका अनुवाद “मुक्त होने का कारण” या “दासत्व से बचाना” या “बन्धन से मुक्ति दिलाना”
- जो मनुष्य “स्वतंत्र किया गया” वह बन्धुआई या दासत्व से “छुड़ाया गया” या “बाहर निकाला गया”।

(यह भी देखें: बांधना, सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- गलातियों 05:1-2
- यशायाह 61:1
- लैव्यव्यवस्था 25:10
- रोमियो 06:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1865, H2600, H2666, H2668, H2670, H3318, H4800, H5068, H5069, H5071, H5081, H5337, H5352, H5355, H5425, H5674, H5800, H6299, H6362, H7342, H7971, G425, G525, G558, G572, G629, G630, G859, G1344, G1432, G1657, G1658, G1659, G1849, G2010, G3032, G3089, G3955, G4174, G4506, G5483, G5486

स्वतंत्र, छुड़ाता, छूट गया, मुक्त, स्वतंत्रता, सेंत-मेंत, स्वतंत्र मनुष्य, स्वेच्छा, स्वतंत्रता

परिभाषा:

“स्वतंत्र” और “स्वतंत्रता” का अर्थ है दासत्व या अन्य किसी बन्धन में न रहना। “स्वतंत्रता” के लिए दूसरा शब्द है “मुक्ति”

- “किसी को स्वंतत्र करना” या “मुक्त करना” अर्थात किसी के दासत्व या बन्धुआई से निकल आने का मार्ग प्रदान करना।
- बाइबल में ये शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए गए हैं कि दर्शाया जाए कि यीशु में विश्वास करनेवाला अब पाप के वश में नहीं है।
- “मुक्ति” या “स्वतंत्रता” का अर्थ यह भी है कि मूसा की व्यवस्था की अनिवार्यताओं का पालन करने के अधीन नहीं वरन पवित्र आत्मा की शिक्षाओं तथा अगुआई में रहने के लिए स्वतंत्र।

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वतंत्र” शब्द ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा अनुवाद किए जा सकते हैं जैसे “बन्धन मुक्त” या “दासत्व में नहीं” या “दासत्व मुक्त” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्रता” या “मुक्ति” का अनुवाद ऐसे शब्दों से हो जैसे “स्वतंत्र होने की अवस्था” या “दास न होने की अवस्था” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्र करना” इसका अनुवाद “मुक्त होने का कारण” या “दासत्व से बचाना” या “बन्धन से मुक्ति दिलाना”
- जो मनुष्य “स्वतंत्र किया गया” वह बन्धुआई या दासत्व से “छुड़ाया गया” या “बाहर निकाला गया”।

(यह भी देखें: बांधना, सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- गलातियों 05:1-2
- यशायाह 61:1
- लैव्यव्यवस्था 25:10
- रोमियो 06:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1865, H2600, H2666, H2668, H2670, H3318, H4800, H5068, H5069, H5071, H5081, H5337, H5352, H5355, H5425, H5674, H5800, H6299, H6362, H7342, H7971, G425, G525, G558,

G572, G629, G630, G859, G1344, G1432, G1657, G1658, G1659, G1849, G2010, G3032, G3089, G3955, G4174, G4506, G5483, G5486

स्वतंत्र, छुड़ाता, छूट गया, मुक्त, स्वतंत्रता, सेंत-मेंत, स्वतंत्र मनुष्य, स्वेच्छा, स्वतंत्रता

परिभाषा:

“स्वतंत्र” और “स्वतंत्रता” का अर्थ है दासत्व या अन्य किसी बन्धन में न रहना। “स्वतंत्रता” के लिए दूसरा शब्द है “मुक्ति”

- “किसी को स्वंतत्र करना” या “मुक्त करना” अर्थात किसी के दासत्व या बन्धुआई से निकल आने का मार्ग प्रदान करना।
- बाइबल में ये शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए गए हैं कि दर्शाया जाए कि यीशु में विश्वास करनेवाला अब पाप के वश में नहीं है।
- “मुक्ति” या “स्वतंत्रता” का अर्थ यह भी है कि मूसा की व्यवस्था की अनिवार्यताओं का पालन करने के अधीन नहीं वरन पवित्र आत्मा की शिक्षाओं तथा अगुआई में रहने के लिए स्वतंत्र।

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वतंत्र” शब्द ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा अनुवाद किए जा सकते हैं जैसे “बन्धन मुक्त” या “दासत्व में नहीं” या “दासत्व मुक्त” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्रता” या “मुक्ति” का अनुवाद ऐसे शब्दों से हो जैसे “स्वतंत्र होने की अवस्था” या “दास न होने की अवस्था” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्र करना” इसका अनुवाद “मुक्त होने का कारण” या “दासत्व से बचाना” या “बन्धन से मुक्ति दिलाना”
- जो मनुष्य “स्वतंत्र किया गया” वह बन्धुआई या दासत्व से “छुड़ाया गया” या “बाहर निकाला गया”।

(यह भी देखें: बांधना, सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- गलातियों 05:1-2
- यशायाह 61:1
- लैव्यव्यवस्था 25:10
- रोमियो 06:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1865, H2600, H2666, H2668, H2670, H3318, H4800, H5068, H5069, H5071, H5081, H5337, H5352, H5355, H5425, H5674, H5800, H6299, H6362, H7342, H7971, G425, G525, G558, G572, G629, G630, G859, G1344, G1432, G1657, G1658, G1659, G1849, G2010, G3032, G3089, G3955, G4174, G4506, G5483, G5486

स्वतंत्र, छुड़ाता, छूट गया, मुक्त, स्वतंत्रता, सेंत-मेंत, स्वतंत्र मनुष्य, स्वेच्छा, स्वतंत्रता

परिभाषा:

“स्वतंत्र” और “स्वतंत्रता” का अर्थ है दासत्व या अन्य किसी बन्धन में न रहना। “स्वतंत्रता” के लिए दूसरा शब्द है “मुक्ति”

- “किसी को स्वंतत्र करना” या “मुक्त करना” अर्थात किसी के दासत्व या बन्धुआई से निकल आने का मार्ग प्रदान करना।
- बाइबल में ये शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए गए हैं कि दर्शाया जाए कि यीशु में विश्वास करनेवाला अब पाप के वश में नहीं है।
- “मुक्ति” या “स्वतंत्रता” का अर्थ यह भी है कि मूसा की व्यवस्था की अनिवार्यताओं का पालन करने के अधीन नहीं वरन पवित्र आत्मा की शिक्षाओं तथा अगुआई में रहने के लिए स्वतंत्र।

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वतंत्र” शब्द ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा अनुवाद किए जा सकते हैं जैसे “बन्धन मुक्त” या “दासत्व में नहीं” या “दासत्व मुक्त” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्रता” या “मुक्ति” का अनुवाद ऐसे शब्दों से हो जैसे “स्वतंत्र होने की अवस्था” या “दास न होने की अवस्था” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्र करना” इसका अनुवाद “मुक्त होने का कारण” या “दासत्व से बचाना” या “बन्धन से मुक्ति दिलाना”
- जो मनुष्य “स्वतंत्र किया गया” वह बन्धुआई या दासत्व से “छुड़ाया गया” या “बाहर निकाला गया”।

(यह भी देखें: बांधना, सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- गलातियों 05:1-2
- यशायाह 61:1
- लैव्यव्यवस्था 25:10
- रोमियो 06:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1865, H2600, H2666, H2668, H2670, H3318, H4800, H5068, H5069, H5071, H5081, H5337, H5352, H5355, H5425, H5674, H5800, H6299, H6362, H7342, H7971, G425, G525, G558, G572, G629, G630, G859, G1344, G1432, G1657, G1658, G1659, G1849, G2010, G3032, G3089, G3955, G4174, G4506, G5483, G5486

स्वतंत्र, छुड़ाता, छूट गया, मुक्त, स्वतंत्रता, सेंत-मेंत, स्वतंत्र मनुष्य, स्वेच्छा, स्वतंत्रता

परिभाषा:

“स्वतंत्र” और “स्वतंत्रता” का अर्थ है दासत्व या अन्य किसी बन्धन में न रहना। “स्वतंत्रता” के लिए दूसरा शब्द है “मुक्ति”

- “किसी को स्वंतत्र करना” या “मुक्त करना” अर्थात किसी के दासत्व या बन्धुआई से निकल आने का मार्ग प्रदान करना।
- बाइबल में ये शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए गए हैं कि दर्शाया जाए कि यीशु में विश्वास करनेवाला अब पाप के वश में नहीं है।
- “मुक्ति” या “स्वतंत्रता” का अर्थ यह भी है कि मूसा की व्यवस्था की अनिवार्यताओं का पालन करने के अधीन नहीं वरन पवित्र आत्मा की शिक्षाओं तथा अगुआई में रहने के लिए स्वतंत्र।

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वतंत्र” शब्द ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा अनुवाद किए जा सकते हैं जैसे “बन्धन मुक्त” या “दासत्व में नहीं” या “दासत्व मुक्त” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्रता” या “मुक्ति” का अनुवाद ऐसे शब्दों से हो जैसे “स्वतंत्र होने की अवस्था” या “दास न होने की अवस्था” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्र करना” इसका अनुवाद “मुक्त होने का कारण” या “दासत्व से बचाना” या “बन्धन से मुक्ति दिलाना”
- जो मनुष्य “स्वतंत्र किया गया” वह बन्धुआई या दासत्व से “छुड़ाया गया” या “बाहर निकाला गया”।

(यह भी देखें: बांधना, सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- गलातियों 05:1-2
- यशायाह 61:1
- लैव्यव्यवस्था 25:10
- रोमियो 06:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1865, H2600, H2666, H2668, H2670, H3318, H4800, H5068, H5069, H5071, H5081, H5337, H5352, H5355, H5425, H5674, H5800, H6299, H6362, H7342, H7971, G425, G525, G558, G572, G629, G630, G859, G1344, G1432, G1657, G1658, G1659, G1849, G2010, G3032, G3089, G3955, G4174, G4506, G5483, G5486

स्वतंत्र, छुड़ाता, छूट गया, मुक्त, स्वतंत्रता, सेंत-मेंत, स्वतंत्र मनुष्य, स्वेच्छा, स्वतंत्रता

परिभाषा:

“स्वतंत्र” और “स्वतंत्रता” का अर्थ है दासत्व या अन्य किसी बन्धन में न रहना। “स्वतंत्रता” के लिए दूसरा शब्द है “मुक्ति”

- “किसी को स्वंतत्र करना” या “मुक्त करना” अर्थात किसी के दासत्व या बन्धुआई से निकल आने का मार्ग प्रदान करना।
- बाइबल में ये शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए गए हैं कि दर्शाया जाए कि यीशु में विश्वास करनेवाला अब पाप के वश में नहीं है।

- “मुक्ति” या “स्वतंत्रता” का अर्थ यह भी है कि मूसा की व्यवस्था की अनिवार्यताओं का पालन करने के अधीन नहीं वरन पवित्र आत्मा की शिक्षाओं तथा अगुआई में रहने के लिए स्वतंत्र।

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वतंत्र” शब्द ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा अनुवाद किए जा सकते हैं जैसे “बन्धन मुक्त” या “दासत्व में नहीं” या “दासत्व मुक्त” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्रता” या “मुक्ति” का अनुवाद ऐसे शब्दों से हो जैसे “स्वतंत्र होने की अवस्था” या “दास न होने की अवस्था” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्र करना” इसका अनुवाद “मुक्त होने का कारण” या “दासत्व से बचाना” या “बन्धन से मुक्ति दिलाना”
- जो मनुष्य “स्वतंत्र किया गया” वह बन्धुआई या दासत्व से “छुड़ाया गया” या “बाहर निकाला गया”।

(यह भी देखें: बांधना, सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- गलातियों 05:1-2
- यशायाह 61:1
- लैव्यव्यवस्था 25:10
- रोमियो 06:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1865, H2600, H2666, H2668, H2670, H3318, H4800, H5068, H5069, H5071, H5081, H5337, H5352, H5355, H5425, H5674, H5800, H6299, H6362, H7342, H7971, G425, G525, G558, G572, G629, G630, G859, G1344, G1432, G1657, G1658, G1659, G1849, G2010, G3032, G3089, G3955, G4174, G4506, G5483, G5486

स्वतंत्र, छुड़ाता, छूट गया, मुक्त, स्वतंत्रता, सेंत-मेंत, स्वतंत्र मनुष्य, स्वेच्छा, स्वतंत्रता

परिभाषा:

“स्वतंत्र” और “स्वतंत्रता” का अर्थ है दासत्व या अन्य किसी बन्धन में न रहना। “स्वतंत्रता” के लिए दूसरा शब्द है “मुक्ति”

- “किसी को स्वंतत्र करना” या “मुक्त करना” अर्थात किसी के दासत्व या बन्धुआई से निकल आने का मार्ग प्रदान करना।
- बाइबल में ये शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए गए हैं कि दर्शाया जाए कि यीशु में विश्वास करनेवाला अब पाप के वश में नहीं है।
- “मुक्ति” या “स्वतंत्रता” का अर्थ यह भी है कि मूसा की व्यवस्था की अनिवार्यताओं का पालन करने के अधीन नहीं वरन पवित्र आत्मा की शिक्षाओं तथा अगुआई में रहने के लिए स्वतंत्र।

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वतंत्र” शब्द ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा अनुवाद किए जा सकते हैं जैसे “बन्धन मुक्त” या “दासत्व में नहीं” या “दासत्व मुक्त” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्रता” या “मुक्ति” का अनुवाद ऐसे शब्दों से हो जैसे “स्वतंत्र होने की अवस्था” या “दास न होने की अवस्था” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्र करना” इसका अनुवाद “मुक्त होने का कारण” या “दासत्व से बचाना” या “बन्धन से मुक्ति दिलाना”
- जो मनुष्य “स्वतंत्र किया गया” वह बन्धुआई या दासत्व से “छुड़ाया गया” या “बाहर निकाला गया”।

(यह भी देखें: बांधना, सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- गलातियों 05:1-2
- यशायाह 61:1
- लैव्यव्यवस्था 25:10
- रोमियो 06:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1865, H2600, H2666, H2668, H2670, H3318, H4800, H5068, H5069, H5071, H5081, H5337, H5352, H5355, H5425, H5674, H5800, H6299, H6362, H7342, H7971, G425, G525, G558,

G572, G629, G630, G859, G1344, G1432, G1657, G1658, G1659, G1849, G2010, G3032, G3089, G3955, G4174, G4506, G5483, G5486

स्वतंत्र, छुड़ाता, छूट गया, मुक्त, स्वतंत्रता, सेंत-मेंत, स्वतंत्र मनुष्य, स्वेच्छा, स्वतंत्रता

परिभाषा:

“स्वतंत्र” और “स्वतंत्रता” का अर्थ है दासत्व या अन्य किसी बन्धन में न रहना। “स्वतंत्रता” के लिए दूसरा शब्द है “मुक्ति”

- “किसी को स्वंतत्र करना” या “मुक्त करना” अर्थात किसी के दासत्व या बन्धुआई से निकल आने का मार्ग प्रदान करना।
- बाइबल में ये शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए गए हैं कि दर्शाया जाए कि यीशु में विश्वास करनेवाला अब पाप के वश में नहीं है।
- “मुक्ति” या “स्वतंत्रता” का अर्थ यह भी है कि मूसा की व्यवस्था की अनिवार्यताओं का पालन करने के अधीन नहीं वरन पवित्र आत्मा की शिक्षाओं तथा अगुआई में रहने के लिए स्वतंत्र।

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वतंत्र” शब्द ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा अनुवाद किए जा सकते हैं जैसे “बन्धन मुक्त” या “दासत्व में नहीं” या “दासत्व मुक्त” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्रता” या “मुक्ति” का अनुवाद ऐसे शब्दों से हो जैसे “स्वतंत्र होने की अवस्था” या “दास न होने की अवस्था” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्र करना” इसका अनुवाद “मुक्त होने का कारण” या “दासत्व से बचाना” या “बन्धन से मुक्ति दिलाना”
- जो मनुष्य “स्वतंत्र किया गया” वह बन्धुआई या दासत्व से “छुड़ाया गया” या “बाहर निकाला गया”।

(यह भी देखें: बांधना, सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- गलातियों 05:1-2
- यशायाह 61:1
- लैव्यव्यवस्था 25:10
- रोमियो 06:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1865, H2600, H2666, H2668, H2670, H3318, H4800, H5068, H5069, H5071, H5081, H5337, H5352, H5355, H5425, H5674, H5800, H6299, H6362, H7342, H7971, G425, G525, G558, G572, G629, G630, G859, G1344, G1432, G1657, G1658, G1659, G1849, G2010, G3032, G3089, G3955, G4174, G4506, G5483, G5486

स्वतंत्र, छुड़ाता, छूट गया, मुक्त, स्वतंत्रता, सेंत-मेंत, स्वतंत्र मनुष्य, स्वेच्छा, स्वतंत्रता

परिभाषा:

“स्वतंत्र” और “स्वतंत्रता” का अर्थ है दासत्व या अन्य किसी बन्धन में न रहना। “स्वतंत्रता” के लिए दूसरा शब्द है “मुक्ति”

- “किसी को स्वंतत्र करना” या “मुक्त करना” अर्थात किसी के दासत्व या बन्धुआई से निकल आने का मार्ग प्रदान करना।
- बाइबल में ये शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए गए हैं कि दर्शाया जाए कि यीशु में विश्वास करनेवाला अब पाप के वश में नहीं है।
- “मुक्ति” या “स्वतंत्रता” का अर्थ यह भी है कि मूसा की व्यवस्था की अनिवार्यताओं का पालन करने के अधीन नहीं वरन पवित्र आत्मा की शिक्षाओं तथा अगुआई में रहने के लिए स्वतंत्र।

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वतंत्र” शब्द ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा अनुवाद किए जा सकते हैं जैसे “बन्धन मुक्त” या “दासत्व में नहीं” या “दासत्व मुक्त” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्रता” या “मुक्ति” का अनुवाद ऐसे शब्दों से हो जैसे “स्वतंत्र होने की अवस्था” या “दास न होने की अवस्था” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्र करना” इसका अनुवाद “मुक्त होने का कारण” या “दासत्व से बचाना” या “बन्धन से मुक्ति दिलाना”
- जो मनुष्य “स्वतंत्र किया गया” वह बन्धुआई या दासत्व से “छुड़ाया गया” या “बाहर निकाला गया”।

(यह भी देखें: बांधना, सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- गलातियों 05:1-2
- यशायाह 61:1
- लैव्यव्यवस्था 25:10
- रोमियो 06:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1865, H2600, H2666, H2668, H2670, H3318, H4800, H5068, H5069, H5071, H5081, H5337, H5352, H5355, H5425, H5674, H5800, H6299, H6362, H7342, H7971, G425, G525, G558, G572, G629, G630, G859, G1344, G1432, G1657, G1658, G1659, G1849, G2010, G3032, G3089, G3955, G4174, G4506, G5483, G5486

स्वतंत्र, छुड़ाता, छूट गया, मुक्त, स्वतंत्रता, सेंत-मेंत, स्वतंत्र मनुष्य, स्वेच्छा, स्वतंत्रता

परिभाषा:

“स्वतंत्र” और “स्वतंत्रता” का अर्थ है दासत्व या अन्य किसी बन्धन में न रहना। “स्वतंत्रता” के लिए दूसरा शब्द है “मुक्ति”

- “किसी को स्वंतत्र करना” या “मुक्त करना” अर्थात किसी के दासत्व या बन्धुआई से निकल आने का मार्ग प्रदान करना।
- बाइबल में ये शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए गए हैं कि दर्शाया जाए कि यीशु में विश्वास करनेवाला अब पाप के वश में नहीं है।
- “मुक्ति” या “स्वतंत्रता” का अर्थ यह भी है कि मूसा की व्यवस्था की अनिवार्यताओं का पालन करने के अधीन नहीं वरन पवित्र आत्मा की शिक्षाओं तथा अगुआई में रहने के लिए स्वतंत्र।

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वतंत्र” शब्द ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा अनुवाद किए जा सकते हैं जैसे “बन्धन मुक्त” या “दासत्व में नहीं” या “दासत्व मुक्त” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्रता” या “मुक्ति” का अनुवाद ऐसे शब्दों से हो जैसे “स्वतंत्र होने की अवस्था” या “दास न होने की अवस्था” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्र करना” इसका अनुवाद “मुक्त होने का कारण” या “दासत्व से बचाना” या “बन्धन से मुक्ति दिलाना”
- जो मनुष्य “स्वतंत्र किया गया” वह बन्धुआई या दासत्व से “छुड़ाया गया” या “बाहर निकाला गया”।

(यह भी देखें: बांधना, सेवा करना, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:26-27
- गलातियों 05:1-2
- यशायाह 61:1
- लैव्यव्यवस्था 25:10
- रोमियो 06:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1865, H2600, H2666, H2668, H2670, H3318, H4800, H5068, H5069, H5071, H5081, H5337, H5352, H5355, H5425, H5674, H5800, H6299, H6362, H7342, H7971, G425, G525, G558, G572, G629, G630, G859, G1344, G1432, G1657, G1658, G1659, G1849, G2010, G3032, G3089, G3955, G4174, G4506, G5483, G5486

स्वप्न

परिभाषा:

स्वप्न मनुष्यों के सोते समय मस्तिष्क में उभरता है।

- स्वप्न यथार्थ घटना प्रतीत होते हैं जबकि वे होते नहीं हैं।
- कभी-कभी परमेश्वर स्वप्नों द्वारा मनुष्यों को कुछ सिखाता है। परमेश्वर स्वप्नों में मनुष्यों से सीधी बातें भी करता है।
- बाइबल में परमेश्वर ने कुछ लोगों को विशेष स्वप्नों द्वारा सन्देश दिए, अक्सर भविष्य में होने वाली घटनाओं के बारे में।

- स्वप्न दर्शन से भिन्न होता है। स्वप्न मनुष्य को नींद में दिखाई देते हैं परन्तु दर्शन जागृत अवस्था में दिखाई देते हैं।

(यह भी देखें: दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:16-17
- दानिय्येल 01:17-18
- दानिय्येल 02:1-2
- उत्पत्ति 37:5-6
- उत्पत्ति 40:4-5
- मत्ती 02:13-15
- मत्ती 02:19-21

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:02** यूसुफ के भाई उससे बैर रखते थे क्योंकि जब यूसुफ के भाइयो ने देखा कि हमारा पिता हम सबसे अधिक उसी से प्रीति रखता है, और यूसुफ ने स्वप्न में देखा था कि वह अपने भाइयो पर राज्य करेगा।
- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे। जो स्वप्न उसने देखा उसका फल बताने वाला कोई भी नहीं है।
- **08:07** परमेश्वर ने यूसुफ को यह योग्यता दी थी कि वह स्वप्न का अर्थ समझ सके, इसलिये फ़िरौन ने यूसुफ को बंदीगृह से बुलवा भेजा। यूसुफ ने उसके लिये स्वप्न की व्याख्या की और कहा कि “सारे मिस्र देश में सात वर्ष तो बहुतायत की उपज के होंगे, और उनके पश्चात् सात वर्ष अकाल के आयेंगे।”
- **16:11** उसी रात जब गिदोन मिद्यानियों के डेरे में आया तब एक मिद्यानी सैनिक अपने संगी से अपना स्वप्न कह रहा था। वह जन अपने संगी से कह रहा था, “कि इस स्वप्न का अर्थ यह हुआ कि गिदोन की सेना हरा देंगी मिद्यानियों की सेना को।”
- **23:01** अत: यूसुफ ने जो धर्मी था और उसको बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से त्याग देने का विचार किया। जब वह इन बातों के सोच ही में था तो प्रभु का स्वर्गदूत उसे स्वप्न में दिखाई दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1957, H2472, H2492, H2493, G1797, G1798, G3677

स्वप्न

परिभाषा:

स्वप्न मनुष्यों के सोते समय मस्तिष्क में उभरता है।

- स्वप्न यथार्थ घटना प्रतीत होते हैं जबकि वे होते नहीं हैं।
- कभी-कभी परमेश्वर स्वप्नों द्वारा मनुष्यों को कुछ सिखाता है। परमेश्वर स्वप्नों में मनुष्यों से सीधी बातें भी करता है।
- बाइबल में परमेश्वर ने कुछ लोगों को विशेष स्वप्नों द्वारा सन्देश दिए, अक्सर भविष्य में होने वाली घटनाओं के बारे में।
- स्वप्न दर्शन से भिन्न होता है। स्वप्न मनुष्य को नींद में दिखाई देते हैं परन्तु दर्शन जागृत अवस्था में दिखाई देते हैं।

(यह भी देखें: दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:16-17
- दानिय्येल 01:17-18
- दानिय्येल 02:1-2
- उत्पत्ति 37:5-6
- उत्पत्ति 40:4-5
- मत्ती 02:13-15
- मत्ती 02:19-21

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:02** यूसुफ के भाई उससे बैर रखते थे क्योंकि जब यूसुफ के भाइयो ने देखा कि हमारा पिता हम सबसे अधिक उसी से प्रीति रखता है, और यूसुफ ने स्वप्न में देखा था कि वह अपने भाइयो पर राज्य करेगा।

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे। जो स्वप्न उसने देखा उसका फल बताने वाला कोई भी नहीं है।
- **08:07** परमेश्वर ने यूसुफ को यह योग्यता दी थी कि वह स्वप्न का अर्थ समझ सके, इसलिये फ़िरौन ने यूसुफ को बंदीगृह से बुलवा भेजा। यूसुफ ने उसके लिये स्वप्न की व्याख्या की और कहा कि “सारे मिस्र देश में सात वर्ष तो बहुतायत की उपज के होंगे, और उनके पश्चात् सात वर्ष अकाल के आयेंगे।”
- **16:11** उसी रात जब गिदोन मिद्यानियों के डेरे में आया तब एक मिद्यानी सैनिक अपने संगी से अपना स्वप्न कह रहा था। वह जन अपने संगी से कह रहा था, “कि इस स्वप्न का अर्थ यह हुआ कि गिदोन की सेना हरा देंगी मिद्यानियों की सेना को।”
- **23:01** अत: यूसुफ ने जो धर्मी था और उसको बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से त्याग देने का विचार किया। जब वह इन बातों के सोच ही में था तो प्रभु का स्वर्गदूत उसे स्वप्न में दिखाई दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1957, H2472, H2492, H2493, G1797, G1798, G3677

स्वप्न

परिभाषा:

स्वप्न मनुष्यों के सोते समय मस्तिष्क में उभरता है।

- स्वप्न यथार्थ घटना प्रतीत होते हैं जबकि वे होते नहीं हैं।
- कभी-कभी परमेश्वर स्वप्नों द्वारा मनुष्यों को कुछ सिखाता है। परमेश्वर स्वप्नों में मनुष्यों से सीधी बातें भी करता है।
- बाइबल में परमेश्वर ने कुछ लोगों को विशेष स्वप्नों द्वारा सन्देश दिए, अक्सर भविष्य में होने वाली घटनाओं के बारे में।
- स्वप्न दर्शन से भिन्न होता है। स्वप्न मनुष्य को नींद में दिखाई देते हैं परन्तु दर्शन जागृत अवस्था में दिखाई देते हैं।

(यह भी देखें: दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:16-17
- दानिय्येल 01:17-18
- दानिय्येल 02:1-2
- उत्पत्ति 37:5-6
- उत्पत्ति 40:4-5
- मत्ती 02:13-15
- मत्ती 02:19-21

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:02** यूसुफ के भाई उससे बैर रखते थे क्योंकि जब यूसुफ के भाइयो ने देखा कि हमारा पिता हम सबसे अधिक उसी से प्रीति रखता है, और यूसुफ ने स्वप्न में देखा था कि वह अपने भाइयो पर राज्य करेगा।
- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे। जो स्वप्न उसने देखा उसका फल बताने वाला कोई भी नहीं है।
- **08:07** परमेश्वर ने यूसुफ को यह योग्यता दी थी कि वह स्वप्न का अर्थ समझ सके, इसलिये फ़िरौन ने यूसुफ को बंदीगृह से बुलवा भेजा। यूसुफ ने उसके लिये स्वप्न की व्याख्या की और कहा कि “सारे मिस्र देश में सात वर्ष तो बहुतायत की उपज के होंगे, और उनके पश्चात् सात वर्ष अकाल के आयेंगे।”
- **16:11** उसी रात जब गिदोन मिद्यानियों के डेरे में आया तब एक मिद्यानी सैनिक अपने संगी से अपना स्वप्न कह रहा था। वह जन अपने संगी से कह रहा था, “कि इस स्वप्न का अर्थ यह हुआ कि गिदोन की सेना हरा देंगी मिद्यानियों की सेना को।”
- **23:01** अत: यूसुफ ने जो धर्मी था और उसको बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से त्याग देने का विचार किया। जब वह इन बातों के सोच ही में था तो प्रभु का स्वर्गदूत उसे स्वप्न में दिखाई दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1957, H2472, H2492, H2493, G1797, G1798, G3677

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

"स्वर्ग" वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ "आकाश" भी है।

- "आकाशमण्डल" वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- "आकाश" वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यत: "आकाश में स्थित" मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में "स्वर्ग" का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में "स्वर्ग का राज्य" को "स्वर्ग" ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- "आकाशमण्डल" या "तारागण" का अनुवाद किया जा सकता है, "सूर्य, चाँद और सितारे" या "ब्रह्माण्ड में सब सितारे"।
- "आकाश के तारों" का अनुवाद किया जा सकता है, "आकाश के सितारे" या "मंदाकिनी के सितारे" या "ब्रह्माण्ड के सितारे"

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, "आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।"
- **29:09** तब यीशु ने कहा, "इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।"
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, "हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

"स्वर्ग" वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ "आकाश" भी है।

- "आकाशमण्डल" वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- "आकाश" वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यत: "आकाश में स्थित" मानते हैं।

- बाइबल के कुछ संदर्भों में “स्वर्ग” का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में “स्वर्ग का राज्य” को “स्वर्ग” ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- “आकाशमण्डल” या “तारागण” का अनुवाद किया जा सकता है, “सूर्य, चाँद और सितारे” या “ब्रह्माण्ड में सब सितारे”।
- “आकाश के तारों” का अनुवाद किया जा सकता है, “आकाश के सितारे” या “मंदाकिनी के सितारे” या “ब्रह्माण्ड के सितारे”

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, “जिसे मन्ना कहते थे।”
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।”
- **29:09** तब यीशु ने कहा, “इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।”
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, “हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

“स्वर्ग” वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ “आकाश” भी है।

- “आकाशमण्डल” वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- “आकाश” वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यत: “आकाश में स्थित” मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में “स्वर्ग” का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में “स्वर्ग का राज्य” को “स्वर्ग” ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- “आकाशमण्डल” या “तारागण” का अनुवाद किया जा सकता है, “सूर्य, चाँद और सितारे” या “ब्रह्माण्ड में सब सितारे”।
- “आकाश के तारों” का अनुवाद किया जा सकता है, “आकाश के सितारे” या “मंदाकिनी के सितारे” या “ब्रह्माण्ड के सितारे”

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, "आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।"
- **29:09** तब यीशु ने कहा, "इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।"
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, "हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

"स्वर्ग" वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ "आकाश" भी है।

- "आकाशमण्डल" वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- "आकाश" वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यतः "आकाश में स्थित" मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में "स्वर्ग" का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में "स्वर्ग का राज्य" को "स्वर्ग" ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- "आकाशमण्डल" या "तारागण" का अनुवाद किया जा सकता है, "सूर्य, चाँद और सितारे" या "ब्रह्माण्ड में सब सितारे"।
- "आकाश के तारों" का अनुवाद किया जा सकता है, "आकाश के सितारे" या "मंदाकिनी के सितारे" या "ब्रह्माण्ड के सितारे"

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12

- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, "आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।"
- **29:09** तब यीशु ने कहा, "इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।"
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, "हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

"स्वर्ग" वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ "आकाश" भी है।

- "आकाशमण्डल" वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- "आकाश" वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यतः "आकाश में स्थित" मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में "स्वर्ग" का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में "स्वर्ग का राज्य" को "स्वर्ग" ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- "आकाशमण्डल" या "तारागण" का अनुवाद किया जा सकता है, "सूर्य, चाँद और सितारे" या "ब्रह्माण्ड में सब सितारे"।
- "आकाश के तारों" का अनुवाद किया जा सकता है, "आकाश के सितारे" या "मंदाकिनी के सितारे" या "ब्रह्माण्ड के सितारे"

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।”
- **29:09** तब यीशु ने कहा, “इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।”
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, “हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

“स्वर्ग” वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ “आकाश” भी है।

- “आकाशमण्डल” वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- “आकाश” वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यतः “आकाश में स्थित” मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में “स्वर्ग” का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में “स्वर्ग का राज्य” को “स्वर्ग” ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- “आकाशमण्डल” या “तारागण” का अनुवाद किया जा सकता है, “सूर्य, चाँद और सितारे” या “ब्रह्माण्ड में सब सितारे”।
- “आकाश के तारों” का अनुवाद किया जा सकता है, “आकाश के सितारे” या “मंदाकिनी के सितारे” या “ब्रह्माण्ड के सितारे”

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, “जिसे मन्ना कहते थे।”
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।”
- **29:09** तब यीशु ने कहा, “इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।”
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, “हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

"स्वर्ग" वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ "आकाश" भी है।

- "आकाशमण्डल" वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- "आकाश" वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यत: "आकाश में स्थित" मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में "स्वर्ग" का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में "स्वर्ग का राज्य" को "स्वर्ग" ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- "आकाशमण्डल" या "तारागण" का अनुवाद किया जा सकता है, "सूर्य, चाँद और सितारे" या "ब्रह्माण्ड में सब सितारे"।
- "आकाश के तारों" का अनुवाद किया जा सकता है, "आकाश के सितारे" या "मंदाकिनी के सितारे" या "ब्रह्माण्ड के सितारे"

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, "आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।"
- **29:09** तब यीशु ने कहा, "इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।"
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, "हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

"स्वर्ग" वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ "आकाश" भी है।

- "आकाशमण्डल" वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- "आकाश" वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यत: "आकाश में स्थित" मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में "स्वर्ग" का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में "स्वर्ग का राज्य" को "स्वर्ग" ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- "आकाशमण्डल" या "तारागण" का अनुवाद किया जा सकता है, "सूर्य, चाँद और सितारे" या "ब्रह्माण्ड में सब सितारे"।
- "आकाश के तारों" का अनुवाद किया जा सकता है, "आकाश के सितारे" या "मंदाकिनी के सितारे" या "ब्रह्माण्ड के सितारे"

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, "आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।"
- **29:09** तब यीशु ने कहा, "इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।"
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, "हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

"स्वर्ग" वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ "आकाश" भी है।

- "आकाशमण्डल" वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- "आकाश" वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यत: "आकाश में स्थित" मानते हैं।

- बाइबल के कुछ संदर्भों में “स्वर्ग” का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में “स्वर्ग का राज्य” को “स्वर्ग” ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- “आकाशमण्डल” या “तारागण” का अनुवाद किया जा सकता है, “सूर्य, चाँद और सितारे” या “ब्रह्माण्ड में सब सितारे”।
- “आकाश के तारों” का अनुवाद किया जा सकता है, “आकाश के सितारे” या “मंदाकिनी के सितारे” या “ब्रह्माण्ड के सितारे”

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, “जिसे मन्ना कहते थे।”
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।”
- **29:09** तब यीशु ने कहा, “इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।”
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, “हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

“स्वर्ग” वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ “आकाश” भी है।

- “आकाशमण्डल” वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- “आकाश” वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यत: “आकाश में स्थित” मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में “स्वर्ग” का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में “स्वर्ग का राज्य” को “स्वर्ग” ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- “आकाशमण्डल” या “तारागण” का अनुवाद किया जा सकता है, “सूर्य, चाँद और सितारे” या “ब्रह्माण्ड में सब सितारे”।
- “आकाश के तारों” का अनुवाद किया जा सकता है, “आकाश के सितारे” या “मंदाकिनी के सितारे” या “ब्रह्माण्ड के सितारे”

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, "आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।"
- **29:09** तब यीशु ने कहा, "इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।"
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, "हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

"स्वर्ग" वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ "आकाश" भी है।

- "आकाशमण्डल" वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- "आकाश" वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यतः "आकाश में स्थित" मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में "स्वर्ग" का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में "स्वर्ग का राज्य" को "स्वर्ग" ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- "आकाशमण्डल" या "तारागण" का अनुवाद किया जा सकता है, "सूर्य, चाँद और सितारे" या "ब्रह्माण्ड में सब सितारे"।
- "आकाश के तारों" का अनुवाद किया जा सकता है, "आकाश के सितारे" या "मंदाकिनी के सितारे" या "ब्रह्माण्ड के सितारे"

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12

- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, "आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।"
- **29:09** तब यीशु ने कहा, "इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।"
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, "हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

"स्वर्ग" वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ "आकाश" भी है।

- "आकाशमण्डल" वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- "आकाश" वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यतः "आकाश में स्थित" मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में "स्वर्ग" का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में "स्वर्ग का राज्य" को "स्वर्ग" ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- "आकाशमण्डल" या "तारागण" का अनुवाद किया जा सकता है, "सूर्य, चाँद और सितारे" या "ब्रह्माण्ड में सब सितारे"।
- "आकाश के तारों" का अनुवाद किया जा सकता है, "आकाश के सितारे" या "मंदाकिनी के सितारे" या "ब्रह्माण्ड के सितारे"

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।”
- **29:09** तब यीशु ने कहा, “इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।”
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, “हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

“स्वर्ग” वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ “आकाश” भी है।

- “आकाशमण्डल” वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- “आकाश” वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यतः “आकाश में स्थित” मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में “स्वर्ग” का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में “स्वर्ग का राज्य” को “स्वर्ग” ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- “आकाशमण्डल” या “तारागण” का अनुवाद किया जा सकता है, “सूर्य, चाँद और सितारे” या “ब्रह्माण्ड में सब सितारे”।
- “आकाश के तारों” का अनुवाद किया जा सकता है, “आकाश के सितारे” या “मंदाकिनी के सितारे” या “ब्रह्माण्ड के सितारे”

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, “जिसे मन्ना कहते थे।”
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।”
- **29:09** तब यीशु ने कहा, “इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।”
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, “हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

"स्वर्ग" वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ "आकाश" भी है।

- "आकाशमण्डल" वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- "आकाश" वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यत: "आकाश में स्थित" मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में "स्वर्ग" का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में "स्वर्ग का राज्य" को "स्वर्ग" ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- "आकाशमण्डल" या "तारागण" का अनुवाद किया जा सकता है, "सूर्य, चाँद और सितारे" या "ब्रह्माण्ड में सब सितारे"।
- "आकाश के तारों" का अनुवाद किया जा सकता है, "आकाश के सितारे" या "मंदाकिनी के सितारे" या "ब्रह्माण्ड के सितारे"

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, "आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।"
- **29:09** तब यीशु ने कहा, "इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।"
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, "हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

"स्वर्ग" वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ "आकाश" भी है।

- "आकाशमण्डल" वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- "आकाश" वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यत: "आकाश में स्थित" मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में "स्वर्ग" का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में "स्वर्ग का राज्य" को "स्वर्ग" ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- "आकाशमण्डल" या "तारागण" का अनुवाद किया जा सकता है, "सूर्य, चाँद और सितारे" या "ब्रह्माण्ड में सब सितारे"।
- "आकाश के तारों" का अनुवाद किया जा सकता है, "आकाश के सितारे" या "मंदाकिनी के सितारे" या "ब्रह्माण्ड के सितारे"

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, "आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।"
- **29:09** तब यीशु ने कहा, "इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।"
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, "हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

"स्वर्ग" वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ "आकाश" भी है।

- "आकाशमण्डल" वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- "आकाश" वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यत: "आकाश में स्थित" मानते हैं।

- बाइबल के कुछ संदर्भों में “स्वर्ग” का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में “स्वर्ग का राज्य” को “स्वर्ग” ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- “आकाशमण्डल” या “तारागण” का अनुवाद किया जा सकता है, “सूर्य, चाँद और सितारे” या “ब्रह्माण्ड में सब सितारे”।
- “आकाश के तारों” का अनुवाद किया जा सकता है, “आकाश के सितारे” या “मंदाकिनी के सितारे” या “ब्रह्माण्ड के सितारे”

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, “जिसे मन्ना कहते थे।”
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।”
- **29:09** तब यीशु ने कहा, “इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।”
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, “हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

“स्वर्ग” वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ “आकाश” भी है।

- “आकाशमण्डल” वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- “आकाश” वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यत: “आकाश में स्थित” मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में “स्वर्ग” का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में “स्वर्ग का राज्य” को “स्वर्ग” ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- “आकाशमण्डल” या “तारागण” का अनुवाद किया जा सकता है, “सूर्य, चाँद और सितारे” या “ब्रह्माण्ड में सब सितारे”।
- “आकाश के तारों” का अनुवाद किया जा सकता है, “आकाश के सितारे” या “मंदाकिनी के सितारे” या “ब्रह्माण्ड के सितारे”

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, "आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।"
- **29:09** तब यीशु ने कहा, "इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।"
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, "हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

"स्वर्ग" वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ "आकाश" भी है।

- "आकाशमण्डल" वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- "आकाश" वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यत: "आकाश में स्थित" मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में "स्वर्ग" का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में "स्वर्ग का राज्य" को "स्वर्ग" ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- "आकाशमण्डल" या "तारागण" का अनुवाद किया जा सकता है, "सूर्य, चाँद और सितारे" या "ब्रह्माण्ड में सब सितारे"।
- "आकाश के तारों" का अनुवाद किया जा सकता है, "आकाश के सितारे" या "मंदाकिनी के सितारे" या "ब्रह्माण्ड के सितारे"

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12

- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, "आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।"
- **29:09** तब यीशु ने कहा, "इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।"
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, "हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

"स्वर्ग" वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ "आकाश" भी है।

- "आकाशमण्डल" वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- "आकाश" वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यतः "आकाश में स्थित" मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में "स्वर्ग" का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में "स्वर्ग का राज्य" को "स्वर्ग" ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- "आकाशमण्डल" या "तारागण" का अनुवाद किया जा सकता है, "सूर्य, चाँद और सितारे" या "ब्रह्माण्ड में सब सितारे"।
- "आकाश के तारों" का अनुवाद किया जा सकता है, "आकाश के सितारे" या "मंदाकिनी के सितारे" या "ब्रह्माण्ड के सितारे"

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"

- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।”
- **29:09** तब यीशु ने कहा, “इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।”
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, “हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

“स्वर्ग” वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ “आकाश” भी है।

- “आकाशमण्डल” वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- “आकाश” वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यतः “आकाश में स्थित” मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में “स्वर्ग” का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में “स्वर्ग का राज्य” को “स्वर्ग” ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- “आकाशमण्डल” या “तारागण” का अनुवाद किया जा सकता है, “सूर्य, चाँद और सितारे” या “ब्रह्माण्ड में सब सितारे”।
- “आकाश के तारों” का अनुवाद किया जा सकता है, “आकाश के सितारे” या “मंदाकिनी के सितारे” या “ब्रह्माण्ड के सितारे”

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, “जिसे मन्ना कहते थे।”
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।”
- **29:09** तब यीशु ने कहा, “इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।”
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, “हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

"स्वर्ग" वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ "आकाश" भी है।

- "आकाशमण्डल" वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- "आकाश" वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यत: "आकाश में स्थित" मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में "स्वर्ग" का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में "स्वर्ग का राज्य" को "स्वर्ग" ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- "आकाशमण्डल" या "तारागण" का अनुवाद किया जा सकता है, "सूर्य, चाँद और सितारे" या "ब्रह्माण्ड में सब सितारे"।
- "आकाश के तारों" का अनुवाद किया जा सकता है, "आकाश के सितारे" या "मंदाकिनी के सितारे" या "ब्रह्माण्ड के सितारे"

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, "आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।"
- **29:09** तब यीशु ने कहा, "इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।"
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, "हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

परिभाषा:

“स्वर्ग” वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ “आकाश” भी है।

- “आकाशमण्डल” वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।
- “आकाश” वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यत: “आकाश में स्थित” मानते हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में “स्वर्ग” का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में “स्वर्ग का राज्य” को “स्वर्ग” ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- “आकाशमण्डल” या “तारागण” का अनुवाद किया जा सकता है, “सूर्य, चाँद और सितारे” या “ब्रह्माण्ड में सब सितारे”।
- “आकाश के तारों” का अनुवाद किया जा सकता है, “आकाश के सितारे” या “मंदाकिनी के सितारे” या “ब्रह्माण्ड के सितारे”

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- व्यवस्थाविवरण 09:1-2
- इफिसियों 06:9
- उत्पत्ति 01:1-2
- उत्पत्ति 07:11-12
- यूहन्ना 03:12-13
- यूहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** फिर उन्होंने स्वर्ग तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें स्वर्ग से रोटी दी, “जिसे मन्ना कहते थे।”
- **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।”
- **29:09** तब यीशु ने कहा, “इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।”
- **37:09** तब यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, “हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.

- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.
- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उससस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.

- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.
- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उससस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.

- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.
- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उसस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.

- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उसस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.

- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उसस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.

- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उसस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.

- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उससस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.

- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उसस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.

- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उसस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.

- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उसस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.

- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उसस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.

- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उसस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.

- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उसस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.

- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उसस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.

- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उसस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.

- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उसस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

स्वर्गदूत, प्रधान स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं. स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें. “ प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है.

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था. इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी.
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं. बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना.

- “यहोवा का दूत” एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिकहैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है,“स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है” या “यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक.” 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है. इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं " शब्द के उपयोग की व्याखा होती है जैसे कि यहोवा स्वयं कह रहा हो.

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वर्गदूत” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देशवाहक” या “परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक” या “परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा.”
- “प्रधान स्वर्गदूत” का अनुवाद “प्रमुख स्वर्गदूत” या “प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत” या “स्वर्गदूतों का अगुआ” हो सकता है.
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है.
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है. इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे. संभावित अनुवाद हो सकते है, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई देता है.”

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासन, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:16
- प्रे.का. 10:3-6
- प्रे.का. 12:23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- उत्पत्ति 48:16
- लूका 02:13
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:50
- प्रकाशितवाक्य 01:20
- जकर्याह 01:09

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **02:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली स्वर्गदूतों को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:03**उससस्वर्गदूत ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊं."
- **23:06** अचानक, एक चमकता हुआस्वर्गदूत उन्हें (चरवाहों को)दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:07** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए स्वर्गदूतों से आकाश भर गया.
- **25:08** तब स्वर्गदूत आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदो के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा.
- **38:15** " मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर स्वर्गदूतों की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

हठीले, हठीला, कठोर होकर, कठोरता

परिभाषा:

“हठीले”, बाइबल में इस्तेमाल किया जाने वाली उक्ति है जो उन लोगों के लिए है जो परमेश्वर की आज्ञा न मानते हैं और पश्चाताप करने से इंकार करते हैं। ऐसे लोग बहुत अहंकारी होते है और परमेश्वर के अधिकार के अधीन नहीं होते है।

- इसी प्रकार, "हठीला" शब्द का वर्णन उस व्यक्ति के बारे में किया गया है, जिसने ऐसा करने के लिए कहा जाने पर भी अपना मन या कार्य बदलना नकार दिया है। हठीले लोग अच्छी सलाह या चेतावनी नहीं सुनेंगे जो अन्य लोग उन्हें देते हैं।
- पुराने नियम ने इस्राएलीयों को "कठोर" कहा क्योंकि उन्होंने परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं से बहुत से संदेश नहीं सुने, जिन्होंने उन्हें पश्चाताप करने और यहोवा के पास वापस लौटने का आग्रह किया।
- यदि एक गर्दन "कठोर" है तो यह आसानी से मुड़ता नहीं । लक्षित भाषा में एक अलग मुहावर हो सकती है जो संचार करता है कि कोई व्यक्ति "असहनीय" है जिसमें वह अपने तरीके को बदलने से इनकार करता है ।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में "अभिमानी जिद्दी" या "अभिमानी और निराधार" या "परिवर्तन करने से इनकार कर सकते हैं" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अहंकारी, घमंडी, मन फिराकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:51-53
- व्यवस्थाविवरण 09:13-14
- निर्गमन 13:14-16
- यिर्मयाह 03:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H3513, H5637, H6203, H6484, H7185, H7186, H7190, H8307, G483, G4644, G4645

हठीले, हठीला, कठोर होकर, कठोरता

परिभाषा:

“हठीले”, बाइबल में इस्तेमाल किया जाने वाली उक्ति है जो उन लोगों के लिए है जो परमेश्वर की आज्ञा न मानते हैं और पश्चाताप करने से इंकार करते हैं। ऐसे लोग बहुत अहंकारी होते है और परमेश्वर के अधिकार के अधीन नहीं होते है।

- इसी प्रकार, "हठीला" शब्द का वर्णन उस व्यक्ति के बारे में किया गया है, जिसने ऐसा करने के लिए कहा जाने पर भी अपना मन या कार्य बदलना नकार दिया है। हठीले लोग अच्छी सलाह या चेतावनी नहीं सुनेंगे जो अन्य लोग उन्हें देते हैं।
- पुराने नियम ने इस्राएलीयों को "कठोर" कहा क्योंकि उन्होंने परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं से बहुत से संदेश नहीं सुने, जिन्होंने उन्हें पश्चाताप करने और यहोवा के पास वापस लौटने का आग्रह किया।
- यदि एक गर्दन "कठोर" है तो यह आसानी से मुड़ता नहीं । लक्षित भाषा में एक अलग मुहावर हो सकती है जो संचार करता है कि कोई व्यक्ति "असहनीय" है जिसमें वह अपने तरीके को बदलने से इनकार करता है ।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में "अभिमानी जिद्दी" या "अभिमानी और निराधार" या "परिवर्तन करने से इनकार कर सकते हैं" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अहंकारी, घमंडी, मन फिराकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:51-53
- व्यवस्थाविवरण 09:13-14
- निर्गमन 13:14-16
- यिर्मयाह 03:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H3513, H5637, H6203, H6484, H7185, H7186, H7190, H8307, G483, G4644, G4645

हठीले, हठीला, कठोर होकर, कठोरता

परिभाषा:

“हठीले”, बाइबल में इस्तेमाल किया जाने वाली उक्ति है जो उन लोगों के लिए है जो परमेश्वर की आज्ञा न मानते हैं और पश्चाताप करने से इंकार करते हैं। ऐसे लोग बहुत अहंकारी होते है और परमेश्वर के अधिकार के अधीन नहीं होते है।

- इसी प्रकार, "हठीला" शब्द का वर्णन उस व्यक्ति के बारे में किया गया है, जिसने ऐसा करने के लिए कहा जाने पर भी अपना मन या कार्य बदलना नकार दिया है। हठीले लोग अच्छी सलाह या चेतावनी नहीं सुनेंगे जो अन्य लोग उन्हें देते हैं।
- पुराने नियम ने इस्राएलीयों को "कठोर" कहा क्योंकि उन्होंने परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं से बहुत से संदेश नहीं सुने, जिन्होंने उन्हें पश्चाताप करने और यहोवा के पास वापस लौटने का आग्रह किया।
- यदि एक गर्दन "कठोर" है तो यह आसानी से मुड़ता नहीं । लक्षित भाषा में एक अलग मुहावर हो सकती है जो संचार करता है कि कोई व्यक्ति "असहनीय" है जिसमें वह अपने तरीके को बदलने से इनकार करता है ।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में "अभिमानी जिद्दी" या "अभिमानी और निराधार" या "परिवर्तन करने से इनकार कर सकते हैं" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अहंकारी, घमंडी, मन फिराकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:51-53
- व्यवस्थाविवरण 09:13-14
- निर्गमन 13:14-16
- यिर्मयाह 03:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H3513, H5637, H6203, H6484, H7185, H7186, H7190, H8307, G483, G4644, G4645

हठीले, हठीला, कठोर होकर, कठोरता

परिभाषा:

“हठीले”, बाइबल में इस्तेमाल किया जाने वाली उक्ति है जो उन लोगों के लिए है जो परमेश्वर की आज्ञा न मानते हैं और पश्चाताप करने से इंकार करते हैं। ऐसे लोग बहुत अहंकारी होते है और परमेश्वर के अधिकार के अधीन नहीं होते है।

- इसी प्रकार, "हठीला" शब्द का वर्णन उस व्यक्ति के बारे में किया गया है, जिसने ऐसा करने के लिए कहा जाने पर भी अपना मन या कार्य बदलना नकार दिया है। हठीले लोग अच्छी सलाह या चेतावनी नहीं सुनेंगे जो अन्य लोग उन्हें देते हैं।
- पुराने नियम ने इस्राएलीयों को "कठोर" कहा क्योंकि उन्होंने परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं से बहुत से संदेश नहीं सुने, जिन्होंने उन्हें पश्चाताप करने और यहोवा के पास वापस लौटने का आग्रह किया।
- यदि एक गर्दन "कठोर" है तो यह आसानी से मुड़ता नहीं । लक्षित भाषा में एक अलग मुहावर हो सकती है जो संचार करता है कि कोई व्यक्ति "असहनीय" है जिसमें वह अपने तरीके को बदलने से इनकार करता है ।
- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में "अभिमानी जिद्दी" या "अभिमानी और निराधार" या "परिवर्तन करने से इनकार कर सकते हैं" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अहंकारी, घमंडी, मन फिराकर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:51-53
- व्यवस्थाविवरण 09:13-14
- निर्गमन 13:14-16
- यिर्मयाह 03:17-18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H47, H3513, H5637, H6203, H6484, H7185, H7186, H7190, H8307, G483, G4644, G4645

हथियार, शस्त्रों का घर

परिभाषा:

“हथियार” अर्थात सैनिक द्वारा युद्ध में काम में आने वाले अस्त्र-शस्त्र तथा शत्रु के वार से बचाने वाला कवच। इसका उपयोग प्रतीकात्मक स्वरूप आत्मिक हथियारों के लिए भी काम में लिया गया है।

- सैनिक के हथियारों में टोप, ढाल, सीनाबन्ध, पांव के कवच और तलवार आदि।
- प्रेरित पौलुस हथियारों की उपमा द्वारा आत्मिक हथियारों का संदर्भ देता है जो परमेश्वर ने विश्वासी को आत्मिक युद्ध के लिए दिए हैं।
- पाप और शैतान के विरूद्ध युद्ध करने के लिए परमेश्वर अपने लोगों को जो आत्मिक हथियार देता है, वे हैं, सत्य, धार्मिकता, शान्ति का सुसमाचार, विश्वास, उद्धार तथा पवित्र आत्मा।
- इसका अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाए जिसका अर्थ हो, “सैनिक के हथियार” या “युद्ध के सुरक्षात्मक वस्त्र” या “सुरक्षात्मक आवरण” या “अस्त्र-शस्त्र”

(यह भी देखें: विश्वास, पवित्र आत्मा, शान्ति, उद्धार, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 31:9-10

- 2 शमूएल 20:8
- इफिसियों 06:10-11
- यिर्मयाह 51:3-4
- लूका 11:21-23
- नहेम्याह 04:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2185, H2290, H2488, H3627, H4055, H5402, G3696, G3833

हथियार, शस्त्रों का घर

परिभाषा:

“हथियार” अर्थात सैनिक द्वारा युद्ध में काम में आने वाले अस्त्र-शस्त्र तथा शत्रु के वार से बचाने वाला कवच। इसका उपयोग प्रतीकात्मक स्वरूप आत्मिक हथियारों के लिए भी काम में लिया गया है।

- सैनिक के हथियारों में टोप, ढाल, सीनाबन्ध, पांव के कवच और तलवार आदि।
- प्रेरित पौलुस हथियारों की उपमा द्वारा आत्मिक हथियारों का संदर्भ देता है जो परमेश्वर ने विश्वासी को आत्मिक युद्ध के लिए दिए हैं।
- पाप और शैतान के विरूद्ध युद्ध करने के लिए परमेश्वर अपने लोगों को जो आत्मिक हथियार देता है, वे हैं, सत्य, धार्मिकता, शान्ति का सुसमाचार, विश्वास, उद्धार तथा पवित्र आत्मा।
- इसका अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाए जिसका अर्थ हो, “सैनिक के हथियार” या “युद्ध के सुरक्षात्मक वस्त्र” या “सुरक्षात्मक आवरण” या “अस्त्र-शस्त्र”

(यह भी देखें: विश्वास, पवित्र आत्मा, शान्ति, उद्धार, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 31:9-10
- 2 शमूएल 20:8
- इफिसियों 06:10-11
- यिर्मयाह 51:3-4
- लूका 11:21-23
- नहेम्याह 04:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2185, H2290, H2488, H3627, H4055, H5402, G3696, G3833

हथियार, शस्त्रों का घर

परिभाषा:

“हथियार” अर्थात सैनिक द्वारा युद्ध में काम में आने वाले अस्त्र-शस्त्र तथा शत्रु के वार से बचाने वाला कवच। इसका उपयोग प्रतीकात्मक स्वरूप आत्मिक हथियारों के लिए भी काम में लिया गया है।

- सैनिक के हथियारों में टोप, ढाल, सीनाबन्ध, पांव के कवच और तलवार आदि।
- प्रेरित पौलुस हथियारों की उपमा द्वारा आत्मिक हथियारों का संदर्भ देता है जो परमेश्वर ने विश्वासी को आत्मिक युद्ध के लिए दिए हैं।
- पाप और शैतान के विरूद्ध युद्ध करने के लिए परमेश्वर अपने लोगों को जो आत्मिक हथियार देता है, वे हैं, सत्य, धार्मिकता, शान्ति का सुसमाचार, विश्वास, उद्धार तथा पवित्र आत्मा।
- इसका अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाए जिसका अर्थ हो, “सैनिक के हथियार” या “युद्ध के सुरक्षात्मक वस्त्र” या “सुरक्षात्मक आवरण” या “अस्त्र-शस्त्र”

(यह भी देखें: विश्वास, पवित्र आत्मा, शान्ति, उद्धार, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 31:9-10
- 2 शमूएल 20:8

- इफिसियों 06:10-11
- यिर्मयाह 51:3-4
- लूका 11:21-23
- नहेम्याह 04:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2185, H2290, H2488, H3627, H4055, H5402, G3696, G3833

हथियार, शस्त्रों का घर

परिभाषा:

“हथियार” अर्थात सैनिक द्वारा युद्ध में काम में आने वाले अस्त्र-शस्त्र तथा शत्रु के वार से बचाने वाला कवच। इसका उपयोग प्रतीकात्मक स्वरूप आत्मिक हथियारों के लिए भी काम में लिया गया है।

- सैनिक के हथियारों में टोप, ढाल, सीनाबन्ध, पांव के कवच और तलवार आदि।
- प्रेरित पौलुस हथियारों की उपमा द्वारा आत्मिक हथियारों का संदर्भ देता है जो परमेश्वर ने विश्वासी को आत्मिक युद्ध के लिए दिए हैं।
- पाप और शैतान के विरूद्ध युद्ध करने के लिए परमेश्वर अपने लोगों को जो आत्मिक हथियार देता है, वे हैं, सत्य, धार्मिकता, शान्ति का सुसमाचार, विश्वास, उद्धार तथा पवित्र आत्मा।
- इसका अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाए जिसका अर्थ हो, “सैनिक के हथियार” या “युद्ध के सुरक्षात्मक वस्त्र” या “सुरक्षात्मक आवरण” या “अस्त्र-शस्त्र”

(यह भी देखें: विश्वास, पवित्र आत्मा, शान्ति, उद्धार, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 31:9-10
- 2 शमूएल 20:8
- इफिसियों 06:10-11
- यिर्मयाह 51:3-4
- लूका 11:21-23
- नहेम्याह 04:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2185, H2290, H2488, H3627, H4055, H5402, G3696, G3833

हथियार, शस्त्रों का घर

परिभाषा:

“हथियार” अर्थात सैनिक द्वारा युद्ध में काम में आने वाले अस्त्र-शस्त्र तथा शत्रु के वार से बचाने वाला कवच। इसका उपयोग प्रतीकात्मक स्वरूप आत्मिक हथियारों के लिए भी काम में लिया गया है।

- सैनिक के हथियारों में टोप, ढाल, सीनाबन्ध, पांव के कवच और तलवार आदि।
- प्रेरित पौलुस हथियारों की उपमा द्वारा आत्मिक हथियारों का संदर्भ देता है जो परमेश्वर ने विश्वासी को आत्मिक युद्ध के लिए दिए हैं।
- पाप और शैतान के विरूद्ध युद्ध करने के लिए परमेश्वर अपने लोगों को जो आत्मिक हथियार देता है, वे हैं, सत्य, धार्मिकता, शान्ति का सुसमाचार, विश्वास, उद्धार तथा पवित्र आत्मा।
- इसका अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाए जिसका अर्थ हो, “सैनिक के हथियार” या “युद्ध के सुरक्षात्मक वस्त्र” या “सुरक्षात्मक आवरण” या “अस्त्र-शस्त्र”

(यह भी देखें: विश्वास, पवित्र आत्मा, शान्ति, उद्धार, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 31:9-10
- 2 शमूएल 20:8
- इफिसियों 06:10-11

- यिर्मयाह 51:3-4
- लूका 11:21-23
- नहेम्याह 04:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2185, H2290, H2488, H3627, H4055, H5402, G3696, G3833

हथियार, शस्त्रों का घर

परिभाषा:

“हथियार” अर्थात सैनिक द्वारा युद्ध में काम में आने वाले अस्त्र-शस्त्र तथा शत्रु के वार से बचाने वाला कवच। इसका उपयोग प्रतीकात्मक स्वरूप आत्मिक हथियारों के लिए भी काम में लिया गया है।

- सैनिक के हथियारों में टोप, ढाल, सीनाबन्ध, पांव के कवच और तलवार आदि।
- प्रेरित पौलुस हथियारों की उपमा द्वारा आत्मिक हथियारों का संदर्भ देता है जो परमेश्वर ने विश्वासी को आत्मिक युद्ध के लिए दिए हैं।
- पाप और शैतान के विरूद्ध युद्ध करने के लिए परमेश्वर अपने लोगों को जो आत्मिक हथियार देता है, वे हैं, सत्य, धार्मिकता, शान्ति का सुसमाचार, विश्वास, उद्धार तथा पवित्र आत्मा।
- इसका अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाए जिसका अर्थ हो, “सैनिक के हथियार” या “युद्ध के सुरक्षात्मक वस्त्र” या “सुरक्षात्मक आवरण” या “अस्त्र-शस्त्र”

(यह भी देखें: विश्वास, पवित्र आत्मा, शान्ति, उद्धार, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 31:9-10
- 2 शमूएल 20:8
- इफिसियों 06:10-11
- यिर्मयाह 51:3-4
- लूका 11:21-23
- नहेम्याह 04:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2185, H2290, H2488, H3627, H4055, H5402, G3696, G3833

हथियार, शस्त्रों का घर

परिभाषा:

“हथियार” अर्थात सैनिक द्वारा युद्ध में काम में आने वाले अस्त्र-शस्त्र तथा शत्रु के वार से बचाने वाला कवच। इसका उपयोग प्रतीकात्मक स्वरूप आत्मिक हथियारों के लिए भी काम में लिया गया है।

- सैनिक के हथियारों में टोप, ढाल, सीनाबन्ध, पांव के कवच और तलवार आदि।
- प्रेरित पौलुस हथियारों की उपमा द्वारा आत्मिक हथियारों का संदर्भ देता है जो परमेश्वर ने विश्वासी को आत्मिक युद्ध के लिए दिए हैं।
- पाप और शैतान के विरूद्ध युद्ध करने के लिए परमेश्वर अपने लोगों को जो आत्मिक हथियार देता है, वे हैं, सत्य, धार्मिकता, शान्ति का सुसमाचार, विश्वास, उद्धार तथा पवित्र आत्मा।
- इसका अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाए जिसका अर्थ हो, “सैनिक के हथियार” या “युद्ध के सुरक्षात्मक वस्त्र” या “सुरक्षात्मक आवरण” या “अस्त्र-शस्त्र”

(यह भी देखें: विश्वास, पवित्र आत्मा, शान्ति, उद्धार, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 31:9-10
- 2 शमूएल 20:8
- इफिसियों 06:10-11
- यिर्मयाह 51:3-4

- लूका 11:21-23
- नहेम्याह 04:15-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2185, H2290, H2488, H3627, H4055, H5402, G3696, G3833

हनन्याह

तथ्य:

पुराने नियम में अनेक पुरुषों के नाम हनन्याह थे।

- एक हनन्याह बेबीलोन में एक इस्राएली बंधुआ था। जिसका नाम राजा ने शद्रक रखा था।
- उसके अति-उत्तम चरित्र और योग्यता के कारण उसे राजसी सेवक का पद दिया गया था।
- एक बार हन्नयाह (शद्रक) और अन्य दो इस्राएली पुरुषों को आग की भट्ठी में डाल दिया गया था क्योंकि उन्होंने बेबीलोन के राजा की उपासना नहीं की थी। परमेश्वर ने उन्हें हानि से बचाकर अपना सामर्थ्य प्रकट किया था।
- एक और हनन्याह का नाम राजा सुलैमान की वंशावली में है।
- एक और हनन्याह यिर्मयाह के समय झूठा भविष्यद्वक्ता था।
- हनन्याह नाम का एक याजक भी था जिसने नहेम्याह के समय उत्सव में अगुआई की थी।

(यह भी देखें: अजर्याह, बेबीलोन, दानिय्येल, झूठा भविष्यद्वक्ता, यिर्मयाह, मीशाएल)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:6-7
- दानिय्येल 02:17-18
- यिर्मयाह 28:1-2
- यिर्मयाह 28:5-7
- यिर्मयाह 28:15-17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2608

हनोक

तथ्य:

हनोक नाम के दो पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

- एक हनोक शेत का वंशज था। वह नूह का परदादा था।
- यह हनोक परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध रखता था, 365 वर्ष की आयु में वह परमेश्वर द्वारा स्वर्ग में उठा लिया गया था।
- दूसरा हनोक कैन का पुत्र था।

(यह भी देखें: कैन, शेत)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:1-4
- उत्पत्ति 05:18-20
- उत्पत्ति 05:21-24
- यहूदा 01:14-16
- लूका 03:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2585, G1802

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हनोक

तथ्य:

हनोक नाम के दो पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

- एक हनोक शेत का वंशज था। वह नूह का परदादा था।
- यह हनोक परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध रखता था, 365 वर्ष की आयु में वह परमेश्वर द्वारा स्वर्ग में उठा लिया गया था।
- दूसरा हनोक कैन का पुत्र था।

(यह भी देखें: कैन, शेत)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:1-4
- उत्पत्ति 05:18-20
- उत्पत्ति 05:21-24
- यहूदा 01:14-16
- लूका 03:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2585, G1802

हनोक

तथ्य:

हनोक नाम के दो पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

- एक हनोक शेत का वंशज था। वह नूह का परदादा था।
- यह हनोक परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध रखता था, 365 वर्ष की आयु में वह परमेश्वर द्वारा स्वर्ग में उठा लिया गया था।
- दूसरा हनोक कैन का पुत्र था।

(यह भी देखें: कैन, शेत)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:1-4
- उत्पत्ति 05:18-20
- उत्पत्ति 05:21-24
- यहूदा 01:14-16
- लूका 03:36-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2585, G1802

हन्ना

तथ्य:

हन्ना भविष्यद्वक्ता शमूएल की माता थी। वह एल्काना की दो पत्नियों में से एक थी।

- हन्ना निःसन्तान थी यह उसके लिए दुःख की बात थी।
- मन्दिर में हन्ना ने दिल से प्रार्थना की कि उसे पुत्र मिले जिसे वह परमेश्वर को ही अर्पित कर देगी।
- परमेश्वर ने उसे पुत्र दिया और जब वह बालक बड़ा हो गया तब हन्ना ने उसे मन्दिर में सेवा के लए दे दिया।
- परमेश्वर ने हन्ना को इसके बाद और भी सन्तान दी।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

(यह भी देखें: गर्भ धारण, शमूएल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 01:1-2
- 1 शमूएल 02:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2584

हन्ना

तथ्य:

हन्ना भविष्यद्वक्ता शमूएल की माता थी। वह एल्काना की दो पत्नियों में से एक थी।

- हन्ना निःसन्तान थी यह उसके लिए दुःख की बात थी।
- मन्दिर में हन्ना ने दिल से प्रार्थना की कि उसे पुत्र मिले जिसे वह परमेश्वर को ही अर्पित कर देगी।
- परमेश्वर ने उसे पुत्र दिया और जब वह बालक बड़ा हो गया तब हन्ना ने उसे मन्दिर में सेवा के लए दे दिया।
- परमेश्वर ने हन्ना को इसके बाद और भी सन्तान दी।

(यह भी देखें: गर्भ धारण, शमूएल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 01:1-2
- 1 शमूएल 02:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2584

हन्ना

तथ्य:

हन्ना भविष्यद्वक्ता शमूएल की माता थी। वह एल्काना की दो पत्नियों में से एक थी।

- हन्ना निःसन्तान थी यह उसके लिए दुःख की बात थी।
- मन्दिर में हन्ना ने दिल से प्रार्थना की कि उसे पुत्र मिले जिसे वह परमेश्वर को ही अर्पित कर देगी।
- परमेश्वर ने उसे पुत्र दिया और जब वह बालक बड़ा हो गया तब हन्ना ने उसे मन्दिर में सेवा के लए दे दिया।
- परमेश्वर ने हन्ना को इसके बाद और भी सन्तान दी।

(यह भी देखें: गर्भ धारण, शमूएल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 01:1-2
- 1 शमूएल 02:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2584

हन्ना

तथ्य:

हन्ना भविष्यद्वक्ता शमूएल की माता थी। वह एल्काना की दो पत्नियों में से एक थी।

- हन्ना निःसन्तान थी यह उसके लिए दु:ख की बात थी।
- मन्दिर में हन्ना ने दिल से प्रार्थना की कि उसे पुत्र मिले जिसे वह परमेश्वर को ही अर्पित कर देगी।
- परमेश्वर ने उसे पुत्र दिया और जब वह बालक बड़ा हो गया तब हन्ना ने उसे मन्दिर में सेवा के लए दे दिया।
- परमेश्वर ने हन्ना को इसके बाद और भी सन्तान दी।

(यह भी देखें: गर्भ धारण, शमूएल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 01:1-2
- 1 शमूएल 02:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2584

हन्ना

तथ्य:

हन्ना भविष्यद्वक्ता शमूएल की माता थी। वह एल्काना की दो पत्नियों में से एक थी।

- हन्ना निःसन्तान थी यह उसके लिए दु:ख की बात थी।
- मन्दिर में हन्ना ने दिल से प्रार्थना की कि उसे पुत्र मिले जिसे वह परमेश्वर को ही अर्पित कर देगी।
- परमेश्वर ने उसे पुत्र दिया और जब वह बालक बड़ा हो गया तब हन्ना ने उसे मन्दिर में सेवा के लए दे दिया।
- परमेश्वर ने हन्ना को इसके बाद और भी सन्तान दी।

(यह भी देखें: गर्भ धारण, शमूएल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 01:1-2
- 1 शमूएल 02:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2584

हन्ना

तथ्य:

हन्ना भविष्यद्वक्ता शमूएल की माता थी। वह एल्काना की दो पत्नियों में से एक थी।

- हन्ना निःसन्तान थी यह उसके लिए दु:ख की बात थी।
- मन्दिर में हन्ना ने दिल से प्रार्थना की कि उसे पुत्र मिले जिसे वह परमेश्वर को ही अर्पित कर देगी।
- परमेश्वर ने उसे पुत्र दिया और जब वह बालक बड़ा हो गया तब हन्ना ने उसे मन्दिर में सेवा के लए दे दिया।
- परमेश्वर ने हन्ना को इसके बाद और भी सन्तान दी।

(यह भी देखें: गर्भ धारण, शमूएल)

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 01:1-2
- 1 शमूएल 02:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2584

हन्ना

तथ्य:

हन्ना भविष्यद्वक्ता शमूएल की माता थी। वह एल्काना की दो पत्नियों में से एक थी।

- हन्ना नि:सन्तान थी यह उसके लिए दु:ख की बात थी।
- मन्दिर में हन्ना ने दिल से प्रार्थना की कि उसे पुत्र मिले जिसे वह परमेश्वर को ही अर्पित कर देगी।
- परमेश्वर ने उसे पुत्र दिया और जब वह बालक बड़ा हो गया तब हन्ना ने उसे मन्दिर में सेवा के लए दे दिया।
- परमेश्वर ने हन्ना को इसके बाद और भी सन्तान दी।

(यह भी देखें: गर्भ धारण, शमूएल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 01:1-2
- 1 शमूएल 02:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2584

हन्ना

तथ्य:

हन्ना दस वर्ष तक यरूशलेम में महा याजक रहा था लगभग सन् 6-15 तक। उसके बाद रोमी सरकार ने उसे हटा दिया था परन्तु वह यहूदियों का एक प्रभावी अगुवा बना रहा।

- हन्ना यीशु के समय के महायाजक कैफा का ससुर था।
- महायाजक सेवानिवृत्त होकर भी महायाजक ही कहलाते थे, अत: कैफा और अन्यों के सेवाकाल में भी उसे महायाजक ही कहा जाता था।
- यहूदी अगुओं के सामने पूछताछ के लिए यीशु को पहले हन्ना के पास लाया गया था।

(यह भी देखें: महायाजक, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:5-7
- यूहन्ना 18:22-24
- लूका 03:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G452

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हन्ना

तथ्य:

हन्ना दस वर्ष तक यरूशलेम में महा याजक रहा था लगभग सन् 6-15 तक। उसके बाद रोमी सरकार ने उसे हटा दिया था परन्तु वह यहूदियों का एक प्रभावी अगुवा बना रहा।

- हन्ना यीशु के समय के महायाजक कैफा का ससुर था।
- महायाजक सेवानिवृत्त होकर भी महायाजक ही कहलाते थे, अतः कैफा और अन्यों के सेवाकाल में भी उसे महायाजक ही कहा जाता था।
- यहूदी अगुओं के सामने पूछताछ के लिए यीशु को पहले हन्ना के पास लाया गया था।

(यह भी देखें: महायाजक, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:5-7
- यूहन्ना 18:22-24
- लूका 03:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G452

हन्ना

तथ्य:

हन्ना दस वर्ष तक यरूशलेम में महा याजक रहा था लगभग सन् 6-15 तक। उसके बाद रोमी सरकार ने उसे हटा दिया था परन्तु वह यहूदियों का एक प्रभावी अगुवा बना रहा।

- हन्ना यीशु के समय के महायाजक कैफा का ससुर था।
- महायाजक सेवानिवृत्त होकर भी महायाजक ही कहलाते थे, अतः कैफा और अन्यों के सेवाकाल में भी उसे महायाजक ही कहा जाता था।
- यहूदी अगुओं के सामने पूछताछ के लिए यीशु को पहले हन्ना के पास लाया गया था।

(यह भी देखें: महायाजक, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:5-7
- यूहन्ना 18:22-24
- लूका 03:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G452

हन्ना

तथ्य:

हन्ना दस वर्ष तक यरूशलेम में महा याजक रहा था लगभग सन् 6-15 तक। उसके बाद रोमी सरकार ने उसे हटा दिया था परन्तु वह यहूदियों का एक प्रभावी अगुवा बना रहा।

- हन्ना यीशु के समय के महायाजक कैफा का ससुर था।
- महायाजक सेवानिवृत्त होकर भी महायाजक ही कहलाते थे, अतः कैफा और अन्यों के सेवाकाल में भी उसे महायाजक ही कहा जाता था।
- यहूदी अगुओं के सामने पूछताछ के लिए यीशु को पहले हन्ना के पास लाया गया था।

(यह भी देखें: महायाजक, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:5-7
- यूहन्ना 18:22-24
- लूका 03:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G452

हन्ना

तथ्य:

हन्ना दस वर्ष तक यरूशलेम में महा याजक रहा था लगभग सन् 6-15 तक। उसके बाद रोमी सरकार ने उसे हटा दिया था परन्तु वह यहूदियों का एक प्रभावी अगुवा बना रहा।

- हन्ना यीशु के समय के महायाजक कैफा का ससुर था।
- महायाजक सेवानिवृत्त होकर भी महायाजक ही कहलाते थे, अतः कैफा और अन्यों के सेवाकाल में भी उसे महायाजक ही कहा जाता था।
- यहूदी अगुओं के सामने पूछताछ के लिए यीशु को पहले हन्ना के पास लाया गया था।

(यह भी देखें: महायाजक, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:5-7
- यूहन्ना 18:22-24
- लूका 03:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G452

हन्ना

तथ्य:

हन्ना दस वर्ष तक यरूशलेम में महा याजक रहा था लगभग सन् 6-15 तक। उसके बाद रोमी सरकार ने उसे हटा दिया था परन्तु वह यहूदियों का एक प्रभावी अगुवा बना रहा।

- हन्ना यीशु के समय के महायाजक कैफा का ससुर था।
- महायाजक सेवानिवृत्त होकर भी महायाजक ही कहलाते थे, अतः कैफा और अन्यों के सेवाकाल में भी उसे महायाजक ही कहा जाता था।
- यहूदी अगुओं के सामने पूछताछ के लिए यीशु को पहले हन्ना के पास लाया गया था।

(यह भी देखें: महायाजक, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:5-7
- यूहन्ना 18:22-24
- लूका 03:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G452

हन्ना

तथ्य:

हन्ना दस वर्ष तक यरूशलेम में महा याजक रहा था लगभग सन् 6-15 तक। उसके बाद रोमी सरकार ने उसे हटा दिया था परन्तु वह यहूदियों का एक प्रभावी अगुवा बना रहा।

- हन्ना यीशु के समय के महायाजक कैफा का ससुर था।
- महायाजक सेवानिवृत्त होकर भी महायाजक ही कहलाते थे, अतः कैफा और अन्यों के सेवाकाल में भी उसे महायाजक ही कहा जाता था।
- यहूदी अगुओं के सामने पूछताछ के लिए यीशु को पहले हन्ना के पास लाया गया था।

(यह भी देखें: महायाजक, याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:5-7
- यूहन्ना 18:22-24
- लूका 03:1-2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G452

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: पीतल, गाय

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 08:10-12
- व्यवस्थाविवरण 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

हव्वा

तथ्य:

यह नाम सबसे पहली स्त्री का था. उसके नाम का अर्थ है, “जीवन” या “जीवित.”

- परमेश्वर ने आदम के शरीर से एक पसली निकाल कर हव्वा को बनाया था.
- हव्वा को आदम की “सहायक” होने के लिए बनाया गया था. वह परमेश्वर प्रदत्त कार्यों में आदम के साथ काम करती थी.
- शैतान ने (सर्प का रूप धारण करके) हव्वा को ललचाया था और परमेश्वर के वर्जित फल को खाकर पाप करनेवाली वह मनुष्यों में पहली थी.

(यह भी देखें: आदम, जीवन, शैतान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 02:13
- 2 कुरिन्थियों 11:03
- उत्पत्ति 03:20
- उत्पत्ति 04:02

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:13** तब परमेश्वर ने आदम की पसलियों में से एक को लेकर औरत को बनाया और उसे आदम के पास लाया.
- __02:02__लेकिन वाटिका में एक चालाक साँप था. उसने औरत से पूछा, “क्या परमेश्वर ने वास्तव में यह कहा है कि वाटिका के किसी भी पेड़ से फल न खाना?”
- **02:11** मनुष्य ने अपनी पत्नी का नाम हव्वा रखा, जिसका मतलब होता है "जीवनदात्री" क्योंकि वह समस्त मानव-जाति की माँ होगी.
- **21:01** परमेश्वर ने यह प्रतिज्ञा की कि हव्वा का एक वंशज उतपन्न होगा जो साँप के सिर को कुचल डालेगा.
- 48:02__शैतान ने __हव्वा को धोखा देने के लिए वाटिका में साँप के माध्यम से बात की.
- 49:08__आदम और __हव्वा ने पाप किया तो उससे उनका पूरा वंश प्रभावित हुआ.
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने पाप को श्राप दिया और उसे नष्ट करने का निर्णय लिया.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H2332, G2096

हव्वा

तथ्य:

यह नाम सबसे पहली स्त्री का था. उसके नाम का अर्थ है, “जीवन” या “जीवित.”

- परमेश्वर ने आदम के शरीर से एक पसली निकाल कर हव्वा को बनाया था.
- हव्वा को आदम की “सहायक” होने के लिए बनाया गया था. वह परमेश्वर प्रदत्त कार्यों में आदम के साथ काम करती थी.
- शैतान ने (सर्प का रूप धारण करके) हव्वा को ललचाया था और परमेश्वर के वर्जित फल को खाकर पाप करनेवाली वह मनुष्यों में पहली थी.

(यह भी देखें: आदम, जीवन, शैतान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 02:13
- 2 कुरिन्थियों 11:03
- उत्पत्ति 03:20
- उत्पत्ति 04:02

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **01:13** तब परमेश्वर ने आदम की पसलियों में से एक को लेकर औरत को बनाया और उसे आदम के पास लाया.
- __02:02__लेकिन वाटिका में एक चालाक साँप था. उसने औरत से पूछा, “क्या परमेश्वर ने वास्तव में यह कहा है कि वाटिका के किसी भी पेड़ से फल न खाना?”
- **02:11** मनुष्य ने अपनी पत्नी का नाम हव्वा रखा, जिसका मतलब होता है "जीवनदात्री" क्योंकि वह समस्त मानव-जाति की माँ होगी.
- **21:01** परमेश्वर ने यह प्रतिज्ञा की कि हव्वा का एक वंशज उतपन्न होगा जो साँप के सिर को कुचल डालेगा.
- 48:02__शैतान ने __हव्वा को धोखा देने के लिए वाटिका में साँप के माध्यम से बात की.
- 49:08__आदम और __हव्वा ने पाप किया तो उससे उनका पूरा वंश प्रभावित हुआ.
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने पाप को श्राप दिया और उसे नष्ट करने का निर्णय लिया.

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H2332, G2096

हाग्गै

तथ्य:

हाग्गै, बेबीलोन की बन्धुआई से स्वदेश लौट आने के बाद हाग्गै यहूदा में एक भविष्यद्वक्ता था।

- हाग्गै की भविष्यद्वाणी के सेवाकाल में उजिय्याह यहूदा का राजा था।
- भविष्यद्वक्ता जकर्याह भी इसी समय भविष्यद्वाणी करता था।
- हाग्गै और जकर्याह ने यहूदियों को उत्साहित किया कि वे मन्दिर का पुनः निर्माण करें क्योंकि बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर ने मन्दिर को नष्ट कर दिया था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, यहूदा, नबूकदनेस्सर, उज्जियाह, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 05:1-2
- एज्रा 06:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2292

हाग्गै

तथ्य:

हाग्गै, बेबीलोन की बन्धुआई से स्वदेश लौट आने के बाद हाग्गै यहूदा में एक भविष्यद्वक्ता था।

- हाग्गै की भविष्यद्वाणी के सेवाकाल में उजिय्याह यहूदा का राजा था।
- भविष्यद्वक्ता जकर्याह भी इसी समय भविष्यद्वाणी करता था।
- हाग्गै और जकर्याह ने यहूदियों को उत्साहित किया कि वे मन्दिर का पुनः निर्माण करें क्योंकि बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर ने मन्दिर को नष्ट कर दिया था।

(यह भी देखें: बेबीलोन, यहूदा, नबूकदनेस्सर, उज्जियाह, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 05:1-2
- एज्रा 06:13-15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2292

हाजिरा

तथ्य:

हाजिरा एक मिस्री स्त्री थी जो सारै की अपनी दासी थी।

- सारै सन्तानोत्पत्ति में अक्षम थी इसलिए उसने हाजिरा अब्राहम को दी कि उससे सन्तान उत्पन्न कर।
- हाजिरा ने अब्राहम के पुत्र इश्माएल को जन्म दिया।
- हाजिरा रेगिस्तान में पीड़ित थी परन्तु परमेश्वर ने उसकी सुधि ली और उसके वंशजों को आशिष देने की प्रतिज्ञा की।

(यह भी देखें: अब्राहम, उतरेगा, इश्माएल, सारा, सेवा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 04:24-25
- उत्पत्ति 16:1-4
- उत्पत्ति 21:8-9
- उत्पत्ति 25:12

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **05:01** तो अब्राम की पत्नी सारै ने उससे कहा, “देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा। तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके।
- **05:02** हाजिरा को अब्राम के द्वारा एक पुत्र हुआ, अब्राम ने उसका नाम इश्माएल रखा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1904

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दश: अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32

- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20

- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21

- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25

- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।

- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"

- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।

- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दश: अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।

- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दश: अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।

- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।

- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।

- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”

- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।

- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”

- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दश: अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- “हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”
- “पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।
- “दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”
- “हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।
- किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।
- "हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।
- “हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।
- पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

अनुवाद के सुझाव

- ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
- जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
- एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
- "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
- यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: विरोधी, आशीष, बन्दी बनाना, आदर, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:22-25
- प्रे.का. 08:14-17
- प्रे.का. 11:19-21
- उत्पत्ति 09:5-7
- उत्पत्ति 14:19-20
- यूहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

हाबिल

तथ्य:

हाबिल आदम और हव्वा का दूसरा पुत्र था। कैन का छोटा भाई था।

- हाबिल एक चरवाहा था।
- हाबिल ने अपने पशुओं में से एक की बलि परमेश्वर को चढ़ाई थी।
- परमेश्वर हाबिल और उसकी भेंट से प्रसन्न हुआ था।
- आदम और हव्वा के पहलौठे कैन ने हाबिल की हत्या कर दी थी।

(यह भी देखें: कैन, बलिदान करना, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 04:1-2
- उत्पत्ति 04:8-9
- इब्रानियों 12:22-24
- लूका 11:49-51
- मत्ती 23:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H01893, G6

हाबिल

तथ्य:

हाबिल आदम और हव्वा का दूसरा पुत्र था। कैन का छोटा भाई था।

- हाबिल एक चरवाहा था।
- हाबिल ने अपने पशुओं में से एक की बलि परमेश्वर को चढ़ाई थी।
- परमेश्वर हाबिल और उसकी भेंट से प्रसन्न हुआ था।
- आदम और हव्वा के पहलौठे कैन ने हाबिल की हत्या कर दी थी।

(यह भी देखें: कैन, बलिदान करना, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 04:1-2
- उत्पत्ति 04:8-9
- इब्रानियों 12:22-24
- लूका 11:49-51
- मत्ती 23:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H01893, G6

हाबिल

तथ्य:

हाबिल आदम और हव्वा का दूसरा पुत्र था। कैन का छोटा भाई था।

- हाबिल एक चरवाहा था।
- हाबिल ने अपने पशुओं में से एक की बलि परमेश्वर को चढ़ाई थी।
- परमेश्वर हाबिल और उसकी भेंट से प्रसन्न हुआ था।
- आदम और हव्वा के पहलौठे कैन ने हाबिल की हत्या कर दी थी।

(यह भी देखें: कैन, बलिदान करना, चरवाहे)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 04:1-2
- उत्पत्ति 04:8-9
- इब्रानियों 12:22-24
- लूका 11:49-51
- मत्ती 23:34-36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H01893, G6

हाम

तथ्य:

हाम नूह के तीन पुत्रों में से दूसरा था।

- विश्वव्यापी जलप्रलय के समय हाम और उसके भाई अपनी-अपनी पत्नी के साथ नूह की नाव में थे।
- जलप्रलय के बाद हाम एक समय अपने पिता नूह के लिए अपमान का कारण हुआ था। परिणाम-स्वरूप नूह ने हाम के पुत्र कनान और उसके वंशजों को श्राप दिया था, वे अन्ततः कनानी हुए थे।

(यह भी देखें: जहाज़, कनान, निरादर, नूह)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 05:32
- उत्पत्ति 06:9-10
- उत्पत्ति 07:13-14
- उत्पत्ति 10:1
- उत्पत्ति 10:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2526

हाम

तथ्य:

हाम नूह के तीन पुत्रों में से दूसरा था।

- विश्वव्यापी जलप्रलय के समय हाम और उसके भाई अपनी-अपनी पत्नी के साथ नूह की नाव में थे।
- जलप्रलय के बाद हाम एक समय अपने पिता नूह के लिए अपमान का कारण हुआ था। परिणाम-स्वरूप नूह ने हाम के पुत्र कनान और उसके वंशजों को श्राप दिया था, वे अन्ततः कनानी हुए थे।

(यह भी देखें: जहाज़, कनान, निरादर, नूह)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 05:32
- उत्पत्ति 06:9-10
- उत्पत्ति 07:13-14
- उत्पत्ति 10:1
- उत्पत्ति 10:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2526

हाम

तथ्य:

हाम नूह के तीन पुत्रों में से दूसरा था।

- विश्वव्यापी जलप्रलय के समय हाम और उसके भाई अपनी-अपनी पत्नी के साथ नूह की नाव में थे।
- जलप्रलय के बाद हाम एक समय अपने पिता नूह के लिए अपमान का कारण हुआ था। परिणाम-स्वरूप नूह ने हाम के पुत्र कनान और उसके वंशजों को श्राप दिया था, वे अन्ततः कनानी हुए थे।

(यह भी देखें: जहाज़, कनान, निरादर, नूह)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 05:32
- उत्पत्ति 06:9-10
- उत्पत्ति 07:13-14
- उत्पत्ति 10:1
- उत्पत्ति 10:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2526

हाम

तथ्य:

हाम नूह के तीन पुत्रों में से दूसरा था।

- विश्वव्यापी जलप्रलय के समय हाम और उसके भाई अपनी-अपनी पत्नी के साथ नूह की नाव में थे।
- जलप्रलय के बाद हाम एक समय अपने पिता नूह के लिए अपमान का कारण हुआ था। परिणाम-स्वरूप नूह ने हाम के पुत्र कनान और उसके वंशजों को श्राप दिया था, वे अन्ततः कनानी हुए थे।

(यह भी देखें: जहाज़, कनान, निरादर, नूह)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 05:32
- उत्पत्ति 06:9-10
- उत्पत्ति 07:13-14
- उत्पत्ति 10:1
- उत्पत्ति 10:19-20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2526

हामोर

तथ्य:

हामोर शकेम नगर के रहनेवाला एक कनानी पुरुष था, जब याकूब और उसका कुटुम्ब सुक्कोत में रहता था। वह एक हिव्वी था।

- याकूब ने हामोर के पुत्र से कब्र के लिए भूमि खरीदी थी।
- जब वे वहाँ रह रहे थे तब हामोर के पुत्र शेकेम ने याकूब की पुत्री दीना के साथ बलात्कार किया था।
- दीना के भाइयों ने हामोर के परिवार से बदला लेने के लिए शेकेम के सब पुरुषों की हत्या कर दी थी।

(यह भी देखें: कनान, हिव्वी, इस्राएल, शेकेम, सुक्कोत)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:14-16
- उत्पत्ति 34:1-3
- उत्पत्ति 34:20-21
- यहोशू 24:32-33
- न्यायियों 09:28-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2544

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दुःख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3
- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दुःख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3
- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दुःख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3
- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दुःख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3
- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दुःख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3
- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दु:ख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3
- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दुःख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3
- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दुःख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दुःख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3
- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दुःख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "

- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3
- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दु:ख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3
- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दुःख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3
- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दुःख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3

- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दुःख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3
- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दुःख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "

- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3
- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दु:ख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3
- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दुःख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
- अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 13:17-18
- हबक्कूक 02:12-14
- यशायाह 31:1-2
- यिर्मयाह 45:1-3
- यहूदा 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

हारान

तथ्य:

हारान अब्राहम का छोटा भाई और लूत का पिता था।

- हारान एक नगर का भी नाम है जहाँ अब्राहम ऊर से कूच करने के बाद कनान जाते समय ठहरा था।
- कालेब के पुत्र का नाम भी हारान था।
- बाइबल में हारान नामक तीसरा पुरुष लेवी वंशी था।

(यह भी देखें: अब्राहम, कालेब, कनान, लेवी, लूत, तेरह, ऊर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 19:12-13
- प्रे.का. 07:1-3
- उत्पत्ति 11:31-32
- उत्पत्ति 27:43-45
- उत्पत्ति 28:10-11
- उत्पत्ति 29:4-6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2039

हारून

तथ्य:

हारून मूसा का बड़ा भाई था। परमेश्वर ने हारून को इस्राएल का प्रथम महायाजक होने के लिए चुना था।

- हारून ने मूसा की सहायता की थी जब वह फिरौन से इस्राएलियों के प्रस्थान की अनुमति मांग रहा था।
- जंगल से यात्रा करते समय हारून से पाप हो गया था और उसने इस्राएलियों की उपासना हेतु एक मूर्ति बना दी थी।
- परमेश्वर ने हारून और उसके वंशजों को याजक इस्राएल के याजक के लिए नियुक्त कर दिया था।

(यह भी देखें: याजक, मूसा, इस्राएल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 23:12-14
- प्रे.का. 07:38-40
- निर्गमन 28:1-3
- लूका 01:5-7
- गिनती 16:44-46

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **09:15** परमेश्वर ने मूसा और हारून को चेतावनी दी कि फ़िरौन कठोर मनुष्य है।
- **10:05** फ़िरौन ने मूसा और हारून को बुलवाकर कहा कि यदि वह इस महामारी को समाप्त कर दे, तो फ़िरौन मिस्र से इस्राएलियों को मुक्त कर देंगा।
- **13:09** परमेश्वर ने मूसा के भाई हारून और हारून के वंश को याजक पद के लिये चुना।
- **13:11** लोग हारून के पास सोना ले आए और बोले कि हमारे लिये देवता बना!
- **14:07** वे लोग मूसा और हारून से क्रोधित होकर कहने लगे, “कि तुम हमे इतनी भीषण जगह क्यों लेकर आए ?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H175, G2

हारून

तथ्य:

हारून मूसा का बड़ा भाई था। परमेश्वर ने हारून को इस्राएल का प्रथम महायाजक होने के लिए चुना था।

- हारून ने मूसा की सहायता की थी जब वह फिरौन से इस्राएलियों के प्रस्थान की अनुमति मांग रहा था।
- जंगल से यात्रा करते समय हारून से पाप हो गया था और उसने इस्राएलियों की उपासना हेतु एक मूर्ति बना दी थी।
- परमेश्वर ने हारून और उसके वंशजों को याजक इस्राएल के याजक के लिए नियुक्त कर दिया था।

(यह भी देखें: याजक, मूसा, इस्राएल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 23:12-14
- प्रे.का. 07:38-40
- निर्गमन 28:1-3
- लूका 01:5-7
- गिनती 16:44-46

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **09:15** परमेश्वर ने मूसा और हारून को चेतावनी दी कि फ़िरौन कठोर मनुष्य है।
- **10:05** फ़िरौन ने मूसा और हारून को बुलवाकर कहा कि यदि वह इस महामारी को समाप्त कर दे, तो फ़िरौन मिस्र से इस्राएलियों को मुक्त कर देंगा।
- **13:09** परमेश्वर ने मूसा के भाई हारून और हारून के वंश को याजक पद के लिये चुना।

- **13:11** लोग हारून के पास सोना ले आए और बोले कि हमारे लिये देवता बना!
- **14:07** वे लोग मूसा और हारून से क्रोधित होकर कहने लगे, “कि तुम हमे इतनी भीषण जगह क्यों लेकर आए ?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H175, G2

हारून

तथ्य:

हारून मूसा का बड़ा भाई था। परमेश्वर ने हारून को इस्राएल का प्रथम महायाजक होने के लिए चुना था।

- हारून ने मूसा की सहायता की थी जब वह फिरौन से इस्राएलियों के प्रस्थान की अनुमति मांग रहा था।
- जंगल से यात्रा करते समय हारून से पाप हो गया था और उसने इस्राएलियों की उपासना हेतु एक मूर्ति बना दी थी।
- परमेश्वर ने हारून और उसके वंशजों को याजक इस्राएल के याजक के लिए नियुक्त कर दिया था।

(यह भी देखें: याजक, मूसा, इस्राएल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 23:12-14
- प्रे.का. 07:38-40
- निर्गमन 28:1-3
- लूका 01:5-7
- गिनती 16:44-46

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **09:15** परमेश्वर ने मूसा और हारून को चेतावनी दी कि फ़िरौन कठोर मनुष्य है।
- **10:05** फ़िरौन ने मूसा और हारून को बुलवाकर कहा कि यदि वह इस महामारी को समाप्त कर दे, तो फ़िरौन मिस्र से इस्राएलियों को मुक्त कर देंगा।
- **13:09** परमेश्वर ने मूसा के भाई हारून और हारून के वंश को याजक पद के लिये चुना।
- **13:11** लोग हारून के पास सोना ले आए और बोले कि हमारे लिये देवता बना!
- **14:07** वे लोग मूसा और हारून से क्रोधित होकर कहने लगे, “कि तुम हमे इतनी भीषण जगह क्यों लेकर आए ?”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H175, G2

हिजकिय्याह

परिभाषा:

हिजकिय्याह यहूदा राज्य का तेरहवां राजा था। वह परमेश्वर को माननेवाला और परमेश्वर का आज्ञाकारी था।

- अपने पिता दुष्ट राजा आहाज के विपरीत हिजकिय्याह भला राजा था, उसने यहूदा राज्य में से मूर्तियों को ध्वंस कर दिया था।
- हिजकिय्याह बहुत रोगग्रस्त हो गया था और मरने पर था, उसने परमेश्वर से विनती की कि उसे जीवनदान दे। परमेश्वर ने उसे जीवन दान दिया और उसकी आयु को पन्द्रह वर्ष बढ़ा दिया।
- हिजकिय्याह के लिए अपने वचन को सत्य सिद्ध करने हेतु परमेश्वर ने यह आश्चर्यकर्म किया और समय को पीछे कर दिया।
- अपनी प्रजा को अश्शूरी राजा सन्हेरीब से बचाने के लिए हिजकिय्याह ने परमेश्वर से प्रार्थना की थी और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना सुनी।

(यह भी देखें: अहाज, अश्शूर, मूर्ति, यहूदा, सन्हेरीब)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 03:13-14
- 2 राजा 16:19-20
- होशे 01:1-2

- मत्ती 01:9-11
- नीतिवचन 25:1-3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2396, H3169, G1478

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16

- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
- कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- निर्गमन 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- भजन संहिता 147:15-16
- प्रकाशितवाक्य 01:14-16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हृदय, मन

परिभाषा:

शब्द "हृदय" आंतरिक शारीरिक अंग को संदर्भित करता है जो लोगों और पशुओं में पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। हालाँकि, बाइबल में “हृदय” शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्य के विचारों, भावनाओं इच्छाओं और लालसाओं के लिए काम में लिया गया है।

- “कठोर मन” एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति हठपूर्वक परमेश्वर को मानने से इंकार करता है।
- “अपने पूरे हृदय से” या “मेरे पूरे मन से” अर्थात बिना आरक्षण, संपूर्ण समर्पण एवं इच्छा से।
- “मन में बसा लेना” अर्थात किसी बात को गंभीरता से लेते हुए जीवन में आत्मसात कर लेना।
- “दिल टूटना” अर्थात एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बहुत दुखी है। वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से बहुत आहत हुआ है।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ भाषाओं में विचारों के लिए “पेट” या “कलेजा” जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में एक विचार के लिए एक शब्द दूसरे विचार के लिए दूसरा शब्द काम में लिया जाता है।
- यदि “हृदय” या अन्य दैहिक अंग इस अर्थ को व्यक्त नहीं कर पाते तो उन भाषाओं में सीधा-सीधा “विचार” या “भावना” या “इच्छा” शब्द काम में लिया जाए।
- प्रकरण के अनुसार “मेरे पूरे हृदय से” या “मेरे संपूर्ण मन से”, या इन उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “मेरी पूर्ण शक्ति से” या “पूर्ण समर्पण के साथ” या “पूर्णतः” या “पूर्ण समर्पण के साथ”।
- “मन से” का अनुवाद हो सकता है, “गंभीरता से व्यवहार करना” या “सावधानीपूर्वक विचार करना”।
- “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है “हठ के साथ विद्रोह करना” या “आज्ञा पालन से इन्कार करना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना”
- “हृदय टूटना” अर्थात् “गहरा दुःख होना”।

(यह भी देखें: कठिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:16-18
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 15:7-9
- लूका 08:14-15
- मरकुस 02:5-7
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 22:37-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

हृदय, मन

परिभाषा:

शब्द "हृदय" आंतरिक शारीरिक अंग को संदर्भित करता है जो लोगों और पशुओं में पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। हालाँकि, बाइबल में “हृदय” शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्य के विचारों, भावनाओं इच्छाओं और लालसाओं के लिए काम में लिया गया है।

- “कठोर मन” एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति हठपूर्वक परमेश्वर को मानने से इंकार करता है।
- “अपने पूरे हृदय से” या “मेरे पूरे मन से” अर्थात बिना आरक्षण, संपूर्ण समर्पण एवं इच्छा से।
- “मन में बसा लेना” अर्थात किसी बात को गंभीरता से लेते हुए जीवन में आत्मसात कर लेना।
- “दिल टूटना” अर्थात एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बहुत दुखी है। वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से बहुत आहत हुआ है।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ भाषाओं में विचारों के लिए “पेट” या “कलेजा” जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में एक विचार के लिए एक शब्द दूसरे विचार के लिए दूसरा शब्द काम में लिया जाता है।
- यदि “हृदय” या अन्य दैहिक अंग इस अर्थ को व्यक्त नहीं कर पाते तो उन भाषाओं में सीधा-सीधा “विचार” या “भावना” या “इच्छा” शब्द काम में लिया जाए।
- प्रकरण के अनुसार “मेरे पूरे हृदय से” या “मेरे संपूर्ण मन से”, या इन उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “मेरी पूर्ण शक्ति से” या “पूर्ण समर्पण के साथ” या “पूर्णतः” या “पूर्ण समर्पण के साथ”।
- “मन से” का अनुवाद हो सकता है, “गंभीरता से व्यवहार करना” या “सावधानीपूर्वक विचार करना”।
- “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है “हठ के साथ विद्रोह करना” या “आज्ञा पालन से इन्कार करना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना”
- “हृदय टूटना” अर्थात् “गहरा दुःख होना”।

(यह भी देखें: कठिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:16-18
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 15:7-9
- लूका 08:14-15
- मरकुस 02:5-7
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 22:37-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

हृदय, मन

परिभाषा:

शब्द "हृदय" आंतरिक शारीरिक अंग को संदर्भित करता है जो लोगों और पशुओं में पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। हालाँकि, बाइबल में “हृदय” शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्य के विचारों, भावनाओं इच्छाओं और लालसाओं के लिए काम में लिया गया है।

- “कठोर मन” एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति हठपूर्वक परमेश्वर को मानने से इंकार करता है।
- “अपने पूरे हृदय से” या “मेरे पूरे मन से” अर्थात बिना आरक्षण, संपूर्ण समर्पण एवं इच्छा से।
- “मन में बसा लेना” अर्थात किसी बात को गंभीरता से लेते हुए जीवन में आत्मसात कर लेना।
- “दिल टूटना” अर्थात एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बहुत दुखी है। वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से बहुत आहत हुआ है।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ भाषाओं में विचारों के लिए “पेट” या “कलेजा” जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में एक विचार के लिए एक शब्द दूसरे विचार के लिए दूसरा शब्द काम में लिया जाता है।
- यदि “हृदय” या अन्य दैहिक अंग इस अर्थ को व्यक्त नहीं कर पाते तो उन भाषाओं में सीधा-सीधा “विचार” या “भावना” या “इच्छा” शब्द काम में लिया जाए।
- प्रकरण के अनुसार “मेरे पूरे हृदय से” या “मेरे संपूर्ण मन से”, या इन उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “मेरी पूर्ण शक्ति से” या “पूर्ण समर्पण के साथ” या “पूर्णतः” या “पूर्ण समर्पण के साथ”।
- “मन से” का अनुवाद हो सकता है, “गंभीरता से व्यवहार करना” या “सावधानीपूर्वक विचार करना”।
- “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है “हठ के साथ विद्रोह करना” या “आज्ञा पालन से इन्कार करना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना”
- “हृदय टूटना” अर्थात् “गहरा दुःख होना”।

(यह भी देखें: कठिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:16-18
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 15:7-9
- लूका 08:14-15
- मरकुस 02:5-7
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 22:37-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

हृदय, मन

परिभाषा:

शब्द "हृदय" आंतरिक शारीरिक अंग को संदर्भित करता है जो लोगों और पशुओं में पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। हालाँकि, बाइबल में “हृदय” शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्य के विचारों, भावनाओं इच्छाओं और लालसाओं के लिए काम में लिया गया है।

- “कठोर मन” एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति हठपूर्वक परमेश्वर को मानने से इंकार करता है।

- “अपने पूरे हृदय से” या “मेरे पूरे मन से” अर्थात बिना आरक्षण, संपूर्ण समर्पण एवं इच्छा से।
- “मन में बसा लेना” अर्थात किसी बात को गंभीरता से लेते हुए जीवन में आत्मसात कर लेना।
- “दिल टूटना” अर्थात एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बहुत दुखी है। वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से बहुत आहत हुआ है।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ भाषाओं में विचारों के लिए “पेट” या “कलेजा” जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में एक विचार के लिए एक शब्द दूसरे विचार के लिए दूसरा शब्द काम में लिया जाता है।
- यदि “हृदय” या अन्य दैहिक अंग इस अर्थ को व्यक्त नहीं कर पाते तो उन भाषाओं में सीधा-सीधा “विचार” या “भावना” या “इच्छा” शब्द काम में लिया जाए।
- प्रकरण के अनुसार “मेरे पूरे हृदय से” या “मेरे संपूर्ण मन से”, या इन उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “मेरी पूर्ण शक्ति से” या “पूर्ण समर्पण के साथ” या “पूर्णतः” या “पूर्ण समर्पण के साथ”।
- “मन से” का अनुवाद हो सकता है, “गंभीरता से व्यवहार करना” या “सावधानीपूर्वक विचार करना”।
- “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है “हठ के साथ विद्रोह करना” या “आज्ञा पालन से इन्कार करना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना”
- “हृदय टूटना” अर्थात् “गहरा दुःख होना”।

(यह भी देखें: कठिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:16-18
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 15:7-9
- लूका 08:14-15
- मरकुस 02:5-7
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 22:37-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

हृदय, मन

परिभाषा:

शब्द "हृदय" आंतरिक शारीरिक अंग को संदर्भित करता है जो लोगों और पशुओं में पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। हालाँकि, बाइबल में “हृदय” शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्य के विचारों, भावनाओं इच्छाओं और लालसाओं के लिए काम में लिया गया है।

- “कठोर मन” एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति हठपूर्वक परमेश्वर को मानने से इंकार करता है।
- “अपने पूरे हृदय से” या “मेरे पूरे मन से” अर्थात बिना आरक्षण, संपूर्ण समर्पण एवं इच्छा से।
- “मन में बसा लेना” अर्थात किसी बात को गंभीरता से लेते हुए जीवन में आत्मसात कर लेना।
- “दिल टूटना” अर्थात एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बहुत दुखी है। वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से बहुत आहत हुआ है।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ भाषाओं में विचारों के लिए “पेट” या “कलेजा” जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में एक विचार के लिए एक शब्द दूसरे विचार के लिए दूसरा शब्द काम में लिया जाता है।
- यदि “हृदय” या अन्य दैहिक अंग इस अर्थ को व्यक्त नहीं कर पाते तो उन भाषाओं में सीधा-सीधा “विचार” या “भावना” या “इच्छा” शब्द काम में लिया जाए।
- प्रकरण के अनुसार “मेरे पूरे हृदय से” या “मेरे संपूर्ण मन से”, या इन उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “मेरी पूर्ण शक्ति से” या “पूर्ण समर्पण के साथ” या “पूर्णतः” या “पूर्ण समर्पण के साथ”।
- “मन से” का अनुवाद हो सकता है, “गंभीरता से व्यवहार करना” या “सावधानीपूर्वक विचार करना”।

- “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है “हठ के साथ विद्रोह करना” या “आज्ञा पालन से इन्कार करना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना”
- “हृदय टूटना” अर्थात् “गहरा दुःख होना”।

(यह भी देखें: कठिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:16-18
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 15:7-9
- लूका 08:14-15
- मरकुस 02:5-7
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 22:37-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

हृदय, मन

परिभाषा:

शब्द "हृदय" आंतरिक शारीरिक अंग को संदर्भित करता है जो लोगों और पशुओं में पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। हालाँकि, बाइबल में “हृदय” शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्य के विचारों, भावनाओं इच्छाओं और लालसाओं के लिए काम में लिया गया है।

- “कठोर मन” एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति हठपूर्वक परमेश्वर को मानने से इंकार करता है।
- “अपने पूरे हृदय से” या “मेरे पूरे मन से” अर्थात बिना आरक्षण, संपूर्ण समर्पण एवं इच्छा से।
- “मन में बसा लेना” अर्थात किसी बात को गंभीरता से लेते हुए जीवन में आत्मसात कर लेना।
- “दिल टूटना” अर्थात एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बहुत दुखी है। वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से बहुत आहत हुआ है।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ भाषाओं में विचारों के लिए “पेट” या “कलेजा” जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में एक विचार के लिए एक शब्द दूसरे विचार के लिए दूसरा शब्द काम में लिया जाता है।
- यदि “हृदय” या अन्य दैहिक अंग इस अर्थ को व्यक्त नहीं कर पाते तो उन भाषाओं में सीधा-सीधा “विचार” या “भावना” या “इच्छा” शब्द काम में लिया जाए।
- प्रकरण के अनुसार “मेरे पूरे हृदय से” या “मेरे संपूर्ण मन से”, या इन उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “मेरी पूर्ण शक्ति से” या “पूर्ण समर्पण के साथ” या “पूर्णतः” या “पूर्ण समर्पण के साथ”।
- “मन से” का अनुवाद हो सकता है, “गंभीरता से व्यवहार करना” या “सावधानीपूर्वक विचार करना”।
- “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है “हठ के साथ विद्रोह करना” या “आज्ञा पालन से इन्कार करना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना”
- “हृदय टूटना” अर्थात् “गहरा दुःख होना”।

(यह भी देखें: कठिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:16-18
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 15:7-9
- लूका 08:14-15

- मरकुस 02:5-7
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 22:37-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

हृदय, मन

परिभाषा:

शब्द "हृदय" आंतरिक शारीरिक अंग को संदर्भित करता है जो लोगों और पशुओं में पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। हालाँकि, बाइबल में “हृदय” शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्य के विचारों, भावनाओं इच्छाओं और लालसाओं के लिए काम में लिया गया है।

- “कठोर मन” एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति हठपूर्वक परमेश्वर को मानने से इंकार करता है।
- “अपने पूरे हृदय से” या “मेरे पूरे मन से” अर्थात बिना आरक्षण, संपूर्ण समर्पण एवं इच्छा से।
- “मन में बसा लेना” अर्थात किसी बात को गंभीरता से लेते हुए जीवन में आत्मसात कर लेना।
- “दिल टूटना” अर्थात एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बहुत दुखी है। वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से बहुत आहत हुआ है।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ भाषाओं में विचारों के लिए “पेट” या “कलेजा” जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में एक विचार के लिए एक शब्द दूसरे विचार के लिए दूसरा शब्द काम में लिया जाता है।
- यदि “हृदय” या अन्य दैहिक अंग इस अर्थ को व्यक्त नहीं कर पाते तो उन भाषाओं में सीधा-सीधा “विचार” या “भावना” या “इच्छा” शब्द काम में लिया जाए।
- प्रकरण के अनुसार “मेरे पूरे हृदय से” या “मेरे संपूर्ण मन से”, या इन उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “मेरी पूर्ण शक्ति से” या “पूर्ण समर्पण के साथ” या “पूर्णतः” या “पूर्ण समर्पण के साथ”।
- “मन से” का अनुवाद हो सकता है, “गंभीरता से व्यवहार करना” या “सावधानीपूर्वक विचार करना”।
- “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है “हठ के साथ विद्रोह करना” या “आज्ञा पालन से इन्कार करना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना”
- “हृदय टूटना” अर्थात् “गहरा दुःख होना”।

(यह भी देखें: कठिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:16-18
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 15:7-9
- लूका 08:14-15
- मरकुस 02:5-7
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 22:37-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

हृदय, मन

परिभाषा:

शब्द "हृदय" आंतरिक शारीरिक अंग को संदर्भित करता है जो लोगों और पशुओं में पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। हालाँकि, बाइबल में “हृदय” शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्य के विचारों, भावनाओं इच्छाओं और लालसाओं के लिए काम में लिया गया है।

- “कठोर मन” एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति हठपूर्वक परमेश्वर को मानने से इंकार करता है।
- “अपने पूरे हृदय से” या “मेरे पूरे मन से” अर्थात बिना आरक्षण, संपूर्ण समर्पण एवं इच्छा से।
- “मन में बसा लेना” अर्थात किसी बात को गंभीरता से लेते हुए जीवन में आत्मसात कर लेना।
- “दिल टूटना” अर्थात एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बहुत दुखी है। वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से बहुत आहत हुआ है।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ भाषाओं में विचारों के लिए “पेट” या “कलेजा” जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में एक विचार के लिए एक शब्द दूसरे विचार के लिए दूसरा शब्द काम में लिया जाता है।
- यदि “हृदय” या अन्य दैहिक अंग इस अर्थ को व्यक्त नहीं कर पाते तो उन भाषाओं में सीधा-सीधा “विचार” या “भावना” या “इच्छा” शब्द काम में लिया जाए।
- प्रकरण के अनुसार “मेरे पूरे हृदय से” या “मेरे संपूर्ण मन से”, या इन उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “मेरी पूर्ण शक्ति से” या “पूर्ण समर्पण के साथ” या “पूर्णतः” या “पूर्ण समर्पण के साथ”।
- “मन से” का अनुवाद हो सकता है, “गंभीरता से व्यवहार करना” या “सावधानीपूर्वक विचार करना”।
- “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है “हठ के साथ विद्रोह करना” या “आज्ञा पालन से इन्कार करना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना”
- “हृदय टूटना” अर्थात् “गहरा दुःख होना”।

(यह भी देखें: कठिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:16-18
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 15:7-9
- लूका 08:14-15
- मरकुस 02:5-7
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 22:37-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

हृदय, मन

परिभाषा:

शब्द "हृदय" आंतरिक शारीरिक अंग को संदर्भित करता है जो लोगों और पशुओं में पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। हालाँकि, बाइबल में “हृदय” शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्य के विचारों, भावनाओं इच्छाओं और लालसाओं के लिए काम में लिया गया है।

- “कठोर मन” एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति हठपूर्वक परमेश्वर को मानने से इंकार करता है।
- “अपने पूरे हृदय से” या “मेरे पूरे मन से” अर्थात बिना आरक्षण, संपूर्ण समर्पण एवं इच्छा से।
- “मन में बसा लेना” अर्थात किसी बात को गंभीरता से लेते हुए जीवन में आत्मसात कर लेना।
- “दिल टूटना” अर्थात एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बहुत दुखी है। वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से बहुत आहत हुआ है।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

अनुवाद के सुझाव

- कुछ भाषाओं में विचारों के लिए “पेट” या “कलेजा” जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में एक विचार के लिए एक शब्द दूसरे विचार के लिए दूसरा शब्द काम में लिया जाता है।
- यदि “हृदय” या अन्य दैहिक अंग इस अर्थ को व्यक्त नहीं कर पाते तो उन भाषाओं में सीधा-सीधा “विचार” या “भावना” या “इच्छा” शब्द काम में लिया जाए।
- प्रकरण के अनुसार “मेरे पूरे हृदय से” या “मेरे संपूर्ण मन से”, या इन उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “मेरी पूर्ण शक्ति से” या “पूर्ण समर्पण के साथ” या “पूर्णतः” या “पूर्ण समर्पण के साथ”।
- “मन से” का अनुवाद हो सकता है, “गंभीरता से व्यवहार करना” या “सावधानीपूर्वक विचार करना”।
- “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है “हठ के साथ विद्रोह करना” या “आज्ञा पालन से इन्कार करना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना”
- “हृदय टूटना” अर्थात् “गहरा दुःख होना”।

(यह भी देखें: कठिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:16-18
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 15:7-9
- लूका 08:14-15
- मरकुस 02:5-7
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 22:37-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

हृदय, मन

परिभाषा:

शब्द "हृदय" आंतरिक शारीरिक अंग को संदर्भित करता है जो लोगों और पशुओं में पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। हालाँकि, बाइबल में “हृदय” शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्य के विचारों, भावनाओं इच्छाओं और लालसाओं के लिए काम में लिया गया है।

- “कठोर मन” एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति हठपूर्वक परमेश्वर को मानने से इंकार करता है।
- “अपने पूरे हृदय से” या “मेरे पूरे मन से” अर्थात बिना आरक्षण, संपूर्ण समर्पण एवं इच्छा से।
- “मन में बसा लेना” अर्थात किसी बात को गंभीरता से लेते हुए जीवन में आत्मसात कर लेना।
- “दिल टूटना” अर्थात एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बहुत दुखी है। वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से बहुत आहत हुआ है।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ भाषाओं में विचारों के लिए “पेट” या “कलेजा” जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में एक विचार के लिए एक शब्द दूसरे विचार के लिए दूसरा शब्द काम में लिया जाता है।
- यदि “हृदय” या अन्य दैहिक अंग इस अर्थ को व्यक्त नहीं कर पाते तो उन भाषाओं में सीधा-सीधा “विचार” या “भावना” या “इच्छा” शब्द काम में लिया जाए।
- प्रकरण के अनुसार “मेरे पूरे हृदय से” या “मेरे संपूर्ण मन से”, या इन उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “मेरी पूर्ण शक्ति से” या “पूर्ण समर्पण के साथ” या “पूर्णतः” या “पूर्ण समर्पण के साथ”।
- “मन से” का अनुवाद हो सकता है, “गंभीरता से व्यवहार करना” या “सावधानीपूर्वक विचार करना”।
- “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है “हठ के साथ विद्रोह करना” या “आज्ञा पालन से इन्कार करना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना”
- “हृदय टूटना” अर्थात् “गहरा दुःख होना”।

(यह भी देखें: कठिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:16-18
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 15:7-9
- लूका 08:14-15
- मरकुस 02:5-7
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 22:37-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

हृदय, मन

परिभाषा:

शब्द "हृदय" आंतरिक शारीरिक अंग को संदर्भित करता है जो लोगों और पशुओं में पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। हालाँकि, बाइबल में “हृदय” शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्य के विचारों, भावनाओं इच्छाओं और लालसाओं के लिए काम में लिया गया है।

- “कठोर मन” एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति हठपूर्वक परमेश्वर को मानने से इंकार करता है।
- “अपने पूरे हृदय से” या “मेरे पूरे मन से” अर्थात बिना आरक्षण, संपूर्ण समर्पण एवं इच्छा से।
- “मन में बसा लेना” अर्थात किसी बात को गंभीरता से लेते हुए जीवन में आत्मसात कर लेना।
- “दिल टूटना” अर्थात एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बहुत दुखी है। वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से बहुत आहत हुआ है।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ भाषाओं में विचारों के लिए “पेट” या “कलेजा” जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में एक विचार के लिए एक शब्द दूसरे विचार के लिए दूसरा शब्द काम में लिया जाता है।
- यदि “हृदय” या अन्य दैहिक अंग इस अर्थ को व्यक्त नहीं कर पाते तो उन भाषाओं में सीधा-सीधा “विचार” या “भावना” या “इच्छा” शब्द काम में लिया जाए।
- प्रकरण के अनुसार “मेरे पूरे हृदय से” या “मेरे संपूर्ण मन से”, या इन उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “मेरी पूर्ण शक्ति से” या “पूर्ण समर्पण के साथ” या “पूर्णतः” या “पूर्ण समर्पण के साथ”।
- “मन से” का अनुवाद हो सकता है, “गंभीरता से व्यवहार करना” या “सावधानीपूर्वक विचार करना”।
- “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है “हठ के साथ विद्रोह करना” या “आज्ञा पालन से इन्कार करना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना”
- “हृदय टूटना” अर्थात् “गहरा दुःख होना”।

(यह भी देखें: कठिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:16-18
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 15:7-9
- लूका 08:14-15
- मरकुस 02:5-7
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 22:37-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

हृदय, मन

परिभाषा:

शब्द "हृदय" आंतरिक शारीरिक अंग को संदर्भित करता है जो लोगों और पशुओं में पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। हालाँकि, बाइबल में “हृदय” शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्य के विचारों, भावनाओं इच्छाओं और लालसाओं के लिए काम में लिया गया है।

- “कठोर मन” एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति हठपूर्वक परमेश्वर को मानने से इंकार करता है।
- “अपने पूरे हृदय से” या “मेरे पूरे मन से” अर्थात बिना आरक्षण, संपूर्ण समर्पण एवं इच्छा से।
- “मन में बसा लेना” अर्थात किसी बात को गंभीरता से लेते हुए जीवन में आत्मसात कर लेना।
- “दिल टूटना” अर्थात एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बहुत दुखी है। वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से बहुत आहत हुआ है।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ भाषाओं में विचारों के लिए “पेट” या “कलेजा” जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में एक विचार के लिए एक शब्द दूसरे विचार के लिए दूसरा शब्द काम में लिया जाता है।
- यदि “हृदय” या अन्य दैहिक अंग इस अर्थ को व्यक्त नहीं कर पाते तो उन भाषाओं में सीधा-सीधा “विचार” या “भावना” या “इच्छा” शब्द काम में लिया जाए।
- प्रकरण के अनुसार “मेरे पूरे हृदय से” या “मेरे संपूर्ण मन से”, या इन उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “मेरी पूर्ण शक्ति से” या “पूर्ण समर्पण के साथ” या “पूर्णतः” या “पूर्ण समर्पण के साथ”।
- “मन से” का अनुवाद हो सकता है, “गंभीरता से व्यवहार करना” या “सावधानीपूर्वक विचार करना”।
- “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है “हठ के साथ विद्रोह करना” या “आज्ञा पालन से इन्कार करना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना”
- “हृदय टूटना” अर्थात् “गहरा दुःख होना”।

(यह भी देखें: कठिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:16-18
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 15:7-9
- लूका 08:14-15
- मरकुस 02:5-7
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 22:37-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

हृदय, मन

परिभाषा:

शब्द "हृदय" आंतरिक शारीरिक अंग को संदर्भित करता है जो लोगों और पशुओं में पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। हालाँकि, बाइबल में “हृदय” शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्य के विचारों, भावनाओं इच्छाओं और लालसाओं के लिए काम में लिया गया है।

- “कठोर मन” एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति हठपूर्वक परमेश्वर को मानने से इंकार करता है।

- “अपने पूरे हृदय से” या “मेरे पूरे मन से” अर्थात बिना आरक्षण, संपूर्ण समर्पण एवं इच्छा से।
- “मन में बसा लेना” अर्थात किसी बात को गंभीरता से लेते हुए जीवन में आत्मसात कर लेना।
- “दिल टूटना” अर्थात एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बहुत दुखी है। वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से बहुत आहत हुआ है।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ भाषाओं में विचारों के लिए “पेट” या “कलेजा” जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में एक विचार के लिए एक शब्द दूसरे विचार के लिए दूसरा शब्द काम में लिया जाता है।
- यदि “हृदय” या अन्य दैहिक अंग इस अर्थ को व्यक्त नहीं कर पाते तो उन भाषाओं में सीधा-सीधा “विचार” या “भावना” या “इच्छा” शब्द काम में लिया जाए।
- प्रकरण के अनुसार “मेरे पूरे हृदय से” या “मेरे संपूर्ण मन से”, या इन उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “मेरी पूर्ण शक्ति से” या “पूर्ण समर्पण के साथ” या “पूर्णतः” या “पूर्ण समर्पण के साथ”।
- “मन से” का अनुवाद हो सकता है, “गंभीरता से व्यवहार करना” या “सावधानीपूर्वक विचार करना”।
- “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है “हठ के साथ विद्रोह करना” या “आज्ञा पालन से इन्कार करना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना”
- “हृदय टूटना” अर्थात् “गहरा दुःख होना”।

(यह भी देखें: कठिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:16-18
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 15:7-9
- लूका 08:14-15
- मरकुस 02:5-7
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 22:37-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

हृदय, मन

परिभाषा:

शब्द "हृदय" आंतरिक शारीरिक अंग को संदर्भित करता है जो लोगों और पशुओं में पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। हालाँकि, बाइबल में “हृदय” शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्य के विचारों, भावनाओं इच्छाओं और लालसाओं के लिए काम में लिया गया है।

- “कठोर मन” एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति हठपूर्वक परमेश्वर को मानने से इंकार करता है।
- “अपने पूरे हृदय से” या “मेरे पूरे मन से” अर्थात बिना आरक्षण, संपूर्ण समर्पण एवं इच्छा से।
- “मन में बसा लेना” अर्थात किसी बात को गंभीरता से लेते हुए जीवन में आत्मसात कर लेना।
- “दिल टूटना” अर्थात एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बहुत दुखी है। वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से बहुत आहत हुआ है।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ भाषाओं में विचारों के लिए “पेट” या “कलेजा” जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में एक विचार के लिए एक शब्द दूसरे विचार के लिए दूसरा शब्द काम में लिया जाता है।
- यदि “हृदय” या अन्य दैहिक अंग इस अर्थ को व्यक्त नहीं कर पाते तो उन भाषाओं में सीधा-सीधा “विचार” या “भावना” या “इच्छा” शब्द काम में लिया जाए।
- प्रकरण के अनुसार “मेरे पूरे हृदय से” या “मेरे संपूर्ण मन से”, या इन उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “मेरी पूर्ण शक्ति से” या “पूर्ण समर्पण के साथ” या “पूर्णतः” या “पूर्ण समर्पण के साथ”।
- “मन से” का अनुवाद हो सकता है, “गंभीरता से व्यवहार करना” या “सावधानीपूर्वक विचार करना”।

- “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है “हठ के साथ विद्रोह करना” या “आज्ञा पालन से इन्कार करना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना”
- “हृदय टूटना” अर्थात् “गहरा दुःख होना”।

(यह भी देखें: कठिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:16-18
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 15:7-9
- लूका 08:14-15
- मरकुस 02:5-7
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 22:37-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

हृदय, मन

परिभाषा:

शब्द "हृदय" आंतरिक शारीरिक अंग को संदर्भित करता है जो लोगों और पशुओं में पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। हालाँकि, बाइबल में “हृदय” शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्य के विचारों, भावनाओं इच्छाओं और लालसाओं के लिए काम में लिया गया है।

- “कठोर मन” एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति हठपूर्वक परमेश्वर को मानने से इंकार करता है।
- “अपने पूरे हृदय से” या “मेरे पूरे मन से” अर्थात बिना आरक्षण, संपूर्ण समर्पण एवं इच्छा से।
- “मन में बसा लेना” अर्थात किसी बात को गंभीरता से लेते हुए जीवन में आत्मसात कर लेना।
- “दिल टूटना” अर्थात एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बहुत दुखी है। वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से बहुत आहत हुआ है।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ भाषाओं में विचारों के लिए “पेट” या “कलेजा” जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में एक विचार के लिए एक शब्द दूसरे विचार के लिए दूसरा शब्द काम में लिया जाता है।
- यदि “हृदय” या अन्य दैहिक अंग इस अर्थ को व्यक्त नहीं कर पाते तो उन भाषाओं में सीधा-सीधा “विचार” या “भावना” या “इच्छा” शब्द काम में लिया जाए।
- प्रकरण के अनुसार “मेरे पूरे हृदय से” या “मेरे संपूर्ण मन से”, या इन उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “मेरी पूर्ण शक्ति से” या “पूर्ण समर्पण के साथ” या “पूर्णतः” या “पूर्ण समर्पण के साथ”।
- “मन से” का अनुवाद हो सकता है, “गंभीरता से व्यवहार करना” या “सावधानीपूर्वक विचार करना”।
- “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है “हठ के साथ विद्रोह करना” या “आज्ञा पालन से इन्कार करना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना”
- “हृदय टूटना” अर्थात् “गहरा दुःख होना”।

(यह भी देखें: कठिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 03:16-18
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
- प्रे.का. 08:20-23
- प्रे.का. 15:7-9
- लूका 08:14-15

- मरकुस 02:5-7
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 22:37-38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

हेरोदियास

तथ्य:

हेरोदियास यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के समय में यहूदिया के हेरोदेस अन्तिपास की पत्नी थी।

- हेरोदियास वास्तव में अन्तिपास के भाई फिलिप की पत्नी थी परन्तु अवैध विवाह करके वह हेरोदेस अन्तिपास के साथ आ गई थी।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला हेरोदेस और हेरोदियास को उनके अवैध विवाह के लिए झिड़कता था। इस कारण हेरोदेस ने यूहन्ना को बन्दी बना लिया था और बाद में उसका सिर कटवा दिया।

(यह भी देखें: हेरोदेस अन्तिपास, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 03:18-20
- मरकुस 06:16-17
- मरकुस 06:21-22
- मत्ती 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2266

हेरोदियास

तथ्य:

हेरोदियास यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के समय में यहूदिया के हेरोदेस अन्तिपास की पत्नी थी।

- हेरोदियास वास्तव में अन्तिपास के भाई फिलिप की पत्नी थी परन्तु अवैध विवाह करके वह हेरोदेस अन्तिपास के साथ आ गई थी।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला हेरोदेस और हेरोदियास को उनके अवैध विवाह के लिए झिड़कता था। इस कारण हेरोदेस ने यूहन्ना को बन्दी बना लिया था और बाद में उसका सिर कटवा दिया।

(यह भी देखें: हेरोदेस अन्तिपास, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 03:18-20
- मरकुस 06:16-17
- मरकुस 06:21-22
- मत्ती 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2266

हेरोदियास

तथ्य:

हेरोदियास यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के समय में यहूदिया के हेरोदेस अन्तिपास की पत्नी थी।

- हेरोदियास वास्तव में अन्तिपास के भाई फिलिप की पत्नी थी परन्तु अवैध विवाह करके वह हेरोदेस अन्तिपास के साथ आ गई थी।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला हेरोदेस और हेरोदियास को उनके अवैध विवाह के लिए झिड़कता था। इस कारण हेरोदेस ने यूहन्ना को बन्दी बना लिया था और बाद में उसका सिर कटवा दिया।

(यह भी देखें: हेरोदेस अन्तिपास, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 03:18-20
- मरकुस 06:16-17
- मरकुस 06:21-22
- मत्ती 14:3-5

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2266

होमबलि, हवन, अग्निदान

परिभाषा:

“होमबलि” परमेश्वर के समक्ष वेदी पर जलाई जाने वाली बलि। यह बलि मनुष्यों के पाप के प्रायश्चित के लिए थी। इसे “अग्निदान” भी कहते थे।

- इस बलि के पशु प्रायः भेड़ या बकरी थे परन्तु बैल और पक्षी भी चढ़ाए जाते थे।
- त्वचा को छोड़कर संपूर्ण पशु जला दिया जाता था। खाल या त्वचा पुरोहित को दे दी जाती थी।
- परमेश्वर के आदेश के अनुसार यूहदियों को प्रतिदिन दो होमबलि चढ़ानी होती थी।

(यह भी देखें: वेदी, प्रायश्चित, गाय, याजक, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 40:5-7
- उत्पत्ति 08:20-22
- उत्पत्ति 22:1-3
- लैव्यव्यवस्था 03:3-5
- मरकुस 12:32-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H801, H5930, H7133, H8548, G3646

होमबलि, हवन, अग्निदान

परिभाषा:

“होमबलि” परमेश्वर के समक्ष वेदी पर जलाई जाने वाली बलि। यह बलि मनुष्यों के पाप के प्रायश्चित के लिए थी। इसे “अग्निदान” भी कहते थे।

- इस बलि के पशु प्रायः भेड़ या बकरी थे परन्तु बैल और पक्षी भी चढ़ाए जाते थे।
- त्वचा को छोड़कर संपूर्ण पशु जला दिया जाता था। खाल या त्वचा पुरोहित को दे दी जाती थी।
- परमेश्वर के आदेश के अनुसार यूहदियों को प्रतिदिन दो होमबलि चढ़ानी होती थी।

(यह भी देखें: वेदी, प्रायश्चित, गाय, याजक, बलिदान करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 40:5-7
- उत्पत्ति 08:20-22
- उत्पत्ति 22:1-3
- लैव्यव्यवस्था 03:3-5
- मरकुस 12:32-34

शब्द तथ्य:

- Strong's: H801, H5930, H7133, H8548, G3646

होशे

तथ्य:

होशे यीशु से 750 वर्ष पूर्व इस्राएल राज्य में परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता था।

- उसका सेवाकाल अनेक राजाओं के युग में रहा था, यारोबाम, जकर्याह, यातोम, आहाज, होशे, उज्जिय्याह, और हिजकिय्याह।
- होशे को परमेश्वर ने आदेश दिया कि वह एक वैश्या से विवाह कर ले, उसका नाम गोमर था, यद्यपि वह विश्वासघाती थी तौभी परमेश्वर ने उससे प्रेम करने की उसे आज्ञा दी।
- यह परमेश्वर की विश्वासघाती प्रजा के प्रति उसके प्रेम का चित्रण है।
- होशे ने इस्राएलियों के पाप के विरूद्ध भविष्यद्वाणी की थी और उन्हें मूर्ति-पूजा से विमुख होने की चेतावनी दी थी।

(यह भी देखें: अहाज, हिजकिय्याह, होशे, यारोबाम, योताम, उज्जियाह, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 01:1-2
- होशे 01:3-5
- होशे 01:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954, G5617

होशे

तथ्य:

होशे यीशु से 750 वर्ष पूर्व इस्राएल राज्य में परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता था।

- उसका सेवाकाल अनेक राजाओं के युग में रहा था, यारोबाम, जकर्याह, यातोम, आहाज, होशे, उज्जिय्याह, और हिजकिय्याह।
- होशे को परमेश्वर ने आदेश दिया कि वह एक वैश्या से विवाह कर ले, उसका नाम गोमर था, यद्यपि वह विश्वासघाती थी तौभी परमेश्वर ने उससे प्रेम करने की उसे आज्ञा दी।
- यह परमेश्वर की विश्वासघाती प्रजा के प्रति उसके प्रेम का चित्रण है।
- होशे ने इस्राएलियों के पाप के विरूद्ध भविष्यद्वाणी की थी और उन्हें मूर्ति-पूजा से विमुख होने की चेतावनी दी थी।

(यह भी देखें: अहाज, हिजकिय्याह, होशे, यारोबाम, योताम, उज्जियाह, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 01:1-2
- होशे 01:3-5
- होशे 01:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954, G5617

होशे

तथ्य:

होशे यीशु से 750 वर्ष पूर्व इस्राएल राज्य में परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता था।

- उसका सेवाकाल अनेक राजाओं के युग में रहा था, यारोबाम, जकर्याह, यातोम, आहाज, होशे, उज्जियाह, और हिजकिय्याह।
- होशे को परमेश्वर ने आदेश दिया कि वह एक वैश्या से विवाह कर ले, उसका नाम गोमर था, यद्यपि वह विश्वासघाती थी तौभी परमेश्वर ने उससे प्रेम करने की उसे आज्ञा दी।
- यह परमेश्वर की विश्वासघाती प्रजा के प्रति उसके प्रेम का चित्रण है।
- होशे ने इस्राएलियों के पाप के विरूद्ध भविष्यद्वाणी की थी और उन्हें मूर्ति-पूजा से विमुख होने की चेतावनी दी थी।

(यह भी देखें: अहाज, हिजकिय्याह, होशे, यारोबाम, योताम, उज्जियाह, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 01:1-2
- होशे 01:3-5
- होशे 01:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954, G5617

होशे

तथ्य:

होशे यीशु से 750 वर्ष पूर्व इस्राएल राज्य में परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता था।

- उसका सेवाकाल अनेक राजाओं के युग में रहा था, यारोबाम, जकर्याह, यातोम, आहाज, होशे, उज्जियाह, और हिजकिय्याह।
- होशे को परमेश्वर ने आदेश दिया कि वह एक वैश्या से विवाह कर ले, उसका नाम गोमर था, यद्यपि वह विश्वासघाती थी तौभी परमेश्वर ने उससे प्रेम करने की उसे आज्ञा दी।
- यह परमेश्वर की विश्वासघाती प्रजा के प्रति उसके प्रेम का चित्रण है।
- होशे ने इस्राएलियों के पाप के विरूद्ध भविष्यद्वाणी की थी और उन्हें मूर्ति-पूजा से विमुख होने की चेतावनी दी थी।

(यह भी देखें: अहाज, हिजकिय्याह, होशे, यारोबाम, योताम, उज्जियाह, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 01:1-2
- होशे 01:3-5
- होशे 01:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954, G5617

होशे

तथ्य:

होशे यीशु से 750 वर्ष पूर्व इस्राएल राज्य में परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता था।

- उसका सेवाकाल अनेक राजाओं के युग में रहा था, यारोबाम, जकर्याह, यातोम, आहाज, होशे, उज्जियाह, और हिजकिय्याह।
- होशे को परमेश्वर ने आदेश दिया कि वह एक वैश्या से विवाह कर ले, उसका नाम गोमर था, यद्यपि वह विश्वासघाती थी तौभी परमेश्वर ने उससे प्रेम करने की उसे आज्ञा दी।
- यह परमेश्वर की विश्वासघाती प्रजा के प्रति उसके प्रेम का चित्रण है।
- होशे ने इस्राएलियों के पाप के विरूद्ध भविष्यद्वाणी की थी और उन्हें मूर्ति-पूजा से विमुख होने की चेतावनी दी थी।

(यह भी देखें: अहाज, हिजकिय्याह, होशे, यारोबाम, योताम, उज्जियाह, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 01:1-2
- होशे 01:3-5
- होशे 01:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954, G5617

होशे

तथ्य:

होशे यीशु से 750 वर्ष पूर्व इस्राएल राज्य में परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता था।

- उसका सेवाकाल अनेक राजाओं के युग में रहा था, यारोबाम, जकर्याह, यातोम, आहाज, होशे, उज्जिय्याह, और हिजकिय्याह।
- होशे को परमेश्वर ने आदेश दिया कि वह एक वैश्या से विवाह कर ले, उसका नाम गोमर था, यद्यपि वह विश्वासघाती थी तौभी परमेश्वर ने उससे प्रेम करने की उसे आज्ञा दी।
- यह परमेश्वर की विश्वासघाती प्रजा के प्रति उसके प्रेम का चित्रण है।
- होशे ने इस्राएलियों के पाप के विरूद्ध भविष्यद्वाणी की थी और उन्हें मूर्ति-पूजा से विमुख होने की चेतावनी दी थी।

(यह भी देखें: अहाज, हिजकिय्याह, होशे, यारोबाम, योताम, उज्जियाह, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 01:1-2
- होशे 01:3-5
- होशे 01:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954, G5617

होशे

तथ्य:

होशे यीशु से 750 वर्ष पूर्व इस्राएल राज्य में परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता था।

- उसका सेवाकाल अनेक राजाओं के युग में रहा था, यारोबाम, जकर्याह, यातोम, आहाज, होशे, उज्जिय्याह, और हिजकिय्याह।
- होशे को परमेश्वर ने आदेश दिया कि वह एक वैश्या से विवाह कर ले, उसका नाम गोमर था, यद्यपि वह विश्वासघाती थी तौभी परमेश्वर ने उससे प्रेम करने की उसे आज्ञा दी।
- यह परमेश्वर की विश्वासघाती प्रजा के प्रति उसके प्रेम का चित्रण है।
- होशे ने इस्राएलियों के पाप के विरूद्ध भविष्यद्वाणी की थी और उन्हें मूर्ति-पूजा से विमुख होने की चेतावनी दी थी।

(यह भी देखें: अहाज, हिजकिय्याह, होशे, यारोबाम, योताम, उज्जियाह, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 01:1-2
- होशे 01:3-5
- होशे 01:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954, G5617

होशे

तथ्य:

होशे यीशु से 750 वर्ष पूर्व इस्राएल राज्य में परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता था।

- उसका सेवाकाल अनेक राजाओं के युग में रहा था, यारोबाम, जकर्याह, यातोम, आहाज, होशे, उज्जियाह, और हिजकिय्याह।
- होशे को परमेश्वर ने आदेश दिया कि वह एक वैश्या से विवाह कर ले, उसका नाम गोमर था, यद्यपि वह विश्वासघाती थी तौभी परमेश्वर ने उससे प्रेम करने की उसे आज्ञा दी।
- यह परमेश्वर की विश्वासघाती प्रजा के प्रति उसके प्रेम का चित्रण है।
- होशे ने इस्राएलियों के पाप के विरूद्ध भविष्यद्वाणी की थी और उन्हें मूर्ति-पूजा से विमुख होने की चेतावनी दी थी।

(यह भी देखें: अहाज, हिजकिय्याह, होशे, यारोबाम, योताम, उज्जियाह, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 01:1-2
- होशे 01:3-5
- होशे 01:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954, G5617

होशे

तथ्य:

होशे यीशु से 750 वर्ष पूर्व इस्राएल राज्य में परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता था।

- उसका सेवाकाल अनेक राजाओं के युग में रहा था, यारोबाम, जकर्याह, यातोम, आहाज, होशे, उज्जियाह, और हिजकिय्याह।
- होशे को परमेश्वर ने आदेश दिया कि वह एक वैश्या से विवाह कर ले, उसका नाम गोमर था, यद्यपि वह विश्वासघाती थी तौभी परमेश्वर ने उससे प्रेम करने की उसे आज्ञा दी।
- यह परमेश्वर की विश्वासघाती प्रजा के प्रति उसके प्रेम का चित्रण है।
- होशे ने इस्राएलियों के पाप के विरूद्ध भविष्यद्वाणी की थी और उन्हें मूर्ति-पूजा से विमुख होने की चेतावनी दी थी।

(यह भी देखें: अहाज, हिजकिय्याह, होशे, यारोबाम, योताम, उज्जियाह, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 01:1-2
- होशे 01:3-5
- होशे 01:6-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954, G5617

होशे

तथ्य:

होशे इस्राएल के एक राजा का नाम था, वरन पुराने नियम में अनेक पुरुष इस नाम के हुए हैं।

- एला का पुत्र होशे ने इस्राएल पर नौ वर्ष राज किया था, उस समय यहूदा में आहाज तदोपरान्त हिजकिय्याह का राज था।
- नून के पुत्र यहोशू का पूर्वकालिक नाम होशे था। मूसा ने उसका नाम बदलकर यहोशू रखा था जब वह उसे और उसके साथ ग्यारह लोगों को कनान का भेद लेने भेज रहा था।
- मूसा के मरणोपरान्त यहोशू इस्राएलियों को लेकर कनान पर अधिकार करने आया था।
- एक और पुरुष का नाम होशे जो अजज्याह का पुत्र था, वह एप्रैमियों का अगुआ था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

(यह भी देखें: अहाज, कनान, एप्रैम, हिजकिय्याह, यहोशू, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:19-22
- 2 राजा 15:29-31
- 2 राजा 17:1-3
- 2 राजा 18:1-3
- 2 राजा 18:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954

होशे

तथ्य:

होशे इस्राएल के एक राजा का नाम था, वरन पुराने नियम में अनेक पुरुष इस नाम के हुए हैं।

- एला का पुत्र होशे ने इस्राएल पर नौ वर्ष राज किया था, उस समय यहूदा में आहाज तदोपरान्त हिजकिय्याह का राज था।
- नून के पुत्र यहोशू का पूर्वकालिक नाम होशे था। मूसा ने उसका नाम बदलकर यहोशू रखा था जब वह उसे और उसके साथ ग्यारह लोगों को कनान का भेद लेने भेज रहा था।
- मूसा के मरणोपरान्त यहोशू इस्राएलियों को लेकर कनान पर अधिकार करने आया था।
- एक और पुरुष का नाम होशे जो अजज्याह का पुत्र था, वह एप्रैमियों का अगुआ था।

(यह भी देखें: अहाज, कनान, एप्रैम, हिजकिय्याह, यहोशू, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:19-22
- 2 राजा 15:29-31
- 2 राजा 17:1-3
- 2 राजा 18:1-3
- 2 राजा 18:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954

होशे

तथ्य:

होशे इस्राएल के एक राजा का नाम था, वरन पुराने नियम में अनेक पुरुष इस नाम के हुए हैं।

- एला का पुत्र होशे ने इस्राएल पर नौ वर्ष राज किया था, उस समय यहूदा में आहाज तदोपरान्त हिजकिय्याह का राज था।
- नून के पुत्र यहोशू का पूर्वकालिक नाम होशे था। मूसा ने उसका नाम बदलकर यहोशू रखा था जब वह उसे और उसके साथ ग्यारह लोगों को कनान का भेद लेने भेज रहा था।
- मूसा के मरणोपरान्त यहोशू इस्राएलियों को लेकर कनान पर अधिकार करने आया था।
- एक और पुरुष का नाम होशे जो अजज्याह का पुत्र था, वह एप्रैमियों का अगुआ था।

(यह भी देखें: अहाज, कनान, एप्रैम, हिजकिय्याह, यहोशू, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:19-22
- 2 राजा 15:29-31
- 2 राजा 17:1-3

- 2 राजा 18:1-3
- 2 राजा 18:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954

होशे

तथ्य:

होशे इस्राएल के एक राजा का नाम था, वरन पुराने नियम में अनेक पुरुष इस नाम के हुए हैं।

- एला का पुत्र होशे ने इस्राएल पर नौ वर्ष राज किया था, उस समय यहूदा में आहाज तदोपरान्त हिजकिय्याह का राज था।
- नून के पुत्र यहोशू का पूर्वकालिक नाम होशे था। मूसा ने उसका नाम बदलकर यहोशू रखा था जब वह उसे और उसके साथ ग्यारह लोगों को कनान का भेद लेने भेज रहा था।
- मूसा के मरणोपरान्त यहोशू इस्राएलियों को लेकर कनान पर अधिकार करने आया था।
- एक और पुरुष का नाम होशे जो अजज्याह का पुत्र था, वह एप्रैमियों का अगुआ था।

(यह भी देखें: अहाज, कनान, एप्रैम, हिजकिय्याह, यहोशू, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:19-22
- 2 राजा 15:29-31
- 2 राजा 17:1-3
- 2 राजा 18:1-3
- 2 राजा 18:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954

होशे

तथ्य:

होशे इस्राएल के एक राजा का नाम था, वरन पुराने नियम में अनेक पुरुष इस नाम के हुए हैं।

- एला का पुत्र होशे ने इस्राएल पर नौ वर्ष राज किया था, उस समय यहूदा में आहाज तदोपरान्त हिजकिय्याह का राज था।
- नून के पुत्र यहोशू का पूर्वकालिक नाम होशे था। मूसा ने उसका नाम बदलकर यहोशू रखा था जब वह उसे और उसके साथ ग्यारह लोगों को कनान का भेद लेने भेज रहा था।
- मूसा के मरणोपरान्त यहोशू इस्राएलियों को लेकर कनान पर अधिकार करने आया था।
- एक और पुरुष का नाम होशे जो अजज्याह का पुत्र था, वह एप्रैमियों का अगुआ था।

(यह भी देखें: अहाज, कनान, एप्रैम, हिजकिय्याह, यहोशू, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:19-22
- 2 राजा 15:29-31
- 2 राजा 17:1-3
- 2 राजा 18:1-3
- 2 राजा 18:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954

होशे

तथ्य:

होशे इस्राएल के एक राजा का नाम था, वरन पुराने नियम में अनेक पुरुष इस नाम के हुए हैं।

- एला का पुत्र होशे ने इस्राएल पर नौ वर्ष राज किया था, उस समय यहूदा में आहाज तदोपरान्त हिजकिय्याह का राज था।
- नून के पुत्र यहोशू का पूर्वकालिक नाम होशे था। मूसा ने उसका नाम बदलकर यहोशू रखा था जब वह उसे और उसके साथ ग्यारह लोगों को कनान का भेद लेने भेज रहा था।
- मूसा के मरणोपरान्त यहोशू इस्राएलियों को लेकर कनान पर अधिकार करने आया था।
- एक और पुरुष का नाम होशे जो अजज्याह का पुत्र था, वह एप्रैमियों का अगुआ था।

(यह भी देखें: अहाज, कनान, एप्रैम, हिजकिय्याह, यहोशू, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:19-22
- 2 राजा 15:29-31
- 2 राजा 17:1-3
- 2 राजा 18:1-3
- 2 राजा 18:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954

होशे

तथ्य:

होशे इस्राएल के एक राजा का नाम था, वरन पुराने नियम में अनेक पुरुष इस नाम के हुए हैं।

- एला का पुत्र होशे ने इस्राएल पर नौ वर्ष राज किया था, उस समय यहूदा में आहाज तदोपरान्त हिजकिय्याह का राज था।
- नून के पुत्र यहोशू का पूर्वकालिक नाम होशे था। मूसा ने उसका नाम बदलकर यहोशू रखा था जब वह उसे और उसके साथ ग्यारह लोगों को कनान का भेद लेने भेज रहा था।
- मूसा के मरणोपरान्त यहोशू इस्राएलियों को लेकर कनान पर अधिकार करने आया था।
- एक और पुरुष का नाम होशे जो अजज्याह का पुत्र था, वह एप्रैमियों का अगुआ था।

(यह भी देखें: अहाज, कनान, एप्रैम, हिजकिय्याह, यहोशू, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:19-22
- 2 राजा 15:29-31
- 2 राजा 17:1-3
- 2 राजा 18:1-3
- 2 राजा 18:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954

होशे

तथ्य:

होशे इस्राएल के एक राजा का नाम था, वरन पुराने नियम में अनेक पुरुष इस नाम के हुए हैं।

- एला का पुत्र होशे ने इस्राएल पर नौ वर्ष राज किया था, उस समय यहूदा में आहाज तदोपरान्त हिजकिय्याह का राज था।

generated on Wed May 8 05:05:16 2024

- नून के पुत्र यहोशू का पूर्वकालिक नाम होशे था। मूसा ने उसका नाम बदलकर यहोशू रखा था जब वह उसे और उसके साथ ग्यारह लोगों को कनान का भेद लेने भेज रहा था।
- मूसा के मरणोपरान्त यहोशू इस्राएलियों को लेकर कनान पर अधिकार करने आया था।
- एक और पुरुष का नाम होशे जो अजज्याह का पुत्र था, वह एप्रैमियों का अगुआ था।

(यह भी देखें: अहाज, कनान, एप्रैम, हिजकिय्याह, यहोशू, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:19-22
- 2 राजा 15:29-31
- 2 राजा 17:1-3
- 2 राजा 18:1-3
- 2 राजा 18:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954

होशे

तथ्य:

होशे इस्राएल के एक राजा का नाम था, वरन पुराने नियम में अनेक पुरुष इस नाम के हुए हैं।

- एला का पुत्र होशे ने इस्राएल पर नौ वर्ष राज किया था, उस समय यहूदा में आहाज तदोपरान्त हिजकिय्याह का राज था।
- नून के पुत्र यहोशू का पूर्वकालिक नाम होशे था। मूसा ने उसका नाम बदलकर यहोशू रखा था जब वह उसे और उसके साथ ग्यारह लोगों को कनान का भेद लेने भेज रहा था।
- मूसा के मरणोपरान्त यहोशू इस्राएलियों को लेकर कनान पर अधिकार करने आया था।
- एक और पुरुष का नाम होशे जो अजज्याह का पुत्र था, वह एप्रैमियों का अगुआ था।

(यह भी देखें: अहाज, कनान, एप्रैम, हिजकिय्याह, यहोशू, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:19-22
- 2 राजा 15:29-31
- 2 राजा 17:1-3
- 2 राजा 18:1-3
- 2 राजा 18:9-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954

generated on Wed May 8 05:05:16 2024